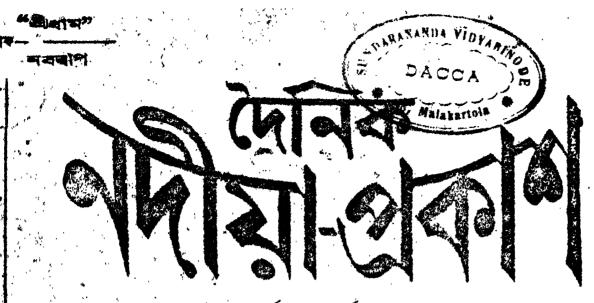


मानारयोक नाज मुक्तिम देन । नायिक ० यामायिक ० देशमायिक ० स्थामायिक ० स्थामायिक २ स्थामायिक ३ स्थामायिक ३ स्थामायिक ३



বৰ্ত্তমান–বাৰ্ত্তাবহ

ভাষ্টেড লক্ষত কল্প-প্রচাহ-নদীরা জেলার একমাত মুখপত

৬৪ বন্ধ বিদ্যাদক প্রী অতীন্দ্রনাথ বলেদ্যাপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি

[ ১ম সংখ্যা

**এ**টিচ্ছনামট শ্লাম আহাপুর– ২০৫৭ ফান্তন বুলবার ১০০৭, এটা আ<del>তি. ১১</del>০১

## ব্**রা কথা** টের সহিত মহাত্রা ১০ ঘটা আলোচ-

6 TE 418

ा मार्ट्स भरगाल दाकानाः गासी जनसाह आंकार्डाः प्रमादक स्टब्स सामान करतम स्था क्षेत्र सामान करतम

ficultail accumulation कारत जकानके अहे मान हरदन *८५, भून*संचित्रन महाका सिक्ट ह्य अक्रमात्री विकि वर्ष दिन सामान स्टान जनानी ন ওয়াৰিং কমিটার পাক चार्र अपनि मुक्त सामान CON FACE BUILTH WILLOW th Lates with Linishing हमा रहे अस्तित अस नारनारकाकः सूर्यः गाकोका DESTRUCTION OF THE PARTY OF THE मा प्रदेश किया। अम्बाध सार्टान गातक कृषियां क्या काराव नारक है जानोक निकारिक नुस्य 

consent finance mail

# বাঙ্গালার প্রতি গান্ধীর বাণী

বড়লাটের সহিত গান্ধী দীর ৩॥০ ঘটা আলোচনা

# গান্ধী আরউইন শান্তি বৈঠক

मञ्चा कर्द्धक निक्रिष्ठ गादिकात मुन्देन छाट्य

# রাষ্ট্রীয়পরিষদের অঞ্চ

श्वज्। विजेमि शिलानि

# বেঙ্গল অভিনান্তে গ্রেপ্তার

विक्रम्भूद्ध खाद्म खाद्म मन

# বোম্বাইনে লবণআইন ভঙ্গ

কাপটের দোকানে পিকেটাং– মাজ জে ই জন গ্রেপ্তার

राजकात क्रम भीमात छन्ने उ इंड्रात भूटबर नार्वक्र एकान शब्द साराटक जनक्रिक मां बादक क्रम्बस शब्दण र

## ৰাক্ষার প্রতি যা**ধী**কীর ভাষী

प्रमा भरिष अरक्षा जिन्ह कारणान मांचा नाचीकी व स्वतिक क्षांकाकी निक्छ सामग्रह क्या मान्य सामी

প্রার্থনা করিয়া চিঠি দিয়াছিলেন। সংক্রো বলিয়াছেন—

"वाजनात कारक जामि नव नारत
लग्न जान क्रिशांक, नितान धुम्मान्य
क्रियांत कान कार्य जामात्र नारे। शामान क्रियांत कार्य
क्रियांत क्रियां क्रियां क्रियांत्र जात्र है। शामान क्रियांत्र क्रियांत्र जात्र है। जात्र है।

नाश्रमात्र कारिःमः विद्यानी वध्यानत हमको नद्यु आणि नितास ह≷ भारे।"

## গান্ধী-আর ট্ইন শান্তি

रेल नेक

বিশাসিপ কার বিকনসিলিকেসনা

ক্রিক্টাতিক নৈত্রী প্রতিষ্ঠার

ক্রিক্টাতিক নৈত্রী প্রতিষ্ঠার

ক্রিক্টাকারী সনিচির নিজক জীয়া জানা

ক্রিক্টাকারী সনিচির নিজক জীয়া জানা

ক্রিক্টাকার করেছে এক জানুন্
পরিবর্তন আমিয়াছে, ভারত ও

কুটেনের মুখ্যে নূহন সম্পর্কে প্রতিভার সম্ভাবনা দেখা দিয়াছে এবং
আশাজনক আবতাওয়া স্প্রী হইন

ক্রিক্টে। এ সময়ে গান্ধী-আরউইন
শান্তি নৈঠকের সাকলা কান্না করা

ক্রিক্টেরা।

विष्ण काल गरेश छेलति छेल विष्णित क्ष्मक निश्चि ध्यां के के रामनान काल, इंग्लेशन माक् मंत्रक रामनान काल, इंग्लेशन माक् मंत्रक रामनान काल, इंग्लेशन माक् मंत्रक विषय कालम करत्रका छम्मिर्दाम्य भारत देशने मध्या छम्मिर्दाम्य श्रीक्षाकारमे क्रिक औक स्टिल्स श्रीकाणामे क्रिक औक स्टिल्स श्रीकाणामे क्रिक औक स्टिल्स श्रीकाणामे क्रिक औक स्टिल्स श्रीकाणामे क्रिक और स्टिल्स स्था माकि इनिसाद क्रिक औष्ण । स्था मिखा क्रिक क्रिका क्रिक और स्वति ही स्था प्रमा माकि इनिसाद क्रिक औष्ण । स्था

পারিব না আমাদের অরবদ্রসমভা আমরাই সমার্থা-, করিব !"--এইরূপ ভোগ-ধারণার বলবতী হইয়া ভীবগণ বর্ত্তমানে যে ভোগ-স্থাকার দেখাইতেছেন, ভাষা কগ-বদিছোরই বিরুদ্ধে বুজ ঘোষণা করা হইতেছে মান্ত্র, উহাতে জীবের আত্মন্তবিতা বা নাজিক ডাই বৃদ্ধি পাইতেছে। ভণাবপ্রপাসনাই। खीरवत अक्साज क्छा, खाशाइ क्लानिक्सित উপর নিউর্ভা ব্যতীত অগৎকে ভোগ বা ত্যাগ কবার কর্ত্ত বলং করা রূপ এইনিকা कात्न छार। बाँठे। जगनवरमनाएक पूथा উদ্দেশ্য করিল, ভদমুক্লে বে-সকল কথা ক্লত হয়, ভাষাতে বর্তমান জগতের অহবস্থাদির সকল সমস্তা অনাথালে 'সম্পাদিত হয়। ভগবংকৈকবেনর নাম 'কুড়েমি' নাই বা 'লাস'ভাবাত্তক শুদ্রতত্ত্ব আবহিন। নাই। দ্যকান্ত্রিয়কে তৎপতির দেবার দর্কতোভাবে বালন করাকে আলভের প্রাস্ত্রর দেওয়া বলে না। একগতে যে অনিতা রক্তমাংস্পিওকে প্রেড় বলিঃ। স্থাকার করিয়া প্রান্ত-ভূতা সংস্ক স্থাপিত হব, ভাহার স্থিত পর**জ**গতেব নিহাপ্রভুর নিহাত্তাৰ এক নহে। এলগতে যাহা হেয়—অমুপাদের, পর ঞ্চতে—-গেলে**ল্ক-বৈকুঠে ভা**লট প্রম छेलातम धनिया श्रीकृष्ठ । ध्व मग्राक्त मध्यात्वाकान (व नका में व वक्षा करबन, काश कश्चाबारमधे निकालिक व्यवः भाषाकाश क्रमें सामान-वक्तात दर्भेनर মাত্র কিন্তু পরজগতের অগ্নিকোতেগণ ্য সাপ্তামিক যুক্ত করেন, ওলাগ व्यवस्य निकाञ्चलगर्यः कुमार्ट्यान 的第一中年十二年第二年前有司司 國際衛門所以第二年 क्षांत्रकाल कराडीन बहेबा त्मबं इक्क के छन-भागास्त्रक क्षात्रंत कविशास्त्रतः छ। वास्त ८५८७१४र्थन-माळ्न, ७ वमहाश्रादाध-निस्ता-भागः ८ स्वः देक ब्रव्ध क्षिका-विक्रदन् । वस्तानम् की वर्व बाननायधिवधन, अकिमाम भूगी: मुन्द्रामन अवर नकाश्वाचनन-अहे नदा प व्यान्क्षांकाष्ट्र पहेंचा को त्वत महास्रामा सम लाना करतनः मश्की छल-यक्त-ता व्हेक होटें। १७ नेव नहां स्टब्स्ट व्हादा मनाव लाई है कारतात्र विकासन्त । बहुत्वह क्या छन्न मुनानिस न्त्राह धानकारण व्यक्ति व्यक्त खेलादर 341414 95141"

८१४७ ११ का १४ 👚 🍅 महीयान शकामा ্ শ্রিভগণান গোচপ্রনারের এই পর্য কল্যাণ্ড यही ७६० के निकासनाची आठात कतिएक ংগিরা অগতের কি মত্ব্শকার সাগন कार्यात्रकन, काका माववानि मुक्कानutinge Genfal faar be teth ! wm-थाय. अभागात 👁 अक्षणाम-एक्शाराच्या Burn. Maria 4 व्यकाम (१८१४ संख्या सम्मन कक्षात्र : अन्य नाविक्षा प्रश्वातीक्ष्यु सदग्र क्षेत्र

a faut টেপ ছিছ BER BENGT कण्डेकाकीर्व कतिवात क्षत्राम किट्टिट्ड. काशासन क किम्बि क्याटक व्यक्ति क्या महोदा- अवादमद अवि লাধান কার্য। "पाय अपन्य चार (श्रम-श्राम्य । क्रह कारणा अनमूत कररम छ।म ॥" भाषछका प्रमान को कडिया अशहर त्राच्या शाम कहेटक भारत सा। खार क्य -मृत्य क्रीकांव काया (यभन (काम-१४)त, ता'ल्(तक्यू'प ८०मन शांब छाग्यन हो त्र अक्रम कार्या , वर्गस्टाइक श्रास्त्रां क निष्टा श्राप्रधान विष्ठ देव काठाए व माक्याकीन देशिक्षी ना कुष्ठेश रक्षा बराज भारत सात्त निक्टणक का क्षेट्रिया नरपुर ग्रहान जातात करावह मञ्जूत कर मात्त "भूत कृत्य गण्यम क्रम्म"---वार्व देवरिकक रिकार न कर्त सहकार व्याधात्रक भाष्य नद्दर्श । अन्तर्भक्षक १०५१ त्व की व कारकारोह राज्याव विशेष-धार्यन सुब्रे कहरक भरादरबल - १ दोलहा मा कार आठार वक्ष दहरान भारत ना। वतर महास्था य राज क्षा भिष्क की न्या भव कार्य करते स्त्र नाम हरा कर ले उन्हें का उन्हें का निर्मा \$101744 LSW-34 + 4 表別 A おおむ、 科 \* /型 しを付け तः कर्ताराहर्षकः-'सन्द्रस्य द्या वर्षक्षत्रः स्ट्राट Atetal form Africacon, acass bearing बीय वकी नानी को उटबंड में बार्सन दल्ल Bleie:

ख्यान कामस्ति । एत्र शतकात **ख**ेलाल स कांत्रदेश । काह संस्थित अवीत नाम वा NO BALLAM ALMINE LANCES INTERES effen, distriben abice alf neon: किर्ण राष्ट्रव विद्रायक्षणात्य विद्यायस्य 1 21 1 32 25 4 2 4 4 4 4 4 2 1- 21 3 1 5- 6 6 1 alais Planten NEUTHON CHAPPA ATECO MITTE win duriend क्षाभागानां व शाल अक्षानां यह वस्त्रम मा ।

with artica 8, 3, 2, 47,41 व्याभीत्व त्यावाव य त्यवातन व्यक्तम भूराक्षर स्थापन, देशनाभारत सामाध्यव कार्याचक को उन्नामन सानास्ट्राक कर्र ortal gratema hanterina entite ्रायाच वार्तात का.साल्य द्वार-सम्दर्भाष नकाला । (व विष्युक्त कांत्रक लाहित ७८७ अञ्च सम्हाता । जन्मा क्षिका निर्मादः यातीत द्वां १८० १ मा छत्र व्यापना सानीर-्टिंड । नवाबा दा नवर्ग ≅क्षेत्रवाटनव ! Ba, file(fri)-fattle-. 智道 · 明明)也 明然行行 कारेत भारतना, का,महासद क्षेत्रदेश देशक लक्ष्मीया भाग धार्माल है से बहुति आमहा सम्बद्ध स्मान क्रांड गाहिन जी, देशक जी क्रांड गा'वटन 'अमास नागित धमन्द्रकाक गातिएकि-वाम कारणा पहित्य ना, किरकी क मकार्य-

शक्ति। (मर्के समीशांदक विनि कामादमक श्वादश व्यक्ताल क्षत्रहेश मध्येत्राञ्चलील श्रीरशीवनामनाम्ब छम्म यत्राहेट्छ नाटवन, चाक दशेदान्डिव-मिन्द्य दम्हे समीवा-প্রকাশক, প্রতিভেত্তবাণীর সাক্ষাৎ মুক্ত विश्रक अधिशामका। भा जी कथनावना चामरा भूमः भूमः नागणि काभम करिया ममीबा-काकारणव निष्ठभते स्मया लार्थना कतिर कि। समीश-व्यक्षण आमारसत अधिक श्रामक करेशा व्यामगरतत सीना दमश अ प कक्षम, मुलार्यक शिक्षक्रदणन आधारकत व्यक्ति व्यमस क्षेत्र। समीता-श्रकारमध रमश्रम नक्षान क्यान, टेन्मन्त्रान क्रमा क्रिस 🖺 में फल:को बारक रमवाश स्वकार अवान कक्षम, वया stw कक्षां आभारत शास्त्र मिट्यमन ।

## প্রীয়েগারজন্ম-বন্দনা

(জীনারারণদান ভবিলাম্রী ভবিল্যুদাকর)

ৰান্দ আংমি পুৰঃ পুৰু: के धन-इत्रन्भन NATHE BINTE TOTAL ये। होते अध्यक्तनाना देवलक्ष-चत्रम मानि. THE RICH RIMING WASHINGS खनद्वत कर्न (भार 带等 吃气气 (台)对对点。 दल्ल नानी दलकरन काल्या 464 WA \$4.74 CON ... CEA BOILE. 464 1634 the mi Tine P

E.C. it city wingertefa ! काञ्चली धुर्भनानी श्रीष दशकि बद्धा व्यवसाल . B DINBESSEK (# !! Wife

·沙葵 有有 有数·制(数· 解職 ) का बनी कृषिना शका। । ध भरवा शका का। Tie maula Elcahete n ार्थ केश आर्थि धून्ड नहा भारत अवस्थान.

्ठोल्य र भारत यक, वर्त्य दार्ट भवरताक.

माधाणुक काक्ष क्रमा । मठोत्र कथन-भारतः वागञ्चा श्रुविध-मारक ८भीडलमा स्था व्यक्तिका ॥

MOCK TONY

दनकाविया भाग श्रम अस्तराक अध्यान ग्रह्मा BILES 494 LACE गव कड़ ७५ देश्हरू,

THE PLANT CALL . THE WEEK पामाभूत-अभ्याम क्षा भाव भोत्रमय-मीना मठोत अञ्चल गुन्ड

फेंटि भश्रमण}कंग. दमन- दम मिलाशिल दसनः ॥ CREA NIE NESTE 역(대 기계 및 중· 8,

दम भ्यानक ना यात्र वर्तन् । ्याच्य विषयुक्तभूदण माठी-कर्गवाक्षा-दक्ताल रम् जिमि मिन् श्रष्ट्रगम्॥

त्योतकम् निश्रविद्या - व्यक्तिक क्रेवरण विका धनु त्रम शर्यनात्रीशला।

काराष्ट्राक क्षत्रज्ञ म উঠে महा दर्भागी गांक क्षेत्र रक्ष गांवि बार्ग ॥ कुक्षद्रमा क्षेत्राशास्त्र अन्निमा-क्षक ८क कार्य मधिएक मा भारता गमस भूगिया-माट्य क्षाना भ । CRIM HEA SHOMMAREN N भारक-भिट्डाकात- ८०७ (शोत-क्या (श्रीतक्षा मस्तक्षक्रका मक श्रीमठीत व वळ यात्राशुक भाग. स्छ त्योद्रक्या-िक्सियत् ॥ ्मरे महाचन च्छ माश्युटक दशी कुना कृषि, सून्द्र आकालिक। अभिकास मन्य है। मामाद अध्योद काका अमर्थाटक त्मचीहरू म मठी काटन दशीव बल्यू ' शश्र अन्याक्रक-ना दर्शक्य पुर छन्।।। ख्याबारका सकाबीन, (भीतवेरिक विके Chat क्षा मा टेब म कारत ।

## ाभ-भाषाभुद्र **ভाउनादनाक**

क्रोक्रमार्थक कुला श्राप्त स्वत्राच्या क्षांक्रांक्रां करके करन मचन कराय छ 2015年1年 特徴に中 登場(刊4 K fel可心・・ व्यक्तिम अध्य क्या १ ८०१० वस्ति वस्ति 海州縣 医者 如何十二十四日日日日日 दक्षात्राव्यक्ता मण्डल कोरहरू विका তৈ etজ্ঞর ক্রপা বিনা চলাম্যার লা যায় জানা। ব্যস্তাক্ত গ্রেছাগা- • হেবাহের একের ব BIRIOI HANTH WAT SHIPEISH POR শিল মৃতিয়-প্রত্ত বলির কাল্যান १७७०१८- ७४१न १८ न न । या ११ दर्भाग आवायन अंतिमा क्रमन ना । क्षेत्र के अल्पान स्वार्ध स्व विक्र अन्त्र स सम्बद्ध वश्वत्रक भूगों छ ५० करा गुक्रारा, क्रम व्यानिका १७५ व्याप्त च च्याप्तिकारण च क्षाक नृहक्त भीकात कतिया श व्यक्तिमानाभूक कीटनक सुधि-मुस्ति म toniomolche maries sulle s Bill Buld fried defe i mitt But S ant Will be wasten बारनक अक्षकामधी केष्ट्रान्य किएक जि भन्दिनम् अदिवदक सङ्ग्र निक निक • खरकावन-कारम अपीत का निका ध्यमि गर्द अम्र क्षेत्र विष्यु क्षेत्राः स्वत्रक कथ्न क चान का फाल कतिवात मुख BECHES, Biele Biele M शामाणिक कहर एटक माला । कन्नतम् अञ्चरकात क्षेत्रस्य पुष्किय । यात्र सम्मा कारकाक रख्नहं छ। +छ। (य. न मुख्य के बाजर पराग्रह देश क्रफटनन हे छे: पढ़े पार्ट , कांड़ा य केल (क्षेत्रिका का कालीबा Car कार्श कर्यग्रं भगत नहत्क्र

त्यवाश निवृक्ष अशिशा अञ्जेनावाण विवेद मर्कार यद क्रिक संग्रहारि संग्रद । द्वास कारकार क्षीना या गुन्द क्षांविद्यनम्।" — এक केटबानिविषयारकाम कार्या निक्ति करनमा

शहसभागाम शिलाय मनीहरूव प्राप्त क्षक्तिविक्य मध्यम् क्ष्मनिक्कां व्यानिक्रक क जिल्ला विकास का का का कि से टकाशा क्कार्थ प्रमृद्धिक अतिनाक क्रनावरमध्या-भक्ष काम शिक्षावर श्रीकिकामनाच शिक्षा अविष्युद्ध खनावर-छोनव**छ-टन**वास श्चिम कतिया दिलाव चानिकृत क्षतिया निर्धिककः मन्नापन करिट्मरकन। शक क्षा क्षित्रोव (शाविक्क-**वाक्**नी-किनम जेकारक औरित कामार्ट मर्का वानरम **डिल्लिस्टी** लेखि पुकरणी नामगा कर्मिका 🕮 मन्त्रितः 🤚 माहिमान्त्रियः नामद्व ऋदियाः ट्यांक अवात करा क्षेत्रांका क्रिक्ति कार्या करेगा. श्रम विकित्ताली क एक भाग स्वयं अर्थ अस्ति किया का के अर्थायात यह प्रक: 📆 मैं क कार को नाम का कि का - दिल्ल मार्गीत व में।श्रामन्त्रे कामाध्याम विवासम्बद्ध \* fer # ক্ষিপিক্স প্রেয়ুর জংগান mitediam = 1

W 1 # SET BE 4岁月1.5世界有利 निकारताम यथम कौत्यत अनव-शक्ताय ला नेस श्रम क कार्याका । यात्र होत अधा-क्किनानक भागातिकमा प्रतिकृतिका सम्बद्ध क्ष शक्ष करम्भ व्यर्थार सीर्वार-निकास्त्रक्षत कृषात यथन बीदनव निकान নিছ প্রকল-ধর সাধা-প্রবৃত্তি উল্লেখিক ভয়, ছম্মন জিলি জগদু ,কোন বা ভালেবে **এক্** क्ट्रेंटक रिक्क कर्मा गुक्तक हाता करका जिल्ल-(जाप्तर्त नियम कमा की. वर यह कार निरम् ब्याद क्षत्राक्षत्र क्षित्रज्ञ काष्ट्रवा अधान विश्वनान काइक, अंध्यापि क्रमचान अवश्व **अ**ध्य क्ष्य । भारत्म ना । विषयमध्य सामा शृक्षेत्र कृत्य । वृद्धि भाग का १८ क वामकारकन किन्या क्षेत्रभवान् व्यून्नामनस्य के.वार નિકદ આગમન જુના હાલાય હવિ માત્ર बाल वर्ष-नामन्दन कोदद्याल । wing chai alan pileca anginia कांद्र(शक्ष वामनदान स्थावांकक कि । ।। द्यान जार । यान स्थान काणाव भाग करिएक. पांचे ७ वस्टाल, ७ पन नामन एपन छ। का गान भारा मध्य विषयकात कालमग कार्या छ कीम भागत आरमक अन्य गाँगत निक् व्यक्ति। का नाइट्यन । वान क्ष्मानाटन क्ष्मान वृक्षित्यांच् कार्य क्षत्रा व्यक्ष्मवरणामणस्य আগ্রাধনপুর করিলেট কর্মানা ভূট কর্মানা water Wantale africe Gant with खक मिका आमानः करिएका (य. श्रास्थरक कमान्त्रिद्ध लक्ष्मी यात्रीगढा रष्ट्र परि minaicum, " wintigit fufrete-un! किक शहर नाम गरम

🎮 भगम् जीरपत्र निकृष्ठे 📲 एक स्मिष्ठे অবধানমণে এখন কভিডে খীফুড ধন। करेंगा ना रक्षका नवं स दक्षके कार्नग्राहर व •ইডে মুক্তিলাভ ভরিতে পারিবেন না। নিম্নলাড-প্রিপুর্ব ভগবান দ্বিপ্রাভিমানী मोरवश वाश्वानातिक अवन करतम ना व्याचात्र क्षी व्यक्तिमानीत्र त्याकरणां १६ ४ व পুषा अवन कविष्क किनि नानाधिक ন্দ্ৰে ৷ ভঞ্জিৰত কপ্ৰান্, ভঞ্জি-পন যাতীত ষ্ঠাণাৰ সৃষ্টিক আদান প্ৰাণালেও আয় কোন ৰক্ষ মাই। বাধায় বন্ধ, ভিনিট कैश्रिक वैक्क्षायम कामा (काम कविटक शास्त्रम, काशरह कांच माकाय कृष्टिक **८क्शबाद १ अञ्चल मा व्यामना क्रामान क**ई नि**बिंग बरकार एकाक्ष** करण दश्चिरक गाउँ, **७७७१६ मामास्यत ७**१४१म्(म 'हंर] मिरम्बा, केना मिरम्बा अवेदान अवित **अक्टियाम बारक**ः 🖺 क्रमंबर्द शक्के नाश्व अस्त **क्रणांव कीरबंब कहें क**्षिशानकी विद्यारक क्टेंट्स क्रिमि युगन शिकारक्ट क्रानात्मक योगमा युव्यस्क भारका, एक्या किनि रि मिका द्य क्रांगान्तक त्या क्रांत्रश्य, ए का पुर्विश केंडिएक पार्ट्सम मा, मन्त्रप निहा त्यदा **कविशास कृतिमाल क**विश्व भारतन र मा। क्रानाम क्षरकर वहेंद्रश कर्नाश---अञ्चा वे।कार<u>ः</u> **७११।न्द• डीक्ट्रिक खद्दशक-आ**धीकःश िष्ट्रांत्रश क्रुश्च कांत्रह billesi, 為101c年数 COFF 《報章 क्ष्मान् धर् # [ # . # ]

व्यास कविश्वतिक स्टाप्ट के के के कार्या करा वर्षा श्राम्भावरवम् "क्रिक्का, श्रीवाल्यान्स ८७। महत्य अपर प्रश्तिमा कर्मन -- यह **मानीमाप** काल ०४मा आहारतीयfacilities Miene as Gleig Bur-मस्य कतिरक्ष भाषिकारकन, काम अश्र ७० त्मस्याणकर्वकरण व्यक्ति वृथ्यः ७ गः।रका फार के कियार निवास निवास का त्मान गाउँ क न्त्रांत होत लाहा का शहर कर्मण ષ્માં શુધાર PIRA. 6461354494ge winita menime colds distiest we takes the attice title भारत कार्य किया करमञ्जूषशत्क क्रमान (भ्यात नियुक्त कांत्रता क्षत्रकोरपद भेषण-दियान कांत्रशा बादकत ।

4114 | 641 यानादत दय कार्यया दम्यावटक खाका काख्य बार्शनीय महत्र। क्रेसारक भवशाय **कावात भागाय,** पाँचे अगाए किटिशन। अवस्याती विकास য়**া করু অংশ জিনিম এযাবৎ মা**ণিস্থ ত গাসের মানিকের স্থিতিত পালেওৰ একটি প্রটালতে, ভাৰাৰ সমস্কটিকেট লিন কুরুত্ব অসনোহর দিকল সোধা কিয়াল

काल गाउँ। आधारमध कुमान दिर्मान भःभारतम् कार्वाटक्कं त्यमम् व्यागतः मुना यशिवा विठार करि. कथा छक कुर्मा को धार्म मुश्मातक विधिक्ष के एक मन मुख्य निवास भएन करवन । काम डांशांतव पासांविकी लीहि वर्षभाग ।

শ্রীধাষৰ পণ্ডিছের দেবার আমরা Cमिश्क लाडे, श्रीताधर अभिक मृता मिता पुरकाम कहेटक छ।व कान्या कान्य लाय-क्षाकृत्क शिटनम्म कहित्यम, छ।कात्त्र । জাতার বাধ-বাহলা বা প্রম-বোধ ভিল্ না।: शीखित प्रकारिक खरें। १ शतका केहिं। शिक्षत ह कि 4 - প্রির জন্ত ক্লেপতে আংশে '(क्रम्' व'लब्र: महत्र कहवत ना । जीव भाषद्रक पूरीपास उरमुपात आधिका शाशी-भारत्यत को ब्रह्माश किन्नम व्य. प्राचा चार्याम्य कदिहा कर्मसूक्षण एकाल डांकार .स्राम्यादक व्यासाङ्गाहराच्या कहा का<mark>र्</mark>यान किरमा । देवल्या । नेषा यात्र, १५९ -ম'ভা সমূল কোন স্থানে কোন 617 किरियप्ति अधिकाश कारा कीकाल रखारना इ'क्षड न्यी. प निगुक्त कान्यांत इक् वि'लह 由此 电水类射性解除 解除四氢醇 一点"要" 射线影像含 ゆくくりょくておい かいかる ちゃりょきゅ ぶんと)ゆ win fafeierige Biete wu beite **उपकर्शकाम में अ** 136. \$162.0 # 1841 - 197 ( AIN 08 (42) 34 1.41% काका कराज कृत्य भारत है है।कार्य क्षांकर ्रेप इक्षा भूष्य कार्या सं क्या अञ्चाल મુક્તીલામાન ટાક્સ શક્ત વ્યવસ भाषाविकारण वर्षभाव । अद्रश्लेक उर्जन स्थल स्थलकामान्यात्रात्रक प्राच्छा व खर करते। एटन एक मानो मुख्या का नाव शहर के क्षे<sup>रि</sup> किस्ति है से पूर्व में भी किया गर 化原子内门的一种保费 制体化点 特許 计作业证明 कर्षि । मुक्ता भाग करा किए तस

THE ISB ASSISS WILLS IN ALL CHE MAN MELO MES BYSOND 'F. 新创 NYE 智慧(基) 数 对导致中 中华(2) 4. भदीरन काला मुरु भी भाद भा ना । । । । । । द्वार द मानिक्ष कि सिंधनील शहरातिक से दिया है। १४ ( F) of 1

ভাকবিলয় আহতু∿ আনেক পিন ভংটত आवश्च निरम्बद्धत विक्रिय अभिन्त क्रिका क्रमाधिन, त्रांत्रकणकृती लेतिय-(मयार्का करक अरूप्तान : मात्राण्ड का कियापार अर्गाक्रीस्ताना ना े भिर्म । विश्ववादीय मान कटन के किशारण न प्रानान, काई अज्ञान अभाष के बार जा व श्रा पूर्व Totale ware fet un minte etal neffet feretent biele min und

करवन । वेदारिक केंद्रवांत स्थान-स्थान महिन् गर्भाख व्हेण । स्थानकर्त्वारमस्यव मध्यवि क्रमास्कायनरक अक्टा बुना काल बनिया सिका नाम-त्यांना अर्थत्य। क्रीय मनीकि चैत्तीतकृत्वर ठलुलाच नाताहत श्रांत्म शास्त्र चाउँ निष्द्रात्वक्ष भक्क किनि कतिकारकन । बीबी धक्रशीनक काबाद किया नुसन् मुक्त (मनाव 'युक्ति' डीकांड क्षत्रत्य पार्कि कताहता पिट • टक्टन । य पुल ८५ ता-विद्यस्थ जन्म द्रावनी जीवात दम स्वय १७११ व 👣 क्याज ७ गर्नरम मधर्व २८७ ।

> "(भागद मन्नान" मिथिया खाद्य (भीकेनी निकलनगट व धानटमात वास भीया नाह । िष देलु १ मध्य नगरी दलकाय, क्रमाधीय **छ** क्षमानाम-विद्यानिहाम काला कि हर करें मुख ·本行:本 古古の事 eltietieth in 1 "ta ester भागित स्थान दशाका है। एस स्वर्ग स्वर्ग है। एक स्थित শুনিয়া পাষ্ট্রীর বুঙ্ ফ্রাট 🕍

ह्योदे-काम्बन्ध अक्रान् (योजनन क्रियाम মাণাপার আমিলা আমের বানতঃ করিছে-হিনা চতুৰে শক্ষী প্ৰস্ত ন্দ্ৰীণ-দল্দ আবার বেণীদেয়ক র প্রেণটিভ কেণিবার दुर्भा नाद्य कटराव----- ऋकारा अब स्थापा दुर्शास्य करिएकाहा । करकल्लि (माकाम हे ह क्रमान्'रहार १९१७-१मानाच्या प्रत दक्षाव दर्शात करा का का का निष्य नहरू শংস্ক সৃষ্ঠান্তন-লিডা বুলাননিস্থানক্ষের ला भी वे १ - १ क्षा क्षा की कृत- इका १ वह बार -मोश्रान्थर धुप्रान्य **रूपक-**--कुश्वक्षस्य 'त्रक के शास्त्र अंधिया यापिक देशास ट किल्लालय श्वमा बाक्का

## মাদ্রাজ হইতে প্রেদ টেলিপ্রাম

বৈশ্বে মন্ত্রোক

. . . .

र्धा श्रामार त छ। एक विभीव-李信、劉に皆をあることによ ক এল, সংশ্ৰ 2.10 28 319 1 कुर्यालाको भाषास्य । मध्ये वर्ष · 361可能 কেবলৈ সমজ্জ আলাভুট Abiet min मर आहे अने हैं है है जिस का माने के की तीन ាំក្រុម ស្រី ទៅម ស សាវិការៈ

> A. 124 44 E 80

Sec. 5. 25

3756

্কাট্নে ড্রেক জাভারন ৮১০৫ জনেসা, two establish that the second व्यक्ति हिन्दू अवस्थान नवान । ता ্ক নিৰ্বাহিত জল্ভ নুল্পাল্য কাটো 网络 丽沙人 机大工 计时间 硬部的现在分 ८ जारीका एक । अधिक उपन मिन विभिन्ने

1. 11、阿爾門 斑喇叭耳 থামতী ১৫ই মাচ মটিপুল-রা**জে**র স্কৃতি পাক্ষাই কা 🚉

# বিশ্ববৈষ্ণৰ রাজসভার ওদ্ধভাজিমঠসমূহ

(২) এটোড়ীর মঠ

## প্রীতৈত্ত্য মঠ

#### আকর মইরাজ

ल हीन वर्षाल, फाकरर खेलाम मात्रालुन, समीमा

ন্ত্রী, হারেশ্রপীর ১১জে পার ২০ । ধর উত্তর-গুমে শ্রীরম্বণরনে আচাধারত্ব শ্রীচন্ত্র-**८५**थद-करास की डिटेन्ड अर्थ विद्वासमान ।

ত্রই পুরুত সংক্রমত- ইয়া, পর বিহা পীঠি বা নাজত ভল্লনত টি । এই মহা বীর্থে শ্রীহণি-सरभार्य र समाज रणप्रिन-उपभाक्षर पूर**्रण**परिकास कास्त्री र कोता. सा**डेक, व्या**क्षात, कथा खायो - देवति श्वा-तिक - एक- शक्ति व कुरेशिक वा त्या । स वातास्था धारा कशाम व्यास ি (Certois শান্ত অকা-'বাবিদৰ জ নাজন সাক্ষান 'ঘক-আবাব্যা-চতু-য় জীভামের উপাক্ত ধিন্তিকে সভিত কিছে। গ্ৰাপি ছইচভালেন । এই মার্ডাকে পাৰ্মাণ্ড বৈলিক্ষত সাত্ত্ব সক্ষাব্যার আত্রকালিত ও ভারতান প্রথানি পাচার কল্পে নিনীয়া-প্রাকালী মন্ত্রাকাল লোক্তিত ভট্মাতেল্ড প্রেক্তির প্রাক্তির প্রাক্তিক প্রাক্তিক প্রক্তির প্রাক্তিক প্রক্তির প্রাক্তিক প্রক্তির প্রাক্তিক ক্ষ্যিতন প্রচালের মহালেরেইব্যার লি ভাকালে অভ্নিতি কর্মা পারকার বাংগাল বাংগালের ख्यापाम करकाहकी। अन्य रा - द्वीपाम किरमामिकादी सक्रानी, पाखक शैकान स्वातन व ( অম্বানী বালেরবাতীয়া, উল্লাম বীকেন্দ্র ক্রানার । ওও জীবারবারন রক্ষ্তারী ख्यक अमेर्डापाम व्यक्तालांचा य. ख्रेडरस्वाम मार अमिना क्या र स्थानम्य ।

### (७ (याधनीठ दिशस्त्रिक

G. K.

क्षक ज्ञान अक्रिकाता श्राम् कर्यन या विभवनाकाच्य आतिसार इस प्रशासना भीता दमान दिनहीं नाम व दिन्ति जिल्लाम शिक्षांत्रमायाम दश कीत्रमा ५ जीतमाङ्गरका मिका अता एका जीनक-क्रिक्म्यून्द्रमया बह्माना क्रम क--(काक-कुर्णी क्रिक्त शास्त्र की क्षेत्रातामा खानु स्थारनान मार्थ। मन्नाती दिल्छानन दक्षनाती, खिलामात अमेजाती । खिलानन्त्रात अन-**辛[6]。 (日本中国) 美国日本高明**[

#### (৪) জ্রীন সে-অজন

क्षिम्याता शक्त की किन-विकास था **অ**গৌরবীশার হাণস্থলী। তথানে ই শ্রিগোর-बिक्सा<del>क्त</del> प्रश्वक**्ष**त्र भाग वस्त्रमान्। रक्त--- शिवागाधाम अवश्री, अवश्र **कंक,** हैं।रशाकुशमान नावामी।

#### (८) चारेष छ-छन्न

क्रे क्रांत क्रिवरियम शहर करन धारर · ८१वः वर्धभा<u>त्</u> । .

#### (७) काळोत्र जमानि भ हे

🚅 खाडीन मांधायुक, वाधनथुकुक (नमीका) चित्नीरङ्गलाणाङ चित्रावक्राची । समापि। व्यक्त-अवहाती चैविस्मानविश्वति :

#### ( १ ) चांनम ख्रम कुष

্রিগ্রেফ্র, সরপ্রাল ( নদীয়া ) थाल छे न्यून्सल जिल्लाक किल्लाक करते. स्थान ज्या शिक्षां अभागत जार में जीवाना-्रेड **वा**धानंद्र स्मृतः वस्तान

ৰুক্ক--- ক্ৰিকুখন ভাজাৰ প্ৰশাসী कक्षां अभी अभ, अम, अम।

( ৮ । ट्यांजगद्वाथ Cगोडां स सठ Sand Cont.

तक्त क--- में बहुत्त का क्षाना दी क्षा. क. र्ति, धन, भवकारी-डोडेक मान अकि-माशी, जीडेकक्रम अभवाती लाखा है।

#### / D) ड्रीटगांत-श्रम्भव सर्वे

8ंगार है। शा. मश्रष्ट, तश्रमार Bir eifertige miefe in letteten. .सन्। एक क- द्वा के किर्निकान **वा** हम्।

। ১٠) अञ्चल भाषा को सम्बद्ध H!!! # # 319 25, 19 रक्षक--- है। ब्रिटिमांग अक्षाती, हैं। कुशरम्बर 345:1

#### ( ১১ ) ब्लिस्सामसम्बद्ध --

गाउँगाहि, सामग्रद, नहमान। व्यातास्त कात्र है।कृष वृत्सानस्मन कान । इक्ष क--- हैं दश्च बहाती अधनाती । १ ५० ) श्वाभित्र आग्रस ची भारत्यम एक्ष्या, कुमानतात, संशीधा । कांश्वर विकास अधारती व्यवस्त-क्ष्मका रक्ष - अग्रहानम उक्राही।

( ) ० ) शिक्षायन मह ८७ म राष्ट्री, त्याहाकी, क्रुक्तनवह, सहीया । क्ष क- द्या महत्रातम अक्षाती।

#### ( 18 ) डीमाध्न-Cगोडीय मर्क ३०नर स्वावभूत द्यान, ठाका। श्वमारम्ब आधात-रक्छ, बचारम खी सक-भो शक्ष शाक्षका-शिवष्टमत दमका वसमान ।

रक्षक-- बादाबायहरू खलवानी।

## ( ১৫ ) औदगरभामकी मह

कम्मा भूद, छ। क। । পোশাগৰীৰ জ্ঞানজ্ঞের জ্ঞানীৰ দেখা হক্-শ্ৰী প্ৰাশগোৰ প্ৰস্কাৰী।

#### ५७ मः काशिकामान स्वयन्त्री क्रीहे, १९६१, बागुनाबाह्म, कृतिकाठा । . . देशियमान नि. नि. १००६

শ্রীমধারা দক্তর বাচারিত প্রনির্থাণ ভাঁকিংখা-প্রচারেরাদেশে মৌদ্ধদেশের সন্দর্যধান নগ্ৰী কলিকাভাষা শ্ৰীকভিনিধোৰ আৰ্থভাকন্মীয়ত প্ৰতিটিভ আছেন চে এটা ভক্ত-गुक्दा राटम 🍮 कुक्त-द्रभोगाक्त-क्रीविधक्षकान्य को हे मुनु।बर्द्ध सिन्छ। दर्गाव कुन । द्रभाषीक ्र काष्ट्राया गर्वात या गर्छोत्र व्या**वस्थानी । अ अत**्राह्मात्राह्मात्र म्हण्या । अक्रिकी खुक्क मृहानः मञ्जालय मध्यालिक क्षेत्रशटकना : शुक्तिकीय मन्द्रक और ग्रोबनाय क्षात्रावाचे वह मञ्जालह व्याप्त (ताहेश्रीव) अन्दाविक भवा किए किए कि दाविक मानिक भविष्ठ व्याप्ती काराव निश्वमिककारत अकालिक क्षेट्रक्टका । "श्रीकेट्ठ लाठ, गढी हान, अञ्चलान-ठ कृत्य-२४४। छ. আনিষ্কাপনভ, প্রতিভ্রন্ত-ভরিভাত্ত প্রিকাশিকা ও ভরগতের সনক আলোচনা ভর্ম . थारक। मञ्जाकक--- व्यात्तांकाविक स्तीलाक क्यानाजी विश्वाकृष्या अवकारी -- लाखिक क्षीलाम असम्बन्धान्य लहित्रकृत्वम विन्द्धाः जीताम क्षमतान्त्र लटिकारियाम चिन्द्राः श्रीलाव द्रामांववाची अक्टाकीय अनेवाव व्यवस्थान वामानिकाती निन्त, जीनाव क्षरणालाम कामानिकादी. अध्वतनी सीकीकानमा, अध्यत्राती सीलाबीत्यानन, अध्यत्राती अोक्रिकासन क्रास्तिनाक्षी. अक्षाताही स्वीक्ष्यपनित्यस, मुख्यिक सीमा सर्वास्त्रक्षक भवितिकागकात कविलाकी क्षेत्रकाकिए<sup>ण</sup> ः

## (১৬) श्रीभाषे-(भोडाम गठ रविरुक्ति रामाविनी माना, मारिवाणी, छाका

श्रीभवाद-८१क्षेत्रात्मव निष्टा दम्या इक् - शिन्द शक अक्षा ।

#### (১৭) খ্রীভাগবভক্ষমান্দ্র মঠ

ु ठिक्कालिना, नाकस्थनभूत, स्मामग्रीधाना ध्वतारम विक्रम-अग्रहाक-भाकृत्वकः विकातीक विकासका वक्ष्यांन । वक्षक-अकवानी भी भगराम्बारको । अध्वादी सम्राज्या

### (३৮) व्यायमार्याषा अभवास्त्र

श्राक्षवाम दशाः वश्वमाम ! ची असंदर्शनाम क्षेत्र क मिका वाहिए। दीन निकारमना । दक्क---- अंबनामी को sicfermia :

### (১৯) শ্রীপুরুবোগ্রম মঠ

41610, 4 d. 3 (231) अवादम औरशीक-विस्तालभावकीत विका-त्मना बन्नमात । जन्म- अवर्गनी जिल्ह्मा-नम विकारक्ष, अभागती जीवलीपानक ।

### (२०) खेळक-८भोडी सम्बर्ध

व्याणवश्रमाथ, अव्यातिश्वि दर्गाः, लेही । अन्त्राभाष्ट्रपत्रं अस्त्रम्यं मन्द्रं क्रियम्बरः ज्ञिनबरमध्यो धारावकी । मुख्याबी अवहाडी औरिनिनिविशानी ।:

### (८) शिनकियासका मर्ड

Elphinimia, apa जवादन क्षेत्रक-श्माधान-विद्यासभ्रमन-कीय निकारमध्य स्वयासा ... प्रकृतन बक्डाडी श्रीत्रवायद्वा

#### (२२) श्रीनमाञ्च-। जो हो ब मर्ह

अनेर अराज्यावनश्वा, कार्या (भो :- भना स्था । अना क्रम- निकासना क्षणात्म (भारत्यका यक्षम्,वा क्षण्यक्रम डीयानकीमावसी ।

#### ्र ७, इंक्किक्टेश्डम वर्ष

लीन गरम्माम कुछ, लीमाम बुखायन । E. 與 61年) - 点味 · (末) 6 4號 ( . 其 4) 1 STORE THE STORY BUTTON

#### (२४) डीम्प्रश्रमस्यम् मह

देनभियावनाः मा शानुक

क्ष्यात्व द्विष्ठाश्चाक वाक्ष्यां । टीरमार-निर्माम विकासकात देशका वस्त्रभागः। क्कम--अक्षाती सेन् भरकानक स अध्वाती श्रीनमञ्जान :

#### २०, औदेन्डम्द्रशोद्धाम्बद

भुष्तिक का, 15 वक् क<sub>ा</sub> भागकृत । इका जीदैञ्डल-भट्टर्ज लायः। बक्रक-जीवमा-माच दाव, डीटमननानम अब्दर्ध हो। श्रीदाय कीर्य (मःपश्चिष :

#### ं(२७) शिन्तामरगोक्षोन्न सर्वे

कुक्राक्षक, ब्रालबंब, क्यान । जनारम क्षीत्भावनित्त मन्दारमक स्थान क्षीमान । प्रम --- बच्छात्री देखप्रम मा

#### (२०) खाबानगढ़ा अनहासन-वर्ड खाळगणाचा. ८णाः व्यक्तः शक्या

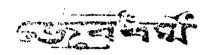
क्षतारम अक् किम्मुकि छारशाबारमध रममा वक्ष्याल । क्ष्मक----बबराओं खोखानक्ष-पान, और विश्वतम्य अभागको।

### (२৮) विक्रा क्याङ्गीय मठ-कार्गाणव

- Street strate, fire that i 为中中一通明o(s) 送[日]日中國日間。 अभावाची श्रीयायाद्यम् । वृत्

(२) दशाप्राम्भाकश्राक्षम् । वक्ष च-- अवहादी की श्रावाद्याका

#### শ্রাদ্ধান্ত বিবাচত ভক্তি গ্রন্থ বিবাচত



**बिटिक्यथर्थ - बे**श्यक्तित्तार ठाकृत्वर निवस-हेक्रांटक क्रीटनच भारतथ, ब्रह्मन्त महिल मध्य, निका छ रेताचि छ म मण . है, अरेब • निक्ष प्र अवश्वकाति व १६४४, सामित ६ আমন্ত্রকা পঞ্জ করা পারে প্রমান, বৈষ্ণার নর্বাপ্তর যে, বৈক্ষর-भाष्यंत्र व्यक्षणः भाष्यापामनाव मिन्न भागमा, प्राप्ता वयः, देवयो-कि अ क्यानात्वत (क्य. इम्लाब्द : बादकतावी क्य किक कार्याः भोत्वत वदा ४। व मृ कं, टेक्स मुश्द्रश्र व्यक्तिकात. क्षांकित व्यक्तिकाती-रिहात, क्या ह क्षा विकासन त्रावंकला, माक्काय ६ तिकारतथा, (यदन कुकानीला, अन्तर म अक्ष क भारति लाहीर्रेड-१७०, द्याविश्वष्टभूका च रश्तेष्ठ-शिक्षात लाएकस, मक्रान्महरू श' क क्राम्मिटल व कावग्, अल्ला । माम्र क्षत्र ७ इतो भगव, निक्ति १५१व, मीन्या, देवती अ वाणाक्षत चलि. मध्यक्षणान, काम्ट्यह अभिकारी, भावकीहरून, अनुद कर. लीवाव्यातम क्षण ठ मनावस नाष्ट्रका अवस्थ নিপুড় বংখ্যানেলা আ জ সংগ্রহায়ায় ক্রেল্লফলনকলে প্রা-लिंड कड़को छ। एक अक्साद अक्षर क्रा छाना नक्ष कि.हन मारभाषिक बारक के लिक्का हर काम व शहन्य महिकाद ना । প্ৰম গ্ৰহ অধিৰ্যক অংকপ ধ্ৰক ৰ জনগ্ৰন্থ এছ তেপ্যাত্ত व्यक्ताल के बच्च नर्ग । कि विकटनाविकाम नरश-भटना कि । असनmen der butte Blieb pebetenet mitte blime. प्रदी, क्यानाव हे हानि का । चित्रम म्युन कर्ता रहेशहर . र्वित्र है, अप. दम्पानीय करण साम दल्ला फरकेर वे माह 8 कुर भरकान - भादा !



#### **ङ्क्षं** गः ऋत्रव

### ্ৰেমতা বাঁধাই-- ২, গুই চাক। জনবাঁধা--১৮০ পৌণে সুই ঢাকা

যুক্তিপূর্ণ শারবাত ছালে পাড়েক মানবের নিব কথার কামনতা ধাম এক কথবা নিথাতি কথবাক একের আতে উঠিন সনাচন শারবাক্য ছাবা সম্থিত প্রমাণিত করাকে। পেকের, মনের ল আত্মার ধ্যা কি প্ বেশেশ, স্থান্ধ, নাডি, ধন্ধাক্ষ প্রভাগিবিধয় স্মার্থাতে এমন প্রশাসনাবে ব্যক্তিসকলারে আলোচিত ক্যাতে বে, আন্দ্রমানিক কথার আরু ক্রিয়া শেষ প্রস্থা শার্তন



किलीय मरस्वत 💉 अमा

শ্রীক্ষণ কোজামী আৰু ইট্ন গ্রুমাধ গোসামী প্রাকৃত্রে টুল ক্ষাজ্ঞলে যে সকল কথা থালাবাঙ্গন, জালা এক আরে চাঞ্চলবের জন্মকুল ও প্রশিক্ষ নিচার অভি জনবাসাধা বিশ্বাস ক্রিলাকে। ইলা চাজা শ্রীশ্রীমন্মরাপ্রাক্তর ভালা দ্বা শিক্ষা অভিনামন বিস্তৃতভাবে ক্রেমিন্দ্র হয়েছে।

#### ভূন্ত গোলাব্দের " ু সচিত্র

# শ্রীনবদ্বীপ পঞ্জিকা

পার্মাণিক বাক্তিমাত্রেরই একান্ত প্রয়োজনীর বিক্ষুত্রত ও উপবাসাদির ভংগিক। সম্বলিভ বাংলার মধ্যে ঘরে বিরাভিত হউক

ভিক্ৰা প্ৰ আনা মাত্ৰ প্ৰত ডাক টিকিট পাঠাইলে ডাকে পাঠান হয়।

মহাক্ৰি

### জ্ঞাল পোচনদ স টাকুরক্ত শ্রীটেতন্যমঙ্গল

ওঁ বিষ্ণুপাদ শ্রীনিছান্তি সিছান্ত সরস্থতী রোখানা প্রভূপাদ সম্পাদিত ভূমিকা; স্লোকের অবর, নিলার্লাদি, প্রতি প্রাস্তের ও খণ্ডের কথা সাল্ল, শক্ষদূর্চী, স্থানসূচী, পাড্সুটী, প্রমাণগ্রন্থ, তালিকা, প্রস্তৃতী প্রভৃতি বিশ্বত সূচী সম্পাতি বোল্ডে অক্ষরে ভবল ক্রাউন, আটপ্রেক্সা আকারে প্রিট শ্রুরে কাগতে ছাপা ভিক্ষা—২৪০ টাকা

#### » শীহারনা নাট স্থামণি

मामान्यं, हैं न विभागत्राकृत्य मृत्य स्मिन्नावाळकु मिनाम बहुत्ता, नामानाम, नामानाम, बानानाम आकृति शिष्टावन, प्रान्तेन विभागति माना कोट्राइडिएन, बहु विष्याक्षीत कार्ति सक्षा भवाति मानिस्य भानस्यक ग्रीन्नाईकार्त न्राइडि। स्मिन्नान्यक्षिण भानस्यक ग्रीन्नाईकार्त न्राइडि। स्मिन्नान्यक्षिण क्षांकार्ति व्याप्तान्यकार किया विभाग के

## বৈফবমঞ্বা সমাস্তি

् " अट-रेन्टकायः पूर्

শিং :— ১) দানিশালে কানজক শ্বাণালীৰ কবি ২ !
নাবিশ্বান হৈব বৈকালানেৰ নিতিত্ব, তা বিক্লাব্যানশ্বানি হ লীমালিব এ বিভিন্নতে বিলেশ চা বৈক্ষালয়ৰ দ প্ৰক্ষ-সম্ভের জাৰ্থকা ও বিৰণ্ড, । শিংববিশেষেত্ব লোকিক ও শাস্ত্রীয় আক্ষেত্র যাবভার দেখা। চাত্রেপত প্রকাশিত হতাছে। ১ম গড় দেলে, হাল্ড দল্ভ তা গড় গড় দল, চপ্ প্রাচিত, চাত্রক্ত ক্রেতে, টাকা (ব্যাপ্ত ব্যক্ত)

## <u>ৰী</u>ভক্তিসন্দ্ৰ

১ম খণ্ড ১ এক টাকা , য়খণ্ড ১ টাক — শ্রীমন্তাগনতের ও গৌড়ীয়ের আছকগণ মাত টাকার ছইখণ্ড পাইনেল । নৈকবালাটা শ্রীক্ষাব আলামীপাদের প্রিক প্রত্য ইকাই ষ্ট্রন্দর্ভের অনিক অলোচনীয় অংশ। প্রাক্তিও ভাগ জাচন ৮ হর্পায় ৬৪ পুরা আকানের মুক্তর কইং ২০০।

শ্রীক্ষান্ডাইটা সক্ষলিত সদাচারস্মৃতিঃ :
ভিকাত খানা নার

# নিক্তাপন

## সাব্ধান ! - - সাব্ধান !!

েন্দ, বি. দত্তের ১৮)কা শিশি আদোম ভৈত আদি ও অক্যাত্রম এবং উপকারিতায় সবসজন পরিচিত ও বহু প্রশংসিত।

আমর, স্বস্থাবারণকে জানাহত্তি, বাদায় তৈল থরিদ ক্রিবরে স্থয় শিশির গায়ে ইংর্জী অক্সরে জ. বি. দত এক কোম্পানী শ্ম খোদা দেখিয়া থানে ক্রিবেন। শভ্রা জুয়াতোরগণ ক্ষদরের কৃতিম তৈল দিয়া প্রভারণা ক্রিবেন।

र्गाह-(का, नि, निक

## কেরাস কুইনিন্

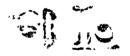
্ৰুছৰ এবং পুরাছন মাবেশরিয়ার যুন

উংচি উণ্যুক্ত মাত্রায় জাতবন্, সংখ্যাবস্তু।কোর। কুইনিন আনোনক এবং হউলিলেন আছে।

ध्यर प्रकार क्रिक्तिम् चाका राक्षकाम कृतिता अक्री वा छर्डी राक्षव । त्मक सक्षालवान क्रिम या १०० कि क्षात्र वस्र कात्र ध्वा ५ क्रिक्ट ५२ की राक्षवन्त सार्गात्वाह ग्रमस् फेल्यन के कार्य १७०१ ।

ত এপেলপূর্ণ প্রতি কায়ে —মুশা ২, টাকা, রং ে, টাকা বাহজ কেমিকালে এই ফিনিকালে লাকলেটানীতে তম নাল ওজুনীমাল লেন, কিলিকা।

গোডার বৈক্ষৰ-জনতে অভিনয় এছ !! শ্রীন ঠাকুর ভাক্তবিলোদের ক্ষীতি-প্রস্থানদা :---



প্রকট সাইছ অস্তম সংগ্রহণ ভিক্ষানে আম

দেই ও মনের চেপ্র আনাতাবন্ধ কর্টয়াল টিচা যথন জীব বু'বাতে পারে, ভগন একমাঞ নি হাবন্ধ জীকগবানের প্রাচ ইনির কোন জাতার আবেগমন্ত্রী প্রাথনা হয় এবং ইনির্গানে সক্ষাক্ষকরণে নিজ্পটো কৈ প্রকারে শবণাপর ইনিতে হর, ইন্যানে নিষয়ক প্রাণশ্দনী প্রাথনা ও পান্ধন সম্পণ্যক্ষ গান। উচ্চিত্র সংখ্যাত ব্যক্তান্ত্রেত ইচ্যান্তে

ভিক্ষা প্ৰতি শণ্ড /• এক আনা

বোষভক্তিভাকা-- ৴৽, নবধীপদত্ত- ৴৽

কল্যাণকম্পতক

প্রেচ স্টেচ পুঞ্ম সংস্করণ ভিক্ষা /১০

আসরা অভাব নৃত্য একাৰ ও কাষনাত বলবল গ বং পুনংপুৰা বে থকালাপুনিক কলাপে বালহা একল কাই এবং গ্রহা নিকট কলাপে কাষন কাই, তিনি যে নিভা বা ঘষাৰ কলাপে আগনে ০০খন বা আমানের নিজা কলাপেছাভা এবং ক আমারা সেই কলাপে কলাপে বা মানা কাইবা এই সকলা কথা পানে । লাইকে ৷ নাই বিশিক্ত কলাপের কলা

বিস্তৃত ক্যাটালুগের জন্ম নিমলিথিত ঠিকানায় পত্র লিখুন—
ম্যানেজার—গ্রন্থবিভাগ, শ্রীটেতন্যমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, (নদায়,)

## ৫০ বংদরের পরীক্ষিত করেকটী মটোযধ—

ব।বহারকারীরা প্রণ মুদ্ধ কইয়া যে সমপ্ত আশংসা প্রাণান কবিংতিন, ভাগা আফাশ করিলে বছ বছ পুত্তক হল্যা পড়ে। আগ্নিও ব্যবহার করিয়া ধ্যা কটন।

- ি ১। চক্তাপ্ৰাক্তা ৰটীকা—চাৰ্যৰ নাম্টীও যেমন কালৰ সেই রক্ষণ। ইংগ নুষ্ঠন ও পুরাতন নেহ, মুন্তক্তি, অল প্রাকৃতি তাবং জীলোকনিগের কৃতিকা ব্যাবংম, শেষত তাবং ক্জাপ্রন প্রকৃতি বোগে আছে ফ্লপ্রান।
- ২। স্থাপ্তিসভাষ বটিকা—মাদকজানিবিটান অভুনেক্ট নিজাবিধায়ক ঔষণ।
  বে কোন দৈছিক ও মানসিক গীড়াবশতঃ স্থানিপ্রালেগে এই ঔষণ বাবহাতে গড়ে
  নিজা হটবে।

্তি। মঞ্জুর বটিকা---ইংল সেবনে গ্লীজ ও চনজ্পলিক স্বোও শ্বীর পাস্ত্র ইইবা যাওয়া ইডালে নিদুরিত ইইয়া রক্ত প্রিক্তরে ও রুক্তি প্রাপ্ত ইংল।

केक किन आकारबन्न आरकाक क्षेत्रामंत्र मुक्त आहि दक्षीता ५८ है। का

জা'বছান : - আত ঞ**িনপ্ৰহ উম**লাজন্তা ২১৮নং বছবাৰাৰ ষ্টাই, বলিকাভা ।

#### व्यानविश्वाममाश्राष्ट्रा वमान पर विका ८०

শ্রীটেডর মহাপ্রজ্ব বিহাব ও শীলাভূমি নরটি ছীপ-সমাব চ: এই নর ছীপের প্রচিন প্রবিরণ— প্রত্যক ছীপে জমহাপ্রভুর শীলা—প্রত্যক ছীপের প্রস্তির, শীলা—ব্যামাপরায় কি ই ইডাছি বিষয় বিশেষভাবে মানাহর জলোবাহিত; প্রক্রি গুইছ প্রায় ১৯০ পূর্য:

#### |নবজাপ ভাৰতরক <sup>৬</sup>\* :-

ইজ্ঞাল ব্যোশ-র কালীতে উত্তম কাগতে চাণা--- ঐনত শণবাদ দশনে কাবৃক্ত দশনকারীর কি প্রকার ভাবের উক্ষাস হয়, ভাঙা এক প্রথম বাল্ড। মাভ চন্দ্রকার।

সাধকক ঠমণি — মটনকাৰনন্দৰ, জীলাউণজন, জীলাকাৰ কৰে জৰ শইনাম ও জীল নগোওম হাকুবেৰ ১৯৮৮নিংক্ত হানিত্ব ক্ষমণ কাৰ্মান, প্ৰেমণ্ডিল-চল্লিকা আক্তির প্রাণিত গাঁভাবনী স্থা কারে প্রেট সাইন্দে মুদ্রিত ২৪ নংক্ত ভাবি কান সাহা।

## কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



মত্যাখনের স্থাধধার অক্ত ৬ আঃ শিলিছে ঘনীত্ত অনস্থায় ভোটনোনলের সম্পরিমাণ অষণ ভাকে পাঠাম হয়, ইহাতে ঔন্ধেত কোন প্রিস্ক্রন কর: হয় নাই। মুণ্য আছি শিলি ॥• আমা, প্রিটাক্ত'• আনা, নোভল ১০/• আনা।

অফিস–১১নং উল্টাডালা রোড, পোঃ শামবাজার,
কলিকাতা

# মদন মঞ্জরী

1)

- 6.

विकास माना निकार का मनकी

भा अनुस्ता का प्रमान दशा है कि का तो । रे | }

## शरेदङ्गामन

**3** 

## কোষর্দ্ধি রোগ

ন্ধাঃ তুস, তুন্; খোক বিনা অজে, বাংজনীবনের গ্যারান্টি দিয়া বৈজ্ঞান্তিক কাশাশাতে কোকবৃদ্ধি গোল আরোগ। ক্রিয়া থাকেন।

> ठिकासा---२৮ २९ वर्डेस द्वेष्ठि, व्यूयाबाह, कानकाचा ।

### ১। শূলামূত

পিতপুলের অব্যর্থ মহৌষধ। ১ মাহার টপশ্ম, সপ্তাতে আরোগ্য। ছোট ৮০ বার আনা, বন্ধ ১০ আনা। মাণ্ডল পুণক্।

## ২। শুক্রাচার্য্য সঞ্জ বনী পোষ্টাই

কাৰেক ও আৰম্ভ কের একমাতে মহোবধা নূল। ১ ডিবা ১:- আবাবা। মাওক বুলক্।

৩। সন্ন্যাসী-প্রদত্ত অর্ণরোগের অব্যর্থ আংটা

আহোগানা হইলে মুগা ফেংব। মুগা ১০ মানা। মাঞ্চ পুথক্।

8। কোন্ত-বান্ধব পীল

चनीर्न, त्यवेसीमा, त्यवेद्यम्याद मरकोष्य । किया ॥ चाना । भाउम भूयक् ।

## ে। বাতল'ন

হাভৱোগের মহোপকানী ও সন্ধাহে আরোগা। প্রতি শিশি।» খানা। মাওল পুণক্।

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তুতকারক। সধন ক্যাটালগের মন্ত পত্র লিখুন।

क्षाल्यान-मत्नारमाञ्च (लट्ट्रावेरी

পোঃ উয়ারী, কমলাপুর, ঢাকা,

## মনোযোহন প্রেস

পূর্ক-বাজালায় স্থলতে সকলপ্রকার ছাপার জন্ম বিখ্যাত বৈদ্যুতিক মেলিনে দিবাভাত্র কাজে ভলিভেছে বিশ্বত জানিতে হইলে নিম্ন চিকানায় পত্র লিখুন ম্যানেজার—মনোমেহিন প্রেস্ ১০নহ শহারপুরা, ভাকা।

## মরা মারুষ বাঁচাইবার উপায়

যদিও অনুধি কক্ত মা মন্ত্র বাচ্চের্ছ কোনি প্রথম ক্ষিত্র হল নাই সালা, ক্ষাণা গাঁহারা নানাবিধ অনিবানিত উপার অপনিবিত্র শক্তি নাই ক্ষিল্লা জ্যান্তে মনা কর্বা হল বিকালে কাণ নানা প্রজার মেন্তু, প্রমেক সাজু দ্বিকা, আর্থিক ওকাং লা, বন্ধুর, ওংগ্রা, পাংক্ষ্ণ সংক্ষান্ত পাছে, অল এবং প্রীলোকনিবের মধ্যে যাত্র বাদক, বন্ধা, মৃতব্যা, প্রকেশ, খেতি ল রক্তর্রাক, তিপ্তিতিয়া প্রজাত বোগে ভূলি । জীবনে নিরাশ ক্ষান্তেন, তাকারা আন্তাত বোগে ভূলি । জীবনে নিরাশ ক্ষান্ত্রেন, তাকারা আন্তাত্র ক্রান্ত্রিক সাজিউস্ল ব্যবহার ক্রিয়া বাচিতে পারেন, ভালার শত স্থল প্রমাণ ক্ষান্ত্রিক সাজিউস্ল ব্যবহার ক্রিয়া বাচিতে পারেন, ভালার শত স্থল ক্ষান্ত্রিক ক্রিয়া প্রকাশ ক্ষান্ত্রিক নাই ক্রিয়া প্রকাশ ক্ষান্ত্রিক নাই ক্রিয়া প্রকাশ ক্ষান্ত্র ক্রিয়া বাহার ক্রিয়া বিশ্বান ক্রিয়া বাহার ক্রিয়া বিশ্বান ক্রান্ত্রা ক্রিয়া বিশ্বান ক্রিয়া বাহার ক্রিয়া বেশ্বান ক্রিয়া বিশ্বান ক্রিয়া বাহার ক্রিয়া বেশ্বান ক্রিয়া বাহার ক্রিয়া বেশ্বান ক্রিয়া বাহার ক্রিয়া বিশ্বান ক্রিয়া বাহার ক্রিয়া বিশ্বান ক্রিয়া বাহার ক্রিয়া বিশ্বান ক্রিয়া বাহার ক্রিয়াল বাহার ক্রিয়া বাহার ক্রিয়া বাহার ব

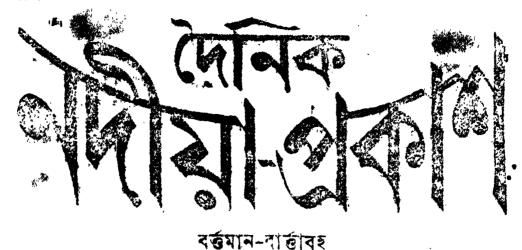
সোল এতে**ন** ডাঃ ডি, ডি, হাজরা।

> ফবেপুর, গার্জে-রিচ পেন্র, **কলিকান্তা** ঠিকামা স্পষ্ট করিয়া লি**থিকে**



" DE 187 " MONTH শক্ৰাপ

THE PERMIT PINETT'S erfs ele 3. TIP OUR P 國際 李朝州 5000 निर्मा के कास २, 51 -5 a 613



मार्थास्त्रत अन विशिष्ट (१४) वाभिक कर भाषानिक वर् देखा, भिनः २ Ma भागिक 🛼 D: 5191 5:18 Ment (4

東書の SEM·COIS-1973" (空間は APVIC 日本で

७ १७ । मन्यानय-श्री ग्रेटी व्यवाश वत्ना शाशाश, त्वना छवा उन्ने

रिज्ञ मरभग

লালৈতক্মত লাশাল মাণাপ্র - ২১শে ফারণ ওক্তবার ১০০৭, এই আর্ক্ত, ১৯০১

# नि क्श

## ্ শাদী ভার ইইন সন্ধি

ু মাফল্য মডিড नुभन्दात (नहीं) २ ७० छे द्र शम्ब क्षा विद्यो क्षेत्र छाः ।नश्चनहरू ताम (हिल्हिकाम । यह अपन अपन अपन भाकी-आवर्डशन अ'रहाछिन आक्षित्राम् थे व देशिएक । ्रथक अस्तित्व अध्यक्त इक्षार्टक ।

## ভিয়াকিং কমিটীর সমর্থন

मित्र गर्ड अकाष

गुक्त हुई। माछि छहास्मित न भिष्टित ভোয় সংখী- আর্ডক্ম স্বিচ প্রস্থাব nituities eguite un ciei नियतमञ्जादिक्तरम भूगेक वन्त्राह्म। क्रिन्स अन्यत्र अवाच्या भाको अङ्गारस्य शकोटक रामन कटरन ए द मिन्टिएय 🌉 েদ। সঞ্জির সাত সম্প্র ংয়। 🗳 ় ात्रम गाःक भूत में श वस्ता।

## बढ़नाटदेत्र शुक्रां क्रियूट्य गक्रामा

83। माळ गकाल ८भोरव् १३२७।त्र 🚶 भाग प्रश्ना भाकी वक्षाद्वेत थाकी श्राहित याचा करवस<del>्न अक्री</del>म या (य मेंकि लारलाधना धालारवर्छ, ্ৰেষ করাই মহাত্মাকার সদমের 1.4-11

# নেতৃরন্দের দিল্লী ত্যাগ

গান্ধী-আরউইন দলি সাক্রা মঙিত

## সান্ধপত্রে স্বাক্তর

ওয়াফিং কমিটীর সম্থন—স্ক্রির সর্ভ প্রকাশ

# আশার মধ্যে নিরাশা

शादनकाहेत यानी जात्नानन

# ব্যাঙ্ক হইতে টাকা উধাও

কৃষ্টিয়া রেলভয়ে হালামার মামলা

# বর্ঘা বিপ্লব নিবারণ বিল

रामार करंदन जास मिला जासमानि খনড়া সংখ্যে কহিয়া ভাষ্টার আল-জ পদ্ধি সম্পত্তি মধান্তা গামী ৩ , যাত্রা হালিব। প্রতির্থার এই বাংলা প্রতির্গার প্রতির । উপস্থিত করা 🐉 এবং ২ ঘণ্টাকাল । अधारम पाकिर्यम । লালোচনার **পর** ওয়াকিং কামটির ' সদক্ষণণ ইকাজে সম্মত ধনা ৷

# নেত্রলের দিলী ভাগে

इ. अर्थ अंदरी क्षेत्री(क्षेत्र) न्यानवाह सार्वे कार्यात सामाहरू रा সারীর বাতীতে ভিরেম্বা আমেন। পিত্ত জহমলালাবেশ্ছের এলাশাবার

খনতৃতি ওয়াকিং কনিটির সভায় জীনতী নাহতু আরও ছুই একদিন। বান্ট্রাভিল্ন তেনে বৈদেহ হে

### ় সন্ধীপত্রে মহাত্মা ও বড়ুগাটের থাক র

৪ঠা সৈক্ষেতি সংগ্ৰাদে আৰু শি । পত্ৰ শ্ৰীষ্ট বঙ্লাটোর বাটীতে পিয়া । জীয়্ত ক্ষমান্তর ৮ ৮০ চ । শাংদ প্রাধান, সার জেন্স বাহাছর । ওয়াকিং বিশ্বনিটির স্থান্ত নিঃ মের- ছেল-ডেখার বড়গাট ও মধার্থানি স্কিন্ত নার্থান । বিক্রি বুধবার ৮৬,তে উভুলাটের সম্ভিত্ত ওয়ালা এবং শ্রীযুক্ত শ্রীপ্রকাশ যুক্ত- তিভয়ে এ গাঞ্চপতে সাখন করি বন। বিষয়ে বভগাত চি পার বিষয়েরত

कता धकारमत शुरुत्य अस्य कार्यकारि, यत लिकेछ धकेटण खिला सामग्री केता है। # 57: \$5:7 (

क्षाम, भारमधिक अवर्टाम्हे. সমূত্র নিচ্চ হইড়ে রাল্টাভিক तम्मीरमध् काशिका हा ७५। ३३६।८५ । बाजनकी रनव बृद्धि धानाम, भागना ও গভিহাকা প্রসাহার প্রান্ত্রি কাজ্যের জন্ম প্রামেশিক সরকার-अभूक्षक काञ्चड चारिएक नहा DENITO !

## আশার মধ্যে নিরাপা

বিষ্তি প্রকাশ শ্বরিদ

বছলার আমানে করাই বিভা-থোর সেক্ষেত্রারীর স্থিত স্বত্যন্ত राशी भारमाधमात शत महाला शाकः প্রধারত। করিলে আলোচনার করা লগতের করে প্রসা মহলে ভাষেত 의하이 가장 1 - 제(9회생 카드) 등 व्यक्ति । अ आमर्गातक रहें। स्ट मुल्ल--वह छ। हि लिख अन्दान 2.7. 可多。到[[新][0月] 東京 ) 1011]本 के,पुर ८७, बम, दमनखरा अल्ड कि. कि. जित्र अकलार मन्छ बन्छ। 🚓 あ1.1 (別別であ、お「おおで料食 かい!!! \*夏朝) 初期代据。 西南门 田乡州 · स्टर दर्भाग कथालाके। कर<sub>े</sub> -

্রুদরানের সংবাদে অকশে মধ্যমানী মধার্ক্ত গান্ধী সার তেজাকল ও নাপ্ত

## चिविध सः सः याम

ভুষ্টিয়া বেলভয়ে হালামার নামলা

নিৰ্থা ভারত কংগ্রেস ক্রিটার परका दर्शनरी भागस्तिम आग्रहानम অভ্যান্ত উল্লাজ কুষ্টিরা রেলভরে ८४मान ८व डोजामा व्य कल्लाल लडीवीयन २५१ हरू कर मात्राध्यांने पर **स**न्धक र्वाधार कर बहुवराजा गत रही शक्ति मुक्त अकरन् दरेवा कि ।

### জীয়ত গুলিন বিহারী ধর কার্যাস্থ

भारित्रक्षा शांधकार मुनाकव कें.युक् त्रांदी क्या भर्तना खक वरमद wiefene nieb ehtfelnet at মণ ুলাগ কালয়া গাড় বুংবার ভিনি দম্পম कृष्णाम क्षा करा । श्रीक्षणां अविधान ्राप्त । वर्षीय शास्त्रिक वस्तान करें-लक रहेरड टेरपुट कालाइन कि.ट. वी ল্ডাম্ব করেক কালি প্রেলের ছারে উপাত্ত 当门(中 明白) का-िशहरून।

#### माजारक महिलारमञ्ज मध

গত তলা মার্চ্চ যে প্রকল মহিলা বিভাগন্ত কংগ্রেশের णिटल है। तत्र काराम छ कर-166 थाव- । शाका कर प्र कावारमा विकास नक्त नव দিশকে গঙ শনিবাদ বালালাত অভ্যান্ত্রণ । আলেশ আতাক্ষ্ম কর্মাতে, কাভলাগের ध्य तम एक का विकास य अबो वर्षे वेरिक, हिन के तांप्रकृत करेगा निकास अपना विकास में रमार्थे !य रहेलरन अमध्या स्थाप मन.वस्ट | sain sain करेगमिन ए कात हारक्याती । senfen, unice co nienis feine i abeffen fun wit minig all wielba किस प्रक्रिक भारत श्रांक द्विति जिन देवता Cरेम्टन मालका वाहिना वस, न्याना वहेटल खार्गामग्रंक क्षेत्र केठीन इस्त कर्खनाक्ष क्षेत्र नावकात शुक्त कर्राञ वृष्ट्र शाहिक: द6 (का क केक (श्रेमार-16 श्रमातक कहता किसः दमशास्य भूगारमत्त्व मृत् आह्यव किया पनाकीकीक साथ" श्वनित मध्या मिक्तिभाषा क्षेत्रं मारत्वा कर्द्रम ।

## भगारत्ये। देटम चटमणी चारम्हामन

বুটিশ প্রাধান মন্ত্রী মিঃ স্থাক্তেনাল্ড मण्यवि ७: केर्नात्मक निक्के द्य भव शिभि १८७० कार्यात विषय अरमाधना कांत्रपार केल आहर मिल्डि ध्वक ग्राहा का दाविका । वहका एक विकास क लक कित्र वस त्य, लाह्त हो केंद्र प्रश्नि ध्यात्माम् । हारा हे छ व्हेरम ।

আধার সৃষ্ঠিত আগও বিশ্ব করিয়া-८६ स ८४, र ध्रमीश्रत्मत्र मिक्क आध्याप केल्लितिकांन अन्यक्षत स्रानीत भीभाग्यात दकान व्यारमान्यां कता कहें। । वहरू ५०२०० व्यक्त व्यवादक । मा बेहसीराय वेडिशतनाडे व्यावास विक्रिकेट व्यावास द्या व्यावास है। को आध्यानम् मात्र्यः क्तिर्यम्।

्त्रावनी प्ता कळान करिया व्यावनगण पञ्च का अभवाती में भारक खार्गांक का खार्गात कर विश्व ८५%। कता ofte Park

रुद्योगातक सामकारनत कक जन्म छ लाह्यक्षेत्रं स.म. क्या अत्र अत्र बेडेटकट बे ±का (काटन प्रांथ आर: शिक्कण वर्ष करिवास अक्र शवर्षस्थात्केत्र निक्**षे आस्त्रम्य कडा** 

#### বরিশালে বিশ্ফেরেক জ্রব্যের ভের

पि: मिक्कारमध वाष्ट्रीटक छन्। मनि श्राम भारता रियक्तिक अना कालि मण्याक ्रार्ट्रश्लीय थालाव कात्रश्रात्र कथाठारीट निकः हिर्देश लामान कतियात अक भृष्टदश्च कट्याकलन सुन्द्रकत खेलाव भयन काति क्टेसारका करसक्का वानात्र जेशिक क्षेत्रा विद्राप्त कामान कर्रशास्त्र (अञ्चय वाष्ट्रात स्वामाव शासकार कामध्ये। कृतिय कारीट्रं हरे जा रा १६मच कुमान आहें। जनर ११धून bm का हे6 ल बागांच जिल्लिक करणा त्रवेशा श्रामात करिशातका ।

### কংগ্রেসের প্রতিশ্রুতি পত্তে স্বাক্ষর

कि विश्व कार**ङ करर**ाम व शिक्षिक शुक्ताविक कानाविद्यारक्षन त्य, निर्माणा १५% का रिकार के शहक

मार्गातारवर दमनागानि चात्रान दाक ন্দোর নিক্ট হটছে স্প্রান্ত ि अ निशास्त्र । काशास्त्र स्माम नि बाराम ७ छ राम करदारात्र अहि-জাতিপতে **সামর করিতে সম্মতি জ্ঞাপ**ন विकास्ति । औ शबाब क्यांशका bincoch । शाक्तिक aufræiena পাৰ্যা গেলেই নিষ্ধোক্ষা প্ৰভাৱত कट्टन के सार्ष्यंत्र क्षत्रसम् काशीनाव 明日节日 电影情報 解注题情報者 क्ष्मर्थ कार्याभाषा क्षत्रिवाटकत, रम्हे ८०३ कार्य मध्यास निवत्तात काशान कल मा.चेत नाम वृत्क कानिकाक wat penten t

#### न्याक बहुद्द हो का उनाल

कक्षण गरनाय लाख्या शिकाटक শাৰা

कामिट्रण विरम्त किंग करें भरतान केर्य अक्षानम कातकवर्ष स्माप्क णाईकामाक श्रमण कर्याठा दिशय **छ** संबक्ता stimu wieift feceig fein mul गाएक छेपडिछ कमा

#### প্ৰত্য বিপ্লৰ নিবায়ণ বিল

क्षारु 8र्रा मार्क रुखा बावकाशक शक्कार न दकार्देष व भिटका महस्मानिक स्थानकारी আঙন বিশ লাময়নু ছইছাছে। বৰ্ষা िक्षर निवारण अस्तिमाअविष्य गानातप भारत शविवासक कविवाद आक अहां है भावत वह निश केथा पन कविशाविद्यान ।

#### "राष्ट्रवात विश्वनवातीत्रण" गतकाद्री गम्द्रात वर्षना

शंक है। भाष्ठ वंदा स्वक्षां मा का ं "तथा क्षितारी भावन गर्भानम विश" मध श्र भूगताश कारणाइना काराश व्या निः दक्षि अक काहमभक्त छन्। छेर्राहशा नामन,----भक्षाभा दह दिन श्वास आधा-Bel whice effecte mi, al facer के शिमक अकृति यामना अवन निवास नैन. शकाणि अहं चार्षिक चत्राक करवन ।

कर्मन ब्रह्मणस्थानं बरमण, हिसि ১৯२२ और म ब्हेटक बन्धात बन्नी व निर्मात-वाभीमरणय क्रांत्रायांक गम पहिरक्षका त्याम कामन खब्द बस्यान्स केलिएमन ·图 [司 [中國 智] 門司 中文4司 | 155% मार्टन द्वाप्त व्यानात काना करण । विद्यारीन पन क्रिक करत त्या मध्य । इन्हांक क्रिका रेटरमा-भूगक कार्य। अञ्चित्र कविनात शमन्न केल्डिस कः प्रारक्षः नव्योत्मन स्टबा देकः चानार्का

भि: धम, चारे, थैं। निश्चत ताहिनाम किंदिश गर्दन, क्रभाकांथ छ ्रिजी-मर्द्राव कार्यात्वनीटक कि भार्यामध्ये, भारत कि सन-·(16)34 -- (中本等 [47] 東京町 門(市 新)(市 ) মিঃ বি, এন, দাস বলেন, তাল্যা মনে रूप, अवर्थायके भिः कछन्। त ख्वालातम श्राप्त छेडठे कञ्चना दशाला कु शतकरकना ।

गाञ्च अकात क्रमणान च्टिल विक्षित ममर्थन कटनम । लकाक्षद्रव मिः कार. एक. (बाव : केंक्के, बाल्य : केंक्के, बिर भर आह काषर इंक. बा. मिल विश्वत काठियान

विविधि नवस्य विवास्ति। विविध अकेच-- करें बाकान Colto (मुक्ता) करें।म os -65 दशांठें हैं। स्थाय व्या

#### खक विकारमञ्जू अधियान

क्षिण क्षेत्रम कांग्लेख क्रंटिक खन-दम्मदक विक्रित कविद्यं आधारतह ठीज टाकिनम क्षिप्रात्कन बरम्बत् (य. क्रिंश भाषा ४ १०० ४६८७ ्र स्मार्टेत काक्षावित हर्द्वेशांच कार्यक्रीती । अञ्चल दिनाहेंना मध्यांत्र मानिय

काश्वात स्था क अकाका जाद क्षेत्राटक ! इपि क्षणात छहा जातक्वर्य ब्हेटक विक्रिक्रकत कांचा ब्हेंदन खे त्रन कक्री अिषि छेलिरियाम लिबिक करेटन क्रम हेरशंक्रान कारार्थ छहात ध्रमान्नाम कार्यस्य कांबटक माबिद्य ।

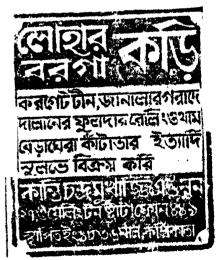
#### धर्मांष्ठे जःकाच चाबेदमंत्र পाश्रुनिशि CHILDE

🌃 আমেৰ ও গনিকের বিহেশে সংক্রোর चारेम शरिवक्य करिया मार्थादन वर्ष्यकी कश (य-आहेंभी क्टरब मा, धारे विश्वास करियात सह माहित्सानाम् श्रविधानी कम्मा मकाब जन भारेत्मत नाजुनिन क्षेत्रक कविशाविद्यामा कम्म महात क्षां किः क्षितिक बारगांडमा कवाब गमब क्र विशास मक्रक महाकाश लगा कहा किछ चन : शनवंदमान्त्रेत्र त्यव निकास स्थानिन नात क्य एक्न क्रिडिय अधिरम्म मृशकुरी काचा क्या व्यवस्थात मध्याप পাওয়া গোল বে, প্রমিক স্বর্ণমেন্ট वार्गाकतः केक वाहेत्वत राष्ट्रविन क्राक्षाक्षक कृतिकारकम् ।

### देवर्डटक कश्टबाटमच द्यांगमान ১৯२७ औहात्म क्रावन्थन विद्या । त्या हिन्द्राम् खालाव केर्वाहेवान व्यक्तिकान

नुष्टम श्यानकितिन देवप्रक विश्वन einfelle min miem eten wiet feidn फिरियोच अस कराश्चम दम्कृत्म दामान विद्यास कार्य वार्षिक मारकन ।

कारशाम मक्लाब व्यक्तिमञ्ज धाउँ वर. Bietei Calincbian Casta Culvilla sterent ning naufn mellen क्टेंट्स कर ममा द्वाल अधूनादक देन्टेट्सक कारकार्यक विवय शक्तर्रात्राच क्टरम ७५८ मरबूक काहे, अनर्गद्भके गाविeinen minmeilla nifen, mat wircon चार्चकः क्र विरामन भश्तकमा देशवा देखानि विसाद भारताहरू। व्हेरवा व्यक्तान, क्रे म्हन्त करातान क्ष्युक देन्द्रक शहे वर्ष मन्तर्क त्य दकान मुख्य द्वाचान केंद्रोहरक etfaran :



## পরিক্রেগা-শুসঙ্গ

পঠিকগণ অনুগত আছেন যে, গভ ३८के साञ्चन अजनात मित्रत खेतिकाराम धीशीमहिकिनिकास मनवरी शासामी शङ्-পাদের নিয়ামকতে সঞ্চীতন শোভাগাল। কোলছীপ পরিজ্ঞা করিয়া অপরাক্ত আ चिष्कांत समय छल्प्यती जिल्लोक्रामायन महत्र উপস্থিত হন। শেষণ নৌলে গমন করা চক্ষর সজেও বাজিগণের ফাহারও মথে কোন अर्मन मक्कन, शतिका हिन्न हम माहे। চপায় ক্ষিত্ৰকাপ িল্যে স্থাভ কৰিব रीमानि समाधम भूकाक स्थिरिधीयध्यासरतय ন্মগান ক্রিতে কবিতে সকলেই মহাপাদদ एयान कलिएका ।

सील्लीलग्रमागरतक सक्रमान्द्रियकन शत क्लिट्टब मध्यक आधारम्ब ८६ हे छ। একটা বিপাট্যত। হট ভিলা। কিল্ডি-शभी है। मधुकितिराक छात्रही महाताम (भड़े महोत भारत कोश्वासितामाण्डार, अध्यक्ति जीवारी गराम्बरतात जीवाय महाविद्या মাণীউলবৰ পূৰ্বে নৰ্বালেৰ ভাংকানিক हामकुर, ३५०० मा कर नतुस्ती भू न्यात कित्रत मान्य वार्यायायायकात्व समस्य उत्पादका বাৰ উল্লেখ্যন হৰি নাম সন্তব্যাল ক্ষাৰ্থাৰ रहेशक्रिक् काला - अके स्मिनिना है।यसका পদুর অংশিস্থান, শাস্তানার তলাবে শিক্ষ बेगरशिक्क वर्णन कार्तिशत कका उपने दनती-त्रात्त सञ्चारकत्व कालावात केव्याकाच মালের আছে আনু সন্নিমালের পালা দীয়া ध्याभारम स्थित्रकत्त्र भेत जिल्हे उमल्यल सिक्या-संपारिकः, शीर नव क्रवांक्षिकाम्बर्भाता प स्वतान खरन श्रुप्ति चीमनाश्राप्तित व्यक्तिक कालोकिक দীলা চরিয়ের কারা প্রক্রেরিয়-সাধ্যে अवसंग भूकेषः तिसत्सारतः नागा कति। বুকলকে ধুঝাইবা দেন। সংক্ষিত ভন বঙলী ভাষাতে বিশেষ প্রীতি মান করিন-ছিলেন। তদন্তর মহাপ্রসাদ ক্রিয়া স্কলেই সেই রাতি তথায় বিলাম गांक करत्रन ।

১৬ই ফাস্কন পনিবার দিবস ভাতেংকালে লোরগদাধরের মুদলারাত্রিকের পর বছ-দ্ৰ প্ৰাক্তিভীক্ষরে পদাবলী কীন্তন হয়। সেই **দিবস আকাশ মেঘাজ্য কট**া কল অন্ন পতিত হইটেডিল ৷ আনাজে লাজিলে হাশ্রেদান সন্ধান-প্রদাক কিছুক্ষণ বিভাগ াক্রেন। অপ্রাচ্চ ০ ঘটকার স্ময় াকাশ পরিষায় হইলে পরিক্রমার শোভা-হৈৰ্গত ছইয়া ঋতুধীল প্ৰিক্ৰেমা ক্ষিতে রিতে সমুদ্রগড় স্থানে উপস্থিত হন। ধার একটা মুক্ততের ঘাতিলাগ সকলেই নিদর্শন পাওয়া श्री श्रीकरणी त्राटका क्रमा

## দোনক নদায়া প্রকাশ

## निजाभाग रेक्क्रवादावर

প্রাণাম মাধাশ্য - ১২০শ ফার্যন, শুক্রনার -১৩১৭

সক্ষত িবিমহারাম কীতনমুখে প্রায় এক ঘটাকাল ভীমনিবিজয়-প্রসঙ্গে কুষ্ণভক্ত উট্নিয়েত সেন বাজার বিবরণ পঠি **করেন**। এতং প্রদক্ষে 'সমুরগড়ি' ও 'চম্পহট্র' নামের कानन जनः बाहादा । मकलाई डेननिक करियादियान । ज्यानवाशिक्ष उत्तीत व्यक्षतक ্যায়ন স্থান বামাননোর সভিত রাহিলিন যে <u>ভালতকোবিনের রম অংখানে করিচানে,</u> ८भइ 'हैं।पाइएस्सिन-अल्बा महाकरि উল্লেখ্য কৈবলৈ চাল্ডটে বাস্ত্ৰ নিমাণ ক (1.) ঐক্সভতক্র ও ভগবার প্রীয়েরি-লুনবাৰ দুৰ্ন লাভ ক্ৰিছিলন, ভাছার चित्रवस्य हो। इत चित्रवस्या**क कीर्यनपू**र्य ९१५ कर्षाः। समारत्य यासिन्द्रन्तः विद्रमा रीएड यक्त कटरन ।

সমস্প হিন্দিস্থানা ঐনছব্রি প্রকাশ २ छ। याम ३ केश के, अहुजान-भारक्या- अगक সম্বাহ্ন বে আন্তেপটাবক্তাকবিলে **প্রক**-दर्भनाटकत के न्यांने ८०० ए भूत्यक प्रतिक्रमात ইপজিত হন।

পৌছিলে মন্দিৰ প্ৰাক্ষণে মহাজন-পদাবলী कं द्वसार छ वर । ४२००४ बीटगोबनलथरतर সদ্যাল্যবিক সম্পন্ন ক্ষরিয়া ভক্তগণ পঠি-কালনের ভদ্যোগ কবিতে লাগিলেন। কিছ তথ্য আকাশ মেঘাদের ২ইরা মহা মহা বৃষ্টি পড়িছে আরম্ভ কুইল। জেনে বৃটি মন হওবে সেই লাখিতে পাঠ-কার্সন বন্ধ থাকিল। স্থানাভাবে ও অতাধিক বৃষ্টি হ ওবর সমূল ১ বিজ্ঞানর থাতিগলের বিশেষ অত্ন অত্নাধ্য কাৰণ প্ৰিক্ষিত হইলে চম্পান্ত প্রামের অধিনাসিগণ ব্যক্তিগণকে স্থবিবাচনক বাসস্থান প্রাদান করিলেন। এড কট স্বীকান করিয়াও যাত্রিগণ **ब्या**रनीत्रधाम पश्चिममाय त्यक्रण **उरमार ७** বা চন্দাহট্ট জীগোরসধাধবের মন্দির হইছে আনন্দ প্রকাশ করি:াত্তন, ভাষতে डाहारमत औरशोतनिहा 'अ औरति अस-বৈদ্ধবের প্রতি একান্ত শ্রহার জাজ্ঞলানান িাছে। ভাষরা

উপ্রেশন করিলে িদ্ভিষানী জীমন্ত্রজিল তৈজন্ত যাত্রিগরকে অনেধ ধরুবাদ প্রদান না করিয়া থাকিছে পারিতেতি না।

> ১৭ই ফাস্ত্রন সনিবাস প্রভাৱ প্রায় ৯ ঘটিকাৰ সময় প্ৰিক্ৰমাৰ স্ট্ৰান্তন-শোভা-गाँद। हन्लव्य जीर्णायस्त्रात्र सन्मित बहेर्ड বহিগাও ছটালা বিভানগরাভিম্পে ভাভিযান কলেন। সভাগে শিবিবালেভাও ইনিম্ভা खार व होतेशक स्कितिहरू एक পশ্চাতে सम्बोधनात हाती. 'क्षेष्टिंगनकी शहाय-প্রিক্রমাণ নাম্পতিত প্রাক্তি এট্রতিত্রমার ও আম্বালপ্তিৰ মালালিছ আলেকী, তৈতিয়া প্রাধান মাল্ল, মান্দ্রা, শাস্ত্র সাজীয় প্রান্তি বংগ, পিছ গ্লা, পাশ্চার ইকার্নচ্ছে, ै दशा शाम পार्ने राजी हम , मा, चाना हाता है। ব্দল কালে লাগিল।

अन्द्रम भवित्समन्त्र कर्तर छन् ब्रिप्टिय केन्द्रत्त्व অধনা মধ্যাঞ্চন্তেও গাওিলবাৰ **নগাভাগ**্য <sub>কিলোনগৌতে উপস্থিত হলাল্য। এইওলে</sub> এটাপৌশক্ষেদ স্থাপ্তান করিতার নৈ বা ক भरिष्यु अनुवर्षाः तुरुकार्याः, क्लानस्त्रस्य सानाः ক্রেটিয়া ভারীগোল্ড মধানত বিগ্রাম স্থাপন স্থানিত্র কোভাবোলা পুন্রণ। গৌরপ্দাধ্রমতে कित्। শিল্পদারে শ্রে অবং ন কাল ইতেন। ঘ্রাধ্যক সকল্পের এই প্রামে উপ্রেশন करिएका शिवान करिएक शिकानक अन, अ. মাত্রিগার চল্পাছ্ট উল্লেক্ট্রনালাগরমটে বি. এল মহোনা জীবিস্থালার ও জীগালা-ब्रीए त ्रितांशक इंडिन की एनस्य বৰ্ন কৰেন। ভংগৰে জিদ্ভিক্ষী লীমপুলিবিলাস পাদ্ভিমেমি য়া ভিনাবের মধ্যের স্থায়ন্ত্র হরীতা প্রায় দেড় ঘণ্টাব্যাল ওজবিনী ভাষাঃ শ্রীমনাজা-প্ৰভু ও ত্ৰীবশ্ন দারভৌগ ভটাগেয়া প্রদক্ষ কীতুন করিয়া বিভানগবের মাধায়া প্রকাশ করেন। ভাষ্ক বলে সমবেত যাত্তি-গণ বিশেষ প্রীতি লাভ করিরাছিলেন।

> সদীক্ষ লোভাগাত্র। তথা र हे 🖰 🔊 ত্রীদেশ সংশাধীপাতিমুখে অভিযান কবিয়া প্ৰিন্তে উচ্চজ্জীপ পৰিক্ষমা ও যথা বিহিত नाहे की धन করিয়া প্রাধ ছই ঘটিনার গ্রামে উপস্থিত হইলেম। সেই দিবস 🕮 হরিবাসর ছিল। বারিগণ শুদ্ধ ভক্তসঙ্গে ছরি-গুরু বৈধ্ বের নাম-গুণ-লাঁলাদি কীতন

कतिएक कतिएक दक्षिमा मन श्रोहम कतिएक णा शिक्तमः।

## बाबीदगीत्रज्ञ-महा-মহোৎসৱ

(ব্যক্তিকা আঁমতি ক্ষম্য দেৱী )

(:) িখিল নান কলিখা কৰি' केट्रि एक क्यारावि । मर्काक्षणात्मा त्याचा सुन । আজি। আনকার ভারতার । কলি কালিনাম কৰিন দেখিলে -থীবের মান্সপুল। দীভিত লাভিত সংহ'লতি ল'নে, তেকেন কে লৈছে বস্তু ॥ ভক্তি ওপন আফুর্ণনার সেখে करिता अवश्व-सार्ताः েলেন্তকর নিনি নিজভজিনস বিজ্ঞান ইয়াবল ভাবে ধ मानद्वत हमतः प्रति । कत्तः केंद्र हैं, अभक्ष 面海 你你们可见了《明日 इ.स्ट्राइन किन्न्यंत्रा ॥ १९।१ । सार्वन्याम छात् स्थान भाषात्रः "解结后这个有些情况。" क्रमार्क काल शामार जाताहै। 网络 大多甲硷甲酯 যদিভাষণ আছিলায় দিলে ল, শিলা আনুলা দন্ क्षत्र हिन्द्र स्वाप्तः स्थापः दाक्त उस आवर्षक ह अस्तित ६% ड<sub>ु</sub> भग∈िरु नम र्भाउट कोलाइ समा প্রেক, শির আর্ভি দর্যা জীতবি बा'्य (अङ अङ्गीसून 🕦 উঠে হারি হারি-ধ্যমি ভাত্রকাঠে, े । कि शिक्ष कर्मा में १ शेषा शेक्षेत्र मुख्य मान् भर हेरमद ,ाह्म । म ५ हेर्म् करात श्राम स्वति क्राप मध्भित अभित भंगी। প্রান্থ প্রকাশ-প্রাক विक्रम दलार्वभागी ।

( > ) ভকত-বান্দ-চকোৰ আজিকে न्द स्वधानात्व यह । "रागकी भुनिमा" धन इंटेन লভিনা অবুলাবভা ( গোরার ) তরণকমল-পর্নে 🖓 হবি জ্বাধা স্কর্মনা ব্যান শতবীচিত্র লাচয়া নাচিয়া প্রভূত্রণগাপা পার গ

व्यक्तानि महीधा

আজি কি নিপুল পুলক-প্রবাহ, একৈ আনন্দ-রোল। मधु-मार्थरवत क्षय मणिहा একি কল-কলোল !! পিককুল গায় উল্লাস-পীতি ুলিধা পঞ্চম ভান। চূত্রমঞ্জরীর পেলব-স্কর্তি অর্থ কবিচে দান।। অযুত কুন্তম উঠেছে বিকশি क्षमस्य ख्वाम धन । অমল প্রাণের পুত উপচারে পृष्टिवादत जीहत्वन ॥ মধুষরে মাধবের বীণকার স্ক্লিত গান গার। শৌবটাদেরে বান্সন করিয়া मन्त्र अनिन द्रम् ॥ পাপিতা ববিষে স্থধার স্থধারা नव डेन्द्रावनामय । রাজ-রাজেলের বৈতাসিক সে যে ! मभुत वन्त्रमात्र ॥

মত কিছু শোভা আছে ধরণীতে
মধুর মধুবতর।
সকল মাধুবী সার্থক তার
সেবিয়া প্রাণেশ্বর ৪
মহা বোগপীঠে শচীর অসনে
অমৃত বিভল হিয়া।
বলনে গাহিছে প্রেড্র-গুণ-গাথা
কি চিন্নার ক্রধা পিয়া।
সে গরম রবে পূর্ণ অবনী
আকুল গো চ্বাচর॥
যে যথায় ছিল পামর অধ্য
অসে স্কুপা-যৃষ্টিভর ॥
মহাপ্রাশাপ পাই' ধামবের বু সেবি'
মানব জীবন ধ্যা।

भूव इंडेम निक आर्वत

আধার স্কল শুরু॥

আজি উতরোল মাধনী র**জ**নী

সভিয়া গোৰাকশ্ৰী।

টাদিনার আলো কোটা গুণ করি'

গোৱাৰ অমিয়-হাসি ৮

ী গ্ৰাম 🕠

কণ্ট বৈক্ষৰ মুখে গোৱা ভক্তে

কান্তবে বিষম বিষ ।

সামল বিশাসী জনেরে ভ্লার,

১৯৫৯ ভাইল দেশ।

ভিন্ন করিনা শঠেব কুছক

শরিছে স্পরোধ ক্ষম ।

নিনাম নের স্থিন স্থান্তবি স্থান মহাজন ।
ভাগবাত নামে বাবাম কান্তবে।
ভিনিকাং দেখাতে ভেট।

১৯৫ তথাকন প্রস্তানৰ সাজি।

(১৯৫ বিকাং দেখাতে ভেট।

১৯৫ তথাকন প্রস্তানৰ সাজি।

(১৯৫ বিকাং দেখাতে ভাবেনা সেট।

শ্রীধাম-বিরোধী ধর্মধ্বজী দশ মিথা। নিশান বহি'। শ্রীগৌর বিধেষ ঘোষিছে ধরায় অসতা বাণী কহি'॥

( এবে )

সাধুর মুখোস পড়েছে থসিরা স্বরূপ উদ্যাটিত ! বঞ্চক বানি শোনে না ক্ষগৎ শ্রীদামে শর্বাগত ॥

(আজ)

জ )
নিতাই কপায় স্থক্ত মানব
পাইথা অমূলা ধন ।
ভীগোবহুবিব রাজুল চরণে
কবে আয়ু-নিবেদন ॥
ভয় 'ভীসিদ্ধান্ত সরস্বতী' জয়
গভিডেলাবন তুমি ।
তব ক্পাবলো তারলা পৃথিবী
পাভিডেলা তুমি স্থামী ॥

শ্রীল অদৈত প্রভুর বন্দন

ष्पदेव शहरायाः नांना माखिल्यन-नाच । र्योशाव त्मवत्व स्वांच अटेब इन्ट्य ॥ वें।बात हकारव देह राज्य भन भारा । উপানান-कार्य **क**देव ७-४ व गांद ॥ किंकिमक् - धाकान (म स्वादिन प्रकान ) कि कि विभा कारी नाक अब के महावा क्षबाक्षांन क्षम व न गरकात व्यक्त । रमनातिश्रह किनि मध्यमानम्बन्धः । চিন্মর বৈকুও কুফাই। ধব-প্রকণ। षा'त्रस्थाता छ-- करफाव विविद्यानकाम ॥ भूरण क्रमा-- डक्स र वन डेलांनान-कांबर । कादन-छेशामान देशक क्यांशि विक्रिय ॥ सन्धर नरक निष्ठ्, विकु देवतक सिंह नरक। कुक्काग्रनांत जिल्लाका, (चर्म डेडा कर्ड ॥ कष्टितरच ठिमाय डेनालारनद मकाब ह कारक व डेमरब एवं क्रुस्थ्य व्यवस्थात। वेषकीरनेत नरह कुफरमवास व्यक्तिकार है। क्षमारमवा व्यक्षात्मव क्षमा-व्यक्षिकां हो। खक्काल बनहोनं कृष्ट ाविन्दि । करेबरकत कुषा हेना सानि छनिक्छ। वक्कीव-डेकारतद करेब ह जेगाव ॥ फारंब ७ दशाब्दम कीटन, कार्रेब ८ क्रिक्टन<sup>9</sup> : --- वह शृह अब ८कवा वृध्यातात शास्त्र ह कौरतत कान-कालारनत कात्र —कार्य है। ख्यापि कछ नी नाठि सारन छोत्र एक ॥ करियर इस कथा ज स समाग्री श्रेष् ष्यदेशक ना मानि गरन शाम महान्छः स बडे छ:रथ भरेषक भागत भगवति । क्षकारमभ निषयां व चार्यान चार्ठाव ॥ कटेंबक-एक मार्टन', विकृ नावि शृष्ण'। (महे व्यनम करेंब ह-अब कड़ न हि तुर्भ ॥ मण्डां करेब ७--- मत्त्रकी १- शृक्षः ।

कीरव क्षेत्ररह नरह मध्य-मध्यमा ॥

यश्रमि निय क'स माम्रा-मक्तिश्रत । एथानि की। महरू ममकक छात्र ह মায়ার অশীন স্থালিব কড় নতে ৷ माब: नक कीटन भश्कादन माख त्यारक' ॥ विक्-ण्याच बाजान अविकामिकक्राम। भाषां व गणिक यत्य विकत्त्व स्टब्स स ভবে পিন-পঞ্জি-ভত্তের হয় ভ' উল্ল । लि १-मस्ति व्यवसारस्य मृतीकृत वस ध कफ्-चन्द्रात्र-७५ ८४।कु चक्तिमारम व्याणनाटक माथाव कक्ष- कवि वाटन' ॥ वज्रहः मश्रीलिय निष्कृत्य स्म। इत्सार है स्कृष्टि मांबाद मुक्ति समन ॥ भाषा-गर्भ मित्वत वस छ? । मनम । क्षतिकावी विक्रूमांग क्रम का अंशना ह देवकाव श्रमांस लक्ष्यांत्रा साहित्र योहन्। मलन एक अव क कुना कि कारन ४ मणाणिय का, क्षांत्रे, भग-तिकु-बरणा িফুর ইজ্ঞার জীবের নিরূপের উৎস।। भावाव गरिक लिएक विश्वासक मन्द्री। हेग माठि क्यांनि' कीव क्याहरता' व्यथमां अ ष्मानगरक निय-कारम माधा-८काश यारक्ष्या के लिए तक रूप भारति में न बर कर एक भएक म মারার দভিত জীবের অপুর মিলম। कृत्यान है व्हार वस मण्डा-कार्य म नीगक्ष्रे निवनात्व इन ऋषिकाती । भाषा-मदण क्रि कीत रुप व्यागाठाकी । कीय लिय कड़ कार्ड, नटह ज्यक्षक । ष्प्रदेश ए- क्रुलाव क्यांनि लिटन र मध्य ॥ ष्यदेष ७-कृषाय कालि, लिंग क्रम्म् कुक्र । भव्रय देवकार मञ्चल नाक् नक्क हता। भटेक छन्द्रभाव भाग निक्ता करिए। भगा-िकु कोक्टन क्रमा क्टबन मानव स জীব-শিব 'এক' নংহ, জেদ্যভেদ্নভন্ত। खब (लग्र '४०' नर्ट, खक्षकच लिका ॥ खक्रक्ष भगः लिन निष्ठा भूषा काहे। लिटन शुक्रावृद्धि योज क्षात्र अक दल्हे ह लिय-१वस् शत्रण्यय वन छिन्नाहित्र। माबिक अमारक मिनारी मक H लिदार अधिकात औरत कन्नु ना मन्नद । लिय भूकादृष्टि रेक्टन कर व्यक्तक्य म **णिव-मद कालनांत गमनुद्धि यात्र** । दम व्यथम कप्र नाहि यात्र माधा-लाह ॥ श्रद्धादेव ३-७७ भाग' काष्ट्रि' माधावाना कृतिकास काहि' मफ' लियब व्यमान ॥ कटेबच-क्रमात्र कटेबच-७७ कान्। चरेबर-পूबरन छोडं निकुष्ठिक मानि ॥ चार्टबरक्षत्र हज्ञरण नरमा का साम म

क्षणान शिक्ष-महिमा। नाहता वहर चगर-चो(व(त्र দেখা'লে স্থপার সীমা ॥ CUINIU BUCE कीय शम्बर्ध **উछ**त्रिण **अ**व-शिक्ष । Alfa Coin Wa ক্ষীত্র সৰ ভব त्मरभ<sup>2</sup> नानी-कानी-म्य ॥ भविका-**व्या**कारस ष्माभारमञ्जू बरव क्षणा देशिक क्षा देशकुके-बामका · क्षीरेहरूक-कथा निका नक्षात्य के ब (Binis www. P(8 4 % ##. wwen 'wwo' cree ! (ভাগ) আক্ষারে 'অক্ষার' वृद्धियात प्रम दम्हेक चनाना करन ॥ बिक किछ नागि<sup>2</sup> (यना महमाहवाती CHER COINTE BIR! ভূমি ও তাঁচার নেট ক জোদার (তাঁর) ভোষাভেট নিজ কা।।। PETE STEP CRICHO BONN 御行司書 非確 料 むまし ग्र**क्शि टेक** हव मक्टल कानाटन काना ॥ অন্ত ভক্তি क्षा गश्यकी क्षकिभिकास-गरी। CAINIR MAILY कार्तिम स्वयादय त्या विभाग किया विभाग में tin wifesten m + Bu wea केष्ण्य ७०१८ वन । ভূমি ছ তাঁগান WENTER Ctet-100कें ( . भे द रिमशम म मामकर्ण को द প্রভার বিভয়ি भागांतरण देखांचे गांदर । कामम अ: वन C# WILE -614-4 ८७१७ मध्य मार्थि भारक प्र অতি অকুড্জ (महे मृह बाक CONTRACTOR OF STACES नवीधा श्रामान প্ৰেছ বিকাশ ata at cufera mica n शायामधि। भार कुन(हैंब नाहि निम्मान्यकि आवि निम्म nein meß. क्ष या लिका अली ফানাও লগতমং ৪ আলো অন্ধকার 🧻 ১৬৪ ८७म कि श्राक्ष श्रमानाक दक्षा बाब । ক্রিয়া যত্তন CBIRIS NOR (करत) यरत यरत भर ठाव म নিলাপিছে শহা ውን ቁቱራቱ፣ याश्व खनाम 🖦 । CHE DOG Bisico Sein लाए। मार्ट्य निकासक ॥ (क असीहा- श्रकात। ₩स श[म-म]म (ध्यन) विद्रांण ना क्षे ● छ । 曲型 希腊 的门外 ∞ा ३० वा मानि

## শ্রীনদীয়া-প্রকাশ-মহিমা

(মৰস্থান্তক্ত) প্ৰাক্তো নদীয়া-প্ৰাক্তাশ ! নদীয়া-জ্যকাশে ভোমার প্ৰাকাশে চিক্তক্তমো ( বৈলা ) নাশ ম বিশেষ জেষ্টব্য-- শ্রীগোরজন্মাংসবে পলালে গত রহম্পতিসারে নদীয়া প্রাকা প্রিটিং ওয়াকৃষ্ বন্ধ থাকার পরিষ্ প্রাকাশ কটতে পারেন নাই।

(७०१क) अव साग त्यांत्र व्यास्त्र स

## চৈতত্মঠের শুদ্ধভক্তি গ্রন্থালা

~	জাক্ষরে প্রকাশিত		<b>9</b> 2	নৰ্থাপনক	1
<b>&gt;</b> (	क्रिम्डा १९७ म्, गम्ब ००.	\	90 (	adda a	1.
	के (३४अग क्षा) २०१०/	•	08	मराठा सम्राष्टः	1•
	ओ (शलम <b>कक</b> ) ्>३.	`	<b>96</b>		1) /5•
	चाम्र-मर व्यक्तिदेहचक्रहत्रिचामुच		99	46449	·>•
	( क्ष ग्राह्म ) ( ०	` '	91	नायककश्चाना ( वाषा )	#+
• 1 ,	গোড়ীখ-লোরৰ ভি	•		ঐ (ভাবাণা)	1%
41	(गोडीय-गाविका	• `	OF 1	বেক্ষবসঞ্বা-সমাজভি	
4 1	******			ত্রখন চারিখন্ত )	>
• 1	औरहज्यहत्यामुख्यः क		ا دی	এক্সংভিতা	1.
	क्रिनवोग नक्षम्य (वारा) >	` '	<b>8</b> • !		•
	धे (चारीशा) क			ঞী (জাবাধা)	41.0
• 1	শীকা ( ত্রীনদম্বেন-চীকা-স্ক )		85	মশিমজারী সাত্রবাদ	1•
	( वै१४) ) २.	<b>.</b> 1	85	,	h
	ঐ (অধিধ:) ১৮	• }	801	<b>और</b> इंग्डॉ शवन्ड	•
• 1	मेच। ( क्रिक्टनवि-जिमान्त्रकः)	ł		(विद्याष्ट्रेषिकीश मरकदन)	•
	(बाना) क	`		ভ্ৰম্ভাৰণী বা মানাৰাধশক।	•
	🚵 (আৰাখা) ১৮	•	84	<b>এটেডছ শিক্ষান্ত</b> (বীধা ১ (আবীধা)	•
	ক্ষভার কেবল মা <b>ধ্য-কাশ্য</b> স			্গোড়ীয়মঠ কি করেন ?	
3+1	म्हास्थासका कन्त्रीतकः मास्याय			ह्याभावत्रकः च्यापाः स्रोत्मानस्थितः ( दशस्य ६ ५	
•	( भावत )	•		काना कार विद्राप्त ७ मञ्जूनाम	
33.1	८वशास्त्रक चनाम नाम्युरस			ञ्चाकुराश्यद्व व्यक्तिराध्यद	۰۱۷, ۱۰ ۱۰
	( श्रामाक्षणीय )	•		ভাতুৰংগৰম সি <b>হাত্ত</b> দৰ্শৰ	<b>4</b> •
\$2.1	(জ বধ <b>ণ</b>	•	4.		1.
541	<b>টা</b> •বিনামচিকামণি			11.1.1.	
	( 594 HERRY )			বনাগরাক্ষরে প্রক	
>0 t	গোড়ায়-কণ্ডহার			নিজ্ব: জ্ব-স্বস্থকী-দি বিজয়:	₩.
5 <b>6</b> 1	(क्यमानव <b>क</b> ( कृष्टीह मरकदर ) क्र				
	क (वाबा)	:		<b>৬%-সূত্র</b> ম্	
501				সাক্তবাদ শিক্ষাইকম্	
59.1	माध्यम्ब ( ७३ मःवस्त्र )	/• i		পৌড়ীয় মঠক পৰিচয়ঃ	
101	(नाम्यामी ब्रथुनाथ शाम ( देश्या ) ।				
		<i>'</i> ;	32.	ৰেজা ভাষায় প্ৰক	1निड
	मवदीनगःय-खद्याना	;	69 1	भाषक सम	1.
₹• 1	<b>电影型表现</b>		eri	नाहेक् या ७ विस्तर्केत्	17
•	(নৰ্বীপ পৰিক্ৰমা)	'•		<b>ब</b> रि५७ अस्त श्रा	1.
-	All director	>•	43	(4時刊書半	1.
	নৰ্বীপ্ৰাম-মাধ্যা	•	••	। र । वाहि रशो श्रीवस्त्रे केन्स्	964
201		<b>, .</b> .	*>	দি ভাগৰত	į•
49 1	সৰ্বীপ পঞ্জিশ	ì	<b>•</b> ₹	৷ ইলোটক্ প্ৰিলিশ্ল যাও	
	(888 (111014)			আনেশয়েড ডিভোসন	
	<b>अ</b> नवदो गङा व इडक	•		ভড়িয়া অক্ষরে প্রব	কাশিত
	क्रेर्शाप्य क्षणा भावता भावत			, আছরিনাম চিন্দামণি	
	<b>ब्रुवावाछ</b>			नामम नव	· !•
	भूकावनी 			*#319 *#**	H•
	চিত্ৰে মৰ্থী প	,		ने कायमी	, 3
٥٠ ١	श)वशकः	) )•		- व्यवार्थाक	/•
٠, ١	(·何可答) 書写[數學]	/	-,		

## কলিকাতা গৌড়ীয়মঠ হইতে প্রকাশিত

# শ্রীগৌড়ায়

একমাত পারমার্থিক সাঞ্ভাহক

শুর্ম-প্রেমণশ্রের বছল-প্রচারিত, সম্মন্তনাদৃত, নিশ্বংসর স্থালোচক' অক্ষরজ্ঞান ও অংশক্ষজ-শুক্তি-মীমাংগক, বিশ্ব-জীবে একমাত্র অইগতুক দরামর, হরিজনোগাসক, পরমার, ধল্ম, অর্থ, কাম, মোল্ক, সমার, বর্গাল্রম, নীতি, প্রান্ধ, কারা, শিল্প, ক্রি, একারন, সাহিত্য, বিজ্ঞান, স্থাতি, দর্শন, ইভিন্ন, চিকিৎসা, প্রাণ, জ্যোতির, দৈবরাশি প্রস্তৃতির নিরপেক পরিমর্শক শুক্তাপতি—শ্রীকাজুল্ভক বন্দ্যোপাধ্যার ভিত্তিশাল্রী, ভিজ্ঞারম্প সম্ভ্রমন্পাধক—শ্রীক্ষক্রানক্ষ বিশ্বাবিন্ধে বি, এ

অগ্রিয় বার্ষিক ভিক্ষা ৩, টাকা, ভি, পিডে ৩৮

অফিস্—১৬নং কালী প্রসাদ চক্রবর্তী ফ্রীট, বগেবাজার কলিকাতা।

শ্রীধাম মায়াপুর শ্রীদৈত্যমত হইতে প্রকাশিত

# াদ হারমনিষ্ট

## বা সজ্জনতোষণী

জ্ঞীবিশ্ববৈশ্ববরাজসভার ইংরাজী মুখণত শুক্ত-সনাত্র-এখ্য-সম্মুখির ( মাসিক )

বেদ, বেদাস্ক, উপনিষদ, মহাভারত, গীতা, শ্রীমন্তাগবত, পুরাণ, ভন্ত, শ্রীটেডকাচরিতামূত, শ্রীটেডকাভাগবত শ্রীটেডকাচন্দ্রামূত, ভক্তিরসামূত-মন্ত্রু, ষট্ সন্দর্ভ প্রভৃতি সাহত একসমূতের নিরপেক বিশদ-ব্যাখ্যাকর্তা। বাধিক ভিকাত, টাকা, ভি পি ৩৯/০ আনা

প্রাদি বিবিধার ঠিকানা—

ম্যানেখার—হাশ্বমনির

्भाः जीमान सामानुत, जन्मा ननीमा ।

# চিত্রে নবদ্বাপ

প্রাচীন ন্ত্রীপের অবস্থিতি, তথা, ঐতিহা, গ্রোত ও ঐতিহাসিক প্রমাণ-সম্বলিত নয়টা বীপের স্তিত বিশংগঞ্জ

বাজ্য বা ভদাহেব

কুমার শ্রীযুক্ত শ্রদিন্দ্নারায়ণ রায়, এম, ৫; প্রাজ্ঞ

## মহোদয় কতুক সঙ্কলিত

৪৭ খানি বিভিন্ন কর্ণর সপুরর চিত্র ও মান্ডিত্র-সম্বিত প্রাচাবিদ্যাত্মহার্ণত বিশ্বকোল-সম্পাদক মহাস্ত্রের বিস্তৃত ভূমিকাসহ

উৎকৃষ্ট (ইং) মরোকো বাঁধা ১৮০; জি: পি: তে ২, জুই দকো **বাত্ত ।** পাশ্তিকাল:—উটিচভগুমত, পো: ইন্সিয়াপ্ত, গদাবা ।

# বিখ্বেফব রাজসভার শুদ্ধভাজমতসমূহ

छोटेल्ड गर

আকর মল্বাজ ल हीन अवश्रीत, जाकनत ज्ञानाम मात्रालुत, मनीवा ্য হট্ডে পার ৩০ পশ্ব উত্তর-পৃথে শ্রীব্রলগরনে আচানারত্ব ইচিন্তর-

শেল্ব-শ্বনে এঃ এটেন কে মসা ব্যাহ্ম লা

१६ दुर्ग भारतक केरा, पहाराक्षाणीं के वा माखन खबरकती : अहे महा नीटर्स खिकांतर নাম্যত ব্যক্তবিশ্নি-ু-৮ সম্মুত, প্রবিশ্বার অস্তর্গত কাবা, মাটক, অলঙ্কার, ড্পা कर्र , स्थिति प्रतः ११ - वृज्ञ- र प्राप्तः ५७३०१४ स्थापनः । ल समापनः जन्म विश्वासः cericips-site के का विशिव्यक के शक्षिक शक्षामात्रिक-बांद गा-तृष्कु है के विद्याल के बांध रत प्रवह देवक निका प्राधिक अग्राम्यक्त । अडे महेतारक भारमार्थिक देवनिकश्च सामुक्त शका मुक्त व श्रशाहान अहताब अहतिक (स्व 'नव) । - शकाम' ग्रहाश्य পাত্তিক ভাষাদেশ । পাত্রমার আধান-পতিক্ষোপ্তর ন ও অগ্লিক দরিংগাঞ্জি १८-१२५व कि कक्षक अधिक दश्या अधका - दक्क म - दक्क म - दक्क म ট্রিক লক্ষ্তিট্র সদর্শী ভঞ্জিলদ বিধ্বাধ্বিধ্বী এক শৌ, গাওচ ইংগ্রিক গোরল্প । टिक्ट के द्वारतपुराहील, केंद्रशास वीत्रहला अक्कारी, १७७३ - विदान वेसक स्विकारी, कें, हुक वर्तीहर्मातः अक्षादाराज्यम् केंद्रवर्षाम् महार सम्पर्णः स्थान श्रक्कान्यः ।

#### o : (याभभाठ अम्बिह

AND M. D. 2.73. Normal of C. William Till and C. C. য়কাজাত্ত জাগ গোৰ লগ্য মুগালোগ-भीत्र । बदारम द्वार महार मान क हे. निक-खिशासक शिक्ष्मोदनाद्वापन । चत्र शिक्षेत्रज्ञना **८ हैं।** प्राकृतकार जिल्हा अरा क्रमा है। ध्रा-कृष्ट्वतः दशका सक्कालाः । यक्तक----एलाक-মাপ শ্বৰ প্ৰেন্ডাৰী ভট্টভোইন প্ৰাভু জীৱমান माचा अवकाती चीर्रांगकतनम अभागती, भेतिनाम **उन्न**ा । श्रीभावनमान **भा**त PING OF CHIEF CONTRACTOR

#### (८) जीनाम-राधन

श्चिम्पादाश्चाकृत को छन-निर्मात या । जिल्हानम् ७ श्विक्टाइट (श्वा) वक्कमानः am +--- शेटामाधार अञ्चलीती, श्रीमान कुक् हैं। न कुरामारा श्रामी ।

K ) 4645-44

ु श्रास्त्र श्रीकटेबंड श्राञ्चव अन्तर खबर ८मकः वस्त्रः . .

#### (७) कं क्षोत्र गम मि न है

আটোন ম্বাপ্ত, বামনপুত্র (নদীয়া) **केरजोत्रक्र**भाषाक की अक.कीर प्रमाधि। 374 - 375'. ] Bride off' 4016] !

त्र । कश्याम अपन पुरस व्यक्ताञ्चल, अक्रम्बद्ध । नर्भीयः ) । খালে জীবকুপার ভাল ভাজনিলোদ্যাকুরের unife ene Molienuien wat Eidlatui-MINION LAST 4 SALE

कक—कि कुलम **काका**च दक्षात्री क्रशांक्षणी दश, दम, दम ।

#### —લહાલ ડુલો કામ મછ -- 4 fest : "

কেবল শ্ৰহ্মত ভাক্ষ স্থা এম, তে, ত Ta, was, nearly ... It was any wife. गार्थाः, व्यक्षेत्रकारः स्थापना व्यक्षेत्रः ।

' का क्यादमाझ-भक्षामङ सङ्ग है। पह जी, सर्माष्ठ, ( नक्ष्यास ) Ben arfteit a miefie jest erteten. ता । तकक---भी श्रीकृतिकाम का सम्।

১- ) জ্রান্তপ্রপাঞ্চার-মুক্ত 87 191#. 2011 to 65, 74 क्षक-- डी.बॉ.ब्सान अक्षा हो, डी.क्षरमणव **রক**ংটি ।

#### ( 22 ) 四に甲(水)可用を国ニ

भाष्याक, काल्लाव, क्यारना हैताशाव शब के कुर नुन्हात्राम श्राम । ब्रा क--- देशक वर्गाया क्रिनामा । LATE EFFTO ( SC) ीं भागति है (क्षा ', क्रमानगढ़, नवीका : अभव रिविष्टा छ अक्षाना दे व्यक्तास-एक छ । कर-विभवानम दक्षणारी।

(३७) डीजिक्श्यम मह CB.मनाफी, दशाहाफी, क्रमानश्व, मनीशा । गर-ची पड़गामन अवहारी।

( 58 ) श्लिमाधन दशीकीत वर्ड a-नश मनानगृत (क्राष्ट्, हा ना । भूका १८४० शांतान-८क्छ, ध्यादन हो खन-दशौराध भावना-।भावनदाव दमना वक्रमान । इक्- द्वीशशावद्यक अववागी।

( ) श्रीद्यामानकी वर्ड क्यना भूष, हाक।। रमामामभी व आर्रियाहर व आठीन रमश हर--- विकाश्तर्भाव अवहाती।

## ( > ) बादगोड़ी स्र मर्ठ

১७ वर काड़िलामान हजन की ब्रेटि, evit नागवासात, क्लिका हा। किलिकान ति. वि. 855e

श्रीमणार्था एकतः क्षात्रातिक स्वमित्रण काकारण-श्राह्मात्रात्माल देशीक्षरमध्ये मध्य संगाम नवी विविकालाय हैं। इंकिनिनाम बामान है। के बालिक बार्डन । के वक्क अख्यातारम के बुक्र-दुक्ते काम निर्देशनामानम की है अलावरम निष्ठा स्मिनिक बर्न । स्मिनिक মটোষাবর্গের বাবভীর প্রভাবনীয় প্রকারেরানেশে শ্রীমর্চে বংলল্ল একটা ভর্তীত মুর্লাত গপ্তান্য সংস্কৃতিক চত্ত্বপ্তন। পুলিবীর প্রথম 🗐পৌরলাম প্রচারার্থ এট বছালয় रहे क (sil होते में म श्राविक शत, कि अनुभागिक भागिक शक्तिको देशतीको क्रायात चित्रांग्राफक्तातः लाकाक्षा करेटक्टला । क्षेत्राटी पात्रे, मधीकेन, त्रेलेखान-छक्तेय-इनलेखाः मिश्रहात्त्रम, भीति । १८० छनि मध्य । जिल्लाहर अभिन्ति । केरेश যোকে। মঠতক্ত-আন্ত্রাপ্ত ভালাদ কৃষ্ণবৈশ্বী বিভাত্যৰ। সংকাৰী-পঞ্জিত প্রীপার অন্তর্ভাত পরাবভাত্ত্রত বি-এ, প্রীগার প্রশারানক পর্চবিভাতিকার বি-এ, क्षापाम तामानकाता बक्षाचा. श्रीमान सप्तकावन नामानिकाबी विन्तः श्रीमान मबद्भावाल मामानिकाती, अकठार लीकी मनानम, अमानदी लीवाखीतमाबन, अमानदी i Anderson - 等「各門(器)。 (2階) (2 સીંડ્યા કો તથામાં, માંચ છે સોરાં નહીં તેણા છ ां का कात का कमाली ma

#### ১৬) গ্রীগদাই-গৌগ্রাক মঠ amian attiffent seal settening grape

MANTE-CHITTINE 2年十二間四十四日 3年5日1

#### (29) श्लीकाश्वरक्रमानम् अर्ह

भौगरा, नाषामनपुर, स्मितिनी सुना CONTRA MERCHANIST BERLEINERS किविमारीक निकारमक नामसूक । तथा क-- । दथा क-- देशनशक्तिमाथ अक्षविके अवनारी खोक्षणवाननामची । तक्षणाती मध्याकः

#### b. व्यायनारवाष्ट्रा अश्रहासम

B) 取得(サ といて) \* 強利(オ ) कारत स्था । अक्रक--- वाल सभी । सीव (४०) सीव (४०) वा FEMICI

#### ) अभिकास छव मर्ठ

Main, met, Bfignit! mभारत औरशीव-'तामाममाभवकीत निका-त्मवा वहसात । तकक — तकाराती विभवता-म विमानप्र, अम्रानी श्रीममीवानक।

#### (२०) बीजन-८गोडीय मंड

व्यागवत्रमाथ, अव्यक्तिति (भाः, भूती । स्व वर्षा MARIN 1 4744-38618] म्बन्धरम्बदी बानावधी। मक्कारा-वक्षाती और रिवर्गनहाती।

#### (८১) जीमफियामण गर्छ

Biuntaimir, mbo : वाषात्म क्षेत्रक-त्मावाक-विद्यानम् 18 : (48)(74) . 48HFA . | 3W4-क्ठाती जीभगायता

#### १२२) श्रिमनाडम-, श्री श्रप्त मठ

वंबर स्वराष्ट्रांगन पूरः, का ही है (भीकन्यमञ्जूष अन्य मन-निकारक्या क्षांत्म द्वारिद्यना वक्त्राःस्। तक्क्र हीकानकीनावकी ।

### (२०) डी**ङ्कटेड्डम् ४**३

खीन तरमाम कुछ, खानाम हुन्तान । 出意のガーはW-Cateの報告 (四十) i

(46) 連門可谓用軟件可 期基 रेन्स्यस्थलाः अञ्चल

जबादन क्रिकाशक माठनामाः ब विश्वात विस्ताम विकासकोत ए ना वक्तमान । जी छम्पादाम की मा समा विका विकासी । इकक -- अमारांनी जीनु गरर । अस क अमारांनी

#### (२०) औरेडक्कदशोक्षात्र मह

प्रेम्बेड का, क्रिकेड क. आल्ड्रेस : देश दिव तम-पट्टा नामा । क्या क--- सहित्रा-ाथ काव, शिटाम-मानम अवकारो । स्वीताम तेथं अवधाना ।

## (२७) औरगामदगोक्रीम मह

कुक्राक्षक, शास्त्रवर, क्याम । अव्यक्त रीरभोबावस्माम-बारमक स्मना वसमान । 

(२4) खाक्षभगाषा व्यवज्ञाख्य-वर्ड

अभिगणाका, त्याः माक्, हावछा क्षरात्म वह सक्ष्मां आत्मावात्मव दमवा वर्षमान । १००--अवनानी खोळानकक-্প, জীনাধার্মণ জন্মনারীর

### ( .৮) विक्षा भाषीय मठ-कार्यालय

be con counts, find ficht 1 भूक रू--- अक्षात्री । आवाधकातानुक, महादी खोलायावभगठदणनवन् । हुन (59) (明] 別可可用中日中日 सम्य-अम्हाती कीश्रापादमास्य

## **अच्**या

ा बिद्यान के अधिकितिन श्रे कृतिक कि विक हेक्ष्रक कोटनव भरितय. कृत्यक मार्किक मनक, िका छ दिवितास्त माना. श्रीकार्य । निर्मा क भवत्रकारन इक्ता साहित्व জীমন্ত্র প্রতিষ্ঠা প্রতিষ্ঠান ক্রিক বিশ্বন্দ্র বৈক্ষান मत्यास चेत्रल: लत्यालामनांत अविक शांत्रका, मासावयः, देनशाः क्षणि स्व क्षान्त्रस्य दशक्त, हेमना,स्य अरेबछंबानी सक किक कारकार, भौत्यत वका का प्र मुक्क, देश्यावपुरत्यत अविकात, कव्यान अविकाती-रिठात, कथा क अधिकारनंत्र मार्चक हा, लाक्क मध्ये छ टे १ क र नथा, ट्वटन अक मौला, करा वःस अम्र का कालाक ता ना मानद्रमण अधिन महसूचा क दशीय-निक्षांत्र कारक्षा, नक्षत्राहरू मकिए अभिराज कादन, अल्ला-कार्य क्रमुक इन्तर्ग हराया. लिक्सिकार हा मीला, देवती 🗷 अध्यासना किक, मध्यक्कान, कम्प्रदाव आमकारी, भावकीव्रत्म, अपूत्र वतः भीनाव्यातम व्यक्षात्र मनायम সाध्यमस्यत्र धानाव भिन्द्र प्रदेशावनी च ७ मतनशावात करेवानकनम्बद्धा अ प fine aptice : as was is alea, ga miet men mert. लादभाषिक जारकात । बहुत हर बक्क न न अरनत काकित मा । लक्ष्म शुरू व्हित्यर क व्यवस्था मदल क अमहत्त्वाली आह धार्णनेरण क्य क्राम्ब ३६ नार । निविक्तभाषात्री-माझ-मटश्विनभाष्ट्रन-करत कर अहाभूक प्रतित करधारकता आनाव अविकृत क्टी, क्यामात र काति वाता जिल्ला ममुक्त कता व्यवस्था । to to me coreta ben offi com bear diale-७७**० भरकाल र**ू माळे ।



प्रकृष जःभवन

्मचळ बीवाके-- २, छूटे हाना कार्वीया---: भ० (भोरण छूटे हाका



विकीश मरस्वन 🗸 वाना

শ্রীক্ষণ ভোষালী আৰু জীল বযুনাৰ গোষালী আহতে উপ লগতেবে যে স্কাৰ কথা সামান্তিন, কৰিব হ' জাত আক্ষণতেব অনুক্ৰ ক প্ৰাধিক্ষ বিচার ক্ষতি প্ৰকাৰভাৱে বিবার ক্ষতি প্ৰকাৰভাৱে বিবার ক্ষতি প্ৰকাৰভাৱে বিবার ক্ষতি প্ৰকাৰভাৱে বিবার ক্ষতি প্ৰকাৰভাৱে কিব মই বিবার ক উপায়েশ বিজ্ঞানত গোমিব ক ইয়াকে।

৪-৪ গৌল্পাক্রের **র** সচিত্র

# শ্রীনবদ্বীপ পঞ্জিকা

পারমার্থিক ব্যক্তিমাত্রেরই একান্ত প্রয়োজনীয় বিষ্ণুত্রত ও উপবাসাদির ভালিক। সম্বলিত বাংলার ঘরে ঘরে বিরাজিত হউক

ভিক্ষা ১০ আনা মাত্র

do ভাক টিকিট পাঠাইলে ভাকে পাঠান হয়।

মহাক্ৰি

জ্রাল লোচনদাস নাকুরকৃত জ্রীতিত্যামঙ্গল

ওঁ বিষ্ণুপাদ শ্রীশ্রীনছজিনিয়ান্ত সরস্থা গোখানা প্রভূপাদ-সম্পাদিত ভূমিকা; স্লোকের অবর, বলাকুনাদ, প্রতি প্রসক্ষের ও খণ্ডের কথা সাল্ল, শন্মসূতী, স্থানসূচী, পাত্রস্থান, প্রমাণগ্রম, ভালিকা, পল্পসূচী প্রভূতি বিশ্বত সূচী সম্বলিভ নোক্ত্র অক্ষরে ভবল ক্রাউন, স্মাটনেকা আকারে ক্রিট গভের কাগতে ছাপা। ভিক্তা—২॥০ টাকা

### শীহরিনা মটি স্তামণি

নামানাল প্রিণ কবিলানসাকুতের মূপে জীনমালা প্রভ জীনাম ম কাল্পা, নামাকাস, নামাপরার প্রাকৃতি বিষয়ের, মানতীন বিচার প্রথণ করিমাকিলোন, এটা বিষয়েন্তল ক্ষতি সমল প্রায়ের সংক্ষিত্র আশ্রমক পরিপাটিভাবে মুদিতে। জীল প্রাক্রিনেন্দ্রন্তনিতা বন সংস্কার ভিক্ষা দ্ব বাহ আন মুদ্র

## বৈফ্ৰমঙ্গা সমাক্ষতি

(अन्तर-विभटकामधः)

নিষর :— > । তি লিংছে বানহাৰ লকাবিটা আর্থ >।
চাহিসক্তাধাহের বৈকাব্যান চিত্রে, ৩ । নিজ্ঞাবিহানসক্ষাবি দ

ক্রিমন্তির ও গাঁবিহালের বিবলে, ৮ । বৈকারতার ও প্রবজ্ঞান
সমূকের ও ক্রেই। ও বিবলে, । বিষয়বিশ্লেই। ট্যানিক ও
লাকীর আক্রেইণে হবে দ্রি তথা। চার্থিও প্রকাশের
ভ্রম্ভি। ১ম নও দল্ল, ইয় ওও দল্ল, লয় বভ্রমণ ভ্রমণ

#### ভক্তিসন্দভ

১ম খণ্ড ১, এক টাকা > য় খণ্ড ১, টাক.—

আমন্তাগৰতের ও গোড়ায়ের প্রাহকগণ ১৪০
টাকায় সুইখণ্ড পাইবেন বৈদ্যাচায় জীনজন গাখামীগানের ছচিত গ্রাম টাতাট স্ট্রন্দভের জনিক প্রায়োলীর মংলা প্রাতিশ্ভ ডবল জ্লারন ৮ ফর্ম ড ৪ পুরা মাকারে মুখ্রক ইবংছে।

> শ্রহণ চার্যা সক্ষলিত সদাচারস্মৃতিঃ ভিকাৰে খানা মাত্র

# বিজ্ঞাপান

সাবধান। সাবধান !! •

জে, বি. দণ্ডের চৌকা শিশি বাদো**ম ভৈত্র** আদিও অকুত্রিম এবং উপকারিতার সব**রগন** পরিচিত ও বস্তু প্রশংসিত।

আমর। সন্বস্থারিণকে জানাইতেছি, বাদাম তৈল থরিদ করিব র সময় শিশির গায়ে ইংরাজী অক্ষরে জে, বি. দত্ত এও কোম্পানী নাম খোদা দেখিয়া খ্রিদ করিবেন। নতুবা জুয়াচোরগণ ক্মদরের কুত্রিম তৈল দিয়া প্রতির্বাহ্ন করিবে।

িনীড-ভে, বি, দত্ত

## ফেরাস কুইনিন্

নুক্ত এবং পুরাতণ মালেরিরার যম

ইঙাকে উপযুক্ত মাত্রায় আচগন, গাইণাইছোকোর
কুইনিন আমেনিক এবং ইউিলেন আছে।

আই ফেতাস কুলনিন ছালা হলেক্সন কবিলে একটি বা ৪০টী হল্লেক্সনেত সক্ষাপ্রকার ক্রিন মা কেনিয়া জার যন্ত্র কবে এবং ৮ ০ইজে ১০টী হল্লেক্সনে মান্ত্রিপার সমস্ত উপস্থানিত করিবং ক্রেল।

ও প্রন্দাপুণ প্রতি বাস্ত্র — মৃশা ১ টাকা, ইং ৯ টাকা বাইও-কেমিগাল ওও ক্লিন্ডাল লাবেরেটারীতে ২৯১ নং চজ্লীমগ্রিদ্ধান্ত ক্লিকাশ্য

গোড়ায় বৈক্ষৰ-জগতে অভিনৰ কছা! জীল চাত্ৰ ভাক্ষবিলেদের ক্ষীত-এম্বাৰকা ৮-



প্ৰেট সাইজ অন্তম সংক্ষরণ ভিক্ষা / ভাষা

ক্ষেত্র থানের চেন্না আনতাবন্ধ ব্যয়া— ইকা যথন কীৰ বৃদ্ধিতে পারে, কথন একমার কিন্তাবন্ধ ক্রীজেগবানের প্রাক্ত কাচার কোন কাতার আন্তেগমন্ত্রী প্রাথনা হয় এবং ক্রীজগবানে সক্ষান্তাকরণে নির্পটে কি প্রকারে শরশাপর কইতে ১২, ইত্যাদি বিষয়ক প্রাণশাদী প্রাথনা ও আন্তর্মন

ভিজা আভি খণ্ড /০ এক আসা

প্ৰেৰডান্ডচান্তকা— /o, নধ্বীগৰ্ভক— /o

প্রকার সাইজ প্রকার সংক্ষরণ কিল্পান

কল্যাণকম্পত্রু

আমর। অভার গৃত্য অকাব ও কামনার বলবার হিচর, পুনংপুরত বে অকলাপেক কলাপে বালরা এচণ করি এবং চাংগ্রান্থ কলাপ আমনা করি, ডিনি তে নিজা বা যথার কলাপে এলাপে নালালে বর্ধ কোন বড় আমারের নিজা কলাপিনাতা এবং কি লগ্ন নালিছে। এই কলাপেলাতে সম্প্রতিব্ এই সকল কথা স্বত্য পালে নিজাকলাক অলানে বাছাবিকট কলাপের কল্পক ; ইনি অভোক্তে নিজাকলাক অলানে

ি বিস্তৃত ক্যাটালগের জন্ম নিম্নলিখিত ঠিকানায় পত্র লিখুন—
ম্যানেজার—গ্রন্থবিভাগ, শ্রীচৈতন্যমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, ( নদায়:)

## ৫০ বংসরের পরীক্ষিত কয়েকটী মঞ্চেষধ---

ব।বহারকারীরা ভাগে মুগ্ধ চইয়া যে সমস্ত প্রশংসা পত্র দান করিয়াহেল, ভাঙা। প্রেকাশ করিলে বড় বড় পুস্তক চইয়া পড়ে। আগনিও রাবহার করিয়া হল্প ভটন।

- ১। চক্সপ্রতা বটীকা--- চচার নামটার বেখন কালক সেই বক্ষা। টার্ নুন্দ ক্ষাত্র নেহ, মূরকক্ষ, কর্ল রাভ্তি এবং স্থালোবসিংগর স্থিলা ব্যাকাম, বেজ এবং রক্ষেধ্য রাভূতি গোগে আৰু ক্লপ্রসা।
- ২। স্থ্যুপ্তিসহায় বটিকা-মাদকজনানিধীন অভাবকর নিজানিধারক ঔষণ। যে কোন নৈতিক ও মান্দিক পীড়াবশতঃ অনিসারোতা এই ঔষ্ট্রান্থাতে মাচ্ নিজা হইবে।
- ত। মজুর বটিকা-ইল সেখনে প্রীল ৬ সদমুদ্দিক দেবা ও শলীর গাজুর ইইলা যাওয়া হত্যাদি দিপুরিত ইট্যা রক্ষ গলিকার ও র্দ্ধি প্রাপ্ত হল।

केक किन वाकारतत वारकाक देवरात्र मृत्य लाकि दकोंगे। ३८ गाका।

লা ধংগন: - আতঞ্জনিপ্রাচ উল্লেখ্য । ২১৪নং ধর্ণগণান গ্রীচ, কণিকাছ: ।

#### শ্ৰীনবদ্বীপধানমাহার। এমাণ খত : ৬মা ৬০

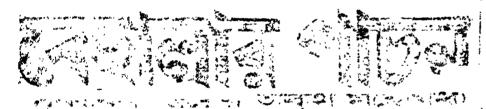
শ্রীটোভক্ত মধ্যত্মভূর বিহার ও লীপাঞ্মি নয়নী ছীল-সমাধক্ত আন নয় ছীলের আচিল বিবর্ত — ক্রেডাক, ছীলে শ্রীমন্ত্র লীলা— প্রত্যাক ইংগের পাছত্ম, শ্রীধন্দ- নকান্ধা—ব্যামাণভাচ্চ কে দু ইন্তায়াই বিষয় নেশেষভাবে মান্ত্র চলে বৃশিক্ষা প্রত্যাই লাইজ ব্যাহ ১৯০ পুরুষ্

## প্ৰীনবৰীপ ভাৰতৰ্দ 🕶 🖟

উজ্জাল ব্যোজনার কালাতে উজ্জান কর্ম কালাকে কাপা---- শ্রীনার প্রদান্ত কর্মে কর্মক প্রানক্ষেত্রীয় কি প্রকাষ ভাবের উজ্জ্যে কয়, ভালা আই প্রত্নে বাগ্ড। আন চন্দ্রের চ

সাধিক ক ঠ মণি — ইটবক্ষবন্দনা, ইটা চাল্যনা, শ্রাকের আই তুব শক্তনাম ও শ্রীল নগোন্তম ঠাকুরের প্রবর্তনিংক্ষত ক্রিক্সেল্যর প্রাথন, গ্রেমণ্ডিন ্রুক্তিকা ব্রুক্তির স্থাতি গাঁভাবলী স্থাংশারে প্রেড স্থান্তে মুদ্রিত ২ম নংকরণ ভিক্ষান চাতি আন নার চ

## কাবরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



নক্ষাখনের ও বধার জন্ত ৬ আঃ শিশিতে ঘ্নীভূত অবস্থার ছেটেবোর্লের সমপ্রিমাণ্ পুরুষ দ্বাকে পান্তন্ম হত, চহাচের ওয়ান প্রবিষ্ঠনা করা হর নার্চা মুশ্য প্রাতি শিশি ৪০ আবাং প্রিট্টার্ক জালা, বোজন ১৯০ আন্।

্তাফিস-১১নং উক্টাডাঙ্গা রোড, পোঃ শ্চামবাকার, কলিকাতা

# ENT TORS

আন্ত্রিক অস্ত্র আনু ক্রিকার, ক্রিক্রনাকর একে প্রক্রিক অক্রপাড়ে, বানকর, রাখ লোর, রুজ বন্ধ অনুবিদ্ধি আনুরা করে ক্রিকার করে। বাব্দি ব্রাহিক অনুবিদ্ধি জনিকার জনিকার ক্রিকার স্থান বাব্দি ব্রাহিক ক্রিকার স্থান বাব্দি ব্রাহিক স্থানিকার স্থান বাব্দি ব্রাহিকার ক্রিকার স্থান বাব্দি ব্রাহিকার স্থান বাব্দি ব্যাহিকার স্থানিকার স্থান বাব্দি ব্যাহিকার স্থান বাব্দি ব্যাহিকার স্থানিকার স্থান

स्वार्याक्ष प्रमुक्ता विकास क्षेत्र क

बाकरेक भागतान्त्र न्यांकी देन्द्रभा-विक्री

## हारेढ्डा**निन**

₹1

### কোষর্দ্ধি রোগ

फाट क्रम, व्यम्, (धाय 'तना व्यक्त, मानव्यक्तीयत्मक्र प्राध्वाति विका देनक्राक्तिक कामाणाटक दकायवृद्धि (श्राम भारतामा कवित्रा शास्त्रमा

> क्रिकामा— क्रम सर क्षेत्र श्रीति, नष्ट**राष्ट्राह**, अनुसन्तर्भः ।

### ১। শৃলায়ত

শিশুশৃংগর অব্যব মটোরধ। ১ মাত্রার উপশুদ্ধ, সন্তাহে আরোপ্য। ভোট দং বার আনা, বড় ১৮ আনা। মান্তব পুশ্ক।

## ২। শুক্রাচার্যা সঞ্জ বনী পোষ্টাই

কান্দের ও কাক ভক্ষের আক্ষাত্র মকৌষ্ধ। মূপ। ১ ভিবা ১৮ কাল।। স্থাওক পুলক

## ৩। সন্ন্যাসী-প্রদন্ত অর্শরোদ্যের অব্যর্থ আংটা

े च्यारवात्रा भा कहत्व मृता त्यन्य। मृता ५० चानाः याकृत পृथक्षः

## 8। কোন্ত-বান্ধব পীল

अभीन, ाहेकाना, त्यहरावनात मटकोग्या किया हर आसा स्था क्या पुनक्ते

### ৈ বাতল'ন

নাদ্রোবের মাহাপ্কারী ও সপ্তাতে আরোগা। প্রতি শিশি।» আলা। মাপুল পুথক্।

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তুতকারক। সহস কাটোলগের মন্ত পর শিবন।

**क्षां सम्मान-मृत्यादमार्म द्वार द्वार द्वार द्वार द्वार द्वार द्वार द्वार मार्ग्य** 

পোঃ উয়ারী, কমলাপুর, ডাকা,

## মনোমোহন প্রেস

পূর্বনালায় স্থলতে সকলপ্রকার ছাপার জন্ধ বিশ্বাদ্ধ
বৈদ্যাতিক খোশিলে দিলাভাত্র কাজে ভলিতিত
থে
বিশ্বত ভালিতে হইলে নিম্ন টেকানায় পত্র লিখুন
ম্যানেজার—মনোনাহন প্রেল,
১০লং ভলালপুরা, ভাকা।

## मतः माञ्य दै। अहिनात छे शास

যদিও কথাণি প্রত মতা মণ্ড বিভেইবার কোন উম্প আলিয়নত উপাত্র আগতিনিত শাক্ত লয় অলিয়া আলাবিষ আলিয়নত উপাত্র আগতিনত শাক্ত লয় অকার মেন, প্রথেত ময়া কইনা রাহ্যাতেল এবং লালা প্রকার মেন, প্রথেত ময়া কইনা রাহ্যাতেল এবং লালা প্রকার হৈন, প্রথেত ময়া কর্মা, অল্ব লবং স্থানোকদিব্যার মান্য মান্ত মান্ত মানেক্স লীছে, আল লবং স্থানোকদিব্যার মান্য মান্ত মান্ত মানেক্স কোনে লালায় বেছ ও মফ্রপ্রেল, তিনিয়া আড়েছে কোনে ভালায় লোলায় ক্রয়ামেন, উন্নিয়া আড়েছে কোনে ভালায় লোলায় ক্রয়ামেনাছতে লাগ্রেল, ভালার শুভ সকল প্রমান কালায় ক্রয়াম ইনাচভে লাগ্রেল, ভালার শুভ সকল প্রমান কাল বংলা ক্রয়ামানাচতে লাগ্রেল, ভালার শুভ সকল প্রমান কাল বংলা ক্রয়ামানাছতে লাগ্রেল, পারেন নাই, উন্নোল প্রমান্ত বংলাপ্রমান্ত আক্রয়ামান্ত ভালায় ক্রমান্ত বিশ্বা প্রমান্ত ক্রমান্ত আক্রয়ামান্ত লাগ্রন নাই, উন্নোল প্রকার ক্রমান্ত স্থানাল্য আক্রমান্ত ভালমান্ত ক্রমান্ত ক্রমান্ত ব্যাক্ত স্থান্ত

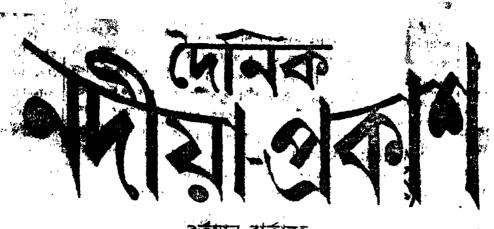
> লোল একেন্ট্র-ভাঃ ডি. ডি. হাজরা। 🕞

> > ফডেপ্স, সার্ভেদরিত পোর, ক্লিকাডা টিক্সা স্পষ্ট করিবা বিশিষ্ট্রেট



## Reg No C.1544

क्षां क्ष्मार व mire word a. piwe ere



বৰ্ত্তমান-বাৰ্ত্তাবহ

হল-প্রভাষ-নদীর। তেলার এক**মাত মুখল্** 

সাহাবোর শহারত ব্দুবান দেয়। वाधिक 🔊 यांचारिक ८. देवगाभिक २५० মাসিক ১১ 31.517

शिक्ति गःथा। (१

क्ष वत्र **শ্রী শ্রতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচস্পতি** তির সংখ্যা

জীলৈতলামট জীলাম মাহাপুর- ১৩শে ফাল্পন পৰিবার ১০০৭, ৭ই মার্চে. ১৯৩১

## नाना कथा

### অহিংস পিকেটিং সম্বন্ধে गाकीकीत उभरवन

वण अ विद्याणी वद्धात प्राकारम शिदकविरदयत मध्य (अञ्चादम्यकदमय किक्रम नी कि कारणवन कहा के छिछ, ভাষা যাক্ত করিয়া গান্ধীনী নিবিভে-(12

- (১) ক্রেন্ডা বা বিক্রেন্ডাদের প্রতি চুবিনীত বাবহার করা চলিবে
- (২) দোকান বা গাড়ীর পশ্মধে (श्रद्धार्मियक्श्रंभ भग्नम क्षत्रिद्रम मा।
- (७) त्यादकत्रं अमग्र त्यक्रम श्वनि कन्ना क्या, (गांप्र कान्न प्रव) कारा क्या इलिएन ना ।
- ्रममधिषः कस्य छलिएन ना ।
- (৫) জেন্তা বা বিজেভাকে योषि सम्बन्धित कदावे करेवा थाएक. खारा व्हेटलंड डावाटनव बानाजना वा भागपाकीय जामधी तक कता क्रिक रहेर्त मा। अस्त त्कर जाराज निकृष्ठे आश्वत कतिएक शाहित्व ना , अवर , छाष्ट्रात , छें भकात , बारन कता छ . 5 शिद्ध मा ।

वा शारवाम्यवस्य क्रेंचा हिन्दिक

# ্রাত গান্ধীজী

অহিংস পিকেটিং সম্বন্ধে গান্ধীঙ্গীর উপদেশ

## অহিন অমান্য বন্ধ

কংপ্রেদ ও কাপ:ডর কলের সহিত মিটমাট লর্ড আর্উহনের সাহায্য

আঞাদরবারে পিকেটাংএ গ্রেপ্তার

# বে-আইনী লবণ বিকেয়

ট্যাক্স আদায়ে বাধা—কৈনসর কন্মীদের কারাদণ্ড

# ঢ্যাক্স প্রদানে নোটশ

মহিলাদের প্রতি ব্যবহ'রের প্রতিবাদ

(৪) রুশপুভলিক। দাহ বা পারেন।। কেনি কোন প্রতিক্রতি আর্উইনের অপরিসীম সহিষ্ণুতা वा कृष्णि উर्शिक्ष बहेरश किया **्यचारम केलग्र भरकात्र महारा (श्रद रा)** শ্রাদার ভাব আছে, সেইখানে উপ-वान क्या हिलाइ भारत ।

ও विरम्भी मःवामभात स्वीरमत विरम्भात्रम स्टेटर । कःद्शाम भगा (७) (कान व्यवसाम विभाग मन्त्राह्म अक मन्द्राह्म व्यवस्थित काल व्याहरण्ड कामाधातरण्ड मूक्त्राह्म स्थान

প্রাণশীলভা এবং গৌলজের মুধ্যাতি করিয়াছেন। ডিনি বলেন, কংগ্রেস **काशास्त्र भूगं खताळ क्राभ सका** স্থলে পৌছিবার উদ্দেশ্যে গোল **ट्विंग देवंटरक र्याशमान क्रिए७८७।** বিমবীদের প্রতি গান্ধীজী গত বৈঠকে ভাষাদিগকে মর্জ্ঞানত महेशा याग्र मारे। ' व्यक्तिका (प्रका মহাত্মা গান্ধী দিল্লীতে ভারতীয় তন্ত্র ও গণভত্তের সন্দিল্ল ১টিলে বক্তা ক্রিয়াছেন। হিনি লও বিরাজ ক্রিবে। জিনি আন্।

करवन, क्रांक्रकान डास्ट्रक सक्रा ভারতের আক;ভকানুযারী উন্নীত করিবার অফুরোধে ক্র্ণাত कतिर्वतः नांधान्त्र क्या वाशाया ग्रायक प्रायात्र बाजनार्णव अनः देश्वासारमव नाहार। আবশুক। তাত এব ভিনি 'দেশ-' वामीरक 'कररकारमब 'छ महेकारहरू মধ্যে প্রাথনিক মীমাংসার সভ পাল্ন कतियां कश्टबामटक 'आकःदेशत बादका পৌঁডিবার টাপ দিবার জন্ম অপরি-भीभ मधान क्षतान करवन ।

উশার পর সকল রাজনীভিক वन्तीदक, अभग कि आग्रन्थाळा व्यास, सामामी प्रियाक स्थिति स्थान क्या स्ट्रनः जिमि डाश्राम्य भर्मारम বৈদেশিক রাষ্ট্রসমূতের আঞহ ও আমেরিকার সহাগ্রন্থতির বিধয় श्रीकात कडिया यालन, ভবিধাए कर्षेभीषा करिया डेक महायुष्ट्रीड भारत निकार व्हान, उठ कांगा अक्रम रहत्य अ१८७ मा ित शर्क निरमध माग्या क्ट्राः • •

## আইন অমান্ত বন্ধ

মহাত্মা গান্ধী ও কংগ্রেসের eয়াকিং-ক্ষিটী আইন অমাঞ भारमांगम, कतरक बारमतानम এক্লপ অভাভ কাগাবলী বন্ধ कतियात अग्र जारमन मिन्नाहरू

## े विविध मःवान

### কংগ্রেস ও কাপড়ের কল আরও মিট্মাট

नुक्रम भिन्नीत कराजात्मत अल्लानक ध्यभाग कतिशादधन दय, कावतादमक ज्ञा धाःहोत कहेत निम धवर मानमन कत्राव माम कहेंग 'गल, छा भाग छाएक्स्री कहेन भिन जनर आधात वहिं कहेन भिन क्रातारमक कार्रिकारियाक शामन कत्रीय काशास्त्र कालि द्य निश्तम अक किया, কংগ্রেস ভাল প্রচালির কার্মান্ডেন দ

भागविद्दित आशाम ८७ मध्य कश्रद्धारम्य व्यक्तिका । शास्त्र । कवियात रंग्डा बार्रहेश मृत्यांत्व धक शब निविशास्त्रका अहे का व्यानात उक्कन अरमेश्व अधिन अगान औ माथन मन्नार्क (क्रम (छःश किरहाइन । अक्रड श्रवीत काला मा यां अप्राप्त के कार्यक मान वक्कन खालिकांत कान लाहेराकिन।

#### नर्ड कात्र छेट्ट नत गाराया

'किस्' भक्तिका बर्लन, तम्भनश्मभश्यक विरमय कामा, ०७ भावकेत कातरक ব্যৱহাটের পদ পরিভাগে করিয়া অধিকঙ্ক चानीनचा ६ छेरमा महकारत काइहरामी দিনের অভীয় শাসনপছতি সম্পূর্ণ कितिक माहाया कदिएक ममर्थ क्रहेरम्म ।

ভাতীর পড়াক। উদ্রোলনে গ্রোপ্তার त्रक अब्रा मार्क ग्रेकारण बुद्धरां मार्गाह्य निक्र वाश्विम कायवानीशिद्यक कर गुरु। बहेबा शिक्षाco । और छ छ शिरणी भार्ठक ত্তিবৰ্ণতি জিলু কাতীয় প্ৰাক। উদ্ভোগৰ क्षता किनि मधात वक्तका कविवाद ममय भूगिम कर्डुक युक्तका। अव्यापन পুলিদ ছাড়ীর পভাৰা কাড়িয়া কইডে ८७डो २८४। टीवुळ स्वयाः खल्यत खल्न. धर्नी आगाम खक्ष, विशेषक शोध श्रुक्तिमृदक बाबा टामान कतिरात्र सनः गुरु बहेता CERI

### महिमादमत शक्ति नानकादत्रत CE SAIN

मार्गक दलिका-मगार्कक छेत्सार्ग কৃদ্দিকত হলে সাগ্রের, মহিলালের একটি मका एवं। शक्त २५८म काष्ट्रपाड़ी काव्टिय | व्यक्तिक क्रांका काशादा वासा क्यादियां द्याक्ष्मा.मर भक्षाच महिलास्मर व्यक्ति द्य muers war venifen, wiein aufbaje क्षत्रिक्षं नकांच धक्ती काळाव श्रुकीक व्यक्त अकार केवाननकारिनी व्यक्तमा मन्त्रिन-(स. देवांसाक कालश्मा कृतिका मक्नाक Grotere mind mange warin wei TENN !

## कावा वसवादम निद्यक्तित द्वाकान >४० वांका महानादम विकास

शक क्षेत्र मार्कित भागात काकाण. चात्रा विकारशय कविनवाय थि: आर्ल्डेक व्यवमय महेवा शका कविमान शुक्त एव मत्रवात क्षेत्राविम. काकाटक निद्यकृतिर दक काकिरवार्त १० वन (१६६)रत्व पर (शक्षात्र कवा दशा

### दि चाहेनी सर्व निक्स

व्याखाएंक यथन मत्रशत व्हेटक्किन, त्मके मनम (अक्षारम्यकाम कारः क्रेत खरु कामन माद्वित वीरामाश्वमित विकारि दव-माहिली ग्रंग शक्ष र शिक्ष करवन ।

८ अक्टारिय कथान सम्म भागन टेक शाही ख मत्रभारत भिरक्तिः कावरक्रांकरणम्, (भूष्ठे अवगटत करणकथन मिलिश कार छिट्ट चामान्छ जनः किला छ मात्रता कास्त আন্লাভে লাভীয় প্তাকা উল্ভোগন W ...

दमयक्षाय का किया (म क्या क्या

टीय ही अन्तरी स्ती अहे मगद अलाक মহিলাদের স্থিত আতীর স্থীত পাহিতে भावित्व वाकारकत्र जिल्ला विका श्राटरक-किलान । डि:ब्रेटक ब्लाखात करिया बाबएक द्रशत्रत कत्तः बहर्त्दकः।

#### क्वाडी क्राध्यात्मव काट्याक्रम

बर्ख आवर्ष्ट्रचेन , बतर भगाया शास्त्री चारलाय रिवट्स अन्त्रक करेग्राटक्स, क्रिकी ♦वटक अवसान भरदान भावेश मांध्कित उभटन करांगीटक त्य करताम क्टेंदि, काबाव आध्याका छ । अध्यान क्रिया

#### **छे**। ऋ मियात सम्ब द्याष्ट्रील

काकाण .य. देवसमद गुर्निश्चान द्यार्ड्ड b मछ करमाछ्शालक छेगत कर मध्य आस्म व्यक्तिक क्ष्म्यारक त्य. जावानिशत्क ५ भक्त Dices wien com mein wace ebes !! कत्माञ्चल कई बाद्यम अञ्चाही कार्य। भा कताब छात्राध्यत्र व्यवायत्र श्रुलाख tama wiente we wielles freis मनागति ब्लाकी महबाबाना व्यक्तत PESIESIP

### है। स आशादम वाशा टेक्समञ्ज कच्चीरमञ्ज काजामध

द्य-भारती क्यां कतिया द्वेष्ट्रीनवन व्यक्तिकार्य कार्या क्रिके ८ खळाटमथ का जीनम बाल्याना वा किमान हक्त क्या की. कक्स्मूमान खन,पावटडाव इस्तार अक्रमान मख, महाराजन एक ध्वनर का करणक बार के शक मक्रमवात मुक्तीशस्त्रत महंकुमा शक्तित्मत्र व्यानागरक श्रिक्ति करा क्या माजित्हेष्ठ कामकीय सक्तिविध

(बाबी माबाक करतन धवा करूना वाकीक चां। गक्नक क मान चत्रिता गर्द्धा काल-पट्छ प्रक्रिय घटना. छम्भाग सहस्र मह चेनिया खाशाम आफ्रि ७ भाग विक्रीलय wiefiche witer ebute inzent-(म्यक्शन चामासहक चाचानक मध्यन करतम मार्ड: क्यांग क्षाकांत व्यक्तिकांकि বিশা যক্তিলাভ করিছেও তালারা অস্থাতি काशन कतिशाकित्सम ।

#### অভিনাক সমূহ প্রত্যাহার

वहें में क्रिव मध्यात्म अमान. जनांक-जिल राज्याते भाषांभी कला आहिलाक श्वक्तित्रभागमुक श्रवे ९ कट्रेनम व्हाटलाइमा कष्टिनामा ८ श्रम किंद्रनामा 😻 (य-कार्टनी खनका भव्यकीय चित्राच्य छात्राकात करिएनम विशिष्टा कामा शिष्टारक । अस मकर्राह रन्य करेया रणरक युक्त रच्छा- रे गुंदरगढ क्यळ महक्रारक काकाल कांगी व्यादम्भिक गहकात समूच कर्जक व्यद्धा-करीय वत्कावक क्रेट्लंड मन्नक क्राट्रा वह गरबाक बन्धीरक मुक्ति व्यामारमञ्ज कक नामन विक:तीव वान्यावक कतिएक करा क क्षित्र मध्य गाजित्य; निश्व औशादा প্রতিষ্যমুগক কার্যা অভি স্থর সম্পন্ন क्रिया ।

#### बङ्काषाटक व्यावकाचा

गढ करा मार्क सकारण भगारण युष्टि छ नक्षणाळ मक बाह्र करशे शिक्षारक व्यवस रकाषारक जनका माहा Sigite ! ध्यकाम दय. मणारलक सिक्ड वर्की बाहिरकाता आध्यक दकालाम चार्गि मायक करेसक मुन्तमात्मक बादीक यार स्थात वे।रबक्र मुक्ति केनद बक्क घाटन काशांत श्री करणनार व्यानकाक कर्याः वाजिष्ठः व्यादक व्यन cote miem ebatte :

#### डेकीरमङ विश्वि

क्रबंबक कार्यामध्य मर्शनंड वासान अरमार्ड वहदयमूर्वय त्यास्थाय क विना কংগ্ৰেদ কমিটির দৰ্কারী দুকাপতি জীব্ত कारमळात्माक्त मदकावतक वाववामानावी মাইন অনুসারে অস্থারীভাবে সাসপেও कता वहेग्राविका जिला जनर कायता क्षाक्षत्र व्यक्षणात्म कानाव भटक वन्त विनक्षित्र गण्डाम् सन्।व (नव हडेक्ट्रक ।

मानीव बारवत्र त्थानितक विष्क कामानर अहैं।हाया, मन करनवर नाक्षान केकीरमंत्र, विकृष्य वाववरतास्त्रीवी स्वावन बहुगात्त्र बानिष्ठं बहित्यात्वव क्रमानी भक्त न्द्र माक्ष सावत बहुबारक ।

### नक ट्याकाटम विका सरगरी छ

विकासन्त मार्की माध्यासम् मुक्कि यहेरण जिल्ला जाणानका द्रास, मुख्याचा रमन, सनीकिवामा वस अक्सारांत कर काविमी क्या मानाचारमः खर्क क्याच्या वस बाबान आरम मकाव नक्का किलाकरणत । Bietet mim vitim geftown, muist, वाणाय, शाम विशा, कम्बनाय, नक्षरशामिकी चायमुकी वादर चारक चटमक चारम कामकाब वक्तना कहिबादकम अवट प्रक मरमाक क्षाडारमिका मरेखा केविया. C## 1

### কাশী কৰ্মিছয় যুক্ত

रमन्त्र भाक मकार्यक मन्त्रास काली টাউন **०१८ ध**ण कश्चिक कुण भूका अल्लावक Eige beficerin traffe de कि क मान मध्य काशायक, अ लंड है।का कश्चिमां। WINTER WING COM कश्चिमटला व्याद्यम् वस् । TRANTA भागानक (कारमध नह महिन्द रक्षम •देटल मुक्त कहेंथा लिनि कालीएत श्रीक्रियान CBA! शृशिम स्विश्वमात्र है। का श्रास्ट किनियणक ध्याटिकत बाता आधास करिया महेशकिन ।

कानी बाकाणीरकाला करावाम कशिक अन्त्र सन्तायम **क्षे**र्क शिक्कानाथ न्द्रां क्षेत्रे छ ० भाग मध्यम कांडामक ८ डाट्सब ला दशाका दशन वर्गाया वृक्षा वर्गशास्त्रम । किमि द्रशास्त्र काल्डेल्ट्स्के द्रशास ल्लीकिल धानानी होना करतान कमिकि 7 51 18 (216 CA4 414 18141C# A4641

#### चममचात्र चाउठ धामदेवत MICHIBAT

क्षांब कीय मनका मन्त्रात्क थि। यनक्रकेंग चयुन। द्या मध्माकाच शांत्रेण स्वतिकारस्य काराटक क्षणानीयाप्रस्थि चारम् मण्डा चम्बह । देशारकन काबाबा निर्माणका द्व. ज मनदा पशिकाय कविना महत्वक विकास क्षा भित्र वर्त्यक्रदम्ब क्षांब्र । क

Barte file formethich für an-क्रकेत (च क्षक) कश्चित्रमः (वह क्षक्रकाश जिनि काक्क जामरकत कारणाक्तमा कविरयम. क्ष्मण मरवान शास्त्रा निश्रादक ।

#### (करन या छ। उनेका छ जानकि

वाकाण, मुलीयस मानासाम सामित्रा eidim Camitalande dial , mad man भारे । दनम मा, क्षानादमंड दर व्यामात्र पाना ce est au. Siet wie wie !

A Warchiaster www.

## শরিক্তমা-প্রস্থ

HE SEE WINN CHES E effemula uffane Berne fime o Bartitellem-fagete wall wfant Mentemient wie weben nieffn bbeein wir minnte. ath min min mu कृतिएक कृतिएक वक्न-एनान छन्दिक etin landwill Bin Weferie कातकी मन्तिम देशांशक्य बीटनव काकना रियुक्त व्यानमानामानामा मामक अध विरेट की देश के दिन पाकित्वन । एर-नात , जिम किया मी जिम्म छ कि विशाम शक्कित्रिमि महाबाब के कीर्कामम पारनवा लक्ष्म कामाध मक्सरक वृत्तिका निरमन ।

लिक्कियांकारिकान सार्य चिटेहर्कक-जीकात नाम क्रिन केंद्र्यम बुन्सानानम क्रोटन किपश्चित्र करेरम्य । ज्ञील वृत्त्वाद्य केक्ट्रिक <sup>দক্তি</sup> আপুল হান্িবার **জন্ত** এড়ানে ोटेक्क अपर्येन-रम बच्चगरम्ब दहरेश्य कच्छी किक निविक क्षेट्राटक । श्रीयंत्रे कानात्र मेंचीव-कादा मर्माख क्रमेशिव व्यानी व्याटक । वामनाव व्यक्तिकहि द्वित वृत्यायनवात करकत काटन मध्यक्ति व्यवस्थानीय मटना रिश्वामी क्षिम् क्रिकेसकान काश्रा माञाल क्षेत्र प्रमान्त्र कासूरवन महिमा िकंग कररमा । अधिकात मात्रमा धारे (य. हैरेडकश्रदमद्वयं विजय व्यानिशक व्यटन बुन्धायम ठेश्क्रदेश छंत्रदन भवनागरू विशा भाष्यकः विक्यादेवकः महाव्यक् रणक्ष बुगानम-पूरेन टामान मंत्रिया-हम । दुर्वावसभाग-मृदेध्यका **औरे**क्छक ।

याविशन वृष्णायम मान अध्यूटवंश केमा जावन लुक्क किलेगोल क व्हेशा मांव " व्यविकारणां मार्क विश्ववर्षे जानाव रक गतिवानां कृषित्क कृष्टिक स्थानज्ञम किविश कामिरणम जंबर भागानि ्भूकंक वाशुक्त भवांन 'कविदनन। मिक जिलाब भर नीखन स्ट्रेंड मानिन। ब्राजिक संबंधि क्षेट्रण जिम्बि श्रामी क्षिकिरक्क क्षेत्रकी प्रवासीय हाित विम्महाक्ष्म शीलानम् धारणन वेबन क्रकिवियान संक्रक्रियांनी मनावाय हो विकासिककारक महाया। करिका इक्ष्मिन्ग्र युवाश्वा विदेश <sup>ব্ৰ</sup>্**ডৰ্** পরিজ্যার বাজীনাত্র WINDER OF FAMOR BITfet safetta attiacm metalwas विश्वित के प्रमुख्य के प्रमुख्य के विश्वविद्या के व fore waters # Merry Meaning याविश्वक क मनावक क्षेत्रम मक्टल्स विक्रिक

# দোনক নদীমাপ্রক

## নিতাপাঠ্য বৈকৃষ্ঠবার্তাবহ

লিলাম মারাপুর ২০০েশ ফাল্পন, স্নিবার-১০০০

मणाकामाम भवाम भूकांक च-च-वारम विद्याम । क्रिएक 'गाजिएमन ने

\* \*\*

५३०८म ए सन् मण्डेमात आहराष्ट्रकारम পরিক্রাথার যাত্রিগণ পুর্বাৎ শীনি এছপণ্ডে व्यक्ति कविशा भरितामात्र वर्ष्टिक बद्धालम এবং সংশ্বর বা ছাতাপ্ত নাম্ভ স্থানে **डिलक्षिक कडेरमन १ श्रुक्त श्रुक्त सर्**गत । स कारण या जिल्ला भगारतक बहेशा महरुपूरस्य शक्ति श्राप्त कतिरलंग, एन्टा भन्नारत्यी क्याक्रमार कर्राव कावा बनेटक किकिन्स्रत लेक्सिमात्र य विश्वत छेल्टनलन करिट्यम । किंपिक्षामी व्याम कांक्रभवाय शिकि-म्बाधाण मक्रमुटस्य स्वाध्या राम्य छ मिक्शिक कथा की मन कतिरण याधिनन अव्यानकी नाव करेबा निवास माटि केलांकक 6年6年日 明華福代 明1年1年 ्ष्रधानराम क्रुक्षपर्य भावत्। स्वर्थाके युष्टि लाटक स्थालको कतिका स्थ-द्यद्य निक्षेत्र शास्य चालकार्थ अभन के दिएक गाजित्वन, क्राम्ख अङ् क मृष्टिनाटक क्रिक्सन लांब क्यांक िय यहार वाक्ति, कि क्रमावदक्रमात्र काराबक्ष दकान क्रकि. इव अपृष्टे । रमधानि व्यालक करेवा कर्मानय क्षेटन बाद्धिशत क्षेत्रक्तवोश निधा व्यापान-नीर्फ काम्यन कतिरणन धावर शिवद्यक्राकटन শ্ৰীমশাধ্য প্ৰভূত অভিন্যা-প্ৰদুপতিক্ৰমা করিয়া **क्टिंग्ड अपटरे आसावस्य कवित्यन ।** 

#### বন্ধ

( चीर्राक्रमध्य मार्ग अधिकाती )

मिनि आमार्थित अञ्चलिक्कि. উरमद नामद्या बाचाव वाली, क्रिंटिक " व्यवस्थित, का है निवाद के छोतकाती, जानबाटक किया भागोरित मक्कि 'क्किन् के' फ़श्यरमाहरू यहंगीन, फिलिंड वासरो। यं बाता धार्क धः अस्य भरमारेष 'कामश्रेष' क्या ८ काम ें आकर्षे ८ कार्ला: नक्षण- भरडाटक्क मार्काला करवन, लीकाम 'लक्षाचा' कटकम, 'विलटक क्रफाने कर्मन, व्यर्थाकार्यस्थासम्बद्धाः भगव व्यर्थे भागयः क्टबन, काशांबशएक शबदाश्वीत पश्च, निवा, नहर्शनकात्री, विदेश्यी : आकृष्ठि विनश्न

মুতার বাত কটতে হকা করিছে সমর্থ वर्ग ।

একমাত্র ভগ্যানের ফুপায় মায়ায় वस्त मुक्त ब्हेशा की व व्यमुक्त गांछ कविएल भारतः स्मृहे क्रावर + क्रंगामार कत केमाव मीमकमनायाय मन्यजीवश्रद्धम् क्रिक्टक्रम् আৰিত তাপর कम्बान्टक का माह्या लार•म। भाषुशत्मक क्रमाक्ष नि⊛ानिक नाफ हरा । दीवारा आधारितरक मधुरतक মৃত্যু এমন কি অরামৃত্যু, লোক-মেন্ত, রাগ্য . ध्य, छण्डः च छह, छ छ । धंनलति पूर्व সংশার হটতে উদ্ধার করিতে পারেল।

ভঞ্জাবের রূপার বিভানন্দ কভি विदिश अहित अक्राप्त काम्यानम् । स्यानम् । विष्कृतरण क्रमार्द्धाः म सन्त करतन, एथन জীবের আব :কান অভাব বা ভল পাকে ना। चिल कुनावन मान ठाकूत शाल्या-(क्स ।

त्म करणमा शकु निखानिकाराह ! প্রস্কার ভুল্ল লগ্য স্থাপ্ত ভুল্লার । ७ ७ ७ ७ था है। दान काल निकानन याहार जामारम भार का द्वाच भी बाहत अक कल आरव शाह देशकार करता । कारिकारनका करका वाकाव आवाल म दम जान भाग छन महर दम भाग । मरमाज-भागव एटद देवमणा खावि ह चिटिन कंडमाताम्य क्युपा मानम्। कु:बिट्डत व्या शास्त्र दशद्य महा क्या । निवर्वा अक्षाप्ति अक्षाप्ति । गनाब महीव भून कड़े दशमहरम ॥ कि महत्म कि एकावान किया भर्य हैता। करण्टक मा याथ यार्थ गरकीखेंन विटन ॥

## নব প্ৰকাশিত ভক্তিপ্ৰস্থ

)। **शिर्वाणिक वस्त्रणिका**—ut এছ এ পর্বাস্ত ভার কোবারতা মুদ্রিত বয় भाके। ७० मध्यम श्राम खहे हार्यत क्रकामा आमनितिन क्रिक्ट्राइमध्या ও িকুণাৰ জ্ঞীন ভবিধবনে হাতুৰ বাোখানী প্রভূণাৰ এই এন্থের একটা ेळाल क्षांकित्वता कहे अहा पान मामायस स्माप क किनियंत्रक केनामन व्यक्ति। क्षिष्ठ हेशको दक्ष्महे सामाधिमारक अधिक क्षेत्राटक। अद वेदमक लूटलं

'निविनी' समिक शिविशात है विक्रुशान मिलील किकिशिकांच भवत्रको दशायांची অভূপার এই প্রস্থের অনুগ্রাম প্রকাশ कविष्यक्रियाम्। जनव्यकालिक गरवन्य भक्षां कुरादम्ब मृक्ति । वह अपन्ति पृत्ति छ ষ্ট্রাচে। এই রাজ্মী চড়ুদ্দ পুরক্ষণ गावुका अभ खनरक- बक्यात एकतीय वाञ्चलक अ अमीधनात्वत मिन्मा, कुनवि-मुध्हात कांत्रल, क्रुक्क(म्यानाटकत छिनाच प्त क्रुक्करम्या-मिक्सा । २व छवटक --- शाशी--গণের জাতি, মধ্যা ভঞ্জির ফুক্সার্থে অভিল-८५ हो, दश्रमध्या । विश्वा किन देविनक्षेत्र-विकास । अस खन्दक---काट्सम-व्यार्थना, भनः निका, नामगा, डीक्रिक দেৰার অন্তুল যাবভীয় বিষয় এছতে भागता वर्ष छवटक— अनग व की र्केटनब मुख्या। ६म , जन्म-निकास्त्रीय स की हतीय की अध्यक्ष माम-छन-जीता-**চরিভাবি। ७**। ७। छ। उत्तरक— औश्रदिब नाम-स्रथ थारिनक खानानी ७ छन। १म छन्दक---दारमाहिक केन्छाह-समूर्व्य बाह्य क्षेत्रकेत शरिष्ठगा। ४म **छ**न्दय---श्वकाञ्चिक विवि अष्ट्रवाधी डिकांतत अर्काति निहात । अम ख - एक --- एक पर नाम नाम विकास कार्या विकास कार्या है। >•म छन्दक-- ७गःभ छत्र खनानी **७** अविश्विन्त्रज्ञ । ३३ल क्ष्यं क्--नेष्यं अप ख क्ष्मर्थिक क्ष्मिश्चर स्थाप-वर्षका । ३२ म अत्रक--- च। याः नरवमन्यक्तिः । ১०० छवरकः - ७६ छ। ८०१ मण १ १ मण वर ३६५ खन्दन—चन्नाम चित्रदहर निव्रवंक्षा

্রিটে এছবানি গুছাবৈ চবিচারণর কোন বাক্তি কন্তক ছচিত বাল্যা মলে কয়। (क्र दक्ष वद्यान इका क्रामानमी क्यान देशकाद्वत किंचिंड भूक्षक । अन का हु । भ किष्टकाण भाग्य बर्टनक डेमामीन हामानकी देवभावत निक्षे कह शास्त्र धक्यानि कारिताल (मधिना इटनन । याना वडेक, बार्डे डार्स्स द्रमन बरनक खुनाब धुनाब स्थाक बारब-यान क्रियाकी देवकवज्ञान क्षां का कर्य करते कार दम्हें मुक्त द्रशांक क्ट्रेंट नो कड़िया पाका यात ना १ व्यासका ভिक्तिभाञ्च वाकिमांबदक्षे 'अर्थक्ष । কল্লাভিকা' গ্ৰন্থানি সংগ্ৰহ ক্ৰিডে ष्यष्ट्रताम कदि। अध्यानि केंबनकांकन ১५ दशिकिकाकारत श्रमात काश्रदेक ১८० शृहीच गर्भाष्ठ । भूग दश्च क्छान शाहका ढाइटल खबर क्झिन्स नकाश्चरात न्छम प्रमण्डिका है। हेटल मृश्वास करेवारक ! ওঁ নিফুলান শ্ৰীশ্ৰীণ ভকিনিছাত সরবভী मश्किश कृषिका शिविता आस्त्र िलेलहे भक्तिम, देखिकाम ७ विवतन आमान कांत्रमा-क्रम । शरहर किका माळ ॥- आडि व्यामा ।

3

AND THE STATE OF THE STATE OF

व्याखि शान-अश्व विशान, क्रिटेन्स्क्रमर्थ, (ला: चा: श्रेशाम-महाश्रान्त, मनीशा ।

২। শ্রীল প্রভূপ: দের বক্তাভা-বলী - এই মন্দ। ও অভূহপুৰ এছে। শ্বিচয় পিলে হবলে আল্লা কথায় কালতে क्य १४, देवकाव-शिक्षाखक्षक्रमानां सामा धार धारुषानि कोश्रष्टमणि, सात त्मवाकुश्रम-खाळत माण कर बाहवानि कुछ-कर्न-विकृत्त् क्षयकू इम । धरे नकु छानगीत भर्मा निर्मिण देनकव-मन्द्रतास मिन्द्राच छ माव-ियाना. পুরণক ও উত্তরপক্ষ, নিছাত্ম ও স্কৃতি, भान-वारणाच यावशीय छ १व। विवय शमुन, मध्यमाम-देन ७ व-विद्यादन स्थी करू ख्वादान्ति, शक्तदात्र छ छ। धनटकतः मध्यम्, व्याहार्य शास्त्र की बसहित्छ 'लक्का ; हिन्- ! नियान, विज्ञान । भविषाव विवाद, वेश्वराः भ माध्यान्द्रमञ्ज्ञ द्रभां क कि कि कि स्थान क्षेत्र क्षेत्र मध्य. व्यक्तिकारक अ आह्यासन-एएवत य'वक्षीय विकास-पर्माती शक्रा-प्रमुश-भवत्रको क्षिरवर्षीमातात श्राप्त कावः किना अधिवादि । বক্ত ভাৰণীর প্রথম ও বিভীয় খ্যাত নিয়-लिथिक व अक्षावनी खिल्किक कहेबारक.--व्यथम च ७--

(৩) কানেধর, (৪) জীনমেধাচারিনী- 🤚 महात फिल्म्झ, (४) खेमरलारभव, (७) 🕰 व में जाननी, 🔍 १ ) 🖺 भ्रम्बादिक, १. (५) भक्षमारक टेनम्बनभर्मह्मव क्षान. ( रु ) 🕮 व Gutan bige. ( > ) Bon म अववध्यी. (>>) हीम अन्ननीन निष्कु (>२) बखमान बुगमप्र, (১০) जीन रशिकानस প্রদল, (১৪) জীবাদপুলার প্রভাগিভারণ (১৫) প্রীরূপধনাতন অস্থ, (১৬) भाकशक्तिको शेकः ७ वन्दिहास, ( ३५ ) व्याखानवा ७ मरमाभवा, ( ১৮ ) च्रीटेंड छ। स्व e द्वारात भिका, ( ১৯ ) अधाक्ष शहर-भवां छ ज्याक्रक महत्रवर्ष ध्वर ( २० ) পুটিমার্গ ।

#### ₹ 46 0 ---

(३) एका ७ विकाशिक, (२) আয়ার নিভার্ত্তি, (৩) মন্তব্যের গ্রহ-त्थेहं का क्यानांत्र ? ( e ) व्याम की द्वानां क्र-क्रीकरी, (द) श्रीपद श्राप्यशास छ भ'शावाम, (७) अ(धोवनिक)।तम-व्यान्त्र, (%) mits steen ent, (b) teita-क्रमण्ड कुछन्। क्रीक्रमः ( २ ) जित्राणः या व क्षानाम नैहिन, ( > ) श्रीवात-পুषाब दी, इह श्रास्थ की सम, (১১) **अंदिकोत्रशास्त्रक महिमाः ( ५२ ) महा अलाह.** ( ५७) शिक्षातिम, ( ১८ ) शिक्षणाञ्चन-'공무지-이약 |

क्र मक्त क्षा है। विशिध प्राप्त, विशिध चा.स. १वर्षक िवरमञात श्रीम श्रीष्ट्रपारमञ द्याता क्षिक दर्गाक्षा अक्रिशियन-

जागाणी जवर मार्क्कक शियन अगानी यञ्चन मञ्चन स्थायपञ्चात ग्र**ंग्यम क**रिया धार्च मचन चक्किका श्रष्ट्राकार्य काकालिक बडेग । चित्रका একান্ত পারমার্থিক মধাপক্ষরের বাণী বল-ভাষার সাংস্কৃতিক ও প্রাকৃতিগন প্রথানীকে गरश्रम कृषिका वहे शक्तरण्या व्यक्तिक वरेण। आम्बा वर्ष्वभाम देवछ निक श्रुता व्यक्ताभिकायी जन्द बारेनका किक मनीबी 🕻 ख नावकारणय डिकिन्ममूक >कुनाकारव क्षका निष्ठ अधिक भागेरण अभाव शहर-भार्णिकशदनव लिलाशा-लिह्न श्रु अनर निच-मानद्वक ध्वकां स्वाक्ष स्वाक्ष स्वत्रे अल वाली व Bisme omi was Bitsamating क्रिक काल्द्रावनका स न मार्जग्रम् व्याताक 'ञीन काञ्चलातन बक्तास्वानमें' अवाकारत कामानिक कररणहरू अ व विष्टापुरक्षके आकाणिक क्षेत्रप्रकृत. विनीय राष्ट्र 🕮 त्रीय काश्वादमानक भर्ताक वार्गात्र वर्षेत्रावन । हाकः म्यामान्यsmena अवाधिकाती काळकृषण डीयुव িরাজ গোজন দে মহাশ্র এব অগুল। এত্র मुद्रार्थित यात्रकांत्र आर्थ करिया भवता ( ५ ) देवसा मार्गन, ( २ ) 🖏 एक रुष, रे देवसाय कडार एवं वस्तु वा हा ई एए हारकार । यह আছের কংগাল ও ৮ংপা, উভগ্নই অন্সর। ু প্রাভূ জীধারের হাত ধরিসং সাজনার স্বরে धार्थक र कार्यक मार्थक प्रतिकार के अधिक नकुरावली प्रमान खान खावर प्रप्राप्ताः २३ भन्न व्यक्तानिक व्यक्तार्कनः अध्यतः बारिए अन बाहुगारमत विवर्गकि :: क्रकेष्ठी क्यांत्मचा ख आकामात्मद्र निर्देशन--শীর্ক বিশ্বত ভূমিক। সংঘ্যাতিত ভটরাছে। স্বাস্থ্যার্গ সমকে বৈক্ষর মাল্যা প্রচার क्रक्ति परश्चव किया भाव ५० भाना। व्याश्विदान- ७ (० शहरिक श, क्रेरेक छन्छे (भा: आ: क्षित्राम मायाल्य, नशीया ।

## শ্রীমারাপুরের জফব্য স্থান ও তাহার বিবরণ পুর্বাক্রিভ ২৯৮ শংপার পর )

(क) नद्यानि जिल्लामा नुश्किराप्त बाद्धशामारत्त कथकुष व्यक्ता 'বল্ল'লেচিনি' নামে খ্যাত। এইস্থান বর্তমান সরকার াহাত্রর কর্তৃক রাফিত। কিছুদিন भूतक এই भार्मकुरभत मना इटेट के किभन ফার্ডনিশ্মিত বারকোশ ও একটা বঙ্গীকনট ভয়সিন্দক আনিষ্কত হয়। এই কাইসিন্দুক इंडेएड करमक्शांन कीर्यमान, भगनी (भागायक ছিল্লাংশ ও কভিপর রৌপানুত্র। বহির্গত হয়।

(व) विभव्न-अक्षम किमान मार्ग-পুর ও গাদিগাছার মধাবর্তী স্থানে অবস্থিত। क्षिभाव नवशीरण कपणीकानन मर्गा क्षिणीत-নিত্যানশের প্রমাপ্রিয় নিদিঞ্ন ভক্তরাল क्षीभातत श्रम् किन। द्धीमार्थापुरसम अक शास्त्र ध्वर हानकासीत्र नमाभित्र मिन्नभूत्रं मित्क **द्यो**धन व्यवस्थित । हेशन निक्रि

একটা कुछ शुक्रतिनी चारह । अध्यत्र बालन গোণালেব অক্সভম, এজের কুম্বনাসর त्शांभान, विवशमाध वाक्तिशानत हत्क বাবহারিক ছংথে প্রশীড়িত বলিয়া বিশ্বস্থা **क्लगरनंत्र! क्रमरभार्क भहर इत्र माकावत्रनः** औधत नवधीरम व्यवसीर्ग इवेशिक्षाना। জীগোরত্মনার কাভীর প্রতি কুপা প্রদর্শন পূর্কক প্রত্যাবর্ত্তন-কালে পরিপ্রান্ত হইবার শীলা অভিনয় করিয়া ভক্তরাজ শ্রীধরের ঘারে উপনীত হইলেন। খ্রীধরের ভাষা चत्र, हारण थड़ नाहे, चरत्र चामनान भज किकूरें नारे। श्रेष्ठ औश्रत्नत्र व्यवस्त সংকীগ্রন 'ও নুতা করিতে লাগিলেন। क्षिमात्रत गृहत्त काम वाताकात 'अक खब লৌহপাত্র ছিল। উহার কভন্থানে যে काणि (4 9%), कार्यात: **डेबका** मारे। क्याङ् ভাষা দেখিতে পাইচা হত্তে তুলিয়া লইলেন এবং ভেমধ্যস্থ অল্পান্করিতে লাগিলেন। জীবর দূব হটতে •দেখিল হার । হার প করিতে লাগিলেন এবং 'মলা'ন ম'লাম' বলিরা কাতরকলে বিলাপ করিছে লাগিলেন। প্রভু আমাকে মারিবার জন্ম আমাৰ বাড়ীতে আদিরাছিলেন'---এই विना श्रीध्व भूष्टिक श्रेटेश अफ़िलान। কহিলেন,—''শ্রীধর, তেমোর ভলপান ক্রিয়া আমার দেহ প্রিত্র হইল। ক্রান্সের চরণে অভি অমার ভক্তি লাভ ফটল !" 'देवसक्ट्रत्य कामाशास्त्र दिस्काक्तिक क्रां— **इक्टर्स्ट्रम अर्ड द्रेड उपा खालन क**निहा कतित्वन । है। है। है। इन्हम्प्यां के हैं। मारापक ও বিশ্বপাদ উট্টেমছজিনসভাস্ত সরসভী ्रभाकाभी महातात्कत निरम्भान हेर्डेट हेक-মঠের দেবকরুনা এই জীধর অঙ্গনে জীগৌর-পাদপীঠ সংস্থাপন করিবার যন্ত্র করিভেছেন।

### মাদ্রাজ-প্রসঙ্গ

भाजारणत करशाबी देशनिक "विक्यु" शक्तिकाश विश्वक २१८७ व्यव्हतानी कावित्यव ७८७ - मिनियक मरनाम अनामक . Enten :---

() अत्योद्धीदयंत्र, अञ्चलत्याणाण-भूतम् भाउत्तक २৮८७ व्यव्यक्तात्री **म**न्दिराह शका शांक क्षता अभव कालीब 🕮 शोफीक মতে জিপাওখানী শ্রীমন্ ভক্তিরক্ত শ্রীণয় महाशक "श्रीमधानगरकत्र व्यक्तक अपी ही me feach etuim willin बक्त का बिर्वा । व्यक्ति मक्ष्मातावन काबाद कांत्रिम कायात्र की बक्काबाद बाला। wiscomi umeis mife a men खिरदिमांग मरकी खिंछ एहेरबन ।

(२) आंखवाधिक अवीतिकावन-

विशक २८१म (क्यानांदी माध्य वर्ष शहराव गमन बाजाय ३१ वर अकशामाधक है। हे প্রীবৃক্ত কিন লুস্ মালাবারের ভাবনে উত্তর भागानगुरुष् अ व्यवश्विक खिःशो हो समर्देश चामीकी "अर्लाकीश्यक, कहरणक क एक्षका<sup>97</sup> अपरक अक्षानां करवन । चुडीत. মহল্পীয় ও বিজ্ঞানস্থী বছ ভঞ্জ মৰো-দর-মংগ্রহণ স্থিতিত হট্যা স্থামীলীয় পাভিডাপুৰ্ব ৰক্ষকা ও ফীৰ্ডন প্ৰবৰ কৰিছা-ছিলেন। वक्ष्णामुर्ग वामीनी वह छना कुरें जि विदल्य कतिया बाला कत्यम द्य, यक्षित क्रगर क्रुग क एक महीक्टकटक निह्युत करिएक, छछविन शनिक द्वामां 🛡 वदस्यम-लाटक जी-गूर-विहास व्यक्तावभीव मत्न, त्यत्वकु छेश श्रीम-विठात्वय भावनाकी छ।

### कड़ेक शिमां क्षामणा मध्ये মহেৎসব

शक उक्रटन दक्क्यतारी जुनवात शार्क-टकोम द्वीन क्याप्त मान नावाचीक **भ क्ष क** है कि विश જ લ્લા હ \* G # क्रिशा-माम्रहे ककि वित्वत क्रेबमध्यक च्या द्वाप्य क्षेत्र क्षित्र व्यक्ति हैं। क्षीविश्रक व्याद्यावित्यामसभगविष्ठे कि ्य ७० व्यापुत्र पृष्टि बासा कारधाविद्यान, भाग वर्गनाकी छ। अविषय अभाव भटवमाञ्च ७व दक्कातात्रीव दामवाटक्टेर विस्मय व्यमन्त्रनीया ।

Hallallaces Ma Brie Seite अवनादी मध्य कार्क समाहक क करवकी भर्गक्रम भाषावरी। अरकीश्चम कटबसः <sup>अ</sup> करणदव देर्नेकानुसम्मा कविश्वदायम् . टेलाम सार्वात्रम मागापकारी ध्रम, ध्र, काक्नाओं महोत्मक देवकदम्ब अध्यक्ष िष्ठांच भाषादयन ८०स है तस्त्रीय, ७ दशयदक क्षांत करवन्त्री कानवान्त्री करू सम्बन्धि १(१वना भून बक्टा कामान करमन 📑 क्षेत्राच्छ मञ्चलमञ्जी कादाव म 🐃 अ: रण भारत को का समार व्यवस्था मध्येष्ट्री WICACH AIMBITACON CT. ABCAN WICHT Banetcha wen ein-at warel-क्षावाद्याच्या अक्ष्या भाषा अध्या Bifacecen, Gietern fo Biffa and बच्च, क्षेत्रका, क्षेत्र, क्ष्मि—मानाक्ष काचा 🗍 Colta कश्य श्रेषा श्रीमणका कार्य व्यम्पनाम्बन्धाः क्षेत्रकः विक्रम्भकः वर्षेत्रादः प्रक्रियादसम्बद्धाः दशक्षे शक्या व्यवस्थानिदेक **७३ वरायक्ष व्य पाकिशको श्रामध्य प्राप्त** क्षम निष्मकार्य नागायाक करिटक লাবিলাছেন, না জানি তাৰায় কি ##14 1

## চৈতক্সমঠের শুদ্ধভক্তি গ্রন্থমালা

#### বলাক্ষরে প্রকাশিত ०२ । अंवद्योशमध 20 31 BURTHAWH .--- 745 नगाठावचाराः · ( भ्रम्म वक् ) ۲,۶۰ र। पाम-नम अञ्चेतिकप्रधाविकामुक मानकक्षेपाणः ( देश्त ) ( sq 7(##4 ) ( भारीमा ) वं। (शिक्षीय-श्लावय ৩৮। বৈশংবম্প্ৰা-সমাজভি লোডীয়-সাল্ডা প্রথম চারিক্ত । अक्रमार्श करत क्रीटेड के क्रांडिया मुख्य 👁 🖺 भवाश शक्त (नक्क (नीवा ) 🧎 জ্ঞীনধৰীপ শতক্ষ (বাঁগা) ( भारति। ।) ( व्यानीभा ) म्यामक्रती माञ्चनाह 10 १ । वैका ( जीतगरमय-जिका-मर ) ्यो वक्रामाभद्रः ( 314: ) ८०। औरेडाइइडाशाम ( व्यक्तिमा ) :40 ( विकास किलीर मरकदम ) » 1 青田( 南田(南田) 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 88 । एक्षम् क्रांतरी ना प्राधानामण सुमर्पे । • ( 4191 ) Be ! == ( 1141 \ 2) ( widia: ) :h• (कार्नामा) ३०० ই চার কেবল মাধ্য-ভাষ্ संभा द्योक्षीयमर्र कि करवस १ माक्रमाञ्चकः सन्तर्भोत्रसः नाक्ष्याव ८५ , क्रें(मार्गाक्षिप्र ( महामान ६ भाषत ( अव १११ ) ভাষ্য এবং বিবৃতি ও অসুধার নক) [+ 33 1 《明日報管理明刊 月]整刊年 8৮। द्वीजुन:०वत्र el. ( क्रायाक्षणीय ) ./. 65 . शिक्षाश्वरण टेक अभन ८०। संख्यातानी 1. **জী**ণারনামচি**ভামণি** দ দেবনাগরাক্ষরে প্রকাশিত ( 5 64 भरकार ) as: शिक्ष ख-मद्रवाशी-'मश्चिलकः SE | दलीकीय-मश्रमाद (ख्यानिव**क** ( फ्रष्टीय गरकदर ) म्ल'• दरः महीक लिक स्मभूशम् ( 1141 ) ३७ । बील-शित्र मनम ब्रह । मृञ्जनाम निकाहेकम >१ ) गांधलल्थ ( ०३ शःकत्र ) **₩**• ৰৰ: গৌড়ীৰ মুহক্ত পরিচরঃ (शायामी कष्माध वान ( वाना ) ॥• ६७। माहारणवर्गनम् 0. ( आरोश ) । ०/० ইংরেজী ভাষায় প্রকাশিত ১৯ : अवशेषनाम-अवशामा 491 MABWA **\***[\*\*\*\*\*\*\* बम्। नारुभ्या । शिर्मण्यम् व (मदबील लक्षिक्रमा ) डीएंड इस भग शक 1. 15. ८२। देवस्थ शिक्षम् लवडीनशाम-माश्रापा ej. ७० । १०१४: है शो श्री प्रमात केया कुकेश /-CHINI PRIM ७)। मि क्षाशश्क as: अवदीन शक्किका ७२। इत्शिष्टिक व्यिभिन्य गाउ ( ७४६ (भागम ) ब्यादनगद्धक हिएकामन १८। श्रीमचीनकावकाम উড়িয়া অক্ষরে প্রকাশিত क्रेर्लाच्य कनलांबळमा कर्नेन ৬০। এছরিলাম চিতামণি ২৭ : শরণাগভি :• मेखा वणी \*• १३। हिटल मन्योग ." माधन क्ष **ৰয়ণাগতি**

## কলিকাতা গৌড়ীয়মঠ হইতে প্রকাশিত

একমাত্র পারমাথিক সাপ্তাহক

७६-८टामग्रद्धंत्र वळ्ण-छाऽ।विक्, मस्रकताहु ठ, निष्क्रराज मर्यालाऽ क्रे चक्त्रछान छ चारवाक्षकः कश्कि-भीमाश्मकः विश्व-की व धक्यान्त चटेश्कुक प्रयास्त्रः, शत्रेक्षत्नाशामकः, लक्षमाच, राष्ट्र, काम, द्राप्य, नमाक, वनाडींग, नीडि, काब, कावा, लिख, कृषि, अवाहन, गाविष्ठा, विष्ठान, चुकि, मर्गन, ঐच्छि, क्रिक्रिश, भूगान, त्या। हिस. देववतानि व्यक्तिक नितरणक भावसनंक 

गमन्त्रापक--- शिक्षकत्रामक विश्वाविद्याप वि. ७

অগ্রিম বাধিক ভিক্ষা ৩, টাকা, ভি, পিতে ৩৯/০ अिकम्-- १७नः कानी श्रमाम हक्तवर्ही क्रीहे. বাগবাজার কলিকাতা।

শ্রীধাম মায়াপুর শ্রীচৈতত্মমঠ হইতে প্রকাশিত

# দি হারমনিষ্ট

## বা সজ্জনতোষণী

জীত্রীবিশ্ববৈশ্ববরাজসভার ইংরাজী মুখপত্র

গুৰু সনাতন-এখ-সম্ব ীয় ( মাসিক )

বেদ, বেদান্ত, উপনিষদ, মহাভারত, গীতা, শ্রীমন্তাগবভ, পুরাণ, ভল্ল, শ্রীচৈতজ্ঞচরিতামূত, শ্রীচৈতজ্ঞতাগণত শ্রীচৈতজ্ঞচন্দ্রামূত, ভব্তিরসামূত-স্মু, ষট্সম্মর্ভ প্রভৃতি সাহত গ্রন্থাহর নির্পেক বিশ্ব-ব্যাখ্যাকর্ত্তা। বার্ষিক ভিক্ষাত, টাকা ভি, পি, ৩৯/০ আনা

Maifu fringia Balat-

मार्वकात- ठाक्यमिले

्लाः ऋशम माद्राञ्चत, (कला ननीत्रा ।

# চিত্রে নবদ্বাপ

প্রাচীন নবদীশের অন্থিতি, তথা, এতিছা, শ্রোভ ও এতিখানিক

প্রমাণ-সম্বলিত নয়টা দ্বীপের সচিত্র বিবরণ রাম্ব 🝝

রাজার্য রা ওসাহেব

কুমার শ্রীযুক্ত শরণিন্দুনারায়ণ রায়,এম,ে; প্রাজ্ঞ (阿代勒)等;

## মহোদয় কৰ্ত্তক সঙ্কলিত

৪৭ খানি বিভিন্ন বৰ্ণের অপুনৰ চিত্ৰ ও মান্টিত্ৰ-সময়িত প্রাচ্যবিদ্যামহার্ণব বিশ্বকোশ-সম্পাদক মহাসংয়ের বিস্তুত ভূমিকাসহ

**ष्ठिर करें ( हैर ) मरबारका बीधा २०० : छि: शि: ८४ २० ३३ छाका मा**ज । लाखियान :— बैटिन्ड्यमर, त्याः है। महायुद्द, नमामा।

**५) । देशमङ्गितिसमा** 

# বিশ্ববৈফ্যর রাজসভার শুদ্ধভক্তিমঠসমূহ

জ্রীকৈত্যু মঠ

আকর মইরাজ

ला ठीन नवधील, ए। क्यब श्रीकांत्र श्रातालुब, नगीवा

শ্রীমহাবেংগলীট রচ্চে প্রায় ০০ ধছ উভার-পূর্বে জীব্রস্থপত্তরে আচার্যায়ত্র শ্রীচ্স-**८मथः-**कराम १, विश्वकः सर् विदाक्षशानः।

এই স্থান ১। লয়ক-দীর্থ, পর্বিস্তঃগীঠ বা সাত্ত্বত ভল্ল-স্থলী। এই মচাতীর্থে আছিনি-নামান্ত ব্যক্তিব্যালি-ব্রেল্ড স্মৃত, প্রতিশ্বার অক্তর্যত কাবা, নাটক, অল্লার, ক্লা क्षप्राण-छिप्तिसन्-विष्ठा-राध-राष्ट्रान् छ्डुदेश्व व्यवस्य । ६ व्यप्ताणमा धनः एकात अवस्य ল্যোরাজ-গান্ধ অংকা-পিরিধক ও মাছতু সাম্প্রদায়িক-আচারা-চ্তুত্র ভাতাদের উলাক্ত বিপ্রচেত্র সহিক্ত নিক্তা গেলিক কইল্সেকেন । এক মঠবালে পাথমাণ্ডক দৈনিকপ্র নাজুক্ত সম্প্রদাহেত্র অংথকাশিত ও অংগাটনি প্রস্তিনাকি প্রচারকলে ক্রীসংগ্রাকলে যহালয় অভিষ্ঠিত হল্পাচেন । তাতিবংগর জীগাম-গ্রিক্রমান্ত্রনে ও অগ্রেড ভক্তাগ্রিগ্র কীর্ত্তন প্রচাৎমুগে মহামধ্যেশব দি ভাজাপ অভ্নিষ্ট কর্ত্তনা লাকে। কক্ষণ-- ব্রহ্মচারী खीनाम मरकतिली। अरकारी -- खीनाम निर्मा निकारी बनारती, माखक स्वान (नावमान कक्काजी वार तथारीया शिकाम कीरहस अक्काबी, शांखक शिवानवासक अक्काडी, শ্রীষ্ঠ ননীগোগাল বল্লোগালার, শ্রহরের্ম লাগ প্রশার্তী প্রান্ত্র সঞ্জাগ্র ;

#### (৩) যোগণীত উমেন্দির

क्रहे जान व्योक्षशहायाम्। मास्य क्रबन वा ीं भवाश शकत आिकान-अमि मध्यस्तान-मीर । तथारम की म्मी श्रेषा के कि कि िकालम्ब शिट्योकसञ्जादमः धनः स्टिन्डना भा देशकामाकात्मक किया (मन) छना छ। भागक-आश्रम (बाजाणी क्रमाना का मेरियमान नाथा प्रकारी ज्यातिकानम अप्रतामी, श्चित्रात्वाम अक्षत्राती । श्चिमानवसाम अभिwift. (pamai drift badti

खनम, (১৪) टीवारमञ्जू

क्रीभग्न वा शक्त को खेन-निवास या विशोदगीमात रामस्यो । जगारन द्याविशाद-निकार्यक्त छ अक्टर्बंड (अवा दह्मान । रक्त-- हो वाभाकाम अवस्थाती, व्यावस्था **७क, डी**र्माकुणमाम नावायी :

#### (a) अट्रेष्ट उ-छ्यम

क्टे श्रांटन ड्राइमेरेडन शहर करन क्या दिक्क के क्या स्थापना स्थापन स्थापना स्थापना स्थापन स्थापना स् दमना च केमाला

, ७) कालोड मम मि न है

**ब**ल्लाहरूपाणाळ श्रिष्ठालकाची । त्रमासि । इक्क -- अक्राजी श्रीवरमामावनात्री।

#### (৭) খানন্দ পুখ্দ-কুঞ্চ

🚉 গোড়েন, খকপথঞ্জ ( নকীয়া ) अधारम कीर्यक्षाम होत्र का करिस्ताम्याक्रक Multi wire Mentenaine une Alleini-अक्षात्व (मना वर्षभान

क्ष्यर-किक्ष्य का काव अवकाती क्क शांदिली देश, जम, अस्त ।

#### ( भ ) ख्रीकश्चाथ दशोडीय गर्न भवगगनित्।

s\*e n — ইনিছবর ভাজিশারী এম, এ. বি, এল, সংখারী—জীউদ্ধার্স ভারত- বিক্ ক- ত্রীপূর্ণ রাজ এলাড গ্র नाही, खेरिकक्षम वासकादी टावृत्ति।

( व ) ब्रीटगांब-ग्रामाभव-वर्ष

ठे!भारकाडी, मधुम्बास, , तक्षमान ) स्त्रीम वाली-गार्थर शाक्तिक त्मांत्रामानर-াৰ্বাঃ বৃক্তক আছিছিবিজ্ঞান আলম

> ( ) • ) बीक्रभरशोकोस-सर्व #1:19#. #18'9 #3. fm

(৪) এবাস-আক্স ভাল বাশকাশন ক্রিক বিশ্ব ভারতি স্থাবাভিত

#### ( ১১ : औटमामक्रमम् ज ---

भाष्ट्रेणाकि, काम्रात, वश्चमान। প্রীব্যাদার হার সংক্র রকাগলের স্থান। क्षण - जीवस विश्वति अस्तानी । ( ) ३ ) क्षांशवक कांत्रम 🕮 भारात छ ८०दान, जम्मन्त्रत, नशीवा ।

( >७ ) श्रीक्षणाम्म मठ (छै)म गाँछो, दमाधाकी, क्रम्बनगढ, समीधा ्याधीन मानाभुत, दामनभुक्त (सनीताः । त्रणक-स्थेत्रकृतानम् अवहाती ।

> (১৪) औय भ्व-८गोकीय मठ aoनर नवावलूब आक., ठाका । भूमेर्दात व्यक्तातः (कक्क,वनारम ह्ये) धक-दशीक्षण आक्षमा-शिविधदवव दश्या बङ्गाल ।

(১৫) क्रिएम(लामबी मर्ड क्षमणा श्रेष्ठ, हरिका । (शालामकीर आर्विक्यस्य व्याहीन द्यावा

क्ष्य-अवाग्रणाह अवहात्री ।

(२) बादगोजीत यह

>७ मः वालिकामान ठळवन्द्री हीते, त्याः मानवामान, क्लिकाहा । . छोगिएकान नि, वि. ७>> ६

क्षिममार्था शक्क काता विष्ठ स्थामात्रम अकिमस्य-कातारसारमारम रामेस्यम्यम् सस्य स्थाम नगरी कतिकारु।त श्रीकिकिविस्तांत चागरन श्रीमठ कवित्रिष्ट चार्डहरू। क्षेत्र चक्र-भक्या टाटम 🏝 कर-दर्भा वाक्र-छोबरमामामस स्वीडि भणावेटम निका दमविक रम । दशीकीक काहासास्तर्भव बानकीत्र अकावणीय स्वकारतः(अध्य स्वैमर्क मश्लक्ष अक्की स्वतृत्व मुक्का-যন্ত্ৰালয় সংস্থানিক ভট্টান্তেন ৷ পুলিবীর সক্ষেত্র 🕮গৌরনাম আন্নয়ম্ব এই বস্তালয় क्ट्रेट्ड 'र्जाफीस' अम्खाक्क नवा, जि करमजिल्ले मानिक नविका हरदाकी क्राबास নিয়নিককাৰে প্ৰকাশেত চইতেচেন। উমৈতে পাঠ, সকীৰ্ত্তন, সংগ্ৰন্থান-চাৰ্থ্যস্থল-বেদাক্ত ত্রীমন্ত্রগাবক, জ্রীটে এল-চরিভামু গদি-লীগা ও ভত্তথাছের সমাক আবেলারনা এতর থাকে। মঠনকক---আচাৰাত্ৰিক শ্ৰীশাল কুম্ববিধারী বিভাকৃষ্ণ। সম্কারী--প্রভিভ भौलाम अन्यनास्त्र मा पदिकाल्या विन्त्र, लौगाम सम्बन्ध महिष्कावित्साम सिन्त्र, चीलाम बामविकाबी अक्षानावी. जीलाव चगळकातन मुामानिकानी विन्या जीलान क्षरणाला कामानि वरते. अक्षठ ही औकी समानक, अक्षठांती भीताकी त्यांकन, अक्षठांती প্রীক্রকানক ভবিশালী, একচারী প্রীদেবকীনশান, গভিত প্রাণা নবীনকুত্ भारतिकालकात कविल्लाकी अक्षति।

## (১৬ : ध्याना हे-ट्योबाक मर्ड

र्शकिकि श्रमाधिनी मंडा, वालिशाली, ७ %! **जी**नवाहे-दर्भादाध्यय सिंहा द्रम्यः

### (১৭) औडागराज्यमानम् मर्ह

विक्रिकार, नाक्षासनभूत, दश्रीम ने भूत । ध्यपरित न्ये क्रम-्तार क्र-गास क्रिमा-भिविषादीय निकासिय वस्त्रीन । त्रण 🛶 अववामी खोक्नवानवामधो । अक्षठाही नद्रासक

## (३৮) कामगारमाक्। जानजानाः

सक्तिरीम द्याः वर्षमान । खी अक्षरगोताल-धिंग कविका !श्राविधाकी-निरुद्धिना। बक्क- बस्रवामी जीवाब-(SCHICE)

#### (১৯) শ্রীপুরুবোরের মঠ

45iate, 95t, B'vm! क्यात्व द्वीरशीय-वित्तामधानवक्कीत विका-ভাষৰ প্ৰভিন্ন প্ৰস্থাবলী প্ৰচাই-ক্ষেত্ৰ। বৈধাৰ ব্ৰহ্মন । সক্ষক -- প্ৰশ্নচাৰী শ্ৰীপ্ৰমা-सम्म विनाशिष्ट, अभागती अभिनेत्रीयासम्म ।

#### (२•) शिल्ला-८गोडी व मर्क

भागवनगाथ, उन्निगिति (भार, भूती । अश्रद्धाधामध्यत्र अस्वत्रत्र ग्रम्था श्रीमग्रहा अकृत प्रवृक्षाम । त्रक्षक---व्यक्ताती क्षेणक्रदमचत्री दागावकी। त्रक्राधी---अमहाक्षी किनिविश्वानिका ही: ।

#### (८५) श्रीमध्यमानम मर्ठ

Bimataimis, DB+ : कीय निकारमधा मक्षमान। अक्रम-अकारी खीनगरम ।

#### (२२) औननाडम-त्शोबाद्र मठ

إ مراجعه عال

अभर करण्या पत्रभूता, काला ह Cभी र-भगक्षाकृष्ट अना छन-लिकाकृतः। ध्वरात्म (शांत्ररभवा वश्वमाम । क्षण्य---श्रीकानकोनावकी ।

#### (३०: डॉक्कटेन्डल वर्ड

त्यीन स्टब्ब्स्य कुन्न, ज्ञानाम वृत्सायन । 

विक्- केशनश्क्रियान अक्षा वि

#### (48) 圖門公司表:明 田太 े रेनिधरायमा, भोजालक

क्तारन क्रमानक वात्रनामा • चिरारे निर्नाम विमानकीत्र स्था बळ्याम । क्षण-वश्वादी श्रेव्यारमान्य व वश्ववादी न्त्रीनमञ्जात ।

#### देव हार्क्षाण्डल्य वर्डे

5月7年明、157年春: MIASN / 春日 जीरे- ७ छ-मरहंत्र भाषा। वर्षक---जीवमा-आर्थ वाह. डीएफेनमानम खक्काबी । खीबाम कीय -मदर्शनाका

#### (२७) अवगमध्योखीय सर्वे

Frema, gienga, main i aufen क्षीरभोवन्दिनाम-बारमक दशका क्यामान त्रक्षक---विकाश है। स्थितकार्थन को । (२५) खाञ्चनश्रीषा व्यश्वताव्यन-नर्क

अभिन्याका, त्याः माळू, श्राह्म

धारादन वक्ष्मांक आत्यांबादक्षत्र दक्षा वस्त्रात । वक्---अवनानी औद्यानक्रक-माग, खीबांशासम्य अव्यक्तांता।

## (२৮) पिष्ठा दशाकीय मठ-काय्यालय

Lucun cuinto, fais funt i द्रक्क — अष्ठाती<sup>र</sup>, श्रीवाविकाशसक्<sub>व</sub> अक्षाती श्रीकामात्रमण्डलनम्बन् । 👫 (२०) ८गामामनामानामानामाना

प्रकर — वष्टाती की शरारशका

৪২৪ গৌন্ধাৰ্ট্যেক্স সচিত্ৰ

# বজ্ঞপন

# देश्रुव

**बिटेकरवर्ष - क्रेम्डिकिन्सिक क्रिक्टिय निविध-**हेटर्ड कीटरंड नहिह्य, क्रांक्स महिक मक्स, निका फ रेमिशिष्ट क क्यां. श्रीकरेष हिन्दि च अवश्रकारमय एडम. अहिंदर श्रीधमाका श्राप्तक क्षत्री ने सामान, देवानिक वर्गाभागाणी, देवस्त्रव-भाषां व क्रम् भाषां भारतिया व महिल भाषका, म सार्थः देवसा-क्षिक के क्षाकातका दक्षत केमरगाधन, मारेबकतामी क्षत किक क्षांक्रमा. बीदवस नका हा छ मू का, देनकारगृहरण्य स्पिकात करिकात व्यक्तिकाती-दिशास, क्यां द सफ्जिकासत नार्चका, माक्षमच ब देनकम्मच, द्वस्य क्रकनीता. क्रान.न इस वः बाह्माव त्यावीएक-८७०, व्येतिश्रक्ष्मण व ल्योद-निक्कात शास्त्रम, व्यवस्थात महित्र विभिन्त कार्य, अल्ला-ায় প্লগত ভৌতপথ, শক্তিবিচার, দীক্ষা, বৈবী জা বাবাঞ্জা: क्रीक, शक्ककान, अमरुटबर व्यक्तिकारी, भागकीयहर, अधूप क्षत्र, जीकास्तर्यक्ष सामाध्य नायाच्या व्यवस्था निशृष्ट प्रवाहारको चा छ। महत्रकृतिहरू कट्यालकवनकान अ -लिख अम्बर्गारक । अब्बे अवस्थात्व आवटा व्रेट स्टान साहस करिटन माक्रमानिक बारकाम क्ष्यूहर्षके व्यक्ताल ये. मरवम नाकिटन ना । বরম গুড় আবিবরক একরণ সরল ও জনমুল্পনী আর এপ্যাক श्रान्त के के नाम । विशेषकरणाचार्यी-नाम्न-भटकामि-भम्न-म्राल बाहे अष्टामुन के बिक एडेबाटकमा आवात अतिष्ट -एकी, कथामात र कादि बाहा शिलब ममुख कता प्रदेश-१% निक्षां शक्त त्मानात करण माम दलका केंद्र है ते.व.हे..... 5-64 NEW. 9 - , PIG !



#### -চতুর্থ সংখ্যুপ

্ৰিসমগ্ৰ বাঁধাই—২, ছুই টাকা আবাঁধা—১৮০ পৌণে ছুই টাকা

যুক্তিপূর্ণ শাস্ত্রবাকা বারা প্রস্তেক মানবের নিতা
কল্পর ও আনিতা সাম রকু কল্পনে নিছাহিত কইনছে।
ক্রাছের প্রাক্ত উর্কি সমাজন শাস্ত্রবাক্ত বানা সমার্থক ও
প্রমাণিত ব্যর্থাকে। ব্যক্তর, মনের ও আত্মার ধলা কি পূ
বান্ধে, সমাজ, নীতি, বলা কি পু উন্ত্যাার বিবর নমান্ধসাতে
ক্রমন ক্রমন্থভাবে ব্যক্তিসকল্পরে আলোচক ক্রাছে বে,
প্রথম প্রক্তে কর্ততে আল্লে করিয়া শেষ প্রয় পার না
ক্রিয়া নির্ভ কর্তবা ব্যক্ত না।



विकीय मरकश्य 🛶 - व्यामः

শ্রীরূপ ভোষামী প্রাঞ্জীশ বস্থাণ গোষামী প্রাভ্তে ইপ্রেশচেলে যে সকল কথা বলিচাতেন, ভাগ এন প্রথম ভক্তিপ্রেম অন্তর্গ ও জাতিকুল বিচার অভি প্রশাবভাতেন বিষুদ্ধ ক্রথাতে । ইকা ভাষা শ্রীনীমন্যনাপ্রভূম উপাদ্ধর শিক্ষা ও উপ্রেশ বিশ্বভাবে নিশ্বিদ্ধ ক্রমানে।

# শ্রীনবদ্বীপ পঞ্জিকা

পারমার্থিক বাক্তিমাত্রেরই একান্ত প্রয়োজনীর বিষ্ণুত্রত ও উপবাসাদির তালিক। সম্বলিত বাংলার ঘরে ঘরে বিরাভিত হউক

ভিক্ষা ৯/০ আনা মাত্র ১/১০ ভাক টিকিট পাঠাইলে ভাকে পাঠান হয়।

মহাক্ৰি

শ্রীল পোচনদাস ভাকুরক্ত শ্রীটেডন্যামঙ্গল

ওঁ বিষ্ণুপাদ শ্ৰীশ্ৰীগছকিসিদ্ধান্ত সরস্থী গোষামী প্ৰছুপাদ সম্পাদিত ভূমিকা; প্লোকের অব্যু, বলাকুনাদ, প্ৰতি প্ৰসন্ধের ও থতের কথা সাম্প, শব্দুদ্ধী, স্থানসূচী, পাত্ৰপুচী, প্ৰমাণগ্ৰন্থ, ভালিকা, প্ৰসৃচী প্ৰভৃতি বিশ্বত সৃচী সম্বলিভ গোল্ড অক্ষরে ভবল ক্রাউন, আটপেলা আকারে টিট গড়ের কাগজে চাপা। ভিন্দা—২॥০ টাকা

### **শ্রী**হরিনামটিন্তামণি

নামাচায়। ত্রীল হরিধানসংক্রের মুখে ত্রীন্যালাক্সভূ

ত্রীনাম মাধ্যায়া, নামাশাস, নামাগারীণ প্রাভৃতি বিধরের,
যাবভীধ বিচার প্রবণ করিগাছিলেন, ত্রুত বিধন ছলি অনি
শরবা প্রারে সাক্ষিত্ব আক্রমত প্রিপাটিনাবে মুগ্রিত।

ত্রীল ভ্রিবিনোদভাকুর-রচিত। কম সংস্কার ভিক্ষা দল

## বৈফ্ৰমঞ্বা সমাক্ততি

( शामरकोगरकामश्र )

ষিয়:—১। ভকিশাসে বাবল ক শদাবনীর কার্য ২। 
চাবিসম্প্রদান্তের বৈধ্যবসংগ্র চবিত্র, ৩। বিক্রুবৈক্ষণসম্পক্তিত্ব
শীমন্তির ও ইবিপ্রচের বিবংশ, ৪। বৈক্ষণগ্রসং ও প্রবিদ্ধসন্চের ভারণধা ও বিবংশ, । বিষ্ণবিশ্যের গৌকিক ও
শাত্রীর আকংমূলে যাব হীয় কো। চাবিহাও প্রকাশিক
ভঙ্গাঙ্কে। ১ম গও দল্ভ, ২য় ও দল্ভ, তম গও দভ, ৪ল
১৩ ৮০, চাবাক্স একত্রে ৩, টকো বিম্ন গও হত্ত্ব)

## ভক্তিসন্দৰ্ভ

১ম খণ্ড ১ এক টাকা : মুখণ্ড ১ টাক — শ্রীমন্তাগনতের ও গৌড়ীয়ের প্রাহকগণ ১০০ টাকায় সুইখণ্ড পাইবেন। বৈক্ষবাচায়। শ্রীমঞ্জন গালামীগাদের ইচিত গ্রাস্থ। ইহাট মট্যন্দর্ভের অধিক প্রধ্যেকনীয় অংশ। প্রতিশণ্ড ডবল ক্রোউন ৮ হর্মায় ৬৪ পুরা কাহারে মুন্তি চাইটেছে।

> শীঘণাটাগ সক্ষলিত সদাচারম্বৃতিঃ ভিশা৴ শানা মাত্র

## সাবধান! - - - সাবধান!!

জে, বি. দত্তের টোক। শিশি কাদোম কৈচল আদিও অকুত্রিম এবং উপকারিভায় দ্বন্তন প্রিচিত ও বহু প্রশংসিত।

আমর। সর্বসাধারণকে ছানাইতেন্তি, বাদাম তৈল খরিদ করিবারে সময় শিশির গায়ে ইংরাজী অক্ষরে জে, বি, দত্ত এও কোম্পানী নাম পোদা দেখিয়া থরিদ করিবৈন। নতুবা জুয়াচোরগ্র কমদরের কুজিম হুজা দিয়া প্রভারণ্য করিবে।

িনী ১-জে, বি, দত্ত

## ফেরাস কুইনিন্

নুতন এবং পুরাতন মালেরিরার যম
ইকাতে উপযুক্ত ফাডার আচলন, পাঠীয়ড্রোকোর
কুটনিন্ আংগনিক এবং স্টলিবেন আছে।

এই ফোবাসাঁ কুছনিন্ধারা হঞ্জেক্বন কবিশে একটা বা চুইটী ইঞ্জেবদনেত সকলপ্রকার কটিন মালেরিয়া জ্বর সন্ধ করে তবং ৬ ইউটে ১২টা সংস্কেশন স্থানেরিয়ার সমস্ত উপস্থানই করিয়া সেলে।

ভ এলপুলপুৰ্ব প্ৰতি ৰাজ্য—মূলা ২, টাকা, ট্ৰং ৩, টাকা ৰাহজ-কেমিকাল এও ক্লিনিকাল শাবেকেটানীতে ২৯৬ নং ভজুনীমণ লেন, ক্ৰিকাভা।

ব্যোড়ীয় বৈক্ষৰ-ভগতে অভিনৰ এখ !! খ্ৰীন ঠাতুর ভাক্ষবিনোদের স্বীতি-গ্রন্থানলা :---



भटकड़े श**हित** चहेब शश्चात्रम स्

দেহ ও মনের চেইা আনতাবন্ত গটরা—ট্রা বধন ধীব বুবিতে পারে, তখন একমাত নি চাবন্ত প্রীক্ষণবানের প্রাত টাচার কোন কাভার আবেগমরী প্রথেনা চর এবং শ্রীভগবানে সন্ধান্ত করণে নিকপটো ক প্রকারে শরণপের চইতে চর, ইডাান বিষয়ক প্রাণশশলী প্রাথনা ও আন্ধান্ত সম্প্রমূক বান। উভিয়া সংখ্বণ ও প্রকাশিত চইয়াহে

ভিচ্চা প্রতি বঙ /০ এক আমা
প্রেমন্তবিদ্যালয়কা— /০. নবতীপদত্তক— /০
প্রেমন্তবিদ্যালয়ক প্রমন্তবিদ্যালয়ক

আমর। এতাই নৃত্র অভাব ও কামনার বণবন্ধী চহয়। পুন:পুন: বে অকলাপেকে কলাপে বালর। এছণ করি এবং পাহার নিকট কলাপ কামনা করি, তিনি যে নিডা বা বধার কলাপি প্রথানে অসমত এবং কোন বন্ধ আমানের নিডা কলাপেদায়। এবং কি ভাবে আমরা ১৮০ তলাপেলাতে সম্প হটন, এই সকল করা সরল বানে নিজিক। এচ কীডিএছ বাভাবিকট কলাপের কর্মকক; ইনি প্রযোক্তে বিভাবনাণ প্রধানে সম্প্

বিত্ত ক্যাটালুগের জন্ম নিম্নলিখিত ঠিকানায় পত্র লিখুন—
ম্যানেজার—গ্রন্থবিভাগ, শ্রীচৈতন্যমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, ( নদায়।)

- >। চক্তপ্রতা বটীকা—ইগার নামটাও বেমন কাম্প্র দেই একমী। ইগা নুখন ও প্রাতন মেগ, মুত্তরুক্ত, অশ প্রান্ততি এবং স্ত্রীগোণগৈগের স্ভিণা ব্যারাম, খেত এবং রক্তপ্রবাজনি বোগে আও ফ্রন্সিদ।
- ২। স্থাপুত্তিসহায় বটিকা—মাদকজনানিনীন অভূত্বত নিজানিধায়ক ঔষণ।
  বে কোন বৈদিক ও মানসিক শীভাবশতঃ অনিপ্রায়োগে এই ঔষর ভাবতাতে গাঢ়
  ক্রিলা চটার।
- শুরুর বটিকা-ইং। সেবনে শ্লীকা ও জনপ্রথলিক নেবা ও লাই পাতৃ।
   ইংলা যাওয়া ইংলাদি নিদ্বিত কইয়া রক প্রিকার ও রফি আও কর।

উक्त किन अकोरतक व्याह्मक खेनामत्र मूला अवि उक्ति। ১८ हाकः।

আ'ওয়ান:- আতঞ্চলিপ্রহ উম্পালন্ত। ২১৮নং বছলাখার ট্রাই, বলিকাড় ।

### बीनवहीयधाममाशाष्ट्रा वसान वर्त अका तर

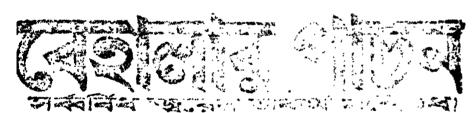
ক্রীটেডের মহাত্রভূর বিভার ও গাগাভূমি নয়টা হাল ব্যাগভ্য এন নর হালের আচীন বিষয়ণ—এতেওক হালে ক্রমহাত্রভূর গাগা—এতেওক হালের পারচয়, ক্রীষ্যম- নহাল্যা—গামালবাধ কি দু ভভাছে বিষয় বিশেষভাবে মানালর ভক্তে বাগিভ। গানেট স্কিক আর ১৬০ পুরা।

#### |সববাপ ভাৰতৰ্ঞ <sup>(জ)</sup>।

উজ্জন ব্যাক্তর কান্টাতে উত্তম কাপ্তে ভাগা---প্রনিধ শিধাম ধর্ম কার্ক ক্লনকারীয় কি প্রকার ভাবের উদ্ধাস হয়, ভাগা এট প্রতিষ্কৃতি কালে চন্দ্রকার।

সাধকক প্রমণি——আইবন্ধবনন্দন, ইনিজনের অন্তর্ভন প্রকাশ করে এব শতনাম ও শীল নলোপ্তম ঠাকুলের ওক্টনিংকত ওলিছাক্সমত আ প্রন, প্রেম থকিন চল্লিকা আভ্তির অংশ তি গাঁতাবলী সুগাকারে প্রেচ সংগ্রেম মুল্লিচ ২০ মণ্ডরের ভিচ্ছা। তারি আন মার্যা।

## কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



মক্ষেত্রের স্থাবধার জন্ত ৬ আঃ শিশতে খণীজুত অবস্থার ১৯:৪নোর্জের স্থাপরিমাণ উষ্ণ স্কাকে সাঠান হয়, উদাতে উষ্ণের কোন প্রিন্তন করা ১৯ নার। মুস্য প্রতি শিশি ৪০ আমা, পাঁষ্ট চল্ল আমা, বোজগ চল্ল আনা।

অফিস-১১মং উক্টাডাঙ্গা রোড, পোঃ শ্যামবাকার, কলিকাতা

श्राप

CHORES TO

ঞ্র

विकार कर व वाक्षिकाव, विकार कि हान, असार करें के वाक्षिक होने, व्यवस्था, वाक्षिक कर्म कर कर्मित करिया कर्मित कर्म कर कर्मित करिया कर्मित कर्म कर्म करिया कर्मित कर्मित करिया करिया कर्मित करिया करिया

० अन्तर्भा सावित्रम् (बाक, कतिकाका ।

হাইড়ে। নিন

## কোবর্দ্ধি রোগ

छाइ कम्, कम्, त्याच निमा व्यक्त, यानकोयामत्र भारति विश्व देवद्वास्त्रक ज्ञानामास्त्र स्मायपृष्ट स्थान व्यास्त्रान। कतिया चारकम

ob at aba Bib, applicate,

21

**ব্ৰায়**ত

निजम्दलक मार्ग मरहोदय। > पाकाश्र केन्न्य, महादव बाद्यानाः हार्छ ५० व्यक् बाता, तक्ष २० मानाः। यात्रक वृह्याः

শুক্রাচার্য্য সঞ্জাবনী পোষ্টাই

अर्थेयकं क व्यक्तकं का व्यक्तमात्रा गरेको यथा। भूगोः ५ किना ५१० वर्षाया । व्यक्ति औ मुनक्

ত। সন্ন্যাসী-প্রদত্ত অর্শরেতিগর অব্যর্থ আংটা

8। কোন্ত-বান্ধব শীল

अभीनं, ८ परियोगा, १ परिवासनात भर्दश्यम । छिता ॥ - आसा । भारतेन भूवक् ।

৫ ৷ বাতলান

বাহরেবের মকোপকারী ও সন্তাতে আগোলা। প্রতি শিশিরত আনা। মাত্রপুর্ব :

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তৃতকারক। গাহন কাটালগের অভ পত্র শিখন।

eাজ্যান–মনোমোহন লেকরেটরী

्णाः उत्राही, कनगानुत, छाकः,

## ষনোযোহন প্রেস

পূর্ব-বাজাগায় ভগতে সকলপ্রকার তাপার জন্ম বিখ্যাত বৈদ্যুতিক ফোশিনে দিবাবাতা কাজ চলিতেছে বিশ্বত জানিতে বইলে নিয় তেকানায় পত্র লিখুন ম্যানেজার—মনে বিশ্বতি কাকা।

## মরা মানুধ বাঁচাইবার উপায়

যাদ ও কথালি করুক মান মান্ত্র বাঁচাইবার কোন উম্প অনিষ্কার করে প্রত্যাপ হালারা নালাবিদ কনিবানত উপানে আবিনিক পান্ধ নই কনিয়া জারেও নরা করে রেজারিক একানালা, বহুনুত্র, প্রয়েপ্ত, প্রায়েক শান্তাগাঁললা, প্রায়েবিক একানালা, বহুনুত্র, প্রয়েপ্ত, প্রায়েক মাকান্ত পান্ধা, কল এক স্থানেলাক দিব্যের মধ্যে যাতা স্থানক, বহাা, মুত্রাহান, স্থাবলা, যেতা ক রক্তালক, বিশ্বিদ্যা আন্তান্ত বেংগা ভূগি । জীবনো নিরাপ গইবান্তন, জারিদ্বাল আন্তান্ত বেংগা ভূগি । জীবনো নিরাপ গইবান্তন, জারিদ্বাল আন্তান্ত প্রায়েশ ভাগেল লেডিল গানেকে, জারিদ্বাল আন্তান্ত সকলে প্রমান প্রায়েশ বিশ্বাল গানিত্ব প্রায়েশ সার্লিক সকলে প্রমান প্রায়েশ ব্যব্তার করিয়া আন্ত্রোপ্ত ক্ষেত্র পারেল নাহ, তাহারী অক্তান ক্ষিত্র আন্তান্ত্র ক্ষিত্র আন্তান্ত্র ক্ষিত্র পারেল নাহ, তাহারী অক্তান ক্ষিত্র জ্বাল্ডী এক শিশি ক্ষম ভাক্ষান্তল সত ১৯০ চাকা মাক।

> সোল একেন্ট— ভাঃ ভি, ভি, ছাজরা। কভেনুন, নাডে-বিচ নোঃ, কলিনাজা উপনিতিট কবিনা নিবিধন



न्त्रथाम माराष्ट्र स्मामा व्यक्तान हैद्या नद्द क्षाद्रम् व्हरस-प्राः क्रमकाणि समाग्रही किल्यून्य अन्तर्भ क्षाद्र वर्ष माजक ७ धार्मानिक

বিজ্ঞাপন্ত হার

ক্রাড়েকারে

ক্রাড়িকার

ক্রাড়িকান

ক্রাড়িকান

ক্রাড়িকান

ক্রাড়িকান

ক্রাড়িকান

ক্রাড়িকান

ক্রাড়িকান



বৰ্ত্তমান-বাৰ্ত্তাবহ

গৰতেৰ পৰতে বছল-প্ৰচাৰ–নদীয়া জেলাৰ একমাত মুখপত

সাধারের ভার
অগ্রিম প্রেয়।
বার্ষিক ৯
বাল্মাবিক ৫
বিশাসিক ২৬০
শাসিক ১
নগদ
প্রেভি সংখ্যা থ

ধও ] সম্পাদক—শ্রীজভীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদাস্তবাচম্পতি [ ৪র্থ সংখ্যা

শ্রীতেখন্যমট শ্রীলাস আহাপুর- ২৫শে ফাল্লন সোমবার ১০০৭, ৯ই মাঠে. ১৯০১

# নানা কথা

ভুরক্ষে সাধারণ নির্বাচন

মুস্তাফা ভাষাল প্রাপ্তাব করিয়াভিত্তমন করে এ ক্রম্মের ভুরুত্বের
পার্লাদেন্ট সভা ভাজিয়া দিয়া
নৃত্তম নির্বাচনের আর্থ্নোজন করা
করিয়া ভুরুত্বের জাতীয় পরিনদ্
এই প্রস্তাবে সম্মতি দিয়াছেন।

মৃত্যাফা কামাল পালা সম্প্রতি
তুরক্ষের অধিবাসীবর্গের নিকট এক
আন্দেদন প্রচার করিয়াছেন। ভালতে
ভিনি বলিয়াছেন, ভাঁষার বিক্তমবাদিগণ নানা প্রকার জ্বান্ত ধারণা
পৃষ্টি করিয়া তুরক্ষের অধিবাসীদিগকে
বিশ্বাণানী করিতে উভাত হুইয়াছেন।
এ সময়ে দেশের মন্ত্রের করিয়াছেন
ভাষাতে দেশবাসীর কওটুকু সমর্পন
আহে—ভাষা পরীকা করিয়া
দেখিবার কন্তই সাধারণ নির্বাচনের
আ্রোজন করা ইইয়াছে।

## শ্রমিক দলে আরও ক্ষেক্তনের প্রকার

क्षि निन्धि मण्डि अरे निः खर्गिक, त्यः व्यक्ति व्यक्ति प्रत्यः मण्डिम हिल्ला हिल्ला विद्याद्यः निः व्यक्ति विद्याद्यम्, जन्माग्रं क्षिम्ब स्वितित्यस्य मण्ड हरेशा शाकित्य

# তুরস্কে সাধারণ নির্ব্বাচন

শ্রমিকদলে আরও কয়েকজনের পদত্যাগ

# স্পেশাল প্ৰালশ প্ৰত্যাহ্বত

द्रिशिश गरिनाति नाटम गामना अञाहात

গবর্ণমেণ্টের ঘোষণা

মাজাঙ্গে ১১৫ জন স্বেচ্ছাদেবকের যুক্তি

# জিয়াগঞ্জে ভীষণ শিলাবৰ্ষণ

বর্মী সমিতির সভাপতি সশস্ত্র ভাকাত কর্তৃক আক্রান্ত

# রটিশ নৌবিভাগের কাজেট

পটুয়াখালিতে ১৫৮ ধারার মামলা

মাশসিক স্বাভন্তা এবং স্বাধীন চিস্তার বিশ্ব হয়।

মাদ্রাজে স্পেশাল পুলিশ

কংগ্রেস সেন্ডানেবকগণ কর্তৃক পিনেটিং সম্পর্কে সহরে মালাকার স্পোদাল পুলিশ মোভাযেন ছিল। সন্ধির ফলে ভাহা সরাইয়া লওয়া হইয়াছে। বোশাই গবর্ণনেন্টের খেবেশা

বোশাইরের সরকারী গেজেটের

এক আতরিক্ত সংখ্যার নিম্নালখিত

মর্ণ্মে ঘোষণা প্রচারিত হছরাছে,
১৯৩০ সালের ১৯শে আগষ্ট হহতে
১২৩১ সালের ১৮২ কেব্রুয়ারী প্রাপ্ত

সংশোধিত কৌজদারী আইন বলে

যে সকল কংগ্রেস ও অনুরূপ
প্রতিষ্ঠান বে-আইনী বলিয়া ইস্তাহার

জারী হইয়াছিল, তাহা বাতিল করা

চইল ১৪৪ ধারা অনুসারে সম্বর্গ সময়ে যে সকল নিখেধান্ত। জাবী চইয়াছিল, ভাষাও বাভিল কবিয়া উক্ত গেলেটে ঘোষণা করা হইয়াভো।

বোন্ধাই মহিলাদের নামে শাসকা

গবর্ণমেন্ট কর্তৃক প্রত্যাহার
কৌলদারী সংশোধিত আইলের
১৭ ধারা অনুষায়া অধিল ভারত
বদেশী সভায় জিমতী জিলাভার
যোশী এবং অগর পাচজনের বিক্
মামলা চলিতেছিল। আপোধ মহ্যা
যাওয়ার উক্ত মামলা প্রভাবা
করা হইয়াছে। ভাঁহারা বোপার
প্রাবেশিক কংপ্রেস কমিটীর কর্
বিভিন্ন নাম দিয়া পরিচালন ক্রি

মাদ্রাজে ১১০ জন মেরুর্ সেবকের মুক্তি

মানী আরউনে সান্ধর সার্থ ।

নথা সন্তব শীত্র কালো পালি

করিবার জন্ম মাজাজ কালে

চেন্টা কবিতেছেন। যে সকল

মুক্তি পাইবার সোধিকারী ভাগে ।

ভালিকা প্রদানের জন্ম কেল ক্টেন্ডেন্টাগাকে বলা ভইটো ।

স্থাকে প্রায় ১১৫ এন বিচ্ছালেও ।

মুক্ত হইলাছিলেন; ভই মাচ্চ ল

### विविध मः वाम

#### জিলাগজে ভীষণ শিলার

্গত জনা মাজ লাকি ২৭০ টাবে সময় তেখানে শীষ্ণভাগে আছে ও শিল মুখি ধ্যুষ্ণ र्रिशाहिक अथन श्राह्म ४.(न ४) न स्वर्गां रत्य अपा एंडर राष्ट्र वाहिता विमानुष्टि शृं ल्युरावा ध्रम्भारत शांत क्यान्य क्या नहीं ,

#### भष्टेकाथानी एक ३०० वातात SITTET

(स ममक्त (चन्द्रारम्यक अनेश्राचार्गाटक दक्षीनभाती काश्टिल्ड ३०० भारत शह आग्रिष्ठ भारत ८ अ.स्. स ४ इ.स. हि (बान, क्षेत्र भारत পরে ভরা মাডে ভারিপে স্থাছারণ মাম্লার মুভিলাভ ক্লিন্দ্ৰ।

#### রাজবন্দীর মুক্তির সম্ভাবনা বড়লাটের নিলট তার

फ्लारकीय क्लाब रावा दाला ना स्थाकनाती कि दक्त हैं, अ पुनप्रवास्त खांद्रश्रांत कालाहेशालन यम यूजेन भारत्य गक्य शासनीहरूक उन्हीं एक पूर्क (भश्रा का, काका कहेंद्रा .भश्रीय कांद्रक त कालनीष्टिक बन्नीनिश्च ए एन शुंख CH 651 43 1

### -খুলনার কংগ্রেস কর্মিদের কারামু জ

পুলনা ভোষা কংগ্রেম কলিবীং ভূওপুর্ক ्अल्लाहरू हैं,युक्त सुद्धात्त्व द्यांच द्धार क्षित्रक क्षांतियाल । भाग्यत भूत क्षेत्रान कामगीलाज्य ध्याय नगमम ८०५५। १ । इंडर्ड मृक्तिकास काल्या वह माळ पूनेगा न्धां हारकन ।

### **इक्केशारम जीवन जानाजि** २४०० हैं कि। अहेशा डिमाल

यहा बा'ल ८४'- मशास्त्रिक ८६१८ वह कर्षाकारी स्थित महन्तरक्षन साम जात (१६ १६ १ ही । इं. १ का का का का का का का कालाह नाकि काईक मारशाबिकारन minia bal Gietel ৰাৰ্থ গল্ম ভীষৰ আৰোভ কৰিয়া : २८०० है है के अध्ये भगासन कर्य है हैं। तुक माना क वाम्याकात्म स्थान है। क्ष्यकात आरक्षा ।

#### ৰদ্মী সমিতির সভাপতি সমস্ত छ। न। उ कईक बाका छ

भणी अभिन्त भाषा न शक्तिसामक म ली-शक्ति भि: इ.डे. श्र १११६ है हर नाम **कार**न काशक वागानवादीएड आध्यापी वर्षक

अध्यात्म व्यवस्थितम् । भिः ३ है, स्व मक्षात भवा कुल्पत विक्र दिखान, ज्यान मगञ्च जिल्लास वर्षी किम्छ। जनर बहुन महेचा स्थल बाद्ध करें एक छोना कहेगा आगिएछ-एका अ अनिश्चित कहा ब्याद की कांच माथा क किल, एका फाला माना कराइ ३०२००० कहेंद्र । ्राद छेनत्र क्षम्यानि स्मान्याम जानिक्षा काशास करवरास इल्ल्य करिया रक्तका छ। काञ्जन बरावन काकाब शुर बात्कमन छहे पर्छनात नातक बहुशान बामाकश्चाम नरहा छल्लाडे दमका शुलिल छावाकरमण कहा ्ये। ज कांद्राप्टाक ।

### পরিষদে আয়কর বৃদ্ধি दिनाचा है दक्तानी महत्र अधिनाम

८४। इन्हें इक दानी मध्यम उमरक्षिती বানস্থাপনিষ্টার জানীয় দলেব সভাপতির निवर्ते एक छात कविशास्त्रम २०००, छाका कहर १ ६०००, छाका श्री छ গারববের উপর টাকা প্রতি ৪ পাট १४मादन द्रक्ति कता बहेशादक । त्नावार ्करानी माञ्चव मामिक्सिः क्यारी आपारिक देशांत विकास अधिवान वृति-ांड क्षेत्र-क्षण्यांच कामाहेटण्डक । दण्यनी, ±हे दुरिएक म्याविक ठाक्तीकार्यव फक्टि

### त्र कुन होक क्रांटन स्र भागना ७० ००० होकाइ कडिग्रन मानी

शरतामणकारमधी । दबरमामां पिः त्ल अप्टर्शनम **(काक्न दशक्न हाक् ऋा**रवर निकास मानवानि धना खागावत व्यक्ति-্যাপ উপস্থিত করিয়া ৩৫০০০ টাকায় ত্ৰাটি অভিপ্ৰবেশ মাধ্যা আনিয়াbena । विहास्त्रीक मि: त्रम कहे भागे oigiai wenne Bein femen eisca: हैं ब बालीन विश्वादम भिन्न दबाबा खब व्यालीय मारवस करवस । व्यक्तिमण नामन (म. क्वांत्वम स्मितिन व्यास्त्र भिः ्कारण अयाब व्य विश्व हैं हैं (म इया बरेशाबिस, खाबा माछ। घरेनाव खेलव कराष्ट्रका छोनाता व्यक्तदेव अभियान व्यक्तिक करम्म र

વનાની જીવક વ્યાલક દ

### विवाशाहेदगरण विक्लाचात्र प्रदेशम मुजनमाम (अश्वात

मक्ष्मक (संदर्भन unit (मच मिकिक কলা হয়—সেখানে হিনি স্কটখনক লামক প্রটক্ষর সুন্দমান রাজনিবিকে भूशिम दम्ह्या शंकात है। दे अक्टा विकटक (अक्षात कतिकारक । व्यक्ताम, भूतिम পান্তলাস কৰিয়া এপটা সাভ খনা ce,im gediem wimem wiel wenten, विश्व क्षत्र हिन्द्रहरू ।

#### চট্টগ্রামে আশ্চর্য্য চরি

खकाम थ, विवय स्टम्म ठक्कवर्षी हाका हित वा कराटक दलना आधिरहेट छ व्याधनात्मत याहिया पटक भाग यात्र साह । কলে এবং ও ছালাছ টাকা মুলেংব জিনিষ | হর এবং প্রেনটাকে জালড়েড বাগং

#### কলিকাভা ভাষ্যাপাকের সন্মান

शक ७४ वार्छ रक्तांच मिल्लिस महोब কলিকাতা বিখান্সলেব্য অধ্যাপ্ত भूष द्वाराज्य ५००० । व्यक्ति व्यक्ति नियान्यान्य कार्यम् कार्यम् कार्यान 150 BASTCON ).

#### वृष्टिम ८-ोनि छाटशत सारक है

दक्षि भोरतमारम्ब नादलाख मन्नी । भः आत्मकरकश्चात भाषाची तरहर बारक के दिन कातना काका अभाव Benden'ता शकान जा'क। सलानक मटरत विकासिका विकास मोठुकि चक्रशास (•- शांग पुरू काशांत खार अक्षानि क्षांत्र निकातन क्षांत लिकाक क्षेत्रांक छात्र प्रशेषानि युक् काशकटक माधावन साहाटक परिवेश ह कतियात नावका रवकारक ।

১৯০১-७२ मार्ग (-ोर्निसर्ग**० प**र्स es, ७०० शास्त्रिक नाग नराम करा ∎ইয়াছে। পাত সংগঢ়েও ভুলনারে তেই कांच ७८००० शास्त्र क्य करिया कता aBatre I

cuite @ea कर्षातिक दरकन देश (भवदा कन्यारका मध्य भाष्ट्रीय भूगा हु:(भूत कक्ट ज्यान-१८१ छोटा छ (बक्का हुन मध्यश्र कहवादि ।

हीम रमरणव स्मीनाविनीएक लिक्टिक ক্রিবার কল্প করেবছন বুটিল ক্রেচানী Contain कहा इंडरन, ठीन अन्य करण्ड कविशव अन्दर्शती व्रव्हिन स्मोठाणम कतर स्नोतुष्ठ मन्नारक निका श्राप्त करिद्यम ।

व्यानानी बर्ध मुहम व्यक्ति दर সম্প্র স্থপত্নী নিবিত্র চচ্বে ভাগার कालिकात मध्य डिनयानः तुरुन क्ष्मावः વ્યાઉષાના હ્રિક્રેલ હ્ર કિન્યાના भागस्य विक निष्यारणत कथ्, व्यास्त्र ।

द्भीविकारमक देशीतक सक्यंवालीय विक्रमकात थ आहित कार्युत्र गाहबाटका अश्मा कार्य करा शांत करा कहेंटन प्रवाह देव दिविका के वाहेस विवादक, देनके कारणांक वर्ष होति सर्वात देवलिक अ कर्रात्रीक मान्या २०६० भाग गाहिनक क्ट्रेंट । यह याग व) बच्चा अञ्चलादि अञ्चल

मारणव किया क्टेंस्क ३३०२ मारणव এতিল পৰাৰ নৌৰভাগের বৈক্ত ও कर्षातित मध्या मण श्रामा द्वाम करा...

#### ঢাকার জনসংখ্যার বৃদ্ধি मण बरगदा ८७ हेम मध्य (माक বাড় জ

छाका म्रव्यक काष्म्रक्षमधील मध्या श्रामा करिया (एमा याद त्य श्राप्त स्थ-वरगटत छाकांच भागाक ८७३म नवळ रणाक villenten !

#### পলাভক আখানীদের সন্ধান

ट्रायामधीन भागांत्र अक्षात्रात मुर्कटन्य श्यानक क्षामाधीतमस द्वीक कविश्व সালে প্রপুর, ধর্মদর্গ, কার্ডুনর্গো পাড়ার करव्यक्षम युर्गाटक श्रुविम इन्नाम इन्नामा क्रिया विक्रमान चाउँक करिया शानिशाकिन। मक्षणण अवर काञ्चनका भाषात वाकी-खिलिएक मास्टिएक युव फाल क विशा काणा-.च तक्ता कवित्रारक्ता, कांशाद क करहकती : कहारा कदा करेशकिन । शूनिध्यक स्थ

#### **इतिशाद्यत्र दलाकमःया**

w nenter Cot# nente Bente Ben mint याम द्रय, ५ हे आम अष्ट्रक दलाके व्यक्ता आज > वर्षाट्रत अत्या कृत्य स्क्षेत्र चल कृत्यां व erce as einten frieienten bij-ज्ञाम क्रिकाट (बाक्यरणा ५६ अक बहेटक ऽb काष्क्र कडेंगार**क**ा

#### মাল্রান্তে পিকেটীংএ ৫ ক্লম আহত

िर्मित राष्ट्र में बहुत मान्या के जा। मान्य अव्देश कार्यात लिएकहीर बार्क्य देश्री ्त्र का केन क्षेत्र का अपना वास्त्र कर अन ८५५६११मवक निरम्भी नश्यान्त्र (शाकानalong totwill menn | Mein Giet-्षत हेला दवलायां करत । दवर जुलिद्यक छाक्रांत काबादमक निश्चित क्वेटक /क्य इ 取[m 对:ban (智師)[7] 中 明[司權 華祥 3 कार्वादम्ब करदताम बामलानादण कवि कि एक क्षेत्राटक ।

व्यक्षण, य मक्त लिक्किकाहिनी प्रिक्त कंपबारकस्, क्षीवारम्य संक्रांकारमः वाकारनाम क्यार अध्य ८ ०६माम द्वानन

### Comoारकत जातकाठी

देशक निंद कहेटल दंशावीय गामा नेवाक अंकिक्षा देशानाम नाकार अध्यक्षताम शिक्रक #(#+ #'(# +|B) .H4: (## !

**बिक्रिकरशोतारको क्यस:** 

### জ্বোৎসব-প্রদঙ্গ

গত ১৯শে ফান্ধন ব্ধবার সন্ধার শীটেডকের জন্মোৎসবের শ্লেবিনাস কীর্ত্তন হইতে লাগিল। তাকা, মামনসিংহ, খুল্না ফরিদপুর, যশোহর, মেদিনীপুর, বীর ৮ম, বাঁকুড়া, বর্দ্ধমান, মানভুম, সিংগভ্ম, পাবনা, রংপুর, এলাগারাদ, সাঁওভাল-পরগণা, মাদ্রাক্ত প্রভতি বিভিন্ন দেশ হইতে বহুসংগাক যারী আসিশাছেন। শীদাম মাদ্রাপুরে আজ সর্ব্বতেই রুফকোলা-হলে মুগরিত।

সন্ধাকালে ওঁ বিকৃথান শ্রীপ্রীমন ভব্তি-সিদ্ধান্ত সরক্ষতী গোলামী প্রক্রপাদ নিটেন্ড মঠে প্রেমানিষ্ট হট্টা শ্রীনামের সহিমা অভিনবভাবে কীর্নন করিতে লাগিলেন। ভাঁচারই আদেশে ভিন্তিকামী শ্রীমন্ ভবিত-বিবেক ভারতী মহারাক্ষ শ্রীনৈত্ত মর্মের সারক্তনাট্য-মন্দিরে স্থগভীর গ্রেমণাপূর্ব বক্ষতা।করিতে লাগিলেন।

২০লে ফাল্পন বুধবাক দিবক ব্রীকৈতক্ত-দেবের আনিভাব তিথি ছিল। উদিবক আন্ধান্ত মুক্তবারতি কের চুক্তবানার উল্যোগপাঠে ও প্রীচেতক মঠে জীনাম-স্থার্জন আরম্ভ ফুইল। জেনে স্থানার পান্তর কাকি আরম্ভ ফুইল। জেনে স্থানার পান্তর আবিজ্ঞান-বিষয় পান্ত-জীপ্রনাদি ছুইতে লাগিল। তিন্দিগুলালগণ প্রীক্রিভিন্ননেবের জনালীলার ভাংপ্রা সকলকে বুকাইনা দিন্তে লাগিলেন।

केपिन (तना ১১টার সময় श्रीशीप मधी-**हत्रण फल्टिक्स्य भट्डास्टेश्स मन्निधिक** ভবনে প্রথম প্রবেশ করিবার সমণ নিদির ছিল। ও বিষ্ণুপান জীমদ্ ভাজিশিদায় সর্বতী গোম্বামী মহারাম ভীমন্ ভক্তি •বিজ্ঞান আত্রম মহারাজের ভাষে ত্রীবিঞাচকে স্থাপন ক্রিয়া সঞ্চীর্ত্তন ক্রিতে ক্রিতে ভিজিবিকার ভবনের ছারে উপস্থিত হইলেন ! স্বিপ্রাহ প্রভূপাদ ও সমবেত ব্যক্তিগণের कछी दिला इहेन। ७२भटन लाउँगान শ্রীবিগ্রহকে অত্যে করিয়া ভকিবিজঃ-खदान कर्त्यम क्रिकान। - বিপুলভাবে महीर्खन इंटेटड माशिम। १९५२ अ.स.स. স্কীৰ্তন-ঘণীর নোলে আকাশ বাভাগ মুখরিত হুইয়া উঠিল। ভক্তিনিক্স প্রভূর অর্থ, বৃদ্ধি-বাকা বোগে প্রাণচালা দেবার क्रम खांक मार्थक रहेग ।

বছ লোকের সমাগম হট্যাছিল। তত্তভাষাত্তেই সমস্তদিন উপবাসী থাি≁য়া ক্রিডগ্রহংপ্রদশে নিযুক্ত ছিলেন। সমাগত

# দৈনিক নদীয়াপ্রকাশ

## নিত্যপাঠ্য বৈকৃষ্ঠবান্তাবৰ

ঠালাম মাহাপুর-১৫শে ফাল্পন, সোমবার-১৩১৭

ইতির সাধারণ ও ভত্তলাকগণ মধাজে ।

ইনিকালেনান প্রাপ্ত হই প্রতিলেন, শ্রীনারাপুর

৪ নিকটিত বত গ্রানের অধিবাধিগণ মহাপ্রে দি পাইবার অবস্থ করেগাগ না ভাড়িবা

ইনিচতক্রমতে উপত্বিত হন। সকলকেই

প্রেচুল প্রিমাণে মহাপ্রদান বিতরণ করা

১৯০ প্রাচ্চ মন্ত দিন মহাপ্রদান বিতরণ

হলিতে স্বাধিক। অপ্রান্তকালে শ্রীমন্

গুলিববেক ভারতী মহাবাজ শ্রীচিতক্তলাগনত হইতে

প্রেচুল কাল উপত্বিত হই লৈ শ্রীণান

ভারতী মহাবাজ শ্রীচিতক্তলাগনত হইবত

ক্রানীলা স্ক্রীন্তিন ক্রিবেত লাগিলেন।

অন্তুদ্যিক একটা নৰ ডুল্মী মঞ নিবিতে হইলাছিল, ভাষার প্রতিষ্ঠা কার্য্য ठिनाङ माणिण । जीतिशदश्य मञ्जूष नाठा श्रामिद्रतत कास[•पूरत এक**ी** पुजारीमक বজনী দাধী নায়ী কোনও ভেজিমতী মহিলার দেবায়ক্ষেং নির্দ্ধিত হইয়াছিল। क्रीलाम कामस वास्तानव शरीविक्शाहमन প্রভূ প্রকলিভ করে "নমোনগো বুল্ধী भश्रतियाँ।" शामजी की यम करित्रक करित्रमा । खर् शर्भात जेविक । किया गणार्टिक रक्षांत कारोस कारा पुराने आहिए। कार्या अधारम् इज्लेज । जीति। उज्जातनत्त्व उज्जान-লাণ ও আনোঠ শেষ হল্পে সম্ভ বিন ঘটুক ভক্তগৰ ইটামহাপ্ৰসাদ প্ৰাপ্ত হুইলেন এবং অন্তানা বত লোককে বিচিত্র महाक्षिणाम विकास कता वरेन।

# শ্রীভাঞ্জনী "

ভিত্তিবন্ধ শ্রীনাগচরণ গোকামী ছডিকারী)
ভটতে শ্রীমালপুর শ্রীনেলিরাজধাম।
লেগায় প্রকৃতি ক্লফ-চৈত্র নাম।
ক্লেন্ত্রনী পূর্ণিমা এই শুড-ভিথি ঘোগে।
প্রকৃতিল গোরাচাদ নাম নিধে আগে।
মালপুরে গোগণীঠে জগরাগালয়।
ক্লপা করি আবিভূতি গোরা দ্যাম্য।
এই সেই নিষ্কুজভদদেশে শোডে।
নিমাইর স্থতিকা গৃহ দেখ এসে স্বে।

নিশ্র পুরন্দর এগা নিতা বিষ্ণু পুঞ্জি। করিত অভিথি সেবা মহান্দে মঞ্জি। এই স্থানে বালক নিমাই রূপা ক'রে। দেশাহরছে নিঞ্জনরূপ ভৈতিকে নিত্রেশার ১ একানে অক্ষেণ্ড তুল্মা-বন যে বিবাজে। যাত। দেখি আনন্দিত সজন স্নাজে॥ ভূ-শান্তি জানিফুপ্রিশ ভক্তিমরপিন। ঞ্জীরাঙ্গ-বাম ভাগে শোভিছেন নিনি ॥ निकास धीमिकि स्माएं नको शिल मार । नीना ना दर्शनिकिक्षिती जीनाम ह চিন্তামণি ভূমিরূপে জীবাম থাকিয়া। লোকগদেশ্যালিভিড। দেনা কালিয়া। ঈশান কোণেতে শোচে ফে এপাল শিব। বিহের প্রান্তম ন্যাস সকল অলিব। ভাগিবলী দেৱী হ'লে সপ্তত চঞ্চলা । ষ্ট ভনার্কার পরী গভন্ত করিলা । क्रमन्त्रक शरिक है। कि क्षेत्रक स्तरि । কলমল্ল হয়, কথা ভাগেনতে হেবি ॥ সেই মাত মহাযোগণীঠ মালাপুর। 🖎 টুট রাখিণ ভাগানগাঁ গেস দুর ॥ **८.क्टरण कहाना ना अञ्चलका नहा ।** অকপট সভা ইহা জানিত নিশ্চন। माजातूरव द्याराशीरक एकमञ्जलि, য়েজন দেখরে গৌর ঐশ্বয় মাণুরী। माजवृद ५% उत्तेवध्दि कृषा क'रत । ক্রান সকল ৬ক টাহার **অভ**রের নেহাত হৈতেভাত কামত ভাগোলান্ত वेद्धात करार काटा एकोत्रक्तदान् ॥ আব দ্ব অচৈত্র দংসার ভিতরে। ट्रिनेननाम-क्रमा विका स्यवं महि कटन ॥ ে বিনাম পেৰিপান জ্যোৱকাম যাত্ৰ। প্রী-বাধাদ্বর মাডে। পদক্তবা ঠার।

## द्वापम श्रावनी

(देल्टसार्शस्त्र प्र-मिन्सा) ( क्रीशंगाहतगण्य स्थाप क्रिक्स क्षांक्रमात्रो )

আ — জনস হত্যা প্ৰস্থে হাত্তিমু,
আগতা অসংজ্বনে আগন মানিজ।
আ:— লাগন করম দোধে গ্রুল গাইমু,
আগ্রেমার হিচ-কথ্য কভুনা গুনিছ।
উ—হত্য মম ইহা মম দিবানিশি বলি,
ইত্ত সমতা কলি আছি পথ ভূলি।

कि-म्रेन-क्या कर्गम् हे क्यम र कृति. केंत्रम प्रकारन काचि द्विवानिमि क्रिन । উ-- উपाय नाहिक अभ ही। विकल्पान, देशव अहरत ८५%: आरक निष्मितन । উ-- डिक्प्या ग्राम माहि बीतिया जीवत्म, खियत अवश भग निमय-हिस्सान । स — श्रीन-भाग ना छन्छ (म्ह्त छ्यात्म. क्षिक के जिलाहर का कि के में इंटिंग » ·- = भाव नानी मम ना नात्न स्थात, द्यम-अन्तर-वाका व्यक्तित दक्ष्माल १ ध--- बढाईएल मा भावित नथरमत बाटक. क्ष को या है छि हरन छ अर्थ माला। खे—खे॰ क केपांश वह ना भाषा क्राबिएक, अ शिवक भारते निना **श्री छक-क्रक** छ। e- 68(शंक व्याप यात हवेदन आयात. क्यः-देवसः नम्न व्यक्ति क्टरव व्यम्पन । B - Bयम .कवम 'नाम' क्रान कार्निय माव, खेनागाविश्रह खक्क क्रमामाद्रानाह ।

## জীবে বা নহে, জীবে দয়া

( জীলপ্ৰ দেবী লিখিত)

বিখ-মানবের আল্লয়তীর্থ, শ্রীনামকান্তনত্বনী প্রাহেণিড়ীয়মঠের বিপুল বৈশ্ববী
প্রাহেণার বান্তঃ প্রবণ করিয়া দেহননাধর্মীভারা অনেধ্যেই বন্তমান সময়ে প্রশ্ন করেন
যে, 'সমসানগ্রিক অলান্ত সেবজনজ্ঞার স্থায়
শ্রীগোড়ীগ্রমঠে জীবসেবার বন্ধোবন্ধ আছে
কি না? দেশবাসীর স্থাধীনতা-লাভের
প্রচেটাতে মঠবাসিগণের প্রকৃত সহায়ভূতি
মাছে কিনং? তথায় রোগ-ছিল্ল জনের
প্রিয়োরে ব্যবস্থা, ছলিক্লিট্ট ব্যাণীভিত জন্ম ওসীর অভাব মোচন এবং প্রবেশকত্বক
নিমাভিত জংল শ্রমিকগণের স্থান্ধবিধা
ও শিল্লাবিধানের করু আত্রবিক আগ্রহ
তাংগদর প্রাত ক্যাণ্য পরিস্থিতি হয়
কি না ?

জনসাধারণের পার্থিব উন্নতিকামী বাজিগ্ৰ আৰও বলেন,—'সমগ্ৰ দেশ আছ প্রাধীনতার গুলভারে অবসর, সঞ্জান-ক্লেশ্বিধুবা দেশজননীর বক্ষে আজ গভাঁর মন্দ্রক কতবাগা। অহাভাব, বীরাভাব, স্বাস্থ্য ও শিক্ষার অভাব, স্বাধীনতার অভাব প্রভৃতি সহস্র সহস্র অভাব বিকট-দর্শন দানবের মত সম্ভা দেশের জ্বার জনসাধা-রণের বুকের উপর তাওবমুক্তা করিভেছে। दखमारन रम्भ वक्ष्ये दिलस, उन्सम्। कार्य मुखानश्य मण्णूर्य वाधीन ना इ.६८३ १४५ छ ভগবানের প্রাত কিছুতেই কিম্ম সংগ্র করিতে পারিতেছে মা। সার **প্রকার** অভিনোগের মূল কাবণ এর এনতা শৃত্যল रधन पूर्वीद्वार रहेरद, उथन आमता अकटलई নিভাবনায় প্রমেশ্বরের শ্রণাপন্ন ১ইতে পারিব। একণে **আমরা দে**শবাদী প্রভোককে ক্রন্থের থা শ্রনিবাগ করিতে ক্রান্থান করি। ক্রান্থা প্রথমে স্থালা ও লেক। চাই, ক্রারে চাই স্থাদীনভার মুক্রবাধ্যত প্রিচ্ছিত ক্রান্ধপূর্ণ উক্রায় প্রমাণ। বাহারা দেশনাসার এই প্রকার নবীন জীবন পাছের সহায়ত। করেন, দেশস্থ যে ধ্রা পোজ্যন স্থগ্র বৃদ্ধি, বাকা, স্থর্ণ ও দৈহিক থাগের ছাবা ক্রমেণ। করেন, ভাহাকেই ক্রমেরা স্রায়া করিব, নাম্ন করিব, প্রাতির গ্রাম্কর্যাদানে ক্রম্থের গভীর ইণ্ডারা ব্যক্ক করিব।

দেশহিতাকাজ্ঞী ব্যক্তিবগেল এমকল ধ্যকা যে গভারুগ ৩ক জনসমাকের ভবিবাদ বোধ ক্য भटना जीव-का नक. অণুমাত্র সন্দেহ নাই। আমরা আগ্র-বিশ্বত হটনা সাম্ভিক প্রচাঞ্জন বা অপ্রয়েজনকেই চরম প্রয়েজন জ্ঞান করিতেন্তি, বিশ্বপ্রবালের একনিত উপাদক वामारहत निक्छे (१६ ६ मनेहें मक्किम). छोहे, निडाधन माट्य ग्राथ डेलाव আছার্তির অঞ্জীলনে বহিন্দ্র আমাদের বিশুমার অনুৱাগ নাই। সরপ-বিস্তৃত আমরা দেহ মনোহাটাত চেতন বস্তুর অভিত বিষয়ে সন্দিহান-চিত্ত বলিয়াই অভাবসমূহকে অশেধবিধ वर्षास्त्र অভ্যন্ত হট্যা পড়ি ছি। করিতে আরে সেই নিমিত্তই দেহমনের সক্ষগ্রামী কুধা মিটাইবার জন্ম নিয়ত নুতন নৃতন खडारवत चादाश्य कति: डिक्ट गाउँ। থাগারা আমাদের সুনান্তের দলেভিয়াধিপতি মনের অভাব প্রীক্রপের চেষ্টা করেন, ভাহাদিগকে আমর। 'কন-্দৈৰক' আখ্যায় সভিবিত **ক**রি, 'এক উভাদের এই যে সামক্রি ক্লেশ-মেচেন-**टिहा, এই প্রাক্ত চেষ্টাকেট দ্যার্ভি**র শ্ৰেষ্ঠ বিকাশ ভান করিয়া থাকি। কিন্তু আমাদের অনুভ চঃপ-তুল্পা এ কা-িক माश्राह्या पूर क्य कि ? एक मरना और्छ-ज्ञासमके कि सभार्थ शहराशकात ? क्यास्त्रत्व क्यंकन-क्राह्मीत्रक, व्यवस्थि-পিড়িত অনমওলীর নক্ষতেশী হাহাকরে কোনও ক্রীলেট নিতাকালের নিনিত্ত দুৱাক্ত করিছে পারেন কিং নিতা অভারণিত জড়পিপাদাভুর দেহ-মনের ব্রক্ষাসী কুণা মিটাইবার মত কেনিও অপার্থির অনুভ্নিবি প্রাক্ত জনসেবকগণের ভারে দ্বিত গাতে কি? যার জানা-পের ক্ষাও দেও মানত আন্তামী কামনা-लिभाडीक क्रमञ्जूका किरायात स्था क्या-ক্ষরান্তর ব্যালিয়া কংচে মা প্রাণপ্রাত বছু । ম ভবিচা গেল। कृतिशाम: छर्व अ लिलाग एन इब्र मा কেন? দৈহিক ব্যাদি শাহিষ ভক্ত ছো ঔষধ সংগ্ৰহের শিথিবাড়া নাই, তবে প্নঃ भूनः श्रीकृष्णिय इते तमन ? तम्यामीत क्रमके निर्वातिक क्षा अर्थ रेमिट के वि

পরিবেটিত আলোচনা সমিতিরও অভাব নাই, ৬৫ব আবার ছভিক্ষের করাল ছায়া-পাত হয় কেন ?

চক্ষ, কর্ণ, নাশিকা, জিলা ও শ্রেণ-জিনের কুণা নির্ভির জনা আভীবন কত বাকেলভাবে ভানগ কর্ণিতেতি, যাকা জ উদারর কুলা নিউটিলার জ্বাত সংগ্রহণট আমত থকার রিজনিতি, চলে অজ্ব প্রকার স্বচ্ছির বিজিলিকা প্রতিষ্ঠান স্থামান বিধের হাঁতি উৎপাদন বলে কেন গ

বিধার প্রাক্তি প্রভাগ, বিধান প্রজান প্রকালটাণ্ট, শীমুক শশরর বলেগান সভ্যতাপূর্ন ন্যাপ্রকাশে, বিধানজন্ধনিত । নানাংগ, শীমুক বিমলনিকানী বায়, শীমুক জানাংল, অনস্ত হংগালিকান্ত লালাংগ, শীমুক বিমলনিকানী বায়, শীমুক জানাংল, অনস্ত হংগালিকান্ত লালাংগ, শীমুক বিমলনিকানী বায়, শীমুক আলাংগ নি, এ, শীমুক প্রজানিকানিকার লালাংগ নি, এ, বাংগালিকানিক ক্ষেত্র ক্ষেত্র নি, এ, বাংগালিকানিক ক্ষেত্র ক্ষেত্র ক্ষেত্র ক্ষেত্র নি, এ, বাংগালিকানিকার ক্ষেত্র ক্

আমানের আনক প্রতা ভলিন্তি
প্রক্রেড জন-সেরাকে চন্দ্র আফ্রেড জন-সেরাকে চন্দ্র আফ্রিনকার্ণ
স্থাপন করিনে, উপরে আফ্রিনকার্ণ
সেরক্রসাকে প্রকৃত হারে কর্মন প্রোপকার্ন স্থান আন হারে হারেন প্রোপকার্ন স্থান আন হারে হারেন ক্রিন্তা আমারের জড় রাহ্যালের স্থানিক ভালার্কি একমার বারে ক্রান্তা হারেন স্থানির প্রাক্রিড সার্গি কির্মাণ জবে স্থানি

( 1985, 1985 )

কটক শ্রীসচ্চিদানক্ষর্যে শ্রীমন্ নিভ্যানক প্রভূর আনিষ্ঠান উপলক্ষেণ

#### মহামহেশ্ৎসব

( कड़क बड़िट्स (भाषिक )

আলাক এক অলানা ভাবে
মহদেবকাণ কল্পাণিত হুইণ উতিও১৯না পৰ পৰ ছুই দিন উপবান, কিন্তু
কৈ, কালাৱক ত কোন অবসাদ দেখিটোও
না দ্বা আনি কোন ব্য পান কবিছা
ইচাৰা আল এই প্ৰেট্ডা। নালকগণেইই
না কি আনিল, আলোল আন, আলাহ
ভূলিয়া নানাবিধ কবিকোটো মইসত সাক্ষিত
কালেছেছে। সালাগ্যা আলোলের অন্ন
মন কালে পুনিকেছেল না এই ক্লা
সন্তাবে বালা

অপবাছে মধুর মুগল তাবৈ রবে গালিরা উঠিল। শ্রীণাদ গদাদত প্রজানী ভ শ্রীপাদ পদেশাক্ষর প্রজানী শ্রীনাম-গ্রীভ্রম আগ্রন্ত কবিল্যা। বালক, বৃদ্ধ, মুবা সকগেই মতা আনকে যোগ দিলেন। करणरक श्वालम छात्रमांवाणनी इन्हांव परन इत्तेसिक, बाल त्वालक राज्य राज्य मार्ग इत्तेस्त मा, किन्न देव, दम छिएम्ब एमन के प्रेंथरणया दक्षाम बाज्यमि किर्मा कार्याम किराय कार्ग मार्ग कार्मा कार्याम बाज्य कार्मा कार्म कार्याम कार्याम

व्यनमञ्जू मुन्की कटन व गत्र मक्ता व्याचातिन ्कत मश्च मध्य प्रकी नाकिया केंद्रिया। च्यान्तिकत् अत लीम्हरूत भागमध्यामध्य का शिह्यक्त ित्रभश > कीकाशास्त्र मीलाम अनामर **अव्य**5ाठी में देश रक्ष न्युनक्ष शहर में दिशम जिल्लामस शक्त शीका भारत करवस खनर कारत धीलात लाशान कुठे कार्या 'लाब छतनान ख क्षिक्षिक्षात्राचन विश्वनाचार नामा करवन । ्त्रमृत्य किनि शृक्ष करुमिश्यक व्याक এট মুচান বিবাস ছবিকথা কীতনেছ Britt innete Mittel Britt werter स्तारिकारी काळवाती. हैं। पर रिकाम-निश्च कामा मिकारी के किनाती है से विभाग नार्यात्र सागामकादी क्य. ब. क्लिन संभाकर, क्रिक्नाक्षी मा शामर अपनि का गर-लामाल बद्धान कविटन अञ्चाराम करवेग ।

व्यक्ति श्रेमिन भागांतिकानी हिकिन भावी महाभग्न भरकारण निष्ठानिकान्य विद्रण करवन खनर व्यक्तिश्रहण व्यक्तिम निष्ठानिक क्रक्ति ह्वा व्यक्ति नाहीक व्यक्तिशानिक क्षान्यारक्ति मञ्जावना नाहीक खन्ने विवास हिनार्शिक क्रांति ।

আদঃগর রীপাদ বিধাসবিপ্রক দাসাবিকারী ক্রিক্রাস্থান বিধাসবিপ্রক দাসাবিকারী ক্রিক্রাস্থান অলশন প্রায়ু ভ
আনাংধর উন্ধারের উপায় বলিশেন, ক্রিন্ত বর্ষমান অবভার আমান্দের উন্ধারের যে কোন প্রয়োজন আছে, কারা ভ আদে) বোগ কর্মজেন বাছে, কারা ভ আদি) বোগ কর্মজেন বাছে বাছের আমান্দের গাল্লা, দাওল, পাকা, ইন্দ্রিসভর্পার, মেটী আমান্দের একাল বাংগালন, সেটী ভ বেশ আমানে চলিয়া যাইভেলে। নিক্রানশ প্রেভুর সেবা করিয়া ভাষার কোন ঘ্রা গাল্লা স্থাবিধা ক্রিনে, ভাগা ভ আদৌ মনে, ক্রিক্রেছে না, বরং দেখিতে পার, বাছারা

কলেজে পুরারণ ছালেদার্মণনী ছওরার নিজানন্দ প্রাক্তন দেবার একাছ অন্তর্গক, ছালিছিল, আজ বুরি ভেষন লোক- তাঁহাদিগের অংশকা আমণা কালই আছি, গম ছটাব না, কিন্তু কৈ, সে উৎস্ব জবে আয়ে একটা নুদ্দ কেন্দ্র কেন্দ্র কেন্দ্র কেন্দ্র কেন্দ্র কেন্দ্র কেন্দ্র কেন্দ্র কেন্দ্র কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কাল কালে-বিধান কিন্তু কিন্তু কাল কালে।

महन्द्रशास्य व्यागवा ८५० ७ मटनावटच भागका त्रक के मन भागका नक, अक्रार 医注射(研究 型(有)抽碎 对[对[时 医气性病 单母質]實 ष्यागवा रेगका श्रद्धक मधान भारतहरू mi i Bici eten minicia fam Afren fur gift nienten und, un et न्त्रा । यह किन्द्रीय मध्या किन्द्रीय कामादि 방등ci\* 박대(전기로 박)벨(영 न्याद्यायान द्य कि.एकाका सञ्चनकान कविरणहे च्या प्रत् निका छ। यह सकाल शाहेद । माख acres, maja ware gozial (84) #61---्राबा-विक्रमामीन अपूर्वर क्षीर चौत्र मिक-नत्म निकृतिय क्षेत्रभारतिक शक्काम भावेदस পাৰে না। ভাই সেই পছম কাঞ্চপিক **अ**क्षप्रवास कोटवंश छःदय काक्षत कर्दश काकास अन्या लिक्स दशक्यांस कक्ष चकासाटम मृत्रश्च करण व्यव होन इ. । सन् स्व द्यान शामकाचित्र, चुक्रशर छै। श्राह्म भाजव वाकी क की त्वच ठठम अ लक्ष्म कनाम नाटक कितीय जैनाव मारे।

তংগরে বৈষ্ণবাস্ত্রপণা জীপার জাইনপ্রধাকর প্রাচ্ন রক্তার বন্ধ্যান বিশ্বেষণমূপে গভীর
প্রবেষণামূলক প্রচারতালী এক প্রদীর্ঘ
বাস্ত্রা করেন। সংক্তিনাকে সভা ভর্ম
কর।

সভাত্তে প্রায় ৩০০ পড়ের উপর লখনারী প্রশাদ স্থান কবিয়া নাত্রি প্রায় ১১৪০ ঘটিকার সময় মনামন্দে গুত্তে প্রভাতি যন্ত্রন করেন।

## চৈতন্তমঠের শুদ্ধভক্তি গ্রন্থমালা

=	বলাক্ষৰে প্ৰকাশিত	92	নবশ্বশিশভ	1
<b>3</b> (	শ্রীমন্ত্রাগণভূম,স্মগ্র • ১০	201	<b>শ্বপঞ্চ</b>	1.
•	<b>虚 (&gt;1-4:05 (                                     </b>	081	महाह्य कृष्टिः	10
	্র (গশগ গ্রহ্ম) ১২১	1 .00	क्रमानक्षणक (भक्षभ मरकत्र	. Js• ˈ
<b>*</b> 1	ক্ষাক্স-সভ আন্ত্ৰীটেডকচরিকামুক	001	<b>46644</b>	۲۶۰
	(क्ष्य मस्यवन) ह	ં ગા	সাধকক্ষমালা ( বাণা )	<b>[</b> •
•	গ্ৰেক্ষীয়-গোন্ধ ।ক		ঐ (कार्तामा)	1.00
<b>a</b> }	द्यान्त्रीय-गाःकः । । ।	<b>9</b>	(नगर्वम्या-नगर्काः	
*E 1	<b>●第</b> 445 <b>9</b> 11	•	অপম চারিপত )	>
• 1	च्चेटेड के अंक क्षा मुक्तम	53 I	दक्षमर <sup>*</sup> व <b>न्त</b>	1.
	श्रीम नक्षम (वाना) ১.	8 • 1	🗎 भग्रहा अनुद्रा निका ( वीधा	31
	ঐ (আবাদা) ৮০	,	ঐ (খাবাণা)	b,•
11	শ্বীকা ( জীবসংক্র-টীক -স্চ )	85 !	মশিমকরী সালুবার	1•
	(नै[था) २.	8>1	्रण व क्राटका म दः	by •
	🚵 (अपवेत्माः) ३५०	H 0 1	<b>डी</b> र्ड के <b>क</b> श्चामन क	
<b>•</b> 4	ৰ ৮। ( জীচজনাই জীকা-সহ।		( विवादि, विसीच मः बदन )	٤,
	(वेडमा) २	6R (	ए समुक्तानकी ना श्रासामन अनु	দৰ্শী 1•
	🕭 (भारीसा) अन	, ; 8¢ 1	<b>উটেও ছা শিক্ষামূর ( বাধা</b> )	٤, ا
	मेक्षांद्र (कर्मण भाष्य- कामा अ	1	क्रे (क्यानीमा)	30.
	या क्रमाञ्चल क्रमानी तकः नाञ्चनात	1 .	दगोकी प्रमेश कि कदवन १	-
	( মাধা )		श्रेरणाग्यिषर ( नगरमन स भा	1
33 1	(यशक्षकष्माद माञ्चनाव	į	জ্ঞান্য এবং বিবৃতি ও অসুবাদ স	<b>5</b> 10
	(बामाक्षकीय) स	;	- •	J•
32 (	देकानमण्ड २.	. 82	ি সিভাকদর্শণ	<b>4/</b> •
501	<b>শ্ৰ</b> ণাম্ভিশামাণ		मग्रेश ना <b>नी</b>	/•
	( ५७ूब मध्यत् )	् एन	বনাগরাক্ষরে প্রকা	শাত
2# 1	८ना क्षेत्र- कश्चर द	1631	िक ख-न रणकी-'म बिखशः	¥∙
141	ব্যেমাববত ( জড়ীয় সংকরণ ) ১৮	1 421	ষ্ট্ৰক !শক্ষাদশমূলম্	1 a
	ळे (वैश्या)	401	<b>৬ৰ-</b> ক্তম্	
301	कील-। एक मुलन	1 88 1	माञ्चनाम निकाष्ट्रकम्	<b>å</b>
>11	भाषमभव ( ०४ भःकत्तन )	40 1	গোড়ীয় মইজ প্ৰিচয়ঃ	1.
\$ <b>&gt;</b> 1	লোখামী এখুনাণ গাস (বাধা) a	,	সারাংশবর্ণ-ম্	.) •
	के (कारीमा)। ०	चेश	রজী ভাষায় প্রকা	ME
	• सवद्योकनाय-अवस्थानः	491	<b>可谓刘·张颢司</b>	j.
₹• 1	ভ ভিন্ন ভাকর	66 1	गाइक्षा । जिल्लाहरू चनु	•
	(নবছীপ পরিক্রমা) 🛷	1	<b>ब</b> िटेट र स्था सन्	1.
	विक्रमाणा />	1 6 3	देवक नोस्रम	1.
	ন ব্যাপধান-মাণ্ডা	90 1	्राधाष्ट्रियाक्षीत्रम <b>े हेल</b> ्युहेर	, , ,
२०।	ঐ অমাণ্য de	, '9)	দি ভাগৰভ	1.
1 8 8	মৰ্থীণ শশ্বিকা	<b>62</b>	इंटबाहिक् क्षिणिमम् म गा छ	
	(BBS C911974)	•	च्यारनगरब्रस्ट् डिटलामन	
1	<b>এ</b> ন্দ্রন্তরত	2	্ ড়িয়া অক্ষরে প্রকা	(Sel-3)
7.	<b>क्षिरत्राक्ष्मक्ष्मभागांत्रक्रमा-वर्णन</b> ।		্রীহরিলার চিন্তারণি নি	10
	नवगर्गाष		काराधनाम । इस्तानाम सामग्री	1.
	প্ৰভাৰণী . / ব		কল্যাণ ক <b>য়ডক</b>	<b>1</b> •
	চিজে স্বৰীপ ১৪০		কল্যাণ কর্মজন্ত ক্লীজাবলী	** . <b>&gt;</b> 1
<b>90</b> 1	माध्यक्त	·	म ७ । पण ।	, e.

## কলিকাতা গৌড়ীয়মঠ হইতে প্রকাশিত



একমাত পারমাথিক সাঙাহিক

অগ্রিম ব্যবিক ভিকা ৩, টাকা, ভি. পিতে ৩৮/•

অফিস্—১৬নং কালী প্রসাদ চক্রবর্তী বগেবাজার কলিকাতা।

শ্রীধাম মায়াপুর শ্রীচৈতত্তমঠ হইতে প্রকাশিত

# দি হারমনিষ্ট

## বা সজ্জনতোষণী

জীজীবিশ্ববৈশ্ববরাজসভার ইংরাজী মুখণত শুক্ত সনাত্র-ধর্ম-সম্ব গীয় ( মাসিক )

বেদ, বেদাস্ত, উপনিষদ, মহাভারত, গীতা, শ্রীমন্তাগবন্ধ, পুরাণ, ওল্ল, শ্রীটেডজাচরিতামুত, শ্রীটেডগ্রতাগবত শ্রীটেডজাচন্দ্রামুত, ওল্জিরসামুত-কল্পু, ষট্শব্দই প্রস্তুতি সাহত গ্রন্থায়হের নিরপেক বিশদ-ব্যাখ্যাকর্ষা। বাবিক ভিক্ষাত্টাকা, ভি.পি, ৩৯/০ আনা

প্রাক্তি কিবিবের ঠিকালা---

ন্যানেজার—হা-ক্রমনিষ্ঠ

लाः होभाम माग्राश्त्र, ट्रन्ता ननीग्रा ।

# চিত্রে নবদ্বাপ

প্রাচীন নব্ধীপের অবস্থিতি, তথা, ঐতিহা, গ্রোত ও ঐতিহাসিক

প্রমাণ-সম্বলিত নয়টা দ্বীপের সচিত্র বিধরণগ্রন্থ ব্যাক্তামি ব্যাক্তসাহেব

কুমার শ্রীযুক্ত শরদিন্দুনারাগণ রায়,এম,ে; প্রাক্ত

## মহোদয় কর্তৃক দঙ্কলিত

৪৭ খানি বিভিন্ন বৰ্ণের অগুবৰ 6ি ও বান্চিত্র-সময়িত্ব প্রাচ্যবিভামহার্শব বিশ্বকোশ-সম্পাদক মহাশাংশর বিক্যুত ভূমিকাশহ

উৎকৃষ্ট (ইং ) মরোকে। বাধা ১৫০ ; ভি: পি: তে ২, চই টাকা মাত্র।
প্রান্তিস্থান :— উট্টেডয়েম্য, গো: ইট্নায়াপুর, নদীদা।

4> ( ( ( ) ) ( ) ( )

७१। बन्नवादाष्ट

# বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভাক্তমঠসমূহ

চত্ত্য মঠ

আকর মপরাজ

लाहीय मरबील, एक्निश्व खिश्राय श्रातालुत, महीबा

শীমহানোরাপীর কটকে প্রায় ৩০ বস উত্তর-পরে ইতিমাণক্তনে আচারীরত হীচন্দ্র-(ब्बर्ध-सर्व के ब्रिटिन्स्स-मह निवासमान :

এই স্থান স্বিষ্ঠ-ভীৰ্ত গ্রুপিয়াপীট বা সাজত ভল্পভাষী। এই মহা শীর্পে আইছিল-নামামভ বার্ণকরণানি-বেলাজসমত,' পরাবিতার অন্তর্গত কাবা, নাটক, অলক্ষার, দপা बाधाम-देलिनियम-भीशा-कृत-१ ४ न ५०१८६३ वामास्त्र । ६ वामालिना धामर स्वास 🖺 छन-त्मीबाक-शाक्षाव्यका-शिहिमत व शाक्ति शाक्यमात्रिक-व्याहाया-हाकुः य कांशास्त्र केणाक বিরাভের সভিত নিড়া দেবিক কাঁচেডেন। এই মঠবালে পাৰ্মাণ্ডক দৈনিকপত্র সাজ্ঞ-प्रकाशास्त्र का शकामिक ६ करातिन अहताकि शहात्र रहा 'स्थीया-काकाम' यक्कारा লাভিক্তি চহচাতেন । তাভিবংসর প্রীধাম-প্রিক্রনাপ্রচান ও অগ্রিক ভভাগেরি।ং को खन व्या तार देश मार वा भार প্রীপার মরতবিলী। সভকারী-- প্রীণাদ বিলোদবিতারী অক্ষরারী, পাওক উল্লান পোরদাস उक्कानी नाक्ष्यपीर्थ, खिलाम नीत्रक अधारती, लिखक अधारतिनम अधारती, ब्रियुक समीरशाणाल बरम्पुरशालातः, ब्रिक्टकमा मान बक्तानी अमुर शक्कमण्य ।

#### (৩) যোগণীঠ ভীমন্দির

क्रो काम क्रिकाशायाम्य क्रान क শ্রীমন্ত্রাঞ্জর আনিভাব-ভূমি মধাযোগ-बीठे। क्यारन डीमची श्राम छ छिनिकु-· अधिकांगर चैदशेदमासाम अवर डिटिंड स्ना 😮 🚉 बाबाक्य स्था निका दमवा छ थ। 🚉 लक्ष-कर्षेत्र देशवा मह्याम । रक्तक---(नाक-माबाबब शायामी क्षेत्रांगा क्षाप्त व्यक्त माथ। मन्नारी खिनिष्ठानिक अपनाशी, **ब्रि**रामपात्र बक्राडादी । द्वितावनमात्र चिन-कार्येः (धरमात्रा द्वीसातक्यका

#### (৪) শ্রীবাস-জন্মন

क्रियान शास्त्र की खेल-रिनाम ना 🖴 त्योदमीयात वागवनी । जनादन व्यक्तित्योदन निकालिक ६ भक्कार्यन दमना वसमान। व्या 🕶 🔤 वाशाकाम अव्याहाती. 🕮 व्याह **कक, डी**रगाञ्चलमाम भावाची ।

#### (१) चारेषक-कनम

क्रिकार्स्य शहर करन करन (म्या वस्मान)

#### (७) काळोड ममाबि भ.हे

व्याजीन माधालुब, वामनलुकुद (नवीबा) **क्रि**लोहकुणाशस्त्र अर्डालकाकी । भगासि । व्यक्त- श्रमहात्री अतित्मांपविश्वति ।

#### ( 4 ) 박기리와 방박내 증명

উপ্রেম্ম, পরপ্রপ্র । নদীয়া ) क्षभादन उतिकृताम जीन कावनीरवामठाकृत्यस auffe war Gleniennian att Ballein-क्रमाबंद (भवा वक्रमान

सक्तक--किक्स्य छाजाव अक्राधी क्षा का विष्ये देश, ध्रम, वस् ।

#### (৮) शिक्षशङ्खाय दशीकोत्र मर्ठ মভ্যনক্ষিকে ৷

प्रकार- ट्रावहतत क्रांतिमाजी ध्या. ध्र ति, धन, मधकारी—डीडेक्समाम खांक-नादी. किष्ठक्रम वाधकांती शक्षा ।

#### ( क ) और भोत्र-भन (मन्न-मर्क

केलांक ही, ममुष्टशक, ( नईमान ) व्याण वालीमास्थत लाकिश्चेत्र क्लीक्श्रामात-भाषा । उक्क--- अकितिक्षान चाट्या

## ( ১+ ) জ্রীরূপগৌঙীয়-মঠ माताशक, जामाश कड़े, शि

रक् क -- धेर्डिमांग अश्वताती, खेक्नारमणव ব্ৰহ্মণারী :

#### 

भाजिगाकि, बाजगंब, वर्षमान। विशामीयकार देशकर वन्सामध्यम भाग उक्क --- टीनड वहाडी उचनारी। (১২) ভাগৰঙ আসন প্রীভাগবন্ধ প্রেদ, রুক্তনগর, নদীয়া कामन श्रीकाख अथाननी व्यक्ता-व्यक्ता दक्ष क- क्षेत्रकानमा अक्षाति ।

( )० । जीवकासम सर्वे - CD (मनक्ति, त्याशक्ति, कुम्बनश्रह, महीश्रा । वक्क--- विष्ठुगानम वक्काती।

( ১৪ ) श्रीमाध्य दगोड़ोन्न मठ > न्यर नवावश्रद दश्राष्ट्र, हाका। भृषानदम्ब व्याहात-८७छ, वशास्त्र खी धर्म-द्योशक गाक्षका-भित्रियरक्षत दमवा वखनान । दक्क-जीराश्वत्र व्यवनाती।

## ( ১৫ ) श्रीरंगा भागकी मर्ज

कश्लाश्चर, हाका। (मामाममीत क्षारिक्षामत क्षाठीन रमग द्रक्क-- अधारतीत बद्रहाती।

## ) बादगोडी स घठ

১৬ मः काणिलागांव ठावनकी ब्रीहे. (भांत वांगवाकांब, कांगकांडा । टिमिट्याम वि. वि. 8558

শ্রীমবাতা গড়ব প্রচারিত স্থানিবাল ভক্তিশবা-প্রচারোজেলে গৌছবেশের সক্ষপ্রধান मगरी कतिकासाय व्यक्तिकितिरमात जानता व्यक्ति अधिक अध्वयन वाहे अक्त-भक्यातारम 🖺 छक्ष-दर्शाताण-ध्यैतिरमामानम ब्लीके मनावरम निका स्मतिक बम । 🛚 स्माकीय আচার্যাবর্গের সাবভীর প্রস্তাবলীর প্রপ্রচারোজেশে ত্রীমঠে দলের একটা ক্ষুত্র মৃত্যু:• गद्धांनव मध्यानिक व्यक्षात्क्रम । जुलिनीत मन्द्रकं खिलीवनाम काठावाचे क्रवे बह्वानव क्टेटल 'रशीकीय' मान्त्रा'क्क नज, क्रि **क्याबार्ड** मानिक नजिका देश्याकी कार्याद निवाभित्रे छात्त अकामा वरुष्काक्षम । अभद्रे माहे, मधीर्वन, मधावान-हण्डेब-द्यवास. क्षिमहाश्वक, औरिक्क-कृतिकाशकाणि-शोश थ क्षेत्राध्य मधाक भारतावता क्षत्र . পাকে। মইরক্ষণ-আচারাত্রিক প্রীপাদ কুর্ববিষ্কারী বিস্তান্ত্রণ। সভকারী-প্রস্তিত্ত भी भाग अमस्या अत्या भवविष्यास्त्रमा वि- 0. ली भाग अस्यवानक भवविष्या विस्ता वि- 5. खांताम प्राप्तिकांदी लक्कादी. जीनाम अगठकावन मामानिकादी वि-व. जीनाम क्यालालाम मामानिकारी. अवताबी लीकीखनामक, अवताबी लीलाबोध्यावस, अवताबी भीक्षकानम एकिनाओं. अकाती बोरवरकीनमन, भावक लोगा मर्वीसङ्का परिश्वामकात ककिनात्री अकति।

#### ( ১৬ ' श्रीशकारे-ट्योबाक बर्ड करिक कि शमाहिनी मुक्ता, नार्शिक है। हा का अध्यामारे-(भोद्राध्यक विष्टा दमनः

रक 🍎 चीतृत शक्ष अवहार्थी ।

#### (১৭) শ্রীভাগবভক্ষনানন্দ মঠ

किक्षतिथा, राष्ट्रायरणत, द्यमिनीस्त्र। ध्यारम न्याबन-भावाक-भावाक्तिका-লিবিধারীর নিজাদেশ ব্দমান। রুক্ত-अवनात्री श्रीकृषनामगानको । अवनात्री नदासक

#### (३৮) व्यायमार्यापा अश्वाखन

व्राचनीय त्याः वस्यान्त । क्षी अक्षरवादाण - क्षेत्र क्षित्रका शिविवाबीर बिकारमवा। शक्य-अञ्चलामी खोश्सfecenta 1

#### (>>) श्रीश्रक्तरवासम मह

अर्गकान, भूती, अधिका। खशास केराना - विस्तामभाषनकीय सिका-त्यवा वेखमान । अक्रक - अक्षताकी **श्रे**णप्रमा-भभ विद्याहण, उपकारी खेम्मीशामक।

#### (२०) ओजन-८गोड़ीय मठ

व्यागवद्रमान, अव्यक्तिशिक्ष द्रभार, लही । व्यवद्याप्तरवत अन्यवत् सम्बद्ध 🕮 महाहर W4714 1 বন্ধক---রঞ্জচারী व्यापन्न स्थापन 704[3]---अवहारी अधिनिमानहारी ।

#### (১) और्राक्षणामण वर्ष

किंक्शियामात्र, कड़ेका क्षपाटम अध्यान्द्रशांकाक-विद्यामक्षणक अध्यक्षाती श्रीकाषान्त्रशांकान्यप्रमान है। निकारमना मक्यामा अक्य---वक्षात्री क्षीनवायत्र ।

#### (२२) जीमभाष्ठन-। गोधात्र मर्ठ

अनः सम्बागमम्बा, काना । (भार-भगःषण्ड मृन्धा अम-निकास्ता क्षार्थाःम (गार्थाना वस्याम्) 'स्क्रक् श्रीकामकीनावकी ।

#### (3 0) APRISON NA

खीन गरदशाम कृता, खानाम वृत्तासम । 

ATT - MINE FENIER STOTE

### (२८) अभित्रमक्श्म मठ

देलियमाद्यमाः, आकालक

क्षारम क्रिकांशनक माठमामा 🖝 व्यक्तितार विद्यास विवासकीय दुसवा बन्ध्याल । क्षक---अक्षाति खेन्।मरकानक व अक्षाती जीनमध्याम ।

#### (२०) औदेहरूक्टशोकाम मह

कृत्रकृष्णा, क्रिकेका, याभक्षमा हस चोटेन १४-वटम नाया। ४११ क — चौत्रवान नाण बाब, ट्राटफनणानम अमहाती। जीवाम कीचं ध्यदयविषय ।

### (२७) अभागत्राकीय मह

कुक्रिक्षं व, पारनचंद्र, क्रगाम 🕦 असारम क्षीरजोबविद्यान-बाद्यक दशका वश्वमाम १ वक्क---अक्षाती अध्यान्यकी।

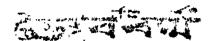
#### (२०) जाभग्गाण जगनास्त्रन-वर्ड

आभागाणा, त्याः मास्, स्वा WHICH THE BUYER MICHIGITORY CHAIL बङ्गान । १११ म--- अवनामी खोळाग्रहम-। याम, जीवासाध्यम अभागती।

#### (२৮) विज्ञा भाषीय मठ-कार्यहालक

>> con corner, file funt 1 त्रक - अवनाती आंशानकाश्वासक. (२) द्यामाणभाकाकश्राक्षय क्ष र — अपन्यति स्रोधानादमास्य 🛴

#### প্ৰত ৰাজাননোননাক্ষ বিৰাচ্ছ ভাৱে গ্ৰেম্বাবলী



· **এতিল্যাপর্যা —** প্রথম্ভিভিনোর সাক্ষের জাবিত— हैं। इंग्रेंक कीरनंत्र मारिन्य, कृष्कत्र महिल मध्य, निका ख देशशिक्षक कथा. श्रीकरेष रिक्त स सम्माधाराज एकता साहित र শ্ৰীষ্মাৰা পাত্ৰ ভগৰত্তাৰ লমাণ, বৈলেৰ বৰ্ণাশ্ৰম শ্ৰু বৈঞ্চৰ-तामा र चक्रण, शास्त्राण मनाव महिल शांत्रका, मात्रा • स्. ८०४:-क्षीक ख क्यांकात्मत दश्म, बंगश्रीयम् ह, व्यत्यक्तानी कृष् किक कावक्या, जीरवन वका था छ मुक्क, टेन्कान्युव्रावस व्यक्तितात. कि खिन्त्र व्यक्तिकाठी-। नहात्र, क्या क व्यक्तिकारमञ्जू माध्याका, भाग्नानेषा च देवमाबनेषा, स्वतन क्रमानीका, स्वाताम । दृष्ण का काञ्चात शाहीर छ-८अप. क्रिनिश्र व्यापा क ल्योध-शिकात्म अराजन, लक्षत्यत्व शांक क क्षेत्रिकार कारण. अल्ला-माम्र प्रणान प्रमान्त्रपान, लिक्तिकार, मीका, देवरी का आंजाकुता क्रि. मध्यक्रान. बग्राह्यत आस्काती, शावकीयहम, अध्व क्षत्र, जीलाट्यालम् काञ्च ७ मशांकतः माञ्चल्यास्त्र व्याप्तस्य जित्रृष्ट्र प्रदेशायको च्या का नाधनस्थापात्र करवारा कथनाव्यक व्यान निष्क कक्षराक्ष । एक खन्मा के खन्म के खन्म कर करिए क लादभाकिक जारकार कड़ू: हर्ड फक्काल का मुरलव आकिटन का । भवमं शुक्त अर्थियः क शर्का भवन क क्षत्रा लाली अप व्यवसाद काकराल्ड क्र नाव : निव्यम्हायायी-मान्न-भटनानि-अधन- ! अर्थ कह श्रष्टामुक केर्निक इटेशाक्ति। व्यावाद क्षािक्त पठी, कथानात के लानि बाल जिल्ला मधुक कता क्रेसातक र निवार्त, शक्ष, त्यानाव करण आम दलका घरकर ने माहे--bow at # " Ala 1



### ंडकुबं मरश्वतम ्रिमका बीमाहे—२, पूर्वे हेरका कार्यामा—४५० त्मोल पूर्वे हाका

ব্যক্তপুৰ শাসাৰত বাবা প্ৰান্ত্যক মানবের নিতা
ক্ষমা ক আনজা সংমানত কতাব নিজাতিত চইবাছে।
ক্ষমানত আত উক্তি সন্তিন শাসাবাক্য ঘানা সমাধিত চ
প্ৰামানত কৰাতে। দেলের, মনের ল আত্মার ধ্যা নিত্ত
বিশ্বেশ, সমাজ, নীজে, বল কি চ চতাবাদ ব্যক্ত মাজনারে
ক্রমান ক্ষমানতাবে ব্যক্তসতকারে আলোচক ক্রাছে বে,
ক্রমান ক্ষমানতাবে ব্যক্তসতকার ক্রমানতাবিক্সান্তাবিক্সানতাবিক্সানতাবিক্সান্তাবিক্সানতাবিক্সান্তাবিক্সানতাবিক্সান্তাবিক্সানতাবিক্সান্তাবিক্সান্তাবিক্সানতাবিক্সান্তাবিক্সানতাবিক্সান্তাবিক্সান্তাবিক্সানতাবিক্সানতাবিক্সান্তাবিক্সানতাবিক্সান্তাবিক্সানতাবিক্সানতাবিক্সান্তাবিক্সানতাবিক্সান্তাবিক্সানতাবিক্সান্তাবিক্সান্তাবিক্সানতাবিক্সান্তাবিক্সানতাবিক্সান্তাবিক্সান্তাবিক্সানতাবিক্সান্তাবিক্সান্তাবিক্সান্তাবিক্সান্তাবিক্সানতাবিক্সান্তাবিক্



क्षित्रेष्ठ भर प्रदेश ५० आस्त

শ্রমণ কোনামী প্রত শ্রন গুলাব গোলামী প্রত্বে প্রেশক্তের ব্যাল্য কথা যাগায়কেন দানে এই এতি গ্রিশক্তের অনুসূত্র কাহিফুল বিগাল আহি সন্দর্ভন হৈ দত্ত দ্বা কর্মনাক ব্যাল্য বিশ্ব আছে। প্রতিশ্বক ক্রমান বাস্থ্য কিল দত্ত প্রস্থা কর্মনাক বিশ্বক ভাবের গিল্যক ক্রমানে।

#### এএ৪ গৌরাব্দের সচিত্র

# শ্রীনবদ্বীপ পঞ্জিকা

পারণার্থিক বাজিমাত্তেরই একান্ত প্রয়োজনীয় বিস্ফৃত্তত ও উপবাসাদির ভালিকা সম্বলিভ বাংলার ঘরে ঘরে বিরাভিভ হউক

ভিকা 🗸০ আনা মাত্র

do जाक छिकिछे शाठा**हेरन जारक शाठान ह**न्न।

মহাক্ৰি

শ্রীল সোচনদাস ঐাকুরক্ত শ্রীতৈন্যমঙ্গল

ওঁ বিষ্ণুপাদ 

ত্রীন্ত ক্রিনিড নিজান্ত সরস্থানী
ব্যান্দানী প্রভূপাদ-সম্পাদিত ভূমিকা; স্থোকের
ভাষ্ক, বঙ্গানুবাদ, প্রতি প্রসম্পের ও খণ্ডের কথা
সাল্ল, শক্ষ্টী, স্থানসূচী, পাত্রস্থানী, প্রমাণগ্রন্থ,
ভালিকা, পভস্চী প্রভূতি বিশ্বত সূচী সম্বলিত
বোক্ত, অফরে ভবল ক্রাউন, মাটপেশ্রী আকারে
ভিট গণ্ডের কাগালে ছাপা। ভিক্যা—২৪০ টাকা

### শ্রীহরিনাম চিন্তামণি

নামাচার। শ্রীল গলিষাক্তের মূরে শ্রীন্যাকাপ্রস্থ বীনাম মাকাস্থা, নামাশাস, নামাপরাণ কাড়িক বিষয়েও, যাবভীয় বিচাত প্রবা করিয়াভিলেন, এক বিষয়গুলি ক্ষতি সংল প্যায়ে সংক্ষিপ্ত আশ্বয়সক পরিপাটিভাবে মুদ্রিত। শ্রীণ ভাকরিনেগ্যাকুর-২০িত। এম সংক্ষরণ কিকা দিব বার কান মাত্র

## বৈষ্ণব্যস্থা সমান্ত্ৰতি

( भाष्तर-नेपरकावश्रष्ट )

িম্ব :— ১। স্থিলোপে বান্ধ্ৰ শ্বাৰণী আৰ্থ, ২। চাতিসংস্থানাৰের বৈদ্যানাবের চিত্রি, ৩। বিষ্ণুবৈষ্ণবিদ্যানিতি উন্নিলিক ও নিজাতের বিশ্বন্দ, ৪। বৈক্ষণকাম ও আবন্ধনান্তির ভাত্তাল ও বিশ্বন্ধ, । বিষ্ণুবিশ্বের গৌকিক ও লান্তাল আক্রান্ত বিশ্বন্ধ। বিষ্ণুবিশ্বের গৌকিক ও লান্তাল আক্রান্ত বিশ্বন্ধান চাত্র্যান্ত অঞ্চাল্ড ভেডাভে। ১ন গ্রাধান্ত একলে ও, ইম্ন মন্ত দন্ত, তম্ম শুরু মন্ত, চাত্র্যান্ত একলে ও, টাকা (এম শুরু মুন্নুমু)

## ভক্তিসন্দভ

১ম খণ্ড ১ এক টাকা ১ম খণ্ড ১ টাক:—
শ্রীমদ্ভাগবভের ও গৌড়ীরের প্রাহক্ষণ মান
টাকার সূইখণ্ড পাইবেল। বৈশ্বাচার্য শ্রীমক্ষাব
গালামীগানের ০তিত এছ। টবাই মট্নকালের অধিক
প্রায়োলনীয় মংল। প্রতিশ্ব ভবল ক্রাইন ৮ ম্যার ৬৪
পুরা মাকারে মুন্তেভ ১ইবেছে।

শানক চোর্যা সক্ষলিত সদাচারস্মৃতিঃ ভিশা /• খানা মাত্র

# বিজ্ঞাপন

## সাবধান! সাবধান!!

জে, বি. দভের চৌক। শিশি বাদোম তৈল আদি ও অক্তিফ এবং উপকারিতায় সনবজন

পরিতিত ও বছ প্রশংসিত।

আমর। সক্রসাধারণকে জানাইতেছি, বাদাম জৈল খারদ করিবার সময় শিশির গায়ে ইংরাজীণ অক্সরে জে, বি, দক্ত এও কোম্পানী নাম খোদা দেখিয়া খারদ করিবেন। নতুবা জ্যাচোরগণ কমদরের ক্রাএম ভৈল দিয়া প্রভারণা করিবে।

নিনী চ-তেন, বি, দত্ত

## ফেরাস কুইনিন্

নুতন এবং পুরাতন মালেরিরার যম

ইবাতে উপযুক্ত নাত্রায় ফাতেন, বাইণাইড্রোক্লোর কুইনিন্ থাগেনিক এবং ইউনিধেন খাছে।

আই ফেবাস কুটনিন খারা ব্যেক্যন ক্রিশে আক্রী বা ছুংটী হয়েক্যনেত সক্ষাপ্রায় ক্রিন মা লেবিয়া আরু খন্ত করে এবং ৬ ০ইডে ১২টা ১ঞ্জেন্সনে ম্যালেরিয়ার সন্ত উপস্থী নষ্ট করিয়া কেলে।

ভ এম্পূনপূর্ণ প্রতি গাল্প — বুলা ২০ টাকা, বুং এ টাকা বাইও কেমিকাল এও ক্লিনিকাল নোবরেটারীকে । ২৯১ নং হজুরীমল লেন, কলিকালা।

८वाष्ट्राव-८वक्व-छगटक अध्याद वाच !!

শ্রীন তাত্ত্ব ভাল্কবিনোদের কীভি-এখাবলা:—



প্ৰেচ সাইছ অন্তন সংক্ষরণ ডিকা /• জান

শেষ্ঠ মনের চেটা আনজাবন্ত কট্না—ট্রা বধন জীব বৃত্তিতে পারে, ভদন একমাত নেতার প্রক্রিলগবানের প্রাক্ত ইংকার কোন কভার আবেসমতী প্রাথনা হর এবং শ্রীক্তপবানে স্থান্তাকরণে নিরুপটে তি প্রকারে শ্রণাপর চুক্তি হয়, ইভাগার বিষয়ক প্রাণশ্যনী প্রাথনা ও আত্মন সম্পূর্ক গান। উভিয়া সংখ্বণ ও প্রকাশিক চুক্লাছে

ভিকা আৰু ৭৬ /• এক আলা

(आमध्यक्तिकां का--- / ०, तथहोशमध्य--- / ०

কল্যাণক শত্ৰ

শক্ষেত্ৰ সাইজ পঞ্চৰ সংগ্ৰহণ ডিক্ষা ১১০

আমার। অভার নৃত্য গভার ও কামনার বলাবর্ত্তা প্রত্যা প্রকৃত্যা হে আকলাব্যক লগানে বালায়, এছন করি এবং লাংকা কলাব্য কালার কামনার করি, ভিনি যে মিডা যা ধরার কলাবে কালে কামনার এবং কেন্দ্র বাজ আহারের নিভা কলাবেলাভা এবং কে কালে বালায় নেক্ কলাবেলাভা এবং কি সামে বালায়ের নিভা কলাবেলাভা এবং কি সামে বালায়ের কালায়ের ক

বিস্তৃত ক্যাটালগের জন্ম নিমলিখিত ঠিকানার পত্র লিখুন-

31

## ৫০ বৎসরের পরীক্ষিত করেকটী মতে বিশ্ব--

ৰাৰভাৱকানীয়া গুলে মৃদ্ধ চত্ত্ৰা যে সমস্ত প্ৰাশংসা পত্ৰ লান কৰিছাকেন, গুৰো -প্ৰাশাৰ ভাৱিৰে বড় বড় পুত্ৰক চইয়া পড়ে। আগানিও গাবতার কার্যা বঞ্চ ভটন চ

- '>। চত্তাপ্রভা বটীকা—ক্লার নামটাও বেমন কালার সেই কলম। ইণা কুমন ও পুরান্তন মেন, স্তাঞ্জ, কর্ম পাস্তৃতি এবং স্থানোক্ষিণের ক্তিকা ব্যাক্ষর, থেক এবং রক্তরানত প্রভৃতি লোগে সাত্ত ক্লপ্রান।
- ं ২। স্মুপ্তিসহায় বটিকা—মাদকজন।বিতীন অভূংকেই নিজাবিধারক ঔষণ। ধে কোন বৈতিক ও মানবিকি শীজাবশতঃ অনিজারোগে এই ঔষণ ন্যবভাৱে গাঢ় নিজা হইবে।
- ত। মঞ্র বৃত্তিকা---ইন্ড দেবনে প্লীন্ড ক্লমুগলিক নেবা ও শ্নীর পাপুর হুইরা বাওবা ইন্ডাদি নিচুরিক ইইরারক প্রিকার ও বুদ্ধি প্লাপ্ত হয়।

कें के किन व्यक्तित व्यक्तिक व्यक्तिक वेश्वरात्र प्रशा व्यक्ति कोणा ५ । हाका।

আধিখান :- আত্ত শ্ৰহ্মিপ্ৰাহ উশ্পালনত্ত্ব ২১৪নং বৰুবাৰাৰ ব্ৰীট, বহি কংডাং।

#### बोनवही भरा समाराष्ट्रा वमान पठ विका ८०

প্রতিভক্ত বহাক্ত বহার ও লাগাড়াম নয়ট বাদ্-স্থাবত। এন নর বাঁপের প্রাচীন বিবরবদ—আঁত্যেক, বাঁপে শ্রীমন্ত্রক, লাগা—আগতাক ন্থাপের প্রায়েক্তর লাগা—আগতাক ন্থাপের প্রায়েক্তর নিশ্বেভাবে মনোরর কলে বাদিত। প্রেন্ট সাইজ আর ১৯০ প্রা।

## ীপ ভাৰতৰ্ঞ ভিন্স ৮

উজ্জন ব্যোক্ত-ব্ৰ কালাড়ি উত্তৰ কাগকে ছালা— জ্ঞানৰ প্ৰধান কৰ্তন কাৰ্ক ইল্নকায়ীয় কি প্ৰকাষ ভাবের উজ্ঞান হয়, ভাগা আৰু প্ৰধ্য বাণক। আৰু চন্দ্ৰকায় (

সাধকক প্রমণি——ইটবক্তববন্দনা, শ্রীংটপত্তন, শ্রীক্তকের আইনত্তর শভনাম ও শ্রীণ নগেত্তম ঠাকুরের ওক্ঠনিংস্ট গ্রনিছারসমূত প্রার্থনা, প্রেমছিতিচিক্রিকা প্রাকৃতির স্থানিত গীচাননী মুনাকারে প্রেট স্থানিত স্থানিত ২৪ সংখ্যন
কিলা। চারি আন্যাত্তা।

## কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



া সকলেবের প্রায়ণার জন্ত ৬ আঃ শিশিকত খনীভূত অবস্থায় ভোটবোড়লের সমপ্রিমাণ্ দু উব্দ ভাকে পাঠান হয়, ইংগতে ঔ্বদের কোন প্রিবর্তন করা হয় নাই। সুল্য প্রভি শিশি ৪০ আনা, প্রিট্টানে/০ আলা, বোতল ১০/০ আনা।

্প্রফিল–১১নং উল্টাডান্স রোড, পোঃ শ্বামবাজান্ত, কলিকাতা

# ग्राप्त मध्नती

বটকায় বৰ ও বাজুবিকাব। ইতিয়পজিব প্রান্ ভক্তপাজ, ব্যৱহান, মাবাদেকা, বুক বছ-ক্ষানি, অনিয়া এড়ভি লক্ষণ পছন নিজেব কালোগা মুখা বন, বাবা, বেখা বুভি ভরিতে অধিকীয় ইবিক। দুনা চৰ্বিস ১, এক টাকা।

## शरेष्णामन

레

## কোষরদ্ধি রোগ

ভাঃ এশ্, এন্, খোব বিনা আল্লে, বাগজীবনের গ্যারাটি বিদা বৈচাতিক প্রশানীতে কোমবৃত্তি ভোগ আরোগা করিয়া বাকেন।

> विकासा— करू सर कड़ेन शिक्षे, व्यवसायात्र, क्यानकाव्याः !

## শূলায়ত

शिखम्द्रमध्य मन्त्र्य मरकोषय । > याकास केलन्य, श्रद्धात्म । दक्षात्रे ५० यात्र माना, यक्र २१० माना । याक्रश शृतक् ।

## ২। শুক্রাচার্য্য সঞ্জীবনী পোষ্টাই

कार्यम के अवक्रक एक स्थान भारतीय । भूगा > फिना >। स्थाना । साचन पुषक्

৩। সন্ত্রাসী-প্রদন্ত অর্শরোদের অব্যর্থ আংটা ।
আবোগা না হলব মুন্য ফেলে। ম্বা ১৮ আনা। মারুব পুথস্থ।

8। কোন্ত-বান্ধব পীল

व्यक्तीन, त्यावेक्ताना, त्यवेद्यवसास मत्वोवत । क्रिया १० व्यामा । मान्त्रम पुनक् ।

## ে। বাতল'ন

ব্যস্থোবের ম্লোপকারী ও সন্তালে আরোগাঃ আতি শিশির» আলোঃ মাত্রপথকঃ

রবার-ষ্ট্যাম্প প্রস্তুতকারক। নবন ক্যাটালনের করু পর লিখুন।

eार्डियान-यतारगार्न (नवरत्रहेत्री

(भा: उमाती, कमनाश्रत, छाक:

## মনোমোহন প্রেস

পূর্ক-বাজালার ত্মলতে সকলপ্রকার হাপার জন্ত বিখ্যাত বৈদ্যাতিক মেলিলে দিবারাত্র কাজ ভলিতেছে বিশ্বত ভানিতে হইলে নিম্ন টিফানায় পত্র লিখুন

भारिनकात-भरिनारमाइन (अत्र,

## মরা মারুষ বাঁচাইবার উপায়

ষ্টি অ অভাপি কান্ত মন্ত মন্ত মানুষ বাচাটনাত জ্যোন বিশ্ব আনিব্যাল কর নাই সভা, তথাপি বালায়া নামাবিদ অনিব্যাল উপানে অপনিমিত পান্ধি নাই কৰিয়া আনুষ্টে মন্ত্রা হুইছা বাহ্যাতেন করা নামা কান্ত্রান্ত হুইছা বাহ্যাতেন করা নামা কান্ত্রান্ত হৈছে, কান্ত্রা

লোল একে<del>ব</del>— ডাঃ ডি. ডি, হাজরা।

ক্ষ্যেপুর, পার্যেনরিও পোষ্ট্য <u>ক্র্যেক্ষাল্যা</u> , ক্রিকামা লাই ক্যায়ন্তা লিমিয়েক্ত



বিজ্ঞাপনের চার প্রতিবাহের প্রতি ক্রমিন ১, প্রতি ক্রমম ৬, আন্ত ক্রমম ৩, বিভিন্ন ক্রমম ২, চাক্তির কার



সাগরের হার
অগ্রিম দের।
বাধিক ৯
বাখ্যাধিক ৫
বিজ্ঞাসিক ২৬০
নাসিক ১১
নগদ
ভাতি সংখ্যা বে

ত বছল-প্রচার-মদীরা ভোলার একমাত মুখপত

৬৪ খন ] সম্পাদক—শ্রী অতীন্দ্রাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি

(भ मःशा

জীলৈতশ্যমট শীশাম মাথাপুর- ২৬শে ফাগুন মঞ্জবার ১০০৭, ১০ই মার্চ, ১৯০১

## নানা কথা

পূর্ণ সরাজ স**মধ্যে** গাহ্নাজীর উত্তর

क जिल्हा मः वामने करमतीत अत्याद ্তিভাৱে মহাভানী পুনরায় কভকগুলি ्छक्छत निगरत नावा। **कर**तन। करेमक भरतामशता क्राडिमिनित्र व्यास्त्रत महस्म, ভত্তরে গাধীকী यदारकद अर्थ भूने चायस भागन। পুৰ্ণ অৱাঞ্চ বলিতে ইংলগু কিন্তা ্ন অহা যে কোন দেশের স্থিত বিচ্ছেদ ু বুঝার মা! প্রস্পানের সঙ্গালের জন্ম এবং নিজ ইচ্ছামত আছের সহিত সম্পর্ক স্থাপন—পূর্ব হরাজে ্ব ব্যাংল ভারতবর্ষ সামে জ্যোর সমস্প্রত্যায়। ভারতবর্ষ সামে জ্যোর মধ্যে থ।কিলেও সেই অবস্থার সহিত भून वर्ती एक हु<sup>ँ</sup> अन्ति न मामक्ष्ण शाकिरव किन्नु (में व्यवसाय वेश्नारश्चर मिक आमारेमेंद्र त्य व्यासीमात मालेक रहेरन छाहा मण्यून मात्मात्र छेलंदह প্রতিত হইবেণা

## আপোষ সম্পর্কে গাঞ্চীজী

गंड वेद मार्क मधात अरु कन-मड़ाब वेक्डांडांडांगरंत्र महाणा शासी गर्नम, केदांडी करर शरम डिनि जाद-प्रेट्स-गासी जारभाव अंग्रुरमानिङ कन्नांदेरवम । किन्नु डेश वेनि प्रमा-वानीक क्षांगरवाश मा हत्, छाश

# আপোষ সম্পর্কে গান্ধীজী

পূর্ণ স্বরাজ সম্বন্ধে গান্ধীজীর উত্তর

# জনসভায় গান্ধীজীর বক্ত,তা

গান্ধী-আরউইন আপোষের ফলে কমিগণ কারামুক্ত

# আপোষ শান্তি নহে

গান্ধী-আর উইনের মীমাংশা—িঃ কিলার অভিমত

# লর্ড আর্ণোল্ডের পদত্যাগ

ভারতীয় রাফ্রপরিষদ সম্বন্ধে আলোচনা

# বে-আইনী প্রতিষ্ঠান

ভইটো দেশবাসিগণ ওয়াকিং কমিটার প্রতি অনাস্থা জ্ঞাপক প্রস্থাব উপ স্থাপিত করিতে পারিবেন এবং নিভেরা কংগ্রেদের কার্যা পরিচালনা করিবেন।

## দিলীর জনসভায় গান্ধীজীর বস্তুতা

মহাজা গাঞ্জীর বক্তুতা শুনিবার জন্ম বক্ত গোক দলে দলে গাঞ্জী প্রাউত্তে সমবেত হইডাভিল। তাঃ জানসায়ী, মৌলানা আবুল কালাম জাঞ্জাদ, নাম শী সরোজনী নাইতু ও শ্রীরুক্ত মুদ্যালাল বাজাজ সম্ভি-

বালেরে মহাত্মাকী অপরাত্রে চারি
ঘটিকার সময় সভাহলে উপনীত
। মৌলানা সভকহআলি
উপন্তিত না হওয়ার মহাত্মাকী জুল্
ভাকাশ করেন এবং বলেন মতবিরোধ থাকিতে পারে কিন্তু তিনি
যে বড় ভাই। অভংগর তিনি হিন্দু
মুগলমান একতার প্রয়োজনীয়তার
ডপর জোর দিয়া বলেন, হিন্দু
মুগলমান মিলন বাতীত গোলানেবিল
বৈঠাকে যোগদান নিরপক হইবে।
এইজন্ম ডিনি সকলোর, বিশেষ করিয়া
মহিলাদের সাহাহা প্রার্থনা করেন।
ডিনি বলৈন, মহিলারা এই বিষয়ে

যথেক সাহায্য করিতে পারেন—
তাত্তা তাতাদের বিসদ্যান স্থামী,
পিতামাত। পুরুগণকে বলিতে
পারেন যে, তাতারা তাতাদের জন্ম
রক্ষন করিবেন না—তাতাদিগকে
উপনামী পাদিতেত্তবে। তিন্দুরা
গরিষ্ঠ সম্পাদায়; সেত তেতু ভাতাদের
উপন সময় তথ্য উচিত, করেণ দশ্ধক্ষাক্রি বেণিয়াদের স্কল্য

लाल देखाश्तमगुर गणायात्म বিভারত ইইডেভিল। का शाल अ(१९१७, १४ क्स) क्या देवेश-किंग। जार "अंतन अंतर अ স্বাক্ষর ছিল। মহাসূ,জী লাল ইস্তাংরি সম্পক্ষে উল্লেখ করিয়া ভাষাদিখনে এণটু ধৈয়া ধারণ করিতে অমুরোধ कर्रबन। डिनि टरलन मिक्कत भर्छ ও ওয়াকিং কমিটির নির্দেশসমূহ যথারীতি পালেত হইলে তাঁলাবা शार्खाचाल है। नासिशर के ७ अग्रदॉनर এভৃতির প্রাণদন্ড রহিত করিচে গারিবেন। "এরণ ভারত" যদি হিংসার **পথে স্বা**থী- ১ জাত করিতে চাংন, ভাহ :হুইলে এনটা ভগৎশিং সংস্ৰ সংস্ৰ ভগংসিংকে নিস,ডজন দিতে প্রস্তুত হইতে হইবে।

ভপাংকারে মহাত্যাকী বিদেশী বল বভচনি, ছিল্মুস্লমান মিলন, ক্ষার প্রচার ভাষানক প্রবা বহুজনের ক্যা আবেদন করেন।

#### বিবিধ সংবাদ

গান্ধী-আরউইন আপোষের ফলে কন্সীদের । না গিলাছিলেন।

#### কারামুক্তি मारभाव

क्रीमणी शीमानी कृत्ती, सूत्री ভয়ীখন, মিদ স্থেপ কুনাৰী প্ৰমুখ জৰজন भारता १हे मार्फ लाला व्हाती दलन स्टब्स मुक्तिका कविशास्त्र । मिल्लीत व्यादनाय-व्याभाग गामह डाशामधाक चौक पाउषा CERTCE 1

জন্তু ক্ষীগণকেও শীঘ্ৰত মুক্তি ८म डका क्वेंटन ।

#### ८नाचा है

মাটি সকলে বেলায় মেদাদ িনতের ভাগী. भूगतायः, कूर्णभागः, द्रागम अवर 'अ' 'अ ्ति (अभीद काइ ४ २ । कन वनी कार्यातः Cats (क्रम कहें एक मुक्तिना क के विद्यारक में 1 अना

ফলে স্কালে যারে পে। দেশ ধাতে অধ্যা । দেশ, পুনেরণ ইতাধার বারা যে সকল सन महिला आक्रवनिकीतक मुस्तिनाम कर मिलिना उत्तर क्षावम क विशेष दक्षणा कडेशाटक । अ.डे सटल कब अस अविका ! तायरे किन वस्तेतातक सुक्ति अस्तात িতেন। ক্ষেণের সম্ভূত্যে এক ভিত্ন কথা উল্লান্করা চল্পতিল ভারাদিশকে क्षात्रको किर्दाहर क्यां न्यां लांक करिया विकास कर में कार्य कर है है कि स्वार्थ कर है है कि स्वार्थ कर है है कि कार्य मृत्यिमाक करिका देशकाला करोडा:- ] मृत्यि अमाना दर्दा छ। क्योद्र रक्षानाल वर्शस्ट अरु स्थिति से साव ! करा यात्र काक्षा स्थात स्वस्ट देव के क्षांकेशी भारत्यमा । व्याटामात कीहाता 'हें का धनका) क्षांत्र व्याप्त व्याप्त धन জাতীর পাছকৈ৷ উত্তোহন করেন এবং , শক্ষা রাজনৈ দিক বনী কাষ্ট্রের একল भारत भूषा कर्द्यम् क्षेत्रजे क्षत्र धकः, महीट केंद्रिया नामार्थीया ।

छन यात्र बातक ठारिय छ व्यामाभी क पुरस्थितान कहा इडेटन।

दर, शहरत द्व २६ स्रत को को को अ हो? ८: प्र ८कटल का वह आटहल, स्याटन: १०१४-অনুন্দ গ্রিষ্টের ম্তিং স্পক্তা মি: , अ हीन वासन भाग, त्यात्व आणी, तक, ८क (मन्त्रा, केश्युक रसून नश्य, क्षेत्रका माय, एक कर, एक देवल कर हो गुड हो मासदा দিলীত প্ৰস্থৃতি উক্ত তত জন আধানীৰ पुर्विद्याच काल्याद्याः ।

#### माला (क : ) २ कर त मुखि

इ. इ. चुड्डिक अस्तात अस्तु शिक्किडिक काँग १८ वर्णसारम धृष्ठ ३३२ धन आसामाधिक मांभाग के भाग है जारिक करा देवधारिक केटानिशाक दिना १८७ मुक्ति (१९७१) i Østabe

#### 'कारशोस माखि नरह'

त्मन्य महार प्रान्ति श्वत्मेव यात्र कृतिहारको, क्ष्मिक छ। व्याप प्रान्ति।

িল্লী হ'লে প্রাক্ষাব্রন ফ্রিয়াছেন। উপর তিনি মঙায়োলীর সংশ্রু

शाकी-व्याविकेन व्याप्ति मन्याक তাঁহার মত জানিবার জন্য তাঁহার সঞ্চিত भाकार कता करता दिनि ब्रालन, छन। भारताम नाम्य नरम। भारताक हे बादगः যে বর্তমানে শ্বরান্দের সমস্ত দাবীর মানিথা গ্রগা ছব্বে কিন্তু বস্তমানে कार्शांच एकदम स्वयम्भागांचीवर्गत शहरन-

करियाक भौगराष्ट्रक शहराक करा अवर्गाम् । भागासम्ब नाम्हानाम् । S कर्द्यागत लाखि'नांध्याप्त खक्छित দিল্লীর আহেণায় নামা ভক্তাব্রে ৭ট । ভটপার উজাত শান্তিপূর্ণ আবহাও রে স্থানী করা।

#### নোপাইয়ে ইস্তাহার

त्याष्ट्रं शहार विश्वारात्र फिल्लीन 1 5001 6 642 2 mie (3 Wit to পট নার্চ গানী আংক্রটন অংশোহের কিংয়াছেন পাণ্ডে ছি<sup>ন্</sup> আংগ্রহল दर्भ मुंख्य भारता श्वत दः प्राचित् प्लाक: भिनाक के पढ अहिं स्वाह्य में के नाम करा देश ।

#### भाको छ। इडिहेटन सीमारम। যি: জিলার অভিযন্ত

"तक्षणादलद" अक महत्र १५ अवस्म भिः (ब्रह्मा वर्षे झार्डन, अभाका छ। आद-केटरनंत्र मध्या ६४ मामाध्या वर्षाध्य किलाब महर्काम निदयकता 4 1 3. ्रामनामा कड.व .वर्ता व्यव १०५० यान कर अध्यक्त भागी का बनाब ना रिका, डाडा डहरण जुरस यनन निरोधक ६६४१'७८मन '७२लट मन'या शांकात भूटक मुक्त माक्षमत्त्र स्थापना करा छि6िक किया। अस्य हाई बर्डक, "अरिट्छ हहेंद्रा ७ कर्द्र अंदिय अधिक विद्यार्थ क्षामक इदेशास्त्र ।

कार्यक बाह्यमा निकास्य कराम्र भारताम करिएक अध्यक्त बहेबारकम, हेबारक च्याम चार्नकल क्यांका दहे गरन च्यास वक्ष्णाहरणे व्यक्तिकातक व्यक्ति

गगाधारम आणा निरत्नां । करतन । खाहा करेटन किनि क शरी है यह कार्य करिया **्छन, छपरभक्षा करमक दन्ती काव** किटक गाहिरका ।

#### मर्ड ब्यार्ट्सास्क्रिय श्रेष्ट्राम

শ্ৰমিক প্ৰব্নাটেত 'লেমাটার ्छनारत्रः" क्फं कार्याक्त भारतात्र करिशाकिन करे जिल्लाक किनि मि: शांक छाना छ। निवह स्य भक्क भिया-চিলেন ভাষালে জানা যায়, শাণীতিক অভয়ণার জয়ত ভিন্ন এম্ময়ে প্রভাগে करिएक नामा कहा एकना

en sitelien sine wielbeten .য জনিক গ্ৰণ্মেণ্ট যথন 11.5 a हर्दाक्ष कथन अस्त महाद्व बकुछित करिटा मक्कम मान्या मान्या मान्या ८१ मी किण मा। अभिक भागामिक अक्षिन शाकाया कर्द्रमाट कक्क है दिन ७ थन ्यानशाक्षात दक्षका हत्याचा र अस आहरा करियान ध्यानमा वस्तान (मह कामा मूट 28 . T. 6 1

भविद्रमध्य ४ ५ जार्ट स्ड विवाहर स हिन खनन क्टर आराम नहाँनरकार নীপি কড়ারে আগ্রনংগ্রা ক'লবেন 通行 对"A 中 2001年 逐步保証 利利的50g २५ छ ५१% स्**०३ - श्**ष्टदश्च । श्रन्थं(भण्डें(क HISTOR OF STORY

#### ভারতীয় রাষ্ট্রীয় পরিষদ नाटक है अभाक्ष कारकाहना

ग्राच पड़ में कि चार र "व शक्षी। भा प्रमाण मारका मुल्लाम नामात्रम, कारणाठना कहा ।

केंद्र कि . १ क. नथ वालान, किनि छ ाकरत्तांशास्त्रक छेलन छक्ष तु छत्। शक्कानला वृक्षिया शक्ष व्याद्यकाती छ क्यान्त्रवारी भारत इक क्षिक श्री मार्थ में भक्त स्था क्षाम-मानी ववतारक रम भारत केला ववर क एक कर्रे भारता माहत्य डेममरबाद विक्रि नाश्माद्यां कांद्रशत अन्त्र भागी,मण्डेत क्ष्यांच करदन ।

मध्यक (महा ततान, मध्या शासीन नकार जारिकाक्षेत्र के जाहेश जागान चाल्मामध्यत यहम जह चार्किक बाह्यह Burce I fre Felo fetasmi ocan ्य, कामलानी कद पुष्कत भटन कामनानी होंग क साथ कम कहरत आध्यक दृश्चित ्य १०म १८४५को अञ्चल अञ्चल अञ्चल काल्यक काल्यक (१०) हिल्ल एवं शास्त्रणा निर्मिष्ट माहिलाः मान्यादी कथान्त्रीतिशाक भिटल ६ हेटन-- वाचगांधी(मन गावना • मिथा

আক্রমণ ক্রিকে গিলাভিলেন, তিনি দেওলা সকলেওই ক্রেনা। মোটের বাওলাল ভাগানের নিক্ট ভইচে আবাছ-मृत क्रिय काश्यक्त भावता वारेट्य मा । राष्ट्र ি কিনি মহাজ্যাতীর স্থিত শাক্ষাৎ করিছে করিছে সমর্থ কটগ্রাছেন। এখন যদি বাকাছয় জগদীশ প্রাণাদ গাস্প্রেন্টকে মভাত্মা গান্ধী হিন্দুমূদ্ৰমান সমঞ্চার সামরিক বিভাগের বার ক্যাউত্তে অনুরোধ कत्वन। किनि केळ द्वारत्व मधकारी कर्षातीरमव (क्षण क्याहरांत क्रम यानमा डिमि चावल व्यानम व्य हिनिव উপর আম্দানী ওছ বৃদ্ধি মূল ভাল कटेटन, कातन, काशाहर दमनीव किनि निश्च गः शिक्षक क्टेंट्य माम्ब खेशक **क्या अ**क्षक करेशारक, किन्तु दक्राशिरमञ्जू छेश्र छन्द पुष्टित शहरण प्रतिकालक कहे एहेरत।

সার দীনশা ভয়াচা আয়ক্ষ বুলি व्यक्तिनाम करतन ।

शांब क्यांक प्रहेश्व निक्रिय विषय छिछन विवास श्रम का है। अश्वियामक व्यक्टिनमस मृत्कृती बाटक स्थामनात ब्यानात काबिरनमन 68410 ENGIA 881

#### (न का हैनी अहि छीन

প্ৰিবাৰ অপ্ৰান্ত কলিকান্তা ८९१८कारकेत का का किर्माणक अध्यानि जानाम, दय स्माजीत्मव यदम, स्मामिनीशृत जिलाब, ध्यमनीशूद किया आध्न आयाज পাবেদ, ভুমলুক আৰুন অনাজ স্মিতি, ष्टिंग षादन समान गोगांक के वि कारन क्षांक स्थान स्थान गरत शहदयन खरण्य पश्चिम कर्णा शहर्यन, નાદી મછાલાક માર્તક, નણ - નાસાત कर्दश्रम करिती, बन्नीस आइन अमास र्शाब्यम, आवामनात्र भारत अशास कामजे GELT OLE WHO SHOW WITH MINT MELT भाभन कुठिंद्र २००४ भुष्ट स्मृत भाद्रत्यत मरामानिक में छोतान्त्र । घटीय करण अक्ष-यात्री ८५ व्याकनी त्यामना कहा ददशाकन मनाध्यित भागाव ১৯৩১ श्रीशास्त्र पर्वे म कि अंदा वालिश क्षा निमार्थना

#### **एक। भूजिल्ब कर्डाक्रस्थ विः** क्षेत्र •

शंड का.शहे भारत एमें किर्मत का कार्क्सन प्राप्त श्रम्भावकात क्यात मुक्कारक छ।क। नव्यात भूगान खुनाहिर छ । १६३ क्षांभीक्ष्रीतन भूत्व त्वमन भागीसक क्वंप रिवामेड क्व्याकित्वाचा काकारक widis bioly wint sericy Cuterati-विकाला चार्चात्रक चुनाविक्तिकके-क्रटल डिल थि: ७.क नि.का पटन নিখ্যা ধইয়াছেল। নিঃ ভাক্ষিত্তি কলিবাভাষ ভেপুটী কমিশ-বৃত্ত মিঃ शर्खरात्र भारत क्षित्रक कहेवा कृतिकाश्वात SANTEN I

#### विशिधकारशीवश्यमा सम्बद्धः

## সাময়িক প্রসঙ্গ 🚇 🖺 भवत्री भवान खाँचा विशे गर्छ।

গভ ২ ১শে কান্ত্রন বৃহম্পতিকার অপরাত e ৰটিকা হইতে রাত্রি প্রার ১+॥+ খটিকা भवास श्रीमात्राभूत श्रीरवाशभीट श्रीमवर्षाभधाम-- জাচারিণী-সভার সম্রতিংপদবার্থিক অধিবেশন रहेश गिवाटक । भवताटका श्री के अवस्ती वाक গান্ধবিদা-গিরিধারীর বর্মনা করিয়া দ্রীপাদ **খনন্ত বাস্থদেন** পরবিভাত্বণ প্রভু ''করে हरत यह रामिन आमात्र - এই উরোধন স্থীভটা প্রলণিড খরে মুদদ্ধ করতোল সংযোগে কীৰ্দ্ৰন কবেন। অভ্যপন পঞ্চতীৰ্থ ত্রীবৃত শটীরাচর চক্রবর্তী প্রদর্শন-বাচন্দত্তি মহাশর দণ্ডারমান হটরা প্রান্তাব করেন যে, ওঁ বিক্রপাদ প্রমত স্পরিরাক্তকাচার্গবেষা অঞ্জনৰ ভতিশিদ্ধান্ত সরস্থতী গোসানী অভিশাদ অহকার সভার সভাপতির আস্ম व्यवकृष्ट करून। महात शक व्हेर्ड द्वि-শাল-নিবাসী শ্রীষ্ত অক্ষয়কুলার গুপু মহাশয नकीक:कहान डिक व्यक्ति महर्गन क्ष्युतन ।

অতপের প্রভূপাদ সভাপতির আসন গ্রহণের পূর্কে দৈয়মূপে বলেন,--জীলীনব-बीभ-धाम-आञ्चितिमानात करित्यमान महा-পতি হবার যোগাত। আমাধ নাই। দিংশ্যত: ধামপ্রচারকার্যে কোন প্রকার যোগাতাই আমার নাই। সভাপতি অঞ্জলন গাজি উপস্থিত নাই। কেউ একজন সভাপতি व्यत्यहे इ'रनम । कार्यहे "धाई (क्लार ) ভাষা কুলো" বিচারে বলি আমার উপর मेन्स अक्रवात अंड वर्ग, करन "माजा अक्षार सदिहात्रीका" विहादक स्थापि स्थापन এইণ কতে বাধা চলাম। আক্রকার সভাব পত বংশবের উলামপ্রচারিণী-সভার বার্ষিক व्यक्तिवन्निविद्यानी भाठे स्ट्रा किंद्र मञ्जात সম্পাদক মহাশন কোন অনিবার্থা কার্ডা चाकरक उपहित्र इ'टल शास्त्रम :माहे ! ভাষার অমুপন্থিতির জন্ম ভিনি টেলিগ্রাম भिरत करो मार्कना किका टाटाइन । মুক্তরাং তাঁহার অমুপঞ্চিত্তি গত বংসরের व्यविदयन-विवत्रभीत शार्ठ-कावा शाङ्गीय-সম্পাদক শ্রীপাদ শ্রুমারান্দ বিভাবিনোদ মহালয় সম্পাদন করুন

শ্ৰীশাৰ অপ্ৰাকৃত ভক্তিসাৱৰ গোখামী व्यक् ज्ञिन अञ्चलात्मत्र शनाम्यः जन्मि माना नवार्षा पिटन जीलाम युक्ततावका वरमद्भव अधिरयणन-विवत्री भाठ वर्षिरणन ।

**७८ नटम क्रिनाम जन्म**तानम विश्वविदनाम প্ৰেক্ত মন্ত্ৰাৰ পঞ্চ হইডে স্থামগত শ্ৰেলাৰ্য শ্রীপাদ-জগবন্ধ ভতিন্যালন প্রাভূর এবং क्रिक्ष्मिमी श्रीमण जात्रजीमहाताज देखरणात्मनात्र जनागती, खिलाम क्लिटेवडी र्यमाध्यम्भ, विशोग साधानाधः सम्बद्धती ।

## ::--নিক নদীয়াপ্রব

## নিতাপাঠা বৈক্পবাৰ্ত্তাবহ

ज्ञीभाष व्यवस्तर्भारतिक प्रामाधिकाती संदश দ্যগণের জন্ম বিরহ প্রকাশ করেন।

चाउ: शत बीडीशाम-(अता '8 बीटेह इस. বাণী প্রচারে বিবিধভাবে আত্তকুলা করায় সভার পক্ষ চইতে বহু ব্যক্তিকে ধরুবাদ ক্ষাপন, উপাধি প্রদান এবং প্রতিযোগিতা পরীকাৰ পারিতোধিকাদি প্রদান কৰা ভয় 🖟 তংসধ্যম বিভারিত বিবরণ সমঃভিবে প্রাপা। প্রকাশিত এইবে।

অতংপর সভাপতিপ্রবর ওঁ বিষ্ণুপান শ্রীস ভক্তিসিদ্ধান্ত সংস্থতী গোসামী প্রা;-পাৰ একটা অভিভাৰণ প্ৰদান কলিলে নাম-म्क्लिंडनाटक र वा स्त्र हत।

#### ভক্তিশান্ত্রী ও সম্প্রদায়বৈতনাচার্য্য পরীক্ষা

গভ লে ও ২১শে দল্ভেন বুধবার ও बुबल्लाहिनात जिनाम औरज्वलगाठेव खेगन्तित সম্প্রদ:u বৈভবচোধা ও ভজিশারী পরীক্ষা হটগাছ। পরীকার প্রখাবদী নিমে প্রদত্ত इहेम् ---

#### कि की खन्नरणी बारको सम्र छ: मध्यमात्र-देवकवाठार्यः भत्रीका

পूर्व मर्थम---> • • काम---> १ स्व >। নিম্নগিধিক শব্দসমূলের অর্থ লিখুন --১৫ ( क ) डीक्रममंद्रीखन, (ब) डेम्बन तम. (গ) অচিক্রেল্ডেন, (ম) প্রাকৃত-शहाबक, (४) कोइनाभा एकि।

২। নিম্নলিখিত শব্দমূহের প্রকার रेवनिहा कि १

(कः अलन्, की छन् । भारतन्, ( थ ) देवकुर्छ अ माधाः ( श । चाछ अ शतमाणी, (४) वाधाकिक । ও वाधाकश्चानि : ( ६ ) कात्रम, गर्छ । कीरवामकना क्षितिकात्रः।

**७।** निः শবসমূহের পরক্ষার मामझछ कि १

(ক) অজের কয়, খ) প্রাকৃত अशाश उक्ताहर ( प ) मूरा नाम उ इरक्छत नाम : - (७) मिक्कन छवन ७ , '८ छ९मण्यामस्न कि करनायत्र इत् १

टकाथाय ? 25 金沙山

(৫) নিয়লিখিত স্থানগুলি কোণায় ?

(क। পাগনাশন, (अ) ব্রহ্মসংহিতা-সংগ্রহের স্থান, (গ) বদরিকাল্লম, (ঘ) শুকরতল, (৪) সম্ভল, (১) রামা-नम भिननक्ता, । ए । (शांकर्ष, ( ख ) पिछ-লোক, (ঝ) মাংবাদীর প্রাপা, (ঞ) কন্মীর

७। देनकवी-टाहिला ७ छात्रछिक। উন্নতির কামনা—এত্তভারের ভেদ কোথায় ? ্ততীয় সংস্থার নামগ্রহণের আবিশ্রকতা कि ? देशकरवार्डिक देमसमूर्य क्रश्नांश्रामक ভक्तिका मध्या अहन कहा विस्तृ कि मा १ 25

৭। নিয়লিখিত कक्रशास्त्र शक-রাত্রিক বা ভাগবত অগিকাৰ ? ١.

(क) तामार्कमण्डिकात मरशहीहा, (খ) রাধানক হাম', (গ) ছলারি नृति:शंहारा, (घ) तमिकानस, (६) लोकिक গোস্বানি উপাধিশ্বীগণ, (চ) বাসক্টীয়-গণ, (ছ) তাংগি-সাধু মহাজগণ, ১৯) रेवशामम मच्चामान, (स) छेन्दिक्त वस्त्र, (ঞা) অপ্রিরভাগ।

**७ । देवकारता**त्वञ्च **लत्यहरमा भक्ता**व वर्गाळ्याधिकाट्य द्यान्यङ, किकल १ >>

### बी मी एक्ट गेरादरी कः छः ভব্তিশাল্লী প্রনেশিকা পরীক্ষা

भूने कर रा-->०० क्रमग्र-->० प्रस् ২। নিম্লিণিত শ্দসমূহের

(क) छेलैंडा कर्ष, (ध) छाङ्गीड, (গ) উপনিষ্থ, (খ) অন্ধ বিশাস, (উ) ু সম্বন্ধ স্ব্যান্তকেরণে অভিনন্ধিত করিভেছি ; मानद्व (मवालालवान, (ह) वर्गान्त्रम, (ছ) চিৰিলাল, (জ) ওলাছৈতবাদ, (ক) অবৈতনিক হইবে এবং বিনাখালে হাব मापुमक, (.क.) आखाङवान ।

২ ৷ ৩০ কত প্রকাব ৷ তীলাদের অধিকার কি কি ? অভিঠানিক ক্রিয়া আসিচা বাস করিতেছেন: আইনকা ও

(৪) জগতের বিভিন্ন আচার্যারণ কর্মেকে বলোঃ খাদণ কন ভলংগতের সালয়ও মচিতেই প্রতিষ্ঠিত হাবৈ বলিরা इंडेटक **क्रिटेककामरगत कियाँक "रैदिशिहाँ, जेगा**ग्रंश बाता युक्टेबलारशाज विका वर्गन ,

खना श्रम ।

 शन, नहीं छ लाज निर्मालक्ष् महाञ्चल तमन दर्गन कक्ना . 375

ধ। নিমলিথিত ভজগণের বিষয় বর্ণন কর্মন----34

(क) मेगान माम, (थ) भूखतीकः विशानिधि, ( গ ) त्रिकानक, ( श ) आनक-তীৰ্গ, ( ও ) কুৰ্মনিপ্ৰ, (চ ) অধ্বরীষ, (চ ) अकृत्रांचल, (क) नहस्तिल, (व) महत्त्रांचल, (क) शक्त इतिमान।

७। अर्फन कोहारक वरन धवर कि थाकाता गाधिक ए। व्यक्त-वितासी বিচারের প্রভিপক্ষে কি কি বলিবার 50

### ঠাকুর ভক্তিনিলোর ইন্ষ্টিটিটট

আমরা ওনিয়া অতীব আনন্দিত হট। লাম বে, বিষ্ঠবৈফবরাজ্ঞসভার পাত্রবাজ্ঞবের ওঁ বিফুপাদ পরমহংস পরিরাজকাচার্যাবর্ষা অটোতরশতন্ত্রী-ভীনত্তকি সিম্বান্ত্র সর্বতী পোষানী মহারাজ শ্রীধাম মাণাপুরে আগামী ওরা এ<sup>্</sup>প্রেম ২**ংশে চৈত্র ভক্রবার ঠোকুর** ভিকিবিনোদ ইন্টেটিটটু নামে এক উচ্চ ইংরাজী বিভাগঃ প্রতিষ্ঠিত করিতে ইকা প্রকাশ করি:।ছেন। <del>শ্রীধাম মাধাপুর</del> কতি বাহাকৰ হান। প্তৰ্লিলা ভাগী-রখার হানিবল মুক্ত বাধু নাগ্রাপুরের উল্পুক্ত মংগানকে সর্বনা খিয় করিছা রাখে, তথান কাড় নলকুপের বিভদ্ধ পানীর জল মারাপুর ভ তৎস্থিছিত প্লাসকলেৰ সকলা আন্তাৰিধান করিতেছে। সনাতন ধর্মের আচারপ্রচার<sup>্</sup> তল দক্ষণদ্বিখ্যাত স্থবিশাল প্রীচৈত্ত্ব-মঠের অপছান-হেতু ওপ্নেকার বায়ুর্মন্তল বিভন্ন সাঁজিকভাবে নিজা পদিপুন এবং वापुरिक कारासन (कामालकात धुनीकि ইহাকে কলুদিত করিতে পারে মাই। মতএন এখনেকার পারিপার্থিক অংস্থা, কোমদামতি তক্ষণবাংক শিক্ষাধিগণের চরিত্র-গঠন, ত্রন্ধান্য সংবন্ধণ, পারম্থিক শিকং প্রাকৃতি ময়দ্রারণিকাশের পক্ষে সর্মভৌভাবে অর্থকুল। এইরূপ হলে উক্ত বিভালবের সংস্থাপন বিশেষভাবে কামনী» এবং আমবা প্রমহাস প্রতিরোধানী মহারাজের ৩৬-আমরা আর ও জানিলাম যে, এই বিছাল্য গণের থাকিবার সংস্থান হয়বে। সভাতি श्रीमात्राभूत्र आस्य यह श्रास्त्र दह 'हत्रसाक চিকিৎসার জন্ম শ্রীচত্ত্রপ্রতের স্থানিকত া। বুক্টবরাগা ও কল্পবৈরাগ্য চিকিৎসক্ষণের তথা গণেন দাতবা চিকিৎ-

क्रिएए ए । अक्टमहे छोडे भाषि अन्य,

জীবসেবা নহে. জীবে দয়া

( भ्याक्षामान्त्र हथ मरवार्त भत )

वाक्तव, व्यवासि শাং ! কি ৬কেব विकास अकारत न्य वार पति कि कि किरमा कविश्व केल्पर अध्यानिशक अञ्चाक्रक **羽8**母 智(1864) 4 智田(1742 名)[4] व्यक्तिक क'ल्टल हार्टन, जीवानिशहक आग्रन अक्षांक वास्त्र, अभाक्ष विदेशमी क्यां भी संस्कृत स्थापन स्थाप कि दिश्कि स्था ; कारू रोगाडा कतिनार विश्वासी PJR: कामातिक कांक नामित्व (करा १ %-शक्तम प्रक्रिंग विषशास्त्र रिशाल साम्ब আমরা আমাদের পিলাগার লাক্তি করিব ! कालिश्रान्यात्रकारी हैक्किटेन महामान व्यक्तिक दिश्य देवनशरण्यत आधावना चहे ब्राठा क मकारणका धरिक शोफ़ीवनन ख्य चाढ (अ:शांगक जांक पर्माता নেবা ভবিষা আত্মঘানী ও পংঘাতী क'ल ला । दय भारताशकार-वृद्धित द धात्रगांत्र क्षांकाका निकामका वानीय विकार-देवकासी कारेबा यक्कीटबत बाटत बाटन श्रीतक्षमन क्रिक्टिका मन्द्र शकांत क्रांगिटिक क्रक पत-कामना পश्चिम्हान कदिता, ममख बाकात Bie Ger Beg wfogt Stein! Ca প্রতিভ্রত গ্রহণ করিয়াছেন, তাহংগের महे अर्थित्रीय कीर्यमधात छ कीर्यहास হ্পার্থ সংগ্রন্থ ক্ষার্থ স্থাইক **क्रक**्ष्यूणी अङ्गास्त्रक खेलस मा क्रेट्स আছত ধাংগাপর চিতের গোলটাড়ড ह्यू मा। कर्षान-मन्त्रिता कृष्ट्राना-सरमात्र चाहायमिक आहायक व्यामीकीवगर्ठ-(अवक्शन किन्नियमाऽ।गांधमरवत्र कीठवनास-शरका शक्तिविक ब्ह्रा सम्ब छन् (मन्तर्भाषित व्यर्जनवक क्षत्र-कृतात्त्र किक्क क्षक महस्त्रदेश करायाल करिएल्ड्स, जाना Lय प्रन अधिकार । दशी काता कहत्य, त्यह ভগাদৰে আমাদের ভ্রাত। ভগিনীগণ শ্রীমটবাদীগণের প্রভি বিধেষ পোষণ कति गाउ गाँववर्षाः कव-वार्धियः अक्याज महार्थे के कार्त, मयान ७३५ (क्रांपित क्रमांक em रियमक भट्डायांभ-निकरणकाती वर्ष mite. Ete ten feinemiteide Geten-वानीट क भागः शालन कदिएक भारित्वम । अक्र श(याँडे 'क मांक मात्रिक्र सावाद क भवातीमकान फण्डाद निर्णा वक विकास minat o'stale alletian si-्रमाक मान्त्र, कांध्रवात्रव व्याष्ट्रया व रेमिक mirmin Enfe etene im minni Befanten miblefene weben nifen ? कार्याहरू का नविश्व अकारतव मुनकादन कामारमत यानारनव वार्तार वाकालत विशरीक कार्य कांग्रह। अञ्चलक धर्यहें

অভাব শুলু বাছিরের নছে। প্রতিনিগত আমাদিগতে বিপ্রগামী প্রকৃত অভাব আমাদের অন্তরের কৃষ্ণ সেবারভির। আম্যার্থন প্রাক্ত भाक्रीशशालद किछवारी भिरवसारन করিয়া সংক্ৰিণ আভাবের মুল্কারণ **बिश्विरमवः विद्युर्गाण व्यम्म सम्मवति** त्यांक्रम कतिएक एकांच्य करें करन बांधारिक কোনও প্রকার বিমান আমাদের কেশারা স্পাত্তিন আনুন ভারাগুলে বদী বাজির লৌক-म्मान कांत्रक मार्गित मार

क्रकालिक श्रेणांत्रस्यवाधकनाती सामाहागः। শ্রীণ ঠাকুর ছরিদাস যথন। পাষ্ট যবনগণ্ 🕽 স্বত্ত বৃহিত্য লগংগত লাগ্র চিত্র অবস্থা উপায়স চলগত প্রস্তৃত আন্ত্র প্রাক্তনা आहिन व्यक्ति करिया व नश्चिति ---শ্বতি থও হয় ঋদি যুগি ,দল প্রাণ । ভথাপি না বদনে, ছাড়ব ছালেয়ে ৮

कर्त कामाराज आधिक का प्रतिश ख व्यक्षात्वत्र कवन व्यापादि अतिहास कविशा नामा श्वा श्रीण करिमान हाकुरत्व জীপাদপত্মের মাচাত্ম। মুককঠে ছোধলা । िक भाकरान कहिटन।

शीकिक कामारमंत्र व्यागरक्तक क्षत्र, ट्यक्किम्प्या वा भागवनी (लक्ष्मात, प्यानद्रम करतः मध्यिमानस-रिवाक ट्रीकृटकार অক্ষাত্র শিক্ষা, হতিকীজন-সেবাসর, : প্রিরতম মধ্যজন,নিস্তানশালিয় 🛅 গুরু-আয়ার স্বাভাবিক সংখ্যেক্স ওজ-कीवनहे यथार्थ कानमधुक वाक्षव कीवन । व्यायका यक्ति आक्रुष्ठ को बढ़ाबी भारत है। टी द्यापिक ज्ञानमा क्रिय वी सक्तामना व चार्षानिर्वयन कविष्ठ भारि, मम्ब व : ब्राठा ग्रीबर्गत करिया क्रिक्श मान्याप নিক্ৰীয় পশু ৰহতে পাৰি, ভাবে শঙ সংজ্ঞ व्यक्तार-द्रवाना कहा क्षणाटक भटमा नाम ক্রিলা স্বাবিধ অভাব অঞ্বিধ্যুক্ত মুঠ বিগ্রাহ্রণে প্রাণ্ডে প্রিভেণাবন সাভাবিত জীবন লাভ কৰিছে সম্থ वरेगा हैका किन्न पाछ द्वान व शक्षा नाह, । इतिम्मीफ्रिक, क्रुक्ष निकाहीन क्रक्कानकार यांका व्यवस्थान कविका भावासन (वष्टिक . विराय क्षक्षेत्रिक, ध्ववर क्षायकाद्भक प्रविक्र वेब्बश्रास्त्र व्यथीनका भाग (हवन क्रिटाह -পারা যায়। কোন অধীনত পুথাল मर्वकन बिक्कुन व्यामात्वक यटक निवाकन द्वम्मा बिटल्ड १ अक्षमा वादावरक वसी भागवा कानिना (क . भागाराव काना-विश्वका। छाड, बालाव स्माहिनी-नानी नरण,----वेरय क्यों शनरवय क्यां शरहरे। त्कानारक मुक्क कृतित्व, यां क कांवात्र नदर्गात्रक इतः क्रांस्थ वा व्याना वातः---क्षानद्व शुक्रवतागरम् ४४०गासम् वर्षः मुम्बन (माइन वहेंद्र) क्षम 😸 वा नानाविध অভাভিণাৰ উপস্থিত হইবা মুক্তিকামী

मकरगई ठाकि श्रामीमछात छेशाव म्लानी প্রীমরিক্যানশের नक्षमा विषय व्यापा छ। করুলা কিল বিশ্বসদ্মী লগতের ভাগে কগনত আকৃত পাতি ও স্থাতাবিক श्वाधीनका भिनित्य ना। आश्वीय शक्तिमन-শৃদ্ধণ অপুণাতিত করিল স্থা-পুথালে জাবত কবিলে ভাগার বাথার লাখ্য क्य कि १ च्यायता तम व्यवशास्य श्र<sup>‡</sup>य-कर्त्तक वाहेंन वाब्यात क्विताया काल काल काल कार्य काल्याद (bil कार्य, द्या करतात मीमात्र अभिनय करिवाधिसम्माजयम् काःस्रातः अतिवस्तरम् खाबिसः स्वाधीस ক্ষুত্র হয় না। আন্ধের প্রাধীনভার चक्रण--- माराज्यतीका छडे विश्वम मासा-मुक्ति वण्डाई जामदा सूर्वकारक वस्-মান্ন করিয়া মেকিলান্ত ক্টক্রেছি। শুণের মোদিনীমুদ্ধি আমাণের প্রাথিত े रेनर्स, एमड वर्षायक छाइच्छ व्यक्त व्यक्ति काफ कविर्ण 8 य'क क क्षेत्रांत लिएक्रिक लक्षा, ক্রিবার মত গোভাগা উদ্ধ ১ইনে? যেন একটা আতাপুত বিধানগাঁভির মুর্জেনায় करंद (महे जैलाम शालाका कामांका कुनशरक काताकाक काल्या दहारण, অনাগত অবহায়ানী ছানের করণ হর 'ভূবনমঞ্জ হরিকথানুদ্র নিভা ছভিজ্ন । যান প্রথের উজ্জুবিস প্রবাতের মধে। ও च्युन्हात छ०।। चार्यमभीत . अ.र. अन्य अकारशेष्ठ, सार्श्योधीकाः **स**. व्याभावित्रात्क साम्भीनाता करान देखांब করিলা, বিভা অভাবের ও আগীনভার शाला व्यक्तिक करियात क्रम दशान. ्रामान, कार्माक्षरे भागानिमाद दमान-(भाव-क्षणांक देवकृष्ठभागातक मक्कीरिक **◆**[23] fraifs atuffenca wit == # MH (Litt wie. क्रवा व শীলা অকালিত ক্রিয়াভেন। নিত্র अवाट्या व्यनीः ६ व विषय आधारिकाक अविनयत व्याह्यानुन निका मण्यम् सान वर्दियां व अक्र केश्वास का व्ययम्मान्स न्यास অভ্ন বিভয়ণ।

পভিতের ঠাকুর নিভাইটার আল विभवनामी क्लिक्ड बीटबब क्विविम्बला-क्रण हबम अर्फना पूत क्रम क्षीतकून(क कृत्काश्वन कतिवात बाज, विश्ववात्री व्यक्ति व्यन्देवक्षा वष्टम क्ष्मनाश्चर्ता हत्रम चानीनका क्षानार्व अमृत्क्ष नम्मा महेशा স্পাৰ্থদে অঘতীৰ্ ক্ষমাজেন।

পর্যকার্ক্ষণিক নিজ্যানক প্রাক্তর অভ্যক্তত भामाविशास्त्र नक्षणा करता। माहा लाक- वहाँ भारतकार्व संविक वदा अविक स्रोत-कुफान्छ, मात्राव नाळ बोट्टड लश्च महन। निर्माष्ट्रक पष्ट्रिय मुख्यात्र मन्त्रिक खेशा विक स्थात एक स्विद्ध नार्थम कि ह

वांश्रा मत्न क्षत्र, वृष्टिवीवनक्षत क्विट्मवा गांत विश्वा, काकादमञ्ज श्रासकाच सुक्रावारम छोहाता कीव-बनारकत विश्व **উপकाब केव्रिट्स, जनश्या बाह्य जनस**-याशीय किछ मामविक दृश्य पृत कतिरवम, তালালা একবার ধীলচিত্তে ভাবিছা (मध्म, खेळाकात भरताभकात-किकीवा बाबा-बाक्ष कार्यत्र मृशकावनी खेरणाहिक .. व्हेरव किमा।

यागामाधारक द्वारण यथान वाचिक **एकेश व्यक्तांति वर्दियांगाळाळाल मूल वर्शियाँचेय** िकिएमा क्रिनांस अक्र औरनत चाटत चाटत অ্যাতিভভাবে উপক্তিত চইতেতেন, জাৰাণা मद्राण मटकम, कीकाटमस सद्राप्त कार्यकार প্ৰেচুর দরা আকুন্ত শক্তির স্থাবা বিভবিস্ত क्ट्रेट्ड भारत, गम्छा सम्बागीत क**े टाका** व्यक्षांकाविक भावता पूर्व का कलवा लगाल िছতেই নিভামলল উলিক eইবে লা। मातिलाक-विकासभाष द्वाली महदेवसा-वायश्विक ध्रेयन-भवा छा०न क्रियाब পৰিবক্তে ডাদীয় বিকৃত কঢ়ি অভুত্ৰণ প্রাতিট ব্যোজ্ঞপর্যাল ভট্টরা थार क क्रमा-च्यात काराना वान्क किकाका अपने अपने किकाबी प्राप्ता क्षिप्राम्बद्ध व्यवश्यक मञ्जूष व्यवस्थ-माविष्यक लिटब शांतण कटत । केंद्रे भूम: भूम: केन्द्रेक उत्तर कविटल कामवास्य i कांध कांध । विकास शांध व्यामवा, व्यामादमस क्रमाक प्रतिक भरती, व्याचीवशाला मण्डा-८७ है। ८७ भागमा श्री छ क करिंद्र भिन नी, देलक्ष्मल्य बागरा छण्डाव बग्मक्रिक्षक्ष अष्ट क बिटक मा शांतिया युक्त-(क िटक है wice area ofan vine, wwwist व्यापारमञ्जलपुष्टा, कृष्ये। (०५० व्यापारमध्य मुक्कि पुत्र करेंद्रा अनुद्धिक क्षेत्रस करेंद्र कर्य. व्यायका व्याक्रक भटनामकारकत्र क कोरवदमांत्र चक्रण वृष्याः आभारिषयः **आंग्राम्परा**वस क्ष किक्नार्य क्षीयांत्र आस्मान्यन्यम् वस्त्रात्र 205 दन च्यां अब क विश्वा श्रेष्ठ करेंगा

## गमाहरशोत्राष्ट्रमध्यं मध्यादमय

এ প্রীপ্রাইগোলাল মতে এ প্রতিপ্রার-क्षम भरकारगरवामनाच्य वार्षिक करमब क्षेत्राद्य निष्यां व व्यवस्थात्य । विकिस काम कर्टल कक अगाध्य बहेशाक्षि । अग्र गरकीर्छन, शब्दशब्द लाठे टाकुक्ति विविध क का अधिकां व যথাবিতি 🛎 कृष्टेशांकिम । क्षित्रके क्षेत्रक विद्या**ष्टे मरकीस्ट**म-(माक्षायाका वाकिष्ठ वर्षेषा अश्रद मख्यायन क्तिश्रािक्टनम् । नम्य मध्यान्। प्रमा दलाक्ष केश्माद्य द्यानगाम क्रिकाविम । मधानुक यह एक ६ कामाती विक्रित वर्षास्त्रमाह

## চৈতন্তমঠের শুদ্ধভক্তি গ্রন্থমালা

<b></b>	
বঙ্গাক্ষরে প্রকাশিত	০২। নবছাপশভ
১ ৷ ইঃমন্ত্রাপ্রভাস্থেলেশসমূল ৩ ০ ু	001, <b>अवश्य</b> क
母 ('>====================================	०६। नगानतम् । ७०
∰ (भणश्रषक) >>√	०६ । क्यानिक्षणक (ग्रम गरणक्ष) />•
ेरा कामान्त्रक क्रिक्टिरेडफकामिकामुक	<b>30 1 1115</b> (30 € 50 € 50 € 50 € 50 € 50 € 50 € 50 €
( ६४ मरच३१ )	०१। माथ्कक्षमाणः (वे।गा) ।•
। পোটাৰ-পোহৰ ।৮/•	क्षे (क्यादीया) 1/•
া গোড়ীক-স্যাহজা ।৵৽	ভ৮ <b>া বৈক্ষৰমঞ্</b> ষা-সমাজতি
द्र क्यानस्य १०	অপ্রথম চারিশ জ ) ১
<ul> <li>। व्यारिक्षकथळा मुख्य ।</li> </ul>	(本) 通報対対対数)
📾 নধৰীপ শভক্ষ (বাগা) 🤾	Bel क्रिमसङ्ख्याङ्ग्र निका (त्रीका) ५
ঐ (খাৰীগা) ৸∙	্ৰৈ ° ( আৰাণা ) ৬০
৭। প্রতঃ ( 🖄 বলংম ব-টী কা-প্রক)	e>। মণিমঞ্জনী সাক্রণাল ।•
( देशका ) 🤏 ्	BRI (गांव केटका प्रसः 400
ঐ (আর্বাধা) ১৮০	801 375 89 51 71 4
<ul><li>● 1 種の1( 数6分析権 前申1-7年 )</li></ul>	(निवार्ष विक्रीर मध्यवन) ६.
( वामा ) 🔍	ति । एक्ष्म कानको ना शातावान नास्त्री । •
ঐ (পার্বাধা) ১৮০	্ষং - জীঠেচসক শিক্ষাস্থাত (বাধা) ২
३ । वैकास (करण मास्त-काण 🕨	क्षे (क्यावेंगा) ১৮٠
वृत्तकाराञ्चकः कनरमो दण्डः माञ्चयाव	৪৬। গৌতীখন্ত কিক্রেন্
(માજા) મ	৬৭। <b>উ</b> লোপনিয়হ ্বলপেব € মাধ্য
55 《中国社会制制技术》	ভাষা এবং বিস্তুতি ও অমুবাদ গ্ৰু) 1•
(तामा <b>ळकोत</b> ) ६०	8b   <b>亞等在中國</b> 第
5३ € देखनमण रूप	৪৯। সিদ্ধান্তশপ্ত ৫০ সাংখ্যানালী /
১০, উপ্রেশমাচভামণি	
( 5कुथ मरकरण ) भिन	দেবনাগরাকরে প্রকাশিত
ari श्रीक्ष-करकार २८	
্ত ক্ৰেম্বিষ্ট ( জ্জীৰ সংস্কাৰ ) se/e	दः। मिकामनम्मम् ।•
देश (दीवा) ५०	्रे <b>१७ १   ७.७-</b> -गुःशम
ou बील-सिश् <sub>स</sub> लन	६६। शाक्षशांशांश्रकम् ०५
১१। नायमणय ( ०९ मःचत्र ) । ४०	
२०। (भाषामी अणुनाभ नाम ( वाना ) ॥•	৫%। স্বারণপ্রশন্ম্ e/ব
ले (चारीमा)।लं•	ইংকেলী ভাষায় প্রকাশিত
aaबीलनाम-आङ्भागा h.	en। নামভজন
२ <b>० ७१७</b> -३५१वर	হচা পাইদ্যাত প্রিণেপ্টিশ্বৰ
(নৰছীপ পরিক্রমা) 💞	ইনিটেড জ মণা প্রভৃ
२ : विक्रमाना />• >> : सर्वोत्तराम-मान्या	<a> । देवकशेखम् ः• ।•</a>
	७०। cotath cotalbang केन पूर्वर /-
২০। ঐ ক্রমাণ্ড <i>৬</i> ০	৬১। দি ভাগণভ
২০ : সংখীপ শক্তিকা (০০০ গোলাক) প্ৰ	<ul> <li>ইংখাটিক্ তিলিপ শ্ৰামাত</li> </ul>
***************************************	আনেলবেড ডিভোগন
SE I MANAGEMENT AND TO	উড়িয়া অঞ্চরে প্রকাশিত
•	
१५। नम्रनामाण	
रूप अधारणा	
401 1000 addit	७७। त्रेष्ठायमी 🐡
de   Altagrafiantiment /*	७१। वद्मनार्गाक /•

## কলিকাতা গোড়ীয়মঠ হইতে প্ৰকাশিত

# শ্রীগৌড়ায়

শুক্ত কাতে পাত্ত ক্ৰিক কাতি! ক্ৰিক শুক্ত-প্ৰেমণশ্যের বহুল-প্রচারিত, সক্ষ্মনান্ত হ, নিম্মণের সমালোচক' অক্ষ্মজন ক অধ্যোক্ষম-ভব্তি-মীমাণসক, বিশ্ব-জীবি একমাত্র ক্ষিণ্ড হৈ ক্রেমার, চরিজনোপাসক, প্রমাণ, গল্প অথ, কাম, মোক্ষ্য, সমাজ, বংলালা, নীতি, প্রায়, করা, শিল্প, ক্রিয়, একারন, সাহিত্য, বিজ্ঞান, স্থুলি, দর্শন, উল্লিফ, চিকিৎসা, প্রাণ, জ্যোহিত, দৈবলাপি প্রভৃতির নিরণেক্ষ প্রেদক্ত সক্ষপ্তি— শ্রীঅভ্যুক্ত বংল্যাপাপ্যায় ভব্তিশান্তী, করিমারক স্বভ্যাপাদক—শ্রীজ্ঞান্তানক বিশ্বাবিক্রান্ধ বি, এ

অগ্রিম বাদিক ভিক্ষা ৩, ডাকা, ভি. পিতে ৩৮-

অফিস্—১৬নং কালী প্রদাদ চক্রবর্ত্ত বাগবাজার কলিকাতা।

শ্রীধাম মায়াপুর শ্রীচৈতত্মসঠ হইতে প্রকাশিত

## দি হারমনিষ্ট

## বা সজ্জনতোষণী

জাত্রাবিশ্ববৈশ্ববাজসভার ইংরাজী মুখপত্র ভেজ-সনাত্র-অশ্ব-সম্ভায় ( মাসিক )

নেদ, বেদান্ত, উপনিষদ, মহাভারত, গীতা, শ্রীমন্তাগবত, পুরাণ, ভন্ত, শ্রীচৈডকাচরিতামুত, শ্রীচৈতভাতাগবত শ্রীচৈতভাচন্দ্রামৃত, ভক্তিরসামৃত-সন্ধু, ষট্সন্দর্ভ প্রস্তৃতি সাত্তত গ্রাহ্মগৃহের নিরপেক বিশ্ব-ব্যাখ্যাকর্তা। বার্ষিক ভিক্ষাত, টাকা, ভি. পি. ৩৮০ জানা

পত্র দৈ বিধিবার টিকালা---

मार्गरमञ्जू — ठान्द्र व्यक्तिके

(भाः ज्ञानाम माम्राभूत, दनना ननीमा।

## চিত্রে নবদ্বাপ

প্রাচীন নববীদের অবস্থিতি, তথা, ঐতিহা, শ্রোত ও ঐতিহাসিক প্রমাণ-সম্মলিত নয়তী দীপোর সচিত্র বিবরণ গ্রন্থ

রাজাঁগ রাওসাহেব

কুমার শ্রীযুক্ত শ্রদিন্দুনরোয়ণ রায়,এম,৫; প্রাজ্ঞ

## মহোদয় কর্ত্তক দঞ্চলিত

৪৭ খানি বিভিন্ন বংগর অপুন্য চিত্র ও মানচিত্র-সময়িত প্রোচ্যবিস্তামহার্ণন বিশ্বকোম-সম্পাদক মহাশহের বিস্তত কুমিকাসহ

উৎকৃষ্ট (ইং) মরোকো বাঁধা ১৫০; ডি: পি: তে ২, ছই জাকা শাত্র। প্রাধিস্থান:—জীচৈডখনত, পো: জীমায়াগুল, নদাদা।

4) CONSTRUCT

# বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভাক্তমঠসমূহ

दिङ्ख्या घर

#### আকর মটরাজ

প্রাচীন নবধীণ, ভাক্ষর উধার মারাপুর, নদীরা

শ্ৰীমহাবে।গণীত চইতে গাৰ ৩০০ গছ উত্তৰ-পূন্দে শ্ৰীব্ৰদ্বপদ্ধনে আচ।বারত্ব শ্ৰীচন্দ্ৰ-**भ्यात-क**र्म की बीटेंड क्या मह विद्यासमान।

এই স্থান সাধ্যত্ত-ভীৰ, পরবিশ্বাপীঠ বা সাজত ভ্রমনত্বনী। আই ম্চাতীর্বে স্ট্রীক্রি-নামানুভ বাকিঃগাদি-বেদালসমূহ, পরবিভার অস্তর্ভ কাবা, নাটক, অবভার, কগা क्षमाग-छेगी-सम्-मीका-क्ष-क्रक-क्रक्षांम-ठकुहेरक स्रवादम । ७ स्ववातमा धावर क्रवाय क्रीक्रक-গৌরাল-গাল্প ক্লি-গিরিধর ও নাছত সাজ্ঞালারিক-আচার্যা-চত্ত্র তাঁভালের উপাক্ত বিগ্রাম্বে বৃহক্ত নিজ্ঞা সেণিত চলতেছেন। এই মঠবাজে পাৰমাৰ্থিক দৈনিকপত্ৰ সাক্ষক। সম্প্রদানের অংশাশত ও রাগাচীন প্রাপ্তরালি প্রচার হলে "নদীয়া-রাকাশ" ব্রালয় ব্রাছিটিত ক্ষরাজেন। আভিবংসর ত্রীগ্ম-প্রিক্রমান্তরান ও অগ্নিড ভস্বগোট্রব্র কীর্ত্তন প্রচারমুশে মছামংখাৎসবঃদি ৬ ৩ : জ অভ্**টি**ড তইরা পাতের। রক্ষক---রক্ষচারী অপাদ নত্ত রিজী। সংখারী--- প্রীণাদ বিলোদবিধারী ব্রহ্মচারী, পাওত জ্ঞীপাদ গৌরদাস दम्मारी वाक्यपरीयं, दीलाव की हाम अवहाती, शास दीयाववानम अवहाती, द्येष्ट सनीत्शालाल व्यक्तालांश है. डीड्टब्टाम मान उक्ताती कामूब मक्ताताल ।

#### (৩) যোগনীঠ ত্রীমন্দির

कड़े जान जिल्लातार्थमाला अवन वा শ্ৰীমন্মৰাঞ্জুৱ আনিজাৰ-ভূমি মহাবোগ-भीके। दशास द्वीमधीशिया व शिल्कि-खिश्रामक औरशोदमाताथण «et औरेहासमा w Batetwer fant that Bet Bre-**७८७व टनवां वर्त्वभागः। व्रथ्य क्या---(४) क्या** आबाबाब द्याचामी कहे। हारी आहे खेदमा-अथा प्रकारी व्यक्तिकामन उपराधी, विवासनाम बन्नडाही। श्रीमासनमाम व्यक्ति काही, (परमचा क्रिकारन अस ।

#### (৪) শ্রীবাস-অঙ্গন

क्रिम्बराक्षक कीर्जन-विशास था क्रिक्रेट्रणीमात बामक्रमी । जगारन व्यक्तित्रांत-क्षिप्रक्षांस् ७ भ्रमक्ट्यत द्यवा वस्त्रमान । क्ष -- श्रेशभाष्म्य अवश्रीती, श्रेमपुष ww. क्रिशाक्तशाम वावाजी।

#### (१) छाटेषछ-छदन

बाहे जारन द्वीमार्थक शास्त्र कवन बायर (भवा येखभाना

(७) क छोद्र जग.मि श ह

व्याधीन मावाशह, याननशुक्त (समीता) **ब**्जोबक्रभागाओं बिंहे।स्काकी व भ्यामि । इकक-अशहाडी केनियामानकाडी

#### (4) 相相可 图明中面的

(अस्थः, श्राद्धणश्राक्षः (समीवाः) चगरन देविकूणांश क्षेत्र काळगिरनामुकाकुरत्रक अभानि कर छित्रीयश्रमा कर कर छैड़ीयामा-, अक्षांच । त्मना वक्षांच

बक्क---केनिक्त्रम खाखात्र अक्टाबी क्रकशिक्षी यम, ध्वर.. ६४ ।

#### (৮) **शिक्शबाय दशोडीय ग**र्ठ भन्नभनमिश्क ।

রক্ষ ক— শুনিস্থার ভাজিপারী এম, এ. नि, ध्रम, मक्काशी--- अडिक:साम का माश्री, क्षेत्रकसम् वासकाकी व्यक्ति।

( > ) और गोत्र-श्रमाश्रम मर्फ

টাপালটা, সমূতগড়, / বশ্বনান ) व्यान मानी-नात्यव शास्त्रिक त्यांत्रज्ञानकः

> ( > ) शिज्ञभंदगोष्टीय-यह माटाशक, शकांश करें, लि

वक्क--- छेर्डामान अक्कार्जी, छेर्काल्यबं 34018

#### ( ১১ ) औश्यामञ्जयह्व-

भाष्ठिमाकि, साहमूत, नहमाना। 🕮 नामां व हाट हे क्य दुन्धा वर्ण व साम । इक्क--श्री-क्षविश्वी अवनामी। (३६) छाशयक खामन **এ শাগবস প্রোণ, ক্রক্ষনগর, নদীরা।** काशनःशिकास अशावकी व्यवात-व्यव। वण क-- क्षेत्रकानम अन्नाजी।

( ३७ ) अधिकात्रम मर्ठ टि।मनाष्ट्री, दशाबाष्ट्री, क्रमानशब, नमीबा । रम ४--- भिष्णुगानम अवहारी।

(১৪) শ্ৰীমাধ্ব-৫গাড়ীয় মঠ > नर अवाबभूत द्याष्ठ्, हाका। भूक्ष ग्रहार थातार-(कक्ष. वदारन की धक्र-्योगम भाष्ट्रया-भितिषद्वत दश्वा वस्त्रमास । হলক— ইয়াধাবল্লন্ত এজনাৰ্যী।

( ५० ) श्रीराशालाको सर्वे 中气明 [智力] 山神() त्यायाच्योद आरंदलक्ष आहीन देवना

वक्क म-- भी शानाती व जकता है।

(२) बीदगोडी इ मर्ठ

১७ मः चालि शामान ठळनको श्रीहै, त्याः वामवाकान, कलिकाता । क्षेणिकाम वि. वि. 835E

শ্ৰীমশালা হাজুর প্রচারিক কৃত্রিশাল ক্ষতিশ্রণ-প্রচালেলে পৌক্রবেশের সক্ষপ্রধান লগতী কলিকাভার আক্রিকিবিনোর আসনে আমত ক্লিটেড আচেম। এট অঞ্চ সক্ষালামে 🏝 গুরু-লোবাজ-জীবিদ্যাদ।লক্ষ ক্ষাউ সপার্বদে নিজ্ঞা সেবিভ চন. ঃ পৌতীয় काठामानत्त्रंत मानकीय श्राचननीत अभाठात्यात्करण स्थाप्तक मश्लव अकडी स्थाप मुक्ता-বস্ত্ৰাপয় সংখ্যাপিত চইয়াভেনঃ পুলিবীয় সক্ষম 🕮গৌৰনাম প্ৰচাৰাৰ এই বস্ত্ৰাপয় क्ट्रेट्स 'र्ज़ोच्डीम' मार्श्वाकिक भवा, कि क्वाक्रकार प्राप्तिक भवितक विश्वाकी कार्याप निश्चमिक छ। त्य व्यक्ताम छ करेटका छ। 🕮 मध्य मार्थ, मधी स्थेन, मधी स्थान, क्याप्तान-क्रकुरेसन्दरस्था स्थ আমিষ্কার্যক, প্রীদৈক্ত-চরিভামুক্তানিক্রীলা ও জ্বুলছের সমাক আলোচনা চরত थात्क। महत्रक्षक---व्याधायात्रिक ज्ञीनाम कुर्कानकाती निवाकृतन। महकाती---निवाह खोगाम कामक्रवान्त्रस्य भवविक्रव्यूष्ट्य विन्त्र, लीगाम श्रव्यवानम भवविक्राविद्याम विन्त्र, खीलाम प्रामृतिकाती जिल्लाको. खीलाव क्याक्कावन वामानिकाती विनय, खीलाव करणात्राल काराणिकादी, अच्छाती श्रीकीसनामक, अच्चाती श्रीत्रात्रीत्याक्य, अच्छाती श्रीक्रकालन ककियात्री, अवस्थिते श्रीरमवकीतमन, প্ৰিত প্ৰাণা ন্ৰীনতুক পরশিক্ষাণকার ভকিশালী প্রাকৃতি।

### ( ১৬ ) अभवाहे-दशीक्षाण मुठं इतिकृति शवादिनी मुखा, यागियाणी, छाका

च्चीभवाक-Cभोबारक व निका दगवा १क म -- भी भूग शक अक्षा है।

#### १११ औकाशवडक्रमासक मर्ड

िक्लिका, बाळापनलुब, ध्यमिनीलुब। खवारम विश्वम-(गोदाक-गास्त्रिका)-्मवा। त्रक्षक-- व्यक्षिकितिकाम का शम। शिविधानीय निकारमण वक्षमान । त्रक्षक---अवनामी बोक्यनाम्यामधी। अक्टाबी सनामन

#### ্১৮) আমলাবোড়া অপসাশ্রম

अध्यतीन द्याः नद्यम्म । ली खबरनांदाक होश कान्त्र का शिविभादी ह 'सरारम्या । अक्- अस्यामी खोडाँड-FOCATO !

#### (>>) औश्रक्तवासम मर्ठ

वर्गकात, गुवी, छेडिका। क्रभारम मित्रोंव-सित्मामभावकोद सिन्हा-भिता तक्षाल। तकक - वक्षात्राती सीलक्ष्या-सम्म विशादण, अण्डाडी जीमनीशासण।

### (२•) अञ्चल-८गोकीम मठ

व्यागत्रमाथ, अव्यक्तिति (नाः, नृती । **च्छात्रावरम्दयस्य व्यवस्य सम्बद्धः** स्थित्रकः क्रवश्वात । यक्तक--- बक्राधी अन्तरमध्यी व्यमानकी। मनकात्री-अव्यक्ताती व्यक्तिमानिकाती ।

## (১) श्रेमिकशानम वर्ड

Bieriamis, wen i

MAICH SER-CALBIA-LACHIRBAU. कीतः हेल्कारमध्य बस्त्रभाव । अक्का अष्टाही औजशायत्र ह

## (२२) अननाजन-८भोषात्र मर्ड

9नर क्षत्रकानमध्या, काली **।** (शोध-मनाक्षण्ड मनाठन-विकासना ध्यथादन दशोत्रदेशका वरुप्रःन । , क्षणका श्रीबानकोनाबको ।

### (२७) **श्रेक्कदेवलका बर्ड**

लीन मरव्याम कुछ, लीपाय कुमाबन । 

प्रण क-- मेशन-कितान अक्काती

(२८) अभिन्यमङ्ग सर्व

टेलीयसामनाः मी आण्य এখানে ইট্ডাগণত পাট্নশালা 🛊 क्रीरणोक्तित्वान विकाशकाह दशका क्रमाम : रक्त -- अभागती दीन गरकानम व अभागती न्त्रीयन्द्रिकाल ।

## .२०) श्रीदेहण्यादगोक्षात्र मह

कुम्बक् का, विवक्त का, भानकुम । इंश श्रीदेवकक-मार्थतः नामाः। सम्मक---श्रीक्षमाः माण कात. लेटक-गानम अक्राती। श्रीवाम कीचं दमनमति।

### (२७) औगामरगोष्ट्रीय मठ

कुभेटकात, वारमवात, कवाका अवारम व्योत्भावावत्वाष-शामक त्याम वस्त्रमान । सक्क---अव्यव्यक्ति विश्वनुन्यको ।

## (२८) जाकनभाका व्यभन्नाव्यय-वंड

अभिनेपाड़ा. (णाः माण्. हावडा क्षणात्न मञ्चलभृति खारमामारणम् दमना वक्याम । श्रमण---व्यवनानी खोळानकुष-याम, श्रीवाशावमन अवाताबी। (२४) विज्ञा दगाफीय मठ-काम्यानस

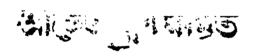
## Se con (Binta, Can fint)

वक्क--अकारी जीवानिकावानक, अक्टारी औदाराष्ट्रम्भक्तनमञ्जू हर्षे . (२>) दशामानगर्गमभगत्राक्षम वन्त्रात्री अनेगापी बीशनादनीका

#### প্রাক্তিব্যালনাক্ত্র বিশ্বাসিক ভাক্ত গ্রন্থাবলী



**बिक्यमर्थ - क्रे**यमकिशित्मार ठाकृत्वय किथिक-हैश्रांक कीरवेड लॉन्डस, ज़रकत मुख्कि मधक, निका फ रेमभिष्क म मर्था, श्रीभरेष - निष्ध क सप्तकारनव रहम, क्रान्टिक **শ্রিমার্থ প্রাক্তির ভাগাংস্তার এমান্ ব্রোদ্ধ বর্ণাশ্রম-ব্য হৈবছার-**तत्यते चक्रम, भाष्मांन मनाव भविष्ठ भाष्मा, मात्रा १ व. देवथा-क्षा अर्थ कमारावस रक्षा हना। वन र कर्षक समी कुछ के किंद्र का ब्रह्मा, लौरवव वका छ। 🌝 ह्यू के, हे का-भुब्रास्त अविश्वादः अख्यात्र अपिकातानीयकात, क्या ५ अफ्रिकारनव मार्थकका, माञ्चनका स्र टेन्साबनका, एउटन प्रथानीमा, अध्यान अकृतः कालात शाकी। ५-८५०, श्रीति ११ इन्ना य प्राय-निक्कात आक्रम, नवतमहरूर माठ १ कर्महरूर कारण, म्या-माम क्षत्रक दक्षां अध्या, स्विति काल, मीस्या, देवते 😣 अध्याद्धाः किक. शक्कांड्रान, अस्टरक्ट अभिकारी, लाहकीयद्रश, असूत ; इत, जीनाध्यातन शक्क क नगानग नाय गायस अवस्थ ि शुरु के कारण मा का मध्यकाराव करणालकानकाल वा .. निक करता. हा । कह कमा के अपने के देश के ने हर्तन करिए-भारभाषिक बारकान क्षेत्र कर कला व शत्यत्र महिक्दर मा পরম সূত্ পাবিষয় 🕶 এবক গ্রহণ ও ক্রয়ালকেনী এছে এপেণ্ড खणालक भ्रम भाष । कि अन्दर्भाषामा नाम-महरानी । अन्न-करण बड़ केवियान करिन हरभारकर । अ तांव कर्तव्युक अही. क्षानार के कार्न का 1 है तुमार अनुके कहा। दृष्ट्या का देव राष्ट्र आहे. दलां भारत कटल कर्म दलमा अरङ्ग वे.म.ह..... 6 gen 218 8 . 4 · \_ Alle }



#### · इक्क अश्यक्ष

्रिम्बटा योगाधे २, प्रवे हे।का चार्यामा---: ५० (शोदन प्रवे ५१का

श्रुक्तिकात कामावरका कार्य आराम्भक भागतार विकास कक्षता । भागका माध्यक कम । ोन्हारिक व्हेबारका কুছের প্রাত উল্লি সন্তিন শাস্ত্রবাক্য ব্যাসম্পতি ড ZINTIPE BORTCO | CHCOC, ACHO M MINIS BIS TO P चर्मण, मधाक, नीएक, मकाक र क्छाएम विषय । भावनादि अपन कुल्बकाद्य वृष्टिमालकारक काम्या bis कर्मारक धर्म. व्यवस महाक कटाक मानक कान्ना (मर नाग में मान का हिंगाइडा निडफ न्यश्रा गांत्र ना ।



विष्टीस भरभाग लाग भागा

**এলেপ ভোগানা আ »** ইংল ভগ্নাপ গোলানী পাছতে । পুরা আভারে মুক্ত সংট্রেডে। क्रिश्याक्करण एवं मक्का कथा भागाका कर, भागा कर अरह **काक्सरका काकुन व आ**न्धिन विकास कार्न रूम्सनाहर ्विष्टुं करवाह्य । इंटी धार्था अञ्जीवश्राका श्राप्त केंग मेर लिका च केनाम विक्रिक्त शार्म । गाँचिक व्यवहार ।

#### ৪২৪ গৌরাব্দের সচিত্র

পারমার্থিক বাজিমাত্রেরই একাস্থ প্রয়োজনীয় বিষ্ণুত্রত ও উপনাসাদির ভালিক। সম্বলিভ বাংলার ঘরে ঘরে বিরাভিত হউক

ভিক্ষা ১০ আনা মাত্র

ে দুর দার্বা করাত হার্তার পার্বার কর্ম।

মহাক্রি

শ্রীল সোচনদ'স টাকুররুচ

#### ोटें उड़िशायल ल

ওঁ বিস্ফুপন্ন শ্ৰীনীমছজিনিছাত সরমভী গোদামী প্রভূপাদ সম্পাদিত ভূমিকা; স্লোকের অব্যা, বঙ্গাপুৰাদ, প্ৰতি প্ৰসঙ্গের ও খণ্ডের কথা माञ्च, मक्रमृती, श्वानमृती, পাउल्रही, अनानश्रह, ভালিকা, প্ৰসূচী প্ৰভৃতি বিশ্বত সূচী সম্বলিভ ৰোক্ত অক্রে ডবল ক্রাউন, আটপেস্টা আকারে किं गटक्त कागट हाशा : किका-- २॥० हेका

#### শ্রীহারনা নাটস্তাম প

नामानाम जीन करिमांगराक्टरंव ग्रंथ जीर का उन् শিংনাম হাত্রা, নামালাস, নামালায়ার প্রস্তুত गाव हो। विकाद लाम्य कांद्रशाक्तिकत् द्रशा विषय छ। Her Muick म किथा अम्मार परिकृतिकार पुरि मील अविदेशमानगढ़तन्तिकः एव अकान रेक्क्

## বৈফ্ৰমঞ্ষা সমাজতি

व्यक्तिमञ्जून हरू है । स्व न्यारनार निर्मात के विकृतियावनसञ्ज्ञीन । शिक्षांत्रक के भेरिकारक रिवारन, है। , सरकाष प्र अविकेन সমূতের ভাত্তা ও বিশ্বের বিধ্বিদ্যালয় লোভিক ও न्तिक्षीत आकर्त्या प्रान्तिय क्या । १८५७ लक्षां न रह्मा(७१ का अस्थात के रहे से छे छेते । का अस् \*\*\* W. 51'4" & Late of Elel ( 4 4 5 5)

## শ্রীভ ক্রিসন্দ ভ

भ ष७ ५ এक ठाका अष७ ५ होक — শ্রীমদ্ভাগনভের ও গৌড়ায়ের আহক্ষণ ১৫০ **हिकाम प्रदेश ११ रेटनम** देननवाडाया क्री का श्रावाभौभाषान रहित अहा। देहाई बहुवनर उन्न अविक श्राद्यां कतीय करणा अधिकार एउटा अधिकार क्यां से ७८ र

> শ্রীমান বিশ্বিয় সঞ্চলিত সদাচারস্মতিঃ ভিকা /০ আনা মাত্র

## বিজ্ঞাপন

#### দ্বিধান!

সার্থান ॥

ছে, বি. দত্তের চৌক। শিশি বাদাম তৈল আদি ও অকুন্রিম এবং উপকারিতার স্বর্জন পরিচিত ও বছ প্রশংসিত।

আমর: স্বন্ধারণকে জানাইতেছি, বাদাম ভৈল থারদ করিবার সময় শিশির গায়ে ইংরাজী মক্ষরে জে, বি, দত্ত এও কোম্পানী নাম খোদা দেখিয়। খরিদ করি বন। নভুবা অসুয় চোরগণ । কমদরের জাত্রম তৈল দিয়া প্রভারণ। করিবে।

শিীঃ–জে, বি, দক্তি

## ফেরাস কুইনিন্

নুতন এবং পুরাতন মাটেলরিরার ধ্য हेश्टन फें वुक माद्यास भावत्त्व, नाई विद्यादलीय कुड़ै नित् भागितिक खान इ डिल्पिन साहक ।

बर क्रवार्थ कुटेन्सि धाना स्टब्स्सन्स कविटम आक्रक ता छट्डी राष्ट्रक राज्य सकराक्षकात काँके आ रक्षिक्र खाँव नहा करत एतर ५ ४४८क । रही राष्ट्रहरून न मार्टमिन्नात गमक किशमण नष्ट काल्या (१०१६) ।

৬ গ্রাপ্রপ্র প্রাত বাক্স — নুবা ২ টাঞা, ট্রু ১১ টাঞা वाष्ट्र वा काल एक किल्लाम मान्द्रति के कि ং তজ্ঞান লেন, ক**িকা**রা।

গোডার বেক্সৰ-জগতে অভিনয় এছ !! শ্রীল চাত্র ভাঞ্জানলেদের ফীতি-প্রশানলা:--



नरकड़े जाडेक

तिक स्व महिन्द्र (५४) स्थानिकारम् । महिद्रा-- वका बस्तम स्थीव বুলিতে পারে, কলন একনাত্র নিকাবল জীক্ষাবালের আভি টাছার ্কান কাডার আন্যোলমতী প্রাথনা হর এবং স্থিত কালে সংযোগ্য করণ নিষ্কপটে কি প্রাক্তার *পর্*শাপ্ত ०१८७ ७६, ई.स.स. १७४६४ द्धा<sup>त्राच्या</sup> द्धालमा **८ वास**-ন্মলগন্ধক পাম ৷ উভিন্ন সংখ্যপ ও আছালেন্ড চচন্নাজে 🤌

THE PL . LOP BITS THE

C型不必可要可以中人中人也可可用用每一人。

কল্যাপক্ষতিক

भटकड आहेच 化物料 河中鄉國門 \*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*

আমৰা প্ৰভাৱ ৰুমৰ অভাৰ ও কামনাৰ বল্যভা কৰিয়া পুৰিংগুৰিঃ যে আমানেং নি ৪০ কলাপৰাত। এবং কি ভাবে আমন্ত কেই কলাবিলাছে मध्य प्रकृत अर्थ अर्थन कथा महत्व शास्त्र किविष्क । अर्थ विकित्य applant mitten antes fil entere fantente melle ন্মর্থ 🛊

বিস্তৃত ক্যাটালগের জন্ম নিমলিথিত ঠিকানার পত্র লিখুন-ম্যানেভার—এভিচিত্র উলিভনন্ত পোল্লালাল ( নাগর)

## ্রত বৎসরের পরীক্ষিত কয়েকটা মর্গোষধ—

যাব্রারকারীরা ভাগে মৃদ্ধ ১ইরা যে সমস্ত প্রশংসা প্রাদান করিহাছেন, ভারা প্রাদাশ করিলে বড় বড় প্রাক ১ইয়া পড়ে। আানিও ব্যবহার করিয়া ধয় ১উন।

- ১। চ্ছাপ্র প্রতিকা— চলার নামটাও বেমন কাক্ত কেই রক্ষ। ইচা নুখন ও পুরাতন মেচ, মৃত্রগ্রহ, এশ প্রভৃতি এবং প্রীলোকদিংগর প্রতিকা বারাম, শেক এবং রক্তরণত প্রভৃতি বোগে আভ ফগপ্রদ।
- ২। সুষুপ্তিসহায় বটিকা-মাদকজনাবিধীন অভূৎকৃত নিজাবিধায়ক ঔষণ।
  বে কোন বৈত্বি ও মান্দিক শীভাবশতঃ অনিজারোগে এই ঔষণ বাবধারে গাঢ় নিজা হটাবে
- ত। মণ্ডুর বটিকা--ইগ সেবনে প্লীল ও জন্মুনস্থিক নেবা ও শরীর গান্ত্র ছইরা যাওয়া ই তার্লি নির্বিত হইয়া রক্ত গলিকার ও র্ছির প্রাপ্ত হয়।

केंक किन अवस्त्रिक अटलाक खेसामत्र मुना श्रवि कोछ। ५८ छाना।

প্রাপ্তির :- আতঞ্চলিপ্রত উশপ্রাপের ২১৮৭: বছবাধার ইডি, কলিকাডা ।

### बैनवहीं नधाममाश्या वमान ववा अका ८.

ত্রীটেড মনাত্রভূর বিহার ও শাঁলাভূমে নর্ট ছাপ-সমাধ্যত । এই নর ছাপের আনি বিবরণ— প্রচেত্রক ছাপে জীমনা প্রভূর শাঁলা—প্রত্যেক ছাপের পারচর, জীবাম- গ্রহাছা—বামাপরাধ কি ই হড়গান্ন বিষয় বিশেষভাবে মনোকর ছব্দে বাদির। প্রকৃত সাহক্ষ আর ১৬০ পূচা।

## প্রীনবরীপ ভাবভরঞ ভিল।

সাধকক প্রমণি—— টেবেদ্যবন্দনা, জীলাইপপ্রন, জীপ্রক্ষের অটোজন শক্তনাম ও শীল নপ্রেম সাকুরের অবর্থনিকত অধিজ্ঞান্তর আর্থনা, প্রেমভাজিত চিন্দিকা আন্ত্রির অংশিত গীলাবলী স্থলাকারে গ্রেক্ট সাইলে মুদ্রিত সংগ্রেরণ বিক্ষাতে চারি আনি মাজ ।

## কাবরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



মঞ্চাছকের প্রাণধার জন্ত ৬ আং শিশিছে ঘনীভূত অবস্থার চোটবোত্রর সম্প্রিমাণ উষ্ণ ছাকে পাঠান জন্ত ইতাতে ঔষণেত কোন প্রিবার্তন করা ভর নাত। মুদ্য প্রতি শিশিরত আনা, পতিটার্ভত বাবা, বোহত ১৮/০ আনা।

অফিস-১১নং উল্টাডাঙ্গা রোড, পোঃ শ্যামবাজার, • কলিকাতা

## यंप्रवे यक्षत

क्षण्य कर व नाज्ञानात, निवानकित हान, व्याप्त करणाव करणाय, वरणाय, नावाद्यात, न्य वर्ण कर्णात, व्याप्त वर्ण कर्णात, व्याप्त वर्ण करणाय, नावाद्यात, न्य वर्ण कर्णात, व्याप्त वर्ण करणाय निवास वर्णात करणा करणाय करणा

## হাইড্রোসিল

বা

#### কোষরদ্ধি রোগ

ভাঃ এস্, এন্, খোব বিনঃ অঞ্জে, মানজীবনের গ্যারাটি কিয়া বৈছাভিত গুণাগাতে কোমসুক্ত বোগ আয়োগা ক্রিয়া থাকেন।

> डिकामा--->৮ तर क्षेत्र डीहे, बढ्वाबाड, कालकाला।

## ১। শূলায়ত

পিত্তশূলের অব্যর্থ মকোষধ। ১ মাজার উপশ্য, সপ্তাহে আরোগ্য। ছোট ৬০ বার আনা, বড় ১০ আনা। মান্তল পুথক।

## ২। শুক্রাচার্য্য সঞ্জীবনী পোষ্টাই

ক্রামেল ও অবজ্ঞ ক্রাম্ম মান্ত্রীয়ধ। মূল। ১ ডিধা ১:• আনা। মাত্রগ পুলক্:

- ৩। সন্ন্যাসী-প্রদত্ত অর্শরোশের অব্যর্থ আংটা আরোগ না হইলে মূল্য ফেবে। মূল্য ১৮ সামা। মাত্রণ পৃথক্।
- ৪। কোষ্ঠ-বান্ধাব পীল অজীন, গেটফালা, পেটবেদনার মহোধদ। ডিগান- আনা। মাহল পুনক্।

## ৫। বাতলীন

বাৰ্ন্নালের মহোপকারী ও সপ্তাহে আরোগা। প্রতি শিশি। আনা। মাক্ষাপুস্কু।

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তুতকারক। গ্রুব ক্যাটালগের হল পত্র লিকুন।

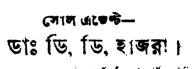
क्षालिकान-मदनारमाञ्च त्ववदत्रहेती

পোঃ উয়ারী, কমলাপুর, চাকা,

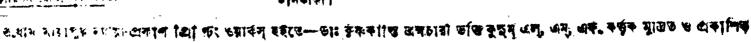
## মনোমোহন প্রেস

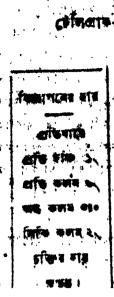
পূর্বানালায় স্থাতে সকলপ্রকার ছাপার জন্ম বিশ্বাত \_
বৈদ্যাতিক ফোলিলে দিলারাত্র কাজ চলিতেছে
বিশ্বত জানিতে হইলে নিম্ন টেকানায় পত্র লিখুন
ম্যানেজার—মনোমোহন প্রেস্
১০ন্থ নলালপুরা, ঢাকা।

## মরা মানুষ বাঁচাইবার উপায়



ফডেপুর, গাওঁ রিচ পোর্র, **কলিকাঞা** তিকানা শার করিয়া **গিবিংক** 







বৰ্ত্তমান-বাৰ্তাবহ

ভাষতের প্রকৃতি বছল-প্রচাধ—নদীয়া জেলার

সালবোর হার
ক্রিম্পের।
বাধিক ১
বান্যাবিক ২৬
মাসিক ২৬
মাসিক ১
মাসিক ১
মাসিক ১
মাসিক ১
মাসিক ১

७ ४७ ] गणामक जी अडीज्यमाथ वत्साशाधाय, त्वमा

[ 65 MENT

প্রতিক্রমান প্রাধান বিশ্ব কাল্পন বুলবার ১০০৭, ১১ই মার্ক, ১৯০১

## নানা কথা

মহাত্মাজীর দিলী ত্যাগ

ুই গার্চ সন্ধা পরা ৪৫ মিনিটের সমর মধান্তা গান্ধী বিপুল ক্ষমধনির মধ্যে আমেদান্তান কেলে নিল্লী ভাগো করেন। তিনি এবটি ক্ষুদ্র তৃতীর শ্রেণীর কামরায় তাঁহার দলনল সহ উপবেশন করেন। মৌলান। গৌকৎআলি, ডাঃ আনলারী ও অঞ্জান্ত বানিয়া শেত্যণ কৌলনে ভপন্তি বানিয়া ভাঁনাকে বিদায় ধ্যুন।

প্রাতে ডাঃ আনসারীর ভবনে ।

মহাস্থাকী মৌলানা সৌকৎআলি ও

স্থাত মুসলমান নেডাদের সহিত

স্থাত মুসলমান-সম্ভা সম্পর্কে আলো

চনা করেন।

অপরাত্নে মহাত্মাজী মহিলাদের
এক সভায় বস্তু জা করেন স্থাধীনতা
সংগ্রামে মহিলাদের প্রশংসনীর কাষা
সন্তক্ষেই জিনি প্রধানতঃ উল্লেখ
করেন এবং জাহাদিগকে খদর
ধাবহায় করিতে বলেন।

खेलिन थाएड श्रृकावारण श्रीयुका गरताबिनी भारेष्ट्र बाडीह शडाका करतन जवर भगरवक बनमधनोटक शुक्रवाद बर्ब यूसारेता राम।

# মহাত্মাজীর দিল্লী ত্যাগ

গান্ধী-আরউইন অংপোষে ভাঃ আন্সারীর বিরতি করাচীতে কংগ্রেসের কার্য্য

দিনীতে মহিলা কলেজ প্রতিষ্ঠা,বড়লাটপত্নীর চেষ্টা

১২০০০ হাজার টাকা লুট

বিভিন্ন জেল হইতে বছ রাজবন্দীর কারামুক্তি

লক্ষ্ণোরোবারশত্বন্দীর মুক্তি

যারবেদা জেল হইতে ১৫ শত রাজবন্দীর মুক্তি

## ধবডীতে আনন্দ প্রকাশ

गाकी-आत्र हेन जात्भारय

ডাঃ আকারীর বিরতি

ভাঃ আনদারী গান্ধী-গার্ডইন
আপোষ সম্বন্ধে এক বিশ্বভি প্রসঙ্গে
গলিভেছেন—কংগ্রেস কেন গাবর্ণ
মেণ্টের সণ্ডি সংযোগিতার পর কা
করিতে ত্রতী হইয়াছেন ভিৎসম্বন্ধে
মহাজ্যা গান্ধী যে স্মরণীয় বক্তৃতা
করিয়াছেন ভাহার উপর আর কিছু
বলা অসন্তব।

শগান্ধী চিরদিনই পৌরুষ এবং সমৃস্তাসমূহ সম্বন্ধে কথাবার্তা চাশা-শ্রাদান মূর্ত বিগ্রহ। সদ্ধি দৃতরূপে হতে তাঁহার যে কিন্তুপ কঠোর পরি-তাহার মহত্তে আমাদের যে বিশ্বাস শ্রম করিতে হইয়াছে তাহা কেছই

াচল তিনি নিংসন্দেহে তাদার মন্যাদা
রক্ষা কারিয়াছেন কেন না ভারতীয়
জাতীয় মহাসভার সহিত গ্রন্থান্টের
যে সন্ধি হইয়াছে তাহা গান্ধীদীর
রাজনৈতিক বৃদ্ধিমন্তার বিষয় গৌরব
বাতীত আর কিছুই নতে,৷ কিরুপে
বিপদসন্ধা পারিপাশিক অবস্থার
মধ্যে তিনি সন্ধি ভাগদের রাও গ্রহণ
ভারেছিলেন তাহা প্রত্যাকেই
জানে কিন্তু দিনের পর দিন ওরুতর
সমুস্তাসমূহ সম্বন্ধে কথাবার্তা চালাহতে তাঁহার যে কিরুপ কঠোর পরিশ্রেম করিতে হইয়াছে তাহা কেইই

সম্পূর্ণ হানয়জম করিতে **পারে** নাই।"

"महकग्रीरान्त्र मशमरङ डिनि যেন্দ প্ৰশাভ করিয়াছেন, বিক্লছ नकीशास्त्र कथान एकानि स्विटन-চনার সহিত তিনি শুনিয়াছেন; रेशना अनः नृष्क्रिकोशन काशास्त्राकृति ভাষার সম্পূৰ আয়েতের মধ্যে ছিল ৷ चर्नक काक हरमा याकिएक अधने ५, वात्क काम करा वाकि भारह। बहुभाग अकि जाशाभी देवठेटक्य প্রকৃত কাল উপক্রথণিক। মাত্র ' रेवठरकड स्डेरन; किन्न टेनठेरकत काज अक्ष किएड हरेला आधारित সকল का कि--िन्तू, गूनलगान, भिश्र প্রভৃতি সকলের একাবন্ধ হওয়া कछना। अञ्चन देनकेटक व्यामता धकळ ४१४। कान कान कतिएड পারিবনা, কাজেই আমি বিভিন্ন अध्यक्षाराज्ञ निक्षे व्यान्त्रत्व अभारे-্ত্তি উচিরে৷ প্রস্থারের প্রতি অবিশাস গাগ করিয়া দেশমাভূকরি भूषात्वात छन्। भनिष्ठा । ও উपादराम शास्त्राणिक हरेश महान्या गासीय প্রাক্তিটো আসিয়া দও্যান্ন क्छन। मान्य क्ट्रेट मुक्त पश्चित्र শান্তিময় পথ আমর সাক্ষায় कविश्वािक। एवं भण अहे भाज উপ্ত কইয়াজ ও 🖰 মবলম্বন কর. জাতি সহ কিবিংশকৈ প্রত্যেক ভার গ্রাসীরই কন্তবা।

#### विविध गःवाम

কংগ্রেস কলির উপর ১৪৪ ধারা

জিপুরার বিশিষ্ট কংগ্রেদ কথ্নী दर्शनदी आवष्टल अनिन आंशांडेबाब याष्ट्रेष्टिकिरणम आक्रानवाष्ट्रिया रहेन्यम डीबांब डेलंब ३७८ शता व्यावि व्यक्तिम कुर माराय अञ्च जीवारक धारे विकाद कञ्चला कहिटल निरंबत कड़ी बहा त्यीलवी मार्क्ट स्माणिन अञ्च कविएक अञ्चीकात्र करतना

#### ৰাজালার রাজবন্দী স্থানান্তরিভ

জীযুক্ত নপেজনাগ দেন গদ ৫ই মাটে ए।तिल लागाउनी लग इश्क दिवनी CMEN कानाकविक कहेगारह न ।

ভিলি তরা দেন্টেখন স্থামণালার क्रेटक द्वाक्षात्र क्रेशांकरण्य ।

## बान्नद्यका (कारम स्टेट्ड भनत मंड

बाबदेवांडक वन्हीत मूखि ं ब्राप्तिमा (क्रम क्षेट्ड शरमह मण ब्राक्टिन क्लिक मुक्ति असान कहा **बहेशारका** काशास्त्र मध्य मीड मख क्रम बारवात आटक द्यापान्ट्य भीतिया-CER !

#### কংবোস কলিদের কারাস্তি

क्स्टअनक्ष्री छेबुक - त्यारशञ्चनाथ दश्य, कूकविदाती माम, नक्षम दश्य, बहित राक्रिय, बीटब्र्ड वर्षाय, अमीग करा, चक्रांच माहा. डिलक्ट माम, मास्त्रिकन क्षेत्रका जबर श्रमान व्यक्ति, शूर्वकान काश्यक (कांग कविया शक्यमा वश्यमण्ड (अण श्टेट्ड मृक्तिगांड क्तियां · व्यागिश्वरक्ति ।

#### श्वजीएड जानम श्रकान

शाकी-चावछ्डामध चारणात्वत्र मरनाव नार्काः धूरकीतः कनगणात्रम जानासक क्रेब्राह्म वाक्ताम्हरम् ज्ञानात्र ज्ञानम बहेशारक किन्न क्रमण दगाक विद्या च्यी कहें हु शादिन सहि।

बीमारगांत करे ७७ गरबाव खिक्र

#### ্ দিল্লীতে মহিলা কলেক প্ৰতিষ্ঠা বঁড়লাটপত্নীর চেষ্টা

मण्डाह लंबी दल्छी। आव छेक्टनव मणा- देव्हेटक द्याधवान कविद्या मणाक बहेबा मिणन (महीराइ केडिनिकाइमिछि करण अक मछात्र विक्रीत्व अमृष्टि पश्चिम् कार्याः व्यक्तिका मीचि अन्य क्षिताक्ष्म । क्षक वार्त महताराहत महत्वा कहा कहेरव !

होंका नां बंध सहित्य, छोड़ा मध्येष स्थायना क्षेत्रा कडेटन १६ कृशीरमञ्ज सर्वात, मान का ब्यामको का वाको है . अपनी महर्गा अनी नाहेकु ७ द्वशम् मार मध्यास मध्य यक्त अ मि विदयन ।

#### করাচীতে কংগ্রেসের আব্যোজন

अंतिम ताम नियममान जनारतम कार्या क्ष व अन्तर वहेरख्या वाचिनिधानः बाबा १८० हि एवं क्षांबात करेवाटक। स्थापना दिम्बक्टमत शक्षिणां अ दिक्षांत्र क्रवेटकटक । मञ्जू नियान खांध (भर बहेशाब । छिनि-दकाम जरदयान कदा इडेबाटड--- २०१म । मारळेब मट्या हेटनक्छिक मर्द्यान कार्या লেব ৩ই:ব।

#### त्भाहेककिएमत **)२००० हाका सू**र्व

शक ७३ मार्क बालिएक आवाश्याकीक्षात्र अक्षा का कि स्वेदा शिवादकः अभावाद ८माडे व्यक्तिमात्र कामाणी नी कामाथ मणी. व्यभान निवस क्रमगंड चानि धनः निवस ভরিদাস লে পোষ্ট কফিংসর টাকা টেজারিতে ছাখিবার কল ব্যন গোট क्षांकित आंक्ष्य क्षेट्ड वाविष्य स्थ, खनन ক্ষেত্ৰত ভাকাত "কাণ্ডাধিগকে আন্ত্ৰন क्षिश क्रिमें समय जानिएक श्रेमक्रकार्य MINU WER !

क्रम्यक चालिश निक्छ दााश दिन, अबदार कानाव चापाकृषे अञ्चल प्रदेश-विश । क्षांकाकश्य व्यास्त्र वर्ष गरेशा প्याह्म करता आर्थन প्रिमाण वात्र eteta Bimi Bece :

म्बद्धन अल्क बाही धानायलाम कहा रहा शरकन द्याय, श्रीम भाग खार शहरकृष्ण मांशास्य मालाह्य दशासात्र wat effaten i

#### जन्मात्र बद्धामका है भुरादिन া পানী-আরউইন লাম্বর ভাৎপর্য

शक क्षे मार्क आटक मुक्तात बहात बाह नारिकेन मार्ड किएड अन सनग्रहात मर शाय-विश्वक्तित्र कारणका गांधा करतन। किनि बालम, मःश्राम-विश्विष्ठिक मध्यास्य स्थ्य ववात्र मां - हैं। ख्यु आश्यादवत धक्छा खुरवाश व्यवान करत मरआय-विक्रंडि @ व्यानार कर साम biffe विश्व क कार्यमा लाइ । शरकार्य--- मुक्क अमरवर्ष करावानास मधीवाना कविया स अक्ष टिमि यानगांधांध्यांक व्यक्तांध #(2# I

(कक्षीत नवर्गस्यक्षेत्र काकां**त्र** शब्दक चानामी ১१६ मार्क विकारण बहात मथा मध्यमको वरणम, वराखन आंगरहेविक अस्विष व्यागित कछ मध्यक बादिः

বিশেষ বাৰখাসমূচ সম্বাদ্ধ ভিৰি चांक बहेरक ११वे मार्कात मध्या दव मक्त वर्गन, खहे गतिवर्तातत मस्ति खें खेंनि

व्यक्तासभीत यशिक्षा चीकाव कतिया गरेला कराखन छात्राक्ष बाद्याकन छ न'वह नच्छ-शास्त्रक कार्यक्रका महत्त्व मस्तारमका अविक निर्देशमा क्रिट्स्म ।

**छन्नरंबादय मन्द्रांबची क्रम्मावायग्ट**क क्षत्र अधिका प्रदेशम द्य, याषा क्षणात्र कांवा युक्त-वित्रक्ति, याज । वेबाटक वृक्षाय ना mente emigen wfent eien ebnice, শাৰি বা ক্ষাৰ বে কোন পরিণতির ক্ষ किनि द्वासारमयकश्यक व्यास्ट साम्बद्ध

#### व्यवस् (न्नानाम (क्रम स्टेर्ड १२ करमत श्रीकनाक

मभगम (च्लेलान (चल वकेटक २२ चन अंबर्टेनकिक संबोधक मुक्ति दव क्या स्वेताटक क्रिक २२ व्यासक व्याप स्थापन यहाँ यहाँ व्याप्तिक कराध्य क्रिकीय विनिष्ठे कथी। काशभ जारम्बिक करत्थांग कविनीय गु.क क्षक्षात्व-द्वा<mark>रश्चेत्र सहेशे</mark> कक बर्गत कर्नेत्री-मृद्ध मृश्विष स्दर्शक्रियान ।

#### रमस्म अधिममाम (जन स्टेएड · e• ब्राटबन्न कात्रावृत्ति

इमदम अधिननाम (मग स्टेस्ट दर क्षत्रक मुक्कि दशक्या दशः अरे अरक चाबीनका विवास चाहाम-वार्श क्ष विष्ठांबाकीय चानानी क्षेत्रक वजीता माथ एक स्टब्रक मिक, मदबस मार्थ (351814 त्वार, व्यत्यायहरू त्यह, পঠिक क्याना भव वस, व्यानीक्षर्याच प्रारक्ती बन्द च्याहरकत मुक्तिमान कत्रा

## जटकोट्य वाज गठ वनीत्र स्थि

मरक्रोरसम् की स्थल क्ट्रेटक ३७ वन महिला ७ ३२ गण शुक्र मृतिगाण कतिहा **८६म । े श्रांकीशः अंश्रत्वात्मकः स्वा**टकत्रा **ভাগালেক, লক্ষ্যাল ক**রিকাল মেটির গাড়ী लबी कविका संस्था गरेगा चाशव ७ मानsain ataicas चारमञ्जा क्या वरेशाचा

#### বেৰোয়ায়ে মৃত্যি

**७३ श्राक्ट** ५०७ वन दलदबादवक वन्ती च बाह्य क्षेत्र वार्ग विश्व माक कविशादकम दक्ताना है , बहेरक मूक चार काकि बबादम कानिवादकन ।

स्पनीटक ১७ स्टब्स मुक्ति ्र अभेदे सार्क : ३६६ मात्रा : समाक्रकारी ३५; क्रमः विद्वार्थीन वामनीकिक वकीरक इन्होंक वश्का वाकियं कि त्य, ति, जाकाको मुख्याम करिशास्त्र ।

#### সকলের মৃতি बुक्तित शुरुष्टे जाळाटन भवन

be मार्क शकारण सरसम्बो रमन्त्री न (क्या इहेटल जरून शक्ष्मी किंग बेमीरिक श्रुक्ति (ए ७३) कहेशाए । काशाइमें मध्या 8 - क्षम महिला चारकतं मन्द्रक पादेशक शुर्वे गक्रम मशकाकीय काल्यम कत्यम-छ्यात्र धारात्मत्र याकियात्र छ wiejenn ujami mai ventem i

#### माखारक महिला जेकाा असीरमञ् य जि

१डे मार्क मोडांच शवर्यस्य चित्रिकः मरचा। दम्राक्टि .. त्वाकाम् कतिहारकम स्य, त्य मुक्त कः त्यान व्यक्तिंत्रकः दय-व्यविभी त्यायन् क्या क्रेस्कित कार्या आक्रास्त । एउंड १४क

विक्रित त्यम क्षेट्छ यह मनिना मकाश्रही कांश्रमिकि नाख कविश्राद्यत ।

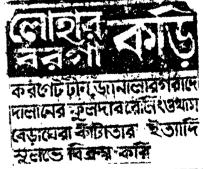
#### भाक्षादन दमकारमञ्जू मुक्ति

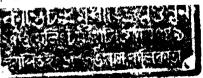
१डे मार्क व्यवसाय श्राप्त श्राप्त रवन क्टरक स्थोलामा आक्ट आ**नी नी** छाः मक्त्रम आक्षम, छो: ८ना नीहीत मि: कामा क्षकृष्टि पुरिक्रमाख कविषाद्यम।

नाटकाम दमल्हान टक्स केक्टक गणिक (क, मांखनम्, काना क्रमीठांव चात्रः साम्र कामा क्रमताम बाक्षि 'क' (अभिन्न क्षोत पृश्कि गाँदेशास्त्रम ।

#### नाहेट करन अक महता माहेन 西河(村京 河季電

यटक्क्षमाथ मण्ड, क्षामरभाषाण श्रीह क्षर : भाक्षर नम् द्वाणामी सारम जिम्मन बालाकी युवक दहें मार्क सकारण अब होत मयदा काव्यातीवात्रा, मधा ७ लाहेका व्हेता मांबरकरण कार्यणपूर योजा करवम १ कीवामा जारामणूच वेहेटक व्यक्तिकाकाव कातिएक मनचः कतिशास्त्रवाः , क्षेत्रसः: काबारमञ्ज्य अक महस्य बाहेर्स शब्द स्थान ₩#| **4**₹(4 |





#### **बिक्यानीहाटको क्यूब**ः

### म 'शुमक

मापूर এकाकी तान कतिएक शास्त्र नी, শুক্তই সঞ্চপ্ৰাথী, ভাজত সঞ্চলিবয়ে নিশেষ तिहात कता कर्कता। मण इहेए वह कहारवत शर्रेन इंदेश शास्त्र, त्य नास्त्रि गांश्रीत नन করে, তাহার ভদ্রপ সভাব হইগ উঠে। পুর্বজন্মের সঙ্গরণ কর্মধারা দ্বীবের যে •স্বভাব গঠিত হয়, তাহা আধুনিক জন্মের मक्दाता शतिरिक्ति हरेवा शास्त्र । अञ्जाः अक्ट बानव-क्टार्टित भूग।

भारत कविष्ट इडेब्राइ ,- मक गदमक्रिः পুংসোমণিবং লাখ স তদ্ভবং। বেরপ क्याँउक मणि त्य दकान चटर्रत निकंछे आहक. ভাষাতেও মেই বৰ্ণ প্ৰতিদাত হয়, সেইকণ त्य श्रुक्तम याहाय मान्न करता, छाहार छ छन्। গুণ্ণ প্রতিভাত হয়। মতি সরলপ্রাণ दास्कि अ मूर्व, व्यमानु, इक्षत, मध्यपानित मध-क्राय जल्लामा त्नामी करेल भएक जतः ত্রারা প্রিণামে নানাপ্রকার চুর্গতির হতে প্ৰিড হয়।

সং হয় কোন পাপার সহিত আলাগে, লপ্তলা, ভংগছ ভেলেনে, ভাগাৰ স্থিতি পাণবালি নিশাপ ব্যক্তিতেও সঞ্চরিত इतेथा गाँव। भारभन्न ८७५१ अञ्चलित ভজান্তই পালে ভংগত পরিভগণের কথা পুনঃ भूनः की छन करिनाएएन,---

**उट्डा इ:मक्रम्द्रका मरल मास्क्र** 

আবার পূর্টোক্ত প্রকারে সাব্র সক্ষকমে नावृत छन्त्रानि व्यामास्यत कल्प्य गक्यांति इ इहेश गांध । जन्म के किश्तिनामिक समितिहरू সাণুসভুমহিম। এইরূপে কীন্তন কবিভাছেন.---देवस्थत त्मक्रटंड बाटक जीइएसन्त महिन्। (महे एक न्याने याखा ह्य क्रथा विकास देवकाव निकटि यनि देवरम काउका । (मह देशक इत्र क्रथमिक निःगत्रभा (महे निक अकावान् कनरः अनिश । करिकद जिस्त करन दम्ह मैं। भारेश म त्व विनिन्न देवकादतत निकाउँ नकाग । ভাষার समस्य एकि इंडेर्ट जेम्ह ॥ প্রাথমে আদিবে তার মুখে রুঞ্নাম। ুনামের প্রভাবে পাবে দর্মাগুণগ্রাম।

শ্রীমন্তাগবতে ও বলিখাছেন,---मदम्। वः मः म्हाङ्क्ष्यूत्रमः स বিছিতোহধিয়া।

সু এব সাধুৰু ছতো নি:সম্ভান করতে।

# দৈনিক নদীয়াপ্রকাশ

## নিতাপাঠা বৈক্পবার্তাবহ

শ্রীলাম মারাপুর ১৭শে ফারুন, বুলবার–১৩৩৭

অসংসম্প করিলে ঘোর সংসার-রূপ ফল ্রাপ্তি হয়। কে—অসৎ, কে — সং,— এ ় বিচার না করিয়াও সম্মান অবশ্র লাভ হয়। আর সাধুদকে নিঃসম্বরূপ ফলোদয় হয় ৷

অসংসক্ষের দোষ বিষয়ে আরও বহু ांद्रवाका आर्ट. ---সভ্যা শোদং দগ্য মৌনং বৃদ্ধিত্বী शिशनः कम।।

नत्यां प्रत्या छन्द्रण्डि यश्मकां प्रयाखि POPLE I

তেখশহৈদু মৃদ্ধে পণ্ডিভাগ্মেলহাধুদু। म्ला म क्याएक्टार्टाम्

যোধিৎক্ৰীড়াৰগেৰ চ ॥

অস্থিত মাজৰ অস্থ হয় এবং সংসংজ ় সভা, প্ৰেচ, দল, মৌন, বৃদ্ধি, তী, স্ত্ৰী, শৰং, ক্ষা, শ্যা, দ্যা, ব্রথ্যালি সমস্ত অস্থসক্ষে ভাহার পার সংস্পাদে, ভাষার নিংখাস- ফের গ্রেপ হয়। স্কাচরণ ভাদুশ অসাধু, ্জশস্তে, মৃচ, খবিতায় ও যোৱিৎক্রীড়ামৃগ-একর গুস্তুন, শ্রুনে, উপ্তেশনে ভাঙ্রে দিলেব স্কু নিভান্ত শেচিনীয় জানিও ্রকেশরে প্রিভাগে করা কণ্ডল।

> ८करम अभूश्मक जाति करिएमके बहुरव না, ঘারপুথক সাব্রেক করাই আমাদের कंछना। अमाप्तिन्यहित्युव व्यापना रति বদ্ধাবস্থা বিদ্বিত করিয়া নিভানস্থল প্রাথন কবি, ভবে সাধুস্পত্ন একমাত্র উপান। যথা सिरो। **इक्**ठितिहासुर ३, ---

কৃষ্ণবহিত্মণ হঞা ভোগ বাস্থা করে। নিকটন্ত মান্ত্ৰা ভাবে জাপটিনা ধৰে দ দের দোবে মানাপিশার্ডা দও করে ভারে। আদায়িকাদি তাপত্রহ ভারে জাবি মারে দ কামজোগের দাস হবল তাব লাখি খার। ভ্ৰমিতে ভ্ৰমিডে যদি সাসুবৈদ্ধ পাম। ভার উপদেশ মধ্যে শিশাসী প্লার। ক্লঞ্জক্তি পার ভবে রুক্ত নিকট যায় গ

## को जिम भगवनी

( क्रक्तिवयु श्रीनाम भागावन न्यायामी अध्यात्री )

क---क्रमार्ट∰ (ग्रेग) क्राञ्च-प्रग्नर खरावान्, ক্লা নিতালাগ জীব তংগে অবস্থান। थ---:थांग-करळाग-धांशा क्रफ-भाराधन, भग-सम्माम मना कविता ।कान ।

श--- इशोदण्डीब क्रमः कृति जिल प्रहेमिका, लोबनन यात्रा, करता मारन कहे जिला। ष-पन घन नारक त्थान छिठति नी दान, भन भन कि कि यह अधित अधित अधित । ভ—সোত্ৰ গৌৱাসভাৰ ভক্ত নিভোৱ, डेक्श डेक्श डेट्ट शरफ बीबि लाइ। 5---- 5कुमान निम त्यम, त्महे काङ्गत, क्रमाध्यक्ष अन्यक्षि द्याहत । ছ -- हशना ना करत कलू खत्रस्व विनि, শাপনি আচবি ভক্তি শিগান আপেনি। w--- কণ্ড ভারিল তার নাজিক জুল্লা, कागम्यायमा कि.सि. ( है। ४) कामात कक्षमा । **य — दश्चा** े विकासमा सक्रम्म क्रेटन, सः मण क्षेत्र वद वद व्यक्ति पूर्व । का - कार बनातापिथाय द्वीतर शह कर, क्रिकाद गाँवस , भाग क्रम अक्रम ग्राह्मस हे - हे॰ प्रश्न कम् कार क्रिकेट श्राम्स्ट्रम्, क्षाक्रारम् तक आकृ ध्रमनी-मिन्द्रम् । ठे---ठे काक बर्गना कहा मा अङ्गामग्रह्म. रे के देशका । त्व शिक्क-छन्नत्व । छ — छशमप दशो टक्षरम व्यक्तिका है कुछ. दशोदनार्थ एका भिन्न मक्षा टेक्स पूत्र । छ छश्रविशा छश्र गा'स ब्रह्म पूर्व पूरत, **इंगिश भ'क्रक कारा भक्ति। कैंग्सित ।** ग-प्रक्रमा दनवी कवि छाटल्टब व्याक्ति। মায়া-ঘানিগতে জুডি বাথে অবিরত। फ----१व-कान ग्रह्मण नः विश्वास्त कीवः ७ ७ क वर्ष वि । ७३१ ५ १ १ वर्ष व्यक्ति । ध--थ्रकात कतिथा भाग विसह-तकार्याञ्च পাকিতে পাতিব শচি ভক্ত-সংস্কৃতে। भ---म ा कांत छक्षान्य स्थाया करेता. लिबारबन क्रफटम । च-हरस्र पतिया । च---चन-कन-कण-शक्त कर्त कर्त कर्त (कर्त) देवकदवंद्र शनद्रकः भाषित नियम् । न — निकासन ऋथा-काथा - ५वन (भवन, निख्नेनन्द- छक्ष क्रमास भिन्द्य (१४०) প-- প্রিছণ। ন প্রভুনিত্যানন করে, खक्करण कान्छ। व कन च कुनाय । क--- क्वादि क्रांति क्वाद्विकवि-साम. ८क क्षांचा असाचक वन क्षा खनाय । य-- वक्ष वर्ष भशाशी व्यवदानी यह, विश् हिंग करन बदन उश्यम-क्रिक कक्त । ... ७। कर धार रभट । वाकि कहे कशकर, देनभविभागि बाजा गाउँ छ प्रश्न । म-- महा अक् किटिहरू-निय-मून-यानी,

रेक्कन-निमार्क क्रिंश कुष्टीभारक आमि। य- यक्-अक् मामार्थन द्वम् हुनेद. श्यक्षां किर्मत कार्याक्य-एक कर । व-विकार किन करव अधिष्ठित यात्रा, कुरकात देन कि क जिल्हा दशीतां कृत कारों। ल-- महर्ण है। स्त्र स्था शह भू है है। (बस सारम निरम्प (यह ; मिहे हर्शामधा विकास, नकक करन का किएक सिन्छ। म—मर्ग् ग्रह्ण सक्-रेनम्बैन ६५१**न**, শভ শত বাধা বিশ্ব প্রায় আপিনে। य-यक्रावशं यहरताच सम्म (लागरन, वक्छन भिरम् लाटक टेनक्यन-इत्रान । म-- माधात याख्ना होत मना वस कत, मध्डिमानक एक कहिला चाल्रा। इतिकथा इतिमाम इतिमारकोश्चन, भाग विना कशिकारण महिक आज्ञाधन । क--कृष्ट कीय वाश्य व्यक्ति जीवभूषा, हीन, क्या क्रम खब्दमया माग्यक्र मीन ॥

### গুলিখোরের আড্ডা

(व्यक्तिभादीकाहन क क नामद वि. जन)

পারমার্থিক পাত্রকার গুল্পে উপরিউক্ত बाक्करी विजालामा शहरमधिकश्यक নিকট প্ৰাথম মুধ্ৰেচ ক্ষত্ৰীতিকৰ বুণিয়া ८वर्ष बरहत शत्मार याहा कि साधू-टेनकार्यान व्यापात श्रीय (माठाक मारायुष भीतग्रहरू क्षण क्षात कार्याहनायुख ्रशासिक मना निया किकाशकारन दल केक भरम काम्बङ करिया धारकन, खानावर अयुन् ए उक्ष्यकाष्ट्रान् के क्रिश्चर निर्मात बर्क डेपारडेक विद्यालगाह निष्क श्रविक्षत व्यवस्थाः

রেশদিন ্ শাহিপটা ঠিক মলে নাই 🗸 সন্ধার পর কালক(কার কোন একটা क्रेमानदरक गाँग श्राष्ट्रः भावता ज्यक**े ।** क्रेन-সভার পার্ম বিবা ফাইছেভিগাম। তার-मुख्य निक्रिकेटी दशेल, मानाव किन्द •ইতে বৰুৱৰ উচ্চ হব আমাৰ কণ্ডোচৰ कहेल,---'अ'रम यात्र, खाँन कात्र, त्वचे কালৈ চেনে না লাগালার খেলার বেলিলে चौकाध्यक्ति । यथन व्यक्ति कतः छ। धन আড়ভার অধিবাদী আমিত ভেল্ল ভেলে बाध क्यांकी जारा माळके व्यक्ति स्वत পঞ্জিমা : ২বিদভাষ গুলিখোরের ক্ষতের वा मभारतम (य. ६कार्मान) । कहा १ १ । व ना, जक्षांका भाव एक्न अकार मेंशाह প্রবেশ কবিশ না।

दक्षेत्रकरी करेंच अक्षागृदक श्राटनम् 带tenfall steffen affce setetent; दबरीत हेनत अरुधन :भोगावृद्धि । जनः-পুত বি'লাই ডিবঙেটী সমাদী মহারাজ

নিবিষ্টিন্তে। প্রোভ্রবী সমুধ চিন্তে উল্লাব শানীবের অভালেরে শানীবী বা দেখী যে জীব্ৰধানাক্ষ ছতিকলা আনল কতিছে তৈক, ভাগতে এ প্ৰায় কোননিন চিনিগাম মধ্যায়ে। करिटक मुलक्कीटक दयन दक कलावनीय ! आक्रेप्रभाषा आर्थनः अधुक्रिक शक्षन लाकाल कृतिहरूछन। सभाव खेळल हृष्टिमास। भाव स्थापि स्वाराक स्वाराक मुख्य मूला करिया व्यक्तिय निष्यास अकटकात्त विशिध प्रक्रिमा

(स. श्राकाता अने पूजा महीत्व लाध्य फि. ক্সরাগ্রে সমন্ত্রীদ্ধ প্রভূতি ক্রিয়া चाटक, कार्याच अवस्थालाव मध्या आधा अर्थार अस्मिश निक्तापा (धरे अर्गे - -कुल महीराक्ड आधि, आधात की भूव फाछ जड महीरनत विकास ना विध्यक्त अर्थित अ अर्थानिव वीवरकार्ण के श्रीधीय बादा धार्क कामरा मुद्र (य. अभिनार भारतो छेनाः 'का ! तश्य हम ना । गुण :---

बामाराम कीवरान यथा विकास मवानि शुहरीक नाडरक्षवानि । ख्या महोदांचे विश्वास स्रोद -**अ**ख्यांत भ•्यः कि संवास दहरी ।

दमकाञ्चन प्रकल दर्भाक स स्मान के ब्रह्म হটতে নিভার লাভ করিবার অঞ্চ শাল্পের। সমস্ত । বাকি बह वह छेलामन छेवाद कांद्रका हिला बुक्षाहेटक शिक्षा विशिष्ट्रन भूद्रभादाश्व-रक्षा<sub>, ग</sub>ार अक्षमण शास्त्राक्षमण । **अस्** तकर विकासारक चाला निकास क्या यथा । ( ला ১১.১५(६०) अवार এर मस्ताद्य शुक्र, श्री ও ব্যুগণের সহিত্যক্ষম প্রপাণাভিভ व) किशरनत भन्नमञ्जूना । (यमन निजाकारन एड च्या निकारमारन निनष्ट ४०. (मर्ड : রূপ মুম্ভাগ্রদীভূত পুরেণারারের প্রভি- : त्मरक विनाम काश का सबीद का बाह्य चार्यात श्रीय नेष्या भाग जीमहाश्यक य निट टेर्फ न.-- (० छीत, ८७१मदा व्य क्षीत्र-विद्धारण मुख्यान क्या तमाक कृति छ मा . काक्षा, यथा ध्रमाधि मध्याधि । स्थाधि।-(बर्गाम क) गुक्राः। अध्यक्षात्व नियुक्तात्व खना कारणन अविन्द्रत (की: काइस्क) अर्थार अर्थ शार्मित गालाभी भक्त रामम **इलिया यात्र धन धनागंद मन्युक रुत्र, फक्कन**् कामद्वाष्ट्रां (महीसिट्यन व शहरणां ग्रान्द्रभाग essi wich him:

∡रेक्र**ण द्वण** मरीव लहेता आंगडा ক্রমণ্ড সংগ্রে গভারাত করিছেভি धानः भक्षकः अवस्मान्तक आश्वीक्रांकिमारन

ব্যাসাসনে উপবিত্ত হণরা শাস্ত্রালোচনার সাগতে নিম্ফিড চলতে । কিন্তু এই মঠবার প্রতিক্রমাঠের অঞ্জন্ধ অচারক-ना वा डिनियाब ८५हें। व कालिमांग ना । वर्ष ब्रह्म (चालगंति मात्र कहेश मुख कहेसा माशिक्षन .य. श्रीक त्यादिशक आउडाम द्यमन कारमक खोकरबं त कांगा या छवा करते अतर भकास भकादाल के क्छान्तर हत (১०) किल बारश 6'ला। यात्र. किस स्थलिक ৮৪ ১০) 'ফারাত্মবুদ্ধি কুলপে তিগাভূতে । তলগন বিভোর হট্যা গলপর কেট ক্ষোকটি ব্যাপন কাঁলো সংগতে ,লাণিলেন ! কালাকও স্থকণ তিলিলার জন্ম বাস্ত ভর ना वा दक्ष कार्यादक विद्यासी, दुनरे State winters of nearlies the क्रमणि श्विमिद्यारका व्याप्तकार हाथ। स्थारका आभरा भागा याहरा करिट "क १८६, कि. द भारम , आहा महा । आहा । आहारासन अहे । महभारत मानारमाहर छ ए हे पुष । आहारासन कहता शृष्टिगाहि खता हुनमहोत्रदारक एक अक्कि भारताम भविष्ठक कोडएकि। १८ भा क कारका वाभवाति है। उनक कार्राव के आहर गरिन्द्र ना असप व्यवस्थ भ्रामान्। क्षरा एमाक लाकान कडिया करेवात क्रमान्तिन निम्पान करी वन হর্ট না । আন্তর্ভার প্রকর্পর প্রস্পানের স্থারণ व्यानाक ना कर्या अब अध्यान सामाधाक গুতার উপ্রেশ ও স্থকরালী আন্নানের বিধার করে দলে এই সংধারটা ও ্যন একটা खनिरभारतम् ब्याक्कः। एकेशः मेर्ड्ड एकः १ र्गातिका विकासिका विकास का विकास

> च'श्वर्षक । ३३ ३५ व • १ १६०१ अवि-मन्त्राकः, श्रद्धाः । धन्यत्रात् । स श्रद्धेवस्यः चर्माक निकास निवाहण का मा" अह . सा क ं नहांचा कतिया वामान्छ कासित्यम (४, ८४ क्षेत्र मार्गाद्राक श पू-मानाव क्षांत्र दिटनहरू कविया धानां र सन-ভাবে অভিপিত্ন ভারে গুলে বাধ করিছে श्राक्त, की श्राप्तित लाज मगक। ७ अव्याजन मुख पाकि कथान्य धारताथ भरताय-कार्राशादि कायक बन मा । किन्न बहेत्रण আম্ভির হস্ত ১ইটো অব্যাহতি লাভ कांत्रस भद्रम्भारवेत चन्नेभ कार्या ७ वर (०) क्डाल खदर निक्षानम्ब कारम्ब कलिकारी कडेटा करटल, घटमण पार्विकारण पुन्नक क्रमाळ खबरीनकरनद हद्रद्य चाण्युनिरनम्म कवा वाशीष्ट चिनीय जैपास आहा। कावन भक्त हताचा किनाच महनातामध्यपिकितः खरे माञ्चनडनाष्ट्रवारी **क्रमान भा**ष्ट्र-देवस्थ रशनहे लाज शिक्षां अक्षण अशिक्षां हा आभारम्त गरनत कुषाम्बिक्तिवा गुण्यूर्वकर्ण दहसन करिया, आमामिशस्य निष्यामध्यक शर्य व्यक्तिष्ठ कदिए सम्बद्ध अञ्चल

क्षक नगांच निमा चामिकी प्रकाशक দেশিনকার মত উল্লেখ বস্তুত্ব বন্ধ করিলে আনমি উচ্চার পরি। রূপ্রহা সাহর প্রধা क्षार्थ हिना पहिला सम्बद्ध काल करेगाम। পरिচত छान्याम, स्तिन खाठीन नवबील

यह जिम्लिशामी अध्यक्षकि विदश्य काइकी

## श्री नुक्र सांख्य मर्छ মহামহোৎসব

**ब्रिश्न के अपने कार्य क्रियाम मार्श्न क्र** প্রিটেচ এজ মাঠত লাখামঠ শ্রীপুরুবোক্তম মঠে ट्यां क्रिट्योत्रवायायाय विश्वन मगःसारह Bitchel Connecte Bitches. চলিক্ষামুভ বাাগ্য ও সংকীৰ্তন মডোং-भवापि ककामगम्ब ममारहारक्त मुक्छ यथाविति काश्रक्षिक वरेषाटकसा

डीटफ बनामी वह विभिन्ने भरकाष्य डेङ यकायरकारमस्य स्थानामन कतिशाधितामा खत्रात्था भूबी त्याना अंत्रत भेत्रीक क्रियुक्त वायु गणस्विकाती াল, ইভিনিয়ার আগুক্ত বাসু মন্মণানাপ ल:, हे, वि. द्विणकत्त्रत ८०७ क्रांक শ্রীয়ক বাব অমৃত লাগ বংক্ষাপাগায়, afreie: ceto nio nieigien STECHA P. W. D. Swis image ট্রাধুক ব্যব্ বিকর্মজ্ঞ बटलार्या मार्य शक्षे ७ मर्रावस्थातम् नाम विस्त्रम के सन-्याता के केशक सहित्र का भारता समाजाभ धर गाविका ।

शांदर कार्य क कदब क्रीन म नमीयानम दक्षात्री अन्तरिष्ठ मामिक्त-तोबनक्ष मरकी हैन यहा ন্মন্ত্র পোঠ্নজ্ঞীর জ্বল্ল ভাত্র-भूका कालान्य मकाद कारशांकर ना উপাস্তর ভাক্সাগুলী বিভিন্ন মহাক্রারাদ সন্মান ক'বৰ: ও 🗒 ধাধাভাষভাতি প্ৰশ্নিত स्थित्रीवसम्भवत सम्बद्ध स्वत्रशीला अनुन करिया पर व्हेत्राहित्सन ।

यशा नारुशा, कुडाखायत कल्ला फेखाब व्ययुक्त वाद कानाई मान भिन्न मरकामस्त्रव CE \$1# बा श्र विक क्रिक्ट टेर्ड कर्जा क्रिक्ट टेर्ड कर्ज़ महाशक्त आविक्षांत-भटहारभव विस्तिष मायला मालिक करेबालिन, कार्याद दम्या-वाप हा ७ श्रीनका खनःगाई।

## মাৎস্থাকা কীরি

देक्टल भरत्रक दशरमध्य मीरह क्या कर्न शिवटक द्या

गांच हुउँ काल्या उत्त ग्रन गांद्र भारत ফিরতে পে। ১॥ বৈগঁনে পঞ্চা ( মাৎপর্ব্যানে পুঞা ) কে:১৫ পঞ্জে। ভূমতে মৃদ্র। মা নোচ এই ী

পরোমে বোলে নিক কর্তব্য পালভa मररण CH कांब Cलाक कहें े H २ H দলিভ কুইন সে চৰ দঃশাক্ষ, প্ৰচা মে'নে ভাষার সংখ্যালে হালী ও বিলোপে জাল- প্রীদাম মারাপুরের অন্তর্গত আকর- ( মাৎস্থা নে পুছা) ভরতে পারেভা ভুন

व्यवसी गुड़ा (स्वकंत्र कहरण दर्भ कुछ (साह विष्ठात्र । कुष्रमाल कम अही अही है। द्वान देहा नम्, त्य क्षमा मध्य (भें ज्ञान । (कें)) वि र्श्न कर्तना लागकत देश हैं अनकत दर्श etatet u s n करन कांगरम धरक करन दका कांग्रा (म निक्षांग विश्वा । কিন্তু ফাৰা"৷ কো কোছ উন ছোঁনে আয়-निष्ण (का काउँ विश्वास ह ॥ देगाँच एक्ट्राटन दर्गामा (भाष्ट्रभर्य हम श्रृक्षा) दह एक्वर, धार हैनाई (म तमा किलांग। फेट (वर्गा-( फक्तवब करा ) केट्र अूर्ज रू (मना केकी क्ष्म करांत्र कर्मा He # মৈটন সন্ধী চীটা লে বোৰা (মাংস্থানে क्षा ही मांच किहर र के. ('बर् भौत्यांकृष्य प्रथमव ब्याट्यती, कर स भागती हेमना कारण मुख्य जिन्नकाव कहानी हिन दनानी । ही देशका (नामः) (काम (प्रथ कांधा फिन्किना) क्य ८६१ का कड़ किशा करकार, इक्षांस किया भूग कक्षमा ४ न ४ कालन शंभा तैमा तनी । या अन्य हा लानी काषा । टेकडा कुल जिलाफे (भ ऐस १०५) १०६४ 54 11th PE रेगेंटन पुढा (शारमध्यान पुढाः दर्श घर इ. कारमध्य में भ बाक किया।

## <u>প্র</u>ীভাগবত

केंब दर्भाना । यटक्टम दर्भाना । किहे, देशीहम

(करा कर्षका तम्स भवत्य । साहह सुरून्

आर्थना कल भाग करना किया । का

智部でき おさくさま 1.0 日

মধামূল লাগায়ণ ক্লড প্লোকাবলীক্ষে कोर्यय गुरुशिक्षिका । अहे क्षेत्र क्षेत्रहरू-ভাগ্ৰত ৰাজীত আত্ৰ উত্তৰাজ্যের আবর্ত্ত নাই। শ্রীনম্বাগাত পাঠ करिएम मध अधि दक्षान व्यक्तात वाचा-रिश्र ना भावता क्रजनाम क्रदक्त क्ष्मभीत वक्षात अवकृष्ट कर्ना विश्वाता अभवर-कथा सारण करवान व्हार दर्शालायीन, के(कर्ताके अधवन्ति ५ दक्षरम थाय) करवन । ग्रामामा द्यकारण क्षमारण मामबाबा वस्तन-कविनाव खाशांत्र कविशांक्रांक्रांन, शांबारक मारमञ्ज बार्यक्षांत्र अस्तरियः देवक्षेत्रश्च क्रमा भीभावष इन गांड : किन्छ (यक्।एन किल क्राफ्क क्षीचित्रगांच बाह्य इक्ट्रा-किरान, त्महे ममस्दे कुछ डीवास बादमना दशमाधीन कन। सगरक क्षेत्रानिक श्रांका সমুক লাবণ করিবার বিশেষ ভাষোগ चाटक, व्यवस्थात नियम क्रिक्क, त्रहेक्क इतिक्था-अयामक अनग्र विषय कथात्र मध्यका छेलगक्ति वृद्धि। भाषक निका मनाजम वच्छरकरे विकाद वेजिएहर कवलीह वस्त्रत्थ काश का।

## চৈত্র**সং**ঠর শুদ্ধভক্তি গ্রন্থমাল।

#### াক্ষণে প্রকাশিত वर । अधार्गमाण 1., )। क्रेमहाश्वक्ष,--नम्ब ١. के (अम्मान्य वक्ष) २०१०/० 単れ打り半額名中(カ中科 おりゅうりょ ブン・ 🗟 ( थलम १६) र। ७१७-नर अधिरेडच्छडविकामुख 63, গাণ্কক মালা (বাগা) . ( 64 71884 ) ( व्यानामा ) পেডীয়-পোষ্ক বৈধাৰমঞ্চা-সমাজতি নোডীছ-সাহিতা প্রথম চারিশ্ব CA | SWA! PE Bithabersen . 🕮 भवा शाक्षा क्षा क्षा (वीश) क्रेन्यबोल मण्डम (दीश) ( व्यानीभा ) ( वार्वाचा ) À. ৪৯ : মণিমঞ্জী সংক্ৰায় त्रेका (ञ्चित्रण्डस्य-डीक्र-न्यः) (明]《沙人神》[神文] ( 4141 ) ৪৩। ইতিভক্তাগ্ৰহ ( আবাধা ) ( निदार्क विक्टीर मन्यदन ) ৪৪। ভ্রম্ভাবনী বা মান্ত্রাদশ্রস্থী। (वाना) ac ! औरिक स्था निकास है (तीर्धा । २० ( चारीया ) :he ( जार्नेश्या ) ३८० केलार (करण माध्य-कास सका द्वांकीस्मर्शक कटदन र Se : माक्तमाक्षका क्यांनीतकः गाववार मन । जिल्लामानियर ( वर्गातन क मास्य ( 4) 44 ) ভাগ্য এবং বিবৃতি ও অঞ্বাদ সহ ।• ১১ - दवशास्त्रसभाव मासुनाव **८৮। ॐेक्वःलब**द ė'• ( अध्याष्ट्रकीय ) 83 · [HE] ## ८०: आदशनानी ১০: ইাধ্যিনামচিভাষ্ h: দেবনাগরাক্ষরে প্রকাশিত ( 554 71479 ) २. १८३ । शिक्षास-मृत्यस्थि-'म'स्याप्रः 58 । ८त्रीकोश-**कश्च**ार (क्षमायन्य ( क्रजीत मरवदर ) क्र-६२ । मठीक भिकाममञ्जूष ( 1141 ) ३७। दील-भिन्न सन्त ६७ । शृञ्जाम म्लूका हैकम **১९। अधिमन्य ( ०३ गःवर्ग )** ৰৰ গৌড়ীর মইঞ্চ পরিচরঃ (नाचामी अपूनाय शाम ( वंश्मा ) ४० १७। माद्राः लयम्बर ( व्यादीमा ) । ०/० ্ইংকেজী ভাষায় প্ৰকাশিত ১৯ । नवदीनधाम-अद्याना ६१ । सामञ्जून 2 · 1. WIWHEIWS का गाहेक अन्तर भारतकीम भव (सर्वोश शक्तिक्या) च्चिते ५ एक भग शह २ । शिक्रमाना 150 ea । देवकारी बाम J. २२। अवदीनशाम-मामापा ७० । दशकाहि श्लीक्षीक्षमठे हेम पुढेर 🗸 ७३। मि भागवर ২৫: সংখীপ পঞ্চিকা ७२। हेदबाहिक जिल्लिय मा । ( PER CHITTY ) আনেগয়েড ডিভোগন २८। अनवदीनकावकाव উড়িয়া অক্ষরে প্রকাশিত २७। शिर्माक्ष्मक्ष्मभूष्म स्त्री ৬০: শ্রীহরিলাস চিন্তাসণি २१। सप्तमार्गाक रका केलावनी रकः हिटल सर्वोश . 1 714744

## কলিকাত। গোড়ীয়মঠ হইতে প্ৰকাশিত

# শ্রীগোড়ায়

একমাত্র পালুমাথিক সাঞ্চাহিক

শুদ্ধ-প্রেমণশ্রের বচল-প্রচারিত, স্বজনান্ত, নির্মাণ্ডর ন্যালোচক' অকর্ত্রান 
অংশাক্ষত ভক্তি-মীমাংসক, বিখ-জী ব এক্যুর্র অতৈত্ব পর্যায়, ভরিজনোপাসক,
প্রমার্থ, ধর্ম, অর্থ, কাম, মোক্ষে, সমাজ, বর্ণান্ত্র্য, নীতি, প্রেছ, কারা, শিল্প,
কুষি, একারন, সাহিত্র), বিজ্ঞান, স্থুতি, ধর্লন, ঐতিহ্ন, চিকিৎশা,
প্রাণ, স্থোনিষ, দৈবলাপি প্রভাতির নিরপেক পরিষ্পক
সভ্যপতি— শ্রীভাতুলচক্ত্র বল্যোপোন্যায় ভক্তিশালী, অকিগারক
সম্বাণশাধ্য—শ্রীক্ষক্রানক্ষ বিশ্বাবিদ্যার বি, এ

श्राधिम वार्विक क्षिका ०, छ।का, कि, शिरक ००/०

অফিস্—১৬নং কালী প্রসাদ চক্রবর্তী ফ্রীট, বংগবাজার কলিকাতা।

শ্রীধান মায়াপুর শ্রীচৈতকামঠ হইতে প্রকাশিত

## দি হারমনিষ্ট

## বা সজ্জনতোষণী

ইটিবিশ্ববৈশ্বরালসভার ইংরাজী মুখণত

প্ৰজ্ঞ সনাতন ধৰ্ম-সম্ভলীয় ( মাসিক )

বেদ. বেদান্ত, উপনিবদ, মহাভারত, গীতা, শ্রীমন্তাগবভ, পুরাণ, ভ্রম, শ্রীটেডলাচরিভামৃত, শ্রীটেডলাভাগবত, শ্রীটেডলাচন্দ্রামৃত, ভক্তিরসামৃত-সন্ধু, বট্যম্পর্ক প্রান্ত সাহত প্রস্থাহের নিরপেক বিশ্বদ-ধ্যাখ্যাকর্তা। বার্ষিক ভিক্ষা ৩ টাকা, ভি. পি. ৩৯/০ আনা

Mailie fefente Beteil-

मग्रातकात-इन्ह्यान्त्रे ्धाः देशाम माग्रापुत, क्रमा मग्रीक्षा ।

## চিত্রে নবদ্বাপ

প্রাচীন নববীপের অবস্থিতি, তথা, ঐতিহা, শ্রেটি ও ঐতিহাসিক প্রমাণ-সম্বলিত নয়টা ঘীপের সচিত্র বিবরণ গ্রন্থ ব্যাভর্মি কা প্রসাহেক

কুমার শ্রীযুক্ত শরদিন্দুনারায়ণ রায়,এম,ে; প্রাক্ত

## মহোদয় কতৃক সঙ্কলিত

৪৭ খনি বিভিঃ বণেঃ অপূবৰ চিন্ত মাণ্চিত্ৰ-সম্পিঃ প্ৰোচ্যবিদ্যামহাৰ্শন বিশ্বকোশ-সম্পাদক মহাশয়েন্ত্ৰ বিশ্বত ভূমিকাসহ

উৎকৃষ্ট (ইং) মরোকো বাধা ১১০; ভি: পি: ৩৫ ২২ ছই চাকা মাত্র। প্রাপ্তিস্থান:—জীচৈতগুমস, পো: শ্রীমায়াপুর, নদীদা।

क्षेत्र । (क्षत्रकक्षित्रंशक)

७१। बत्रगाशिष

# বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভিজ্মিঠসমূহ

ভিত্ত মঠ

(३) खादगोडी स मठ

১৬ नः वाणिकाशम ठक्कारको शहै, त्याः बामवाकामः क्रिकारका ।

छिलिस्मान नि. नि. ८३३८

নগ্রী ক্রিকান্তায় আছিভিবিনােদ আসনে প্রীম্ম প্রাতিষ্ক্রিত আছেন। এই স্কন্ধন

मक्या १८म 🕏 छक्र-दर्भवाध- छैतिर नामानस स्रोडे मणाबरम निका स्रविक स्त्री । स्रोदीक

মাচাশাপর্বের বাবসীয় প্রভাবনীর প্রপ্রচারেপদেশে শ্রীমটে সংবার একটা কর্তৎ মৃল্লা-

মন্ত্রালয় সংস্কৃতিত তইয়াছেল। পুলিবীর সক্ষর জীগোলনাম প্রচাধার এই সম্ভাগত

क्वेटल '(शी प्रीय' मध्याकिक गता, मि अक्रमानिष्ठे मानिक गतिका देश्टाची कामाव

नियमिक छ। त शकालक वरेटल एक । श्रीभाठि शाहि मधी हैन, माश्राम-हाइत्रेय-(यहा छ,

শ্রীঃ মুলোবজ, প্রাচিত্র-চরি গ্রু গাল-লীলা ও ভরগতের স্থাক মালোচনা ভর্ষ

পাকে। মঠবকক--- আচাধাত্রিক দ্রীপাদ কুম্ববিহানী বিশ্বাভূষণ। সহকারী --পাত্তিস

जीलाम असकताल्यम लद्दिका मुन्न निन्द्र, लीलाम असदानक लद्दिक्षानिताम विन्द्र,

चौलाम शामांवकाती अन्नानी, जीलाम सम्बद्धावन मामानिकाती विन्ता, जीलाम

कररणपान कामानिकारी, अलागती लीकी धनामस, तकागरी सीमारी बादन, अकारी

একিক নন্দ ভিজ্ঞিলাল্লী, এক্ষাটো প্রীদেবকীনক্ষম, পরিক প্রাপা নবীনক্সক

শীমবালা গড়র প্রচারিক স্থানিক্স কর্মিক্স কর্মার্ক-প্রচারেরক্সেশে গোড়বেশের সক্ষ্মপ্রথম

#### ় আকর ম∂রাজ

लाठीत नवधीत, छ। क्यत आनाम मात्राभुत, मनीया

জীমহাধ্যোগাপীস হটকে গায় ৩০ শফু উত্তর-পুশে জীব্রপাত্তনে আচার্যারত জীচন্দ-CMAN-सन्दर्भ व्यामिट्रिक्क प्रतः 'नव'एमान !

এই স্থান স্থানত ৮০ নীবা, গরাবিষ্কাপীঠ বা সাজন ভজনত্তবী । এই মহা নীপে শ্রীক্রি-লামামুক বাংগ ব্যালি-বেদালসমূহ, পরবিস্থার অস্তর্গত কাব্যে নাটক, অলক্ষার, ভূপা अधान्-देन्तिभन-में +ा-मूज-क्षानिक्ष्यानिक्ष्याम् अनामन व अभागिन। जनर मन्ति से छन्। বেশীরাজ-গ্রাফ্ অকা-বিচিন্নর ও সাত্ত্ব সাক্ষ্মপায়ক-আচাইন-দভুত্র ইভেল্সের উপাজ र्वशास्त्र शहिक सिका मिनिक बर्ग्यहरूम । एडे प्रहेवाच्य भावमार्थक दिवसिक्यक राजक স্কুলাংখ্য অপ্রকাশিস ও জলাচীন প্রাষ্ট্রালি প্রচারকল্পে খননী এ-প্রকাশ মঞ্জল প্রাক্তির চহয়াছেন প্রাক্তিবংসর প্রীধাম-পরিজনাম্বর্জন ও অগ্রাস পর্কারোরি চ কীঞ্জন প্রচ্য মিলে মহামতে হাংসবালি ভাজাজ অভ্যক্তি হুইবা পালে। বজাজ - রক্ষালারী 🕮 পরে মরতরিল্পী। স্তক্ষারী - জীপাল বিলোধবিধারী বন্ধানারী, গাল্ড ম আপাদ লোকদাস ভশ্বাহী নাব্যপ্রীর্থ, শ্রীনাদ নীত্রশ্র প্রশারী, পরিত জ্বাদ্যালন এক্সনারী, ; শ্রীষ্ট মনীর্গোপাল বল্ট্যোপালর, প্রীধ্বের্গাম দাধ একচারী প্রমুগ সঞ্জনত্ত

#### ্ ৩) যোগপীত আনন্দির

क्रे जान श्रीकश्वाश्याम्हणत स्वन वा ্রীমলাল আতুর আং চিত্র বিভূমি মধ্যমে গ্র भारत द्वार स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन ক্রিবাসত ইত্যারনারালে ১বং ইট্র-ভন্ম ন্ধ জ্রীবাধাক্তদের নিজা সেবা ভবা জ্রীপঞ্চ-कर्यत (सर्वा नक्ष्यांस । तक्षक---(कांक-मार वत ्या यानी रहे। छात्र विवया-साथ : महकारी व्यक्तिकाामस अवनामी, । तमा । दक्क-व्यक्तिनामा व्यक्ति । द्यानमात्र दश्वतादी । द्वीमाननमात्र स्थानwing, (manet Biningan)

#### (८) औत्र(म-कक्रम

माः चारा शहन कीर्तन-निकास वा बिलोहरीकार तामक्रमी। जनाटन बिबिलोहर जिल्लासम्बद्धः । विकास सम्बद्धाः । विकास स om s--- Markiwin अक्टाती. श्रीमम् s कक. लेक्स शक्कमान वावाची :

#### ( e ) & \$\infty \text{\$\exitt{\$\text{\$\text{\$\text{\$\text{\$\text{\$\text{\$\text{\$\text{\$\exitt{\$\text{\$\exitt{\$\text{\$\text{\$\text{\$\text{\$\text{\$\text{\$\text{\$\text{\$\exittit{\$\text{\$\text{\$\text{\$\text{\$\exititt{\$\text{\$\text{\$\text{\$\text{\$\text{\$\text{\$\text{\$\text{\$\text{\$\text{\$\text{\$\tex{

कड कारन की अर्थन शहर करने धारा द्भवः वक्ष्यः । ।

#### ্ড) কাজার সমাধি প ট

काडीन भाराभव, नाममभुक्त (समीमा) শ্ৰীব্ৰোক্সপাপাত প্ৰিটাদকভৌৰ পদাধি। इक्क -अक्राती केविद्रामात्रश्यो।

#### (4) 雅州研 愛州中亚黎

म्बर्ग्य (अम. **पञ्चणशक** मार्गेशः) भारत छ। तकुर भ निका क्रांक्तिरनामुठाकुरवन Muife war burrieneine wat Billioiffe. अप्तास्त्वत त्म्रान वक्षाप

ৰক্ত—ভবিকুত্ৰ ভাতাৰ প্ৰস্তারী अक्षा का बिसी बना, धम, बने ।

#### (৮) ज्ञानशङ्काथ दशोडीय मठ মহমণ্ডিং ।

अक्षक--- द्वीयक्षतत क्षांकल श्री हम. ह. নি, এল, সংকারী--- প্রীউৎবদাস ভারত- । এখন -- জীপুর পঞ্জ বন্ধচারী। माश्री, के निकतम साथकारी आकाका

#### ( D ) ब्रीटगोत्र-गमाभव मर्ठ

টাপারটো, সম্ভগত, বিদ্যান ) किंग वाली मा (अंत का कहि के आर रामर तर

> 🕧 🗢 🗸 🗐 क्रशःशोष्ट्रीय-गर्ठ #\* 1518. MAIS 23. FM

वक्क क-- क्रीविवास अक्षाती, क्रीकुमरन्त्रव ব্ৰহ্ম বালী :

#### ( ১১ ) औदमाप्रभागक —

माजिलाडि, बाह्यत्त, न्यूनाना विभागत कार हांदू र दुन्मावर वह शान । । दण र- जीवह वंशती जलनामी। (১১) ভাগৰত আগনন

🗐 भागवष्ठ ८७४५, कुक्तमध्य, समीवा । काशव • निकास अवावनी व्यक्ताः-(काला वक्त-चिम्हानम् अक्तारी।

(১৩) জীএকার্ম সঠ दंग्निगाफी, त्याबाफी, क्रफनगत, नमीका। अक्र--- अवज्ञानन व्यक्ता वी

( ১৪ ) श्रीभाष्य द्वांक्षेत्र मठ अ•बर नवावपूद दशके, ठाका। भुक्त राष्ट्रव श्राठी वन्द्रक खे. द्रवादन खे। अक दशोराक्ष गास्त्रानागांद्रगटका दगरा वस्त्रान इक् क — जीवासानस क खबनाती !

## १ Se । औरगाभानकी मर्ज

क्षणां श्रंतः छाकः । क्रक--- श्रे शांश्यो । अवहाती

### ं ১५ - जीशना हे-८शोदान मठ क्रिकिक शमाधिनी मुक्त, वालिक ही, छ।क।

পর্বাস্থ্যালয়ার ক্ষতিশাস্থী প্রস্তৃতি

প্রীপ্রতি-গোরাকের নিছে। সের

#### (১৭) খ্রীভাগবভজনামন্দ মঠ

िक्रिकार्थ, राख्यम्रास्त्रं (समिने सूत्रः) ध्यात ना कक-,शादाक-शाक्ष का-গ্রিধারীর নিজ্ঞানেশ ব্রহান। রুঞ্জ — अवनारी जीकशनामणागर्ये। अक्षाती गरामक

#### .১৮. कामगार्याङ। अश्वाज्य

वाक्यांम । भाः नक्ष्यांम । चित्राह्म ११ । अक्क-अवनामी लोक्डि-किटमाव ।

#### (>>) श्रीश्रकत्याद्यम् गर्न

प्रमेशक, भुदी, छेडिया । अवादम क्रिलोक-विस्तामभावकोट मिला-भाग विकास । तकक -- अक्टारी श्रीलहमा-मन निमात्रप्त. उत्राठा ही जीममीवासम ।

#### (२ • ) बीजन-८गोडी म मर्ज

व्यागतहरूषा , लक्षात्रि ते द्रणाः, भूती । भागकी नात्तरत्त्व अनवगत्त समहत्त्व क्रियनाळः M4814 1 494-38617 चिन्तरमध्यी द्यामको। मृहकान्ना---अवश्वी औ'निविश्वाती ।

#### ( ६) श्रीमध्यम्बन्धः मठ

G'G1111111, 454 . खबारम है। शक- शाकाक-दिस्मावतमन । बक्कांडी स्थेतामादमगठवर्गक्य । है। লোপাগজীৰ আবিএনের আচীন সেবা । জীর প্রভাবেশ বভ্যান। এক্স-अष्टावी जीनशायवा

#### ं२२ ट्रीननाडन ∟शोका गर्फ

प्रार्थ प्रार्थितिन पूर्वा, का नेत्र 🛊 ८ और - भार कथा । अभार कम- विकासिक । जन्मान दशोहरभना वश्वमान वश्वमान श्लीपानकीनावकी ।

#### (३०) क्षेत्रकटेडख्या वर्ष

क्षीनुप्रदेशमात्र कुळा, स्त्रीनाम कुन्सावम । 新教·(14)-通用·(用)用·(明) ( (月1) )

अभाग- क्षेत्रण किलास यक्ष प्रके

#### (48) 國門有叫歌門 明末

रव्याभावत्यः, में आभूत

ante Beines nitein e विद्यान विद्याम विकासकार द्वारा मध्यान । ची सक्तरमात्राचः होत्रा क्षत्रिका 'शांत्रभावीतः वक्तक ---अक्तरावी क्षेत्रामरकानमः व अक्षतावी न्त्रीन का अना ना

#### १२० औदेम्बन्धरभोकास सर्व

कृष्णके का, 16शक का, अलाह्नम , **इंश** क्षीरिक्त सम्बद्धित नामा । क्ष्म क---क्षीक्याः नाज काव, शिंदकनणानच अक्षण दी । श्रीताय ভীপ -পংখ্ৰার ,

#### (२७) जीवा मध्योक्षेत्र सह

कुन्राक्ष व, भारतस्व, क्नाम । अभारत श्रीक्षानां वास्त्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र । इक्क-अक्षा केश्वन करते।

### (२५) लाक्षनभाषा अभवाज्यन-वर्ड

अभिगणाकाः (लाः मास्यः सारकः water ar party micalatean chai नत्त्रभाम । बक्तक -- जबनारी जीव्यानकृष-मान, श्रीनामाद्रमन अक्टादी।

### (२৮) विद्वा द्याकीय सठ-काश्रामस

क (वर्ग आधार, निक्रियाओं। त्रम क - अधिवाही । श्रीधाविकातासम्

(२०) द्याप्राव्याम् अवस्थान वक्क क--- अक्षाताओं खोदाबादमाक्क

#### ক্ষেত্ৰ ভাৰতাত্ৰলৈ প্ৰাথম কৰাজ্ঞত ভাৰত প্ৰাথমিকী



**ब्रिटेश्वरवर्षा → ब्रेग्डिशिशिशाय ठाव्टार विविध**— हेकारक कोरवस् भविष्ठम, अरकम मुश्कि मध्य, निका क रेमश्चिक कर्या, क्रिकरेय मिथि व व्यवस्थातम एवम स्मितिहरू <sup>\*</sup> चैभिषामा आकृत कश्ववात स्थान, देशांतम वर्गाक्षमार्ग, देवस्य-वत्यम वक्षण, भरकाणाम्बर्ध महिल भावका, मात्राप्रयः, देवस्-केंक्कि च क्यां कारका दक्षा, रेमनामस्य, मरेबछवाती लख क किक कांबकमा, बीरवत बद्धांक्षा क मुक्त, देखानग्रहावन व्यक्षिकोतः व्यक्तित्र व्यक्षिकाको-विष्ठात्तः कर्षः व व्यक्षिकार्शनः मार्थकणाः, मारक्ष्ममां व देनकथनमाः, स्थामः इक्लीमाः, कनवःम उन्न क काहार व्यक्तीक-८७०, क्रीनिज्ञरुषा र लोड-निक्काप्त लालम, नकत्रतरस्य मक्ति क्रिलिस कावन, अल्ल-शास क्षत्र क दक्षी क्षणक, ना किष्मिष्ठांत्र, वीच्या, देववी क वाशास्त्रशा ककि. नवपाकान, प्रमण्डवत व्यवस्थानी, नाप्रकीहरून, प्रवृत नगः जीनास्तर्यन साम्राकं मनाकमः मामण्यापात्र अस्यस्य নিগুড় ছঙ্খাবলী আ ভ সংলক্ষাহাত কথোপকখনজনে প্রা-लिख क्षेत्रशृक्ष । क्षेत्रं क्षेत्रभाव व्यवस्थात्र स्थान कर्तन करित लाक्यांविक प्रारकात क्षित्र क्षेत्रांव वः मश्लव वाक्टिन ना । नदम भूष्ट - व्यक्तिमस्य व्यवस्थानं अञ्चल क सम्बन्धानी बाह व्यवसंख भागजिष्य गाउँ। निर्वेनरभाषायी-भाग्र-मर्गाति-प्रयून-करण अहे ताशामुक कैतिक करेशारकम । आवाव अतिशुक्त । गठी, क्यानात के कालि शंका निरमय ममुख कता प्रदेशतक । faith an colute men are con boat deid-**७क्ष भरक.१ २८ माळ** ३



### ंडणूर्व मरणवन [रममक बीवार्ड-२, पूर्व डाम। आर्थाबा--১५० द्वनीरन पूर्व डाम।

मुक्तिभून नामवाका बाता आएएक भानत्यत्र निर्मात कर्णना क व्याना मध्यायक कर्णना निर्मातिक वरेताक । विराप्त कर्णना कर्णना कर्णना मध्यायक वर्षणा मध्यायक वर्षणा मध्यायक वर्षणा मध्यायक वर्षणा मध्यायक वर्षणा कर्णना कर्ण



विकीय मरश्रम 👾 न्यान्।

### ৪১৪ গৌরাব্দের শচিত্র

## শ্রীনবদ্বীপ পঞ্জিকা

পারমাথিক ব্যক্তিমাতেরই একান্ত প্রয়েজনীয় বিষ্ণুজ্ঞড় ও উপবাসাদির ডালিক। সম্বলিড বাংলার ঘরে ঘরে বিরাভিড হউক

ভিকা ্প ত আনা মাত্র প'ত ভাৰ টকিট পাঠাইলে ভাকে পাঠান হয়।

মহাক্ৰি

প্রীল লোভনদাস ভাকুরক্ত শ্রীতৈতন্যমঙ্গল

ওঁ বিষ্ণুপাদ শ্রীশীমন্তবিসন্ধান্ত সরস্বতী গোখানা প্রভুপাদ-সম্পাদিত ভূমিকা; রোকের অবর, বলাকুবাদ, প্রতি প্রসম্বের ও যতের কথা সাপ্তা, শানস্চী, খানস্চী, পাত্রজ্চী, প্রমাণগ্রন্থ, ভাগিকা, পভসূচী প্রভৃতি বিশ্বত সূচী সম্বলিভ বোল্ড অন্ধরে ভবল ক্রাউন, আটপেলী আকারে কিট গড়ের কাগতে ছাপা: ভিন্ধা—২॥০ টাকা

## **ত্রীহরিনামটিন্তামণি**

নামাচার্য শ্রীণ করিলাসঠাকুলের মুখে শ্রীন্মালাপ্রস্থ শ্রীনাম মালাস্থা, নামাকাদ, নামাপরাণ প্রস্কৃতি বিষয়ের, মারতীয় বিচাত প্রবণ করিলাভিগেন, এই বিহয়গুলি অভিসরল পরারে সংক্ষিপ্ত আশ্বসত পরিপাটিভাবে মুক্তিত।
শ্রীণ ক্ষতিবিনাগঠাকুর-মৃতিত। ৫ম সংক্ষরণ ভিক্ষা দল্বাপ্ত আন মুক্ত

## বৈফবমৰ্যা সমাহাতি

( नाकारकीयरकायताह )

িষর:—১। ভক্তিশালে বাবহার শকাবি থার্থ, ২।
চাবিদল্লাগারের বৈক্ষবপ্রের চিত্রে, ৩। বিকৃবৈষ্ণবাদ্ধিক
প্রিম্নির ও জীবিপ্রতের বিষয়ণ, ৪। বৈষ্ণবগ্রন্থ ও প্রবিদ্ধন স্মৃত্রের ভাগণার্থ ও বিবরণ, । বিষয়বিশেষের পৌশিক ও
শাস্ত্রীয় আফেন্যুলে যাবভীয় ভবা। চারিষও প্রকাশিষ্ট কল্পান্থে। ১ম বস্তু ৮৮/০, ২য় থও ৮৮/০, ৩য় থও ৮০, ৪খ বস্তু ৮৮, চায়েরপ্র একজে ৩, টাকা (এম বস্তু সম্প্রুছ)

## <u>ৰ</u>ীভক্তিশৃপ্ত

> শীমকাচার্য্য সক্ষলিত সদাচারস্মৃতিঃ ভিকা /• শানা মাত্র

## বিজ্ঞাপন

## गावधान । गावधान ॥

জে, বি. দন্তের চৌক। শিশি আদ্যাম তৈতল আদি ও অকুত্রিম এবং উপকারিতার সর্বাঞ্চন পরিচিত ও বহু প্রশংসিত।

আসরা সর্বসোধারণকে জানাইচেছি, বাদাম তৈল গ্রিদ করিবার সমর শিশির গায়ে ইংরাজী অক্সরে জে, বি, দত্ত এও কোম্পানী নাম ঝোদা দেখিয়া খরিদ করিবেন। নতুবা জ্যাচোরগণ কর্মদেয়ে কৃত্রিম তৈল দিয়া প্রভারণা করিবে।

নিট-জে, বি, দত

## क्ष्याम कूरेनिन्

শৃতন এবং পুরাতন স্যালেরিরার যম ইথাতে উপত্ত সাজার আইরন্, বাইণাইড্রোক্লোর কুইনিন্ আগেনিক এবং ইউনিবেস আছে।

এট কেলার্য কুটনিন্ থারা টকেক্সন করিপে একটী বা ছুটটী টকেক্সনেই সঞ্চলপ্রকার কঠিন ম্যানেরিয়া জর যক্ষ করে এবং ৬ টট্ডে ১২টা টকেক্সনে ম্যানেরিয়ার সমস্ত উপসর্থ নট করিয়া কেপে ।

७ बाण्गपूर्व व्यक्ति बोख-भूगा २ होका, हुर ० होका बाहेक-क्विकान वर्ण क्रिनिकान माध्यक्रहेश्वीरक २३।५ वर हक्कीयन रमन, कनिकाला।

বোড়ীয়-বৈক্ষা-ভূমতে অভিনৰ এছ !! শ্ৰীৰ ঠাতুৰ ভাকবিনোধের সীতি-এছাবলা:---



শংকট বাইক অষ্ট্ৰ সংখ্যন ভিকা /• আৰু

বেহ ও মনের চেটা আনভাবত গটবা—টকা ববন জীব বৃদ্ধিতে পাছে, তথক একমাত নেতাবত শ্রীতগবানের প্রতি বাধার কোব ভাতার আবেগমনী প্রাথনা চর এবং শ্রীতগবানে ন্যাত্বংকরনৈ নিভগটে কি প্রকারে পরণাপর কর্তি কর, ইত্যাধি বিষয়ক প্রাণশ্শনী প্রোথনা, ও আত্ম-ন্যপ্রথক বাম ৷ উভিন্না সংভরণত প্রকাশিত ক্টরাছে

ভিতা হাতি বস্তু /• এক আনা ভোগতভিতালৈকা— /•, নবৰীপন্তক— /•

**ৰুল্যাণকম্প**তক

প্ৰেয় সাইজ পঞ্চৰ সংখ্যুগ ডিক্ষা /১৮

আনুষ্ঠা আভাব বুজন অভাব ও কামনায় বলবজা বইবা পুনঃপুৰা হৈ বিক্ৰমনায় কাৰ্যাৰ কামনায় বলবজা বইবা পুনঃপুৰা হৈ বিক্ৰমনায় কামনায় কামনায়

## ৫০ বংসর্রের পরীক্ষিত কয়েকটা মঙ্গেষধ—

ৰাবহারকারীয়া তাপে মৃদ্ধ চইরা বৈ সমস্ত আশংসা পঞ্জ দান কৰিছাছেল, তাকা আফাশ করিলে বড় বড় পুত্তক চইয়া পড়ে। আগেনিও বাবকার করিয়া ধঞ্চ কউন।

- >। চক্তাপ্রতা বটাকা—ট্রার নামটীও বেমন ভালের সেল রভমা ইঞ্ স্থান ও পুরাজন মেল, মুত্রকুছে, অর্থ আছুতি এবং ছ্রীলোকদিগের স্থাতিকা বারেষ, বেছি এবং বক্ত প্রদান প্রাভৃতি গোগে আন্ত ফলপ্রাস।
- ্ ২। সুযুপ্তিসভায় বিশিক্ষা—মাদকস্তব্যবিধীন অভূথকেট নিজাবিধারক ঔষণ। বে কোন দৈহিক ও মান্সিক নীড়াবশহুঃ অনিজারোগে এই ঔষণ হাবহাৰে গাঢ় নিজা হটবে।
- ত। মণ্ডুর বটিকা---ইণা দেবনে প্রীলা ও ওদমুদলিক দেবা ও শনীর পাপুর মুইরা যাওয়া হ জালি নিদ্রিত কট্যা রক্ত পরিকাল ও বৃদ্ধি আগু হয়।

🗫 जिन काकारवा आकाम खेवरमंत्र मुन्। काकि कोत। 👡 ताका।

আধিষান :- আতঞ্চনিপ্রাহ উল্লেখ্য করি । ১৪নং বঙ্গাখার ট্রাট, করি ভাত।

## बीनवर्षा नियामाश्या वमान वव किया ४०

विटेठ अक्षान्त व्यक्त विश्व के गोगाक्षा नक्षण वीग-मनावकः। अक्ष मन वीरणक्ष व्यक्तिन विवतन-अध्यान, वीरव विभाग जाकृत गोगा-वाध्य-वाध्या-वाध्य-वा

## প্রীনবৰীপ ভাৰতরদ ভিলা

উজ্জেল স্বোভ-র কালাডে উভ্জম কাগতে ছাপা----জীনৰ শিল্পাম ধৰ্ম ছাৰ্ক ছলনকারীয়ে কি প্রকাষ ভাবের উজ্জাস লয়, ভালা এক প্রয়ে বাণক। আভ চমৎকার ং

সাধকক প্রম্থি — ইরিক্তববলনা, ইংগালের, ইঃর্ডের অংইনির্ভ শতনাম ও ইংগ নলোভ্য ঠাকুরের ওক্টনিক্তে হুনির্ভাগ্যসত প্রথমনা, প্রেমছ জি-চক্রিকা আকৃতির হুণ্ডিত গ্রীতাবলী মুনাকারে গ্রেট সাইজে মুদ্রিত ২র সংক্ষরণ ভিজা ৩ চারি আনাধার।

## কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



মক্ষেণের স্থাপর কল ৬ আঃ পুশিতে ঘনীত্ত অবকার ভোটবোক্তের সমপ্রিমাণ উব্ধ ছাকে পঠেন হয়, ইতাতে উব্ধের কোন প্রিবর্তন করা হয় নাই। মুখা আজি শিশিরং আনা, পাঁইট ॥৮০ আনা, বোক্ত ১৮০ আনা।

ক্ষমিস-১১নং উল্লোখ্যমা রোড, পোঃ শ্যামবাজার, কলিকাতা

## ग्रंपब मुख्ये

विकाय का व शाहिकात, विकायका के कि विकाय कर का विकाय का व

बकालनाः वृतः ३० वर्षः । वतः होत्राः बाबदेवक व्यक्ति स्थानकारीः, (व्यक्ति स्थानिकार्यः) क्रिकेट केरियम (बाक्रः, क्रिकाकार्यः)

## शरेद्धारिन

বা

## কোষয়দ্ধি রোগ

ভাগ এপ্, এন্, খোষ বিনা কছে, সাংক্ষীবনের গ্যাথাটি দিয়া বৈছাভিক্ লৈশাগাজে কোমসুদ্ধি গোপ আংগোগা কিবল থাকেন।

> डिकास---अभ्यत् करेस डीडे, व्यक्तिकार्थः कामकाकाराः

## ১। শূলাম্বত

निसम्बन्धः संशोधं स्थायकः । अञ्चलकः केन्य्यः स्थादकः साह्यानाः । दक्षाकः ५० यहः स्थानाः यक्षः भागः। अञ्चलः भृषकः

## २। শুক্রাচার্যা मधीवनी পোটাই

কামেন ও মাজন কৰে। অধ্যাত মাজন মাজন স্থান স্থান স্থান । মাজন পুৰুক্

৩। সম্রাসী-প্রদত্ত অর্শরোগের অব্যর্থ আংটী

আংগা না ০বলে মূল্য কেবং। মূল্য ১৮ আলা। মারুল পুনস্থা

8। কোন্ত-বান্ধব পীল

व्यक्तीनं, ८५। हेक्नीनः, ८९ हेटनवसात्र मरकोषधः। छिन। ॥ - व्यानः। याञ्चनः त्रुनक्।

৫। বাতলীন

বানবোগের মালাপকারী ও সন্তাহে আরোগা। কাফি শিশিও আনি। মালগ পুথক্।

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তকারক। সহর কাটালগের কর পত্র লিখুন।

क्षा<del>ं विकास मार्गाटमाइन लिक्टा हेर्</del>द्रो

(भाः उदाती, कमणाभुत, छाकः,

## মনোমোহন প্রেস

পূর্ক-বাছালায় তলতে সকলপ্রকার ছাপার জন্ম বিখ্যাত লৈপ্যতিক ছোপিলে দিলাকারে কাজ ভালিতেছে বিশ্বত জানিতে হউলে দিল টিকানায় পত্র লিপুন ম্যানেজার—মনোমোহন প্রেস, ১০শহ শলাকপুর, ভাকা।

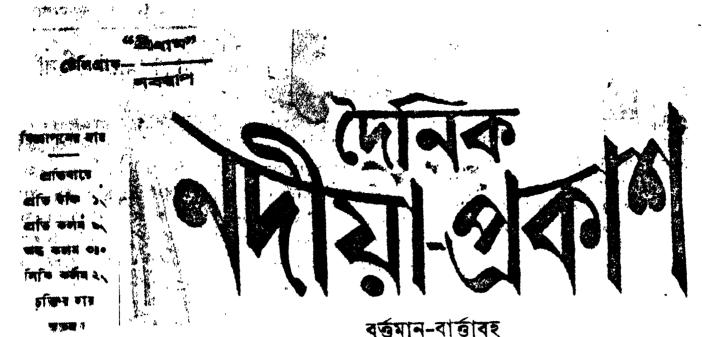
## মরা মাতুষ বাঁচাইরার উপায়

यभिक क्षणि ताकृष्ठ भने यम्बन देशिवेना एका सेना कारिक का नाहें गरा, छ्याणि देशिया नामानिय कानविष्ठ উপারে क्षणिकि लाक महे केन्द्रा कार्यक मान्धा करेगा कार्यादकन बन्द माना कार्याव एके, व्यत्वक मान्धा करेगा कार्यादकन बन्द माना कार्याव एके, व्यत्वक मान्धा कार्याव लाक्ष, क्षणिका, व्यक्त कार्याव, व्याप्त कार्याव, व्यव, व्याप्त कार्याव, व्याप्त कार्याव, व्याप्त कार्याव, व्यव, व्याप्त कार्याव, व्यव, व्याप्त कार्याव, व्यव, व्य



CHIP ACCOUNTS

स्थान माराष्ट्र र मं कर्नान कि। कर स्मादन स्टर्ट- हाः इकसाच अल्लाना स्विक्षेत्र वर्ग कर्न का कर मान क



সাহাট্যাস, হার

অতিমে দের !

বাধিক ৯২

বান্মাবিক ৫২

বৈষ্যাসিক ২৬

মাসিক ১২

নগদ
প্রতি সংখ্যা বে

ভাষতেও পৰাত বছগ-প্ৰচাৰ-নদীয়া জেলার একমাত মুখপত

ম খণ্ড ] সম্পাদক—শ্রী অতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি

[
]

৭ম সংখ্যা

জীলৈত্রভাষার জালাল মারাপুর- ২৮শে ফাল্লন রহস্পতিবার ১০০৭, ১২ই মার্ক্ত, ১৯০১

## লক্ষোরে পণ্ডিত জহর-লালের বক্তৃতা

এলছিবিদি ইইতে পণ্ডিত ক্ষর লাল নেতের গত ৮ই মার্চ অপরাত্তে লালোঁ এ আগমন করিরাছেন। মৌশলে তাঁহাকে বিপুল সম্বর্জনা ও লোভাষাত্রা করিরা আমিমুলা পার্কে লইষা যাওয়া লয়,তথায় এক বিরাট্ আলসভার পণ্ডিতলা বজ্জা প্রদান করেন। সভায় ১১০০ জন সম্ভ মুক্ত বাজবদ্দী উপশ্বিত ভিলেন।

পশুভারী পূর্ব একখন্টা সময়
বস্তা প্রদান করেন। তিনি
স্ক্রির ভাৎপথা নিল্লেষণ করিয়া
বলেন যে, পূর্ব শ্বরাক বাতীও দেশে
কোন প্রকারেই শান্তি আসিতে
পারে না—এবং সৈগ্রনিভাগ, ও
অর্থ বিভাগের সম্পূর্ণ ক্ষমতা যথন
ভাষরা পাইব ভ্যাই উলা ইইবে।

অন্তঃপর তিনি বলেন, যদি
গোলটেনিল নৈঠকে কংগ্রেসের
বোগদান বারা উক্ত উদ্দেশ্য সাাধত
বর ভাষা ছইলে সানন্দেই তিনি
ভাষাতে বোগদান করিবেল কিন্ত
বাক্তিগতভাবে এক্রণ কোন নাপাই
বিনি পান নাই।

श्रीक्षणकोरम्ब मृष्टि ्राप्पार्टक विकि बर्गाम, अभवनारस्य खाटकार समीरमध्ये मृष्टि रम्बद्धा छेडिछ। **াধাম**"মায়াপুরে

# कि शरे रेश्निम ज

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনষ্টিটিউট্"

তরা এপ্রিল (১৯৩১) তাল্কিখে খুলিতেছে। খান অতীৰ খাখ্যকর। ছাত্রগণ অভিভাবকের পত্রসহ সম্বর নিম্নলিখিড ঠিকানায় আবেদন করুন।

সেক্টোরী, ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইন্টিটিউট্ টিচংগমঠ, গোঃ শ্রমায়াপুর, নদীয়া।

# পণ্ডিত জহরলালের বজ্তা

নদীয়া জেলা রাষ্ট্রীয় সমিতির শভা

# ফ্ৰান্স ও ইটালীতে নৌচুক্তি

অৰ্থ বিভাগের সম্পূৰ্ণ কমতা বৰন যুগোলাভিয়ায় ভূমিকম্প ২৪জন হত ৭০জন আহত

# সন্ধির ফলে বন্দীদের মুক্তি

এম্ন কি বাৰারা কিংসানুলক অপ-রাধে দণ্ডিত এবং বাঙ্গলার রাজবন্দী ও মিরাট মামলার বন্দীদের ও মুক্তি দেওয়া উচিত।

জনাৎসিং এবং চক্তদেশ্বর আফাদ প্রাকৃতিদের সক্ষতে তিনি বংশন যদিও তালাদেশ অবল্পিত পথ তিনি অধুমোদন ক্ষেন না চথাপি তিনি ভাষাদের বীরবের যথেক সম্মান করেন। ভাগদিগকে মুক্তি প্রদান করিছে তিনি সরকারকে বলিভেচেন। কিন্তু যদি সরকার ভাষা নাও করিভে পারেন ভবে অস্ততঃ ভাষা-দের কাঁসি না হয় ভাষার ৫২কটা করিবেন।

## নীলাম ইস্তাহার

এতদারা সর্বসাধারণকে জানান
যাইছেছে যে, রাণাঘাট জেলাবোর্ড
ইন্দেপ্র্লান বাংলা, ইমারত
ইল্লাদি-সই (with buildings and
out houses) ১১৪ নং মৌজার ৫৩২
দাগে -৪২ একর নিজত জমী রাণাঘাট লোকালে বোর্ড অকিলে ইং ১৬৩৩৩১
তারিষ বেলা ৪ ঘটিকার সময় নীলামে
বিক্রের কইবে। বিক্রের মূলোর এক
চতুণাল নীলাম ডাকার সঙ্গে সম্পেই
দিতে হইবে বাকী টাকা নীলাম
ডাকার ২৫ পনর দিনের মধ্যে দিতে
হইবে।

জমিটী রাণাঘাট রেলফৌশন হৰতে ১ এক মাইলের যথো (ই, বি, আর), রাণাঘাট শান্তিপুর রাস্তার উপরে, চুণী নদীর অপরপারে খেওয়া-ঘাটের নিকটে। স্থানটী খোলা ও খুণ বাছাস খেলে।

অন্যাশ্য বিক্তুত বিষরণাদি জানিতে
হইলে কুফানগানের ডিট্রিক্ট ইঞ্জিনিয়ারের
নিকট অনুসন্ধান করুন অথবা
নীলামের সময় অনুসন্ধান কবিলে
ভাবগৃহ হওয়া যাইবে।

ক্রন্তন, মুখ্যজনী চেয়ালম্যান, ডিফিক্রো**ড** ন**ণীয়া** 

## विविध गरवाम

মধীয়া দেলা রাষ্ট্রীয় সমিতি

व्यात्रामी ১৪ট मध्य नांगवात नक्षा क शक्तिक मध्य क्षांनश्रात्त्रिक समीता corn कररकार कशिष्टित कार्या निकाहक मृद्धिः अकृति महा क्रेट्रा

#### বরিশাল সহরে প্রবল বড় অনেকের সমূহ ক্ষতি

अ । एके भारत निवाल म भ० द्य अन्तर বাছ ও শিলাবৃষ্টি বওয়ায় বাড়ী, গাভ গাল खबर महस्कार मञ्जूष का कि कहा। देखा क-चानि तांकी कटकवांत्र कांतिक शास्त्राटक. क (क्रकेश्व नि हान है। कि विशेष्ट्र জীটে হল স্থাৰত পাস্ট্ৰত ঘল্ডানিক काम के प्रमा का अवार के का मान न इक्तिक इं क्ट्रेश विश्वास । काशकार न दसीका बारक कुर्विका अन्तर्रह कि का अन्तर भावशा शियारक। . । १३ माना निष्ठाः व्याग्रा १ करा १ हि: ए छ रिक करमन भाश जिल्ला होंग नवन रूप करते वाह आहि । सङ्घिष्ट्रकार (७०) जन्द श्रहति ८१को हाड (भी अञ्चल मार ।

#### क का ७ के है। जी स मध्य (नो इंडिंग निष्ठ विवद्भ क्षकाटम नामा

किर 'अबा भित्र । भारक सामाहे । १८६ म निष्ट्रानी प्रिक्त विश्वक विवरण आकाम 4 41 BEC4 +111

कदराज निका अध्यान शास्त्र यह ध्या, दलीवण निरप्रण मण्डाक काम ६ र छ। भीव भारमा अस्य प्रतिक करा दिश के व्याहरू । कांबबरण कृष्टिल शहराङ्के शिव्य विक भाषाह (राज्यानमन धार (ओ वकारलंक व्यामान टममान् कि आध्यक्तक अर्थे कहेशकिस्ट म ।

#### চৌপটিতে জন সমাগম

अन्द्रभाष्ठ भवारण रही हि.क द्याक छन्। रह्याविष्य । प्राचीना अधिका াছল পু'লপ গিংগ'েও রোডছ কংলোস व्यक्तित्व भवत आक्रमें शक्ति। विद्या ेश करा वार्रास्ट्रमा विविध करिया आशिया .शिम-ं-िक्द मक्तरक इसाम क्रिकित यंद्राक क्षेत्राटक व्यव्यास, ५. का 52 है शार्क पुरित्य की नाफी करा अभाक क्राक्कार्रीय क्रिंत्र ।

#### ১৯० ब्राटमंत्र काराम् क

७६ ३.८० रेक्सा श्रुत (क्रम क्ट्(क २०० কন খেল্ডিগ্ৰহ সৃত্তি লাভ ক্তিয়া গোৰাছে

ला कर शिवृक्त मि, एक, मात्राधनवामी जनः देनिक वसीएक मुक्ति क्षापान कना दशकात्मत र मरणह प्रकणनी कारश्चेन खीयुक क्षेत्राक । मुक्त संशीरमध सरशा खेशूंक | ध्याः, (क. भाषाविद्यात चारकम ।

#### मतिनारम अनम मृगीनाम् বছ সহস্র লোক আগ্রহানীন

विश्वक एक भावत स्थानित्य भेरिमाटमन छनद निमा क्षायण पूनी बासू व्यागिक ए रनेशाहित्। बाहरवाश घन्त्रीय ज्याप १० ংগৰ কম ভিশ লা । ৭ট মচেচ ভারিশে <sup>†</sup> कार्याव भीरत संभा अवस्थित हत, मान মাঞ্জ মুখণধারে বাবিপাত তাবং শিশার্টি eertfen !

ফুলে শিক্তর ক্ষতি সাদিক হটরাছে। रणगंभा ५० घरनव मुझा ग्रेसीम जांदर्श िकारका महस्र भरस ८ भाव का धारीन etaten | Beath Bange ebuten ! 1 参引扩张 15 (4方) \* (7) 10 2 11 元)

প্রাংশ বাড়ে রখুংক্তারের বিভার ক্ষতি क्षेत्र आक्रिक्ति यहानाकी क्षेत्राट्य, জনতার এক সংগ্রাহের তিমে<mark>র অন্</mark>তরিদ। कर्रातः। इकाम इकाम कृष्ण **म्रा**स्ट कुन क वर्रेशाल ्य, अवा दश्य आहे विक

दरे विजाय के अधि मारमक कारनर पार्वि करेकारक । अस्मा करल खावर मुख्यिका দ্বাগ্যা পাছিল ট্রেণ চলাচলের বিদ্র 4.77 17.5

शृश्यांक कर ये हैं(व सा ।

ुलाम्ब्रुट महर्त देन्छ। छ। स्थानम অক্সভন রালনৈতিক করেণে আপিছিছঃ (নিকিচান্তন্তান সময় স্থল অনুকারে কিন্তা क्षेत्रका किया ।

> gruffe god wieter bigte mit-कारेश शिश्किम कि विश्व (कान आ कि कह नाई ।

#### युर्गाञ्चाचित्रात्र कृतिकल्ल ২৪ জন হ'ত এবং ৭০ জন আহত

যুগোল ভিয়া ভীষণ চুমিকক্ষা চইয়া शिवारक दिवाक कि याचार महत्त रक्षणन निक्क खार पर असे काक के किसारक ! भारत नाना शकाब करि व्हेनार । शकण कार्यंत मरनाम शांखका वाच गार्ट कार्य स सार्थक देशांक संस्थित सहेंगांटक ধলিকা মলে কয়।

ক্লাক্সা এবং প্রধান মন্ত্রী, বিশল करिटक क्रिकामी भिग्रद স্ক্ৰ शिकारकम । भागविक विकारण व कर्खणा-गीरम विशव द्याकिषशरक मार्गवा मारनव व(मान्य करेशीक मन्द्रिक जानक आफ **८८ हा छित्रुक मार्टित मटचा फाबुटफ नाम** करिटल्ट ।

बनाशनारम छुटे मछ वन्हीस मुख्य वर्षे मार्क श्वीस Malalak व्यक्तिशाहरू । यो भटन त्याभारे क्वरिंग्यन | त्यामगुरू क्रेट्स कांस कुर मक आय-

८ अडामा अध्याप्त (प्रकार) क (करमाराप्त **オースターの事業を本** 

#### মৃত রাজা শোপালাচারী ्र बाजारक कराबिङ

b के बार्क को शराष्ट्र मी शुक्र जि. त्रांका त्यायामानाती जवाता आध्यान कतिहा-क्रम । दशकी भा दश्यात्म के हींदक निश्रमन भाव श्यक्ति कहा इहा ए। जिल हेना ह कार्काटक व्यक्तिक विशेष स्वक स्था-माभारत करण मृत्य शास्त्रियात्या जिल्लाक दरभाविता है,युष्ट शास्त्राम होगाद माना-48 4C4.

#### বোশায়ে ভীষণ চাক। ছি

शक क्रके मार्क आबिटक के शहतकिया भागक शास्त्र एक स्थानति वस- रश्यान 🚜 ६ 💸 व्यव 😘 १ को ल्लान १ वर्षे आध्यात स्थल-अंड करेडराक काणिरमान स्ट्रांस्का प्राप्ता । करिएक के किएक भन करमकरात असी देशी कि -- Teter a mil mice ent aner-शाधानिक चार्ट रहत राजधानाया गीत e# 1/16 1

#### मध्य खेटपटनात मधीरमत (नडम छ।म

मधा व्यक्तित ५४१ एवं ५०%(नव जल ofewer as similar fra titt ett. bit लिश्निका क्षेत्र, कि. दिनाना के किया रहे हैं है है क का व है। का कार्य का सिराद का বাৰস্থাপৰ সভাগ এক প্ৰেন্ডাৰ উপস্থানিত कर्द्रमा केटा शुरी ह स्ट्राइड ६२ \* रो श्रांकात है। का कशिक मध्याय मुझीता क्लाटन nifem a elmie Biete vice a elmia २ ल्इ ८० छ।का (न हम लाई(नम ।

> MUSTER OF STRATE SER CHIEF भिवाकिरणम्, यह भग का एक मधीना याना-ोक क्ष्मांकालम देशियम वाध्यावेत व्यारमार्डना दल्य वस ।

## বিদেশী বস্ত্র ব্যবসায়ীর সহিত সংঘর্ষ

गड भई मार्क वाजित्व मुगली(जरे) वाकारम (बिसनी वाजन मन्त्र श्रामा दण्डा) **क्षरेनक विश्वणी ज्ञा वानगांकी यस्त करिएश** वक्षा महाहेटछिका, छथ्म कर्मकम (अक्टारम्बक काकारक सामा आमान करते हैं। शुःघटर्वत करण क स्रथ करा अंग दशकारम <del>क</del> व्यक्षि क्षेत्राद्य । जावा विशय कामगाराज्य दाबा क्षेत्राहा काकाल, बरेनक व्यक्ताः ८१वक केक वावगारीक लाक का नह हृतिकावाक व्याच व्हमारहा।

## গান্দী-ভার**উইন** সন্ধির

ফল

रेखाराइ पाक्रमकाम कानाम कारलेनिक वरत्थमं क्यांविर क शिष्टि करर क्षिक्षे, क्षास्त्रपुर, सख्या क শিৰ্মাগর জেলার করেকটি কংপ্রেদ ক্টিভি অন্তরণ স্মিতি বে-আইনী विभाग के फिल्रुट्स ्य मुक्त बेखांबाब आसी क्षराक्षित. जामाम अव्यक्तिके खाबा क्षाक्षांश्रंत कर्वदा करेद्राटक्ष्म ।

#### भी माण खदमदन भिरम्भा

भी मान्य कारमध्यतः, कराज्यमः क... मान ्काश्चाम कातार भाका कार **अञ्चल मुहि**न्छ nus co-wited) alout stangen cu शक्त (कारिय करें) इंड्स किंग, श्रीधारक्ष महकारी एक करनेत आगष्टिक मरभाव মেন্ডলি হাস্যাহ্রত কটল বলিয়া খোহনা PERICE-L CHOMINES LEMMIN (1-318 -1) 427 - 15 · 1 TE SEIN wied verifen, wiels WI ENTER

#### নিহারে আদেশ প্রভাগের

विकास छ छि । यह शतकास ध्वक क्रिकिक व्यवसाधि काकाम कविका .म:(इस)दी 31214 一句(黄色) 大学的 चारमन नाकिस करियादकर, और शक्त चारमाम निश्नमिश्यम करासम सराजम कांत्रजीतक त्य कांचनी विश्वधा त्यायमा सका 对心:那么对心,一个问题对, 可(时间。 时)强强1年1。 भवतः प्रदेशी भागणमून, दशक्यव bmulen, माहाश्रम गाउँमा, दास्त्रमण, 7 Fi 11, में उष्टोमन्त्रभग व्यागमाणा, शहा, शहाक, वाकाशीयां द

## পুরাতন কংগ্রোস ভবন প্রাডার্পণ

२३ म छ । जनकाङ्क भूगिन भूबासन करटवान गम्मांक हे। है (बार्क दमरक्रिकेश शिवक मणुना भाग विक्रमणीटक व्यक्तांतन 45441

#### थननाम (यन जाकां जि मर**खायकृ**मात्र कर दशकात्र

युगनात शनिल धनान्दिकेटखरके निक्ष्ममण गुणमा वार्षासभाष्टे दश्र छत्य (मन फाकाफिन मन्त्राय **क्रिकोण नेवस्**यात **帯でおお 大河 りじ物!可要料[お 帯部6券 ご前型]な** स्था रहेशाय । जनगानुस् जुल्लाक लुल्लान nfalomin offenfun-fom frett शांत्र मार्थे।

#### A Angernfaren wan:

## টাএকায়ন মঠ

र्दे वि, दिन शुराद व छना रहेमन इटेरफ নদীয়া জেলার সদর স্থান ক্লমনগর পর্যান্ত ১২ মাইল দীৰ্ঘ একটা ঋতি প্ৰাচীন পাকা वाचा वर्धमान चाटा। वाणाणी हरेटछ क्रकानगर भगास (तन अदय गारेम प्रनियात পূৰ্বে পূৰ্দ্যবন্ধ ও কলিকাতা হইতে স্থলপথে क्रकानगंत्र ७ नवदील धातः क्रकानगंत ७ नग-ৰীপ চইতে কলিকাতা ও পূৰ্মবন্ধ অভিমূপে যাইতে হইলে দাত্রিগণকে এই প্রাচীন রাস্থার উপর দিলা গমনাগমন কবিতে হইত। व खना द्वेशम क्रेटिक किम माजन पृत्त व्हे প্রাচীন পথের ধাবে হংসক্ষেত্র (চলিত ভাষার ইাসখালি) নামক একটা অভি প্রাচীন গ্রাম অবস্থিত। চুণী নামক একটা কুন্ত স্লোভবিনী ইাস্থালি গ্রামের ভিতর দিয়া প্রাবাহিত।। এই চুণীনদার উত্তর তারে একটা নালকুঠা हिन। कारन नीनकृति हो।न-शृद्ध श्रात्रिश्र হয়। এই টোলগুঙ্গী বহু কুঠারী সম্থিত क्षत्रकर काहे।जिका। कामाक शकान निर्मा क्षांत्र मधान्त्राल (हानशुक्रती निक्रिक । जीनाम মারাপুরত্ব ভাটেচভত্তমতের লাগারূপে কুফা নগণে যে একাধন মঠ প্রতিষ্ঠিত ছিল, তাহা বঙ্গানে ইাদথালি এামের টোলগুছে গিড **গন্ধ**্যিত

भाषः नानदात निवन निषदेवस्थ्य-রাজসভার বউমান পাএরাজপ্রবর ও বিছ-भाग ज्या धीमर कॅकिनिका छ नवच है। आचा मी महावास वस लग्न मम्बिगाशादत है,स्थानि श्चारम श्राह्मामाम श्राह्म स्वाह्म स्वाह्म स्वाह्म ट्रीमग्रद्ध ध्वापन भ्रदेश श्रीकशकारा স্থাসন্ধর্ম করিবাডেন। নিশাসভোগ চর্ন सभी प्रक्रिय पिटक अवश्विक धाकात्र अकात्रम মটের শোভা আতিশ। সমুদ্ধ হইরাছে। হংসক্ষেত্রে স্থিত এক।এন মতের স্বতি নিকটে শোকাল্য না পাক্রে, নিজ্ঞনভার বিনশ্ভাব मर्गकभारतात्रक १८४८क आंकर्षण कोराहा थात्कः कामान्याता अहे अकापन महत्त्व ्राच्या वर्गनस्थाया नरह। कक्षमास्बद्ध क्रिक, मरेबा मरबा क्ष्मरक्किक्ट क्षेत्वकावन मट्ट गाइँश डेशात त्या वा मन्त्रनेन करत्रन ख চিত্রকে সহজে ভগ্রভাবে বিভাবিত করিবার স্থযোগ আগু হন।

## সাধুর লক্ষণ

আজ্বাস সাধু চিনিরা উঠা ভার হইবাছে। তজ্ঞচ্ছ শ্রীমন্তাগবত প্রছে সাধুর
ক্ষত্তক্তি লক্ষণ বর্ণন করিতেছেন।
জীভগঝন্ কলিলদের জন্মী বেবছুতির 'কে
সাধু, ভারার গলব বি'—এই প্রায়ের উভরে
জানাইডেছেন,—

# দৈনিক নদীয়াপ্রকাশ

নিত্যপাঠ্য বৈক্পবাৰ্ত্তাবছ

বেঘারি সমস্ত সাম্বত-শাল্কের অকৃত্রিম ব্যাখ্যাতা সমগ্র ভারতে একমাত্র স্কলভ দৈনিক পার্মার্থিক পত্র

জীলাম খাশাপুর ২৮শে ফাস্কন, রহস্পতিনার—১৩০৭

ভিডিক্ষর: কারুপিকা: স্থল:

স্পলিছিনাম্। অভাতশত্রঃ শাতাঃ সাধ্যঃ সাধুভ্ষণাঃ ॥ মহান্দেন ভাবেন ভঞ্জিঃ কুর্বস্থি

> टा मुहास । एककणनशक्काः॥

মংক্রতে তাক্তকামাণ্ডাক্তবতনগৰিকা।।
মদালণাঃ কথা মৃথঃ পৃথপি কথমন্তি চ।
ভি বিবিধান্তাপা হৈ ান

মধ্যতেতিক: ॥

ভ এতে সাধবঃ সার্শির সর্বস্থাবিবাঞ্জিতাঃ । সক্ষরভাষ হত প্রার্থা: স্থাদ্রেছর) বি তেও মেই সাধন ভটক লক্ষ্য সহান্ধ ব্যাত্তিছি, শ্রবণ করনে –ভাগারা গরিকীন্তনে । বুক্সের कार) महिका जानेशास्त्र महात्र, अमन्तिहरू वसके बिहामक्रम्बिश्हाः छोशता मक्रश्रीयस्कृ অষ্য ও ব্যতিবেক লাবে ভগবানেরই সেবক বুলি ভালেন, প্রতান্ত কার্তিকও শক্ত ব্লিকা ভাবেন না ; টোলারা নিশ্নি তেওব माक, माद्राप्य की जन्म समाज शहे के हालाव ভ্যাবসক্ষর । অভাগের ঐ সংগ্রাংগার ইক্স লক্ষণ সমূহে ব্লিটেডিড আন্ত ক্লান -ভালাল আমাজেই একমার ভলনী বিষয়-আনু আন্তে একনিও ভাজ কার্যা থাকেন, আমাৰ সেবাস্থ্যভাবেশ্যাতে সন্ধা-ধর্ম পরিভাগে করেন - আমারে জরু ক্রমন क दिश वक्षतास्थापि स्वयं शहका : केंद्राता शहर,क शतित क्या প্রায়ণ ও পরস্পর কাঁচন করিনা থাকেন: গলগভাচিত্র এই म्कन অংগ্রাহিকাদি ভাসত্রগ ব্যাপত কবিতে পারে না। তে সাঞ্জি, ইজ প্রণ্যাপার এই সকল সাধুগণ পুরুষ্থে চ চুইয়ে আস্থিপ্ত : काशानाक व्यवस्थानमञ्ज्ञान द्वार दयन करिए ह मध्ये : क्षण्डताः (क मार्डः वर्दे अस्पनि সাধুগণের সঞ্চই আগনাত প্রথেনীয়।

জীকৈনস্থানিভানতে তাহারই অস্তথ্যনি করিনাডেন,—

সৰ্বন মহা ওণগণ বৈক্ষৰ শ্ৰীবে।
ক্লাড়কৈ ক্ষেত্ৰ গুণ সকল সকারে।
ক্লেট্ট সৰ গুণ হয় বৈক্ষা-শ্ৰমণ।
সৰ কহা না যায়, ক্রি দিগ্রবশন ৪

কপালু, অকৃত জোহ, সভ্যসার, সম।
নিদ্যোধ, বলাছ, মৃত, শুচি, অকিঞ্চন ॥
সংক্ষাপকাবক, শাস্ত, ক্ষেত্ৰপ্ৰণ ।
অকাম, নিবীহ, ছিব, বিভিত্ত বছ্ণুণ ॥
মিতত্ত্ব, অপ্ৰমন্ত, মানদ, অমানী।
গঞ্জীৱ, করুণ, মৈত্ৰ, কবি, দলং, মৌনী

উপরিউক্ত লক্ষণ বাতীত আমবা কেবল বেশ দেখিল কোন ব্যক্তিকে সাধু বলিল ছিব করিব না। বেশ দেখিল যাতকে ভাষাকে বাজে সাধুবলিল সঙ্গ করিলে ক্রমে কপট হটলা যাইতে হটবে।

## ब्रोटेड खपर्य

( শ্রীনাদ নারাহণ দাস অধিকারী এম, এ ভাজিকধাকর ভাজিনালী লিগিড)

শ্রিণ মন্ত্রপুর শ্রিজপরনে শ্রিকশেপন আচার্যের গুলে সমগ্র জগতের
লাগে ইটি ভক্তমত প্রকটিত বহরাছেন।
ই নিজুপার পরমবারী ক্রেপ্তামী সহারাজ
শিক্ষিত সরস্কা ক্রেপ্তারের ক্ষেত্রপা
শিক্ষিত্র পরস্কা প্রচারের ক্ষেত্রপা
শিক্ষিত্র পরস্কা প্রচারের ক্ষেত্রপা
শিক্ষা লাগতের
সমুদর লাগতে প্রমান শিক্ষালাগের স্থাপত্র
শ্রিকার করিলেন।
শ্রিকার করিলেন।
শিক্ষানার জারে জারে
পারবেশন করিলেনে।

শীনৈত সাঠে পরবিদ্যাপীঠ জাতি জিও

চইংগ্রুন। প্রবিদ্যাপীঠ জাতি জিও

শীওক্ষেরা ছালে বান্তবস্থা অবগ্রুত

চওংগ্রার। বান্তবস্তা অবগ্রুত কলৈ বান্তবস্তা হালার অক্রাত, ভালার কেলা

বিষ্ণেকই লাক্স্যু জ্ঞানগান্ত করে।

বান্তবস্তা হালার অক্রাত, ভালার কোন

বিষ্ণেকই লাক্স্যু জ্ঞানগান্ত করে।

বান্তবস্তা হালার অন্তবস্তা সম্ভব

নলে। বান্তবস্তা অভীর বিজ্ঞান কিংবা

মাংক্রিজ ক্লনশাল্পের প্রতিশানা স্ক্রাত

সংজ্ঞানী অস্ক্যু নছে। বান্তবস্তা

অস্ক্রের ভিজ্ঞিত নকে।

পরমার্থ বারা ওলা কবিত জাগতিক অব নানিত কর না। তথা কবিত জাগতিক অব কবিত জাগতিক অব বিত্ত জাগতিক অব বিত্ত জাগতিক অব বিত্ত জাগতিক অব বিত্ত জাগতিক অব বারা পরমার্থ সানিত কন না। এক মাজে পরমার্থের জন্মুলা চেটাই জাগ্-সংজ্ঞা বারা স্থিতিত হহবার হোগ্য। প্রাবদানীতি অব্ধরণ সাদন বারা শহমার্থ্য শ্রাণ্ড ভইতে পারে।

উটেডজনঠ ভোগ কিব। ভাগের আলয়, নতে। জাগচিক অথ সংগ্রক কিবা অন্থ ভাগের অভিনয় মাত্র ধরো প্রথার সাধিত কটভে পারে না। প্রবিশ্যক, পরিপ্রার ও সেবার ধারা ভত্বদলী প্রিপ্রার নিকট কটভে প্রয়ার্থর সাধন লাভ কচভে প্রয়া এবেলিটাই উপায়াক্ষর নাই।

ইটিচ ভন্তমতে ইত্রীবিদ্যোগপ্রাণ ক্রিট ৰ ইগাছবিব কার নিভা সেগা-বিণাধিক ।

শ্ৰীণ ঠাকুর ভবিধবিলার শ্রীত কছবিকান वारकत्मंद्र मुंगा छिरमा काश्व वार्शनिक পতা সমাক্ষাপ অবশহন না করিলে শরমার্থ । एवं अञ्चारत क्रेयांत मधारमा गाउँ, हैश मा छ नक्ता, शकी पंता किरवा महत्राचना ne : en bige warferin Bun মাচাপুতে ইট্লেটার্বস্থারিয়ার বিজ (नना पुन: अक्षित कांत्रशास्त्र . अन Sime Biefeiff aufrich mile हिटे ७ छ मरमा केडि । प्राप्त करियारक : Bito e gus Ben Dion wie gieilung व्यवाकिक श्रीवादन दोव [4 BITALOS भगत्क (भवामधन । भविषामित्र वस्तामा-टाकान गढ--- व विश्वादांसकाशिकारीय 公安 、特別日 古門神名明 1

ইটে চন্ত্ৰ-প্ৰবৃত্তিত সংকীপ্ত। ধারা ইটেচত গুমতে প্ৰীপ্ৰসাঞ্চলিকা, গাংধারীর নোবা প্ৰমুশ্লের কচন্ত্র থাকে। ফুচাই ইটেচ চপ্লের শিক্ষা; ইন্দ্রিকা-সংকীপ্তন কালযুব্যে পর্যাধের একমাত্র সাধন প্রভাত প্রীকৃষ্ণশংকীস্তান বেল ও কৌকিক সাধন গন্ধতির চন্দ্র বান্তব প্রক্রিসাথি; চল্ডাই শ্রীনদীচানপ্রকাশ প্রের জ্ঞাচায়ন্বিধা।

ঠাকুর আছিজিবিনোদের আছর বিগ্রাছ শুনদীয়া-আকাশ সংক্ষাণার অধ্যুক্ত ভউন। উটিভেক্তমনোকটে-প্রচারক শুটিভেক্তমটাম্প্রভ শুক্তনাগুল ভক্তমন্ত্রণা অধ্যুক্ত ভউন। শ্রীল ঠাকুর ভিতিবিনোদের মনোভীট সংক্ষোরক করিছুল পাল প্রস্তুহ্বস্থারিজ্ঞাক্রার্য করা কটো ভর্তন শঙ্কী-শ্রীমন্ ভাজাগিল্বার সংক্ষণী প্রস্তুক্ত ভউন।

## শৌক্রবিচারে বর্ণনিরূপণ বিশুদ্ধ নহে

( ভক্তিরত্ব শ্রীপান রাধাচরণ গোলামী एकिए।यी )

ব্ৰাহ্মণ বংশে ভবিলে ব্ৰাহ্মণ, ক্ষাত্ৰিয়-वराम क्रिकाल क्रिका, देवश्र-वराम क्रोनाल [ ( श्रीकिमानीहश्राहन फ्रांक्किनाक्षव वि. बन ) देवश व मुद्रवर्शम कवितम मुद्र - এই क्षयात বিভাব স্থাবা নথাথ বৰ্ণ নিজ্ঞতি ক্লইডে পারে না, কারণ ইহাতে অনেক সময় মিথাচোরের অবকাশ ঘটিতে দেখা যায়।

মন্তব্য জাতিতে সকল বৰ্ণে সাক্ষ্য বশত: বাজিবিশেষের ধথার্থ বর্ণ নিরূপণ অসম্ভব 📳 বেছেত্র সকল বর্ণের মান্বগণ সকল বর্ণের **স্থীতেই সন্ধান** উৎপদেন কলিতে সম্প<sup>্</sup>। मानवशर्भत्र दोका, देश्यन, सम्र ६ मत्र् मकल वर्षतहे क्रकेहे खकात।

সকে সকাপণভাবি কনগান্ত সদা নরা:। वार्टेमधनमध्या कम् मत्रपक्ष मनः नृताम ॥ (মহাভারত বন্পকা ১৮০/৩২)

একমাত্র মন্ত্রণা ঞাতিতে বর্ণপর্মা সম্বাদ্ধ এমপ বিপ্রায় সম্ভাবনা আছে বলিয়াই গুল-কল্ম বিভাগ-অনুসারে বর্ণ বিভাগ হট্যা रेज़्द नर्गा समार्थ चार कामान कहेक প্রতিষ্টিত হটয়াছে। চাক্ষ্য প্রমাণ ধারাও দেখা যার, এক আজন্থিতার প্রিচয়ে চারিটা ভাঙা চাবি প্রকার স্বভার্ননিট: (कह तम्मिन्ने) कि तमितिरताथी, किश् ক্রে, কেই অনাচারী, প্রান্তি নানাপ্রকার। স্তরাং গায়ের ভোরে সকলেই ব্রহ্মণ বলিয়া পরিচর পিতে যাইয়া ল্রাছ কলত আরম্ভ হইয়! হায

প্ৰকাৰে অৰ্থাৎ মতা যুগোর প্ৰারাম্ভ ৰানব্দিগোৰ "হংশ" নামে একটা বৰ্ণ ভিল। (मर्डे युर्ण (य मकन **श्रंका क्षमाश्रह**ण कवि । इस. टीहाता कहकडा अर्थार समर्पायतावय আগ্রেদশ্রপরাখণ পাকিয়া ধর্ম স্থান্ধরণে পাল্য পুরুষ মগ্রাছ, উরু ও পুদ হটছে স্থ আচারসম্পন্ন রোজণ, ক্ষরিষ, নৈপ্ত ও শুদ্র । প্রমণে আমরা পাস্তবাবে ভানতে পাই। বিভিন্ন প্রায়ত বিদ্ধান কর্ম। খালে। অনুস্ত বর্ণের স্পত্তী-কর্মারকান। এই চতুকার্ণের মধ্যে । যে অমুক্ত পান বা অমধ্যে লাভ বা ভ্রম্যণে । কোন পথিকা নাই। ত্রন্ধা কাইক কট সনতা। স্বর্গগমে অবস্থিতির জন্ত এত এত প্রথম, বিল্লেন্ডিইটিছরপ চেটা অভাতিশাংখন জ্বাৎ ব্রাহ্মণময় হিল ; পরে কর্মধারা বিভিন্ন । সেই স্বর্গান্তপ্রভাগই বা কডকাল স্বাধী সু বর্ণ সংজ্ঞা বাত করিয়াছে---

न वित्यादाकां अवर्गनाः मर्काः जानमित्रः करार । जन्म भूक्ष्रहेर हि क्ष्मिं ध्वर्गलार शहम म (মহান্তারত শান্তিপর্ব ১৮৮/১০)

ক্ষত এব শৌক্ষবিচারে বর্ণ নিরুণণ কোন तिरे पुढा अहे क्लिक्स् कृतित सम्दर्भत শৌক্রবিচারে বর্ণ নিরূপণ মিথ্যাচার ব্যতীত : তীবের সাময়িক সক্ষণ বা সাময়িক আনন্দ ष्यात किष्टरे नहर ।

## বাঞ্জনীয় অমৃত কি গ

custefutena Guenini imacio a Brio fa दक्षांमान कविटक शाबि नाई वा काबाद आधारिक करियांत्र क्ष्मीनाहा क्रांत प्रत ब्रहेटब निवार कामात (व्याप्त नाही। ्रामध्यात्वर किक्ष य मक्तानां श्राकम् freit entene fort व्यारमाहनः क्रिकः दशम ब्राह्माना वाकिन গণের নিকট কোন অপ্রধানর সন্ধান दसक्रम आका भागक कालगाव त्रि को स भारक, त्राह श्राक के मार्च क्रांच क्रांच व्यक्तिमुम्बाह्य कर्गक्त अन्तर्भ के कार्या व dies af tie nfeutes fer du iete 1. Bille !

CHATMANICHA HAR 2010 হ্বল জ্ঞান আই আন WISTON CHARTING TO SID Martes 7 10 नन् के अञ्चलक कांधी का वारत अक्रतन्त ब्राज्यवाम स्मार्टिनीयद्वि शहरू स्ट्राप अञ्चर्यकारक व्यंक्षक करिया (unefeifa रमह अधु के शहरनांचे श्रह्मांचा किंगानिकार ্লৰভাগণ ধেত অনুত গান কভিনা अभगव माछ करिया किन्द्र ।

কিছ দেবতাগৰ কেপুৰোৰ ফলে অমুস্ত भारतित बारा अंतरक का अ कांद्रा mat वर्गग्यो व्या शल्ड वर्गछन मार्व कृतिहरू छ के।बार कामएलान्ति यक्तिलुव । आकृष्टि की केनकादी छाडे कान्।वहासुक भागत बहरत व किन्दालद वस दृश्य द्या वाली म किमालनाम्बद्धी चाह द्वान वस व्यवाकि शहरक शहरतन माह, एकावा : नह (काशनभाषुक शहरूक बाह्य करकात्रक कें किएक कामना (मृश्टिक contentem forti व्यक्तिक्षभव्यक वर्गाताश कतिया भूगा कत क्ट्रेंटन भूमराध ग्राह्मारक खान्या करतन धनर भूनः भूमः धने लिजाभुवन मरगारक याणाया क किटक भारकता । भाग कविरक छेगरमक कतिज्ञारकता । व्यक्तक (पर्वा चां) एक छ । (य. वे व्यक्तक ।

একটা প্রাধান পৃষ্টিবিধান শাক্ষ্য। এ বুলে । সমুনমন্থনোখিত অমুভ-পানের দারা কিছ ঘটলেও ভজারা ভাষার ভগনও নিজা मक्रम वा निजानिय गांक कहेरल शांद ना ।

> वाहेकरण अकाम अहेशा ख्राह्म व सम्ब করিতে বছ জন্মখনাংখনের अक्रिकाण अद्यानिमित्रे बहेशा कीत शहन वरि छत्तरेनक्षनत्रसम् काम्य वर्षः क्षत्र त्म खश्क्रभात्र कानिएक भारत रव (प्रताश्वत-गानद नाक्षणीय 'कामक' नाकीक क्यात এক প্রকার 'ক্ষুকে'র স্থান আছে, যাত্র পান করিয়া পরীক্ষিৎ মহারাজ নিভাষ্ত্রণ व निकार्तनम काक कविद्यादित्यम जात्र য তা আলোমৰ পেলাকৰ কৈবিল লায় সকল मामाद्रभाव भाग कवारी नंद्र सक् प्रस् नरमर भुरत्य हो। सब्बोलनारम । ही क्याटेन ख्या मकाक्ष अवलीतं क्षेत्राहित्सन। इकः ent Bagige eige et Banbatani-भुक्त वर क्षेत्रिकारमभाग्रह । क्षेत्रभूकानमः गृह ध्यानवारका र शक कर, याता होत लक्षा , भाषांनी अंश्वास्त्र अन कहा क 新CA . \$P\$ 日 智 《香L》 城市出版(竹 城市道)有 E. 4" E. C. TITAL NOW THING !

城市 頭羽馬 对为下午 (無行者 機者 實行者 भारतात करा साथा ता शासन अवस्तार विकास Comercia at more man nictora William William कार्र देव तक अब अब्रिय

क राज मूल कारस सरिक वा हकार ब्यून का आनद्भागन काही ९ रम: क्षा <mark>श्</mark>रुष्ट के अने कि जा काका **क**ित पुनेत 明·1-19/4 日報 4/項目 明白蛋白 中/也 中(自 近代 建基布尺 物型剂的代码表 环门的 有山獭大狗 छक्को मन्ध्राच्या , सण्ड राजित अप्रत्य । शरामध्य क्रिकि भारत्यात्वर भारत्य हत ।

किम्मवात्मक लाग, क्रम, अन, जीवा পান কণিচা অমংজ কাভ প্রভাভ व्यवक्रि व्याप्त एवावा क्यन क विकास শ্রীগ্রার ( ১২১ শ্রোকে ) শ্রীভগ্যানের নাশ হর না বা ভদ্বারা বড়বিপুর রাগভু : ेणांठे त्य, वेटर्ड मुक्त क्रमा साथ ला। धार्म काय मध्यानावाचिर्दक्त गर्भ ∰ाम वासम-ভাগৰভায়ুত্ৰ পানের ছারাই জীবের গাস আছু উচ্চার প্রযুদ্ধ কীয়াল স্বায়া क्टेट्ट शटक (गर्डे प्रिक्रक्षशहनगरम् बटेक्कुको स चार्काठका | फ्रश्नुटम्बत धावस वक्षन क्रिक्सिक्टमस ক্ষক্তি গাভ বন্ন এবং ইতাই একমাত্র শিবদ । ত্রন্ত দিবশ মণ্ডাল্কে জীপাদ । প্রণাঞ্জ ৰক্ষঃ পাট জীল বাংসংদৰ প্ৰেগম ব্ৰক্ষারীলী গ্ৰীপ্ৰদাণ উপত্তিক বছ कलकार्वार्थीलकः कनः दा दक हेवा भूवमू हः

भवन कक्षा गतिब कि लेक्करवन

व्यामात्र क्षाव क्षकारिकीत क व्यविद्यानकाम-व्यन्त की बारक की क्रम निवन का गरफानुक भाग कतिवास कछ अनगत्रक देशासन mein wielene minig wielem wis क्त मा। फाइ आगि के क्य विषय क्रि-निनिष्टे करेवा जिल्लाभाषक क्रम्यवस्थान গ্ৰায় পরিয়া ছংগত নরক ব্রুণা (ভাগ कविटककि। व्यामि कृत्ककत विवाससस्य सस লালাভিক ভইবেও সেই সেৰ্খ-বিপ্ৰস্থ कर्मराज किली संबंदनय की बाब अवाहिक भगत्मानग्र-सन्नात यणवर्षी करेना भागात्म ছাগ্ৰনামূভ পান কৰাইয়া ভূজি, সুজি, গিছিনাছা এছেতি অভাতিলাবিভাগ ১৩ क्टेंटर महिलान कडियाद क्या जनर हर्गाभुष्ट मार्ट्स निवड क्रुगाहेबात **क्रक अफ्**ड

বাস্ত কৰি আমাৰ পোড়া স্বাস্ত व्यक्ति कामा न वालाय ना ।

क्षमन कामता बारना कहे वृश्वित्त नाहि-नागात्म, फल्ब व्यानाव व्याम्यक माया -कान अकात अञ्चल नाम ीर खबर दकान्छिह वा भिवम, जिल्लाभागक, लिलानकत् 🐠 निकारिक समानकारी पार श्रम्भ e miemuleinesting fort करायात्र व्याचनाः, काकाता आलिश्राप man can mila statean auto cardio. राज्यात्रास्था व्याचाच्यां क्यांद्र स्वामाक्ष्र +10 4112, 40 0616 411 n ;

## বন্দাবন আরু স্বংটেত বামটো न्यः ना गात्र च भटश्रम्

भव पर्वा का बन दू वाब आवासका-का क्षा का भाग । होता है जा विकास का का का का COOSTICA ACTUALISTS + MSISS +441C# 1 Mires The later de le le Mante le Mante M. Slidens Tim Genemell ८वकार चलाना कता स्त्रा । चना क मृत्कां स् त्सत्र क्षापान चामपान भागकामी आहे miritan dim du viertich apple 法自己 有心的 医心门后的 化二硫甲酰甲醇 医杜鹃原 मन्त्रन मखनीम दिखानस्य काम्म्रोक्रान्तः। dinas parité des cliers mais গণপতি উপাচারাধী উপাস্থত বহু ব্যক্তিক महाकामा विक्रम्याचा लाज्य क्रिका-

इङ्ग्णांक्यात्र व्याखःकारमञ्जूषांक्या वाक्टिक, विक्रित मधाव्यमाच विश्वन Plantingung :

## চৈতন্যমঠের শুদ্ধভক্তি গ্রন্থমালা

7	ক্লাক্সয়ে প্রকাশিত		95 1	ম বন্ধীপশক্ত	,
			1991	**************************************	). 
> 1	শ্রমন্তাগণভাগ,শমপ্র	*•	98 1	ममाहाक्षणाहरू	ر.
	ঐ (১ম>ম কর) ২' ঐ ( <sup>*</sup> দশম কর <sub>)</sub>	3100	261	ক্র্যাপ্ক্রজন (প্রক্রম সংখ্যাপ	
	জ্ঞা (পান কৰা) ভাত্তৰ উন্তিটিচত সচায়িতাস	25.	910	শান্তন কণ	
* 1	•		91	সাধ্যক্ষমালা (বাণা)	
	( इ.च. शरकत्तन ) टेशोकीय-टलाजर	د/ امار	·	<ul><li>अ</li><li>(भागाता)</li></ul>	1/0
• 1	মোজাৰ-সোধ গৌজীৰ-সাংহত।	ا موا	७৮ ।	বৈক্তব্যঞ্ধা-সমাজাত	
81	(2) (1) (1) (2) (2) (2) (2) (2) (2) (2) (2) (2) (2	100		ক্রপম চারি <b>ব ভ</b> )	>
<b>4</b> 1	क्षेट्रा मृत्रक्षावृक्षमः <b>व</b>	,,	5×1	₫ <b>%</b> 위*18 %'	1.
• ,	শ্রীনবরীশ শভক্ষম (বাগা)	١,	8 - 1	শ্রীমধাতা প্রাকৃত্ব লেক্ষ্য / বীধা	) ><
	्रानपदान चल्लन (चार्या)	ho.		উ (ভাবাদা)	h.
• •	গীড়া ( শ্রীষলদেব-টাকা-স্চ )	V1-	85 1	भिष्यक्षयी अञ्चलाम	1.
•	( वै। ४)	<b>૨</b> .	e> (	्रित के त्या १४४:	<b>19</b> •
	<b>धे (भा</b> र्गामाः)	; <b>%</b> •	451	<u>चि</u> रे5ा•अ'+।शरफ	
• 1	ক্ষতা ( ক্রিচাক্রবন্ধি টাকা-সভা।	·		( विकास किलीर मरखबर )	٤.
• ,	( 4141 )	<b>خ</b> ر	88 (	ক্ষেত্ৰাৰণী বা ফারাব্দেশ্সমূহ	4 <sup>2</sup> ħ
,	🦫 (चार्चामा)	` :4•	8€ 1	ब्रीहेड एक लिए मुख्य विश्व	<b>ર</b>
<b>3</b> 1	দ্রীভার কেবল মাধ্ব-ভাষা	4.		<i>के भारतीमा )</i>	500
>•	बाक्ष-भाष्ठकः चनामीवकः माश्र	dia.	491	क्षतिकाम कि कटटन १	×
	(মাধ্ <b>ং</b> )	٤.	64,	क्रिलाभगिषर । नगरनत ६ भा	<b>ধ</b> ৰ
33 (	दवसास्त्रसम्बन्धमान् भाक्षनान		,	ভাষা এবং বিবৃতি ও অস্ত্রাদ স	8.10
	anummin :	ŧ.•	86 1	टी हुन.० <b>७०</b>	e's
	टेक वशन	₹,	4.8	সিদ্ধা স্কলপূল	- <b>4</b> /+ ,
501	শ্ৰ <b>ণ্</b> ৰনামচিত্বামণি		4 •	र, ग्रन्था नवसी	J• 1
	( 5 <del>9</del> 4 <b>गः</b> दश )	ų	CFT	নাগরাঞ্চরে প্রকা	শ্ভ
58 1	লোড)র-কঞ্চার	١,	e:	रिक्षास्य अस्यको निवस्यः	<b>2</b> •
	্ৰেমাৰ্বৰ <b>ক ( জুকী</b> য় সংখ্যৰ )	<b>.</b> ∞⁄•	e ÷	শ্ <b>টীক শিক্ষাধশ</b> মূলম্	
	व्हे (वैष्यः)	bş e	€ 5	* <b>4</b> -741	
) <b>t</b> a	कील-१वन मनक	₩.	4 8	मुक्ताम (नकाहेकस्	
	माधनलय ( ०४ मरकत्रम /		:	লোড়ার ময়ক্ত প্রিচরঃ	/•
<b>:</b> • (	(शायामी क्ष्माय कीत ( वे.स)			न् (रारण्यग्नम्	₽.
	छ (च्यावीया)	1010	. E.E.	রজী ভাষার প্রকাশি	×15
	स्यक्षीणगाम-अक्षमाना	4.		নাম গ্ৰহ্ম	
	<b>कष्मित्रज्ञा</b> <del>व</del> र		261	লাইফ ্যাড়ে পিলেপটন অব	
	(सर्वोश भविक्याः)			क्रीटेठ र स भग आह	,
	শী ক্ষাণা	15.	163	र्वक वी सम्	
	मध्योलभाष-भाषायाः	<b>J</b> •	9+1	ागाह शोकीयम <b>ें केल</b> ्युके	
100		e/ •	331	मि आश्रवक	(• )
₹8 (	ন্বৰীপ পঞ্জিকা	<b>.</b> /•	<b>* * ? !</b>	হবোটিক্ কিশিশণ্শ লাভ	
	( ৪৪৪ পোরাম ) শ্রীনাম্বীশভাষকরণ	<b>~ •</b>		बारनगरमञ्जिद्धामन	
	क्रिनाक्षमक्रमनाव्यमः वर्गे		<b>₹</b>	ভূয়া অক্ষরে প্রকা	শিশু
	न्द्रशास्त्रकात्। प्रकारः चराप नद्रशास्त्र			শ্রহরিনাম চিত্তাদণি	<b>5</b> •
	नवगागार शिकायमी	ا•		माध्य श्व	}•
-	ৰভাবন। ভিজে মবৰীপ	<b>&gt;8</b> •		******	
	नीमनक्	1		वेदावनी	-
-	नावनका (कामणांकातासका	١,	-	শশ্বণাথড়ি	
~ <b>3</b>	6-20 व क   <b>व</b> ाठ । ता क	, ,	- , ,	रक्त रह है। ज	

## কলিকাতা গোড়ীয়মঠ হইতে প্ৰকাশিত

# শ্রীগোড়ায়

একমাত পারমার্থিক সাঞ্জাহিক

তত্ব-ত্রেমণজের বচন-প্রচারিত, সঞ্জলনাদৃত, নিশ্বংসর স্থালোচক' অক্সজান ও অংশাক্ত ও জি-মীমাংসক, নিশ্ব-লাবি একমাত্র অইডতুক সর্মার, ভারিজনোপাসক, প্রমার, ধার, অথ, কাম, মোক্ত, স্মাক, বণাদ্রম,ন্নীতি, প্রায়, কাষ্য্য, শিল্প, ক্রিয়, একারন, সাহিত্য, বিজ্ঞান, শুতি, দিলন, ক্রিছের, চিকিৎসা, প্রাণ, জ্যোতিষ, দৈবরাধি কাডতির নিরপ্রেক পার্ধকক সক্ষণতি—জ্বিত্যক্র বিজ্ঞাপথিয়ার ভারতশালী, ভারত্যারক স্পর্যাক্ত স্মান্ত্রক্র বিজ্ঞানিম্যাল বি. এ

অল্লিম বাৰ্ষিক ভিক্ষা ও টাকা, ভি. পিলে তলত

অফিস্—১৬নং কালী প্রসাদ চক্রবর্তী ফ্রীট, বগেবাজার কলিকাতা।

শ্রীধাম মায়াপুর শ্রীচৈতত্মসঠ হইতে প্রকাশিত

## দি হারমনিষ্ট

### বা সজ্জনতোৰণী

ভাত্তীবিশ্ববৈশ্বরাজসভার ইংরাজী মুখপত শুজ-সনাত্র-ধর্ম-সম্ব নীয় ( মাসিক )

বেদ, বেদান্ত, উপনিবদ, মহাভারত, সীতা, শ্রীমন্তাগবন্ত, পুরাণ, ভ্রাদ, ভ্র

भवाधि विशिवाद कि माना---

मारमकात्र—हास्रक्रान्तिष्ठे (शः न्यागम माराशुत्र, रक्षणा नगेशा।

## চিত্রে নবদ্বাপ

প্রাচীন নবদীশের অবস্থিতি, তথা, ঐতিহা, শ্রোত ও ঐতিহাসিক

শ্রমাণ-সম্বলিত নহটা দ্বীপের সচিত্র বিবরণগ্রন্থ কাজান্য কাজস্বাহেক

কুমার শ্রীযুক্ত শরদিন্দুনারায়ণ রায়,এম,৫; প্রাজ্ঞ

(লাছোর)

## মহোদয় কতৃক সঙ্কলিত

৪৭ খানি বিভিঃ বংগর অপুনর চিত্র ও মানচিত্র-সমন্বিত প্রাচ্যবিদ্যামহার্শব বিশ্বকোশ-সম্পাদক মহাসামের

### বিশ্বত ভূমিকাসহ

উৎকৃষ্ট (ইং ) মরোকো নাধা ১৮ ; লি গিঃ তে ২, ছুই চাকা মাঞ্জ জাব্যিত্বান :—উচ্চেড্ছম্ম, পোঃ শ্রীমারাপুর, নগাদা।

# বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভিজ্মিঠসমূহ

## ोटें इन्जा मर्ह

#### আকর মইরাজ

लाहीन मन्दील, छ।कवत लीमांम मावालुत, मनीता

শ্রীমুভ্যুষ্টান্পীর ভ্রুদ্ধে পার ৩০ । মন্তু উদ্ভব-পুষ্মে শ্রীব্রম্পক্ষমে আন্তর্গারন্ত শ্রীচন্ত্র-**ब्लाब**य-कराल के केंग्रिकन अप रिजायमान !

अहे जान भारतकर-भीर्य, भरारकाशीठ वा भाइक कक्षतवती । जह मधानीर्य द्वीवदि-নামামুদ্ বাকিবলালি-্বদ লম্পুন, পর্বিস্থার জন্তুলীন কাবা, এটক, অলভাব, কথা क्षभाग-छिन्दियम-नी - - एक-क्षान ६ कुन्दिक खगावन । स समाध्या खनर एगाव खिलान-শোরাঞ্জান ক্রি-ভারিশর ও সাত্ত সাম্প্রার্থিক-আচাধ্য-চতুরে উল্লের উপাত্ত বিত্যাহনৰ লাগত নিজা দেবিজ চলাদেছেন ৷ এট মুকাজে পাৰমাৰ্থক দৈনিক পত্ৰ সাক্ষ-अक्लानार न अ श्रुका भिन्न व मुना होन अवरानि अहा व व्यक्त विमान अवन्ति । भागा व আদেবংগ্র জ্বাম-সংবিক্ষমভূতান ও অব্ধিন্ধ ভক্তগায়ি। কীজন প্রচানেমাণ মহামধ্যে যে দি ভারাল অহাউড হুচরা পালে। বক্ষণ -বিকাসারী শ্রীপার নরচরিত্রী। সচকারী – আলাদ বিলোদবিচারী অধারণী, পণ্ড দ প্রীপাদ রোবদাস अव्यक्तानीर नगान होन्य, क्रियान नीत्रक अव्यक्तानी, शर्मक अहाराननारम अव्यक्तानी, শ্রীষ্ট ননীরোপাল বলেলাপার, শ্রীকবেরাম লাল বক্ষচারী প্রায়ুত সজ্জনতার।

#### (৩) যোগপীত উম্নিজয়

क्षेत्र क्षेत्र श्रीक्षत्रतामामान्य करम ता भिश्वादा शक्त का निष्ठाव कृषि मशास्त्रात-भोत्री क्यान शिंदसी शता व सिन्धि-रिमधानम चाटलोक्सावाधन अवर छिटिन छना 🗷 শ্রীনাধাক্ষকের নিজা সেবা তলা প্রীবেক-ক্ষের গেবা বস্তমান। রক্ষ ক—্লোক-अध्याद्वत ह्याच्य मी. अन्त्रात्त्रात्र आकृ जीहरून-माथा प्रकारी व्यक्तिकामिन अवशामी, . बिश्वसम् अवजाती । जीमामन्याम व्यक्ति-कार्ती, (मनमन्त्रा श्रीहातकउक्ता

#### (৪) জ্রাস-অঙ্গন

क्षेत्रवाशकासूत कीखेन-निवास ना **ब्रि**श्मीकात नामस्त्री । अन्तरन के डिल्लाद-निकालक छ श्याबद्यत द्यता वस्त्राता १क---- शिवाशाधाम दक्षणाती, श्रीमगुष्ठ **७४.** ह्यानिक्षाम स्वाची।

> ( ८ ) छाटेच इ-कतन क्रेड क्रांट्स क्रीकटेंबल शक्त करन धारा

(मदा वक्ष्मान)

(७) काळोड जबाबि भ.ह

कार्तीन माहालुक, शामनजुक्त (सर्वेका) Beefperent f Signetelle प्रमाधि। द्रभ क --- इक्षडा हो। ही तिस्माम वर्णा हो।

#### ( 4 ) 막히레 ত 약계 증명

खिर्माक्ष्य, प्रक्रमश्रम ( नगीया ; erice efemmin Ein wichfelning gege nu fo war Montonaine war Mainin-মানবের দেখা বস্তমান

प्रकर-- ५ जिल्ला वाकात अवतारी क्कादियी बन, क्य, बम ।

#### (৮) জীজগন্তাথ গৌতীর মঠ মধ্ম-নিংগ 🛊

রক্ষ ক---- নীঃবভবর ভাকিশাস্ত্রী এম, তে, नि, खन, महकाती---शिक्षेत्रनमाम अक्रि-मारी, क्षेत्रकार वाधवाती लाहाह।

> (৯) ब्रीटगांब-ग्रम्मान्ब मर्ज টাপাত টা, সমুদ্গভ, ( বছম্মন )

क्रीम वाधानात्वव लाक्किक दशानशनगत-इन्ता! त्रक्रक—-श्रीकितित्वास काटम।

(১০) জীক্ষপ:গাড়ীর-মঠ RT.198. 21815 23. FM क्षण क--- श्रीकितिमा अक्षाता श्री, श्री कुनाम्माव ব্ৰহ্মগ্ৰী।

#### ( ১১ ) और भागक महत्त्वः

भाष्ठिताकि, कालतात, तक्षणान। 🖹 वासिव हो इ. हे इन्हें ने ना वर्ण व रुक्त 🗕 ही 🛪 वहारी अञ्चनारी । (১২) ভাগবভ আগন

अक्षानिक (ध्व . अक्षानात, महीता । बन्ध-अम्मानम बच्छाडी।

( ১७ ) खीलकासम मठ ८छ: मनाकी, त्यावाकी, क्रमन्यव, नमीवा। इक्- अध्यानम् उपानि ।

( ১৪ ) अभाष्य ८गोफीय वर्ड >०भर वतावश्व दशाख्, हाका। भूकारणव आधाव-८०अ,ववारन खी छन-्रीराण गास्त्र्या-भिविध्देशक दश्या यख्यान । ८क्क-- खेंद्राश्रायहरू ब्राम्यांनी ।

( ५० ) औदगानानमी मठ \*\*\*\* ( 51 #) ( लागामकी अधारवाद्य साठीन रगवा अक्य-श्री शांश्यात वचनावी !

## (১) আঁটোড়ীয় মঠ

১७ नः वालिकामान ठानवर्त्ती हैिए. (भाः गांगवानात. क्लिकाडा । दिविष्टामान वि. वि. ४५५६

শ্ৰীমনাং বিভার প্রচারিক শুমিকার ক্ষিপ্র-প্রচারোকেশে গৌছবেশের সক্ষপ্রধান নগ্রী অনিকালার জীমজিবিনের্গ আসনে ত্রীমঠ প্রতিষ্ক্রিত আছেন। এই ৩৫%। সভ্যাতামে 🕮 ল্লঞ্জ-লোকজ-শ্রীবিলোদানক ভাট সপার্বধে নিজা সেতিক-কম । পৌতীর আচায়।বর্গের যাবতীর প্রভাবেশীর ভগাচারোজেলে জীমটে শংলপ্প একটা ভুরুতং সৃত্ত:-যন্ত্ৰাপয় সংস্কৃতিক ক্ষুত্ৰটেডন। পুলিবীর সক্ষ্য 🕮গৌবনাম আচাবার্থ এই যন্ত্ৰাপয় क्कें एक '्रशो क्रीय' अल्या'क्क पता, क्रि क्यू अभिक्के अलिक पहिल्ला हरवाकी कावाह सिरा'मार छाटन आकामक करेटलरक्षता - श्रीकार भारते, मधीका, मालाकाम-हाकृदेश-द्वाहास. শ্ৰীমন্বাৰ্তি, প্ৰতিচ ১৪-চিব কামু গাদি-লীলা ও ভত্তপ্ৰয়ের সমাক আলোচনা ভচর " গাকে। মহবক্ষক -- আলাবাল্লি হ শ্রীপাদ কৃষ্ণবিহারী বিষ্ণান্ত্রণ। সভভাতী --প্রভিত্ত ली शास असकता अन्य न न वांत्र छ। जुना नि- ब. ली शास असदा नव न व्यवस्था वि- ब. र्खालाम क्षाप्रावकाडी अक्षाती. श्रीलाम मगठकारण माप्रामिकावी विन्ता, श्रीलाम कश्रामान मामानिकारी, अक्रांनी बीकी हैनानक, अक्षांती श्रीमतबी बाब्य, अक्षांती প্রীয়েক্তানক ক্রান্তলাস্ত্রী, এম্বান্তাই শ্রীদেবকীনকান, পাতিভ প্রাপা নবীন্তুক্ত পর্যাক্তির কার্যনামী প্রাকৃতি।

## ( ১৬ : श्रीभना हे-८भोत्राम मर्ठ विकिश्व श्रमाध्यी मना, नाविताती, हाका

व्यागमाध-८गोबारकव सिंछ। स्मर्थः दम म — डीपुन श्रञ्ज अक्षताही।

#### :১৭: শ্রীভাগবভ্রমনামন্দ্র হঠ

किकविधा, वाक्षापवस्ता, अभिनीसुन। এখানে শী শুক-গোৰাজ-গান্ত কিৰা-গৈৰিণানীৰ নিজ্ঞানেশ সভ্যান । প্ৰক্ৰ---अवनामी जी मननामनामधी । अवनाही नवामक

#### ोर, कामनार्याका अश्वासा

ं जाक्यवैश्व Cलाइ वर्षक्षम्म । जिलारम्याः वक्षक-वक्षयामी लोहितtarmin !

### (১৯) औश्रुक्रचाद्यम मर्ठ

अगोबार, शुबी, छेडिया। क्ष्माट्स हिंद्रगाव-विद्यासभागवक्कीत सिक्ता-জাগৰ শিক্ষাক গ্ৰান্তাৰণী আহচার-কেন্দ্র। বুদ্ধা যথমান। বক্ষক – প্রস্থানী জীপ্রমান सम्म विभारक, अच्छाती क्रीममीपानक।

#### (२ •) औड़क-८मोडीय मर्ज

व्याध्यवत्रभाष, अव्यक्ति हे (चार, भूदी। कश्रीषात्रात्र कल्यात्र गमरण हो। नाकः व्यवस्थान । वक्तक- वक्रांशी व्यापन के व्यापन की । शक्का जी-अवनारी और्वाविवर्गना हो।

#### (১১) खैशिकिमानम मर्ठ

Biggiaimis, wod... त्ववादम अधिक-१श्रांबाक-देव्यामक्ष्यन् सम्बद्धानी जीवानाव्यमन्वन । हा জীর লিভাসেবা বস্তমান। बच्छात्री खीगगायका

#### (२२) औनमाजन-जोशास मर्ड

तनर क्षत्रकातनभवा, काली । (धो व-लगक्षण्ड अना धन-मिकाक्षणः क्षांत्म (शांदरमना वसम्मा क्रम्म---डीकानकोनावको ।

## (३ ०) श्रीक्यादेकजुका मठेन

खीनु गरक्षात कुछ, खीनाम बुन्हा वस । 

अभाक-- है। १० किनान अक्षात्राती

(२६) जिल्लास्य स्टान सर्वे

े शिक्षानगा, शिक्षाण्य

द्रथात टीकामनक भारताका 🕳 🕮 छो । विद्यान विकास 🎳 । दलवा वसमान । भी छकरणाताण त्यीन कश्चिम विश्वतिभाषीत् रक्तक--- अध्वतती त्यीन् भरगानम व अधवाही लीम-मध्याना ।

#### २० औरेड उन्नर भोजा स

भूमत्रकृष्णः, १ठतकृष्णः, अश्रामञ्ज्यः । हेवा बोटे : ७ अ-भटतत नाम: । अक्ष क- हो बमान मान दाव, निर्देशनगानम सक्राता है। श्रीताम श्रीच दशवधीतात ।

#### (२७) श्रीगामभोद्याम बर्डन

कुर्राक्ष के, पारमचन, अनामी अवस्थि श्रीभोगवत्माम-वाद्यव स्मना वरामाम । वयक---अवन्त्रे श्रीक्षणनकी ।

## (२५) जाक्षत्रभाषा व्यन्नाव्यव-वड

अभिग्याका, त्याः मासू, अविका कारारन वर्ष केलनेकि व्यारगाबारक राजा वस्थान । दक्षक---अववारी खीळानकृष-भाग, औदागादम्य अव्यादी।

## (२৮) विद्वा दगाकीय वठ--कार्याक्षय

be con culate, fall femt ! व्रक्त-अकारो आवादकावासम्ब (२२) द्वाशिलगाकामनशास्त्र क्षण -- अवस्था से शाबादमस्या

#### क्षक्रिटनामहोध्य विद्योष्टर ভক্তি গ্ৰন্থাৰলী



- क्रिक्यमर्थ - क्रेम्यकिशिंदमान शाकुत्वन निविच-Beten कीटबंत भारतात. कृत्यन्त महिक मध्या, जिला छ रेमार्नेष्य र अर्थाः क्षेत्रोष - निष्या क व्यवस्थारनाव स्थानः साहित्य श्रीर्विक्षं दर्शनिक कंगाना के अभाग, देवानक अनी खेंग औ. देवकाव-बरायक चाक्रमा, भरामाना मनाव मकिल नाम्या, मा मान्या, देशवीwim a wienicus (wa, Energauf, miamain) wu करिक कारकमा, कोटवर वर्षों छ। एत मू क्षेत्र, देन्कानपुरावन्न कविकास, कंक्किन कविकारी-निकास, कर्य र क्केटिस रसर मार्थक कर, महत्त्वनाथ क देशक वतन्य, **एवटन**्यू कार्की मा. एका राज अक्ष के भारतात अकोर ब-८सन, सैनिश्वर्य व ८०१४- , framen miche, mai unne nie a marche mich. som-काम कुल के दला रूपका लाइ में 151व, मी का, देवाँग के न्या रहाय करिक, श्रृषक्षकान, सम्बद्धत वानका है, लाजकीहरण, प्रमुद इम् जीनात्मा, श्रेष ४, भगायम भाषा गायमा Sigg newitten, in in nammerte mouttie-commen in c लिके ब्रह्म के । वह जानम के श्रेष्ठ प्रतालिक म निकार Michiffia dicord lagital warm a vicas alland and পরম পুড় জেনিবধক এন রূপু সংক্রে জালমাপ্তী এছ উপেক্ষাক **अक्टाम १७०६ - १**८ । निरम्बरका भाषा-भाष-भटा न है। असून-काल कर शहामुक करिक रुक्तारकन । आनाव छनिछ । १८%, अभावात इ.स.सि वाता शिल्य मध्य अंदर १४४) अत ी कि शक्क व्यक्तिक करन नाम दश्या प्रकृत से व केन्न । इस मृ**रक**्ष ्य - ् माळा ।





#### क्रम्ब जः कश्रम

#### ्रिममता नीशाहे- २, प्रहे छाका **चार्याधा-->भ• ८भो८**ग छ्रहे छा का

कृष्ककृत काञ्चर्यका पाटी व्यक्तिक भागरण गाउँ। weige wimmer ningen wiert frieffie ebalie i "बार्ड खाल डेकि मनाबन माञ्चवाका दान मधीलेक क क्राभाविक स्वशादक । दलदकत, सदलत व व्यापात मध्य कि १ क्रांक, मनाक, नीएक, बका कि र क्लांक विषय माध्याद काम क्षेत्रकाट्य मृत्किमक्कारक व्यार्थाकाक करात्क त्ये. व्यवस् नर्षाक क्रांक कारक कारक कारता रचन शर् है । ।। हा 💆 काञ्चला चित्रक कक्षण बाह्र ला।



विक्रीय मध्यवन 🚁 भाना

क्रीक्षण स्टाबामी काठ केंब ध्युनाल लावामी कास्ट्रक Bougamen in han and aloution, after he will कामनाद्वा क्रम्मन क अभिकृत विकास करि अन्तर नादन श्वकृष्ण क्षवारण । केंद्री काणा औरीयमणकाराञ्चत छेल महे fin a weige towa ore infras ergie i

#### ৪৮৪ গৌরাবের সচিত্র

# শ্রীনবদ্বীপ পাঞ্জকা

পারমার্থিক বাজিমাত্রেরই একান্ত প্রয়োজনীয় বিষ্ণুত্ৰত ও উপবাসাদির ভালিকা সম্বলিত বাংলার মরে মরে বিরাভিত হউক

ভিক্ষা ১০ আনা মাত্র do ভাক টিকিট পাঠাইলে ভাকে পাঠান হয়।

ভাল সোচনদাস ঠাকুরকৃত

#### গ্রীতৈত্যামঙ্গল

ওঁ বিকুপাদ শ্রীশ্রীমন্তবিদ্যান্ত সরস্বাচী ্রোম্বনা প্রভূপাদ সম্পাদিত ভূমিকা; লোকের অবর, বসানুবাদ, প্রতি প্রাবদের ও পঞ্জের কথা गाञ्च, भन्मगृती, ज्वासमृती, शाक्षणही, अमार्गश्चास, ভালিকা, প্রশ্নুটা প্রাকৃতি বিশ্বত সূচী সন্ধলিত বুইনিন নামেনিক এব টেবিবেন লাচে। ्वाळ् सक्दा खरम का छेन, चाउँटभन्नी चाकार ह টিট গডের কাগতে ছালা। ভিকা-১॥০ টাকা

### নী হরিনা নটি ন্তামণি

n करिमानमानुद्रत्व भूष्य द्वीगणकोकाङ् । টেনাম ম, হাছা: গোলাম, আলাগরাণ প্রাকৃতি বিষয়ের বু शाम भी हर्द न । न केंद्रशाकिस्तान, छहे नियवधान काहि । मनम् भगात गामित्र बानारम्य भृतिनातिकारन मुनिका महिल भे को १८ नाम राष्ट्र कर्ना है है। इस साम्रात किया प्र बार काल का

## বৈফ্ৰমঞ্চ সমাহ্ৰতি

् भाषाः भोभः भाषासः )

িষ্যঃ-১। ভঞ্জিশাসে বাবস্থৰ শক্ষাবনীৰ অৰ্থ ২। क्यान हमान हेन्सक स्टार्स हा कर्षा कर विकास विकास करिया क निवादगत रेकारण, छ । देवक्षवत्राष्ट्र च छावस-भनुद्रवेद कार्यामा छ विकास, । स्थितिकार्यक भोतिक छ नाकीक काक घटन वान तेथ कथा। एडिया अवस्था कड़क्रांक १ - इस राह्म मुलांक, वस राख मुलांक, अस राख मुका, अस ५**७ ।८०, ह**। त्रश्रेष्ठ चण्डल ०, हे। ♦१ ( दम थात्र यश्रेष्ठ )

## बीट किमन ड

अप प्र ५८ जरू होका श्राप्त ५८ है। का---শ্রীমদ্ভাগবভের ও গৌড়ীয়ের আছকগণ ১৫০ **छ।काम प्रदेशक नाहित्यम** किम्मदानाया जीवस्त्रीय भावाभीभाष्य राउँ दाहा है शहे शहेशका अविक व्यव्याक्षतीत व्यव्या व्याक्षण छन्य क्राप्टेन ৮ क्यांश कह भुश का का वाद्य मुख्य के कहें? १८७ ।

> শ্রীমঞ্চাতার্যা সক্ষলিত সদাচার**স্থাতঃ** किया , ० माना माज

## বিজ্ঞাপন

## 

সাবধান ।

জে, বি. দত্তের চোকা শিশি বাদোম তৈল আদি ও অকৃত্রিম এবং উপকাবিতায় স্ব্রজন পরিচিত ও বহু প্রাশংসিত।

व्यामनः। नर्तदेशशितगढ्क सामाद्रेष्ट्रेष्टिः, नाग्राम তৈল খরিদ করিবার সময় লিশির গায়ে ইংরাজী অক্ষরে জে, বি, দত্ত এও কোম্পানী নাম খোদা দেখিয়া খরিদ করি বন। *ন*তুন। **ভুরাচোরগণ** कमपटबर्स कृष्टिमें टेडल पिया छाडायना कवित्य ।

- বিনীয়-জে, বি, মত

## ফেরাস কুইনিন্

নৃত্ন এবং পুরাত্ন মাটেলরিরার যুম্ ইণ্ডে উপৰুক মাজায় আভৱন, ৰাইণাইডোকোৰ

जर दक्षताम क्रेंगिन धाता श्रक्तकात क्रिल जन्दी ৰা ছাটী হজেক্পনেত স্কলপ্ৰাকৃত কৃত্তিন মা লোকিয়া অব স্বন্ধ करव ध्ववर ५ वहाक ३२की राक्षकृतान महादान्त्रियात सम्बद्ध उपमधं नष्टे कादण कारणा

৬ এল্বপুর্ণ প্রতি থকা – ফুলা ২, টাকা, ফুল ০, টাকা बाबेख दक्षिकारण बन्न क्रियम्बाल सारवालाहे होटक रकाइ नर एक्ट्रीभग (लग, कविकास्त्र)

८भीक्षांत्र-देनकान-अभादक काविसन अस् !! ত্রীল চাত্র ভাষাবিদোলের সীতি-প্রসাবলা ঃ--



ਅਰਦ ਨੇ ਸ਼ਰ**ਲੇਨ प्रदेश मध्यक्ति** 

(सह थ मदनद Cost कालकायक महत्र:--..हहू: मधन कीव বুলিডে পারে, ভগন একমান্ত নেডাগত জীভগবানের প্রাক্ত क्षेत्रकारम मनाबः कत्रुप निक्रपटि कि क्रोट्ड क्रम. केंग्राप्ति विश्वसक व्यानम्मानी व्यासन. न बाध-সম্পূৰ্য সাম। উভিনা সংখ্যাও প্ৰকাশত চহয়াছে

ভিক্ৰা প্ৰতি খণ্ড /• এক আনঃ

TENE RESP

सुमर्थ करेंग, अमें सकत कथा प्रतार प्राप्त ।गसिक । अमें वैक्सिया राणिविक्षके कम्मारमञ्जू कत्रकतः होन ब्याकासरक निकाकसमन बारहक मुझले ।

্ বিস্তৃত ক্যাটালগের জন্ম নিম্নিখিত ঠিকানায় পত্র লিখুন—্ মানেকার-এম্বিভাগ, শ্রীচৈতন্যমত, পোঃ শ্রীমারাপুর, ( নদারা)

## ৫০ বংশরের প্রীক্ষিত করেকটা মহোষধ—

यायदात कात्रीता खेल यूचे क्हेंगा द्य शमछ व्यानश्मा गळ मान किशाकन, छाता व्याकाम कतिरम यक्त युक्त कहेंगा गर्का जागनिक वायशात कत्रिया युक्त करेंगा

- ১ চক্তেপ্ৰান্ত। বটাকা—ট্টাৰ নামটীও বেমন কামজ গৈই গ্ৰহণ। ইংগ পুৰুষ ও পুৱাতন মেচ, মূত্ৰকৃত্ত, অৰ্থ প্ৰভৃতি এখং শ্লীপোকদিপের হুতিকা ব্যাহাম, ধৈত এবং বক্তপ্ৰদৰ প্ৰভৃতি বোগে আৰু ফণপ্ৰাহণ।
- २। श्रृत्विज्ञशात विकि मामसंख्यातिकीन अकृत्वह निर्धाविधात्रक छस्य।
  दर दशन देवहिक छ मानगिक ्षीकृत्युषकः अनिर्धादत्रात्त्र अहे छेष्य श्रवशद्ध गाः।
  सिर्धा कहेद्यः
- ত। মঞুর বিভিকা-ইণা নেখনে প্লীগা ও ভদকুদ্দিক নেবা ও শগীও পাপুর ক্টরা যাওয়া ইভাদি বিদ্রিত ক্টরা রক্ত প্রিকার ও বৃদ্ধি প্রাপ্ত হয়।

केंक किन वाश्रात्रत वाखाक खेरायत्र मूना व्यक्ति क्योगे। ১८ गिकः।

ব্যাপ্তিয়ান :—আতঞ্চলিগ্ৰাহ্ন উন্সাধানত । ১১৪নং কাৰালাগ খ্ৰীট, কলিকাড। ।

## बैनवहीं नशामगाश्या वमान वक रकका ८०

ক্রীটেড্ড মহাত্রভুর বিহার ও দীলাভূমি নরম ছীপ-গরাবত। এই নর ছীপের আচীন বিধরণ-এতে।ক, ছীপে এমহাত্রভুর দীলা-ত্রভোক ছীপের পারচর, শ্রীধাম- নহান্ত্র-থামাপরাথ কি ? ইডাটি বিষয় বিশেষভাবে সনোহর হলে বাণ্ড। প্রেট স্টেড প্রায় ২০০ পুরা।

## ।সবজীপ গবতরদ ভিদা।·

সাধকক ঠমণি——শ্রীবৈক্তব্যক্তনা, শ্রীগটণতন, শ্রীকৃষ্ণের অংগত্তর লভনাম ও শ্রীণ নগোতন ঠাকুরের প্রকর্তনিংস্ক হুনিছাজনত্মত প্রথম।, প্রেম চলিক চলিকা প্রভৃতির হুণনিত গাঁতাবদী ছুনাকারে প্রেট সাইকে মুদ্রিত হর সংকরণ ভিক্ষা। চারি আন সাজ।

## কাবরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



মফাখনের প্রবিধার জন্ত ও জাঃ শিশিতে ঘনীভূত অবস্থার ভোটবোরলের স্মণ্রিমাণ ঔষণ ভাবে পাঠান হয়, চহাতে ঔষধের কোন প্রিক্তন করা হয় নাই। মূল্য প্রতি শিশি ॥• জানা, পাঁটট ॥৵• জানা, বোদেশ ১৵• জানা।

অফিস- ১১নং উল্টাডাঙ্গা রোড, পোঃ শ্যামবাজার, কলিকাতা

## ग्रंपन ग्रंथ दी

ব্যক্তিতার করা ও গাড়াবিভাব, ইজিবলভিব প্রায়, ব্যক্তাবে অঞ্চলাজ, ববসকার, মার্বানেরা, বুক বক্ত কল্পাবি, ফান্মা গ্রন্থটি মঞ্চণ সম্বর নির্দেশ আহমাস্য হয়। কর, নার্বা, মেধা বৃদ্ধি করিকে ক্ষ্মিন্টার ইনিক। মৃদ্য ১০ বৃদ্ধি, এক,টাঙ্গা।

প্রথম বিবাদ প্রথম বিবাদ বিবা

## হাইড্রোসিল

বা

#### কোষরদ্ধি রোগ

ভাঃ এস্, এন্, খোৰ বিনা অন্তে, বাংক্ষীবনের গ্যাথান্তি বিধা বৈছাতিক ব্যাণাতে ভোগস্থান্ধ জোগ আয়োগ্য কবিয়া থাকেন।

> क्र कर करेन हैंहै, त्यूनाबार, कालकाओं।

## ১। শ্লায়ত

निखनुरन्त्र व्यवस्थितः । अवस्थाः केनन्य, नश्चारक व्यवस्थाः । स्थाने १० यात्र व्यानी, वक्ष २१० व्यासाः। बाक्षणः नुषक्।

## २। 'अकाठार्या मक्षीवनी (भाष्टीह

कारपर ७ सम्बद्धान जरुमान महोपर। मूना ५ किंगा ५१- वानी । वासन गुनक्।

- ৩। সম্বাদী-প্রদত্ত অর্শরোগের অব্যর্থ আংটী
- ৪। কোন্ত-বান্ধব পীল অলীৰ্ণ, গেট্ডালা, পেটবেশনাৰ মহৌবনা ছিবা রাভ আনা। মান্তব পুথক্।

## ৫। বাতদীন

হাভৱোগের মহোপকারী ও সপ্তাবে আরোগা। আভি শিশির- আনা। মাত্রপ পুদক।

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তকারক। সহর ক্যাট্যসংগর এর পত্র শিবুন।

व्यक्तिन-मदनादमाहन व्यवदत्रहेत्रो

(भाः উग्नाती, कमलाश्रुत, छाकः,

## মনোমোহন প্রেস

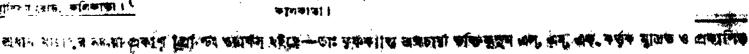
পূর্ক বাজালায় ত্বলভে সকলপ্রকায় ছাপার জন্ত বিভাগত বৈদ্যুতিক ছোলিলে দিবারাত্র কাজ ভলিতেছে বিশ্বত জানিতে হইলে নিম্ন চিকানায় পঞ্জ লিখুন ম্যানেজার—মনোমোহন প্রেস, ্রান্ত্রনার নির্বাহন নির্বাহন তাকা।

## मतः मान्य दौंठा हेनात छे भाव

বিধিও অভাণি প্রাক্তিত মধা মানুষ বাঁচাইবার কোনা প্রথম আনিক্ত কর নাই সভা, ওপাণি বাঁচারা নাধাবিধ অনিক্ষান্ত উপারে অপন্থিতি শক্তি নই করির জ্ঞান্তে মরা কর্টনা রাহানে অপন্থিতি শক্তি নই করির জ্ঞান্তে মরা কর্টনা রাহানে এবং নানা প্রকার মেত, প্রমেষ্ট গাড়ুবোনালা, আর্থিক চন্দান্তা, বক্তুল, চংক্রা, পাঙ্কন সংক্রাক্ত প্রিক্তির প্রথম প্রাক্ত, করা, মুক্তব্যা, সুক্তব্যা, সুক্তব্যা, ক্তুক্তা, বেজ ও রক্তপ্রাক্ত, ক্রিটিরের অভ্যত্তি রোগে ভূগিণা জীবনে নিরাশ হইরাছেন, ক্রাপ্তারা আন্তেভি রোগে ভূগিণা জীবনে নিরাশ হইরাছেন, ক্রাপ্তর্জার আন্তেভি প্রথমিত ভালার পত প্রথম প্রথমিত বিশ্বার প্রথমিত পারের হালার প্রথমিত প্রথমিত বিশ্বার প্রথমিত প্রথমিত বিশ্বার প্রথমিত ভালার পত প্রথম ক্রাপ্তর ব্যবহার ক্রিয়া আন্তর্জার ক্রিয়ার প্রথমিত প্রথমিত পারের নাই ক্রেয়ার অভ্যান অভ্যান আন্তর্জার ক্রিয়ার বিশ্বার বিশ্বার

লোল একে<del>ক</del>— ডাঃ ডি, ডি, হাজরা :

> करकश्व, भरेकाविह त्याहे, कविकास विकास न्यार कविहा विविद्या





मान्याप कार्र ব্দব্যিদ দেয়। বাৰিক 📐 ्वात्रादिक 🚛 विमानिक २०० মাসিক 🦙 ANW व्यक्ति गःशा (व

এচাৰ-নদীয়া জেলাৰ এ

40

অতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যার, বেদান্তবাচম্পতি

िभ्य मर्था

জালাম মাহাপুর-১৯শে ফারুল ওক্রবার ১০০৭, ১৩ই মার্ক্ত. ১৯৩১

श्री शक्राणी बारणी सप्रणः

# শ্রীধাম-মায়াপরে

"ঠাকুর-ভক্তিবিনোদ ইন্ফিটিউট্"—

# হাই ইংলিশ স্কুল

बख्दे आमटकान मरवाम आहे (व. विक्तूगरनन शतव शतिक छीर्थ-क्ति, नश्-माक्ताविका नगतीत मण्डम क्षिमाम मात्राभूत कात्राज्य ্বিভিন্ন স্থান হইতে বহু সকলন সপরিকরে বাসার্থ-গৃহাদি নির্মাণ ◆विद्यारक्त अनः क्रिटिडर्कम। छारात्त्र मखानभर्गत अनः खीरायत আন্তর্গত ভৎসরিহিত গ্রামসমূদের বালকগণের স্থালিকার নিমিত একটা উচ্চ ইংরেজী বিভালয়ের অভাব এবং আধিক অশ্বচ্ছলত। নিবন্ধন भक्की माह्यप्रदे अन नाथात्राध्य मखानगगरक निकासारमत्र अनामध्य नामा कंत्रिया क्रिक्किविष्यदेशकायद्वाक्षणकात्र भाजत्राक अ विक्रुभाष क्रिक्कि লি**ভাত লয়ত্বতী** গোস্থামী মহারাজ আগামী তরা এপ্রিল হইতে প্রীণাম-माझानूरत अवकी करेवलिक केल करदानी निकाशम नरवानन कतिरलटकन। বর্তমান বৈজ্ঞানিক যুগে পৃথিনীয় অপরাপয় দেশবালিগণের সহিত नर्वश्रीकांक काव विभिन्न, अवर वानिष्णात अवृत्ति निभिष्ठ कात्र जानि-शास्त्र हैरायको निकानाएकत अकास आर्याकन। किन्न वर्तमारन हैरातको বিভাগায়সমূহে অধারন এক্লপ ব্যয়-সাপেক্ষ বে গায়ত্ত, কেন মধাবিত गृहकुर्गन श्वास छहा मझ लान कतिएंड अमनर्थ। छाडे हेळा मास्त अधिकारण भृष्य व्यवस्थित के बारमन भूकागरक मिक्नानारमन गायका के निर्ण मा भारतन অভিশব্ন দুয়ের কাল।ভিপাত কৰিতেছেল। অবৈতনিক ঠাকুর ভক্তি-विद्राम हेन्डिविके ' त्य क्षेट आगीत गृश्यगगटक व्यक्तावनीय छ्रयाण भिन्ना बैह्यादनक बादनम् केनकात माधम कतिदयम कावा वना विच्यादग्राकम। क्षक्रिक दिल्लीकः सुबद्धशरण्य दक्त, सन्त्रक्षणात्र शृहक्षशरण्य शरक्ष 'श्रीकृत किविद्रमंत्र देन्दिष्ठिके? अपनि महानान, कावन आवकान धाव

বিভালয়েই ছাত্ৰগণের চরিত্রগঠনের কোনও প্রকার ব্যবস্থা না**ই অবচ** চরিত্রই পরর সম্পৎ—চরিত্রই সর্বজ্ঞের আকর; চরিত্র সংগঠিত **হটলে মানব দেবত্ব লাভ ক্রিয়া সর্ববপুলা হয় আর চরিক্রহীন মানব** भण्डत भगाम। 'ठाकूत एकि विराम वेन्डिपियेटि' एक निक्कि (प्रक-চরিত্র শিক্ষকগণ শিক্ষালান কাষো নিযুক্ত থাকিয়া ছাত্রগণসমক্ষে উচ্ছা-एम भनिज हिन्ज अप्रणीनभूनीय मानानिथ निषद्र शिकाशहास्त्र महस्र नाम ভाষা मन চরিত সংগঠনে বছুবান হইবেন।

প্রথাম নবৰীপ-পরিক্রানা, ক্রিক্রীনিজ্যানন্দ আনির্ভাবে।ৎসব, প্রীক্রীন্যানন্ পুতা এবং বংশতের অভান্ত সময় শীধান-মায়াপুরে সমাগত লক্ষ याको मकत्त्रहे अनगढ साह्यन, खीराम माग्रापुत अकीय काञ्चलक স্থান। বাসস্থানের চতুদিকে উন্মুক্ত প্রান্তর, তাই স্বান্থার**কার্য একাঞ** প্রয়োজনীয় নির্মাণ বায়ু সর্বাহাই জীধামে প্রবাহিত। এঞ্ছাভীক বিচ্ছ-গণের পরম পবিত্র স্বচ্ছতোর ভাগীরবী ও সরস্বতী (বড়ে) 🕮 বামের মেখলারতে অবস্থিতী শ্রয়। শ্রীধামের লৌন্দর্যা-বুদ্ধি করিভেছেন। বর্ত্ত সংগ্যক নলকুপ বিশুদ্ধ পানীয় সর্বরাছ করিতেতে।

নিভাৰিগণ অভিভাবকগণের অশুমোদন পত্ৰসহ নিম্নলিখিত ঠিকালায় बार्यपन कक्तन-

সেক্টেরী- ভাকুর ভাক্তিবিলোদ ইন্টিটিউট क्षीटेड कार्यके, त्याः क्षिमात्राश्वतः समीदः

मिल्ली बाक्टेनिक्क महरश हाक्का

क्ष्यन्त्रीय ः काञ्चरक्षकः । श्राम्टहेरियः रेनडेरफ काजिनिधि माठेडिंदनम मा, बहे गरनारम विद्योग कांबरेशांकक मन्द्रम ठाक्ता केनचिल ब्वेशाटा । ध्यन मातः यादेरकः । (य. भागरहेविक देवकेटक व वश्वकी काविन रवलरशय कोव्यास्थ-जल्लास्क जलन परन्ता-बखने गर्छ प्याद्रक्षेत्रेय हिम अस्तिवादम्य कवः यांश वर्षात्री'क कामक्रमहिंद्यम मिक्रो त्वाक्ष कथा क्षेत्राधिम खर्थानि जवकाती-जारन देश दर्शावना मा कशक्त कांत्रन करे (य, रूपन्येनवर्णन गविक ख्रायन्यरमप्र

कान क्या व्य शाहे, देक्शनीय कार्यक रेके क क कि निधि भाके हिष्क स्थापन •वेशास्त्र ।

#### মহাত্রাজীর আর তুইটা পঞ

काकाम (र, मश्रामाओं विश्वी कार्शन त्रिन विद्रमय मृष्ट बाहा बढ़ना है। निक्क भाग पुरुष् भाग थया । श्रीवृत्त के दिला कि हरान धवर वस्थातिम लिकते बहेत्य धयनानि िठिकः गरिवाहिटलम् । 🖺 युक्तः भगट**ए 🕸** रमभावेदक विकास करा बवेदन जिल्ल बरणन दय, भरक विशेष विषय दशामधीय क्यांनाका प्रेटफहिल। दनप नवास काशांदक ! नवेमान कारा कामान क्यां नाकनीय मरहः

### विविध गःनाम ः स्थादमसादादमः महासाद्धी 'বানর সেশ সম্যেশ পরিদর্শন

্গক ১∙ট মণ্ড লাতে মধারা গাড়ী ভানীয় 'ধানর গেনং' সমাবেশ পরিদর্শন क दिन। निष्ठि ग्राम यह शब्द भार लंड दलांक घंटे । उटन मंबदंब इंडेब्रा किया । करण्या को कामताश्रमादक मृद्यामन क्रिका ध्यक बकुका करवन ।

वस्त्राम, मध्डारिय खेल्लमनीय वागा कतात अञ्च महायाओं 'वागरिनशटक व्यक्ति-समिक . क्षेत्र क्षेत्रियातः व्यक्तवा कामा किंद्रा श्रुवरीय साथ अञ्चर्राम कट्यम । किथि नत्मन, प्रांचनीत विक्शास युनकत्मन चौरश्राहिक नह कारी। विश्वनक वर्गाटक। किलि काशास्त्र मध्य मन्य मगराहे डेक आभा ८० छन करतन । केलिनिय व्यक्ते भरताय बांदरम कवर द्वयंगत के कांक्रानिभाव নিম্মাপুৰ্ভিতা ও ভাগা গৰ্মে স্থাপিত 48(B 48:41

. ्रमश्रीका विक्रिका समाप्तिक व्यक्त-मक्रमीत पर्या जगा जन्मणः या सन् वर्धाः लाइटड बार्गक, टिं। बङ्गक, दल्य क्रिका ब्यादीय गांधका डेट्डालन करिएक व्यक्तिक क्स । शोकांत श्रद पानंद्र द्यानाञ्च श्रक क्वेंट्र জালাকে এবটা সোণার ছক্লী উপৰার CH SHI TH !

व्यवशास भक्तव । भागी क्षाप्टारमवरू-नत्यत्र गृति है यहांचा भीत भाग्या ६ कहा বিশ্ব দিল, কিন্তু বিষম ভিছ ও ব্যোশমাল अवश्य को कार्रा छात्रिका गरिस्ताक वस । मनामामी अकरण करता छ भूताहे । क्यात ह कशीरभव गहिक बार्लाहमा करिरेडरहरू ।

मुक्तीं नहार पाठ नारित्र ५०४ मुक्ते लार ७ वराय भागिया भौतियात्व ।

#### ভেপুটা পুলিশ কমিশনার भिः श्वानद्यप्तनत निलाक याका

ক্লিকারণ ক্লেপাল ব্রাঞ্গুলিশের জেপটা ক্রিপ্নার মিং এবল জানদেন মথলবাৰ ডেপুটা কমিলনায় মিঃ এস कर्दे , विशास कार्या आहे आहान करवना निः का एमन देश्यक शृहित्व अक महीक का अपूर्व करता रवादाहे माता करनन । दन्यांके करेटल कावाना भिनाब क्या वह भूतिन कर्या है। का अछ। दहेम्य देश दिन दिन दिन

यत्नाश्दत्र निकारे मछा

चारमाः हमा कहिताह छत्त व्यक्तिक श्रीकन

রছন ধ্বের স্পাস্তিতে গত প্রিশ্র अनुशाह्य क्रम् निवाहि मक्षात अधिरवणन **ब्या यामारक शक्किश्र** मुल्लांब क शिषुक जानसामाइन छोषुबी, छनीन ठळक्रभाष वत्मानामात्र खबर् अगरत**ळ** माथ (यांच शकुछि जांत्मात्यत मर्दे कारताम श्राम कतिया वज्नका श्रामान कररूर क्रिक अराजीत्मन निर्देशन eiten binn Gieten শকিশালী ক্তিবাৰ জল ভাঁহালা স্কল্পে অসুদোধ

वालगांत गमछ जाववसीटक मुक्ति नाटनत ८५ हो। कृतिशांत अन मनाया शांकीटक कासूरवाध कविष्ठा धावर स्मरण প্ৰাক্ষণ প্ৰতিষ্ঠ আৰু প্ৰাৰ্থ কৰি-विना भारत बाब खळ जाडाशिशाव जावन स्थन्ते ८ ७ काफिका १९ वदास বিশেষভাবে আনাহয়া সভার এক একে ব श्रुके दर्भा

#### उक्तवनील प्रदेश নোলটেবিল বৈঠক বৰ্জন

दक्षिण भागी(भरन्तित क्रक्षभूनीम मण शिक्षां क विश्वत्यक्त, काव्यक द्यांगरहे दिन 242Cकत ्य अधिरानम् वर्टस्य कोव्। विकास कृतिएक कहेरवा अव्यवसील मरणव लाक eইতে এই সভায় কোন অভিনিধি তো**রণ** 4 21 8 254 41 1

as भारत करका गढ़ाव शुरू बक्सनारीन ন্থের অঙ্গত ভাতত সম্পর্কিত ক্ষিটীর चित्रियम् अहेश्राचित्र । धावे मठा दमव क्षेट्रण केंग्रह्मा के विश्वदेशक क्या क्षेत्राल

मकात व मन्द्रीति विवद्यन व्यक्तानिक asatto, कार, टक काला वाय, नाकी-ब्याइडिडन मांबाब कथा विक्षक्रकारन व्यात्मा-कत्रा व्या चलात्र अभिनी, कागास्त्रत मन्द्रि मिश्र मनपुष्टास मिश्रास अवग् करतमा व्यकाण त्य, शाकी भाव-क्रिया चारणाठमा भगाध अहेशास धुटकार शक्त मुखारक मि: "यशकुरेन आहे मिष्टारक উপনীত ধ্রমাছিলেনঃ রক্ষণশীল মণের नक क्टेट्ड क्षेटांड मिक्टे अक (छन्। उनम CE विक कडवाधिम । देवास मन्यमध्य मुक्ति आल्गाहमा कतिहा मिः वणकुरम श्चित करवान, अष्टः भक्ष कांश्रहनार्थ शाम-১৬ট সার্ক্ত "ভাগকানিলা" আ্গালে টিবিলের মে অধিবেশন হটবে দেই সভাল प्रदेशक योहेटान काकालिशटक शिलाम ( क्षण्यान प्रदेशक क्षिणिय Cकारण कता करेरत मा । मधाई निष्ठा खडे व्यक्ताना ব্ৰারীভি ভাবত শুপ্রিত ভূমিটার সভার मध्यिक श्रेशास्त्र ।

क्रमानीम प्रशंत मिक्रास्त्र मरवाव ना कि चार केरेक आध्याद्यम विषय भारता हिमार मानीत्मर के व वामान व्यक्षण कविष्ठास्ता स्थाउँ केन्द्र

हरात था ८०१र अवर हिस्सा मा। कताही कर्रवाम श्र मांबीजीय मर्च অমন কি একণ্শীল দ.লর বে লগত সমস্ত कादक मृत्यांकु है कि मिहित महिक प्रतिक्ष साथ विश्व शक्तिवि शक्ति मित्र मिल्ल किंकि मध्यम्, ठीवावा भगास छह मिका-प्रत्यक्ष करा व्यवशक किर्णन मा।

श्रामिक शदर्वशाली हैशाएक याचे शब नाहे विकास कड शांटकमें। केवाब कारण कड त्य. दिशास अने मार्क जावित्य मि: यनफुरेन धक मध्येत छात्रक्षीत सीडिन कथा निम्मान क्षिपाक्षित्व। मुद्दे मक्ष्रक दिनि त्शाम है विश वद्धान व किया वर्णम नाहे : चाग्र हेर्द्र कृष्टे जिन शहर है मिह वशक्र हैन डीकात अस्मित काठात कदिशांटबस है

empfin nent mine neuffin কমিটার সভার প্রার প্রট ঘটা কাল व्यार्शिक्ता इवेशिक्षा, शिः वश्पूडेन क्षत देशिक दिल्ला गाः भिः धार्कन क्तंत्र क्षायाप्र दक्षा । कर्तिशाकित्सम । शर्फ नत्त्र । क वार्वकाम अञ्चल वर्षे मुकान डेशिक्ट हिट्याना

১२३ **১**११६ एर्डिट्स कम्ब गर्भाव मार्गेंडर के हैं। जायह अधान मार्गें-हमात्र खुळागाळ कुष्रतिद्यम, किः हास्तिन क्षाकारक (य'शमधन कतिरथन धन्य गकालाव मात्र छ।मृत्यम दर्शक वेङ्गा

#### করাসীগণ ইংখ্যে জন্ত অভিত कार्यानगटनत काउँ

काचान नाजित्यान्छेत मनाव देनछ : faetina नामके आरमाक्यांत अस्य : स्मानका विकारमा अञ्ची CHAITE Cutturis बर्गन, बख्यारन : क्यामी মন্বাংশকল শকিশাৰী रेशक भी बनी eটবাছে; অভাঞ সকল জাভিয় স্থিভ कुश्मा के दिट्य महत्र क्य. यु:अञ् क्षां भारत (११०० व्यापक \*;.44154 व्यक्त , दब दकान मृद्द्रक मन्द्रभी देशक नमक्तकत्व चन होनं २०६७ भारत।

णिनि चात्र वरण्म, क्यामी चर्च-भरक भारता धार (य, इंडिश्टल ध्य 🐷 স্কল আডি গায়ে পঢ়িছা **ชุดสาชิ** च्यात्रभण कतिहास्थि, फाटा.वरहे गामfam an cail Manten Ein wiece क्केटन कामि देशा व्यक्तिमा कति। कार्यानी अवन वहन शिवारन श्विकाश कविष्ठात्वमः देखःशृत्मि करनाय লাৰ্দ্ৰাণী এভটা ছক্ষণ 🕶 নাৰঃ आहे व्यवकात कारम जिल्लाम मार्कित मार्क व्यक्त-शास बालांनी निकड़ बाजी करिएक शास त्य क्षणमत्त्र व्यक्षाक व्यक्तित गांधिक क्षणकार् द्वान क्षा कर्तना ।

> वे भारत चलताह उसे दशहमत माकार कार्या जिल्लामाः बरवमन्तरकाही कररञ्जम यनि नाकी-चात्रदेशे चारनाय शबर्चन मा करवन कावा व्हेर्ण वाश्वाप लतवर्की कांगा फालिका " कि क्वेंटर पृ ष्पाननि कि छात्र मध्यक्षे रंगांगंदेहेरिल देश्केटक द्यांश्रमान कतिश्वन 🎮 💮 🕬 🖰

मनायाचीत छेकर--"करासन " दक् कारणाय ममर्थिक मा बढ, फाला वर्षेल मामारक त्यागरहेविन देश्केरक चाह्याम 🗥 क्वा ब्हेर ना। शाकी स्थल महरू. करा शहरत्व रक्षांक किर्मादक बक्कारहेक मुक्कि मामार करिका' छलाम।

<sup>41</sup>करत्त्राम् कहरक लाख्यान्द्रसम् भन्न व्यानीत के व्याटाम बाक्तावर्क्षम कृष्टि-C40 7

''क्ररशिरमञ्ज शत कामि -क्रांट्स প্রাপ্তাবক্র করিছে পারিলা। আশ্রম-वाणिनन कामात्क कोकृषिता विष्ट नाटबन, त्यम्।रम मागाप्त क्रिका भाषेत्. त्यदे**षाट**सदे याहर । भागाविष्यम देशके यनि कराजारमञ्ज अरग्दाभा दयाम "बीम" केंद्र य जिल्ल vice, wiet been miete feiebalt शिक्षा काञ्चम कामात कारामधान कतित।"

चात्र अक्षि कारबंद केक्ट्र शाकीकी यागरः, मकुलार्केत्र मृश्कि छीत्रस्त हुँच मकल क्यायाका प्रकाशिन, फानाव निश्चन श्रिन ध्यकाम कहिएक शारकम मा, बद्धनांक गाँद्वम का मा क माद्रम्म ।

中京 4年 知[四] 四日 | 四日| 西田| माख व कनमानात्म नशिरमाक दय. महोत्राक वा मधात बहा कथा है कहें काशम अहित्क ना कित्य छ वाका कत्र बिट्य मा :----धारे नियम मन्या शासीब दशास्त्र अक्षा बहेटन fein ieni, nitraile bota minmelu कारी करिस्ट्यम । किनि क्षार अध्यममूच्यकः जगण परिवर्णन कविया व्यावमाकीय अवद्याः क्रिश्विम्

### जनवामकी ८वल बहेटक ५१० करमञ्जूष

58 कार्क गणान (4णांक गनवस्त्री दक्षण क्केटल ५ १८ वासी ( म्याटमा अ कम फिल्केंडेड चारक्य ) मूकि लांक्श च्यार्ड ्रशांकिवार्क्षम । कीशांद्रपत्र आधीश्यक्रम धार व्यापा कार्या देशान शांक्रिक्टमा कार्या मिश्राक शामत शब्देना करब्रम । वासरवर्शार्थ कार्वामिक वनीशन ,, अवाष्ठे व्यक्तित्वमे व wanistere ow ette Gieffente ww.dn: was 4864 i

## रेशकिक वर्तीका-काकाम-भावमार्थिक भारत **विक्रिक्टर्गावाटको क्यकः**

the state of the s

## সুম্রের মূল্য

ं भन, मुख, धारत, निया ब्रांकि, मान, বংশর ক্রমে ক্রমে অভিযাহিত হইনা নাই-তেছে, ক্রি মোহনিয়া ভালিভেডে না ক্ষেন ? ইহা বেশ বুঝিচেছি, যে সময় **इनिश्रो योटेटस्टर्स्, छोडा जात फि**निशो व्यानित्व नां, इनिवात जैचर्या नमछ्डे यपि কালের হাল্কে সমর্শিণ কর। যায়, ভাহা নইলেও ভার বিনিময়ে একটা পল-প্রিমিত नमभन्त्र भारत्यां गाँठेरव ना, अनस्रकान पतियां क्रमन क्रिएंक छारा कात्र फितिरव ना, ইছা বেশ আনি ; তথাপি কি এক মোহ-मित्रा-मण इहेशा हिन्शिक त्य. कि कतित्व ঐ হল্ল ভ সমষ্ট্ৰকুর সমাৰহার করিতে পারা शाह, जाहा द्विकां ७ वृत्वि ना, क्रानिशंक क्रानि मा, द्रिश्याङ द्रश्ये मा।

चिम्रहाशतक तरशन,---च्यापूर्वत्र ७ देव भूश्माः डिक्रमासक मग्रामी । **७७८७** यर करण नी इ डेसमः-

CHI करा केश १

.बहे द्या किर्डिकमङ्ख्यत **উ**क्षे डिजिज ও नित्र शमन कविल शमनशास्त्र व्याप् द्रशा থাপিত হওলয় ভাষা যেন ৰলপু এক কাড়িয়া। শইতেছেন: কিন্তু দিনি উভয়নাল্যকর क्षणात्र म्यूनिकालीय योगनः कटतनः, 'ठेश्शितः' चांबु छिनि तकेन कायन माथ, ८कन मा ्मडे মুহু ঠুকাল পরিমাণ হরিকবাতেও স্প্রিডি इया। दक्त हाकत जकी साद भारा ह क्रम धतिरम् अस्य । मार्क उपाक मगरास् इड्रेग्नाटक विकास सारक, खनान अरु महत्त्र-কাল আৰু জীহনিকথাৰ অভিনাধিত হইবে ভত্বারাই তাহার সামনায় সকল হয়।

अकरन ध्यम कड़ेराज शांदन, खांका करोरन কি ক্লক্তকের হবিক্থানিরত সার্ব সমাপ্তি নাই, অর্থাহ জাঁহাদের কি প্রাণ-विद्वान इस ना ? काशासय काशनिवाश হয় সতা, কিছু 'ভাহার আনু ক্ষমাংকত क दशांत्र कक भागार्थिकारम क्रिकारम व मा स स्तित्व दीक्षत चात् चक्रव द्वेश शास्त्र । हेश्यक के क्षाप्रकात 'आवस्त्रभाकाय' निर्मा थाट्य । ( टीम निषमाथ छक्तवडी शिका )।

ভাষা হইলে যে আয়ু আম্মেক্তিয়তপণে वृषा नाम कतिरम छाश्वत स्थान मगरे गाउ हत मा, किन्द्र क्रकार्थ निगृक कतिरहारे छाश्व मार्थकडा. उपन नृक्षिमान गार्यावह केमून भूमायान् गगरस्य यशाचे अवायशाय जाता क श्रेषा ।

## অনা অজ্ঞান

'(लाइ का बार्कि हा विवर्कत कान।" (भार बाद्यत्किहे बानात्मव अधान जम। चामता वर्म कशवर माण्या वर्कन कतिश ভোগবৃদ্ধি আৰাহনপূদ্যক আমাদের ওটস্থ

# দৈনিক নদীয়াপ্রকাশ

নিত্যপাঠ্য বৈকৃপবার্তাব্য

বেহাদি সমস্ত সাম্বত-শাজের অকৃত্রিম ব্যাখ্যাতা সমগ্র ভারতে একমাত্র মূলভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

গালাম মাহাপুর-১৯শে ফাল্পন, শুক্রনার-১৩৩৭

অধিকাবের অপ্রাবহার ও মায়ার বস্তাত। স্বীকার করি, তথন্ট আমাদের আত্মজান বিল্পু হয় । তথম 'আমি কে?' তাহা ভূলিয়া অনাগালস্বাত আগ্রান্থ করিয়া বিবডের আশ্রয় প্রহণ করি। এই বিবঙ্কের দিয়া আমাদিগকে পুন: পুন: দেছের कालक्षके भागातन संतर्भाव दक्षन । अधार । अष्टादि इत किया करा करा है। फिला उ সন্তর বিকলায়ক মনকে আহাবৃদ্ধি করিল। আমন্য ভালতে কর্ণিত করিতে প্রস্তুত 'গমন্ত তথ্য আদানের মনোবলের আভিও' --- এই व्यवसात व्यामारमत धीरण १०, रमिशां ४--- (मर्टन एस्टन एस्टन प्रस्ति नित्रसूत ভাষাতে খামর। আয়াদ-পারক্ষাক্রমে প্রাপ্ত । প্রমাণ পৃষ্টিটেও আমন্য দেহকে 'আমি' জ্ঞান অপেকিলে। জ্ঞানকে উল্লেমপূর্কক অক্ষত । করা ছাতিতে পাবি না-আমাদিগের স্থায় छ। भारत । अनिक मधानत । यानिया एकिनानी ছটায়া লাড্টে ব্যাহ্মারোহশ্টী। হটার উটি । - হটতে গাবের গু তালিভ্যিত শত শত দেহকে ব। অন্যোহ গছ। আমাদিগের প্রীতিকর नः नताक शांख करें। देक: च्यालका कीरतत অংব অনিক ভামস্থ কি হটতে গাবে? अभन्य क्राप्तर-माभिमा हरेएड गड रिप्ताड হটতে থাকি, তভট আমানের চিড চিং इंडीएक प्यान्तिक यो। करफ प्रावस्थारिक स्केटक পাকে। ক্রেম দেহামারুখনী প্রাণল**ু** লগ। চথন দেকেই আনিম আবোপ কৰিবা দেক স্প্রেক্ট সমস্ত আগন পর বিচার করিতে सभि ।

যাহারা আমারের দেহের কুটি সাধন করিতে পারে, তাহাবাই আমানের প্রিয়: মাধারা ভাষা করে না, ভাষাবিগের প্রতি च्यामता डेमामीन, जान धोदाता এक त्मरक्त्र ্কনেৰূপ অন্তবিধা সংঘটন কলে, ভাহারী आभारतव मञ्ज- - এই धातनाहै तमदेखी इस्र। ভখন আমপ্লা বিচার কার না যে এই যে त्तरक्षी आमि, देशव शांतवहा कट्ट्रेक. ইহার স্থাতির কভক্ষণের, ইহার পরিণাম कि, हेशान शर्रेटन कि ? ज्यन बहे शाक स्कोरिक त्वर व्यक्तिका स्ट्रांश्वर निवत्र त्वशिक्षा व्यामता निर्नेशाती इहैं। পड़ि, व्यामत्री ভাধারই দেবার সকল সমর নিয়োগ করিয়া

অমিদের নিতাম্পলের কথায় উদাসীন হটার বাই । এই দেহ এখন এরাপ আছে. কয়েক বংসর মধ্যে ইহার বিক্রতি সাগিত ভইবে—শিথিল চক্ষ, পলিত কেশ, গলিত হই না ৷ প্রাচ শত শত ব্যক্তির দেহাতাঃ ্লোগর বা ধুঞিহান ভাববাহী গ্রহণ আরে কে অপোক্ষজ-মেবা জ্ঞান ১ অথাং ক্ষরভবন মার্থ ্ তুর্গন্ধ আবাদ দেখিলা, শৃহলে শার্ডনিব ভক্ষো প্রিণ্ড ভানিয়াও আমাদের কি কোন্ড প্রেক না, গুলবজাই আনাদের তথন ক'তা ্জানে'দ্য হইতেছে – আন্দা কি দেযায়বৃদ্ধি ৯৯০। প্রেছ । মনের নেছুমেছ আমাণা বিভোগ । প্রিভাগে । করিমাংভি १ । বরং । দার্শনিক ষ্ট্রা রক ল্যান ক্রিতে কলিতে কগাছিল। সাজি চাকের ভারেল ছার্ম ইইয়া দেককেই মুধ্যবৃদ্ধনন্ত হটন। ভশব্দিয় হি কভি কবি । গুরুষ পুরুষ্যেপর ক্ষেত্র মানিনা ভাইরেই । ্সবাগ উত্তব্যক্ত মন্ত্রান্ হট।

मानाकनी रुषा ३ ताम पुनास्य 'অংশি' বৃদ্ধি যক্ষিন না আমাদিগকে ভাগে ना पाणाळानी. नितकत ভণ্নংগ্রনা ১২পন। সারু মহাপুরুয়ের গর**্**। প্রামানের এই গ্রহ প্রকার দেহাত্ম-নুদ্ধির চাত হইতে অনুসর পাই, জতুদিন मत्रक्यामाही पालिक्ष सहित. स्यान নিক্ষের মন্ত্রান্ত হয় করিতে উৎসাহ-নিশিষ্ট হইব না।

#### কাম ও প্রেম

( শ্রীণাধ নন্দলোগাগ ব্রহ্চারী )

"अ'एयुं केर-श्रीति हेक्कि कारव नित्त काम 📑 कुरम-किन-क्षीकिताकः भटत दशम माम ॥" चार्ताक द्वार अक्षकारस यक्षे। शाबका, धनी अध्य प्रतिस्ति ग्रही। भाषेका, कार्यान 🔞 क्षमीरन यक्ष्ठी: भाषेका,माधु 🙉 समाधुरक म्को नार्थका, काम 👁 (व्यटमव मर्ग)

नीर्वको देशादमक 'कर्मका देशानक अध्या मूल महा काम-अम्राह्म, ८शम-निर्माण काया । कामनल्य कीन कड़रमक्टक टकल कतिया, स्मरक आञ्चमुक्ति करिया ভংগপাঁকিত অণার বস্তুতে আত্মীয় ভাব আংরোল করে, কলে আভগবানের পাদপল্ল क्रेटराज यह पूर्व काणमादिल करेंगा लेरफ धार मरभात चा १ छि चुवित। चुनिता चन्त्र-यहन-मान्त्रत कांत्र शक्रामाल भावसान करेता। श्वित्नंत्य जीवमहरू अभःशाक्तिक क्षिक्रा बन्धकाणे प्रथा (क्षीन कर्याः

কামনাত্রণ গাণবীল জনতে পাকাকাশ-भवात बीरवन भरमध्याहि व्हेरक भवित्र <del>कि</del> गांध घाठे गां। सामनाष्ट्रीय करण्य एवं, क्या कृतिरण छ। धांत युग व्यक्तिवायान कारण उन्नाश कतिरत वता सकताः वागना দ্ৰৰণে অভিষ্ঠিত থাকা পৰাস্ত জীবের 🖛 🖛 ভ্যাগ অধন্তৰ এবং ক্ৰম্পট্ভাগের 🕬 হেতেও অব্যাহতি লাভ করা অমূর-

कथा कार्याप्त बढानत कहिन की मा (महेश्रात्न, ध्युनात्न यात्रकीम कथा जन-416年夏 6775年代明七門 一番事 इम्दर्शात्माल .य क्या करे दश, दशकेतिर क मान्न 'क्या' >,१९७११ १,११७७ करा ६४ मी End stated . W. C. dui ex 1

भूत्रदर्व विक्षः भारतः • किम्नु'क्ष्मः या क्रिका । रेपन कांकर्तिक तथाना उन्ना निकः

1171 8642 1

इतिहरू है। सन् कविशा मारक व्या किन्नी माधुरान あれれば देवनीक कि बद्दान । अह देवनी विक यासन करिएक करिएक इन्द्रमानिक लाभ क्षा

अधिमनाधि (मध्यातन, त्यभारत कामरक ममलकारमन व्यान स्वतान काभ(मः १० ८००१४ रेगयुक्त कर) ६४ ( निम्पात्र व व व कारना अवादन व वशान, त्मशास्त्र कामाप्तरम् । भगात्र नाः स् अ' अनग थाकित्व अक्षित्रम् कागाम्बद्ध स्था 東京 新生 日本中的社会 新印刷即用 了州镇之村县 भारत्भवहे कामामान्य क्षाक्त-मध्य ब्याक्टर्ग मध्ये ध्वतः स्थ्युं, फेंड्ड्रियर्ह व्यापख व्यर्थ। व्याचनात्राम् मापदव अहन कांत्रधा वार्कित। कत्री, छाती, वाधा वा ्भाक्षाविकायीत शामन व्यक्ती क्रिकादादनंत शामनात्य दकामामगर दशकाव का ।

্ৰেয়া ক্ৰমাটি এই প্ৰাক্তি ভগতে क्षावित अधिक एक द्वारी शान । धार्तिक द्वाम रखनिर्द्यास मरहः 🐰 🐧 व साक्ष्रिक तिवाससारका निवहनतील व बारालक किल-क्षियव कावारनीय ८४ । आक्रम कक-(क्रिक्त शामक क्रिक्नीय (क्रिक्स शहरका क्रांटन ना, कहि कार्रामा सामद है इसम नामम

মনে করে এবং কাগের পরিতৃত্তি- করেন। এই ক্লিডে আন্ধল্প এই मान्दन राज्यान कर्या अन्छन्तरकत याळी व्याकात

यक्षित्र चामता गुका गुहार माध्यकbere अवि श्रीकात कात्रम कार् च बोहे-मन्मान्त काव्यत्नादारका तडी কইডে না পারিক, জোমের ভাৎপ্রা মেকাল न्यास भागालक खनता आपूरिक बहेदव मा । उल्लाबन जारनया त्मरोहन आन्या **खिनगद्धि क**िट्ट न!'त्रव, य निम •व्यामश मुक्तक . वे विताल गाविय-

(शर्क थया, ८४म धर्या, ८म्ब्स्यां, समा। भक्ता, देश्या, द्रावश्य , भाषासूर्यमणे ।। इक्षांबा-भाषां शथ, मिल शांतकन । अवटन कडर्य यक काक्न-कर्मन ॥ मधानात्र कृति कृति कृत्य कृत्यत क्याने। कुक्क क्ष्यरहिष्ठ करह दक्षण दवनन ॥ क्षेत्राटक कहिर्द्य कृष्क दुर्ह अञ्चर्धात । वा दिन के पर देवा देवा के ना कि दक्षान मान ॥ @B.@4 +14-12/14 46'8 N&61 काम-कास ड४:, अध्य-ियात कास्र -( ১: ১: আ ব

## কলিকালে বর্ণধর্মের অবস্থা

( ভঞ্জিনত্র জীলাদ লাখাচরণ গোস্বামী 850 TIN 1

क्लिकारण डाका, क्रिंग, देवन छ भुष्ट वर्ष ठ ११६ जी वर्षक च च च चार्काक खरे ; देवछन्तक देवभादाक सादाकेश भुष्ट व **सहस्रा भारताश**दावन दहरत ।

खालगाः कविशः रेग्णाः मृहः

USSISTER TARIS

निवाहाधिकश्चिमान अन्या थ कारो बुटम म

(भाषा किंगावात्रामाध्य अवसः अः

भाग, सम, ऋगः (भांठ, का, ख, शक्का, । कात, विकास व माधिका दह वाक्की आक्रमित्रात कथा। यथा, १३॥ ३१ ५० १०० १००० भट्या प्रमुखनाः .मांकर

कर्ग खार्च अंत्राज्य हत कानर विकानमुद्धिकार अर्थन

कर्ष प्रकावसम् ।

ध्यम खम्डाद्द विद्यान--- (वेम्राविने, যদ্মাদি অপর পাঁচটা ত্রাগ্রণেচিত কর্প श्विकार्त मुखक उक्षण व्यक्तिशक्षणावन (मनम विक्रिताती, भाडास कामूक अ का व-श्वकात विलिष्ठे । विद्यास १३ ७३ के किकारण अभ्यान्तान द्वलिक्षक, मुक्त अनेका (धाम, लाना, माना, मछद्रक). C5ोग-वृद्धितिनिष्ठे छ त्रवर शिवनशिक्षत्वाज्ञन । **明月5**(5) कोविकानीनमार्वत क्षत्र (काम काम महाक किंपणी राम का में जानान सक्त वस महिनान जार कार्रम एकमहाम बाह्रम

णुक्त भ**्या** ভংগৰজে গলপুৱাৰ क्तिरश्ह्न,---

विज्ञा विषविभीमाण्ड खिल्डा॰ भन्नोत्रम्। শহাৰ কামিনঃ জ্বা ভবিবাস্তি

कटको सुरश म दवम्भिमा व बारेम्हव मृष्ट्रहोगा-कश्ख्या । विभवागभनुकाण्य कविया ख कर ो विकास ব্ৰভাৰ্থ আহ্মণঃ কেচিৎ মধাকলদখন্মিশঃ। ककाषता कतियाधि क्रियाः भारत्वादियः কৰে। মুগে ভবিষাঞ্জি ব্রাহ্মণাঃ পুদ্রবিদঃ ॥ (लाम्ब जिल्लादगानात ३१०: अशांव)

**भाषार इक्त का कृष्टिमाल्कार यु फ** 

का गामका देशमा । श्रामीषा छ दन्ह क्या कराय श्राप्त स (衛かつか日2)

(मोगी, ८७वा, धृति, माका, मध्दत सलताच्चरका, नाम, १माक-निष्ठकुष, अहे करवकी क्रांच्यानाया क्या क्रम हार्य কলিভে ক্ষতিবৰণ অনিক সময় ভীক े करणा विभिन्न दुष्टि भवनवन करिट्ड वामा के बताब गांधनंत्र- शतु के जुर कि तान्त्र । कृतिका । असे वाश्वितः देवना स्था

পরিচয়। আহাৰং কর শুরুত: পি অভাবনিন্দ ( 報 4: 55 88 )

कृषि, श्रादक्षण, श्रामिका अह करवक्ते. देनकान्द्रात चकानक कहा । পরিপত্ত बङ्ग्र'ছেন।

ख ऋत, क्यांबर क टेन्टबर गरिक्या ग्राक । अधिया अगन्यमूह क्षा मुक्तांसर्गत दश्वा एकत्त শুপ্লপুৰ স্বীয় ৰাজ্ব কথা ভূলিয়া বৰ্ণ শ্ৰম भरमा डेळ च्युनका च्यानवन करिएक्टका ।

केटा वाकिशक (काम खिकाव (मार कलिश्रष्ठादय व्यर्थार जिलाम मच्चे विकीन कशिकारण च्यान १३ मध्या आधित कहें शाकात वर्ग-मधा विश्वतात प्रति व्यवश्ववाचा मरशानिक व्हटदा तमह व्यक्त गञ्चाकाति व्यक्ति च पन्य वुक-ह र करता अञ्चार्य, यानाविनीत 🛊 ५क्षणमः 🐯 🚥 🕬 ান্যভঃভাগ মুম্বনীয় ব্যাপান বাজীত কোন : भागता भारता कहिटा ममर्थ गरि ।

## দশমূল নিৰ্য্যাস

काशांबद आकि खर के द्रापक श्वपूर गक्षनिक्त क्याकिश **कविद्रारमारण भीवान् अ**क्किननिकान् कष्यकारण भावार। CBRICBR श्रेषांवर गणगर्भा एउड

मामन्द ७६७ किर

गाधार यर शीकिरमध्यकाणविश्वकि बदशी त्भोत्रहत्यः ख्राब्यम् ॥

दम्डे शीत्रहळाटक चामि खबन कति. विमि अहे धाकात भिष्या निवादका। निकात टाणात को (व, भाशाप अवीर ্ৰদই একমাত্র প্রেমণ্ড। সেই বেল चामामिश्रक नश्की द्यारम् चर्थार विश्व मिक्स दसन ।

त्शालम निषया शिकतिहे काममात लक्ष्मण्य । सन्धः एका ख श्राध्नानम्-विश्वाह क्रिक्रक र्हा मध्यत वाठा । क्रिमिन्यमग्रम यागारक लक्ष नरमन, खिनि अधिकति िष्शास्त्र क्षश्चामाखाः कृषा द्वेर क मिनि भूषक् **ज्या** समः दर्शाश्रिशं दे:टाट्य भत्रमाञ्चा गामग, विभि 🕮 हरित स्मेह अन्म, थाँ हात क्रेक्टन कर्यार मृष्टिनाक्यास्त প্রাকৃতি এই চবাচর বিশ্ব সৃষ্টি ক্ষরিয়া-ভেন। প্রহরণে শীর্ষবিট একমাত্র প্রাকৃ ध्यतः ब्रम्म भि सक्षामधे केश्वात माम ।

विकीश निषय: इसके शिक्ति मध्यन क-गल्लास्य । इति वरेटा अविश्व क्रवित अव्यक्ति অচিত্তা প্রাপ্তিক অংভেন ৷ बाधदकावाल 'स्किंक, विकास काल माक्राम्हिक अन्तर कडिकाकाल कौतन्त्रिक fewimmert Laghtin um, nichten খালা অন্তর্কাটি প্রস্থাত পরণ জীবভাজি बारा अन्याकाकी कीर ५४ किटनारक CAR HELMER \* ne 1 य इस लिगीका

Both Fix. अह है जिला करिक 114. P.W. N. I. नरिश्नम् । १ १ मुरम्माद्रष्ट मक्ष ब्रह्मय भारता भारत उभाग भारता व

🗃कृष्टकार ज्ञामनीयात्र उश्रह मधुव अस्यात विकल्क कारब किला कानकान . क्रांस्ट्रिश्वरण द्वीकृष्ण दलतीलानान ; यथ ---'>) अदर्भाष (२) मक्याहाक्यमुक, (७) क्रक्र, (४) महाटकका, . ८) नगरान, (७) किटमार नरग-युक्त, (१) विविध कष्ट्रक भाषाख्य, 🕪) मुख्याक, (b) शिक्षाक्ष्यक, (b.) बाक्सड़े, (১১) अम्बिड, (১२) वृक्तिमन, (24) 四征的技术。(28) 何明 (28) 5万4。(54) HW. (59) 李·硕。(54) अपूर्वा क, (३३) ४००-काल-वाल-वार्थका, (२०) નાત્રલ®યુજ. (૨১) જાઉં, (२०) पनी (२०) द्वित, (२८) समन्धील, (२८) क्रमानीस (२५) शञ्चीत (३५ वृष्टिमान, (२४) मम, कोनाहिक, (२२) वर्षाक, (२०) পাল্লিক (৩১) শুষ, (৬২) করুণ, (৩০) मासम् (७८) माभन, (७८) निवसी, (७७) याक्षात्व. (७१) भत्तभागवभागक, (०৮) সুবী, (৩৯) ভঙ্গবল্ধ, (৪০) প্রেমবর্ত্তা, (८८) गर्द्धान्यकारी, (८२) शामाणी, (८०)

कोर्डियाम, (88) दर्शकाञ्च क. ५७८) गावुनिरम्ब पाध्येत्र, (८७) मात्रीयरमाश्री (৪৭) नवाशाना, (৪৮) नमुख्यान्, (६৯) (अर्ड ६ (६०) क्रियां युक्त-करे राकामडी छन्युकः। ध्ववे भक्षांन्ही अन निक्षुविक्षाद्वाःन गर्ककोरन कारक, किन्दु भविभून अमुखबरन कृरक वर्षभाम । यह नकारमञ्जू केन्द्र बाब र्गाठिम महाश्वर कृष्ण गुर्वसार्थ आर्ड अवर बर्टम निवाभिरमय काव वर्समान ; यथा---(५) ६ गतमा चल्ला भर्ताःश्र, (२) भक्तक, (०) নিজানুছন, (৪) সচিন্নানক খণীভুত্তপ্ৰপ্ৰ (८) अभिगमिक्षित्मकाठी अञ्चल मुक्तिन्छ सिर्विकः। शहरवाममान माम्रावशिक्ष আৰু পঁচটা গুণ বৰ্তমান আছে, জাৰা कारक व विद्युर्ग नार्य बाटक, किस निवानिन (अथला निका **कोरन रमक्षण गावे ; यथा---(**5) व्यविक्रिका महापश्चिष, (२) (काठी अक्रांख-निधारक, (७) मक्स कावतावतीकक् (৪ কজশক্রমণভিদারক্ত, (৫) ক্যাত্রা-रामग्रालय चार्यक्य, बहे नाहित्वन मारावणापिएक बाकिता ५ काक क्यू क्रिक्त नखमान । बड़े याते जुलात आजि तिक आह bifelige gen maffen wire, mier आंतरित्य व काशांत्रक इस माठ : क्यां (३) मन्त्रानाटकण कश्चकारकर्गानी लीलाब करणांगमयुक्त, (२) मुक्तांत्रवस्थि सञ्ज्ञास्यम ्राष्ट्रा भागितिहर क्षेत्रस्थ स्था, (०) विस्तर्यक्ष তিয়েংকী মুচত গ্লিক প্রান, (৪) **য**া**ভাল** भवार व .- हे नहर .-- क नविश क्रमानाया aret betrete fem tian miniten : बर एक्ट्रवृष्टि छट्य क्रिक्क बिर्वित अमृश्युक-अभूस्यक्षः :

Bigel दिश्वा अर्थ जिल्ही विश्वास ৮গণন্তম হৈতিৰ ভইমাতে ৷ চতুৰ্ব, **পঞ্চম ৫** यह निषद्य कीन फन्न करिन्छ । कहिएका চক্তপে জীবের স্বরূপ বিচার। ভীষ্ঠেই बारत शरामिकित कर्देशिकाम महासील क्टर सम्बद्ध कार बीरमात्र छेदमकित कार वि-शार्मकः न व्यक्तिक क्रशास्त्र सीव ियाता क विश्वादितिहै क्षेत्र के **अका** জুল্ল ও পরাধীন। প্রাধীন স্বভাব বৃদ্ধঃ क्रमानिवृष क्षरण मात्राच बलकाल्य क्या भेचन व कीरव एक्ष कहे दग, केक्श्य**ह** िर्यक्रण गर्छ, किन्द्र व्यक्तावनमञ्ज्ञ विभि निक्, भारत काकु धानर मात्रा याना निकालानी, दिना क्रेयत । मुख्य व्यवकारक ● व्यान प्रकारकः भागांत वनस्याता । अन्तु, िनिक्षीया क्ष्माधीन थाकिल किनि भाषा ०१८७ मुक्त व्यापना तिमनिशार्शविष्ट, Eletco िम्पृतिम्पूषरम् बारकः। नकानि वन खनमन्न दियाता अवभीत्य मानिक्थवी वा ( अध्यभः ) खन नाष्ट्र ।

## চৈতভামঠের শুদ্ধভক্তি গ্রন্থমালা

	_			
I	ক্ষাক্ষরে প্রকাশিত	95 1	নব <b>হা</b> পশস্ক	1
<b>3</b> t	क्षेत्रसानवस्य,नमञ्	991	कावाश्या क	1
		98 1	भवाडा अ <b>च्छा एक</b> :	1.
	🗟 (शमगक्क) ५२८	9¢ 1	क्रगानक्षातक (शक्य श्रवतः	150
	चाम-गर्क अञ्चरक्रकक्रकिकानुक	001	### NA.	62.
	( क्य गरफक्ष )	ורס	नावक्षक्रमाना ( वाषा )	# •
• 1	(शाकीय-शासर ।+/•		ঐ (আবাণা)	19.
61	লোভীয়-সাহিত্য াৰ্	<b>⊅</b> ₩ ;	বৈক্তবমন্থ্যা-সমাজ্ঞতি	
41	######################################		প্রাথম (চারিম <b>র</b> )	,
• 1	च्चेटेड कश्चरक्षा कुकम   क	<b>53</b> )	এক্ষগংকি জা	••
	क्षेत्रवद्योग मफसम् (दीशा) २०	8 • 1	শ্রীমন্মলা প্রাকৃষ্ণ লক্ষণ (বীধা )	`,
	ঐ ( আবাগা ) ৬০		ঠি (কাবাদা)	h•
9.1	ক্লিডা ( শ্রীবলধেন-চীকা-সঙ্গ)	82 1		**
	( वैष्या ) २८	. Bs /	(शीवक्रटकान्यः	4.
	ঐ (আবিধা। he	851	<b>প্র</b> চেত্রসভাগনত	1
<b>6</b> 1	विका ( क्षेष्ठाक्यवि क्षिकान्यकः)	,	(বিরাচ্থিতীং সংখ্রপ )	e.
	(बीभा) २५		एक्ष्रकावको वा माधावामणकम्म	i
	🍇 (व्यावाश) 🥻 ५५०	84 1	প্রীটেড জ্লাপিক স্বাস্থ (বাদা)	1
<b>&gt;</b> •	গ্রন্থ কেবল মাধ্য-কাত্ত		के (क्यानीया)	22.
<b>5 • 1</b>	माक्ष्मासका स्वतंत्रीकः नास्याप		গোড়ীয়ম্ছ কি করেন গ	-
	(भागर) २,		क्रेरलाल्सिष्ट ( तरास्त्र ६ माध	1
<b>&gt;&gt;</b> :	C4年1年多年414 月[聖·1]年		ভাষা এবং বিকৃতি ও ক্ষমুধান সং	۶, <u>۱</u> ۰ :
	( त्राभाष्टकोत्र ) ५०	84 1	<b>डी:</b> कृष:मणड	e'•
58 1	रंकप्रभाष ३.	62	সিদ্ধা ঋণ প্ৰ	•/•
30:	<b>⊞∗</b> विनाम¹5 कार्मा*	<b>C</b> • 1	म!श्या नाना	1.
	( प्रकृष माध्यत ) भः	দে -	বনাগরাক্ষরে প্রকাশি	প স
>6 1	रशीकीय-क्षमार २.	142	भिक्षा स-मनवारी-'म'धळदः	₩•
50.1	(अभावत्यः ( क्रांतीय अरक्षवणः ) कर्न-		ষ্টীক 'লকাগণন্তম্	
	के (वाषा) भ	, « >	<b>♥ ¶-%</b> -£#	
341	बीन-बिन्न मन-	4 8	मञ्चनभ भिकाक्षेकम्	~ .
	माधमन्य ( ७३ मःकत्र । ।🗸 •	€ 4	গোড়ীৰ মইজ গাঁওচয়ঃ	1.
361	বেঃস্থামী রঘুনাগ দংগ (বাঁণা) ১০	æ 5	म । कपुर म २ मं ३ म	J . 1
	ট (আবীচা \া√•	₹2C	স্বজী ভাষায় প্ৰকাশি	93
<b>&gt;&gt;</b> 1	• अवदीनगाम-अवभागः ५०	47 :	<b>∺1</b> ম ভ <b>জ</b> ন	,
4+1	<b>*</b> f**3*1**	4b }	गार्केक् सा ७ जिल्ला भन्देम् चर	
	(মধ্যীপ পরিক্রমা ) 🗸 🗸 •		चीदे । इस भशा आस	1- 1
211	शिक्षमाना ' />•	162	रेन्ध ने सम	10
44.1	নবৰীপধাম-মংগাস্থা ১		<b>्रावाहे लां श्रीवमंत्र हेळ</b> ्यू हेर	
201	ঐ প্রমাণ্যক ৮০		দি ভাগবন্দ	<b>!•</b> :
49 1	মৰ্থীপ পঞ্জিকা		हरताहिक व्यिक्तिन न भार	-
	( BBH CSTST# )	1	चारमगरबर्छ छिर जागन	
1 35	<b>क्र</b> नवदोगकाव ७३० ।	årst	•	2012
141	<b>अ</b> रशास्त्रभक्षणणातकमा वर्णन ।०		ড়িয়া অক্ষরে প্রকা	- 1
<b>27</b> 1	শরণাগতি /•	1	<b>ঞ্</b> ৰত্বিনাৰ চি <b>ভাৰণি</b>	1.
•	শীভাগনী /•		माध्य भव	<b>i</b> •
121	চিত্ৰে নবৰীপ ১৪•	{		<b>₩</b> •
00 1	माधमक्ष /	į		. >
	লেম্পঞ্চিত্রক:	491	শরণাথতি	1.

## কলিকাতা গৌড়ীয়মঠ হইতে প্রকাশিত

# শ্রীগোড়ায়

একমাত পারমার্থিক সাঙাহিক

শুদ্ধ-প্রেমণশ্রের বঙ্গ-প্রচারিত, সক্ষালাগুল, নিজিৎসর স্থালোচক' অকরজান এ অধ্যাক্ষ-ভাজি-মীমাংসক, বিশ্ব-জীবে এক্যাত্র অতৈত্বক স্বর্মায়, করিজনোগাসক, প্রমাণ, ধশ্ব, অধ্, কাম, যোক্ষ, সমাজ, বণাশ্রম, নীতি, প্রান্ত, কারা, শিল্প, ক্লাব, একারন, সাহিত্য, বিজ্ঞান, শ্বতি, মর্লন, ঐতিজ, চিকিৎসা, পুলাব, জ্যোকিষ, দৈবরাশি প্রভাজির নিরপেক্ষ পার্যক্ষ সক্ষাপতি—শ্রীত্রজ্বতন্ত্র ব্যক্তরাপাধ্যায় ভাজিপাত্রী, ভাজনারজ্ব সম্প্রাক্ষরাক্ষ বিভাগিনেশ্য বি, এ

শগ্রিম বাধিক ভিক্ষা ৩, টাকা, জি, শিন্তে ৩৮০

অফিস্—১৬নং কালী প্রসাদ চক্রবর্তী ক্রীট, বাগবাজার কলিকাতা।

শ্রীধাম মায়াপুর শ্রীচৈতত্যমঠ হইতে প্রকাশিত

## দি হারমনিষ্ট

## বা সজ্জনতোৰণী

শ্রেজীবিশ্ববৈশ্ববরাজসভার ইংরাজী মুখপত শুক্ত সনাতন-এশ-সম্ব ীয় ( মাসিক )

বেদ. বেদাস্থ, উপনিষদ, মহাভারত, গীতা, শ্রীমন্তাগবত, পুরাণ, ভন্ত, শ্রীটেডলাচরিতামৃত, শ্রীটেডলাভাগবত শ্রীটেডলামৃত, ভজ্জিরসায়ত-মন্ত্র, ষট্সক্ষর্ভ প্রভৃতি সাত্তর গ্রন্থায়ত্বের নিরপেক বিশ্বদ-ব্যাখ্যাকর্ত্রা। বাধিক ভিক্ষাও, টাকা ভি পি, ৩৮০ আনা

भद्र के किशित व हिकाना-

ম্যানেসার—হা-ক্লমনিন্ত

्लाः श्रीभाग भाषा पृत्त, रक्षणा नगीका ।

## চিত্রে নবদাপ

প্রাচীন নবদীপের স্ববিধিত, তথা, ঐতিহা, শ্রোত ও ঐতিহাসিক প্রমাণ সম্বলিত নয়টা দ্বীপের সচিত্র বিবরণ গ্রন্থ ব্যাজনিয় ব্যাপ্রসাহেব

কুমার শ্রীযুক্ত শরণিন্দুনারায়ণ রায়,এম,৫; এাজ

## মহোদয় কর্তৃক সঙ্কলিত

৪৭ থানি বিভিন্ন বর্ণের অপুনা চিত্র ও মানতিত সম<sup>ন্ত্র</sup> প্রাচ্যবিদ্যামহাশ্ব বিশ্বকোশ-সম্পাদক মহাশ<u>হেরের</u>
বিশ্বক ভূম্মিকাসহ

উৎকৃষ্ট (ইং) মরোজে। বাধা ১৮০; ভি: পি: ৫০ ২০ ছুই টাকা মাত্র । প্রান্তিস্থান :—উট্টেডখন্ম, প্রো: উমোয়াপুর, নদাদা।

# বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভাজমঠসমূহ

#### गिटिंग यह

#### আকর মইরাজ

श हीत जनवील, छाकचत लिंगाम मात्राभुत, संगीता

শ্রীসভাষ্যাপ্রদীস হতাম লাঘ ৩০ সমু উদ্ধানপুরে শ্রীরক্ষপত্রনে আচাধারত শ্রীচন্দ্র-**्ष्मात्रक कराम क्रिक्टिन क्रमान रिवायमान र** 

এই স্থান সালের ১- াইব, পরাব্র পীর বা সাত্ত ভক্ষনন্তবী। এই মুলা শীর্ষে শ্রীহর্তি। নাম্যুত্র বাক্তরাল-(ব্যাঞ্চন্ত্র পরবিভারে **অন্তর্ত কা**রা, নাটক, অল্লাক, তুগা ·क्षश्चान-क्षेत्रकि एक-हो हो-पूरत-काष्ट्रान-५७हेट६४ अमासम् । ७ अमा मनः अत्र क्रांस श्रीखन-्रकोताल-कास्तावाका-विशिवसत्त । स्ट स्ट साम्ब्यमाधिक-भाष्ट्रीया-bकात्र केर्कारमण केर्नाक বিশ্বতের প্রত নিজ্য দেশিক ইংলেছেন। এই মহবাজে পার্মাণ্ডিক বৈনিকপ্র মাজ্ত ন্ত্রালালের অংশকালিক ও জন্মাচীন প্রাপ্তরালি প্রচারকল্পে নেনীয়ান্তাকালা যন্ত্রাল্য खा (本路声 eenice) था जुन रमत किमा भ-भविकास श्रृष्ट(स् क अल्लाक कका का श्रिक ক্ষিত্র প্রস্তমতে সহামত্থিতার দৈ কলাপ কচ্টিত করল পাকে। বহুক -- বহুক -- বহুত্রী শ্রীপার মর্কস্থিতী। সংকাশী— জীলার বিলোগতিগারী ব্রহ্মতাশী, গাল্প শ্রীপার প্রোবদান बक्कानी भग्रकामधीय, श्रीकाम बीक्षक अवधारी, शास्त्र श्रीमामानक लक्कारी, **खेरक** मनीरश्वात्। नरमताराश्वात्र खेरदरताम भाग तक्काती अनुव गुक्कानान ।

#### : ৩ : বোগগাঁচ নামফির

खड खान क्षित्रताम भाषा करता ना শ্রীমন্দার ভুত্ত আ ভাব ভাষ মহাযোগ-भीते। इनाम हिंदको अहा व हिंदिक क्षिप्राणक स्थारतीतनाताता । अतर स्थिति जना ∰धरमाञ्चास शिका त्राता इला जीशक-**第1曜4 - 5/17日 ヨるいロ 1 - 円田 中一一(中)中** নাপাধ্য বেশক্ষানী প্রতীচণাচ প্রান্ত ভীরমান सार्थे : अठकारी द्वीमाश्रीकत्तालयाशीक 🖴 तालाम बक्कारति । देशमाननमान स्थान-**申1前。(ガールマ: 三, 6)オイ選等 !** 

#### . ৪। এবাস-জন্মন

E क्रिकाश शालुक के कि त-िकास वा किर्तावनीयात हारस्ती । जनात के किरणह-जिल्ला के कि भारती विभाग । のカマー・見かいない 公開が清し 選出るの **७४,** द्वीरशक्रमान नाम की

#### (4) 研究可以管理

बर्धे क्षार्त्य 🖏 बरेबन शास्त्र न्यान धारा 🏢 (मनः वक्गानः

#### ७) क छोत्र ममःभि श है

क्षाचीन माहाभूद, वाममभूत्र (समीमा) Mentenerie के अन्तर्भी प्रमान । तक्क - अक्षाता श्री निवास, तहाको

#### १ ५) अपनेक्ष क्षेत्रम कुल

र्वे, १८ एक्टर, श्रद्धानुष्टा । सम्रोदः , B तरन दिन्मा म ही**ल करिल**ियमान प्राप्त un'te gar Bertestufes war Bichainte व्यक्तिक दश्या गढेगान

बक्क--- र्किक्या अकाव अक्रांशी क्रका का विश्वी दश, यम, यम,

#### १५ - श्रीकश्चाश द्योष्ठीय गर्ह महरू शिल्या

इक्तक--- हीवक्तत किल की दश, ज. वि. जन, मध्यादी-- अहितामाम क्षांक-भाशी. के इसका अधकारी असका।

## ( a) शिद्धाति-श्रमाभव श्रे

S'ere जी, समुप्तश्चर, । तक्षणांन ) द्भित नामेना पर शांकष्ट . अनेत्राम (a-

## ১০ , জীরপ গৌড়ার-মঠ 47 1519. 41215 6 B. fu

विकास --- मिहारिशीन अभागाती, मिक्नारम नव র্মানা 🔭 ।

#### ( ১) श्री भाषा अववाद --

भाष्ट्रिणा'क, कालगृह, तक्ष्मान। প্রত্যাপবিভাষ ইক্রের রন্ধাবনের স্থান। গক্ষ-- ই-ত্র বর্তারী রক্তরাধী।

#### (১) : ভাগৰত আগন

🖹 - अन्त ह (क्या , क्रमान्त्राह, नामीका । अधिक शिकास अधावती खाठात-भाषा। दणक—डीयशानम समार्थी।

#### ८३० - जाजकासम्बद्ध द्धिं न वाक्षी, दशाहाकी, क्षमनवाद, समीवा ।

धम १- ने ब इयासम बक्काती।

## (১৪) শ্রীমাধ্য গ্রোভায় মঠ

भेरती सर्वावधून द्वास, जाना। भुक्ष राभव आधाव-रक्षा क्यारन जी छक्त-्योगभ भाक्षानीधिश्यक स्थानक्षान । रक्षक - ज्ञानाश्वर्षक बद्रवासी।

## ( ১৫ ) शिद्याभागकी मर्छ

甲甲四(为牙, 61年11 (भागागकीय जारिकार व काठीन द्यता बक्क-नी शार्रशोव अभागती।

## ( ) 🕮 दगो छो स मर्ठ

५७ सः वाणिकामात ठळावछी औँ । त्याः नामवासात, सालसाता । केलिक्सन वि. 14. 8008

শ্রীমনাধা দভর প্রচারিক ভাননাল ভব্জিগমানপ্রচারোদেশে গৌছদেশের সক্ষরপ্রধার भनानी कांतकाक्षात्र श्रीकिकायामा व्यागात श्रीयत श्रीकृतिक व्यास्त्रेम । एक कर्यन मञ्चालारम अधिककन्दर्भाराक वैशिल्लामानम क्रीडि मलास्य निका स्मित्र असा स्मीकी কাচাদানবোর যাবদীর প্রস্তাবদীর ওপ্রচারোদেশে ইমিটে দংলর একটা ওবুছৎ কুল্লা-यञ्चालय मध्यानिस रुववाक्ता। श्रुचितीय मन्त्रव 🎒ात्रोबनाम ज्ञाहादाचे ध्ववे यञ्चानव क्टेंट्रेट 'इसोसीत' अन्याक्षक एक कि क्याबिक्टे प्रतिक लाखिक केशाबी कार्याक कियांचिक अंदर भाषा भाष कर एक केना । क्रिक्ट भाके महीका, म अवास-5'करव-Carra ন্ত্ৰীমহাপাল্ড, প্রাটাল্ডল চার্ডাম লাগিললীয়া ও লথাপালের সমাক লালেনাচনা কর্ত্ব पारकः भरतकत्र - कालायाति । जीनाव कुक्षा काली विकास्थान । अवकारी ---नाजिक भीभाग अगसनारू अन भवानका स्थम निन्द्र गीभाग अलगानमा अवस्थिताम स्वन्त्र भौगाम तागर्ववाही तकान्त्री. श्रीलम अग्रहकारण मान्यांतकावी विन्ता, श्रीमाध enterior minifert and बीको बनानमा, अभागांती सीन्यानी। माठम, अवस्ति मी क्रमा समा के जिला औ श्रीदिवकीनम्बर, शासक श्रीमा नदीनकृष भराक्षात्वात भक्तिनाही <u>स</u>न्त

## १८७ जीशकाचे-८भोशक मह

श्रीत्रकों के कामारिकी अन्तर् नार्रिका है। अन्तर व्यक्तिमाह-दर्भवादमाद सिन्हा दुस्त থক । — ই পূর্ব প্রভা এখাত (की ।

#### '১৭, শ্রীভাগেরডজন্মক মঠ

रेक्टलिया, बाखरमन्त्रम, इस्टिनीम्बन । यथात्त नी संच-्यात छ-गास संकः-.প্রা 🔻 ক্ষেক— আছি দি বিজ্ঞান আপ্রম 🗧 বিধিধারীর নিভাবেও, ব্যুমান । ব্যুক্ত— अनवामी जीकश्वानसावको । वक्षप्रानी सराजन

#### .১৮, কামিলাবে(ড) প্রপন্ন আয

अध्यतिष १९११ वर्षकाल । निकारमनः। वक्षक--अक्षतामी खाद्दtermie i

#### (১৯) जीश्रकत्वाडम मठ

75ate, 251, 5'14111 ज्यभारम कीरशांत-विस्मामधानवकीत विका-দেশা বর্ষাল । তক্ষক — এক্ষ্যার্কী ইঞ্পিরম্য नव निमारक अवनानी जिन्हीशानक।

#### (२०) बीज्ञण-८गोडीय बर्ज

व्याणवत्रमाधः, दक्षाभाष्ट्रं भूती । व्यवस्थात्र विकास विकास विकास 해석장'위 | 4위 4 -- 교육이기) क्रिपद्रमचडी व्यक्तालकी। अञ्चादी-अवनारी नामिलाम्बारी।

#### (১) श्रीमकिए।अस मर्ड

Gierfriett, mba :

avica Bing. silain-faceingun. कीत (बकारमना बक्रमाना प्रक्रक---अभागती जीनगामुहा

#### .२२ ज्यामनाडन-जो शय मठ

अन्तर धाराष्ट्राचन गुका, काली । LTT 2-可引擎智慧 ... 其时 en 達明時間時日 कार्यान ,१११४६भवा वस्त्रम सं क्षेत्रकान्य लीकालकीना भूकी ।

#### ्र ६. व्यक्तकटेड**च्छा ५**३

जीनं भारतान कुछ, ला भार कुल्पका । 원 및 c) n:- 성다- (리) ### (\* 1941 )

तमान-तिरान हैंगा स असारा है

#### (マタ) 通りの変形を(で) おる (-1.814m, H. 411/4

anter Reining mitmine . ं जीदगांव विद्यास विमालसास दशका महासाल : मी अक्टबादाक हिंदा कामका त्यांत्रमादी । वक्तक त्यक्षांत्र शिक्रुमाका क अव्यवस्थी 

#### २०. और इंग्रेट में की में में

当年"京田"、16日李田。 湖州海州, 田田 ना । श्रंथ, लेटाननानम अनक को । झीवाब होस अस भाजाय ।

#### (२७) जीगामदशोषां वर्ठ

कुतारकार, मार्किवार, कराम । अवस्थ चौक्षीकानस्न छ-बादमक दमना वसमाम । तका क--अभागाता विश्वपन्ताको ।

(२५) खाक्रमभाषा अभवाख्यम-मठ बाक्षनभाषाः, त्याः मा**ल्, मान्** 

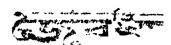
कार्यात्व यक्षक्षकृष्टि लाद्यात्राद्रापत देशवा वर्षभाग । दक्षक---अभवामी सीजालकुक-मान, और्शनावमन अभागनी।

## (२৮) भिन्ना द्यापीत मठ-काम्यालक

ンマ (4月 . 年1日[月. 『小家『中報』: सम्ब -- अभागां व्यापारिकाम्बर्सम्, अक्षाती श्रीतामाव्यम्कत्मनत् । [

(२२) द्यामानभाकाक्रमाञ्चल व्यक्त-अवश्री हो।

### শ্ৰেদ প্ৰায়েশ্ৰেল কৰিছ হ ভাক্ত গ্ৰন্থাবলী



🗠 **শ্ৰীজৈবগৰ্মা —** ইম্মকিণিলোৰ স্থাক্তৰেৰ জিবিভ---केंक्ष्याक क्रोरनंत लांताम, कृष्यता मध्यिक मध्यक, विका छ देनाबीक्षक कथा. श्रीकटेश-निष्ध व सक्तकारनंद रक्षण क्रान्टिक क्षिमेक्षण प्राक्षत कर्णनकात द्यामा देनातक वर्णासम्बद्धाः देवकात माखन पटना, नाक्ष्मिनान महिन नामका, मानानव, दनवाwife in american can the fuel memberel au के किन्न का बक्ता, की दरव नदा था पत मूक, देशका पृत्वत munte, wiens mientelleiten mit e aufreiteig Alden, etena etenatia, bute benfin. bita a ब्रह्म व भारत त्या को एक- एका है विश्व कर्या के द्या क ferentia municipa nine ufucea etan, neer-वासका करा करमा क्षाब महिना १३१६, मी मा, देनमा 💩 वामाकाः कर्तिः, मध्यक्षकानः, प्रश्नाक्षः अभिकानि, गानकीप्रदेशः, असुद्र त्र, शीराधातम शक्ष म स्तापन সাহ-शामा चात्रास निर्मुष्ट वरकावनी अ क ग्रदन्सी।)३ क(अर्भकानकात का द The entries of the manifest and an arm of a refer मादभाविक शहकात्र स्कक्ष्म क्री कलांच व मध्यत्र नाकित ना क भवस गृह । दर्भिन्द्रक अन्काभ अवस क अमराम्मानी अब उत्तासक काकारित क कक्षानाम । चित्रंबन दश्वाचार्योः नाम-भटवानी १० महस्न-काश कर अशामक प्रतिक कर्रदार्थम । बानार श्रुतिश्व । क्की. क्यापात में कार्रियात रिस्ट्य ममुद्ध करा क्रेस्ट्रिक र fasts, Mw. cat to ven win . may bege divis-6 8 4 7 18 . 4 1 NA 1



#### ्डकूब गःफतन [स्मिन्या बीबाहे-२, छुटे डेक्ट कार्यामा-১५० (भोरन छुटे डाका

শৃক্ষিপূৰ্ণ লাগবাৰৰ বাবা আন্তেক কানাৰে নিজা কৰাৰ বা আনমান সামায়ক কাৰণে নিজানিত কবাতে। একে প্লেক উকি সলাভন লাগ্ৰেণকো বাবা সম্পিত ও আমাৰিক কৰাকৈ। সেতেন, মনের ও আয়ার গল কি চু অম্যোধিক কৰাকৈ। সেতেন, মনের ও আয়ার গল কি চু অম্যোধিক কৰাকৈ। নাজে, এক কে চ উক্তাাক বিষয় ভ্ৰমান্তনাতে কাল কুল্লকাতাৰে ব্যক্তসক্তারে আলোচিক ক্যাতে ধ্ৰ, ক্রমান কালিক ক্রমান্তনা।



QE14 7:4-9 .. WIH;

শীক্ষণ ভোষামী প্রাত শীল বস্থাগ গোষামী প্রাত্তক উপাল্পজনে ব্য সক্ষণ করা মালান্ডন, দান চত প্রাত্ত কার্জনাথের অন্তর্জন ও প্রতিক্তা বিভাগ ক্ষতি সন্দর্শনারে বিশ্বক কেলাকে ১ বিশ্ব জ্বাভা শীলীমণালা পঞ্চ উন্দর্শ শিক্ষা ও জনপেশ বিশ্বক্রভাবে বিশিবক সম্বান্ত

### ্ষ্ট ৪৮৪ গৌরা<del>কের</del> সচিত্র

# শ্রীনবদ্বীপ পঞ্জিকা

পারবার্থিক বাজিমাতেরই একান্ত প্রয়োজনীয় বিষ্ণুত্তত ও উপধাসাদির তালিকা সম্বলিভ বাংলার মরে মরে বিরাভিত হউক

ভিক্ষা ৯/০ আনা মাত্র ৯/২০ ভাক টিকিট পাঠাইলে ভাকে পাঠান হয়।

মহাক বি

ভাল পোচনদাস ইাকুরকুড

#### 'তভায়সল

ওঁ বিকুপাদ শ্রীশীমন্ত কিনিন্তান্ত সরস্থাী গোপামী প্রভূপাদ সম্পাদিত ভূমিকা: স্লোকের অধ্যা বঙ্গালুবাদা, প্রতি প্রসঙ্গের ও গতের কথা সাল্ল, শক্ষ্ণী, স্থানসূচী, পাত্রপুচী, প্রমাণগ্রন্থ, চালিকা, প্রসূচী প্রভৃতি বিশ্বত সূচী সম্বলিত ব্যক্তি অন্ধরে ভবল ক্রাউন, আটপেলা আকাবে টিটু গড়ের কাগতে চাপা ভিন্দা—২॥০ টাকা

### **শ্রীহরিনা নটি ন্তামণি**

নামালার। ই ত্রিপাণঠাকুতের মুখে ইমিলালা াছ ইমিনাম মাতায়া, নামাভাগ, তামাপতার প্রাকৃতি বিশ্বের, মার্লীর বিচার প্রব কার্য্যাভিকেন, এর বিষয়গুলি ফরি গ্রেল প্রায়ে স্কিল্ন মাধ্রমক প্রিপাটভাবে মুক্তে। ব্রিল করিবিনেনিসাকুর-ব্রির। এম সংস্করের ভিক্ষা ৪০

## বৈফবমঙ্কা সমান্ততি

् भान्तरकोगरकामश्रद्ध )

িষয় :— > । ভাকশাসে বান্স্য শক্ষাবনীৰ কৰ্ব হ ।
চাৰিনজ্যনাহেৰ বৈক্ষাব্যাধ্য চনিউ, ত । বিক্ষাব্যাধ্য স্পানিক ভা
শন্ধির ও নিজিবেল বিবংগ, ৪ । বৈক্ষাব্যাধ্য ও বাবন্ধাসন্ধের ভাবন্ধা ও বিবংগ, । নিষ্মাধ্যিশয়ের ফোনিক ও ।
গাছীর আকান্ধা ধাব হার দেখা । চারিপ্রত রাজাশিত হর্মারে । ১ম ৭৪ দেশত, ২য় মও দেশত, তয় মও দেশ, ৮য়
গভা ৮০, চারেশত একলে ত, টাকা (ব্যাগ্র মণ্ড মহন্ত্র)

## ।ভক্তিসন্দ ভ

১ম খণ্ড ১, এক টাকা : র খণ্ড ১, টাক—
শ্রীমদ্ভাগৰভের ও গৌড়ারের গ্রাহকগল : ১॥০
টাকায় সূত্মণ্ড পাইবেল : বৈদ্যাংগ্র শ্রীবজ্জার
গালামীনাদেশ বিচ্চ গ্রন্থ। চহাত হট্যুলভের অভিক প্রাঞ্জনীয় মংল। গ্রাইগণ্ড ডবল ক্রাইন ৮ মন্ত্র ৬৪
পুরা আকারে মুদ্রত হুহতে।

> শামকালামা সকলেত সদাচারস্মৃতিঃ ভিনাদে আনা মাত্র

## বিজ্ঞাপন

#### শাবধান!

मादशान !!

েগ, বি. দত্তেম চৌকা শিশি বাদোম তৈতন অদিও অঞ্জিম এবং উপকারিতায় সববস্থন পরিচিত ও বহু প্রশংসিত।

আমর। সনক্ষাধারণকে জ্ঞানাইতেছি, বাদাম তৈল খরিদ করিবরে সময় শিশির গায়ে ইংরাজী অক্সরে জে, বি, দত এও কোম্পানী নাম খোদা দেখিয়া, খরিদ করি বন। নতুবা জুয়াতোরগণ ক্মদরের ক্রিম তৈল দিয়া প্রভারণা করিবে।

নিনা - ভেন, বিন, দাঁত

## কেরাস কুইনিন্

ন্তন এবং পুরাতন মালেরিরার ধ্য টহাতে উপযুক্ত মান্তরে আন্তর্ন, বাইব্রিফ্রেক্সের কুইনিন আংগ্রিক এবং হউরিপেন আছে।

धर (क्षणार्थ कुँडेनिय चाता है इक्षकमन कविरण धक्कि ना छः ही इंद्यक्मर्थनहान कला होने किंद्रेग आएकि विद्या व्यव वश्च करत धवर ७ वहर छ ५२ ही इट्याइमर्थन भग्नाव्यविद्यास ममञ्ज हिगमर्थ महे काँद्रेश क्रिक्ट ।

च धाल्यम् १ अण्डि नाञ्च -- मृत्रा २ हो छ। है। इ. है। का वाहेंड इक्षिणाल एक क्रिनिकाल गावरतहें। होटक २२,३ नर कक्ष्मीयण स्थान, क्रिकाला।

গোড়ার বৈশ্ব-জগতে অভিন্দ এছ !! শ্রীৰ ঠাতুর ভাক্ষবিলোমের স্বীতি-এতাবলা:---



গকেট সাইছ অইম সংকরণ ডিক্ষা / ত আন

ক্ষেত্র মনের চেটা আনতাবন্ধ নটরা— ইকা যথন জীব বু বড়ে পারে, তথন একমাত্র নিভাবন্ধ প্রীক্ষপবানের প্রাচ চাঁচার কোন কাভার আবেলমন্ত্রী প্রাথনা কর এবং প্রিকগবানে স্থায়েকবনে নিভপটো কি প্রকারে পরশাপর কাতে কর, ইত্যাদি বিষয়ক প্রাণ্শালী, প্রাণনা ও আশ্বন সম্পদ্ধাক গান। উদ্ভিরা সংখবণত প্রকাশত চইয়াছে

ভিক্ষা আভি বঙ /• এক আৰা আমতজ্বিচান্তকা— /•, নবহাপদত্তক— /•

কল্যাপক স্পাতক

শহক্ষ সা**ইজ** পক্ষম সং**করণ** ভিজন, ১১৭

## ৫০ বৎসরের পরীক্ষিত কয়েকটী মহে বিধ—

वावकाभकाशीक्षा अर्थ पृक्ष वेहेली दय अग्रह व्याल्थ्या गता गान कविधादकन, खेर्की व्यक्ष कतित्व वक् वक्र गुळक घरेवा भक्ष । व्यानित वावशांत्र कतिया वक्र वक्षेत्र ।

- इस्त्रका विका-इंशा नामिक (यमन काक्त तह प्रका है। मुख्य ७ পুর।छन সের, মৃত্রকৃত্ব, ঋশ এছেডি এবং স্তীবোক্টিগের কৃতিক। বাগার, **्षण भारा करा शाम अर्फ कि ८०१८श मा ७ मनजार ।**
- स्युश्चिमहाয় विष्का—भावन्यवाविशेम चळुव्दकृदं निक्षाविधादक छेवतः (व कान देविक छ मानािक श्रीकृतिमकः व्यक्तिकाद्यादम धवे छेवन सन्वशद शाह
- ভ। মন্তুর বটিকা--টণা দেবনে প্লীগা ও ভদপ্রগলিক নেবা ও পদীর পাসুর্ব क्षेत्रा योजवा देखानि निवृद्धि क्षेत्रा बंक लिकाब ७ वृद्धि आछ स्त ।

🖏 विम अमारिक शास्त्रक खेवरवज्ञ भूना व्यक्ति दकोठी 🔍 होका :

বাধিয়ান :- আতঞ্চলিপ্ৰাহ উমধালয় २५८नः रक्ताबाद श्रीहे, क्रिकासा ।

### শ্ৰীনবদ্বীপধামমাছাত্ৰ্য লগাৰ ৰক ভিচ্ছা ১০

वैदि5७७ महाव्यक्त विश्वत स मीमाकृषि नवनि योग-मन्यक । अर्थे मह बीरंगव व्याठीन विवदम--- काए। क दीरम विवदानाका नीमा--व्याफाक दीरमह भावतह. **ब्रो**क्षाम- ग्रक्षाच्या---वामाणवाम क्रिक् के क्राप्ति विषय वित्वविकारिय मेल्यास्य *कर्त्व* सर्वेष्ठ । गर्दके मार्वेश व्याप्त २०० गुरु ।

## नदवीय कार्यक किंगा।

লোভ-ব্ল কালাতে উভয় কাপতে ছাপা--- শ্ৰীনৰ গ্ৰেখান কৰিল ভাৰুত क्ष्यतकादीत कि आकार कार्यर केकान स्थ, कारा कर आहा नावक। बाक स्थरकार ।

স্থিককপ্রমণি-এবৈশ্ববন্দন, এগটনক্রন, প্রাক্রমের আইতের শতভাম ও প্রিণ নৰেতিৰ ঠাকুরের ১০ঠনিংকত প্রণিত্ত ব্রণিত্ত ব্রথিনা, প্রেরণ কি চল্লিকা প্রাকৃতির স্থানিত গ্রীকারণী মুনাকারে প্রেট সাইলে মুদ্রিত ২খ সংখ্যা - किण्मा ! - ठाडि आनामा मा म

## কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



মক্ষবেলের প্র'বধার অক্ত ৬ আঃ শিশিকে ঘনীকৃত অবস্থার ভোটবোলুলের সম্প্রিমান खेरा कारक मार्टाम कर, हेबाएक खेरायत दकाम महिनक्षम क्या वत माहे। युना अधि निनि no काला, शेहिते no/o काला, (शहन 50 o काला)

অফিস-১১নং উল্টাডাঙ্গা রোড, পোঃ শ্বামবাজার, কলকাতা

क शाकुरिकात, देखिइनकिन কড়াবি, অনিয়ো এড়বি অঞ্চল প্ৰত নিৰ্দেশ बारबाचा क्याः चल, योदा, स्वयः दुष्टि कविरक्ष अधिकोश देविक । एका ०० पत्र 🛶 अक देवि। ।

"নপুং সকাঘারি সূত" नुक्वपकानि द्वारण वाक्रकातान वाक्रा कारवाना | कानाकाटक दकावनुकि दवान कारवाना करिया जाकमण्डम करते । मुन्तु व (काम) ५, हाक) ( <u> পর্মনবিলালিশী বটিকা"</u> बीबायायन भक्तक लाकायाणीक सात्री क दक्षि करिएक बाक्षराब्द्रवा । वंगः। ३० वर्षः ३८ वक् क्रेन्स । बांबरेस बाजाग्रनदार, त्कल्बकी 🖚 ১৭৭ৰং ক্ষাৰুপৰ বেলের, 'ছবিকাকা। 🤄

## शरेद्धानिन

कामज्ञिक द्याग

काः धर्, धन्, धार विना भाषा, यादब्बीवरमञ्ज शाकाणि विका देवद्वाकिक क्तिश बारकम ।

> ঠিকানা---क बर कहेंग है है, व्यूष्टी बांचे,

#### 31 **म्नाग्र**ङ

निखन्तम भागवे मध्येषव । ३ मावाव केन्यम, मखादक भारतामा । दक्षि ५० रात्र व्यामाः वष्ट्र २१० व्याचा । वाश्वम पुषक्।

শুক্রাচার্য্য সঞ্জীবনী পোষ্টাই

बारियेर वे व्यवकारण व कमाज प्रक्रीयथ । मुना ५ किया २१० व्याना । मान्त्रक 7441

- ও। সন্ন্যাসী-প্রদত্ত অর্শরোগের অব্যর্থ আংচী व्यक्तिका मा व्हेल भूमा दक्ष्य । भूमा ३० वामा । याक्रम पुष्य ।
- কোন্ত-বান্ধব পীল 81 व्यवीर्न, उन्हेक्नेना, द्रन्वेदन्यमाञ्च भटकोष्य । क्रिना ब्रंग व्यामा । भावम गुनक् ।
- বাতল'ন 21

या करकार प्रकार करें के अधार भारता था। व्यक्ति मिनि ३० भारता ।

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তুতকারক। সভর কাটালগের কর পর লিশ্ব।

लालिकान-मरनोरमाहन लिटरबर्धेबी

(भाः उदाबी, कमनाभुत्र, धाका,

## মনোমোহন প্রেস

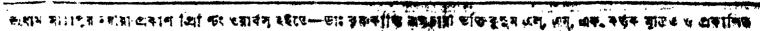
পূৰ্ব-ৰাজালায় ভালতে সকলপ্ৰাকায় ছাপায় জন্ম বিখ্যাত বৈদ্যতিক মেশিনে দিবারাত্র কাজ চলিতেছে বিশ্বত ভানিতে হইলে নিম ঠিকানার পত্র লিখুন मारिनजात---मरिनारमाइन ८ अन्। २०वर वटायमुद्ध, डाका।

## মরা মানুষ বাঁচাইবার উপায়

বলিও অভাপি আনুষ্ঠ মধা মানুষ্ট বাচাইবাছ ভোঞ चेवन वानिष्ठक का बाद्दे मका, क्षत्रांत बानाया बानाविक व्यक्तिकार के भारत व्यक्तिक व्यक्ति अहे करिया कार्य भन्ना सहरा दावशरकत करा भाषा आसाव (यक, व्यार्थक माकु मोमाना, चार्युवक क्रमानका, क्रमुक, क्राच्या, माध्य-गाळ । ख भी छ , अम जनर क्षीरमान विदेशक मत्या माका व्यापक. আভাত caren ভাগতা জীবলে নিরাল ভইরাজেন, জারাজ আমের কার প্রথমিক ভাজার পেটাল সংবের আবিয়ক ইলৈ ক্ৰিক সলিউসল বাবহার ৰায়িয়া বাাচতে পানেৰ, काकाश नक मनस व्यवान व्यक्ति बदमटच्हे भाउता बाह्यकेटला रीकारी व्यक्तीक वस्त्रिय खेरण साम्राह्म कार्या व्याप्तिका करेएक भारतम मार्ड, फीराया अक्याय अर्थ क्यांकी मानवाय क्याया रमपुत्र । अक बार्रमञ्ज सावकारबान्यवीके अक विक्रि क्रम ভাক্ষাক্ত বহু ১৮০ টাকা মাল ৷

> CAIN GEOR-ডাঃ ডি. ডি. হাজরা।

> > PCBOLL WIGG-füb Crie, Wimming ं विकास मार्थ क्षिक मिहिर्देश.

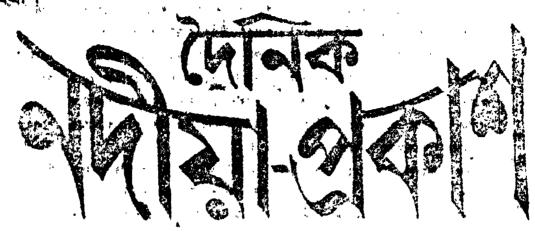


Co (many

FRESINCAS MIN

ू श्रीक्षादर distribution of 'effe onn w WE 357 01. शिक्ति क्लब ६ of mar els \* 25 i

9



বৰ্ত্তমান-বাৰ্ত্তাবহ

ভাষতের সকতে সকল-প্রচার—পদীরা কেলার একমাত মুখপ্র

भागायात का । - জারিম দের। नामिक कर् माणाशिक वर दिमामिक २५० गोगिक 📐 NIN व्यक्ति भरणा त्य

मन्नामक — बी गडी सन्। श्राप्ताभाषात्र, त्रमा स्थाप्त

ि ५०म मश्या

ক্রান্তেশ্যমত জালাম মাধাশুর ২রা চৈত্র সোমবার Seed, ১৬ই মা*র্চ.* ১৯০১

মুনপ্রবোগ। দুন্প দুলোগ।। সুন্প দুলোগ।।।

গ্রেস্থারে খণ্ডে খণ্ডে প্রকাশিত

দের বক্ত তাবলী "নও জোরান ভারত সভা"

o विकूमार शिक्षमहर्कितिकाचनवर्षी (भाषामा मन्त्राद्वार 3.78-10 76 Telli-के वादायक्रदशाःचा विनी रम्के अभिवास निकार मिनी भक्तिमी की नश्च-वारीक मुर्व निक्रम —देनकार निकास एक एक वार्या का का का भूमि--दमसाकूद्वभक्षद्वत्रम् भटमः कुष्णः कर्मात्रपुत्तमः समझकुरमः सङ्ख्या देशकर विकास विवास का कार्या के कार्या के कार्या का कार्या का अध्ययक के ---- व्याप्टाया-क्रीयम-b(त : - नामक----- किबिनाम-क्रियाक किया । - विवादक -- डोक्या क्षीमा बुर्गामारमञ्ज देशी शिक भारत्यशाधार-अञ्चल, अजिल्लामा ७ आहारा कर्ना १०१४ भिषाय यनभी।

 श्राम्थ् — रेम्ब्याम्नीम, श्रीक्षक्ष, कालम्ब्रं, श्रीम्प्राणिकान, श्रीनाम्भाननी, भाषकाञ्चिको प्रोक्षा ए वर्नातकात, आहत्या छ महत्वास्था, स्थितिक प्रदेशक क की हा ज निकार का आहा हु के भारत प्रशास से स्था हु के अपन भन्त, अञ्चलका ज्ञेनकपुत्रो, अल क्रिकानमन्श्रमक, पुष्टिभाग প्रकृष्टि । तरमान শংৰাক মধ্যে জাৰোভিত। ভিৰা মাত্ৰ দং বার ফালা।

 चिटीश थल-लका ७ निका छिल, मणूरधन त्यालंडा कि थाए. काश्राम निकार्यक, श्रीमत मामिलाल छ माम्रानाल, जीट्यांन निकार कर अनेश. जियुरेनेत स्था । कृष्णकी त्रेन, जी वाम वृकास जीवारावा उत की यन. শ্রীমোরধানের মহিলা, মহাপ্রসাক, জ্রীরোনন্দ, জ্রীরুপায়গভতন-পণ, ल्युम्को दुव्यापूर्वाचानी, शिटिकाणा प्रमा, लोतकतना च क्रम कीव्य-**इन्होंन अपूर्व-मध्**तिमा-पृष-वक्छा-विकृषिछ । , १०५० ३८ अक है। का

# প্রাথম ও বিভীয়—ছই খণ্ড এক্ডে গইলে ভিক্ষা ১৪০ দেড় ট কা. ব্রিফাদেশে নৃতন অভিন্যা,ন্স BP# 485 468 1

> क्षाखियान-उ.ष वराभ- विकित्यमठे -**्याः खैमाहा** शृष, म्लोहा

८ क्षित्र इन्हें अदम हैं सूठ खड़ास तथ । ীনও-চোয়ান উল্লেখ্য হভার कदाठीट ७ কংগ্ৰেম নগায়ে অকৃতিত হইবে जी मुक्त द्वाराहम् अन्य एक व्यक्ति । বেশ্যনের প্রেমিডেন্ট নিক্ষাতিত क्षेत्र[(इस )

## শ্রীযুক্ত স্বভাষ বারুর বোখাই যাত্ৰ:

মহাত্ম গানীর লেকট ইইতে ভার পাইয়া উচ্ছত স্থানচন্দ্র বস্ত শ্নিবার বি. এন, আর মেলে বোপাই যালে করিবার কথা। প্রাকশি, মহাত্মা গাঙ্গীর স্থিত সাকাৎ কার্যা সন্ধি শ্রেষ্টার আলোচনা করাই তাঁহার গগনের উদ্দেশ্য।

खरका मच्छाति (य शामामा अवेशः शिशाहक क्षेत्र खाकादक त्य भका निक्कारी बता शिष्टवाटक, खाकाणिश्वत विठान याशादक मदन मञ्जाम ध्य इस्बन्ध वङ्गाहे दश्कित ३३०३

অংশের ৩ নং ংডিভালে মারি क दिशाक्ता।

এই অভিযাপের মূলে ক্রান্ধ সরকার উক্ত অঞ্চলে যে কোন ভালে s: 6 (ग्लानान देवेंद्रकांश स acatina Bingorm wiene alach. श्रातिहानमा अहि है। हेन्छ। इसब সভাপতি গ্রীবেন এচজন রেজুণ याक्रका देवेत । जिलावश्री है । ऋषास्त्र কামশ রেগারে সাভতঃ ২ বংশরের श् अस्त भाषा। कक्ष द्**रातन** ।

छ। इत्थाटला विठास यनि ए नरभट्तत्र कािककारणत्र मियारम কেবল মধ্যজ্ঞা এচাবিত হয়, ভাষা • हेट्स क्षाहात विकास याद्याकारक ভাগীল দায়ের করা চলিব। কিন্তু ক্রেপ্রাল ক্রের বিচারে দ্বিত অংসামী স্বইক্ষেত্রেই আপীণ कातनात अभिकात भारे (देवा)

८०० अन आभाभी मध्विक काहिए के ८३८ ७ ८१८ का उद्योक्ष মতে বউমানে অভিযুক্ত কইয়াছে ! जाशामी प्रतात भाषा। दुक्ति उदेशा সম্ভাবনা আছে :

অভিকাশ প্রচারের উদেশ এই ্য, এডেছাটো মাসলার বেসর ভাড়া-क्षाप्त क भरकशांधा **विवेदन ज**न्द क्रवाहरू (क्रामार्कत व्यक्तन व्यक्तिप्रस्थ माणि शामक ६६८७ भावित्य।

\$ , 2 ; 4

## विविध मःवाम

#### প্রসমায় ভীষণ ভাকাতী ভালিতে লোকার মাঝি নিছত

शर को गार्क हालवासालि समीटक मन्द्रश पहित्य श्रम्य व्यवस्थानि दर्गकाम खामालि दशक्ष शिकारक। মাঝিতে ভাগালবা খুল করিয়া ফেলিয়াতে चान्द्र विनक्षम मान्त्रि चांवक कडेशाइ ।

क्रामणाण थानाच क्रुकंमाहेल एत्यश्री कुमांबर्शन सभीटक कञ्चान लोका दनात्रव कडिशाहिल खाकाम, शक्त कर गार्क Billen wa Grate & celatate च्याक्रमण् करमा। ही उन्ने शांव एक व्याहरू en भार वा उँक करेटल (काम विक्रियक अहि दश साहि।

शह ३०हे भाकि, खादिए जामछा-পাছিয়া থালে বা'জ ১১টার সময় আর खक्छ। छाकालि बरेश शिशंदक । छाकाछरा अक्रिशीन क्लोका काल्यम करियां हैन के ट्रेक्ट्र म. विशा कि ह भारते. बाजमन किता छाकाष्ट्रमाटक छाक्ताहर। मिश-

#### द्रिक्र ए। जाकाबित्र केडिएगार्भ ৪ জন বাজালী অভিযুক্ত

५०ई मार्क अपनाङ्क भारत्वरहे द्रम्टम व्यक्ति, बन, ताप्त, बन, साम् द्रण, मि, मछ छ छ, .क, मारमध विक्रीक भूकशिकाद (लग प्रहेशास्त्र । व्यथम, कृष्टीक फ ठेड्ड भागामी कार्यापावनग लाग करिकारक । ८०अम अकार कोत कें बाबात Biola acid aife Carle weta च्यक्तिस्य दश **ભાગામી** શવ क विद्व 本華取代的利 A

কুরীগণ ৪০ মিনিট প্রাম্প ক্রিবার शत कितिया कारिया अध्य । विशेषा ministre minele aciatas och e कारे शंदा अञ्चलक अववादी विकश ख्यदारका विश्व अनाम क्राना नम्रक्षत कृतीव मन्धा भाउत्रन विशेष 🐞 ৪কুৰ আসামীকে প্ততিবিদ্ধ কন্ত महेबा अञ्चलात्व व्यालवानी दिवाही मन व्याप्तक करना, करन विश्वीत कामामात लाहि राज्य छ छ। शांश क्षिताम पछ का भुन्ना खुलाधिक कतिवादक्य ।

#### ल (अहोर स नं रेक्श शंक मधा नारक जारणांका नगान

रीक ३+६ मार्क वृक्त व्याप्तरापय वावदाशक NEIR MIEITAMI LAN BRRICH & NAM शबका बार द्वारमध्य आञ्चान कविया वर्षाम minutiated !

#### এটোয়ায় জনতার উপর भागित्मत कती

क्राहेश क्रेंटि ८० मारेन मृत्की **अंक्षिनारमा नामक आय श्रांट्य श्रांट्य** खनीट र कालत मुका क्ट्रेशक ध्वेश ७ सम कार्य व्हेशाव यशिश क्र गरवान भारता शिवाटका ने निटनत লাটিয়ারা আফ্রমণের ফলে चाराक चाषांक गारेशास योगरा 214141

घडेनात विश्वादिक विवदम मासदा यश्चनहार प्राप्त श्रामन्त्र, शास्त्री ८वन करात मुक्त करिलश को धवनोत्र मध्यमात भर (नाष्ट्रायांकांक कावणा दक्, खाकाटम दक्षा-आ-म प्रशिद्धक शक्कि स्वभागानावाल्य দংঘ্য উপন্তিত হয়, যুগন লাডিছারা আক্রমণ বার্থ হয় তখন পুলিম জনালার Bere 'छनी binis wae काल छेल्डिक क्ष्यंत्रना चाले ।

व्याप्तिभिक्ष कर्राभम कमिनिव शक क्ट्रेंटि केंद्रिक चाह, ध्य, शश्चिक्षी क मंद्रेशकात् प्रतास्था कम् ८४१३० करा BESTLE 1

#### পুলিশের ফাঁড়ি আক্রান্ত

व्यक्तिका दलनाम छे।जाद गायक आ'रम পুলিশের সৃষ্ট্রিস প্রামণানিদের এক অক্তর সংঘর্ষের সংখ্যান প্রান্তঃ গিছাছে । व्याकाल, गण ५ व्हें म'क व्यन्त हुं ए वन्त्र दलाक विजेगी श्रीका मह भेगीक व्याक्तमर करद लागाक भूतिम छली क । भटन क्ति बन वाकि मारा शिवादक खबर कांछ-প্র ব্যক্তি আহিছ চইছাতে চ

#### मनर्गत उभेत्र काडितिस्क श्रद्ध

গতে ১০ই মার্চি ভারতীয় বাবভা शरिमान गांव सक्क एष्ट्राव शरिष्ठान्द्र श्वन পিল্ল ক্ষিটার পিলোটো জীপুক্ত অস চেম্ম, मध्यक नि. माग. **छम मि. माधा**ी भि: बि. भर्तान, देशकुक आंत्रक गाविका. मि: व्यविष्ठक्ष' शक्त, शि: विश्वद्रकार्ड, क्रीवृक्त ति, गि, विश्वाम क मार कक्क श्रष्टेत कर्ज़ क श्रामाहिष्ठ व्हेश्रास्त्र ।

कीयुक विद्याग विद शर्गात fen: कांचे शुशक मश्रमा विश्वाहरू ! सन्म শিল্প নদকে টেলিফ গোডের বিশার্ট উঞ कां की क विद्राप्तिक कहें शक्ति।

खाइटीब वा निस्तनी मर्काविध सर्वात्त छेलव वाहि बर्ण भारक हाति आया विमार्थ चा रिद्राक एक चित्राम भाषा कतिवास wu feteith amit mit wenten !

ti. बार्याक्षम के रनः क्खनक खेलिकान किन t

मात्रस क्षेत्र माना ग्राप्त क्ष वर्षिक क्तिक मातिरवम। कामनामी कांत्रकीय **भवत्मत खेलत शाक्षातिक छक् मति**यान हे:का कांबलीय मन्य छेरमामनकांगेवा काफ भारेत्वल, यनि कानामा दिक्कि दवार्क कर्जुक निक्तिष्ठे मझक मूर्ता भगवंद्यकेटक চুক্তিমত লবণ সমবয়াৰ প্রিজে পশ্বত

व्यक्षां विक एक इते हैं। इ ब्राइ व्हा मुक টाका शास्त्र पाई ति धहे , हाका के खा खां करीय गरम श्रानित उपक्रि गांगम जयर वाष्ट्राता, विश्वाद व छेड़िया अ शुक्ककृत्वाद्व শ্বণ প্রামির স্থান স্থন্ধে অনুসন্ধান ও फोडांट छेरक्स शांभन कत्तर श्रांशांक प्रश ठिक शास्त्र सार्शन सार्शनीत वारशान सञ्जनात्र कडेटन ।

वर्षपारम प्रदेशकार्य त्य ग्रम्म शहरन । शत्र शांक्षा यांत, त्य मकल कात्वत्र अवन िः (भव वहें इहिनात अवर दिसमी मावन छेरण मनका शिमद का के मद विश्वप्रदेश व छ व भूम बाब हिलामा यो छ। द व्या १ वर खेलाञ्च व्हेंबाटक। प्रेक्ट्रक लिखनाटम থাৰণ বাৰস্থানীকোৰ কৰা কটাছে পাৰে সেইতেজ কমিটা অভিনিক্ত শুদ্ধ থাখোঁও Binte Wignice :

#### ভীর্থ দাত্রী দণ্ডিছ নেপাল হইতে অকিফেন ও গাঁজা का भवा नी

भिष्टाकिक मगद सावादा उनवादम कीर्ब कतिएक शिक्षाकिन कानासमूद म्हानः एक कर ्लिश्रीण कडेंटिक डास्टांच काखान्तव महातु है निक्षित्र रुविधारगर अधिक आका्का ए भें छ। भागनानी कदाय मध्य मारमञ्जूष्य श्री (इंड श्री) श्रक्षांक हु के क्षेत्र के विकास क्रियाना कर मधा० इट्टेंट र मःग धराय 中公司 电电路 医电路 医

#### वकीय मुगलमास का कीय प्रत्येत **要可可答**

बक्रीत भूगमधीन काष्ट्रीत भटनत उत्कारण प्रवृद्ध मास्त व्यवश्य व पविश्व मभन द्रभार है दर्भ द्रभ सम्बद्ध क्षा किंग। भाकात्वत त्योगांना देशदम भा व्यासायकाः द्वायाची वक्कुका क्रियन दिश 601

#### **बीगुक ८गाभनम् ८**होबुद्री সমুদ্রশধে তেতিশ আহতে আসদানী হাজারিবাস সেন্ট্রাল জেল হইতে मुस्कि

कृष्टभून ८७ भूजि म शंका हुँ है । धार छिष्णिक मर्दशास्त्रम छित्केत्व स्थित त्वाभवन दर्शेष्ट्री शकाविषा रागीत्व केश्राक व्यक्ति का प्रदेश है दिन वह का का का मुक्त वर्तेश

গান্ধী-আর্ডট্রন সক্রিতে আমেরিকাবাসীর ভীত্র প্রতিবাদ व्हेमियन (शार्वारम्य अक कन-नकांव

मध्य मध्य चारमिक्रानामी स्थर्रक करेशाहित्यमा काश्वा कीक कायाब गाश्चीभावछेहेन मुख्य क्टियां कृतिया वर्णम, "मराञ्चा नासीत करातः कावरकंत्र पाणीनरात कामने विशव हरेबाटका कराठी करातात करे महित व्यक्तिश्व करा कामकरागीम कर्जना !"

#### व्यान्द्र नवनाष्ठ

>०३ योर्क नकाम का-द्वीत वक्रमाह ध्वर वक्ष्माठे नक्षी अध्नपूरत भीकिशास्त्र कवश्रकत महाराका, द्रावश्रकाशिक वक्रवार्केड क्रिकिनिय खामान खाबान मक्ति धार कश्राप्टक राक्ष क जिल्लान फार्शियरक कामाना कविश्वादित्वत ।

#### बाटकीलीत भटन महाचा गाची

३०३ शांक्षित शःबादम **व्यक्**राम् कारायी कना अकारण शाकीकी सरशांकी व्योक्टियम । wistints. M4214 #218 44 ডিনি ঋণয়াছ बाःकाणि याचा अधिरयन्। दमनास्म भौक्षिमाके किमि त्याकारमंत्रम **ल क्या**न भर्तक मिक्क माकाद कवित्वम ।

व्यानामी ১०६ मार्क कवियास स्माटन रिश्व ध्वम गराव वक्का कवित्रा छवाँ। অভিমুখে হজন। घरेदबमा छ। श्रास भगराष्ट्र छ - ०० भिगिरते स मम्ब फिलि वागव, त्मविकः । कन्दीत्मव अविक दक्षां

क्षे विन अनशास किमि निक्रिक्की ভালুপের প্রাম্যানীদের এক স্কার্য वक्तका अधान कशिर्यन।

#### द्याचार्ट्य करुवी विक्रक प्रदेशन जागामी बाइजा टमानक

दममीकेश करामनाम मध्यम स्टेसक नेवक पावशानीरक क्षात<sup>े</sup> कविकार व्यक्ति द्यादश काकि कारका दक्कांक कार श्वशिष्टकाक अवाहा शामक प्रदे याकि ninet caterfi venicus bucuy =<sup>12</sup>न क्राक्षात्रकटन विकास मानी कटब कार नटन (व स्कृतीतवत्र अविकाशन दे दवन कावक्यांगी केश आध्यक्त eğatcu i

यण् ।यादण मृष्ट्रा

शास्त्राही, बालामश्रह मिन्द्रभी अपनी-क्रम्म भाषक करेनक यून्यश्रम यून्य क्रिके हरेएक चराइ क्ष्माक्षित महिष्क खाक्षांबर्कम फिल्फिकिन, ख्यम स्ट्रीय ब्राह्मायाटक खास्त्र

#### a aventaren wen:

## শ্রীপাদ অনন্তব্যস্তদেব পরবিদ্যাভূষণ

व्यमञ्च-दर्शीं दित्य व्यम्स दमन निवार অনম্ভ কোটি জীব অনম্ভ গেসা অপ্যাক্ত कामरतरवत कामन পतिज्ञाशर्ग तुक ग्रहता **माध्यत्र कठीएम् निकिश्व ६८८८७ ज**ना নিহত কাষায়িতে আত্মান্ত চি বোলানপু ১ক অন্যু-প্রকার ক্লেশের আবৃহিন করত অপার তথে অলনির অতল-তলে নিগজিত ভুটতেন্ডের এই সকল স্বরুর বিশ্বত হাজানা। জীব ব্রন্দের ছাবে দুংখিত হুইলা তাল্লিগকে कृष्य मधुन क्रोटिक द्वारामभाव के बन्दरावन स्रक्षकर्ण भागावास भवतीराध जान होते कस । भाष्ट्रम परिडंड कॅलिएक एं.(कारमन पप्रमय- ) **छिमान भारणहरू हिस्**रिंग के केरिया उन्नर व्याप्तक व्यक्तनार्थ करवराज महार्थकमान তিনি এবং উচ্চাল পারিশদর্গ মানব মুর स्थित करिना शास्त्रम् । 'इहा स्थित, 'हेहहास् मार्ग) रेनम्परिता कारमन् मान्यक्रिये दान मान्य अक्काद्वय द्वादवयः जातः काञ्च महत्त्वयः পালে মাত, প্ৰস্কু অপ্ৰাক্তভ, ডিয়া।। ক্ষরনার কার্মন্ত কার্ম ব্যান্ত সম্পাদনাগ উয়োকা কেন্দ্ৰ সময় আত্ত্ इक्षेत्रात लीका अस्तिमग्र कविता आयहक ८म्बा-ऋगाण अभाग कतिहा शास्त्रम । निक MCG Blacker ones where interestal কুপাৰ্যক দিখা দ্ৰীতে অধুনি আমাৰ নিজেৱ প্রারভ অরুণ দশন করিছে পরিব, জন্মন শুকি হো নিজা 1. 人物研 শেরা করাই আমার নিতালতা এক: এজ

भिक्षापुरक जनवरशायान्यम् विकासस्-मीमात्र भूडिमाधमार्थ कक दिनक राला मनम्बन भूभव " ७४म मा **इहेन अ**न्न. ५८७ ८००० কিয়া কথা" প্রাকৃতি বিলাপকুন্তমাঞ্জলি সচনা ্রক্রির গাকেন। তভাগ্য আমি 'এ'১৮৬ পাক। বুনি শইষা ভাইলের অনুকর্ণ ক্রিয় दिलात भाकि, -- "आशा महा शहर अधि-ভাবের সম্য যদি করা লাভ করিতে পারি ভাম, ভাঙা হইলে জীবন দাৰ্থক হইছ। কিছ সেই সময় স্বশ্নপ্রহণ করিলেও ২:ত মহাজে প্রকে সংক্ষেত্রতার বলিকা জানিবার পরিবর্থে জাঙাকে "পটা পিসির ছেলে" भारत कविश्रा डीशाव गहिन्छ अवता लाक्ष्क तकमार्टमत अवस शामनार्थ यात हते ।। व । তাহাতে আলাম নির্গু-প্রাণিক। বুলি একি প্রোপ্ত হার । প্রস্কৃতিসম্পন্ন জনগণ বর্তনা कारम अञ्चलका कत्रिया स्मिनिएक १५।४८७-ছেন,—শ্রীনিতানিশপ্তান্ কাণবেক স্তীনোর चनवार किनियाक्षमधि अमानार्थ और किन त्रिकास अतुष्रकीकरण क्याकीर्य स्टेमारस्य. আৰু জাঁহায় সহিত অবভীৰ হই াছেন ভাষাৰ পাৰ্যদৰ্শ এবং ভাষাদের অক্সতম

निकाधत्य कर्णक्षिकाष्ट्री निष्टाानस्कर हैएव ।

## দোৰক ৰদীয়া-প্ৰকাশ

নিতাপাঠা বৈক্পনাঞাৰহ

বেদাদি সমস্ত সাত্ত-শাস্ত্রের ভাক্তিম ব্যাখ্যাতা সমগ্র ভারতে একঘাত্র স্থলভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

ঠালাম মাস্তাপর ১রা সৈত্র, সোমবার—১৩৩৭

নীপাদ অনম্বাধ্যদের পর্বিচাম্বর প্রমু । ,

विकास्त्रम् , व्यानः वास्तः । अस्तानानं तः विकासः कु भाग कात्रश हें हे हे हुए हैं जालकार के सर्वेक खेनक. ম ক্ষেত্র পথ প্রতিষ্ঠাল কবি হৈছে।

圖付在 भागमा १५८०० (तथा ५१० गाउँ) TENTHER BY STITIST BUT THE ীনার ভারে ভড়িসিমাম্যাট 大樓內美 水墨西西南(衛(南) 近年 中旬(第---मैलाम भा सनाकृत्यन निमताकृतन व्यक्ति ্রিন্ন ভ্রিন্স্তার ভ্রিন্তির मारकाक ना दहेंद्र मार्ग दर का चन पर निर्मा वर्षम् <u>स</u>्वेत्रक-स्थानसः स्थाः २ द्वाः को। एक विमान्ति अप निर्माण कार्यर्राज्यात्क कर्मात्रे कार्यन्य राज्या प्राप्ता Fringe a facte filter beigentig ton of Men I THENT कार्किन्युर्वा रिमान आदराज्य मन्यात्रह निक्ष एका रेडक्ट करिया भारतना अक्षिरिनंद अधिरतिष्य सञ्जूषीन मध्यानाह ।

म्राह्य-भवर्षः खामान्य 5.7111 मानव जिलाभ-कामाताम कथ व्हेटक - 레스 네라드 # [+ B'박 -मदीकिकात का कियुट्य नाम ११ व %श्वर-८मना-म क्रिकाकित ग्रहान श<sup>्</sup>रदेशर मा । शक्क चला विभागतिक महद्यागात म व्यवस्था क्रम्म । सभा भवत्र व्यक्तरियते क्राप्ति কণিয়া অশান্তির আম্বাধ্য ক্ষেম্পার পুতি कानुनी छटाना मही हका ् सन्द कत्न स देवभग्रेयद्र मधुरीन कर्दक लाहर ना । थानक रेनकन्द्रेरकृत्वत खुम्मनारमारक करा भी क करेवा अमाराक्षकार मधावन कविटक मुना कथा। कामणा देवसान शावत क्रियांन भगवनाञ्चलक निष्माञ्चल काञ्चन कामन **5 जिल्ला वर डिंग्सन मध्याय मधान शार्छ ।** 

व्यक्ति। मानामात्र स्मानत्मभाग व्यक्ति।

Bermit काम करिया अर् १ हर-महरायद्वर चलहरमगीर कार्गिक्षम धार्वाक्षेत्रे तृष्क्रियासम् करक नरा शक्तिः बन्द्र। कब इसलीत कार्कि स्थिति विभाक्षण व्यक्त स्थित्र कहा छ कार प्रदेश कि द्वा जन मृद्ध कार कार कांबरहाक चाष्ट्रसम्ब इ फुट एएक मुन्दरसङ् शर्ति एतेश्रीत अखरतन अधनन्त । जारमर्ग আংশির হচর সাংগ্র জ্ঞান প্রকাশ করন্ত \$·杨代子 行山町 性 [ 發 利性] 第二回 [ 电 ] 电 2 5 5 5 6 7

鸭'叫牛 河南 製造 : 所以的 水管 क्षान्द्रियां शिल्लाक कर्ने छापाल क्षान्त्रस कर्रदर्शाद्ध । अन्तर्भाष्ट्रभाष्ट्रीय अभागत के निकुशांत ही देशके के निकास मन्य है। देन्धारहादक क्रम्पासीय निम्मारार्थ । सीदा-প্রকাশে প্রাকর্ণশক্ত করবাণ করু স্বরু वार न्य शहरू अवाक अक्षी शास किम्बर्ट है कि इस से 📗 क्षेत्रांभ क्षि हिम णकु दश्राम कर**म फाटा भरतह द**ेंग किंदा भुंदर इत्रक अस्तु नाहा। पानुस चुनिह राकि दुकांबल खन हा धाका স্তুত অপ্তেত প্রেশ্য প্রেশ্য নিয়িত্ शक्तमा शामाध्यक, आति कार्य ह्यात डाक्नामान कार्यक्री पात्र कर्नथा जन्दात यामान्या करिंदर, -- क्रिके खब्दांचा र कर्न फार ग्रेगाम श्विष्टियम साञ्च याकार के छेटा

भागता व्यापातमञ्जू कीत्राम व्यक्ति मनायन ्रोभाग गर्भ करिएक পাৰি, জাঙাৰ क रिल्लाकः । । जिल्ला-जा प्रतान-रितान ंदरी भागक्ष, जिल्हाम राज्यमन क्षाकु महत्वसम्बर्भ पूर्वे भारतस्व । व्यवस्थानी वशकः। জীল প্রান্ত্রণাদ প্রীক্রীন্তর কিনিদ্ধার সংক্রমী ब्लायामी प्रमः श्रीमृत्य नाक करिकाक्त---मासामदान भरमा दकारा । व्यक्तिशामाः विम्मुशक्ष श्राम नाव मःहै।

अराम्क विक्रित करत आंग धार विरम्प किए ना भिधित अभी भारतकारीत निक्ट कर बिलक्ष विश्वास बार्क कतिएक । अधारमंत्र कि श्रीका! द इक. ट्रांनन

द्य. खिलान अन्यन अस्ति निवास्त्र शक्त ग्रादनहरू अवन ४ क्षिटक देवक्टनाविक. रेषि श्रेष्ट्राच्य इति विश्व हिंदा है। यह स्वर्ध केल कार शक अधिकार्गन (क्यान-छा: क्रा क्रिक्षणमीत औ माधिकांत्र (लाकावकन क'इट टेटन, अलड सिटक 🚉 म भाग-ट्रशाकारी अध्य देवलाता के राज अभ-SES TESTER! MIN WER foreinin. ভল বাতীত ৰঘু বস্তু আন্মার সেবঃ भटण्य, गरण 'तद छ।का छ क यति स्वांभात करिएक केश्मकत कर. कियां विकास मान अक्रान्य के द्रम्या इष्ट्रक विन्धुप्रश्रिक 1 15 10. 5 बस्त की, बमक कि उच्चित्रियर ने कि राजकर क MINICO SISS SECS GRISCE RIFICLE ना'- देशमध्यक्ति अभिनास्म किति मुळल ह

किन दिशान निकाल्या आहेर महिक worth winter plaites, fofis क्राबाब भटमी क्रांश क्रांशम भागवत्स्य द्वर 如中国 + - 優な 対域の2 対策がになれる · 徳 i wita या गा गा जाति वास्त्राक्ष्म । अस्तर Alle im giellie gu oficies. म्द्र<sup>त्</sup>णात, श्रंश शदक सन्द्र अवकार्शाम-समिति धनानीय असपूर्य स्टर्स्ट याकान विकास जार केड किस्सा शास-कार लिसि 中 海旗原门村門在銀牙 开 歌行 《四 唱诗》: के व्यूक्ताम हो के एम् । एक्षेत्र 🛊 अ अ अ ही ्याचित्री अकादार्यस्य सम्बद्धास्त्रस्य सञ्ज्ञास とあられ とくなくちょ full 解語 Sightler (forest 野村町 आहर हराने आहे हैं है है से महिला का कार् district the second of the second of 手切り<sup>4</sup>間点 がいりかく **変きりな** タライト あんりに **を** काक रागाय किकारे विशेष कुछन करान छ LPI-IN 1

## माधुर अ

चन्न कृष्णकरूदी अस्तु । कृष्णकरूकाः भाषिकक्ष होशाहा लक्षातिय कार कर् काकुराक शहित्य कारशासा (क. का.च. र সন্ধা বলিং প্রচেল ---

क्षांत्रम् अध्यम् (एन) क्षांत्र

ভারেশ্বরের জিব নিমন্ত্রী বাং এক

中心 凝糊红斑

অভ্রেভানির গান্ত লাহম আমারেশর স্বর্মধান বাল কার্ডেছের জালাদের भूत २०११ व इहेथा अस्थितछ । १५५० (२९) त्य निराहण नेकामा जारक काहि।

মনতা অন্মে, দেইটিন হইতে আমরা ভোমাব বৈরাগা অবলম্বন করিলেও সংসার পার খনমধ্যে বসিতে পারি। সেইদিন ইইতে **আমাদের** রাগাদি গোর্ডি আর টোরের ফ্রার আচরণ করে না, পরম বন্ধুবে জাচরণ ্নিকপটে ভাষা অনুসরণ করিতে পারিলে ক্ষরিয়া ভোষার ভিজিল চলণে হানি হয়। মেইদিন হইতে আমানের গুম্ব অঞারত इंदेश निष्ठानिक मान करता। स्वेहिन इंदेरड আমাদের মোহ কেবল ভতিবেদবক হইলা আমাদের আগ্রেগ্রান্তি বিধান করে। ওজ্মহাই। ব্ৰহ্ম অংশার বলিলেন,—

ভরম্ভ মে নাগ স ভূরিভাগো ভবেহুত বাজ ব তুবা ভিলেচ্যে । द्यन्। श्राकाका का विवास क्षेत्र। निस्तरत उत्र लाल्लाहरम ॥

কে কৃষ্ণ, জ্বানি এই সক্ষত্নাই থাকি বা অনুক্রন্ত্র করি (করা ১৯০৯,রংগ **चम्राध्यक्ष कति, अ.म.त कार्यना अमे उप,** আমার নেইরত ভাগালতে ব্টক, সক্তা আম্মি আ নার ভাততবেলর মতা একজন হুইয়া আনেৰ পাদপ্ৰ সেবা বলিতে भारित्र ।

পালে, ভাষাৰ বিচাৰে অন্তিব পালেনীয়ে 🖟 व्यक्तरक भरम करवन १४, शहरक मार्थिता **दिन क** १६ याच्य, "डेश्वरण अन्यास ५, "क्षण्यादिक ক্ষণ্ডি, উচ্চাল চ্গোম্ব সেন্ন, উঠোর श्रमान दमन। ७ उपग्रहाक किन्न कर्य ए.स. १ कतिरहरू सार् मन कर। अभ्यास करपात শ্বরা সংক্রেম্মান হর বটে 👀 ভারতে কোননা কোন সভে আছে: কিও ১ সাহ বে প্রাক্রত সংখ্যাস, ভাষা নহে। স্থাব্দক্ষেত প্রকার এই---

তে ধৈ বিস্থাতিভাৱি চাদবমালে ছীশুন্তমুনশবর। অনি পাপন্ধীরাঃ। এছারত ক্রমপ্রা পেনীক্র শিক্ষা-

्र क्रियाणञ्चन । व्याप्त क्षेत्र क्षा अधारणास्य ॥

অন্তুত্তক্রম অর্থে ক্রীদেক্ত : ভিতেবি শ্রন্ধ-कार्या कार्या है। अस्ति स्वास्ति के स्वास्ति है শীল অবলৈ অভাব ও মহচলিও বিলি বিশেষ यद्भव शक्ति विका करवन, अध्यक्षयम् मार्गस्कितम् आस्यितः शहरामः, আমার কেই জানিতে পরে না। ডিনিহা ন**েক**বল্য মণ্ডানার সম্পূর্ণরতে, পরে ভ*হ*তে अभवी । की. भूज, इस, अरत, प्राप्त शांकीत ত্র পশুপুখা । । । ২ সময়ের কর স্বভার শিক্ষা । क<sup>ा</sup>राज भारतम्, िन्द्रिण ऋशो १८५ अवसाधस শালে শ্রামান র পাল্লার । পরিভাগে ভাক্তরিত্র অন্ত্রা করিব বা অন্ত্রেম সংস্থার-ষ্টার পারতারের তার সন্দের लि ? ७:४३ ६३, २० भावजान गाउ क्रियायमा एवं क्रिकेम क्रिड शास না। উত্তম বৰ্ণে জন লাভ ক্লিলেও কোন

তোমার শুদ্ধভান্তনহে আমাদের তোমাতে চরম বাভ হয় না। শাল্প বিচার দারা শুদ হওয় যায় না। কেবল শুদ্ধভক্ত সাধুগণের স্বভাব ও সচ্চরিত্র বন্ধ যাত্রে অনুসন্ধান পূর্বক विका इक्षर्राक मार्थ।

# मणमूल निय्।म

( भुक्त प्राच ३ भ ७ ५२ सरमाद लंब )

केश्वादकके दक्ताल माधु बना यात्र যিলে কোন ভাগেঃ অত সংখ্যকে নিজ अभावतक आश्रम को दर्भ शाबिशास्त्रम । সাধুসক্ষকে হলি-চনাদিক অনুস্থীল্ল करण कर्णात 'क'रतासम कर। कारण . शहसालक क्या ८ लाग . य चारिकाहन देशम क्टराक ल १क. ्र हे लिहिमार्ग प्राप्त म शिक्ष भरत कार्या अस्य भवताय केवायक

मध्यत विशेष । अभिन्न बहेटक सहै िराष्ट्र अन्यास्त्र मध्याहरू ज्ञा कार्तना करेंद्रश কি কাৰ্যা কৰিলে স্থেস্ক ইটাড় জ্বল্প ডাল্ড ১৫০ স্বৰ্ণানের অপ্রে . ६६ मध्य (१२१) । अल्हा ४ व्हें १ वह ११ स 464, (3) MIL (4) (3) MIR ্বাচান্ত (৩) এত বিজের স্থিক শাসার भवक्त कि है। कर दिल्ली विषय असरन काल का लाइ ल कालका उनीबाड लान ह्या. জাবরণ জালি অপুডিড্র, ক্রের নিজা-माम् अतर अभिन अन्तर (गर क्रामात ्चमार्यात क्षा का का विकास क्षेत्र का स्थाप का अवस्था का [ववस्तामा'स एक निवर्षक क करेव[सकः রুপেন্স অংশিস্তালভিজ্ঞান জীবসমূহ অবং का बन अक्षा क होटा कर एक जिल्हा भूषक् এবং অপুথকু। এই আছ উল্লেখ্যার निका कारवान नक्षा है। काराधूक प्राप्त । यह स्थान वहास आनाम क्षेत्रन क्टिक सहा भगार हुई विशास का ।

> आहेग विनेत्र । शक्त काल क्षेत्र रहे । 明明祖本「中下也 河中河南外河 國際 电等电子 वमल कि कहिरम क्रमा जामत क्रमा-धार्द किया कविद्रा मस्थलन विक्र मध्याप्र विखाना करान् । श्रहान् बासिए शक्तिक अधि तते । शासिका शत् क्षक है। शत्क क्षत्र क्षेत्रको छ। क्षिको । ८४-, कोरोह कक्षत

चळाजिया विका चुक्र कानक्षांचनानु धम् । कार्युकुट्रान क्षेत्रक छन्। या चारि कार्युगा ह

काश्चर्याकार शक्क शक्किमा सम्बद्धा ने कुरमञ्जलाय करा, अन क मीमान अह-में गर्स केंग्रम जबीर ७६।के कि ।

( **3F3**\*: )

#### क्षेत्रियक्रशोदाको बहुछ:

# বেদ্বীপ-পঞ্জিকা

<u> शिलोत्राय ८८८, क्याय ८०७५७२, मकाच ५৮४२.८७,</u> नप्तर १७५१-५%, प्रतिकृतिहास्य ३२ ३७, वद्मावर ३७७१-७५, धेकाम १४०२ ०१

#### বিৰু দ্বত काखन ১७०१. मार्क ३५७১

১ বিফু ২১ ঘার্টন ৫ মার্ফ রুহম্পতিবার স্মানি কারণোদশারী ক্লক-প্রতিপদ বন্ধা দি নাবৰ উত্তরজান্ত্রনী ক্ষরান্তন রা বাতত সুসংযাগ রা ১৮।১২ ८क्षीयत् ऋत्व

বামকোনি হালি ৫৭। তে শুট রাঞ্জাশ রবি ১০।২১ চন্দ্র ৪।২৮ মখন ৩।৫ বুর ১০৫১৭ বুরুপ্রতি নাচন এক সাল ন্দ্রি দ্বেন ক্রার্ট ১১৮৫ ক্রেট ব্যব क्तिसात्न २५१८५ के ध्रम्भ का ध्रम्भ

ন বৈদ্যুত্তি ফান্তুৰ ১ মাজ শুক্ত নিধি গৰ্ডেদশানী ক্লকামতীয়া শ্ৰীপত্তি নি ১-১০৭ হত। পুণরীকাক তা ১,০ গওযোগ রা ১১১ গরকরণ দি ১২।০২ গ্ৰাট প্ৰিঞ্জল বৰ্ণ বহু ১১(২৭ গুলার বি**ঞ্জিলরৰ** 

म् ८क म वर्णात्र के मिल उर्णाव के बाउन म जाब है उर्णाउन में जाउन च अप म नार्वे का उठारक कि बारर हि सारकार है जारर ब जाता

৩ বিষ্ণু ২০ ফাছেন ৭ মাজে শনি অবায় কীলোশশনী রফায়ভীনে বিষ্ণু কি ১০)২০ ডিব্ৰ ডিব্ৰাক্ষা, লা ১১)৪২ সুধিয়োগ সন্ধা, আন্তৰ্ভ ডিট্টকৰণ জি 医胸腺血 经股票 经收帐证据

का कि में बनावन की दी ते प्रशेष है दिन्छ में अब ते प्रशेष हैं सी है ण २१३० म ७१२७ त अपनेत (क ब्रान्**ड मिला न्यांड** के कामर प्याकार म ५ (८) हु २५ फ) हु ३५ म ५ जो ५ म स बाञ्चरमय क्रकार द्वेषी का तथा कि छाउँ ।

अंति २०१२४ हे १९८३ में १४४ में १०१२० में स्वाध्य पुष्टा प्रकार । अब एक बार शिक्ष स्थान के प्रकार के प्रकार ন্তুত্ব হয়। । ১ মতি সেয়াম স্বাধাপৰ স্থায়ৰ স্বাধান্ত আন্তৰ্ভ क्षा ७६ । १००७ ६९ ५८ ६५ ८ ६ **६ । १८३३ विमान**िश**्वान** दा आर्थन वाष्ट्राकटमान रिक २१० चेटर इ.स.च..च. १९, २३ १५, २३ **१९७० असम्मत्य मध्या, १७०० शहास स**्थिता

ল কে ৪ জনঃ খুনীর ১/১৫ চ খাই৪ ম বাও বু ১-১২৪ -রু ২১৮৮ ण प्रोत्रत्र में जार के तो प्रतारक एक बारक कि मा स्थापन छे आरत का बाद के

कत्र न का प्रभाद विकित्त

 িনুন ২৩ ফাল্লেন ১০ মান্ত মহল ছাবু এতিয় রক্ষয়প্রনী প্রানেদর রা मारक व्यक्तराध्य कात्म है। सार**े इर्यन्याण वि ३०११४ विकित्स पि छ। ७** १८० व्यक्तिन

स्य (क म १४) ३५ कृषा त ३०।२७ **६ वोर स**्था व व ३०।२७ व २१३७ छ हो २२ म हो २७ ता ५५) २४ टक बारद मि भी । हो ३४ छै १। १० छा छ। र ।

 तिकू २१ काञ्चन ३३ मार्क तृत ६ ३ व्यक्तिक क्रमांडेनी स्तीतकण ता ६।० Cकाठी लाड़ ता २१२३ क्यारमाध मि २१३**० याणवकत्त्र** 

ल ८क म बमाइम म्यू हो ले ५०।२१ हे बाहर में धार हूं ५०।२१ हैं। साइम ख कारण में कारण है। उठावर एक बारव कि की वकाउक हैं जाउक का जार र

৮ विकु २৮ साम्रुन ३२ मार्क तुर् १७ व्यापि कावरवामना है ऋकनवधी ल्याविन ता 818 भूगा व्यास्य ता 2012 व्यक्त रहांग मि 9180 टेडिसक्स

म (१२ म बन्धर के के विकास के मिला के प्राप्त के प्राप् च्छ हाउ। म । रक्ष ३१ ५५। रक्ष वारक मिन्नी बनावब के छ। ५५ व्या खाळ 🛊 ू

১ নিস্ফু ১৯ ফাস্কুন ১০ মার্ক্ত শুক্ত নিধি গর্জোদশারী স্তুদ্ধানামী মধুসুদ্ধান রা ৪০০৯ পুর্বাধারা প্রানু বা ১১০% বাজীশাদ্যধাগ প্রাস্তঃ ৬৪০ পরে বরীয়ার শে রা ৮/৬ বণিক্ষকরণ দি ৪০০১ গতে বিষ্টিকরণ বা ৪০০৯ গতে বৰক্ষরণ

ख २।२७ म छा ११ शा २३।२० (क बारक मि बा २२।२७ है ७।১९ क छा ।

# চৈতক্রমঠের শুদ্ধভক্তি গ্রন্থমালা

₹	কাক্ষরে প্রকাশিত	०२। नश्चीगलक
<b>3</b> (	ক্রমন্তাপবভাষ,সমগ্র ৪০১	ু ৩৩ ং অবপ্রক
	👌 (ँ)स—३म ४६) २०:४०	৩৪ ৷ স্বাচারশুন্তিঃ /•
,		の化   中の川中の管理学 (中学科 河に等かべ ノン・
<b>*</b> 1	काक-भव द्यांच्यांत्रकक्षतांत्रकावे क	<b>なみ   前腔り金</b> (>・
•	( #4 <b>गर</b> क्कर )	৩৭: সাধ্ৰকপ্তমালা (বীখা) য
• (	গোড়ীৰ-পোন্নৰ 🕪 -	ঐ (কার্নাণা) 1/-
<b>6</b> 1	त्त्रोक्कोक-भगकका ।d.	০ <sub>ল</sub> বৈশ্বম <b>হ্বা~লমাওতি</b>
• 1	\$#4\$\$\$ \$v	অপেন চাবি≪ভ ) >
• 1	विदेह कक्षक स्थाप का व	চয় ( এক্সাংকিন্ত)
	ইঃনবছীণ শভক্ষ (বাঁগা)	৪০ ( উট্টিমপ্র হাড়র শিক্ষা (বীধা ) ১১
	🚵 (भार्तामा)	ক্র (জাবী <b>গা) ৮</b> ০
4 1	विका ( विकासिक-जिका-तक)	৪৯ - মণিম্লেরী সংশ্রেশ্য :•
	( वैश्याः ।	B २ । . तमा वक्षा वक्षा विकास वि
	🐼 (পার্বলো)	৪৩3 - শ্রীচে শ্রাদাস্থান্ত
	981 ( Boonta Boj-210	নিবাটে (ছিনীর সংক্ষরণ) । বং
	( <b>4</b> 1m) :	·छ । श्वभृक्षातः श्री वा श्वातान वाक पृथ्यो । •
	→ wid(n) the	BR । चालिएम् मु <sup>्रास</sup> ा
<b>&gt;</b> .	<b>६</b> ०१४ ८०४० भाष्य- भाषा ॥ ॥	🚉 / ऋश्मीतिहा ) ५६४
5.1	क्रकाशः क्षकः सम्मारशेषकः माञ्चवात	Rad Cott Bara to account
	( HPK )	৪৭ : উলোগনিষ্থ ( এলাজন কুমাধ্য
33 5	ंदिवस¦ <b>स</b> ० खशाचा लाञ्च नी ह	ভাগে তথ্য বিশ্ব'ত ও পাঞ্চাই সৰী 1+
	्रह्माभाक्षकोद्रः १०	सक्ता द्वान्त । चार
58 (	्क्ष्रियाम १०	
54 (	Bernery's grain	s • ংশংগালী / •
	1 6 0 210 2 May ) W.	ু দেখালাগুলাকারে প্রকাশি শ
38 1	त्मा को के कियार	ৰত তিলাগৰকণী-প্ৰিম্বাহ
5¢ .	(श्रामा १४३ ( कृतीस मरखया ) कार्यः	৫০ ৷ স্টাক শেকাদশমূলম্ ৷
	å (₹'N!) h•	¢ወኔ ውጭ-ጀርሻ
391	दील-।यम्मनन ००	es: সভাৰ পাত ইক্ষ 🕡 •
>9 1	সাধনপুৰ ( ১৬ সংস্কল ) ।১০১	ee: ্সাদ্ধের ১২জ পরিচয়ঃ
10-1	(मान्यामी क्यूनान मान ( वेःना ) ४०	
	ले (क्यावामा) । लंब	ইংকেলা ভাষায় একাশিত
' >> i	क्ष्युंचील नाम- श्रष्टमाणः	্ৰিক্ষা কৰ্মিভাজালা :
4+1	<b>唯一明書1 年4</b>	क्षत्र । काहरू सार्कितारा व्हेन् चन्
	(अवदील गश्चिक्तभाः। 🗸 🗸	द्वीरेवरक महाश्रक
	ं क्रेन्स्यामा 🗸 🗸 🗸	Last Court of the Market of th
44 1	ন ব্রীপ্দাম-মাজাস্থা 🗸	७०१ दशस है जो शास्त्र हैस एक्टर /०
40		का निकास ।
16:	अवदीण गरिक्षण	कर । ≇टत किंग रिश्व निम्म मृत्य प्रारक
	( ६६६ (भारास )	षारनगरक हिर्द भागन
121	क्रमची एका व हरण	উড়িয়া অক্ষরে প্রকাশিত
4+1	क्रिरंत्राक्षम कर्मन वर्गन	San Francis Francis La
** 1	ब्रम्भाभांफ /-	
2 b 1		
43-1	किटल सम्बोग :॥•	A
00 1	7)4844	
45 1	Çक्षम¥श्चित्रंका /•	<b>박기 : 매워미(대) : : : : : : : : : : : : : : : : : : :</b>

# কলিকাতা গোডীয়মঠ হইতে প্রকাশিত

# শ্রীগোড়ায়

একমাত্র পারুমাথিক সাপ্তাহিক

ভদ-লোমগশের বছল-প্রচারিত, সক্ষরনার দ্, নিরেখ্যর স্থালোচক' ক্ষক্ষজান ভ षरभाकक-कक्ति-भीभारमक, निच-धी व এकमात घटेटपुक महाभन्न, अविकासमानामक, পরমার, ধর্মা অর্থ, কাম, মেলে, সমাজ, বর্ণাল্রম, নীতি, প্রাস্ত, করে, দিল্ল, क्षि, बकाबन, माध्या, विकान, श्रुडि, मलन, ঐटिছ, চिकिएमा, भूगान, (क्यार्रिय, सिवरानि काङ्गिष्ठ निवासना नांत्रधनं । শৃষ্ণতি—জ্ঞাত্তর বন্দ্যোপাধ্যয় ভক্তিশারী, ভঞ্চিনার नगर्मामक---शिञ्चनद्राजन निर्शापिटनाम दि. ब

আব্রিম বাধিক (১৯ ১, টাবা, ভি. গিতে তলত

व्यक्ति—3७नः काली श्रमाम ठक्रवर्डी कीरे. ব্যেবাজার কলিকাতা

এথ।ম মায়াপুর ঐটেচতক্মঠ হইতে প্রকাশিত

# দি হার্যনিষ্ট

### वा मञ्जनद्वायंगी

बीडी निक्रोयक्तरा क्रम धात देशता मूचनळ ওজ সনাতন এখ-সম্ভ ীয় (মাসিক)

বেল, বেদান্ত, উপনিষদ, মহাভারত, গীডা, শীম্ভাগবভ, পুরাণ, জন্ম, **শ্রীচৈতভাচরিতামুত,** শ্রীচৈতভাভাগ্যত স্থাটিতভাচন্দ্রামুত্র, ভ**ল্ডিরসামুত-**সন্ধু, ষট্সন্দর্ভ প্রের্ড সাহত এছবগুহের নির্পেক বিশ্ব-স্বাৰ্যাকৰ্ম। বাধিক ডিফাত টাকা ভি পি. ৩৯০ আনা

Ma. 14 1-124'0 7 2101-

महारमणाव-जानामानिहे ्थाः <u>बेश्वाम भाषाश्</u>रतः (कथा मजीया ।

# চিত্ৰে নবদাপ

প্রাচীন নবধীপের অবাভাহি, তথা, ঐতিহা, প্রোক্ত ও ঐতিহাসিক প্রমাণ-সভাগিত নম্টা বীলের সচিত্র বিবরণ্ডান্থ

হাজাগ রাভনাহেব

কুমার শ্রীযুক্ত শর্কিন্দুনারায়ণ রায়,এম,৫; প্রাক্ত

# মহোদন কর্ত্তক সন্ধলিত

৪৭ খানি বিভিঃ বংগ্য অপুৰুর চিত্র ও মান্তিত্র-সম্বিত প্রাচ্যবিদ্যামহাণ্ডির বিশ্বকোষ-সম্পাদক মহাসংক্রের ভ ভামকাসহ

खेरकुके (देर ) महतारका वेका Sho; जिल्ला भाका लाखियान :- औटें। एव मठ, त्याः श्रीभाषा पृत्, नगणा ।

# বিশ্ববৈফ্যব রাজসভার শুদ্ধভাক্তমঠসমূহ

ত্রীতৈত্তা মঠ

#### আকর মইরাজ

ात जनकीया, ७१०वज स्थिमाय भाषान्यत, समीग्रा · म काय २० - मध मेळान-भारत श्रीयक्षत्र आहारानव श्रीतक

**रमध्यः स**रस्य के जिल्लेक शक्त विद्वासम्बद्धाः । को यह महानीश, भद्रिक्षालीर वा भाषण क्षमान्त्री । वह महानील चिर्दान ব্যান পুক্রেটার-,সম্জেন্মুক, প্রাপ্তার অস্তিম কার্যা, নালক, জালভাব, জ্লা 國政(人-董州[人間我-衛州-聖司 一學)兩一會於政治 配相用的 人 吸料性剂 医肝性切除 医腹腹瘤 এবং ব্রাঞ্চলপ্রাক্ষাক্ষাক) লিখিবনর তে নাড়েক নাওপ্রানাথক শান্তবে নাড়বে উলোমের ভাগাঞ্জ विवादकत गाँवक मिका द्यावित व्यक्तपहरून । এव प्रश्चातम पावमार्थिक देवनिकश्वत गांधक-সম্প্রদায়ের অপ্রকাশত ও জ্বাসীন প্রবাধে প্রচারতক্তে নির্দীন-প্রকাশ যন্ত্রাধ্য আগ্রেন্টিন ১০মানেমন আগ্রেন্ডের শ্রান ম-প্রিন্তান্ত্রান ও অর্থানিক ভ্রমানেগরি ১ को छ । अध्य तमृत्य सहाम्रहराद्शत वि छ माल कार्यक्षत । इता भागक । अक्षक । अक्षाता ही 10) 💆 🤭 १ शक्त म्युपान ,शोबनास । खालाम अवहातिको। भवकारी- ट्रीमान हिर अक्कारी प्रवक्तिया क्षेत्राम विकास स्थानी, श्रांत्र द्वीरामवानम दक्क

জ্ঞায়ক মনীলোগাক ব্যক্তাপাল স্থানিবের্থম দাধ একভারী ক্রমুর সঞ্জনাত্র ।

## ু ৩ · যোগদীত উনন্দির

's,',

क्ष कान जीवनग्रीणागान्य अन्त या क्रीभन्तक शक्त स्वािकान के मार्थिका পাস। এবং ন আৰু প্ৰায়েখন ও আহিছে-रिल्मश्रमक लेटकोदभाषात्मः अन्य लिटिन स्मा 🖷 শ্রীনাগ্রেক্ষর নিদ্য সেবা দেবা জীগদ-काब्र दाना नक्षाना रक्ष--(नाक-আগাইব গোক্ষামী ভট্টগোল প্রাভূ শ্রীরমান आषा महकारी किंग्डानम डक्कामी, ! **क्ष**दानम् बन्धाती । विभागनम् प्राप्तः min, Graner Gintanam !

#### ( 8 ) 조네가 그래라

क्रिम्माश्राम्भ की इंग-िमास स टबोटबीसात बामस्यी । क्याटन ड्राड्यारशंत-निभारक व एकस्टाइत (म्रा) क्यांगा १म १--- स्वताराधाम अस्ताती, की महुक **कत्र, की** पाक्कामाम नाव (की )

ू ( e ) खटेब्**ड-**स्टनम क्षके कारण क्षेत्रकेशक अन्तर करण CHUI च्छेन ना

्छ। काञ्चाद जनः नि भः है

व्याधीन बाहालत, नामन एक ह (नतीया) **बर**ारिक्रणाताच क्षेष्ठं मकाबीव भवाति। व्यक्तमा अञ्चलको श्रीतरभाषातकादी।

#### (4) 唯一科研 聖報年 至數

ी, व्यक्तिम, अक्रमग्रह ( समीवा ) काराच है। कुनाम जिल क्लिन्सभानम हत्वन matt. wir die blebigine wet Billigint-आभटबंद देश १९ ४ रूपीन রজ্ব-ভতিত্তন ভারা একটারী क्रमा का दिली दन, दन, वर्ष

#### ৮ आक्रअकाथ (नो की ज मर्ठ 484/19/1986

বক্ষাৰ - - ইয়েডবর ভ'ক্লাপারী এম, তে, ট लग. शक्कारी--विहेश माम व्हांस- : इक्षक - व्हापुन श्रक अक्षाही। া, উট্ডেড্ডম অসম্পারী প্রেক্টের

( ১ ) श्रीरभोत्र-भनामद्र मठे B(१९१४) 📆 , श्रमुलग्रफ, र लक्ष्मास 🕽 mer granfene mit bie erfauntne-্ৰধা। রফ 🗢 আছি বিজ্ঞান আছন।

(১০) জিরপগৌচায়-মঠ RICINE, 21815, #15, fei 中野 中一一気をtefft と知ったに、電子れて可可な একচানী।

#### 

भाष्ट्रशांक, काम्रश्र, वह्नशांन। প্রী গাসা হোর ১ কুর রুলার্থনর শ্বান रक्त क- - हैं। यह जुरु हो जुल गामी। (১১) ভাগবয় আসন क्षेत्राधन ह (ध्यान, क्षणनश्च, नशीक्षा । दक्र- डिमरानम तक्षात्री।

(১০) শ্রীএকায়ন মঠ :B:लांगकी, दशाबाफी, अन्यनगढ, समीवा । इक्क-डीयाला न्या अवाजी वी

( 58 ) श्रीयाल द्योजीत मठ भ•मर नवावधून (ग्राफ्), छाना । श्रवंबदम्ब छोडान-दक्छ, वचारन ही धन-्रशीत्रक शाक्षक्षा-शिक्षित्रक दलना वस्थान । इक्- क- बीवाशायहा च अवनाती।

( ১৫ ) औरभाशनकी वर्ष क्मलाश्च, ठाका। (भागामधीत आर्रिशक व्यक्तिन सम्बं अक्क-जी शांग्रशीय अवहाती।

# ( > ) ब्याटगोजी मठ

: ७ तर कालिकाशांस ठ क्रमची हीते. (शां: मांगवाकात, क्रिका थे। Wincura fa. fa. esse

শ্রীমত্মকাশাভ্র পাচাবিত্র প্রনিধার ভব্তিশক্ষ-পাচারোজেলে গোড়ারেশের ধর্ম প্রধার নগ্নী কলিকাভার ইয়গনিবিধাদ আসনে হীম্স প্রতিষ্কিত আছেন। এই আঞ্জ মন্তবালানে আছি এক লোবাল জীবিনোদানক জীউ মপাৰ্থনে নিজা দোবিত ধনা। গোডীৰ আন্তাসন্ত্রীর সার্শার ওঞ্জাবলী। জলচারোজেশে শীন্তি সংগল্প রক্টী পুরুষ্থ মৃদ্রান যায়াবন সংখ্যাতিত ১০লাবেন। পুথিটোর সক্ষম জীলোলনাম প্রচাবার এই সম্ভাগন্ত होत्क '(शो केश' साम्याकक लाज, कि अञ्चलकि मानिक शक्तिका हेरताकी कावाद ক্তিবিভাষ্ বাদি-লীগা ও কত্ত্বালের সমধ্য আইলারের। ইচ্ছ स्पति । स्वतिक - भा प्रतिक लीभाव कथाविकाती विश्वाकृष्य । अवकाती -- मालिक लीलाज अवस्थाताल का रावावस्थातर विन्त्य, लीगांब स्वतन्त्रात्म लडावस्थावस्मात् विन्त्यः श्चीलाम तामांतकाति अक्षापती. श्रीणाम कम्बन्धायम मामानकारी तिन्ता श्रीलाम कवरतान्त्रस मामहानकादी, तक्षतानी मीकीयनानम, अभागती लीनावीरमाधन, अभानी भीजभाजन क्षर्रक्षणाहाः ब्रह्मानी नीलन्योगन, शायक नामा स्वीमहरू भटांग्छ। एकांद्र कांक्रमाष्ट्री आहां क

# १७ जीशकारे त्योदा मध्य

कर्तिका का भागा दिली अच्छा, वर्ग प्रशासिक छ। का - अभन्द - दर्भन्य अन्ति ।

#### (১৭) জীভাগৰতজ্ঞানন্দ মঠ

१६कामरा, वाष्ट्रप्रमुन, द्यानगी भूर । CATON POWER STATE জিবিবারীর নিজ্ঞানত ব্রহ্মনত সুস্তক---जनवानी ची चगवानगानची । जनवानी गरानन

#### ১৮ कामनाध्याका अभवास्त्रम

अभ्यत्। म द्रभारः वक्षशस्य । मिकारमाना प्रकार- एकतामा लोगरिन लीमसावन स्रा 1454101

#### (১৯) औश्वरमायम गठ

अश्वात, श्रदी, द्वेशिया। क्रभारत हैंदिशांव-निस्तामगापवकीय निक्र- । ভাগৰ প্ৰিছাত গ্ৰহণকী প্ৰচাৰ-ক্ষেত্ৰ। তাৰ বৰ্ষালা রক্ষক - এখন বী প্ৰীপর্মান समा विकास्तक, अधाराती दीवलीकानम ।

#### (२ अधिका-दशोकोस मर्ठ

व्यागनतमार्थ, अव्यागिक उपाद, सुरी । कश्चांभएकद्वत अन्तम्य भवत्य श्रीभक्षकः व्यवस्थान । यक्तक-अक्षात्री केलश्रमचडी व्यक्तमधी। त्रकाताः--अवतारी और्तिनिन्धिकारी।

#### (२५) श्रीमञ्जिलामना मर्ड

Giwattimia, man: व्यथारमः व्यक्तिनः शाहाभन्यम् । कोत्र निकारम्या वश्वमानना अव्यक्त---बच्छाडी जीवशयता

#### (३३ - श्रीमहाक्षत-जोकात्र मठ

पन् प्रशास्त्रीत्मत्त्रा, काली ह INT -Metmed + Bei Ber feinelauf ! श्रीकानकीनामणी :

#### SE BESTERE SE

क्षीम् भारतात कृता, लीनाम दुव्यापन । हेर ही वाधानतक वास्त्राक नकोब दशका है अक्षक--- शिल्य र दिवाभ अक्षा ग्री

(२८) जील विषयात्र प्रके (नामग्रद्याः स्थितात्र

anien Moises mitaten a क्रिटारेट "न्ट्रनामु (नवामुळीक द्यना वक्क्साम । की सम्मानाम केंग्र के लगा जातवाहीर क्षेत्रक - अक्षारी सिवासर्वातक के उसहाडी

#### १२०: धोटेम्ल्यारशोक्षीय सर्व

भूप्रवेष्ट्र हा । विवेष्ट्र के । भागकृष । देखे तीरे. ७ श - म्टार व नाया । कण्य- जीवमा-नाथ द्राप्त, लेटफर्स्स्सम्भ सम्बद्धी । सीवाम कांत्र (मन्यांदाय ।

#### (२७) बीशामदशीखीय कर्र

Private Milette, white which औरलोबायदमान-ब्राह्मन ,दमका क्लामान । रामक----वामाः हो। व्यवस्थानम् ।

# (२०: छाक्ष्यभाषा वाभवाखानका

এপ্রিপ্রামিন বেশঃ মাস্ত্র, বাগড়া Willer He Buyit michialena chai वस्थान । दक्षक---वश्ववाधी खीळानक्ष-काम, श्लीकामाव्यम अभागती। (२४) विद्वा दशाक्षेत्र मठ---कर्यहालय

De cen minte, fich ficht : क्षण कर-- अक्षात्रात्री । श्री श्री गकाबान्त्रक.

अवाराजी श्रीकाषात्रभगत्रवण्डल है है। (QD) C可[N]可以可引血剂剂面图 वक्त -- अवश्वादी व्यक्तिमध्याक्त

#### মৌল ভাকাননোদক্ষক নিক্তিত ভক্তি গ্রন্থাবলী



**बिक्यमर्था - वे**मश्रकितिस्मात ठाकुत्वच निविध-हेंब्रांट्स कौरवन्न लाहित्स, अटक्स ग्रन्डि ग्रथम, निका छ तिथिति कर्मा. लेक्से निकि संभावतकारन रहत सहित्य ি ন্যোর অর্থাপ, প্রফোপ,সন্ত্র স্থিত প্রেক্ত, মারাওয়, বৈধা-'कति क कथानात्मत दक्षम, हेगनायस र, व्यंदकतामी कथा क्षांक्रिक कार्यक्षां की त्वन बद्दा का पर मू कि, देशकाश्वरकत व्यक्तिकातः क्षांक्रितः कार्यिकाती-विकास, क्षां क व्यक्तिकारमञ् अधिक छा, ला छ मध्य छ देवक वनाय, दवटन क्रमानीता. सम्बन अब र कांद्रीय क्षापेंग्ड-८क्षण, क्षेत्रिधरणका क दर्शास-शिक्षांत्र खारक्षतः, मध्यमारहत् महित अवित्यत काइयः, अल्ला-्राय क्रम क अलो क्रमण, लिल्लिन) त्रात, मील्या, देवरी 🐵 आराक्स्मा ्रीकृ, मध्यास्त्राम, प्रमानस्यत अन्तर्भाती, लाहकीयहम, प्रमुख तर, शैंशाक्षातम अक्षेष्ठ समात्रन प्राप्तकाराया अवस्थ िक्रेप्र प्रश्लानकी का का जनकरायात करणालकवसकरक व्याप निक रकरा के । वह क्षेत्र व अपने व अपने व स्थान में के फरिटन भारताधिक आस्काम किछुक्तिके व्यक्ताल वा महत्वम भाकित्व मा । শ্রম সূত্ অবিষয়ক এই কুপ সরল ক অন্যাপনী গ্রন্থ এপনায ीः का कारण के कक्ष नाकि। निर्देशनरश्चामी- बाळ-मरवाकति-भक्षन-ুন্ধে এর এছায়ুও ভবিত হুহুছাতেন। আবার্য ভবিজ্ঞ্চ ুণ্ডী, কলাগার ই কংলি মালা ভিলেম সমুখ করা এইয়াছে ৷ 🖟 रेन प्रक्रि अष्ठ, दमरान्त्र कारण साम १०००। छरकुई वेखाल---े १०व मारकाम न् भावा ।



### हिक्षं मरभग्न मध्य वीषा है २, प्रहे हाका म्बाबाया---> e e e हिल हु हो का

व्यक्तिक वास्त्रवाका बादो शास्त्रक मानात्व किया क्षान्त जीनका मान्यक क्षार निकाबिक क्षेत्रका aces ब्राफ केंकि मनाहन नाखनाका पान मर्गावक प कामानिक क्रवीटका (४८०४, बदनह क कामा) इ वर्ष कि प्र . पारमपु माराक्ष, न्यीरिक, यक्ष कि ए अध्याहि विश्वक अभावनारः क्रमन कुल्यकार्य मृक्षित्रककार्य व्यारमाधिक व्यक्तारक ट्य. क्रियम नरक्षि ००८फ च्यासक कारका ८५व गरी**क** गाउँ ना 1 14 4 िक्ष जिल्ला के बारा बार मा ।



विक्रीप्र मश्यदन 💉 जामा

किन रकायानी होई कैन इयुनाव भाषायी हान्त्र proposed to non waterington, when as all a क्षिण्यम विकास कार्य के नार्टिक्न विकास कवि सन्तर्भाटन क्षिक कर्रवारक । केवा काका स्त्री क्षेत्रकारात्वाकृत केनापह निका क जनावन विकास बादन । गर्ननवक सर्वेत्रास्त ।

#### **8ं**ट8ं भी बाटवर ब **দ**চিত্ৰ

# শ্রীনবদ্বীপ পঞ্জিকা

পারমার্থিক ব্যক্তিমাত্রেরই একান্ত প্রয়োজনীয় বিষ্ণুত্তত ও উপবাসাদির ভালিকা সম্বলিভ ৰাংলাৰ খবে খবে বিরাভিত ছউক

ভিকা ১০ আনা মাত্র ১/২০ ডাক টিকিট পাঠাইলে ডাকে পাঠান হয়।

प्रकास नि

শ্রীস লোচনদাস টাকুররুত শ্রীটেতন্যমঙ্গল

ওঁ বিকুপাদ জীলীনভজিনিভাত সরস্ভী গোখামী প্রস্থাদ-সম্পাদিত ভূমিকা: স্লোকের ष्ट्रायुक्त विकास कार्यान, व्यानि व्यानस्थात अ वर्षा क्या माझ, असमूठी, काममूठी, भारत्यही, अमानशक्, ডালিকা, প্ৰসূচী প্ৰস্তৃতি বিশ্বত সূচী সম্বলিভ बान्छ, अक्टर खरन का हैन. आहेरभन्ने आकारत

### শীহরিনা মচিন্তামণি

নামাচার জীল হতিধানটাকুলের মুলে জীনলভা প্রত্ **শ্রাম্যার্থার, নামার্গ্য, নাম্পেরার প্রভৃতি (বিলের**, यावधीय विकास स्थाप कदियाकिलान, क्रम नियम्ब्हेंस अहि সরল প্রারে স্কিপ্ত আশ্রমত প্রিণাটিভাবে মুখ্রিত। **ञ्चित ककिर्दिमालक्षेत्रक ४-५० छ। ४२ अध्यक्ष १४७० ५०** ৰাঠ আল ন জ

# বৈষ্ণবসঞ্চ সমাক্ষতি

( भाकारकोश्रदक महाद )

विषय:-->। ऋषिणांका वाम्या मचावतीत अर्थ २। धारिका कामाद्यक देवका भारतह र विख्या, छ । विद्युरेवका वमान्त्र कि क क्रीमनिक छ है विशादका विवदम, छ। देवकवश्रष्ठ छ अवस-मुद्रदेश काक्नवा छ विवरण, । विषदितत्त्वा । शोविक छ। भाक्षीत आकृत्युत्न श्राकीय कथा। सांद्रपण व्यकानिक । क्रेस्ट्रेस्ट । अस्यास्य boo' . २१ भारत boo' . ०१ शक्त be. हल् च च च का अवस्था के किया । दम च छ प्रश्रह )

# <u>ৰ</u>ভিক্তিসন্দৰ্ভ

अब मा १० ८ जिल के कि । इस मा १ से मा १ से मा শ্রীসমূত্রাপদভের ও গোড়ীয়ের আহক্ষণ ১৪০ होकान प्रदेशक भारेटनम देवकवातायः स्थितकात भाषामीशास्त्र कठि अधः हेशाई बहुदल्या प्रतिक आरबाधिमीश परण । आहिमछ छवल ज्याकेन be क्यांत्र ७८ भुक्त आकारम मुख्यक क्वेट्टरका

> শ্রীমঞাটার্যা সকলৈত সদাচারস্মতিঃ कियो / बाना मार्ज

# বিজ্ঞাপন

# সাবধান ! • • • সাবধান !!

জে, বি. দতের চৌকা শিশি আদাল তৈ**ল** আদি ও অক্তিম এবং উপকারিভায় সর্বজন পরিচিত ও স্বর্চ প্রশংসিত।

আমরা সাবসাধারণকে জানাইতেছি, বাদাম তৈল খরিদ করিবরে সময় শিশির গায়ে ইংরাজী অক্সরে জে. বি. দত্ত এও কোম্পানী নাম খোদা দেখিয়া খরিদ করি:বন। নতুবা জুয়াচোরগণ क्मनरक्त कु" जम रेडम निया প্রভারণা করিবে।

নিনীত-কে, বি, দত্ত

# ফেরাস কুইরিন

নৃতন এবং পুরাতন মালেরিরার যম टेबांट डेलाइक माळात्र आहेबन, बहिबाहेट्याद्भाव कुदैनित् आरमीनक धाः बेडिकिएन कारकः

वर्षे क्रिकाम कुछेलिन बाह्य देखकुमन कवित्य अवज्ञ ষ্টিট গড়ের কাগ্যতে ছাপা। ভিকা—২॥০ টাকা বা প্রন্দী হয়েক্দনেট সক্লপ্রকার কটিন ম্যালেরিয়া হার বন্ধ : कटर जनर ७ क्टेंटि ১२ जिं रेटक्निम मास्यविश्वेत मुक्क छेपमर्ग बहे कर्त्वका उम्हल ।

> ७ छल्लानभूनं अधि राम्र-म्या २८ डीका, क्रे 🗨 होका वारं क दर्का काल वार्क किनिकाल नावात्र है। ही दर् २ २१ २ वस्त्रीयन त्यन, क्लिकाछ।।

গোড়ীয় গৈন্ধৰ-খগতে অভিনৰ এখ !! ঞীৰ মাত্ৰ ভাক্ষবিলোদের সীতি-এতাৰলা :---



बहेम मः हरू

দেচ ও মনের চেপ্লা আনভাবত্ত গইয়া---ইছা যথন জীব बु बर्ड लात, रुषुत्र क्रक्रमांक । मारु। वक्ष क्षेत्रकावारमञ्ज्ञकांक ঠানার কোন কাভার কাবেলময়ী প্রাথমা হয় ক্ষম ইভগবানে সমান্তঃভয়ণে নিম্পটে ভি প্রাকারে শরণাশ্র क्टेंग्स क्य. केंस्सिम विवश्न काम्मानी क्यामन। 🖦 **माय**-সম্পূৰ্যক গান ৷ উভিয়া সংখ্যপত অকাশিত হট্যাছে

किया कवि पर /- अप पाना

(अमर्फाकांक्रका— /o, जनवीरामक्यः /o

কল্যাপকম্পত্র

भटकड मार्डेक পঞ্চীয় সংস্করণ

षामन व्यक्तार वृक्षन ष्रकार कः वासमात रन्त्यो सर्वेतः नृ**त्रान्यः त** क्रमसावटक क्लान राजवा जरूर कहि तथा राज्य जिन्हे क्लान क्षेत्रस করি, জিলে যে নিজা বা যথাৰ জন্মাল এমানে অনমৰ্থ এবং জেনু বভ जामारमञ्जासका कमार्गमाञ्च अवर कि लाटर जम्मका ध्यक्ति जम्मारकाहक मम्प हम्म, अहे अकल क्या एएक गाउँ ।**गरिया: अरे पैरियाद** रायदिकर कारायक कटकर ३ होत्र व्यासायात् विकासकार व्यास्य गम्ब ।

### ৫০ বৎসরের পরীক্ষিত করেকটা মভৌষধ—

বাৰবারকী নীরা ও প্রস্তু তইয়া (যে সমস্ত প্রাশংসা গতালান কৰিছাছেন, তার্ প্রকাশ কালনে গড় বড় প্রক্রিয়া পড়ে। আন্নিভ বারগার করিলা ধর তউন।

- ্ ১: চজ্জপ্ৰতা বটীকা চলাৰ নামটাও দেমন কাৰণৰ গেট বছস। ইকা নুকৰ ও প্ৰাতন মেক, মূত্ৰক্ষ, মল প্ৰভৃতি এবং আংগাকদিগেল স্ভিকা ব্যালয়, বিজ্ঞান এক প্ৰাত্ত কাভুকি লোভ ফলপ্ৰসা।
- ২। পুশুপ্তিসহায় বটিকা--মাধবজনাবিদীন অভ্যুৎকট নিজাবিধায়ক শুবদ।
  দে কোন বৈদিক ও মান্দিক শীজাবশতঃ অনিপ্রারোগে এই ঔষণ নাবশারে গাচ
  নিজা ২০০ব
- ত। স্তুর বৃতিকা--ইং। গুম্বনৈ প্লীণা ও ভদক্ষলিক দেবা ও প্রক্লীপাতৃত্ব ইংহা যাওয়া ইডাাদি নিমুদ্ধিও ইয়া রক্ত প্রকাশে ও র্দ্ধি প্রাপ্ত হয়।

केक किस शकारका आरणाक खेपानत मूला शकि एकाँडा ५८ डीका :

আর্থিন:-আতঞ্চনিপ্রায় উসাপালয় ২১৪নং বছবালাঃ গ্রীন্ত ব্লিক্তার ।

# अनवहीलधाममाश्या समान वत अका ४०

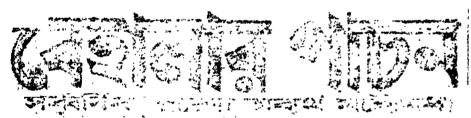
শ্রীচেত্র ন্যাব্যাহর বিহার ও সালাভূমি নয়ন বাগ স্থাবত। এস নয় বীপের আটিন ক্রিপ্র - আজে। ক্রিটেগ শ্রীপে শ্রীমান্ত্রভূত বীলা—আভে। ক বাগেন্ধ পায়চয়, শ্রীমান্ত্রভূত বীলা—আভে। ক বাগেন্ধ পায়চয়, শ্রীমান্ত্রভূত বিশেষভাবে মনোধন ধ্রে বিশেষভাবে মনোধন ধ্রে বিশিষ্ট প্রায় করে। বাগিত। প্রেক্ত বাগিত। প্রেক্ত বাগিত।

## প্রান্ধরাপ ভারতরক ভিছাত

উক্ষণ ব্যক্তির কালাতে উক্ষ কাগতে এলোচ--- শ্রীন্ত নিগণ্য নশনে কার্ক ক্ষণনকারীয় কি প্রকার ভাবের উচ্চাস হয়, তাতা এন প্রাচে বাগত। কাভ এমংকার।

সাধিক ঠিছালি— এইবকাবন্দনা, ইংগ্রেখন, ইক্তিক অংটান্তর
শ্রেক্ত ক্রিকার প্রাথনিক ক্রিকার প্রাথনিক ক্রিকার ক্রিক

# কবিরাজ্শশিভূবণ কবিকপ্ঠাভরণের



মক্ষাৰ্থের অ'বধার অক্তান আঃ লিশিতে ঘণীভূত অবকার ভোটবেশ্বলের সমাপরিমাণ উষ্ণ ভাষে পাইনে কর, ইংবাদে পুরিষ্ণের কোন পরিবর্জন কলা কর নাই। মুন্য প্রাক্তি লিলি ৪০ আন্তু পাইট ৪৫০ আনা, বৈভিন্ন চলত আনা।

্অফিস–১১নং উল্টাভানা রোভ, পোঃ স্থামবালার, কলিকাতা

# यजन मण्ड

क्षांत स्व क वाक्षांत्रकात, वेश्वित्रतात्रिक क्षांत्र, क्षांत्र कारुका व्रवस्त्रका, साथ दर्गाता, तृष्ठ वर्क-क्षांत्रि, वार्क्षि, कार्क क सक्त ज्याव क्षित्रक क्षांत्रिक वेश्वित व्यवस्त्र हिन्दी क्षांत्रिक क्षांत्रा । क्षांत्रिक वेश्वित व्यवस्त्र हिन्दी क्षांत्रिक क्षांत्रा । क्षांत्रिक व्यवस्त्रिक व्यवस्त्रात्र क्षांत्रा क्षांत्रात्रात्र व्यवस्त्रात्र व्यवस्त्र विवस्त्र व्यवस्त्र व्यवस्त्र व्यवस्त्र व्यवस्त्र व्यवस्त्र विवस्त्र विवस्त विवस्त्र विवस्त विवस्त विवस्त्र विवस्त विवस्त विवस्त्र विवस्त विव

THE WASHINGTON TO SERVICE OF THE PROPERTY OF T

विश्व करिक क्षिप्र करियों क्षिप्र करियों विश्व करिक क्षिप्र क्षिप्र करिया विश्व करिया विश्व करिया करिया करिया करिया है।

# शरेद्धानिन

বা

### काञ्ज्ञिक द्याग

काः क्रम्, क्रम्, त्याम् विनः, व्यत्य, यहन्कीयसम्ब महादाणि भिषा देवद्याक्रक क्रमणणीएक दक्षणकृषि द्याम व्याद्याण। कृतिया यहन्य ।

> ট্রকারা— ১৮ নং কটন ট্রাট, বছবাজার, জন্মক্তির (

### ১ ৷ শুলায়ত

निख्नुतन्त्र व्यक्तां भरहोषम । ১ भावात्र छेन्न्य, मद्यार व्यक्ताः। स्थि ५० यत्र व्यामा, नक्षं ५० व्यामा । भाकन भूरकः।

# ২। ত্রুচাচার্য্য সঞ্জাবনী পোষ্টাই

कारमञ्ज क न्यक्क हर्षां व क्यांक महिष्य । मृत्रा ५ किंग ५:० माना । प्राध्यम पृथ्य ।

# ৩। সর্যাদী-প্রদন্ত অর্শরোদের অব্যর্থ আংটা

. फारमाना ना ककाल मुना प्रयोग्या मुना ३० काला। सावान पुत्रका

৪। কোন্ত-বান্ধব শীল

- अभीत, उत्तेष्ट्राः, इपट्टामनात्र भटशेषत् । किता हर आमा । भातम पुत्रम् ।

### ৫। বাতলীন

यान्द्रशासन मानाणकांकी क मधारण धारतासा। धार्कि विश्वण धाना । मानग १९५७ ।

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তুতকারক। সধ্য কাটালগের কর পরে লিপুন।

क्षांख्यान—मस्मारमाञ्च (नगरत्रहेती

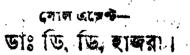
्भाः उग्राही, कालाशृत्र, धाकः,

# ग्राचार्गर्म (श्रम

পুকা-নাজানায় স্থাতে মকলপ্রকার ছাপার জন্ম বিষয়।
বৈল্যাতিক কোলিলে লিকাভাত্র কাকে ভলিতেছে
বিশ্বত জানিতে হইলে নিম টিকানায় পত্র নিম্বন
ম্যানেজার—মনোমাহন প্রেস্
১০নং নলাকাশ্রম, ভাকা।

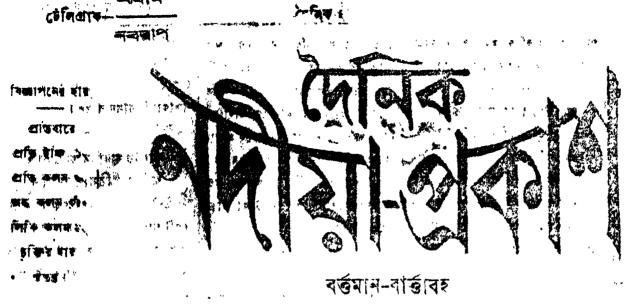
# মরা মানুষ বাঁচাইবার উপায়

বাদ ও অভানি এর দ মন্ ম প্রয় বাও ইবাও বেলাল প্রদান কর লাভ সংলা করা বিভান লান্তিব অনিবাদি উপলাল জনাত সংলা আনি করা নাই করা একরার জনাত আনি আকার মেন, প্রমেষ্ট দারুলি করা একরার লাকরার মান, প্রায়েশ করার বিভানে আর্থিক করালোর করিব মধ্যে আরা আছিক, বাংলা, মার্থিক করার লাকরার মধ্যে আরা আছিক, বাংলা, মার্থিক করার লাকরার নার্থিক, করার লাক্ত ভারে ভারে ভারে ভারে আন্তর্ভান করার আলোক করার আলোক করার আলোক আনার আলোক করার আলোক করার



ं क्षरकश्चन, नाटकं विष्ठ दनाहे, क्षिक्षका कर्षे डिकामा काडे कविष्ठा निर्मिक्क कर्षे

हर बार्ड क क्षांतिक



8

मानार्यात नार का जिल (पर्व : " वाविक क याणाविक ६, देवनामिक २७० यानिक 📐 制制管 लेकि र शा त

লে-প্রভার-পদীখা জেলার একলার মধ্যসঙ্গ

मन्त्राष्ट्रक - श्री अञीन्त्र विष्णाशायाः, विष्णा अराज्या

ि 53 म गरभा।

মটেতন্যমট জীলাম মাহাপুর-ওরা টেত মসলবার ১০০৭, ১৭ই মার্টে, ১৯০

সুবৰ্মুযোগ! সুবৰ্ণ সুযোগ!! সুবৰ্ণ সুযোগ!!! গ্রন্থাবো খণ্ডে খণ্ডে প্রকাশিত

**७ विकामा अधिमह**िक्तिकाखगतगडा ६४१ जोगो सशहा८ अत 南江本の大学はいっていることで、中国の一年の日本の一日のです (गर्ड वारिका। निगर्वः मिनी माधिनी सीवान्य गानीत मुह-निशन—देवारनांनका छ-त्रक्रमानात रकोन्य संधान कृत्याः कव् विष्टः न कामजक ६ २-- राष्ट्रका यु ८ व छत्र----(河南東京和海江東京 বিজ্ঞানাগারের মৌলিক তথা-প্রবার ও কাল্যতের সময়গুরা-यहालन-क्रीपन अति क-मिक के---िविसास-विद्याद्धाविकाल-विवास --- अर्था क मानुपात्रसम्ब स्मोलिक भटनम्पानात्र-सम्बद्ध, अधितम् । अधितम् । अधिकन-१८ एवं । १८५ ६। १८८७ स কিন্দ্রাপ্ত-সমুস্র ।

১। প্রাথাক্ষশকে—বৈষ্ণবদর্শন, শীশুরুতের, কাল্যাগ্রা, শীনব্রাবিভাব, লোগাইয়ে গালিবেন না। রাভাষ জীবামজানবী, পাক্ষরাজিকী দীক্ষা ও বর্ণবিচার, আত্মনম ও মন্মেরতা, নাবে যুখন বোঝাইছে যাত্র। বারেন, জীচৈত্রহাপের ও ভাষার শিক্ষা, অপ্রাক্ত স্থান্ত প্রাক্ত স্থান্ত স্থান্ত স্থান্ত স্থান্ত ষ্মা, জীপার ঈশ্বর্পুরী, জীল ম্নিকান্দ-প্রদৃদ, গুরুমার্গ প্রস্কৃতি বিশেষ্টি । উপাত্ত ভিলেন। भर्धक द्वरक् क्षर्यभाक्तिक। जिल्ला भाग ५३ जात आगा। 🔻

হ। 🏙 ভাষা খণ্ড – শুকা ও বিদ্ধা প্রিক্রমন্তব্যার ্প্রীষ্ঠিত। কোলার 🕒 মিনিল করিয়া হাওবু, ফৌলানে স্বাহয়া আছার নিতার্তি, জ্রীনর অধিনপার ও মায়াবাদে: জ্রীনার নিত্যুত্নর ইনাম পর্যক বিলায় সম্মান প্রাপাস, এিপুর্মের ধর্ম ও ক্ষাক্তী দল, জীলাসপুরুষে শীন্তীগিবছের কীন্তন, কিরিম্নিইলন্ট জভাবরার আগামী জীর্গারধানের মৃথিয়, মহাপ্রসাদ, জীগোবিদ্দ, জীগোমুগভজন পথ, 🛂 জীম্পা ব্যভাম্নশিদী, জীতৈ জ্ঞার পরা, গোরকরণা ও কৃষ্ণেছী গুন-Бर्कृक्षनः व्यश्रुक्त-मधूबिमाणूनं-दक्काः विकृतिकी । छका ३, विक् छ।का !

अथम ७ विक्रीम- २३ वछ अकरत कहेल किया । अ० त्वज है का, 3:4 **435 408** ]

> প্রাপ্তিকাম এম্বিজাগ—শ্রীটেভজমঠ (भाः क्षेमामाभूत, स्मीद्रा

# প্রভাব বারুর বোষাই যাত্রা

জীয়েকা কলাচেকা বছ পত বেংশ্বটি যান। কলিচাছেন। ভথায় তিনি মহাজা, পানীর পশ্চিত লাকাং करिया नदस्य अन्छ, सक्द्रक व्याद्रहाद्वरम् । कहिएतम् 1. F ( F ( S.) यस्ति। स्टब्स्ट्रिक्स থাটেন – বিধ ঐ উদ্দেশ্যে বোখা-

क्षाध्यान कृष्टे शिरमंत्र कार्यिक

া সভ্যাজাকের একদল সেচ্ছাদেরক শুক্রর কলিকাভায় এটোলন্তন

# স্থভাষ বাবুর বিরভি

পাত শশিবরে অপরায়ে বেছেটি याजात आबाम नेत्र असायाजा বহু এইদ্রাপ এক বিবরণ প্রকাশ করিয়াছেন—

कराई अर्आम कांत्रेर-७ विषय

অনুমান্ত্ৰ সংক্ষেত্ৰ কাৰা নাইছি বিশ্ব इस्थानगढः यहत्त्व नकृत्य क्या । অবস্থা উপস্থিত যে ভাষ্যে কলে. आमात्र गान एष्ट, क्यामद्र हित-থাকাজিকত স্বাধীনতা লাভ কৈ বিত্তে পারিস লা। আমার সমস্তা এই-तर्नेमाम कार्रकृषि ८०१म अर्थ कार्यक्रम किटिल यामहा सहत स्वाधीनहीं बाड করিছে পারি ামি প্রেই ब्रांच्या हि (ग. व्याधि । এथम ३ क) याः শক্তি সংক্ষে কিছুই ছির করিছে পাবিলাই।

অাণি মহাত্মা গান্ধীর স্থিত ্রার জন্ম याध्यक्ष के जाति ংস্তিত উল্জেশ প্রথণ করিব । বস্তুমান অবস্থায় কোন পথ অবসম্বন করিলে यासका गकरन गहस्ताव्हाक जाहर দেশের দেবা করিছে প্রারিব—ভাষা পরে আমি শ্বিদ্ধ কৰিয়া দেশবাসীকে

#### বহু কথা এখনও कार्याभारत

আহন অমাত্য আনেলালীন সক্ষ পুত ও গণ্ডিত ২০ কণ্ডাসী কথী मत्यात अथस्य स्था कामान र नाई। अध्वाद्य मुख्क अभाग कार्रात पृति देन पन "জামি শেষ পদাস্ত্র স্থাধীনতায়ে । মুক্তি প্রান্ধন করা ২ইমাতে । শীর সক্ষান্ধ ইই বা त त्विद्वात छ।।।

तीखवा, खांश गर्निः A ाह्र विश्वाद्यम् --

### विविध भःताम

মেটির গাংরেজ ভংশায়ত ১ খালা গাড়ার খা ছ

বিভেগ্ন কৈছেওর মেটের সাভ্র ८वाक (मीत का भाक एक हैं निवास পাটীটেড ে ভাল ভালিখা। সমর হঠাৎ खेडाटक काम्छन गालिक वाह, यहीत स्थान नारकारित सम्बद्धिक इस । न यागा है। कि बाकी छ खक्यांना याम नहें करेशा 19:1151 \$6 28 95, 219 20,000 umte atel eben | Ge biefa bina সামার আহম হটগাড়ে। বিষয়পুর মত-कृता काकित्मत (मानित्यांना भावाक्तात निमित्र के शास्त्रस्य दिल, जेक शाकी-सामार अक्षा करेगारक।

#### माञ्चादीए महत्वा शासीत বস্তুগুড়া

गर्फात नज्ञसभावं शाहिन गमिक-সাবসাবে মহাত্রা গাঞ্জী ১৪ই মার্চ্চ আচেছ माख्यातीत्व त्यीत्तमः द्वारात मर्गत्मत भाग प्रशास भाग करेंद्रके वस दर्शक अग-दवक बहेगाहिया। महाद्यांकी सा राजात क्षामाह अना इहेटक ध्वन्यानि साहित्य कविश खरक्षार कश्मी याजा लटबन। शक वर्मन करें कराबीट से मश्राकी ८%% व बरेश किएमा ।

এক বিরটি অসমভায় মহামানী बरमन, चामात्र Calattas शक समग्रेशद्रश लार्थास काम हालाईका याल्याम छ अप-शांक्रिक अर्थाच्याताष्ठ करांड व्याप कार्गालाक #2 21 fb 1

व्यक्तभव भगवादी वासन, ज्यसन 🞏 चालताविताक चरि चाठेन चमान कतिएउ श्रीरंथ सा---श्रुवस्थाक कर्या करिटा करदर । कालनातां यनि इस प्रांत काल महिनामुक्तक कार्या करवान, कांचा बहेरन ख्याम मांच दहर्य । उक्तर्य क्रांनगोहित्ररक कातांभे के कियान क्षत्र शत्रा क्षाप्त कतिहरू केटन ना। याँचाल मञ्जूष्ठ हो दश्क निकडे नात कटन्स, छ। बाम निर्माण नानवार जा कहा नवश देखताती धनः मिरम्भव भारत करन विकास करिएक भारतम । भारति माजिएमत नानकारकत सञ्च कावन क्षाञ्चल क्षेट्र---- गार रेटब्र कला नटबा श्राक्षर्द्धालिक कारिकाठ रायम आह वस्टान, ভবন ৰাবসায়ের জত প্রথ অসত ্করিছে

म्याः <del>म्याद्भारत्याः वर्षामी बरमम, व</del>ालगानिगरक मानुरात्र मिक्के विराधमान्य निर्मित एक **वि**र्माण्ड<sup>ा कर्</sup>केमः व**रह्य एक्स्या**रन ना**विश्**र्न कृष्टीस्य अवश्रम करिस्यम । Secre Missels Edel Minelal

नकारण्य व्यक्तिक वह, छाँश व्हेरन अम्बा करतान अधिवनसकारमञ्जालम् अस्य भारीय गाँक करा महत्र भाषा वृष्ट्रिया

#### णगरियात ১১ जन कर्णीत অব্যাহতি লাভ

অনার বংগ্রেস ক্মিটীর ১১ জন મરવી મજ **क्टिंब्रीन्स्थान्य**, नीयुक विदालन मुख्यालायाय, वश्चम ्रके शक्ताः. **कां**शासन मुद्दशस्त्राग्यः, | ्या क्लिम्स न्यामात्रासात्र, কুমার গ্রেগালার, শরৎচয় সিমলার, ्शक्किरणाद माध, क्षतिपुर्यस मूरशामामध्य, त्याक्ष्रं के जिल्ला २०१ माना का म करेगा-अफ ..हे २,१६ किलोरमू: **८४**१३ ६६८७ शवग अन्ते व दुक छेक 21311. 'N #31 Efaire 1

#### कालीशक, नशीया

कः बीशक कराशम कामनीत सारकनी है। लियक मार्क्षणम्ब ग्रदक दू क्य অঞ্চন কথী উন্তুত ভাষণৰ সঞ্চ श्रद को ताम छ। अधिशत वस गाउ शुःकासमसम व्यक्तिकाकः ८०००मान Casal 电影(想 智师 电电阻 特惠 海豚付货 证书报刊 ल्याहित्य जामवागीयन कीपृत्रम निजिन emen win Gesta, emineralista, mini-भिनातक का छ। र्यक्त करतमा कविताम । ज्ञामुक शामाकाक द्राय , होधुदी 11. प्र. आभितामीका (बंद शक्त कहर १६ छ।

मधिकित महाराजी शिवुका काउर जिली ম্বিহার্গের থকা ১৯৮৪ টাংগ্ৰিণংক कालिकाक्तिक कटडन, महात्र वर्छ विभाने वाकि हैश्वित किलान

#### महाजाजीत वार्ष्मोनी याजा

रमाधित-उपारण नारामांनी पाता कविद्रारक्त कातान कातानमा किरान काला का শিংসাজা धानर भी श्वनहत्त रेन्द्रेक करित्तम ६ १८था। ध्यक क्रमन शक छात्र शक छात्रभाविक क्षा कि मुक्ति श्रामा भारतका करिएक मुकार एथा दहेर्छ सुन्नाष्ट ए। 🗢 शिर्मित्र 🤈

#### कराही कश्रतारम महासामी

कर्र अरु व माथा इन मन्धान क (यागा क दिहाएक त्य, मकाञ्चा आश्वी २४८७ मार्फ काहित्य क्याठीटड ब्लीडियन जन्म करदाम नगरत विवयनिकाठनी मुमिलिक

ভারতির কমিটা শিল্পাঞ্চ করিয়াছেন > > चनओर कृषित कृष्टिक कृषिकारकम त्या, मर्नकरमञ्जू वात्मत कथा क्रकील आग्र ्रहरूलम् । द्वारम् यन्ति विश्वनं नान् मनद्रवः यानका कहा वहेटन् । काल्यम् अत्र व्यवकात्र क्राक्तिश्राहितारक्रम्।

व्यक्ति वर्गाका वाताकाका नाएक हाति होका। यांवावा कश्टाशास्त्र त्यात्रवान कविलेक देळ्य, कीवाता (यम क्यविकारम कीवारमञ्ज नांग ब्लार्ग करतन, कांश्रम माख खंडे बाबाव त्यादकत्र यामणात्मक यावणा व्यक्ति व्यक्ति । गग्ध कश्राम जिल्लामन-कारणह क्रम वारकाक वाश्मिधिक किम है का काफा-भिएक बहेरन !

#### করিদপুর ও গরিশাল

्राच्यांग (स्रत क्टेंटक मुक्तिका'क क्रिया- । ध्रथनक स्नामा गांव गांहे। <sup>कति।</sup> (७न) पक्रिमालक कर्योशः ঐतिवस मुक्तिमा करियाक्त। व्यक्तिमार य कत् , कथी दलन व पुष्कि भाग नः है। फ्रांडम-भूरवत करावाम क्यों छा: श्रेषुक (क्यांत- ! अधिकाल आदमन मिद्रारक्त ।

#### রাণাখাট কদ্মীর মৃত্তি

इन्न वह क पुंक्तिश्व कोइस्टान ।

ভানীৰ কংলোধ কনিটাৰ সৱকানী <sup>চ</sup> **A** সভাগতি ইয়িজ কেশবলন্ধ সিম के गटक मुख्तिनाक कटबस सरहे । स्थित्क ! मकाञ्चा शाकी शक 18र मार्क का नएड़ े मिल है शामत महिल अवहे मार धावहे - सामक ्षकारमात शोधक सूचि**नाच क**िरमास का श्वारम अप मधात्र तकुना स्तिर्वसा । हेट: ८००वे वृत्ति शाविष्टाहरणस सा। ; क दिया अवारन मास्त्रिभूष बावश्वा अहि । कविटक ग्रहायका कब्रिट्यम ।

# क्षेत्र हे देशना दिन में कि

**है। १८ श्राट्य अवाधिकारी श्रीवृत्र भार,** বৈদ্যাল ভাগভীয় লওবিদিয় ১০৪ (ক) शताश्याती व्यक्तिक अहिशाबिटणम जाणात । निकृष्ट गामना व्यक्ताश्रीय किनि मुख्यां क विवादकता।

শুরুটে খরাজ আপ্রেম প্রভার্পণ शवर्गरमध्ये शक ३२वे मार्क "व्यक्षात

Boltक कश्दर्शात्मक केल्क्स वावकाब করিবার পূর্ণে শ্রীবৃত্ত স্থানী ভাই रमणारे भक्तमा गकारम फथाम बाकीय शकाका केटलांगम कंद्रान ।

#### भारहेत समादम स्थिका व ক্ষতির পরিমাণ কাজাত্ত

উণ্ট:ভালার উলির লেছার লেমের ध्दक्षि लार्छत खनारम शक बुरुल्लिक्सास राजि २-७-छ।म अक माधानाम महेवा शिशांटक। प्रमण्य यथाकाटण औ जान গাছ ১১ই মাৰ্ক্ত ফ্রিলপুৰের কংগ্রেদ- । আংস্থিত মধ্যশানি প্রাঞ্জ চেটা ক্রিলা অল্লি - ध्रक्षाल ५ । अस नहः स्था विशाधिक कविशाक । किन्ति भविशाव

#### मः था। य निधिष्ठ अस्थान दशत क्रम णर्ड नीटलत्र मगदयम्बा

क्रमन्त्रीशमृहत्व शक्त कवे (क दार्शवा साथ कर्ने ठार्गा के के देवरात अपार्थित । र शासक प्रशास प्राप्तक प्राप्तक प्राप्तक किया ্টেরেটের নিকট অলুগ্রাস ক্রিয়া ভিলেন, বার্চ লাল ভারাদের অঞ্জন্ম। कार्रित शहर सार देव. देवान अक्षां कार्राण , देवमां बच्च हे के विद्यान देव विश्व मालाव े हिन । ব্যবসাংখ্যের ম্যাঞ্জিষ্টেট উভাবিগতে আউক ্ ভিন্নি ব্রেন, স্বাইম্ন ক্মিশনের এছো कार होत्र मुख्य अवन का करान रहत फारहतारीक मध्य देव. अमरकाय स्वया भित्र-किंग क्षाठा शक्षम अखिगानन गाउ श की-व्यक्तिकेश अधिक अध्यक्त अध्यक्ति हुन्ति छ अरेग्राटक । बाख्य अध्यक्ति अरेट्राट খাটের সামুক্ত ভূগজভূষণ মুক্তকা, সীলমেশ । বিভাগ প্রাক্তে ফিরিয়া গ্রিণছেল, জালালা ্দ্রক্ষ্ণ উর্বেশ্যনের ভট্টাচার্যা করেব সকলেত ব্রিলাচেল যে কুটিশ জাতি ৭ জন কংগ্রেষ কথা গ্রুত ১১৪ সাজে। সার্চের আহি স্থায়ভূতিম্পাল। ক্রিন অস্তেজ্ন সমলম এছিদনাক জেন্দাল যাত্র রু চলের কল্পে জাত্তের স্থানন গমতা হল্প রহিলাছে। ভাবিষাত যে ভাষেন िव का का का भाग्छ गांव विषय (या प्रशांकी क्षिक कहें et. का कार अस् माथाक मध्याहिन्द्र शिक्ष र सामाद्रित याच urerem efera en miete Bein wat नुष्टित्मत कर्णमा ।

#### यशिमाल कः८ अनक शिक्षान शृक्षा छित्रू व

व्ययुक्त व्यापनीकृषात्र भाष्ट्रनी, व्यक्ति-আফোনীর ক্র্রাদের সর্ভিত তিনি এক সকলেত আশা করেন, সরকার অবিশ্বে গাল করে, মংখ্রদ ইস্মাধ্ন, 🕮 গুত रुदि भगान खर्बाय ग्रेष्ठ (कारामुक्त अक्सन কংগ্ৰেমকৰ্মী সৰু গড় শনিবাৰ **মাডিডে** विकाम क्यार शहर बिलाम प्रसमा क्षेत्रा निवार्ट्यम । किकारमध्ये वस्तुनाक्षतः क मनwingen Giaifunce fintu Manma त्म क्षांक क्षा निर्धाणाण हिन्द्य सम्बद्ध कक्षेत्रा किटणन ।

### **बियुड जिल्डिट्साइस वर्ष**न

क्षिपुत्र कािखस्माहम वर्षन कालाम गरकिष्यान गर शक कळवाब मनारण ठाउँ-ल्लाम त्याल कृषिका याका करिकारकन। मंत्रीवात करटाम कर्ष्याम व व्यक्तित संत्रीशीत **हिन्दा शिशाद्य ।** 

# পরনিশা ভক্তিপথের কণ্টক

बीवमाद्यहे फगवलांग। त्य मक्न बीव অনমভাবে নিরম্ভর জীভগবৎসেবার রঙ আছেন, ভাহায়া ভগৰৎ-সেবাবিম্ধ জীব-शानव जामर्ग शिक्षक । क्रायर-त्मगविष्य জীবগণ যদি ভগবৎ-সেবারত আদর্শ শিক্ষক-গণের চরিত্রে গুণ দর্শন করিতে থাকেন, ভাহা হইলে তাহারা উত্তরোভ্তর ভগবদ-देवपूर्वा পরিহার করিছে সমর্থ হন। ৩৭ দর্শনের পরিবর্ণে মৎসরত। ছেত যদি ভাঁডারা कानहरूभागत हित्य मास्यत्र कार्ताभ ক্রিতে ক্তদভন হন, তাহা হইলে তাহারা । দাদক্ষণী জীবের অঞ্পতি है-বৃত্তি, জ্বন । বৈক্ষণালয়াধ প্রিলাবের অস্তু সম্ভিত क्रमभः भव छात्मत्र शप्तवीरक चारताश्यभ्यंक প্রাপেকা কোটাগুণ ভীরবেগে ভগবান ও ভক্তগণের বিরুদ্ধাচরণে রম্ভ হুইতে রতি-বিশিষ্ট ছই না পড়েন। আত এব ভগবছ জি-माटकक्षाप्य डेविड स्ग्वान १ स्ग्रहरू. গণের চরিত্রে কোন প্রকাব ছিন্ত অবেবণ मा कतिया मध्येषा छन-प्रनीम निगुक श्रीका।

ভগব্ৰিমুগতা ভটতেই স্বাৰ্থপ্রভার कारक कश्रीधमून को नश्रा श्रकात कः भर्मक्षा-इना.य छहे भार क अवर कटकु क्षांकाता अभवाम् च क क्षक्रिया (कार्यायकारः) ফ্রিডে উত্তৰ ছল। ভগ্ৰিমুগ লীৰণ্ণ শ্বদি বস্তুদ্ধ সংগ্ৰহণ ক্ৰিণী চাডা लिसीटक भगम कविटक कठिविशिष्टे कह कार अभाग । अक्रिक्टिक अभागति नियक बाटक, कटवडे फाडाठा वितासाम शाश्च कविर्द्ध क कक्ष्मामा भगा करेल्ड भारक, सर**६९ सरक**ा

क्षमन्त्रिम् कीनमन्---च-चक्रमारवरी । खन्नपास्तरंग रहनीत सास्तिनन सरझः खब-धर्माम मर्भवका (क्षु शक्तिकाश) अञ्च ४ पद अन्द माख्यामा प्रवीक्तरगर क्षक दगर क्षेत्री व्हिक्त हिन्द्र त्मावादहाल किटिक केंग्रक करेंश थारक। श्रकतार मरमञ्जूषाक्षणिय हार्थानिकीटन मधन करिएक याभाषा चलिक्क क, छारांवा शब्दी शक्त ७ शहनिमक धनेटक वाधाः स्वयानि यक कथिक शह श्रीका क शहनिका-निश्रन तम याकि साहे निर्देशास आकाnime a maine maire !

अनव्यानवात्र अक्टरान गर्यक अनवान क ककाशात्रम का कार मान कर्मन कर्मन कार का नार्वित्रहरू कर्मना व कक्पाद्यव श्रद्ध श्रुणी द्वाध कहा (e. मरगहरू।-**ठकानिजीटक वृश्य शृक्षक क्षत्रपट्टाधाय**ी सूर्यान नाम करता ।

# দৈনিক নদীয়া পক শ

নিতাপাঠ্য বৈকৃপবার্তাবহ

ৰেয়াদি সমস্ত সাছত-শাল্কের অকৃত্রিয় ব্যাখ্যাত। সমগ্র ভারতে একনাত্র মূলভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

জিলাম মাহাপুর-ওরা হৈত, মঙ্গলবার-১৩০৭

कारकाण स्रीत्रहे द्य अभवश्यानात्र शिका- (58) सद्रा । काल क्रक आहम अ श्रानाबादव वियम त्मनामण्डम चार्यासम कविटल्डकन, हेटा कासूक्षर कतिनांत कास यक्त करा विदयक-मान नगारक इंट **₹**531 यांकाता विदय वयुष्टित मानात्या अधिक कडेता जिल्लापताच किट्य माथु गण गाँउ ना कता शराफ का श्रीवरशंक काका नाक्षका । स्वतं छक्ष कर । । हिन्नि संस्ता कृष्णस्य । पूत्र करें नाब केटल ह

भग दे<del>नक्रमूटल का</del>शमासिश्यक क्षशंविभय ক্রিবার অভিন্তানে ভগবান ও ভড়া-ग्रत्ते हरिट्य भाषाद्वाल मा कतिया गुरुष्ता अनुसन्दित व्यक्त यङ्गीत वर्ष्ट्र : रेक्ष्मवालकात यार्गाट मा अप्र, एन्छन काशका निरमय सनकडांक स्थित की को नान् निर्देश पर देवा যালন কৰিতে থাকেন ও অল জীববাৰত ख्य पूर्व कविनांत क्षक (च यना काराक

यम् देवकाव व्यवदाय केट्ट काडि याका। खेलाएक वा किएक कांत्र कांत्र वात्र लाहा।

देवकवित्याव निवयंत्र करणक चयः आवन्यसम्बद्धाः दश काञ्चि देवकविनमा कार्यात् অভ বঙ্গীৰ হয় না, সে আত্মধান্ত করিতে । উভড়া আত্মানুরণ গণে বাচাতে व्याध्यक्ष करत. दमहे वाकि गुन्: गुन्: दही वाणी एक दर्शनि समा क विटक अ का स विकाम कामा निश्वत दकारा करिएक बाटका **प्रकृत्य यांशटक ब्याया**णकण

मुल मामानकारमक मध्या अर्थाका क्षकात यह मा कथा, काशाता । त्यात हिंदीत माधानतानतरण लाउन केल वरे-चकामाक्रम चीत्र) कंश्वास्मत महामान्त्री शास्त्री खला≗चनिहास्त धारा करियक উপল্লয়। স্থাৰ্থপ্ৰতা সংগ্ৰহাৰ জনক। বিভিন্ন শক্তিৰ বাবা প্ৰশ্বাহে আনিছি ছিল্পান্তাৰ আনিটাপোন্তাৰ আনিটাপোন্তাৰ আনি चारमण क विशादक्त, --- ' ,यह अधा अवादक ela miten) इ.सीव दक्-.धारा-४/ नत्त्व कर्यान्य कक्क-मनेनकारी याकि- नामः यिनि गामनमाथी व्यक्ति क्यानिश নিয়ন্ত্র নামণ্রাহণ ও নাম্মাধ্যায়: শিক্ষা भटन करतम धार निकालिक वालीनिकाल- ! तमन, किनिहे नम्खना । तरण मन् छक्द मूहे कश-विमूचकात चत्र हत्त (क्या क्टरक मन्त्र : निर्ग. व विशेष १६०० प्रमाधिकार अक्षानिकेर।" अबार हिनि मधाह द्वननात्यव अधिनातः ভাষা আভিগ গেন একাত নিষ্ঠায়ক, বিনি वोत्रहा ब्रोटनम इ.स. अब. नदमोब्रा का छत्र-करवा निवास के दिल्ड कि काय दान्छ गाटकन, विश्वास निवास निवास विश्वास विश्वास शिन्दि अन्छका सम्ख्या अनास्य शत 5 निमारः।" ज्ञिन श्रीनामाक नारी क्षेट्ड अध्य आनिया नाशासक कौटनत ध्वमभाव गाँड-को भिका दान ।

चाकिका कृटेक क्लाल माध्यदा शुक्रवहें অক্তরণে বহরীর। ক্রমধেবাবিমুথ সংসারকুল্য অবাহ্মধেদিত প্রধানী ক্রহন ক্রিবা অকন্দোতী বাজিণ্ডল অব্ধা অক্ত অক্টান্ডন কিছু করার দল অঞ্জাত व्यागन श्रीका है। हिल्लिस क्रिका ध्रमक वर्षट्यत्र गृहिष ध्रमनिका क्रिका ध्रमना अवद्यात्रम् छुक्तीत्र अन्ताप निजन्नत्र कविरद्धनः समय कदम् मात्रः । क्षेत्रश्रीपादक वृह्यान्य ছেল। তাহারা গল্পক নদেন। আর কোন্যতে ব্রিতে চাহিতেচেন্ন, ইলার वैश्वित्रांशान्सानात्क हत्रम विवश सामान अवस्य अन्त श्राम कावाम कविस्कारक या (कन के अनुसार्य शास्त्र कविक्रणन महालारण निश्व ना वहेरत वत्र, एक्क्स कीवन दिक्वमधान खेणावकरण वर्णन कविरक्षकन, वहेरक वात्य क्राम पृत्व मन्दिन वाकः । মাজেৰই বিশেষভাবে যত্ন করা কর্তব্য। তালারাও সন্তঞ্জ-বাচা হইতে পারেন হা। পাত্রকার ইই:দিবকৈ ভূতি উপাদশ विमन भागमें निकाशन भाषांतरनत निकार कृतानि श्रमीत अभीत अध्यादराप्ता- याशाद्रा करें मक्तार वस्त्रामन कतिका निवादन किन्द्र राज्यांनी कर्मकारण हे हैं। ষ্ক ভাগাবাৰ জীবকে পুজাৰুদ্ধি না ভবিবে। নামধাতা ভক্তর আজি অস্মায়ুক্ত হন, তেওলি নেৰেন মা, বা পেৰিলেও ভাগান वयम खारकार कोवह सक्ष्मणा क्षाप्रकृत काण्यपालमान नानाहत्व व्यवस्थाने । अवस्थाने व्यवस्थाने व्यवस्थाने व्यवस्थान खनः कशवर्रित्व चर्च द्वार्थ कथा अञ्चल विरवेश वाकिमाध्यवर छिछिक आह वाहिला काम वर्णहे कामिला हो। न मात्र परिवाहकन,-

ना गरमार्ग विदर्भक छ विद्रा ना बाह्य द्व दकान कारत्य भागासकी मन्द्रकृत हदना भूकः । विश्व भावन, राश्या धर्मन्याकारी নামাপরাধী---তাতাদের মৃত্যনে প্রত্ত হ रमान ''र विद्यानार्थः मन् सक्तरमधान शास्त्र" वह विभि छेनाम अक्टिक्स । क्षेत्रप्राधनस्थल वर्षे श्राप्त बिल्हास्थल " र प्रिकार धानामा ।" कहे नरमा क সমূচের ব্যৱস্থাল ভেলার অক্সান্ত অক্সর कर्ननाः। एटे कर्नभाव आफ्रिश एक्साम उठित्य कामना कि कड़े शास्त्राप्त बा.नः कतिहा नादि न

यांशतः चाडिमान शता वदेश चरत कुरणार्यम् अध्देत्करत्त्र निक्षे कुक्रकीरः -শিক্ষাদি করিছে পরাত্মণঃ জাভাবেত व्यापदादान इवदा नाहे। वाकि वहेरा স্মাল, বিশ্ব পরমার্থ সামাজিক ব্যাপার गरका भवमार्थ बाक्किमक खन-विहाह-अन्त । ब एल अधिमहात्राष्ट्रव अमृत्यन ष्पारमण,-- ''किया विका, किया कागी, जूज ८करम महा । टगरे कुक ७ वटवळा टगरे खन क्य ॥"--- गर्मना चाटनाठना करा छेटिछ : ब्याडिमाय शक्ति WARE 1883 कतिश च किट्ड शहरतम मा। काश कुछी। एन । स्र क्षेत्रकार के द्वार के FE ( 0) 07 ---

। पंशरेतपा अन्त में जिल्लामानमाः प्रान्। देनवर्द्ध शक्तिमण्डूण देव सामकिस्मनद्वादनम् ।" कार्टिमराक, धनगक्तिक, नार्टिकार्ट्ड

S সৌৰ্থাম্ভাষ্ঠ বাজির করিকল্ কর मा, (बरहरू १म खशानका का ही।

य'र्काटा स्वा-भारत्मानिकान-विद्यालया ক্তিরা স্থান ক্রিড আচাম প্রাপ্ত Stalk(9 · (中) (都) (中) 11% Camprice a

भगाउतिक, अधीरकातक सुद्धालिक भव व्यक्ति भूतक वा ात क्षेत्रभाग्यक क्षा-भागतक कि दाहरदाया नात्यव भविवार्त । व 'क्राक्ष्य वा क्रिके चेत्रास्त्र <sub>अस्त</sub> के हार ल विश्वकांकाडी श्याक क्षि. महा-ष्यामारम्ब धर्काशा । प्यान ना वरंदवर वा

€ 景

শিক্ষাট জুতি পুতাল্যাদি তার বল বৈধিত বিনা । আকা-সংখ্যাদিট এট অন্ত ছংখের মুশীসূত ्र क्षेत्राचित्री शतक लिकामा नीत्र 💎

ではままり。

चर्टाका कार्यास्त्रक श्रृष्ट व्यवस्था ।

# মহাসায়া ও যোগসায়া

(बीनुका अकृतकुमानी अभी छाउलाही।

शिवन्त्रम् श्राष्टिकः वाद्यितान् विकरम् **डे**रणापन करत धरा अभागा गरिन বারিনিন্দু পরম ফপান্যুক্ত নিষ্ট ক্ষ Birthen went was affer minicaling (याना - इ.स. तम छेरपालन करिका थातक, भक्ति रहा अपर ७ जगर हा भारत প্রকাশক্তির স্থাম্যা ও ব্যাশ্যন্তা-कारण आका निका बहेदा कीरवंद यक्ष ह त्यारक क कार्य बहेरा थाक। यादः निका, दीक्षश्वात्मध्ये चनव्यक्ति वज्-ত্মা, বহিল্লা শক্তি - ক্রীভগবান ভইতে মারার পুগরু সভা লাই। বহিরসং: क्ष्म महिन अधान्तः इति वृद्धि होत्वः छेलत आधितार) दिखात करिका भारक, व्यथनते (याशमाधाकाल डेग्यून्टरामनः विकीति । मध्यमाधान्नत्यः विमुश्रमावतः कुक-दमनक कीन यथम कुक्काफिक्य प्रकलन 📒 ने हा बाहा दलाद १८६६, डाहा क्राक्ष्य शक्त विश्व १ देश (मार्क व्यादानुद्धि श्वांतान । करत उत्तर (प्रदेशकारिक कानिक) वश्चरिक । व्यक्तिमा ब्राप्तिक बीचरवर्के खिकतिक আভ্যন্ত আল ওচিত হয়,তথন নে কিতাকিত। ত্রিকের ও ব্রেডীয় প্রতেক জেল-खानद्रविक ७ निकालिता विधाल्या हिल्ल-स्कद्रना शतिवासी स्वत्यकृत्य क्रमा ८८१ के किमारन वाष्ट्रवापटक ८०११ : प्रणीन ना करिया ) करणां खगरावायालय রিক্ষণাভিগানী লভভাগা জীপ-স্নীপে রেপাণ, অর্থ, বাজা ও বৃদ্ধির শারা दिवय ४५० ल्या **व्याख रहा। अ**लिहा शास रहेबा पाटका द्यशालिकारी, की त्रान कवरकारंबंद शहिनार्छ अन्य प्रत्य-मृत्य नियाच्य । इट्डी श्रुवः शुरुः अञ्चयन्त्रामारकने कर्छ बाद्रव ক্তিতে বাধ্য হয় ৷ অভিনেতা ৰপ্ততে

कारना भार वे नाम प्रश्न टीक्सवास ও হৰীৰ অভিনৰিপ্ৰাৰ আভিজ-চংগে विकास कार्यादर्शकरानी ना गानिवाहर । जान शास वार, खब्स क्रुक्सांकि प्रवासीता-क्रांशिक्तरी नटका : जिलि लांशिकि कारा गां विश्व शबरण चितिहा और सकारण देखाल কাংটির স্প্রিচার কের্ড টালেগ্র করিয়া। তেওিনী হোগমাল্ডলে আকাশিতা হল क्षीतर का की कार के अन्यक अन्यक्ति है । इतः कीरतव अकारत किलावना प्रश्न হ্মীলোলে গ্ৰহ ক্টান নিছা সভা নাসে। ইতিহান ও কাদ্যালগায়ে মন্তা সম্ভ क्स : कालाव अवरक कार्तियाम साहर प्राप्त कति। की स्थापक किया कार्यन दिनि क्षा कान्याक किथ असे की । कहना। दश्वमाश-क्रमा के किनीम অন্তৰ্গ হরি চক্তের ক্ষার্থিত চাই কামানের ফ্রেন্ড অকুরিক, প্রাণিত ও পুলিত অক্ষার কর্মীন, প্রান্শিক্ষীর ক্ষিত ১৮৮ এদুখা গ্রহুপাঞ্গোভিত ভারিকাভায় े ० तिहास ४ व : ,गर्वाशाया-इम्बी खंडे कालि-कार्य की कृष्ण रूप-तश्तुरक आहिताद्य कर्राका भागिमाना मानी धील क क्रीकींद्रायान ्या विश्लब व्यक्तियार । विश्व 🔻 विस्त कदित्रा शहकता व्यागमादाकुकांक्यान ব্ৰগ্ণজান্ধৰ জীৰ ছণ্ড আৱ অঞ্চতিনিং শেশনিক দিহুছে,কয় ভঞ্চেনায় অভিনূত তেল কুকালেবেপিকরণ অধ্যকে ফোফাডিমানে দেশে করিবার % के कि देश के देश की देश कुछ ब्हेट्ड का न्द्र कुर्यन्त्र कर्याक्षण क्लाएक अभिका अन्य ६१५४ दर्यु क्षांत्य सञ्ज्ञ । १९५० वा मन् व मन्य करत्य ১০ <sub>২</sub> পরস্ক এই বিশ্ববৈদ্য দীবাই পুরুষেই**ত**-त्मत अञ्चल विश्वदक्षी निष्टा हिन्नासम्ब दशांदशां # तुमार्गन-कंदल हे मर्नन सक्तिया भारकन ध्रवः विश्वज्ञार्यत्र मृणामृष्ठ यात होत्र सनाहर्यह अञ्चयामि । छ एकाकुकरण व्यवस्कान्त्रक व्यक्ति भूगं भूक्तरकहें भर्मान करिरा भाषा अ स्वीतन अभवा करहरा ; ए **ग**र थे! वंद क्षणम ८५८चं, भी ८५८म

क्षात्र ५%।

व्यवस्य शति की वसमार है। वाक्यमान ক্ষরিবার অন্ত আন্থানিত হয়। কথ্যালে ত্রিগ্রান আনিথা অন্তল্প গ্রামাংশাহে স্বাক্ষাকি মহাসমারতা প্রাকৃতিভা হটালা স্বাহকশের আলীগাদগাল-গ্রান্দে নিময় ক্লক্ৰিয়া দীবেৰ সংগোধনাৰ চচুদ্ধ হল। অব্দ্ধ ভূজেড্ছি ও স্থত্ত खुरमां धर्म छ यह । खर-काराया । उपनीकारम । कारमब केंग्र मा कोरम बीरमब मगाउ। कुमा निर्मित केंद्रिया लोटकन। किए भाषा- ! लायलंखा प्यासीय लागेटक लाटबन मा। निक्ष क्षणिताक कीटाव उपलब्द तथा वास्ता, करे गत्रम मण्या अवस्थान ८७७१६ (सप्र क्या मा। नदर उद्धाराहर । ६ शक्ष्म भूकतार्थ द्वत्राधना अभ्याज करकार किया महरू विवास करेंगा मुनाधीर महरकत विविधानमा अल्डे

४० विकु ७० काञ्चन ১৪ই मार्क मनि व्यवात कीरवानमानी क्रेरकव्यापनी कृषत तो eles **উত্তরাবাঢ়া क्रेय**त ता ১२।२२ পরিঘযোগ রা elea বব্করণ।

न एक म बर्भाहर कुता त : । उ ह हा। म था। यू ३ ११२ वू २ १४७ ज নাঃণ শ দাবৰ স্থা ১১।১৫ কে বাহর দি মা বসায়ন উ ৬।১৬ স ৬।০।

#### POCK EUS

১১ বিচ্ছু ১ টেক্স ১৫ মার্জ কবি সর্ব্ধ বাহ্মদেব রুক্ষধাদনী গদী দিবারাল আবণা অপ্রমেয় না ২।০৭ শিবলোগ রা এ।৫৭ কৌলবকরণ ব্যক্তশী মহাৰাদদীর উপবাস। শ্রীমন্মহাপ্রভুর বরাহনগরে ভভ-বিষয়-মহেৎেসব। শ্রীল ঠাকুর গোনিন্দ থোবের ভিরোভাব।

म (क म ebisa म् ता त 3010 b जा00 म श्राय 3010 य 210b क ১।১৮ শ ৮।२৭ বা ১১।২৫ কে ৫।২৫ कि या ২ল।৩২ ট ভা১৫ ক্ষ ভার।

५२ विक् २ देखा ५७ मार्क भाग मन्द्रिन सहस्य स्वाहायनी गर्नी जा हर গাতে ধনিতা ক্ষীকেশ রা চাত্র সিক্ষয়েল দিবালার ভৈতিশাকরণ প্রাতঃ গানে মানে বাছুলী মহাতানশাল পাৰণ

ल (क म बनाव क को दी हो अपने के सारब के शहर है अपने हैं अपने क कांठक म कार्य का उद्धान्य एक बार्य किया ककांट्र है छे छे ।

১৩ বিষ্ণু ও চৈত্র ১৭ মাজ মঙ্গল স্থাপু প্রভান্ত পুষ্ণাদভাগালী লখা দি মার শতভিষা পথ্নতি দিবাবার হিজিয়েত আতঃ ৩৯০ বণিতকরণ দি মার গতে বিষ্টিকরণ রা ১০৮ গতে শকুনিকরণ

**ल एक म बक्षा व**र्ष का ता उठा कर उक्षात लाल गर व्यु ३०१० हुक २०५७ छ। कार- म कान्य द्वा २०१२ र दक लारव किया २०,०० है । १०० छ भार १

১৬ বিষ্ণু ৪ টেব ১৮ ফাড়ে বুধ ড়েত আলিংছা ক্রমত দুমালী লগী লৈ ১১৮৮ শত হিষা পথনাত প্রতিঃ গ্রহত স্পেট্য ২ গ্রাস্ট নুন্দ শতুনিকাল

ला उन्हें में बेब्राइक महाला ले हैं। इस इस इस इन्हें के मार्थ के स्थाप के स्थाप के मार्थे में भारत हो ३३१२३ मि मा २५१९७ है अ६२ में भारत

১৫ বিষ্ঠাটের ১৯ নার স্থাপতি লানি কাব্যানশ্রী অন্যক্রা চালী দি ১১১৬ পুৰিভালেশৰ জানবপ্ৰা, পি ১৯১১ শুভাগো প্ৰাভাগ পাৰত

अविक म कारत क्षा अअपरेश दक बारव कि मा स्वामक के साअ मा काव !

#### जन्द १३५५ व्यक्ति

া বিষ্ণু ৬ টেড ১০ মার্ছ শুক্র নিধি পর্যেষ্টালনাতী ভারিপ্রতিপদ্ধ রক্ষা ति ११२६ छेखार्थालयम् जनास् नि २२१०३ जनामातः छ। ७: ११३० नर्मान्

न दक्त म बारिक कुता र ३३१५ ५ ३३१० म बाद यु ३३१३० मु ११३५ एक अध्य के अध्य का अध्य का अध्य का अध्य कि मा अध्य के का अध्य का अध्य है।

২৭ পিছু ৭ ক্রিব ২১ মার্জ শনি স্ববায় শনীলেশেশায়ী প্রেমিনিন্তীয়া শ্রীপত্তি নি ৪।৫৪ রেট্রেটী শাষ্ট নি ২।৪৯ ব্রহ্মযোগ দি ৮।১৩ কৌল্নফর্ণ

ल एक संबद्धान्तर के था थे १११८ है १११० में वाब के १११२ में बाउन 🥶 हो। र न हारन जो ३३।२४ टक दाश्य कि मा २३।१७ 🕏 काल ज काका

১৮ বিফু৮ হৈল ২২ মার্চ ববি সর্প্র বাস্থ্যনৰ ,গীরভাতীধা বিফু সন্ধা। ७।১১ अधिनी पाँछा वि ॥६२ हैन्एगांत नि ७।১७ नत्कत्तव

य (ज म बनाव के कि जो ज 35) है है भी में बाद व 35159 व बाउन े राह के स्वाट हैं काइन हो उदार कि सहाठ के स्वाद है है। है सार है है है।

১৯ বিষ্ণু ৯ ডিব্ৰ ২০ মাৰ্চ্চ সোম সৰ্বাদিৰ সন্ধৰ্যৰ গৌৱচভূৰী কপিল আভি: ৭।১ ভরণী রুক্ত সন্ধান ৬৮ বৈশ্বভিলোপ প্রাভঃ ৭।৫৯ বণিজকরণ গ্রোভঃ ভাহত গজে বিষ্টিকরণ রা ৭।১ গতে ব্যক্রণ

লকেদ কোডে ক্লার ১১১৯ চ লাং-ম তাক বু ১১১১৮ বু ২১১৮ च कारन म bie न तो ১১।२५ दक बारध मि मा कना के खान का कान ।

२ विक् ३ के देव रह मार्क मणन श्राप आशाब त्यीतनक्षमी आवत्र ता গা২ন ক্ষতিকা বিশ্ব রা গাও বিশ্বস্তবোপ প্রাতঃ গা২ন বনকরণ

न (काम कावर कुता त 5515 - 5 210 म श्र क् 5512 - वू रा म 🐿 तारक म जारन स्री ५०।२८ क्य बारह मि मा ७०।० हे अर्थ व्य आने 🛚

# চৈত্রখনতের শুদ্ধভক্তি গ্রন্থমালা

•	ব্যাক্তৰ প্ৰকাশিত		<b>4</b>	वर <b>षोगम</b> ७	1
> 1	क्षेत्रसागवस्त्रम्,—नगञ	<b>.</b> • .	901	<b>चर्न्य क</b>	/•
	👌 ै() म क्रम अपक्ष २)	·~	•		1•
,	ঞ (দশম কথা)	>>、	04	क्नाग्रक्षक्रक (शक्य मरक्रत्	) />•
₹ 1	क्षांक शतक हो होट कि कहा का स्थान	5	4-1	শান্তগ কণ	65.
•	( वर्ष गःकवेष )	4	91	नामककश्राणः ( रै।५६)	<b>#</b> •
• :	গ্ৰেডীৰ-গোৱৰ	₩.		वे (भाने। भा	1.74
81	পৌত্ৰীছ-সাৰ্ছি:ডা	٠./٠	Dr 1	रेनकदम्भा-नगर्भाष	
€ (	***	•		আগম চারিখণ্ড /	>
• :	और 6 कथा ठला पुरुष <b>व</b>			এক্সং (৩ জ)	1.
	শ্ৰীনব্দীশ শভক্ষ (ৰীণা)	>	<b>8</b> • i	<b>ন্দ্রমন্ত্র ভার শিক</b> ( বীগা	`
	🗈 ( चारीमा )	<b>L</b> 7*		ঐ (স্বাধান)	h:•
9.1	নীড়ো ( জীবলমের-টীক্স-ন্ত )			मिनिश्वकी मास्त्रक	<b>†•</b>
	( नै। सः ।	٠,		(भी वक्र एक मिनः	41.
	के (चानीमा)	.h•	801	<b>ब्रि</b> टेट इसका मनक	
• ;	ক্ষা ( প্রচিত্রারক্ষি জীকা-সম্			(বিয়াট্ডিভীয় সংখ্রপ)	٠,
	( योगा )	3		ए ए प्रकानगी वा मादावासण्डम्	
	₫ (মাবাধা)	ih•	84 1	<u>ইটিটেড জন পিশাস্থাত । বাঁগা ১</u>	•
	টো তার একবল সাধ্য-কাম্ব	¥ •		क्षे (कारीमा)	١6.
>- 1	्याक्रमाञ्चलः सनस्मित्रकः नास्रत	17		शो हो धर्म कि करदन ह	
	। <b>भ!क्र</b> ्र	۹.,		- <del>छेटलाल्</del> जियद <i>े नदास</i> न छ भा	
>>	L181個主導程等 对提付等			ভাষা এবং কিরুতি ভাষায়াদ্য	
	. अश्याच्छकीतः)	4 •		শীচিত্ৰ নথার জন্মন সংগ্র	• •
<b>; .</b> .	কৈ বদস্য	₹.		সিদ্ধা গ্ৰহণীপ	• •
30.	টা≱• রিনাম¹চ <b>ভ</b> াসশি			नारणानाक	
	( छक्न संस्कदन )	h	3	নাগরাক্ষরে প্রকাশি	43
				শিক্ষ ভ-সরশ চী-দি বিজ্ঞান	
28 4	(श्रमांत्रक ( कृतीक गरकता)		45.1	স্তীক শৈক্ষাৰশমূলম	
	🗷 ( वैद्वार )	h.		% अक्-पूर्वम	
<b>5%</b> 1	बील नवर्ग भूतन	~•	1	সভেবাদ শিকাইকম্	
>91	all des La Comments	₩•		গৌড়ীর মঠক প্রিচয়ঃ	
:61			)	मा झार म १ वं न स्	
	ले (चादीमा)		हेरट	হজী ভাষার প্রকাশি	পত
	ন্ত্ৰীপ্ৰাম-এছমাল্য	и•	en:	नोग जलम	j•
4.1	@(@33)(#4	,	451	गाहेण या। बिटान्डेन चर	
	(নৰ্থীপ প্রিক্রমা।	<b>√</b> ′-		चिरित्रक मशा शह	!•
4 1 1	All de at a - to	/5	<b>c</b> >	देनक री क्रम	1•
	नविभाग-मानामा	ال ال	** 1	दमामाई दमीकीबगढ केम छुकेर	1.
101	ক্র অমাণ্য ক	UT	*> 1	দি ভাগবভ	1.
1 85	सम्बोश शक्षिका		<b>98</b>	हैरशाहिक् जिल्लिश्व शाख	
	( she cutoff )			चारमगरब्रह् जिस्हामन	
	क्षित्रकी गणाव उत्तर		₹	ড়িয়া অক্ষরে প্রকাশি	শৈত
	ইয়ণোড়ন গুণপাৰক্ৰমা দৰ্শণ	/•	1	শ্রীহরিদান চিত্তাখনি	<b>4•</b> i
	শন্নপাগতি গাঁচে বৰ্ণী	<i>)</i> •	(	मानम न्य	
		<b>U•</b>		কল্যাণ কল্পডক্ল	**
	***************************************	/u- /			.5
		).	<b>41</b> 1	<b>बद्धशार्था</b> क	1.
• 1	A (CI.A)		• •	· · ·	

# কলিকাতা গোড়ীয়মঠ হইতে প্রকাশিত

# শ্রীগৌড়ায়

তত্ত-ব্যেশ্যক্তির পার্ক্তির প্রান্তির প্রান্তির তত্ত্বিক্তির প্রান্তির প্রা

অগ্রিম বাধিক ভিকা ২, টাবা, ভি, গিটেচ ০৮০

অফিস্—১৬নং কালী প্রসাদ চক্রবর্তী ফ্রীট, বাগবাজার কলিকাতা।

# শ্রীধান মায়াপুর শ্রীচৈতগ্রমঠ হইতে প্রকাশিত

# দি হারমনিষ্ট

### বা সজ্জনতোষণী

জিলামির বিশ্ববিদ্যালসভার ইংরাজী মুখপ্র শুক্ষ-সনাত্ম-প্রশ্ন-সম্বন্ধীর ( মাসিক )

বেদ, বেদান্ত, উপনিবদ, মহাভারত, গীতা, **জীমভাগবত, পুরাণ, ভয়.** শ্রীটেডজ্ঞচরিতামৃত, জীটৈডজ্ঞভাগবত, জীটৈডজ্ঞচ**জ্ঞামৃত, ভজিরসামৃত-**সন্থা, বট্নন্দর্ভ প্রকৃতি সাম্বত প্রছ্মসমূহের নিয়পেক বিশ্বদ-ব্যাখ্যাকর্তা। বার্ষিক তিক্ষাত**্টাকা**, ভি. পি. ৩৯/০ জানা

> প্রাদি বিধিবার টিকানা— স্যানেজার—ভ্রান্তমন্ত্রি

्याः दीवान गाहा युत्र, कला ननीता ।

# চিত্রে নবদ্বাপ

প্রাচীন ন্যবীশের অংছিতি, তথা, ঐতিহা, শ্রোত ও ঐতিহাসিক প্রমাণ-সম্বলিত নয়টা বীশের সচিত্র বিধরণগ্রন্থ ক্রাক্তমি রাওস্মান্তব্য

কুমার যুক্ত শরদিন্দুনারায়ণ রায়,এম,এ; প্রাক্ত

# মহোদয় কর্তৃক দঙ্কলিত

৪৭ খানি বিভিন্ন বর্ণের অপূর্নন চিত্র ও মান্চিত্র-সমবিত প্রোচ্যাবিদ্যামহার্ণন বিশ্বকোষ-সম্পাদক মহাপরেল্প বিস্তৃত ভুমিকাসহ

উৎকৃষ্ট (ইং) মরোকো বাধা ১৪০; ভি: পি: তে ২ ্ ছুই টাকা নাজ ।
গোপ্তিম্বান:—জীচৈত্তখনঠ, পো: শ্রীমারাপুর, নদীদা।

# বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভাজিমঠসমূহ

শ্রীতিত্য মঠ

আকর মইরাজ

व्य हीन नत्रशेत, छाक्यत व्यक्षाय मात्रासूत्र, नशेषा

শ্রীমনাখোলনীঠ হনকে কাল ৩০০ গছ উত্তর-পূথ্যে শ্রীমন্ত্রপদ্ধনে আচার্বায়ন্ত শ্রীচন্ত্র-**भ्या**त-कवरन जिल्लेरेऽच्छ-भठ विदासमान !

এই কান সাংক্রেনটার, গর্বিভাপীত বা সাছত ভজনত্বী। এই মহাতীরে ত্রীংরিন লাম্যুত বাংকংগ্রি-বেল্লস্মূত, পরবিছার অন্তর্গত কাবা, নটেক, অলভার, তথা व्यवाग-छार्शिवत-क्रिका-एक-अकान-छ्रुहेटव्ह व्यवादन । ७ व्यवानमा ध्वतः एशास अध्वतceftaim-nimim of-feifent in nimm niemeiffa-mibiti-bogig Ginienn Geim বিপ্রবেশ্ব সভিত নিতা দেশিত চটতেছেন। এই মঠবাজে পরিমার্থক দৈনিকপঞ্জ সাভত-সম্প্রদায়ের অলকাংশক ও কথাটীন গ্রন্থকাকি প্রচারকলে ক্রিটা-প্রকাশ মঞ্জর আছিতি ক্ষুদ্রাচ্চন । প্রান্তিবংসর শ্রীগাম-প্রিক্রমাম্মন্তান ও অগ্রিচ কর্ত্তগান্তি।» কীপ্তন প্রচারশ্বাদ মহামধ্যেদেবাদি ভক্তাল অভ্যন্তিত হর্ত্তা পাকে। বক্ষক—এম্বরারী **শ্রু**লার মহত্ত্তিত্রী , সত্তারী-শ্রীলাল বিলোদবিধারী ত্রন্ধচারী, পশ্ভিত শ্রীলার গৌরদাস बच्छाती बाक्द्रमणीर्थ, दीलाम बीक्डम बच्छात्री, लाखिक दीवानवानम बच्छात्री, 😂 বুক ননীবোপাণ বলেঃপোধার, জীলবেরাম দাণ একচাতী প্রায়ণ পঞ্জনগণ

#### (৩) বেগেপীঠ শ্রীশব্দির

এই স্থান ত্রীস্বভাৱাপ্রিভের ভবন বা বিষয়ধ্য এতুর আবিভাব-ভূমি মহাবোগ-ৰীঠ। এখানে শ্ৰীগন্ধী হৈয়া ও শ্ৰীবিকু-जिल्लामुक् किर्शोतनामाम्य अवर किरेक्टमा 🖷 প্রীধার্ককের নিজ্য রোগা ডখ্য প্রীপঞ্চ-करवह दाना नेक्सला वकक—(नाक-माश्रायस स्मायामी, क्यांतामा व्यक्त व्यक्तमा-साव । महकारी दिनिकानिक दक्षामी, विश्वमान जमानती । व्यागास्त्रमात अधि-कारी, स्वनंत्रं क्रिकारवयः।

#### (৪) খ্রীবাস-ভার্মন

विश्वाहात्रकृत कीर्जन-विमान वा **अ**रशोदगोगात कामक्ती । ध्रगाटन खेळीयोत-निकासिन क शक्कार्यह दगना वक्कमान । इक्ट --- जेद्राभाषाय क्वलंदी, जिनमुख r. औरमञ्जूनमाम वावाची ।

#### (१) ठादेषड-छवन

as mich Butes aws wan att श्यकः वर्धमान ।

#### (७) काळीत जनावि नःहे

**বাচীন সাহাপ্ত, বামনপুজুর (নধীয়া) बेटनोक्क्ना**नाव खेडारकाकीय नमावि। मुक्क-अम्रहादी अविद्यामावनादी :

#### ( १ ) प्राप्तम ख्रमा-कृष

শ্রীগোক্তম, সম্প্রপার ( নদীয়া ) ্ৰিপালৈ ওবিফুলাৰ জীল ভাজি-বিনোৰঠাকুলেন मधापि जयर किरमान्त्रमाध्य जयर किलीवाधा-भाष्ट्रक त्मना नहमान

क्षक-- अकिक्षु अध्यात विकासी क्षकशिकी दश, दश, दक।

#### (৮) জীজগল্প গোটার মঠ भक्तमनिर्ध ।

दक्ष च--- डीवठनद्र किलाश्ची दम. . . . . ति, धन, मध्यादी-श्रीप्रदामा कि-नाथी. अभिकास वार्थकारी लाखका

#### (>) औरगोत्र-गमागत-वर्ष

টাপারটো, সমুদ্রগড়, ( বস্কমান ) क्षिण वाधिनांदशव शामिक : जोवनामां पर-त्यंता। प्रकर-धिकितिकान चालम।

> (১০) শ্রীরপ:গাড়ীয়-মঠ बाह्यश्रम, अम्रात कडे, लि

दक्षक- श्रीविवात अक्षाती, श्रीकृत्रामध्य fotol 1

#### ( ১১ ) औरमामक्षमहत्त-

माउनाहि, बाह्यत्त, अध्यामा व्यागावणात हाकुर दुन्मावानत काम । ३व-- विवह विद्यावी अपराती। (১২) ভাগৰত আগন व्याभावक (व्याग, क्रमानगत, नमीता । क्रक-- अध्यानम बक्तारी

( ५७ ) खीलकाञ्चन मर्ठ ट्टामश्रद्धी, ट्याश्रद्धी, ऋकनश्रव, स्थीता । बक्- जी पञ्चानम अवहाती।

# ( ১৪ / श्रीमाध्य दगोक्रीय गर्ड

a-नः नवावश्व दश्राष्ट्र, हाका ! शृक्षवटकत व्यक्तत-दवक, बचादन खी धक-त्शो राष शाक्यो-शिविषद्यत दम्या वस्त्रमाम । इक्क--- दीश्राधावद्यक श्रवधारी।

# ( ১৫ ) खीदगाभागकी वर्क

क्रमगाथुक, हाका। (भागामकीय अधिकारम बाहीम स्मर्गा रक्क-शिवार्शित वक्ताती।

(२) बादगोजीत मर्ठ

১৬ मर कालिबामांव ठळावळी डीहे, ल्लाः यामवाबाह, क्लिकांका । क्षेणिरकाम वि. वि. १००६

শ্রীমুল্লছা লড়ার , প্রচারিত প্রনির্দাল ভব্তিশর্ল-প্রচারোক্রেশে গৌছদেশের শক্ষ রবান भगरी चतिकाश्चात्र श्रीकिकिरियान चांगरन श्रीमर्ठ व्यक्तिक चारकतः अहे विक-मुख्या वादय क्षेत्र क्या काल-क्षिविद्यामानम् स्रीप्त मुनाबस्य निका स्मित्र स्म । स्मित्रीष আচার্যাবর্গের বাবতীয় প্রস্থাবদীর প্রচারেনদেশে শ্রীমটে সংশর একটা ভয়তৎ বৃদ্ধান যন্ত্ৰালয় সংস্কালিত ক্টবাজেনঃ পুলিবীর শক্ষম 🕮গৌরনাম আচারার্থ এট মন্ত্রালয় टहेटक 'दशी क्रीप्र' शालांकिक लाज, कि कड़वासिक्के माशिक लाखिका देश्याकी कावाद सिश्विष्ठकार्य लक्षांचक करेरकाहरू । अध्यात मार्ड, मधीसन, मधालान-एक्ट्रेय-(यहास, चीमप्राचनक, भीटेनकम-हिल्लामभामि-लीगा ६ क्षाप्रदान मधाक व्यास्ताहना व्यक्त পাকে। মঠবক্তৰ-আচাৰ্যাত্ৰিক প্ৰীপাধ কুৰবিভাগী বিভাত্বৰ। সভভাতী-পশ্চিত भी भाष का स्वाक्ष्यक व भद्रविद्वाक्ष्य विन्यः, लीभाष क्षम धानक भव्यविद्याप विन्यः, लीताम तामविकाती अक्षाकी, लीनाम काक्षाका मामानिकाकी विन्त्र, लीनाम कर्पाणाल कामानिकारी, उपकारी लीकीसंगामम, अवशारी लीलाही(बाबन, उपकारी ত্রীক্রকানক ভ্রিকারী, ব্রশ্বভারী স্থীদেবকীনক্রন, প্রতিভ প্রাণা নবীনক্রত পর্যায়েশহার ভক্তিশারী প্রভঙ্গি।

# (১৬) खीभणाचे-८भोश्राण मर्छ र्विकिक शवाबिनी शका, वाशिवादी, हाका

र्क्ष, विक्रि-देशीबादण है निका देशवा ८क्ष म --- जीपूर्व श्रद्ध अक्ष्र (ही ।

#### (১৭) ঞ্জিভাগবডজনানন্দ মঠ

**किक्**लिया, बाक्स्प्रमुख, स्विभिनी सुद्रा ध्यत्राह्म नि सक्-श्रीवास-ग्राह्मिका-্বিবিধানীর নিতাদেশ বস্তমান : বঞ্চ — वक्रामी क्षीरूपरान्यमध्यो । अञ्चलकी प्रदानक

#### ं ५८) जानगरियाका अभवासन

त्राक्षवीम द्रमाः वक्षमान । खी चक्रशोद्राण-खेन;क्षिका शिविनाकी ह निटारमवा। प्रकर-अववानी खोर्बाfermie i

### (১৯) जीनंतरवात्रम मर्र

40iste, 941, Sfem ! अवादम क्रित्मोत-विस्मापमा वसकीय निका-काशवानिकास वाशावनी व्यक्तान-एकवा। त्यवा वसमान । त्रक्क-- सक्षणां शिल्यमाः नम विमात्रक, अध्वतात्री अवसीयामक।

#### (२) खेळच-८भोडी र सर्व

व्याग्यवस्थः, सम्बन्धिः (भाः, भूते । व्यवस्थातम् व्यवस्थातम् अस्य श्रीभवातः व्यवस्थात । रक्क-डब्रहाती निवर्धनित्री अभैप्रकी। नक्काना-जमहाबी अनिमिनविषात्री।

#### (८) श्रीमाणियाम्यः वर्ष

Sipatatwia, w## :

क्षणात्म अक्ष्य-क्षीशक-विकासक्रम-चीत निकारमण वर्षमान। क्रमक---बच्छाही खीलगावत ।

#### (२२) ख्रीननाउन-भोडा स मर्फ

अन्द स्थान्त्रा का से १ ट्या :- यम: क्षण्ड । अवर अल-चिक्रम्बन । िक्यान क्षांद्रम्या वर्षया स्कर् श्रीकानकीतावकी ।

#### १२ ७, जीकुकारेड ख्या वर्ड

व्योनु गरक्षाम कृता, श्रीनाम बुन्हायन । के के वादा-अव-त्याक्रमकोड दमना ।

রক্ষক --- শ্রীগণ - ছিল'ছ প্রস্কার বী

#### (२८) अध्यद्भवस्य यह देगीयसामगा, भी छात्र व

এখানে ইছাগ্ৰড গঠিশালা ৰ 🕮 भो विद्यान विकासकीत दूसना वक्रमान : बक्रम--- अक्राती क्रीन गरशासम व अक्राती

### (२०: ब्रीटेड्डक्टशोक्रीम मठ

जीनमञ्जाम ।

कृष्वद्भवा, कित्रकृषाः, भाभक्षयः। हत्। मान बाब, क्रिटक्रमनानम् अस्तावी । स्रीवान कीर्व दमनबद्धिया

#### (२७) अवगमत्योष्ट्रांत्र मह

कुक्ररक्षके, बारक्षक, क्याला । ज्यारम औरशोवविद्याष-वाद्यक द्यवः वश्वभागः। तक्क-अक्ठादी जीवार्गवधी ।

### (२५) जाष्मभ्याका वाश्रहात्वन-मह

व्याक्षणभाषाः (भाः माक्, शतका जनारन वक् क्रम्बि जोरगांकारकत रमना वर्षभाग । वक्षक---क्षणवागी खीळावक्ष-भाभ, श्लीदाया क्या अव्यक्ता है।

#### (२৮) विज्ञा दशाकीय मठ--कार्यहास्य bricen curus. fint fint 1

इक्--अक्टारी जीवानिकाम्मकः वक्काभी जीवायावयम्बनम्बन् । हैः

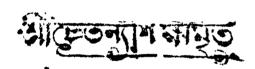
#### (२३) द्यामानगाका अनुसारका तक र-वक्ताती सीकागारमाध्य

#### रेमिक महीदाः कवान

### শ্রীল ভারতবিদ্যালটাকর বিশ্বতিত ভাক্ত গ্রন্থাবলী



**क्रिक्यशर्या - बे**गहिक्तितात ठाकुरत्रव निविद्य-देशांक कोर्यंत्र शहित्य. ज्ञातकत्र मृश्चित मध्य. निका ख रेनिविष्टिक कर्या. श्रीवरेषक निष्टि । वाध्यक्षात्मव एकम. क्षा ठिए ह ब्रीभग्रकात्राकृत क्षर्भवकात्र ब्रमान, देवांदन वनीक्षरभन्त, देवकान-षत्यात चक्रण, भटकामानमात्र मिक्क शार्वका, मात्राक्षत, देवशी-कति । क कर्षकारका दस्त, हैमनाययण, मटेबल मनी क्र किक काबक्या, बीरवर वका का कु मुक्त, रेक्करवृहरुत कारिकात. कि ख्रिक कार्तिकाती-रिकात, कथा ल क्रकृतिकारमञ् मार्थक का, मारक्षभण सारेतक तमण्य, ट्वरन कुँकामीका, अन्यास अम वा कांद्रांत व्याडीहरू-८एम, क्रीनिश्रहणुवा च लांध-विक्छात्र आक्षात, मक्षदम्दल सुभाव न कवित्तत्र कार्यन, अल्ला-मात्र स्था क ट्यो कर्मेच, सकि दिशात, मीच्या, देवरी । अ जाताक्ष्याः ৰব, দীলাপ্ৰবেশ প্ৰাকৃতি সনাভনগ্ৰাহ্যমন অভায় निश्व प्रदेशवर्ग के के नश्यक्षात्र केटबानक्षतकान दान किल करना छ । अबहे अपन्य स्थापन क्रेन स्थान स्वाह करिएन mise tibe attern ibn fieb mater at genn niffen ein i প্রায়ে প্রতিষ্ঠাক অভারত সর্বার কর্মান্ত্রী প্রত্ন তাপ্যত্ত व्य कार्यक वय नाह । निष्यमद्वाचार्या-लाखन्मद्वादानि अधन-কলে এই প্রস্থায়ত উলিভ কট্ডাছেল। আলার ওলিভ ॰ <sup>1</sup> एडी. कथानात वे कानि बाहा िर्देश ममुद्र कहा व्हेत्र १ क विशित् शह, भागात करण नाम दल्या हेरकः दीवाहे---७७वं अस्थ. व ः ् माळ ।



#### ্চিড্ৰী সংখ্যাপ

ममदा वांधारे--२, पूरे हाका 100 भावीश--: ५० (भोर्थ छुटे हे कि

যুক্তিপুণ শাস্ত্ৰাকা খালা আন্ত্যেক মানবেচ নিটা कर्बत ७ व्यानका मामावन कराता निवादिक करेगा: । এতের প্রাক্ত উক্তি সমাত্র পারবাকা বাবা সম্বিত ব पारम्य, मधाक, नीकि, वणा कि १ केलापि विश्व क्यांश्रमारह कान श्वनकार्य गुक्तिश्वाद काल्गाहक स्वेशाह त्य. व्यापम नराक्ति वर्गाय व्यापक कार्रिशा त्यव शरी स नाउ ना कारिका निवास काला वाच ना ।



ভিন্তীয় সংখ্যাপ কৰে আনা

शिक्षण (धायामी व्यक् जीन क्यूनान (गायामी अक्राक षेण:समझ्द्रम दश मक्त कथा विश्वाद्यत. एका वह सार क्षांक्ष्मास्थत अञ्चल छ खाल्किम विकास क्षांक अन्यतकाटन विश्वक क्षेत्राक । केवर काका कियामानात्मक केनामहे निका च क्लांक्न विक्रुक्तकारव निविच क्रेस्ट्रिस ।

#### ৪৭৪ গৌরাকের সচিত্র

পারনার্থিক ব্যক্তিমানেরই একান্ত প্রড়োজনীয় বিষ্ণুত্রত্ত ও উপবাসাদির তালিকা সম্বলিত নাংলার ঘরে ঘরে নিরাভিত হউক

ভিক্ষা ১০ আনা মাত্র নাত ভাক টিকিট পাঠাইলে ভাকে পাঠান হয়।

মহাক/ব

জাল পোচনদাস টাকুররুভ শ্রীতেত্যামঙ্গল

ওঁ বিকৃপাদ প্রাশীমন্তবিদিয়াত সরস্থা গোস্থামী প্রক্রপাদ-সম্পাদিত ভূমিকা: ক্লোকের ৰ্থিকে, সম্বন্ধতান, ক্ষান্তব্যের প্রথাকানী, পার্থীয়ংস, স্বন্ধুয়। আৰম্ভ, বঙ্গান্তবাদ, প্রতি প্রাসক্ষের ও গড়ের কথা माक्षा मक्त्रुठी, श्वासमृती, शाह श्रुठी, क्षमानश्रह, ভালিকা, পঞ্চলটা প্রভৃতি বিশ্বত সূচী সম্বলিভ বোল্ড অক্রে ভবল ক্রাষ্টন, আটপেলা আকারে ষ্টিট গড়ের কালতে ছাপা ্ ভিকা--২৪০ টাকা

### **শ্রীহরিনামচিন্তামণি**

मामाध्ये हैं। र्यात्राक्षक पुर्व हैं। ज्ञान আঁলায় মাধাআন নামালাস, লামাপলার প্রাস্তৃতি বিষয়েরে, यात श्रीय विकास सामन करियार्गका ना, जहाँ विस्था खाँचा करिक সংল প্রাত্তে সংক্ষিত্ত আন্তরণ তা প্রতিভাবে মুদ্রিভাচ ख्या अकि विस्तितिक का निष्या किया पर 110 WIN 5 3

# रिक्छवमञ्चल मगाञ्च ज

( भाकर क्षेत्रहरू । यहात )

िस्य :-- > । क्षिणांदळ नागश्रम नामानतीत व्यथं, २ । क्षाविभन्तामारवत देवकान्यातात कृष्टिक, ७ : निकृदेवकवगन्थाविक 👼 मन्तित छ 🖭 तिजारणत विश्वम, हा देवभवत १ ए छ जावसः-मभूरक्त्र जार्भया छ विवतनः। विधवनिर्मश्य । स्थानिक छ माहीय काकव्यात यान नीय छथा। ठावियक व्यक्तांत्रक कामानिक कडवारक। स्वरकन, मानत स काकाव समानि । कहरारक। अस्य फार्टन, रह वस फार्टन, अस्य पर, धर्म थल 🌓 , ह्यांत्रपा करात के के मा ( दम चल व्हाह )

### बीट किंगम ड

अस चल ३८ अक केका श्रामण ३८ छ। क ---শ্রীমদ্ভাগণডের ও গৌড়ারের ব্রাহকগণ 💵 **छ।कात्र प्रदेश ७ शांटेट्न** : टेक्क्व, हावा डीज़्र्यांच शायायीणारमत्र ६ विक छाए। वेबार्ट, बहुममा जंब आधिक आहासनीय भारता । व्यक्तितक छन्न काफ्रेन b कदाव ७s शृक्षा व्याकारत भूजिक क्षेट्रस्ट ।

> শ্রমকাটার্যা সকলেত সদাচারস্থাতিঃ ভিকা /০ আনা মাত্র

# বিজ্ঞা পৰ

সাবধান !

मानशान !!

एक, नि. मरख्द्र कोना मिलि स्वा**एताथ** देखाल আদি ও অক্সভিয় এবং উপকারিতার সংক্রেন পরিতিও ও বত প্রশংসিত।

আমর: স্বৰ্গাধারণকে ভা**নাইভেচি, ব**ংগ্ৰ তৈল অপ্লিদ করিবার সময় বিশি**র গায়ে** হংশাং। অক্ষরে জে, বি, দও এও কোপানী মান ভোগ. দেশিয়া খনিদ করিবেন। **নতুবা জুর**ংচেরংকু ক্ষদপ্রের ক্রাট্রন ভৈল দিয়া প্রভারণা ক্রিরেন 🗼

िनेश-(का, कि, म्रह

# क्षितान कुरेनिन

নুতন এবং প্রাতন মাালেরিরার বম इन्द्रेट छेलवुक मध्यास अधिद्रम, बाहेबा द्राप्ता कुर्देशिय भारमानिक खन्द हेहिहिश्वन कार्य ।

क्षडे क्षिताम ' कुटेबिन धाता है स्थाकृतन कविटण क -मा करकी बाबन्धरन्दे प्रकर्धानात क्रिन मार्टक्रिक सन করে তার ৯ চইতে ১২টা ইল্লেক্স্বে ম্যালেভিয়া স ে क्रियमंत्री नहें कार्या उम्ह्या ।

७ जल्लामुर अञ्च राख - भूमा २ , हेर हा, हेर ६ , रेर का বাইত কেনিখাল এও ক্লিক্যাল লাবত্তেটা চত্ত २৯,५ शः सञ्ज्ञतीयम (गमः, कमिकारता।

গোড়ার বৈষ্ণৰ-জগতে অভিনয এখ ! শ্রীপ ডাকুর ভাক্ষবিদোধের দীকি-প্রস্থানগা



नहकड़े ये. डेफ क्षद्रम १११४३। 18 m / . w.

्प्रक स महत्त्वत (Bट्टी का स्कानक महेवा--- हेका सबस : বুঝিতে পাতে, দগম একনাত্ত নেজ্যবন্ধ জীক্ষপন্যানর গ টাছার জোন ২০**চার আবেলস্থী আৰ্থনা** ছব ১ क्रिकाशास मुकाक करान विक्रमाई कि माकार नवन क्रेंट्स क्रम, क्रेंफ्रस के (१८५**क व्यानलामी) व्यान**मा क्राक्त সমপ্ৰস্থাক বান ৷ উড়িয়া সংকর্পত অকামিত ১৭৯০০

ভিক্ষা জাতি খণ্ড /• এক আলা

(बारकाक्किका स्थान ४०, वनका शहर वन-

財職員 對性關係 February 1 1/20

बक्तार्गाक कलान वालक अठल कात हार वार्शन विकृत कलान আয়োলের নিজ্য কল্যালস্থান এবং কি কাছের আমরা সেই নালা প मधर रुकेर, **এर अन्य क्या मुदल गाटन**ाकपिका अर्थ है। वाष्ट्रीवक्षक कलारणव कवकतः देनि वारकाकरक निकाकणाः ः मध्य ।

# ৫০ বংসংরের পরীক্ষিত সরেকটী মঞৌষর—

कारकारकारकारील 'एक्स अहे कहेता एवं भागत जानाना राजभान प्रकारकार कार्य स्केष्य करिस्य १६ वर्ष श्राप्तक ११०१ (१८७) । अहारित ए आवश्य कि विशा विश्व कर्णित ह

- 🖫 🏻 ছন্ত্ৰপ্ৰস্থাত্ব স্ট্ৰীকাল কোৰ বেলেলিল বেলেল কাৰ্যন বেলেল বৰ্ণনা। ইংশ মুখ্য আপুরাভ্য ে ্ মংকল, হল এড়ডি এং প্রীলোক্ষিপের স্তিক। ব্যাপ্তম, C的最高以上,从一个100mm(110mm)的企业的有效。
- হ। স্বাস্থিতাহনা প্রিকা-মারক্রনাবিলীন আভ্রারেট নিতাবিধারক ওসা। CR CMIN रेगांटक अ भागांगक भी भागमकः आंगतां तर्राता अक खेवन वानकारत शाक
- ত। মধ্যর বটিকা-ইল ফেবনে গ্রীন ন সংস্কৃতিক নেতা ও শহীর গাড়ব करें दे दर इसे के के मिन निन्दि करें से अर्थ की क्यांत के वृक्षि व्याख्य करें।

ों के किन अवरद्धा अदलाक उपानत मुग्र ४% . कांना ५८ होका।

वाधियान :- ज्यालकां नहां व व्यावास्य २८६३१ तकवाचार क्षेत्र, कशिकाष्टा ।

#### निवहीं भिर्मान मारा था। वसाव वक विका एर

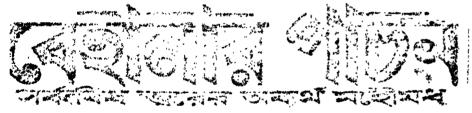
শ্রীটেডজ মহাজ্যভূরী বিহাব ও লীপাড়াম নামট ছাপ ব্যারত 🗀 এই নগ ছীপের व्यक्तिम द्विवदन-- जाएकाक हो. । विभवा आकृद गीगा--- अएकाक होएपद नाज्ञ वर्षे, 🕮 श्राम्य ग्राह्म स्थाप्त प्रकाश १७ १ २ छ। हिंद् विषय १ वटन्य छ। द्वार प्रकाश व्याप वालेखा नरवडे नारक कात रक नहीं।

#### |ननदान ठान्डव 'डम ।

উচ্চল জ্যোঞ্চর কালাতে উদ্ধন কাশকে ছাপা--- জনব গণবাম লগনে ভাবুক **बन्मकातीय कि नाकाद्र छ।त्तर केंक्नाम हह, 'ठाठ। ७० और अल्ड । कार्य ०मरकाद्र।** 

সাধকক প্রমণি--- এইবলন লেন্। ইচনেটা কন, ইচ্ছকের আই কর লাভনাম ও শ্রীক নব্রেজন ইংচুলের এবইনিক্সেও অভিনেখেলছ প্রার্থনার প্রেম্পর্বিত कासिका ध्यक्तित अर्थानिक र्याटान्थी क्षुताकारत धरक माध्यत्र मुख्य । २३ मध्यत्र ভিক্ষা। • চারি জালমার।

# কবিরাজ শশিভূষণ কবিকপ্ঠাভরণের



মক্ষাক্ষেত্রের জ্বিধ্রি জ্ঞান্ত করে লি নিয়ে ঘনীদ্রুত অবস্থার ছে চিনেশ্র করে সমগ্রিমান্ केंग्रह छाइक थाउंक क्या वेवाइक छत्र ११ द्वान गृहित्यमा करा व्या मार्थ । मुना उपित ক লিলি ৪০ আলা, পাইট ৪০০ আলা, পোড়ল ১০০ আলা।

অফিস-১১নং উক্তাডাকা রোড, পোঃ স্থামবাকার, ব্দেষ্টিগ্ৰহণাকুৰ

# (中国)

यक्रिकेटच क्षेत्र क बर्ड्डाक्क है, विकित्रमध्यिक द्वार्य, अस्ताद्य कामनाम्, वयश्यानं, प्रानादनानः, त्रम ५६-प्रकृतिक अनिका अपृतिक सकत सकत निर्माण जारक्षाचा क्या है। यह, नीर्वह, दक्षण कृषि करिए ह लातिकोध क्षेत्रिको। मुखा ४० वरी ४ ( जन केरका । जुक्तप्रकानि द्वारंज 'त्वाक्षवादा'त वावा व्यात्वाता अधिक मास्रिमान्य क्राया युक्त र ह्यांना ३ होको १ "রমধানগাসনী বাটিকা" ব্যব্যব্যবহু কৰুত্ব প্ৰকাশক স্বামী ঋ বৃদ্ধি ক্ৰিছে wageneut i get to this awarth. वाक्षांत्रक न्यान्यान्यक करो, क्षण्यक्रकी क अनुनामः **स**र्वेशमस् ततानः । ०१८मानः ।

# शर्द्धामन

### কোম্যাদ্ধ রোগ

फाः ध्वम, धनः, (याच विमा भ्यद्धः, राष्ट्रीयरमञ्जूषा भारामि भिन्न देवकाष्ट्रिक क्षेत्रगण्डः दक्षावतुष्टि स्थान कार्याना करियां पारकत ।

> ক্লিকানা-३৮ सर कंडन द्वीड, बख्वाबाब, Biente

#### 21 শূলায়ত

পিত্তশ্ৰের অন্যৰ্থ মহোষধ। ১ নাত্রার উপ্পম্, স্থাতে আরোগ্য। চেটে त् वात काना, वह Die भाना। भाक्त शृतक्।

# 🤻 🧈 শুক্রাচার্য্য সঞ্জীবনী পোষ্টাই

कारमण ६ ४१७ ५ एकत अक्साज गत्रीयस्। मूना > छिता २१० कान्। नास्त्र

- ৩। সন্নাস্যা-প্রদত্ত অ্বরোগের অব্যর্থ আংটা भारताता ना स्टब्स मुक्ता रणकर। मुक्ता का व्यानारी आक्रम मुक्ता प
- 8 1 কোন্ত-বান্ধব পীল अलीन, १ छक्षाण, दलल्दनमनाव भटकोवन । क्रिण ४० मानः । भगवन भूवकृत

21 বংলাং গের মকোণকারী ও স্থাতে আরোগা। প্রতি রশ্পি।• জানা। माध्य गुध्य ।

বাতলান

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তুতকারক। সহর শীট্লেণেরঞ্জিত এর লিপুন।

क्षां चन-सुरमोरमाञ्च (नवरत्र एता

्राष्ट्रि हेया है, क्यला शृह, छाकः,

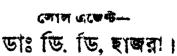
# মনোমোহন প্রেস

পূর্বন-বাজালার ভ্রাভে সকলপ্রকার ছাপার জন্ম নিদ্যান্ত লৈদ্যতিক মেশিলে দিবাকাতা কাজ চালতেছে विष्ठ कामिए इटेस्स निम्न ठिकामात्र भक्ष निध्न मारिनज्ञात-मरिनारमाह्म ८ अन्

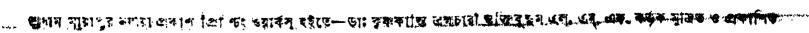
भागर - शांचपुर, जाका।

# মরা মানুষ বাঁচাইবার উপায়

যদিও অভাবি প্রকৃত মধা মাল্লয় বচি ছবার জেলন खर्म भारतिकृष्ट क्य मार्च अटा, क्यांच द्वांचाया मानाविक অনির্যানত উপারে আন্তিনিত শাক্ত নই ক্লিয়া জনতে मन्। ७४२: दोकारकम २० गोगः व्यक्ति स्मन्, व्यस्क मीक्वीभोक्किमा, पार्श्वातक क्रमाणाना, वसत्य, धाराया, लाउनह मा का खाला क्षेत्र के अन्य क्षेत्र को दशा को भारत के स्वाहत के साथ के नकार, मुलारणा, के उना, इवस अ अकल्यामण, विक्रिका व्यक्षि (कार्य कृषिध क्षेत्रित निश्च क्षेत्रास्त्रत, व्यक्ष्य MENTS OF WALLS GIVES LOGIC MECCON WINDS बेटल के क मिल्डिमन वावहात करिया वाहिएक भारत्य, क्षाकाद गाउँ गरस कामान का कि नरगटरहें शास्त्रम बारुटस्टर । वैक्तिको कार्याच वर्ष देन छम्म नानकार कार्रस ब्यारकाना कार्य गादिन नार, छ।श्रदा अस्याद असे स्वयंकी बावसात कविश्वा रम्पून । जन्म माध्यक्ष वागगारकाणात्राणी जन्म । प्राप्त क्षत्रव क्षित्राचन नव अहर कामा भावा ।



भट्डण्ड, शास्त्र-क्षित (णाडे, क्षिकाका विक्रमा म्लड कतिया निविद्यन



\*\*\* 3

4 1964

4周間国の টেলিগ্রাম শবদাপ

विश्वाणार्भव, काव शास्त्राष्ट्र । गाँक खेल्दा ३५ हांकिक बाद THE:

ধর্ত্তমান–বাত্তাবহ

–নদীৰা জেলাৰ একমাত যু

制(图)代别者 英国 मा अभ दमग्र । वाविक केर् नैश्यापिक द प्रदेशभाभक २५-गामिक ১ . . 717 প্রক্তি সংখ্যা বে

गणाहर — बोबाजी सनाथ बद्धाणाथाय, द्वपा खताब्द्धीं उ

उन्न ग्रा

めたからかりる

µটা চৈত্র বুশবার ১০০৭, ১৮ই মার্ক. ১৯০১

লগত ভাজৰদ্ধীৰ মুক্তির কন্ত দক্ষিণ कलिका छातासिक मानी

अञ्चल वाक्षरेगांक क क्लीएक मुक्तिम्हानर 🙀 कि विदेश रिश्वाय मिलिय कोर राजि-व्याभिनान अक नि हिं अर्गनायाकः नानित किन्द्रीय समामा इस्ट वाशीयारे सःस व क्टेंट्स चिक्कि कविना नहिंदन हम । चिक्तिन gene भूरवान्द्रसम् यहीनमान महामन्द्रिः क्षेत्रिक्षत्रम्य धनः मळाज म्हानामा देशला-र्रोक्तिक नानाधिम भूष्मा ।। दशः विकृषिक कविरा ্লুকাৰা ভটচাছিল। মিহিলু দলিশ কৰি চাক্তি **লাগ্য কাধ্**য সংকল্ম ক<sup>\*</sup>ল প<sup>ি</sup>ন্ন্ৰণ ক্ষরিছা বালিগর একিটিউ পারেই উপস্থিত 📲 । ক্ষম এক বিশ্লাই সভার স্থিতেশন

'वाशीम'ण की क्या भवन्तिक गर्चार 🌋 भागा चातिष्ठ ०व 📆 पृष्ठ नहत्रक्रनार्गतन इक्क बन्धी में छ। पश्चिम भागन बादन करिया क्ष मर्गाल्यकी व्यवहार छात्रास करासा

क्षीशाव बक्षकाञ्च भव श्वामी कार्यानक पिछ कीयन गाँग मनाव गङ्ग्छ।

कौर्लाटकम् यञ्चकात भव टीम्प्ट है गिम्हल इत्हेलामाप लिप्तत काळावते वेशशालिक कटल्ल :-

दिय मृत्र मकार यनि दन्दान वाञ्चीत व्यवस्थात । পরিষ্ঠান ক্রিকে হয় প্রান্তিল विश्याच्यक क व्यक्तिमान्यक म्युवस्थान बाङ्किक्षीय यहस्यात्त्र सर्वाधन स्व आत्मान

দমন্ত প্রতিবন্দীর মুক্তির জন্ম দক্ষিণ

# থানায় বেমানিকেপ

ি বিধানিলেন। এক মাণ্যা ও একব নীমান্ত নেতার ড**্কে—সাধানতাই একঘাত্র কাম্য** 

# বে স্ব হয়ে মহ জাগান্ধা

রাজবন্দীদের মুক্তিতে বিলম-ক্রথেব সেকেটারার অভিযোগ

# রাজস্বাবল সম্বন্ধে ভেড

দিনাজ**পুত্র নারী** কম্মী সম্ভোৱ ভাসন্তোষ প্রস্তাব

মজঃকরপুর জেলে এখনও ১৯ জন বন্দী

हना कहियां कास्त्रित मानी छोत्रिन कही शहराक्षम । (गृष्ठ हिट्माटक्क वनर मार्थि स्राक्ष सोधो 🖟 ी मना व्यापान छ। काल वायनकात मध्याम, निमा निहाद शहक, बन्ती छ विश्मान्यक शक्टेबलिक मामर्ग मृत् कादव केनल कि कांतरक कि व्यन्तर्थन कान्नामध्य भावन प्रवेश व्यवस भौजाह, हर्देशांत्र कार्ज्यक मामलाज कार्यान [ হার ও বিশ্ব সিদ ক্ষীপের অংশেশে লেজাবভাৰত অন্তৰ্গত লাভ একাজ कार्यामन ।

वह खाशानी मसम्प नकता प्रीत करेंद्रा भव मुख्य अप स्मा

#### বোষাইয়ে পণ্ডিত জহরলাল

क्षेत्रनी कमना इन्टब्स क्यर इन्टर्क প্ৰবিষয়ের অভ্যক্ত প্রভানমূহ গৃংগু। स्वतिस्था (सरक्क 345 मार्क) मकारण क्षिणकाका स्मार द्वेष्य त्वाधारह द्वीतान प्रदेश पानीब ७१८ धमद्य का वे नाम'ब करान

কড়েক বিশ্বভাবে বুস্থতিয়ে ১ল 🕻 🐠 🕻 मगरत हेल्कि । बाक्तिकार्यक्र घटना 🚉 पूक्त नरीयान, यम्मानान वाषाय, नर्मनमाप्त शहित जनर मधूका सूर्य अब क्रिक्टिक मान करदश्राम्य अक्षान्ध्रीककन क्षेत्र रूपम् : स्पूर्णाः । १ ५% वः कर्तर । अट्ट मृत्य केरमाठी द्रावान-क्या (११७६क्के) त्या हिर्मिन्द्रका आधिका . 446 441

Be giftbetr mifner Gefen रक्टल । च व्याप्त अनुभागा है । विकास कर्ता, पंकारशामधी कि क्या का कि स्राहित्क कालास पुर इह गयात्र । दश्कक क्तिवास्ति अवस्य वह नामः विक्रुं**यक** কয়। এয়া পোভাষাবাৰ সন্মান নীক कर्रा व्यक्तिक कानाहरा वालाट सकदनान in . In offere net to a minin offette मान नहिं हमीत नामनन "बारल" ाल्य भाग प्राथाटर रिश्म यात्र कतिहत्त्व ।

श्राद्यालयाक अधिर्मिश्चाल्य निकट्डे ार्गात किङ्के दश्यार अभिकास **करव**ल ह 2日本 写 點 叫作(留 午台)的 1.个1处 正信提 明】源层内群 LINE SECO BINES 488 MM .- शामत मारक भदावन कतिरवसा ুই একী যাণ্ডে সভাগ্ন বস্কুতা কৰিছেও tele micar i

#### थांनाम उत्तामा विकास

প্রভান ১৯৯ মারে ক্রান্ত ক্রান্ত भागात रकति द्वासा १ किस कर हा क्या । ा गाव नाह 145 DE 418 1

## विविध मर्नाम

রাজনকীনের মুক্তিতে বিধাস क्रदेशम (माज्येने मेन अधियाभ

बिर्मिश भी के कहताम बन्तिय रेशक्त भाग्रह CONTRACT LPCT আৰু বিবাধিক হাৰ প্ৰাশ্ Wing! स्रिप्तार रक्षा । विशेष शामिक अवर्ष भशास्त्र सत्ता लाहाक **म्हणारह ह**िस \* 6 4 0, # 1 4 4 4 4 (6) (# 4

আন্ধ শ্লয় চন যে বাজ-देना तक उन्हें सन मुक्तिमान भागादक कार्यश कृष्टिन्सभात दय, "त्वाशहराज्य कराव W 447 5857 16 1

िंट रव का रहीय मध्यि । व ५२८ (क ধাত হাত্তী এ । এখী এলালী কাষ্ট দিব । যুগ্রান করিলে বিশেষ কিছু ক্ষম হটবে ১০৭ ধারভেবাটি যে নকল বর্তি সাভাত কর্মান্তন, এংহাস্য মুভিদান স্পেন্কা 145.15 TAC.1501 11211419.4 कांग करेल के.कारमंत्र भाग करायी विभूतिक भागितत देव विवास भागांत्र विभूत 21 114 May 2 15 15 14

M. 257 ; 5 মপ্তা প্ৰকাশ কলিয়া-८७म.---अस्तित १ १८६१ असङ्ग्रामित सुन्द गुन्नः श्री टगास माध्य कर का गास क्या व रिम्हें भी माला है। का काम के कार्र क िल, शेविष्ठ अधिराम जा गरी है गाज करत्रकलक नन्दी पुर्कि भारकारक । आध्य ब्यान, कार्य, कार्यानिक वर्त्ताक माध्यत সার্ভ ভাগভাবে বিভাগের কার্য্যে পারির मध्यु १ र व शही । छ। का ६८वव ।

পেলেংহার কংল্রেস ক্রিটার সভা काह्यमुक काक्न शक्त भीन वावर रेनद्रम् माल भागनाटक व्याननिक कविद्रा छाঃ रापुत्र ध्वक छात्र दश्चान करिक्षा-

मुक कारमन्य व्यासन्तिक कराधान কমিটিতে এক মধ্যে এক এস্ডাব গুড়াত •हरार्ड दर, begin एकि अनुसादी शतकात्र वन्नामिश्यक काविता मिट्डरकन

> দামান্তনেঙার উল্ক স্থানতাই একমাত্র ক:ম্য

শীমাজের প্রেষ্ঠ নেসা খা আবছল লক্ষ্য মৃতি লাভের প্র ব্যৱহাতেন---

" कामि **भीमारस**त्र घटन घटन महाञ्चासीत कार्दिरका प्रश्च श्राप्तां का विश्वा दनश्रीकते : ◆। अर्थ अव्यास किया में कि विश्व कि कि भाक बहेटन । गांत्र ७ लाजि व्यक्तिगामाञ्च

तिषःभ कति, छथाणि सम् अन्दिम दन्तीरमञ्ज भृ १ ८७ व्याप्त मञ्जूष्टे इत साहि। विःमा-परवात्र भणिकश्वत वामीमका, काममा करतना मानामान मृत्या माना मानामा -जीव गरिन्छ व्यक्तभारतेत गाँकत्त्र गीभा संभाग ना जाःगमानाक कविशाहक वटते. किन्न मानु किछू ना भाडेरन क्षणा मन्द्रे ब्हेरव आ। वि.पनीत भागन करेटम द्यमन मुक्त पक्षा लार राजना, इक्समाने महत्र भटक दिल्लू-मुगदा-भएन भिशन व आहा। स्टनः विक्रक (संक्रा तारका वत्र भारतक हरगादा अवकारनव व्यन्ते 'रूप्यू मुगण्यान मिन्द्रम खा खिला

भी शहस देशका मधाक मध्या अथा আন্মিক লটীতে কংগ্ৰেষ আয়ুতিং ক্ষিট্ৰিক 🖯 लिक्छे शकाम क'रत।

(शामाक्षेत्रिक टेन्ट्रेटक कराज्ञाम मध विभिन्न भागात घट्न ६४ मा। एमणाटक mi Ta mill'a nife setal र्काण पराज का**∌ कार्य धारी। म**दायाः ্যান্ত্রীর ভাগস্ত বে-স্কু**ল্য সম্প্র**ণাহের আর্থ

#### ভীযুক্ত স্থারেন্দ্র মন্ত্রাদার

मुक्त राक्ष करणात करिन्दीत (मा काउनि <u>चारतस्तरिक्तः भङ्ग्यमस्य वस्त्रियः</u> क्ष्रेल दमल्याम् । या श्रीविष्याम । करिया ভিত্র অঞ্জেশারের করণেরহার করের করিয়া व्यानितर्भाष्ट्रका अंच ७ शाम शूर् कारखीर मधार्यातम ३६९ शाहा क्यांका माध्यक दशकात कर्ता वर्ते । विक्रारत के बार के भाग कार्रामक हरगाहिल। ८करन शांका कार्नीय ८क्क-कार्करमञ्ज ६२ পারা কন্তুগারী জাতার উত্তিরে ও মাণ করে: मुख्य क्या ना की-आरफेंडन व्यादना सर शहर क्षिक्षात्व भूतिभाष काबाहरू असाल काब्राह वर - कि- ५ मान पुरस्के शक ३२० मार्छ हिन् मभस्य (क्षण क्ष्ट्रेटक शुक्त क्ष्या का गिश्राहिन ।

### ৩১ জন রাজবন্দীর মৃত্তি मकः कत्रात्र (क्यान व्यव र १० वन

अक्ष्यक्ष्य अन्य करें कि शत ३० का दिल os क्षत्र शबदकी मुक्त बहेशाटकर । त्याकाम, न्यंत त्यंत्र (सार्थ क्रांत प्रांत )क सन हाक भी बार्कित, देशही सक्रमान भिवासक :बालगान सब्बाद श्रष्ट कहा हाछ शाहित्य च मान अञ्चल कालाहर करिएक sexibilit

#### মিঃ টি আমার আলি কলিকাভা হাইকোটের ভঞ

क'या काला काल्यकार्टिक निकास्थिक নেড্টেম্বৰ গৰ্যাক ভুটী গাওৱাৰ মিঃ টোকিফ चाभाव च्युं वि टेक्श्व, श्रह्म चाद्राह्मे काट्र । नियुक्त क्षेत्रारकता

#### উযুত্ত সমস্ত্ৰায় মজু হলায় সেটাল ভেস হইছে মৃত্তিনাভ

लगर कृतिहा कराधम कामनित एडिम ८लाभाष्ट्रके लीवुक नगळक्मात मङ्ग्रनाव 山柳柳 (柳叶 4夏(黄 百谷)中

#### दिशाबाहितः महाका शाकी

्राक्षाचे क्ट्रीय : क्ये सहस्रक म्हा प अवाम, द्विम वह्नडाड नाहित्रक মতাতা কাশ্বী সোমবাক্সিক্রে दराशान्त्रके द्रशीक्ष्यम । क्षांबर्भ विनाते । दशुर्मेना किलान द्योनक भिष्य दलिया स्थिति छित्री अन्तर्य राहकः। क्षिक्रीक अनुसुद्धान्य है दिनका मुक्ति है स्थान रहाई करित व्याकाल कॅरिट्स इन्द्र मित स्ट्रान रेट छर्ग्ही क्रमसम्बद्ध जन्तुः । करिहासस्

अञ्चलकार भिन्न विशेष व्यक्ति लाहरू পিক কণ্ডান্ক টীেব সভাগ্য, সিগ্ শ্বয়াল'ব্য এবং স্থানীর কাল্ড বংব্যার্থীন िनि काकाम घटम्दिन उटक कुरा कड़ित्सम क्षतर रूपलाह असूब कारमनी बाब बाबाओं क कुंब दशका अब बरुबिन मेंका द्यापिन बनान द्यानमन

किक निवध शक्काक द्वीयुक्त, ब्रह्म काह भारतम बरमें नाबादनक हैरनामन करि-्रमें । दौर्यात मकः एक भश्याः आकी i bi.शश्रादण के बर्बज़िक के किया निवस्तान कल्टियन। (म्याप्न भवत्रभ्योद नागः বিকের উচ্চাকে একগানি স্বিগ্র তেক क्रकी है कि इस्टिंग कि वन कि कि जिल्ला क्रिक्ट शास्त्रल ।

जीवृक अकार/क वक बांगानी कना मकारण क्यांक व्योवित्तन क्रनः मुन् मधिक इक्षा निर्ह्ण या शतान काजरवन वेशिया क्याला क्या याता

वृषवादय श्रक्त स्वास्त्र कहातीय नात्प भिल्ली शांका करियान ।

সাম্য বিল সৰলে ভেটি এছণ यानका-गरियाम 'भारी'क दयक्षण wite isni orgwen wintem winia. भानामी ग्रस्टाद्व द्वावय विन । क सद्यक्ति

है। दिन भागा छान्तान भवदक दकाह कहेवा certa N: 51 N Bie Ca 1

अकामत्मत शमक शिः शिक्षाक शिक्षक भि: भाष्ट्रीतकण आशास्त्र रुमा स्व वर्षात उ.हे विध्यत आमामान कामिन मूनकृति जाबिन वाव मान .गाविण विवादक्षण । अमारमण्य স্পুত্রপূর্ণ যা গাড়ে রক্ষাব্দের ক্রাপুক্ উর্থাপন ও ৽ৎগুল্পকে পরিষদের সিদ্ধান্ত গ্রহণ করিকে পারেন ভ জ্ঞার উভস্তপ Collen men obatco i

### পক্ষিতে অসম্ভোষ নিশিশ ভারত কংগ্রেম কমিনিং সনক্ষতি দিন্দী অপুর নারী ক্ষাসিভেন্তর প্রান্তান

भिनासपुर व्यानी-क्योग स्यव क्रक सकास ियंशिथ र व्यक्ता गुरी ह एवंशा ए :---प्रिकाचपुरका अहर है। दी-क्सीश<del>्र</del>का निर्देश मार्केट विवास का मान द्वा बरण ब द्राप्तरीतिक धम्माधानुत सुन्ति करेन मा. ভক্তত গলীলুকানখোষ আংকাশ কৰিছেল

क्री अम्बर्शियाः । प्रभव विवा िंद पुरत बल्ली, शुरू मध्य ला लिक्साशिक बल्ली⊸ निः भव भूभितः सञ्ज्ञ अवारमान्यः कविरक Berth wicesten

#### **जाकति जालायत नखः जा**

ব্যালিকাল ভাজনাৰ মৃথক্তৰ আৰুলক क्ष्म वर्भत महर्गन स्वद्धान हिम्म श्री स्वयह हि ्राप्ताल दावस कर्रह मुखिलाक काँद्रश Min ann a De ettalen bitten been um 智利知识(自 有题)意志 中(明·2 ……

''शाधारण दलाक उट धुक्क विद्यक्ति 明明 4.5 可有於 有对於 月宿 对审辩 神经 ८ गर्भक भिन्ता क दर कर्षक । कहा के शह 引剂环 准备用 对5条 电电流电流调用 非红斑神 राम रमभागीत अञ्चलकाम स्कान NOB him and with meren merunten काट्यं व रिक्टी, करी विशेष कि देश गर्या ज्ञान क्ष महि । जन्म हिन्द भटामत मुख्यान दिव मुख्याक्ष साती । का बकता ि ১৪: क्षि करनक श्रुष्ट मञ्जूकारी काबठा देश को अञ्चलक काल करिएकरक्रम ना । व विषय महकाव भाष्य मार्थानका 制10周年第八年16日

गण्य दाव्यकीत्व मृद्धिमा दम्भाष कार्रिय श्रेष्ठे हर महि यक्तिम व्यवस्थ के क्ष्यांक्षेत्र (क्षरम चार्क्स, क्षक्रिय कारात्म गर्दे र छ्या केतिक महरू।

### পাৰনার ক্সাদের মুক্তি गक्र गामभा প्रकाश्व

sie cerceia fein feiceifeica gu डीयुक बार्यन मख, दक्षत बुदर्शनाधाय, रशांशक रमामक, कृषन दम क निक्षप्र क्रांब भूतिकाल कविषाक्षित्र । श्रीकारक विकेशक an ninelt wat phutfen wiet megfein wat wenten i

# আমিত্রের দ্বিষ

मध्रारमरक व्याचानुनि शाका कारण শীল'বে প্রাকার অক্তো ও মমতা বৃদ্ধি विभिन्ने हरा, छात्रा कीरवन्न विकक्ष आय-বদশের অন্তভ্তিতাত অহংভা ও ময়তা 'বৃত্তি চইতে সম্পূৰ্ণ পুথক্ ভাষাশর। দেহাত্মবৃদ্ধি লিটি রক্ষীবের বে 'আমি' ভাহা 'সামার জামি' জাকারে ভাত্তিভে भारक प्रवर उर्दे 'सामात सामि'त नहिक-<u> প্রথম করে বি সমুদ্ধ বস্তু, ভারার মমত্রীপ্রদ</u> नारम गांछ। ता कारण दकान वक्रभीव বহু স্বস্থান্দিত শুক্তিফালে দেহে আত্ম-বৃদ্ধি কাত 'ব্ৰামাৰ আমি" ভাৰ প্রিভাগে ्रभूतिक ''छश्योरमञ्जूषामि'' व्यथीर ''यापि श्रवकात" । वा कामात विल्हा (ग मुलग वन्त्र च्याटका, जाङाता मकटनाहे मिन्दारनत रमवङ ७ द्यवात्र উপকরণ **ंतर व्यागांत्र शुक्ता तक-- ८वर्षिय ७%** খায়ধরণ গাচ খহংতা ও মমতা ভাব অনুভৰ কৰেন শে সময় জিনি দিব্যক্ষানে <u>लाहिष्टि ४वेग'एउन विणया पुलिएक स्टेर्स,</u> ववाहि महाकटनासि-

অপিড় ভোষাৰ পদে ওছে গহামৰ ॥ व्यामात व्यामिक नाथ ना तरिश्व व्यात । ध्यनम ४६ म् आसि दक्ष्यम दक्षामात ॥ व्यापि नदम दनहीं और व्यवस्था छाष्ट्रिय। कृष्ठीब्राटियान व्याज सम्रद्य लिला। काशास मक्क्ष ८५३ ८१६ व्यक्ति । काहे बहु भात क्ष्य जना बाबू बन्न ॥ (म मन कर्डन छत न्यामि देश्य माम । ू ८७।मात्र शृंदश्यक लट्य फामि कवि गांग ॥ তুমি গৃহস্বামী আমি গেৰক তোমার। **ट्यामात स्ट्यांक ट्रहो त्यांन जामात ॥**" "'আমার আমানি" ভাব পুচিমা "ভগ-वारनत्र कार्मि" 'खांव छेरावत्र मास मान ভগবান্ই আমার মাতা, পিতা, বছু, পুত্র ৰা পতি'—ারণা অমুভূত হয়। তথন ু"আমার আমি" ৰুছিলাত মাতা, পিতা বল্পু বা পৃতিকে শুগ্ৰানের জন বাডীত निज्ञान वर्णिया मत्न एव मा, प्रश्रहि महाबदमारिक-

''राहर गम-जन्न कार्ल गंका किছू कर ।

"আমার বনৈতে প্রান্ত আর কিছু নাই।

ত্থিক আমার মাত্র পিতা বন্ধ ভাই ॥

বন্ধ পার ক্ষত কতা তব দাশী দান।

শেইত সহলে সবে আমার প্রয়াস ॥

বন্ধম গৃহ খান্ন ভোমার ধনিবা।

রক্ষা ক্ষি আমি মাত্র নেযক হইবা॥

প্রান্ত পাকে ক্ষান্ত প্রধানিক্ত ক্ষ্মি

নিজ্জান। অঞ্জাক্তি সকলের

ভারমার উহোরা ক্ষান্ত ক্ষমি

ভাববিশ্যম্ভীর করতে অবধা

## के के करातिहाटको कराजा

# দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

নিতাপাঠ্য বৈক্গুবার্তাবৰ

বেগারি সমস্ত সাম্বত-শান্তের কর্মন্তির ব্যাখ্যাত। সমপ্র ভারতে একমাত্র দ্বলন্ত দৈনিক পার্মার্থিক পত্র

শ্রীরাম মারাপুর-এটা সৈত্র, বুধনার-১০০৭

নিক সহন্ধ ছাপুন পূৰ্বক শোক ও ভয়ে অভিনত হইয়া থাকে, যথাহি মহাছণোকি,—
বস্তুত সকলি তব দীব কেচ নয়।
আছংমমলমে হমি চোণে শোক দুন্য।
আহংমম অভিযান এইমান বন।
বন্ধনীৰ নিজ বলি জানে মনে মনী।
গেই অভিমানে আমি সংগারে পড়িয়া।
হাৰু ভূব পাই ভবিছে বাজি বাগানিয়া।

সাধু ওকর প্রেরণায় ভিগ্নানের চরণে ।
শরণাগত না হওয়া পগাত ভবনিজু পার ।
চ ওয়া সম্ভবণৰ নতে । যথাতি মহজনোক্তি—
নিবেৰন করি প্রান্থ তোমার চরণে ।
পতিত আন আমি জানে বিভাননে ॥
আমি, সম পাশী নাহি ছাগ্র ভিতরে ।
মম সম অপর্যী নাহিক সংশ্রের ॥
ভূমি বিনা কারে আমি এইৰ সরণ।
ভূমি সংকাশরেশর ওচেক্সনদন ॥
অপ্র ভোমার নাপ ভূমি সংক্ষর ।
চোমা প্রতি কপরণ ভূমি কর শ্রা

जन्म । भागता नुविशाय ए। "भागत আমি" দাবণ্টে সকল ছংখের মূল। ভগ-वारनत व्याम-इंख्याकात्र धात्रशाल क्रिय ना ছওয়া প্রান্ত ছংখের হাত ২ইছে নিয়তি নটি। যিনি ভাবের হাত হইতে নিকৃতি লাভ করিতে ও প্রমানন্দ্যাগরে নিম্প্র भाकित्य हेस्सा करणन, डांडाब छिडिय अस्- । অক্সর চরণালার পুর্বাক ভগবানের শর্ণাগত হ**ইবার জন্ম বিশে**বভাবে যত্নীল ছভয়া। 🖰 হে পঠিক এক ! আপনাধা চিন্তা করিয়া দেখুন যে, আপনাদের আমিজের ধারণাতে অপেনারা কিপ্রকার ভাব পোনণ করিচে-ভেন। যদি "ভগবানের আমি" ইজ্যাকার ভাৰ স্বাগ্ৰন্ত না পাকে. ভাষা হইলে বুঝিতে **হটবে বে, আপনার। 'আমার আমি**" ভাৰকে জাণাইয়া রাখিয়াছেন এবং সেরূপ অবস্থায় আপনাদের উচিত অভিরে পুরুক "জনবানের अम् अक्षत्र प्रश्ना प्रम षानि" क्षावटक क्षेत्रिका छूला।

### निमा- काल

( डी.हेन्सु क्ष्मण भागः) যেদিন মেরা বিরাট বিষে, আত্মস্তরপ ভূলিয়ালিবে : পাপের কভল গিছুত্বে, ব্যেঞ্চার সবে ষাই গো ভূবে 🛊 (मिनिया त्यापित त्य कर्षा छ আবহির বহি জীভগবান। उद्देशभीषात्र भुभाषाम्, क्तरणाम कुछ व्यक्तियाम আছেবিয়া মন্ত্ৰকান্তি इदिह भारम माजाम द्रमा । केइ:निया भाषी, भाषी, भुक्त के दिनंत्र र हा ट्राइन ॥ चटचंत द्वाच कर दिया हर मिन ভিক্ষামণিলৈ স্বশ্ব∤নী। तका. रुझ. मन्द्रापि अत. करेरम उद्दे दर्शक्तमधी ॥ क्षित्रिक्ष थीर ज न ने स्तान, ষমুৰ: ক্ষিত উল্লেখ্য যে ং कुनु ( कुनु । त्राय ना(कुम क्राप्त छने कुर्ध (एड कोर्डि (एटर A वनमाना गरन ६ ननका छि ব্রোধানকর মনে ভরতে ও জা (सहे उत्यक्ति । से नर्भे द्वार 🕳 জোৰাল' নাম, গোৱাতছু ॥ **छात्ररध्त्र एके दिलन-निर्म** व्यामता ७ तम्हे निरन्त मण । पू निष्ठां स्थारम्य । वलन् वज्ञः, মরিফু চিরক্ষের মত।। গোরজের কপান্তব্যবর গোর বাণা করিছে প্রকাশ। আনিয়া বিখে মোদেল তরে. खकानिय उर्दे समिश्रा-खकान ॥ क्लिक्लाइनभूनं निष्. নাইগো হ্রিক্পার লেশ। यक त्यांता विश्व-क्लांत. शांगावाछात्र यत्नानित्वण ॥ ष्ट्रीकिया गरव शास्त्रत्र वीक्षि,

बाट्ड काटन गर्सनान।

এন সবে মিলি করি গিরা দেবা বৈরুহের শ্রীনদীয়া-প্রকাশ । আনিয়া যে গৌরান্সের দাস, শভয় দিয়া মাতৈ: বলে। এ শভকণে দুটায়ে সবে গড়িলে ভার চরণতলে।

### পাবনা প্রচার-প্রসঙ্গ

পাণনা চইডে উন্তু মাখনলাল ছক্ত মডোদর লিখিবাডেন---

কশিকাতা গৌড়ীয়মঠের অভ্যন্ত श्राहाबक गरिखामकाहाया विविधियोगी ভীষণ্ ভবিবলাস গভবিৰেষি **মণাৰাল গভ ५३ मार्क शास्त्र भावता महत्व औरेऽच्छ**-ৰাণী আচে রথে অ,গমন **করিখাছেন। দে**ই দিন অগ্রাস্ত্র হাটকার সময় পাম্মা हाडेनश्रण a+ि नक्षी भक्ता **प्राहुष ७३**। নীয়ত বাবু আহুণীচলৰ ভৌমিক গভৰ্মেন্ট লীডার গভাপতির **আগ্ন প্রতণ কং**কন। गভাষ 🕮 युष्ठ वावृ त्यात्मक्तमान देवळ कृपर्गंतकाती लिएकाई, **वीवक जानक**-कुमान दहीसूरी अवसम्ब्राख सक्रमीतन्त्रे श्लीफार, शिवृत्र दरम्यात्म मञ्जूरशाम के, विवृत्र कर्ना करा का विक्री स्वयन्त्व विन्यम এড্ভাবেট্, জীয়ত নিজ্যানশ শহু नि जन, अनुष्ठ जिल्लामा देशक नि-जन, প্রীর্ভ কুন্ধনাপ কায় বি-এল, আছুদ গৈ'শেডজ সামাণ বিএল, শ্ৰীৰুক ्यांशास नाथ मन्त्रकात दिन्तम, 🗒 सूक नरभाशाजिकात रख व्याक्तभाव भागमा करव कः सिष् । मान्यमान हजानकी जे,छा द्र द्राटमण-भाष मदकात, छ । कुमुलभाष राष्ट्र, छिष्ठाच भतीखरमारम भवकार क**ड**्रकारकडे, श्रेष्ट्रक निश्रान्त महकात श्राक्षात्र, हेंगुक भिक्ष्मिय . भो:म क **. मे. क्षेत्र** मगरदक्ताच प्लोगिक के. **चेत्र किरम्समान** क्लोमिक বে-তেশ, শ্রাসুর মণিমোহন চুড়াজি कर्ते किर का अधूना अप का এম.এন,শ্রীযুক্ত কোলানাম বদাকে মা টেউ . অীবৃত বাধামাধৰ সাহা ঐ, শ্ৰীৰুঠ কান্যমত আগির ওবালা ঐ. শ্রীবৃত্ত শশ্বরচন্দ্র নত 🔉 🧟 लीगृह कोटब्रामहत्त्व वस खे.कर्नामहत्त्व १३० व्यम-व्यक्ति-व्यम, श्रीमुङ इम्राम्बन्तान श्राट, सङ्घ अव्यानां गांच माद 🔄 🕮 मृत्र 🕬 १००५ (१००३) नाः विद्धी, व्ययुक्त काल्यन्तव्यः कटारको ध्यन्त्रः, বি-এশ আসুণ আলে ৪৯০ বি ক্ষ ভজ-মপ্তলী সমাগত ভড়লাভলেন ৷ জিল্ভিস্থামী व्यामम् कि निर्मात अविक समि यहाताक कारात अन्ययूवक अवश्विती खन्यताहिती काराव होटेन स्था विश्वास अवस्थ अ यणा वाणी कक्षी वक्षका शहान कराना वीकॅनविद्रशामिशन काबर्य किछू प्रिश्वन

भार ८ लायन काबरण अञ्चलन वङ्ख्या दिशामान गरम केटन,---'मूत केत कार्न, কর্মার পর কর্ডতে লেব প্র ও ভারারা निषक्ष-ात मार्वाण्ड हिटल ख्राय करवन । व्याभिक्षीत बङ्गाका सभाक्ष दश्रदम संभागिक बीव्ह बाह्यो हत्य छोमक चामिकीत वर्धशद प्रवासकी वद्धकात और ती का भारता कतिया वामधारकन বে. কাল এরণ সারগত উপদেশ ভাগার भीत्र भाष भवन । अन्य करतम महि। উशिष आर्थनीय पावना-नामिश्य काश्विकीत WINNERS MICES SERINGER PLOSIES না কৰেন। তিনি স্বাস্থীর শ্রীমূথে আর্ও বঞ্জা লাবা কলিবার বাগলা करब्रमा गर्भाणिक मरकामराज्ञ िर्णाय अञ्चलाम वाधिको महाराज कहे बाह्य (भाविक्वाजि अ अम्मान्वक वाद्या क बिदवन ।

# "বিশ্বাদে মিলয়ে বস্তু তর্কে বহু দূর"

(ब्रिक्काम् अ व्यक्तिकारी प्रदेश मूर्यायायायः)

"विश्वारम फिल्लाक वच्छ कटक वक कर" ब्द' खब्दी 'द्व'दब्द क्य.'--- शाप्त अत **्मार्क्श मृत्य जनः रोधा कथा** व्यस भारतक आरक्ष, या बढ़शारण भारता भ-क्षिक्र करण व्यागास्त्र त्य वस्त्र खा मदाह धुर भारत । निश्व राष्ट्र यात्र, बह म्हार ने ग्रम्का क्यांत्र क्रिट्ट क्रिके 121(44 of 46 41(3 近4首) L年19 भनगढा जायर द्याधन करतः आत खाउ प्रिंश कालन हर्ष्यह मन्द्रन करन, भरनद क्वार-रामा वामिख्याटक हामा काटन ! ध्यक्षपदात्या । काक व्यापालिक एवं प्रक्रिक का,----१९म माठा चेड ६'८७ .य бья!सन भूरबर्ग भरक भारक, का रम कान्रक भारत -1.1

"ियारम मिगरम वश्व" - अक्ती क्या भाव ''ऋक्ष्यं वह मृष्यः—ध्यक्ति कथा। व्यन्तिक तथा श्टब्ह 'विषःस्मृ वश्च मिर्ल . " - हें छम । विश्व . छटन यह द्रशानन् ध्वकष्ठि शाका छात्र मामूब त्यत्न, छात्र भास्य कृति, कामांत्र घटत ज्ञान ट्यामांत्र স্থৰ বিশ্বাস উৎপাদন শস্ত্ৰে; ভূমি (अर्डिके कार हाक्री बुगाटक ना (शर्व फ एक क्ष्म कि किटन होना भिटन, शहर মাত্র সেবা কর্তে আগ্লে; সেও যো ८९ । १ - पू न्यर्थ किरम ८७८म अध्यान द्याराष्ट्र (१०१० मान्या) जनारन कर ध्य েশ্যান ভাষ ওপর এক আৰু বিশাস, कारक कि दशमात्र ५४ विज् ८५ १ आहा- श्री मध्यक्षे क प्रत्यदेश—ाम दृशासाय काशियों १७८७ अटब भटकराहर । ७३व

कार्रे व आव ठारे (मध्या स्टन मा; यक ८वछ। :हात ! नवान भावा नायु ८५' (ब गःभाति। जुरे कत्रक !' अ'त श्राम, क्रिन खस-कृषा-मर्मन-विधीन त्या**का त्याक** ভূমি একদিন প্রান্ত্রত সাধুকের সাঞ্চিত विकाफित कार्य दिलामात मध्यमाण माधन

चार्क दमभ,-- हमनि विचारम छुमि কাল লাণ্ডক ফুলের মালা, ভীব্র সরলকে જુના, ઉક્ષ્ય મજ-વિદાદિના મગી'ક આ (● श्रिश्च गाव्यान्त्रि । त्या श्रीयती भण्याञ्चापित्र শ্ৰহুণকে আসন শক্তভূনি, কিয়া ভীষৰ factorian cathica carde calina wia करत, भकाःदश-४ भक्ट्र भावः, । उदाभावः व्यान नहें देश भारत ।

স্ভলং ভোমাল ঐ বিখাস যে বিছুট নয় জাপিতে বস্তা যে নিল্ডেট लाइ मा, यहर मक्क विल्डी ए शासक উर्ণाख व्यवश्रकाती, क्यांत्यदम बाद मा बनारक भाव मा।

विष्टोध क्यांजी निरंघ स्मिन्द्र वृक्षत्र भारत्यः,---==।४- छक्ष-कृषावक्षः।व नाहि ८४ व 4131 fa • 191 40 200% वाव पद मुख के करण 蓝素性线(表 )的现在是一种利用一型物质。 气剂剂 1.5元。 दक्षण अळाच अखाच, निक्षण करण मान्त्र 斯斯内爾 明子母 苦火剂 倒有1100 每(年; कड छद्दी क्रिक्स मात्रकाल भाग कर्दा काष्याक्षिक करम मारकाल भाग स्थाप करम

ख!' क'сन, ८१म नुका यरध्क खनम ;--- औ र्कत्यात्रण ।य दश् नश्च करा अ वाटकाय cuists face, कुमि त्य किये कुण्क, यम् --- '(वकात मुख्यत कोछन, व्यक्तालंब अति-**८णाना ८५** की स्वास्थ्य ८कन १--धामि भवमभावन दिवनाम दिव-कीलाइ अन्ति जापहि - मेरियमि आनाद बाग्रत्न, जा'रक बाभाव कांग कर रि म्हत इ.स. १<sup>९</sup>०० ज'सन ६माइ, ब<sup>9</sup>सन कुण क्षा।

माञ्चाञ्च व'रकर्टन, -- करेन्स्वरवद मुख्य e दिनाम हारक्या मा.भी। १६८ छ। धर मह भारत कार्या । फार्या ५ ८काल मिलाई कार्या भक्रम क्ष्म आहे. इंग मा ध्वेतर कर्त गी। म्बर शक्ति काम मार्थ के एम अ अक्तिएम अ क्षण्याका कव्यन स् क्रानाञ्चक माक्रन काण-श्राम सम्भातम् । क्यां भटे १४ હ્યુવન એક્સિએક અફ્રોલર્ચન એક સ્કેટફ ન અવન છ ख्टाप्रकृतिश्राक भागूरक शाद्य मा । **का**र्यक् A.国际设计器 @ 春夏 第1 1

द्रवर्थि मात्रम, त्राव्यवि शाष्ट्रीमविष्टम a'cotecona,-

''য়ত 'শাগ্ৰভা ধাৰন সাদ্ধো विनमानश्राः।

क्र गरम् खनाकुक्तम-जन्म-गाजारहरूमः। ए जिन् भः भूभविका संस्क्रिक्तविक-পীযুষ শেষ স্বিদঃ পরিকঃ শ্রুবি का त्य भिवस्थाविक्रत्या मुण शाह म्टेन-छ।न न म्लुनखानन इक् छक

> CHIP-CHIBT: H' 1 ( •8 유타병 :[# (윤 ) ]

্য ক্ষণে ( শক্ত কোন আশা क्षा क ख्राप्त व्यक्त (कह अब्--- (कन्स ) क्ष्मरम् । वाक्षकप्रमान्ध्रवयकीकाल या श्राटिक विमन्त्रा फान्यक महाश्वादा विद्राव करदल, क्लार--- महे महाकी। व हारमद ट्यिम्स-स ०'एड (स. सम्भ-नाम-धन-मिन्स)-শ্বমুৰে ৩ বা শ্বমিক নিশ্বাস আহাত চতু দিক দিবে व्यवस्थ भाराच व्यवशिक व्यः शाहिलम्ब कर्न-लाखें<sup>दे</sup>खें (ब्र. ८म्झे काभिष्ठवम् ८म् **क**न 'আগও দাও' আগও দাও' ব'লে অণিব'ঙ लान करत्म; (कानका(बाहे 'आह नः' खेक्या काहर भारतम् ना ; क्या—'खेठा का है प क, य: यह ecace .- कहा स आयान क्टि बार्का संक्र',-- मह न सह करा क्या विशासिक क्ले ला :---्मड कुफद्रम-द्रामक 1914 41 1410 FRANK POLY & CA 1100

 अप्रति आसि स काका क िमना दल्लन शांद्र कार्याष्ट्र हे चार्य आधान वह क करित : पत्र . अ: इ श्रुष्णां के केल महाना में वक शक केरना के कारकत कथा कह शहम अका-अरवामह काहकात एवं बना क्त्राक । कांश्व व्यवधाराहाइ विकित्र के क

# দশমূল নিৰ্য্যাস

( भूक्षे आका । भक्त ७ म महला व भव )

की बरनंद सम जिल्हा, सबक अ आवरक मानव कर्षना, श्रूबताः क्षणाना व्यक्तिन क्रिया, भवत अ छान वब्हन भूक्षक कोरन-याल्डा निकास कडिएस स्ट्रीडर क्रमन \$\$16.00 mma-क्रियाय अक्ट्रे निकांक्रनी मुख्यि खारबायन। कोर नक्ष च-चक्रण छेन्द्र कहाईयात (ठहेर 对复感 海南河 电对 电行电影 लियान बहेरत, कह डिस्स्टन छ।।१८७ क्ष्मरनाज्ञ के काकी के पान किलाय श्रुवार (कांगांका छ दर्भाक्ष्याका भवास भविष्यादभव कार्याक्रम । कीरन निर्सार्ट छान्स्टिश क क्यार्ट्स

त्महे ज्ञा वांगाक क्षत्रक्षित्रक्षिक जांगान करत, काम भागपारम পति माश कतिरद निर्द्धित-अञ्चलान ७ क्रिक्शिक्षण्य क्ष स्हेटल विक्रम शाब्द केंद्रिल ।

लान, को सन, पार्क, गतिव्या, कक्षन, माक्ष, गना क चाणानित्यमन्द्रभा किन নয় আহমার। আমানার ঐই স্কল व्यक्तियम् । व्यक्तिक भवेशा कि व्यक्ति व्यक्ति । **७ कुश्यक्षित्य वश्यिमा क्षेत्र क्षेत्राक्ष । कावास** मध्या क्रांडक खांन निविन्त्रकाण व्याद क्षा क क्षा निरंद्यप्रकाशा विविधालात्व भट्टमा करिलाम, कांक्यारम वाम, कविनक्रण त्मना. कतिका (त्रवा, व कडिफोक्ट माळ्डकि.--र्भावक करेनमान भक्षत्राम, व्याननाम खन्दिकान दुःस्त किरिवात अस वस् लिया का कतम, यह आहर करावतम e ব্যাথা কজন, পাথিব **া**নি লাভে विधान क्षेत्राशः ८७१० च्याकामित् ચલ્કતીના લક્ષ્મા, અન્નદલન લ બાજી નિયા ना कड़ा, नियुद्धिनकन-निन्मा आत्रान ना करा, आभावातः व्यवीर औ-शृक्ष्य विकान क्ष्प्रान्तक भृष्याकी मा समा स खार्थ-NICA BIRT WICHBELL AR HER folge \*(रिया केंगी सिंहर् के सार्व्यक । केंग्रेस्ट्रीय करा, छन, मोनार की खनाति शक्य कहा O. 功 . 例3 1 LT (2) 中14 円(4) m 1 m देन्ये अभि नम सादत मुख्याहार शक्कि The safer with steel safer and the ( mx=: )

\* WT. 19 95 21 714 WHILE 316-गडाम ७ ग्यामनाम । 图4号 4月1日 दमदागरायक्षण विश्वामा । सामानवास भाषात्व क्रकशत्वत्र शक्तिकामाः। (३) नविध्यत्त्रका नामूच निन्ता, ( २ ),अजवश्नत লান-রাশ-ও জ্লীলা---র শক্তকে ভগ্নান্ बहर ६ भूथक् कान कहा जयर कावान क्ट(क लियापि अछ उक्र भूगक् क्षेत्रब अश्रक्त--ध्यंत्र भारत करा, ( ७ ) सामानका-चन्न भवका, ( B ) भाष-महिमा-वाठक नाट्यात भगद्धा, ( व ) नारमव महिमा ८७१० । छन-भाव--- वक्षण भटन क्या, (क) नाम(क क्षिक कान करा, (१) मामन्यरम मान क्टा. (৮) विश्वाभिष हे ड छ भगक्रण भागत्क कछ।यभीव खन्न शून) वा छ ७ करबाब ग'र७ न्यान छात्र कथा, ( २ ) व्यननिकाती क्षक्षशीन व्यक्तिक मात्यागरम् करा এবং অহুং মুখ্তারণ অভিযানের সাভিত্ত गाम अध्यान कडा--- वह मन्छी माभा-भक्षाप वक्षर कठिन. किछा करे थिया मा। **८७वरा नित्रश्चत माम कतिएक क**तिएक यश्य । िया अध्यक्षमाद्वादे चानच क्रेरन, क्रिक क्रमा च काल्न (भरू न्याप इरेटक मुक्क वाक्टिक बच्च नाहेरका !

# চৈত্যু**মঠের শুদ্ধভক্তি গ্রন্থ**মালা

	বজাক্ষতে প্রকাশি	<b>5</b>	<b>ં</b>	: নব <b>ৰাপণড</b>	,
> 4	🖎 भद्राचनक व् नभक्र	6 •	29 1	<b>अवश्</b> कर	j.
	₫ (21—34 4£)	231m	98	असः। । । व पु : एकः	/•
	और (समयक्का)	>>	<b>೨€</b> ∤	一年四月日本報告書(竹中上 月七年4月	130
<b>*</b> 1	काक-मार्ग अधिदेवकका प्रक	13.4	00	南陸の(本)	د'ء
	( ७व ग्रस्थक्य )	•	99 1	নাৰক্ষ্ডমাল: (বাগা)	# •,
• i	গোভীৰ-গোন্ধ	10/-	1	ঐ (পাবাণা)	1
•1	(मोफीय-गामिक)	lg/•	OF 1	देवभावभक्षा-अभाक्षिक	
e i	****	1.		ব্যাণ্য চারিশ 🗷 )	>
• 1	<b>बिटानकन्छ।मृत्रम् ।</b>		د>.	<b>温暖</b> 地长[多图]	**
	<b>डीम बदोण चक्रकम</b> (दीना)	غر	8 - 1		34
	ঐ (আবাদ্য	, h•	:	🗷 (আৰাগা	'n•
* 1	গান্তা ( জীৰলদেধ-টাকা-সহ	)	621	मानमञ्जूषे भाष्ट्रनाम्	1•
	( सी:भ1 )	₹.	631	-	41+
	এ (ঋাবীদা)	>4•	8-9 1	<b>ड्रो</b> रें 5 क्से 'बर्ग का क्ष	
<b>5</b> 1	ক্ষড়া ( ইচজন্ধি-টাকা-সঙ্	j	í	(विशाह् विक्षीत मरवदन ।	
	<ul><li>(वाना)</li></ul>	٩,		क्षक्रम्भावणी ना माधावामणञ्जू	
	🚵 (च्यृदाशः)	; <b>4</b> •	86 1	জীচৈ হন্দ্ৰ শিক্ষামূক (বাদা)	
<b>&gt;</b> ,	গাঁড়ে র কেবল সাক্ষদকাল্প	# •		के (कार्यामा)	30
> 1	दाक्रमाञ्चका कन्द्रमध्यकः मा	<b>41₩</b>		গোড়ীয়ময় কি করেন গ্	•
	(भाष्य्)	٠,		জিশোগনিধং ( বলমের ভ মাণ	
22 -	८ तम १ क क क्या व मा क्षेत्र व	*		জ্ঞান্ত ক্ৰমেণ্ড ভ অঞ্চলন স	* 1.
	41718018 ·		. 80 1	Epigeriones La constant	•
75 1	্র ব গশ্ব	٤,	52	भिक्षः <b>अ</b> ष्याः स्थानस्य	••· · •
<b>54</b> ,	🖺 । इनाभ 🖰 सामनि		••,	•	. /•
	( B pq 200 200 )	и.	CETT	নাগরাক্ষরে প্রকার	* *
	५११ की स- कक्षार .			भिक् स-भवस्त्री-'म'सळ्डः	**
3 R I	শ্রেমার্থক ( ভড়ীর সংখ্যার			- ,	•
	•	ěq *		<b>७ १ - १</b> % म्	Į.
	दीन-'सन् सन्ध	••		म्।सूनाम विकाशिकम	4.
•	সাধনপথ ( ৩র সংখ্রণ ) ক্রেখামী রখুনাগ লগে ( বাণা	1		গোড়ীর মহন্ত পরিচর:	1.
7 <b>3</b> - 1				म् । ारणव्यस्य -	
<b>33</b> 1	( चारामा) अवद्योगमात्र-अध्यामा	in	220	রজী ভাষায় প্রকাশি	ণত
•	<b>※(金を) ※</b> (	4	491	শ্ম ভূমন	1.
<b>**</b> (	(মব্দীপ প্রিক্রমা)	. ر	241	गावक भागक शिरमकीम् अव	
45.1	शिक्रमाना	150		ज्युद्ध स्था भवा अर्क	
221	अवद्योगभाभ-साराष्ट्रा	j.		दिवसः नी क्षा <b>भ</b> ्	,•
201	के दामानशक	<b>u•</b>		दकावाहि .शाक्षीयमठे हेम् पूर्वः	J•
-	अवदील लखिका	-		पि <b>भाग</b> 1 ड	1.
	( 888 (91414)	4.	<b>◆</b> ₹ [	হলেটক্ প্রিন্দিশ্শ গাও	
<b>26</b> i	জ্ঞানবদীপভাব ৪রছ	1.		व्यात्नवासम् । स्टप्शायन	
201	क्षेत्राक्षम् कराणा श्राहमा वणन	į•	Ü	ড়িয়া অক্ষরে প্রকা	শত
291	•	٠,٠	<b>*0</b> ,	জীক্ষিনাম চিন্তামণি	<b>N</b> •
	मे <b>छ। न</b> णी	1.	<b>58</b> 1	माध्य न्य	1.
165	हिटल अवदीन	>#•	<b>66</b> }	<b>*******</b>	¥•
4+ }	माधनक्	1	441	<b>ই</b> ভাবজী	. >
۱ دې	6 21 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	1.	<b>41</b> 1	শরণাগতি	1.

#### প্রাভিছাল:-- এট্রড্রমর্ড, পো: এমারাপুর, এটারা।

# কলিকাত। গৌড়ীয়মঠ হইতে প্রকাশিত

# শ্রীগোড়ায়

একমাত পারমার্থক সাঙাাহক

তত্ত-প্রেমণথের বছল-প্রচারত, সক্ষলন দৃত, নিশ্বংশর স্থালোচক' অক্ষন্তান ও অধ্যেক্তর-ভক্তি-নীমাংসক, নিশ্ব-জী,ব একমাত্র অইগতুক দ্রামর, তরিজনোপাসক, প্রমার্থ, ধন্ম, অর্থ, কাম, মেক্তি, সমারু, ববাল্লান, নীতি, প্রস্কু, কান্য, শিল্প, কান্য, একারন, সাতিতা, বিজ্ঞান, স্থৃতি, দর্শন, ঐতিহ্ন, চিকিৎসা, প্রাণ, জ্যোতির, দৈবলাপি প্রভৃতির নিরপেক্ষ পারদশক শক্ষপতি—জীক্তকার কিন্দ্রগোপাধ্যায় ত্রিক্সারী, ভাতসার্থ স্পাত্যশন্তাদক—জীক্তকার নিশাবিদ্যান বি, এ

অগ্রিম বাসিক ভিক্ষা ৩, টাকা, ভি. ভিডে ৩৮০

অফিস্—১৬নং কালী প্রসাদ চক্রবর্তী বাগবাজার কলিকাতা।

শ্রীধাম মায়াপুর শ্রীচৈতত্যমঠ হইতে প্রকাশিত

# দি হারমনি

### বা সজ্জনতোষণী

ভাই বিশ্ববৈশ্ববরাজস ভার ইংরাজী মুখপত শুজ সনাত্র-এক্স-সম্ব ীয় ( মাসিক )

বেদ, বেদাস্ত, উপনিষদ, মহাভারত, গীতা, শ্রীমন্তাগবভ, পুরাণ, ভঞ্জ, শ্রীটেডজ্যটাজিলায়ত শ্রীটেডগ্রাভাগনত শ্রীটেডগ্রচজ্ঞায়ত, ওজ্জিরসায়ত-কল্প, ষট্রাণাস্ত প্রকৃতি সাহত গ্রহণয়হের নিরপেক বিশদ-" ব্যাখ্যাকর্তা। বার্ষিক ভিক্ষাত, টাকা, ভি পি, ৩৯০ আনা

> শত্র বি বিবার টি ধান্দ্র ম্যানেজার—হাক্সফালিন্ট

(भाः भाषाभाषा क्षेत्र, दण्या नतीक्षा ।

# চিত্রে নবদ্বাপ

প্রাচীন নবদীশের অবস্থিতি, তথা, ঐতিহা, প্রোত ও ঐতিহাসিক প্রমাণ-সম্বলিত নয়টা দীপের সচিত্র বিবরণ গ্রন্থ .
স্থাজার্য স্থাক্তনাতেক

কুমার শ্রীযুক্ত শরণিন্দুনারায়ণ রায়,এম,এ; প্রাক্ত

# মজেদর কর্তৃক সঞ্চলিত

৪৭ খানি বিভিন্ন বর্ণের অপুনর চিত্র ও নানচিত্র সমায়ত প্রাচ্যবিদ্যামহার্শব বিশ্বকোশ-সম্পাদক **মহাশান্তের** বিষ্ফুত ভুমিকাসহ

উৎকৃষ্ট (ইং) মরোকে; বাধা সাত ; জি পিং তে ২, ছই টাকা মাত্র াধিস্থান :—জিটিচভগুন্ম, পোঃ জীমায়।পুর, নদাদা।

# বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভাজমঠসমূহ

চভন্ম মঠ

আকর মটয়াজ

ल हीन नवबील, छोक्चब क्रिमांम माबालुब, नतीया

শ্রীমভাবোগণীয় ভটকে প্রায় ৩০০ দল্প উত্তব-পূবে শ্রীরজগরনে আচাগারছ ইচিক্স-(अथव-कृत्या रि.सि.टेन्फ आ-मर्ट निवासमान ।

এই স্থান বারপ্রক-বীর্ণ, পরাবিত্ব পীঠ বা সাক্ষম ভ্রমানগুলী। এই মহা নীর্পে প্রীকরি-নামায়ত ব্যাকরণাদি-বেদাজসমূত, পরবিশ্বার অন্তর্গত কাবং, নাটক, অলক্ষার, কলঃ अभाग-केंग्नियम-शी रा-एक- ± प्रान-त कृत्रैटध्य स्थापन । ও स्थाः भना धावर क्थाय टीखिक-दर्शीवाक्य-बाक्त व्यका-विश्वित्वत अ शाक्षक माल्यामाध्रिक-काशांत-छक्तः व केलारमच फेलाल সম্প্রদানের অধ্যক্ষণদক ও প্রপ্রাচীন প্রস্থবাকি পাচার কল্পে 'নাদীয়া-প্রক'শ' যন্ত্রপর আছিত ক্ষাকেন আভিবংসর শ্রীধাম-পতিন্রেমান্ত্রীল ও অগাণ্ড ভজাগায়ি ক কীর্ত্তন প্রচারসমূখে মহামতে হিশ্ব দি ভরাগ অভ্**টি**ত হুইরা পাকে। কক্ষাস----একাটারী ট अक्काकी बारकाराजीन, आशाम नीरहस अक्कारी, शिखन खीरामनानम अक्कानी, 📆 🐢 समीर्श्याम नरम्याभागातः. 🕮 करवनाम मान अक्षाराची अमृण सकानश्य ।

#### (৩) যোগপীত ভীমন্দির

धार कान कियानहान्यित सत् भाग ना ীধ্যালা প্রভার আনিভাব-ভূমি মঙালোগ-नैके। त्वारन शिंग्स्री शहा व शिक्षि **ल्लिकामक** जीरानोडमाजान्य हत्तर श्रीहेल्डमा 👁 🗃 वामाकृतमध्य निष्ठा अपना क्रमा क्रमा कर्मक (मधा नहसाम । क्रम क---(शाक-मानायम त्नायामी कहेतात्वा आफू दिलमा-माथ । मरकाती ट्यिनिकानिम उपनामी, 🚵 वामणान अवहरती । श्रीनामनवान व्यक्तिwiff. (pamin @micoam)

#### (৪) জীব(স-অলম

विभव्यका शक्र व कीर्जन-निकास वा **क्षरमोदनीमार शगदनी।** दशस्य व्यक्तिभोद লিভানিক ও প্ৰসংক্র গ্ৰা ক্রমান। क्षण र अधिवाशायाम अवश्वती, श्रीव्यमुक 🖜 🗃 शाकृतमाम वावाची .

#### e ) ভাৱৈত্ব-ভবন

us श्वारत श्वीकारेवल शासूब क्षेत्रन धावर | दमवा वर्षमान ।

. (७) काओत সম। धि भ हे व्याधीन मात्राण्य, नामनणुक्त (नमीवा) विश्वीतक्रमांनाव विधानकाकी प्रमान क्रम - अवहाडी विविद्यामांवदादी :

#### ( १) प्रांत्रण खुवन कुछ

**बिलाक्त**म, अक्रलश्च ( गरीका ) এখাৰে উবিসুপাদ দীৰ ড'ক্ৰবিনাৰটাকুলেং मधानि कवर खीत्राविश्वाम कवर है खीनावाminera Lett Their नक्षक--- क किन्द्रधम कानगत्र अक्षाताही

कुका कियी बना अन, धर ।

#### (৮) श्रीक्रशभाष ८गो होत्र मर्ह भरभ- निरु ।

रक्तक--- है। यक्षत क्षतिक क्षी क्या, क्ष ति, ज्ञा, महकारी -- श्रीनेक काम क्रांक-माही. व्यक्तिका संस्कारी अड'सा

(२) शिद्धारत-शाम (भव-मठ টাপার্ত টী, স্থালগছ, ( নম্বর্যন ) नाम नाली नार्षद का कि है द्वांत्रप्रमानक

(১০) শ্রীরূপ:গাড়ার-মঠ मर:1512. श्रमाश के डे. लि रण व --- शिक्तिमाम अव्याधाती, श्रीकृत्यम् वर ব্ৰহ্মশ্ৰী :

#### ( ): ) औदनामक्रमक्क-

भाष्ठिताकि, स्राज्ञत्तर, तक्षमान। 🕮 गामान कार्य है कर युक्तान अब अस्ति। (১১) कांशनक व्यानम

🕮 ভাগবন্ড প্রোণ, রুফানগ্র, নদীরা। काशव • शिष्काख अष्टावली व्यक्तार-व्यव क्षण क-- टीमहानम अक्तारी।

( : 0 ) डी.जनासन सर्वे टि:व्यक्ति, त्यावाकी, कुळनगढ, मशोदा । बक्क-श्री थडगानम अम्हाती ।

( १४ ) 🕮 मानव ८गोड़ीय मर्क a. सर तवात्र श्रव .. साफ्, छा का । भूगा राजव क्षात्राव-१०/४, क्रवारन क्षी खरू-। গৌৰাক গান্ধকানাগরিদরের যেবা বস্তমান। इक्क- जीवाश्वास अववाती।

> ( ১৫ ) औरभागामधी मर्छ 學別可[对表, 5[年]]

(मानानकीड आर्रिअय क कार्धीन स्मना प्रकर-धियाग्याव अध्यहाती।

# ( ) बिटगोडीश मठ

১৬ मः काणिकाशान ठक्कमञ्जी हैति, त्याः वात्रवाचात्र, क्रांकिका हा । रहेणिस्कान वि. वि. ७১১६

- প্রীম্বারা গভুর কাচারিত প্রনিশ্বল ভক্তিশর্প-প্রচারোক্ষেপে পেছিবেশের সক্ষরাধান नगरी कलिकाकात श्रीकिनिस्ताम आगस्य श्रीमा अविष्ठिंत आर्थम । यहे अक्ट मक्दारादम के खुब-दर्भागक-वितिरमामाम्म बीडे मनार्यस निष्ठा दनविक क्या । दशेषीर ' काठामानतीय या गठीय अष्टानतीय अम्माद्धारमा श्रीभाठ मरमञ्जलकी क्षेत्रक मृतान बञ्चालय मन्द्रातिक ब्रह्मारक्षम । भूभिवीक मन्त्रज्ञ 🚉 बोबनाय खाठावार्थ खडे बञ्चालय क्टें: व '(नो होश' अन्तारिक नक् कि इन्द्रश्राविष्टे प्राप्तिक नक्षिक देशाकी कार्याक বিপ্রবের সহিত্য নেতা দেবিত চলতেছেল। এই মঠতাকে প্রেমাণিক দৈনিকপঞ্জ সাক্ষ্য । নিত্তমত ভাবে প্রতাপত চত্তেছেল। জীমতে পাত্র সভীউন, সঞ্জাল-চাতুইর-কোন্তর, चीमदार्थक, चौरंड क्ल-हर्तिकाम् काणि-लीका व क्रम्थापक मभक व्यासनाहता प्रकेष থাকে। মার্ডাক ক-মাচাবাত্রিক জীপার কুম্ববিভারী বিশ্বাস্থ্যক। সভকারী--পঞ্জি अभेशाय कारकारावाचन नार्वकाल्यम निन्द्र, लीगांग क्रमारानम नार्वकारायम विन्द्र, শ্রীপাল মরচরিজী। সচকারী -- শ্রীপাল বিলোল বিচাল বিজ্ঞানী, গাঁওক শ্রীপাল গোরলাস । প্রীপাল রাম্বেকারী - শ্রীপাল কর্মানী, প্রান্ধিকারী বিশ্ব, শ্রীপাল क्षरभागान कामानिकारी, अवहारी चौकीस्थानक, अवनाती जीनाविधानन, व्यवहारी होक्रकानम इक्किनाओं, अधनावी खोष्ट्रकीनका, मुख्य खोला सरीसक्रक चक्र चित्र अक्षाद अक्रिमात्री काम्राम्।

#### ८७ · श्रीमाहे-त्योशक मह इतिकांक समाधिनी माना, वार्गियाणी, छाका

च्चीशमाधे-(शोदार्थं कि कि सम् दण म - स्थितन शब्द अकार हो ।

#### (১৭. এতাগবভদ্দানশ मह

फिक्किया, माळालवलुत, द्रमांमधी भूव । खगारन ने सक-्यातात्र-गावांकमा-্সবা। রক্ষক--- আভিক্তিবিজ্ঞান আশ্রম। বিংতিধারীর নিভাবের বিদ্যান বিক্ষান। রক্ষক---ंद्रक्यामी को क्यानामधामधी। तश्रहा**ही भन्नाम**स

### ं रेप, व्यामनार्याण। अश्वास्त्रव

त्राक्षतीम त्याः वक्षमान

व्यक्-अवनामी खोर्बाइन fermin!

#### (১৯) औश्रक्तरवादम वर्ष

यर्गकार, भूदी, উভिका। खनात्म औरशोव-विस्मान्यानवकीक मिछा-्मना य क्याक । तक्षक - अव्यक्तावी व्यापस्था-नक विकासक. उक्कारी शिवकीशामण ।

#### (২+) শ্ৰীব্ৰদ্ধ-গোড়ীৰ মঠ

ষালবয়নাপ, ত্রন্ধগিন্ধি পোঃ, পুরী। कश्रधावरमध्यस कानवन्त्र नगरध विभयकः व्यवकान । यक्तक-- अव्यक्ति र्केश्वरायको अभावको। त्रक्षाको-अभागती और्विश्विवश्रिता

#### (২১) खैनकियानम अर्थ

Biggirimis, wow ! **७४।८न की शक-दर्शाशक-विद्यामसम्म** 'জীয় বিভাবেশ বস্তুমান। স্বত্ত अभवादी जीभवादम ।

#### (२२) खीननाडन-भी पात्र मर्ठ

वनर अध्यक्षान्त्रभुवा, भागी । C에 :- 어린 体的 6 月中(世界-「竹市「古の ) क्ष्यांच दश्रीदर्भयः यस्य व । सक्तक---ज्ञीकामकोमावको :

# ा का **शिक्कादिए जन्म प्र**हे

खीनु धरण्यात कृत्व, खानाम बुन्हाबन । B 型 C111- B# -(B1###14 (2111)

রক্ত ভ--- শীগণগুলিনার প্রজ্ঞানী

(48) 過时資料率(2 報答 Columbati, Atuma

अवादन ইं5डाशन्छ लाह्ना<u>का</u> 🕮 और निर्माण विद्यानकी व दनवा वसमास्र । क्षी धनःशांताण क्षेत्र कांसका शिंतधादीत क्षण --- अक्षाति श्रीनुःगरवानम् । अक्षाति जीवयक्रातः ।

#### (२०) औदेष्ठजादगोडीय मर्द्र

कृपत्रकृष्यः, वित्रकृष्यः, यामस्य । केवा मान बाब, जिटकनशानम अब्रुठ-हो। जीवाय Bid CHINESTO !

#### (२७) अन्याम भोडीय वर्ड

Trema, wienne, meine amica स्वीरशेशनतमान-वादमक दशका वर्षकामा राज्य--- अवश्री शिक्षवंतकी । (२०) लाष्ट्रनगढ़ा अन्त्रात्वनम्ब

ব্রাহ্মণপ:ড়া, পোঃ মাজু, চাগড়া व्यमादन सक् कृष्ण्याति लोदनाश्चारमञ्ज दमशा वर्षभान । वक्षक --खबवामी औद्यानकृत-

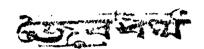
### (२৮) विज्ञा ८गाकी म मठ-कार्यानम

भाग, श्रीनामान्यम अञ्चलकी।

Se cen . Winin. fin findt i मुक्त - अकाती श्रीवाधिकामानव. अवकारी जीवायावमनहत्र्वनके । ।-

(之》) C可以可以以及)如何可以可以 क्रमण-सम्बद्धारी स्वीतामादशस्य

### জ্ঞান নাক্ষাবনেল ক্ষেত্ৰ নিৰ্ভিত ভাক্তি গ্ৰন্থাবলী



· 🚉 देखन्य पूर्ण - अम्बद्धिकि विस्तान । अन्तिम । जिल्ला -Buten श्रीरकत लारेत्वय. करमत महिल मध्य. निका स स्मिथिएक अन्तरं, श्रीकरेड निर्देश न अध्यक्तरंदान व एकत्र स्मिटिए चैश्रमार्था साम्बद्ध कंत्राच्छा व क्रमान. टेवान व वर्गा श्रमानमा. टेवसान-क्ष्याव चार्नण, मारकोणांत्रवान केविक शांतका, मामाक्ष, रामा-क्रि क क्षाकारक्ष ८०म. इमराव्ययः अटेबल्यामी क्षेत्र कालिक कारक्षा, कीरनव नदा का रू मुक्त, देवकरपुरुएका व्यक्तिकात क्षांख्या व्यक्तिकातीनात्कात, क्या च व्यक्तिकारनर आचेक्सा, माक्तमण म टेनकारनण, उनदम दक्कनीया, करान म এছ কু আয়ারে কাইচান্ত্রন, ইতিগ্রহপুতা ক পেটকুন ferming mermen nachtne nie a fatte wied. "M-कार्य क्रम के उन्ती केलल, न्याँच (१०) ते. मी न्या , देवती के अरावाधकार किस्त, महस्रकारन, तमकदार बानकारी, लावकीयरम, प्रमुव रम, भीवाधाराण शाक्ष छ ममाराज गाया गाया आहास िश्रृष्ट प्रश्तामका चा छ। स्वलहातार कर्षालकश्राकण जा :-लिक नक्षराच्या अब्दे अवस्था ध्रम् ३१ छ न वर्ष वर्ष द लाहप्रशिक बारकाक क्रिकु क्रम क्रमान व गरनत्र भागित सा 网络种 对话:"那是不知识,一个不知识,一点,一点,一一一一一一一点的一点特别,你 **अभागमार्क्षक भारत १** जिल्लासन्दर्भाषाम् । महर्गार्क छ । करण छड़ अध्यक्ति । जिस्स इत्याहरूमा । साराव व्यक्ति अही, अभागात ४० कि दो । है रमम कहा करा १६४० एक र दिन्दर, अध, दमान्दर, कटल, नाम दलला, हेरक्ट, ने मार----८७ म श्रद्धः व ् माळा ।



### ्डिक्षं मःष्ट्रक ममतामाधास्य २, प्रदे होत्या सार्वाधास्यक्षा ८५० ८५० ४ हे हा मा

...

वृष्णिवृत् नाप्तराका कार्य व्यारकाक मानदार कद्मत व्याक के कि मनाक्ष्म नाश्चराका कार्य मणित क व्यापालक क्रवारका (प्रदेश, मर्ग्य क भाषांत्र भणा कि क् व्यापालक क्रवारका (प्रदेश, मर्ग्य क भाषांत्र भणा कि क् व्यापाल, मम्बद्ध, नाष्ट्रक, मर्ग्य क भाषांत्र भणा कि क्यारक (द. व्यापालक क्रवारक व्याक्ष कार्यक कार्यक क्यारक (द.



विक्रीय ग्रहमवन ४० माना

### ভূমন্ত গৌরাক্সের সচিত্র

# শ্রীনবদ্বীপ পঞ্জিকা

পারমাধিক বাজিমাতেরই একাশ্ব প্রয়োজনীয় বিষ্ণুত্তত ও উপবাস।দির ভালিকা সম্বলিভ বাংলার ঘরে ঘরে বিরাভিভ হউক

ভিক্ষা ৯০ আনা মাত্র ১:০ ডাক টিকিট পাঠাইলে ডাকে পাঠান হয়

0 314 10140 31191464 3164

মহাক বি

ভ্রীস সেচিনদাস টাকুরক্ত

### ह्या देश हैं जिस्सा करता

ওঁ বিষ্ণুপাদ এএীমন্ত্রজিনিছান্ত সরস্থতী গোখামা প্রভ্পাদ-সম্পাদিও ভূমিকা; লোকের অষ্ণ, বহাজুলাদ, প্রতি প্রসঞ্জের ও খণ্ডের কথা লাল্ল, শন্দ্রতী, স্থানসূচী, পাত্রভাট, প্রমাণগ্রন্থ, ভালিকা, পঞ্জস্চা প্রভৃতি নিম্বত সূচী সম্বলিভ ব্যক্তি অন্ধরে ভ্রমল ক্রাউন, আইপ্রস্থা আকুন্ত্র

### শ্রীহরিনানটি ন্তামণি

মামান্যা আনি ছবিদ্যাস্কুত্ব মুদ্র ইনিবাচাক দু
নিন্দ্ৰ ক্ষাত্ৰ ক্ষাত্

# <u> বিষ্ণব্যঞ্বা সমান্ত্রি</u>

. ३. अ.८ - रेगर्क विश्व १

্বিং :— ১ । ত পশা স্থা বাবজন শালা বি তথা হ।
বি শালাগ বের বিক্ষাব্যালের চিবির, ত। বিস্থাবয়ন সম্পানি র
কীন্দির ও বি বিধাৰের বিবরণ, চ। বৈশ্ববাহ ভারা ক্র
সহতের ভাহশালা বিবরণ, । বিশ্ববিদ্যালয়ের বাবি ক্র
বিশ্ববিদ্যালয়ের স্বাধান্ত প্রা। চার্যাল্য পাকা শালা
ভিত্তি । ১৯ গ্রহ বিশ্ববিদ্যালয়ের চার্যাল্য পাকা শালা
ভিত্তি । ১৯ গ্রহ বিশ্ববিদ্যালয়ের চার্যাল্য পাকা শালা
ভিত্তি । ১৯ গ্রহ বিশ্ববিদ্যালয়ের চার্যালয় বাবি স্থানিত , ১৯ গ্রহ বিশ্ববিদ্যালয়ের ব

#### बाँ हा कुम्म ड

্যা খণ্ড ১, প্রাক্ত ভাকা - র খণ্ড ১, টাক — শ্রীমন্তাগনতের ও গৌড়ারের প্রাহকগাল সাত্ টাকায় সূত্রণ কাইবেল লোক হট্নলাভর অভিক গালানীবালের বচিত প্রস্থা তল্ট হট্নলাভর অভিক প্রাক্তনীর মালা প্রাক্তরতাল।

> ইম্মনালামা প্রজলিত স্বান্ত্রিক্সতিঃ ভিলানে প্রান্ত

# বিক্তাপন

### স্বিগান!

मानश्रान ॥

জে, বি. দতের চৌক। শিশি আদেশ্যে তৈওক আদিও অংশ্রেম এবং উপকারিতার স্থানকন প্রিচিত ও বহু প্রশংসিত।

আমর। সংব্যাধারণকে জানাইতেছি, ব্যাধার তৈল খরিল করিবার সময় শিশের গায়ে হংরাজী অক্ষরে জে, বি, দত এও কোম্পানী নাম খোলা দেখিয়া খালৈ করিবেন। নতুবা জ্যাতোরগাব কমদরের ক্লাএন তৈল দিয়া প্রভারণা করিবে।

নিনীঙ-(জ, বি, দত্ত

# ফেলাদ কুইনিন্

ন্তন এবং পুরাতন মালেরিরার হ্ম

ইবানে উপস্ক নাজার অংশ্রন, সাইবাইড্রোফ্রোর
কুইনিন্ থাসেনিক এবং ইউবিদেন আছে।
বা পুর্বী হাজেকসনের সক্ষপ্রকার কঠিন মানেনিধা হ্লা বহ্ন
করে বেবং ৬ চল্ডে ১২টী গজেক্সনে নাতেনিয়ার সম্ম

৬ এল্ফুল্ব প্রতি বাজ -ম্পা ২, টাকা, ট্রা ০, টাকা বাচৰে কেমিকালে ৩৩ জিনিকাল লাবরেটাবীকে ১৯১২ চকুনিমস লেফ, কনিকালা

গোডায় বৈক্ষক জগতে অভিনৰ এছ !! শ্ৰীল চাত্ত ভাক্ষবিলোদের দীভি-এছাবলা :----প্ৰেট সাইড

অষ্ট্রম সংক্ষরণ ভিক্তা • অনে

দেহ ও মনের চেই আন হাবছ লইয় — ইয় মধন কৰি বুরিতে পারে, তথন একমান্ত নিহাবছ জীজগবানের ব্যাস ভীছায় কোন ভাতার আবেগমনী প্রথমনা হয় এবং ভীজগবানে সহাজেকরণে নিহাপটে কি প্রকারে লংগাপর হচতে হয়, ইডালি বিক্র বালেশলী প্রথমনী ও আন্ধান সম্পন্নক পান ৷ সভেরা সংক্রার প্রকাশিক হচরাছে

किया औष प्राप्त अव वाना

(बामकांकानात्वका- /•, मन्द्रीशमक--/-

न्द्रकृत माहित्र १९४४ मध्य

কল্যাণকম্পতরু

1 3,81

বিশ্বত ক্যাটালয়ের জন্য নিমালটোটে কিন্দ্রটোট পত্র ভিস্কুন( নদায়)

৫০ বৎসরের পরীক্ষিত করেকটা মতে বিধান ব্যবহার পরীয়া তাল মুদ্ধ হয়। বে সমন্ত প্রশংসা গঞ্জনন ক্তিগাঙেল, প্রায়া বিশ্ববিধান বিধান বিভাগত হয়। প্রেয়া আন্তির চাব্যার করিয়া গত হয়।

১। চক্রতাতা বটাকা---চলৰ নামটাও যেগন কালক সেই রক্ষা। ইবা সুক্ষা ও প্রভেন সেল, মৃত্রক্তি, নশ প্রাভৃতি এবং স্ত্রীগোর্থিগের স্তিকা ব্যানেম, খেত এবং রক্ষ্যান্ত পাড়তি নাগে আত কণপ্রাম।

২। সুমুখ্রিসহায় বটিকা – মাধ্বজ্ঞাবিধীন জড়াংকাই নিজাবিধায়ক ঔষণন বে কোন বৈচিক ও মাননিক শীড়াবশক্ত আনিজাবোনে এই ঔষণ কাবছাৰে গাঢ় নিজা হবৈ।

৩। মণ্ডুর বটিকা—ইণা দেবনে প্রীতা ও ওদয়স্থিক নেবা ও শ্লীর গণ্ডুর ছইয়া যাওয়া ভারাদি বিদ্ধিত ভইয়া রক্ত পঞ্জিব প্রতি প্রোপ্ত হয়।

के किन अक्षारक अटकाक खेवत्त्र मृत्रा श्रवि दकीहे। - त्रिका।

আধিয়ান:- আত্তৰানতাত উন্নালনা । ২১৪০ং বছনালাৰ ইটি, কৰিবাড ।

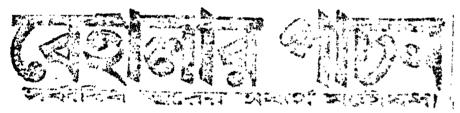
#### ख्येनवहीयधानमाश्या समान वन जिला ४०

শ্রীটৈ এক মহাপ্রকৃত্ত বিহার ও জালাভাম নয়নী হাপ-সন্ধানত। এই নত ছীপের আচীন বিবরণ—এতে ক ছীপে শ্রীমহাপ্রভৃত লীলা—এতে চাল ছীপের পারচয়, শ্রীধাম-মহাস্থা—বামাপরায় তে । ভঙাালি বিবর নিশেষভাবে মনোহত ছব্দে বাইড। প্রেটি বাইজ আম ২০০ পুরা।

ভিতৰ ব্রেক্তির কৰিছে ভত্তম ভাগতে ব্যালন প্রকাশ বিশ্ব বিশ্ব ভাগতে বিশ্ব বিশ্ব

সাধকক পূম্বি- ক্রেক্সর না, আলাগ্রন, এরংকর আন দর শতনাম ও শীল নবাস্তন ইংক্রের ও চইনিংস্ট থানিক ক্রম্মন প্র প্র কার্কন চিক্রিকা প্রজ্ঞির স্থানিত গাঁভারণী স্থলকোরে পরেট সংহত্তে মুদ্রিত ২১ সংস্করন ভিক্রাত চাবি আন সাম।

# কবিরাজ শশিভূষণ কবিক্ঠাভ:.বের



মক্ষ্যেকের তাবদার কয় ও আঃ শিশ্বতে ঘণীভূক অবস্থার চোটবোশ্যের সম্পর্নিশ্ব উবদ ভাকে পাঠান কয়, ইতান্তে ঔষ্টেব কোন প্রিবউন করা কর নাই। মুগ্র আদি শিশিরত আনা, প্রিটাপ্তি কানা, বোস্কা ১৮৮ আনা।

অফিস-১১নং উল্টাডাজা রোড, পেঃ শ্বামনাজার, কলিকাতা

# মঙ্গরা

বটিকরে করা ও থাতুবিকার, উল্লিচ্নপ্রিয়র প্রান্ধ লাজেরে জন্মপাতা, বর্ষজন, মাথাবেরিং, বুক বর্জ কড়ানি, জনিয়া বাড়ডি লক্ষণ সভার নিশ্মের ভারোগার রাজ । বলা, বীরা, বেবা বৃত্তি করিছে অভিন্তিত ইনিক। মুলা ৫০ বই ১১ এক ইন্ড)।

भारतीय ज्यानक स्थापित प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्त

হাইড়োগিল

41

কোশরন্ধি রোগ

काः धम, धन्, ध्याय विना व्यक्ष, यात्कोतस्त्रत गावाकि विश्व देवशाक्रक कागानास्क स्थायतृष्ट शाम व्यक्तिमा कृतिस वाक्ष्म।

#### 51

### শ্লায়ত

শিন্তশূলের জাগুর্ব মভৌষধ। ১ মাত্রার উপশ্ব, সপ্তাতে জারোদা। ছোট ৮০ বার জানা, বড় ১০ জানা। মাঞ্চল পুণকা

# २। শুক্রাচার্যা मञ्जोवनी পোষ্টাই

প্ৰায়েক ও ধৰ্ম ও ক্ষেত্ৰ আৰু মাজে মহোৰধ । মুদ্ৰ ২ ডিবা ১:• ক্ষাৰা। সাধ্যক পুলক্

৩। সন্নাসী-প্রদত্ত অর্শরোগের অব্যর্থ আংটা
আলোগা না ১ইলে মূল্য কেলে। মূল্য সংখ্যানা। মান্তৰ পুৰত্ব।

৪। কোত-বান্ধব পীল

बादीय, ाठेकाँगा, त्याउट्यानसर महरोत्रका किया ॥ व्यासा । बाख्या भ्राव्ह ।

৫। বাতল'ন

বাংলেগ্র মত্যাশকারী ও সন্থাতে আন্মাস্থা আতি শেশির• **আ**ন্ধার মাল্লপুত্র (

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তুতকার হ। সহর কণ্টালগের জন পত্র শিখুন।

লাজভান—নমোমে:হন লে<sup>২</sup>রেটরী

्भाः ऐश्वाती, कमनाश्वत, छाकः,

# মনোয়োত্ন প্রেস

পুর্ব বাজাগার জগতে সকল সাকার ছাপার জন্স বিদ্যাত কৈলে কিল্ল কোন চালে সকলে কালে কিলেকেছে ১৬ জালিকে হালে নিজ সকলের পত্র বিশ্বস ম্যানে জানি — ম্যানি ছালি কোনা

# मतः मार्य नैं। हो हेवात छे शाह

> সোল একেন্ট— ডাই ডি. ডি, হাজরা। কংকেন্ড, নাংজনকিচ লোই, ক্রিকাঞ্চ

> > किशाला कार्ड कतिया निक्रिक



<u> শব্দাপ</u>

विकाशभटना साम **Aiwaics** প্ৰাক্তি কৰি ১১ STORE FTE



বৰ্ত্তমান–বাৰ্ত্তাবহ

ভারতের পক্তে বছল-প্রচার-নদীরা ভেগার একমাত মুখাপত

मानारमान काल व्यक्तिम (मध्रा गायिक 🍇 वायाधिक व. देवमामिक २५% गाँगिक ১ 3151W প্রতি সংখ্যা ব

৬৯ খণ্ড বিশাদক—শ্রীমতীন্দ্রাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচস্পতি

১৩শ সংখ্যা

শ্রীলাম মাহাপুর ৫ই চৈত্র হৃহস্পতিবার ১০০৭, ১৯৫৭ মার্ক্ত, ১৯৫১

শহাজাপীর সভ্যাগ্রহীত।

मनाया शंकी क्यां 5 व्हेटक स्टामा कारकार अवशिष्ठ नवसादि मन्दर आफिरन अवण्डान इनलाबी अञ्चानताम ज्वाही गान्ता महाश्व बीटक कर्मानि च कनमन गण न हे काव जेंग निधा जानन करमाना प्रशासी बरे Calvie ata naimen ferme mega 🖟 व्यापर भक्षामाखाला । भवाक व्याप्त 🗘 🗗 अभीकार करका। दिनि बर्मन द्यः, हैं दिवने नक्ष नावशाती**का**द विक्रें वहें(क to for non where of 1

भक्षाको अहे शक्षात बद्दलन दर. क्रिक्ति व्यवस्था विद्याली कास्त्र स्वरास् व्याचीना कतिराष्ट्राक्रम, श्रक्षकार कॉल विद्यमान्या नानभारीत्वस विकड क्षिक्रक अधिनक्षम अक्रमांग्रह व्यथं अन्त क्षित्क शादबन का। किनि बर्शन ८४. हैंबिन चेल अक कि मुख्यांकी, चटतार क्षेत्र करेता व्यक्तिया कथा व्यक्तिएक करेता । भावाने मन्द्रभा मण्ड क्या कांत्र्यम, विकास काम जिल्लाक कामनाच करणन Witt sein Amitate muche mit HEE4 1

मनामानी गरक माठक परगंग---<sup>र</sup>काबिद्य मध्याः अभय विषातः भागात E Maiffel ffesten, fom mile mne क्षाकी किया जिल्ला का कार्रा । भागि guige, fowed than white,

# মহাত্মাজীর সত্যাগ্রহীতা

অভিনন্দন ও অর্থ গ্রহণে গান্ধীজীর অসম্মতি

# মুক্ত বন্দীদের সম্বদ্ধনা

আর্ডেড়টাইনে ব্রিটশ প্রদর্শনী—যুগরাজ কর্তৃক

# শিষোদ্রায় গান্ধীজ

বিভিন্ন জেল হইতে বন্দীদে: ক রামুক্তি ও সমর্জন

# কাথিতে গান্ধী—দিবস

সুরাটে গান্ধী বর্ত্তক জাতীয় পতাকা উত্তোলন

# নাটোরে মিছিল ও জনসভা

আই ব্যাহ্রাণ আল মদ বহুণ, বিষ্কৃতি সেলীদেবীর মৃত্যুতে হালিতে পার্কে শোক-সভ

भगार्थक केवा स्थवन क्याहेशाकि, आधि भागात लिखा हकी। गर्किक विस्तानिका करियांकि, क्षि भाग अवस्य दश्चम क्षता युक्त कावता कि। व्याननाविश्वति क अशि अहे ८ लाम करत बहे मकत क्या otocafe I

मनापामी परिरम्ध क्यान्की नामक करेमक करा अथ कर्यी कि का किम्मान गढ़ क विकेति अस्त देशारेक आधारक प्रकाश। मान्ति श्रामिश अमृत करत्रम खर्श घटतम .स. यक्ष मानगाबीतः यशि विद्याली यक्ष काला क्षात काश श्रेत जिलि शृत कैश वाद्य क्षत्रिवम ।

### অভিনন্দন ও অর্থ গ্রহণে মহাতাজীর অসম্মতি

मकाषाः आको नानाकरम्य क्टेट्स क्षरे मध्य छ। व नाबंद छ। ६ व. कार्र १ <mark>হালন্দ্রীয়া এগান মুক্তি শাই</mark>ছেছেন ला । कश्यक्ष की कारबंद केंग्रहक कालान-कारकार (य. गक्रम (गन कर निवंद प्राप व्यापदनम् मन्यात्मः ६ सार शिक्षः वर्षः । खार मुक्टा दयन देवया विवेदा चाटकन ।

#### गुक्त वन्ती रमन्न अधक्रमा

ट्यं गकत शांकावन्त्री कातः के स्टेसा-.৬ন উচোলর ংভিনন্দিত করিংকি জল elibicutet bim mibifi elimin - 40 ितारे गार्थक अपूर्वाम स्वा *(सर्वक्कांग* श्रंग मक्तांत्रम किंग हिना बहिना महिना भन किल्लाहीमिछ बाब समागरिक व्याप्ता आहत कर्यन । भवगत्कः वज्ञ, विस्तारी कि प्रारं, सारग्रन काः। चित्रकारी, चन्नदश्यः वाम, उभानीत नाथ थाङ, काशीलन क्छ. शूर्व⊳<del>ड</del> क्षा रही कार्केड वर्केड कार्यात कार्यन है

मुक्त बन्दीरनव सक्त कराक ह्यीपुक्त म्याप-१५ भागः, टेम्बाकःस्त्यः दग्धः, सट्डक्ष ৰাথ গাও আ'ছিবি বজুতা আধান করেন ঃ

### धा एक के दिन कृति का मानी यूनद्राक्ष कर्द्धक छ व. इस

285 मार्फ अनदार्ड अधिक्रकेश्वेस र प्राप्त व अ. अ.व. व्यक्त हे चु प्रवंश संभावीत 'नकाल क्वाबरमा भारक द्रावेच मा**ँतीका** लामणीनीय केंद्रश्यम क्हेब्राटका युवद्वी रि. ल- व्यय- कः स्ट.म् । इत् कामणनीत ब्रुहत Bimten wenn !

T T m | 21m warmetenn mit ich-के रम अमाजिक व्यक्तिकात वह मरशाक धनी, भानी । वास्तावीदम्ब ७०० मधान 1 4610 16 SP

Carb बुट्डिंग क्वर दुविल श आरक्षा ष्मकर्षक ष्मकाक कंपनियंत्रस्थित व्याप्त ५००० টিবভ বড় জ্বাধের ভানব প্রে 🐗 अपनेनीएक ट्यारिक व्हेडाइका अहेबा fafficus un nie C. .... . . . . . .

### विविधः भरवाम मिट्याष्ट्राय गाजीजी

प्रशास: शासी अवात्त छे०किङ वैदेश किल्लाम अर्थका करत्वा मुक्तात रक्षेत्रकार कम अलाव रक्ष्या करवस् र्किनि बालम् 'कालमादा आधारमञ इन्द्रपार, भागनांता क्षेत्रण काम वंद्रम (यन सर्'टमत है 'कराटम आत्नाता समत #\$1 \* "Item 1"

भर्गभाषी वस्त्रशाहम नामन मा कदा शक्कारण मार्गात बहाश्रमात वर्ताम, काहत व्यक्षिक छतः न्यास्त्रामानीतः कार्यातः व्यक्त मकाश्वाकीर के शक्षका करा बहर है व्यवस्था व्यामान करिएक बहेरवा तका वरणन् किति (नक्षणकारे) कताठी करामाणव लब वार्कीनी क कश्चरा क्षित्राश आहरूक अंश्ट्य शहन कर्ष्यत्त्रहार

 माधार्थक शीकृशीकृत्म प्रशासा शास्त्री मञ्जाब करमकति कथा बर्शन, कारक्षण्ड किनि वास्त्रोती याद्धा करवन ए

#### वै।कुषात्र क्षाप्तरार्थन মুক্তির পর সম্বর্জনা

🕮 বৃষ্ণা মণী পভূষণ সৈংক, বাজুভা সিউনিন্দ কলি কাৰতে পৌছিলানেন্দ । शिलाहानजीत कृष्युत (5शाहमा)म से मुख ভূতপুর মূল ভি মীয়ুক গোলিক আনাদ े.. इक सम्मान दल ग करते के मुक्क कड़े प्रार्थक १ (शमार्थ कीक्श्रेमश्रंदक शामा क्राफालेका wa: ebuffen :

#### वैक्षित मुख्य राज्यसम्बद्धाः

क्षिणा ८०१:७० कृष्टभुका ८०गाहमास ध्यार विमा कर्छा। कामजीव मण्यामक উহিত্ত মুনাঞ্জুখণ বিংহ, কিলা কংগ্রেস ক্মিটীর সভাপতি উল্লেখ্য প্রোবন্ধ প্রসাদ निरम, देक्षा भिक्षेत्रिमामामध्यि प्रमुख .5श्राहमा न कवर कथ्डाटमह आयान क**ौ** 🕮 युड व्ययमञ्जय अद्भा, सूनक भारत्य मन्त्रापक टीयुक विशिव विश्वती माम. <sup>क</sup>षाद्धा प्रधा कराजाम कशिकीत मुल्लामक **टीयुक्र** श्रीवेश्वयप महित खबर क्यी कर्गालम छो। हार्यः मधम्य दल्लनाम (सम क्रमेट्ड क्यांत्म व्यात्रमन कर्दित्य कर-ुम्हित्रम क्राव्यक्तिमध्य शिलून व्यक्तार्यना , व्यापान कटला ।

ब्यकृतुन्त द्वीत वहेटक व्यवहरून कता क्षां विकेश विकास के कार्या विकेश विकेश - करा कन्ना (क्षेत्रमा कहेटक चाक मिकिस) अभ्यादन अवस्थितिक कर्षात्र अस्ति। व्यक्ति व्यक्ति क्षेत्र व्यक्ति कारेका मा बन्ना क्षेत्र । कृष्णिदम्ब व्यक्तानीतः । · अंक भवरतः दाखायात च द्वाभागाते । का । श्रीपुका स्थाविनी स्वी प्रकारमात्रीह ममक्रव स्थानेक व कहा इदेशिक्या आध्यत्यक्ष करियाकिरणना

नागक भव वर्षामा छ दम् बाता धाक्ति अन्तर ডোরণ বার নিজাণ করে। অপর্চাই, লাভি দাস, জীবুলা নিয়ান্দী গরকায়, जर मकार कार्रामिश्यक मस्त्रीया करा हता. नाषी-भागाउँकेन सार्यास्त गर्व म्बिका गहेश क्षा क्षा गुर्ने छ हत्र ।

# মহাস্থার নির্ফেলে চলিতে অস্থরোগ

किना कराशम अभिजीव উत्कारण multer 'nicht fean' nife w bbuite i অধিক। হল হইতে নর-নানীক এক

মি'ছল বাতির কইয়:ভিল।! प्रकृतमात्र व्यवस् व्यात्त्वः कर्याककान वस्ताः वक्ष्मश्च व्यवस्ताः त्यःचन कार्ड शक्कीकारण मदाञ्चाकीत निरम्बन भक्षां शक्षारण हिन्दि अञ्चल **4(24)** 

#### কলিকাতার ডগলাস (क्यात व) क्रम्

कारण ८ जन प्रकाशिक व्यक्तिका িন, ৰোডেটৰ জুভপুস চেছাৰমানন, ভগল্প ফোন্টৰ ৰাজ্য গড় কৰিছে

काकेंग्रेश शहरी बाहाब किर्देशक ক্ষণাকুক্ত হ'চ, কিন্দু। কংগ্ৰেগ কৃষ্টিত চলগ্ৰহ কৰা কিন্দুৰ স্থানি কৰি কিন্দুৰ ভিয় জনিংছিল ভগতে কি কী छ प्रशीद भरणा: € ८८ मी।

#### মহাস্থার দীর্ঘ জীঅন কামনা कें।थिटड शाकाशिवम'

३२४ मार्क **करारन पंत्राकी विस्त**ी यवादीकि वाणित क्षेत्राह्य मध्यम मन युदा कातीय गटाक: मक हास्त्राव ब्राह्मात्र पुत्रिवाधित्मामः देशकात्म धाक ग्रकार ग्रम्भ ४० वा और शिक्ष म्रकाचात भीर्षकीयन कामना कदियाकिरणन :

#### মহাত্মাজী কর্ত্তক জাতীয় **अज्ञाका উद्धानग**

38रे मार्टिय मरवारम न्य मान, नार्कीमी चताक कालम टार्शार्मन कहा रहेगारह चांशाबी क्या मकाटम बनायाची. कवास बाडीव गठाका উद्धानन कांत्रदान ।

#### চাংশলী দেনীর মৃত্যুতে चामिट भारक त्नाक मधा

कतिकाराम अम्रहम महिना क्यों चित्रका ठाटबरो दसरोह अकाम मुठांटक चनश्र स्थिष्ट नाटक कर सनग्रा

हीयुका व्यत्मानगण नाम, क्याती मिनुका निकालित (वरी जीवृत्ता प्रकृता पृत्रम्भं गल्लाम् जीवृत्त प्रमुकार्यकान श्व व वष्ट निमिष्ठे अस भरकामस मकास क्रेंशिक किरमना

यगीत हारमनी स्वनीत्र स्वलानीक्तिन-নাটোরে মিহিল ও জনসভা গণংগ ও উাল্য মৃত্যুতে পাষ্টবিক উল্লিখ্য গাঁধৰ অঞ্বল করা হয়। कृत्य जाकाम करिया अभाष धाकी वांशिकाता मध्यस्ति 'किशीकिन। প্রান্তান সক্ষমত্ম শিক্তমে গুছী । জন।

মীকরেম পাবনেতিরা, শীসুরু পুরুষোভ্তম । এক বিরাট ্মিভিল করিয়া টালালিলতে ভার, প্রিযুক্তা প্রদারা পোটা, জীবুক্তা সভ্রের বিভিন্ন ছাজাল লাইচা বাৰচা শ্রীযুক্ত দীনেশচক্র বেগনের সভাপতিত্ব বিভন বেন ক্রছেডি স্বর্গীগতা চামেণী কইমাভিল। অক সভঃ ১চরাছিল ইবুকা দক্ষিণাকালী । দেনির দেশখনির ভূষণী আংশংসা করিয়া

#### সেনহাতি, খুল্মা

चाहेन चर्मास मन्दर्क पुर. समeina ভিনম্পন বিশিক্ত ক্রী সম্প্রতি ! कारायुक्त व्वशास्त्रमा । वसका करात्राम কমিটার সেন্টেটারী আবুর জারণ **८अ प्रान्ध्य विद्वान मृत्य कारामुक** क्ट्रेया वस्त्रभावे अनुष्ठाम कृष्टिकारका । स्क अवादक कोलकाका काहेल काशास স্থিতিৰ স্ভাগতি শীষ্ঠ প্ৰস্থা চল্ল টেন च्यानिश्व द्रान्ते १० ६ छन्। ४ हेट व मुक्ति ना स कविकार। नाम महरह ४० रिक्त दम्याल बादकन गण ३.हे मार्क संग क्षेत्र क्ष्मिल क्ष्में हें होते के क्ष्में। कर्दश्र क्रिक्षित (महक्रवेशि द्विष्ट विश्वदाध · क्रें '5 त्या अस्ति • दिशा दशमहाक्रीटक व्यासिक दमनशक्ति बुवक व बालकवृत्र दलाभागांता कदिया छ।। इक लडेया क्षानीत समाजनीत भारते समहतक करा। रमबारम रमसकाठी ् भूरमञ्जू स्माहिरकेट छन्हे **শ্রিছত আখনী কুমার সেন ম**ণাশয় Stette कालिशा कतिया Bieta छ। श छ कथा जी नह नव विषय छ। साम करिया माछि मीर्च बकुडा (मन । वकुडा व्यम्स विकास यात् आमनामीरक मनावा গাৰীকে অবিচলিত ভাবে অনুসরণ eক্ষিতে এবং কংগ্রেলকে শক্তিশালী ক্ষিণ্ড ক্রীগ্র বেশের বর্তমান অবস্থা ত তুলিতে অন্তরেশ করেন।

#### ছগণীর কন্মীর কারামূক্তি

जुष्टिश बोकारमञ्जू शिक्ष्य द्वारणमञ्जू व्यक्तिवारम ১৮ मान मस्य काश्रामस्य मण्डित बहेबाकिरकम मुक्तिय गर्छ व्यक्टवारी मध्यम दण्लाग दक्षण क्हेरल किमि मध्यलि मुक्तिगाच कतिशास्त्र।

द्यिभिनी भूत क्षीटक्षेत्र पुक्ति रमिलिनी गुन्न विका करत्वम कमिनिय

To Park

्योतो, क्षेत्रुका प्रकादनत कार्काङ मिल्लान के खन्द गर गल्लासक अस्त्राक्षणां सहस्र समस्य (क्लामान (क्ला करें कि ग्रांक्श के कार्-

-काशवा स्मिमिन्य आणिया देनीकित्स गापाटणाटगञ्ज कृषां ः दण्डास्त्रकारम् वी टें।युक देवसनाथ (काम्बा, क्षेत्रक काश्वाक काश्विक केरबंध काश्वल

#### वक्षीत्र मृख्यिए विश्व श्वदार्ट त्यात्र व्यम्हाय

कर कम कांचरेन डिक वन्तीरक मुक्ति HI CHESTS ANICH CHIR MUCHICAN कृष्टि वर्षशास्त्र । जारणाय व्यास्त्र नाच्छि न मानिक शास्त्र मारे। यहाँद्वाक श्रीक्षक निशर्यत गरवाम अवाद्याधीटक शक्रीन veries fela श्वार्षे व्यागमन कार्रा छ।कारक विद्यासकाण स्थानाम

#### ताक्षमादी कर्जीदमत मुख्य

का क्रांत श्रीयुक्त का क्रिक्स का लूनी कार्यालय एकान करांत नक "५०४ तकात्न मुक्त व्हेश भाजिशास्त्र । शासपा भिना कराशा कांग्रेजित अक-अल्लाक्क 🚶 होतुक वि:बलानाथ कांत्र किस शं.की-बाब উংল আংগাৰিয় কলে মুক্তিলাভ

#### বেলিয়াঘাটার মহিলা সভা

NO nfeela signia cefennuibi nicet-ৰাতী ভণাৰ লানী সভানত্ৰৰ সমিতিয় केर्छार्य क्रम क्रमणात कार्यस्थन क्या कुमाबी माखिनाम, धीवुका निकाशिक रतनी, अध्यक्षा स्माविमी, स्वती, श्रिक्षा व्यत्नाक्यका दवनी, व्यक्षकि महिनाः महिलात्यत कर्छवा नवदक्ष व्यक्तका करवन ।

### वारकशास्त्र वाकी क्षानार्गन

दम्बानीलुक विका अस्टलम् अधिकारी मझिक ১২৪(क) शाराञ्चमाधी अक प्राणाय विनित्ते कवी अञ्चल केरमणध्या स्वकृति मक्रम वाकीचानिः ११४व मन्द्रेः गारमधान कविशा निशास्त्रियान, शाकी-व्यक्तिके आर्ट्याहरूच क्टम केश काश (co अकार्मन #41 #**\$**416# 1

### देवनिक महीजा-अकान-नादनाविक नेक

& Swartnieren) were:

### স্থাধীনতা

व्यक्तिमञ्ज अन्तर्भाष्ट्राच्य प्रशासिकति स्था महमात्र गाहे। नकाल मा वा प्रान प्रांचाविक व्यवस्था महत्र किन प्राप्त गरिन नक स बक्त इंडे नार्ने निका गला ना चार्छ। (यहरू कीय मन्नीयः नाःीत प्राप्तमा किति निष्ण द्विष्णव कर्मता निर्देशकाः করিছে সম্পূর্ণ অকিন্দী।

ऋिमला ८५। ८५ स्ट । ८५ स्ट एक भन्म त्य अभिनारण छित्र इत. तम्हे পরিষাদে কাদীরলে রুণ রত্ন ক্রীনের আক্রিক নীয় হট্যাপ কোন বুল প্রিয়াবের চোক্তন পর্ম বিকাঠ কিংকা ভালিত হয়, (मृक्के अ्तियादित "काण्डिताश्व-एकि क जाला जिल्हा **कडेबा शरफ । ८ई कराम का किए गार्टिया** হট্নেট জীব সম্পান : ান অবস্থ माछ कतिए मुबर्गमन।

श्रीक्षा श्रीकृतिक शहर, क्रिक्त कथा है। স্থাঞ্জনীয় ছউচ্ছ পালে নং! জনিচ্ব श्वामीका अर्थनिक सर्वेशाल, निक्रम ুক্সানীন সংখ্যালোক লেপ্নয়ত চি মল ক লিয়াৰ आहल का र एडवरडी का जिल्हें हैं है। उपवर्तन जिल्लामणी। हेटर कमान सरे व्हेटल भारत मा। किन्न रहे जिल्हारण विकास ছট্টতে প্তৰ্বিক্ষ ভাগ্যাল্ড ভূজি হয় সেপ্তন্ত ক্ষ<sup>া</sup>নাৰতে কল ৰ)বহাৰেৰ আন্ধেড্টো ফল্পজাপ ভীত্ৰে बकारका नाम का।

्<del>द्र</del>ाचनोः ८पादरस्य काष्ट्राविक भएकी कार्विकेड इंडेएड सामिर्टिंड स्वारिक्ड আর্থাই আন্তেক্ত্রাক দলেক হনতে প্রাণ্ড 🖟 📞 त इंद्राह लाखा मार्ग : 🕏 🗷 ८०१ । एव স্থানিত। ক্রিম নচ্ছে--ছড় দেশ, ক্রিং কিবাপার দায়ে, হোচেকে নচে । উল निका दन कार्राट्टेंटा।

চেত্র িরভবুলক, আন্তার সভাসকপ সাক্ষাৎ ভাগবানের স্থিত নিজ্ঞান বংকপ **প্র**তি-যাগন ধর্মারা স্বভিধ্বিক সংক বিশিষ্টঃ ভগবনে একম'ল প্রাচুচিনি ८६७६२व डेश्य. इष्ट देवल्या सीवड हिछक्रयत्रल, किंद्र घटे । छर शतः व्यक्ति ছুত ছইবার যোগ্য। ভীবে রুহুং ৮েডন सरक विकास व्यट्ट छटनत काता अकिङ्क<sup>त</sup>कत महाचना ।

बार्टिएकम्बिक खनवारमत ८५ छन-मकिन्द्रहे लाकाव विरूपता । ८७ए८वर पाप-ৰাবহার জীবকড়কই সম্বন। কেংকের -অপ্যাৰ্থানের কল্পাল্ড। কেনাত্র ভগ্রান্ত, বে শক্তিবারা ভারের প্রাবস্থ বিভিন্ত সংক্ষা মোরাং। জীব-তৈতেও মাহাকবলিত তথ্যমের ধেয়া না করিলে প্রামীনতে

# দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

### নিত্যপাঠা বৈকৃহবার্তাবস

বেদাগি সমস্ত সাছত-শাত্মের অক্তিম ব্যাখ্যাতা সমগ্র ভারতে একমাত্র থলভ দৈনিক পার্মার্থিক পত্র

শ্রীলাস মারাপুর ওই তৈরে, রহস্পতিবার - ১৭৩৭

। ১ইবার শোলা। ভগবান সক্ষতি মক্ষর । প্রভাবিক। চেত্রনের প্রকে অংডেত্রনের হিনি প্রভিন্ন প্রান্ধ উল্পান্তিনি । দিকে বস্তালিক। ভগবানের সেবায় ক্থনই মাল্যেক লড়েন: ভণবাল আবৃত্ত ২০বে মাল্টোলভারপ একমারে মাখেতক জীবের অটেওতে সংক্ষেত্র সভাব্য পরাধীনাখার হও হইছে জীব का केक्श्वराम भागाराम भीताक स्थानन सामानाम स्था । प्राप्तिम सामानाम বাবার। জীবের ব্যব্ভরত ভগরনিজ্ন প্রাটনভাই দুর্ভিত হয়। ন্দ্ৰেই মানিত হয়।

सञ्चल है खाइ ए व इत्रम २३८ है। केका करिएल नकाक १७ नक कि विदेश भारत्या । जिल्ह করণাময় । ডি.ি. ব্রাহ্র সর্বা अनान कतिवाद करा दिनः क्ष्मिक्षेत्र हैं। जिल्ला का विकास

भरवाड कि कि प्राप्त कार्र का कार्य कारण है। কোপ করেন হল। 🤌 इडेदा ८३ अध्यक्षाद जनर क ভাষণেক দেই সং ৷ গতালে 🖯 বহৰত

क्षित्रवादन्य दन्दर्भन्त्रे । जदसन ক্ষেম্যার জ্বব্যাল র মুখ্যার ১০ব বেলু मनारको धार्य अध्य तन ४ है न कीरवत अवात बन्द्रप ति व

व्यक्ति क्षेट्र के बेहरता। ८५ करवाला प्रस्त वारमञ्ज मानक ८५ वनध्यात प्राप्तिका কিয়া। অনিজ্ঞান্তমে ভগরদায়ে, প্র স্বভার ব্যব্য কইটে প্রেছ্যা বিজ্ঞান্ত নাম वका हो। वकावनाय क्रिकात

হয় লা: **চেত্তনের স্বা**নীন ভার স্থাপ্র বহুব मति मसूर, जनगर्मभाग्र टाहान भाग मख्य गरह ।

্তত্ত্বা প্রে ক্রিটা, স্বাচ্টার क्षा, खेली महिला छोडे भनिष्यात भाजीय भौतिया प्रतियं प्रतियं एकपान गर्जानियः।।

শিক্ষ নিয়ক্ত করেন। তেওবানের মধ্ব- িবাগার মুক্ত ইউতে পারে । এক প্রকার িলুভু যুদ্ধ ইয়া মুখ্যাল চুকুন কলিছেন অসচচন্দ্ৰ এধীনতে বর্ণ করিলো তথুরঃ

প্রকৃত পকে ভীনাদেই সানীন। ভাগৰ ন নীবাকে বন্ধ বিশ্যক হটাতে ভাতান্ত হ'লি ভাতনালয়ে প্ৰাৰ্থন পাৰিতে সার করে। মার বৈলি বেশে মুক্ত প্রের স্থাবিন্দ্রে সার হারের এতি ভাৰতা সংক্ষতবার নিলি নাত্রী । বয়পুণ শতি । বৃহতী চেলর চিত্র আনচেঠ্যত হয় । ২০০০

- স্ভাবত শ্রাসার । य कें∙ परि इस् **まったできっておるである** The secretary was to seem অপ্নিতার স্থারংগুলের ও বের প शुरुष्टालक । एक १ विद्यासार एक दश्ति 根180%(我的自然的自然的 (# 1 # 各种)。 েনী কেল গঠিত কলিয়াছেন। নীৰকাইক নেই আ ছে ১,৮৪ ছানীনত এ। ওলাছক ভেগ্ৰহ**পেণ্ড ব**্রিণ্রে আগ্র<sub>ে</sub>ব্তাপ মহামানর হই পা আমারের হ⊀নো ₹ -

> (३४) विकिम्। नार १३६० सारीमाधासक्रमास क्रांका वह र व्यक्ति । বাধ্যান হতী ২০৯ - প্রাধীয় ভা এইটো ভিন্তুৰ্ভত প্রেপু রা আবাধা আন্তর কলিয়ান क्षात्रक ही के क्षेत्रक प्रशास दिल्ली है।

mu, Graften am eife (१) है शब पक्षण न सुशक्षण नाकारन,

कातकक्षक निर्देश ্কালাৰলে এখন স্থান গ্ৰিক্ত জাতিল কিছে ্রবেট প্রীতি লাভ না লান, তাল হতালে প্রত্তে ছাতে বিভাগে প্রতেজনেক ্যাবল স্বাট্নিজা তে জগতের সক্তেই সম্ভালহতো ব্রাহ্ম : কৈছ " খ্যাক। মেরপ রেয় আনিকার কোনই কিনিশত: आर्बाधन मार्डे :

#### ৰ লগতা

(লোকনাথান্ত্ৰ প্ৰিড ভ্ৰিপাদ ক্ৰমনাধ च्छेरहार्व। (श.श्राभी )

'वाका काशास चटन ?' - ८ लागी আঞ্জ নৃতন উতে নাই, বহু পুৰু হইতে এটা চলিয়া আন্নিখেছে। শুদ্র অর্থাং বিনি শোকে অভিন্ত ভাছার खिनाक माता वा कड़ा व्हिनो तनी, जार ত্রাঞ্জণ অতিথি বিনি ত্রাফ সিম্ভাবা প্রামণ বা সেবেল্থ তাঁহার উপত্ত ব্রহ্মণ্য-(सर्व वा सामधीन कर्यकार)

''সর্কে একজা লাভণ্ডত" অর্থাৎ गकरमध्ये उन्हां इंडेएड काल लंदर मुक्द-कीटवसके अक्षारमध्यत ८५व स अिल्हांत অন্তে বলিয়া প্রাহ্মণ।

মক্ষেট স্বরূপে ভগ্রদ্ধান, "আবৌষ স্থানপ্রিচ হের ভাগের, র স্কলেই সক্ষণ্টেরের िए आशासक । িভ্য-স্বংপ্রস্তি-ত্রমে জীবের নিতীয় অভিনিবেশ উপভিত হটলে ছীৰ লেকে অভিড্ৰাচ হয়, তথ্যই ভাষার শুলু পরিচয়। কিন্তু অনুস্থিকালে ও ্রেপ প্রানিমারের সমস্ত ক্রিয়া রূপ হটরা য কাতেজপ শেকাজ্য দীৰ 'বুদ' নাম ধাৰণ করিবোও ভোলার নিতা সকপগত বন শংকা ভিতের ছিতে হয় নাং দেক কৈ ভীৰ পুনরায় একন্যান্তৰ ব্যৱধান্ত্র ভুস্তিন লিশির চইতা ভ্রমানির আগ্রেমাল নিকট ব্ৰহ্ম জিক্সানাৰ জন্ম উপত্তিত ইন তথ্ৰ ব'জগ বলিয়া নিমিট্ট চল ৷

বন্ধজীবের স্কাঞ্রেল্য অকল্পর ভাষোর অভিযান: জীব নিতা প্রথপ ভূলিকা भिष्टीत व्यक्तितिवनवभाष्टः शिट्याक कलन । यार्ट्यत (सब ब्रिया श्रांत्र) कात्र, १७- गर्डे তিহার **জন্মের জভিনান উ**পঞ্জ হয়। ্রইরূপ অভিমানগড় জীবেকে ব্রেপেশ্র ও তেন। রাকণের মন্ম একমাত ওকণ্য-ক্লণ তেম্ম বাবে বাব৷ বাদ৷ গানে এব জারে | নেবের নিভা দেব৷ বা আমু জ বিভুদ ভক্তি শভ।

ভাগৰভ্ৰীকাল্ডজনশ্ৰ কল্ডট ভাষ্ণ-জ্ব নাচন, ইচিজাট একত ব্যুদ্ধ, শাস্ত अभावकाल विष्यं कथाडे खेटेकाश्यास कीत्र कासनः পালন কাশ্যে লগা রশাপুনক স্থানৈত | মাতৃকুলি হটতে আও ভাল । বিশে≥ মার্কে প্রেক্টিয়াল্ডের প্রিক্লান্ত্রাহ্র গরার 🕴 ইইটের ছারোর জিবিন্ডের প্রেক্টির তা এয়া প্রের ব্রহাভ্রম স্ভুব হয়। মূলি ই ব্রের বিজি গুলুরাণ্ ব্রেন, প্রের্ড কর क्षा करत

ু জ প্রনিয়া ব্ৰস্থাত বৰ্ণাল व्याल्यमञ्जल निया गण्य । संदर्शतयानारी নৌক ক্ষেত্ৰ কাৰ্যত আছি পানিবনিত

ইয়। এতে ক জীৰ আমা ইইখেও। অসংস্কৃত অবছায় 'পুনু' নামে পরিচিত।

क्षेत्रधराखन् चटपत्र,---শসহত্র নিশ্বল এই ব্রাহ্মণ-হাদয়। া ক্লেন্ত্র ব্যতি এই যোগ্য হান হয়। मारमर्गा-अखादन होटा ८करम बगाईरन। প্রম প্রিত্র স্থান অপ্রিত্র কটালে e" (উটে: ভর্গরিভান্ত)

मार्गाम्स क्रांके डाभ्र्टिया एक-মাত্র পাবচয়, ভাষাই তেন্নের একমাত্র यम्हि इधि ।

জ্বত কেবল জনাগত নতে,উহা এখ-कषात्र । सहास्यक्तिक वनभटक (नगः) शांत শে, ক্ষিণ্ডের অভিশাপ্রাক্ত ২ইচা ১লগ

তান। প্রকাঞ্সপ দেহ 🚌 তিমালায়ের কোন গুড়ার বাল করিডে ংবাকেন 👔 সেই সময়ে ভীমসে নাক সম্বাধ পাইয়া ভাষাকে আবদ কলত গাস করিছে উন্নত হয়েন, রাজা ভূমির লেই সময়ে শূর্পার্কী নহতের সভ্তে উপ্তিত হটলে মহুত্ जीशास्त्र धक्ती धात करिया वालग त्य, ক্ৰিটিয় যদি। ঠাহাৰ তালেৰ সহুত্ব প্ৰান্থ कतिएक पादबन, छाटा वन्द्रेग किनि छोटांत সহোদর ভীমনেনকে পরিভাগে করিবেন। প্রেমটী এই :---

"ব্ৰাসনঃ কো ভেলে রাজন বেঞা কিফা ষ্টা-ভার 🥍 ্গলামাধুটির টুলাক্রট बा (क १ (व) इ त' कि १

\*আজন এক 💅 । রাজ। ১০ টির এই আলোন केंद्रस्य विवाद १ एक इन्स

मकार मान्द्र कमानीबुर बाजुनस्या

প্রথ্যে ভূগা।

দুখাতে বত্র নাগেল ৷ স্বাক্ষ্টিতি 雪 : 1

द्य वाडिन्ट गडा, मान, क्रमा, ह विड. , बन, अञ्चत्र , उपक्का अस्य , — यह कारी | 199 বইমান, হিনিই আম-।

मम, सम, फलद्याः ८०१६, व्यमाः भागाता, भाषाजान, भागा दिक कान, उ ঋ্ঠিকাবুদ্ধিই রাধাণের স্বাভ বিক ক আথাং খার প্রান্তিবলেট এই পঞ্জ লগ্ন করিয়া প্রক্রেন ।

মহাভারত অফুশাসন প্রতি ব্রেল,— म त्यानिर्ना ने पाय द्वा म आहे. न ह

म्*य*ितः । কারণানি বিভারত রাজনোর ভ व रतन्य ॥

সক্ষোধ্যং আখনে খোনে প্রেন 🤧 🕆 বিনীয়তে।

রত্তে ভিছন্ত শ্রেচাংপি ভ্রাক্ষরণ FAMILY &

चया,भाषांत, द्वतिभाष्ट्रम स्थापनिक्ञि – ३ शांत्र কোনত নিম্বয়ের কারণ করে, জালাত यां। विकार प्रकारते अक्सांब कार्याः ব্যব্দ প্রতিষ্ঠিত চনলৈ স্বস্তুত্ব ব্রাক্ষণস্থ-প্রার্থ £4 1

বিভবেশ্যের হা কন্তা স্থামিরের (भाविका।

তথা দীম া-বিধানেন বিজয়ং প্রাচতে कृतीय ॥

ब्टेंडः क्यं कटेनां दि गुन काचित्रानाष्ट्रतः শ্রেছাহপ্যাগমসম্পর্না দিনে। ভবতি সংস্কৃতঃ ্(ম: ভা: অরু: শা: প: )

'জন' পাতু ভাবে 'কি' প্রভায় করিয়া 'ক্লাভি' শবের উৎপত্তি হইয়াছে । ভার্ম-বীয় মন্ত্ৰাইভায় আমরা দেখিতে পাই যে, र्ह∷तत जन्म हिम टाकात। टार्ट जि.नि४ ¦ ৰুত্ৰের দ্বারা ভিন প্রকারে ক্বান্তি নিনীত হয়। মতুপুতি বিরোটো অপহার্থবর স্কুল-माय त्य ध्वकातनावन्तिकः शहेश 'कार्डि' निर्भय करतमः, छ।हा स्त्रे भएट । यस বলেন-জীবের ' কিবিং জন্ম- পৌক্র গানিক ও লৈক :

# **म**শगृल-निर्या:म

("शक्त क्षेत्र मिक ३२ल गरवाई सह

to with. खांना अभाषात्रम, कानारक बानाकना करिक ्र खळवानी भाषात्र **डी**कृतकः स्टार्टि नाभग्रही कर्रक अर्थाहरी का राज्य हमान ह ्करील क्षेत्रक का<sup>र</sup> ख्या ए करना सञ्चलत्त्र ८णा भषादा शातुष वर्ष च काद शालान-कांबरक शांभाधना कांबा नहा पाता ক্ষাত্ত শাহ্মদূতি ল জাগেক, নার্চত্ত একম্বর (Adjacontos witte wicht in a of Mate niem effet aleige af

सन्य विषयः - कार्यः ४-\$4 TAT াব্যার প্রভাগ্রকারে ভান- ভাতের राष्ट्रभीशन करिएक करिएक अधना अवन ভাগৰত অভাগতিপালক স্থানতে স্থানিকে इक्षाविम्द्रा कार्रनामस इस : स्थान देवन-मान्द्रमात द्वारामध अञ्चलिता अर्थन विलिक्त कर या भार 📆 ८५ दा है को नाती करे, दसके कांब वापनारिका अवक्षा मा नाव, माण, मना, ाकन- । वादमना ६ मसूर-धरासित द्वासना काल **१४ . मार्थितम् अस् वर्गर ५ त्रत् ५ तकः, अर्थ** 明(語 cの) は まず(\*\*\* くてれる マカンが ) 1 1 で ( あー देखाराध्य के. विशेष भागा में के से कार्य भगको मारमुक्त करत्य कारी , शम क्या, अह 海内外外 阿门科一一种门部设有 1 新月路之下的 大野科 प्राष्ट्रतकरण भारत्य । ८५४ मध्य नहें के अञ्चलमा ानश्रद्ध कथीर विश्वाम हिन्द्र कहें(म क्ष्रुं) 'खार्थ' नाम काछ व्य, देवाँव नाम-मुन्ता- । द्रायन : क्लियान । 🕮 खन्द्राय 🕏 🕬

স্থীপ্রেয় অসুগ্র Minimica 44 करोते धारे वाश्य आधापन। मध्यित्यक्षण जार कांबा बहेटक कांबिस जन भागकरे क्षेत्रकी अविका। भूगानक्षत्री রাধিকার স্থীগণ উচ্চায় ভাগবিংশ্য अकतार भारत्व । त्मके मनीमनं नना-मंजित कारवान व्यवादक कीवांत चन्ना-कड़क कीय निर्देश ब्हेरण दशके श्रीविद्रशत श्विठादिका-भर्मा श्वित्रांतिल स्त्र ध्वर ताराक्रफ-१मनानल-स्म निका कटरन, देशके कीर स कहम बारशंचन । हैं शर्क किन्तु खन लक्ष्म निष्ठितकार । निष्डिय ভাষাগ্ৰহণ মুক্তিত তক্ষণ বিশি**কালন্য** महि। तीन जनाताचामि-शमण जन्म प्रवा-

चार्भो लखा खखा मार्थाटमाव्य क्रणमध्यम् । **७८७३ वर्षनिवृद्धिः छार ७६७१ विद्री** & '5 WW: 1

भवागकिङ्गा का वार्षः (अयाक्षामक्षा माधकानामध्य दयासः व्याक्रकारम

WEAR INTE क्षाप्राप्ताः इतिः ८ श्रप्ताः शाम्यम् (क्ष•ः

Bullet ! 等[羽] [4] 《双对[羽] 有[[""《聖司][明] क्तां । इन्हालि प्र

बी अशिक्षः ए छ त्यः 🗅 **सङ्क्ष्यः ।** 44 71: 4

기 변화 / (기호) 역 등 기 전에 쌓여 रिमध्यादनका ॥

खोपाम आहे। आहे। अहरक अर्थुसम् अर्थिताच्या कर्नात् **क्षांत्र क्षांत्र क्षांत्र क्षांत्र** क्षांत्र क्षांत्र क्षांत्र क्षा बहरक भ्यान्त्र समार्थित निमृत्क **समर्थामकृति** PECO TO PL. ALTS, WILLIAM G. IMEN ANTONIO Wes es, 211 eres . 271 mfcan mm क्षेत्र कृष्ठ क्षेत्र ८ द्याम. दरामद्वीकरू । एक, भाग, शालक, कान, भक्षात् ५ २०'स्व **श्वाक वेड** ब्र र भूतम, १७६, अ. मझंडा, शिक्षा 👁 विद्यार्थन (राजन Te: 7 2215 et. ्यारमय जा<sup>क्</sup>रसाख रम्हज्या ।

Cat, Balelen 福村-河南1 地村 आकृष्टिक यो लक्क विवादिकान, पानाई े मनभूत्र १ - वह श्रीष्ठ - श्रेरक्ष भाष मनभूरशर **चि**्र किममाश्राक्त निमः 1. 717 अथम करिया एक टेनकन करण देखा कटवन, हिनि ध्यथस्य धार मणपूरः निर्वाप প্রধার এট এনে ফলি অভিতিত প্রশ্নত সংযক্ষ 🖟 এট কৈবীংসের মধ্যে স্কল কল্পত । সংক্ষেত্র क्ष, फर्न (काकराक वारमणावस नका राष्ट्र | } (अवाकिता 1904म । अविशास्त्र **सक्**रीणांत्रम् । भूभाष्ट्र कर्न कर्निक रूपमा । १८०५ वर्ग वर्ग क्या विकास कारन काराहे मुख्यात अरुशत करा भारन । हाता शक्त कार्यी-वृद्धि । खरव निर्ह्मान-करता भुवतिवस् भद्यासिक क्षाविद्यारा जन्म कार्यक किनव वध । जन्मदेनव व्याचन जन দশমূল-নিধাশ अक्षा चार्याच्छ वर्षेषा को नेकामक क्षान । मनान (त्यन)

कतांद्रेश क्ष्म्रहर्वानिःश्वर शक गरकांत्र क क्तिर्यम् । 中四四四一四十二日報報 मा कृतिरम क्रमर्थ-निवृश्वि क्रेरेय भा। (अध्यन्धः)

 प्रांतः शृक्ष र जना साम महम्म यानाम्ड लक्षमः । अञ्जिल लक्ष्यसम्भागः लादेशकासिन ८०७वः । डेवांव मर्त्याल खादनमा अहे त्य भिरवात यथन कित्रदशक्तिशंदन खा**डा**क खेमव क्य, खब्म जिमि गर्भ कृष्णक निक्ष श्यम ७१२म । निया शिक्षमा हरान चानिनात्र भूत्यारे कियर भविषाद्य चान व्यर्गार व्यवसार दक्षांत्र कविशा नारकम । \*\*ভীৰণ সংগাৰ-স্মুশ্ম পজিত ভইয়া আমি ৰড়ই ফ্লেশ পাইডেডি, কে দীনভাৱণ। ভূমি शामाद कृता कविशा (कामाव नावनश्च**व** मुलिएमुल कतिया बादल कत्र, व्याधाव व्यक्ति ्कर भारे!'--- ब्रहेक्षण अक्रेलाच कविरक्ष करिटक लिम: क्रिकामत हत्तरण पश्चिम वस । ভকণ অনুধ্র বালীত আত কেব দীকা नाटकत काणिक हो सम, हैका दिन का विनास क्क खक्रामा निवादक काल ठळालिव बाबा िल्या: एक अक्रिष्ठ कविटक **काळा. वि**वादक्त १ क्षप्रमा क्षतिकादी, कोत्रक कामस्य MINTS WEST ক্রিম্নিরামি ভিল্ शमान य दिएनम । 歌聖馬]可申[[四章 與可其非 कास्त्र राल्टक कारी कार यारी अञ्चल (सन्दिन बासरा निकासि नात करा क्रिका छा मभार किएम क चि कीय खन्ता करेगा। अक्रमार ভাত্ত প্রকাশ কর্ম । इस्स इंडिका माध्यव मध्य गदय श्रवण-विकि অপুণ িছিঃ সঞ্চে कराई कार्याक्षा भएक टीकावात मधकवाइक भद्र विदय क्टेंट्रन । अन्द्रत भावादल क्रणांत्रश्चीम जिल्हा 'लगरक अध्यक्षिक करिंद्रनमः गरभाव-अध्यक्षक स्रोक्टक क्रमानवास शहिल्ल क्रिकात क्रमः । भागताम-विद्यासम्बन्धान 水水 花 对意 对那可,我也能引引了。 斯姆斯 斯夫爾爾曼 धि'नम--- शार्भाम क ५ मा । दश्या नार्वित् भएक मान्य-त्यवाचे भविष्यीतः। 🖺 भूगाय नाम द्रभावाभीत्य 👼 मेम्राबाजा रहे छत्रम देशामण विशिष्टिनम ,-- 'आमा कथ न, कुनित्त, ता माताता मा कशिए। काल का भारत्य बात काम ना महिद्देव ह शानिक्षा मा क्षेत्राचीय माना महत्व । अद्भ त्रशकुमारम्या भागरम् अतिरच ॥ भागः आवन आश्र कर क्षेत्र मध्यक्ष याल्य अपे शर्काटक CME 65 milbanierten Guten भार्तिक अवस्थात व गाविक्रमाति देशसम् । भाग निवासम्बद्धः कुल्लासभादग्रं अस्यास्य नाव अकान। अ अ अधिक त्यान भी नाम-त्वता**र्थ भटा एक्**री at t चारेका जीता टां छक्तव फस्य मात्र पूर्व भाग जिन्दाम । पदनमा

### মাঞ্চাননোদ≱াকুর নিরা**চ**ত "ভতিত গ্রেয়াবলী



**अध्ययना अम्डिकिनियांव ठाकुरवर के विश्व** है। १८७ और वस व्यक्तिया, क्रायास महिक मध्या, विका क विधित्व कर्या, श्रीकरेष शिक्षि श्र अध्वतकारमण स्मय, श्रामित ह श्चित्रका अध्यक्ष क्षत्र क्षत् अत्याम चक्रम, मंद्रशामामनाम महिल मार्रका, मात्राष्ट्रक, देनशो-कि क क्षंबारका दक्त देशनाम्बन, अरेवडनामी अक कारिक कामकमा, कीटवर वर्षा का खु मुक्त, देका गुरुत व्यविवर्षः, कव्यक्तिः व्यविकारी-निकारः, कथा व कक्तिसहरस्य माबकका, नाककष बरेक्कारमण, त्यस्य कुकारीमा, स्थार न अम वा कालाव का को छि-एमन, छिनिश्रवस्त्रा च दर्शाव-निक्षांत्र शास्त्रम, लक्ष्म्मालक मनिक व्यक्तित्व काइन, मन्त्रन-पात्र प्रश्न क (क्षो अनव, क्षक्तिविष्ठाव, मीकः, देवती का द्रामायमः) कालि, मध्यक्षकान, व्रम्भद्रवय व्यक्तिकारी, भारतकीवरम, मधुव , े तम, जीराज्यातम व्यक्ताक मनाक्रम माध्यक्रमध्य अमध्य निशृष्ट सरक्षांचली व्य व्य महत्ववादाव करणानकवनकाल व्य र-किल व्हराफा । वह जनमात अध्याप्त अध्यान स्कृत करित लावशाबिक बाटकांच क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट का गर्ना वार्तिकटन सन् । संच्या शुद्धा न्यानियत्रक का क्षण संदर्भ क क्षण सम्मानिया शक्तर न्यानित्य क्रकारमञ्ज्ञक म्याना । निर्वितरशाकायी-नाश्च-मध्यानि विन्मक्रम-करण करे अधायुक फॅरिक कश्यारकसा आजात छन्छिक प्रको. अमागाव के क्रांति बाटा िट्लम अमुद्ध करा १हेम्र ८७ भेरत रहे, यस, दलरेनरेंग सरल नाम उल्लाह देशका ने से हैं । 



#### इंड्रेक्स जरफत्रन

१०० अम्या नीयाहे - २२ पूर्व के कि का स्थानीया-- ५५० दलोदन छुटे का का

मुक्तिभूषं बाह्यवाकः वादा वादक्षण मानद्दातः । स्थान क्षान्यकः वादान क्षान्यकः वाद्यकः मानद्दातः । स्थानिक व्यवस्थान व्यवस्यस्थान व्यवस्थान व्यवस्



िकीय मध्यात 🔑 वासः

শীরণ জোখানী আৰু জীল বলুনাগ গোখানী প্রস্তুকে বিশক্ষণে যে সুকুল কলা নালচাচেন, ভাগা এন এছে বিশ্বসংখ্য কলুল ক কণিকুল বিভাৱ ক্ষতি ভুলাবভাৱে। বংলু ক্ষুমান্ত ভাগা ক্ষান্ত্রী,মন্মত প্রাক্তি ভুগা দ্বি নিশ্বিশ ক্ষুত্রভাৱে বিশ্বিষ্ক ক্ষুমান্ত । ৪০৪ পৌ এাকে<mark>কর</mark> সচিত্র

# শ্রীনবদ্বীপ পঞ্জিকা

পারমাথিক বাজিনাতেরই একান্ত প্রয়োজনীয় বিষ্ণুত্রত ও উপবাস।দির ভালিকা কথলিত বাংকার ঘরে ঘরে বিরাভিত হউক

ভিক্ষা ১০ জানা মাত্র ১৮০ ডাক টিকিট পাঠাইলে ডাকে পাঠান হয়।

মহাক্রি

জ্ঞীল পোচনদাস ভাকুরক্ত জ্ঞীতৈতন্মমঙ্গল

ওঁ বিকুপদে শ্রীপ্রায় কিসিছান্ত সরস্বতী গোলামী প্রভুপদে-সম্পাদিত ভ্রিকা; স্লোকের অবয়, বলাজুগদি, প্রতি প্রদক্ষের ও মণ্ডের কথা লাল্ল, শন্ধপুতী, স্থানসূতী, পাঞ্জুটা, প্রমাণগ্রন্থ, ভালিকা, প্রস্কৃতী প্রভৃতি নিস্কু সূচী সম্বাসিত্ব গোল্ড অক্ষরে ভনস ক্রোউন, আউপেঞ্জা আক্রিনে ক্রিট গড়ের কাগ্রেজ ছাপা। ভিন্ধা—২॥০ টাকা

### শ্রীহরিনামটি ভামণি

নামাপাটা শ্রিল হলিবলৈ স্বাক্তের মুখে টীন্তারার রূ ইনিম্ম ধ্যায়, নালালাস, নাম পালার পাঞ্জ ক বিষয়ের মার্কী ভিত্তি পালা করিনাছিরেন, এর ক্রম জুলি জ্ঞান ম্বাক্তি প্রক্রিনাদ্ধার সাল্যান্ত দ্বিপাটান্ত্রে ম্বান্ত । নিল ভার্কিনাদ্ধার্তনাবিক, ক্রম ব্যক্তা ভেজা । বার স্থান ম্বা

# বৈফবমগুৰা সমাজতি

বিষয় ২—১ । তাতি শালের বানক ক শ্বাবেণীর আর্থ ।

ক্ষিণি প্রত্যালের , গলালাগের নিজি লি, ০ কিন্তু নিলাল কে কিন্তু ক্ষিণাল কে কিন্তু লিকাল কে বিশাল কি বিশাল কৈ কিন্তু ক্ষিণাল কি কিন্তু ক্ষিণাল কি কিন্তু ক্ষিণাল কিন্তু কি

# ब्रीडिकिंगन इ

১ম শশু ১ এক চাকা । র শশু ১ টাক —
শীমদ্ভাগৰভের ও গোড়ালোর আহকগল মাত
টাকার সুইশশু পাই বন বৈদ্যা গায় ইতিকে ব
গাখামীগানের কচিত প্রয়া হলাই ইটননাম কাতিক
প্রাথাদনীয় কালা। আহিন্ত ভবল কাতিন চ মান্ত ওচ
নুধা আকারে মুক্তিত হইতেতে

শুক্ষাক কোন্দ্র সাহালিত সদাসারস্মৃতিঃ ভিকাস শানা নাত্র

# বিজ্ঞাপন

কে, বি. দত্তের চৌকা **শিশি আদান্স ভৈংশ** আদি ও অঞ্জিম এবং উপকারিভায় **শব্যজন** পরিচিত ও বহু প্রশংসিত।

আগর। সানসাধারণকে জানাইতেতি, বানাম তৈল থারদ করিবার সময় শিশির গায়ে ইংরাজী অক্সরে জে, বি, দত্ত এন্ত কোম্পানী নাম খোদ। দেখিয়া ধারিদ করি বেন। নতুবা জ্যাচোরগণ ক্যাবের ক্রিম তৈল দিয়া প্রভারণা করিবে।

নিন্-লে, লি, দত্ত

# ফেরাস কুইনিন্

নৃত্য এবং পুরাত্ম মাহেলরিরার ব্য ইতাতে উপবৃক্ষ মান্তার মাত্রন, বাত্তাইন্ডোক্তোর কুইনিন্ আসেনিক তাং ইউলিবেন মাছে।

আন ফেরাস কুর্যনিন খারা হঞ্জেক্নন ক্রবিশে একটা বা চুবটা হাঞ্জ্ন নত সক্ত্রকার ভটিন মা হে বিখা জ্বর বস্তু করে এবং ৬ ক্টাভে ১২টা ছঞ্জেক্সনে সাম্যোতিয়ার সমস্ত উপস্প্নিত করেল ফেলে।

क कल्लान्य शर्ष शक्त-मुना २, होका, द्वेर ०, होका
 बाहत एक्सिकाल कक्ष क्रिक्कान म्याद्दरहैं।दीटक
 प्राप्त कक्ष्मिन काम, किकाना ।

্গাড়ায় বেক্তব-শগতে অভিনৰ এছ !!

গ্ৰীস চাতৃত ভাক্তবিলোকের নীমি-একাবলা :—
প্রেট সাইচ
অইন সংগ্রেথ
ভিক্তা ৴০ আনঃ

্দিক ও মনের চেইা আনজাবন্ধ লইবা----ইকা বথন জীব বু-এচে পারে, চগন অকথাত্ত মেন্ডাবন্ধ উদ্ধেশনের প্রাক্ত কাহার ্কনে কাভার আবেশনারী প্রাপনা হর অবং ইকোন্যান গ্রাভাকরণে নিম্পন স্থাপনার প্রথাপর ১৫৪৪ চন, কভালে নি্মুক স্থাপন্দানী প্রাথনা এ, সাম্বন্ধন্যক পান। দ্বাভান সংগ্রাপ আবনাক কচয়াছে

ভাষা আছি বাধ /০ এক আলা
্প্রেমণ্ডাজকা— /০, নববীপদত্ত— /০
প্রেমণ্ডাজকা— /০
সংক্র সংস্করে
ভাষা /১০

বিস্তুত ক্যাটালগের জন্ম নিম্নিধিত ঠিকানায় প্র কিযুন— ম্যানেজার—গ্রন্থিকাপ, ইটিচতন্যম্ত, পোঃ জীমায়াপুর, (নিনার)

# বিশ্ববিধ্ব রাজসভার শুদ্ধভিত্যিসমূহ

ब्रिटिड्डा मर्र

আকর মইরাজ

क्षाकीन सर्वी . जानकत चिनाम मात्रालुत, समीता

প্রীন্ত্রণকার্তীর হচ্ছে সায় ৩০ বরু উত্তর-পূর্বে প্রীন্তরণক্তে আচার্বারক প্রীচন্ত্র-(अथत- = - (अ क्षेत्रिटे) एक अप्रति । विश्व भाग ।

दहें कान भारत्रक- नेथं, भवनिकालीक ना माजक क्रमनक्षी । जहें मना नेशिय किही-সংস্থামত ব্যক্তিং বিশ্বেষ্ণাল্পন্ত, প্তবিস্থার চত্ত্বিত কাবে, নাটক, অপস্থার, দুখা क्सभाप-केपारित्रम्-श्रे मा-४अ-७४ म ५०१११४ अनासन । ७ अमारणमा ध्वरः एवाप केस्करः ধ্যেরাজ-পান্ধ কাজা-গিতিগর ও স্কেন্স সংস্থাদ,য়িক-আচার্য-চতু র উচ্চালের উপান্ধ বিভাবের গৃহিত নিতা, দেশিত হল্পছেন। এই মহবাজে পাবমার্গতি নৈনিকপত সাম্বত-भुव्यानाराज्य का शका भिक्त व कुलाडीम अहवाकि शहात करस रेन्सीका-शकाभा यश्च गा আছি টিভ চংগ্রাছেন তাতিবংসত জাদান-প্তিক্রনাম্বর্গন ও অগ্রাস ভরুগোটি।» কীয়েন প্রচাদমুখে মহামধ্যে যেব লি জায়াল অভাটিত হচতা পালে। বল্পক--প্রস্তাতী জ্বীপান এছছারিকী । সহকাশী – শ্রীপাদ বিনোদো কোনী একান ী, গাজত শ্রীপাদ ,গাবদা र्रेक्टारी व्याक्ष्यणीयं, क्रियाम नीत्वक सकतादी, शांवक द्विरामनात्म सकडाती, 🕮 एक क्लीरशास्त्र वरकात्रातात्र, जीकरतनाम नाम अक्कारी आमुत्र स्थानिका

#### (৩) ৰোগদীত ীমন্দির

बार कांस लिक्समामा भाग कांग वा किश्मका शकृत क्यों हिंदन कृति सकाद्यान-भेक्षित स्थारन विकल्पी शहर व है। प जिल्लामण प्रतिकात्राम अवर सहित्रा क जिल्लामाकाक निवा भारत छवा सिल्म **७८५० दस्ता वडमान । इक्र क—्ट्रा**क-माभागम द्यायाची चड्डाहारा 🖘 🖫 होत्राः-नाव। प्रकारी , विशिक्तानक देश्य छो. **श्रीनशाम उत्रहाली। श्रीमावनशाम शाम**न कारी. (श्वमणा द्वीकादक्षत्या

#### (8) 최대 기-백주

শ্ৰীমন্ত্ৰ কীজন-বিশাস क्कित्मोदमीयाम बागवनी । जगान के किलाहर सिकालिक क भ्रम करवत प्राप्तः व देशील । का ---- विवाधात्राम अध्याती, व्यक्तमुख कक. ट्रांशाकुशमान वाबाको ।

#### (৫) অত্যৈত্র-ভবন

क्षेत्र ज्ञास्त ज्ञिभदेवज्ञ श्राप्त करत व्यद्ध कार्यः दक्षमानः।

#### ७) काष्मीत ममःसि भ.छ

व्याजीन माधालुद, वामनलुकुक (मनीहा) बिलोकक्रमामाक अर्डामकाकीक प्रमाप्ति। क्कक—अक्षांकी हैं।तस्मार'वशवो '

#### (৭) ক্ষান্ত্ৰ প্ৰথম কুটা

**জ্রীলোজাণ, অন্ধণগঞ্জ ( নধা**রণ) এখানে উপিকুপান নিম ভাতিৰ ক্লেচ্চাক্তাৰ angen une Schlemeten met Ballin 1. 

ৰুক্ত সমান বিশ্বপথ ভাকাৰ অস্চানী क्षाक्षक है विक्री कहा, क्षाप्त अपि ।

#### । ৮ · श्रिक्षशञ्चाथ ८१रोडीय मर्छ भरम-रिप्ट ।

जन, সংগ্ৰী——আইউভ শাস ভা∰ে। কেছে ইটিযুৰ্বগাস সঞ্চায়ী। ो ही प्रकार सम्मादा आहे है।

। ১। 🖺 🗷 । त-श्रमानव-मठ Biere B. Hanry

क्षेत्र वाणिना अन अपनिष्ठ असेन्यनापन-तक 🏎 🕮 अस्ति विश्वान व्यास्त्र ।

#### ্ ১০ / জীরূপ পৌড়ায়-মঠ

#\* ' \* ' . 2 2 1 1 2 3 Fm तकात- है। का नाम अभागती, है कर एम पह 34517

#### ( ): श्रीशाविक्रमहर्व-

भाष्ठिलाकि, बाह्यलन, व्यक्ष्माना खीताश्वर शहर कुछ कुलाव (सह शास) रणय-में कातना जनगती। (১২) ভাগবঙ আসন

ची भागवस (क्षाः, क्षेत्रक-शत्, अमीदा ! दक्त क--- श्रीमध्यान सम्बद्धारी ।

(১७) श्रीक्षकात्रम मर्ठ ८ठे:मण्डी, त्यावाकी, क्रकनगत, नमीत्राः दणक--- अवस्थानम् अवश्वी।

( ১५ ) श्रीभाश्य (गोड़ीय मठ अञ्चर नवावश्व :वाक, **हाका**। भूकारागट आधार-दुक्ता, बचारन औ खरू-्रशेत्रक व्यक्तिनीश्रवग्रदश्य दश्या वस्त्रभागः। बक्क के - हिंदिन शतिक्षके खब्दानी ।

> ( ১৫ : औद्याः नामकी मार्थ 9-19:20 6 #11

हर्राभागकी र हा ितहरू व द्वारीन द्वारा eक्षक--- क्रुटा!१८भीच दक्षकाठी ।

# (३) खाँदगोडी इ मर्ठ

so at eifemente om auf \$10. ceft affeinte, wieimin, क्षांभाषान नि. नि. ६३३६

শ্রীময়াহা গড়ব প্রচারিত শুনিধার ছবিদশ্র-প্রচারোক্ষেপে গোড়বেশের গর্মপ্রধাস নগ্ৰী কলিকাকার উচ্চিত্রিবনার আস্বান শ্রীমাঠ আছিট্রির আছেন। এই জঞ্জ গভ্যাতামে 🖺 জন্ম-বারাজ-প্রাবেশাদানক জাউ সপাধ্যে নিজা সেমিত কম । সৌতীয় ক্ষান্তায়। ব্যাব বা বলীয় প্রাক্তারলীয় প্রপ্রচারো: ক্ষান্তে শীল্পার্ক বংগল্পার কেকটা কর্তুত স্থান মন্ত্রালয় সংস্কৃতিক চত্ত্বাচেন। পুলিবীর দর্বক 🕮 গৌবনাম প্রভারার্থ এট বস্ত্রালয় ত্ত্বিক 'লোট্ট্রত' স্প্রাধিক প্রান্তি অনুমানি মানিক প্রিকা ইংলালী ভাষাত্ रिना प्रमाण कारण के करें एक एक मा विभाग पार्थ में किन, में शाकान-क करें बन (यह) के हैं,। कृत्वात्रक, आहेह । क्र-हर्तिक । भू । सि-लीमा य क्षाध्यत सभाक् व्याध्याहरा अवैव গ্রাকে। মসএক ৯--- আচার্যাত্রিক দ্রীপাদ কুমবিহারী বিশ্বাভ্রবণ। সমক্রি --পঞ্জিত শ্রীং দ মনস্বাস্তালৰ প্রবিভাল্পে বি-এ, শ্রীণাৰ প্রশালক প্রবিভাবিনাল বি-এ, खाँलाम जागावकाची यक्षवाती, जीलाम समज्जातम मामाभिकाती विनव, खीलाम প্রগোপাল প্রাচিকারী, প্রস্তৃত্বী শীকীউলানন, এমতারী শ্রীপাচীয়েশ্যে ওক্ষরারী तीक्रणानम करिलाकी, अक्षाती श्रीस्थरनेत्सम, शृक्षिक श्रीमा मरीसकृष् ण¢िक्षां चक्रांत के कमान्ने आकृति।

# 15 · श्रीनमा हे-दनोडाम मर्ठ

रुविनिक्तिकाराधनी मुखा, वाकिशती, छ।का कें। वामाह-८५ '११ (अ.स.) - स्थित। स्थान

#### :১৭: খ্রীভাগবঙ্কনালক মঠ

ানকালের, সাত্রাধবপুর, মের্লিনীপ্র। खनारन न्ये सक-(श्रीताक--:,काक्सका- : ব্যিতিবারীর নিভাবেশন রক্ষমান। রক্ষক---दलवासी ओकसवासनामनी । बळाटाडी गढासन

#### ः 🗠 जामनात्याचा अश्वालाव

ताकर्गाम (भा: व**क्ष्मा**स । निकारताता व्यक्त-अवनाती क्षेत्ररेन ্বিশোর

### (১৯) श्रीशृक्रदाख्य मठ

aniele, mal. Bfem! ज्ञाशास्त्र हिंदुशीय-विद्यालयानवजीत विकान লাগৰ পিছাত গ্ৰন্থাৰণী প্ৰচাৰ-পেতা। প্ৰধাৰ ব্ৰহ্মান। বহুক - ব্ৰহ্মচাৰী জীপর্মা नाम विमाहक, अभागी मानमीपानम ।

#### (২০ ঞ্ৰিব্ৰস-পোষ্ঠীয় মুঠ

भागतहनाच, अभागिति इचनः, भूती । प्रशासन्तरतत अनवम्य समस्य श्रीमात्रकः অবস্থান । বস্ত-- বস্তারী द्यां पर स्वती व्यास्त्री । अवस्त्री---त्रकारी और्विणनविद्यारी ।

#### (১) জীসফিদানৰ মঠ

Elegitumia, mowi क्षणाटम क्षेत्रक्र-श्राचाक-विद्यासप्रमण-कीत निकासमा वस । इक्क-बक्दारी जीवसम्बद्धाः

#### १२२) श्रीमन (अम-, श्रीकांच मर्क

अन्तर कराक्कानमभीवर अन्ति । ८भा :- भग अभू अ अभा अस- निकास्त । र<sup>दर</sup> न उद्योदरशका कश्चम । स्क्रम ----नीयानकीनायकी ।

#### ा **८ है। कर**ोजको सह

कील' १८ मान कुछ, जीवाम बुन्मानम । Bi Bathi-Mw-Caiwneils (841)

त्याक - शिवान किवान अक्षवा वी

(३८) 🕮 भ्रत्यदः म यह देनशियादणा, अरेकाणूब

द्यात्म क्रिकाशक गाहेलाम् 🖝 कियोर निर्माण विकासकी ह रमवा बहुआंग । প্ৰীপ্ৰকপোৱাল-জীপ অঞ্চিকা দিবিধাৰীত ক্ষক -- এসচাৰী উৰ্দিংছালক ৰ একচাৰী M. o. 48 61 P. AT 1

#### .२०: 'डींटिड्डमट्योडीय बर्ड

कृष्यंत्रकः, किन्द्रकः, भागस्यः। हेश 4.5 . 3.4-8.92 MIAI! ##4- MJani-माथ बाह, शिट्यमणामम अक्टारी। श्रीबाद कोण दम । धाँचाब ।

#### (३७) अन्यामद्याक्षेत्र वर्ड

。 學究(學祖、母)(丹智也、學問]明 1 · 國刊[[四 श्रीत्थाविवस्मान-वाद्यक दमका क्कामान । 4% २--- अक्राती हैं। अपनेत्राही ।

१२८। आक्रमभाष्ट्री काशवाक्षक-वर्ड ब्राव्यनगापा. (भा: मा**क्, अक्**र

क्षशास्त्र वक्ष ज्ञानभृति लोदशां आदणक दशना वहमाना काक-अववामी खीळावकक দাস, জীনাধারম**ণ এক**গেরী।

२५५ भिन्ना द्याकीय वंठ-कांगराज्य

to ten curera, fait feut i दक्त--अवहाती स्वीवाधिक।ब्रासम्-अभागती लीकावाकमनहत्रनम्बन है।

(२०) द्या प्राथ भागा का का कर स्था क्षण ए-व्यक्तानी खीवागारमावन

## হৈত্যুমহের শুদ্ধভক্তি গ্রন্থমালা

animos animo	শ্রীল শ্রেকুশালের বক্তাভাবদী
ू । क्रियकाश्रयक्ष म.—गमश्र	(ক) প্রাথীয় পথ্য 🙀
के (३४३४ वड ) ३५ %	(લ) પિંહીત પછ 🦫
े अर्थ (भणम चन्न) ५०.	(গ) ছট পণ্ড একজে ১৯০
१। केष्वियान अधिरिक्त अर्थ विकास	১৬ নবছীপ পঞ্চিকা
· PRAT HUNEY	( ৪৪৪ গোগাখা ) 🛶 •
कः। अधिहरूक्षणान्यव	৩৭। সিদারদশ্র 🧈
• (বিষাট্মিনীং সংখ্যপ )	০৮। दोপ দিগুশ্শন 🧳
a শিকা (জিবলামেৰ-টাকা-সভা) ২,	(A)   WIGHTS
e नेका ( क्षेत्रक्रतक्षेत्रक्षेत्रकान्यलः ) 🤫	(নব্ধীপ পারিক্সমা 🥔 🗸 🗸
•ा देखन्त्रमण्डः	6 · 1 別を料的 />・
कः वृष्टिमाञ्चलः कर्गात्री वर्णः माञ्चतार	8岁( 中川川の中間海帯(竹甲科 別で年間)ノン・
( मास्त् )	৪২ : নগ্ৰীপশ্ভক
৮ दंशीक्षीय-क्षकंडाउ १.	६०। नगाठाबद्ध'त्:
স। আহিচ্ছক শিক্ষাত (বাগা) ২০	८६ । माध्यम्
२०। किराम नव्योग ॥•	৪৫ ৷ ২লমভবিদ্যাপ্তৰা 💚
३३ : औरंठ कंक्ष्रच्यामुक्तमः च	৪৯। শ্রণ্যাভ
क्षिमन्त्री <b>ल लक्ष्यम् ५ मे</b> । ना ) । ३	69 ( 報(6) 79)
८२ । 📾 सनाक्षीशीकुष रामकाः निर्मा	্ ৪৮। গোড়ীংমঠ কি করেন 💡
के (भारतभा) ५०	। ४३ । भारता वर्षाः ।
>◆  : ह्यक्तमसूष्-नमाकश्चि	ं द • अनुपद्ध • /-
ध्याभव छ। विश्व <b>क</b> ) >	: विक्रिंक्ष प्राप्त ।
১৪ জীলস্থিমান্থাচন্ত্ৰমেশ্রিক জ	2 " 电路电子
us अवश्विमाध-अध्याल भग	দেবদাগরাঞ্জরে প্রকাশ চ
্রন্থ : প্রেরিকেশের সংগ্রা	ৰণ। বিশ্ব <b>ভ</b> -স্বস্থী-স্থিলয়: ৫০
১৭: ক্রেমাববর (জুট)র বংকরণ । ৬·	৫০। স্টীক শিক্ষাধ্পম্ 🕠 . •
The Francisco	48 1 A4-SWA
>> केंश्वाद (कर्तन भाष्य-कार्यः ॥॰ २०। (क्षुत्वाद्यो क्षयुन्ताच सर्ग (दीमा , व०	হত ৷ সালাংশদেশনম্ ১-
•	৫৬। সংস্থান লৈপণ্টকম্ 🛷
হার সাধানস্থলালা (বিশো) হণ হা শ্রীক্ষিত্তি কল্পান্তিকা নাজুবাল হণ	ৰণ ৷ শোষ্ট্ৰীয় মঠক প্ৰতিচয়ঃ 💎 🔑
•	হংরেজী ভাষার প্রকাশিত
२०। इत्रांकं अभिनात्र नाळ्यात्र (भागाकृतीयः) ॥•	Chil oliman
5 8 1 4 4 4 4 4 5 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6	ভে। শাই <b>ক্ষাও রি</b> শেপ্ট <b>ন্ অব</b> ্
	্ উট্টেড ক মগা সামূ ৷ ৷
হকা গোড়ীখ-গোল হল পেড়িছ-সাল্জ	कर्ग (चक्रानीकार्य
२१   त्रीकारणव ( ७३ त्रश्केष ) । ४०	७३ मि काश्वक
२७ । भागमध्यो भाष्ट्रवाष्ट्र	७२ । ६८वः हिन् । अण्यिम् म साम्
am । क्षित्रकावशी वा भाषावामणकपृत्री ।	कारनगरक्षकः हिस्कामन
an । के(मांश्रीमधर ( त्यर्थन क भाषा	े ७०१ - ८०१मा है । जो श्रीमात केल कुरूर 🗸 -
खांचा अवर विदृष्टि ४ म्प्सुशन गर्क) !•	ভড়িয়া অক্ষরে প্রকাশিত
७३। क्षेत्रस्थीतकाबक्रकः	৩৪। আছরিখাস চিস্কাস্থি
०२ । द्वीरशोष्ट्रम् ७गणी ब्राज्यमा वर्णन	५८ क्लड्डाच क्षांच्य
७०। टीक्ट्रवरमबङ	<b>७७: शामक भाव</b>
०६। छे अमृत्यक ४०	৬৭: শ্বীভাৰলী
et । अवस्तिनाथ-मा•ाभा	का बर्गागांड

**व्यक्तिश्रानः - विदेवक्यमर्थः, दशाः** व्यक्तामाश्रेतः, अशोधाः।

# क्रिकां जा तो शैत्रमंत्र रहेट अक्राणि ज

# ভীগোড়ীয়

#### একমাত পারমাথিক সাধাাইক

তত্ব-ব্যোশনাথের বছল-প্রচারিত, সর্বালনাপূত, নিশাৎসর স্থালোচক' অক্ষরতাল ও অধ্যাক্ষক কজি-মীমাংসক, বিশ্ব-জী ব এক্ষাত্র অতৈত্বক ন্যামর, ভারজনোপাসক, পর্মান্ত, গল, অর্থ, কারা, শিল্প, ক্ষি, গল, অর্থ, কারা, শিল্প, কৃষি, একার্যন, সাহিত্যা, বিজ্ঞান, শ্বতি, ধর্ণন, ঐতিজ্ঞ, চিভিৎসা, পুলান, জ্যোনিষ, বৈশ্বলালি প্রভতির নির্পেক লার্যক্ষর সক্ষপতি — জ্বীত্রজ্বানক্ষ বিশ্বাবিনাদ্ধ বি, ও প্রত্যানক বিশ্বাবিনাদ্ধ বি, ও

অফিস্—১৬নং কালী প্রসাদ চক্রবর্ত্তী ক্রীট, বাগবাজার কলিকাতা

# ঞ্জীধ।ম মায়াপুর শ্রীতৈতত্মঠ হইতে প্রকাশিত

# দি হারম্নি

#### বা সজ্জনতোষণী

ই।এ।বিশ্ববৈশ্বব্যাজসভার ইংরাজী মুখশঞ

শুক সনাতন-এর্থ-সন্ধ**ী**র ( মাসিক )

বেদা রেদান্ত, উপনিষদা মহাভারত, গীতা, শ্রীমন্তাগণত, পুরাণ, ভঞ্জ, শ্রীচেত্তাচতিত।মুক্ত প্রিটেডপ্রতাগণত শ্রীচেত্তাচন্দ্রামুক্ত, ভিজেরসায়ুক্ত সন্ধা, বটাগণত প্রস্তৃতি সাম্বত্ত গ্রহসমূহের নিরশেক বিশ্বদান্যাক্তা। বাধিক ভিজাত, টাকা, ভি পি, ৩৯/০ আনা

Maife fefetete Bai-!-

मार्गात-शक्तान्त्रे

(भाः ≜्याम माद्याभुत, क्या मतीवा ।

# চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাচীন নববীলের অবস্থিতি, তথ্য, ঐতিহ্য, শ্রোত ও ঐতিহাসিক প্রমাণ-সম্থলিত নয়টা ঘীণের সচিত্র বিপরণগ্রন্থ শ্রাক্তর্মি স্লা শ্রেসাহেব

কুমার শ্রীযুক্ত শ্রণিন্দুনারায়ণ রায়,এম, ে; ..প্রাজ্ঞ

### মহোদয় কৰ্ত্তক সঞ্চলিত

৪৭ খানি বিভি৯ খণের অপূব্য চিত্র ও মান্চিত্র-সময়িত প্রাচ্যবিদ্যামহার্শন বিশ্বকোশ-সম্পাদক মহাশাস্থের বিস্তাত ভূমিকাসহ

উৎকৃষ্ট (ইং ) মরোকো বাঁধা ১॥॰ ; জিঃ পিঃ তে ২০ ছুই চাকা মার ার্যান্ডান :— শ্রীটেড্রামন, পোঃ শ্রীমারাপুর, নকাকা।

# ৫০ বৎসরের পরীক্ষিত করেকটা মহে বিধ—

ভাবছাতকালীয়া গুলুৰ মুখ্য চইয়া যে সম্বস্ত গ্রাশংসা পত্র বান করিছাকেম, তাঁহা গুলু করিলে বড়ু বড়ু পুত্তক চইয়া পড়ে। আপুনিও বাবধার করিয়া বছ চটন।

- ১। চক্তপ্রতা বটাকা—ইহার নামনীও বেনন কালও সেই রক্ষা ইবা স্থন ও প্রাতন বেক, স্তাহতে, এল গড়তি এবং জীলোকরিবের স্তিকা নারেন, খেত এবং রক্তপ্রধন প্রস্তি োগে আত কলগ্রান।
- ২। সুষুত্তিসহায় বটিকা--মাদক্ষণাবিতীন অভাবকর নিজাবিধারক ঔষণ। কে কোন দৈহিক ও মান্যিক পীড়াবশক্ত অনিজারোগে এই ঔষণ বাগতাতে গাঢ় নিজা হইবে।
- ত। মজুর বটিকা—ইণ্ড সেবনে প্লীণ্ড ও কণ্ডগলিক নেবা ও পদীর পাপুর হইয়া ধাওয়া কডানি নিযুৱিত কইয়া রক্ষ পরিকাধ ও বৃদ্ধি প্রাপ্ত হয়।

**উक्ट किन व्यक्तांबर व्यव्हाक खेरानत्र मुला श्रावि दक्ति। ১८ हाका।** 

আধিয়ান :- আতম্পনিপ্রান্ত উম্মধালয় ২১৪নং বছবালার ব্রীট, বলিকাডা।

#### बीनवहीं श्रामनाशासा बमान पर किया थर

শ্রীটৈ চক্ত মতা আ চুর বিধার ও সাঁলাভূমি নরটা ছীপ-সধাৰত। এই নয় ছীলোর আচিন বিবরণ----বাংগ্রেক ছীপে শ্রীমহাপ্রাভূত্ব গীলা----প্রথমণেরাথ কি দু ইডাটের বিবর বিশেষভাবে মংলাছর ছব্দে মাণ্ড। প্রেক সাইজ প্রায় ১৬০ প্রয়া।

### প্রীনব্দ্রীপ ভাবতরক fown is

উল্লেখ্য কেন্দ্র কালাডে উত্তয় কাপ্তে ছাপা—শ্রীনব শিষ্য দশলৈ কাব্দ ইলনকারীর কি প্রকার ভাবের উল্লেখ্য হয়, ভাষা এট প্রয়ো বানিত ৷ আক ১৯৭কার ৪

সাধিক ঠিম শি—শ্রীবেকবনন্দন, শ্রীবাটণরন, উল্লেখন অন্তর্ভন শতনাম ও শ্রীব নলেভ্রম ঠাকুবের প্রকৃতিক্তিত চলিক্ষার্থমন্তর আধনন, প্রেমণ্ডিক চলিক্ষা আঞ্চিত্র অংশি ত গীতাবলী স্থাপারে প্রেট সাইকে মৃত্রিচ ব্যাসংকরণ ভিক্ষান চাবি মান হার।

# কবিরাজ শশিভূষণ কবিকপ্রাভরণের



মফাপ্রের প্র ব্যাসর জন্ত ৬ আঃ শিশিন্তে ঘটাজুর অবস্থার চোটবোরজের স্মাণরিমাণ উপাটাজে পার্টনে বর, হতাতে উম্বনের কোন প্রিবস্থান করা কয় নাই। মুদ্র প্রাক্তি শিশিয়াও আনা, পাইটারেও আনো, বোভাগ ১৯৫০ আনা।

্তিহিংস- ১১নং উজ্জাতালা রোড, পোঃ শ্যামবাজার, কলিকাতা

# ग्रंपच मछती

वडिकाश चया च बाकुरिकाश, वैक्किशमक्ति हान, स्टकारम स्टक्नमाच, परश्यम, प्राथरपाता, मुक मक् क्यानि, म्हानिका स्टक्ति स्टब्स मध्य निर्देश सारकाश क्या चन, योगा, द्या दृष्टि करिएक सारकाश क्या मन, माना कर की मू अक के का र

প্ৰবছাৰ ক্ৰিকা ক্ৰানি স্থাত শ প্ৰবছাৰ হৈছে ব্যৱসায়ে ব্যৱসাহান কৰিব ব্যৱসাহান কৰে। মুবা ব বোলা ম্টাকা ও প্ৰথমকানিকা কিল্পী অভিনয়াপ ইন্ধান্তৰ কৰা সভাবৰ্তি বাটা ব বাহি ব্যৱস্থা ক্ৰাক্তব্য ক্ৰান্তা ক্ৰাম মুখ্য কৰিব। ব্যৱসাহান কৰে ক্ৰান্তা ক্ৰাম মুখ্য ক্ৰাম্বান্ত ক্ৰাম্বান্ত্ৰ ক্ৰান্তা ক্ৰাম্বান্ত, ক্ৰাম্বান্তা মু

# शहेट्यामिन

**2** 

# কোষরদ্ধি রোগ

ভাঃ অস্, অন্, থোষ বিনঃ অল্পে, বাংক্ষীবনের গ্যালান্টি দিয়া বৈভাতিক আন্দোশতে কোমবৃদ্ধি রোগ অংরোগা ক্রিয়া বাক্ষেয়।

> ঠিকানা— ১৮ নং কটন স্থীট, বড়বাজায়, কালকাঝা I

### ১। শূলামৃত

निखण्टनत चरार्च मत्त्रोचन। > माद्यात केंगनम्, मकास्य चाद्याताः। अति

২। শুক্রাচার্যা मधीतनी পোঠাই

কানেষ ও ধ্যকভাষের কান্সাত্ত মহোষ্ট্র । সুধা ১ জিবা ১০ আলো। আভিজ্ঞ পুণক্।

- ৩। সন্ন্যাসী-প্রদত্ত অর্শরোব্যের অব্যর্থ আংটী ।
  আলোগ্য না হুইসে মূল্য ফেল্ড। মূল্য ১৮ সান্য সাক্ষণ পৃথক্ত।
- 8! কোষ্ঠ-বান্ধব পীল भन्नोनं, গেটদানা, পেটনেধনার মহৌধন। ডিবা ৪০ আনা। মাতল পুথকু ।

### ৫। বাতলীন

বাসংগাগের মহোপকারী ও সন্তাহে আবোগা। আভি শিশি॥» আব্দের। মাত্রপাপক।

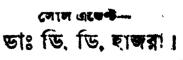
রবার-ফ্যাম্প প্রস্তুতকারক। সহর ক্যাটালগের কর পর লিগুর।
ভার্ভিভান্স—মনোমোহন লেপরেটরী

পো: উয়ারী, কমলাপুর, ছাকা,

# মনোমোহন প্রেস

পূকা বাজালায় শুলভে সকলপ্রকার ছপোর জন্ম বিশ্বান্ত লৈগোতিক ছোলনে দিলাভাত, কাজ চলিতেক্সে বিশ্বত জানিতে হইলে নিম্ন ঠিকানায় পর লিশ্বন ম্যানেজার—মনোমেহিন প্রেস, ৯০শং অবানপুর, ঢাকা।

### মরা মারুষ বাঁচাইবার উপায়



ক্ষেপুৰ, পাণ্ডেনরিচ পোট, ক্ষিডাক্স ডিকান্য স্পষ্ট ক্ষিচা নিক্ষিক



CEPATE-

inminitie als क्षां चंत्रा रहे विकि शंक ३५ 4 THE --46 - AMM OI . min --*इञ्जिब* शक (BFF



বর্তুমান–বার্ত্তাবহ

ভারতের লক্ষ্যে বছল-প্রচার–শদীরা জেলার এক্ষাত যুগপত

मांगार्यात्र स्वत অগ্রিম দের। यारिक 🎮 यात्राधिक 🚓 **्रिमाशिक २५**० गानिक 📐 गश्रम গুছি সংখ্যা দ

58শ সংখ্যা

मन्गानक— बोञ्जोन्ननाथ वल्माश्राय तमास्रवाहन्त्रि ७ष्ठे ४७ ]

জালৈতপামট জালাম মায়াপুর-৬ই চৈত্র শুক্রবার ১০০৭, ২০গে মার্ক্ত, ১৯০১

#### কথা ग्रा

क्रक्रमशद्त द्रामा

श्रम ५१के मार्क अञ्चलकात्र शास क विकास मध्य अमान्याहर दका स्वाली बालार े श्रुटिल क्षण विरुद्धे खरुकेर बाफीर र क रेंक, भारे, नि देखार छेटरव याकीत्य (बाम: मिकिन्छ क्टेब्राक्त) स्थलक विवय

निक्ति भारत बानाकसाम कविशारक। क्याक्षण नाम ब्राकान क्रिनाम माना afres 1

#### গুৰুজীয় সহিত প্ৰাৰচ:শ্ৰের WICHIE-11

व्यापन क्रमायान मन्द्रभागाय मन्द्रभागाय मन्द्रभागाय अविवादिक व्यानिकारण्या । स्थामनात काकि > - টাৰ স্থল মংশ্ৰো গাছীত স**ি**ত काश्व मामार का राजि बाहारके ्बिक मेर्याकीय शायक प्रभाव बाबुत eggeton beiten i fes vert. bi ाक्के मा व क्यान के स्मन मनशास्त्र प्रकाव तर्बे क्षिकाका व्यक्तिम्ब १६ना करक विदेशम आर्थ । भागाओं भगा गीभारकत क्षण जिल भगवाकीत गरिक निक्षी रा कतिरवस क विक्री स्टेटक बाजा विका अञ्चादशारण कामनात्र मारक ए हेर्स शिष्यकाम (लीविध्यम मुन्यिस क्रीब गाँवन बारमान्से स्वय मा शिक्षित क्षित्र । "

# রুষ্ণনগরে বোমা

গান্ধীজীর সহিত স্থভাষ্চন্দ্রের আলোচনা

# ভীষণ হত্যাকাণ্ড

বোষাইয়ে ২ডনাট্যমন্ত্রনায় গান্ধীজীর তাভিমত

# নগিন খনন নান বৈ সহিয়ে এ যুক্ত সুভাষচন্দ্র

মহাত্মাজীর সহিত জহরতাল এভৃতির হাকাং

# পলিশকর্তকশান্তর সর্ভভঙ্গ

ফরিনপুরে আদর্শ বালিকাবিছানর ভক্ষীভূত জহরলালের উক্তি

# রেস্থা মামলার রায়--এ জনের ১০ বংশর সভাম

ভীম্প হত্যাকাও মিউনিনিপ্যাস্যদক্ষ নিহত

भश काळिए बायनार्थेत मिक्छ क्रमच'नि य की भूग वाश्यत्र माना कीय क्षानाथ क्षेत्रा जिल्ला । सक्तिनिक कारक न हिल्ला किया कर्क

ष्मकष्यार जिल्लाम (गाम गालः "अक्रमण्य क्षेत्रकार्य निक्रिनिक्षणाविक्तिक mare - १ क्षिक व क्ष्मिर राजील स्व भवा - दर्शांक र

कत काँचें जिहे श्रम छन जिक्रें करेंट्र क्षार्थन काश्व शक् काष्ट्रिया गण्डा भामनातीयः व्हित अस्य त्यः हेशान siemen i maig badate alan line जिल्लाका अभित्व काराहक कन्। करिय खाँ किटिक पॅटिक ललाईया शाना আই এতাকাও মন্ত্ৰিত কইছাছে ক্ষিত্ৰ এক সময় এক লম মহিলা যুত্ৰী আৰু স

का किसि दरिन प्राक्षके मुक्कि (Blughis विकासका मार्किक करवा शेवारा प्राक्त प्रकार परिवास मार्कित का वासारमण ুসুসতি বাজীকে অভিজ্ঞ কৰিয়া ফেচেড় হলে কলে তে, কিটাইড়াৰীলা ভাতানীত

#### বোহায়ে বড়লাট সম্বৰ্জনা মহাড়া গাড়ীর অভিমন্ত

गड २७ मार्क **ज**ननारह कार्नान्ड-नरवत मकाक वर्ष भावष्ठित्रमस्य अधिनम्बन श्रारात्मक जान्तात कार्याक्रिकः करहरू विषय कर्णिरत्यम् शु.स्त सक्य प्रदेश क्षांत्रस करिश शामा क्य 🛭 शक्त क्टिक शाहरदाव वानका करा क्य ।

रर्फ का छेटमरक विषाय क्रकिस्त्यस व्यक्तार मन्त्र के बाना शिशाक व बोठीत प्रभ छपू मीछि विभाव औ आकारन वाषा मान कान्द्रका । कवन नवाश्य खाडीब । बल दर्भास बद्धाना वा अन्तर्गादक व्याधानम का प्रस्तित भग्न अजिल्लान । व्यक्ति वर्द्रम् नार । धर अञ्चीतनात प्रश्च काहेमात-हे. क्षिण मध्येत राज्यात् क क्षेत्र क्षित्री বেঞ্জিন मध्याचीत निक्त यक छूतीही. कांव कहि । हादारा ही भाग गाइका शायाची व कारक है। है। युक्त । शहादी में लि am nicht friffe mint mit मधित क.ल (य अवद्या कामिक्षाटक आकार ह বরুলাটের অভিনায়ন প্রস্তাবে যাস্থ त्मका ककात इंडेटन । चानीस क्न खे शक्षात्वक त्यम दकानकण विक्रक छदेन

व्यव विषयम व्यक्तिकाम् । श्रेष ुव्यक्ति **्ট। ४० मिलिएटेड शमग्र मकाश ७० ५ ५०० मु** भक्त कालारश्चरमध्य क्रांत्र मध्य मुख्य erte, pfoten Bigaroud unteffen माक गर्दीवा कि मिते क्षेत्रामा स्थापक प्रशासा मान्द्रीक तक व्यांत्रन्त्राम मान

### ্বিবিধ সংবাদ গেছাইয়ে শ্রীমৃত ত্বভাৰচন্দ্র

তীবুক ক্ষাম্প নক্ ১০ই মার্চ
মকাল নাগপুর তর্মপ্রেম বেশ্বাই
আনিবল কর্মেনের নেতৃত্বল, ব্য-শংক্রর
কর্মেন ও প্রমিক দল প্রাহাকে বিপ্রকলপালা ক্ষারহাছেন। বছ সংখ্যক
সংলেগ ক্ষেত্রাসেরক সারি দিয়া দপ্রাক্রন। বছিল দপ্রাক্রন। ক্ষার্মণাল ক্রিয়াছে। ট্রেন কর্মান ক্রমণাল ক্রার্মণার আনেক প্রসামান ক্রমণাল ক্রার্মণার ভালার ক্রমণান ক্রমণান ক্রারহাজিলার ক্রমণান করে। বিনি
মানের্ম্যারে নিইক্রম্বল ব্যানের্মণান প্রাক্রমণান ক্রমণান ক্রমণান ক্রমণান প্রমান

জিনি সংবাদশত আছিনিনিছ বিকট ফোন নিবৃতি আকাশ করেন নাই। জুপু ধরিছাইছন—কামি মধান্তালীর স্থিত আলোচনা করিছা স্থিত কথা কানিবার কলুবোহারকে অনুস্থাক।

#### বেংশাইয়ে গাণাকী ও বন্ধ চভাই পদা টেন

खाकां है स्थान त्या काव्या महाद्याः प्राक्षां स्व प्रदेश न त्या कार्या कार्या कार्या त्या कार्या का

शिक्ष कहाइनात सक शाकी वि नाम क दश्यान दश्यो वहर क नामिना स्माहं हरवारा भाव दश्योदक क्षित्र हरी महत्र द्यान-की बदमब बाही एक हर्गना स्वत्र महिल ब्रह्मका बहा। महान को खाला गर्हे द्याटक विश्व सामान समन नाहन ।

#### **ब्यापादेश पर**्रगारमत डेकि

মত ১৫ই মর্চ সভাগ আবাৰ মন্ত্রনে এক জনগ্রন্থ প্রায় ৫০ কালার লোকের সমূপে পত্তির কবনগোল নেকের কর্ত্তা করিবাভিলেন। লাল্যের কথ্যেশের করেজার স্বলাভিলেন। লাল্যের কথ্যেশের করেজার স্বলাপ্রতী, আমালিপকে সভা কলা করিতে কইনে। প্রেন্দ্রনার অন্তর্মণ বাবস্থা করেজার না।

रित दक्षेत्रं करदश्य कथी व्यक्तित्रक श्रामा क दगीराराशक कल आश्रमं करदश्य भगवर्ष विद्राम कल, कदम काल्य आश्रमंदन वांचा कहरणब विद्याद कीवाद दन्यान अधिकार गाँठे। अञ्चल काराय जीवाकात्र अल्लाहिक महिल्हा हिला। क्रिकारक व

গজিত লাহ্যাল বলেন—হিংগাল জন্ত দিভিত বলীলাও দেশ কোমক— কাকাদেৰ কাৰ্যাল অলংগা না ক্ৰিয়া পাথা বাহ না।

শ্রীর্ভ নরিয়ান ঐ সভার সভাপত্তির আসন গ্রহণ করিনাছিলেন। পাণ্ডিক-জীকে বেশিবার হন্ত ভিডের মধ্যে বাইছা করেকজন কোড় সভার আন্তর বইয়া-

### মহা**স্থা**জীর সহিত জহরলাদের সাক্ষাৎ

কংক্রেস অভিস পরিদর্শন
পত্তিত জনবাগন নেলেন ও জীনুত
ক্ষাৰ্থক বন্ধ জীনতী পত্তীন কাল্যেনকে
নলে নইবা পানীজিব স্থিত সাক্ষাব
করেন ও জীবাল গালেন করেন।
নোলা ১০টার ক্ষাব বাবু কারেম গালিন
করেন ভাগর কারাব মহন্দ্রার
ক্ষাব করেন ভাগর কারাব মহন্দ্রার
ক্ষাব কেলেন ক্ষোন কার্যাব
ভাগর বাবু জীবালের পরিদর্শন কার্যা
ভাগরের ক্রাব্যান বাব্য ক্রিয়ান কার্যা
ভাগরের ক্রাব্যান বাব্য ক্রিয়ান ক্রাব্যান

#### नर्ड धात्रडेरेम्दक मानलक माम

পরিদর্শন কৰিছে থান।

আকাশ থে, বেখাই কপৌবেশনের একজন কাউজিলান এউ আবউইনকে অভিনক্ষন পরাধান সম্পর্কে উল্লেখ্য মাদ জানিতে চারিলাহিলেন এবং স্থান্ত এই উত্তর পাইছাডেন থে, দিল্লীর আন্থাবের দক্ষণ এইএপ অভিনন্ধন পর দানে আভীরহাবাদ) নেতাদের কোন বাধাকেওয়া উল্লিখ্য সংগ্

#### করিদপুরে আদর্শ বালিকা বিভাগের ভন্মান্ডভ

সময় কৰিবপুর আৰশ বালিকা বিভাগতে সময় কৰিবপুর আৰশ বালিকা বিভাগতে আদুল বালিকা বিভাগতে আদুল কৰিবলৈ বিভাগত বাদীলে বিভাগতে আদুল কৰিবলৈ বিভাগত আদিল কৰিবলৈ বিভাগত আদিল কৰিবলৈ স্বেল্ড কৰিবলৈ আদিল কৰিবলৈ আদিল কৰিবলৈ আদিলাক কৰিবলৈ কৰিবলৈ আদিলাক কৰিবলৈ কৰিবলৈ আদিলাক কৰিবলৈ কৰি

পুলিশাণ প্রিক মানু জিল্ল সার্গ্র হাজ বেশত হাল। হইছে এক সংগাৰে প্রকাশ — লাজে ইংলা উপলক্ষে আছিল বংলা এইছি পালাকে হংলা এইছি পালাক হিলা আছিল। হ ছালা লাজে হালাক হিলা হালা হ ছালা লাজে বংলা আছিল। হ ছালা লাজেন এ সাকালি বেলা আছিলী বলিয়া বোষণা করেন। বজালি বিশ্বাসাকে বোজার কলিয়া লাজীয়া বাজয়া হয়। উলোক বোজার কলিয়া লাজীয়া বাজয়া হয়। উলোক বোজার কলিয়া লাজীয়া বাজয়া হয়। উলোক বোজার কলিয়া লাজে।

#### কংগ্ৰেস হাসপাতাল পরিদর্শন

খন্তীর আধেশিক কংগ্রেম ক্ষিটীর সভাপতি ও ক্ষিকাডার থেখন ক্ষিযুষ্ট প্রভাষ্টের বিজ্ঞান ১৭ই মান্টে স্কালে কংগ্রেমের লাভবা চিকিৎসাক্ষ পরিদর্শন ক্রিয়া এইরেশ ম্বাবা প্রকাশ ক্রিয়া-

এই প্রতিষ্ঠানের উন্নতির ইতিবাস শুনিয়া আনন্দিত কইলামা এখানকার গাগালপের ও ক্রীপের কার্যাকুশ্লমার ফলে এই চিকিৎসাল্যের এশু উরাজ সন্তব কর্মানে। এই প্রতিষ্ঠানের কোন ক্রীই বেশুন প্রতিশ করেন না—- প্রার্থের স্বার্থিকালের ফলেই সাগানবের এক অগিক সংগ্রুতি এলিকে আকুই ক্রমানে।

#### রেঙ্গুণ ডাকাতি মাম<mark>লার</mark> রায়

এক ক্ষরের দশ বৎসর স্থাম গত গুজনার জৌক ট্রীট ডাক। জ মাস্থাম চারি জন স্থাসামীকেই জুলি। বোলী গারাজ করিছাখিলেন। ফলে বিচারপতি কামনিক উক্ত মান্থায় বার প্রকাশ করিছাকেন—

क्षिपुष चात्र, १६न, तात ১० वर्गत क्षिपुष ७, धन ताम ১० वर्गत শ্রীয়ক ক্ষে, নি, বন্ধ এ বংশর ক্ষুণীয়ক ক্ষ্য, ক্ষে, নাম এ বংশক সম্রয় কাঞারক লাক্ষ কবিচানেন।

শ্রীৰুত হাৰকে ব্রদানকারে বিচাৰত পতি বংগন---বাজানীদের ছারা প্রথপে সভীকে উপক্ত চইয়াতে এবং এখনও উপভার পাইডেডে বিশ্ব এ প্রেশীর বাজালী প্রস্থাবেশ চাতে নাঃ

#### দিগৰে গ্ৰেপ্তার কৰিয়া গ্ৰহণ যাওচা হয়। জীমুত বিশক্তমুক্তমান্ত সক্ত**ক্ষি** গ্ৰাগাল ন্যাল লাভতে মাৰে। ভা**ৰ্থ নৈতিক কংলোলেয় সভাপতি**

শীৰ্ক বিনয়কুমাৰ সংক্ষা আৰম আৰ্লানীতে আছেন। মিউনিচ বিভ-বিভাগরের কর্ত্বাকের আমগ্রণে তিনি নেবানে করেন্ট বক্তা কৰিছে সম্মন্ত কইয়াকেন।

এবার ইটানীর দেশ নগরীতে লোক সংখ্যা নির্দ্ধারণ সম্পাতিত প্রবেষণাকারী আন্তর্জাতিক কংগ্রেগের অধিবেশন ভটবে। এট কংগ্রেগের অবলৈজিক লাখার সভাপতি বটবার অভ তীয়ুক বিন্যকুষায় সরকারেক অন্তর্জার করা বটয়াতে।

#### জীৰুক্ত স্থ ভাষ্যতম বস্থ দিল্লার আপোৰে অসংখ্য

পত ১৬ট মাটে হাকে গুটনী প্রমিক্ত সন্ধার যোগদান কৰিবাৰ পর গান্ধীতী রাঞ্জি গুটটা পর্য পত্তিক অভ্যন্তান নেতেক শ্রীকৃত্ত প্রভাব-প্রাপ্ত স্থার ব্যক্তভাই গাটেনের স্থিত অব্যবস্থা করেন। আলোচনার ক্ষ্য অব্যক্ত জ্ঞান ব্যক্ত লাগে, তবে প্রকাশ, তীর্ক ক্ষ্তাব্যক্ত বস্তু আলোব্য সন্ধার নহেন।

#### ১লন অভিযাক বন্দীর কারাবদক

পুনেন্দু গত হাছ, ছুল্লি রাছ, ছুগোৰ কুমাছ ছাও ( ওংফে অবজি), গাজিছেশন স্থান্ধার করং পারত পাঁচক্ষন বেল্লন ক্ষতিহালে ব্যাকে গ্রুত্ত হংগীত ক্ষেণ ভাতে ভিল্লী লেলে খুল্না যেলে পাঠান ভ্রন্তে ।

নভাগের ফুলনারকালি ৩২ নভাগের ফুলনারকালি ৩২ নভাগের কটিভোর ইত্যাগি ভুলতে বিত্রদা করি

No. sweet stands and the

ME STAD

吃有什么一种

# উপক্র্বাণ ও নৈচিক

वक्काती विविध-डिल्युकान व देनहिक । **জিল্ডাগৰত ১১ স্কংজ ১৭ অ**ধ্যায় ১৮ स्मारक्य क्रिकांच क्रीवंद बाबी विशिधार्ष्ट्य-'चेनक्कारमा टेनकिक- I'

শৌক জ্বা লাভের পর বিভীয় गारिक जना। भरत हुकीय रेमका समा लाख किति कांव सान एक इन । जेनानुकारनव स्प गयरका नारश्च क विष्ठ व्याटक,--- गर्छ।-ৰানাৰি সংযায় কান্ত ক্ষিয়া উপনীত হইবায় পর তিনি বেশাধ্যম জন্ত আচাব্যকর্ত্তক আছত হটরা ভবকুলে বাব করিবেনর (মধলা, মুগচর্মা, কও, অফমালা, প্রপ্রসূত্র, क्म अनू, भटेलन निवक्ष न प्रकार वातन, कारने क **मञ्ज ७ भारतील भ**तिरमञ्ज **७ कुन** भारतन कतिर्वन । च क्रांभटन । छेशटाशन निविध् । चाम,८अकिन,८काम ध्यः करणालात्रन कारण ৰাগ্যত হঠবেন। কজেবিহণ্ড লোম e লগ তেখন নিনিদ। তেখাপুঞ্চক **স্তুদ্দারী** রেভত্যার কবিবেন না : প্রনিক্ষা रमस्य इहेर्स करन अवगाहन पुक्रक भावकी सभ कदिरवन। અગ્નિ, જળા, व्यक्तिया, इन्हा, वित्य, खता, दुक्क अ ८५ व-लगटक ८वीछ इहेबा छिलामना कविरायन अवर मक्काश्वरत वर्त्वाक् बहेगा केल कहिर्दिन। चाउपादक चंडीहे एस्य कान क्विटनन, कवनके व्यवसान ज्यार संसर्भाग कारन भाष्ट्रका क विरुद्ध न ना। अञ्चल अवस्था विभया। लाण:कारण व माधाकारण विभिन्न व क्षक्र स्था केश्वरक निरम्भ केथियन। ষ্ঠীরে অনুজ্ঞাত দ্রবা সংঘত হটা। এই। कविर्यम । व्यालनाटक नीट्यत छात्र महन **कतिया जाउँ।एपीत स्टब्स**्टराया जनायाः क्तिरवन । छोस्त्र यान, भगत । कात्रन ভানের নাভিদুরে রুভাঞ্গী बाकिर्यम। एवे आकात तुष्टि कानश्वन **ক্ষরিয়া উপকুঞ্চাশ একচারী ভোগবিব**জিত এইয়া অধ্যন্ত্রত ধারণ পুরুষ বিচা **সমাপুন কালাবনি ও**ককুলে বাস করিবেন। भारत ज्यां समास्यत्र नारक्षका करेरन नकतिया शक्य जिला टामान कड़े वा 447 ওক্তিমতিক্রমে খান কথাং সমানতন कविष्यन ।

वाश्या निष्ठिक अकाती, डांशता डेल-সুর্বাণ প্রস্নচারীর স্লায় সমাধর্তন করিবেন मा, भाजीयन किंकि त्याभनाता निकाय क्षांकाकतरम जुलम्बास मात्रम कतिरदन्। গ্রহণ্ট্রত ধার। করিলে তীহাদের কর্মাশহ :**দত্ম হইবা আন্মা নিশ্বল**তা লাভ কনিবে। सक्ति नकाम इट्टल खेलकृत्वाल दल्ली प इडेट्यम । 'छीहाता श्रमायक्त-विधाम-क्तरम गृहरवृद्ध धर्मा सब कतिरतम । भिकाम , बहेरन रेनष्टिक अकड्या जत्म श्रक्तभाषा नारम खनवह कि लोक क्रिटनन 4:

# দৈনিক নদীয়া-প্ৰকাশ

# নিতাপাঠা বৈক্পবার্তাবহ

বেদালি সমস্ত সাত্ত-শাল্লের অকুজিম ব্যাখ্যাভা সমগ্র ভারতে একমার স্থলভ দৈনিক পারমার্থিক **পত্র** 

জীলাম মান্তাপৰ ৬ই লৈত, শুক্ৰবার-১০০৭

### गरजंग्न-(भाक्तभ नीन)

শ্রীপাদ অই প্রিয় ভিজিও কর )

ক্ষীরোনসাগর-প্রিকেষ্ট্র অনুসংযাতন উচ্ছিত মতি মনোরম-দুখ তিকুট নামক दक्ष भक्त कार्रह । के भक्त देश होती-CHCH सङ्द्राः वर्तातम् ब्राट्टमः सहस्रक खेळाटम taine rising extension equinities in tempter ( (दक्त) के गर्वापर्य डिक भक्कान्यों ध्व যুপপত্তিকরী করেণুগণ নহ অংশিক্ষ নীয়েশ मारु इंडेर्स क्षणात्र की बहुरणात की नम सक्र खेलिक्षिक इंडेन। किंगरकम् लात्रहे देवसार डकरी यहाराम कुड़ीन कारिया की मनगड़ शर्वरभूष श्रीनाम्य अञ्चल **3** আরোগার প্রভান্ত এবং নারেল পুরুষ স্বন্ধ गश्य निध्य केश्व चात्रच इहेस्। काष्ट्रिकाल करेन, उपाधि कें क्षा की विक প্রকিল্যু কিন্তু প্রভালে অমেশঃ হাঁনবজ बडेट छ ब्राप्कम ६८० स्टाक्त यह, वैद्या । अ **উरमार उड**ातास्य निष्ट रहोत्त स्थानन । ভখন প্রেন্ত ন্ত্রের শান কর্মতে উক্লার প্রাণ্ডির অরু কোন উপায় দেশিয়ে না भावेषा प्रकृष्टिय मीधकाम किन्द्रा बन्द्रा विश कशिक्---

**এই अधिश्राम गथन काञ्चा अभारक** मुक्त कतिएड भारतिम मा- एथम कतियी-श्रदात्र का कथा। অভেত্র কুর্ম্বরণ বিধাছার পালে আবক্ত আমি সকলেট আংশর অসম প্রমেখারের আত্মর এইণ काँत। ८॥ इ.८७ ध- शकान-अभ्यक्ष कश्वान यशिष्ठे अ आह सरवरण भारतमान व्यक्तकन মহান্দ হইতে ভাঁড অবচ শরণাপ্র-लिनारक अभा करतन, मुड्डा प्रयोश करत প্লায়ন করে, আমি জাঁহারাই শ্রণাণত ছই আঠাপর গড়েন্দ্র নানাপ্রকারে পরমেখনের ওৰ ক্য়িন্তে লাগিল এবং ভাহার আইতে সঃকুল ভত্মা **প্রমেশ্বর চ**ক্রাযুগ্ধারী ও গ্রহত্বাপরি আনীন হইয়া আকাণে श्राक्षर सन्त पुष्टि भागा क्राइट हेटलम् । भागाय-चरतत मर्गन थाङ कतिया शस्त्रज ७ छ উদ্রোলন হারা তাহাকে নমন্তার জানাই-

**(लम ८.4: शत्रामध्य शक्क शृंह ३६८७** মুহ্না অবাতীৰ হুইয়া নজেৱ স্থিত গলেন্ত্রকে গণোবর হইতে উদ্ধৃত করিলেন .स्वः छञ्चाका नरक्रत नमन विनाधिक कविशा शरकत्राटक मुक्त कविरणन ।

পর্নেখনের এট গছের মোকণ দীলা ! ংইতে আমরা এই শিক্ষা পাইডেছি যে, পর্মেখনই জাঁবের প্রকৃত স্থান্থ ও রাকক যে সময় গছেঞা নজকত্ত্ব আফাড হইয়া জীবনে হতাশ ১ইডেডিল, ে: সময় ল্পষ্ট ৰুঞ্জিতে প্ৰিচ,ছিল যে. ভা**হা**র শালীলখলনগ্ৰ তাহাকে রকা করিতে। পারিতেছে না তবং ততেন বিল্পাকালে বিপদ্ভিদ্যকে প্রমেশ্বর স্ট্রিড অপ্র ক্ষেত্র ভারতের রখন করিছে প্রার্থী নাত্র ला, इ.स. ८४ मन की पटन काटाल १६३० लडाइन-শ্রের শর্ণাণ্ড হটাতে বা া হট্যাছিল। আম্লেষ্ড উভিত হলঃ পূনঃ এক ও মৃত্যুদ্ধপ মৃত্যুদ্ধিশৰ হটাতে উৰ্ত্যের কাতা প্রমেখ্যের শ্রণাশত হ ৪৯৮৮ ক্ষাম্বা যদি लब्रामघरवेत संवर्गशांख मा क**र्** उदर की भूमामिदक तमाकारण वनग कविष्ट श्रीकि। खर्दा कहें ज काल धाराति गाँक गम्बित এপে কার্যে ও পুনা মংগ্রিবিটে ফেগিয়া মুজুবাতন। বার বার চেশে করিছে। বাড়া করি।ব। একেন্দ্র যথন প্রভেট লাভ ক্রিয়া প্রমেখ্যের শর্ণাশত হটতে পারিয় ছিল, হে পাণকবণী! मञ्चयादम्भ लाभ कतियः यनि व्यामाम गृहुर দুর্শনে অভিত্রে প্রমেখনের প্রবাধাত ন হ্রতে পারি ভাগে হালে িক আম। নিপের মহুষ্য নেহ-যারণে ও পার্ভিটে।।

### মাদ্রাজ প্রচার- এসঙ্গ

িবোম্বাট সহায় হ'ইটেছ প্রাকালিত 'মথ্য মুনি ধান' নামত প্ৰক্ৰান্ত ইংবাজি নাদিক পত্তের বাউমান মাটে গংখাবি ২০৮ ও ২০৪ शृह्य टाकालिङ "North East-West-South" नांत्रक द्वादरकत धन्नाह , तम ]

भागाम भरतम माध्यत्ता । अध्योदती

মাজাপন্'নামক হালে স্থান্থ জনভায় সমূৰে কলিকাতাত গোঁতীয়েবটের পুরু-পাদ ভিস্তিধানী ভীনদ ভতিস্কাক শ্রেষক মহারাজ ভাগবত সহজে একটা ক্রেটা व्यक्तांन कतिग्राहित्नन।

বন্দনা ওবং সঞ্চীর্ডনাত্তে স্বাহিন্দী শ্রীলয়'গবছের মোক উহারপুর্বক ভিত্তেল ক্রিয়াছেল যে ভীক্তরপ্ট ভগ্**রাদে**ছ অঞারিত দেহের পরিচার**ক। বঞ্চাগুরু** তিনি জারও বলিয়াছেন যে **জনমান্য** শারের প্রথা পবিভাগপুরুক 🕮 মস্তার্থ-ণত বিভন্নভাবে কেবল্যাত বাত্ৰ সভো<del>য়</del> কথাই বৰ্ণন করিছেছেন। সুক্তপুদ্ধব**ণট্** लक्ष्माळ विचल हाता, **८३१ टीमहानम्स** अपूर्व द्वटमत्र मन्द्राज्ञण्यस्य खूनक क्या ও उमरुख या त्रमाञ्चर्गातम संमित्र অক্লিম ভাষা। ইহাতে কানী**, যোক,** ও ভাতস্পাদায়ের এক. প্রমাত্মা ও ভগত্ত ধারণার সামগ্রন্থ বর্তমান এবং অসম্ভন্ত, আংশিক ও পূর্ণদর্শন গ্রেভাবে যে একট পরতার রক্ষা, পরমায়ায়, ও ভেগ্রান সংপ দুই হন, ভাহা সম্প্রভাবে ব্রণিত আছে। মায়াবাৰ বা বান্তৰ সভ্যের ব্যতিরেক্ষুথী বা স্থাব ধরেবাটী অক্ত**্রিচারগর্জ** লাভিক্যবাদের সংক্ষাক্ত শি**থরে অব্দিত।** যথন লগম আবিভ্ৰুত, নে সময় জীব কেবল-মার নিজ স্থার্থের বিষয়ট অ**ঞ্ভব করে।** ললমের ভ্রথবারা আমরা বছব্যক্তি 👁 ভবে দিলেশৰ স্বালেখন বিষয় অবশৃত হইতে পাবি ৷ এই অবনায় নীতি শ্বের পরিচয় লভি হয়: প্ৰিজ ও স্মূৰ্ণ স্বাৰ্থ-ছেইীন क्षष्टाकप्रशास्त्रक एकमाख खन्दारमञ् ম্ভিড মুখন বিংশ্টনতে দশন ও **অংপ্নাপ্ন** স্বার্থকে ভগবানের স্বাধের সহিত একী-कृष्ट कोत्रास लोकाशा मुख्य करवन। er fest bisantier Gefecet প্রা. ৬টিড—নাডিফ বাদের ভিত্তিতে **নছে।** 

অতংশর বজা স্বরভালনহকারে 🕮 হলি-নাম কীন্তন আরম্ভ করিলেন। স্থীপ্তন লেদ হইলে বভুভার গভাঁর স্থাপনিক ভাব ও উঠাসময় ৰাণী-বিশাসু সক কর্মা আন্থে প্রবারাও মহেশের মাধ্যমানা ৪ খোড়বর্গের পক্ষ **হইডে বজ**াকে ২ভবাদ क्रांशन करतन ।

"মঠ" ভোগাগার নহে

(ভারিকার জীপাদ রাধাচরণ ে ১৫ S MAIN

মঠ-ভাত্ত- শ্মানির १९४**४। वर्ष** डी,क्रमक् स्था : . . ! · निर्मित्र ७ ख्यान न प्रमायक्षा 😅 👅 👣 वर्ग अवाधिक १८८ व्यक्षात्व अधिकारा है। श्रम 'ট্রিলিকেন' নামক পাছার 'গস্থাই কোনেনু হব'ল ভোগ-ত্যাগছভারত ভ্যান করত ভাষেতে রক্ষন্ম ও ক্রুক্ম গভীত শারার নমে ও ফালের অফুনীশন বর্লা খালার ধাশ বা ভোগাগার ইইবার অবস্থাপ নাই।

আমি যদি মাকে জাইর'লি নিকাপণের একটা আজা বা তাতিখান বলিয়া মনে ক্ষরি: ভাষ্ট্র ভইছো আমার মঠবাদ বা महे भारत दिनिगरम अस आत असे हैं। क्षिष्ठ इंडेया यहिंदन, आगांत्र अक्टनचा ও বৈধ্বৰ সেবার পরিবর্তে নিজের है क्षिय-८मवण्डे इडेरव, कामात जिल्लाय কৃষ্ণনাম উচ্চালিত না হট্যা বিষয় बापीहे मुखा क्तिरत, सामान देखिय क्रकारम बङ्गा थ'किया माम्रोत काम क्षक्रियां वाच धाकित्त, व्यामि क्षक्षाम बर्टरक आमा-शृष्ट-माञ्च बुधित फटण गरे-चान (डा पूरवंद कथा भरते खारवरनात ट्यानाल शतकित, धील व्यन्तरात मरगाँकीरे अहारन एकगाँव व्यामिरे गहि-পত্নী হট্যা নির্মণানী হইব ও প্রাণার-नार्भार्धि । মণের চভুদিকে ভণজ্ঞাল উপস্থিত করিশার একমাত্র कात्र जाभिहे इंडेन, एकन कि-एक कथार दक्षिण श्राम जीन व्यक्तिसन ল্লার্যের পরস্ত-স্থাসপ আমিট ইইছ। ME STI

গ্রিকা মালাপ্রত আকর মহলাজ। প্রিটেড্ডেড্ডের বা ক্রের প্রাথান শার্থ প্রতিব্যাহ্য কথবা ভদাশিত মংসমূহ अन्द्रवत छुठ, छितिहार छ धाँ महिमन ∫ द्रोदरमत आस्ट्रनत छाउ सहरा हो। नर्छ-প্রেডিটিভ ঠাকরবাতী বা মসবামের অভ্যতম স্থান মতে, আউল বাউল প্রাকৃতির আছে। आहा कि क अक्षारमाहर धनदर तिथि (स्वित् महित्य कामना कि विधास (भवक निष्ठ ७६ जन्नाती, नाम-व्यदी ভিন্ন বিশ্বনিশ্ব কর্ত্তক পরিচালিত। খীৰত আচার ধারা মনেটি ই প্রচার করিতেছেন ৷

প্রার কেন আলপ্র নাই। ইহার চড়া। প্রতিপ্রাত হর্যাতিকাম, আজা দেই ভুচ্চ भौमानाम अनक-कामिनी-व्यक्तिको या क्रमकः छर्।भूमा-१८१ ७३। ८५५८कत F1-7 আই। অনিম্বিভূল বুৰিয়া অভাগ্ৰে केल्बबराकी या महस्तरमा करा क्रीयमेंग किन्छ काकी मान कति, रुक्त करेरण दीव हा 🖟 विशास्त्रक, यथा :--भारतम् क्षेत्रभाष्य व्यमाक्षतीय व्यभवाः कृतिता नोमा छेलाता कन इ क्षिति-अधिके अध्यक्ति वार्ग विक इस्त । च्या भारत्य ही धरेशा कीय-विध्यात छाउँ **२६४। ८**० श्रीभक श्रादम **श्रीक्षत्र राष्ट्री।** আগনি স্থপা ক্ষমণার ভত্মন প্রতি-

সর্বাহ্য বিহার ক্ষান্ত প্রকাশন ব্যাস্থান বিশ্ব বৃদ্ধি বেল কোন অন্মেত্ত আমার উপহিত লা হয়।

### শেলার টোপর

(জ্রীণাদ কিশোরীমোহন ভলিবান্ধন, (व-एन)

একটা চৰিত কথা আছে যে. কাছ না পাকিলে লোক কাঁথা সেহাই করে. কারণ, শারে প্রমাণে মাতুল 'নকর্ম্বরং' ং ইয়া নিজেই থাকিতে পারে না, প্রকৃতি**ত** চিত্ৰাত্ৰ্যত কোন না কোন ভণ व्यवस्तिक्षणचारव ए।।।८० कन्त्रं कन्नाहरनहे ক্রাইলে : ওথে বঁহার স্কুতি আছে ডিনি गरकरम टाइफ इन. बात येति द्राचीत অভান তিনি অনংক্ষে নিয়েটিত হুইয়া पारक्त। काङ व्यागात । त्यहे व्यवसा काञ्च गाहे, छाडे 'ल्यालातर्छाल्यत्तत' किछू स्थिम। १। वर्गन कतिहरू श्रद्धां व देशादि । সাংব্রেণ্র চলে এই জিনিষ্টার কোন

বৈশিল্য না পাৰিবেরও ইংল হইতে আমি যে পরিমারে শিকালাভ করিয়ালি ভারাই भारकर्भ (र्शन कवित भाषा) वालाकारम মানহের ৣৠমরা যে ভাবে ব'ব কণি एक्टिएक महम्भादां निकास पानित्र अस প্রকের আনন্দ উপজেগ কর্মা থাকি কিন্তু সংস্থাপতি র গ্রেম যুক্তে চেই আনেন डिटाल! दिन्न इनेया गांध अवश (लाक. CAI) अध्य कालिकः विश्वतिक व्या । त.का किया ।

तागरमत ह्याच्या दलीब कतिरङ य है। उद्य धकरा कि इंडेगाछि।

प-शामुख की शहान्त्र

যে শোধার উভার মাগায় দিবরৈ জন্ম ক্তিহারা নিবেশ্বর ভদ্ধ নাম কিতিন ও একেদিন ব্যালালে ইইয়ালিয়া এবং ভাগবভানি ভ্রমভক্তি এই পাট করিন। মতাকে শিরে ধরেন কনিনা কিছুমারা প্রাভূপালের ভয় লোধ কলি নাই,বরং যাতা মন্তবে থারং করিয়া অভ্যন্ত আগ্রহের মৃত্তিত জীরত্বরূপ ু শ্রুর মস্প্রিত মটে আটেল বাউণ-্লির কভা ভার বহন করিবার জভ বস্তুর ভারে আমাকে নিম্পেটিত ক্রিয়া धमन छुम्भाभण कविराहरू हर ह्यांक-শক্ষার ভয়ে আমি ভাষা প্রবাশ না क शिरण ६ व्यक्षरीमी देवकव शिवृत्त है। हात ষ্ঠিকে এহণ কবিয়া একটা ভোভের সভ্তময়ী ভাষায় তাহা একাশ করিয়া

'সাসার পাভা'য়ে, ভাষার সভিত क लियाय किसू कछ। दह 'शुउ-५७1, काशम शिक्षित महरूप दहेष्ट्र ५% ४ দংগানের ভাগ, বাংড় হিলে মিনে, **कारण ३हेल व**िश्

বাস্কক) আসিলা, रपश्चिम व्यामारम. व्यक्ति इहेन मिलि। शीफ़ांब व्यक्ति, চিন্তার অবিত. অভাবে অলিভ চিত। **डिशाय** मा दम्भि. व्यक्षकात्रमध्र त्थन इसिह छीछ। সংসার ভটিণী লোভ নহে শেষ, यत्रण निकटि (चात्र। স্ব সম্পিয়া, ভজিব তোম'র,

এ সালা বিফল যোৱ।<sup>2</sup> এই একারে তিভাপ মর্ক্ষড়িত হইয়া য়খন গুহারকুপে প্তিত অবস্থায় কালাতি-পাত করিতেছিলাম, তখন একদিন, জানি না অমার কোন অভাত পুরুতির ফলে, ঞীল প্রভূপাদ গাঁহার অন্তর্গ निज्ञकनग्राहक व्यापात्र निक्रे एक्टान কবেন ৷ বৈভাব সামুলগণ কুপাপুদ্ধক আমাকে মছরান করিল ব্লিলেন, ততে, ভূমি এত মুখ্যন্ম কেন্দ্র ভূমি भगुट्या श्रा. (जायाचा १६क्माचा ८क्स १ অ মি ৰলিখনে, প্ৰচে: ! উংসাহের সহিত टा ब्लीनात ट्लिल्स मधाम निमा-किलाम, आम जाशति कारत निरुत्ति । হহয় আমার এই ছুর্বছা অভিযাতে। টাঞারা আখোদবানী নিয়া ব্লিলেন,----<u>পতুমি হতার চেজার মার্যালে</u> কেনেহি ও 🖟 মাছেলে লিবলৈ লাগি जिलाम महामञ्जूष छ होत् महिंगो।

জ্ঞানি স্পোট্র চন্দ্র চন্দ্র প্রতিষ্ঠ প क्रमानकाक रामाप्ट नजरक निकंक कतिया যুত্তিবাগ্যে ভাবলম্বনপুক্তক সংস্থারকৈ ভোগ মারিবার কভিজার মারার দাস্থা ভানামতালে সেবার 到 图 图 图 图 图 图 图 আত্রিয়োগ করা ভব্বগাধা ছত্তামরে জ্ঞায় কোটি কোটি গ্রীবের নিত্রমঙ্গের ছন্ত শীমনাগ্রের মনোভীই-প্রচারকারী ্রিরপ্রেশ আচ্বারণ্য ইল আনুপাদ আর জ<sup>4</sup>বের হ'ল ছারে অফচিতভাবে এই मध्येनीय माद्र अक्षापुरमा निष्ठतरपत्र सञ्च আমাদিগকে আদেশ করিলাভেন। ভূমি (४) १९४४ अद्यासक विकासताटम तमनन कतिएड पाकिएन (समितिहै कानात एक) निन, आन्दिन, यशन फूफिश महाकटनत । ভাষায় বাণবে,-

শানা প্রাংনিক্দেছ। কুটুৰ পালনে। नक्षा राक्ष काश्विक भाग भाग ॥ रक्षणान अधिक्षत अर्थ, यन किर्म भाव। কলা-প্রজ বিবাহ কেমনে সম্পাদিব ॥ स्टन व्याच-श्रम्भीता किशा माहि जाता ভূমি নিক্ষাভিবে তাতু সংগার ভোমার॥

किएरिय बन्धतीपूर व श्रहाधकरणत শিংশবিষ্টাগর্মে পভিচ্চ আমাকে পরি-ব্ৰাণের জ্বভা বিনি ভাষার নিশ্বক্রগণকে তোৰণ ব্যিয়া তাঁহায় সুপায়জ্য সংখ্য

দিরাছিলেন, সেই আরাণ্যস্তম পতিত্ত-পাৰন আচাৰ্যাৰটোর জীচন্নৰ নুনানা করিবা য লৈ.-

**मरमात्र-मायामगणीकृटलाक्द्रांगाय** कालगायनाचनप्र ह আরেজ কলাপ-ঋণার্থক বন্ধে **भट्याः टी**४वनावदन्यम् ॥

### দশমূল-নির্ঘাস

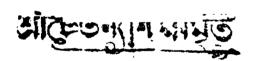
( भूर्य धर्मानक )टम मरनाम म्म )

चन्द्र हाति व्यक्तात चर्चार अक्रमस्य, का खुका, व्यवसाय क खबस्तानिकाः। कीव निरमय क्षमाप खिनश श्रम साम्य व्यक्ति মানে যায়িক কট্ডা পঞ্জিলছেন, ক্ষত্তহাং चक्रणसम् अन्यादे मृतः ५ छ। । व्यानमानः अक्रमत्रम क्रमानित्न याथ मा, व्यक्तक क्रमाञ्चन नी गरम अन्य अस्य व्याप्य व्याप्य अनुस्य स्था । 'वाभि क्रमन्याग'--- कहे चकिश्वन कीरमध व्यवस्थान। अहे अस्थियात्मक मिक्क क्रभाष्ट्रवीतन्त्रे बाह्य क्रमाञ्जीतन्। अक्र-क्रणाय अक्रमकान केविक • म । विश्व विद्यास र/फ्र अन्यायक्रम अन्तर्भक्ष व्हर्रास्थ शासन भगन मुद्र व्हेट्य मा 🖟 ब्हामम अमर्च यक लिविशाल मुख करता भाकिता. व्याप-क्रमाजन विशेष जनवंत जानाव मध्य mis erfauten un webent michten विषय- 'भाषाभाष्ट् काम उक्तः । र्गात्रकार, समस्यत्य, । कट्गई च्या<u>र</u>कुक्का इ कीं प्रचारित गत न्याह बंबर में के के के के किया है कि COCTOS CON PERMIT OF MAN OFCE ! nem nem erumern-merneich farmu यक्षका व्यक्तिक । आभागताम ग्रीमकान भूतिक कांग करिएक करिएक (शामका भारत ने अर काल क्य \*\*\*\* 439981. (लाक)विषात াচতাবিল্লা, কুডকের বারা প্রভাক ११८७ शांत ० वश्रा, ममञ्ज की बनीज़ांक क्षताञ्चीवस्य अर्थन करिएक क्रार्थना Olfe, te, fami, wir, and a green मारुमारन रेपछ प्रकार आयोकाव, आयां-श्रवृति वः जैनासम्बद्धाः व्यक्तानिक वक्ता off-wincetten wer, contr. Cute. गादनगा, अमृदिशू श्वाचिक स्था नशिकाल व्यविक्राणा च माठे बाह्य कुमा देवक शक्तिका क्सक, कामिनी क विशिवस्थाविकारम चक्र कोर्देव श्रीह च स्थाहात- छहे सक्र क्षांगाकका अवस्था संस्था सहस्य का अव क्या मनगुन्दक निष्यः व विद्या विश्व ्रमा करियम, केशाय कुमाक कि क्यान क्षे हरेटन मा । स्थापन जिन्छ अधिकान निया खेंशक्रिक क्ष्रेंश 西野沙海 西 शिक्षामाद्य शक्यश्रद्धात विश्वत पुरक्ष छ। मणगुण निषादक गाउँ कशान व्यक्तिक Biel excer win willinger inte क्षिणिकात्वाजुर्वे वित्र्यम मन्त्राकास्य धूर्णि ब क्लाइड क्रेंब्टक माहित्व महि

SEIDE PRINCEINS



**ब्याटेक्सबनाय--- क्रेम्डिकिश्यान केश्वर केश्वर**---हैश्रेट कीटबक महित्रम्, कृटकम् मुख्कि मश्य, निका क रेमभिष्य मन्त्रे, श्रिमरेष निर्णि क भवश्वकात्मद एकम, शास्तिहरू क्षेत्रकाशक्षित अभागकात अभाग, देनाग्रन वर्गासमायः, देनक्ष्य-ब्दुष्टक चक्रण, नरकाभागनाव महिल भावका, मात्राक्रण, देनश-क्कि ७ क्षेक्टिक्स एक्स, हेमराह्य हे, बार्स्क वासी कुछ क्षिक कांबक्या, कौरवन ब्हारका छ मृक्त, देश्यनगृहास्त्र व्यक्तिक अधिकत अधिकारी-रिकात, क्या र अक्षतिकारनंत मार्थक्षा, माञ्चमप्र क देवकारमण्डं, द्यात त्रक्रमीमा, कन्त्र स अम ना कांसान अकीरिक-द्रस्त, श्रीनिक्रण्या क लोक-लिक्षात्र व्यटकर, महत्रपट्टर मानक करितला कारण, अल्ल-किंतिः सम्बद्धानः, वनशरमः अभिकातः, भावकोत्रदमः, अधुव वन, लीलाव्यातम व्यक्षाक मनावन माध्यक्षात्र प्राप्तकारावयः प्राप्तकारा निशृष्ट प्रदक्षायमा व्य व्य मनग्रनातात कर्यानकवसकान व्य क लिक क्ष्मशास । अने अभ्याक अभ्यत हात्र का ना नत्त्व करिएन भारमाधिक बारकास किछुक्तिके चळाल व शतनप्र वाकिरत मा । পত্ন সূঢ়ু অবিষয়ক এড চল সভল ৰ কল্যালনী লাভ এল্যাল का कार्य के कह अहे हैं। [अवकटणा कार्य]-माश्र-मटना विन्यस्त Diet es pulito Blim menicum; minte ofim. Phil weinig de tie etzt figen bus met berige. ैंक होते. अब देगांकीय करण आय देशको परका देक्काता. bou 2:24.9 . Alm 1



१२७च गुरक्रम ममत वांचारे - २, छूटे हाक। ष्मार्यामा--->भ० ८भो८न छटे छ। भा

ষ্টিপুৰ শাল্পৰাতা ৰাল প্ৰভেত্ত মানবেও চিত্ৰা ाष्ट्रम क्यांफ केंकि मनाधन लाखनाका पान महाचित क हाभागिक सन्दर्भ । अरम्ब, भरमब क कावान वचा कि प् **লবেশ, স্মাক, নীজে, কর্মেক ক্রেটাল বিবর নমান্সাবে ⊹ শগুন⁄ক, চারেগগুনক্তে তে, টাকা (বম গগুনহয়** ∤ हरून क्ष्मत्रकारण मृक्षिम्नकारक व्यारकारक स्थारक (४, १ 数电路 电影響 事命(場 '明智學 | 単国語| (四年 中年 理 · 13 4) Fifte feige wwei ein all i



🕮 🗝 व्याकाशी व्याक् 🕮 मा १६नाम श्वाचारी व्याकृत्यः। गृहः भाकारत मूल ७ दशेरण्यः। (भाष्यकारण तय मुक्का कथा वाणधारकम, आंधा वार्ड डाटड )জিলালের অস্ত্র ও অনিকৃষ বিভার অতি ওক্রভাৱের वव्क करबोरका १ वर्ष काषा क्रिकेमधानाव्यक्त केंग ग्र लेकिन क क्यानिक विक्रमण्डकार व किनिक्क करबाटक ।

828 (भोश्राटका**य** সচিত্র

भावमार्थिक गिक्षिमार इत्रहे अकान्त शहरा जनीत বিষ্ণুৱত ও উপৰাসালির ভালিকা সম্বলিত নাংলার ঘরে ঘরে বিরাক্তিত হউক

ভিকা ১০ আনা মাত্র ১/০ ভাক টিকিট পাঠাইলে ভাকে পাঠান হয়।

মহাক্রি

<u>জী</u>ল সোচনদাস টাকুরকৃত **গ্রী**তৈত্তত্ত্বসমঙ্গল

ওঁ বিষ্ণুপাদ খ্ৰীশ্ৰীমন্তক্তিসিদ্ধান্ত সর্ঘাই ৰায় প্ৰহাত প্ৰেটিপৰ, শক্তিবিচাৰ, ধীক্ষা, বৈবী ও বাণাপ্ৰহা প্ৰহামান্তা প্ৰজুপাদ-সম্পাদিত ভূমিকা; স্লোচেকৰ व्यवस्त रकासुनाम, श्रांत श्रांत त भर्वत कथा দায়, শন্দৃতী, স্থানদূচী, পাওস্কুটা, প্রমাণগ্রন্থ, চালিকা, প্ৰসৃটা প্ৰভৃতি নিশ্বত সৃচী সম্বলিত ्रास्ड् सक्ट्रा छवन क्राफेंब्र, यांकेट्राक्षी स्वाकादः

### প্রীহরিনাম চিন্তামণি

भाषात्रात्रात्रः सम्म कारमान्त्रःकुटनन सूद्धः दक्षम्त्रावर्थः म् भैतास माजाबार, नामां ११६८ नामाध्यात । काङ्गास ही अत्तर ान हों। है भारत मान्य कर्दिवाकित्सन, अस अवस्था छान्। साह রেল প্রাংশ স্থানিক আলহনত প্রতিশ্বতি মুলিত। युग जार्जा जानमञ्जूषाना जा अध्यक्त । जार भ ind wild is a

### বৈফাৰমঞ্বা স্মাহাতি

( म स्टब्ने (कारश्य)

ম :-- ১ ৷ ভাৰপালে বাবহাৰ পৰাবিদীয় আ

क्ति प्र के किशादिक किश्वन है। देनकार प्र क्षित्रक क्ष । প্রাপ্ত আলভা সংমারত করেবে নিজাতিত হল্পতে । বিশ্বের তাত লেও । বংল, চাংস্বাহালয়েও জাপেক ভ ेडीय आकर्ष्टा रहातीय जन्मा हर्दर ६ ताकराज्य । े कहारी के । इस राम अलंब, उस राम अलंब नह बन्द अब, हरा

## ब्रीए जिनम् ड

भ्य पछ ६८ धान होता । स्वयं ५८ होता .... <del>এ।।মধ্ভাগনভের ও গৌড়ারের আহকগণ ।।।০।</del> हे किन्न पूरेपे अपरेशन के रेक्स किन्न है वर्ष व গাসামীপাদের হতিও এছ। ইতাই ইট্যানডের জানিক आरमायकीय व्यक्ति । व्यक्ति का का कि का शहर प्राप्त प्र

> ইম্ম ভাষা সম্ভালত गुणालाज्या ज विभाग । जाना गाज

# निक्छ शन

गावधान !

সাবধান !!

জে, বি. দক্ষের চৌক। শিশি লালাম তৈ**ল** আদি ও লক্ত্রিম এবং উপকারিতায় স্বস্থ্য পরিচিত ও বছ প্রশংসিত।

অনিয়া স্ব্ৰসাধারণাকে জানাইটেছি, বাধান टेंडल भविष कदिनात अध्य निर्मित्र भारत देश्यांकी थकत्त्र (क, रि, एउ এও কেল্পোনী নাম খোদা प्रशिक्षा थरिक कति यन। सञ्जा स्पृषाटा त्राना . कमनदब्र कृष्णम (उन निया প্রভারণা করিবে।

क्षिड-(सं, वि, शख

# ফেরাস কুইনিন্

ন্তন এণ পুরাতন মাধ্রেরিরার ক্য हेडाइन चेरमूक माधाय चाहेबन, नहिराहेट्यादकाव কুইলিল শাসেনিক আনং ইউনিধেন আছে।

का कि वाम के के लिया का अपने के किए के किए कि कि ক্তি গড়ের কাগতে ছাপা : ভিকা—২৪০ টাকা বিচেটি চকেন্ত্রেল সকলপ্রকার কঠিন মা তেনিধা জর বছ ংরি এবং ৮ ০ইছে ১২টী **চল্লেক্স**নে মানেতিয়ার সমস্ত हेपम्यं नहें कर्तहा (कर्ण ।

> क ता (तमून वाकि नाका-मूना २ के का, हेर a के काना नाव ८ किमिकारण एक क्रिकिशन कारवासकातीएक रक्ष र विक्रिया (क्षम, क्षित्र, ना

্গোডায় বেকাৰ জগতে অভিনৰ এক !! জ্ঞান ডাঞ্চ ভাকাবিনেধের দীন্ধি-এলাবলা:---भटक है माडेक यस्य ज्ञान्यवस

(तक व महारक्ष (bहा कामाश्चायक महेत्रा---हेहा वचा जीव े वं ५ मार्ट, फेनल व्यथमात्र कियाव श्रीक्षणवारम्य नाम বাগরে ১০নে জাড়ার আন্তঃসমন্ত্রাপনা হর অবং चे कर्णा । अक्षा का करावा करावा । अक्षा का अपने का स्वाप का स्वाप का अपने का स्वाप का अपने का स्वाप का अपने का ६८७ ६४, ३ ७।। अ. दिश्यक व्यानम्मनी कार्यमा स आया-यान्यत्व काल । य अक्षा भरवान व व्यक्तान्य कर्गात्क

्यामका का का का निवास का अन्य । अन्य का निवास का अन्य / • भटका जाहिए

व्याधातः कालाम् वंभव कालाव क काथनाव र नवलः १५वा व्यवश्यमः स्व नात्त राज्य, करूर कार्य करा १७०१० मिक्ये क्यारित काय्यः ৰ চৰুৰ এল চৰল কলা বাৰে আৰে বিভিন্ন এই উভিন্নয় লাক্ষাসকৰ মলাগোৱা এ**এএকঃ ইনি একডে)কলে** নিয়াওলয়ৰ আমানে

# বিখাবৈফ্রব রাজসভার শুদ্ধভাত্তমসমূহ

होटि ख्या मह

আক্র মট্রাজ ला हीन गवदी ', छ। क्षत छीताम भाराणुत, मनीया

্ প্রিক্রেপ্রাপ্তি কর্মতে খায় ৩০০ বন্ধ উত্তর-পূথে প্রতারপর্বনে আচার্গারত্ব 🕮৪৪৮-ट्रम्म व- लगरतः औद्येष्टिन्ट छन्यतः विद्यालयः न ।

बहे कान भारत्यक-सीर्थ, भन्नविकाशीत नो मादण सकरकती। अह महाशीद**र किर्द**न নামংখ্য সংশ্করণাদি-বেদালস্থ্য, প্রতিভাগে গ্রহণ ক কাল, নাটক, ভালাল, তথা अभाग्-উপ-নিষ্দৃ-সাহা-স্ত-কণ্ । ১৩ু/চের অগারন ও অগাপেনা এবং ভগায় औश्रक-বিশ্বচের স্থিত নেত্য লেবিদ রুপ্রেচন । এই মুস্তালে পাংমা'প্র দৈনিকপত্র স্থেত-প্রস্থাধিকর অবস্থাকালিত ও জালা দুলি এপ্রেলিক প্রচারত লো কলীবা- প্রকাশ ব্যালয় ঞাকিন্তিত কংয়াচক্ষ্ম প্রাধিশংসার প্রীধান পরিক্রেন,গুলান ও অগাল্ম ভক্তংগার্জি কে ক্রী-আইন প্রাচান ক্র মহান্থে বিশ্ব বি ভারণ জ ১৯৪৬ করন। পাতে । তক্ক --- আল 51 বী জীপার লওচার না, সংকারী - জী গদ বিকোল বিচার ব্রহ্মতারী, গাওচ ইপোর পোরদাস এমচারী ব্যাবস্থানিব, ইল্পাদ নীচেঞ্জ প্রকচারী, পাওঙ প্রিমাণবানশ অক্ষরারী, अध्य मनी(शालाम बटमा)शाधाय, अहरदवाम नाम अक्रांती अमूच म्यानमन

## (৩) যোগদীত ে শিল

धार श्वान की अश्वातालांग खड करन ना শ্রীমন্মধা প্রাক্তুর আনি জ্ঞাক ভূমি মতাযোগ-कों । क्यारन केन्स्री शया क हो कि fetteren Beifenigen unt Bedennt 🐿 জীলাধালকের নিটা দেবা ভগা 🖸 পদ-**७८पर** दमर्ग नहथात । कण व — (लाफ-अक्षांबब दमान्याभी कहें(छ।मा कानु व्यक्तान माच। प्रकाशे व्यक्तिकालक अन्यामी, **क्यानियाम अवकाती । ज्यामनमान व्य**वि काडी, (धनमका छीठावनजक।

#### (৪) ঐ্বাস-জন্ম

क्षिममुदाशकृत कीखन-निनाम वा **ब्रि**शीहरोगाव प्रामक्षती । जनात्म ब्रिजीहर्शीक निक्शानम क शक्र अध्यक्ष भागा वहरूरन । কে ০— শ্ৰীৰাশাখাম তথ্যায়ী, শ্ৰীমনুদ चक द्वीरमाक्तवाम नावाची ।

°¨ (৫) আধৈত-ভবন क्षके कोटन क्षेत्रकेशक शक्ष करन व्यवस ८१वा वरुमाः ।

(७) काछोत्र जमानि ग.ह व्याधीन माधालुक, नामसलुकुत (अमीमा) ইংপীরত্বাগার প্রিচাদক জাব সমাধ। क्कक-- अक्तारी शैविकाशिवकारी

### (৭) আধিক সুখন কুঞ

क्षात्राज्यम्, प्रस्तुलशक्ष ( सर्गोषा ) क्यारन विविक्ताम श्रीम अक्रिनिस्मामकाकृत्वम ममानि कार द्यारशांकाकावक धनर श्रेत्याचा-भाष्य्यक दशना वर्षमान

সুক্ষ-ভিতিত্বৰ ভাষাৰ অম্চারী क्क्न गांविमी बग, वम, धक ।

#### ' 🗠 । श्रीक्रिकाथ ८भो की स अर्ठ NEN-THEF

রক্ষক--- শ্রীবছবর ভারিশাস্ত্রী এম, ৩. नि, जल्दा मन्त्राती-- ही देखन्याम का 🚓 माधी, विकासम व्यवकारी आकृता

# ( ৯ ) और शीय-श्रेष्ठ । अर्थ

ঠাপাত টী, সমুদশন, । বছমান । প্রিল বালীনাংখর প্রতিষ্ঠিত প্রের্গরস্পাদর-্নবা৷ রক্ত— ঐতিকিংবরান আ

#### (১০) জ্রীরপ:গ্রাভায়-মঠ

मारामक. अवाग के उ रक्षक--- श्रेश्रियाम अव्याधी, श्रीकृत्राम्यव 3511

#### (১১) শ্রীমোগজনছত্ত্র—

माष्ट्रिता'डे, कात्रश्रन, नह्मान। श्रीकावकात के कुछ कुछावटन के छान । दक्क-- क्षेत्रक वर्धा तकारी। (১১१) छारावड प्यामन জীলাগবভ প্রেন, ক্ষণ-সর, নদীলা। खाशन • भिष्यास अञ्चाननी टाठ(त•८कता ব্ৰহ্মক-শ্ৰীমহানল ব্ৰহ্মচারী।

रेष महाकवानि ( ०८) (छ।मगाफ़ी, शाबाकी, क्रमनगर, नमीया। १म ४-- 🖺 बङ्गानस अम्हारी ।

#### ( ১৪ ) श्रीमाध्य ८गोडीय मठ अञ्चर नवायपूर क्षाक्ष्, हाला। ्रभूभवरम् व क्रांत-१०५, वशान औ छन्न-

(सी बाक भाककी-। गांतगरका दग्या गठभागः। इक्--- व्यादानावद्य ७ अवदारी ।

#### ( ५० ) खाँदगाशामधी मह क्रमणाश्चन, धाका।

লোপদেকী হ আগি এতে হ আচীন সেবা भूक्य-श्रीमान्त्रो। दक्षाती।

# ( > ) बीटगोजीव मर्ठ

५७ तः व विवासात ठक्कानको ब्रीहे, लाह वाशवालाय, अनिकाका । किंगिटकान 14. वि. 855¢

- প্রমায়তা গাড়র প্রতিরিক স্থানির ক ভিশাস-প্রচারের দেশে গোডাদেশের নক্ষ্মধান नगरी कतिकामात्र श्रीकृष्टितित्वाम व्यागत्न श्रीमठ काण्डिक व्याद्धन । अहे कक्क मक्या ताटम देवे करा-:-वेवाक-डिविटनामानम कोडे मनावटम निका दाविक करा : त्रीकी काहासा एतीत सत्तकीय श्राप्ता मेरे अज्ञाहात्यात्माल विषय मश्लेष सकति अपूरूर मुखा-ব্যালয় সংখ্যতিও চল্লাডেন। পুলিবীর সক্ষত্ত 🕮গৌলনাম প্রচারার্থ এট ব্যালয় লোলাজ-গাজাকাকা-বিভিন্ন ক সাথত সাম্প্রদায়িক-মাচাযা-৮০ র উচ্চালের উপত্তি হঠতে প্রাটিছিল সন্তাতিক পত্ত লি ছতুমামিট মাসিক পত্তিকা ইংয়াকী কলিছে जिल्लाम मान्य माना विद्यालया । श्रीमाठ भाष्ठ, मधी संग, मधाकाम-क्रकृष्ट्रक-द्यकास, मान्यापाक, आहेत :क किताम शामिन्योगा । एष्ट्रशास्त्र समाम भारमावना अवेद থাকে। মইরক্ষক-মাচানাত্রিক স্ত্রীপাদ কুম্ববিদারী বিভাক্ষণ। সহস্থারী-পঞ্জি শ্রীপার অন্তরাক্রন্তর পর্ববছাকুব্ধ বি-ব, লীপা<del>র ফলগানক প্রবিছাবিনার বি-ব,</del> खींभाव कार्मादकादी अक्षाराही. खींभाव क्षणक्षात्म कार्यामकावी विनय, खींभाव कारणालाक कामानिकारी, जन्माती जीकी केनामक, उन्कारी जीला वीत्याक्य, उन्नारी चीक्रफानक फर्किमाब्री, उच्चाकी चौरमवकीम्बन, विषय चौवा मदीसङ्कर শংশিক্ষণভার স্কিশারী প্রভৃতি :

#### ं ১७ - जीवमाने-द्वारेदान मठ करिक के ने भारती में का, शांत्र हो, छ। का

Essigne-Cala (एवं निका स्वय ় কেক ক - জীলুব লাজে এফাচারী।

#### १९ ज्याहाशतहस्रमानम् प्रदे

किकारणात्, तादामवल्या, इसमिनी**ल्या** खरारन के कुक-एगा काक-भाका सका-१९ दियादीत निकारमना वसमाना स्थल-डक्वामी जी नश्वरानमाम**नी। उत्रहाती पदानक** 

#### ১৮) আমলাথেছো প্রপদ্মশ্রেষ

सामनेत्म द्रणाः नद्धारत्ता । लिकारमा। दम्ब-अपनामी और्बा-INTEST !

#### (১৯) डीश्रक्रासाख्य मह

यगेषात, भूती, हैरिया। क्यात्म होत्याव-वित्तातमानवकोश विका-मिना वसभार । रक्षक --- खन्ना हो जिल्ह्या-सक्त 'दशा'तक, दशाही दीमशीकानक ह

#### (२ •) खीजन-८गोडीय वर्ड

षागवतमाथ, अक्षांत्राप्त (भाः, भूदी । क्षांश्वापार्वत कनवन्त समस्य क्रियकः संबद्धान ह (\$18 ms - emo अन्यद्भवती व्यनामको। मञ्चादी-अभागवी और्वालनावारी ।

#### (१८) श्रीमध्यमानम मर्ड

Biggitimie, Top. ज्ञानश्चन व्यक्तिक्षक-दशीकाक-विद्यास्त्रप्रमान-क्षेत्र विकारम्या वस्त्रात्। अक्रम--अक्राधी की मशास्त्र ।

#### (२२) औननाजन-जोशाह मह

क्षेत्र क्षत्रकात्रमञ्जाः काली । Cभी व-लकाक लुक्क अभा कम-लिक्शायन । वर्षात्व (श्रांतरभशः वस्त्रभः वः। वक्षणः---श्रीकामकी ।

#### (३ ७ - विक्**या**देशका ॥३

जीन भरक्षाम कृता, जीनाम कृष्णासम । डा क्रिनामा-डाप-स्माननायीत समना ।

दण - -- हो भग जिलाम अक्ट नही

#### (२८) अल्बरमस्य वड

देवश्विमावना, भोकालुब

 अवादन क्षेत्रांशनक नाक्ष्मामा ● हैक्षेरणोव रिटनाम रिकाम्ब्लीड दमका बक्रमान । खी धमरपाताण - द्येश कासका शितिमाधीत क्षण - अवकादी द्येन् ग्रकानम e बक्कादी A 344 4 5 1 1 1

#### (२०) औरेड उच्चर भोजा व वर्ड

जुनुबन का, किवक का, मामका । इस सीटै०७ #- मटडेब नाप: । अक्रक--सीवरा-नाथ हात. शिटकन्यानम् अर्दछ। हो। श्रीकाम old cuaufate :

#### (२७) औरगामकोन्न वर्ष

कुर्यात्मक, बारमध्य, क्यांक । अपरद्ध श्रीक्षीविद्याम-वाद्यक दुशका वस्त्रमान्। इक्त म-- अमाधात्री शिक्षप्रनंत्रकी ।

#### (२०) खांधनभाषा वाश्रहाव्यन-वह

आधारणाषाः (याः माखः, सावदा खनादन वक केक्श्रेड खीटबाकाटकब दम ब वर्षमान । अक्ष---बचनात्री श्रीत्वावस्थ-यान, खीलपात्रम् अवजाती।

#### (२৮) विश्वा भागीय मठ---भावशास्त्र swicen cutete, fall femil e

इक र - अवनाती सीवानिकाश्वासक.

अव्यक्ताची श्रीकाषास्त्रमण्डलमञ्जूष है। (える) とかりますのやり事りかりますの事 જ્ય જ--- સંજ્ઞદાત્રી મોદાનાદવાયા

# চৈত্রমঠের শুর্ভক্তি গ্রহমালা

ক্র ( ১৯০—৯য় বছ ) ২০০০ ক্র ( ব্যাস্থা বছ ) ২০০০ ক্র ( ব্রাস্থা ২০০০ ক্র ( ব্রাস্থা ২০০০ ক্র ( ব্রাস্থা ২০০০ ক্র ( ব্রাস্থা ২০০০ ক্র ব্রাস্থা ২০০ ক্র ব্রাস্থা ২০০০	বাজাগক্তম প্রাক্তাশিক	শ্রীস প্রভূপাদের বক্ত তাবলী
	>। <b>व्यवस</b> ात्र-ए.स.—गुप्रका ६०	(३४) कायम १५७ ।
তেন সংগ্রহণ	・ ( ) 東京 ( ) 東京 ( ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( ) (	(খ) খিতীর বঞ্জ 🔧 ১১
( তথা স্বংকরণ ২ ব. ( ব্রন্ত পোরাক) ৺  তি স্থিতি ছেন্তাল্যকর তা । নিছারণ পি  কিবা ( ক্রিবন্দেশ-টাকা-সর ) ২, কঃ বিজ্ঞান পি  কিবা ( ক্রিবন্দেশ-টাকা-সর ) ২, কঃ বিজ্ঞান পা  কা ( ক্রিবন্দ্র ক্রিব্রন্দেশ-টাকা-সর ) ২, কঃ বিজ্ঞান পা  কা ( ক্রিবন্দ্র ক্রিব্রন্দেশ-টাকা-সর ( ক্রিব্রা) ২, কঃ বা  ক্রিবন্দ্র ক্রিব্রন্দেশ-টাকা-সর ( ক্রিবা) ২, কঃ বা  ক্রিবন্দ্র ক্রিব্রন্দেশ-টাকা-সর ( ক্রিবা) ২, কঃ বা  ক্রিবন্দ্র ক্রিবন্দ্র ক্রিবন্দ্র কর বিজ্ঞান পা  ক্রিবন্দ্র কর বিজ্ঞান পা  ক্রিব্রন্দ্র কর কর বিজ্ঞান পা  ক্রেব্রন্দ্র কর কর বিল্লা কর বিজ্ঞান পা  ক্রেব্রন্দ্র কর কর বিল্লা পা  ক্রেব্রন্দর কর বিল্লা পা  ক্রেব্রন্দর কর বিল্লা পা  ক্রেব্রন্দর কর বিল্লা পা  ক্রেব্রন্দর কর বিল্লা পা  ক্রেব্	्र 🚵 ( शलम प्रक् ) 🗇 ५००	(গ) ছুট পশু এক্ষে ১৪-
০   ইনিচ ক্রজনাগরত্ব (নিভাই বিভাই সংঘ্যান্ত্র হ করা (নিভাই বিভাই বিভ	। <sup>ত</sup> িকান্ধ্ৰীয় সঙ্গ প্ৰিটোৱে জন্মভান্ধক	ভণ্ড নাৰ্যাপ গন্ধিকা
	( क्रम मुरस्क्रिम १	( ३६८ ८भागम् ) 🛷
	<b>०। व्यट</b> िष्णकाश्यक	০৭। সিদ্ধান্তগর্ণ 🔟 🗸 -
ব বিভাগ বিভাগনি চীকা-সভ হ বিভাগ প্রিক্রমা কর্তি কর্তমান কর্ত	(निश्वाक्षेत्रिकीर मरणतम्) ८.	कः। बोभ-।यत्र मनः 🛹
	a : नेता (अवनत्त्रथ-Da)-त्रक) २०	or i realist
ব্রক্তমন্ত্রকা অনুবাহী বছল নাজনাল      ব্রাক্তমন্ত্রকা অনুবাহী বছল নাজনাল      ব্রাক্তমন্তর্জন বিশ্বা ।      ব্রাক্তমন্	<ul> <li>वेका (क्रिक्टानकि विकासका) २०</li> </ul>	, (নৰ্বীপুণ্লিজেমা; 🗸 🗸 -
া নাম )  - বি নি	७ । देखानमार्च २	s• i শ্বীভ্ৰালা />•
- প্রতির হক্ত পিল্যন্তত (বীধা) ২     - ব্রিন্তে হক্ত পিল্যন্তত (বীধা) ২     - ব্রিন্তে হক্ত পিল্যন্তত (বীধা) ২     - ব্রিন্তে হক্ত পিল্যন্তত বিধা) ২০     - ব্রিন্তে হক্ত পিল্যন্তত বিধা) ১০     - ব্রিন্তে হক্ত প্রকাশ কর্ত বিধা) ১০     - ব্রিন্তে হক্ত প্রকাশ কর্ত বিধা) ১০     - ব্রিন্তে হক্ত প্রকাশ কর্ত বিধা) ১০     - ব্রেন্তে হ্রাল্যন্ত বিধা মাল্যন্ত বিধা মাল্যন্ত বিধা মাল্যন্ত বিধা মাল্যন্ত বিধা মাল্যন্ত বিধা মাল্যন্ত বিক্ত মাল্যন্ত বিধা মাল	५ । शास्त्रमाञ्चल खनाराविकः मालवान	8岁( 中の119中貨物の(竹字本 月1年4月) ノン・
১০ বিন্ধি ক্রম্ব (বিন্ধা) ব্রুব্ধ (ব্রুব্ধ) ব্রুব্ধ (ব্রুব্ধান) ব্রুব্ধান	(माथर)	8२ । नव <b>दा</b> लन्छक :
১০। চিত্রে নববীপ  ১০ ব্রিচেনন্তমন্ত্রভম ব  শীনববীপ শক্তকর্ম (বীনা) ১০ শীনববীপ শানববীশাল বিশ্ব (বীনা) ১০ শীনববীপ শানববীশাল বিশ্ব (বীনা) ১০ শানবিশ্ব প্রমান্তর্ম	৮ : বগাঁড়ীয়-পশুসার ২.	80) नेपाठावकासः 🔑
ত্র নির্মান কর্ম কর্ম কর্ম কর্ম কর্ম কর্ম কর্ম কর্ম	»। व्यिटेस श्रेष्ठ (नापा) २०	68   नामकर /
ন্ত্ৰীন্দৰ্যন প্ৰক্ৰম (বীৰা) স্  ত্ৰীন্দৰ্যন ন্দৰ্যন বি  ত্ৰীন্দৰ্যন নিৰ্দ্ৰ নিৰ্দ্ৰ বি  ত্ৰীন্দ্ৰ নিৰ্দ্ৰ নিৰ্দ্ৰ নিৰ্দ্ৰ বি  ত্ৰীন্দ্ৰ নিৰ্দ্ৰ নিৰ্দ্ধ নিৰ্দ্ৰ নিৰ্দ্ধ নিৰ্দ্ৰ নিৰ্দ্ব নিৰ্দ্ৰ নিৰ্দ্ৰ নিৰ্দ্ৰ নিৰ্দ্ৰ নিৰ্দ্ৰ নিৰ্দ্ৰ নিৰ্দ্ৰ নিৰ্দ্ৰ	১০। ভিজে নব্ <b>থী</b> প	SE 1 CHANGE TO J.
ন্ত্ৰ ক্ষমন্ত্ৰ নিজ্জ (বিলা ) ২০ বিজ্জিনত কি করেন ক বি ব্যাহাল ) ২০ বিজ্জিনত কি করেন ক বি ব্যাহাল ) ২০ বিজ্জিনত বিলা ) ২০ বিজ্জিনত বিলা বিলা  ১০ বিজ্জিন বিলা বিলা ) ২০ বিজ্জিনত বিলা বিলা বিলা বিলা বিলা বিলা বিলা বিলা	35 - <b>2006 Hand William 4</b>	৪৮ ৷ শর্পাপ্তি /•
ক্র ( আর্বাণা ) ৬০ বিজ্ব নার্যাণা ) ৬০ বিজ্ব নার্যাণা ) ৬০ বিজ্ব নার্যাণা ) ৬০ বিজ্ব নার্যাণা । ৬০ বিজ্ব	শ্ৰীনবাণ শৃক্তম্ (বাণা) ১১	69 । <b>वे</b> ड्डावर्ग /•
ত্র বিশ্বন্দ্র বিশ্ব	क्रिभग्रना श्रेंक्ष (लक्क) ( वैश्वा ) 🦂	৪৮ ৷ গোড়ী ১৭৪ 🗫 করেন 🔻 🔑
প্রথম ভাবিষক।  তি প্রিকালিক আন্তি ক্ষা বি বি বি বি কালিক বি বি কালিক বি বি বি কালিক বি	🚵 🛶 🖦 वेशमा) ७०	aa / जारवाभाषे /•
১৪ । নির্বালনার আমাণ  ১৪ । নার নির্বালনার আমাণ ১৪ । ব্যালক জোনার ১৪ । ব্যালক জোনার ১৪ । ব্যালক জোনার ১৪ । ব্যালক জ্যাল ১৯ । ক্রিরার কেবল মাজ্য-ভাল ১৯ । ব্যালক জ্যাল ১৯ । ব্যালনার ব্যালনার ১৯ । ব্যালক জ্যাল ১৯ । ব্যালনার সাজ্যাল ১৯ । ব্যালনার সাজ্যাল ১৯ । ব্যালনার ব্যালনার ব্যালনার ১৯ । ব্যালনার ব্যালনার ব্যালনার ব্যালনার ১৯ । ব্যালনার ব্যাল	১০ বৈক্ষণমঞ্চা-সমস্থেতি	e /.
তে । নাৰ নিশান- প্ৰথম গা  তে । গোৰছক কাৰ্যা  তে । গোৰছক কাৰ্যা  তে । গোৰছক কাৰ্যা  তে । গোৰা বিশ্ব নাম কাৰ্য  তে । গাল্য কৰ্ম নাম কাৰ্য  তে । কাৰ্য ক্ষিম কাৰ্য  তে । কাৰ্য কাৰ্য  তি ভিন্ন কাৰ্য  তে । কাৰ্য কাৰ্য  তি ভিন্ন কাৰ্য  তে । কাৰ্য কাৰ্য  তি ভিন্ন কাৰ্য  তে । কাৰ্য কাৰ্য  তে । কাৰ্য কাৰ্য  তি ভিন্ন কাৰ্য  তে । কাৰ্য কাৰ্য  তি ভিন্ন	व्यापम हाशिषक 🦮 🗦	শ্রীক্ষাক্ষণি দ্ব স্থানানী
তে । স্বোৰন্ধভোৰন্ধ:  তা বিশ্বন্ধভাৰ বিশ্বন্ধ (কৃতিৰ সংকৰণ) ১০  তা ভালন্বতা হত  তা বিশ্বন্ধভাৰ (কৃতিৰ সংকৰণ) ১০  তা ভালন্বতা হত  তা বিশ্বন্ধভাৰ বিশ্বন্ধ নি বিশ্বন্ধ হত  তা বিশ্বন্ধভাৰ বিশ্বন্ধ নি বিশ্বন্ধ হত  তা বিশ্বন্ধ	ুঙ্ক জীকলিনংগতি ঋমেণি 🌼	45 <b>455</b> -14*
তে। স্বোৰন্ধকাৰের  বিশ্ব বিশ	ae। अवदीलगाभ-अञ्चलणः be	দেবদাগ্রাক্তর প্রাণিক
১০ । ব্যোভার (কৃতি নংগ্রহণ ) ১০ ১৮ । জলন্ত্রত ৪০ ১৮ । জলন্ত্রত ৪০ ২০ । প্রোভার কেবল মাজন্তাভ ৪০ ২০ । প্রোভার বিশ্বনাধ লাগ (বাবা) ৪০ ১০ । প্রাথক কর্মাতি কা সাম্বর্ধার ৪০ ২০ । ব্যোভার বিভার গাছবার (রামান্তর্জার ) ২০ । ব্যোভার কর্মাতিকা সাম্বর্ধার (রামান্তর্জার ) ২০ । ব্যোভার-ব্যোভর ২০ । ব্যোভার-ব্যোভর ২০ । ব্যোভার-ব্যাভর ২০ । ব্যোভার-ব্যাভর ২০ । ব্যাল্যকার বিভার ২০ । ব্যাল্যকার ৮০ ২০ । মাল্যকারী সাম্বর্ধার লভত্তর্বা । ২০ । মাল্যকারী সাম্বর্ধার লভত্তর্বা । ২০ । ক্রাল্যকার বা মার্বাবারলভত্তর্বা । ২০ । ক্রাল্যকার বা মার্বাবারলভত্তর্বা । ২০ । ক্রাল্যকার বা মার্বাবারলভত্তর্বা । ২০ । ক্রাল্যকার বিভার বা মার্বাবারলভত্তর । ২০ । ক্রাল্যকার বিভার বা মার্বাবারভত্তর । ২০ । ক্রাল্যকার বিভার বা মার্বাবারভত্তর । ২০ । ক্রাল্যকার বা মার্বাবারভত্তর । ২০ । ক্রাল্যকার বিভার বা মার্বাবারভত্তর । ২০ । ক্রাল্যকার বা মার্বাবারভত্তর । ২০ । ক্রাল্যকার বিভার বা মার্বাবারভত্তর । ২০ । ক্রাল্যকার বা মার্বাবারভত্তর । ২০ । ক্রাল্যকার বা মার্বাবারভত্তর । ২০ । ক্রাল্যকার বিভার বিভার বিলালের বা মার্বাবারভার । ২০ । ক্রাল্যকার বিভার	. ७ । ८मा व क्र <b>रका</b> वसः । । । । । । । । । । । । । । । । । । ।	,
১৯ । বিভাগ কেবল মাজ-ভাত হ  ২০ । সোধানী বন্ধনাথ লাগ (বাবা) হ  না সাধককভমাল (বাবা) হ  ২০ ৷ শ্রেণিকভমাল (বাবা) হ  ২০ ৷ শ্রেণিকভমাল (বাবা) হ  ২০ ৷ শ্রেণিকভমাল সাজ্বাল  (মামানুক্তার   ২০ ৷ বেলাকভলমাল সাজ্বাল  হ০ ৷ ব্যেলাকভ বিভাগ বি	) प्रशासिक (कृकीश मश्यक ) be	1
১৯ : নিজার কেবল মাজনভাজ  ২০ : লোখামী বখুনাথ দান (বাধা) হ০  না সাধকভয়ন্ত (বাধা) হ০  হ০ : শ্রিকভিন্তি কল্পনিভিন্ত নাল্পনাল হ০  হ০ : বিবাক্তি প্রমান্ত নাল্পনাল  (মামান্তর্গান  হ০ : ব্রেল্ডিলেলা  হ০ : ব্রেলিলা  হ০ : ব্রেলিলা  হ০ : ব্রেলিলা  হ০ : ব্রেলিলা  হল : ব্রলেলা  হল : ব্রেলিলা  হল : ব্রেলেলা  হল : ব্রেলিলা  হল	in (	• •
ত্র্যান্ত্রান্ত্রান্ত্রান্ত্রান্ত্রান্ত্রান্ত্রান্ত্রান্ত্রান্ত্রান্ত্রান্ত্রান্ত্রান্ত্রান্তরান্ত	Sh : विशास दक्षण भाषा-काक हरू	
বিশ্ব নির্দান কর্মান ক	२०। दलाकामी बकुनाल मान (वाबा) ४०	}
হণ বিশাক্ত প্রধান সাজ্বনার নাও  বেলাক ত প্রধান করি বিশাক্ত বিশ	<ul> <li>अध्यक्षकश्चार ('वापर्ड)</li> </ul>	
হিন্ন প্রথম বিশ্ব বিশ্	২০: এগিকভিত্তগাতিকা সাঞ্ধাধ রং	
বিধান প্রকাশ ।  বিধান বিদ্যালয় ।  বিধান বিদ্যালয় ।  বিধান বিধা	२०। देवशास्त्रक्षणात्र मास्यार	•
হত। বেগাড়ীব-বেগারব  ২০। বেগাড়ীব-সাহিত্য  ২০। বেগাড়ীব-সাহিত্য  ২০। ব্যাড়ীব-সাহিত্য	( सामाक्षणाम )	•
২০। ব্যান্তীৰ-সাহিত্য ২০। ব্যান্তীৰ-সাহিত্য ২০। ব্যান্তীৰ-সাহিত্য ২০। ব্যান্তৰী সাম্ভবাৰ ২০। মান্তৰী ২০। মান্তৰী ২০। মান্তৰী ২০। মান্তৰী	es i amnetem	
২০। গোড়ার-সাহত্ত।  ২০। গালমজনী সাজ্বাল  ২০। মালমজনী সাজ্বাল  ২০। মালমজন মালম	२८ : ८शाफीय-८शासर 🕪 -	- :
হণ। সাগদক্ষী সাজ্যাল  হচ। মাগদক্ষী সাজ্যাল  হচ। মাগদক্ষিমণ ( ব্লব্লের ক্ষাধ্য  হচাল  হচ। ইল্লেলিক ব্লিক্সিল্ল মাগদক্ষী  হচ। ইলেন্টেক ব্লিক্সিল্ল মাগদক্ষী  হচ। মাগদক্ষিমণ ( হল্লের ক্ষাধ্য  হচ। ইলেন্টেক ব্লিক্সিল্ল মাগদক্ষী  হচ। ইলেন্টেক ব্লিক্সিল্ল মাগদক  হচ। ইলেন্টেক ব্লিকসিল্ল মাগদক  হচ। ইলেন্টেক ব্লিকসিল মাগদক  হচ। ইলেন্টে	२७। (मोक्रीय-माध्यः 🗸 🗸	· ·
বচ! মান্মজন সাম্ভবাৰ  বচ: মান্মজন সাম্ভবাৰ  বচ: মান্মজন সাম্ভবাৰ  বচ: মান্মজন বিশ্ব ( বনবেন ব মাধ্ব  ভাষ্ম এবং নিচুভি ব মাধুনাম সভ)।  তচ: জীনমনী সভাৰ চনল  বচ: জীলোভ্যনত প্ৰিম্বনাম নিশ্ব  বচ: জীলুনমেশ্ব  বচ: মান্মজন প্ৰ  বচ: মান্মজন স্কল স্কল বচ: মান্মজন স্কল স্কল স্কল স্কল স্কল বচ: মান্মজন স্কল স্কল স্কল স্কল স্কল স্কল স্কল স্কল	२५ ( महसम्भूष ( ०५ मरकश्य ) । 🗝	
১৯ : ধর্মধানা বা মানাবানপভন্ন ।  ১০ : উলোপ্নিম্ব ( নন্দের ও মাধ্ব ভাষ্য এবং বিবৃত্তি ও অপুনার সভা ।  ১৯ : উল্লেখ্য আক্রম্প্র প্রত্যা তাক্রম্প্র প্রত্যা তাক্রম্প্র প্রত্যা তাক্রম্প্র প্রত্যা তাক্রম্প্র ভাষ্য কর্মধান কর্মধান ভাষ্য কর্মধান ভ	२৮: मानमस्त्री गास्त्राह	
ভাষা এবং বিবৃত্তি ও মধুনাধ সভ)।  তা জীনবালী ভাষা  তা জীনুন্দেশ্বর  তা জানুন্দিশ্বর  তা জীনুন্দিশ্বর  তা জানুন্দিশ্বর  তা জানুন্দিশ্বর  তা জানুন্দিশ্বর  তা জানুন্দিশ্বর  তা জীনুন্দিশ্বর  তা জানুন্দিশ্বর  তা জা	२३ : धक्षकावनी या महावायमकवृष्ती ।	,
०२। विस्तर्योग्रहान् हरण । ७३। विस्तिसम् हिसामि । ०२। विश्वरम्याग्रहान्यम् । ७८। म्लाग्रन् म्लाङ्कः । ००। विश्वरम्याः । ७४। मानस्म म्यः । ००। विश्वरम्याः । ७४। मानस्म म्यः ।	ao : क्रेंट्यांश्रमिष्ट ( रगरतन क माध्य	
कर। व्याप्ताक्षमक्षणभाषिक्षमान्त्रम् । ००। क्षणप्ता कश्चक्रकः । ००। व्याप्ताक्षम् । ००। व्यापत्तक्षम् । व्यापत्तक्षम्	काक क्षा विवृध्ि क व्यक्षताम गर्)।	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
कर। व्याद्रशक्त वापायक राज्य । करा विकृत्यमध्य राज्य वापायक राज्य वापायक राज्य । करा विकृत्यमध्य राज्यक राज्यक	का विस्तर्वीत्वाद हरण	· ·
०८। से व्यमानस्क तक ४१। ग्रेकानमी	কহ। <b>উল্লেখ্য জ</b> ণপঞ্জিক্ষা-ৰূপৰ ।•	
	~ .	
ot । अवद्योगपात्र-शाक्षासा । 👉 🖖 । • इनामा उ	• • • • •	<u> </u>
	०६ । अनवानगाम-माधाना ः ।	<b>५৮। "इनामांच</b>

स्याचित्राम :-- केटेडच्डमरं, त्याः केलात्रायुर, महोसा।

# কলিকাত। গৌড়ীয়মঠ হইতে প্রকাশিত

# শ্রীগৌড়ীয়

একমাত্র পার্মাথিক সাপ্তাহক

শুরু-ব্রেমণপ্রের বর্ত্ব-প্রচারের, স্মঞ্জনান্ত্র, নিজহণর স্থাপেরেকা অক্ষরজ্ঞার ক অংশাক্ষর-ভব্তি-মীমাংসক, বিশ্ব-লী ব এক্যাত্র অতৈত্বক দহায়র, করিবনোপাসক, প্রমাথ, দশ্ম, অর্থ, কাম, মেশক, সমাক্ষ, ববাস্ত্রা, নীতি, প্রারু, ক্ষাে, শিল্প, কৃষি, একারন, সাভিতা, বিজ্ঞান, শুভি, দশন, উদ্ভিত্ব, চিকিৎসা, প্রাণ, জ্যােতিষ, দৈবকাশি রাভভিত্র নির্পেক প্রেমণ্ড সক্ষণভি—শ্রীঅভ্নত্তক ব্রেম্যাপাশ্যায় ভব্তিশান্ত্রী, ক্রিকারেজ

সক্ষণতি—জ্ঞাজুক্তজ্ঞ বক্ষ্যোপাধ্যায় ভজিশাস্ত্রী, জভিদ সদক্ষসম্পাদক—জ্ঞীস্তন্ধরামক্ষ বিস্তাবিলোদ বি, এ অগ্রিম বাধিক চিক্ষা ২, টাবা, ভি, শিতে ৩১/১

অফিস্—১৬নং কালী প্রসাদ চক্রবর্তী ফ্রীট, বাগবাজার কলিকাতা

শ্রীধাম মারাপুর শ্রীচৈত্রসমঠ হইতে প্রকাশিত

# দি হারমনিষ্ট

বা সজ্জনতোষণী

জীবিশ্ববৈদ্ধন্রাজসভার ইংরাজী **মুখনত** শুকু সনাত্র-শুশ্ব-সম্ব ীয় ( মাসিক )

বেদ, বেদাস্থ, উপনিষদ, মহাভাৱত, গাঁডা, শ্রীমন্তাগবন্ধ, পুরাণ, ক্ষা, শ্রীচেত্রস্তাহরিতামুক্ত শ্রীচৈত্রসভাগবত শ্রীচৈত্রচন্দ্রমন্ত্র, ভজিরবায়ুক্ত-মন্ত্র, ষট্যদার্ভ প্রভৃতি সাহত এস্থাগুতের নিরপেক বিশ্ব-

ন্যাখ্যাকর্ত্ত। বাধিক ভিক্তাত, টাঙা, ভি পি, ৩৯/• আলা

einiffe fefeigin Boief-

मग्रादमकात्र—हान्त्रक्रान्तिष्ठे

त्थाः क्षेत्रम माग्राभुत, तक्षण महोतः ।

# চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাচীন নবছীপের অবস্থিতি, তথা, ঐতিহ্ন, জ্রোত ও ঐতিহাসিক

শ্রমাণ-সম্বলিত নয়টা দ্বীপের সচিত্র বিবরণগ্রন্থ ভাক্তির্হি ক্রাওস্পাহেত

কুমার শ্রীযুক্ত শরণিন্দুনারায়ণ রায়,এম, ে; প্রাজ্ঞ

# মহোদয় কতুক সঞ্চলিত

রণ খানি বিভিন্ন বণের অপুনর চিত্র ও মান্চিত্র-সময়িত্ব প্রাচ্যাবিভাগমহার্শন বিশ্বকোশ-স্মুপাদক মহাশায়ের বিস্তাত ভূমিকাসহ

উৎকৃষ্ট (ইং) মরোক্ষো বাধা ১॥• ; ভি: পি: তে ২, গুই লিকা যাত্র প্রাপ্তিস্থান :---জ্বীটেডখ্যমত, পোঃ জীমায়।পুর, নলান

# মহাতান বক্ততা

बाब्दीकी अञ्चलक विक्रिक अिलाइनव श्राप्तात किंतर दिशान करिया बर्धना किति साम खी तक प्रा क्रत्यत खालाweim wiele Gie beid mie enfahr न्या । प्राप्त सहामत हिन्ति वस्त्रान-ज्यान गर्य के कामका काइन स्थाप करिया द्यक्तम् क कृषि। कृष्याः काणिशाकिः निष्य अभाग अक्षेत्र व सेवा पता-स्थित मुक्तिवाष्ट्रत शहरामुङ शक्षु हैं। ० व्यवस्थ भा म कश्चित्व क्षर्यक . ... म्हरू ्या.फ्रीटलक लटफा केंका क्षेत्रई भूका करेटरा আন্নার সুনেক বস্থু স্ফাব্যতির আন্থাও कतिया कार्यास्य देखिक विविध्यासम् क्य मि काला र मगटक हे से भारत करिएक क्षक्षाराध परिवादिक अवग्रानी यान (कान शक् कल क.का, खाँका देशन भागत्ता १ व्यक्ति क्षेत्र स्वत्याम व ८८७ . भाषि । किंद्र स्थ नः कल लगे छ नार्

#### সংক্রম সিংহের গুরুমেও

िक के के ले अन्ति कालान millione grom eint mete miner, is भक्कन सिंह १ (६१न स्रोधन सामान enery with you got fasten what ल्यां क भृज्ञान्त्रकत कारमण वस tantomine was fraction to the establish कारक्षक विका चाला हा कहिना पितादक्षा

# বদীয় ব্যবস্থাপক সভার অনিবেশন

अंद्र (म. भ्रम व तक्षीत्र वात्रक्षां व महाब्र विद्यो क दशह मालाने कित इंड ब्यानी आ(CM\$5नरेंद्र शत आरेटडिंडर-शासे -कारणाbel माक्याभी अहं ६६वाच म्हरू(व अवाल कृतिकाम्बद्धक काला व शुरीक बहा।

ब्लियुक वह एरक्सिक नच बर्गन, केंक आहरलार्य याक्रश्त ८कान छरणारक कारन नाहर । द्यान कामगाब दकान काफिक नाहर --- बरे कार : डेक प्रांग्लाच मगान वहंबाटक l करनाटक देशकाय छाडे शक्षता सम्बंत यटना ।

fied mire erite die Gift Cw. uem. नातनाच्या, ध्रियुक्त नात्रप्रस्थान र द्य क श्रीक माधि (मन/द्यद कारतन क (म)तन खोक्रादममूक प्रयोगासक कार्य गा बातक राजा वि द्यायमा करणन । दिन आहे अन्त "- fet" (सन दय, मर भारता क्षाच्या गर्छा १५८ मा छा । प्राप्त स्थान महामानुष्य व क्रिक मूज्य गठ आरापेश्व अवेश का etaus:

अन्यत्र मात्र हो। ननी कर्नाक्षम्ब अध्योद ाजी व्याप्ती स्थानसम्बद्धाः विश्वतान् विष्टक 444 7000 1

ইচার পর শীবৃত হুয়ণীক্সণাথ নক্ষ निहीक आरमाय शमारक जल्ली व्यवस्थ केषालम करवन, मामलुटतच भवा काछ। वि সম্ব্ৰক কেন্দ্ৰ মিঃ সাধ্ৰমাণীৰ সুৰ্গ-मांगरत्त चाप बकाब ताचित्रक कार्यक नीवका मध्या छ हाथ परतन !

फ : ०८८९० अ (मॅराक्ट्स, **जी**मूक मरता সুংগর গত ও শিষ্ঠ ছে, তেল, বাালাজনী क्रिक निवंत शब क विष्टु मंद्र चार्लाहमः

#### সর। ই সচিবের উত্তর

च्छा है श्रीत कि ५० छिए। स्वास witer क्रिके असे भागम धन निर्देश संख् eifen niche Gerie (B) ( W 1 8 8 8 8 9 6 9 8 8 8 8 8 1

to fee far to 'S1: असम्बद्ध 1. 花式安部 【 स्वाक्ष्यको । दिवस উত্তি সংক্ৰাপ্ত কৰিবলত আনি ভং कोरणांकि कार मुख्य दमञ्जलि । र ्ष् सः । ध 10 64. No

ं क्रारंक न मुक्त के rold Winniel

\* (En | 比如: )(e | )(e) | (4) | (+) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) | (4) it of the property 当前學 网络红 2 444 雪 12 亞都 町(B・toハ g 単)(事 利用) ब नामान क्यापन व । १० १ १ १५ मा स्थाप

धारक्षतः कार्याले ४७ छात्रिकः Biffe en ateta en nu Brigit

#### স্থন্ত ডাকাতি

क रमपुर इन्टर्भ वर्ष १ स्ट्रांस अकर्षीत 내 2(c n) 남) 2.1 기회 조수 의는 등 (하) (이 회 বার্টির গড়তের মার্কি কাবিবের এক স্থায় প্রায় ছিল্ট করিবেল, ভাষা ঐমাটি ३२ किंगात मध्य ३०३**२ थन मधा**ी Bor alger 2017 atol beenes त्रात माणित्कव क्षणामानि वसर कात कारण वाकिस्मब्द्य अनुव होना कार ८० अनि द्यानाद श्रम्म नगर প্লারন করে। প্রকাশ যে ডাক্ষিংগর বংগিরা **মল্ল অল অদীশ ও ক্লিনিটের** oice laemeta Gon, Main uncun ফলে প্র ১০ট মঠে ভারিখে উজ , आध्यक्ष भारवर्गी आभित ७ व्यन गुण्य दशक्षीत कर-१.७१ लक्ष(मा ८ मन्द्र Bank bijed: (ABRI een.ce mat CHAST SERICE !

#### METERS ESTE DE IPTI

क्रियुष्ठ युवाबतक नम् श्लीकिया गरत नाबाक्रकान विद्यायनकरिका मक्कान (देश कश्रद्धाम अभिन अदिवर्णन कर्यम । टेनकाश েলা ট্রেড ইউনিরন কংগ্রেণের ক্ষরেকজন व्यक्तिद्द मिक अक्ती भारभाष्ट्रमा देनकेटक द्यानामान कहतन । कहे महाव गिन देवांना <sub>-सर्विष्ठ</sub> ज्यार आश्रोत अगिक ्राष्ट्रा प्राथमान कविश्वक्रिकाम । ७९५८व िक्ति है। है। ज अ अध्याद मिश्र माक्यां है-প্রাণার মহিত সাক্ষাৎ কৃতিরা আমনেদ্র-लुट अभिक देखेनियासन भविष्ठ कर्दुण काद কংগুলি দানীর আংশাধ স্পানে भारताप्रमा करतमा हेब्द्र शास किमि भा कुछ अब के किया दमा १८% गतिमान 神(百日)

''সংবামে এখনও শেষ হয় লাই''

এলখানি ফটিনালন প্রাণান কংকো প্রাকৃতি কৃতি বাজির করিয়া লিজে পাছিলে ८ महत्त्व आहेत्रोहीय में बद्दर हे । आ अन्तर्मान हे हेड्ड **होंपुक यश** नकेमान काल्मागरप खमना । वश्वभागीतृत्त्वतः अञ्चलनात्मक । काशात्र खफा विष्याण्या तम्हतमा । अ আশংসঃ করেন কিন্তু গোল সংক্ষা তিনি চ্পত্নি আছি আছিছে পদাৰ্থের স্থিক নিৰ্মাণ্ড। काका क्रांच अवसाध स्थल कर्रहार Cक्स म गर्झान जल्लाच .लघ दश कर्टी રમુક હો સદક જાદવૈનામાં માર્થકો,પ पाद विभएक अभिकल्ल कारण करीय करण व्यक्त कतिरह पहरक आधा है। প্ৰভিন্ন ধিকের প্ৰাকেশ পথ, ষ্টাইন िर्मानी र स्था दान का शास किया करिया प्रश्निक । शाद्य यानमाधीमधदक कावाब नावक 7 11.00 55671 ग्रामिश केंकिनित चलाम के द्याहि लगे ।

# ब्लिक्स कि सन कर्जुद्धन (धराना

্গিণ্ডি বিজ্ঞান বিষয় বিষয় কাজত কলিছে ক্টবেন প্ৰে ভাল क्तिमा क्रकाहरक दहर्द । क्रदशहत खे किमी है। हि कर्मूत छाटल छाटल भूरतमा अगव द्वाठ बाटा ठाणा भित्रा स्थाफुः भूव ८१म कतिया युविकाशात्रा रक्त कांबरक ८क्ट्या अन्यक छेलारनव मध्या थे काठ केंद्वारण काण निरंदम । छात्राव एक सिंह টাচের কর্থ বাল্পাকারে উপজের ছাতে লাগিয়া অনিয়া পিন ভাষাকাম পরিপ कदित्य । चक्रणन वाला विभृतिक ना वत् ক্ষতক্ষ ভাত আৰু হয় পরে ৰাপ্ र मन्द्रक विश्वार्थ मानातीलून श्राणाम विद्रशक्ति कहेंद्रग अवर हिंह नी उन वहेंद्रग . Efestet mien mifn file ffest काशिका १ किथिरका ।

# ध्यक्रकारत उच्चम मुद्दे द्वर

् याचा कारण व्यक्त केन्द्र बर अध्यक्ष करिएक किन आसाम किन्य क्षकाम (५) 8 कांग्र द्वाष्ट्रांत्रियां बारेक्करमछ (२) ब भाग जिलागिम भ (०) ८० क्षान कामनिश्राय मानकाहेक । ध्वेह डिंग क्षकांत्र विभिन्न केव्हम कविद्या अवस्थित शिलाकेटनम । लट्ड २ काल्य श्रेतमे कटलस मिल विभाविता खेबमक्षरण माफ्रिक बर करेट्या (गाने यूर २१५ चास नानाहेन्र fere nica mere affere ! ufen 亦得我 的有利益的 有代码 网络中代有地 高州州 यार्ट्य ।

#### मातिद्वल देखन

मारिक्त हुक्ता हुक्ता करिया काहिया छाल किया देशन वाहित कतिरवन्। कारक छ जमान वाकान्त्री ज्ञान छ। बारक ्रमहे देव त्या विश्व मार्थ क धूर्वक बारक ह टेडम बायकाव जिलावांनी वया

ओरेनम अवणि कशास्त्र शामिता शहरव ६ किश्यानमध्या मोट्ड लिख्या गारता कि देश का देशना शह बास किन्छेद करित्य आहरता अछ व्हेन्स। Dan-Jeele bien alem Mille टर्भक नहें करेशा स्थादन । व्यापनात नञ्जाहरू नद्दर्ग द्य .कथ्य स्थल्द्रहर क्ष्युहरू कृष्ट्रहरू, कृष्ट्रहरू स्थान्धी नाम रोटक देवल तालिया यात्र वालाकीव भाषा भाषा भूतिक पूत्रका मिटबन । तह लारदणव भना निका शहम श्रीम कृभवती अर कुन । छात्रानश दशक देनलदक अन्य कश्चिएक र्क्टर । क्रेक्ट्स क्येंक नडे स्वता सम्बद्ध ।

# पछि दमनामध्यक देखन

क्ष रे न का के मन्द्रक प्रत क्षक क्या दावा वाक कालकाल जनरणट्य केंद्रके कार्कण मावित्त १०वि आग्या प्रतास्थान प्राप्त स प्रतिक देवन निनाक आद्यायम इंटरम चावक मार्टिम विगालिक निनि देशम व्यक्तिम सामान पहिट्छ ea | face avoil Bute crout com t

(क्यू वाषाम ( olive ) देखन नवेश ् कृत्य बटन भिणादेशा विश्वयक्त वाहित्य बाकिर्यम । शास देवन श्राम् स्ट्रेन फार्टिक वार्वित कविया मामास हुन वा क्षणा बिक्षा महिन्छ मिनाहेशा र नथान क्रकी द्वा स्टम भूतिया इनेश छ अधियाटक शासिका वित्यवा । आवश्च त्यव धुणा नात्य ना। दम विषय पृष्टि अधिकात्मा नाम त्मक भिटांस रेखनदक झेंगेर कामच विदा ्ष वाश फिल्डात कविया अप्टेटनम chean witten the Con win wund इक्रिट्ड दा पन वहेंदन मा जबा मणि दमझा-भटका नदम उनकुक वर्षेत्र हैं THE METERS OF THE

#### **वै वै क्यारको सम्बद्धः**

# **बि**टगीवास

 পৃথিবীয় নানা কেলে নানা সভা आफिश मान दर्शन दक्ती विद्युत घरना व्यवज्ञ कत्रिका कार्य-ग्रंगमात्र क्षाया हिनावा चाभिएकरम् । भाग्नाकारमध्य शुरे-चन्त्र-कालावति वर्षभारकार-भगना वाका बृहीत স্থাল্যসমূহে প্রচলিত মাছে। 'স্থালয়েন ইরার' এছেডি আরও ক্তিপর অদের আহার পা-ছাতা মাতির মধ্যে বেথিতে न्यां क्या याथा ही नरमरन हा क्या व्यक्ति क्षण क्षष्ठिक चार्छ। मुगगमान ब्रावा-नवाह महत्रालय भक्षा क्षेत्र मिलना ध्राजन प्रमात प्राप्तकपक्षण विकश्च वर्ष गणना क्षां इव । कांतरश्त वार्यन्त्रम् वात व ष्मगरबा ष्मदणम् यावस्त्र दशका यावा

बारमञ्ज क्षांत्रमा बार्टिश (बाटवताह-च्याडीष्टामा. यहा नाष्टीप्टाचा, कनि-बढाका वा कणाक, वृष्टियाक, लकावनी-भएएक्टीकास, मुबर वा विक्रमास, बन्नास, বিষয়াদাশ বা নিপুৱাদ, প্ৰভৃতি বৰ্গ লগনা প্রাবর্তিত আছে ৷ পাশ্চাভ্য প্রাণা অস্থান্তি অক্ষেপ্ত গণনা প্রবর্তনান অপূর্ণ-ধৰ্মে পূৰ্বৰ ৰলিয়া এছণ করিছে পিয়া वनकरम वक्त्री वर्ष करिक ध्रिया गुल्या वर, किंद्र अञ्चल व्यवा छावडीय सम नागम व्यवनित्क काम भाव महि । याकाता बहाद । **लक्षा सर्वत्रद्ध वर्षभूर्य हा हहेट इहे ४ के वर्ष** ष्ट्रेबाटक् बटन कविया लम, छ।दात्राहे अम सार्य अक्की व्यक्तिक वर्षत्र उद्यक्तिल करतन शायाः दयक्षण मन्द्री शाक्षित्रा घ्रहे दशदकः ध व्यक्षील स्ट्रेश अधिन महत् कता व्यवस्था । अभिवासी आहे व अपने ब्रहाउँ व वर्षा १ : ३ - १ मध्य २०१म काइन काब्रिट्य या अहे रामजामात्री ३०४४ औडारम ब्यापीकाम > वर्गत इवेत्राटक मध्न कवा सामग्रहण । ১৯৮१ औद्देश्य दक्ष अवादी मारम **শান্তৰ° পু**ৰিষা অহীত म् हे (शह क्षेरभेत्रारसम् एक वर्ष कछीछ इहेन्नारङ् रणा स्माप्त । एक्स टावरेनमान-मध्यादम ध्यक्षेत्रशाम विश्वा दय कता পশিশুলারণিত্র নহে। ছংগের বিষয় ২ওঁ-यांन कारण दक्क दक्क वाक है श्री श्री करक **बर्गामान विका** हालाहेबात छे२०६ यांगमा (भाषक करत्रम । छाहा छोडारशत मनाखन-वाबा खाल कविवात देश्य हरेएछ প্রাস্থ্য। এটার প্রায় অপুণ্মলে বাঁহার। আর্থাপথ ভ্যাগ করেন অথবা ভ্রমক্রমে यणभूकेंक एक है। अस कि क बन कतिहा व्यक्षेत्रकारकात्र महिक मार्कणम कायाम काबन, काहारमञ्ज्ञ महिष्ठ रकाम मकाश्रिय मेंक्समहाकि अकास श्रेटक शारतम मा। क्रिया प्राप्तन छोणवादीय क्षत्रांन वाकित চतिक-कथा मध्य यहहे क्षारगांतिक ११८३८६ छ अह मारवादी क्षितिक शिनाही भवाग्य टाइनरम्ब नव्यनाची

# দোনক নদায়া-প্রকাশ

\_\_\_ 11-

মিতাপাঠ্য বৈক্পবাত্তাবৰ

বেগারি সমস্ত লাছভ-লাজের অক্তরিম ব্যাখ্যাতা প্রমান্ত প্রক্রাত প্রক্র দৈনিক পারমার্থিক পত্র

শ্রীলাম মাহাপুর ৭ই হৈত্র, শনিবার -১৩৩৭

উচ্চারা কোন দিন হয়ত এক সভাক অণ कतिया गडारम शक्या वितर्ग कतिर्यम ।

नामा करक ८कड् ८वन धाल्य बाजा खन कात्र क्यार म्। मिक्र २०१० व्यक्त कित्री (भीत-माम निक्रभण खास मा हन, व्यथना ७५६।:६।७ ।७.१०८ भिन्ना खन क विद्या (शीव-मार्यममध्या निर्वेद्य ना कतिहा কেলেনঃ একপ সরল বিষয়েও জগতে मण्डेक केरला क्य क्यांके विकास किर्म । প্রাপ্ত পরিকাকারণণ এবং গৌরভক্তণণ नकरमहे धाकछेशलां चक्कारत बादशंत করিয়া লগতে সভা স্থাপন করন। নতুগা দামাক্ত ভ্ৰমে পভিত হইলে তাঁহানিগের গণিত-পালে দক্ষতা প্রস্লের বিশ্ব হইবে। नगा (शोतककमाम शृहीत भए।त अञ्चनतः व्यानतात हरेटल लाटन, किन्न डेना कथाहे স্মীচীন নতে। আমরা আশা করি প্রত্যেক খুী গৌরভক্ত গ্যাক্তক গভাল মনে ক্রিবেন নঃ : দেই চন্তই নৰ্মীপ পঞ্চিক্ষে গভ প্রকট পুনিমার দিবস প্রান্ত ৪৪৯ প্রকট গ্রাদ ব্লিয়া লিপিস্ফ হট্যাছে: ভংপর দিবস গোরাক চন্ত আরম্ভ

> क्षिमप्रकिविद्यांत्र रेक्ट्रिक चारतरम. अवरमाक शृष्ट भीन्यक त्नाम महानव यक्षरतरण এীগোরাক প্রচলনের স্থায়তা করেন। ভিনি ঝীটার মিশন আফিনে কর্ম क्रिएडन बनिया औडीय श्रामा ज्ञानीएड ক্রতিবিলিট ছওয়ায় এবং ভারতীয় আদ-श्वता व्यवागीएक व्यक्तिक ना श्राकांत्र নোরিপে খ্রীষ্টারপদা তৎকর্ত্তক প্রচারিভ পদ্মীতে প্রথমে স্থান পায়। স্থীনবরীপ-পঞ্জিকায় ও পি ংম্বাক্চীর পঞ্জিকায় ! ক্ষাল্যবে আলোরাদ লিপিবঁছ হই- আলাপরবিভাল্ব অনু ক্ষাত্মতা ভক্তি-एक्ट । अनुजानत नक्षेत्र नर्गना ७६ व थवा | भिकायवानीत व नावत अनुन । अक्टब-অঃবশুক :

#### इंश्वरकट्य क्रिक्था

রাজধির পত্র

**अधिश्विम्बर्गम्** 

২৭৫, পরপুকুর রোড, ভবানীপুর, কলিকাডা

পরমপুত নীয়

**अवस्य महोदा-धाकाल-मन्नाहक यहालव बि**ठक्रगक्यरणम्—

আজ এল অন্তবাস্থদের প্রবিষ্ঠা ভূষণ প্রভুত্ব অভি-সংক্ষিপ্ত ভরিভ-কথা नमीया क्षकारन भाग्ने कविया भवसाननिष्ठ. भना, छथा इन्हार्थ ६ हेन या।

আম'র পুথ ফামের সক্তির অভাবেই कडरन, ब्रीनुक बाल्यतन भवनिकाञ्चन ধার্কটোমঞ্জার চৰণ-ধুলি লাভের বেডিগোট তই মতীৰ আম ও অংথগো নাজির পুৰ क्या है इहेडार्टा खबालि इहे अक्य ब ক্রাছার চরণে প্রশন্ত হুট্যার সেট্টাণ্যে ৰ্কিয়াছি, বহুসে ভক্ৰ হইলেও ইহার ভায়ে करणात देवताशावाम वाकि, इहाब छाव कानी, देवात शांव एक ध्यूना क्रगड চর্লভ---ম্ভি মুর্লভ।

শ্রীল বাস্থাদ্য পরবিস্থান্ত্রণ শ্রেদ্র চরণে আমার কোটি কোটি প্রণাম। কোটি কোটি প্রাণাম করিয়া আপনাকেও শত শত বার দহাবদে প্রবাদ করি,বাধুবাদ করি যে আগনি ওছেন অলোকসমোহা ব্যক্তির চরিড-কণা নদীরা-প্রকাশে বাহির ক্ষিয়া মাদৃশ গৃহকুপ্রস্ক 🕶 🎍 জীবের অলের কল্যাণসাধন করিপেছেন।

আপুনি ঠিকট বলিয়াছেন লেয়াইটেন ৰ্তম শ্ৰীশ্ৰীল প্ৰাভুগানের অতি ক্ষিন, মণ্ডি ভাষ ৰ বংজপুৰ Extremely subtle and difficult উপদেশ ইনি ওঁ বিকুলাৰ জীত্ৰীমণ্ড জিনিছান্ত- বেরূপ গ্রহণ করিতে সমর্থ হইবাছেন ওজন সরস্বতী গোস্থানি মহারাত সপার্যত হংস- অন্ন লোকই পারিরাছেন। স্বতরাং সিমুশ ক্ষারঃ মন্তুক্র হারিকথা ক্রিভন করিতেছেন। ও প্রচারিত হর ততই ক্ষামানের মন্ত্র। । বার্থনীয় 🕾

ইহা অতীৰ সভা বে ইহানের জীবনকালে ২া৪ জন ভাগ্যবান ব্যক্তি ভিত্ত জনসাধারণ ইহাঁৰিগকে চিনিডে পায়েন না appreciate कविष्ठ गमर्ग इस मा-ৰুৰিতে পারেন না। ইহা ড' বাংহারিভ कगड्य देखिश्ता । शांठकमां बदे दान कार-ণত আছেন। তা তারা নাই পারুদ, মহাপ্রের স্থায় পারমার্থিক সংবাদ-পঞ্ मन्नानरकत अञ्चलम कर्तवाहे इहेरकहा धरेक्य क्रम का कानवातीत नगरक बाहिस कतिया मिथान, उद्देशन व्यक्तिसम् अनःह-ৰাণীদের চিনাইয়া দেওয়া ও আনটেয়া **= ए अप्रा-विश्वानीत्व** देशासत्त रमना कतिएछ वना-इंग्लिश्टक चीत्र कीवरमञ्च আন্তর্ণ করিতে আহ্বান করা। ইতি

> व्यवस्थार्ट विस्थाडिक-जनव ভবধীয় দাস, ভুতা ও দেবকাভিমানী मन्द्राभा--- भन्ति मन्त्रातात्रभ द्वाद

[ त्निहक्षचितिहै स्रमान मर्स्याहे षञ्जानाक्रकारत शांकिएक छात्र राष्ट्रगा বান্তৰ সভাক্ষা ইনদীয়া প্ৰকাশের প্ৰথম আলোক ভাগাদের চত্তুগুল উৎপাদন করে, ভাই তাহানা এই সুব্যের উদ্ভে ৰাণ্যপ্ৰদানের নিমিত্ত আপ্ৰাণ চেষ্টা করিল থাকে। কিন্তু ভীনদীয়া প্রকাশ ভাষাদের শত সহত্র বা া প্রণলিভ ক্রিয়া নিশ্বল সঞ্জন জদ কৈশে অপলোকিত করিয়া পাকেন। সভা কুরা মধ্যর রখ্যা ভ্রুরের ভীতি প্রাদ হইলেও সম্জনগরের কি প্রাক্তর আনন্দপ্রদ হন তাহা রাহ্যি রাল্যাহের कुमात विश्व क अत्र विन्यू राष्ट्राधन । दशाय ब्राध रनताञ्चन यम्-१, व्याक, विश्वासूयन मद्दाभरवत्र अञ्चलीना शाउ कतिरत ग्रद्ध इत्यन्न व्हेट्द ।

সজনমাত্রই ভগবল জ্ঞান-ভাপারেছ সন্ধানের নিমিত বাস। এই ভানভাঙার (गावित्मत येकानिक छटलक छन्दा সংরক্ষিত ; জ্ভরাং উছে:র হ্রম জগৎ-ममरक राज्ये आकाशिक स्टेरन कलवारीय ७७३ मध्य । मानुन चिक्त सनिन्त दर्द অভিচ বিজকুলংয়েণ্য পণ্ডিভারাগণা खक्रदर्शवादेशकन्ति श्वम प्रशास धीमक অনপ্রবাস্থ্যের পরবিছাত্রণ প্রভূত আতি অপ্তাই 😻 অতি স্থানিপা চারত চিনা सर्वादन के बांच मिं बाटकान्टरन केनटर १६ िश्रम आमार्क्य छेर्थ इर्गाउ छाउ। क्षेत्राच प्रश्वक क्षेत्राच्य श्रीपार मृद्याच मारे :---नः त्यः मः ]

#### ब्रीहेड्ड प्रवाहर्ट ११४ और्डम

टालपुर असम् ५ <sup>ले</sup> भाष साहार्युष्ट औरेड एक्पार ध्येमधीनवंड लाहे ए काहे.

# প্রয়োমন শুদ্র

**上型** 

वाक्रवत्र श्रेष्ठ धिनमीया-धाकान मन्नामक মহালয় সমীপেয়--

মহালয় ! জীচয়ৰে ভূমিষ্ঠ দশুৰৎ **नुक्षक** भिरदेशम एहे दश, छिष्किशात करेक জেলান্তর্গত যালপুর সং ডিঃ এর মধ্যে খফরা পুরুষোন্তমপুর নামক একটা পল্লী-গ্রামে কতকতালি সরল শ্বভাব ব্যক্তি ध्यकी विटनव मिन क्रिय कतिया, खेळ দিনে হরিনাম-সংকীর্ত্তন করিবার উভোগ कंब्रिटन माटलब वहाविथ नाम क्रेटिक कान नामण फेल्फाचरत फेकातन क्तिया महीलंग করা হইবে, এই বিষয় লইয়া নানাপ্রকার । এমন কি, পঞ্জিকার মণ্ডে প্রাস্ত কলি বিশিষ্ট ভক্ত ও শিকিত ব্যক্তি 'ছরে রফ बद्ध प्राय. निकार ट्यांत्र त्रांत्र स्थाय" পদটা দংকীস্তনের মুখাপদরূপে গাহিতে **कति वाकि छेश जनाशीय नम्**कारन মামাঞ্জার যুক্তি-তর্ক ক্ষিবার পর ইহাই िम्र हरेन ८४, क्छेटकम • • बर्रेश द्यान (क्रक्शद्वीरक व्याभावेदा **ब्र**ात श्वामनमञ्जूषा कर्या करा हडेरव 🖡 প্ৰয়ে উক্ত মট হুইতে কোন একটা ব্যবাসী शृक्षात विनित्रे छत्रावादकत मराष्ठ मछ থিয়া পুৰ্বজ্ঞেতাৰিত · "নিভাই গৌৰ चार्य आम, हत्त्र कुक हत्त्र क्राम" श्वडीटकहे भागीय 🕶 पुक्तिपुक चित्रपा निकास **क्**तिप्राट्य ।

কিছ উ দ আমের কোন সরলপ্রাণ बाकि निवरणकार वनकः छेशास्त्र मध्ये मा हरेबा फ्रेंश धक्ती निवादिवालात धनः স্থাভাগছট ছড়া পান গোধে আমার निक्षे ८६ विश्वाणित श्रुतिकास मीमारमा করাইরঃ বিভে অভ্রোব করিরাছেন।

भामि कानि, से विक्रमान कि किन किनियाध नत्रवंदी (शावामी महातारवत्र অমুকল্পিড তিবভিখামী শ্রীমছজিবল্লম किनाव महाप्राम ध्यनात केश्वाटम शमन क्त्रिया भूरकाक एका गाम त्व व्यनाशीय, कादा आमश्रानीरक युक्ताहेशा विद्या शहरतात्र প্রাক্ত মদান করিয়াছিলেন। কিন্তু করির व्यक्तार दक्ती विद्या करू भारत औत-बागीएकं जे स्वाह्य धारानपुराक डाई।स्वत मन्मान नामम क्रिट्टह

**ीरक्षेत्रीय मेर्ड स्ट्रिल शक्तिमात्र पात्रा** ध्वे विदेशीय व्यक्त मात्रीय मीमारमा बसैरेन परन्टकत मक्तक एवं ।

> ্ৰীররিজনমাসা**মুদাস** कियानारियाम विज. श्री क्रेडालय

#### উত্তর

क्लियुरशत्र कीर्जनीय महामञ्ज कि,छविराय প্রাণ্ডীয় ও জীনদীয়া প্রকাশ পরে বহুৰার আলোচনা হইয়াছে নবক লিড ছভাগান সময়েও टीरशोषीयशास सम सर्व २०म म्राज्यात ५०म पृहात, १म वर्ष ५१म मःबोश्त ऽःम भृष्टीय त्यः यम्म मःबाज : 8म शृंहोय या (वेडे का क्षाइमा इनेपाट्डा স্থভরাং এম্বনে ভারার পুনর মেথ নিশ্রয়ো-कन। एर्व उद्देष्ट्रेक काना आत्रश्रक रा. কলিকালের একমাত্র ভারকত্রদা নাম--हरत क्रक हरत क्रक क्रक क्रक हरत हरत । कटल जाम कटल जाम लाम लाम कटल कटल h - इशहे अहि, पुछि, पुतानामित्र मछ। बक्दितस्य चर्छ। केन आस्मत्र करेनक विश्वतः छात्रकश्रकाम एहे "हात क्रक" महामटसत कथा मुक्तिल इदेश शाटि, पाटि. मार्ट लाहातिक इक्ट्रेट्ड । एडश्टीक अञ्चलाम ना इका-- अनाज व । एक्ता শ্বিম করেন। তাহাতে উক্ত গ্রামের কতক- দস্তমুলে লাভ, পুলা, প্রতিষ্ঠা সংগ্রহ করা যাইতে পারে, কিন্তু জ্ঞীনামের প্রতি অবছা প্রদানপুরাক সভন্ন ক্রিড নাম বা চড়া कार्कनबादा कथनहे नामकी ठानत डिएम्ट স্থাধিত হয় সাঃ ভাগতে নামাকর উক্তারিত হয় মান্তাঃ শ্রীনাম-ক্রাক্রের বস্তা ওকে। काशकिक भवाशक गटन । देनकुर वर्षेत्र আয়ায় পার্ক্তর জামে 1385 थाटकम । अर्थ-लज्ञलाकाम अधि है याध-मक्रमकामी खद्रान् राक्तिशर्यतः सिक्छ আগেমন করেন ত ২ভ ড স্মীপে প্রনি-পাত, পরিপ্রের ও দেবা দহকারে এই শ্রীনাম গ্রহণ করিলে শ্রীনাম-প্রাভু প্রীত্তকের। মঙ্গলের উপ্রেরণে প্রচার করিয়াছেন। কুণা পুৰত হইয়া থাকে: কিন্তু প্ৰোত-পদ্বাকে অবস্থা করিয়া, শ্রুতি দ্বতি-भूबोगानिव सटस्क स्वरद्या क्षिता, क्रभाष्ट्रग देवकवगरगत टाठात्रिक मिकाच অগ্রাছ করিয়া অকপোল-কল্লিড মতবাদ প্রচারে কভটুকু মকণ লাভ হয়, ভাছা ञ्जीगरनत विष्ठार्ग।

> এছলে প্রিজনস্তদংছিতার প্রমাণ্টী मात्र छेव छ कतिया मिथारेट छि त. महेग्रा (य क्षकारण कार्छनीय नाम (भोजाया इटेरन, এই शहरांक ভारांत्र আভাগ পুরেই প্রদান করিয়া প্রকৃত শত্যামূদ্**হিৎস্থগণ্**কে 对电击 क निया भिशाद्या.--

हरव क्रम हरत क्या क्रम क्रम क्रम हरत हरत। क्रत श्राम क्रम श्राम श्राम श्रीम क्रांत क्रांत श বোডবৈজানি নামানি থাকিংনদ

বৰ্ণকানি হি ৷ करणी गर्भ सहासन्धः रुक्तरता कीरुतातरम् । বৰ্জবিশ্বা তু নামৈতদ্ভৰ্জনৈ: পৰিকত্ৰিতম্। আত্মগাভেন পূৰ্ণাৰোঁ নাৰনীদ্বতি इ स्थायदः सुनिकाकवित्र ६१ माकारम् ।

ए प्रकर अक्रनारेमफण्डकार्गा अक्रगामिमा। কলিসম্ভরণাভাত্ম স্লাভিত্ববিগতং হরে:॥ व्याश्वर खीवमनिरहान खीनाहरमन वीमण । मारेम्ड इस्मः (चोड शाम्लार्गान उम्रानः ॥ मक्ष्या नित्रहार्गाः अभाषाहिष्टार्थिमा मना॥

कार्थार करत क्रम हत्त क्रम क्रम क्रम रुख रात । दात त्राम रुख त"म त्राम त्राम হরে হরে।"---এই গোল নাম বজিল कर्डिम्ड। उहे नाम वर्कन कतिहा पूर्वान-র্যাভাস্তুই পদ কথাচ অভ্যাস করিবে ব্ৰহার নিকট হইতে শ্রুতি প্রক্রায় করিয়া ব'হারা আন্তাক্ত কল্লিভ পদকে মহানাম প্রভৃতি বলিয়া কার্তন করে. **धाँदा गात्र ७ छदन्यत्र्यमकात्री । स्रान्ध**ः হিতাপী ব্যক্তির ভালুল ভরবিরো:পূর্ণ প্ৰক্ৰিন মত শৃত্ৰে প্ৰিচার স্বাক্ৰিয়।

জীমন মহাপ্রাড় করণ ভগবর্ম : বিট উজা ক'বলে স্থাংক'ল - ম বাম্প রচ- করা আচার ক্রিটে পারিটেন, किश्व द्या काल्याक का छात्राहरी ही वाकिन्छ। कार्त है दर्भातकम अधि-इति पुनानानित व्यवकार्य कतिया दशीएलया क्वान मा कतियो उडे छात्रकद्रमा महारष्ट्रक्रे श्रद्रम-ভদহুগ গোৰামিগণ ও তাংগা অফুৰতন ক্রিয়া পিয়াছেন এবং ব্রুমানেও প্রোত পারশাণ্ডে এট শ্রীনাম ওছারক-মুখে স্থারিত হইতেছেন।

### অনাশক্ত কে গ

( পঞ্জি শ্রীপার মাঠীন্দ্রির ভক্তিগুলাকর )

ঈশর মাশ্ব-লাভ-পূর্ণ। স্থতরাং ভিনি আনক্ষয় বস্তা সক্ষণক্ষিমতা হৈছ তিনি श्रष्टे। प्रिकारी मण्यामन करबन, किन्न क्रान स्पर्ध भवादर्भ कार्याक इस स्वतः (यशक्त वः कि केषस्त्रत अञ्चात्रन करत्रन छ । दावक-বৃদ্ধিতে উচ্চার আক্রাপাগনে ভংগর शास्त्रम, डीहाता क्ष यह मा मा व्यवीद कारी कतियां दकान विरक्ष चामक इस मा, यशाहि श्रीमञ्जाशयासम् षादेम ष्रायस कालम धानारित्रम् शक्यम (म्राक्---

चेटाल खशवानीत्मा नहि एक विश्वका**ल** ।

CAPA GA 1

भीव केवरतम् निकास्तान्। बारमङ् क्रम् वीष व्यक्त व्यक्तात्र क्या। स्थि त्कर क्षेत्रदेश व्यक्ष्यप्रमा ना कत्रिया चारीन ভাবে চলিতে থাকে যা কোন ইছয় উःल्टेकाछत्रहामश्रः व प्रश्न क श्लिष्टर लाग् । लनार्थन प्रमुप्तरत निवृक्त वह, काश् बहेशन মহানামেতি গায়ারি তে শালাগুরুণ্ডিখন: ৪ সেই ব্যক্তিকে শুগুণারা সংশোধন করা ७ विद्याध्यापुर ए ए ए भर द्योजनः यक्ष्म । कर्ववा कारन प्रेषद्वम याधानामी विश्वास **मिक कारात्र मरानाधनकारका निक्का स्थ :** मावाक्दन भिट्टे कीर प्रथम निर्देशक्रक চটয়া সংস্থ করিতে থাকে ও সেই স্থ-প্রভাবে জালিতে পারে বে ইম্বরের অন্ত-অফর ক্লিণে মহামন্ত্র এবং ফীবভারণে হরণ ও আজাপালন বাতীক বিভাপের अप्ट क्रेंटिक कि कार्ड एकः अन्नमामस्य পরিকল্লিড চল্যেক, অনিজায়বির জ চিরন্মিয় থাকিবার ইছাই এক্ষানে ইপার, তথন হইতে সে প্ৰবংগ স্থানীন বা ইছছ-ন।। এই তারকরক ছরিনাম আদিওক বছর জনীনভাবে ভীবন যাপন জ্বিছে একা কলিস্তুরণাদি শুভি'তে পাইয়াছেন, স্মত হয় না এবং ক্ষাড্রা ক্রান্তর আছে-সরণ ও আজাপালনের জল কার্মন ও ত্রমার শিব্য ধীমান মার্ল এই উত্তম নাম বিকাকে শিবুক করিছে বছপরিকর প্রাপ্ত হইয়াছেন। এই মহামন্ত ভাগে হয়। অভয়ভাবে কীবন ধাপন করিছে (र कृ रशत जिम्म क्म थयर जेपरतत प्रमु-সরণ ও আক্রা পালন করিতে থাকিলে (य लातमामास्मात जेमस इस, छाए। "बढ ভঃথ পাটয়াছি খণ্ডপ্ৰ জীবনেঃ সৰ ছঃৰ रशंश पृत्त अःशन वत्रद्य श<sup>™</sup> अ**हे वहा**-प्रदेश कि केंद्र है जा दे बुधा योष । (क्रमन्द्र)

### <u> हे टे. ज्युष्ठ त्याः नव</u> ("क्षिक" स नर्ग पम भारता इदेशक केंद्रक)

eiminin cattun binn Elbem. दमरात्र व्यानिकांब-वार्तिकी अश्वादन महा-गमादारक मन्द्रस्य स्ट्रेसारकः। মানাপ্রের গৌড়ীর মটের সাজাক পাবা मर्के एवं উপলব্দে विश्वा सन्त्रभागम হর্মছেল। স্থানীয় সরকামী উচ্চ কর্ম-छातिश्य-मानभीव मश्चिम्छणी, दाद-(कार्टित निष्ठास्थितिकान, स्काक्टिकें) (जनारत्रण, विकासणींक (बक्के क्ष्मा मा a. काः तप्रकार्ता. वद कार्यकीय क इं**केल्यानीय** चनावक, हाद्यमञ्जी, क्षण्य वान्हाका महिणा एवः मालारभन्न कावनाती महरणम् मञ्जास ८ थानीत ८५ कि मरम्प्रियम् स्टे **উ**रश्टेय द्यां श्रमांग कश्चिम हेशाम श्रामां-ভনীনত প্রতিশহ ক'রেছিলেন। ভার শিবখানী আলার, কে, সি, আই,ই মধ্যে-मश खेरशत्त्रत्र स्थ्य करम्भ : **अष्ट्र**स लिक्टि मण्डामाटर में फेरमाब दमका विका-किम नव ८६८म (वनी। व्याम्प्ट्यम सम নিৰ্শিত বিয়াট মঞ্চপ ও ডোৰণ্যায় বিচিত্ত পভাৰায়ালি খালা স্থানিক ও ইন্দ্ৰল रेम्ड्राएक चारमाक्यामार्यारम ७७ सरनात्रम पृष्ट्या. लिखिनक स्टब्स्मि । क्रेनिकिक रले निराष्ट्र वर्णक्षधमात्र घटा । छाड्स अक्ष-প্রদান বিভরণ হয়। জীবুক গি, ভি, কুক খানী আনায় ও উলুক খানী নাথ भागाद्रत 'दनकृष्य दशकादमयम वम क्षे বিয়াট লৈছভাটনম পুথালা ও সন্ধালীয় माकदास्य कड विरावकार्य जानामनीयः

#### ক্ষাক্ষান্ত নিয়াল্য ভক্তি প্রস্থাবলী



Menger duef befiente bieche Bufem Gleau Miste, memu nies nam. fem m Mallen weit. Multe efelle e wunmten : we. mfet ! क्रियाका लाइन क्षत्र खान क्षत्रान, देशान वर्गालय न्या. देवकान-+(चक्र च÷প, পक्किशामनाव +किंड भाषक), मात्रावस, देववा-.क्ष्मि क कंपनिक्षा दन्य, रेमनाव्यम, प्रदेशकारी क्षय किकित बारकमा, कोरबर बढ़ा है। ७ मू क, टेन्करहरदस wiente. wiene mienigi-febig, mit d wwiederene मायकेका, महक्ष्मभन्त क देनक रनवी, द्यार क्रकारीमा, करान म बच्च क कालाव खाडीएंड-एडन, क्रीरिश्रम्भा व लीवferwir mien, meentwe nien watere mien, set-कार क्रम क दर्जा क्रमच, महिना कार्य हो मार है वह हो गांक गर क्षकि. मश्चक्रांब, क्रमांबक बांबकारी, लाइकोव्रदम, प्रवृत क्षा, जीवात्यात्म आकृष्क मनश्रम माध्यक्षात्रम प्रशास क्रिकृष्ट प्रक्रावनी का का मनन सहित्य करवान कवनकार अन-निक बहराह । बह बन्ध व अपन्य का अपने काल निष्ठ करिए भावमाचिक शास्त्राञ्च स्कष्ट्राक्षणे स्वत्यान मानव शाकित मा । मध्य भूष्ट महित्यक करकल मध्य व क्षयम्ममी अब क्रम्य का कााल a क्य नार . निरंबन शायायी-नाम-भरमानिक प्रसन काल दर म्थायुक फेरिक इवेशावसा सानाव अनिकृत एका, कथानात के कार्नि बाटा विस्तव नमुद्र कता प्रवेश .. क to the six correct were near come being the time. ----



### 

ষ্ঠিপুৰ নাপ্তৰাত। বাং প্ৰাক্তে মানংক নিছা কল্পন জলালয় সংময়ত কল্পন নিছাভিত কলাছে। কল্পে প্ৰাক্ত উল্লিট্ন নাজন নাপ্তৰাত) বাংন সম্বিদ্ধ কল্পনাত কৰ্মাতে। দেকে, মনের ক নাপ্তান্ত কলাছে কল কিছু বংলি, সমাত, নীয়েছ, বল্পাত কলাছে বিবাহ মারসাংক কল্পন প্ৰভাৱে ব্যক্তসত্তাতে আলোচ্ছ ক্ষাতে বে, প্ৰাক্তম সংক্তি কলাছে আছে কাছ্যা ক্ষেত্ৰ কৰ্মাত বিবা ক্ষাত্ৰহা নিৰ্ভ কল্পা বাছ লা।



विक्रीय मरबद्ध ०० व्यामा

विक्रण स्थायायी त्याक क्षेत्र रणुमाथ श्रायायी श्राप्तक केलावायी त्याक क्षेत्र रणुमाथ श्रायायी श्राप्तक केलावाय क्षेत्र केलावाय क्षेत्र केलावाय केला

#### ৪+৪ গোক্বাব্যেক্স সচিত্র

# শ্রীনবদ্বীপ পঞ্জিকা

পারমার্থিক ব্যক্তিমাতেরই একান্ত প্রহোজনীয় বিস্কৃত্তত ও উপবাসাদির ড্যালকা সম্বলিত বাংলার ঘরে মরে বিরাজিত হউক

ভিক্ষা ৯০ আনা মাত্র ১১০ ভাক টিকিট পাঠাইলে ভাকে পাঠান হয়।

মহাক্ৰি

শ্রীল সোচনদাস টাকুরক্কত শ্রীটেডনামঙ্গল

ওঁ বিকুপাদ শ্রীশিতকিসিয়াত সর্যাতী গোষামা প্রভূপাদ-সম্পাদিত ভূমিকা; রোকে। অবর, বলাপুনাদ, প্রতি প্রসাধের ও খণ্ডের কথা সাল্ল, শক্ষ্টী, স্থানসূচী, পাত্রস্থাটী, প্রমাণগ্রাত্ম, ভালিকা, পভসূচী প্রভৃতি বিস্তুত সূচী সম্পাদিত বোক্ত, স্করে ভবল ক্রাউন, আইপেকা আকাংশ কিট গড়ের কাগতে ছাপা: ভিক্তা—২॥। টাকা

#### শ্রীহরিনা মটি স্থামণি

নামাবাধা উটা কলিকাক্টেক মুখে শীল্লারাক্ত্ শীল্মিম হাজা, লানালান, লামাপ্রান কজাক বিষয়ের বাবতীব হিচাব প্রবি করিছাছিলেন, এক বিষয়ের লি অভি ধকল প্রায়ে স্থিপ আশ্বর্ক প্রিণাটিভাবে মুল্ডে। শীল্ডাভিডিনোক্যকুন্নবিভান রম সংস্কৃত্য ভিকান্ত্র

# বৈফ্ৰমঞ্ৰা সমান্ত্ৰতি

(श भर-देव(क । यशक्र)

বিষয়—১ : ভবিশালে বাণস্থ শালাবাদীর অর্থ ২ :

নালিসম্প্রধানের বৈক্ষালালের দক্তি, ত , নিক্সুবৈদ্ধবসম্পরিত 
শীলালির ও বিলিপ্রে বিলেশ ৪ ! বৈক্ষালয়ত ৬ প্রান্ধসমূরের ভাগণায় ও বিলিপ্তে । বিলিপ্তিয় পোটা ক ও

শালীয় আৰু মূলে মালিবাদ লো। চালিগ্র প্রকাশি ।

ভবালি । ১ম সন্ত ৮৮০, বন্ধ প্র ৮৮০, তর স্ব ৮০, এন
সন্ত ৪০, চাল্লের ১০কে ত ভালা (ব্য সন্ত মন্তর্গ )

### बैर्स क्रमन ड

১ম খণ্ড ১, এক টাকা:য় খণ্ড ১, টাক —

শ্রীমন্তাগবভের ও গৌড়ারের গ্রাহকগণ :॥

টাকায় ভূইখণ্ড গাই-বন : বৈদ্বালায় শ্রীনক্ষ ব

লাবামীণানের নতিক প্রস্কা টলাট ষ্ট্যবন্তের নানিক
প্রবোধনীয় মণো। প্রাতিশগুডাবল ক্রাইন ৮ মণ্ডার ৬৪
পৃষ্ঠা থাকায়ে মৃত্যুত্ব কইতিহচে।

শ্রীষ্ণ চোর্য্য সঞ্চলিত সদাচারস্মৃতিঃ ভিনা /• খানা মত্ত

# বিজ্ঞাপন

गावशान !

সাবধান !!

জে, বি. দংবর চৌকা শিশি আদোম তৈতত আদিও অক্তিম এবং উপ্রায়িভায় স্বর্থন প্রিচিত ও বহু প্রাশংসিত।

স্থামর। সর্বসাধারণকে জানাইচেছি, বাদাধ তৈল খরিদ করিব র সময় শিশির গায়ে ইংরাজী জক্তরে জে, বি, দক্ত এও কোম্পানী নাম খোদা দেখিয়া খনিদ করি বন। নতুবা জুরাটোরগণ কমদরের ক্লাক্রম তৈল দিয়া প্রভারণ। করিবে।

নিনীষ-ক্ষে, বি, দক্ত

CCCCCA

# ফেরাস কুইনিন

নৃতন এবং পুরান্তন মাালেরিরার ধম

টবালে উপযুক্ত মান্তায় আগবন্ধু ব্যৱতাইল্লোক্লোক কুইনিন্ খালেনিক এবং ইউনিখেন খাতে।

এক কোনাল কুইনিন্ খারা গ্রেকণন ক্ষবিশে একটা বা এগটী হয়েক্সনেক স্কলপ্রকার কঠিন হা গেতিয়া আর বছ আরু এবং ৬ এইছে ১২টা ক্রেক্সনে ব্যালেরিয়ার স্বত্ত উপস্থানই করিছ, কেলে।

৬ এল্লেগ্ৰ প্ৰতি নাম্ম—মুখা ২. টাজা, ব্ৰীং ০. টাজা নাইও কেনিকালে এও ক্লিকিয়াল লাংবরেটারীতে ১৯১১ নং চম্কুনীমল বেন্দ্ৰ, ক্লিডাটা !

্গান্তার বেষাৰ জগতে আছমৰ এছ !!

ত্রীৰ ডাড়ত ছাঁকাবিলোকের কীছি-এছাবলা :—

গকেট গাইক

গত্য সংখ্যাৰ
ডিকা /• আনা

নেত ও মনেত চেটা আনভাবত কট্যা—ট্টা যথন জীক বৃত্তিতে লাহে, দুগন একমান নেতাবত জীক্তগবালের জাতি ইচিচালালে সমাজাক আবেগমনী প্রাথনা বহু কর্ম উচ্চালালে সমাজাকতণে নিম্পটি ভ প্রভাৱে শাক্ষণাপর তিন্তে চর, মডাাগি বিষয়ক আগশ্যনী প্রাথনা ও আত্ত-

ভিজা প্ৰায় বন্ধ /+ এক আমা

्यामकांकाहासा कार्यः ४०, जनवीशमक*कार्यः* ४०

প্ৰভাৱ সংখ্যা প্ৰথম সংখ্যা শিক্ষা ১১৫

কল্যাণক স্পত্ৰক

বিশ্ত ক্যাটালণের জন্ম নিমালখিড ঠিকানায় পত্র নিশ্ন— ম্যানেজার—অম্বিভাগ, এটেডনাম্য, পোঃ শ্রীমারাপুর, (নদার)

# বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভিজ্মিসমূহ

### শ্রীতৈত্য মুম

#### আকর মটগাল

ल हीन नवधील, फाक्यब आगाय भाषालुत, नगीया

ঞ্জিল্যাবেশ্বাপ্তাম ক্রাজে লায় ৩০ । দল্ল উত্তর-পুর্বে শ্রীব্রেপ্তবর্ধে আচার্যারের স্টীচন্দ্র-त्यप्रकार हान औद्योरिक्टम मह विद्यासमाल ।

এই স্থান সংক্ষ্মত-নীর্থ, পরাবস্থানীয় বা দাছত ভঙ্গত্তনী। এই মুখা নীর্লে স্মিচরি-अर्थापु । वाद्यक्तपुरति-त्वतः अर्थापुर, अविष्णात अवर्ष । कार्यक, वाद्यक, व्यवद्याव, व्यव आश्य-केनिविष्य-श्रेका-प्रक- १४:व ठकुरेटवर अवावत । ७ अवावना खनर फ्याप श्रेकक-त्वारितक नाम अन्। विशिवत क भाषक भाषामाधिक-भावादी-ठळ प केकाल केवाल र्वेश ब्रह्म अर्थक विकार प्रातिक करेंद्रकरक्षम । एवं महेबारक भावमानिक रेवियक लख माप्तक भरतमारक्ष व्यासकात्मक व च शातीन अवताक शाताव राष्ट्र व्यापेश शक्त में यह शव রাভিন্নিত চলয়াচেন অভিবংশর জীধান-পবিক্রামান্তরান ও মগাণ্ড ভরুগোটি। কীর্ত্তন প্রচালমুখ্য মধ্যমধ্যে প্রসংগ্র কি কর্মা পর্যাল বিশ্ব বিশ্ব ব্রশ্বটারী शिवास बरक्षिकी महकाती-श्रीवास विस्तामिकारी अधारी, वाश्व के श्रीवास मोतामा अव्यक्ति शायद्रवरीचं, द्वाणाम वीत्रक अव्यक्ति, शांख क द्वीवामवानन अव्यक्ति। শ্রীয়ুক্ত নলীপোগাল বন্ধোপোধার, জ্ঞাকতে।ম দাব ব্রস্কচারী প্রায়ুণ সঞ্জনগণ।

#### (৩) বেংগণীত ভীমন্দির

कर कान जिल्लाकालामा मेर अवल या ীম্পাণ গড়ৰ আনিভাৰ-ভাম মগংখাগ-भीके क्यान ही स्था न है। कि श्चिमान चेटगोनमात्रायम । ४०१ चेटिन रूपा क क्रिल्माक्राफव निष्ठा द्वता छणः क्रीलक MCW4 (14) 483(4) 874-(4)\*\* মাশাৰত পোখানী ক্টাচাৰ। প্ৰভু উল্লেখmin : neoial Efficient 327:11, विधानमान बच्छाती। श्रीमाधनमान व्यान-कारी, स्वयम्बा खेठारवद्यम् ।

#### (8) 🎒 리카 따라

क्रिश्चाशास्त्रक कोर्सनकिताम ना **क्षेत्र्राक्षाय वागवनी । जनाटन टेंग्ट्रां**त्र्राव चित्रात्म व भक्तर्तिक शाना वस्त्रात । बक्रक--- भैवानाचान अक्षात्री, श्रीमगुष्ठ war, Benigenein afeint :

#### (१) छाट्रेच छ- छन्म

as with Mailes nos ean are (मदा नक्षान ।

(७) काळांच जब वि भ हे ळाहील मोद्यालक, वागमलुक्द (सर्वीद्याः

**बिट्योक्ट्रमालाक अहै।सकाकी ३** प्रशीत । क्षक --- क्ष्मा का कि विद्याम 'यहाता।

#### ( 4) प्रांतम प्रयम कृष

Bisimu, पद्मगाष्ट्र ( मशीत: ) अल्लास देनिकृताम दिल क्रकिनिस्मामठःकृत्वन क्षांति स्वतः व्यागादनानामत स्वतः श्रीविकामा-आवट्यं द्रम्या वक्षमान

इक्-लिक्श्य कालाव अवहात्री क्का का विभी दश, वभ, वम ।

#### (৮) श्रीमगन्नाथ Cको होत्र यह भएम मिर्ग

वक्क---- ट्रीयक्टर क्रिक्स क्री हम. ज् ति. छन, मध्याती -- श्रीपंष-मम् काक-मारो. क्षेष्टकाम स्वधानी अस्त्रा

> (>) श्रीदर्भात्र-श्रम् (अञ्च-स्रे টাগাও চী, সমুদগত, ( বস্তমান )

ख्यांच वाचीनात्वत आ + क्रिक ,शांतशमानत-

() अक्रिश्राकाय-मठ #1.19#. 21#:9 83. fe रक्ष क--- डी॰ दिनाम अवकाती, क्षेत्रकारण वक একচানী।

#### ( ): ) 国に可収証料を選一

माङ्गिः । शास्त्रवः, नश्माना क्षेत्रामातकार हे कुछ बुकानस्मन काम । इक -- दीनह बहाते अपनाती । () १ । छा भव ॥ स्थानन 🖏 नाभव ७ ८०० ।, क्रकनभन्न, नकीबा। अःशव •िकाश्व वाष्ट्रावशी व्यवहारकवा तक क-- श्रीमकानक वक्कारी।

ে:৩) শ্রীএকায়ন মঠ ८७.म १६), त्याबाकी, क्रमानगढ, समीबा । बक्त व --- 🗓 पङ्गानम अवहारी ।

( ১৪ ) श्रीमाश्य दशोष्ट्रीय गर्न अन्तर नवः वज्र वज्र द्याकः, ठाका । भुक्ष बद्ध व्यक्ताव-दण्ख, धनादम औ छक्त-्यो वाज भाकत्रानीभाष्ठिक्षक देवता वस्त्रमान । रक्क-- जीगावायम् अवगानी।

> १ ५० ) औदशाभागकी वर्ड क्थणः चुत्र, हाका।

(भागामधीर आर्थिक द्यारीन रम्या इक्- में भारतीय बक्राही।

# ( ३ ) ब्याटगोडी स मठ

रेफ जर का निकास 6 के बखी है है. (शह नामवाश्वात, कांनका mi i अधिकाम वि. वि. ८०३४

শ্ৰীম্বাচা তেওঁ প্ৰচায়িক শুনিকল ভাজাব্দ-অচাবোজেলে গোছাৰলেও সঞ্চপ্ৰকাৰ न्यारी क्लिकालाव क्रिकेलिकामध्यामध्य क्रीमा व्यक्तिक पार्टका अहे प्रकृत भक्या ताटम - के ब्रञ्ज-दश्री बाक - क्यों निरामालाम्य को है मनावेश्य निकादम्बिक कम । दनक्रिक काठायानार्यंत यानकीय अधाननीत अधारतार्याकाम श्रीमात मरलय वक्की अवनद मुखान यञ्जानम् मध्यानिक व्यवस्थाति । पुणितीत मन्त्रक 🕮 शोबनाम श्राप्ताच अर्थ मञ्जालक टके:क '(भो क्षीप' म खा!क्क भक्त, कि अकुकाशिक्षे अमिक महिका देश्याकी काषाव 'मध्यिक छ'रन ताका'च ४ करेरफरकन । श्रीभाष्ट्र तात्र, भद्रीश्वन, अक्षश्राम-इक्ष्रेशकरकाश्च, Musinam, mitbom-bfemunife-eint a santer nam atteten bee eren ubame-minifilae giene pufreigt femmere nemist -effen औलाम अम्बनाम्यसः लट्टिष्टाक्ष्यत नि-a. औपाम अम्बद्धान्य अस्तिक्काविद्याध वि-a. ल्लांग शमत्ववादी उक्तादी. श्रीमाम क्षत्रकावन मानानिकादी निक्त ल्लीमान क्षरभाषाण कामानिकादी. अवलावी औकीश्वनानक, अवाशकी औष्मावाध्याक्य, अवाशकी প্ৰটিক্ষানৰ স্বক্তিশাল্লী, প্ৰস্নাতী শ্ৰীদেবকীনম্বন, পণ্ডিছ শ্ৰাণা নৰ্বীনয়ত পর্বায়্পানভার ককিবারী প্রভাত :

# ( ১৬ ) श्रीमवाहे-८मोधान मठ

केविनोक शामारिकी मुका, नाशिकाही, छाका चौगमारे-Chiaca (मणा ट्राया em n - श्रीलुर्व शक्त अक्ष5 :श्री ।

#### ·১৭: श्रेष्ठाशवडक्षमामक मह

tominus, albennya, entralimen ध्यारिक न्ये स्वरू-्शांत स-गास सात्रा. দেশা। রক্ত--- 🛱 চিশিক্ষান আলম। ু গিশিবাহীর নিকাদেশা ব্যুম্ন। রুজ্ত---अवनाती को नत्र भागमधानको । अवहाती नहानक

### (১৮) আমগাখোডা এপরা প্রস

क्षांचर्ताम दलाः वश्वमान । खो छक्रशोताक क्षेत्र कविका शिवाशोत वक्क---- अवतारी क्षेत्र गरकानक क अवत 'मश्राद्यक्षा वक्क-अक्षकार्थी खोबाद- खोलस्वकारस १ facate !

#### (১৯) औनुसरवादम मर्ठ

Anter, mal. Stemi क्यात्म औरशीय-विद्वासनामवकीर विका-अना वन्धाः । उक्क - अवश्वे श्रीलक्ष्याः नम विनादष, अध्याती श्रीनमीश्रासक ।

#### (२ •) अञ्जया-८भोडीय मठ

चामवद्रभाष, अव्यक्तिक (भाः, भूती । क्रमहाभाषायाच सन्यम् अभाष चीम्याहः शक्त अवदान। सम्बन्ध उत्तराही ध्रिणश्रम्बदी व्यवस्थित महकाह्य-बक्राही और्विनिनिवाती।

#### (८) डीनकिंगानच मर्ड

Gienteimia, abe i क्षणात् क्षेत्रक-त्यांनाव-विद्यावश्यन- अष्टाती श्रीष्टामाव्यनव्यन्त्र हाः 4779----जीव निवारमना वस्त्रमान उद्यानी जीनगावत्र ।

#### (२२) जीनमाध्य-शोधा वर्ष

841 #9#14# 14# 14 | (भी - भनाइम्ड मनाइस-लिकायन 441.H (1110(111) 444 H 4 1 49 4 .... लीकानकीनावकी ।

#### in westbest at

जीलें वर स्थान कुछ, जीनाम कुछा बस १ Li Beiti-Braulisamis (#1) t

दम्ब-- हैंश्य किनाम अक्टारी

#### (४८) अभिद्यम्हरम् मञ देनियमानगा, मोकाल्ड

∡प:रन क्रैकाशनक भा**ठणा**का चेंद्राः विद्याम विनामकीत दुणना बस्रधाः

#### (२०) और इन्हरतीका स्था

Mie Bit. Birmaniae anniet in. कोष ८४ वितासः

#### (२७) अभागत्मीकोष मई PACTE 4. TICATA, BAIR! HE

्रभौशोबांबस्य ४-वास्थव स्थासः वस्यः

वयक--- अवन्ति में अवन्ति में ।

(२५) जाव्यकाको काश्रहास्त्रक व्याचनपाकाः (पाड मास्, अवकः जनादन सम्बन्धि जारनाशास्त्रस 18मान। वक्तक--- अवनामी स्रोतान शाम, श्रीत्रधात्रम्य अव्यक्ति।

#### (२৮) विक्रा लाड़ीय वड-कावा Ab con cultite, find femt : क्षण + अवाहादी श्रीवाधिकाव

ँ (२०) ८मा प्रामनाष्ट्राञ्चलका वक्य-अवहादी स्रोधाबादगढ्

### চৈতভূমটের শুদ্ধভক্তি গ্রন্থমালা <sup>জ</sup>

सक्तीकृत्क क्षास्त्रीचान	শ্রীল প্রকুপাদের বক্তাবদী		
३। अभडामवस्त्रम् ॥	( ক ) কাগ্য শশু h•		
₫ (১x—ॐx ४६) °১।०/°	(খ) বিভীয় বঞ্চ ১১		
्के (स्थारकः) ५००	(গ; ভূট বণ্ড একজে ১৪০		
र । काव्यक्रमण व्यवसार क्षाना । त्रकाम्	৩৬ সবধীণ শক্ষিকঃ		
( अने गरंकवन )	( ८८४ ८५११८ च्या ) 🗸 🗸		
<b>०। ऄढ़ढ़ॸॹॹ</b> ॸग़ॎॸॾ	ত্ৰ। সিদ্ধা <b>র</b> দর্শ <sup>ত</sup> ৵৽		
(विवाहि मिनीर मध्यवन) ६.	०৮। दोश-सम्भवत <b>ं</b>		
<ul> <li>अंडा ( व्याप्तायनके क नगर ) २.</li> </ul>	००। काक्ष्यद्वाक्रद		
<ul> <li>প্ৰভাগতি ক্ৰিকাল্যক : ব্ </li> </ul>	্লব্ৰীপ পাত্ৰক্ষা : 🗸 🗸 🗸		
4 ( CB 44 PF )	৪০ । উইজম:লা 🗸১০		
<ul> <li>प्रक्रमाञ्चल कर्णको वस्तर राष्ट्रकार</li> </ul>	85 : कदाराण व्याप्तक , प्रक्रम मर्द्रकाण : ७००		
s अप्रथम )	৪০ নবছাংশেষক 🗸		
रि≽ः दलाग्रीय-कश्रमारः २.	ED I ANIBING SE		
为: 遊紀日 5日 何中男子(有村) 3、	88   개:학교수4		
:•। किंग्छ सर्वहेल :K•	1 6ま i _型H b 7 から 1 変 中 1 / - / - / - / - / - / - / - / - / - /		
うさし 一種にあからが1円でお 電			
स्थानकोश सफ्तकम (वाना) २५	্ৰা প্ৰাৰ্থ		
DE - 題以明史 新春日 (中華) / 有(4) ) Jo	क्षणा द्वाप्रकेश्वर के क्षणा ।		
<b>.</b>	्रम्म । संदर्भादा <b>ले</b> /- े		
५० देवक समझ्या - मणा का दि			
ল্লাখ্য চালিখার :	, — আভাতে ভিজ্ঞানী — — — — — — — — — — — — — — — — — — —		
ুঙ ইচতবিনামভিক মাৰ্	。 - 0% <b>製癌・#</b> *		
ুর লবরীপাধ্যম-প্রার্থনিক: ধ্ব	দেননাগ্রাক্ষরে একাশি চ		
See 1 CERTIFICATIONS NO.			
34 、 C如果(448 ) 等例(c 4784年) - 54	e · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		
26 ( War-1463 ) .	्रद्धः शक्षीकः भिकासम्बद्धाः । भ		
30 · 報告:在《中书》 1194-号19 11	38 / <b>28</b> -7 / W		
२०८ द्वाचाकी क्ष्युनाव गाम ( वेप्पा ) <b>त</b>	ুহত সংশ্বিসন্ম 💞 : ুহত, সংখ্যাল শেকাইজন 💞 :		
कः अवस्थानकक्षानाः ( वैश्वाः) । । । । । । । । । । । । । । । । । । ।	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		
२ र । क्रीर्काक व्यवसाय कर शास्त्र शास्त्र ॥ •	'		
२०। दवसाक्षक्षभाव गाळुताल	वंश्रामा छात्राश धकानिक		
( ब्राम्सक्रकोष )	and theme		
es i mulicion.	क्रम । नाहार्याच । शास्त्रम् ॥ १		
्रह ं दशकी क्र <b>ंशावर</b> विके	विद्राप्त समाक्षा । •   । •   । •   । •   । •   । •   । •   । •   । •   । •   । •		
হৰ পোড়ীয়-সাচ্ছে পি	· ७० । त्यक्ष रोक्षम् ।• ।		
२१ । माधनमध्य ( ०३ मश्कार / 💝 -	ंच्या निपासस्य । विकास		
र्फ स्थ्यक्षेत्री शक्तुवाह	be   इ.स. हिंद के आभिम्भूत साम्य		
>> प्रश्नासुक्षान्त्री मा माधानामनास्मृष्टी ।•	चारनगरकः रहरानामन		
००। चेलान्यसियर ( तरामन क माध्य	े ५०। ८०१वाई असिविधिक सम्बद्धाः . '		
काश्व अवर निष्ठोक क कर्म वस १.६. १०	ওড়িরা অক্ষরে প্রকাশিং		
का 🖟 🚨 संपत्ती राक्षां व महत्र	ুডs ইঞ্চরিশামা <b>চভাষণি</b> ক		
कर ! क्रीटगास्त्रभकगणा राज्या मण्ड	52 . <b>***********************************</b>		
००। श्रीकृतसम्बद्धः - र्/॰	৬৬ সাম্ম প্ <b>র</b>		
কঃ বি প্রমাণক ১০	क्षा देश का वर्षी		
oe । अवदीन्दाम-भःशासा थ	का वाजामांड		
paramagan representa sang a pagaman a managan a pagaman a managan a managan a managan a managan a managan a ma	man and the man to the second section of the second		

स्थानिकान्य ३ स्ट स्टिइएक्ट गर्न ८गाः स्थापानुत्र, नवीकाः।

# কুলিকাতা গোড়ীয়মঠ ছইভে প্রকাশিত শীলোডীয়

একমাত পারমাথিক সাঞ্জাহক

তত্ব-গ্রেমণদার বছল-প্রচারিত, সক্ষনানুত, নিচাৎসর স্থালোচক ক্ষণার্থনা ক্ষা ক্ষণার্থনা ক্ষা ক্ষণার্থনা ক্ষা ক্ষণার্থনা ক্যাব্যন্থনা ক্ষণার্থনা ক্

অফিন্—১৬নং কালী প্রসাদ চক্রবর্তী বাগবাজার কলিকাতা

শ্রীধান নায়াপুর শ্রীচৈতকামঠ হইতে প্রকাশিত

# দি হারমনিষ্ট

### বা সজ্জনতোৰণী

প্রজ্ঞানিশ্রনিশ্রন্থনাজ্য সভার ইংরাজী মুখপতে
প্রজ্ঞানাতন একা-সম্প্রতি আলিকা
লেল, দেলার, উপলিষদ, মহাভারত, গীতা, শ্রীন্ধানন্ত, পুরান, ভর্ম,
শ্রীচিত্রভিতিয়েত শ্রীচিত্রভিতিয়ারত শ্রীচিত্রভিত্রভায়ত, ভ্রিন্থায়তভ্রে, ঘট্রন্দর্ভ প্রভূতি সাহত প্রস্থাহের নিরপেক বিশ্বদল্যাখ্যাক্তা। বাধিক ভিন্ধাত টাকা ভি সি, ৩১০ আনা

শ্রাদ বিবিধার ঠিকানা— ম্যানেকার—হাল্পক্রনিউ

त्याः क्षेत्राच मात्राष्ट्रतः क्या महीत्राः । 🗸

# চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাচীন নব্যীশের অবস্থিতি, তথা, এতিহা, শ্রোড ও ঐতিশাসিক প্রমাণ-সম্মলিত নয়টা দীপের সচিত্র বিবরণ গ্রন্থ স্ক্রান্তর্গন ক্রা ভস্মাত্রেক

কুমার শ্রীযুক্ত শ্রদিন্দুনারায়ণ রায়, এম, এই; প্রাক্ত

# মটোদয় কর্তৃক সঞ্চলিত

৪৭ খানি বিভিন্ন বলের অপুনার চিত্র ও মানচিত্র-সময়িত প্রাচ্যবিদ্যালয়গ্রাপনি বিশ্বকোশ-সম্পাদক মার্কাসমূত্রক বিস্তাত ভূমিকাসহ

উৎকৃষ্ট (ইং ) মধোজো বাঁপা ১৪০ ; ভিঃ পিঃ তে ২. १३ টাক। মাত্র থাবিস্থান :— ক্রীটেডফম্ম, পোঃ বীমার।পুরু, নগাং। ৫০ বংস্কের পরীক্ষিত কয়েকটী মতে বধ—

বাবহারকারীয়া ভাগে মুল্ল কটলা বে ববত প্রশংসা পর বান কবিলাতেল, সাবা

ৰাবহার কারারা অংশ সুস্থ কচরা বে সবক আনংশা গলাবলৈ কার্যাকেন, গাল শুল কংগোৰত বড় পুস্তক ১টরা পড়ে। আগুলিও বাবলার করিয়া বল্প কটনী

- . )। ह्याक्ष्यक्ष विकि:--हेहात नाष्ठिक (यमन काबल लाहे प्रक्रम हैन। सूचन क शृहाकन (मन, मृद्धकृष्ट, धर्म श्रक्षकि व्ययः श्रीकानिवर्गत एकिन। नानिम, क्ष्यक व्ययः इन्हें श्रमन काष्ट्रिक । एन काक क्ष्यक्षान।
- ২। ভুষুপ্তিসহায় বটিকা—মাৰ্থ্য ওাবিধীন অভূত্ত কট নিজাবিধারক ঔষণ। বে কোন গৈতিক ও মান্দিক শীভাবশক্ত অনিজ্ঞাগো এই ঔষধ বানকতে সংচ্ নিজা ১টবেন
- ত। মঞ্জু বৃত্তিকা---ইণা দেখনে প্লীণা ও ভনমুদ্দিক শেবা ও শ্ৰীৎ শাসুৰ ছইলা যাওয়া ইত্যাধি নিৰ্ভিত্ত কট্যা মুক্ত পৰিকাৰ ও বৃত্তি প্ৰাণ্ড কণ।

कें क्विका आवादम्ब आरकाक खेवत्मत्र मुन्त आणि दर्गाते ५८ है। का

আধিয়ান :- আভঞ্চনিপ্ৰহ উৰ্ম্বালয় ২১৪নং বহুণালাল ব্লীচ, ০০িক, ২ ।

#### ं श्रीनवहीं श्राममाश्राष्ट्रा समान वक ख्या ००

প্রীটেডজ মহাপ্রভার ও লালাভূমি নারটা হীপ-সমাবত। এক নব হাংশর জ্বাচীন বিবরণ--- ক্রেণ্ড হাংশর ক্রিয়ালাভূর লালাভ্য প্রচাত হাংশর শরিচর, ক্রেয়াল- ব্যালাভ্য --- ব্যালাভ্য কি ক ইডায়াল বিবর বিশেষভাবে মানাতর হবে ব্যালভা শতক্ত সাইজ প্রায় ১৩০ পূচা।

### গ্রীসবদ্ধীপ ভাষতর্ম ভিদান

ইচ্ছল স্বোজনর কালীতে উত্তয় স্থাদতে চাপা--- শ্রীন্থ সিলাম ধপনে ভাৰ্ক ক্ষুত্রকারীর জি রাজ্যর ভাবের উচ্চাস কর, ভারা আরু প্রতের নাগড়। আন্ত চন্দ্রকার।

সাধকক ঠমণি— শ্রাইবক্সবন্দেশ, শ্রীহানশ্রন, ইছিলার ক্র হ এব লভনাম ও শ্রীল নব্যেজন ঠাকুরের ওকচনিংস ও ত্তির্ভাগ্যাল সংখ্যা, রোন লাজন চন্দ্রিকা আভ্তির অংশিত শ্রীভাবলী শ্রুণাকারে গ্রেক্ট সাইজে মুন্নি ও ব্যাহ্যক ভিকাত চারি শ্রানার।

# কাবরাজ শশিভূষণ কবিক্ঠাভরণের



মক্ষণেকের প্রধার কল্ল ৬ আহ শিশিকে মনীজুত অবস্থার ছোটবোওলের সমপ্রিমাণ ঔষণ ভাকে পাঠান হয়, হতাক্ষে ঔষণের কোন পরিবর্তন করা হয় নাই। মুন্) আছি শিশি ৪০ আনা, পাঁটট ৮০ আনা, বোভল ১০০ আনা।

অঞ্জিল- ১১নং উজ্জাতাকা রোড, পোঃ শ্যামবাজার, শুলকাতা

# राजन मा अरी

ম্ট্রকার কর ক বাচুনিকার, ইজিঃল্ডির প্রদ-কার্যাবে ক্ষমণাঞ্চ, বব্যক্ষার, মাধান্যারা, বুল বড় কড়ানি, কনিজা প্রকৃতি মাধান সভার নিক্ষার আপ্রোম্ম হয়। বল, বাবা, মোনা বৃদ্ধি করিছে ক্ষমিন্তার ইনিক। বুলা ৪- বল, এক টাকা।

প্রকাশ হারিক বার্ত্তার প্রতিশ্র প্রতিশ্র বিশ্ব বার্ত্তার বার্ত্ত

# श्रेद्धामिन

বা

### কেষেরদি রোগ

ভা: এস্, এন্, খোৰ বিনা আহে,
বাংক্ষীৰনের গ্যাভাটি কিয়: বৈল্লাভক ক্রপানকৈ কোমবুদ্ধ গ্রেগ আবোগ) ক্রিয়া থাকেন

> क्रिकामा---क्रम नर कर्ण क्रीडि. क्युवाब्यांड, क्रम काला।

### ১। শ্লায়ত

পিত্রশূরণর জাগুর মহোরখা ১ মাজার উল্পন্ন, করাকে আংলোরা। জ্বেটি ৮০ বার জানা, বছ ১০ জানা। স্বাক্তপ পৃথক্ত

২। শুক্রাচার্যা সঞ্জ বনী পোষ্টাই

ক্ৰমেণ্ড ব্ৰহ্মপ্ত ক্ৰম্মত মাজে মাজে মাজেৰা সুন্দ ১ ছিবা ১:০ কালে ( সংক্ৰম পুক্

- ৩। সম্যাসী-প্রদন্ত তার্শারোরে জব্যর্থ আছিটী
  লালের লাভালে কল করে। মূল চাল্যান। মাছল পুরুষ্টা
- 8 | কোন্ত-বান্ধান পীল শলান, তেইবাল, পেটালেনার মহোরবা ডি চ রুন শালা। মান্ধা পুনত্ত।

া বতল ন

্বাংরেরের মজাপ্তারী ও ধলাকে আ লালার আহি শৈক্ষিত আনার মাত্রপুপ্তা

রবার-উ্যাম্প প্রস্তৃতকারক | সহর ক্যাটালগের লয় পদ দিবুন ।
প্রান্তিকাল— মনোমোইন কেন বেরটরা

গে: উরারী, কমলাপুর, চাক

# মনোমোহন প্রেস

পূথ্য-বাজালাই স্থগতে সকলপ্ৰকাৰ ছাপাৰ জ্ঞা বিশ্বাস্থ বৈচ্যুতিভুক্ত ভোগতেল চলনাৰ চক্ৰ ক্ৰাফ্ট ভালিতভাছে বিশ্বত ভালিতে এইবো নিয় চেকানাৰ পঞ্জ বিশ্বস

भारत्मक्षाः — भरमार्थः व्यक्तः

# মর: মারুধ বাঁচাইবার উপায়

स्थित कथानि अञ्चन भना भक्ष साठाविता एक अस्ति स्थान स्थान का निवास कर निवास का निवास

দোল একেট— ডাঃ ডি. ডি. ছাজুরা । ক্ষেণ্ড ব্যক্তি লোচ, নাচনুক্ত

करकन्त्र हारकनीक स्थाह, कालका

साराम भाराम्य । शहान्यवान द्यां कर बहाकन दरेएए-- एह व्यक्ताच एकहारी के कि कुछम अन, अन, अन, महरू महरू महरू सामक

AND SOURCE OF THE PARTY OF THE

P W TALLES

# जिनिक विभिन्न

বৰ্ত্তমান-বাৰ্ত্তাবহ

ভাষতেও লক্ষ্য বছল-প্ৰচাৰ--শদীয়া জেলাছ একমাত মু**শশ**ক

मारादास समि जातिक क वादिक क वादिक क वाद्याविक द देखसामिक देखन मामिक क्ष

নগদ প্ৰতি সংখ্যী

. 65. 43

गन्गामक—श्री अजीत्मनाथ वरनगान्मधात्र, रवमास्रवाठन्मिङ

[ 3७न मरकारें

আলৈচলামট জালাম মাধাপুর এই চেত্র পোমবার ১০০৭, ২২শে মার্ক্ত, ১৯০১

# নানা কথা

# দ্বিদীতে গান্ধীজী

मा प्राची अक्ष्य मार्क गणनात्म स्वाधित । निर्माण प्राची प्रमाण किवारित । क्ष्मिक प्रमाण किवारित स्वाधित क्ष्मिक क्षाप्त मार्का किवारित स्वाधित स्वाधि

#### ्**बङ्गाऽ**हेर् महिष्ठ गापीशीर ः

े भेशिका आको उन्हर्ण जनशह य-वर क्षेत्र विद्वारक तारण नाकार करितक क्षेत्र विद्वारक के प्रदेश महिला नवीक ज्या-नाक्षा करिता यश्याको ज्यानक क्ष्या अभन करितन नका क पहिला नवीक क्षा करित क्ष्यानकी हा क्ष्यानकी ज्यानकी क्ष्या करित क्ष्यानकी मां करित क्ष्या करिता ज्यानकी क्ष्या वर्षा करित हा करित क्ष्या करित ज्यानकी क्ष्या वर्षा करित हा करित क्ष्या करित क्ष्या करित वर्षा करित हा करित क्ष्या करित करित वर्षा

# দিল্লীতে গান্ধীজী

গবর্ণরের সহিত প্রীযুত সেনগুরের সাক্ষাংকার

# গড়ের মাঠে জনসভা

বড়নাটের সহিত গানীনীৰ শাক্ষাৎ

# আমেদাবাদে পিকেটিং

বস্ত্রমিলের কর্তাদের গ জীজীর সহিত সাক্ষাৎ

# ভবিষ্যৎ সম্বন্ধে মহাত্মাজী

পাটজমি সমস্তা

# वाशुर्विपाक थाना

কুইনাইন সেবনে মৃত্যু

মুদ্ধবিঃভিয় অঞ্জান্ত সংস্তিত ক্ষিত্ৰিপালন স্থায় আংগোচনা হয়।

#### **ভ**রিষ্যৎ সম্ব:ছ সহাম্বাজী

् शंकी-चाक्ष्णेम हूकि लागत्य कार्याकार्यक शर्याव्यक्षेत्रम् स्थलन बरमाकार्यक शर्यक्ष्म विस्तित्वन्त्रम् शंकी केर देखिया लाख गिणिया-दक्षम्—''क्षमभाषास्त्रम् मस्य हाषा केरिक द्य, करे हुक्षिय गण्यि करस्यरम् माळ মান করেকের সংশ্রেব পাকিবে। এই
কল্পে মানের মধ্যা- বর আছির বড়ে
ক্ষমতা আদিতা পদ্ধিবে, অনুধার অন্তর্জান
পার বকরা আকিকে আনির অন্তর্জান
নির্বাহনের চিরপ্রিচিত পথ বাভিয়া
কল্পে কর্বরে। স্বভার প্রেক উর্বাহিত
সংস্থার বৈর্বা বার্বন ক্ষিয়া আমান্তর
ব্যব্যবাদক্তাগ্রেকি আনিয়া চলিত্রে
ক্রমেন।

#### বন্ধ হিলার কর্তাদের বাহীয়ীর সহিত সাকার

ভারতের বিভিন্ন তান করতে নিদের করিব। করিব। করিব। করিব। করিব। বিশেষী বারত লালাব। করিব। করি

#### গৰ্ধবের সহিত **শ্রিমুক সেম্ভর্টেড** সাক্ষাৎকার

जन रमगा-माभारकत भवत्व सानाव रिक्ट विद्रांक शक्का वर्डल किन वर्णन, ''आयात युव वड, आग्न द्वयु जन्दूतुः वर्णास्त्र युव वड, आग्नरेत जन्द वर्णास्त्र गार्वि रव, अकरोत जन्द **सानाव** कावसीकिक बस्मीरकत मुख्यि महस्मादे सारमा-कमा इस ।'' গড়ের মাঠে জনসভা

হ'-লে মার্চে জ্ঞানায় বৈকাল ৪ খটিকায় লময় মীবাট দলীলের কথা স্মরণার্থ গড়ের খাঠে মন্থমে-ন্টয় নিক্ট একটা জনসভা ব ক্ট্যা গিবাকে !

#### धारमानाटम शिटकि:

মেছু চকের বেদেশী বল্লবাবসাধীগণ আচিজা কবিরাহিল ,য়, এই মে প্রায়ে, ভাগুলা ১জুড মাল বিক্রেণ করিবে না, শিল্প পশ্লিটা ডল কবার লাবার বিকেটিং আরম্ভ ছইরাংডে!

#### कृषि ଓ जुर्किम्दिशत गुष

আরারট গক্ষানের নিকট পার্ক্ত ও

ভূবজের সীসালে কুর্দ্দি ও ডুর্কিলিগের

মধ্যে মুদ্ধ বাধিয়াকে: চলাতে চেন্তরানে

উলোগর স্থানী বহুলাকে: কানে সভ বংসর

কুর্দ্দিগন সীমাল আহিক্রম করিয়া ভূকি

লাজে: যে সমল্ল উংপাত করিয়াছিল,
ভীলাক ফলে ভূবলার সভিত পার্ক্তের

সম্পদ্ধ প্রায় ঘুলি: য্লেবার মন্ত চইয়ান

তিলা: কানক প্রকাশ রে, গারি জ ভীনব

কুলাক্রমা বিশ্ব চেঃ

#### কুইনাইন সে বনে মৃত্যু

ছাগলালার ডেগুট মান্ত টুট ইবিত নামানজন নিতের হল সংগ্র কংক কেট পুর প্রচেত্রকটি ব এরণ কলানার বসন বাটিট কুলনাইনের বড়ী বাড়ীর স্থানার স্বদের ক্ষাতে বালার, ক্লো, কলে কিছুকার প্রচেত্র স্থানা

#### बागुडाम्लक महीत छर्छ।

চাকা বিশ্ববিশ্ব-সংৰক্ত ক বাক্ৰী
সমিতিৰ এক সভাৱ টিক কইবাকে বিশ্ব
বিশ্বনিধ্যা কৰা কাইবো আৰু নুগন
নিধ্য যাগেতে অবশ্ব পালিত হয় জাগার
আব্ধা করা কইপেতে। যে স্বহাত
জ্বেপর সম্ব অন্স্পান্ত আহিবে
জ্বেপ্ত ক্রিমানা করা কাইবো

#### काम कर्क काटन द्या छेत्र कानमा

स्वतिक दश्य द्वरण अवर भग वर्षकार्य वार्य भग वर्ष द्वरण अवर भग वर्षकार्य वार्य भग वर्ष क्ष्मेर्य वर्ष श्री कार्य कार्य क्ष्मेर्य वर्ष कार्य कार्य

### পাটজাম-সমস্থা

णां हित एवं कथिया संवक्तंत्र क्रवंक-रत्य अधिमद अधिवश कराज्या वर्षाकारन मानाविष निष्ठा व्यवसाम्रनीयः अन्यापिस किनिटक भावित्रहेक गा विषय कि व्यास्थ्य िश्व क्षत्रक छान, देवन, क्रमावी नर्गास मरश्र कतित्त मा नर्मिका ख्य काष्ट्र शहरकरण। जात्रश्रीय निश्चत ## বৃত্ত পরিমাণ পাটের প্রচোলন च्यक्तिक गाउँ वहेंदम, के व्यक्तिक गतिभाग गाउँ जिल्लावत सक्क क्षत्रमगन्द भारहत्रका वात्रशांद्रशर्वक **कृषा-क**हे।(क्य श्राहि मृष्टिणा क किएक क्षेत्र । प्रश्रात योगमधी बराक बहेरन कात्र हीत क्रम कमनरक कात क क ख्र (य शरियान नाटित टार्याक्रम, काश्रीय कार्याच कतिया कार्यास्ट · १४-व्याभटक व्यवज्ञातम निष्ठा-क्र**ा**क्षाक्रीक मण अभिक भविशात्म खेरलाम्हात वावशः कांत्र ७ ६ इत्य । दशम कामा छ कि कि भक्क करें क शारत, क्रयंकश: एवं धरिमात क्क निःम मानात बन्दी मर्शकता १०००म

शहरें व काय क्य करिटक बडेटन भार हैं व পরিবর্জে লীচু অবং মাঝানাঝ জমিতে স্তিপ ফলে ভিস্তৰ তক্ষাৰ ধান চাষ চৰতিত পাৰে। মাৰু মাৰি আমিলে কিছক रोपप्राटन स्थाप क्षाच क क'लाटक माटका के ह कांग्रव का किएम का शह शह शह है। र्शाः वर्षे भाग ५१म व्यक्तिम ६१८७ मार्टर १ तक्षातः नाम करायत्र वृद्धि दशकु व्यादयत्र, চাৰ বহুণ প্ৰেমাণে কাম্যা পিয়াতে। व्याम बरमत भू स मामागारम् भारत्व ১বি এপুনকবি অংশেকঃ শ্ভকর ৭০ কার্ १ ५०० ००० । ध्वन्त । (वन्ते । विका । ध्वन्त म्हार्ट्रन मस व्याप हार्यं भरिष्राण ना वाधिवाद दणान कारण नाव ह भारतन्त्, बक्रधाः, महमन्तिरह, सहिम्लुह, वर्ष्णाहर, अमेरेबा ६ मुलिमान म । धर्म शक्त क्रियाट के कांचे हात्येव गढ़ियान वेद्यम \*\* Auf 14121CB ) 444 WIN 51(44 िखार (य (करनमाख वहें मुक्न क्लार १४ मीभावक शाकित्य कारावक दकान कात्रम नाहे। दृषि क्षिण भ्कम श्वास्त्रहे चेलगुक स्व[म्हाठ स्व:•१८७ कारमंग **७**।स क्रम काश्यम स ८५को कशिट काल अन्दर मारकत भृत्यात हात्य या श्री छ भाग क्रमण अपनी आधान मन्ध्रता चान नाव कावान ८०%। रहेर्ड का किंद्र कार्या वर्षा क्ष्मालक मृथा ८ खन द छूटि छ इस्राधी. प्रतिकृ रहाम, भामा धानः कृष्टे भाष्ट्रका धानः ११ के अ मा उंच व में ।

ধূৰি ফ্ৰণ্ডের মধো আগান আয়ক্ত ফ্ৰুল, ড.স্থেষ্ট চছাৰ চাই নানা এক মন ক্ষিতে ব্যক্ত গ্ৰিয়াৰ বাড় ইডে পালা

फर्नरङ पृष्टिकत ब्रामा म्छ, यथा---मागाविष क्यांहे खत्र म्यायिष एक्काली खबर मन्द्रश्याद्य क्षत्राक क्षत्र । महिया, टिमि<sub>ंक</sub>बर कश्चक व्याकात किंग 🕶 त्रिविष्णाः । १वि क्षेत्ररमव हरास् एसन वर्ष दश्मी वर्ष कवा वर्ष मा, निश्मवादः त्व अर्करण लाहे छात्र खाडणन आरक्ष कित्र के के कि का कि कि कि कि कि कि व्याधारतक देवनिक चाना मामञीत अक আল অৰ্থ বৃট, খোঁটো মাটিকলাট আত্তি কলাই কাড়ীৰ শক্ত আচুৰ ল'বামাণে किरणक करेटल लाटन। चवा हो । कामा न, মালু প্রাকৃতি মার্কয় ফ্লণ্ড বর্ণ लियांत्व व्यानाम कडेरक लाटका व्यात कुलकलि, वैश्वाकलि, (दिहारमान्त्रा अक्रुकि नीटलंब क्षत्रकाती हारवय छान्छ निर्मय-कारव मृष्टि चार्क्स कहा श्रहेटकरका «हे अवन कान वाच किन्दा वाचि

#### মক্ত পরিভ্রমণ

'कान थांन' काश्व दश्यक कार्डा আৰু ৩ নকভিমি। মিঃ ৰাটা মে ট্যাস क्रक्रम हर्द्दक खड प्रकृ कर् भुटल ८०० सवाभाव हिना भार क्टेश्ट व'लक्ष कुन्। यह अहम अहम । जिल् ₹87 \$ mtcais. 7 Tull mikm তিনি খে পিছতি ाशिहरातम, एकाएक वानान, एवान यगायत का कित दान 44 E10101 व्यानायक द्विष्टलके छाब्द्रक मानिया रकार्याक १५ देश कटता । यादे समाचम का कि क्षात्र केट्डिट श्रुष्ट शान कांद्रश कीवन MIST WIST TO'M WIST WINIFE COM ्यः अक्लाष्ठ मारम बतानी सन्मक बाग्रकः-ब्रानि भाद कहेगांव शब फरव फिल्म १ भावेग मेवा जम क्यांना हुन दर्शवरण गान । वक्षभाग त्यभारत वालुकावाणि, भूत्य एवाय सगराणि, किन, विश्व अहे अध्यक्त मुक्ताबि श्रीष्ठ अधिशास्त्रम् ।

# অঃয়ুর্ফেনোক্ত খাছ

যাতার। আযুগকাদ শালের স্তার তথ্য পাঠ ভবিহাতেন, উত্থার বংশন বে অধিগণ বিধিষ দ্রব্যের বিবিদ শুণ বর্ণনকালে কোন দ্রাগতে লীভ বীর্ঘা কোন দ্রব্যান্ত উক্ত বীর্ঘা বিধা নির্দেশ করিয়ান্ত ক ভবিহাতে — শ্রীক্ত ভব্ন-শুনের আধিকা ক্রেড শিক্তকার বীর্ঘানে विशिध वर्गन करण्यः, यशा-विश्वनीयाः क कंकनीयाः। कंडिंग नम्यक् किन्ननदे व्यक्ति किर्मायकम् याकः।

''টক বি।—বাজ প্লেবা নাপত,
পিজবর্জ ও নীগ্রাকারত। শীজনীবা
নাত প্লেমা বোলোবপাকক ও পিজব
নাপক। আনার অভ্যা উলিখিত
ভইগতে যে শীভনীবা ভব্তত্তক আয়ুদ্ধ
নগানি ভক্তত এবং চক-পিজেয় প্রসম্মতাভাতত। বার উজনীবা প্রমুদ্ধ এবং
বাতরেয়া নাক্।''

कामा मय चाचारकार्य च:ख किसारहर উপরি শশিষ তথেয়ে নীর্যাঞ্পের কারি राष्ट्रा प्राथा प्रक्रम ! व्यापारकस (स्टब्रेस क्षणनाषु धरार (शर्यक नारमस विमादय नी छ नोर्गान्य कर शहरे सम्बद्ध । यह वश्व ত কলা সভাল সংলেকল। উকা শীৰামুল্ক लगा व्यक्तिक मात्रकांच वर्गक व्यक्तिका गका नायून चाका महे कशिद्यहक्ता। भवद्र कामन दमन कना विजना (व क्रिक नीय मुनक छात्रा धारकमारश्रष्ट न**र्व्या** ३ क**िएक** क्ट्रेंटर । क्रिक नीर्मायूगक वस अट्राइ स्ट महत्रान किनादणम कहिसाटक, कावह कारकाव करू भरतार कहा निष्**त प्र**ांतक । िक पेश फानिक संज्ञाय अरुण, श्र**ष्ट** शहस CHIM श्रीशांक भ-कृत २६० । . मर्खमान PLACE TO AT HE COUNTY HAS MARKED THE NOW CONCOR EDIC SCHOOL BIN AL हा कट र महिता ना किया था अपया खन व्यापी বন্ধ ৰগধা অকাণ মৃদ্ধুৰ ৰাজ্যবাভিত্ৰ क्रिन क्रांसक्त केल हिना खरनात वादना-काथिका बिना पत्न बच्च। शहरू का क्रिक यथन सन्सद करिया पात्र सहस्र, क्ष्यनक afgree grant bi mi witer bem mi i कामाञ्च्यात्र (वर काष्ट्र) मा वारि€ (व मकाश दक्का पात ना, भारतम काहरवड मा वटरण रम्यावह कुछ वह मा। कि थाए। त्य केशाय स्वरंक मध्य कृष्टि कथ 454, '014) 8191 464 CF \$

বাতা তটক আমানের কেন্দ্রে সুম্বিক কলাবে নীত নীৰান্ত্ৰক জনোনক দিন নাৰণাল ককল সকলা সালনাৰ উক্ত নীৰ্যান্ত্ৰ জনা বেন্তেক অনুষ্ঠাকৰে বলাপান্ত্ৰিত মাঞাৰ পূলীত কজাই উচিতা অৰক্ত গুলুনীৰ নজ্বনাৰী আছ নিকাচিত তলকে পাবে নাম উহ্বত বিনিধ গুণাল নিচালেই ভালা কটকে, আৰু ভেনল খুণাসন্ত্ৰ নীৰ্ব্যেক কটকে। উপালান সংখ্যানেক নীৰ্ব্যেক ছাল কুছিব।

चारच चारम

# व्याभि हे जामात अशान न तुं

क्षित्रशीया-चामद्रा वर्तमानवर्तन क्षेत्राटणक् बामम् मर्थाः व्यामिटवतं विनिध भतिहत्र' मीर्चक क्षावयन्भारं कारा शास হইবাছি. 'বে আমি' সীয় ভগলদাত-পরিচয় সমাগ্রংপে অবগত হইনা কার-बदमाबादका फन्जिररगनांत्र निवृक्त, मिहे আমি 'ভগৰানের আমি' এবং 'বে আমি' मक्रान अस. मक्न नियमत दक्याज ভোকা একণচন্দ্রে আসন গ্রহণ করিয়া साव छीय क्रम, ब्रम, शक्ष, भवा, म्लर्ग कीय আৰু নাথের সেবায় নিগুক্ত করিবার পরি-ৰৰ্থে নিজে ভোগ করিতে প্রায়ন্তী, নেই 'व्यामि' 'व्यामात व्यामि'। उद्ये 'व्यामात व्यथीन मक्तर नीर्यक शतरकत्त 'कानि'।

ষ্ঠীমান ভোগ্ৰোল্থ কৰা ভোগে আমন্ত। ভাকাদের যাস্ট্রার শিক্ষা, লীকা,---**'ভোগ'কে কেন্দ্র করিয়**। বিজ্ঞানের উম্ভি. ক্রুরি উর্জি. শিল্পের উল্লিড্. ষাণিকোর উঞ্জিব ভেটাও ভোগের আর্ভনকে মুদ্ধি করি নার হন্ত। বারোল্লেন ভ ছেপেলিমের হাটির মুগীভুক করেও Cडाश्यामभी। श्रद्धाः (य १८११ चड-ভোগ্ৰাগ্ৰায় এই প্ৰাক্ষি ভাগৰ নৃত্য हिलाट एक, ट्रांके ट्रिशन त्यांत्र क्रेनेय एव বিক্তু-মন্তিদের ভার উচ্চ হাত সহরং लिलिवड कतिरहिए।

উপরে যাহা দেখা হইল, ভাহাতে কেট 🎕 द्यन मदन ना करतम दय, निका, भीषाः 👺 विद्धान, कृषि निज्ञ, यानिकानित्र नारग-माधनहे आयात छेत्य ; आमात छेत्य ए छाहा गत्त, कात्रभ, कशस्त्रीत्वत सम्र जे मकालत गापडे लाह्याचन भाष्य, श्रहताः 🚵 मकरमञ्जू উन्नहित ८ ८५ है। ह एरा व्यापक्ष र 🖺 क्टाब कार्शासन्त मनार्थ खादबादनात मान्याद বিশাস্ত্রাল প্রার্থিক করিয়াছে; স্থের कि क्षकारत छाडारमत गणार्थ क्षरमान स्था डिडिस डाहाई निकशिय। Catana শিহলেই হইতে পারে। যে কারণের নিমিত व्यामादवत्र भूदक्षाकः कारमान-विनि यथामन हिरेटाए मा, छाश भवना स्टेटन আহোণের বৰাৰ্থ বিধি অতি সমুমেই আত শিদ্ধা হট । আমি মাছৰ বলিয়া অহতার অর্থ, ভোষার বিজ্ঞান কর যাবতীয় জিনিব श्विमा पार्टरव ।

#### क्षेत्रिक्यरभोदास्क्री क्याः

# দোনক নদায়া পকাশ

নিতাপাঠ্য বৈকৃপ্তবার্তাবহ

বেহালি সমস্ত সাত্তভূপাজের অঞ্জিম ব্যাখ্যাতা সমগ্র ভারতে একমাত্র মূলভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

শ্রীরাম মাহাপর ১ই সৈত্র, সোমবার-১৫৩৭

স্থান হইছে অপ্য প্রধান করিছা, কথনও ভাগ রূপের পশ্চাং প্রাথবিত হট্যা,কখনও लामनिक वानत्व लारवन कतिया, कवन व मराज्यत कांग अंदित भारक नुक करेगा, আমিই' আমালের বর্তমান 'আমিই আমার অধ্বত্ত প্তিত বহুৱা,কখনও বিশ্র লপের কখনও ভঙ্গের ভার মধপানে মাতিয়া, স্থিতি ক্রীড়া করিছে ঘটিনা, কর্মনও বা ক্রমণ্ড কুসকের ছাত্র এতি প্রথকর সঞ্জীতে विन्दा सम्बद्ध व्यानिका कतिया श्रीव एका আনেয়ন করে। এই মুদ্ধার কারব যে নিজেই। 🐣 শহরেশ মুগ্র ইইরা মান্ট্রেটিড বিবেক। 🖟 ভাষার মৃত্যুৰ মন্ত্র অপর কাষাক্ষেত্র দোমী কর। যায় নাঃ একটু চিছা, করিয়া ত্রিরাধাত করিয়া আমারে যে অনিপ্ত পেশিকে স্থ্যেট জন্মম চটান, এই াধন করিছেডি, অপন কেছ আমার সংগ্রানটি শালায় প্রণতেটিক সেংবারী বাভিনাবেই নিক্লাভ মডিজ ; নতুবা নাটা কেত্রে নাট্যার্থ পরিধিত এই পাঞ্চভৌতিক <sup>ট</sup> হট্যা 🗐 ওক গোরাস জেবায় 🔻 নিযুক্ত 🖰 সেহারপ বেশকে নিজের অতপ বলিয়া আছে পার্থকানী নে প্রভংগতারী নিভারনত্ত ক্ষেত্ৰ প্ৰতিক্ত মহিছ অংমি কথনও सह खनदवत साम भागमात्रह मापुण किलता विधा, खाश्य धन, कृण वा सम्मारतव ७। ७मान द्वापात । माधा वहार । अभवत्क ক্রিটের পারিবে না, ভাগে কানিয়াও আক্রমণ করিবার ছতা কাল প্রানান করিটান Cভাগ-বাদনার প্রমত হটর: কামি অ'মার ; ক্রমত স্কলন বৈব্যান্তে প্রচৰণ করিয়া ; कि लाकाय मन्त्रेनान गावन कतिएडिंड, डाशा क्रन्न शहरमतीन शस्त्र होकिछ इहेशा. শ্ৰীপ্ৰস্কুপা-লক্ষ্ম হ'বেনল। স্কোন্যে অবশ্ৰ 📋 গুলাক্ষ্মতে প্ৰিড কইছা,ক্ষমন ও বা অসন্-। ছইয়া আমারই ভাষে চেগেলেমর বাজিন। নাজা বিষধারিপার সভিত জীছার মত প্ৰের প্রেক্সত মল্লের নিমিক্ত ব্যাস্থান ট্রইলা, কথনও বা স্কিক্সাবালীকে অভিক্রেন করিয়া অভিন আমার যে এছের প্ৰস্কাশ, মাধন - কৰিছেছি— অগন্ন - কেইই তে আনক পরিমাণে আমার সকলাশ সাধন ক্ষরিটেড পারে লং। ভাই ব্রিটেচ-ছিল'ম-- আ'মই অ,মার প্রাণান শক্ত। व्यापि अक्टिन्त्राटनथत क्लिया व्यक्तिका কলিটা চাড়ালিনী আমার চেলাপর अमृश्य कामन अञ्च कतिया 'कामि असी-(लगा किन कुकिमान एक अ**ब कामा**त ) বাংশ এধান করিছেছে। আমিও ভালাকে। গুল-রূপে ধরণ করিয়া সক্ষণাই ভাষার ৷ তোমার ভোগের নিমিত্ত ক্ষর হয় নাই, প্রমন্ত্র করিতেতি; ফলে বেক উংগদের মালিক উক্তিলচন্দ্র। স্থারের ক্ষাৰণ নিৰ্ণীত হইলে ঔষধ প্ৰেয়োগ অতি । আমিতে পনিচ নিখ বিভালে, এমন কি অপর : এচালিগকে পাইলে সেবাল নিযুক্ত কৰিল। কাগের ও অংশেকা পরি কোন ও আংশে ব হীন---ওইলপ ব বে,র হাতেশ কাহারো ] জান, জোমার ক্রিছাত দ্রা, জোমার নিকট প্রবণ করিলে কানে কোনে অবি- শিল্পছাত সাম্প্রী, ভোমার বালিছাল্যক

বিক্রত-মঞ্জিক ব্যক্তিগণ কংন ও উচ্চ বুদ্ধিবারা চালিত হট্যা কথন ও প্তক্লের चाक्टे रहेश, क्षम व या माध्यम साब ্র দ্বির বিশক্তানপুর্বক নিজের পায়ে নিজে ্রেরণ অনিষ্ট করিছে পারে না।

व्यामात केर्यन्यक्ता मनीम वार्तिय ्रावक देवकव अत्रवश्य क्रिकामान्त्रक নিজ্ঞানত প্রদারনর ভাষিত্র काई (म ८ म হামাৰ নিকট আগমন পুথক আমার করাটবার নিমিত্র কভ যত্ন কলি। এচন। व्यामात महाक है होतिय संशोहन कर्ट र ज-लक्षान कतिहरूराजन, दिश शृति r 20 সম্ব ্রীপ্রবির অংগ্রাক সাম। জা কপ্রয়ধুরী কাপনে। এখনে কণিতাতো ন, মত হৈ জীঃ বির ভিতান बाब १ मा । ११८ ज्या करा हा हा हम, जिस्साय চর্ক চুকা লেঞ্চলের চতুর্বিদ, অপুন্ধ আখেদি-ক মহাতাবাৰ ভাগাৰ ক'বাংগ্ৰেম তবং ाबादक श्रष्ठ कश्चिमा कि का किरासाधन----ভোষাৰ কলক

कशरकत ६१८त ८२,वर भी-व । बंदेश खब श्राम কামিনীর ক্ষ ভাষার মাথিক কেবল যদিব ৮

হে ব্রিমান মানব, কনক-কামিনী : ত্রীদন সাথক কর। তোমার শিক্ষালয় ক্রি, তাই বর্ডমান সভাতে ডিড বিগা- ভগবানের গেবার নিবৃক্ত কর এবং গেবা

করিবার নিমিত্র দের ধারণের জক্ত যে . জিনিষ্টুনর প্রেয়ার্কী,ভারা ভণবৎপ্রায়ার-कर्ण अहन कत्र, उल्डिनिक विनिष्ठ शहन করিলে ভূমি হোর। জগবাদের সেবা না<sup>\*</sup> क्षिर्श कृषि विद्यात की है जरशका उसीन। टर विकासानर, खनवारान्त्र क्षत्र कत्र, বিশের যাবভীয় প্রানীকে বিশ্বপতির দেবক-क्राप्त भनेन कब्रिएड नित्र, छ।इ। इहेरन দেশিৰে, সকলেই তে!মার অংঘীয়,সকলেই তোমার প্রমানীয়। নিখের মাবভীয় প্রাণীকে আয়ারকলে দেখিবার বেভিগ্য পাইলে ভূমি আর ভারাদের ছাথে খুখী, হুৰে ছংশী হইবে না—ডখন মৎসরতা ভোমাকে চির্ভার ভাগি করিতে বাধা इटेरन ; तथन छाश्रात्तव छराथ रहांगांब અનમ માર્ટિયા યાદેશ્યા **હાર્કા**નન **સ્ટાપ**. ভাহাদের উন্নভিতে তেন্মার স্বয় নাচিয়া फेठेरव, ७४म विषय (धार्मामस्त्र महती পেলিনে, তথন বিশ্ব দক্ষেত্রখের আক্ষ

# শরণাগত কি দ্বর্বল গ

(শ্রীপার কিশোরীমেক্টন ভাজিবাছর বি-এল)

মান্তবেষ বিচার ছব একরে। প্রাঞ্জ ভূমিকার দগুরেমান হছণা আরুত অবিতা ক্তনা আমানের সে বিভার, ভাঙা অল্লাক্ত ভূমিকার অব্যত্তি ব্যক্তিগণের স্থান্ধ কোন আকার বিচাৰ যদি আনিরা কৰিতে যাই, ভালা হটলে ভ্ৰম, এমাদালি ন্লাপ্রকার দোষ অভিয়া আন্দিলের দে নিচারের অসপপুর্বতা অভিয়া দিবে. আমরণ প্রকৃত সংখ্যে উপনীত ছইছে न्ध्य मा

আমের। দেবী ধ্রের অবিধানি। বেলপ ছত বা প্রক্রেত চিত্রালেয়ে বে মধ্যে আমরা শালিত, পালিত ও গারিবদিত হুইয়াছি এবং ভদ্মারা মান্ত্র আক্রিড का अक्षा बाज कानगरि, अस्तर वाष বিশানে বাজ জনাচে আমারা লোটিত পাই (श. अनुगुण्ड जनगण निडाक्के क्रुक्णः) কাল্লবাহ রা অল পতি বা অল বুকি-বিশিন্ত ভাষাধাই অংশকন ভ শক্তি যা বৃদ্ধি বিশিষ্ট প্রাণীগণের 'নকট স্বলাণাস্থ **१३८७ वोध इस ८०५ ५५ ८०** চুক্ষণভাই প্ৰকাশ ক্রিটা পাকে गरभन्न भरमा ७ ७ है निरंद्यत दा মাণ প্রাছারখোর নিকট্ 🐔 হাই 😘 निर्दास क्षील, भूष विज्ञा কেন্তার নিকট শবণ গ্রুত গের প্রথমেকি ষ্যক্তিগৰ শেশেক মাকালেয় নিষ্ট

# বিশ্ববৈঞ্ব রাজসভার শুদ্ধভাজমঠসমূহ

মাতে ভব্য মঠ

আকর নইয়াল

टा हीन सवदीत, छारुषत देशांभ मात्रालुत, नशीता

श्रीप्रकृत्वार्श्वार्थे क्रिकेट क्षेत्रक कार्य देव कर के के के कार्य कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या (अश्व-क्रवान की मिटेल्स यह विदाधमान।

ত্ৰই জান সাৰ্বাস-ভীৰ্য, গ্ৰহণিছাপীঠ বা সাম্বন্ধ ভক্ষনম্বনী। এই ম্বাডীর্বে 🕮 🕮 बाधायक वार्करणानि-(वराष्ट्रमञ्ज, शत्रविश्वात अञ्चलेत कांवा, नावेक, अगदात, स्वा অম্ব্র-উপ্নির্দ্র-কুত্র-ক্সাল-চভুইছের অবারন ও অধ্যাপনা এবং ভগায় ত্রীপ্তব-दशोदाक्र-लाख स्वं का-शिक्षित थ आख । गाया गायालाविक-व्यावाधा-वळाव खाकारव केशांछ বিপ্রচের ন্ত্রিক নিচ্ছা সেবিক ছইলেছেন। এই মঠয়ালে পাৰ্মাণ্ডিক দৈনিকপত সাম্বত-मुख्याहार दे अ श्राक्षा विक ६ ज लाई। न बादताबि बाहातकरा "नवीया-वाक्राम" यदा गत অভিন্তিত ভইন্তাতেল । তাতিবংগর জ্রীণাম-প্রিক্রমান্তর্গন ও অগ্যতিত সকলোটি ভ कीर्श्वन स्रात्त्रवृत्त प्रहामत्वारणवामि अलाम अविक करेवा नात्क। दक्कक---वक्राती জিশাল নরত্রিলী: সৃষ্ঠাবী-- জ্রীশাল বিমোদবিতারী জন্ধতারী, পাঞ্জ জ্রীপার গোরদাদ अक्कारी सारदारीनं, जीलान दीराज अक्कानो, शक्ति दीशानवानन अकारी. क्त अनीरशामान वरमहाभागात, जीहरकवाम भाग उक्काची कामन मुख्यानगर

#### (৩) বোগণীঠ গ্রীমন্দির

कड भाग क्रिक्श्वां भागत करने वा খ্ৰীমসাধা প্ৰভাৱ আ চিভাব-ভূমি মহাবোগ-भीते । दशास जीवन्ति शता वन्ति किता eraling foiet net met Erem-अप्रथायत (शाषा)भी क्षेष्ट्रीताता लाम् व्यक्तिया-नाम । मानादी टीनिकानम अवराभी, **ब्रि**शनपात अच्छाती । खिनावनमात चान-कारी, वारमधा खेलावस्त्रका

#### (৪) ঞ্ৰীবাস-অঙ্কৰ

क्षिम्मश्रासास्य कीर्सन-विवास या अरमीरवीवाड शामववी । जनारन द्वाद्वीत्रांत-शिक्षानिक छ ९ क हर वृद्ध दशका वर्षमान । क्ष क---- हैं, बालायाम अवस्ताती, स्मिम्बर **७क.** शिर्माक्षमाम गानाची ।

#### ( e ) चारेच च-च दस

खडे एरान जीकांबरू ना, व क्यम खबर QM4: 458(-- )

(७) कार्योद्ध मश्रामि भ हे

ब्दाधीन मानालुक, नाम- गुकुद (नमीहा) **এপৌরক্ষণাপাত্র নিটোদ হার্ভীর প্রাচিত্র** विक्रम — अव्यक्ताकी विश्विताला वर्णाती ।

#### ( ৭ ) স্থানন্দ প্রথা কণ্ড

**अंश्रीक्षर, अक्रमश्रक**्रसमें १ । anten Giemmin Ein Girialming gere muffe war Bentunting war E. Glain-कान्यवर जाना वक्षतान

प्रकर- एकिन्य द्वारा बाहारी \_\_\_\_ क्ष्मि दश, दश, दक

#### 🕩 : श्रीकश्रीष दशोडीय मठ भक्षभागीत्र ।

ध्याक--- शिर्दात्वक अधिकालाको ---विषेक्षाताम अक्ति-नीती. वीष्टकक्षम भाषकाती शक्तका

( ১ ) और गोत्र-श्रम । भत्र-सर्व B: भार ही, मञ्चलक, ( नव्यास ) ছিল বাণীলালের প্রাক্তিত লগতেলাবল-

( > ) क्षेत्रभः गोकृत्य-मर्व माराशक, श्रमां हे हैं, जि वक्तक--- श्रीहरियात अन्नतात्री, श्रीकृत्रामभव প্রশাস্থ ।

#### ( ১১ ) खेदमानसम्बद्धः —

मार्थिना कि, कांश्रेशन, वह्नमाना व्यामारकार हे कर बनागरनंत्र श्राम । इक्-- द्वी-क'वडावी दुवनाती। (১১) ভাগৰত আসম ইঃ শাস্ত্রত প্রেণ, ক্লান্তর, নদীয়া। कामब शिकाथ अकावणी व्यक्तकरण स । त्रक - अभवानम अभवादी ।

र्ट सहाक्ताहा (७८) CB. म शकी, त्याबाकी, क्रमन्त्रव, नवीवा । १क ० - अवडगानव अवहारी।

( १८ । जियामा ८ शोड़ोन्न मह भेरतार नवायमून जास, छाना। भूदा राज्य शहाब-८००, धवास जी छन-अोराक आकृता-शिविभावत दशका वस्त्रमान । रक्त - खेलागायक सम्मानी।

> ं ३० । किरमाश्वाको सर्व 事有句, (\* )。 (\*\*) )

পোপাদৰীর শাহিত্যক ব প্রাচীন সেবং क्ष्य - जे बार्रशंद दम्हादी ।

# (२) खीटगोडी स मर्त

১৬ मः कालिकामान ठळावळी हैकि, त्यां: वाधवानांत्र, कलिकांका । दिशिएकान नि. ति. ८०३८

শ্ৰীমৰালা সভৱ প্ৰচাৰিত ক্ষমিৰাল ভক্তিশৰ্শ-প্ৰচাৰোক্ষেশে গৌলুলেশেৰ লক্ষ্মঞ্জান নগ্ৰী কলিকাভার জীভজিবিনোদ আসনে প্ৰীমঠ প্ৰতিষ্কিত আৰ্ছেন। 🐠 আন্ত मक्या :ten अ धक--, नोवाक-धैनिस्थामामक कोड मनावस निका दनविक वस । दमीवीव कार्तारावरतीय वावकीय अञ्चाननीय अञ्चलारबारकारण जीधार्क मध्यम अवस्था अञ्चल अञ्चल ব্যালয় সংখ্যালিক ভটায়াচন। পুলিবীর প্রজা 🚉 গৌরনাম আচারার আট মল্লানয় इनेटल '(श्रीक्रीय' माखानिक भक्त, मि अवस्थिति मानिक भक्तिका वेश्वाची कावाब सिय्यान कारत जाका विक वरेरफाइन । औयात्रे नात्रे, गडी खेन, मधादान-४७हेंब-८सहाक्ष শ্রীগন্ধার্গনত, প্রীচৈভন্ত-চরিভামুভাদি-শীলা ও ওপ্রাধের সমাস্ প্রধোচনা হটন পাকে। মঠবলত-আচামাতি > প্রীপার কৃষ্ণবিদারী বিভাতবণ। সর্ভাতী-প্রিত न्त्रीभाग अनकताकुरम्य भवतिकाकुर्य विन्त्र, लीभाग अमाराज्य भवतिकाविसाम विन्त्र खीलाम दार्शनवादी अक्षाती. जीलाम अग्रहात्र प्रामानवादी विन्त. खीलाम क्षरशालाल कामानिकारी, अक्षठा वे औको छनामस, अक्षताती औलाबोद्यानस, अक्षताती भीककार्यक कव्तिमाजी, अक्षांत्री भीरत्रकीयका, श्रावक श्रीमा मबीसक्रक भारत विक्रमा**दा किल्लाको** स्वकृत्या

(25) बाह-जोडाक कर् त न हा, बानियाती, हाका श्रीवर्शाः चीत्रवाहे-(श्रीतः स्वयं निष्ठाः स्वयः क्षक - मीपूर्व शक्ष अभागती।

### ্১৭, ঐ্রিচাগবভজনামক মঠ

किक्रिका, नाइत्स्त्रभुत, (बक्षिनी भुत्र। वाशास्त्रः म्ब्रिकन-(श्रीकाक्र-श्राक्षिक्।-গৈতিবাতীৰ নিজাদেশ ৰঙ্গান। ব্ৰহ্মত— वक्तारी श्रीक्शरानशामको । बन्नहादी मनासम

### ্১৮) আৰুসাবে(ড়া প্ৰপন্নতাৰ

श्राक्षवीम ८९१: वक्षवान ।

निकास्त्रता । इक्-अववासी खोर्बाड-[PIMIA]

#### (১৯) अशुक्ररवाद्यम मर्ठ

Bible, 24. Biemi क्यादन श्रीदशीक-विस्तामधानवकीत निका-সে গ্ৰহ্মান। একক -- ভদ্মসারী শ্রীপর্যান। ाम विशासक, अभागाडी श्रीनमीशासक ।

#### (२·) ओजण-८गोड़ीय मंड

वानवडनाव, अवनित्रि (भाः, भूरी। बन्द्राब्दरदत्र बन्दरम् नगरः क्रीमकः व्यवद्वात । वक्क--- संग्रहाशी केशन (यथनी आगावसी। मक्सानी-446ial Biefrefreist :

#### (१३) जिनक्तिमानक शर्क

Beatrimis, wan : जयात क्षेत्र-त्योताव-विद्नावत्रमन- क्ष्मारी क्षीतामाइमण्डनमात्रन । [ बीत निकासना वर्षमानः क्षण---वक्षाती खीत्रशयका

#### (२२) श्रीमनाक्रम-ध्योद्धात क्षेत्र

असर क्षत्रकात्रमण्डा, कान्ते ह (भी ,-भमाष्ट्रक अनाकन-निकायन। i ant a chigenet againt ame-क्ष्मीकाम क्षीरराज्यात र

> ,३ ७। डिक्क्टेन्डम मह सीनु भरवमाम इ.स. सी प्रम बुन्धरयम । A Baini-Bu-Cuinemis (na) !

रामक— देशन र्वाहराम सम्राजी

(२४) 🗐 भन्नमस्य सर्वे देनिविधायनाः, मोखानुक

क्यारम क्रिकाश्चक मार्क्षमा 🛊 च्चीरकोत (तरमाम रक्ताः स्रोत स्वता वक्तमाम ; न्त्री सम्बद्धांत्राम- चीश कृष्णिका शिविधारीर अक्तम-अक्ताबी सिम्शिरकामम **व अवश्वी** खीनक्षान्त्र ।

(२०) खीटण्डस्टर्शकात्र मई

कृष्टक ५°, 'ठलक ख', भागकृष । **वस्** क्षीर जन श्रम्भारत्व भाषः । अभाव-क्षीरमान नांत शाह, शहकन्यांनस अक्टाबी ! श्रीकार कीर्थ (मदधविष्य )

### (२७) औशामदशीकींत वर्ड

कृतरक्ष, बारमबर, क्यान । अवस्थ क्षीरकोकवित्वाम-वार्यक त्मका क्ष्मसम्। गम क—अव्यवाती हिस्स्मामकी ।

(२4) जाकनगढ़ा व्यनताव्यन-वर्ड আক্রণাতা, পোঃ মাজু, স্বাস্থ্য

व्यवादन स्मृष्ट्रक्षमृति खीरमांचारमञ्ज ज्या वर्षमान । वक्ष क--- अधवानी खीळानकक-माम, औदाबादम्य बच्छाती।

# (२৮) विश्वा दगाकी व वठ-कार्याकर

Street curinte, feit fünft 1 त्रक्क- अक्षात्री स्वीवाधिकासामकः

(59) Call high al had maintain वक्क-वक्षात्री स्रोधानप्रकार

# চৈত্রসমতের ভেম্বভক্তি প্রস্থালা

	- 1 198		_	_
মলাক্ষরে প্রকাশিত		শ্রীস প্রতুপাদের বন্ধৃতাবদী		
31	वित्रहात्र्यक्त,नम्ब	100	( <b>*</b> ) sera 4 5	4.
	ली (>मंभगवद्ग) र	314.	( च ) विकीत वक्ष	>1
•	अर्थे ( संभग कक् )	>>,	( भ ) छ्डं चल अक्टब	78.
* 1	काकृदयः मानः 🎒 🖺 देव कक्व विश	<b>6</b> 19.0	9%।     वर्षीन मक्षिका	
** }-	(क्षु गरक्ष्म )	4	( ८४८ (भारत्य )	<b>./•</b>
0 }	<b>শ্ৰীটেডজভাগৰত</b>		৩৭। সিঙাত্তদৰ্পণ	<b>.</b> /•
•	(विश्राष्ठ्रं विक्षीत मरकश्य )	•	७৮। दोल-ामग्रमनम	<b>~•</b>
# i	में अ ( जीननत्त्रय-श्रेका-म्ब	2	大本は東京会員会 しんか	
• ;	ক্ষতা ( ক্ষিচজনাই-টাকা-সভ	- <b>3</b> 5	(नगरीण পরিজ্ঞা)	•∕•
• 1	टेक म <b>गर्यं</b>	٤,	8 • ३   वीक्सानाः	130
7 1	मुक्तिशासका कन्त्रीयकः माक	NIF	85 ( क्या!पक्सिक (प्रक्रम नरक्षत्र	) <b>/&gt;•</b>
	(মাকা)	*	8२ । अव <b>यो</b> शलक	1.
<b>F</b> 1	(नो कोश-कश्रमार	٤,	४०। त्राधादयाखः	10
<b>₩</b> > 1	औरह २क क्लिम्ब (वीधा)	2	वस । अत्यमन	ノ
3.1	ित्य नवीम	># •	6दः :शम÷िक्धोळका	<i>/•</i>
	題的 6年7年1月8日 日		Bb: Mayitte	<b></b>
	व्यवनदीन नक्षम (वाना)	>	६१ । श्रेष्ठः नवी	/•
.2.1	ख्रियत्रका शक्त "लक्ष र जाना )	3	ab । भो की बगरे कि करबस ह	/•
	क्के (कावीसमाः)	m•	60   WHYS	10
اهدغ	देवकद्यक्षा-नग्राक्ताः		ত্রী হড়ি হিছিল প্রাণী	1.
	व्यथम । विषय ।	-		
	লী s বিষয়েশ চ <b>৪</b> ৪মাণ	bi 4	• •	
361	संबद्धील नाम-अक्षमांगा	bq+	দেবশাগরাক্ষরে একা	.~I >>
3-1	दला व कटाकाम हा		६२ । १८% छ-मन्द्र हो-'न'व्यक्तः	4.
<b>59</b> t	(श्रामाववक ( कृष्ठी) अध्यक्षतः	) 4°	্তি গ্ৰহীক লেকলেশ্ৰুম্	
:= 1	*****		48   49-7/AN	
330 1	我有)说 (中旬时 以"啊~步(笔	<b>1</b>	ুৰ্ভ ৷ সংক্ৰমেশ প্ৰশ্ন :	e'• :
4.	(भाषामी अधूनाम वाम ( नै।म	_	वित् श्राक्षतामः नामाहकम्	9'4
45	म्बारकक्ष्माण (दीर्ग)	<b>1.</b>	ৰণ। গোড়ীর মইঞ্চ প্রিচয়ঃ	/•
4 - 1	🗒 ংর হজিকল্পনাড়িক। দাস্ত্র	114 4-	ইংগ্ৰেজী ভাষাধ প্ৰকা	(Sel .5)
501		•	८५। वास ५ अन	
	( प्रामाक्षकोत्र )	4.	का भारक गाउ शिक्षान्त्रम्	4.
20 1		•	क्रिके के नहां साहै	
261	दशा हो ब- श्री क्ष	₩•	७०। ८वसा भाषाम्	1•
241		14/	७३। मि भागार	1•
	b माथमन्य ( ०१ मःकान )	le/*	७२। इत्य हिन्। श्रीमान्य शास	
26-1	भविश्वक्षति शिक्षवाह	10 	सारनगरश्च (५८७।मन	
4.5	। इस्युक्तावणी वा माहानावलक	मृष्या । •	७०। काबाउँ क्याक्रीयन्त्र कथा	jet J.
, 40	। क्रेरनाश्रमिष्यः ( नन्द्रम् । छ ।		ভড়িয়া অঙ্গরে প্রব	お竹村モ
	श्वामा ध्यः निवृष्टि व श्रष्टा । व	4 <b>=</b> ) [*	৬৪ - ডাঙাইলাম চিস্তামণি	
			WE # # # # # # # # # # # # # # # # # # #	Ŋ ·
ंठ३	•	ا و(ر	, 91792 <b>9</b> 191	[•
.00	*	٠ ال	<b>.</b>	
-08		الي	and the same of th	/
30	। अवदीलशाग-आश्रा	<u>-</u>		

সুবর্গরেষাগ। তুবর্গ সুবোগ।। সুবর্গ সুদোগ।।। গ্রন্থাকারে খণ্ডে খণ্ডে প্রকাশিত

u विकृतान बीक्रियहिकांत्रवाद्यत्रवादी (भाषामी मशाताद्यत (अहे अदिमा। विश्वः मिनी कं नाषायक्तरभारवाधिमी कृष्ण-कामधीनम्बन माधिमी की तन्छ-नावीत मृद-विशह—देवक्षत्रभिक्षान्छ-तन्नमानात दक्षेत्रस्थाने कृषः कर्न-निकृत्र कमध्यकू श्म-निकास देव छव----(711**季**受打包7.变量 বিজ্ঞানাগারের নৌলিক তথা—পঞ্চরাত্র ও ভাগবতের সম্বয়গুরু— মহাজন-জাবন চরি ৬-শিক্ষক—ভিদ্বিলাস-চিন্মাত্রাভিন্মাত্র-বিচারক—এক্সা ও भाष्यातरमत त्मोनिक गत्नवगागात-मचक, व्यक्तित ও প্রয়োজন তক্তের गिष्ठाच्छ-भगूत्र ।

১। প্রথমখন্ড—বিষণদর্শন, জীওলতত্ত্ব, কালদর্ম, শ্রীনধ্বানিষ্ঠাস, শ্রীবার্যভাননী, পাঞ্চরাত্রিকী দীকা ও বর্ণবিচার, আতুর্ব্ম ও মলোক্র্ম, জীতৈ চহাদেৰ ও ভাগার শিক্ষা, সংখ্যাকত সংক্ষৰণয় ও প্রাকৃত সক্ষয়-নথা, জ্রীপাদ ঈদ্পত্রন, জ্রিল রসিকা-দ-গ্রদক্ষ, পুষ্টিমার্গ প্রভৃতি নিংশতি সংখ্যক রছে প্রশোভিত। ভিং া মাত্র দ্রু বার গাণা।

২। বিতীয় শগু—শুকা ও শিকা ভতি,মতুগোর শ্রেষ্ঠতা কোৰায়, व्याष्ट्रांत्र निश्चतृत्वि, जीमत्र नानिशान ও माद्राताम, जीत्यांत्र निष्ठााः मा भू भ. जिया त अब ७ क्या ने हन, कियामपुष्काय नीमधागवाकत की हेन, শ্রীমতী প্রভাপত কিনী, জীটেউপ্তিম্ন জীবেগাবিক, জীবাগামুগভক্ষম-পর্বা, क्टर्रिस अश्वतान्त्रम् विभाभवन्त्रकृष्टाः निष्ट्रविष्ठ । विष्या ३८ अक विकित्याकः

প্রাণ্ড ব্যাপ্ত মুক্তি হার একারে আইলো ভিক্ষা আত দেও ই কা,

ভাক ২৯৮ ১৫ম ৷

आश्चित्राम : - इस्विन्छाम-दिहित्र्यम्मतं, त्याः श्वी**माशायुत्र, न्सीहा ।** 

আগানী হবা এপ্রিল (১৯০১) তারিখ হইতে

# শ্রাধান নায়াপুরে

"সাকুর ভক্তিবিনোদ ইন্ফটিউট্" নামে

# एक इश्तुकी विमालश

(थाना इरेएटए

বিদেশী ছাত্রগণের জন্ম বিনা বারে সুন্দর বাসভানের ্বন্দোৰ্ভ চইয়াছে। এতোক ছাতের খোৱাকী বাবদ মাত্র ভ্রাকা হাসিক লায় হইবে। স্থান সভাব আস্থাকর। ছাত্রগণ ক্ষতিভাবকের প্রস্থ মাধ্র থিমালিখিত ঠিকানায় আবেদন কক্ষন। সেক্ষেটারী, ভাকুর ভত্তি-বিশোদ ইন্টিটিউট্

ভীতে অমঠ, পোঃ ভীমাধাপুর, নদানা।

eाक्षिकानः - बिटेड्ड्डबरं, त्याः दीवाशायुत्र, अविद्या।

# ৫০ বংসরের পরীক্ষিত কয়েকটা মঙৌষধ

নাবহার কারীরা গুলে মৃদ্ধ কট্না ুব সমন্ত প্রাশংসা পত্র থান করিছাকেন, ছাছা শে কংবলে বড় বড় পুশুক ধইয়া পড়ে। আং।নিও বারকার করিয়া ধয় কটন ঃ

- ্ ১ । চন্দ্ৰপ্ৰতা বটাকা—ইচাৰ নামচীত বেখন কালৰ সেই রক্ষা ইংগ্ সুখন ও পুরাজন মেত, মৃত্যুক্ত, কল আছুতি এবং স্থালোকবিলের স্তিকা বাারাম, বেছত এবং কেলাৰত আছুতি াগে আভ ফলপ্রাম।
- ২। পুষু ব্রিসভায় বিটিকা-মাদকজনানিনীন অসুংবরত নিজাবিধায়ক ঔষণ।
  বে কোন বৈতিক ও মান্যিক শীদ্ধান্তঃ অনিজারোগে এক ঔষণ বাবহারে গঢ়ে
- ভ। মজুর বটিকা-ইং। সেবনে মীলা ও ফদসুগলিক নেবাও শনীর পাতৃর ফুইলা যাওলা ইত্যালি দ্বিত তল্লা রক্ত প্রিকার ও বৃদ্ধি প্রাপ্ত ইল।

केक किन आकाद्यव आरहाक खेमरनत्र मूर्ग शकि व्यक्ति ६ हाका।

আধিস্থান : - আতঞ্চনিপ্রাহ উন্পোলয় ২১৪নং বছবাধার ব্রীট, বলিকাস্ত ।

#### बानवहीं भशासमारा का अभाग पव किया थर

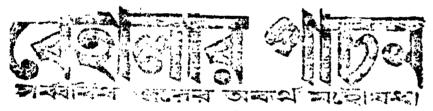
व्यक्तिक महाव्यक्त विश्वत व मोनाकृषि महति बोल-अमायक । जह मय बोर्टन व्यक्ति विश्वत महति विश्वत विश्य

### <u>এ</u>মবদ্ধীপ ভাৰতৰদ <sup>(১৯)</sup>।

উল্লেখ্য ব্যোগ্য কালাতে উল্লেখ্য কাপকে চাপা---জীনৰ শিৰ্ম পৰ্ণাল কাৰ্ড কুপ্ৰকাৰীয় কি প্ৰকাৰ ভাবেৰ উল্লেখ কৰু, ভাৰা আৰু প্ৰায়ে বানজ -----, প্ৰবৃত্তিস্কান, শ্ৰীক্ষেৰ কাইড্ৰ

সালিকংক্তিম সিক্রের ১০ইনিংস্ট থনিছাধ্বস্থাত সাধান, প্রেমত্ত্রিত চল্লিকা অভ্তির সংভিত গীতাবদী স্থানের প্রেট স্টেমে মুদ্রিত হয় সংখ্রন ভিক্ষাতে চাহি আন যাত্র।

# কাবরাজ শাশভূষণ কবিকপ্তাভরণের



সক্ষেত্রের প্রবাগর কল্প ৬ আং শিলিজে ঘণীভূদ অবস্থার ভোটবোণবাও সম্পরিমার উষ্ণ ভাকে পাঠান হয়, ইংগাড়ে ঔ্থণের কোন পরিবর্তন করা হয় নাই। মুণ্য প্রতি শিশিরং আনা, পঠিট ৮৮/৬ আনা, বোদক ১৮/৬ আনা।

অফিস–১১নং উল্টাডাঞ্চা রোড, পোঃ স্থামবাজার, কলিকাতা

# মদন মঞ্জরা

বট্টভার বর ও বায়ুবিভার, ইল্লিয়প্ডির হ্রায়, বিজ্ঞান জলাও, ব্যৱহান, নাবাংগারা, বুল বর্ড বছারি, অবিল্লা প্রকৃতি কালণ সম্বর্থ নির্দেশ্য বার্থানা হয়। বল, বাবা, বেবা বুভি করিছে অভিন্তান ইনিক। নুনা বন বনি ১, এক টাড়। ক্রিক্সপুত্র স্বাক্ষ্যান্ত্রী স্থাত্ত স্থ

न्यस्वकृत्यं का का स्थानि हा जारवान्।
निवा नाकनण्ड करवा हुना व रकाना ३, हामा १
क्षित्र मार्थन्ति हा कि प्रमा व रकाना ३, हामा १
क्षित्र हा कि नाकान्य हा वो व दाव विद्या व

# शरेट्यामिन

~

# কোষয়দ্ধি রোগ

ভাঃ এস্, এন, খোষ বিনা আছে, বাংজ্জীবনের গ্যানাটি দিয়া নৈজাভিক রাণানীয়ে কোষত্বান্ত সোগ আহ্মোগ কনিয়া পাকেন।

> जियानी----केट नेद कड़ेन द्वीडे, बढ़वांबाड, व्यक्तिस्तान्।

#### ण्याप्रक

পিন্তপুলের অব্যর্থ মহোবধ।, ১ মারার উপশ্ব, ন্যান্তক আয়োগ্য। ভোট ৮০ বার আনা, বড় ১০০ খানা। মারুগ পুণক্ষ

# ২। শুক্রাচার্যা সঞ্জীবনী পোটাই

প্রায়েত ও ধরতভাষের একমাত্র মতোষধ। মুগা ১ ডিখা ১:০ জানা। সাওক

- ৩। সম্যাসী-প্রদত্ত অর্শরোগের অব্যর্থ আংটা
- 8 । কোন্ত-বান্ধাব পীল
  অনীৰ, বেটফালা, পেটবেদনার মচোষণ। ভিনা চা আমা। গাডল পুৰক্।

ধ।

বাংবাগেও মাহাগ্ৰাট ৰ সন্তাতে আয়োগা। প্রতি পিৰি ০০ আন যাওগ পুগক্।

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তুতকারক। সম্বর ক্যাটাললের জন্ধ পর শিক্র।

গ্রেক্তিকাল—মন্ত্রান্তন কোলেন্ত্রটারী

্পোঃ উয়ারী, কমলাপুর, ছাক্

# মনোজোহণ প্রেস

পূর্ব-গালালায় ভলতে গকগপ্রকার ছাপার জন্ত বিশ্বাভ লৈদ্যতিক মেশিলে দিবাই তে কাজে ভলিতেছে বিশ্বত ভালিতে হইলে নিয় টকালায় পঞ্জ লিখুল ম্যানেজার—মনোমোহন প্রেস্

# मता माञ्च वाँठा देवात छे भात

> সোল এতে জ্বী— ডাঃ ডি. ডি, হাজরা। ক্ষেণ্ড, গাডে-জিচ পোই, কলিকাজ টিকালা স্পষ্ট ক্ষিত্রা নিশিবন



साराम काराहत का दो-दाकान दि। यर सदावन क्वार-एक एक नाम द्वारात एक पूद्रम राम्, दम, दम, क्षेत्र द्वारक क दावानिक



বর্তুমান–শার্তাবগ

भागायात हात का जिम (भग्ना वानिक कर मागाविक हर ें अभागिक २ ५० গাসিক ১১ 3151W अंडि रेस्था। त

সম্পাদক—শ্রীপ্রতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোগাধ্যায়, বেদান্তব্যচম্পতি

5 9 मा मश्या

শ্রীদেওক্সমই শ্রীধাম মাধাপুর-১০ই চৈত্র মজলবার ১০০৭, ২০শে সারেচ, ১৯০:

মহাত্মা গান্ধী ও বড়গাই

महाशा शाकी शक २०१म शाह्य दवना गांदक मण्डेश ग्रम् यहनार्थे ग्राम माणाः करमगा विश्वभग क्यान्यन्त्र थव किनि विकामीत्वन क्षत्र व कहा कुनारमध नवान किनिकानीरका मकाश्राचान शांकिक कथानाचा करवन। करूरणव दर्शानरवित्र देखेंदकत कद्रक्रमा लाहि-निविक कथात्र केनकि व किरनन । एथात शत न्छी दर्गामरहितिम देन्ह्रेक मण्यात्वक व्यारणांक्या व्यक्तिका वालाम ।

#### बृष्टिम अफिनिशिदमत्र कात्रदक আগমন

मा २ और भारत त्यामातिनम देवहर कह करमक कम कारिशान ए महाद्या भाकी अक्षारहेत मुक्कि माणार करतन । व्यक्तान, महाश्वा शासी कर मार्च व्यान्तात व्यान कशिकादकादम, मानिक्तीन गुणिन न्यांक--निर्मिशासक **मध्य कालक स्टब्द का**.शा अकि छ । জীবার আই অভিনত সাধা-পভাবে मध्बिक क्षेत्राद्ध ।

आविन व्यक्ता त्य, काल कार्ट कविते, शीमान्तिर्धन कामेडी ७ मृत्यक नारहेव व्यर्थ द्विष्ठ क अन। निर्देशक किछी अविशय गर्देश्य खळाव भृति ॥ वहमारक, प्रकाखरक क्षाक्रिक्षिक क निकाहन दकता अरक्ताक नीकि निवास कवन । जनमक श्रीक ना

# মহাত্মা গান্ধী ও বড়লাট

क्लीगञ्च-मःवान — शहार्यमा । । शहार्यमा, জনসভা, রাজবন্দীদের যুক্তির প্রস্তাব

# সুভাষচন্দ্র ও সান্ধ্র প্রস্তাব

রটীশ প্রতিনিধিদের ভারতে আগধন

# মিঃ চার্চ্চিহিলাদির আশক্ষা

পারার ভোটালিকরে কৈইবেশ কমিটার निरमाण शरब क्षेट्र क्षित क्षक्र कर् द्भागा है दिन देनकेटकव शक्तिनामान क क्षा त्य, अल्डादवन विद्यानन कनिष्ठित स्तिन । द्रशाना देविन देवत्द्रक दिश्मन क्रिया के कि प्रदेश मध्य क्षत्र क्षत्र । लोक श्रीद्रात क्षाटक लाहर, देश हटकामत्या कारक-महित्र छ **भारताकः** एकिन शां क'लामश्रा र्यात खद्य बिटलंब कर शहरताई मार्गन, काश किरा मध्य अधान देशिया देशिक । (णव क्यब्रिटनगरन गतन्त्रातंत्र मञ वृत्यात्तं माराया वहदा ।

कर्द शारमध लाग करें. ज महाजा शासी १६९१ के स्थापिक देवस्य छन्। क्रम किटनसा পण्डिक यसग्दराक्त यानवा छ दयाभावरेन करिकाकिटलन आरागराज्यात विवस्त अवस्त त्यान महकारी togto व्यक्तिय ६३। नाहे।

दिन्तु सुगतमान अभया। कर्म, 'च्लु स्परकात । . मा कहता स्वर्धात

भूपराज्ञान सम्बद्धाः भ বুটিশ গ্ৰহ্মট হছাক্ষণ কৰিছ হন্ कार्यक्षे मुख्यवस्थात चन्त्रका भागा है। जीव प्रसिद्धाः कटन्य, कटन्यः कर्यन्तः कराञ्चन **गावला क**िस्तानस्य संग्रं करण करण राष्ट्र (य, नक्षमान स्वास्त्राक्तान लटक (रन्तुः भूगणमान श्राप्टाः मेरीय कराय कर याहर्य ।

### काकीशङ महस्यान प्रमार्थना ও श्रा अवस्त

मध्यकि कामानुक नेतृत स्वादशन भाव, कवी मिनुक काम, िलान देवन, कि मन शक्षणि हार्हेन्स्पान आध्य कुर, ह

প্রধানন কার, माविन्दी दक्षती कम्हीन्क महिम्म्हरन व िद्धा बन्धामान्य काशविषात्व विभूत-व्यस्तानक इतारकत अक विशावे, विकिल कार्यात्रकः त्याकामधाना व्यवन्त्रम्य कराड शक्षा वादराशकी क्या कटन উপ্তিৰ হচলে তাধাৰণা সাম্ভিত স্থা-शकि शिवृक्त धानात्रहक्त नाम (होनुकी ल गाँउमा भागाँग्स सकारमधी सीमुका भारत ्मनी काशांतिपात अविनासिक 4:50

#### 四人可多)

etuate 翻译的 collected alleste মহাশাংক মজনগ্ৰিখে এক বিশাট্ জন-शकाब क्षेपुक आधान वार्व बनावनी afeile natus na eut Bien einifeete bin, Bigm meinen महारू, उपाविकासक उपा**षा**नी, अकानन Trick (th अ ) पुराक्षित्र है। अवस्थि भी देशी कथी मिनुका राधिको असी बहरार कहता ाच ५ माट्यापमा छ वाकुत्रा काडशाहित्यम ।

#### त्राक्षतमो। भत्र मुख्यित श्रास्त्राय

Bigger 1960m G.B. Kinne Colom कडिएका वसी पत शास्त्राम ह ४००० नित कहा नव सुद्रामक सकुत का लह मकार हेका ल करिएन क्रमण कर गत 机操作的电阻 蛇柱 雪縣 外的物 人名日本 किया मुक्ति स्था १०० शास विस्त गक्य भिक्र १००० १००१७ व्हेराकिंगा वक निर्णाः । स्टांड शहाब छिन्छ ह

#### ত্বভাষ্ঠক ও সন্ধি প্রস্তাব

फिनि विवाहारक्षा---

'मश्राक्षीत महिल द्वाबाहेटम कदर आमश खुलिटक गांति ना (याबाडे बनेटन निहीटन व्यामात काटन কলিকাকার না পৌহান প্রাস্ত আমি कवित। एवं गन्तमाधात्रम् आ ৰাজলাত পক্ষ ভটতে তেভটিমাত কাধ্যন দংগের উপার গংশমেন্ট का किर्याद्यात कवा बानाहर के हारि ।

বাজনায় আটনত ভালনৈতিক বন্দী

षाद्वतारम सरकारणक करावाम श्रमटक (च कक्रत्। त्मथाहेद्रां क्रम काकाटक मंद्रकाश मान जुड राज्यक्तीय उपान शास क्य गाँवे--- वजनव शांत्र ५ मह रामतनी निश्रीक व्हद्काद्भमः वाक्तिमञ्चलातानि या दकान कीम जेल्पन क्षित्र काका वा भाषा **ख्यान करवल मार्ग, ८४८चन मृ**िन व **ब्रा**स्ट জ্ঞানার নিলীভুল সহ ব'বছেছেল। रसरलब मुक्ति कड़ काशरनब कश्चल्हर केनाव भारतरक्ष मन्द्रपुत का स्ट्राक्त योक्षशीत प्रकृतिक व्याद्धन याश्रादा कांशास्त्र कुःश्व कःविक धनः कांशास्त्र व्याचेकारण मुक्तक्ष्मिल्ला । कारकर भवा-८ खुरी । इस्कर्मीय मुक्ति ना क्टरण वाणणार व्यमभाषांत्रण च्यारणारस्त्र महरू महरू वर्गण भारत मार अधिकाश ना ८०१क, १९१०-€७ विश दे ।अट एक मृद्दास्थ सम्मा व्राव्यवस्थात्त्रः कृष्टि बढदा वाक्रेजेस ।

**कांका सकः, भारतक भारतक "आर्थन**" कारक यूत्रा शास्त्रीय व्यवस मुक्त व्यक्तिमा ---खंडे क्षेट्री श्राप्त अंत्रकाडी कल्लाव बलामूलक वावणांव कथा भारक स्मान अनुकर्त्द्रिक कहा करें। १८७ । अधिहाताबद - खांग अविकारी व्यवस्य म व्यवस्थान মলে অস্থেষ্ট ও বিশ্বকি জন্য ধটারা স্থেষ্টেলনক কর, ভবে অঞ্চল বিষয়েছ केंद्रिकाक चाहक कह काद्रान त्य. चानक है बायधाद लगा खाव होत लाकामराव महागा ब्याह्म[लक भ्रद्रश्रदक शाकी-चात्रहेक्स यक विकास करावे काम। सर्क कार्यादयः २४ महिना शामनकोत्यतः छ।'इत मत्त मकार्यका विशायन व्यवर मुक्कित कोवेषा कविद्राहरका मा : करण, ' अन्याक्षण अधानमान अधा क्वाटराइ आहिल अभाक्षणकी वा द्राष्ट्रधानीत्तृत । अधारत बस्द्रा अवर काइटटक युक्तकञ्जीव **ब्याह्मदण्ड अध्यास द्वारण प्रतिशादकत्व । नाराराण्या वर्षण क्या । सर्गण सम्ब** আইলোমের পরত বেলল অভিজালে বিষয়ের এমন পাকাত নিরাপ্ত ভিত্তির वाधी कर्म बहेबाएक। श्रामणात शिलह किन्द्र शांतिक वर्गति वर्गता वर्गता वर्गता वह महि । यथा क्षांसाम मात्रामुश्केत्र मि: दक्षमान वाच वाच विदर्भ । भावती क्यः (न्हेल ७ मधना विनाह s कम महाताकी विश्वत मुक्त कहा दक्ष गरशांद्र बरनान, "मामना कावकर्य (ए का दक्ष मादेश व्यक्तिक कार्यक

मारे। जालाधारक व्यवकातीरवज्ञ मध्यः चौर्क प्रशासनक रूप महाचा शाकीत ! caretota ताला wet लागि, म्याना प्र भविष्ठ विश्ली भ्योकिका वाला अपी (कारण विकार का बनारक का विकास वायम अपम अ स्थाप । व्यक्तिमि कांश्रीय मिक्के माक्षार कांग्रिण शक्कारन नन्त्रीय मश्क्रीर व्यक्तिक ध्यनर युक्त शामित कारकाती यक्त्रश्रीरमञ्जूषा

चारलात्वत मृद्यं याहावे बाकूक मा कामार्व कटलक्षण कर्णाताला करेबारका दक्त, द्यामद्धविण देखेरकम भूरक व्याप যাভাতে উপর্জ আবহাওবার কৃষ্টি বর হলিকে পারি না আংগােষ সম্পর্কে কি তক্ষণ আমি আশা হবি, কি প্রামক কি काक्षरेनीं क गमा शाकात बन्ती क मुक्ति-(भाषना \* Fet an I

#### ভারত গ্রথমেন্ট ও লর্ড জ্ঞাছি

বিপায় ১৮৮ ম.৪৪ কারিবে প্র মচাস্থার ভিউক অব মাল্বির্থ 'शकी-काब्रेशन ए'तन घरत करता শালিও সমু'দ্ধৰ আশা আঙে কি না करा दग्र है के शक्त अक्ताब अक्राय-ा र्क्ड क्रांकि रामन त्य, 1554 श्रात्मा ভ্ৰমণে পুৰেষ যথন প্ৰথম কাহার প্রাচার লোটাশ দেশ ভব্পর ভর্জে अर्थ सम्बद्धित महाना स्टाट्ट अल का न्या कार वक्का चित्र व्यवपाटक । - दशानद्वीत्रमा देन्द्रेरकम् व्यक्तित्वमान द्वमा क्षत्रका खानव कविहर्दछ क देवांबाता कांबरक दुरहेरनव व्यवकात Balle e set मध्यत्ना मन्द्रक राष्ट्रे-लिक्सदेश कमिनेत निर्माति व गमक জান্তাৰ আছে এই ভুলিকে এইভাবে रमें । कहा यहिंद्य भारत :---

'ভিলমুক ব্যান্ত্র ব্যবস্থার স্থিত পাঞ্জাৰ ও যুক্তপ্রদেশের আভিযোগ লাকে সাক্ষা অসমত us व्यक्ति । व्यवस्था । व्यक्ति । Betas भाक्त किन्यांनी।"

 ক্ষিতিৰ বিপোটে বৈ সমস্ত कराक्षम् क्योंश्रिक माना गरीय तम गरुका जन्द नाविश्वतावादन पुरवेदन द्यम

কর্ম ক্লাকি জাধার বক্ষাভার উপ-

क्रमन क त्रामा क्रम क्रमिष्क माने माने । क्रमानिक ट्रम, क्रम सिकार्गा कामारमण काफित बरमशक त्य वानिका-ক্ৰতিভা আছে, সেটু প্ৰতিভাৰ ৰপৰতী क्रेशाके आमश्र ख्वांत शिशक्तिमा विश्व दशीकाशायमणः आयश अम्म সাম্ভা বাভ কৰিয়ভিগামা ভার-कारवर क्लेक, किया अञ्चात्रकारवर क्लेक. कामत (प्रकेशाञ्चारक) शाक्षाका कविभावा व्यवन्ति कत्रिम्हि । अभागमा मारबाह काकामिशटक कारिकाफि विश्वाधि अवर नावधाव व्यामा विकारि । व्यामारवज्ञ दगके वाशिका-श्रांकिका यादात्व शक्त इत्, काश्वदा काका ठांडे वटते. किस खमटनका ब আমের আব একটা জিলিব নেলী কামনা कति: ८५छ व्हेरल्ड आमारमव शहे-रेन'एक वृद्धित गाँकणा, श्राप्तकार आधारमञ् के कि भावष्टक युक्त बाह्रीनामनक्ष व्यर्गनः

#### দিল্লী আংশোষের প্রতিবাদ

भक्त २०१म मार्क शासी **चा**रहेरेल चारणात्यव शाक्तिवादम कृष्य । ब्राह्मवर्गत राखः काश्चित्र वर्षेत्रा क्षकः च्लान्धादः नारित करवन ध्वर मीकारे बहुरख भामनात्र वहेंद्रा वाक्सिन। बन्ती छ व्यञ्चलमा बन्तीरमध् मुक्ति माबी क्रिशात्कन विद्या खाकान ।

#### লড বার্নহামের উচ্চি

भाराभक्तः व कृष्टाकेत सम् द्रशाकः afores seco 1

#### সভায় গুৰীত প্ৰস্তাৰ

मकाव वर्क मान्य व्यक्त व्यक्तान शुक्रीक ध्य देय. शमाद्वित व्यक्तिनिनकद्म नामन कार्य। भदिवालालेल व्यक्त कांबलदार्व **७०७ इमार्ड जनः निवरणक शान-**८मान्छेत्र कार्याक्षम । मुष्टित्मम व्याक्तक शक्षत्रे कविशात सन्त यनि श्रम द्वास क्षा-চারীবুন অনিক্তর হৃত্যতা আদশন कर्रक छ।का क्वेंट्रा काइट्रव समाध्याव । वानका, मध्याच नाकं मण्डानाटमञ क्षांवयार कार प्रतिस्था विभूग वार्थ विभाव \$\$(4 I

#### প্রতিবাদে আপস্থি

লভ-ভিড ভারতীয় বশিক সমিভিছ ক্ষান্ত অনেক্তক এক ব বৃদ্ধি কেওয়া প্রায়ার পাচ ক্তিয়াছে, ভারভবর্ত্তে সভাপতি মিঃ ভি. এই, একণকাঞ काणिनाव अजित्क STERIFICON I क्षां । क्षां क्षां क्षां क्षां क्षां क्षां क्षां क्षां क्षा

अव्याप स्टामक श्रीहार कर दरका 98C4 311

#### লওনে সভা

#### बि: हाकिरणय जानवा

गंड >>१म मार्क वैचित्रांन धार्माश्रीत ्रांगावेतित खेरणारंग मर्कानत **मांगवार्षे** कटल बक गरुश्च बहुमरेश्चक क्षांब्रखनानी উপश्चिक किरणम । आक्रकश्चित क्षांत्रक कुर्यमका व्यवनंत्र कविद्यहरूत, बहे श्रदा নি: চার্চিল এক ওজ্বিনী বস্তুত্তা करवन। किनि नरणन, कक्कानील सगर्फ जुलादेश कांत्रक गरेता वाक्शांत (हही कडेबाछिल, चालाला दगर माख्या यार्च क्षेत्रात्क । क्रमस समाजक्ष्यपूर्णी एन व्यक्तिक नुश्न कश्चिम ध्वक छान छानियां। चारत्राक्त कविटकटकता विः शांकी मध्यम चारितार एकम १ पुष्टिम অমুখ্যতের নৰণ্ঠিত যুৰ-ম্মিতি সাহাজাতে ভাজিয়া নেজযুর বিশিষ্ট केलाव निद्धांतर्भव प्रश्नम किमि ब्रम्थारम चारिताला मा विकास कार मान्य काम क्षेट्र ना, ब्रक्त्यीम मनक टाक्क

#### GTE

गुलारियम भाषाच्या यक्षणाचे ১৯७० महत्रक महत्यांच्या दश्योत श्रीम दश्या লউ যাণ্ডাম বলেন, দিলাও চুকিছে ( দোটল বেটে ) আইনের বিধানাত্ত-সাতে কোনও নিনিট স্থানের ব্যতীয় Bibl @ Alter Alter feciles कर्षेत्रक लाइट्स्म १ ५३०० मटमञ्च ५णा क ह्या हो क्रटक केक बादन वावव्द्रवाण-(可,准 事本有行權 )

> ज्ञान विश्वास्त्रियां, जानक्ता क Bimin मत्त्रा ''लाक्कलियान ध्यावस (वाठ दकाच्यानीय क्रिम दशोका क्याइस करता मध्यकि केस क्लामानी यर মণ্মে একটা অভিযোগ উপস্থিত স্বরিয়ান .... त्य, जास, कि, कम, दंशमक्ट**य** दरान्तानी क **भाव, क्रम, क्रम, दर्भान्यामी** के भक्त श्रास्त्र मत्वा पाकी वित्यप्र काळा war gir wasten ce. cwine त्यनीय ८ कान्यानीय शतक कांचा शक्तिमान myma eent frietenten !

> adula Grister William es (+) शाबायामी जानक मनपादमम वानिका विकास करें चौक्रियोंने नेपरक क्षरक कार जेकड़ि कविनेत्र स्थल जेकड़ि क्षिरमञ्जा

#### स्क्रम

জীব্যারেই ওজন না করিরা পাকিরেত পারে না। 'ওজন'— ওভার পাতাব। বেষভা, মহার, পঞ্চ, পানী, কীট, পভাল, ্তি সকলেই কোন না কোন বভার

। असे करता । करने कारोप मरशा किन्न निर्माका कारक ।

ु ख्रम्म धिविग--- मर ७ व्यमर । मन्-वर्षात क्रमारकं गर के मगनवस्ता सकारक व्ययक् वर्षा वाहा। व्ययम्बद्धत्र क्रमन 'चानिका, कःवेदांग 😉 निक्रम । स्यमन व्यक्ति अकति दंगीमाणपूरकत्र दाता कतिएक देका कतिया छाराटड छाटार क्या त्यवन कवि धनः प्राह्मत करुणार कवि । ৰাহাতে ভাৰাৰ কোনত্ৰপ ফ্ৰিনা হয়, ভক্ষভ সৰ্মন। দেইাযুক্ত পাকি। কিছ ,**অক্সাং ভাষা কোন আ**নীয়ার৷ ভনিভ ्ब्बेटल व्यथवा ७०० इवेशा ८०१८ण व्यामीत ख्याम क Cनन करेवा Cनम अन्यः एव कार्य ক্লেশ খীকার করিলাম, ত'হা ও ক্লেশমাজট 🖟 যার হইশ। ওবু ড'হাই নতে, ডভোর আৰু আমার যে সময়টুকু অভিবাহিত बर्देश दशनु काश क दशा दशन ।

জাগতের প্রতি বঁছাই এইরূপ গ্রন্থীত। ত্রী, পুল, মান্ত্রী, পুল, মান্ত্রী, পুলরা প্রদেশ বিদ্যা । প্রতরাগ এসকপের শবার প্রনিক্ষা।

আমরা কামবারা অপভত-জ্ঞান ও ইয়ে ইয়ে কলাক ক্লো হটবা কাম্যকলনাটো দেব চাগগোর বে ফলন ক'র, তাহাও অনব আ অনিজঃ বধা বীতার --

कारियदे ५ है ४ व कानाः व्यन प्रत्युक्त छन

. (भवता । कं कः निवसमाक्षेत्र व्यक्तका निवकाः

শেষত কাৰ তেখা তেৱৰতা স্নমেনসাম্।
বেলাই কাৰ অনিত্য কৰতে আনত্য দেহবিশিষ্ট ক নিজা ভোলকামনাস্থ ৰপত্তী
হইলা ধন্তুলন, খান, আবোপা, অফবিনাপ
আছতি কাৰনা পুনক নিজ নিজ
লাকসিক ভাষনিক প্রকৃতিবলে শীন্ত ফলপ্রাথাতা গণেল, প্রাণানি দেবভাগনের
উপাসনা করে। ভাগারা ভ্রম্বর বাভ
করিলার অবশেষে স্থাই কাভ করে
বেহেতু, ধন কামনা করিলা গনপ্রাথান
ব্যাহার অভ্যানালা কিছু বন বাভ ওইল,
খান-প্রায়ার স্বালে নিল কান প্রায়ার বাভ নিল চ
দিব্লি হইলা, দেবভার ভ্রমণ্ড নিল চ

ক্রীল, ক্রি অভি করে প্রাপ্ত ধনবানি
ক্রীভ্রমন স্কর্মক ক্রিয়া লভ্রার অভ্যান

# দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

নিতাপাঠা বৈকৃপ্তবার্তাবহ

নেগদি দমত সামত-শালের অক্তিম ব্যাখ্যাতা সমগ্র ভারতে একনাত্র স্কলন্ড দৈনিক পার্মার্থিক পত্র

শ্রীশাল লাহাপুর ১০ই দৈত্র, মজলবার- ১৫৫৭

পরিশ্রম কালেকাভেট বিফল হইল এবং বরণ করিব, কিছু কথনট ভগ্রহসেবক পরিশামে ছঃগট আন্যান করিব। ছটৰ না। আমি দাবি নহি কিছু আমি

নিভাগত্তর ভছান এববির নতে : নিছা বছার জ্ঞান নিজা, ফলাও নিজা, পারত্ত আছার ছালপ্রান্ত এক-মান্ত নিজা, তা । তাঁছার ভালনাও নিজা। ইছারা জ্ঞানাও নিজা। ইছারা জ্ঞানার নিজার নিজার করেন, তাঁছাদের নেবাচেনাও নিজার হয় না অথা কোননিন ভাই। হইছে নিতৃত হয় না বা ছাল ভোগ করিছে হয় না। নিজা লীব নিজার পাকিরা নিভাগালা নিভাগানালা বিভোর পাকিরা নিভাগালা

কোনরূপ কামনা করিয়াও নিশ্য
বস্তু ইন্ডেগবানের সোপা করিয়েও বিশ্য
অন্তব্যুক্তর না অর্থাৎ কোন কামনা
পুথক অন্ত দেবভাগনের ভায় ভগবন্
ভলন এক পর্যায়ন্তক নতে। গেহেতু
কীর কোন ছপ্দিরশে অনিভা ফল
কামনা করিছা জীভগবনের উপাননা
কারনে ভাহার ভালুপ ফলপ্রাপ্রিভেই
ভলনের অন্যান হয় না অথবা ভূজ্জ

সভাং দিশতাখিতিমবিতো নূণাম্ নৈৰ খগৈ। যথ পুনৰ্বিতা যতং। খয়ং বি তেওঁ ভজ্তামনিক্ষতা-মিকাপি চানং নিজ্পাদ্পল্ল যু॥

ক্ষণ আবি ১ হইলেই তাথী ব্যক্তিন গণের আথনা পূবা করেন সভা, কিছ যে মন্থ হহতে পূন: পূন: অথেনার উপয় হয়, শেই অর্থ দেন না। অভকাম হল্যা ঘালারা কেবল ভাষার পারপত্ন আভিত্ত হক্ষা না করিয়াও ভাষার ভিজন করেন, ভালাধিগকে তিনি অরংই অভ্যাক্ষানান পাভিকারী নিজ পাধপদ্যব এগান করিয়া খারেন।

শ্ন-প্রাক্তির স্থান নিজে নিজ জনতা জনজা কাল বিশিষ্ট জনতাত ভোগা নিজ্ঞি হইল, দেবভার ভল্মও নিজে নীব এই ভগান্তননের পক্ষণাতী নহে। কুইল, কিছু অভি কংই প্রাপ্ত-ধনরানি ভাহারা মনে করে যে, এই মারিক জগতে বিয়াহক্ষ্য জন্মহন্তুৰ ক্ষিমালভ্যার ভাইটুছু জনিতা বস্তম নেরা ক্ষামা হার্য ভোগই

বরণ করিব, কিছু কথনত ভগনংসেবক হটন না। জামি দিনি নহি কিছু আমি প্রেরণ এই মুগ্লণকে শিক্ষার নিমিত ক্রীল সাক্তর বুলাবন গ্লিতেছেন,— আরু ক'রি না মানিত দাস হেন নাম। আরু ভংগো দাশ নাহি করে ভগনান। আরু ভংগো দাশ নাহি করে ভগনান। অংগ্রু হুলি তবে সাধারক নাম। তবে সে হইতে পারে জ্রীস্থোর দাস। এই বাখি। করে ভালকাবের স্মানে। মুক্ত শব শীলা তম্ব কহি রক্ষ তব্লে। হুক্তের সেবক শব ক্ষকাশক্তি ধরে।

#### বি ক্রপ্রি

তিদ্ভিস্থাম শ্রীমন্তিনবিবেক ভারতী মহাবাক।

আ ভাব-পীড়ান পীড়িত যে আসি, স্পাভাবে ভাগে আন ওতে অমি । ভাই তিব পৰে বার বার নমি, আবি, যাতা মনে তথ্য অভিযাই।

বাহাক হাতক জুনি ভগবান্ মোর বাহা মানি' ভচে লয়বান্ ব'হাপুর্ণ লাগি' হই' আ ওয়ান্ লাও মোরে ভাগে, যাহা মোর ম'ল। কিছ ভাভো। সেধি বিভার করিয়া।

প্রয়াভি বাছা কমণা গভিয়া লও তুমি পুনঃ কর্ষণ করিয়া, জানাতে তেখোর কঞ্ণা রতনে।

অভাবের পাচে আচে গে অভাব,
অভাবের বংশ না জানি লা ভাব,
ভাবীগালী তুমি দিকে মোহে ভাব,
ভাবের জনাব বৃধানে মাচনে ॥
পুনঃ পুনং যাতে প্রার্থনা উল্ম,
আরুলিত করে জীবের ক্রম্ম,
কেন পে অর্থ ওচে রূপামণ;
না দেহ ভীবেরে ওহে ভীবেয়মি !
মুখ্ নীর মুই আ ম পতিত,
তম গীলা মোর কালের অহিত,
বিশ্ব স্থা করাছ অনিত।
স্থানি বৃধাতে পারি প্রন্তা। সামি ৪

জ্বান অভিনাহি প্রায়ন্ত হকীবা,
তব পালে বেই মাইলে হাইলা,
তহে বিএবর, সজ্পান্তইয়া, লালা
ভাষার মূর্যতা ভাষাকে ভাষাকেই
ভাবা পদস্পান মদমমোলন ব

ত্ব- পদৰ্শ- মধ্মমোছন ব নালে ভী ব চিত্ত-বাবলা-সধন, বাবনা বিনালে স্থায়াকা স্থাপন, করি তার চিত্তে সভত বিহারে এ কি সার চাতিব ভাহে ধ্যাময়, না চাতিতে তুমি কইয়া স্থায়, কত না নিয়াছ কলেগুল্ঞ; লটতে আমানে তব নিল পালে।

মানব জানম, জগানের সার,
তব রূপাবলে পেচেছি থবার,
যে জানম গড়ি জাবনী মাঝার,
আনায়াদে জীব মুক্ত হর পাপ এ
ইতর যোনিতে যাই যবে আড়ি,
আন জ্ঞান নাশি করে হুক্মমী,
ইতির লেবনে স্বকাল ভ্রি,

বেৰজণে যদি আমন নিবালে, যদি কেনেকালে নিজ পুণা লেন, আমনি মভিয়া বাই কক্ষালে, সময় তেমোর না সেবি চারণ ॥

লমেও করি না তোমার বেকন। •

নেব চাবাজিত এজন্য হয়,
নংগার তরিতে তর্ণী কর্ম,
ত্য কর্ণনাররূপে বিহয়রু
তথ্যকালার ক্ষণা, প্রিতপা্বন দু

চলভ রবেন পেরে **মর্বরেন,** স্থান্থ পেরেতি ভোষার ভলতেন, কি কাল স্থামার আরে সংগ্রন, ভূমি প্রভোষার সাধ্যন-সাধ্য #

নেত্র কর্মানলে আপো মোর বৃহ্ছ। তথ আর চঃগ লভিব হৈ ভাহা, বিত্ত খোনা ছাড়ি না বাইব কাঁছা। ভূমি ভ কামার নিতা আয়োকন ॥

কত রূপা প্রভো করি ছৈ ছুমি, ককণার ওণে সদা বাধ্য আমি, নেই কুপা যেন দিবা মান্ত বামি, সভত রাধ্যে করি আক্ষণ দ

# ভগবানের মায়ণ কি !

নববেগণেরের অঞ্চতম্ শ্রীপ্রস্থাকি নিমিলালকে থলিলের, তে মহার্থার বিল্লালয়ক বে স্থিতিবাদ করিবলৈ কে স্থানিক কি পুরুষ কে স্থানিক পুরুষ কে স্থানিক কি স্থানিক

नर्राष्ट्रक बाति कातम क्षेत्रन्यान् निव শহিরদা নারাশভিবারা এই বিশ কৃষ্টি कत्रिवाद्यास्त्रम, इल्ला १३ तिष धैमावादरे <u>शक्तिरीय । मार्गि ६२८६ महस्तुत्तु, प्रक्रात</u>ु इंडिएड बाह्यात-एक, बाह्यात-एक इंडिएड' कारम पूछ मकरणत खरनांख इंडराइइ। क दि — हैं। छ श्वारतंत्र एउँदा निक्तिस्ड বিভিন্নাপেন এ আংশ-ভূত ক্রীবের ভোগ ও स्मारक्ष कल एके क्षांत्वस मृष्टि । कीरबन्न স্থাত হক্ষ এটার মাহিক। ভীৰ ঐ माप्रिक शत ध्वत का द्वा विश्वशक्त (कान कतिएक कतिएक यथम के एकारभ की एकाङ মইয়া উত্থেপানে ও উপাস্নায় প্রয়েক হল, তখন তাহার মেনের হচন। ২য়। পরে শাধুসক্ষভাবে হার ১৯নে গ্রন্ত হটলে ত্ত্বৰ উপৰ্যন্তি দেশ মৃতিলাভ হইয়া থাকে। "সুভিডিখাওখারপং পরপেন। শ্বিদ্বিতা পরিভ্যাগ করিয়া শ্বরণো অব্ভিত হট্মা হরিলজন করার নামই मुक्ति।

 ভশবাদের যে শভিত্র বলে শীর বহিরুদ। মায়াশভির কবশ হইতে মূক্ত হইয়া স্থ-স্বরূপ উপদানি পুরাক ীভগ্রানের ভলন করেন, সেই পরির নাম যোগময়ে मा विश्वकि । एवं विश्वकि श्रीक्षणमारना অন্তর্যাস্য ; ইহার অপর নাম --স্পর্কপ্রণ জ. এই অৱস্থা চিংশজি বহিন্তমা মায়াশ জ इदेश्ड १४क् । एकडे मिल खेलावाराजा চিদক্ষে চিৎশক্তি ও অভিং অফ অচিৎশক্তি বা মাল্ডির 2 7 यथन हिर्मालिय चासूनाटा स्थादकारका করেন, তখন ডিনি এরড শাস্ত বা देवक्य : आज यथम वश्चिम् मामान्छित षाता अधिक स्ट्री अस्वत्वर्ष्य व्या, उपन किंन आकृष्ट मार्क वा विश्वशी।

এই পঞ্মহাভূতহারা দেব মহয়াদির শ্রীরাকেল ৬টি করিয়া ভীতগ্রান েলারণ কীবের সভিত্র প্রয়ণ প্রমান্তর লো खन्नरः । कार्यम् । करतमः । कीरत्त्र अपया-প্রবেশ ভৌগের জন্ত**্র অন্ত**্যালয় প্র পরমায়ের জীবাজার মনো প্রবেশ ভালের सक्राध्य प्रायाः कीत्राखाः के (मर २०) প্রেয়েশপৃথ্যক মন প্রেক্তি একারণ ইপ্রিয়-শারা ব্যাস্থল ভার করিছে গাকেন। প্রমায়া কিয়ু মেরুপ কলেন না ভিনি : मा. बहरन केरनत है एका भवन नति-**प्रतीन क्षिड़ा अ'टकन।** ग्यन ८०:न জৌভাবাশীল কীৰ বিনয়-ভেগেও বিভ इक्केश अल्लाहरू सार्वि छेटल वर्ग, ४४० ক্রান্ত্র ক্রমনে প্রানুদ্র হন, তপন বিনি ঐ হীবের ভারন-পরিপাককালে তেনে যে ন अध्यः क्षित्रा चाट्यम,—वशा (मृद्धकः «[ [2 ]

क्षा खुलदी प्रयुक्ता शतको अधीनर बुक्तरन পরিবন্ধনাতে। ভবোরণ)ং পিয়লং ছাড্ডান্থনজো-ছভিচাকनীভি ॥

खार नवा व हे दि महना मरबुक म्या. ভাবপেল এইটা পক্ষী এই দেহরণ বুল কে আত্রম করিয়া বাস করিতেছেন। তাঁচাদের মধ্যে একজন অপাৎ জীব নানাবিধ স্থান-যুক্ত অ্থছ: বল কর্ম-ফল ভোগ করিং। থাকেন, অন্য জন অর্থাৎ প্রমেশ্র ভেগ্ন না করিয়া সাকিশ্বরূপ দশন করেন।

পরমাল্লা অন্তভামিরপে ভীৰণরীরে অবহানপুর্কক নির্দ্ধিকারা ভীবের देखिय भकरणत महीरए। मुक्कालन कामन। জীব ঐ সভীৰ ইনিয়নমূহৰায়া বিয়ে भक्त ८५% कतिएक चारकन। ८६% কবিতে করিশে যোগতর আস্থাতি বংকঃ कीरवत Ce दर का या सम घटते । एका कीव ব্যবস্থিতিঃ ভাঃ ২০.৬ ) অধাং এ দেহকেই আয়া ভাবিয়া উহতক কোন ক্রমেট ভাগ করিছে চণ্চে না। এই প্রাকারে জন্মার বন্ধান-দশ্য উপন্তি হয়। **(मह**ाती कीत करफंडियवाता धारूम বাসনার সহিত কর্মদকল আচরণ করিতে 🌣 কুর্মা আন্দক্ত ভণব্রিজ্ঞান উপ্দেশ দান করিতে তথ পারুক েই মকল বায়নৰ ভেগ ক্রিয়া এই সংখ্যের ভ্রমণ করেল। ভীব । ভূতি এইকো 🖏 ওলাদেবেল ত্তানি কেও ভয়াত্রপুৰিবিৰ স্থান্তাপক কল্পেছিলে 👉 ভ্ৰমণ্ডী সুক্ষা 🔻 অংশ হ কথাতে দেব ্যানি, কথাও **মহায়**। বেচনি, কথন প্রত্তিত ব্যাণ ব্রাচ लाबात भवा छ कानगत धनेया मनामृष्ट्रा ८० थ इत्ता शृक्ष प्रश्ताति तिलाल जलायक ठकरल व्यनाभिनिवन काला अंदा धनाविक । ए(का ठकाल व्याप्तासन कर्णकरात स्थितिक क्या कर्षत । वर्षता Q ( ... গুলিবীতে শতব্য অনুষ্ঠি এইবে এবং : পাছিল ও বুলিওে পাছিল-- লামাদের करिएमा : अक्रम्राच्या युवा केन्ट्रीक काल्या फे.चंड ३३३१ च.८११८३ **वी.**७ ३३४**१**, विश्व मध्य के ब्रिट के ब्रिट विश्व व हरता। त्य पुरुष्ट आवशा । एवं स्ट्रिट आवशा ७९क!(ज .५७क मामक ,मध्यन क्षिण ७- | ११७) छ]।११ कश्चिम, ८५८ ३ड्रॅ(क्स भूमुन निर्मान कर राज रूक्तम वर्षन कार्यत्त, माग्रायनको आग्रापित्यक अभि कतियः, हाङ

भहित कहणात्र दारवन कर्ता, कहणात्र महद्वर क्षारः म करत्, त्या शहस्त्र ध्यक्रिए धाराम करते भर्गार मीम इत्र ।

#### হেরুহের

( উপাদ ননাছলাল ব্ৰশ্বচারী )

বে ভার দ্ররণং সমবহার ভাগবন্তম্পী-कहैं, दायखंख ८५ ८७४ ८०४ छेलारसम विश्वास, काला वारम भए। वेक क्वांस অভএবইখ্সংসারে দিংছোর।

( Tat 7,1 2 + 2 mt )

আমবা এই খোকটা অন্যেক বি আলোচনা কৰিয়া প'ক। কিন্তু ইহার ভাব-প্রাতিতে বালি মাই। যদি আমারা। भाग होता नामार्थ क निष्यास । खारण **हाहे** हा winter of two states said the in .

का करता है पहल स्मार्थन भागमानी सम्बंधन अष्ट कहें हैं। एतरमध्यत C कि कि कि असिया : 🖺 ভবকেৰ আমিৰ ৫,বায় সংস্থেষ কভি करनमः यभि कामका द हिर्देशानाम प्रष्टे, । रित्रका कत गर्भ १ १५५ हो जा हरे. क्षेत्र कन्द्राची र देशक करिलक स्टेंग्ड ।

त्य भवत देशीचर हालस्य समि सी. एक 一个2000年代 的复数 前线性 鐵鐵業金貨 <sup>6</sup>千人 西蒙 কাৰ্য্যভুক্ত ক্ৰাণ্ডকৈ **অ**ব্যাক সংকৰ কলা ! চেন্ত্ৰের মুখনি খেছবালে এটোল ক্রিনের ! ंत्रकारण छ । । हे बाह्य । दा नमञ्जू कथा छन्दिन কুষ্য অনুষ্ঠে একরা ভিন লোক এটাপ ুঁৱে খাবছা, 🗘 অবস্থা এইছে উন্নত ২২৫৯ 44.1

म.इ.रम्यो आमाभिश्यक टास्टि ५३,८७ लाङ्गांच ६डे८७ कालक कतिहा, अमध्य ेख्यानायुत्र कतिनाल (bå) कतिहार छ। এবং েছ ভাৰে বৈশ্বসংগ্ৰাপনীৰ এই নি বি নুষ্ঠুত স্বতিখনকল এক এইয়া আনিনিস্টুক ख्या चताछ शूद्रम दीय छेला. के विवाष्ट्री आध्यमण कांतरत. टाई म्हार्क टी. धक- ! अभाष्ट्रक भाषानाम कृष्टिका कात- | स्मरतन भाष्ट्रमा काम कृष्टिका भाषान त्रं इत् जन रहत्त्व अद्भाव व्यव व्यवहराकः कारान्य विभागे, दावी ६६वात्र कायान शाहरा यसि व्यवसार অলচ্ছ 📠 চ্থিকী । দের মধ্যে ওয়ানুখনিংস ভাষাৰী ভাষার સ્વાહિત ભાગાન કર, ભાગ શે હતા સાંગ જ્જી હોય જેતા, અફર્ય જરેલા જાગમાં हाछ इत्रेटन शहा ८ १८ तरल भाषाच इस । कालिए भाषित एर, खक्रमानभूष किन्छ। छ बारक हर हो। एक ना अल केड वर्षण हिल्ला एएक विष्णु । बार्क विष्णु । (५०० ५१२८७ मीस ३४, धार भाकालाश्चाता । सक्षांक ८०७५२**क मा**सिस ८७७म व**स** । ৰানুণ তৰ্মান হত হয়লে বায়ে আন লে। তেওনল্পি এবৰ কল্লা আনাৰ একমাত্ৰ की न बहा। भारत कामानी भारत का का कर कर है। धार देखा है अब देखा व कमाब देखा की माकार्याः भरान्छन् छछ इंडेरन् आकान् । आधात व्यवस्य क्रियरद्रध्यः आभारमञ् कारा कार्कारह होने रहा। क्रांतिकारका, अने अकारीका विकास मान्यानिक পুত্তি ও সাজিক আহ্দার উৎপত্ন দেবলাণের । করিতে ছইবে। জলালের বিষয় স্থানা 🖟 अहिन्न यम,--हेशका निम्न निम्न कार्रात माना प.याहरू यहेरन ना : तकन्मी लाएकिन देरेरन र्रानका केमा वार्ष हैं

क्रिकारमय देवकु इंदरक आविए छ छ डाहात मुधिवार उनानी क विक्श्वेवानी । वह গুলন্ত বিজ্ঞ আৰ্থানেক উপ্লক্ষি ক্রিডে হইবে। যদি আমনা একগছের শিব্ধ गरेका मांशा यामहि, छाडा इंद्वेश्य CB@w বাণী উপ্লাম করিছে পারিষ লাঃ उक्त नारक यक कि हूं तक आरंक. तम मन्न व एक बागारभन्न विभन्ने छ छाव देवस कराहेस।

# ঠাকুর ভক্তিবিনোদ रेन्सि हि डे हे

মিখাম-ভারাপুর, শ্রীরা ( प्राप्तच-मामन २ता हिन्द १ हेट के किछ /

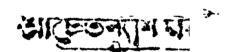
আমরা ওড়িয়া আহীৰ আন্দিত চটল'ম যে, বিশ্ববৈষ্ণর'ভাসভায় পরি-প্রার্থক প্রের ও বিষয় পরি প্রমণ্ডল প্রতিত রাজক ভাগুক্রী আরু বিরুশ্ভ 🖫 🕄 🚁 🗣 ভতিনিভান্ত নরগুটা শোলামী মধারাক্ত ন্ত্রী মে মালাপুরে আগামী বস্থা এতিকা - • राम देखा **ए** अया त शिक्त पश्चितिस्माम इम्क्रिप्टिंड' माध्य अवन्ति केल केलाजी নিচাৰ্য ভাডিটিভ ক্ৰিটে উল্লোখ্যকাপ ক'বয়াহেন। এঃবাম মালাপুর অভি আতে কল ভান। পুতস্থিতা ভাগারণীর জন্মের মুক্ত বড়ে মধ্যেপ্রার **উয়ুক্ত** मरमान्दक स्था चित्र कविशा सार्टन. তথ্যনক ন ন্যবৃৎপত্ত বিভেগ্ন পানীয় জন্ম মর,পুর ও পুরুষ্টিভিড প্রীন্ত**েম্** गमान था। विशेष के तरहरहा मन्देशन मत्यान चाठान श्रह सहन नक्षक भष्तियाक कृतिकाम क्रीट्रिक्टलम्प्रोत **मदश्ल ८१७** उधानकात्र नार्मध्य निषक माणिककार्य निष्टा भारतपुर तयर काषुनिक संभएखा त्यान कायात छ गेलिक **दशास्य कन्यरिक** কবিতে পারে নাই। অভতর তথানকার প্যারপন্নক অবস্থা কোমশম্ভি ভয়শ-जरक (च क्याबिज्दनक ठीव्रक बाह्म, अवहर्कान नःदन्य, পात्रभाषिक निषय अपृक्ति भक्षाप्रशिकारनाम भारक भागरकाकारन चक्रत्वा एडेक्स प्रशास्त्र विशास दिशास अरकालन दिएन्यलास कामगीष ध्यार व्यामना क्षम्बर्भ श्रीश्रीरशायामी महा-রাজের গুড়সম্ম সমাধ্যময়ণে অভিনৰিত Pincery 1

आभन्ना भात ९ कालियाम त्य, वह वियो-८.८४ किना ग्रांस छाछान्य स चाकियास धरणाव ५६८व । अच्छाडि क्रीभाग्राभुव आध्य वर्ष पारवंत्र यस उत्तरनाक व्यानिशा था। यशिष्टरहेंब । शाह त्रमा ७ विकिश्मात वर ब्रिटिंग्स-ন্ত্ৰে খুলিকিত চিকিংসকপণেয় জন্মাৰ-ार्ज वायवा हिक्किमाणवर्ष व्यक्तिस

# ভাক্ত গ্রেখাবলী



**अट्रेक्टरबर्ख--- बेरहिकिविद्यांत केंक्ट्रिक किविय-**-किंगुर्क औरवड कार्यक्ष, कृतकत अधिक मधक, जिला क क्रिकिक कथा. क्रिकेटिक निष्य छ अवध्यात्मव रक्षा छानिर क क्षामाना शक्त क्षानवात समान, देवांत्र वर्गामानवा, देवका-"ल्ट्या प्रकृत, न्ट्यान, मनाव मिक नामका, प्राप्ता करू. देवश-केंकि क क्षानाटका दन्य, हमाराज्या, महेबकतामी क्रम क्षांक कारकमा, कीरबन बचा का छ मू छ, टेन्कनगृहरसञ् व्यक्तितात. किक्किक व्यक्तिकार्य-गंदिनात, कन्छ व व्यक्तिक स्मन मार्क्सा, मारुवया के देनक रनया, द्यात क्रकतीया, कत्र म अवा ना कालांव व्यक्तांक-८७०, क्रान्तिव्यक्तां क रणीय-निक्षात बारकर, मक्तमरकर मार्क कितान कावग, अल्ला-बाब क्षत्र क एको क्ष्मण, मन्ति १५१०, मी म्मा, देव है। क जालाकुनः क्षकि, मध्यक्रांन, यमनत्यद अ'मकारी, लाबकोबरम, असुव इन, बीबाट्यानम काञ्च म अभारत अध्याननहास मान्।स ि शह प्रदावनी म क मनगर शिक करणामकनाकान का न भारताभिक बारकाश किहा एक बाद्या न शर्बन माजित मा । महम गुढ़ व्यक्तित्रक का क्रम महम क क्रमश्रामणी अप व्यमगाठ क्यकालक व्य न्द्र । किन्यम स्माध्याना-मान्न-सरस्मितिन क्या-अल्ल कर शहासुक केविक शहार्यक्षा आवात अविकृत प्रती. क्षा ।। व के कार्ति का.। ( (अस अमृक कता क्षेत्राटक र Taile, art. Colore wen all only buge division · 海山 人 中、中部に 中華の



#### ं इण्ड्रं जरफत्त्व सम्रक्ष वीदाईं ् ३, पूर्वे हेरका भावीया—ऽ०० दुर्शोदन पूर्वे हेरका

যুক্তিপুণ লাগ্লবাকা হাবা প্রাহোক মানবাক নিজা কলান ক আনতা গাম হল কল্পবা নিজা তি বছরাকে। কলেন ক্রেক উক্তি গানাবন লাগ্রবাকা হাবা সম্বিত দ ক্রিয়াল ক্রিবাল্লে। ব্যক্তির মনের ক আন্তাহ বাল কিছু ক্রেক্তি ক্রেক্তিয়া ব্যক্তির ক্রেক্তি করাকে ক্রেক্তিয়াক করাকে। ক্রেক্তি লাজিক করেকে আনক্র করের লেক স্বস্থ পার না ক্রেক্তি লাজিক করেকে আনক্র করের। লেক স্বস্থ পার না



क्रिक्रीम मरकरण 🕪 बाला

বিষয় ব্যাসনে এক জন ব্যুন্থ-ব্যাসনী প্রভাক বিশাসনক্ষাল যে সক্ষ্য কথা সাধানকেন, করি এক প্রতে কুলিপ্রের অক্সুন ক ক্রিকুল, বিচাস করি প্রকাশকাত ক্রিক কর্মানে । ইন্যু ভাগো ইয়েন্সক্ষাপ্রকৃতি ক্রিক্স ব্যুক্ত কর্মানে ক্ষুক্তবাবে ক্রিক্সক্ষ্য ক্রেন্সক

### ৪৪০ গৌরাব্দের সচিত্র

# শ্রীনবদ্বীপ পঞ্জিকা

পারনা পিক বাজিনাতেরই একান্ত প্রয়োজনীয় বিষ্ণুত্রত ও উপবাসাদির ভালেকা কথালিত বাংলার যরে যরে বিরাজিত ইউক

ভিকা ১০ আনা মাত্র

do ভাক টিকিট প:ঠাইলে ভাকে পাঠান হয়।

ম্চাক্ৰি

### শ্রীট্যত্রামঙ্গল শ্রীট্যত্রামঙ্গল

ওঁ বিকুপাদ ঐশীসভকিসিভাত সর্ভটী গোধামা প্রভূপাদ সম্পাদিত ভূমিকা; সোকে। অবন, বলাক্রাদ, প্রাত প্রসাদের ও মণ্ডের কথা সাল্ল, শব্দুটা, স্থানসূচী, পাত্রভূটী, প্রমাণপ্রত্ন, ভালিকা, পভাস্টা প্রভৃতি বিশ্বত সূচী সম্বাদিত গোল্ডে, সাল্লের ভবল ক্রাউন, আটপেলা আকাণে ইট গড়ের কাগতে ছাপা। ভিজ্ঞা—২৪০ টকে।

### শ্রীহরিনা মটি স্তামণি

নামাণার্থ। উদ্ধিল ধ্রিনিক্ষ্ণের মুখে ইন্নিয়ার্থক ভূ বিশেষ ম বাছা, নামাণাস, নামাপ্রাণ পাস্তার বিষয়ের বাব বীং বিচার প্রবন কার্য়াভ্রেন, এর বিষয়ন্ত্রী ক্রিন্থ শুরুষ প্রায়ের স্থিপ্তি জ্বেপ্তান প্রিশ্টিভাবে নৃতিত। শুরুষ ভালিবিনেশিস্কার্ব-ম্নিত। ধন নাজ্বাব ভিক্ষা

# বৈফ্ৰমঞ্বা সমাজতি

( भानार-देन(कावश्रध )

ষিয় :— ১ । তিশি শালে বাবস ল শাখাবাীর অর্থ ২ ।

ানি শালাবারের বৈশ্ব পালে চিনি, ত নিফুবিয়া বিশ্ব লিছিল

ইমন্দির ও বিলেশ্য বিশ্ব লিছিল বিশ্ব লোটি ক ও

শালীর আক মৃত্র বংগলীর দেখা। চারগণ্ড প্রকাশ ল কর্মানে ১ম শাল দ্রুল বংগলীর দেখা। চারগণ্ড প্রকাশ ল কর্মানে ১ম শাল দ্রুল বংগলীর দেখা। চারগণ্ড প্রকাশ ল

# **बै**। डिक्निमम् ड

्म प्र १८ এक हाका । स्र थ ७ ८ होक — भिष्णास प्रवेष १ ति । देश विषय । ति । स्व व गाथायात्रात्तव । ति । ति । ति । स्व व शाशाक्ती । स्व व । ति । ति । ति । स्व व । स्

> ক্ষম কালালা সক্ষলিত সদাসারস্থাতিঃ জিলা, • জনা নাত্র

# বিজ্ঞাপন

#### সাব্ধান!

সাব্ধনে !!

কে, বি. দত্তের চৌকা শিশি **আদোম ৈতল** আদি ও অক্রত্রিম এবং উপকারিতার স্ববন্ধন পরিচিত ও বহু প্রশংসিত।

আমর। সরবসাগারণতে জানাইতেছি, বাদার তৈল থারদ করিব র সন্য শিশির গায়ে ইংরাজী অক্সরে জে, শি, দত্ত এও কোম্পানী নাম খোদা দেখিয়া খরিদ করিবেন। নতুবা জুলাটোরগণ ক্ষদরের কৃত্রেম তৈল দিয়া প্রভারণা করিবে।

# ফেরাস কুইনিন্

নুত্ৰ এবং পুরতেন মালেরিরার খন

টং দ উপযুক্ত মাজার আংকন্, ব্যালাই**ভোলে।** কুইনিন পাংসানিক অংকটিতিপেন **মাছে**।

এই ফোনাস কুইনিন খালা ব্যেক্রনন কবিলে একটি স ওচি ব্যেক্ষনেত সকলপাকার কঠিন মা হৈ নিয়া আৰু বছ কাল এবং ৬ কইছে ১২টা কল্পেন্দ্রনে ময়ানেনিয়ার সম্ভ উন্পালী নঠ কার্যা ফেলে ঃ

क अल्लानभून व्यक्ति नाम---मुना व हो छ । है। वे हैं। है। बाह्य (किन्द्राम क्षेत्र क्रिक्सिकाम समयत्विहेंदिस अत्राप्त कर सक्तीयम (एन, क्रिकारो ।

নোডার বৈশ্বৰ জগতে অভিনৰ এছ !! শ্রীস ঠাকুর ভাক্ষবিনোধের দীভি-এভাবলা :---

> প্রকট সাইছ: অইস সংক্ষরণ ডিক্ষা / ০ আমাঃ

ক্ষেত্র থানের চেটা আনজাবন্ধ স্কর----ইটা ব্ধন কীৰ্
বু বাতে পালে, জনন ক্ষনাক নিভাগন্ধ ক্রিছনবানের বান্ধি
পালার কোন কাডার আবেগমরী প্রাপনা কর কার্য ক্রিন নানে নক্ষান্ধানবলে নিজগরে কি প্রকারে পর্বাপর
১৯৮৬ চন, কডায়াল বিষয়ক প্রাপশ্যনী ক্যাপনা ক আন্ধান

ভিক্ষা প্রতি যন্ত ৴০ এক আন্স ব্যোসভাজ্যিচান্তকা— ৴০, নবদীপনতক— ৴০

কল্যাণক শতক

सदस्य शाहेष सम्बद्ध शरक्षत्रेस सिक्षा ८००

্ বিশ্বত ক্যাটালগের জন্ম নিয়ালখিত ঠিকানাল পত্র ক্রিন্দ ম্যানেকার—গ্রন্থবিদ্ধান, ফ্রীটেডনাম্য, পোঃ শ্রীমালাপুর, ( নদায়)

# दियः

#### बोटें उट्या मत

#### আকর মইসাজ

ला हीन मनदी .. छ। कदन झांगाय मात्राण्य, मंगीता

শ্রীমহাবোগলীর হটজে গায় ৩০০ গছ উত্তর-পৃথ্যে শ্রীপ্রস্থপত্তরে আচার্বায়ন্ত শ্রীচন্ত্র-বেশব্য-ক্ষণনে শ্রীপ্রীকৈক্ষ-ম্য নিরামমান।

এই স্থান সাংখনত-ভীর্থ, পরাবল্প পীস বা সান্তন কলেলগা। এই মলা নীর্বে প্রিকরিন নামান্তন বাক্তিলালি-বেলালসমূল, পর্বিক্তার অন্তর্গত কাবা, নাটক, অবজার, কলা প্রামান-উপনিবল্নীতা-প্রতঃগুল প্রতির অবজার কাবার কাবা

#### (৩) যোগণীত শ্ৰীমন্দির

ক্রম্বান শ্রীক্রমাণ্মিরপ্র ভবন বা বিষয়ণাপ্রভুৱ আণিটোর ভূমি মৃণ্যেগ-প্রিই। ক্রথানে শ্রীক্রমানিয়া ও শ্রীক্রি-ইর্মোণ্ড শ্রীক্রেনায়ানে এবং শ্রীকৈরনা ও শ্রীকার্যাক্রমান ক্রমান-ব্যাক্র জারার গোস্থামী ভট্টাচার্যা প্রভু শ্রীর্মান মার্থার গোস্থামী ভট্টাচার্যা প্রভু শ্রীর্মান আর্থার সভলারী শ্রীক্রানেন্দ্র প্রকণাসা, শ্রীক্রমান্যা শ্রীক্রার্ডব্রম্ব।

#### (8) 최작1카-백부리 ..

শ্রীনমূল প্রভূব কার্ত্তল-নিলাস বা
বিলোকনিলার কাগজ্বী। এগানে শ্রীশ্রীগোর
নিতালিক ও পক্ষ চন্দ্রের সেবা বস্তুমান।
কলক—শ্রীবাশাপ্তাম ব্রশ্বচারী, শ্রীমনুত

#### ( १ ) च्यदेव छ-च्यव

क्षत्र क्षात्म श्रीयदेवत श्रम्भ क्षत्र क्षत्र क्षत्र क्षत्र ।

#### (७) काळोड मध वि भ हें

আটিন মাগণুত্ত, বামনপুকুর (নদীরা) ক্রিন্তুকুপুণাক শ্রীচারকাজীর সম দি।

ক্রিক্তুল্লক্ষ্টাটী শ্রীবিনোবাৰগাতী।

#### ( 4 ) **4184 24.28**

श्रीशाक्षण, यस्त्रशाक्ष ( सकीता ) अपारत र्डारकृताय जिल फिक्किरमाम्हेरकृद्यत स्थापित स्था श्रीशाक्ष्ययाम्ब स्थार स्थितिहासा प्रस्थापत (स्था क्षेत्राम

क्षण-४ (०२ वर प्राप्ताः) विक्रणायिको वर्गः वरः

#### (৮) शिक्षश्रद्धां दशौडीय वर्ट प्रथम शिक्षा

রক্ষক---- শ্রীষ্ঠবর ছাজিশ স্থা হয়, এ, বি, এল, সংকারী---- শ্রীইছাল,স ছাজি-শারী, শ্রীমক্ষম অধ্যারী প্রকৃষ্ণি।

### (>) औरभाज-भनाभन-मठ

ঠাপাও টা, সমুদ্রগড়, ( বছমান ) শ্রীল বালীনাথের প্রাণেষ্টিত গোরগদাধন-দেবা। সক্ষক—শ্রীভিতিবিক্তান আবিম।

#### ( ১+ ) शक्तिल .गोड़ाग्र-मठ

बर्. १४क. श्रक्षांश वके. नि वक्तक--- फ्रेंश्विम्म क्षकात्री, क्रेक्सप्यव क्रमान्ती :

#### ( ১: ) और मानक महत्त-

মাউণাভি, ভাগ্নগৰ, বছমান।

বীণাগাব পাব ঠ কুৰ বুন্দাবনের স্থান।
বক্ষক— ইংক্ষ বংশী ব্রন্দণাণী।
(১২) জ্ঞাগৰ ভ আগনন
বীলাগৰ ভ প্রেশ, ক্ষমনগর, লনীরা।
ক্ষাপ্র শিক্ষাপ্র গ্রন্ধাবলী প্রচার-ক্ষেত্র

জাপ্র - নিজার এছাবনী আচার-ক্ষেত্র। রক্তক— শ্রীমতানক একচাতী।

#### (১৩) **শ্রীএকারন মঠ** টে লগড়া, গোলাটা, ক্রদ্রনগর, নদীরা। বন্ধক—শ্রীবসুসানন্দ প্রস্নতাবী।

#### ( 58 ) শ্রীমাণৰ গোড়ীয় ষঠ ১০নং নবাবপুৰ গোড়া, চাকা। পুরাবধের প্রচাব-কেন্দ্র, হবানে শ্রী গুল-চৌন্ত গান্ধবা-পিরিপ্রের পেরা বস্তুমান।

#### ( ১৫ ) উ:গোপানতী বঠ ক্ষণপ্রের চাক।

cma-Balsiana Benfil !

লোগালনীয় আবিপ্রচেষ আচীন দেবা মুক্তক-শ্রীপ্রাগগৌর অমধানী।

# (২) বিগৌড়ীর মঠ

२७ सर.कालिखाताच ठळावची श्रीह. त्यां: तार्थवीकांच, क्रिकाश । दहासाकास वि. वि. ८००४

### (३७) श्रीभाषे-८गोबाच मठ

ङ्गिकांक रामारिको सका, गामिकाती, छाका ∰श्रमाग-(श्रीदारक्षत सिन्छा स्थया क्षम क — ॐश्रुर्ग तथा दक्षणाको ।

#### (১৭) 🖺 छाभव उक्षमामण मर्ठ

দিজালিং।, নাজ্বেশসূত্র, মেদিনীপুর।
গ্রেশনে শীগুরু-গোনজ-গান্ধবিকাগিবিনারীর নিজাপেন্য ব্যাসন্য রক্ষক--ব্রুবাসী শ্রীক্সবান্ধাস্থী। ব্রুহারী স্রান্ধ

#### .১৮) चानगारवाड़ा अनुज्ञासन

शास्त्रीत (भार नक्ष्यान ।

ত্রী ওরুগোরাল-শ্রীগ স্কলিকা গিরিধারী। নিভাগেরা। রক্ষক—এপরাদী স্রাধ্যেক। কেবোরঃ

#### (১৯) औतुक्रदात्वम मह

পৰ্মধাৰ, পুৰী, উচিয়া।
কথানে শ্ৰীগোৰ-বিনোদধানৰভীয় নিজা-সেশ্য বৰ্মান। ফক্ষক -- ব্ৰহ্মচাৰী শ্ৰীপথমা-নক্ষ বিধান্তম্ভ, ব্ৰহ্মচাৰী শ্ৰীক্ষীধানক।

#### (२०) खिल्ला-८गोडीय मंड

আলবচনাপ, এক্সিন্ত পোঃ, পুরী।
অগগ্রাধনেরে অনবসর সমধে শ্রীনরতা
বাতুর অন্য না বক্ষক—এক্ষরাত্রী
শ্রীনরমন্ত্রী , ক্রাণাদলী। সভকায়ী—
ব্রহ্মারী শ্রীবিলনবিভারী।

#### (.) श्रिजकियानम् वर्ड

উছিনাবাজার, কটক।
এবংনে শ্রীভল-নৌধাক-বিলোজননভীয় বিভাগেন নউনলি। ইক্স--ইক্ষাহী শ্রীগন্ধন।

#### (२२) क्षिणमाध्यम-अर्थोशा मर्ड

eনং জগজাবনপুরা, কাশী ।
ব্যা -পণ:ছপ্র সলছেন-লিকাছল।
কো:ন গোলগোনা বত্যনো, ককক---নীকানকীনাগলী।

#### ा ७: जैक्करेडक्क मह

প্রীনু সংগ্রে ব কুল্প, প্রাবাম কু**শ্বরেন চ** জ্ঞানীবাসন্প্রভাতমালনকার সেবা চ

রগণ ক— শ্রীগণ কিনাপ রশ্বতারী (২৪) জ্রাপরস্বর্গে মার্ট

देनिया १९१. मेर हा गुड

ক্রণানে ইঞ্নাগণত পাঠপালা ও শ্রীগোঁলী বিনাধ বিনা গলাভ দেবা বস্তুমার। বক্ষক — ব্রহ্মচারী শ্রীনুসংকালক ও ব্রহ্মচারী শ্রীনক্ষ্মসংগ্রাধ

#### (२०) औदिक क्यार गोक्री के बर्ड

ভূম্বকু জা, চিনকু জ , খানজুম। ইয়া প্রতি ৪%-মতের পাগ।। বক্ষক—প্রীর্মান নাগ বাছ, প্রিচেন্পানক স্বক্তারী। জীনুষ ভীব বেংবিলিন।

#### (२७) औनामःभोद्रोप्त वर्ड

কৃষ্ণকের, বানেখর, করার । বর্ণারে জীপোরাকনে-দ-রাধের সেরা বর্ত্ত্বারার। রক্ষক---রক্ষ্ণারী জীপুরন্ধলী। (২এ) ভার্ত্তাক্ষণসংস্কৃণ প্রস্তান্ত্রাক্ষাক্ষাক্ষাক্ষ

# ২৮) বিশ্বা গোড়ীয় মঠ—ক মিয়ালৰ

১৮ दर्ग द्यारात, निके विक्री ।

श्रमं क ---अमेशकी स्त्री प्राप्ति कालामण,
सम्बद्धाती स्त्री प्राप्ति कालामण,
(२३) द्वारामणाकालामण

प्रकर-अवश्वाती जीवारास्याच्या "

# চৈতভামটের শুদ্ধভাক্তি গ্রহমালা

<i>5</i> ⋅ <b>*</b>	क्षांकट्स क्षकांगिङ	٠, ،	8	ল অভুপাদের বন্ধ্যাবলী	1
		•	( 1	ण ) ध्वयम च <b>र्</b> ष	h•
	A (34		( •	ৰ) বিভীঃ শশু	
	·	٠,	(	ग) छुई चल এ≢(ज	×1.
<b>.</b> .	winds-no Antonnelsen	N.A.	24 i	नवदीन नविका	
	( इब गरकश्र )	•		( 888 CHINTY )	<b>.</b> /•
	Absurance	`	99 1	সিঙা ঋদপান	<b>å</b>
	(विश्वाद्य विक्रीय मध्यवन )	<b>e</b> .		ील-१४७ ५नव	<b>~/•</b>
	শীকা ( ত্রীবলমেধ-টাকা-সহ )	2,	•	<b>ভ</b> িক্রয়1 <b>ቀ</b> ৫	
• •	দ্বভা ( ঐচজবৃত্তি-চাৰ্শা-সভ )	24		(नवदीय गतिक्रमा)	<b>å</b>
<b>C</b> 1	देशायसम्ब	2	8 • i	গ্রীক্তমালা	150
	बुक्तिसंख्या क्यामीसकः मास्या	•	821	**************************************	/s•
• • •	(भाषर)	24		নবছাপশ ৬ ক	1
	(नाका) (भाकाम-कक्षा	2	801	नगाठात्रच्याः	١.
<b>b</b> 1	क्रिटिक निकायक (वीधा)	1	88 1	<b>गायमक</b> ्	1.
> 1		2#•	86 1	<u> </u>	١,
>+1		•,11 •	89 !	শরণাগা চ	ر:
22 1	औरहरूककामकम् <b>व</b>		691	ने['का वर्गो	٠,٠
	क्रियवील लक्ष्मम् (वीशी)	31		গোড়ীখনত কি করেন গ	
58.1	क्षिमसाक्षाक्षक (नामः (नीमा )		87 (	मारकारी	١.
	ক্র (ভারাগা)	4•		च्याच <del>श्रीक व</del>	/6
<b>) 4</b> 4	देशकारमञ्जा-नमास्त्रिक			লৈজিমি <b>ছাত্ত</b> গ্ৰী	/•
	, व्यक्ष हा (त्रम् क )	١.			
201	<b>ৣ</b> ●াস্পামাচৰামাণ	<b>5</b> 4 *	2.2	<b>₩</b> Б-1³*	
261	स्ववीलमाभ-अप्रभागाः	je e	Cri -	নাগরাক্ষরে প্রকাণি	43
5 <b>4</b> f	८गा व अटका व थः	<b>M</b> •	4 + 1	भिष्म स-मन्यकी-'स्थित्रःः	
27 1	ক্রেমাবৰ <b>ন</b> ( জূড়ীর সংকরণ )	h.	£9;	স্টীক শেক:দশ্ৰস্	۳
<b>34 1</b>	*****	1.	48	कथ-२४ अम्	
>> 1	क्षेत्रात दक्ष्यण मान्य-काष			सार्वाच । र्वत्र	
4.1	(जाणामी क्ष्युनाथ मान ( वे।धा )		451	সাপ্রাদ শিক্ষাইকম্	<b>~</b> ∕•
	भाषकक्षभागः ( वै। धाँ )		e3	दधाकृषेव पहळ परिक्रकः	1.
	ঞ্জিক কি কল্পনাত ক। সঞ্জিবাৰ	#•	عور	রজা ভাষায় প্রকাশি	<b>417</b>
२०।	८५मासक्षमात मासूर्या		er i	ન <b>ે</b> મેં જે જે મ	1.
•	( सामाक्ष्मीर्व )	1.	163	শাইঘ্যাও প্রিণেক্স খন্	
	क्षण्य (२ क)	•		ट्येटेंठ १७ मध्य म	
	4-51-4-7-1	<b>14</b> /•	<b>6.</b> i	(तक रोक्षभ्	
-	Saleta diversi	-	931	सि काश्राक	
•	-114-114	14.	43 1	ইলেটিক প্রিশিশ্শ য়াও	
	यनित्रकती शक्षवाव	10		भारनगरबंख छिटकामन	
	खब्दकारणी ना मादानामनकपृत्र	į	e0	्वादाष्ट्रि स्त्रा श्रीयमह कला कुनः	1.
	क्रिरणानमिष्द ( समरम् व अभय	ŧ	4	ডিয়া অক্ষরে প্রকা	
	काक कवर निवृद्धि स व्यक्तनाम गर	1		এক্রিনাম (চ্ছামণি	#• = 1==1
	<b>এ</b> নবৰী শভাৰ ৯০০			<b>अवाह्यान । इस्तान</b>	1.
	क्रियां क्ष्मां प्रशासका । वर्णन	10		मानम नव	
40 1		J.		न (यस नाय विकासनी	
08	व्यवायय	ه ان ماه	40 I	_	ن در
ot, i	मन्द्रीनवाम-मारुष्या	-			•
		-	*	rre Muratera, autari	

क्षां क्षांन :-- ब्रेटेडकक्षकं, त्याः अभावाध्यः, सर्वाताः।

### স্বৰ্ণস্থােগ। স্বৰ্ণ স্থােগ।।। এছাকারে খতে খতে প্রকাশিত

# শ্রীলপ্রভূপাদের বক্ত্ ভাবলী

ওঁ বিষ্ণুপাদ শ্রীশ্রমন্ত জিনিছান্ত সর্বাভী গোদামী মহারাজের সেই অবিদ্যা-বিদ্যংসিনী জাবাজ্য সক্রপোদােধিনী কৃষ্ণ-কার্জানন্দ-দারিনী জীবত্ত-বাণার মৃত্ত-বিগ্রহ বিষ্ণুবন কল্পকৃত্তম—সম্প্রদার কৌস্তভ্রনি কৃষ্ণ কর্ন ক্ষাক্ত কর্ন-বিভূমন কল্পকৃত্তম—সম্প্রদার বৈভব-বিজ্ঞানাগারের গৌলিক তথা—পঞ্চরাত্র ও ভাগবত্তের সমন্বয়ন্ত ক্ষাক্ত নিজ্ঞান চরিত্ত-শিক্ষক—চিল্লিলান-চিল্লাজ্রাচিন্নাজ্ঞ-বিচারক—ঐশ্বর্যা ও মাধুযারদের মৌলিক গবেষণাগার—সম্বন্ধ, অভিষেত্র ও প্রয়োজন ভব্বের সিন্ধাত্ত-মাদ্রা

১। প্রাথান্থতি—বৈষণ্যদর্শন, উপ্তরুত্ব, কালধর্ম, উমধ্যাদিন্তার, জীবানভাননী, পাঞ্চল তিকী দীকা ও বর্গ-বিচার, আত্মধর্ম ও মলোধর্ম, জীচে চগুলের ও তাহার শিক্ষা, ক্ষমান্ত সংক্ষমান ও প্রাকৃত সক্ষমান্ত, জীপাদ ঈশ্বস্থা, জীল রসিকাশন-প্রস্তুত, পৃত্তিমার্গ প্রভৃতি বিংশতি সংগ্রুক রন্ধে রন্ধে ভালে । ভিকা মাত্র দ্বার আনা।

২। বিত্তার শশুল-শুদ্ধা ও বিদ্ধা ভক্তি,নমুবোর শ্রেষ্ঠত। কোপায়,
আয়ার নিহার্ডি, জীপর সামিপাদ ও মাহাবাদ. জীনোর নিতামন্দপ্রসাপ, গ্রিমুবোর ধার ও রুগানী ইন, জীনাসপূলায় জীনখাবারতের কীর্তন,
জীবোরধানের মহিমা, মধাপ্রসাদ, জীবোরিন্দ, জীরগামুগাভক্ষম-পথ,
জীমতা রুগভার-দিনী, জীতিহাগ্রের দ্বা, গোরকরাণা ও ক্ষেস্কীপ্রন—
চর্কন জপুন্র-মহ্রিমাপ্র-সভ্ত-বিভূবিত। ভিদ্ধা ১, এক তাকা মাজ।
প্রথম ও বিতীয়—তত গও একতে লইলে ভিদ্ধা ১৯০ চেড টকা.

ভাক খনত প্তস্ত। জাহিত্যকাৰ তেওঁ লাভিয়াল কিটেডভালঠ, পোঃ শ্ৰীমান্ত্ৰিয়া ।

আগামী হলা এপ্রিল (১৯২১) তালিখ ইইচে

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনষ্টিটিউট" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

খোলা হইতেছে

বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা বাহ্যে সুন্দর বাসস্থানের বন্দোবস্ত হইয়াছে। প্রত্যেক ছাতের খোরাকী বাবদ মাত্র ছার টাকা মাসিক বাং হইবে।

> শ্বান অতীব শ্বাশ্বাকর। ছাত্রগণ অভিভাবতের পক্তমন স্বর নিশ্বলিখিড ঠিকানায় আবেদন করুন। সেক্টোন্টী, ভাকুরা ভাঙিশ্বিদোদ প্রশৃষ্টিভিড্ট শ্রীচেড্যান্ট, গোঃ উন্মায়াপুর, ন্ট্রা

# ৫০ বংসরের পরীক্ষিত কয়েকটা মুুুেই।বধ—

বাবছারকারীরা জাল মুদ্ধ হট্যা হে সমস্ত প্রশংসা পর দান করিহাছেল, তাকা কি কবিবে বড় বড় পুস্তক হট্যা পড়ে। আ চিনিও ব্যবহার করিয়া ধর চউন :

- 3। চন্দ্ৰপ্ৰান্ত বৃত্তিকং--হতাৰ নামটাও বেমন কাৰণে কেট বক্ষা ইতা সূত্ৰৰ প্ৰান্তন মেচ, মৃত্যকাক, মশ গাড়কি এবং স্ত্ৰীগোত্ৰিগোৰ হাতিকা ৰাগিন্দ, খেত এবং ক্ষেত্ৰাণৰ প্ৰান্তিক বালি কাৰ্যক্ষাৰ হ
- ২। সুমুপ্রিস্কায় বটিকা—মাদক্ষর।বিশীৰ অভ্যাবর নিজা গোলক ওমন। যে কোন লৈছিক ও মানসিক পীড়াবশতা আনিলায়েনে এব ওবন নানহাতে সাচ্ নিজা হলৈব
- ত। মণ্ডুর বটিকা—ইশ গোবনে প্লীতা ও সন্তুগাপ্ত নেবা ও শতীর গাপুর হটর, মাওয়া হয়াদি বিদ্ধিত হটয়া রক শারকার নারাত আছে হয়।

कि डिन काकारतम कारकाक खेशरतम मुका शाकि कारका कर काका

আধিয়ান:- আভিন্সনিভাগ উল্লেখ্য । ১৯১১ জ গোগুল, কি ১৮

#### क्रीनवर्षा भागमाश्री वाता का क्षा गर

ু প্রীচৈতক মহাপ্রকৃত্র বিহার ও সাংসাঞ্জন নয়ট হ' দে প্রদান ইনি পার্
প্রেটনি বিবারণ----লভ্যেক হীলে ইনিকা প্রকৃতি সাল - প্রদান মালের পারচচ,
ক্রীধ্যেন গ্রহাত্র-স্বামাপরাধ কোল্ ইড্যানি বিষয় বিশেষভাতে মান্যহত ছবেল ব্যবিভা প্রকৃতি স্থানি প্রায় ১৯০ প্রায়

# **এসবদীপ ভালতভ্য দল**

জ্ঞান তেনাক্ষাক্র কালাতে উক্স কান্তিল চ চন্দ্র উন্দ কর্ণ ক্ষাক্রীয়ে ক্ষিক্ষাক্রতির উদ্ধান করে ভালা আন প্রথম বালভা ১ ৬ চন্দ্রালয়

# কাবরাজ শাশভূষণ কবিক্প্রাছিলণের



নশাংশকের প্রবাধার করা ও আং লি শংলে খনাভূলে জনপ্রায় ভাগেইবের ন্যান্তির সম্প্রিয় জীবন দ্বাকে পাছে। মৃত্যা প্রবাধার জারা, প্রেটি চিন্তি কালা বিশ্ব কালা।

অফিস- ১১=২ জিল্লাডালে লোড, পোঃ স্থানবালার, কলিকাডা

# EUR BAR

बहितान प्राप्त के बोक्सिकात, वैक्षित्र निकार होते. बहर, इन कलाक, वश्यक्षत, वाबारवार, तुन नर्त बहर्सि, बनिका कक्षि कक्षत सक्षा निर्माण बाइडाम करा वस, वीदा, स्वर्ध कृष्ट करिएड करिक्केष क्षित्र । युगा ६० वटी ३८ कर हिला.

# হাইড়োগিল

\*

### কে । इसि द्याग

का कम, कम, त्याम विना काल, यानकीनतमय गावाधि प्रिथः टेन्छ्यास्टब त्यागाटक दकायद्वाक दनाम कार्याम। करिया भारकमः

> রিকানা---৯৮ লং কটল **ই**টি, বছবাজাৰ, কালকালে।

### ५। भूनाम्ड

পিতল্পের আবার্থ সংহাব্য। ১ গালাখ উপন্য, সপ্তাবে আবোরা। ছেই দেও বার আনা, বড় ১০ে আনা। মাধ্রল পুলকু।

### ২। শুক্রাচার্যা সঞ্জাবনী পোটাই

শংক্রত ও ধরত ভালের তেলামার মতে। মুগ্র ১ ডিবা ১৮ আর্শা। সাভাল

- ৩ সন্ন্যাসী-প্রদন্ত অল রাগের অব্যর্থ আংটা । শলেও মা কলে মুল কেন্দ্র। মূল সংখ্যান । মাজন পৃথ্
- 8। (काछ-पानाः श्रीन अनेन, . हर्षानः त्यवद्यस्यवः स्थायतः विकासः सामाः। साउन पुत्रकः।

# ধু। বাভলীন

না ব্যাহ মধ্যেপকারী ও সভাতে সংগ্রাপন। আছি ক্রিকি **জালি। আন্দে**। মাজত গোল

রব। এ-ফ্রিম্প এন্তেক রিক। সবর কাটালগের জন্ধ পর সিপুর।
ত্রাজ্ঞান--ম্নোমে, ইন্ জোপরেটরী

প্রেটি, কম্পাপুর, চাক ,

# यद्या हिल ८० म

পুরা নাজালার স্থাতে মকলপ্রাকার চাপার ক্ষম বিকাশের
তৈলা তিক কোনতে গালিকা দিকা নির্দাল কার্যার করি কিবল নিজত জানিতে কইলে নিরা নির্দালার পর কিবল মান্তি স্থাতি — মানোগ্রাম বিকাশি মানত কলেবলার ভালচা।

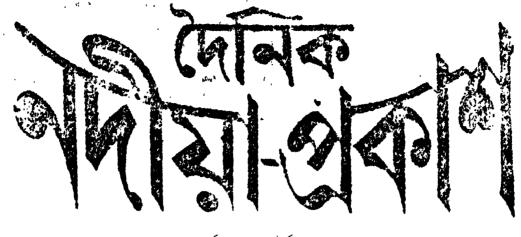
# মন মানুষ বানাহদার ভপায়

> ভোগ এতেওঁ— ডাঃ ডি. ডি. হাজরা।

> > ক্তেপুর, গাটেন বিচ প্রেয়, **ক্তিক্স্ক্র** ঠিক্টের প্রেয় ক্রিয়া **বিভিন্ন**

Berny coforum?

निकामानव साव क्षेष्ठराहर शकि शक > **हिंक्श वा**त्र W-51



বর্ত্তমান-বার্তাবহ

ভাষতের অব্যত বছল-গেটার-প্রায়া কেমার ক্রসার বলসার

मानारपात काम व्या जिम (मन्ना यातिक ३५ यानायिक ६ CANTER SUNG HIMA S. 2114 शकि मध्या त

मभ्यानय—श्री वर्षोस्त्राथ वर्षाशाशाश त्वना छवाठम्था डि **७४ ४७** ो

ि 36 मा मरशा

জালেচনামট জাধান মারাপুর-১১ই চেত্র বুধবার ১০০৭, ১০ণে মার্চ, ১৯০

# নানা কথা

ভারতীয়ের বিমান চালনা ्वर्व आस्थान सन विभाग bing ं नेवाकिक कवान ट्रानी विकास कारण भाव ब्यावल प्राणी मुख्य क्रांच करिक्षित कल्कारक। जनसम्ब क्षांक्रीक्रमण काल्या विमादन कावक कहा का कारण कि ... tatem | utimem fat bem ber fete क्यांकी क्या सरमादक विवाहित्सका कृति ।ता चै प्रकार शास करान। रेक्टर पूर्वक व्यान्त्रयो त्यः विशः व कशाव है। भारत वालमाय अपिका भारत अर क्षेत्रात, र्भः क्षंत्रभित्रीः छीनावः गाःवन्तmer fratteren :

#### ্মরারের উপর মারপিটের क्षण क्षिष्ठि

शक रकाल काश्वराती व्यानीमका मिनग श्विरमद्वक विन क्लिकाकाम स्पष्टन स्थित स ∰ei45m বছল উপল মা∈িট স<sup>ম</sup>েক ं um me क्टर्नाटक्ष्मम कर्जु र ८४ करिकी। े मुक्त कर्षातक, भूव मधाव कर्ष मधावित न विकासिक कार्रात कार्या जा 'क ०२८१ ।

ब्रिंड टेनब्रम कामास स्थाम २७८५ मार्क क्षिक दसदम कलिका काव द्वीरिक्टमन क्रम्ब क विश्व जनहारक कशिक कवित्यन्त्रक THE REPORT OF THE P

"केटिम करने कमिन्निक व्यविद्वसम्मगत्त्रक (व अवः माक्षीरवन्न माक्षा ज्ञवन का नाटक

# ভারতীয়ের বিমান চালনা

মেয়রের উপরে মারপিটের তদন্ত-ক্ষিটা

পর্ভুগান পরিদর্শনে যুবর জ প্রিস-অব-ওয়েল্মূ

# नाथलवक जशा शिवका यालन

মৃত্যুক্ত রহিতের অহুরোধে বিরুটি সভা

# মাজর পর গ্রেপ্তার

ন্ড্েলে নিখিল বস শিক্ষক সম্মেণন

করাতি কংত্যেবের কারারুদ্ধ রাজবন্দীনের নাথের ত্যালকা

रहे व । मर्नवरमञ्ज ऋारमञ्ज **मछ** चानकः र यहेर≫किरनमः प्रका<sup>र</sup>मश्र∕कः fare. व कामरमञ्जू वारका कहरत विशिध च कव की कार्यान use काना विश्वपद्ध ।

### ভূতপূর্ব্ব কাইজার-পুত্র প্রাছড

क्षाकाल क्षत्र के ब्रह्म प्रति । भूक शिक्ष कांशहेश किन्द्रमम् कतः

भूगिन वेपारिकेक गाम करेटक मा aca नावनिकानिक्षमास्कालाती कारक किया। जवानि कडिकार भूज जन्द ए।इ (भारतन्त्र ान्याम श्रीमद्दक्षद्रकत राष्ट्रीयका आकः भूग বার্ষিন স্বাহের স্বাহ্মত্বর দ্বী কর্মেনে বিশ্বস্থ টেশনে উপপ্রিষ্ঠ কর্ম তেবং জাকার আজীয় ইলের নেডা ডাঃ পোবেল হৈ বিহাসমক্ত কন্সিট মজনাধী কালাণে ८६ निव्यार्श्य अभ मधाव व्यक्ता कतिहरू । अनात्म दक्ष्मन व्यवस्थ पात्र व वाहर

्तश्च । उटके मण्डस क दंशाला **णुळा उ**छन् **ए: .गानम उप्तिन अहा कर्म** তেল বলিয়া প্রাক্ষণ । গোলসালের স্ময় हिन हम भू'त्म बाह्य करेश्री(ह )

### পর্ত্তি গাল পরিদর্শনে মুবরাঞ প্রিল-অন-ওয়েলস

मंभाग कार्यातकात भाषा भक्ताल र्शांतपमेन कोरचान व्यक्त युनताम शिक्ष भाग मार्रका हरक निरुष्टण करा। करणा किया है युरतीय क्षेत्र निर्मात शहर करियाहरून करिकाटकन दस, व्यासभी नदर्भ विद्या लिस्तर्भ क्षेत्र क्षेत्र स्थाप क्षेत्र বিজ্ঞান কলিয়া সেশ্ব চ্ছাল ব্যক্ত किंदिन ।

#### স্টুলিও রবিভেন্ন অনুরোধে নির্ভি স্ভা

ন্দ্ৰীষ প্ৰাংশিক ছাত্ৰহিন্তির এ ক'লকাভাভাত স্থাত ব্ৰি. সি. এম. There is the room rist उत्तरः, ∟ामा द ७० ध्रष्टि •१४ कर्न डार्सन्स LAINIES ( LOSSIN 1 maic fece, ein-শুক ও ও লেবের আভি ফুঁ,সিত মণ্ডান্ত ales elegie umenteitel wir ofeter. शक्तक व्यक्तिमन वकतः होत्रकः दशीन-रिवर्शनी शास्त्री शकाली वर मारान अवस् बर्टन । विकृष्ण कार्याचन विकास विक्रम elem efoten ellerist. Inin mieffe मुक्ति शाम भी अस्ति अधिक विभाव

#### किष्ण यस ध्वर । श्रेक मर्याम বিভীয় হিমের অধিবেশন

अक्र कृष्विवाद क्रम शहे व्यन माह मि 🕸 क्ष्यानक मुकालन्दिएक जिल्लिक वक्षीत करणक अति र्वश्विकाशदाव समार्थक महत्रगटनव क्षिक्षेत्र क्षित्मक क्षतित्वलम बहेका विकास्क । এই দিন নিয়লিংখত প্ৰায়োগমূৰ সুণীত edate :

- ()) अवन्यान्तिः क्राम्यम् त्योरमाम शननामानी व नावकार करा मचुंद्रिक दक्षभूरवेमदान करण धनगरमञ्जेत निक्षे क्टेंट्स द्य क्रिया नालवा त्रिकाटक करे माखनम काश्वाद स्मान्यांच स्माना कविष्का कार मुकाको विधितमान व क्षोक्काव श्रीक कश्चाटक खाश्चके भूगः ममर्थन कर्तिस्टरका
- ( > ) "PONT (PIG" AIFS WF এই সংখ্যান খি খাত্ম ও নি'ওকেট কে क्ष्याम विषयक, किंद करनक करणाय कक "Gets" সম্পূৰ্ণক্ষণে কাৰ্যো। পরিশ্র কর। কটভেডে না। সম্মেলন এক বিষয়ে विश्वविश्वानात्वव मान्यात्वात W(44) \$ [62 B(& # 1
- (७) भारे अ सू े विकास सानी क्रिया विका छोलात्रवालककात्र ठाक्रे बाकारक नाका देश, एक्टर वह गायान বিশ্বনিজ্ঞালয় ও গ্ৰহমণ্টের নিকট अव्दर्भाव कान्यहरावस्त् ।
- (8) 山東村(明74 )20-00 月(4本 커뮤우[.] 커[c]킥; 숙합 우리석 전(쿠\*,[쇼 ] ्वनद्रकृति करमञ्जूष्टकत द्व अञ्चातमा nifes exerce was facer factors ब्बर कींड कार्यं अना नांदरकरक व्यवद और छोटन वाली अपन वालना शहन भारत कानान करिका ४३००-०२ काबनात कछ गतकात्रक विश्वव छाट्य WECAIN MINIELECO
- (८) कर मध्यमान व्यक्तिक ্ত, অরি, ব্যানাজ্ঞার মত একলন আম্ভ শৈক্ষিত ব্যক্তিক ক্ৰিকাটা रम्यात्रकाम्ब (.८.वे ००८७ महार्ताव ७७ एंड कार्टिकाम कार्यन कार्रिकाक कर्षर कह भागाक (वसदकादी कामक क्षेत्र निर्मारवित गरणाव भरवाद्विति सन् च्ख्रणदक्षक मुख्ने कालवेश क'तर १८७ ।
- (क) दाहे शाह्यम्य (लगाक हारर स्वाक्षात्र कार्यन करांत्र कार्त्स्वार्ग বোগদ্ধে ক্রার জন্ম শাত্রি প্রাণান कडा ब्राह्मनीय मध्य विशिष्टा व्यक्तिमञ् व्यक्त कांद्रक खर निका वाष्ट्रीन ममुद्ध फन्छक्त विद्यम् वादी क्वि Wecate !

(१) कहे नायगन, "खारमनिक भिका व्यक्तिक विश्वमाञ्चक्तिका" अ**न्या** ba-6-00 Gilecun nigenta Bathet का प्रदेश का व्यवस्तात विष्टि विकास SECTION WINTSCHIE PION OF MIN. स्वत प्रत्य हमः करमदश्च आधासतीन ভার্যাপরিবালনার হস্তক্ষেপ করে।

( ৮ ) अप्रे मृत्यागरनव गरंकु इ निकास निकास्याय अध्यादक्षेत्रपुष स्वित्रम्हे **刃:張马 本(町でなる 明日)で取り張 門に申 「ハなか」** कता छेडिङ बिलका मध्य कटक।

#### देशमन्त्रिः जामः भौद्रम्य मिक्सान

देशमनामर बावगारी खलाटमध मामना, कं डिस्सालीयान का वृत म मना खनर किल्मार-भारतात मधकुमा मामिक छिटिक नामा जानाम गुन्नकिक मान्या--- धने भमक मामगाव वाक्तिनगरक मुक्ति अवश्वास वक्ष भवन्द्रमण्डे भारतन विश्वातिन :---

ংলীধুলী (২০ মাণিক (৩) আসুল পাণি-आको (८) कोनाना क्या व) कानमानी है ( ७) द्वारियी (म । ५) ब्रास्थित काकु (४) महाबन ठाइनाडी, (३) लाइनाम मान ( >= ) नमश्र सान ( >> ) मानास माम ( ५२ ) भी छन लाग ( ५० ) ज्लाम 6 उक्त न औं (১৪) फ अपी ान ं ১৫) -िमार क वस् अद्रक्त Cultra (४५) भारतमान দে (৯৭ ভবিভূবণ দেনতথ্য ওংফে

मन्नक्तिक स मनात आञ्चनक सामगाव मां क्रम बानामां द्रमत्र भरमा बाबन कर्यक करनव मुक्ति सम्माक कर्त्वाक विद्राहना Willerma 1

# द्राक्षवन्मारमञ्ज आरमञ्जाहितक।

द्य भक्त हाक्टेन्डिक वन्ती प्रथम छ मुक्त कर महि, क्रिकाटमच नाटमंत्र अधिनका क्षान्त्र कविद्या कदाहि कःश्चिम मगद्र बलीव क्राप्तमान करदवान कांग्रेजित व्यक्तिन वात । भाकें। हा व व क्या क्रिकेट कर्म कि adates :

#### कवाही करटशदम बाह्याटकव સ્ટ્રા હિનિધિ

चीत्र शकान्य, माध्यूखिं, कि. बाग. लोकी, दक, देवकार्य, छाः साक्रम, लोखनम व्याप कार्यित के बार्क के वह व्यक्तिनि मन्याबटम , अम्बद्धार | द्वापांके त्याल कताती वाला करिका-(44 I

शांववस्त कविरयन कि ना क्रियुक भाष-श्रीकारण विकास काम किनि नामन, भवन्यको स्कावनदा कि करवन छात्राप्त **छेशबरे मयछ निक्रत क**्षा

### विकामभूदा गर्ड स्मूलक कार्याः

ज श्याक शतीय भागिक केंद्र्यात्म एनानकात सम् काण्डिमा वा अन्द्रानांत्र विकासमूब मण्डुमांत त्य है। स वक् षात्भागम हामरकाष्ट्रम, षात्भात्यत मरकत कर्ण काना व्यक्ताश्च बहुवारक । दशक्रवेस ৰিক্ৰমপুৰেৰ সকলে প্ৰিন্ত্ৰমণ কাৰ্য্য गाको-भावडेंहें। मुक्ति अञ्चलित् अर्थ ग करा के बुधारेका किटकरण । वर्ष्वभारम ्य भठन भूगक का.मा मदन।निरमण करा प्रकास शासासन कार्याच केल्या समस्टम मानाच्या निरुद्धन ।

#### कां कर कामामीत्मव मत्ना निर्मातिक मिण्डित मिलित यह किक का हालाक में

व्यानामी बद्राट्य कुरेटक सकावन कि छि। तथा करणा खामरण कि चित्र यस (১) दर रशक्षकित्यात चाहारा, विक्रक शक्ष्यक्तात अवाहम वार्षिक व्याग्रदणन वहर्तः श्रीषुष्ठ मीरक्ष्म स्थूप याव-क्रकेन्द्र अकाधना समिकित সভাপতি নিকাতিক ক্রোছেল। এচ **डपनरक जन्छि लिका कार्यनी** . . . .

#### মে দিনীপুর হইতে করাচী কংডেলের প্রভেলিধ

स्पिनीशृक जिला काश्चा कश्चित िल्या वाकियारक कराजी काटबारमध স্থাবন্ধ প্রকাশ বৃদ্ধ স্থানগাতী অনুস্থা, ক্রতিনাধ নিযুক্ত ক্রিট্রেন <u>স্থান</u> व्याष्ट्रदेशक किर, प्राप्तण्यम, लहास्त्राप भावाँ ह, भावभरभाइस स्तर, स्वाह कहा, शाणीलाथ गाणि, गालिकरमाहन मित्रह, बानवात विवय अर्जुगत्कक दशाहक कहाब বিলারী দাশকথ, সতীশচক চজনতী, নিবাৰ বলেন, এখন সৰ ভূ'লয়া **যাওয়** করাচি কংগ্রেসে কারাক্ষক 🖻 শহিচণ গোদ, দেবেরগাণ খা, কুদ্ধ- 🗎 5वर 1 खण, कार्योशम आब, स्मार्कनणाही, ! व्यवनीत्रक्त छतिया, व्यवनो स्टाह्माह ।

व्याहम व्याक्त व्यादनानाम दीकाना भुष्टकत मुल्लाप्यकानुरूष अञ्चरकाष कहा मुख्यिक क्ष्यारक्रम, कांबार्ट्स प्रथ्या निरम्न बाक्तिश्रमस्य कालिनिय नियुक्त कहा ## 11 # 23 1 # # T

> द्यियुक्त व्यवस्थात मृत्यानाधातः, कुमाबहत्त स्थाना, इसनीकास शामाणिक कीरवणक्ष (मध भद्रेनाक्षक, विकाहत्त्व मार्ट्ड, गडीमध्य माम्य,विद्याय मुगाब्दि, क्षम महलदेश शिक्ष, शृष्टाक्ष माथ मान, बनककमात मझकात्र, क्षेत्रकी हाकराणा ८२ थे, श्रीपुक विविधनाम हाडिकि,

करावान कारणार्वत महार्कत कार्न वीरमणकक्क त्यांत, शैकालाम त्यांक्रिक्य, वाभवनार्व यामार्थाक, व्यापातक्य वाव. व्याच्याच शाम ।

#### मुक्तित्र गटन महत्त जानात द्वाकात

२८ भवनन महन्त्रिभूत नियानी मश्टलाई , कत्री व्यापक बर्गामनाक हर्द्वानावाक गड कज्ञवास वस्त्रमनुद्ध (स्थ्य क्टेरक সভাগেছী বিসাৰে মুক্ত <u>পঞ্জনন্ত</u> সক্তে गरमर अन्याप रवमन व्यक्तिकारण क्यी nbalcon i Bieta gier neun aife aim হানীৰ বহু ঘৰত কংগ্ৰেম কল্মী গুৱাতে नविष्ठ क दिशह सक (समर्शिष्ठ मधुनविष्ठ इन क्षि प्रमुख काना यात्र, केर्डाट्स व्यक्तिरम पूर्विण-क्ष्मी मनक्रियाकास ৰংশ্বমপুৰ শ্বইণে আলিপুৰ তেইনিডে'জ त्यरण कानाकविक कविनात वस्यावक

#### युक्तकारमध्य (क्रम न्युक्तका

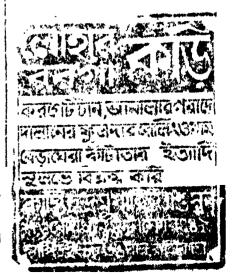
युक्तव्यद्भाग वानवायक मधाय देशम क विकास विकारणम् वाम मञ्जूब मन्नाटक 4.1C+1541 4@clium, f4c44 Wiast कान देनाक्षक कादान दक्षण ।व शासन वाव 18(4 4844 BI#! 4217 81 CT Ot 1 0 0 01(0 1

निकाद विकारमात कर्म मा ह मान्यदक भार राज्य । एवं क्ट एउट् माका दर्श्वलकात मक मुलकुरी ४६४, बाहर

त्यम स्नश्नाहरकेर**्टिश निरमाम** शन्मारक व्यारमाठमा कारण काकीब संबाद ार्टन त्य. ७वि ८०म-स्थारितकरका लामक माधा विकित्त कावक माठित चाह. ७४. ७४. अकिमादश्य च्या विकास wiest eiferten :

काक्ष्मिनेश्वर व्यक्ति व्यक्षिक শ্ৰীমতী ইন্পুপ্ৰতা দেবী, প্ৰীপুত বিলোপ- এক একটি প্ৰস্তাৰ কঠিবাছিল অকাশয় G15'8 .

माम्बिक सामानक न्यमाहेत्स व वास भूगेरुक रुक्त की। अक्षेत्राहरण दर्शासूती, अन्न खांगा क्षेत्रक कर शासांत है। का আবোত্ত প্ৰায়, প্ৰতিকৰিকাৰী মাত্ৰি, : ক্যাইবার প্ৰস্তাব কোটাদিতে। পুৰীক



#### मङ्ग

वक्षा गांग कविभिष्ठ मदद क मध्माद्य । ष्ट्राटक्ष संयोग 'संयो' निक्रतान ध्रत्र ॥ পরহঃখ নিবারিতে হানমের ভাব। कीटवन गम्कटम कानांत्र मनात चकांत ॥ वश्रीत वाडक्षम विष्ठता प्रवर्त । निर्मेश श्राम्य एरिस कार्रन मनकरन ॥ , হেন দয়া প্রদানিতে প্রতিগ্রহে আর। व्यक्ष मकरण मन ! निविष्ठ मध्यति॥ **ক্রিছ দেখি চিস্কা করি চিথের ভিতরে।** क्या (मारत मारत माता (मात मारताहारत म व्यविश्व -- व्यक्तान त्मके िटचत विष्ठात । ट्यंडे बादा इशादनदन 'स्या' नाम श्दत ॥ হার ! হার ! ৫০ন দল। ক'ল মারা করি। ছার বায়ে মে তে" ভীবে বহুকপ পরি ॥ (अर्थ काश्रम्भारम घटन नयात छेशात । बांखमा योष्ट्रक स्मारत लाग्दत सारत । स्ट्रें प्रशं का'रम छान छान ति कात । कळकरिव (अध्यादन अधिता कांगरित ॥ · ভাংরে মমভা মায়া কােকের গানি। विश्वक कल्रास्य स्थारत छात जला म वि ॥ **ছত না মাশ্রে সাং**শ নিক্রি গ্রিম। कक्षांच करा माधि हल्दन श्रविता बदम रंब भवाभृष्टि महत्त्व स्थात विशि । किन्न भूमः (सब तारश विति तानरः। ११ ॥ महाबाद निक्रम रामका अन्तरकार **८७६ ८७८३ २७ वर्ग**---- तर्फ नेतरम भिरम छ दैनम्ब दक्षीयात्र हाजि दश्तेनच मन्द है। चत्र वाटक संश्रामशी म टाल भ ग्रांग ह ক্তেপ্ৰাৰে করে ভোগ কড স পা গয়ে। जीभूमारक म ए० जाद्र याम करा ॥ करान्त्र (समात्र यश का अ न विस्त । बूबदक शहेबा बाब कवि छ। नदीन ॥ (संश्रमन १ विश्वाक त सेशायत नाम ॥ Cनई (म कामारन छः भून गरः काम ॥ काममा बानमाना त महत्व भन्दन । **बार्युक्त ८७१**७ (सम. ८५.१०) कास ३८ । ॥ ... - अध्यद्भारकात मालि कीरवत निष्या ब्राटक्टल करिया प्रमा प्रमान् ः वस्य ॥ किस बना छ बनाइन ०८६ वहानां हो। ছঃশ সাদি দেয় ছাৰ গুল গুহে মতি। श्चरत्वत्र क्षणीय सम्मानिकि मःभावः। **भिष्टे फू:च विठाजित्म माहि भा राभा**त्र ॥ CEN द्वार व्यक्तियाता । या म पा म नि करवा कद्मना किया किएड बादन परि ॥ निकारगारम बना कीच टाबरव दलन । विकासिक पृत्रे तथा या राज मनन ॥ श्राम मोलि नहां स्माटन त्यन छन प्राया । क्षशास्त्र विवित्र क्षाच नाइ किटला मार। र **ेमरामात्र केलय करा ८७ म**ा बार है। -दक्ष्यरम चिमित्र फारद्र मध्न विकारद ? दबाइचि रगम दिन समय प्रांचीत । श्रीवास मधाक श्रीका लाखि कड गाउँ है

#### Berchitzen ver:

\_\_\_11-

# দানক নদায়া-প্রকা

# নিতাপাঠা বৈক্ঠবার্ডাবহ

বেহারি সমস্ত সাম্বত-পারের অক্তিম ব্যাখ্যাতা সমগ্র ভারতে এক নাত্র মূলভ দৈনিক পার্মার্থিক প্র

ঞালাঘ মারাপুর ১১ই লৈতে, বুধলার-১৭৩৭

८इस मग्रामण म(७) मश् १८७(त त । नरिहार (भग्न का भग्न कि क्षेत्र खोडांत ? स्यः कति सरमापत यक्त कीरनरतः। मग्र स स्वकृत राज्य महामा नहिन्दारस ॥ প্রেল্ড আন্তুম্সীরবের সংখ্র। ट्यात विकेशिकण टाउ अरमानत ॥ च्रष्टात यस्पाद शीत अस्तत शीफ्राम । कार दूषि श्रास व्याद्या विश्वत काउटन ॥ অভাব কৰিছে দূর অভাব কভিয়া। চিত্রে বছ শেষ হয়েছ যাত্রা পাইরা। रेज्युट्टान भग्ना यसि श्राप्ट (श**र्वेक्स** ) िल्हाबन भिक्ति शहर ए एका म বিশয়-বাসনা খাঁতের চিত্তমল হয়। মল পিজন নে ছীৰ স্মল নে ৰণ্ড ८०२ मन नालि मगा देशस्य जानानि । कारक निष्माण करात प्राप्त देश कार्नि ॥ ियानमा पूरत गांध व्यानमा आकारण । ब्रान्त केन्द्रकडू करिका विनारन ॥ भाषकरल कालास् अपने क्रांत करते । সধ্যে সে পড়ি শাল এজাবান্ ওরে ॥ Con भाज का क्षांत्र व के क्यांनी कम । भक्षकर्ति अवश्वति" - - इ.स. १९१४ व वहल ४ দাদ প্রতিবাদ বা ১ দেয়ত বিভাবে। Beny Gien wer wher Matter u किथ्र स्टब उद्द भग्ना १ इस् अनम् । ভাদদৃষ্টিপাত কৰে ভাকিক জনম। क्षाकत विनाम कति अक्षाञ्चय १ति । कानशानवा करत भागित्रा औश्ति॥ इपि ता भारत जीव अबड ब्ह्या । द्धित संक्ष्यात्म क्रीति गाँउमा ॥ €ितानी : विस् क म्युटा **का**फ्र**हेसा ।** भाषाहरू । तसम् चात्र सङ्ग्रह *वर्ष*णा ॥ तर्भट्स इंग्लिस्य सहेदा उसन् । क्ष क्षिराच्य क्रमार तेन व्यक्ति क्षेत्रत ह মধ্যে সধ্র ক্লা, আ ও প্রমণুর। न्यान्त विद्वा शहर ना तर्थ निहन प्र प्रमार्गात विकास का मार्गा विकास प्रेरिक स्विक **क्षेत्र** क्या विस्तरण ॥ त्यामात्र च इसा गमा दनात्र खंल चीति। एएक कप्त मान अठ छ विनानि ह ग्राम्य क्रिक शांनी शरू प्रवासक ! ध्यस्य क्षित्री प्रश्ने क्ष्म प्रश्ने द्य ह

महात मग्राप्त (न वि भी नहीं न काशि। क्याभारत के तिराष्ट नदा नवांत्र रेल अभि ॥ भृतिमत्ते प्रशासकी अवस्त्रात्र भिता क्षक दिविद्यार्थन विषय अन्यति ॥ मर्प्त अधीर एत क विशः श्रवः। ছাপিছে অবলম বিষ ছব নীচরণ ম ত্তর প্রিয় ভুলনা স্থিত গলাম লে। ाविश ट्रामण्य नत्य हात व्याद्या क रिकार तक्षा निकरण स्था । 医存性乳病 雪 聖代明 九禄八字 医十年日 ান্ত ভাসরো | বুল কাওেধৰ ডেনালি Citat शिक्षा । आहल भी तत अवदार ॥ লালাময় ভাষ লাল কেন্দ্ৰ অংছে বড়া ८७ मि.स डे अध्या छित इहेग, खश्च छ লয়। কৰা ৰূপী কেই কৰে আৰু <sup>কি</sup>ছে। কুগুঃ ছাবিলা গৰে াম গ্ৰেলিছে ॥ ছৰ ক্ষেনেৰা লানি বাল ভুঙালকে। ८७ माल १८६८ । इत नामाल व्याहरू ॥ "द्रकारम्या, ७५८ ता. नाम गर्फे,खेन ।" Cetate ীয়ুগ নগা ভাবের ভ্রম ।। েই ব জ মুখিন হী। নাম প্রয়েনা। ष्य द्रमदेव कविद्रक संभातवत्त द्रपाक्षमा ॥ WIND BUILDING दक्षा कीएन कात्र भारत्या दालान ४ मक्टारा एक करता तत्यात या छ। त्त्रशास्त्रक दावास अदानिर्ह त्रावि ॥ इक काष- रि.मा (यना ब.नि एव महा)। बात माहि दान किंदू अमिन भगा ॥

C:17'7" ) ণাকি কাস অপর গণে তুমিত মামান"। युष्टिमर्की एव प्रया अपनि यान रहा । 中医宫辖 1 布朗 48、河南北流 1 医原原原 8 তেন ক্লপা কল্প নাগ্ৰাম ধ্যে সম্প্ৰিয়া बार्टल टा. यह नका दशायात्र तक्षास्त्र ह

**লর। দ্যা করি বলে প্রানিত** 

# সহ জিয়া-সক

क्रमा श्रेमात्रकारण कचा प्रश्ने कानानन भारत रकान व्यक्ती होरात को एक वस्ती प्रमुक्तिक एक विक्रिक 😅

नेनारिक केंद्रियाने, निरंत निर्मा, भागरकार्य মালিকা দেখিলা ভাটার সত্তৈ আলীপি -कतियात्र कछ एकडू छैरमाठ व्हेन, देक्नैम "तिकत मामाण भग, व्यक्तिमां **अञ्**कर्तन, ..

मधी इस तथा-१प्रश्ले । छूलग्राम लटानालि म वर्गीः मालूमर्खिने । क्रशबर-मझिन्त्रके गर्डि।सार् किन्का निर्वः । - ভগবণ্ডতের বিনেক্টা মুলি मध्याना शास्त्र तो चाराय मेधन नार्डि হর তাতার স্থিত হর্ম বা যেকেরও কিফিয়ার ভুকনা হয় না, মনেবের ভূচ বংলাদির কবা লাই শক্তি कि विविध

है।शत गाल च तांव लंकती 'छ्छानीक डिलान, भरत कानियाम इहे डिलाई डिक हैरत है। विश्वविद्य रहे छू मा ति हो पड़ी (कवात अधर्गंड इश्री सूरत कार्याकामा । ঘটনারক্ষে তাহাসা অংশার নিউটে আনিহা আদেন গ্রহণ করিবেশ্ন : লার<sup>ক্রি</sup>র ক্ষণ সংক্ষে দিছে কপা হ ওয়ার **পর ভারি**শ টীয়া কাঁতিনীয়াল মুগে রাগরাপিণী 💗 अगटक देवसंकादवनी महित्ति । बिक्टलंग देवे. হৈতিত মহাপ্রাড় ক ডিলের ম**ে । পুর রিংগের** কথা এচার কলেছেন। ঠেই সময় নীনঃ রক্ষ ভরতালে পান বৃত্তি ইরেছে । আদি ভগন মহাতাংধ কলা ওলিয়া ব্লিলীয় নে, ই, ম্মানাপ্র ৮ কর্লে ক্রিকের ভূপিকর প্রত ভাল-লয় সংগ্ৰু গালে যে আস্ত্ৰিন সেক্ষপ ব্রাদের কথা ডিনি প্রেচার করেন নাই। পিনি বংশলেন যে, মাধুর মুখে ভগৰালীর वीर।वर्धी करात की रूप कि लि माँस ক্তি হয়, ভণবানের পদপ**ত্ন দেবা করি**ণ হল আংজি ব'ছে, ডিনি সেই স্থাবৈত্তি क्षा वर्त्यहरू । ए एक श्रः हिन्दिक विकृति হয় এমন ইডর বিংয়ে রাণের কণী বলৈম নাই। তিনি সংগার-হাত্থর নিব**উক** ভণবংগেণেড্ৰী রাগের কথা প্রচার করেছেন। এই কথা গুনিয়া কিনি প্রভাক কণার নকে জনয়ের ভার-প্রাণভা দে টিয়া 'আহাহা আগা ২া' শক উচ্চারণ করিলেন। েখনে অনেক লোক ভিল, भूत रहाई ऐंग्डारक शहर एक **रहाक रहिला** িৰ কলিলেন। পরে ভেনি ছা**রীম্বা** তানারের অবিশ্বকার ভানাইকেন। আরি থবিলাম বাং কলিবাভা পোটিছ-双环 电压 医水水 化水管 医红性 海龙雀 মধ্যতাৰে কথা ছাত্ৰে ছাবে নকলাই उरश्य क्युट्यम । एक स्ट्रांक विक्री স্থ্তেল, শেটেশ ভারতে সং**রেটিন্ট** প্রিস্ত আমার আফালা হয় 🔠 🗷 া 🕬 😘 TO S TOPE OF लाउद्यास केतरहरू (প্রতিত শ্রীপাদ ব্যবিষ্ঠান্ত ভাজিশালী ) মধ্যের মতিক হ' তা ব নাই বিশ্ব হছ করিছ The elical case of the

and the second of the second of the second

ं मंद्रीदा-टाङ्गाम टाङ्गि भढिका द्वानाम । कामि—ाप अस्पत्तान कालान दिनेताम, कालकाम कीनाकवा प्राम्यकी, टिका, वार्यकानहें — इहासन महार्थित ু করিবায় বি গরকার। পুরে প্রকাশিত ব্লবেছে, ভারদানত ভারেজভারিভান্ত মান, পুনার নিচাবছি, চাতীদামের গার্ল পরিভাবের করা বিশিল্ল ক্রিভারে করা বিশিল্ল ক্রিভারে করা বিশিল্ল করা বিশিল্ল করা ব্যোখামিগণের যে পুরুষ্টার আছে ভাষাই জিটাওজভাগণত, ছরিজভিক ফাতিখা, বিহাটে বাহারে তাথাত বেহানে যার ভাষা ভাষার প্রকৃতি উদাছরগ দেখিলার 🖟 🚟 পড়িবার ভাবনের নাই, এই গাঁডার কত এনিছাগ্রত এভি গ্রন্থ টাকা বির্ভি কাছে ক'ইন হয়, কিছু এনকল কথা | বরং ছ্লেষ্ট্রজালা পঞ্জাস্ত্রীস্তি ডিঃ ঃ আকার টাকা বাহির ১ইয়াছে তার্যার ও লাসহ এক্টেড ১ইটেডেন, ভাতেও ইক্রিয়াসজ্ঞ লোক শুনিয়া দেশির পরে কৌনটাই বা পড়ি ? কত এর আছে ৷ এত ৷ আপত্তি, বিচুতি তি লি পুত্তকর আকার | ধাবিত হয় জার ডে প্রমার্থপণ কলতে বেশুলেশি লা করে নোলাজ্লী সকলকে। বৃদ্ধি ক্সমার কি দরকার ? সাধারতের জিনেক চুরে চক্রিমায় যা এতার বিভাগ বাহার দেখিয়া বুলিয়া বাহার জীহার। শইক হরিনাম করবার কথা বলিলেই সিংজ বো গ্যা করিছে বাগ্যি করি। করি কাহারও মুদল্ধর না। আমার মত কিলে মুল করেন দেখুন। ভরু বেয় **छ गर्**भर ३६१ आ**द रेयस** निका कि सार नगरड ठान १ ८काम देनकटनत्र या শোষামীয় কি গ্ৰাম আছে,মেগুলি সোক- কথা আছে ২০.ক. আছো ওকগা ছেট্ मुबादल सानिटत द्वा छत्। कि উভিত্? भिन। देवस दात किला करत देवकच- आगन्ना कि रशक्ति है १६७ लाहन सार सार मार আমি ৰলিবাম ৰে মহাশ্য অংপনি ভ' গণ্ডে কি এয়া বলা হতে না ? भारतक कांग क्या स्वयात्व दिवाहा গোলের এসকল সন্দেহ গুর কনতে হ'লে। মটের লোক বেচব্যগাদে থাপেরের জন্ম **একটু সময়ের আবশ্র :** পাদ একটু বিশ্ববন্ধ কথাৰ পে ১১লাচ ভাবে সৰ্বভিত, হৈছা স্ট্কারে ক্রন্ন, ডাগিলে কামি তিখি। কা•াবার কন লৈ আমির জাল্ভত্ব ন্য নিংক্ষিকালে নাহি ৰভদুর জ্বানি বেটিংয় জানাজে চেটা **क्रिया दहे तक्षा** क्षा (भाउप, नर्गीका আকাশ বো পুরুকানিতে অতুর পরিমানে প্রথমে শালকথা এচাল কবিনে সক্ষর্তিনেও জনিও ব্যয় কলে। **भारताहित्व ब्रहेशस्य, वर्षक रादित यानताहित कामहित निर्देशका प्रकार** আলোছেরে আফালিত হুইয়াছে। রীমুক্ত ্রুডক ওলি বৈক্ষালবেশ।রী স শক্তিকাদি বা কৈবলেই প্ৰেক্তি প্ৰেক ্ৰাভ পূচ্চ প্ৰিচা পাৰ্যায় প্ৰেচ নাম হাব নাপ ক लाष्ट्र कतिलाहे कालगात प्रकल गालरहत नाचार हैना १६ हहेगार । शिवाण क्रेग्रा मार्टेफ त्यः व्यापाद আনেক ভাতির ওথ্য অবশ্ত হর্মা আধানন্ত লাভ করিছে শারিছেন। আপেনি 🖖 অসং 🕫 বের প্রাণ্ডি 🦮 স্বাধ বোধ হয় আপিলে ভারতী মহারাজের কি নিকাকর। এবং সাহাজ ভাবেছক। নিষ্ট প্রশিপতে ও গরিপ্রশ্ন ক'রে ওসকল সংখুর লেও টি আসলতের এক সংলোভ काम्रह ८४. १ करतन नाई ? उत्तर्भन-থারা ভিক্রিরাসের কথা ভানতে निर्देशक वास आ গীংতে ভগৰাৰ \* (FIEE ---

ভবিদি অনিগতেন পরিপ্রান্তের সেবছা। **डिलाम**काद्वि एक काना कार्यनाकदननिमः ॥ । कट्ट ८.४ । ७।४ ।

- আমনীয় বৈষ্ঠ ৰাচ্চ,য় কাণা কাণ্ড व्यवस्थारक वर्षन करल ५ १०व क्यार्ट राष्ट्रतम माहे. नि । तका यात्र मान्य सीना শেষপারণ কলতে পারেন নাই, বচুন মূলনেত্ত বার নিগ্রান হয় কর ভার কথা " किनि क्षक्रवारात अराव अरानिक हार अग्राच १८११ किनि ८(८१)क क्षांत्र १७० वर्ग क्षांत्र कार्यात करने, १७४० वर्ग व ্রেট ভাষ্টারের ধারা কাগতে নেল ছিমা। কর্ম চার্টার व्यक्तित कत्रामः, व्यालामि तर्मम कि । ८० । ८०८मा ५६४ ८५५ भागप ী আনুর পরিক। প্রস্থানিতে প্রভারের আনে গুরু ধরে টেসার্ডে সাবেরগন । ১ না নাল্য মা ্রেক্সিরেক্ত বেবের রহজ মূদি গিডারিত <sup>কির্ম</sup> ধার্যক্ষণ। · 📺 इक्क, जावन रक्ता - जात्र काविता - केव्यम मी, याद क्ता - दार्गात आहे. ेन्नताकुक्तिक्क विक्रि कावर इक्ष का इक्क, कार्य के रक्षता के वर प्राप्तक का कार्यक कार क्षिक्र कुक्कि के क्षत्रिक की कार्यक की दिश्लासकी दिश्लाकिक হলে ভাষিদাৰ্থ আন কে কান্তে গায়ত গুলিকণা 🕏 তাল তিনি তাজি কথায় তাওঁ উপ্তিত তেওেলে নালেল নালেলন তাল তিলনে উপতেত কথায়ে তিনি নামিয়া। গণ্ডনাথ লা 🕒 হল 💆 কৌজন্মনাই भी केटन नारलमा,--- प्रता। अध्यक्ति एर स्मेत कि स्टा एट विकास । छन्ना विकास अधिक स्वास्त मान्याक विकास समझा किन्यान,

[ Ta W.4##?

ি নি । বল্লেন ধ্ৰিষ্ণ নিয়ে বলবার ক্রিবার যোগাণে নাই।

আন্দিৰল্প ম, তেতি সংগত টাড়ীয় মন্যে যে এখন উপাত্ত হটসংগে.

অনুসম্ভা ও ও এই ব্ৰাম্য আগোৰা ! भूतिको स्थान भूत्रका चला भाव । 작의) 리[종]

**ि** निर्मा स्टब्स शास्त्र बाडेन ८-५। ८.इटिस्क अल्यायनाव

कतिएड माड -'छ प्य देख्या दिकार इत्य विश्वविद्यान ।

कंग्राड आंश्रीकार देवान ব্রিক্তারিক ব্যান্ত, না করতেন, ভতি - বিলেন, কয় বিলি চিলে খনত, না কয় | মন্তিকামধনতলোগাবো মধ্য প্রপারত। 💛 ২৪ বিছে ২৪ জৈন ২৮ মার্ক, শনি द्वानची अधिक भूति।

হদ্রিয়াগন্ত বাভিন্ন র্যক্**পা আলোচনা** 

ः कर्षे (तर्भ क्षारम्ब,--- खरवष्ट कर्ण (को कि रहेला का ; काछ । एक है। वार्षक व रमहरू ---কণা নাৰ আৰু হ'লবামেল মান্মা

जामि रहताम --- शकतावडे हरियाम प्रशासिक **अभिन्ता भूग क**्ष के देशक িভাহমমূল করি তের জলস স্করণ লক্ষ্যমান নিরপ্রতি নাম হেলেও কতামে না ाजित त्व ७ वक्षा अभवा अस्तातः । अस्तातः । अस्तातः कत्व तर्गाटक करेतः --

-। उ १६३१४१४ १ १

T 4'14 B. 17 क्ष ? अप्रिक्षित्र हैं। ए अप्रे ভা টোক। নামাভারাৰ বর্গ নামার্ बन पर १ र कार्य कार सह १९८७

"外 有心, 1995 元 体 不翻 解解 对 有 \$ \$ \$ 1 。 त त विषय वर्ष भाग कर लेशा। व र भाग कान कर राजा भाग भागतीय ( सर्व राज्य अहं असे एईटी नाज म

ब्धिकः १४% (कन्यू ७%) याक्ष्य छत्त ६०% वर्षा वर्षा का । ६%-ष्यातक क्षांत्र का क्षित्र के प्राथमिक दिव किसमें । १८७ ८८ वर्ष एवम व विवस्ति । के विवस्ति । के विवस्ति । ्रेश दिश्व दिक्का स्थाप कालाता है। काम र्यास्त्राम एक, कार्याक्ष किंगा । ४० से वे कार्यमालन वर्षात्र । १६ वर्षात्र । त्मत्र किल इस का । धार्यकारमा अप अप्रकारतात्रकार द्वीस्तरकी स्रीरक्ष अवता काणवाता क्षम करून, अभिता अस्ति। अस्ति। वर्षान्ता वर्षिकाम ता शहर कोरत प्रवास किर्म को ने केस का दान है। कामराजी नेवंब ८ राका में वे बेंबिया प्रतिकाल को नार्य अपने बेंग खेराखें তেরে মন্মন্থণ ব নালের আবে থকা বিধান বিধান ক্ষাপ্তি মন্তার-পাওত বিধান করে করে করিছকরণ নক্ষা হাছত এতে আপেনি দীমাবভ ক'বে এণৰ কৰতে চান ছ। সঙ্গ কলাত চনতে কলেছেন, তাতা মেনে। বেনে পোৰামি বাকে। অনাধল না কালয়। বিভিন্নৰ আ ভাৰত গতে স্বৰ্ক্ষণ পর্ব ও পরকার কর্মকথা আনোচনা । ২০ বিকাতে টেল ২৭ মার্চ আছ নির্দি बाद तो । क तथा व दकन, जादादक भित्रक भवता । आरक्षाननाची द्वीताक्ष्मी करीहकन वि केटिक ६५३म वया नार् েরে ু করিয়া ও কেন। সাহ,তে ভগবান্ নিজ- ু বেং চনযোগ হা ১০।৪৫ ম্বকরণ আহত্যান कुर्य किंग एक --

কাপানেটি ১৯, সূত্ৰ পুত্ৰক প্ৰায়নের বিগলেত, আন্তা ভাল কথা থান, আপুন<sup>া</sup> হইছা ভাবিতে লাগিলাম নত্ৰত হাতৃত্ব বিলা**ই উট্লেই অভিনাৎপৰ।** । । शार्वा राष्ट्रक से शार्व के शार्व के शार्व के स्थाप के स

म Cनोविधिखाविमुध्यमभाषाः हैवलगम् ॥

আমারে মত বাহারা শিখা তিল্ तिशिक्ष राषु निर्णय स्थान्ता, आवास अस्मादक एरेक्स रेकिया भए। मछारे माधु मन द्रेटेड ংগিত হল।

का र त्याकरक माधुत्र ८ : इव दम्बिहा

ए ७ ए एक करिष्ट हिमा 🐣 👵 माना ८ ए। कधिलता क्रिमक भारक A Will William

**(मश्राष्ट्र देवकश्रमण ग्राष्ट्र कार्य मा लाक** # 178 13 C 871 #

कुम्बद्धारणाम् कृष्णाम सर्वे महाकारणाहरू निराक्ष भाषा ।

姚 均差 医性性分裂管性的 有抗性素 र्द्धार्थ तक घाष्ट्र क्षा ७४ भाषा अ भू भारता कि का रहम स सन्देश । क म ति दः त्र धार्मिकका कि श्रम ।

# ारिकथ - रहे भ भक्ति।

डीहरती क्षेत्र भग्ना स्थान २०७१

व विकास १५ १५०० वट वर्ष के पूर 쩆 বং তলিও ডিনি মহিলেন, ক্ষিকি আনিল্ছ ভৌল লৈ প্রভিন্ন । ব**ে ছেছি**জি - কুলা া • আদিয়োগ আছে: শ্লা 41.31 Wilgs . · [4] 5. 31 8(64 (平)町《梅蘭社》 · 142-14:前9

১০ বিশুষ ১০ টৈনে ১৯ মার্চ্চ হর্পাক্তি

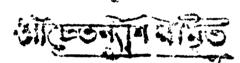
भागम मार्ड थारा १७५०/५५९८ मधा आहर 2.11

व अभवत द्वामान एक्स्य अदना वि ।।।। धुनवाद ५७५५ महामान व्यक्ति

# শনিবেশ্বসক্ত বিব**ি**ত

# देक्ट्रन धन्म

\* · शिक्षेत्रवर्ष- क्षेत्रविकित्तित्व विकृत्व विविष्ट-कित्रीरक कीरबंक अस्तिक, अस्मित मिक मधक, लिका क Bufferm a mit. Bute i file a manmitein inn. mifet. 'श्चिमप्रकाशकुर केश कार स्थान, देशान सर्गाम्य न्छ, देशकर-द्राप्तंत्र प्रकल, भूरकाल मनाव मिक्क लोडका, माजान्य, टेन्याwie w dienten com enerung, mineniel en के किंद्र करियमार की दुन्द्र क्या का क मू क, रे कारमण्डल व्यक्ति । किस्मित किस किस्मित किस्मित किस्मित किस्मित किस्मित किस्मित किस्मित किस्मित ं मार्चक हो, जाक्तरेज ब देवक देनक, स्वटन कुकारी हो, फेरा व क्षेत्र कालान खानाक-८७०, है निश्वभूका व स्पोद-शिक्षांत कार्यात, मधान्याकत मात्र क विद्यान कारण, अण्यान अध्य क्षेत्र ७ एक्टोल्यबर मिनी ३५१व, बीमार देवी । छ। जारास्त्राः ः ककिः, स्थक्कानः, समन्द्रकः वाभकानी, लादकीप्रश्नः, स्थ्र রণ, শীলাপ্রানেশ প্রাক্ষ সন্ধান্ন সাম্বলগাের ভালার किल्ला प्रवासना च क महनवाता करवालकरणका अन्त किन्द्र रहा। ७ १ - १८४ अन्य के अञ्चल प्रतास समान कर एक किन्द्र के প্ৰদানিক বাজোর কছু,আই অঞ্চল ব সংগ্ৰান্য ন্যাক্তিন ল 🕡 नद्य शृङ्क व्यक्तिक ला क्षण मदल के अध्याप्तानी अन एलगान व्याकशाल के क्या नामक कि ति ति रामाध्यासी-लाक्स-मध्यान कि क्या-कारा कर अश्राम के कि करशास्त्रता सार्वाक अनिश्चन लंठी. क्या धन के कार्नि बाना जिल्लाम मुद्र करा नहास . का विराध, भन्न, दर्भागान करण जान दलका सरक्र दे.य.ह..... 494 NIS. 4 .. AIM !



### • इक्ष जन्मस्य समक्ष बीधारे- २८ इके होता।

भारतीयां--- ३५० ८गोर्स छहे जाका

मृश्विष्ट्रम नाक्ष्यका बारा आरक्षक मानटा निष्टा क्ष्मका क व्यानका भाग कर कन्त्रदर निष्टानिक रठवारका । अरका खाव के क्षित्र मनाक्ष्म नाक्ष्यका काना भगायक क सामायक क्ष्मत्वारका स्मारका मानका क काकार क्ष्म निष्ट् यरमम, भगाव, नाक्ष्यकारक क्षमांक निष्यं भाक्षमारन स्मान क्ष्मककारक गुक्मनाकारक सारमाक्ष्म क्ष्मारक रहा स्मान क्ष्मककारक गुक्मनाकारक सारमाक्ष्म क्ष्मारक रहा स्मान क्ष्मककारक कारका कारका कारका स्मानका क्ष्मारका कारका स्थानका क्ष्मारका कारका स्थानका स्थानका



ितीय मरकवन क्रम काला रकामानी व्यक देश नथुनान रमानानी मास्ट्रम विकासमाधारम द्रम मक्स क्या प्रामाणका, काल कर व्याप्ट विकासमाधारम सक्ष्मन क करिन्द्रम निवास काल सन्तर्भाद विकास क्षमास के केश हाला स्वित्रेन्द्रसमाना सम्बद्ध सेन प्रम **२८७ को बाट्य**न

**শচিত্র** 

# শ্রীনবদ্বীপ পঞ্জিক।

পারমার্থিক নাজিনাতেরট একান্ত প্রথোক্ষনীয় বিস্ণুত্রত ও উপনাসাদির ভাগোকা সম্বলিত বাংলার মধ্যে মরে বিরাভিত হউক

ভিক্ষা ৯০ তানা মাত্র ১০ ডাক টকিট পাঠাইলে ডার্কে পাঠার হয়

মহাক্রি

### শ্রীট্যত্রামঙ্গল শ্রীট্যত্রামঙ্গল

ওঁ বিকুপাদ ঞীলীমডকিনিছাত্ত সমস্থানী গোখামা প্রকৃপাদ সম্পান্ত ভূমিকা: লোকে । অহা, সম্পান্ত প্রতি প্রসাদের ও সংখ্র কথা। সাল্ল, সম্পান্ত প্রতি প্রান্ত কথা। ভালিকা, সম্পান্ত প্রভাৱ বিশ্বত সূচী সম্পান্ত । লোভ অক্তর ভ্রম ক্রাউন, আন্তর্গলা আরোকে ক্রিট গড়ের কাগন্তে ছাপা। ভিক্তা—২০০ টাকা

#### ই হিরিনা মতি জামণি

ন্ধান্ত তীর হিলাস করেন মুখে ইন্নার্থ কর্ মন্মান কাছা, নানাল্য নান প্রাতি প্রস্তুত এই নার্থী পরিচার প্রতিক্ষাক প্রতিষ্ঠিকর মুন্তির শবল প্রারে মারিপা আশ্রমক প্রতিষ্টিকরে মুন্তির, ইলা আকিবিনোলন এব-ল্যিকর হন সংস্কান হিলাক হন বার স্থান মান্ত্র

# বৈফ্ৰমপুৰা স্থাতাত

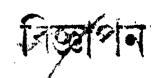
(शक्ट-रेक्-अश्वत्रेष)

বিষয়—১ । ভাকিলাগে বাবসাৰ প্ৰাণ ীৰ খাওঁ হ।
নানিজাৰ বেৰৰ নৈক্ষ সালেন দানি, তা নিয়া মালনালয়।
শ্ৰীমন্ত্ৰিক ভাৰত্ৰী ও নিয়াল, চা মানিজেবেয় কোটা কা ত লানীল আৰু মূলে খালিটাৰ ক্ষান্ত চা লগু প্ৰাণ প্ৰাণ কিছিল।
১ম মন্ত্ৰিক ক্ষান্ত প্ৰাণ কৰি ক্ষান্ত প্ৰাণ প্ৰাণ কৰিছে।
১ম মন্ত্ৰিক ক্ষান্ত প্ৰাণ কৰি ক্ষান্ত প্ৰাণ কৰিছে।
১ম মন্ত্ৰিক ক্ষান্ত ক্ষান্ত (ব্যাহ্ম মন্ত্ৰিক ক্ষান্ত ক্ষান

# শ্রীভাক্তিসন্ত -

्म चन्छ ६८ छात्र कानगं न्याचन ६८ है। क — श्रीभ्रम् कार्यनद कत्र छ द्वारेक्षिद्यतः द्वान्य क्ष्मण ॥० क्षेत्रचात्र क्ष्मण्य गरिन्थमः चन्ना निर्माण क्ष्मण्य कार्यामानिक्षण क्ष्मण्य क्ष्मण्यक्षण्य क्ष्मण्यक्यक्षण्यक्यक्षण्यक्षण्यक्यक्यक्षण्यक्षण्

> আন্দ্রশালাকা সাক্ষালাভ সমালোৱামুডিঃ জিমা, ভালা মাত্র



मावमान ४

गादशन है

কে, বি. গড়ের চৌকা শিশি আদোম **ভৈচ্য** আনি ও অঞ্জুম এবং উপকারিতায় স্বায়ম্বন প্রিচিত ও বতু প্রশংসিত ।

আগরা স্বাসাধারণ । জানাইতেছি, বাদান তৈল খারদ করিব র স্থার শিশোর গালে ইংরাজী অকরে জে, বি. দত এও চোম্পানী নাম খোলা দ্বিয়া খালে করি বন। নৃত্যা জুলিটোরগণ ক্ষাবের ক্লেম তৈল দিয়া প্রভারণা ক্রিবে।

# কেলাৰ্কুইনিন্

শৃত্র এবং পুরাত্র মর্নেরিরার **ব্যু** 

ইঙাতে উপস্ক মাজায় থাসনন, বাইং **হিল্পেন্ত** বুটনিয় মানোনিক ও চউনিধেন ছাডে।

্ত্ৰ কোন প্ৰত্যালন আৰু কাৰ্যা কাৰ্যা কাৰ্যা আৰু কাৰ্যা কৰে। প্ৰত্যালন কাৰ্যা কৰে কাৰ্যা কৰে। প্ৰত্যালন কাৰ্যা কৰে। প্ৰত্যালন কাৰ্যালন কাৰ্যালয় কাৰ্য

७ अल्लासमूर्य व्यक्ति नार --मूना २, हेर मा, हेर म, क्यान होति ।

্লত ও মানর (লয়) আন নাগল্প স্টায়া----বহা ঘণ্ড জীও

ান্দ্রে পারে, স্থান এবানার লিগাল্প উজ্জ্যবানের জাতি
বাঙ্কি কোন ভাজত ভাবেগালী প্রাপনা হয় করং
প্রস্থান্ত কর, ভারাদ বিষয়ক প্রাদেশদদ্দী প্রাণনা ও আপ্রন্ধান্ত কর্মান্ত ক্রাদ্রান্ত কর্মান্ত ক্রাদ্রান্ত

ेंहका आहे पठ /० अन वाला

(湖西市)[砂草[**四十]**— /+, #**月町門用田+**— /+

প্ৰেছ সাইজ জ্বাজ্ব পঞ্চল সংকাৰ ভিকা ১২০

আমতা অস্থান নামন কলাৰ ও কামনাৰ ব্যক্ত, ১৯০) প্ৰচল্পা কৈ কলাৰ কামনাৰ ব্যক্ত, ১৯০) প্ৰচল্পা কৈ কলাৰ কামনাৰ ব্যক্ত নামনাৰ কামনাৰ ক

বিস্তৃত ব্যাটালগের জন্ম নিম্নাধান ঠিকনিয়ে পতা নিশ্ব— ম্যানেজ্যর—গ্রেম্বিভাগ, উটেডনামন, পোঃ শ্রীমায়াপুর, (নিনার) A STATE OF

# বশ্বেষ্ণব রাজসভার গুদ্ধভাজ্যঠসমূহ

क्षी देखा भन

আকর মইয়াল

ल हीन मध्ये , छ क्षत्र हैं। साम मानाभूत, सनीता

শ্ৰীমভাবেণাধীম হয় দে পাচ ৩০০ দম্ম উত্তৰ-পূপে শ্ৰীৱলপ্ৰতে আচাৰীয়ক শ্ৰীচন্দ্ৰ-(मध्य-४१(त क्षेडिंग्रेटेक र मह विदायमात ।

এই স্থান সাংখ্যত- নীর্থ, পরবিশ্ব পাঁঠে বা সাংখ্য ভল্প গুলী। এই মহা নীর্থে মীত্রি-লামাষ্ট্ বাকেবগাল-(বছ জনমুক, পরতিভার মহার্থ ক'বা, নাটক, অলছ'ব, ভলা ক্ষমান-উপনিষদ-সী শা-স্ত্র-গত ন ৮৯০০ত অবাচন । ও অবা পনা এবং স্পায় ইতিত্তক-दशीदाक्र-भाषास्त्रका-निर्मादमव छ शायन शाक्ताकाकित-कांठाया-ठळू व केम्बाटलव केलास्त्र ! ষিপ্তাংগৰ পৃথিত লৈডা দেৱিত চল্চেন্ডেন ৷ এট মইবাজে পাৰ্মাপত দৈলিকপত সাত্ত স্ত্রধানের স্থারকাশ্ত ন ও পাটান প্রাধন্তি প্রচারতল্পে নদীলা প্রক প' যত বঙ কাহিটিট এচয়াহেল আহিবংসর প্রদাম-পশ্লিক্রম এইন ও মগাণ্ড ৮ জাগে ট . জীক্তন প্রচানসূত্র মতামণে হুংগব দি ভাকাল অভ্যন্তিত তংলা লাকে। কক্ষণ না প্রস্থানার্গ **अ**भाग नवश्वक्री, अञ्चली - अक्षण हाः विश्व विश्वनी, ষ্ট্ৰমচাৰী সাৰ্থগ্ৰীৰ, শ্ৰীপাধ নীতিক একলাৰ, পাত্ৰৰ শ্ৰীমাধনাথৰ প্ৰশ্ৰণাৰী, टिक्षेत्रक समीर शालाल वरण्यालामात्र. উচ্চেट दशम मान खलाठारी अभून सकानात्र ।

#### (৩) যোগপীত ীমন্দির

me alle Gantald, n. m. . . . . . . . . चौभूमारा शकुर का जिलान हाम मणारगः श-न्त्रीते । ब्रथारन मान्यो' गर्मा ल मा कु. Sensine Bienfamigien unt Bifterni 🖷 🕮 (माक्राक्षत विका स्मन स्म, आमा क्षत्वत द्वता नहसाल। दक्क--(व्यक्त-आक्षांबन दश थाओं +हितारी। त्याज् धीदश-माव । मानाती क्षितिकतानन द दनामी, 🖺 तुवसम् अवतात्ती । श्रीमान-मान व्याप-कारी. (मानवा जीशाववज्ञा

#### (৪) শ্রীবাস-জন্ম

स्थिभवा शासूव के खिल्लाम सा **ब्रिशीरकी**बाद रागञ्जी। ब्रशास क्षेत्रकात निशालक छ प्रश्रद्धा त्रा व कुरान । क्षा क--- भेर गांध में अवश्री है। मा ाक मित्राक्त्याम नाव भी ।

#### (৫) ভাইম্বর-ভবল

क्षेत्र कार्म क्षेत्र कराय कराय कराय दमना वक्याना

(७) काळांच अब मि न हे व्याधीन भागान्, वामनगुक्त (संवीधा) शिक्षामात केतिकाता व्यक्ति। "सक्त - अलाजा है की तालान हरायी।

### (अ) ब्रायम ह्यंब के ह

श्चित्रास्त्रमः अक्रमानः स्रोतः) **ब**णहर केविकूमाम देश क किन्दिसम् कृत्य । Ruffe unt Bicetungenn mar Bickeint. भागासद (मधा वक्तास )

a中中一を「おうなる 香味は 「香味の」。 क्ष्याका (वर्ष) क्षां, यान, वर्ष ।

#### (৮ - শ্রীক্সন্তাথ নৌ গায় মত भटन किटा

am + -- El 494, 'm' n' m' 2 + 1, . C. ति, बल, भवनारी--- अपनेब माम कोल- । त्याक- न्योल्यानका बन्ना है।। माही. क्षेप्रक्रकः संध्वाकी अधः ।।

( > ) ब्यादगात गामाभय गड Binte है, मन्द्रशह, १ वद्याल ह প্রিক বালালা পর পা-টিব বার্গদান-

#### (১০) জীলপ গোড়ার-মত

का ।शक्क. अक्ष अ रेडे जि emm-Befeffe amoial, Benemaa

#### (১:) औः वामसम्बद्धः —

शांक्रियाकि, काश्यात, नक्षमाना 🖫 तामार वाच हे कर नुनार कर धार । 584-E-841 " " " " | ( ) ) **BINA + B**T III चि • १९४७ (टा · कम• शत्र, • मीहा । काशन रिकास अवानकी व्यक्तर-रक्षणा कुक् -- म्रीयश्न अक्राती।

#### (५७) शिक्राम्बर्ग ८३ व पछा, अरधाकी, क्रमनगर, नवीवा । बक्रक-ञी रङ् ालल बक्रांची।

(১৭) শ্রিণাা গোড়ার সঠ a बार क्या मण्ड क्या है, श्री का ई नुस्यात्रव शहराना क्षेत्रकारण श्री धक-.श्री (१% भाकार विदेश देवन देवन व देवाले । SWA- Mernidhe Autifit i

### ( 50 ) क्षिरवाशामकी वर्ष \* 44. 24. 614: 1

| अवस्याने वर्षः श्राप्त क्षण्याते ।

# ( ) खैरगोडी स मर्ठ

५७ सर कालिकामान एक नकी हैं। एताः नामनाचान, कनिकाकाः। क्षिंग्रिमान १४, नि. ४०५६

क्षित्रवारा नवर अठःविक कृतिका । भक्तिनवन । शक्तिनवन शाहाद्यादाना । क्रमाने कलिका काश्र क्षेत्रकां निकास कामार विभाग कालिक अध्यक्ष का का शक्या तथा के सक्र-(भोवाक व्यानर-प्रान्त को के मण बाब विकार स्विक क्या । स्त्रीकी अ:Bin-नर्शित वानजीत श्रञ्जाननीर अ:bbicबारकाण व्यवहरू नश्या अक्की स्थान मुझान গ্রহান্ত সংক্ষতিত ভত্তাভেন্। প্রিবীর শ্রাক জ্ঞীগৌলন্ম প্রভালার এট ম্লাল্ড क्षेत्र (शोड़ीक मान्याक्षक मान्य, क्षा करकासिष्ठे प्राप्तिक मिल्लाको क्षेत्राक्षी **कारा**क्ष भिमाधक करत अका भूक १९८७(७म ) - श्रीभारि श के मही मृतः शक्का सन्दर्शन क्या स्थापन सी बाद्र (stam Mith om-Branein offernfeit a banten मारक बादलाकता स्केश থাকে। মুদ্ৰক্ষক---মান্যব্যালন স্থাপ্ত কুমাৰ্থানী বিশ্ব কুমৰ। সৰ্কাৰী---প্ৰিক প্রতিষ্ঠ অনুধান কর্ম কর্ম কর্ম ক্রিক ক্রিক ক্রিক ক্রিক ক্রিক বিশ্ব लायान रामानवादी जक्कारती, लीयाम चनवकातन मामानिकायी विनव, खीनाम य रहार्ताल अभाविकाती. अकारी लोको मन्यालय, अकार्यो लीवानीस्थाक्य, अवस्त्री हो क्रमा राज कर्किन हो। अबारी और नामिनान, गाँउ खोगा मरीनक्क भारतिकाः कात कल्लिमात्री आस्त्रकः

# ् ১५ । श्रीनशहिन्दशोदास गठ

steate multial Mai, nife sidi, Gim: द्धिनानाम-(भोक्राक्षद निका १५८

#### (১৭) बीडागरडक्यमामण गर्ठ

ार्टसन्तरम्, नाद्यश्यनभूतः, द्रमनिजीभूतः। · 四十八日 · 門 白中一八月日中 等-月1年 · 柳 本1. ्रता । व्रक्रक---- व्योक्तित्वक्षानं प्राथ्यसः । अतिनारीय निकारमञ्ज्ञ वस्थानः। व्रक्रक-----્લુસ તું મી સૌ મળતાનામથી કલાકારી બદાનન

#### ८৮, व्यामनारमाष्ट्रा अनुमा अम

शास्त्री न द्वार नह्यांस ह

'ल गर्माता । इक्क---खन्नामी खार्शद- चीलना'ठण न । 1024141

#### (১৯) श्रिशुक्रदबाह्य वर्ठ

प्रशंकात, शुकी, छैं। खा। क्षभारत च्रीभागत-भागाम् वाधवकीत निका-्भनः यस्त्रातः । शक्षकः -- अध्यक्षत्रादी जीलद्रभाः-नम विष्ठाः पुष्ट अक्षति में मानावानम ।

#### (२ -) 🎒 उष्ण-८गो क्रीय मर्ठ

भागतकाष, अभागत (१५: १८)। **अध्यक्षामा** वर्त चलक्ष्म्य सम्रद्ध द्धिराधरः शंभरदभवती कानामकी। मनकारी--दक्षाती औत्तरिनिविधारी ।

#### ( 🌭 हैं।शक्तिशानक मह

L'antimis, ubal न्द्रवादनः श्रीकृत्रभीवान-निद्रवासयमनः व्यक्तकात्री सीमानावस्यापन-नवस्य । हेर् (शानाको द आर्रिक्स व काठीन स्तरः को व निकासना वर्षनान । अक्क---दलकारी क्षेत्रश्वता

#### (३२) ध्रीनमाणम-्योधा वर्ष

901 씨의(10 10 10 11 1 1 1 1 1 ्रशा - यन क्यां ड अभा छन- निका**क्ता**। उक्षा सं १५११०६२१४। व**त्रम**ास । **३११३०००** - wind [ 10196]

#### : 0: 3:44255W N3

बीन गरानाम क्या. भागम क्यानम । क्षेत्र के ना ना-अल-द्वार सम्बद्धाः द्वारा ।

17: 0 -- Bun- fan w 34 11 1

#### (-४) अभद्रमक्रम मठ देनियशक्षाः भीशाष्ट्रक

क्षापारन हो का शनक शामितार क Their ficate tentumbe chai emaine .मी अक्रारणवाक द्वान कांनाका 'शविम' की - कक क--- अवाताबी दीज् मरका नक स दक्षाती

#### (२०) औरें इस्टिंगोड़ोस सर्वे

क्षेत्रकृत्रा, क्षित्रकृत्व , सामस्यम् । देख भाग कार. <sup>प</sup>रक्त-शामक अवकारी । स्रीवाय कीत अप अर्थ तथा।

#### (२७) औरामःश्रीकीय वर्ड

French L. Wilder, Offin 1 Office कीरभागातम् म-शास्त्रम् (मन) वर्षाम्। · 阿克斯斯巴特 1年 - 斯比----中央 (文4: 四) 衛子甲代間 如外面外面 (本)

अभिन्याक्षाः (याः अन्तः, अन्यक्षाः क्षणात्व वर अवस्थि जीरमां कारक रवक वस्थान । १४०--- अवतानी खीळात्वक्रकwill, Di falban amitale

### १२৮) विद्या दशकीय यह----**ेश्वराज्य** bercen intere, fich femt

अक्रम -- अक्रमांची जावाधिकावासम्,

(२०) द्या मानाभाषा सन्द्राक्षाक क्ष्म च--अच्छा भी और १६८मा सम

# চৈতক্ষমতের শুদ্ধভাক্তি গ্রহমালা

বলাক্ষরে প্রকাশিত	ঞীল প্ৰভুগানের বক্ত ভাবলী
। केमहानवंश्य,—नवदा	**
के ( )य-अम मक्ष ) काल	• (ব) বিভীঃ বঙ্
💣 ( ४९६ ६४) 💝	্ (গ) ভূই ৰঙ একলে সা
e i Gigig-ne Billienweigenge	B ১৬ নবছীৰ শৃক্ষিকা
( <b>dd 'সংঘটৰ</b> )	( ১৯৯ গোলাৰ ) 🗸 -
'•। <b>वि</b> रेशकश्रीतागर	তা। সিভাতবর্ণ 🗸 -
(विषाधे (विक्रीः मरण्डन) 🕒 🕰	०৮। दोल-स्थित्। ५०
ত। শীভা ( ত্রীবলক্ষেম-টাকা-সঙ্গ) ২.	०३। जाकत्रकाकः
e । স্বিকা ( জীচক্রবন্ধি-চাকা-প্রভা ১	(নৰবীপ পরিক্রমা) 🗸 🗸 🗸
1) (W 44%	8 • 1 স্থান্য /> •
१। मुक्तिमुक्किका कन्त्रीतकः नाक्ष्याः	85 ( - ቀባሽባቀጩሄጵ (ግድት ቫርዓባባ) />•
(भाषा)	BR 1 अवद्योशनस्म 🗸 🗸
के। दर्शाकीय-कक्षणंद	Bal PRIDINGIES: /-
»। <b>और</b> हाडक निकायुष्ट (नीता) २०	्र वंत्र । साम्राम्य
२०। हिट्डा नवदी <b>ण</b> अ	·   80 1 CENTER   1901 /-
ऽऽ ।     चीद्रहण्डलहलाभुकम्  ♦	৪৯। পরশাপাত ৴•
শ্ৰীনৰ্বীপ শক্তক্ষ্ (ৰাণা) ১	৪৭ ৷ বাডাবল: ৴৽
्रः विश्वकाञ्चक्राचका (नीमा) ১১	्रिका त्याक्रीयमञ्जूष करवन १ 🔑 🔑
* 🕏 + (भादीना) b-	৬৯ ( সাংখ্যবাণী 💮 🗸 -
३०। देवक्रनम्बद्धा-नमास्त्रः	e = 1 = = = = /-
व्यवस्थातिसम्ब	শ্ৰীভাকা দেখাণী /-
১৩: <b>উ</b> ৰ্জনামাচভামা <sup>ত</sup> দ	· 《》: 明昉☆◆•
ses अवदीलवाम-आक्रमालाः ha	দেবশাগরাক্ষরে প্রকাশিত
১७। (शांदकृत्कापदः	
39 1 (MNINGS ( P 610 news* ) he	
20 1 danses 142	A 41
Da । वैठाद (करन माध्य-भाष । बर	4.0
<ul> <li>३०। (भाषामी क्युनःच मान ( दे।या / ॥०</li> </ul>	€७। श्राञ्चतास ग्रामाहकः; °°
२ <b>५ शान = क8</b> यानः (दीनाः) ॥ •	A. A
২০। 🕮 । বিভাকিকল্পাতকা নালুবাদ ॥	
401 CHAIR GRAIN AIR AIR	ইং <b>রেজী</b> ভাষায় প্রকাশিত
( बायाश्वनीय )	, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,
वेव । वैक्शरान्छा	
२६। त्याकोक-त्यायर 📈	Man a care al many
- <b>। গোডীয়-সাভিত্তা</b> 🔟 -	
२९ । माध्यम् ( 🕶 भरवज्ञ ) 🗀 🖦	करा वि वाभवत्व ।
२५ । धनियक्षते मालगाः ।	
२३। ऋषमुक्रावली वा मावावालनाक्रमृत्री । •	খালেগবেড ভিলেগন
करा <b>केटलान्सिक्ट</b> ( तलावन व अध्य	est cettig entennes em Bet 7.
काकुः बसर विवृध्धि क लाह नाम गर्क) ।•	উড়িয়া অক্ষরে প্রকাশিত
<ul> <li>का वही लक्षाय ००० ।</li> </ul>	न्छ। अक्षित्रमात्र क्रियानि ।
०१। जैत्वास्थलनाहःस्याः वर्णन	W   ##119 #### 1
०), इष्ट्राम्बद्धः	७७ - मानम श्रव
০০ ৷ ঐ প্রমাণণ ১০	1
व्ह । वर्षीन्याम-मानामा	का वहवाविष
attennes & Simon	wa zwre Elizarriwa BETRI

ट्यांक्याम :-- बैटेडक्ड मर. (ला: स्थानाता मृत. बहीशा

পুষ্পত্নোগ। সুৰপ সুযোগ।। সুৰপ সুযোগ।।। এছাকারে খণ্ডে খণ্ডে প্রকাশিত

# শ্রী পা দের বক্ত

ওঁ বিকুপাদ শ্রীশীনভজিনিভান্তনরন্তী গোনালী মনারাজের
সেই অনিদা বিধাংসিনী জানাত্যরাপোলোগিনী কৃষ্ণ-কার্যানন্দ্র্র্ণারিনী জীবস্ত-বাণার মুন্ত-বিগ্রহ—নৈফ্রসিদ্ধান্ত-রত্নালার কৌল্পভ্রন্থি
—সেনাকুল্লন্তর কৃষ্ণ কর্ণ-বিভূবণ কদমকুত্য—সম্প্রদান নৈড্রবিজ্ঞানাগারের মৌলিক তথা—পঞ্চরাত্র ও ভাগবতের সংবহত্তর—
মহাজন-জীবন চরিত্ত-শিক্ষ ক—চিল্লিলাস-চিল্মাত্রাচিম্মাত্র-বিচারক—ঐথরা ও
মাধুযারসের মৌলিক গবেষণাগার—সম্বন্ধ, অভিধেয় ও প্রয়োজন-তত্ত্বের
সিদ্ধান্ত-সমুদ্র।

১। প্রাথমিক বিষয়বদর্শন, উত্তিরত্ব, কালগর্ম, শ্রীনধানির্ভাব, শ্রীনামভাননী, পাঞ্চংাত্রিকী দীক্ষা ও বর্গ-নিচার, আত্মংর্মা ও মনোধর্ম, শ্রীটেড্ডাদের ও তাঁছার শিক্ষা, অপ্রাক্ত সংক্রমণ্মা ও প্রাকৃত সহল-ধন্ম, জ্রীপাদ ঈর্মরপুরী, শ্রীল রসিকানন্দ-প্রসঙ্গ, পুষ্টিমার্গ প্রভৃতি বিংশতি সংখ্যক রব্বে জনোভিত। ভিক্ষা মাত্র ৮০ বার আলা।

২। জিন্তীয় অগু-শুকা ও বিকা ভক্তি,মনুযোর শ্রেষ্ঠতা কোখায়,
আরার নিগরেও, জীবর সানিপাদ ও মাহারাদ, জীগোর নিগ্রান্দপ্রাপ্তর, কিয়ুগের ধন্ম ও কৃষ্ণকীতন, জীবাসপুলায় জীমন্তাগ্রন্তের কীতন,
জীগোর্গানের মহিমা, মহাপ্রসাদ, জীগোরিন্দ, জীরপানুগভক্তন-পথ,
জীমতী র্যভাগ্র-দিন্দী, জীটে হংগর দয়া, গৌরকরানা ও কৃষ্ণস্থীতুন
চাংদিশ অপুর্ব-মপুরিয়াপ্র-বস্তৃত্ত:-বিভূবিত। ভিক্ষা ২ এক টাকা গাত্র।
প্রথম ও বিতীয়—তুই ২ও একতে লইলে ভিক্ষা ২০০ দেড় ট কা,
ভাকে খরচ গ্রন্থ।

প্রাপ্রিকান: - ও জ্বিভাগ-- উট্টেতক্মত, পোঃ শ্রীমারাপুর, • দীর। ।

আগামী ওরা এপ্রিল (১৯৩১) তাল্কিখ হইত্তে

# ভীধান নায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

# एक श्रातक विमानश

খোলা হইতেছে

বিদেশী ভাতগণের জন্য বিনা বায়ে সুন্দর বাসহাদের বন্দোবন্ত হংখাকে। প্রত্যেক ছাতের খোরাকা বাসদ

মাত হয় টাকা মাসিক বাঃ হইবে।

শ্বান অভাব শ্বাস্থাকর। ছাত্রেগণ অভিভাবকের প্রায়ত্ত স্বর নিম্নলিখিড টিকানায় আবেদল কফুন।

লেকেডারী, ভাকুর জাজিবিনাদ ই-্ডিডিড্র্ শ্রীচেষ্ট্যমার্চ, গোঃ শ্রীদায়াপুর, নামান

# ক্ত বংসরের পরীক্ষিত করেকটা মটোবধ— কর্ষাক্তাইর ভাল হয় কর্মানে সমত আদংসা প্রধান ক্ষিয়ানেন ভালা

ক্ষেত্ৰপ্ৰকাৰীক। ভালা সৃদ্ধ চন্দ্ৰ সংগ্ৰহ আশংসা শ্ৰম বাদ কৰিবলৈ নি ছাৰ্থ পুলা কৰিলে বড় বড় গুড়ক চন্দ্ৰয় পড়ে। আৰু চিন্ত বাৰ্ব্যয় কয়িল। ধল চ্চিন্ত

- 3। চত্তাপ্ৰতা ৰটাক তাৰ নামটাও খেনন কালত গোলকম। ইংগ প্ৰথম ও প্রাতন মেত, মূলক ড, মল প্রাভৃতি কাৰছ জীংগামানগোৰ হতিকা বালিয়ে, খেত আৰং বজাতনৰ প্রভাৱ লোগে আত্ম কলপ্রাণ।
- २ । ज्युष्टिकश्च विका-माधवकतानिरीत अपूर्वकर निकारियाप अवन । ८६ (कान १४) के अपनिक लीक्षावणका अभिनार्वाश अक्षेत्र नात्राहर शाहि
- ত। স্পুর ৰটিকা---ইং। সেখনে প্রীণা ৬ কদমুদ্দিক দেবা ও শ্টীব পাতৃর মুইলা যাওয়া হত্যাবি শিলুভিড কট্যা এক প্রিমাণ শ বৃদ্ধি প্রাপ্ত কর।

कि किन कार्याद्वत कारकाक छेता जा मुना शांक cकांता 🛬 है। का

ক্যাপ্ৰধান :- আভ্ৰহানপ্ৰহ উপ্ৰপালন্ত্ৰ ২১৪৭২ বছৰাখাৰ বীট, ক্তিপ্ৰত্য ।

#### শ্ৰীনবছাপধানমাহার। এমাণ গল ভিক্ষা ।

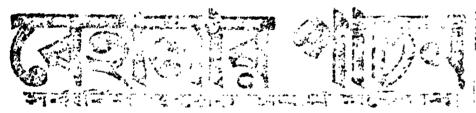
শ্রীটেডের মহাজ্যকর বিহাম ও শাশাকৃষি নয়টা ছীপন্নমান্ত। আদ নর ছালের প্রাচীন বিবরণ--- গ্রেডাক ছালে জীমহাজ্যকর গাঁও -- প্রত্যেক ছালের পায়চাই, শীশাম্বাক্ষান্তা---বামাপরাধ কি গ ছাড়ায়ে বিষয় বিশেষভাবে মানাকর ছলে বালিছ। প্রকার বালেভ প্রায় ১০০ পুষ্টা।

# প্রীনবজীপ ভাৰতরঞ্জ 🚥 .

ইচ্ছল ব্রোক্তনা কালাইডি উক্তম কাগ্যাল জাগাল আঁচন পাদান পাছিল কাৰ্ক ক্ষুত্ৰ কাল্যালয় কি প্রকার ভাবের ভাকার হয়, ভাকা এই প্রাচ্চে বাসিন্ত । ভাকা চন্দ্রকার চ

সাধক ক ঠমণি— ইটবননবন্দনা, ইন্নালগরন, ইক্লেজের আন্ত এব শতনাম ও শ্রীণ নলেওম ঠাইরের ওকঠনিংস্ত ওড়িছ ক্ষম্মত পালন, প্রেন্দলিত চল্লিক্ষা প্রস্তৃতির স্থাতি গাঁভাবলী পুলাকারে গ্রেন্ড স্থাত্তর মৃথিত ব্যান্ত্রণ ভিন্দাত চাবি স্থান্ত্রাত্তা

# কাবরাজ শশিভূষণ কবিক্ঠাভরণের



মক্ষাখনের ও নগতে জন্ত ৬ জাঃ লৈশিয়ে ঘণ্টাভূত ক্ষরতার ছোটবেছিলের স্থাপনিমাণ্ উব্ধ ভাকে পাঠ ন হয়, বহাতে উম্পের কোন গ্লেপনন করা হয় নাত্র প্লা আছি কিশি এত্ত্যানা, প্রিট ৪৮০ কাল্য, ব্যাক্ষ ১৮০ আন্যাঃ

অফিস– ১১নং উক্তাড়ান্সা রোড, পোঃ শ্যামবাজার, ক্ষান্সা

# याज याज र

বৃদ্ধিনায় করা ও বাংচাবকার, ইপ্রিয়ণজির হান, অক্লাবে জুলাজ, নচন্দ্রম, মাবাংগারা, বুল বড় জয়নি, অনিক্রা প্রভাত লক্ষর লয়র নিজ্যের আব্যোক্ত চার্চা করা, বাবা, বেবা বৃদ্ধি করিছে। অন্তির্ভাত হারিকার করা ৪০ বন্ধী ১, এক টাকার

শ্ৰাপুত সাক্ষা আ স্থাত স প্ৰথম সি বে লে আজ্ঞাৱাৰ হাবা আৰাসা ভাৰত, নাজপান কৰে। মুবা ব জোলা ১, ইজা । কল্মা আন্তিনিক্ষা সিন্দা আন্তিনিকা বীহামায়ৰ লগত নভোগত পুত্ৰী ক ব'ত কবিছে অজ্ঞান্তৰ। বুলা ২০ বন ই কক মানা ব্যাক্তিক ন্যান্ত্ৰা ক্ৰিন্দাৰ্ভী ক ৯৭৭না ভাৰিসন বোড, কলিকানা।

# হাইড্রোসিল

-21

#### কোষরদ্ধি রোগ

काः कम्, कम्, स्थाय विमा भारतः, यानक्कीनसम्ब भारताकि विका देन्छ।किक कामामारक दकायबुद्धि दकाम भारदाना। व्यक्तिस भारतमः।

> क्षिणांगा---१६ मा गडेम हैंकि, व्हावाखाड, करणका था।

# ১। শ্লায়ত

পিজপ্লের অন্যৰ্থ মংহাধধ। ১ মাসায় উপশ্য, সপ্তাংক আর্থেকাঃ হোট দৰ্শন বাহ আনা, নড় চাৰ আনা। সাঞ্চল পুণক্।

# ২। শুক্রাচার্যা সঞ্জ বনী পোটাই

কাংমণ ও প্রক্তভ্যের অভ্যাত মণোষর। সুশ্র ১ চিবা ৯০ আনং 🕍 **সংখ্য** পুনক

# ৩ সন্ন্যাসী-প্রদন্ত অশারান্যের অব্যর্থ আংটা

आटटील नी क्रांल मूला दशदर। मूला दार भागा। साक्रम **पृत्**की 💥

৪ কান্ত-বান্ধব পীল

अकोर, . ऐकाला, लाउँट जनाह भटनावर १ कि छ 🕫 आनः । भावा पुरस्का पुरस्का ।

# া বাতলীন

শ্বনবোল্য মজোপকারী ও স্থারে আরোগাঃ প্রাতি শিশি।» আনের মাজল প্রথমঃ

রবার-উ্যাম্প প্রস্তুকারক। সহর পাটালগের 🗪 পর শিশুন।

क्षांक्यान-भट्टाटग्रम् (लर्ट्स्स्त्रा

त्याः प्रशाहीः कमकाश्वतः **छाक**ः

# যনেবোহন প্রেস

প্ৰা বাহাশার ভাগতে সকলপ্ৰকার চাপার জন্ধ বিখ্যাত বৈদ্যাতিক কেলিলে দিকাবাতা কাক ভলিভেচ্ছে বিশ্বত জানিতে হইলে নিম্ন তিকানায় পঞ্জ লিখুন মান্ত্ৰেজ বি—মত্ৰোমোহন প্ৰাক্ত ১০০২ নভাৰপুৱা, ভাকা।

# মর মানুধ বাঁচাইবার উপার

বাদক কথানি হাঞ্চ সনা মানুষ বীচাইবার কোন্ধ নীবন কান্ধ কান্ধিন কান্ধ কান



ডাঃ ডি, ডি, হাজরা।

ফল্ডেপুর, গার্ডেনরিচ পোর, ব্যক্তি<del>য়ের</del> উপাধা শাই করিয়া নিধিয়েক

অধান মাচাপুত লাজা একাশ কো কাৰ্যাক্স কইছে—ভাঃ কুক্ৰাছ অসচাজা ছত্তি সুস্ম এল, এল, এক, কুক মাজত ও একাশিছ

**ল**লৰাপ

निकाश्वामिक का क्षाक्रमारक MIT FIR >. MITS GOTA S. WE. WHE OF. निर्मिक कश्य २. इक्षिड काड TON:



অগ্রিম দেয়। याधिक कर यानाधिक द. द्विगामिक २५० गागिक 🔍 भग्म गर्वभान-マペコリ ノコ

মারতের লকতে বছল-প্রচার—ক্রীয়া জেলার একমাত মুম্পত

#### – শ্রাজাতী ক্রাণ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদাস্তরাচম্পতি **डिइंग** मश्था

हे । १७४४ ज्ञान । जनास २००१, ३१८ न मा की. ३३०५ ब्राटेज्जनायने ब्राचाय मार्चानय

### কতিপর শুদ্ধভক্তিপ্রস্থ वजाकत्य शकान्य 3 1 BYEITHANN .-- THE A ( 447 35 ) 4 · 电中枢电影中中 新国民族电影和电影中国 ( BE 717897 ) . Bitsiemeinau (विवाह विकीत मन्द्रवर्ग) ● : 元日(過れのCP4-日中1-7日) マ 4: 901 ( 35m4 18-8141-74 ) 4 व. क्षत्राधकः क्षत्रोतकः राष्ट्रवाः ( RIW ) 61 CALAJA-#2016 »। औरह## लिकामुष्ठ (वीषा) २० ५०। हिट्य मन्दीन 23 1 ACE 005013'69 0 क्षेत्रवरील नफक्ष (नामा) 14 | Bumm man (4th) > ( W14141 ) ३० : देवकवमक्या-मभावाक व्यवम हाविषक ) ३७ : क्रेब्रामाध्यामा ३८। यम्बीलन्य-अष्टमान्य CHICACOTTS: >१ : (त्वकायस्य ( ककोश्र मरकदण ) 4014 (444 AIM-119 २०। (मायामी अपूनाय साम ( ने।वा ) ३० > १ माप - कश्वाला ( वापा ) २१। व्यक्तिकाकिकश्चनांकका माञ्चनाय ३० 24 | CAMBAGAIS AIRAIS

২৫ বিশ্বসংক্তি	ķ.
२६। (शाक्षीय-,शावय	
· 우리 : (제] (本) (本) (本) (本)	
२९ ( स्राध्यम्म ( ७३ स॰ऋदम )	• بي،
२४ । याणमञ्जावी माञ्चनाष	
২৯ ৷ জন্তমূকাৰণী বা স্থাবাদশ্ৰদ্	4 54
००: क्रेट्यालनियर (नगरनत स्र भा	भन्द
क्षामा (दयर १ कुल्डि ६ अस्प्रयाम र	•
०५। जीममधीलकाव ग्रह	
৩২ ৷ জীগোড়ম বলপার ক্রমণ দশ্	
০০ ৷ আত্ৰনেশ্বয়	
ত্ৰ বিমাণ্যৰ	
०४ । अन्योगनाप्र-माश्रम्	••
শ্রীল প্রভূপাদের বক্তাব	भी
( <b>*</b> ) 2144 # 8	410
( यः विकोत्यक	>
(গ) ভুট খণ্ড একজে	># •
প্রোভিফান:-ইটেড্ড	(Ż,
পোঃ শ্রীমারাপুর, নদায়া	ŧ

# নিলাম ইস্তাহার

( >+ N 9) 14 94 )

१। औ बानाब गापिन बनुक्तुत ्मोकाव ० व फार्यस ॥० । जाना वक्स भवनी पछारम के क कमा मुना का: e .

ত। ঐ পানার অন্তর্গ ব্যুলাবসূত্র ज्याप्य विद्याम विकासी माहा पि: स्मर्टन्छाय # भ्रिक्षा । यान विकास अ मनुष्ठेणुक (मो क्ष का का भाग भाग ज का वि करीका कार्याकरी के भागि वर भाग भागांत श्रामन (प्रत व्यक्ति ठाइ मान मुना माह ००८

फि: तामधानाम अञ्जाभाषत्म भिर गार मुक्षा शास्त्र

क्षाः जाला विकि मिर भार मिल्हाजी (門): 季期45日

Miet committen nifnen fremit शास्य जिल्लीनादशस्यक स्मारन्छात्र ५०० - र 9 '4 301 W. 1 14.

( 548 } २२६६ मनिकाति ०० मानि ५६३६१० ६

ण्डिः यामन 65 लली मार वशान्यात नंबहोल

(सर भीर-ल क्ट्रा क्राय-की प्रश्नात । ও লেও নবৰীপ

থালা নবছীল প্রায়ল নিজ নবছীল MIN orb wheatens he will with ध्योदनी क्षेत्र यात्र भाका विकृत् कारा है। चर्टा १०१३ ००० महक स्मि एल बायकी পारकान: क्याठित कताता ककारांस <sub>स्था</sub>न भारती १४म जुणा छ : ७०००

( > 4 2 ) २४२ मनिकादि ७५ । । वि ५५१२ किः बनवारि लाल विश्वार ८०%।-Sete

(म: (चक्ति (मच मखन किर मार यात्राविका (भाः नाक नेत्रान छ।

थाना ना का नी ल छा । धारत वाला हिस आध्य कानीमिक मानी भर नरकार व १८० राज्यात ५-१२ मक्त कृति ५०/३ । बाबरी शिकतान समा मुना काः : • ्

रा वेशाना के ओबार के समिन का क अधिनक हरका । विकासन **४९-९९ मफ्क क्या मुना काः ५००**०

महकारक कर मिकशारमंड ३२-३० लक्ष्म | द्यांग काला बारण भूना बाह ह

্জনি ২০০০ রাল্টী ভিতেবান জনা বোল न्या च्याः १४.

- औ पानत्य वे आिकाम अ महकारक त्रक शण्यात्मत - अक माउक स्वास कर् शाको विकितान क्या मुना साः ८
- 2) अ भागा अ त्योकाम नित्यम त्रिश्व विर अपित्व अक्षेत्र वि<sup>र</sup>ेष क्ष শত ক জনি বাবভা ভিতিবান জন্ম মুল্য 41: e,
- ७। औ शामाप के भोगाव मनाबनाब गतकारत्रत अतिम १०१ पश्चित्रारमध • প্ৰক অনি ৮০ গাছতী তিতিবাল আমা भूषा भा : ८.
- १। वे भी गाप रमनीवळन निरंक विर म्बर्ति १७७ था स्थाति ३-३३ । सम्बद्धाः রাম্ভী ছেপি লাল আন্না মুলা আয়ে ৭
- का खेरनीयाम खे मनकारक नकन कि विश्वस्था साथ भाग दक्षा मुगा

( 540 )

२२२० जीजबादी ०० 付ける モレノ・ क्षिः कालीक्ष विदास मार अक्षण्य ins corried and fire mix asul-কাঞ্জপুৰ পোট কানীগ্ৰ

षाना का नेपायः गामित इक शामिक प्रभावाय कामालपान निरंक नाम विश ्मर्ट्छ'ह २६ धृतिहारनंत ३-३ म्छक अप्य शार्थ कावको विश्वनान समाह्यः -बान काला पुत्रा काइ २८८

२। अधानाद भाषन 🗷 भोकात्र 🚵 Alter wien to tietting of man. এ थाला के भोकाश के क्षिणात कि कि कि काशणी दिक्षिणाल क्षमा आः

( शमक्षीर )

# ৫০ বৎসরের প্রীক্ষিত করেকটা মংগ্রেখ—

कावहादकातीला खाल भुद्ध कड़ेशा था भगक लाल्ट्स एट शान लविट्रोटका, खाँका रेल कतिहास वृद्ध वृद्धक कड़ेशा लाखा। धा तिम्र वानर्ग कांग्रेस सल कड़ेन ।

- ১। চজাপ্রতাতা ব্রীকা-নিবাৰ নামনিত গ্রহণ কামও নাই রক্ষা। হণ্ড মুখন ও পুরাছন মেচ, মৃত্যুক্ত, কল পাত্তি তেও প্রীকোন্দিলের স্থাত্যা ব্যাকান, শেষ এবং ক্যাকার পড়ানি ব্যাবা আন্ত ক্যাপন।
- ২। প্রস্থৃতিসভায় নতিকঃ সাদ।জবাবিটীন অভূতিক্স নিজাবিদায়ক ওখণ। বে কোন নৈতিক ও সানলৈক পীড়াবেশছঃ অনিসাজোলে এছ তখন বাৰণাৰে সাঢ়ি নিজা হউৰে।
- ৩। মজুন নতিকা—ইবা দেখনে প্লীকা কামন্ত্ৰস্থিক দেনা কল্পনীর পাপুর ছইয়া যাত্রণ হল্যান দ্বিত কইয়া কক্ষ প্ৰিকাৰ ও একি কাপে হল।

ख्य किन अक्षात्वत लार हाक छेपाधन मूना लाकि cकोटे। 🛬 छाक:

'আধিখান :- আভ্ৰহনিত্তা উৰজাগৈত্তা ২১৮৮৮ বছৰ বাৰ্ণা ইচ, ৫৭ এছে ।

### श्चित्वाभवाभ्याकात्वा अभाग कत उक्ता हा

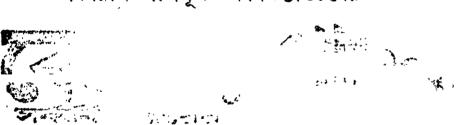
শ্রীটো চন্দ্র মধ্য প্রকৃত্র বিধার ও লাল্যাভূ ম নতার ছাপ-সম্ভেচ তাত নগ ছালেত প্রাচীন বিবরণ—ক্ষতে ও ছালে ছালে ইম্ফালাভর লাল্য-ক্ষতে ও ছালে ব প্রকৃত্র হালে বিশেষভাবে মান্যালর তবে ধানিত। প্রকৃত্র সাক্ষত প্রায় ১৬০ পুলা।

#### ख्यात्र कान्यक क्षित्र क

ইজ্জাল রে.জ-র কালাতে উত্তম কালাজে ভাগা--- শ্রীনব বিশ্বাম দশ্লে ভাবুক মুশ্লমকারীর কি প্রকাশ ভাবের উজ্জাল হয়, তাতা আন রাজে বংগকঃ গাটে চমংকার :

সাধকক প্রমণি— ইটালনবন্দনা, ইটালনবন্দন, টালালেও কালারত কা

# কাবরাজ শাশভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



মাক্ষার্থের প্রাবধার ফল্লাও আছে প্রশান্তে ঘণীক্ষার ও ছোর ছোনেবেশ গ্রার স্থা নিমার শ্বীশ্বপ্রাক্তের পাস্থান হয়, ইতাতে ওপনের কোনে পাবিস্কান করা হয় নাই খুলা আছে শিশিয়াত আনি, পাঁতটা ৮০০ কানে, বোলনা ১৮০ আনোর

অফিস-১১নং উটোডাঞা রোড, পোঃ শ্যামবাজার, ক্রিকার

# यप्रवे यक्ष

वहिष्णां वंश क याङ्गातकात, विश्वतकाकत हान, ब्रह्मादेव कुरूत्वा, व्यवस्थात, प्रावादः । प्रा, कुण वकः कहाति, क्यान्या राकृष्ठि सकत नवत त्याकात्वा ब्राह्मात्वा श्रद्धाः वना, वीदा, द्याना वृष्टि कविद्रस् ब्रह्माद्येश क्षेत्रिक हु मुस्सा ४० वर्षे ३०, अस्त्र हेरिका ।

स्थानिक नामान्यानि श्राहण वृत्रपाधि (१ १४) वाकसामा १ ३। वाधाना वृत्रपाधि (१ १४) वाकसामा १ ३। वाधाना वृत्रपाधि (१ १४) वाधाना व्यक्ति । स्वाप्तिक व्यक्ति । वाधाना विकास । व्यक्तिक नामान्यकारी, व्यक्ति।

🐲 ১৭१मा वाहितन (बाउ, कशिकाछ। । १

शरेद्धागिन

কেশের্নন্ন রোগ

ভাঃ অস্. এন্, গোষ বিনা ভাগে, বাংননীবনের গ্যাহান্টি দিয়া হৈও।ভিক বাংশাশাতে কোমবুছি রোগ ভারোগ। কবিয়াবাকেন।

> किंगा— के भर करेंग हैंहें, तह्नदाह्मार, व्यक्तकाल।

#### ১। শূলায়ত

পিত্ৰসূলের অধ্যাধ মহোষ্ট্র ১ মানার উপ্শম, মপ্তাকে আ্লোপ্সা। ছোট দেশ বার আনো, বড় ১:০ মানা। মান্তর পুত্র।

# २। ಅकाठार्ग मक्षावनी পाकार

কাংসক ও ব্যক্ত কোৰ এক মাত্ৰ মতোহয়। সুগ্দ ১ ডিয়া ১৮ **আছুনা। সাত্ৰ** প্ৰকা

৩। সন্ত্রানী-প্রদন্ত অর্শরোধ্যের অব্যর্থ আংটী
আলোল না কালে নাল কলে। নাল চাল পান্ধ।

৪ : কোন্ত-বান্ধব পীল

अकी - अकारत, १९७८ लगात माधायत । कि ए के **भागा । माधम पुषक् ।** 

### ্তু। বাতলান

বাদরোগ্যের মহোপ্রকারী ও সন্থাতে আরোগ্যা। প্রান্ধি শিশি। আনার্থ মাক্ষ্পুস্কু।

इत्वात-र्भाष्य अञ्चलात्क । महत्र कार्मणायत का भन्न निष्न।

क्टाल्यान-मरनारगाइन ल्लिश्तवंती

८५ १६ देशहरी, कमलाशुक्र, छाका,

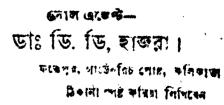
# মুনোমোহন প্রেস

পূর্ব্য বাসাধায় হালতে সকরপ্রকার ছাপার জন্ম বিদ্যাভ বৈদ্যাতিকা দেকিলে দিকালাক্র কাজ্য চলিতেত্ত বিশ্বত জানিতে হইলে নিম তিকানায় পত্র লিখুন

মাানেজার—মনোংমাহন প্রেস্

# মরা মার্য বঁচাইবার উপায়

যানত কর্মানি পাক্তন সাথা মনুসা, বাঁচ হবার জোলা নিবাবিদ্ধ করিন ভালি এলা নিবাবিদ্ধ করিন ভালি এলা নিবাবিদ্ধ করিন ভালি এলা নিবাবিদ্ধ করিন ভালি এলা নিবাবিদ্ধ করিন করিন জাতে মরা করার করেন করিন জাতে মরা করার করেন করেন করিন জাতে মরা করার মেত্র, প্রায়েশ্য পাছিল করিন করিন করিন করিন মধ্যে বালা বাঁদক, বাংলা, মুক্তাবাগ্য, জাত বাংলাকনি নিবাপ হয়।তেন, ভালার আড়ান হোলা ভালার করিনা বাংলাকে আনিবার আন্তান করিনা বাংলাকে আনিবার আন্তানিক করিনা বাংলাকে বাংলার করিনা বাংলাকে বাংলার করিনা বাংলার করিনা করেন আরম্ভ করার আন্তানিক আন্তানিক আরম্ভ করার আন্তানিক আরম্ভ করার আন্তানিক আন্তানি





े 🚇 🎁 अज्ञरकी पारकी व्यवस्था

্যতি ই তৈলে স্বহুপাতি । তেওা।

#### শ্ৰীভগৰ জ্বা

আরু মতে। উত্তের ক্রেয় পার্থকঃ ধরি না ক্ষানা যুলিংহার। নিশ্ব করা আর ইত্যানি লোকের নিক্ট না প্রিয় ইউয়া হরিকপায়তপার। গ্রা স্থানী আছে। • 'জীৰ কৰ্মাৰণতঃ লিও যায় না। আভংৰ পই মাজ জানা বাছু বড় সাহিত্যিক, কৰি, বৈজ্ঞানিক, भवीत्रदक चाला कतिना कत्र अपन करते। बाब मराठ वक्किरवह सह कत्रोते कित्रहरू किन खार्शक वि! ह काल महिन। वक व्यर्थाय कीय कर्षा घटन (मय-मानव-कियानानि (मह्नाक करता है। एक-শোণিত-জাত ৷ ভাহার ক্ষম তইয়াট আকাশ কবিতে পারেন অগবা ন্যন্ত জলপুৰুদেৰ স্কায় সজে সজে বিনাল আন্তঃ কড়কে পচিবতন করিয়া চিংস্কপ আদান। ছটেন কলিতে পাবিলেন না। স্কলেই ৰয় না, পরস্ক কিছুকাল অনুগান করে। কিনিতে পারেন। স্নাচনাং ইন্ডগ্রন্থম 'দ্রিনিটার অভিতু স্থীকার করিবেন এবং আবার ভারার অবহানও ১% বস্তুর ভারে नत्कः, खन्नद्रा दुक्तिः, भारतगामः, व्यभगताः। ও বিদালরণ ক্ষাব নাডভুট্র প্রিল্ডিড পারেন, ভাগ্যণে কোন নদেন্তের কারণ স্থাপ্ন করিতে বাবিল্যে না। स्ता वहेजान कीट न्यार विकास हिर-मत्रोत, खादा पून छ निम्रानाह बाहुछ क्ट्रेग गांव ।

करेंग्रा अक्रियारमञ्जूष्य स्था सीव (मक्का पा प-आक्तिकाल िस्त (प्रश्ने भिटक एक्का स्वरूपके अभिरयन एक আছেৰ ক্ষরিষ্টে বাব্য হয়। ভেশ্ব,ম ড্রেগ তিনিয়ালিক লোক স্বলেই স্বিন্তে। কিন্তু সিত্ত হইবেম এবং ভ্রুপলবুল লোক ব্য হত মহেল, জীহার ইঞ্চাম্যনেই তিনি প্রপ্তক : নিনিস্টি গমনি যে, সংগ্রেপ গাড়েক , সংস্কৃতিক ও জন্মত্তক **कार्युमन क**िया भारकता कीथवर डेड्डाम ( कीय मांक्रो देवाम समाटन राम धान् । वर्ष कडीट्या मरन व्हेल, ज्यानक स्थार्युम खा দেছও খ্ল-বিঞ্গ-দেহধ্য-বাবা আন্তেত হয় আমেৰিগালাও অলভা এই প্ৰবাৰীৰ ন্যালন প্ৰেটা কৰিব চি. প্ৰকৰাৰ শুক্সান্তৰ না কিয়া উচিবে ৯.ড় শ্রীর এচণ তিংশর ইইয়ায়ে কত সেতেকৰ ল'জনা ও ট্রেছবের্ডেনৰ ভিকট্রডেন করা সাইছিল। क्षिएक इद मा। कोत्यव काया ७ (५८३ ) अञ्चारक कांग्यास्थ **लाबका कार्यः,** कन्द्रारमञ्जूषक प्रकार । केर আছোতত পার্থকা নাই, পার্যার 🗀 🕒 (पश्चित्सम्बन्धः)

ब्बक्रेडिर चामनिशंत गल गमाचान पता ॥

बाकानिक करेता थाटकन माज। १२१। व्यवीयाकस्य व्यवानिक दहेवा थात्य । अवव माशस्य छशत्र मशास्य व्यद्व । याव ना ।

। ধনীয়েও সায়ের অনীন্ত তন না, ইচ্ছি লোকের নিকট স্থাত করিছাম, স্তল্ভেই লোকত নাট্যারিল ভিনিত ভিনিত কেনি, শেশানে শা জীলসাৰ সংগ্ৰহণ সংগ্ৰহণ সংগ্ৰহণ সংগ্ৰহণ জাতিক কৰিছে एकरामगणन्य क्षत्र स्टब्स् न व्यवद्रीन

ধার। প্রতিপ্রতিষ্ঠ ও ঋষিতক্য। বাত্তবিক্ট আমি প্রেল চইবাম **क्षेत्रकारमञ्जू क्या बोला भक्षंकीत्वत्र एक्षा लाह्य किया वाला मानुबा कता** , ভিনি ইন্তা করিলে সমত বৈষ্ঠ তহ বোগী, তথাবা আছতি বিশিষ্ট বিশিষ্ট धनायारम निष्कत्रता रुक्तिमानम् ७ व्यानिक्षक 🙌 त्र 🕶 छै। छ क्टेसा ६ लागरक मृत्रां १८ में इंड इंटर .

### ঘোড র ডিন

भौत्रकर्ताः चाङ चालगातः य गानः छ। ीनः । नवनेन ৰত লেগ্ৰেৰ

হেছেৰে ছিম বখনত र्रथा-- ' त्रदृष्टाहि । त्रहित्य अभावती नावाकाय व्हेत्रत कर বিভাবেশাহরণ ে অন্তে, বিহুত্ত ক্রিব্রা ট্রেণ্ডর হুইফাটিল। বর্ণেক্তের প্রেট- আফ্রির্ডান, লোকে লোক লগা, স্বত্র ই ৰশ্বনীৰ প্ৰেক্ষণ ভগৰাকেল বহিৰ্ভাৱ প্ৰিলায় গুলম্পান চলিতেলন যে, যে সমাজ প্ৰচাৰক প্ৰচাৰ পূপ্ত সংগ্ৰহক ব শক্তি মামার বশীলুত কেনা জন্মগ্রহণ করে. আগী গিলিয়া গল তোলাদের বামে ৷ জন্মে ৷ জন্মে আনহাতে ৷ উপমানে ইকল 😻 প্রাম্ ভেজাপ সাহারে জনীন হল মা। । না ভাগরোতিক প্রবেকরে। কিনিজেব ভর্গছবাদ কর্বে নিযুক্ত বেক্টেন করে। बिडाब ভবপার জী চন্দ্রের জীবুলের উদ্ধি - । নাম আচলিত আতে, অগত কিনিইটার। অভাবের কংলেটে, কেবব্যাভা ছীবে আজ্যাছ প্রি প্রব্যরাক্সা জু চানামা খারোছ পি 🕴 অভিজ থাকিতে পারো না, পরক্ষ থারার 🖰 দহা, নামে কতি ও এক্ষা তেবেনের কথা। भूम । एथन मन्डिएक डाउनेन काल मार्छ । छाडे । छाउम छाउम माधु स्टाबुर्ज पाहिनान्छक িপ্তক্ষপাল্যকে জিল্লাৰ্থ ক্ষিয়াজিলাম, উট্টেন্ট্ৰ ক্ষিত্ৰ ক্ষিত্ৰ ক্ষিত্ৰ ক্ষিত্ৰ 🖨 अनुवास समञ्ज एएएस केवत. शिकाका घোড়া ও লিলিয়া প্রে না, তাব । তুরিনাম্ভ্রেড আল আৰাৰ জন্মন্তিত এবং আৰাল বৈ ডিম পাড়ে কেন ? তিমধাশ্য কিও কোণাও বা জীমচের আনোধাৰত আন্তর্গ। তিনি স্বীর ডিছেজি আলের বৈ-আলেবী দেখিতা আমার পূর্বে বেশ প্রথচন্দ্র প্রেছিন মধারাম ক্ষরসং ক্রিয়া নিজ স্করণেই জীবের তাতি উওম মধ্যম দিয়া আহের উত্তর বিশা ভাতবণ্ডক লগান র্ফাব্য আহাণ্য স্থা করিল আবিভুতি হন। ক্রেটার ডিলেন। তৎকালে বেরাখাতের যাজনার করিতেতেন। আমার জার বাঁগয়াল জিলের আরু জগ্রামার লোক্টকুটে প্রিপ্তী গলাচেকরণ করিয়া কেলিয়াচিকাম। কীল্ সে গণে বাফাত ২ক্ষা কটার গণের আলেখনে নিয়মিতভাবে উদিত হয়, লাম না। বহানের সঞ্চে মনে হইতে কথানী কেবল মাত লোনা কথা নাট. কিন্তু ভব্ৰান খেডায়ে প্ৰকাশিত চন বাংগিল, পিনিবের নাম বখন পাওলা কিন্তুত্ব কান্সী দেখিলে মনে হয় যেন क्षा काहारे व्यानकिक सनाटक कनामाता मन्छक सिंगिक मा। व्यमन- त्रीया हरेख, देश विषय गाम सा हरेबा

व्यवस्थिति । वार्य न्यायरक विक्रक । इस्ति । वस्ति विस्ति वस्ति । वस्ति । लापन जिला ५व नुष कतिया छाड्यदेश । भित्रे जिल्ला भटेला जिल्ला स्थानी ্ৰি মুখ্যতে ন্যান্ত ব্যাহত বাৰ্চা । বিশ্ব । এক এক পাৰ মনে ভটকা, ভটক কি , মুখ্যবাদের । 🚳 প্ৰতিটোত । হার্ক্তা

করব্য--শবিতিয়া শক্তিয়ক - এইগবান্ দর্শনিক, পণ্ডিত, ব্যবহারনীতি বিশারের, রামনীতি বিশ্বাস, নৈতিক, কন্মী, জ্ঞানী, অভ্নগতে । বাজিগণের নিকট চে 1 পাইলাম। কিন্তু উচারাও এই বছটার প্রকৃত তথা উদ-নিজ নিজ বিভারামুখারী বস্তু-গ্রোপ্তির ! लागुकी निव्यक्त । किन्द्र जाहारण आहा

এইএপড়াবে বহু কাল গভ হ বহাৰ হাত্রশি চইয়া পড়িলাম। এমন অবভায় কঠাৎ কেলিন १९८न (मिल्साम এইয়ালে ভীনের ভারে কর্মকল্যাধ্য 🖟 🥮 কিলোরী মোহন ভাতি বাহাব বি. এবা ) লে, বর্মান সংলর তবা হারে ভালের। मार्गार्गार्थः इस ि भीतनीत कथा- तमदा महानाम-भक्त प्राप्त- ।

্সমন্ত আংগাড় ভটালে ডিঃ গ্ৰেষ্টেল্ম । োরক মপুর দুর, মারিলে ধুয় দুরু कथा व दक्षी सही। ऋष भगारम हहेर्ड শিলিকে, সহাত্ত ও সঞ্জ লাভিকর **क्**राष्ट्राष्ट्रक्रम किन्न किनिमतित वया इंगिटन मार्थे । इ.स. मुख्या (एए)केरडर । 'देवनुष्टे' আলো শুহার বৈকুঠাবহার বে নিভা বিধাছে তথন লিনিধ ক্ষেত্ট নিখিবে। ইচা প্রকৃতির অভীত কোন একতা

श्रांबरण अंतरण १ राज्या बार्ट्स आवन कतिराउद्दर्भ गुरु हाई हाई क्रिक्रेन মনটাৰটে প্রেপে চটল্ড এবল ক্ষ্যুৰ্য বজার জীনুস্ব চলে আকিট राजनारत निक्रम खार दर्भ निक्रमात्र মাধা যেন কি এক অপুরা লাপ্তি বিরাশ-म'न। (नित्रम कुनिया कामिश्र विनेश भक्ति: म १

> दिगम-विश्वत कीका कामि, नामकृत्वत মণ্ডে অবভিভি আমার ভাল লাবিবে কেন্দু বেখানে ইত্য আম্য ক্ৰা লা গাবার আমাৰ প্রাণ্টা বৈন আন চৰে করিতে কালিল, আমার শ্ব্যাকটক বেগে ভইল। স্থানিতী মহারাল অনেক শাসকলা আলোচনা, করিবরৈ পর ব'নাৰ াকিও বছাটো কথায় অবভিন্ন করিবেন। অংমার আর

क्रिया या अभा रहेक भा।

ভাষিলী বলিলেন, 'দেখুন, এই সংগতিৰ আমন্ত্ৰা সকলেই সুধের আৰাত্ত नाना(वड, किश्व-वड कानमिन टाक्रड অৰ প্ৰেণ্ডেন কি পু বেটাকৈ আছেছ खन व'ल्या मान क'त्रश चाकि, त्रिही কেবল ছাপের অভাব সাত্র, প্রকৃত্ত निवर्तिक अस्तः निष्णासम् सरह। মহীণিক্ষে ভাগনোডির আশার স্তার তে সংগ্রেমবার একেড জব প্রি**র্**র Mitte acoulte tiden! niem বাংছণ দীবগণকে রঞ্জানুও করিবার कल महाद्वारी कहत उन्ने अन्त्राच-कान्तर्भ । ब्र । २७ वट् छ:थ-यश ति भरका निरम्याचित करित । साम्राटकवी ব্যাহিত্রকাভাবে আখানিল্ফে क्रश করিতেছেল।কৈছ আমরা তাহা বৃধি না।

ভিনি কারও ব'ল্যোন্--- এছে তব का भिन्हासम्बद्धाः क्षेत्राक क्षेत्राच গতাইভাগার পাবিভাগেত্ত্বী একমান্ত্র ন্ত ওকা পালগামে এপের ত্রার) জীবামালের মাজীত ক'লকত কীনের প্রায় **মঞ** केलार मार्थ। Tetais! किंग दशकाय जिल्लाहरू भाग नायज्ञ भाग भारत् वसुव कान्द्रक 3 A 18 1 अल्ला उन्हारी क्ट्रंस 医牙髓液核毒 F 43) द्राप्ट्रं ६३१८५ ধে জ্বান্ধ ভিমেন 😘 ल प्रकार 151

#### देशिक नहीशा-अकाम

# নীলাম-ইস্তাহ'র

শোকাম কুঞ্চনগর

প্রথম মুক্তেম্ফ আদালত

শীলামের দিন ৮ই এপ্রিল, ১৯৩১

২০৯১ খাংসারি :• সাবি ১৪ন∉৶৬ ভি: ভানেস নোহন ভাছজী সাং শিরামপুর দেবা হগলী

ে দেঃ নেহার সেখ দিং যাং মানেরচর শোং নব্যাপ

পানা নববীপের অস্তর্গত নেবিজ আজিতাদার সামিল বনকর নোপানে মধ্যে জিজীবার সেবে রায় নো: ২৪৯ বভিরানে ২৩০-৮৮ জিলির কাত ৪৪/১৫ বখলি বজ বিশিষ্ট জমা মুল্য জাতে ৫২২

( 2 )

২৩%২ ৰাংজানি ৩০ দাবি ৮৮৮/০ জিঃ অনিয় পালচে বুবী দাং মহেশগঞ্জ লেঃ ভৱেল ভরফদার দিং দাং অধানবালি পোঃ ক্ষমণার

থানা কোত্যালী সামিল জালালথালি মৌজার ডিজীবার সরকারে সেঃ সদ প্রিয়ানে ৬-৯৭ পত্রক জমি ১৭৮৮ হন। মূল্য জাঃ ২৫১

(0)

২০৪৭নং খাংজারি ৩০ দাবি ৫৫॥/৩
ডিঃ ভারাপদ সরকার সাং পোড়োগাছ।
দেঃ ভবতারিনী দানী দিং সাং খাঁত্র
পোঃ কক্ষনগর

থানা ক্লানগরের সামিল থাপুর
মৌজার ডিজনিগারের সেরেপ্রায় নগনত
মৌজার ৯৬গনং থতিরানে ১-৩৯ শতক ভানি

তেওঁ রার্ডি মোকর্রী জ্যা। দেঃ
শোল্যানা অংশ মূল্য আঃ ১৬১

(8)

২০৪০ খাংজান্তি ৩০ সালি ২০॥• ডিঃ মুদিংছ পালচৌধুরী দিং সাং চৰজাতীশকা

লেভ ক্ষুট্ৰ স্বৰণাৰ নাথি বেলিভিন্থ প্ৰেয় ক্ষমনগৰ

শানা কোত্যাধীর সংনিধা বোনাতলা প্রামে বাং ৫০৭ প্রিন্নের ৫০ শতক শ্রুমি মাত ব্যুষ্ঠ তিব ৮ জনা ব্রুপ্রিক শুকুমুখ্য ৮ প্রাম্ন্ত আরু ৫

( )

२०६७ वसकरी ३० - हर्ग अल्प क्षित्र खोर्टाचन सहस्रोत्र विद्यार्थः

ব্যালাক্ষ্য ব্যালাক্ষ্যক্তিক্রিক্স মাধ্যালাক্ষ্য

Cart , real

শক্ষেত্র এতার প্রায় লগত লগত বা মান্ত বা মান্ত লাগত করকারে ৮৮৮ লাকে ভাষ ৮৩০ জনা ভাষা গোড় রাজনগর

তহুপৰিছ বাড়ীয়ের জানালা কপাট ইত্যাদি মূল্য আঃ <্

( \* )

২০০৯ খাংছারি ৩০ দাবি ৯॥৶৯

ডিঃ জয়ন্থৰ্গালালী লাং বেংয়ালমারি

দেঃ ওলোকেনী বাংলিনী লাং হাঁলাভালা পোঃ রক্তনগর

থানা কোত্যটো সামিল ইন্যাড্ডা মণ্যে বাধালগমে সিংহ দিং অধিন যেঃ ১৭৯ থাতিয়ানে - ১০% জমি ৮০ মখা দেঃ ব্যেল সান। আশু মূলা আঃ ৫

(৭) ২০৩- আংফারি ৩০ সাবি ৪৭৮/৩

ডিঃ - কিন্তুণাজনাদ পাল্ডেবিধুরী সাং চৰকাতিশালা

লে: শতীকনাথ বিচ্চায়ে লিং বাং হাররাপোটো পোকেনিগল

থানা ক্রিণালের একেক্টিন উরর হালবালোচা গ্রেম নে: ৫৮ প্রিয়ান ৭৪ শঃ জমি ১লচা ব্যোটীভিতিবাল দি ক্ষা মুলা আং ১০১

(+1

২১৮৯ প্রাক্তরি হিল্প নাবি জ্যান্ত চ রুলনিক সংগৌধুনী সাং

মান্ত্রপার

দেঃ হেমেড মারোরায় দিং বাং ও পোঃক্ষমন্ত্র

পানা কোত্যালি সামিল মেট্ছ কেতিয়াও লাভতাপা আতৃতি গৌজায় কেবলকক কাজিলা ১.৬ বলেরপারা | নামীয় নিক্ল এলওর অত লাভ জনি মুন

**\*** 1

২০৬০ খাংমারি ৩০ - ধারি ৫৪৮/০ ডিঃ ক্ষর্পাদানী লাং গোয়ালমারি দেঃ শোরহরি খোষ বাং হাসাডাফা পোঃ কৃষ্ণবার

শানা বোধেংগি স্থিত ইাস্ডিজ।
মধ্যে রাপ্তে লাল বিজ্ঞান্ত কা নে বেঃ
১৮৬ প্তিয়ানে ৫ ৫৫ শতক ক্ষিডিডেব, ল কোও দেং বোল পালা অংশ মুন্য শাহ বং

২.৫৮ গাংগারি তং স্থানী ২৭৮/২ ডি: উ

्रा प्रयोगश्रति ८९४म मि॰ माः देशा-फाका ८९४: ऋक्षणश्र

প্রায় কেন্দ্রেরাজীল সংমিশ ইয়েন্ডালা বাজাধানি

লগ সভা ব্যাহের রাজীধানা চিকে চিল প্রতিন সেঃ পান্য কুম্বাগ্রের এলেকালির গুলান্ত লগ্ন সেই সংগ্রহণ প্রায়েন তলত শতক কমি উটর নী ক্রিকাশ পাহরুমারী দাবী কেবোলার সেই বিভাত মুক্তা চল্ল ১৯৯১ কিছে বিভাগনে চল্ল চালি ২৯৯৮১

२००१ अध्याति छन । असी ६१॥८२

্রাঃ (২০১ এলাপ) সরদার ধাং বাধান যের বেলা রাজনগর

থানা কোডোরাণী সামিল ছারাডাছা প্রানে রাথালদাস নিংহরার সেঃ ১৯৬ থতিয়ানে ৯৭ শৃতক জমি উটবলীজোড মূল্য আঃ ১১১

(52)

২১২৭ শংক্ষান্তি ২০ শাৰী ৭৬/০ ় ডিঃ ঐ

দে: মঠি ঘোষ দিং সাং হাসাডাক। পো: ক্ষনগ্র

পান্য কোতোতালৈ দামিল ইাসাভালা মৌণাৰ বাথালদাস নিংগ দিং সেরেভার দোং ১৮৪ থতিয়ানে ১০২০ শতক ভামি ৪ ৪- ভামা ইবার ১৯৪॥১০ দায় বাদে নিল্মে হইবে,মূলা আঃ ২২১

( ≿∘∋ )

২১২৫ গাংল\*রি ৩০ ৪৮/০ ভিঃ টা

লোই বাজু যো**ৰ গে**য়ালা সাং স্বাচাল। প্ৰায়ে বাম নাৰে

থানা নব্ধীপ গালিক স্বড়াকা মান্য রাথাক দান নিকে দিং সেবেভাগ নেঃ চচ্চ ্তিয়ানে ৮০১৯ শক্ষ ক্ষি ১৯০১৫ ক্ষা বেং বাকে অব্ভাগনে।

1 88 1

२०७२ मान्डर्राट ७० - मावि नाहरीक डिडाले

লেঃ আনিজনি মতল নিং নাং সাংকর গুরু গুরুঃ ক্লঞ্চনগ্র

থানো কোটেডালী দামিল রক্ষদজন্ত্র লাগাল্লাম নিংছ দিং অধিন যে ৮০,৯৮ গতিরাবীন ২-৫৯ - শতক কমি উচ্বনিং কোতা

(১৫)

২০৭৯ থাংগানিতে সংক্রিংকরচাত

ডিঃ ভূমেকলার বিখান

যুখ্ডিয়া হেজা চল্ডী

ে সতেও অবাদ মৈল দিং বাং ও পোনোৱিপুর

वाना कतिमधूत्र मामिन एताका छाणिशा दर्भोकाश दशः २५ अधिशानकृतः, ॐक दर्भोकातः । त्रांकदम ४८, ७५५८८॥। अधिन व्यक्तिः । व्यक्तिः

(59)

২০০৮ শ্রেছারি ২০ সর্বী ১৪৮/২ ডিঃ ডোরেশদ ন্র্যান মোর স্থের রো সেঃ ভারু মান্ড নাল ভারুষা সের্যা

পানা কুমানেরের এবেকানির নলদভ হত্রণ হাজারি তথ ক্রিন্স পাহরুমারী দাবী দেবোতার কে: চিঃ বী হিছিপ্তিবালে ৮-৮৮ শতুক জনি হজার কালি পোঃ স্থানবার আ্লাজনিধিবাল জয়া দেবছা আলা থাকে ব্যক্তি পোঃ স্থানবার নুধ্য আনহাত্র

× (×)

১৯০০ বাংমারী ওচ দ্বী গচন্ত বিবে ২১০ ডি: অরহুর্গদ্বী নাং বোর্লমারি আ: ১০১

দে: যহিউদিন মণ্ডল সাং সাংহ্য নগাঃ পো: ক্ষমনগন্ন

থানা কোজোরালি সামিল বৃত্তি
ক্রকচন্দ্রের মধ্যে ডিক্রীদার ও সরোজরঞ্জন
সিংহ রায় দিং অনীন ২ে: ১২০ প্রডিয়ানের
১-১০ শতক অমি উটবন্দি মোড বে:
বোল আনা অংশ মূল্য আঃ ৫

(১৮) '
১৯৭২ খাংজারি ৩০ - ছাবি ১৯২/৬
ডিঃ মোলা মংক্ষর আবহুল ছালিছ দিং গাং বাধুনপুকুর

দে: দেবজান মলিক দিং শাং **ওছাক-**পুর, পোং শ্রীমারাপুর

ধানা নব্দীপের সামিল ওপ্রাকশ্য প্রায়ে মেন্টেরপুর সাকিনের মোহিনী নোহন মনিক পিং সংকারে সোহ বং বাছিন হানে ব ২০ শতক জমি ১৯/৯ রাষ্টিত প্রিপোন ক্ষা, পেং।- জানা অংশ, মুল্য আং ২বং

( ५२ ) ५०७८ का प्राप्ति ७० - व्यक्ति ५२५व/०

ভিঃ *কা*সুল কুমার <mark>দোৰ দিং সাং</mark> মানাকোল

দে: জারপের খোন মাব **মারাজ্যাল** জোন রাম্বালার

থানা কোত্যালির অধিন **নোর্য্য** বাহাল্য নায়াকে শা এবিনি ডিফ্রী**নার নর-**কারে যোগ ১৩৯ হতিয়ালে **৯-৯৫ লা জনি** মুলা আর ১৮১

э aba अल्पाताल ०० मानि ३२८३

ভিঃ মহার পাল চেই**য়ুরা স্থা আমিন-**বার স

েলঃ নিকলন দেবী দিং সাং গোরাল-কাভে পেল ক্রমণকর

পানা বেগত্যাধার সামিল মেতিক পোয়াবাপাড়া ভাগেন ডিজীমার সামকারে বো: ২০ থড়িয়াবন ৩০ শতক ক্ষমি চন্দ্রী । এয় মধ্য আরু বং

১৩৯৮ খাংছারি ১০ ধাৰি ৫০১ ডি: ঐ

নঃ পাঠি দাধী দিং দাং **আকুত্বা** পোঃ শাহিপুর

না নে কোওদালির বামিল বোলগাছি প্রামে । নীবের সরকারে বাং ৩৫ বজি-বানে ৮-৫৮ - ওক কমি ১৮৮৫ - ক্লমা। দেং গোন আন্য অংশ, মুল্য আঃ ২৫১

(১৭) ২০০৭ গ্রেট্র ৩০ - **সাবি সংশাদ** ডিঃ শ

ে: সেংলাগি বাহ**দিনী সাং খোল**-

পানা কোডমানি দায়িল **বোলগাছি**প্রায়ে ভিন্নীসরে নগণারে সৈং ৩১ **পড়ি-**দাবী পদাব

(10) स्कार मारमापि वन वर्षि ३०११र्थ न्द्रबद्ध निक्रमधा Cy नी बिर मार Cपात्राण-

শীতা পো: কফনগম चामा कारकावाणीय गामिल श्रीयान-

माक्षा खाट्य कि कीशांत मशकाटय दनः >> पश्चित्रादय २५-७१ पश्चम कृषि रम्श स्मा (शः द्यान व्यक्ता काम मृत्रा काः ६०८ ( 28 )

1.3 बारबाहि ०. 419 co/. व्यवस्थानाम मृत्यालायाम विर 446.41

(स: निक्र वानमिनी सिर गार कृती Lat: Benga

🤰 । भाग स्थाउदानीय मामिल क्रमी अनुरम अविमीक्षात श्रामाणामा पर CHECKIE CA: ५६० व खाराम २२ माउक कवि भी बाबारी विकितान कमा मुना २

र। ले बामांत ले जात्म नान द्वालाम मुक्तिमामाध विर दमरक्षाम दशः ००० बहिन्नारन दश भाउम अभि १५० बावकी कितिनाम समा मुना मा: ८.

( 24 ) ३६३६ ब्रास्मादि ०० भावि ७५b'd. 19: निकाको ी .सजी मार स्मरक्रम व (स: ८ - अ क क लग मा: अमापान न con Dutnign

३१ माना सम्बोदन शामिन प्रभोदक दिखा अर्थम कि की शत शहरत छ। ए ८४६ २३३ विद्यारम ५-०२ मछक कांग कांग कांग भूगा मार ३६

का के भाग बद्धांगविधी आत्म २०৮ पिकशास 5-७७ पष्ठक समि २२//० समा मुणा चाः २८

 से भाग बागनश्रुकत आहम क्रिक्ती बाब बिर (मारक्षांत का विश्वान 8-+6 नश्रम क्षति ३०५२ समा मुना चाः ५०० ( 24 )

Des viewifa es Wife seas ates orfany gruirituite fie nie SITH!

ces मणाहाल cuta fet गार मस्यिता जुडामाणा प्रााः अवदीन वाविव हका, दशाः लक्षेत्र

महमा किल्लीमात मध्यारत ५०७ चाख्यारन ( अर भाषक क्षति चार शहा कि विशिवान ! गुना २० ् क्या भूगा चाः ३६.

( 21) 405 # (#1 @ 0) मानि काम. fe: à

दश्य भूतम टाम मार ८१५% ्राह्म द्वार संबंधीन

ચાંમાં મળ્યોદલક માહિલ પ્રવાદ बहुबह विक्रोमिहत मुरुक्ट्रेट अन्त परिकारिन े गुडेह स्टीय एका मुन्ह कार देन्द्र

५-२० महरू अपि ३०८० १४मी वर्ष मुख स्या मूण। चाः २० ्

( \*b ) ०७२ बारणाति क খাৰি ৮০% fc: à

८मा की भावे हान स्टब्स मार फ ८९११ सम्बोध

बामा मवबीरमञ्ज मायिल अन्वालि यत्था क्रिकीमात मत्रभाव ७५ प्रक्रियात्म ७--७ मुक्त समि ५५% - अपन्ती स्वरी 객및 변경 함께 취임 의 · 2 · 3 · 4

( 42) ०७६ बारणाति ०১ मानि 8 १४०/३ ſ**ড**: ♦ CA: (कणन शतपात मार श्रम्पाण

८७१: सब्दोन भागा नवदील शामिल श्रमाणि घटमा किकीमाव मध्यारत ६३ विकास २-२७ শতক অৰ্ম ১০, ৰাছতী বৰ্ষা আৰু পুঞ

खभा मृत्रा चाः ०० (00) ०५० बरकाहि ०३ भावि २:10 (e: 3 -

**(4:** बाना नव्दीरणक मामिल भ्रव्यानि गर्या कि की मार्ग मुक्कार्य हरू व्यक्तिशास्त्र চৰ প্ৰকৃত আমি প্ৰকৃত আৰু কী কিলিবল सभा मुला ५०८

(0)) ०७८ मान्याची क W. [4 4.86 18: 3 (शः चाणवक्षात मांचा मार @ (चाः

थाना नाबीरणत भारतिल शहसाकी मध्या क्तिकाव महस्राहरूर शाल्यात्मव ४-६५ लक्ष कमि ३२१८/० कमा द्वासरी सर्वाध- । यय भूव मुना ०६

( 35) ०५५ बारबारी ८३ पापि ७२/३ fr: d

भाना नवबोरणर मामिन गवशानि मत्या | विवाहाती क्रमा मुन्त आह दर् थाना नद्यीत्वत मानिम अवयानि चिलीनात भटकाटर के विकादमंत्र ३ २६ लंडन साम व्यय न कांत्र ही दिश्वान समा । १५ व स्वारी

(00) ७ शास्त्राही MIND SHARKS फि: मा, मध लाग ८ देशको आह महस्त्रात्र । १४८ भाषात चलाचि भिर मार जाला-ाश्च**म, इलाइ - वदीन** य ना संबद्धीन महाप्रके शक्का श्रमण खाइम क्रीमात्र भवन्यात्य सम्माप्तिकार्यः १-२०

( 08 ) >७२ शारकारि ७> सानि हर,अ फिर वर्ग कर भाग chity है। मार मटक्सनक यश्री क्षूमानी नाशी निर्मार शूर्वाचन करणरक्ष का':! (१११३ कृष्णनगत

थाना क्रमानश्रवक माभिन छिमिकश्रक ज्ञाम महाना 'एक्कीबास महाकार ७१२ पहिन मारत १ ७० नक्ष स्थि ५८० वसा मुगा

( 00 ) २७८ बारबादी का भारि २३/३ દિ: હો CH: लिक्डीम महलात मार बंदेना CMIS कुम्बन ग्र

थानः इकारकावानी मामिन दमीस्य हैहेना आरम क्रिक्रीमाब कारिटन ১৯० पाउँबारनव त्रत्र **मठक छे**ठेविक क्षमा गामक व्यक्त मन > भाग : गामाणमन > थाना माम नाम-गः शाम हे आर्थित मुना च्याः २०८

( 65 ) ३२ थाःशाबि ०३ मानि ३९५० कि: धर्मामान मध्य नात क्वानपुत्र तिः केश मध्य मार क ल्याः ध्वानुष

থানা কানীগঞ্জের সুমীল জুড়ানপুর शास फिक्कीशांत्र मरकारक ३७० क' छत्रारत - २० म ५ म मरी अल्ड र स्य मुगा ३००

(90) 1541A

36 शांकादि **७**३ 719 32/0 15 4

(T: হির্প্যকুষার সাব্য সাং माडेश्रं । (११३ व्याहरात

भागा कांगों श कर गांगीत खंडामधूत्र आरम स्किनेशाह भेड़ ♦ १८८ ७ ३८ ० १७ ८ १८ ० ब-२७ माड • सभी अ.० सक्षण किरणाही

उदनर गाःलाने ८३ Wild 240'0 াড তা ८५: औ

थाना कालोगाध्यक मागीय छ। नगुत ८०: व्याणीन महमात्र गाः क्ष्मिति । शाम २८०। कि क्षीतार मध्यादत ५८२ वर्षकः शास्त ५-७३ मध्य करी १० मधान्य

> मार्थि ३२।८० 14: 3 CH: 3 बाना कार्योशका मानीय कुरानः आहम किलीबाट स्वरण्यात महरू वा स्थादन है अन्तर भाषक खड़ी te's अनार व 'bo'खाड़ी | THE WINE PLANTS NO WILLSON

WITE SOLVE co bitasip ec fr: d

cv: ò

बाना कालेशरकत मात्रील छुड़ामशूक आत्म क्रिक्रोमात्र मतकारत ४५०---४४१ विष्टिश्रास ७-३३ महरू सभी ५० २व एक कित्रवादी समा अना भार ३०८

(6)

29 - stemtfa 05 HIST BORNE B: Biging nguig nie Cuim-5(16)

CHS विक्रणम मृश्य Cafpe अहर (गांगदारभाका, रमाः अभागभंत

भारा क्रमानगरवत्र कत्मकाषीम बील्ड त्योबाध फिल्लीशांव त्यरहत्वांव दशकारवव নামীর নত্ত মৌজার ১৭১ প্রিছানের १-२७ मञ्च कृति: ১०५८७ श्रुप्ति । कृति-वे भू क्या त्यः त्याम च्याना क्यम च्यान मुला भाः २८

(88)

२ ३७ भारमार्गः ७३ सःवी ७७:५/३ fr: at

अध्यास्त्राच क्ष मार पृतिः (여): 출제·이경

থানা ক্রমনগরের এলেকানীন পোর্যা-्याका त्यांचाक कि कीमात त्यद्वकात ह—> पिकारन २-२७ महक समि ३०.० कारहशी -भोदन्द समा मस्त्रा, महत्र, महासा मुना २८

२१९ मारकादी ७३ शानी अन्यार्थन i: d.

त्यः कालाडीलान स्ट्डीलाकाक मार काञ्चाबरकाया इस ३ वनकी स

याना क्रमान्याहरू जल्मभाषीम आम-गिडेडि भोलाम क्रिकेनाम स्मारकार ১८०--- ১७२ गाँउदारतंद २-११ मछ • समि ১৬, प्रशास्त्र किन्स्रात्री समा मुना स्थाः ००,

১०० शाःकावि वर 41/1 3838/6 किः अवरक्षाने मानी मार (शक्षाकाका CHE CRISTO NON TE ANGS COIL

षामा द्वापनश्चात्र क्षापनाधीन नम्भ ्यो ाव जिल्लामाह स्मरत्काम बचन व्यक्ति-इ'ल्लंब ५००६६ लाखक काम २५६/७ हाइछी विकिथान क्या (मा .याम व्यान) गारण प्रमा

(94)

>०० चरस्यांक्री ०० 4(4) "" " किंद्र निकामानी स्वयो मार के बार्ज दंशके अभावनांक दंशन लिए या र ५ (३)-

भगद , भाः क्रफानग्र

भारतृत्यात्वत्रा ीय ५ (मण का छ राजा BIN HEN COTE IN SHIPE WITE कांग, (कोका कहा पूर्व अदि देखें

(61)

Victoria. 389 Mr mil 4 43 We concur the the receive. दमः सरभक्ष भारत सार दश्वर्गमः

**ब्रामा क्रां**निक श्रेत हा प्रेम हाराब हा क्रांना-Wild Mint (Schieft Conselle Chief क्षमा पुरा काः १

(89)

- 488 • W'twife 19 • 4151 > 24 **ডি: ७नाफिराम पाठेण मार माननपा**फ त्मः छान्यमात्र रिचीन त्रार छे

थाना दकाकशांति माथनलाका भरतः Sab पॅडिशारन के-४६ मॅंड+ अमंडर क्षि । ७८ - ६म: २७: ३० व्याना घरण मुला भाः ১८.

となる 基準の付き

> पारकावि ७> TT'4 ERRY क्षिः मरशक्त मान मक्समात्र भार श्रावाकी दशः क्षित्रिका मृत्याभागात गरः

क्रिनामक (गाः औ

थाना हुशकाश यदिन दूरसक शक्रशक दमीकाव कारियान कुछू निर दमदन्छ।व का- कांड्यास वर दक भारक काम क कांक्रे कालुमक स्मोनाम अब विश्वास ১-৮০ শ**ভক ও অ**মির্দিন মৌলার ৬৭ याकियान व-४२ म ०० व्यक्ति खकुरन विव दर्भवाव २०५-८ मण्डन वर्गि हाः ।/-माना मर्दन १७-१८ म: वाम ४०४३ वना युना भाः ह००

(83)

३० बारबावि ०४ 7184 So. . क्थि: श्रुगाकिकाम भाउ + नार नायनगाता (बः काश्रामान विचान नार औ

CTI: BWATE काली कुम्प्रवादस्य बदलकावित माध्यान <sup>क</sup> लाक्षा आदय क्रिकोशांत (मध्यक्षांत ८८७ Wiesting Wien ere Wibsin 2-26 শ্ৰুক আম ১০১০ জন্য ব্ৰাহতি বিভিনান

वष वना भारतन् (4.) se पारणाति का 4:14 994/2

**डि: श्रायलक त्यम किर गार माहीबाबी** (यः योश मना(क्य कार्य किः आर माडेकामा ल्याः (व १आम

बामा काणीमध्यत अक्ष्मंत ब्राडेटावा आदि २६) पविश्वादन ब-४० लंडक सात केक्रोलेट समा किम्प्रेगान्त्रात्व (ग्राव्छाइ

TECH ER 391 WIS B. (43)

१२ पारक्षीक कर Mifa eraje ि भक्ष**ण माण महणाव** कि मार 6नारिक्य

wert with military

राज्य मार्गियास्य अस्ति भीज्यामा THE SEC BERRY & CHERTY SEC ME Creme sound unere findenten wat ON Ato Wire

(01) 714) 001, W 506 41.04 J 02

८०: अ १४० शक १ तम विश्व मार विकास

भूग १५% क्षेत्रमभाव भानः , अध्यामीत मामीम गाविकानः साह्य क्रिक्नोभरेवन तत त्यातकात ७३१ चित्रपारत ५२३ मन्य वर्गे आर्थ द्रक:को अभाग्नुमा व्याद ५६८

( 69 )

मानी दशाने **३२८ पारशाही ०**० CRISTS NIC कि: वाश्ववत्राम

त्मः क्लीक्षनांच त्रात कर्षाकात मार • (भ : वयपी भ

बाना नवरीत्व मानेय मानिमाना तार्मित ७०७ विवर्गम >-> भा वसी भरता । यह यह सभी भूगा आह ३०००

> ( as ) यानी उन्हार्य

ऽप्रक**्ष स**्था ी ७० ---

b: अक्षेत्र नागी नार (वाबाधमाबि त्यः fofesouis श्राप्त विर शाः

वडी नव : न : माम समा थान, ठाणकां मानीन द्योष्य गाँठेवा महत्रा दिल्लामात्र स्थ महत्रायन्यन निरम्भाव क्षेत्र क्षांत्र - ७२ व्यक्तिहारम्य ७०-४२ माजक वभी अहाता (बाठ ताः त्यांत भाना भारत मुना। भार १००८

( 44 )

>99 - MIR #(c] 5-

पारी ३१८ ४

\$36193 ·

fo d क दल. ७५ दमच मार काल्यामक दर्भाः

4191013 चाना हानकार भारीश दर्शन्य काशिया-हार महत्रा क्षांचान मान विरश् मिर अवील ১० बारुप्रारम -७० मुक्क करी किंग्राची

(वाक भूता बाः ६ (45)

aदर्भ प्रशादी ००

वानी २०१७ 40. 0.

कि डी

८५६ अष्ट्रमध्य कृष् मार बानि-कामा इंगाः शक्षामि ।

थानः हारकाव मधीय दशोख बाह नादि मध्या भावानवाम निश्व विश् भवी।

्राप्तः । ते प्रत्यक्ति भवत् विष्ट्र शहर । व्यक्ति के श्रीकश्चरमा अन्त्रके लाकका **करो अविवर्त**े । ८कारक नेला नहीर हरू

((41)

2867 4:64:01 00

िः ८ववजीदम्य Be शिलामाम भार ALGERA)

वानी राक

una नगककृत्यं काव विश स्थाकार १७३ १७ विक सञ्चल किर भार दमरवर्ताच्ये दलाबाच्ये उत्तरक कामान्यात

> यामा क्रमानाक्षय माधील द्रभोटक कृत-वाको श ६५ :७ कोबाव स्थर अशीन ५३৯---२२३ विकारम कन्द्रक **माक्क समी** ८ स्या मृत्रा माः ३६८

> > ( 44 )

>०**८ स**रसारी ००

मानी १००७

85-6137 **किः देश्यायकामिनी** अपनी नार C1'511'6 IL

त्मः युकी विवि शार द्वक्रवाद्विका (भार नाम मांच

भाषा काभका दयणवाद्वितः अर्धम ভিন্তীলার গেত্রস্থার তার মণ্ডিয়ালে व • ७ म १० सभी ५ भाग । स्वास्ति । (कांड भूगा भाः २०५

( ...) Secs vicatel de

बारी २८५ /३

427154

ोक्षः **घोटमञ्जनाय त्याय निर स्मार** WIE(4151

त्मा का बाबि निरंशाः बक्ष्याकृताकृता

याना है। । यानी ह गाँचीय शास्त्रात्याका MICH TO PHISHIPS CHEST # 235 ०४ ८ • क्षमः भूगः। भाः २६५

( : . )

SOUS MINUTES WITH SURING

क्तिः वनदीनाशास्य क्रियाभिशास्याः

दशाल की

८५३ विकिक्सिस विद्यान निर नार · 你! 4.4 94 ( \* ) 李州刘朝

গ,না সুক্ষপ্রের গামীল জ্ঞাননগর ज्ञादम क्रिकीयाम मधनाद २८५ - २८३ चा क्यांट्स द्योरच हर्षाः भनग्रस ३५१-১২১ প্রিথানে মোট ৩৮-৮১ শ্রক ক্ষী 8आंधे क्या (बाल बाला प्रका बस्य मूला व्याः २००५

Saso attest

414 9-844 690103

fr: à

CHE CHI OCENTUM FOR THE MIT **७७ रेगावि ८**नाः वाष्ट्रशिवि

भाना हालकृति वाभीत क्या हैना. बार्यः - 'किक्नोगाः श्रम्भारमः न्कंड कन्न्क्रहाः MENTER SCHOOL HER MAN PARTO ME त्यः त्यान भागा भाग्न पुना भागाः स्टब्स् (\*\*)/5/2

えんしょん ひょうしょく しょくけん おくさい (巻) 🏲

बरन मारमानी 🗫 🔠 पानी वराजन two resignma free for mie

त्यः दश्यात मक्ष्म सार् मूर्रकारी ८गाः वाकाशः सः • •

भाग हालकार मागीन युगममनी भारम किनोबारका के सवध्री पाणीक अभीन क्रम सक्तिवादन का गाउँ मुख्या अभी केरनकी त्याप मुना का ठक

( 40) ers e terfe os WITH bene ডি: 🗳

८५: ६०६० ६०:६७म विचान नार वाधिनगृह ८७३ नःशाना स

पानः काणकः धा अवजुब आह्म क्रिकी-भावभावत क समार्थित मी अनियम कर्ण क bo wietter wiro now wie Welm

ses. Mitaifa be 91 1 00 .Va

40,00 दश्वकीश्वमन क्लाक्टी मार TE: 4.61 fo!

दंगः नारामक दमय मिर मार जी दमाः 491 W

भा-। क्रम्माक्षत गाविष अभिने आरम फिल्मान कापाल ३३३० विकास - ७३ प ०० वास ०० वसा मुन् वास ३००

( 44 ) 1738 W. CMI # 00 4114 032/4

433.03 किंद्र भिर्वे भाष भिरम् अपि मार 41 PIMM. WI

the trimited williams are fema-पूर (गाः नामान्यपाष्ट्रा

वाना ना ना ने निहास साहित स्थित स्थित आध्य क्रिनेश्व भावका ३-७२ मध्य व्याप का के राजा उल्लेख विद्या अभि अलेक tented frem an ear crim mini men 491 WILL SO.

वादि ५०५३ BAS MICHIES OS कात्म भाषान भाष्ट्रको विश्

nit canalisat त्यः व्यावामानि विवास सार के द्रशाः

वामाग्य

vial simple nifem (404) free mich war ein fet enesmin wolf याक्षात्में कन्द्र महत्र यात्र क्राम्प्रकृत क्या रमर अह हर करन बाद्य विकास स्वेटने Aul alt or

7.1

17 m

ľέ

( 49 )

माबि १२,७ e8२ थांश्याति 🖘 णिः गृतिश्ह्छ नोन्टिनेश्वी निश्माश চকছাতীশালা

Cस: यश्रम Cचान मार कारमांत्रा ্ৰ পেণ নাকাশীপাড়৮

থানা নাকানীপাড়ার সামিল কান্দোরা প্রায়ে ডিক্রিবরগণের অনিন ১৭০ গভি-দ্বানে ৩-১,৭ শতক কমি উট্ৰন্দি জোত मुना चाः ८५

( 44 )

১৮৯৩ বাংচারি ৩০ साबि १६/७ **491195** 

क्षिः आंकृतगा में भिः मा वीतगात (अ: त्वकृत व्यवक्रमात सिः भाः मकाशाम (अर्र हैं। प्रक्रि

থানা ≸ালপাডিয় সামিল বেড়শাম क्षांम जिल्लेम'त कीन ७२२---७७५ थि য়ালে ৭২৯ শতক জমি ১০০০৯ রয়েতী হিটিবান কমা নুব্য আং ২ং.

( %% )

मानि स • द / ध ১৯৪৭ পাছেবি ৩০ F6 332

বেং মেরানি মঙল দিং যাং বেছনা ८लाः का स्तरित

भाग के नाथ भाग गामिल एन उन्हें जाएक फिक्केंग्राम रतकारत २०२--- २२७ छ २२१--२७१ व ४०५ --- १०४ छ ५०५ थे व्य स्थित ৫০-৭৭ শং জাম ৬০/১০ মমা বেল বোলা । লাকানীপাড়া भाना बर्भ भूगा व्याः ५००८

(44)

शांवि ४३% • ১৯৫০ বাংজারি ৩: # 5 · [ · 2 )

. फि: नि.टबश्चमभ शिष्ट् ग्राप्त निर भार নাকাশীপাড়া

रैनः इतिरम्बन छक्तनाजी निः नाः **क्ष्यां नीशृष्ट ८**भाः नाकः भीशा हा

मनीका काटमञ्जेषंत्र ७१ मः ८७) कि (सोटल ख्यानीशृत मटना २४४, २१८, २१४, रण्य, रण्य, रण्य, रण्य चार्टास्य २०००२ मारुक अमारत वामि (भार (भाग आंना प्रकम मूणा माः २०.

(45)

७७५ बोर्झाति ७३ । सावि २,७॥०/७ \*C15 26¢

किः मर्भक्रमाथ मृत्थानागाम पिः भाः ৰীয়মগন্ধ

्र **८३३ . चांब्राविवि किः गाः गराम र**लाः दामधारि

्रिकामा देशियाणित व्यक्ति शहन, মাভাৰীতা, মুদাগাহা, ব্যাদিণাড়া পো: নাকাশীণাড়া

মৌদার ভিত্রীদার স্মকারে ১৮৭-১৯৬ । থানা নাকালীপাড়ার অবিন পাট্যাভাছা মুড়াপাছার ৫৫৫ পডিয়ান ও হলদিপাঁচা : ২০ শতং অমি মুদ্য আং ৫. ट्रमीकाम ४९० चिकारमध ४५ .० भएक । শ্বমি ৬৭০০ বার্ডী থিতিবান কমা মুখ্য 🐪 ৬০০ থাকোরি ১১

(92) ৬৬৫ গাংছারি ৩১ माथि बः ए. . . פולפיהל

fe: à

(मः किनानक मध्य कि गार छ॰'-नाताग्रमभूत (लाः व ऋ'निव

शामा कैस्थाकित अधिन राष्ट्रापुर কামে ডিনাদার দিং অনি ১৫ ও षातिमञ्ज धरिहास मध्य ८ ७० सहस्य छ मि bo' • ७ मा मुनी क्याः २४.

( 95) פישאה דיום 3 3 4 91.0 4

[5: à

द्रमद्र किनास्त्रम् साधन निर्माण कर् মার্টিণ্প্র পোটে বাল, গ্রি

शाला हामधालित महिल्ल समानाः ছিঃ বৰৱী নারিবেণ ৫২২ল(ছিব্য নো• ) আমে ডিফীদার সরবারে ৮৭০ ছডিদানে র ক ভিন্নস্থ প্ৰিয়ান স্কল্প ১০ প্ৰক্ৰ ভাষি ्र अपने अस्ति। यून्ता **स**ंद - ८०

> ( 98 ) 7947120

क्षिः जिल्लासमाधानिकार

বেঃ আক্ৰমন্ত্ৰেথ লিং মোং ৮: হ.ড়া ्षाः वयः । भाग

থানা নাক্রিপাড়ার হলিন পালিজ ম मर १ कि.स.स.च कर न व ३० व्यां वस्तारम हरू ২২ - ১০ জমি আলা চমি নাং নিরিখে

चालना निर्मे देश । युगा काः a

(90) ৬৭২ খাংজারি ৩১ Wif4 #=: > \$ 26 313 a

ডিঃ হাজারী বাদা দানী নাচ জামনে <sup>ি ২০০৮,৩</sup> **ज[का (भा: राज्ञान)** 

थांना छाल्यास भागान महरश्रा (मीकार फिलीमात दमरतकाम ५७३५ एटिहारन ५-ান শতক লামি ১৮০৯ রাম্টাট্ডিবান क्षत्रा मुला २४८

199 नानि २०१/७ ৬৭০ খাংজারি ৩১ 1227130

ডি: নক্ষ চন্ত্ৰ প'লচৌধুনী থাং माद्वेष ।

লেঃ ভক্তর তোদ সাং পাটুরভাদা

খডিয়ান ৩ আতালোছার ১৬৬, খটিবান - জানে চিফ্রীলার সেরেওার ৬১২ খডিয়ানে <sup>-</sup> পোর নালাগ্রি

२०० ११०

િંદ: 👌

तमः । दमस्य श्रेति मात्र मात्रात्म दश्यः € દ છે

পানা চাপ্ডাৰ সামিধ হাছিশালাগালে ডিল্লীদার অনিন্দান প্রতিহান ও ১৮শঃ . चित्रका कि विश्वास्थित है।

१४८ ४ : इ : वि ०. म्(सी ७)(७७ 2 . . 6:50

ভিঃ সভাগোপাণ রাষ্ট্ লিশহরগুর

(मः नाकश्मात त्याय निर नात के CONT. 27869138

পানা রুঞ্চালের স্থিক নিশ্বরণ্য ং প্রেম ডিফী নরে গানি ৩৭০ খাত্রবনের। প্রেম বাক্ষাল্ভি ু ২-৮০ - কিছ ছবি ১-৪৮ • রার্টী হয়<u>ে</u> ৷ in Mi : a.

২। ঐ পানর মার্চি ाना । कार्यः । ७२० ८ <sup>८</sup>१३१८-५ । -তঃ শ্রুক জালি ১৮ প্রা ১০১

( == 1 and the state of the same 419 26961 W

জি: নবোভনাথ মুখোলাব্যার সাং ने दुरु ६ अ

ালে: ভিৰাদিক মাত্ৰম লিচাল ত্ৰ নালেব্যার ব্যার বাসার বি

भाग केशियां जय भागिक कत्निश्यकः গ'মে ডিএ'বরে ফারিন ৪৬০ প্রিরানে ও অনিনত ন্তিয়ানস্ভ ২৬-১৫ স্তক্ত্ৰামি ००/३ तमा बुला आहे ४०८

(b.)

১ শৰাংভ স্থিতি माबि ४००. •

T: 3

ंः 🤄

थाना है प्राथानित अधिन इस्नीलीए তামে ডিন্দীদার মরকারে ৪৮৬ জ ু অনিজ্পতিয়ানেধ্য-তথ্য সূত্ৰ ভাষ **क्ति नधी यह मून्य आः ८०**०

( 64 ) १०५ थाःकाति ०५ मावी रक्तरं

0C120.5 णिः नकत्रवस भागक्षिती गाः নাট্রণহ

্লঃ রগনী বেলৈ দিং সাং **বেলংকুট** 

পাল্য সাপ ার ন্যালিয়া কোন্ত ভারে णि निवास महत्वभारत । वस्त्रभारत अधिकारन লাবি চন্দ্ৰতি বিতেক্ত শতক কৰি তেওঁকি জোভ হুন্ত 37: e-

( 54 )

Ati eshely

: 2015.

fe: 7

दमः दण्यस्य दास्य लिए गार दर्शास्त्रा বেশ সম্ভাস্থ

গানা ভাগছার গানিল পোশছা এটমে ारकीमांत (शरह प्रदा ३२ २<sup>©</sup> प्रक्र**स २-€>** শতক সমিহত এমা দেঃ থোল আনো । एक्स प्रका काः २००

(65)

पर्क सम्बादिका मही ५००

1 7055,50

F: 3

रमः समनी द्वार श्रृप्तीन मह द्वाराष्ट्रा

পানা চাপড়ার বাহিল পোড়া প্রায়ে ডিজীদার সংখ্যে ৩০০ **প্রিয়ানের** ৰ মৰু শতিক জন্মি লালির জন্ম সুপার মুক্ত (08)

৭০৫ খ্যাসারি ৩১ वानि ५८॥४०

. . . . . . . . .

णि: प्रतियामा प्रति शांशमात्रश्चन লেঃ হতিকান্ত বহনী দিং নাং গোৱালী greite gregati

পান্য ড পড়াৰ লানিশা শ্যু ইত্ৰণ হুমীপা**ৰ** The second of th গুলু প্রতিশাদ-৬০ সংখ্যার বা বি ১৯৯**০**০ য়াহ ÷া মে(কররী ভাষা মূল্য মূল্য ৯∙১ (9.2

मानी १०३॥ १२६**था** स्टाहित **८४** 

্বেঃ তথ্য বিহাৰ বাং মাধ্যুপুত্ৰ প্রেঃ ব হার্ডার ा । शासा : १९५**व ग<sup>े</sup>ं**य क्**रे** क्या **दाहै** ডিলীদাৰ দিং ক্ষাৰ ৬৭৮ ব্যাহ্যাপ ১০০ শতক ৯ মি বিজার স্বাচর ওল্পনি काम, सामान रेक्ट कि मूल, २४००

२। ये मानात करिय रहे हा लोह ০০তির শোল কানো জনা, মধ্য স্বয় : ২৭৭ খতিস্টেম্স ৮৬৯৯ খতক হ'্ম কর্<del>ছ</del> क्याभूगा याः त-

> 623 8 185 TO 03 ए। विकास किः कर्दश्य का ते और द्वरायानमाति Ca: मिनिय माडल विर मार्थ वालिए वा ো. যদাগ্ৰি

#### देशिक महीता-व्यकान

### ७र्छन्त्र :>म जःभा ]

থানা চাপদার সামিল বালিডালা মধ্যে ডিন্টীদার ও সবোরারজন সংহ দিং অনুনা:৩০ খতিয়ালে ৭-৯৪ - শতুক জুমি ২০০১০ জমা দেং বোৰ আন্ন অংশ মূল্য Wate 21

#### ( 64)

a र स्थारिक शिव ७১ ধাবি : ৩৯৯/৬ 3 . 3719.

ডिঃ तानादशाविक स्मन यार भागिगावि ल्लः भतवाबावा मानी निर भार पूर्वान পাজি পো: রঞ্চণত

থানা কুষ্ণগঞ্জের অন্তর্গত ঘূর্ণরাগাছি আমে ডিজীলার অনি ১৯২ খতিয়ানে ২৯-৪৬ শতক জমি ১০৮ • ১মা মুল্য ১৫১

मानि ४ वर्ग ৭০৬ খাংডারি ৩১

2 - 8 915 -

ডিঃ মতীশচন্দ্র চট্টোপাধ্যায় লাং কোলগর হলকী

দেঃ ফডিভেষণ পাল দিং নাং ধুবাপুর পো: নাকানিপাড়া

থানা নাকাশীপাড়ার অধিক বুগপুর গ্রামে নিষ্ণর মহাত্রান সম্পত্তি ১৫০ ভিনানে ২-৯৬ শতক কমি নার বাড়ী ইমান্নত ইত্যাদি মূল্য ১০০১

২। ঐ গানা ঐ গ্রামে ধর্মদাস পাল ि व्यक्षित ५०० थिडिग्राटन ४-४८ भ्राज्य অমি আও কমা মার আগাছা সুগ্রেছা বুকাদি সহ মুলা আ: ৫ • ্

#### ( 64 )

৭০৮ খাংজারি ৩১ मर्चि ३५॥८७ 2.65:00

ডি: স্থাকা হারীকেশ লাহা মো: পোছান্তী

িখে: রহিম মাওল দিং লাং ও পোঞ ইাসহালি

শানা হাদ্থানির মানিল হাদথালি व्याप्य जिल्लीमात । यमतीमातायम ८०१-লালিয়া অধিন ৮৪ খডিফানে eb শতক क्य मि ॥५ शतकारक्यों इस्मा पूला कार द

( 20)

2029:00

৭২২ গণ্ডেগুরি ৩১

कि: मदबाबदशन थान कोधती कि: সং চকহাতিশালা

भि: cমহের আবজনে বিবি সাং यशिश्य (शाः नाकानीनाका

পান, নাকানীপাভার অধিন মার্মগাত আংশের ৭৬৮১০ মনা মুলা ১০০১ आह्न जिल्लीमात मिर व्यक्ति २६५ बिछिग्रीटन ७-५६ भाउक स्नि अडेबिन জোত দে: খোল আনা বৰুমে মুল্য 📞 🐪

(66)

৭২৯ পাড়োরি ৩১ নাবি ৪২৮/১

25.815.

डि: दिल्लाकी दमनी पिर गार नियमियाम দেঃ হেয়াত্ৰকা সেথ দিং সাং পাবা-शानि लाः इत्रश्र

থানা রফণতেমর সামিল পারাঝালি প্রাংশে ১৮৯ প্রিরানে ১-১৬ শভক করি २२, करा किलीन व अस्तिकात्र निर्देश करा मुक्ता खाः २०५

( 50 )

१२५ अहरहार्शि ७५ मावि हशाल ि श्वानायक मार्का निर्मार ७ (भाः

পানঃ ন'কাশীপাড়ার সামিল নামা প্রাথে ডিকুদিরে অভিন ১২১ প্রিয়ানে e २० मंडक ड मि एक्का करा मुला २०८

७५६ अहरू ति ५३ । अहरि ३२६६ ह

चि: अका ८९१पट मा साथ नार (मनदल्या) 

थान। इक्षत्य शामिक (म्यरत्यूत आस ডিফ্রীলার দিং ম্রকারে ৮১৮ প্রিয়ানে ২-৮১ শতক জ্মি ২০১৮ চনঃ মুল্য ২৫১ ২. তথানাবসামিল ঐ গ্রামে ঐ

মানেলক নেনেভারে ১৯৯ গতিলানে-৬৬ শতক क शिरुष्ठ क्या भूता ३

ত। ইপানার অবিন উ প্রামে ঐ शतकारत ४२५ वर्षियारमञ्ज ७-१० सङ्ख ব্ৰহ্মহন্ত জনি ১৮৮ ০ জনা মূল্য আঃ ২৫

०६० शहर दे ७० महिंग ५४३। ि॰ प्रशिक्तम् श्रांस (६) धुन्नी शाः सङ्ग्रिक CH: कामनानि की भि मी: निक्छा (भाः ব্সংধ্ধি

ৰান্য চাগছার সামিল শিক্ছা গ্রামে ডিজীলার বেরেভার ২২৬ খটিনানে ⇒•-২৩ শতর ওটবন্দী **ভো**ত ৮৯|৵১৫ ক্ষা মধ্য হা: ৫০

ENGSC FITH १४२ अस्काति १५

2 3 2 9 . 20

ডি: ভানেত্র মোহন ভাতড়ী দিং সং দাবি ১৫৩ | উর্বানপুর জ্থলী

> cm: मस्य विवि भिरमाः हो छेता cm: বাঞ্চাঝি

থান: চাপড়ার সামিল হাটরা মৌলার ডিকীবার গেরেস্তার 🏎 প্রিয়ানে " গত/চার্ল ক্ষরির ১৯০০ জমা লেঃ ॥১০

> 1 24 1 ৮৬৩ খাংজায়ি ৩১ मारी ६८०७

. 2200100

फि: वंशीमान वन्ती मिर Cमा: Cनाशाकी দে: গণণচক্র বিখাস সাং মাবপুর পো: নিশ্চিত্তপুর পো: বাঙ্গালঝি

থানা চাপড়ার সামিল কঠিগড়া মৌলায় ভারত সমাট অধিন ২৭৭ খতিয়ানে ১৬-১৯ শতক জমি ৯৮৬ জনা দেঃ গোল জানা

129)

৮৬২ পাংক্রারি ৩১ मावि कार 55981:00

ডি: ঐ

CH: 3

থানা চাপড়ার সামিশ কাঠগড়া মৌহায় ২৭৭ থাতিয়ানের ১৮১৯ শুভক কামি মদ্য क्रमा (म: (यान क्रांगा तक्रम मून) ००.

( 26 )

৮৬০ থাংজারি ৩১ भावि जञार व ডিঃ সভীশচল পালডেমুরী দিং সাং

নেঃ রহিম দেখ সাং হাটখোলা পোঃ বাঙ্গাল বি

থানা চাপড়ার দামিল হাটপে ল'গামে ভিক্রীলার দেরেভায় ৩৫০ থতির নের ১ চা শঃ ক্ষমি ওটবন্দি জোভ মুণ্য ১০১

( 22 )

🕶 ১৯ খাংজারি ৩১ म्(स ५१,७

m: ফটিক মেশ নেড়া যাং মহাপোঞ ্লো: নিশ্চিত্তপুর

থানা চাপড়ার বামিল মহাপোলা ভাবে ডিত্রালার গেরেস্থায় ৩১ প্রিয়ালের ৩-৫৯ শতক ভাষি। ৬টবনির ছোত মধ্য W: 20.

৮৫৮ ধাংজারি ৩১ मानि ४७२॥% fu: d

দে: হাবিল মঙল সাং মহাপোলা ८लाः चिन्छिष्ठश्रत

থানা চাপড়ার সংসিক মহাখোলালামে ভিত্রীদার মেরেভায় ২২৪ থভিয়ানের ১২-৪১ শতক জমি ওটবন্দি কোতে মূল্য জা: ৬০১

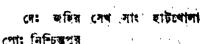
( 8.3 )

৮৫৭ থাংজারি ৩১ िं । (म: निर्मित्रचाम निः माः सहारथाना পো: নিশ্চিত্তপুর

থানা চাপড়ার সামিল মহাথোলারামে फिक्कीमात्र त्यादादाव ४०१ चित्रांत्मत्र ৩-৬৭ শঃ জমি ওটবলি জমা মূলা ১৫১

( 802 )

ben बारमाति **०**১ माची अमा **ডি:** ঐ



থালা চাপড়ার সামিল হাটংখালা ज्ञारम जिक्रीनात स्मरत्तकांच ४५४ अक-য়ানের ১-৪৪ শতক জমি ওটংনি জোড यसा खाः ५

(8.0)

৮০১ খা কারি ৩১ नावी ४४५/२ ড়ি: ঐ

(मः नृष्टे मध्यम निः मारं क लाः বড় আক্সুলিয়া

পানা চাপড়ার সামিল বড় আকুলিয়া গ্রামে ডিফীদার সেরেস্তার ৩১১ খতি-য়ানের ২০-৫৯ শতক জনি অধিনত্ব প্রেক্তা गरु ७१॥/२० कामा मुमा का: ४०८

৭৮৭ পাংকারি ৩১ मानि ठे बार

CP: जन्मन दिश्य भिः भार १७ द्रभाव-বড় <del>আসুবিয়া</del>

থানা চাপড়ার সামিল বড় আলুলিয়া গামে ডিবীদাৰ বলকালে ২৭ অভিয়ানের व वर्ष्ट्रक पत्रि भए। खाः २वर

1 500 1

#13" > 55W ৭৭৯ প্রাণকারি ৩১

८२३ एर्टिक्य ८२४ एउट्टब्स्य मार् হাটপোলা পেঃ 'নিন্দ্রপুর

থানা চাপড়- নামিল হা**টবোলা ত**ামে িজীদার মেরেডার ২৮২ প্রভিরাদের ৮ ৩৯ শতক জাম ওটগলি জোড়ে মূল্য ৪০১ : 00)

भन् वाः क्रांत्रि ६३ #14 > + 4h +

(6: A

CP: त्रकानि मध्य निर शार महा-त्थाका द्याः निष्किश्चन्त

থানা চাপড়ার দামিণ মহাপোলাঞানে ডিক্রীদার সরকারে ১৯২ প্রভিয়াকের ৯-৬৬ শতক কমি ১৪৮১ চমা দে: যোগ জানা

( >49 )4

৭৭২ পাংজারি ৩১ मार्वि ४५ शक Fy: 3

CH: व्यक्तिक मणामात्र मिर गार काछ-বোলা পোঃ নিশ্চিস্তপুর

থানা চাপড়ার সামিল মহাবোলা গ্রামে ডিক্রীগার সরকারে ২৯ এতিয়ানের ७--। मः जीम উदेविम स्थाख मुगा २४-·( >++ )

११) थाः वात्रि ७३ मानि ३८४।३

দে: ছোৱান দেখ সাং টাটবোলা পোঃ নিশ্চিত্বপুর

থানা চাণড়ার সামিল হাটবোলা आदम फिक्नीबात मंत्रकारत >७० वंकिबारमञ् अ-र 8 मंडक कामि। अंडविन स्माप्त प्रमान

· ( \*\*\* ) ( \*\*\* ) · · · to friests ocs #18) 242/4 है देश याना मासिन्द (का बारक्यांनी प्रश्रंण किर गार व्यामण्ड

icuts farmers ্ৰামা ভোডোৱালীয় সামিল সেলপুর संदर्भ सहक चित्रप्रदेशक ३३-४२ माजक किनि २०८ श्रेषकी किकियान समा मूना दार्थ

. (550) • পাংক্ষামি ৬১ पावि २८३:८३

雅asia。\* fü: à

CUS कान्यांक मध्यम विश मार महार्थामा CHIL MINERYN

बान्त्र हानद्वाव नामिन महात्वानाजारम Manata newtra en aftentine a-us ी: **क्षति के**ष्ठेविक (कांक प्रशा ८०८ !

( >>> > कैन ७२ बारकाडि ०३ #: 14 48Hd8

4366100 fer: d

(मह मध्यकात मध्यम विश मार कांग्रे-देशमा द्याः मिन्दिश्चपूर

थाना हालकात मामिन, कार्रेताला ब्रियास्य फिक्सीमात मध्यभाषा ०२२ पश्चिमात्म - १० माइक क्षत्रि वह निर्माक मुना ३००

( >>2 ) िवेच्च बारबाजि ०५ שולם סשום

4 3 1-91-0 e

fe: d

CH: स्थानाविक दशक किर शह काउँ-दियामा द्याः निम्छित्रम्

📆 યામાં કાગ્યમન ગાયિન અહિયાના हारिय क्रिक्रीमात दमस्त्रकात्र ७२४। ०२ ८ ∎िकश्रादन >-+8 शक्क व्याप क्रोबन्धी । Erru get a.

( 350 )

₹१७८ चारम¥ि ०४ । वादि २०८८

3354100 fu: à ्हित्यः व्यानसम्बद्धाः विश्व गार काष्टे জা পোঃ নিশ্চিত্বসূত্ৰ विभा हालकां मामिन कहिलाना ाटम किकीशीन मसकारम हरू विकादनः १७ मार्डफ क्षि छेष्टेशींक cmit # ## REL ( 550 )

व्यक्तिक कानि sesta

Salahan Salahan ye you have the

बामा हानदाम माधिक महा(बाका ब्राट्स फिक्रीमाथ गतकाटक २०० चित्राटमंड ब्रिक्ट : काट व्यवस्था वर्ग Columb विश्व किर शार विकास व मुशा कांद्र २०८

> ( >>4 ) TITE DONN १७२ थां वांकी ०५

3740100

fe: à

(अ: व्याक्तांक (भाषा मिर नार कांठे-त्थांना त्याः निम्हिस्य

बाना कालकात मः मिन टाउँ (बाना आर्थ फिक्रीमांत गतकाटत ४० अफिबारमञ <->२ भक्क कृति ऽश्वति क्या भूगा श्रद्

(330) १४) सामानी क मावि ४३५८०

2352,50

its:

CW: क्षत मधन गार महा(यांना C11: 14 (45871

· थाना जानाकार मामिन महादश्तना आद्या जिक्नेशां महकारत ३७६ विकारना o. तक लक्षक करित क्षेत्रतील दक्षाक मुला २०८

( >>9)

१७० चाःसाहि ०১ פימי זה דוד 2:5:10.

कि श्रे

লেঃ কভিমজিল মাজল লাং ভাটাখোলা 5" 1: 1. P5 # 74

नान्य कार्यकात मामिन काष्ट्रेत्यामा आहम फिक्कोमात मतकार्य २०१२ विकास्मत ४-७१ लडक व्याम ३०१/० व्यथा मुणा ०००

bec बाःस्टाति ७३ RITE SASHO >>8105

फि: ए। ब्रायम गत्रकात पिर मार उपाछा-

(म: नाक्षमान मलण पिर गार क्रकन्त পোঃ বাঙ্গাণবি

Bran (माक्त्रती क्षमः भूगा चाः ४०८

( 555 )

वावि The withit e'

2452190

फि: ८कारानाय त्याय उठोधुरी वि 月段 电心器算句法

(व: स्कृति (नव गार भावसूना (भाः भाक्षाक्षणाकः

वाना ना का नी भाषा । भाषा ना प्रकृतः आर्थ किजीमात्र स्वरक्षात्र ३२२ पकि कार्यक ३२-०६ मान्य वास २८१०/३० सम

ME 3000

( >>< )

926 Withte des 41 12 29%. खि: शोबीमकत ठळाव**ी** बिर गार Contrice

त्यः किमिक्षम् अर्थः कृष्ण्याः (Mit **₩**₩9(5) 4

থানা চাপ্ডাৰ সামিল ফুলছলা চাংম फिक्कीनांत मतकारत २७३ अधिवारमव ३৮ শভक कशि ०√१। कश पूर्ण का: ১००

( >4> )

Tan Mitmife os माबि ७२०० fu: 3

Cu: व्यास्त्र म्खन गार कृत्कना (mis न । एक । माजिस

শালা চাপড়োর সামিল ফুল্ডলা প্রায়ে **ভিনীদার স্বকারে ১২৬ प**্রিয়ানের -২.৬ भडक थिया हर् क्या मुता काः be

( 555 )

bes शारकाति ७३ HITA DELAS

108:51

**डि: निम्मकृत्यः मृत्यालाशाम निर** गार भिवनिनाम

स्वः अवकी नागी निर गाः क्रकाण्यः (MI: White

भारत क्रिक्त राह्म क्रिक्त वाहर TEATHER NOOTER LES M'OCICHE & DE **ฯอ⇔ซโ**มล/.•8 ซมเ

PRO ALGORES DY 41 fa >09.2 2 1 241-24

डि: यहरी नातान्य ८६६२। जिला ज्याः । SHEET E

CH: सबुत शक्य जिर शहर लियाइक्स भूष **्धाः देश**ानी

भाना कामधा निज्ञ मा भेग द्योबकाड लिव**ठक्ष पूर्व ५को ठूकनशत आ**रम छिक्कीशाह मत्रकाट्य त्योदकाठ त्योवात २८७-२७३. लिनहस्रमूर्टन ३००--->२> **व** (कोठुक-थाना ठालकाव मामिल क्कालूद दमोलाम । नशरबंध ०००१००८ ७ ४२० ४(स्मार्स स्माहे बर-१० मध्य अधि १८०' सम्मा (मः १म्। म ष्मान बरन भूगा ७०००

( 258 )

१८९ भारकादि ७३ atta etde

478810e

कि: ठर्ग भागा मानी मार गामवलूब (म: प्रक्रिकास नकी iet त्मार (माराफ़ी (\*II: #49· 1) a

चारा ठालाहात माधिण माध्यम्य त्भोकाक किञ्जीबाद विश अनितन २: क किशादमध बन्दन निषद आधासन वानि मुना चाः ६

( >44 )

नश्रम सारकादि कर ALLA PROP 238419e

16: 3

cu: à

থানা চালড়ার সামিল মাধ্বপুত্র মৌশার গগন চক্র বিশাস ও ডিক্রেল্যার भौताम २२० विश्वास व-१३ निक्य अस्ताःखह कारि मुना चाः द

( 25% ) १८२ बारबाहि ०३ नाति ३४७

336600

હિ: 👌

CR: 3

খানা চালভাচ শানিল মাধ্বপুত্র ट्योकाम धनन एक निषांग निरु छ फिक्कीमान काशिटन ७० अस्टिश्टान्डक्त लक्ष स्वीत ८/० क्या (सः (सःश भःसः भःभ मुक्ता कः)

( >29 )

שבש מונשונה שבש Wife swamp 36903

B: Mieriele ajenta fie mie

(म: ठेमांकून (b) धुती मिर गांव हैंदांलुक পোঃ ধালাগনি

भा- । छाणकार मामिल केशांचा आराम फ्रिकीमारशायक ५ थिकारमक अधिक २७२५ वर्षेत्रसारमञ्ज ३८-२३ मास्टक कवि रम्ल २ राधकी (सामवरी समा मृत्र २०० ( 324 )

७२० व्यक्ति ७३ ् स्विति दश्लि•

378123

fre à

त्मः काशिनी कांच नक्की गांद माधव-**刘君(刘仁 罗思尔对奇** 

रामा छ। गहात व्यक्ति केशानुब आहम ভিত্রীদাধ অদিনে ভাষ্য্র—২৩**৫ খারখানের** ७ ५२ भरक स्थाप ५/० मधःचक हिक्काओ ्मांकत्री समा मुनः काः २८ 1 382 1

bas बारकारि का #: 4 0B . # .

120151

fig: 3

C: 3

भानः हानकार माधिम देखानून आत्म जिनीमार्गामक ७ वर्षिकार व अभिन २०१। २२७ व्यक्तिशासक कर-५४ महत्र अस्थि Banb मनाचयुः (bareis) स्मामक्री समा भुशा स्थाः ५००८

( > = . ) क्रिका चारमाधि ७४ 8 12 74M/3 363105

fe: d

ce: temipffe विश्वाम पिर मार दीनरवरिद्रा लाः भानाविद्

बाना धारकां मार्मिन हेडांश्व आध्य क्रिक्रीमारतक ७ विस्तारमव अविदन ১৪১ ---->BE ଓ २৮ विश्वादम्य >>-२० मकक क्षमि २७१४/७ वाहली स्माक्दरीकमा (१३) (याम व्याना तकम मुन्द व्याः २८.

(808) इतक बारकारि ७३ मावि ०५७ फि: अवकर्ता मागी गार द्वाशानमावि प्तः चारक्रभानि स्म**र्थ** पिर मार

बाम रामकात मात्रीन दोकीवनुक बरमा छिक्कीनार ७ महत्राखान्छन निरण । सर व्यक्ति २० परिकासिक ५-२५ मुक्क करी केंद्रेक्षी (बाठ मून बः ४)

क्रामिन्युक त्याः वाकाणिव

( > " ? ) उम्बंध दमारणाहि थार सामि सनस्परित किः अकारकाण वटना गावास गार (MIEIE)

त्यर क्लक्क रहरनाजिया विर त्याः ट्डाकाको ट्लाइ ककानशब

প্ৰি কুকাগকেও সামীল চন্দনলগৰ बाद्य हर्ग निया क्यो २०, दर्भा ने क्या समीमा मकामाक दगरमञ्जाम विरष्ट इस ।

( 500) ৮० दशःवादि ७১ HIFA bashe फि: काकी व हाकी मार त्यात्राकी

CT: C फुन्डस CF मिर मार जे (41: ##+#e

B(4(\*)\*\*

बाना दकास्त्राणीय भागील दगोरक (शामको द्रशाविक्षमक् क काशालाका घटना 🖊 अभी ४५: - त्यावनी समा नवीका मना-क्षांच दगद्रकाश विरष्ठ वया। यात्र चक्क्षा-यह > अलि कामायह > बांग, कुषा, शाध-चीना माचमुरकाम हंकार्ति मह मूला ४०००

( 398 ) कवर (बश्चाको ०५ माप्त ७०७६।• क्ति स्मानाम हक्ष निवास सार গোখাতী

द्यः नीष्ट्र वात्री नार के त्याः अकत्रवा बाना इकनशरबंध व्यक्तीन दशांकाकी द्योदम : ७६৮ पर्टिशात्नत /० मधी ३१/० कारतमी (भीतनी समा डेक समा मनातान अवैश्वक्ष मणी वाशक्रवस मञ्चलात स्/-च क्रियमाच रमाचामी ४० 🕉 गणिनी गाव PTH PHIMICH H. CHIB SHIP (MCW ON ) आंक पञ्चनदिक्ति मिलनभाषी २ जुडाबी यक व्यवनात, शन्द्रश्राती पत्र वक्ताता, प्रशासक संक्रीति माध्यम्बाम मूना ५००० ू

( 304 ) ১১৫+ **व्यामानि क**्र alle spenio

द्धिः चाक्रत्वाव बान्याव मार कल्या आध्य निवक्ताची अभी विर न्नाक्याव

(य: चारकंकि मधन गार देशानुक

খানা চাপড়াখ সামীল ইছাপুর গ্রামে फिजीमात्र मिर अथीरन ७ पणियान छ व्यक्षीतव्य ५५:२० व्यक्तियास्य ५०।५। कार्का क्यो क्र/५ क्या त्यः त्याण भाग अत्म मुना भाः ८०

( >00)

5:45 RIRT'Y 05 मार्वि ७८३।५० फि: दम्भैरमार्न वक गार काल्या-

লে: বাৰ্থ্যন সেথ সাং ঐ পো: eitwickerin

बाला नाकानीभाष्ट्रीय गाँधीय नाकानीन পাড়া এচমে ৯৮৮ প্তিনীলের -২০ প্রক क्रमी कार्रक क्रमा ६५३ वर्ष व्यक्ति वार्ष मुना भाः ५०,

( >09 )

5560 ATENTA 056

€ 21 22 ডিঃ দেবত কুমার লার মার্গ ভাসপুত

4114 es ol/se

(भा: 🕮 प्रति भार मार अग्रहासी

পাল নাক,শীলভাৰ গামীল মণ্ড-(लाक्ष बाह्य वान्यमान करमनाव मन-कार्य २११ माक्सार्य छ। महक क्यी भव क्या दक्षः द्वाण भाना करण मुना ब

र। खें थाना खें आर्थ से मार्शक अवीत २१४ विश्वासिक ३ ०१ मछक स्राप्ति कर्ण समा अहा त्यांण चाना चरण मृत्र ६४ े अभाग के आत्म की लावित दमयाय अधीरम ६८६ था छश्चारम व-२६ ०:

জনী 6/- জনা পেঃ বোল আৰা অংশ

(30)

**५५६२ (मःयाति ७**०

41/4 seeds 75107

ण्डः निवन्त मत्त्रम नार महलाहा (मः चारत्रक मधन निर नार कृष्टि-एषा त्याः राष्ट्राणिक

थाना ठाणकात नामीन बुख्यिना आध्य कामादेमान भित्र बोप्त विश स्मादकांत उ'उदयात १२२ ७ मणीमाङास १५७ छ टान्क्षा (भेषात २०४ ७ वर्गीमक २०३ मिलिशास्त्र दशांके ६५-१२ लडक सभी रे ३३६०,०० क्लार्ज दावकि विकितान समा मात्र काक्स षांक्षांक पूर्वा याः ६००

( 202 )

2208 आश्रामिक क #14 e.s. जननानि मिक्क नार मसुवकाष्ठें (यः शासमान विवि विष मार बिरहम्भार भार बामबानि यामः जामशामिक व्यक्ति विश्वक्रम्

আনাম তথ্যত কাঠা জমির কাড বং, कारधभी त्योत्रनी त्याकश्रेती स्वया त्यांन स्वामा वक्ष वृत्रा स्रोह ५००

( >80 )

२०८८ मनियासि ७० #184 28 . hd . शि: किवि,बानमार मार द्रावेश्वा

त्सः व्यान्त्राच मध्यम विश्व मार त्यारता ণোঃ সাক্রণক্ষি ্

भाग हाल्फात मामिल लाएका प्रतिकास कार्दिक मुक्कीत काशीरन हवत अखिशासन ৬-৯ শ: বক্ষণ হুমি ৯, হুমা মাল আলা, केर्द्रान, वैष्म डेलाकि मुना आ! २८,

( 888 )

SOCH HERRIES .ne WIFA 47 1/2 ः अत्र इ.स्ट्रीन

(सः १ कामभाम देवकाभा मिर गार छ ८९१: - वदीर्भ

शंका अन्दीन जिल्ल अवदीश नागश क्षित्री- रायव मारहक्षांच अन्तर अधिराहत्व 10 कार्रा करित व. कमा अव-माजी हे शाहित

( 562 )

ROBE WYMITE OF Wite Dane D

fr: d

8 (41: +48)4

नाना अन्दीन निष्य अन्दीन जारम फिल्हीबार अधीरन २७३२ विकासक /० काठी कांग क कमा माथ बदबाकी व छा। बि 401 W. S 44

(585)

: + D Afgerta o. मार्वि स्थापन

33481D.

फि: मत्काम कुमान क्रिक्षानामाध मार २०६७ मनिकानि ०० বিগ্রহপুর

मः गिनिस्मनाम त्रांश विश् मार जे (村): 運輸利益

याना कृष्णभव भनीन विश्ववद्यत आध्य वैश्वपुत्रम प्राप्त अभीरम ५२८ परिवारमध b-85 मः क्षां भवनिष्ठ त अश्म b अमा ॥• ष्याना षरालग्न मुला प्राप्त ५००

( %8# ) ১०४२ मिल्डिशिक TITE COND

fu: à ८४: व्रे

वासा क्षणात्क्रम चनीम विश्ववाल्य MICH DYOM DIE fet namice bes et २-२৮ मा यनि ५/४ तावशीष्ट्रियान समा त्यः मार्कम भाग मृत्रा भाः २८.

( >64 ) २२७२ अनियासि वर् Wife Seems किः धुनीयांगी द्वारी मार स्कूमन

त्मः भिष्टुवानिनी त्वेवी नार खंडनाः **学物料例**算

· बामा ८०)कशानीत नामिन् क्षकेर्णक ट्योकाच कमल कारतक कार्यक के बंद • । भः अभाषाः भवाषाम् विश्वारी स्मि লঃ।৺• আনা খংশে •৪ শভক্ষ কৰি আই २हे। यक भागा वश्र माक्ष्मण्याचे हकारि तह मुगा चाः ১००५

( 584 ) > ४०६० मनिवानि ७४ ं अपेनि ; ५०४१ भर किः शिक्षिका असमी स्थानी शार मधु अस्टर्ड CP: मन्द्रण भावक मार कशिवाधकी coit: ""

नामा कराब किए महिल क्रवन आहे म नगमकृशांती । सनी श्रमभाइस ३८० अधि-বালের ৫-২৬ পদ্ধক কমি ১৯৬৬ ব্যৱস্থী-किञ्चित क्या त्या ५० व्यामा करण पुणा

( > 0 )

२०३० शिक्षाती ७० WITH DOGO!

fe: webie nien nie met

CH: MIANIE CHICKIE MIC & CHIL 3- tar - ( 4) W

५ । जाना रान्धिरिक माधिम कालमा ्षः कत्रदर्शात्रक माम देवत् हा। मार आहा आहार कामाठत्रव वाकानावाक व्यक्तिम ७० विकासिक कार्या **मध्य वा**वि दशाले रः प्रति विकिथान क्या ५४३ हर व्यक्ता व्यक्त भूका काः २०

> २। बाज: सकतश्र मात्रिक करी त्योकाव निक्यांन क्ट्रोशाया**व त्यट०काव** ३१४ विवास्त्रम ७४ भक्त अपि ४५० -रामधी विकास समा जुना चार क.

41 Ta 2020 ण्डिः दयनावस्त्र मध्य विश् मार द्याय-77 fout

(म: क्यानी काय गुरेशन मार जायर अधिमा (भाः बामानिय

वामा क्रकन्त्रक माथिक व्याक्ष्य निवास जान्य क्यर्का पानी क नदशक प्रका निरम पिर २ पविशासक पार्थीम अके पविशासक ५--१ मः कमि ১८००/० श्वाकीविक्रियाम क्यां दरः ॥- व्यामा व्यत्य मुना व्याः ६०.

( 282 )

১৯১৫ मनिषादि ०० TIP TECHD किः त्रादिम हम् ७६ मार मन्दीन त्यः त्यापि व्यमाय महित् मार পঞ্জীপ প্রেঃ পূর্বকলি বস্কুষ্টার ,

३ ६ व्योगा का निर्मारक सामित क्याँ गुर aricue cue ide inter been nellen कामचः ५० ५ जनीयां कारमञ्जीरक विर्दे wat als save of a det all de

( अवश्यक )य

CHARLES ALS

CHARLES

AND ALTERNATION OF THE

# जिन्दा क

সঃতাবোর হার জঞ্জিদদের। বাবিক ক্ বাথাবিক ব জৈমাসিক ২৮০ মাসিক ১ মথদ শুভি সংখ্যা, ব

ভারতের সক্ষত বছল-প্রচার-নদীয়া জেলার একমাত মুখপত

খণ্ড ] সম্পাদক—শ্রী অতীন্দ্রাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, শেরাস্তবাচম্পতি

२०म मर्था।

জীলৈতপুমার জানাপুর-১৩ই চৈত্র ওক্রবার ১০০৭, ১৭শে মার্ক্ত. ১৯০১

# नाना

क्रिक्टिका ज्यर न्यान कर्मरित कि में केनलक नेक रेटा में क्ष्मिक के मिलिक के बार्स कर्की निक्कि वाणि करा। में का निक्कि क्षमर स्वस्थान कर्किक करा। में का कर्की मक्कि में करेल क्षान व्यक्ति निक्कि में करेल क्षान व्यक्ति करा स्वस्थान करेल क्षान व्यक्ति निक्कि में क्षित करा स्वस्थान करेल क्षान व्यक्ति करा निक्कि

### **ভাত্তই**ভালার ভীষণ ছয়িকাণ্ড

পাত ব্রশে মার্চ ব্ধবার সভা। ব বিচ্ছার সময় প্রীধান-মারাপ্রের সরিকট ভারুক্তাজা প্রায়ে সকলা আগুল লালিল ভারুক্তার করেকটা বাড়ী প্রভিন্ন একেবাকে ভারুক্তার করেকটা বাড়ী প্রভিন্ন একেবাকে ভারুক্তারজা কর নাব। নিক্টর প্রায়-ভারিকণ আসিচা অরি নির্মাণিত

# কুক্ষগ্রে কারামূক্ত কর্ত্তীর অভিনক্ষ

# ষ্ঠিয়া সংবাদ

ভগৎসিং প্রভৃতির ফাঁদীতে দেশবাসীর শোকপ্রকাশ

# ভারুইডাঙ্গায় অগ্নিকাণ্ড

বাঙ্গালার প্রতিনিধিগণের করাচা যাতা

# কলিকাতায় হরতাল ও সভা

কৃষ্ণনগরে কারামুক্ত-ক্মিগণের অভিনন্দন

# শতদ্রতীরে মৃতদেহভঙ্গীভূত

ভারতে ল্যাঙ্কাশায়ারের বস্ত্রকল প্রতিষ্ঠা

# হাওড়া ষ্টেশনে রেলদুর্ঘটনা

অফ্টির্য ও জার্মাণীর মধ্যে বাণিক্য দক্ষি

भीषुक्षा देशनथाना शक्ष्यमात्र मका नदीक भागन ताक्ष्य करत्रना व्यक्ते महाव दिना विकास्त्र वस्त्रीरमञ्जूष्टित मार्थी कत्रा

ति हमत यह थळ गामणा प्रशिक्त नार्वणा प्रशिक्त नार्वणामणा प्राच्छा नार्वणामणा प्राच्छा नार्वणामणा प्राच्छा नार्वणामणा प्राच्छा प्रश्निक प्रतिक प्

ভগৎ'সং এভৃতির ফ°িসিভে ্দেশনাসীয় শোকপ্রকাশ

সাধারণ ভরজাগ বাতীক বাংগারের ডি. এ. ডি. কংগল স্বাধানাসং করেন ব এফ, বি. কংগল সমুখ ুখানীয় বিভাগর-সমূত্র মৃত্তের আতি শোক প্রকালের জল বন্ধ ভিশা!

কংগ্রেদ ও নওলোকান স্থার ঘোষণ। অত্যানী মুখ্য মূৰ্কজনের আত্মান পাতির অভ্যানীবা কডিকে কোনস্কল অভি অভ্যান ইইকেই মিটো পার্যে স্থাবেড

কটটে আবস্ত করে। ভগৎ নিং ও টাগার স্বাধনর প্রতি শ্রহাঞ্জনি ক্ষোম ক্ষত্ত গ্রহাল চাকারেরও অবিক লোক সমবেত গ্রহাতিল; জনাথো অনেও মবিশাও ভিলোন।

মোলানা জাজন আলি জনভাতে
সংখ্যমন করিয়া মলেন, ২০০শ সার্ক যথন
প্রীভগৎ সিং ও উভার স্বিপ্রেম ফার্সি
ভয় এবং ভাগদের দেও শভক্ষ জীতে
কলীভূত হল, ভগন কার্ডধর্ম নিজেকে
যেরপ কান্ডায় অনুভব করিয়ালৈ,
সের্বা আন্তায় বে ভাগার ইতিহাসে
কল্য অনুভব করে নাই।

অপরতে তই খটিপর সমর নীশা-পাত্স করতে এক নীরব নিছিস বাহিত কর এবং সভা প্রায় ভর ঘটকার সময় নৌতিয়াটর ধাকিকে কাসিলা শেষ হয়।

নগণ কংগ্রেষ**্ ক্**যিটি ও পালাব নেবাদশ ভাচাবের প্তাবঃ ক্ষ**র্ গ**ব্দক ক্যিণ্ডিগ।

লাহেরতের ফীসি সম্পর্কে পাঞ্চান্তর বৈলির স্থানে নিজিপ, স্বতাল ও স্থা ভত্তেত

### দেশবন্ধু শল্পীসংস্থার সমিতি ক্তিগণের কারামূতি

द्रमण्यः गङ्गीयः स्टाइत वासमार कर्रीदः क्रीव्यक्षसम्बद्धः क स्टीतिताष्ट्रं भाग वास्त्राणाममधः गाउना क्लाणा कर्मन द्रम क्षेट्ड मृश्चिणाम करियः कल्किकोडा क्रमाण्डम करियाद्यमः क्षित्रा केर्बेट्ड ठ०५ स्थाप्त्रभूष्टी जन व्यम्द्रश्च मुख्य

# কলি ভাডার হরডাস, মিছিল

भर्मात्र कशर निः, त्रांष खत्न क श्रुक-स्मेदनः कें।बीटक कणिकालाव क्यविशानीवन्य दिशिक दहेबाटकन। शासी-चात्रहेस में कित करण देशामा गुक्त मार्थत अतिवर्श्व भागत दर्भाम मध्यत वात्या वहेटन, जलाग क्षकत् भावना भट-दणवर्षे मध्य वर्षेशकिन। ক্ষরৎ নিং কভ্ডি ফীনীর সংগদ পাইকা मक्षाहे हुः विष्ठ बन । गाज गरदरन्न gem ambi fautene wie cunt chat देशकाम लाहे वक्क इन्हें। यात्र जनर সমগ্র ক্লিকাডায় কল্ডাল আভিপালিভ 971

बङ्गाप्तारत दकान कांक कर्या इस मार्ड, मभक्ष (मां नान ना ने नम् इ मार्किन । बाल्डा क दमार्थक दमारक ए लिल दमा कार बन wal sertien ! **₹** স্থান্তে সাধার প্রনিশ এবং সাঁচেলালা পাড়ী क्रेंड्स मिया किरिट रुटिया। উन्द्र प्रस्थित ब्दर यथा कतिकाशक माविलून इताता mismine ettice :

'ज्ञान (ननात कुक लक्षान) वटल **कट्यक** िकिया वार्तित करेंदा महत्त्व वक् बाह्य काष्ट्रीय गुडिखनग कडिया किया।

विकास द्वताय प्रश्ति मछ। एटेवा-किया क्या भाषाका कहेता वस श्राम अहिना कडे गडांब त्यांगमान कतिया-िर्कातः भ्राप्तति यहल्डे स्थल-गर्भागम 帯し竹田 #\$#: 6m श्र वर्गरम् के শীল্ল নিশা কৰিয়া বুজাৰ পৰ বজা बाह मध्य महात मञ्जूष क(call আডঃপদ্ধ ছগ্রহ সিং প্রেক্তৃনির অংগশ द्वारमध क्षामारमा कतिया ध्वयः समानी कार्यात्र निमा कतिया व्याखान गुरीए ST :

गकात कताची कश्दर्शाता त्यांश्रमान क्या क्रिडिक राम धानः मनान्या शासीत বিক্তাচরণ করা উচিত একণ কথা निचित्र हेन्द्राश्य निमि व्यवा किया।

बावपायक दशकांत गाउँ वक करेशकिमा भिडेनिनिमानिशिव कर्छ्यक कार्कारमञ्जूषा काश्मिन यस प्रामिश्रोकिरणन ।

# चड्डीया ७ जार्चाधीत गरमा ৰাণিক্য সন্ধি

**व्यक्ति** : शहबाद्वे महित २०१म मार्क बुक्तिम, ऋष्मि बावर देवेश्यीच आवश्चात · 'विश्वास करिया शहेया शिशाकित्मान, क्षार्मित रितक्षे किनि बद्धमा द्य महिनाव मुक्कि আৰু,ীৰ বে সৃদ্ধি মইয়াছে ভালতে जासकातिक भारत मध्यत करा धर मारे ।

শ্ভিষ্ঠ সুমূর্থন PERM मिविशाद्या ।

### কাণপুরে শান্তিপূর্ণ পিকেটিং

त्य मन्य साकारम विस्तानी वज निक्रम चावस व्हेन्छ, (मह मन्त्र (सामारन माखिशून शिटकष्टिश कशिशादक।

### হাওড়া ভেঁশনে তুর্ঘটনা

गाँक मञ्ज्यानीत छा। हम छा। मा मा एक हत्र ঘটিকার সময় হাওড়া ইেশ্লে এক कुर्यहैना बहेबा लिया छ। ১० मर छाड़िन भाष्युव बकाशम थानि १नर श्रीविकत्यव "উড় ৰাফাতেং" স্হিত্ থকে। লালার नांकात छरमाव इतेथा य स शर्र कासकि कांगतः कारनद बानादा छ । ऋतिया य छ । केंगांत संदर्भ ३०१३२ चन च्याहर्तानी অভিন্তন; ভন্মাণ্ড একলন ডাকার किरमान भनवरमध्ये दः मुख्या मूलिम षांद्रभाषन मध्यः श्रीहणमध्य श्रीमशास्त्रध्य क्षामाकृष्टिक करा ब्या दशन्यस्य कर्तुगम नीयुष्टे काश्रास क्रमय कदित्तन । का बक्राव हेननार्श्क्षेत्र का क्या वाल उहे श्रीम प्रमुख किट्टिक्टकरा

শভক্র ভীরে মুভদেহ ভন্মীভূত

शांद्रशंत : इटक मतकाती वखानादक श्रकारिन इ.स. १४, १७१२ श्रीतर कार्यक्षक অবং শুক্রেবাক সন্ধ্যা সাক্টার সময कै। वि अप इक्षाव शव सफल और व व वहा নিংগ্ৰিৰ ও হিন্দু গল অন্তৰালী থাক क्षा दश । अष्यामय छ इन नगीट निकिश्व

#### চিতাচন্দ্ৰ লইয়া নিছিল

२०१म २।१६ मधारेत छश्र निर. श्राम-श्वक श्र कश्वरहरवत विकाशका गार्टगात जानी ह क्या कार मिकिय कतिया शानि नवीटन महेदा या अरा एवं । अशास (अय अ का गण्यां वस ।

বাঙ্গালার প্রতিনিধিগণের করাচী শাত্রা **ছাওড়া ८**टेमरम जयर्बना

**ट्यियुड यम क्रम्यात महामात्र, टीमूका** (टम शक्षा अक्षूम्यात, आन्द्राक्टेकिन ट्टोइबी, कालाबन निष्यात्री, अपूक शूर्वहळ काम, दक्ष्महळ दश्य, कियांम अक्रम मान कथा, यरमायांमणान रनायां भी, शरबंखन मान (याय, निकाक्षीत देशका, राजन

आन्यांगीर मरवामणक श्राम भवन्द्रम् छैत । व्यक्ति साम मान कार्तिकहत अञ्च अञ्चन बायक मन्द्राशाव. निमम बाक्तिका दमनी, छाः ठाक्टल परमानिधात क्राती नांखि দাস, দেশংকা মিত্র প্রভতি নেতৃত্ব शंक अवतर्गत व्यवहारक कृषान द्यारन ক্লালী যাতো করিয়াছেন। উক্ত মেলে निक्ति विशास भारत स्थाप अर सम शक्तिम शिवारक्त। **"क्वीकानिश**रक কীছালের আত্মাঃখভন ও ব্যাপার্য ছাৰভা **ংশনে বিপ্**ণ **বলেমভি**রম্ श्वनिव मत्या विश्वात मध्येना साम 1 16534

### ভারতে ল্যাঞ্চাশাহান্তের বস্ত্রকল প্রতিষ্ঠা

विवाहकत '.जनी .एमलाठ' सामक श्विकांत्र शकाम (य. नाम्क्रानासारस्त्र कविश्व व्याग्यांनी उपानाक, यानामन अभाकात वक्ष करमञ्जू मिक्छ गणि है अन्तर्क বৰিয়াতে শীল্লই ভাৰতে জানিয়া পুৰ श्रकाण बक्ति कागढ छ एका श्राप्टर कर क्त कालन करिट्ड डे.छाती व्हेशकान । এই छ मान भाषनार्थ करहक स्थल वि. भ्या छ নীয় ভাগতের সিংক সভয়ানা কটভেচেন श्रदा दिवान कारण कर श्राप्तां अन्ति विश्व श्चविका भ' छहा यहिंदन काशांत क्षत्र कदिशा दिटलाई निटमंड व्यक्तिक क्या बाल्डाक बावका छहे (व ।

चात्रभवार्य मिन मिन सुहस नुहत कारण अलगात कमा दवर विकास विद्वास উপর শুল্ক বৃদ্ধি ১৩বার বিলাভী বাস্তর व्यक्तिमानी भिन्न भिन्न द्वांत के बात का बहे এই নুভন পঞ্জা অবশ্যানর একমান্তা

#### ভবানন্দের মস্তিক পিকৃতি

শিবপুর বোমার মান্দার আসামী खरानमः बल्मानामाम (मन्द्रीन (करन किक पिन बेन्क्स दशका दशहन कृतिहक-किर्माम । देशाय काश्व अध्यक्त अध्यक्त বিক্রত হয়। এই অবস্থার তিনি ভারার व्यक्त : आश्वीशात मृद्धा मरनाम छनिए। পান ভাচার ত্রমণ মডিছ (नाकावर मरशाम मञ् कतिहरू नास्त्र नोडें। छनिएक भावता यात्र क्रिनि आकि वष वाश्य क्षेत्रा शिशास्त्र ।

श्री अभवकातिनी এ পর্যায় ৬০,০০০ হাজার মাইল

Beneibi क्टेट्स विश् ..... ज्याकाम विक्ति (मटलक कामान कामान मन्द्र मर्भन कविकास सञ्च कविक् अन्तरेश किरणन । कर्णका ब्हेटक जिलि मासारम स्थानमन कत्रिशास्त्रमा"

कार्व शा- वदन्य गृह्य किनि समहन विक्रिक करेंका जनवाच किसि ७०,००० शिकांक महिल अपन कहिनार्कम विवर व्यक्तिकारण शब्द श्रीकार व्यक्तिका चित्रशास्त्रत् । चन्त्रं कश्ची क्षेत्रक विक्रि यवाबक के जिल्हे का कि मृत्य प्रकार कहेंचे स धनर भाष्ठ कृषे गरमस महसाम जिला Giefft Bue cha waten eiferen विश जामा करता।

#### সর্বাদেশ জভগানী ট্রেন

गणांकि "वर्षान प्रते" मात्रक बच्चात्राम (छेग कुर्यतेमा सहेश शिशास्त्र। **अस्तिति**श मरमा हेणाहे अस्परिभक्ता अन्छनाभी दीव। ১৯२৮ मारण वा वा दिल छ मेरण छ • • मानेश अभिज्ञाम क विशा था है हिन बिल्लंब लानिक मान कविशिवित। आहे दौन शक्तिक के आर्थि अर्गाष्ट्र हरण ।

प्रचित्रका मगर "क्याल फरे" वाहीय माहेश ८७८९ चाश्रीत वर्षेटकिया তমল সমধ অকলাৰ ভূম্টলা মটে। चारकादीला लाकेन्छाल कामश्रक महन्। व्यानक बहेश्रा हीएकात व्यादक सदस्य ।

উত্তার কাবোড় লভ ভাড়াভাডি नटका बन्ध क्या क्या

### (न्भारम गर्गकाकिक स्मर्काटमञ्च নিচার

#### ১২ क्षरमञ्ज काजानछ

निश्व छित्रपर मारम ८००म देवरेण निक्षत घडाहेगात कक दश वेषामान लाहार्गक कड़ेकाकिम **काबाटल फाक्स** करिशांकरणन विशिध ३२ अस विभिक्ष nenige inm niege ventletenn : माधिक आणामटक विवादनंत विकास बहें हा शिद्धा के बार एक व्यापन व्यापन क्य काल करिया" काश्राद्ध्य व्याद्ध्य

#### कांत्ररखत्र त्नाक मध्या

महाकादी देखाबादम त्यामान-५००५ श्रोदण २०८न इत्रजावादीय दलाक जीनम्स काश्राक्त (गाम मध्यात ( वृष्टिम किता क मामक्ष हामा ममुर ) लाग ०० देंकाहि se सम्म नेप्यानेशाटका शक Sars बीहारक मनमाब छैग ७० ८माछि ৯১ शक अविश्विष्ठ क्षेत्रा**डिण** ।

मकर शहर ध्याप का वा विका इंडडाटक अर्खाटणका क्य व्यक्तिकारके ८ वर्षाचित्रारम चाद मजारणकाः 'द्रवा याक्षित्राटक विद्वी कारमाना वाधीमकामन गम्राव्याच मस्त्राक्षेत्रहरू मध्यम् व्यक्तिक 754.j PRRICE 1 12 18, 2

SHES BERNE COUNT PROPERTY नवश्च कारकः वरक लक्क्या ३०६ व्यक्क रमाक बाक्सिय । 💮 🔞 🕬 🔻

# विधाय-अज्ञातिनी मङा

शक्षिक्षण वार्षिक क्रिटिनम्म

बर्द्धमान वर्ष चंदर्श नलीवा-व्यक्टिनत क्ष मृत्याम 88a (श्रीतात्यत वर्षात्रस्थ विवन व्यर्थीर अना विक छात्रित्य जी श्रीत्नीतावि-**बा**ब-कान जीवाम मात्रोश्य महारवानशीटरंत्र खुदृह्द मा छ। प्राप्तिता व्याद्वात व्यवहार द প্রটিকা হইতে ১০ ঘটকা পর্যান্ত পাঁচ ঘণ্টা-यानी अञ्चयद्वाभ-भाग-अठाडिनी প্রভার সপ্ততিংশদ্ বংতিক অবিবেশনের मंश्वित विवत्न धार्मालक व्हेगाया। श्री श्रांत्रक्षार्वत्र को इंदल निवृद्धित निविद्ध व्यामना डेक महात विद्युष्ठ विवत्त क्रमनः প্রকাশ করিতেছি।

#### সভাপতি নিৰ্মাচন

পণ্ডিত্বর কবির'জ ভীগ্ত শদীক্রচক্স **ভক্রবর্ত্তী ভদ্প**নবাপ্তস্পতি কাব্য-ব্যাকরণ-माथा-टामान्यः रफ्मन- छै।र्थ নছ শৈয় হান্তাব করেন যে, পরম ভক্তিভাজন नतमहरम नतिज्ञाकक्षात्रांत्रां आश्रीमन् **७(किंत्रिकास मः यही (**गायामी আত্তপাল অভকার সভার সভাপতির আসন "সমণ্ডত করিয়া মামাদিগের मकरणत काष्टिमांत भूनं कत्रन । वित्तनः द्वात অনামধ্য পর্মভাগ্রভ রায় সাচের আবুক আকমকুমার ওপ্ত নহাশম পভিত श्वनभैभवाहम्पां मधान्यम एवे आयात् ममर्थनार्थ मङाबार शहरमान दहेशा वटकन,----আমি পণ্ডিত মহাপ্রের প্রভাব সমর্থণ করিবার পুরের একটুতু সময় গ্রহণ করিছে। চাই। আমি আমার ফীবনের তকটা षष्ठमा छ दश्य कतिहा ध्वादान-गमर्थनकः ती । কিসাবে আমার পরিচৰ লোডমঙলীর নিকট জাপন করিতেতি। আমি অতি श्रद्ध बद्धार दकान ठाकतीटक आदन कति. त्नहे काकती-एटक टकान कारगालनाक ू (बोक्स) कत्रिया एक शास्त्र याहे। कारेनक वरीयनी यश्जि (अरुनत्रवन) रहेश आमात्र অভি নিম পুত্র:পেকাও জনিক সেহ আদর্শনা করিছে করিতে আলাপ করিছে बाएकन, ध्रमन भगत एकजी त्याक व्यानिया कामारक 'मारवाना वाव, त्मनाम' - এই क्यांकि विश्ववाद्याव 'वावा ८५१ !' ठी ९ कात्र कतिया औरनाकी आवष्ट्र छक्षपारम नगहिंदा बाम । अहेन्नन आहरिक कार्या । गर्यमा व्यक्तिनिष्टि याकि, विरम्पटः প্রছিজ-দর্শনে হুড়ীস্বসুট্টিদাপর ব্যক্তিরও विनि भक्तकिकारन वर्षात दकान क्रकात युक्त क्षेत्री का काराक्षित्र दकाम ८५६१ मा राषांदेश सुपन्न चाक्यन कतिएठ नारवन, ু গ্ৰেইকুণ মহাপুদ্ধৰ যাতীত অস্ত কোন

### के क्रिक्टरशेशरको करवा

# দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

নিতাপাঠা বৈক্পবার্ত্তাবহ

বেদানি সমস্ত সামত-শালের অক্তিম ব্যাখ্যাতা সমগ্র ভারতে একমাত্র দুসভ দৈনিক পার্যার্থিক পত্র

Buers সাহাপের ১৩ই সৈত্র, শুক্রনার-১৩৩৭

দীকিত শিশু নছি, আমি নিরপেক করিয়াছেন-বিচারে শ্রীমছজিনি-ার সরস্থতী গোৰামী আছু অপেকা অন্ত কোন বোগা-সভার এই অিবেশনে তাঁহার সভাপতির আসন সমল্ভত করিবার প্রভাব সকাত্ত:-कतरन समर्थन कति ।

### সহাপতির আসন এহণ মুখে **बिल अफ्नाटमन स्मर**गास्टि

সভাপতিৰ পদ গ্ৰহণ করিবার মুখে विकित्रात्राम शिक्षिमाञ्च अत्रवाही (नान्यामी टाउनान नामान-ची म গ্রাহারিণী সভার বার্কি স্বাবেশনে সভা-প্তি হওয়ার বোগাড়া আনার নাটা वित्यमण्डः भागल्डाहातकारमा व्याप दकान সেগাই ক'লে উণ্ডে পারি নাই জার কেনে, অতাস্ত হৃথে আকাশ এবং শেকার গোগাড়াও আমান নট - এজালি শ্রী মেপ্রচারিশী সভার সভাপতি উপরিত -না থাকায় মত্র কোন ব্যক্তিকে নিংগ্রেন कर्णकरव--एड् विहास यन 'छ।हे ८फलएक 'क्रांका करणा' ब'रण व्यामाटक निकां किए कहा इस, खा' इ'तम 'बाखा खक्रवार क्वित्राव्याया मत्न क'रत आश्रमा-দের আদত্ত পদ গ্রহণ কংতে বাংল इ नाम।

#### **উर्दामम-मनो**ज

সভাপতি নিকাচনের পর সভাপতি-প্রবন্ধ জীল প্রাংশাদের নিজেশামুসারে পণ্ডিভগ্রবর ত্রীগাদ অন্তর্বাহ্রদের পর निकां हुग्न वि, ७, भरकामग्र 'क'रव ह'रन वन (ग-मिन आमाद्र'-- ७३ फेर्ड्यानन মন্ত্ৰীভটি কীৰ্ত্তন করেন।

#### রাজ্যির তড়িদ্বার্ডা

ভংগরে সভাপতি তাংগাদ বলেন,---**काम विरम्य कायाः श्रद्धारम टीसम**् এড়ারিণীনভার সাংক্রির সন্দার সন্দারক স্বাঞ্চৰি স্থাপ্তনাচেৰ কুমার িযুক্ত শবনিন্দু লিপিবছ

পতি হইৰার উপযুক্ত আচেন কি না, দে নিহোদয় সহকার সভার উপস্থিত হইতে বিষয়ে আমার সন্দেহ। আমি তাঁহাব না পারায় একটা ভড়িব্বার্ছা প্রেরণ

> Tribeni 5-3-31 11-10 A.M.

ভম পুরুষ মা দেখিয়া জীপমপ্রভারিণী Shrila Bhakti Siddhanta Saraswati Goswami Maharai

> Mayapur Navadwip Extremely regret inability to attend meeting tender apologies and pronams to Your Holiness.

> > Saradindu

### के द्याग्य (म

जित्वनि, वहे अर्फ ३३०, বেলা .:টা ১০ মিঃ ীলভজিসিফান্তস্বস্থা লোকান্মহারাজ ी,मधारुत, नवहील

সভার উপভিত হটাতে ২) পানায় कतिद्वापि । भावनदिश्वद छारुभान, जामात्र প্রথম এছণ করিবেন।

M 75 4 MF গভ বহনরেম বাথিক বিবর্ণাপাঠ

আত্পৰে বলেন, - ই প্ৰহণ্ডণী সভার সম্পাদক মহাশ্য উপাত্ত না थाकार 'त्योद्धारप्र'त मन्त्रामक द्यीयान ক্ষুদ্যানন্দ বিভাবিনোপ বিশ্বত ২২মন্ত্রের অিবেশন বিসর্থী পাঠ কর্মন। আদু-পাদের আক্রান্তথারে তীপাদ্ অন্বাচন विश्वविद्याम ८१५ १७ वस्तरात वादिक विवत्रेण भार करत्र। ( MA: )

# ভাগবত ধর্ম

( भिनान कारोजिय छ कि पराक्त )

भग्न पार्शीकरवय दगरलं मात्रांत्य-ব্যাপান্ত দৰ্শন নামক নিজ বচিত প্ৰচাহ ( ব্ৰিক, স্বালাল্যন বা পান্ত্ৰী কালে বৈশিক্ষম মাজি এইমণু বিশ্বস্তার সভা । নারারণ রায় এদাভভূষণ এম, এ, প্রাঞ্জ বিশিষ্ট প্রভাগের বিশ্বস্কৃতিশ্বাতিশ্বা উপন্য কানে বর্জন করা প্রেছ্যালয়েক্ত

অর্থকে পরিক্ট করিবরে মন্ত শ্রীল খ্যাব-দেব পুনরায় ইীময়াগবত নাম্ম পুরাণার্ক প্রকাশ করেন। এই শ্রীনর্-ভাগবতে যে প্রকার ভত্তভিন্ন কথা স্বৰ্গত আছে, ভালা শ্ৰীৰ ব্যাদ-দেব রচিত অভাত প্রাণঙলিতে ৯ৡ-ভাবে िवुष्ठ इस माहे। ऋष्त्राः नम्आ অপৌক্ষেয় বেদ-প্রতিপান্ত বিনদ্কঢ়িবুডি-গনা শুদ্ধভাবছাত্তির কথা আছি স্থাপাই-ভাবে একমাত্র শ্রীনভাগ্রত নামক অমল भूतारपदे पाक रहेबाए बिन्दा बुबिएड

শ্রীল ব্যাসদেব কলিগুণের প্রারম্ভে ভাগতভূমিতে প্ৰকট ছিলেন। ৰাল্যুণের উৎপত্তি পাঁচ ছালার বংসরের কিছু পুর্বে ঘটিয়াছে। সুভরাং ীল বা নদেব লিখিত আমিছাগ্ৰতনামক আয়োম আমে পাচ হালার বংসর পুরে প্রকট লাভ করিছা-ছেন বলিয়া বুরিছে চইবে। বীভশুষ্ট श्राम ध्रे श्रामात दर्ग श्रास सन्म ७ रूप করিচাভিলেন। পেরগছর মহক্ষর সাহেব यो ७ वरहेत्र व्याच समग्रामण्डक लाकि । ८१८४ छ 🗷 छ इस्त्र 🏝 म वर्गन**रम्टवत्र व्यटनक** পরে করা গ্রহণ করেন, ত্ত্ৰত ভাষা-দিগের প্রচারিত ধর্মকে 'মুবীন মড' ব'লংগ দোষ স্পূৰ্ণ করে না। ীশ বন্যদেব-ধ্নিত ক্**ছ**ভঞিন্**র্যের সহিত** यो ७ थं : ७ महत्रन कडूंक व्यक्त स्ट श्रह्म त्य दर कारन कारेनका मुद्रे रुव, करमञ्जूष গিৰায়কে ওৱভজি-ধ্যাস বা কলানে পরিহার করা নিভাস্ত ক্রেমেন। व्यवद्रात स्टब्स्टिक श्रामि इंदेरवा

मगरामत टावर्डक श्रीमाकानिस्क ধীতপুটের বিছু পুরের মনাপ্রচণ করিছা-किरलाम । यात्रासार**ात्रत आवराक जीतक्या**न চাষ্য বিভাগতিক প্রায় ৮০০ বংগ্র পরে ভদ্ গ্ৰহণ করেন। আজাতব এই ভইজনাৰী ছারা প্রচারিত শর্মাওলিও নবীল এবং ভদভভিন্যের হ নিকারক বলিয়া বৃদ্ধি-মানু ব্যক্তি কড়ক আদূত হইবার

ভত্ত-কুলচুড়ামণি ঞীল নরোঁতম ঠাকুর विवाद्यम् -- "महाजदात दारे भन्दाट ধ্ব অহুরত, পুরুণের করিয়া বিচার 🗗 थाङ्य वृक्षा य.हेर्डर्स्ट (य. मश्रद्धाः राज् भवरे शहनायाना । श्रीमद्यानवाषाक एका ভক্তি-শোর কথাই অতি ক্রানীন কর্মীৰ भनाउन व लामा निक ५६०० एउटा वही मशका अक्षानित के विवास कुरा ওলিকে চয়ন করিয়া। ভগবানের । শক্তা- বিনীটান। এই মহাজন অস্তাম (১৯ **ভাগবভ** ৰেশাবভাৱ শ্ৰীল বাসিদেৰ কলেকাকো ; দুৰ্ঘ ব্যক্তী সামীত চুত্ৰ সংগ্ৰহ সাহেৰ,শাক্ষ্য ্ৰ ৰিয়াছেন। - বেলাভদৰ্শনে , উদ্ভ অভবেশন ব্যক্তি ক**ৰ্ভুক** শ্বী**চিত** দু**ৰ্ভুকে**  नर्षत्र एकां छ कर्डवा । वेश्वादाका ना क्षिर्दम, उँ।श्रांता हत्रमक्त्रांग गाउ বঞ্চিত হইছা ৰায়ংগার উচ্চ নীচ লেখনিতে অধীপ্রহণ করিতে ও পুনঃ পুনঃ বিভাগ जानात्र मध स्ट्रेट शांकिरदन ।

# শ্রী গুরু-স্থোত্র

( धीरमनार्क्नन-७ इन माग अक्राहाती ) পতিত-গাবন ছক্ষদের নিত্রান্দ। ত্তৰ অধিমনে প্রভান সমূত্র আনন্দ। পৌরভক্ত যত মাছে তব ওৰ পায়। গৌরাজ্ঞ যত্মত সত্ত নিক্ষা ক্বফাভিন্ন দেব ভূমি পৌর প্রিয়ভ্য ॥ **७व स्त्राटन यात्र अक्षानाक उन्हा**त क्षेत्रदन अधिनदन खाँका ट्रायात खेळले । मायात त्राक् पुरल माल्य चत्राता भीरतत मत्रम ८१ ट्र ४ १५६ । त्राह्म । मिन्नार्थेत क कर्टरन का भा माहित्य । পৃথিবা মাঝারে থাচে বুরভাগ নভঃ ত্ব সাগ্মনে দ্ব হৈল প্রকৃতিত। ক্লক্রপ্রম দিতে ভূমি দল্ল-অবতার। অবসভারণ প্রচেত্র, কবনা স্থানার ৪ किंकि-द्याम-दीन द्रानिक कराद शहराखाः পুরীতে প্রকট হ'লে থ'রে জপ নর n 🗃 নামকী গ্রীনে ভদ্ধ কর পালিচিত্র। क्लिज क्ष्मप्रभानि भिराद्ध बार्ड ॥ **क्षणांबिन्तू** कृषि याता (५० अक्तार । पुरव वाच द्रा करमत व्यक्तानाकक ता 🌞 ক্ষু ক্ষুক্ষর হল পার্যের ওমোনে। भाक्षकर्म कृष्णकृषा करवन । ভक्तश्रह । **८गरे केरिल क्र**िक्यमा १६८ल जेल्छ । वादारक्षी लक्का स्टार भगाउँदा यात्र ॥ গৌর অবভারে আ, ভূমি পৌৰ;ভ। **बहेश क**लिएल एटन आहकाना गर ॥ হাছাবাভি নাহি কিছু আব্য কি ধ্বন। মামানুত বক্তা মানি ভাগ লৈ ভ্ৰন দ माकार निकानन कृषि उतकर घटना। করিনাম-গ্রহার দিনা নাহি অন্ত কার্না দ **इहाराव इतरम द्यालन कालवा, करम ।** मद्राक त्र भरण, इस त्र थिएड मा भ रत् ॥ **इक्ष**कारन् काला १ १ व्यक्ति । বৈক্ষমাপরতে হৈলে নাভি পরিজাল u (भावित्स व हिंद एक ७६ कत अमग्र) **ভাৰ**তভাৱ ভাৰতিৰ ভাজি বস্বায় ৪ 🔇 शोब-खिबारम ८०० (७८ कर्ड मिलिया) । **कृदक्ष प्रमाण के मध्य ८<'तरत পड़िया ॥** देवकार दश्मीत करू नाहिक कि अति। **अ(भग अवृत्य क्रमः** नत्यर्गम म्हन । अप किय यमि इस एक्ति मनाय । অগ্রেপ প্রন ভার ( নাহিক সংশ্র ) কীট এল হোক নম, পাই বহু ছাব ভূপানি এ চারি চান প্রেপ্তীয় মুখ ॥ ব্যায়ি নিষ্মত ৪০ প্ৰথ ভৰ ৰজ্ঞ অঞান আম আনি নাহি ছবিবার।।

दिक्षव डिनिट्ड नादव स्मरतम् भयन्ति। কেশনে চিনিৰ আমি অতি ছয়মতি॥ ভব-নদী পার কবিতে তুমি কাভারী। জনত ভোষার তথ কহিছে না পারি॥ व्यक्तीन कबर किएक टेन्डा अकवाला। निमर्ग छाष्ट्रिया अलास्ट 🖓 अतारण ॥ भक्ति तहे एयनएभ करनम निभए, । আভাবে ক্রয় হৈছে অভিন্ন চে যা ম क्ति अस्पन्। इ'अन माध्य १ চিবলিন থাকি যেন ডব পদে বাল্ निक एटन कत भाषा व्हेटन उदाव । সদওবং প্রাণ্ড হলাল ∈োমরে ॥

### প্রচার-গ্রহ

**ভীবের নিতা এর্ছা 🗐** চালচুস্ ब्रीजनवारमञ्ज सामदानाः १८०० । ক্ষাব্যের বাটোল টাগ্রে নিডা कौरदुराव बंश (काम ३ दुए) नाई। 'क्यू ৰাহ্মাণ্ডন বহিছাৰ এপৰ বলে ভাৰেন্দ शरक डिमार्नीम ११रा, विराज का কথা এবং পর হয় পের বুলি হান অনিতা দেকে আত্মবেহেধ ভাগরের দেনত স্থাপ প্রায়ত।

कश्य वहे ए.वर्ष प्रयास्य दश्य--বিম্পান্যর লাডির গলাং। কার্বাং লখাত্র কীৰপণ বছৰি ভ্ৰমে কঠনু-চল কবিয়াও অনিজ্য বস্তব মেতে নিম্মা এই ছণী উর কথা চিত্রা কবিলো শব্রে শিক্রিয়া डिट्र, ष्टः भगाषात किया नदेश्य दशा

क्षांत्रक्ष कान्त (स्वाप्त फेनारीन इदेरल १ निका टाइ ८, ७४ धन १ ७५% निराहक ब्रमा करिएन दृष्टिष्ठ धन नाहर ভিনি অন্তক্ষণ অলপ্য ওবেনের ভংগালগাল 🔞 🤊 👚 চরনায়িকে আক্ষণ করিছে উত্থা एके कुला-शीला अन्यक कुलाल वासाव व्याप्त कथ्न छ 🔩 निर्देश - छार्। नृशः - कथ्न छ । दा कामिन भौग्रीहरू ४० मह ३० ८० ५ १७ ५ १७ ५ १ আমর আবিঃ এবং স্থার প্রান্থ স্থান ध्यक्षांन कटतः ।

ভীঃজনপের । ভগদ ভরতপ্র শ্রীপর দেবের ব্যাপাত গটিলে ? গতের হউক আমাকর্তৃক कार्याहर--- मनुकूनरक निकासरका व्यक्तिए । इंशान मामान्त व्हरन का कार्निका 🕮 भा কর।। অনেকে ওর্গজার এই কার্যো। মান্তাপুণ বাহবার স্কল্প করিল,ম। আধাম নিজলারে তাঁলার **েপ্রমবিবর্ত প্রছে** डाडी (स्थादरभाउ मन्छक्त कारना। या । भा करणाव अधकामण

तक खानना कतिराध्यक्त ७(६) रम लनाव प्रदेशाल दक्षिमान् अपनाधात्र मुक्तिक कर्तका ।

**ेरे**) ७ म डाज़ राज्य हा स्थान बणात कील हम्मायममान शानु १८६० भवानातः । গুণের চরিত্রতি দ আমাদিগকে প্রেনগকের ছাত হইতে রখা করিতেছে

প্রাচীন ন্দ্রীপ শ্রীণাম্মারাপুর মুল্ভ বলাভ্তার সভিত বলিলেন, উত্তর তাঃর আধেশপাদনে জরী।

মতোহা বের অবারতি ৮ পরেই উচিতান জনিতেও প্রস্তুত আছেন ও দেখুন, আমরা ষ্টা বলাও, ভাই বলি নাহি কিছু বাবে। তিন্তবর এথ দেশালিয়ে বিশ করিয়া শ্রেটাক বদি মনে করি তীল্ডাইদবের নিক্ট মঞ্জ 🦸 भग वि उन्नवादम भौदेवच विदायक्षे जागात्व । अवत कविदानके व्यामादमन क्रांता क्षेत्रन दिनाने, বাহিন । কইবাতেল। পরিপ্রায়কালাবা ্ ওরগুতে বাস, সাধুন্ত্র ইত্যাদির প্রারোদ शिविधिय गो देशमध्ितित्वक फानाडी प्रभावता साठे, ভাচা চটাল আমানিবেল মহার্ডি মেনিনীপুর বেষার মালপাড়া পনেক অন্ধবিত্র ভোগ া লে পাত নতাশ করেন ১৯০০ লা তৈনা হাইবে। এমন কি, শুদ্ধবৈ মবের আঞ্ িপ্টাছ 'নোটনদ্ধা'স্থত্য ৰাজ্যতাৰ লয়তা প্ৰাচ্চ কৰিছে পিয়াও বৃ**ষ্ণিছ** এছন। প্রনিম গাড়াছতৰ লবং জাহলগৌ হছতে ছইবে। চেই **দত্ত আ্যাদিলের** অনুনার লাভ্রান্ত বাধা প্রাপ্তিকে : বিশেষ মার্থানলে অবলম্বন করা উচিত। আলের হর্তালেন। আচাবলাটো নিজ্ঞা বুলি জ গুলি আলতে লা করি, পজিয়া ভালিছা श्रीरामंदिशार्ति ६४ । पर ६७ मादास १५ अ. १ कि. १ वृद्धिः वृद्धिः । अ. विष 🗗 🗗 🗗 র্ব শর্মন্তর ভি.ছাল ত্রু জা,ছেজেন বিশেষ 41/6/2010/05/19

# আবে না কেন গ

दक्षकामा क्रिकेट नाइकत 6214 भारत - एक्याजी सम्भन्दर न पुरुष । ज्*र* रिम्म ६६८६ ५ - हो। आहे-५५,७ अवर भाग ५ के केटल 🚊 यह क्या अस्त र 🕬 😘 😘 在侧部 CT 了那一个智。 "思"体"作的作品 网络种 रशाद उक्तान यस यह शहरून दहसा उत्तर के बार बार करा करा के स्टार का प्राप्त है। ক্লা এই একটা কৈ ভাষোপ্ত মুধ্যে 🖟 फि.ठ:विष्ट ६१ स. १ ६४(१४ म) वर्ष (कस १ नाइरा अधिकारक, भ्रोन्स्ति एक क्या | ন ১৯৮৬, আর 'কুফা' ৫০ শকটা উচ্চারণ करिए शांधन नाष्ट्र डिक्सांत्रक महस्त का देश राष्ट्र आभागे हिल्ला देश। देवरात भारतः, किन्द्र (क १६) कथा क कुलि नाह, (य एक स्थानभाषार सम्बद्धाननाडाः । अक्रम उतिकृत्यः । इतिहास नारम्यः । त्यानः । পরিক্রমার নিমন্ত্র-পত্র পুরেই পাইয়া-किलाब (क्षेत्र भरभारतित्र - भिकारक मान्द्र) उन्न महि। ष्यञ्जन काम निवस मा कनिया क्षीनात्मत गानी इहेथाम ध्वा भन्न मियम शकतंत्र दाःकाटा जीनात्म त्योवियाम ।

প্রদিব্য আতে সময় গুৰিবা প্রিমণ ভবি-বিবেক ভারতী মহারাচের <u> शन्द्राहत्र डिलनीफ इंडरा महनद्र कथाही</u> ব্রিভ করিলাম। তিনি তাহার অভাব-

িটে তত্মেটের স্থাপরিতা আফ বিখের স্থান কথা। আপনি কি আমাদের ছারাচিত্রে জীটে এক্সদেৰের আচরিত ও প্রচারিত । নঙ্গোর না তুলিয়া নৌৰা গাহিবার চিত্রটা देठ र अवस्थात ज्यानीत क विषय और विवय मान- । (भर्यन माहे १ च्याचि विश्वास प्राचित्र चित्रासि : ইবে এক মহাতি ধ্যমন্ত্ৰের অনুকাশ নিয়ান কিন্ধ কৈ আমার এলের মীমাংষা ভ জেল। ওলমুগত এই নৌভাগারাম টেই করিছে পারিলাম না। মহারাজ বলিলেন, ক্লফ, শুক্ষর, ভাড়, মেরণার, একাল। । তৈত লবালী ছারে খারে বিভারত বারিয়া আন্দানি যথম তথ্যী আনিবার স্কল্প এতার্য কর বীকার করিয়া আনিয়াছেন, তথ্য শত দীনবৰীপতাম প্ৰবিজ্ঞাল নিলাটু <sup>†</sup> আশা করি, ছুট একটা অভিয়ে কথা ્લાન <sup>ત્રા</sup>રગ વ. સાથે વિષ્ણા કર્યા કર**ાય માટ**લ नत्रा कालण CH ह्या देवशा विकास आर्था बारान उक्तर्यक मुख्यान व्यक्तिम माहित

অব্যাদি ও ক্লাব্ৰকে ওরিয়া ८ तकार मार है। कतिहा तो काम । खरलद्र মহাবাজ বলিচাহ লাগিতেন্দ ক্রায়ন্ত্রাস্থ স্তিত তোম কালে সভা, কিন্তু নাম फेकर्रित क्षाप्त छ । अर्थित आ**रक्सन्स** खक्क नाम कथन **७** फिलाजिट कम मा ।

के निष्यं ते अक्षात्रेश के के अक्षेक्षण পরমান্তার দেবরে নিযুক্ত থকো; কিন্তু যথন আমাদেশ জালাড়া অবিভা অর্থাৎ सामारमार्थकाता अधिकृष दशका (मह 🖜 महन्त्र (बहुरत) श्रीतुष्ठ (श्रिष्ठ ४ ग. ५ वन कुकानाक সামাদিদের দিহরায় উচ্চোলি হন মা। त्तन वि योश উप्राप्त ध्य**. छाहा**-নামাজর মালে। দেছ ও মনের ধর্মা---প্রাক্তন অধ্বয়ত করা ; করেন ভদ্মাসে 🚬 প্রিচুপ दहेरक यहिया कान्याक कन्ना উলালের আভাব, অপ্র অস্থ্যুক্ত ভারে कतिरा क्रमानाम धावण ना कतिरण खिनाम विकास केति अवन मा। वह प्रश्ने Cगोत्र-পাষ্দ প্রিত স্থাদ্যন্দ আমাদিলেয় भारिकार्डन :--

उगक बधुका गाम मक्रमुक गर्भा। माञ ७७ व वाम ७१ मा ६४ म्यापा ४ ८४४. वर्ग, जना,८५१७, भाषा अ शक्राक्रात्य । रात्रिक **घटमा च्या । शर ए गरा स्टा ॥** আত বে সকলের অত্যোপক ভারিব। খনত শ্বং ল্ডা নাম মতি ভেলি 🛊 माम र भारतम् इतम एक्सिन्सिक्कि । ष्यापात्र पृत्य याद । इहेर दक शिक्त ॥ भागवी । शुभ करता नप्र क्षमानाम । १ ভোষ ''।। গৈ' লাগ সহ করিলে বিল্লাছ।

# ভাজানশোন**াক্** বিশ্বাস্থ ভাজি গ্রন্থাবলী

# अविर्ध

**अटेक्टबर्ग -- वेगेप्रकितिस्मात ठाक्टबर जिल्हा**--हेंद्रांक क्रीरवंद लईड्राव्य, क्राय्यंद्र शक्ति अवस्त, निका छ रेनाके एक मान्य . क्षेत्र में कि कि सामग्रह्मा ता कर . कार . क्षा कि र होत्रश्रका काक्ष अधाना स्थान, देनावन वर्गासमाचा, देनकव-बत्यम चक्रण, भरकाभागमाव मिन्छ भागका, माम्राज्य, देवशा-काफि स क्षाकारका दक्ष, केंगवाध्या, मरेबकतावी कक किंक छाबक्या. बीरवन बदा का छ मुख्न, देखानगुरुद्वत क्षिकात. क्षित्र अधिकाती-रिठात, क्षेत्र ४ अक्षािकारनत मार्थकंडा, लाक्ष्मण्य च देनकवनण्य, त्वरन क्ष्मणीता, कतन म এক ৰা আলাৰ প্ৰায়ীটে-ছেল, ইনিপ্ৰচপুতা ৰ গৌত-शिककास आरक्षम्, मुक्कदमस्मय मारक स्वतिस्तित कादनः अन्ता-बाब क्रमक एको क्रमब, महिन्दिहात, मील्या, देव में अ आशासना कि. मथकाकान, वगश्यक वामकाी, भारकोगरम, प्रमुख तमः जीनाध्यातम ध्यक्षाम मन्द्रका माध्यक्षाम स्थाप निशृष् वर्षावमी क क मन्त्रशाव कर्षात्रकत्रना या-निष्ठ क्टरा ७ । कह जनभाद्ध शहर द्वत छ। स न्यून परित भारमार्भिक बारकान क्षिप्रकृतिके कक्षा व व, मश्यम शाकित व । প্রমায় প্রতিষ্ঠক এং এপ সত্ত ক অন্যান্ত্রী এর এপেশ্যত ## काल के क्ष नाव : किल्बन (श्राचार्या - नाक्ष - भरणात किल्बन -करण कह अष्टामुक केलिक हरभारकार आधार करिन्द्रक क्ती. क्षामात है आनि बान दिलय ममुक करा १८४ (७) विनाम, अष्ट, दगरनात कारण काम दलका घरका वीवान---

# প্রাক্তেন্সম ক্রায়ত

# ं इक्षं मरक्ष्म मयता बीबादें - २, ११ हाकः कार्वाबा-- २५० ८९१८९ ११ हाकः

শুকিপুৰ্ব শাস্তবাকা থাতা আছে।ক মানবের নিজা কল্প আন্তঃ সাম বহু কল্পতা নিজাতিত ইউবাকে। আথের আজে উক্তি-সন্তিন শাস্তবাক্য থানা সম্বিক ক আমাণ্ড কংগ্রাকে। সেতের, মনের র আত্মার কল্প কি চু আন্তর্গ, স্থাক, নীয়েছ, বন্ধ কি চু হাজালি বিব্ নাল্পাবে আক্স ক্ষেত্রতারে ব্যক্তসকলারে আলোন্ত কল্পতে বে, আত্ম কংগ্রে আব্দ কর্মান্ত কর্মান্ত নাল্পাবিদ কর্মান্ত নাল্পাবিদ কর্মান্ত কর্মান্ত



### विक्षीय मध्यदम १०/० व्यामा

स्वाप काषाणी वाक दीमा प्रमाण (गापाणी शक्रक हेमामाकारण द्व अक्षण कथा वालागा कर जाड ब्राह्मणात्वक व्यक्ति कथा किया कार्ड अन्यक्तार ब्राह्मणात्वक व्यक्ति कथा किया कार्ड अन्यक्तार ब्राह्मणात्वक व्यक्ति कथा किया क्रिक्स क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क

# ৪৪৫ পৌরাক্যের

**শ**চিত্ৰ

# শ্রীনবদ্বীপ পঞ্জিকা

পারনা এক নাজিমাত্রেরই একান্ত প্রয়োজনীয় বিষ্ণুপ্রত ও উপবাস।দির ভালেকা সম্বলিত নাংলার মধ্যে মধ্যে নিরালিত হউক

ভিক্ষা ৯০ তানা মাত্র ১০ ডাক টকিট পাঠাইলে ডাকে পাঠান হয়

बहाक वि

শ্রীল সোচনদ:স টাকুরক্কুন্ত শ্রীচৈত্র্যামগুল

ওঁ বিকুপাদ জীজীমছাজিনিছাত সামে:
গোখামা প্রভূপাদ সক্ষাদিত ভূমিকা; লোকে:
অবর, বলাচনাদ, প্রাত্ত প্রভাৱে ও বড়ের কথা
সাল, শক্ষ্টা, ছানসূতী, পা, হুটা, প্রমাণগ্রন্থ
ভালিকা, প্রস্টা প্রান্ত বিশ্বত স্টা সক্ষিত নেওে অকরে ভবল কাউন, আউপেলা আকাতে
টিট গড়ের কাগালে চাপা। ভিক্ষা—২॥০ টাকা

# শ্রীহরিনা ঘটি স্তামণি

নামানিধা আনি ভবিদাসে কুবের মুখে ইফিন্টালভ্
ইফিন্ম থাকা, নামাভাগ, নামাল্যাল প্রভাগ বিদ্যাস বাবনীন বিচার প্রবাদ করিয়াছিলেন, এর বিষণগুলি আনি গুলি প্রাথে সংক্রিয়াছিলেন, এর বিষণগুলি আনি গুলি প্রবিধানসাক্র-রচিত। এন সংস্করণ ভিক্ষা না বার স্থান মূজ

# বৈষ্ণবমঞ্বা সমাক্রতি

( अश्यद्ध-देशदक (यशक्ष)

বিষ্ণঃ—১। ভবিলালে বান্ধ্য লপান্থীৰ ক্ষণ হ।
নামিলাৰাকে বিষ্ণান্ধ্য দিনি হ, ০ কিছাব্যাল কেলা লে
ইনিদিৰ ও ই বিভাগের বিৰ্ণা ৮। বৈদ্যান্ত্য ভ প্রেছসভ্যের ভারত্যা ও বিৰ্ণা । বিহালিলেয়ে লালা ক ভ
শারীল কাক্ত্যা হাব লায় লগা নার্যা ভাবা লা নার্যা নাক্ত্যা ভাবা লায় লগা নার্যা ভাবা লা নার্যা নাক্ত্যা ভ্রাব লায় লগা লাভ্রাব লা নার্যা ভ্রাব লা

# **শ্রি**ভারিদদভ

১ম খণ্ড ১, এক টাকা : য় খণ্ড ১, টাক — আমন্তাগনতের ও গৌড়ায়ের প্রাহকণণ ॥০ টাকার সুইখণ্ড শাইনেন। নৈদৰ লাল এই বল ল লালালীলানেল বিশ প্রায় চকাচ মট্লিকেল কাকে প্রায়োগনিক কৰে। আন্তম্ভ ভবল ক্রান্তন চন্দ্র হন

> আনক চোমা সকলেত সদ্ভোৱস্থাতিঃ ভিকা৴• শ্যানাল

# নিজ্ঞাপন

দাবধান!

সাব্ধান ॥

জে, বি. দরের চৌকা শিশি আদ্যা**ন ভৈজ্য** আদি ও অক্তিন এবং উপক্যান্তায় স্বৰ্জ্ন প্রিচিত ও বত প্রশংসিত।

আমরা সন্বস্থারণকে জানাইতেছি, বাদাম কৈল খারদ করিবর সন্য শিশের গায়ে ইংরাজী গ্রহর জে, বি, দও এও ক্যেস্পানী নাম খোদা দেখিয়া খারদ করিবন। নতুবা জ্যাতোরগণ ক্ষদরের ক্রিন তৈল দিয়া প্রতির্বা করিবে।

# কেরাস কুইনিন্

্নুঙ্গ এবং পুরাভন মালেরিরার য়য় 🦚

ইং। েক উপ্তৰ মাত্ৰাল গ্ৰহণ, বাইণাহাড্ৰালোভ কুইনিন কালেনিক এলে হউলিকেন আছে।

এত ফোরাস কুত্নি খানে বজেক্দন কবিলে আক্ষ্ বা চুট্টা চলেক্লন ত সকল প্রকার কঠিন মা লেন্ডিয় আৰু ক্ষ করে দেবত ৯ কটড়ে ১২টা বজেক্সনে মালেক্ষার সম্ভ উল্লেখন ক্ষা কেনে।

৬ এলেলপুল প্রতি কারা—মুগা ২, টাকা, **ইণ্ড্টাকা** বারও কোনকালে এও ক্লিনিকালে লাবেরেটারীকে ২৯০ নং ওজুলমিল লোন, ক্লিকালা।

গোড়ার বৈষ্ণ জগতে জভিনৰ এছ !! শ্রীৰ তাতুর ভাক্ষাবনোধের বীতি-গ্রন্থাবলা:--

গকেট সাইছ অন্তম সংস্করণ ভিচ্চা /• আন।

্ষ্টে প্নানের চেপ্তা আন্সভাবন্ধ স্টারা—ট্রা যথম ক্রীয় ব্রিটেড পারে, ধনন একমার নিজাবন্ধ ক্রীছেলবানের ক্রেছি স্থানার ক্রেছি করে করার আন্তেপমনী প্রাথনা হয় ব্রুপ্তা প্রায়ান করে ক্রেছিল করার ক্রেছিল করার ক্রেছিল ক্রিছিল ক্রেছিল ক্রিছিল ক্র

তিকা ক্ৰান্ত খণ্ড > এক স্থানা

《如如西门部印[图4]— Je, Ad的时间每年— Je

কল্যাণক**শ্পতক** 

পতের সাইছ পঞ্চর মংগুরুণ ভিক্ষা / ১০

কামর। আনার নহন ক্ষমর ও কামনার বনবার। চর্চা পুনাপুনা কে কক্ষাবার করার বাজর সকর কার এবং প্রের নিকট করার কামন্ত্র চাং, ক্ষেত্র বিজ্ঞান ক্ষার করার নার্যাত্র তথ্য এবং ক্ষোত্র বন্ধ আমারের বিজ্ঞা ক্ষারাল্যক করা বাবল পারে বল্পিত। এট ক্ষার্যাল্যকে সম্প্রকৃত্র অর্থা সক্ষম করা বাবল পারে বল্পিত। এট ক্ষাত্রিক্স বাহারক্তর ক্রায়েশ্ব ক্ষমর হুন আন্তেক্তকে নিক্তিভাগ্র কার্যকে ব্যাস্থ্

বিস্তৃত ক্যাটালগের জন্ম নিমালখিত ঠিকানার পত্র জিখুন—
ম্যানেজার—গ্রন্থবিভাগ, শ্রীটেতন্যমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর ( নদার.)

# বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভিজ্যতসমূহ

প্রীতিভাগ মস

আকর মইয়াল

क्र हीन नवदीन, छ।क्षव सिनाम श्रापालन, ननीवा

শ্ৰীমনাৰোগপীয় হঠকে প্ৰায় ৩০ । গম্ভ উত্তৰ-পূৰ্বে শ্ৰীব্ৰজপত্বলে আচাৰাবন্ধ শ্ৰীচন্দ্ৰ-त्मबद-कन्दन की किरोहक मठ निदाक्यान ।

এই স্থান স্যানখাং - বিখ, গল্পানখা শীম বা সংহত জলতায়ণী ৷ এই মহা শীংৰ 🕮 হবি-লামান্ত বাকেবণ্ডি-বেলালসমূল, পর্বিভার অন্তর্গত কাবা, নাটক, আলভাব, তথা প্রমাণ-উপানিষদ-শ্ল ১:-সূত্র-৫ । ব চকুহতের অধারন ও অ া.পনা এবং ভগার প্রীপ্তক-ব্যাবাল-গান্ধ ব্যক্তিবন্ধৰ ও সাজত প্ৰস্থায়ক-এন গা-চতু সু উচ্চোছেৰ উপাঞ্চ বিবাহের গৃতিক নিজা সেবিক হুদ্দেশ্যন । এই মুহ্বালে প্রক্ষাপুক দৈনিক প্র সাস্থিত স্ভাষ্টের অপেকাশেস ও কুলাচীন প্রাপ্তালি প্রচারকল্লে কিনীগা-রাক্শা হছালহ আছেটিট চল্মানেল আভিবংসর বিধান-গতিক্রান্তর্গন ও অস্থান ভক্তাগাটিত জীৰ্ত্তন প্ৰচাৰ্ত্তৰ মহামাণোহণৰ দি জকাল অগুঞ্জিত হলত পাকে। বক্ষক এক্সচ লী ব্রহ্মচারী ব্যাবরণ্টোর, উলোদ নীতের ব্রহ্মচার, গান্ত। मानगानम अक्रारं 🗃 १५० मनीस्थालान वरन्यालायात्रः, 🕮 स्टब्स्यम हान उपः: शास्त्र मुख्यसभाग ।

# (৩) যোগদীঠ শ্রীমন্দির

बाहे जान विकासामागाल अवन ना শীমন্ত্ৰা অভ্যুত্ত আলিভাৰ ভূমি মহায়ে গ্ৰ कीं। ध्यात डिल्मी एस उ डिल् विशासक डीट्डोडमानावन अन्य डीटेन्डमा 🖷 श्चितामाकृत्कत निका ,राना कवः श्रीलक-**करबंद द**शको बढेमांस । केन्स्य---(वार्क-, भाषावद (भाषामी कड़े(b)ग) आह स्वत्राप्तः माया मन्नारी अभिनामानम अक्रमानी, विवासपात्र अञ्चलको । जीश्रात्र भाग व्याप-कारी, स्वन्या श्रीकाववयम् ।

### (৪) এবাস-ভার্ম

द्यीभवाश अल्ब की रिन-निवास ना **अ**दलोकाम मागक्ष्मो । जनारन देवे व्योद्धान निक्यानम् ए प्रकृष्टियत् (भवा वस्मानः क्षण क----- में बाधायामा अक्षाती, की अमुख चक्क, क्षेत्राक्रममाम नावाकी।

(१) कट्डिड-छ्रब कडे हारन टी भरेबड शहर करन धारर

क्ष्या वढ्यान।

(७) क छोड़ जबाबि भ है

व्यक्तीन माधानुम, नरमननुक्रम (समीहा) । विभोत्रकृषामाक अविभागाकी व वस्ति। अक्क-अक्षारी अधितानांत्रवादी।

#### ( १) प्रांत्रण पुषर कृष

**शिशाकान, प्रजाशका** ( नमीका ) কামন উপিছুপাস জীল ভাজিপিনালয়াকুৱের मुमानि एक व्यारमाध्यामध्या भन्द विश्वीकाया-श्रामायक तमका नक्षमान

वक् १--- क कि कुछम छाराम अधि।दे। क्रमाधियो तम, धन, धर ।

### । ৮ । ख्रीजशहाय दर्भे ओह मठ ARM foto 1

दक्त क--- मास्त्रद्र के कमा हो जम, जा, বি. এব. সংকাশী--- শ্রীদ্রাদ্ধ ভার- । বক্ষ দ - শ্রীণ্র রক্ষারারী। मार्थी, मिन्द्रकाम व्यवकारी अञ्चाह

( ៦ ) औरभात्र-भ्रमाभन्न मठ केंग्लार के. मधुक्ताक, ( नह्यान )

Sim affert und miele. Me gibnintur-্দ্রা। সংগ্রু — 🚉 চলিবজ্ঞান আলেম। বিগ্রিবারীর নিজালে । ব্যম্পন রঞ্জ

: ১০ / শ্রীরপ-গাড়ায়-নঠ

#1:15(8), MISS # 3, TM रक्षक ---- में। रहात अक्षात्री, में रुगामध्य রক্ত বিভ

#### ( ১: ) और मामक्रम्य हात्र —

राष्ट्रेनाहि, काम्रान, क्याना 🚉 ्रामात्रकात है जुद्द तुन्धात्रास्त्र साम । হক্ষক— শ্রীক্ষ বহারী রস্ত্রবানী। 15: STATE WITH

च्या बारात क इत्थान, अक्कर शत, अमीता । कः वन कि काश्व शक्षावकी व्यव्यक्त कुक क- श्रीभश्यात अक्षाता है।

( ১৩ ) श्रीक्रायन मठे (हे ज्ञानका, त्याकाको, क्रम्बनगर, समीता क्रक-- अपड्यानम अक्रा ो।

( ১৬ / ध्रिमाध्य दगोड़ीत गर्ठ ť०० • वावणुत्र व्हास्तु, छा का ! भुक्षरामद्र प्राप्तान एकक, ध्रवारन खी छन-(त्रो नक भाक्षका-शिविधास्त (१४) वक्काल । २०१- विकासारमण वस्ताती ।

> ১৫ ) औरशामिका मेर्ड क्ष्मणान्त्रेत्रं शक्ता

त्मानामधीर आधिअव र जाठीन क्षा भ्रम्भ-- श्रें शान्द्रशोत सम्बद्धा ।

# ( > ) खारगोष्ट्रीस मठ

১७ मर कालिलागांव ठक्रवची हैकि. त्यां: वांत्रवाकांत्र, क्लिकांका । त्वविद्यान वि. वि. ७३३६

শীম্বাতা গড়ব প্রচারিত প্রনিক্ষণ কভিনক্ত-বাচারোকেশে গৌভবেশের স্থা প্রধান মগানী কলিকাপার জীপন্ধিনাননোধ আসানে শ্রীমত প্রতিষ্ঠিত আছেন। এই ভয়ত शक्या হোমে 🖺 জুকু-বুলারাজ দীবের নার। লক্ষ্ম জাউ দপার্যার নিজা দেশিক জন । পৌতীয় অচচান-বর্গের যাণভার প্রাপ্তানকীর ওপাচারোজেলে শীমতে দংগর একটা ভরুবৎ মুস্তা-যন্ত্ৰাপৰ সংস্কৃতিত ক্ষত্ৰাক্তেল। পুলিবীর সকলে 🕮গোৰনাম প্রচারা**ব এট মহালয়** চট ক 'লোটার' স্থাত্ত পত্রাল ক্রম্মিষ্ট মানিক পত্রিকা ইংরাজী **ভাষা**ই নিং মান ভাবে তাকাশ্রেত চলুক্তেনে। প্রীমতে পাত, নতাকিন, ন প্রাপ্তান-চজ্জন্ধ-বেলাক, শ্রীনট্রাগ্র ম, জাটিচ এজ-চবিজামু গালি-লালা ও পরার্থের সমাক আলোচনা কটছ প্রক্র মঠকেক—আন্মাধ্যক প্রশাস কুঞ্জিনগরী বৈভাত্ত্বৰ । সংক্রি—প্রিত শ্ৰীপাৰ অন্তৰ্গতালৰ প্ৰবিভাঞ্চৰ বিশ্ৰ, লীগাৰ <del>ওলা</del>শ্ৰন্থ প্ৰচি<del>জাবিনাই বিশ্</del>ৰু শ্রুপার নরভরিনীঃ সভকাশী — শ্রীবার বিলোদ নি নী প্রস্তানী, পাশুক শ্রুপার পার্লণস । লাগের বহালী প্রশ্নালী এক বিলোদ ক্ষাত্রাল স্থাসাসিকালী বিল**ন জীপার** क्यर प्राप्त कामाविकारी, अवाकारी ब्रीक्शिवसम्बन, अवामानी ब्रीप्रकारवाक्त, अवानी મુંતલાતના પ્રજ્ઞિનાશી, લગ્રાહરી શ્રીલાય જોડનાત, મહિલ શ્રીમાં એવીન ફ્રમ્પ পর্শস্থার কাকশারী প্রস্কার

# ८७ : श्रीभाषे-त्योशक मठ

कविनाक लगारानी मना, नालिकाती, छाका । र्ख्यानाः-८नोवास्मव निन्। प्राचा ।

### া)৭: শ্রীভাগবছজনানন্দ মঠ

रहकालाः। नाक्षणनमृत, (अभिनीभूष) द्यार्वः 👸 धुक्रन्ताराष्ट्रन्थाञ्चाकास्य ्तक कार्यो स्त्री कशकासम्बद्धानको । कशकासी अजनक

१८. कामगारगाचा अराजा अन

शाक्त म (१)१ विकास লী গুরুলোরাল উল্লেখ্য গোর্নারীর 'नेशार्थाता अक्क-- बक्रवामी श्रीक'द-1464141

#### (১১) ब्रीश्रकस्याद्यम् मठ

लाकार, भूरी, क्रीक्का। क्षभारत है। को ब-रिन्याम्मानवाहीर जिल्हा-্সব্যবহুমান ৷ রজক -- ব্রহ্মতারী জীপরমান नम विनादम् उन्हात है निम्मिन

#### (२ -) खेबक-८गो हो स सर्व

भागतन्त्रवायः अक्षांभाव स्थाः, भूदी । व्यवद्रायाचारत वार्यात मार्य होयाचा कत्यान । अभक--- अक्रांती केलस्ट्रायही व्यामकी। सक्काता--उम्राही औरविमनिकाकी।

#### (८) अनिकितानम मह

Biwatelwie, 464! बनाटम क्षेत्रिक्क-दन्धिताक-बिट्नाम्ब्रमण-कीव किछारमधा वक्षमाम । ब्रक्ष---अवकारी जीवनायम ।

# (२२: अंत्रमाजमाना वर्षे

ent W1[編]1대영화는 #1報 1 (4) - MHIRMS ANT SH- [MW184] ant, a 。offethat [四面耳,可当 | 音響等---नी बालकोनामको ।

ः ७, 🗄 इन्ह्यदेहज्ज सर्वे

लीनुभरकाम कुछ, लीगम वृष्णायम । El Bein-Bu-ja semis (941) तक्षक--- स्थान किलाब बक्रा है।

(२६) अभितंसब्दम विके

देवादयाक्ष्याः माञ्चालूक এখানে ইন্দাগনত পাঠশালা 👁 चैंद्रिकार निर्माण निवासकान द्वारा **बळाडान** । ०भ क --- अस्तारो शेलु'गरका नम स सम्राही A Section 1

:२*०। औदेन च्या*टगोकी व अर्ड

Bunger, frage. Alema : #m मान बाब, हैं। इंग्लिन शानमा अवडाती । श्रीवान लीन अ भाषाव !

(३७) औरगामध्योजीय मह

Priema, Milana, onin i moren क्षीरभौगानस्य य-वास्मक दम्या वर्षमासः। राम --- अभाग ती देशभावतको ।

(29) 西南北村(南) 四州南北南北

अभिन्याका. (४'३ नाष्ट्र, सायका ध्यमादन व र कुक्याते लीदभावादकत दक्तक नस्यान । वक्त--अवनामी श्रीकानक्क-भागः क्षीलुकाच्यम अभागती।

(२৮) भिक्षा ८गा की अ मठ -- का बढ़ा कर be con cuinte, fas famit

प्रशास-- अधानाती स्त्रीपानिकाशासकः बक्कारी जीडामस्वयनकतन्त्रम् । है-

(३৯) द्वाशाणगाका जनशासाय वक्क-अक्षात्री सीवागारवास्त

# চৈতভামঠের শুদ্ধশুক্তি গ্রন্থমাল।

· -	জাক্ষরে প্রকাশিত		3	মীন প্রাত্মপাদের বক্তা	वनी	
7 1	क्षेत्रकात्रवस्य,गमञ्ज		ί	<ul> <li>ক) কাপ্য শশু</li> </ul>		`
	ले ( जग-न्या क्या ) २	) in o	(	थ ) विकीत यख		
3	के (भणम घडा)	38.	(	भ ) छूड च छ এক छ्य	*28 •	
.∕. 	ซานุจระหะ 🛍 🕮 ใช ซะตะโรง	<b>अ</b> थिक	<b>5%</b> ;	নব্ধীশ শাস্ত্রকা		
,	( em नरकवन ).	6		( ८८८ (भावाय )	<b>√</b> •	
<b>.</b>	<b>উটিচ ক্ল</b> ড গণসভ	•	91	সিদ্ধা জনপূৰ	<b>√</b> •	,
<b>,</b> ,   •	(বিরাট বিভীঃ সংকরণ)	٤,	-DF	ৰীপ-াদগ <i>দশ্</i> ৰ	90	,
78 1	क्षेक्रा ( ट्रीयमध्यय-शिका=मण)			%************************************	,	
	সূত্র ( শ্রিচক্রবৃত্তি টাকা-স্বর্চ)	,		(নৰবাপ পার্ক্তমা)		
<u> </u>	देश वधार्ष	•	8• !	4	150	i
	वृक्तिम्। स्वकः स्वत्रमी वकः मास्र	•	851			
	(মাপা)	₹.		্ৰব্যাণিশ্ভক নিব্যাণিশ্ভক	1, <b>7 2</b> 1	
	(मार्कोस- <b>मक्ष</b> णार	i,	801			
	শ্রীটেড জ শিক্ষামূত (বাধা )	-	881	•	<i>J</i> 1	
.>1		360	•	., .	<i>)</i> :	
201	চিত্তে নৰখীপ	* H *	87		٠ - ١	
22.1	THE BANK THE T			न त्याणा क	, • .	
	শ্ৰীনবৰীপ শতক্ষ (বীধা)		•	भी छ। नजी	, · • · ·	
i	क्षेभग्रहाक्ष्यकृत (चन ( रीप) )	•		গোড়ীখন্ত কি করেল 🔊	. •	
í,	न्त्रे (व्यावीकः)	4.	1 28	श '१था नः नी	/• '	
	देशकवमध्या-मधानाः ह			#4 d 2/30 ◆	10.	
is i	, আংগীম চাহিশ 🤋 )	۶.	*	कि'का प्राप्त । वि		
)B 1	<b>व्यक्ति</b> कामां क्यामां क	4-	621	<b>构版的事件</b>		1
26.1	ત્રવર્ષે} ભાગમ-કાસ્માળ	4.	(VT-	নাগরাক্তরে প্রকা	শ্বি শ্	
33 <b>01</b>	८न्। व क्रिका । व स		¢ , 1	ै। %। %-मन्त्र ॥ [- भ विक्रम्	# •	
: רפּוּ	(व्यक्षाववच । इन्हीर मन्द्रद्र हे	pd o	151	গতীক শৈক্ষ দশসূপ্য		
<b>**</b> 1	## · 4 * 5	3.	48 1	भ <b>य-१८</b> भ्	j• .	
	क्रिकाद (क्रवण भाष्य-भाषा	Ħ•		गः। १९०५ । संस्थ	۰ •	
77	(भाषाभी क्युनाथ साम ( वे। मा	, H•	871	সাওবাল 'শ্যালক্ষ্	***	
	मानकक्षभागा ( वीषा )	4 •	4 4	গোড়ীয় মঠক প্রিচয়:	1.	
1	ম্বিকৰি-ৰন্নতিকা গাহু যাদ	N •	<u> غور:</u>	রলা ভাষার প্র-দা	Sec. 125	
790	द्वमाञ्च क्षण्यात नाष्ट्र गा		ab i	भाष कथन	1.	
	(- प्रामाक्षणीयः)	1.	121	गरिक्साव ! धारमण्डम् भ		
	<b>运动</b> 对(*) 本 5 !	1.		क्रीदेठ र ज भग श्राप्त	10 1	
२६ ।		٠ 🛩	901	८वसः तो सभ	; 	
		19/0	951	मि काश्चारक	1•	
- 1		٠٠.	<b>42</b> [	≉রে:টক্রপ্ <del>লি</del> শ্ব গ্রাভ		
· 100	मनिमक्षती माञ्चरीम	1		चारमध्यक किरभामन		
. <b>19</b> % }	ध्यम् कावनी वा माद्रावानणकतृत		401	कामाई जा कोवनक क <b>व</b> ्छ	st /•	
. 4	केटनानमिषर ( रन्धन क भाग					1
<b>*</b>	मणु क्ष्यर विदृष्टि ७ मञ्जूषास गर	<b>)</b> 1		ড়িলা অঞ্চৱে প্ৰক শুহৰিনাম চিম্বানৰি		
<b>.</b>	<b>द्यानवर्ग गञ्जाब ७५०</b>				<b>#</b> •	
41	<b>बि</b> रत्राक्ष्याचनर्नाक्ष्याः वर्णः			神術計画 李獻原報	<b>y</b> •	
1	<b>बी</b> कृत्तवत्र	ŧ.		সাধ্য প্ <b>থ</b> ক্রমন্ত্র	. •	
<b>48</b> 1	ंखे व्यमानश्रक	v		শ্বী শু (বজী)		
<b></b> 1	अवद्योलश्य-माण्या	•	nstr 1	ৰন্ত <b>াগডি</b>	• •	
en	<b>बिद्धानः</b> -	, 6	भाः 🗐	माञ्जालूत्र, स्वाद्याः		

স্বৰ্দ্ধৰোগ। স্বৰ সুযোগা। স্বৰ সুযোগা।। গ্ৰন্থকায়ে খণ্ডে খণ্ডে প্ৰকাশিত

# শ্রীল প্রভূপাদের বক্ত ভাবলী

ওঁ বিষ্ণুপাদ প্রীন্ত্রীমন্ত্রজিনিছান্তসর্থতী গোখামী মহারাজের
সেই অনিদ্যা-বিধ্বংসিনী চানিপ্রেল্ডলপেংহাদিনী কৃষ্ণ-কাষ্ট্রান্তলদান্তিনী জীনন্ত-বাণীর মুক্তবিপ্রং—বৈক্তবিদ্যান্ত-রত্নালার কৌস্তুত্রনি
—সেনাকুত্রন্তহেত্ব কৃষ্ণ কর্তানিজ্নণ কদ্পকুত্রন্তল-সম্প্রদায় নৈত্ববিজ্ঞানাগারের নৌলিক তথা—পঞ্চরাত্র ও ভাগনতের সমন্ত্রক্তরু—
মহাজন-দীবন চরি হ-বিক্লক—তি জিলাস-চিন্নাত্রাচিন্নাত্র-বিচারক—ত্রিন্না ও
মাধুবারসের মৌলিক গবেষণাগার—সত্তর্ম, অভিষেত্র ও প্রায়োজন তত্ত্বর
সিদ্ধান্ত-যুদ্ধ।

১। প্রাথমিক — নৈক্রনদর্শন, জীগুলভর, কালগর্ম, জীম্বানিস্তান, জীবারভাননী, পাঞ্চবারিকী দীক্ষা ও বর্গ-বিচার, আকুংর্মা ও মানাধর্ম, জীবিভগদেব ও তাহার বিকা, অপ্রাক্ত সংক্রমা ও প্রাকৃত সহজ-ধর্মা, জীগান স্বৈরপুরী, জীল র্মিকানন্দ-প্রস্ক্র, পুরিধার্গ প্রভৃতি বিংশতি সংখ্যক রয়ে স্করণাভিত। ভিক্ষা মাত্র ৮০ বার আলা।

২। বিভিন্তি শগুল-শুদ্ধা ও বিদ্ধা ভলি,মতুগোর ভেছিত কোপায়, আছার নিতারতি, জীনর সানিপাদ ও মায়াবাদ, জীনেণার নিতাকেদ-প্রমাস, কিন্তুগোর ধাম ও ক্ষানী তান, জীনাগোর্গার জীনেলাগারতের দীউন, জীনেলারণানের মহিলা, মতাপ্রমাদ, জীলোবিন্দ, জনেপালুগভলন-প্র, জীনেলা তাব নিন্দী, জীলিতাহোর দায়া, গৌরকল্পা ও ক্ষান্থীতন-চ্পুনি অপুন্ত-মপুরিনাপেশ-বক্তভা-বিভূলিত। ভিন্দা ১, এক টাকা মাতা। প্রথম ও বিতীয়—তুই বন্ত একত্রে কাইলে ভিন্দা লাভ দেড় টকা, ভাক ধ্রুচ স্থায়।

জ্ঞানিকান : — ক্রন্থবিভাগ — নীটেডেখনঠ, পোচে শ্রীমারাপুর, দীরা।

আগামী ৩রা এপ্রিল (১৯৩১) তাল্লিখ হইতে

# ভীধান মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনকিটিউট" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

খোলা হহ:তহে

বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা বাহে সুন্দর বাস্থানের বন্দোবস্ত হ - হাত্রে। প্রত্যেক ছাত্রের খোরাকী বাবদ মাত্র ছল টান্দা মাসিক ব্যথ হইবে। স্থান অভীব দায়াকর। ছাওগণ অভিভাবকের প্রবহ স্থায় নিম্নলিখিত ঠিকানায় আনেদন করুন। সেত্রেভারিন, ভাকুর ভাকি-খিলোদ ইন্টিটিউট্ শ্রীচেইয়ার্য, গোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

# ৫০ বংসরের পরীক্ষিত কয়েকটা মঙ্গেযধ-कारकाडकां क्रीता खाल मूख क्रेग्रा व मधक व्यामध्या गळ वान क्रितांदक्त, खांबा

रम् कश्टिम वक्ष वक्ष भुक्षक रहेशा १८६० । आंगलिक नाववात्र कतिशा वस्त्र वहेत ।

- ১। চল্লপ্রভা বটীকা---ইকার নামটিও বেমন কালন সেই রক্ষা ইকা কুষ্ম ও পুরাজন মের, মৃত্রকৃত্ত, অর্প প্রাকৃতি এবং জীগোতবিগের কৃতিক। ব্যারাম, (चक व्यव करू शहर का कृष्टि देगाण जा क कन शह ।
- ২। অ্যুপ্তিসহায় বটিকা-মাদবজৰাবিদীন সভূতকঃ নিজাবিধায়ক ঔষণ। ৰে কোন বৈদিক ও মানসিক পীড়াবশতঃ আন্দারোগে এই ঔষণ ব্যবহাতে গাচ शिक्षां वर्षेट्यः
- ৩। মঞ্জ বটিকা-- টিগ দেবনে প্লীল ও ভদশুস্থিক তেবা ও শ্লীর পাপুত क्षेत्रा वास्त्रम केन्द्रापि िनृतिक क्षेत्रा बक्त गोन्यान स ग्रीह आश वस ।

केक किन आमारबंद आलान खेवरमंत्र मुना शनि एकारी २८ है।का

বাধিয়ান :- আতঞ্চনিগ্ৰহ উল্থালয় २५६न१ रक्ताचाव द्वीरं. विश्वाका ।

# " শ্রীনবদীপধামমাহাত্রী এমাণ ৭০ (৬ক) ১০

ব্রীটে ৯% মহাত্মভুর বিহার ও বালাভূমি নরজী হাপ-সমাধ্য । এই নর হাপের द्येशम- गर्गाचा---वाभाषदाव कि १ कशामि विवह विस्तिवकादि मानावत करण बालिका परनाई नाइक आहि : ७० पुरुष्

# नवदान जावज्वन रिगा।

উচ্চল ব্ৰোক্ত-ব্ৰ কালাজৈ উত্তম কাগতে চাপা--- প্ৰদৰ শৈগাম ধৰ্নে ভাবক হলনকারীর কি প্রকার ভাবের উজ্ঞাস হয়, ভাষা আন প্রত্নে বাণ্ড। আভ চমংকার।

সাধকক প্রমাণ--- ইত্রেকর বলন র প্রীকৃত্তের ন, প্রীকৃত্তের আছে স্বরু শভনার ও জীব নংখ্রম ঠাতুরের ওক্তনিংক্ত ভানিতা অগমত প্রার্থনা, প্রেমত জিল চাত্রকা আছতিক অব্যন্তি গাঁডাবলী সুগাকারে পরেট সাকলে মুদ্রি । বর সংকর্ম ভিক্ষা। ত চারি আন মার।

# কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



মধ্যস্বতে ক্লপ্ত বৰণত জাল্ল ৬ জাঃ শিশিষ্টে ঘনীস্কৃত জনকাত্র ১০টেবেশ্বলেও সম্পরিমাণ खेशम फारक भाक्षाम इब हेबाएक खेशरमद दकान भरित इस करा बब्र माहे। मूला व्यक्ति भिम् ॥• भागा, शहिते ।४० भागा, (गायम ১४० भागा ।

অফিস–১১নং উভাডাজা হোড, পোঃ শ্যামবাজাং, কলিকাতী

and the company of the parties of th ककृति, कृतिका अकृष्ठि सक्तन गण्ड निर्माद भारताना एवं । यम, योवा, रमवा दृष्टि करिएक afte Breite Jange ein b. 40 bini i

ধনপুং সকাতারি ঘত" नुस्थानकावि दय दम विकितियोग अन्या कारतामा ह क्षांत्रमा लक्षिमण्या करते। पुत्रा १ (छःमा ३, हे। छ। । "**রমণ**বিলোসিনী বটিকা" रीक्षात्रम कृतक श्राकाणनांक वृत्ति व तृत्ति कर्ततरक भ शास्त्रकेश । मून्या ५० वन्ने ३८ अस है।का १ hata नानाय**्यां, (कणवर्धी** ল ১৭৭ৰ, ছাহিনৰ ব্লে**ট, ছনি**ৰাই। ৷ <sup>(</sup>

# হাইড্যোগল

কোমরাদ্ধ রোগ

छाः दम, दम्, त्याम विमा भाकः, यादक्कीनागद भारान्ति विश्वा देवछाकिक क्षाः ११८७ (काममुद्ध (अभ व्यादवाना कर्दिश बाटकम ।

> Der intab er mber Dit, emainin,

#### শূলায়ত 21

लिख्युरलंड वार्श्व मालोवध । ১ माळाव छेललव, मखादक व्यार्शना । स्वार्थ be बाब बार्गा, वस bie बाला। मासल अवस्।

শুক্রাচার্য্য সঞ্জ বনী পোষ্টাই

बारमर् छ स्त्रक छ एक र अर्था अर्था अर्था । पूर्वा > किया >। अर्था । भूशक .

৩। সন্ত্রাসী-প্রদত্ত আর্শরোগের অব্যর্থ আংটা आ(८११) मा क्वेरण मुना रक्षकरा मुना ३:० मालाह - मालन पुन्कृत

কোন্ত-বান্ধব পাল

सकीन, ८ हिकीला, १ लहर नमात्र महरायत । स्थित ३० माना । भावमा भूपक् ।

বাতল'ন 21

दाभ्दत्राद्यक मन्द्राणकारी क मन्त्राद्य बाद्यामा। व्यक्ति लिनि हर व्यक्ति ह भावा भावा भावा

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তুতকারক। সম্বর কাটালগের লছ শন শিখুন क्षालकान-भरनारमाहन (लहरतिहेती

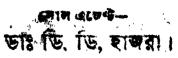
পোঃ উয়ারী, কমলাপুর, ঢাকা,

# যনে যোহন প্রেস

পূর্ববাজ্যায় শুন্তে সক্ষপ্রকার ছাপার জন্ম বিব্যাভ বৈদাতিক মেশিলে দিবারাত কাজ চলিতেছে निष्ठ पानित् वरेल निष्य दिकामात्र श्रे शिष्य भा 'दनजाई--भटनादभाइन ८ अत. अण्यर नरास्युद्ध, हास्त्रा।

# মরা মাত্রৰ বাঁচাইবার উপায়

विभिन्न व्यक्तारित नाकृत मना सञ्ज् वीक्षात्रेवात दक्षात्र, ত্ৰণ অ শিক্ষা কয় নাম সভা, তথাপি বাৰালা মানেবিন টু where we serve welches with he while mitte na, stal cloutest art fift mais (un, attus गांकु मोलना, चार्यायक कल्लनका, वक्युंब, क्रांचल, लावक-<sup>ह</sup> मा अवस्था भी छ , अन्य जन्दर श्वीदन्य कस्तिम् महुना माना अपन्य. वकार, मुख्यवस्था, श्रास्त्रका, **८५% ह** शक्तकाषण, वि**ह्व**िश्वर व्यक्ति द्यारम कृतिन की घरन निराम न्डेबाक्स, छोबाक भारमात्रकाष सञ्जार ६ छ। छ। त एए। ल सार्वेद्ध स्वाधिक व हेटल कि क गलिएमब नावनाव मंत्रिया वाहिए। नासन काराह पक्ष नक्ष क्षणान काल नरगटन्स नास्ता क्र**ार्स्टरम्स्** यांकाटा व्यक्तक वस्थित खेवन वावकात क्षिष्ठा व्याक्ताना कहत्व भारदन नाम, कामाना जनवाह दर्ग क्यांने नावस्तु कविद्य रवपुन । अन्य मारमस बानुकारकाणरमान्य अन्य निर्देश सम्बद्ध काक्षाक्ष मुक्त ३६० हाका मास्त्र ।



करकण्य, गार्स्यकि द्राष्ट्र, क्रिकाका Beiel wie wfant fiffecen

LAMINICAS ELS ं वाच्चारः "afe ble > 218 WHH ...



সাধ্যমার স্থান ुअखिम ८०५। वानिक क याधार्ममक बर् (अमामिक २५० মাসিক ১ 7171W প্রতি সংখ্যা ু৫

পাঞ্চত ব্যৱসা-প্রচার-মনীরা জেলার একমাত মুখাপত

मन्यामक — क्षेत्र अञ्चलकाथ वर्ष्णा थाया र देवा स्थाउन्य ह ३ ३ को अ१६७।

<u>এটিচত প্রথার প্রাধান মাহার্ক ১৮ই টের শনিবার ১০০০, ১৮লে নার্ক, ১৯০১</u>

pa**গংর** থানাওয়াস श्रक ब्रह्म श्राष्ट्रं श्रमकाश विश्वकात्रक चारे।तक (क) बाधक निवानिक कर्किन ल न १ पूर्व व्यामात्रश्चामी व्यवस्थ ट्रीरमानीनाव वस्वमान, मयरम्य परमा minite, newlangutu minutel, suc-क्ष्यात मृत्याणांचार्य ।

कानभूटम ১৪৪ बाजा काजी बन्दात देशक देशक्रदकत करी myefre was their newslike किमीस मध्यात्य कायमूत्र मण्डम ठीवागः ---

अहे ब्लाइमीय यारणाटका कांच्यान कानमार्व विक्रू-मूनक्याटमक मन द्याकान সংখ্যক কৃত্ৰ স্থান্ধায় হাজার সক্তাদে (मृत्कान् लोडे अन् कशिक कर्यान कशिशाः TO SUBTREM !

minist entitlette, state all ent calu-क्षामा, अपना क्षान केर्याक रहता कार्टकारी: व्यक्तिरमञ्ज अञ्चल समस्यक्त कर क्षत्र : श्रेत्रिकार : क्षित्रा वार'" अन्य । गर क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका ofitewito!

क्ष्मित्र केंद्रशास्त्र अके सकरण जानित हुनेश्विक व्याप्त कार अवसे अमानाम विभागिका महत्र हरेए ४० माहिन १० की

# কুষ্ণনগরে খানতিল্লাস

কাণপুরে ১৪৪ ধারা জনতার উপর সৈনিকের গুলী

# কংগ্রেস শিবিরে নেতৃবর্গ

লাহোরের ছয়শত প্রতিনিধির করাচা যাত্র।

# সহরে লুগুন ও আগ্রসংযোগ

বজীয় বাৰত্বাপক সভাৱ অধিবেশন

# করাটাতে ভায়ত সেনগুও

মহাত্রাজীর অবস্থা সম্পর্কে হা ভগত

# উদার নৈতিকদলের সিলান্ত

ব্যে**ষাইয়ে পূর্ণইরতাল—মিছিলে**র উপর লাঠি চালনং

**विश्वापत्यक्ष विश्वपः भक्षकात्री व्यक्ति** । बारम १ वारम १ वारम । इति । निष्य करंग े निकाब ख्यो हालाइटक सूक करते, करते २० अने हेलतो करिय व विदर्शन है। निक्र वाच ७० वस ध्वाप्तरकाण मारक

मीख महरू 268 धार्ता छा ने इस है . मो ना इस छान

কংলোগ নিবিলে ভেড়ুমমা বংগ nign munn taufe Gim Greich Ginter veren meibt ebeit et geget mat

मार्गा होत् १ % भागवत स्टब्स्टाल, मिक्डिशकर (१० मार अं) छक्त अ काराओ ে চল্পৰ • হিছিত অহলেন যুক্ত ভুলাক লাহে৷ যে যুৱনত প্রতিমিধির कराठी यादा

মুভাষচন্দ্রের লাহার ভাগে श्रीकृति कातर महीमाख कारणान्य कर

भर व्यक्तिनि कार महाका 10 मा**य**-्टनंत्र गष्ट्र आ<sup>र</sup>कनिधि ग्र**० क**रदक्षाः दुल्लानाम २०-०० 'मि-एकेत सम्म लाद्रकात यका बरता शाफी शाक्रियां ग्रहा सकरन । रक्क लाई/हर \*\*- शुर 🞉 किनावात्र स्वित किया के दिन । एक-বলের জু গান্ধার প্রাটেকবম পুশ ব্যক্ষা 'Mulise i 🔟 Light Lister feren \*(\*(ca\* nt) &: frig. «14634 ift in appetent men ib. En unterfitige

file well in his niemin ्रान्तिक व राज्या । जा देखना विकास केंद्र क

#### কড়াচাতে জীমুভ মেলগুপ্ত

विश्व वडाण दहार : दानवर्षः शाक्षीत तक कररकात कारतीयो। का है 明行,因此知识,可谓,此图《集》 经工作的 मान्यम् **१६८७ जन्मक** कार और तो सम्बन्धाः व

महत्त्र क्षेत्र ७ प्याधिमश्द्राभ २८१५ मार्क अक्षानात्म कानगृहत्त्र व्यवद्रा कार्य क्रिका करें। केर्रि मिलिय मनिक्ष व्यवस् प्राक्तानगढि नुष्ठे en ebate !

मंद्रद ১८८ थात्र कारी वर्षेमारक এসং প্রিশ ও বৈত্ত সকলে প্রিয়া CARISCIECE !

গ্ৰাপাতাণের বিশংবীতে জানা যায় e- अट्र क चित्र का कि का विषय का ) अ कर्त निक्छ । क्रिया का का व्यक्त व्यवस्थात आंत्र क्षाम्यन ब्राप्टांत शक्ति। आंद्र दगवा मेमिडि खबर भूनिण छोडानिशतक कामणाकाटन माठीकेवा (पश्चात ८०हे। Placets 1

लाकाम, ममका मर्गाम निभिन्न बिना माखिरहें। बन्धांशाहक मधरक **•हेट काक्य न क**िशांदिन।

ग्रान्थ भहत शक्तिकाका । देश्यरच गुण्म কোল যাত্রীর ভালিবার উপার নাচ/ भिन व्यक्तन अवर त) नगांच भवन भव नक् etu: fraice !

### বলীয় ব্যবস্থাপক সভায় काशिदयन म

বিশ্বত মহালবার দিন বছীয় বাবস্থাপক **ગાહરત અધિ**દ્વભારમ મિટ બિ. હામ. હક व्यक्षात करतन एवं. मण-व्यक्ति भाष्कि धारि काना शद्य मान एक वृद्धित क्छ कात्रक श्वर्यक्षके त्य विश छेश्वेष्ट कविवाद्य काशास्त्र बालकात महिल किन्यानी लग **धाकि भ**विष्ठात्र कता क्हेंदर भारतन कहे প্রভা: বজীর পাবপ্রেণ্টকে জ্ঞারের कतिएकका त्यः, कर्कु । क त्यन व्याभीत्य ভারজ গ্রণ্মাটকে এই শ্বণ ভ্রু ছবির প্রাঞ্জাব পরিকার্ণর ক্রিতে অমুরোধ **₹**₹₹₹ }

चारमाहमात शत्र बहे लाखाही शृही क इक्कारक। अनुवृद्धिक मन्द्रभूष निर्देशक किर्मन, छीत्रात्री क्लान शर्क (कांके दलन नाहे।

শংকারী গণজ যিঃ মার ধণেন ধে, এই প্রস্তাবের বিবরণ ভিনি ভার-शि क छ त्यादमः वष्टनारकेत कतिद्वन ।

#### পুলিদের বরাদ্দ

थि: ८शछित व्यक्तात करतन द्य, न्वित्न क्या ३,३३,५४,००० है। क्षेत्र द्व. वर्षाक्ष कता ६१ती... शांचा मध्य कता 437

कारे कार्यक मान्यक्षत्र कतियात राज कार्य क्रांत्र, कहिलाचे कल करवनि काछान श्रद्धा क्या कार्याच्या व्याप्त

#### ভেলের বরান্ধ হাস

मि: अफ्रिम क्षाप्तान करतम द्य (करणह कार करमाँ छ भनिद्यालय वर्गाम 8) २०,००० छैकि। बहेटल खब नक हैकि। क्याहेबा (मध्यः कडेका चार्णाहनातः এট প্রস্তানতী গুণীক হয়। আক:পর্ এট नियदत ७७.२०.०० है कि वशक मञ्जूतीक शक्षांत भाग एक ।

ব্যাক্স ভদত কমিটির সভা ছগিদ शश्चामिक्रीटिक द्वालीत नाक एमध कशिति अनिर्वासन इतेराक्षर । जन् मिर अ.खाँडव आगम्याखन व्याखिनान কল্লে ২৪ৰে মাৰ্চ কমিটিক ভাৰতীয় भूमञ्जूष है। त्रिक बन नाहै। फ्रा ক্ষিটীৰ কাৰ্য্য মুণ্ডুৰী রাখা হইatca 1

উদাঃ নৈতিক দলের গিছাত্ত বজ্ঞান শেষিক গাবৰ মণ্টেৰ স্থিত bिक क्षा छेभार टेर्मा क्षा मरणव कक्कता किना, छाड़े विषय भीमारमा कतियात खक छिता है जिस मालत वस मुखा दहता-िल। भएक भीठ वन्ती धतिश करे भक्षत्र कार्क विकर्क हरण अप दश्यत हित হয় যে, শ্রমিক গর্ণগেটের সৈহিত কোন **हिंख्क बब्दा ना, एटा कराबकी गट**ख एका कटे - किक मन बहुधान आध्यक शवर्ष-भिक्टिक भ्रम्भ करिटान ।

करें गर्कछनि क्यान्छ त्राभन दाया व्हेडारक। शिख्र भि: मात्राण कार्य छेपांत লৈভিক মভবাদীদের আর এক সভার ভাহা প্রকাশ করিবেল।

### করাচী কংগ্রেসের সভাপত্তি

অংশাশ করাচী বংগ্রেসের সভাপতি গদার বল্লভণার পাটেল বার সার্থকী যার অংকাররহিন, যার কোরায়েম প্রভৃতি কভিপর মুদ্রিম নেতাকে করাচী কং-८ शहर : त्याशकांन कि जिल्ला बाब निस्मान कतिशाद्यम ।

# বোম:ইয়ে পূর্ণ হরভাল মিছিলের উপর লাঠি চালনা

ভগংবিং ও ভাগার সঙ্গীগণের প্রতি সন্মান প্রদর্শনার্থ ২৪শে মার্চ্চ সভবে शूर्व इतकाल शालिख कथा नियामभूर्व महरतत्र भक्ष भाग होत हहेर्ड "वर्गरिंगर्", देशकूरंभाव विकाशाय मच कालिश्वनिष करेटक वाटक। कुष्ट कुछ श्लिम प्रगरक রাস্তার পাণাণ নিতে দেশ যার এবং क्षा भूमिम वारिनी नांवू अग्र दशस्त्र निन्धे क्षावारमदास्य स्थाधारम् अवा

मा क्रेट में महात करियमन क्रिक क्षा मध्य क्ष का किन है जाएक दिनिक विक শ্রমিক অঞ্চলে এক মিজিল বার্তির ভবরাত किंग। केंक विकित त्मारक प्रकार शिशा त्यस करा

> श्रुतिन ज्यम याकित्य (अक्षात्र कृत्य जयर गाठि जागनात गगन आधाक जारा क्षक व्यक्तिरक श्रीमशास्त्रांक श्रीमाञ्चलिक

সহত্রে আরও করেনটি মিছিল বা্যির े ब्हेशकिल' गिइमैं: ७:स `भिक्टिश्व देखत भाष्ट्रित्त्वा करण प्रदेशन चार्ड हर जाशीमशस्य कराशम भागनाजात **क**छि कता रहें। १८७ ।

স্থাৰ ক্ষেক্টি মিছিল এ জনসভাব काक्षा रम्रा

### महाज्ञाकोत धरका मण्यदर्क অভিনত

করাচী কংগ্রেদ মতলে সাধারণ মহাত্মা গ্রান্ধী প্রফৃতির করাচী যাত্রা অভিমন্ত এট যে, ভগত িং ক ভৃতির ফাঁসির ফলে মহাত্রাধীর পাক্ষর মূলি णिक निषित्रेक्षण **अभग व्हेगा ग**िष्माद्य ।

# ভক্ত বালকের প্রয়াণ

ীণাম-বুকালনম নিজম সংবাদদাতা र । १८७८७ सद्भार, बुन्सायाल अ.स. शहर हो है ভাকার শীযুক্ত বগছরি দাস মহাশরের জেছের পুত্র শ্রীমান প্রেমানক দাস বেরিenta Catalorie कहेंद्रा शक कड़े देवांक त्याभवाच काळि ৮-२० भिन्छित गमत মহাধানু জীকুদটে তেরে নাম উচ্চাংশ করিতে করিতে শ্রীদাম-রবঃ লাভ করিবা-(इन। दश्यानम् भारतात्र श्राप्त व्यापा रहेत्रहे अञ्चल जानकत्त्र छात्र दुर्श গেলাধুলার মণর অভিবাহিত লা করিয়া श्री लेकाम गामर नह গেৰায় ি। যাক্ত काहे शक्य कक्षणागर शानिहरून । প্রী ইংগোরজনর শ্রীমান প্রোমানন্দে স্বীম भाषभाषा चाक्र्यन क्रियारक्ता चामता আশাকরিবলগরিবারুও ঠানায় পরি-वाबन्त्र डाहात्मन कहे श्रूत्याचा भृत्या নিৰ্বাবে শোক-প্ৰকাশের পরিবর্তে প্রা ভক্তবোধে ভালার কুঞাগজি আল ক্রিয়া চিত্তভিত্ত করিবেল। ত্রীঞাগোর ফুল্টরের नामनाम आभारमत आर्थना, किनि यग शह বাবু এবং আত্মীহত্তন বসকলের মনে **ार्थावृद्धि छेनस क**दाह्या हिट्ड भाखि थानाम फक्रम ।

সহর বৃন্দাৰনে বেরি বেরি गहत वुन्धावरम भाग काम द्वित्रहित

चाळ्याला अश्योग शांक्या याहेत्करक न ভথার খুব সংম পরিষংছে বলিয়া ক্রাণাপ।

# Cदेशरम ८डे॰ रन निश्रम मच्छन।

मधाषाकी इ. विक्री दहस्य वजाती याळा भारण । भर्यः वादाद्वरग्रह्म, मध्याः,

WIEW MEN CHARLE STATE ASSESSED AND COLO. किंग है। के क्षेत्रक का दिखान कर मध्या विक लाक छनक्षिक किरमन । मकन् दिन्दमहे क्शर मिरं ७ डावां व नेबोद्धक आयंत्रदेश गरवास छन्दिक वाकि सर्गक प्रकास गन्धाण्य अविशे खेलिशक्तिन । विशे सङ्ख्यान महात महताती, मुद्धानक **बीवृक्ष हमननाम व्यादकाक दहेणरम्** क्रमण्डारक (भाक्षांका मुठेम क्रिह्रक ध्वर माहिशूर्व कश्कीम नागम अतिरक णास्ट्राम कतिया वद्धारा रेलमा नक्टनबर् दर्माटकत कान क्षामा भारति किया। " ·

कारिका दहेमान, दहेदनहे "महाबादनी शास्त्रकातीन देशार्थमा अध्ययना व्यव भाक दलांक कांबाटक (यांश्रामान करता

गाबीकी, शक्ति प्रवृद्धमाने, श्रीमाखक गंभना, ডाঃ व्यानगाती "खवर" विकास বাঁচারা গত ২৩ শৈ মতে কাতে করাতী याचा कटब्ल, कीनाना उत्तम दहेणाल क्रम्ब शिर शाक्षित स्थान्तराज्या ऋषा स्वर्ग, करतन। शकरणहें-निर्मयवर्द मिल्या ही. केराटक मुक्तभान कहेबा भटकन विवया च्लाहे व्या यात्र। महाशाली विषे हे छी विश्वामा कटरन रम् मकन भिक्रिन दोस्कृष्टि रमम नीतर्य मुल्ला इंग्रे करेर में कांच 'रकाम · रू श मी शिक्षा धार ही यां के क्यांचान 41 00 श्रुकोष्ठ इता \* \* \*

#### " A 3 8" M 341 लएकोःश

क गरिंग । का बाब महीरमंत्र क्योंन-माल्ड शरवाम २८१म गार्क व्यक्ताय वर्षात्म काला यात्र कार महित्तक मन्दिक होकना व्यकाम भाग वीर्वे शक्त ती के के शर्वाःम त्याकावन वर्षेत् शर्का सब्देव भून व्यक्तान अध्**ष्ठि । रहे** ट्रिट्छ ।

बाबू माण्यमात्र नाल्युनर्गे अविदे अञ्चाल कारधार त्मिका कार्ति त्र बना क अवर्षित कथा किया विदेशि दर्भी क শুতক মিছিল ও শেকি সভার মোগদীন क्षात अक योका क्रिन तो विदादिन ।

#### কানপ্র 主要必要 マジュード

कशर्मिर अधिक्षक्षक 🖟 🗯 🗯 🗯 शांगत् । विराय स- वाक्र व्यक्तिस्थ (साम्राज्य वा कताव पश्च अक्क्स्यात जिल्लाक व्यक्तिहराकः । करहा । गरुरकः । **भूगः इत्यानम् व्यस्तिक**ः: क्षेत्राहित । भाकी श्वामा, श्वामम, श्विमा, शिक्षां ज्यानवारम् धान्ते विश्वितान्त्रकार् धार्माक विका **धारा तथा** गाँउ के समहत्त्व PRI GREICH PRINTER MER LACE MARGE MER श्रीक स्कृत्य वस्त्राद्वेत्र स्थान मुक्तित . म**्याक्त का कि मूर्ण** हुए का जाता है। जा का का अस्ति है।

Constitution for an experience

#### **अञ्चलकरशोदारको क्या**जः

# াকুফের পরতমত্ব

শ্ৰীকৃষ্ণই' দৰ্কবেদ-উপনিষৎ-স্থৃতি-পুরাণাদির প্রতিপাত পরতক। তাঁচা হইতে শ্রেষ্ঠ অপবা তাহার সমান কেইই নাই। কিন্তু অনাদি বহিন্দ্র জীবগণ মায়িক জ্ঞানবশে মনোধর্ম বিচারে তাঁহার সম্বন্ধে নানা প্রকার বাগ্বিতভা, মতানত, স্মালোচনা ও অন্ধিকার-চর্চা করিবার প্রেরাস পাইরা পাকেন। দেবতাগণ প্রয়ন্ত 🕮 রক্ষের চরিত্রে মোহ-প্রাপ্ত ইইয়া থাকেন; তজাত দ্রীমন্থাগবত সক্ষণ্রেম "মুঞ্তি যৎ স্রয়ঃ" বলিয়া তাঁহার বন্দন শ্ৰুতিতে—"নকো বৰ্ণা করিয়াছেন। गर्का : कुष्क केष्डाः", "ब्रातका देन शतमः দৈৰতম্", "যন্তাৎ পরং লাপরমতি কিণিঃং यखाबानीरमा न क्यारमार्शेष्ठ कि भिः" প্রাস্থৃতি, বেনাধ্যে—"তপাস্তলেতিয়েনাং", বিষ্ণুপুরাণে—''যজাব তীর্ণ ক্লফাথ্যং পরংবদ্ধ নরারুতিঃ ।", ীম্মগ্রদ্গাতার– "মঙঃ পরতরং নাঝং কি ঞিদতি ধনঞ্জ ","জিভি-र्श्वन्यदेशकादेशदाक्तिः मक्षिमः अश् মোহিতঃ নাভিজানাতি মামেভাঃ পর্ম-ব্যয়ন্ ॥'' প্রভৃতি শোকে, জীনভাগণতের প্রতি স্থানী বহুৱাভাবে এবং আরও বত বছ প্রায়ে জ্রীক্লদের পরতমঙ্গের উরেপ দেখিতে পাওয়া যায়। তথাপি কুক্বিংখুগ জীবলণ ভরিষয়ে যে মোচপ্রাপ্ত হন, তরিমিত্ত অনাদি-অজ্ঞানই তাহার কার।।

**আমরা যে বস্ত স**চলাতর দেপিতে পাই, ভাহার বিষয়ে কতকটা বিচার করিতে অ'মাদের যোগাতা খাঙে, কিন্তু যে বিষয়ের কোন অগ্ননৃতিই আমাণের নাই, ত্ৰিয়য়ে আংগাচনা, মতানত প্ৰকাশ বা বাগ্বিভাণা করিতে যাওয়া ধুটুডা বা অন্বিকার-চর্চচ ব্যতীত আর কিছুই নহে। **এক্ষ — ই ক্রিয়জ্জানগমা নতেন বলিয়া**ই ঠাহার নাম 'অগেক্জ'। ত্রীরুফের ব্রিষয় শিতক করা ত দূরের কণা— বাহার অংশের অংশ, তাহার অংশ, তাহার অংশ মহাবিষ্ণু অনম্ভকোটী ত্রহ্বাণ্ড নিজ লোমকুণে রক্ষা করেন, ভাঁহার একটা লোমকুপে অবস্থিত একটী অন্যাতের মধ্যে ক্রিতে গেলে বিরাট্ বিশ্বস্থাতের অগাম আকাশতলে অঃধিত কুত্রাতিকুত্র জাবের मिखिक विक्वन्त इहेशा शिष्ट्रत ।

মায়িক ক্রমাণ্ড-চতুপানবিভূতিমান **ত্রিক্ষের একপাদ বিভৃত্তির অ**ওগত মারিক জগতের যে সমস্ত বিভূতি রহিয়াছে. ভাহার ধারণা করিতে না পারিয়া---কুলকিনারা না পাইয়া কোনও পাশ্চাডা

# দৈনিক নদীয়া-প্ৰকাশ

# নিতাপাঠ্য বৈকৃপবাভাবহ

বেদাদি সমস্ত সাম্বত-শাত্রের অক্তরিম ব্যাখ্যাতা সমগ্র ভারতে একমাত্র শ্বসভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

শ্রীলাম মারাপুর-১২ই চৈত্র, শনি বার-১৩৩৭

করিতেতি মাত্র।

এতাৰ্শ ক্ষতৰ আলোচনা করিতে আমাদের বৈষ্ণ্যতা নাই বলিয়াই প্রন দ্যাস্ জীভণ্ৰান নিজ্তুর সমুগ্ৰণন ক্ৰিয়া থিয়াছেন। বেল, বেদাস্থ, শ্রুতি, প্রবাণাদির কত। অপর কেংই নহেন, **स्थित भ**3 । - সু হা e ভগৰান তিনি স্বয়ণ তাঁহাল বিগম না জানাইলো আষর৷ তাঁথাকে কোনজুমেই জানিতে পারি না ৷ ভক্তর্ট জীচৈত্রচারি খড়ত গ্রাম্বে ডিনি কালং টীকুপ্টেটভঞ্জাপে খবাভীগ इडेगा को नाई लाग-

মালানুগ হাবের নাই ক্রণ্ডলতি জ্ঞান। জানেরে কুপার কৈণ রুক বেদ পুরান।

স্থ্য ভগৰনে <u>আ</u>জন্মণৰ রচিত এতি স্থতি প্রাণাদিতে আমাদের মোহ ২ইটো ভারতী মহারাথ নিমানাপ ভালনে বিস कतिशहणन ।

कीत्वत त्य त्याङ इडेत्व, साराह अभिक তিনি দাপর যুগে অক্টুন সমাপে শিতা উপদেশকলে প্রদান করিবাভেন। মুগ্ – ''ডিভি ও প্ৰথমধ্যৈ ভাবৈ বেভিঃ

गक्तिभिन्नः कन्द

মোহিতং নাভিজানাতি मार्गकाः श्रमनास्य ॥' वापनक्षवराक्ष्य।"

স্মাট্ৰোর মনোব্যা দাব বিভগতাড়িত - তিতেজনাগ ম্বংগাকাৰ : 🕡 🧇 চক্লি- | হইলামাধিক কার।পারের করেশা মাঞ্চ কাতানিবানী বাবধানা উচ্চিত নিবরে। জেল্থানার ক্রেনী শেষন স্মাতের অস্তঃ- চিত্র ৬৬। পুরের স্থান পায় না, ভদ্ধণ এমাও-কারাপারে আন্দ্র মালার পদতাড়নে শারা ব্রীক্রন জ্বানালোচনা করিয়াও কোন লাঞ্ডি জাঁবও আরক্ষণামের- গ্রীক্ষণ । নির্লাখিত ভণের--- জীঞ্ধক বিজের সভান পাইছে বিপ্রেকট ও বিয়োগে বিরহ প্রকাশ করা ্পভিত বলিয়া গিরাছেন, আমি জ্ঞান- পারে না। যত্রিন না সাধুপদা এয়ে ত্রিক্কত হ হয়,—

সমূদের কুলে কুক্রন উপল্পও সংগ্রহ অবশ্ত হয়, তত্তিন ওলিয়ে সম্পূর্ণ সঞ থাকিতে হয়

> এখন অংশলা কাহাল কথা পামাণিক বলিখা এইন কবিবাধ স্বয়া আছিলের জীয়ুখনিংসভ ৰাণী, না ক্ষমায়াবিকী 🕫 লিওণতাড়িত লাঙিত, মহননাল বল্লানেন কথা, ভবিষয় **স্ত**নীগালের বিচায়।

# শ্রীধাম-প্রচারিণী সভা मखिडिश्माम वार्चिक छात्रित्वनान ( > )

বর্ত্তমান সভায় নির্মাচিত লগ্য সভাগা

আভপেৰ বিচাডিয়ামা আম্মডিলিবেক বুলিয়া– িবদমান বিচাণণাযুহেৰ সামগ্ৰা : গ্ৰুকে উল্লেখ্যাসারিণী সভার বাচারবার: করা জীবেৰ স্মাণ্টিটিত ব্লিষ্টে ভগ্ন প্ৰতিতির শভাগতে মনোনাল ক্লিবাল ভগ ৰস্কুর জানলাভাগ তিনি সাহায় ভত্তপী । তালাৰ করিলে চাকা মনে মেচন হলের ৰাক্তিগুলের শ্লণাপাত হত্যাৰ কথা উপদেশ , সঙ্গানিকারা আঁকুত বিবাজ কোলন কে 'क्षेडिन्ह्यर ४ द्वात्म त्वाता भागता करन्ता জ্ঞীক্ষেত্র পর্যাত্মত্ব-বিশ্বে আনি । কিন্তুলিলিত ভান্ত্রাক্ষণ্ড সভানালে ्ड ध्रा,

> এ, বি-বল, অবসরআগে সগড় জ 😽 💛 ্ৰলাহাৰাৰ প্ৰবানি জীয়ক এনেবচন্দ্ৰ কে

#### নিব্নহ প্রেকাশ

সভাপতি প্রভূপাদের নির্দেশায়বারে পোরভিয়েদেন ছঙা ১৭দের

(১) (मुंडा) । है, व प्रभवश्च छकि-बुक्षम, (२) अभिन कशिदेनती द्वनाष्ट्रभग, (৩) বন্ধচারী উ.লৈখোকালাগ, (৪). লগতারী খ্রীরাধাকান্ত, (৫) দাসানিকারী শ্রী আভয়তরগার বিকল ( ৬ ) স্থান্ত বি বাৰাজী।

### ভক্তিরঞ্জন শ্রীগ জগবন্ধু

रेनक्रेशंक ट्राहेग्रामा खील मणवस् ভারিকন মহাশ্রের সম্বন্ধে বলিছে বিশ্বা প্রিত্রারর নিয়ের প্রক্রান্স প্রবিতা-निर्मात था नर्मा,-- "त्नाक-अकान" প্রভূতি যাহে। পাশ্চাত্র প্রশাসীর অনুকরণে স্ভান্নিতি কলিয়া প্রাণ্ড নায়কগণের मध्यक्त सा विदय अनिश्च ३ इ. देवकाद्वतः ম্লনে বিল্লায় চুতি সেকপ কাতীয় সংক্র গোয়ত নামকণণোর প্রতিত বেশকে**প্রকাশে** বির্গায়ণুডি ব্যানা, ভাষাতে স্ভোগ-মণত: প্রাবস থাকে, কপমও কংগও বা ্রহ-একাশের চলনা দেখাইয়া সামরা সংখ্যালন্তান ও সংখ্যাপ-সুমানি তেই অধিশ কত্ৰ প্ৰান্ত হটন, বাড়া কিন্তু কোঁটাৰা Sign कार्या कि उन्हें अनुस्था भारताम्य (य अमिन কুখ ব্যা বিত্তাব, সেল্লপু অদেশে আমা-দেৱ তিন্তু সংখ্যে এমণুকা হটাতে উদ্ধাৰ লাভ কবিবা বিশহ সা বি এলকেব পরিচপাষ্টা ভাষকগাদগ্র তথ্য বিপ্রবাধ মূর্তি প্রান্তিক তেওঁ প্রত্য হয়। ত্রীশ কর্পবন্ধ অভি অনুকাশের এক ভিছের সাংক ম লালার যে একচ। তাড়িকচনক শুনা আন্তাভিত ভট্যাবিলন, নেত নুক চম্দ্রী কেডা মহান স্ত্রের মহা (न), भन्न । व्यक्तिम मध्यमाद्रम् । सम्बन ্তিয়া, অনু অভিনিয়েশ, সাল কান্ বিবর কোনি অবসর বাকে তার সাক্র राद्धा । महादेश १७) कर्तन्तर अस्त, भटन ८ स्व রয় অন্যাতনার না অনুব্যরের জন্দশ মুন ১৯১৮ উচনটোটল, ডেমানি কারের প্রথ-(১) জ্ঞাতি অবৈত আবাৰ দে ত্য- 🌞 নে বে আঁতন্ত দেখাইলেও মদমে ৷ এবং war-(ओ डोग-मध्मो शेहेशूत**रे**गकल ७ । इडेग्रा ्रिका १९६४ - मार्टिका अस्तिक অবসর প্রায়ে স্বায়েরভের ওটে, অব ্ছ ওাও ; । আনাবে, নিহারে, জনাব, আরু,ববে, ্ত আক্রিত হলিপ্র মণ্ডল বিহ লগ্লিল বিশানে, গ্রশানে, শ্রীপৌড়ারমনে ব্যক্তিল । ডিমন্টেটার অব্ফিলিন্ম, প্রিক্তি চিকা যে কত বিভূতি আছে, ভাহার ধারণা । শুনুচোহরং নাভিসালাতি শোকে। নোহন কলে মন্মনলিত । ৪ কলি- , ছিফাটেন। অনেকে প্রিণরবর্ণে । কাত্যানবাধী স্ত্রীকে বাল্কিন্ত দ'ন বিধান তকেন পূত্র গে'জঁইন ওর পুত্র কুন্ধ-স্থারাজ্য-সিংহাসনের একফ্রে সেন্ক।; (৫) দ্বানিবাস একে ব্যাস্থাতা । কিছাসের নীল কল জ্ जिल्लाक्षन मकायम (लंहा, ती.सो.१४) त ० शिरमानगरना है दिलाके एक । जा

पालभाषात गान्। जीवे िल्लान : एक्ट कि 5 6 6 P-পুলা এবাংশ ন্সাগত ওলা দিনবোর পুরুষ हाण चार्षकत्। वर्त्ता सन याव्यक्ती निकादम জান আহতি এনান ক**রিয়াছেন।** , ডিকি বাহ্য বিচারে জড়বিছ:নিপুণ শিক্ষিত

সম্প্রদাশের স্থায় লে পিছা বা ভাষাবিজ্ঞান माछ न। कतिरमञ्ज खाद्र छ छ शतमनिकान বা ওক্ষেত্র বিজ্ঞান তিনিই লাভ ক্রিয়া- তিনি দৈহিক পরিজনাদির দর্শনের কোন ভিলেন। আধাকিক সম্প্রদায়ের কেচ কেহ যনে কলেন যে, যিনি নানা উপায়ে স্পায়ন গুরুপাদপলকে দর্শন করিবার জন্ম ব্যবস্থাদি দানা অৰ্থ স্থা করিয়া জীবন-শমাপির মহার প্রের ভগ্রন্তাক্রির নিক্ষাণাদি-कार्मी व्यथं नाम किया दशस्त्रम, कौठांत्र পাফে সভা সভা বৈৰুঠলাভ আভিরঞ্জিভ ব্যাপার মাগ্র। সংস্থাপ্রাদী আস্থাকিক मस्त्राताराव गुर्थ उक्रथ ज्यवरस्य रावधिशी উত্তি লোভা পাইলেও আমরা সাক্ষদেশিক नितरशक विठाति अञ्चल प्रिशित भारे। স্তুম্ম কবৈজানিক চেতন দ্ববীক্ষণ ও অণুবীক্ষণ-মন্ত্রে থাঁচারা বাছৰ দশন করিতে পারেন, ভাঁহরো ঐকপ একদেনী বিচার করেন না। গতকল্য জীল প্রানুপাদের চিদ্বৈজ্ঞানিক নিচার মলে আমরা গুনিতে ! পাইয়াছি যে, আমাদেব কোন বুভিই निक्तीग्र २८६: किश्व प्रक्षित পরাক্ ও প্রত্যক উন্গতাই• বিচাম। ে বৃত্তি পরাক উল্পত্যে নিকেনীয়, তাহাই আবার প্রত্যক্ উত্থপ ভার পরম বসণীয়। যে নিছ ১ এক মুহুটের পূথি বির সমন্ত লোভা-দোলিয়া এবং লোট অবদানগমূহকে ভেক্ষীভূত করিয়া দিতে পারে, দেই নিচাৎই আবার জগ-তের মহোপকার গান্ন করিতে পারে: মুতরাং খোঁচায়্য আল জগবন্ধ ভঞ্জিরঞ্জন মহাশয়ের পাথিব জীবন স্থায় যে প্রস্তুতি লকিত হুইয়াছিল, থেই প্রায়ুড প্রভাক প্রোগতিতে পূর্ণপ্রগ্রহ-বৃত্তি লাভ করায় উহোর মুম্ঞা জীবনের যাবভীয় পরিশ্রম. व्ययक्र--- गक्षके (भक्षे भूग (भन्। क्रिया गम्-পশ্বিত হইয়াছে---দেবা-উদ্দেশ্যকে প্রাপ্ত কইয়াছে। ভাহার সারাকীবনের অথ cbहो, नीजि, अमी कि---- भक्त शे शत्रवार्ध-চেটা বা ভজিনীতিতে প্রাব্দিত চট-মাতে। শেষ্ট্রাণ্য শ্রীল জগবন্ধ ভড়িরঙ্কন মহোৰবেৰ নিজপট বিরহাঞ্ছতি ভ্রমট **ছটবে—্যথন আমের৷ তাঁচাব দেই আন্দেশর** অন্তুসর: করিয়া আমাদের যাবভীয় চেষ্টাকে চরম বেগাকেন্দ্রে প্রতিষ্ঠিত করিতে भातिन। (बाँगाना श्रीन करावकु छिन्त्रमन हेठे. भावेत्कम ना मात्त्रल भागतात मिक्त भाज करतन नारे. छिनि वानीश्रेष्ट औरहाउन्र वानीत ८५७ नगर मश्री छन महायानित निर्मात कत्रिया धका गाउन कार्करनत कामने धनः ममर्कन करन मको इंटनत व्यानिकात अवानी প্রবর্ণন করিয়া গিয়াছেন। তিনি গ্রমেনা **ং**ইতে কিরতে সম্পূর্ণ অনাসক্ত থাকিয়া ম্যুমেগার মহা সমাণি লাভ করিয়াভিলেন, ভাষা আমরা তাঁগার প্রমাণের পুর্নের टी उक्तभाष्मका दवः उक्तभाष्मकाम (अहे-অনের পাদপম দশনের অস্ত অভ্যন্ত

আকৃতির মধ্যে লক্ষ্য করিছে পারি। ভালার নিটাণের অব্যবহিত পুনেও প্রকার আক্রজা প্রকাশ না করিয়া অভান্ত ব্যাকুল হইয়:ভিলেন। ভাঁহার অসমতে সেনাকাণ্যি যাহণতে পরিসমাপ্র হয়, ওজ্জান্ত বিশেষ বন্দোবও ক্রিয়া থিয়াছেন এবং ভাতার সহ মিণী, পরিবারবর্গ ও গৌকিক আগ্রীয় ক্ষতন যাহাতে মহালেব পথে চলিতে পাবেন, সেদ্ধাপ ছাল্লিয়ের মধ্য কীবনবীমা নিকের कीवरून भावन कतिया भावति सारामण মুল্লেরতে রাখিল জিলালেন। তিনি ভগৰৎস্বোধ ওজনুর আত্মণান কৰিয়া-ছিয়োন যে, টাটার নির্মাণের পর তাঁচার বিরহান্তভূতি ইলিওব্পাদপ্রকে প্রায় व्यक्ति के निवाकिता अक्षानिवरणात स्वितक স্লাসী, বন্ধচারী, বানপ্রত বেং ভগবদ্-ভক্ত গৃহস্পণ তাঁশের দেহ ক্ষে বহন ক বিয়া স্কীক ন্মৰে জাঙাৰ জগৰংসেৰ ময় Cetta অভ্যানন প্রাক 'ভাগবড়ার বিরাজে यक्तु हैं (न खनार टाउ 1:11- : diff আয়াসভূতিতে शका दर इंडिस्सन : श्चान्त्राः १.व ५% ५ श्रुतं चित्रवृत्तिम् । श्राप्तः করিবার ভাষা গগেই খুঁজিয়া পাইবে ন।। আত্মহণ্ডে বিপ্রবিশুভিষিক চেডেনে কুন্তম ওলি সেই বিরহের আর্রানর কথকিৎ भिन्न मनेन कतिएड भारत । Cमहेग्राया ভ जिन র্ভন শ্রীল জগ্নস্থ স্পার্যদ ত্রীভরুপাদ-পদ্মকে পূর্ণভাবে গুভিট্টিত ও গুকাশ চাহিয়:ছিলেন--গ্রহিতাকে নিভ্যানন প্রানুর পাদপায়ে প্রয়ধরারে পাভ করাইয়া প্রতিদার প্রাকৃত পাতিরতা সংর্জণ করিতে চাহিলাছিলেন বলিবাই বিধাতা ভাগবন্ধুর জন্ম প্রতিষ্ঠার প্রত त्रहमा कतियाष्ट्रियम.-

্পুতিহার স্বভাষ এই জগতে বিদিত। বে না বাজে: ভা'র হয় বিবাভানিমিত। সভোগ্ৰাদা—শোকরাবিধা জড়প্রতিধার ভিক্ষক আর নিভোগবাদী পৌকরী বিচার প্রতি অতার আস্তিবশতঃ কোন প্রদর্শন করিয়াও সভোগাণতির পরিচয়প্রদান-কারা; কিন্তু বিপ্রালম্ভ্যুটির যেবকগণ ক্লান-প্রতিষ্ঠার অভ্যক্তনী। আমাদিণের প্রক্রত বিরহ, দৈল, 'তৃণাদপি প্রনীচতা' इतिकोखिन स्पर्वे पिनवे ब्रवेस-स्यानन আমরা কাঞ্জ ক'বিব কার্ত্তনকারী হইয়া ছপুটে বিচরণ করিতে পারিব।

#### গত ব্যে নিৰ্য্যাণ প্ৰাপ্ত ভক্তগণ

षा छ: भत जिम शिषामी जीम ह कि विदिक ভারতী মহারাজ পরলোকগত কলিবৈরী त्वनाञ्चल्या मरहामरमञ्ज नारमारमञ्ज कतिया

বলেন বে. ইনি 'গৌতীয়-কঠহার' সম্বলন-কালে অনেক দেবা করিয়াছিলেন। শ্ৰীমন্ত্ৰাগৰত, 'দৈনিক নদীয়াপ্ৰকাশ' প্রভাৱে সকলন ও সম্পাদ গীয়ভার অনেক সেবা করিয়াছেন। এন্ধটারী ঐীত্রৈলোক্য-নাথের গ্রেয়াণের কথা উল্লেখ করিয়া শ্রীপার ভারতী মহারাহ অত্যন্ত ব্যাক্লিড হুইয়া পড়েন এবং নীরব অঞ্চ অভিবেকের মধ্যে মনেক কথা ব্যক্ত কবেন। একচারী তীবলৈকান্ত ঠাপাহাটী জীলীলোরগ্রানর-মনিবের নিলক্ত সেবা করিয়া জন্মচানীর আদৰ্শ প্ৰদৰ্শন প্ৰাক্ষ শ্ৰীনামরতো লাভ ৰ বিয়াছেন द्वीलाम जा ध्याध्यापातिका দাস্তিকালী ভীধ্য বুলাবনের ভীত্রক देहा-सम्प्रदेश (भव) कतिए कविएड द्वीताम প্রাপ হর্টয়াডেন। স্বশ্ম গ্রাপ্ত ক্লাক্তি वावाजी (लाक्ष्म चानन छश्न-दृह्यत বুক্ষ ছিলেন তিনিও বিগ্ত বৰ্ষে ইতলোক পরিভ্যাণ করিয়াছেন।

### 全百13-27万万

বিদ্রভিত্বামী শ্রীমহ্যজিনিবেক ভারতী ্ৰজারতে ক্ষেক্ষন লক্ষ্যী মহ মেদিনী-ার কৈছি প্রচার কার্ডেডেন। গ্রুডির চর ১৪০ মঙ্গল-বাল ভিনি নগাঁ, ওও 'ভক্তিশন্ম মহজে ভক रामग्रदादिया वाक्षता । आधान कतिराष्ट्राच्या প্রেম্মতঃ ডিনি ভাজার প্রক্র সর্বনা করিয়াভিতিক যে আছেবে সহল ধ্যতের। বিবেশের স্থেবদেরে ইইচ্ছিন। শাস্থ্যতিন্দ্রলে ছাপেন করে বর্ব পরে ভারি-ক্ষামূল সাধু বা ওবর লগণের কথা অতিলাল্প ভাষার এমন ভুণুজিখারা বুঝাইলাছিলেন মে, উপালিত আবালচ্ছ-বনিতা সকলেই সংধুওক-নামনারী সোধু ওকজবগণের এবং লোকগুড়ারক ওর-ব্যব্যায়িগণের প্রভারণা ও কপট্টতা সহজেই উপলব্ধি ক্ৰিয়াছিলেন।

মায়াবন্ধ জীব সহজেই ভোগোমাও। ভাগদিগকে ভোগের বিক্তে কোন কণা বলিতে গেলেই ভাহারা মে কণা শব্যে অনিচ্ছক। এমন কি তথাক্থিত ভোলিকুলের ধারণাগত ভ্যাগে স্থা-(जारशत महानदीत कथा बुखाईहा पिरन उ ভাগার। সম্বর্থ নহে। স্থান্ডরাং ধর্মের নামে যথেকা ভোগের অনুমতিপ্রদাতা কপট ছোগী গুল বা আপাততঃ ত্যাগের আবরণে প্রক্রর ভোগের প্রচারক ত্যাগা গুরুর উপদেশ তাহাদিগের বড়ই আদর্ণীয় বিষয়। কিছ ভোগ-ভ্যাগে পরম উদাসীন সহজ বৈরাগ্যবান আচার্য্য-শিরোমণিই নিতা ক্লফদাস জীবগণের একমাত্র উদ্ধারকর্তা। তিনি লোক-

वक्क नरश्न, नंत्र द्वांक्त्रकक व्यक्ति নাথ। তিনি বুদ্র ফড়ীয় স্বার্থপর নকেন, কিন্তু নিঃমার্থপরকুলের লেষ্ঠ পরার্থ-পরবর এবং একমাত স্বার্থগতি শ্রীবিষ্ণু-সেবার মুর্জ বিপ্রাহ।

ভীত্ত সদেব কোন একটা বিশিষ্ট কুলে আবিদ্ধ নঙেন। তিনি, কুল-বংশে আবদ ৰ্দ্ধি দেছে আত্মাভিমানিগণের অভাতি-এবং চিদ্মুভূতি-মান ধ্বংস্কারক প্রাদারক। তিনি কামট্রেনাণপরায়ণ লবু কুলকে অপ্রাক্ত কামদেবের সেবার নিবক করিয়া তাঁহার নিল স্থরূপ ওরুপের উপল্কিপ্রদাতা। শ্রীভগবানট আচার্য্য-রূপে ভাগ্যবান জনসমূহের নিকট খীয় খনপ প্রকাশ করেন। জীব নিছপট শর্ণাগতির দারাই সেই ও্রুকু**পা লাভ** कतिए भग्यं क्या

্তমান সমস্তার সমস্তাভ্যা যুগে সম্ভা ৯পে মহাস্থাবে পতিত বিশ্বমানৰ ষদি জাতিমীমানিত স্মজানাপক "প্ৰীকা লোকান কন্সতিহান ব্ৰাহ্মণো निरामभागात्री कृतिकः इराधन । कविकानार्थः স্থক্ষেরভিন্দের নমিংপাশিঃ **ভোতিয়ং** রার্নিড্মাণ" মন্ত্রী করে **ধরেণ করিছে** भ रतन १ (छ) ए इंट्रिंग ए हे फर्फ और 5 जन-বাণী অন্তিত এইয়া ভাষাকে **কুফানাম** মধ্যমধ্যে স্থীভিনীয় ক্রিয়া চভ্রাণ-ভিছেকাৰী তেনের অ<sup>শ</sup>াকারী **কবে**ন।

ভাচারকারের স্মিত্রক **ঈশরচন্ত্র মার্ডল** ্চাশ্র আত্রেক গায় ও চেই। করিয়া

# নিমন্ত্রণ–পত্র

श्रीते खक्ररशितारको सम्रजः

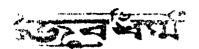
ভীভাগ্ৰহজনান্দ মুঠ, চিঞ্লিয়া, মেদিনীপুর আগামী ২-লে চৈত্ৰ তরা এগ্রিল গুক্লবার চটতে ২২শে চৈত্র ৫ট এপ্রিশ ররিবার গ্ৰায় দিবসম্মকাল চিক্সলিয়া শ্ৰীভাগরত-জনানন মঠে উভাগ্রভ্রনানন প্রভ্র প্রথম বাবিক বিবহ-মহেলংগ্র অনুষ্ঠিত इट्टा २२८म टेडल **८ई छाला प्रतिवास** 

জীটেডভামটের **অভতম প্রচারক** ত্রিদভিখানী শ্রীমদ্ভিতিষরপ পর্বত ও শ্রমদ ভারত্রকাশ অরণা মহারাজম্ম উৎসৰ উপলক্ষে শ্ৰীভাগৰতজনানৰ মুঠে ভভাগমন পূর্বক বভুডাদি করিবেন। সকলের উপস্থিতি প্রার্থনীয়।

দিবল সালারৰ মহামহোৎসৰ হইবে।

बीर तिश्रमिकद्व তিগভিভিন্ম আভজিম্বরণ পর্বভ " শ্রীভঞ্জি প্রকাশ অর্ণ্য

### **জ্ঞা**ল কাজানিলোনটাক্স বিব**িত** ভাজি গ্রেষাবলী



**बिट्यायर्थ-- वेश्वरकि**नित्नात हाकुद्वत काण्य-etce औरवज अजिन्छ, ऋरकत मण्डि अवस, निका छ মিছে কৰা, শ্ৰীমধৈ • নিমি ও মৰগ্ৰজানের ভেদ, জাতিং ৮ খীলা প্রভার ভগাবভার প্রমাণ, বৈশিব বর্ণাপ্রমণতা, বৈঞ্ব-षद्भ चक्रण, भरकाभागमाव मुक्कि भारका, माद्राष्ट्रण, देवशी-क्षि° ७ •प्रं काटकत एकत, हेमलायश्रद, काटकतानी कुक ক্তি ভারতমা, জীবের বছা জা ও মৃক্ত, বৈষ্ণবগৃংগ্রে विकात, खिक्कत कविकाती-दिठात, कथा ह सफ्तिछारनत बंक्का. माक्कथम म देवकवममा, त्यरम क्रुकारीमा. ७ शवःस इ का आज्ञात आहोांह-(छन, व्यक्तिश्रहणूमा क शोध-কভার প্রভেদ, শব্দমতের সাত্ত অমিলের কারণ, সংগ্র-ম প্রগত প্রোতপর, শ্রিনবচার, দীক্ষা, বৈদী ও রাগালগা ভি. সম্ব্ৰজ্ঞান, বস্ত্ৰের অ'দ্কারী, পারকীয়হস, স্পূর্ া. শীলাপ্রানেশ প্রেক্ত সনাধন সাত্তগণ্যের পাতান্ত शृह क्रक्ष्णावनी का क अवनक्षणात्र कर्णाशकणनक्ष्रत्व द्य ग-क कहरा का वाक पाक माल अवतः क्रम कान कर्न करिएक दमालिक वास्कात विद्युटिक प्रकान वा ग्रन्थ गांकित ना। ঃম সূত্ৰ থাবিষয়ক আন্দ্ৰপ স্বল ৰ জন্য ক্পনী আছ অপ্যাভ कााणक क्य नार । ति. यगरताचारा-लाज-भटनाति-मधन-লে এক একামুভ উদিত কল্পাচেন। আনার প্রবিশ্ব-की, क्यानात वें क्षानि बाटा विटलय ममुद्ध कता कहार दक्ष ाएँ, अब, त्मानांत्र करण नाम रणया केरकः वीमाह---इष भरकः भुत्र साळ ।



# ্চজুধ সংখ্যুপ সমগ্র বৃাধাই—২, তুই টাফা আবাধা—১৮০ পৌণে তুই টাফা

ষ্ঠিক পূর্ণ লাজবাকা থারা প্রন্তে ক মানবের নিতা প্রবাধ আনতা সামারক কন্তবা নিআহিত ক্টরাছে। প্রের প্রাণ্ট উক্তি সনাজন লাজবাকা থানা সম্পিত ও ন্যাগিত হুনরাছে। প্রেকের, মনের ও আখার ক্ষা কি চু ক্ষেপ্ত, সমাজ, নাডি, ক্ষা কি চু কড়াটি বিষয় নাজসারে মন প্রকর্তাবে ব্যক্তসকলারে আলোচিত ক্রাছে বে, প্রথম সহাজ্য করে। শেব প্রান্ত পাঠ না ভিয়া নির্ভ্ত কড়ায়া বার না।



विक्षेत्र भरकरण । ४० व्यामा

শীরূপ কোখামী আড় শীর্ম ংঘ্নাথ গোখামী প্রভৃকে প্রেশঞ্চাল যে সকল কথা বালগাতেন, ভাগ এন প্রাথে ক্ষেপথেছ অন্তর্গুর ও প্রতিকৃত বিচার অভি প্রকারভাতের বুজ চহচাতে। ইবা চাছা শীলীন্মকাপ্রভৃত্ব উপাদ্ধর ক্ষেপ্ত কাৰেল থিছুভ্যাবে লিপ্রিয় ক্র্যাভে। 880 (भोजाटका<u>ज</u>

**শচিত্র** 

# ভ্রীনবদ্বীপ পঞ্জিকা

পারমার্পিক বাজিমাত্রেরই একান্ত প্রয়োজনীয় বিষ্ণুপ্রত ও উপবাসাদির ত্যালিকা সম্বাসত বাংলার ঘরে ঘনে বিরাভিত হউক

ভিক্ষা ৯/০ আনা মাত্র ১/১০ ডাক টিকিট পাঠাইলে ডাকে পাঠান হয়।

মহাক বি

শ্রীল পোচনদ স ঠাকুরক্ত শ্রীটেডনামগল

ওঁ বিশ্বপাদ শ্রীশ্রীমন্ত কিলিছান্ত সরস্বতী গোহামা প্রভূপাদ সম্পাদিত ভূমিকা; শ্লোকের ভাষ্ম, বলাজুনাদ, প্রতি প্রসাসের ও খণ্ডের কথা সাল্ল, শব্দুটী, স্থানসূচী, পারস্থচী, প্রমাণগ্রন্থ, ভালিকা, পভাস্চী প্রভৃতি বিশ্বত সূচী সম্বলিভ বোল্ড অক্ষরে ভাল ক্রাউন, আইপেঞ্চী আকারে কিট গড়ের কাগজে চাপা। ভিক্তা—২॥০ টাকা

# শ্রীহরিনা মচিন্তামণি

নামাচায়। উট্টিল ধ্রিদান্টাকুরের মুপে উট্টিন্যালালালু উট্টিনাম নংলাছা, নানালান, নামাপরা। প্রাকৃতি বিধ্রের, যাবতীন বিচার প্রস্থাক্তিশ্রেলন, এই বিধ্যুক্তলৈ কাত্র সরল প্রার্থিক প্রশাস্থিক প্রিণাটিভাবে নুন্ধেত। উট্লিভিনিনাস্ট্র-রচিত। এন সংস্থাণ ভিকা দেও বার স্থান মুজ

# বৈষ্ণবমঞ্যা সমান্ততি

(भागादकीमकायश्रध)

ষির:—১। ভকিশালে ব্যবধান শ্বাণানীর কার্ব হা চানিস্পুলারের বৈক্ষাগণের চরিত্র, ৩। বিকুল্বফ্রন্থানিক বিশ্বনিকর ও লিক্সিণের বিশ্বনিক। ৪। বৈক্ষাগণ ও প্রবদ্ধনিকর ও লিক্সিণের বিশ্বনি, ৪। বৈক্ষাগণ ও প্রবদ্ধনিকর ও লিক্সিণের বিশ্বনি, । বিশ্বনিকেন্ত্রে ভাবিনাক ও প্রত্তির ভাবিনাক বিশ্বনিক হাবিনাক বিশ্বনিক স্থানিক স্থানিক বিশ্বনিক হাবিনাক বিশ্বনিক স্থানিক স্থা

# গ্রীভক্তিসন্দভ

সে শশু ১ এক গাকা । র বড় ১ টাক —

শীসদ্ভাগবভের ও গোড়ারের গ্রহক গণ । ৷৷০
টাকায় সুইখণ্ড শাইবেন গৈদ্বলোগ ইল্ড ব
গাখামীগাদের কিছু গ্রন্থ ডবল কাউন্দ হল্ম ৬০
পুঠা আকারে মুজিত ইইডেচে।

শ্রীমকাচাম্য সকলে র সদাচারস্মৃতিঃ ভিশানে খানা মার

# বিজ্ঞাপন

# সাবধান! সাবধান!!

কে, বি. দত্তের চেকিন। শিশি আদাম তৈতক আদি ও সক্রিম এবং উপকারি হার স্বাইজন পার্চিত ও বঙ্ প্রশংসিত।

আমরা সন্ত্রাধারণকে জানাইতেছি, বাদাম তৈলা থারদ করিব র সময় শিশের গায়ে ইংরাজী অকরে জে, বি, দত্ত এও কোম্পানী নাম খোদা দেখিয়া থারিদ করিবেন। নতুনা জুয়াচোরগণ ক্ষদরের কৃতিম তৈল দিয়া প্রভারণা করিবে।

# ফেরাস কুইনিন্

নৃতন এবং পুরাত্রন স্যা**লেরিরার যম** 

ইহাতে উপযুক্ত মাজায় আইরন্, বাইহাইছো**লোর** কুহানন কালেনিক এবং হউনিধেন আছে।

আন ফোরাস কুথনিন খারা ইংশ্রক্ষণ করিবে আক্টা বা ৩-টা ইংশ্রক্ষণেত সক্ষাপ্যকার করিন মাংলেবিয়া আর বন্ধ করে এবং ৬ ১ইডে ১২টা হঞ্জেক্ষণে মাালেবিয়ার সমস্ত উপস্থানই করিয়া কেবে।

ভ এল্প্লপূর্ণ প্রভি বাক্স — সুণ্ট ২ টাকা, ইং ৩ টাকা বাহও কোমকালে এন্ড ক্লিকাল লাবেরেটারীতে ২৯:১ নং ভন্থ মিম শেন, কলিকালা।

গোড়ায়-বেশ্বব-তগতে অভিনৰ কৰা! শ্ৰীগ চাতুর ভাক্ষবিনেধের কীভি-প্রশাবলা:—



প্রেট সাইছ অপ্তর সংস্করণ ভিক্ষা /• আস

দেশ ক মনেও coel আনতাবল্প লচয়া—চঁচা বখন জীব বৃষ্ণতে পাতে, পদল একমাজ নিজাবল্প প্রীক্ষাবানের প্রতি ভাহার কোন ভাজার আবেগমরী প্রাথনা চয় এবং অভ্যাথন স্কাল্পকেরণে নিজ্পটে টি প্রাকারে শরশাপ্র চন্ত্রে হয়, ইকাটো নিব্যক প্রাণ্শালী প্রাথনা ও আন্ধান্তি বিশ্বক্ষাক লাব : মাড্বা বংগ্রগ ও প্রাকাশিত চচয়াছে

किल का कर का का वाल

্প্রায়াল্য জেডা ক্রাকা— ৴৽. নববী পশত ক— ৴৽ শতের সাইক

在1111日本111日本

প্রকৃত সাইজ প্রকৃত সংক্রম ভিক্রা /১•

কামৰা আহাত লক্তল কন্তাৰ ৰ কামনার বলবন্ধা হত্যা প্ৰাণুক্ত বে কত্যাপাত কলান বালয় গ্ৰহণ কৰি এবং যাতাৰ , নকত কলান কামবা এবি কোন কামবা এবং কোন বন্ধ আহাৰ কামবা কোন কামবা কোন কামবা কোন কামবা কোন কামবা সেই কামাপ্ৰাক্তে মেই কামবা কামবা কামবা কামবা কামবা কামবা এই ক্ষিতিগ্ৰহ কন্ধবিক্তা কৰাব্যাপ্ৰ কন্ধবিক্তা কামবা কামবা কামবাৰ কামব

বিস্তৃত ক্যাটালগের জন্ম নিয়লিখিত ঠিকানায় পত্র লিখুন—
মানেজার—গ্রন্থতিগান, জীচৈতন্যমঠ, পোঃ জীমায়াপর (নদায়)

# বিশ্ববৈফ্যব রাজসভার শুদ্ধভাজ্মঠসমূহ

बीटिन्डम घर

আকর মইবাজ প্রাচীন ন্যাপুণ, ডাক্ষর আগান মঞ্জালত, সরীল

ৰ্জ্ঞীনহাবোগপাঁহ ১০ত পায় ৩০ পত্ন উত্তর-পুরে জীতনপত্নে আচার্যারস্ত জীচকুত (भगत-कनरम बीटिशिम क भा निवासभाग ।

এই স্থান সাল্য ৮- নীৰ্থ, প্ৰণিত প্ৰিম বা সাহত ভন্নত্তলী। এই মুখ্য নীৰ্থে স্তীভ্ৰি-নাসাধিক বাকিববাদি-বেদাল্যম্ভ, প্রাব্জার অভ্যান কাবা, নাটক, জন্মার, তথা প্রমাণ-উপনিষদ-গাঁও -ভ্র-৫৬।ন ৮ ১/৫০৮ অধারন । ও অধ্যাপনা এবং ভ্রায় উল্লেক-८९मेबोक्स-शाक्ष वर्षको-शिक्षिक क भावन साम्भागात्रक-भागात्रक क्र के शासन क्रमाटा বিত্রাশের নাহস্ত নিজা সোনিত ইংসেছেল। এই মাধালে পান্যালিক দৈনিকপত স্বাস্থ্যত সম্প্রদাবের অংশকাশিত ও জাগাটীন আছবালি প্রচারকালে বিদীন্ন প্রকাশ ন্ত্রালয় আহিটিত হয়নাছেন : আহিৰংস্ব ইংবাফ পাৰ্ক্ষণাপ্তান ৰ লগাৰিক ভক্তপান্তি ভ ক্ষীত্তৰ প্ৰচাৰস্থাৰ মহাম্বেশ্বস্থাল ভাজাল অনুষ্ঠিত হচৱা ধাৰ্ত্তা কক্ষণ নাজালালী জীপার নরহারিত্রী। সহকারী -- জীলার বিনোলা হোত্রী লক্ষার বী, লাজ্ঞ স্ত্রীলার প্রারম্বাস खब्रहारी भागत्रवाणीय, केलाम शैरहक नक्षाती, १९७० केलामनानक अक्षाती, ীয়ক ননীলোপাল সন্দোপাধার, তীতংকলে দাস ওল্পানী প্রথমজন্মণ।

#### (৩) যোগপীঠ গ্রামন্দির

এই স্থান জীলগুলাখানাত্র ভবন বা ীমশালা প্রান্তর আবিভাব ভাব মহাযোগ- | नीते। ध्यास्य किल्या। श्रा ५ मेरिक-खिशामक मेंटजीतभाषातात्रण अन्य स्थिते : • ना 😘 ध्येतिषाकृष्णत निका दमना कृषा 🕮 शक-७८७व (भना बर्हमाना त्रफक---(वाक-সাপাধ্য গোলুমী ভট্টাচাথ্য প্রা\_ ব্যা-आशा मरकाती धानिकामन अध्यासी, জ্ঞীলামদাস ক্রমতঃী। জ্ঞান্তান্দাণ আদি-कार्ती: (भन्ना क्षेत्रां नव असी

#### ( ৪ ) ত্রীন।স-তার্কন

श्चिमयाराष्ट्रक कीखन-विवास या क्षारतीकात्र नामस्थी । क्यारन वेदक्षात्रीत-शिक्षानम ७ १,५ ७ एवर स्थान वस्तान । বক্ষক--- শ্রীরাগাপ্রাম ব্রহ্মতারী, শ্রীক্ষ্ত **कक**, श्रीरशाक्षणमा वान(की)

#### ( c ) অগ্নৈত-ভবন

दहे हारन स्थाबदेवह शक्त करन दार গেৰা ৰঙ্গালা

### (७) काषोत्र जयःसि भ हे

প্রাতীন মাধাপুর, ধাননপুকুর (নদীয়া) बिलोबक्रभाराज बिहारकाको । प्रभाग। क्रक-अक्षातारी चेदिरनामांत्रवादी।

#### (৭) স্থানন্দ অখন-কুঞ্জ

ভীগোক্রম, স্বর্গগাল নদীরা ) व्यथास स्तिकृताष क्षेत्र कालनामाकाकृत्वर भगामि ज्याः बीमोक्शभाषत्र धारः अञ्चिताधा-श्राधातक दशका वर्कशान

বল্দ-ভবিক্লন ভাজার ব্রহারী - अक्र का विशे बन, धम, धक ।

### (৮) শ্রীঙ্গায়াথ গৌভীর মঠ भक्षभ (१९०)

বজ্ঞক---- শূমত্বর ভক্তিশাস্ত্রী এম, এ. नि, जल, मध्याती— ই, উদ্ধান্তাস ভাঞ-मादी, क्षेप्रकाश धाधकारी आधास।

### ( क ) औदशीत-श्रम भिन्न सर्वे

টাপালটী, সমুল্পার, । ব্রুমান ) ভীল বাণালাথের স্থাত্তিত জোলগদানত-বেবা। রজক—-আছিলিবিলাৰ আল্যা

#### (১০) জীরপ গৌড়ীয়-মঠ

দাংগাগন্ত, প্রয়াগ ইউ. পি াক্ষক— ইতিবিধান লক্ষচারী, শ্রীকুল্পেখর रको∘ (ै) ।

#### — क्रब्रह्मका । (८८)

गाउँगाछि, बादग्र, वद्यान। ত্রীব্যালাব শার ঠাকুর বুল্লাবনের স্থান। রক্ষক—ই। ক্ষেত্রধারী এলবামী।

#### (১১) ভাগৰঙ আসন

ন্ত্রী শাগনত ত্রেদ, ক্রমানগর, নদীরা। ভাগৰ • নিছাত্ত গ্ৰন্থাৰ প্ৰচাৰ-পেতা। রক্ত—শ্রীনহানক অক্সচারী।

### (১৩) শ্রীএকায়ন মঠ टिलियाकी, आवाफी, क्षणनश्रत, महीवा ।

द्रमान-धी भड़गानन बमाठा वी।

### (১৪) শ্রীমাধ্ব গৌড়ীয় মঠ ৯০नः नवावशृत स्ताष्ठ्, हाका।

श्रुवानाम अधात-दक्त, व्यथात्म औ छक्र-दशीरात्र गाम्बद्धानागतिभदत्रव दमना वस्त्रमान । दणक- व्यवसायमञ्जूष खन्ननामी।

### ( ১৫ ) औरगाभानकी कर्र क्रमणाश्वत, हाका।

গোপাৰ্কীর আবিএছের আচীন দেবা क्ष्य-श्रीशांगरशोव वक्षवादी।

# ( ३ ) ब्लाटगीजीव मर्त्र

১৬ वर कालित्यमान हळानली ब्रीहे. (भाः नांशवाचात, कलिकाना । किंशिकान वि. वि. 855e

ত্রীন্ধার্থা গড়র। প্রচারিত স্থানিত্মক ভক্তিশত্ম-প্রচারোকেশে র্গোড্ডদেশের স্কালাধার নগ্রী কলিকাছার শ্রীভিক্তিবনোদ আসনে শ্রীমঠ প্রতিষ্টিত আছেন। এই ভক্তন সঙ্খা ামে 🕮 এর:-পোরাঙ্গ-ইঃনিলোদানশ জাউ সপার্যদে নিতা সেবিত হল। সোভীর আচামানটোর মানভার এভাবেলীর ভাপচারোজেশে ত্রীমতে সংলগ্ন একটী ভারত মুদ্রা-গন্তাশ্ব সংস্কঃ িত চল্টাচেন। পুলিবীৰ স্থাঞ্জীগৌলনাম প্ৰচাৰাৰ এট যৱালয इटेटल 'त्राहितेय' अ'खाठक लव्द कि स्वामिष्ठे मानिक शक्तिक हेस्ताकी क्षतिक নিগানসভাবে প্রকাশেত গণ্ডেকেন। জীমতে পাঠ, সঙ্কার্ত্তন, সঞ্জান-চভূত্র-বেদায়, ্রীলভাগেরত, আইচতনা-ত্রিভাম্রাদি-লীগা ও ভব্রাপ্তের স্মাক আলোচনা হট্ট প্রীপার অন্তর্গাঞ্চার প্রার্ভিত্রণ বি-এ, জীপার জন্মানন্দ প্রবিজ্ঞাবিলোল বি-এ, আবিদে রাসাবভারী বক্ষানী, জীলাদ অগতভারণ দাসাধিকারী বি-এ, জীপাদ क्यालाला मानातिकारी, तबाठावी लीकीव्यानल, तक्काती सीमध्वीत्वाक्य, तक्काती क्षीक्षण नेक अञ्चलको, यक्षरती श्रीरमवर्कानमञ् পণ্ডিত প্রাণা নবীনকুণ প্রতিজ্ঞার শাক্তপারী প্রভাগ।

# (१७ जीगलाई द्रशीदाल गठ इति चा क असायना म चा. वा मियाजी. हाका

লীগদাই-লৌরাপের নিভা সেব, রক্ষ 🕶 — শ্রীপূর্ণ পাছন বন্ধার (রী ।

### া১৭) শ্রীভাগবভজনাননা মঠ

फिक्तिका, नाश्चलवस्त्रन, स्मिकीस्त्र। द्यगारन हो असन्ता एक-गास्ताका मान গিবিশারীর নিভাগেশ বত্নান। রক্তক— व∾वामी ±ो ≝व समस्यायको । बक्कारी शतासम्ब

#### ্চে, আমলাখোডা প্রপন্নার্থম

त्राक्षवैष व्याः तक्षमान ।

নিভাবেশ। সক্ষক- এখবাসী প্রতিরfermis 1

#### (১৯) শ্রীপুরুষোত্তম সঠ

अर्राक्षात, श्रदी, छेट्या। ध्यार्थ डीत्श्रीय-विस्मानभाषवकीत किला-সেবা ব্রুমান । রক্তক-- ব্রন্ধচারী শ্রীপর্মা-नन विभावष्ट्र. बक्काही श्रीनहीमानम् ।

### (२•) धीवन-दगोजीम मर्ठ

মালবরনাণ, ত্রন্ধগির পোঃ, পুরী। क्षत्रशांशांसद्यत क्रम्यम् सम्प्रा व्योगवाहा 418141 বশক--- ব্রহ্মচারী धीनत्रभवती व्यभावजी। সহকারী-अक्षाबी औरिश्वितिहाती

#### (२) श्रीनिक्शनम् वर्षे

केंद्रिशायामान, कडेक व्यवादन ख्रीक्षक-त्शीत्राक-विदनावत्रप्रक-নিভাদেবা বশ্বমাল। वक्षात्री जीवश्यक्ष ।

### (২২) শ্রীসলভেল-জৌডার মঠ

8भर संशब्दानस्थ्या, **का**णी । (शो :- शनाक्षत्र्ङ मनाङ्ग-निकाक्षत्रः) এখানে গোরসেবা বৃত্তমান । বৃত্তম औदानकीवावकी ।

### (२०) ङ्रीकृष्णदेवज्ञ प्रर्थ

खीनु गरण्या कुछा, खीनाम वृत्सायम । के के नामा-बक-स्माक्तका<u>त</u> स्मना। तकक- केशन तिक्रमण अक्राति

#### (२८) जीপরমহংস মঠ

निभिषावता, मोञ्चाशव এখানে ইভাগণত পাঠশালা ৰ টিগোও বিলোধ বিলাসজীর গেল। ৰস্তমান। শী ওঞ্জোরাজ প্রীগান্ধনিক কা গিরিশারীর বক্ষক — এক্ষমারী প্রীন্দাসংখ্যান ও এক্ষচারী ञीनकाठगान ।

# (२०) बीटेंड ज्युटगोड़ी त्र मर्ठ

দুখুরকু জা, চিরকু জা, মানভূম। ইছা শ্রীকৈত জ-মটের শাখা। বস ক—শ্রীরমা। नां वाब, टिटकनपानम बक्षाती। जीवाम कीय अपवधतिक ।

# (२७) बीगागत्राजीम मर्ठ

কুর্নকের, থালেশ্বর, কণাল। এখানে व्यौत्भोवविद्यान-ब्राह्मक दमवा वस्त्रभाम । तक क---विकाताती द्वीक्षण निक्या ।

# (२०) जाजनभाषा अभवाखन-वर्ष

अभिग्नाषा. (माः गाळू, श्राबद्धा क्रभारत मध्यूष्यमृष्टि जीरगोत्रारणस दम्या ৰস্তমান। বন্ধক---ব্ৰগ্ৰামী জীপ্তাৰকুক। मान, खीशधात्रमण बक्ताती।

# (२৮) विक्री त्गाड़ीय मठ-कार्यालय

**अम्बर्ग क्षात्रात्र, निष्ठ विल्ली ।** कृत क -- अक्षाताती औद्धारिकाद्वासम्ब सम्हामी औषाधात्रमणहत्रनम्बन् । ।.

### (২৯) গোয়ালপাড়া এপরাঞ্জ वक्क-वक्तात्री श्रीवाषाट्याका

# ভক্তমটের শুদ্ধভুক্তি গ্রহমালা

	4 জাক্ষরে প্রকাশিত	<b>x</b>	8	ল প্রভূপাদের বন্ধুভা	की .
		• (	( ;	) दावम च <b>७</b>	h.
	के (अबअब वर्ष ) २५%	, /•	( •	रं) विकीर वंश	. >
<b>≱</b> V1		• 、	( 1	ग) छ्हे थफ अक्टब	<b>511</b> •
* 1	काक्ष्य-मह अञ्चेदेहचक्रविकार	<b>1 6</b> 1	) <b>6</b>	সৰ্বীপ গঞ্জিশা	
	( ৩খ সংখ্যাপ )	',		( ৪৪৪ গোৰাৰ )	<b>å</b>
•1	<b>ब्रिटेडककाश्वर</b>		29	সিদ্ধা জনপূৰ	<b>.</b> /•
	(विवाद विकीर मरकदर)	در د	Dr 1	ोल- <b>मिश</b> ्मणम	40
<b>6</b> 1	मेडा ( अवनासव-मिका-गर )	٠, ١	1 60	ভ (কুনুত্বাকর	
<b>C</b> +	ক্ষা ( শীচক্ৰাৰি টাকা-সৰ )	2		(নবৰীপ পরিক্রমা)	<b>å</b>
• 1	टेक यथर्ग	(	B•	গী ভ মা শা	· \>•
11	ৰুক্তিমন্তিকা গুণসৌগ্ৰভঃ নাছবা	<b>?</b> 1	8 <b>%</b>	কণ্যাপকল্পডক্র (পশ্ম সংখ্য	9) ノ>・
	(बाम्ह)	1	8 <b>२</b>	নবছাগশন্ত ক	1.
<b>&gt;</b> 1	গোড়ীয়-কপ্তছার	२५ (	108	महाठा अच्चा एकः	1.
<b>3</b> (	🚉 চৈডভ শিকায়ত (বাধা)	`	88	भी धन क्र	ノ״
>-1	हिटल नन्दीन	· # •	8 <b>t</b> 1	গ্ৰেমভবিডবিক।	٦,
>> 1	<b>ब्र</b> ेटक्सक्ट्यायुष्ठम् ।		8 🗢 1		1•
		•	89		
38.1	প্রমন্মকাঞ্চর শিক্ষা ( বাদা	>/	86 I	दशोष्ट्रीधम्येकि करत्रम १	•
	के (चार्तामा)	n•	63	मारमा नानी	1.
501				্ <b>অধ্পঞ্</b> ক	10
	, আহৰ <b>ষ চারিব</b> ংয়ঃ)		3	ভব্তিনিদ্ধান্তবাণী	٦.
36 1	∰∙রিশাসচি ভাষণি		es 1	<b>\$166</b> -174	~ 63•
261	নৰ্বীপ্ৰাম-এডমালা			নাগরাক্ষরে প্রক	াশ ত
501	(अपिश्रक्षरकाषुष्टः		6. 1	1100 11001 11001	#•
39 1	শ্রেষ্ট্রেক ( ভূতীয় সংকরণ )		(9)	ণ <b>টাক শিক</b> ⊹দশমূৰম্	1 "
34 l	<b>李章·4383</b>		48	७ 🗣 - रू 🌣 म्	1•
3> 1	শীভার কেখল মাধ্ব- গায়		44		
	(गायामी बण्नाश साम ( रोमा )			সাহ্যাদ শিকাইকম্	•/•
	সাধ্যক্ষমাল। (বাগা)	<b>N</b> •	49	গৌড়ীর ষঠক পরিচয়ঃ	/•
	প্ৰিক্তি বল্লগতিকা সাহসাৰ	**		রজী ভাষায় প্রক	<b>া</b> শ্ৰ
२०।	(नशासक्यमात्र मास्राह	t.	eb	নামভল্লন	1•
	( श्रामाञ्चलोत्र ) अक्रमश्रहणाः	1.	621		<b>।</b> व्
201	. •	٠ لوا		শ্ৰীটেড জ্ব মহা প্ৰভূ	1•
1 35		la/•		বেঞ্চ ব্যক্ষ	;•
201		 امراه	421	•	1•
	वृत्तिमञ्जती नास्त्राह		<b>₩</b> ₹		,
** 1	क्ष्रप्रकारणी वा मार्गावानमञ्जूर <sup>त</sup>	11.		আনেশয়েড্ডিভোগন	_ <b>_</b>
	्ष्रित्माननिषद ( दगरम व भाष		<b>50</b>	्राहा है जो श्री हमें है <b>क</b> ्षु	•
1	ভাজ এবং বিযুক্তি ও সমূৰাৰ সৰ			ডিয়া <b>অক্ষরে প্র</b>	
•>	<b>बिमग्री</b> गढा व छत्र	10	-	শ্রহরিলাস চিন্তাস্থি	<b>t</b> 1.
• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	क्रिश्नाक्षमञ्जनशांत्रक्रमा रूपन	1•		क्राश्च क्षेत्रक	1
••	<b>क्षेत्र</b> ्मच द	j.		সাগন প্ৰ	}*
41	ঐ প্রমাণণত	d•		শ্ব জাবলী	
	अयदीनमाम-माग्राचा	J.		<b>बद्दशांशिक</b>	,
•	Missis :- Misses	ð, 6°	તા: હૈ	वेगाआयूड, भद्दोष्टा ।	

প্রবর্গরভোগ। স্থান সংখ্যান। অরপ ক্রেণ।) গ্রন্থাকারে খণ্ডে খণ্ডে প্রকাশিত

# শীলপ্রভূপা রবজ্তাবলী

ওঁ বিকুপাদ প্রীত্রীমন্তকিনিদ্বান্তসর্থতী গোষামী মহারাজের কিই অবিদ্যা-বিধানি ক্রান্তসর্কাশোঘোষিনী ক্রান্তকাদ নিন্দ-দায়িনী ক্রান্তস্বাদীর মৃত্রকিন্তাহ—বৈফ্রনিগ্রেছ-রত্নমালার ক্রেন্তপার্দি —সেনাকুত্রমগুড়ের কৃষ্ণ কর্লিক্রম-সম্প্রদার বৈভব-বিজ্ঞানাগারের মোলিক তথা—পঞ্চরাত্র ও ভাগবতের সমন্বয়ন্তর্ক্তন মহাজন-জীনন চরি ১-শিক্ষক—চিধিলাস-চিন্মান্তাচিন্মান্ত-বিচারক—ঐবর্ধা ও মাধ্র্যারসের মোলিক গবেষণাগার—সম্বদ্ধ, অভিধের ও প্রায়োজন-তারের সিদ্ধান্ত-মৃদ্র।

১। প্রথম ব্যক্ত নিক্ষরদর্শন, শ্রীগুরুত্ব, কালধর্ম, শ্রীমধন বির্ভাষ, শ্রীবার্য জাননী, পাঞ্চল ত্রিকী দীক্ষা ও বর্গ-বিচার, আত্মধর্ম ও মালাধর্ম, শ্রীটেড ছাদেব ও তাঁহার শিক্ষা, অপ্রাকৃত সংক্ষধর্ম ও প্রাকৃত সহস্র-ধর্ম, শ্রীপাদ স্পর্বরপুরী, শ্রীল রসিকানন্দ-প্রসঙ্গ, পুষ্টিমার্স প্রভৃতি বিংশক্তি শ্রাধর্ম রক্ত্রে স্থানাভিত। ভিক্ষা মাত্র দও বার আনা।

২। বিত্রীয় থগু-শুদ্ধা ও নিদ্ধা ভক্তি, সনুষোর শ্রেষ্ঠতা কোথার, আলার নিহার্থতি, শ্রীপর সানিপাদ ও মায়াবাদ, শ্রীণোর নিত্রানন্দিশে প্রস্তুত্ব ধর্ম ও কৃষ্ণকী ইন, শ্রীনাসপূজার শ্রীমন্তাগবতের কীর্ত্তন, শ্রীগোরধামের মহিনা, মহাপ্রসাদ, শ্রীগোনিন্দা, শ্রীক্রপাত্মসভন্তন-পর্দ্ধ, শ্রীষতা ব্যভাত্মনন্দিনী, শ্রীচৈতত্যের দরা, গৌরকরণা ও কৃষ্ণসভীত্তন-চতুর্দ্দা অপুর্ব-মধুরিনাপূর্ণ-বক্তৃতা-বিভূবিত। ভিক্ষা ১, এক টাকা মাত্র।

প্রথম ও বিভীয়—তুহ খণ্ড একত্রে লইলে ভিক্সা ১৫০ দেয় **উ কা**, স ডাক খনচ সতর।

প্রান্তিরান:--এ.ছবিভাগ--জীচৈত্তখ্যঠ, পো: জীমায়াপুর, -দীয়া 🕆

. "4

আগামী ৩রা এপ্রিল (১৯৩১) তালিখ হইতে

# ভীধান নায়াপুরে

ठाकूत ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

# ৬৮৮ ইংরেজী বিদ্যালয়

# খোলা হইতেত্তে

বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যয়ে স্থন্দর বাসস্থানের বন্দোবস্ত হ হাছে। প্রত্যেক ছাত্রের খোরাফী বাবদ মাত্র ছয় টা কা মাসিক ব্যয় হইবে। খান অভীব খায়েকর। ছাত্রগণ অভিভাবকের পর্যন্ত সম্বর নিম্মলিখিত ঠিকানার আবেদন করন। সেক্রেটারী, ভাকুর ভাজিতিকানে ইন্ট্রিটিভাই ইচিড্ডার্মঠ, গোঃ শ্রীমারাপুর, নদীরা।

# ৫০ বংসরের পরীক্ষিত করেকটা মঙৌবধ कारशातकातीया "अल प्रश्न कहेबा द्य ममन्त्र व्यानरमा भाग किन्द्रिकन, काश শে করিলে বছ বছ পুত্ত চুইয়া পছে। আপানিও বাবলার করিয়া গল কউন :

১। চল্লপ্রতা বটাকা-চ্ছার নাম্চীত বেনৰ কালন সেই ছক্ষঃ ইংগ ৰুঙৰ ও পুরাতন মেচ, মৃত্রতক্তি, অর্গ প্রাভৃতি এবং জীগোক্ষাবের স্তিকা ব্যাকাষ, त्यक क्षप्र अक समय कालुकि क्लाला चात्र कनकार।

३ : चुबुल्जिहात विका - माधकतनाविन अकृत्के निक्षाविधात्रक देवन । CT Cकास रेपविक छ मानमिक नीष्ठाबनकः व्यक्तिकार्याः अहे खेषन नावकाटन नाष्ट् शिक्षां क्ट्रेटर ।

🐞৷ মণ্ডুর বৃত্তিকা---ট্লা সেবনে প্লীটা ৰ ভনপ্লস্থিক কেবা ও শ্রীর পাতৃত্ব **बहेबा या क्या** हेन्द्रानि निष्दिक हहेशा बकं गरिकार से द्रकि आश है।।

🗫 किन व्यक्तित्र कारकाक छेमरभन्न मुन्त क्रांति दक्ति। 🔍 है कि।

আধিয়ান:-আতঞ্চনিগ্রহ উমধালয় २५४तः बक्रताचाव द्वीतं. वित्तकास्ता

# बीनवहीं निभाममाश्री अभाग वक जिंका ए

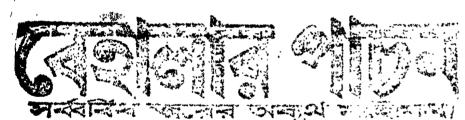
া আইচডের মহাআ হুর বিহার ও সীলাভূমি নয়টা হাপ-স্থাবত। আই নর হাপের व्यक्ति विवयन-क्राष्ट्राक दीरण केमठाकाकृत नामा-क्राप्टाक दीरणड भागात्रहरू, **क्षियाम- ग्रह्म श्रा--- वामाणवाव कि ? इंड्रांकि विवय वित्यवर्धात मानाएव ७८%** सालेखाः भरमध मीहस व्याप्त ३७० मुखाः।

# **अनिन्छा भ छात्र उस ।**

९क्कम द्यास-त कार्गाएक উত্তম कार्याक काला-- द्येलंच <sup>ल</sup>लवाम मनील कार्य क्ष्मनंकादीय कि श्रकात कार्यन केक्ष्मन हत्र, काका आहे आहे विषय विश्व । बाक उपरकात ।

সাধকক প্রাণি— শ্রাইবঞ্চবশানা, শ্রীহাটপদ্ধন, শ্রীক্রাঞ্চর আছে।ওর পড়সাম ও শ্রীণ নরোন্তম ঠাতুরের ১৮৯নিঃস্ট হনিছাছসমত প্রার্থনা, প্রেমক্টিন ১ বিকা প্রভৃতির অংগতি গীতাবদী সুণাকারে প্রেট সাইলে সুদ্রিত হয় সংখ্রণ किका। • हावि भानगाता

# কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



ককংখনের স্থাপথার জন্ম ও আঃ শিশিতে ঘনীতৃত অবস্থার ১৮টোবেণ্ড্রের সমগ্রিমাণ खेबर ६१८क मार्कान हर, हेशारक खेबरनत दकान महिवछन कता एवं माहे। प्रका श्रीह चिनि ॥- ज्याना, शिंहेरे ॥d- व्यानी, (याक्त ১d- व्यानी।

অফিস-১১নং উক্তাডাঙ্গা রোড. পোঃ স্থামবাজার. কলিকাতা

शहर क्रमणाक यहत्रक्षय, बाबारवाया, युक्त पक् क्क्नोन्द्रिः क्रानिक्षाः व्यकृष्टि क्ष्मनः मध्यः विकास ब्बारकाचा एवं । वसुन् गोदी, द्यमा त्रक्ति कविद्य व्यक्तिक देशिक वे व्यक्ता कर मही ५० वक देशका ।

ध्यण्डम्बाचा वि शकु" भूक्षप्रकाति दुवारमें वाक्षप्रतान वाता आरंगित करिया वर्षित्रव्यक्ष करतः। युग्तः ६-८४।ना ३८ हेक्सः १ "ব্ৰহ্মপৰিলাসিনী বটিকা" থীবাধায়ৰ কয়ত সভোগৰাক ছাত্ৰী ও বৃত্তি কৰিছে भारतान्त्रमा द्वा ३० मति ३, सम् हाना। शहरक नाजानानानी, (नामचर्ची) 

# शहरणामन

# কোষরাদ্ধ বোগ

७१६ अयु, ब्रम्, ८५१५ । द्वा भारत, यायङ्कीन(लक्ष भा।≲।धि (मम्र) देव्हाकिक कानागांटक दकावनुष्टि द्यान भारताना क्रिशा बाद्यन ।

> किंकाना---क्रम सर करेंस होते. बख्यायात्र, 本事の事1:31 |

31

- शिखगुरमञ् कानार्व मस्त्रीयव । ५ मोजीवी ब्रैननयं, मश्रास्त्र कारवानाः। 🚛 🕫 ue बाध कामा, बंध ठेा कामा । बाधन, पुशका

# শুক্রাচার্য্য সঞ্জাবনী পোষ্টাই

ा जारभव अध्यक्षक एक में जाने भाग भाग । भूगा > फिना 'शंव भागा । <sup>क</sup> भागा पुरुष् ।

# ৩। সন্ন্যাসী-প্রদত্ত অর্পরোগের অব্যর্থ আংটি

भारतात्रा ना क्रहाम मूना प्रकट्टा भूगा ३१० मानातः साम्रह शुक्का

# (काष्ठ-वाञ्चव श्रीन

अक्षीन, टाव्काना, एक्टनम्बात यटकायना किना ॥- आना । भाका नुनक् ।

#### বাভেল'ন 13

त्रकटहारशक मध्यां भागा क मध्यादक भारतात्रा । उद्देश विश्व क व्यान्त व hi 40: 994 1

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তুতকারক। সহর ক্যাটালপের এর পত্র শিখুন।

क्षांख्यान-गति। इन दल र ति हैती (मा: प्रेयाती, कालाभुत, छाके:

# মলোমোহন প্রেস

পূর্ব বাঙ্গালায় স্থাতে মকসগুণার তাপার জন্ম বিখ্যাত বৈদ্যুতিক মেশিৰে দিবাবাত কাজ চলিতেছে বিক্ত আনিতে হইলে নিক টিকানার পঞ লিখুল '.

> मार्टनकार---मरमारमास्म ८ अम् २०१६ ० ना दापुत्त, हान्छ।

# মরা মাত্রৰ বাঁচাইবার উপায় 🦠

ৰ্ণিও ক্ডাণি ক্লেড মন মাধ্য বাচ্ছবাৰ বেদাল क्षेत्रम व्यक्तिक क्षा मार्क मिला, क्षणांच याकाला मानावित भवित्रभक्त, केमार्य भगीतिक शास्त्र महिन्नी कार्यक भन्ना हरू वृह्म क्रिक्ट्राटकल अन्तर लागाः शकात्रं ट्रम्ण, क्राट्सक শাভু দাবৈশ্য, সাহুনিক চকানতা, বঙ্গুত, গুল্পা, পালে-मध्या खाली छ । अन बन्द जीटवा करिटमक मध्या या वो मेर्चिक, वकाः, युक्तरमा, क्राटमा, **(युक्त क्राक्टलेका**, विक्रीवंश व्यक्षक (बारण कृष्ण ) श्रीतरेन निवाल व्हेशाहन, क्षांता का चारमातकात अधामक जालाहे अने हाल भारतका चौतिक्रीक हेटल कि क गलिखेंगम गांतरात क्रिया वाbc के नात्रमः खाबाद नक मक्ख कामान काफ नदगढा है शास्त्रा याबिराहर । र्गाणाता अञ्चार वक्षावम स्थम वावणात कार्या आहिताला विद्या भारकम नार, काराज अक्नाड वह अवयह वास्त्रीह के जिला (\*) Cमचुम । अक मारणंड वानकारबाश्यानी अक मिलि सुब्रह .... 4 SIR INTO ANC AN NORTHWIN



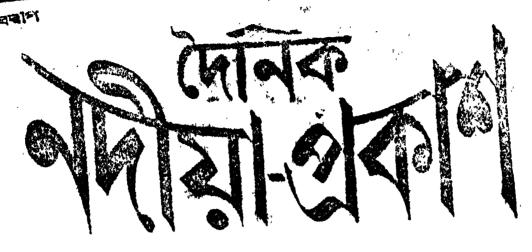
লোল একেন্ট্ৰ

ডাঃ ডি. ডি, হ'জরা।

करवश्रद, गार्जनितिह त्याहे, क्लिकाल क्रिमाना म्लेड कविश्वा मिलिएक

Cofor-নতাৰাশ

FRINCIPICATE ETT afe tie 3 थांक क्राम ५, ME #415 01. व्यक्ति क्रमान २५ श्रीक क्षणीय 448 1



স চেংখ্যের, হার অগ্রিম দের। भागिक रू । माश्राविक द देशाभिक २५० गध्रिक > 515[W প্রতি সংখ্যা ৫

西田田-田田市- 五曜日 (GIPTE 日本日田 田田田)

७४ ४७ ो

ि २२ म नः स्रा

ষ্ঠাটেত স্থান্ত প্রাধান মাহাপুর- ১৫ই চেত্র সোমবার ১০০৭, ২৯শে মার্চে. ১৯৭১

ः र **भागक्षिक व्यवस्था** शतियम्

इच्टन मार्क छाट्डीम सम्बद्धा नविवन विभिन्न देवानिकके त्यासमा करमा देव. वस्ताव लेलाइशास्त्रम् ।--- लात्रास्त्र पर्दार्थत बारिकास केवल क्यांकि हाका फार्ग कहा बांध ना, कारबारे टाखाबिक विगति गर्धाव मुंशेंड व्हेरण जिलि ख्वी व्हर्तम ।

' প্রাংশর ভারে সুষ্টার এক সংলোগিজ व्यक्ताव करधन दय, इके क्षेत्रांत करणा श्रीतः बोलाव नगाय ७ नाइ खतुर प्रमुक्त वहर उ बंबं बोबाब नेवास २ मांड जनर प्रमुख वररफ भाव कामांव गर्याच धाक काला हाटन हैं। से बादा करा क्छेक छ र शमत श्रादाक्र ग्रंब इटेट्ड बिरन व मटि है। क चर्नाम रुके । जात कळ प्रदेशिय छालात भराषांबरमञ्ज्ञाया। करिटक छेठिएक भिः ि, केल्लकारिकाङ आशिष्ठ करान ध्य. क्षेष्ठ अक्षा विषय मध्य आरमावना करात क्षेत्र व विकास समाज्या एउँ का

\* : Caffeed पर्यान द्या. आकृष खक्र छत विवेद्यंत्र मश्द्रणायस्थक व्यञ्जान माधात हरू:-चृंद्शक मध्य मा दिलाई चारणाडिन्ट क्षेत्राह्म । किंगि नामन व्य, भाव शही विश আন্তাৰ সভায় আলোচিত চউক, ভবে किश व्यव्य कता मा क्रमा गकात रह्या ।

े १९९५ - व्यक्ष्यम् अस्टामाधिक व्याष्ट्रायणीत िबारमार्थम करण । ज मधान संकर्मात्मर क्षिक Ben । अवश्या त्यांगाएक नियम्भित अल्प अञ्चय कांत्रधा कृत्र भिन व्यादगाठमा क्षात्रक क्षात्रकारकम ।

# ভারতীয় ব্যবস্থাপার্ষদ

কাণপুরে ১১৫ জন নিভিত ও ৫০০ শত জন আহত

ज़र वाजिति भी **बिद्ध** 

জাল হাণ্ডনোটোর দায়ে কাবুলীর বিপদ

জন গান্ধীর সমাবেশ

ফেডারেশন ক্ষিটীতে মহিলা পার্লামেণ্ট প্রশ্ন

লিশ জমাদারের পদত্যাগ

াদনাজপুর ভাকচ্রি—পোইচলরাণার আক্রান্ত

# চটগ্ৰায়ে ভীষণ ডাকাতি

কংত্রেস ভ্যাকিং কমিটার প্রস্তাব

কানপুরে ১:৫ জন নিহত ও ৫০০ শত আহত

কাণপুর্ ০চটে এই মধ্যে প্র काभियादक त्य, इंटल्ट्रंट कार्केट्रंट आक्रमा त्यात हिल्लाहरू, स्टब स्टिस्ट द्रकाल महत्राती लाक्षः अन्तर गाल्या याः सार । २५१म भाष्ट्र भवास्त्रमा भगे स भाग्ने निकाल्य भाषा ११५ व महिल्ल मुख्या बाठ महरू कियाद बिहा विश्वस সূত্রে জানা নিয়াকে।

কাণপূলার অব্যা भाषि ! अग्र ८५ है।

विशृश्यक्ष भाकि व्हाक वानभूक (यू. भाक्षा, व्यान्छ टडकार्ड, आ १४८%) खाडाइहे (भाष्ट्रनीय गरनाम शाहरा यहceto । क्यानामादी, ल्फ्रेकराक आए। १व भः कृष्टिम् व्याद्याद्यादक्षेत्रं भटनेक् व्याक्षी क्षीतिक क्टेरफ़रका छिक्स मन्यानारयस त्माक्षात्रण **क्षेत्र भाषाः भाषाः कवितात्र कछ** व्यासाय (१८४) कविरुक्तकमा भागान वाद्यक महाद्रारकत जानात स्वरंग छेन्द्र

मुख्यमारवत सम्मान्दि मगरवड कडेवान किर्याम । अक्टबंत्र डेमत किंड कहिया त्य पात्राटक टाइक औ क्त--- बहे भएक क्षांकाबा धक काहे अपन क्राजाय क्रिक्रोट्डन ।

> , जाना का प्रदेश परिवादकेत्र जा**रक**ः ক।বুলার বিপদ

वाजामाञ्च भवक्षात सनीतन दशीतीलूटकः करण कक मिल्डि दकादमद्रा क्रीय करता. मुखान वी समित अवस्त कांचुकी मनासङ ्रावात रिक्टक वर्ष्ट होकात्र वार्थात्रवादवेश क क्रिंग मन् अल्लास करता के भागनाम शाखाना विश्वास्त्र ।
 शाखाना विश्वस्त्र ।
 शाखाना विश्वस् व्याः अन्ताम (कत्र मृः भाषः (यावात्रं निक्षे भागवाणि : विठाव कठवाकिन ) क्वेंबी मुखान चीन विकास माणिण करिटण कामाइक आशिश्ट्रवत मात्रवात स्मानक कत्रा eenily 1

करर धन अशांकर किम्बित अखान व्यकान अ, क्रद्रवाम खतानिक विकि विषय किया किया मिनिक्टक (आरमाठकार क्का कार मिर आर्क् उन की मन का नगा कृष्टिक कार्यों काळार्या काल्या हेड्यात कार्याक्ता अधार्येत्र ७५९ भर प द्धाराव भवनकार मह कारत मनवन मा कड़िय काकारमञ्ज्ञ च.मृन्य द्यम 😸 🕟 । नताचीम-ভার বিষয়ে ভটাত মূল ব্যিপায় জীৱ क्षीक (क्ष्मी वे दालाना का १) कहा होई छन्। Beigefan freis al wiest Boren. कहाँम अ अति महत्वाद्यक गोविक विकास कब्र, इंटबाट्य ।

দ্ইজৰ গান্ধীর সমাবেশ करदशम निविदेश हाकना

अशाही कर्द्धम निविद्य जनम क्रडेक्स शाकीक समार्थम •देशारकता ध्यक्षेत्र कृष्ठकातः विश्व व्यवप्त वाकि मीर्चकाव, बांब्हे ध्वतः देशन्तिकत्र मक व्यवद्य विभिन्ने। ध्वके स्मर्थास्क शासीत নাম--গাঁমাস্ত ক্রদেশের গান্ধী। উর্বাচ আরুড নান আরুল গড়ুর খাঁ।

श्रेषात्र माल महाभिक् ग्रांगकुर्छ। পরিকিত পেশোয়াতী পেক্ষাদেবক আসি-बारका अक्षांद विकाश करातात्र मगबीब टाटबण पाटत डेलडिफ एकशव क्ष्म दण्य मान करतन दश् भौण-कुर्छीव मन कर्टशन निवित्र आक्रभन किटिंड कांगिशांक। हेगांड धक्री Bimenta कांव देशी (मेर कांट्रारम्य (प्रकातिकका वीमी वासावेश मक्कारक मकर्क करता

অভশের জানা যায় যে ইচায়া नांगकुकां नविद्या इवेदमच टाक्रुवनका महाका शाक्षीय निर्दर्शनी नरह, शीमांख व्यादम्य क्रेट्ड काश्रंख द्याव्हारगवक माव Betenn min-"(coinie conventa !"

প্রিচর পঃ ওরার পর'আংবছল গায়ুর चीत माम केशामिशाक कराताम मिनिया व्यादनम् कतिरक स्वका व्या

কথাঠীতে আলিরা: আবলুল গড়ুর चैं:, भिका चारका मारा कर चारका न्याप्यम वी अक विदुत्ति क्षाठात्र कविशी-CER 1 Cielle ant estite,--- "entegest **अ**विकि भीभासभागी (सम्बादनरकता वशाया नाषीरक आक्रमन कविशाहिन, **७१ मध्याम मन्पूर्व अमृत्या । जाम**हाई धारे द्रष्टकारमध्य मण गठेल कतिशालि। क्षारकम् जामन भाग स्वाहाह स्वहान । देशीया व्यक्तकशास्त्र मानकृष्ठीव मानत ८णाक वर्ष मंच-८यांचाम आवण मणाव कंडिलक महक्र मश्रेष्ठ। गांकीटक कारणा करनव भाग निया किक्रम अञ्चलित wfautcu.--- beig স্চিত Culvie (ध्यमक्रमावग्रावय (कान मन्नक नाहे। વ્યાપથા અરદકારમત્ર ગીજિક મમર્ચન હાગર वश्या शाकी व व्यवस्ती।"

काशीचार्कत्र मन्दित हात्र

कुक वर्षकांत्र कालीबाटिक मन्दिवस लाबान कम बुद्धांत मालमीत राख कराय अक्रमाहि मानाव बाणा किनावेदा महेवा ्योहेएकदिन: किस बुद्धात हीएकारक ्रम्भाग काशास्त्र वृत्तिया स्मरण । व्यानी-शूर्वत गान्य माक्टिके, क्रथम टाफ ्रे भाग गटाम काताराहरू भारतम विका-(FA)

নোরাখালীর মুসলমানগণের ভাতীয়তার কার্য্যে যোগদান

मध्यां छ वनित्रहाँहे बानांत्र व्यक्तीन बानातशास्त्रे शक्षि (हातात्र वर्षात केर्छार्य धक मका क्षेत्राहिल। ६ क्षाप्टित्र व्यक्ति दर्शाक क्षेत्रे गुजारक (यांत्रवान क्रिक्सिक्स ध्यर देशांत्र अभिकाश्महे , युग्दानां न त्योगाना मत्नाव्य चांगी मळाग्छित्र चानन अश्य किया किएम । स्मेगाना माइला. क्ष्मी श्रमादश्य-डेम-डेट्मश्रम भ्राम्ब (योगरी देवादिय, कराजाम कथी (योगरी व्यावक्षण ब्रष्ट्रण, क्योकिणहवा साम्र (होस्ती. বিত্তের মজুমদার প্রাভৃতি করেকজন लोगची गञात व्यक्टा निवाहित्सन। মৌলানাগণ বস্তুতার বলেন যে, মুসুলমান पिर्व के किल मर्ट्यारमञ्जू कोट्या त्यां प्रवान कशा धकि शाही कराधाम व विकी शक्तिक क्टेबाएक व शहेनमूनक कार्या लेकबा दिव कडेस्ट्राइ

# দিনাজপুরে তাক চরি পোষ্টাল রাণার আফ্রান্ত

मिनायभूव ८०७ (भाष्ट्रीकिन इटेट्ड যে বাৰাত দিনাজপুর হাপৰাটী পোষ্টা-कित्म फाक महेबा यात्र, त्रमा श्रीव अवैद সময় সংক্রের বছবলার অঞ্চলে গুরীপাড়া भूर**ात विक्रे एक्ट**(वर्गी २ वन **भ**काल 'दर्गाक कर्षिक कालामन करता कतार्था > बन रागात्रक रहाता गरेवा बाउन्मन करित्म अभाग्न वास्ति (मन नात्र महेना यात शहत छे अधारे शिक्षेत्र की अञ्चलक म(म) भनावन करत । क्रांगात छारु। एत निक्र क्ट्रेंटक क्षात्रा आमा काफ्रिया गर **खाहाटक कामात्र ८५८३ कि किए क्रक क**्रम । व्यक्त: ११ ८गई बाज व्यक्त एवं विकास भी खा यात्र। क्षि नगम र मफ होका छ क्षक का (तरक हो हो । हि । वा वा वा गाहै। काश्रां लक्षि क्रमिलय क्या भार्त्यात क किया यात्र । इस्र एक वा अधन क পৰাত কা

# চট্টগ্ৰামে ভাৰণ ডাকাত্তি গৃহবাসী वृष्टिंड ও প্রস্তুত

रेगविषा खात्मक विचाय मगायम भारतामश्रक्ष भागरहास भाषांच श्राद अकडी। क्षीयन जानाजि व्हेश शिवाटक । वाजि विश्ववेदत्र सम्प्रक स्व व्यक्षां व्यव्य अध्य अध्य अध्य **मल्याय काकाल के क्षेत्र मुर्श्व क्षिए** भारक करा होकि ंहा भवास के कार्या कर्षा काश्रंत शिम्मूटक्य हानित सञ्च शृश्यास्त्र मात्रशिष्ठ जनश स्वभारने है। मा मुकान कारक (महे श्वान स्वशहरक वांबा करवा काकारणात्र मार्था धावम आय-यामीत्मक क्रम (क्याहेडा क्रोडेमा विनाम

कछ बोखात्र भागवात्र निवृक्षं भारक। इतेटक विदय ना। दीशात्रा स्यामक পরিমাণ টাকার অল্কারাদি লট্যা প্রাঞ্জ

यटन बचना स्ट्रेश्नाट ।

#### वानिका स्त्रदर्भत्र योगला

चांनी श्रमाम मार्'त छी बरनचंत माही চতুৰ্দশ বৰ্ষীধা বালিকাকে ভাষার স্বামীয়া-हेर्ने शिक्ष बाढ़ी कहेटल शहंशायक कृत्रणाठेवा वास्ति कविता गरेवा या उत्ति व অভিযোগে ২ জন স্তীলোক শিরালন্ত পুলিশ সাধানতে অভিযুক্ত ভটয়াছে! मामना मून्छ शे चारण।

### কেডারেশন কমিটিডে মহিলা भाग रियन्ते अन

क्ये छे: हत्त्र अर्गाहण व्यक्षण क्यक শন্তার মিদ বেথ বোনাস বিজ্ঞাসা कटतन (य. प्यात्रामी (त्राल्टिविन देवई८क ভারতীয় মণিলাদের পক্ষরতভে কোন প্রতিনিধি ডাকা ধ্রমে কিনা উত্তরে ভারত শতিৰ বলেন যে, ভবিষাতে ভারত क्षेत्र कार्याक काहारक कार्किनिमिक्त •वेदन, कविवास किनि वक्षमाधित मा<del>प</del> পরামর্শ করিছেছেন।

भिः (यन चार्ड मानान (य, कार्रेड मतकात्र वाणाविवाह निर्देशीय चाहिन वाकिल করিতে মনক কৈরিয়াকেল, এরেশ কোন भः वाप छिनि चानिन ना ।

#### ১৭ বার দণ্ডিড

দেব কোরধান নামক একজন পুরাভগ नानी निशानम् द्रेम्त करेनक याजीव मानिकार्ग हति कशाब अखिरवार्ग २ वर्मक मध्यम काशान्त्र खरा १८, होना करियाना चळ्यांत्र ७ मान कातामच्छ निर्वाणमः ० व পুলিশ মাাজিট্টট কর্তুক দক্তিত ব্রহমানে।

कामभूटतत व्याभाटत महाचाको कानशुर्वत व्यवश्राय क्या महाचा গান্ধীকে আনাইলে মহাত্মা অভিমান্তার व) थिष्ठ इन क्षत्रः वर्णन.---

- अके मध्यार्यत्र याना किछ निमानाय कतिवार कावा भू चित्रा गावे छिक ना, करताम उद्यानित क्यिति व्यवक्रते छहे शांकांत्र कांत्रण मधान छल्छ कत्दियन, विक्रिक एक क्टेंट्स (व ध्वत शां**द्या** বাইকেতে ভাতাতে বৌঝা বার কিন্দুপ गामाक कारति माञ्च देशीहाक करेका शएक। आभि आणा कति कहे विषय टनारकत मरनंत्र मरका दननी भगत े वाकिएक त्म खद्दा क्रेट्व मा .--- भग्नावायन नांचकाव धावन कत्रिया कार त्योराक बंधन किंग

कांकाता गर्मात के काव्यात हो का था (महें चार्गी गर्मात मिक स्मार्क केंद्र क्रिक हो हिम. खाशास्त्र महम शाबिटक क्वेटन हम्, क्वे वत्वत मञ्च र्वत करण ५३% शरकाम लाज অংনকগুলি মিলিটারি পুলিশ ঘটনা- অগ্রদর কওরা কইলাধ্য হট্যা উঠে।

### कारेगाम (अवदत्रतः विवृद्धि

वृक्तकारम्म वावशानक मकास माहेसाका भिषत कांगभूत याका मुक्दक निरहान मर्ग्य कक विदृष्टि काम करतम। किमि वर्णन --- गण २८१म त्रामनाच ममण विक मित्रिका माला हिलाहार्टक, माल्ली विकेटक वेडे वेडक्यायांव वाविनीत प्रदेश वन चानीच भागवारिनीत मकि वृद्धिक्ते <sup>(भ</sup>गवारिक्य ए का क्षेत्राटक । अक्टबर एक खुरण वर्षामाह्य द्यान द्यान्यांत्र माहे, क्षि वाहित्यह मन्त्री खिलिएक व्यथन व श्वाकद्यांत्र हिलिएकदक বাজে সহরের ক্ষেত্রখনে লভিলাগী शरेगा छात्र ७ वंडे वंतर्कताबात वाल्मि नियान क्या स्व । देवनान दक्ता नवाक मुर्कित भरेबो। ६२ ७ व्यक्टिक मरेबा २>६ किम ८ मय स्था अब मा का भी न माहे। व्यमानायाम विकासम्ब कथिमनाम, दक्षमुहि পুলিশ ইন্স্পেটার জেনারেল: প্রাকৃতি winds plat finites. | mant. aca चरमकी मास ।

#### সভা স্থগিতের প্রস্তাব

८णाम द्यवरत्रक विद्वतित्र अवसे अधिक टब्लारहर स्टाम कडे मार्च मणा स्निएकड मञ्ज जरु क्षान्य के विश्वन क विश्वक , हाम त्र नत्रकात कामण्डल माखि मुख्याः बर्णाय शाबिटक शांदवन नारे।

কাইনান্স মেশ্বর প্রান্তাবভিন্ন ক্রীক্র खिकाम कविशा बरमन द्य, कान्युरक প্ৰাণণ ৰহিং প্ৰাঞ্জনিত মুইমাজে। সুমুম্ভার गण्य केश "निकाणिक कविवास केर्युट्स यशामान ८० छ। कतिबार्डन व्याप्ताकृति महकारी कर्षात्री माखिल भूगः व्यक्ति। क्ष व्याननन गतिक्षम कविद्वाद्वन । व्यविकाल्य नगरका मरक व्यक्तांबक्ति हारीक ক্তরার প্রেনিডেন্ট স্**কা**ুর্মিছের व्यक्षांनी बार्ग करबन क क्षेत्र लड़ कविवदत्र कारमाहमा व्हेटव अक्षण मिर्दिन त्मन । मण्डाहे ब्रावित अविद्वाहरमञ् त्य, कामजूरवन जूनियान वार्या करणाय-मनक इस नाहे।

পুলিন জনাদারের পদভ্যাস .. ভগৎ সিং এভৃতির ফাঁনির অভিবাহে मोलारण व्यवश्रिक मानादात्र द्रण्यमानः अनिव या किनीतः क्षत्राचात्र । क्षत्राचद्रमधानः अवकाशन क्षिशास्त्र । 🕟

### **इश्मदक्**ख

পঠিকগণ ভাৰণত আছেন, গত ২০ শে ফাছন শনিবার তারিখে ও বিমুগান পরমহংস পরিব্রাজসাচার্য্যবর্ষা অস্টোভর-শত শ্রীশ্রীমন্ত্রনিকান্ত সর্থাতী গোলামী প্রভাগ ভর্মন প্রাদী জনগণের ভ্রমনার -তির অভ একটা অভিশয় মনোরম ও শান্তিময় ভদন-স্থান প্রকট করিয়া-ছেন। সেই স্থানটার নাম -- হংসফেত্র **গোবিন্দগ্র, প্রায়ত** লোকে চলিত श्वांषात्र देशांक शांत्रशांकि विवास शांत्रशा ্ স্থানটীর প্রোকৃতিক শোভা

আম ছাপার বিঘা জমির মধ্যে একটা **স্থাহৎ অট্টালিকা** অন্তিত। ভাহার **ठफुर्किएक भाउ गरम ज**ुस ७ वृहर নাদাপ্রকার দিব্য পার, পাপ ও ফল-বিশিষ্ট বৃষ্ণ, শৃষ্ণা, কুনরাজি অপুসংশোভা বিস্তার করিছেছেন, আপার ২০খন-मभीतापत्र मः न्नाम जाहाता त्यन कि এক আননে মন্ত হটয়া নাচিয়। উঠিতেছে। **সেই বৃহ্দানির শাখা**-প্রশানা ত্রণ বৃহ্দ-লভায় মিলিত হইয়া যে অপুধ কুঞ্জ রচিত হইয়াছে, তাগতে বিহসকুল আশ্রয় তাহণ করিনা কোন এক **অসমোর্বপুরুষের** তেওঁ গান করিতেছে। **অহস্কারোগান্ত ব্যক্তির জড় অভিমান<sup>্ধারী</sup>র অবস্থা অভিজন ব্**রিচা ১০, চিত্রে আবার ভাহার দ্বিণ্টিকে অভিগয় वाक्रमणिया ह्रनीनमा शीत मध्त ८०८५ প্রবাহিতা। কি এক মহান উদেশে বে के नहीं जो ध्वाहिना ७ दा भार्म

कीर्यत शुक्त वृक्षित अागा। স্থানর শোভানিশিই ভবনটার প্রায় **চত্তদিকে এবং উ**ত্তেট্ডুমিল উপনে লো, লোবৎস্থম্ছ বিচরণ করায় এবং নাতিউচ্চ তটভূমি ধারা বেষ্টিত থাকাৰ **मर्नेकशरनम् निर्म**यणः छात्रमाननिष्प्रस्मत् द्य खलाक्ष्ठजादवत डेफीशना इस. छोटा मापूर्य আযোগ্য ব্যক্তি বর্ণন করিতে অনুন। জাহতারৈ মন্ত ব্যক্তি উক্ত স্থানের श्रम्भाग केनी कतिएक श्राटतम न।

ं न भानेन वाङ्गित्र मक्ता है जना, अधरा, শুত, শী প্রাভৃতি অহমারে প্রায়ত হইণা भट्छ। कर्यन ७ मटन करत्.--- श्रामि अंतिन, चार्ति क जिय, देवन, मूल हे छा। पि। कथन ६ ছাবে, আমি এখাচারী, গুরুষ, বানপ্রস্থ, महानी, कथन ९ निर्फारक धनी ना प्रतिज অভিমান করিয়া ত্রণ বা চংগ প্রকাশ করে: আবার কোন কোন সময় আমি অহিতীয় পণ্ডিত ভাবিয়া ধরাকে সরার মত দেখি বা পণ্ডিত হইতে না পারায় निर्कारक अभ्रष्ट भरत कति ; आगारमत गरेंभो दंक्ट दक्ष दहे भुगान दुक्तत्त्त ভক্তাদেহের অনিভারপগোরবে প্রেমভ হট। তাই আমরা আশোক-পভরায়ত নদীর মাধান্ম এবন করিয়া অপ্রারত

# मिनिक बनीश-शकान

নিতাপাঠা বৈক্পৰাৰ্ভাবঙ

বেদাদি সমস্ত সাহত-শান্তের অক্তব্রিম ব্যাখ্যাতা সমগ্র ভারতে একমাত্র মূলভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

ইলাস মাহাপুর ১৬ই সৈত্র, সোমনার -১৩৩৭

কোটিচন্দ্রভাতিল নিত্যানদের পাদগরে আশ্র এখন করিয়া নিভান্মের স্বলপ দশন করি না, চিন্তামনি ক্লটেল্ডলরেশ-বিএই পূর্ণ শুদ্ধ নিতানুক্ত নামী ইইংশ व्यक्ति खीनात्तर निष्ठा की दन करिना, ব-শাগানাস্তধ্য ও আবশাদ্ত ছল্ভান ্রী ক্রেডিব মুখ্ড জুলিত্যকাল দুর্শন করি না এনং আ : ক্লেন্ড ভণ ও লীলার ক্রন্তি इस ना. जीनाभट्यता, जीवाभट्यता । इ क्रथ কাম্পেনাই যে আমাদের আত্মার নিতা বৃদ্ধি, ভাগ আমরা জড় অংশারে মত ছইয়া বুঝিতে পারি না।

চর্গ বিচর্গ করিন র জাগ্র हर्गीनमी अवाहिडा

আমরা যদক্র কেই ব্লাভ্রন (কলপানার আবেদ্ধা পা 9 5 64 অগ্লায়ে শ্ৰেষ্ট থাকে, ভাত で りか गर्मीत अनुभ मध्य कतिहरू शांतिया रा ইহাৰ মাহায়া উপল্পি করিছে পাটে ना ; एकि मत्न कति, इस ननाजे आभातत C হাতেগর বস্তু — ভোগের ইন্ধান থো পুইবলি জন্ম প্রবাহিতা; লোকত বুদিতে নান্যক নদী বিচারে ইচ:তে আন করিয়া জান कता ध्वेल भारत कति - छेड्राएड खावः করিয়া জড়দেনের তুপ্তি বিবানই চর্মকল মনে করি, এই প্রকারে আমরা ৮৭ট নদীতে মানের অভিনয় করিবাও যুৱ ফল লাভে বঞ্চিত হই। আমানের এই ছউগ্যেণ্ড কলিবার জন্ম ীওবনের ও क्षप्रभा देवकाशन उन्ने हती नवीत शाहाया ফীর্ডন করিয়াছেন। শহারা ব্যেন-निवालीय एक आल प्रनीनमीक्रिय इस्त-কেত্রের নিকট নিত্য প্রবাহিতা। স্কচরাং হৈ। অভিন বিৰ্লাল্প অপরপারে আছিত এবং এখানে এফাডের মত মিশ নহ, রফ ও তম--- এই ত্রিগুণের व्यवकान नाई---बिख्यात साम्राविकाम एश অপ্রাক্ত সলিল প্রবাহিতা; তাই ভাগা-ধান ব্যক্তিগণ ধণ্ন সাধুর মূপে এই চুণী

র্বিন্তে মুখ্যকল লাডের আশায় সাধুর অক্লিডের ইহাতে প্রান কবেন, ভগন কাঁখাদের স্থাপ্রকার হড় অভিনান চুনী নদীর অপ্রাক্তত স্থোতে চুণ বিচুণ গ্ ग्याक्तर्भ रशेख इहेशा ग्राप्त, ख्या ভাগারা সাধু ওরুর রূপায় চুণী বা কিরুত পার হইয়া হংগক্তের প্র टी द्यागन মতে এটি ভারণাদপলে অবহান পদক ज्ञानात्म निग्ध वन ।

### হংসক্ষেত্রে ফিডে সঠের লাল खी**ं का अन्यार्थ हा**हेल (का र

শা-কগণ কুটাচক ও বছনক বা বছব্যন

রণ্যসেবৈকান্তিকতার্য্য একারন অবিয় পুক্ষক পরিমঃ,প্রাবেদ্রা লাভে করেন, হণ্যগু<mark>ৰে বা</mark>নস্থান স্থান 216-17 নাম হংগাদেও এবং হংগাদ্য 2 (4 धकायमध्य आध्य करत्न क्षारमञ्जूषाम जी दक्षामन्त्र । 711.3 ভানটা বৈষ্ণবপ্রমহানের হান্দ্রগড়রত শমক্ষণ মুখ্রিত ও হরিভংকের উল্লেখ্য अनि। उरे अस्तिन प्रकार। मन्द्रत स्वान भिक्तिपात दुन्तावम यादि ३१ वा ४० ०।०८क तुम्मनिमक्र**ारण मनीन क**रतान, ५६३ । इन्सन्सारक होशता यमुनाकरश मन्य करतन भाषां हो कैंके कारक एस त भनैन करतन। '७। व्यक्ति । भन्न सभा প্রাচর্প, আন্তন ! সাহ্য !! আহন !! आश्रता नकटन भिल्ला निक्ति ७ ५८व । १४व अञ्चलात्वा एक हुनी नमीटक आन कनिता বিভন্ন সধ্যে অবহিত ২৮ জন্ম অন্যাচত **गग्राम एके शा**रमंत्र अध्यात्र ७ (माप्ट) । मन्त्र क्तिया भीवन भाषक क्ति।

# बोधाय- १५ जिली महा

#### আচার্যারিক প্রত

ুমাতঃপর নিয়লিখিভ পোর্ডিয়েনে, নায়ন ठी छूपनदक् छै। शासन विक्ति द्वनात वित्य উটেশ পুরুক ইবিষেপ্রচারিনা মভার প্রজ इरेट७ मञ्चाम आश्न कता इस । मञाश्रवि

া প্রতিপাদের আদেশাকুসারে শ্রীসাদ কুলরান্ত বিভাগিনোদ আৰু আচায্যনিক শ্রীপা কুঞ্জনিহারী বিভাভূগণ প্রাড়র সেবাচেটার भाभाग पिकार्यन कतिया वालान त्य, विश्व वर्ष खीर्शीकी इमर्रास त्य श्रीमन्तित निर्माय ও সঙ্গীৰ্ভন শোভাগানাদি-মূগে মা-প্ৰবেশ, ीरानोचीप्रमार्थ अङ्ग्रह भारत भारतमाथिक প্রদশ্লী এবং বিশ্ববৈষ্ণৰ পার্মাণিক সংখ্যান ভইয়াড়িল, তন্ত্ৰ আচাৰ্যাতিক श्रीभाग कुश्वनिवाती विकालमण किलाजी, ভাগ্যতরত্ব জা:স ভরসেবৈক্**প্রাণ্ডা** কেন্দ্রমে নিভিত রতিয়াছে। ভা**হারই** অস্থান্তা সেবেছিন, অভিট্যে গুরুপাদ-, शय त्मना विक्षे प्रनः धनगत्विक्षेत्राठोत्रार्थ व्यथिन ८५ हो गतन निगंक नत्म जीदगीकीम-মঠের স্ফীতন বিজয় বেজয়তা ভুত্তকা-ভাবে বিখেব সভাপুস্থিত্তসভাৱে দৃষ্টি লাক্ষ্ণ তবং বাভিন্নেকভাবে ভৎপ্ৰতি-কুলানুরণকারিগণের মংগরভার মধ্যে শ্রীনৌউ,যুমটের ওচোর-সাফলা ও পরি-প্রতি প্রাথাণিত করিলাছে। কি শ্রেষ্ট্রার্থী ভাগবন্ধ ভিত্তিরঞ্জন মধাশধের কলিকাভার में रहा हो असम्प्रेस के मिलिशा कि कि ग्रीन . कि ভালম-মালাবর হীটে তলমটো ভ**ক্তিবিজয়** ক্রীপুরু স্থানর। রায় স্বোদ্যের ভিক্তি-বিধ্যান্তবল' নিশ্বীৰ এবং বৈছ্যাভিক্ ভালোকমালা সংগেতনাৰি কাৰ্য্য, কি অভানো ভাতনিনিনকে ভারতোৰায় নিয়েs নাদি ব্যাগার---স্বর্ধ বিধ্যেই আচাম্যত্তি**ক** প্রান্ত প্রয়োজক কড়ার নিহিত রহিমাছে। ४ इत : व्यास्त्री (तन निष्मण्डे, **निष्मर्भन्न** क्रमा लाई एक्समस्मानीतेलाहा**द छा ।**न भरता अवद्यार्थत अनुकीयम क्**तिएड** 

#### ট্রমন্ত জিলালা বনম্বারাজ

ভাত্যপর জীলীবিধাবৈধাবরাগ্যভা**র** অংশ্ভুম - স্ক্রাদের - ১৫০৮টোত্র স্ক্রা**দেক**+ গ্রেবর স্থাপতি উচ্চাদি অভুলচক্র বন্দ্যো-পানায় ভ্রিনার্ম শোষামী প্রাভ িন্দ্রিকামা নীম্মতিকাদ্য বন মহারাদের বিগত বৰ্ষে িভিন্ন দেশায় আভিষ্ঠত-মুল্যাদায় ও রাজভাতিতিতি তেকি মুলুরে है।है) देशनावा (८०१६५४ न ष) के, देन कवि-नाम भारतस्य म आधा व्यवस्य ८८ विकास स्कृति। বেলি, টে'লগ্ৰে নভামত । প্ৰটি কৰেন। ए.हें ८०६ि.डा क्या अधानताम शहर है ब्रोनमीता-धाक (एम आयः । भ र कहाराधः ।

जिल्ला इयाची जिल्ला अवाती-त्राज विश्व ५८५ मा ० ५। नारनटम ও বিশুসাদ আলীন ২: ১৯ ছ সম্ভানী भाषामी ला , शास्त्रा २ ० ५४ व विश्वतः ५ ४ ८५४म अध्याप्तरा ្នា មានជាប្រភព चाक है। गाउँ में ही ांत भागतिहरू NUMBER STORY THE Excellency Lieutenant Colonel the Right



Stenly G. C. I. E. M. C. G. প্রিণা ভাত্তলারস গোসামা প্রাক্ত ছেন, সেই প্রিংগালপালের শেরকপ্রার পরিক্ষমান্মতান্তেইংসারস অধিকাংশ আছু-मद्भाषायत्र भववाद्य छक् वाछ भादस्य বাঙ্গাছরের মনীপে ঐটচ নক্ষেত্রত পোল- । এইতে উপোধ স্থালনাত্রক বিভাবিনোদ প্রাভূতি ও জন্মি শক্তি এতিছিলয়ে উপনালস্বরূপ। ু হর্ষের অচারের সম্বন্ধে ৬৮০০ করা পুজনীয় জ্রীলাদ আচুলচন্দ্র বন্দ্যোপান্যায় ভিক্রিপারত গোত্রামী প্রভু জ্ঞিজাপাদ-বলিয়াছিলেন। -মান্তাৰের বাহান ভিভিনারক্ষ লেকামী ভিভিনারী প্রভিনার তিয়ার তিয়ার কনক, ভোনের জনক, ত্ত্র স্থানিজী মহারাজের জ্ঞানে জাহার। ওলতগার ১০ জেল্পালের উলেগ প্রান্তের কনকের লালে মানব"--- ই নিদ্ধান্ত-🗃 থলদেশের 🕫 লালত আনমন্ত্র স্থেম- ্বলেন, - মা কা 👚 হাজি ওঁ নিঞ্পাদ 🏻 বানীকে নিভ্য আরতি করিয়া জগ্মীলের প্রচার প্রণালার কলা করন করি। বিশেষ টিট্রিল ভিডিনিছাত সর্বভী গোকামী আর্থ্যন্তি, অর্থসম্ভা কিছা ছাপর ভাগায় আরুষ্ট ইইয়াটেন এবং নরকার বাহ'জর । প্রান্থাদের পৌর্যুলে দিই-প্রচার গুলাকার বেরূপ রীখাঃ মিশনার জেব ধর্মপ্রচারে ছক্টা প্রচানভ্য কুড় আচাপেনিক প্রযোগ প্রদান করেন, সেই সকল ওয়োল। উল্লাল স্কাতিবলৈ বিজ্ঞান্ত ভাগেবভবত সংস্থানান করিছাছেন। রাব্য হা ভিন্নল্য-শ্রীণৌড়ীয়মটের পেলারক গ্রেক্ত তাল্লন । তাড় একং। উচ্চপল ভাভ গালল প্রোপ্রেমী। বিভিন্ন মণোভাষ। শইয়া কণ্ডেরে ভড় कतिरवन, देश काकात करियारकमा छा त रन्देवकराष्ट्रवासीत करा। की वेस-কোচিন, মহিশুর ও তিলায়র রাজের । 💸 এর জীজনপালারের দারা অভিকার । বীন। এল মাধানখ্যীকে বর্ণ করিবার হয়, তৎসপ্রভাগ ভারদ্রালোর রাজজন করিলেলে। প্রভাগ লাবন আর্থিত প্রভাক্ষান্তে অধ্যা ঘটা্যান, নিতীক, वर्णत निकड राज्येत कहा हता जिल्ल **মটের বিষয়** বিজ্ঞানিক করিয়াভেন। ্রা জ ২০০েও ওলা লাগতিক কলা লাগ্রামী প্রত্যাহাটীকে হরণ করিবার শামিজী মহারাজ বংগ্রক দিন পুরে। রাজের ক্রডে এ চনপ্র এড়া এবাগেরের ) বিশ্ব নাম্ন এর এর এর আভিরের করি **কোচিন রাজেরর তারিটেট বেজেলার।** তার পৌককলো ও মেন্সকতা এতা ¦বার শ্রন্থ লাভ কর্মাত্রন। ও রবা **এবং বেও**য়ান বাহছের জাতুলি কড়ক। বেচুৰ নিজ ইতিহাম হতা, সর্গ বহাত চুলির বিভাহাল ভটা বিভারেজ চুন্তালনি বিশেষ সন্ধানের স্থানিত আন্ত্রাপ্তি তর্মা । উল্লেখন হল দে, ইল জেল জন্ম কল্পান্ত মাধ্যম্পলাল্য হরণ কল্পা **রাজপরিবার ও অভিজ্ঞাত-স্ক্রাকের কোন জ্যান অনহাত, জন্মার উল্ল**িব্যালয় করি লাখনত জুকর্তিলারকে **মাল্যে বিচপ্তর দেবের প্রেপ্তর** ভাইতে। একত ুল্লালার সংখ্যাস বিভাগ, আশিষ্ঠক লাগেলে, গ্রান্ত মাল্যের বের্গলেন, লাভ্যাল্যের রুক্ত **ভক্তিনিদ্ধান্তব**াণী আহার কার ওচেন। <sup>ই</sup> মাধুনীয়াত করিছে পানান আম্বাচ নিয়ম ই দিত্ততেন। মাধুবের স্কৃতি দ্বৰ মতে ৰৰ্জমানে তিনি আছিল লেখের আন্তেখে বিশ্ব জনকৈ আৰুজ কলে। ধৰাকে আ ইন্নেৰ কায় কালে আ কি , মানে মানেক । দেখের উপপত্তি এয়া ভবং দ্যাপতিস্থ আভালেংশ শ্রীমান্ত্রপার সংখ্যাদের ।বংশার ইর্তে পার। উপ্রেডিসিস্কের (সংখ্যা একমার ১৯ চন), এই বিভারনার। একদ-সাক্ষ্যের । এটিভ স্থান করিল মেনা চাইচের গলেষ অন্ধ হচের দ্যো কেনেটি চল্চাইরের ইচের-প্রক্তি লহর। ভতিত কিবেন, চাইচের সর্বর অস্থায় ধ্যাণিক। ত্রু ভূতপূর্ব্ব খারত ছোকেই জেনারেখ স্বনাম । আমি বাছন কাবৰ ভাবিষা ছিব কচিতে। স্বাস কোকানী তাচু অর্থ বা অন্সান্ত। গ্র **মন্ত করে পি, এম্ শিবস্থানী জোগরে কে. বি**গরিতেও না। শেশবেন আন্মন্ত্রাসার, ত্রুকাসের ন্ত্রে নিজ্ঞাননিত্রিক বি **ि., आहे,** के , ति, आहे, के मटक्ति । **भिभग्नहा**ळाड्त करावागरत । ८.कडी । १००० সভায় সভাগতির পদা একণা করিলা এট<sup>া</sup> বাধর কলাও বলিও। অত্রে পাশা করিল, বিষয় চোলা দি ভিমানী বছলা লভিলাভে। আব্যক্তিক বিজয়গুলীকে সভার আকর্ষত । বিবিধত পারিটেটি না। অশ্রাধিত। পুর্মক জীপাদ কম মধ্যে হের জীপ্তর- তিনের মধ্যক্ত বৈক্ষর ভ্রতাম-এচরচ্চের সিতি সংগ্রাংসের মনে। ভিদ্ভিপাদ্যব শাদ্পশোর চেত্রমান বারা শর্গ বারিখার 🖟 ে তেনে ওকটা অংগারত বেন্দ্রণানের **অবশর** পাছ্রমাট বেল । - জিবল সভাত লাব - মহাম্বেক্তির বিভান করিছে আরে **পে ভয়া**নবাহ্যভার মংখোজ রাম । বং নালা বিভার তে । বাজী মহল্ডণ আমোকে আন্যন্ত । প্রভার ভালাতে হাই । সংগ্রো নি । কি ভি, এস্, জ্লামাণ্ড মাণার মধ্যাল আছাত , গালত কাল্ডাডে বা আমাল নিকট | দ্ভিণাডের প্রচার, কি প্রাপ্তবার্থে স্থানিত ব্যক্তিখন ও এল বন মগ্রাজের বিনেরিখনে। তইয়া একোপ্ত কর্যাজে, হুৰে আছিতিনাদান্তৰাল এবন এলিবাল হৈছে বাংলে বিভাক সৱল্ভা তিকি স্থাপে প্রইয়াছেন। তেওঁ জ্বান্ধ নতে নাম্ভান ও নির্পেদ হরত व्यारमाञ्चादय एवं अवर अवस्थानिक । निष्मण्येष्टा किताल निष्ठीकचा एकान **ध्यत्मंगी८**७ :. जिन्हे भ्यामा है जनत वन মহার্ক্ষের দেবতেওঁ৷ ৩৫ বৈক্ষাগগ্রেড 🖟 করিতে পারে, ভালা ভিভিনারত্ব গ্রেজানী भाक्षकं कश्चिम्राटकः। विक्रिक्षित्राभी देशभन्। ध्यन्त देवस्थन-जीतर असूत्र क्षेत्रा तदि प्राटकः। ভিক্তিস্থান্ত নিধারান জাভিজ্পাদ্রেমের আরে এবলী শিক্ষা ব্রমান জলং এবং ফুপানলে স্থানিকণান্তনে অভ্যান্তন অনস্থ ভারতার নাতে লোকানী প্রান্তর বাজিতাশ্ভি লাভ করিয়াছেন। আত্য িরিজ ইট্ডেনিডা শিক্ষণীয় নীটি ভইল ও পাশ্ত । এদেশের শ্রেষ্ট শিলিত বিভিন্নতে। ব্যান বুলে স্প্রিয়ার ব্যক্তিগৰ আনিটার মূপে 🗳 বিকুপার মূলীভূত বে অর্থনম্ভা বা বিংএপ্রেটাতিয় ৮ জীজীনছন্দিনি । র বারতী শোষাদী জাছ- । স্বাজিপদের নিচামে স্বনর্থ সময়ে। সেই সর্থ भारतञ्ज अज्ञात नाउ । कि व एक के तिशा िमा अगर्थ मुद्रकात विभि मर्घ मगानाम क

Honourable Sir George Fredric ু মধারার পার্ববো আকর ইত্তেলে ।

মধ্যে বাহীতে মহাপ্রের কথা প্রচালিত প্রাপ্ত হয়া আগনানে ধনাতি জ বোৰ বিভিন্নত সহয়তিলাল, ওর পাদপ্রত जोज स्वतः

রতিয়াতে, নেখালে কোন (কান)কানিকটা কান

় কার্য্যা বল্পেবো রুগাণ (ও কে আ্যান্রাং

মতংপর জীলমালাচারিণী সভার পাল | ভিভিনারস গো**বানী প্রাচুর ওলদেবানিটা** অন্থান্তি সম্প্রিম্ভাকে প্রম্থান সভিতে পরিবত করিয়া প্রাথের ১০৪' বেগ্ৰী প্ৰতিগত্য আমন্ত যে মান্ত-্পেশ্বে নিরপেক, নিজ্পট ইল ভারসার্থ ্জনরটের জার মুখ্যে উপ্তিপ প্র্যার র বিধেরটের। সংক্রেডির যা। প্ৰকার, কাল্ডাইয়ের নীমা শাছার দানিপাতা এচেনে ও বিভিন্ন আভ-

र्रा (व कोन व्यान्धालत वांनी खाडात. া ওচোর ১০.ও আল ভিজিপরেস গোস্থা প্রাচার, কি কলিকাণ্ডায় প্রাচার, কি উৎর প্রতিষ্ঠ প্রতিষ্ঠেশ প্রভার—সক্ষর ট্রিল ভাতিসারক্ষে প্রানি সেবাচেটা শীশুক-পাৰপণ্নের গ্রীভি আক্ষণ করিয়াছে। বিভিন্ন মঠের উৎসব-মধোৎসবের আঞ্ কুলা সংগ্ৰহ দেবায় বিশেষতা উট্নোড়ীয়-ন্যু ও খ্রীগ্রম নববীশ পরিক্রমা উৎসবে ই ল গোসামিপ্রান্তর অক্লান্ত সেবা চিরাদিন্ট 'শ্বি'্রীয়। 'আকুমালিকা হিমাচলের নিভিন্ন রাজ্যবর্গকে মহাপ্রার কথা প্রচারের আত্ত্ৰ্যা-বিধান শেষায় নিয়োগ ক্ৰিয়ায় শক্তি প্রকারপায় শ্রীল ভক্তিনারস ভাতুর অপ্রতিংশী। কিছুদিন পূর্বে শ্রীনাম-নায়াপুরে বাজালার বিভাগীয় কমিলনার বিভেছেন

পর্যাশের সহিত অ্যান্বর করিতে পালিয়- বাহাত্তরের গ্রান এবং ব্রীপান নব্বীপান कुला मरडाहारि यानिएत खील अकिसाब्रह. আনুর প্রয়ত্তই প্রধান।

### अहार-अम्

ভুপ্ৰাচীন নৰ্মীপ নীধাম মামাপুৰ ' প্রীটেড স্মার্টের অভতম প্রচারক বিক্তি-খানী শ্রীনহজিবিবেক ভারতী মহারাজ शर क्टे देवल (मिनिन्त (समान जेतर থাসার অভূর্যত মাধ্রমপুর প্রাথে এক: বিদ্যাট্যভাগ "জী**বের আত্মান্ত্রী সমধ্যে** ্র টারগবেষণাপুর্ণ বন্ধতা করিয়া**ছেন।** প্রক্রা লগ্ডী। আন্দাল কুল্ল বলিভার নিক্**ট**্র আতি প্রিচিত হটলেও উহার প্রাক্ত অর্থ, স্থত অমুভূতি না বিশ বেংক ত দুয়ের क्षा,- ध्याहत्रवृक्षातिभ्रम्ब स्वानस्मातः मत्त रकपर संख्यात्क किमा स.सह।

্ৰান বিজে শ্ৰেমী শক্ষ্যটো বছফলস্মাকে: एक 🔄 । व्यानकान करता, व्यवता स्व का**रव** গুলি, ১ হল, ভাষা ব্যের নিগুরু ভত্ত • एः । नःभार्य गाळा ।

এটোত-প্ৰাত্ত ভীৰেকুল প্রত্যা নাম নক্ষানেলালেনা **ক্রারিডে হাইয়া দক্ষ** . कत्ति वाक्ष्मत करता क**्ष** धर्मी-রে ভিন্যক বিভারের মতে । **গুরুর পুরু** অস্বর্গানিকারে বেল্ফ্রাড় (৫) আরম্ভ क्षं क (नश्च द्रस्य

নাম (রাচ বজেন-- শংকার প্রাক্তর তার अर्थाय (किटि') । 'भागतात पटनान-'पदा সালেই ভাৰংগ্ৰিড'। জড়ি বৰ্ণেন, ... শত বে ভূত, ভাবলৈই সন্মশ্ৰেনিক **আ**ঠাটোটার मधाम्यास किल्ला रमनात्र या कीन ে(ই ধ্যাতর অবারত হল'। স্তার্যাং পর্যান 

নিরপন কারতে মাইয়া জাব যথন আনিজা-দে ও মনকে 'বস্তু' বিচার করিয়া বসে. 'च्यारं प्या-निवाधि डेलीक' इस । कि**य** যথন থাব চেত্র-স্থরপের স্থান লাভ করেন, তথন ভাগার ধ্যা সহলায়ভাতিয় . বিধয় ইয়। তিনি প্রথম্মকে **ভয়াবহ** क्कारन भतिवात भूक्तक व मंत्र-भतामण एक। ... েই স্থান্দ 'গালা অ' বা 'লৈক ক্ৰ', তাহা ঐ ওক্কগৈকেলভ্য।

সকলে স্বিতিত স্থানিদীয় কথা করিয়াছেন। এটচতভাষঠের ইটি ডালাণি প্ৰণে অনেকেরই ভৈডজোক্ত क्टेट्डिट । कथा धर्मा ठातियाँ क्षेत्र क्षेत्र । भः दश्ये छाकान **३ हेशा शिक्टिट्र ।** ए ७ भगरम मकरशह विषयत मर्केख नशीता । প্রকালের অব্দ্রা প্রচারের আদা

# জ্ঞান নাক্ষাল্য নিয়াজ্ঞ ভাক্তি গ্ৰেম্বাৰলী



**ब्रोटेक्स वर्षा-- वेश्विकिशिमाव केक्ट्रिय 'राम**क--Bettie कोरवन लानिहत. ब्रद्धान मिक गयम, लिखा छ क्षिएक में कार्या, क्षेत्रकारेय : निर्मेक के व्यवस्थातनात्र तकत क्षाति । ीभगाका शक्त अर्थनकात समान, देवामन वर्गासमान्य, देवस्थन-हैबट्या चरुन, न्द्रकानामात्र मस्कि:नांबका, मात्रास्त्र, देन्।-क्कि ७ अपीकारकत दक्ष्य, वेमनाभय म, अरंब क्यांकी कुक किक्क छाइसमा, कीरवह बद्दा छ। स सू क, दे व्या नगुरु छत **व्यक्तिमार्थः, क्रिकार व्यक्तिकारी-दिशास, कम्म क व्यक्तिकार**सर मार्थक का, भारतभाषा क देवक वनमा, दबरम कुमाजीन: अन्य म अक्ष का बाह्य के व्यक्ताक-त्यम, अनिश्रयम्भा व त्यांव-्रिक्षा व तार्ष्यम्, भवनामरकत्र महिन व्यभित्यत्र काद्रगः, स्थ्यन 🕯 गांच প্লগাত ভোট ছপৰ, পক্তিবিভাৱ, দীক্ষা, বৈণী ও বাংগাতুগা किकि. मध्यक्तान, अमरु स्वत अभिकारी, शासकीतदा, अध्व জান, শীকাপ্রেশেশ প্রস্তাভ সন্ধিন সাজিল্পায়ের অভাস্ত निशृष्ट् बंध्यावेमी का क अवनश्चीश्वास कर्षात्रक्षनकः (वा 🛎 र-निष्क क्ष्मिक । जाम जामभाख आक्रत. पूर्व खाल मुख्य कि ति 🏿 भारमाणिक तारकाम ।कहूरको चळाल वाँ भरतम गासिस्त सा ্বীপরম সূচ অংথিবর ভ **এ০% প সরল ভ ল**ন্যস্পদী আছ এপ্য, ৬ अक्शामक स्त्र वाह । विश्विक क्षाचानी-भाग्न-भट्याति व व्यवन काल कर अश्वीक केलिक करेग्राहरून। आधार अतिहरू श्रुष्ठी, कथाराह है छानि बाहा विस्त्र समुद्र कता प्रश्नाहरू । निवार्त अहि, दर्शनांत सरण नाम दलका फरद वामार-७क्रण शरक, श - ् माळा ।



# ্চভূথ সংখ্যন সমত্ৰ বাধাই—২. ছুই টাক: আবাধা—১২০ পৌণে ছুই দক্ষা

বৃদ্ধিপুণ পোলবাকা থানা প্রাডেটক মানবের নিজা প্রবাজ জানাজ পামায়ক কস্তব্য নিজাহিত ক্ররাছে। প্রবাজ জানাজ প্রামায়ক কস্তব্য নিজাহিত ক্ররাছে। প্রায়াণ জানাজ ক্রিক সনাজন পাল্লবাক্য থানা সম্প্রিক হ প্রায়াণ জানাজ ক্রিকি বিশ্ব প্রায়ালি বিশ্ব স্থানি বিশ্ব প্রায়াল ক্রিকিল ক্রেকি ক্রিকিল ক্রিকিল বিশ্ব স্থানি বিশ্ব স্থানি বাম না ক্রিকা নিজ্ঞ ক্রেকিল নাম না।



विक्रीय मरकदम 🛶 • वाह्या

ক্রীরূপ ভোষানী প্রকৃ শ্রীণ ক্রম্নাগ গোরানী প্রভ্বে উপ্রেশক্ষণে যে সকল কথা নালগান্তেন, পাবা এল প্রতে ভারতপ্রেশ অনুষ্ঠা ও প্রতিষ্ঠান বিভার করি ভগ্নবভাৱ-বিশ্বক ক্রম্বাতে। ইত্যা ভারতি শ্রীমধানাপ্রভ্র উপ প্রত ४८७ (गोडाद्यकः

**সচিত্র** 

# শ্রীনবদ্বীপ পঞ্জিক

পারণাথিক বাজিম্চের্ডের একান্ত প্রয়োজনীয় বিষ্ণুপ্রত ও উপরচালিক। সম্বলিত বাংলার মতা মহে নিরাভিত ইউক

ভিক্ষা ১০ আনা মাত্র ১১০ ডাক টকিট পাঠাইলে ডাকে পাঠান হয়।

गशक ि

ত্রীল লোচনদাস ভাকুরকত

### ब्रिटिड जामकल

ওঁ বিষ্ণুপদি শীশ্রীনত ক্রিমিন্তা সরস্বতী লোক্ষা প্রশ্নুপদি সম্পাদিত ভূমিকা; স্থোকের অক্স. নজাবোদ, প্রতি শ্রেমিকের ও বঙ্রে কথা সাল্ল. শন্সুচা, স্থানসূচী, পাত্রভান, প্রমাণগ্রন্থ ভালিকা, প্রস্কৃতি প্রস্তৃতি বিস্তৃত সূচী সম্বাদিত লোভ ত্যক্রে ভবল ক্রেটিন, আটপেন্সা আকারে নিট গড়ের কাগজে ছাপা। ভিন্না—২॥০ টাকা

# শ্রীহরিনা নটি ন্তামণি

নামানাম নীন হলিনসংক্রের মুগে দীন্রাচারতু
নীনাম করি, কানাশাম, কানাপ্রাণ প্রস্তৃতি বিধ্রের,
নাবলীয় বিচার এগণ করি যাভিবোন, এক বিব্যস্তাল করি
নাল প্রধারে নাকিছা অন্যান্ত গরি বিভিন্নে মুন্তা।
নীল ভারানে নসকুর-নতিত। সঞ্জাণ ভিকা
বার শান মূল

# বৈফবমজ্যা সমাক্ষতি

्भाक्ट-देश क (बन्छ)

হিয় : -১। ভকিশাসে বলকণ শ্যানীর কাই হ।
চালিক্লালেরে বৈক্লালের চিত্রি, তা কিফ্লাল্য ক্লালি ।
বীমন্দির ও বিভাগের বিবেশ চ। বেক্লাল্য ভ প্রক্লাল্যের হংশা ভ বিব্যান, । বিষয় গিশেষের লাে কি ভ শাহীব আকাম্যে হলে বিব্যান ক্লালি ক ভালিতে। ১৯ গও দেবি, হয় গও দেবি, তয় গও দেব, ওয় গও দেবি, তয় গও দেব, ওয় গও দেবি,

# <u> ভ্রীভক্তিসন্দত</u>

্ম শশু ১ এক টাকা : র খণ্ড ১ টাক — শীমদ্ভাগবঙের ও গোড়ালের প্রাহকণণ গাত টাকার ভূইখণ্ড শাইবেল বৈক্ষণায়। ব্যাহত ব গাখামাপাদের বিভিন্ন প্রজা হলাত স্ট্রক্তের অনিক প্রধ্যোধনীয় অংশ। প্রাহত্ত ভবণ ক্রেডিন চ মধ্যের ৬৪ প্রধ্যাকারে মৃত্যুত হইবেছে।

> শ্রমকারেখ্য সকলে ভ সদাচারখ্যতিঃ ভিশাস শানা নাত্র

# বিজ্ঞাপন

নাবধান! নাবধান!!

জে, বি. দডের চৌকা শিশি লা**দোম ভৈলা** আদি ও অক্রতিম এবং ওপকারিতায় স্বর্গন প্রিচিত ও বত প্রশংসিত।

আমর। স্বস্থারণকে জানাইত্রেভি, বাদাম ভৈল খারদ করিব র সময় শিশিব গান্য ইংরাজী অক্সরে জে, বি. দত্ত এও ক্যোম্পানী শম খোদা দেখিয়া থারদ করিবেন। নতুবা জুরাচোরগণ ক্যদরের সাত্রম ভৈগ দিয়া প্রভারণা করিকে।

# ফেরাস কুইনিন্

ন্তন এবং পুরাতন মালেরিরার যয

ইংগ্রে উপস্ক সাজোগ আচরন, পাচ**াইড্রোফোক** কুইনিন বা প্রিক এবং ইউনিধেন আছেন।

এই কোনা কুই নিন্ধাল ব্যক্তন কৰিছে একটি বা ৯০টা ব্যক্তিবন সকল প্ৰাৰ কঠিন মা কেনিয়া জ্বা ব্যক্ত কলে এবা ৬ হছতে ১২টা ইল্লেক্বনে মালেনিরার সম্ভ টানেল নত ক'লয় কেলে।

৬ এপে প্রণ প্রতি করে — মুলা ২, টাকা, ট্রং ০, টাকা বাহও-,ক্ষিকাণ এও ক্রিনিকাল লগবরেটারীতে ২৯:১ নং ভজুবীমল লেন, ক্রিকাভা।

গোডার বেক্ষর-**লগতে অভিন**ৰ এছ !! শ্রীস চাত্র ভাকাবিনাদের সীডি-প্রস্থাবলা :---



প্রকট সাইজ অইন লংখ্যরণ ভিজ্ঞানে আন

দেই ও মনের চেরা আনভাবেশ্ব কটরা—ইটা যথন জীব বু বাতে পারে, জনন একমাত্র ভাতাবশ্ব ইচভগবানের আতি ইচ্চার কোন কাভার আগবেগমরী আগবানের আতি ইচ্চার কোন কাভার আগবেগমরী আগবান হর এবং ইচ্চার হয়, ইক্যান বিষয়ক আগবেশনী আগবান ও আশ্বন সম্প্রত্ব বান। ভাত্যা সংগ্রেণ ও অকাশিত হয়াছে

ভিন্দা প্ৰান্তি বন্ধ /• এক আনা প্ৰেমভাজ্ঞচাজ্ৰকা--- /•, নবভীপন্তক--- /•

কল্যাণ্**ক**ম্পাত্ক

সভেচ সাইজ সঞ্জয় নংডাংশ ভিক্ষা />\*

ঝামরা প্রতাচ ন্তন কভাব ও কামলা। বলবের চহল প্রশ্বের বৈ
অকলাপ্ত কবাপে বালল প্রতান কর এবং নাহার নিকট করাপি ভাষান্
কান, তিনি যে নিতা লা যথান কলাপ করালে অসমল প্রবং কেন বর্ত আহাবের নিতা করাপদাও এবং ক কারে আমল্ল সেল অলাপলাভে সমূহ কইব, এই সকল কবা সমল পানে বাপিছা। এই জীতিপ্রভ নালনিকন কলাপের ক্রকার হান প্রত্তিক্ত নিতাকলাপে প্রথমে

বিস্তৃত ক্যাটালগের জন্ম নিম্নলিখিত টিকানায় পত্র নিখুন

# বিশবেফব রাজসভার শুদ্ধভাক্তমসসমূহ

ब्रोटेन्ड्य भर

#### আকর মটরাজ

क्ष हीन सवदीय, छाक्यव हैं।साम मावाश्व, नसीवा

শ্রীমধায়েশাসাস ৬৬/জ পায় ৩০ । গড় উত্তর-পুনে প্রাত্তরপারনে আচার্যাবদ্ধ শ্রীচন্দ্র-CMas-- तम की प्रिटेश का मठ नित्राक्षमात्र ।

এই পান সাংস্কৃত-টীর্থ, পরবিভাপীঠে বা সাহে শুন্ত জনজ্মী। এই মৃহাতীরে 🕮 হরি-মানান্ধ বাক্ষেপালি-বেদালমুচ, প্রবিভার অন্তর্গ কালা, নাটক, অল্ভার, জ্পা প্রমান-উপনিষদ-ক্ষীতা-কুর- ৫ খান ৮ টুইটেড অধারন ও অধ্যাপনা এবং ওখায় ত্রীগুক-ুলারাজ-গাত্র'কাকা-গিরিধর ও সাত্ত্র সাজ্ঞালায়ক-আচায়। চতু, র ভাঁচাদের উপাস্ত বিপ্রহের সহিন্ত নিজ্য সেবিত তথ্যেত্ন। এত সম্ভাবেল পাশ্যালিক দৈনিকপঞ্জ সাজ্জ-সম্প্রদায়ের অংশকাশত ও প্রথাটান প্রথবাদি প্রচারকল্পে 'নদীয়া-প্রকাশ' বস্তাবায় আকৃষ্ঠিত হয়েটেছন। আভিবংসর ইইদাম-প্রিক্রান্তরান ও অস্পিত জন্ধগান্তি তে ক্রিন প্রচারমূপে মহ:মংগ্রেশন দি প্রাঞ্জ অব্ভিত্ত হয়। গাতে ৷ বক্ষক - একাচারী জীপাল নরচরিতী। সহকরে – শীলাদ বিনোল হোনী প্রস্তু নী, গাঙ্ভত শীলাদ গোরদাস ইক্ষাত্র বাহরতে থি, ইংলাধ বীন্চশ ইক্ষাত্র, গাওত ইচ্যাধ্বান্শ বক্ষাত্রী, প্রিয়ুক্ত নলীলে। ব বন্ধ্যাপাধ্যয়, উচিত্তে।ম ধান একচারী প্রমূপ সক্ষান্থণ।

# (৩) যোগণীঠ এমন্দির

**८६ थान जीवनतालांगायन ७नन वा** ीभनाशकाञ्च मा जित्रज्ञ महास्याज-পাঠা ভেসালে ইন্ডিক্সা প্রসা ও কিন্তি क्रिशांभव केट्राविमाताम्य जनर केट्रिक्ना 🕶 औलकाक्रासम्बद्धाः । सना छणः 🏭 लक्षः कर्द्धव दशना वस्त्राता तकक---(entr-সাধাৰৰ গোস্বামী কটাচাম। প্ৰাকৃ নীবেমা-गाण। शुक्राती अधिकात्म अध्यामी, ত্রীবান্দান একচানী। ত্রীদান দান আন-कार्ती, अनुभाषा औकातकद्वमा

# (৪) শ্রীবাস-অজন

শ্রীমনাগাপাড়ুর কাঁতন-নিল্পে বা ब्योरबोदनीमात बागक्ती । जनारन है।बिहानात शिशानम् छ ःश्रष्टास्तु त्यता वद्यानाः १क्टर-चितामाधाम अवागती, जीवमुक 🖜 🖝, श्रीरमाकृतमाम नावःची ।

( c ) ভাৱৈছ-শুবন क्रे काल ब्लिक्ट्रिक शक्त क्रान खनः (म्या व्यथान ।

# (७) काष्ट्रोत्र जनामि न हे

आहीम भाषानुत, भागमनुक्य (नवीता) बिलोदक्रणाणाव बीठानकाकी व प्रशाम । सम्म क -- बमाछा ही दिल्लामानकाती।

#### (৭) খানন্দ প্রখদ-কুগু

শ্রিংগাজ্ঞম: শ্বরণগঞ্জ ( নমীয়া ) अशहम देनिकृताम जीम छक्ति धिमामनाकृत्वन समानि त्या औरगोश्यामास बन्द के के हो। था-प्राम्द्रत दमना दक्कमान রক্ষক--ভতিকুণ্ডম ভাকার বৈশ্বচারী

अक्षा क्षित्री बन, वम, वर्षे।

### , ৮ ) শ্রীজগন্তাথ গৌরীয় মঠ भक्षभन्ति ।

্রক্ষক---- ইবৈত্বর ভাক্তপাস্ত্রী এম, ত্রু বি, এল, সংকারী---শ্রীউদ্ধান্ত ভিডি- বিজ্ঞান শ্রীপূর্ণ লও একাচারী। माश्वी, औष्क्रक्रम् व्यथकाती अञ्चलि ।

(৯) 🗐 গোর-গদাপর-মঠ

है। लाद ही, मध्र मध्य (तक्ष्मान) ইলে বাণীলাপের প্রানষ্টিত গোরগদাণক .নবা। এফক--- আভিভিবিজ্ঞান আলেন।

: ১০ ) শ্রীরূপ গৌড়ায়-মঠ मा । शक्ष. अग्राश हर्डे. लि নক্ষক--- শ্রতিবিধান ব্রহ্মচারী, শ্রাকুলপেশর

ত্রধানী।

#### ( ) । श्रीत्माप्रक्रमहत्त्र-

माडिशांड, खाश्राव, यहमाना ची ताः fa • la ठे:कुब तुनावत्वत छात । গণ ক--- ভীৰক্ষ'বধাৰী প্ৰক্ৰবাদী। (১১) ভাগবঙ আসন

শ্রী শাস্ত্র প্রেণ, ক্লুক্রসর, নদীরা। ভাগৰ •িজান্ত এতাৰলী প্ৰচার-ক্ষেত্র। क्षण क--- ट्यांगशानम अवकाती।

(১৩) শ্রীএকারন মঠ टि न गड़ी, त्याबाड़ी, क्रथनगत्र, समीक्षा । कथाक---- अध्यानम अन्तानी ।

( ১৪ ) श्रीमाश्र दगीफ़ी स गठ a-नः नवावभूत्र दशाख्य, हाका। পুৰ্ববেশ্ব প্ৰচাৰ-কেন্দ্ৰ, অস্বানে জ্ৰী ভক্ত-्रको ताक शास्त्रवा-शिविष्टक्क दम्या वर्खभाग । १क २ -- ब्याबायमञ्ज बननागी।

> ( ১৫ ) औदगानाननी मर्ठ कमलाश्वर, हाका।

(जानामकीन आदिश्राहत खाहीन मिना ३क्क-- श्रीकाश्लोश बन्दाशी।

# ( ) बादगों जी हां मठ

১७ मः काणिकामात ठामनकी हैति. लाः निमेश्वाचात्र, कतिकामा किलाकान नि. नि. हरे

শ্রীমবাচা শভ্র প্রচারিক শুমিত্মল ড্রিল্মন্ম-প্রচারোলেশে গোড়ারেশের ন্য প্রদান মণ্টী কলিকাভার আভিজিবিলোদ আসনে আমিচ বালিটিভ আহিকটা এট ভাল-পশ্বা ামে ই। এর-প্রের প্রাবাঞ্জ ইয়াবিলাদানক জীউ সপাইলৈ নিজ। সেবিদ ধন। গৌদ্ধী ক.b गाবলোর ধাবভার প্রস্তাবলার প্রপ্রচারেদদেশে প্রিগতে সংগল্প একটা প্রবৃত্য স্ত্রাক যস্ত্রাণয় সংস্কৃতিত 🕫 ইয়াছেন। পুলিবীর সক্ষত্ত 🕮 গৌবনাম প্রচারার্থ এই সঙ্কালয় वर्त्ता (त्रोहीस' अत्याविक भवा, पि क्षेत्रज्ञामिष्ठे भागिक भविका देशाची कार्या নিষ্মিত ভাবে প্রকাশেত চইতেছেন। শীমতে পাঠ, সন্ধীর্তন, সাপ্রস্থান-চত্ত্রন্তবেশাস্থ শ্ৰীমন্তাগৰত, "প্ৰীটেডভাত-চরি লম্বাদি-লালা ও তথ্যতের সমাক সাবেশার্চনা প্রতী পাকে। মার্ক্তক---আচাধাটিএ স্ত্রীপাদ কুল্পবিচারী বিশ্বাভ্যব। সর্ভতারী---প্রিক শ্রীপাদ অনন্তনার দর পর্যবিজ্ঞাভূষণ বি- এ, শ্রীপাদ প্রস্করণনক প্রবিজ্ঞাবিনোদ বি-আলিলে রামাবহারী একচারী, আলিলাদ জগতভারণ জাসাবিভারী বি-এ, আলিল e atalmin লাম্প্রিকারী, রুষ্টারী শ্রীসীস্নানন, **এক্ষ্টা**রী শ্রীশারী**নো**ংম, **এক্টারী** শ্রীক্ষানক ভারত্বা, এক্ষার্থী শ্রীবেবকীনপ্রন, পর্যেও প্রাণা নবীনক্ষ্যু প্রতিভাগের শক্ষারী প্রস্তি।

# १ ১७ । जीशमाष्ट्र-८शोक्षाम मठ

करिकांक प्रमारिती मुका, वास्त्रिवाली, छाका खीशनग्रे-८भीतास्थव निष्ठा स्थवः

### (১৭) শ্রীভাগবভজনানন্দ মঠ

চিকুলি।, বাঞ্চদবপুর, মেদিনীপুর। @शारन नी कक-त्राविक-शास्त्रविक।-िश्वित्रातीय विकासना नव्यान । नव्यान---বুৰুবাৰী ভীভগ্ৰান্দাৰ্থী। এগচালী প্রান্দ

# (১৮) कामगार्याका अभन्ना अम

वाक्रवीम द्रमाः वश्वभान । जी उत्तरनोत्राण-हो। व किन्त का 'न्यतिमार्जी विकारना। तकक-- ब्रह्मनामा अकातformita i

#### (১৯) बीश्रक्रस्याख्य मर्ठ

अश्वात, श्री, अंध्या। क्रथारम डीएगोव-नित्माष्ट्रभाषवश्रीत निका-সেবা বঞ্মান | রক্তক -- ব্রশ্বচারী শ্রীপর্মা-नक विद्याप्त्रज्ञ. अक्षात्री श्रीमहीशामक ।

#### (২٠) শ্রীব্রদ্ধ-গোডীর মঠ

षामनतमाथ, अक्रशिक्ष (णाः, भूदी । क्षाशाचाम्यान्यतः व्यावनात्र मग्रास्य होनाना অবস্থান ৷ বস্পাক--- এস্প্রিরী ड्रीशतरमध्यो व्यथामधी। मञ्जाती-उच्चनारी विविश्वितिहाती।

#### (১) शिमकियानम गर्ठ

डेफिश्राकात, कर्डका जगरन ट्यां अक्र-रशो वाश्व-विद्यापन्त्रभवः भीत निकासना नकतान। द्रक्रक-ব্ৰহ্বচারী শ্রীগণাধর।

### (२२) श्रीमनाजन--शोषात्र मठ

अन्द **क**शस्त्रागमभूता, कानी । देशो - नमाक्ष्म जना क्ष्म- निकायन । এখানে গোর্গেরা বর্মন। গুক্**ক**— न्त्रीकामकीमाथकी ।

# (১৩) ॐक्सरेप्डक सर्ह

श्रीनागरक्षाम कुछा, ज्या सम्बन्धानम । है शैकामा-अब-्याक्नलां इ दमना।

রকক -- শ্রীগণশভিনাপ অন্ধারী

(२८) भीभन्नमदः स मर्ठ देनियस्वनाः मोलाभूत

এখানে উভাগ্ৰন্ত পাঠশালা ৫ टीए भार निरमाप विवासकीत दसना बहुमान । रक क-- अक्तारी व्यान गर्मा तक व अक्तारी मीननिकाता ।

#### (२०) ड्रीटेइडक्ट्रशिकास सर्वे

भुवकुका, कितकुका, भागक्ता, हैं। नीटें ज्ञान्यद्भारत नामा । तंत्रक-अधिया-नाव प्राप्त. हैं। दक्ष्मणामण खनाठा ही । सीक्षा कोष दल:चन्त्रिया

#### (२७) श्रीगामणीकीय गर्ड

**香港C等等。等10年至9、中年18日 1 通明代表** क्षीरशोदनिक मन्द्रारम्भ , स्मनाः वर्षमासः । तक्ष क---- अक्षाति हैं क्षेत्र न स्था (২৭) ত্রাক্ষণপাড়া প্রপদ্মাঞ্জন্মত্র ব্রাক্ষণপাড়া, পোঃ মাজ, ছাবভা क्यारन व ६ कुष्रभृद्धि लाह्याकारका दनवा न्द्रभाग रक्त--अपनामी खीळानक्क-

भाग, औश्रीशाक्षण अञ्चलकी। (२৮) विज्ञा दशाकीय मठ--- नार्यालय

SE CON COUNTS कि कि कि तक र- अवंताती आधारिकाशानेक. बक्राताको जीवानाकमण्डलन्त्रम्<sup>श</sup>िः (42) 原制[計画本法] 医山田山 (42) रण ए-जनहारी मो श्रासाध्य

# হৈতভামতের শুদ্ধভক্তি গ্রন্থমালা

	বলাক্তরে প্রকাশিং	শ্ৰীল অভুপানের বন্ধ ভাবলী			
5 (	विश्वद्वानश्क्षमः—नमञ ००.	(ক) প্রথম গঞ্জ ১০০			
	. 🖈 (১য়	(ৰ) বিভীয় ৰভ ১১			
	● (祝媛和 塚珠) うろく	( গ ) ভূট পণ্ড একটো সা			
A., 5	ভাত্তব্য-সধ্ প্রীপ্রতিভগুচরিভাযুত	৩৬ ৷ নব্দীপ পঞ্জি			
W.	্ ( ৬ৰ সংখ্যৰ )	(৪৪৪ গোগাৰ) ৴•			
	<b>और १७ क वा गरफ</b>	০৭। সিদ্ধান্তদর্শণ 🧳			
	(विकास विक्रीत शरकतन) ६०	৩৮   বীপ-ায়গুলুল			
	क्षेत्रा ( खेवनहमय-जिना-मर ) २	०३। क्रक्तिश्रामह			
4 :		(নব্ৰীপ প্রিক্রমা) 🗸 🗸 -			
• (	दंश वर्षण २,	৪০ ৷ শীভমালা /১০			
7 1		85 ( २१)] १२ झ ७३ (११२ ११६३१) />-			
	(利収)	8२ । नवषीभणक्ष /०			
<b>&gt;</b> (		७०। नवाहाङ्गाङः /-			
( » t		88 । भाषनस्य /			
» •• 1	हिट्या नवर्षी <b>ल</b> अ	84 । दश्रमकांकविका /•			
15 1	ब्रिटेड एक इन्हा भुक्ष म्	৪৬। শরণাগতি 🗸 🗸			
	क्षेत्रवीन नफक्ष्म (वारा) >	৪৭ ৷ শীভাবনী /•			
કરા	विभग्नहात्मकृत लिका (वीमा ) >	৪৮। গোড়ীয়মঠ কি করেন 💡 🗸 -			
微	🏖 (আবাধা) ৬•	e>। मार्थानाचे /•			
•	देवकदम <b>स्</b> या-अमार्खाञ	< • । अप्रश्रम् /•			
	, প্রথম চারিশক ) ১.	শ্রীভজিনিদ্ধান্তবাদী /•			
301	<b>∄</b> ∙ভিনামচিভামণি ৸৽	६३१ व्यक्तिकः ५३०			
) se (	নৰ্বীপ্ৰাম-প্ৰশ্নমাণা দ	দেবনাগরাক্ষরে প্রকাশিত			
201	८ जा सम्बद्धानिकाः ५०	< २ । निष्कःख-मत्रच्छी-निविक्यः । •			
, 29.1	ল্মোবরত ( ভূডীয় সংকরণ ) । ৭০	<০ : সটাক শিক্ষাদশমূলম্ <u>৷</u>			
31-1	<b>医假心理学说</b> \$*	৫৪। তথ-স্তাম্			
>> 1	केलाम (क्यम मान्य-काण व	ee। मात्रारभवर्गस्य J.			
<b>*•</b> 1	লে।খামী রখুনাথ গাস (বাধা) ॥•	e७। সাম্বাদ শিকাইকম্ 🗸 🗸			
	मायक्षकभागा (वीषा) ॥•	<। গৌড়ীর মঠক পরিচরঃ 🔻 🌙 -			
441	खैश्रिककिक्षाविष्णा नाष्ट्रनामः ॥•	ইংম্বেজী ভাষাগ্ৰ প্ৰকাশিত			
101	६वमार्के क्षमात्र माझवार	८৮। नामङ्ख्या			
	(श्रामाञ्चीत )	<>। লাইফ্রাভি প্রিপেণ্টন্ অব্			
	अवस्थार ( के का	च्चीदेठलल महा थाङ् ।•			
	८ अस्ति व-दिना स्टब्स	७०। देवकवीसम् ।			
19767	. भोकी के नगरिका । d'*	৬১। -দি ভাগবড় ।•			
	. सावसन्ति ( क्य मस्यवन )	৬২ ৷ ইয়োটিকৃ প্রিমিণ্শ গাও			
	ः विमयक्षे माञ्चतार । ।	भारनगरमञ्जू जिस्कामन			
MARIL .	অৱস্কাৰী বা মাহাবাৰণভদ্বণী।	७०। दशकाह त्रीक्षीयनठ संस पुरुर /-			
ा. बेह्मान्ति ५ ( राम्स्त । व भाषा		ভড়িয়া অক্ষরে প্রকাশিত			
	काम क्षा कि क पहनार गर) ।•	७८। श्रीविक्रिमाय विश्वामनि			
<b>8</b> D	ः विमनको नियम प्रकार	46   44719 488#			
	ब्रिट्मोक्स कार्ना क्रमा-वर्गन	७७ । मादल श्व			
68 I	्र शिक्स्यतम् । d• अस्य स्थानमञ्जूषा	७१। वेकावनी			
	नयबीनगा व्यापाया ८०	का नवनावि			
- OE 1	, नाववीत्रावाच् <mark>रका</mark> राजाका 📭	A Property of the Control of the Con			

श्रीटेड्ड अठे, CM: ख्रीमानाशूत, महीशा

প্রবর্গরেশার। প্রবর্গরেশার।। প্রবর্গরেশার।। এক্টাকারে খণ্ডে খণ্ডে প্রকাশিত

# 🛍 প্রভ দেরবজ্ভাবলী

তে বিকুপাদ প্রীপ্রীমন্ত জিলিছান্ত সরস্বতী গোষামী মহারাজের সেই অনিদাঃ-বিধাংলিনী জাবাজ্যকপোষোধিনী কৃষ্ণ-কাঞ্চ নিশ্ব-দায়িনী জীবস্ত-বাণীর মূর্ত-বিগ্রাহ—বৈফাবলিছান্ত-রত্মালার কৌস্ত ভানি — সেবাকুস্থন ওত্তের কৃষ্ণ-কর্ব-নিভূমণ কদমকুস্থন—সম্প্রদার বৈজ্ঞব-বিজ্ঞানাগারের মৌলিক তথা—পঞ্চরাত্র ও ভাগবতের সময়য়গুরু—মহাজন-জীবন চরিগ্র-শিক্ষক—চিবিলাস-চিন্মাত্রাচিন্মাত্র-বিচারক—ঐশ্বর্য ও মাধুর্যারসের মৌলিক গবেষণাগার—সম্বন্ধ, অভিধের ও প্রয়োজন-তত্ত্বের সিদ্ধান্ত-মমুদ্র।

১। প্রথমশংগ্র—বৈষ্ণবদর্শন, শ্রীগুরুতন্তন, কালধর্ম, শ্রীমধ্বাবির্ভাব, শ্রীবার্যভাননী, পাঞ্চরাত্রিকী দীক্ষা ও বর্ণবিচার, আত্মধর্ম ও মনোধর্ম, শ্রীচৈত্যদেব ও তাঁহার শিক্ষা, অপ্রাকৃত সংক্ষধর্ম ও প্রাকৃত সহজ্ব-ধর্ম, শ্রীপাদ ঈশ্বরপুরী, শ্রীল রসিকানন্দ-প্রসঙ্গ, পুষ্টিমার্গ প্রভৃতি বিংশভি সংখ্যক রড্বে স্বশোভিত। ভিক্ষা মাত্র ৬০ বার আনা।

২। দ্বিতীয় শশু—শুদ্ধা ও বিদ্ধা ভক্তি,মমুধ্যের শ্রেষ্ঠতা কোধার,
আত্মার নিহাবৃত্তি, প্রীধর স্বামিপাদ ও মায়াবাদ, প্রীগোর নিভামনদপ্রসঙ্গ, ত্রিযুগের ধর্ম ও কৃষ্ণকীর্ত্তন, প্রীগাসপুলার প্রীসন্থাগবডের কীর্ত্তন,
শ্রীগোরধানের মহিনা, মহাপ্রসাদ, শ্রীগোবিন্দ, শ্রীরপামুগভক্তন-পর্ব,
শ্রীমতী ব্যভাত্তনন্দিনী, প্রীচৈত্তের দরা, গোরকরনা ও কৃষ্ণমন্ত্রীর্ত্তনচতুর্দ্ধশ অপূর্ণবি-মধুরিমাপূর্ণ-বক্তৃতা-বিভূবিত। ভিক্ষা ১, এক টাকা মারা।

প্রথম ও বিতীয়—চুই খণ্ড একত্রে লইলে ভিক্ষা ১৪০ দেড় টু কা, ডাক খরচ বতন্ত্র।

প্রাপ্তিস্থান: - এন্থবিভাগ-শ্রীটেডফনঠ, পো: শ্রীমায়াপুর, ÷দীয়া ।

আগামী ৩রা এপ্রিল (১৯৩১) তারিখ হইতে

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

# ৬৮৮ ইংরেজী বিদ্যালয়

# খোলা হইতেছে

বিদেশী ছাত্রগণের জন্ম বিনা ব্যয়ে সুন্দর বাসভাদের বন্দোবন্ত হইয়াছে। প্রত্যেক ছাতের খোরাকী বারদ

মাত্র ছব্র টা কা মাসিক ব্যশ্ন হইবে।

শান অভীব স্বাস্থ্যকর। ছাত্রগণ অভিভাবকের পত্রসহ

সবর নিম্নলিখিও ঠিকানার আবেদন কর্মন।
সেক্রেটারী, ভাকুর ভক্তিবিশোদ ইন্টিটিউট্
শ্রীচেত্যুসঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

- , ৫০ বংসরের পরীক্ষিত কয়েকটা মঙে বংশ मानवातकार्थका भारत कृत देवा व समय व्यवस्था प्रवास किलाएक, जान ্ৰাপ কবিলে বড় বড় গুলত হট্যা পড়ে। আপনিও বাৰহার করিলা ধর কউন :
- > ১। हस्य श्रेष्ठा विका-देशक नामग्रीस समन कावल (त्रवे बदमा हैना স্ভব ৩ পুরাতন সেচ, মুলুরুছে, অল প্রভৃতি এবং স্ত্রীলোক্ষণের স্ভিকা ব্যারাম, **८५७** व्ययः १ तम् शामव श्राकृति (भारत का क कन धाम )
- ২। অমুখ্রিসহায় বটিকা--মাদক্তবাবিধীন অভাবকট নিভাবিধায়ক ওখন। বে কোন বৈত্তিক 😘 মানসিক লীড়াবশতঃ অনিগ্রাহো এই ওয়ন ব্যবহারে গাড় मिला क्ट्रेंब ।
- ত। মৃত্র বৃটিকা-- ইচা সেবলে প্লীতা ও ভদকুদ্ধিক দেবা ও প্লীর পদ্পুর **ब्हेबा या छ**त्र। वेष्ट्रापि निवृत्ति छ क्षेत्रा श्रक्त भनिकात उ द्रीक्त व्याख व्या

के किन अभावित अध्याक छेगानत मूरा शकि कोणे २० निका।

অধিখান: -আত শ্ৰনিপ্ৰাস্ উৰ্থালয় २५8नर बह्मवाचार होते. कशिका छ। 1

### बीनवहीं श्रीममाश्या वमार वता उका एर

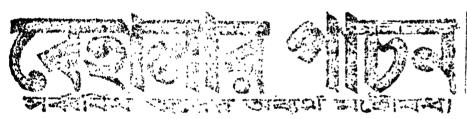
আহৈ ১৩ মতা আভুর বিহার ও শালাভাম নয়ন ধাল প্রামারত। এই নর বাংশর व्यक्तिन विविद्य-करान्त्रक बीरण सेमका क्रम्ब नीना-व्यक्ता बीरण व पतिविद्य, জীবাম- নকাল্যা---বামাপবাধ কি ? কঙাটি বিষয় বিশেষভাবে ম.লাকঃ ছব্দে बर्षिक। नर्जिने मार्रेक व्याप्त २७० मुखा।

# MAGGIN SINGER (ON I.

্ৰ কলল ব্ৰোভ-স্ক্ৰ কালাতে উত্তম কাগতে চাপা—- ইনৰ গ্ৰেগম ধপনে ভাৰ্ক মুশ্রকারীর কি আকার ভাবের উচ্ছাস কর, ছাতা এত প্রত্নে বাগড। এডে চনংকার।

সাধকক প্রাণি— ইটনক্ষরকানা, ইটাটপত্তন, ত্রীক্ষের অটোত্তর শভ্যাম ও শ্রীণ নথোত্তম ঠাকুরের ১৭ইনিঃস্ত হানিভান্তসমত জাগেনা, প্রেম্ছ জি-চক্রিকা আছতির মুগতিও গাঁভাবলী সুবাকারে পকেট সাইজে মুদ্রিত হয় সংগ্রহ बिक्तः। • हावि व्यक्तिभागः।

# কবিরাজ শশিভূবণ কবিকণ্ঠাভরণের



সফঃস্বটের স্থাবদার অভা ৬ আং শিশিকে ঘণীভূত অবস্থায় ছেটেবোএলের সম্পর্মিণ - উষ্ণ ভাক্তে পাঠান হুচ, চুহাক্তে ওবংগৰ কোন প্রিনত্তন করা হয় আই। মুলা প্রতি 

অফিস-১১নং উল্টাভাজা রোড, পোঃ শ্যামবাজার, বা লিকাতা

# (地)(出)(270

सहिकात क्षा क बाधानकार, वेल्प्रियाकित होत. ब्बाह्याहरू स्वरूपाचि, वर्श्वस्त्र, अस्पत्तादः, युक्त मक् क्षणानि, कानिका अकृति सकत स्वत निर्देश व्यारमात्राम् कृष्ट्र । यथः, नाषाः, त्यथः द्वाषः कतिरक चाविकोष्ट क्रीसंक १ - इसा ४० वधी ३. अस के का १ "নপুংসকাতানি **হত"** भूक्ष्यक्रांनि द्वारण वाक्ष्यद्वाण वाता कारताला ক্ষিত্ৰা ৰাজ্যসকল্প কৰে ৷ মূৰ্যা ২ জেলা ১, ঠাফা ১ "अञ्चलिलाजिनी यिव्या" बीकामात्रम करण गएक लच्चिक काशी क मुख्य करिएक व्यक्ताम्बर्धाः यूना ३० विते १८ जन हास्त्रीः। क्रिक्टिक मान्द्राराभको, (कन्यकी ক ৯৭শনং স্থায়িসন ধ্যেত্ব, কলিকডো।

# হাইডোসিল

কোষরদ্ধি রোগ

छाः ध्या, ध्या, द्याय दिना चाळा. या व्यक्तीवरमञ्ज भाग शक्ति विश्वा देवका किक व्यभागीत् द्रभागयुद्धि (बाभ व्यारक्षात्र) करिया बाटका ।

> क्रिकांग--394041411 '

#### 21 শুলায়ত

निरुम्दनक चनार्व घटरोत्रथ । > धाकात्र केननम् मखाद० चनदम् । दक्षकि ue बात चाना, तक् bie चाना। भाषक शृत्का

# শুক্রাচার্য্য সঞ্জাবনী পোষ্টাই

কানেত ও থাকভাষেত্ৰ অৰম্ভি নৰোহধ। মুলা ১ ভিবা ১:০ আনা 🖰 ্**যাওব** 

- ্ত। সন্ন্যাসী-প্রদত্ত অর্শরোমের অব্যর্থ আংটী चारराजा ना करता मुना एकरका मुना भागाता मानाह , माना भुनक्र
- কোন্ত-বান্ধৰ পীল 18 बदीन, टाउँकेंगा, लाउत्प्रमात भटकोमन । छिता ॥ - भाना । भाका पृथक ।

ना उन न & 1

বা ব্রোগের মহোপকাবী ও সপ্তাতে আরোগা। প্রতি শিশিটি **খানা।** भाक्ष १ कि ।

इवात-कामिन अञ्चलक दिन । मध्य कारोमाम बच्च भव निभून।

लाल्यान—गरनारमाहन (नररत्रेद्रा

त्याः हेशनी, कमला पुत्र, छाकां,

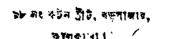
# যুৰোয়েছিল প্ৰেস

পূর্বানালারা প্রবাত সকলতাকার ছাপার জন্ম বিধ্যাত <u>বৈদ্যাতিক আশিলে দিবারাত কাজ চলিতেছে</u> বিশুক্ত জালিতে হইলে ভিন্ন টিকালার প্রক লিপ্সম मारिनजाद-भरिनारमाहम ८ छन् २०नर नदारपुत्र, हाका।

# মরা মাত্র বাঁচাইবার উপার

যালও অভাপি প্রকৃত সবা মাপ্রব বচিট্টবার কোর चित्रम आ: निम्न कह नाक भना, एपाणि गानामी सामानिक অনিধামত উপান অপ্রিধিত শক্তি নট ক্লিয়া জায়েছে Mai Deel elouten nat eilei matte Car matta भाकु मोनदना, चायुविक असणाता, वर्षभूक, अस्मित्र, नातम-मुःब्रास्त श्री ह , भन तनर ब्रीरणा केंसिटशक बेरधा हैं (क) बानक, नका, पुरुष्या, स्कृति ६ तकवास्त्री, किश्वीक्षा व्यक्षा ह द्वारण कृषित की वरन निर्वाण वहें वारकत, का काला है। आत्मातकात खळांगक छाकात व्यक्ति मादनहरू भारिकाल है ल्ला क्रिक मिल्लिम राज्याव क्षित्रा वाह्न लाखन. ভागाद ग७ मन्द्र क्षायान क्षांस वरगटनई नार्क्षा वार्क्**रहर्**छ । ये। बाह्य व्यक्तिम एसम नामकात कांत्रका व्याहलाको विकास र भारतम नाड, छ।हाता जननार वह छप्रश्ली क्षित्रहाड व्यक्ति रमञ्ज्ञ । क्राप्त अरहमङ दानकारका भारतायाः क्रिके क्रिमेनि **क्रा**प्त काक्याकुत अब अब जाका माना माना,

त्माम जटम<del>के ।</del> ভাঃ ডি. ডি. হা জরা। कर्मात्रक शारकन्दिक लाई, क्रिकाच विकास व्याप्त कांत्रश्रा विश्वदेशक





শাকাথের ছার বিশ্বনিধ কর্মানিক ক্রিকাসিক ২০০
মাসিক ২০০
মাসিক ২০০
মাসিক ২০০
মাসিক ২০০
মাসিক ২০০
মাসিক ২০০

ভারতের বিক্তে বছল-এডাছ--নদীরা ভোলার একমাত কুপলত

প্ৰাদ্ধ প্ৰতিজ্ঞাৰ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তব্যচল্পতি

ह् ६ ७ में मरे बा

আট্রতিত্যারত জালার মারাপুর- ১৭ই টের মফলবার ১০০৭, ৩১৫৭ মার্ক. ১৯৬১

# নানা কথা

বোদ। বিক্ষোরণ সম্প ক ত্রোপ্তার ত হাজার টাকা জামিনে মুক্তি

ৰাগপুরে ছই শত গৃহ ভন্মীভূত

ध्यक मरवादि व्यक्त । द्य कांगश्रद श्राव व्यवद्यात व्यक्त हिला कांग्रद । व्यवद्य श्राव व्यक्त व्यवद्य व्यवद्य व्यवद्य व्यवद्यात व्यवद्या

करवे जाप मण भागाव रणाम मण्य कावा कविषा केणिया जिल्लाह । रमक लक्ष्मा कविष्य रणाकरक स्वादांत कथा केण्यारके विषय

शर्मा मण्ड रिक्रामी मणानरकत अकृत करा श्रहेत । सुकराय कामना नावका वार्काहे ।

# ক্বফনগরে বোমার জের

ভগৎ সিংএর সৃতিপূজা—৫০ হাজার টাকার ইল নির্মাণ

# হত ইন্সপেক্টরের অবস্থা

কাণপুর দাঙ্গায় মহাত্মাগান্ধার অভিমত

# ওয়ার্কিং কমিটির আলোচনা

সন্ধার প্যাটে**লের নৃতন স**ভাপতির আসন প্রাগ

# যুক্তরাষ্ট্রে জনসভার সিন্ধান্ত

कताजी करत्थान भारते नंडा-त्रक डाङ्गादतत प्रंजू

# ২০০ শত গৃহ ভঙ্মীভূত

এলাহাবাদে ১৪৪ ধারা জারী

ভঙ্গৎ সিংজ্ঞান্ত স্মৃতিপূজা ৫০ হাজার টাকার হল নির্বাণ

ख्नर गिरावत चुकि इकार्य गरिहात ছাত गांमकि উल्छ में इरेशाएन। ४० शासात रेंक्शा फनर गिराबत मारम कारी कन ग्रेन्यान कता कृत्य। वो क्रेन्स सक्त कृत्य मार्थाक गांधाप्रत्यक्ष कारक स्वार्थित करियारकमा।

ভাঃ আগম, গোলীটার এবং আছও কলেকর্মতে লট্ডা অবটা করি বোর্ড এট্ন ক্যা হইচব। আহড় ইন্লোক্তরের অবস্থা

আনাসংগাত পুলিশ হলতে ক্টা লগাছ ভটা।চাৰা, যিতি গুলিবিছ চইয়া আফণে ভাসণাভালে আছেন, ঠালাগ্র দেক করতে এখনও গুলিটি বাংকল কন লগা। প্রকাশ যে, ভিলিটি তালাগ্র ক্ষম্পে লাগি-লাভে, তালাগ্র গাজোভাল ৯৯ ভিপ্র এবং ভাষায় পারীবিক অনভায় আর একটু উদ্লাভ হলনেই, ভালাগ্র বেলে অফ্লোনচাগ্র কর করবে। আভভানীধের গুলনও ভালন গঙ্গাল পারেলা যায় নাই। কাণপুর দাকায় মহাস্থা গান্ধীর অভিমন্ত

কানপুরের অবস্থার কণা মৃত্যান্ত্রা গান্ধীকে জানাহলে মহান্ত্রা অভিযানে (জ্ বংগিত হন এবং বলেন ——

"अर्के शश्यार्थित यर्थाहिक लिला नाम শ্রিবার ভাষা খুঁলিয়া পাইডেডি না करटशम खरार्किः कमिति व्यवश्रातं आक्र प्राक्षात कात्रण अच्छा क्षान्य कि कि विद्या विभिन्न स्थ रहेएक (य धर्त नास्त्रा यं हट हटक, खाहां छ त्याचा याच किल ले माभाक कारदबड़े माध्य देवमाहु क करेंद्र शरफ़। काम कामा कवि कह विश्व द्यादकत महल्क महस्र द्वनी ग्राम साक्रिक ाम अबा कहेरण मा---क्षेत्रशांभारण नांच काव मार्ल कतिर्व धावर (भौकाका वक्का क्रिक्र BECH face of 1 यांकात्रा व्यट्लक স্বাদীনভার সভি athtecs bicon, कार्यात्मत भरम काचिएक कद्दव दय, खंड यन्द्रपाच अरमदर्वत भटन हत्रम वाद्याव नाटन लशामात क अस्त कहेनाचा करवा छत्हे ।"

कानपुरस्त्र माझा मन्नार्क क्रिकाणां है य मकन गरनाम भा स्था निप्तारक, को श्रे मर्गक्ष निवन्त रिक्ष श्रीस्ट करेंगे।

मान प्रदेश हैं किया महर्दक महर्दक का स्थान का प्रदेश कर हैं कि स्थान का स्

# টেণের সময়ের शालभान

किङ्गिम भूत्री क्रकनशत ७ नवतीय वाहरे कडेरन है, वि. द्वरनद "वधना" (ऐम्स्स छेतिएक स माधाल करेत: कथन विवादिक्षित क्यागण कथला दश्राम कहेटल कुकानशत 'अ सन्दीन बाहेबाब क्राञ्चालुनिएड आसक शाक्षी याकादाक कतिला प्राथाते मुनिमानाम लाहेत्न कुफानश्च (द्वागा अध्य द्वेशन ब्लामा व क्या भिरा श्रुकान(क व वाक्तिशन कानावार दहेगन পৰাপ্ত আসিজে বাধা চনা ওঞ্জ वक्षमा (हेम्दात महिमा शामाच हे स्रश्न CBM: - MIN Weste 1

वश्वमा दंशमा कहाल दक्ता ३२छ। ४२ মিঃ এর পরে রাজি ভটা ২৭ িঃ মধ্যে (कान माफ़ीहे कविकालाह कात्म ना। व्यानात्र कालकासा व्हेटक श्रद्धामासक পত্ন বেলা ২টা ১০ নিঃ পুরের কোন গাড়ীট वक्षमा ल्हीरह मा। एक अपनी कारन कतिश्रा कुरुंगारक वाखना दहेमल बद्दार আনসিতে ও কথাৰ বাহতে গাড়ী না बाकात आदिगांक्शायत निवधन अक्षांत्रम क्षेत्रिक बहेशाटक ! समीहा ८५मा ८११६ ve वश्वना कहें एक क्रम्बनग्र याच्यात गण्डीत्क মেগামত না করার উহাও পরিকাজ विश्वन मञ्जलिए शक्तिन करेबारक। बर्खान गांत बड़े शर्गीत मश्यात आहर इश्रांत कार्या अधितक देश अधीर्व करा **क8**द्रख्रा के श्रंथ मान वावन∷न क्रमांत्रण भारकातां शास्त्र एक व्यक्तात नक्ष হইতেছে ৷ আমরা আশা কার কঠণক व्यविषय अञ्चलक कतिया भाषा वाषा द्विनश्रदत कर्द्धश्रक्षण । धण्डीकान कर्न-काष्ट्रांव याखीश्रांक भिराक्तिश्रांकता স্থাপিশার যে বারখা করিয়াছেন ভাতাতে **চটিগ্রাম মেলের যাই**বার ও আসি গার क्रमब गम्द्र अक्शिलि काल क्रिका सामाहेबात वावकः कतिल राखना याजि-গণের ধিক্সবাদের পাতা হ্রতে পারেন। ৮ यन्त्रीय मध्या वक्षणा । द्वेष्टन (कान । हिन প্রাঞ্জ যাইবে লা এরপ বাবছা সম্চীন ब्रह्म (क्ष्म कट्स कर्जुभक्षशम वीकार छ পারের যে বস্থার চটুগ্রাম মেলের शिक्षित्राम ना कतिका शुक्तित्राक्षत्र गावि-अनुद्रक शानाचा है कहेशा कुकामशाहस मार्थ महेशा जाक्षात्मत निकृष्टे व्हटक व्यापक चांछा गाम , किन्द्र क्षितकामा करेंटल य हेशाह कारण बख्णा याजीव निक्रहे क्टें एक (पदार्थ , का मात्र क्ट्र मा -- अक्षां ह विद्वादा क्रिएक शास्त्रम 1

### করাটী ওয়ার্কিং কমিটাতে আলোচনা

মালালালিতে কংগ্রেম ওর্গকিং কমিটারা সাহার মান করিতে অন্তরের জানাইরা-अका ब्रेसालिका कान्यात्व (शांक्यान भुल्ला के दाहे मुखाय कारवाइना कवा हथा। भागायार्थात समा हःथ लाकाम कविता खबर शिक्त शहलूम मझ विमामीव नीरवाधिक मुक्तारक रशोदन व्यवस्थित कविहा এক প্রস্থান গুরীম হইবাছে।

कड़े छुद्येहेन्। शुक्लात्यः कश्टशस्यतः शक টোড়ে অগল্প করিবার জন্ম নিল্লমিনিন बाहिन्द्रावरक महेन्रा धकि करिनी गठिह ভইয়াড়ে ঃ – বাবু ভববান দাগ (সভাপতি) श्चिषक श्वत्राक्षम नाम (देखन, जि: B. . (मरनाश्वीत, साम्कोश्वत चौड़ा আফ্কল মুল্ক এং পণ্ডিত মুলার मामिष ।

अक्ट्रात प्राव्यतन्त्रीत मुक्ति नियशक श्राचीत श्रुनवांव मुग्नकारव वहना करा इस विभिन्न सम्बद्ध भागणात व्यागायीत्वत साम जुडे अधाराव महिङ क्रक क्रांतिकाम क्रुक्ति। त्म उद्देश क्रेसारक। काळाख दाक्टेर्शंटक मामनात व्यामानी-গণের মুক্তির করু ও এই প্রস্তাবে দাবী केश ०५ थाए ।

नाकी-भारकेश हुकि পরিংশধ্য मधर्पत्मत काला काला किल करा वह भरत्नांवन खेळाव (४६) ভট্যাভিল। আলোচনার পর মোটামুটী একটা থগটো প্রাপ্তত কলা হটলালে। ভাগার বিষয় নিকাচনী সমিভিন নিকট উপাস্থত করা হইবে ৷

### সম্বার সম্পন্ন করিবার ব্যবস্থা করিবেল। সন্ধার প্যাটেলের দূতন সভাপতির खा तन दः इन

গত শুক্রণার অপরা হ্ল করাটীকে

নিশিশ ভাষত কংগ্রেদ কনিটীর সভাগ পৃঞ্জ অভর্ণাল মেতের সভাপতির ला छ।। श करतन अव महात नश्च माहि গ্যাটেশ সভা ।তির ভাষেন একণ করেন मकाणा निश्व कामन अवन कारन मुक्तारकी বলেন---জামার জনেক অন্তবিধা আছে। পণ্ডিস্থীৰ প্ৰিশাল সাম্নীভিক্ষে অপ্ৰিচিত কিয় হিনি এক্ষন ক্ষক মাত্ৰ -- डांगत कानका ताक्नी हिक छ।।। गाठे याद्रक शिंग गुजागाज्य कार्या क्षाण कतिया कतिएक भारतम् एम अध त्यांकि निष्मत्र महत्या । व्यार्थना कर्द्य হিলি পাংলাত মতিবাল নেতেক ও মৌলানং, ভীষণ আংগল 'সংগল ' কওবাল জেলা মংখাদ আনীর মৃত্তানে শোক একাশ क्टबन 'ख 'बलाम-- दमीशामा भारत्य अ निमध्य की निल थाकिल माध्यक्षाविक मुभक्षात्र मुभाषानं व्यत्म महक ५३७।

सःहर्गादन ये मीएक युनकश्य व्याप्ता क्यूबारकत पाठि, खाव किनि शक्तारक ১৮ শে ম'চ্চ ল্যান্ডে সর্দার পাটেলের তাঁলার সহিত সংখ্যা ও উলেকে

### युङ्जार हे जनम्हास निद्धास

शक्ति-बाद्रकेटन हिक्काभा नहेश क्राम्बे हे न्मिरियां नांक्य बत ( माञ्चाकावाम विट्यांशी गश्यक्षं ) कांग्राकती भक्षा केंद्रिय मध्य शक्षिशहरू । जाना-দেব অনেকের বিশ্বাস যে ভারতীয় কংগ্রেম সাম্রাজ্যবাদের বিরুদ্ধে সংগ্রাম क्टाक निवृत्त क्रेसाएका जातर आवर का धनम्। धात्रामत क्षांच माधन क्रांतिकार्यन ।

আছাশ, যে উকু লীগের সংগ্রিট श्री एका न छा न का किए के एक करा आरम । ain wiBet fraig dat Gote win-कती भविति बहरक शांखड खब्दलांग दन्धनकारक **भा**र्यादिक कर्नात উ.छात्र विश्व हर्द्ध ।

आर्ट्भविकाम युक्ततार्क्षेत्र व्हिट्यट्डेत <sup>দি</sup> ভারতব্যীয় স্বাদীনভার বেন্দ্রীয় সাম-ডি''র উল্টেশ্রে সক্ষ্যপ্রভিক্রেম এট গিছাও भूती क कहारा हा या नारकात कररवारम গুনাৰ পূৰ্ণ স্থানীনভাৱ প্ৰান্তাবের প্ৰতি তালারা সম্পূর্ণ একমত। তাহাল লোল-दर्जिया देश्वेटक्य क्या भागा क्या विदेक मुक्षात्र ना कादश भूप पांधीनकात अंश करदश्यक शरशाम कतिएक ष्रञ्छात्रात

कताही कश्द्याम भादर्व मधा অমতার চাপে বৃদ্ধ ডাক্তারের মৃত্যু

कराजारमण आर्ड (य मधाय मधाया शाकी कंक वर्तीकान वसका करिया-ভিলেন, ভাগতে ভিড়ের চাণে মিলু बाबक्षाम निवाभी अभगत श्राप्त छ। छ। छ। ८७९९१म किश्वनाम सम नक रुपका भागा शिशास्त्र । शंक व्य नवनाती । भिक्त किंव रहता महाश्राभीत यक्त छ जिताहिल, किन दम्पास वीकित शाह्वात ममत्र जाका-ভাড়িতে ও ভিড়ে করেকখন লোক আতত হয়। প্রায় ১২টি লিভকে পুজিয়া ाालमा योग व्यादे-- अशाहमा अकृषित वयन ७३ भारमध्य क्या

# क्षार्गिरिंग ५४४ भाषा छात्री

कः न भूरते व प्रामा भव्यास्थि । बांगावा वर्षा भाकिरद्वेष निम्म छ भगनगान भाष्ट्रनिर्देशन अभिनिधित्मत शक्ति आदशहानाः कादश भीरांत करण केटे 'मारंगत खन '588 htel वादी रहेब्राट्ट । देवात बात खनावायान

मिक्किमिना जिल्लाका मध्य नाहि भाष्यग्रीय ना भंग त्वान भाषा वा म्नशान्त्ररथत याक्त्रिक एक्क्षा निविद्य धरे अन गांव वेजगरनकाक और लाव कर कर्मा करिका हरक माना ह REELE !

### ওয়ার্কিং কমিটিতে গৃহীত প্রস্তাব

मिल्ली आर्लाय अध्रेरपासन, पाश्चीन-कांत्र राका भूनः गमर्थन, रेगस विकास, रेनामणिक मण्लर्क छ आर्थिक नौक्रिक উপৰ সম্পূৰ্ণ কৰ্ডাছৰ দাবী,:अञ्चला গানীৰ व्यक्ति भण्णार्थ आवाद्याशन खदर काहारक त्शांगाचितिम देशके क श्रेष्ठाम । ज्यांकि मिवि # মভনীৰ নেতা নিয়োগ ভরিয়া কংগ্রেস श्वाकिः क्षिप्रिक्त कर बाद्यान गुर्वेष

माब्रिम् पायशक्या स्थि धनः लाटात गाँगीत करन मश्राक निकृत মনোভাব শাল করিবার লক্ত আইন व्यास कारणागरमत श्रुरक्ष या श्रद्धत्र कारोनिश्चिष्ठ व्यक्तिया 'ख हिरमाप्रशक गक्न अव्देन्डिक नन्त्रीक मुर्कि मानी কৰিয়া আৰু একটা প্ৰাঞ্চাৰ গুণীক 1 #31R 64

আর একটি প্রস্তাবে ব্রহ্মবেশকে আত্ম নিরস্ত্রপথ অধিকার ছাড়িয়া দেওয়া •देशारह धनः शृथक-करण मध्यक आह्या-हमात शाला अवासन वागीरमत अधिमक व्यक्ति क्राप्त निकारण के दिए 8711 B 1

পার আক্টি **काश्वर**्व পতিজ यिकाण (मध्यः, (योगाना থালি ও মঞার আজার , কংগ্রেস ক্ষিদের মৃত্তে শোক প্রেকাশ করা

**क्टे आधानधान निवित्र कांत्रक** কংগ্রেস কমিটীতে বিবেচনার্থ উপসাধিত

### স্বাধীন ত্রিপুরায় ভীষণ ডাকাডি একছন লোক আহত

স্বাধীন ত্রিপুরার অন্তর্গত ফটীক্স্ক্রার शिवक वमस्क्रमात (पाय महाभाषात व्याप्तnint ceinten Gimila ebni feinich. प्राकारन याः कि**ष्ट** किंग ,काकाखनन ,नमक श्वेम किया महेवा श्रिवाह अवर अम्मन क्यां हो हो तक ब्राय बार्क का क्या के किया है। ভাকাতগণ তথ্য ও গ্রহ দর নাই চকামভিত্র CHALLEST COLORS OF CHARLES CHA **क्षानाहि एर्ड गाइक विकास सामान ह**्या :

#### 如如人们进门人都! 申证明:

# विषद्भक्त देवन शुन्त्र

व्याम-मान्नाश्राष्ट्र क्रिटिक क्रम्पर्रात्र आध বিশের অসভ্য সক্ষমমণ্ডলীয় নিকট ক্ষবিদিত। এই জীচৈতক্সমর্চে এক প্রাত্তে 'শ্রিরাধাকৃত্ত' নামস্ক একটা স্থল্য প্রার্গী আছে। ব্রস্তত: পক্ষে পুষ্ণরিণীটা বল্লাল-র্থীয়িকার একাংশে অবস্থিত। একদা ঋতুরাক বসভের ক্ষরিয় আরামপ্রদ প্রভাতে এই অলাশরের সুর্বা বাঁলান-भारि यात्रमा करेनक यजुन गहिल विनिध প্রদক্ষে আলাপ করিভেছিলাম। কপোপ-কথনের গতি কিঞিৎ মদ্দীভূত ২টলে चामाद्यत छेख्दात्र मृष्टि चाटित नीर्नद्यत्म व्यविष्ठ मिष्युरकात भाषात्र छैनविहे एकति क्रम्बर्कि (कांकिरणम स्रभावती अक-কাকলী কর্ত্তক আক্র' চটল। আমর্থ গভীর মনেবাধের সঙিত ধামেখনের মাহাত্মাকীর্জনকারী মহাভাগাবান পিক-রাজের ক্লড-কার্জন ভাবণ করিভেছি, এমন সময় একটা চারি বংগর বরক বালক আমার ভত্ত আকর্ষণপুরুক আমাকে জি**কা**সা कतिन, 'का मामा के भाष्ट्रत मिक्क ठाविता মাডেন কেন ?' আমি জুখন ভাছাকে **्काकिरणत श्रमधुत्र कर्श्यमान् अवरणत क्या** ৰলিলে সে আমার নিষ্ট বৃক্ষনীর নাম ক্লিজ্ঞাদা করিল। তাছার •প্রান্তের উত্তর প্রদান করিলে সেইবাল-মুলভ-চপলভার ৰুশবন্তী হটয়া পুন্ত্ৰীয় আমাকে জিজাসা कतिल--'हा मानूरी के शास्त्र रम ताकिएड (र ज्ञलात मृन्द्रीकि मिथ्राणिकाम, ঐ ফুলগুলি কোক্লীয় ?' আমি ভাছার কথার ষ্মর্থ বৃঝিতে 🎳 পারিয়া ভাহাকে ফিজাসা করিলাম--- 🎆 কিরে, রাত্তিকালে কি ফুল দেখে 🎆 ়ে প তথন নিভাস্ত বিজ্ঞের ক্রায় বিলিল—তা যদি বলুতে

পনাকে জিজাসা কৰ্ব কৈন ? আ্লেয়খন কুলগুলি দেখেছিলাম, ওখন ডাত্র বাবুও নিকটে ছিলেন। ফুলগুলি একুনার দেখা বায়, আবার শীন্তই কো**ৰ্ক্তি** পালায়, আবার ওসে উপি ত হয় হাজার বাবুকে জিজাসা পণ্ডিত।ভিমানী ব্যক্তি অনেক শামের ভাষণের আয় হাজেটোপক মাত্র। করলেম, তি কুঞ্ছাস্লেন, কোনও কথার উত্তর কিন্দ্র না, আপনিও বৃধি আমাকে এ কিন্দুর কথা ব'লবেন না ব'লে ঐ প্রেক ক্রিণা বল্ছেন। " আমি | উল্টানট সার হয়; কারণ জন্ম, ঐত্বা, শ্রুত. তথন ডাক্তার ক্রিকট বালকের ঐ উল্লেপ্ট চতুরিধ, অভিযানের কোনত क्या किछागा क्रीति । विशिष्ति,---शांद्रक शांच বেড়াইডেছিল ভাছাদের আহুলাক বেধিরা স্থানীর মুখ উল্মোচন করিতে সমর্থ নহে! পাইবেন যে, সংপ্রথমের জীক্ষচর শুধীর ফুল মার্ক্ট কলিবাছিল।' ৰাল্ক সর্ব্যাধারণের উপক'রার্গ আমরা ভট্টাচাল। জীবগণকে তাঁহার যশোদানকনত্ত্ব ও

# দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

নিভাপাস্য বেক্পবাতাবঙ

विशामि भवता मायक-मार्वात कर्काळम न्याप्याका সমগ্র ভারতে একমাত্র স্থপভ দৈনিক পার্মার্থিক পত্র

শ্রীলাম মাহাপুর ১৭ই লৈত্র, মঙ্গলবার ১৩৩৭

বিখাস করিল না, বলিল-পোকা বুঝি প্রকাশে ক্রমণ: প্রকাশ করিব। আল ফুলের ক্রায় দেখায় ?

**८** हे वास्तिम शांग्र जातक विळाडियांनी অস্ত্র ব্যক্তি অজ্ঞান-তিমির নিশার অক্ষত-জ্ঞান নিৰয়ক্ষের বিভিন্ন শাথার চতুর্দিকে ত্রাম্যমান মোহ-গছেছাভিকার আপাত মনোমোছকর কণ ামী পরিবর্তনশীল সৌন্দর্যাকে বাস্তব জ্ঞান-বুকের প্রাকৃটিভ मुकुन मटन कतिशा लाख हरा। वाख्वनाष्ठा শ্বরং আসিয়াও যদি তাহাদিণের নিকট অমূলি 'নির্দেশপুর্বক তাহ।দের ভ্রান্তি দেখাইরা দেল, তাহারা এমনট ছর্জাগা त्य किছु छाड़े छाड़ा श्रीकात क त्रत्व मा. ৰলিৰে আমি যে অবিভাক্তন্ত্ৰীয় টোলাগো ম্ব্র হট্যা সারা কীবন অভিবাহিত ক্রিলাম, কাপনি বলিতেছেন, ভাহা বান্তবসভ্য নহে,আপনি বাহাই বলুন,আমি কিছুতেই একথা স্বীকার করিব না। মোচ-ৰভোত কি কখনও বাঙ্বসভা-পুলোর জার প্রতীয়মান হয় ?

আত্মন্ত হট্যা চিন্তা করিলে আমরা দেখিতে পাট যে, জগতে উপরিউক্ত. উদাহরণের অতাব নাই। সম্প্রতি রাম হরি ভটাচার্যা নামক ভটনক ব্যক্তি 'বালে একিফ' নামৰ একটা খুদ্ৰ পৃত্তক লিপিয়া বিজ্ঞগণের নিকট ঐ প্রকার **এक्টी উদাহরণ প্রদর্শন করিয়াছেন।** শকরা-বহনকারী গদত বেমন শকরার श्वाम-४इटन व्यवसर्ग, एकाल পঞारीन व्यटनक 🗄 ভার শিরে বহন করেন বটে, কিন্তু শানোদির স্মধুর শক্রাম্বাদন ভাছাদের ভাগ্যে ঘটিয়া উঠে না, শুধু গ্রন্থের পাতা **८क्रीट** अकिल हरेग्रा लोहान्ना नम्ख्यात

ভাষার লেখনীপ্রস্থত একটা মাত্র বিষয়ের আলোচনা করিছেছি।

ভট্টাচার্য্য মহাশয় তাঁহার ভ্রিকার উপসংহারে শিখিয়াছেন--বৈফাবকবিগ্র শ্রীক্ষের চরিত্রে কলম্বকালিয়া লেপন করিয়াছেন এবং তিনি তাহা উঠাইতে চে । করিভেছেন। ভট্টাচার্য্য মহাশহের এই কথায় তিনি নিজে যে অবৈঞ্চৰ,ভাগ নিকেই প্রভিপর করিলেন। তথন আমরা देवकव भटकत व्यर्थ वृद्धिएक एक है। कतित, ভাষা হটলে আমরা ভট্টাটোর্য মহাশয়ের শ্বরূপ এবং ভাঁহার শাসালোচনার যোগ্যভা महरू व समग्रमम कतिए भारतिय । 'विकू' मरम 'का' প্রভায়-যুক্ত হটয়া 'বৈফব' শব্দ निम्मन इंडेग्राट्ड। निनि गर्यक वाश्व র্হিয়াছেন, তিনিই বিষ্ণু এবং বাঁহার। সর্বত্রে বিষ্ণুর অনিষ্ঠান থকা করিয়া বিষ্ণুর (मना करतन, की हाताहे देवकत । निक्कानीन उक्साळ रेक्कारवत्रहे मचन, अरेक्काय कथन ९ डोहांत मर्गन गाटि समर्थ मट्ट હदा একমাত্র বেদোক্ষণা বৃদ্ধিভেই বিষ্ণুদশনের যোগ্যতা হয়, অন্ত কোনও প্রকারে হয় ন্য, মুডরাং বেদোজনা বুদ্ধি বৈঞ্চবের আছে-অলৈঞ্চের ভালা নাই। যালার বেদোদ্দলা ৰুদ্ধি নাট, তিনি কখনও অপৌর যেয় বেদ-প্রেভিপাত্ম বিষয় অবগত হটতে পারেন না। স্বভরাং এহেন ব্যক্তির পঞ্চে সাহত-শাল্ল সম্বন্ধে কিছু লিপিবডের চেঠা বাল-

অল্ল ভগৰান বন্ধনীবেৰ মঞ্চলাপ বেজার ভৌষ-জন্ম-খালাদির প্রভিনয় करतन, किश्व ज्याकश्चामीत व्यारमाव-८५श्चेग ভাষা বোধগমা না হওয়ায় অঞ্জা-বশভঃ ভগবানকৈ তাহারট কায় এককম জন্ম মরণ-মালা-পরিচিত জীব বলিয়া ভ্রাস্ত হন। কোন কমে ভাষার ভ্রুয়োগী চাল্লিদিকে উড়িয়া ৰাতাত অপর কেঞ্চ শাল মর্ম-শকরার অক্তি চইলে ভদ্ধ দৈকব-চর্নাত্র দেখিতে 🕶 র 🐗 🛊 বলিলে সে মহাগ্রের এ থারি ন্যান্যোচনা জীনাীয়া। ভাসভ্রন্যতে জাক্ট করিয়া তাঁহার

ञ्नीएश-পार भग्नथारङ जान श्रामनभृक्षंक তাঁছাদিগকে সকলাই স্বীয় অোকজ-দেবা-মুতে স্থান করাইতেছেন। এই প্রকারে পায়ং ভগবান্ কর্ত্তক কায়গুলীত হইয়া এবং শাপ্রাক্তত দিবা-দৃষ্টিতে জ্রীরক্তচরের नाम, क्रम, खन,भत्रिकतरेयिनिहेर क नीमापि সন্দৰ্শন করিয়া চিৎসমালিক করণাপ্রচিত্ত रेवकवन्तर मामृण वन्कीरवन छकातार्थ তাচাই ीमहान नहानि श्रष्टममुद्द मिलि-বন্ধ করিয়াছেন। তথন ভিনি **ব্রিচে** भातिहत्तन ८६, एकमाल देवश्वत्रभाष्ट्र क्राप्-ধার্শীকে শীক্ষচবিভায়ত প্রধানে সমর্থ, অবৈষ্ণবর্গণ শ্রীক্লফের চরিত্র লিপিড়ে যাইয়া তাঁহার অঙ্গে শেল বিফ করে, करन <u>व्यानक्षकःन तोत्र</u>स्य शाकियात्र ভূবিবা হয় মাজ।

# बिबोनवर्षाभगामधानतिनै महाम অধিবেশ ন-িবরণী

[8]

শ্ৰীযুক্ত সখাচনণ ভক্তি নিজয়

শ্রীনববীপধামপ্রচামিণী সভার পক চ্চতে তিদভিশ্বামী শ্রীমন্ত্রভিবিবেক ভারতী মহারাজ শ্রীযুক্ত স্থীচরণ রায় ভক্তিবিচয় মহোদয়ের িগত বর্ষে শ্রীগুরু-গোড়ীয়-গোরপ্রিয় সেবাছর্গানের कि विकश्न महामन शोत्रज्ञ मार्थी और्धाम-ৈ চৈত্তসমূহে "ভত্তিবিজয়-ভারন" নিশাণ ও বৈছাতিক আলোকে শ্রীচৈতভামঠ উদ্বানিত করিয়া ভঞ্জির বিদয়বৈজয়ন্তী উচ্চীন-পূৰ্বক ভক্তিবিভাষ শ্ৰীচরণ বা গুরুচরণ নামের সার্থকতা শশ্পাৰন করিয়াছেন। জগতে বিনি বত দানই করন, যত মহামহেবেদবের অফুঠনে হউক্, যত ঐশ্ব্যাই প্ৰেকাশিত হউক না (कम, एकमांब आलारकत अखारव भक्तहे वार्थ बरेया यात्र। अञ्चितिकस मदश्यम ঐটিচতক্রমমে সেই আলোকমালা প্রদান করিয়া শুরু গৌড়ীয়-গৌরস্তনরের সকল ঐখগ্যকে জগতের সন্মুপে প্রকাশী করিয়া निशास्त्रन । और इसमार्थ की अन्न-दर्शाफ़ीय-লোরাজের পর্যাঞ্জ স্থান: তিনি সেই श्वारम श्री अक्टाररात्त कामी खेमक्यी विद्याप করিয়া সকাপেকা খেট দেবা করিয়াছেন

# শ্ৰীযুক্ত বিরাজকোহন ভক্তিভূষণ

छाका मध्यादमाच्या ८००१तमञ्ज स्वाधि-কারী শ্রীয়ক বিরাজ নোহন দে ভব্তিভূষণ মহোদয় প্রতি বংশরট ভাঁহায় মুজাযুদ্ধ এবং নিভ পরিশ্বযের দারা 💐 🛊 🕶 -লোরালের একান্ত মনোভীই ভাক্তিপ্রায় প্রভার সাধন করিতে বিশ্বশারও কুপ্রণতা लाकान कत्यन मा। 'मिन्सक्ती', 'अधन-রহত, 'ব্রহ্মসংহিতা', 'শ্রীহরিত ডিকল্ল-

প্রিকা' এবং গত জীবোলালা ও জীবোর । কলিহত হীলেল আতুগলে নির্মে। রূপ, রুণ, গল, শল, শল, শল, শল ই জিল- । জাবে "গৃহতের ধর্মণ সহলে এক বন্ধুতা প্ৰকাৰ কালোগায় প্ৰস্থাতি মুধানিত করিয়া ভিত্তি ভূমল মহালক্ত বৈষ্ণ্য-গত্তিক अपेड़ीयभटोत्र विचित्र टाकात द्वारा, जाका बीम। श्रा । रीप्रधमदरे देवका उक् आदलाक-প্রদান এবং চাকা কম্যাপুর শ্রীগোপাল-कौछित्र करत अवस्या सन्तित-निर्माण छ मश्यादशास्त्रव लाकुष्ठि श्व-वादय मण्यामन ক্রিয়া ওক-পৌড়ীরগণের প্রিয়ভাতন হইয়'ছেন। বর্ত্তমানে তিনি এ। াম মারা-পুরে একটা দর্মণালা নিমাণ ক্রিবার শঙ্কর করিয়া শ্রীধামদেবার ত্রেভিও মনো-নিবেশ ক্ষিয়াছেন। তাঁগার এই স্কল ভারনামকুল পৌরপ্রিয়কার্যা ফুর্হানের জন্ম শ্রী গ্রমণাচারিণী সভা তাহ্যকে অশেষ গগু-वान धानान कतिर एक ।

#### শ্রীপাদ ভব্তিরঞ্জনের সহদ্যানীয়য়

অতঃপর ত্রিদভিস্বামী জ্রীন্ত্রি-বিশাস গভডিনেমি মহারাজ স্কেট্টাব্য 🗃 শ্বৰ্দ্ধ ভিত্তিরঞ্জন মতে: দয়ের স্ত-থব্দিণী-ধয়ের গৌরভিায়ণেবা প্রায়ক উল্লেখ ৰুরিয়া বলেন যে, যিনি প্তির সৃষ্টিও ধর্মাচরণ করেন বা প্রির অভুষ্ঠিত ২০% : माहायाकात्रिमी ६न, चिनिके अक्ट **धर्मिनी। ७ कित्रक्षम मध्यानस्त्रत्र रहनिक्र**ी-👣 🔊 ওরু-গৌরাঙ্গ দেবার, জীগৌড়ার-**মঠের**, বিপুল সৌধ-মন্দির-মিন্দ্রানে কেট্রায্য মহোট্রকে ত্রেরণা ও সহায়তা না করিলে ষ্ঠত আন্ন সমন্দ্রে এরূপ বিপুল কাষ্য। ১২৮। হইত কি না, মনেই। তাঁহামের আগুরিক **षांचित्राय. धारण्य, द्या**लता ७ द्वित्रातृष्ट्वि-

याम कालन वर्षत्वाहरून। প্রমার্য সার্থকতা

প্রচারিগানভা এই মন্ত তাহারিগকে এক-

ক্ষেই এরপ বিগুল সেখা ভগতে

প্রকাশিত ইইনাছে। ভাইারা মত্য মতাই

সহধর্মিনীর আদশ এবং সরস্বতী ও ভার্মার

ঐপা । এক থের সহায়কারিক । আর্থাম

ভাষে জগতে ধরিভাকিবিখা ও ধরিচারি- |

শ্ৰীকিশোরীযোৱন ভডিবারবুর্নি-৫০) **पार्श्वर**िकृष्टानि शक्षां यसम्मितम्। **८णधाः ितप्रसिक्तिष्ट किमाण्डग्रम**ः अत्रम् ॥

প্রাণী-মুক্ত প্রত্যাহই মুদ্রানুথ প্রতিভ ছইতেতে, কিন্তু যাহ'র। বাচিয়া আছে, ভাগারী ধিরত্ব আশা করিয়া বনিল আত্র অণীং ভাষারা মনে করিভেছে (ग. एर्श्शानिवादक मितिएक इक्रेंद्र मा । हेंद्रा প্রপেক। পত্র ভাগ্রা कि আহে।

আমানেৰ আবদাল অভাৱ ক্ইয়াও

শ্রেন্ত ক্রান্ত প্রাধ্যে বঞ্জান বিল্লান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত বালিকভাতে হা একে বিল্লান্ত কর্মান্ত সভবপর करोते वाल्य क विद्योग थ के दिले दार- रिएक्टी व्य विभाव क्षत्रम् । अर्थार जार के শানের তিবারিখিত আলেখা এবং বিভিন্ন চিত্র সংগ্রহণ শতবর্ষ পরেই। ইউক তারে । নিজের মৃত্যু **অবশু**হারী। দেরপ্রতাবে হেলাম আমালের প্রাণ্ড অভিবাহিত विद्यात महारामार्थ बंबतार्थन। हाका मैन्सार्थन ब्रहेटबर्ड्स, द्वर स्टाना कामान हाटक আমরা ঐপন্মার ব্যৱিত করিতেছি, ভদ্বারা প্রমাণ্ড অঞ্জল্প সহলে আমান দের কোন তান অভে ধ্রিয়া ম**নে** इत्र मा। दद्ध पारासित शत्रशास्त्र অনতকাল প্রমায় আমানের স্মুধে গড়িলা আছে, আমরা হকামত উহার বাবহার করিতে থাকিব।

> আমরা ভারনের প্রচেত্রক অবহাতেই | পরবর্তী অবস্থাক্ষি চেচাটোয় ভল লালায়িত, বতুমান অবভাষ আনো সন্ত নতি। বালক ফোবনের হল, গুৰু বোড়ায় পাভ করিয়া কথার ছেন এতিই। বাভের হল, আবার জৌচু বাজি নাম শীঘ এৰীণতা লাভ করিয়া কম্মনগ্ৰ **८** छे८७ खरभन बाह्मभाक E 12:29 -উপভোগ কবিধার জন্ম ব্যাত। আশ্বান भनोटिका कथान है त्यन लाख कनिया অমেটদগকে কোন অহান: পথে লইয়া याहर १८७ ।

কর্মানো, প্রবেশ করিয়া কেচ কর্মনীর, কেই জানী, কেই সাহিছিক, কেহ কবি, কেছ বৈজ্ঞানিক, কেছ বাগ্ৰা, রাজনীতিবিশারদ, কেড বা ব্যবহারদীভিবিশারদ ভইয়া প্রচেন্ট্রেই স্বলপ্রিত অব্ভার এই সারাময় সংগারে অভিনিবিষ্ঠ হট্যা আত্মেক্সিয় তপ্ত বস্ত। আমরা এখানকার জাগতিক विषय गरेश ८७३ वास्तर, ८५ छन-সহল কি করিয়া পার হইব বা ভয়ি ১তে ইহার প্রপারে আমাদিগকে কোথায় যাইতে হইবে, ভাষা চিস্তা করিবাব ष्यारती प्यतनत्र नाष्ट्र।

.এখানে আমনা এতহ উন্নত্ত যে, এই প্রভির অভীত কোন রাজ্যের সংবাদ রাখিদার আবশুকভা দেখি না। আমা-(भत्र शमुक्त है जिलाटक । दनक्षा कृषि दाउँ প্যাৰ্থতিত এবং সমস্ত বিভাক্তি এই সংগার-কারাগারের রক্ষণিত্রী দেব ব णि उपनिधासामा । **अ**स्त्राह ভানাদের পরম কল্যাণ বিধ্যে আপতি ারতির অতীত অংকাদল দিব্য বৈক্ঠ জান বিষয়ে সম্পূর্ণ অন্ত।

চুর<sup>্ন্</sup>টা লগ ঘোনি ভাষণ ক্রিয়া লাজ নে কছাৰ্ছ মহন্যকল পাইয়াছি, ভাগে ভাহার কোন ফ্রিন্ডা নাই

धार हेका कति। गई छहा गत इत्यह ঘটতে পারে। কিন্তু চরম কল্যান প্রমাণ্ প্রমাথ প্রশালনে নিযুক্ত না कितिशा ভড় ি নয় ত্রণীথানে ননিযুক্ত বিভিন্নে ভদ-পেখা এর চড়াপ্যের বিশয় কি হইছে नाटम १

প্রকিণের ভার আনরাও বদি **क्यम मा**न आशात, निका, छत्र, देमशून প্রভৃতি কাণ্যে পরমায়ু বারিভ করিতে थाकि, उद्या वस्त मध्याशीयम अप्तास्तू পরমায়ু বুলায় অভিবাটিত ইইল। ঐত্রেপ ই ক্রিব্রাহা ব্যপ্তায়ে भज्ञभाष्म् काग्र না করিয়া আনরা যে পরিমাণে উল **ভাগবত । या हुनी करन** ব্যন্ত 🕆 করিতে সমর্থ, মেট প্রিনাথেট আমাদের প্রমানুর महास करेल गुविहरू হইবে। হরি ভর্মের পরিমাণ দারটে আমাদের পর্মায়ু নিশাত ইইবে, বেবলমাত্র পুণিনীতে বিচরণকাল নির্বিদ্যর। নতে ৷ আস্ট্রা আমালের মুল্লান প্রানাগু কিরাপভালে অধ্যা বায় কলিতেটি, ভাল প্রিয়ন্তা-প্ৰতে এইৱপ ধ্ৰিত অংহে ধ্ৰা ে सिक्तमा हिंग्रह के जल्ला नानाद्यम । या यह । किरोऽ१८४०का तांच्य तुं}शहतराज तः॥°

শ্রীল বুন্দান্য দায় ঠারর এই লোকেরই অন্তথ্যনি করিয়া ব্যিয়াচেন, —

"ব্যর্থকাল যায় মত্রে ব্যানহার রূপে ."

আমরা অতিক প্রমাণ ৪ ই বটে, কিছ एँशत भवानवात आहमी कानि मा। পরমায় প্রমাথিয়ারেই বড়ন-লে এবং পরমার্থের মেবাছেই উহাল স্পূর্ণ নাৰ্থকতা। যে প্রমাণু খাভ করিলা ছীব উত্यादमाक दीक्षावात्मत खनाएकीर्छन করে বা ঘটার সাধায়ে শ্রীভগবানের শেবা কার্য্য সম্পন্ন হয়, কেবল্যাত্র সেই-ক্ষণ প্রমারে সার্থকতা জানাইয়া দিবার জন্ম পার্মহণদী সংহিতা ই,মন্তাগ্রহ বিষয় ভোগ গুমন্ত আমাদিগকে পাৰ্নান করিয়া বলিতেছেন:--

'পারু'ইরতি বৈ প্রংসাং উল্লয়ন্তঞ্চ যন্ত্রসৌ। ওপ্তের্থংক্রেনাত উত্তরঃশ্লোকবার্যা।। তক্ষম তাণি ক্ষাণি তদার্ভমনো বচ:। আমরা নৃণাং যেন হি বিশ্বাস্থা সেব্যক্তে

रुतितो**भ**तः॥

# 25 त्र-थमङ

গত হয় তৈনে সোমবার জীচৈতম্ব-নে আবার ভবিত্যতে লাভ হল্লে, মত্যে অভতম প্রচারক পনিবাসকাচায্য नाप्त दिर्दार्थना श्रीमहिस्तित्तक छात्रही শাৰায় পঞ্জ খনাং এই আছে এই বলেন-এই নহতহুই হরিভননের মুল। মহারাম মেদিনীপুর ফেলার শীতলন্ত্র

করিয়াছেন। 'পৃহত্ব' খাদের অর্থ বলিছে गारेवा पाधिकी वस्त्रन त्य, छेलगूक क्यांत्र পাণি গ্রহণ করিয়া বিনি স্ববর্ম-পরারব नाध्यमाना अहे एकर्सक मण्योगीयरमत इकेशा श्रुटक वाम करतन, विभिष्ट अवस्थ ! আর দেহরূপ গৃত্ত অব্তিত আত্মাও গৃহস্থ 1. এই দেহনিত আত্মাকে অবগত হওয়া व्यथा मञीक गृरह दगवानकाती गृहरभन्न অত্মিক্তানগাভই গৃহত্বের প্রকৃত ধর্ম 🕽

> शृश्-सर्वयाजनकाती यपि नाईशानत्त्व অব্ভিত হুইয়া অসংযত ব্যক্তিগণের সংযম-শিকাহলী গৃহে সংযভাত্মা না হইয়া উভরে।ভর অসংযমের পথে প্রাণাবিভ হয়, ভাষা হটলে তারাকে যেমন 'গৃহত্তত' त्वा गांग, ट्यानि वक्षणीरवत् मुख्यित कात्रव वक्ष यानदापट अवधान कतिहा (य कीव দেহ-বারে বিষয়ভোগে স্বত , হইয়া পড়ে, পেও 'গৃহএত'।

ভগ্ৰতপাদনা য়া দেবাই হৈ ব্যশ্ । নেই দীব ৰাঞ্জন, ফান্তিয়, বৈখ্য ও শুদ্র চারি বর্ণের যে কোন বর্ণে অথবা ব্রহ্মচর্য্য, পাইস্তা, বাণ্ঞস্থ ও সন্মান চারি আলমের যে কোন আশ্রমে অবস্থিত হউন না কেন. নেই ভগবছপাদনাই জাহার ধর্ম। ধনী ्तरः जा अभिनिष्ठात भटक द्य ए पुरुक धरयंत क्या त्वनामि नाएत मुडे हम, स्थित পর্ম ধংশের অনুকৃত্বে অনুষ্ঠিত হওয়াই শংক্রের উচ্চেশ্রা যেখানে ইহার অপ-ব,বংগার বা উদ্দেশ্য অবগতির অন্তরার উপত্তিভ হয়, যেখানে ব্ৰণাশ্ম বন্ধ পালৰ 'ন্য'ক্ল মাত্র প্রদান করে।

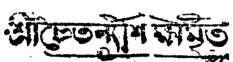
ধ্যাঃ স্বচ্চিতঃ পুংদাং বিশ্বক্ষেন-कर्वशस्त्र यः। त्माष्णानरम्म्यमि द्रिष्टः सम এব∫हि

(कश्लाम् ॥ প্রচারকার্গ্যে প্রীমৃক্ত ভাগবস্থানারের আভরিক যত্র ও গেবাচেটা |অতীৰ প্রেশংসনীয় ।

শ্রীনাম-মায়াপুরস্থ শ্রীচৈভক্তমট্র ত্র আদশ প্রচারক তিদভিষামী (আমদ ভত্তি বৈভব সাগর মহারাজ শ্রীযোগাপীটেয় প্রকট উৎসবাচ্ছে ২৪পরগণা **টেল্লার** অত্যতি ধার্যটো গ্রামে গত ১৭টা মার্ক श्रीभाष श्रीभाषपामानिकात्री गरकीषरमञ् ভবনে এবং ১৮ই মার্চ রাজা ব্রতীকেশ लाहा मध्यानरात्र कालातीएल क्रिन श्वानवक পাঠ এবং সঙ্গীর্ত্তন করেন। স্থামিজীয় পাঠ ও কীৰ্তনে শ্ৰোত্মগুলী এক টো নুজৰ আলোকে উদ্বাদিত হইয়া অভিংশয় লাভ-বান্ হইয়াহিলেন। ভিনি ভৰ্তী ভক্তি-প্রচারার্থ গত : ১শে মার্ক মন্দির্জ্ববাদায়ে 🤝 🤋 विषय क्षिप्राट्या 🗀

প্রাক্ত বিশ্বনিক প্রাক্তির বিশ্বনিক প্রক্তির বিশ্বনিক প্রাক্তির বিশ্বনিক প্রক্তির বিশ্বনিক প্রাক্তির বিশ্বনিক বিশ্বনিক প্রক্তির বিশ্বনিক বিশ্বনিক

**बिर्वाहर्य वेश्विकितिसान ठाउँदार किल्य-**कारल कीरियंत्र निविष्ठम्, करंकत्र महिक मध्य, मिली स ाभारत कर्यों. श्रीमदेष : निष्य । भवत्रकारनव रक्षम. स्मृहिर : अग्रहाताकृत क्रगार्कात्रे क्रमान, देवार्थेय वर्गालयनम्ब, देवस्थ्य-व्य अक्षम, मरकामामनाव मण्डि शांतका, माबाटक, रेनधो-कि क कार्कारकत (कम. इंगलायका, बरेक्कतामी क्रक জিছ ভাৰতমা, জীবের বছা স্থা ও মুক্তা, নৈঞ্চবগৃৎত্তের विकास, क्रिक्टित व्यक्तियात्री-दिहात, कर्य क क्रफ्रिकारमध रक्षा, भाक्तरण क टेनकायमण, टवटम कुमानीमा. कश्व.स वां भाषात क्रिकाल-एक, वीतिश्रवश्रेषा च भीतpura প্রভেদ, শন্তরমতের সচিত অমিলের কারণ, সম্প্র-क्षित्र ह (लोक्नब, मक्तिविष्ठांत्र, बीक्ना, देवती ख बागालगः , সভয়জ্ঞান, রসক্তের আধিকাতী, পারকীয়রস, মধুল श्रीका आदम अकार मना हन माय श्राप्त वाहास ियः छ। यमी चा फा मतमञ्जाह करणालक बनकाल छ १-है। इंग्राह्म । कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कर्ने कर् াপিক রাকোর কিছুভেট অজ্ঞান বা সংবর শাকিবে না। গ্রিচ অবিষয়ক এচরাপ সরল ও সদয়স্পানী প্রায় এপায়াত্র इन्द्रालक व्य गावै। निर्धिकरताचारी-लाख-मध्यानिन-म्हन-कर अक्षापुत केतिक रहेगारकत। आवात अतिकृत , কথাশার ই গ্রানি থানা নিশেষ সমুদ্ধ করা চইয়াছে। १४कि. अह. त्मानात केल नाम लग छर्कः वै.५१०--**७**∰शरकः प २८ माळ ।



্চতুথ সংখ্যন সমগ্ৰ বাধাই—২, ছুই টাকা আবাধা—১৮০ পোণে ছুই টাকা

াপুণ শার্রবাকা থানা প্রত্যেক মানপেন নিডা ভ আনভা সামায়ক করতা নিভাতিত চইয়াছে। প্রাভ উক্তি সনাজন শার্রবাক্ত থানা সম্পিত হ ভ হত্যাছে। সেত্রে, মনের ভ আখার গণ্য কি ? নমান্ত, নাজি, বলা কি ? চডাাান্ত কিব্র ভ্যার্রসারে ধরভাবে ব্যক্তসক্তারে আলোচ্ছ ক্রাছে বে, গাংকি চক্টে আর্ছ ক্রিয়া শেষ প্রান্ত গার না নির্দ্ধ হল্পা বার না।



विकोई मरकरण ।०० व्यामा

काषामी व्यक् खेन क्यामाथ (भाषामी व्यक्तः कार्य सक्तं कथा बांगामध्य, जान व्यव्य । जार्यकृत क व्यक्तिकृत विधाय क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षाक्ता हेश्री क्षाका क्षित्रमाशाव्यक्त क्षेत्र क्षाव्य हैन(क्ष्म विश्वक्रकार्य क्षित्रम्म क्षेत्रम्म । ८८० द्योदादन्त्र यक्ति

# बोबवदीश शिक्षका

পারদার্থিক বাজিয়ানেটেই এছাত প্রয়োজনীয় বিষ্ণুত্রত ওাউপবাসাদির ভালিক। সম্বলিত বাংলার মরে মুরে নিরাভিত হউক

ভিক্ষা 📈০ আনা মাত্র ১৮০ ছাক টিকিট পাঠাইলে ভাকে পাঠান হয়।

মহাক্ৰি

শ্রীল সোচনদাস ভাকুরক্ত শ্রীতিতব্যমঙ্গল

ওঁ বিকুপদ এ এ এই কিনিছাত সংখ্রী
গোৰানা প্রভ্রান সম্পাদিত ভূমিকা; প্রোক্তের
অবঃ, নজানুবার, প্রতি প্রসালের ও খড়ের করা।
সাল্ল, শব্দুটা, ছানসূচী, পাএপ্রটা, প্রমাণগ্রন্থ,
ভালিকা, পভস্টা প্রভৃতি বিশ্বত সূচী সম্বলিত
বাহত্ অক্তরে তবল ক্রাউন, আট্পেক্রা আক্রাকে
ভিক্রাক্রাক্রাক্রা

# শ্রীহরিনা মচিন্তামণি

নামানেকা আল ত্রিপাসঠাকুতের মূরে ত্রীন্নাচাপ্ত আনিনাম কালা, নামালাস, নামালার প্রস্তৃত বিধ্রের বাবলীর বিচার দ্বান কার্নাচিশেন, এই ব্যক্তাল কাতি সরল প্রারে সংক্রিও আল্বস্ত পরিপাটিভাবে মুক্তি আল্বস্ত পরিপাটিভাবে মুক্তি বিস্তৃত আল্বস্তুত হন সংস্করণ ভিজা দ্বার আন ম্ভার

# বৈঞ্বনজুষা সমান্ততি

(भाकार-देवरकाषश्च )

িবসঃ—>। ভাজিশাসে বাবজণ শ্বাবনীর জানা ।

চানি সম্পান্তরের বৈন্দ্রবাদ্যন্তর চবিত্র, তাং বিক্রাব্যাবস্থান্তর

শ্রীমন্দির ও ই বিত্রাহের বিবরণ, ৪। বৈদ্যবস্থান্ত ও প্রান্তর জাহবেষ্ট ও বিবরণ, । বিষয়বিশেষে চ্যাধিক ও
শ্রীষ্ট আক্রম্পে ম্যাট্য ভ্রাচ চাবিস্ত প্রক্ষিণ ।

হুহুমানে চাবস্থা ও দ্রুমানি হুমানি ক্রমানি ।

হুহুমানে চাবস্থা ও দ্রুমানি (ব্যাহ্যার্থ ও দ্রুমানি ।

# <u>শ্রুভিক্রিদদভ</u>

্র শশু ১ এক টাকা য়ে শশু ১ টাক.—
প্রীমদ্ভাগবভের ও গৌড়ায়ের প্রাহকগণ ।।০
টাকার সুইখণ্ড পাইবেল। বৈশ্বাচাধা শীনক্ষ ব
লাখামীপাদের গাঁড গ্রহা টগাঁট ঘট্রপান্তের অনিক
প্রাফনীয় অংল। প্রাহণ্ড ভবল জ্বাচন্চ মধ্যে ৩৪
প্রাফানীয় মুদ্রত ইইবেছে।

শীনকাচালী সকলিত ্ স্থানিল্যুতিঃ ভিশাৰে খানা নাত্ৰ াত্তাপন

115

नादशान ॥

ঞ্জে, বি. দণ্ডের চৌকা শিশি আদাম তৈল আনে ও অক্লান্তম এক উপকারিতার সর্ববন্ধন প্রিচিত ও বহু এশংসিত।

ত মরা স্ব্যস্থারণকে কানাইতেছি, বাদাম তৈল খারদ করিব র সময় শিশির গায়ে ইংরালী সক্ষরে জে, বি, দত এও কোম্পানী নাম ঝোদা দোখরা খানি করি বন। নতুবা জুয়াচোরগণ ক্মদরের কুত্র তৈল দিয়া প্রভারণা করিবে।

# ফেরাস কুইনিন্

মুভন এবং পুরাতন মালোরিরার **য**ম

ট্লাতে উপযুক্ত মাত্রার আট্রন্, বাইনাইড্রাক্লোক কুইনিন্ মাণোনিক তাল চউনিধেন আছে।

এই ফেরাস কুইনিন্ধারা ইঞ্কেন্সন ক্রিণে একটা বা চুইটী হঞ্জেক্সনেই সক্লপ্থাকাৰ ক্রিন ম্যানেরিরার ক্ষত করে এবং ৬ হচতে ১২টী ইজেক্সনে ম্যানেরিরার ক্ষত উপস্থানই ক্রিয়া ফেলে।

৬ এন্দ্ৰপূৰ্ণ প্ৰতি বাক্স—মুদা ২ টাকা, ট্ৰং ৩ টাকা বাক্ত-কেমিকাল এন্ত ক্লিনিকাল লাবলেটারীছে ২৯১ নং হস্কুনীমল লেন, কলিকানা।

গোড়ার বেকাব-ভগতে অভিনৰ প্রস্থ !!
)স চাত্র ভাকাবিনোদের মীতি-গ্রন্থাবলা:---



প্রেট সাইজ অই য সংস্করণ ডিফা /০ খান

দেও ও মনের চেল্ল আনতাবন্ধ গ্রহা—উচা যখন জীক বৃত্তিতে পাথে, ভগল একমাল মেডাবন্ধ জীকগবানের আছে উচ্চার কোন কাডার আবেগমনী আবেনা তর অবং উচ্চারন সম্পাত্তিকরণে নিজ্পটে ক অকারে পর্যাপ্ত চহতে হয়, সভাগাদ বিষয়ক আলম্পানী আবিনা ও পান্ধ-সম্প্রমূল্ক গান। উভিন্ন সংবর্গক আবাদিক চইন্নাতে

ভিজ্ঞা প্ৰতি ৰঙ ৴৽ এক আমা প্ৰেমখাজভাক্তকা— ৴৽, নবৰাপনত্তক— ৴৽

কল্যাণকম্পতক

গকেচ বাইজ শক্ষম সংস্করণ ডিক্ষা /১•

আময়া আঠাচ নৃত্য অতাৰ ও কামবার বলবর্তা বহুবা পুনংপুর বে ক্ষেল্যাপতে নগাৰ বাবায় এছণ করি এবং সহার নিকট কল্যাপ আমন্ত করি, কিনি বে নিকা বা ব্যাথ কল্যাপ এয়ানে অসমৰ এবং ক্ষেণ্ড বন্ধ আমানের মিন্টা কল্যাপ্রাক্তা এবং কি প্রারে আসরা সের ক্ষ্যাপ্রাক্ত মন্ত ক্ষর, এই নক্ষয় কথা নাল গাবে গ্রেমিড এই ক্রীডিএও বাস্তাবক্ট কল্যাপের ক্রেডে : হবি আন্তোক্তে নিকাক্ষ্যার অধ্যান্ত সম্পূর্ব ক্ষ্যাপের ক্রেডে : হবি আন্তোক্তে নিকাক্ষ্যার অধ্যান্ত

# বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভাজ্মঠসমূহ

চতন্ম মঠ

### আকর মইরাজ

लाः हीत जनवीय, छ। कथत छानांच मात्राभूत, जनीता

প্রমন্যধোগপী**ঠ চনকে পার ৩০ বছ উত্তব-পূক্তে প্র**ব্রজ্ঞপদ্ধনে আচার্যারত্ব প্রচন্দ্র-त्मबर-वन्द्रस्य क्रिक्टिकिक मान विद्यालयान ।

এই স্থান সাধ্যস্ত্র-নীর্থ, পর্যবস্থাপীঠ বা সাত্ত ভজনপ্রবী। এই মহাতীর্থে 🕮 হরি-নামাযুক বাকি গণাদি-বেলাজসমূচ, পদবিভার অন্তর্গত কাবা, নাটক, জলভার, কথা -প্রমাণ-উপনিষ্প্-**শ্নি**ডা-স্তা- গড়াম-চভুইতের অণ্যলন ও অণ্যাপন্য এবং ভণায় শ্রীঞ্চন-বেপারাজ-পান্ধার্কাকা-গিরিধর ও সাত্তক সাক্ষাদারিক-আচাইন-চতুঃর উচ্চালের উপাল্প থিওতের াতিও নিভা দেশিক চল্ডেছেন। এই মঠবাকে পাৰ্মাণিক দৈনিকপ্ত সাথক স্প্রসাধের অধ্যক্ষণভাত ও প্রপ্রাচীন প্রস্তর্গত প্রচারক্সে 'নদীয়া-প্রকাশ' বছালঃ রাভিত্তি ভল্পাচেন প্রতিবংগর রীধ্যম-পরিক্রেমান্তর্ভনে ও অগাণভ ভক্তগোটি।» কীৰ্ত্তন প্ৰচাঃমুগে মঙামণোৎগৰ দি ভঞাল লভটিত চচনা পাকে। বক্ষক---ব্ৰশ্বচারী জৌপার নরহরিছী। সহকারী— শ্রীশার বিনোর্গবিহাতী ব্রহ্মচানী, পাঞ্চল শ্রীশার গোরদাস अव्यक्ताती नावित्रपरीथं, क्रिलाम तीत्रहळ अव्यक्ताता, लाखक द्वीयामनानन अव्यक्ताती, প্রীযুক্ত ননীগোপাণ সক্ষোপধান, জীহতেরমে দাস এক্ষ্টারী জামুণ সক্ষমগণ।

# (৩) যোগণীত প্রিদলির

এই স্থান প্রীক্ষগরাপমিশ্রের ভবন বা ীৰস্বৰ এভুৱ আনিষ্ঠাৰ-ভূমি মণাযোগ-भौते। बदात्म खेनची। शवा e डोविक्-ख्यिशामक शिक्षांत्रभाषाश्चाम । ४तर शिक्षेत्रज्ञा 😘 🕮 शयाङक्षण विकारमना छन। 🕏 अक-'क(च्च दनवा वक्षमान। तकक---(माक-নাধাৰৰ গোখামী ভট্টাচাৰ্যা প্ৰাভূ প্ৰীরমান न्नाथ। प्रकारी व्यक्तिकानम वस्ताती, **শ্রীধানদান বন্ধচারী। শ্রীদাধনদান অ**ধি-काती, सिवणंत्रा श्रीकातकश्रमः।

### (8) 🗐 বাস-জন্ম

শ্রীমানা প্রাকৃত্ব কীর্ত্তন-বিবাস বা 🗃 शोद्रमीमात्र तामस्मी । जनात्न टीक्किशीत-मिकालिक ७ भक्काबाद (मना बर्गान। 🌤 स. ब्रीलाकूणमाम नावाकी।

### (৫) অথৈত-ভবন

बाहे ज्ञारम खीमदेशक शकृत करन धारः (ग्रा वस्त्राम।

### (७) काष्ट्रोड जमामि नः ह

আচীন মালপুর, ব্যুম্পুকুর (নদীরা) অংশারত্বপাশতে এটাদক লীত সমাধি। क्क म - वक्कारी केवित्मधिकाती।

### ( ৭ ) স্থানক তুপদ-কুঞ্চ

ঐপোক্তম, শ্বরণগঞ্জ ( নদীয়া ) कार्यस्य खेतिकृषाम खेल खेळिकिसमित्राकृत्यक नमानि क्यर द्यारणांद्रशयायम् अयर विद्यीनाया-वाबद्वद स्थ्या बक्तभान

বৃদ্ধ-ভবিশুম ভাকার বাসচারী अक्का विक्री, बण, खम, अक् .

#### ( w ) **अक्राधाय** ८भो हो स यर्ठ भड़भ-भिश्न ।

द्रण क---- <u>बोव्ह</u>वद खांक्रम खो हम. ७. वि. विल. मार्का ही--- चिष्ठिक मान काफ-माञ्जी, क्षेत्रकाम व्याधनाती श्राप्त ।

### (>) बिट्गाब-गमाभव-मठ

টাপাঞ্চী, সমুদ্রগড়, (বস্কুমান) 🕮 म वागी नार्थत शांक्षिक दशोत्रश्रमागत-

১০ ) শ্রীরূপ:গাড়ার-মঠ श्रात्रक, श्रात्र हंडे. थि रक्ष -- जीवरियान उत्तराती, जीकुन्दान्यक

ব্ৰহ্ণালী :

# ( ১: ) औरमामक्रमहत्त्र —

माङ्गाहि, कान्नग्रह, वर्षमान। 🕮 ব্যাপার ভার ঠাকুর বুলাবনের স্থান। রক্ষক-- শীৰম্বাৰহাৰী ব্ৰহণাৰী। (১১) ভাগবঙ আসম

শ্রীভাগবন্ত প্রেন, রুক্ষনগর, নদীয়া। বুজ্ক--- শীমহানক ব্রহ্মচারী।

(১৩) শ্রীএকায়ন সঠ द्वानशको, त्राक्षको, क्रथनशब, समीवा। ৰক্ষক---শ্ৰী মতদানন্দ ব্ৰহ্মচাৰী।

#### (১৪) শ্রীমাধন গৌড়ার মঠ

अन्मः नवावश्व तास्, हाका। পৃধ্বধঙ্গের প্রচাব তেন্ত্র, এখালে প্রীপ্তরু-লোবাল গাছকা-গিবিশ্বের দেবা বস্তমান। ब्रक्तक--- ब्रीराशावद्यक खळवानी ।

# (১৫) औरभाभानकी मर्ठ

學科問: 沒有, 百百年: 1

(बाबाक्षीव आविश्वाद शहीन स्वा क्क-जी धान्द्रशार उक्तावी।

# ( ) बादगोफी इ घठ

১৬ নং কালিপ্রসাধ চক্রবন্তী ব্লীট, পো: শাগৰাকার, কলিকানা। क्षेणिकाम वि. वि. ८००६

শ্ৰীমন্মকা গড়ত ব্ৰচাৱিত ভলিত্মল কজিশত্ম-প্ৰচাল্ডোজনে গৌডলেপ্ৰেম্ব সঞ্চপ্ৰধান, নগরী কলিকাকার শ্রীকজিনিনোর আসনে শ্রীমঠ প্রতিষ্কিত আছেন। 🐠 🤏 সক্ষাবামে 🖹 এক-সোরাল-জীবিনোলানক ক্ষীউ সপাধ্যে নিজা সেবিভ ধন। সৌদ্ধীয় আচাৰ্যাবনের বাবভীর প্রস্থাবদীর ও প্রচালেশে শ্রীমতে সংগ্র একটী কর্তং প্রতঃ বস্ত্রালয় সংস্থানিত ভইষাছেন। পুলিনীর সক্ষা 🏝গৌধনাম প্রচারার এট সম্ভালর চটকে 'বোটার' সাপ্তাতিক পত্র, জি করম্মনিষ্ট মাসিক পজিকা ইংছাজী কাছার মিয়মিজজাবে প্রকাশত কর্ডেকেন। শ্রীমতে পাঠ, সভীর্ত্তন, সপ্রস্থান-চত্তরে নাম্ব শ্ৰীমস্তালবজ, প্ৰাটেচ কল-চায়িতামু গালি-লীলা ও ক্সপ্ৰচেপন সমাক্ মাংলোচনা চটন পাকে। মটরক্ষক---আচার।ক্রি> ত্রীপাল কুঞ্জবিভারী বিশ্বাভ্যব্য। সভকারী --পশ্তিষ প্রতিষ্ঠাল অন্তর্গান্তালের পর্ববিশ্বাস্কৃত্য বি- এ. প্রীপাদ প্রস্থারণক পর্ববিশ্বাসি বি-এ, প্রাপাদ রাসাবতারী ব্রহ্মচারী, প্রীপাদ ক্ষ্মগুড়ারণ দাসাধিকাচী বি-এ, প্রীপাদ क्षरणाना कामानिकारी. अवहारी त्रीकीलनानक, अवहारी त्रीनाहोत्यानन, अवहारी প্রাক্তভান ক্ষিন্তা, এছচারী প্রাদেশ্লীনক্ষন, প্রান্ত প্রাণা নবীসক্ষক পর্যাপ্তান কার একিশাল্পী প্রকাত

### ( ১৬ ) श्रीभवारे-८भोताम मर्ठ

इविशंक राष्ट्रां भी मुखा, वालिवाही, हाका **क्रिश्नाह-(श्रोद:८क्रव** निक्र। (श्रद: वक्क चीर्नशक अवहाती।

#### (১৭) औकाशवडक्रमामक मर्ड

१७ क्रांगल, बाइट्यन्त्रत, स्यामनीशृत। खशरम ने सम्र-(शोवाक्र-शाक्षकिका-দেবা। রক্ষক--- 🕮 ভিকিবিজ্ঞান আলুম। গিবিধারীর নিজাবেশা ব্যমান। রক্ষক---ত্রকবাসী শ্রীক্ষগবানদাসকী। ত্রশ্বচারী পরানশ

### (১৮) আমলাযোড়া প্রপদ্মশ্রেষ

बाक्यवाम त्याः वर्षमान । सी छक्रशांत्राण-**टीशःकांच**का शिवधात्रीक निकारमना। क्र**क्र — अ**खनामी आंक्ति-क्टमाव।

#### (১৯) अभूक्र वाख्य मठ

पर्वकात, भूती, छेडिया। खशास चौरशोब-विस्तामभाषवक्रीय निका-জাগন-গিত্বাস্থ এস্থাবলী প্রচার-ক্ষেত্র। 🕽 সেবা বসমান। রক্ষক-- ব্রশ্বচারী শ্রীপরমান नन विषाद्भ अक्षाती विनदीशामणा

#### (२०) खीखन-८गोकीत मठ

चाननवनाथ, उद्योगात (भाः, भूती। व्यवदानः पर्वत वस्त्रम् म्यास व्यवस्थ भवनान । वक्क-वक्कारी क्षान्य क्षान्य के व्यवस्था । तककाती-ব্ৰহ্মভাৱী আৰিপিনবিভাৰী :

#### (১১) श्रेजिक्शनम् वर्ठ

देखिश्वायात, करेका

এष!C- श्रीक्षम-:श्रीताक-विद्नाहरुप्रक-[6] 卷](34) 4 有利[4] [ अवकाशी जीशनावश्च

### (२२) अञ्चलक--भोषात्र मर्ठ

8ने: कशकावनगृता, कान्ते I (शा - नवाक्षण्कः अभाकर-मिकाक्षणः) এখানে গোরসেবা ব্রহ্মান। বৃক্ত जीवामकोमायको ।

(३ %) जै**क्सदेहरू वड** चीनुःगरण्याम कृष्य, खीनाम बुन्यायम । 화 출 이 제-경영-C위(#+#19 C위석) t

#### বুক্ত--- শ্রীগণগতিনাথ ব্রহ্মচারী (२८) 🕮 श्रेत्रवद्य वर्ड

देनियातमा. गोजापुव

এথানে ইভাগবত পাঠশালা 🐟 **ब्रीत्वीक विद्याम विमानकी स दमना बक्रशाम ।** क्रम --- अम्रहाकी श्रीकृतिरहानम् । अम्रहाकी खीनम्बक्रमान ।

#### (२०) औदेञ्डग्रदगोड़ीय वर्ठः

कृत्रकृ अः, हित्रकृष्णः, बानकृषः। देश टोटि५७#-मठित्र माथः। वक्क---द्यात्रमान नाथ वाद, डिस्फ-शानम अवतः हो। खीशक कीर्व दशयपतिश्य

#### (२७) जीनगामध्योष्ट्रीय वर्ड

कुक्रिका, पारमध्य, क्यांश । **अ**धारम खीरभोवनिरमाम-वारमंक दमवा बस्तमाम । अक्रक---विकाशी शिक्षम्मानी ।

(२०) खास्त्रकाष्ट्रा खश्रमास्त्रक-सर्द अभागभाषाः त्याः माण्, शायका जगारम यक अवशृष्टि ओरनाशास्त्रव त्यस বস্তমান। বক্ষ--এখবাসী জীপ্রাপ্রস্ক

# (२৮) विज्ञा दशाफीय वठ-कावराजय

मान, और्राश्वयम् अञ्चलकी ।

be con culule. fall fem . त्रक्षक अक्षाताची श्रीवाधिकाञ्चासकः त्याहाकी श्रीवास वस्तानसम्बद्धाः 🖟 (२) द्यापानगामा व्यवस्थान .. मुक्त म-अक्षातारी जीवाशास्त्र

# চৈতশ্রমকের গুরুভক্তি গ্রন্থমালা

_					_
7	নঙ্গাক্ষরে প্রকাশ ত		,	প্রভূপাদের বক্তৃতাব	
	•			ক্)্তাপম পণ্ড	h
4.30	* ( )#># ## ) ?>			•	19/
	<b>এ ( দশ্দ জন</b> )				÷ 115
	काक्ष्यम-मा हो छोट छक्ष छ। तस		2001		
•	( क्रेच मरबर्ग )	1	,	( ८८८ दर्शाकाच्य )	•/•
o 1,	্ শ্ৰীচৈডভভাগৰড			সিদ্ধা <b>ত</b> দৰ্শণ	•
	(विज्ञाहे (विक्रीर शरक्षत्रण)			बील-र्मन मन्द	40
	নাড়া (প্রীবদদেব-টাকা-সভ)	•			
	त्रिकाः ( 🖺६व्यवि - विका-गर्कः)			(নব্দীপ পরিক্রমা)	<b>√</b>
• 1	<i>কৈ</i> নমূৰ্ণ	3/	8•	গীভ্যাপা	13
<b>9</b> 1	वृक्तिमाञ्चकः चन्ति। अनः नाष्ट्रय	14			/>•
	(माथर)			নব <b>র্গা</b> গশশু ক	
	<b>V</b> 11 <b>V</b> 1	٤,		नवाडा त्रण (५६%	
	প্রীটেডিঞ্ল শিকায়ত (বাঁধা)				
	विद्या मनबील	>#•		প্রেমভাকিচাক্রকা	
22 (	<b>ब्रिट</b> ५ ७७६क्षामुख्य ।			শরণাগাঁড	
	শ্ৰীনবদীপ শতক্ষ (ৰাধা)	•			
28.1	শ্রীমপুরা প্রভুর শেকা (বাণা)				
縣	्रि ्(चादीशा)			मारशा वान्	J.
301	देवकवमस्या-नमासां		6 • 1		i
47	্ত্রপ্র চারিক্তে)	۶,		ভিক্তিদিশ্বাস্তৰাণী	), '
	<b>এ</b> •রিনামচিত্তামণি	h		ঋ65 ন ক∙	***
100	न व्योलगाम-ज्ञानभागा	4•		নাগরাক্ষরে প্রকাণি	9
201	८भा व कृटकान यः	40	45 1	নিজ্ঞ-সনস্থ ভী-ন্দ্রিপ্রয়ঃ	H•
(	(প্রেমাব্যক্ত ( ভূড়ীয় সংখ্যরণ )	h•	601	<b>ণটাক</b> শিকাদশ <b>্</b> ৰম্	1. 1
6	<b>泰数</b> 43.2.2	•	46	<b>७ च -</b> ऋ अ म्	10
	প্রভার কেবল মাধ্ব-গায়	4.	ee,	সারাংশ গ্রিম	J.
7-	(माश्वामी अध्याश मान (वे। भा)		691	भाष्ट्रतान निकाष्ट्रिकम्	<b>~</b> /•
-1 4	माध्रक्षकश्रमाणा (वीषा)	<b>#</b> •	1 63	গোড়ীর মঠক পরিচয়ঃ	1.
N.	্ৰী ০ বিভ কিক স্থান তিক। সাহ্যাদ	11 •	ॐ१८	রজী ভাষায় একাশি	45
्रे <b>२०</b> ।	(वर्षाक्रक्षमात्र मासूर्वाष	1.	461	শ্মিভ জন	1.
<b>%</b>	(बाभाइकोत्र)	1.	691	नाहेक् प्राप्त शिरमण्डेम् चर्	1
	अध्यग्राहरू)	<b>,</b>		<b>ड</b> िटिक अभग शास्	1.
	British Company of the Company of th		9.1	(वसः नो अ म्	10
	A CALL TO SECURE OF	<b>a)</b> •	421	দি ভাগণত	<b>{•</b>
	A Company of the Comp	<b>å</b>	<b>62</b>	চরে।টিক্ প্রিসিণ্ণ যাও	
	মণিমল্লী স্কুৰ্চ	1•		चात्नक्षाड् हिट्छाप्रन	
Z1.	s স্বয়ুক্ত বিলী বা মারাবাদশত পুৰণী		401	कायाहै जाड़ीयमठ ब्या कुंडर	J•
F 3	क्रेंटमार्शनिवर (, रण्टार ६ भारत		₹	ড়িয়া অক্ষরে প্রকা	শৈত
V.V.	য়াৰা এবং বিবৃতি ও মালুবাদ গ্ৰু		48	শ্রীছবিনাম চিন্তামণি	10
11.	क्षेत्रको दक्षक । क्षेत्रको दक्षक ।	1.	<b>9¢</b>	তল্যাণ কল্পড়ক	10
1	्रीरवाष्ट्रयाक्त्या क्रम्भा-रर्गः	10,	<b>⇔</b> ⊌ ;	गावन नथ	10
900 I	প্ৰীভূৰ নশ্বয় ঐ প্ৰমাণখণ্ড	J•	• • • • •	श्रेषावनी	, 5
6.7°	ल उद्योगधाम-माठाषा	J.	461	<b>=</b> ज्ञांकि	14
,	रा प्रमृत्याच्याचा व्यास्थित	•	- •	,	

**लिक्षाम :- कीटेडवृष्ट गर्ड, ८७१३ लीमाद्रा शृह, अधीमा**।

স্বৰ্গ্যবোগ। স্বৰ্গ স্বৰ্গ সংখ্যাগ।। এম্বাকারে খণ্ডে খণ্ডে প্রকাশিত

# শ্রী প্রভুণাদের বক্ত, তাবলী

ওঁ বিকৃপাদ জী আছে জিলাছ তে সরস্থতী গোষামী মহারাজের সেই অনিদাা-নিজংসিনী জাবাজাসরাপোষোধিনী কৃষ্ণ-কাষ্ট্রনিজন দায়িনী জীবস্ত-বাণীর মৃত-নি এই — বৈষ্ণবসিদ্যান্ত-রত্ত্বমালার কৌস্তুত্তর্মান —সেবাকুস্তাম হাড়ের কৃষ্ণ কর্ণ-নি ভূগণ ক্ষমকু হ্রম—সম্প্রদায় বৈভব-বিজ্ঞানাগারের গৌলিক তথা—পঞ্চরাত্র ও ভাগবতের সম্মন্ত্রক—মহাজন-জীবন চরিত-শিক্ষক—চিম্মিলাস-চিম্মাল্রাচিম্মাল্র-বিচারক—এম্বর্মা ও মাধুযারসের মৌলিক গবেষণাগার—সম্মন, অভিধেন্ন ও প্রয়োজন-তত্ত্বের সিদ্বান্ত-সমূল।

১। প্রথমশার্ক বৈষ্ণবদর্শন, প্রাক্তক্তর, কালধর্ম, শ্রীমধাবিতীব, শ্রীবার্যভাননী, পাঞ্চলাত্রিকী দীক্ষা ও বর্ণবিচার, আত্মধর্ম ও মলোধর্ম, শ্রীটেডগুলেব ও ভালার শিক্ষা, অপ্রাক্ত সহজ্ঞধর্ম ও প্রাকৃত সহজ্ঞ-ধর্ম, শ্রীপাদ ঈর্মরপুরী, শ্রীল রসিকানন্দ-প্রদক্ষ, পুষ্টিমার্গ প্রভৃতি বিংশতি সংখ্যক রক্তে স্থানভিত। ভিক্ষা মাত্রে ৮০ বার আনা।

২। দ্বিতীয় খণ্ড — শুদ্ধা ও বিদ্ধা ভক্তি,মমুখোর শ্রেষ্ঠতা কোথায়, আলার নিহাবৃতি, শ্রীধর সামিপাদ ও মায়াবাদ. শ্রীগোর-নিত্যান্দ-প্রসম. নিলুগের ধন্ম ও কৃষ্ণকীর্ত্রন, শ্রীগাসপূজার শ্রীগদ্ধাগবতের কীর্ত্রন, শ্রীগোরগামের মহিমা, মহাপ্রসাদ, শ্রীগোরিন্দ, শ্রীরগামুগভল্কন-পথ, শ্রীমতী রুবভাত্ম-নিদনী, শ্রীতৈতক্সের দেয়া, গোরকরুবা ও কৃষ্ণসন্থীর্ত্রন— চতুর্দ্দশ অপুন্র-মধুরিগাপুর্ব-বস্তুতা-বিভূবিত। ভিন্দা ১, এক টাকা মারা। প্রথম ও দিতীয়—তুই খণ্ড একত্রে লইলে ভিন্দা ১৮০ দেড়ে ট্রকা.

প্রান্তিরান: - এম্ববিভাগ – দীটেও অমঠ, পো: শ্রীমারাপুর, নদীরা।

আগামী ৩রা এগ্লিল (১৯৩১) গান্তিখ হইতে

ডাক খরচ প্রস্তার।

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনষ্টিটিউট্" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

খোলা হইতেহে

বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিশা ব্যব্দেশ্বর বাসহাশের বন্দোবস্ত হট্টাছে। প্রত্যেক ছাত্রের খোরাকী বাষদ মাত্র ছয় টাকা মাসিক হার হইবে। স্থান অভীব স্থায়কর। ছাত্রগণ অভিন্তারকের প্রস্তুর স্থান মিন্তালিখিভ ঠিকানার আবৈদন কর্মন। সেক্টোরী, ভালুর ভাজিবিদ্যে ইন্টিভিড্ ११वनावनात्रीता , पारत प्रक कार्या एवं त्रवत कार्या नव साम किशायन, पान

বাৰভাৱ কানীরা প্রবে মুখ্ ০টনা বে সমস্ত আশ্বোপজ বাৰ ভাগতেন, ভাগ। শি ভারতে বড় বড় পুঞ্চ ৮টনা পড়ে। আশিনি র বাৰ্গ্রিয়া বঞ্চ ৮টন।

ত ১। চক্তাপ্রতা বটিকা—ব্যার নামটাক বেম্ব প্রত্তি ক্ষিত্র কর্মান ইণা মূহন ও প্রাক্তন মেত, মূজক্ত, অশ আড্ডি ক্ষিত, জীলোক্তিবের স্তিকা নালাম, বিশ্বত এবং রক্তাবন আড্ডি নোগে আড্ডি মনকান।

২। তৃষ্পৃত্তিসহার বটিকা-এমানকার পবিশীর অজুবেশ্বট নিজাবিধারক ওমণ। বে কোন দৈহিক ও মানসিক্ষ গীজাবলভঃ জনিজারোগে এই ঔষধ ব্যবহাতে গাড় নিকা হটবে।

ত। মজুর বটিকা-ইংগ সেবনে শ্লীগ ও ভণজুগলিক নেবা ও শরীর পাতুর হুইরা ব্যাপ্তয়া ইক্রাদি নিচুত্তিও কইয়া রক্ত প্রকাশ ও বৃদ্ধি আতা হয়।

केंक किम वाक्रिय कार माक छेनरभन्न मुना अति दकीं। >ू हाकः।

গ্ৰাধিয়ান:—**আতক্ষ্মিগ্ৰহ উ**মধালস্ত্ৰ ২১৪নং বছৰাশ্য খ্ৰীট, ¢িলেডাডা।

### শ্রীনবদ্বীপধামমাহাস্থ্য এলা ৰও ভিন্ন ১০

শ্রীটেড ই মহাপ্রভুর বিহার ও পাণাভূমি নয়নী দ্বীপ-স্থায়ত। এক নর দ্বীপের প্রাচীন বিষয়প-ক্রেড ক দিশে জনসভাক ক্রিণ জনসভাক ক্রিণ করেছে।
শ্রীপাম-বাহায়া-বামাপরাধ কি ? ইডাগ্রি বিষয় বিশেষভাবে মনোত্র ৬কে ব্যিত। প্রেড স্টেজ প্রায় ২৬০ পূরা।

# |मन्बीय ।|मठडक किमा।

উজ্জল ব্যোক্ত-ব্ৰ কালাতে উত্তৰ কালতে ছালা---জীনৰ টাগ্যাম দলনে ভাবুক স্থানকারীয় কি প্রকায় ভাবের উজ্জাস হয়, ভাষা আৰু প্রয়ে ধণিক্তন আতি চন্দ্ৰভাৱ (

সাধিক কঠিমণি— জীবৈক্ষবৰ্ষণা, শ্ৰীণাটপত্তন, শ্ৰীঞ্জের আছেত্তর শভনাম ও শ্ৰীন মবোভন ঠাকুরের প্রকৃতিনিংস্ত প্রশিদ্ধান্তসম্মত আখিনা, প্রেমণিজিচিপ্রিকা অভ্তির প্রণণিত গীতাবলী মুলাকারে প্রেট সাইকে সুদ্রিত ২য় সংক্ষরণ
ভিক্ষা ০ চারি খানামার।

# কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



সক্ষায়কের ও বধার জন্ত ও আঃ শিশিতে ঘনীভূত অবস্থার ভোটবোড়তেও সমপ্রিমাণ উব্দ ভাকে সাঠান চহ, উল্লাভে ঔব্দের কোন প্রিক্তন করা হর নাই। সুলা প্রভিত শিশি ॥• আনা, পাইট ॥৮• আনা, বোজন ১৮• আনান

্ অফিস–১১শং উল্টাডাঙ্গা রোড, পোঃ শ্যামবাজার, ক্ষিকাতা

# गक्रम मध्य

विकाद यह व विद्यालया विद्यालया छान्।
व्यान्त कर्माक प्रवासक वावारपात, कृत वहकहाति, वीदित वाकृति वाकृत महत्त विद्यालया छा।
व्याद्याना छह। यहा, वीदी, द्या हृति व्याद्यालया छह। यहा, वीदी, द्या हृति व्याद्यालया छ।
व्याद्यालया हृति व्याद्यालया हिंदी व्याद्यालया व्याद्यालया व्याद्यालया

থাকা ব্যক্তিশালা করে। নুরা ০ জেবা ১, স্বাক্তর প্রক্রাক্তিবিলোজিন্দী আটি বছাপ ব্যবাহার বহন সভাববাদি হাস ও বৃদ্ধি ভারতে অস্ত্যান্তব্য । বৃদ্ধা ২০ বৃদ্ধা ১, বের্ক ইবে। । বাহুবেছ লাজ্যাক্সপ্রক্তিটি, ক্ষেত্রশালাভার। ।

# शरेट्डामिन

বা '

# কোষর্দ্ধি রোগ

ভাঃ অস্, তন্, ঘোষ বিনা অল্পে, যানজনীবনের গ্যাতানি দিয়া বৈচাতিক কাশাশাতে কোমবৃদ্ধি ভোগ আবোদ্য কবিয়া গাকেমবৃদ্ধি

> ঠিকানা---১৮ নং কটন খ্রীট, বড়বাজায়, কালখাখা চ

### 31.

পিতৃপ্ৰের অবার্থ মহৌষধ। ১ মানার উপন্য, সন্তাতে আছে। বার ক্রী

# । শুক্রাচার্য্য সঞ্জীবনী পোষ্ঠাই

বানেও ও ব্যক্ত জন্ম ক্ষাত্ত মতোৰৰ ৷ মুণ্ড ১ ডিবা ১:০ আনা ! আভত্ত পুত্ৰ

৩। সন্ন্যাসী-প্রদত্ত অর্শরোচগর অব্রর্থ আংটা ভালোগ না ১৯৫০ মুলা কেবং। মুলা সাই আনাবাং সাক্তর পূর্বক্ষাক

৪। কোন্ত-বাৰূব শীল

चक्रीन, द । हेक्सना, त्महेटत्वमाद महश्यत । किना ॥ • चाना । माछन श्वक् श्

৫। বাতল'ন

বাল্লোগের মহোপকারী ও স্থাতে আরোগে। প্রতি শিশি ১০ আর্নি । মাঙ্গুপুর্ব । প্রতিক্রিক প্রতিক্রিক বিশ্ব । সভব ক্রাট্রেগের ক্রু প্রতিক্রিক

রবার-ফ্যাম্পি প্রস্তুতকারক । সম্বর ক্যাটালরের কর পর লিকু।
প্রাভিন্থাল—সন্নোমোহন কেন্দ্রের ইর্টা

পোঃ উয়ারী, কমপাপুর, চাকা,

71

# যুৰোয়োহন প্ৰেস

পূক্ষ নাজালায় স্থলভে সকরপ্রকার তাপার জন্ত বিশ্বাভ লৈদ্যুতিক মেশিলে দিবালাত কাজ ভলিতেছে বিশ্বত জানিতে হইলে নিম টেকানায় পত লিশ্বন ম্যানেজার—মনোমোহন প্রেস,

२००९ नवाच्युत्त, जाका।

# মর: মাত্ৰ বাঁচাইবার উপায়

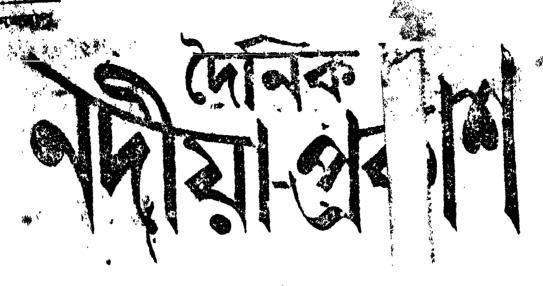
বাদও অভাগি তাক্তত বনা মাশ্রব বাটাইবার ক্ষেত্র উপন আনিত্ত তর নাই পতা, তথাপ্র বালায়ন লানাবিধ অনিয়ামত উপায়ে অপ্রিমিত শক্তি মই কবিয়া কানবিধ অনিয়ামত উপায়ে অপ্রিমিত শক্তি মই কবিয়া কানবেধ মরা কর্ত্রা হার্তাহেল এবং নানা প্রকাশ্র মেন, প্রবেশ বাড় পারেলা, সংযুবিক চলগভা, বহুমুন, প্রশ্নের বালা বাড় পারেলা, সংযুবিক চলগভা, বহুমুন, প্রশ্নের বালা বাড় পাছ পারেলা, সংবেশ কানবিধ, করা কোন পাছ করা বালায় বালায় কানবিধ, করা কানবিদ্ধা বাজাত বেলার ভাগিয়া আমের কার প্রথমিত জালায় বিদ্ধান বিদ্ধান বিদ্ধান বিদ্ধান বিদ্ধান বিদ্ধান বালার অক্তান্ত বহুম্বান বিদ্ধান বালার অক্তান্ত বহুম্বান বিদ্ধান বালার অক্তান্ত বহুম্বান বালায় করার করার বালায় করার বালায় করার বিদ্ধান বালায় করার বালায় করার বালায় করার বালায় করার বালায় ব

E N HAZIG

क्ष्मान क्षरकक्

ডাঃ ডি. ডি. হাজরা।

कर्त्वज्ञ, बार्डमंत्रिक त्याहे, क्षांत्रकाख्य विकास व्यक्ते क्षित्रता निविद्यक family and the state of the sta



नाकारयात कांड्र व्यक्ति (क्य । वामिक के वामायिक दे देवभानिक देव मागिक के मागिक के

ভাষ্টেত্ত শক্ষত বছল-প্রচার-মদীয়া জেল

ক্ৰিলাত ব্ৰণত

৬৯ বত্ত বিশাদক জীতি ক্ৰিম্থ বল্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি

ि २८मा मरचा

লীচৈতশ্যমই শ্রীধাম মাহাপুর-১৮ই চৈত্র বুধবার ১০০৭, ১লা এপ্রিল. ১৯০১

# নানা কথা

ভশ্মুক্ত আকাশতলে করাচী কংগ্রেসের অধিবেশন

উল্লেখন লগচন্দানিংশতম অধিবেশন আরক্ত হয়। ভারতের সকল স্থান কটতে । আরু হাট ভালার দর্শক ও প্রতিনিধি ভংগ্রেশে বোগদান ক্রিয়াছেন। সন্ধা; ভর ব্যক্তির সময় কংগ্রেসের অবিধেশন ভারত্ত বর।

ইহার বছ পূর্ম চাতেট লোভ সকল বলে দলে সভাত্তলে আগমন কণিতে বাভে !

্ৰিভিন্ন স্থানে ''গাউড স্পীণার''
ভূমানিত চইয়াভিল এবং ভাষার ফলে
সকলেই স্কান্ত কার্যা অসুসরণ করিছে
সমর্থ হইয়াভিলেন।

কংপ্রেস মঞ্চে সভাপতির আগমন

তিক ছব ঘটিকার সময় "বংলধাতনম্" লভিড গ্রহণালা গাজী কি লয়" ধ্বনিয় মণ্যে গভাগতি স্থানি ব্রহ্ণভাই পাটেপতে গভাগতে গ্রহা আনা হয়। সভাপতির আহিলেয় প্রেচাণে ব্রেডানেবকণণ অনি লবং ভাগার পদ্ধ নেতৃগণ ছই একজন পতি ম ভারা আসমন করেন। প্রথমে আনেন ভারাকেয় বন্ধ এ উন্তের্জ লাগম্ভি, নেক্রে ভারতের পর উন্তর্জ ব্রহ্ণভাগম্ভি, দেশ-বে ভারতের পর উন্তর্জ ব্রহ্ণভাস্থিত, দালা ব ভারতের গাজিত সমন মোহন মালয়া, কলা হ ভারতে কালেয় ব্রহ্ণভাস্থিত, নিবল লাগেনিনী নাইছে, মহালা গ্রহা আননারী বিলয়

# ফ্রনগরে খানাতল্লাস

উন্মুক্ত আকাশতলে করালী কংগ্রেসের অধিবেশন

# কুষ্ঠিয়ায় ভীষণ ডাকাতি

সভাপতি সর্দার ভলভভাই প্যাটেলের অভিভাষণ

# সীমান্তে এখনও গোলাবর্ষণ

সর্দার বলভভাই প্যাটেলের পতাকা উত্তোলন

# লর্ড আর্উইনের বিদায়

গান্ধাজীর প্রস্তাবে বড়লাটের অনমতি

# কুষ্টিয়া ষ্টেশনে দাঙ্গা

করাচীতে স্কভাষচন্দ্র বিরোধ মিটাইবার জন্ম উৎস্ক

পণ্ডিত স্কৃতর ধাবা নেতেক,স্থানী গোবিন্দ -নন্দ প্রাকৃতি স্থাগমন করেন।

#### বিভিন্ন প্রস্তাব

অভিভাবে গঠিত হবরর পর নাগতি সহাশর তিনটা প্রভাব লগহাপিত
করেন। প্রথম প্রভাব গতি মতিগাল
লেভেন্ন, মৌলানা মহমাদ আলী ও অভায়
দেশ-প্রোমিকগণের মৃত্যুতে শোক প্রকাশ
করা হয়। বিভীর প্রভাবটি কাণপুর
দালা এবং ভূতীর প্রভাবটি কাণপুর
বন্ধীবের মৃত্যু সম্পাকে। এই প্রভাত্তিক
বন্ধীবের মৃত্যু সম্পাকে। এই প্রভাত্তিক
বিষয় নিশ্বাচনী স্মিতিতে গৃহীত হইলা-

উপদ্ভিক প্রস্তাণ হিন্টী গৃহীত চইনার পর গতিত লংগলাগ নেতের ভূপং দিং ও তাতার সামীর্মের ফাঁনী সংক্রাপ্ত ক্রস্তাব উপস্থাপত করেন। পাউত মদন্যোহন মালবা ক্রস্তাব্টির

ভগৎ সিংমের প্রাত শ্রহ্মাঞ্চলি

গ্ৰহণ কৰিতে উটিয়া এরপ আবেগপূর্ণ ভাষায় বস্তুতা করেন যে, গ্রোভ্নগুলী ভাশ্রনিক ভইন্নিপিডিয়াভিলেন।

# সভাগতি সন্ধার ব্লভভাই প্যাটেলের অভিভাষণ

ক্ষাচীতে ভাষণীয় ভাতীয় কংগ্ৰেদের পঞ্চাত্ত্ববিংশন্তম অনিবেশনের নির্মাচিত

সভাপতি স্থাৰ প্ৰভাই **পাটেল** উল্লেখ্য অভিনাৰণে —

প্রথমত পাও ত মহিলাল নেছেক,
নোগানা সহত্বৰ আলি, ভগৎনিং প্রাকৃতির
মৃত্যুতে পেক প্রকংশ কচেন। ভংগরে
নিনি বলেন—''অগতের নিকট ভারজ-গর্ম ছতিয়োর শক্তি প্রায়ণ কচিয়াছে গ্রু ভিনি আমেনিকার—ক্ষাকুস্তি ক্ষীক্ষাই করেন, গান্ধী আর্উইন সান্ধ সমর্থন করেন, সহ্যাত্রতে বিখাস প্রকাশ করেন প্রবং বলেন—

ু যদি লোলটেবিল নৈঠকেয় চেষ্টা বার্থ চয়, ভাহা কইলে পূর্ণ স্বলান্তের অঞ্চ আভি হাবার আন্দোলন আন্তঃ করিবে।

হিল স্রকারী অথবিভাগ, গৈছ বিভাগ ও প্রকার বিভাগে ভারতীয় কডুর দাবী করিয়ছেল। দেবীয় রাজ্যের প্রজানিগাকে সাথমিক অধিকার দিয়া ভিলে সামস্ত-রাজগণকে ভারতীয়গণের স্বিভি সংযোগ করিতে ব্যিয়াট্ডেল।

ব্ৰগতে খতন্ত্ৰ কৰা বাংশারে ব্ৰহ্মগদী-দেয় অভিনত জানিয়া তিনি ঐ বিষয়ে আনোন্যা ক্রিতে বলিয়াভেন।

তিন বংশন্— 'বে কোন প্রকারে কিন্দু-মুগলমান মিশন প্রতিষ্ঠা করিছে হছবে । বিচাতিকে সক্রি সভ সানিকা কিন্দা বিদেশী বস্ত্র বর্ষকট, চরক। প্রচলন ক্র শাস্তিপুর্ব প্রকিটিং বাবা সংগ্রাম চালাইতে ব্যক্তে

গ্রাণার তিনি বলেন—"মত্রশাল প্রাণ্ড জনীলার, বালা এ মতারাজ্য ক্রমত-লের পার্থ কা কার্বেন, ভতক্ষণ জামি উল্লেখ্য কার্থের ক্রান্তি সন্ধান ক্রান্তিন করিব ৷ যাখাকে প্রদালিক্রস ভালানের , বভ্রমান ক্ষরতা ক্রম্ভ উল্লভ কর, সে বিষয়ে মাহায়, করাই আসার এক্সাত্র ক্র্যা, প্রা

### ক্ষানগরে বোমা ইম্পিরিয়াল ম্যাডিকেল হলে থানাড্রাস

কৃষ্ণিনগরে বোমা বিজ্ঞোরণ রচজ্ঞের ক্ষাস্থ্য করিছে গোহিন্দা পূথিল ইন্দিরিল বাংসিং মেডিকেল হলে গাল হলেল মান্ত আর্মির শ্রী শ্রিয়া খানাস্কাল করিয়াল ভিয়া

#### কুটিহায় ভীশন ডাকাতি ১২ শত টাকা অগছত

কৃষ্টিয়া মহকুমার ভেড়াখার। পানার ভাষাহদত প্রাথের দনী বাবগায়ী শ্রীসূত্র রাধাবপ্রত গাভার বালীতে গ্লাহ ২৫শে মার্টে মধ্য কালে লীষণ ডা হাজি হইলা বিলাছে। একদশ ডাকার ( সংখ্যার প্রায় ২০ জন) ভোষা, গাঠী জলম্ভ টচ্টা প্রভৃতি জন্ত ভাইয়া আসিয়া লগদ ও অভ্যাবে ১৫ শক্ত টাকা গইলা গিলাছে ডাকাহ্রা গ্রহণতক নির্দিল্ভাবে প্রহার করিয়া গিলাকে।

#### कृष्टिशा (क्षेत्रांटन मान्ना

কৃষ্টিনা প্রেশনের দাঙ্গা শব্দাবের্ট স্থানীর
ক্ষরেক কল কথ্নী এবং কাতিরের কণেকটি
কোক অভিযুক্ত চইরাছে গান্ধী
আরউইল আপোব অনুযানী উন্থানের
মামলা ব্যেন্ড্যাহার কলা হৌবে কি
লা ভংগরতে জিলা ম্যাজিস্ট্রেন অভিযুক্ত প্রাথনা করা হইরাছিল, জিলা
ম্যাজিস্ট্রেট আলেশ দিরাছেল স্যাহা
চালবেন

#### বেষ্ট্রের উপর মারপিটের জের

গত ২৬শে মার্ক খাণীনতা দিবনে
মোল উল্লে অভাষত এ বহু ও খণর
বাকিগালের উপর প্লিশের বারাপটের
অভিনয়াস সম্পর্কে ওপত্ত করিবার অত যে কমিটা নিযুক হইবাসে, পাটনা হুহতে
মিঃ সৈম্প হানান ইনাম কর্ত্ব গুত ২৫শে,
মার্কে শবিশান হুলাম কর্ত্ব গুত ২৫শে,
আর্কে শবিশান হুলাম ক্রেন্ত ভাষার জন্মন

#### **সর্দার বল্লভভাইনের পতাকা** উত্তেখন

দদার বল্লভভাই পাাটেশ কংগ্রেম
নগরে আজাল ময়দানে বিশ সহলা কি
নরনারীর সমকে ২চশে মার্চ্চ প্রভাগে
আন্তীয় প্রভাকা উল্ভোলন করেন ভিনি
বল্নে শভান্ত যে প্রাকাকে আমরা স্ত্রান
আভিনাদন করিছেছি ভাগার স্ত্রান
বক্ষা করিবার মান ভাটুট শক্তি ও আনমা
শক্ষা করিব আনাদিগতে দিনা আয়াদের
শ্রাকা চিরদিন উল্লেউছুক্'া স্কল

দ্বের শেক্তানেরক ও বেচ্ছানোরকাদের ব বিচিত্র শোক্ষেত্র সমাবেশে দৃশ্য অভি মনোরম চইয়াছিল ব

#### ডাকাত কর্তৃক ছুইজন নিহত ও সুইজন আহত

আকাশ, তাশরাণে মানকীথানার
শ্বীন মহত্মশপুর রাধ্যের এক মুসলমানের বাড়ীতে সাংঘাতিক অস্ত্রশস্ত্র
নিয়া একদণ ডাকাত চুক্ষ্যাভিল।
সংখ্যায় ভাগারা ভিল প্রায় ২৫ জন।

গৰিবার গালিকে ঐ ঘটনা হয়।
বাদীর লোকেবা চীৎকার করিয়া
উঠিকে ভাকাতরা ভীষণ অভাচার
কল করে বাদীয় গোক গুরুতররূপে অপম করা চলজন অবিলয়ে
মারা গিয়াছে। একজনের ভাবতা
স্থীন, সার্মিঠ, পুন, জ্বাসের পর
ভাবান করেক শভাটাকা লহ্যা সার্ঘা
পঢ়িয়াছে।

ঐ প্রামেরই মহাবীর সাভা নামক অপর একটা ব্যোকের বাড়ীতেও গভ মঙ্গাবার রাত্রিতে এক ভাকাত হুইমা বিষাজে এক বাড়ীতে ভাকাতরা প্রায় ২ গলার টাকা লুফু করিলা নিরা

#### করা**চীতে স্মৃতায**চন্দ্র বস্থ বিরোধশমিটাইবার **স্ব**হ্য উৎ*ত্র*ক

শ্রীষ্থ হু গ্রহক্ষ বহু অপানে আন্দ্রা পৌছিলে করাটা নিউনিন্দালালীর চেয়ার্যান শ্রীষ্ট জান্দেদ নটা, কংগ্রেষ কলিটির প্রধানৰ সম্প্রেক ডাজার বাল-ভ্যানি, ন ওজায়ান ভারত সভার অভ্যানা স্থিতির স্থাপতি স্থানী গোণিক্ষল প্রেটান, নিঃ মোবারক জালি, ডাজার আলম প্রফেষার জাবত্য বারি প্রভৃতি কেতৃবুক্ষ তাঁগাকে স্থল্পনা করেন। লাভোলে ফাঁধির ফলে কোনর্য মিছিল করা হল্ল

বাংগার ঘটকে করাসীর পথে সকল
টেশনে প্রভাষ বাবৃকে সম্বন্ধনা করা
ভইনাতে কড়ক ওলি টেশনে পুব ভিড়
ভওরার প্রভাষ বাবৃকে বজুলা করিতে
ভতরাকে প্রভাষ বাবৃকে বজুলা করিতে
ভতরাকে প্রভাষ বাবৃকে বজুলা করিতে
ভাষার পরিবর্তন ভত্যাতে ঘালারা এই
ভিনের জীবন দান করিখেন লাক্
ভাগার যে প্রেক্ডার সকল অধিকার দান
করিবেন ভাগা প্রের অভীত। দিন দিন
ভাগারা স্পাই বুরিতে পারিতেভি হে,
ভাবিশকে আমাদিগকে আধীনভার জ্ঞা
সংগ্রাম আনন্ত ক্তিতে ভইবে।

ক্ষাধবাবুব বির: ১৯ন--- ''আয়ি সর্ক্র-আপ্রে কংগ্রেসের এই দংশ মিট্মাটের

চেতা ক্রিন--একনণ নির্মান স্থিত স্মর্থনকারী আর অপর দ্ব চরমণছী; ঐ চেটার সাফল।লাভ ক্রিব কি না, ভাগে এখন বলা কঠিন।"

#### কাণপুরের দালায় "প্রভাপ" সম্পাদক হত

সংবাদে প্রকাশ ধে কাণপুরের অবস্থার যথেষ্ট উন্নতি চট্নাচে; মনে চয় শীঘ্রট শাস্তি প্রেডি ইড চটবে।

আরও প্রকাশ, • 'প্রভাগ' সংবাদ-পত্তের সম্পাদক শ্রীয়ত গণেশশহর বিভাগী কনভাকে শাস্ত করিতে গিড়াভিলেন, গত মঙ্গলবার সন্ধা চইতে গুটোকে থুঁকিয়া পাত্যা যাইভেচে না।

'লীডাবের বিশেষ সংবাদদাতা আনাইছাতেন---সকল মৃতদেও হাস্বাভাবে আন্যান নিহতের সংবাদিউত হেইবে।

প্রকাশ "প্রতাপ" গরের সম্পাদক পণ্ডিত সংগশশক্ষর বিভাগী কাগপুরে দালার উত্তেজিত অভতা শাভ ক্রিকে গিয়া নিচ্ছ চইয়াছেন এবং জীকার মুগ্র-দেহ একটা অভ্যন্ত নিক্তিপ্ত চইয়াছে।

#### লর্ড-আরউইনের বিদায় গ্রহণ

বড়লাট শউ আর উইন বাবতাপতিষদ
ও রাষ্ট্রীঃ পরিষদের সংযুক্ত অধিকেশনে
শেষ বিনায় এচিগ ক্রিয়াছেন। প্রায়
২ শত সদত্য উপস্থিত হিলেন। বাবতাপরিষদের দশকের সানানী পূর্ব ভিলা।

বঙ্গটি যাত্র ১০ মিন্ট বক্তা
করিথাছেন। তিনি বলেন রাজস্ব বিল
সহদ্ধে শেষ বলকা করিবর পুলে
তিনি উভর পরিবলের নেতুর্গের সভিত
আলোচনা করিবেন যে সকল সদস্ত
গরিবদের সমস্ত আকিয়া সাধারণের
গালাগালি সত্তেও কাজ করিয়াভেন,
বড়গাট ভাছাদের গভাবাধ আলাইয়াভেন।

ভাহার পর তিনি ক্রাভেকে সদভের সহিত কর্মদিন ক্রিল। প্রভোকের নিকট বিদায় প্রহণ ক্রিয়াছেন।

ষাইবার পৃথে বছণাট বংগন—৫
বংগরের লাট্নীতি ভাগার জীবনের
ন্বর্গণেক্ষা বছ ঘটনা ছইগ চিন্নদিন
মনে থাকিবে। যভাগন পার্যপত্য থাকে,
ভভাগন সদভগণের এক মহান কর্ত্তরা
হতিবে—নির্বাচন কেন্দ্রে যাইয়া ভাগান
দিগতে কইবে ভিনি সকলের ব্রহ্মান

#### নহান্তার প্রতাবে বড়গাটের অসমতি

্ৰংগেদ ৰে, মহান্যা গান্ধী ভয়াচী কংগ্ৰেণেয় পৰ উত্তৰ পশ্চিম সীমান্ত আলেশ অমুদের অভিনাধ প্রকাশ ভতিমুখী বড়পাটের নিকট অসুম্ভি,চাহিলাছিলেন। বড়গাটালাগীক ভাগতে সম্মত হন নাই।

#### ক্লাবার দেশনে ডিক্টের

শেনে আবার রাজনৈতিক হাজ। সার্ স্রপাত দেখা যাইছেছে। মাজিদের রাজালাটে আবার সদজ্ সৈনিক্লের পানারা বদিরাছে আবার সৈক্লেনের কর্তু বর গুজব্দোনা যাইতেছে।

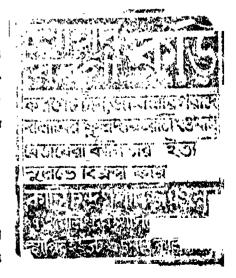
শোনীর মৃত্রা পেনেছার মৃণ্য বিষ রাগিবার অঞ্জ অর্থস্চিব আন্মেরিকঃ ও অঞ্জে দেশের বাজি চইতে এক কোটা নিশণক অর্থমুক্ত। পার কাইরাতেন, ইরাই হাজামান স্ক্রণাতের আপাত কারণ ব্যিয়া মনে হর।

এই সম্পাকে গণতান্ত্রিক নেতা সিম্ম কালেক ও বিনার পার্গামিন সরকারের ভার আজিবাদ করিবেন বলিয়া শুমা যার। সজে সজে বিগত কোট মার্লাগেলর বাভারেট কুল কোটা বিবৃত্তিকে বলিয়াছেন বে, স্পোন স্নকাল অপর একজন ডিরেক্টরের প্রেল্ড স্থিতির না এই বিবৃত্তির অর্থ ক, জাতা গটরা বহু আলোচনা চইছেছে।

#### সীমাডে এখনও গোলাব্য গ

গীমান্ত গলেশের কংগ্রেস স্থাপতি আমানাল বাদশা এবং সৃত্ত সংগ্রাপতি আলিওস থাকে আসত্ত্রণ করিরা কংগ্রেস এরাকিং কমিটা ভালাদের স্থিত সীমাজের অবস্থা স্থান্তে আলোচনা ক্রিয়াচিলেন।

প্রকাশ, সীমাস্তের এই চুইন্সন্ন প্রতিনিধি বংগন, যে, সীমান্তে বিশেষ করিয়া অংক্রিদিধিগের অঞ্চলে অবস্থা খুবই গানিবর্ত্তন এখনত প্র অঞ্চলে হয় নাই,— মাবে মাবে এগনত গোলাগুলী বুর্ষণ হয়। সীমান্তে শান্তি স্থাপনের এখন কংগ্রেসের কন্তব্য। কংগ্রেসের উচ্ছিড ভারত গ্রেশ্যন্টকে শান্তি ও শৃন্ধাশা রক্ষা করিতে বলা।



### । जनबी भगा मध्ये हा जिल्ली ज का त अभिदासार-ित्रशी

[ e ] श्रीभाव सानाः नवात्र व्यक्तिसूत्राकन

अर्जिक च प्यूरी ঋদেংপর 💥 শ্রুপ্রাচারিণীসভার পক ভটতে ত্রিদার্ভিসামী শ্রীমছাক্রিণর্বাস নিরি ্মহারণ্ক অংগণক শীপাদ নারারণ লাস ভক্তিশালী, ভক্তিপুণাকর ৫ম, ৫, ুমহাশয়ের গৌরপ্রিয়-সেণামুদ্বাদের কণা डेक्टर कतिका वर्णन (य. एक्टिय्रशंकत প্রভু ভুসভা ও স্থানিকিত বিখের সর্বত বর্ত্তমান দৃগাচার্যা ও িকুপাদ প্রীশ্রীমদ-ভক্তিদিদাত সরস্থী গোস্থামী প্রভূপানের CB क्रमग्री नानी 'आदेनब्रदेश सिंग वाठा'---এই চতুর্কিগভাবে প্রচার করিয়া 🕮 গরু-গোরাদের মনোভীই—''ভারত ভূমিতে देश्य मञ्जूषा-सन्त्र वा<sup>9</sup>त्र । कना नार्थक कत করি' পর উপকার n"—এই উতির মর্য্যাদা স্থাপন করিতেছেন। তিনি পাটনা বিশ্ববিভাগয়ের সর্বপ্রধান ও প্রবীণ ইভিহাস পরীক্ষ হইরাও—উচ্চ ব্রাহ্মণ-কুলে আবিভূতি হইয়াও অর্থাং লয়-ঐশ্ব্য প্রত সম্পদ্ধের অধিকারী হইয়াও ভক্তিত্রী বা কুলাছণ সম্পদের জন্ম যে আন্তরিক আঁও ও নিৰূপট লোল্যযুক্ত **●हे**बार्ट्स क्षेत्र खकुड देवकश्वांतिङ देवछ ও ভগবন্ধির্ভরতার আদর্শ প্রকাশ করিতে-ছেন, তাহা ব্যক্ত করিবার মত ভাবা আমার নাই। শ্রীল প্রভূপাদের সম্পাদিত ও শ্রীল ঠাকুর ভক্তিবিনোদ প্রাভুর প্রতি-ষ্ঠিত 'সঞ্জনতোধণী' বা 'হারমনিষ্ট' নামক ইংরাজী মাসিক পজের সেবা ডিনি প্রাণ, অর্থ, বৃদ্ধি ও সেখনী দারা সম্পাদন করিয়া বিখে প্রকৃত ভর-গোরাখ-মনোভাই প্রচার করিতেছেন। একদিকে বেমন বৈগীতীয়ের লেখনীভে প্রভূপাদের চেডন-মন্ত্রী বাণী-সমূহ সংরক্ষিত হট্যা ভারতে প্রচারিত ইইতেছে, অপরদিকে তেমনি 'হারমনিষ্ট' পতের সাহায্যে প্রভূপাদের বাণী ভারত ও ভারতের অভীত স্থানসমূহে বিধোষিত হইতেছে। সে-দিনও শ্বাস-পুজায় ভক্তিখ্বাকর প্রভুর অক্তিম অর্থা क्यान क्षेत्रभारमञ्ज बरबंह श्रीकि व्याकर्षन क्षित्रट्ह । ठाकूत्र छिक्तिरानारमत्र भन्ना-গৃছির গীভিশুলি ভড়িস্থাকর প্রভূ दैश्याभी कारात अनुनिक कतिया विषय এक व्यक्षा व्यक्ष्याविक त्रव्र-मन्पूर्व केन्याविक করিছেল। আমরা ভ্নিরা আরও व्यक्तिक ब्रेगाय ८४, जीन टाजूनारमय ্ৰক্সজাৰলী--ৰাহা (গোড়ীয়'-পতে প্ৰকা-निछ स्रेवाटक अवर वाहा वर्जमारन अहा-কারে অকাশিত হইতেতে, ভক্তিমুশকর

#### MARCHIOTEN WHE:

# किल नामरा-शकान

ないない イントカッパライ

বেগাদি সমস্ত গাড়ভ-শাজের অক্সত্রিম ব্যাখ্যাতা সমগ ভারতে একমাত্র মূলভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

লুলাফ আহাপুর—১৮ই লৈতা, বুধবার ·১০০৭

প্রভূ সেই সকল অমূল্য সম্পূৎ ইংরাজী ভাষার অনুদিত করিয়া নমগ্র শিক্ষিত বিশে বিভরণ করিতে ক্রতসঙ্কল হটয়া-ছেন। ত্তরাং শ্রীধামপ্রচারিণী সভার পক চইতে শ্রীপাদ নারায়ণ দাস ভব্তি-ভ্ষাকর ভক্তিশালী প্রভু অশেষ ধয়াবাদ আকর্ষণ করিয়াছেন।

#### শ্রীপাদ যতুবর ভব্তিশালী

অনন্তর তিদভিশানী শ্রীমন্তজিশকণ প্রকৃত ম্হারাজ ময়মনসিংহ ' আন্দ-মোহন কলেজের সংস্কৃত শাসের অধ্যাপক শ্রীপাদ যহবর ভক্তিশাসী এম্, এ, বি. **ंन मकानरवृत नारमारसथ कत्रिया वरनन** যে, অধ্যাপক যছার প্রান্থ বাণীপীটের প্রকৃত দেবকসতো গত সরস্বতী-পূজার সময় প্রাক্ত-বাণী পুঞ্চকগণের বিপুল চেষ্টার মধ্যে প্রকৃত বাণীপুঞ্চা বা শ্রীচৈতন্তবাণী-পুজার প্রচার করিয়াছেন। তিনি আনন্দমোহন কলেনের ছাত্রমগুলীর সরস্বতী-পুরুরে আবোজনের শ্রীচৈতত্ত-সরস্বতী-পূকার প্রচেষ্টাকে প্রবল করিবার জন্ত শ্রীওরুদেবের রূপা-সম্বর্দিত **'**<েरोड़ीय'-मण्लाहक खीयुक खन्मद्रानन्त বিভাবিনোর মহাশয়কে আটচভক্তবাণী-পূজার পৌরোহিত্যে বরণ করিয়া কীর্ত্তন-मूर्थ व्यवार्थ वानीभूका मन्नामन कतिया-ছেন। তাহার সেই বাণীপুজার প্রণালীতে বহু সভ্যাত্মবন্ধিৎত্ব কলেজের অধ্যাপক-মণ্ডলী ও ছাত্রসভ্য আরুই ইইয়াছেন। ভাহার সাক্ষাশরণ আমরা সেই আনক:-মোহন কলেকের প্রহৃতিবিজ্ঞান-শাঙ্গের **८क्सन शरींग अधानक मरहानग्रक ख**रू-পাদপলে দীক্ষিত এবং বৈষ্ণববেষে এই সভামদো উপবিষ্ট দেখিতে পাইতেছি। াপাদ্যক্ষর ভক্তিশাসী মহোদর তাহার কলেকের ছাত্রমণ্ডণীর মণ্যে প্রতি রবি-বারে নিয়মিতভাবে ভাগবত ও ভক্তি-দিছায়ের আলোচনা, অন্যাপনা এবং গোর-বিহিত সমীর্ত্তন প্রচারের অন্ত একটা গায়ী আলোচনা-কেন্দ্র উন্ঘাটন করিয়া-েন। তিনি সাধ্যমপাদপশ্ম হইতে প্রত

ভত্তি-িজান্ত-সমূহ ভাগবত-ব্যাখ্যামুখে কীর্জন করিয়া সভ্যাত্মসন্ধিৎস্থ ছাত্র ও অন্যাপকগণের হৃৎকর্ণরসায়ন মহৌবধি বিভরণ করিয়া থাকেন। বৈষ্ণবদানভৌম ওঁ বিষ্ণুপাদ ঐশ্রীল জগরাথ দাস বাবাদ্ধী মহারাজের প্রকিট-পুত্রকেত্র ময়মনসিংহ জেলার সদত্র ময়মনসিংহ সহরে শ্রীঞ্গরাণ-গৌড়ীয়মঠ প্রতিষ্ঠার জন্ত শ্রীপাদ বছ-বর ভক্তিশালী এমৃ, ৫, বি, এল মহা-भारततः व्यारहेश विष्यम छे द्वाचारागा। এতবিষয়ে উপাদ মনোভিরাম দাস-অনিকারী ও শ্রীপাদ উরুক্রম দাগানিকারী প্রস্কৃতি গুরুসেবকগণের ভক্তিসিদাস্করাণী প্রচারে একাছিক উৎসাহ, প্রবন্ধ, উত্তম ও আন্ত'রকতা আদর্শ-চানীর 🕆 🕮 াম-প্রচারিণীসভার পক হই.ত সত্যসভাই ভাহার। ধ্রুবাদার্হ।

### শ্রীধাম-বাস

( অধ্যাপক শ্রীপাদ নিশিকাম্ব সার্যাল, এম-এ, ভক্তিশালী, ভক্তিস্থাকর)

আমি আমার মেবা অভিজ্ঞতা হইতে মান্মবাদ দছতে ছইগারিটি কথা দর্ক সাধারণকে জানাইতে ইচ্চা করি। "

नवधीरभ यान ना कतिरम इतिख्यन হয় না,ইহার অর্থ অনেকে বৃঝিতে পারেন ना। नवधीन नामक महरत वारतत नाम কি নৰ্থীপ বাস ? গুছে থাকিয়াও নব-**দীপ**ামে নাম করিতে পরোষ্ট্র আনোর নৰ্থীপ সহরে ৰাস কার্য়াও গৃতে বাস माज नाख इहेटड नात्त्र।

**७ हे ट्यम्प्स न बील-धाम भद्राक्ष छहे** একটা কথা বলাও সঙ্গত মনে করি। বাহারা মদীয়া-গ্লকাল-গেবিত শ্রীদাম माश्राश्वतक जिद्धेर एक्ट्रास्टवत सीव धाम বলিয়া স্বাকার করিতে চাচেন না, তাহারা ধামৰাসেয়<sub>া</sub> অভিপ্ৰায় উহিন্নিও ''ধামবাদের

महीया-लाकारनंत्र निक्षे इहेटड्रे ब्रानिए नाविवाद्यम मत्नक न है।

सब्देशिया**गरक काना ?) कतिवात कंडी** मामाश्रम भाग बाका कता रहेशाटक, गैरिश्टिक করণ বিশ্বাস, **ভাচারা ধাম অর্থে হা**ছা ব্ৰেন, ভাগা প্ৰাকৃতপকে গাম নতে। বে নবদীপ কাণা হইবার ঘোগ্য,ভাহা নবদীপ গাম নতে। নথৰীপথাম কখনও কাণা হইতে পারে না। স্থতন্তাং এরূপ বৃক্তি অত্যন্ত হকলা সন্দেহ নাই এবং ধামতক সম্বন্ধে অনভিক্ততার পরিচায়ক।

ঐতিহাসিক, প্রস্তাবিক কিবো ट्योरगाणिक गरवरणा बात्रा वीनारमत्र मकान পাওয়া যায় না | শ্রীধামের সহিত জগতের কোন দথক নাই। ত্রীধাম জগতের অতীত রাজ্যের বস্তা প্রীণামের স্বরূপ অবগত হইলে খ্ৰীধাম সম্বন্ধে জাগতিক बुक्ति शाटक ना। उथनहे शामवाम, शामरमवा

আমি তো গৃতে বসিয়াই নিয়ন্তর ধাম-সেবা করিতেছি। ইহা অবশ্য নদীয়া-প্রকাশেরই রূপা। নদীয়া-প্রকাশ প্রভাইই আমার নিকটে ধামের মহিমা কীর্তন করিতেছেন। আমি নদীয়া-প্রকাশের বিবরণ পাঠ করিয়া ধামদেবা অন্তঠান করি। ভাগো আমার মহর নব্দীশে (कान यत वाफ़ी, सभी सामगा नाहे। वीन থাকিত, ভাহা হইলে হয়ভো সেই সমীৰ্ণ অপস্থাৰ্থ ৰাব্যা প্ৰান্ত ইইৱা নদীয়া-প্ৰেকাশকৈ মংসর বলিয়া মলে করিতাম এবং নদীয়া-প্রকাশের সেব্য শ্রীধাম মায়াপুরকে একটি গণ্ডগ্রাম মাত্র বিবেচনা করিভাম।

গুহে থাকিয়া বেমন হরিভজন হয়, সেইরূপ ধামবাসও হয়। আবার নব্দীপ সহরে বাস করিয়াও ধামবাস না হইতে পারে।

শ্রীধামবাস লাভ করিতে হইলে ভবিবের আকাজ্ঞা হওয়া আৰক্ষক। ধামের সংব্রি সাধুদিগের নিকট পাওরা বার। নদীরা-প্রকাশ সাধুদিগের কথা প্রভাই প্রভাবের গৃহে পৌছাইয়া দিতেছেনৰ স্থুডরাং **এখন ७ यनि वर्षि (य, ास्त्रत मःवान कार्नि** না, ভাছা হটলে কপটভা হয়।

এই কুন্ত প্রবং নামবাস সহজে স্ব कथा পরিকার রূপে বলা যায় না ! সাধুগণ नक्षक वामवानी। नाधुवन त्यवारन পাকেন ভাকাই প্রকৃতপঞ্চে ভগব মে। নেবাছারা সাধুসত্ত্য সাধুদিগের নিক্ট কাগতিক বৃদ্ধিতে বাস করিলে সাধুসক इस मा नाधुभिराज क्या सक्षति वृद्धि বোন হয় শ্রীধামকে একটি লাগতিক আম । প্রবণ্ট প্রক্রত সংগ্রন্ত । সংখ্রিগের কৃষ্য किश्वा महत्त बहुत कहुतन। ब्लावाब वीहावा । कलक लाक लाक लाग ना। सरहात জীগাম মায়াপুরে গুড়াদি নির্দ্ধাণ করিয়া লোক দীয়া এক শতের সংসর বিবিচনা क्तिराज्यम्, करत्। ए १ 'त्र', - भीमा ध्वकारमञ्ज कथा গ্ৰেহত অৰ্থ বা চাহক ক্ষন্ত শুনিতে পায় না। সাধুন প্রণই একমাত্র নির্দ্রহণর। সাধ্দিশের প্রতি প্রভার উদয় না হটলে তাঁচানের কথার প্রকৃত অর্থ ব্**রিতে পারা** যায় না।

্সকাল্যে সমান্ত হট্যা সাধুদিলের প্ৰভোক ৰুণা মনোবোলের দহিত ভনিতে रहा मानाद्यादशत महिल छनिएन धाम-यांत्र काशास्क वरन, क्रांत्र वृक्षित्त भावा যায়। যে যে পরিমাণে বৃঝিতে পারে. ভাগার থেই পরিমাণে গামবাদের আকাজা ক্ষর। তথ্য ধামণেবা লাভ হয়। ধাম-শেবাই গামবাস। ইহার মঞ্চ গ্রহ ছাডিয়া ष्यग्रद याहेवात धारमाधन इय मा।

শ্রহার সহিত সাধুদিগের আহুগত্যে শ্রীধাম দশন ও শ্রীধামে বাস করিতে হয়। শাধুদিগোর প্রতি শ্রদ্ধা না হটলে শ্রীধামের क्ष्मिन इस ना, जिश्राद्य वाम ७ इस ना। भाध-দিলের সেবার নাম ঐীধানবাস। সাধুগণ यति क्षीनाम-मात्राभूद्र शृह निर्मान कतिया बाग कतिए बर्णन, खाका इहेरल खन्नवर দেবার জন্মই নেখানে বাদ করিতে বলেন। সাধুগণই আবার ভগবৎসেবা প্রদানের একমাত্র এবং নিতা মালিক। ভুভরাং শ্রীনাম মায়াপুরে গৃহ করিয়াঁও সক্ষতে।-ভাবে সাধুদিগের অমুগত হট্যা না চলিলে শ্রীধাম দশন কিংবা শ্রীনামবাস কোন হতেই সন্তব হয় না।

আমি ভনিতেছি ভীখাম-মায়াপুর বহু বিশিষ্ট ব্যক্তি গুহাদি নিম্মাণ করিয়া ধাম-ৰাস করিবার অভিপ্রায় করিতেছেন। व्यक्क्ष भागवास्मत देखा वाहास्तत्र डेमग्र र्देशाष्ट्र, डाहाताहें नग्र। डांदालय हजन আশ্রম করিলে আমাদেরও জীবাম-দশন ও প্রীধামবাস সম্ভব। নদীয়া প্রকাশের ধামে বাস করিবার নিষপট আকাজ্ঞা কবে উদয় হইয়া আমাকে ধামসেবার সৌভাগ্য व्यापान कत्रिद्ध १

### ংসা-ধর্ম

( শ্ৰীকিশোর মোহন ভক্তিবান্ধব বি-ওল

ाक्तावश्वात कीव **क्षत्रात्रमा**। কিন্তু অন্ধ কৈ বহিশ্ব ও মায়াবভাৰতা ্ভাগর শুদ্ধমন্থ ধর্মটী গুণীভূত ইইয়া বাকে। মেই দয়সংশুদ্ধিই জীবের পক্ষে থাভয় এবং ওচদেশে শাস বে সকল স্কর্মের ব্যবস্থা করিয়াছেন, ভাষাই দৈবী-मन्त्रेर एवः (य भवन कार्य। ঐ প্রকার স্বন: শুদ্ধির বিশ্বকারক,তাহারটে মার্লী-সম্পৎ নামে অভিছিত হইয়াছে। দৈবী। আত্ম-্রিকে হিংসা-ধর্ম হইতে সুত্রা मुल्लार जा शहर की त्वत्र निःदश्यम नाख घटि **धवः** धास्त्रीमम्बद तराहे श्रीतित वदरात के करन होई कात्रण शहेबा शारक। .

বান। আবার অক্সদিকে বাঁচারা বেঁদ ভাই আহং। আ অবধায়ন না করেলে আমাদের সকলোশ হয়। ডিনি স্মান্ত ষানেন না,যথা বৌদ, জৈন প্রভাত উপশা াণ-ট অভ্যন্ত বাড়িতে থাকিবে রাছেয়ের ১মত রাজার রাজা। ভাচারই ংশ্ম রূপ নীতির আদর করিয়া থাকেন। পারেবে ১) মমুদংহিতারি শুভি শাস্ত্রেও প্রত্তমূল। পুরুষার্থ তোমফল লভে ঘটিবে না। হিংসার্থি তাগ করিয়া নিয়ন্তি সাধনট আচেডজ্ঞার্ডিন্ডেড (लाश:--वेटावे यावना कतियादकन ।

স্মাৰ্থ বা প্ৰাক্ত বিচাৱে যে অভিশা भागांत कथा वना बहेगाएड, एक्वातः (कनल পশুভিন্যার নিষিদ্ধ ইট্টয়াডে, এইরাপ্ট व्यामता विवेशा श'कि। एट टर कथेकारख ভাষা কেবল রাজ্য ও ভাষ্য প্রকৃতি-সম্পন্ন ব্যক্তিগণের প্রান্তবি থলা করিবার জন্ম শাস্ত্রের কৌশলভাল মান্ত্র: ক:টা मिया कांग्रे। ज़िया (क मिवात (हरे। व महा। অক্ষ বিচারসম্পন্ন বাহিন্দ্রণ অভিসো ধর্মা পালনের ছারা জাহাদের পুল ও সক্ষ শরীরকে কিছু স্কবি ৷ করিঁয়া শুইনরে কন্ত নাও। ইহাতে ভাহানের এটের্রাভয় ুপ্রাভিনাত্তাই ফুটিয়া উঠিল ভেন্ধারণ কামদেবের দেবা না ক র্যায় ক্রিবের কোন নিভামজন সাধিত হয় না , আক্রত-বাদিগণ ইছাপেকা আরি কোন উচ্চতর :

কিন্তু শ্রীচৈতভাক্তগতে নিশ্মন্যব ভাগনতগণের বিচার সম্পূর্ণ স্বভঞ্জ: উচোরা নিজেন্দ্রির প্রথম জন্য কোন গরের অফুশীলন করেন না ৷ ভগবানের নিতা 1 উপাদক বলিয়া তাঁহাদের প্রত্যেক অফুটানট ভগবংস্থর্য জ 11 जरावास्त्रत শ্রীতি-তৎপর্য্যের যাহা অমুকুল, ভাচাই ভাহারা স্বীকার করেন এবং যাঞ্চ ভবিপ-রীত অংথাৎ প্রতিকৃল, ভাষা পরিত্যাগ করেন। তাঁহার। নিরস্ত-কুগ্রুক অ:তা শ্বে প্রতিষ্ঠিত। তীহারা কানেন,--- দেখানে নিঞ্চের স্থবিধাস্থবিদা বিচার অর্থাৎ ভঞা-**७**छ विष्ठात्र, त्रहेशात्मके मत्नार्य एतः যেখানে মনোধর্ম, সেখানে ভগবং ব্রিভিন্ন অভাব।

शतना कतिएक समर्थ हम ना।

**बिरेहर कराव (म अहिश्मा- एमंत्र क्ला** বলিয়াছেন, ভাহা বন্ধনেব ও মলাল নিরীশ্বর নৈতিকগণের প্রচারিত অভিংন-থর্মের মত **অওটুকু খুন্তে বা** নীমাবল্ধ নয় : किति कावा**म कितन कि**रमा था उठेएक রুক্তা করিয়াছেল প অঞ্চাল প্রচারব গ্র (काम पिन्**वे शिरेड एक एन ए**वं मण्ड डीए व করিবার হয় শ্বহিংসা-ংশ্বের প্রচার:

- को - ि निर्द्धा विका

दिन वहमाननकाती वास्तिन भा कर्या छिल्लिशत छेल्नाथात मर्द्य मर्द्य ए। । एड होत्तत भत्रम **औरे** 5 ज्ञारम द्वित्र উভিনতে ইচাই স্পাই প্রামাণিত এয়:---"कि इ यनि माडात २.८४ फेट्र छेल्लाका। निक्तिः त दृष्टीनां जिल्ला इस्मन।"

वकामिर्फ भक्तरभत्र बावका समया याग्नः माज वाक बन्यस्त्र किश्वात्वाक क्रेस्ट রথা করি গার্ভ ভন্ত নতে। পরমধ্যের মহিত যোগ স্টাডে, এক্ষের নহিত একীড্ড 🕯 হট্যা আত্মণভারিপ তুর্কান্ধি ইটভে. নিকিশেষ ও পরমাক্সাফুনীলন रहें हुन দীবকে পরিতাণ ও রক্ষা করিয়া যিনি : তাহাকে একাদির ও চল্লভ অন্পিত্তর ८ श्रम हिन भनी कतिएक शास्त्र , ८ है িটিবভভ্তাদেরের অবি সা পর্মা কণ্ড বড় এतः स्टि भो राष्ट्रे या काठ तक महात्तराह्य !

> িন্দ্রথসর বৈভাগণই ' একমার क्यडिश्रा १ (द्यात क्षक निष्ठे दश्यक । हिडि हा কাহাকেও সনাদ্ধ, অসন্ধান বা কাচারও জ্ঞতি হিন্দা করেব না। এমন কি ঠাহার। জোলীমাজে মলোবা**কো উছে**শ মা मिट्य'---डीभवादाव्यक्त दहे व्याटमन কিরোভায্য করিয়া **অহিং**শা **ধর্ম** প্র**লন** कतिया शहकन ।

'বাচ্চেদ্র বৈশ্বভার উপন্তি হয় নাই, ভাগারা যভট নৈতিক চরিত্রান, পরোপকার ধাঞ্মিক, গান্ধিকপ্রকৃতি ও মহৎ প্রভৃতি নামে লগতে পারতিত হউন मा ८४म, किश्ता । প্রতিষ্ঠুক্তে বছ বছ कार्यत किर्ता काते. उट्टन अवर निर्मादक निहम हिना कंतरकरक्ता । अहेशारनहें ट्रीटेन्डमध्यदात व्यक्तिक व्यक्तिमा नष অন্তান্ত প্রকাম আহিংনা নক্ষ হইতে বৈশিষ্ট্য পাভ করিয়াতে।

# পুৰ্বাৰ্থতত্ত

ে শ্রীপদে রা চিরণ গোষামা ভব্তিশারী

'ल्पार्थ' करभत अर्थ---वश्व। वह জগতে ভিন্টা বস্তুর কথা দানা যায়। বেই বস্তু ভিন্টার নাম ঈশ্বর, ভেতন ও 🛎 🤊 । हेचन १ में ७ ८०७ । ७ अट्टिंग अमार्थन ম্র ।। ভাগার ৬ড় অর্থাৎ প্রারেড ইঞ্রিয়-গোচরীভাষ্ট হণ্যার যোগ্য কোন পেছ নাই বলিয়া আমরা ভাছাকে দেখিতে পাই না: ভিনি পূর্ণ স্বন্ধ ও বিশুদ্ধ চেত্রন िल्लि आभारतत्र कहि-कर्ताला शन-

কর্মাও নিয়ন্তা। তিনি ইচ্চা করিছে চিংস্তাৎ নকা তৃতানি'এই বেনবাক্যে শ্রহা হি সকল নোও জনো, ইংা ডাচার অস্তত্ম ; আমাদের কল্যাণ হয় ও তাহার ইঞ্ছা নিরীমর নোতকগণও 'অধিংখা পর্মো । এবং নুল ভাত লভা ওক ১ইয়া বাড়িতে ইঞ্জ সমস্ত কগতের বানধীর কার্বা চলিতেছে। ডিনি ডগবংশ্বরপে নিজ काल विदृष्ठि ताका कश्तिएएएक। अध्य বিভগ্ন চেতন বস্তু, ওাহাব ভন্ম চেতন্ত্ৰ স্থাপ বাণ্ডীত ছাত্র স্থানপ লাই।

> মহুয়, পশু, পশী, কটি, পতন্ত প্রস্তৃত্তি ुक्ति-पुक्ति-वाश्रायक जनस्या कात्र स्वया ॥ 👚 ८६ कमवस्यः स्वरमञ्जू देशस्मन्न देख्वासकि আছে, বিচারশতি আছে। ওমানো ময়ক জ্রীকৈতভাগের অমনেসংদয়দ্যা কেবল । অংতির বিচারশভিত্ত অভঃিক, অপরাপর চেত্র পদার্থের অংশগারত কম। আমস্ত্রা চেত্র পদার্থ হটলেও ফড্নরীরবিশিষ্ট অর্থাৎ কিত্যপ-ভেজ-মর-ছ্যোমাত্মক একটা ফড় আবরবের বার। আহত চেতন। জ্যাম(দের চেত্রনময় স্বরূপটা ভার্নময় স্বভালের মধ্যে আন্তত হঠয়া প্রভিয়াছে ৷ **८३ िभिन्न भागारतत्र करङ्**ख्या छक्ष-কণাদি ধারা আমাদের খীয় তেওনময় স্বরপরীও গোচরীভূত করিতে পারিণ্ডেছি না। তক্ষাত্র ঋ্লান অবিছা হি মিরাছ-কার বিনাশে সমর্থ সাধুওক-ভাসাদে ভ' ও লোচন প্রাথ হটলে আত্মন্ত্রপ ও ভগ্রহন্ধনাপ দেখিতে পাই।

> > মৃত্যুকা, জল, প্রাহার, অগ্নি, বায়ু, আফাশ, গৃহ বন, ফান্ধ, সন্ত্ৰ, দেব আছুন্তি ইটোশকিরহিত বস্তর নাম কড়। কছ বস্ত মানেরই খুল একটা আকার আছে, থাতা হাঞ্জনে(ধগমা।

यां जारभन का नमश्र हक मुख्यि व्याद्य. তাহার। ৯তে আনক। তাহারা ভিতাতীত কোন চেভন বা ঈশ্বর আছেল সেঁ বিষয়ে भान्तकान शाकिया श्रेषत विधान करतेन ना। भवाक (लारक्या (यंगन क्या केटब्र আভিছ স্বাকার করিতে চান না, লৈই প্রকার নাতিকগণ চেতন বা ঈশর খাঁ করে করেন না। গ্রহ গ্রাকাতক ,নিয়**েম্ছ** বাল, প্রকৃতিই সকলেম নিয়ন্তা; লড়বাৰা নাডিক সম্প্ৰদায় হহাই বিচ **ৰে** करतन। वस वा गामार्थस्याप्य भारत्य আখ্যাত হটগাও অবস্তুতে বন্ধ বৃদ্ধি কলা স্থ मक्षण अवसाय गाकिए ध्या हिम्**युगामन -**কারী একমাত্র শ্রীভমাদেশ**র পদার্থ** : 12110

শ্রামজসোৎসব

গত >৪ বিষ্ণু ,৪ই চেত্রে শনিবায় **ह**रूक्ट्रेड शिशांत्रशमा त्र महत्र श्रीत्राम-**हरभुत भरताश्वर क .बामहर अत ह बिहा** মৃঁভাগাদন, নামস্কার্ডনাওঁ প্রাণ্ড ব ব্যভিকে বিচেত্ৰ মহাপ্ৰদাদ বিভন্ন কর. क्रेबार्फ ।

1

#### काक्षांमहमामञ्जू विद्याच्या । ভাক্ত গ্ৰন্থাৰলী

२२७ (शोकाट्यन्ड **সচিত্র** 

# निख्छ। शब

**बिटेक्टबर्श्य--- वे**गह्यकिविस्तान ठाक्रवन कामच-डेबार्ट बोरवड अतिहरू. प्रयोग मुख्य मचन, निका छ क्रिशिक्ष कर्षा. श्रीकट्ट निष्य ७ व्यवस्थात्मक त्लाम. श्राहित -ক্রিম্মত। প্রকৃষ ভগবজ্ঞার সমাশ, বৈলেক বৰ্ণাশ্রমণশা, বৈক্ষব-হ্মশ্রের স্থকল, পঞ্চোপাসনাত স্থিত পারকা, মারাজন্ব, বেধা-चिक ७ क्षानाटका ८-म. हमनाध्याः, मरेबलनावी क्रम क्षिक काक्क्या. कीरवन वका का ज मू क, राक्षनगृहद्वत क्षिकार किष्कित अधिकाती-। ८ठाते. क्या ५ क्षक्रिकारना आबक्का, लाख्यम्य च देवक रभण, त्यान क्रकशील. छश्य न এক ব আলাৰ প্ৰাজীত-ভেন, অবিত্ৰহপুৰা ৰ পৌৰ-গিকভার প্রাভেদ, শত্তরমভের সাত - সামিলের কারণ, সম্প্রা-নায় স্থপত প্রোতপথ, পলিবিচার, দী 🐃, বৈনী ও রাগায়গ **कि. मश्चा**कान, बमकरकः भागकारी, भावकीस्रत्रम, मधुव রস, শীলাপ্রবেশ প্রস্কোন্ড নাতন সাত্রতাবের অভান্ত बिश्रह त्रव्यायमी च क मन्त्रशाम कर्षापकवसकत्म अ १-निष्ठ व्यथात्म । व्यव व्यवस व बायतः प्रत खान नाम् व किर्दर भावमाभिक बारकान्न किकूराल्य बद्धाल व अश्वत्र वाकिरव ना । শরম পুড় শাবিষঃ ক এগ্রুপ সরল ভ জনয়স্পানী আছ এপ্যাব काक्षालक क्ष नाह व निरंधकत्त्राचायी-नाक्ष-भट्टापनि-महन-क्षा वह श्रष्टामुन केनिक इस्सार्कन। आवात श्रुनिश्वत क्ठी, क्थामात हे ज्ञानि बाता विस्तय ममुद्र कता व्हेमाटक । वित्रार्क, वाष्ट्र, भागांव कारण नाम रणमा उरक्री देशिक-🥳 ७७ व भरकः । २८ माळ ।



### হৈছৰ সংখ্যুপ मनल बांशाहे-२, पूरे हाक। **भावाया--->भ० (श्रोर्थ छुटे** हामा

মুক্তিপুৰ লাজবাৰঃ ৰাৱা আন্ত্যেক মানবের এতঃ **শক্তব্য ও, আনত্য সামায়ক কন্তব্য নিম্বাহিত ক্ট্**লাছে। बाइ बाए देकि मनावन मालवाका पान मर्श्विक प MATIN BEAUTED | CHEEK, ACHE & MIMIS AM TO ? परम्य, ममाक, बीम्फ, मक कि १ केशांवि वर्ष माक्रमारः Janua wasalca dimonocità estentino esse ca-### MEIP ## # 1884 # 1891 LER MIN MIN MIN TEST fiele a wat ate at



विक्रीय अरथरण १०० व्यामा

ক্ষমণ ভোষামী প্রভ প্রাণ গোষামী প্রভংক रिवेमक्करण इस अवस्थ कमा बासराइकम, माना वह द्वार मास्त्राह्म संस्कृत स शार्किक विकास स्ति अस्तर्भाट 

# শ্রীনবদ্বীপ পঞ্জিকা

পারমাথিক বাজিমাতেরই একান্ত প্রয়োজনীয় বিষ্ণুত্রত ও উপবাসাদির তালেক। সম্বলিত নংলার ঘরে ঘরে বিরাভিত কটক

ভিক্ষা ১০ আনা মাত্র

do जाक विकिष्ठ भागिहित्स जादक भागित इस।

মহাকবি

শ্রীস সোচনদাস ঠাকুরকুত ब्री(८०७ ग ४ अलं

ওঁ বিষ্ণুপাদ এএীমভজিনিভাত সরম্ভা গোখামা প্রভূপাদ-সম্পাদিত ভূমিকা; ল্লোকেঞ काष्य, वक्षानुवाम श्रांख श्रांतकत उ चर अत कथा माञ्च, मक्त्रृती, काम्यृती, भाज्युती, अभागशक्त, ভালিকা, পঞ্জসূচী প্রাকৃতি নিম্বত সূচী সম্বলিত । কটানন খাগেনিত এবং চউনিধেন খাছে। त्यान्छ अर्कादा धवन क्राफ्रेंब. आंग्रेटशको आकारन ষ্ঠিট গড়ের কাগ**ে ছাপা**। ভিক্ষা—২া০ টাকা

### শ্রীহরিনা মটি স্থামণি

नामान्या स्थान कविष्यायक्षाकृत्य मूल स्थान्याना ४ ह শ্রীলাম মংহারা: লাধারাস, লামাপরাপ প্রস্তৃতি বিধের, যাৰতীয় বিচাৰ প্ৰবণ করিয়াছিলেন, এচ বিষয় গুলি আভ সরল পরারে সংক্রিপ্ত আশর্মক পরিণাটিভাবে মুদ্রিত। ञ्चल कर्षिवित्नामहाकृत-तिक । स्थ भन्यत्व किका ५० বার জান ম জ

## বৈষ্ণবমঞ্চৰা সমান্ত্ৰতি

( गान्सरकोन(काषशङ्)

িষয়:-->। ভক্তিশাল্লে বাবহাত শক্ষাবতীর অর্থ, ২। कार्विभव्यापादवत देवकानगरमञ्जलकिक, अ । विकृतिकानभव्यानिक শ্ৰীমন্দির ও শ্বিতাকের বিবরণ, ৪। বৈক্ষণপ্রাস্থ ও প্রবন্ধ-मभुरद्व कार्या । विवत्न, । विवत्नित्य । भौतिक । শালীর আক্রমূলে বাবতীয় তথা। চাবেপ্ত প্রকাশিক करबारका । इस वर्ष क्र√•, रह वर्ष क्र√•, एस वर्ष क्र•, ६०० - ख H./•. Бात्रकल ज्•ेट्य क् हां •ा ( दम च छ स्त्र ह )

## প্রভিক্তিসন্দ ভ

)म चल १८ अक काका । य चल १८ है। क — শ্রীমন্ত্রসনতের ও পৌড়ারের আহক্ষণ 💵 টাকায় সুইখণ্ড প্রইবেল কেলবলাল 🕮 🖘 ব গালামীপাদের ডিএ আছে। ছ৹াছ বটুবলা∉ভর অনিক श्रीशामनी। भारता शाक्रण खनन कारण ह कथाय ७8 भूता बाकारत मूल - क्टर का

াল চারশতিঃ

#### সাবধ ম

সাংখ্যন !!

কে. াব. দান্তর চাক। শিশি আদোম তৈলা 🐣 আনি ও অকার্ম এবং উপকার্ডার স্বর্জন পারাচত ও বহু প্রশংসিত।

याभवा मनमाधावर्षक कानाकर श्रह, नामाभ তৈল খারদ করিবার সনয় শিলের গায়ে ইংরাজী भक्त (क. १८, मन এए (काष्ट्रीनी नाम (याम) .দবিয়া থারদ করি বন। নভুব: **জুয়াচোরগণ** কমদরের ক্ল:ত্রম ভৈন্স দিয়া প্রভারণ। করিবে।

# क्षित्राम क्रेडिनिन

নুডন এবং পুরাভন মালেরিরার খম हें ब्रिक के शत्रक मालाय माहबन, बाहे बाह हा का

क काराम कुर्वनिम् बाता व्यक्तिम कतिरण ककी বা চংটা চঞ্জেক্দনেই স্কলপাকার কঠিন মানেবিয়া অর স্ক কবে এবং ৬ •ইডে ১২টী •ল্লেক্সনে মাাপেরিয়ার সমস্ত केशमन वह कांद्रका स्कटन ।

 धाल्लान क्रिक वास्त्र—मृता २, होका, हेर क् होका বাহও-কেমিতাাণ তত ক্লিনিভ্যাল লাবেরটারীতে २३।३ वर सक्तीयण (लम, क्लिकाफा 1

গোড়ার-বেক্সৰ-জনতে অভিনয় এছ !! श्रित अञ्च कांकाविद्यादक वैकि-अकावना :--



**गटक** है आहे। महेत्र मः चत्रन

(तक क्ष बाह्य (bel चानकावक क्षत्र--- क्वा वक्त क्रीव বু'ক'ঙে পাবে, স্থন একমাত নিজাবত ইচভগৰানের আঁতি বিচার কোন কভোচ আনেগমটা প্রাৰ্থী টী এখং উক্সবানে নকাভঃকরণে নিক্পটে "ক প্রকারে শর্ণা**শর** эठएफ हत्, ठाठामा विषयक खानमानी खानना e बाण-(公司司司司 41日) 马田斯 对代表有名 超中门间的 医医胃门膜

thin or or old rise the.

四日中「甲草」四十一一一一一日,日日下一十四十一一一一

べくゆき ガリモヤ

बामनः क्राठार न्डन क्रमान क्र कामनात नगरकः स्टनः प्राःपुर्वाः स्थ मानित्क कमान वाजवः ४३० कार करः यहात ।यक्षे कमान कामम् ∗ार. जिल्ला दर लिका सा क्यांण क्रमान क्रकारम क्रमथण क्रमण द**्यांन वृद्ध** का भारतिक सिक्षित कर्मातिकालि अवत कि कार्य व्याप्तिक दशक क्रिमानिकारिक 1/51446 WHITEL - ARBEIT SIE DE STENDEN THE MENTE 27,84

# বিশ্ববেফ্তব রাজসভার শুদ্ধভক্তিমঠসমূহ

#### बार्टिक मा मा

#### আকর মইরাজ

अ ही। अवदी , फेंक्सर में भाष शाब सुब, समीवा

শ্রীমঙাধে:গপীস চহতে াই ৩০ গড় উত্তর-পূর্বে শ্রীবঞ্চপত্রত আচারারদ্ধ শ্রীচঞ্চ-(अथव- कारल क्रिक्रिकेश-मठ विद्याध्याः ।

এই ইলি সাক্ষত- থীর্থ, পরাবল্প শীস বা সাত্ত ভল্পতালী । ১৫ মতা নীর্বে শীত্তি-নামানুভ বাকিবলালি-বেলাজগমুত, পর্ববন্ধ র মন্তর্ক কাবা, নাটক, স্বলম্বার, কথা व्यथान-छेनिवन्-त्रेका-एक-१ काम ६७१८०३ बनाव- व समानमा धान कवाप छोल्छ-লৌবাল-গান্ধার্ক কা-গিরিধক ও সাত্তঃ সাজ্ঞাদায়ক-আচাধা-চতুঃর ভাঞাদের দুপাল্ড বিপ্রতের গতিত নিতা সেবিক চলকেছেন। এই মঠরাজে পরিমার্থক দৈনিকপঞ্জ স্বাত্ত সম্প্রদাধের আপ্রকাশেত ও রপার্টীন প্রস্তরাজি প্রচারকরে 'নদীব-পঞ্জ' ব্যালয আঠতটিত ভংগ্নাভেন প্রতিবংগর শ্রীগাম-পরিক্রমান্ত্রান ও অগ'ণ । ভক্তগ্রেটিন্ত কীর্ত্তন প্রচারমূপে মছামধ্যেশ্যেরাদি ভাকাল অভ্রান্তি ভচরা পাকে। নক্ষক -ব্রহ্মচারী প্রীপাল নয়ত্ত্তিলী। সহকাবী— শ্রীপাদ বিলোদবিতারী ব্রহ্মচারী, গাঞ্জ শ্রীপাল গোরদাস अव्यक्तिकी बाक्द्रमधीर्थ, जीलाम गीतिक अव्यक्ति लाखक जीवामनानम अञ्चलको শ্রীরক ননীগোপাল বন্দ্যোপাধার, জীহবেরাম দাস ত্রস্কারী প্রায়ণ সঞ্জনগণ।

#### (৩) যোগপীঠ গ্রীমন্দির

us जान क्रिजातार्थामाल करन वा শীমন্মৰাঞ্জুর আনিৰ্ভাব-ভূমি মৰাযোগ-नीर्छ। अधारम जीनमी जिल्ला । अधिकृ-**ब्लिश्नामह औरशोबनाश्चाशण करर औ**टें6एना 🗷 🗃 বাধাকুক্ষের নিজ্ঞা দেবা তথা 🎒পঞ্চ-कत्यव त्रवा वर्षमान । त्रक्रक---(नाक-अधायह (जायामी अधातार्थ। व्यक्त जीवमा-मार्थ। मक्यादी व्यैनिकानिक उपवानी, खैक्षामनाम खन्दात्री । खीमाधननाम न्याम-कारी, (प्रवस्था क्रीकाशकवस्र।

#### ( ৪ ) এ)বাস-অঙ্গন

श्रीभग्राशकास्त्र कीर्सन-विद्यान वा विमोद्रमीमात्र बामक्ती । खगात्न विविधात्रन-निकासम्ब ७ भक्षात्वत (भवा वर्डमान। .क्ष ---- श्रीवाशाश्राम अष्मताती, श्रीषमृष्ठ 📭, औत्त्राकृतमात्र वादाकी :

#### (৫) অধৈত-ভবন

बारे शास श्रीभदेश्व शक्त भवन बादर दमदा दछमान ।

#### (७) काष्ट्रात्र जन।शि भः हे

আচীন মাধাপুর, বামনপুকুর (নদীয়া) 🕮 लोक्ष्मणालाळ जीहासका श्रीद प्रमाधि। क्षणक --- अक्षारी सावस्मापावकाती।

#### ( 4 ) 역(의해 **열**역보-증상

**अत्याक्ष्यः यक्षण्यकः ( मर्गोतः )** অধ্যনে তার্কুপাদ ।ল ভাক্তবিনাদ্যাকুরের अवारि भवर औ(आक्रमानक खबर अधिकाया-माध्येव . भवा वश्चमान

त्रक्रक- - व्यक्तिक का का का स्वाहाती 100 10 ( TEN) - 10 . 11 . 41

#### (৮) শ্রীক্ষারাথ গৌরীয় মঠ মতম শালিং চা

গ্ৰহ্ম ক--- শ্ৰীৰতবর ভবিলাপ্তা এম. এ वि, धन, मन्माती--- अडिडनमाम छक्ति-भावी. व्येष्टिकक्रम भाषकाती व्यक्ति।

#### (>) औरगोत्र-गमासव-मर्ठ

টাপাৰাটী, সমুদ্ৰগড়, (বস্কুমান) ত্রীশ বাণীনাথের প্রক্রিটিত গৌরগদাধন-সেগা। রক্ত— 🕮 ভিকিবিজ্ঞান আপ্রম।

#### (১০) শ্রীরূপগোড়ীয়-মঠ

मातागक, क्षत्रांग केंद्रे, लि वक्त क-- श्रीविवाम अक्राती, श्रीकृत्माथव ব্ৰদ্ধচানী।

#### ( ১১ ) औटमामकाबा—

माञ्जाहि, कार्यात, बहुमान। 🗃 ব্যাসাব ভার ঠাকুত বুন্দাবনের স্থান। क्रणक--- चैकिविश्वोते ब्रष्टनाती । (১২) ভাগবভ আসন

🕮 শাগবন্ত প্রোণ, রুক্ষনগর, নদীরা। काणन - किषा श्रा श्रा शता अठाव- (कार्य) রক্তক----শ্রীমহানক ব্রশ্বচারী।

# ( ५७ ) बीजनामन मर्ड

(हानवाड़ी, शाक्षाड़ी, क्रथनवाब, नशीवा । ৰক্ত-শ্ৰী থড়গালন ব্ৰশ্বচাৰী।

#### ( >४ ) श्रेमाश्व ८गोकांत्र मर्डः

Seat -4:444 .015, 51411 भूषवर्षक शानाव , म्य, ध्वारन खोखन-(भोवाक भाक्षका-भिक्रिमद्वव द्वारा वक्षमान । प्रकर---- विवाधावश्वक समयागी।

#### ( ১৫ ) अध्याभाषणी वर्ड क्ष्मगानुब, हाका ।

গোপাগলীৰ আাৰ্জকের প্রাচীন দেবা 

## बाटगोडो अ यह

১७ वर काणिलामाम ठाक्रमची हैति, त्याः नामनालाव, काणकाना . उठेशिक्शन नि. नि. ४५५६

শ্ৰীমরাকা এড়র প্রচায়িত স্থানন্দ্রণ ক্ষিত্তন-প্রচায়েকেশে প্রাভ্তমেশের গঞ্জারাক नगरी कविकाकाश क्रिक्तिनत्नाम सामदन क्रिका शाहिका । 🗯 व्यक्त भक्षा ारम में क्रक्र-रभीवाक-चौविरनामानक क्रीडे मलाईएम निका स्मविक क्या। स्त्रीकीह আচার্যাপরের বাপতীর প্রস্থাপনীত প্রপ্রচারোজেশে শীমুরে দংলপ্র একটা প্রকৃত ক্ষম্র-বক্তাশ্য সংখ্যাতি কট্ডাছেন। পুলিবীয় সকলে 🕮গৌননাম প্রচালার এট স্থালয় व्हेट 'र्जीकीय' माखाविक भवा, क्रि मनुम्रसिष्टे मार्ग के शक्तिका हेरहासी स्वापात নিধমিকভাবে প্রকাশত ক্রতেভেন। শ্রীমতে পাঠ, গ্রীস্তন, সংগ্রন্থান-চজুইর-বেছায়, चैंभद्धारानक, चौरेठ क्ल-प्रतिकाम् नामि-लोगा प्रत्यक्षत्रास्य न्याक बारमाप्रमा থাকে। মঠরক্ষক--আচার্যাত্রিক প্রীপাদ কুর্মানহারী বিদ্যান্ত্রণ। সহভারী---প্রতিভ শ্রীপান অন্তর্গান্তরের পরবিভান্তরে বি-এ, শ্রীপার প্রস্থানক পরবিভাবিনার বি-এ, खोलाम तामावनाती अक्षाति, श्रीलाम क्याउकावन मामाधिकाती वि-क. श्रीनाम ক্ষুগোলাক সাসাদিকারী, এন্ধচারী জীকীন্তনানক, এন্ধচারী জীল্যারীয়োকন, এন্ধচারী প্রীকৃষ্ণানন ৬ জিলাজী, এক্ষ্ণারী প্রীদেবকীনক্ষম, পরিত প্রাণা নবীনকৃষ্ণ পরতিখালকার শক্তিশাসী প্রাকৃতি।

#### (১४) जीगमारे-८गोबाम वर्ठ व्विक्ति श्रमधिनी मुखा, वानिवादी, हाका ट्यीगनाव-(भोतात्मव निष्ठा दनवा

बक्तम-जीशुर्व श्रक बक्का हो।

#### (১৭) औछागवडसमामन मर्ड

किक्रनिया, वाख्रस्वश्रद्ध, स्वस्थितेश्व। धारात ने कन-(श्रीकान-शाक्तिका-গিরিধারীর নিভাবেধা বক্তমান। রক্ষক---जनवामी खोळशवानमामन्त्री। जन्नहात्री भद्रायस

## (১৮) আমলাবোড়া অপদ্বাশ্রম

त्रायचीम त्याः वर्षमान । निष्ठारमना। अक्क--अक्कानी और्वा-किटमात्र।

#### (১৯) जीश्रक्तरवास्त्र मर्छ

খৰ্গছাৰ, পুৰী, উভিক্লা। -0थात्म ह्यानोय-विस्माप्यापवकीय विका-্সবাব্রমান। রক্ষক — ব্রহ্মচারী শ্রীপ্রমান नक विषाःतपू, अभवादी श्रीनकीशानक।

#### (२•) खैलक-८गोड़ी व वर्ठ

ष्यागनव्यभाष, अव्यक्तिविद्य (भाः, भूदी । बन्धां भारत्वत्र बनवृत्रतः त्रमातः श्रीमणका भवकान । यक्तक-विकाशि अभिन्तरभवती वालाखी। महकादो---उष्मावी औरविनविनाती ।

#### (१) क्रैजिक्शिवक वर्ड

Biggfrimis, mba : এখানে डी क्य--,शाबाक-विद्याष्ट्रप्रव-चीत्र निकारमण न्यापान । उपहारी जीभगास्य ।

#### (२२) अभनाषन-८शोषात्र वर्ष

· अनः सशकाननभूता, भाना । (शो व- भनाकभूछ अभारत्न- चिकाञ्चन : এখানে গোরদেবা বভ্যান। বুক্তক---जीवानकीनावकी ।

#### (२७) जैक्कटेह्हक वर्ड

जीनांगरव्याम कृता. जीमाम बुन्यास्त । व्य व्यक्तिशान्त्रण-द्याक्त्रणोत्र द्यारा রক্ত — শ্রীগণণতিনাথ বন্ধচারী

#### (२८) 👼 श्रेष्ट्रभव्य मर्ग्य देनियवाद्याः, मीळाल्य

क्षारम छैछाशवछ नाक्ष्मामा 👁 **ब्री**टगोर-विदनाम विद्यानकीक दनवा वस्त्रयात्र । खी खन्दर्गाताम-खैनाक्षिका गित्रिधातीत वक्रम-बक्रामी खैन्निरशासम् व अक्षाती बीनन्द्रभाग ।

#### (२०) औदेहजनुदर्शकीय वर्ष

पृष्कुणा, वित्रकृषाः यामकृषः हेश खोटे क स-मर्छत नाया। क्**कं क---स्तो**तमा-माथ बाब, खैरकनणानम् अवहाशी। खीवार कीवं दर्भवस्ति।

#### (२७) वीगामश्रीक वर्ड

कुक्राक्षक, बारमध्य, क्रमाम । अवादम औरशोबनिस्मान-बारमक स्मता क्षमान । प्रकर---- अमाठाओं जीसम्बन्धी ।

# (२०) खासनगाए। व्यनज्ञाक्षत्र-सर्वे

वाकाणाचा, (णाः भाष्ट्, शावषा जगादन वक जुक्तमृष्टि जोटभागात्मन दम्बा বস্তমান। বক্ষক—ক্ষমাসী প্রা**ন্ত্র**ক माम, औरायाक्रमण अध्याती।

#### (२৮) विज्ञा दगाकीय वठ-व्यवहानव

Dr (क्य क्षांबात, निक्के मिल्ली ) युक्तक अक्षताती आधानकात्रामक. **बच्छा हो को व**।यः वसन् हत्रनम्बन । हो । (२३) दगामानगाका जनमाना

व्याप --- अक्टादी खी वानादमांक्य

# চৈতশুমঠের শুদ্ধভক্তি গ্রন্থমালা

বলাক্ষরে প্রকাশিত	শ্রীল প্রভূপাদের বন্ধৃতাবলী	
প্রসাধ্য বিদ্যালয় বিশ্ব	(ক) প্ৰথম ৭৩০ - ৮০	
	( ধ ) বিভীর ধণ্ড ১১	
্র (পশ্ম ক্ষম ) ১২১	( গ ) ভূই খণ্ড একটো 🏻 🕍	•
कामाबह-तर ओक्टिक्किन विकास	৩৬। নবৰীপ পঞ্জিকা	(
(_इस मरकवर )	(৪৪৪ গোগাৰ)	١
শ্রীচন্দ্র জ্ঞানাগবন্দ	৩৭। সিদ্ধান্তদপ্র	• , .
(বিশ্লিড ডিড) সংখ্রণ)	०৮। दील-ामग् सनम	'•   f
ग्रीडा (जीवनासव-जिका-नव) २	৩৯। <b>অভিন্যত্নাক</b> র	
क्षेष्ठा ( क्षेष्ठक्रवृष्टि-क्षेक्षा-अर् ) २५	(ন্ব্ৰীপ প্রিক্রমা) 🕡	•
रेक्स वस <b>न्द्र</b>	৪০। গীভমালা 🖊 🗸	•
বাভাষাপ্তকা কণ্মৌরভঃ সাম্প্রার	৪৯। কল্যাপকল্পজক (পঞ্চম সংখ্যুপ) /১	•
( <b>પ્રા</b> ধ્ <b>ર</b> )	৪২। নবৰাগশভক	1
গোড়ার-কগুকার	৪০। স্থাচারস্থান্ত:	· o
গ্রীচৈত্র শিক্ষায়ত (বাধা) ২	88   भाषसम्ब	/s
हिटल नामधील अ	8¢। दक्षमर्काक्षका	<b>/•</b>
300 996 14 9 H	८७। मञ्जगाशांक	<b>/ •</b>
শ্ৰীলবদীপ শভক্ষ (বাধা) ১	६१ । नी छ। १गो	<b>/•</b>
🗃 भक्त 🗗 🗗 🗗 🗗 🗎	४৮। त्याकोधमङ कि करवस ?	•
क्व (कादीमा)	४२। गाःचानां	/•
देशक्षत्रभ्या-त्रभाजां ७	C • া অধ্যক্ষক	/ o
, প্রথম চারিবঞ্চ) ১.	শ্ৰীভ কিনিদ্ধ স্বৰণী	<b>/•</b>
শ্রী হারনামাচ আমাণ দ	५२। अस्त्र-१३० १३	<b>.</b> 0
নবছীপ্ৰাম-এপ্নালা ৬০	দেবনাগরাক্ষরে প্রকাশি	ぎ
CALLARCADING: N	৫২। শিশ্ব শু-সরস্বতী-সেখিজয়:	<b>#</b> •
(প্রমাধ্বক (জ্জীয় সংখ্যা ) দ	<b>৫৩। ষ্টাক শেকলেশমূলম্</b>	10
##4455	< । ७ <b>५-</b> २७म्	Į•
केलाव (क्वन भाष्य-भाषा ॥•	<ul><li>६६। माजाः भवनंत्रम्</li></ul>	٠ ار
রোখামী রঘুনাথ দাস (বাধা) ॥•	৫৬। সাথুবাদ শিক্ষাইকম্	·/•
त्राधककश्चिमाणा ( वैश्वी ) ॥०	৫৭। গৌড়ীয় নমুঞ্চ প্রিচয়ঃ	/•
শ্ৰী হৰি ভবি কল্পতিকা সামুবাৰ ॥•	ইংস্কো ভাষায় প্রকাশি	5
বেলাজ গুলুবার সাস্থ্যাল	<b>૯</b> ৮   નોંગ્ <u>ઝ</u> જાનું	10
(রামাকুক্রীয়) ॥•	< । गाईक् शा ७ जिल्लिम् चन्	
এক্সাংহিতী	ह्यारिक अञ्चल स्वर स्वर ह	1•
গোড়ীর-গোর্য lo'•	७०। (वसःवीक्षम्	1•
CHIMIN-HILL ON	৬১। দি ভাগ⊄ত	j•
সাধনপথ (তর সংবরণ)	৬২। ইরে।টিকৃ প্রিশিণ্ণ রা।ও	
মণিমস্ববী সাত্তবাদ	<b>আনেশরেভ</b> ্ডিভোগন	
ত অনুমুক্তাবলী বা মারাবাদশভদ্বণী।।	७०। दशसाहेदशोक्षेत्रमञ्ज्ञाहर	1.
। উপোপনিষৎ ( বলদেব ও মাধ্ব ভাষা এবং বিবৃতি ও অফুবাদ সহ)।	উড়িয়া অক্সরে প্রকাশি	ণত
	५८ । अश्विनान । ५७ मान	<b>#</b> •
1 California de la Cara	· 96   本河汀門 本電管器	<b>1</b> 1 •
·	MIL STRE THE	1•
ृ क्षिण्ड्यस्मातः र १ के कामानमञ्	, ७१। त्रीकारणी	د'ر
ন্ন ব্দীপণাম-মাহাপা	७৮। बद्रगार्थाछ	٠,
	41	

প্রাভিছান :-এটেডছম্ম, পো: শ্রীনারাপুর, নদীয়া।

স্বৰ্ণসুকোগ। স্বৰ্ণসুকোগ।। স্বৰ্ণসুকোগ।। গ্ৰন্থাকারে খণ্ডে থাকে প্রকাশিত

# শ্রীল প্রভূপাদের রক্ত, তাবলী

ওঁ বিষ্ণুপাদ প্রীক্রীমন্ত জিলাজনর মতী গোষালী মহারাজের সেই তানিদ্যা-বিধাং দিনী জীবাত্মস্বনপোদ্যোধিনী রুফ্-কাফ নিজ-দারিনী জীবস্ত-বাণীর মূর্ত্ত-বিগ্রহ—বৈক্ষণসিদ্ধান্ত-মত্রনালার কেন্ত্রিভ্রমণি —সেবাকুস্থমগুড়েরর রুফ্ত কর্ণ-বিভূষণ কদম্বর প্রমান্তর সমন্ত্রাদায় বৈভব-বিজ্ঞানাগারের মৌলিক তথা—পঞ্চরাত্র ও ভাগবড়ের সমন্তর্গুক্ত মহাজন-জীবন চরিত-শিক্ষক—চিন্বিলাস-চিন্মাত্রাচিন্মাত্র-বিচারক—এব্র্যা ও মাধ্যারসের মৌলিক গবেষণাগার—সম্বন্ধ, অভিপেন্ন ও প্রায়োজন-তত্ত্বর সিন্ধান্ত-সমুদ্র।

১। প্রথমখন্ত নৈদ্যবদর্শন, প্রীগুরুত্ব, কালদর্ম, শ্রীমধানির্ভাব, জ্রীনার্মভাননী, পাঞ্চলাত্রিকী দীক্ষা ও বর্ণ-বিচার, আসুংক্ম ও মনোধর্ম, শ্রীচৈত্যদেব ও তাঁহার শিক্ষা, অপ্রাক্ত সহজ্ঞধর্ম ও প্রাক্ত সহজ্ঞ-ধর্ম, শ্রীপাদ ঈশ্বরপুরী, শ্রীল রসিকানন্দ-প্রসন্ত, পুষ্টিমার্গ প্রভৃতি বিংশতি সংখ্যক রয়ে স্তাশেভিত। ভিক্ষা মাত্র দিও বার খানা।

২। ত্রিতীয় খণ্ড-শুদ্ধা ও বিদ্ধা ভক্তি,মনুষ্টের শ্রেষ্ঠিতা কোথায়,
আদ্ধার নিতাবৃত্তি, শ্রীধর স্বামিপাদ ও মায়াবাদ, শ্রীগোর-নিত্যান্দপ্রসঙ্গ, বিযুগের ধর্ম ও কৃষ্ণ নিত্তন, শ্রীগাসপূদায় শ্রীমন্তাগবতের কীর্ত্তন,
শ্রীগোরধামের মহিনা, মহাপ্রসাদ, শ্রীগোরিণদ, শ্রীগ্রপানুগভক্তন-পথ,
শ্রীমতী ব্যভার্ত্তনিনী, শ্রীচৈত্তের দয়া, গৌরকরণা ও কৃষ্ণ শ্রীতিন
চত্তুদ্ধিশ অপূব্ব-মধুরিমাপূর্ণ-বক্তৃতা-বিভূবিত। ভিক্ষা ১, এক টাকা মাত্র।
প্রথম ও বিতীয়—কৃই খণ্ড একত্রে লইলে ভিক্ষা ১॥০ দেড় ট কা,
ভাক ধরচ সভন্ত।

প্রাপ্তিস্থান: – গ্রন্থবিভাগ—শ্রীটেডেন্সমঠ, পোঃ জ্রীমাহাপুর, নদীয়া।

আগামী ৩রাঁ এপ্রিল ( ১৯৩১ ) তারিখ হইতে

# ভীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

# খোলা হইতেছে

বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা বাহে সুন্দর বাসন্থানের বন্দোবস্ত হইরাছে। প্রত্যেক ছাত্রের খোরাকী বাবদ মাত্র ছর টাকা মাসিক ব্যয় হইবে। দান অতীব দাদ্যকর। ছাত্রগণ অভিভাবদের পত্রসহ স্থর নিম্নলিখিত ঠিকানার আবেদন করুল। সেত্রেভারী, ভাকুর ভক্তিবিনোদ ইন্টিভিউট্ শ্রিচেইযুন্ধ, গোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীরা।

# ৫০ বংসরের পরীক্ষিত করেকটা মহোবধ—

বাবহারকারীরা গুণে মুগ্ধ চইয়া যে সমস্ত গুলংসা গতালান করিছাছেন, ভাষা শুশ করিলে বড় বড়ু পুস্তক চইয়া পড়েব পাশানিও ব্যবহার করিয়া দহা চটন।

- )। চক্রপ্রান্ত বর্তীকা—ন্থার নামটাও বেমন কালও সেই বক্ষ। ইথা নুম্ম ও পুরাত্তন মেত, সূত্রেত্ত, অপ গ্রেন্ডতি এবং প্রীলোকদিশের স্থাতিকা ব্যালাম, স্বেক্ত এবং রক্ত প্রদর্গ প্রতিক্র বালে আন্ত কপ্রাদ।
- ২। তুহাপ্তিসহাত্ম বিটকা-মাদৰস্ভবাবিশীন অভুগ্ৰক্ত নিজাবিধায়ক ঔষণ। বে কোন বৈতিক ও মানসিক শীড়াবশতঃ অনিজারোগে এই ঔষণ গ্রহণে গাঢ় নিজা হলবে।
- ত। মঙুর বটিকা---ইঙা সেবনে প্লীতা ও ওদহুসন্ধিক নেবা ও শতীর পাতুর হটরা বাওয়া ইন্ডাদি নিদ্রিত চইয়া রক্ষ পরিষ্ঠার ও বৃদ্ধি প্রাপ্ত হয়।

**উक्क किन व्यक्तिय व्य**क्तिक खेरानत मूला व्यक्ति क्लेगा २८ गिका।

ব্যাপ্তিয়ান :—আতচ্চনিপ্ৰাহ উৰ্ম্পালয় ২১৪নং বছবাদাৰ খ্লীট, কণিকাডা।

#### बीनवर्षी नियान मारा था विकार ए

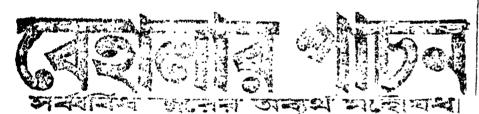
আটেচভর মহাত্মভূর বিহার ও নালাড়াম নরট হাল-স্থারত। এই নর হালের আটেন বিষরণ---রভ্যেক হালে জ্বীলে ক্ষালাজ্য লালা---ত্মডোক হালের পারচয়, জ্বীবাম- নাহাস্থ্য---বামাপ্রাধ কি ? ইডার্যার বিষয় বিশেষভাবে মনোহর চলে বাব্দ। প্রেট স্বাইজ ত্মার ২৬০ পুরা।

### নবৰীপ ভাৰতবল ভিল।

উচ্চল ব্যোক্তর কালাতে উত্তয় কাগতে চাপা-- শ্রীনর শিলাম নশনে ভাষ্ক ক্ষানকারীর কি কাকার ভাবের উচ্চাস হয়, ভাচা আহু একে এণ্ড। আভ চমবকার।

সাধিক ঠমণি——শ্রীবৈঞ্বনন্দনা, শ্রীধাটপত্তন, শ্রীক্ষের অংগ্রন্তর লভনাম ও শ্রীণ নরোত্তম সাকুরের ক্রণ্ডনিংস্ট হ্রনিদ্ধান্তসমূত প্রাথনা, প্রেমখিল-চিক্রিকা প্রাকৃতির স্থানিত গীভাবনী স্থাকারে প্রেট সাইকে মুদ্রিত ২৪ সংশ্বরণ ভিক্ষা। তারি আন যাত্র।

# কবিরাজ শশিভূষণ কবিক্ঠাভরণের



মকংখণের স্থাবগার জন্ম ও আঃ শিশিজে ঘণীভূত অবস্থার ভোটবোদ্লের সমপরিমাণ শুবিধ ভাকে পাঠান হয়, ইহাতে উষণের কোন পরিনর্জন ক্ষণা হয় নাই। স্থা প্রতি শিশি॥• আনা, প্রিটালি আনা, বোচল ১০০ আনা।

অফিস–১১নং উল্লাডাঙ্গা রোড, পোঃ শ্যামনাজার, কলিকাতা

# মদন মঞ্জরী

বৃত্তিভায় করা ও বাড়ুবিভার, ইল্লিরসভির স্থান, এক্ষাবে জনসাভ, ব্যবস্থার, মাধাবোরা, বুক বড়-কয়ানি, অনিয়া প্রভৃতি লক্ষণ সভার নির্কাশ আয়োস্য হয়। বল, বীর্য্য, বেখা বৃদ্ধি করিছে অভিনীয় ইবিক। মূল্য ৫০ বলী ১, এক টাকা।

শনপুহ সকাদ্ধান্তি হাত"
গুৰুষহানি হোগে বাজধানে বালা আনোগা
কৰিয়া শালসভান কৰে। দুলা ২ কোলা ২ টাফা।
শেক্তমাঞ্জনিক্যা সিন্দী বাতি কা"
নাগানের কবল সন্ধোনপতি হানী ও বাল কৰিছে
অন্ধান্তবা নুলা ২০ বটা ২, এক টাকা।
আনুট্রেড নাক্তা নুলা প্রতিট্যা, কেম্পন্তত্তি।
ক্রমণ্ডার হারিসন ব্যাদ্ধ, কলিকাতা।

\*\*

## शरेष्डामिन

বা

## কোষরদ্ধি রোগ

ডাঃ এস্, এন্, ঘোষ বিনা অন্তে, বাৰজীননের গ্যারান্টি দিয়া বৈঞাতিক প্রশানীতে কোবস্থি গোগ আরোগা ক্রিয়া থাকেন।

> ঠিকানা---৯৮ নং কটন খ্রীট, বছবালার, কালকান্তা।

## । পুৰায়ত

শিতপুৰের অবার্থ মহোষধঃ ১ মাজার উপশন, মস্তাতে আংলোয়ঃ। ছোট ই ৮০ বার আনা, বড় ১০ আনাঃ মাওল পুণক।

## ২। শুক্রাচার্য্য সঞ্জীবনী পোষ্টাই

আমেচ্ছ ক্ষেত্ৰ অক্ষাত মটোষ্ধ। মুশা ১ ডিবা ১:• **আনা। স্থিত** পুণ্ক

৩। সম্যাসী-প্রদত্ত অর্শুরোলের অব্যর্থ আংটা

8। কোন্ত-বান্ধব পীল

भागीन, (पार्केशना, (अवेदाननात मदशेयन। किना ॥- आमा। मास्त्र पुणक्।

# ৫। বাতল'ন

বাভরোগের মহোপকারী ও সপ্তাতে আরোগ।। প্রাক্তি শিশি॥» আনা । মাক্তা পুণক্ ঃ

রবার-ফ্যাম্প প্রস্ততকারক । সদর ক্যাটালগের বার পত লিখা।
প্রাপ্তিভাল—মনোমোহন লেংরেটরী

(भाः छेशाती, कमनाभुत, धाका,

# মনোমোহন প্রেম

পূর্ব-বাজালায় স্থলতে সকলপ্রকার ছাপার জন্ম বিশ্বাড বৈদ্যতিক দেশিলে দিবা-াতে কাজ চলিতেছে বিশ্বত জানিতে হইলে নিম্ন টিকালায় পত্র লিখুন ম্যানেজার—মনোমোহন প্রেস,

क्रान्य नसांचपुत्र, हाका।

## মরা মাতুৰ বাঁচাইবার উপায়

যদিও অভাপি পারুত মনা মন্ত্র্য বাল্ডেবার কোন উবদ আনিক্ষত হয় লাই সংগ, জ্বাপি যাল্ডা মানাবিধ অনিধানত উপারে অপ্রিনিত শক্তি নই কবিয়া জাত্ত্বে মরা চহয়া রাহ্যাতেন এবং নানা প্রকার মেন, প্রমেন গাড়ুপাইকলা, আয়ুরিক গ্রহণানা, বন্ধুইই, হার্যান-সংক্রাপ্ত পীড়া, অশ লবং স্তীলোকদিলার মধ্যে যালা বাদ্ধ, বন্ধা, মৃতবংসা, ক্ষেত্রা, খেড ও মঞ্চপ্রদেশ, কিছিরিয়া প্রভিত্তি বোগে ভূগি । জীবনে নিরাল ইয়াড়েন, তালারা আমোরকার মুপ্রাণন্ধ ডান্ডার পেটাল সাতেবের আবিষ্ণুত্ত ইলোকি ক সলিউসন্ বাব্হার করিয়া বাচিতে পারেন, ভালার শত সক্র প্রমাণ প্রাত বংসরেই পার্যা আব্রান্য ভল্লে পারেন নাই, ভালায়া একবার এই প্রথমি বাব্যার করিয়া দেখন। এক মাসের ব্যাক্তাপ্রাত্ত্রাপ্রান্ত্রিক শিশি প্রথম ভাক্ষান্তর্গ সভাক সক্র হাকা মাজ।

দোষা এতেন্ট—
ডাঃ ডি. ডি, ছাজারা।
ফডেপুন, গাডেননিচ পোট, কলিকাজা
দিশানা স্পষ্ট কলিয়া লিখিনেন



Gifn-

বিজ্ঞানিক হার প্রাক্তনাত্ত প্রাক্ত ভাক্ত প্রাক্ত ভাক্ত প্রাক্তনাত্ত ভাক্তি ভালা হা ভাক্তিক ভার



গাভাষোর হার
অক্সিম নের। বিষয়িক ৯, বিষয়িক ৯,
বিষয়িক হ'দ
বিষয়িক হ'দ
বিষয়িক ১,
বিষয়েক ১,
বিষয়িক ১,
বিষয়িক ১,
বিষয়িক ১,
বিষয়িক ১,
বিষয়িক ১,
বিষয়েক ১,
বিষয়িক ১,
বিষয়

古古(での 支食内) (中国中-佐田村-土田山) (安国) (安国) (中国) (東西山田)

৬৯ খণ্ড ] সম্পাদক—গ্রীষ্ঠীক্রমাথ বল্যোপাগ্যায়, বেদান্তবাচস্পতি

िश्वम मरशा

**এটেভবামট আধাম মারাব্র—১৯ ে তিত্র হা**ংপতিনার ১০০৭, ২রা এপ্রিস, ১৯০১

# নানা কথা

ं यस्ट्रवारमञ्जू कृष्ठीय निदमस

অনিপ্রেশন
ক্ষতিংশ মার্ট গ্রাথ কংগ্রেষ ভূতীর
ক্ষিনের অনিবেশন আন্তে কর। দর্শন ও
আলিনাবগংশন উপস্থিতি পূর্ব চুই বিনের
ক্ষিত্র অনি ভালে। প্রেপ্তে স্থাতি
মহালেশ গ্রেণা করেন যে, প্রেরেজন
কর্ম অধিক বংলি প্রতি আন্তেই আন্বেশন সমায়
ক্ষিত্র করি করি সভা সন্ত করা হয়।
স্পর্কার করি সভা সন্ত করা হয়।
ক্ষিত্র করি শ্রেষ সভা স্থাতি
ক্ষিত্র করি সভা স্থাতি স্থাতি মন্ত্রী
ক্ষিত্র করি বিলি বিতর্ক

द्वारक्षित ग्रद्धा श्री का विष्णातिन क्रिक्ट स्टार्क्ष जन्म हिल्ला का क्षिण वा क्षा के का किरावण्य (क्षाणी) देशकी भूतिर्विद्या क्षा क्षा क्षा क्षा का (कार्क क्षा क्षा कार्या का क्षा का कार्क्षा का कार्या का कार्या का क्षा का

# শীমায়াপুরে হাই ল কংগ্রেদের তৃতীয় দিনের অধিবেশন

# কোর্টে পটকা বিস্ফোরণ

গান্ধীর চুক্তিতে বিলাতি মহলে আশক।

# কুকুর বধে মানুষ গুলী

নিমন্ত্রণ প্রত্র , শুগ্রীমারাপুরচন্ত্রে বিধ্যমেতভাষ্

> শ্রীধাম-মান্নপুর, নদীন ১৬ই হৈল, ১০০৭

विधिष्ठ-मधानभूतरमत निर्वणनस्यष्ठ९---

মহার্পা, শ্রীগাম গাগাপুরে 'ঠাকুর ভক্তিবিলাদ ইন্টিডিউট্' নাচ এবটি উচ্চ ইংরেছা বিছাগয় আগামী ২০শে হৈত্র, তরা এপ্রিল, ১৯৩১, ক্রন্থান দিবস অপরায় ৪ ছিচনার সময় জনসাধারনের উহিক ও পারগােকিক মধান বিধানের ভব্ত পারনাহিংসা আলা শ্রীশ্রীকান্ ছিল্ডিকিলান্ত লালভা বিধানের ভব্ত পারনাহিংসা আলা শ্রীশ্রীকান্ ছিল্ডিকিলান্ত লালভা দেশে গ্রাকান ব্যাকান করিব আলাদিলকে উৎসাহিত ও বাবিত ক্রিবেনা বিভিন্ন

#### শিনীত নিবেদক-

- ১। শ্রীনিশিক্ষান্ত সাম্ভাসি ( এম্-এ, খান্যাপক স্নাচ্ছেস কলেছ ।।
- २। टेशिकी सम्मादन स्थाव ( अभ्-अ, वि-अग्, स्ववा : क स्थानमहमादन सम्बद्धाः । स्थापक देवस्य स्थिति ।
- ত। শ্রীনরেশচন্দ্র দাস (বি, এফি, বি টি, শিক্ষক, ধুবড়ি)।
- ৪। শ্রীহরিপদ বিভারত্ব (এম্-এ, বি-এল্, ক্তিপ্র উচ্চ ইংগ্রেজি বিভারতার তৃতপুর প্রধান শিক্ষক)।
- ে। , এবিখেইর দার্গ (বি-এ, প্রধানশিক্তা, ইত্রাগড় উজ ইংগ্রেছি বিভাগর)।
- 🕒। প্রিনদ্রশাল রান (বি-এ, কারা ইবি, বিভাগনির, উমস্ক )।
- 📲 শ্রীহ্মিশদ মঙল (বি-এম্-সি, অধ্যাপক আমন্দনোহন কলেঞ্জ, নৈমনসিং)।

#### क्रूत बद्ध गांक्य

भवनभूरवद उज्लु कियानमंत्र विशेषान, रमनापणि जकता कृष्णा कियान कियान क्ष्मित कियान क्ष्मित कियान क्ष्मित कियान क्ष्मित कियान क्ष्मित कियान क्ष्मित क्

## वाजय विव नलाई द्यानंत्यान

#### र्वे. तृष्ट्राञ्च कश्चन्यक व्यादकांत्रकं

वीकृष्णि द्य असाम अंति केते वेक जोरकार्यन स्था वेकेत्र विश्व केतेत्व आरम्प्रदेन स्थान कृषको शेषिक केतेत्व विता वीक्की स्थान क्रास्क्री वृश्कि कानक्षिएको । ১৮৭৯ জালের নের্স ক্রিজালের চা দল দর। করাটা কংলেদে দ্বিদ্ধ গুলীত বিভিত্ত কংলেদ আনিং ক্রিটার ১৪ মন বিজ্ঞান ক্রেক্টা ৯০ জন আধিবলৈ। व्यक्तित ५० (७) भारा चामूनादत्र পাওনালার গণের প্রতি

#### নোছীশ

त्यर्थक वर्षभाग मगग्र शर्माच मश्माधिक ১৮१३ माम्बद (ब्ह्रज् काफ्रे**णिरणक** क आहेन इक:है-अ-- धराईम् क क्रेस १ ह थर याचा अष्ट्रशास्त्र (कार्ड-अव-अवार्डम् महीरा कुकानमेंत्र निवामी डीयुक रहांव-न्योबायन ८६५ शांकियां व अल्लांक रकाय क्षांगाकाव आध्य कतिराष्ट्रंग, क्षात्रध्य व्यष्ट्रभाष् > ( তে ) শারার শিখানমত উক্ত প্রীয়ক अम्बिनक्षित्र क्षेत्र क्षेत्र क्षित्र क्षेत्र काक मन्निव्य मग्य ना द्यापादगनाय कावश्रक कता यात (व डांश्रीता डांश्रीतंत्र) ममञ्जातीत विविध वर्गना कहे स्वितिम ब्दाठारप्रत फारिक कडेटफ क ( छव ) मारमक घट्टा नवीमा कार्यक्रित मार्ट्यम निकत खाश्व कुकानश्व कार्यक्रेये व्यक्तिश ्षाचिम कशिराम १

क क्षांक ना सम्मान वर्ग का वर् क्राफर्क क्या याच व्य छाहासक विश्वित भारी मक्त कहें क्वांनित असूयाती शायित का इंडेट्स, फीटार्ट्स शासनात स्ट्रार्ड कार्ति शिक्क बहेरच ।

백!: 중, 내가, 생각 for बाद केंद्र, नवीश 御物の可質 २७:न मार्क ३३०३।

#### वाकी-চুकिट्ड विलाडि भश्रत WINE!

कृतिम मध्यायमध्यात कातिक व्याधि-िबित मरबाध्य काकाम त्य, नरदकारमव **कार्यमध्यक काल कराख्य मध्य कोष्य** विदेशम ७ में भविष्यंन क्षेत्रांक । केश्व क्याक्त अहंश वह चारम्थना €िष्ट्रह ।

'টাইম্স' পত্তের বিশেষ সংযাদদ্যানা काश्ची कविशास्त्रम--- 'मुक्स विधामायामा भाकि है विकारणध्य शासीएक समार्थन क्रिट्टाइम । भिः यु भाष्ठक श्र्य । शक्छ wegntenn bieifes fecete biei अक्षा व्यथान दणकाह महाद्वाद पिटक'' किनि भारत वरणम,--- "मूध्यमान मरणत सिक्षे व्हटक आतंत्र द्विम विद्राम আফিবে। মিঃ বস্তুর মত তুই এ•জন द्वारा महाश्रीत दम्बा अपीकां अपिट क्षक आरक्त। क्तिर क्यावासंत न्यात्र क्षितितः क्षामितात शत स्टेट्छ छ। ना ह्यान्यान्य व्यक्तिका कर्ते अवकासम् Bent ghaire i', alteiten midaten

হত্ত লা — ৩০ আৰুত্বা বেশ দৃত্ হট্যাতে 🔒 সঞ্জ বেশবাধীল কাতে এক ইস্তান্তির জাতক্ষের লভিত নতিয়ু---ইংলাগুর লভিত यनि অল্লেনংখাক ভোকত দঢ়ভাবে ইংলি পেশ কাংলাকেনতাহাতে ধনিছাতেন যে, স্কার্ক বিভিন্ন করিছে চাঙে, এফুডার नित्याम करन. जानारक केद्रशाब निरमध कारन कारक।

মত্তনের ভারতীয় মহলে দিঃ ভভাষ थण्डाक मिश्र शास्त्रीत निकास में एंडिनाव च्छ मधर्मन कत्रा क्हेरल्टच--यांश्रात নিঃ গান্ধী ভবিষতে চুক্তি কৰিলে সমলে अविष्ठ बार्कन।

िवार्शन भरत प्रमाप्तित प्रश्न क्ष नकात कांदरैनकिक आधा श्वानर भागिन्ति । अ त्यानाभाष्य आत्व कविद्यातक । ति सन् महिनन् शरह स्टब्स्स सन क्षेत्र क कनारव शतिया शक्तिया कन लाञ्चक क्ट्रेटकरकना। केवा मार्गिक क्ट्रेटन शननीयान्ते विवादकण सामव शाकारय द क्षेत्र किंक्ष करिएक मानित्वर । कार्य-वार्श्वत भण्लादर्व गांच ब्लाट्साइनड स्थाक नैत क्रम अनुविधानिक अभूषीय क्रियान क्रिम कर्वश्रह्णम ।

রাষ্ট্রীর পরিয়দে রাজস্ম বিল

২৮শে মাৰ্চে ভাৰভীয় ৰাষ্ট্ৰীৰ প্ৰশিষ্ नक्षमहिन कम शब्द गठिक का। एकारक महानां कामारेबारकम दय. क्रांतकीस वारकाशक गठा राजव निग लाल करिङ आध्यक श्वेश्टलन, देशांत रूरण नव्याठे छात्रा "न हिन:इ" कवि-बारकमा वक्तांके महस करतस त्य. काशव काकिए दाक काकारत शास्त्र बिक्टि भाग कराहेश मध्य जनाइ श्राद्धायम । नक्ष्मां हे भागा कर्तन व्य. काञ्चीव शक्तिवन कांह:क व्यक्तिश्राध विकासि भाभ करिंद्रवा।

ভালাম বিভাগের সেকেটারী কার व्यार्थात भाक्षत होत वरणस--- ००१न मार्क नक्तान भूत्म धरे विन भाग करिएड **६देरि। एका ना ६देश छ**हे मास्य श्वन्यके व कासच आधात किवा-८कम काशाय मध्य व्यर्भ किलावेश मिटक

बारगाडमाव पत्र गकांशिक निर्ह्मि (तम (य. आधारी द्यामवात्र करे विरणत WICHIBAL CECA I

#### সাম্প্রথারিক বিরোধে নেতৃবর্গের देखाराव

शश्चित्र भागवा. साह व्यानमां है, भोगामा किसाप्रदेशा, महाव मणन गिर त्योगरी व्यान इत क्यानी ध्वर शामानकीत

খাণপুরের দাখার পতিক গণেশ পছর িছাখীর প্রাধন্যশ অভীব প্রেছনীয়। भशनत् । क्योंतित कर्षा हिमि जक्षणा। याशास्त्र जीवन निश्त **२** हेशा-किन किनि छानातमा देखारतम ८५३। करिएक हिरमन ।

भाषितिश गक्रकाके कार्य आंगारमत त्तरहे अञ्चरतान दश की हाता द्यान । अविश्वांश प गत्मह मृत कतिहा छेन्छ मध्यमात्वव भटना मध्यी कि माधन कदतन। निव्हिन्न ध्या वाक्टिन आधारम्ब अव्दिनिष्टक জীবন বিশয় হয়।

का कित करे अक्तिकरण लुक्क विवाहरक वक्त कि तर् भारतामाधिक (शाम शाकाहेबाव कामहे et.इरियम माहे, धारेताल शालात कारम नार्याक विमृत छिनिक छ।वाह ু বিশল্প মুসলমান ভাইকে উভাব কৰা कार वारकाक पुत्रमभारत्व छ हिन्छ Giele रिम्मू काटेटक श्या अश धरे-क्तरण शद्रम्णानरक माहारयन्त्र पातार्थ क्रफ्लाक किंकि श्वाणिक वरेटर ।

### মুভন ওয়ার্কিং কমিটীকর্ভুক প্রতিমিধি নির্বাচন

रनांन रहेरिन देवक्रेटक करर शरमन गरा हरें हुन (क क्लाजिनिधिवतरण द्यः धर्मन कतितन, फालान्यन अप्रविः कमिनी कर्द्धक भिद्धां हा होरा । ७५८म म. की मुख्य Gरार्किर अभिने •हेरव।

বাহিরে থাকিয়া শক্তি সংগঠন व्यक्षण, भण्डिक धारत्रमाम ८-१८ क लागरणंवन देवठेटक त्याश्वरात क्रिंडिक অস্মৃতি আহাশ করিয়াছেন৷ ডিনি খুৰ সম্ভব প্ৰশ্বে লাভের উদ্দেশ্যে ভিন शास्त्रक क्रम्म शिश्वरण याकेश्यम। छिनि निम्निक्षिक्षण महनाकार व्यक्षण कविश्व-(क्न-किनि महाका शाकी व कार्या दावा शिष्यम् मा वाष्टे, फाल वाशिक्सा मक्षि म्रश्रुंत करितन। व्यक्तन, शिक्ष क्षक्रशांत चार्याय कथाराज मान निरम्दन ष्याविक ष्रदिश्य।

#### लक्ष विरुद्ध मध्या ध्राप्त

खाडात शत दीतृक त्मीर मारकी यनग শ্ৰীপুৰু। মত্যে জিনী নাইডু, মি: শেহ ওয়ানী প্ৰস্কু বিজেম মংক্রান্ত প্রাপ্তার উপস্থাপিত ভাতে উঠেন, তথ্য জিনি শিপুল गर्दना गांक करममा विनि स्थान,

मयत लावड উद्यामध्यक्ति छेच्छि अडेटड बाटक। न्याजिक अक्रमान्य स्माहक क्षान्छ बढित ममर्थन कर्दिन ना . कर्देनक बक्रास्मीय कृती काष्टांत्यक नमबंस । क विद्या दक्ष गरीव कारात रहाता कहिरक भारत करप्रमा केश्वत यक्षमा शरप्त हैस्वाकी चाप्रवान करा दश । लाकावित मुक्तमञ्जूकिकाम

#### বরিশালে ভাকাভের উপত্তব

वितिणांश क्रिशांत वालाकृति केंद्र व्याधके हृति छ।वास्ति मश्नाम शास्त्रा বাটভেচ্চ। গ্ৰু মঙ্গণায় -রাক্সি ২ঃ• টার শ্সম্য ৩০ জন ভাগান্ত প্রেম্বাভিক अञ्चलक महिमा व अद्भाव भागात असीम ংহ্যাতপুরে শ্রীবৃক্ত সভীপচন্দ্র চলেবভীও नाफीए एकिया जीशात शुक्त, शुक्रमध्य वीतिशा कारण अवर छ। श्री क प्रशिव मादक অস্ত্ৰাত করে; ভারণর ক্টিরো সিমুক **धार ेवाम भूभिश नेर्नाष क मारकार्य** थास > शक्षां के हिला, महेश मुख्यि

वानीच जन्ममः वृत्रवर्गान्दकः स मन्मार्क त्वासाद करा क्रेशक 1° बाह्रक ण्यक हिन्द्रकरण। यहीन वाद विक mitera Bicom gener femen

नाक अञ्चलकार्व का किएक च्यान चालाहे. क्टेब्राम यामकाठि भागात संभीत विश्व •ाहित्क क्षेत्रक **का**बिनीकुमात्र (बारमन বাড়ীতে ৷ কামিনী বাবু কলিকাজাঞ ক্লিল कार्शिकार हो प्युर्गत रक्ष माहित्व मिलक se सम फाबाक छाताच बाफी कहेटक अशास क व्यवसारत आत्र ३ हाबात है।का मुठ कविश्व। मध्या निश्वादक !

#### দক্ষিণ আজিকার ভারতবাদীর ভাবস্থা '

श्वर्गदमा के अन्या "विवासीय" निकाब क्षणान व्य, काबक भवनीमा केंद्र मविक धिक्तिन व्याक्तिकास शनन्त्यान्ते वर्षमान पूक्ति नश्टलायन विश्ववीत सूच णाळीत्व मार्ग व्यक्तितिया स्टब्स् **्वे गतकात्मत्र नदाम्म ग्रमा व्यवस्य ।** Co प्रक्रिय काक्षिणां काकिमिनि वेदेशक काश अध्यक्ष कामा यात्र मार्चे क

大人 经工作的复数形式的复数的电路 The gradient of the transfer of the state of the contract of t

The same of the sa

#### TWIT ं खरिट गर्म न- विवद्गी [+]

জ্ঞীপাদ পরমানন্দ বিভারত্ব শত্রপর বিদ্যাসী শ্রীমন্তলিপ্রকাশ व्यवेशा महाताल श्रीभाग भागमा अकाजाती স্থাদারবৈভবাচার্য বিভারত্ব মহাশ্রের সেৰা-চেষ্টা কীৰ্ত্তনমূপে বলেন যে, ত্ৰীপাদ পরমানন্দ ভ্রমচারী অভীব বাল্যকাল • म्हेटफ धिन धारुभारतत्र मरनाकीहे शति-পুরণ-সেবার নিধৃক্ত থাকিয়া প্রভূপাদের **যথেঠ স্থেহ আকর্ষণ ক**রিয়াছেন। গো টীয়-মঠের প্রবেশ-মহামহোৎসবকালে তিনি উरकुष्ठे विष निर्माण-देनभूगा-ध्यमनेन खनः **ीजानानमाथ-मन्त्रि-म**श्कात-द्वारा विद्वार দেবোখন ও কৃতিছ প্রকাশ করিয়াছেন। ब्यी शमक्षा अधिक छ। देशक छ। इंदिरक भश्यवाम कालन कतिरहरूका ।

#### **এপাদ রাসবিহারী দাসাধিকারী**

প্রীপুক্ত রাম্বিহারী দাশাধিকারী মহাশয় শ্রীমন্মহাপ্রান্তর সক্ষতিন রা কেলী শ্রীবাসমঙ্গনে একটা স্থলর ধ্যাশালা নিশাণ করিয়া পৌরসংকীর্ডন রাসে প্রবেশকারী ব্যক্তিগণের দেবা এবং ওক-গৌরাক্ত মনোভীষ্ট প্রভার প্রথক 'শ্রীরাস-विहाती मांगािकातं?' नात्मत भाषंक हा मन्भामन कतिरहर्ष्टन। एपण टीश्रामः প্রতারিশী সভা ভারাকে ধ্যারাদ শোন করিতেছেন।

#### **बैभाग जियामम (मवाडीर्थ**

ষ্মতঃপর তিদ ভিস্বংগী আমণ্ডিকিবিগাস গভত্তিনেমি মহারাপ আধামদেশীয় ভাতা-গ্রণী পণ্ডিত্বর্র শ্রীপাদ নিমানন্দ মেবাতার্থ क्रकिभाजी वि. जिल, वि. हि मरशनरहत গৌরপ্রিয়-শেবাস্থঠানের কথা উল্লেখ कद्भिग वरणन रव, श्रीभाग निर्मानन छाङ् । 🔊 গুরুপান্তার রূপাশক্তিতে বলীয়ান্ খুট্যা निर्जीक नित्रत्भक शहरत मात्रावानानि-धर्भक-। দ্বিত মতবাদের মধ্যে শুদ্ধভক্তি সিদ্ধান্তবাণী প্রচার করিতেছেন। তাহার জ্ঞানেবা-নিষ্ঠার ফলে আসামদেশীয় বহু সভ্যাত্ম-স্ত্রিৎত্ব সরল ব্যক্তি তাহাদের পুশ্ব-সম্পূর্ণভাবে পরিত্যাগ क्रिया धक्रभागभाषात्र त्यता ७ धीरनीत-স্থলরের মহাবদান্তভা হৃদয়ে ধারণ করিতে সমর্থ কুইডেছেন। আগামদেশীয় ভক্ত-্ **শণের সরলতা গু**ঞ্চিক্তবগণের অত<sup>্</sup>ব 🎒 ি আকর্ষণ কলিয়াছে। 'এ বিনয়ে ব্রীপার্দ নিমানন্দ নেবাতীর্থ ভারিশার্রা মহাশবের প্রেচেটা বিশেষ উল্লেখ-গোগ্য।

# দোনক নদায়া-প্রকাশ

## নিতাপাঠ্য বৈক্ঠরার্ভাবহ

বেদাদি সমস্ত সাম্বত-শাস্ত্রের অক্তিন ব্যাখ্যাতা সমগ্র ভারতে একমাত্র মূলভ দৈনিক পার্মার্থিক পত্র

জীলাম মায়াপুর–১৯শে ভৈত্র, রহস্পতিবার–১৩৩৭

স্থিলনার দ্বিভায় বার্বিক অন্তিদ্ধনে কার্যোর জ্ঞা তাঁছাকে আশেষ ্ধ্যাবাদ আসামীদের সভ্যাত্স্ত্রিৎস্থ জনসাধারণ কর্ত্তক সভাপতির পদে বৃত হইলে এ গুরু-পাদপদ্মকেই সভাপতির আসনে প্রতিষ্ঠিত করিয়া ভারপাদপদ্ম-শ্রেড ভদ্ধভাতিনিদ্ধান্ত-বাণির অনুকতিন প্রক আগ্রামদেশীয় স্ত্যাস্থ্যক্ষিৎস্থাণেৰ জনম্ম আকৰণ করিয়া-ছেন। শ্রীধামপ্রতারিণীসভা এমন্ত ভাঁচাকে অশেষ ধন্তবাদ জাপন করিতেছেন।

#### **बीभाव क्षत्रप्रदात्रन माग**्रातकाती

অতঃপর শ্রীনম্বক্তিগারঙ্গ গোষামী প্রাভূ জীবুক জগছদারণ দাসানিকারী বি. এ মহাশহের নামোল্লেথ করিয়া বলেন---আপনারা যে গোড়ীয় মটের বিপুল গোন ও মন্দির দশন করিতেছেন, নেই মন্দির नियान-कार्यात नानाश्वकात वस्तावङ এবং স্থপ:তিবিভাবিদ্গনের স্চোব্যে मनिध्तत नियान-भरकाछ विविध कवि. মনিবের মাল-মনলা ও ভূমি সংগ্রহাদি ব্যাপারে অক্লান্ত পরিশ্রম হারা নানাভাবে (भारताया औन कशयदा ও आल्पोड़ीय मठ-রফকের সাহায়। করিয়াছেন। এতখ্যতাত তিনি বিভিন্ন সাধারণ সংবাদপতে আলোড়ায মঠের প্রচার-বাভা-সমূহ প্রকাশিভ कतिया मन्द्रमानात्रनटक दशोष्ट्रायमद्वेत दनमी-मृत्न वानिनातं ऋरयोग छानानं कतिहा-ছেল। ত্রীনান মায়াপুর-প্রেলশনীর সময় তিনি প্রদর্শনার বিভিন্ন ব্যাপারে অক্লাপ্ত পরিশ্য করিয়া গোড়ীয়মঠরঞ্কের সাহায। করিয়াছেন। শ্রীজীয়মসের প্রদর্শনীর সময়ও তিনি বিভিন্নভাবে দেবা করিয়া- | বানের খারা সাময়িক কিছু হুথ স্থাবিধা ছেল। বজের বিভাগার মহামাল কমি- ঘটিতে পারে বটে, কিন্ত তম্বারা কি শনার বাংগতর এবং মাননীয় উমুত ষ্ঠীঞা আমি দের নিতা মঙ্গল লাভ নাপ বস্থ মহাশয় প্রভৃতির আবাম-মারাপুরে ! পারে ? গীতা ধলেন, -- 'আ ব্রুভুবনালোকাঃ অভার্থনারি কার্গোও তিনি অভার্থনা-স্মিতির প্রধান সভাগণের অভ্তয়রপে সভাগোক হইতে সম্ভ গোকই অনিভা অন্তে পরিশ্রম করিয়াছেল। ওতেয়াতীত এবং শেই দেই লাকগভ জীবের পুনর্জন্ম ঞীগানে বাতিগণের স্থানগার মহা বাধাতে সম্ভব। বদি তাছাই হয়, তবে অর্থভোগের রাজ, দাটাও বেশপথাদির বিশৃতি হয়, তজ্ঞত তিনি অলাভ পরিশ্রম করিছে বরণ করিয়া লাভ কি চইন পুনান্তের

জ্ঞাপন করিতেছেন।

## অর্থ ও পরমার্থ

(ঐকিশোরীমোহন ভক্তিবারন, বি-এল)

मानवंशरात अन्य वयासारत स्य हरूकार्यात উল্লেখ দেখিতে পাওয়া যায়, 'অথ' জিনিবটা তাঁহাদের অভাতম। ধর্ম শারকরিগণ জীবের মগলের ছক্ 'ধর্মাণ-কামমোক্ষাক্ষা চভুলবর্গের ব্যাহা করিয়া দিয়াছেন। মানধ-গ্রীবনে ষা বাবৰ আমরা অন্য ত্রিবর্গকে উপেত্রা করিয়া প্রায় 'অর্থ' জিনিনটাকেই সক্ষাপেনা প্রেট विविधा भारत कतियां वाकि।

শান্তকারখন যে ভাবে এই চারিটা জিনিয়ের জ্ম নিজেশ ক্রিয়াছেন, ভাগতে 'অধ' দিনিবটা ২য় খান অবিকার क्तिसाटक, अन्यः अवादिक न्यः द्वान स्वतिहाः इंट्याट्ड । एडेड्रिश मा इट्टल आया। धर्यक्रेमस व्याम यस निवा मन्। ক্রিডাম এবং অধ্যার ছারাও অগ छिलाङ्कान कविट्ड दिना द्वाध क्षिडाम ना । কিন্তু প্রেপণ্ডেই 'ধান্দর' হান উলেধ করায় স্কাতো ধ্যা চক্তিব্রহ আবিগুক্তা নিদেশ क्षिका भिकादत न ।

এই প্রকার ন্যাচরণের দারা আর্থো-পাৰ্জন পুৰুক যদি আমরা নিজেলিয় ভৃত্তি করিতে থাকি, তাতা চতলে পুণোর ফলে আমার্দের উদ্বতর লোকে বস্-পুনরাবভিনোহ জুন' অর্ণাৎ এমলোক বা খারা এই তিভাপরিট জন্ম মরণমালা

আমানের নিত্রেদের ভোগে লাগাই, छाहा हरेटन दे<sub>ला</sub> प्राचा आगास्त्र व्यनियोग्य ।

**9** 

া সাম্বন্ধ শাস্ত্র কিন্তু উপান্ত ক্রণ প্রকার : চতুদর্গকে নিজার কটিছা আর একটা প্রক্রমানের কথা বলিয়াছেন। পুর্বেজ ধ্যাপাল্যে যে চভুক্তেরি কথার উলেধ আছে, ভাছা কৈতবন্ধ; কিন্তু umियाण्टेक्टनः **टी**भद्रागन्त्यस् शृक्ष्य প্রকার্য বা প্রমার্থের কথা বনিত चाट्छ, याहा लाल हरेला भीव मनुषद घडान-निर्मूक इहेगा छत्रम कला। व लाड করিছে পারে। এবং গাওা। এভিগবানের উজি 'বং প্রাপ্য ন নিবভঃম্ব'—-এফ উজি यस्याती कांत्रक जात मःगात्रप्रकः अध्या-माग उदेश व्यक्तिवृद्ध दहेट इस मा।

অর্থ ও পরমার্থ চইটা জিনিদ্ পরপার রিপরীত। অর্থ কিনিয়টা গ্রাক্ত রাজ্যে অর্থাৎ জীবের আরুত দেহ ওমনকে আশ্রয় করিয়াই সামাবদ। কিন্তু প্রমার্থ জিনিবটা এই রাম্য অতিজ্ঞা করিল ইজিলাতাত অংগাঞ্জ ∌নিকার অব্িতঃ অর্থরাক্ষ্যে হিংসা,ু বিবাদ, সভীগতা, কামানি রিপুরু ব্শ-ু ব্যতিতা প্রাত্তি মনেক গুঞ্চমের অবস্থান ষাছে। একিয় প্রমার্থ রাজ্যে শেরপ ঝঙাৰ, অভিযোগ, গেয়ালা বা মংশর্কা, , नाहै। आधानिक । जादा आर्थ, काग ७ मृजि८ १३ धर्म विविधा भरत कतिया থাকি, কিন্তু পরমার্থ নিচার ছত প্রেবল ংইতে থাকিবে, অর্থপ্রান্তি লাগণ তভই की रहेट शक्ति।

অথরিজে স্মান্দের সভাব কোন , प्रिक्ट शूर्व इटेटव (मा, कात्रण कायकासि, प्र গণেয়ে অভাব অগ্নিছে মুখাই তথ্য, হা**র** .. কোন্দিনই শ্ৰহা আঞানা হহল উল্ল-রোভর এডিড হইছে থাকে ্ একমান 🍃 পরমার্থলাভ্ছ আমাদিগকে এই নংননার্ মান অভাবের রাজা ১টতে পরিপুর্ণভাম 👵 অভাবের রাজ্যে প্রত্যা ভিয়া যদ্দর অভাব : হুইতে মুক্ত ক্রিতে সমর্থ।

व्यक्तियस्य सम्बन्धन विकास में अर्थन ফীবের চরম কলগোওলে এই পরমার্থ व्याठारतत कथरे उरे व्यून्य भेषधीर्म् हरेब्राहिटलन । देवक लक्षणता दील विश्व-नाथ ठळवडी होदूत महानत बीनपर । बाहूब 👵 महान् - व्यथार १३ १ १ १ १ १ मिन्न , শব্দ্যান এবং বিকাশের জানের পর্য भूके बाच । जिल्लामा प्रकार हो स्वास **एक क्यासिक्य निराध्या स्ती क** तेएक গালে এবং ভাষা প্রাপ্ত হইলে কারের किइ दिन श्रीय दिक्षत- (एन। क्रियामध्यक्ति किम क्रियामध्यक्ति क्रिय

ৰাকৈ না। একথাত্ৰ উকান্তিক ক্ষুভন্ত-্পণ্ট এই পরমার্থের অধিকারী, কারণ ষ্ঠাহরি জীক্তমের অআক্রন্ত সেবা বাতীত श्यात किंदूरे व्यार्थना करतन मा। कांशतारे আঞ্চ সর্বাবিণ অর্থকে পুৎকার এবং পঞ্চবিধ मुख्यित्क भ्रतिष्ठ छेट्नका कतिहा बाद्यत ।

#### िख्बि

देवज्ञानायुग् ७ किन्नमः व्ययदेवज्ञानायया-মনভীতা মন্ব। क्रभाष्ट्रियाः भन्नद्वः भद्रःश्री मनाकनः ७ः

व्यक्ष्माञ्चयामि ॥

পূর্ণ প্রাক্তছ বৃত্তিতে কাগাইতেছি না; পুটে ইহাই প্রার্থনা করি, এই অনম জনের

(इ जनाकन धारका, ८३ ७३-११४, 🥇 नेषाबि বিষয়ের নানা রঞ্জিত প্রলোভনে সঞ্জা মুগ্ধ ইইয়া ভোষার প্রেমমর মহিমা **बीर्जनाबाहर**न मन्पूर्व खेलामीन ब्रिडि-মাছি, বিষয়ের ভড় রগলহরীতে উন্মত্ত **इहेमा (कामार**क ब्राटक व्यक्त निमा আৰ্ছি। ভূমিদরাল প্রভু, ভূমি আনার

্ৰিত্য মুখ্যকামী প্ৰাভূ, তাই ক্ষতি अञ्चगहकारम ध्रेडे हल्लारमात्र करेरजूक মুদ্দল উদ্ভেদ্ধ জয়ু বৈরাগ্যযুক্ত অর্থাৎ 🊧 श्रुष्टकाक -ट्रायामग्र ७ किन्नम भाग कहाई-ৰাম কডট মা চেটা ক্রিভেচ। কিছ হার, বিশ্বক্ষাও ভোমার রূপায় গোর-হার, আমি এমনই ছ্রজাণা ভোমার এোমার্গনে মগ্ন হইতেছে, কেবল আমিই मुबागुड-स्वतः गुड ভाগবভक्षास ऋष्ठि- विकित इहेगाम ; स्त्र १७मा मृद्र थाकुक. ৰিশিষ্ট ছইডেছি না। দেই পরমার্থ এমন কি ম্পর্ণ মাত্রও লাভ গটিল না। ্রেটার আমার প্ররন্তিকে প্রভাক প্রগতিতে হে অফদেব, নতমান্ত হহয়া কডাঞ্জণি-

শ্কিণাশ্রণ মৃত্যুত: নানাভাবে কায়-অনোবাক্ষে উবেগ দান করিরা ব্যক্তিব্যস্ত ক্সিতে সর্বদা প্রচে**ট আহি।** হে শুক্লেব, আমার নির্কৃত্তিতার কি শান্তি काष्ट्र कानि मा। क्रमा मध्ये मध्यि कृतियां आभात आभाव मक्या गायन कलन । आयि कामि, निनागर्छ वाकिरे वातिध-

পরস্ক ভূমি বে এত ষদ্ধ করিতেছ, ভাহারই

क्षिण-सामप्र निक्रे निक्र प्र: (चत्र कांटिनी থাহিলা সাস্থনা লাভ করে; কিন্ত ভূমি নেম্মই ক্লপাময় শ্রেড়, পিপাসায় কঠতানু ভ্ৰম জানিয়া খনং পারাবারপ্র গভীর

শ্বান্ত্রিধি হইরাও অত্যন্ত দ্বাপরবল হইরা

ক্রেমবারি শান করিয়া মৃতসঞ্জীবনের চেটা

পানে বাধিত হয়; সন্তপ্ত ব্যক্তিই অপর

**স্বিভেছ। আমার অশেব জো**গ-बेह्मनात क्रिडेक्नग्र, मक्क कानिया जूमि निक बहेर७७ निक कन विषया चयर मासि-

नाति निकास वास्त्र काला-गञ्जन। निज्ञ कतिया मायाना मिटलका दह अकटमव. ভোমার মহাবদাভবরভার চিয় ঋণী

व्यक्षां अध्यक्ष क्षेत्रक व्यक्ति । আমার পাষওভার শাকি বিধান কি করিয়া

করিতেছি। শরণাগতের রক্ষা বিধান কর; আনস্ত-কোটা জিহ্বা দানে ভোমার অপার মহিমা कीर्जन्य व्यवस्थि कागाहेबा माछ। उहे বিশ চরাচরের মাঝে মায়াপিশাচী এও হইয়া ৫কাকী নানা প্রণোভনের मत्था प्रश्नाकारव कर्णनावर्गन त्मीकाव स्थाप ৰাভ্যাবিভাড়িও হটয়া উদ্লান্তের স্থাম ভ্রাম্যমান আছি। এইনে ছংসময়ে প্রভেগ वाङ्या छक्ष कतिया भित्रा कामारणारकत দ্বীল জালিয়া, তুমি বিনা আর কে দিগ্র मञ्जनन कताहेदा भिएछ समर्थ. कानि न।। ভূমি অভিমন্তা পুরুষ হইয়াও সেবার मुक्टिविशक् भारत्। कतिया लिका भोका **बिट्डिड, ब्यामि ब्यक्स, अंडि शामत कर**भाव मिछि; इन्ता कतिया ठच्नीन कत, ভোষার অনমোজনপ্রধারী দশন করিয়া সাर्थक हहे. इत्या निर्माण क्रेशा एकमाज ভোমার বদভিওল হউক, ভোমার চরণাজিকে আমার মতি হির হউক, ডুমি

মুকুল প্রেষ্ঠ, তুমি পৌরপ্রেষ্ঠ, তুমিই এর

ধরাবামে অবস্থান করিরা ত্রমে রাধারফের

প্রচুর পরিচর্যা। বিস্তার করিতেছ হায়,

ছামার আশ্রমণানে ক্তার্থ কর। কুণাতি**কু** ঐনুসিংহানন বন্ধচারী

#### न्य का

কেশ ধরিয়া ভোমার পাদপদ্মের অ্থীতল

(ভক্তিরর শ্রীপাদ রাণাচরণ গোশামী ভজিশাসী)

শিকা বিবিধ; ভশিকা ও কুশিকা। বে শিক্ষায় আন্মোন্নতি ও পরোন্নতি দাণিত হয়, টেট দিকটি স্থলিকা; ভগাতীত বে শিক্ষার পরচিংসা ও আত্মহিংসা माध्यात्र खेलाय छेडाविक र्य, मिटे निकारक कुनिका वना यात्र।

ভুশিকা শাভ করিতে হইলে বছ অগ্রসার ও আদর্শ সংশিক্ষকের নিতান্ত প্রয়োজন। কুশিকা সাভ অনায়াদেই হয়। কারণ পরিপার্থিক অবস্থা কুঞ্চি ও কুশিকার পরিপূর্ণ: আমরা মাড় कुकि इइटि ज्ञारे इलाइ-বোধাগমের সঙ্গে সজে, ভভাপানের সঙ্গে महम्भ कृष्णिका छन समहात व्ययः प्रता ছ**র্বে লামি** না, তে গুল্পের, ভোমার **ীলাকের** স্থায় চিক্রিত করিতে থাকি। শুরুণাগত ইইয়া এফান্ত আশুর প্রোর্থনা এখন কি, শিক্তকালের স্থৃতি ও অভ্যাস

क्तां दाय ना ।

অধুনা সংশিক্ষের ক্ষতান্ত ক্ষণ্ডাব (भवा शहेएउटह। अर्शिकरकत्र कार्ट अश्यादकरे अखिनद कतियात अस कार्या-মঞ্চে অবতরণ করেন বটে, কিছু ভাঁহারা আচারশিহীন আচার্যায়ে কডটুকু কড-कार्य। इष्टेट्ड भातिर७८६न ध्वर स्म छ সমাজের কুসংখ্যর কডটুকু অপনোদন করিতে পারিতেছেন, সে সক্ষে স্মারী रुख्या कर्छना शास्त्रभाकाती मार्कारे ইহার প্রমাণ হাতে হাতে পাইবেন।

দেশ ও সমাজকে এই প্রকারে स्तरमञ्ज भर्प ध्यनाविक इष्टेरक सिथिया ক্তিপয় দেশ ও সমাক্ষের পরম হিটেডবী 🖟 পারমাধিক সজ্জন ব্যক্তি আরু অক্লান্ত পরিভ্রম স্থীকার করিয়া বর্ডমান যুগা-চাৰ্ব্য ও বিষ্ণুপাদ প্রমহংস শ্রীন ভক্তি-निकास मन्यकी त्याचामी व्यक्तारमन च्यारम् नजस्य 🕲 भ्य मात्राश्चत त्यां वशीरहे 🗄 মতান্ আদশ শিক্ষ-মণ্ডণী ধারা সম্প্রতি চিত্ত আকর্ষণ করিয়াছেন। একটা উচ্চ হংরাদী বিশ্বালয় প্রতিষ্ঠিত করিতে মনশ্ব করিয়াছেল। বিভাষায়ে যে সকল অধ্যাপক অধ্যাপন ক্রিবেন, তাহারা ভধু বালকের জাদশ भट्टन, পृথिबीत आवास तृष्क मक्टणत्रहे আদর্শ। বাহরোওই আদর্শ শিক্ষকের নিয়মে নিয়মিত চইয়া অফীবন গঠন ক্রিভে ভূগোগ পাইবেন, উচোরা ধে ৰাশ্বৰ শিক্ষায় শিক্ষিত হটয়। এক একটা দেশোচ্ছলকারী রক্তমরূপ হইবেন, ভাষাতে আয় গন্সেহ্ কি ? কোন প্রামে वा (मर्ग यमि छूटे अक्षी क्रिया व्यामर्न শিক্ষায় শিক্ষিত বাজি গড়িয়া উমেন, ভাহা হইলেই সেই আদর্শে মনেক চরিত্র গঠিত হইৰে।

#### প্রচার-প্রসঙ্গ

ত্রিদণ্ডিসামী জীময়ক্তিবিবেক ভারতী মহারাজ গত ১০ই ও ১১ই চৈত্র মেদিনী-পুর জেলার রায়চক্ আমে ''বুণংশ্ন'' সম্বন্ধে বক্তৃতা করিয়াছেন। চতুপার্শস্থিত দুরগ্রামের বচ্লোক এই সম্ভায় উপস্থিত হট্রা ধর্মকথা শুলিবার স্থােগ পাইয়া-

विवनमान वा कलियुरण वस्त्रीय श्रीप्र বীয় বভাত্ত্তিতে যুগধর্মের বক্তা বা প্রচারকের আসন এছণ করিয়া মন:কল্পিড ধর্মকৈ যুগোচিত ধর্ম বলিডেছেন। কিন্ত সকলেট বল্প . বিচারে পরাযুগ হইরা व्यनिका त्रह दवः मनत्र व्याका-कात्न অনাত্মার ধর্মই প্রচার করিতেছেন। পরিদুখ্যমান জগৎ পরাৎপর ভগবানের সেবাবিমুথ জীবকুলের সংশোধনকেত্র

তুমি শরণাগতপালক, মরণকাল পর্যন্ত বহু চেটা সভেও বৃত্তীকৃত কিন্ত এখানে মোহিনীলারার মুখ্য মুইরা गरमाय कीयवृत्र गश्रमाध्यम श्रीकृत्य ভোগী হইমা লোকমুদ্ধিই ক্রিভেছেন 🕦 🐃

> **পর্য কর্মণান্য ভগবান্ <del>আরু</del>ইচভন্ত** 🗇 यहा अल् क निकीय क नियम इंडेटफ खेलांड ক রিয়া আত্মকরণের বিজ্ঞানায়ভৃতির সহঞ উপায় আচমুণ করিয়া প্রচার কুরিরুছেন 🗥 कीय यनि त्नहें कीर्जनभगी छन्नेयश्तानात भवति भशकावांक मन्ध्रते <u>हत्वशस्य</u> নিখপটে আশ্রয় করিছে পারে, ভবে তাগার সকল অন্তবিধা বিগ্রিক ভট্টা অভিগোপ্যা ডক্তি লাভ হয়

অভাতিলাবিতাশুক্ত, জানফর্শের হার( व्यनावृष्ठ छेन्द्रमाक्ष्यिक्ट मून्न्यः। एइव অন্তান্ত বুণের জায় এই ভক্তি বাছত: भागभा यक्षभा ध्या पार्कनमा सा प्रचा रगरण ७ (गरे की र्क्तमसी कृष्टि महा: धाननता, महा वसन्ता एवः महाक्रिननता ।

স্বামিতী শাস হক্ষিপূর্ণ সরল বাক্যে ধর্মভন্তী বিশেষভাবে বৃষাইরা সকলেরই,

#### প্রেরিত পত্ত

শ্রীচৈত্তমটের অভতম প্রচারক তিদ্দিসামী শ্রীমদ্ভক্তিবৈভব সাগন মহারাজ গত ২রা চৈরে জীগোড়ীয় মঠ কইতে ভাহার সম্প্রথম্ভ ২৪ প্রথশ্য অভগত শভ্যাটাগ্রামে পর্ম ভাগ্রভ ट भाषांग हज् भाष बहानरवत कवरन भागार्भन करत्रन, एवर छम्रीय छवरन ख्रीयम ভাগবত চইতে अवस्त्रित भारे करत्रन। সামিজীর শ্রীমুগবিগলিত জ্বরপ্রাহী পাঠ ও কীন্তন প্ৰবণ ৷ কলিয়া স্থাগত লোভ-মণ্ডলী সকলেই মুগ্ধ হয় এবং প্রাক্তাশ স্বাহে যে, এইরূপ পাঠ ও ব্যাধ্যা আময়া আর কখনও শুনি নাই। আশা করি, স্বামিনী কুলা করিয়া মধ্যে মধ্যে এতদকলে ভড়া-গমন করিয়া পাঠ কীর্ন্তমাদি ভ্রবণ করাইবর্ণ 💡 কুডকুডার্গ হইব।

তংপরদিবস 💐 ফুক রাজা ছবিকেশ माध्यत्र भाजपाता कार्जातत मारवन विवृक्त नावु मरनात्रक्षन मूर्याणाधात्र मरहानस्त्रत শভাস্ত শাগ্রহ 😗 উৎগাহক্রমে স্বামিশী 🦼 ৰাছারিতে খ্রিমণ্ডাগবত হইতে প্রহ্লাদ-চরিত্র পাঠ করেন। গ্রহলাদ দৈত্য-বালক্ষিগকে যে সমস্ত উপদেশ দিয়া-ছিলেন, তাহা স্বামিন্দী সরল ও সহজভাবে गकराक वृक्षाहेश। (यन। नारबंद महानरबंद ७६७ कि कार्रात बारतीक छैरगांह ई **সর্গ ব্যবহারে আমরা বিশেষ সম্ভ**ট हरेबाहि।

হরিজনবিশ্বপ क्षिमिन इस मान



ভাক গ্রহাবলী



**क्षिदेशमध्यक्त-- क्षेत्रध्यितिस्ताव "ठाकृत्वव" "नावछ-**इंडिशास कोरवत लातिहर, इरकत मुख्यि भरते, निका स ाष्ट्रक क्षेत्र, क्रिकटेंबर निष्टि ७ व्यवस्थात्मर ८७४. स्ट सिट २ अक्षरां अक्षर अन्यव्यक्ति अवान्, देवांगर वनीक्षरान्य, देवकर-ब्रायक चक्रम, भरकामाममान महिल लांक्का, या बाल्क, द्या-्रिक के क्षेत्रकारका रक्ष, केमनायवर, वर्षकवादी क्ष विकित कार्क्षिया. बोरवव वकान्या ७ मू क, देनकववृहरत्रम अविभाव: किकिंड कविकाधी-दिठात. कथ + क्यानिकारमध जानकणा, भाक्षतक क रेनकवनक, त्यार क्रक्रमीयाः, क्षत्रन स |य का **भाषात वाकी**ल-८७०, अतिश्रम्ण व त्योद-मकाष आर्था, नवश्वरकतं मार्के स्वितितत्र कादन, न्या-य'क्रण क ८क्षोज्ञणव, व्यक्तिविकात, बीच्या, देवशीक्क्क वाजान्नजाः ffe. neumin. anneme minmiel, minblugn, uga ग. कीकाट्यातम आकृष्य न्याक्रम गायक्रमध्यत्र काराख शृष्ट वरणावको च ७ मन्त्रकाशक कार्यानकवनकत्त्र छ १-াউ ০০বাছে। তেওঁ একমান্ত প্রাপ্তরাম্ভর জ্ঞান গাছত করিলে ाक्ष्याचिक बारकाञ्च किहुएक्ष्रे बक्कान व जरनम् वाकिर्व ना । त्रम शृष्ट् व्यक्तिमाल का क्रम महम्म क क्रमग्रामामी आप धामगाव •गामक •॥ नार्षः निर्मानत्त्राचार्यो-नाञ्च-मध्यान-भवन-न जर श्रष्टामुक केबिक क्रम्यात्कम । जानाव लिखन ही, क्यामात देखांपि बाता वित्य ममुद्ध कता व्हेशहरू । भारे, क्षष्ठ, त्यामात्र करण नाव त्यथा केरहरे वीपारे---≱च अर**क्कन २० मास** ३



#### হৈছুৰ্ব সংখ্যন নমজ বাৰাই—২, ছুই টাকা আৰাৰা—১৮০ পোলে ছুই টাকা

বৃক্তিপূর্ণ পান্তব্যক্ত বাধা প্রছেক মানবেও নিছা ১৩৭ ও অমিজা সামায়ত করবং নিছারিত চইবাডে। ১৩৪ প্রাক্ত উক্তি সমাজন পান্তবাক্ত হাংল সম্বিত ও চনাগিত হল্লাকে। সেকের, মনের ও আখ্যার বন্ধ কি ? হল, গমাল, নীজি, তথ কি ? হঙ্যাহি বিবয় মারসাতে মন ক্রকভাবে বৃক্তিনভাৱে আলোচিও ক্লাডে বে, হম গল্পে কর্মত আন্তর্জ ক্রিয়া নেম গর্মন্ত গাত না বিবয় ক্রেয়া বার না।



ं विजीव मध्यक्त 👉 আন।

जित्रण रक्षांचारी काम जीन क्यूगांच शावारी अञ्चल हरमाहरून रव गर्मण कवा वाणवारकत, कान कह क्राह्म इक्ष्मण्यक व्यक्षण क क्यिन्स निवास क्यांक क्रियांचार इक्ष्म क्रवांद्रक हैं की कामा जिल्लामा अवस्था क्रियांचार निवास के क्रियांचा स्थित कार्य शावांचार क्रवांद्रक क्रियांचार ৪৪৫ গৌৰাব্যেৰ

**শচিত্র** 

# শ্ৰীনবদ্বীপ পঞ্জিকা

পারমার্থিক বাক্তিমাতেরই একান্ত প্রয়োজনীয় বিষ্ণুজ্ঞত ও উপবাসাদির ভাগেক। সম্বলিত বাংলার ময়ে ময়ে বিরাভিত মউক

ভিক্ষা ১০ আনা মাত্র ১০ ভাৰ টকিট পাঠাইলে ভাকে পাঠাম হয়।

মহাক্ৰি

শ্রীল লোভনদাস ভার্মরকৃত শ্রীটেডগামঙ্গল

ওঁ বিষ্ণুগাদ জীজীবছকিলিছাছ সর্থাটা গোখারা প্রভূপাদ-সম্পাদিত ভূষিকা; প্লোকে। অধ্য, বজাপুৰাধ প্রতি প্রসঞ্জের ও খণ্ডের কথা সায়, বজাপুৰাধ প্রতি প্রস্কৃতী, প্রস্কৃতী, প্রসাধরাছ, ভালিকা, পভনূচী প্রভৃতি বিশ্বত সূচী সম্বলিভ বোক্ত, অক্ষরে ভবল ক্রাউন, আটপেল্টা আকালে ক্লিট গড়ের কাগতে ছালা। ভিক্তা—২৪০ টাকা

### **শ্রীহরিনামটিন্তামণি**

নামাচার্য্য জ্রীল ওবিধানসাকুরের মুখে জ্রীন্নমাচাত্রত্ব জ্রীনাম মাতাল্পা, নামাতাস, নামাপরাণ প্রজ্ঞতি বিষয়ের, যাবতীয় বিভাগ প্রবন্ধ করিয়াছিলেন, এট বিষয়ারুলি আড়ি সরল পরারে সংক্ষিপ্ত আলম্বন্ধ পরিপাটিভাবে মুদ্রিত। ক্রীল ভাকিবিনোদসাকুর-য়চিত। ধন সংস্করণ ভিকা দিও বার আন ম জ্

# বৈঞ্বমশ্বা সমান্ততি

( সা**লভে**মিভোষগ্ৰন্থ )

নিবর :— > । ভিজিশাসে বাবছত শক্ষাবনীর অর্থ হ। চাবিসম্প্রদানের বৈক্ষণগণের চলিত্র, ৩ । নিক্ষুবৈক্ষণসম্পর্কি হ শীমন্ত্রির ও শাবিত্রাকের বিবর্গন, ৪ । বৈক্ষণগ্রন্থ ও প্রথম্বন সমূত্রের ভাগশ্যা ও বিবরণ, । বিবরণিশেষের গৌনিক ও শাব্রীয় আক্রম্পে বাণভীয় করা । চারেগও প্রকাশন চক্ষয়াভে । ১ম বস্তু ৮৮৮, ২য় বস্তু ৮৮৮, ৩য় বস্তু ৮৮, ৬ব বস্তু ৮৮, চারবস্তু গ্রহ্মত একত্রে ৩, টাকা (কম বস্তু মুম্পু

## <u>ৰ</u>ীভক্তিসন্দৃত

্ষ ৰও ১ এক ছাকা হয় ৰও ১ টাক—

বিষ্ণাগৰভের ও গোড়ায়ের প্রাহকণণ ১৪০
টাকার ছুইবও শাইবেন বৈক্ষালায় শ্রীনক্ষ ব

গাথানীপানের ওচিত গ্রন্থ। চলাই বট্নান্দর্ভের অনিক
প্রয়োজনীয় কংশ। প্রাতশক্ত ভবন ক্রান্তন চ কর্মার ৬৪
প্রধ্না আন্থানে মুজত কর্মারে ৪৪

শ্রমধনান্তার্য্য সঞ্চালন্ত সঙ্গাচারস্থাতিঃ জিলা ১০ শানা যাত্র

# বিজ্ঞাপন

শাবধান •

সাবধান !!

জে, বি. দণ্ডের চৌকা শিশি আ**দোম তৈতা** আদি ও অক্রতিম এবং উপকারিভায় সববস্তম পরিচিত্ত ও বহু প্রশংসিত।

আমরা স্ববসাধারণকে কানাছতেছি, বাগান তৈল থারদ করিব র সময় শিংশার গারে ইংরাজী অক্সরে জে, বি, দত্ত এও কোম্পানী নাম খোদ। দ্বিয়া খারদ করি বন। নতুব। জুয়াটোরণণ ক্মদরের ক্রতেম তৈল দিয়া প্রভারণ। করিবে।

# ফেরাস কুইনিন্

নৃতন এবং পুরাভন মালেরিরার খন

ইকাজে উপবৃক্ত মাজার আচচল, গ্রহ**ার্ডারে** কুইনিল্ পালেনিক এবং উউবিশেন আছে।

এই কেনাস কুইনিন্ খারা চলেক্সন করিলে একটি বা প্রচটি চলেক্সনেই সকলপ্রকার কঠিন ম্যাল্লেনিয়া আর করে করে এবং ৬ চইতে ১২টী চলেক্সনে ম্যাবেরিয়ার সম্প্র উপস্থানই কার্যা ফেলে।

৬ এম্পুনপূর্ণ প্রান্তি বাস্থা—মুগা ২ টাঙ্কা, ট্রং ৫ টাঙ্কা বাইও-ডেমিকাল এও ক্লিনিকাল লাবরেটারীজে ২৯১১ নং কল্পনীমল লেম, কলিকারা।

গোড়ায়-বৈক্ষৰ-ভগতে অভিনৰ এছ !! জীল ঠাকুর অভিনিলোচ্যের দীভি-এছাবজা:---

न द्वागाड

প্ৰেকট লাইভ অষ্ট্ৰন্ সংভব্ন ভিজা /- আসঃ

ব্যক্তে পারে, তথন একমার নেতাব্য শীতনবানের ক্রতি ব্যক্তে পারে, তথন একমার নেতাব্য শীতনবানের ক্রতি বীহার কোন কাতার আবেলমরী প্রাথনা হয় এবং শীতসবানে সমায়ংকরণে নিতপটে তে প্রকারে শরণশির চনতে হয়, ইউয়ার বিষয়ক প্রাণশ্শশী প্রাথনা ও: আশ্ব-সম্পণ্যুগত গান। ভাতরা সংবরণত প্রকাশত ইইয়াছে

ভিকা আছি বন্ধ ৴৽ এক জানা

(@#STWEIM#1-- /+, #4819###-- /+

কল্যাণকম্পত্ৰক

নকেচ সাইজ পঞ্চম সংভৱণ ডিজা /১০

আমতা আঙাই নৃত্যুৰ আভাৰ ও কমেবার বণবছা চনহা পুনঃপুনা । ব অবলাপিকে কলাণ বাসহা প্রচণ করি এবং বাছার মিকট কলাণ কামন্য করি, ভিনি যে নিঙা বা মধাৰ কলাণ এলানে অসমৰ এবং কোনু বছ আমাজের মিডা কলাপ্যাতি। এবং কি ভাবে আমরা সেই কলাপ্যাতি মুম্বর ক্রম্ম, এই মুজন কথা সংল গানে । এথিছা। এই স্থিতিপ্রছ লভাবিতত কলাপের ব্যৱহার ইনি আ্ডাক্তে নিভাক্ষাণে অস্কুষ্টের সুমুর্ব ;

বিস্তৃত ক্যাটালগের ক্স নিমালখিত ঠিকানার পত্র লিখুন—

# বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভাজনতস্থ

জ্ঞীতৈত্ত্য মঠ

আকর মটরাজ

लाजीन नवदीय, छाक्यक द्वीभाग मावायक, नभीवा

শ্রীসভাবেরপাঁচ কর্ম কার ৩০০ দুর্ভী উত্তর-পুরে শ্রীব্রধণকরে আটার্বার্ড শ্রীচন্ত্রণ ८७६८-५ व्हास अधित ए स- यह विश्वासमान ।

এট স্থান সাংখ্যত-তীর্ম, পরবিদ্ধানীঠ বা সাম্বন্ধ জন্মনন্ত্রী। এট মন্ত্রাতীর্ধে শ্রীণরি-মামাম্ভ ব্যক্তব্যদি-দেন্ত্রসমূত, পর্বিভার অন্তর্গত কাব্য, লাটক, অলকার, তথা काराम-छिप्तिश्त-क्रीका-एक-क्रष्ठान-मञ्जरक्षत्र समावन । ए समाहता धनर क्रवाच खीलन-दशीवाभ-शाक्षाकां का-शिदिशन । अभावत भाष्मानां में के आठाया । के कारन के लिख বিপ্রচের সাহজ মেতা সেনিক চইতেছেন। এই মইরাজে পারমাণ্ড বৈনিজপত্র সাজভ-সম্প্রদানিধন অধ্যক্ষাশিত ও জপাচীন প্রস্থাতি প্রচারকল্লে কর্নীয়া-প্রকাশ সভাবর প্রাছিট্টিট চরস্থাতেন ত তিতিবংসর জীগাম-পণিক্রমান্তর্ন ও অগণিত ভজাগেটিনত कीक्षेत्र क्षात्रात्रमुद्देश महामारश्रद्भवाणि क्रकाल अपूष्टिक हरता भारतः उष्टाहरू ज्याना " শ্রীপাদ নহছরিকী। সংকারী-- স্ট্রীপাধ বিনোদবিধারী এক গ্রনী, ১ ডাক প্রিপাদ গোরদাদ अंकाताती साक्ष्रंवरीय, विभाग केत्र अवस्तात, शांखक देशतनामन अवस्ताती, শৈষ্ট্রক ননীলোপাল বলেলোধানে, জীকলেরমে দান একচালী অনুত সঞ্জনগৰ

#### (৩) বোগণীঠ এমন্দির

क्रके ए न श्रिक्षशहास्त्रियाञ्चत खनन ना ्रीभवाश क्रकृत व्यक्तिकात-क्रांग मद्यारगःग-भाष्ट्र । ब्यान्य व्यक्तिमान । Totatus Biemegaigian mat Bicemat ও শ্ৰীব্ৰধাক্তকেৰ নিজ্ঞ দেখা তথা জীবকা-जाल इब द्याचारी कहें। हार्या आहे छोडगा-माथ। महकारी द्विनिकानिम तक्रामी, क्षितानमाम क्षाजाती । क्षिमाधनमाम क्षिन काडी, (एनमदा की संवर्धन

#### ( १) जिल्लामा

আম্মানাপ্রাভূত কাজন-বিদাস বা **बि**रगीदणीलाश्च बागछली । क्रगारन के बिरगाब-क्रिजारशास के भक्करबंद (भवा वक्दान) क्षा ए-- जीशशासाम अक्षादी, जीवन् ह wa. Binipnein ataimi ;

# (१) छदिष्ठ-स्वत

• ८४ शास अभिवेजकाजूद करन वारर CH.

#### ( ७) काशोह महावि भागे

लाहीन माराज्य, यामनशृक्ष (समीपा) बिराधहरतक क्षेत्रकाकी भगति। कुक्तक---- अक्षात्राती स्थादिकारिकाती।

#### (4) 有村田鄉 四年年一季日

**প্রাক্তির,** সরগগ্রন্থ - নামির ; অগালে উবিকুপাল বিল ভাতাবিদেশিকাকুরের Huffe erne Steifennntes wer Gibleiti mietac (म ११ वर्षमान

रक्षण-प्रविश्वयम् कामात्रः अकारी क्रका क्यों अन, धम, धम ।

#### ( be ) शिक्ष्यम् (अ दश्रीकाम् मठे west thee 1

রক্ষক—শ্রীষ্ঠবর ভক্তিশাস্ত্রী এম, । এ. ीर, धन, मन्द्री-- मिन्द्रभाम जारू-नाही, 🕮 इक्कम का प्रकारी आहा है।

### ( २ ) श्रीरशीत्र-श्रम्भव्यः अर्थ

है। भारती, सम्बन्धाः, ( वश्राम ) 🕮 म नार्पे को (श्रेष का किन Latt stripte a-

### ১১- ) শ্রীরূপ\_গাড়ীয়-মঠ

मा ाशक, कामाभ ब है, लि दण ४-- विश्रामित उन्नाती, विक्रामध्य

#### ( :: ) औत्यामक्रमहत्र-

मा जिला '७, काळला , नक्षमां छ। **बी 1) विश्व कार्य अल्ड कुलाव (सब जान)** व्याप - द्वीतक बहाती बळवाती । (১১) ভাগৰত আৰু জ্ঞী লাগৰত জেল, ক্লমনগ্ৰ, নদীয়া।

काशन कि दाख अकानकी व्यवस्थित 

#### ( ১৩ ) औश्रमाञ्चन मर्ठ ८क्षांमनाकी, त्याशाकी, क्रमानवात, नदीया ।

क्क्क--- अध्यानम बक्का वी र

#### ( 28 ) **ड्रामान** ८गोष्ट्रीय मठ >== स्वावश्व द्वास्, हा का । भुक्षर(मृद्ध क्रांत्र-८कक्ष, अष्टाम खो क्रमेन.

्रोत्रक गायका-भिक्रित्व स्था बख्याम् । क्ष्यक् --- जिल्लामावस्थ सम्बद्धी ।

#### (১৫) श्रीद्याभागकी वर्ड

神科門(女子, 節[中])

रमाभाषकी व जारिकार के ब्याठीन सामा रक र-- शिथा दशांव अवहारी।

# ( ) खारगोडी इ पठ

२७ वर कालिकामंत्र ठळवंछी हीते. त्यांत वायश्रवाता, कव्यक्त अ द्रोगित्कान नि. नि. ८५५° वर्ष

श्चीयवाहां शंकत । लाहे। जिल्ह कानेवाल किनया-व्यक्तातात्काल व्यक्तिकाल विकास नगरी कतिकाकात खेकिकिशियात चामस खेम्ह खाँकिक चारकम 10 को 👡 भव्यातास्य में बक्न-दर्भागक-मितासमाध्य क्रीड मनावास निकारमधिक अस । त्यांकीक আচাধ্যবর্ণের বাবভীর প্রভাবনীও প্রশাচারেরদেশে শ্রীমতে সংগ্রন্থ একটা সভুতং মুদ্রা-गञ्जाभग्र मर्द्यातिल क्रवेषात्क्रम । श्रुशितीत सम्बद्ध औरशांबनाय-तात्राताल छात्र यज्ञासक হটতে 'গোড়ীয়' সাপ্তাতিক পতে, জি ক্ষত্ৰমনিত্ৰ মানিক পত্ৰিকা ইংমালী ভাষাৰ निर्वाचिक्रकार्य क्षाकालिक करेटकाक्षण । चीम्राह्य भाग्ने, मर्बाक्रम, मुखाकाल-विवर्ध-द्यकास, খ্রীমহাপাৰত, প্রতিচ্ছল-চারভারুপানি-কালা ও ভত্তরাজের ধ্যাক ক্ষেত্রটনা কর্ত্ত थारक। महेतकक---वाधाराधिक औलाव कुमावनाती विकाल्यका । कनवाती--लिबाकी क्षीनाम अमकवान्यम् नविकान्या वि-द. लीगान अन्यवालम नविकानिदस्य वि-द. क्षांभाव क्षामविकाती अक्षांती. जीभाव क्षांक्षांत्व वामानिकादी जिन्ह, जीभाव है कपरशालान मामानिकारी, अक्षठारी मीकी यनानम, अधनारी जीलामी(मा 🚜 अवनारी ત્લો(મુક્કોન્યન, નાક્ઝ, સૌલા સર્વોનજ્રમ

## ( ১७ ) जीभमार्डे-८गा . ज गठे देविका कि मासारिकी मुख्ता, वाणिय

ट्यीशक्षारू-Cuigitma निष्ठः (गरा: ं दक र-- शिलुवं जल अमहासी।

#### (১৭) ঐভাগৰভজনানশ মঠ

**किक्रीयश्च वास्त्रमम्बद्धः स्थापनीस्त्र**ा ध्यात्म ने श्रम-(शाशक-शास्त्रिका-दन्ता। इक र — चौ किशावकान जात्रा। शितिधातीक निकारमना वस्त्रानः तक रू.... े बचनामी खीलगनामणी। बच्चहारी लडाननः

# (১৮) আমলাবোড়া প্রপদ্মান্তর

वाक्षते ४ ८०१३ वक्षमान ।

भिन्हारमना । अक्रम- व्यवसामी आंबोडfecesse 1

#### (১৯) अश्विक्रदमाध्यम गर्ठ

वर्गदार, भूनी, छेडिगा। ब्रमाहन केट्योक-निवासभावकोत निका-(भगा बक्याक । ११७० - अभागाती केलद्रभा-नम विषात्रक, अक्षाती श्रीनवीधानक।

#### (२०) औजन-८गो होत्र मठ

**- আলব**রনাথ, একণ্ডির পোঃ, পুরী। व्यवद्यापरम्परमञ्जूषा सम्बन्धः । **भवद्याल। वक्षण-**ाक्षांत्री अध्यदमस्यो व्यमाधस्यो । मठकावी---अभागी अविभिनांवनाती ।

#### (১১) क्रिमाञ्चित्राम्य गर्व

Bigafaimis, wbw : करादन के छक-दश्री शाक-दिद्या अध्यक्त-बीव ्जिकारमधा महापात । बक्ठादी जीनपायम्।

## (२२) खीननाडन-द्योदात्र मह

शनर सग्काशिन गुड़ा, का में 🕽 (था :- लक्षाञ्चल है सना कम-बिकायन । ज्ञारात द्यांत्रद्यका वस्त्रात्र स्थाप----डीवामकीनावकी ।

### is o. El gatte Bar #3 .

शीनुःभाष्माम कुछ, श्लोनुस्य बुन्धायम । <u> व्यक्ति वासा-त्रण-(माण्नणीक स्मर्थाः 🖈</u>

রক্ষ- ইব্রুড়িনার অভ্যাতী

(२४) 🕮 शत्र महरू मह ट्यांग्यावणः, मोखानुब

अवाहम क्रिकामंबक महिमाना . और कि निरमान विवासकी है देवन वस्त्रास । खी धक्रशादाण कीन कालका जिल्लाको ते १००० -- अन्तर्वा दी खेलु भरकान्य च दश्वहारी MINHSON #

#### १२०) और्टेड क्यादशीको सन्दर्भ

为者是不可。153至·如1、以160年度。 京朝 नान बाह, शिक्ष्मणामम् अवस्थाती । श्रीकार की पंजन विश्व ।

#### (२७) अवगामदशीकीय मर्ड

कुक्तका, बारमचढ, क्यांम । अधारम क्षीरभावविदेसाम-बार्टमण देशवा वक्षमास । तक क---- उश्वताती विश्वतंत्रकी ।

#### (२८) खाष्मनभाषां वानप्राक्षप्र-वर्ष आकश्याका, त्याः श्राक्षं ेश्यका

क्ष्मादन यक्ष्मभूति साद्रशासाम्बद्ध दमचा सहसात । क्ष्म क निवास कामी खोळालक-मान, जीवाशासम्बद्धाना अञ्चलको ।

## (২৮) বিলা গোড়ীয় মঠ---সাইয়েলত

अंदर्भ अवस्था कि विक्री के अ यणक---अवाशको स्त्रीकाविकासासकः अभाषाची श्रीकृषाच्यापक्षपणुक्ष्य है।

(२२) भागमगाप्राक्रमाञ्च प्रकर-अवहात्री की बाबादवासून

# टिज्यमराज्य अवस्ति धार्माना

	बकाक्टर टकानिट		াদের বজ্ঞা	वनी
.>	। क्रिस्डात्रवस्त्रवःत्रवङ		( ০ ) বাগম গভ	h
	के. (-३६३४ वह ) ,२५	<b>**</b> * .	(M) faidle Ma	>,
<b>.</b>	है (समय क्या)	, s	( ମ ) ହୁଛି ସମ এক্ষে	311
	i mindame maggenenisei	18. 201	भवेषा पश्चिका	
	ू ( इस मरक्षक्ष )		(888 (明明)	<b>√</b>
	i. Misampiane	91	সিদ্ধান্তগণণ	4
	(विश्वाद्धे विक्रीत सरक्षत्व)	e, 0+1	बील-क्षित्र संग्ल	a) e
•	। निष्ठा (जिन्नासन-विकानमङ्)	ا ھي پ	<b>क</b> ्रिक्षकाचर	
•	। वैका ( क्षेत्रक्षति-दिना-मक् )	٠.٠٠	(ন্ধ্ৰীণ পরিক্ষমাঁ)	
•	: दे <del>ष वश्य</del>	R- 1	ी क्याका	ノ>・
4 (	। पुरक्षियाञ्चल कन्द्रगीयकः नाक्ष्याः	1 69 1	中川川中央下部 (竹字) 八代電台	<b>4</b> ; ノ>・
, ,	( शक्त )	4 83 1	जन्दीभुष ६ व	1
<b>* (</b>	(शाक्षीय-कश्रमार	4, 801	महाठा व भू । एः	1.
> 1	প্ৰীচৈত্ৰত শিক্ষাক্ত (বাগা) ব	481	শাসনক •	j.
>-!	<b>हिर्देश अन्त्रीण</b>	i. et 1	८ सम्बद्धाः का	/•
25.1	MCD SWEETING 4	8 4 1	শ্রপাগভি	/•
	্টানবহীণ শভকৰ (বাধা)	5 891	শীভাবনী	/•
.41	<b>ंक्षे</b> भग्नवाज्ञक्तांगणः (वीपा)ः	1 65 1	त्मीक्षिमके कि कटबम १	
	• के (चारीमा)	4-   6> (	मारबा गर्वे	1.
34 1	देशक्षमञ्जा-नमास्य		<b>4446</b> 4	10
	, व्ययम हाक्षित्र छ )	ŧ	ভৈত্তি হৈ <mark>তাৰ গৰী</mark>	1.
<b>55</b> /1	<b>विकासिक्समार</b>	* 421	<b>电影对事*</b>	•>•
38 f	सम्बोलभाष-अध्याना	" (45	নাগরাক্তরে প্রকা	শিক
701	Cगाम मृत्यापार:	44 (4)	निष्क स-मन्द्र हो-चित्रस्यः	<b>1</b> •
34 i	् <b>ब्यापनम</b> ् पृथ्वीत मरणवन् ) ।	1. 631	ষটীক শিক্ষাৰশ্বসূত্ৰ	1-
<b>&gt;&gt; 1</b>		. 48 l	♥¶-एडम	1•
) <b>&gt;</b> (		ee,	माहारमञ्जलम्	J.
4.1	(जाबामी अधूनाव बाग ( वेला ) ।	1 63	अञ्चलक विकाहकम्	<b>å</b>
-		. 47:	পোড়ীয় মহঞ্চ প্রিচয়ঃ	٠.
411	खिश्रविकश्चिक्षेत्रतिका नाष्ट्रशयः ।	* E.C.	হজী ভাষায় প্ৰকা	<b>*1</b>
49 (.	•	er ;	414504	1.
•		(2)	गार्केम् द्वास्त (अध्यक्तम् सन्	
/ <b>%</b>	Martiam:		टीरेंड इस महा शब्	•
•	्रताकीवन्द्रवास्त्रवः ।ल	•• 1	(बक्क रीक्ष म	
,	्रियोक्षीय-माध्यः 🛩	451	শি ভাগ্যক	
•	मानमगर ( वर मध्यान ) 💮 😥	• ∫ •२ ।	इत्याहिक् जिल्लिन् माध्य	
		•	चारनगरम् हिट्डामन	
	क्षप्रकारणी स माद्रश्यानमञ्ज्यो ।	100	<ul> <li>श्वाकाष्ट्रे त्याक्षीवस्त्र वस्त्र कृतः</li> </ul>	10
	केंद्रनाणनिषद (जनएपन सः भाषा	Æ.	ড়িয়া অঞ্চল্লে প্রকা	
	काम्य ज्वार विद्वास्ति क स्वस्थान गर्छ) ।		विरुद्धिभाव हिसाम्बर्धि	
-, •		76	##	1.
941	And the second s	de de s	मायम श्र	_
40 1	क्षेत्रस्य ।	• ,	वैकारणी	1 <b>*</b>
7.	A SELLAR	1	<u> একণ্যাতি</u>	e à Je
46.1	श्रेषवीलक्षाम-मः काष्मः च	· bb !	र अर्था (रमा 👁	• •

क्षांक्रियाम् :- ब्रिटेडफ्ड वर्ड, (मा: क्षिमात्राभूत, वर्षात्रा

স্বৰ্ণস্থান। স্বৰ্ণস্থানা।। স্বৰ্ণস্থানা।। এই।কারে খণ্ডে খণ্ডে প্রকাণিত

# শীল প্রভূপাদের বক্তৃ তাবলী

ওঁ বিকুপাদ প্রীমান্তভিনিদান্তদরস্থতী গোলামী মধারালের।
সেই অবিদান্তিধান্তি ভাগাল্লারগোলাগিনী কুমান্তাক নিশাদায়িনী জীবস্তাবান্তির মুইনিপ্রত—বৈফবসিদ্ধান্ত-রত্নালার কৌজ্ঞানি
—সেবাকুল্লমগুল্লের কুল্ল কর্ণ-বিভূষণ কদ্মকুল্লম—সম্প্রদান বৈভ্রমবিজ্ঞানগোরের নোলিক তথা—পদারাত্র ও ভাগানতের সমল্ল্লুল্ল—
মলাজন-জীবন চরিত-লিক্ষক—চিবিলাস-চিন্নাত্রাভিক্ষাত্র-বিচারক—ভ্রম্মা ও
মাধুবারসের মৌলিক গ্রেধণাগাল—সম্বন্ধ, অভিধেন্ন ও প্রয়োক্ষন-তত্ত্বের
বিজ্ঞান্ত-মন্ত্রা

১। প্রথম গুলারবদর্শন, জীওকতন্ব, কালগর্ম, শ্রীমধানির্জান, ব্লীনাগভাননী, পাকনাত্রিকা দীক্ষা ও বর্ণ-বিচার, আত্মধর্ম ও মনোধর্মা, শ্রীটেডগুনের ও তাঁহার নিক্ষা, অপ্রাক্ত সহজ্ঞধর্ম ও প্রাকৃত সহজ্ঞধর্ম ও প্রাকৃত সহজ্ঞধর্ম ও প্রাকৃত সহজ্ঞধর্ম ও প্রাকৃত সহজ্ঞধর্ম ও শ্রীপান ঈর্মপুরী, শ্রীল রমিকানন্দ-প্রদক্ষ, পৃষ্টিমার্গ প্রভৃতি বিশ্বেতি সংখ্যক রয়ে গুলোভিত। ভিন্দা মাত্র ৮০ বার আন্।

• ২। ত্রিভার হাও-শুদা ও বিদ্ধা ভক্তি, মতুষোর শ্রেষ্ঠতা কোঝার, আহার নিভারতি, শ্রীধর স্বানিপাদ ও সায়াবাদ, শ্রীঘোর নিভারত্ব-শ্রমণ প্রস্থার কিয়ানের মার্যার বিভারতার কীর্ত্তন, শ্রীঘোরপার মার্যার কর্মার ক্রিয়ার নিভারতার কীর্ত্তন, শ্রীঘারিপারের মার্যার, সহাপ্রয়াদ, শ্রীঘারিপার শ্রীঘার ক্রিয়ার ক্রিয়ার ক্রিয়ার বিভারতার ক্রিয়ার ক্রেয়ার ক্রিয়ার ক্রেয়ার ক্রিয়ার ক্রেয়ার ক্রিয়ার ক্রিয়ার ক্রিয়ার ক্রিয়ার ক্রিয়ার

প্রথম ও বিতীয়—তুই খণ্ড একরে লইলে ভিক্ষা ১৪০ দেড় ট কা, ভাক খন্ত সভ্রত্তা

व्याखिषानः - अव्यविज्ञाग-क्रीटेण्डक्यार्वे, त्याः ख्रीमाराश्वेत, स्वीदाः।

আগামী ওরা এপ্রিল (১৯৩১) তারিশ হইতে

# শ্রীধান নায়াপুরে

"ठाकूत তां क्रिनियान देनिक हिडेह" नारम

# উष्ठ इेश्द्रा विनानश

খোলা হইতেছে

বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যথ্য সুন্দর বাসহানের বন্দোবস্ত হ'ং ছে। প্রত্যেক ছাত্রের খোরাকী বাবদ মাত্র ছার টাকা মাসিক ব্যঞ্জ হইবে। মান ঘটার মাহাকর। ছাত্রগণ ফ্রিডার্কের গ্রেস্ট মহা নিম্মনিখিড ঠিকাদায় আব্যেদ কলে। সেত্রেন্টারী, ভাকুর ভ্রিনিশোদ ইন্টিটিউট্ট

ক্রীচেম্পন্ত, গোঃ শ্রীনারাপুর, নর্নায়ান

# ৫० वर्षमृद्धत्व भूती क्लिक कटहरू है। मद्देशिय

बारबादकातीला खान एक करेबा त्य नगढ कानश्मा नव कान करियांकन, खाड़ा ्रकृष क्राह्मित्र वृष्ट्व वृष्टक रहेश भएक । त्या विश्व वायकात्र कांद्रधा वेकक्रित ।

- )। ह्या अन्त मिनिका-- कक्ष माध्याक (यभन कांच क अ प्रका है। मुक्त के जुड़ालम अर्थ, मुळकुम्ब, भने काफुकि जार खीला नामध्य प्रतिका गाँधम, देवीक अधेर देक अस्य आकृति द्रशास बाक केन अस ।
- <sup>का</sup> ३ : श्रुश्चा**श्रमहाञ्च यक्तिका**--भाष्ट्रश्चवानिहीन ब्रह्मारक्ष निर्धानिमाप्तक स्रेमण । ar. ক্ষেত্ৰ বৈশিক্ষ 🙉 মানসিক শীক্ষারশহুঃ আলমানোনে এই ওবন বাবহাইই স্মৃত্ fall etta i
- ্ত। अञ्चल अञ्चलका-विका अनुस्त सीका स क्षत्रभाषक । বা ভ শহী । পাঞ্ছ ब्हेश मुख्या के क्यांकि निवृद्धि करेशा अक लांद्रकाश ल दाक जास रहा :

**के किम व्यक्तात्वर व्यक्तिक उत्तरात्र मृत्य क्यांक उन्हें**छ। ३८ छान्छ।

আধিয়ান :- আভিন্সানিপ্রাই উল্লোপিয় २५००१ रक्षाचार है। है। कि कारा

#### बीनवहीं नधानमाश्या व्याप देव किया थे

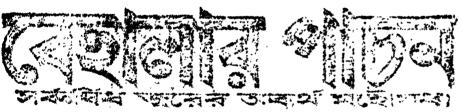
क्षिरेहालक सकाव्यकृत विकास क मोलाकृति महात बाल-तमान । अरु मह बीटलड व्यक्ति क्रिक्टन-क्राधाक बीट्य विभवा शकुत नील--- शात । वाटमात मात्रक । **ब्रिशाम-शहामा:---वामार्शमाव कि १ - ककार्तक विवय विद्यालय कार्य म नावद करण्** अभिका लदर्ग माइक व्याप २७० गुडा ।

# শ্রীসবরাপ ভাষতরক 🕬 🖟

有機の Cate-書 単すのだち 宇宙な キョカビャ bimj----- だいっこつがおみ ドボビル ゆまぐか बुन्सकाबीय कि सामाय कारतव कामान कर छा। यह सावक वालक व मान उपलब्ध ।

माधककश्चीन—हाटेबमववस्ता, चित्रचेत्रका, ट्रेक्ट्यव अत्म छ s लक्ष्माम । श्रीन मद्दावय डाइट्डा ७०ईनिक्ट अनिकाश्रमण । आर्थन, ८११८ । १०-চল্লিক্য আঞ্জির খুল্ডির স্থানার স্থানে প্রেলিটের সুলিক ২৯ ০ করন Law: in bile win nin !

# ক্ৰিৱাজ শৃশিভূষণ ক্ৰিক্ঠাভৱবের



चैक्तकात्व माहास हव, इक्ष्युक खेब्दाव दकान शदिवहान कहा वस नाहे। भूता थावि. निर्मित्रे अपना, शेरेडे क्रार्ट आना. (बाटम ३०० आन ह

অফিস-১১মং উক্টাডালা রোড, পোঃ শ্যামবানাত, কলিকাতা

abuig as a utiliouse, flassius air. AMILE MENTE, RESER, SIGICALL, SE AS-क्यांकि भारत्या भारतीय सम्बन्ध सम्बन्ध विद्यान बारकाबुर एक । बन्द, परिदेत, त्मवा वृश्वि कविदक व्यक्तिक केविका । विमा कर येन ३, वाक कावा । "如何e 四本 阿斯斯斯 更为"

न्त्रवर्धात तार्य वास्त्राक्षात वास्त्र कार्याता कर्षिका जोक्रीकरण करण र होता व हेकाबी में हैका र अप्रवास्त्रमात्रमी सक्रिकाण नीबाधार्थ करक सरकारनेकि द्वारों के द्वार कविरक कालाका । जेवा ३० रहे 🗸 वेक शका । श्रवध्य व्यानामानाकारते. त्यान्य संवर्ती है

🦇 ५ व व अर स्वादित्रम् द्वारकः, स्वतिकारतः । ५

# शरेष्णांगन

## किरिश्चित दिश

क्षेत्र कम्, कम्, स्थाय निवार व्यास्त्र, या ब्याबीयर नव नाम शाहाणि विदा देनछ। कि anatules conside cate account क्रिया बार्क्स ,

> 150 tott ---De fie wie Be, awaimin, #75/#5fe] }

21

शिक्षत्राधानः प्यापनि वरशेष्ठ्रण । > व्याकान् क्षेत्रपत्रः तकारके व्यवस्थानः इत्याकि ७० वाड व्याना, वस्तु ३१० व्याना । शाक्ष्या पुरुष्ट ...

#### एकां ग्रांची देशी देशी है। 21

राटमेर के व्यक्तकारक वाक्षात घटनोयन। भूमा ३ फिना ३१० आसा । अञ्चल

- ৩। সন্ন্যাসী-প্রদত্ত তাশ্রোগের অন্তর্ম কাংট্রা भारताथा जा जहरण मुना दशक्य । भूगा ५१० भागा ६ व्यास्थान
- काष्ठ-वामव शिक 8 | -सभीत, अदेशिया, व्यवेदनयनात घटनामन । किया ६० व्यवसार प्रत्यक पुत्रक ।

### हा उने न

राज्यात्वार अर्काणकार्थे स महाद्रक कार्यात्रमा । व्यक्ति व्यक्ति ३० प्रश्नाप 1150 THE 1

রবার-ট্যাম্প প্রস্তুকারক। মহ্ম ক্যাটালয়ের আল আন নির্দ্রা

क्षासिकाल-भटनाटम इन दल दहासी

्लाइ डिग्राही, कम्बर्भुद्ध, छ। की,

# য্ৰোমোহন প্ৰেস

श्वा-वाष्ट्राचात्र व्यवद्य अक्तराकाृत श्वाचात्र सक्य विवासः टेन्प्राहिक दर्भानाम मिल्लाराय काक छक्तिरकटेखे. निष्यक क्षांबिद्दक बहेदल विश्व ठिकामान शक्ष शिक्षा

> यादनकार-मद्भादमार्भ ८ छत्। DONE - ATERIN, BIMI

# মরা মাত্র বাঁচাইবার উপার

बायस क्रमानि राज्य मेरी मान्य बान्यकार कार्म Bun wifen bie ein einen, aufmi alofat graffen whatus with with a min on afagir action man dant abauten aus eine eine bimba inie, ment भाक भाकाणा, कार्यातक अवस्थाला, वसमूक, काक्ष्म, साम्बेद-भरत्काञ्च भी छ , कल जनर परेटमां के मिटम हे महत्वा पाका न्यूनी है, वक्षा, ५० ल्मा, व्याप्ता, त्याच क प्रकृताक्ष्म, किन्नाक्ष्म muis caren winer abere form expication appeter withis wir willing Bineta implet niceten mifung केटल कि क मालिकाम नानकात के विका बालाईक लाइक काराइ वस मन्य क्यान क्यांक वदम्दर्श मान्स विकास Alejet malu enten Obn electo wirdt mithing ente भारतम् सार्वे, क्रांशाक्षां ध्वन्यात्रं क्षत्रं क्षत्रभूकी नामकाक्षः कर्मका curent um nicht unnetentelle um fein und 

> CATE CLES ভাঃ ডি. ডি. হাজরা 🛊 🕓

> > weams, victorfus ente, dinner Bein we when followers



THE PLANE BIE वाक हाक ३८ ME ANA OF লৈভি কলম ১১ sima era T'BE I



नाचारयात कार व्यक्ति सम्बद्ध बांनिक ल्यू गायापिक बर् देवगाभिक २५०% गागिक ३८ 31717 व्यिक माथा। व

ভাষতের লক্ষ্যে বছল-এচার-এচীরা জেলার একমাত রুশ্পত

সম্পাদক—শ্রী হতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি ि २७व गरशा

জীলৈ লপাদাই জীবাদ মাণাপুর- ২০লে চৈত্র শুক্রবার ১০০৭, তরা এপ্রিল, ১৯০১

कृष्टिकात्र पूर्णियाञ्च

अविवाही व वह पुष जातिक वह-कारक । साक्ष्यक्रि ५ वन्त्रे। काल काली estition t

#### भूमं व्यविदयमध्य व्यव्हातारमञ् 3.99 31

**फ**ाठी कर्दश्चल विजीत । वचान व्यक्तित्वमाल क्षत्रकि भाक आसार शृहीक नर्षे । २०१४ वस्थान कविर्यम्पत्ने मूल व्यक्ताता वह व्यक्तात विक्रीत भारी-明·清南南川 正言如 刘阳明州 中期 电电流记录 wate wecaters wer aces confections देवहरू जाभास कार्यात अर्थ महायाmite maat levelt entite !

htinile mank babin dan 444 419 Wirm. 441 41441 নদ্ভি কর্মার পর পাত্তিক অকরণাণ .neep attrib unige ocan ;

ुणां 🐞 अर्थनांग व्यापन, ।विश्व विन्यां क्षेत्रभाविक मुक्ता यक्षा या । यह वर क्षात्रः काव्याद्वरणन्। किस्ति दर्श-बदक्क विस वृत्तिम चक् कित्र । ज्ञान एषा ।। ।। । । । । । ।। ।। ।। ।। राष्ट्रिके ने नवाश्राणी नेदर्ग महात्र महा श्रं श्रमाण' कविर्वत ।

नारकार करेरबाटी श्रुदाक बाबीवकात ्रार्किक अर्देश कारियक स्वरंग, वार् क्य व व्यापाल करिका गाँचि के के बेहरी हैं। बरणन व्यापदा र्गान्टवित्न यःवेरक

পূর্ণ অধিবেশনে জহরলালের বক্তৃতা

# নেত্রণের আভনন্দর

পিনেটিং সহজো পুলিশের অন্তায় প্রচার

# য।কিপে ভীষণ ভূষি

বিদেশী সাংবাদিকের সভায় স্থভাষ্টক্র

# বেলারসে ১৪৪ ধার

ব্যোমপথ ও রেলওয়ের স হত সংযোগ

# রটেনের অপব্যয়

সম্রাট দম্পতির মূতন মোটর গাড়ী

किष्ण ह क्षेत्राकि वटि, क्ष्मानि कामता किट्यन मान कानदाक बना कान्द्रक चूनिएक नारिएकोक मा त्य. याणाता मा नाबिएन इक्षण्ड रक्षका कानार व्यामात्मक , विकाद वान्ति क प्रार्कत्ममा क्ष्यमक कमटा काहिना व्याप मान वा क्षणाहमाधिन प्राकारमण गरिएके चामना ; क्रिग्रंटन मटन इतः चर्तनातमा वाता ८ अन्त भाष धक देवेनिटम बनिशा भारमहत्रमा क्रम बहेरन मान

নেতৃত্ব আসাধের দেশ কিছু না ভিছু গালাৰ কোন কোন সময়ে কাল পাৰচা क विश्वासक । भारतक कर छ तिल्ले आसे । साम । लाहताके, एटन बयनक लागारनत अनीहे निव इंद्रेनाका मनायां नाकी जबन कक कथा बालाकि। त्यांत केतिक देन्द्रेटक किया आका कि मध्यस-कटका व कुतन गहा गामा केर्नावड बहरारामा है क दक मास्टाम, कामा जनतक वित

कविशा स्मर्भ केतिक है। जानसक्त महत्त्व বিগক্ত ১০ বংশর পরিচা মহাত্মা গান্ধীর | নিজাক্ত অকত্মিয় বচিয়া চন্দ্র করে। জাকা

可以表 网络亚洲、 对称记录 करें(त, भाषा अधान वयांत्र शासिका आमिका या बर्गार्किः कमिने मारी महत्मा ्याः छोत्म टेन्डेक पात काव वर्दन, दमन शानिकां । भागता विदेश शांति ভা এইটু বলিতে পাৰি বে, करात्राराव आ'e'नविदा निर्मी • छ रक P'E- [40 Pif) Grifes G'elda ! गारश्व कराखात्मव काखाः व ८व चाकीनक कार क्या जाति हरनार, छाना स्थाप कतिकात केशास नाव, कर-आरत्त्र व्यक्ति-किष्या करका कविटक शाहित्यक सा

कानीवका विवादक कारहा कि हाई 🗕 🧏 काशक शिक्षांत के दिया नहां। कारबाक्स ह देशक विकास, क्ष्मीतिकास, भक्ता है িলাপার উপর মধ্য কাইছ কাই भ निक विकि वा त्यात । वा एक भाव गर् भारित्सार कार्यास्त्री कर्का हुई प million steed with the state will state वर्षे समझ समिकात लाखाः, नाबद्य महेह

अति। मह माम कविषा भारती की व দনত ৰণ ক বিষ্টেন ভব্যস্পটেক প্লাক্ত दण्ड करिएक कर्राया

Mitterica mign webefer mitaffe. क्रो कावात बरसम्स त्यु, चालो। सन् चान्तः वक् लगायत वांचनाता । धनांत्रम सात्रवाती भागीन बहेर-हे बहेरवा

Ris along gares of thest

১৮৭৯ गाँदवत (१४४म का उँका खात ठ) अक्षारंग । प्रस्थि আইনের ১০ (এ) মারা তামুলারে পাও নামারগাণের প্রতি

# (=13)-1

दम् हर्द्ध अञ्चलीत एवर । क्षेत्र अध्यक्षीसिक्ट ३७९० गरिना ८ एवं जार **मा**न्यस ३ चारित दल हैं-अंश्वराहम् कहिश्च १ छ ne कारा अक्रमारत C+'है-लव-क्याक्रम मधीया इक्षानभव निकारी सीमक वर्षाद-माराधन (१९०१किश्व भन्दीक रकाट कामा नांच अधिय कहिरपूर्णन, म्युमारन ख क्षू र । कें छ : काउँ का 4- क्षा फेन् का है (सर э ( @ ) नां > विवासमण अञ्च होनुक बत्रकारः १ १५ इन्द्रमध्यियात किया हो हात कृतित शुक्ता क्षित्र अभक्त लाजनामा (पन्टक mige bereiten in Gietell Gertet अभक्त भारति । शिक्त वर्षना एके लाहिन न्दा - (can क्रांटिय कर्ट्स ५ ( इ.स.) मार्टान भारता सर्वेशः कात्रक्षेत्रं भारत्यतम् निकति कार्य क्रियांचा कार्यकेती कार्यस्य 41 4 1 4 '+C1+ 1

क्षण्या शास्त्रवाशास्त्रशास्त्रवाशास्त्रकः **स्था**तस्त्र स्रक त्या यात्र ,व कादा पट विके कारी गतन रहें अधिक अञ्चलको नाविन मा क्षरण, काठ दशक भावनाव दारतन कियागित, मानताम, ि कीताम, बाता 4.1: \$10 E \$124 1

> याः हि. बन. खप (Jr 4: + \$0, +4) 41 #men i d コッコ 八体 ンプコント

कश्द्रका (१ ए (दमन क्वजिन्सन 165 mil 5 Er 11eib } 490. भाकी, मन्द्रात न १६ है। र्यान्तिमा भारतात, हिसूक श्रमायात्रम तथ । वृत्तिक अध्यक्षण के अध्यक्ति विधन किर्मा मार्गिक शक्त स्टेंटक मानगढ क्षाप्रीत करा उद्देश के हैं यह श्रेस्त्र 事就所以 利比福度 电影开始器 事情報 former 1

क हिल्ला (नव हें द्वार प्रशासी की बहनते, हे ক্ষাতীয় চাহর মি: জাতবেদ ক্ষ্টাকে : বিভাগের ভারতাপ্ত বাব ক্ষিটার পক अक्ष श्रुव विर्दर्शक । 🕱 बोद मा कहाना नौरम Gaisja feier Chier if Buloa neu Ger gruton : und e feinft ं कालायत क्टें(७८७ को नवं घर) प्रधानिक । अध्यानिकश्चरक खडे संचार निमंदन कर्द्यारमञ्जूष क्रम विकिल्लिकारक है दर्ग करा क्रम सफल्लिन समिकित स्मनाद्वन अवश्व कारकारन करियान्त भीर एउट (नाइक्ट्रोही कार कार्याहाम नामकेनिय निविद्या किविधिनारित के इं एकर को न्य प्रकार में किया है। अने कर रहिन है। abetie 1

मिश्राद वहान कांत्रे भागाने व वरणन ह स्तारतक चेश्रं ७७६ करिना कोक्सवीतात । करश्या शिक्षेतिविभावि है, अदाबीद वह मुद्राप्त

ર્જાના આંગ

মৌলালা আবিল বালাম আজাল केलाव व कुकाब दिलाम्गलमान भिल्ह्सम क्षा विश्वतिष्य भटवन ।

टीवृक्त छणाव-छ नहमग् **क**राठी बिकेरि विश्वासिक्षेत्र अधिकालिक अधिक एक कि । आधार मध्या व्हे द्य. নাগটিৰ শাংস কাঠঃ আয়া বৰ্ডীয়া सान्ति वरतारे आम्ता आफ्रीवशाव াগ্রিত্র বিকাশ শেষিকে পাইব। शहर्यकत अनिकात छ राजनीति---**ब्रुट विषय पुर्वक किताब एवं १७३**० িকত্বন পথ যাত্ৰ ক্ষ্ম

क्षाप्रदेशन युप्र प्राचीति नागरिक वावश्रव । गांधा । भगा विका कर भगाधान्य मिन आमन minist with which hills !

#### পিচকটিং সম্বন্ধে গুলিদেয় यशा १६।३

প্রিভ ক্ষা ন্যোপ্ জালীকী ्र<sup>क्ति</sup>भाषक द्वान्याञ्चेती श्<sup>र</sup>भाषक शक्ता riner Chinita existiatem Atarena, Chuice t. E gene abjett fen fem it, elastit fricele mela: सदल करतहरसय दर्गरकटा **अ**र्गमका द्यादेश विश्वाक्षण (य. लाक्षण (व भिक्ति कहा दश्याहरी अहा शक्ति miegen mie feng mute bieiei am Bu: festes i

CB वृत्री कशिक्षांत अ शांताक अस क fan a net niele, felben wiece ं निरुष्य कवित्र, लियाहकत ।

#### विश्वकि मार्याकी स्क्रम महाप्र च ड.य हट्य

सन्त्रीता मधिक संवर्धन व्यक्ता sets um Affetbican Micaian

া লেখনাৰ বিষ্টিৰ কালা ক্ৰীপ্ৰক क्षमायुरुष्य नद्ध ग्रमाधः अवश्विकः विदेशमा । আন্ত্রিক দুবালী বিষ্ট্রিনির বালক্ষ্টিক ক্ষেত্র নিজেন্ত্র সংক্রা সংক্রা সংক্রাপ্তর সংক্রাপ্তর क तत्त्र १८१४ मणनाम **का**यस कविष्ठकि । | कुल्यास्टरकार म कक कारवाहरा। कडियान

दनगाराम ५८३ थात्रा दक्तीवसारी कार्या दिवित उत्तर बाना अञ्चलाद्य रभगादरम्य क्रिका आर्थित्हेष्ठे

र मारमद का इस्वना च मारी, वना फरन ধালি প্রান্তলি অপ্রশাস বাইবা মাতির উভয়া fecan wingeren:

#### Ger (मर्थ ७ ८ तहा ७८ इन्न मर्ट्यान

हाल्ल्य्वितान जर बन्धावन सामक (न्याम-लब मध्याब दमालाली स बृहिन Casingta शबुर्वित ब्रामह क्षण मस्मानिक व्हतार्थ ह खाराटक सुराहण, विशव कराटक, कावक-नत्य अभग का या भाग त्या अन्ति होनाः डाना मध्य नर्ग। मान्नायत भीतनरण । इन्ह्रचित विस्तियलक मान्नितात व्यविधा कक्षण भाग वारहेकारी करियम शरिभूनी ( ezza ) वह नारक्षक भाग क्षाहात स्मार्टिक कर्गां 5८ के शाहक माइक माइक ब्रिट्स क्रिकेट · जिम अन्द्रतान दनगडा कानाव देशी घटन गाहिर १ यान मानाम कर्रहेन-নহ্যক্ষ বংগল, এই বৃদ্ধে স্থান্ত স্থান্ত নামের । যাবেগ পাঠেবিলে এপী হৈছে এক দিন

#### बुट्डेटब्स्य व्यथन्त्रश

भव प्रमान की प्राथ मार । १३६ .च्या खार ्य वास कार्यका शक्ष व विद्राप्तिकालन, wiefe dester imin pass simin लाउँ प्रशास्त्र करेंद्र वारका दिल दिन elisticion, lan espisata corre PRIN 11818 CIUIS CEIN AINT रेश्वीरत का स इस्ति (क अन्यामक काका र サーイス かけずなり しゃくかきり だいいれい न्त्र कक्षा के छे के स्थाप की भारत ने बंबनाइन क्षा बर्ग कर कर है। इन देन के विकास षा है। यदि क्षेत्र ४ ६ भिन्ने के व्यक्ति । यदि । 3 3 6 6 6 9 7 4 7 4 . E & 41 5 & 41 6 6 6 6 6 4 414.86 . 114 84 1

সজাটের মৃত্য নেটের সাড়া "८५वी संस्थितियाँ" शास स्थानाम कश्चिम भारत मधाब लागा म शाह्यशास सुक्त (माष्ट्रिशाको (आ ६७ ६११व) स्थान मञ्जूष भन्नि ६५, भावेद भारते वस्तराव wiscecke, with the Edicision didelsia otera Culua ascas

#### कतारीट इ अवस्था नाना यादन निमम्

क्रिकार ए भिन्नित्राह्माने अस क्टॅट के के किर्म अक्रायाल प्रश्न मिल्न 河南河 医甲甲基甲 學門 电影新代数 職[3個 ment mit barn Gible fange wat क्षेत्रात्व रित्यम भागाय का कविश्व क्षावित्व किंग भिन्नो बाद्दक माध्र states at a set fin meda milit र्भाबद्वर्गन कर्मा कहा केट्टाब गर्दक ग्रह्मग्रह 1264 m

্মার্কিলে ভীবণ ভাষকপা ्यात्र देवादिकश्च शुक्रा, वस जहवा

क्रीयम अभिकाल मामाख्या नगम प्रदेश करवारक, त्य क्टब्रक मिन क्यानक आहरू सामाहक जान्यम वाशियां है।

ज गरी क टब ११० क का निवादक श्राणाटक खावान, महानहस्त्राञ्च ভृतिकरूला शाय कोषांत त्यांत्कत मृत्या वहेंब्रांत्क, क्षातीन नह मन्द्र (नाक वंदम करेत्राहरू, उदारण जारनम कृषि जारमहिकाम आक्री छ नामक वाणिका कारकमा करनक याज्याती त्यादकत् व्याचीत्र व्यवद बुरीम् त भारतम पूरावातात लाक आकर्त श्रीका मांद्रशास्त्र । मनकाती आधिक nan Gliefe egute unt mineren, बनव, स्मानांच ও अभिन क्यीकृत

#### **८म**सरस्य जेभन व्यक्ताहान कराकन ক্ষিতিতে সভতেত

चार्वेनकः विशेष केनश्रमः क्लिक्शकः कर्र्यात्राम्याच्या स्थापन क्षाप्रकृतिक केलक माना व कराक बक्क दर संबंधी (सर्वा 45 Sen 114 Amnela Glota Miniatel Mich abeten allfehim Bign guin wan biet netwe wa-मानारायन राष्ट्र वश्वास काम्बीव सिक्क 'च पील - १ विश्वतिक भागाण्यक्ति **भा**रति 海河智等 ternit - Defficament femifielige bienig wueift Bigm imfem mnie billinium nutmu Bur राम्भीन कारना । आधि किस वर्षेत्र विकार भारता जुलीक क्या ।

#### ভাষাত কর্ত্তক স্রীলোকের সম্পত্তি गुर्दे

माठि दर्भाश संस्थापि महेदा कार oo अन अन्तिक अमेशिकात व्यविधा विधिवाला पानीत वाष्ट्रीटक पटका अधिका pfeulbeit feigeint wie wielft SE MINICO SOCIONI INGRESCO MIS-15.5 को प्राप्त प्रशास विभिन्न विकेश ufout mignice i wie imer gen be माविका ज्यानगरिका। ज नदास दक्क CHIM WE 415 1

#### लई डिटे जिल्डम गळार्डेन किहेक नियाप धार्व

क्क बंडेलिस्डम वार्क्रिस क्षत्रीक natibe feet freis ares west बार मन्त्रीय महादेवल्यक्ति महिन् william wear a .

**₩₩₩₩₹₩**₹₩₹₩₩₩

#### সাময়িক প্রসঙ্গ

ওঁ বিফুপাৰ প্রমন্থ্য পরিব্রাক্তা-ठायायमा अरहेस्डिम्स्डिम्स्डिम्स् छिन-শিক্ষাত সম্বতী গোলামী প্রভূপার গত अध्ये देव का अधिक वृथवान करमहरूक स्टेट्ड व्यागाम मायाश्रत · टेड्ड स्टार क्षा विभव कतिष्ठा । निकल जीनाम মনস্তবাহ্রদের পরবিভাত্ত্বণ প্রেভূ, জীপাদ भारतिस्यादन अवाहाची. खीलाव मक्कनानक একচারা প্রভৃতি ভাহার অমুগমন করিয়া-(रूम। वह ७ अनु याकि जान (शायामी यशत्राद्धात्र निक्षे स्विक्षा अवग क्षिट्डट्रंडन

किकारकारमञ्ज दिनिक्षाके प्रक्रिनियास জীয়ত গায়ত্তপ্ৰ প্যায় বি-তে বি-ছ মধালয় क हैंदिन व डि.अ.के व्हांक निवास भारत निवास श्रद्धान । जिले मालाम विश्वनिश्वानारम् भाष्ट्रवर्षे ७ श्रुक्षिकारम वक्षम কভিবের স্কিত কাল্য কার্যাছেল। कृष्य (५ एवं औषश्राध्य पृत्र भाषामार काणन छ সংরক্ষণ করিবার উদ্দেশে একুড পাঢ়ি भश्तमह । वरणव यक्त कविश काशिएक-ছেল। আমরা ভাগার কটকে ভিট্লি दक्षित्रात करण निरमाभ-व्याखि व्याभयन भरवारम व्यागकात व्यागनिक চইক্ষম। তিনি প্রম ভাগবত ও স্বাচার-সম্পন্ন বৈশ্বৰ প্ৰাক্ষণ। তেলেণ্ড, ভামিল, 'डेरफ्ल.वक्रकारा क देश्यको काराय के[कार्य : भिरमय भारतमिका ब्याटकः।

**"নৈনিক বভ্ৰমতী" (১+ই ট্ৰেড** ১৩৩): केशित मन्द्रांत केश मध्याम ६८४ जीनाम-भाषांशायत महरूपरम्य मध्यक निवासांचा गःयांगठी अकाल कतिबाद्धन.--

### मात्रा भारत महार जन

ইটাম নৰ্থীপের প্রপার্ভিত মারাপুর ेठ एक मरहे दशक श्रामिश्राम छ दशक सहा-नमारतारक माणाम क्षेत्रा । भगारक । विक्र-ক্ষেত্র প্রমহণে পরিবাজক 🗐 ীমহাজি मिकाधनंत्रवाडारम्दनम् भून्वेबन्दनः चान्ति पृष त्मन कडेटल बरनटक मावान्य वाम अमन कश्चित्राकिरणन । अभर्य ५ वाकिन्द्रनेत्र अस् नावकाल सम्भव कश्चारिका। युक्त बुहर म्बालाश यह यातील म्याभम दहेशाहिल । श्रीरग'क भिर् यु कक अपन । (वस अक्त बहेबोधिया, शीरणारकत महिक शुक्ररणा Cकार्स छ अल्लंक किस श । Bue की संगा-मन्त्र का अपन्त के दिल्या का मार्थी बहे दक्षात्र का वह माते । वालाक मधीर्यन,

# দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

মিতাপাস্য বৈৰুপ্তবাতাৰত

त्वशामि नवस नाष्ठ-मारस्त्र अकृतिय व्याप्ताड। সমগ্র ভারতে একমাত্র মূলভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

জলাম আর্শপুর-১০শে সৈত্র, প্রক্রবার-১০৩৭

আর্ভি, প্রদাদ বিভরণ নিয়মিতভাবে হুইত। ছাজার হাজার যাত্রী এই প্রসাদ প্রাপ হটভেন। ভারতী মহারাজ, যাগর मधाद्राक, व्यवना महाद्राक, कीर्जनामन क्ष क कार्क कि की क्षेत्राम विक्रत्रापत्र योवश कतिराज्य । १४'८म एताकाष्ठा मिराज दव मा, ८७८ हैत वायका नाहे : भाकारमञ्ज উৎপাতন নাই। চৈতক্তমটের পরিক্রমণের क्लां किट्टब-त्याना। व्य नियनकाम क्षाव्या (लाक्तावादा छ A 75 01-भम्हिताहारत का श्रेष्ठात या**जीरक** मान প্রকার রাজা দিয়া পরিচালন করা সহজ-भा । महा । अवसास्त्र यादीत कल्ट्याटभन धवावधां ६ विकाः कीर्द्रनामम् धान् ६ রাধার্মণ প্রাত্ত এই পরিক্রমণের প্রানান क्षेत्रशाती । तमारणत शतिमा अस विद्राउँ স্ভার আদিবেশন হত্যাভিক। শ্রী শ্রীমন্ত জি-সিছাত সর্ভটীদের সভাপতির আস্ন अष्टम कविषाकित्यमः रविभागमधीरुमः উপানি বিভারণ প্রেড়ভি মংকার্যার অন্ত क्षेत्र कडे मखार कडेराहिन। अस्तम हल महत्रत चारमक जिल्लाताम अधिरुक्तात्रक क्य, क्यि महाराश्व महत्त्र करियाचली व्यनःभा (योशः)।

গক ৮ই চৈতে হৰিবাস সন্ধায় 🛰 पछिका बर्वेटक जाति का पछिका लगाय क शिक एए। ८५० मध्य अभगमधना सामिनाद 📆 कुक अधूनावन प्याष्टा महानद्यत अवदन বহু প্ৰক্ৰিত ও মন্ত্ৰান্ত ব্যক্তিমভিত বেক চিকাৰ জ্ঞাগাড়ীয়মন্ত্ৰক অভাবাতিক विद्यास मान्यास स्रातिक शासमाजिक शिक्षा व व्यक्तभाषा शिक्षान-मातास्य । माञ्चाहिक लज 'एलोक्ट्रांच मन्नातक' एवं कींडन एलीन, श्चिमाम भूमजानम विभागिताम वि. ल মহোনয় "বেঞ্সংশ্ব নামে প্রচলিত্র মত সমুক্তের এতিত ত্রীমম্মছাজ্যের বা ত্রীপোটান भट्टरेस एउट १८४४ लार्शका एक भाषा विरक्षि ए की द्वीपंत्रकृष्टा अभाग करत्व । जन्न करक श्रहणाद शहाया करता अकाशी लाक्ष्रिकारक व मर्गभग महाक्ष्रभ भगावणा १६७४सण । की खन का तरा दिएका ।

### 🎒 শীলশ্বপেগ্যসঞ্চাবিধী সভাব অধিবেশন-বিবর্ণী [ 9 ]

#### জীপাদ নর্ছরি জনচারী

षा छ: लत्र जिम छिषायाँ क्षेत्रपति निमान গভক্তিনেমি মহারাক উটেডনামটের র্থ ক শ্রীপাদ নর্হরি ব্রহ্মচার্য মহাশ্রের नाम डेस्स्य कात्रण बस्तम स्य हिट्डिलम्बर्क . विश्वकृत अम्मन-महम शिवाम नवर्वा अर (सहे काक्ष्मप्रतित सक्ताक्ष्म भारत च्या क्रम-(भरवज्ञ दान) क्वांकान खाल १डेप्राहरून अव **स**ग्नित के सक्क व कहेंग्रा कर कर कर-পোরাত দেবা করিতেছেন--বিনয় নম-बावहात, देवस्थ्रवाडिक देशमा ६ विहास्त्र-খারা স্বংগর ক্রম্ম আরুট করিণাছেন। মতেংখনবাদির বিভিন্ন প্রকার মৃত্যান্ত द्धिः (स्थार्थ) । विशेष विशेष व्यास्य वक्षयाम् छ। तम क्रिटाम् इत्र ।

#### **ब्रीभाग महानम जन्नाता**

यक्षप्राती जीवान महानकनी धीकानवड ध्यानम स ट्रीडकासन महरूत 'श्रद व निस्तृष्ट (भेरा कविशास्त्र अवर कतिस्टाइन स मामाधार। अनाय-मामाध्व व व्यक्ती उन द्योत रक्षतः मध्याक्षीहे-अन्यत्ततः हे स्थानाय बार्क रहिकारा धार्मन कालपाइर स

#### खक्का शिक्षिनानकरी

अकरात्री औकीकनानमधी कावाद ेरेकुक<sup>्र</sup>भक्ष ल १ প্রিরারের ও খার প্রাকৃতিদলা কটিং-(छन. हेश अबहाती श्रीकां देनानमधीत ८/। वा (छहे। अहे निवर्णन अक्षण । और पोछीब भएरक । ।। छहा (संवर्ग कनः জ্ঞীকে প্রমোদভাব চালবলী বিকারনাননকী মসরক্ষতা ম ধনিশ-

> অঙ্গান সা শ্রহ্ম প্রারশী अफ्रांती विश्वभीवना मानिनाजा

अस्मर्थ शिवकरशीत्रारंगम महनाजीह প্রচারে বিশেষ উৎদাহ ও বিশ্রম্ভ দেব।-চেটা প্রদর্শন করিয় ছেন।

#### श्रीमद्भवक्रम श्रीक्रमावा

उन्नहाती जीनिकश्वत्र छिन्दर्शिनी অন্যন্ত পরিশ্রমন্তকারে 🖒 াম-পরিক্রমার জন্ত **অভিকৃষ্য সংগ্রহ** এবং ই,ধান-श्रीतक्रमाकारमः योजिनरशत्र स्वग्रान्यानः বাহনানির সংরক্ষ ও বনেবস্ত প্রভৃতি कार्या व्यक्तमञ्ज पतिसम ७ व्यामनं (भरा थान-ग कविदार्कन ।

#### जनाग । जीवा विद्यारमधी

অগতারী প্রীপ্রারীলোহন শুক্র গোড়ীয়-গৌরাজের ধানারি প্রিচালনে বিশেষ ক্তিছান দেবা চেঠা প্রদর্শন করিয়াঞ্জিন।

#### শ্রীটেডপুর -দেনকগণ

अभागती चीनजनिष्ट चीमकाशाला हुत वाणानानि तत्रभात्र. बक्कावी वेमनगर्गालान ভাঙার রফণে বিশেষ ক্ষতিত্ব ও পরিশ্রম প্রদর্শন করিবাছেন। জীপার মুকুন্দবিনোদ াদ্যে বনচারী শ্রীমন্ত্রাপ্রভুর নিংয় ভোগের भाक-भक्षी तदः 🏖 एम रश्व गामाज्यकात्र कृषि भागता छै:लागटन एवं अक्रांश त्व म कतिबार्डन, काहा नाकविक्के आधन कानीय ।

#### आপान निकासिक खब्दानी

क्षी पत्र निर्देशनस्य अध्यागीकी क्षेत्रनाश्च-व्यक्ति अनात स्वाहित व्यक्तिम जिल्लाम শ্রী: যে পণি <del>গমাকালে বাছাছে</del> দংগ্রাদি-কার্টো অক্লান্ত পরিভাম করিয়া-्डन। बोलबील सम्बद्धातिकेन वह সক্ষা থেবছ গোকে জাপের মতা গান জ্ঞাপন क विदेशकम् ।

#### श्रीगु 5 यही अप नाश भीन

कलिका शामित्ती शिष्टक बना छन ब भाग वि. १ मधानव छी। भी छीत महत्व উংগ্ৰক জে टी-ाम-माबालरन 6.32 ক্ষিপ্ৰাঃ বাছভিৱের Anten awith মেণ্টের বনেরি জালানের **বারা বিলে**ঞ বেলা-চে গ্ৰাপ্তৰান করিবাছেন : জীগায়-क्षात्राविकात्रका एवं क्रक अंतरीक विश्वति धनवान छालम कलिए। एक ।

#### बिज ज उपन

कतिकाठा-निवासी देशक विभिन-विश्वती विका विश्वालयन । अंगुक भूजिन विश्वा मिन नाइन्य और वार्य अधी भवाम मात्राञ्चल । एवावकु: ७३ के कर इत्ति• नाम व्यामात्रालय ७ ५ , र ८७ वृक्ष निकार कावर के व न वन अने भनाव भारताक पत्र । शासन संचा अक्रि**अस**क शर भरत्र भारत समृत्यम् विद्वार कि लावाच्य भित्राद्वास ए.वर खिल-प्रकृष

**ENTIT**-ভোরণাদির সৌঠব-বস্থান बाबालरत गाम, बिल्लास ७ विकानीकी स्मर्टन निका इतिकारा आक्षाका में किरता पाइका व्यक्तित कतिहास्कृत क करिए ভদ্মত তীবাম প্রচাবিদীয়তা উভ আতুরাকে **२ळवान** जालन करेता ग्राम !

#### জীয়ত নি গ্রশ্যন্ত ভঙ্গ

কলিকাতা নিধানী জীতুক নিবারণ চল্ল ছড় মধ্যন্য এক মল বিশেষ ভক্ত। ভিলি केंद्रा व टीमन्या इहेशास देखारना विकर्त অমানীমানদ। ইনি কলিক্ডার একজন সমুদ্ধ বস্তব্যবস্থায়। শীভকালে ভগবংগেষক भगरक वह कथवानि नीव्यक्ष उपतान ক্রিয়া ডিনি অশেষ ভজু ্থী ভঙ্তি সক্ষয় ক্লবিয়াছেন। আনলা বিশ্বস্থতে আৰু নিজে পারিলাম, ভিনি ই,লাল নালাপুরে একটা ধর্মালাল। নিম্বাণ কলিনা বি ।'র সারু সহল্ল করিয়াছেল। গভ নিগাম-गर्वशील भित्रक्षभाकारण डिलि ८९७० (मर्डाण महिल 🗐 तम श्रीतिश्रमा हिल्ल 🕏 छेर् **(मधारे**शांटकम, उन्हा च द (तिवर्णे कात्रा-বিশী, ধামপ্রবারিনীরভা বহু লিল্ল ভক্ত भटक करत्यः **भ**टन्यः अस्याम् स्राप्तान क्षिएट १६ म ।

### (दशक्र इंद्र होते ह

চার্কের বছগার কথাটা বধন প্ররণ হয় ভখন প্রাণ্টা দেন শিহারতে উচ্চ। ডিপর ভিতাপবরণাঞ্জ চারক প্রেচাল ष्यद्रा १ भाषा कीवन 4'3 **छानुदक्त्र नि**ङ्गोतिका पुष्टिस का : देससदन भाषात्र निक्छे, याला शिराहा निक्छे िक्छ, ध्योदान पार्याभाक्तान अन्त्रम स्हैल कृष्टित्र निक्छे, एटाके । इस्त छ বাডকে) প্র-কন্সা ও আরীচেম্বনগণের मत्नात्रश्रत्व चाकम ६३८० । তার্গাদ্ধের निक्र से हाइत्वर उत्त लाग क्रांगड श्डेत्राहे त्रहिल।

माका-श्रीवरन भटन कतिशाम, डेलगुक 📩 इटड मश्मात छात राष्ट्र कविश विकास হারা বুঝিতে পারিধান না। যাছে मश्यास छ। क्रियात अल्लिम माध कतिला । শু 🚁 ভাষে। পরিভাগে করিতে চারিলে 🖟 লৌল্ডাদি স্থান্ন পুণ কুলি করি। প্রাণ্ডের कार्यस्थित र्राट हरूलम्बरम् बन्नमान् । स्थानना बामुनस्य व पाठारम् सामास्यास्य

প্রতি লাভ কারিছে পারি, তভদিন। ্নাত আর আমার উপার নটি। স্বয়-ক্পা গাড়ীত। নংসার চড়োন যাব না।

**एडिगीबम-** 'क्रांटिक क्षरा मुख्य মূচ্য জালা লইয়া 🖹 সংগ্র-নমত্ত ভূষণাঠ প্ৰবেৱ হায় কোনু মহানা পপে চলিলা যাইছেছি এবং ভাষার সলে বিভাগৰণ চাৰুৰেয় ঘায়া শ্ৰেড इटेट्डिए, ए:इ.३. ६४७। मध्ये। धनवारीत क्षेत्रक अस्ट्राटल करूरे वात्रकत ব্যবহার ফ্রিড নতম্বনে স্ভালগতে ক্ষরণ্টী বাভির গ্রেড চার্কের ব্যবহা **४७**दिनि भारोग्या गाउँ जान भाग নাই, ভবাপি মাদুশ আফোববিযুদ্ালু देवपन्तरिक्षो अभाव है। वाहिराबद्दराहन काम गांधु रेनकनशर । इ. वि. १ वि. १ वि. १ वि. व्यक्ताल बारनी कृतिक

कीरतात्र प्रकार कर्या है। इस इस्ट्राइन কৈয় ভগবদিকার দীল বারস্থা নং তকটা ক্ষণারত্ব হার করিয়াছে। ১,ব ১,ই भागवातात व्यवसारकोत्राही ७ । । त Fags . কিডাকার নিজা চারা চ মাহিবলৈ অভিন্তে করে াবি,**শ্ব সংবতী্য ভ**ংব্যহ্যতের। প্রস্থার বিশ্বপূর্ণ র 4(7 01) শাপাইলা ভুকাভিত্তম (কাত্ৰাভিন্তন স্বাং ভোগ ক্ষিবার ৯.১ কারতে भारक, एक्षन क्राक्षतिकाती - एरक्स वरिद्रका (बिहिद्दस्तिदेशका अकियाब एति, इस) । सक्ति महारहती । एड्डाट्स उर्वे मध्यात-কলে বাবে নিকেপ করিলা ভাষাত ক্রিতে পাকে :

ক্ষামবিদ্যতেরে জন্ত মানে বর্ক বার্কের চাত্রক *দীবের প্র*ণিচ কিলপভাবে প্রাণুজ णठभभाव भारतातात्र ६०० महीशहत्त्र हेव आतर कीत कि कें।ए८ हे सा ८८ है 61%रत्रत्र वार्षाः । दहर्ड 'छेवाद वा'छ করিতে পারে, ভাষ্যর একটা বর্ণ। আছি ভয়ালার স্তেভিলভতিভাটেটের পুছার আনোল দেখিতে পাই লগা, - 'টেই (बार्टन माधानिलाडी मध काव छाट्य। जा अधिकाति कालाध्य काल काशि भारत ॥ काम टकार ते नाम वका प्रात ল্যাপ থায়। ভ্রিতে এমিডে যদি সাধু স্থা লাভ করিব। কিয় হাছা এই ট্রেছ পাছ। তার উপদেশমন্তে পিশাটা मध्नाख-७क्किनीय (पार्ट्स्य एम एनम् नाइ. | नामाख्य व्यक्तका के नाम किन्य है यात्र ॥

८६ लाइएक, भागात्मदी यथन छ।ठाव ত্ব আৰু সংসাধানতি নাম । নাম আমি বিনাহায়িনী বিপ্ৰতি উত্ত ক্ষিতা বাৰতীয় মানাল্য নংসার করিতে কনিতে জোর- বিজ্ঞাকর্মক ভোলোলালালী সম্পান ও পন राधारा लागाव इत्रियं द्वान १ । षष्टीमा । हे विवादार्थन ५ व मा राज बेकन त्याधार्यका প্রায় ন ব্যুক্তর নিজ্জন অপুগত িদন, প্রথমট অনের মনে করি যে, ক্তরা সংখ্যার নির্বাঠ্য আলিবে এবং । আনাবের তাড়বিন। সাধারে চৌধ্যোত্মর

वक्षनाणि वृत्तिह शांति ना। छेट्टे रामन ক্টক চল্লে ক্ত্ৰিক্ত মুখ-গ্ৰুৱ ক্রিভে আনন্দ লাভ করে, আমরাও ভদ্রপ এই সংবারে ত্রিভাপানলে দ্বীভূত इश्याप व्यक्तित वहें मध्यात शुव्यक वह-भागन क जिला शाकि।

कतिका-देवकद्वत सत्रद्रम लालत रहेगा िव्ययभाविष्ठात्वत भटन सामका छ। নিন্তেই স্মাতেরে শুভান্ন ব্যায় প্রা कार्याक शासित, ध्वतिन गास्-देवश्वलन ष्यासारक्षेत्र होर्गाशनस्यत् बक्त बाधाविनास ম্জ দলিপুক্ত শাল্পব্ভিক্তপ চাৰুকের ৰানা গুঠে ক্লাগাভ ব্যাতি কান্ত मरत्य 🕮 ६ छाराना छ नि पृत्ती 🕫 कतिया হালডাড় উত্তালন পূৰ্মক শিশ্বহিত্য निश्वम् स्थाप्त स्थल । एत्रांश । उन्ने ने राज्य বী নগী এক জনায়ু, মুণ্ডাড়েক

El > u

खन्दे त्यादा त्या न्हें जिल्लामा मधन े आभारत्य श्रीनरम कारण क्षानिक स्टान, फरनरे व्यापाता के कामुरकत विशेषिका **इ**हेंगुक ध्वताकृष्टि शहित कार्य महिमा के लाकि ।

र्वे र ६ । ३६१व ७ ११६८क स्थाप । देवन्यतः तत्त्व प्रदेश के अपने आहेता यक्षणीय प्रदेश अपने हैं বলা আৰুত্ব জেল্প এক বেটিনাল-भूने हेना । १ व शहर है स्थापन ना बहेशा क करा दिवारमान । असे का हम देनते केणी-बर्फ क्रियान प्रकार्धात संग्रेश क्या काल ি, ভাগের জীব লালারিভ: ইংরি ম্ভিল্প-ন ক্রিবল ভাগে অধ্যাল নাই। कामात मध्य दश, महिल निद्धांत शामाञ्जाह দ্বলা ক্রিনার ভক্ত ম্যানাবভার 🗟গ यु-मावत भाग शाहरा सहामह,...- 'छत्य वाचि মাবেণ্ডার শিলের উপরে এই त्म छात्र लाह्यान कतिबादधन, छन्। तारे ্ৰেছ বৈশ্যাৰত্ব চাবুকের মন্মা সমাস *बी*डिक द्देशस्त्र ।

८: डि इहाईडे बामता खक्षणां भणक एका दुव-लामल्य इटेट्ड व्यक्तिल इटेड्रा অনম্ব নির্য-গরে পভিত ইটেছি। मन्त्रात्रभारत्य हार्षुत् चाहेट्ड चाहेट्ड यश्राहे धामता चलिउन्त रहेगा अक्रमात्राच इंडर्ड ल्यान इंडे, खबन्ह देवसनशेक्त-গ্রহার ঐ চাবুক আমানিগকে শাসন कर्मित । ध्वाम देवसार्यम तक ठावुक यक्ति कराका वामामिशक खाँछ शाम भातिक ना कतिक, छोटा ध्येष्ट द्यागिसन 🖟 অবণ্য হউত ;---

কান্দ্ৰীনাং কৃতি দ কৃতিধা পাশিতা-

द्धनार काला यदि न करूना न वाना হইতে নিৰ্গত নিজ বজ আখাদন করিতে তিংস্ট্রোতানৰ বছগতে সাভাতং গ্রন্থি-স্থানারাতঃ শর্ণমঞ্জং নাং नियुक्तम् । सामादकः ।

#### এটার প্রাক

क्षिरिकारकामर्गत व्यक्तातम क्षावाचेम व्यागप्रक्रिविटवक कांत्रको महात्राच १७ ३२ई किया जातिएव भद्रमाध्यम्भाष्य अञ्चल वीय-চকে শ্রীমন্ত্রণি ভ পাঠ ও ব্যাপ্যা করিরা-জেন : গুল্পেণ কি ভাবে আত্মীরপান্ন স্থ গুৱে অবস্থান করিয়া আত্মণতনত্বল গৃহাত্ত্ব-কু.ল গতিত লা হইয়া লকখেই আলো-हारित नरण व्यक्तमञ्ज ४३ एक न्याराम, दम विषय वृत्धित-गाप्तर भागाम इकेटल अभन श्री अधूक ब्रामा करिलाहरून त्य, सक्का नियद्ध नियम शुक्षभूत सुक्षदायां लट्डा मक्तम नार्ग्र, ८५म ।

অপরে করুলাময় প্রীভগবাস দ্বিকুলের टाठि ता कल मनत, एका वर्णवात खारा मानात्व गार्थे। बहै । इस वद्यात व्यवस्थित কলি নীৰপথকে ডিছন্ত ন প্ৰেমাৰ ক্ষেত্ৰাৰ द रा दिल्लाकी अधि विकासनाती कानाम सक-ত্ৰতে অৰভাৰ চইয়া জগৰানীত বাংল আছে कीम ६५। १४ ५ मार्थ ५ मार्थ ५ ८ दास्य कतिहाः दसके দয় মত্ত তথাপানেল্ল মূক্ত প্রান্তিলাহের প্ৰিচয় নিখেতেন। ফল্ডে ফাণ্ডিক ष्ट्रण-प्रकारकात व्याद्धान त्यां हरूने न्यास---'सदा' य'गम कशिष्ठ देवेटम ७ जारा ८ एए १५-বভিনী মান্ত বাতীত আর কিন্তুই মহে। किन्न चें. टिएए कासरमच भगा-- व्यवसमाम्ब-লগা, জীব জান্তুনাত সুধি চত মাচটা এই স্বয়ায় বিচার করিলে, ডাভই চমংক্লাড হইলা रेऽ र छा। त्रार्थ । व्यक्षिक सम्बद्धाः । व्यक्षिक सम्बद्धाः । इहेटन ।

ঐ দদেলে বেশগরী তথাক্ষণিত সাধুপুৰ मत्रथ गृहक्षात्रक वावकना कत्रिया व्यवक देवन एपन आठि भनाका जनः । एवा प्राप्ति-গণের মধ্যে কভিচার আেত আনমন করিচাভিল,আল ১েট জোভেথাংগকারিটী প্রাক্ত মতের কথা প্রবণ করিয়া এক নুষ্ঠন शाका शक्ति। विदारका और क्रमार्थक कथा पहरटक खुरुद्दम डाठरविष इत रमञ्जूष সত্যাত্রসন্ধিংত্রণা বন্ধপরিকর ক্রমান্ত্রে।

সমাত্র শ্রীগোরক্ষা প্রচারিত হইতেছে (प्रशिश् शब्द मित्र धानम स्थात्र १८८ मा। শ্রীভগবানের সেবাধর্ম-বিধুমতাই নিঙা কি আমানের এই মোক কীর্তন। করিবার, তব্দদান শীবগুলের ছঃখের সারণ। সেই धार्यत भूगताधीशमात भीत्वत सत्रगातु-ভূতিতে নিভানন গাড অভি সহ**ৰলাণা।** 

#### ভাল কাকেনিশোদকান্ত্র নির্ভাচত ভাতি গ্রেখানগ্রী

# 6कृत्वं निर्दाः

**बिटेक्सबर्ध--- क्रेन्डिकिक्टिनाव काक्ट्राव किला**क-াতে তাখের পরিচয়, ক্লের স্তিভ স্থত, নিতা ও बिहुक्क कर्या. शिकटेंब - निर्देश का अवश्वकारमंत्र एकम. साहित -िभक्षका आञ्च कश्रवांक क्षमान, देनावन वर्गाम्यमान्य, देनकव-ण्ड बक्रम, मरकामामनाव महिल गाउँका, म'बायब, टेनवी-। कि क क्षंकाटकन रक्ष, केमन्यू-धर, व्यटकाती क्ष किस कारकमा, कोरबब बका दा छ म क. टे क मुन्दर ांबेक्ष्यः कियादः अधिकादी-।४। । क्या ६ क्या । क्या ालकारा, माञ्चलका ब देवकायक्षका, त्यत्व कृष्णशीका, खनाव म भाषा **काषा**त आहे। जिन्हा का विकास का का का का क्षात्र कार्यक, मक्ष्रवारत्व मानव क्रियान कार्य. . न्या-प्रश्नम दक्षी रूपक, मिनिशाह, मी भार देवी का दावाद्या है कि. मध्यक्कान, बम्हत्यक वामकारी, लाककीवरम, अनुव ा, शीलाव्यक्षम ब्राष्ट्राष्ट्र तमानम श्राप्त भएताल सामान शुक्त प्रश्नावनी व्य क मनगर शिक्ष करणालकथनकत्न व्य क अ बहराका अब अवश्व अध्य प्राप्त म नक्ष करिए रक्शांतिक बारक इ स्कृष्टिके कका व गरनव वाकिश्व मा । गाम गुड़ ादविष्टक खरक्रम गडम स अप्राप्तमानी उन्ह ध्रमणाउ 4 +1 14 8 +8 +15 19 [4 4 x ( n) 4 17 - 4 18 - 4 ( ) 16 [ 1-2 8 -দলে এচ প্রস্তুত উদিত হংচাছেন। আবার প্রস্তুত ्डी. कथानाव के बालि बाल रिटलय ममुद्ध कहा व्हेबाएक र ा है। बाह, भागान महल मात्र हलका हैरकुंड देव है.... ७ ± ४ कर#ऽ ९ स<sub>्</sub> भावा ।



#### हिन्दू न, फरन | नम्म अर्थायाँ स्था २० द्वार हो । | सार्थायाया स्था ।

জ্বা ক্ষান্ত। কালে কালে মানবের নিছা ক্ষান্ত। কালের কালের সামারত কল্পনা নিছাতি কইবাছে। ব্যান্ত কল্পনা নিছাতি কইবাছে। ব্যান্ত লাল্লান্ত কালার চল্লাকি কালার কালের কালার চল্লাকি কালের কালার চল্লাকি কালের কালার চল্লাকি কালের কালের



विक्षीय मरमान । ४० माना

শ্রীরণ কোষানী আড় শ্রীণ ব্যুনাথ গোষানী প্রাকৃত্যে বিশারণাগুলে যে সকল কথা বালগাছেন, ভাগে এই প্রাক্তিয়ার প্রতি প্রকারণারে বিগুক্ত বিভাগে করি প্রকারণার উপান্তি বিশার করি ভাগােশে বিশার বিশার করিছে।

#### **880 भी दाद्यत्**व

# শ্রীনবদ্বীপ পঞ্জিকা

পারমার্থিক নাতি মাকেট্রই একান্থ প্রয়োজনীয় শিক্ষুপ্রান্ত ও উপবাস। দির ভালিকা সম্মনিত শংলায় শঙ্গে মতে নিরাভিত ইউক

ভিক্ষা ১০ আনা মাত্র

**া০ ডাক টিকিট পাঠাইলে ডাকে গাঠান হ**য়।

মহাক্রি

শ্রীটেড্যামঙ্গল শ্রীটেড্যামঙ্গল

ওঁ বিষ্ণুপাদ জীপ্রীমন্তবিদ্যান্ত সরস্থা।
রোগনা প্রস্কৃপাদ-সম্পাদিত ভূমিকা; প্রোকের
কথ্য, বলাবুনাদ, প্রতি প্রাক্তের ও গণের কথা
সাল, শব্দুটা, স্থানসূচী, পাওস্থান, প্রনাগ্রহ
ভালিকা, প্রস্কৃটী প্রভৃতি বিস্তুত্ত স্কৃটা সম্বাধিত বৈজ্ঞ করে ভবল ক্রাউন, আউপেপ্রা আকাশে
ভিট সভ্যের কার্যান্ত ছাপা। ভিকা—২॥০ টাকা

### শ্রীহরিনা মটি স্তামণি

ন্যালক। আনি ধনিধান্ত বিধান মুখে ইনিলাপা ক্ ইনোম ম থাছা, নামালান, নামাপ্রাব পাড়ান বিধানত, যাবাদীন বিভাগ প্রবাদ করিয়ালিলেন, এবা বিধান দ্ববি করি । স্থাপ প্রায়ে স্বাদিপ্ত আক্রম্ভ প্রিয়াটিভাবে মুদ্রিত, ইন্দ ভাজিবিলোলসাজ্য-এচিত। এম সংখ্যাম ভিন্দু ৮০ ব্যক্ত আনুন্য অ

### বৈষ্ণবসম্ভবা সমাস্থাত

(अन्बर-रेगःकायशय)

বিষ্ণঃ— ১ ৷ জাভিশালে ব্যবস্থা শ্যান্থীর কর্প হ।
বানিশ্রণারের হৈক্ষাব্যালয় চাত্রি, ০ ৷ বিস্থান্য শানি ।
ইট্নিন্ধির ও ইনিল্লের বিবরণ ৪ ৷ হৈক্ষেত্রতার ৬ হাব্যাল সন্তের হ হাবা ও বিবরণ, ১ নিষ্ক্রিন্দ্রের নেয়ালক ও নামীর কাক্ষ্রেল হাবারীয় কেনা। চারেন্ড প্রকাশ ।
হয়াকে ৷ ১ম গড় দল । ২য় গড় দল । তার্ন্ত গ্রাহ্র ।
১৯ গড় দল । ২ম গড় দল । ২য় গড় দল । ১৯ গড় মহা

## बैहिकिनम्ड

> শ্রমানার সাক্ষরিত সমানার যুক্তিঃ ভিকাত শ্রমান মত্র

# বিভোপন

गादशान !

**শাৰ্ধান** 🛚

কে, বি. দত্তের চৌকা বিলি আদোম তৈত্ব আনি ও অনুবিম এবং উপকারিতার স্বর্জন পরিচিত ও বহু প্রশংসিত।

স্থানর। সভবসাধারণকে জানাইতেছি, বালাহ তৈল ধরিদ কবিব র সময় শিশির গায়ে ইংরাজী অকরে কে, বি, ছত্ত এও কোম্পানী নাম খোদ। দ্বিয়া থবিদ করিবেন। নতুবা জুলাভোরণণ কন্দরের সুত্রম তৈল দিয়া প্রভারণা করিবে।

क्षितान कुरेनिन

নূচন এবং পুরান্ডন মনবোররার <mark>যম</mark>

हैशादिक क्रियुक साख्याय शाहरून, शाहराहेट**छाटलाह** कुलैंजन् श्रोतिक क्रांतर हक्केंदियन काटक।

আৰ চক্ষণাৰ্শ কুজনিন্ ছালে। ইংজক্ষন কবিশে আঙ্টী বা ৪০টী সাজক্ষানেই সাক্ষাপ্ৰাকাৰ কঠিন ফা গেনিয়া জ্বল ব্যঞ্জ কৰে এবং ৬ ইউটো ১২টী ইংজক্ষানে মাধ্যেতিয়ার সমস্ক উন্সৰ্গানত করেয়া কেশে।

क दल्लुनमूर्त व्यक्ति वाद्य-भूगा २, क्रिका, हुर ०, क्रिका सहस्र एक्सिकारण क्रम्ब (क्रायकारण माध्यत्वके हिस्स स्कात वर्ष क्रम्योभग सम्म, क्रिकाका ।

ব্যোভায়-বৈক্ষৰ-ভগতে অভিনৰ এছ !!

🕮 স তাৰুর ছাক্ষাবিনোধের ছীতি-প্রভাবলা:—



প্রেচ্ছ সাইছ জন্তম সংভৱণ ডিকা /• জালা

শেষ ও মনের চেত্রা আনতাগন্ত স্ট্রা—ট্রা ধ্বন তীক বৃত্তিতে পাঙে, ভদন একমাঞ্জ নাডাবল্প শ্রীভগবানের প্রাক্তি মাঙার একান কাডার আহেবংমারী প্রাথমা হয় প্রবং উচ্চপরান নহা,প্রকেরণে নিজপটো কি প্রকারে পরগুপির ১৯৪৬ হয়, হাডারার বিষয়ক প্রার্গপদী প্রাথমা ও আছান ব্যাপ্রক্রক শান ) ভাতরা সংগ্রহণ প্রক্রাশ্র হর্তরাশে হর্তরাকে

माम क्र ० र तम होद्य क्रिक

८ त्राम कांक कांक मा - /०, जनमी भन १० - /०

কল্যাপক স্পাত্র

প্রকৃত্ব সংক্রম প্রকৃত্ব সংকর্ম ভিক্রা

আমরা প্রভাগ কৃত্যন কভাব আ কামবার বলবায়া ব্যবং প্রবাশের কৌ
অকলাবেকে কলাবে বালার, প্রথম কার প্রবং গালার দেবই কলাবে কার্যার কারি, তিনি যে নিজা বা লখার কলানে গালানে ক্রমণ প্রবং কোন্ বল কালাদের নিজা কলাবেশ্ব। করা কি ভাবে আমরা সেই কলাবেল্যারে সম্মর কর্মন, প্রজ্ঞ সকল প্রশা সর্বল গ্রামিক। প্রস্তু প্রক্রিকার স্থানিক্ত কলাবের ক্রম্ভন্ত ইনি প্রভোক্তে বিভাক্তানি প্রস্তুত্বি

বিস্তৃত ক্যাটালগের জন্ম নিমালখিত ঠিকানায় পত্র লিখুন—

ম্যানেজার—গ্রন্থবিভাগ, ফ্রিটৈতন্যমঠ, গোঃ শ্রিমায়াপুর, ( নছার ।

# জসভ

# দ্বভাক্তমঠসমূহ

# ( ) । 🗃 दशोषीत्र मठ

. ७ सर वाणितामात ठळनको होते. "एणाः गांत्रवाकात, कांककाका ।

# শ্রীতৈতন্ম মা

#### আকর মটরাজ

M.b]म सवदी:, ७।क्चन टीमांम मानाजुन, संभीता

জ্ঞানহাবোগপীত চন্দ্র পার ৩০ পরু উত্তর-পূর্বে শীব্রজপদ্ধনে আনোবারত জ্ঞানত त्मचत-कन्द्रल क्रिकेट्रिक्ड मह निवासमात।

এই স্থান সাংখ্যক- নীৰ্থ, প্ৰাৰম্ভ জীঠ বা সাদ্ধ ক্লেন্ত্ৰী। এচ মচানীৰে ইটাংবি-নাম্যুদ্ধ বলকলবালি-লেধাক্ষসমূচ, পর্নিক্ষাধ্য অন্তর্গত কাবা, নাটক, অনকাবা, তথা প্রামাণ - উংগ্রিষা-প্রাক্তা-স্থান চভুত্তেই অধ্যয়ন ও অধ্যাপনা এবং দ্রুপায় প্রাপ্তক-্বাইবাল-গান্ধ কাকা-পিরিধক ও নাজুজ নাল্পাদারিক-আন্তাইন-চজুন ক্রিকালেক উপাঞ্চ বিপ্রাংগর বিভাগ নাজা সেনি ল চলতেছেন ৷ এই মঠবাজে পাৰমাধ্ৰক ধৈনিকপ্র সাভ্তম শক্ষাদানের অভাবাদক ও ওপার্ডান গ্রন্থক প্রচারত্ত্ত্ব লেদীয়া-প্রক শ'বন্ধ লং 217 हत्वकात - असाध-परिकास अहात - ७ अर्थाण म + (१) (日 ) ্কীপ্তল প্রচাৰমূপে মহামণোৎদৰ দি ভকাল অঞ্জিত হচতা পাকে। বক্ষক একাডারা শীপাল নিবছারজী। সহকালী - শ্রীণাল বিলোলবিহাতী ক্রশ্বতালী, পাপ্তাক শ্রীপাল পারজাস বৃদ্ধানী সাত্রগণীর জিলাদ নীত্তক বৃদ্ধানা, পঞ্জিত জীয়াদশানক বৃদ্ধান্ত चीमुक वनी(भाषाक वटका।व्यक्तात्र, छाइटवराय मान अक्षात्री मानुव मकानाव ।

#### (७) (याणनीठ विश्वनित्र

वाह छोन जीकश्वालायालय करने वा বীমন্মৰা হাজুৰ আদি জাৰ জুমি মঙা যোগ-भीत्र। दशास्त्र ह्यानम्त्रीत्रकः व हेर्यान्यक खियामक मारणीतभावास्य स्वर मेर्डिज्यसा क जीराशकात्मक किना त्रता कुला स्थितन कर्तिव रिवा वहताना वकक—र्वाक-। नामांबर भाषामी अद्वीतांगा आकृ अद्वास नाथ! शक्कारी औरिकालक अक्काश. व्यापाम बन्नाती। व्यामान मान मान-Piel, (Rimigi Beltenum)

#### ( ৪ ) শ্রীবাস-অম্বর

म्बिभग्नवात्राक्त कोकंग-विकास ना लीत्मीवनीमाव वागञ्चा । अभारत टेंक्टीत्भाव विकानिक व धक्र हर्द्वत भाग वह्न गान क्षण --- जोराभाष्ठाम अस्तराती, छेक्रमुक . St. Sichtigeneit, einimit

#### (१) ठाटेच्ड-७नम

वाहे क्षाच्या व्यक्तिम शक्त करम व्यवस् (भवा वसमाना

### (७) काष्ट्रात जन मि न ह

আংচীন মালাপুর, ব্যেলপুরুর (নদীয়া) वैद्योदक्षणाक क्षेत्रेष्ट्र सीव प्रमान दणकः अञ्चलारी क्रीनटनाम नहान्।

### ৭) থানন্দ ভূমা কুঞ্চ

- 5.10年の、3第552章 - 高が7点 。 יאי א י יי אין ויין לישר י י אי יאי ··· chi i entathe fine 可翻 和

5. mic 3.46.5]

upu fae.

たか 中一一 売得りする 後! 砂川 用し おれ、 切。 िं, जम, महकाती—श्रेषेक माम कांक-मारी, क्षेत्रकाम आध्वाती अकृति।

# ( २ ) औदगांत-श्रम् (धत्रः मठ

हालार ही, त्रश्तलाइ. ( तद्वमास <u>.</u> धिक नामिना/अब शां · 除े अम्बरामा प्रतन्

### ১১০ / শ্রীরূপ গাড়াম্ম-নত

माराशक, शक्षांश करें, नि em क--- शिकारमाम अष्ठात्री, श्रीकृत्रामध्य 日本・ナー

### ( ): औदमानसम्बद्ध -

माञ्चाः क. साम्रावः नद्यानाः च्चे गामांव गार प्र'कृत वृक्तावालव श्रास । क्षणक- महिन्द्व वहांती अखनाशी। ()- जागन जागन चिक्ताभवतः 🕾 . क्रम्बन्भवः स्कीता ।

काशन -िकांच शहानकी व्यक्तित-(कवा রক্ত—শ্রীগর্গালক প্রস্কারটারী।

#### २० - शिक्षकाम् मठ ८७ म राष्ट्री, अश्वाक्षी, क्रमानश्च, अमीवा ।

कार --- हैं। यह गाम अक्क 51 की ।

### ( ১৪ ) आमाध्य Cग्रीकृति मह

aeet . व वण्ड .शक्. हाका। भूक्षानत्कव शानाव ८७७, ध्वारम आंध्रिक .भोन्छ भाक्षस्थानगढिन्द्रन दलदा तश्चम्यात वसक अक्रवामी ।

# ३० - ८भा भागमा मठ

\* .m 75. 610 .

(भाषा भा वारिवारक कालीन अव क्ष्य- दे । र भार अक्षवादी ।

क्षेतिस्मान वि. वि. ४३६९

শ্রীমশারা গড়ের প্রচঃরিড ক্যানজন কজিনত-অন্নাজ্যেকেশে গোর্ডবেশের স্থা প্রধান লগতী কলিকাভায় শ্ৰীওনিগবলেল আসলে শ্ৰীমা প্ৰতিষ্ঠিক আধেন। এই কয়-गक्ना वाटमः 🕮 क्षत्र-दर्भा वाक्षः श्रीवटगामालकः क्षांक्र मनार्थः।क्षः निका दम्बिकः क्षमः । दनोकीः। काहाशानदर्शन वानानिक अञ्चलकोत अञ्चलकात्मान विवाद मश्मात वक्की क्यूबर वृक्षान বস্ত্রাগর সংস্থাণিত ভর্তমাছেন। পৃথিনীর সন্মত্র 🐯গোণনাম অভারাধ এল বস্তাল্য চ্টাছে 'লোড়ীয়' সংস্থাতিক শত্ৰ, জি কলুমানিস্ত মাসিক শত্ৰিকা ইংবাজী দাবাধ . निश्चामक कारतः शाका विकासक करणात्कास । व्योधिमार्थः स्थापिकारः स्थापिकारः स्थापिकारः स्थापिकारः स्थापिकारः स्थ শ্রীমন্ত্রাপাণ্ড, প্রাটিচ হল-চারিভাষ্ গাল-লাল্য ও কর্মান্তর স্থাক আলোচনা চটা পাকে। মঠনকক — আচাদাত্তিক প্রাপাদ কুরাবলানী বিভাক্ষণ। সভক।বী নাপ্রিদ त्त्रीलाम अस्त्रकालाका नविष्णाकृष्य नि-धः औलाम सम्मानसम्म नविश्वानिस्थास वि-धः खालाक ताम नकावी अक्षात्रको. खोलाक कशक्षावक कामाधिकाती निन्त. खोलाक क्षप्राणाक क्षानिकारी, अक्षठावी खीकोजनानक, अक्षरावी खीलाकोट्याक्स, अक्षठावी ±ेंक्ष्ण नन्त्र कक्तिणाञ्जी, अक्षराती सीरावकीनव्यम, शक्कि अक्षेण नवीसङ्करक পরশিক্ষা-কার নাজনা প্রস্থাত

### ১৬ : अभिनाहे-त्भा "म मठ इंटिस्क भगारनी मका, गानिक

ळीत्रमार-८भोत्रणक्रव । सङ्। ८७वः क्षक छोत्रेशक वक्षात्री।

# २१) **बिकाशवडक्रमामक वर्ड**

'ठकाँमधा, वाक्ष(मनभूत, ब्यामनी भूत। ध्येगारच न्यु स्वय-्त्रांताक्ष-शास्त्रांस्व शा-.স্বা। রক্ষক— আছিলিবৈক্সাল আৰম্। 'গবিৰ'তীত নিজাদেবা ব্যৱস্থা বৃদ্ধক— ंडकनामी सी नगरानगामको । अस्तः ती नगरानक

# ১৮ स्थानगरगढ्याका अनवास्त्र

अध्ययेक द्रणाः वस्त्रभाम । ली अकरणाताक होन कामका जातमारी ह 'लेडारगता। तकक----वस्तामी लोहाद-

# (১৯) औश्रक्तासम मह

10775

अभिकृति, शुकी, क्रीक्सा । बनगरम स्राजांव-निवासमाध्यापवकोत विका-.मण वस्रात् । तकक · अध्यक्षात्री शिल्लमा-नम निमान्तप्त. अवहाती खेळमांशासक ।

# (२ -) खिलक-टगोड़ीय मठ

कार्यवस्थान, अव्यक्तिक स्थाः, गुनी । क्षश्राधापटनत चननम्त अभट्य औ्रमण्डः ्रभवदम्बद्धी अन्तरस्थी। अञ्चलको अन्तर्भावकारी

#### MINTER THE NA

₩ Wir. 464

184.0 39610 Blue un .

# (२२: अम्माडम-,शोधात मर्क

8이는 생의[10] 기계 1 4 1 4 1 Cभा - नवः छण्डः मना कन-निकाष्ट्रशः ·धश्रात्म (शांद्रश्रम् वसम्म । स्कर् भीकामकीनावकी ।

### २७। जैक्कदेहत्त्व वर्

चीन गरण्याम कृषा. ज्ञानाम बुन्यासम । 24 製 mi fil-通母 - c \$1 # + # | C # 41 | 1

# तकक--- म्यूनान- विभाव अक्षानानी

(२8) ञ्राणतमब्दम सङ देनीयम्बन्धः, मास्राम्ब

এখানে উভাগণত পাটৰালা ও क्षेत्राहि विद्यान विमानकात द्वार मसमान । त्य क --- अक्तार्थं। तेव्यु तरका क व अक्तारी क्षीनानाध्यातः ;

# २०। औरेडडण्डाचीकाम मह

हिन्द्रके का 'हसके का मानकिया क्या सीटें के छ-महत्र व वाया। वक्त क- शीवमा-नाथ बाब, हारफा भागम समझ की। स्त्रीताम कीच अलगितिक

# (३७) ट्रेंबन्डामध्योक्षेत्र मह

कुक्राक्षक, भागमध्य, क्लाम । स्थादस चौरणावरंगस्य बन्धारमञ्जूषातः वस्त्रमासः २०। खाक्षरभाषा जनशासम-वर्ड

ब्राष्ट्रभाषाः वः ..भाः भाषाः सामका

出りにい オセラキを清 点に付けに物を これむ वस्त्रमानः । १००४ - इतनामी ब्रोक्स वहन्। क्षात्र, औ (ता-धन अधनावी)

# (२৮) विका प्राकृष मठ---वर्गानव

Seigen Winter fiet fügt ; वेकक अक्रम में साधावका ब्राम्ब प्रमाहाकी क्षीम र अन्यत्मम्बद्ध , हर्य (२३) दगा ानगावा स्लामका 400 - OF 11 WILLIAM CO.

#### 1883 · 1899

## হৈতভামকের শুৱাছাজ্ঞি গ্রন্থমালা

া বালোক্ষতে একাশিত 🔑	শ্ৰীন প্ৰভূপানের বজা্ডাবলী 📑
३ । शिक्षकाणनऋभ,—नमॐ ००.	( ক ) রাধ্যুপ্ত স্
◆ ( ) まま は ( ) を ( )	ં (પ) વિશેષ ૧૭ 🔻 🦎
· এ (ধৰ্ম আৰু) ১০১	( গ ). মুঠ পণ্ড একটে 🔻 🔰 🖜
र । काम्यम मन द्वित्रीहरूकक्षार्विकाम्	১৬। নব্ধীপ পঞ্জিকঃ 🕠
• '( ad 75449 )	( \$88 CM10TÆ )
<ul> <li>१ ट्रिइ ७ सक्तान्त्रक</li> </ul>	৩৭। সি≒।ৠদর্শণ ৵∙
, (विद्यार्थ (विशेष्ट मध्यवन) - ६०	৩৮ । বীপাধস্থপদ 🗸 🗸 ০
। बिला ( खेननसम्बन्धिनानमः) २	the sections
E , Noi ( 图5四4篇 图41-40 ) 3	(নব্যাপ পরিক্রমা) 💞
61 (944% · ·	६०। विभागा />
कृत व्यक्तिवासका सन्त्रीयस्य गास्त्राय	65
( बाबर )	
•	, ४० । नगाना पाटि:
का प्रोहेट कक्ष लिकामुक (दीवा) २०	881 714444
•	68   1214   155   12   1
35 1 MES ## 68 14 67 4	861 441118
क्षेत्रनवील नक्ष्यम् (पीत्रा) २५	
्रा क्षेत्रसभावास्य । नामा (तीमा ) ३८	
•	ear भारताम्हे /•
50 । (सम्राम्बरा-नगानाः	( · ) WHTH /
व्यास्त्रक्ष भागवा । २०१ (विश्वासक्तार ।	শ্রীভাক্ত দ্বাধা /-
३8 । ऋश्वनाभावसामा <sup>०</sup> भ	1 MIR 41 M. C. L. C.
to an amount the	নেবশাগরাঞ্বে প্রকাশত
	्रिया । विश्व च-मद्रवाडी- भाषास्थः । ।
	•
	- ,
ऽकः विकाद देवन सम्बन्धाः	
२०। श्रीषामी अधूनाव शाम ( दीना वर्	-
	•
And it will a second of some	ংগ স্থোধ মন্ত্রণ প্রিচর:
Ast Selected and all parties and	ইংকেলী ভাষার প্রকাশিত
হত ( প্ৰয়োজনকাৰ সাজবাদ ( প্ৰায়োজনি সাজবাদ	का भावकन
SEL WHICKER.	दक्षा नाहभू साव । शारमच्येन वर्
481 Walettan	हैंदि इस मना भानु ।
२०। द्युष्टिय-द्यायः ।	७०। द्यक्षश्रमम्
२७। ब्याचीक्षणाम्स	७३। वि भागवा १०
\$41 Midwide Convictory	ুখৰা চৰে টিক্রিলিপশ্য লাভ
all and taken to the an	षारमणदश्चा किर श्रीमन
क्षत्र क्षत्र कारणे वा शहास्त्र कारण	७०३ : १०१४ हि । जा श्रीवर्गक वर्षा कुवर : 🗸 -
का । केलानिविष् ( नगरंग । भाग	উড়িয়া অকরে প্রকাশিত
wie ant fagib a mgele no) to	७४ , ख्रेब्डियाम किसामनि ।
43 1. CHAMILLEIA WAA	at 1 中间引用 海型运算
Act addition number 1 11	HTHE MAT
च्छा । क्षेत्र असः च्यानस्य ४० व्यक्त के कामानस्य	
08 । अपनीत्रशास-मान्यासा राज	
क्द्री सम्बद्धानाम्यः । वा	

क्षां क्षांन :- ब्रिटेडफ्ड बर, दशाः श्रीवादाणुत, क्षांचा।

স্বৰ্ণ হ্ৰোগ! স্থান স্থান ।। স্থান গ্ৰোগ!। গ্রন্থারে খণ্ডে খণ্ডে প্রকাশিত

# প্রভূপাদের বক্ত, ভাবলী

ওঁ বিকুপার প্রীমন্তকিনিদাত্তনর ঘটা গোলানী সংলোজের (मर्डे) व्यक्ति। निभारिको अस्ति। अस्ति। अस्ति। अस्ति। अस्ति। अस्ति। अस्ति। षाधिकी कोत्रप्तनाधीत मुद्र-तिश्रव-देत्रकारिकाच-२५मास (कोश्ववपति कुछ कर्ग विकास क्षाप्तक हम्-नाथानाय देन ठव-—্সেশাবু জনভড়ের বিজ্ঞানাগারের মৌলিক তথা—পঞ্চরাত্র ও ভাগবাতর সময়য়গুরু--মহাজন ্ট্ৰীবন চরি ৩-শিক্ষ ক—চিধিলার-চিন্নাত্রাচিম্মান্ত-বিচারক —ঐপর্য্য ও भाष्यातस्यत स्वीलिक भारतम्याभात्र---सम्बद्धः किल्पिक ७ ५११। जन उटल्ल भिषासु-१ मूल ।

১। প্রামাণ্ড-বিষ্ণাদর্শন, খ্রীগুরুতত্ত্ব, কালপর্যা, গ্রীমালাবির্ভাব, জীবাসভানী, পাঞ্চাত্রিকী দীক্ষা ও বর্ণবিচার, আত্মান্ত্র মনে।ধর্মে, উট্টেড্ড্ৰেৰ ও তীহার শিকা, অপ্রাক্তসংগ্রাভ প্রাকৃত স্কল-ধর্ম, জীলার ঈর্বরপুরী, জীল রসিকানন্দ-গ্রসঙ্গ, পুষ্টিমার্য প্রভৃতি বিশেতি সংখ্যক রয়ে প্রশোভিত। ভিকামরে ১০ বার আলা।

১। বিভীয় খণ্ড-শুদ্ধা ও নিদ্ধা গুলি,মনুষ্মের শ্রেষ্ঠতঃ কোথার, काणात निरावृद्धि, जीवत माधिशाम ७ भाषाताम, जीराधित निर्धारणन প্রসন্ধর রিয়ুদের সাম ও কুম্পুনীওন, জীবাসপূদায় সীগছাগ্রহতের বীরন, জীলোরপরের মধিনা, মধাত্রনাদ, জীলোবিদন, ইনরপানুগভলন্ত্রত জীমতী গুলভার-দিন্দী, জীটেড়েয়ের দগ্ড গৌরকর্ণা ও রুবর হীড়িন⊸ চতুদ্ধিৰ অপুৰ্বা-মধুনিমাপুণ-বাসুজ-বিস্থানিত। কিন্দা ১১ এক চাৰা সাজ ।

প্রাথম ও দ্বিতীয়-তুই খণ্ড একাএ মাইলো ভিদা 💵 ংড ট কা. তাক ধরচ প্রয়া।

প্রাপ্তি ছান : - এছ বিভাগ- জিটেডেজনঠ, পোঃ শ্রীমারাপুণ, ভাটিঃ।

আগামী হয় এদ্রিল (১৯০১) ভারিখ হইতে

# শ্রীধান নায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনভিটিউট" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

# খোলা হইতেছে

বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিশা বায়ে সুন্দর বাস্থানের বন্দোবস্ত হংগাতে। এতি ক্রক ছাতের খোরাকা বাবদ মাস ভয় টা হা মাসিক বাৰ ইেৰে। শ্বান অভীৰ স্থাপ্ৰাক্ষ্য। ছাত্ৰগণ অভিভাগকের প্ৰাণ্ড

হাত্র নিম্নলিখিত ঠিকানায় আবেদন করান। সেকেটারী, টাকুর ভতি বিনোদ ইন্টলিটট ब्रीटक्टकमर्वे, त्याः श्रीमाद्राभूत्रं, समेद्रा ।

## ৫০ বংসরের পরীক্ষিত করেকটী মভৌষধ—

बावडांबकातीयाँ खान पुद्ध वहेंद्रा दश ममछ व्यामाना गढा थान् विविद्याद्वान, छात्र भा कतिथा वक् वक् शक्षत वहेशा शक्का । आधित s वाववात कतिशा शक्ष कर्केन ।

- ) **हतादा**का विज्ञा--- रश्य सामहीक व्यथन सामक हाहे यसमा हेटर मुंख्य व भूताक्षन त्मक, मृद्धहरक, अन अकृति खेल खीला क्षितांत्र पृष्ठिनी बार्रिका, **१५७ जरा** ब्रह्मकामन कार्नेहर किए जात क्रमका
- ত্ত্ত্তিসহায় বিভিশ্ব ক্রমাদক্র পূর্বিন অত্যুৎকর নিনাবিধায়ক ঔষণ।
   তে কোন বৈধিক ও মানসিক গাঁড়াবনকর আনিয়ায়েরাগে এই ঔষধ ব্যবহাকে গাঁ
- ও। মপুর বটিকা-টেল সেবনে প্রীণ্ড ও তদপুদলিক নেবা ও শ্রীর পাপুর समेश राउमा र उनकि निमृतिक करेता सक गरिकात छ वृद्धि छा। पु क्या

🕉 🕶 बिन आकारमण कारलाक लेगरनव मृत्रा आवि एकोरी 🛬 हेरका।

বাবিয়ান :- আতঞ্জিতাহ উল্লোলয় 25882 4041410 BR. 85 416:1

#### निविधी भवा भारा था। यह विका ए

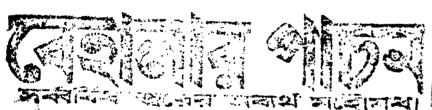
वैदिक कक्ष अवश्याकृत विदान क नीनाकृति सम्रोत बीन-नमायक । आर्व सम्र बीटनन व्याकीम विवेदान--- कार्यक केरण के येका अफूड मील. -- व्याप्का में बीटनड माबिकड़, ब्दिवाम- ग्रमाक्षा---वामाणवाच कि १ वंकाशि रिक्ष विद्वावकारव प्रत्नाक्ष करण बावकः नर्वके माहस्य व्याहः ५७० गृह्यः।

# |নবরীপ ভালভরুগ <sup>(68)</sup> "

हैकाल द्वास-इक्क कालाटक केंद्रम कालटक काला-- केंद्रद प्राचन सम्बंद्ध कार्यक ধশনকারীর কি প্রকার ভাবের উচ্ছাস্তর, ভাগা এর প্রস্থে বাগস্ত। আরু ১৯৬৭ রা

সাধকক গ্রহাণি— ইটেবকববন্দা, প্রিবার্টণারন, জ্রিক্তর অট্টোভর শক্তমাম ও ত্রীল নলোক্তম ঠাকুরের তক্তলিহত্ত চলক্তিবস্থত আখনা, প্রেম্ভারিক b क्रिका আছে ভির প্রশা•িত গাঁ গাঁগাঁ। প্রণাকারে প্রকট সাল্পে সুল্লিভ । ২ছ সংস্করণ किया कि हारि जान भारत

# কবিরাজ শাশভূষণ কবিকপ্তাভরণের



জক্ষায়নের ও বধার আন্ত ও আঃ (শাশতে ঘণীয়ার অবকার জোটবোরটনত সমপ্রিমাণ ক্তমণ্ডাকে পাঠান হয়, চতাতে ঔখণের কেলে পরিকল্পন করা হয় নাই। মুগ্য প্রতি किन्य के बासा, शहरे के कारा, (वारण 500 बासा १

অফিস-১১নং উল্টাডাফা রোড, পোঃ শ্রামবালার, কলিকাতা



Bern wie in utalimie, bemanfere sin ACTURE CONT. OF TAXABLE MINISTER. OF HE **एक कि व्यक्तिल मक्का मध्य मध्य विकास** कारमान्य सम्र । यन, वार्षा, त्यवा पुष्टि कविएक व्यक्तिक हैनिक । १ मा ६० वर्षे ५, जन देखा । "HOTE HE MENTED BOT णुल्यम् । विष्युष्यः । विष्युष्यः । विष्युष्यः । विष्युष्यः । न्द्रा च कतन द्व कदद्व । मुन्ता न दक्षांना ३८ केम्स १ "कर ल हालाजिनी नहिना"। वीवीबादन नवक राषाञ्चलि क्षत्री क राख कति।क कका व्याप्त करा २० वर्षे २८ वक् श्रीवा । क्षेत्र मानायावतो, **व्यक्तायकी** 

्र ५५१मा स्वत्रदेशम (काम, अस्मिएक) ।

**रारे**ट्डामिन কোষর্দ্ধি য়োগ

काः कत्, धन्, त्याय दिना चाहः, मानक्तीयत्मक शाकान्त्रि विका रेरहाकिक व्यनामादक स्कावंत्रुचि स्मान व्यास्त्राता क्तिश बाटकम ।

> विकामा-के नर करेंग क्रीडे, ब्रह्माकाक, Winetal !

51

### শুলায়ত

णिखमूरमञ अश्रमी ब्राह्मसम् । क्षेत्रहेशका क्षेत्रमम, स्थाद- आरदाशका । 🐠 भ॰ बाद चाना, विश्वित बाना। बाद्या नुपद्धा

উক্রাচার্য্য সঞ্জাবনী পোটাই

क्रारमण्य व्यक्कात्वत्र व्यवसाय स्टब्रेयम् । सूनः ५ किना ५:० व्यक्तिः।

- ৩। সন্ন্যাসী-প্রদত্ত অর্শরোগের অব্যর্থ আংটা भारतका मा वहाम मुना १ करना मुना ३१० मानाः । भारतक मुक्कः
- 8 1 (काछ-राक्षर शीन अधीर्त, ८ हिक्सेला, (लहरायमात्र भटहारता छित्र ३० आसा । भटका लुक्का व

বাতল ন

বাস্থোৱের মাহাপ্রাবী ও সন্তাতে আরোগা। আহি বিশিয়ত আনা। মাকল পুণকু ৷

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তুতকারক। সধ্য ক্যাটাসংগ্র হর পর নিশুন ।

व्याख्यान-मरमारमास्य (ल॰रत्रहेता

(भाः क्षेत्राती, कमणाभूत, छाकः,

# ম্পোমোহন প্রেস

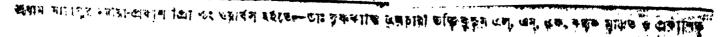
পূর্ব্ব বাজালার ভ্রণতে সক্ষ্তাকার ছাপার জন্ম বিধ্যাত হৈল্যভিক খেলিৰে দিখাবাত কাজ চলিতেত বিশ্বত জানিতে বইলো নিয় টেকলেয়ে পত্ৰ বিশ্বন या।दनकात-भद्भारमाह्न ८ अत् त्रव्यर नालां लपुडा, एकि।।

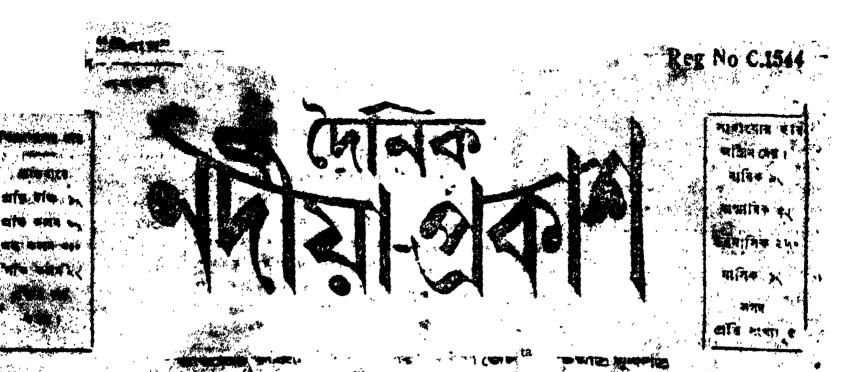
मतः माएन दै। उच्चित छे शाह

ৰ্ষিক ক্ষাণি প্ৰচুচ সং৷ মুহৰ বাচ্চ্ৰাচ কেন্দ্ৰ क्षेत्रक का निकृत्व कर लाक शता, स्थानि वाकाका सामाविक whilethe Entry wififie mier is efest unem मन् कर्मा टोक्स्स्टर अयर गरेगो शक्स (मन, व्यूट्स দাতু দাসলা, স্বাস্থানক প্রসালা, বছনুত্ত, ক্লাক্ষ্যু, পাহনুত मरद्वास नीहर अन अन्द हीटनाकतिद्वाब मत्ना शकः सामक वका, भुभवता, य क्का, ध्युष्ट क प्रक्रमान, कि**क्ट**क्कि काफ्रांक ८५ ६श कुंडा । को स्टम निकाण व्हावादकत, क्वांबाक भारभादकात छ ४०१० ६ छ। छ। इ. १५ छ। त. १५ ६०६ व. भारतका बैटलि के क ग्रीहाकिम्स गानशत कत्रिमा बाहर र लासन. कामाद नक मन्द्र क्षत्रान व्यास नरमा व मादमा वादक्षा । dielel mella adlan gan dienin mirai mireid bert भारतम नाह, काकार: कक्तार एक क्यपके तास्का**र: काँग्रका** रम्प्रम । जन भारमध्र कावकारवान्यसम् जन निम्म कम

> ডাঃ ডি. ডি. হাজরা। करक्ष्यत, भारक-दिक त्याहे, क्रिकाण

काक्याक्ष्य वर अर हाका मास्त्र । ८माश खर्चकें --- : क्रिकामा न्याडे क्रिशा निर्मिद्य





-২১শে চেত্র শনিবায় ১০০৭, ৪টা এপ্রিস, ১৮ --

STORY OF REAL

क्रिकाच चारापुटन উচ্চ বিদ্যালয় প্রতিষ্ঠা ं व्याप्त क्या क्रिया २०१**न रेड्सू कक्**री fren Bein-mterers fffemeile men ben offemmetetett a wie'm. **अभिव्यक्तिमधा अध्यक्ती । व्यापार्थ** awinter wife fager ententen Sten क्षीकिरियान व्यक्किक अस्ति क्रम के देख र्रस्टक्की निकासक लाफिकिक बहेबारक। काजीम वस विम्युम्भागीम क्षार विनिध ं क्षार्यम् वहरू वह क्षार्थान केष अपूर्वास ःक्ष्यीनवान कवित्रं क्षिरणम् । कन्नकं महि ----

was fever freiles and feast न्द्रश्रं स्थानिक व्हेटन ।

#### कृष्टिता द्वेषात माथा-- गामगा 個型リモモ

्रेक्ट्रिश दहेन्छ ब्राम्य स्थानाच क्षित्रव करायामध्यी बंबर वेशांवरक ब्राह्मकर्य Coppe minufe, weffeles sur e oco atet manis minge vertieren. साही-बाक्षस्य प्रकृति अध्यामी केल ! migmi papiseta wat ever fo at funt metuckbem vol. minin elen fiel ulugi biner afent, wiere ingtiernet fell bei ermieig क् क्रिकेट क्यार्मक विवादकन ।

्र म्प्टिस् मश्रापात्र चालार्यमा मुक्ताकाकाकाकाकाकाकाकाकाकाका बार्ड श्रुवादन जन्मन्य चान्यीयपन व्यक्तिमन

# ,লণ্ডলে মহাত্মার অভার্থনা

মধাম মায়াপুরে উচ্চ ই রেজী বিস্থালয় প্রতিষ্ঠ

# कॅं। जी उपन ६ 5 छ

कताि करा अम इडेटड डांद्र द्यारिंग व लक्ष সংবাদ প্রেরিত

# লাঞ্ছিত কন্মী সন্মিলন

কৃষ্টিয়া ফেশন দালা মামলা প্রত্যাহার

# সতীন্দ্র্রেন কার্যায়ক্ত

**ब्या ब्याक्र गञ्जा थर पर देव मनक रन** देव

খিত ধ্রীয়াছেন। ভারতীয় গণহত্র- নিকাণ্ড স্মিতিতে गाल्या कारा निकारक मधिकित्त वरे भएबी का कि का का व जुड़ी के बड़े आह त्य, मनायाः महत्ते।क क्षीत्रक्षव्यव लकार्यनां चत्रा क्टरने कनर कवीन देखालगाटक म करा कार्या मुल्लाकिक क्षरम । लाली (यनी व्यक्ति द्व कामी व स्कृष सहगारक काण भवातकाव मध्य विशेष कितान विकास अनुवास केंक कार्यानिकाक महिद्दि मधान्ति व भागन अध्य काश्याक्षणम । कारकीय कारीय कररतान क्रिकेन शीमारमा aten veru, wirels mielt vermine क्षाप्तमा करिया जन्द केमांत मीकि कक्षेत्राटक भौतार्गा भन्नाटक मरक्ष व महिनाया -शास अभिकासि साराम काका नाम-

**পविश्वरीख व्हेब:८७** ।

#### काशी बदस्य (छन्ने।

शीरमण खन्न ७ बायकुक विचारमञ् . क कविवास सम्बन्ध मध्यांक विव्यासम्बन्ध Bide orm sim nfaire Greich an n'm ess. Merce (

श्रामार्थे क्यार बन्ही बाहमत at Bemen am fonto em ben भिकारक र क्षित्र है क्षेत्र भाज मी अखा-व्यक्तिक भागमं शहल कहिताकरणसङ् शक्षां का अन्य अन्य का व्याप्तान नार्जी क

क्वेंच्या .स. हीर्लम एड व साम्बूक ियारमध काफि स्थ के.भी व बाबका कहा miet all minut Cam !

क्राताम क्रिकीक के छाटक टीकान-भूरवेक ध्वक विकार्ते, सामाना करेका intro partie antes गर्वि विक शिक्षान मुर्हे कहता छ ।

#### করাচি খংগ্রেস হইতে ভার্যোগে व माक माम द्यादिक

কলতীয় ধেন্ট্রাল টেলিকাজ অফিস যে চিনাৰ বিভারেন, ভাষাতে অকাশ कात कराहि कराजाम क्रिक १५१० व माक नम कालत्याम ८ शांबक ६०४। ७३ छ चम छात्र अक्तिक केविस्त मध्याद्व मध्यास प्रकार का अन्य के के किया के किया है। कांश्रीक व्यवस्था नामान मान क्यान क

क्याहि क्ट्रेट ट्याबारक्य गटब गुडिन बार्द्धकाम व्यक्ति क्रिम निम्न स्टल्प 451144C國 > - 英[四]國 明母 @\$414](明 CMER CENTER!

#### ইয়ত সঠীক্র সেন কার্যান্ত विकारण खावन विरयम

ब्रिकुछ महीक्रमाथ दनन ५०० लक्षिक mite n'erim wfanten fen mietaten miocech mietum Mien weilfelegie ? Diet :- alanien menn wiele inite etaet platte munte eftere fracie inelle formation wife

# न रोत महान

भणा अक्षेत्र वरशहरूमा । श्रीत वाका परमेश किन्यात्राण, वरहात स्व स्किट्टांत स्थ-चायुनिक भाषां अध्यक्ति -निध्यादी कद्यक रे करणतः दाला र र ११ । कान भाग हर शिक्षश्रद्धावन निहास द्धारबंग । करिएक निरमन करियाजिएमा । फाछार क स्य क्रीकार्य क्रियु बनर महाराजाती आपन्तव । कारमाक माम छ। वी किस्तु रहें हैं। भारत न्द्राद्यभागिकात अग्टन एम स्थास एक ह बारा मिटल शाहर ना। धन लाकाव Min twat effet Biet un festieben अञ्चलियात्रक आञ्च हे कोटशास्त्रका जार शहरू कि व लाहरात काम जन्म শ্বাদিহরণ কর্তি পুলা আন ক্রাংলিক ইণ্ডিত হল প্রতিক। ছেত্রীর সুন্তেল ু কালে এগার অবংশর চারিলিকে জর্মতে नाय विकृतित भूतन धालाद्यत ग्रह খণচাস্থ বাংশাশিকাংকে আনেশ विश्वादश्य । या श्रांता शृञ्ज । स्थाप्त । काकित छल यह छात्रात भागे करिया कामत - कड़ी प्राप्तकाम महायद करिष्ट्रनग द्वा क्षा य है। इ.स. १

#### 🖺 ্রিপার্যায় গেবের নব-কলেবর

क्षाक्ष्य हो। स्थापन सम्बद्ध विश्वमत व CMEER BEAGERSA BACAT GRAN De अद्भृत क्षेत्र कथा ७०।५० वर्गस भारत संदर्भन अन करणनं कडेंको शामक । nite eter. (nie renm Wenniert tet काश्वाब र्वित्यास को देन देश है। TOUTH WITH I IT INTO AN ACOUNT **व्यक्त ८**५क २५मक शुर्विक जोडर्गर शुर्दुर कता है <sub>कर्नेटिन सह चनक भूतनों के भागा के प्रतायक</sub> नांबाका खनाह लाय म अन्यद्या ह बहतात मक्क शक्का १ क का का कि विश्वास्ति भ न्यार्थकः कार्य क्षेत्रां शा 144 भक्षेत्रात्रात्व दल द्यानक भाग्याक्तां व्य सभी 🛶 🕫 म 🍇 ५ भागः दह ६८ ततः अञ् क्रिस्मिश्वकोदन कार्राज कराज अभदमस **अवस्था १ ६४८म २६१ : काल कारणकाल किम म १४ फालाकाश्मीद निम शिक्ष गराज्य** कहेंग मानाय प्रदेशाया । भात व्यक्तानीत । विका - শ্রীক্ষরির মনের - পামারি - মাল্টা পাস্তৃতির ভারে টীড়ির লক্ষ দেবের লো । তর্য **छन्मन्यति श**र्था २० ७स (सत्त्र महत्त् 物質性機能・質・療物(その行うの) する ハー・ウイの前) かけつかく 利力は、影響 抗対性の抗性の च्चीक्ररक्रत अस्त्रतः लाग्य ंक विकास ए विक्रियों । साम्प्रदेश मार्थिय सर्वे श्रीप्रमानक्ष्माकरणाकरण के क्रमान न्त्र बहेक्य द्वाशाविक्षेत्र विकर् भारतात त्वहेतिन ६६८७ फार्कात श्रीरिक्त 明治 机对路 明显描记录 电线管管 不不 कर्म १८५४ - श्री केंग्र स्थान-करण्या अस्ति। con gw geger mite wafu enfufe. क्षेत्रक केवेंग्यक १ रिलाम अविवेद्धार्थक अमृद्ध करेक्षा जल्ली क्रापात, हास नियन

खरीत कालक मिल्ल क्यांच का छ । विकास के के व्यक्ति खर्मित का का का का वास करिएसिस अवधा विद्यात द्व भ्यम्भार असीत २५ मुत्ताक अन्तर्भ भाका नियो म कर्ताक क्रम क्रम किलिनारक र ভক্ষাট চলিভেডিল উল্লেখ গ্ৰেষ্ট্ৰেল বিধ সৰ্বন্ধিক লাক ক্ষিত্ৰ ;

্লালাগ্ৰণ: মান্ত ব্লোগ ১৬ বিনা পরে क्लीरीता वस विद्या अवन्त दला कायाहीतक शास्त्राचा व्हें का कटवाय संशक्ति बहुत संधा रहत्वत अति क्षांस्यास्य बहेटल तप्रयासा (मञ्जान पात कहेरन) अवस्थ Media Chenial To Che Sithala क्ष्मनाग भूते वहेटक आध्यानगरण !नाहा हैं। भिष्णा समानदान मीर्च क दशस क मर्नन करियात द्वीकाता वर्ष of as not 1

> े विकास साथ करणायरच्या मागाह्य পারত কুড়ে শক্ষ যাজীত্র 📸 গেম १८८५ ए 🕠 ६३२ काव्य याची अमान के बहर्य त । ए अर्थेटक भारती करिएकरक्षा । শার্থ বা চালিকার মন্ত পুরেষ্ট স্মুপ্ত হীরে त्री लाक्ष कोडवा दावता मिट्ना त्रांत् अन्ते सम्बद्धाः वर्षक्तिः अन्ते । रहास्त्रः HE COUNT HAT ME MITS BARY PROCESS ार करें। अलेक्सिस की से शांकशा छाछ कड भू दिस् नाधी फुदकुर का अस्था हुत र धाल जान । पर् कल बाकी काका was the tell of the second of the second करोप अरिकाम्य प्राप्ति रहा मिटल का . १८६५ १० हा अनुर्धाति कहिर्द्यन । उद्यक्तन न्दर्भ क्रुटन्द्रान प्रश्निक्ष भूतीत प्रमुख ने या दर किर १५ वंग कछ च छ छ छ। १५ ette 111 . 41

### इ बदरश्रदाद मःवान

বিগাত ন্যংগ মাটে ভক্তবদের ইন্তি ধেনছার (परवट ब्रम्यादा ३६०१.७) । खाउँ वर्गव Laten und ihm er if nicht bei Atat ा है। सन्दर्भ क्यान का कार्ट राज कर्नाहेका करत प्रमास्तान द्वाप था:८४१६म क तरहा आविक शांच र

male देशर जीत भिन दशके क्षत्रद ल प्रान वानार्वक निष्ठत फिल्ला है।मा ्रहार्क करन हरूल रहता कामाल ittinit milliene at a mait pente formin cete attt un blentamt भटनव दब बबाल शक्तिश क्षित्र १ केवी बागक

पुष्ठ नर्गा के 1% and the प्रमुख्य अल्लाह में सहित्रहाल के के मार्थ के के मार्थ के होता को निर्माण के स्वर्ण के

निशं र ७०१ व शास शक्त शक्त नाराधा ni Gebian serten | g fecan fen culta Piblau en 1 ३थ यथन है।न बहेट्ट कायन भागा**छ को**्रम स्नामी क्रणाधिशा रवण मणिक भूगीत जुलिम दकान टराक्के न्य है। निर्क्ष श्रष्ट माहि शहत अध्यात विदेशके क्षतां अध्या (तका 88+ छोत मण रण छोना का स Bat Grente affen uren courte मृत्तकी प्राध्ययत अस्टिष्टक निक्षा करण क्रमानि मार्टित जिल्ह निका है लिहा शहरम्ब ३७व शरीरक बार्निश शिक्ति मका भा भी में बबदा(क एशावर शाक्तर) यात्र । एक करिन भुनदाव छी । १ ० छ छ। मैं भागार हर किया है हवा आधिता क्रीय ह

为15·增16克增加 电对键 10 图 10 10 11 न १० २.कश नार्छा ३४ छ। भागी आहा... यामी भाषाविक बार्क्सार दिलान-ក់ដោយក្រុំ និង១១២ ឯងខែ១ ខ្លែប្រភព APP 1 ● 最實力 新脚对性 医前分析抗性 कर भारताची विश्व अर्थात है। के प्रश्नित भक्षेत्रं कर्रद्रा अष्टात्म व्यवसाराहरू छन्न आशित है नह उत्तरिक के जिल्ला से अर निरमद उपकार भारताक्षता भूगान्या र छन्। शक्ष दशों कृष्टित राज्य वहाँ कि की राष्ट्रीर अ व्याप कर र पण्डमा

शास्त्रिक कर्णा गरियान जबाद्य काष्ट्रवर्गा एक बस्तात है। दे स्तानी LTAB UT 中型型性 人工编 LM + + -श्रात्क भागाया करीत को ५ (स्ट्रा %[-74 000 BC-4] et:tit:te न्धा का भूते । खन्छ क्षीदांब अख्या १०३० Wientlucena : etelaten nomie अभा ८काम मालिस मा कर्ना । कति स्रोक · Heatlastly

शक प्रमा कशिय शिवृत श्रष्टायाला नक्ष भेजीयोड्ट ग्राम खाद्र छव । भिelfes ston fattes affaring करिद्राम्बल कामनी क्रक वर्गीत्वत का क शरकार्यक भारताचाक रख जातका छह छोड किया अंतर में वर विदेश मुक्क विद्रालय गुरु क्ष्मा व मुद्रक काक्रमोरिक करविहीटक मुक्ति अधिति भाषा कावनात कळ 马克(型)化学 河中港 布封 《家教记录 』

काकार्यना मध्यकत मध्यपति असी द्यातिक नव जात्तिदिशक्षक अकार्यना कांबर्ध ब्राम मक्ष्माम व्यक्तिमारम कर LERY WISTA MIEN CHICKY MY

ध्यमन पूर्व पानिकाह स्था अमृदिशा करा भवानां सर्था ककर्ण कर्याम भिक्षेत्रम् गावीत रखन्छ। अनेत्र काहार कर्णार आहेल । कामरत आहार मरायर्थ करेश मध्याभ ताधाराक वर्गकत । एक्क च मारक्षत । भावमे । च नवामुन्यक अर्थ यानीतनात व्यक्त विश्वन ८५%। कता 43411

िएम् व कामार स बच्च महात महत्व य क प्रिकात काल बहरण खालाक प्राक्तित कामरमा करमन । वस्तिसम कर्तक या कारत कामा कतिया दिन छाता ८५८ एवं व्यक्तिका ना वह दस्ती हम का कि न्।माञ्चल आध्यक्षात्रक वर्गना **करणन**ा िनि नर्मन, दमन क नष्ठ मन निष्ठांबाधीन भक्तो आदक्षा । शादांशियात प्राक्त कवियात कल कार्वरत्व भागमः अस्तिक नामधा करा कछ ।। अब्दान १ कि वर्ष शहराया कारिन्। कर्णा । अभाषाम् वाम म्हास्य है, कात करों र लगे व भा कका गरेंग ।

witteren water o ethan niente core a chi fell nicht milne Mainia nete tata atalta atata करत्म । विकास लाख्या, दल्दलाखास, રન મામ્યુલ જ કેંગ્રેલ સ્થાપ્ટ મામના મહિલ્લિ छ अञ्चारतायः ना का कीनम विश्वकाः mirettung ti Tuche mis wat onthe a fine nonglacem alla मुख्या देशान्त कका ४४ - ७ मेड्र काफाट्य भारतनार हो अ.क. सहस्त्र (अ.चार.क. आक्रम **७ ८५१ छ** etalu n mila Piten tomi mat • स. १ . १९८२ जाकारत समञ्ज शासनीतींड ण कर्रा, राजवर्णी अ विकास में विकास नी लगानी कहा कर जानर मध्य नाबली तक अन्य मुख्या 🕶 । 🐗 । भागे 🐠 कार अन्य introduction Cabin un Mater ett wiele MULTIT MULTER I MITTE AM MINICE मीर्रात्म खन्न ५ व महत्व निवासिक व्यापन सक्ष अकृत्यन भागी कहा कात अवस् શાસાનક મના .વાર્ષેક કરમ ચૂંગી છ હતા 🗊

व्यापा क्यारिकालम् (ब्यारा यन्तीरका .च्या विकास्त्रत वस्त्राचित्र कालाम अस おりないなるの 歌いな(湯 歌節のな の間など कान @ कक्कें नानक देवन मांची कविद्र MA TIMIT SUITH WEAR ! MACHET भाषाना कर्ण चन्त्र हर्न । व्यक्ति देव व्यक्ति ्रम् मध्यक्ष उक्तम्भण रक्तके विकास्य अञ्चल ना रहेट : अक्षातीय कश्चिम ज्या अध्यानस्य गञ्जाब भू के इस । स्थाद कार्यकृति war tufine ernel weite um क रवारकारीन क्योंशिश्र के व्यव गांकारकार्य दल लियम कारक राष्ट्रीटिक नेकी बाराया गामिकि शक्केत्मक व्यक्काम अन्त 491

# अवनदीनवामअङ्ख्यी गुकात व्यक्षिद्यमन-िवद्रगी

[ + ]

## द्धिम्ड भी मण्डल (व

. ভাকা মনোমোহল তোলের জীগক বিয়াসমোলন বে ভীতিভূবণ মহাশয়েয় कतिह लाला विवृक्त शीरमण छल (१ महा-लब छाका क्षेत्राध्यारशी हीय मर्दृत विश्वित रिकार, कमनाश्चारतत र्गालामधीके मुख्य 🕮 यन्त्रित निर्माटन, स्थालान में डिल मह-द्यारम-महाद्यादकारमः जीम टा-मारतम वक्ष्णावनी एवर कीविष्टेवकव्याक्ष्मकात्र বিভিন্ন ভক্তিরাধাবলী ও পরিকর্ণন মন্ত্রের বে অনোম্ভ পরিশ্রম, অন্তরাগ ও আন্তরিকতা এমেশন করিয়াছেন, জক্ষয় ষাম্ভ আপা ফরিকেটেন।

#### **बीयु ५ वेळाना**ारन र सिक्नान

े बार भार जिल्लाकारी िराष्ट्रिक दिश्यक ভারতী মহারাজ 🟝 সেলারারিণা মভার भक्त के एक यह मान हरा, कि मा कि कि विवासी স্থাতি কোলগাটেটি প্রম ভাগ্রভ क विषात शिक्षक है लगाताया छ के महरावध किनम मातानुद्रत भगान्ताना निन्धी । याता **ब्या**कित्याकाया हो। प्रवासीय अकल्ल अध्यक्षित्राम द्वाचा अशिकार्क्षण, अला महस्त्र भारतः हिनि रह रातिबहुर यत होस्य श्चरूक्ट रार्थेशांका निष्या । कविता निर्वाहन मन काका क्षेत्रक अक्षा क जिल्हा दिल्लीय नम-क्षेर्यात्रहम्म ६ हैं। चिन्हक्याराज दाछि আরু তিমে আরু রাচ্চার পরিচয় । তিনি (र मक्स क्यलात चंत्र चड़, विकासी, टाइ যক্ষ খনি ধৰ্মন কয়িছে। এমচা জ পলচাতা **विश्वकि इ**चिम्भव व क्ष क्षा विश्वविद्यास्त्र (य, इंग्र वायू coal noldan का कांश्री भारतम, किनि gold field ात अधिकाती। ভাষার খনির এক এক টুকুরা করল। এক इंग्ला त्लावास्त्रक मुणावाम्। यसन स्टिखन द्वारत्वत कार्टन्टन 🚨 हारमन अर्थनामा भिन्दील-भक्तांत्र है हेक वद क्वाहितांत्र वस्त्र আমশ্বা বিভিন্ন কর্মার থনিতে করণা किकार्षे समन कतिस हिलाम, एका राजग-ভাগাৰত জীবজ ইন্দ্রনারায়ণ এজ মহাশ্রেষ নিষ্ট ও উপদ্বিত হর্তাদি লাম। তিনি মিলামা ী গম মাতাপ্রের বীলালামি भौगाविशस्क अक शाक्षा करना जिला हिरोह हिएक महत्त्व हुन है। स्मा किन्न करेगा भागानेताच कर में जिल्ला निर्माणन प्राचित नावरात जनत **জোখায় পাইব, যথ**ন আলাওঁংকিল্যিন। ক্রিন্তেন। গ্রেল্যাভার অভাবে বর্ষারিত ভহৰিশ ঘটতে প্ৰবান করেন। হুতরাং বহুলোকেয় শেষার আধুন ও আকৰ্ণনার টুংখুর্গ ক্যাতেই ছয়ৰ কর্তব্য—নিভঃ অভাতিনভার ধাতিকভার প্রয়ত ইউয়া

#### MENDENTRICK WER:

# দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

নিতাপাঠ্য বৈক্ঠবাৰ্ডাবঙ

त्यापि नवस जायह-भारता सक्तिय व्यापाए। সমগ্র ভারতে একমাত্র দলভ दिनिक পात्रमार्थिक পত

রালাম মাহাপ্র—১১শে তৈত্র, শনি*নার*—১**৩০**০

ত্রতি অনুদর্মা। বৈঞ্চলগণের সক্ষণে িধামতাচারিশীলভা ।ইনস্ত অবৈত করেত छिङ्गान केस्रमात्राप्त । । स मार्गानम् । माः स्व रस्रवान आणा कतिए । एक (क्यम्मात अक्यार्क) हे छ (लाप्ट्राहेयात्र **শ্রিমান প্রচারি বি মতা কাছাকে অপের হয়-। ক্রনা দিবাই গার হন নাই, শ্রী মোগত** য ক্রিপ্রেপর ক্রিপার এবং ভাস্কুপ্রের বান-ছ নের জন্ম ক্রী বিশ্ব ক্ষেশালা নির্দ্ধণ क तिहा विष्ठ १८७ मा "हे सान (वाद्या सर्वा गार्वा)" नारम द विकार कर किएन दनके निधन द ते। Cनाक्त् श्हेरणरङ । डेस्रनांत्रास्य स्टाटा তা ভি ভ্ৰত হৰ লাই। শ্ৰাণালা নিৰ্মাণ করিবার পর ডিনি ছাগ্দুওগর পারপ্র হইতে শীগ্ৰিণাম মধ্মতে দীকিত হট্যা! शुर्वाय श्रीकरेनर न्यात इकती करेनछ- । মনির ও ভোরণ টুনিকাশ করিবার সক্ষ न तिहा ीन टापुन भारत दाता हाहात हिस्टि সংস্থাপন বস্তাইটাছেন। তিনি অভিয়েই ी,श्रीमाञ्च ७ तकाशन निर्माण माणक *म*िया केरात क्षेत्र कराव्या तथा केरमाह छान न कतिराम । श्रीरारीई व मर्रात लाहाब-नामर রেবং 👊ব্রেণ্ডার সমের শুদ্ধভান্তি থের এ০-एक चाक्री देश रहत दर, हिं। न टार्नीय इड्डाइ अनीरात्र आह छेरताह द्वड मक्का मुख्य वाद्यादक (बर्शन, क्षीवात्रके निक्छे শ্ৰম্থে প্ৰচায় কৰিছে কোন প্ৰকাৰ र ७३। टामने करतन मा। दीहात व्हरे ন্ত্র পেরিবিধা ক্রেছেট্রের লভ খ্রীনাম ওকারিনামতা তারাক মহাবাদ लाना क जिल्हा हिन।

#### है। गुरु कार्रेष 5 व्यंत्राम (म

श्यिति गेश्यक्षत्र व्यवस्थात्र अपन्य स्वत्यक क्षीएक केटेपस्टानान **ए**न तथा, स. वि. तथा

ইবার। উল্যেষ্ট অভ বতাই ভগবানের কারণ বইলা অক্যুকীর্তি ভাপন করিলেন।

#### তা ম'

আলার আলার ল্বন্ধ ক'রে আশার বহিল ছবিখানি : कारणत भूषा भागाना (मनि कीवन (ो न एवीशका वि । ৰেলার মাডি' ছিল'ন হবা Cलकाक सालि (राज सहय : **८क छ**ाटन कार्य एएए के शहर भारतम भारका उड़े एक्टम । ভখন ক'ল আ'লার লেখা म-हिट्डिंग (क्शांश मतः क्षानिकारणत करावर करा জ্যানিধ্রেছিল অভুলং । (त्रि रत (इर्राल्य पाखर विषयकार का विश्व का मा প্রথের নানে দিক্ষে অস্তব কৰও আশা আমায় হলে ব ब्याटमक टाउरव स्मर्थ हि । गाउर श्र सार्वत् कुला नाल ; व्यानात भाष भिनात हारे निदाम-७८त इति द**्य**ा

# याथि जनदार ग्राम

( डीश्वा बनर्ग स्टबं-विविष्ट )

জনমে-এটি,ডিবর পরিচালিত इ. इ.च. १ १ व मार्थ भागतीब निषय श्रद्धा प्रानातम् उत्तर छ। क्याबाहरू टा, विक्रम अन्याभात देगायधिक ध्या-

erf fent umten fras alene दहेरछट्ट। भागात् हे एक्ट देश्वरवद মির প্রভাত-বেলা হইতে "প্রা চর্মার পিতা ধর্ম পিতা হি প্রস্থার " বিভাগ প্রীভিমাপরে খ্রীয়ত্তে স্কর্ণসভাং (" এই त्माक्षेत्र किमाबिक हिटा अ.वि १६ १८ व्याप्त क्छहे मा भाषि व्यष्टन करियालि वि । মান্ত্ৰীবলের চরম কার্ত্রা গ্রেম আগ্র-নের ধারণার বিবার্ড উপ্ভিত হর্ণ । বাহা একান্ত পাল্য, গালা ভীননে 🗽 ८ चंत्र कर्त है. 7 (15) **ब्लोकिक मीडिया गर्मारत्या सामान्या भा** বভাপ নিকর। विवर्गनगण्ड । इ. व উপাট্র জামরা ভাই আলে চরম এরে জন প্রীক্ষণার রিবিদের তার্যাল্ডাকে এক-মালে কাম্য না ভাবিলা হড়চেই চুটে র ভর্মেই মুম্পিক শুদ্ধাবিভিত্ত।

निभूग-एता व्यम्पनियो गाहा - दिसः १ মমোদের একপ নথকেন উপত্তি वहेराहड दा. भाषाकः भ द्वाभी जिल्हा भाषान-পৰ যথৰ প্ৰকৃত নিভাজেৰ ব্ৰতি व्यानारमञ्ज्ञा कार्याण कन्नाहे । स निवं के कृतक वर्ष्ट्र दावी आधारिक रक भविषयाम् कृतिस्य भारतम् । स्यास्ति। ভিন্ন-আভবিত গ্রেশ্ব ধ্রণাব্রক ২৩% সভিস্ন মুলে কুঠার, ঘণত করিবা ভারতার च १ दर्शत चार्योगदन्त ि होते च महीन ५ दक लिया निरुष्ट गङ्करान एरवन, ख्यन हे छ। दित्र व्याप्त मह-परा-दोष्ट ( है १५४४ क्रमान्यत कारी न्यंत हिरात प्रम नेपायदम् भागविक भितिद्यात्। भित्र ख मन्ध ললপদ্ধ হট্যা উচ্চোলের বিচার প্রা-**ज्याम क**तिया अपनि । उन्नालि नद्रम क्रमान् देवस्थनभागत्रवाच व्यापारस्य विस्त নম্বল নি চোমে নিবিত প্রভাৱে রবে দিগুন रिशय किलाड किला (काका मानक) পরম বরাজ শ্রীত্রীপোর ক্রণাগ্র--

"এগভের পিতা কুঞ্চ নর্ম বেলে করে। **लिडाता ८२ फिक्टिक्टा, ८१ इन्द्र इद्र ॥** गवर्त को दम इक इमक गुन्ता। दिन प्रकार से ना करण, मक्त वार्य एका क মানাল বিভারক, বে মা ভামে লাল্ড পিছলোধী পাতকীর হল্প জগ ভাল ॥"

—এই ৰাজৰ ৰাখি পাহিতে গাহিতে **लो**किक वर्षाञ्चलाओं क्रेस्टार्टीकियांनी পাएकाथम आबाद्यात बादन छन्, इन्ड दन । किय भागात्तव अभगदे इक्षांच (०,०८८) कुष्टक पुत्र भाग कराहिता ए (इस्ट.) जम विष इक्षि ध्यान्त इब, देवप वर्ग शरानश ত্ৰন স্থাবতটো প্ৰমা ডিজিমতী নাতা পি ধে জিনান মালাগত র মালাগতের শেশ। সমূতেই অবশু ও লগার আম করিবা এ আকার উপদেশামূল নান পালেরও বৈশ্বরাশী শর্মাক আমানের জীনের ইয়ান হয়। টি চেন পরেরে তা নির্মানের পরিক চিল্রমিনের বছমুশ নামানের ভিন্ন ইয়াক তেন কাই ইঞা। লারারণের সহংক্রিটা মাহাদ্যা টুট্টান্তম আন্ত্রতা বহন-বেবার অবৈধ্যায় এক অত্নেহলক,ক্রি বস্বাহ্বতার লছা,ভক্তি, প্রবিধান, অহলার এত্তি বানা বানরা ক্ষাণা পাঠাইবার ভাড়া নিজ বাজি এক আকার অপ্রদিশে কাট্য বহার ভিডিএট বেক করা, ও আনাবের পুরীক্ষণে দীবন। করিয়া থাকি। তালাধিপকে অভিনামিত

চল্লার হল একটা ভিল্লে উল্লেখন। কোনও উপার নাই। श्रष्टकत करता। निवृत्यादिनी संसान (मर्वी ७ थन व्यामापिशतक एवं कारका প্ররোচিত করেন শ্নগ্ अभिम् मा, हैटा चिम कलाये औरच छाउन করিম, ভার দেকৈ আগ আমি বাল श्रांत लाक्षिक त्रभावन-भक्ष-रक्षान्त्र এবিভিন্ন ছগলে আনিয়া ক্রমের ক্রমন **मिच्टिक 'शिविव मां, क्यांत एकारक** বোমের পুলাভীর্ণ পূরে পূরে জন্ত কন্ট্রেড পারিব নার তারে আনার অনুগ্ত মন্ত্ৰীয় ভাল কৰিয়া লগেল বন कतिया तर, सहैता, कि जासि एक तराहक বিপর্গানী (৪) করে,তুলা আর মার €कार क्रमण शंकदन व्यः."

क्रमाञ्चलनीत त्यांच प्राप्तक (एतक ! **জামরা ৷** ডাই মহামায়ার অনুদশপালত প্রের বিশ্বযাত আপ্রহামার পরি-

পরিপুর্ণ, তপ্র-কর পাশ্রীন 1 D : করিবারে' দ্দি কোনও বাংব আন্দেশ পুর্বাস্তী পুসন্তিত জেহমর জনকের ও শ্রমধর্মের মদল বাজি মাল্লা ন্যালিত बर्गम, एर्य काम्या काइके कर्मार्यक. शामाय ८. हे मजनी नगण दांडि शंकीत साधा कालन कति: एथर पन्मारनत ८ ह আনেক হানর-ভাওকে পরিপূর্ণ করিলা कडाइट का काल अकाल व्हेट हैं। या আদর্শনে দীপাছরিত বদীর নিকট মাইয়া যান কোন ৰাজ্যি ভাষার মৃতির উপায়টা ভাষাকে নিখাইয়া দেন, ভবে কি শে উপকারীর অহিত আচরণ করে গুলা, আভাবে কাতের হয়ন তেও আভাব বোচনে মিট নৈদৰ ছি আচার আবদৰ সকল হক্ষী চলালমনী মায় লাভিধৰত চিলিতে পারে, **शत्रप्रश्चाल वादाय-कारम ८५३ विकाका को अं। यहान ३ विकार १५७ विवास ७ कि. हात्र** ৰদ্দা করে। কিন্তু কামর। এমন্ট্রছোপাক কলে বংন নং। মাচাব মেচে चाळागांकत (व, यथन) चावारनत 🗠 🗠 क्टमन दुराहरणाक चुन्साराध्यात धारमाहा আরাণ্য সক্ষনক গোলোকপ্তির ভূবন-मझन फेटबान-यन महेबा छाइन्ड पहती चक्रुपण कार्ताञ्चा ध्वतीएक माग्रह्मी " काम्बद्धक विकित कारमस, द्वा अभिता । ন্ত্ৰসমনের প্ৰশ্ব সেড্ডক্স অভ্যস্ত স্থায় আচরণ দরে: শ্রীমন নিলোননা এনুর चारीक करावाशून व्याग मास्त्र अधिवान প্রেশান করিয়া পাকি। বত্বত হয়ের **প্রকৃতিফালে** হথন আমধ্য মেঞ্জিয়া হইতে আগ্রিত হটবরে টোভাগা লাভ

লাখাদের সমগ্র অন্তর বেন গতেরে বিজ্ঞান কারামুভিত্র,ধবার্থ জনকের সভানআভিত্র শেষ হইল না, আবার জন্মগ্রচণ করিছে। পূর্ণ ঐক্যভান সেধার স্বাণ বর্তনান।

#### আর গাব খাব না

বক্ষমার বাসকল গাইছে আইডে একটা কাকের একায় পাবের নাটি লালিয়া धिया। काक रक्षांच अन्ति इटेटा ८.हे न्मरम् टार्डिट । क अन्य द्य, ---

"बात शांच भान ना । कांबर्डर विदयं व गांव का 1" किल्लाम भारत पाटबन प्रेपति सका स्टेटल পাঁচিপ হইয়া পাত্র দেখাটো ব্রুল্য भारत न इंडेल, क्यांस न रेन्ड्र्र्

> शान महिना ए, भाग कि ए शास्त्र मन बादद नि १

यनि भागके ना शहेश्याः 7.13 कि थाडेन १ शाहला (ब ७ कि निय **જ્યાં (મેડિક જારે 1)** 

कारका श्राप्त कर ११ वर्ष वर १४ জনাবশাভঃ গুলুৱা কার চালকে ৰ জ্বা হৰীয়া প্ৰচাতৰে ভূমা গ্ৰেয়া ওখন भविष्यांभ करते । विष्य ३१८२३ कालान इसर्वको एक्षेट्र पुरिवाद १०,५६ स्वयं प्रदेश स्थाप य हो। के हिटक कि अन्तर के स्त

ভেগেছ দীৰ মায়েলি তালি ছাত্ৰ মানের পরন কারম ৬, মুতুর ভোগ र १२ १७ रह करत । किन्द्र प्रधान कहा है। हारच है। इन्हार स्था है 😝 । कारकार আহরণ বাধা উচ্চার বাংলা।

অভায়প্ত ভীৰ নগোলে হিৰিছ

खेल्मखरेन (काराव्यक्रात कृष्टि कार्रा) निटम्त बाहार त्याएम कहिल्ह के किस. অবিশ্ব আর একটা অভাৰগ্রস ধীবকে निष्ट ८३१५१६त ६ छ चाञ्यान वस्त অপ্ৰিপুক্ত জী জংগ ৰাজিলা মনে কারে Cय, ए। इ.१८ के कालका CH सर्गेष्ठे ८ धार्म कतिरतः किय गरन छ। शत निरुत्त পরিবর্ত্তে অপংবদ চেটেগর উ দিন त्मानावट्ड त्यानाव । ज मनन द्वांनाख दश् ख्यम (म इःमक्तिमा यारा,---इग्न शह কেন এমন ফুক্মা করিছে বিমাহিকাম। । किय खर्मान भारत्रका शास्त्र मण द्या করিব, তথ্ন বুঝিৰ আমাদের জ্প্রধে সোগাশাবে যে ত্যাগ করিতে পারে क्ष अञ्चलका । एक्स कार्सिक कार्याक्षत । भी, सत्य भएन क आधारिक हिल्ल एक মত্রস্তাৰ বেদনার তাহেজ দর্মন। সংধূ-ওজ- কোন বিন খবগুই তাধ

4177-

ক্ষানিনাং কৃতি ল কৃতিয়ে পালিতা Ef. CH41.

Cप्रयार कांचा मधि न कक्षणा न खला Cathallas 1

**ेर्स्ट्रेक्रालान्य यष्ट्रशर्ख शास्त्रहर** 

4.47 G-क्षांगारर १४: अञ्चलकाळपुर मार्ट

िर्म् करू प्राम्तरस्य प्र ए । इन इन्डेरल है एम ब्याब छ यूरचन्न व्यक्ति

### नेट । श्रि द्वा था श

( जिल्लान 'नवान, विश्व महामार्ड कराये

সভারত। করা চুলে পরেক, বিজ্ঞা। করাই कामानिकाल सम्बन्धक ।

**८कट्टे आ**तम्म द्यकान कत्रिका च,वाशन, বড় তিয়ে। আগনি যদি অহুত্র করিয়া िरवानके बीमारमा रहेशा याहेत्व भारत । তৰ্থিধ প্ৰস্তোবে ভদ্ৰলোক বিশেষ আন নিঙ হট্যা ব্লিণেন, বেশার, অক্স ক্ষরিবার, व्यक्तिम भारे, बालिन यन हेतू न्यस ठाटरन, आभि पिएड धाखाउ भाषि।

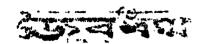
মুখাবিপ্লিত উপ্রেশান্ত, যাতা এত্রিন। পাইলে। এইলপ জাশার আশায় বলিলেন, ভাগা ঠিক। কিছ আময়া বলি স্কল নিজে আলোচনা বইলে বেশিনেন, व्यागुष्ठः व्यानुद्धः व्यानुष्ठाति । व्यानुद्धः व्यक्तिः व्यक्तिः एक्षितः मृद्धः नित्रत्वकः एके । व्यन्तवस्य एके विकास করিলাছিকান, একাশ্ত সর্থাপত এদিরে, তাংকে আলিখন বারিছা এখন যন্ত্রার করি, তাতা ইইলে বুঞ্চত পাছিব, তগৰন্ । নাই । জ্ঞান আত্রর এচন ব্যাতীক্ত আমাদের অবসান করিনা দের। কিছ তাংগতেই সাম্পো বিরোধী ব্যায় ভাষে ১ছ নাই।

हरेटव, जावात मतिरव। एडेक्टन एकाव- विस्तावकारण देखनावरण जानकिळका দ্ভিবৰণ পুনঃ খুনঃ আমা-হৃত্য ১৯তে হিইতে প্রপ্রত পরে। অন্ত বিভারে বৃদ্ধি परिश्व मिक्य मार्ग । िय योव यो विक विश्व विक विश्व यात्र, फाटा ब्टेट्स एक्यानाक 👁 নিজেগগ্ৰন্থ এইবা কোন দিন লে বালাভে । বৈদ্যাৰ বিশেষ পাপকা লাই। বেছেও ক্ষণন অন্ত শতির উনাম্ক ও অভাচন मिकिश्तरात्म छेनासका माखिन छेनासक मिलिनाएमा दावक मा श्रेता शाबिएड পালের মা, জার পাজিলার লা সেবক স্পত্তিক ভগ্ৰতের উপ্স্থা, ভংগ্রে উপজ্ঞেদ্য নিঃশ্ভিক মধ্যে আভান্ত "महिन्निकि मर्छ। तर हमः" एके शिकारण শতিশুল শতিমান উলালিত হইতে পারেম ना, धानात मधिमा । छहे। उ मुलक् ए ए-রংলে শতির উপায়না কি:বেগ মঞ্চৰ ১ইডে পালে १ স্থানার ির্থা কেলাধ্যে অধিটিভ भएत ७ रेबयनम् भारति । कारानी कारी । ८४ भागेका कविष्ठे बहेशन्यक, खालाब িক মন নিশাল নেতঃ মুদ্ধির কলেয়া করেছি া ভোগপুনির অন<sub>্নাম</sub>য় প্রবর্ত সুদ্ধি ेयश है की एक का साल कतिए: एड्र আঞ্জ বিভাগে প্রদানর একচারী আর্ম । তথা টে বের চারিব পর কর আরপ সংস্থাত িল্ড কালো প্ৰকে স্থিপতি হত্য ুভুৱক ভূপোর সভিন্নত প্রিয় সেবা इनक कड़ाक एक्स पुटल क्रिया गाँउ ६००मा । बाहाइकि तक्षावश्च (bereint का आवाहका कारिका अभिन्यास, क्षेत्रक सर्वा र केर्न कथन दाला द्वित स्वाधिका জননাত্রিকের বাহাত আমাদিকের সংগ্রান্ত (৬০০ ডুকি স্বরিধা জন্ম ভোটারেপ্রয়ার জুতি নাই। কারণ হানিবা শাক্তিয়ালেবানা , মৃত্যুক জন্ম ভাগত করে তাত জন সংক্রিয়া के राजा। जा का-प्राप्त जिल्लान भारतक हो। के सम्मा शहन करण, दक्षण १, दहराहाम আছে। ৰক এমা ১০৮বৰ এই ছেই ১ছিল। ১৮৮ মছে। কিছু কানে স্কল্ই ভগ্ন कारिएटटट । धमन कि रहाटण दक्षात वट स हिन्द्र क्षेत्र प्रकृतिक शेर्ड নাং। চক্রবাদের বিবয়বেও ইবা পাওয়া। স্থাত। তাই ভোগায় ক্রানুদ্ধি ক্যক্তি यक्षा छेपछि भाषनाता अर्थ २ ८ गोर्डिय निधिय मृदे पूर्यकेत अगटन अन्यर्थ रहेश পর্যাপ্ত তেন, ছেকেটেড আন্নর্যার পিলের। এতি নাকের সংবার রাজে না। তাকাতেই শাভিত্ত হৈ । সংখনাদিশের আগের- ুর্গিলারের সূচী। তত্ত গুলা ওটার হইবা भटल कटा के बाक्क देवकच केव्या पाईटक विशासिता महा महा द्वा, मुहक्ता अवसादिक्षान তেল ৷ আড ক আন্তাধিলোর কান্যে গৈড়াপর কিনা, ভাগে ভগগে আম্বা े (त'राष्ट्र माहेन, ७०१६) हे श्वम मास्त्र थ् तथा भक्तिमान वार्धेष्ठ नक्तित वस्त्र জনচ।রী ঠাবুর ভত্তপাবের সন্ধারের । ব.রি.এনে আরে নাই। এক ইগার । বছ বিহেলাদ কেবিৰ বৈক্ষাৰ পৰ্ব পোৰ পাতেক। আপনায় মজ প্ৰটভানী সয়ধ শোক আমার ্ত্তন বুঝিতে পারিলেন বিরোধ কোপায় 🕻 च्छारं, य---दी, कात्वकी शांत्रशिक्षि

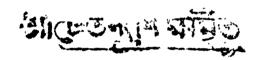
 एक है माश्र तमा, खाश कहेंदल अध्दे खंदें दिक है अध्यक्षक कतिका नमून,—त्यों विकथ **७ ८**लीन भारत काश्रदक ५८म १ जनाठाती है: युक्त--- प्रश्नक्षक दमानिक्षक

(काशीत न्यांटक हे Chile देवक व दा दर्भाव भाक्त तथा दशा दहेश शास्त्र । भागनि यशि অবসায় দিগলে আমাদের মটে অন্তর্জার द्रमाठांत्री टाउत-पानि ए क्यांति कित्रिका एकडे भान, काहा ६६८म *५*.हे. কালারও কৃথিত আমাণিগের বিরোধ

#### ভাজনিশেদনাক্ষ নিবাস্থ ভাজি গ্রেষ্টাবলী



·शिटेक्सवर्षा - केम्ब्रिकिशिटमान श्रेशकृत्वन 'लालक-Botem mittan miren. newa nife a nan. fries & देनियाक्षक कथा, क्षेत्रभोष गिर्वेष क संबद्ध्यात्मक राज्य राजित्र म क्षिप्रकाशास्त्र क्षणान्धात स्वमः ए, देवान वर्गासम्बद्धः देवन्त्र-क्टबंब चक्रण, लटकालियानः । रहित लग्नका, भावा १४, देश्या-कांतिक क्षावक्रमा, कोरवन वक्षा का का मूल, रे.कालपुन्तिक कविनात, क्षांख्या अनिनातं नाटठात क्षा र क्षां छ। छ। । मार्थकारा, माक्कामा स रेनकारतका, त्वल नुस्करीका, फडान, व इम्राया आधार व्यक्तिक-८७०, क्रे.निक्रक्ष्या छ एमीय-िक्कांत्र खाल्का, मक्ट्यरंग्य मार्ग्य अन्तिमा काटमः अन्ति। गाम क्षत्र के Carl कराया, सारित (१३१०, मी स्ट. देवाँ) के जा रहेका. ककि. मध्यक्राम. अमन्द्रक वामकाी, भारकीहरम, व्यूप रम, बीराज्यातम क्षाक्षाच मन्त्रामन प्राप्तरमध्यत्र चारत्व िश्रीपृष्ठ क्षण्यात्रम् । अन्तर्भाष्ट्रातः करणालक्षणकान्त्रः । ११ ए निख रहते छ । अहं अवन्य सं शहर द्वत द्वारा कर्न करिए न्यद्रभाषिक कारक शःक्ष्यः कर अक्षान न शर्मन वाकित्व भाः । भःम शुरु व्यविषयः अरक्षणः । । । । अस्यान्त्राणः । अत्र ध्वेत्रारः ब्याकारम् । कृष्ट्रभाषः । कि बन्द्रसम्बद्धाः नदन्नमध्यानां । नष्टमन करण एक अश्रम् । कैर्निक व्ह्नारकन । कार्यान करियान क्षा क्षानाह है के कि बात कित्य गर्क कवा क्ष्य एक । रिकार्क, जन्द, दशरेनीय व्यटन नाम दश्या करका देखाङ---७७ म'भरकात र**्भा**ख ।



#### हिष्युच मरण्डल

्रिमध्य बीपादे--- २८ छूटे कीका व्याचीयां--- २५० दशीरमध्ये हरका

वृक्षिणून माजवाकः वाश आस्तिक भागतिक विश्वा व्यक्ष क व्यक्ति मागवन माजवानः वाश मध्यिक व व्यक्षकु व्यक्ति विश्वावन माजवानः वाश मध्यिक व व्यक्षकु व्यक्ति मागवन माजवानः वाश मिन्न व्यक्षकु व्यक्ति मागवन माजवानः व्यक्ति विश्व व्यक्षक्ति व्यक्ति व्यक्ति माजवानः व्यक्ति विश्व व्यक्ति माजवानः विश्व विष्य विश्व वि



विक्षीय मरबद्य । ४० व्यामा

শীশ্রণ কোষামী আড় শীল চপুনাৰ গোষানী রাজ্যক উপৰেশক্ষণে হয় মুক্তির কথা বাস্থাতেন, জালা এই আছে কাজেশক্ষেত্র অক্সনুল ও আনিজ্যা বিচায় অভি প্রভারতাতে বিষয়ে কাষ্ট্রেক কিছিল। শীলিন্যালাপ্রভার উপাস্ত শিক্ষি উপ্রেশ বিশ্বভাৱে । গিল্বিল্ব গ্রেছে। ৪৪০ গৌল্লাকের র শক্তির

# ভ্রীনবদ্বীপ পাঞ্জকা

পারমার্থিক বাজিনারে এই একান্ত প্রয়োজনীয় বিষ্ণুয়েও ও উপন্যায় নির ভালেকা সম্বনিত বংশারে মতে মধ্যে নিরাভিত ইউক

रिका 🗸० जाना माज

১৩ ভাক টিকিট পাড়াইলে ভাকে পাঠান হয়।

281 4 D

জ্ঞান সোচনদ স ভাকুরক্রছ জ্ঞাত্যেত্যাম্প্রল

ওঁ বিক্রপাদ উন্নামছ জিলিছাত সর্থাই গোলামা প্রকাদ সম্পান্ত জ্মিকা; স্থোকেই ক্ষা, ব্যাপেনাল, প্রতি প্রান্ত্রের ও অভের কথা সাল্ল, শ্যাসূচা, স্থানসূচী, পান্ত্রেটা, প্রমাণগ্রন্থ, ভালিকা, গ্রস্তুটা প্রস্তুতি নিজ্য স্থান স্থানিত নাজ্য অগ্রে ভবল জ্ঞাইন, আইপেলা আকাদে উট সভের ক্রিতে হংপাং ভিজা—২॥০ টাকা

### <u>িহরিনামিটিভামণি</u>

ন্মাণিক। আলি হলিবাস,কবের মূপে বীন্তালা ক বিন্যুম নহাছা, নানাপান, নানাপৰাৰ প্ৰাভাৱ বিধাৰক কৰ্মি বিভাগ পৰৰ কার্ডাছেলেন, এই বৈষ্ট্ৰভাৱি আন নহল প্ৰাৱে স্কিপ্ত আন্তৰ্ভ স্থিতিভাৱে মুক্তিভা আল ক্ৰিকাৰেন্দ্ৰাক্তৰভাৱিত। এন নাম্বৰ ক্ৰিকা জ

# বেক্ষনহ্যা সম্প্রতি

(म लटकीनटकाव में

বিহ ২--১ : ভবিশাসে বাবলণ শ্রাফীর অর্থ হ।
নানি প্রবাহণৰ হৈ জালগণের হি তি, ত : বিস্থাবহা নাম্পরি ল ইয়ানি এ ও ই নিয়ালের বি ৮ : ৪ । বৈক্ষা সম্ভূত প্রবাহন সন্ধের হাহ লা ও বিবলণ, । নির্মাণশেষ্য গোল ক ও শারীর আকান্দ্র হাল লীয় ভগা। চাত্রপত্ত প্রকাশন কর্মানে । ১ম ঘণ্ড ৮৮০ - হয় পত্ত দেশ । তর পত্ত দেশ, হল শতাহিত, চায়েয়ত কক্ষেত্র টাকা (ধন খণ্ড যাস্থ্ৰ)

## **ই**:ভক্তিসন্ত

ंश बल ६ जिल होको इस बल ६ है। क — जिल्हा अव ६ हो कि व्याप्त कार्य करा । स्थापित कार्य करा व्याप्त कार्य करा व्याप्त कार्य करा व्याप्त कार्य करा व्याप्त व्याप्त करा व्याप्त करा व्याप्त व्याप्त व्याप्त करा व्याप्त व्यापत व्याप

শ্রমশ্র চোশ্য সঞ্চলিত সদাচারস্মৃতিঃ ভিনা / শানা মাত্র

# বিশুঙা প্ৰ

নাব্ধান!

नावश्राम भ

জে. বি. দংগ্র টোকা শিশি আদ্বান ভৈতৰ

পরতি ও বছ প্রশংসিত।

আমর। মান্যসংগণের জ্ঞানাইতে ভি, সাদাম তৈল খারদ করিব র সন্য লিলের গায়ে ইংরাজী আনরে জে, পি, দত্ত এও কোপোনী নাম খোলা দেখিয়া খারদ কবি বন। নতুবা জুয়াতোরগণ কন্দরের ফু এম তৈল দিয়া প্রভারণ। করিবে।

# কেরাস কুইনিন্

্নুচন এখা পুরাচন মান্লিনিনার যম

ইশানে উ যুক্ত মাজার ভাষেত্র, ব্রেচাই**ভ্রেক্রে** কুতান্য সামেনিক ও গ্রুটিবিগ্র সাক্ষা

कर प्रति में कुर्शान् कार्य राज्ञक्तन कविरण आक्रिकी ता क्रांकी राष्ट्रक्तारन्य भक्ताक्षता नात्रन मा राष्ट्रिका कात मक्क करत ज्वर ७ व्हेटक ५२की श्राह्मका मार्ग्यक्रिकां मार्ग्य केंग्रेसो नह करिका स्मरण।

क आण्डल्य अधि नाका-भूता २८ है। का है। का है। का हिन्स नाहत्व वर्गनकाल अस क्रिनिकाल कास्ट्राउन्हेटक २२० वर हक्ष्मीयर स्थल, क्लिकाल

গোড়ার বেক্ষৰ-জগতে অভিনৰ এছ !! এদ ঠাতুর ডাঞ্চবিনোধের মীত্র-এডাবলা :---



প্ৰেট সা**ইও** শুহুল সংখ্যৰ ভিজাত আৰু

শেশ ও মনেও চেপ্তা আনিভাবন্ত গ্রন্থান ইবা ব্যক্ত কৰি বুল্লেন্ড পাছে, ভ্রন্ত অভ্যান্ত নিভাবন্ত ইন্ডেগবালের প্রতি লাগার (গান গাড়ার আন্দেশ্লের ক্রাণ্ডার ক্রেলিন্ত নিভাবের নিভাবের নিভাবের লাগান্ত ভ্রাণ্ডার কর্মান্ত ক্রাণ্ডার ক্রেলিন্ত ক্রাণ্ডার ক্রেলিন্ত ক্রাণ্ডার ক্রেলিন্ত ক্রাণ্ডার ক্রেলিন্ত কর্মান্ত কর্মান্ত কর্মান্ত কর্মান্ত কর্মান্ত কর্মান্ত কর্মান্ত কর্মান্ত

তিকা প্রতি বও ৴০ এক আমা প্রেমতাজভাজকা— ৴০, মবর্যাগনভক— ৴০

কল্যাণকম্পত্ৰ

भटकड मा**रेक** भक्तम मरफडा किस्मा />•

আগনা আন্তার নৃত্তম লগাও ও কাষনায় বলবর্ত্তা হস্তা পূর্বপুষ্ট বে আফলাপুর্বত করালে পাললা জহন করে এবং বাহার নিকট করালে কালে এতি, তিনি যে নিয়া যা গণাও করালে এটানে আগনে অসমত এবং কেন্দ্র বা আফাপের নিকা করালের তা এবং কি ভাবে আনার নিক্ স্বর্গাণিকারে সমত হৃত্বি, এই স্কল কলা সরল গালে ব্যাধিক। এই ক্তিভান্ত বাল্যাবিকট করালের ক্ষাক্তর হ্বিন আফোক্তেক বিভাক্তায়ের অধ্যক্তর হ্বিন আফোক্তেক বিভাক্তায়ের অধ্যক্তর হ্বিন আফোক্তেক বিভাক্তায়ের অধ্যক্তি

বিত্ত ক্যাটালগের জন্ম নিয়ালখিত ঠিকানার পত্র নিযুন—
ম্যানেজার—গ্রন্থভাগ, ইটিতন্যমঠ, পোঃ শ্রীমারাপুর, ( নদায়)

# বিশ্ববৈফ্য রাজসভার গুদ্ধভাক্তন্তসমূহ

हिरिज्य भरे

আকর মইয়াল

अ हीत अवदी ६ छाक्षव अधाम भाराभुत्त, संधीश

खीयहारवामणीप्र करता कार्य कर असे केंस्वर-लुट्स खीखनलब्दन चांत्राबाह श्रीतक्ष-CHAS-BACH BBChas ART BILBIOLS

এই স্থান সাপস্তৰ নীৰ্থ, প্ৰাণ্ডাপীঠ বা সাম্বত ক্ষেত্তনী। এই মহা নীৰ্বে প্ৰীংকি माधाय पार्क दर्शीय-्तर क्षमध्य, शक्तानकाष्ट्र कक्षणीत काना, वाहेन, काकास, क्ला প্রাথাল-উপনি বন্ধ-সাঁতা-ক্ষত-৫ ছাল চঞ্চতের আগাধন । ও আগাপনা এবং তথার হীত্তর-ट्राविक-शास साका-शिदियत स शाक: शाक: शाक्यातावक-काक्षाता-5क म कं कारमत केलाव বিপ্রতের বাধিক নিজা সেবিত চলতেচেন। এত মহতালে পাল্যার্থক লৈনিক্পর সান্ত্রত मच्छानात्त्व च शका भिक्र ६ छ शाहीन अस्त्राचि काहत्त्व "नवीदा- खकाव" सम्माह প্রাক্ত্রিভ তর্বাভেন আহিবংসর প্রথাস পাত্তিসাল্ভরন ও অস্পাভ ভক্তব্যাল্লি ত প্রিলালনার হার্কী। সংকারী-- ্রীরাল বিলোপবিচারী এল্পারী, প্রাপ্ত ব প্রীলাল লোলনার ZERIG Biregering Birthe Dies Burtet, Pice Butterien Gmotel ীয়ক মনীগোলাল বন্দ্যোপালার, আইবেরাম ধান প্রস্তানী কর্ম নজনত্ব।

#### (৩) যোগপীঠ ীমন্দ্র

क्र कान धीकशहाल भाषा करना ग ीभवाराक्षक स्थानकात-काम महास्वात Pital anten Eine all rich er Filip र्रश्रम् केट्रिकेस्मासाः व अतर अंति स्था के की प्रवाक (का का अना अना के पा के अपन-BERT CHAI 450101 CH 4-0019-आध्यायत द्वारायामी अञ्चानमा ताह विद्यानना काल । अक्कारी क्रिकितानक बन्तरा, विभाग सक्क--दीकिवानकाल आबार । अतिकारीर विकारमधान क्रिका सक्कान । सक्क--B. : वान बन्नता है। श्रीशावनमान स्थापन Did. (#4mit) @sianan!

#### ( 8 ) दिलाग-कालनः

खिमना शास्त्र के खि!- मिनरम मा **शिक्षोक्षामाव वामध्यो । जनार है जिलात** जिल्लाम्य छ प्रश्रद्धा भारत बक्तानः ●짜 +--- 최 a: +[의 귀 결속, [호], 최 여질 6 ww. Gernigenein ginial :

(१) प्यदेष ५-फनम अके द्वारम क्रीभटेबक शक्य चत्र खतर (म्या यहमाह, (

्र (कि) कालोत्र अमः नि भ हे व्याठीन बाराम्य, नाम-मुक्द (महीहा) **ब्रिट्योहकुणायाक है**40,य र की व प्रमास। श्रम -- अम्चाती श्रीवानावाची।

#### (৭) আনদা প্রথম ভূমে

शिक्षाक्षक, अक्रमनाक र नमें क' ) এগানে উবিভূগাদ জিল ভারত নেলে/কুরেছ Mulfi der Compenning wer Bill tie: min त्रक (गण न देशान

> बक्ष- विक्यम हास्या बहारी कारिकी वन, एन, इक र

#### (६) श्रीमधान दर्भाता मह 584 Fat 1 राम क--- हैं। येष्ठवन्न क्रिक्स पूर्व नाम, उद

14, wa, Hoois ... 354 HA 6:4. लाही, जीपकारम अ शकाबी आकृति।

( > ) शिक्षांत्र-भन्ताभन्न मह **के:धार की, अध्यक्षण है, ( नव्याम )** ही र नावे अन्यत का ब्रिट प्रोहतमा क्रा

১১ / প্রীক্ষণ গাড়ায় নঠ बा. १५% मा भ र हे. र् ाक्रक= ऑस्ट्रिमान अध्वादी, **अक्ना**ल्यर

#### ( ). ) **Eller paragra** —

माहिताक, प्राथमन, नव्यान। 🖺 ामि : भार प्रकृत वृष्णा ग्रांब शांव । उक्त र- दी का संभी तक संभी। (>>) काशनक व्यागम

ची-।ध्यत (ता , क्रमन्त्रव, न्योश। witte finte officit mois-chai दक -- अभागम वक्तारी।

(३०) औष्ट्रशता गर्ड CB म (छो, ८र्गाशाक्री, क्रमान भर, नहीं सा । दणके--- अधिवानमा अक्षाति ।

(১৪) শ্রীমাপ গ্রেসিটার মর্ত্র क्रमा भव नपुर दशक, क्रमा। भृक्तवरमञ्जू व्यक्तकः उपस्ति वर्षातः सी छकः ારો ૧૯૦ લાયક્સા-લિક્ષિપ્રદેશ દહેશ નથસાન દ १क रूप देश्वरक्षावश्च अवनानी ।

> ( 50 ) क्येटमार्भ शकी पर्क अमल खंद, हाकः।

त्यांत्राधकीय आविकार । व्यापीन स्वता इक्क - जिलापरमा व व्यवस्थित

## ( ) ब्रिट्शोडीत घर

১% मा कामिलामात ठकन्दी हैति, त्याः माननावाद, कविकाका व Gincula in, fr. esse

श्चिमका नकृत काठातिक सामेनाम अभिनाम-१०७। (बाटमाम (श्रीकामान्य शक्क क्षेत्रेक मर्गा विश्विक मात्र की विकास हो। बारान कामान के प्राप्त का महित वा एक स्व मक्यादर्दम कि क्षक्र-दर्शनाथ छानदर प्राचनक कोचे मण यहत्र निष्का दशकिक क्या । दशकिक क ठारा नर्कात मान में के अकानमीत अभावात्त्रात्मान्य स्थिति मरमा अक्की अपूर्व प्रमान গতাল্ব সংখ্য িত চল্পাছেল। পুলিবীর সকলে খ্রীগোলনাম প্রচারার এট মন্ত্রালয় करें. क '(श्रीक्षीय' मान्या'वक श्राव, कि कश्रावाधी व्यक्तिक श्राविका देखाकी श्रावाद নিধমিক কাৰে। পাক পোলত কালেকেন। জীনমে পাত, মহাজন, সংগ্রালনচজ্বইদ্ধবেলায়, Bungiste, Bithmer-bingigeiffe-niet a edites num mitnibut ven পালে। মঠবক্ষণ — আন্তামটোত্র দীপাণ কুলাবিংবী বৈল কুম্বা সংখ্য**ী —পরিভ** भीतार अम्बनाक्षात गरीनकाष्ट्रप्रानिकः लीगार असराजन गरिनकानिसाह विन्तः miente नाम काली तकताती. श्री यह क्लाठकानम कामानिकारी निक्त स्त्रीनाह क्षरभाषान कामानिकारी, अच्छाठी ब्रोकीक्नालन, अक्षत्रती ब्री भाकी साक्ष्य, स्वाहारी প্রাক্তমন করিল গাঁ, এলানটী ছীবেবসীনকন, গাঞ্চ প্রাণা দ্বীনকত लद्रविद्यारकात कांकलार अकरता

#### ( 26 ) 실제배 현- 지나 '해 되고 केरिकाक अमर्गाको सका, वालित छ।का क्रीनवण्ड-(भोताक्षत्र । । । । । । ।

| 2中は一部サイカン 250,001

#### (১৭) ঐভাগেরভক্ষমানক মঠ

किल्लान, नाक्ष्मनलुन, रश्चमनी जुन । Q 1164 344- 5117 7-5115 401. उक्त भी क्षीन्य सम्भातको । बळ ाती प्रसानम

# টে। এটিলাবেড়ে। প্রপন্ন প্রব

वास्त्रीम द्रमाः नद्रमात्र ।

क्री सम्बद्धाताम होता सामका जाविमाही। लिकार- । १ । अक्रक-अवनामी आहार- शिल्लाकरात्व : (+C-1+1

#### (१०) श्रीश्रक्तवाद्या गर्उ

वर्तकार, सुर्वी, धन्तुमा । बनात्म न्यानोत्र-प्रवास्त्राप्तवाचीम सिका-अना बन्धान है तकक - अक्षताबी दीलह्याow last ch. ambiel Bontolow !

#### (६०) की तमा-दशी छोत्र मह

भागवद्रमान्, अभाग ह .. भ इ. भूती । अभागामिताः भगपात्र मध्य क्रियास अन्यान । वक्त - नवाशाती क्षां प्रधासकी व्यागामकी। अहकाहा-उन्नगरी भी संबर्गाणा है।

#### (১১) डैंग्रेज किंग्र श्रम्भ अर्थे

Biugig:#: 5. 48# 1

अवादेश - विकल्प- मात्राप-विद्यामक्ष्य- - दक्किकारी श्रीकामात्रम्यन नग्नन् । १० योव (अकार्मना वर्षमाना वर्षका अन्दर्भाती जीत्रशायह ।

#### (२२) श्रीमहाक्ष्मः भोशा गई

क्षर क्षराकानमञ्जूषा, कर्मी । CHI - THE WITH HALL AND FORTERS •भारत ,शान्तिन वर्धन । क्षणान श्रीबालकोलावकी ।

#### (२०) शिक्षा हिड्या बढ खीन गरामाम कृष्य, लाताम सम्मानम इ

Zamein.-du-juimmig chite

दक्षक--- रे.भन किल भ उक्रपति

#### (-४) अध्यत्भवद्भ सह

Lituations, Hierma

TA.CH EFA.214@ off Salati क्षिण्येत विरामाण विकासकीय दशका वसमास । - क क --- अब्रहारी हैं। न गरकारका के अब्रहा**ती** 

#### रंब हार्क्षांश्रीक वर्गां

प्रमातका, छात्रक । भा-कृत्। इस लोटे । वर्ष-नामह वाना । क्रम क-- लोक्सा-नान राष्ट्र, है.रननपानक अक्टाडी ( सीद्वाय 🗸 काल अल्लाहित ।

### (२५) अभागःशोहोत्र मह

क्षीरापा वास मन्यासम् । स्म शः वसमास । अष्ण क - लाका भी ही अन्य नहीं ।

(२५/ जाक्षरभाषा अभवास्त्रन-वर्ष अधित्यत्यत्काः दणाः यत्यः, कृत्यका

कारात वर्षेत्रमध्ये सारनावारकेक दशक न्द्रशाल । चणक---बच्चामी श्रीक्षानकुकwirt, Bir fet gun ale ifet !

#### (२৮) विद्या दशाकी है यह—कार्याक्षक De con Minte. The funt . .

क्षण - -- अक्षताही - भीवाविकाक्षामकः

(ND) COTTO INTERPRETATION 

### চৈত্ৰসময়ের শুদ্ধভান্তি এছবালা

বঙ্গাঞ্জবে প্রকাশিত	শ্রীল প্রস্পাদের বক্তাবনী		
১। ইসভাগদভন্দ-শ্রন্ত ।	(♦) রাধাণ্ণ ৸৽		
. ( ) ( ) Re ( ) ( ) ( ) ( )	(ৰ) ৰিতীন গণ্ড ১		
क्के (भन्म कक्क <sub>) २०८</sub>	(গ) ভূক পদ্ধ ১৯০০ ১৯০		
रूतः कासम्बद्धाः मण्डे व्यक्तिहारः कथानावस्त्राम् स	৩৬। সৰ্বীণ গঞ্জিক।		
( इस मृश्यामण )	( ४८८ ८४१) वर्ष ( ) 🛷 -		
•   াত্রীচেণ্ডাড বেশ্ব	७१ । शिक्षा धनर्पर 🗸 🗸		
(ใหม่เรียนกับ สะหลา) เ	०৮ । दीश-ामन्र भनः 🗸 🗸		
s । विका ( खिल्मारमय-तीका-भण) >	८३। अक्टिक्स		
द , के का ( शिक्षकार्ति केंक्श-मक ) २-	(ন্ধ্ৰীপ পান্ধক্ষম) ৷		
4 C 7478	৪০ ৷ ব্রাভমালা 🗸 ১০		
१। व्यक्तिश्चाका क्रम्यानीवकः माक्रमः	8% ( ##)]역수활은하 (역화는 지목하고역, />		
( PRA )	8२ । अव <b>षा</b> धनक		
►। दशाक्षाण-कक्षणाहें देव	৪৩ ৷ প্ৰচাঞ্জান্ত:		
a । शिक्षेत्र रक्ष (मानामुक्त (वीषा ) व	du 1 Himme /-		
्रे ३०१ किछा नविष	64   (224 t) & 512 7   / +		
· ·	891 44415/76 /-		
্লা নিন্ধানীপ শভক্ষ (বিংগা) সং	691 Weiser Je		
,	धक्त । दश्रीकृषिकार कि करवान ह		
्रेस (काश्याः ३३) भ=	8 कर अर्था वर्षे /•		
লৈছক ; বেজবন্ধ্য\-সমা <b>ল</b> ি	4 • 1 % % % % % % % % % % % % % % % % % %		
તાપસ કારિયક) 🧎 🤄	ଥି ଓ ଜଳ ଅନ୍ୟ ଏହି 💮 📝 .		
38 ( ∰र्रावलामा <b>७ थ</b> ामा* भाग	C) WEID		
. १ । अनुवीत्वाम-अध्योकाः ॥	দেবশাগরাক্তর প্রকাশ ভ		
२७ । ्याबक्टकांप्रः	45 1 (16 4 4 4 4 4 7 1 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4		
১৬ (অসংবৰ্ম সূত্ৰীয় সংখ্যা । ৮০	४७३ में के लिक भवायुक्तम् । । । । । । । । । । । । । । । । । । ।		
This Grandes	481 (4.76%)		
১৯ : ইতার কেবল সাংগ্র-শাস্ত্র 💮 🐧	.e.च. ११ १०व १०च		
<ul> <li>इक्त द्वारकार्थी क्रमुनाथ महन ( वं प) इक्</li> </ul>	दक्षा शास्त्रतमः (च काष्ट्रकस्		
- ·	. <b>६१</b> - दशाप्रीय भश्च तर्तत्वक		
.२) । द्वीनविक्रिकामाणुषा माञ्चाम ॥	धरापको छामान धन्मिन		
之也 [ - 《有權主權 中國作品 內主管 <sup>本</sup> 主管	<b>ቆ</b> ሆኔ ተ¶ችምፍብ		
६ वाशासकीयः) १०	<ul> <li>का नामक् धाव नियमकीम् चन्</li> </ul>		
29   4%/10/18/85 10	हिर्देश र व भरा शक्		
रंड ३ टाफ्रेग्रीय-दैनातर नि	केरा समाधिजन्		
১৬। গৌতীয়-লাভিডাঁ <sup>ক্র</sup>	७०। निकाधनक		
२९ इ. अहमज्याच ( सम्म भटकराय ) । । । ।	७२३ ३८४-जिल्लाशास्त्रकाः छ		
र <b>ा वांनमक्षती मास्यता</b> व	। सार्वास्ट्रकः हिट्याम्ब		
२ <b>३ । २व</b> न् कारली वा महावासण रहती 👀	न्त्र । १४१४) है स्वाक्षीक्षीप्र क्षत्र केरर		
●• ৷ উপোপনিব্ ( বল্লেব ও সাক্ষ	উন্তিয়া আহমে প্রকাশিক		
ভাষ্ট এবং বৈৰুভি ও অফ্ৰবাল সভা ।•	७६। श्रीकाम विश्वपान ।		
৩১। শ্রীসমধী শভাব ৬৭ <b>০</b>	et artile adion to		
০২ ৷ ইয়ালন্তন কলপা কাম্মা দশ্ৰ	1		
্ততঃ শ্ৰীভূৰানশ্বর প্রথাপাল কর্ম	!   ७१ । श्रेकलियी		
(at) नवर्षीलश्चरूरागाचाः			
Language to the control of the contr	na san i magnagangan Lathan :		

স্বর্গর্যোগ। স্বর্গ স্থাগা।। স্বর্গ স্থাগা।। প্রাথাকেরে খণ্ডে খণ্ডে প্রকাশিত

# শ্রীলপ্রভূপাদের বক্ত, তাবলী

ওঁ বিজ্পান শ্রীনীমন্তি সিন্ধান্তসর্যতী গোষামী মহারাজের নেই অভিনা-বিধ্বংসিনী জানাত্রস্কাপোদেশিনী কুল-কার্ফানিলা নানিনী জীনস্ত-বাণীর মুর্ভ-বিগ্রহ—বৈদ্যবনিদ্ধান্ত-সম্ভ্রমালার কৌন্তভ্রমানি —সেনাকুন্তনগুল্ভর কুল্ড-কর্নাবান্ত্রন ক্ষরতান— বিজ্ঞানাগারের মৌলিক ভগা—পঞ্চরাত্র ও ভাগবভের সম্প্রভান— মহাজন-জীবন চরি চ-বিক্ষান—চিবিলাস চিবান্ত্রাভ্রিকারক—এইম্বা ও মাধুবা্রসের মৌলিক গবেষণাগোর—সক্ষর, অভিনেত্র ও প্রয়োজন ভব্রের সিঞ্জান্ত-মুন্তা।

১। প্রথমশক্ত নিজন্দর্শন, জিও্ডাউদ্ধ, কালাগদ্ম, শ্রীনধ্যানিউনে,
শ্রীনার্যালালনী, পালা তিন্ধী দীক্ষা ও বর্গ নির্বাহ, আসাক্ষা ও মনোধর্ম,
শ্রীটেড্ডালের ও ভারতার বিজ্ঞা, অল্লান্ত সংজ্ঞার ও প্রাক্ত স্থ্যজ্ঞান,
শ্রীনাদ উপরপ্তান, জিলার্সিকান্ডান্ডান্ডান্ডান্ডার্ডার বিশেতি
সংখ্যক রাত্র ত্রোল্ডা তিকা গাল্ল দ্বালালা।

২। জিল্টোর পাশুল শুলা ও নিজা ভাজন্মর মের শ্রেটির কোপার,
আয়ার নিরার ও নিরার সানিধার ও সার্যাের নিরার নিরান্দরন গ্রন্থার নিরার প্রায় ও ক্রানীজন, জী চ্যুপুলার নিরাগ্রের কীউন,
ভারের হামের নিরা, মা প্রায়েশ, ভিরোগ্রের কীউন,
জিম্বী গ্রাহান্দ্রনিরা, জী চেত্রের দহা, মৌরকরণা ও গ্রহান্দ্রনিল চার্দ্রন কাল্যাব্যস্থানিকা কিন্তুলিকা ভালা হাম জিলা সাজাে।
প্রায়ম ও লিইবল-কুট শ্বে একত্রে শুক্তা ভিলা হাম দেও ট কা

প্রাথম ও পিটার---টুট পাও একটো লাগলো ভিলা চাচ দেও টাকার ভাকে শ্বচ হয়য়ে

আল্ডিনান : - এন্ত্রি শগ-- ইটেন হলমঠ, পোটে উন্নায়াপ্তর, - দীয়া ।

আসানী ৩ৱা এপ্রিস (১৯০১) ভালিখ চুইতে

बीशाय यां शाश्रुदत

"ঠাতুর ভক্তিবিনোদ ইন্টেটিউট্" নামে

# ७६५ ইংরেজी विनानश.

## धाना हरे. उद्द

নিদেশী ছাত্রসপো, জন্ম নিনা ন্যথ্যে স্কুল্বর বাস্থাশের নন্দোএছ হ' হাতে। প্রত্যেক্ত ছাতের খোতাখন বাবদ মাত্র রুখ উচ্চ না মাসিক ব্যান হইবে। শ্বার হাউন স্বায়ানয়। ছাগোণ ফ্রিন্ডাব্রের প্রভার স্বায় নিম্নান্থিত বিশ্বনার তাবেরন করুন।

> সেকেটারী, সাকুর ভজিনিশোস ইন্টিটিডট্ ইচিউফাঠ, গোঃ শ্রীমায়াপুর, ম্বারা।

**शास्त्रामः :--े.८८७४२२, ःशाः यामाराश्रः, त्राः।** 

त्व वर्गद्व श्रदी कि कद्यक्ति मद्भिष्ठ-रावनावनातीना कान ने बन्दा त्व भमक जानत्मा भव बाव निवादनम्, जान राम कवित्व वह महत्व वह रहेश गढ़ । जार्तिक नावनात्र नेविद्यां वह हरेन।

্ড। চল্ডপ্ৰতা বঁটাকা---ইণাৰ নামটীত বেনন কাৰত সেই ছাৰু। ইণা বুখন ও প্ৰাতন মেণ, মূত্ৰকৃত্ত, মল আজুদি এবং স্থাপোৰ্থিখের স্থিতি বাংলান, বেড এবং বক্ত লাবৰ অভ্যতি পোগে আজুদি এবং হাংলান

্ষ। পুৰুপ্তিসহায় ৰচিকা- সাধ-জনানিনীন অভুগ্ৰুট নিজানিধ্যক উত্তৰ। যে কোন থৈছিক ও মানসিক গাঁড়াবলতঃ অনিজ্ঞানে এই উত্তৰ ব্ৰক্তাৰে গাঁচ নিজা হটবে।

ত। স্তুর বটিকা---ইং। সেধনে প্রীধা ও কংল্লদলিক নেবা ও শতীর পাতৃৎ কুইয়া যাওয়া উত্যানি নিদুহিত কর্মা এক প্রিকার ও রুদ্ধি প্রাপ্ত ইয়।

केंक्र किन व्यक्तात्वत व्यव्याक खेयत्वत्र पूरा श्रावि क्लोगि ५- ग्राकः।

আধিয়ান :—আতৰুনিপ্ৰাহ্ন উৰ্ম্পাসস্থা ২১৪নং ৭০নাগাং শ্ৰীণ, ৩লিএড ৮

### क्षेनवहीं भवामाश्या व्याव पक तक्का ८०

জীচৈতত মহাআক্র বিহার ও পাঁপাড়াই নয়ট বীপ-স্থায়ত। এক নর বাঁপের আচীন বিষয়ণ—ক্ষতোপ বাঁপে জীমধা আক্র পাঁপা—আডোপ বাঁপের পাইচর, জীবাম বহাস্থা—বাধাপর্য কি গু উভায়ি বিষয় বিশেষভাবে মনোবর ক্ষেত্র বাবত। প্রেক সাঙ্গ আহ ১৯০ পুটা।

# |নবজীপ ভাষভবল বিশা।

ইক্ষণ ব্যোজনার কালাকে উত্তর কাসক্ষে হালা---- শ্রীনৰ ালবাম লগতে কার্ত কলনকারীর কি প্রকার ভাবের উচ্ছান চয়, ভাবা আর প্রয়ে বাল্ড। আন্চ চয়ৎকার :

সাধিক ঠিমণি——ইটবকবৰন্দনা, শ্রীণাইগন্ধন, শ্রীক্তেও অটোডৰ শঞ্চনাম ও শ্রীণ নগোর্থ ঠাকুরেও প্রকটনিংশত প্রণিত্তাক্তসম্মত প্রার্থনা, সেমন্ত্রিক চল্লিকা আফ্রির হৃৎতি গ্রীভাবনী স্থান্তাবে গংকট সাহতে সুস্লিত ২৭ সংগ্রহণ ভিক্ষা ও চারি আন্যামার।

# কবিরাজ শাশভূষণ কবিক্ঠাভরণের



মক্ষাৰণের অ ব্যাস কল্প ও আঃ পি'লচে য'ীকৃষ্ণ অবস্থায় ভোটবোণ-লের সম্প্রিমাণ উব্দ ভাষে পাঠান ব্য, ইচাটের ঔষ্ণের কোন প্রিক্তিন করা হয় নাই। সুলা প্রাক্তি শিশি ৪০ আনা, প্রতিট ৮০০ আনা, বোতল ১০০ আনা।

অফিস- ১১শং উল্টাডাঙ্গা রোড, পোঃ স্থামবাজার, কলিকাতা

# बपन मज़न

বাইকার করা ও বাজানক ও, ইপ্রিরবাজন প্রাপ্ করাবে ক্ষাপাঞ্ নাচকাম, মাধাবের।, বুল বন্ধ করাবি, সন্মিয়া কঞ্চে মধাব প্রাপ্ত বিশেশ বাজোবা হয়। মধা, বাবা, মেয়া বুলি করিছে করিছিল ইনিকা। সমা ৪০ বনি ১০ এক ইনিকা।

अवस्थित प्रमाणका कि मुल्ली प्रभवकारि त्याप व प्रकार के शा भारतीय कांग्रस विकास करता हुना र त्यामा ३ है जा। अवस्था कांग्रस हिन्दु हिन्दु की व ग्राप्त कांग्रस विद्यालया । क्या २० वसे २, वन शाना व वालीयक व्याप्त हिन्दु किया की विकास विकास १ २११वर कांग्रिस द्वार केंग्रस्था है

# হাইড্রোসিল আ কোষর্দ্ধি রোগ

काः कम्, कन्, त्याय विशा कत्यः, यामकीवत्यस न्यादानि ।वशः देव्हारंकक कामगोदक दकायवृद्धि द्वाम व्यादवामा कृतिका वादकमः

> विकाला----क्रम कर वहेल होते, बढ़वाकात, कालकाका १

### ১। শূলায়ত

निश्चमृत्यक चनावं महत्रेयकः । अध्यक्ष क्षेत्रम्य, मश्चारः चारक्षाताः अकृति । अध्यक्षित्रम्यः । अध्यक्षित्रम्यः ।

# হ ৷ শুক্রাচার্য্য সঞ্জ বনী পোটাই

আনেচ ও কাৰাভাগেও একসাত্ৰ মকৌৰধা। সুগ্। > ডিবা ১,০ আসা। । বাল্ডৰ পুলক্।

৩। সর্যাদী-প্রদত্ত অশ্রোগের অবার্থ আংটি

8। কেন্তি-বান্ধাব শীল भशेन, এটকাশা, পেটবেধনার মহৌনগ। ডিনাতিক আলা। মানুল পুনক্

৫। বাতল'ন

বাসংহাগেৰ মাৰাপকাতী ও সপ্তাংক আছোকায় প্ৰাক্তি কিবিছিক আছোৱা মালল পুণ্ৰু |

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তকারক। গণ্ড কাটালগের লয় পর নির্ন:
প্রাভিছাল—মনোমোহন লে-রেইরী

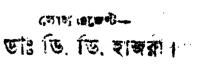
लाः देवाती, क्यंनानुत, शका,

# মৰোগোহন প্ৰেস

পূর্ব-বাজালায় ওলতে সকদপ্রকার ছাপার কল বিব্যাদ বৈদ্যাতিক মেলিলে দিবালাপ্র কাজ ভলিতেছে বিশ্বর জানিতে হইলে নিয় টিকানায় পত্র লিপুর ম্যানেজার—ম্মেন্স্ন প্রেস, ১০শহ লকাজদার, ভাকাঃ

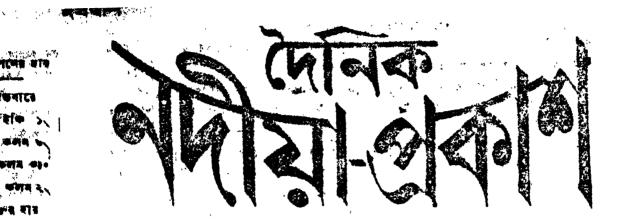
# মর: মানুষ বাঁচাইবার উপায়

वेषक कथाणि ताकृष मदा माश्रम बीठाकृता एकाल वेषण का निष्कृत कर नाकृत गाना, ज्याणि बीठाक्षा लागाविक कानिश्रमण केणाद्ध कर दिश्य नाकृत महे करिया लाग्नि मया ठठहा दावधादम्न अदर नामा खाकात द्यव, खादम्य माञ्जाकृतीस्त्रा, आसुनिक इसलाहा, नक्ष्मस, क्षाप्त्रा, लाग्निक माद्याकृतीष्ठ, कर्न द्रवर श्वीद्याकृतिद्यात मद्या यात्रा व्यवस्त्र, वक्षा, मुक्तव्यमा, प्राक्ता, त्यक्ष क सक्तव्यमम, विक्रित्रस खाक्षाक द्रवर्द्यमा, प्राक्ता, त्यक्ष क सक्तव्यमम, विक्रित्रस खाक्षाक द्रवर्द्यमा, क्षाप्त्रमात द्रविक्रम मद्विक्रस खाक्षाक द्रवर्द्यमा क्षाप्ति कार्याक्ष क्षाप्ति मद्वा कार्याक्षम खालाव क्षाप्त क्षाप्ति कार्याक्ष व्यवस्त्र कार्याक्षम खालाव क्षाप्त व्यवस्त्र द्रवर्द्य व्यवस्त्र वार्याक्षम क्षाप्ति कार्याक्षम व्यवस्त्र वार्याक्षम वार्याक्षम व्यवस्त्र वार्याक्षम वार्याक्म वार्याक्षम वार्याक्य



कटाइ पुत्र, शास्त्रमंत्रिक स्वाहे, क्लिकाख विकासा व्यक्तिक विकास विशेषक

क्षांच्यादा MIN WHA . Ma worm 2. इक्टिन साम T TH 1



भाषात्यात्रे सा व्यक्तिय (भंग्रा नानिक कर माथाधिक व. Chillima Zhe মাণিক ১১ खिं कि करभा e

জাবতের সাক্ষত বছল-প্রচার—মনীঙা জোলার একমাত মুখপত

मन्पापक— श्री घडी स्वाप वत्ना शाशि, त्वना छ नाइ न्यां ज ि २५-म मर्था

জালেচতামন শ্রাধাম মারাণ্ড - ২৩কে তৈত সোমবার ১০০৭, ৬ই এডিল. ১৯০১

ৰাজান্তে বিস্তৃত চালিত টোণ mille afmit can acta . worm वाकारक मनवजनीत्य विद्वाद शतिहाणिक दक्कित्मक महत्रकृष्ट कि किया रिका कि निवास मध्यादवात काष्ठ भाग व्यवह देशमनी नीठ Bete Benten wfavicen, मन्मक्रम कार्य औरण चारमारण कांत्र्या व्यवस्थित अभिक् काल भवाव भवाव कारणा-FERNA: 1

#### (भागदेशिक्त,महाश्वांको अक्ष्माज **জা**ডিলিখি

ত**্মার্কাপ, সহাত্তা গান্ধী** ক্রণাশটে বিশ CHECK RESERVE WEEKERS WORLD कारिकामि : स्वंदयक् अवित्या । स्वद्धान migenting fried wienten !

मकाष्ट्राकी करामण कमार्कित समितित त्रकृष्ट्वास्य : कार्याक : कार्यस्य स्वापः विद्यकार कार्य ग्राम् अवेद्वमः अवः आकी-मात्रकेशनः , क्यांtidia ana cray santitiona, amera नमक लेक्सिकारी भूका व्हरक कारायान Plant, mater wir Bietenn ffieb Bनश्वानिक करिस्स्य क्षित्रात्र शास्त्र while wateral a starm - accris tem at with a faute, car facute) INGRESAL ATAINE BALE. HERTERA ulation at the same sales are calculated HAME PROPERTY WITH THE MEANINGS lann, utaren atenta-gent ate PER MIT PECHEL BOCON -E

যাদ্রাজে বিদ্যুৎ চালিত ট্রেণ

গোলটেবিলে গান্ধীজী একমাত্র প্রতিনিধি মহাত্মাজীও লণ্ডনবৈঠক

দীনেশ গুপ্ত ও রামরুফ বিশ্বাদের প্রাণন্ত

# লশকর্মচারীর দুর্দেশা

ভূমিকম্পে ৫০০০ হাজার লোকের মৃত্যু

# ভ্রীধান নায়াপুরে

"ठाकूत ভত্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" नारम

# रेश्द्रकी विमानश

খোলা হইয়াছে।

অভিজ্ঞ ও আদৰ্শচন্মিত্ৰ শিক্ষকগণ ছাতদিগকে অতি যত্নের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেয়েন। বিদেশী প্রতিগ্রেক ক্স্য বিশা বাংগ কুন্দর , বাসভানের বলোবত হইয়াছে। প্রত্যেক ছাত্রের িক্ষা ও আহারের

> শিমিত মাত্র ছয় টাকা মাসিক বাং ইইবে। ছান ভাতীর পাস্থাকর। ছাঙ্গণ অভিভাবকের প্রগ্র ज्ञांत तिश्रज्ञिष्ठि ठिकासाम्र कोट्यपम कक्षम ।

च्यक्तिंद्याम् ज्ञीदहरुष्ठभाठं, देशाः ज्ञीयोत्राध्युत्र, अमेत्रा । ध्यास्य ट्राहिट १८७म । ४ किम्स्या म**र्या**-দল মুদ্ৰেম দাবোলনের কার্যকরী সমিতি श्रीमक कर्म्युद्धी भगकिएमं अधिवनम कविष्ठा है। इरास्त्र कार्यिक मध्यानम छ মহাত্ম পান্ধীয় সৃহিত উলোৱেৰ 🍽 कारन कर्णानाका कहरन, फाबाब नावि-कञ्चना दिव करवन ।

ट्योगाना मध्येर भागि श्रीकात मुकुछ नहरू द्य शंकन दास्तान कारभावस्थान, ভদম্যাতী স্থান্ত ২০বার জাঞ্জ সৌতানং -माक्र जान जानानांवर ।

#### মহাত্মাজী ও লগ্নন-থেঠক

ककी व्यवस्य मनाया गायो भेकर देखिया<sup>ह</sup> ल व्ह निष्मरक्टराज्य, क्टल्लम स्य कार्य रमय कर्षात्रही काका रहेत्य कि कार्य काष्ट्रशास करति अभिक्रान काल कविषक भोद्य कार्य ५ सहक विष्युद्ध भारित्यम ह

ट्यार होत्य देवहेक मधरक फिन बद्धम, बद्दाय अधिमिषिमस्यम द्याण-.हे विक दे केंद्र के इंश्वास राज्य में पूर्व मार्थ के बर्मक विकृषे विद्या था त छ । कश्राहाम-ৰপ্ৰিগ্ৰহক সংমৃতিক নীয়োলোৰ স্তভাল विश्वक्ष मां मां के भागन क्षित्क कर्त्य । युक्तिम भवाक कहे हृक्तिभक्त क्षत्रा भारक एकतिन गुर्वाच भाषता दृष्टिम गरा। व<del>र्क्क</del>न कडिद्रम गाउँव +11 फक्रमस व्यायाधितः । विश्व यूम्यभान अकता व्यक्तिः mfrem eters im ei femffente ub. 他们在我们 CP 11 15年、他中年12 15月時,實際衛期124-1 विश्वक विष्यां कविषा काकाकात्व निरम्दा giel bie wiel fen ien i

#### দীবেশগুগু ও রাত্রক্ত বিশ্বালের C. 1917 0

धारेकार छमा भिकास दय, शीरमण खाँश्वर त्यापन क मय मा जिल्ला है जिल्ला व्यानीत कतियात खड़ व्यथ्यकि छाष्ट्रिया चार्यका करियात निर्मित हैशादका श्विति देश दमनार्ग हि. खर, केंद्रेणशहसक िक्ष विद्याल खालाम कता क्षेत्राटक । এই দল্পাকী যায়তাৰ স্বান্ধ পত্ৰ বিহান कारक मार्टान करेरवा

शेष्ठिमदन्त याहिलीक मि: ७. नि, भूषांक्यी थिनि उल्लाल है। इंजु लटन ख कार्यका है की नटनव পক্ষ সম্প্র क्रियाहित्यम हिनि मणविषय वाक्रामाक श्राप्तित विक्षे क विषय ब्यामास्या न्वक धन्ती छात्र द्वारण कवित्रादक्त कार शिक्षिका देखान का जीन मध्यक टमय मिश्राय ना एक्स भगत्य भौत्यदमन कामेरे कामन वाबिएक कक्टराव करिया-

आंत्रक्ष काना शिक्षांटक दय शीरनटलक मात्रा क लाजा मी भटनव शानमाटमंत्र अक ক্ষণাভিক। ক্রিয়া স্থায়িবন **বাল্**ণায় श्चर्यदेश क्रिक्ट शक आहत्यम क्रांद्रा-रकता दागकक विचारमक विभवा माछ। क्रमणा क्रिका करिया मणादियम अवगरमध निक्छे ज्यक भारतमन करिशाकन जन्द का मार्किनिया ६ शावित एवं शाह्य । १६छ-८कारक देशक निवास एका ही के व्यादनरनव चगळा कतिहारकम ।

शक्त काष्ट्रवा ने भारतत अवस्थ स्थारण ८ण्लेणांग क्रेच्युलास्य रामग्रक विचाःमब वैन्छात कारण, काकाब विश्वार मुद्रा वक्षा । च्यात्वत्र व्यागत्र विभारतक व्यानाक्ष ह त्याव स्य धार्यक्रक विश्वासमय लिक्ट्रिक आधाव व्यक्तिक क्षित्राहित। विहादक कर्यक देवन शास खांशंब मध्या (मान क्या eat मरका केरबाद बाद विश्वित बारम मा।

भागत थें नीत शक्त वर्ष पूर्ण दकान कि कि नावें - जनक में मीत्र कान किन अधि दश गाई।

#### পুলিশ কর্মচারীর স্বর্থস্থ।

मुम्बं।नास्त्र मण्यादी सुनिष् क्रमाहिटके-ढिककी मि: क्षा, क्ष, क्षड़ें 5, य•क्षर केंग्म।देश नेवकाठी काटक विश्वासभी व विद्याहरणम । किनि ककी : क्या माना विद्या आगिरक-**८५**न, क्ष्मन भगत क्षम कें क भोगाहि कारिको के शादक परणान अव्यक्तिक करिका LWEN ( EBfffater neate mibni वा ीय वामना कारनड का काद करणनार ित्र विकास किता कार्या । विकास विकास विकास विकास विकास विकास । misi alfe sazet deff Bieta विधित शास्त्र । एक अध्य क्या श्रीशास्त्र

#### ভূমিকদেশ্য পাঁচ হাজার লোকেয় स्कृत

चारगतिकात्र चावर्षक गिकाराख्यात भौक्यानी त्मनाखड़ा भवत खावल क्रिकिल्ल নিধ্যায় কটভাচে। ত প্ৰ-ৰ পাঁচ হাজান द्याक गांता शिकांक, आवत कारमध्यत श्रीता याचे बाच मण्याना च्यारका

बेद्वेरद्रक छूठि खेलनात्क कारगरक शहत काष्ट्रिया अञ्चल शिवाकिन काना ना करेरण ( मुक्तु भरना) आहे अ अधिक 1850

Cस्थामा कृषिगार कत्यात se-कन करवारी ठाणा পড়িয়া भारा शिकार ।

गा गामनार्थात (नगा ) हिर्म मध्य बरुद्धार कृ'मकला बाल्ख का । कल्लान दननीयान ऋ:ही मा नहरमा श्रुव दननी (वश्याम कह्याकिश)

कुभिक्ष्म्पत ्य स्थान । के छन्। इस **০ম** ভাকা দেখিতে দেখিতে স্মতের भक्षक एक्सिया १८७। का द्व िक्स्पाटन व यर्भक्षे ६५ हो अद्यु छ । बर्माय क्रम क्रम क्राहा व्याग वाङ त्यन भावक गाना वादन है व्यक्ति क्षांद्रश भाष्ठ ।

मार्किण मुख्यारहेत मजालकि विः क्षात मःशास्त्रात कक दक्कम द्यामाह-क्रीर क्यात ८ शहर कियारकन । यदश्री खेबर भवा धार द्याप्रास्थ्य व्हेनाक्रम द्भौकियादकरा निषद्र द्वाकतिशदक मानाया करा क्रिंटिका मानीत व्यालक वक्षके अकार दिला विवादक । स्टब्स वीधान विकास का क्रांक्टक ।

क्षां क्रम, आमालक छाए पूर्वांम बैकाशि कृषिमाद क्रवारक । क्रक शाकारक উপণ সভাপতির আগোদ অংগ্রিভ। खाँका शक्तरनाञ्चल कहेंद्रा अ<sup>\*</sup>कदाहरू । जनन মাবে মাঝে ভূনিৰম্প কংটেছে ৷ স্থল वह बाड़ी सामेधा शदक कांबाह हिकांना

(भन् क्षेत्र) महरतत क्षेत्र (वर्षी क्षेत्रि क्हेबारक ८२, हेवा चुनक्रात्र गठेन क्रतिएक **क**टबक व्यमन गमन गामिदन। ८०६ ८७४ विवास्थान व्य. ८ ११७। नामक श्वास्त शुक्रवाची खाला श्रीतक कथा बहेरता

के किमरणा का क्या कि शिक्षा व्याप्त विश्वास हुक् का कि का कि कि के कि कि कि कि कि कि कि क्षाकृष्क शब्दन व्यदनम् क्षिप्राटका वेनारम्य करम व्यक्तितीना व्याप्तक श्रव mtates i

क्षत्र हो अमिला छाटलक बाक्की ध्वामिला effence i Eria Alce biet eifen

निकादा खशास अकालकि महत्ता प्रश्ना कतित्र ग्रियान ०० कृष्य गाउँए ७३ क्य 4824 MI ( "

८६%। जनारम चानिश्रारक्षम । বিশয় टमाक्षिशाक माराया शास्त्रम कार्याः Planten wie fole ave mfant

गरदश के १०८६ ०० काकाश निश्व (शांक कांबुत माना वाश कशिक्षा ।

ালামেণ্ট সদক্ষের ছুল্চিথা अक्ष विद्याली बद्ध भावकवर्ष बहेटक विद्रमाम कामान दशकात क्रम द्य दकाल्याची शहरतक कथा एक्शारक---क्रम्मार्थि स्थाननीम **स्टा**क मान्य सिंह অংকি: পালাংঘণ্ট সভাৰ ভাৰত সচিবেছ पृष्ठि । कद्म कतियाधि रणन ।

ि: शांकिर मध्य करतम, बहे चावचा षाना श्रीयो-भावकेंग्रा हिस्स श्रुक्त स्थान कता कर्षाटक निद्यटमा असूप विद्यमी यज ८ शतायम ८ य अद्भावक स्टेमाटक कामा महेटल (मना दोह कर्क दन्युक्तानीहक त्वाशनाम कविचात अन्न वास्ताही-CP# WP# CWT# #49# @ ##1 4864 ; धरे क्यान क्यान MALEG क्लानी श्रंति यक कविता **(क**ल्या Bio । व्यक्ति काला कति, देहारतन ≽िम लव कम्ब्स गुलाब कार्याटनमञ व्यादश्च वर्षेत्रात शुर्व्यक नामुकानगरमध ग्या वहक्षे कावड इहेट्ड ग्रन्थुर्वक्ररण 4 E #17 + 1

পরিশেষে কিনি মংগন, পালগমেণ্ট ग्राणार्थन काल्यान कवा थि: द्युन यनि वक्षा कि कि कि विश्वास्तित कारान क्रान, काका कहरण व्यामना मकरणह अची

क्यां छोड़ एक्श्याहान्त्रि नर्शमः, लाख -विक जटकाणीक विश्वभावणीक मर्गा च्याटक ्य, यांशीका अवस् अवस्थिति श्रीतिक सुक्र ट्डेरन केश्वादी चाद: पत बुद्धिम वश्च उल्ल क्तिएक श्राहित्य मा भागात भटन दश् क्षकामा ,शाकी-मादछहेन छिक्क गर्छ -

अकः नव किनि बर्मम्, यशि जकाश्वरं मध्यम विरम्भी यञ्च कार्यस्य व्यवसायम क्ष, फाका करेटन कातक सन्निधारकेत क्यायमार-व्हे काहा क्या व्यान्यक, **4141** 411 क्तिज्ञ ग्रावासम् वेस विक्तिक का अर्थन में चित्र cuis mai

किः क्रमण-केख-दक्ष्म परमञ् योगाता व्यक्तिकारम ना।कामाबादम् मर्गा क्रिक्लिक् कट्टम कीमाना महम कट्टम द्य. फाइक के ब्राइटिंगन मटना दगी शका एकि utif atternisten utere afen

आरमविकात मंत्रमधात मंदछ मिश्र सारम् शाहीत्मा केहन <u>क</u>्रिक कुनाकन fatten wiene san miffice, bei उनम्बद्ध क्या विश् काल्याक केल्या mild aun a num neute nit nit, नर्वाय नाकेटनके काशा अवे गुकाब बाकान 1 5 3 5 6 1 2 4 All the state of

भि: त्यम चांत्रक घटनम त्य. क्रेक्ट नकर विद्वीर हुकि नागम स्थित रेक सं. Boil winis atomij

क्यात क काटक कई हिका मालिहा छ नियान व्याक्षक वेकिमद्रशाहें देखा

#### मञ्ज्ञानकरणटकः भूमिदनसः **काढ्याहास**

ष्मभ) १ भटकत का किट्यान

भूगिरम्ब **समान्तिको सन्छे विदेश** ाकिः च भूगियान मन्नानी चनावित्करकन्ते भिः नीरमध विकास गरेदशरकत संशासन rifecuitafen menenn maison. Bigm भावनाम क्रमण (मध्यानी मामना छ्रमांच्य क विशादक्षम । कारकारका विभिन्ने का मन् करमात्र कांगागरक केक मांगागाव क्रमानी साम्य । देशास्त्र ।

महाकात कारणात कछ:कारकड बर्बाय, भागायीक विकटक श्रामिण भारेटनम् ६२ -याका व क्षांनी काणाविक कार्यामध e- भाषा अञ्चमहत्त्व द्यानिन साहि सहे E # # 1 # 1 . , .

कृतिकामी शटकक मार्गिक्षक करकान ्राधिनकान यथाची क दक्षत्रन कहा वर्षेbich det Gieter Bei Binin minenn &

शियुक लाकशंध विश्वकृत वाक्षावत चंद्रभा विश्वक कडिया मध्यम त्य, कृदेशम (पठाम भूगिम कर्माठाती वस भूगिम असम न eibet nent Gw wenmwerm mein ece wie biafence eife etet mere ◆विटक व्यापक केरत । शूर्वा देवशक्ता ः गण्य वा कावनाई कानाम व्याप्तक केटबार क বাৰী ভাগালেও কাৰো আগতি কলাভ i eje minte mestete tetele

गमकान भटकम व्यवस्थादक महस्रक. विवामीका अञ्चलकारण क्रेलिक किर्मान मा प्रतिश्व दश्यम सहवे । ऋत्रणा क्रिक्टिक 💤

#### 'मराप्राहे' भक्तिका अन्यक्तिक्ष - 100 B. C. B. C.

spirit within months . ८नारनाम्बर्धसम्बद्धः चन्द्रमङ्गः क्रिकेट्स्यू स्थापकः WONTER INTO WEATH PURT WARREN ston statted i william with-MALLER THES WILLIAM WE RENTE wat wenten, bet mit m deften a 

#### সাময়িক প্রসঙ্গ

ু গড় ওয়া এপ্রিল ২ - শে চৈত্র শুক্রবার ৰিমুদ্ জীগাম মামাপুৱে ও বিষ্ণুপাৰ পর্যক্ষে পরিপ্রাজকাচার্য অস্টোররণত-ইঞ্জীৰদভভিসিভাত সময়তী গোৰামী ৰহারাজ কর্ডক ঠাকুর ভিজিবিনোর इम्डिप्डिंड' डेक •हेश्ट्सकी विकासत প্রতিষ্ঠিত হইরাছে। ঐ দিবন অপরাহ শটকার সময় শ্রীল প্রভগান সপার্বনে বর্তমান ভুলগুরুত্রণে নির্বাচিত ভানে গমন-ক্ষেন। ভানীর হিন্দু মুসলমানগণ बादः प्रकास विकित्र व्यापन स्ट्रेस्ट वह গোকের সমাগ্র হইরাছিল।

नर्स व्यथम जीनिश्वमध्योतात्वत्र वन्त्रन भूक्ष धीवृत इतिश्व विश्वातक तम. त. वि.थण, मरशास्त्र "मनरत्र ट्यम कत्र विश्वात গৌশ্ব" এই গীভিটা স্থা-ভালবোগে গান করেন। আতঃপর গৌড়ীরসম্পাদক ত্রীপাদ অন্দর্যানন বিভাবিনোদ প্রভ প্রভাব করেন যে, ও বিভূপাদ পরমহংস পরিপ্রাক্ত কাচার। **এটা**মদভতিশিদার সরস্থতী গোস্বামী প্রান্তপাদ অঞ্চলার সভার সভাপতির আসন স্থলম্বত করিয়া আৰাদের অনুগ্ৰীত কলন। Bette অনমবাহ্রদেব পর্বিভান্ত্রণ প্রভু ঐ প্রভাবের অমুমোদন করিলে সভাপতি व्यवस विण व्यवसाय मधाममान स्टेमा निकारियस एक्टी वक्षण द्यान करान । ভন্মধ্যে তিনি শ্রুতি-শুভির লোকোদ্ধার্ট ক্ষিমা প্রবিদ্যা ও অপর্বিদ্যার পার্থক্য জগতে বর্জবানে কোনবিভার व्यावश्वकाता, कविषय अक्रेक्स्टल वृक्षादेशा वक्ष्मकात मात्रारम ममबाबदब একাশিত হইবে।

অভ:পর ও বিকুপাদ পর্মহংসঠাকুরের অভ্যাক্রেরে ত্রীপাদ হরিপদ বিভারত্ব এম. थ, विन्धम यशामा खेकासिक देवकव-शर्वत केन्द्र देश्यांक विश्वानत काश्यानत केरमञ्ज कि. कविश्वास मन्नकारक नकमत्व वृक्षादेश (सम ।

ভৎপনে স্থাণাখাটের হেড মাটার 🗬 ভাৰত বিশিন বিহায়ী বন্ধ্যোপাধাৰ মহাশর সভাপতির অভুরোধক্রমে দভারমান स्रेषा बर्मम त्व, चानि श्रीनाम-मात्राभूत वर्णन कत्रकात व्यक्ति चाकाका निर्म এথানে এগেছিলাম, কিছু বল্বায় কঞ **अन्य करन जानि माहे।** छटन जानमात्र ( मणामकि व्यक्त्भागरम जन्म स्विधा ) আহেশ শিক্ষাপার্ব্য ক'লে কিছু বল্বায় চেটা ক্ষমৰ চি অই বলিয়া ভিনি আছু-शास्त्रक्षं प्रकृष्णात्र कार्युक्ताक्ष्मात्व पर्वकान निक्-ब्राह्मसम्बद्धाः वर्ष्ट्रसादन करत्रन ।

व्यक्तन्त्र व्यक्तिक्षिक क्रेनार इक्

# দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

### নিতাপাঠা বৈক্ঠবার্তাবহ

विशेषि नमस नायक-माद्यात समृत्यिय नायाका পথা ভারতে একমাত্র ফুলড দৈনিক পারমার্থিক পত্র

জাৰাম আক্লাপুৰ—২৩শে তৈত্ৰ, সোমবার—১৩৩৭

विशामी विश्वास्थ्य सहामन वर्डमान कुन्नविशानी ম্যানেক্সিং কমিটির মেশ্বরগণের নাম প্রস্তাব করেন। ভাষা এই,---

(১) পরমহংস স্বামী শ্রীমদ ভক্তি-সিদ্ধান্ত সরস্বতী গোস্বামী (সভাপতি) (২) জিদভিশাৰী শ্ৰীমন্ ভক্তিপ্ৰদীন তীৰ্য মহারাজ-ছারী প্রধান শিক্ষক (৩) বাবু ८णोरतञ्जरमाध्य हुँ हरष्ठीभाष्याच अभियात्र, (৪) বাৰু জগদীল চক্স ভট্টাচাৰ্য্য বি, এস, नि ( दवनभूकुत्र ),( e ) वानु कानीभंग त्राव বল্লালদীবি (৬) আচাৰ্যাত্ৰিক শ্ৰীপাদ कुष्मविद्यात्री विष्ठाकृष्य, (१) श्रीभाग गतिभग বিষ্ণারত্ব এম, এ, বি, এল, (৮) 🖻 পাদ विद्रमानविकाती अक्काठाती, (२) भिः त्रगणिय পালচৌধুরী, (১٠) नानु यङीऋकूमात्र तथान ৰি. এ, (১১) মিঃ রবীক্সনাপ দত্ত এম, এ. ৰি. এব. (১২) খ্ৰীয়ত স্থারন্ত্রনাথ ঘোষ এম, এ, (১৩) অধ্যাপক শ্রীবৃত নিশিকান্ত সাह्यान अम्, अ, ब्रास्टिन करने करेक (১৪) ঋণ্যাপক শ্রীয়ন্ত যজীক্রমোহন বেংব **હम्,-ज, वि, धन् भाननामानन कान** यग्रमनिश्ह (১৫) व्यत्राभक औषु छ इतिभन मध्यम वि. धम. मि. व्यामसरमाहन करणण, মলমনসিংহ, (১৬) প্রায়ত বিখেশর দাস বি-এ, হেড্যাঠার শান্তিপুর, (১৭) পণ্ডিড শ্ৰীয়ত অতলচন্দ্ৰ ৰন্যোগাধ্যাৰ ভক্তিশালী

শ্ৰীপাৰ অনন্তৰামুদ্ৰেৰ বিভাত্ত্যণ এই 🗓 প্রভাষ সমর্থন করিলে উহা সর্থসম্বভিক্রমে 🖠 গুহীত হয়। অত:পর শীগৃত বতীক্ষকমার খোৰ খি,এ মছালয় ছুলেয় লিককগণের নাম-ভালিকা প্রস্তাম করিলে জীবৃত ক্রদরানশ বিভাবিনোদ ভাষা সমর্থন করার ভাহা সক্ষপন্তিক্রনে গুহীত হয়। সভাপতি শ্রীমং প্রান্তপাদ ভাহার প্রান্তভিক বস্তুতার উপসংহালে আয় ৫ কিছু অভিভাষণ প্রদান করিলে সভা ভঙ্গ হয়। অভ্যাপর স্বাগত स्मानं स्वादर्धानाम् मस्ति स्राप्ति ।

म्हात देश वर्ष स्थादक मध्या जिल्लिकिकमनशर्गत माम **উस्मबस्या**नाः ---क्रांतिकाचा वहेरक व्यानक खीनांत्र केलानि वह वाकि।

বিভাক্ষণ আচাণ্য ত্রিক গৌডীয়-সম্পাদক শ্রীপাদ স্থন্দরানন্দ পর-বিছাবিনোদ বি, এ, প্রীপাদ কগড্জারণ **मा**नाधिकात्री বি, এ, 🗐পাদ হরিপদ এম, এ, বি-এম, শ্রীপায় রাসবিহারী ব্রহ্মচারী, শ্রীগোপালচন্দ্র রায় ভক্তিরত্ব, শ্রীপাদ অপ্রাক্তত ভক্তিসারত গোত্মামী, শ্রীপাদ যশোদানন্দন ভাগনতভ্যণ শ্ৰীৰুত দীনেশচন্দ্ৰ দে (ঢাকা), চস্পকহট্ট क्रिशोत्रभमाभव यह हरेल विम्डियायी 🗃পাদ ভক্তি-বিজ্ঞান আশ্রম মহারাজ, মোদ-ক্রম ছত্ত হইতে শ্রীপাদ বছবিহারী ব্রহ্মবাসী, দিল্ল' হইতে জিদভিশানী শ্রীমদ ভক্তি-প্রদীপ তীর্থ মহারাজ, পুলনা হইতে জীগৃত সতীশ চন্দ্ৰ ৰন্দ্ৰোপাধ্যায় ভক্তিভ্যণ, শ্রীপুত অষিয় পালচৌধুরী অমিদার, শ্রীপুত भक्तिन क्रोंगिया मार्टनकात भागरशेवती এবং চেচার্যান চাক্দা, শ্রীযুত স্লান্স ভট্টাচাৰ্য চেলারম্যান নবৰীপ মিউনিসি-भगाविकी, अधिष्ठ कश्मीनहम् रत्मााभागाव नारम्य त्रम्भा এट्टिटे, छिष्ठ मनागठक ताम ল্যাওল্ড বামনপুক্র, শ্রীয়ত বিপিনবিভারী यरम्भाषामा वि, এकि, वि-छि, द्रष्टमाहोत्र রাণাঘাট হাই কুল, মুন্দী নাজিব্দিন সেখ अकाङिकालि, शानातिश्वती अरहेते. मरहमश्रम ডা: আবছল রহিম (হোমিও) বামুন-পুক্র, প্রীণুত ভোলানাথ চট্টোপাধ্যায়, সরভাষা, প্রীবৃত কটিকচন্দ্র চট্টোপাধ্যার সরভাষা, মুনুসী ভাইজুজিন সরকাব, চৌধুরী সাহেব লোকমান মতল, মুন্সী নিভাষ্তি মঙল, জীয়ত কালীপদ রায় এল, ডি. ও শেষার, রুক্তনগর, রামপদ বিশাস নিল্লা, হোসেন দফাদার, বামুন-পুরুর-নিবাদী 💐 🗷 भाषनहत्र नाग, পঞ্চানন মোদক, ডাঃ পশুপতি পাল, জীযুত बीवनहति ठजनकी, मुवातीत्माहन आमानिक, প্রভৃতি: কলিকভার নমান্ত মাডোনারীগণ---বাৰু স্নামপ্ৰতাপ, লালকিলেণ, লিলুৱাম ও বিশ্বস্থাল, সাণাখাটের জীবৃত ভূজেল-नाथ महिन्द, बाबू मधी-धनाथ ७१ है। मुद्रका ।

# চেত্তাদেব ও তদীয় অনুচরবর্গ

**अभाष जन्मतामम भत्रविकारिटमा** প্রভার বস্তার চ্বক

मुक्र कर्त्वाणि वाठानः शत्रुः नज्यब्रह्ण গিরিম।

यर कुला एमशः वटन खीखनः

দীনভারণমু 🐧

नमरवंड रेनकवमं छलि, नक्संद्रश षाभगारमञ्जू दूर्भा, काश्रीकाम ७ ७८७६। প্রার্থনা করি, জাপনারা রূপা করুন যাতে ই: হৈড জ ও তাহার অমুচরবর্গের মপ্রাক্ত চরিও বর্ণন কলতে পারি। আমরা গভ ছই সপ্তাতে উটিচ ভক্তদেব ও তাঁর অভ্রচরবর্ণ मश्रक किंकिश मिल्मर्नेन करत्रिष्ठ, आक শ্রীচৈ হস্তদের ও তার অভূচরবর্গের শিক্ষা আলোচনার হৃতীয় অভিভাষণ। 🛍 চৈতন্ত্র ও তার অফুচরবর্ণের বৈশিষ্ট্য আমরা যভটুকু আলোচনা করেছি, ভা'তে বুঝু তে পেরেচি, নামভঙ্গনের প্রণালী তারা नकरणांचारव (यक्षरभ अञ्च क'रब्रह्म. দেইরপভাবে বিক্ষা ও **দীকা আমর** কোন প্রকার মতবাদে দেখুতে পাই না। ব্রো সনাতনপছা স্বীকার করেন, গুরো শক প্রাণালীত একটা আগস্কতা স্বীকার ৰণ্ডে বাধ্য হন। আমাদের পুঞা-প্রণালী, সাধন প্রভৃতি যাবতীয় পছড়িয় মধ্যে শব্দের প্রভাগে আমরা দেখুছে পাই। শক্ষ ব্যতীত কোন প্রকারে खनवम् वाधम इब्र मा। व्यक्तित (व मह-ভ্ৰাদি দেখুছে পাই, সেখানে ৫ ঐশব্দের প্রয়োগ। আবার যজে কর্মের ঘটা পাকা সত্তে েথানেও দেবতার আবাহন, পূজা, অধাদি উপকের ছারা সুস্থানিত হয়ে থাকে। আসমহাতাভু 🦠 তার অভুচরবর্গের বৈশিষ্টা এই বৈ,তাদের এট সন্দ---নাম এত শক্তিশালী,বাতে **লাভ** কোন প্রকার কিয়ার অপেকা করে ন। নামভলনকারীর অন্ত একার ক্রিয়াধির অপেকা নাই। নামভঙ্গ দিপুর্ব निवरभक्ष । बरनरक मस्त करवन रय, नाम-ভতন কণ্ডে শেলে ছগতের সঙ্গে কোন भष्या त्राथा याय ना। क्षेत्रा भातना करतन (य, এकाञ्चलार्व योका नामाल्य करतन, তার। জগতের বিষিধ অমুটানে কিরুপে (याश्रमान करावन ? किस क्रिमनार १७१५ ও ভার অভূচরবর্ষের মধ্যে উচাব সমাধানী त्रश्वरक्षः वकात्वकः व राज्यत्व प्रमानम् क्षप्राप्त भाषीकका त्मनिन करन, त्यानिन हत्तु, ৰণ, নাসিকা, ভিজন প্ৰাভৃতি যান্তীয় देखिय ठाकिएव कि करण साम-को हैस कर्यक नाजि । नामध्यानम् हत्रायान्यनं स्थानम

দেখুতে পাই ীমন্মকাপ্রায় ও তার পার্ণি- প্রাধিত কর্তে চাও, যদি বিখের সার্থ-পণ্ডের **আঞ্চরণে। মহাপ্রান্থর পার্য**দর্গ জনতের সমস্ত বোকের সহিত সম্বন্ধ বক্ষম চা ও, তা হলে দামপ্রাপুন বিচার কর্তে ক'রে নিজ্ঞান গুছায় আন্রয় শন নাই -তারা জগতের যাবভীয় প্রবোর হারা **জীমসাহাপ্রাভ্র** দেবা ক'রেছিলেন। 🗬 রপথোস্বামী প্রাভূ তার ভতির্যাত্ত-भिक्क आरह वल्ट्डन,—"नेश ছরেণাজ্যে কক্ষণা মনদা শিরা। নিতিবাধপ্যবস্থার জীবনুক্র স উত্তরে।" আমর৷ জীবনুক তাকে বলব--িনি ৰামেতে পিছি লাভ ক'রেছেন, ঘিনি नामां इति कत्र्ड ८५८ (इ.स.) अवल খীবস্ক বারা, তার। কমের হারা, मरमञ्जूषाता अवर वार्यनात वाता यावछीत्र छि **डेरिक** इंदिन एग्यांत्र निगुङ करत्रन। ভার। নিথিগ অবস্থাতে দেহ-মদেরে ও चाटकात क्रियाटक श्वित भारण निगुक ক'রেছেন। জিলা নেহের ছারা যাহ। किছ कर्फन, एका सम्बन्ध (धर्वात अश्र-केश्व, द्वेरत शर्यक्रम नाम अंतरद्वत জন্ম। ভারে ন্যেবেকে স্থাতী ক'রেছেন এবা শেই যমান্ত্রীর স্বোধার মতা छाता सक्त काल कर्डणना छाता ক্ষণতের সন্ধ প্রিক্রাণ ক'লে ভিত্তিগুরা আখ্যা করেন নাই, তারে। জগতের সকল किया, भक्त (७%) गाउँ नात्मत त्मवास निवृक्त क्य, उन्तर कला अल्लोहिक (5%) করেছেন। এহ ভূত কাশ আমরা দেশতে পাজি, তারা এই ভূত্যকালের ভিতরে বৈকৃত্যকাশ প্রকাশিত করেছেন। ষ্থ্য সামতা কোন ঘটনা চিত্তা-ভাবনা বা ধাান করি, তাহা 🗿 শদেরই অকটাপ্রতীক ছাড়া আর কিছু নয়। ध्यकेत विषय महा गीत या किन् c5 টা, সাবনা, বৈশিট্য, গ্ৰ নাম্ম্য হউক,

জানতে মনেক প্রকার পর্ম, মত্রার -মুম্মেছে, ভারত কারে আমান্ত্রর একটা পাংশিক ও তাংকালিক মলল হয়: किश्व न एक भी नाम श्राप्त प्रतिष्ठ विशेष পুৰ্ণ আতে,প্তিক ও গাৰ্ককালিক মঙ্গল भागम इय । भटक्य किया (माका सव। 🐯 इत्र तत्र ८५ रतः विष्यः 🗷 हे स्पर्धः बाद मट्या मार्डे, जारक बायग्री ८५ छनदीन मति, मृत्र विशेष दारीताल । अ अश्रस ক্তুপ্তে পাশ্চাভাবাসিগ্য শঙ্গের অনাধিত बीज'द र'टबट्डन । ८ए कशः असमह, ८४ बस विभाग व्यक्तिमान करत रत्नरवट है. **८**ग्यार काशास माधनात बाता किहू मानशिक गण्य मानम करण भारत. विश्व স্থাস্থা বিচাতে দলি বিশ্বকে প্রেমব্রায়

ইংটি ভিল তাঁগানের ব্রন্ত। তারা সঞ্চ

বিপকে নামময় করে ভুলোকে গোলোক

व्यवख्डल क्षत्रिय स्तम ।

কাণিক ও আতান্তিক মন্ত্ৰ সালন কলুত क्ति—भटक विश्व झानिक **क**्टक क्रान— व्यक्तिकार्यं मह्यासित्यंत्र मार्गाला नाम-প্রভুর দেব। বশুভে হবে। এই ক্লন্ত मश्यापु ७ के त अञ्चत्रदर्भ 🔞 🗷 धनार्छ नाम अनुत प्रकल कानिता प्रितिकित्वन । भिर्माक उपरिम **अ**चलत्व कतार्ड इत्त. ध्यश्रास क्रियंश व्यायत्त्रगति। पुरः मिर्लाङ भितिक अवउत्तर करना एशन दर्न. मानिका, किस्ता यात्रष्टीय डेक्सिय स्मि**डे** গোলোকের মালিক অভিনন মী নামপ্রান্তর भागांत्र निधुक स्टार गाःत ।

#### প্রসঙ্গ

(বিদ্যানী ভীনৰ ভবি বিবেক

ভারতী মং ব্রে লিখিত।

সংস্থার আহিলা, चित्रते दहेश. বিশ্ব-খ্যক্ত আন্দর বিবিশ্ব ভাবের ৮ কাণ্ডিল সভিতেত্ত समि "न रसम १ एम ॥ विषय अस्तर. द्रस्य ८ स्ट्राक्ट्रांस्ट्रांस् निदय किए उक्त पति। বিষয়ীবে শেফ काना के ब्राह्मर्य कार्य (मारुवक के व । प्रधुलाक (यम, मनिकात गण, মধুপ'নে ধেয়ে যাব ! মধ পান কবি. अभू भुगुष भन्नि, কুপ কালে চাপ পায় ৷ কৰি ময়ত আদি, আস্ত্রি প্রাজি অফর অফার প প্। **छ ता-**म्बुश्चीम, श्रामक लेगा. काल्या शहरा तस्य के राज निटा याद्यद्वित, হেন যে অংশজি, (5'%न स्तम देखें। অনিচ্ছ্য প্রয়োগ, (मरा कनरनांग, নিছে। হ'লে প্রখ্যাদ্য দ ক্ষমিত্য কথাতে, প্রকৃতি হইছে পুরুষ জীক্ষণ বলে। खन्दाद मग. गड स्वा ड्य, লতে ভিরত্তারী ভবে।। প্রকৃতি প্রধানে, खन्यम् भारमः ওপভৌত জাত্ম-মধ্যে । खनभारम नेरिन, निक के कि मार्ट्स, गाउँ (भाक-छात्र गाजाः বিশ্বে বিশ্বনাপ, निय ७ क माथ. অৰুকুপ বিশ্বম্যুৱে। मक्रमान दशक्, সমঙ্গল-সেত্ৰ, भवा निकाकरण बार्स ॥ (छन मण द्वि. माना जन व कि.

माबादिष्ठ भीन यह।

অশেক অভয়, অমৃত আলয়, প্রভূপেবা হর রভ ॥ প্রতিগ্রহ, দান, अञ्चल। गान, े एअवन, बुबान वात्र 👢 সক্ষের লক্ষণ, मारत्रत्र गांचान. हें वह गाहि बात ॥ रवि (इस गन्न, **ट्यांगंश्रंथ त्थ.** भगाध् करनतः तकः। करत दकांन कन, চুগড়িভাগন, অভিরে অসাধু দেহ। शुनः यमि (गहे. गायुनक्य याहे, অমতে আগজি ছাড়ি। সূতে প্রীতি করে. एमारमभ भिरत्र. ধরে সাধু-পাত পঞ্জি । সতের প্রাদ্ধেত क्रकाक भा तर्ज. कुक्त वार्ष्य अक्री करा । कर्ष भाग्छाणाः बीर्यावडी कथा. अनय शत्रव राज्य । लक्षा पुष्कि सदय, त्राष्ट्रित छैनदब्र, বিষয়ে অবৃতি অংব । कि कि देखि महत्त्व. ভাক্ত প্ৰেট্ৰ, अकार कारण जाएल ह ६तिनाम न, मुकु कुछ करन, क ! ते ' भर ! १९७ स छ । मां ५ ६१४ ५ ७. धगर প্রসূত্র, भव विषय ख्या बाह्य म

#### স্থপত্র

্ শ্রীদুরুর অগুণী দেবা (লাগছ )

যদি সাণারণ শোক পিতাম্যভার যেবা পারক্রাপ কবিয়া প্রদারভেন্ত হয় किला निकास "स्मारक्षा मुक्ति विभिन्न অপকার্যযুক্তা বিবাহিত্য প্রায় ক্ষেত্র জ ट्डेंबा मध्मर्विक **कश्या शामरन निम्न** হয়, তবে গ্ৰাংগ কি প্ৰকান বিশ্বমাণা উল্পত হয়। পিতৃছঙি, স্বজন-शालम हेडानि देमिङिक कामधलि यपि সানাদিক মানৰগণ আহিপালন না कर्त्यः अदेवनाध्यमक्रम डेळ्ड्यानस्य वाश्वर त्यम, उत्य कार्य छार्यांशक कार्य नार्खिनिटकडन ना श्रेमा श्रीविद्रहे मीलाकृषि दहेश बारकः व्यटिनय व्यवस् প্রার্থিবিশিষ্ট কালগণকে নৈক্ষিক নিয়ম-শুখ্যবাধারা আবন্ধ করিতে না পারিবো मानव भमारक अधक्य कार्नाहारम्य छहन इब, ए.इ.च्छ देनिमिष्टिक नीकिनाम्बर्धः व्यक्ति व्यक्ति कतिया भगाव-गृथमा प्रका-वाकाममूह बिन्तिक स्टेम्स्ट्रा धरे गक्त निषि रेगियकिक श्रेषांकी वाक्षि-गरनम् - व्यवस्य व्यक्तिभाषाः, धारुप्यस्य बाहे। कर्मकीवटन (कानक मरमह व्यविकिकारण लिह्नाहरूत्वः अ वरम्य-

দেবা আমাদের কর্তন্য হইছেও 🏖 দকল কর্মছালা জীবনের চরম প্রয়োজন শাডের উপার নহে। মানবের প্রভঙ্ক হিতভাষী সাক্ত-শালসমূহ ও কলপায় মুর্জবিপ্রহ চরিভাক্ত যাধুগণ কলিতেছেন,----नर्कणनक छीर्विश्व कियान चुनुक ब्रेशी मटक्षित्रत्र मधुनव . ८७१।चात्रा **भराव** পিতার দেবা কয়াই প্রতি জীখনেয় চরন দার্থক হা। যদি কেছ সর্বাপিতা প্রমেশ্বরের শেবার আঙাহ না করিয়া তথ্ ওক্ষ শোণিত কাত হুড়দেহসম্পৰ্কিত कानकजनमीत प्रश्विभारम श्रीयम नियुक्त करतम, उरव डिमिश समक समनीत প্রারত 'পুপ্রা' নামবাচা নতেন। জড়দেছ कारकत व्याप्नीयम त्यथा क्रक्तिः कतिया यमि जीवांत्रत भाषभग्राश्वकात्र ज्ञाकांविनिहे मा हरे, ७८४ आगता श्रक्षण्याद्य लक्ष्य-नक्षका नामन कदि मात्र । कानाजांक জনক্ষসনীর হড়িভজ পুজাই **যথার্থ** ভাগ্তি। ইরিভাজ ভনর হরিভালন্ধারা পিরপ্রশংগর প্রতি বে একার ভর্ণন নিবেদন করেন, সহস্রবার গরায় পিও দান করিলেও পিছভাক পুত্রধারা ভারায় , বকাটি আংশের একংগলের জেপাঁওও স্থান নলে। মহাভাগ্যতী<sup>\*</sup> শ্রীশনীমাতার ८ १८ १ त छना था मधार्थ स्ट्राह्म नीवा कि सम कार्ती अञ्चलक्षानम्ब श्रीदर्शतस्य कश्यकीताक शिवानानावी 원 46]-मालाटक लक्ष्य कतिया नामा धनियाद्यमः एकि चारमार्थन कतित्व अभारत्व खन দুরীকৃত হইতে পারে। ঐটেচভঞ্জবেশ সম্পূ অলৈওজ বিখে প্রিপু: cs ভ্রম্বাণী প্ৰিবেশ্য করিয়া ব্লিয়াছেল,----

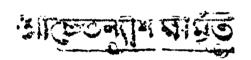
े का देवते जन्म कादन मुक्का साम्राज्य । का निकाल पर मान्य कुक दुर्शनयन ॥ (य दक्षांग छ कृदन व्यथन) (व दक्षांग छ दक्षां रेव कद व्यातिष्ट्रंड इजेन ना स्क्रम, 'छब् ्याः (मन किया वरन ता खक्का मक, ভাগ সহে, সমগ্র পুণিনী, এমন্ত্রি পর্ন-বানী অনর্থণ প্রয়ন্ত ভরণাবিন্দ-ভ্রিত্র रेतकरकत्र साविज्ञात्व क्रुजार्थ बहेबा **बाटकर्ने** শাল ভারত্তর है। भौतिम स्वित्रहरूम ---

"। नः निकः समनी कुछाबा বস্থানা বস্তিক গ্রা নতান্তি পর্নে পিতরোহশি ভেষার 🤳 ८पश्चीः कृटम देवक क्लांन्टक्ब्य में 🐣 🕒 व्यर्थाय देश करण देशकें व्यक्तानिक हन, त्म कृम शरिका, फ्रेगीय सनमी কলে মবানি ধর্মণাজে দৃঢ় অফুশাসন- ক্লভার্থা এবং বক্ষরা মঞ্চ ছন, আলু তাহাম পিতৃপুদ্ধগণ ভাষাদেম বংশে: **এक क्रम विकृष्टिक क्रमार्थिक हरेगारहरू** (मधिश घरर्ग अनुभागरण गुष्ठा अनिहरू थारकना ( सम्मन्धः ) "

#### িবলেন্দ্র নিবাস্থ্য ভাক্তি গ্রেম্বাবলী



- विश्ववाद - विश्वविकितित्यात शक्दमन निविधdottes with minute, sewa nieu nue, fich e रेमिशिक्षक कर्या. श्रीवरेष र निष्य क व्यवस्थातम एकम. व्यक्ति र क्रिमार्काताकृत कश्चाता स्वयान, देवांवन वर्गास्यमन्त्रं, देवक्व-ब्द्यक क्रम, भरकाभागनाव महिल नावका, मात्राक्रव, देवधी-कि कि क्षां ofcon एकत, केंग्रेशन में केंग्रेशक मार्थक वाली कर्म क्षिक कारक्षाः बोद्यत वद्यानका छ मू क, देश्कनगृ०८३३ अधिकांत, अधिक अधिकात्री-दिहात, कर्य क अधिकारनत मार्बक्ष हा, माक्षक्ष व देवकावकर्ष, त्याम कुकारीका, कशवान उष का भाषाव व्यक्तिक-त्यम, श्रीविधवनका च त्योव-निक्कांक कार्यन, नक्षमदलक गांग्ड व्यक्तित्व कादन, श्ला-काम क्रमा क एको क्रमण, मिक्किविकाद, मीक्का, देवरी अर दालायुवाः **्कि. मक्कान, क्रमकटक्द्र अनिकारी, भादकीवटम, अव्य** रम, शीलावातम व्यक्षक मनातन माध्य भरावत अवस्थ श्रिशृह प्रवक्षायमी व्य क अवनक्षायात कर्षालक्षणका व्या-निक्ष ब्यप्तात्म । अहे अक्ष्मात श्रद्धत प्रत्न कात ग्रंच करिए । महभाषिक प्रारक्षात्र किञ्चलको प्रकार व मा भाषा व गार्कित मा । भद्रम पूर्व पारिषदक का क्रम मदल क क्रम प्राचनी बाह कालगाक काणालक अध्यात । शिचलत्याचाथी-लाजन्मध्यान विन्मध्यान करन जरे अष्ट्रायुक्त फेलिक क्वेंबाटकमा व्यानात कृतिश्वक क्ष्ठी. क्यामात्र के कानि बादा वित्य अमृत कता व्हत्रात्क । निना के अप. दमानात करन माभ दनना फेरकर दीवाह-**८ कृष अश्यद्भ र**् माळा ।



#### চতুৰ সংখ্যাপ ্ৰসত বাধাই—২, ছই টাকা আবাধা—১৮০ পৌণে ছই টাকা

যুক্তপুৰ্ব শাস্ত্ৰবাকা ছাতা প্ৰাছেও মানবের নিজ্য কথাৰ জানিতা সামায়ক কন্তব্য নিছাবিত ক্টবাছে। বাছৰ প্ৰাছ উক্তি সুনাজন শান্তৰাক্য ছাতা সম্বিত ও আমাণিত হুৱলাছে। বেহের, মনের ব আত্মান্ত মান্ত পিছ বাহন, সমাজ, নীজি, বন্দ কি চু ইন্ডাাছ বিব্যুত্ত সমান্তসাতে বাহন ক্ষম্বভাবে মাজসক্তারে আন্যোচ্ছ ইয়াছে বে. বাহম সংক্ষেত্রকা কাল্ড ক্রিয়া শেব প্রান্ত পাত্ত না



विकीय मरबरन । ४ - बाना

विश्वेष रेकाकार्य आकृ जीन रण्यान शाकारी शक्रक व वेश्यक्तकारन द्व मक्त कवा बांतरीरक्त, कान कर आर्थ कार्कन्यक क्ष्म्यम्भ क श्रतिकृत विश्वाद कार्क श्रम्भकाट्य रवद्यक क्ष्मारक। देशों काक्ष्म जिल्लाकाश्यक्त जैनामर निकार के अगरबन विकासकार्य शिनियक संस्थातक। ৪৪০ নৌৰ্যুক্তের সচিত্র

# শ্রীনবদ্বীপ পঞ্জিকা

পারমার্থিক বাক্তিনাত্রেরই একান্ত প্রয়োজনীয় বিফুব্রেড ও উপবাসাদির ভালিকা সম্বলিত বাংলার হরে হরে বিরাভিত হউক

ভিক্ষা do আনা মাত্র do ভাক টকিট পাঠাইলে ভাকে পাঠান হয়।

মহাক্ৰি

শ্রীত ভ্রামঙ্গল

ওঁ বিষ্ণুপাদ উল্লোনন্ত জিনিছাত সরস্বতী গোখামা প্রভূপাদ সম্পাদিত জুমিকা; স্লোকের অব্যা, বলাধুনাদ, প্রতি প্রগালের ও খণ্ডের কথা সাল্ল, শব্দুলা, খানসূচা, পাত্রুলা, প্রমাণগ্রহ, ভালিকা, প্রসৃষ্টা প্রভৃতি নিশ্বত সূচী সম্বানত বোল্ড অক্ষরে ভবল ক্রাউন, আটপেঙ্গা আকানে ! উট গড়ের কাগতে ছাপা। ভিজা—২০০ টাকা

### ক্রীহরিনা মচিন্তামণি

নামাণেশ্য জ্রীণ থানোনাসকুৰের মূপে জীয়নালাপ দু জীনাম মাকাস্থা, নামাপান, নামাপানার প্রান্তাক নিবারত যাবলীর বিচার প্রবণ করিলগছিল্লন, এর বৈষ্ণজ্বনি জাক সরল প্রবারে সংক্ষিত্র অন্যাসক পরিপাটিভাবে মুক্তিত। জ্রীণ ভাকিবিনোদিসকুর-রচিত্য হম সংক্ষরণ ভিক্ষা দ্ বার স্থান মাত্র

## বৈষ্ণব্যস্থা সমাজতি

্সকেং-ীয়ংকামগ্রু

### **এ**ভিক্তিসন্দ ভ

শ্বনানার স্থাতিঃ

সদানার স্থাতিঃ

ভিশা 

শেষা 

শার

# বিজ্ঞাপন

সাবধান!

मानवान ॥

জে, বি. দত্তের চৌক। শিশি আদ্যান্দ ৈত্য আদি ও অপুত্রিন এবং উপকারিতায় প্রকলন প্রিচিত ও বহু প্রশংসিত।

আনর। স্বস্থারণকে জানাই ছৈছি, বাদাম তৈল থবিদ করিবর সময় শিশির গায়ে ইংরাজী সক্ষরে জে, বি, দত্ত এও কোম্পানী নাম খোদা দেখিয়া খারিদ করি বন। নতুবা জুয়াচোরগণ ক্মদরের কুতিম তৈল দিয়া প্রভারণা করিবে।

#### কেরাস কুহানন্

্নুত্য এবং পুরাত্ন মাচেলরিরার ব্য

হতাতে উগস্ক লাতার আহত্রন, বাইগার্ড্রাক্লোর কুটানন আগ্রানিক একে ইউড়িলেন আছে।

! এক ফেবার্য কুর্নিন্ধার। ইংশ্রক্ষণ করিলে একটা 'বা ৪:টী স্ফেল্সনেই সকলপাকার কঠিন মা কেনিয়া জ্বর স্বস্থা ! করে এবং ৯ ইইটো ১২টা ইংশ্রেক্সনে ম্যালেরিয়ার সম্বস্থা টিশ্যবাদর্শন করিয়া কেলে।

ৈও কেল্লপূৰ্ণ প্ৰতি বাব্য—ম্থা ২, টাকা, ট্ৰং ২, টাকা বাহও কমিকালে এও ক্লিকিয়াল লাখেয়েটারীতে ২৯৮ নং হজুলীম্ল লেল, ক্লিকালা।

গোড়ায় বেক্ষৰ-জগতে অভিনৰ এছ :! জীল চাতুৰ ভাঞাবলোলের সীতি-এছাবলাঃ—



গতেও সাইছ ছটুর সংখ্যরণ ডিফা /• আস

্ষত ও মনের ১৮ছা আন ভাবন্ধ কটয়া---টকা ব্যম জীব ই গাল পারে, ত্বন এক এর নি চাবন্ধ ইচ্জবানের আছে টাচার কোন ছাডার প্রাথনা ক্য এলং ইচ্ছকগবানে স্বাহ্যকরণে নেছপটে কি প্রাক্তার শ্রণাপর কংতে হর, সভাগে ব্রিয়ক আপ্রশালী প্রাথনা কি আন্ধন সম্প্রস্কাক বান ৷ উচ্চিরা সংগ্রেপ ও ক্রোপ্তিত ব্রুরাছে

क्षा अंडि वर्ष १० अव कामा

্ঞানতভিচাঞ্জকা---'৴৽. নৰবীপানভক--- ৴৽

কল্যাণক পতক

প্রক্রের সাইজ প্রক্রের সংক্রের ভিক্রা ১১০

ভাষরা অভাব লভ্য অভাব ও কামনাত বলবজা গাটবা লুনাপুন, বে অকলালেকে কালেন বালয়া প্রচন করি এবং বাহাব নিকট কলানে কামন্ত্র করি, ভিনি যে নিকা বা বলাব কলানে প্রদানে প্রনম্ব করং কেন্দ্র বজ আয়ারের নিকা কলালেলাক এলা কি ভাবে আয়তা নেই কুলাবলাভে নামর করব, এই সমল কথা সালে গাটেন ব্যক্তিক করে ইতিভাজ বাজবিভাক কলালে।০ করভার ইনি আন্তাক্তক নিকাক্লান ক্ষামে শ্রমণ ।

বিশৃত ক্যাটালগের জন্ম নিয়ালখিত ঠিকানার পত্র নিশ্ন—
ম্যানেজার—এছবিভাগ, শ্রীচৈতন্যমঠ, পোঃ শ্রীমারাপুর, ( নদার.)

## বিশ্ববৈফ্যব রাজসভার শুদ্ধভাজমঠসমূহ

क्रीरेत्त्व्या प्रदे

#### আকর মইরাজ

প্রাচীন নববীণ, ডাক্ষর শ্রীধাম মাধাপুর, নদীরা

শ্রীমহাব্যোগলীঠ চইছে প্রায় ৩০ গল্প উত্তর-পৃথে প্রিরণ্ডনে আচার্যায়ত্ব আচার। প্রের-ডেবনে শ্রীশ্রীটেল-প্র-মঠ নিরাজমান।

এই তান সাংগতত-শীর্ষ, পর্বিভাগীঠ বা সাত্তত ভ্রনত্তনী । এই মহানীর্ধে ত্রিছিন নামানুত বাকিবগানি-বেলালসমূল, পরবিভার অন্তর্গত কাবা, নাটক, অলভার, তথা প্রামাণ-উপনিষ্প্-সীতা-স্ত্র-প্রভান-চ্জুইবের অগানন ও অব্যাপনা এবং জগার প্রীপ্তর্গনাল-গান্ধার্ককা-গিরিধর ও সাত্তত সাত্রালিক-আচাবা-চ্জুই উচ্চালের উপাই বিপ্রভের সভিত নিতা সেবিত কর্বভেছেন । এই মঠবাজে পারমার্থিক লৈনিকপত্র সাত্রত স্প্রাচীন প্রত্থানিক বাহারাকি প্রচারত হৈ 'নদীযা-প্রকল্প' ব্যালা প্রাক্তিত কর্ব্যাভ্রেন প্রতিবংসর প্রীধাম-পহিক্রমান্তর্ভান ও অগ্রাহিন অভ্যানিন্দি কর্বাল অভ্যানিক স্থানিক ভ্রত্থানিক সম্ভ্রত্থানিক ভ্রত্থানিক ভ্রত্থানি

### (৩) যোগপীঠ তীমন্দির

এই ছান শ্রীক্ষগরাণ্যিশ্রের তবন ব শ্রীমর্মগরাভুর আনিউবি-ভূমি মহাবোগ পাঁঠ। এখানে শ্রীগন্ধীরেরা ও শ্রীবিষ্ণ ব্রিধানত শ্রীগোরনারাগণ এবং শ্রীবৈত্তন ও শ্রীগধারুক্ষের নিভা দেশা তথা শ্রীপক্ষ ওবের দেবা বস্তুমান। রক্ষক—গোক নাগাছর গোস্বামী ভট্টাচার্য। প্রভূ শ্রীরুমা রাখ। সভকারী শ্রীনিভ্যানক ব্রহ্মবানী শ্রীবিম্পাস ব্রহ্মচারী। শ্রীসাধনদান অনি

### (৪) এবাস-ভালন

শ্রীধন্মকারাড়ুর কীর্ত্তন-বিশাস ব শ্রীনোরলীগার গাসন্থনী। অগানে জীপ্রীগো নিড)নিক ও পক্ষতত্ত্বে সেবা বস্তুমান কৃষ্ণক—শ্রীরাধাঞ্চাম ব্রহ্মচারী, শ্রীমমূ

- (৫) **অট্ডেড-ভবন**এই স্থানে শ্রীন্দবৈতপ্রাভুর ভবন এ
  পেকা ব্যৱসান !
- (%) কাজীয় সমাৰি প ট প্রাচীন মাধাপুর, বামনপুরুর (নধী।) শুকোনস্থাপাত্র প্রিচাদকাজীর সমাধি। মুক্তক-প্রস্তারী শুবিবোধবিকারী

### (৭) খানন্দ প্রথদ-ভূঞ

শ্রিংগাক্ষম, পরপগঞ্চ ( নদীয়া ) এপানে উনিকুলাম শ্রীল ভাক্তনিলোমঠাকুলের স্মানি এবং প্রিপৌরগ্রাধর এবং শ্রীপ্রীরা ব-মান্তবর দেবা বস্কমান

ৰক্ত—ভতিকুল্ম **ভাজা**ত ব্ৰহ্ম দী

#### ( ৮ ) **अध्यक्षताच ८वो होत्र वर्ठ** प्रदेशनगढित ।

রক্ষক---শ্রীবচনর ছব্লিশাপ্তী এম, এ. বি, এল, সংকারী---শ্রীউদ্ধাদাস ছব্লি-শাপ্তী, শ্রীউক্তম অংশকারী প্রকৃতি।

(১) **এগোর-গলাগর-মঠ**টাপাণটা, সমুস্রগড়, (বঙ্কমান)
ত্রীল বাণীনাথের প্রসিতিত গৌরগলাগনসেবা। রক্ষক—ত্রীভিতিবিক্ষান স্থাপ্রম।

### ( ১০ ) জীয়পংগাড়ীয়-ষঠ নারাগঞ্জ, রাহাগ কট্ট, পি চক্ষক—শ্রীকবিদান ব্রস্কচানী,জীকুলপেণ

### ( )) Acathoraga -

এক গৱী।

মাউপাতি, জালপত, বছমান।

শ্রীশাধাবতার ঠাকুর বুকাগনের ছান।

রক্ষক—শ্রীশ্রাবিকারী প্রত্যাপী।

(১২) ভাগবভ আসেন

শ্রীকাগবভ ব্যেগ, ক্ষমগর, নদীরা।
ভাগবতিয়াত প্রত্যাবদী প্রচার-ক্ষেত্র।

রক্ষক—শ্রীমধানক ব্যর্হারী।

- ( ১৩ ) **শ্ৰীএকায়ন মঠ** টোলনাড়ী, গোৱাড়ী, কুফনগৰ, নদীয়া বন্ধক—শ্ৰীবকুলানক প্ৰকাৰী।

### ( )e ) खिटमाणानकी वर्ड स्थलालुक हारता

গোপাগদীৰ আগিবাদের আচীন হৈ ।।

## (२) बीटगोड़ी अ घठ

১७ मेर कालिक्षमात ठळवळी शिष्ठे, त्याः नामवाक्षांतः कलिकाका । छोलिकाम वि. वि. वऽऽदः 🛷 ु

শ্রীমন্ত্রা প্রচারিত ক্রমন্ত্র ভালেলে তার্মনেশ্র প্রক্রার্থনিক কর্মনি কর্মনি

# (১৬) শ্রীগণাই-পো: জ গঠ হণিডজি প্রচাটিনী সভা, বাণিও চাব, শ্রীগণাট-গৌরাজের নিডা সেবা বক্ত-শ্রীপূর্ণ গ্রন্থ বন্ধচারী।

### (১৭) अधार्मनस्थानस्य अर्थ

ांठस्मिका, बाख्यक्ष्मण्यः, स्थानिनेन्द्रः।

जवातः वैश्वक-त्यांवास-गास्त्रस्थकाविश्वित्रोगिकात्मना वस्त्रस्थाः। उस्यक---उस्यामी जीकभनास्थाः। अस्तर्वात्रे ग्रहास्थः।

### (১৮) আনলাবোড়া এপরাজন রাধবান পো: বছনান।

শ্রী কলগোরাল-শ্রীগ ক্ষমিকা গিরিধারী। নিভাবেনা। রক্ষক—এজনাসী শ্রীবরি কিলোর।

### (>>) जीपुन्रवाचन वर्ड

বৰ্গচাৰ, পূৰী, উদ্ভিন্ন।
তথানে প্ৰগোল-বিলোহখানবজীৰ নিজ -সেবা বৰ্গমান। ক্লক — প্ৰস্তাহানী প্ৰীপকা -নকা বিধাহত, প্ৰস্তাহানী শ্ৰীনহায়ক।

#### (२०) खिजम-८गोडीम मर्ड

कागनवनाय, त्रवाणिक (गाः, गृत्ती । कशक्षाय(सर्वत्र कमनगढ गयरव क्रिन्य । त्रापूत क्षयक्षात । तक्तक--त्रवाहाः क्षिणवरभक्षती त्रागक्षती । तक्काली -तक्षाहाती व्यक्तिस्थिकाती ।

#### (45) विगक्तिगानम् गर्ड

वेकिनानामान, करेक।
वागान खेक्स-लोगाक-विस्तामना :क्षीप निकारनना पर्वमान। सम्मक अस्तानी जीवनामक।

### (२२) खैनमाचन-जोडात गर्ड

গনং জগজাবনপুরা, কানী ।
গোধ-প্রায়পুত্র সনাজন-পিকাল্প।
এথানে গোধনেধা বস্তম্মন ( রক্তক---ভীকানকীনাধকী।

#### (२ ७) जीक्यटेहरू मर्ड

भीवृत्रिश्याग कृतः, श्रीनाम कृष्णापन । श्रीचैत्रापा-ताब-द्याधनकोइः द्याना । सम्बद्ध----चीत्रपाकिमाथ ताबकारी

### (२८) **जीशतमस्त्र मर्ड** देनीमवावताः गोरुल्य

এখানে क्रिकाशव्य गाठणामा व विभागे विद्याम विभागमोत भाग व सम्राम। १क्षण---उष्मानी व्यक्तारी क्षोनस्वरुगान।

### (२०) औरेडच्छरगोड़ोन वर्ड

हुन्द्रकृष्णः, वित्रकृषः, भानकृषः। ६६ ज्ञोदेवकक-मद्भवः नाषाः। क्षाक---ज्ञोद्धः। नाष वात्रः, श्रीदक्षनगानक अवद्यांको । ज्ञोदशः कोषं द्यापन्तियः।

#### (२७) जैगामकोष्टा वर्ड

क्षूत्ररूवः वात्त्रवः क्यानः व्यार जीरभोवित्तःष-वार्यवः त्याः व्यायाम व्यक्--व्यक्तावी जीव्यवर्णनकी ।

(২৭) জাত্মনগাড়া প্রগন্ধান্ত্র ব্যাহ্মনগাড়া, পোঃ মাজু, হাষ্ট্রা এখানে বছ ভূকমুক্তি প্রাণোবাজের নে

वर्षमान । प्रकल---खलनानी खोळालहर मान, खोरामाश्यम बच्च अस्टे।

(२৮) विद्वा द्वाकीय कृत-काव्यक्त २৮ दश्य दक्षात्रकः निक्के विद्वो है -द्वाक-अकाशी जीवाधिकाव्यक क्वकाशी जीवाधात्रभावत्वन । हिन् (२०) द्वावाकायाका क्षात्रभावत्वक देकक-अकाशी जीवाधाद्यक्ष

### চৈত্রমধ্যের শুম্বভক্তি গ্রেমালা

1

. 44	MALLANCA SI	<b>3</b> % (	শ্ৰীস প্ৰভূপাদের বন্ধ্য ভাব	भौ
*4:	Business	(	<b>क</b> ) दावस वश्व	h•
•	# (34 NR WE) 3516/0		ष 🕽 विशेष ष <b>व</b>	>
	के (भगम कक) अर्थ		त्र ) दृहे यक क्षक्रक	<b>71</b> •
	कार्यक्रमा अञ्चितिकक्रशास्त्रकात्रक	91	अथवीन नश्चिका	
• `,	८ अन्य मश्यापन )		( see catalat )	<b>å</b>
• 1	Dice and winds	or 1	নিদ্ধা ঋণপূৰ্ণ	•/•
	(विश्वाक्ष्मिकार मरक्षरण) ८८		दोल-।सभ <sub>्मन</sub>	<b>~</b> /•
	क्षेत्रा ( ध्रीनगरमय-स्मानगर ) २	8•	<b>क किन्द्रशाम्ब</b>	
<b>(4</b> ) 1€	नेवा ( क्रिक्टक्किकिका-मर ) 🦖	}	(নৰবীপ পরিজ্ঞা)	•/•
• 1	देख वर्षा ५.		<b>त्री स्थाना</b>	ノゝ・
+4.1	ब्राक्षभाष्ट्रकः क्यारमहेत्रकः माथवाव	84 (	क्रानिक्शक्त (प्रकार अरवस्त)	ノゝ・
	(माभर)	80:	नवधीशलक्ष	1
- ,	८माकोड-कडकार रू		मण)514 च्राप्ट;	1.
<b>&gt;</b> 1	<b>क्रीरा २० मिनावड (वाना) २</b> ०	86 1	मावसकः	1
>+1	क्रिया मनदील । ।।•		এলম'ভ কিচিলি কা	1.
** 1	व्यक्तिक क्रमान क्रमा क्रम	1	नवना गाँछ	1.
,	क्रिमबद्दीण मञ्चम् (बीधा) २५		ने छ। ४में।	1.
\$3.1	क्रियम्बराक्षप्रमान्यः (नीमा ) ५८	92:	दर्भाकीक्रमके कि कटबन १	
	क्षे (भाषाना) ५०	<b>.e • 1</b>	गारका ना <b>वै</b>	
241	देवस्व अस्याभ्याभ्याकाचि	35 1	ম <b>ৰপ্রক্ত</b>	1.
	व्यवप्रधानियस् ।	4 5 3	শ্রীক ক্রিনিয়াক গানী	1.
38 1	किश्विभागि समान भ	103	<b>46.44</b>	٠,
56 1	स बद्दी ग मा स- अक्षमाणाः भ	দেব	नागराकरक धकान	月老
yo t	श्चितकक्षितः	48 1	निक य-मन्नककी-विश्वितः	
<b>&gt;9</b> 1	(क्षामानवक (कृतिश्र मशकतत्) । भ०	44 1	<b>নটাক</b> শিক্ষা <b>হলমূলম্</b>	10
2 <b>4</b> 1	<b>********</b>	<b>6</b> 5 ;	• <b>૫ - જ</b> લ્લમ્	t•
	क्षेत्राक्ष (क्षेत्र आम्म-काम्	47;	म। त्रारण वर्गनम्	<b>J</b> •
,	दमायामी अपूनाय वान ( यावा ) ००	er i	माष्ट्रगात विकाहिकम्	.å
	मांबरकायामा (दीवा) - ६०	e > 1	গৌড়ীয় মঠক পরিচয়ঃ	1.
	<b>এ</b> গরেকজিকুল্লগতিকা সাল্পার ৪০	22C	হলী ভাষার প্রকাশি	13
401	Canimounts atmain	•• (	4[2]E##	10
	( सामासकात )	*>;	गाहेक द्वाव क्रिश्नकेन् वर्	
- 40 1	£ 1		मिटेन क्ष मना मानू	1.
	त्यीकोष-त्यावर w.	<b>62</b>	देशक बीक्रम्	10
	পোঞ্জীগ-সাহাজ্য 💆 •	100	वि कामक	1.
	नामन्त्रय ( ०३ गरवत्र )	48	हरकाहिक् व्याणिन्। साच	
	अनिमानी नाक्यान ।		भारनगरमण् किरकागम	
	अभ्रम्भावनी वा माभ्रावामन क्ष्यी ।	we	रशकाष्ट्र रणांकीश्यक्ष केल कुरूर	1.
'	क्रिशाममिषर ( रगरमन क भाग	<del>(E</del>	ভিয়া শক্ষরে প্রকা	
	कांक जारा विक्रुण्डि क कांक्रनाम शक्)।•	•	ক্রিবাদ চন্দ্রার্থ	10
	क्षेत्रकोत्रकात्रकः '-	37 1		. 40
	क्रिरमाञ्चाक्षणभाग्यक्षमा वर्णन		मायम नय	10
	Agraes J.	<b>+&gt;</b> 1	वे कावनी	. >
<b>108</b> .	के बामानम व		an manned from	. •

7

क्यांक्यान १-केंद्रेश्कमते, त्याः क्रीमाप्रायुव, वयोकाः

A. W. Carrier

বরণাসতি

### স্বৰ্গন্তেশাগ। স্বৰ্গন্তৰোগ।। স্বৰ্গন্তেশাগ।। এম্বাকারে খতে খতে প্রকাশিত

ও বিষ্ণুপাদ ঞীঞ্জিভিডিনিছান্তসমূহতী গোশালী মহারাজের **म्ह व्यक्तिमा-विक्राःमिनी अं वाक्यक्ताःभाष्यिति कृषः-काक्य-**माधिमी कोतछ-नागीत मुक्-निश्रह---देवक्षविकाछ-त्रञ्ज्ञमालात दक्षीश्वष्ठमनि 一てオイオないもに支え कृष्क कर्न-निष्ठ्रमण कमचक् इम---मण्यामा रेनडव-বিজ্ঞানাগারের মৌলিক তথা---পঞ্চাত্র ও ভাগবতের সমন্বয়গুরু---মহাজন-জীবন চরিত-শিক্ষক---চিদ্মিল:স-চিত্মাত্রাতিলাত্র-বিচারক---ঐথব্য 😸 মাধ্যারসের মৌলিক গবেষণাগার—সম্বন্ধ, অভিধের ও প্রয়োজন ভত্তের भिद्धारु-> भूप्र ।

>। প্রথানাথাণ্ড—বৈষ্ণবদর্শন, ঐগুরাভয়, কালদর্ম, শীমধাবিভার, শ্রীবার্যভালনী, পাঞ্চলাত্রিকী দীক্ষা ও বর্ণবিচার, আত্মান্ত্র ও মনে।ধর্ম্ম, শ্রীটে গ্রাহার বিশাসা, অপ্রাঞ্চ সংক্রমণ্ম ও প্রাকৃত সহজ-ধর্মা, জীপাদ ঈর্যাপ্রা, জীল যুদিকানন-প্রসাল, পুষ্টিমার্গ প্রান্ত বিংশতি সংখ্যক রতে প্রশোভিত। ভিকামাত্র ৮০ বার আনা।

১। বিতীয় খণ্ড-শুদা ও নিদা ভক্তি,মমুধ্যের শ্রেষ্ঠতা কোখার, काञ्चात निरादृत्ति, जीधत वाभिभाव ७ मात्रायान, जीरगीत निष्ठाा-मन-धानम. बिग्रापत धार्म ও कृष्णकोत्तन, श्रीमानशृकाय श्रीमहागताज्य कीर्सन. জীগোরণাথের মহিনা, মধাপ্রসাদ, জীগোদিন, জীরপামুগভঞ্জন-পর্ खीन की क्राजा एक फिना, जिटिक राधन पत्रा, श्रीदेश क्रा ए क्राक्ष मही हैन-हर्फुल अञ्चल-मधुतिमालुन-वङ्ग्छा-विकृतिछ। किला ১, এक हेरका माछ। প্রথম ও বিভায়-তুই খণ্ড একরে লইলে ভিন্দা ১৫» দেও ট কা.

ভাক পরচ গভার।

शास्त्रियान : - अञ्चलिष्ठाग-शिदेहञ्चमर्वे, त्याः श्रीमाद्यापुत्र, स्पीदा ।

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## ৈ দৈব প্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

### প্ৰবন্ধ দিৰে সম্পূৰ্ণ আরোগ্য

८ श्री द्वारा १ वर्ष । काश्रिय । १४६ मन्छ (श्रास्त्र) व्याप भागात । भाके हिला शिक्षा दशानी असा दश असदा दलाता आर्शिय दशाने दशानहा खैबन (मध्या क्या भार. १६), भा कष्ठधा शया स ल ि खाँच के निर्देश कराब भा ह প্ৰতি ব্যাপীদের আন্ত বহন করিছা ডিকিৎসা কবা হয়। বিজ্ঞাতিক বিবরবের অভ এক আনার ভাক টিকেট দল নিম ঠিকানার অভ্যাত্তার

ख्यांक शेवतळ के कोन, रक्षा-15 किरमक, ८ 1: देनकाठी, बाँबनाम । व्यवना निष्ठ कि नाव व मान्या करिया निकालिक व्यानिया नाइमा ।

कीयुक कामरनानाम पछ । मृ. क. कम्मननक, नमीका । सीयुक्त दर नाम face, >>9. cafen coten Sp. ereceten, minetel :

একখানি পতা! অমাৰ লাভুপুৰ গভ হয় মান ৰ ৰং ছাত হয় হ खुशिक्षा मुख्यात व्यक्तिका, कर्ताकात विकारित प्रतिस्थान ए। is कीवरक्षत्र भाषा खार्गन करिया स्पर्य मेह संब सक्ष भर क्षा किवाकि । हर

भगव 🖺 बुक्त कि जीमान फ्रांकिंग सव्यापत्र साळ ५० कि... र्र कविका मन्तुर्व कार्टलानः करिया किराहका। (अक्ष) सिंग् नाच का नाव बाब रहतेयुकी ( बाधवात बाजिबा ) रश् ब्रीहे, निक्के विक्कित । करदासादमान मारक्रि किंगुडियक, क्रिकारा ।

৫০ বৎসরের পরীক্ষিত করেকটা মতে যথ— বাবহারকরোরা খণে বৃদ্ধ চইনা বে সমত প্রেলংসা গঞ্জ দান করিনাছেন, ভাষা গুল করিবে বঞ্জান্ত প্রভাক চইয়া পড়ে। আানিও শাবগার করিয়া বঞ্জান এ

- े इस्त्र श्रीका करिका—हेकान नावति स्थान कावस स्थि प्रकार है। मुक्त संभाग सम्माद्यक्त, अने बाक्ति जयर द्वीर्ताकन्तिमात एछिका पात्रात्र, स्थळ जयर तक शानत बाक्ति र्तारण जास कनवान।
- २ । प्रमुश्चिमञ्जाम यक्तिन-- मानकलतानिकीत आहु। एकहे निश्वानिकालक छेषण । एक कान रेपहिक स्व मानमिक शीक्षावणकः अभिमारहारण अहे छेषप वावकारव आह
- ত। মৃত্রুর বটিকা--ইণা দেশনে শ্লীকা ও ক্ষমণালক নেবা ও শ্লীর পাতৃত্ত ইটরা বাভিয়া ইভালি নির্ভিত কটনা এক শতিকার ও বৃত্তি প্রাপ্ত হয়।

केक किम व्यक्तात्वत्र व्यापाक खेवामत्र मूना शकि दक्षेत्रः > हाका।

আধিয়ান:—আতঞ্চলিগ্ৰছ উল্লেখ্য স্থা ২১৮নং বছৰাখাৰ খ্ৰীট, ক্ৰিটিটেটা

### बीनवही नशामाश्या मनाव वत केका ००

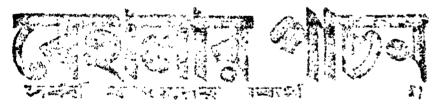
ক্রীটেড এ মহাত্রকুর বিহার ও নীবাজ্মি নরটা হাপ-স্থার্থত এক নর হাপের ক্রাচীন বিবরণ—রাজ্যেক হাপে প্রমায় প্রজ্ব ক্রাণা—ব্রাজ্যেক হাপের পারচর, ক্রামান নহাজ্য—বামাপরায় কি দু কল্লাছ ব্যবহ বেশেরভাবে মানাহর হব্দে ব্যবহা প্রকৃষ্ণ প্রায় ২০০ গুরা।

### শ্ৰীনবদ্ধীপ ভাৰভৰক জিল

উজ্জন ব্যোক্ত-ব্ল কালান্তে উত্তম কালকে চাপা--- ইংনক শিশ্যাম নশনে ভাবুক ব্ৰশ্নকারীর কি প্রকাষ ভাবের উচ্চাপ হয়, ভাহা এই প্রস্তে বলিভা কাল এমৎকার।

সাধক ক প্রমণি— শ্রীবেশবনন্ধনা, জীগাইণকন, শ্রীক্ষের আহোওছ শঙ্কনাম ও প্রির মধ্যেক্তম চাক্রের ওবর্গনিংকত প্রনিদ্ধান্তরাক্ষণ আপনা, প্রেমণার্জন চল্লিকা আভূতির প্রণণিত গাঁহাবদী প্রগাকারে শক্তে সাইলে মুলিও সম্প্রকর বিকাশ তে চাতি আন মাত্র।

## কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



সমাপ্রবেশ্ব প্র বধার জন্ত ও আরু শিশিতে য**ীভূপ অবস্থার ভোটবোপদেও সমণ্**রিমাণ শীবন ভাকে পান্তান কয়ই ইতাকে শীবনের কোন প্রিবস্তন করা কয় নাই। মুশ্য প্রায়ি শিশিশ দিং আন্যু, পাঁওটা চালি আনা, বোলক ১০০ আনা।

অফিস- ১১নং উল্লোজ। রোড, পোঃ **সাম**বালার, কলিকাতা

## धारमं एउती

ষ্ট্রীকার করা ও বাজুবিকাব, ইতিক্রণাক্তর প্রদ্র এক্সাহে কুরুপাত, যরক্তম, সাধানোর, বৃদ্দ কর কন্ধারি, অনিজ্ঞা রাজাত লগত লগত নিশ্চেব আক্রোকার চালকর বৃদ্ধা ও বটা ১, এক টাকা

भावतीय होत्वती द्वा का विकास का वितास का विकास का विकास

## शरेद्धानिन

লা

### কোষরন্ধি রোগ

ভা: অস্, অন্, খোৰ বিনা অল্পে, যা ফ্টাগনের গ্যাহাটি দিয়া হৈল্ডাজিক কাণাগান্তে কোইবুল্ফি লোপ আংরোগ্য কবিয়া ধাকেন

> डिकाल---क्रम्भ कडेल डीड, बड्डवायान, क्रम्बद्धाः

## **31** - गुनाइंड

পিত্তপুলের জন্মর্থ মহৌষধ। ১ মুখ্নার উপনয়, সপ্তানে জারোল্য। জ্ঞাই ৬০ গ্রেজানা, বড় ১৮ জানা। স্থান্তল পুথক্।

### २। শুক্রাচার্যা गक्क

আমেন ও ব্যক্ত জের একসাতে মনোবধ। মুগা ১ ছিবা ১:০ কানা। ব্যক্ত পুণক্।

৩। সন্ন্যাসী-প্রদত্ত অর্শরোতগর অব্যর্থ আংটি
আলোগ না কলে মুগা কেবল মুগা না সালা। সাক্ত পুৰক্ষ

৪। কোন্ত-বান্ধব ীল শ্লীন, গেটফালা, পেটগেলনত সভোগন। ক্লিন ছ॰ শালা। মাতক পুণক্।

। বাতল ন

বাদ্রের সংহাপকার ও সন্তাতে আরোগা। প্রতি পিলি ১০ শালা। মাত্র পুণক। ব্রার-ইট্যাম্প প্রস্তৃতকার্ক । সবর কাটালগের জন্ধ পদ্রের। প্রাঞ্জিলান—মনোমোইন জেপ্রেট্রী

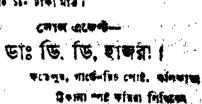
(शाः उद्याती, क्ष्मनाश्रुत, हाकः,

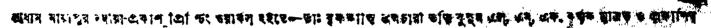
## যনোযোহন প্রেস

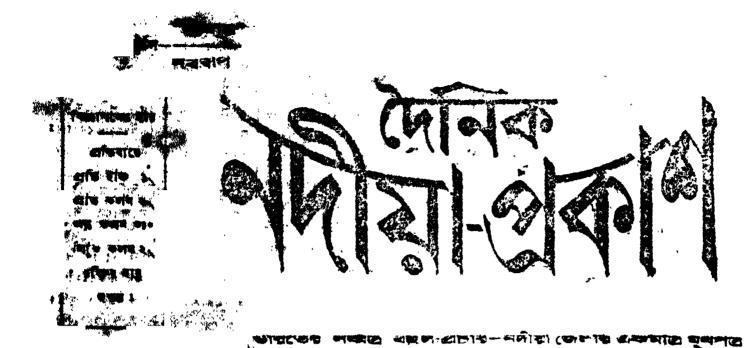
পূক্ষ-বাহালার স্থলতে সকলপ্রকার ছাপার ছল্প বিব্যাভ বৈখন ছেন্দ্রিকে ছেন্দ্রিকে দিল কালার কাজে ভালিতেছেছে বিশ্বত জানিতে হইলে নিজ ঠিকানার পত্র লিখুর ম্যানেজার—মনোমোহন প্রেম, ১০০২ - লাভপুরা, ভাক্ষা

### মর: মানুষ বাঁচাইবার উপার

यंवत क्यांनि शालक मरा मासून वें15 हेवाव एकार सेंगा का का का मार्ग का मार्ग







भ। भारतात का
भारतात का
वासिक कः
सामाधिक कः
देवसामिक देव
सामिक कः
सामिक कः
सामिक कः
सामिक कः
सामिक कः

বল্লাক—শ্রী মতীন্দ্রাথ বল্লোপাধ্যায়, বেদান্তবাচস্পতি

िक्ष मः भा

শ্রতিতবাদন জ্বাদ মাধাবুর-২৮ৰে চেত্র মসলবার ১০০৭, ৭ই এপ্রিল. ১৯৬১

## নানা কথা

্মহাস্থালীর পাবঃ তল

स्ट्राष्ट्री करकारमं काण ममान्य कृतिया स्ट्राष्ट्री करकारमं काण ममान्य कृतिया प्रतिक्री काळावळा का निर्माणन । जीकारक व्यविधा काड व्यवस्था काल क्षेत्रारकः, भागान्य भागान्य व्यवस्था क्षेत्रारकः, स्ट्राप्टर कालरकः, कालाता स्थल मनाव्य गान्धीरकः जीकारमंत्र स्थापः स्थापनान क्षेत्रस्त समान्य स्थापः

আন্তঃপর ডঃ আনসারী রালবেছন রে, গড় ছব মান্ড বাবত, বিশেষতঃ করাতী কংগ্রেবের সমল সাভীলীকে মেলা পরিক্রম স্তু করিতে হয়লাভ ক্যানু আবৌতিক, কাজের নিনি অবিগণে বিশ্রাম এইণ মা করিলে উলের আন্তঃ লয়কে হল্ডিল সভার মুদ্ধি প্রার্থের

### নির্ত্তীতে মহাদ্বা গাছী কংগ্রেস মহলে কর্মা কর্মন

ं विक्यू भूगमान शंशकता भगावता ना व्यक्त भाकीको कि मत्नाकात कर पन कंतिरमं ज व दीवारक कामाने उत्तान-दर्शिक देवहत्त्रंत जनमान करवाने व्यक्ति-विक्रिय विकारित कविनात के क्षण वि—वि विकारित विक्रों करका मनामाः जनाता क्षणानि विक्रों तर करदास मनत्त्र माना-क्षणानि कर्मां तर करदास मनत्त्र माना-क्षण कथाना वक्षण कार्यस मनत्त्र माना-क्षणानिक श्राप्तिक करदास मनत्त्र मान्य विक्रे विकित्तिकी, त्रिष्टाकि व्याप्तिक मान्यका मान्यानािक श्राप्तिक कर्मणाक मीर्गाला

## গান্ধীজীর স্বাস্থ্যভঙ্গ

দিলীতে কংগ্ৰেস মহলে মহাত্মা গাৰা

## স্বরাজের অর্থ

বানক নলিনী চঁদগুর হত্যা, ডা : লুই ইত্যাদি সহিত সংশ্লিষ্ট

# ভীধান মায়াপুরে

"ठाकूत ভক্তিবিনোদ ইনভিটিউট" নামে

## উচ্চ ইংরেজী विদ্যালয়

(थाना इहेहादइ।

অভিজ্ঞ ও আদর্শন্তরিত্র বিদ্যাক্ষণৰ ছাত্র দিগকে অতি ৰজের সহিত বিক্ষা এদান করিবেছেন। বিদেশী ঘাত্রগণের জন্ম বিনা বাংয় সুক্রর বাসহানেত্র বন্দোবন্তর কাত্রে। প্রত্যেক ছাত্রের বিক্ষা ও আহারের

নিমিত্ত মাত্র ছার জাকা মাজিক বার হইকে।

হাম অভাগ স্বাস্থ্যকর। ছারগণ অভিভাগনের প্রায়র

সহর মিম্বলিখিত টিকানায় আবেদন করুম।

স্পেত্রেন্টান্ত্রী, ভাকুর ভাকিবিনোনে ইন্টিটিউট

ইডিইজনত, পোঃ এমাগ্রের, ন্টায়া।

काला का, करें। कवित्रा शिवर्षक, बहै मध्यात मीधाना ना हरूत शासीकी मलान माठेरका ला क्रिक करिशाक्रम १ विभीगणः निग्रह दमामाधिकत देश्वंक य अफरिंग्ड काम इरेशिक कर्आक म॰ रश्य (अङ्ग्रिय ए भी लक्ष्म व्यक्ति सा। है। हो है। इस प्रकाश ना की करेंग्र স্টিশ প্রসান মন্ত্রীর সহিত্র **েখা ক্**রান<sub>্</sub> ष्ट<sup>ा</sup>लत यति भूग विश्वत्व **केस्ट**वस मटनः কেটি নীয়াংসা হয় ভাবে বিভিন্ন ক্ষমিটাতে भाषि नामि निया न देश आश्याहना हानदक लहरू कि इन्हें कुल मी भारता भा बहेबा खेक्षण व्याकारता मिलाक व्याप मा। कर तान भवदगढ़ आंधड अंक आहे ह्यू. चार्य दुवीन करिकिति वृत्त आगरण चार्यक হারণর ভারতের প্রতিলেদ মৃত্যু क खरन शमन क बादबन ।

### বালক নলিনী সাহ্যান টানপুঃ হত্যা, ভা⇒লুঠ প্রভৃতির পথিত সংশ্লিঠ

ালনা সাক্ষাল ১৪,১৫ বংশনের ব লক। অংশন অসাল আন্ত্রাকান মুস্ট্রক যে করেক মানের জন্ত কেল পাটিবারেচ।

প্রাথশ না জুন্তির হছ রেম নাকি শাস্থতাপুক শানার সাংগোদার কারেছ গোল পান লাকে। ফোল্র ফ্লাছে নালি কংছকটা টেখা বিজ্ঞা লোক্ষা

स्विभीदक ब्लाइन काला क्रेड्डिं । म् नाकि निद्धान कामाणी श्रक्षक्र कार्यातन शावक शाद्धि जिल्हा सर्वान-नी मिटाइन ग्राप्ता, केश्रव्युव क्षान्ता, जरात्रुक रहाति। श्रीकृषि शृंद्धां मध्य अंधि । अप সংযোগ ভারত ক্রিটা গ্রন

 विभिन्न का वर्षे कस्टलम कामजित है। मुक्तम कार्याक । भागा व शक्ति व्यक्तितः क्ष्मिक (भड़े श्वितिक खण व्यक्तिका कहका १ लक्षार स्था । दलके का विद्यालया हरू स्था ध्रम लाखान ग्रीम बहेशाक, धनाध्यात्रम् (पर्य द्रश्राणीय शहाकाव enbra estite toten etatte muit Bem एन श. क आ त्र कविशास्त्र 1

The set of the set state in the contra भागकि कारा गर्द । य, केंग्र महाकार en जिल्ल अकि करिस्ट काका PIPER FOR MICHA INFALTAR I WIND ता (वि. क.हे) । योजवरू भारति व्यानात को शीम शह के प्रवाहत भारती राज्येव द्यांश किश्वीक कवितात জাল ভিল্ল ভিল্লিক স্বস্তু লেক ভাৰত ক'মটা कान करा कहें देव संबंध के नाम प्राप्त के स्थान के हि न्याहिता, महिन्द्र अवहत्ताम द्वारका, वा र कों की भी बाराब ... रिक्ट खरू, शामि १०, für be, fe, animere, fe min tie ख द्भीगाना भावप्रकालम् यालाम् । ११० 3. 39 altoter. भवार बाच हे गांड जाराद खत ভালের শট্টী স্বীর্ম্ম উর্বেজ Cec 10 1

### ভগৎনি, প্রস্তৃতির শব

"बर्ड भट्या अक व्यक्तियांत्र करा neutice in him a motor the eligibit 🛥 च करमदार या पित्रदा । आधारि किया ७ । मार्के अप्रकाशित्याः सर्वे न्यार् माना व्यक्ति भागानाम् कार्यान कत्र करशास्त्र कार्याकरी शतिहरू क्र क्षिराक्षा दहे किस्यान मध्या एसक जोदना कक ियाँ विक ना'क निश्च कारता अक एमध किया शक्ति कडेस एका युवा - भाख क श्रास्त्रम, विक बार्विकत कादमक काद्यती, छ'द महा लाग, মালক ৰাছকৎ আলি, মি: জীবনৰাল क्रीलालय भाषा कडे क्रिज़िय भाषा । मुक्तर खंडे कालाग श मन्या में म कहा न अर्थ कर्त्या रिट्या है मानिय कतिएक €६४म । \*\*

#### च्यादण्य ८ र्ष

\*\*#12 METT 3 4 44 45 46 18 6 MET 18 शहका । भवदा अवार्तिः करिती का स्थातः व्याप्तिमिक काटबार किन्ति। बहान ब्द्रविदेशन । अधिक विरुष्ट माना । व ntion winn ineniff minoin mm 👊 ६ फिल्टियाल अप क मेजी शहन

की शक्ता कई काली शामकार्वा अ पुलिश्वितात । काल्या अध्याति — शिक्ष थि. काल्ट्स भारतातिकात, छण्ड अप्रेनी श्रीकान न्त्रंग स्त म, गण्यमृष्टि, छाः १ सन- पि नाम की शिला महासु मर, अवार म 124-121-4 टीवुड शिशकः व्यापुक शिक्षकाम है(सांका बाद्धानन) कता किरायन भए वहत्वह भावाद सब भारत के रिट्रा

### म अब देवांक अने करदश्रम ক্রজিনিবিগণ

कार नहीं प्रक्रित स्था प्रशास नामी व्यवनात्री सन्त प्राप्त कालक न्या किनावन । आक्रीकी कटेलक प्राम । व अधिनिधित famit mit meren er erfette rest in ford arms werdy color-कारा अवन एक **कार्या** कि कि 'ते हैं। ा । याम कारकार दशांत्राती करहर कटर लाटिनिनिश्य कथन शक्षर याद्या कर्तरस्य कृष्टि। दलन व बन्ध गृहि स्था

### মেয়েখোনিতে ভীৰণ অগ্নিকাণ অভিন পাল্লাণ পঞ্চাল হাজার हें।का

शतकाम भावप्र, (श १८७ .य. .स) वर्षाण ভি∙াৰ আমিক কটে ভারণুও বালাবে ± च चीवन व्याचनका कहेवा feibice कानक श्रीन काणापुर । प्राकान प असाव भारति भू ७६। जिल्लाइ । अधिक शक्तिमान 

### আফিলি প্রামের চারিদিকে देमछा गम। दनम

्रात्माधान दकारा है । त्राह्म के व জাগন্ত বালাখেল নামে একটা স্পাট্টান भाग्य वह विद्यानीत्क त्यांभाव बालक ्म क्या करेग्राक खालका शक रहा कि यान ्राचीट्य श्रम्भाग रेम्ख्य खा व्यवसार अपेडे अव • वर्ष्टेनुवानी केल आम विकिस अवन्य । कानुत कर्नाद दर नदाचा । आधामी ७०१म केळ आम छनकारिएमक नोध्या कानुवन न'गरा भक्त भारदावन पुन मार्काभार 4851 mm 1

अक्षात्क अधिकामीशन गुर कहेत्क क्षरवा ७: मकाणाम फेटलाव्हा कुछित्रक ज्ञान त्य, काकारमद आमि देनक un fulcus menten : al affective क्षिमान ++ १हेंब्राबी, ४० कर्य । शास्त्री Bio act gan cuinnie fen i noim BBite fegne ench einefen र्श हिलाम अध्यक्ति हात्त्व भागभित दक 'क्रियो' कास्ताव करिया शामिकाकीशक्षक जागान थ्य. बहेक्य विकासीस्वय कालार भाग भागामध्ये वद्य कार्यक युक्तक्य

करे शाह्य जीव ३१ क्य विद्यांनी श्रवशाम कहिर रहा विश्वा काशत निवास । यह বিভাৰতি পৰা প্ৰায়ণাণীয়া স্বীকাৰ কৰে त्य माफक्स विकारी एक्ट्रिय आहम व्यवश्रात करिट्युट्ड। काश्रात जे गांध-लग निक्षा है। एक निक्षा कि कि वर्ष व्यक्तिकाणि दण्ड वायः व्यक्तिक्षकण्डे अस अधिन गामीर क कमर्तन करता । स्टमन कारन देवल भगारतम क्या क्याहिक त्य अन्त-. अट्डिट मानी अ: निष्ठा मा कल्या आग-नांभीरम्य लक्ष्य व्यवस्था व्यवस्था निष्माकी स्थाननात किनत निका शंभावन कविवाद समञ्जा राहे एए स्थाद खबीद आधारण নিবভ বর্ষ অনাবশ্রক করুপাত ও বৃদ্ধ या गटन ना क्षेत्र (मण्डल यु प्रदे मुक्तिना कामः या कता कहेशांकमा छा रेख मग्रातन रातम म रामाशिक व्हेला छ व्हार ্ৰতিক তৈঠ জা যোগা,গম কবিৰে বিন্যা; সীমাজ্যে অধিৰ:গীৱা বেল শিক্ষা পাইৰাছে द्य निक्का की पंषट के भी भारत करें एक वह मू न छेशभावित्यव शास्त्रात माध्य श्राहित्ज BBC1-INDLE WITHER MITECA . 1 1

#### फ्रांत्रप्रभूत ८क्रमा-गरका पन

গত ৩১ শে মাজ ক্ষাৰাণা গুলি তথ শত পাৰ প্ৰীয়ত সতীপ ১০৫ মজুলবাচের राख (गाहित्य अक) थेना शांनां अब काक शकास क्षित क्षांत्र .स. २०१ संयुक्त cmel मध्यमध्यम हरीत भाष्ट्रमा क्रीमध्य Serfie te an. Wiefem eren filmu ामा हरी नामां इंड वेंच भगा। वर्षित 4441.8 1

क्षीत्रक (क्या, त्य क्**ला** रेम का भौत्रमणुद्वतं युःकश्रामत H STOLEN शकास 'त्र क्रेड्र क स्वित्त्रत . क्या हाद माजान व ४०४ व्याः Spir alan ofth

### ८भामटो विम देवकेष প্রতিনিধিদের নাম পরে প্রক।শ্য एका बच आवात विक्काण काली

शिशाःक .व. ०.७ क्रेबेल्श्डरनत मण्डि म्कःशासीय चारणांक्ता वक्षात्र भृत्य .शाक्टिविश टे.ठे कह कराइम खा**क**-विशिष्टित माम व्यक्तांभठ करा क्रेर्र स्था

### অক্তান্য নেভ্ৰগ নহ দিনীতে বাহাজী

क्षेत्र व्याप नकामध्यमा १-४६ किनिएके नमस महाश्वाभी विज्ञीत्व भीकि-शास्त्रतः । वालीश सङ्ग्रेश ८० मध्य के १५१८ म हबलूग छाट्य मदश्चमा कावन । अवाश्वायोग मध्ड शिवका कथा । गाने शाकी क्षेत्रका लाही तमक्षा क्षेत्र त्र व्हर क्षेत्र

क्षपालिक वेष्ठ, त्योगांका भाषात. याः भा त्यां ही . त्यांह यम्मा तम योकाम का स्थित व्यागमन व्यविद्यारक्षा ।

ल ग सम् मांचात्र महित अधास व्यक्ष भागिरमुक्क दिल्ला भूगमभाग स्माका स्मा ग्रहित भाषाद के दिनम्

### মুসল্গান প্রতিনিধি মণ্ডলী : মহাভাষ সহিত সাক্ষাভের কথা

मराचाः शाकी, दीवृत्त सम्बद्धाः शाःटरेश धावः यमुनानांशे चाकाण सामुच कराज्ञात कार्किनिनिवृत्सार्थं महित मास्माद कांत्रवास कल निर्मिण कांत्रक मुर्शिक मत्यानहत्वत कार्या करी मिनि करें। खिल क्रमनाष्ट्र केवात्मव नत्मः हिन्यम् या फट • रिविक सम्बद्ध कर्ना । सहस्र क्रिक्ट miterient with a

शाकीकी विद्यारक व्यक्तिभाषा कि ્લેલ્ક ચાલી ઉત્સાર મહિલ માજાર कः बद्धार्द्धन ।

### মহাত্মাজীর সহিত মুসলমার CHEICHA MIRHE

मु । लिम शरकारना । शका बहरका ०१व भएत्रत गणि, भि: आन्छः एकाशास. োলালা প্রথম আলি ও মিঃ ইক্ষ্ আমুখ অকুশলন লাতিনিধি মিঃ স্কি पासुरीद श • मनावा शास्त्रीय मण्डिस गाकाद कट्रान । अभिन्त नक्षत्र हे ला दिवस, क्षित्र यमुनावाक नामाम ह अम्ब रमाम मा भाकीक छेगांशक किरममें । wientente nun negrena alefulle-ग्रु व व्यावटक अवसः वस्त्राह कटन ्रांना शिरादक त्य, मधायाची सुमन्त्रांन ে ভুগণকে গাঁহাদের মাল্লিলাভ লুংনভন্ मः भे खेलकाणि । कीताक चल्लाम क्रांब्रह्म ছেন। লিন বরিগছেন থে, ভাল্ कडेंदम किनि दगर बादी शर्मेश किन्यू ्म शादम । मनी पान्धी सहत्य पार्वद्यम । मुन्तिमान ८ छान नहांक वनिधार्णन त्य. nim'ere util Beretine var Getten गटण मध्यम्ब शटन, फटन अमरम माहणस वास्याने मारम विज्ञारक मुन्तिम द्वेगरयगरम श्री ह आखादन त्य > क मका मारीज करहा क किन, क्षांबाई ७ शास्त्र क्षतिकारत्मत यक est fre etalion i

व्यष्टे मुप्तक भारमहत्या पूपकृति बारम । भगमानी वार्रित मानित व्यव्हारमध्य वाक्तीक कार्तकेत ठाकाव निक्षे आधार करवन रय. वाष्ट्रं मन्त्राशावन मन्त्रा भिन्दरस्य काममुन नानात अञ्चलकान मीमारमः করা •উস্।

वर्गायाकी क्षय सुद्धकाळ ए दिया द्वाप्रेश त्यादम काष्ट्राम कटबम् १

## শ্রু তৈতভাগের ও তদীর অনুচরবর্গ ( **₹**)

बा'वा धीनलका धाइन नार्यन, का'नां পাধক ছিলেন মা, প্রতিনী হিচানিক। দুবে লগতে এনে ভাগা মানকের অভিনয় क्रांश्च व्याभावित्रहरू निका विद्याहरूत। की का भारत्य ज्ञानस्य का वर्षे करित बिट्य' हार्यन । स्थान'रतन खान हार्य हार्य शांत्र. যাবে কেন ফগতের জীব পরম সংগীপ क्षेत्रन अल्टरफन मा १ एड्ड इ इ मार्श चानश्रक चार्ड-

८५ दिश्व ८ तम कि मिस् न महाकर्याक्रवर (पना दिस्या किया किए मार्गणाया । खवार बाष्ट्र १६ व ६ मध्य लिखार বৈভানি ক মহতি কর্ম । যুদ্দ মানং ॥ (81: 40:4)

क्षानामक क्षीर्याच सामभ स्टाटन रारीक माझवध, रेशमिनी धार्ति कराज **धर्षा अप्राथक किर्मान मन्त्रि ।** या अञ्चल देश के মায়াম অভিনয় ভিয়ে ভিতা হ'লয়ে ওপান । আমি আছি, ভাঙা প্রিপ্তি হ'লে সাই। বিশন করিল। ইন্ডেপ্ত বিশেষ বিশে ভট নামন্ত্রীর্তনভণ প্রমন্ত্রণৰ জাত श्रान्तर वाध्यम नाहे, नीर्दरश्च जिल्ला । 🛴 🖰 ষ্টুও স্থান — এই এনীর অপ্রবেশ্ধর ুলাঃ কিন্তুলমন বস্তুহদি প্রেয়া হাচ, ৈত্রার চলপ্রক রচেশ্চন। আরে। মনোছর আনোলই কড়ীলত তিলা। আনস্কাতন, সনভেন, ভার গাইও সনাভান। উনুমুক্ত রাগালয়াও দাকে দিকানী ভাই জিলিয়া আলা, অনুহান ও মধানি নারা , হবে ৷ কেইলপভাবে কণতে এত গুটোল বিশ্বতঃ বাংক নাগ্ৰ, পৰা নিমানী , কলা আছে, দেখাতে হ'বে, কটো নদাংল হা প্ৰাত কমাৰি কাৰী কলাকৰ বিভাগ নি মাজ লা ভালিন যাবং বিভাগতিক কট व्यर्थार मारम भवा निकारक नातः । नाकारक क्षतिकात याज ८०४न कार्या गोरम रिल्हान শুক্ত হব নাই; পরত্বল অংকরেণ্ড क्यांकार छ निहा धार्त्य करायहन्।

याक्षत्रका, देशीयनी हाल्लीट अलाखन **लक**रमञ्ज राष्ट्र देश भारत क्षिप जागवाड बस्टार्न ८४, ८.इ. अक्स मध्याकनशन व नाम-ভয়নের পথ জান্তে পারেন নাই ৷ কারণ **८३** भन्छम ५% शाकार ७।वाटनत • প্রথীত। বিভাধরারি মহয়ের কণা কি, **म्बर्का, श्री**य ७ मिश्रभन गरा, प्राप्त कारनन । मा ; एटन कार्यम काश्ता १

चत्रसूर्य। त्रमः मञ्जः त्रमः । किलिशा मञ्जः । व्यक्षात्म। बन्दका औरवा

> विविदेशांत्रिक्रिंग्रम्॥ ( 31: 30,20 )

—द**र पामण घन गांच गना**छन ६८५।त चवा कारनमा नामनकीश्वनक्रण आध-· **घटार्वत कथा ८क्तम** क्रिकेश्ताः है काटमन ।

**भाषांविश्वरक या' १८त लाटब, छा' एक ।** <sup>ब्</sup>ब्र' वाष्ट्र मन् कटम 'स्प्र'। व्यानि रथन মাস্থ্য মনে কলি, ভখন सम्बद्ध धर्म, यथम जामि बामहरू "दब क्यांमा" महम कति छलन दवकाहणा ६ भी, धरेम गडारन यसन यस निकृत्ति । इत, क्षेत्र का व वक्ष क्षेत्र हैं। दह

### **बीबीयक्ट**शीबाटकी सरहारः

## দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

## নিভাপাঠা বৈক্তবাভাৰত

दिश्वाचित्रशास्त्र माध्य-नार्याद कार्राद्धम नहायहाडा 大利的 (学)ないか とおり(四) なず ラ দৈনিক পাৰ্মাৰ্থিক প্ৰ

শূলাম মা**লাপ্র**—১৪শে লৈতা, দাস্প্রতি ১০০৭

খাস্থাতন ধর্মের আর্থে যে ধন্ধ ছোলা বিজ্ঞা বিশার বৃদ্ধবের র আবিভিবেভিচায় টেড্যকাল আমাদিগের **পাকে ও প**াব্রে ওছ জালতে বস্তু(শলা.বৌষ্ম টোবিল,ম∤লো), লাভিড'লে, পাংল সকলে কটি গাল লেলভাল পশু প্রভৃতি এখন আছে, পরে পাব্রে বিহন, দ্পে: শ্রীমাধ্যটোড্ডেন প্র বিভিন্ন-না। প্রতিশ ন্যা। কালি প্রেলেও ডিনে এবা এবং পরিত্রা ও চেনর-ছাল মহাও ব্যালাকে না। যে মাসে স্লোহ-বিশ্লে অরুস্থি অবংশা—ৰাণী ভিচু ভালি সমাসনাম লোগাল লৈ গৈছে বিনিম্না এই আন্তাতীয় ছোলাল का च्रांटचात्र भारमा बाता ।

## डी भीनवर्गाशन (मञ्जूष्टा जिनी अस्तात অধিবেশন-বিবরণী

[ > ]

क्षित्र कि एड खालारा मृत्यो लिया छ दिस्टक भाष मूट्यामानाम औरेड्डअनीमात्र । रख्यान कायन क्रियान्यम ।

ফপভাবে ধর্ম বছ আছে। কিছু মনতেন বিন্যোগতার পৌড়বৈন্দিরে আবে কবি নে বিন্ধির বিজ্ঞানকার্য্য অসপে চালবের্ছা

আনস্বা অন্ত্ৰালয় উচ্চ্ছালাম বালে ও ইলেন্সেলেট্টাল মলের চিত্রিত কা ক্রিন্ত জানিত্রেন ভ্রার বাভ অনুক্রার জন্ত উপদেশ দিবোল। বিশ্ব পর্ক করে আলেও র নিজত প্রতিখন । , ডিনি ১৯১৬ তি বিশ্ব স্থান ব্যব্ধ সামী ভিক द्रा भूता देश कि मनाका एक. २२। कि । शेश संभक्षीत्र (तित रक्षी कि.स.) द्रित की द्राव से देश द्रा से देश के माराधियान পশু বধ ক'রে। একটা আনের গর্গন । র বানীর মাধ্যে প্রীপান সং বিএ৬ ধনেন করিছা প্রাথকে অনুধরিক বছরার অসনি স্থান ক'লে সামাৰ কিছু সমেটক মল্ল' আ'কানী মহলতার স্থানির মৈনা ল' ক্রিছেল্ড্রার নার নাকপ্তির এইমন্ত উপনিষ্ট ও ছেন। এর্গ্রেম । অভিয়া । এর নাম্য পিত এব । ১০ ১০ ১০ এর বাংকার ভাষার জারাজ্য রামেশ — "পুৰণপাপে বিবৃষ্ নির্ভানঃ প্রম্ম পড়্ছ আদেৱেধ । অধা- প্রচারি দিখা । ই-∫ছছতে এলালত এবং উচ্চ ধনি স্মতাচারিণী সামানুগৈতি"। পাপত্ৰং খ্ৰাতট ছট হয় উপ্ৰতংগ্ৰন্ত দৰেই কৰি। মৃত্যু স্তত্ন কৈট বজা উল্লে আৰু এই ছে নিস্কৃতি পেতে হ'বে স্থাতিল। মহালয়কে এতা বু আপোন ক স্থাতিলোৱা । বু বুলি বুল্ল বি. এ মহালয় মাননীয়ে

র্ভীয়ে 🖯 👣 মচন্দ্র সাজ্ঞ 🖰

श्वासीय प्रदेशीय के बेलान के प्राप्त कर की अने अ कुल द्वार्तलाह करिताक प्राप्त होना यागानामा লাকানিষ্ণী পরম্ভাগ্রভ বংলিক বোলে। বিধানবাচ্যলিলাভা ইকানিশাকে প্রান্ধানাকে স্থানিকানী

### শ্রিপানপীয় চেন্স প্রাপ্তাল লয়ক। বিশ্বব

ील अनुनाम विचित्र दर्शनामाधिक স্থান সমূলে ভিটেচতভাগালন্ত্রিস ভাপন করিয়া ष्ट्रोहरूम कलरम् । १८४४ (य रेन्ड्रेट य र सन्-িত্রে শতিক ভাগ্রকর তাপম সংস্কার গ্রেদান-পুর্বক ওকার্নরে গঞ্জাত ও ভাগবছদেবার উদ্বিশ র সমন্ত্র বিধান কবিনেছেন, ভালাতে লোকে স্বর্গিকালী মহাত্মা গ্ৰাণ, অৰ্থ, ঘুজি ও বাৰাধানা বোৰা করিয়াডেল, ভলতো বিভাস হর্ষে নিম্নলিখিত গ্রেক হল অর্থায়নু ছে,য়ে ছারা श्रीरेटलजभावविद्यंत (त) व'वरार्टकन—

বংগিরাটীর ক্ষিদার ভীত্রক মলো-মোহন রয়ে ডৌধুরী মহাণ্ডের অসনী भएगमना, कलिकांटा श्राम १८ तिथ **क'सूत्र** a एक्टि श्रीमा माना । नाव शक्तिकु क मिनाक ী জে মনেচেষ্ট রয় চৌধুলী এবং बालिश केत ५ में नाल धेनाक स्मादिनीस्माइन রয়ে ভৌধুরী মহাপ্রের জননী।

#### হী পুত যাই জ্ঞান থ পস্থ

অভাগর িয়ক বভীজনুমার যোগ বি, ত মধানয় এড়ে ও বংরন বে, স্বলমন তু, পুরত্রিত, প্রতিপ্রভ মনীধী, সংলাগতে উল্লেখ্য মধ্যের বেকার ও কবি-সাভার ১০ কাটে এট্টি সাল্যার্কিং ) চাক বিনবদার পানেভাগের জ আলি লা জী কিলে স্থীপুলাগা বস্তুল দ্যালে আলেজ ুঁছিলাম, ভিনি সংক্ষায় কণ্ডায় দিউল বয়াধ আত্ৰতে বৈচেৰণ হৈছে ৷ ১৩ কিন্তুন মুদ্ধাৰ নিখন ছিটিটো মায় সংখ্যায় পুরু করে। কার্যার কল্পের্বার ক্রিন্তির জালে করেলালের । আনের বিরস্তার স্ক্রের র বির্পালেরে ক্রেক কর্মক করিছ নিজ্যকাল আমারিখনে ধারে বাংকার বিক্রার করি লেক্তন উল্লেখন ক্রিকান করিল। বিক্রান বিক্রার বিধার জন্ম ও জী শারে উআলা भागुरव १ - मा, ७१९ भारतर २०१ - ९ वे ८ हे कादनंत रहते रहे जे हता. हताल करमा है है के कारक ले के का का मि दामा 🕸 শাস্ত্র এলজেন,--- ক্ষুত্র মান্তর্কর ই ফলা ভাইনিয়া ডিনি 🗎 সাল-প্রার্কের মুক্তির অন্তর্ভাইর মার্কিটি আক্রেশ বিশক্তির। এটা মা রেণ কর্ম সংগ্রেশ উল্লেখনে উল্লেখনে টিলেনির চার্বা ই নাধ্ব 🖟 র রিল্লেন, ভালত নিন্দল্লি আম্প্রচারিতী হয় পিয়া মেলে জুডো পানী। এক কাডি <sup>†</sup> লে টুল মচের সামক ভীলনে বালেবলভ ই সভা ও বাল ভ্ৰামীৰ ভূমনী আকলা।

> কলিবাপে কলুটোল্যাং বংটা শীখুঞ্জ পিনিচয় প্রতি কলে তেওঁ লাগেনীয় পাঞ্জা ত্যমন্ত্ৰক মান্ত 🗒 বাস মহেরপ্রকের তারপর্যন্ত্রক। আনহান করে চা করের হা চিন্তে হা 🗀 সাম্ভ 医阴茎 电针线 4000

> स्ट्री हाराज एक एक अस्ति। বহন কংগেছেন চ চাং ধালনায় সহসেতার হৈটিক পারু কলে। এই নেকেই ক্ষাক্ষি চুক্ত অবিষয়ে ১৯টাৰ চন কে বিৰোধ ভিন্নাৰ- বিষয়ে চন্ট্ৰ টিনাম আপজিবি চাঃ कृत्यां विकास्टिम् ए अस्ति। से स्तिरे**स्क**

बाकावात उहिन्दितिकारण व्यवस व्यवहा भागीतमानेत रमण ७ विकारका टावान .প্রধান ন্যাজিগণের জন্ম: র প্রাভি মনো-**প্রাবের পরি**ন্দর্যন যে ভাতিত রেথাইয়া-হেন, ছক্ষর ভিনি মগ্র दह रका टब प्र স্থান্ত কার্যাছেল । তিলি কাল-মধ্যাদা, বিহা, বৃংগ, নান, প্রতিপতি, এল-সম্পত্তি---স্বাবিশার স্বাঞ্চার ব্রুপ্তন শগ্রাণী ও নেতৃত্বানীয়। যাত্রীন্দ্র বার্টান্তার িমল চলিতা, উদায় মভাব, সয়ল 🧿 মধুর লমায়িক বাবহ'রে সকলেরই জীভি भाक्षण कतिबाद्या। काश्वत वृक्ति व्यम्तडा, कार्गा मगर:, गांवु केत्मध अ टाइत मारिक्जारम्य क्छ विभि भवास्त्रहे বিখানভাজন। উচ্চার থেনিক পরেপে-ক্ষার-এটেডি ও গ্রার পরিচয় গাছাং दार्डारक है भिचित्र स्टेशा शास्त्रम । कर्ना ভয়নী কলে নিয়ার সময় বাতীতে স্বাদ ক क्षाकारक कामानात्रक शतिरवृष्टित बहुँया পর্যক্রিয়ানুষ্টানে জাতা দেখিতে পারেয়া इति । अभग एकान कर किएकब अग्रिकान गाहै- यहात हिन्द गरीख़ भाव कि.स ভাবে সংগ্রিব হা অলেৱন । তিনি বহু ব্য **খা** বিরামিষ্ট ভানী, পান-ভামার (। ব-मानक्टना निकार, युरा शहा यहा यहा है जे ल CHAIR COA' 1 জীবিশট কেলর দেই হ'র ভাগতে স্বাহারিক Secret with আচাৰ্যাৰ্য্য ওঁ বিভূগাদ প্ৰস্থান **टी. ें। यह कि विक्रा स**्वाप्त करें। एका मार्ग भगा बार्क्य कार्य अर्थायम् । १४१८कार्थः **ছারিত্র এবং** ক্রিক্টেস্ট্রেম্বর ১, রারিত भा. होत्र अधेशक व व टीव्यंक प्रशेष्ट ষাধুর প্রেপায় প্রস্কা আরু। স্বর্গার জাক। क्रिक्किक देवरणी वृक्ष बन्ने छ देवांस-শালাপুরের ঔপন্য, ব্যাহন এবং উংগ্রানি व्यक्ष्टरिक भावनीय राष्ट्राच्या गाँउ सोनायाकार । **期性**的 体情情,包括本格(一种的变色) विशेषक मान्य मेरा जा करने बारदेश हैं। १८३५ और মটের পাণা বাং রেণ এত আগেবটে ধ্র আছতি হাবে ২০০ এপ্রনের এওব अधिया विकि । १८० (८०) द्वीपारी-सम्बद्धक শ্রিপার সুখার ল া গিছের বলেরে মহালনের ভারতাদ্পপ্রকাত – ১৮৮৮টা দান্য শার্ক क्किकि बक्तात दशम मिन नहार्शास्त्र भन खर्म किलार क्रिकार अपन किना क्रमकार्यस्था । तथः ७ । । । १४ । १४ । १५ ०० পুরের হিচান আল তাংগারের দ্রন্ত্র देश्राणीकीकार्यः व्याग्यस्थितः । ३.५.४ ८८:इक ७ मा क्षित्रता भवरणके अवस का भंग कश्चितारका उपन्य आयान-

43714,21

## যথার্থ পিতার পরিচয়

( শ্রীমুড় ) অংশ্য দেবী-লিখিত ) (2)

বিখাত্মা নিষ্ণুৱ সেবক বৈঞ্চৰণণ धाधकाल है।(स्म ুর্জ @!"(15 · निवार दक्षांद्र ! (र.व) गंड औं ए ए जिस्ति कावाभारि।।।(ह ५ रह ज क्लेस्ट इंड्ल नेस्ट्रेस अस्क र्लू-রপে লাফ্রিশিটা থিনি প্রমার্থতার মান্ধ্রন্থ লাভ ক্ষিণ হাষ্ট্রেল চ্যুত্র কছবা মধ্য তাৰির তাৰে সংগ্ৰাইছবির कें। अना द एस म त्रतः, सार्य क्रान्यक्षा रहेरवान हाई है धन ( देवन निष्धानन । व (च्छा नार्था। পাৰ্থিৰ জ্ঞানে, প্ৰদে, বিদ্যাপ্ৰতিভাগ প্রতিভাবিত ব ৮০ না প্র ক্লক ত নলীয়া সেহমানেয়া গ্রিড়িলি গ্রাহান করিছে भारतन तरहे, किन्छ । ककाई वर्गी के विद्यान क्यारितंत स्थापाः अगुराद्यात्र य हेंद्रक व्यक्तिय का, केश्वापन एका छ মাঞ্চলতাম্য হোৱা ও (47) পরিবৃতি কাড কং के अक-क संशीत "द्रकार 335克, \$11(fe 4 · भागात्र । १८३१ व

है।देशक रेजात र दारभए। भेवम्यम्यनामन्।। ११५म व्याहरः ि है आधाम ति एक्टा रा --े .पर्ट (मर्टन (यह कुरन रेन्स र अन्तर्त्त ) ভারার প্রভাবে খন গোলন নিভার ৮ "ংগ্রামে বৈক্ষরপথ করেন বিভয়। েই হান হয় অতি পূল্ লীপন্ত ল' ি, এই মিরে পালগল নি এই স্থান করে। र र न क्षा टाक्स्पर क्षम्भव रहत ह প্রতার পরে চুগি নীর অনুষ্ঠা। স্থীন জ দশ্দির হর ছবি শ্বশ্ব । দ ড ভূ'লা' নাতিতে অর্থের পিত্র নাপ ।

रक्त मन, द्वा का, दक्त हुंड, 'स सहर मा"

अप्रमाणकार एक अपने काला कालिया है। আরেরে ছি রুর করিকে অভার) গেকে-পাৰন ৰেছেই মাধ্যান্ত্ৰী বি বে এছেত ভাল্য का निनात कि काती शहरा भाषा आभा বের অভান্থনালন ও ৮০০ বিজি ১৮ ৫ বৈন্ত বিজ্ঞা কিছে আমরচকি ভারু অনিভা গোকিক স্থান হ'ব্য কানৱ। ভিগ রাজ্যের বা ভাগার। स्मानियात्र एए हें कू भागता कराना करता, महुरा अपद्रातक देवकारक आमारात्य अमारात्व द्विषाद दक्षीय प्रतिष्ठ । ন্ম আনু ভীৰ হলে। ক্তিল প্ৰনীম অপুলবে 🖟 भूशच अहा इद्देश माल । जागता महन्ते चौ यान्त्र क्षत्रहार ¥ दिश्रा⊾गः।

এ.ে ে ল লাভান পাল ছইছে ভিনি বিলেন বিদেশ বিদ্যানৰ অসল সহিসা চতুৰ্ব স্থান ব म्यादानुत्रात् शीक्षमः किता स्थादि स्व না, আম্বা আর ৩.১ প কণ্ডুল জ্বন कें हिंग क्षतिएड शांवि ? CHASCAT-II

दिकानमार्ग करीक्ष माश्राद्यानिग्वि-वियद इना क्षिया बक्रोक निक मान क्षत्रन व्यामना छ७हेक्से वृद्धित मध्य हहै। इनामुक्त वाकानमान ना १६८० वामधा অংশক অন্তর পানপ্র यथार्थकाटर প্রতিটিত করিতে পারি না।

"हम ६८७- इटए हा छन मक्त मधात ।"

 তে ১৮৫০শানিত আন্তা স্থাপন করিয়া লেশিপতি, পরিলেখ ও নেরা হৃতিসহ-कोट्या । शहस संध्या ८.१९ देव छव-लाक्सरण আগ্রহা করিলৈ আম্বন্ধ ভাগতে পারিব মাবতীয় মন্ত্ররালি বিক্লাভকেই প্রতিমান আতে, নমত সমাচালনাম্ব ভারা-भारत शास्त्र प्रशिधितिहरूमा **कतिवादक ।** देशन काल काल काल के के कि स्थान धाः म शताशत १८ म्य, धाविष नित्रारम्य मदरादमाधक दनदन र प्रतिशदक प्रशास्त्रक ण सदत भग। राज्ञाता किम्नजुष देवमन्त-Siand with the there affect Emi-किर्णाह स्वार्धाः कार्याः कार्याः विकास র: এচার করে., म'्या कुर्य मान्य हैन नेवर्ग । के नांकर्गना भाग धार्यक বিহলীয়াৰ বিভালো , জনসা‱ৰ ভুৱা**ৰণ,** কাপনাবা ক'নবেল ভাবের **এছ চ**ে 🖠 অ টার্ল স্থান লোখনসকল আনহাগ্রভ 🖝 দশ্যে অসময়ে ১ ৬৩৮ ভাংস্ভ্রার্থের 🖡 উপনেশগুড লক্ষণের মতের ক্ষাভেগ্রাজনার ব কলেবা নিম্বারণ ক্লা. কাই রা বঁদার্থ ভূ হ ত্ৰাংগিত **ভাত** 항임도 역사기 TI 원 खल सम्बद्ध । क्यां - **ब**्रास्ट्रीत क्षां अप्रक्रम 1 14 0 . . 43 . 81 41 1 1 P मंब्र ह्या मुक्ताम् अहराज स् नर्गात्रक्षा राइमः एटिल्लास्य क्रिलाखाचा প্রিড্রার্থ অভন্তলেল ইত্রাদি সংস্থার-भग्न ८क ि ए यति एका संभवन्त्र **ीहरकः** মেলার আমালের বিল্ল উৎপাদন করিয়া कृति । अञ्चलकार 수 하고 - 4 기자 하~ मु वात्रण कार्यकारी भटेमन शुरु हम धर्म शालन मृति छ। हाट छुले छ। काईका, निक् ৈ ধন োবাৰ গারিকটে গুলমাত +**শে**রই অভূশীগ্ৰভয় ৷ স্নাচন শেষীর আচারক इ.स.मिलिक म्युण्डाई वहमामन कविव १ ীত হিল্ল পদার্থনিন থেবা ভক্ত মধুকরকুল

ी बुडि इंडिश क्षा कि क्या विन सम्बद्ध किएक । ीर कक्षा नृति क्ष प्रति अन्य एउटक ॥ चीरिकनर महा भीरतन दकान कर कीर्बि प्रशुक्क बिहारी सहिति कई बाहिए।

कंछि- ५ ३५।

भामात्मत्र सकामभी एउ रामध्य राष्ट्राहरू र विभाव स्वर्गमगमायम वाता, प्रशिक्षाती )

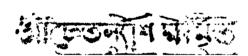
আগতি নিউ গার্মাথিক সচ্চেত্র একান্ত উপাসক। 'কিন্ত আত্ম ভাষরা भवक्षेत्र देशा भाषकाष्ठि । अकीक्सनिका-সভাতী বিভাস্ত ভাসত এখন ছোলোলয়া-क्षाक विषय श्रीनवात बुएक गर्मा मधालिक । **धारित युग गरस्रोग बहेबारक आंबारमस** (म) कामना—सीवस्थ छात्रहे अधिनकि। বতিবান স্মাল যদেক্ষাচালিভামন বাহিচারী ধীবনের কথাও কাংগিমার বংক্তিত চইয় खाउदारछ। जामता मुख्याहि—दर्दर-भटना चेरे श्राच ची. व्यात ८०११: श्रीहारे ८ मधः भवा ; छाडे भद्रत्वत नथह आर्मादम्ब यनपेष रहेदा दिविद्यास्त । शावकारिक ন্ড**ুবরণ ন্মেন্ট—- ৬৯**ড ভিনীডিট্রস্**ব্য** क, भरी । स जिल्लाम-देवकिएमा পর্যবিনিত ১০১৫৫ে । স্মর্থায়ত স্থাপুর আমানের নিকট আকাশ কুলুম্ম কান্ত্র માદા બાદમાધિક મહિમાદી હોવા ચિક્ર মাণ্ডের বিয়ান **আ**সরা—**স্বাস্থ** CB19 市10 月日 東京駅-町)駅中日 後日日本郷-दशकत्र क्षत्र व्यक्ति हर हिंदी । दश्हें व्यक्ति होहे আৰোৱা শিক্ষাসংখ্যার এরটোটা স্থাবেল্য क्षांत्रा भवानका अनुदरेश कि अक्ष

অল্ড ভারতেয় অভিস্থার ⊶পার-মংবিদ মতভার আচায়-ত্রোরায়ে, আর্থিক বা ভাগতিক অনুষ্ঠা নতে, অব্ঞ प्रशासिक स्वाहरण स्थापिकस्यात <mark>स्था</mark> (वर्षाका, ८क्षा मात्र **१६८७८** स्था १८व भारतभारतिक व्यक्ताः वह लाखाः इत व्याप्ताः द्वारिहा- समाद द्वाराना हास छ शहर क्षार्यदाम अवटा के जागी। द्वार विश्वाः মার আর্থিক ৬ ব্যবহারিক ভদ্ধ সেই পরেমাথিক নতে।র কোর্ড কুছ কর্তসাপরে, देशह आधा चाउउत निकादेविभद्य प मानग-रेनो 😘 । आप.मानय कथन्य পিখ্যানুদ্ধে জ্ঞান মডিলানের ু আভিনামে व्याधिक ६ शाहम थिक मटलात र्रेनांबर्डेड निवास विद्यात अवेका भदक्त नाहे। लिख्यां ६ ८क्यम । भागताई - सम्बद्धां कांछ क्षिमण्य बाष्ट्रमान्य मण्डामाय-alotel Mistres Ambreit Calle famin-এবেল কার আয়হারা ও বিধিনিক্ জালত काधा---व्याक्तक नाजिकसाम व्यक्तिविक क्षेत्र एक राष्ट्रावश समाज क्षेत्रम । अपि चौतरा व छाएए। ए अफि छ। पश्चिम भतरक भवरण कितियां कितियां के नेवस अवन वाबीरिक्शावित श्रीका

### 



Bemann -- Baufefeinig bigica feine-अक्टेब्स कोश्वय भारतक. कृदकत मुख्कि अवस. विस्त क dufarme wei. Butte fift in manutene con, mi et e क्रियका शक्ष क्षान्यात क्यान, रेनावेन नगाल्यम्य, रेनकर-न्यक्ति 😘 अर्था भारत्वेष ६ वस. वसश्चित्र सं, व्यट्य करायी १००० **श्रीकृष्ट शांवक्या. जीवब नवारका १०** मु छन् देश्मनगृहासूत्र क्रिकात क्रिक क्रिका क्रिकाओं-दिकाल क्या न क्रक्टिकारनह मार्कका, माक्काम संदेशकामान, ट्यटन त्रकारीया, स्थान म . अप पा कामाव आकी। १७-८७०, अर्थित प्रवस्था व स्थीय-शिक्षात्र कारका, लक्षत्रप्रकार गांक के व्यक्तिया व प्रति । स्तान माम क्रम ह ट्यो क्रमन, महिन्द्रकार, मीन्या, टेनर्टी क त्रानाचन **व्यक्ति, मदस्यान, काम्मरावद कामकारी, लाइकीवडम, प्रवृत्त** का, श्रीमाध्यातम शास्त्राक मनावन त्राप्तकारणा अवस्थ र्फिल्कि सक्कामनी का क मधनस्थात करवानदर्ग का मान निक क्षराह्मा विक अन्य अ शहर कुर का न दर्भ न दिल ग्रथारिक पारकाम विकास विकास मार्थित मार्थ लदम शुर्के प्रदियतक अन्त्रल भटन क कमा प्रानी अन जला छ **ब्रोकेशन ७ ७१** वर्ष १ : किश्मिन (मार्थाम) - माञ्चन्यत्यां वर्ष १०० छन्न करण कर अक्षात्र केविक वर्षशास्त्र । भागाव करिश्व -अही, क्यांनाव ए हार्नि बाल िल्ला मसुद्ध के अ प्रदेश के विश्वय, अब, द्राप्तात करन मात्र द्रमान केरकः वेदिन **७७**४ भरकात २८ माळ १



### हर्ष मध्यतम [म्मम्य नीवासे— २५ हर्से हेरक। व्याजीसा—२५० दमोटन हरे हरका

পুরিপূর্ণ দায়বাকা বারা প্রচ্ছেক মানবের ক্ষা ক্ষেত্র ও আনিতা সামায়ক ক্ষাবে নিছাচিত ক্ষাচে । ক্ষেত্র আছে উল্লিখনাতন পাস্তবাকা বাবা সম্বিত হ ক্ষমাণিত ক্ষরতে ৷ সেকের, মনের ক আত্মার দল্ম কি চু অসমাণ ত ক্ষরতে ৷ সেকের, মনের ক আত্মার দল্ম কি চু অসম প্রক্রিকারে ব্যক্তসক্তারে আলোচক ক্ষাচে বে. ক্ষম প্রক্রেকারে ব্যক্তসক্তারে আলোচক ক্ষাচে বে. ক্ষম প্রক্রেকারে আছে ক্ষমান লব গ্যান্ত বার না



विक्रीय अरबदन १० - व्यामा

क्रिक्षणः द्रांचानी व्यक्ष क्रेण रणगान गाउँ। विश्व क्रिक्षणा द्रांचाने क्रिक्षण क्रिक्षण क्रिक्षण व्यक्षणा व्यक्षणा विश्व क्रिक्षणा क्रिक्षणा विश्व क्रिक्षणा क्रिक्णणा क्रिक्षणा क्रिक्णणा क्रिक्षणा क्रिक्षणा क्रिक्षणा क्रिक्षणा क्रिक्णणा क्रिक्ण

### **८८७.(शोश्वाटव्यक्**

নচিত্ৰ

## শ্রীনবদ্বীপ পঞ্জিকা

শানুমাধিক লাকিমাং কেই একান্ড প্রয়োজনীয় বিকুল্পড ও উপন্যাগদির ভালিক। স্থানি ড বাংলার বয়ে যানে নিরাভিত্তভিক

## ভিন্দা ১০ আনা মাত্র

এতে জাক টি: নট পাঠাইলে ডাকে পাঠান হয়।

মহাক্রি

### জীস পোত্তনদ স ইংগ্রেক্স চ জ্রীতৈতভাষ্ট্রন

ক্ বিক্ষুপদে জ্ঞিনিড জিনিত,ত সর্জানি ব্যাখানা প্রভুপদে স্পাদিত ভূমি না; লোকের অবর নলাহলাদ, প্রতি প্রান্তরার ও মতের কথা সাল্ল, নলাহলাদ, আভি প্রান্তরা, প্রান্ত্রার ভালিকা, প্রস্কৃতি প্রভৃতি নিছত, স্থা সম্বলিভ লোভে অম্বরে ভবস জেন্টন, আইপেলা ভালতে ভিট সভের কার্যতে ছাপান ভিজ্ঞা—২৪০ টাবা

## **শ্রিমানটিতান**ণি

নামা থা ইঞ্জ হবিদান্সাকুতের মুলে উন্নয়ণ গড় আনাম ম হাজা, লংগালান নাম্পান্ত প্রান্ত ক্রিয়ে বিশ্ব করে বালান বিশ্ব করে করে করে ক্রিয়ে ক্রিয়ে

## ৰৈণ্ডৰ জুবা সমাস্থাতি

(शा**मर-ो**बर-शाशय)

হিল : — ১। ভিকিলালে বানহাত লক্ষান্তীর কর্ম হ।

নানি প্রান্ত্রের গৈকালেশের : িত্র, ত - বিক্ট্রিছালপারি ত

নানিক ও - বিপ্রান্তর বিবেশ ধা বৈশ্বাহাল হৈ পানজসম্বের ভাব লাভ বিবেশন, । বিষ্ণাহিল্যের হেলানিক ও

নানীয় আকি মুলে যাব নীয় তথা। চারেছাও কাকালেত
ভক্ষাতে। ১৯ অভ দলান্ত্র প্র প্র দলান্ত্র ব্যক্ষা দল

ক্রাতে। ১৯ অভ দলান্ত্র প্র প্র দলান্ত্র ব্যক্ষা

### াভা ক্তসন্দভ

 असे अरु ६८ अक केका सथ ६८ है। क —

श्रीभम्काभन्दकत छ दशौद्धादस्त छाएक भग ।।।

हे। का स्र छूदे अ गारि ने न । दान वालाम दिहा का व भाषाभी नार्षित केलि छाइ। क्षा प्रदेशक का किक नार्धाकरी है अरु। का का का का का का का का का भूका आकार पूर्ण के केलिक।

भूका आकार पूर्ण के केलिक।

स्र अस्त स्र अस्त स्र अस्त अस्त स्र अस्त स्र अस्त अस

> ইন্দ্রনাদ্যাহা ভারালিভ স্পাচারস্মৃতিঃ ভিদা /• মানা মাত্র

## বিজ্ঞাপন

### मावशान!

नादश्वान !!

কে, বি. দত্তের চৌক। শিশি আদ্যাস জৈকৰ আদি ও অস্তিম এবং উপকারিতার স্বায়ন প্রিচিত ও পত্র প্রশংসিত্র।

থামর। স্বস্থাধারণকে জানাইত ৯জি, বারাম তৈল পরিদ করিব র সময় শিশির গাড়ে ইংরাজী অক্তরে তে, বি. দও এও ক্যোম্পানী নাম খোদা দেখিয়া খারদ করিবেন। নতুগা জুরাচোরগণ ক্মদরের হাত্রন তৈল দিয়া প্রভারণা করিবে।

## क्लिशाम कूरेभिन्

নুতন এবং পুরাতন মাজেরিরার **যম**হলানে ভিন্তে মাজার আইএন, সাহনাহজুলেরার বুহানির বান্ধানক এবং ইউলিবেন শাস্তা।

এই এক বা বুকলিন্ ছার। হতেকসন কবিবে একটা বা এইটা ইলেক্বনেত সক্ষপনার করিব হা হৈ বিয়া জ্ঞার স্বস্থ করে এবং ৬ কইছে ১২টা হজেক্সকে মাালেনিয়ার সম্বর্গ উপায় নত কবিয়া কেলে।

ত তেল্বলূর প্রতি বাজ্য-মূলা ২ ্টাকা, ট্রব্ ও টাকা বাইজ-ক্ষিকালে এও ক্লিকিলাল কলকটোটাটীকে ২৯৬ না তজুবালল বেন, কলিকালা।

্গাড়ায়-বৈক্ষৰ জগতে অভিনৰ এছ !! শ্ৰীম ডাতুর ডাফাৰিলোকের দীভি-এছাবলা:---



শহকট সাইও মন্ত্রীয় সংখ্যাগ ডিক্ষা /০ আরু

নেত ও মানত চেছা কানতাবন্ধ প্রচ্ছা—ইকা বন্ধ কৰি বুলিটেড পারে, লগন একমান্ত নিজ্ঞানত আক্রমান্ত ক্রিজ্ঞানতার আফ্রি
উচ্চার কোন কাজার আক্রমান্ত আক্রমান কর এবং
উচ্চানানে সক্রাজ্ঞানের বিশ্বন আক্রমান্ত ক্রমানে প্রবাশর করতে ৬র, তঙাটাল নিষয়ক আক্রমান্ত আক্রমান্ত কর্মান্ত কর্মান্ত

ভিজা আহি ২৫ /৽ এক স্থামা

ব্যেস্ক জেডান্ত ক:-- ৴৽, স্বৰ্ণা প্ৰছক-- ৴৽

कला। विष्णा कि

सद्ध्य स्टब्स् सन्दर्भ संस्थिति विकास

আমন আভাব নজন কজাৰ ত কামনার বলবন্ধা বছৰা পুনাপুৰা হয় কজানাপ্য কলান বালাছ, প্রহণ করে করা নাবার নকত কলান কামনা হয়, নিজাই যে কেন্দ্র সাহায়ৰ কলান অন্তানে আমান করা কোনা বছৰ আন্তানিক বিভাগ কলান্ত্র নিজা করা করা করা নাবার আহি কলান্ত্রালে নম্ভ কলান্ত্রালে করা করা করা করা করাককে নিজাকলান্ত্রাল করাকে সাহায় বিভাগ কর

্বিস্তৃত ক্যাটালগের জন্ম নিয়লিথিত ঠিকানার পত্র জিথুন-মাস্ত্রনার প্রাক্ষিতাগ শিলিকালয় প্রাক্তিস্থালয় বিভাগ

## বিখবৈষ্ণব রাজসভার গুজভজিমঠসমূহ

छ। टेंड छन्। मत

### আকর মট্রান

का ठीन भवती १. फाकरत शिक्षा भंदा गृत, सतीना

ত্রীমঙালেশনী সংখ্য পার ৩০ । এর উত্ত লপুরে নীত্রসাধনে আচারীরত্ব নীচন্ত-**เพาะ-พ**าเค นี้ผู้ พิธิระช พ.ศ. โรลเฉพาะ เ

डचे चार मारणहरू रीय, भवानक भीठ ना भावक ७७ छन्। है। अह मना रीर्स क्रीवर्तिन শাম্পুদ বাকেব্যানি-বেদালমন্ত, পর্লিক্তার ক্ষরতান কাবা, নাটক, ক্ষরতার, কলঃ শ্বামাণ-উপালব্ল-গাঁতা-পুঞ্নতে ন চকুইটের অধারন । ও অন্যাপ্তা এবং কর্ম 🖺 এন ৰ্থানিক-গান্ধ ক্ৰা-গি:দেৱ ও সাম্ভত সাক্ষ্মদাক্তৰ-আচ্চান্ত্ৰ জাতাদেৱ উপাত্ত विश्वदृष्ट्य प्रदेशक 'अक्षा दर्भाव र काराम्द्रक्षम । आहे महत्वारक भारताचाक देशविक्रणक मानुक्रक. স্থ্যাদ্যারে অন্তঃ প্রাণ্ড ও জন্মতিন প্রস্থাতি আন্তর্গতার করিন প্রকাশ সম্ভাগত রাক্ষিত ১০৮০চন প্রাভিত্তার প্রধান-পর্বজ্ঞান গুরুত র জলার ও জলাটো । ১ ট ক্রীর্ত্তন প্রভাগর মার্ল মধ্যে হার বি কাল্যাল অভ্যান্তি কর্মান পারে । তার গাল প্রস্তার বি শ্ৰীপাম চেত্ৰামুখ্যাৰ সভকাৰী – টীবালে বিলোপনিকাটী প্ৰস্থাখনী, গুলুৰ প্ৰিপাল গোৱালায় सक्तारी भागभूगरीर्थ, देशांक ती क्रम सक्तारी, शास्त्र द्वार गामक स्वार्गाती, টাইক ননীলোপাল বলেচাবাধ্যায়, তীহাবেশম লাগ এলাচালী পুরু সঞ্জলত্ত ।

### (৩) সোগগাঁহ শ্রীমনিংর

as all Change them been of ীমধ্যক এড়র আভিডার ভূমি মহাযোগ-नीर्देश द्यारम जिल्ल्यो। नवा व केल्कि ब्लिश्म ह है, को स्माना वर है है ? बना क द्वितामाकाका किया (शत इनः क्वान्त-काञ्च द्यता वस्त्राता वक्क---(गाक-মাৰ হার লে খানী ভট্টাচার্য। প্রাভূ ক্রীরনাল साध । अञ्चादी द्वीनिकालिक अवस्था, कीवान्याम अकारती । कीमायनमान व्यानwiel, Germin Bojaeami

#### (8) 3717-374

क्षिम्बर्धाशास्त्र केंचिन-जिल्लाम वा हीत्योक्षीकात वाम्यनी । कराटन टी.बी.धांत विशालन ६ १ क श्राहत (भना वर्धभार । २क्र---- चेवाराङ'म उच्चाती, चे भवु ह कक. द्वारमाकृतकाम वायाची ।

#### ( e ) আহৈ 5-ভবন

क्षडे श्वारम ट्रीमटेर इंड्रज क्यम क्यम क्या । ३११ के व्यक्तिकार अक्षा है। दमका वर्वमान ।

#### (७) कार्षे:उ त्रश्न, वि भ हे

প্রাতীন মাধ্যপুর, সামনপুরুর (নদীয়া) **अ**रपोड्लभाषाक खेडिएकाची व ममास । क्षण क---- अग हात्री - केविदमान विश्वारी ।

#### (৭) শাসেন্দ পুৰাৰ কুঞ্চ

শ্রীলোক্তম, পর্বসাল েন্দীয়া ) अव्यास के विक्रमाण किय का क्रिक्टिनास अनुदार अक्षानि कवर द्वी शोध्यक्षेत्रिक खन्द हेराहे । स्वा भारत्य ज्या बर्कभाव

বক্-ভিডিপ্রস ভারতার এইচারী क्ष्मका कियी कर, धरा, अस्।

### (भ ) आक्रमताथ दश्री शत्र यह are intel

हक - --- मैं वर्षात्र का कम की अम. छ. ति, व्हा, महक्राती---शिन्त मन भाव-नादी, हैं। क्रिकाम भाषकार्वी छाए छ ।

(D) डिस्ट्रास्ट्र-अक्षान्य-अक्र उँग्लार ही, शब्द्दरक, ( तक्क्षांस ) 意识 of f. I de mio as colourna-्रताः प्रशास्त्र चित्राति । वास्य

১০) শ্রীরূপ গ্রীভার-মুঠ 87 (15'3), 2'3(5' #3), fer すいゆっ Epel Pin 出場の行う, 遵文のに何を書

#### MET IN STRAFTS -

गाँचेश कि, काश्रश्रत, शक्रशांता। উল্লোখা লেখে ই কুল বুলা গলের স্থান 🖟 क्षणक-- तिक्य वर्ग न अक्रनाती। (३२) चःश्वत असम्ब श्चिमाधन ६ १८६ १, क्रमा- शतः, समीता । ক্ষাৰ প্ৰিক্ষাৰ স্বাহাৰী আহাৰ-খেল।

( ५० ) श्रीजनामन मह CB न राष्ट्री, अधिको, क्रक्रमधर, समीका। क्षा क —्रीश्वाहरण अन्य बक्कार्स हो।

(১৪) श्रीभाक्त दशोखें। इ. इ.उ केल्लर नवास्थ्र ६८१७ . हा का । পূর্কারদের আন্তর্গতেশ, এখানে প্রীয়ঞ্জ-ज्योतास मार्कका-भिविषद्यव देशवा वस्त्रमान । रक्क - ध्यामायस्य अधनाती।

### ( ५१ ) डे)श्या भरतकी वह क्षत्राध्य, हारा।

भाषा कीव कार्रिकाल बाहीय मार • मन-श्रीशाहशी । वयहाती।

## ( > ) ब्याँदगोडीत घठं

১७ सः कालिकागांव ठाननकी होते. त्यांत नाभनाव्याह, कलिकाछा । क्षिंगदकाः वि. वि. ४५६

শ্রীমধালা এড়ার প্রচ:রিড ভানিপ্রল ভাজিগদ্ধ-প্রচালেলে পৌতালেলের সক্ষমধান নগ্ৰী কলিকাভায় শ্ৰীনবিংনিলোল আসান শ্ৰীমত প্ৰচেষ্টাভ আহলত। **এই ভৰ্ত** সঞ্জাবিধ ইঃ ছল-গোৰাজ ইচাবলোলনক ছাউ সপ্যান্ত নিজা মোৰিত কৰ**ে পোটা**ছ भाष्ठामानदर्भत वानलीव छवानगीव छन्छ। साहास्मान स्मित्रहरू महत्वस्त अवस्त अवस्त सुवान গ্রান্য সংক্ষতিক চচচাছেন। পুলিবীর সকলে 🕮গোবলান প্রচারাত আলে স্লয়াশ্র চট.ভ 'গোরীয়' দাপা'বক পঞ্জাক্ত ক্রমনিষ্ট মাদিক পঞ্জিকা ইংরক্তৌ ভাষাত নিদামত ডাবে প্রকাশের জনজেতের । উচ্চতে পাঠ, সঞ্চীক্তর, সঞ্চাতান-চাতৃইয়া-জেলাক্ত জীলভাগতে, প্রটেচ চলাচরিত।মুধানিকার ও ভর্মান্তের সমাক স্বাধনাচনা করক গাংক। মসংক্র-আংচাধারেজ প্রাপাধ কুম্ববিদারী বিশ্বাঞ্ধব। সভকারী--ক্রিড প্রীপার অন্তর্ভালের প্রতিভাল্পের জেলা দেক, জীগাদ ওলাক্রনল প্রতিভাগিকাল বিশ্ব क पाम काम वकारी अकारों. डीपाय अभवकावय यामानिकारी निन्त. श्रीपाय ব্যুক্তেশাল লামানিকানী, একটা है লৌকী জনানক, ব্যুক্তারী লীপালীয়েল্বন, জন্ধচারী तीकामनम कविनाकी, अवागरी श्रीमारकीनमम, शक्कि श्रीमा सरीमका भर प्रशासात करियार अस्ति।

(३७) खोगमाचे-८ना का भड केरिलाक रूपारिकी सक्षा, वालिया Mante-Celtanna foret (भव रक र - मालून धक तका है।

### ()१) औरशावष्टवानम् मर्ह

िकाशका, बाखरमन धन, द्यामनी सूत्र । 近年代の ちゅんがっかりは衛神り 'ब'दिनाचीच किछारमवः बढळाल। स्रक्षक---वनभरी और अवस्थानमा । अवस्थी प्रसामन

### প্রেলিকারোড। এপর<sub>্</sub>জত

वाक्षते व द्वाः व्यक्तिता । भ-गटन गाः वस्तर - वस्तानी आर्शन-101-101

### (५२) अभूक्रामालम मर्ठ

unbie, nat, Siemi नागात मेंद्रशोब-विकासभावस्त्रीय निका-.मधा नवनाता । तकक अक्षताबी छीलहमाam faetten, ambiel Bofibiam :

### (२०) खिजम-दशोदीत सर्व

भागवस्थायः अवश्चित्र १ (भ :, भूती । ₩श#(ब(प(१४ भनवत्र अम्(४ ∰म्बक्र दक्ष म--- अव्यक्ताती ों पर्यापती वामात्रको। मक्काबी---अध्यादी औरवेशिनविकासी ।

### (.) शैनकिमानक गर्ड

Benteimie, wie i anten Buy-collan-faculunn-जीव निकास्त्रच रह्यामा क्षेत्रक---अवहाती खीलवायत्र ।

### (२२) क्षित्रमास्त्रमः शोक्षत्र सर्वे

बनर अग्रव्हानमध्या, काम्ब (भा -- नवाक्षपृत्रः मना क्षत्र-निकाश्वर् ♦ ध्यात्म (शांद्रभ्यां वह्यं,म । क्ष्म हो र संकीनायको ।

(३ ७) विकाधीतक वर्षे भीन गरक्षाम स्वा, श्रीनाम क्षात्र ह के के वामा-जब-द्वाप्तकांत द्वारा ह

दय ७ — सम्मन्धिमान दक्ष राजी

(-४) 🚉 भव्यम्बर्ग्य -मिवामनाः, भाक्षाणुक

অপ্যান প্রীভাগতত পারশালা 🖝 हैं। भार निर्माण निकामकोब स्थय बसमान । को धकरमाञ्चाक वित्त करियका वितिमादीर एक क --- अक्षत्रारी क्षेत्र मरणान्य क अवहाती मीनकाता ।

### (२०) औडिएक्सटमोक्रीस सर्व

इन्द्रेषकुणा, 'उत्कृषाः, मासकुम<sub>ा</sub> इंश প্রীতৈ ছব্দ - মতের পাশ। বক্দ ক-ভূপীরমাণ मान बाध, हीटकननानम असहादी - भौदाय ela cu afata :

### (२७) भागामध्योक्षेत्र मह

केक्ट्रक्रव, कारवाव, क्यांना व व्याटक क्षीरभीवर्वतम् मन्दारम् । त्मना वसमान् । इक्त का विकास के विकास करें। (२५) जासम्भाषा अभग्नास्त्रस-मह

आधानमाञ्चाः दनाः माळ्. सायका

क्यादन वक् क्रमभूति जीत्मादारमञ्जल स्मर वक्षमान । क्षमक---व्यवनानी जीजानक्ष-मान, क्षीनमादभग अञ्चलकी।

## (२৮) भिक्षा भागीय मह-न्यायहास्य

be con cutula. fic femt i कृष क - अव्यवस्था की वादिकाश्वासन्त अकारी श्रीकामान्यमध्यमध्य । हेर (२०) द्यात्रावनाकाच्याद्यात्रा वकर-जनश्री कोवानारवाका

## टिड्डियात्रत खढ्डिङ खड्याना ,

ৰজাক্ত প্ৰকাশত	২৬ - শ্রীস প্রেন্থুপাদের বন্ধা,ভা	वली	2
	(ক) প্ৰাপ্ন পণ্ড	<b>h•</b>	{ {
● (2m5和 衛衛 ) " 42m/+	· (च) विकीश चळ	3/	હ
telm ( wwn 電報 ) >>-	(.श.) कुडे चन्छ दक्ष्य	×#•	
के। काम्यम मक अधिकारिक कार्राम्याम्य	०१। सर्दोन गश्चिकः		্ে।ই
) ( se ntwen )	(888 (111014)	<b>~</b>	माश्रिः
With Secretary and the Secretary Secretary	<b>০৮। সিদ্ধান্ত্রপ</b> ণ	•/•	C34
्रिश्ताक्ष्मिकारण्ड (विश्वाक्ष्मिकारणवर्ग) दे	<b>७৯। दोल-१४</b> ०( <b>सन</b> ≉	<b>å</b>	পিজা
ा केला ( जिनमदाय-जिना-नव ) २.	।   8•१ कास-अङ्गायन		संश्व
4 ( 元) ( 图6番4篇 ( 年)-46 )	(নক্ষাপ পরিক্রমা)		মাধুন
۵ .	<sup>1</sup> ৭৯ : ব্লিভমালা	150	13.45
का देख र गण्डे तक वृश्चिमां स्वर्गात विश्व माझ्याल		11/30	1
	So; लवडीलन स्क	1	- <b>5</b> 4
( ININ )	ं तकः म्याहादण्याः	٦٠	ĺ
। भाक्षेत्र-कश्रमः ३। औरहादक (नकायुक्त (वे(मा ) २०	88 ; X1"4 **	1	310
		٦.	Hall.
Sol (Star AAR) 4	sa: बत्याभार	٧.	अंद क
३३ । खिर्फ त्रक्षात्वसंस्थान क स्थानकीय मेल स्थानमा (वीमा) २५			:
	The second second		্ তা
'S h management and a contract of the contract	·	1.	· MH
( with a )	। विश्वासम्बद्धाः	14	<b>3</b>
on रिम्मायसप्ता-मस्काति	ং। এভাততিত্ব স্থাণী	1	· 🗿
स्वयं व्यक्तिक ।	· (4) 电双音等		5
SEP - BETTAINIS BINTO	· দেবনাগরাক্ষরে প্রক	र्गान्य स	5 5
Se : Madi Lancing	्रिष्ठ । १८% <b>॥</b> -मन्त्रकी-भश्चित्रप्रः		•
So I called that	। ॰ ं रदः मधीकः लिक्शनसम्बद्ध		31
24 1 CEMICAN C POLICE	• १ क्षेत्र क्षा-कृतम्		
The Banksan	र ४०। स्थारमा स्थितः स्थारमार्थनम		
321 MOIN CARL MILLER	• •		
३०३ दशः वासी अधनाल मान । रे.स. १	।• ় ৫৯। গোঞ্জীর মহঞ্চ প্রিচয়ঃ		
The Minage Annual Control of the Con			. 1
३१ ( विश्विक्षिक्षाः (१५०) महिला			
201 C4813+8404 412 418	<b>6.</b> 1 • 1 <b>1 1 2 2 2 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3</b>		1•
🖷 ( এগে: একীয় )	के का के का		1•
ESI ARRIDE	मिटिक श्रिक मका शास्त्र १०		
২৫ গোড়ীড-গোপ্ত <sup>্</sup>	७२। (२२०) विस्		<b>1</b> ● 1
ব্ <b>জঃ গোড়ীছ</b> -সাজেগো	৺ ১০৷ দি ভাগৰ® ৵*		!
वन । जासमान्य ( कह शरकतन	৬৪ , হরেটিক প্রজিপ্ল খ্য		;
रहें। भविष्णको माष्ट्रवीष	व्यादिनागरवर । ५८ ७। ११		1
३ <b>৯ । खन्नम् स्थाननी</b> वा प्राविश्यासम्बद्धम्	,		1
oo । सेलान्सियर ( रताम व भारत	1 019:11		পত
ক্তান্ত্ৰ এবং নিৰুতি ও অস্থান স্ক	49 ( 694) 8414 14 44	if4	<b>₽•</b> '
कर्ते । <b>श</b> ्चिमनद्दीलकात् ५४०	991 401319 4EEP		1.
वर्ष किर्णाह्मक्रम्भा मण्	क्षा अध्य भव		
eo। শ্ৰীভূৰনেশ্বঃ প্ৰমাণৰ ভ	<sub>स्था</sub> का श्रीकावजी		
*	J. ११०। अनुनासाहि		
०६ है। अवद्यानगात्र-माराखा			

স্বর্গরিকার। স্বর্গরিকার।। স্বর্গরিকার।। এতাকারে খণ্ডে খণ্ডে প্রকাশিত

# াল প্রভূপাদের বজ, তাব

তে বিকুপান শ্রীনিত জিনিছাত বর্ষতী গোষামী মসারাজের সেই সাবিদ্যা-বিদাংসিনী জাবার্তি নির্মান গোরোধিনী কুন্ত-কাস্কানিদ্যা-দারিনী জীবত-কাশীর মৃত্ব বিক্রাল-বৈস্কাবসিক্ষাত বর্ষনালার কৌজ্যভামনি — সেবাকুত্বনগুলের কৃষ্ণ কর্ণ-বিভাগ কল্প ক্রম-ন্যপ্রায় বৈজক্ষিতালাগারের মৌলিক তথা—প্রধার ও ভাগবতের সম্মান্তর নির্দ্তালালারের মৌলিক তথা—প্রধার ও ভাগবতের সম্মান্তর নির্দ্তালালারের মৌলিক তথা—প্রধার ভিন্মাত্রাভিন্মতে-বিচারক— এইবা ও মানুবারসের মৌলিক গবেষণাগার—সম্বর্জ, অভিধের ও প্রয়োজন ভাষের সিক্ষান্ত-মৃত্র

১। প্রাথান কিন্তুর্দেশন, উত্তিকত্ব, কান্যাপা, স্ক্রিপ্রাণিতাব, ক্রিপ্রাণিতাবনী, পাল নতি নি দীকা ও বর্ণনানার, আর্থাপা ও নানাপ্রা, ক্রিপ্রাণিতাব ও তাহার শিকা, অপ্রায়ত সংজ্ঞাপাও প্রায়ত সহজ্ঞাপা, ত্রিপাল ইপ্রপুরী, ক্রিল রসিকান্দ্র-প্রস্তুর্গার্গ প্রভৃতি বিংশতি সংগ্রুক রাছে গ্রেণাভিত। ভিজা নাত্র দত বার তালা।

২। ত্রিভার অপ্র-শুদ্ধ ও বিদ্ধা ভক্তি,মন্ত্রাধার প্রের্ডা কোপার, আরার নিতার্থি, জ্রীপর স্বানিপার ও সারারাদ, জ্রীনেটার নিতারক্ষণ প্রস্কার বিবাহর ধার ও কাল নিওন, জ্রীলাসপুকরে জ্রীনেটাররকের কীর্ত্তন, জ্রীনেটারসায়ের মহিনা, মহপ্রেলাদ, জ্রীলোকিন, জ্রীরাপাত্রসংঘান-পণ, জ্রীমতী কুলভাপুন নিনা, জ্রীতিভাগ্রর দল্প, জৌর রেলা ও কুফল্ছীর্তন চনুদ্ধি অপুনি মহ্বিসাপুর সভূত্বনিভূতি। 'ভ্রমা ২, এক টাকা গাত্র। প্রথম ও বিভার — তুল ২ও একতো লইলে ভ্রিমা ১৯০ দেড় ট কা, ডাক প্রচ মতা।

आश्रिकाण : - इ.क. ते । ११ — तिरिक्षक्यति, १११३ दिसामालून, - नीहा ।

# যকায়ত্তাশ ত্ইবেন লা

## দৈৰ প্ৰাপ্ত যকার এক্সাত্র মহৌষধ

প্ৰার দিলে সম্পূর্ণ আরোগা

्राक्षी प्रवर्ग हुन करता। क्षतिम गायि वया (यावमाना व्यापात कार्यात) लाई है का भरत हराओं प्रवर्ग कराना एकारण कार्यात हर है। जालांका लेखन प्रवर्ग के कार्याता मा हलका भर्म छ गा लिया के प्रित्न करता नाता भित्र क्षतीं करा क्षता नरम किन्न प्रित्न में किन्न किन्द्र करा करा करा किन्न किन्न गित्रहर्मन करा क्षता क्षानांत्र स्थिक प्रित्न में निम्न किन्द्र कराना करा क्षतींन

প্রতিষ্ঠাপ : স্কৃতি বিষয়ে । কালে কিবল কালে বৈশ্ব হৈছিল। বিং প্রতিষ্ঠা বিশ্ব হৈছিল। কালে বিষয়ে বিশ্ব হৈছিল। বিশ্ব হৈছিল সাহিত্য সংগ্ৰহণ ।

क्षण्यक क्षाम्भावाका मान अस्त । त्या ज्ञानस्यातः संगीति ह । तीविष व वा नाम । रिहर, १ व. जिल्हा रिल्ला होति, वालिशालाः, व वो लक्षणः

क्षिक्र कृष्टि श्रा क्षित्र क्षेत्र स्व क्षेत्र क्षेत

## ৫০ বৎসরের পরীক্ষিত করেক।।

बावबातकातीरा खाल मृद्ध कडेता एवं समञ्ज द्याभागा गाँव बाम प्रविद्याद्यम्, पाडा १ण कतिरम बाह्य तक शक्षक व्हेमा शब्दा । आसानि इतावधात कतिया बहु बहुन ।

- র ১। চক্তেপ্রভাগ বঁটাকা---ইচার নামন্ত্রিক শ্রেম কালক হোই কৃষ্ণ। ইঞ্ স্থান ও প্রভিন মেক, মূর্ক্তে, ক্ষম কাক্তি এবং শ্রীগোক্ষিণের হুডিকা বারোন, থেক এবং রজপান প্রাকৃতি শোলে কাল ফলগ্রাদ।
- ২। সুসুন্ধিসহায় বচিকা-মাধ্বজননিন পড়াংকট নিজাবিধায়ক ঔষণ। লে কোন ধৈতিহ ও ধানসিক গীড়াবশতঃ অনিজারোগে এই উবৰ বাৰণারে গাড় নিজা ইইবে:
- ভঃ মণ্ডুর বটিকা—ইবা গেবনে মীনা ও ফদছদলিক বেরা ও শনীর পাতৃত্ব

  ছইয় য়াওয়া ইত্যাদি নিদ্ধিত কইয়ার জ পরিকার ও বৃদ্ধি প্রাপ্ত হব।

कि किन व्यक्तिक व्यक्तिक व्यक्तिक विषय

গ্ৰাধিয়ান :—আতঞ্চলিপ্ৰহ উৰ্ন্দালয় ২১৪নং কলবাৰ ট্ৰাট, কলিকাজা।

### · শ্রীনবদীপধানমাহাত্রা অমাণ মঙা ভিক্ষা ১০

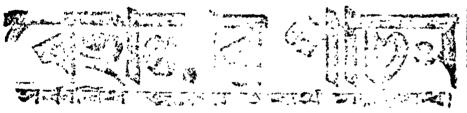
ত্রীকৈ জন্ম মতা তেত্র বিহার ও পাঁপাভূমি নয়টা ছাপ-গ্রাপ্ত এই নয় ছাঁপের আচীন বিবরণ-ক্ষেত্র ছাঁপে ক্ষিয়া প্রকৃত হাঁলা-প্রভাগ ছাঁপের শাব্ডর, ত্রিয়াম-গ্রাম্মাপরাম ক্ষিত্র চঙালো বিষয় বিশেষভাবে মানামত কল্পে নার্ডঃ প্রকৃত প্রায় ক্ষিত্র গ্রাম্মাণিয়া প্রকৃত প্রায় ১৯০ প্রায়

## প্রীনবর্ত্তীপ ভাৰতশ্রস জ্ঞা।

ক্ষিত্র ব্যক্ত কালাতে উত্তর কালতে হালাল ইন্দ্র লিলাস্থান কার্ক সুশাক্ষারীয় কি প্রকার ভাষের উচ্চাস্কর, তাতা আরু প্রাচেত ক্ষাত্র সংস্কৃতি সমস্করি ।

সাধিক কৈ প্রাণি — টাইবনবন্দনা, আঁহাটণন্তন, উল্লেখন আইন্ডের লক্ষম আইন নংগ্রেম ইচেল্যের এলগ্রিস্টে এলিছারসমূল আর্থনা, প্রোম্পর্কিন চ্যান্তিকা আর্থির মুণ্ডিত গ্রাণানী প্রশাকারে প্রেড স্টেরে মুদ্রিত ২৪ ন্থ্যেরপ ভিক্ষা কার্যিক আন্যাত্র।

## কবিরাজ শাশভ্যণ কবিক্ঠাভরণের



নদঃখণের প্র প্রধার মতা ৬ জাঃ 'পাশ্চে ঘণাড়াজ অবস্থার ছে।টবোক্লেও সমপ্রিমাণ উর্থ ছাজে পাতান হয়, হথাজে ঔমানের জোন প্রিন্তুন করা হয় নাই। মুল্য প্রতি শিশিক। জানা, প্রতিটি ৪০/০ মান্য, বোধ্বা ১০/০ মানাঃ

অফিস- ১১নং উল্টালেখা রোড, পোঃ শামবালোর, গলকাতা

## यह व यज र

व्यक्तित्व पर्य क बाह्य-कान, विशिष्ट्रणाक्तन क्षेत्र, क्षक्कारम् क्षक्रणान्त्र, वनश्काम्, वाच ररात्राः, तृत्व वक् कक्षार्थि, क्षान्त्राः, शक्ति कक्षणः सद्य निर्णेष क्षार्थिति, क्षान्त्राः शक्ति विशिष्ट्रक्षेत्रः विशिष्ट

## হাইড়োগিল

-

কোবরজি রোগ

ড়াঃ এসু, এবৃ, খোৰ বিনা অল্পে, বাৰজনীবনের গ্যাবাটি দিয়া বৈল্পাড়ক ব্যাপাশীতে কোষবৃত্ত গোগ আহ্বাগ। কবিয়া থাকেন।

> ঠিকালা---চচ নং কটন হীট, নছৰাজায়, এয়নলাভ, চ

## । ण्नाइड

পিন্তপূচনত অবর্থ মহৌষ্ট। ১ সার্জায় উপশ্ব, স্থাতে আছোলা। **ভেটি** ৪০ বার আমা, দক্ষ ১৮ আনা। সাঞ্চল পুণস্থা

## २। अकाजार्ग मधीवनी स्थायोह

कारमञ्ज्ञ का का का का का का मार्थित महाराज्य । मृत्या ५ किया ५:० व्यक्ति । व्यक्ति व्यक्ति । व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ।

- ৩। সন্ন্যাসী-প্রদত্ত অর্শরোসের অব্যর্থ আছে। भारतभा ना करता क्ष्मा (क्ष्ट्र) मृगा अक्ष्मा। माक्स मृश्यून
- ৪। কেশ্ভ-বাস্তাব শীল । অলাৰ, প্ৰেটকালা, পেটবেৰনাৰ ম্বোমন। ডিনা ১০ আনা। মালগা পুনক্ষ

া বাতল'ন

বাদংহাবোর মাজালকারী ও স্থাতে আরোগা। আতি শৈলি ১০ আন্ধর মাজল পুণব্র

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তকারক। সহত কাটালগের আল পরে লিখুন।

ब्यां ब्यान-भरनारभाइन (ल र दब्र हेर्जी

(भा: उद्याती, कमलाशृत, हाक:,

## মলোগোহন প্রেস

পূৰ্বা বাজালায় সুহতে সকলপ্ৰকায় জাপার জন্ম বিধ্যাত লৈগোতিক ফোলিকে দিকারাতা ক্লাজা ভলিভেড্রে বিশ্বত জানিতে হই লানিয় বিধানায় পঞ্জ বিধ্যুন্

भारतकार-भरतारभारम ८ अत्र, २०४२ सराज्यकः छाका।

## মর মানুব বাঁচাইবার উপায়

> লোল এতেওঁ— ডাঃ ডি. ডি, হাজরা। ফতেপুণ, গাংজনীয়চ গোট, ফালফান্তা বিশ্যা পাই ভারধা বিশিষ্টের



টেলি———— নবৰাপ

विकालित वात द्यक्तियाँद द्यक्ति केल द्यक्ति केल क्रिक्ति केल क्रिक्ति केल क्रिक्ति केल क्रिक्ति केल क्रिक्ति केल



मारु (स्याह कार्ते व्याद्यास्य । दार्गिक क्र सामार्गिक क्र स्वाधिक क्र

ভাষতের সক্ষত বছল-প্রচার-মদীয়া জেলার একমাত্র গুলপত

७४ १७ ] मणामक—श्रीश्राजीसनाथ वरन्माशायाय, त्यास्वारणां [७०म मरशा

এটিচন্মনট লীখাম মাধাপুর-২০শে চৈত্র বুসবার ১০০৭, ৮ই এপ্রিল. ১৯৭১

## নানা কথা

सद्बीश जश्ताम जीवटक होर

क्रमण, शक ३५६ रेड्य इन्ट्रेफ स्वयोग भागगांदी दशकारम खीतृका द्याशिमी द्यरी, दश्मकृत्यानी दश्यी, दोगणांगिणांशी भ लाउने ने नामी श्रमुता एस मिन्माशन मास्तिन्न लिट करिएएक । मन्योशन क्रम्मानांभरनम् स्वकाक् कार्य कर्ट्यालम् क्रम्मानांभरनम् स्वकाक् कार्यक खन्द्रमानाः कर्ट्यालम् ज्यास्ति कार्याक स्वमानीम-कर्ट्य क्रियांद्रकाः।

### ক্ষালীগঞ্জ সংখাদ শোক সভা

পত্ত ১লা অবিলে সন্ধাৰ পত্ত প্ৰীয়ক উমাণাৰ সাজালেন সভাপতিছে কানী-লক্ষেত্ৰ বাৰোগানীতলা হলে ভগৎনিং, বাজ্ঞক জ্লাবংৰেন কানী দেওনাৰ অভ লোভ-সভা ক্ষাভিনা।

मक्षारमध के क कार्यात निमा कतिया क्षकी क्षणांव क्ष्यर भीरनम खरा 'छ श्राम-क्षक विचारमञ्ज क्षांववक मक्ष कतियात कांवी क्षांभावमा कात क्ष्यों श्रामा ग्रामा मक्ष्यकिक्षात्व गुनीक क्ष्यारक।

श्विम स्वीवाह विशाव गरून त्यां केल्लून बन्द्रास वि. च. छ टीव्यूक विश्व वाद्या १७ छक्षविमी कावाब वर्क्का कर्द्या श्वाह काव महत्वावक शाक क्षिक हिर्देशन विशो व्यानाम ।

ভাক্ষাভি পুৰুতি কানীগৰ আনচীয়া এটাৰ এক বনটো বুনগৰ্মানের বাড়ীতে ভাকাতি

## নবদীপ সংবাদ

আর্থিক হুরবন্ধায় গ্রামবাসীর অভিযোগ

## কালীগঞ্জ সংবাদ

উপাসনা সভায় গুলী বর্ষণ ছইজনের শোচনীয় মৃত্যু

কুষ্ঠিয়া সংবাদ

# ভ্রাধান মায়াপুরে

"ठाकूत चिक्किविद्यान देनिकिष्ठिष्ठे नादम

## ডচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## খোলা হইন্নছে।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছা ইদি ।কে অতি মস্ত্রের পহিত শিক্ষা প্রদান করিছে ছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্ম বিনা বাহে স্থান্দর হা গোনের বন্দোবন্ত হইরাছে। প্রত্যেক ছাড়ের শিক্ষা ও ভাগানের

নিমিন্ত মাত্র হয় টাকা মাসিক বাং ইইলে।

হান অতীৰ হাছ্যকর। ছাত্রগণ অভিতাৰকের প্রসং

সহর নিম্নলিখিত ঠিকানায় আবেদন করুন।

সেক্রেটারী, ভাকুর ভাজিনিকোদে ইন্টিভিউট্
শ্রীচেত্রমঠ, গোঃ শ্রীমায়াগুর, নদীয়া।

ংটাং গিগাছে। প্রকাশ, এই থানার অনীনে প্রায় প্রক্তি সাসেই ডাকাজি ংটাংছে। কিন্তু বড়ুই ডাবের বিষয় এ শুমু স্কু কোন ডাকাংট ধ্যা গুড়ে নাই এ

### खनक है

लाकांच, कालीशय के छिनिकान निर्मा गानीन इवारकत व्यक्त का का विद्या राजात व्यक्त विक्त व्यक्त व्यक्त

### কুটিলা সংবাদ মোকদ্দমা প্রভ্যাহার

বুটিয়া কংগোদের কতিশর কেছিনি শেষকের বিরুদ্ধে ফৌছদারী দুর্জবিধির কার্ডনের ১০৭ এবং ৩২০ ধারার ছে নোকদ্ধা হুর্থায় ধরিরা চুলিভেছিল গুড় ০০শে মান্ত বাক্ষালা সরকার ভারা ২০০০বে করিয়াছেন।

### অ,ৰ্থিক ছুৱবস্থায় গ্ৰা**মৰাসীর** অভিযোগ

প্রায় ছচল ও আম্বানী মিলিয়া
মনকুমা কানিমের আগাণান গিচা রজে
বে, ভাগানের কানেস প্রবস্থার অভিন কার ভাবণান্ধ কানতে হতবে। মহকুমা চাক্ষি ভাগানিগকে আধান দেন ১%, বানান্তঃ নীয়ে ভিনি ভাগানের বিষয়

### गुशा वृद्धि

, बांना ह. शह मृशा क्ट्रेंट दृष्टि ला उन्नान शासायण उलाक शिलेय कांच्यविद्या दिनीनी वाराज्यकः

### उंगारामा महार खभी वदाव इरेजरनत त्लाहरीय युज्

धर व्या अधिम मस्तात कालातीत कास्त्रमानी वृष्टारणाहे लामान जिमामनामाव -প্রকাক স্থাপ্য ক্রিক্ছিল। স্কলে व्यथम द्विलागताम निहत्त किया कथन कक ষাজি অকলাং বিভাগদার বাভির করিয়া खनी हुक्। म भारत कराया हैशाक मक लाई िया वह, महाश्रम नियम हांक्ष्मा दस्या दमग्र

खनी नंतरवर करण एवंदान लाक निक्क खन्द थी। इस कारण दरा।

(य न) चिन करी करिक्ष दिल दश भना । शक्तिकारका जाशात नाम क्यांका का का उन একজন ইফি-িয়ার, ভাগার সম্প ৫৩ 44441

### रमाक अञानी

আইবার আঞ্জাণনের সময় কুরিচার वह अञ्चलादकत वस्तुक व्यक्तकरणा छ । १-राज महकाद काल > याद्याला वाल विकास । के किट्टिस अवस्थित करें के क्यू के कार भीव कहा **बरेग्नांट्य। किन्न** क्षायकसम ऋस्राम चर्म छ । काठारण द चल्लू क 'कृतिया वाला मार्वे विश्वता लाकामा।

धक्री गांधांत छुट्रेंग रहन कातीमक नालाभ्यत्व आस कश्री পাতীব ছুইটা সম্ভান চইগ্রভে। বংস **करिम आब धक मात्र यात्र व विद्या** चारह ।

### शर्ड चात्र छेहेरनत जाकना

मक्ष निश्चीत्क व्यक्तिकान शिक्का निर्द्धात्मतः चन हेड्डिंड क्षेत्रंच भवावात्रक (बांश्रार-খার্কাঃ মান্দ:ভ এক আবেদন প্রচিত্ত **का**लम किसि यानन त्य.कारमदिकात युक्त-सार्द्धेक चारतमन व्यक्तातिष्ठ क्रेड्सिक्श । चात्रक ७०० नाष्ट्रक वर्ष नाहरण **अव्यक्ति** शिक्की निर्मारनंत काम स्मृत क्रेटक भारता

**गर्ड-चांबडेरे**न वृष्टिन मात्रारक्षात्र विभिन्न कामनी किन्द्रभागत मामा कानाकम, उक्सा ! **देखिशाम माहीमात मिशिल पाकिता** 

Minn Wanten! Bolte Biefe ne-ঝাৰ্ম, একংত্তিক জাতাত এবং অপক্ষপাত ভারেৰিচালের প্রিচল পাওল পিলাছে। সাতিনী প্রস্তাৰ উপস্থাপিত ধইবে। একটা ভিলি লে ভালজনানীর উপর এইটা প্রভাবে ভারতে গ্রন্থেটের বস্তমান नाष्ट्रांच निष्टाद्व ममर्ग व्हेशद्यन, छाहात चामक कावन वह दर, क्षिक्षा मकत स्टल्य ल्लाक्ट मान करत, शर्छ चा अविदेशन विशिष्ठ क्रांक्य क्रांक्य शाह शाह शाह शाह शाह वर्षविकात कहरे व्यक्त धवर बाहाया ।

### ইন্দারার প্রর্বছা

म्मित कतिया क्या त्यां कर्कत्या है कि विश्वाद्या शास के अपने गांद रेभारा; क्षांशायत खन महि। लेकन औरण आयवागिशासक करहेत शीमः सारे। कर्जनाका धनितक निरम्य मृष्टि प्ता शार्थका

### ভেতাল বন্ধ ও মশকের উপদ্রেব

व्यागरा समिशा शक्षरे इडेलाम त्य. कांगीशक टब्ला गांदकरणत अहे स टब्बाल टेन्स किरताहित श्रेशांक । जेक लान्ह हान भनक निवादर्गत सम्भ तछ । करदासिम देवन थाना (इतिश (१८१६मा) विश्व : कश्रीं कामसम्भाग क नरमह कश्रीत भन्द कत देशमा । देवन निष्ट्रवतान

### পুরীতে আগামী কংগ্রেসের Wincaria

काणाधी कराशदमन अधिदन्तन अभित्कः: करेटन निवास सन्। यारेट्स छ। न्यूरेट्स कार्यास्त्रव नगत निषाद्यात् । श्वानासाव क्टरव कि**न्न** पुरस्थापत्त कहरण आन्तरकार #E # #1 1

### ভারতীয় শণিক সমিভির चामिदनमञ

আগামী ৭ট হালেল ভারতীত ব্লিক मक्ति क्षिक्षाद्वर्यान्त ६५ नाविक मुख्य चित्रितम्ब कहेटतः। भशाषा शासी छहे गर्भात छेटबामन कतिहत्वता । त्र अति-বেশনে ভগুই ভারতীর বভিত্তদনাঞ্জের প্রায়েকে । তি সম্প্রায় সূত্রত শ্রাক্ত আর্থান লা, শাসন্ত্রগত বে স্ব ব্যাপারের সাক্ত কণিক সম্যক্ষের ভূম্ব-रेमिक किश्वा द्राक्रमोहिक मुल्लकं बारह. ा, विश्वदेशक आदणांत्रता क्रांच्या हेरणदेशक € लाइटकत व.वमा-वारिद्यात मुल्लाक भवर्त्यान वाष्ट्रीती अवस्त भवाक्ष व्यात्वाहमा बहरद ।

বোষাব্যের ভারতীয় বণিক সভার অধিকজ্ঞে আগান পর্যাক্তর বলেন, সেক্টোরা মিং কে, কে, মেটা ভারতীর यानमः वालिखाद छेत्रकि विधातित अञ्च विक्रिस स्मरण स्मछारवणस्वत्र काकिनिधि ि।युक्त कांत्रवाध ८ की व्यक्तान कांद्रया-অর্জ আর্ম্বট্রন এবার প্রকারত করিব। চেন, সভার দেই কাল্পাব সম্বেক্ত भारताहता रहेल । दश्छाद्रमध्यत्र विचित्र শাখার প্রতিনিধিগণ কর্ত্ত আরও व होनी दिव काडिवान करिया बना करेरव ्य, खे भी क्षेत्र एटन द्वारण स श्रुवताः वानात्क छै। नाम वाहेति व्यक्त >

শেরপর প্রামের ইন্দার।টিব খনন কার্যা পাতে, ওজ্জার গ্রন্থমণ্ট অঞ্চার গ্রন্থ विकारमञ्जूष वाम द्वांग कक्षर ।

अकाम करा इहेर्य ।

क्रिकां ह लावाज्ञ मूना चमक्रवज्ञाल डांग शांक्षात्क वानमा वानित्याप्र वाकांव त्य भन्ता शक्तितारक, करमवास ध्वतः काव नीय वा वम:-यानिस्मात चारतेव । व्यक्ति शवध अटल्डेन উमारीनकां विन्ता कृतिया ক্রন্তঃব গুঃীভ হইবে।

(यक्ष्युर्गन फाइलीस विभिन्न सक्रोत लिनिनि वहें मध्य क्रकी छात्राव छेन-ভিত করিবেল যে, ত্রজালেশের শাস্মত্ত্র-গ্ৰহ সমজাত বিচাহের ক্ষার প্রজ্ঞানবাদীর चेंगरहे (मंडर' बडेक | क्षाफारिक कांत्र ही) धकारहे उस सन मृत्य कृतिमात छिन्न लामाना वे मुक्तवाद्धे त्याभवान करिएक

### ab जन दूसक (वार्थात

देपसूची भावस्त । अ अन्य क्रम अन पुरुषमान कृषक पुष्प'शाक्षण कुरुवधुत नागक अवहें नुक्स Bea cute कविश्व कानांगकांच अधिवासम्बद्धाः । १८१ দাং ভুদাং বে অভিযুক্ত কটরাছে ৷ প্রাকশি .स. करवस सरमञ्जूष्टका चारलको। कांद्रशा न*े एक विश्वच बहेश विद्याधित । जन्मा*कि भूगमात्र अत्रादन कक्षी ठव भावता चिट्ठ । প্ৰকে ঐ ফ'নে গাভাগেৰ অনি জিল, कार्याः मन्द्रभातः जे हत्त्र कार्यम विका शाफ़ीयत करिया बगताम करिएक भारकः सुबन ठव वक्षीय छत व्यक्ति मःहेन'कुः (देव गञ्जकारकः २,व्यक्ति विवास श्या एवं। शार्वामान कतिया व्हे 5त मन: नव चात शहिता **एना**च जूनिम द्यावन करवन क्या क्रम सन द्याकरक हार्थिक व्यवनात मह (श्राद्रांत क्या व्य B कार्गामिशः विठासार्च can चता

### त्भान दिविन देवेदकत व्यिकिमिरमञ्ज निमादक काञ्र

वन्त निरक्षण भग्नारक राजदा गृहिस्टल कि, बिरण्डेत मूल्कृती बाक्षाव छिनशाणिक হটবার পর চরতে প্রসা বিচ্ছের সংক্রাপ্ত विषदा कानीय वाक्टेनिकिक महरण आवाम माधान महिना यात्र ।

कार्गा गम कर्द्धारम अक्टरम मन्निदर्स ्योर भोरकीय व्यक्ताय सुरीक वर्तप्राप्त ठाकता जावक वांकिश निशंदर , बच

भिव्हिक श्रिका को हाथ। शक्षत्र कहेटल इंडेटल द्यार्ट्डिनिय देक्ट्रेटक द्य हातिकम व्यक्तिमि (याशमान करियाकिएमा, ৰীছাতা যিঃ চ্যাদকে মাকিভোনাক, বিঃ भगत बक्ती क्षापात त्रीत्मात मृगा । स्टात्रकारेस्ट्र मा कर्त द्वास्तिः, मार्स मीन स এট অগন্তৰ নকম তাদ পাধবাতে আতক সাৰ আই আৰু ফুটের নিকট নিয়লিবিত मर्ट्य कांब दशक्ष कविवादश्य.---

> "कार उत्र कर्छ एव भागमण्ड निर्दा-রিভ চটবে, বিভিন্ন ত্রেলের লাসন্দল্প कांका कडेटल निक्रहे बरेट्य मा, कडे अर्च कानिमाय (पायगांत आशायमा बाह्रेम्नक ियरवत माखिशूर्व मीमाश्मात्र कक्क छर भग्ने हैं। काव**स्क**्रे

> এক বাৰম্বাপক স্ভার নিপ্লস্ প্রি लाइक मिट्रिय निक्ते व्याप्त अञ्चल खाव दशायण का विवादकता ।

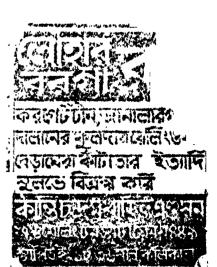
### জীনুক্ত সেনগুরের বন্ধুতা

िझ. याटेरात शत्य की मुक्क :w. unu. रहेमारफ, फोर्टाटक निरमत चार्यत क्रक्षहें : दमनेख्य कांवरमत वकाक **व्यक्तता**र गर्दकादा व्यवस्थ कर्त्रम । द्वेल्ह्स के कारक माना। बाहा फाकार्यना कहा बहा है স্থাপ শীৰ্ত সেমধাৰ একটি বস্তুত গাৰ कटरन देशिहातम मगन्त्र महिक किसा कर-্রেশতে নাভাষ্ করিবার জন্ত ভিনি धांतरभव व्यक्तवान करत्य । त्वक्रम कवित्य utena देखालिक शृष्टिमानम क्वेट्स ध्वतर व्याति व वार्तिक क्षेत्रीर किर्देशास्त्र राष्ट्रा शहित्य ।

> कारण्य माला मध्यक देशव कविशा रिनिकाकतिशरक माध्यशक्तिक मरमाकार काश करिएक बर्मन ।

भागाविक मध्यक जिलि सामायक मरणम :--- "शांवरमध मुक्छि खडे अवश्वात मध्यतिन वर्षः त्यम्बद्धं व्यवसायन बहेटव ७ वसके रेन्त्रा (ma मृश्यिक मृत्याक विश्विष कृतिदश्हे हिमद्य ।

संशक्ति व्हेट हैं। श्राहित्य वृद्धि क्षेत्रा क्षेत्रका दननी दममकाश्रेष मुख्य क्षित्रक रममध्य प्रतिवात विकारण कृषिक . कांशव (श्रीविश्यम ।



### সাময়িক প্রসঙ্গ

উবিকুপাদ প্রমহংস পরিব্রাজকাচার্যা-ৰ্ণ্য সংগ্ৰহণত্ী-শ্ৰীমন্তকি-গিছাৰ শ্রম্মন্তী গোমামী প্রাভূপাদ কভিপয় দিবস यात्र क्षिताम मायान्यतः व्यवदान कतिएत-(छून। १० भारत म व्यवशं इट्डा वस् শুলাবু ব্যক্তি তাহার নিকট আগমন कब्रिट्ड एक्स व्टबर शाहम। विक विषया ভাঁহাদের বাণতীর সংশ্বের শ্রনীমাংসা कत्रिया महेटल्ट्या ।

গভ বৃহস্পভিধান ১৯৫শ তৈন্ত (১৯১৭) ইনুড, সর্কিৎ নৈত্র ( সম্প্রতি স্বরূপনঞ্জে व्यवद्यानकाती) महानव ट्रीटेड छमर्टर অবস্থিত শ্রীণ প্রানুপাদের পাদপদ্মে প্রাণত इहेब्रा विविध शतिकास करतन उत्तर छानू-भारतत्र क्षेत्रच इहेटल गरबंद इतिकथा अवन कतिया ज्याननारक कुलार्थ छान करान।

তৎপরনিয়দ (ঠাকুর ভক্তিবিনাদ देनहिडिडेटडेब डेर्ग हैन निवश लाइड हाका. খুলনা, বরিশাল,কলিকাভা, বর্মান,রাগা-षाउँ, भिन्नी टाइ क विकित टारम्स स्टट्ड জীনাম-মধ্যাপুরে নমা গতাবহু ডঞ্চু ও ভ জ-नारमञ्ज ममरक द्वीरीक्टबनरके ने ल खान्याम केछ केट्राबी कुल केल्या है। मय व्यवस्थ क .. क हित्रिक्या कीर्यन कल्पना आहामी, देव পণ্ডিত প্রীপাদ ব্রুবিধারী বিছাতুর পণ্ডিত জীপাদ অনপ্রধার্থের প্রবি.: कृष्ण, दीलाम अपन समा विद्यारियान टीलान कामर्र कामी अभावकी, अलान का পদ বিষ্ণারত্ব ওম, ত, বি, তেল ; 🕮 ু मखील हुल नरम्हानामाग्र ७७७ कृत. খুলনা, তীগুত বাৰু মনীজনীৰ প্ৰচ ঠাকু ভে द्धि गाण, जीपक ैटन लगान मिनक जाना-ষাট প্রাভূতি বহু প্রোডো ই লা আরুপারের শ্রীমুণবিগলিড ছবিকথানুভ-পানে পরম ब्रीकिनाज करतन। खीत्र दृष्टका विद् খলেন যে, "জানি এরপ অভিনৰ ভাবের इतिकथा चात्र कान निम चनग कति माहे।" डिमि इतिक्ला शहरान एकते। क्टेंद्रके ध्याकां कार्या देशियम मगढ क्षिम व्याप्तका कतिया शत्रिविम आहरू चेश्वाटम श्रमन करत्रम ।

केशियमः ( क्षत्रवात २०१मः देख्या ) स्वर्धकारः वरतनः। वरत् ं - **विकार ते क्लिकाल १६८७ क्रिशाम राज्य-** | माल्याक के लिया व्यान्तादह । काल्यादित हे सक्तार के व्यान को तार समान আলিব লাষ্ট অনিবারী বি, এ মতোর্য প্রেণ্ডর দুর্নার্থ প্রেল্ড আগ্রাণ আগ্রাণ করেন **बादि । ज्याराह का वास करता एवर मान-** जिन्द । इतिकथा अन्यात करणां । अ । गर्क **"वैगेश्ठि गोगक शा**रत প্রচারপূর্ণক ভাষ্যা- । দৌভাশ্যালাত ক্ষিয়া ঘর ভাষ করেন। नक जिम्बिकांनी क्रिया एक्टिकारीय है। व া মহারাজ ও প্রাপাদ অন্যাত্তত তভিত্রারস

### किली उक्टमी सादने जरां क

## দোনক নদীয়া-প্রকাশ

নিভাপায় বৈক্পবার্তাবহ

বেদানি সমস্ত সাত্বত-লাল্লের অক্লত্রিম ব্যাখ্যাত। সমধ ভারতে একমাত্র দ্বলভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

শ্রাপাদ মারাপুর-১৫শে চৈত্র, বুলবার-১৩৩৭

ভক্তিবিনোৰ ইন্ষ্টিটিউটের অবিশ্বেশনে উন্নেগ পুদাক জনাদিলায়ন্তিতা, কর্ম্মন वर्षाञ्चरय त्यांश्रमान करत्रन।

ঠাদিশ্য সৃদ্ধার পর কলিকাভার কভিপর মহাস্ত ম ছোলারী- বাবু বাম-প্রভাপ, বাৰু বালবিখেন, বাৰু লিখুলাম त्य यो इतिश्रष्टत मान गणनिवास वा १-भारमञ्ज भारताराष्ट्र मध्यर भाष्ट्र इंड्रा <u>क्षपूर्त्रात्मत डिप्ट्रिय किने भाग व्य</u>टनक हतिकार अवन करतम। वेस्टर्स আকাজনে গ্রিয়া কলিকাত। ১ইবর करतम अन्यः जिटिनास्क-भटाव রাপে ভবিন্তৃস্প্ ভোরতে মগরিবারে ঘব श्राम करतनः

গুল শনিবার ২.১শ চৈত্র প্রাভ্রেকালে প্রীক্রিপ্রস্থানে এর সর্বাণ ভিত্তি विषय ভবনে - बिट्टैड उन मर्द्धन कर यान के किथिकारिक इंकेट्ड अमेरिक हैं, लेन क्षम क्षांनमा निष्यां विद्यापा आहे । दाल्या १० ६ গ্রের স্মঞে হ'রকথ, ক.ডেন করেন।

গ্রন্থ স্থানি মন্ত্র বিভাগ আন্সংক্র क्षिकांचा व्हेट्ड वि. सम. द्रागाहर भारत्मधीकत हैमराक्षीत कर्ति। भारती भ'क्टांग नक्तिताताम हकता । पूर्व কটতে বায় উপেন্ধার হবে পার্ড ও ক্লমনগর মূলোলী আবলেত হটাত বা य, मिनीकाञ्च चरला। भागायः । भारतानाव है। ब द्वार भारत की तटम कर अंक भर तन अन्य वृद्धेश क्रिकेट अन्य स्थान व दान ध्यक्त त्वा इशादमच चिक्कं वीद्यो लीवप्रवान

থে বিষয়ে ও শুরাল জি সংখ্যে আনক

শৌৰামী আছু 'ক্ৰিকাড। হইতে ঠাকুর - প্রিকাডামীর তাতি শিকার বিষয়গুলি | বিষয়গুলি বাষ্ট্রপত ক্রিনত বিপ্রান্ত। লেবা হটতে চিম্নতরে ৰঞ্জিত ধারিব।

स्थाभि प्राम्हा विश्वन्यस्ति क्या **4** (30) county finish "অৱাহিলানিতাশভান আনক্ষাত্ৰাবৃত্ সা**ন্তা**ন রবলভূনীখনং ভিভিন্নরমা।।", प्रेश ग्रेष्ठ इस्ति एक कथाना भागा विद्रा । নিশিলাপুপাসভাক ি ভ্রেড ল উল্ভেছ i Gran 可付有有可可提供 医二十 रिस्थन: क्रम्ब्यम्बर्ग स्वत् देनत्राता पा.च 🗥 . <u>रहारेलिककार ३. वाच्या</u>

777 5: कल १७ ५%. िका किस्तु : **३** भारत । १५२० z. F , . f .

বিয়েমন্ত্রম **有敬作"。"** # 1378 X **성**4 4520

> ा (धन) ए अन्य के तिथा ए एक भटनाम्बर्ग पर :- 'त र वटनंदनंत । ८७८ १ । श्रीतम ্ৰাস আছে অবিহাৰ স্বৰ্ধন কাৰ্যের জাল্প কৰিন महास्य वर्षायाच्याच्या अभव सर्वना ।

## সত্য—অ শিক ও পারম্বিক

আমান শৃথা ক'র াজনোলের कुन रामन। किस पुनिवास हाकि मा - अभाउतत । है कला । जन-प्रमुख देनस्वतिकत्त-ाहा । देशसालक প্রশূমন্য--शोधा-मगुक्यल জ্ঞিল প্রান্থলাদ নিম্বাহালো কর্তৃক সমাল-শ্রীর আর ক্রান্তিভ। সেই ক্রণ্ডর, ছবে সামরা আহতে হয়টেহ

व्यागता चीक्क्रोरेया धतिहाकि व्यवःगात-শুক প্রাণহীন বাছামুঠানগুলিকে। ব্যস্তব গৌরবের বিচার করি ব্যানোলাভর मना पिया। कार्या चार्याखारिका व्यक्त व्यन्दरात करिनाम प्रान क्रेग श्री पर्योदः।

वर्जमान नमान - अज्ञान : ज अर्था है :-গণ পারমাথিক সভাগাধক ভক্তাগ্রহরণ বাহায়টান সমূহের অমুকরণে প্রায়দ পায় [ ভারাদের অভিগ্রায় ধর্মাভিনয়ের অন্তরালে স্বাৰ্থকগুৰ চোগ-জীৰদের স্থাতাৰ্বতা गानमा जाशास्त्र आहे खाउँ मर्नस्म হতভাগ্য, ব্রিণ্ড আন্তরং গ্রুকীত জন্মে धन्यान कति विधनातन देवसन्नगरक व्यात देशकत्वादक। व्यातद्वेत व्यवधानमा করি ব্যভিচারীর অভিনয় দশনে।

গোক্ত দক্ষোর-ছড়িত আনাদের वसमान विद्यापिक, स्वान-बालिकार्ग, बालेश দশন বিভানের বিভার-বিশ্লেষণ আমানের প্রেম সম্ভবপর। কিন্তু গ্রোরভ ভিচারে প্রমার্থ লাভ হয় না। টাইট্রিকের স্ত্রী সমূব হইয়াছিল প্রাচ্ত বিহা-াভাবে : সম্ভাবে আমরা আবার गृहक है। है है। निक्षत क्षत्रन क्षित्र शाहित কিন্তু সাম্প্রীবনের নিভাকল বৈণর সন্ধান যাত কলিতে পাৰি নাত্ত বৰ্তমান সংগ্ৰেছ ন'বনসময়ং জড়ীগ **হইতে জটিকতন্ত্র** হইলা ভিট্যালয় কেন্ত্ৰ এ প্ৰাপ্ত কৰাই আলং -দেশ মনে উদিত হয়। সভাতা সম্প্র ্লিকালট ব্যবহালিক জিজাপাওলিক সমান্ত্ৰর প্রাথার পান বাবহারিক ইংতিন री किया नामकाख्या प्रथा जिल्ला । कार्यती किहें। অংশিক সমস্ত নী মাহোপা প্রকাশ্রে উপনে विभाग गुरी जा इसा कि कि कि कि औ ্লেশ্যেষ্ট্রণ প্রেক্ষ্মের ভ্রেমিনীরি **অ**ন্তর প্রকর ভেষণাত্মক ভারণামীনি-ভারণাড়ুল श्रांत कथा है है जा िछ इस साहै, १का छ शहा मा । अ तम शिक महण्या पासुशका বার্তি বিশ্ববিদ্যালয় কোন বলেগ্রিক ! ভি.মে নাৰ ওড়কাৰ পা'ওবা মাটুটো পালৈ কা দ্রিট অনুষ্ঠেত হবিল-সম্ভার মুম্বালের পরিবার সামিত্রের মারোই ব্যক্তিয়া

ত কৰিত চল্লাত্ৰাতে ক'বা বিল-সম্ভাবি প্রাণ এইটো না-ettine rigolari balitye n e-भागत का सं संस्थात । का रंग किला के से

3.1 আম্বা নগিং অ'মানের স

खाः,ष वनि 🗈 317 সাজত ন্যাল-প্রতিষ্ঠান আজি বিলুপ্তাব । । নামপ্রের হয়, তেরপ্রয়ালালের বহারবের भरेनन पार्श्वनाम-व्यक्तिक की व स्थान्त्रमा (सभाग्यमा सम्युवाहे योग वर्षीकी से

মহা কল্যাপক্ষতক্র অমর অবলান আমান প্রশান স্থান্তব্যতিকে প্রীল প্রত্পাদের করিয়া, উল্পন্নপ্রেল সর্ক্ষা প্রণত তথালি কেমন লাবণাসভিত লিখ লোডিঃ भित्र व्यक्तरहे यजित्व ना ।

निकुष्टिमात यहना हो। भारत ।

मा। वर्श्वमान देशियनक आस्मित বিচার প্রেণাগীকে প্রেমাবিক্রণ অস্থপা-रनय व्यासीक एकंभड़ा वानगा हत्रम ৰত হিল্লাৰ বলপাতে এই তক্পছ। ! অনিপুৰ। আমরা কিছু এই তাইপ্রতিই প্ৰিক। তাই নিয়াট্ট নিয়াণ হটটেছি আরুতির দীনাতীত গেই পারমাথিক ভবের | প্রচাবিণী সভা তাতাকে অন্দেষ দওবাদ | म्याः । दम ।

### <u>এরিনগ্রীপথাযঞ্জারিণী সভার</u> অধিনেশন-বিবরণী (:

छा: अत्र (प्रवश्रमात्र मर्खामिकात्री

चार:शत किलाम कार्य हन्द्र वरमा।-পাধার ভঞ্জিশ রল জেমে মী আছু আঁ নম-প্রচারিট্র সভার পক ২২তে বলেন,-ভাঃ ভার দেব প্রধান সাধ্যানি গারী মহাশয় রাহসভার **कै** विश्वदेवस्थव প্রাচারে র স্থায়তাক্ষে এবং অভিনাত শিকিত अस्थानाटग्रंज गटना याक्षाटाठ हिल्ला एकस्टरंज প্রচারবাণী উপ্নীত হয়, তফারু অকণ্ট ভাবে স্থায়তা করিয়াছেন ও ক্রিছে-CBR । के विकासाम द्यादीन एकिसिकाय সরস্থতী লোক্ষামী মহারাছের কেকেডের ছরিত্রের প্রতি ৬াঃ জর সংযাদিকারী মহা-भरात भगान अहात जिन्मान वास्त्रा देश कतिहाछ। विनि बीरभाषीकार्टक विशिध छैशानः पिएड বোপদান করিয়া মতোর আতি তাঁহার অহুরাণ প্রদর্শন করিয়াছেন। জ্রীনাম-অচারিণী সভা একতা ভাষাকে ২ছবাৰ আপন করিতেছেন।

### क्रांच्य भारद्य विक्यांतर्धी

विकेटनोब ध्वारी शक्त अध्व विक्रमितिको एक धार्मान विकास महाध्य-ইটেডভা-মঠের শুদ্ধান্তি-নিদান্ত है,शहर, 🕮 ज वांगी क्षष्ठात (व व्यवस्थि क्रिम टनर्नम कत्रिमार्यम, मुनार्यम कीन ।

প্লাভিচ্ছে আনমন করিলা আম্মত্রপ্রের চটনা তদান্তাবাদী ভ্তাক্তবে ওাছার পরেমার্থিক ধর্মাই--- নিত্য-সভাবস্ত । বিজ্ঞান দীক্ষিত হইবার প্রেমাগ দিয়াছেন, প্রীতি সম্পাদনের জন্ম সমাহিত চিত্তে অনিতা মার্থিক ধর্ম বা ব্যাংগানিক তত্ত্ব, ধরিবারে গলার তীরে শ্রীটাডভগ্রনের সমুক্ষ হয় সেই প্রমাণের আনুগভো। লাখামঠ আতিষ্ঠার ভাগ্ন মূল্যবান ভূমি-পারমার্থিক মুত্তাবিদ্রণ আর্থিক অর্নার — সংগ্রহে ওালত করিয়াতেন, বিজনৌরের করিয়া কখন ওর্বটক, কখন নামাটক, পার্যার্থিক সত্যের আশ্রেট গুজভক্তি- বিভের দিওীয় অনিশেষন বা গুলদেব- করিছে দেবগৃহ মাক্ষন, তৈর্য প্রাধি ষক্ষ বা বৈষ্ণবতা। ইহাই আন্তার এক । পরীকিৎ-সংবাদ প্রকালিত ইইয়াছিল, সংখ্যা, পান্ধবিকো-গিরিধারীর সেতা-মাত্র ছতি। আমাদের অক্জভানোছত বিইছানের স্থানাদি গুদশন করিয়া ইলে। বৌৰ্য্যার্থ পূপা অহেরণাদি-কানে। এর ব বিচার-প্রেণালীর সারা এই কাথোক্ত প্রেপ্তার পরম জানল-বন্ধন করিচাছেন লিকেন। শ্ব্যাক্স সভাল্যের ছারোপ্যাতিত হয় বিবং ও বিজ্ঞান ইল ভভিতিনেল 2 জিলেরর জীটেজ কলিক চ্ডের সরক হিলি । তিক্**ক রচনা করিয়া এরতে নত ও দু**চ অছুবার সপার করিয়া হিন্দি-শ্র সাজেক্য- বিশ্ব বল্লচারা একাওভাবে জনর চেন্ট भगरे**ड यु**धां ६ १ च्यांनद्रेन करिद्राट्टन, सिहे পরম ক্ষিয়, নীপ্র তারক, ভাস বৈষ্ণবে ্ ক্রানে ধ্রে হল । র আনুষ্ঠন তারে জন । की ए-मण्डा B s बंद शब्द मध्य मध्य विकास शिरधीत छ। तर भद्रः इध्या आत्रान-८ १९म कतिहार ८७म ।

### শ্রীয়ত ঘাহিকাপ্রসা-থী

विकटनेटलक अभिन ते जिल्हा शांतिका প্রসাদ বার হ'ে ।র শহারটে প্রভাগের উৎস্ত শ্রেটিণ্ড মনের শ্রে ম্বের জন্ত জ্রের পাঁচ মুহল উক্তে মুখেনে নৰপণ্ড ভূ'ম

# 731 - पंड क बारवास ্রৌ, চ আক্ষণ ক'রয়াচেন। चार्तिका धानाम बार्च स्थ्यस्थियाच्य स्था-আদ্ৰ জাতি বিশেষ ভাজিপুলা এবং ভগ্ৰা-শেবার ক্রচিফল্টর। উত্তর্যপ্রচারিশ্রমত हैंशामिश्यक व्यालय रङ्गाम कालन कालाङ

## उक्त नहीं

( জীবাধমচন্দ্র ভব্তিশাসী )

ष्टि व्यद्धारम मगाणाम कतिहा. স্তব্যিত সামপানে স্কল দিক মুখ্রিত করিন। বেবগুতে মধুর ঘণ্টাধ্যমি সহকারে गकराक मचन भावाधिक कार्या स्थान-দান ক্রিবরি ছাত সামার মত কল্য শ্ব্যাল্যের নিজার ব্যক্তিকে ভাগরিত করিয়া আহ্বান করিভেছেন কে ? ঐ त्वश्, द्वारे त्वीमामृष्टि कामग्रहानम् धक्न-কুৰবাদী প্ৰশ্নচাৱী।

वाक्षि अस्त्र कीर्जन भाविष्टर्डम---ৰুত নিজা যাও মানা পিশাচীর কোলে » ভাৰ্চাৰ বলিয়া ৫নে মংগায় ভিত্তরে। ভূলিয়া র্ডিলে এয়ি অবিস্থার ভয়ে 🛊

তবুও আমার সুম ভাগিল না। এত चहरवरम णायोह, घणन, ज्ञाला, करिनी, क्षापुरत्य के किया नोरत्न **क्षार्थना कतिया माध्य (कर, शि**ष्टवारमामा चाक्रिक रहेशा বেরণ ২ড়িত্রর-বৈক্ষ-ধেষার পরিচয় যুদ্দর ক্লড়নাল্যর বেশভূষার পরিষ্ঠেত্র বিষয়েছন, তথ্যেলবানী বহু আভিজাভান কাৰাৰ ব্যান, উত্তরীয় শিখা, পুত্র ধারণ বাত্ত-স্বাহ্ন প্রিভাগে ক্রিয়াছেন।

मायः-व्याष्टः भूक्षरशास्त्रम विकृत यात्रा-ধনাম নিরভ। উবার আর্ভি শেব নিক্টবতী গুক্রতল, ষেথানে জীমন্তাগ- চৈত্তভাইক প্রাভূতি তোতা পাঠ করিছে

> वानाट्य पाननाटक निकामनिकाता া বাংকারে পর আশত হল্যা গ্রহার অনুসাতি সালং ও প্রে: তাক লে ভিক্তারে কর কর कात्रका अक्त अधननाधारक टनरवर्थ (नटवस-भारक महेदानी अग्राती, संशर्भ अक्रापी, धक्ष, अभिद्रक अक्षारक्षे धानानात तिल्बार कारण शहर बांबदाविक अर्ते -किलाशाबी, विकास किया माह, के स्थल, 4.483 (A.45) ः इत्र अ १६८न त्राक्षा हो द

द्वार्थात् इ.स. মাক্ষেয় নিশান্তান থাকিয়া সকলে। তার-खक है कि निर्मात शह अपन है। है हिन्स अभएग का । यह है लिए प्रति लोकान विकास ক্ৰিটে গড়াৰ নাম। গিলে গিটো <u>লয় :</u> ৰণবাম হলিয়েভলি মাৰ্ডিভ যাঙ भिर्मात छ भन का कर्रक कात विवास सुनक अभवाता शीलटात शृहित कामालकणन करतन मा। नाय परणा, अल ही पुरवन कथा, करण्डी युपाली स्टेडल खेलाज निकल बहरण ५ ५८४ धनशान व विस्तर्गः---

भवाषाः टामना नाम युक्तकारमः श्रमाम । कार्यामाल तरका व द्वारक्षमा यावनयक्तर ॥ ( 61: 1: 16)

স্বতী হী অধির সমান এবং প্রায মুভকুম্বারুলা, মুর্রাং স্থায় কন্তার স্ভিত্ত िर्फरम क्याल व्यवदान कतिर्यन ना। বে প্রায় না ছাব খরপ সাক্ষাৎকার ধারা त्तरह श्रामि वृद्धि পরিভাগি করিয়া ४७% टब कार्य कार्य भूक्ता, हेनि की - यह अकाब क्षिप्ति विवर मा हर. তভালন ভাষার নুদিবিশালার ঘটিলা WICH !

লম্পাণ কাৰ্য্যদক্ষ একচাত্ৰী পাত্ৰ-নিথিত্ব ভোগদকল পরিভাগে করিয়া, कलना वद्धारात्र एक्षमाय निव्रष्ठ भाकिया প্রী ওরুণিকিত ভক্ষননিষ্ঠার সহিত ও্রুর আজা পাদনে তৎশর। স্ত্রী, তৈল, আমির चडन, बज, बारम, बाला, चर, अझ्टलन्स,

া তাতার অত হইতে নিংস্ত চইয়া মনোয়ম শ্রভা বিস্তার করিতেছে। তিনি স্থাদা षाठाताना थाकिया टाई मक्क छ निवसा অউ ক্রিয় ভাবান পরত্রমের আরাধনার िगु छ । टगरे और इक्क मदना और भरता-ক্ষত্র ভারতার ক ভীওকপাদপরে সকলা প্রথত ভদাজাবাহা চৈত্তপ্রহাদ বিভারণ-क'र्ने। जन्मठातिशर्यत्र हरूरा जामात्र जमस्या দংহবরতি।

**ी उम्हार जनश्या** বেবৰা ভৰু ভিনন্ত বন্ধো এই সাংধান মতে। य कात धानारम १६ के अध्य प्रतिमा बाहे कथाला इय शहा देहर ।

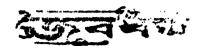
## প্রেরিত প্র

প্রীয়ত নদীয়া-প্রাকাল সম্পাদক মহাপর મચારબનુ--

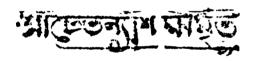
গত ১৪৯ হৈছ প্রিবার চলাকরট্ট भाव धी र तित्रामा स गरह और महर अब क एका श्रामक । भरकार<sub>ा</sub>न सम्मानादकारक भूगुन्त्रात्य । क्षेत्रभूष्यक **होत्राव** माश्रीपूर्व डोडेंठ इक्सर - इंडरफ किम**्छ**-याची वेदहाबद्दान दर्शांकी महासाय. क्षेत्र, म. च्या ठालार किंदि उपाक्त. देश्याप याक्ष्यम् भागातिकातीत् छ तसमक माखिक ्रेक्ष्यान ८ व स्वरूप अस्तर हो। का कश्चम**्रीर्थ,** ब्रिशाम जाना दहाती सामादिकाती. बीलाप भन-दर्भाषां गुनाठ त्या ्रील्यान प्रक्रमा**वश्वी** বনচারী প্রাভাত মনেক শুরুভাক্ত চম্পুক্রয় uck weithna wiastivenal amil-वादित्वत भव दर्शाही महात्राण खिलामbt खत द्वार वर्षक शाह क की केंने **करव**न । चाद आयष ८ वा प्रमाधकी भश्रमुद्देश साम भात्र अनुष करत्वा भातरनामस्य ध्या-कालन, चात्राधिक महामध्र कालन, कीमर् क कि वडान बादम भशातांच कड़ेक আভাত ভাজাসমূহ স্ফুভাবে সম্পাদিত ६६४। दिल । शाम इ नष्ट् माञ्चन, सव. सांबी वाशक, वाधिका अहं मह्यारमध्य द्यानगान করিয়াছিলেন। এছ বাজিকে বিচিত্র শ্রীমহান लागाम आमान क्या क्रेग्राधिम । ठन्नक-क्षे आपन के करमञ्ज्ञान वरन्त्राणावाच. ट्राट्डानामाच ठळावदी. ट्रीटेस्ब्राइस हक्कराओं, केन्निगरम् धानाम विका, कैनिएमचम **एक्वजी, क्षेत्राधिकहन्त्र लाग,क्षेत्रारम्मध्य** भूरश्राश्राम व्यक्ति यह ग्रम्भास मन्द्रम एक डेरगाय याश्यान अधिका जानव यक्षम क्षिताङ्ग्लिम । हेकि

क्षें इतिश्रम विश्वय क्षिनुनिष्द्धानाथ प्रवासकी

## ভাক্ত গ্ৰেছাৰ্থী



**बिटेक्स्यबर्ख-- क्रेम्डिकिनिश्लात ठाकुरवन 'लानए-**-वैशास्त्र औरवन्न महिक्तन, कृरकांत्र महिल्ल अवत्र, निल्ला स देमश्रीखन नवं, श्रीकटेंबर निष्य क वक्षाकारमर एकम, श्रामित -क्षेत्रसभा अञ्च क्षरानद्धाः सम्मान, देगागर नगास्त्रमः या, देनकन-स्त्रात चक्रण, लक्ष्माण अभाव अभिक लानका, मात्राक्षा, देनश-कि क क्षाकात्व रक्षा हमाग्यम स्थानकार्य कर् क्रिक क्षांक्रमा, जीवन नहां हा छ मू छन, देनमवगुरदात कविकार. किष्णित अधिकात्री-दिकात, कथा व कयु िखारनत माचका, मास्त्राण क देवकारमण, व्यटन दक्षाणीमः, कत्रवास রক্ষ বা আল্লার প্রাথীটিভ-বেল্ল, জনিত্রচপূজা বা পৌৰ-शिक्षात व्यापन, मक्षत्रमात्रत मानः चित्रात कात्रा, ज्लान बाह्य क्षणास दक्षी हलक, व्यक्तिविज्ञांत्र, की कार देवे. हैं। अर अप्राप्त श्रा **७कि. मक्सका**ल. बमक्टबर बामकारी, लाबकोबदग, प्रस्ट वन, शैलाकात्वम काञ्चाक मन्तकत माध्य न्यायात चाराख र्रिश्रुष्ट प्रश्वापनी चा क नवनष्टाहार कार्यानकचनकान व्यवन लिख क्या का वार्य का अपने का अपने का निर्माण करिय -महमानिक बारकान्न किञ्चाक्षण व्यक्ताल व अरुवद गा। करव ना । পএম পুঢ় পুরুবিষর ভা এং এপ সার্থা ও জনসাপানী প্রাপ্ত বেপানের का काम इ क्ष भाव । निविक्तामात्री-माम-भावनि-भन्न-काल जह अक्षामुक क्षेत्रिक इस्प्राटकना आनाव श्री छ । क्ती. क्यानात्र हे शानि बाहा नित्य अगुद्ध कहा वर्षेत्र एक । रेक्टरेंग, अंब. स्मरनाव कटल नाम दलमा प्ररक्त नीमाव---७ कृष अद#द**९ २**० आखाः



### हक्ष शत्कात [न्यक्ता वीधारें—२, कूटे हें।का कार्याधा—२५० लोल कुटे हें।का

ষ্ঠাকপুণ শাস্তবালা থানা আছে।ক মাননের নিজা কল্পন গুলানার। সামায়ক কল্পনা নিজানিত কইবাছে। ক্রেন্স আছে উল্লি স্নাচন শাস্তবাল্য থানা সম্থিত দ ক্রমাণ্ড কংলছে। ধেকেন, ননের ক আত্মায় থক্ষ কি চ্ ক্রমাণ্ড কংলছে। ধেকেন, ননের ক আত্মায় থক্ষ কি চ্ ক্রমাণ্ড কংলছে। ক্রেন্সে, নতাক্ষেত্র ক্রান্সে, নিমান্ত ক্রমান ক্রমান্তর ক্রাক্ষেত্রকারে আনোচিত ক্রান্ডে বে, ক্রমান ক্রমান্ড কর্মান্ড আন্তর্জ ক্রমান ক্রমান্তর নিজ্ঞ ক্রমান্তর না



विकोश मरकत्रन १८० व्यामा

শীক্ষণ কোঝানী আড় শ্রীণ বগুলাব গোষানী প্রান্ত । উপাধেনজনে যে সকল কথা বালিছাকেন, ছাতা এন প্রয়ে ভাকিপথের অন্তর্গ ও আতিকুল নিভার অভি ভাকরভাতে। গৈছত কংবাকে। বতা ভাতা শ্রীনীয়েত্বলাভেত্ব উপাত্তি শিক্ষা অক্যাংশ-শিক্ষকাবে লেপিয়েও ক্রয়াভে।

### ৪৪০ গৌভাব্দের সচিত্র

## শ্রীনবদ্বীপ পঞ্জিকা

পারমার্থিক ব্যক্তিনাত্তরই একাপে প্রয়োজনীয় শিকুল্রেড ও উপবাস্থানির ভাগিক। সন্ধ্রিত বাংলাও ঘরে মরে বিয়ালিও হউক

ভিক্ষা ৯০ আনা মাত্র ১০ ডাক টিকিট পাঠাইলে ডাকে পাঠান হয়

মহাক্বি

শ্রীল শোচনদাস ইাকুরকৃত শ্রীট্যেতন্যামঙ্গল

ওঁ বিক্ষুপাদ জীনিমছকিসিছান্ত সাম্থ।
গোষামা প্রভুগাদ সম্পাদিত পুমিকা; স্থোকের
অধ্যা বজানুবাদ, তাতি প্রায়েশর ও খণ্ডের কথা
সাল্ল, শক্ষুটা, ছানন্তা, পাত্রুটা, প্রমাণগ্রহ,
ভালিকা, পছসূচী প্রান্তি বিশ্বত সূচী সম্বান্ত বোল্ড্ অক্ষরে ভবল জাত্র, আইপেক্সা ধ্যাকারে
ভিট গড়ের কাগ্যান্তে চাপা। ভিক্রা—২০০ চাকা

### ন্ত্রীহরিনা ম চিন্তামণি

কামাচার। জীল তালিগেড়াক্তরে মুগে ভীননালা জন শীনাম নালায়া, নানালাল, লানালারার জাজুতি বিবরের, যারভীন বিচার লবের করিয়ালিলেন, এক বিষয়প্তলি আন গরুল প্রারে স্বন্ধিপ্ত আল্বর্গক প্রিণাটিভাবে মুলিনে। শিল ক্রিবিনার্ভাক্র-রাচ্চ। তাম সংস্কৃত্য ভিন্দা বার শান মুজ

## বৈষ্ণবমঞ্ষা সমাহাতি

(भागरकोगः । यसकः)

বিষ:—১ : ভিজিতাতো বাবস্থ শক্ষাণ্ডীর কর্ব ২।
নালিকালালারের হাজালালের হাজান ক্রিকালাকারিক।
নিন্দির ও ই লিগালের বিষয়ের, ৪ : বৈষয়ের সাল ও প্রবিদ্ধান ও প্রবিদ্ধান ও প্রবিদ্ধান ও প্রবিদ্ধান ও প্রবিদ্ধান ও বিশ্বরণ, । বিষয়ালালেয়ের জােলিক ও শাস্তার আক্রাণিক ও শাস্তার আক্রাণিক ও শাস্তার বার্থার আক্রাণিক
ভঙ্গাভো ১ম গও লগে , ২য় গও লগে । তম গও লগা এব
গও ৪০ । ১ম গও লগা , ২য় গও লগা । বম গও মথা

### **ট্র**ভিক্তিসন্দ ভ

১য় য়ৠ ১ এক ছাকা ২য় য়৸ ১ টাক — শ্রীমন্তাগনতের ও গৌড়ারের প্রছেন শা ঃ৪০ টাকার পুইম্প শাইনেল : বেদ্বাচার। ১৮০জ ব লালামালাদের বলিত প্রছ। বলাহ ইট্যনটের মানিত প্রয়োজনীয় মংল। প্রভিন্ত ভবল ক্রাইন ৮ বর্ষ ৮৮ পুরা আবারে মুজত বইবেন্ডে

শ্রুপানার স্মানিত স্কানিত স্থানার স্মানির স্থানির স্থানার মাত্র

## বিজ্ঞাপন

### मावधान!

স্বেধান !!

ভ,াব, দতের চৌক। শিশি ন্রাদ্যান্ন **ৈভজা** আদি ও অকাত্রন এবং উপকায়িতায় ধব**নজন** পারিতিত ও বহু প্রশাসিত।

আমর। সকলোধারণকে জানাইতেছি, বাদায় তৈল থালে করিব র সন্ম শিলার গায়ে ইংরাজী সকলে ছে, বি, দত্ত এও কোপোনী নাম খোলা দেখিয়া খানদ করিবেন। নতুবা ভুয়াচোরগণ কমদরের দেতেন তৈল দিয়া প্রভারণা করিবে।

## ফেরাস কুইনিন্

নুচন এবং পুরাচন ন্যালেরিয়ার ধ্য

ইবংক উপ্রুক্ত মাজেরে আংহবন্, বাইবাহ**ল্লেংরের** কুইবিন্ আংবলিক এবং ইউবিদেন আছে।

আৰু ক্ষেত্ৰ কুইনিন্ধানে হাজকান করিশে আকটা বা ছাটী গ্ৰেন্তিক সক্ষাপ্তাক কঠিন না কেবিয়া আৰু আত্ত কৰে এবং ৬ ইইন্ডে ১২টী ব্যোহ্পনে মাংক্রেয়ার ক্ষাত্ত উন্যাপনিষ্ঠ কাল্য ক্ষেণ্ডে।

ক এপ্লপুৰ আতি বাহা—মূশা ২, টাকা, ট্ৰং ৩, টাকা বাংল কোম গাল এন্ত ক্লিনিকালে লাগেকেটারীজে সমায় নং হন্তুবামল কোন, কলিকাহা।

গোডার বেক্সং-জগতে আভিনৰ এছ !! শ্রিস চাতুর ভাক্স।বংমাদের কীভি-এছাবলা :---



গকেট সাইও অস্তর সংকরণ ডিক্ষা /• আন।

শেষ্ট ব মনের তেরা আলিডাবল্প বাইরা—ইকা বথন জীব বু'লাং শারে, কলন একনাত লিডাবল্প জীল্ডগবানের আন্তি বাঁচাট কোন ক'ডার আবেগমরী আগনা হর অবং জীল্পবানে নবাভাকেরশে নিজপটো কো আকারে শরশাপর চহতে হয়, হডাট দ বিষয়ক আগ্রশালী আহ্না ক অক্ষেত্র সম্প্রকৃত বান্ট ভ'ল্ডা সংখ্যাৰ আকাশিত কাঁড়ালে

'691 afe 48 .. 44 WIRI

(बानकोक्टिक्सिना--- /०, तदर्शायनक---- /०

কল্যাপকশতক

প্রক্রের সাইক পঞ্চন সংক্রম ভিক্যা / ১০

বিস্তৃত ক্যাটলেগের জন্ম নিম্নলিখিত ঠিকানায় পত্র কিব্ন—
স্থাতেজ্ঞার—গ্রমবিজ্ঞার ক্রীকৈকেনাম্য প্রেচ ক্রীমান্ত্র ( স্ট্রাস্থ্য )

## বিশ্ববিষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভাত্মতসমূহ

श्रीटें हरू गा गत

আকর মটরাল

ल हीत नवबीत, एक्पर है। हाथ दाशालुत, नदीवा

Municulatifft boen nit o. no Bier-men Giannace minifing Dom-्ष्यक-कन्द्रन श्रीहिट्ट अन्यत्र विदासमान ।

এই স্থান সাপ্তত্ত নীৰ্ঘাৰ স্থাবিক্ষাপীত বা নাও ছ ভল্ল জনী। এট মচা নীৰ্লে শীহৰি-ম্মাযুদ্ধ বাংকেব্লালি-বেলাজসমূল, প্রতিজ্ঞার গঞ্জীত কালা, নাটক, অলক্ষায়, জলা श्रीयानक्रियो त्यान श्रीकृत-प्रकान श्रीमा प्रकृत्याचे अवत्यान । य अमानिया जनर याणा स्री खर्क-दशोदाक्र-शाक्ष का-शिव्यात । अ शाक्ष शाक्ष्मशावक-चाठाया-ठकु ह काकारमञ्जू रेणाक विश्वहरू मुख्कि निका (मृतिक करेट्सहरू न । कहे महेबारक लारमार्थक देशनिकलक माधक স্ভারতের অংশকাশেত ও কথাটোন প্রত্থালি প্রচারকরে 'ন্দ্রীনা প্রক্ষা ব্যালয় প্রাক্তিক সংখ্যালেন। প্রতিবংসর জীশাস-প্রিত্রনা গ্রহণ ও কর্পান্ত করুরেশান্তি ক কিন প্রচারস্থা মহামণ্ডেরনর বি ভরনাক অভ্রিভ হচরা আছে। কলাক—নবজনাতী । শ্রীশাল নবছরিলী। সভকারী - ত্রীশাদ বিলোদ পিনারী ত্রজারতী, পাত্ত ও আপার লোবন দ ! बक्काकी सावत्रगानि, छाराम शैरान्य तस्त्रातः १७० हिस्स्तानम अक्कारे. ্রীক্ত মনীপ্রাপাল বলেবংগতি য়, ইতিহবের্থে দাও প্রস্তৃত্বি অনুধ নজ্জানত

### (৩) খোগপীঠ এমন্দির

बहे कान के बन्द्रश्री परित्यत करने ना শ্রীমন্ধণ এড়া আভিতাৰ ভূমে মহাযোগ-শীয়া তথানে ইংশ্বীভাগ ও ইংড়ি रिलक्षामक लेरिकोनमात्राधन अन्य स्टिटेस कर च ड्रीतमाकृत्मक निका प्रता तथा हाराश-**७८ चर ८** १ वर्षा सहस्ता । तक क ----्राक-माभारत इस चामी क्षेत्राहाता छाङ्ग देखात-माचा मककाती व्यक्तिकातम बक्ताले. च्चेन्द्रश्य दक्काजी । द्वीमानन्याम च ४- १ mill, Le will Anterant

### (৪) ভারাস-ভাষ্মন

ম্মিল প্রান্তর কীন্তন-বিশাস বা Bentenfinia कामकती : अनारम दिखीलात-লিভাগিত ও গ্ৰহতক্ষের সেবা বছমান। ব্যাক----শ্রিবাগান্তাম প্রস্নারী, শ্রীসমূত war. धीर्ध क्रमांग नावाकी।

### (৫) ভাবৈত-ভবন

्रिके कार्म द्यिभटेक राज्य क्षेत्र स्थानः । स्थान त्मतः च इत्रामा

#### . ६) का जोत्र भन्न वि প हे

त्व हैं। मा अन्य वामन भक्त (नर्षी) **श**्चीरक्रणांथाळ क्षेत्रांतकाळी : समाति । उक्क- नक्षाति है। निवास नकार

### (৭) স্বান্ত্রণ স্থান কুপ্র

**ब्रिलाइक, ४३**९ राष्ट्र र अमेरित ) অধ্যন্তে উপিঞ্চলায় জীপ ভ তেপিলেদি সকুতের Auffe war Berieneine mar Bilbeiti-माध्यम दलका बक्रमान

হুক্ত - দ্বিশুল্ম ভাকার অপ্তালী क्रक दाविको वन, वन, वम ।

### (৮) श्रीकाशकाथ टार्ने होत्र गठ 3841 5 86 1

तक क---- हैं,गठनप्र का कम औ रम, इ. বি, এল, সংক্রী— ইড়েছ-দেশ কাক- । হলক নাইচপুল্পত রক্ষা নাই। भारो, क्रिक्तिका अवभारी राजक।

### (৯) জ্রীরগার-গণাপর অস के परंग ही, स्थाननक, । नक्षारंग है

ज्ञान त्रापाला भव न्यां कि , strachte en

### ( ५० ) आजभ ,भोजाय-गठ

HI!! "(2), "HE'S ES IN रक्त क-- देहिडिमा । धक्ताती, में कुनारमधन 50.

#### 

भाष्ट्रित कि, बाइजान, नाइजाना 🖺 मार्ग १०१० प्र. हुन हुन्छ। एन व अग्राह देश्रीय--- वि.श्रीय स्थानी त्रास्ती । (১১) ভাগৰত আক্ৰন Elevita e cert, mare ser entert ভাগৰ প্ৰিক্তাপ্ত গ্ৰহণৰতী প্ৰচাৰ- জন্ত। an क--- श्रिम्हालका डक्कहारी।

### : ७ , बी द्रकासम सर्वे .छ. ल च छ ', .चा का की, अध्यक्त शन, अबे द्वा ।

रमक--- अभव्यानम बन्नाठा हो। ( ১८) श्रीमास्य द्योष्ट्रीय मठ ११कार नेवायड क्षाप्त का का

शृक्ष १८७४ अ नाज-६०७, ६४१८० औ, छङ् ्याः १४ व्याप्त स्थाना गाँउपरक्षत रशका न क्षेत्राल । रुक र- 🖺 ागान्य अवनानी ।

## ( ১৫ ) शिर्माश्रामकी वर्ड

कश्यालन, हाका।

त्माधामकीर मार्गः अस्त काठीन स्थम रक्ष-अधारतांत दक्षताती।

## ( ) बारगोजीश मठ

an का कार्मित्यमाम ठळावची शिवै. (ला: बाववायाय, कणिकाला । ्डेल्ट्यम्य नि. नि. ७५५६

শ্ৰীমণালা গভর কাচাছিত ভানিত্রণ ভাকিদত্ত-প্রচার্যেলেশে গোছালেশের গক্ষ প্রধান নগানী কলিকাভার শ্রীভকিলিলার আসনে শ্রীমার রাভিট্রার আছেল। এই ভক্ত-সত্থাবানে 🖺 এক-পোরাল-শ্রীবিলোগানক ভাট সপাধ্য নিজ। সেনিক ধন। পোন্ধীয় মাচাধ্যনর্বের যাবভীর প্রস্তানশীর প্রপ্রচারেকেশে শ্রীমতে সংগর একটা প্রবং স্থান মন্ত্ৰাগর সংস্কাণিত ভবস্বাজেন। পুলিবীর লক্ষম 🕮গৌবলাম প্রচারাথ এই যন্ত্রালয় क्षेप्त '(श्री प्रीध' माखा'क्क नजा कि कवक्रजिले भागिक नहिल्ला देश्हाकी खावाच भिष्याम् अप्ततः लका ल ७ वर्षकारुमः। श्रीमातः भावे, महोत्तिनः, महावाम-१७४४ - १००० के कि कार कारित के के कि का कार्य का मिन भी वा के कि अध्यक्ष मानक कारकाहना अवेड াবে। মুদ্রক্ষাক -- আচার্যাক্তি ৯ প্রীপাদ কৃষ্টবিভারী বিশ্বাকৃষণ। সভকারী --পশ্বিদ্ধ लीवात क्रमका स्वास वात्रका सुत्रमा विन्ता, लीवाम सन्यवानक महीवश्चावस्था विन्ता, कीलाम तामानकाची अक्षानाबी. औं भ समावकात्य मामानिकाबी विनव, श्रीलाह क्षरायाल मामानिकादी, अक्षाती की की मामानम, अक्षाती मीपाती साद्या अक्षाती ही केक नेना अधिकाती, अक्षाराठी आधारकी स्थान माहित होता सरीमकार ि ११ १ था काल काल काल काल ।

### ১৬ : शिशमार्छ- शा 👅 मह

इति का का रामाहिली माना. मालिक ट्यानगर-८भीवारम् व 107121 3117

### ্ৰণ, জীভোগণভজনানশ মঠ

क्रिकेनिया, नाक्ष्मनभूत एम्सेनीभूतः GINER THE STORY OF HIS MALE ্স্বার্ রক্ষর-- ইচ্ছবিবিজ্ঞান আল্মর্ পিতিবারীর নিজ্ঞানের ব্যুদ্ধ রক্ষর-- ং अवन्त्री और धनामनामधी । बन्ना की पहारक

## ১৮ অবিলাগেড়া প্রগল্পান্তাম

ब्राब्दि ५ १गाः वद्धम् सः।

क्षी कर्माकाम हिंदा क्षांत्रका आधाराही है। जिल्हारतना तक ४- वक्तामी आहारtacase i

### १५३) श्रीश्रास्य दश गर्छ

वर्षकार, मृती, देशकुष्टा । क्षणान देशवाद-१न(नामनाभदकीक निष्ठ-.स १ वयमार । दणक - उत्तरावी श्रीलदमा-े लक्ष 'वरा!१७. बच्चनाडी श्रीकर्मीतासक ।

#### (२) श्रीजन्म-८को बीच सर्वे

काक वहनाय, जन्म भारत । भारत भारत । **क्ष**प्रतिभागत्त्व क्षमत्त्रत सम्बन्धः होभक्षकः अन्य स्था व्याप — स्था श्री हीलडरमधनी अमामधी। मन्याही-अवाजावी विश्वित्वानभावी ।

#### (১১) শ্রীস ফিদানশ বঠ

क्षेट्यामानाद, कर्जा खबर्दम - देवेशक-दना ताभ-विद्वासत्रमन्-कींच लिक्स्या गठगान । प्रथम----अवहाडी क्षीत्रवादत्र।

### (२२) श्रीजनाङ्ग-भोग्राह मह

असर सामास्त्रानम भूत्रा, का में । (भो :- शमाक्षण् क्र. अन्य क्रम-लिकाक्षणः) अभिराम दशीस्ट्राचा वश्चमाना क्षणा । क्षणा क्षेत्रानकोनावको ।

### ः ७. डीक्**क**ेप्रक्रम मह

खीन परामाण कृषा, खानाम तुम्मायम । E Baiti-Bu-guisomie cati

रक्ष क- शिल्मा किनाम अक्षाप्ती

### (२८) श्रीश्रुतमञ्जूत सर्वे

रेलियांवर्गः मंद्रान्त्रव

aute = अक्र शतक लात्रणाला • चित्रां व शिक्षां प्राप्ता । विकास के स्वाप्ता के स्वाप्ता । रक क --- अक्षतां में देखा गरका नम व अक्षतां है नीभागवर का र

### २० ब्रीटेन्ड्यटशोडीय सर्व

१९८७ छ , 'ठवर छ', अश्वक्ता, व्हा भाग दास. शिटकनशानक अक्रमणी । श्रीकाम रोप अस्तिकात ।

### १२७) जीनगरभोड़ीय मर्ड

कुर्याकतः वास्त्रच्यः कवाकः। अवस्थ और पंचानका मन्द्रास्थक अनुसा बक्कशासा तक क--- प्रकार हो। सेक्ष्मल तक्की ।

### (२५. लाक्ष्यकाका काश्राक्षय-वर्ष

आकारणाचाः ८५१: म. छ. अवदा धारादम मञ्जूषभृति लीदगाबादकत दमना नक्षमान । वक्ष---व्यवस्थि खीलान्यक-मान. श्रीनामाव्यव अध्यक्ताती।

### (२৮) भिन्ना द्याक्षीय यठ-काश्चालक

be con imina. fall fünt : वर्षक - शक्तानी श्रीवानिकाकात्रक. अवाहारी श्रीकाशास्त्रमणस्त्रम । (.

(२०) द्यामानवाजामनधालाम ्यम र — अभवाशी स्वीकानादमास्य

### চৈতগ্রমটের শুদ্ধভক্তি গ্রন্থমাল।

স্থবন্ধকোর। প্রবর্গ স্থবোর।। স্থবন্ধ গ্রেলার।। প্রবৃগ্ধির খণ্ডে খণ্ডে প্রকাশিত

# শ্রীল প্রভূপাদের বক্ত, ভাবলী

ওঁ বিষ্ণুপাদ শ্রীশ্রীমন্তক্তি সিদ্ধান্ত সেম্বর্জী সোম্বানী মহারাজের সেই অনিলা-বিদ্ধান্তি ই নাজ্যসমগোগোগেছিলী ক্ষা-কাষ্ট্রনন্দল দায়িনী জানস্থ-বাদীর মৃও-বিগ্রহ—বৈক্ষন্দিলাস্থ-মন্ত্রালার কৌস্তুভমনি —সেলাকুল্পগুড়ের কৃষ্ণ কর্পান্তি কম্পক্রন্দল সম্প্রার ও ভাগবতের সম্বয়ন্তরুক্ত মহাজন-ভীবন চরিত-শিক্ষক—ভিল্লাস-চিল্লাজ-ভিল্লাজ-বিচ্লাজ-বিচ্লাজ-বিদ্ধান্ত বিদ্ধান্ত বিদ্ধান বিদ্ধান্ত বিদ্ধান্

১। প্রাথান্ত—বৈষ্ণদর্শন, ইণ্ডিরাভর, কালগর্গ, শীমধ্যানির্ভাব, শীবাসভাননী, প্রধ্যাত্রিকী দীক্ষা ও বর্গনিচার, আল্পার্গ ও মনোধর্ম, শীবৈত্যাদের ও তাহার শিক্ষা, অপ্রাক্ত সংজ্ঞার ও প্রাকৃত সহজ্ঞ-ধর্ম, শ্রীপার ইবরপুরী, শ্রীল রসিকান্দ্র-প্রস্ক, পুতিমার্গ প্রভৃতি বিংশতি সংখ্যক রাজ স্তানাভিত। দিক্ষা মার ৮০ বার খানা।

২। দ্বিভার শশুও-শুদ্ধা ও বিদ্ধা ভক্তি,মমুধ্যের শ্রেঠতা কোণার,
আয়ার নিহার্তি, ভারর স্বানিপার ও মারাবাদ, প্রীণ্টোর নিত্যানন্দ-প্রসঙ্গ, ক্রিগুগের ধর্ম ও কুল্ডকীরন, শ্রীলাসপূচার শ্রীমন্তাগবতের কীর্তন, শ্রীগোরধানের মহিন্যা, মহাপ্রসাদ, শ্রীগোলিন্দ, শ্রীক্রপামুগভ্জন-পর্ব, শ্রীমহী রবভান্তন দিনা, শ্রীচেগ্রের দয়া, গোরকরণা ও রুফ্রস্ফীর্তন— চণ্ডুলিন অপুরুব গ্রন্থিমাপ্রভাগ বিভূতি। ভিন্যা ১ বক টাকা মারা। প্রথম ও দিহীয়-সুই খণ্ড একরে লইলে ভিন্যা ১০০ দেড় টকা.

প্রাভিতান: - গ্রন্থবিভাগ-জীচৈত্যুমঠ, পোঃ শ্রীমারাপুর, ম্বীরা ।

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

ডাক খরচ গ্রন্থ।

## দৈবপ্রাপ্ত বন্দার একমাত্র মহৌষধ

### প্ৰৱ দিলে সন্পূৰ্ণ আৱোগা

বোলী দেখাবনৈ কহবে। অন্তিম গাণের পর্চ (হাওয়া এবং আসার)
পাঠাইলে গিয়া রোলা দেশা কর অপবা এগানে আনিখে বেল্টা দেখিবা
উপব দেওলা কর আবোলা না করণ প্রান্তি করা করিব করে না।
গানীব বেল্টালের স্বাচ বহন করিবা চিকিৎসা করা করা বিভাবিক
নিবংশের অক্ত এক আনিয়ে ভাক টিকেট দ্রু নিম্ন ঠিকানার অন্তব্যন্ত্রন ত্রুকান।

জ্ঞীকিদীশচন্ত্র উকীল, যক্ষা-চিকিৎসক, গোঃ নৈকাঠী, বহিশাস। অপণা নিম ঠিকানার সংক্ষাহ কবিচা বিজ্ঞারিত আনিত্তে পারেন। জ্ঞীযুত রামগোপাল দত্ত ওম্, এ, ক্ষুফ্নগর, নধীয়া। জ্ঞীযুত্ত হবিশুদ্ধ সিংক, ১১৭, ব্যবিশ্বেশানা ঠিটু, বাইগোলা, কাল্ডকাড়া।

একখানি পানা ৷ অন্যান আৰুপুৰ গভ হয় সান যাবহ বাজ হল্প আছিলিয়া মূলপ্ৰাৰ কৰাছিল, কালকাভাৱ বিজ্ঞ চিতিহসকলৰ জানাৰ জীবনেৰ আশা ভাগৰ কালা আৰু মুহুটোৰ জন্ত অংকা কৰিব কিলোন এই সমৰ জীবুত কিলীশবন্ধ উকিল মৰ্বালয় মান্ত কৰিব কিলোন কৰিয়া বিভাকেন। (সাং ) ইয়ানাক কিলোন ভাৰ চৌধুনী ( আম্বাৰ মানিয়া ) হণ্ডীটু, নিউ বিভিন্ন কৰ্ম লাভিটিং ভিশ্টিমেন্ট, কৰিকভাৱ

, we .		
বজাক্ষরে প্রকাশিত	29	.পর বক্তৃতাবদী
)। विभवाभगव्य,मग्रुव ६०	(♥) ∉	
₹ (>#># ## ) \$516/•	(খ) বি	•
३ वे (गणम वक् ) ५००		গণ্ড এক তেওঁ ১॥ •
<ul> <li>वाक्ष्य-नक क्षेत्रिकेषक्षकविष्यामुख</li> </ul>		। शक्षिका
( इस शरक्षत्र )		८भावाकः) √•
०। औरेहण्डमभागवष	্ত । সিদ্ধার	*
. (विश्वाद्धिकीत मरचन्न) ८.	्रक्ष । बीश-क्षि	•
<ul> <li>विका ( क्विनगराय-शिका-नक ) २.</li> </ul>	S•   ভিজি	
८। नेका ( क्रिडक्रववि-शिका-गरः ) २०		প্পরিজন্মা) 🗸 •
७। रेक्सनवर्षः २,	9৯। গীতমা	
१। वृक्तिवासका जनसम्बद्धिका माक्रवार		<b>주병명과 (이뿌리 카(영국이) //&gt;•</b>
( श्राम्म )		<b>性を</b> 事 ノ
►। त्त्राकोत्र-कश्चर <sup>२</sup> ०		44.6:
৯। ঐতৈভ্য নিকায়ত (বীধা) ২০ ১০। জিলে ন্ত্ৰীপ	८८। नामन	
301 10000 -11411		「 <b>4</b> 5(宝中) ノ。
१३। औरहाक्षाह्याम्कम् व	৪৭ : শ্রণা	
क्रीमवदील नक्षणम् (वीग्री)	कि । विकास	1.5
্হ। শ্রীষম্মভাপ্রাকৃষ শিক্ষা (বাধা ) ১১		धर्मात्रं कि कटबस १ 💛 🔑
ঐ (স্বাধীয়া) ৬০	६०। श्रारणा	
১০ ৷ বৈভূষমঞ্বা-সমান্ততি প্ৰথম চায়িবত ) ১.	३५। अवभव	
		স্কিছাস্তগানী /•
	(0) WEST	
		াক্ষরে প্রকাশিত
		-স্বঅভ-িাদ্ধিজয়ঃ ≬∙
		भिकः समञ् <b>लभ्</b> ।•
	देश । अध-रू देश । मात्रारण	
२०। (शाकामी मण्याय गाम ( देशा : १०	८५ श्रेष्ट्रताः	
२५। माद्यक्षेत्रामा (दीपा) १०		
२१। श्रीकृतिकिक्यागिष्ठभा साध्याम ॥		
२०। ' द्वशास्त्रज्ञात मास्यात		ভাষার প্রকাশিত
( सामाक्रकीय ) १०	** 1 MIN 51	, ,
२० । अध्यग्रहेण्या १०		ग्रांश शिरमञ्जेम् अव् ग्रमश्राद्यकः
२८। दशकीय-दशास्त्रय भ्रं	च्यातक विकासी भरा देवकारी	
২৬ ৷০ গোড়ীয়-সাহিত্য 🛷 -	401 [H #1	
२९ । माध्यभय ( ०६ मरकार ) ।८०		, ,
२৮ विजयको नाष्ट्रवाय ।•		ক্তিলিপ্ল লাভ
२५ । चचनुकारमी ना मात्रानावनकपूर्वने ।-		(46) figure de la
০০ ী ইংশাপনিষৎ ( বলবেৰ ও বাধ্ব		<ul><li>टगोक्रोयमञ्जूष्ट /-</li></ul>
ভান্ত এবং বিবৃত্তি <b>ও অনুবাদ সহ</b> ) !•		অক্ষরে প্রকাশিত
<b>৩১   শ্রীনবদ্ধীপভাবভয়ত</b> ।•		লেৰ চিক্তাৰণি ।
<b>०६ । विराधित्रक्षणमाज्ञिलामा-वर्णण</b> ।०	_	역 <b>작업장</b> 과 1 ·
०० । , विकृतस्यक्ष ४०	का भाषा	_
তঃ । ৺ বাসাপ্ত ৴৽	৬৯। <b>বিভা</b> ৰ	
०६ । अवदीनशाम-माशामा र्र-		
ाश्चिम् :-ब्रिटेक्क्स्टरं, ए	াঃ উল্লায়াপু	त्र, अभोद्धाः।

## ৫০ বংদরের পরীক্ষিত কয়েকটা মঞৌবর-

া ৰাসহারকারীরা ওলে মুদ্ধ হছরা বে সমস্ত প্রশংসা গলেলান করিলাদেন, ভালা শ্রিকারণে বড়বড় গুজক হল্যা গড়ে। আম্নিও সাবহার কার্যা শল হউন।

- ১। চন্ত্রাপ্রচান নির্মান নির্মান নির্মান কর্ম নার্মান করে বিশ্বাস করে করিছে। নির্মান করে বিশ্বাস করে
- ২। সুযুদ্রিসহায় বটিকা—মাদবল নিবনীন অভূত্রট নিজাবিধারক উর্ণ। যে কোন বৈনিক ও মান্যাক পীড়াবশহুঃ আন্মারোগে এই উধ্য প্রকংগ্রে গাঢ় নিজা হইবে।
- ত। মৃত্র বটিকা-ট্ডা দেখনে সীলা ও কণকুগলিক নেবা ও শলীর পাত্র হুট্যা যাওয়া ইড্যানি নিদ্রিভ কল্যা রক্ত প্রিকার ও র্তি প্রাপ্ত হয়।

कि किन श्रकाद्यत खटलाक लेपरभन्न मुना श्रीक दकावे। 👡 है। का ।

আধিয়ন:—আতঞ্চলিপ্রান্ত উল্লেখ্য

## শ্রীনবদীপধামনাহাত্মা এমাণ ৭৬ ভেলা ১০

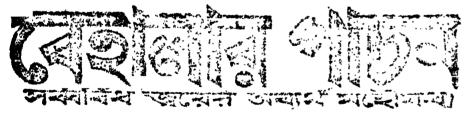
শীটেওত মহ্ত্রভ্র বিতার ও লীপাড়মি নয়ট হাপ-প্রবেড : এই নয় ছীত্রার প্রাচীন বিবরণ - এডে।ক ছাপে ইমহাপ্রভ্র লীপা—প্রতে।ক ছালের পরিচর, শীধাম- নহাত্রা—সামাপরাধ কি দু ইঙাাদি বিবর বিশেষভাবে মানাচর ওকে বার্ণিড। পর্যেট্ড প্রায় ১০০ পুরা।

## প্রীনব্দীপ ভাবতরক ভিস্ত

ইক্ষল ব্যক্তি কালাতে উত্তম কাগতে ছাগা— ইনেব শিলাম বৰ্ণনে ছাব্ৰ ৰপনকানীয় কে প্ৰকাৰ ভাবের উজ্গে হয়, ভাগা এই প্ৰত্যে বৰ্ণক। মাও চমৎকাৰ ।

সাধিক ক প্রমণি—ইটনক্ষরকলন, ইংলালক, নির্ফোল আছাত্র আভানিক ক প্রাথিক কর্মানিক ক্ষান্ত করি কাল্যানিক ক্ষানিক ক্

## কবিরাজ শশিভূবণ কবিক্ঠাভরণের



ৰক্ষাৰশের জ ৰণার কল্প ৬ আছে শিশিতে ঘনীভূত অবস্থাৰ ভোটবোত্তার সম্প্রিয়াণ শ্বীৰণ ভাকে পঠিনে হয়, ইতাতে উষ্টেগৰ কোন প্রবিষ্ঠান করা হয় নাই। মূলা প্রতি শিশিয়াত আনা, পাইট চেত আনা, বোত্তা হতাত আনা।

অফিস– ১১নং উল্লোডালা বোড, পোঃ শ্যামবাজার, কলিকাতা

## यम वा यक

বৃদ্ধিকাপু ক্ষম ও বাঙ্গিকার, ইপ্রেরদক্ষির প্রান্থ ক্ষমানে ওজালাত, ব্যবস্থান, বাধানোরং, মুক্ত বর্জ-ক্ষমানি, অনিপ্রা একৃতি সক্ষণ সম্ভব নির্ফোষ আমোস্য হয়। বল, বার্ষা, বেবা বৃদ্ধি করিছে অভিন্তীয় ট্রিক। সুদ্ধা ৮০ ব্যান, এক ট্রাকা।

প্রস্থাত স্থান্ত আন্ত স্থান্ত স্থান্ত স্থান্ত স্থান্ত স্থান্ত কৰিছা বাছিল কৰিছা বাছিল কৰিছা কৰিছা বাছিল কৰিছা কৰিছা বাছিল কৰিছা বা

## शरेए जानिन

বা

## কোযর্দ্ধি রোগ

ভাং অস, অন, খোষ বিনা অস্ত্রে, বাগমনীবনের গ্যানাটি ধিয়া বৈছাতিক কাপানাতে কোষবৃদ্ধি বোগ আরোগ্য কবিনা গাকেন।

> টিকানা---৯৮ নং কচন খ্লীট, বড়বাজার, - কালকাড়ো চ

### ১। শূলায়ত

পিত্তপূপের অধ্যর্গ মহৌষধ। ১ মান্তায় উপল্ম, সপ্তাচে আংয়েগ্য। ছোট ৬- বার আনা, বড ১া- আনা। মাত্রণ পুণক্।

## ২। শুক্রাচার্য্য সঞ্জাবনী পোষ্টাই

ক্ৰমেণ্ড ক্ষেত্ৰ আৰু মাজে মধ্যেৰখা। মূলা ১ ডিৰা ১াৰ **আন**া। আ**ত্তৰ** পুলক্ষ

- ত সন্ন্যামী-প্রদন্ত অর্শারোরেগর অব্যর্থ আংটি ।
  আলোগা না ১৯লে মুলা ১৯৫২। মুলা ১৮ খানা। মাঞ্চ পুৰুষ।
- ৪। কোন্ত-বান্ধাব পীল অনীৰ, গেটকালা, পেটবেৰনার মহোষধা ডিগ । আনা। মান্তল পুৰত্

৫। বাতল'ন

বাংবাংগর মাজাপকারী ও স্থাতে আরোগ । প্রতি শিশিয়ত **আলো**। মাজ্য প্রকা

রবার-ফ্যালা প্রস্তুতকারক। সহর কাটালগের লয় পর শির্ন।
প্রাভিন্থান—মনোমোইন লেশরেটরী

्लाः उत्राही, कमलालुत, **शक**ः,

## মনোগোহন প্রেস

পূব্ব বাজালায় স্থলতে সকলপ্রকার ছাপার জন্ম বিখ্যাত কৈন্যুতিক কেশিলো দিলালাতা কাজ ভালতেছে বিশ্বত জানিতে হইলে নিম্ন টিকানায় পঞ্জ দিখুল ম্যানেজার—মনোমোহন প্রেস, ২০নহ কলাইপুরা ভাকা।

## মরা মাত্য বাঁচাইবার উপার

বিদিও কথালি আন্তন্ত মন্ত মুখুৰ বৃচ্ছিৰ্ভিত কোন্ত্ৰ উপদ আংশিক ও চল নাই সংগা, তথালি ইলিয়া লাগাৰিছ আনিহসিত উপানে অগনিতি শক্তি নত কৰিয়া লাগতে গ লাগা চইয়া বাৰনাছেল কবা নানা আকান্ত মেত, আমেৰ প্ৰাকৃতি বাৰনাছেল কবা নানা আকান্ত মেত, আমেৰ প্ৰাকৃতি আন্তিল অগনিত প্ৰথম মান্ত্ৰী আৰু, কলা, মুভবংলা, স্পেত্ৰা, খেত ও মক্তাৰত, বিটিছিল আন্তাত বোগে ভূলি । জীবনে নিয়াল বইয়াছেন, জালান্ত্ৰ, আন্তাত বোগে ভূলি । জীবনে নিয়াল বইয়াছেন, জালান্ত্ৰ, আমেলিকান্ত্ৰ অগ্ৰনিত ভাজান্ত পেটাল সাকেবেল আনিক্ত আমেলিকান অগ্ৰানিত ভাজান পেটাল সাকেবেল আনিক্ত উলো ক্তি ক সাহিত্তিসন্ত্ৰ গ্ৰহণৰ প্ৰিয়া বাহিছে পালেন, ভালান্ত্ৰ প্ৰত্ন আমান আছি বংশবেই পাননা বাইছেছে । বাহালা আলোন্ত্ৰ বছৰিব ওবন বাবলান কনিয়া আনোনা কহিছে পালেন নাত্ৰ, ভালান্ত্ৰ আৰু ইবনটা বাবনান কনিয়া । ক্ষেত্ৰ । এক সামেন বাবলানোপ্ৰয়েই এক শিক্ষি ভ্ৰম্ব । এক



ভোষ এতেবীনা ডাঃ ডি, ডি, হাজরা। ফতেপুর, গার্ডেনরিচ পোই, ক্লিকাল

विकास व्यक्तिक विकास विविध्यक्त

family CAR ETS वांचवारा Mis tim > MITS STA DY 明明 电阻力 41+ लिकि क्लाम २, इंकिय थार



माभाषात कार लिशिम (भग्ना बाविक उर् गाभागिक ६ देशमानिक २५० माहित ५ 31517 প্রতি সংখ্যা ৫

পৰতে বছল-প্ৰাৰ্থ-পদীয়া কোলাই একমাত মুখপত

–শ্রীজতীব্দুনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি 40 ]

खेलाम माद्यालुक-२७८ल ८०० सर १००

ि ७१म मः थाः

# গান্ধীজী সন্দি জ্বরে আক্রান্ত

इननी ननी আলোকিত, পঁটিশ घ है। ममर मः कि

## মহিলাদের পিকেটিং

মুসলমান নেতাদের স্থিত বড়লাটের বৈঠক

# ভারত সত্রাট অসুস্থ

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট" নামে

(बाला इरेशिट

অভিজ্ঞ ও আদর্শভরিত্র শিক্ষকাণ ছাত্রনিগকে অতি যত্নের সহিত শিকা প্রদেশ করিনেছেল। বিদেশী ছাত্রগবের জন্য বিনা লাহে প্রন্তর আসহালের বিদেশী ছাত্রগবের জন্য বিনা লাহে প্রন্তর বল্পোবস্ত হওৱাজে। প্রভ্যেক ছাত্রের ভাষেত্রের নিমিত্র মণানামগুল মাধ্যের মন্ত তেতির

মাত্র ছয় টাকা মাসিক বা : হইবে : শ্বাস অভীব শাশ্বাকর। ছাত্রগণ অভিত্তিবং গর্তাত शबद्र मिछलिथिक ठिकामात्र कादनवम कर्मतः সেকেটারী, টাকুর ভক্তিবিং া ইন্টিটিউট্ औरेह : भगेरे, त्याः जीमाप्रायु

निरम्त का अ भवा दावन शाक २४००-वे शिवास्त ध्वर मारवेसमान पुरे-

दबल **उ**ट्य क**र्जा** जाती **मट्याम**न

श्रक करें। श्रीत्रिण वांकारणारम दक्षण क्षान । भिर्वित यह वार्तिक मृत्यक्षणा বইরা লোগ । মিঃ কি, কি, পিতি সভাপতিয় कार्यन शक्य कडियाकिशमा किनि होराव नक्ष्माय क्ष्मकाबीरमञ्ज मान्निश ु.कृत काक्षा, एकेनियान**ा अ**धिकास भाकत क्षाकृष्टि विषया के**ल** 1 16234

### रेश्य श्रदेश चर्छ निमा প্ৰথম সংক্ৰাহী বিশানপোড

পুরু ৪০। এক্রিল ১৫ বাদার পঞ ্দট্যা সমা প্ৰথা ডাকবাকী বিমানপোত का अंत प्रेष्ट्रेश परहेशिका अधिमृदय याचा किशाहक । काशामी इक्राम विद्या फ: ( ) अ वह fr महत्रक्षण्येक दशाँचे फावकेंद्रेटन अलक्षाक करा बढ़ेक बाहितिका किमान-.लातका महकात्या अहं गमक लखानि विलि करी केंद्रिक (

१८०० नार्नि गर्स बारका शकि मह कार्यम् भरक्ष ३० दशनीय छाक हिक्छ मध्या रहेद्राष्ट्र ।

कत्ता विभागति । उस विकास माधानी विशेष almeiteifein biefenung mim elfte .भारे छात्रहेरन १६१७ हेरन्थ माळा 4/4641

शाकीकी गर्कि ७ व्यात कार्का व मश्यासीत मनि व सत प्रदेशांक । अंत करा कश्चिम छाः 'वाममाबी नार्वाक महीका करिया र म्लूर्ग निलाम शहेराच क्षक लडायन विदादकता वाक्टितत दकान थाकि बनन त्यन मगावाणीय गठिल ताथा क्षिटक ८५दी मा करवन, दम म्यास MBleist mat matte ! Elmicen अक्षामनीक्षणाद्य मानकितिमाय महामाजीत भाषु क्ष्म । । भाषा । जामन #141 ###fc# )

### कानी मनी जादमारिक ने हिन बन्छ। जबस मश्दक्रण

় আহেবা জানহা ক্ৰী কটলাম যে সম্প্ৰতি आर. अंत्र बीत वरहरू हे शृहतिक्रिया पर्यास क्षणी स्थी कारशावित क्रांत्र वानका बाकाव "दक्षभण बहमती" क्रिय वज कार्ट का वाक हमा करण का का वा वा वा विश्व ं को छ । भूत्य किर आवर्ष छ छ ० ठेट छ क्षिट्संस ८ तथा कार का का का का का स्थापत ं कृत्ये वंश्वकत्र त्याकिया आग्राधार्थक त्यायन mffinielfen i fon et miceieng ्रीकार्यकांत्र स्टब्स "निकी स्थम कवित्रात" दक ः कार्य करिएक वह निर्देश । त्यरक्ष कछ। ं अपनारमान राष्ट्रम अभिति जाक असिताम'' · se sell diet de secondifiel stala-ं न्यंत्रदेशक स्थायभाव स्थाविकारक । विश्वादक है माजीदन मध्य गरदणन । मान्य । मादन स्वित इंदेशांक, वृश्चित दशालानी प्रव कर

### मूगन्य (न दम ५) (क्स महिख विकाश होत्र हैन हैन

महित्र भरणात म एक, मात्र भरणात क्याप्त । मिक्का भा दगन्याक, दम, दल, ख, मालिक किट्यांक को लाखर, लिक्क्लरणंड मार्च क्रमः এন, পুটা, বিগলোগরের রাজা, কাফিক ঘাটাতিক স্বিশেষ উল্লেখযোগ্য। তিনি दशास्थरकुत ७: शामर व्यानाचम थान, . भारत वस्थान—"कराठीत कहे ध हे स পাতার কটি;লাগের সদক্ষ কি: লানের পিনার্কানির কত কংশ করতের সাম্যা-ট্যার প্রাচুতি নিল্লীতে অনাত্ত মুন্নামান প্রাচিত্রের মদ্য আ ভাগ ফলে এবং করু নেপ্রান্তক এক বে সরকানী বৈঠকে। অংশ জালভীয় আগন জনাক্ত আলোগনের भास्यान कतिकाहिरणन ।

किंगारीका । आरमात्नाक 'क बर्गाक, । क्लिंग अरमाधारमर फ्रांसक कर्मियारक. दम भारत म खाला याद्र नाहे, क्य बाल- , हेरा निश्मतम करे तरत याद्र । रेगा अर्थ भरत्य अस्य अस्य ्य, मृहाका eine kingerbatte bieten biete माप्यतः । शकः सम्बादः गरतः स्माप्तः (सञ्जः) क्ट्रायनीक्षा स्थास कर्मना कार्य मुख्य मुख्य दम्दल्यम् माध्यक्षां ७ वृद्धाः पाद्याः पिकाद्रेशः । मध्यासम्बाह्यः कान्त्रियः एकन द्वः नास्त्री বেরমা উলোধা মোটের উতিত মনে করেন। আর্ডিল চুলির সংখন লেখিয়া ७१०७-१८व नाच १६५५ भूग-भान मन्छात । पाय । भीभाष्या शहरत । याच छाइछतस्य क्र इ-417) RECO of 1914) 4(8, 12/1 + 13/4) इंद्रोब सुनाभाग क!ब८७ बंद्रदेव ३

कर्टवार्य भवरत कारवाक्रमांत्र व्यक्तान <िय, याम भश्रद्धाः शक्ति जनश भूगस्यान শ্ৰমতেজন মাৰ্পান্ত সংগ্ৰীক ভাৰো নিকাৰণ । আপ্ৰায় ওবাৰে পুনায় যে নিখেল ভাছত क्रिटिल मा भारतम, खर्च कें(क्राक निकार्तक विश्वा ख्याब केंग्रांत भीभारण कांत्रवात कल Cb8) क्रिटिक अञ्चर्यात करा वहरूत्। हान्यस्थात् । विद्यानाविकारण अर्थन क्रिक-🅶 জোৰ মহলে প্ৰকাশ, পূৰ্ব নিহাচন। প্ৰ প্ৰাভনাম ও কারের সাংগ্যা পাওল ও পুরু নিক্ষান বিষয় শ্রুষ্থাই স্নিতি । সাহতে ব্যাহার আদেবাতি পাওয়া পিথাতে। बिद्धक मत्मा ब्यटेनका ।

### ৫০০০ মাইল মরুভূমি অভিক্রেয়

মধ্য অভিযান পাঁচ কাপার মাউল মনজুমি অধিক্ৰম ক্রিবার উলেক্তে a- चन् कवामी वन् करूकन भारतन चारिकामा त्याचेत्व ठिका। याचा कतिशा-(क्या कडे का व्यानभावीत सम वाग्मान, किन्द्रात व्याद नागीत मानकृति का जिल्ल किश्री विका शहास द्यारिक हैका **4544** 1

養命に解析 おこか (へあてき 可服 功力) छुलियाम यम धार वार पारकार्णक माळ-मध्याम है आणि इत्ति १६

বৰিকসমিভিন্ন বাৰিক অধিবেশন ৰবাচী ধ্ৰিক স্মিতির স্ভাপতি बिः उरेन, जि. कुनाब नविकि वार्विक व्यक्तिम वा नवालिक विभारत कीवांव **अक्र**णांच भच दरभद्रत वानमा वाशिरकांच

ारलांडमः करमन । फिलि नरमम (ब. ! ् भूलभूटम् ७ गण्ड नर्मद्रक व्याधनानि सार्वाष्ट्र গত এই তেখিল অনুধান বছৰটে সুধা মধ্যক বংগর অংশকা আর সাহত ाउ कि है कि का कम करेगा का नाना साराव मध्या कारावरः किनि । भागक এবং ভাষার পরে গাঁকু ও গমের আমদানি ें के ने अपने यंत्रावासीय नना कड़िन, फटन, প্রকাশ, বৈঠাৰ প্রায়ে এপ্রঘট্টা প্রায়য় । কাগড়ের জাশ দার্নি হে বিচারিত বস্তু

লভ আর্টট্নের দুরদ্দিতা fenner Michain benich : ভাগারা বিশেষতা করেন হয়, এও আডেইচনের দুর্গালিভা বেশ বুরা

### নিখিল ভারত মেডিক্যাল 4 N 4 1 C 3, 49 পুৰায় তাধিবেশন

कालाकी २०.म. २०१म, २ १८म ७ २५८म (भाष्ठकारण कनकारताम विश्वता, खांबाब फरमांच का.(३) भग क्यारंबर मुश्कि खाराहा करनक खाशाबनीय विश्वसम मा,थन कडिटान भ भग्ने काशक कन्यार राज्य अध्य छूट विराम्य क्षिरानामान महिन । भारताहिन

বিজঃবিভ কাৰ্য্য স্থতী ও নিমন্ত্ৰণপঞ अम्भ क्षात्रकार्यय विश्वित साक्षिश्रात्यव निक्छ भाउति व्ह्यात् ।

### मिंदनादम्ब निद्याविश বিদেশী কাপড় সম্পূর্ণ বন্ধ

७: भेष ोजनाम बाधार-भन्ने अवनी ্বাগারজু নাংগ্র'মা এবং আরও क्रिशत गृहिणा मन्त्री हेम् विश्वनी कालाक्षक दमाकारम लिटकछिए .क्षिटक-एकत् पृत्र मास्त्रिपुर्वशास्त्र निरक्षिर EMIN क्टेंंक्ट्रा क्रिक्स मान्यारिशन (काल क्रेश्यूने चक्रत कड़िएक शांतिएक-( NE 3352)

मन ७ गाँचात (माकाटन भिटक्तिः क्षी के कराधन कमिष्ठित खरमारण भांकिश्र निरक्षिर शतिकांनिक क्रेस्कटक

(अफ्रांशिवकशन दिक महापाओ। निर्मित प्राप्त भव अर्थाकाद त्याकारम शिक्छिर

#### ডাক হরকরার ডাকল্ট

शक रशरण यार्क शकाक विनाहमारक अक छाक बद्रक्तार निक्ते करहरू छाक अंत्रे कहेत्रः विश्वदेशः छ। क कत्रकत्राः राज्यक व्हटक राक्ष्याची त्यांक्ष्यक्रिय याहरकोकता कार्या यादम र मक Biolibu i abigimin Companicas হত্ত শমান গোণীকান্ত চাটান্সীকে ते भूष्णा के त्वाश्व व करा कहेगार । ७१क क्षका माकि शालीकाटस्त्र माम कांत्रकान कराठी कराज्ञात मिल्लीक हुन्कि किला आसामीरक आमीरम मूर्कि स्व का

### নিখিল বলীয় মহিলা কংগ্ৰেস ভাষিবেশন

**७** क्रम मारभन्न कृशीस मञ्जादक कानि-कालाह जाउँनकाल निर्मा बलीय महिला क्राज्यात्मत ज्ञालम अपिटनम्बन क्रेटन वर्णता अधिति क व्यवदा 198 858 1891 नानी र र खाळ विषय मन्ना केंद्र दश्याय मादी(प्रव भूमा: कु छेक कर्द्यात्म व्या:काइन: @ क्षतियार कारान्या निष्क तथ करा करेटवा

মোটর চাপার জীলোকের মৃত্য क्षाणी है'न दिशाय क्रक वावशाकीय বালাণী মোনর চাশক গভ রবিবার গাড়ী লইবা গৈয়া আনপ্রকৃষে করেঞ্জ-किर्येण द्वीरके र विभावित । जानात्र व्यक्षण-ছিলৈতে অপর একজন বাঙ্গালী চালক शाकी बालि कि ने यात्र अंतर अग कि नादक mich binien, riet anfocute Dico दक्षि जीरणाक अ शहि स्माक्टक हाना (मश्रा श्रीका करी माना निमारका अके 8 ी ब्लाक्टक कामणा कांट्र शक्तिका दमखा क्टेशाएक। अके ठालकरक श्रीतम हुनि कतर अगुक्रकेशारन द्याचेत छान्नांत अकि-(यार्श का कियुक्त का देशांटक ।

### লেড়গুলের কাণপুর যাত্রা

व्यक्तकार नार्टिन, (नर्ड युग्रानान बाजाब, धीनामा बाबुन कानाम जाबाब खबर मशब्दाकीत शुक्र शिक्षरीयान नाकी कान प्रशंक माला गण्यांक बहे खेळा etem wein wimt Genten !

### उगक्रक क्रकन ने दिएम्स मर्फाण व्यावकार नगरकेन, (योनश्या कायुत कार्याय कार्यक्त, १५५ वस्तायामा राजांक, क्रिक द्रावर्शन नावी, क्र्यो

Part 15 mars mas 700 चा- मान्स्म, प्रक्रिक खमान्नीम जनर बाब पुरुष्य छम सामे विभाजन नाम वह काल्यन काम्ब्रुटेन (वीविवादक्त । कार्युक केंद्रा catesa somita de descritere de descrite यक्रण. व्यष्टकारक वासामन व्यमान विश्वम. व्यवाशिक बाका कार्यक्रम क्यारक्रम क्यार ब्रहाध विष्यु ७ पुगणमाम Chus क्रीडा-निगरक छेलका इ व्यक्तन महेबा दान । क्रमा बहेटल किश्रिता कीश्राता लाकामधीन दशन दर्शना गण्ड किना करमेच्दक कार्या-ठला करियात **क्या महरक्य विनिद्धे कावमांत्री**-(एव गण्डि गांकार करण्या व्यक्तां) कांशां पानमाशीमिश्रक लग्नामर्न विश्वादक्क. Bietel (vanigiai) ja Bietena un-गण्यमं अणात अस श्वन्दमान्त्रेव मावास व्यालका नदक्ति मिल्ला धार्य निव्यक्तिक উপন্ট অপিক নির্ভন্ন করেন। - জালাদের महा िन्द्र ध्यार मुन्त्रभाग के कटलके भक्षणावटक प्रकास **सम्र जवर निश्न मिस्र** गच्चमारद्वत त्यां । व्यक्त गच्चमारद्वत क्रिय यं • (क प्राच्छा का का का एक्क्ष्म भवन्भत मन्द्रवाधिका स्रवाकिका

**८३ छात्र गाउँ। ब्यास मध्य द्योगरी** का किस महत्रम निकिटकस कामश्रल स्मिक्कुस क्षेत्रिक श्राम अपन किस्तिहरूका।

देक कादिएय चनदाह्य मध्यम नाएउन कार त्योगाना जानांग भवा धमान गाहित्वती ভবনে ভিন্মু মুগলমান ঐচ্য সম্বাদ্ধ ঐক্য (बार्डिय मनज्ञभाषक निक्छे बक्तका मिन्ना-

### ভারত সজাই অভুত্ব

क्ष्मिक्त अन मश्मारम व्यक्तान, मञ्जाहे नक्षमण्डाक्यंत अस्थि व्हेश्वाद्य प्रदेश क्रम्य क लग (लाबी • ? स माडे ! याश्राटक दक्षाण कृष्टि at se wein witten! Steten wedene शाः १८४४ फिस्टर वाकिनांट नवामर्ग ८एकश व्हेर्यरका अक रहे खिला िनि डेमामनाथ दर्शभगाम ,फरेश्रहक পাংকে নাই ভবে শুস্ম-দৰ্শক্তিভ क्राकृष्टि सक्ती कार्या मामा कर्षिका-किएमन ।

### **इन्सममभन्न मिडेमिनिन्द्रानिकेन** ম্বৰিদেচনা

**5णमगंत्रक नियागी दर गण्य धार्मिक** camin manico Giorcen Meinid **ठकामगा। विद्यानिमाधिकी अपनी विद्याप** १७१६ २००० **भूषे शक्षांत्र केश्मिः नार**मस यावका कविशास्त्रमा केक विकेशिया नातिही निकटकोष अवनंत 🗢 द्वेष्ठे मोहाया नर्विष्टिक वर्गासास्य ६००० श्रीकार क ५०००, कालाव छ। भा व्यक्तिकपुर्वरक भारतान भाग कतिनाक कक व्यवस्थान Wasifetin +

## বক্ততার চুম্বক

()) विक-'बनम्ड ଓ नवमार्थ' विकास जीवान अनदानम् विकासित्नान শাম--- এগেডীরমঠের সারখন্ত নাটামলির **অভানতি নিয়া** হ'ল ভানাপ্রনশলাক যা। চৰ্ম্মীণিভং বেন তামে 🕄 গুরুবে নম: 🛚 । বাইক্সিডকডান্ট কুগানিক্সা এব চ। 'अष्टिकामाः भाषरभएका देवकदवरका

> 1 \* नरमा नमः॥

অনেশলীলাময় বিগ্রহায় **८ स्वाक** विश्वास्त्रात्र । ক্ষেম মহাত্রেমরগ্রেদার रेठ उक्र ठळाव नत्या नगए ॥

नेमरवर्फ श्रुवी (ध्वः देवकवम'छति, व्यक्तिक व्यक्तित नक्षता निवय विका-পিত হ'বেছে-''জনমত ও প্রমাণ :" विवस्ती बढ़रे खक्छत्र ध्वर वित्यम महर्त-कांत्र महिक कारनाहा। ८हे करूर विवय भारमाहनात्र भागारमञ्जू वाज्ञिल्ल मछ वा शिक्षांच विष्ठांच ना क'रत यपि আমিরা শ্রোতপথ অনুসরণ করি অগাং সনাতন শাস্ত্র, আমানের পরস্থাতনীয় शक्यम, यहां समन्त्री, न्यानिश्व, त्यारकारत মহাপুরুষণীণ যেভাবে এই সমস্তার সমা-शांस क'टबट्डम, छीटलब भनाक अकुनवर क'टब यणि आभारमञ्ज वक्तवः विशय वर्गन कति, का' श'रण केश क्षष्टेत्रारम ध्यमनिक হ'তে পারে, কিন্তু যদি উল্লেখ্য ব্যক্তিক্রম হয় **—সামত শাস ও অভিমন্ত্য মহাজনগণের** भाषाक्रमञ्जन क'रत व कवा विषय वर्गः कतः बात श्रमकि यनि श्रमात्र श्रीकिष्ठिक ना ३ग, ভ' হ'লে আমাদের বস্তব্য ওক্তর विषयणित कारणांहमा छुट्टे ह्र'रव मा । चाउध्यव व्यविवयं नवद्क किङ्क नन्तात्र भृत्य व्यक्ति मञ्जलभारतम् व्यक्तिम् व्यक्तिम् क्ति।

ब्बर्ड (य 'खनम्ड 'ड लक्क्मार्च',--- हेहा বর্তন্তে ৩২টা ভাব বার বিষয়। আমা-দের চিঙালোক বর্তমানে বেপ্রকার व्यानाम च व्यान्ता मिक इत्र । इहात धक्कि विरुप्त कात्रनक चारक.—जामता শৰাজে বাদ কলি, দামাজিকতা আমাদের धाक्ती व्यथान गर्छ, मण्डी दगाकरक ८७८५ विदय व्यविद्याय वाकिय तका इसना ম**দি প্ৰাজেন কোন** গোককে আমধা भागन कब्ल बारे, ७१' ह'रत छा'रक दक चात्र स्'रत शांवि । देहाट विनि भावि **धक्षा विकायमा अक्षा विभिन्नेला व्याद्य. विवन भाव-स्मादानि व्यय**्य करत, किस्र किमात्रा यनि भावे मार्क लाकगरनत कार्य

### শ্রীঞ্জীগুরুগোরাকো জয়তঃ

## নিতাপাঠ্য বৈক্পবাৰ্ত্তাবহ

दिवापि नमल नाइड-नारश्चत्र अङ्कृतिम नापाडा সমগ্র ভারতে একমাত্র মুগভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

### শ্লীৰাম মায়াপ্র-২৬শে চৈত্র, স্থাপতি বার-১০৩৭

নিৰ্যাভিড করা যায়, ভাকে আত্মগানি এনে দেওয়া যায় । এবিষয়ে সমাদের--হ্মন-শক্তির বিশেও প্রাথিত ছাতে। 'क्यर्थ नरक । व्यद्याकनः। कामता व

गामाकिक्छ। कर्छिः (नमकत -अर्थ) उठी एकगड्त वड कल-- श्रुक्यार्थ--शुक्रमत व्यक्तिकत। हेडा दाना व्यक्ता দের অশান্তির আঘ্বতা সাম্যাকভাতে কৰ্তে পারি এবং অভাত প্রয়েজন ও ইছাতে সাদিত হয়। কিন্তু যেখানে পিব-মার্প' অর্পাৎ পরম প্রেমাজন, সেধানে ्बंटे कशरतत नियम, सम्माक्तिकार, विनिष्टेत्। বিভাবান হ'তে পারে না। এই প্রম্প-রাজেঃ ক্ষমহতের কভ আনিগতা পাঞ্জে পারে, দেখা যাক্। গাঁডা কিখা দলতন শাস্ত্রধন আমরা আলোচনা করি, ভবন ्षथ्ट शाहे—भागात्मत मनाक्षित ধারনার বিপরীত **ইন্দিভ শালে** র<sup>্ডেছে</sup>। যেমন গাঁতায় ভগৰান আক্রম্ম বলছেন---যা নিশা সক্তানাং ভঙ্গাং জান্তি

भ•मभी । যক্ষাং ছাএতি ভূখানি সা নিশা প্রতেগ 4C-11 H

---সকল প্রাণিগণের গক্ষে মা' নিশা - ाशास मकन आगी चुमिरत्र त'रगर्छ. সেখানে সংব্যী ছাগ্রফ রয়েছেন, আর छन्द्रक, का'एक शनवाप था कनमएकत्रे रियशास्त त्यानिकाशः (कर्ण त्रायाक, स्मर्शासन হিতপ্ৰাক্ত মুনি নিহিত আছেন, তাঁ'র বিক্তি যেখানে কোন 'লয়' প্রাচিশাদন দেখানে কোন জিলা নাই। অর্থার কণ্ডেল, ফেটাকেই যদি আগর। পর্যা আছাপ্রবাগ ও বিষয়প্রবাগ ভেলে বৃদ্ধি ব'লে গ্রহণ করি, ভা' হ'বে গাঁভাব বাল ছ'প্রকার। আল্বেপ্রবাদ্ধি স্বভূতের- অহুসারে ওখার। আমতেরর মত্র লাভ অভ্যুক্ত সাধারণ জীবের প্রেক স্থানিবিশেষ। ইয় কি ৪ রুণ্ড অভ্যুক্ত লাভ্যু ক'লে বিষয়প্রবিশ্বতি জীবসকল ঐ রাজিতে আমাদিগকে জানালেন,—'দতে ভালু নিলিত **থাকার আত্মভান বাভ কংতে** মানব, ভোমরা যে বছলেতেকর ভোট भारत ना । विश्व विष्यां के वार्षिक्ष । निरंत्र वर्ष किंक के उत्तर भरन के स्तरण পান, জিমিও মনে করেন, দণ্টা পোকের আগাঞ্জ পেকে আগানুভিনিষ্ঠ আনন্দকে | ভাদের মণো ত কেউ কেউ মাত্র আগাকে ৰাখে মিখাছে না পেয়ে ডিনি কঠোর সাক্ষাৎ মাছতৰ করেন ৷ কড়স্থ ভীব শাবিত পেরেন অর্থাৎ বছলোকের এমন বিষয়প্রবণকুরিতে লাগ্রাড থেকে ভারিট-

ষা' হ'তে কাহাকেও বিচ্যাত কবলে তা'কে। উপাই ক্লিডপ্ৰাক্ত মুনির মন্বন্ধে র'তিনিন্দেষ। ডিনি ভা'তে সংগ্ৰি লোকেৰ স্তথত্বপ্ৰস্ व्यक्तिकां करे विषयभक्ष । अतार्गी ग्राम्हादव । १ गर्लाहि ह निनिश्व हार्य श्रीकात करवन ।

ভগৰনে জিছাল জাৰ্ও নুল্ভেন্---কিছু কর্তি, চাক্রী কর্তি, বাবসা কবছি, বিস্থানি সহযোদ্র কল্ডিল্লভিডি নির্মেট যতভাষপি শিকানাং ক্লিলাং বেলি

. 4. . B

अर्थोद महत्र महत्र प्रशुक्त प्रदेश दुक्र है কেউ কল্যাণ-হিভিত্র হাতা মন্ত্র করে, অবিভি এরপ নুধ্য সহর সিচ্নিত্র মানো কেই কেছ আমোকে (জীলভাকে) ভাষ্টে: অবংগত হন। কশ্রটি দেখুন, গ্রণমন্ত্র ভিতরে কেট্র কেট্র ভ্রণণান্ত ভালন বারেন, আবেশে গাঁবা ভালনা কালেন, 'ব্যাদেৰ মণোও জা'কেন্ত (ন ব্রিজস্তেন) পান, এমন লোক শতি বিষ্ণ।

ব্রুমানে আমের প্রমৃত্তির্ভ প্রাপ্ত লক্ষ্য ক ভি । গোক মূখ্যাৰ আন্তিয় रहराहत, राममा (चाहित्याम **च**ेलार्ड — तह (ताक गर्यन काल वाक ना सामा किक मी कित ममर्थन क १८५न, ८८ एक सामना प নিলিচাৰে জীকার কলাছ, मञ्जू है र 'લ્ક અકુરમાનન માર્કે,

আমরাও খাঁকরে কর্তে প্রস্তাহ 🦠 না कांगत्र। शिक्षा अध्यक्तित अभूरशत দেখতে পাই, সইজ সইজ লোকের মধ্যে 🖠 (क्डे क्डे छश्याभाक अ<sup>र</sup>श्त क्छ यह कर्दछन । किन्द এक्रल मध्य मध्य निरुप्त खेनाममा करत्रन, छ। क'रण एक्रमः चन-সমষ্টি কিন্তপে ধর্মা নিরূপণ কর্তে গ

ৰও, ভা'হ'লে কি মদল লাভ কন্তে পরিবে ?' ভতরাং গীখার দাগী িয়ে নিরপেক ভাবে নিচার কর্কা আমরা দেখতে পটি,— ৰচিছ্থ ক্ৰগণের ৫১টে निद्य भर्म निक्रिशिष्ठ हरा ना। এই कश्च শ্রীমন্তাগবতে যমরাজ বলভেন বে, প্রমার্থ কথনও সংখ্যানিকোর মত নিয়ে ঠিক হ'তে পারে না।

এই দগতে আমরা যত জন এণেডি, নকলেই অপ্রাচী। আমাদের শ্বরূপের इंडि ट्य निका इक्साल, छ! विश्वात इंद्य िएए व राज यामता इहे स्वीशमक्रव কারাগারে আবদ্ধ হ'লে অংনিশ্ মায়া (मनीत याणियोगि याणि। ताका क्राप्त কুটাৰবাদী পটান্ত কেউ হ' বিভোপ অভি-क्रिय केंग्रंड भागाज मा । यह उदकानाक की লিওপ্রেনী বা মহামালা আমাদিপকে পরমার্থের দিকে উত্তথ করিয়ে আমাদের अकटलन (तन्धिकटल----वदमटन (८०१) वर्षटक) নিয়ে গাধার জন্ম শান্তি লিঞ্চেন। আমরা চিম্বব্রিক চিন্তে পারি নাই, কাঞ্চেই তিনি ছালালকৈ মহামারা বা তুর্বাদেশী-কলে অনে দিশকে আকায়িক, আবি-(प्रो.तक ५ णाः हैमिनिक—ए**इ** जिनिध যথা। প্রানান-পূচক নিমপ্ত রূপা কযুধার বি নি কলাভন। যদি মুক্ত রাজে।র---্রিজন তের প্রায় সহজে পর্যারণ কার্যালার-ভিত্ত বিভাগে ক্লিট গ্ৰহমন্ত্ৰীৰ নিকটা কাজে ্রভাট কিন্তা কোন হির-গিদ্ধান্তে উপনীত হ ৪ম বাল, ভাগ হ'লে ভেল্লাডা ভালের কত্ৰ অভাৱিক মুখ্য বা প্ৰমাৰ্থ লাভ হ'তে গালে, ভারেকে ভিরপেক সভান্তে-ম্ভিক্ত জালিত একচারও কি একটুকু रिक्षी २८७ (ठेड) क<sup>र</sup>ता सम्बद्धन मा १

### ~িবেদন

্ট্ৰাসুক্ৰৰ অপণ দেখী 🤉 देवसभ्य अस्तुत्र । (७५) त्राप्ट्री हत्र-एटल । এণেছে প্রাময় क्षातिक स्वाहन ८५ममः कर्माटन व हिल्ला 🔭 ८ क्षा माल्य भगार नेतृक्त कोक पुतरन गाहि। এটোৰ পাঙ্চ নারি মুখ্যুম অধ্য হালেপ্তে আছি ন क्षत-मान संग्रह मुक्ति मुक्ति না কেথি মানের গ্রণ -कृष्णवंति अग्रन Birth City लक्षी घरमक उन्हें জে দিনী মুক্তি कड्डे अ'श्रा ८ गरम कलिङ अस्त महोक्तिका सम यक्ष्मभारक

गांश इता इनमांत्र ॥

শালোকের আলে आत्यमंत्र नात्स शहस जातक काम। व्यालका पुनाव আলোকের বেশে **ष्ट्रारकत भागा--**्न ॥ দিবসের শেষে មលេខ ទើល**ផ** कारणज गांचरत ध्राप्त । कुत्राहेए भिन পল পল ক'গ্ন' মালে মালে বর্ষ ধার ॥ কামনা-দানবী বিজ্ঞানের ভ'রে स्वतस्य दौरमञ्जू वाना । (আমি) সভত ব্যাকুল ভার সেবা-ভরে তৰু তো পুরে না আশা। কড়মুখ আনে আকুল পিয়াগে खिमिन्न छैन्नान नमा चुशाचरम छाट्या, বিষ পান ক্রি' **૯**(व व्यान यात्र मन ॥ 'ভোগে ইঠ নাই তাতে হলে গতি' क्षेत्र देवनात्री करहा। **टी** हितरमनात উপচার-ভার তেয়াগিছ তারি নোছে। मिधिल कश्र भ्यात गमन **डीक्रक प्र**तिहेश করম বিপাকে না বুঝিয় ভাষা এমত বিষয়-মৃতি ॥ দীনতা আমার नाष्टि विद्रा मास्त षहिमारम डेफ्टिश । কৰে বা এশির শুটায়ে পড়িবে अन्नत्रक देवसः दरत्र ५ অগ্ডির গ্রি ভূমি ত দয়াল পতিত জনের স্বামী। অভাত্মন বলি' ভাজিয়াছে মৰে **এখন ভরন। ভূমি**। আমার বলিয়া ८१ विद्या गाउनक ভারে। ভ করে না ধ্যা। মুচুমটি মোরে শ্বা বেষ ধরি' বঞ্চিত করিছে মাগা। म्म कर्णकर लार्परक मत्रग-ध्य । *पृष्ट्राच्यश्*त्री প্রছে শক্তিনর ! भा अ मेरिन श्राम्य ॥ द अध्य करन क्रमान्य शास्त्र লেড' নিজপট রতি क्रमाय क्रमाय জীখনে মরণে बाजि ७ जन विशेष

## ানবভাপগ্যমপ্রচারিণী সভার অধিবেশন-বিবরণা ( 35 ,

अयुष्ड मद्रिष्टानाथ (पाय

क्षिकार। वाजापनी दशान शिक्ने मिनामी ছ মিলার তীব্রুক নয়েন্দ্রনার বেয়ার মতাপ্র শ্রীপেড়ীমনটের প্রচার বা সন্থোর প্রতি বেরপ নিরপেক গ্রীতি প্রাবদীন করিছে-मान्याद्य औरश्कीयमध्य (美麗

প্রচারের সহায়তা করিয়া নিম মহদত্তঃ-ক্রণের পরিচয় প্রদান ক্রিয়াছেন, ভাষাতে শ্রীনাম-প্রচারিণীসভা তাঁছাকে অশেষ ধরুষাদ জ্ঞাপন করিতেছেন।

ঞ্জিযুত লিবেজ্ঞানায়ণ গিংহ রায় নাকাশীপাড়ার অমীদার শ্রীদক্ত শিবেল-নারাহণ সিংহ রাম মহাশয় খ্রীবাদ মায়াগুর-নবরীপ পরিজমায় ভাগার হতীটা 🕮ময়তা-প্রভূপ বিদ্যাবিগ্রহ বহুনার্থ প্রদান করিয়। শ্রীদাম-প্রচারিণী সভার ধরুরাদাই ইইয়া-

#### মান্ত্রাকে আসকল্যকারিগণ

মারেডির মহামাল পাদ্নী রাভ্যান্ত পি, এন, শক্ষরনারায়ণ আয়ার অবর্গণ বি, ল. লল মহে।লয় ভামিল ভাষায় উটেশীজীরমটের কাছারকবর্গের ই রেলী বভুজ্যেম্থ অলুবাদ করিলা মলকেশবালী मार्थात्राची एक-किमिकाष्ट्रवानी लगत. ভামিল ভাষায় শ্রন্তিভিন্ন গাঁতির পঞ্চাল্ল-বাদ এণং প্রাচায় কার্য্যে বিবিধভাবে সেখা-প্রের (দর্শেষ্ট্রপ্রন। মহামার্জ রাজনী। দি, য়ফ্ৰামী আশার অবর্গণ বি. এ. মাল্রাল ভিশোড়ারমনের প্রচারে বিভিন্ন फार्ट रामा कनिया महाध्यपुत्र विरम्भ ियक्ष (१) विशेष काला एक मा। जातरा होन का निर्ण्ड शाला नियारक त्या, रशीयक स्माप-স্ত্ৰের দিন ডিডা্বা অ্যামাঞ্চ সেবার আদেশ নেগাইলাডেন। শ্রীনবহীপরাম প্রচারিন্ট-মুজ্য এই জান্ত ভাইছিলগুৱে অনেধ ধন্তবাদ कारभाई (१८८७ मा)

### শ্রীয়ত হরিশ্চন্ত পাঢ়ি

মিঃ ভরিশ্চল পাতি ইভিনীয়ার পি, ভিক্লিউ, লি লখাচলে ও বিষ্ণুপাৰ <u>এখীন্ড'ভিনিবতে সর্থতী পোৰামী</u> প্রত্যাদ কর্ত্রক স্থাতি গুলাদপীত স্থাপন-কালে সকলভাভাবে স্থারতা করায় ভীধান প্রচারিল মভা টোহাকে ধরবাদ প্রদান করিতেছেন।

#### প্রিয়ুত নফর চক্র পাল

श्वनामध्य प्रमाधिक त्री खितृक नकत्र চন্দ্র পাল চৌদুরী ভক্তিভূদণ মশাশয क्षेत्रो द्वीयमध्यत नवम नित्त खारनामा १ गव-কালে সন্ধীন্ত্ৰ পোভাগাতার জন্ম বিভিন্ন মুলাবান উপ্করণ সংগ্রহ এবং নানাভাবে উচ্চামপ্রাসারিণাসভার সেবা করায় ইথাম-প্রচারিণীশভা ভতিভূষণ মহালয়কে অলেন रग्रदाम कालन कतिए**ः** छन ।

### दाश मध्यस्था भूगार्कि याहा पूर नमीया डिक्कि ट्यार्डिक ट्रियात्रमान तात्र मध्यक्तनाथ मुथाब्दी वाहाइत विशास ডিট্রক্ট বোর্চের একটা রাডার জন্ম বর ক্রায় জীগামপ্রচারিণীগভা তার্হাকে শুভ

वान कालन किंत्रिक्टिएन।

### প্রচার-প্রসঙ্গ

गड २०३ रेडख ( २००१ ) २२८न मार्क রবিধার শ্রীণাম সামাপুর শ্রীটেডভামঠের অস্তত্য প্রচারক তিদভিম্বামী শ্রীমন্তলি-প্রদীপ ভীর্থ মহারাজ কতিপর ভক্ত সমভি-ব্যাহারে হগণী জেলার অন্তর্গত রাজ-नगरा आत्म िश्चीममहाव्याः स ४७ कि-সিদান্ত বাণী প্রচারার্থ আগমন করেন। উক্ত গ্রাম-নিবানী পরমন্তাগ্রত শ্রীকৃত্ত নিবারণ চন্দ্র ছড় মহাপরের আগ্রেহাতি-भाषा चार्मिकी महाताक मलाग्रस होतात ভবনে মাতিপা তাহণ করিয়া সন্ধার পর ভাহার ত্বিশ্বত নাট্যমন্দির-প্রায়ানে बीटेह एक जिए एक बरेट की मगर्ग थाइन প্রিয় পার্যণ ঐকপ্ননাভনের মহাপ্রাভূ-পাদপল্পে মিলন লীলা পাঠ করেন,পাঠের व्याप ७ व्यस्य शक्षिक द्वीमुङ । श्रामा<u>प्र</u>यम আন্তবিস্থালক্ষার **सक्**रत्रहरून की एस कडेग्राधिक अपनियोग ग्रह मण्डन ও एक्क्सिकिश स्थानिकी सश्तारकत सीम्थ-শ্ৰণে প্ৰম আন্নৰ লাভি কলিয়াছেল, বাহনকংটে এমিটা বছ মহামাজ রাহতী, অস্মানাথ আফার অংগল বিলাবিন ও বহিষ্ণা তঞ্চনে একেণাদি সক্ষ প্ৰকাৰ ভাষিত্ৰত ৰাম অংকে

। क वर्षत्र भक्ष्य सक्या (माक বাস কলেন। জামের অভিন (Ma) শ্রীর জবল্ল হী দেবলৈ মন্দির প্রানেধ পুন দক্ষিণ ভাগেন্ত ভাবতিক আছে। অরমা-भवन छोटन हो के जनत खोत्र है के नौय গুণাকরের পূর্না-পুরুষ স্থানীন রাজা নরে স্থ মারায়ণ রায় ঐ দোলা ত:ডিখ, করেনা দেবীর নামেট রাজবলভয়টি বা রাগ্যক-काचे तार्राय आम बहेशाटका का क्या টেম্নে নামিয়া ও মাটল গুলিংম আসিলেট ঐ প্রানে উপনীত হওয়া যাব। স্বাচপুর শ্রীপৌড়মওণের অস্তর্গত ভীপরনেশ্বনী खानुब डीलाहे। यक ३२४८ विहारम ट्राहिन মঙল পরিক্রমার সময় ও বিকুপাল পরম-হংস পরিত্রাসকাচান্য শ্রীশীনহকিশিদান্ত-সরস্থী গোসামী প্রদুপাদ প্রায় শভ-भःश्वक कञ्जनमक्तिशादात अ त्रोत-श्वाक्षिक शास्त्र कुछविकत्र कविता क्रीटेहरूखन् ৰাণী প্ৰচাৰ কৰেন। ভ্তৱাং ৰাজ্বলভ-हाछे ब्राप्य डीडीक्शोतनिष्य क्रिय वार्वि-র্দ্রাব-হেন্তু পরম সৌক্ষাগ্য-ভর।বিত।

প্রদিবস অপ্র:ক্রে জিদ্ভিস্বামী শ্রীনীমধ্যক্তিপ্রাদীপ তীর্থ মহারাঙ্গের আছু-গত্যে প্রীটেডভামণের ব্রহ্মচারী, গুরুষ ও বানপ্রস্ব ভক্তগণ এক বিরাট নগরবীর্তন লোভাষাতা করিয়া গ্রামবাসীর বারে বারে क्षिलग्वान् रशिवस्त्रस्त्रव्य कीहिंख शिक्षीमधाः মত্র নাম প্রচার করেন। গ্রামবাদী বালক वृष गृया गकरमरे विकित गलाकारत्व नत्त्र भाषात्र व्यार्थना।

বেরণ মহোলাদে নৃত্যকীর্তন স্বারিকে করিতে স্বামিদী মহারাজের পশ্চাদ্রসূত্রণ ক্মিভেছিলেন, ভাষা দেখিলে বড়ই व्यानत्मन्न डेपच इत्र । मक्तान व्यन्पदिख পরেই মহীর্ডন লোভাষাত্রা জীকুক্ত নিষারণ বাৰৰ ঠাকুৰবাড়ীতে প্ৰভাৱৰ্তন ক্ষিটো নিবারণ বাবু কীর্তনকারী এামবাসিগুণুক मिटात व्यमानानि विष्यंत करतन । मकाश्र পর পুনরার যথারীতি ওবাইক ও অভাত कैंछिन इट्टेबाज श्रा चामिकी महाब्राद्या আদেশে প্রাপ্তবিহালকার **জীবেনোদভূষণ** एक वर्षी महानव क्षेत्रिक्षी विदेश वदा विश्व का পরিচয় প্রদান করেন। অতঃপর স্থানিজী মহারাল আমন্তাগ্রত হইতে হিম্নাক্রি পুর ( কনক-কামিনী-প্রতিষ্ঠার ) **আছুগডা** পারত্যাগ পুক্ষ ভক্তরাজ শ্রীমৎ প্রাঞ্চাল मध्यताब्बत व्याद्धशास्त्र मकरमश्रह विकू-रिक्षितरभवात्र निर्क श्रद्धा कर्षत्।— धरे नक्य विवय क्ष्रुकारक **कार्यन करवन**। भक्रकर मध्यूरक्ष भाष **े यन्ते। व्यान भार्**व এবণ করিয়াছেন। পাঠের পর ঐক্ত की छन ध्या भव थाई विवश्रात्वन,- धहेन्य राष्ट्रिकी छन प्राप्तता देख:शृद्ध **चात्र क्यम ७** क्षता कां माहे। आना कांत्र, ट्यो**डीय** मदरत ७७ वृत्त भामानिशदक मददा मदश · इतन भार की छन अवस्थत खराति किया क्षेत्राच कान्नद्रवाचा

> िट एक इतिकाशिकक्ष **टे**ंट्रिशाष्ट्रविश्वती मान শাং রাদ্রবশ হাট

(2)

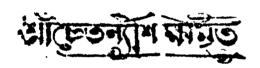
গত ২৮/০/০১ ভারিখে 🕮ধাম-মান্না-পুর ইনতৈভক্তমটের অক্তেম এবচারক বিদ্যিকামী জীলময়কিতাকাৰ স্বরণ্য মহারাম কভিপর একচারী সহ মেদিনীপুর জেলার অন্তর্গত বড়া মোহনপুর-নিযাসী অবসরপ্রাপ্ত সব্দ্ধ শ্রীয়ক আবৈছ প্রসাধ দে মহালয়ের আহ্বানে তাঁহায় व्यायमात्रीत्य भाषांन कतिया कराकित्र यावर और उक्र विकाय एक विनिमास्त-निका भारानि बात्रा वह **ट्याङ्ग्रन्तत बानक** वर्षन करत्रन ।

অধৈত বাবু ও ডাহার উপযুক্তা সহ-ধর্মিদীর সেধাপ্রার্ডির **ফলে অনেক লোক** হ্রিকণা ভূনিবার ও বিষ্ণুবৈঞ্বদেবার আতুকুল্য করিবরে হ্যোগ পাইরা ক্লড-কৃতার্থ ইইয়াছেন। প্রমারাধ্যতম 💐 প্রভূপাদের পাদপল্পে ও তাহার নিজ জন-গণের প্রতি ইহাবের বে শ্রহা ও ভক্তি ভাগা ৰাম্ববিষ্ট প্ৰাশংসনীয়। এইরপ, আদৰ গৃহৰ ভক্ত ভারতের প্রত্যেক বছে गंद्र इडक,देशांदे विक्रिक्स्रशीयात्मम् नाम-

## ভাক্তাৰনোদলান্ত বিৰাজত ভাক্তা এখাবলী



**विकास क्यां कि निर्दाश कि निर्दाश कि निर्देश** हैशांख कोर्यम लडिह्य, क्रास्थ्य मुस्कि मध्य, निका छ क्रियासक कवा, श्रिकटेवश्रामिक ७ व्यवस्थात्मर ८७४, स्थापित ३ विभक्षका आकृत क्षत्रनकात समान, देवान व वर्गासमाना, देवकव-श्रापत प्रक्रम, भ्राक्षामानमात महिल भावना, माहाल्य, देवशे-कि अ क्षांबारका दक्ष, वेमनाममण, मदेवलवामी एक क्षांक्रिक कारक्या, बोदबत बकावका छ मृत्क, देव्कवगृहद्वत व्यक्तिकार क्रिक व्यक्तिकाती-दिवात, क्या क व्यक्तिकारमञ् नावणका, मारकथर्व व देवकवनर्व, त्वतन क्रकतील. कन्नन उम् का कांद्रात काकीं कि-एम, दीविशक्त्रका क लोक-शिक्षात आर्थन, मकत्रमाळव गवि ३ व्यक्तित कार्यन, अल्या-राष्ट्र'क्रमक दक्षोष्ट्रमण, निकित्रात, मीक्ना, देवती । अन्तर्भक्षाः कि. मध्यकान, अम्रुट्यक व्यानकारी, नामकीप्रदेश, अपूर्व हम, शीवप्रदारम् खाक्षाक मनाक्षतः माक्षणाता काराख निशृह देश्कावनी वा क महनकाशा करवामकवनकान अ --निक क्षणांक । कर्ष क्रमांक अवश्. प्रश्न कांग गर्न कर्तिर गक्ष्माधिक ब्राट्मांक किहूरफर्ड व्यक्कान वः मरनव वाकिता ना । পরম গুড়া স্মবিষয়ক এই এপ সরল ব ক্রিয়াপালী এড এপার। ছ च्चणान के के शाहा निविध्यापान्यो-गाञ्च-भरकार वि-भक्षन-কলে এই এছামুত উলিভ ব্লহাভেন। আবার ক্রিছাত प्रको. कथामात है कालि बादा वित्यस ममुख कथा करेंगाएक । विक्रा अप, मानाव करन नाम दनका छएकर वामाठ--क्रकृषं शरकश्य २८ माळ ।



• इक्ष नःश्वतः [नवतः वीवादे—२, वृदे होन। वावाया—५५० लोटन वृदे होना

ৰৃষ্ণিপূৰ্ণ শাস্ত্ৰবাকা থানা হোডোক মানবের নিজা কথাৰ প্ৰথাক আনজা সামায়ক কথান নিথাতিত কইবাচে। এবের ক্লাক উজি সনায়ন লাগ্রবাক্য থানা সম্থিক ও আমাণিক হনপ্রতে। বিশ্বের, মনের ও আত্মার থকা কি চু বিশ্বের, সমাজ, নীজি, বন্ধ কি চু কজাছি বিবয় সমাপ্রসাবে কমন ক্ষম্ভকাবে বৃষ্টিসক্ষাতে আলোচ্ছক ইয়াছে বে, প্রথম সংক্ষে কর্মার কার্যা শেষ প্রথম সাত্র না



विक्रीय मरक्ष्य । 🛹 जाना

ক্ষিণ ভোষামী আৰু জীণ ব্যুনাথ গোষামী প্রভূকে উপয়েশক্ষণে যে সঞ্চল কথা বালংগতেন, ভাগে এন প্রথে ভাষ্ঠপথেত অস্তব্য ও অতিকৃত্য বিচায় অতি প্রকারভাৱেশ বিশ্বত ভূইভাতে। ইয়া ভাষ্ঠা জীতীয়স্থাক্রভার উপান্তর না অন্তব্যুক্ত বিশ্বত ভাষ্টে ক্ষিত্রস্থাক্ত । ৪৪৫ গৌৱাব্দের সচিত্র

## শ্রীনবদ্বীপ পাঞ্জকা

পারমার্থিক বাজিনাতেরই একান্ত প্রয়োজনীয় বিষ্ণুত্তত ও উপবাসাদির ভাগিক। সম্বাসত বাংলার ঘরে মরে বিরাভিত হটক

ভিক্ষা ৯০ আনা মাত্র ১৮০ ভাক টিকিট পাঠাইলে ভাকে পাঠান হয়

মহাক বি

শ্রীল লোচনদাস ঠাকুরকৃত শ্রীচৈত্যামঙ্গল

ওঁ বিকুপান ঐশিষ্ট কিসিছান্ত সরস্বতী গোম্বামা প্রভূপান-সম্পাদিও ভূমিকা; স্লোকের অবর, বজারুনাদ, প্রতি প্রসালের ও মণ্ডের কথা সাল্ল, শব্দুটা, ম্বানসূচী, পাএম্বচী, প্রমাণগ্রন্থ, ভালিকা, প্রস্তৃতী প্রভৃতি নিম্বত সূচী সম্বলিভ ব্যক্তি, অক্ষরে ভবদ ক্রেডিন, আইপেলী আকারে ভিট গড়ের কাগালে ছাপা। ভিকা—২॥ টাকা

### **শ্রীহরিনা মচিন্তামণি**

নামানেশ। আঁশ হাংদানিচাকুরের মুখে উন্নিল্লাহার জু শ্রীলাম মাংশক্ষা, নামালাস, নামালাসার প্রাক্তিতি বিষয়ের , বারালীন বিচার প্রবণ করিয়াছিলেন, এক বিষয়গুলি কাতি শবল প্রারে সংক্রিপ্ত পাল্যস্ক প্রিপাটিভাবে মুদ্রিত। শ্রীল ভার্কাবনোন্ডাকুর-রচিত। এম সংক্রেণ ভিক্ষা দল বার ক্ষান মুজ

## বৈফবমঞ্বা সমাহ্যতি

( अप्सरकोगरकान १४)

িনমঃ — ১ । ড কি লাজে বানহাল লম্বাননীর আর্থ ২। 
চালিনজ্ঞাল হৈর বৈঞ্চলগণের চালির, ০ । বিকৃষ্টনম্বনল্পাকি ছ
শ্রীমান্দির ও বিবিপ্রবের বিবছণ, ৮ । বৈশ্ববস্থান্থ ও প্রাবদ্ধসম্ভের ভাগনের্যান্ত বিবরণ, । বিবছনিলেবের লৌকিক ও
লাজীয় আক্রেন্তে যাবাছীয় তথ্য। চালিয়ন্ত প্রকাশিত
ভঙ্গান্তে। ১ম গও দেশ -, ২ম গও দেশ -, ওম গও দেশ, এর
প্রাধ্যান্ত , চালেগ্র এক বের তে, টাকা (ব্য গও ব্যক্ত)

## **শ্র**ভিক্তিসন্দভ

১ম খণ্ড ১ এক টাকা ২য় খণ্ড ১ টাক — শ্রীমন্তাগবভের ও গৌড়ীয়ের প্রাহকগণ ১॥০ টাকার ভূইখণ্ড পাইবেল বৈশ্বনেগ উন্ধান ব গাখানীপাদের হচিত প্রস্থা তথাই ষট্যকটের প্রতিক প্রয়োজনীয় সংশ্ব। প্রতিক্ত ভ্রম ফোউন ৮ হল্প ২৬৬ পৃথা সাকারে মৃদ্রত হইবেছে।

> শ্রী অঞ্চাতার্য সক্ষলিত সদাচারস্মৃতিঃ ভিকাত মানা মাত্র

## বিজ্ঞাপন

নাৰধান!

সাবধান !!

কে, বি. দণ্ডের চৌক। শিশি আদোম ভৈচন আদি ও অক্তিম এবং উপকারিতায় স্বর্জন প্রিচিত ও বহু প্রশংসিত।

আমরা সন্বস্থারণকে জানাইতেছি, বাদাম তৈল খরিদ করিব র সময় শিশির গায়ে ইংরাজী অকরে জে, বি, দত্ত এও কোম্পানী নাম খোদা দেখিয়া খরিদ করি বন। নতুবা জুয়াচোরগণ ক্মদরের ক্রন্তম তৈল দিয়া প্রভারণা করিবে।

## क्ष्याम क्रेनिन्

নুতন এবং পুরাতন ন্যালেরিরার বন

ইতাতে উলযুক্ত মাত্রায় আইতন্, বাইতাইড্রোক্লোর কুইনিল্ আমেনিক এবং ইউনিধেন আছে।

আই ফেরাস কুইনিন্ থানা হঞ্জেক্সন করিবে আফটী যা জংটী হজেক্সনেত সকল একার কঠিন ম্যানেবিয়া করে বস্ত কবে এবং ৮ হইছে ১২টী হজেক্সনে মানেবিয়ার সমস্ত উপস্পান কর করের কেলে।

ও প্রেম্পূর্ণ প্রতি বাস্থা—মুখ্য ২, টাকা, ট্রং ০, টাকা বাইও-কেমিকাল এও ক্লিনিকাল ল্যাব্যেটারীতে ২৯১ নং ভজুনীয়ল দেন, ক্লিকাভা।

গোড়ায়-বেক্ষৰ-ভগতে অভিনৰ প্ৰছ্ !! শ্ৰীৰ ঠাফুৰ ভাক্ষবিনোধের দীভি-প্ৰস্থাৰলা :---



প্ৰেট সাইজ অষ্ট্ৰম সংস্করণ ডিক্ষা /• আনঃ

শেও ও মনের চেরা আনত্যবন্ধ সইবা—ইবা বধন জীব বৃত্তিতে পারে, ভখন একমাত্র নেতাবন্ধ আছিলবানের আছি তাঙার কোন আভার আবেগমন্ত্রী আঘনা হর এবং উভগবানে সম্বাধ্যকরণে নিজপটে কি আকারে শ্রণাপ্তর হততে হয়, হতায়ি বিষয়ক আগম্পানী আঘনা ও আন্ধান সম্পূর্মক গান ৷ উাড়্যা সংগ্রণও আকাম্পত হুইলাছে

ভিজা প্ৰভি বঙ ৴৽ এক আৰা

(अवर्शकासका-- /०, वयदीशनवर-- /०

কল্যাপক পাতক

প্রক্রের সাইজ পঞ্চম সংস্করণ ডিক্সা /১০

আমর। বাতার ন্তন কতাব ও কামনার বশবজা হর্ডা প্রপ্রের থে
ককলাপনে কলাপে বাজর। রচন করি এবং বাহার নিকট কলাপে কাজজ করে, তিলে যে নিকা বা বখাব কলাপ প্রস্তানে কামধ এবং কেল্ বজ কামবের নিকা কলাপেলাক। এবং কি ভাবে কামর। সেই কলাপিলাকে মন্ত্র হছ্ব এই সকল কথা সরল সালে ক্লেক্ড। এই বীজিএছ বাজ্যক্তর কলাপের কল্পত্র; ইনি ক্লেক্ডকে নিভাক্তারে কর্মের সুমুর্থ।

বিশৃত ক্যাটালগের জন্ম নিমলিখিত ঠিকানায় পত্র লিখুন—
চাগ, এটেতন্যমঠ, পোঃ এমায়াপুর, (নদায়.)

## বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভাক্তমঠসমূহ

### শ্রীতৈতন্য মঠ

### আকর মইরাজ

@ ोन नवदीय, ভाकतत ख्रिशम मात्राभुत, नतीता

अप्रशासाशनीर व्हेटल शांत ०० । मन जेखन-शहर कीवलगढा- चाहांश्वर कीहंस-**(अथव-क**वरम के केटेंक्ट क-मठ विद्रालमान।

এই স্থান সংগ্রন্থত-এথি, পরাব্দ্ধাপীঠ বা দাছত ভ্রানস্থলী। এট মৃত্যানীর্থে 📆 ছরি-নাথায়ত ব্যাকরণাধি-বেদ।জসমূহ, প্রতিভার অন্তর্গত কাবা, নাটক, অলভার, তথা व्यभाग-छेणिवयर-मिका-स्क-क्षान मक्राध्य कारावन क कारावन खन् कारा পৌরাল-গান্ধ কাকা-গিরিধর ও মাত্ত সাম্প্রাারক-আচারা-চতঃর উলোদের উপাত্ত বিব্রাকের স্থিত নিজা সেবিভ চইতেন্ডেন ৷ এই মঠরাজে পাল্যাথিক দৈনিকপুর সংজ্ঞা সম্প্রদায়ের আপ্রকাশিক ও স্থাটোন এড়বালি প্রচারকল্পে নির্দান প্রকাশ ন্তরেলর প্রতিষ্ঠিত চটার্ছেন। প্রতিষ্ঠান প্রথার শীধাম-প্রিক্রমার্ছটান প্রথাপত চক্রােটি ত কীৰ্ত্তন প্ৰচাণমংগ মহামধ্যেবে দি ভাকাল অভুমিত কললা পালে। বক্ষাক--এলাভারী শ্রীপাদ নরচরিত্রী। সহকারী—স্থীপাদ বিলোদবিংনী ব্রহ্মন্ত্রী, পাঞ্চ লাব্রদান क्कानि वाक्तपरीय, श्रीमाम बीतास अधारी, मांचम श्रीपामतानम बक्ताती. গ্রেছক ননীগোপাল বল্যোপাধার, জীহবেরাম দাস একটারী জামুধ মজনাল।

### (৩) যোগলীত প্রতিক্র

এট স্থান জীক্ষাবাদ্যিশ্রে ভবন বা শ্রীমশালাপ্রাক্তর আবিভাব-ভূমি মহাযোগ-পীঠ। তথানে ত্রীশন্ধী প্ররা ও ত্রীনিঞ্ े खिल्लामक द्वीरश्रीतमात्राधन अनश री. हे उन्हा ख खीलाधाकरकात निका समा छन। द्वीराय-**कत्वत (**त्रवा नक्साम । क्रम म---(श्राक-मानाबत ल्याचामी प्रदेशिया व्यक्त स्थितमा-आवा प्रकारी जीतिकानिक अध्यामी, **बिवामगान बन्नाडाती । व्यागाय-मान प्राप्त-**कारी, सनमात्रा टी शतक्यका।

### ( ৪ ) জীবাস-জন্ম

শ্ৰীমনাৰাপ্ৰতৰ কীৰ্ত্ন-বিশাস বা @त्योक्ष्मीयात रामकृती । अधारन कें व्याप्ति न निस्थातम अध्यक्षकात्र त्यता वस्यानः कक् अत्माक्ष्यमाम वावःकी।

#### ( e ) **অট্ডেন্ড-ড**বন

क्रे जात क्रिक्ट्रिक शक्त करन वादः ८ग्रा "वस्यान ।

### (७) काष्ट्रीत मन(बि नःह

ळाडीं यादी भर. वाधन मुक्त (नवीवा) **अ**लोकक्रणालाङ औं हो एका की व प्रयासि । ुं बक्क--अम्हाती कैविर-अधिवराती।

### (१) चौराक प्रवर-कृष

**बाल्याक्रम, अक्रमणक ( नमीक्रा )** बधादन खेविकुणांत्र श्रीण अंकि विस्नापठाक्रक auff war Mentennten unt Balletti-. अप्रभारत्वत ध्रमचा वस्त्रधान

वक्षर-छिक्ष्य शकाब सक्छात्री क्ष्मकाविको सन, धन, बर ।

### ( ৮ । शिक्षश्राथ दशोडीय यह अवस्तिहरू ।

রক্ষক---ইবৈওবর ভাকিশক্তী এম, এ. বি, এল, সহকারী---শ্রীউদ্ধালাস ভাকি- ু কেক--শ্রীপুর্ব প্রজ একচারী। माथी, खेडिकक्रम अध्यक्तती अञ्चल ।

### ( २ ) शिटगोत्र-गमाभव-वर्ष

हैं। १६ जि. समुलका छ. । नश्चमान ) জ্ঞান বার্ণীনাথের প্রাকৃষ্টিত জারগ্রাধান-সেব'। রক্তক— আভিজিবিভান আহম।

#### ১০ ) श्रीक्रश्रशोखीय-मठ

नाताशक, अधान कड़े, नि रक्तक----- हें। बिलाग उक्काडी, है। कुन्दान्य व প্রস্থানী :

#### ( ১১ ) औरमाप्तक्रमहत्त्र —

याचेनाडि, साधन्त, वश्वमाना ची 1) शिव • वि राक्ष व वन्तावाल व वान । इक्-डीन्डविद्यानी उत्तरामी। ( ) ২ : ভাগৰ ছ আসন 🔁 बागर ह (जार, क्रकशहर, समीहा) ভাগৰ •িছাত এস্থাৰণী প্ৰচার-ক্ষেত্র : ध्य म- ध्रेमहोनन अवाहारी।

### (১৩) இज्ञासमञ्ज (छ।नगर्को, श्रावाको, ऋकनगर, नमीया। बण ♦--- हैं। अठुशानम दक्षातादी।

(১৪) শ্রীমাণন গৌডীয় মঠ ৯ • तर नवायभूव दक्षाक्त, हाका। भुक्तंनरम्य क्षाठाय-८क्छ अवस्ति औ धन-द्यी वाक भाकवरा-भितिषद्वत स्मता वक्रमाम इक्क-श्रीदाशान्त्रस तक्षरागी।

### ( ১৫ ) औदगाभागकी मर्क क्रमाथ्य, हाका।

त्रामामकीक लाहिआहर इ व्यक्तिन द्यार इक्क-अधानश्रीत दक्षाती।

## (२) बादगोडीं समर्म

20 मर कालिकाशांत ठाववाडी क्रिकेंट (लोई वांत्रवासात्र, क्रांतिकाकां । **छिलिएकास वि. वि. ८५५**%

শ্ৰীমণালা গড়র প্রচারিত স্থানিবাল ভবিদার্থা-প্রচারোক্রেলে লোভারেলের নক্ষঞ্জধার নগরী কলিকাভার শ্রীছভিবিনোদ আগনে শ্রীমঠ প্রভিন্তিত আছেল। এই অক্ত मञ्चारास्य है। स्क्र-रंभेशक-द्यैनिरनामालक कोडे मनावास निकारमिक करे। स्त्रीकीह আচাদাবর্গের যাবভীর প্রস্তাবদীর জলচারোকেশে শ্রমতে সংলয় একটা ভবুতৎ মুদ্রত গদ্ধাশ্য সংখ:িত চটবাছেন। পুলিবীর সক্ষত্ত 🕮গৌরনাম প্রচারার এট বস্তাশয় व्हा: (शोहोय' नाश्चाविक गत्न, जि. अञ्चलनिष्ठे मानिक गतिका हेश्वाकी कार्याह নিচ্মিতভাবে প্রকাশিত হইজেছেন। স্থীগঠে পাঠ, স্থীর্ত্তন, স্প্রেছাল-চজুইছ-বেছাছ্ক, নীনিয়াগবত, প্রীচৈত্ত-চরিতামুধাদি-লীলা ও ভ্রমান্তের সমাক্ আলোচনা চটঃ গাকে। মঠরফাক--আচার্যাত্রিক স্ত্রীপাদ কৃষ্ণবিধারী বিশ্বাভ্যবণ। সহভারী--প্রভিত্ত भी भाष सम्बद्धान प्रतिकासुमा विन्त्र, लीभाष अस्तरामक भद्रविकाविस्मास सिन्त्र, প্রীপাদ রাম্বিগরী এক্ষ্যাতী, প্রীপাদ ক্ষ্মগুড়াবন দাসাধিকারী বি-এ, প্রীপাদ क्षद्रशालाल लागातिकादी, अभागती तीकीकमानम, अभागती सीलावीश्वा•म, अभागती दीक्रकासम कांकनाजी, अधारादी औरभवकीसमा. প্ৰিত জাপা নৰীনভুকু প্রণিয়া, গল্পার ভরিন্দান্ত প্রান্তার

### ( ९७ ) श्रीगमाचे-८गाः "म मठ े केविकां के श्वा: कां, मना, ना निव श्रीमहार-ध्योदाक्षत निका स्मना

### ্১৭: শ্ৰীভাগৰভক্ষমানন্দ মঠ

किकालिया, नाक्ष्यतम्पर, (समिनी भूता। Walter age- steim-staten. जितिवातीय निकारमण नहसान । नक्त-.जक्रामी ची अश्वासमानको । जलहाडी भन्नासम

### ১৮, व्यामलात्याचा श्रेत्रचा श्रम

वास्त्रवेश (मा. नश्चमान ।

अ उम्राजीक है। श्रीकृष्यका जितिमारी व बिहादमना। बक्क- बचनामी छोडांतfacuta i

#### (১৯) শ্রীপুরুবোত্তম মঠ

वर्गकार, मूर्ती, है फिला। अभारत अंदर्भात-रनदसाम्याभवकीत विका-्यता वसमात । तथाक -- उपांठावी श्रीलक्ष्या-नन विभावपु. बच्छात्री श्रीनशीधानण !

#### (२०) खीजन-८गोडीय मठ

व्यागवद्रमाथ, अव्यक्ति'ते (११:, भूदी । व्यवद्राव्यक्तवस्य मानवस्य मानवस्य क्षेत्रमाकः व्यवकाता वक्क-- बक्राही अनवदभवती वागायको । महस्राह्यो-अभगवी अविनित्रविश्वा ।

#### (१५) श्रीमाक्तिमानम गर्क

केष्टियांत्रामाद, कडेक। व्यथारम अञ्चल-(भोताक-विरमाससमा-क्षीत्र निकारमना स्थान। वक्षाकी खीनवायत्र।

### (२२) जीनमाछन-दशीषात्र मर्ड

अन्द सशब्दानन मुद्रा. कानी इ Cगो व-लगक्त ह नमा क्रम-निकासना जिलाहर । जांदरम्या असम्बद्धाः । स्थापका जीवानकीमायकी ।

### (२०) जैक्सदेहतस्य क्षत्र

क्षीन् 'गरध्याम कुंब, जीमान कुंबाबन । के के बाधा-अब-द्याणनकीय दशका।

रण क -- द्विशण किनाव समाना हो।

(२८) 🔊 श्रीश्रामक्तम अर्थ देविषयावनाः भीकानुक

ब्रथास्य क्रिकागान्छ गाउनामा 🛊 क्रिशोत निरमाय विकार क्रीह स्मना मसमाम । वक्त क--- अवाती क्रीनुशिहतानक क अवहाबी जीभन्द्रभादा ।

### (२०) औदेछज्यादशीक्रीय सर्व

कृष्त्रकृता, वित्रकृताः, मामकृम । हैवा मोरेव्डक-म्राप्तत नामा। क्यक-मोद्रमा-नाव शात्र, श्रीटकनशानम् अवस्थते। सीवाय कीचं द्यमधीतात ।

### (२७) अवगामधीको मर्ज

Pircura, vicava, mein i mutte क्षीश्मीवित्ताम-बादमच दमना बक्रमांस । त्रक -- वक्षाति विकार्णकारी । (२०, जाकनगाम व्यनजावान-वर्ड

अभिग्याष्ट्राः त्याः याष्ट्रः श्वका ध्वनादन वक खूलभूषि औरनोबादकक द्वास वक्तमान । वक्षक---वचनानी खीळावक्षक-मान, जीवाशामयन अक्षाती।

## (२৮) विज्ञा क्याफीत मठ-कार्याकर

De cen cutata, find fint 1 त्रक-व्यक्तारी खीवाविकासाम्ब सकाती श्रीवावात्रमनहत्रनंत्रवं । पून

(२३) द्या ज्ञानाशाका क्रम**ा**क्षक वक्क-जबकारी जीवादहर्वाका

## চৈত্রমঠের **শুর্**ভাক্তি গ্রন্থমালা

ৰজাক্ষৰে প্ৰকাশিত ৩৬ শ্রীল প্রতুপাদের বন্ধ ভাবলী 51 किमका श्वक्रम्,—-तमळ ( 🕶 ) প্রাথম খণ্ড ★ (3年―3月 本年) 451か。 (थ) विक्रीत बत ♣ · ( ₽٣1 %% ) । ११) घुँहे बन्ध बक्दल र । जाक्षक-तक की और कला कि जान क ७१। नवदीन मधिका "( sei neway ) ( 888 (S) atm ) •। औरम्प्रकाशनक ०৮। शिक्षा सम्भन र विकाम चिक्रीय मरचवन ) ৩৯। দ্বীপ-াদগ দশন व शिका ( व्यवनायन-क्रिका-भव ) २ क्षां के प्रकाशक 4 [ '青年! ( 間5面4階-日本1-7# ) 2、 (सवदोश शक्तिक्रमा) গীভমালা 13. व्यक्तिमाञ्चकः क्यामोत्रकः माञ्चाव 平の川門中間場を(門中4 村代等部) ノン・ ( 4144 ) ने नहीं भण्ड क ৮। श्लोकोश-वश्लाद 88 । अभाषाकाकारकः জীচৈড্ড শিক্ষামূহ (বাঁণা) क्टिक मन्द्रीन च्याम का कि छ <u>कि</u> का >> । आदिक श्रेष्ठ । मुक्तम व 89 ! "491913 क्रिनवद्योग नफस्य (वांधा) 861 में अंतर्गी ्रा क्रियामा आस्त्र (जिला) २५ BA. श्रीकीश्मर्त कि करवन १ ( with hi ) ... < । भाःश्वानाके ्व। देवक्रयमस्या-नमार्काक . व्यथम हाहिबात ) ६२। श्रीकिकिशिक्य समावि **১৪। विद्यामाध्यामा** (· ) 电影中海9 अवदीलयाय-अवसाला দেবশাগরাক্ষরে প্রকাশিত (村田田(中)中北 दछ। भिक्क ख-नवच ठीःं ध्राप्तः ১५ : (त्यमानवस ( क्राक्टीत नरकदर ) ee। স্টাক লিকালশম্গ্র 10 65: 88-74X श्रीका दक्षण माथ्य-काया ८१ , मात्राः मन्त्रम २०। ८लाचामी अध्याण मान (ते:ना ) he eb। সাত্রবাদ শিক্ষাইকম্ ५५ । अध्यक्षकश्रामा ( नै।पा ) का (शोफीय मठक श्रीतिवा হয়। **শ্ৰিক্তিভিত্ত**গতিকা সামুদার ॥ ইংৱেজী ভাষায় প্রকাশিং 201 CTRIME WATE ATT 401 41A9A4 ( कामाक्ष्णीय ) भवतः वाहेक्याति शिर्माणम् स्वतः te i amurita थिटि के महा शक् 1. 10/0 १६१ दश्रिक्षीय-दशास्त्र ७२। देवक बोलम २७। दशीकीय-माण्डि 14. ७८। मि छात्रवङ २१ । माध्यमान्य ( ७५ म्:४४१ ) :... इंद्राहिक विश्विम् म् सा । १७ । यश्यक्त मान्याम षात्मगदाङ फिल्मामन कर । क्षाबाहे आिश्वीवशत वस्तु हुई: /. ••। ब्रेटमाननियर (स्मरम्ब क भाग्य উড়িয়া অক্ষরে প্রকাশিত **चान्य अवर विदृष्टि क अञ्चनाम गरू**) ।• विश्विमात्र विश्वामान ०)। वैभवदीनकायकतन 1. ०३। बेट्रशासकामानां प्रक्रमा मन् 10 ००। श्रीक्षत्त्रपद ٠,> 00 । अवसीलश्चामामा

Mा अधान :- कैटिक क्षेत्रके, त्याः क्षेत्रायुत्, अशीश

স্বৰ্ণস্কলোগ। স্বৰ্ণ সুৰেশ্ব প্ৰা এই কারে খণ্ডে খণ্ডে প্রকাশিত

ওঁবিফুপাদ এঞ্জীমভজিনিভাতসর্বতী গোখানী মহারাজের व्यक्तिमा।-निश्वः मिनी को बाद्यायकत्थात्वा विनी कुख-कासः निन्त-पाशिमी कोत्रसः नागीत मृद-निश्रम—देवस्थानिक स्ट-तङ्गालात दको सम्मान —সেবা কুম্বন গুড়ের কুষ্ণ-কর্ণ-বিভূগণ कप्रयोग्ध्य---गण्यामाम् (तहत-নিজ্ঞানাগারের মৌলিক তথা—প্রকরাত্র ও ভাগবতের সম্বয়গুরু— মহাজন-জীবন চরিত-শিক্ষক—চিদ্বিলাস-চিন্নাত্রাচিনাত্র-বিচারক—এবর্ষ্য ও माधुमातरमत सोलिक भरतवनाभात-मध्यतः, व्यक्तिसम् ७ अरम्राज्ञ-छर्चत সিখাস্ত-সমুদ্র।

১। প্রথমখণ্ড—বৈক্তবদর্শন, জীওরণতত্ত্ব, কালধর্ম্ম, জীমধ্বাবির্ভাব, जीवामं जानती, भाका । विको भीका ७ वर्ग विहात, जाजामध्य ७ मानास्त्र, লাচেভ্ছাদেৰ ও ভাছার শিক্ষা, ভাপ্রাক্রভাগর্ম ও প্রাক্ষভ স্ক্র-ধর্ম, জ্রীপাদ ঈর্বরপুরী, জ্রীল রসিকান্দ-প্রসঙ্গ, পুত্তিধার্গ প্রস্তৃতি বিংশ্ভি সংখ্যক রত্ত্বে জ্বংশাভিত। ভিক্রা মাত্র ৮০ বার খানা।

২। দ্বিতীয় খণ্ড-শুদ্ধা ও বিদ্ধা গ্রিক,মতুষোর শ্রেষ্ঠতা কোণায়, আল্লার নিতাবৃত্তি, উল্পর সংখিপাদ ও মায়াবাদ, জীলোর নিত্যানন্দ-প্রমন্ত্র, ত্রিয়ুগের ধর্ম ও কুন্ত হীতুন, জীবাসপূজায় শীনভাগবতের কীর্ত্তন, উ্ত্যারণামের মহিনা, মহাপ্রসাদ, উ্ত্যাধানদ, জীরপামুগভক্ষন-পথ, ত্রীমতী সুমভাতুলনিকা, জ্রীতৈত্তের দয়া, গৌরকরণা ও কৃষ্ণদন্ধীত্তন-চাৰ্দ্দশ অপূৰ্বি মধুরিমাপুৰ বক্তুত, বিভূতিত ৷ ভিক্ষা ১১ এক চাকা মাত্র ৷ প্ৰাপম ও প্ৰিচীয়-- এই খণ্ড একজে ধাইলে ভিকা ১৯০ দেড় টাকা, ড়াক খরচ সভস্ত।

প্রাধিতান: - এত্বিভাগ- ইটেড্ডেম্ট, পোঃ শ্রীমারাপুর, নদীয়া।

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## দৈৰপ্ৰাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

### প্রবাদিশে সম্পূর্ণ আরোগা

ংগ্রী লেখাইটে ছখবে। জনিং প্রথম ধরচ (হাওয়া এবং আসার) পাঠাইলে গিলা রোগী দেখা হয় অও গে এগানে জাসিলে কোগী দেখিয়া छेदत । तडका वस भारताता भा वड : ारंख रा डिल्लामक निर्व वडरत भा । शबीय ६वानीहरूव अंदर यहन को है विरुप्ता करा हद। विश्वादिक িশংশের এক অভাব ভাক উকেট দক নিম্ন ঠিকানার অন্তব্যক্ত

শ্ৰীক্ষিতীশ5স্ত্ৰ উকীণ, যন্ত্ৰা-ভিকিৎস দ, ে 1: নৈকাহী, বৰিলাল । अथना निम्न क्रिकानाच माकार कविश विकातिक आसिक आहत्वान

ইইবুড রামগোপাল দত্ত ৩ম্. ৩. ক্লানগর, নদীয়া। ইইবুড ক্রিপ্রু

फिर्ड, ३३५, ध्वभिष्ठारिकाणा द्वीते, बात्रेरणांवा, कांनकाला ।

একখানি পত্র! অ মার লাভুপুর গ্রুছ মান হাবং বাছ এই মন্ধ্র ভূপিয়া মুক্তপ্ৰায় ভ্ৰমাভিল, ক'লকাতার বিজ্ঞা চিপিৎসংত <sub>ক</sub>ৰ্ণ ভৌ<sup>ন্</sup>য की बरनज भागा कांध्र कविद्या उनम् शृहु हेव क्या व्यवस्था अन्यक्ति - विश्वस कारक मुल्लूर्व कारणां । কৰিছা विधारकना (মাঃ) শ্রীষ্থ নিটানু তলে । काथ दार्वेषुरी ( अध्यक्षां शालिका ) क्यू ब्रिष्ट्, निक्क विकिर् । १० जे करर भारत्यन गार्कि छिपाउँ (मन्द्रे, कशिकारत)। ath.

## ৫০ বংসরেজ পরীক্ষিত করেকটা মংগ্রেষধ—

ৰাবছারকারীয়া খাণে সুত্ত হইয়া বে সমস্ত প্রশংসা পত্র দান করিছাছেন, ভাষা যুল করিলে বড় বড় পুস্তক চইয়া পঞ্জে। আগনিও প্রবংগর করিয়া হয় চউন।

- ् ১। ह्या श्रास्त्र रहीका—स्वात नायतिक त्यमन कावाल त्यार त्रक्षमा। हैवा मुक्त छ भुतासन त्यर, मृजकृष्ण, कर्ण काकृष्टि जावर श्वीत्मावित्यत स्विका वाशिया, त्यक जवर त्रक्षमण्य त्यकृषि व्यात वाल क्ष्मश्राम।
- ২। তুৰুগ্ৰিসহায় বিটকা—মাদ্দগ্ৰাণিতীন অভূত্তত নিজাবিধানক ঔষণ।
  বে কোন দৈছিক ও মান্দিক পীড়াবশতঃ অনিজাবোগে এই তথ্য ব্যৱহাতে গাচ্
  নিজা হববে।
- ত। মৃত্যু বৃতিকা-ই০। দেবৰে প্লীল ও ভদন্তগলিক দেবা ও শদীং পাতৃৰ ইট্যাবাজ্যাইত্যাদি নিদ্ধিত হট্যা এক পণিকার ও গ্রন্থি প্রাপ্ত হয়।

केक किन अवादबर आका अवरधत मूना श्रवि (कारी > हाक:)

আধিয়ান :—আতঞ্চলিপ্ৰাহ্ উল্লহালয় ১১৪নং বচনাধাৰ ব্লীচ, বনিকালা।

### बीनवहीयधाममाशासा ममान ववाकम थर

- শ্রীটেডের মহাত্রপুর বিহার ও নীলাড়াম নয়টা হীপ-সমাধত। এই নর হীলের আটোন বিবরণ--- লাভেক হীপে জীমহাপ্রভুর নীলা---আঙোক হীপের পারচর, জীধাম- মহাদ্যা--- যামাপ্রাধ কি ৮ ইড়ানি বিষয় বিশেষভাবে মানাহর ছবল বাণিড। শক্তেই সাইজ আর ১৯০ পুটা।

### প্রসবদ্ধীপ ভারতর্গ ভিন্ন।

ইশ্বল ব্যোজনার কালীতে উত্তম কাগতে ভাপালন জনও প্রথম নশানে কার্ক ক্লনকারীর কি প্রকার ভাবের উচ্ছাস হয়, ভাষা এই প্রয়ে বর্ণিত। আত ১২৭কার ।

স্থিক ঠিম বি — ছাবৈদ্যবন্ধনা, জীলাউপত্তৰ, জীলাখন আন্তান্তৰ প্ৰজনাম ও শীল নলোক্তম ঠালুৱেৰ ভক্তিনিংকত প্ৰতিদ্ধান্তৰ প্ৰথমত প্ৰথমত বিভাগত কিছাৰ প্ৰভূতিৰ প্ৰথমত গীতাবদী কুলাকাৰে প্ৰেট্ট সান্তৰ মুদ্দিক বাদ্ধান্তৰ প্ৰথমত বিভাগত বি

## কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠভিরণের



সক্ষাৰণের ও নধান কল ৬ আং শিশিতে খণীভূপ স্বস্থার ভোটবো এলের সন্পরিমাণ শুষ্প ভাকে পাঠান হয়, ইংগতে উষ্পের কোন প্রিবর্তন। করা হয় নাই। সুগা প্রান্তি শিশি ৪০ আনা, প্রিটাঃত/০ আনা, বোহল ১/০ আনা।

অফিস-১১নং উক্তাডাঞা বোড, পোঃ শ্যামবাকার,' কলিকাতা

## क्वं च छाड़

ক্রান্থ কর ক বিশ্বনার্থকার, ইল্লিয়প্তির প্রান্ধ ক্রাংগ ক্রমণাক, স্বান্ধকার, রাজাগোরা, রুক বর্ক ক্রাংগ, আন্সা কর্ম <sub>ন</sub>তি লক্ষণ সম্বর নিশ্বনে ক্যাংলানা কর। বন্ধা বাইন, মোগা বৃত্তি করিছে

## হাইড়ে৷গিল

বা

## কোষরদ্ধি রোগ

ছাঃ এস্, এন্, খোষ বিনা প্রের, বা জীবনের গ্যারান্টি দিয়া বৈজ্ঞান্তক প্রশাসাতে কোমবুদ্ধ স্থোগ আরোগ। কবিয়া থাকেন।

> िकामा---२৮ मर ४४न द्वीरि, बद्धवाबाह, कामकाजा।

### ১। শ্লায়ত

পিতৃপুদের অবার্থ মকৌধন। মাজার উপশব, সন্ধানে আবোসার আকি
দত বার আনা, বড় ১০০ আনা। মাজগ পৃথক।

## ২। " শুক্রাচার্য্য সঞ্জীবনী পোষ্টাই

কানে হ ধ্বপ্ত ছেব এক মাত্র মতৌবধ। সুলা ১ ডিবা ১:• আমা। আবিজ পুণ্ধ

৩। সন্ত্রাসী-প্রদত্ত অর্শরোগের অব্যর্থ আংটি মালোগ না এলে মুলা কেবং। মূল সংখানা। মারণ পৃথক।

৪। কেছি-বান্ধাব শীল অত্যাল, পেটফালা, পেটগেদনার মহোধদ। ভিনা ১০ খানা। মাতল প্রস্থা

৫। বাতল'ন

বা • রোগের মহে। প কংনী ও সপ্তাহে আরোগা। প্রতি শিশি॥ আনার মাভ্রম পুশক্।

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তুতকারক। সহর ক্যাটাসসের মন্ত্র লিখন।

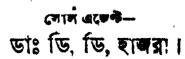
(भाः छेग्नाती, कमलाशुत्र, धाका,

## মনোমোহন প্রেস

পূক্ষ ৰাজাগায় তগভে গকলপ্ৰকার ছাপার জন্ত নিখ্যত
ভৈদ্যতিক ভোলিলে দিলাভাত কাজ ভলিতেছে
বিশ্বত জানিতে হইলে নিম্ন ঠিকানায় পত্ৰ নিখুন
ম্যানেজার—মনোমোহন প্রেস্

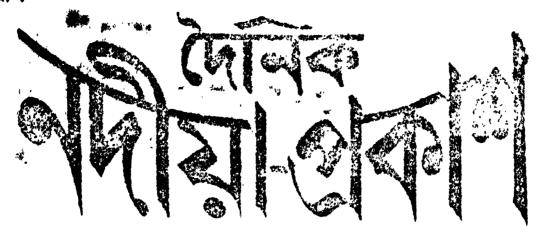
## মরা মানুষ বাঁচাইবার উপায়

যদিক অভাপি এক বা নামুখ বাডাইবার জোল উবদ আপিকুত বন নাই পরা, কথাপি বালানা লানাবিব অনিগণিত উপানে অপনিবিত শক্তি নই কৰিয়া লানাবিব অনিগণিত উপানে অপনিবিত শক্তি নই কৰিয়া লানাবিব অনিগণিত উপানে অবালা, কৰিয়া, কৰিয়া, আমুনিক প্ৰস্থানা, সক্ষুত্ৰ, প্ৰান্ধানা কৰিয়া, মানুকৰ প্ৰস্থানা, স্থানিক প্ৰস্থানা, সক্ষুত্ৰ, কৰিয়া, সাংক্ৰান্ধানা, মানুকৰ প্ৰস্থানা, স্থানিক প্ৰস্থানা, স্থানিক কৰিবলৈ কৰিয়াল কইয়াকেন, কিছিলিয়া অনুক্তি বোলো ভূগিনা জীৱনে নিরাল কইয়াকেন, কাছার আমেরিকাল প্রস্থানিক ভালান ক্রিয়া ক্রান্ধানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক ভালান ক্রিয়া ক্রান্ধানিক স্থানিক সক্ষুত্র ক্রিয়ালা ক্রান্ধানা ক্রান্ধানিক ক্রান্ধানাক্র ক্রান্ধানাক্র



কডেপুৰ, গার্ডে-রিচ পোই, কলিকাথ্য, ঠিকানা স্পষ্ট ক্ষিয়া লিখিনেম শ্ৰীৰাম" টোন <del>-</del> মখৰাণ

श्रीक्षणाटक काक श्रीक्षणाटक श्रीक्षणाटक श्रीक्षणाय क्र श्रीक्षणाय क्र श्रीक्षणाय क्र श्रीक्षणाय क्र



माशाहिककः
माशाहिककः
देवमानिकः
गिर्मानिकः
प्राप्तिकः
भागाधिकः

ঋারতের পক্ষত বছল-গ্রাচার—নদীয়া কেলার একমাত্র মুন্সসূত্র

৬৯ খণ্ড ] সম্পাদক—শ্রী মতীন্দ্রাণ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচস্পতি

ं ३ म गरशा

**টালৈসন্মনট শ্রীলাম মারাপুর**—২৭শে তৈত্র গুণ্ণ-বার ১৮ ৭, ১০ই এপ্রিল, ১৮.০১

## নানা কথা

महाक्षाकी उ मुनलमां न नका मह महाक्षा श्राहीत मुनलभान रनका मह किक रण कर्मानां के के हर्गाक, महे मुनला के कर्मानां ये कर्मान निवास मुनलमान भाकी कीरक क्षणां क्षणां क्षणां क मुनलमान भाकी कीरक क्षणां क्षणां क्षणां क मुनलमान कर किक कांके विभाग प्राकारत क फिलाइका करावान स्व टकान कि निवास रिजाइका करावान स्व टकान कि निवास रिजाइका करावान स्व टकान कि निवास राजी किर्याम प्राक्षणां क्षणां क्षण

ন্সিশী:র ৫২০০ বৎসারের পুরাতন মহিলার মৃতদেহ

মিলর বিশ্ববিদ্যাগ্যের প্রাপ্ত ব্রবিদ্যা বিভাগ অভিযান করিনা পিরামিডের নিকটণন্তী থিকা উপজাকাতে, সমুদ্র আর্থানী মানে ভক্তা রাজাগালের ভৃগত্ত কর্ম-প্রকোষ্ট হুইতে একটা লানার আবিষ্ণার করিয়াকেন। ল্বাগান্নী হ্রত ব্যস্তরের পুন্মে ভূগতে প্রোণিত কর্মানিল, জারার নিম্পান আছে। প্রাণার উল্লোচন করিয়া কর্মা । একটা মহিলার প্র প্রথমে পারিত জিলা উত্তাবভাবে পুন্মমূপে পারিত জিলা করের মন্তক বিচিত্র কার্যকর্মা-প্রতিভ তিন প্রত মন্তর্ম উপর জিনা প্রস্থানিয়ার ব্যবিশ্বাহর ভূমিক একটা প্রনিম্মিত

# মহাত্রাজী,মুসলমান সম্প্রদায়

আকেলপুরে বিরাট সভা

দিলীতে বনিক সভার উল্লেখনে মহাত্র গান্ধী

# ভদ্রাসনগ্রানেসশস্ত্র ডাকাতি

## ভাগাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

খোলা হইগতে।

অভিতর ও আদর্শতরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অভি যতের সহিত শিক্ষা প্রদান করিছেছেন। নিদেশী প্রতিগণের জন্ম বিনাব্যথে স্থন্দর লাসজানের নিদোবত হকাছে। প্রত্যেক ছোতের আহারের নিমি

মাত্র ছবা টাকা মাদিক বা এইবা।
শান অঠাব স্বাস্থাকর। ছাত্রগণ ছাত্রগণ ছাত্রগণ করিলাবের প্রসং
স্বর নিম্নলিখিড ঠিকালার আবেদন করুন।
সেত্রেটারা, টাকুর ভাতিশ্বিনোদ ইন্টিটিউট্
শ্রীটেড্গমঠ, গোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

\* \*

যুক্ত আছে। উত্তি প্রচ্ছাক অবস্থানে

সন্ত্র্যানভাবে অন্ধিন্ত তৃত্তী আনিল

নান কলোনানত। ত্রুপ্র করি

নান কলোনানত। ত্রুপ্র করি

নান কলের প্রান্তির কলিকর

কলার কলিবেলা ব্যুপ্র কলিকর

কলার প্রিয়েশ্য বিভিন্ন কলিকর

কলার প্রিয়েশ্য ব্যুপ্র নালার

কলার প্রিয়েশ্য ব্যুপ্র নালার

কলার প্রিয়েশ্য ব্যুপ্র নালার

কলার প্রিয়েশ্য ব্যুপ্রানালা

কলার প্রিয়েশ্য ব্যুপ্রানালা

কলার প্রান্ত্রাবান কলের নিশার নেশ্যের

রাজপ্রিবারের কলার মান্তির প্রান্তর

মুল্বানন কল্পার মান্তির প্রান্তর

মুল্বানন কল্পার মান্তর প্রান্তর

ব্যুপ্র কল্পার কলিকনি প্রস্তার

ব্যুপ্র কলিকনির কলার

কলার কলিকনির কলার

কলার কলার

কলার কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

কলার

া বাব ব লগা প্রদান করে।

ভাগতের সভাগো তরা আপেকার 
নেনী প্রচিন। স্থাতের মার্লেশ সালের
ও রাজ্যা রু ১ জু প্রেরেশের অন্তর্গ 
মারু জোলা রো গামক স্থানে ভূগতের

লা ন্যানকার পুণ, কট্টা লভা
গাজা হান স্থান্তর প্রক্রমান সভাস্থার 
কল্পান। এই সম্ভ ভারতের প্রচিন
সভাগার পারের প্রান্তর কারিলের

өड(७ 'ग्रण्ट्यद शक्षा । कड भूका को ग्रेह

লোলটে বিল বৈঠাকের প্রতিনিধি

কান্ট্রি বাল্ নান্দর নামালক

চলার নাব পুজানে ব দার সাফুন্দান ও

মাদানকের ক্রম, তল এ মিঃ জানাল

মাদানক ক্রমেন্ট্রিক ব্রাভিনিধি

স্নোলীত কার্মাহেন্ট্র

#### হৈনিক নদীয়া-প্ৰাকাশ

## गहाया शाकी

भकाषाः साधी सर वहे को अधि सहित मन भराक्ता करात छ।दारीय স্মিতি নুজ্যর জেল বাংশিক অধিবেশ खेटनांनर करियादकर । वक्ष व र भागा किया । कारको छन्टाखादर छ । वाल का । यहिएक छिम । भगव माना भारता भारता तर देन, फिद, । इस्कार्क, भाकिण आख्यिकारका खरेतन भार केल्पीका अधिकाला । भारत सिंहमता । contra a to Bar orm. The law of. विकार के मार नियान देशित के मिरिता है. भाषा) व तक्षा कर्मा है है। राष्ट्रिया, ही है है कर दर्श है द्वदृहक् द्धारह भाष्ट्र भाग्यासम्बद्धाः स्वामना E-18 5 ( . . )

### সভাপতির বস্তা

भगायात् । भागानिक वार्षति है। ए । राज्य श्रीत ख्याति अतिहासुकीरक का शह शहाबन प्राप्त -हैशा किया करना । विकित्याम अञ्च ८मरमार शुक्षा के खेर हैं। विश्व के कार्यात (मधा कियारक। अहे नियानमा अदेश कडेटक प्रमादक क्रिकांड काउनार दिनान **खाल एता. १५० वं सदकरता भाषा । अथा १,१४**-क्षण राष्ट्र । सामान्य १ त हास्तिहरू होत एकत हासिकारमही छ एउन बाहराइन पार्क को, कोतरकत धरारोब एउसिव कार. कर्षका वे वहार शास्त्रीभटक ब स्वर्भीत्र ।

অভ্যান শালা ইনিম স্বলান, লেনিন सव बाद बेंद्यानि स्थाक व्याक्तात्रा कोंदर बरमन, ''श्रत्याने भूजितात बाषात्त काताहर सुनाम नहे कि विवादकर कारकाई क्रान्धार । य माहि प्रतीत मुक्ता भव कृष्टि अभावत (अ.ठ.१त विकास के के के कर क एवन काशा (अ°८) के प्रकृत रहेशे अपने-मीलिक एक भिन्न दम्मदक सुनर्गक्रत कांद्र के कर्माक । व प्रश्नाव मा । श्रांस क्रमभाषाराधार समर्थात छेपन ि छ। केरिक भारत्व १/2

माभन्द(स: डाडी धरिनफेस्मस डेस्स) र्कादम श्रमणांड वरणन, लिख्निक डिन्नांड कावर धकतांत्र शालावाराणेत कामनीति देरताम मानी छ रताम भूदास्तव পরস্পার খুব ঘনিইভাবে জাড়িছ। কাজেই স্থানজনক স্থান জাচি। জামি 251ই, ८मटमात प्राचीनिष्ठिक स्थिति नामगोरक हरदाकारात मन्तिरसास द्रावात कार्यान्टरास क्षांत्रष्टीय शादनगढ र इन्द छात्रकोष त्राधान । किन्ताव क्षण कराशादन स्थानपान क्रमना । ওলি পংশ্বঃ বিভিন্ন কংগ্র পারে ।।।

শাশান্ত্র অনিকার স্পান্ত প্রভাবের কাল্ডিড়ভাব্যে এমন যে, আন্তর আগরতে উল্লেখ करिया प्राचन,— श्राष्ट्रावृत्ति वक्कि लामग क्रिक्त छाई मा, यात्राक आमा-ভাগোডারি গ্রাংশ করা ১৮লাছে। তিনি পিলকে লেখন করিতে দিতে চাই না। আশা করেন, অর্নেডিক কেলে কংগ্রেস বেন সর্বাচ্ছে বলিক প্রবে ক্তিত বিনেক সুখাবান্ধাল করিয়াছেল। জীতাতা ष्मारताहना करवन।

लायान संदर्भ, शाबीनलांब माहत्व मार्थ स्टेरन ।

দিন্তি তে ৰণিক সভাৱ উ**ংখাগনে** 🕴 ৰণিকাৰ দেটাৰ ৰণিক সম্পূৰ্ণৰ স্বান্ত 1 6014 - 101-10355 NIE CH FCO 1

रंगीतक तक्षणा जिल्ला विश्वति वरणम .---बन्ध अर्थ आधि वृश्विकारमञ्ज्ञ भागन। ছবি এছ প্ৰথমণি বাধিকে প্ৰিপূৰ্ব (তেন্ত্ৰ বিজ্ঞাল যে সম্ভু উপ্তিজ अध्यक्ष अविश्व श्रेष्ट्राच आणिश्वरिका, ्षनाहरू प्राप्त शिक्ष कार्यक एत्य किमानि शिवान खात २००० है। बात रार्राभागः कत राम कीकाटक वना रा. े कारकात नाम करेवा किया गावा । कार्यात প্রভাষ্থ্য এই যে, দক্ষিণ আছে বিজ .च.राज्ञ कानिनागुला <u>क्लाफा सम</u>्हनद का के बार कारा सामा कार्य पान कारा कार्य पर शकला तका विद्वार एक। गार्थम राज्य शृक्षक (कराहतन आहे । गत

> জ্যাৰ ভাৰতে এই ব্যাট স্মস্থা ্রকা দি প্রাঃ ভব্রতাল প্রিনীর শ্রার रूपा की का क्यांक रहेंग्रेक कार्यक विश्वास Aufelte em efete bie f

ानमाउ किंद्र राज्याचा अर्था वर्ष ।

1 G 15 11 at 127 8.37 m 11.6 গ্রহার্থক ধ্রাণ করে এবং ভারতের क्ष । ब्रामाल काकारमा काम युन राष्ट्रामा । नक्षणा करणा ।

गांध , यात्रक महत्र्य CHENICA शायामा कविशा वहणा. भावनातः । कराद्यम प्रथम अदिएक धांत के बान धान भारत हाता नामान , अछ छ। छन। व्यक्ति अधारत प्रकाल এলাবে ধ্চাবে না, আন্ত ভাগে, আরও আন্নেগ্র বংকার অন্তর্গ আন্তর্গটে প্রায়ে জন-ব্ৰেবা শ্বাবেট জাজা সভাবদার । কংলোধের, যাহ্যা একটি সভাস্থ, শ্বামোজন, কলেন 🚶 গঠনের গল্পে ইংগ্রেন। অধ্যক্ষপ্তস্ত্রন পুলিপ্তেই সঞ্চ ক্রালিয়ে দিয়া চায়েন ধূশক দিভি আন কিছু ১২৫৬ গ্রেম ন शक २० वर्षक स्वर १ राज्यसः भूतं वस्यः १ कि.वहा विशासि । nicard cettin Engleta want TIM of artes 1

चार्टाश्व शक्षीकी तालन, करावाल ति: इ. छक्त्यत्र आप नाक्तित स्राप्त कर-এচ প্রসংখ তিনি কংগোষের জন- তিগুলের দার স্কান্তি উল্পুক্ত আমান্ত্র

विक् मण्यक्षाय कर्ण्याम्य स्थानामानाः । यनि चारच हो। प्रविश्व करतम, अत्य किष्यम मध्य अक्षांनि माहित वारमव উপন্তানের তিনি গালীপীকে মার া প্রাম আন্দোন্নের শক্তি অঞ্ডিতত মণে রামনৈতিক শক্তানের বাং নিহত

शक २२वे देएक वृहम्ला वात्र पाकि গুলার উলোগন করিয়া পান্ধীলী ১১॥ট্রার সময় জন্তাসন (ফরিলপুর) হাই-क्रांत्र मानिक टीयक क्रमाध्या केली ্নাধুনীর বাড়ীজে ১০১২ অন ভাকাত মাধায়ক অংজে শাজ দক্ষিত কইয়া কুঠার चाठा मानात्मक नगाउँ छ। ऋता छ। का खा है। नीयक निर्वाशिक माधाव दक्षिति अर्थम करव ध्वर आशामाती, गिम्हक

ভজাসন প্রায়ে সশস্ত্র ভাক।তি

আকেলপুরে নিরাট সভা

चेत्र (कान चनां 518 क्य मार्टे। (का

भूगिन लम्ब ध्रिएक्ट, किय ज्या

ंगान्त क्षण भवा भएए नाहे।

গ্ৰহ্ম এলিল সাংস্কৃপপুৰ কংগোগ कशिक्रीत উ।श्वार्थ शानीय नाकारत कम निवारी मुक्ता करें वा शिक्षाटका । भाषां हती । अने आक्षांत्रात के कावान करता आक्षा সংখ্যাসমূহ হঠকে আংশে জ কাখার লোকে । নীতে আক্তাকার দৈনান্ন বাংগার কর্ম মালাম "ঘোৰানান কডিংছিল। তলাগো টিল ভাইলাতে, বিজ্ঞান্ত নিষ্ঠা 🗸 🕶 🖼 🕶 🕏 ইংগ ও এল ম্যাক্র গুজুরাই তথা ২ হালারের শ্বিকট মুণ্শমান। জার্থ- অন্তয় বিরল। में भें अम है। हिंदा भाग (क्स्री) कर्ट क विक्रिकेट स्टान **आश्रमी**धी গুলোর আহিক কানিগরুমার সেন্থ্য ছায়ানির গুলো দেশের ক্রিড ও ১০০০ का मेलसुभाव । १म ११४ ব্যাস দেব করলে ব্যাক্তা, তাবে অংশপ্র বালীক কঠা। সম্বাধ কুনীয় মত্মানা

> षरमगी व्यवात ও निरम्भी भर्छन प्रभिन्न है । इसे इसे में के किया के बाबरकारहेत जकान काल गर्भ

fusica etemba wella: eeca affen

कटेनक कर्द्याम कथी वालिनावारफ त्राची रक्ष नव्यन हाराहराइरहा विभि कांशरक्ष स्थाकारन शिरक्षिः कतिनाइ छेएफ्ट अधिक कि कारण। भूम कदित्व डांका क बांध्याव भीताना एमन क बिट्ड नग, हवा दिनि इक्स कामान कदिरन कैशिक स्मिति छेठावेश होट्यात शन्दिय क्यारणक भट्या काचित्रा कामः व्हेतः (७ ।

भिः देत्र वादमञ्ज मद्भार निक्क ভাষবার্গ পার্জামেন্টের সদস্যের শেচনীয় মুভ্য

Co निर नाम समयात शानामान 电影次把医师 1

८० जिल्ह कारण कारण त्या है बवारम ক্রিরা যাত্রী ফাংছে ছিলেন, এমন সময়ে সংগ্ৰুণীতে একণা স্থানে ভিন বাজি ধানে आहर्तकन करता अवदे। जिल्हांन शहरन পৌচিলে কাভারা সংসা শিশুল উ'চাইয়া হেলিংকে হাত তুলিয়া দাঁড়াইতে অভুম

कितिर शक कुलिका मैक्किटण **काश्**वा जिल्लामा करत, डीकार नाम भारत कि ना। टिनि अर्थीकांत्र कविशा कांत्रभण्या (प्रशृक्षित अग्रांत करतन त्य कांच्य जाम ्रुतिर । एथा छात्राता यशा—'हिहारको थामता हाहे।" कहे विशा छाट्या काशक केलात अली वर्षन करिया बाह करें एक छन्ड नाशिका लाफ जानर शहर थानिक गणा करिया छनी छुछि। 9100 1

ংলিং জলিলাক মৃত্যমূহে প**ভি**ৰ

### मगरम देश्याक देवमानिक

शंक अविवाद देवकारण मार्क छ यक्तिवि ग्राम । । । । ते कि विश्वास प् समाध्यात विभाग द्याद्वित व्यक्तित व्य अक्षत करवन । कान क्षाकी 'नगानाना o'कारस हेरणक रहेटल कारहें निया अतः कर हारहत। विशंड अच्छिति समाम कि विरम्हान जिल २ ११ सन्द्रीय सरका वरेट' करहेलिया व्लीकिशक्टिमन। कि करें जनरशया यम ममत्त्र का है निश्वा ्रभी ७ एक हेन्द्रः करवस ।

रं न छ व्हेट किताना अ (लोकिय িং প্রটের প্রচিমিন আটি ঘ্টা স্থা वाशियात्क । मि: किर मांड माटक कींडिक्ट minatele (Milestierne)

भि: कर्व बालन (त. )मा व्हिन्। ভারিখে আমি -লিপোন স্টতে যাত क वड़ालि । अवश्यव माणि शास कृते घण्डे निक्षा উপভোগ केटियाकि धारा कि नारकें दर्भे भागांत कारण या का यह नाहे।

क्रमान्य धार्यक्रित निक्षाम् क्रिका मिः ষ্ট গ্ৰকণ মধ্যমাৰ অপুৰান্ত ভিন ঘটিকার সময় রেজুন অভিমুখে খাত कित्रशाहरूना

ভারতের সামরিক কর্মচারী वाक्षा व, गांत वर्ष्ट्र व्यक्ति छात्रछ "गामार्थ क्यां छात्र "शांधांत्र" वह काल जान कडिर्मन ।

### সাময়িক প্রসঙ্গ

মদীয়া-প্রকাশের পাঠকবর্গ অন্তরত আছেন বে. পরমভাগরত খ্রীগত ইন্দ্র-मात्रायम एख फिल्हिन मरणाम शिक्षरेयण ভবনে প্রীণ ক্ষরৈত প্রান্তর প্রীনন্দির ও Coात्रण निर्णारणंत गणत्र कतिया उँविकृ-পাল প্রমহংস পরিরাক্কাচার্য্যবর্য্য **ঁ আটোন্ডরশত শ্রী-শ্রীমদন্ড কিসিদান্ত সরস্বতী** গোমানী মহারাজ কর্ত্তক তাহার ভিত্তি **লংসাপন করাইয়াছিলেন।** পাঠকগণ ভনিরা আনন্দিত হইবেন যে, তিনি देखामानाइ जीमानात्रत काना चात्रश कताहेबाटक्रम ध्याः चालामी वर्गाकारशत পুর্বেষ বাহাতে তাঁলাব সমস্ত কার্য্য সম্প্র করিতে পারেন, তক্ষরও গ্রাহার আহ-রিক অভিনাধ ও যত্ন আমরা লক্ষ্য করিয়াভি। জীবৃত ইক্স বাবু বে নিচেট কেবল জীওর পৌরাস-দেবার আগ্রনিলোগ अतिशादणन, छाड़ा नटक : किन्त गावाद व জগতের সকলেট জীহ্রিদেবার প্রাণ, অর্থ, बिक्कि, नाका निरमाध कतिया भत्रम मध्य লাভের অনিকারী হইছে পারেন, ওক্ষর क्षांक्रस्थन महाभट्यम ( युका इंडीरल ५ ) खकरनत साय डेस्माइ ७ लाग्द्र नामिन 要報 1

श्रीक्षाम मात्राश्चन द्यांभश्रीहरू मञ्जिक उन्न ब्हिटभौतका एक माम्रात काम्। य द्वापनीत नथ-निर्माण किञ्चलिम यावद हिस्सन्द्रह क्षत्र काशा कडा गाम (म. व्यापानी वसा-কালের অবাবহিত প্রম প্রায় ভাষার कारी अभिरम छेश अन्तवत्रतम वावश-Cत्रान्ध्याती क्रेट्रव ।

পাঠकगर किनिया आति आगिनिक रहेर्बन ता. उ निकुलाम जीमहिक्ति। इ नत्रपृष्टी भाषामी महाताच कीरशीवकर एव পার্মে 'নিভাঁ কুড়' নামে আর একটা কুড খনন করাইবার অভিযায় করিয়াছেন। গত २०८म देवक स्थायनात्र ४३६७ 'शहरत कार्या काराय क्षेत्र। श्रिकाटिं। कुडरी रिमर्था २०० कुछ दनः िटार्थ २०० कुछ इटेटफट । इस द्यान मासायत आम शामिश्रद्भवाहे व्यक्तिक कार्या काश्विदत ।

"ठाइब अधि-विरमाण हे-विविद्याण" चेक देश्यकी विश्वानस्था कार्या धना छित्रित्रम् धन । अवस्य धनाम् छन्न ्**नितरम**्**ठ शिर्**ष्ट्रस्थ, हेरणामस्यारे यस धाळ-্ৰ শুৰো ভাই ই ইয়ালে লখা লাভাহই ভার-े **बंद पालिया जुरम ७६ क्टेट्स्ट्र मा**न्य Chaitanya's Birth Place' धार भिन्न कथा ता लाल क्यार हिन्द मार्थाहरूक दिलाय-ू क्या व्याप्त भी वर्षे वहनार का कराय पूर्व Renaissance of Voishnavism-- | टाराम को वर्षा प्राप्त प्राप्त प्राप्त

### শ্ৰীশ্ৰীগুৱাগোৱাকো জহাতঃ

### নিতাপাঠা বৈক্ঠবাভাবত

বেদাদি সমস্ত সাম্বত-লাজের অক্তরিম ব্যাখ্যাতা সমগ্র ভারতে একমাত্র রুলভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

জীলাম মাখাপুর-১৭শে লৈতে, শুক্রবার-১৩৩৭

मृथ्या २२ जन इंडेग्राट्ड । विस्तृत इंडेट्ड ड ' ক্ষনেক ছাত্র আসিবার সভাবন। বিভিন্ন लारमण कडेराड वरु छ।ज हीनाम भागांशस्त्रत चाका, चावशास्त्रा एवं वर्ष व वहा वत्र পাঠের উপয়ে: গিডা লক্ষ্য করিয়া শার্থ कतिरव निवास व्यारवनम CHORIO. क विद्याद

कृत्सत् रितिशो 'इहे हर, अञ्चिक कामनी চরিধ্বত্ব শিক্ষকণার ছারণানকে অভি য়াত্রর স্বিভ শিক। প্রদান করিভেভেন। প্রাক্ত বিধার্থানে মূল কালার ও অভিনায় लाहक, खाका कहाला आहे। खाहम जाहा ता মত্ব আগমন ক্রন। শিক্ষার মতে মতে ठ ति के न्तुं, हे केंद्रशा 'क विशाद को तेन भाषण क्षुत्रम १६८व

मनी मित्रम मुक्या वाधारकत्रहे कानाच सुरश প্রারেশ কাংলার প্রভাগ আর্ডে। বিদেশ্য करनत्त व व्यवसारम त्यारम व्यक्तिम (विज्ञ) অন্ধানের, নাম্ভালকার ও প্রায়েরচলার অল্ব নাই।

भागम भाषाच्या भारतात् तेत्र त वेशांक অফ্টেডিয়াভাজ ওপাৰ ওপে ভাজি ওপ্ कत करानत समादाल याज्ञ कृष्टी । १४ নির্দ্ধিত চটাছেলে। একটা অংগ্রেকত ভ্ৰন্ত্ৰং স্প্রী ভাষ্ঠাহের ভূত ভিক্তিমতী মহিলা থারা লিমিত ইইলেছে

## **এটিন জাপ্যান এচারিণী সভার** আধ্বেশন-বিবরণী

'( : **?** : খ্রীযুত শ্বামাপ্রসাধ কট্টাচার্য্য

ব'ন্ৰান্ডা-ভাৰানা শ্ৰীগ্ৰন্ধ স্থামালেনাৰ देश्याची देवन्तित्वस् मान्नीय मध्या च यक किट व िस्ति भाषा ५८म "Sree সা ৰাইৰে। প্ৰায়ম্ভ দিবগেই ছাত্ৰ- Mission of Thakur Bhaktivinode । ব বিষয়ভাৰ, ভক্ষণ উল্বাহ প্ৰ

প্রাভৃতি স্বরচিত গ্রাবন্ধ প্রকাশ করিলা ইংগ্রম মাধাপর ও শুরুভিজি প্রচারের গুতি যে অস্ত্রাণের নিদর্শন প্রদর্শন করিয়াছেন, কছেন্ত ভীনামপ্রভাবিশিস্ভা শ্রাহাকে ১৯ রাল গ্রালান করিলেছেন।

মচার জা ভার ভারের হৈর সার ঠারের टामांस कविटारायम ।

### ন্ত্ৰীমতী অপুৰ্বাদেশী ও মিঃ এস তেন মিত্র

আৰু বিশ্বপূৰ্ণ কৰা সংগ্ৰহ	्रमायम् ७६ जिल्ल
धात माग मश्रहात	• 和•;
্ন্ৰী দ্বা কাহকা	
८ स्टाइक स्थाप्त ।	
ুচ্চত্ৰ সহ	प्र <b>र</b> ाजुः
	7 mm
ভাচারের আংকাল	্বিক্র
<b>७,</b> भाव ० <b>५</b> ३,०, विह	र इ.स्
राष्ट्रियम् अतिहर	কভাৱ
	1949
भवा शिक्षामात्रक चारात	45±+

### কে।ডিন রজেকর্মচারিগণ

্বেম মার প্রেটিটো সংমারের অর্ডম । কথন্ত কোরাকেও 选择"错准"。 (xe) 整整体 ( C) 数字 医 数例 ( ) 可称。 unleren व्यवस्थातम् । सः च च । सन्दर्भातः । তাতি বা স্থান প্রান্থকের

### তাঁহাদিগকে ১ছারাদ জাপন করিতেছেন। ত্রিবাছ রের দেওয়ান বাহাত্তর

তিবাছৰ বাজোৱ দেওয়ান বাংছেৱ महागांक त्रावधी त्राव्यांक छि. उत्त. মুল্রমণ্য মায়ার অনুর্গণ খ্রীল প্রভিণাদের मार्थिणाट्डा विषयकारम "भगविधाम-প্রাস্থাদে" প্রভুণাদের অবস্থানের জন্ম স্থান अभान, द्वेष्ठे त्याष्ट्रेय एदः मुझ मुशिध्य वावय अव्यादमाञ्चल क्यान शिन शहर পাদের কুমারিকা বিজয়কালে যানাদির बत्कावण धवः " एशे शियमद्वा व्यक्ताबक-গণের জন্ম ইনিমনন্তগরানাদের প্রসাদাদির ব্যবস্থা করার 🗐 মেপ্রচা র্ণাসভা ভারাকে এশেষ শভাবাদ জ্ঞাপন করিচাইছেন

### ত্রিবাদ্য কলেছের প্রিলিপাল

भवाळाडु मान्सिनारणात दक्षान दकान क्षारम अभव कतिमाजित्सम, फाविशाव নিবস্থার কলেতের প্রিকিপাল মাননীয় মহারাজ! ভার প্রভাৎকুমার ঠাকুর কে, ভি, রহবানী আংশেদ'র অন্তর্গনার े सहार हो कहार उत्तर खहुशास्त्र **हाल गर्नमा** ভীলেটাটুলম্বটের পোভাগ্রেশ করু অনেক- : বিধায় চম্চার দের মেটেরবান মেটোফেন छुद्धि एकाताम जिल्लाका अभाग कहात । शाका-मध्य छ मिन्न सावित्यामधी धानुभारमञ्ज ভীল্যপ্রা বিল্ভা তারেকে ফলবদ সেবাৰ লগাহেলর ভর অসাত লাভি ্রিদশন করিয়া স্বয়ণ প্রেম্পাদকে **''পগ্ন**-বিলাধ গোমান" ২২তে জিতা থাম টেশমে প্ৰত্য আভ্নান ল প্ৰেন্ড কাৰ্ডাছিলেন ঃ दाम क्षांभन व रिट्ट्रन ।

#### ताक्यार स्त्रीत क्रिमात

রাজমুহে তুল জুমিন র ফুলুলা পাম-হড়জা বুড়ীয় বুখোনন মিলন্ডলী কুলা**রে** अहिन रहा (ताराह-टा) एकार पार्च याहिन एका - २.८५ अभि नाम क<sup>्तर</sup>रहरा। <u>जिल्</u>स রাম একী বীল প্রথানকে ধ্যার রাম্ভ रामानामा राज्यो वर्षेत्र क्षेत्रक स्थित ्राप्ति । अस्तिमा अस्तिमा अस्तिमाति (ल**न**् तरका विकास व्यक्ति अधिकेश । तम स्थान अध्य शान लाकिकाकिक ख लाइड वार्छ-ভাৰের দত্ম্য বিচারটোকেল তাতির্লে भारतासक नः भवत्रा मान क्वात्र भा মহার্যাক ধর্মন জীল প্রাণ্ডালের সভাগ্য । তেওরওকারের আদেশ শিক্ষার শিক্ষার তেওঁ है।देहार नाम अध्याप का कि कि ना तारका , अपूर्वकाल सिनि (कवल सवरका का সভ্রাছিত ছইলাভিনেন, তেবন এক জিন কানেশব্দিণবের লাছিত মুলকাগুলনি ছাকা . वार्ष्य (१९८५ - १८८५ १९८१ च.८) मार्ग्य १ चालाच्या **स्थार अवस्थातम् ।** स्थारमञ्जू त्रता एक्टिन र उपाप १०५० व या प्रवा अध्यानि क्रांता आज्यान्त्र से माहीप मिह सि, भ, कारतार प्राप्तिकी महाराष्ट्राकी व्यक्ति स्पन्नाक्ष्यका विकास हिन्दी । हा स्व अवाह तथा मेका, हा र्योक्ता ताल । वाल । क्षार के विकास प्रदास के का है है है का लाह है हुई পুলা বড়"---তেই আনৰ মান্তব্য হাছ আৰশা একত আভিমান শেস্য সঞ্জুকু रमशहिष्टराजन स्वतः १ त्वानिम सार्वाचे ना सिम्न निकर्ते अवस्थि **वस्न दिसाहिरमन**, জন্মন লৈ চাৰিটা মতা **অংশ্যে ২**জহাৰ জ্ঞান

## কর্ম-সুখ ভ সেবা-সুখ

( শ্রীপাদ অর্টানিয় ভতি ওণাকর)

ভেগ্রবিদ্ধ অবহাস ভীব নিজ বাঞ দেছ ও মনের ত্থানা নের জন্য প্রোণপরে यङ्ग कतिमः शाःक । नाद्यस्य ७ मन छे । सर् ল্খুর এবং যে সমূদ্য বাহ্ বস্তর থারা দেহ ভাষ্টনর প্রান্থিত হয়, ভাইবার **২ব**েশাল। স্বতর্গ পরিবভনশাল দেই ও মন নৰ্ব প্ৰাথ-স্থাব্যে নিত্ৰিল্বাপ্ট षानम वार्ड्स अस्मान भाई रह भारत ना। মশ্র পদার্থ গ্রা মধ্ব দেহ ও মন पुःश्मिश पानम लोड करत।

নশ্র প্লাথগুলি থও থও আকারে পরিনুঠ, হয় ৷ স্তুরণ তহোবা অবও বাপুণ তত্ত্বের রাষ অমিত এতজালালার **मदः।** (गदः) एडिश्ता थे छ त। अञ्चल বস্তু, ভজান্ত ভাগেশিশকে সমুদ্রে হৈ ট্র ৰশিয়া ব্ৰিচে হইবে। হুওরাং ওচেং भूदे८७६भागाञ्च **ए८५**त शास घनकथन(दन ममर्थ १३८७ शहन ना। काटकर नमन भनार्थ भाषा संभाग (मह अध्यम धन छट. व পরিবর্তে ভুক্ত হুথ লাভের স্থযোগ গাইয়া चादक ।

অনিভা বস্তু ছারা যে অন্নকার স্থায়ী পুথ বাভ কৰা যায়, ভাষা বহু অন্তোদ বাধ্য । বহু পরিপ্রমের পর 🕮 कन्छामी क्षत्र शास्त्र कता गात्र, भति-প্রমের ভুলনায় তথে। নগ্লা। জাবার দেখা যায়, বহু পরিশ্রের পর আনেক সময় শীব সেই নগণা সুগঢ়বুও থাত করিছে लाखिना धवर यपि देनार नाज करत, অবিশবে তাহা বিলুপ হইয়া শীৰকে অপেকাক্কত দীৰ্ঘকাল গায়ী ভাষ-সাগ্ৰে (किलिया (लय । काटकडे दुवा चाहेत्स्ट्राइ যে, নশ্বর বস্তুর সংস্থাত কণভাটী প্রথের অবসানে যথন অপেফার্ড দীঘ काल कारी कःश व्यानिया कीरतत क्षत्ररक ছাইয়া ফেলে, তথ্ন উঠা ছা খেরই জনক :

**अकर्ण भागता वृधियाम एग, नाक्** प्रश ও মদের বভা মুগ—কণিক এবং ছঃপের ফলক। যে সমুদ্য ভগববিত্ব बीव उड़े अकान (इम्र स्थान वामना क्रम्य (लावन करत्र, डाशाता त्य मन्तर्कितिनिध-ভাষা শার ও স্থাগণ স্পাইরূপে ঘোষণা क्षिराष्ट्रध्य। एडे मनम्बि कीत्र मनुकाक নিভাৰাল-ব্যাপা গ্ৰাৰন্ত্ৰৰ পান করাই-শার শস্ত শার ও সাধুবন বলিয়া থাকেন त्य, की रलद्वत्र धक्या क स्तानक डीक्श-श्राम दवः कींश्रांत्र द्यावां काञ्चातामभाषा फ ছ:ৰ ও কেনের আভাৰ উপ্রিভ হয়, ए भारत अपनित राभित स्वामीय श्रीवरानी খ্যক্তিগ্ৰ লড়া প্ৰকৃত ভংগ ও ফেলেয় ভাগে বিগে মনিকট হট্যা ভাবিটেড, অফুমার

হেয় ও তীব্র বাতনাপ্রদ ব্যাপার নহে। **উ**टा भन्नमानस्मन्ते आकात्राहरू धनः অবিজ্ঞাক্তিত ভংগের নাশক যথাছি মহাজনবাক্য,---ভোমাল সেবার ছাথ হয় যত সেওত পর্য জ্প। েবা জ্প-ছঃখ 🕽 পর্ম সপ্তদ না্শ্রে আবি চাত্রি ।"

খল আয়াস সাধা ! खन्तरस्य विभाग शिक्षांश्वन J'M' & 5.99 भारत्व सम्पर्ध रहार । याच्य दलकात्मरा स अच्य কাষ্ট্রের স্থান লোক বিং বিং বিং বিং বিং घनक दो कथन र उक्क इस नो, भौदी কীমহাবিচারে ৮ম বেল ক'থব'লে ৪৭ 化树花中 有图点大约 一点 那对一一

भी । एमहिना । । इतिहास से इतिष्ठाः । र्रिष्ट क्षि ?

 ছে (অবাহ জাগেনাক) ब्राह ) क्याप्रतिक (ताक्तिहास) 14776

### ८ए। दशस्य विवर्ध

्रक्रिके विक्रम थ  $\{T_i\}_{i=1}^{m}$ # (M7'1 া মানার সময় ক' 4010-3 श्रीक कि एक अध्यक्ष कतिमध्य सं । भोनावित तित्रि द द्य मुख्यादवार्यच्या आरोम अस्तर्यंत्र एकान्य এক পরী ব্ডিক্স জন্ম এইণ করিয়া কুন্তমতী প্রাদেশ আর্থান্যনেশতা আঞ্জিওক-পাদপলে আফ্রোংমর্গ ধারা তাপেণ দয় করিতে হয়, ভাষা অনুক্রে প্রাদশন করিয়াটেন। প্রাপক্ষে অব্ভিতি-कारण এই সোমবিগ্রহ 'डीएगालिक मान' নামে সক্ষাব্যব্যের নিকট পরিচিত ভিলেন :

বোজেরবাগ আমার প্রারভ দশ্লের অন্তর্তে ভিন্নতেল, কিন্তু তিলি এমনই কুপালু যে, আমার উদ্বারের নিমিত্র আমার সম্বে রাখিয়া গিয়াছেন ভাঁচার বেৰা-গঠিত মুদ্ৰ আদেশী। এই আদৰ कामादक भन्दन हो अत्रथ क तालेया जिटा है। ওছে, স্বছতিবান ! কোটি কোটা কলোর ভজার্থী সুর্তিদলে ওছভজিনিদান্তের মুঠ বিগ্রহ ক্রণাবভারে ও বিফুপার ক্রী খ্রীমন্থ জিনির ভিনর স্বাহী কোলামী মধা-ছন নিস্ত্যানন্দপ্রায়। ভগবংযোগাকালে যে বিচের শ্রীচন্দর শ্রামের স্থানের পাইয়াছ, আরে এক মৃহুত ও তেলার *হারাইও* না। পুনি যে সঙ্গল-বিক্ল-আৰ্বস্থাক মলো-

विभागित कान ना बाकित्य मान्नमन्त्र व्यव-পত হওয়া যায় না, স্বতরাং হরিভজন হয় না ভাচা মিথা। অমুসার বিদর্গের জান থাকিলেও শাস্ত্রমন্ম জানা যায় না. পরস্ক अ काम व्यवकारतत शृष्टि कतिय। कल्लातत वान कवाम । "भारवानुस्य हि किवसारमी (312)42 আচাৰ্য্যপাদপদ্ম আলায় বর. আভাবোর উপদেশামুলারে সেব:কাদ্য সম্পাদন করু, দেখিতে পাইনে, ভোমার চিত্তধর্ণনি মাজিত ক্টয়াচে বেং 🎚 নিধিল শার্মায় ভালোটে কি অপুসং শোলাবিশিষ্ট রথা স্বস্তী করিয়াছেন। एडे इटबा अ<u>ला</u>स e तन्द्र सार्वाटना विद्याल ুল কমু (বি বিভিন্ন নি <mark>সেব) ধই হৈছে । আনি যে মনে কর প্রেছ</mark>র-ব্ৰিল্ড লেবে স্থাপ্তথ ক্ৰিণ্ড স্থিয়ে खनवरराजा-नदिश्व शाका नाडी ७ ८ **डामान्न**ी ायुर नाही, काका स्था । अन्द्रिय (भ्याप्त 💢 (तः द्वाववादनर्भ कृष्ठिकः भारतः , एडि, भूभारतित स्थलायुतानि কবিধা প্রামাকে জি, এর পাদপ্রের ाक्षात्र । व काल कोबाउँ है।

### ख्डा-क

कें,निक्किश्वतन् किन्द्रनिति।

5, 4. বাসকারে करत पड़िया कारहास ১৯ সাম্য় বুকিংও দৈ<del>ছে। বা</del>লকগণ্যে র কথা উপদেশ করিমাছিলেন। নাল্ফ-বুৰ ব্ৰিড়াছিল হে, আমানের ব্যম আন্তঃ-বড়ত আহাদ প্রি कार्ड, दर्शावक नशर विनाहामि क्विग সংখ্যার এখা ভোগে কবি, ভারেপর বৃদ্ধ বয়য়ে ভেডন সাংখ্যের কথা শুনিবা এখন किकारण : आधारतत उद्यायभाषात काळवा कि वनुन ? ভালতে প্রহান মহারাজ বলিয়া-हिर्मान :---

> কোমার আচরেৎ প্রাঞ্জো ধর্মান ভাগবভানিহ। ভুলাভ গাড়াং মামা তদ্পা ক্রম্থদম্ 🛊

क्षीरिकृष्ट भक्षाहरचत्र काष्ट्रा, जेवत 🧿 छ। । । । ध्रे भयुगुक्ताम डि:विकुत भागरमयगरे क हुना: विद्यकी भूक्ष मःगात-छःभ হইতে ভাঁত না হইয়া এবং ইন্দ্রিয়-স্থার इ.श. मुलाशाम भा कतिका लिमन इहेराइहै ভাগ্ৰত ধর্মের অনুষ্ঠান করিবে। মুখ্য ভণ অতি হল্লভ, ভাষাতে আবার মনিতা ভার্থাৎ প্রেভি মুহুর্নেই মুডুার সম্ভাবনা আছে, তুপাপি অর্থদ অর্থাৎ ফণ্ডায়ী হইবোও কণকাল মাত্র ভক্তির অভুটানে विधिना इहेग शास्त्र। अहेन्स (व প্ৰাপ্ত এই প্রিপুষ্ট মান্ব-শ্রীশ্বটী বিপ্র বা অনুমূৰ্থ না হয়, ভাষৎকাল প্ৰয়ন্ত্ৰ কেন सारकत्र वस्त्र यञ्च कत्रित्वम ।

যাহারা কোমার কাল হইতে গুরুহাহে ্বাদকরিয়া এদ্ধচর্য্য অব্যথন করে নাই বা ব্রহ্মবিভা শিক্ষা করে মাই, ভাছারা ভোগনিগাসে লালিড পালিড ছওয়ার সংগ্ৰম শিক্ষার অভাবে অজিতেক্সি**য় হইয়া** ध्रशकनक कार्य अन्तर्गन स्मारह गृहा-স্কু পাকিয়া কর্ত্তব্যাগ্রহ্মান-শুক্তাবস্থায় নিফেল প্রিয়ন্তম প্রাণকেও বিশর করিয়া তার্গোগার্জনের নিমিত্র যত্ন করে। কুট্ৰাদিয়ে অভীৰ আগতাটাত ব্যক্তি जोडोरफत खत्रशरभाषरग **त्य शिक्ष आधुः** कत्र रहेशा यांदेरलट्ड, खांदा कानिट्ड लाट्स না। আৰু ভণ্যদাৱালনারপ প্রমার্থ নই धरेना घारेटारफ, खा**शांक व्यवशंक नट्य**ा ८१हे शुशांत्रक नाकि मन्त्रमा खालद्रद्र क्रिष्टे इटेगा ५ अनंकाम मा इटेगा शिल्हाफ्तक निष्ठ स्वरकर भाषीत नक विषया छा। करत अ মোতে অভিভূত হয়। 'ইছা আমার', 'हेर। कार्यत'---:हेद प हिद्वान्ति (भाषा ্ডত ব্যক্তিও কুটুথাদিতে क निम अप्रक्रिनियसम् आञ्चितिम्शकः **शतासनी** नाहरण गामध्य करा ना एकान एएटल वा एकान কণ্ডা 🔾 ই বিষ্ঠা জানহীনা ভগবদ্বিমুখ ব্যাজি িকেকে মুক্ত কলিতে পারে না। স্পাদৃত্রে আয়ে। ভগ্রান 🚭 হরির

काशकनदा मन्त्रा वा वाधकारि किन्नुबर আর পর্যা নাজি, তেওঁ আচ্বান্তকৈ প্রায়াক করার ৰত আগতেশে। আগতাক বল না।

নিঃম ভব্তি বিলোদ সাধুস্ত এই সক্ষ শোডা জাবের মহল-লাভের উপায় শক্ষপ कला (वक अंडलंट छ देल) अस्टिन न-ফীবন সমাপ্রকারের বারিব ভালন এবে করি-গৃহস্থপ।

ৰখন একপা নাহি বলে বিজ্ঞান। ए सिक् शहरमाध्य ।

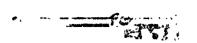
আজি বা শতেক বটো অবশ্য মর্ণ।

মিশ্চিত্ত না থাক ভাই 🛚 সাদ লীয় পার, ভক্ত শ্রীকৃষ্ণচরণ। को स्टब्स किंक मारे ॥ म्हात निक्षां कति यान आमि बुम्मायन । ঋণ্ডায় শুনিবারে করিতেছি স্থাতন। ত্ৰ আশায় নাছি প্ৰয়োকন 🛊 **दमन इद्रामांबरन गार्टन श्रांग व्यवस्मार** भा क्षेट्र भीभवश्व-6त्रग-त्मवस ।

यति समज्ञा छ। छ, नाता क्रुक्तनाम शांक গুহে থাক বনে থাক ইথে তক্ষ অকারণ 🛚

প্রাথে প্রচার প্রীণাম-মায়াপুর ঐতৈতভ্তমঠে জিদ্ভিত স্বামী শ্রীমদ ভক্তিপ্রদীপ তীর্থ মহারাজ অবিগা-পীড়িত জীবের অবিভা-ব্যাথি বিচরিত করণার্থ শ্রীভাগনতকণা-মণ मर्शित्नि निष्त्रंग क्षिण्डस्म। आध-मध्य कामी माजित्रहे लडामुला छोए। अर्थ হরা কর্তব্য। 16.4

### ভাজনাত্রনাম উপাক্ষ বিশ্বাস্থিত ভাতে গ্ৰন্থাৰলী



। **ब्रिटेक्टबर्श्य- क्रे**मक्रिकितिस्मान ठाकुरत्रव निर्वेष --ইহাতে ছীবের পরিচয়, ক্রফের স্থিত স্থয়, নিতা ও देमियाद्धक कथा, श्रीकदेष निर्मित क व्यवस्थात्मात्म राज्य, श्रामित व **क्र**भग्नका शक्षक क्षत्रपञ्चल क्षत्रभाग. टेनाम व नगान्त्रभण्य. टेनक्क লক্ষেত্ৰ অঞ্জল, প্ৰফোশাসনাৰ স্থিত পাৰকা, মান্তাহৰ, বৈধা-कांकि वे अञ्चर्भारकत (अम. हेमलायधन, मार्डिकतानी कन्न किक कारकमा, बीरवत वद्यान्या ए मृक्त, देव्यवगृश्स्त्रत व्यक्तिकारमध्ये व्यक्तिक व्यक्तिकारमध्ये । व्यक्तिकारमध्ये मार्थकका, माक्तमण क रेनकायनण, स्वरत कुमानीलः, कुन्नन এম বা আলাৰ প্ৰাচীতে-ভেদ, শ্ৰীবিএলপুৰা ও পৌত-शिक्कांत्र व्याप्तम, मक्तमर्रहे मार्क म्यामरणत कारण, अल्ल-ৰায় স্থপত ভোতপৰ, শক্তিবিচার, দীক্ষা, বৈনী ও রাগান্তগা ●िक. मच्छाङान, वगटटचंद व्यामकारी, भावनीप्रदेश, प्रधुद ৰদ, শীলাপ্ৰানৰ প্ৰস্তৃতি সন্ধানন সাজ্বদক্ষের অভান্ত सिशुंह सब्द्धातमा भ क भवनशायात करवालकवनकान आ र-लिख करेदारक । जह जनमाल शहराकृत खाल सम्म करिएन शांबमार्थिक प्रार्कात कि छूट होगे **भक्षा**ल व, मरवत वहा करन स, । পরম গুড় পাবিষর ক এব রূপ সরল ও কন্যুপ্পালী রাভ হেপা। ভ का काम्य १ १६ भारत । किर्मेश्वरणाचार्या-माञ्च-मद्दानिकासन-करण वह अधाम के किए करमारक्ता व्यानांव अविद्युक एठी, कथानाव र कार्यात बाटा नित्यम ममुख कता करवादक । विनार्गे क्षत्र, भागात करन नाम दनमा प्रश्कृत वामार्थ--७ कुल शर्काण व् भाक ।



### • इष्ट्रेष गरफश्रन [[नवता वीवादे- २, प्रदे होका আৰ্বাধা---১৮০ পৌণে ছই টাকা

युक्तिभूनं नाक्षयांका बाबा कारफाक मानत्यव निषा अ अवा क कानका मामात्रक कश्चरा निद्वादिक करेबाता । कारका था। के कि नमाचन माह्यसामा दारा नमचिक द श्रीमाणिक स्वदारक । त्यारक, मत्नत व चान्यात्र वन्त्र कि १ परमण, मभाक, मीष्क, मण कि ? केशांक विवय कथा श्रमार des verbics giventice attention exite (4. अवस नर्षि वर्षक सावक काइडा (सन नव्य नाउ मा काइडा लिक्क कक्का बाद मा।



### বিভীন্ন সংখ্যাপ 🕪 আনা

क्रिम्म क्षायामी व्यक् क्षेत्र व्यूनाय शायामी व्यक्त डेलाक्ष्माक्र्रण दय मण्डा कथा वालेशास्त्रव, शांवा वह सार कांक-शर्यक अध्युक्त क करिक्का विकास अकि कुक्काकाटन fagu ebette ; fot ein: Abameidige beife निका क केनरकन विक्रककारय विशिवक स्वेतारक।

## ৪৪৫ নৌরাব্দের

সচিত্র

## শ্রীনবদ্বীপ পশ্নিকা

পার্মার্থিক বাজিমাত্রেরই একান্ড প্রায়োজনীয় বিষ্ণুত্রত ও উপৰাসাদির ভালিকা সম্বলিত বাংলার ঘরে ঘরে বিরাভিত হউক

### ভিকা ১০ আনা মাত্র

নাত ডাক টিকিট পাঠাইলে ভাকে পাঠান হয়।

### শ্রীল লোচনদ'স ঠাকুরকুত बारिज्ञ ग्रामकल

उ विकाशाम शाशीमहाकिनियास महसरी গোখামা প্রভূপাদ সম্পাদিত ভূমিকা; স্লোচকর অষয়, বঙ্গান্দ্রাদ, প্রতি প্রায়দের ও প্রের কথা मान्न, नकमृती, पानमृती, भाउ.चुडी, अमाग्डाच, **ভালিকা, পভস্চা প্রভৃতি বিশ্বত দ্টা সম্বলিত** বু<sup>তুনি চ্</sup>লামণিক এক ইউলিপন আছে ब्बान्ड् अक्टर क्षुरन काडिन, आडेरशको काकारन টিট গড়ের কাগড়ে ছাপা। ভিকা—২॥০ টকো

### <u>শ্রীহরিনামটি রামণি</u>

লামান্ত্র। উচ্চ হা লানসাত্রতের মুধ্রে আহিনাহাত ভূত 題・する भारतिका, जाना चान, जानाधर्ताच 山田 も रिकाहर , যাৰতীৰ বিভাৱ পৰণ কতি চাছলেন, এই বৈষ্ণপত্নি আত শঙ্গ প্রায়ে স্বিশ্ব আপ্রণত প্রিণ্টেভাবে মুক্তিত 🖟 The meather referent of an armin tem no 4:4 414 4 6

## বৈষ্ণবমঙ্গা সমান্থতি

( সাজে ভৌৰকোৰ প্ৰছ )

িষয়:-->। ভাজপালে বাবছত শ্লাভীৰ অৰ্থ। भाविभाष्ट्रातः देवका वर्षाः । विकास विकास वर्षाः । विकास वर्षाः । हिम्मिन्ति छ होत्बारका विवस्त, छ। देनकात्वर ६ धावध-मद्रदेश छादलमा छ निवत्व, । विष्यतिरम्यत्व स्थापिक अ শাস্ত্রীর আক্রেন্ট্র যাওটার এবং। চারিগও প্রকাশিত : इह्रक्री(का अभावास ho/ •. अस्यास ho/ •. अस्यास ho, ६४ भख N/ . Б। दभक अवर्क कर के विकार कम भख यहर )

## **শ্রীভ**িক্রেসন্দ ভ

ऽस चल ४८ जल काका ३য় चल ४८ है। के ---শ্রীমদ্ভাগণভের ও গৌড়ীয়ের আহক্ষণ :॥০ টাকায় তুইখণ্ড পাইবেন বৈশ্বাচায় আন্দল ব भाषाभी गाम र रिक अस्। इशह महिष्मा केव व्यापिक व्यक्तिकारीय भारत । व्यक्तित्व छन्न क्राडेल । मध्य कर गुर्श काकारत मुख्य के क्टर श्रक ।

### আমধ্যতামা সকলেত সদানারস্মতিঃ ভিকা/০ জালা মাত্র

## বিজ্ঞ পৰ

#### নালধান ॥ गावधान !

জে, াব. দতের টোকা শিশি বাদোন ভৈজা कारम ७ कर्म वन अव छेलका ब्रिटाय सन्दर्भन পার্টিত ও বত প্রশংসিত।

यागता सन्दराशात्परक काराकेर ७ हि. वासाम टिंड यदिम क्रित स भगद गिलित गास है। दाखी অকরে ছে, বি, দত্ত এও কেকেবন কাম খোদা ্দথিয়া খরিদ করি বন। নতুবা জুয়াচোরগণ कमामाद्रत कार्यम टेंडल भिद्रा खाङात्रम्। कतिहत्।

## কেরাস কুইনিন্

নৃত্ন এবং পুরাতন মাালোগিরার বন

टकाट - फे. मुक शाखांच काटबस, वार्डेशकेट्डाट्झांट

कर करार्थ कुर्यनम् **चाडा स्थ**कमन कवि**रम् क्रकी** त अन्ति राक्षकमात्मक अक्ताधाकात करिन मान्तिशा खत वह करव दव ५ वटाक ३२वी हरक्षकृत्ता मात्वविद्याव सम्बद्ध

क बल्लान्य अन्ति नाका-भूगा २८ है। वर् है। वर् है। वर् বাতে একবিকল্য এক ফ্লিনিক্যাল ল্যাবয়েটানীকে २२.. नर छङ्गीयण (पन, क्लिकांडा।

গোড়ায় বেক্ষৰ-জগতে অভিনৰ এছ !! শ্ৰীন ঠাতুর ডাক্ষাবিমেধের মীছি-প্রশাবলা:---



नरकहे नाहे प्रदेश मःष्ट्रवन

्मक छ मारत्य ८५%। ब्यानाकायच महेत्रा---हेश यथन ब्योय বুক্তি পারে, ভগর একমাত্র নিভাগত এতগবানের আভি <u>কংগার জোন কাভার আবেগমরী প্রোগনা হর এবং</u> क्रिकानारम् अस्राक्षाक्षरकार्य जिम्राष्टि कि व्यक्तरत् सत्रगान्त्र २८८७ ३६, इन्डान विवयन व्यापन्तमी व्यापना 🛊 भाष-अभागत्भावक गाम । कें क्या मरबबन क व्यक्तानक व्यक्तातक

ভিক্ষা আছি ৭৫ /• এক আমা

্প্ৰস্থাস্কভাস্ত্ৰকা— ৴৽, সৰ্থীপুলম্ভৰ— ৴৽

नरकड मार्डक

कर्माागाक क्लाम राज्या अहर कांत्रे अवः बाहार विका क्लाम कांत्रक बासार्वक (महा क्लाविष्ठा अवर कि छाटक व्याप्त । अहे क्लाविणाटक असर हरूर जार अवन कथा अवन शास्त्र । निष्क । जारे वैकिसप् राश्वांत्रक क्लार्टा व्यक्तकः हीत व्यक्तकरक निकायकाति व्यवस्त क्रमर ।

বিস্তৃত ক্যাটালগের জন্ম নিমলিখিত ঠিকানায় পত্র জিখুন— ম্যানেকার-প্রস্থবিভাগ, ইটিড ন্যম্ম, পোঃ শ্রীমারাপুর, (নদার,)

## বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভাক্তমঠসমূহ

শ্রীতৈত্যু মুঠ

আকর মইরাজ

श्र हीन नवदील, खाक्यत श्रीमांग भाषालुत, समीवा

শ্রীমন্ত্রাপ্রাপ্তিম ১০০৯ পার ৩০ । দল উত্তর-পারে শ্রীব্রলপত্ত আচার্যারর শ্রীচন্ত্র-्षर १- सर्वास की बोरेन्ड ए प्रश्न निवासमान ।

এই স্থান সাপ্তত- নীর্থ, পরাবস্থানী সাধাত ভল্পত্তনী। এই মহাতীর্থে ইছিছবি-ন্ম্যুত বাংকলগ্লি-বেদাল্যমূহ, প্রবিভারে মন্তর্গত কাবা, নাটক, মাল্লাক, ভূমা लामान-देलि सम-में का-सूत्र- रक्षान १ केराव्य असायन । ६ अमालन छतर क्रमास शिक्त-इत्तीक्षाक्र-तास स्वक्-तिर्दिषण क शाक्षक शाक्षासायिक-त्याहाया-तकु य कीकारवज केंशाक বিপ্রচেম্ন প্রিক 'নজা দেশি । কাল্ডেন । এই মুসরাজে প্রেমাণ্ডক দৈনিকপত্র সাত্ত্র গ্রুপ্রান্ত্র অ প্রকাশত ও জাগাচীন প্রাথরাজি প্রচারকল্পে নদীয়া-প্রকাশ যন্ত্রাল ক্রান্ত্রিত হয়গাছেন। প্রাভিত্তপর জীলাম প্রিক্রান্ত্রীনা ও অগ্নির জন্ত্রপাতি । , জীক্তন প্রচাদেশ্যে মহান্তেশ্যায় দি ভবাপ অভ্যন্তি চতরা আকে। বক্ষণ-নাজাচারী শ্রীপার নক্ষরিকী। সংকারী - ইয়েলে বিনোর্গালিকী একতারী, গাওম ইপোর পোরমতা बच्चारी नावत्राधीया दिशाम ने एक अधारी भारत दीवानजनन वक्काली. शिक्षक सनीरशाणांक मत्कामांभाज, शिक्टरराम भाग अकारी अनुसार कामणा

### (৩) যোগপীঠ উন্সন্দির

दहे थान श्रीक्रमतानाम सद जनन मा শীম্বাংপ্রেডুৰ আবিভাৰ ভূমে, মতামোগ-भीत्र। कशान्त की नमी शता क कि लिया-रिक्षमण मेरियोतभावारण अंतर मेरिकणम क की नाम करकार शिका अना छन। छापक-জ্ঞের গেবা ৰয়ম্মা স্থাক—্লাক-মাপাৰ্য পোষানী ভট্টাসায় প্রাভু প্রির্মান मान । मक्का औ व्यानहातिम अक्तामी, ख्यानवात अक्षतानी । देशननवात व्यक्ति TIE CRAMIE BIELEGETHI

### (B) এবাস-অজন

श्चीमाधा शहर कीर्जन-विवास स ब्रीशोदगीयात वासक्ती। ज एवं द्वीं व्याणाद-भिष्काभिन्य क श्रम स्टाप्ततः (शरा नक्षेत्रान । 

#### (१) का पड-छन्न

बडे क्रांति ब्रिस. वेठ शकृत क्रांन धारः (१११) सम्भान ।

্ড) কাজীর সম্ধিপ ট জ্পট্রন মারাপুর, বামনপুরুর (নদীয়া) 🚉 छोरद्रशास्त्र अधिकाशीय गमानि । बक्रक- दक्षडाती शै दिस्मान विधानी ।

#### ( १ ) स्राम्य स्थान स्थान स्थान

Benter, Rartin ( Afta) প্রান্ধে উরিক্সুপাদ শ্রিল ভারতি নির্বাচন করে। muife war Montanners were Mabeletmincag (शव) वर्डपान

রুক্ত—ভত্তিকুপ্রম ভারনার প্রস্থানী क्रकणाविषी वर्ग, ध्रम, दम् ।

### ( ৮ · আअभवाश दगो हो व मर्ठ भक्षान निर्देश ।

तक क--- डी.यजनर अकिमान्त्री हम. छ. वि. जन, नक्षाडी-- द्वीवेक सन कांक-नाकी, व्यक्तिकार वासकारी शहर ।

( ১ ) शिंद्रशाब-श्रम (श्रव-अप्र Birtie के अधूमराष्ट्र, ( नह्मप्रात ) टीन मानेना अन ना कि : नारवामानर-্ল্যাঃ বক্ষক— আনিভিবিজ্ঞান আক্র্যা

ા ১٠ ) ઐત્રિભ શોષ્ઠાન મઠ भागाताक. काराण हे हैं, रिन तथा क---- ट्रेंडिंडिसिम डक्किंडो, हैं। इस्टम्बर वद्या र्ीं:

### — हाजास्स्य गामान्तिः १८)

भाष्ट्रित है, काश्चर्यन, व्यवस्थान। चिताभागातात है कुर बुकार्यन अमि। इक्ष्य — है। ऋ वहारी अक्षयाशी । (১১ , ভাগেৰত আগন প্রী লাগার দ প্রস্রাধ, ক্রম্বনগর, নদীরা। काशन • विकास अञ्चलिकी ट्यांडास-८कास । दय १ - टीमहानम धकारी।

रेष्ट्र क्षात्रकार्ये गर् दिवार हो, द्वारा ही, क्रकन्य , सहिया । दक्ष 🗕 🚉 प्रदेश : स नक्ष हाती ।

( ১५ ) श्रीमाश्र (४१) छोत्र मर्ठ भ•नः नवान पुत्र उत्राष्ट्र, हा का । भृषारका अात्र-रक्तः द्यारम मी ७३-(५) नाम नाक्ष्या-विकिम्द्रक द्यका वस्त्रमान । इक्क -- ह्याराभ:वल्ल खलनाभी।

### ( ১৫ ) द्वीरभा भाजकी वर्ष क्रमण, भूष- जाका ।

(शाशासकीय आविजारह व क्यांनीन स्थमा रक्क-श्रीशाहरती ।

( ) बादगोडी इ मर्ठ

১७ मः कालिक्षमाम ठळनाखी हैति. (शाः वाशवाबादः कलिकाका । दर्छेलिएकाम नि. नि. ८०১६

শ্ৰীম্বালা গভর প্রচারিত শুনিবাল ভক্তিশব্দ-প্রচারোবেশে গৌভবেশের সর্বাপ্রধার নগ্ৰী স্বলিকাভায় 🕮 ৪কিবিনোধ আসনে শ্ৰীমঠ প্ৰক্ৰিট্টা আছেন। এই জঞ্জ शक्या राटम 🏥 कक्-दशीवाक-छिविदनामानम क्येष्ठि म्लाबस्य निका दश्यिक वस । दशीकीश আচার্গানর্বের বাবতীর প্রস্থানগীর ওপ্রচারেক্রেশে ত্রীমটে সংলপ্ন একটা ক্ষুত্ব মুদ্রাত যন্ত্রালর সংখ্যালিত হুইরাছেন। পুলিনীর স্বাজ 🕮গৌননাম প্রচারার এট যন্ত্রালয় রটাকে 'গোঁছীয়' সাপ্তাহিক পতা, জি কল্পমানিত মাদিক পজিকা ইংরা**লী ভাষার** नियमिक कर्त शामान व वरेरकाइन। जीमात मात्रे, मधीर्कन, मध्यकान-क्रक्टेय-द्यकाछ, भ्राप्तातक, ऑट्ट-क्र-हिहाम गणि-शीला **७ क्याटान मधाक व्याटलाहना व्हेर** পাকে। মঠরক্ষক---আনোটার হ প্রীপাল কুম্ববিদারী বিভাত্মণ। সভভারী---পঞ্জিত भी लाम काम बना छात्र व पहिष्ठा छत्र विन्त औषा अस्व बानक भारति छाविद्याक वि-a. क्षीलात लागावकाती अक्षाति, जीलाव बगावकात्व वामानिकाती विनव, खीलाव क्षरभाषाल कामानिकारी, अक्षाती श्रीकीखनानक, अक्षाती श्रीपातीस्याबस, अक्षाती প্রাক্রণান্ত ভবিলালী, এজনারী প্রাদেবকীনক্ষন, প্রতিক্ত প্রীপা নবীনকৃষ্ণ প্রিয়ালকার ক্রিশার আর্ভার।

### १८५ जीशकाचे-८शा. स मर्ज व्यक्ति अमारिकी मका, वालिय ট্রাগ্রণ্ড-পৌরাঞ্জের নিভঃ মেবা

बक्त क - देश्या शका बनाउ हो।

### 119. बी डाशवडक्रमामक मर्छ

किकालिया, नाक्ष्मनभून, द्यामनीभूता शिदिनातीय निकारमका क्याप्त । अभाव-रवनात्री खोलदार्गान्यामको । उन्नहात्री भद्रासक

#### '১৮. আমলাযে,ড়া প্রসন্ধ্রান্ত

नामनीम द्रशाः नक्षमान ।

ली अकरणाताच लिया के खिका जिलाही त किशास्त्रका अक्क--- अक्कामी चौह्यि-1-6-141

### (১৯) जीश्रकस्याख्य गर्छ

वर्गकात, जुती, क्रिका। ज्यशत्म हैं।त्शीव-वित्मामभाभवकीत मिन्हा-्रभाग विश्वमात । तकक -- बक्रांश की कील्डमान अन्त निनाक्ष, युष्पठाशी क्रीमहीकामण ।

#### (२•) खीजन-८गोडीय यर्ठ

भागतहरूपाय, संस्कृति त द्याः, सरी । प्रशासिक्त प्रशासिक विश्वास । प्रशासिक विश्वास विश्वास विश्वास विश्वास विश्वास विश्वास विश्वास विश्वास विश्वास चत्राम । यमक--व्यक्तारी शिनवरभवती आधावको। तक्काको-अक्षादी औ'बिश्विविश्वाती।

#### (,) श्रीअक्रियामम मठ

डेडिशांगाचात, कडेका खन्तरम क्षेत्रक-त्याक्षात्रम-विस्त्रामध्यम्-भीत निकारमना वर्षमान। अक्षाती औश्रायत्र।

### (২২) শ্রীসনাডন-লৌডার মঠ

9위: 백기째[4위기점], 부[월 ] Cभी 1- भभाषभूकः समाजन-निकायकाः। क्रशास (शाहरमया वरुपास। ४कक----औषानकोनावको ।

१३:७। टॉक्किटेड्ड्य वर्ड जीनु परक्षाम कुछ, श्रीभाष बुल्हावस । Ei Majui-Ber-(Wienmie Chatt

रामक— श्रीगणा हिनाब अभागती

(२८) 🚉 পর यहर ग यह देशियाच्याः, मीक्ष्य

এথানে ইভাগতত পাঠলালা • द्वीरशां विद्यान विवासकीक दशका वसमास । वश क.- उन्रहाती शिमुागरणान्य क अन्नहाती कीशनाकात्रम् ।

### २१ में देव क्यार भी खीच बर्फ

पृथ्यक्ताः (हज्रक्षाः भागक्षमः वेश नाम बाह, शिटक-मानम अंबकाले । खीबाय कीर्ण दशक्तिका । "

### (२७) अगामरशोकोत्र वर्ड

की को विस्तान-द्राध्यय दलना बक्कासा १म म---अमाराशी किस्त्रम्मस्यो ।

ें । उक्षिरशक्ष जानवास्त्रक्र

जीवनगांचा. Cगाः गाष्ट्र, शवणा जनारम यक कृष्णाति जीरशोबारमस रमस वर्षभाना क्षणक---अववागी खोखानकक-पान, जीकाबाह्यप अञ्चल ही।

(२৮) भिक्रा (गाफीय मठ-कार्यराज्य क अन्दर्भ द्वाराष्ट्र, विश्वे क्रिकी ।

त्रक -- अवहाती श्रीकाशिकाशासक. सम्बद्धाः जीवायाध्यम् ह्यून्यस्य । 🛵 🕒 (२5) Cशामानपात्राज्ञानपात्राक्षक वक्क - असहात्री शोशायात्राक

## চৈত্রামসের শুদ্ধভক্তি গ্রন্থালা

বহুণকুত্	। প্ৰকাশিত	૭७	শীল প্রস্থাদের বক্তৃত।	वनी
১। শীমস্থাগ্ৰভ	म,गमश ००.	(	(ক) আংখ্য পাত্ত	no '
	a			١ ا
	叫和 事集 ) こうい	. (	(গ) তুট খণ্ড এক্ত্রে	`
र । जाशका नक	ন্ত্ৰীটো ভৰচ বিভাগৰ	ં ૭૧	নবদীপ পঞ্চিকা	
्रिकेश गरण व संस्थान			( 886 (197979( )	<b>~/•</b>
01 36599			সিদ্ধান্তদৰ্শণ	/ ·
•	ভৌর সংশ্বরণ ) 💃	ু ৩৯ ।	ৰীপ লিগ্দশন	do
•	नासय-क्रीका-मह		<b>अक्टिन्न</b> ्राकर	·
'. <b>'</b>	क्षांत्रि क्रिका मुझा २.		(লবখীপ পরিক্রমা)	
৬। জৈবগর্ম	٤,	•	গী ভ্যাপা	15.
• • •		•	ቅብ <u>ያ</u> ንፃቀሟች <b>ድ (</b> የነውኑ <mark>ዝ</mark> ረኳፈፃ,	
(भाषा)			নব্যাণ্শ হক	
৮ ( গোড়ীয়-কর	•		ব্যাচারপ্র'ডে:	١.
	॰ नकायुष्ट (वीमा) २०		•	,
or हिस्सा सन्दी			্লাম ভাজি চ'লা ক)	,,
३३ । खेद्राह्म व्यक्त	•		শরণাগাত	,.
•	শভক্ষ (বীশা) -		वे का वर्ष	/•
			গোড়ীদ্মত কি করেন গ	
-	(चानीमा) अ	1	•	).
			ক্তাপ্রাক্ত	10
১৩ ৷ বৈক্ষণমঞ্জা . প্ৰথম চাৰ্চ			ইটি ড'ক্টি দ্ব'ন্ত পূৰ্ণী	1.
	•		=६७ सः(१५६ छुन्। <sup>२</sup> ४ कास्त्रकर्	
58 । ञ्चिक्तिनाभाँ 			_	
Sel सम्बोलभाभ-		Cala	বনাগ্রাক্ষরে প্রকা <sup>র</sup> শিষ্ক ধ-সব্যতী-'দ্বিষ্ণয়	শ্ভ
३७। (गात्रकृत्का	গ্রহ ্জুডৌয় সংক্ষরণ ১ - ১			ų.
			য়বি ল'লক'লপথুণম্	10
SP   WW4559	ল মাধ্য-মাপু গ	4 3 1	१ व-१ जम्	! •
•	जुलाशंक्षात्र (वेल्पा, क	• • •	सः भागानम	
				• •
•	pat ( 1941 ) trans remains d		গোভীর মইজ প্রিচর: 	
	ক্সন্তি⇔। সাত্ৰাধ । বিশ্বসংখ্যা		রেজী ভাষায় প্রকা	শত
২৩ (বর্গজন্ম (রামান্তর্গা		۱ ۰۹	, , =	1.
28   3%7(10%)		; وم. : وم.	गार्वभ्या । श्री द्वाराभ्डेम् चर	
२८। शोफीय-ध्य			<b>टी</b> टिङ्क भग्रा शङ्	<b>{●</b>
३७। ° (शोकीय-मा	•	• 42 I	বেক নীক্ষম্	10
•	०३ <b>अर</b> कश्र ) ।√	, ७०।	ি ভাগ্ৰভ	ŧ•
रना नायमगर ( २৮१ मिन्स्थिती ।		38	ः इत्याप्तिक् शिक्षिण्ण साख	
	গলেশ। ব্যাহাব!দশক্দৃশ্নী া	•	আনেগরেড্ডিভোগন	
	१९ ( द <b>ार</b> ण १ % भाष्त	50	· काशाएँ शाक्षीयशठ केख फुके	t /•
	ৰুড়িও <b>অন্ন</b> ্যাদ সক)।	; •	উভিয়া <b>অক্ষরে প্রকা</b>	াশত
कान्य धारा । प कार्य <b>श्री</b> मयदी पर		** **	। ख्रीवंडिमान हिसामनि	#•
•		. <del>6</del> 9	। কল্যাণ কল্পডক	1.
००। <b>टी</b> ज़्रशम			। भाषभ भव	1•
981 क्षेत्रकार इस्त्री क्षाक्रिकार		, 4.5°	। শ্বীভাবলী	. >

স্বৰ্ণস্থাোগ। স্বৰ্ণ স্থাোগ।। স্বৰ্ণ স্থাোগ।। এহাকারে খণ্ডে খণ্ডে একাশিত

# শ্রীল প্রভূপাদের বক্ত, ভাবলী

ওঁ বিকুপাদ শ্রীশ্রীমন্ত্রজনিকান্ত সরস্বতী গোস্থামী মহারাজের সেই জানিদানবিদ্ধানিন তালাল্লসরসোধানিনী কৃদ্য-কাষ্য নিজ্য-দান্তিনী জালস্তানারি মৃত্ বিপ্রহ—বৈদ্ধবনিকান্ত-প্রমালার কৌন্তুজননি —সেবাকুল্লন্তরের কৃদ্ধ কর্ল-বিভূমণ কদসকৃত্য—সম্প্রদায় বৈভব-বিজ্ঞানগোরের মৌলিক তথা—পঞ্চরাত্র ও ভাগবতের সমন্ত্রন্তর — মহাজন-জীবন চরিত-বিক্তাক — চিদ্বিলাস-চিন্নাত্রাচিন্নাত্র-বিচারক — প্রথা ও মাধুদারসের মৌলিক গবেদনাগার—সম্বন্ধ, অভিধের ও প্রয়োজন-ভত্তের সিদ্ধান্ত-সমুদ্র।

১। প্রথমশন্ত বৈষ্ণবদর্শন, জীগুরুত্ব, কালদর্ম, জীগুরুত্বি, জীবাসভাননী, পাঞ্চবাত্তিনী দীকা। ও বর্গবিচার, আত্মধ্য ও মনোধর্ম, জীবিচ্ছত্বদেব ও ভাছার শিক্ষা, অপ্রাকৃত সংস্থা ও প্রাকৃত সহস্থা, জীপার উত্তরপুরী, জীল র্সিকানন্দ-প্রসন্ধ, পৃত্তিমার্গ প্রভৃতি বিংশ্ভিষ্ণাক রতে তথাভিত। ভিক্ষা মাত্র দ্বনার আনা।

১। দ্বিতীর অক্ত-শ্রে। ও বিদ্ধা ছলি,মনুষোর শ্রেষ্ঠ হা কোপার,
আরার নিরার্ডি, উল্পর সানিপাদ ও মায়াবাদ, উল্পোর নির্ভানন্দপ্রস্থা, কিলুগের ধর্ম ও ক্রান্সীত্ন, জীব্যাসপূলায় জীমলাগরতের কীর্ত্ন,
উল্লোৱনায়ের মহিনা, মহাপ্রসাদ, জীব্যাবিন্দ, জীরাপালুগছলন-পর,
দিলা, জীটেছেয়ের দয়া, গৌরকরণা ও ক্রান্ডিম—
চাহুদ্দশ অপ্লোব-মধুরিমাপুর বঞ্চা বিভূলির। ছিলা ২, এক টাকা মত্র।
প্রথম ও বিতীয়—তুই খণ্ড একরে লাইলে ভিক্সা ২০০ দেড় টাকা,
কি বর্চ প্রস্থা।

প্রাপ্তভান: -- গন্ত বভাগ-- জীটে ভয়মন, পোঃ জীলারাপুর, নদীরা ।

## যকায় হতাশ হইবেন না

## দৈবপ্রাপ্ত বক্ষার একমাত্র মহৌষধ

### পনর লিনে সংপূর্ণ আরোগা

াবাধী দেখালনে কললে। জানিম পাপের খনচ গোডনা এক আলোক।
পাঠ ালা গুডালী দেখা হয় হয় হয় বাদে আহিল আহিলে বেগালী দেখিবা প্রথা নেওয়া হয় আহেলান না কওছা প্রয় প্রান্তিমানক নিজে করেব না । প্রীয় বালিকে প্রান্ত বাদনা করিছা ভিক্তিমান করা হয়। বিস্তানিক বিশেষক জন্ত এক আনোর ভাক টিকেট স্বানিয় ভিত্তান করন।

ন্দ্রীলচন্দ্র উতীল, যন্ধা-ডিকিৎসল, তুলাঃ নৈকাঠী, বাংলাগ। অথবা নিয় সিহান্ধে সাকাহ করিল। স্থেরিত আনিকে লাবেন।

জীপুত নামপোপাল সত্ত হয়, তে, কুফলতার, নদীয়া। উত্তুপ ভারপদ বিহেছ, ১৯৭০ বেলিয়ালেশনা সিট, হাটো ক্ষেত্র জালাকার।

প্রক্রমানি পত্র। অনার প্রকৃত্ব শক্তর মাদ ধাবন । লাগজার দুর্বিয়া মুখপ্রার চল্লাভার, কাল্যাভার বিজ্ঞ বিশিষ্ট লাগের জীবনের আলা জালি কবিছা শেষ - চাল্র জন্ম কল্যাের লাগির বিশিষ্ট দিবলৈ দিবলৈ মাল্যা মার ১০ কি বিভিন্ন করিয়া কিন্তুল বিশ্বত বিশ্

०८। सर्वोत्रशाम-माश्राम

१०। वदमानांड

## ৫০ বৎদরের পরীক্ষিত কয়েকটা মঞ্চৌবী—

ৰাণহারকারীরা গুলে মৃদ্ধ চইয়া যে সমস্ত পেলংগা গঞ্জান ক্রিণাচেন, ভাগা শি ক্রিলে বড় বড় গুড়ক চইয়া গটড়া। আন্দ্রিক দাব্যাস্থায় ক্রিয়া বছ ছউন ।

- ১। চন্দ্রকান্তা বটীকা---হংগর নামটীর বেনন কলের সেই রকম। ইংগ স্থান ও প্রক্রেন মেচ, মৃত্রকুতে, অশ প্রাকৃতি এবং জীলো-নিগের স্থাতিকা ব্যাধাম, শেক এবং ব্যাধার প্রাকৃতি লোগে আন্ত ফলপ্রাধা
- ২। সুষুপ্তিসহায় বটিকা মাদকল গানিটান অভাগরত নিজাবিধালক ওপন বে কোন বৈহিক ও মান্যিক শীড়াবশ্য: আন্তান্তালে তই উপন বল্লাতে গাঢ় নিজা হইবে।
- শুলুর বৃত্তিকা—ইকা গেবনে প্লীকা ও কাজুবলিক কোরা ও প্রতীয় পাপুর
  ইক্ষা বাওয়া ইফ্যাদি বিদ্বিত কল্পা রক্ত প্রক্রিক প্রাপ্ত ক।

**केंक्ट किन आकारबंद आरकाक अधारमंत्र मूला आठि व्योग्नी ३८ गाँका।** 

আপ্রিগান :— আতক্ষনিপ্রাই উশ্লোল্য ২১৮০ই বচবাধাত ব্লীড, কলিকাখন।

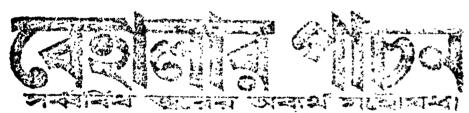
### শ্বীনবদ্বীপধামনাহাত্তা লগাণ ৰভাৰকা ১০

## জ্রীনবরীপ ভাৰতবদ াক

উক্ষাল ব্যোক্তনার কাশীতে ভারম কাগতে চ্যুম্য স্থানিক শিল্পান দশতে কার্ক ক্ষালকারীয় কি অকার ভাবের উজ্জান হয়, ভাহা আই একে গণিত। আনি চনককার

সাধকক প্রমণি—— শ্রানেশন কলন। শ্রীনান্ধরন, ইচ্ছান্ধর আন্তর শতনাম ও শ্রীল নরোভ্রম সাক্রের ভবর্তনিকে ও তানি ওসকর আর্থনা, প্রেন নাজিচিক্তিকা আছিলির অংশিত গাঁভালৌ প্রাকারে গ্রেক্ত স্থাত আনুদিত হর নাজন দিশা। তারি আন সার।

## কবিরাজ শশিভূষণ কবিক্ঠাভরণের



দ্যাংশকের প্রবিধার জয়া ও আশ শিশিতে ঘণীড়াত অবস্থার ছোটবোরতার স্মণ্ডিমাণ ঊষ্য ভাকে শাঠান হয়, হহাতে উ্যধ্যের কোন প্রিবস্থা কবা হয় নাই। মূল। প্রান্তি শিশি ৪০ আন্না, প্রতিটাতান আন্তা, বোজনা ১০০ আনে, ।

ভাষিস-১১নং উল্লাভান্ধা রোড, পোঃ স্থামবালার, কলিকানা

## মদন মজরী

ষ্ট্রকান্ত করা করাব্রনিকার, ইন্দ্রিরলিকার হায়, অস্তাহের অনুলাক, ব্যবকার, বাব-হোর।, বুক্ত বর্ড অস্তাহি, অনিয়া কড়কি লক্ষণ সভার বিজেপ আয়োলা করা। বল, বাবা, হোরা বৃদ্ধি করিকে অধিজ্ঞীয় ইনিকা। নুলা ৪০ বনী ১০ এক টাকা।

শন্পুৎ সক্ষাত্ম নি স্থাত 
প্ৰবহণৰ বাংৰ বাংৰলোৰ হ'ব আবাৰা
হাৱা বভিন্দাৰ হয়। বৃদ্ধাৰ হ'বলা ইবিবাৰিক প্ৰতিবাদী অভিন্যাপী
বিবাৰাৰৰ হয়ত বহাবদাভ হাবী বৃহি হ'বছে
হাত্ৰাক্ষা ব্ৰায় ২০ বটা ১, এক টাকা।
হাত্ৰাক্ষা আন্তিলাকী, কেল্পাত্ৰাকী
বুৰ্ণমান্তানিক ব্ৰায়, কৰিবাটা।

## হাইড্রো**সল** ভা কোষরদ্ধি রোগ

ভা: এস. এন্. ঘোষ বিনা অহতে, বাংক্ষীবনের প্রারাধ্য দিয়া বৈভাভিক বাংক্ষীবনের প্রারাধ্য হোগ আহরোগ

कविया भारकत ।

ঠিকানা— ১৮ নং কটন ট্লিট, বড়বাজায়, কালকাড়া।

### 31

### শূলায়ত

পিতপুলের জাণার্থ মহোবর। ১ মাঝার উপশ্ব, স্থাতে আয়েশা। জেটি ৮০ বার আনা, বড় ১০ আনা। মাওল পুগ্রু।

## ২। শুক্রাচার্য্য সঞ্জীবনী পোষ্টাই

কামে**০ ও কাজভংগর একমাত্র নকোবধ। সুবা ১ ছিবা ১:**• **আনা। স্থাওক** পুনক।

- ৩। সন্ন্যাসী-প্রদন্ত ভার্শরো**গের অব্যর্থ আংটি** আংগাল লা হেলে নুলা ফেলে। সুলা লা **লাল।** মারুল পুরস্কা
- ৪। কৈছি-বা**দ্ধাব শীল**অধীণ, েউলিলা, পেচলেদনার মহোষদ। ভিনা **৮০ আন**া। **মান্তৰ পুৰক্**র

### া বাতলীন

বাংশাগের মতোএকারী জ স্থাতে আরোগা। আহি শিশিয়ত আনার মাল্লগ্রণা

রবার-ভ্যাম্প প্রস্তাকারিক। সহর কাটোলগের 🗪 পত্র লিখুন।

र्ट्यालकाना—भटनारमा**इन (ल<**रत्रहेत्रो

्रशाः উয়ाয়ी, कमलाश्वत, छाकः,

## ন্নোহন প্রেস

পূর্ববেছালার ওলতে সকবপ্রকার ছাপার জন্ম বিখ্যাত লৈপুনাভিক্য ডোলিলো দিলালাতে ক্যাক্ত ভালিতেছে বিশ্বত জানিতে হইবো নিম্ন চিকানার পঞ্জ লিখুল মান্তনাজালি—ম্নোগ্রাহন প্রেস্

## মর সাত্য বাঁচাইনার উপার

যদিত অভাবি করত সবা মাত্র ইচ্টেরার জোনাধির উপে অবিকৃত চল নাত সবা, কথালে ইবিনার নানাধির অনিরামত উপারে অবিনিত লক্ষিত লক্ষিত করি জাত্রে মানাধির অনিরামত উপারে অবিনিত লক্ষিত লক্ষিত করি জাত্রে মানা তহনা বাহাবেল এবং নানা প্রকার মেন, প্রায়েশ সাকু যাবেল, প্রায়েশিক জন্মপ্রা, বহুনুর, ছংগ্রায়, পাছরুল সাকোর পাছন, অল তবং প্রীপোক্ষিবের মানা যারা বাহাবেল, বন্ধা, মৃতবেশা, প্রভাবন রৌগোক্ষিবের রাজ্যত বেশার ভূলিনা জীবনে নিরাশ হুইয়াকেন, ভারার অভ্যাত বেশের ভূলিনা জীবনে নিরাশ হুইয়াকেন, ভারার অল সক্রায়েশ্য ভারার প্রত্যান করিছা আন্তর্যার করিছা আন্তর্যার করিছা আন্তর্যার করিছা আন্তর্যার করিছা আন্তর্যার অল করিছা আন্তর্যার করিছা আন্তর্যার অল করিছা আন্তর্যার করিছা প্রারাম অল্পান আন্তর্যার অল করিছা আন্তর্যার করিছা লেখুন। অল মান্সের ব্যবহারেলবেলবাল্যান্ত অক শিশি কর্মার ভারারণ সভ সাক সাক সাক লিখা মানার।



সোল একেন্ট—
ডাঃ ডি, ডি, হাজর!।
ফতেপুর, গার্ডেনরিচ পোই, কলিকাজা
টিকানা স্পষ্ট করিয়া লিখিবের

क्षिन-सम्बद्धाः

विकाशतम् सम् साक्षातः साक्ष्यास्य साक्ष्यास्य स्थानं स्थानं स्थ

4.28 1



সাধারিক করে
বালিক কর্
বালিক কর্
বালিক কর্
বালাবিক ব্
কোসিক ২৮০
নাসিক ১১
নাসক

ভাষতের সক্ষত বছল-এটার-নদীয়া ভোলার একমাত মুখপত

৬৪ খণ্ড ] সম্পাদক—শ্রীগতীন্দুনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি [৩৩শ সংখ্যা

**এটিভতশ্যমট জীলাম মাহাপুর-২৮শে টেতা শ**িলার ১০০৭, ১১ই এপ্রিল, ১৯০১

## নানা কথা

মুড়াগাছা সংবাদ সামারণ পাঠগোর

ষ্ঠ দিন কৰ্মতে প্রামের কিলোম্পানী মুখকরুল মাধুনিক ভাবে স্থান্তিক অকটা পাঠাপ্রধের অভাব কিলেকভাবে বেব ক্রিভোক্তবেন। সম্মতি থোকা এখার অকটা পাঠাপ্যক পুলিনা হব।

### পদ্ৰীমূলন সমিতি

প্রামের হিত্ত হো ও ত্বাব পুরের
প্রামের নিকিতে সুন্তন্ত উক্ত সমিতি
পর্টন করেন র উক্ত সমিতি এপরাত্ত
বহু অনক্ষিত্তকর কার্যা হস্ত কল করিয়াকেনা সমিতির কর্তৃপক্ষের একাত্ত
কিন্তা কুইছো গাকিলোর অব্যাহ্তার বলস্কঃ
কিন্তা স্থানিলের অভ্যান্ত নিবারণ করিছে
সম্প্রিক্তির না। চংগ্রু বিষয় এবিষয়ে
স্বহ্লার এবং জেলা ব্রান্তে বহু নাপেন
নিবেশন ক্রিছার নাকি কোন ফল হয়
নাই।

व्यक्तिम् व्यक्तिशृदं निष्टकिर शाक्षी-व्यात्रक्रेष्टमत्र व्यक्ति। यत अर्थाष्ट-व्यक्ति वृक्षात्रकी वृक्ष कृष्टक्ष वृक्षमात अव ख व्यक्तिक स्थान्ति व्यक्ति । व्यक्ति

উদ্বাহন প্রাণ্ড্যাগ ক্ষেত্রিন প্রে বহিৎগাতি নিবানী অইনক ব্যক্তি উদ্বাহন প্রাণ্ডাগ ক্ষিয়াকে।

# गाजिष्ट्रिं निः (পणीत गृज्

মুড়াগাছার বি বধ সংবাদ

## কলিকাতায় শ্ৰেক্সা—জ্ঞাপক

ত্রিপুরেশ্বরের দিতীয়ধার দার-পরিগ্রহ

## ঢाकात नानां विश मर्वान

कानी हिन्दृिश्वविद्यालस्य महकावी माश्या

# लीश्य याश्राशुद्त

"ठाकूत एकि विद्यान देनिक छि छे ए" नादम

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

(थाना इरेड़ाट: ।

অভিজ্ঞ ও আদেশচরিত্র শিক্ষকগণ ছাং দিংবে অতি বজের সহিত শিক্ষা প্রদান করিনে দেশ বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা করে সুন্দর কাসপ্রাদে বন্দোবস্ত হটসাতে। প্রত্যেক ছাত্রের আহারের নি'মও

মাত্র থেক টাকা আসিক ব্যা : ইইবে।
শাস অভীৰ স্বাস্থ্যকর। ছাত্রগণ অভিভাবকের পর্যাহ
সংগ্র নিম্ননিধিত টিকানায় আবেদন করুন।
সোক্রেভীনী, টাম্নুর ভাজিবিনোদ ইন্টিভিউই
ভীতি চ্থাস্ঠ, পোঃ শিশ্বাস্থ্য, স্ট্রাণ

#### যাত্রাগান

গত ত্রিবার সালে মৃত্যগাল। টাল-নীতে নাটান্নিতি কভুক যাত্রাস্থিন তথ্যাভিল। কলিন্ধে সমুস্ত করে স্থানীয় ডিনালন ভভ্জালাত বানি বৌধা প্রক দিবেন বলিচা প্রতিক্রতি বিভিন্ন।

### আবীন ত্রিপুত: খনের দি চীয়ধার দার-পরিগ্রহ

ि भूका कार्याक किए द्वार करेगी वाना तृत का वाव्यक शक्ता नाका व्हेरक मण्डा क आकार हाव्यक के कार्याक के त्या कार्याक मान हाव्यक के व्हार्याक में कार्याक मानिका वाह्य हुए हिन्द्राव में भावाध स्थानिका वाह्य के तार्या भाग के विक्रा-किर्यान वाह्य कार्या में कार्यक करविद्यान की तुष्ट वृत्यक में स्थान कार्यक करविद्यान स्थानिका वाह्य करवासी करविद्यान

শীসক্ষান্তির শীনপ থাকিজে পারে বে নহারাজ মাণ্ডিলা নাহান্তির হ বংগর পুরেষ নাট্ডেরে অল্পংগালী বহুরামপুর হানেনে মণ্ডিলের অল্পংগালী বহুরামপুর হানেনে মণ্ডিলের অল্পংগালী বহুরাম সংক্রম কর মাণ্ডের ক্রমে লক্ষ্য মৃত্যু ঘটে । মধ্যান্তির ব্যক্তম বস্তান কর নাজ। মধ্যানের ব্যক্তম বস্তান কর নাজ। মধ্যানের ব্যক্তম

#### स्वाधिका हात्र खेळा छ। भक

গণ চহ এ নিমা কান্য বাংগলেক ছার থানাতর উন্ধান ও অন্যন্ধ আনিক জানের থতায়ালে কানককোষ কথা বিশ্ব জান চান উন্ধান আন্দর্শনিক্ত ছিয়াকে। ছন নি স্পর্যাধ্য যে যুক্ত জগনেনিং কলে এ কাম দেশবানীর অনুমোদিত নতে স্থান ভালাকের কেশ লীক্তি দেশবানী মধ্যে সংগ্রিগালি ক্রিয়াকেন ই

#### পরলোকে মিঃ পেডী পাঁচবার গুলী নয় প

अक १३ अशिय ग्यांग (प्रमा भाकि-८ है है बिश (शकी यंगन करण बिराम है आहत्वम भिष्यत-व्याप्तमेती शांद्रप्तनंत करिएए हिर्देशना प्रभन औषात शांक छली वरिक अखबाय खर्थाव महा हाकारणात रुष्टि रहेमार्छ । ध्याः भि, डीकारक समा कार्यश भीत नाम खानी विकिश्व कंग्राविका \*tett \* খাগণা তালে স্বানাস্থতিক কৰা কটচাছে। ্ সভাপতি ও উতিক-স্মিতির সভাপতি कारखानहात

ামঃ পেড়ী গাল্যাভালে নীভ কইবাব প্র প্রেপ্তম ত্রীকালে বিভিন্ন সংক্ষেত্র (भार्यम । कृतिभन्न कृतिकाका हत्रें (क (भवार मार्थ कश्वान महकादी अ कश्वान धालीमह शक् कहे बालि शाहीस ,म्यानान CBद्रा भाषिता देशशिक अने बाल आश्वात-51a का बा जिल्ही खली वालिस करवन ।

be अध्यान चित्र शकु स्व फि: .शकीत : व्य १%। भू १ हे थे. दर्भ कहेग्रा हिल, किन्नु भारत भौवाष भागप्त मिटक शिवाहक खनर : किनि कांश्वा करत्रकत्रन रख्न शहर शहर । कथा गता कहिला कम

উক দিবদ আদি ১০টায় আৰু একবাৰ। মুস্পাধক নিজাচিত ভট্যাতেন। मालका डाराव अब ाज्यात करिया . म अवः #₹ulte 1

#### कारबाहि जिल्हा

প্র ৯ই এপ্রিল মিঃ অমুণ গোডিব करशायिकिया मणान व्हेशाकि १

#### মিঃ পে ভীর মুক্তু।

উপস্থ कि कि मा गढ़ व भिः दक्षाम् (मिछी क्हें व्हाँगता जारराष्ट्र कड़ें। ३० व মিলিটের সম্ম মৃত্যুন্ধ প্রিভ কর্মাছে 🛊 :

#### थाना उष्टाम

व्यक्तिकारी भगावन विशिष्ट । क्षेत्र्य किंत हैं। बार्ड वान 2 6 41/3 दिख् आर्गाटक्षणक विकृष्टे गांडधा बाध माहि अपर क्षिया काहारक छ जायात me! 68 ...!5 1

दहेशाक क्षत्र करत्रक संगाक विश्वात । शाकाय महिल्लाशास्त्र क्षक मार्चा कामारिक। 25 et # 21175 1

#### মুজিকা চাথায় মৃত্যু

भिष्या विकास स्थल विकास चाद्रश्रंह दुष्टांच आस्म श्रंक : ५० है है उ कुरम्परिक्षित्र (घटान्द्र Cami चेक आप- प्रतित त्राव्यक्षात भागणा गतकोइ श्रक तिनामी श्रिम्ह भड़म नामक १६० वर्गक के अध्य अध्याप्त का कि शकूर भाग करियात शमध भागि शाला शाका अर्थ मिन शास्त्रहे तम मुद्ध-मूल परिक देव।

#### कलिकाडाम थानाउलाम

(धिमिनीश्व छानीदर्यन अन्यान गह कराम जुनवात कशिका अझ करावधानि बाकी बामान्सन क्षेत्रावित, किन्न क्षाश्यक (अद्याद गन्ना रह नाहै।

#### ভাকার মার্ক বিশ্ব সংকা क्षेत्रश्चाप कटलटक वित्रभाग ज(मागन

गरू २०८५ भार्छ सनिवास अग्रहाच करणस्य ह का- धनामी वदिल्यग्वामिश्रर्गम 4 मा भारत गणा करे सार्छ ।

#### (नाक महा

টাকা জিলা কংগোস কমিটীৰ ভাৰপুৰ্বা ভিলঃ भार कल क्यांत ८घाव भक्त (सत्त भक्त (साम्यः । গমলে ৩১ শেখাটে সক্ষায় বাব কাইবেরী গুতে টোকা জেলা কংগ্রেস ক্রিটিছ ভূতপুর াগতি শ্রীয়ক যোগেন্দ্রাণ দেন महामारत महाशशिष धक माक-महा etates 1

#### স্থাপনাল কলেজ ছাত্র সমিতি

शक २०१म भाष्ठत क्षिक नाविक स्वित्यम्। । मण्यानक 78154 SIB वता क्रीयम कहेगा शिवास्त । शांत्रशांत কংলালৰ ভূতীয় বাহিক দেখীন ছাত্ৰ श्रीयुक्त अ-अक्षुशांत कालवाना (लीव्ही

#### বিপৰা বিবাহ

প্র ২ড়া এলিংগ গেন্ধীব্লাংখ ह का श्रीमात .हेनामत .कतानी टें(युक कामध्य देवद्या नाम-निमान कना दीय ने नारना शक दमरीव महिह दीयुक বীলেন্দ্রনাথ ভোমিকের কিন্তুম ভ বিবাহ : 61115 1

#### न बादला मना

शत्र महा लाजान छ। भाव अविना- को क्रीयुक्त कीया नात्मव आध्यात्न । . 19 47: 1 191724 2 7 91 इन्छ द केंग्गी बर्ड चिक्र ह **मा**नाभी बीरनम ख्यु छ द्राम्युस्य विश्वास्मित **उ**द्राणिन छ क्राइक्डी बाफ़ीएक धारी रक्षांत कही । मुक्ताब आर्थनाब सक्र बाद गाई खर्मी गुरह

> "बाःलात वागी'त भाकर्षमा जाकी-आरडेरम मुक्ति कटक नारमाब कारक केशहेश में क्या कहेतारक I

#### कारकारम अ यादा

हाका महत्त त्वल श्रम ल'कृशात्क । नित्म दशेष्ट्रद कीयन व्यवका-प्राव्धिक त्थम कार्ता है। अर के क्या है। क्या है। त्ममा भित्राटक । २ असि कटनमा वश्**व**त

#### हिन्द् विश्वविद्यालद्य সরকারী সাহায্য

कानीत्र को अधिवास गरवाल शकान, সরকার চিম্মু বিশ্বজ্ঞিলতের বাৎসভিক गांधांमा ७,००,००० किस शक है।का পুनदात विनागर्छ मझ व करिशासन। शक कारेन क्यांक कारणांग्रासंस नमस करे माध्यसमान बाक्टेनांडक कारत यह

शक्रिकाम मान शक्रिक लाखा व मार्गा वात्र अन्त्र निर्धा निर्माणटा त्र मिलि:कहे यथन मदशाख करवन एकन मनकात करवकि मरकृत कथा छे झप গিলিকেট গেশ্ব क(१म : f•\* गावाद: mBEA 利力 ভাতী ভল

क मगरण विम्यु विश्व-तिमर्गशस्त्रस te क्या है। का सब कवा 2.शम (य াব্দল স্বক্রি স্বিহ্য দান করেন। एयन्डे कहे क्षान द्वाशीता अष्णूर्न (भाष कार-१व कांत्र शहरक दांकी कन खंबर **" इ**न्मरक के दावा, विश्व-विष्णामास्त्रत करस ं शक्ष होकोड अर्थन करतमः कि দিভিকেট সেই টাকাক। অক কাৰ্যো 62'र भक्षणांत अख्यांत श्रद्ध कतियाः .क्षार्थन । महकाद डिन नर्भावद मान्। भ शक्त करिया कुरुवाट्य समञ्ज अपन्ते णाः (भार करिस्क भूगकामः होको क्यारकम लटा । महे गमरबंद भरता श्रुक्त श्रीस्थ आह ८भागांचे (क्रमणक है.क) विश्वविद्यालहरू द्वाराष्ट्रिक करिया सिंह क्षेट्या व्यक्तिस ्य, मन्दर्भद्रद्र दह अन्तरन्त्रना भक्ती-आंतर्केटन आर्प्यानः क वह क्षेत्रारकः।

#### व्यनामी (क्यांकेपिशस्य इंड्यांत्र যভয় 🛣

ভিয়েলার পুণিপ ভিয়েলা প্রাথাণী व्याचीत्रभावांनी लागंगी क्लाउनिगटण करा। व्याप्तर्थ । वास्त्र वास्त्र वास्त्र অ্বিকার ক্রিয়াতে ৷ সাভিয়ার ভাইটার माम्बिश नाकि वह यहमञ्जू भाकावशांकन, च्या: मक्कम अविदा-विकाष्टित किटबना व्यवश्री क्यांक (अकारक कथा क्यांब मञ्जूष नाहि हेश्ता कतियां क्या

मर्नाम भारति क्वेक्न यु:नाशांक मुक्ति दशकात करता हिन्दा-कात (छ। छ। क भौतिरत नानिस्कत करहे। गटक गहेवा कारांगी 'क्लाके स्मका भौतित शासिकत वाक्षीत निकटी सुकारेग्रा

क्ला क्रमा व्यक्त के क्रमान নাদার গ্রোপ্তার করা হয়। ভাগের নিকটে ও fammbig niam, coint Emiffe mient वाषा अवे डिक्कास्त्र नानरगाउँ वान **7311** 

- .. .. (वानकिशम अक्षक है क्रमण के जुलिय क्षांताको । क्रिकि वर्डे वहद्राहर कृत्व कार्यक् यानमा कावामा किनिहे माकि चान णामरणार्वे विशा समक्त स्थानश्रीरक गार्वियात्र भाष्ट्रावृत्ता विवादिक्यम ।

#### निः जि. कि. विद्या (कामट)विम देव के दक्त का कि निधि

ভারতীয় ব্যক্তগমিভি-স্তর নার अक्टबाख्य मांग ठाकुत्रमांग खन्द विश्व ब्यामान মংশাদ বাড়ীও মিঃ জি. জি. বিশ্বত হঞ্জেও भागरहेविन देवकंटकंड क्षाक्रिमिन भागांत्रीक किशां (छन ।

#### কলিকাভায় ছথ সমবয়াছ সমিডি

क्षिकालाव सामगाचान, निक्रमिनान, বহু ভারতীয় 😘 খেডাল-গতিচালিক ८०१(हेरण • हे मिखिक कुद मक्रवत्य રતેમાં લાં જાય મામસ્ત્રિય કહે જાવાજાત્વન पिक व्हेटक (य **च:मक कान, पाका** ७ · पृ:दार्वे मध्यान वश्च ८४, व्यक्तिक শতার এর হাঁতে স্মিতির **হর সংপ্রা**-कुछ (वनी मात विकासेया चारक, अवर न'मंडित छ्ट्डिन छ। विशास विश विश याखियाते हिमार्ट्स ।

मिकिय मरमार्याश दक्ष शम्मा इक मत्रवाटकत जिल्दाई लिक्ड मट्ड। अभिक्रि ७६ छेरलावकरवत्र मर्काक्षीय खेबिकनायम क छाद्यंत खेत्रहिनियान कक व्य किस्तन मञ्जाम कांका कड़क वांके दवाका बांकदव ३---দ্যিতি অনুধ ও চিকিৎসালয়গমূহের আল বংগরে যণ ক্রমে ১,০০০ ্ টাকা 🛡 ৮০० है।का बाद करिका बादकम ; मिक्कि रक्षि सन्तृत व्यक्ति कतिप्राक्षम, र-छी ल्यक्नन-युव विकास करितादश्म ध्येष क्री गणु श्रमनग (+ स श्रापन कडिश विश्वक्ति। এহবাড়ীত গ্ৰাদি পশুত ৰাজ শক্ষেত্ৰ क्रेम्लिबियादन छैरतान वियान अष्ट श्विष्ठि करटक विकास्ता श्रेवासियक्य च प्राम्यक्र वी व विक्रिक क्ष जार इस क्ररणायमणाडीलय गानावसीम । गंगावीन मक्रमिनान कड निर्मिष्ठ मुक्कारक वर्ष यात्र कवित्रा वाटकम ।

चित्रक चानत्मम विषय, अर्थ व्य Biet सामितिर मिनामशून, मध्यीत गामामगुर (भारता) ७ हर्षे साम वाक्षिक नामामाय निक्ति व्यनिष्ठ समहीत्म क्लि कारात कर देख मिलिटल प्रशंक व्यक्तिक कर्दास्त । मालिक्षित्व देव देव । मालवा यात्र, डेशास्त्र अथ-देश काण कि माळाव অধিক গাক্ষয় গাজিলিংএর ছন্দ-কেন্দ্রে मन्त्रीक्ष स्वतीत कांत्र क्षेत्रक वहेता काटक। शावनाव मामावसूत्र स्थल केळ ट्यांचेत प्रक छेदनावस्य देनमिक्का व्यवस्य wfanics !

# দিখিজয়ী-দর্প-দমন

**बीग मरवान्त्रम ठाकुत्र महाभव विभाग-एक- "किमानी एकिमीन, क्रामार्य** পেই দীন, বুগা ভার অশেষ ভাবনা।" আমরা গতক্ষণ নানাথাকার প্রাকৃত অভি-মানে মন্ত পাকি, ততক্ষণ ভগবছক্তি লাভ করিতে পারি না। পরম অর্থ বা ওগ্রছজি অর্জন করিতে না পারিলে পারনাণিক বিচারে সে ব্যক্তির কোন মলা নাই--छैक्तित कीवनहे वृथा, डाहात धाता डाहात শিষ্কের বা জগতের কোন নিভা মঞ্চল হয় मा। व्यक्तिसम् अध्य नाकास यक्षण्डम, बागरकृषा श्राकृष्ठि व्यवश्यकी श्रीत्व ११(इ থাকে। অভিমানগুলির মধ্যে বিভার অভিমান একটা। আমরা অনেক সময় 'শি**তাৰ দল কি ?'** ভাষা বিশ্বত হট্যা বিছামদে প্রমায় হই ও সরকের পরে অভানন কইতে থাকি: যাহাতে আমন্য **এই অন্তবিধার না গড়ি এবং ''ছ**'ড়'বঙা-यक, याद्यात (बाह्यत, टाइंग्यात इकारन विधा) त्याक क्रमभिक्षा, व्यामित्र भागाति, क्रीनरक क्षार्य ग्राना ॥" भश्राभरमञ्ज अद्य छर्रान्यणः । জনয়ক্ষম করিন্ডে পালে, ভারুতা ইন্নেল্ডান अनुत निष्येष्ट्रयो मध्य नमन मानाजि याद्याः-हमा दश भारत्य ।

् विधिक्योत न्याट्य काशमन **अभिनाशालाकु यनमा निकालियान-जाला** विश्वान कात्रदर्श्वास्त्रम् । १९५म नधरेष्ट **८क्ष्मव का गांधी नामक एक कि प्रकार** পাশ্চিতের আপুষ্ণ হর্যাভিক : এবং সংল मिधिकारी भी छाड कालार एक एसन्टर सह छन्। कतिका क्षणस्य मत्रश्राचीतः क्षणेत्रानाः ३ ५ कतिका भिधिकारी यत शास्त्र करियाराधाराका । বিষ্ণুভভিত্তির দিশা বিষ্ণুবক (ভেডা ভড়া শরশভার রুপায় ভাবের বিফুড: লাড। হয়। বাহার। অভাতিশাণ পুরবের হত कही मन्त्रभूष्टी वा छारात केलामना करतन, **छ।इति। ८**वीन क्रमणाटक दक्षिक ४०: সেই আক্ষণ স্বস্থাতীয়ে গোলুকগালাতে निधिक्षी यत लाङ क्यांग्र शहात जिल्लास व्यमर्शन भूतरभाक्ष प्राप्ति इत्रेट्ड थ।८५, মুডরাং জগতে কোন পণ্ডিত্রই উচ্চাত্র স্থিতি বিচারে ধ্যথ হন না। তিনি স্থা মেশ জন্ম করিয়া অব, গজ, বিশিদ্দেরণারি ७ (माक्कान मरक शहेश) वह व्याप्त्यात স্থিত নৰ্মীণে আগ্ৰন করেন। ওপাকার ममश्र পভিত সভায়, প্রতি ঘণে গবে এই সংযাদ আচারিত হইল। নগরীপের বড় **বড় পঞ্জিলাণ্ড বিশেষ চিত্তিত হ**ট্যা হকলে ভাষণৰ স্থাৰ বুটিয়া কইবে ত পাধিলোন না, যাতে পাচ হাহ। বলেন, বংন্মান এন, কি. পড়িশেন। कातन मन्त्रको गांशारक वतनान ক্রিয়াছেন, সরস্থতী থাতার মূথে কণা বলেন, তাহার দহিত মাত্র কি ক্রিয়া পারিবে গ

#### खीखी अस्मरशी जारको जन्मकः

# দোনক নদীয়া-প্রকাশ

### নিতাপাঠা বৈক্পবার্গাবল

त्यशामि जगल माचल-माटला चाक्र विच नरावराजा সমগ্র ভারতে একমাত ফলভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

শালাম মাহাপর-১৮শে চৈত্র, শ্রির-১৮৩৭

#### मियाशदर्भव क्यां के बिकिटगोब-श्रमात्त्रत स्निम्म श्री

एडे मक्त तुन्छ जी है। कोत्रक्षमातत গড় যাসকল ত্যুঁভার নিকট বর্ণন ক্রিয়েলন কলা লালিলেন লান, কেছ ভাৰাৰ সভিভ শাস্ত্র বিচারে অগ্রহার ২ইছে না পারিলে ভিতিকে ক্ষুপুত্র জিলিয়া দিয়ে এইবো। শিশুদার-র এই কথা অভিয়া জীতীরের ছে-अक्त दर्गित्व दर्गिता प्रिकार न क्षत छाड़ि श्रम एके कहि उद्धक्ता। अध्यास ना गाउँचग क्रेसन् गुक्त्या । रण प्राप्त पन्देश मध्य दश करते **अ**ध्यात है। कारका स्थाप काटा करता शहरात ॥ সম্বর্গত আর ও বস্তুত্রন समारक एए जिस्सी अन्तित राष्ट्रकार स देश्हर, राष्ट्रगर, १९४५, भारत, भारत, न्।त्र । মহালিপিটটা ঋনিয়াছ লা গুণ কলা। तुक आधि कात रुख छत्र गाँव का । मुक्ति। के प्रेम् अक्षाहात का के मुग এটেবটা সাংগ্ৰিমাৰ বিস্তা অংশ ব भवित । रुप है एन इकेट ( अपकास ।

#### শ্রীমধ্যক। প্রভার বিধিপ্রদীক্তরের বে: নল ভিন্তা

1 301 生性になれる 新

किम्प्रान्त्रक । हे शक्स जिल्हा अधिकात गरिक समस्कारण वक्रासीरत আব্যাম ক ব্রেম ১৮৫ শ্রেল্ডার শী ও লমক বা কবিষা বহিংলেন । গছৰাটাকে ন্মিষ্য বিশেষ্থ্যের স্থিক \*177491 व्यक्ति । किस्तिहरू रहे से उन्हें कि उनकार त कतिराण्यसम् । हिनि क्रांगितररास्यान-१५४ िरिक्षप्र महार अञ्चलक प्रदेशहरू — २५६६ - यक्तिहरू - विहिन्दे किला हरून कर्नन, विह भारताय व्यक्ति स्टार्क्ट महिल्लेष्ट । स्टार्किन । स्टार्क (८) है। तर नाम ५०) र ५ महिल्ला । ্ষ্পুচন্ত্র বিশ্বকে সভাস্থার জয় করি। এবস্থানে ব্রহান দেখেল বেবারি ন্রাপ্ত প্রের্থ বাজি অঞ্জব মৃতভুলা এইবা, প্রাইল, বিদ্ধান্তব্যাদ কোন কগাল বালার खाराहक प्रता किनिहत, जोकारक जोकान | खारशीवस्कान मन कर्णावर स्थान (स्थानेया - द्वीत 5.7 %) . . . . . . असम्बन्धन লোকে জন্মনিক হবলা মৃত্যুদ্ধে পতিত দিতে লাণিলেন; এইদ্বলে দিখিলগীর কল্লে প্রিনিক নি বিলোভিতের বে ছইবে। অপ্তাৰ ভাষাকৈ নিজ্ঞানে জয় ∤ সকল প্ৰতিভা লোপ পাইল। তথন হৈছের বিচার বাদেশন ক্ষিয়াটা লেন। ইনিয়

না, অথচ ভাষার স্থান্তেম্ব মুখা সে ष्याः क्षात्र, काटा वाहे वटात ।"

#### भिविज्ञशीत पर्श-प्रमन

शहर नियान जान एक श्रुविक हिन्द ত ধ্যায় ভাগেবধী অপুন্ত বে ভাগিকিই। क्रमेगर्डम । है। दिरशीत्रयुक्त (स्वास्त्रन পরিবেশ্বিক হট্যা ক্ষান্ত্রি উপ্রেশন করিছা অংছেন বেং কিবাক্ল বিভাৰ ! কলিয়া পাস্তা বছরে: করিছেছেন, এমন रभाग नेविति मानगर दर्भाग प्राचित्रिको Withit Briter exclain fairmin ्रष्ठक अन्दर्भन्त । ते अट विकास्त्र

100 1 3 1787 × \$ 3 BINNS!

19、1200年代,1967年生,1867年6日,14日 Place to the collection ক'লা লৈ কৈ প্ৰধান মান্মি FLOOR MARKET BARRIES 

上陆者 布拉 机油油 两条以前轮槽 无法。 निक्रित कार्याः सङ्ग्री के निर्देशः ५५४ ·李钟信之 的特别的对人 医红丁二十二烷 ্ল, এটা পৌরক্ত নেত্র স্কল্প স্কল্প তারু হ THE THE COUNTY IN THE PROPERTY WHEN विधिष्ठकीतक वक् कितिरत्तम्, छारत् विश्वतः एक्त बेबद्धाः क्रेम्ब्यत् छ। एत्रा वर्षाः ए क जिल्ल ंग्रह्मम् सि(ध्रम्यः यस्यः

করিতে উত্তত হটকে খ্রীনাম্চাপ্তাত छ। प्राप्तिभावक निराम कतिरामन एपः পণ্ডিতকে মিইবাকো বলিগেন,—বংগি অনিক হটয়াচে এবং অংপনিও সুধ্য হইয়াছেন; ভত্নাং ম্ভ বাদ্যি ভিয়া বিভাষ কৰ্মন, আগামী কলা প্ৰৱাল 'মাণ্ডার সঞ্জি শাক্ষালাপ করিব। *এই*-বংগ হিলি দিখিত্যীকে বেশেশ বাবহারের হারা টুঠ করিল। বিদায় দিলেন।

#### দিখ্রিরয়ার স্রথতা মন্ত্রতপর गुन्। महान हा छ

দিখিকতা তিনিধা বিভদতার দিকট পরাপে ধর্মা ক্রন্ডিড় অসুনে চিন্তু ক্রিটেড ्रशर्रियसम्पन्नसम्बद्धः । सर्वितः विकर्षे व्यापात त्यान व्यवस्था । केलाक, क्राप्त সরস্থানীর বন অভাগা হটানে কেন্দ্র হাতা হউক আজহ ইহার কান্য সুনান--ব্রিয়া मंद्र क्या कर्निइंड चार्यक्रका भन्न क्रम क निम्ना भएन क निर्देश । अपन्ती । तनी आकारक সংগ্ৰহিতে ল িজেন—

दरमदर्भाता कवि उद्ये द्वादान द्वारा स মার ছারের করে । দি । ম্বারা কথা। रहर द्वांस साथ कहा । या तथा शहरता व राज भिन्न दारा,भाद दरेश र अधिक र ॥ 可以登入城下胜时的 似定 忠阳电流人 স্বাহ্য সার পারত হো নির্ভর নাম)। ्या । दशाह आलाम इन का का नानि । িংপান্ত ম'ল ভিজন্মে i

कारमार्टेड्डा बनुमहर असरी माहित्सार মান কৈছু নত্ত তুল মাতিয়া আমাধ্য विशिवस्थान अंग को दश भारत है। प्रश्न राज राज ५६, रह शाहिक। १ म्बाल्यासम्बद्धाः स्थापात्रः । स्थाप्ति । स्

( हें। ७% ३ ०५५ व सुप्र

টা ছালন্দ্রপথ হা ভাবিনী সভার माश्रदाचान-देव.

क्षात्र रुभए 😘 .

119 41 च खारतच मान्य म यान्त्रभा ক্ষরিব, তাহা হইলেই সে তঃৰ পাইবৈ ভাবগভিক দেখিয়া গড়ুমসকল হাল সৈতুললৈ মাননীয় শ্রুমারাও মহাশ্রেষ

**७८८२ ६३ कि.स. जनकान करतन।** ७९ पटत মাজাক গৌড়ীয়মটের প্রচারকবর্গ স্থানার গুছে অবস্থান করিয়া ভাষাচিতে জীমন্-মহাপ্রান্থৰ লীলা পেদশন করিয়াছিলেন। स्रुखाता ५ देवकावनाटनाव अभागामित वादना ক্রিবাণ্টিলেন। ইন্থামপ্রচারিণীসভা এই কত্ব স্থানিক ধনাবাদ জাপন করিতেত্বেন।

#### ডঃঃ ইউ রামরাও

প্রতিহাশানী মাধ্বরক্ষেণ ওভুমারি কারী ডাঃ ইউ রামরাও শ্রীক প্রথণানের ছারা দাঝিণালো একটা কীওন-মন্দির উদ্যাটন কৰিবায় ইচ্ছা প্ৰকাশ করিশ-ছিলেন। প্রায়ণানের অমুপঞ্জিতিতে প্রং-প্রাদের প্রতিনিধি স্বরূপে বিদ্ভিস্থান क्रिमण[असम्बद्धा सश्तिहरून हात। उ त्रांगता इ है के अकी खेर मिलामन देशर हैन ক্রপনে ৷ ৬: মডেগ্রেল নাগ্নেলর পি. রাঘ্রেশরাও কেছম বিশিষ্ট প্রতিহশানী মাধ্য রাক্ষণ। હિલ્મ છ ल्ला । অন্চার্মান্ডিত অভার্থনা এবং মালাভ প্রৌড়ীয়মটের প্রভারকবর্গের প্রভাবের সহায়তা করায় এখামপ্রাচারিল সভ্যা প্ৰফ হইছে আশেষ ধক্তবাদের পাত্র दहेग'र एन

#### महीमुद्दत महातानी मटहान्यः

भशेम्(तत महातारी मटहानदा मानाः त्योद्रोहमर्तृत अञ्चलकार्याः मन्द्रस्य শ্রীবৈত্যামহা প্রভুৱ কথা প্রভারের সহায়ত क तिर एइस । . बीभामला । तिर्गायका अबेक ब ষ্টাভাকে দলবাৰ ভাগন করিতেতেন।

#### লেঃ এদ সি চৌধুরী

कलिकानात त्राक रहेगानी, दिश. थि. cbोबुर्जी सहासम् जीटकोष्ट्रीयमध्येत *शानाद*न নানাভাবে স্থায়ত। করায় আন্মানাবিদী मुख्य हो। हो इस प्रश्नान खालान क तिराद्य हुन ।

#### শ্রীযুত্ত রাদেলাল গোসামী

**ब्रीभाग दुम्सावरम्य रागाशामा** छे-পরিবরে यानमान बीएक ब्राटमलाक ल्लाकामा यटन-লয় প্রভান বিশেষ সভ্যবিহা, স্বল, অন্ডিক, সঞ্জন ও ক্লিয়। তিনি ভেডিয়ৈ মতে কয়েকবার শুভাগ্মন

ভীয়মটোর আইটারের ভাষ্মনীত প্রেদশন इक्ष्म कुष्क (१९) व ब्रै अवटा अवित्यात्राचा विकास कर्मा क्षेत्र करात्रा विकास करात्रा करात्रा विकास करात्रा विकास करात्रा विकास कर পরিচয় া एडिका डाडीट्स कार्या प्रशास का प्रा কবিভেটেশ ।

#### কভিপয় ব্যবসায়ী

স্বায়বহিতির জীয়ক সামলেও সোধানি, ब्रामनाश्वत बिक्क ब्राप्तियत के ध्यासा, औरक तारमध्य साम ८५। इति ५३। या. चीत्र भूगांताम विकाश थ बीश्रक विकास गर्देश প্रচारत जवः माधु-देवस्थ-स्मवाय আমুকুলা বলাগ ইনি।মপ্রচালিশীসভা ভাছা- কইতে তিনি শভবাধাই ইইয়াছেন।

(६न ।

#### ঐবালকিষণ দাস ক্ষেত্ৰকা

শ্রীগক্ত বাল্ফিব্র দাস কেমকা মহা-পর মাড়েল্যারি-সম্প্রদারের মনো একলন निर्मित्र क्रिक्ष, शक्तानिष्ठ दर्शार्फीय देवस्थव । শ্লীকেইটামনের সভাৰানী ও আদেশ দেবা ्र । पार १८७ मार श्रीशीनि सम्बाग रशक ম্বেন ভাদ্যবিদ उत्तः कि जिल्ला माधिद्रकात

किया प्रारंति जीवनश्चाता स्व श्वकार ÷জিং ভিশাৰ্বাণিস্থ**হ** একে শিক্ इक्ता दिलिएक कोन्द्रश्या की नमा आहर्षानीनान डा Hette श्वतान রুপর্য ক্রিপ্রুড়

#### ভীগুত শটা চাছ , খা,য

योगकीत विचारतंत्र कमिनाभाग राज्य र अ मुनाम शाहिताको देशाचा नहींकाछ

(छन्। के ((भाषाकार) । "डीक (छ स्वनः" 不证明 医全角 经现金人的证券 化多层模型 电影 ए १९१७ व हे १४ ज अभिकास अगस्य । व्यक्ति First Martin than Early Florida to PHORES IN A PROPERTY OF A

#### রায় সাহেশ হাব হরপ্রারী

সংঘারালপুরের জলিদার সাধ্বপ্রের অংশ্যে ১সংখ্যার বৈ ফিম্বিন্য - শীলবম্মাস मागत क्रम अकड़ी दक्षिक बाक्षार्यात বা হা কবিয়া ী্যহাণবৃদ্ধটেস্তান্য মহিম্য প্রেটারের যাত্রবান ১৩ যারেও 🗸 🗟 ব্য <u>ख्यात्रीत्रोगाचत्र परेपाकः विकासकः रहानात</u> WHE OF A POTTONIA

#### এমার মঠের মহান্ত মহারাস

পুরা এমার মধের মহাও মহারাজ মনেনীয় উল্ভেশ্ন বাম্ভিক দাম | ৬৯০ুল বাজ্য-প্রদানক রী **ट्रिटे**ं एच महरूत दशनकाशन काइक वाकाशः नाथ गालत श्रक्ततं काट्याः ज्ञालाला-१८थत বিভেছ্যে নিক্ষাণের ন্যাভার বহন এবং পুরার উত্তরপার্থনতের মহার মহারাজ মাননীয় উল্লেক্ত গোবিক লামায়াল দান অলিনিনাথের উদ্বর্গান্তের প্রাকার-निकारन्त नायक 🛌 दश्य दुक्ताम । अन्य [ লানাবিশভাবে উলাম মালাপ্র-উটেচভা भदरत लाजारत महाञ्चाही । उनकाल कतांत्र दीशामध्यक्ष विशेषात्रका देशकामियदम् मध्ययाम জ্ঞাপন করিখেছেন।

#### শ্রীযুত মনোমোহন সাল্যাল

এলাহাবাদের অবসরপ্রাপ্ত হল জীয়ক ' মনোমোহন সাল্লাল মহালয় উল্ল প্রতৃ-भारमत दिखायारण अञ्चित्रयकारम मभागेष তার ভালমিয়া 🚉 মি-মায়াপুর ও গৌড়ীয় ় প্রেরপাবের অবস্থানার্থ নিজ ভবনে স্থান প্রদান করায় ত্রীনাম প্রচারিণী সভার পক্ষ

দিগকে অশেষ গলবাদ জ্ঞাপন করিতে- **এলাহাবাদ হাইকোটের বিচারপতি চিত্তারই অভিবাহিত হয়। কিছ বধন दलाशावाम अहिंदकार्टिंग्र मानभीग्र** 

বিচারণতি শীযুক্ত লালগোপাল মুখো-পান্যায় মহোদয় শ্রীল প্রভুপাদের শ্রীমুখে व्हिक्शा-अन्ति विश्वि क्यूत्रांग द्दर এলাহাবাদের প্রবাসী বাঙ্গালীর মধ্যে যালতে জীল প্রদুপানের প্রচারিত উটে ভর্মবাণী সর্বভাবে বিস্তান্থিত হয়, শঙ্গল ইলে প্রেপাদেরট রূপাসংখ্রিত 'ে ডিট্টি-সম্পানক <u>শিস্কলবানন বিস্থা-</u> বিলেদ বি, দ, নহাপটের ছারা বস্তৃতা প্রভাবের ব)বড়া ৩ গ্রেয়ণ ভা**হার সভা-**পতিত্বের গদ গ্রহণ-পূথাক নিজ দৈয়া ও হলিক্থা-এন্যে অমুবাগ প্রেকাশ ক্রিয়া भाग आगतिनामका एकेक्स

### আগতে এক (যতেও একা

ক্ষেত্র । কর্ম ও পিন ক্ষিত্রেছেন।

रे अ । त'ता बाह्य,---भागत्य ও ১৯১ কেবল আৰু প্ৰেয় किंग भूरण वाश्वनिकश्च शहर- र्र ্ড । এ ম সাধিব জাগ্ৰনকাৰে धारपक्षाया की मा कामाबाह हा, अक्टर्कार्ड आहित्व च्या । ५५, ६४, ५६न४ (८४(की४ ८वर ए १६ ज भटन राष्ट्र भा ।

র্ষ বিষ্ণাবন্ধে এই ক্লাছে किक्षान कथाकण (भाग ১৪্পে গতিত হয়, কিন্তু क्रमाधन मध्याति व्यवस्था वस्त त्रभा देश (भारते व नर्भ कार्यात्रका क्षेत्र, जार-एक लोकास इट्या शास्क्री एक्ति चार्यंत्र

আল্লায়, অনুর ভাগিপরীভাগেমী ব্যক্তিগ্র---लक्षा (विश्व किया भक्ता, किया भिक কেডট অরি শক্তাতা বা মিক্রতা দেখার না, য়খন ভাষি কথা দাক করিয়া চলিয়া যায় । ত্তালের সভে যে সাকাৎকার হট্যাভিল, লাগ অভি অল্লকঃশের নিমিত্র। যেমন, কোন ব্যক্তি প্রিভ্রমণ করিতে করিছে পথে অনেক লোকের মঙ্গে সাকাৎ করিল. মুক্ষেট আপন আপন গতুবা পথে চলিয়া ্রেল; কেই কাহারও ভন্ত চিস্তাও করিল না, তদ্ধপ এই সংসারে জীবগণের আঘীয়তা বা শক্তা। কিছু আমরা ত্ৰক থিবলৈ এই শিক্ষাপূৰ্ণ বচনটা ভূলিয়া यांहे। याकारमञ्जलक श्रीमानत क्या प्रभा इडेग्राटड, छ।हामिशटक श्रवगांश्रीय छ।न ক্রিয়া নিখেকে তাহাদের মূপে স্থী ও कृःश्य कृःश्री मान कति धनः धहेताल अमृत्। कीवरमत्र मुङ्किशन ठाहारमत

যমরাজের নিক্ট নীত হ'ইয়া স্ব-স্ব-কর্মক ভোগ করি এবং পুনরায় মাতৃগর্ভে প্রবেশ করি, তখনই মহাপ্রাভ 💆 চৈড্ঞ-দেবের এই বাণীটা স্মৃতিপথে উদিত হয়.— যে পুক্র করিলাম পোষণ ক্রনেষ বিং**র্নো**। কোপা বা সে সব গেল মে:র নিফ কর্মো॥

## চিনিতে পার ?

যাগরা এীক কবি গোঁমারের এছ शार्ठ कतियादधन, छाहाता कारनन दर, ইউলিসেদ দীর্থ প্রবাদের পর যথন ভাছার পুত্র টেলিমেকারের দেখা পাইলেন, ভংন পুত্র পিতাকে চিলিতে পারিল না। পুত্র প্রথমত: পিতাকে একজন ভিক্সক মনে कतिल, शदत छ। शदक वीत्रशूक्य शदन করিল এবং অবলেধে তাঁহাকে দেবভা विभाग मानाक कतिश।

এট সপ্তের একজন আমেরিকান (अथक वं कार्ग त्या, (Maistain शक कार्या न्कि प्रत्य अकान करान मा, त्वरश (११वछ। १० वि ७ शान यादः मास्यहे भाष्ट्रस्त मुख्रिदशास्त्र अस्त ।

म छन दनः (नन्छ त महन्। अर्थका নিদেশ করিশার প্রভা অভান্ত চল্ড लनः व्यक्तिका दश्यका क्षा अक्षिप्रश স্থানে আনিভাও ই এই থামতা প্রাধান

ভাষিরা ব্যবহা কোন মহামত একাশ का गरिता धनकी घरनात केट्टब কারতেও , পাচক নিম চিত্তাশক্তি हाता 💪 विश्व अञ्चलावन कतिस्यम । विश्व-केश यहाँ मि अहर को तरण, "दक व्यात्र कृष्ण-भाग अमादीत ?'-- एहे ७ प्रिया छक्षान ব্যন শোক্ষ্ম , এখন স্মাধ্তিপ্রেক্ত ভার্কা मिश्रक गांच कतिरात कालिखारम योग-(लग,--''('ठामना ए.इंबारगरं कुकालनम भारत, ८ ामानिशटक शहेमाई कुक शीला করিবেল; ভোমাদের মাসাঞ্চদাস্পণ্ শুক এবং প্রস্থাদ অপেকা ক্রেক निकक्ष मा"

অধৈত প্রান্ত বাক্ষ্যে জন্মণ भटन यह शारेका शतम जानतम कति इति বলিয়। চীংকার করিয়া উঠিলেন।

আগোরহুন্দর শিঙ্গদের জীড়া করিতেছিলেন। তিনি ইরিধানি শুনিয়া **সেই বাড়ীর ভিতর ঘাইলেন। ভক্ত**পুৰ छाहानिशत्क जिल्लामां कित्रान, "बाला, क्रि ज्यादन द्राम (कन १

মহাপ্তাত বলিলেন, "তোমরা श्रामातक त्कन डाकिता?" एहे कथा বলিয়াই তিনি শিশুনিগের সঞ্চিত জীড়া: क बिएड इंटिएन ।

#### ভাজানিলেলাটাভূম বিবাস্থিত ভাক্ত গ্ৰন্থাবলী



**बिक्यवर्ष- बेमडिक्किनित्नार ठाकूद्रक किलिए-**हेरोए कोटबर शरिहत. इटका मुख्कि महक, निका क रेमशिएक क्यां, श्रीकरेष श्रीकि ७ कवत्रकारन र छत. साहित व क्रियमामा आकृत क्षण बक्षाय क्षमान, देवापण वर्गाम्ममार्थ, देवकव-बट्या बद्धम, नद्यानामना । महिक नांबका, माहारुक, देवशी-ककि थ क्षांकाटका टक्ष, इननामश्य, बरेषकवाती कुक कांक्य फाइफ्या, कीर्यत वदावका ७ मू क, रेक्यवगृहरहत्र व्यक्तिकार अधिका अधिकाती-दिकास, कथा ७ व्यक्तिकारमह माबक्का, माक्ष्मच ब देवकवनच, द्याम कृक्कीना, जनवान अम या भाजाय क्षाचीएंठ-एडम, द्यीविक्रम्या व लोड-शिक्षात कारणा, नक्षत्रात्मक माहक व्यक्तिता कादग, अल्ल-্র বালাল্লগত লোভপত, শক্তিবিচার, দীক্ষা, বৈটা ও রালালুগা किक, शक्क खान, बग्रहाबुद्ध वाविकारी, लादकीव्रद्धम, प्रमुख दम, कीनात्यातन त्यकाक ममारुम माध्यमणाव काराख निशृष् पश्चातनी च क महनशाय क्लालक्ष्मकल या-लिख क्षेत्राक । अबै अक्यांक शहर द्वार काम करिएक गावभाषिक बादकाश किछुएकडे अक्कान या भरतम शाकित ना। পরম মুট্ অবিষয়ক এবছল সরক ও জদ্যাপালী আছ এপণাত্ত व्यक्षात्रम् वयः भागः। निर्वित्रदशाचार्याः नाक्ष-भट्यानि-भग्न-मान कर अश्वापुत फेलिक क्षेत्रारकतः आवाद कृतिस्थत क्ती, अवानात वे आफि बादा निरम्थ मध्य कता व्हेशास्त्र : नि:16 अब, त्मानांत कटन नाम द्रम्या प्रत्येत देशिक----**७ कुल शरफ. ल २० भारत ।** 



• इक्ष मध्यत्र ्भिष्या दीशाहें-- २, छहे राक! क्षाबाबा--- ३५० द्वारण छुटे हें।का

वृष्टिश्र नाजवाका बाबा शास्त्रक भानत्वह निका क अवा ७ व्यालका मात्राव • क्यरा निर्दादिक करेबाका बारकी ब्याफ डेक्टि मनाकन नाजनाका दारा मन्दिक द क्षभागिक कर्त्वारक । स्टब्स्, महलत क काबाद वचा कि ह परमन् मधान, नीफि, नवा मि । म्लाहि उपहा न्याक्ष्मार when werented given etch election faith eq. שמא מינוש שבנש שומש שופגן נבי מונוש מוזה או कारता चित्रक कला बाह था।



बिक्षेत्र मश्यक्त । 🗝 । भागा

জীয়াপ ভোষামী প্রাঞ্জীল মুনাগ গোষামী প্রাঞ্জ केमरममाहरू दव मक्न कथा शंभारात्कत, कान जह बार्ड काळ-गटबन क्षमून क करिकृत विकास कवि श्रक्षकार्दन | बहुत क्षणारक। इक्ष काका खुळानसावालेंड कुन.संद विक्रन क समामा विक्रिक छाटन कि निवस करहाटक ।

### ৪৪৫ গৌরাবের

**দচিত্র** 

भारमाथिक निक्तिमार्जिंदे अका छ शर्माकनीय বিষ্ণুত্রত ও উপবাদাদির তালিক। সম্বলিত বাংলার মরে মরে বিরাভিত হউক

ভিক্ষা ১০ জানা মাত্র do जाक विकिष्ठ भार्ताहेटल जादक भार्तान इस ।

भगांक रिक

ভীল লোচনদ,স ঠাকুরকত প্রীতেত্ত্ত্যুমঙ্গল

ওঁ বিষ্ণুপাদ শ্রীনীনম্বজিগিছাত সর্বভা বোখানা প্রাভূপাদ সম্পাদিত ভূমিকা; স্লোকের অবসু, বলাপুৰাল, প্রতি প্রান্তের ও পণ্ডের কণা नाम्न, मक्षमृती, पानमृता, भाउन्नती, अधानश्रव ভালিকা, পঞ্চদুটা প্রাঞ্জতি বিশ্বত সূচী সম্মলিত <sup>ি কুটানর আনে নিক এল ইউংগেন মাচে :</sup> (बान्ड) अष्टरत एनम व्हाडिम, बाउँ (शक्री बाकारन

#### ক্রীহরিনামটি স্থামণি

नामार्रामः है। के श्रीकार्यक कृद्यत सूच्य केंद्रसाद्यार ए ह भिनाम म, दर्याः, नामानाः, नामाधाना अकान (१४८३) यात ही। ति श्रंत नास्त कादिशाकालन, जह दिस्य छानि आहे। শরল প্রারে স্থিত্ত অন্তর্নত প্রিল্টিভারে মুক্তি। The statementated of the last state that we

### বৈষ্ণব্যঞ্ধা স্মান্ত্রতি

1 21.48 (m) 1. (#18 18 1 )

িয়:--১। দক্তিশালে বাংগ্ৰ শংশালীর লগ ः १९ तिम्बर्ग**रहस्य रेतमः** १९६५८ - दिस्र, २ । तिस्रोतस्यदनार्का श्रीभोक्तर ह र निश्चरकत निवस्त, छ। देवकावश्च ५ अ मभूटकत कारणका छ विवदन, । विवयितत्वस्य व्योगः क भाकीः आकरम्द्रा शतकीय तथा। भावश्य धारणाणक कड़ाई(छ । १ म म छ कल्कि, २४ म ५ कल्कि, १४ म छ क्कि, अभ · 열 1/ · . 5| \* 6 · 열 · 6 · (전 · 0 · 년 (주) · 6 대 역 년 기업명 ·

### <u>ৰীভ</u>ক্তিসন্দভ

ऽस थ७ ১८ এक क्षाका ≀श्रथ ७८ है।क শ্রীমধ্ভাগনতের ও গৌড়ায়ের গ্রাহকগণ 🐠 **টাকায় ভূইখণ পাইনেন** বৈদ্যালয় ইচন্ড লাকামীপাণের ets e প্রস্থা চলাত ষ্ট্রন্দান্ত আ श्राक्षायनीय व्यक्ता व्यक्तिक छ उन्हें कर मध्य प्र थेश भाकात्त्र मु<sup>.</sup> ए त रहेट तक।

> **ভামধাচাম্য সক্লিভ** সদাচারস্মতিঃ ভিকা /০ খানা মাত্র

# বিজ্ঞাপন

সাবধান!

भादशान ॥

জে, বি. দতের ভাক। শিশি আদাম তৈল আনি ও ১৫, ১৭ এবং উপকারিতায় স্কার্মন পরিচিত ও বত প্রশংসিত।

वामता भनवभाधातवात जानाहरुक्ति, नामाम ভৈল পরিদ করিবার সময় শিশির গায়ে ইংরাজী অক্ষরে জে, বি, দও এও কোম্পানী নাম খোলা ্দ্ধিয়া ধরিদ করিবেন। নতুবা জ্যাচেরিগ্র কমদরের কু এম ভৈল দিয়া প্রভারণ। করিবে।

## ফেরাস কুইনিন্

ন্তৰ এক পুৱাতন মালেরিরার যদ

हेर्दा क प्रतिक माळाल चाहेबस, बाहेर्दाह्माव

এং ক্রাস্কুছনিন্ধারা হঞ্চেক্যন করিনে একটা 🕏 ট গডেবুর কাগডের হাপাল ভিক্ষা—২॥০ টাকা 🌣 বং জ্বলী অধ্যাসনেত সকলপ্রকার কঠিন মা কেবিয়া হার বন্ধ করে এবং ৮ বছতে ১২টা বজেক্দ্রে মার্লেরিপ্তার স্মস্ত डे : मेश नह कर्ड अस्ता ।

> ⇒ Emingo श्र'क शक्-मुनः २, ठाका, हेर ६, ठाका लाहर कित्रहार का किलिकाल पारिस्तरिकीरक २२.५ वर ६क्ट्रीयण (सम, क्लिक्स)।

্গা ডায়-বেক্ষৰ-ভগতে অভিনৰ এছ !! এল চাতুর ভাকাবিলাদের ক্রিজ-গ্রন্থাবলা:---



नदक्षे माञ्चेक प्रदेश मः ४३०।

(मार । अ मार्ट्स (5) क्यांना अवस्था करेत्रा--- वेका यथन स्रोव বৃত্তি শানে, কথন একমাত ভানভানত জ্রীওগবানের প্রাভ ন্ডিরে কান ক্ষাড়ার জাবেগমন্ত্রী প্রাথনা হয় এবং ইভিগ্নানে সভাপ্তঃক্তাণে নিম্পটি কি প্রাকারে শরণাপ্য उटा के के के का शास विश्वयक क्या <del>शास्त्री का बना॰ के का श्</del>र নম্প্ৰমূলক পান ৷ ভাত্তিয়া সংখ্যপত আকাশিত কট্যাচে

"苦味」 全川田 可作 / 中 也年 明[刊]

्यामठांकहात्वका--- /०. वददोश्याहक--- /-

नटक छ जा है अ **\*\*\*\*\*\*\*\*\*** 

নম্ম হত্ত্ এক সকল কথা স্থল পাৰে পেখিছে। এই পীতিএছ राष्ट्रांचक क्लार्यक क्वल्यः हीन व्यक्तक्य विकामनानि व्यक्तः भवत ।

বিস্তৃত ক্যাটালগের জন্য নিয়লিখিত ঠিকানায় পত্র লিখুন— ম্যানেকার--এছবিভাগ, **এ**টিচতন্যমঠ, পোঃ শ্রীমারাপুর. ( নদার.)

# বিশ্বেষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভাজ্মসসমূহ

প্রাচেত্র মস

#### আকর মইরাজ

अ ठील नवधील, फाक्चब लिमाय मानालुक, नमीबा

শ্বিরান্নালীত হটকে প্রায় ০০। মত উত্তর-পূর্বে ইরেজপরতে আচার্যায়য় শ্রীচন্দ্র-. अत्र :- अत्र की हीतिहरू महे निवाधमान ।

द्ध पुर मारमक-कोथ, पदानक भेरे ना शक र खबरखती . as बहाडील सेर्कान-নাম্যুত লাচকরবংবি-রেদ্যাল্যমূহ, পর্বিস্তার অন্তর্গত কাবা, নাটক, অধারার, এখা क्षामान-देशकि,यत-बीक्का-एक-ज्वान ५५/८१३ अल्बन । ७ अन्। भूमा ध्वार ७०१॥ श्रीहरू-्वीद्राभः शास्त्र का कार्याभारमण ए भाषा भाष्यमाश्चित्र कार्रामा- एकुः स कार्यास्त्र हेवाला तिकाहरू हो हुन 'लाका प्रतिक स्टामहरूका । एहे प्रश्ताहरू भावमाधिक देवनिकाल साथक মন্ত্রালের মাপ্তকাশের ও ও প্রাচীন গ্রহণাকৈ প্রচারকারে ভিনীদা-প্রকাশ যক্ষালয় ! উন্নাদ নত হৈছী সংকাৰী এইটা দ বিলে দ্বিশালী এজনাতী, লাওক নীগাৰ পাৰেলাই প্রিলাদ বাসাবহাতী বন্ধগালী, প্রী গদ ক্ষপত্তাৰে সাসাধিকারী বিশ্রু প্রীশাস ्रिक् कर्रीपुर्वे के सहस्रहान्यका है। विकटनताम कार सक्तकारी असून र ब्लानिका

#### ্ত হোগপীত ইংগন্দির

अब राज क्रीक्रमहार शिक्सर करने ना শ্রিম্বার্কার প্রার্ক্ত করে প্রায় সংগ্রেক্ত পাম । তথ্যে আৰক্ষীপোগ ও আছি জ जिल्लाम्ब मिट्टो नाम में अंदर सिटे रेजना e এটিন দার ফোর কিছে। কেবা জল জিবলেও ভাষের বুগল বর্তমান : বং ক---- লোচ-মাণ শ্বয় কে অন্তি কট্টাচাকা আতু উর্বেশান ( नाथ। महकाती अधिकातान त्रथाती, च्ची करण दक्षाणिक देशालाम विकेत wiff, (Prime) Egyradmi

#### (৪) ভাৰ সে-ভাষ

- स्वारम्थाम क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स मार्थे Benteglet a einen i Coltin Eige nich चित्राक्त व कास्ट्रास्ट अतः तक्तातः **७०.** होत्य कुलमाम नाताली ।

#### ( ८ ) काट्रेड ड-स्थन

होते द्वाराम श्रीक्षद्रेषण क्षाकृत करान जातः ्भन् न्द्रभाव र

#### ं ७। क जो ज मम मि न है

প্রাতীন মালতের, সামলপ্রার নেদীয়ান **अर्था**ः कथानाः व्याउपकाष्टीः । स हि । 京歌 本 ··· 古明と、「「 Betale-Tatatist

#### (৭) আনন্দ স্থান কুঞ্চ

SICHIMA, MATER - 1914. ब ११८म छ्रिक्षायाम झेला ७ कि. रनामर प्रदर-भुशांकि द्वार ब्रिटमीयम्मानत द्वार ब्रिक्षिवास वान्त्वर भागा मुख्यान

er- দ - ভবিক্রম ভা**জার** এ**ন্**চারী जुक्ककारिक्षी बन, धम, धम ।

# ৮ : 🗐 🗷 अध्यक्षाच 🕻 जो ही रामठे 📑

वक्तक---- त्रीयध्वा छा छाल छो। रम् । यः াবে, এল, সংমানী—-ইন্দিনাদাম ভাকা সক্ষাক নীলুল্পাল ব্যারী । मारी, बैडिकक्ष सम्भारी छाइए।

(৯) প্রাগোর-গদাপর মঠ है पर के अध्यम अक्षमान १

in almeline attalle interestee.

#### ১০ ) ত্রীরূপ গ্রীষ্টায়-মত

PT. 1.5173 , \$12.14 = 35 , TH नक्षक - में महिलात अध्वाती, में कुनार पत्र 37 17

भाष्ट्रण, '७, स्थाद्रण : १**व**र्गाना ही भागी है। है कि रहे हैं का अने कहा तथाय- है अविद्याने तथनाथी। ১১১ ভাগৰত আসন ই। নাগৰত ্রে। ক্রমণস্ত্র নদীরা। काधन रिवास अवाननी व्या १०१क व 

SE RETERNE ्षे ल तको, जाशाकी, क्रमन्नात, समीत्रा । 

া ১৪ / শ্রীমাধন ব্রোঞ্জার মত ৯০ন- এবাৰপুৰ ব্ৰোচ্, তাকা। भूमनाम्य शानानाः १०००, द्यारम् औषक ्धानक पाक्षणानिधिवधक दश्या व द्यान दक्षक— शिरामावल जनवासी।

#### ं ५० / शिटभाभाषकी यह কমল(পুর, চাকা।

(शालामकी व लाहि अस्व के क्यांठीन दमना द्रक्ष-- है। शागरशाव अवहाती

## () बादगोड़ी स्र मर्ठः

्र वर कालिशाम Bक्टनको शिष्ठे. (शा: नागवासात, कलिकाका । .छेलिएकाम वि. वि. ८००८

শ্রীমনালা গভার প্রাচারিত ভ্রমিরাল ভ্রাঞ্জিবর-প্রচারোক্রেশে গৌলবেশের শব্দ প্রধান নগ্রী কলিকাতার শ্রীক্ষিবিলোদ আসনে শ্রীমত প্রতিষ্ঠিত আছেল। এই ককে-সভ্যানামে জী ওর-বোরাজ-জীবিনেদানন্দ জীউ সপাধদে নিভা দেশিত ধন । ' গৌড়ীর ৯:চার্যাবেরি যাবভার প্রস্তাবলীর ওপ্রচারে।দেশে ঐমসে সংলল্প একটা ভযুতৎ মৃদ্রা-ন্ত্রালয় স্থান্ত কি ক্রয়াছেন। পুলিবীর ধ্রুত্ত শ্রীরেনাম আচারার্থ এই 'ম্লাবর क्टेटफ 'ट्रशोडीय' माखाविक लखा जि. अञ्चलन्त्रे मामिक लखिका देश्याली कायाव निमामिक्षकार्त क्षाकारम् ६ वर्गाकारसम्। श्रीमास्य प्राप्ते, महीकान्, मन्द्रावाम-स्वतंत्राच्या । र्वेश्वराधन के भीरत •अ-कात्रकाम शामि-शीला छ क्षारहत समाक वारणाठना वर्षेत्र কীকুল প্রছান্ম্য মহাম্যোহধন দি লাগাল অন্ত্রির বর্ষা আকে। একক-একার্কী চ্ছাপার অনন্ত্রাকুর পর্বিভাভ্রণ বি-এ, বৌশাদ প্রকালনক পর্বিভাবিন্নাদ বি-এ, ন্দ্ৰতে হ'ব প্ৰতিখ, জীগাল নিগাল নিগাল নিগাল কৰিবলৈ কলা কৰিবলৈ প্ৰতিখাল লগতে কৰিবলৈ নিগালী জনানল, এখালাকী প্ৰাণালী আছিল এক कीरकानम कक्तिमान्त्री, तक्षात्रादी औरधनकीनमन, शक्कि लामा सबीसक्क প্রতিয়া করে ভ্রিপার ক্রছটির

### १७ शिवसहि-८वर कार्य

करिकां म बाबाहिली मुका, नातिय उत्का 🖺 अभारे- । भोतारक्षत 📑 😜 😕 ।

#### ১৭, শ্ৰীভাগৰভক্ষৰলেক মঠ

क्तिकारितः, ताकुरमत्भृतः, इक्षामञीभूतः। CHICA Same off Section (Section ) । ব্যাক-- আভিভিত্তি ব্ৰহণে আন্মেন । তি ভিত্তি নিকালে ও ক্ষমতে । ব্যাক-- ্ত্ৰিক ক্ৰ- ইইগ্ৰুপ্তিমাৰ এক্ষমত্তী द्यवश्मी श्लीकश्चरम्याग्या । दक्कारी प्रधानक

#### ১৮ আমপাবেড়া এপরাশ্রম

ं नामचे प्रदेश । स्वाप्त । इ.स.च्या

अ कार्यक्षाता । चक्क - - याचामा । अवस्थान । #[\* [# ]

#### ্১ জীপুরুবোরন মঠ

अरोकार, भूती, के छिछा। दर्शाल हीत्रक्षेत-निरमाननामयकोद मिना-मन नहमान । वक्त - वक्तराही द्वील्डम:-नक विकार्यक्ष, अध्यक्षति श्रीनमीधानक ।

#### (२ •) अञ्चल-दशोडीय मर्द्र

भागवत्रमाण, तभाजि त उभाः, भुदी । जनतान्त्रपटनत व्यवस्थात समहत्र चौभयाः প্ৰভাৱ অবস্থান ৰক্তৰ—ব্যৱহারী अध्यक्षरभवती अधावकी। तक्काती-द्रभागांकी और विनामका ही :

#### (. ১) और किस्तानण मठ

देखितान,व्याद, करेक : auten @ क- (शाशक-विकासक्रमन- अक्कारात्री की शाशक्रमण क्रमण । 1. भीत निकारमचा वर्खमान। त्रक्र---वक्तात्री जीभनायत्र।

#### ः २२: जीमनाजन-भोधात वर्ठ

अन्द क्षत्रकानन गुरा, कानी । (ना -- भगक्षाक मनाक्रम- निकायका ध्याति त्नांदर्भमा वस्यानाः वक्करू---नीकाशकीनाशकी ।

#### २०. डेंक्सदेहरूस मह

जीन भरण्याम कृष्ण, लागाम वृत्यावस । के में वामा-तक-द्याक-कोर दमना ।

#### (२८) 🕮 পরমহংস ছঠ Lufantagt, nichtern

এখানে প্রতিগার্ভ পাঠশালা 🔹 र्वेष्टलाः विद्यान विकासक्षीत्र दसवा वस्त्रमान । मी कर्माताम है व संभाका लादवाहीते स्थान --स्वश्वी हीन मरकानम न उक्काची द्री नाम ५ ल्ला ।

#### २०: श्रीटेन्डक्य (श्रीकीय मह

१९४७ का । 15वक् का भागकम । क्या चौदेवत्र-भटता नामः। दक्कक---जीवमा-माथ बाह, श्रीरकन्यानम ब्रम्क हो। श्रीकाम कील अस्थात्रकः

#### २५) औगामक्षीक्र मह

Pricma, Michael, maint auten श्रीराविधिताम-बार्यक स्त्रवा वस्त्रवासा तथाय-अभागाती ही अस्पत्रकी । (२4) लाभागभाषा अभगाध्यक्रक आकार्याकाः, स्थाः मास्य, सक्ताः water ar Sanig mientatena enm नसभाग। वक्तक---अवनामी खीळानक्रक-

#### मान, जीवाशक्षमा अक्षाती। (२৮) विद्वा शाकीय गठ-कार्यालय

Swicest cutting, find firmt ! वर्षक---अक्रिकानी आंत्राभिकान्य(अन्त

(२३) ८गागामशामामश्राक्षक त्रक र--- अवाहाती खोशायादमादन

### চৈতগুমঠের শুদ্ধভক্তি গ্রন্থমালা

বঙ্গান্ধরে প্রকাশিত		<del>-</del>	ঞ্জীল প্রস্থাদের বন্ধাত	বলী ,
১। <b>ইঃসন্ধান্ধভন্-</b> লম্ভ		( '	<b>)</b> दावभ गख	h.
# (3#-## ##) \$31	<b>.</b>	( 1	प ) प्रिकीत यक	١,
ু 💣 (পুশ্ব ক্ষ্ম) 🔾	, ,	( 1	গ) হুই খণ্ড একতে	×11•
t i winger-ne @Mtemmefum	73	91	নৰ্থীণ গঞ্জিকা	
:(/8वं भरवदन )	4		( ८८८ (गोश्य )	<b>.</b> /•
ej Birevevinev		961	সিঙাত্তদৰ্শণ	.å
( বিয়াট (বিভীঃ সংখনণ )	۲,	031	ীপ-দিগ্দশ≖	40
। नेका ( क्रियम(स्य-मिना-नम् )	24	8 •	<b>ভক্তিরত্বাক্</b> র	
ধ হ' শীখা (াইচক্রধন্ধি-চীকা-সর্চ )	*		(ন্ৰ্যাপ প্রিক্রনা)	<b>å</b>
e: (wash	>	951	প্ৰীভ্যা <b>ল</b>	150
१। युक्तियश्चिका क्षणामीत्रकः मास्या	7	83. 1	<b>শ্বাঃশিক্ষাতক (শক্ষন সংকরণ</b>	130
ं(भाषा)	١,	80;	নবছাগলন্ত ক	1
৮। (शोफोय-कश्रमार	۹,	88	नगाठात्रचातः	1.
३। औरहरू निकामुङ (वीधा)	٤,	84 1	माथनक•	1.
>-। हिर्द्ध मन्द्रीण		651	প্রেম গ্রিক্টান্ত কা	1.
३३ । ब्रिटेड लंबर आव्या व		69 ;	শরণাগ ভি	1•
क्षिमक्षीम नकस्म (वाक्षा)	34	86 1	<u>ৰী'ভাবলী</u>	1•
ः । श्रीयत्रकाञ्चलका (नेशा)	3	82,	গোড়ীখনই কি করেন 🤊	
के (व्याचीमा)	h•	. 1	<b>मा</b> श्यानाची	1.
<ol> <li>रेक्कवम्ब्या-नमाम्रांक</li> </ol>	1	281	व्यक्त व	10
ं. व्ययम गाविनकः)	٥,	<b>e</b> >	ভীভকি হিছাৰ গণী	1.
১৪। জীগ্রি <b>দাম্চিকা</b> র্যা	h-	191	<b>電影計事</b> ●	
) ह। वयदीलगाम-श्रष्टमाणाः	<b>4•</b>	দেব	নাগরাক্ষরে প্রকা	শ্ভ
\$ 1 C的情報的[ 10 ] [ 12 ]			िष्ठ ख-मराधकी- मधिलह	
<b>১৭। প্রেম্</b> ণিবর্ত্ত। ভূতীর সংক্রণ )	h•	22,	স্টীক শিকাদশনুগ্ৰ	
F   BE4553	1.	621	<b>● 4</b> - 7 2 4	
३५। वैष्ठाप्र ८०एम भाषा-भाषा			माराभ्यः र्वनम	e) •
<ul><li>२०३ (शःचामी त्रयुक्तः क्षत्र (नैः।।)</li></ul>	#•		माञ्चाम लिया।हेकम्	9/ ●
२५ । भाषकक्ष्माणा ( वे। था )			গেড়িয় মঠক প্ৰিচয়ঃ	1.
२२। <b>छि॰विङ्क्तिकञ्च</b> गोष्ठका गाञ्चरात	<b>N•</b> (	₹2C=	হলী ভাষায় প্ৰকা	<b>A</b> 5
201 CHNIME WHIS PIETS		<b>6.</b> (	नीम अञ्चल	}•
( হামা <b>ড্</b> নীয় )		951	कार्डभ प्राप्ति शिरमण्डेन चर	
र्वत विकासी का २० विकासी व-दलावर	10/4		ट्याँठ १ का भग शाकु	
	1 <sub>4</sub> / •	<b>%</b> ₹	देवकाशीसम्	į •
And and all the control		<b>9</b> 0	নি ভাগবত	ļ•
२०। माध्यमनवं ( ०३ मरकत्त ) ३७। मनियक्षती माझवाण	1 <b></b>	48	हेरशिक जिल्लिग्ग साथ	
३०। मानस्थान नाजवान २०। चच्चमुकावनी ना मानावानगडन्द			<b>बा</b> त्नराष्ट्र हिट्छाम्	
का क्षेत्रकाचना ना मानानाना जाना का क्षेत्रकाचना ना मानानाना जाना		36	ट्राहा है :बा श्रीवश्री <b>बल</b> ्डु ह	t /•
खाशा अवर विष्टुष्टि ८ व्यक्ष्याम गर		<del>'</del> \$	ড়িয়া অক্ষরে প্রক	1िन ड
ा क्षेत्र विशेषको प्रशासन्त । कार्य क्षित्र वहीं भूका बाउ हरू	, , , ,	ו צים	শ্রহার ভিত্তামণি	1.
वर्षे । 'विदेशार्थमक्तमा स्टान	10	41 1	布朗门司 有權權者	•
oo । विद्यारमण	• ارد	केट ।	नावम नव	1•
4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4	<b>v</b> •	*>1	ये का बनी	. 🖫
क्षी सवदीनवाम-बाशका	•نه	901	শরশাসতি	/•

স্বৰ্থিয়োগ। স্বৰ্গ স্থাগ।। স্বৰ্গ স্থাগ।। এই কারে খণ্ডে খণ্ডে প্রকাশিত

# শ্রীল প্রভুপাদের বক্ত, তাবলী

ওঁ বিকুপাদ প্রীমন্তকিনিকান্ত্রসরস্থতী সোম্বামী মহারাজের সেই অবিদ্যা-বিধ্বংশিনী জাবাদ্বান্তরেপোহোদিনী কৃষ্ণ-কার্সানন্দ-দান্ত্রনী জীবস্ত-বাণীর মুর্ত্ত-বিগ্রাহ—বৈঞ্বশিদ্ধান্ত-রত্ত্রমালার কৌন্তভ্রমাণি
—সেবাকুন্ত্রমগুড়েরে কৃষ্ণ কর্প বিভূষণ ক্ষমন্ত্রসালার বৈভববিজ্ঞানাগারের গৌলিক তথা—পঞ্চনাত্র ও ভাগবতের সমন্বয়গুরু—
মহাজন-জীবন চরিত্ত-শিক্ষক—চিন্নিলাস-চিন্মাজাতিনাত্রে-বিচারক—ঐশ্বর্য ও
মাধুবারসের মৌলিক গবেষণাগার—সম্বন্ধ, অভিধের ও প্রয়োজন তত্ত্বর

১। প্রাথম গুলারিকা দীকা ও বর্গবিচার, কালপর্যা, শীমধাবির্তার, শীবার্যভাগনী, পাকাতিকী দীকা ও বর্গবিচার, কাল্লপর্যা ও মনোধর্মা, শীটিভেছাদের ও তাঁহার শিক্ষা, অপ্রাকৃত মহন্তবর্ষা ও প্রাকৃত মহন্তবন্ধার, শীলা রাধিকানন্দ-প্রাকৃত প্রিমার্গ প্রভৃতি বিংশতি সংগ্রক রাল্ল স্থানাভিত। ভিকা মান্ত দ্ব পার স্থানা।

১। দ্বিতীর প্রশুল-শুদ্ধা ও নিকা ভক্তি,মনুদেরে শ্রেষ্ঠতা কোথায়,
আহার নিহারতি, জীবর সামিপাদ ও মায়াবাদ, শ্রীগোর নিত্যানদ্দা
প্রশুস, নিযুগের ধর্মা ও কুফানী দুন, শ্রীগোসপূলায় শ্রীমন্তাসবতের কীর্ত্তন,
শ্রীগোরধানের মহিমা, মহাপ্রসাদ, জীগোবিদ্দা, শ্রীক্রাগামুগভক্তন-পর,
শ্রীমহী র্মপ্রাধানদিনা, জীটেওয়ের দয়া, গৌরকরাণা ও কুফ্লাইনিল
চতুদিশ অপুরিন্পুরিন্পুর্ন-সভ্তা-বিভূবিত। ভিকাহ ১, এক টাকা মাত্র।
প্রশ্ন ও ডিইন্স্ন সভ্তান প্রশ্নের প্রশ্নের প্রশ্নের বিজ্ঞান

প্রথম ও গিডীয়—সুই খণ্ড একরে লগ্যে ভিন্ম। ১১০ দেড় টাকা, ডাক ঘরত ব্যস্তঃ

প্রাপ্তির। : - এত্রভাগ— নিতেভগুমঠ, পোঃ শ্রীমারাপুর, নদীরা।

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

# দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

#### প্ৰবন্ধ দিলে সম্পূৰ্ণ আৱোগা

লোগী দেখাত ল কাৰে। অভিনয় পা এই ঘলা (যান্ধান এইং আলোর)
পাঠাইছো পিছা হোটা দেখা কয় জন্ম একালে। আন্মান্ধ হোটী দেখা।
উষ্ধ দেওৱা কয় আলোগান লা কজনা নাম আনুষ্ঠ বিজ্ঞানক নিজে কলে কা।
গানীৰ বেগাঁলেও অবচ বহন কজিলা ভিকিৎসা কলা কয়। নিজেবিজ
বিশালের কলা এক আনারে ভাক টিকেট সহ নিজ ডি গানা। গলাভানি
কল্প।

্জীকিকীৰচয় উকীন, হল্প-ভিকিৎসক, পোচ নৈকাঠী, ৰাৱশ্ৰা। । অলগ্যানয় ঠিকান্য সংগ্ৰহ কৰেন বিভাৱিত জন্মতে গাবেন।

প্রীয়ুত বান্ধরাপাল দও এম, এ, ক্রম্মনশ্ব, নদীয়া । প্রীয়ুত ছবিপদ বিহেছ, ১১৭, বাপরবেটালা ব্লিট্ট, তালপোলা, কালতাত্ত্ব ।

# ৫০ বংসরের পরীক্ষিত কয়েকটা মতে যিধ-

বাবতার কারীরা তাল মৃত্র কটয়া যে সমস্ত প্রশংসাপিত বান কলিংকেন, তারা শি করিলে বড় বড় পুত্তক ধইয়া পড়ে। আগেনি ও বাবধার করিয়া এও কউন ঃ

- ১। চত্ত্রতা বটীকা— করার নামটীও যেনন কাম্বর সেই রক্ষ। ইংগ ন্তন ক প্রাতন মেহ, মূত্রকুছে, ফর্ল প্রভৃতি এবং স্থালোক্দিগের স্তিকা ব্যারাষ, খেত এবং রক্ত প্রদয় প্রভৃতি ব্যাপ আত ফ্লপ্রদ।
- ২। পুৰুপ্তিসছায় বটিকা-মানবজনবিদীন অসুংকট নিজাবিধাতক ঔষণ। বে কোন দৈছিক ও মানসিক শীড়াবশতঃ অনিসাংলাগে এই ঔষণ বাবভাৱে গড় নিজা কটবে।
- ত। মৃত্যু বটিকা—ইলা সেবনে প্লীলা ও তদছদক্ষিক নেবা ও শতীর পাত্র ছইলা যাওয়া উভ্যাদি তিদুদ্ধিত কল্লা ব্ৰহ্ম পতিকার ও বৃদ্ধি প্রাপ্ত কল

केक किन व्यक्तित व्यक्तिक खेल्ला मूला व्यक्ति ६ विकास

আধিশ্বান :- আ চক্ষ নিপ্ৰাহ উশ্বধাণের ২১৪নং বাধাণা গ্ৰীন, বিলিক্তান

#### बीनवहीं श्राममाराष्ट्रा वमान मक : कमा ए

শ্রীটেডের মহাপ্রত্য বিহার ও দাঁলাকুমি নর্টা হাল-সমাধ্য । এই নর ছালোর প্রাচীন বিষরণ-স্মাত্যক ছালো শ্রীমনাজ্য দাঁলা-স্মাত্যক ছালো প্রত্যক হালোক প্রত্যক হালোক প্রত্যক হালোক বিষয় বিশেষকারে মনাহয় ওকে বালিছে। প্রেক সাইক প্রায় ২০০ পূচা।

#### **এনব্রা**প ভাৰতব্র জিল

ইক্ষণ ব্যক্ত কালীতে উৎম কাগতে চাপা-- শ্রুন্ত টপ্রাম নগনে ভার্ক ব্যক্তবারীর কি প্রকার ভাবের উচ্ছাস হয়, ভাষা এট প্রয়ে বাল্ড। কাছ চম্বকার।

সাধিক ঠিম পি— ইটেন্দ্ৰবন্দৰ, ইনিডগ্ৰুৰ, ইনিংদ্ৰৰ অংশতৰ শতনাম ও ইংল নাগেত্ৰ টাকুরের ওক্টনিংফাত অনিছাল্পামত আগন, জোননাগেত্ৰ চিক্তিকা আছেতির অংশিত গাঁতাবলী মুলাকাবে শকেট সাইলে মুলিও বন্ধ নাগেল।

# কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



মফংখনের ও বধার জন্ত ও জাং শিশিতে ঘণীভূদ অবস্থার চেটবোদালত দমগ্রিমাণ ঔষণ ছাকে পাঠাম কর, ইহাছে ওম্বের কোন প্রিরেন করা হয় নাই। মৃদ্য প্রতি শিশিরত আমা, পাঁইটাতে আনা, বোজন ১০/০ আনা।

অফিস-১১নং উল্টাডাঙ্গা রোড, পোঃ শামবাজার,'

# ग्राप्त मध्य

বক্তিকাত্ত আছ ও বাড়ানিলাব, ইজিত্ত চলিব প্রাচ, আন্তাহৰ জন্মপাত্ত, বৰ্ষকাৰ, ধাবাংগালা, বুল বৰ্ড জন্ধানি, অনিল্লা, কক্ষাত ৰাজন সম্বৰ নিৰ্মোধ আন্তোহাৰ চল । বল, বাবা, সেধা বুলি নানিকে অধিলীৰ টলিক। মুন্য ২০ বনী মুন্তক নালা।

প্রকাশীর অনুকাশিক্ষা বিশ্ব জ্বাতি প্রক্রিপার বিশ্ব করে বাজাবোর বারা আবোর।
করিব প্রক্রিকার করে হলাব করে আভি নিলাপা
বিশ্ববিধার করে প্রক্রেকার করে বারা হার্কার করিবে
আরা করা বিশ্ববিধার করিবের বিশ্ববিধার করিবের করিবের বিশ্ববিধার করিবের বিশ্ববিধার করিবের বিশ্ববিধার করিবের বিশ্ববিধার করিবের বিশ্ববিধার করিবের বিশ্ববিধার বিশ্ববিধার করিবের বিশ্ববিধার বি

#### হাহড়োগল

=1

कावहांक द्याग

ভাঃ এন্, এন্, খোম বিনঃ অঞ্জে,
বাংফীবনের গ্যাকান্টি বিয়া বৈজাতিক
কাণান্ডে কোমবুদ্ধি রোগ আংরোগ্য
ক্রিয়াপানেক।

ঠিকানা— ৯৮ নং কটন খ্রীট, বড়বাজার, কালকানা !

#### ১। স্লামৃত

পিত্তপূলের আগ্র্য মহৌষ্ট ১ মালার উপশ্ব, সপ্তাণে আলোগা। দেশের দিন প্রথম সালা। মালাগ পুরুষ্ট প্রথম প্রথম প্রথম

## २। अकाठाया मक्षावनी (भाके है

অংশের ও কার্ডভালের ওক্ষাও মধ্যেরধা। মুগা ১ ডিবা ১৮ পালো। , **বাতিশ** পুশক্ত

৩। সন্ন্যাসী-প্রদত্ত তার্শরোগের অব্যর্থ আংটি প্রাথের বিশ্বর বিশ

৪। কোন্ত-বান্ধৰ পীল

भक्षीर्व, ८०। हेथीला, ८९६८ वस्ताव भटकायम । खिना ४० व्यामा । भाष्ट्रण पुष्ण् ।

৫। বাতল'ন

বাৰ্তালের মতোপকালী ও সন্তাতে আলোগা। আহি শিশিষত আলোগ। মাত্র প্ৰক্

র্নার-ফ্যাম্প প্রস্তুতকারক। সহর কাটালগের 🕶 শন লিছে:

लाख्यान-भरनारमाहन (ल? दब्रिजी

त्थाः प्रेयाती, कथणाश्वत, शकः,

# ম্ৰোমোহন প্ৰেস

পূর্ক বজালায় ভলতে যকলপ্রকার ছাপার জন্ম বিখ্যাত বৈদ্যাতিক ছেলিলে দিকাতাত্র কাজে ভলিভেছে বিশ্ব ভানিতে হইলে নিম্ন ঠিকানায় পত্র লিখুন মানেজার—মনোমোহন প্রেস, ১০নত নকালপুরা, ভাকা।

# মর মার্য বাঁচাইবার উপায়

যদিও অভাপি গ্রন্থ সা মান্তব বাচাক্তার কোন ওবদান বিদ্ধান কর না কা সালাবিহ অনি না কিছিল কর না কা সালাবিহ অনি না কিছিল কর করিবা কারেছে মরা ১০০। তালাবে অবালা কর করিবা কারেছে মরা ১০০। তালাবে অবালা বালা অক্ষার যেও, আমেন বালু দার্লার সালাবে প্রায়েশ প্রায়েশ প্রায়েশ, আর্থার করে প্রায়েশ, আর্থার প্রায়েশ, আর্থার প্রায়েশ, আর্থার প্রায়েশ, আর্থার প্রায়েশ, আর্থার বালাবে, বালাবে

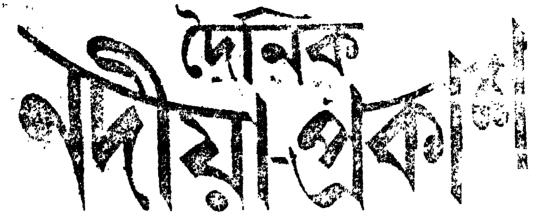
লোৰ একে<del>ট</del> ডাঃ ডি, ডি, হাজরা।

ক্তেপুর, গাড়েনরিচ পোষ্ট, ক্লি**ল্ডার** টিকানা স্পষ্ট ক্ষি**রা নিধিকে**:



টোর - শ্রাধাম"

বিজ্ঞাপনের বাজ প্রাক্তবারে প্রাক্ত কলম ৬ ক্রাক্ত কলম ৬ ক্রাক্ত কলম ২ ক্রাক্ত কলম ২ ক্রাক্তবার



<del>খাবাতের সক্তে</del> বছল-প্রদায়-- সদীয়া ডেলার একমাত মুখপ্র

स्तु | मन्यानक — बो बाडी न्यू नाथ वरन्या शाक्षां स्त्र (दमा खना उन्यां कि [ ७४म मः था।

শ্রীটোতসামার জীবাম মাখাপুর- ৩০লে টোত্র গোমবার ১০০৭, ১০ই এ প্রাস, ১৯০

# নানা কথা

क्षण्य कार्यात क्षण्य कार्या कार्या

সরকারী উকীল আলালকের পরীক্ষার্থ মানলার কাইনী ও অভান্ত কাপজান দাবিল করেন এবং জামীন স্কুরের অভি-বাধ করেন।

व्यानामी शरणक के नेन शिवृष्ट श्रिम
काल कानकि नरमन रय, वीरन्यत कि कि उठ

वीक्रक के कारक रय, मन्दर्गात कि राज्य

को कालक को नम या वसमण्याक रकान
कालक को या या कर श्रीक विराम पृष्टि

कालिक मिना कि का देन करेंदिक

व्यानिक का देन कर शांकर रकाम श्रीक

कामानी का देन का मा स्मृत्ता श्रीक

कामानी विकास नक्षमान मामना ठिनाक

कामानी विकास नक्षमान मामना ठिनाक

कामानी विकास नक्षमान मामना ठिनाक

कामानी का कालन मा कि का भागनी कि प्राण्य

दिस्मा कालन मा कि का भागनी कि प्राण्य

दिस्मा कालन मामन कि का भागनी का मानि हो।

दिस्मा कारम विकास कालन कि नि का ना

काह्य क्षेत्र के निर्माण निर्माण कर्म के काल्य के काल्य के काल्य का काल्य के काल्य

# ক্লফানগুরে বোমার মামলা

পরলোকে স্কুল ইন্স্পেক্টর শ্রীযুত রজনীকান্ত চক্রবতী

# ञारमनिद्र भाकीकी

জালিয়ান ভয়ালাবাগে স্বভাষ্চন্দের বক্তা

# পণ্ডিত জহরলালের বক্তৃ

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

খোলা হইয়াহে।

অভিত্ত ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাংদিশকে অতি শঙ্কের প্রহিত শিক্ষা প্রদান করিনেছেন। বিদেশী চাত্রগণের জন্য বিশা বাহ্যে ফুন্দর বাস্থানের বন্দোবস্ত হংসাছে। স্থান অঠাব সাধ্যকর।

সবিস্তার স বাদের জন্ম নিম্নালিখিত ঠিকানা পর নিখুন। সেত্রে-টান্তী, ভারু-র ভক্তিংবিন্দোদ ইন্টিভিড্ড্ শ্রীচেত্যামঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদায়া।

#### পরলোকে স্কুল-ইন্**স্পেটর** রঞ্জীকান্ত চঞ্রবর্তী

আননা হাখিলাপ্তাক বা কানাহাছিক বি ক্ষাপ্তাল স্বাক্তি হাল প্রিয়া নদীয়া হেলার আনুনা ক্ষাপ্তাল হাল প্রিয়া কর্মীকাল হাল প্রিয়া কর্মীকাল হাল প্রানাহাল ক্ষাপ্তাল ক্ষাপ

#### कारमनावारम भाका औ

মণায়া শংগী কংগ্রেণের স্থাপতি
সক্ষার বল্লভাগ গাটেল আবং স্টিগুর
বাজানোপালালালিয়া সহ গ্রু ১০ই অপ্রিব বাজানোপালালালিয়া সহ গ্রু ১০ই অপ্রিব বকাল বেলায় দিল্লা সহল আন্দোলালে প্রেভিনিছেন। গান্ধীলী যাদক জ্বাল কবং , ৬ কগানি পুরু বেল্লা এইট্র লাল ক্ষাভাইছেল বাংলায়ে অবস্থান বালিছালেন

গ • ১০ই এ ফ্রি**ল পান্ধী লীও অন্ত** ই াজ পাতে ই প**িবিভরণী স্থার** স্বচ প্রিক ক্ষিপ্রক ক্ষা।

#### शर्छ शाइउँदेश्यत अवसंग।

भ नार्ति कुन भाज उन्ते अञ्चल रिश्व- बनावाः । केन्यान विकासी स्वा क्रात् । अर २भव कक्ष्मां क्षेत्रेत्व क्रान्यम् केन्यां विका सम्बानिक कन्ना क्रात् । १ तम् उन्ते ५ त

#### জানিকা ওয়ালাবাবে শ্রীযুক্ত ত্ব হাৰ্ডান্ডোর বন্ধ্য

গুড়ে ৮ট এটা চল পাত্রে আলিয়ান ওয়ালান ট कुल्हासुरुख पद अभवीत दिस्पृष्टाभीत्य वक्षता द्वा । एकात्र देश्यदक विश्व व्यमार्थमा १४५ । १०११ किया । कराती करा भारत्व हुई, इ. १ देव हि खाळाव मन्त्रा ती शक्षा शक्ति करत्व।

(स. अर्थभण: कहाती 8010 करात्रम काशीलकां । अपनाटकर प्रदेश क्षप्रभूष शृहिक शहर अहिराटकस्य fe Mure metern, geneiblig bibte to fo ferei 3112 enter, may ent & entering beingete ষ্টার স্থান্তল, লোক্ষ্রিনার স্মধ সেইকল । ওংখন্দ্র জার্থস সূত্র কারেন किछ्डे छुत्रील या कार्ती करा करेटन ভূমীরতঃ কংলোধ নিশিচ্ছালে সমত কলাতান দ্বকার ব্যিয় মনে কলে। बालदेवर्गक वसीक्षिद्धत मुक्त पानी ক্রিষ্টেন, হ্রিও ট্রা গ্রী-সাক্টেন ট্কাস্টেন একেন্ধ্যি করার ক্সেট্র कुंकिन भरता किसार १ १ हुई ६ कर्टबार । सब्देश एक न नट्सन, वेंकिन उम्रत्सक अन्त

প্রীয়ুক্ত পুচার বং বহু আছে বংগন स्था करावी परशास्त्र युगकाम्ब कार व পাৰেশ্ৰুট কুংহাছিল। যালপ্ত কাংগাল क्षाक क्षाचार करा विश्व हो। करा वर्ष आहे, खलालि भुनवत्त्व के हास्मव क्षांच न निष्ठात करियाधिकान । त्यानकिनिन । Zabie niemie fos este nich. ध्यान डिमि विद्यान करन्य मा ; इन्हरीर ভিনি দেশ গ্রমীকে আহামী গ্রের জন্ম छोल्ला ६८८३ महत्त्रम्, अध्यत्यम् अन-माधारण व्यामचारम चुमारका लाकु, पर अवने श्रंड केलामब अव-क्रमीरक ष्यार ४ काठीज करिका कृतिस्तन ।

##[1 (

र्षक्षा, १३ (अटलव मञ्रह्म ६४ क्विन META BARAME STUICE, WIOL MINH कर्व छिकि। ि॰ हा मध्यानाटवर महमा क्षेत्र (का. fa.मने १५) 9 भर क्षाइ। इ वर्षात वर्षात क्रेंद्र

পণ্ডিত ভহরকালের বক্ত হা शक कहे शिवा पश्चिक सर्वामा द्वनदश्च ध्वाकार्यात् आलान्यम कविला

् क्षित्य अध्यक्षात्वत शामा अञ्चान नकास , ্বাব্যা প্রারেজনীয় লায় সম্পার্ক এক সিং লেডীর আত্মার সদস্ভির জন্ম नकुन्ता पिराएकम। हिनि यरमन १४. বাংগে এক বিবটি অনসভায় শ্রীযুত্ত সংক্ষাবিক দ'লার কোন সিক্লানাবেক ৰান হচাৰ হয়। যদিও ভিনি আলা कारत (म्, ल्लाकानारम । ८का-ज्ञल दर्शाल-भारताड कार्नाक गाहे, कर्ता रहरण व वान-माधीत्मव मन क्षेट्र की कि पूरी क. गार्थ ह তিনি হ্বকদিংগ্র দ্ক হচতে কচেকটি কিনি কোন কোন জঞ্চলে মোপায়েন করার জাল ব্যেক্তালোক সংগ্র করার মিঃ কে, সি ফ্রেক, মিঃ কেন্দ্রীয় ভবেশ Reid Plater, at लक्षा करिया क्लिश फिल . मु, अधिका (मन द्यान मध्यत कार घटन द्यामण ना करत द्धाः विलामक ग्राम मानामानि । यन

অসংপর পণ্ডিক অভংলাল লংকে श्वनिक्षित्र निरम्भ विश्वनिक्षा वेशीय कराशास्त्र एवी के शास्त्रास्त्र वास्त्रम् कविश्वा व्याले अमे रम, का है। महत शाष्ट्रार हा भाष्ट्रक नार्यान, करा शाम भारतान नजी । मार्गरासन

જા (છ બારલે .સંત થાંગુેલ્ટલ્ટ ભાર कारीय कारभाग-रक अभि भिन्दार, कारक bitten, वार्याः कञ्च यागाः। अपूत्र retine wirne, einfige meen, mi-दम्हे चुनाक धनी में अन क्या भटड, किट्स - ६८६। क्षित्र महस्तात कथा ५: बीहा दन हन 🕆 कामाभाग्राम्य करा अनुसर परिकार .a. वहेट २१३ विशा कराजी क्रद्रभवन क फा,श्याति कतिट शत्रद्रभावी तालगणा।

> াতে ভীনবায় জেপোলন' মিশর আভেমুখে মুঞ্জে এক জনসভার

मृत्य केश्वर्ष स्वेदार्थ स्वार्धा ''व्यक्ति ১০০ বর ক্যারার বুপ কার্ছম। ''রেপ্রফ জেপেলিন<sup>ক)</sup> ধারা করিয়াছে।

#### मबार्देत चाचा

## মেদিনীপুর সংবাদ প্রার্থনা

নিঃ জেম্ব পেডিব আলাং মছণ-कामना कविता प्राप्तनी पुत्र शिक्क वि दश्छान রেও সিংগ উপাসনা করেন।

(यफिनी भूरतत नर्खमान मा किए हैंहे भूमिना नाटन स सामित होते अ काट केर ार्याक े विद्यान संस्थारक वा

মি পেডীর অন্যেষ্টিক্রিয়া

5'क 35 a शिल अकारण (श्रेकाणरहरू গ্ৰীপ্ৰথাৰৰ তথ্যস্থ সাম্বিক কেন্দ্ৰাৰ pfie er : fem fin efamile. कार्तानचारशत उछ्युष्ठि सम्बन्धकांत उत्तर ्रक्त क्षाने व प्राकारी कथानारिशन बार ्या वात भारतात्र वाह्य पात्पश्च भारिय हो। 😨 🔞 🔞 वात 🕶 हो। के साम्यान अञ्चारणा के जिल्लाक ferra 1

#### গোড়ার

যি: .পড়ীকে e en সম্পাক সীযুদ (अशिव क्या व्य তালতেক ভাৰতীৰ স্ত্তিদিৰ ৩০৭ ধাৰা ভেল। প্রশাস মালাক চাবিক্রেনেল, বর্তারশেই উচ্চশালের কর রাণিটে । অভুসারে অভিযুক্ত করিলা বিচাবার Picial Chon perien !

निवास अवर कामाना स्थाप छडेकार काल अतीक व्यक्तिक के वर्ष हरण इंग्रेंग इसकात्मत एवं येन कत किंक .ये, अदीक ह्याक्तिक के मुन्ना के सिवाका वर्षेट्ड ্যাহোগেলা স্থান স্থান ক্ষান্ত্র জনীনে উচ্ছাল কোন উচ্চ ্তুল্বার ক্রিয়া নেদিনীপুরে জনেয়ন করা 4551CB 1

कुंा कारण ্মাত্র করিবাছে। ক্ষাপ্তার ডাং একনার ুবংগন, কিনি গোলটোবিল বৈসকে কিন্তি চাষীনের পাটের পনিধর্ত্তে পদা শক্তের व्हर निमान्द्रणा । भागि भागित्रावाला विभागित के प्रतिकार का प्रतिकार का प्रतिकार का प्रतिकार का का का का का का व्हरतात करशक्तक तुष्टिन विस्तिमञ्जरक व विरक्षिमानिक, कालका करत ना, (२) ; दणना वहर १ मानाम भासका वाहरणहरू भग्ना शाकी कादरकत शक्कामां अदिका, (৩) ভারস্থানী দিগকে ्मार्डेड डेश्यू २४ कम च्यारहाती कहें। निरंत्रस्ति सामान चामाच्यतीन वर्गणारस्य श्रुल्य कर्कुष श्रामान करिएड व्हेर्टन ।

बका बरमम, छेनवृक श्वविधा भावेशम कावकर्ग ५० वयमरच्या मध्या मिटकरमर्ता সভ্রটে শঞ্চমজ্লক এখনও পুতেই আলক ি প্রনাদশ গঠন কবিতে পারে। চিবি क्यांकन, करव नगाना है सरकता कहुत िल्लाहर्याक आणालीत पृष्टेख अञ्चलन বেলিন, কাংগাৰ এবং পরিকার আবহাওলার কবিংগ প্রেমেণ্ডিত করিয়া বংগন, জংগাণী মধ্যে তিনি দীরে ধারে মাহিলা উঠিতে- আৰশ সংগঠন-শক্তির প্রভাতে সমগ্র ८७० । भात २०> तिन मध्याठे हिन्। दे**डेएश्रालय मध्य मध्याठे क**तिवाधिया। शल्पूर्व व्यव व्यवस्था विश्वा व्याला क्या व्यवस्थित । अत्र व्यवस्था व्यवस्था माबनाब शहु व बबा के दिन ।

#### जाक इतक ाटक जा क्रमन

े खाकाम, जांक वड़े खिला बाखि चानांच ৮ चडिनां। शत्रवः नांगरः डीमाव ्हेम्पा क्रविष कीवन क्राव्यक्ति करेशा finte Buten Gobibut ferte mis क्षण्या छान-व्यक्षता स्वत्यकी द्वारा वाशि करें या च्यानका करिएकिका। च्याक्य विश পুৰ্বের ভীষণ আড় হয়। এজন্ত চীমার (हेम्या कलकश्वनि (ला**क किल**।

मण बारकार दशाक शिक्षणवात, नक्षक न्त्र ८७१वर्ग कार्डकर् छाक्रम क्षत्राहरू व्यक्तिमन नटत । विकालांत केलावेश मतिया लागांव मुभ वक करक कवर भिम्मूक का किया दशन-ताशक्रिक कड़ेश्वा हिलाशा यात्र ।

लाकान छाकात्करः स्वकामा दकारा অলুবারে বিশ পেন্তার আছে। ষ্টিনিয়া ফেলিচা বিয়ালিয়া পুলিপ জ ছে:ছা-बाता ब्रह्मण्ड कतियान ।

#### বুটিশ বণিকদের স্বার্থ

युष्टिण विशिक्षणामा १८वश अविकास गण्या क त्भागाठीयम टेन्ठेटक द्य मि**डाय** करेशाक कार्य शक्तिम कतिम कालिको -शिक्शमिकिंगक्य कक् खाकाव अवन करियाद्या ।

चाम क्रम शाखाद्य यथा बहेमारक दर् ्या । व अधिवाधिकार माश्रदक अपञ्ची नवदम्ब প্রাপ্ত হয় ভাগেলের মন্ত প্রাকাশ করিকে গালে ভজ্জ ভাগালিগ্ৰে সম্পূৰ্ণ প্ৰবোপ 2 [ 14] (F 41] B' 5 B 1

#### পটে চাৰ সমস্তা 📡

द्यम क्रम काक्षरम भावे ब्रह्मा दम्बादम মশর অভিমুখে তোফ তেপেলিল : বোষাইয়ে জনসভায় ভাকেরে মুঞে: <sup>চটের</sup> চাব ৭% করিবর লগ এখন এবণ-क्राध्य अगतकाती क्षण्ठाती क्रेक्स नक्ष कावटळत कार्यो मात्नकटळ संस्थतातिक : इयारतात ८७% लक्तिटळटकमाँ विकिस काशास्त्र महाराज्य वर्षा करे व्यविष्य नार्या आणाष्ट्रज्ञा भग व्ह्यास्त्रः। आणा स्वा यात (ग. कार्याद शंक वर्मन व्यक्तिका षा:भक कम लाउँ छैरलझ क्केट्र ।

> कालकाकां भारतेत काय कम कतियांत खन लाहार-गर्गिक भक्त चलात नह आवान वाकित्वत माण्या शास्त्रातक जेवर फेविय-পুর, ঢাকা, সহগ্রাসিংস, সিংক্রিয়ার, नख्या, शाहेबामा, कृष्टिश्रीये, क्राध्या, विभावन्, सन्तावस्त्री, सन्दर्भन, कृष्ठित्रा, छाकादेश, ब्याशंवालि, कृतिका e गावनात भावा-मधिक काममें क्षिक्रीति 1 54)

#### সাগ্যিক-প্রসঙ্গ

THE PERSON NAMED AND PARTY OF THE PE

#### माम-भागात्रात्रकः क्षियुक् जुनिकद शाकारहोयुरी

ं मध रनरम रेह्या ( ১७०१ ), ১०३ धीसिम्:( ১৯৯১ ) ७ मनात्र द्यांत छात्र ४ परिकात गमत मनीवात प्रधानिक सुमानि-मात्री, लिकिन्टनिड काष्ठिनिद्यत कृष्ठभूक मम् ध्वर शंकुत एकि वित्नाम देनहि-िक्टेट्रित महारम्भिर कमितित रमस्त ही युक्त वन्धिर भागातीसुती मत्यामत सीमाम- माग्रा পুর ভক্তিবিনোর ইন্টিটিউট উচ্চ ইংরেনি-বিভাগর পরিদর্শন করিতে আনিয়া- বাল বাহাকে জীগেড়িগমটের প্রচায়। করেন। ফলকামিগণের বেদ কর্মকাপ্তা-কিলেন।: তিনি ছুলের প্রতি ক্লাস (कान (कान वाशकरक ভাছাদের, শিক্ষা বিষয়ে প্রায় কিলান। নিলানাদে প্রভাবেউন করেন। कतियाधिरणमः। कृष-शतिमनेमारश्चिति याहा मखना निविद्याद्यम, ভाका निहम केंद्रां इतेन.---

I visited the Thakur Bhakti-Vinode Institute this morning being the 4th day of its existence. It was very pleasing to see the advance it has already made. There are already tog students in the roll. I ask d ! some of the students a few questions and found them quite up to the mark. I wish this In ti tute every success.

(Sd.) R. Pal Chandinary 10.4.51.

#### धामु शाम

व्यापि व्यष्ठ क्यारङ शंकृत ङ्किनिदनाम इम्हिष्ठिष्ठ भावन्यन कतिगाम। माल शिम यानव ८६ अटुबल निकासिक काता । क्यांत्रेश्व प्रदेशिट्या ४८७ मिटलाई देशी। থে প্রক্রের উর্রাচ্চ লাভ করিনাটে, कक्ष कियम व्यानसङ्गक, गहार नार्। **ब्रह्में गमरी**पत मरगारे सूर्य : •८ छन छात्र क्षेत्राट्या व्यापि क्याको छ। १८४४ স্কৃতিপ্য শ্রেষ পিজাসা করিচাভিলাম, ভাষারা সভোষ্ট্রেক উভর ভাষান क्षियारकः। आमि यहे विकासराज मध्य-व्यक्ता देविक कामना करि।

( याः ) भाग्न भाग्यकोदुर्वी

পাল সাহের অভ্যেপর তপা ১ইকে **अधिए एक मध्ये आ**श्चिम श्राह्म के कि विकास 'र्नाविताम मध्यासामा जिल्लाम विभिन्न स क्रमान । १६ व्यानामी साहन भूतिक **ब्रिटेड एक मर्ट्ड फिन्न एक प्रवास करते ।** জিছাভিস্বামী জীমছাজিঞানীপ জীর্থ মহা- । গলাভিদেশকে াবেদ' সন্মিয়া অভিহিত । বালে এক হইতে বহুত্বে দিকে অবতরণ। ঐতিহানিকের অপসাথেরি বহুসালন করিয়া

### क्षीक्षी क्षम्यन्त्री सारम् । क्षा राजः

### নিতাপাঠা বৈক্পবার্তাবহ

বেদাদি সমস্ত সাম্বন্ধ-শাল্পের অক্সত্রিম ব্যাখ্যাতা সমগ্র ভারতে একমাত্র মূলভ **দৈনিক পারমার্থিক পত্র** 

শ্রীলাম মারাপুর ৩০শে ছৈত্র, সোমবার—১৩৩৭

निष्ध मन्द्रक मन्द्रकरल वर्गन कतिहरण अध्यक्ष পালনাতের বেলা গ্রায় ১১ ঘটিকার সময়

### পারমাথিক ভারত

**रिवम्साइरक स्ट्रगार्थित छैनाम्।न**्रस् কের কের প্রহণ করেন। আবে'র ভারতি প্রতিকৃত্য বিভাগে বিভিন্ন মমাজ বেদ ব্যাহীক काल का जिल्लासमय का भाषा हक 'शासमानिक चुलाभक भटन करात्मा एड ८४म छ বেসাক্তর শাস্ত্র ভালতে ভিবিধ পার্থেয় ्र<sup>8</sup>ण्ड ३ष्टः (कड उद्यंग्,— क्षेत्रका ५६क জ্বাপ্রয় কলিয়া, সে ভাকের প্রত, ৬,6০°৫ ,यह । चान (कड् रहान, ठनेभका छाक् খাল্য কৈবিয়া যে তেতেৰ লিবেলভাগ, ख्कादी (तक) । अध्यक्तिम (तरमत । तकः यानमक्षी ना हिल्द यानमा अध्यान हर. त्वम लार्डिशास्त्र तक्ष निरमराख्य दशत ह (कारमन स्था केरक था का कार गा। °€गम' লক্ষ্মী জ্বনের আক্ষম মধ্যে ব্যাহ্মত হয়।

क्राप्त्रसम्बं "एनम"-भारतः छ। । स्राध अधिकारमा है। कारणास्त्र हार क कुणास । त्याम गार्थक स्थाप्ति । स्टब्स के (वाक्स जार) के (वा 'দাৰ্গত হা' নামে প্ৰতিক আন্ত । সংঘিতা-গুলি অংশক কথেষ দেবং গৈল বিক্রম ৰখন ফারিশা প্রেটিক মুখ্য উলাগ্যার সংগ্রহ नाकारत जिल्ला र द्या । (म. कारण भागव काला। हिक कालात के के ला, धरान करतन, (अधिकारण रिप्तान श्रीष ८५ १व अखन्या भूषकिका भाषक । देशांतक कारक स्थापनाक । द्यार (बाहराहे अब करेटड मिलीड वासकरत । च एर्। , कर्षकोधिया अन्यन भग

আরু। ফলাডার্নিনিরেনের বেল বেদলিরোমনি "উপনিব**ং" নামে প্রনিদ্ধা ভাচ**তে ক্রাদি মাধ্যের প্রিবর্কে স্থ:ভানের चारम'ठगाँडे अङ्ग्रहारत ग्राम्बाह (मधा मात्र। जिल्लियसम्ब शुरुताहर जालका সংহিত্যালে মেবল অভিনেম্ভিল ও অভিযায় বিভাবে নিবিধ আকিবলন্ত্র चित्राय थाएए, जिल्लाम द्या द्वार लाकान्त অভিনেম কিঞিং গালিবভিভাৰ বে সম্বৰ-अन्तिसम्बद्धाः मास्य श्रीद्रशृति ।

ধ্যেপ্রতার্থকে অংকর ব্রিট इश्. (तरे काकवर्णित सक्ती भाराभग একার দিও যক বিভাৱ-মূলে তার ১মা िहिस्ति भूद रे लाभक लाग, 'भरना नामक শদ হ'লঃ অপুনত ভাষতি পুনের বিচয় ষ্টার, বিজ্ঞ হয়। ১ই হালে, ৮১১ জারত প্রেজ হিশ্যমের কলিয়ে মধ্যে হ पुनन्धारत् । प्राप्ति । १९५४ र प्राप्ति । পাথকা এক ডাচাপ্ত সংখ্যাত্যিক वदाब क्षेत्रक अकार भागा कारा বে আন্তিম বেল বেল অলহানী হ'ব প্ৰয় 有 有 气带 对汽车机 经设计 计二种间隔 化二丁 12 gam - 1 -

ব্ৰবন্ম নুৰে বেঘও এক পাৰ্যপ্তে लाबाकात कार्यन्त्रक । यह ६ १६ र ५ ६ 4.73 MICTI CORT MILES CONTOURNS युन्तपुत्र आकृत कान दहरा। भारत्या विवादा १० ५० में शास्त्र आ उपाद

বিপ্রদন্ত বা অভাববিচারে আল্সনের ; विवय, बाज्य ७ छाहारमत छेभी भन गाहिन्छा-भारतात्र পाठेकश्वरक म्लेटेंडारन कानाहेंद्रा रमम रव, मःच्यानाङ डिकीलन एकएइस मर्गा অমুস্তাত। প্রপ্রেক একছের অব্যত্ত ভাব **८वः रेनकृष्टि वहाएत आश्रिक कारत्रहा** আরেপিত হইতে পারে না।

য:হারা নির্ক্টিভাত্রেম স্বল্পবেরেধ বিবেশ হইমা স্বীয় কাৰ্ট্যন্ত পা ভাষাইয়া দেন, ভাহাবাই 'বৃত্যু' বা 'মুমুবু'। এট দিবিধ পরিচালে প্রিটিড হট্টা বেলের অহাতর ভবে ৩.০েবেট অস্থিত **প্রেন**। কিব্ৰ বেদতাভিপাল বিদয়ে বিদ্ৰুথ হইয়া ভাহাদের ভোগতেই। বা ভয়াগতেই। পক-পাত্দে'মে ছাই ইইয়া পড়েয়া নিরপেক निधातक. शिनरलक इकार्यक्रिविशिष्ठे তেতন প্ৰজন্ধ ও একাশ্বর সংখ্যাগত কাজেটার োৰায় দিলাভিপতে করেন না ঃ উপত্য-দিপের পুরীয় প্রা বামনান্লেই ৰশ্বকাও छानकारण मागरतत देखानिद्य প্ৰবেশ। নিৱংগক হটানে কছেও কল্পকৰ্ত্তৰ ता ६ ७ वर ८५ मिद्राइ वर्षेया छाएक विद्रक है তেওন দ্বিতা যে দিশত উপস্থিত হয়, ধাহা কাম্যাপর ২ছটায়ের ম্যুপ্লা-ংশ্রে অবস্থিত। নিবৰেক বিশ্বক্ষণৰ ভবিদ निरत्यों कर्षको ७ ७ शामकार ७त (काम প্রত্ত প্রত্য করে লালা । বুছরাং ভারিরাই ्र<sup>१</sup>०५८लक ६३६: ८२६ :१९५८६। श्राह्मक इटेर्ड পार्यन कामग संद्रानिस्टक জীড়াপুডলি ব্রিয়াডে, চাই নক্ষা নথার্থন কঃমায়াখ্যা অথবা নে বাক্ষে, নিয়াপক্ষা বিশ্বে কন্ত নি নিছ কুপে প্রিছ क्टर इस मार्ग तिक है। द्वादा खील द्वा, एक किन्नरे "कान्यक" अक्रम्याच्या **३ है। क** 作。(2) · 新日 · "智"的。11 · 148世中國原籍 तथा के का का कार्या करिया है जिस्सा अक भारत्वत्त को अभारत है। इस व विक्**राहत्** উপ্তিস্পের মতের অন্ধ্যা "পুরামিদ্যা", আনস্বপুর কৈন্তুতি এন নতুন আর্থ ुन्त इतर्यासम्बद्धाः ६ स्टानीत्र প্ৰভাৱনে দেবজেল্ড ও মুক্ত প্ৰিডিড ু বিবৰ্মান গলা চিছ্না সংগ্ৰাটী ড একেন্ত্ৰ-CAN HEAL BY AT ATLANTA শীকু ভাতিয়েলের প্রায়া প্রায়া স্বাহা সংগ্রাম্ভ कदेश, अनुक्ष त्राप्तम् नत्त्, कृत्यः। " ५ फेल्न मध्यम् "भारत्त्र 🛶 🙌:-ভাৱ সালহ। ভাৰেখাৰিতীল ভাৱা ন**ছ**-化环 苯基氯化 网络 點 解放性 电电流电影 ালোক জিলা কল্প নালের ১০১ বিচারণ প্ৰাৰ্থনিক কৰোনে। ,ৰাণপুৰ সম্পাই ছুৰ্গাল, প্ৰথম গোকে, উলাজির । আৰা এক হাইছে। কাজিলে। মন্তেই থান নায়। এই হিসা প্রাপ্ত রাতি কলা বিভাগ করেন। ক্রার্ড রাজ্য ভূমিকামে । জনসার্যাক্ত সংস্থানাত নার্যালয়ের আভ্যানের সংক্রিত ও বিজিন্ন ৰাগোপালামক কোমোৰাভ (ৰ ১৯ ) (১৮৮৮) হৈছিল। তেওকত ভিসেত কোনে (জি এনিল্লু টিভাওৰে মং 🚁 মাজা উত্তান ল্ডুর নিবট বিভিন্ন শ্রোথানামূলে ভোজানে। বংলা। তাখানে পুলা, ও তেলা ক্ষিতি 🖟 ঋষার ময়েলে। ধর্মে তাবন নিজ কংলাৰ নার পার্কীর শর্মায়ের চার্যার হৈছে? বিচার ক্ষাণ্ডে। আহর্ছিলালে প্রায় বাব্রুতিক ইতিমান চাব পার্যকা ক্ষমান্ত মনীপুত চইয়া তাতুৰ ওয়ানএছের বংগতে একের দিকে গান্য নাগং অসম্প্রত্ন সংখ্যাবের প্রাণাধ কার্য হয়। তীহান্ত

অপ্রাক্তিও এটার্ড প্রাক্তিরর সম্প্র यशिमा दरप्रस्था। এই ग्रक्त क्याला, ष्यास्त्रामकरण घीकात करिए धर्मा

#### मिथिअही-मर्श-मधन ( < )

#### बिशिक्षतीत व्याषा नदरमन

শ্রীমনাহাপ্রান্তর স্থাপে আবিষ্ণা সংগ্রপ্ত করিলে করিলে করিলে অর্থিতান ৷ দেখাইকেও রুস্কান্থাকিল মানের मखबश्चि कत्रि.सम जनः क्या खादं । कतिरमन। शित्रीरशीवस्मन है। एक **्काल** पृथ्यि पश्चित्रान,— द्वार प्रशि **ভক্তরে প্রাঞ্জন প্রিয়েন, তে এটি ১**৮৫ পরিবার জনস্বার জান্তরের আপেনি নামৰ্ভাগতি নাৰায়, কৰিছে: अभिनदरभ भागानीत करेग्राटा न । हरू। **(सरी) व्याध**ादक निकारका। व्याप्ति অবিভাষণতে রুখা মড় বিলয়ে এলেড **८३म प्**तिसः द्वाप्रकट्टा याम, महा द्वाप्तः । विराग्य क्षांभाकरम भवतात्म ध निमा आन्तु-নার দেশৰ পাইল্মা হে জাছে। ়া आश्रमि महारामान् । १८८० एकान्य हार्यास । ध्या, प्रापनि इ.छः शीवरारशत आसहस्र। জার কেই পাই, এখন সামার প্রাচিত শ্রন্ধের হতন থাকি। প্রচার কি লেকেই **क**र्म । अहेलान हिन्द्रमा । कर न, ह्यत का क्या

#### শ্রীমত্মকাজ্ঞ উপদেশ

निद्दात कथा अवर कशिया 🚉 🚉 🖽 🔞 **खुमात्र कर्णन एक कर्णनारक वांद्र रहाम, —** ख्रम विक्रवत कुरु महा ए। ना उपने । भन्नकारी माद्रास १५ व्यक्ति होने ए भिष्टिकेष करिता है काल करता करता । **উপর** ভাওতে ৮ এ বিছা মত্য করে ন AN FRANCE, NEW TOTAL WOODS I क्षम सर्वे १९५१ हे १ ४८ में १ ५८ में ४ ५८ में ४ उट्टिक्ट महार ात गर भा कि व শ্বেন ইপর ১ ৫২১ ৪২ করিছ ማጀምለው ይያ<sup>ተ</sup>ኒን፣ የብረር ጊዜም ፍ ልነው ፣ 图12年10月日午 1017年四月五月本1月日 **म**"सर प्राप्तम आफि के लिए स्थार खांतर होत्र वृक्ष दरण है कहा **।** (मर्ड दर्ग कियोग कर के कि निम्हेंचू ) कक्षिणीनभाक्ष भीत विकर्त के तह तह र मका छिन्द्रमा रहे । डिल्ट्र स्ट्रांट्र भारत विकुष्ठिक गुरा धनन्तु शाम हता ।

আৰু দলে বিশ্ৰে স্থ দল্ভ পৰিচনি। चित्र िया क्षेत्रक महामुद्धक **१**३३ क.च ॥ ् ८.६ १९१६ ५ अने या भाषा ।

#### দিগ্রিজয়ীর অমুড পরিবর্তন

ভাশাধান আদ্ধণ ভীত্রীগো সুন্দরের ! অবভারণা য'লারা অপ্রাথঙ্গিক মনে কবিয়া উপ্রেশন্তে পান করিয়া এবং গুলা প্রেক 🖟 কেন 💡 প্রাধ্যায়িক, আধিভেতিক ও অনববান রাচেচার পথিক হল, তাঁহালিবেব ু টাহার পাদগ্র কর্না ক্রিয়া ক্রাডিচ বাদিকৈ আবিদৈবিক ভাপত্রের আমাদিকে অবশ্নীয় জন্মই এই কথা গুলিকে আরি চাল এও ইইলেন। প্রেডর কুপাছ বুগপ্য তাঁহার। আহান প্রদান করিভেছে। নাধু-মহাজন-ভক্তি, পরেশাস্ত্র ও বির্ভিত্ত উদ্য । বাবে। বিশ্বাদ স্থাপন ক্রিয়া যদি আমরা কৰ্ল। তাহান দিখিনটা বলিয়া অংকার 'আপন বন্ধাবভার তাতি দৃষ্টিপাত করি, বিলুয়ালাও থাছিল লা, তিনি হণ তবে দেখিতে পাই যে, বিষয় মালা-অংগ্রেষ্ট স্থাট হংগ্রের এবং হারীন ্স্তিক্রপ সংক্রারক মহামারী অংথান্ত ছোড়া, বেলে আর্রি লখা।সম যোগা বালেকভাবে জামানের মাে। বিভুত্তি কেই ভাগ্যেন্য বিশ্বার উদ্দেশ্যে, গাংক দান করিয়া প্রার্কী করে কীন্তন জাভ করিয়াছে। নালিক দুটিতে ভয়

> **बिर्द्धा उद्देश के यात शक्त** 医性阴炎物态 增生性 "要少疑了 . इ.ए१ % गर्ने इ. कड़ा हिं<sub>द</sub> देशन कम्ब १ सातर ला । तीन धन दल करि भारती জেলিলার মহিমা হাবহ নগাল মাল্ড ১ साकारीन साथम कया एम धाउन एटा । 化醇油 备头 电晶形电流分析 经收益额 计工程 491 2" 304 PT 1"

#### ঔবধ তিক্ত লাগে

🜓 युद्धाः प्रकारः । स्ट विश्वन् क्षांत्रका को भूग तेल । इंडर्स के हिन्द्र क

ক্ষাপুষ্টিলাত কৰিয়া আন্মানক উদ্ধান নুজুল প্ৰচল কন্ত্ৰিক কলেম না, স্থানী হাজ হি মান , কিন্তুমালকুল কল डाटर असन्तरभगक्षेत्र । १८० सम्बद्ध अस्ति । **জ্বার ক্রান্ত ক্ষার এ** একার জ্বান্তি হ<sub>ে তা</sub>ন করিবার হল শতাবে হয়। ক্<sub>ন</sub>ি উচ্চক হিন্দি সংগ্রাহণণৰ জ্বাহাটের ্ত্ত আন্তর্ভ ও তেওঁ জ্বলান ক্রিটে নেটের প্রতি কিলা ভ্রানের ন মুক্ত াল্যাক্ষ্য । ভ্ৰম্ম অন্তৰ্গ জলাবি লেখেও । কাৰ্যাবিটে মাধ্যাক্ষ্যিকে বিচাৰ প্ৰয়োগ रम्बा राज्य राज्य । राज्य के राज्य का राज्य विकास । उत्तर प्रार्थन । अपरायस अर्थन अर्थिय विविद्यार्थिक ক্রতির স্থানের ১ না করাছ ক্রেকো ইবছেন। এশার কান্যেরছমার । ভাগ্যের । মহম্ম कार्यो छ। इ.स. श्रेश राष्ट्रांच असीनार्य आपार राज्या र खिल्ल वर्षात्रक एके িলাকিয়াক আনত ৰুক্ত কৰা হৈছিব লোচন। তিখিব নিল্পলা তক্ষাক্ষা ও ধা সাহবিদী। তেওঁ বিপ্ৰিয় আনোৱা কৰি আৰং আঁটি আছেক राष्ट्रवर्ष १९६८ (सङ्क अभूक्षा प्रजन काला। कार्यनक राजन राष्ट्र पारतान साहै। িভাষ্টাৰ্গেল্ডির ছিলিম্টার্গির, ८४ छ । २७ वर्ष १६१ काल श्रद्ध 📲 🔩 अस्तिनात, और विवासिक काल ध्रवास खन ए हेळा पहुंच पूर्व के अनु करहरू मा, न हिंह । स्वर्त्य के निर्माण कर उपक्रम हमस् । सङ्ग्रीमसम া আগের নান্তুত্ব নজ্বের সূত্র হার এই হারাসের। তিনিকোরিকার বেরা কুম্পনার বিভারত্বর প্রকাশের क्किन्नियान, केरनाता (तकात करनम, अन्याय C करने व्यक्तान केरिया आहेक) উপ্নার্ভ রাষ্ট্র ক্ষান্ত ক্ষান্ত কৈছে। তে । সেই ক জহা বিশ্ব ক প্রিয়াক আহিছিক ् जाकारत की इ. ४ . इ.स. ५ इ.स. काचा छाटा । व्या छापालार भूग कि छ। की वस मान कांत्रवाला সাৰ এক বিভাছেন, আহলে ক্ৰয় জনতা কিন্তান্ত নামন্তিইমেনি প্ৰেছিপজেৰ देखांत रामाप्ति विभाग संस्थान स्था, इंडाएक क्रांटाइएकम्,---रुति तहसारम अवह रङ्गत । इस, लगालि ार्ष ८ । इस कि संग्रत किया कर्षाहरत । হচাই পালেবেল আমাৰ মালুৰ কিবানহ । অহলিত চিপ্তা কৰা ব্যাহ বন্ধনা। भारतक कहरता हुए से कह सकत्मक एके भी कृष्ट । संशिकादम भाग तिमा मार्कि भाग संभ । राजिल किला अल्लोबीय श्रमाना कांत्रुवन । अल्लाकशाय नाम एके महिनाम ॥ ্বে জাতে, ভাতা অভূত্ব হল না, জান্ত্র নামগ্রীজন কলে। পরম উলায় 🛭 े फुल्लिक काथ एतन । एसन असन असूत्र असुक्षाः । भक्षीकिन-स**रक करत हुक आंतरिन।** 

ভাষার শার্নারিকার সঞারিত করিতেছে, ২েড়ে **ই অনুদ। → অন্**ছেপ্কারণ---প্রানিতা। **অনিতাপাশ যে কি** ভাক্তি ছাপ্তান, ডাকা োন হয় আৰু এই ব্যক্ত স্বাহিত লোগী সূত্ৰ বিশেষ কবিল ব্যাহিত হটারে নার ত্রে কার্ডিক अन्तरमञ्जाना परन्ति । दहेश अति । নাণ্য অভাপ নিৰ্ম আনিজে চাহিত্ৰ আমৰত পাক্ত স্থা বিভাগ উপনীত इ.स.च्यानिक जार एक जिल्लाक एक कि.स. · : # !! !! ( @ 11 .--

मधा के द्वादीन तथा एक यो फिट्टर वर्ण**रत** CA 2 5 7 7 5 18 1

**第1 海 雪原树 400 6本 十二四年 8日2年** 23 · for of egg "

- "하기가 하기와 된 귀소, 하네 : 씨는 '무번명 | ত সাইবিতা শুস্তালী কোঠ লা কাহিছে কেবলৈই

অবিহানপাড়েও উল্বর্থের কাত্র

त्मर ८.७ एक भारक, (कानक आकार वर्षा पाइ वर्षन, -खन, अक्षेत्र स्वित्र स्व ্ কিলের মন্ত স্কালন দেহ-মনের উপর। সেইত **হ্যোগ পা**য় রক্ষের চ**র**ণ 📭

ছাৰ্দ, দিনিশিষ্ট আগদা ক্ৰফেডৰ বিগৰে ভবে নেই এখাবেল নিতা হায়ী হয় না এত আগত হইগা পড়িয়াছি বে, ভখবাাধি-শান্তির প্রেরত মহোবধ শ্রীমামরত্ব পরম বহাল ঐঞ্জীগুরুপাদপ্যাদপ্রসালে লাভ ক্রিয়াও প্রাপ্তরত্ব অবহেলার ভাগে করিছেছি। আমরা প্রেণালিখিত ন্বার নোগার ভমিকার অব্ধিত: কের মনো-वर्षा व्यामारमञ्ज कान, छ। वे व्याप्तांत्र भारकत द्धारमाधानीयण यामता श्रीकात कति मा ; পিত্ৰ্যাভিতের বলায় দীতা মিছ্রীয় স্থার আমাদের কু⇔চি-পীড়াছই রস্নায় ছবিনামশ্রধা আদ্ভীন বেশি হয়।

> জড়মতি আগাদের নিতা কলাবেশ্ব क्रम जीम क्राराचकामी लाए श्रीक्रफ नामाणि অনুশীলনের ক্রালী উপদেশ ক্রিয়াডেন ---ভাবে রন্ধনমেচরিভাদিদিভাপ্যবিভা-भिट दाल + अंशन नचा न द्वार्तिका छ । किसामवामञ्जालकः शतु देशव सहित्र वाकी जनगढ़ टि उन्तम्भारशी ।

করিবিচ্যাণ্ডবশভঃ আসেরা আন্দি-कांभ इंडेटक शतिओं (उन्हार्ग-एक न्या काञ्च হর্না ি শাস ত ১৯৮৯ জন্ম নাম-চরিভাদি-গুল জুমিট দিহামিচ্যীত আমালের नियम करान धीरिदाप श्रीतात्रण ना। यांच भद जिल्ल १८६६ (नेद्रश्चत द्रावनांशा विक स्था) প্রতার প্রায়ে প্রতার প্রায়ে ক্রান্ত আল্লা**নের** আটা ১১ বয়ালি প্রশোষার করিয়া অকীয় আপু ল'ল মতিমা প্রকাশিশ ক্রিবেন। পন্য হার ও, বিজ্ঞানীয় বা বুলিবেলাদস্যক্ষ 제본 (제기 파스트 - ^ + CTS - 하) ( 4.1. (점점) ----

भारतातर एकोमाइत इलिया, अनिकाशिका<del>य</del> পাঁড়িছ রগনা মোর 🔻

권기(리겠스) हाल नाहि नार्य ी त्या क्षरभएक एकास ४

व्यामहा व्यट- एक्ड ब्रीगाम अडल कब्रि-श्वातर एवं क्रांसब अवन के तथा हि--তে এক লৈ অভিযান-বংশ দংসারের নিক্ট रको अधिका लाहेरात छ। है। किन्न विशव মা চটারা যদি আম্রেনের প্রারুত **প্রেক্ত** त्वां पृष्टित याकाञ्चा थाटक, धटन निकालको मध्य धवासकतत साध्य नगरतार**स** প্রেময় হইয়া দশাপ্রার নক্ষমপুর্যক 😎 हींनांस अंकर्य भद्रतान इट्ट क्ट्रेंट्स।

शृष्ट भेन अधिक भटनामण आश्रीनिटमण উপর আধিপত। করিবে, ভতদিন आমরা উল্লাম গ্রহণের বাহ্যিক অভিনয় প্রেমণন ব্যৱহণত নিভামসংলয় অভিকারী হটছে পানিব না। কুপথালোলুপ অবাধা বোগীর काय (दान्त्र) के कश्या क शृत्य बाक्रक. ष्यग्राहिनामक्रण माना कृतियश्वम-व्यटनानिष र्टेगा, ७वरी। जानियात्रक 🛶 **मन्देवश्रवाक्ष** चित्री अपरमाद्य नागिक माहोयनाक किसा कान कत्रिया विकल दहेव।

#### **শ্রিদ ভারদেরি**কেন্দের নির্বা**ত** হ ভাক্ত গ্রন্থাবলী



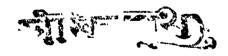
**अध्यामक- केम्हिकिविलाव अक्टूबर काल्य-**वैकादक कोटवन लांबहुय, इटक्का मुक्कि मधक, मिका छ रेमशिक्षक कर्या. शिकरेव : निक्षि क क्षत्रध्यात्नव एक्स. साहित व श्रीभण्यका आस्त्र क्षत्र प्रशास स्वयान, देवांत्र वर्गासमान्य, देवक्रव-क्षण क च्छान. भटकामामनाव महिल भावका, म ब्राट्स, देवशी-काकि क कथा शास्त्रक (अम. हेमलामधः, व्यान्छनान) कर्न किंक् खाडकमा, कोरवड वका था ख मू छन, देन्सवस्ट ८४३ कार्वकार, क्षांक्रित क्षितिकार्त्रो-रिठात्र, कल न कक्षां आर्थन मार्चक्षा, माञ्चभन्त क देवकार्यन्त, द्वार क्षाणीया. अधार अ अभ वा काञ्चाव अतिहि-एक, शैनिश्रद्या व १थीयfeionia wither munucoa him . Realing ofthe बाब क्षत्रक दक्षोत्रत्रव, नकितिज्ञाह, मील्या, देवती 🔞 हा १६४० ककि. मध्यक्रान, अभ्रत्यह वाभकारी, भारकीयाम, प्रमुट बन, शीमाख्यदनम व्यक्तक मनामन नाव गाव गाय भिन्तु प्रकारणी का क मन्त्रसाम करणामकवनक रा ४ क निष्क क्षा का । अब अन्य अन्य श्राप्त श्राप्त का नाम करिएन ाद्रभाषिक बाटकाव क्षित्रहारक काळा ल क. महत्त्रप्र का कि.व क ... শরম সৃদ্ধ আহবিষয়ক এই এশ সরক ও অন্যালনী এর এপোড MATTHE EN APRIL TOTAL CHI-MIN-HOLTO CHARA-अध्य कड शहामु । फेलिक इक्षार्टका । अनाम क्रिक् न्ही. क्यानात के व्यक्ति था.। विस्तिस र मुख्य कता व्हेसायक । रिक क्षि. 218, अराज्यक काटन काच दनका काईट के वाके---**७७**५ श्रां**क.** न ं् साळ ह



#### ∙**६७्च मः**च्छत्र

्रिमाक्ष विवादित्य, अते हत्या चार्वाया--- १५० दशोर्थ प्रत हाका

बाक्शन लाक्ष्याका बाह्य शहरूक मानदाव (० १०) wiel e minet muren ware inuitie exelle ! अध्यक्ष का कि के कि मना इन मा अवाका द्वारा मानी में है कामाम् क कनकारक । चारकतः मध्यत व क प्राट वर्ष कि पू MERM, MAIN, WINE, AM IM & ANDIST TOUR - ALBENIES ann gmamica elementes ellerible esten ch. man neim beite mien Wiebl ein wieb wiebe wie WISC [44 + 64) 413 ml 1



#### विक्रीय मरबदम १०० व्यामा

🛤 🖛 জোখানী আৰু জীল বধুনাধ গোখানী গ্রন্থক 🖟 পুল আকাণে মুজত বহর ১৫৮। दिल्(ह्न्नाक्का) द्व अक्त क्या वामाराहत, गाँव अह क्षाक्रमास्य अञ्चल क क्राहिक्य विकास क्रांठ सम्बद्धनादन tagus exetue i sel ein; Mannettign En ge मिक्ष क क्लारम । यक्ष कार्य कालिक अध्यातक ।

#### ৪৪৫ গৌরাব্দের নচিত্ৰ

পারমাথিক ব্যক্তমানেরই এবাও প্রচেক্টার বিস্থানত ও উপৰামাধির ভালিকা এমলি ড সংশোর মরে মরে বিরাফিত ইউক

### ভিকা ১০ অনা মাত্র

্ৰাত ভাত টিকিট পঠে।ইংল ভাতে দঠিনে হয়।

#### 1181 TF4

প্রাস সোচনদ স টা কুরফুচ

#### ন্ত্রীতে ভারমধন

 तिमुक्तभाम है। विष्णुतिकानकास भद्रवर्ध গোখামা প্রভূপাদ সম্পর্কিত ভূমিকা; লোকের অন্তর, নজাতুলনে, জ ও প্রাণ্ডের ও খণ্ডের ক্যা সাল্ল, শক্ষ্যা ভাষেদ্রী, প্রান্ত্রী, প্রমাণ্ডার डालिका, शक्रपुढ़ी आर्ड्डा ७ । ४५ मृद्धी मर्पात ६ ्नाः७ ् यक्षात्त जनस क्रांडेन, बाज्यप्रका याकार्य किंग राटक कार्याक वाला: विका-- वाल वाली

#### অহার্যাম্চিত্রিণ

कामान्त्रः सिक्ष दक्षित्र कृत्य मृत्य महत्र्य स्थान 题·饮食时载:《如本的》、《如何称》、李夔"《《广门》》。 কাৰ নীত বিভাৱ লক্ষ্য কাৰ লাখ এছ। এই বিষ্ণান্ত লি আহি भरत अन्तर्भ कृष्यिष्य व्यानात्रह न्तरिनातिकार्य स्थानकाः The statement beautiful and beautiful

#### देवकवमञ्ज्या नगर्काछ

#### र आक्रा**को**राक(स्थल)

री सह ६००६ । स्रोधनराज्य वातस्त्र नगरतात्रीत रूपो २ । the militar some the factor fight top domine मिन्नान्त्र छ। विभागात्त्र विषयात्राच्या १ विभागात्राच्या १ विभागात्राच्या संबुद्धित है २०१० छ। देशक्षा । विभाग १, मार्थिय । स्था 🙃 🦠 नाजीर काकरमूद नाव क्षेत्र क्षात वादिस्थ शाला लव 

### बा टा छाग म ड

इस चलु ६८ अक धार ' स चलु ६८ लेक -**कें**।मन्डापनटक्त ७ दशीकृत्यत अक्षिमाण ॥ है।कात **पूर्वेषक** नाष्ट्रियम । देशक्या १४ वर्ग वर्ग भाकाभीतात्वत्र स्ट्रिंग अप्रता स्ट्रां क्ष्रेंग है। बात आधासनीय भरण । ला 👓 छ छ रण का छ - । पद

> क्षेत्रकार्याताला जन्म जर সদালারস্মাতঃ डिका, ० काला भारत

# निक्त का

#### गांचशांन !

माद्यानः॥

কে, বে. দাওয় চাকা শিশি আদোল কৈলা वासि ५ जक्षिम अनः छेन्दाविष्ठाय गलाबन পারতিও ও বত প্রশংসিত।

भागता भरतमानात्रवाक सानावर अकि, बालाव তৈল খারদ কভিবর সময় শিশির গায়ে ইংরাজী जन्मदत ८८, रि. ४७ ७७ ८५: प्लाली नाम दशका প্রিয়া খ্রিদ করিবেন। নতুবা **জুয়াটোরগণ** কলন, রর ক্লাজম তৈল দিয়া প্রভারণ। করিবে।

# দেরাদ কুইনিন্

নৃত্য এবং পুরাভ্য নাংলানিয়ার যম

Beice Gegen austu miera, utbeteichte 10日十十月7日今 近十三年[77日 成記第十

कर अंताम कुर्रान्त द्वारा बाबकान कविद्या अवजी 🧓 🗟 রাঞ্চুন্নেই সকলপ্রবার কঠিন মা তেতি 🤉 🐃 💵 লবং ৬ ০ছজে ১২টা কল্লেক্বলে মালেবিয়ার <mark>সমঞ</mark> ेश नह काइड अस्ट्रा ।

to congressed the true way of a black by the bear the नार्वकृष्णावनामः रच क्रिमेक्सम मास्यस्त्रेर्टे, छ प्राप्त कर हुन पर दलन, कनिकाला ।

८७१ हा ह्र द्राक्षात स्वराधक व्यक्तित व्यक्ति ।

ভ্রান চাত্র ছাজবিলেকের নীত্র-এমাবলা:—



नदक्षे मार्डेक

,५५ व मध्यत्र ६८६, आम्य स्वानुष्ट क्रेड्स—क्राह्म मध्य कीय ु ५.१ गाउँ, ७५म ७७मा७ ।स्रकावच अक्तावारमर व्यास লংগ্র জোন কাঠঃ আত্ৰস্ময়ী আগ্ৰনা কয় এবং ংইট্রাংড়, হত্যালি গ্রহণ আপ্রশেশী আপেনা আন আস্থা क के अर के नाम , क्रम क्षेत्रकात समिति करवास्त

ক্রিছে ব্রাটি হ'<del>ও /০ এক আন</del>ো

, গ্রাম্ম (এলেক্সক)— ৮০, মবর্ষীপালন্তক— ৮০

भटका मारिक 어야되 지·얼성역

ছান্য আমান্ত লেশন কৰাৰ আ আং.খনাত বশ্বতা, ক্ৰিটা, পুণঃপুন্ত এই ला र १ क्षेत्र (अटर) कांट्र क्रका अंद्रोट एक्स १ मा ते **कास्त्र** 我来,在 电电子 每个时间 医环状性 电压压电 "我有一点有一块"的 **有性** भिर्मात स्वतः क्ष्मा,पाष्ट्रा भिर्मात क्ष्मा, प्राचन क्षाप्तिकार क्ष्मा, प्राचन क्षाप्तिप्रवारिक al aba see hee has been भारत उन्होंपक र जन विकिश्व ようと、 みずはでも、みらまずで あっち 何しい 中に中 「中心」を明日本 一部代刊

বিস্তৃত ক্যাটালগের জন্ম নিয়ালখিত টিকানার পত্র লেখুন— ম্যানেজার—প্রাথবিভাগ, এটিচতন্যমা, পোঃ শ্রীমালাপুর, (নদায়)

# বিশ্ববৈফাৰ রাজসভার শুদ্ধভাজমতসমূহ

শ্রীতৈত্তত্য মঠ

আফর মঐরাজ

ला छीन नवदीय, छ। कथत लियाम मात्रायुक्त, नवीत्रा

শ্রীমহাবেলপীত চঠকে প্রায় ৩০ । গতু উত্তব-পূবে জীব্রথপত্ততে আচার্যারত শ্রীচন্ত-CMM4-अंदर के दिल्लेस मेरे विदायमां ।

इह क्षान भारकर-शेरा, नदानक नीठ ना भाकत खळनवनी । कहे महा शैर्ल क्रिक्त- । ন্সংগৃত বাকিংশাদি-বেদাজসমূহ, প্রতিভাগ মঞ্জীত কাবা, নটেক, আলভার, জ্পা প্রমা :-উপনিষ্দ-গ্রিণ-ক্র-৫ প্রার চতুল্লের অপ্রের অপ্রায়ন ও অপ্যাপনা এবং তথার ত্রীপ্তর-ব্যাবাদ-গান্ধাকা হা-পিতিগত ও সাত্ত সাম্প্রদায়িক-মাচার্যাচতু স্ব উচ্চাদের উপাক্ত विकास्त शहिक जिला एवर्ति । करेएफाइन । एके में बाद्य भारमाधिक देवनिक्यक साय ह গ্রন্থান্ত্রের কার্যাগালিক ও জুপ্রেট্নি এজিগ্রেল প্রচেরেকরে "নদীনা-প্রাক্রেশ্য সঞ্জের প্রাক্তির ভর্মানের । প্রাভ্রংস্র জীলাম-প্রিক্রম ওছান ও অর্থান্ত জাতারাটি । कें, छन প্রাংগ্রেম মহামধ্যে দি জাকাপ অহস্তিত হটরা আকে। বক্ষণ-একাচাকী ! द्यालाम तक्राहकी, महकारी - स्थालाम विलाम विलामिका विकासी, वा छ ह स्थान आवन १ -अम्मत्त्री क्रावस्थालीय, अल्लाम की क्रम समाधारी, पांचक देश्यानदासक अमाधारी প্রতিক ননীব্যোগ্রণ ধনের প্রাণ্যান্তর, জীক্তের মে দাস একচারী প্রাণুণ ক্রন্ত্রণ ।

#### (৩) যোগণীত ভিমন্দির

ब्रहे क्षांन जीवशहाल'भाखत खबन वा ীয়িম্মাণা প্রাকৃতি আমানি উল্ল-জুমি মণাংঘণো-भीरे। दशान द्वारमी। शता व तिन्त्र-Country Etchigation कर सिटेन्स्स क श्रीतांबाकरकार निका , मना करा है दिनक-क्टप्युव (११व) वसमान । वक्तक-्याक-माथ बर दश अभी अद्वेशनाय। अक व्यर्गन साथ । शहकाती अधिकातिक स्वतानी, खिलान्याम बक्कानी । द्विमान्यमान पान-कारो, त्मनमन्त्रा द्वीसारवदाका

#### (৪) খ্রীবাস-অজন

क्षिमाराशक्ष की संग-िलास ता । क्रिओडबीयार समक्ती । कतात्म देवक्रिआर बिक्षानम् ५ १४१८ द्वतः दश्यः दहस्यः। रक्तक— श्रीराभाक्षण तकारणी, श्रीवयुष्ट Ge. द्वीरशाकुरामाश नावासी ।

#### (e) আছৈত-ভাষ

. LE WICH ELMERY NIGE MAR LITE दगना वक्ष्यान ।

#### (७) काछोत्र जगः मि न हे

व्यानीय प्राप्तान्य, नामगत्रक्षत्र व.स.स. **ब्रिट्नीतक्ष्मालाद क्रिडेलका अंदेर प्रमालि ।** कुक क--- अक्षेत्र ही है। एनान वहाती।

#### ( ৭) আহমেদ প্রশাস কুঞ্চ

শ্রীপ্রাক্ষর, প্রয়ণগঞ্জ নতীরা, ■शिक्ष्म केलिक्कुशांत देशल क्लिस्ट्रा श्लामण कृत्तन MUTT war Bittig Meine wat Bellente. क्षाप्त वह ध्याना व समान

হলত- ভবিত্রম ভাকার এলচ না ·· @peffest en, un, su, su,

#### (৮। क्रीक्रश्रहाथ द्योजीय मर्ठ भक्ष निक्रा

বক্ষক--- ইবিচ্বর ভাঞ্চিল স্থা হম, তা, रेर, दश, सरकारी-शिवेदामास सकि-শালী, জীইলকাম আধকারী প্রভার ৷

#### (৯) শ্রীগোর-গদাধর মঠ

ठेभार के. अनुसर्क, १ नक्षमान १ 墨印 打作时 us et ale unterpreter যুৱা: সক্ষত--ইয়ুল্ভিবিজ্ঞান আৰুম।

#### ১০ : শ্রীরূপ -গাড়ার-মঠ

भर: १७'#. अधार के के. लि কজন - ভাহিবিদান একচারী, মারুলপের 35 T 11

#### () श्रीभाषक्रमण्ड-

माजेनाकि, बालान, नक्ष्माना च्चित्राभाग कार अंकर मुन्सा गरन साल । रक्ष क--- विश्वक विद्या तक वाली। (১) , ভাগেৰত আসন

ছি ব্যালন ক্রেণ্ড ক্ষান্তর, নদীপা। कःशव रिकास अष्टावरी खादादन, यखा। तकक — शिवारातमा अवशाही ।

#### (১০) জীএকায়ৰ মঠ ८ठे.ल १४४, .श्रामा हे, क्रियन १४, नमात्रा । 白田本一題以書門四州 医水石剂 1

(১৪) শ্রিমান্ত গৌড়ায় ১৯ क्रमार - नावभूत क्षाक्त, छाना । পুरुवरक्षव आतात (कस्त, ध्यारन सं) कस-दर्भोत्रक भाक्षकानाशीवभागव दशना गर्छमान । শক্ষ - শ্রীবাধাবল্ল **ভঙ্গ**ানী।

#### (१८ / **डैं,,दशायां मर्जी मर्ज** # Ne., 25, 51411

त्सालामकी व लागी बाद्य व ब्याकीय द्यापा क्षण्य- के धानद्वात अकारी ।

## (३) बिदगोडी अपर्व

১৬ वर का निकास का का कि होते. (शां: मानवा आहेत अपनिकार के । ्छेलिटकाम वि. वि. 855€

শ্রীমন্মতা লক্ত্র প্রাচারিক শুনিশ্রণ ভক্তিশন্ম-প্রচায়োফেলে গৌডকেশের সঞ্চার্মধান नगरी कलिकाकात श्रीविक्तितिरनांत व्याप्तान श्रीमते श्राविष्ठिक माँद्रवस । अव क्या-সভ্যালামে 🖺 ব্যক্ত-পোরাম্ম-শ্রীবিদ্যাদ। নম্ম জাউ সপার্যমে নিজা সেবিত হন। পোর্তী আচেপ্রেবরের যাবতীর একাবলীর ভাগচারোদেশে প্রথতে দংগর একটা তবুবৎ মৃত্তা-যন্ত্ৰাগন্ত সংস্কৃতিক স্কৃতিক না প্ৰতিধীৰ সকলে 🕮 গৌৰনাম প্ৰচাৰাৰ এই মন্ত্ৰাপন্থ रकेटफ 'दलो होय' भाग्याहिक अज, जि. अञ्चलक्षि जानिक शक्तिका केश्वाकी कार्याह নিয়াসকভাবে প্রকাশত ভইকেছেন। ত্রীমতে পাত সভীক্তন, সংখ্যাল-চত্ত্র-বেশার্থ, শ্বীলমুগ্রেক, প্রাঠে ১৯০চটি লামু লাদি-শীরা ও কর্মান্তর সমাক আলোচনা কর্ম বাকে। মহরক্ত---আচাধানিত লীপাদ কুম্ববিভারী বিভাত্যবা। সভতাতী --পালিত लीलाम असम्बदान्त्राम्य लद्दिष्ठाञ्चमा वि- ध. तीथान सम्बद्धान लद्दिमान वि- ध. क्षीत्यम ताम'वटाची अक्षाती, श्रीनाम कशक्कात्य माम'निकाची वि-a. श्रीनाम क्षरणालाल भागानिकारी, ভ্ৰন্তাৰী প্ৰীক্ষীক্ষানন, এমানার প্রীলালেমাতম, ভ্রন্তারী প্রীক্ষণনাল ভাতলাল্লা, এলচারী প্রীবেধকানক্ষন, পাতিত প্রাণা মধীনক্ষত লংগিয়াণ**কার ভজিলা**ও প্রস্তি।

#### ১৬) औशराहे-८भा "स मह कार्व का का कार्याहरू में कार्याहरू वाशिय G: 401 र्ट्येजनग्रे-Cशोद्धाः (अतः । त्यतः ।

क्क म - दी भूव सक अवाउ हो।

#### ১৭: ঐভাগবভজনানন্দ মঠ

कित्रक्तिको, बाक्करणवल्य, स्मित्रकी लुक्त । खनारन में कक-्योगक-गास्कात का- : िर्शिवमाचीत निष्ठारमम बङ्ग्यान : सुक्रम ---वकारी जीक्यवासमामको । बद्दाती परास्त्र

#### ১৮ আমলাবোড় প্ৰসাপ্তাৰ

य कर्दाम द्वार 😘 🖼 । ही का स्थानाच्या सीश के ना का का अवसी है। 'देश' १ अक्षण--- अव्यवस्थी : miets-- रे . . 444141

#### ১৯ জীপুরুবোত্তম মঠ

uniere, mail, Biemi @शहन हैं।हारेब-'मानामाध्यक्षीत निका-्मक वद्याः, । १७०७ - अक्षत्रादी श्रीक्षत्रमाः गम विनार्ष, अक्टाः) डीवर्षाशासम् ।

#### (२ •) औडण-८भी होत मठ

व्यानवद्रमाथ, उन्नांग त . माट, श्रुती । प्रश्रीत्रवर्षरत्वत अन्त्वमत मभर्ष **श्री**मग्राठः च^४ स्। ४४००--- डक्5ाडी ध्येगद्रश्यदी व्यवस्थी। महकाद्री-अभवादी न्यानिमानदादी।

#### (.) श्रीमाञ्चिमानम् मठ

Emgigierig, woon क्रम्रात देख्य-(त्री वाच-विट्नावद्वान-कीत विशासना वसमान। ब्राम्स-उच्छात्री जीनगायम् ।

#### (२२) अभाष्ट्रम-, शोका स संक

अन्द्र अभाव्यानमध्याः, काली 🖠 (भो :- भगक्ष पृष्ठ - समामन-लिकाक्षम । ं दशांक्त दशोररमवः वक्कमामा शक्कम---नोषामकोनामको ।

#### ० क्षेत्रकट्टें क्रिया वर्षे

श्रीन गरवनाम कृषा, श्रीभाध बुम्माधन । रूप --- द्विश्यण तिस्स्य अ**स**ानी

(२४) अभिदानक्ष्मे वर्ष

देनीनवाबका, महत्वालुक

anten Berteten eileniet विद्यान विद्याल विकासकीय दलका वसमान । रक्त --ब्रफ्रारी हैं।स्वाप्तरहारक क इक्षारी मीनामाक्षणाम ।

#### १२० औदेइडबाटगोडीच सर्वे

**च्युटेंं के, किटक के, भागक्या विश्व** लेटि कर-भट्ट्रेस भाषाः। वक्कक---सीव्या-माथ बाब, नेर्टमनगरनम् अवह हो। जीवाय eld wanters

#### (२७) बीगामध्योडीय मंड

कुक्तकत, भारतमह, क्याम । जनस्य औरकोवन्यसम्बद्धाः स्था बक्कमान्। १क क---- समाजाकी क्षेत्रक्षणां नहीं ।

(२०) छ। व्यापना का अनुसार्थ न-वर्ड आफर्याफ्रा, ८णाः मास् कात्रका

खनारम वर्ष्ट्रकृष्णाहे खोरशाहारणक दम्या वस्थान । क्य--अववानी श्रीशानकक-नाम, और नगडमन अवाधानी।

(२৮) भिक्रा त्याक्षेत्र मठ-कान्यानक be con curre, filb funt f.

प्रकर --अभागती शोचाविकासामकः अक्षाता की का नामक प्रमान के वि

(२२) ८५१मानः(१५)जनवाज्यम् त्रण र -- बक्काराकी की नाबाद नावक-

### হৈতভাষঠের শুদ্ধভক্তি গ্রন্থমালা

স্বৰ্গব্ <u>ব</u> হোগ।	স্থলৰ স্বয়েগে।।	সুবর্ণ সুবোগ !!
গ্ৰন্থ	ারে খণ্ডে খণ্ডে	প্রকাশিত

# শ্রীল প্রভূপাদের বক্ত, ভাবলী

ওঁ বিষ্ণুপাদ শীলীমন্তন্তি সন্ধান্তগরস্থানী ত্রাবাজের সেই অনিদানিধাংশিনী জনাত্ত্তরপোছোধনী কৃষ্ণ-কাল নিজন দারিনী জীলস্থ-বাণীর মৃত্তনিগ্রহ—বৈক্তবসিদ্ধান্ত-রন্ত্রমালার কৌস্তুভ্রমণি
-শেবাকু এনগুরুত্ব কৃষ্ণ কর্ণ-বিভূবণ ক্ষমনুত্রমালার কৌস্তুভ্রমণি
বিজ্ঞানগারের মোলিক তথা—প্রথার ও ভাগ্রহের সমন্ময়গুরুত্ব
মহাজন-ভীবন চরিত-শিক্তক—চিল্লিলাস-নিল্মা ত্রাভিয়াত্র-বিচারক—ঐবর্ধা ও
মাধ্যারসের মৌলিক গ্রেষ্ণাগার—সন্তর্গর, অভিধেয় ও প্রয়োজন তত্ত্বের

১। প্রথাক্ত নির্দেশনান, জীগুরুত্ব, কালেধর্ম, শ্রীমধ্যানির্ভাব, জীগার্নভাননী, পাঞ্চাতিকী দীক্ষা ও বর্ণনিচার, আস্মর্ক্ম ও মলেধর্ম, জীটে হল্মনের । হার নিক্ষা, অপ্রাক্ত সংক্ষমন্ম ও প্রাকৃত সহজ্ঞ-পর্মা, জীপান ঈশ্বরপুরী, জীল রসিকা-ক্ষ-প্রস্কুত, পুষ্টিমার্গ প্রভৃতি বিংশতি সংগ্রক রক্তে স্থানোভিত। ভিক্ষা মতে ৮০ বার আনা।

২। দ্বিতাশ অপ্ত-শুদ্ধা ও বিদ্ধা ভক্তি, মনুষোর শ্রেষ্ঠতা কোপার, আহার নিতারুতি, জীবন সানিপাদ ও মায়ালাদ, জীগোর নিতানন্দ প্রসাস, জিগারে ধর্ম ও ক্ষেণ্টিয়ন, জীবাসপুশার শীনস্থাগনতের কীর্তন, জীগোরগানের মহিলা, মহাপ্রসাদ, জীগোরিন্দ, জীর্মপায়গভন্তন-পর্ব, জীমহা বৃদ্ধারণ নিলা, শীটেতবার দয়া, গোরক্রণা ও ক্ষেণ্ডাইন চতুর্দ্ধা অপুনর নসুরিমাপুন বক্তৃতা বিভূষিত। ভিন্দা ২, এক টাকা মাত্র। প্রথম ও বিভীয়—১ই ২ও একত্রে লইলো ভিন্দা ১০ দেড় টকো,

ভাক খনচ সহায়। প্রাপ্তিরান: – রম্ভবিদ্যাস-স্থাটেডভামঠ, পোঃ স্থামায়পুর, নদীরা।

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

# দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌবধ

#### পনর দিনে সম্পুর্ণ আরোগা

বোলী প্রথান্ত ২ হবে । অনিম গালের পর্ক (যাল্ডরা তাবং আসোর)
পাঠান্তরো লিছা বে লী দেখা হল অপবা প্রথানে আনিছেন বেলী দেখিব।
উদ্ধা দেওৱা হক আব্রোধ্য না হলুলা গল ছ প্রতিশ্রমিক দিতে হলুবে না ।
গালী বেলীদের আবি বহন করিয়া চিকিৎসা করা হয়। বিজ্ঞানিছ
বিবংপের কল্ল এক আনার ভাক টিকেট সহ নিম্ন টিকানার অনুস্থান্ধনি

ন্ত্রী ফ ছীলচন্দ্র উকীল, যক্ষ নচিকিৎসক, গোঃ নৈকাসী, বলিশাল। অথবা নিম্ন ঠিকানায় সংখ্যাহ করিয়া বিস্তারি শুলানিচ্ছে পারেন।

জীয়ুদ রাম্বোপ্রি দত্ত শৃষ্, এ, ক্লাফনগর, নধীয়া। জীয়ুদ কাব্যাদ সিংক, ১১৭, বশিরাটোপো সিটু, গাউপোলা, কলিকাবা।

প্রকারিন পাত্র । এ নাল লাগুণ গ্রহ ছয় মাস যাবৎ রাজ যক্ষার জুণা মুক্তার হংগালেল, ক াতার বিজ্ঞ চিলিৎসক্ষার পোরে রি জীবনের কালা জালে কবিছা শেষ - প্রক্রের জন্ত জালেলা কবিলোক বান এই সালে পিছিল কিবলার জিলিছিল উল্কেশ মহালার ১০ বিল কিবলা জালের স্থানের স্থানের বিজ্ঞানিক বিলাধি কার চৌধুলী (জামানের মানিয়া) হণ্ জীট্, নিউ বিলিছেং ৷ জানে লাকেশন লাকেটিং ডিপানিবেলিট, কবিজ্ঞান

স্থা প্রকাশিক ১০ প্রভূপাদের বন্ধা ভারদা ১। শ্রীস্থাস্থকস,শমত্র ১০ (ফ) প্রথম গণ্ড ৮০ ১০ (ম) বিভীয় বন্ধ ১০ (মণ্ম কর ) ১১ (গ) তুই বণ্ড একরে সাং	
a (১४—৯ম छक्ष ) २२।४० (খ) विखीत वस	
•	,
🚡 (स्थाप्त सम्बद्धाः) । ११ प्रश्ने पान प्रत्याः 💴	
THE THE AMERICAN OF I HATTY TEAT	(2
( अश्च श्राम्य ) र ( अष्ठ द्रशादाय )	-   H
৩। আহিচভঞ্জাগণত ৩৮। সিদাশ্বদপ্ত	•
(বিশ্বাট বিভীর সংক্ষরণ) ে ৩৯ । ধীপ-।মগ্র মূলন প	• , [1
8   श्रीश (च्योतगरभत-होक:-गङ ) २ ् 80   काकात्रकाकर	¥
ধ। ক্ষিত্ত ক্লেক্টি টাকা-গ্ৰু (লবৰীপ পায়ক্ৰনা)	*1
७। देश सम्बद्ध २, ५० वी क्यांना />	· í
<ul> <li>ব । বৃত্তিম্ভিক অবংশীরভঃ বাল্লবাল ৪২ কল্যাপকল্পতক (পদ্ধ সংকরণ, ৴&gt;</li> </ul>	
( भावत )	,
	•
	/· 3
	/ <sub>2</sub> *
	·• •
	/•
	, ,
	) •
'	/•
	/•
·	
২০। মবরীপ্রাম-এরমালা দেবলালরাক্ষরে প্রকাশি	~ ·
२७६ ८त्रोतकृटकावदः (वह) विक्रांक-मृतकात्री-'साञ्चल्यः	
১৭। ক্রেমবেধ <b>র ( জুড়ী</b> র সংক্ষরণ ) ৬০   ৫৫। স্টাক শিক্ষাদশ্মূলম্	:
20 4 88-222 10 60 89-73H	
Sal क्रिष्ठात्र ध्वयम भाषा-भाषा है दिन । त्रांनान्यःगाम	v·
২০। কোখামী রখুনাথ গাস , ব:গা ) ছ০ । ৫৮ ( সাজুবান শিকাতকম্	<b>å</b>
২০ ৷ সাম্প্রমালা (বাণা) 🔫 , ১৯ ৷ গোন্তীয় মহত প্রিচ্যঃ	1.
२१ विश्वक्षक्षां क्ष्मां माष्ट्रवाम ॥ । हर द्वारती जानास अकारि	<b>~</b>
২৩   বেলাজ কৰণাও শাল্পবাল ৬০   লাম ওলন	1-
(जामाव्यक्षीय) ७० माङ्ग्यत्व विद्यार ल्वेस भन्	,
कड़ । खळगदांकका कु. जुद्दि। केस संबंधि स्टे	1- }
⊋र । ° दशक्कीय-ध्यात्रव । ल' • ७२ । देवक रीक्रम	1• '
२७। ८ <del>गाँकी १- गाँक का १४ - ५०।</del> मि कागाय	;
ৰণ। সাখনপথ ( ৩র সংখ্রণ ) ।💅 । ৯৪। ছঙে টিক প্রিশিণ লু রা। ও	
২৮ মণিম <b>জনী সাজবাল</b> ৷• আন্নেগ্ডেড্ডিডোসন	
্ এক। অধান কাৰণী বা মালাবাদশভদ্বী । ত তেওঁ। ভোলাটু গোড়ীলনঠ কল ভুটং	./•
००। क्रेरमानिवर ( नगरम ६ भागव	× 3
ভাষা এবং বের'ভ ও অভবাদ শহ।।।	1.
का क्षायद्वीतकाव विवय	10
ं ७२६ श्रेरतास्थलनगांतकमा प्राप्त	,•
००। ख्रीवृद्धान्यम्	
०८। व व्यवस्थान	
et । सर्वीननाथ-माश्यो रिक्स के स्वर्गात के स्वर्र के स्वर्गात के	-

वार्किस्न :- बैटेंडएड मर्ट. (भाः आयात्राभूत, स्वीता।

## ৫০ বংশরের পরীফিত কয়েকটা মলোষধ—

ৰাবছায়কারীরা তাল মুদ্ধ কইলা বে নমত আশংলা পত্র দান কৰিলাছেল, থাকা শি ছারিলে বড় বড়াপুত্তক কেনা পড়ে। আংনি ও বাৰণার করিলা বঞ্চ কটন।

- 5। চক্রপ্রিতা বটিকা—চহার নামটাও বেমন কালত গেই বছম। ইংগ নুধুন ক প্রাতন মেন মুক্তকছে, খশ প্রাকৃতি এবং স্ত্রীব্যোক্ষিণের স্থতিকা ব্যাধান, খেত এবং কলপ্রাধা প্রত্তি গোগে আত ফলপ্রাদ।
- ২। পুষুপ্তিসহায় ৰটিকা—মাদক্রবাবিধীন অসুন্থকট নিজাবিধায়ক ঔষণ। বে কোন গৈছিক ও মান্ত্রিক গীড়াবশকা আনিপ্রান্থে এই ওষণ বাবহারে গাড় নিজা হটকে।
- . ৩। মাজুর বৃত্তিকা-ইং। চেননে প্রীং। ও ক্ষত্তগদিক দেবা ও শ্চীর পাতুর হট্না যাওয়া ইন্ত্রাদি নিদুরিত কট্রা রক্ত প্রিকার ও বৃদ্ধি প্রাপ্ত হয়।

केक किन क्षकारबंद कारखाक वेबरणंत्र पूचा शकि दकींहा 👡 है। का

প্রাপ্তিশ্বন :- আভন্ধনিপ্রাহ উপপ্রাপ্তর ২১৮নং বছবালার শ্বাস, বলিবাজা।

#### बीनवहीयधाममाश्राचा समान पर त्यान पर

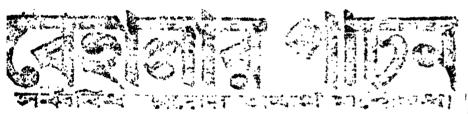
শ্রীটেড সংগ্রহণ বিধার ও শ্রীক্ষি নয়টা ছীক্ষমণ্ড। এই ন্য ছীক্ষের প্রাচীন বিবরণ — এতে ক ছীকে শ্রীমনারাভ্র শ্রীক — এতে।ক ছালের পরিচয়, শ্রীমনারাভ্য — ধামাপরাধ কি দু উভ্যান বিষয় বিশ্ব বিশেষভাবে মানালর চকে ব্যান । প্রকৃতি স্থানিক প্রায় ১৯০ পূলা।

#### প্রীনব্দ্রীপ ভাবভর্প ভিছা।

ইজ্ঞাল প্রোক্তর কালাতে উদ্ধন কালতে চাপা---- প্রীদ্ধ পিলান লগনে কার্ক স্থাপনকারীয় কি প্রকার ভাবের উচ্চাস চর, চাচা আঠ প্রান্তে গণেত। আন্দ চন্দ্রকার

সাধকক ঠমণি— ইটেন্দাবনন্দন, ইটিগ্রেখন, ইটিক্সের আহে এব শ্রুমাম ও শ্রীপ নবোজন ঠাকুরের প্রকটনিক্ষেত ক্রিজ্ঞান্তর আখন, জোনপ্রিদ্র চল্লিকা আছতির অপ্নিত গ্রিভাবনী সুগলেরে প্রেক্ত সাইলে মুদ্রিত হয় সংগ্রেছ ভিক্ষাত ভাবিজ্ঞান্যার।

### কবিরাজ শশিভূষণ কবিকপ্ঠাভরণের



মাদংখ্যাকের প্রধার জন্ত ও কাহে শিশিংতে ঘনীকুত ভারত্তার ছেটেলো বলের স্মণ্ডিমার্য শীষ্ণ ভাবে পাঠনে হয়, হুহাতে উষ্পের কোন প্রিব্যুক্ত করা হয় নাই। মুদ্য প্রান্তি শিশিরত আনা, পাঁঠট ৪০০ আন্তঃ বেয়তেল ১০০ আন্তঃ

ভাঞিস- ১১নং উল্টাডাঙ্গা রোড, শোঃ শ্যামবাজার, কলিকাতা

# यंप्रच यक्षत

বৃদ্ধীকার কর ও বাড়ুনিকার, ইলিবপুজির হান্ আয়াবে জুকুলাজ, বদস্তান, সাধানোবা, বুক বর্ক ক্যাবি, অনিয়ো গ্রন্থতি লক্ষণ সভর নির্দেশ আহরাল্য কর। বল, বাধা, নেবা বুকি করিছে অনিন্তার ইনিক। মুল্য ৮০ বনি ১, এক নিকা।

প্রকার হাব বি প্রাক্তি পরিছে। বছর বাছরাবার বিজ্ঞান করে। মুলা ২ ডোলা ২ টাফা । প্রকার করে করে করে করে বিজ্ঞান করে। বুলা ২৬ বটা ২, এক টালা। বুলা ২৬ বটা ২, এক টালা। বুলা ২৬ বটা ২, এক টালা। বুলা ২৬ বটা ২, এক টালা।

# शरेरङ्गानन

=1

#### কোষরন্ধি রোগ

छाः ध्यम्, ध्यम्, ध्याय विना च्याळ, योऽक्कीवरमञ्ज शाकान्ति भिन्ना देवछाळिक कार्यायाटः दकाववृष्टि द्वाश भारताश कविका धाटकम ।

> ঠিক।না---মচ নং কটন খ্রীট, বছবাজার, কালকার। ।

#### 21

পিত্তপূলের অব্যর্থ মহৌষধ। ১১ মাত্রার উপশ্ব, শস্তাদে আহোগ্য। ছোট ৮০ বার আনা, বড়াসং আনা। সাভাগ পুলক্ষা

২। শুক্রাচার্য্য সঞ্জীবনী পোষ্টাই ।

লাম্যত ও ধরণ ও লের একমাত্র মলোহর। মুশ্র ১ ছিবা ১:০ পানা। মাঞ্চন

৩। সম্রাসী-প্রদত্ত অর্শরোরের অব্যর্থ আংটা আলোল না ধ্বলে স্থা কেবে। স্থানে আনা। মারুণ পৃষ্ধ।

৪। কোন্ত-বান্ধব পীল মঞাৰ, গেটকালা, পেটবেদনার মহৌধদ। ছিবা ম- আনা। মাধ্য পুৰু।

ক। বাত্রাক্তিন বাত্রাপ্ত মাজাপ্ত মাজ

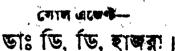
রবার-ফ্রাম্প প্রস্তুতকারক। সম্ব ক্যাটালগের বছ পত্র লিগুর।
প্রান্তিভাল—মনোমোহন কেবেরেটর্না
পো: ভরারা, ক্মলাপুর, চাকা,

# যনোযোহন প্রে

পূক্র-বাজালায় তলতে সকলপ্রকার ছাপার জন্ম বিশ্বাভ বৈদ্যাভিক্র জেলিলে দিকারতে ক্রাজ্য ভালিতেইছে বিভঙ জানিতে হইলে নিক ঠিকানায় পঞ্জ লিখুন ম্যানেজ্যি—ম্নেহ্ন প্রেম্

### মরা মানুষ বাঁচাইবার উপার

যদিও ক্ষণালি প্রকৃত্ত মনা সংগ্রম বঁচে ইবাত জ্যোল প্রদান কালিপুত্ত হল নাই সভা, ভ্রমাল বালায়া মানাবিষ ক্ষিত্র করা উপান্ধ ক্ষান্ত সভা, ভ্রমাল বালায়া মানাবিষ ক্ষান্ত করা লাগানে ক্ষান্ত করা লাগানিক প্রদান ক্ষান্ত নামান্ত ক্ষান্ত করা ক্ষান্ত ক্ষান্ত করা ক্ষান্ত ক্ষান্ত করা ক্ষান্ত ক্



কভেপুর, গাডেনরিচ পোট, ক্রনিক্তা ডিকানা স্পাই ক্রিয়া শিবিবের



**ㅋ**리리기

family can als MITTELL. সিভি কলবাং, श्रीकृत गाव



भः धारमात्र हा ह नामन . भानारिक वर् CANTER = No माभिक 📐 3171W প্রতি সংখ্যা বে

MAINE SIESE STAND SEND-STANDER SENDER

সম্পাদক - শ্রী অতীন্দ্র নাথ বলেন্যাপাধ্যায়, বেদা স্থবাচম্পত্তি

িও৫শ সংখ্যা

জালৈতস্যামট জীলাম মাহাপুর- ১লা বৈশাথ মন্দ্রপরার ১০০৮, ১৯ই এপ্রিল, ১৯৩১

কুষ্টিয়া সংবাদ

किता मक्कमात व्हिलाताः गण्टस्य केन्द्रा शानाका **ट्योमिक शामकीय मधा**र्शित करकार>> थाना अञ्चलारत अधिवृक्ष व्हर्शकिरान्त । भाषनात्र विकास काकाल .य. किनि गार्कि क्षिम्देश्वनश्रद्ध त्यादमा क्य व्यवशास अक्षा श्रष्ट का क्षित्राविद्यान अवर डेवा 'कांकिश वास । कृष्टियात शक्त मनकूमा क्षांक्रिय वि: खेरेंड, बारगाव्यी व निक्छे कहें" मामगाव ३०६ जोशन जन नमः क्रमामी श्रदेश शिशारक व्यान्तन दय, जूनिन **'देखिनुदर्श व्यानाधीय विकास एवं व्या**क्रदरनः 🔭 लक्ष विश्वाक्रिण कांबाटक वित्यक्षात्क क्षत्र **जा?हरम ॥ वाषा द्यान कविनाव जास्या** छ व्यार्थकाः कोवपाटका मञ्जूषाटकत कारवा-**अभिष अपूर्विक श्रम्म का**किम ১५४ चारिय नवास माम्। मृत्यूमी राचिमा-

ं ১২৫ सम बीब्दद्वय गणिण-गमानि " / दकाविशास थांकन लाम्हय छेपकृत्त व्यवंश क्षेत्र मुक्रिक केरण व्याप्त वाक मठ देण्डमस्मीका किन्द्रीक्या याम- ३२६ वन MI ON IMPICE !

#### मुन्नवाम दशक्षादम द्वादयन अवि जन्तान

्र अर्थेश्व बढावाकास मध्य क करणरकत *और*का विश्वासक संवीत् । दमक्ताम माव विक्री केमभावेशस्य अक्षाना शामगळ भ्यक्षिक करमा व्यक्तिमस्यक द्वद्वाक विद्यम् याक पवित्रा कार्यः

# কুষ্ঠিয়া-সংবাদ

১২৫ জন धीयरतत मिलन मगावि

# চলন্ত টেণে ভীষণ ডাকাতি

মুসলমান দেওয়ানের বেদে তাত্রাগ

# অডিন্যান্স বন্দীর মুক্তি

নাজিরপুরে ডাকাতি ১৫ হাঙ্গার টাকার দ্রু অপস্থত

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনষ্টিটিউট্" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

থোলা হইয়াহে।

ধীৰত্ব জন্মত্ব বৰ্ণমানে বানহা নবেন অভিজ্ঞ ও আদৰ্শচন্তিত্ৰ लिकककान छोट्रिशस्क অভি শভের সহিত শিক্ষা এদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগুণের জন্য বিনা ব্যায়ে সুন্দর বাসভানের বন্দোবন্ত হ*ুয়াছে*। ছান অতীব সাল্য #র।

> সবিস্তার স বাদের জন্ম নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। সেক্টোরী, ভাকুর ভজিবিনোদ ইন্টিটিউট্ জীতেভয়ামঠ, পোঃ শ্রীমায়পুর, নদীয়া।

विवादिकत शक्ति महारशकत काश्वी भागा-मरवर्ष काष्ट्रार्श ध्यानम् श्राकान करा

भाष्ट्रमभाग्व डेंद्र मञ्जी मामामर

**७**थ् भाषा चित्र मुक्ति २८०, रेलकिक क्ष मारमारिक प्रेम्बरिक बाबा(मह ब्राह्म করিতে এইবে। আর্থিক উল্লেখ भाद्रांतक विश्वादाता यम प्रवादानाय. বিশ্বপ্রত্ত্ব মানবভার কল্যাণ কমিনার गांडा विश्वतिक भारतः काका वहत्त भाष्य महत्र कति क्षत्रहात काठीन गान्न निर्देश येषायुष्कार्य व्यक्ष्मत्रमः कतिहरू ৰূপজেন্ন পাৰি ও সমুদ্ধি বৃদ্ধি অবগুৱাবী। अञ्जी सरकामक किन्युत दवन स कालहालुह 电滞倒 进口 "" " 新利14 回避! [时代44年

#### ালিরপুরে ভাষণ ডাকাতি পনের হাজার টাকার দ্রব্য অপহাত

घर कर बोलान वीक्रमाण करा छ जान हो नीयण छ का लिव शरताम भाइत. कियाकि । श्रु २२: लाम १८ का तिस्य स्था<sup>र</sup> समेरे श्रान्त भगीरन नाकित्युक आं मन क्यां एक नादम क्रक मनी महाबद्धन श्रुटक हालि मा ज हतर अकार अञ्चलाञ्च स्थापिक र स्ट्या **भूमा नाव अन्य फार्का काट कराई है।** अ भारकाचि साथ ३६००० भर्तत्व दक्षात हासाव क्षा व्यवस्था क्षां अवस्था । अवस्था । स्था ६म्ह् एखरा नारक कानीः मुप्तनाम 🐞 **中3時間 む**は なわになる 3ca 発便よい सारक उत्तराख शिवादिक । **चात्रक व्यक्त**न ्य, गराजनकारम किनकमर्ग क्रिक्टवाई SIBIA est effice :

# লা প্র**ট্রেনে** প্রদেশ ভালাভি VIII 5 5

राम अव्याद नाम्के १ १ इस्ति ही दहेल्दन व विकास काम विकास नाहरू মং গ্রেকসানি দশ্র টাশ এক ভীষ্ণ হিনী কাপার স্বাগতিকে গ্রেক হিনি । ক্রিয়াটে I 3-12 ( 3 3 3 1 1 1 2 1 )

ध्यालंबा, देकरवताच्या कहहार देशकः-ा १८५१मो साम उद्देशताना आफ्रीतन हो 🧍 .स.१८**०४ ह** १५औं अवस्थान । अस्टिक्स द हा अञ्चल १०८ तेल्ल, उम्रत सम्ब , मध्या शाकीटक रहीत्या कविका द्रानिहास াললকাৰ সুৰ্ধ চেবাংখ হৰ্না বৰণ প্ৰথে (জেনা ডিবাইলালের আনুষ্মাণ এটি নুস্ भ के विकास नार्वित करिया हिल्ली महाद्वार के छन्न द्वाराहरू है कि वि आ वन्त्र का अक्षम या ही, का हिना होता मनी अधासका " करण बन्द में राज्य भूनी रामाभा माराज्यान । Die thabest uter arig faat bier १,११ अभवीत्, इसर मारुक रिकारिक मिन्नि कार्यन कराना है। सामा ांचा बाब अन्य वारत्यक्षा भागा रोह नामक । तांची समञ्जीतका तिक्षाम अवस् काहरू । प्राप्त कुछ ला व दाश भेजाना । हिल्ले । ্টুলির মধ্যে কিছু লোক লকতা ব্যামন- । বেলিনী গুরুরত ছাত্তা কাপ্ত সাম্বান্ধ ा र शारदक्षिताल आर्थश है। एका દિશ્વાદનિયાન કાજ નારા સ્થન प्रकात शा'त शुःँ। क∃ रहा ।

িদ্দি প্ৰকটাটোকা সংখ্য একটি থকি। বংগোলের কলা অবশ্র তেরা অবংহ । ১০,০০০ মানত। এই দু হবিনি এককৌ আলাকী আলাকনা ম্মিতি গাঠিত 🕬 🖚 াএলী ভাগপানভাগের উল্লেখ্য কালো এবং বাংলার বেলের এবং উদ্ধার করে নায় বা বাংলার হার জ'গার সেলারভাতেল, বুলুলার এই সংখ্যাতন হেয়ুপ্রাল धु-छि भार है। एत्र मा बहत कि रहत कारतल । काशाला अकेट पूर्व पूर्व भारतल है। एत्र मा काशाला का वास है। विकास का का वास है। विकास का का वास है। विकास है। विकास है। विकास है। विकास का वास है। विकास है। विका কারে। উপ্রেছ কাজানে হচরং গাড়ে গতি আংবানাল্ড নে দেশ গ্রামান্তর্গে সিংগতে গাড়ন লভ স্থিতিছেল। প্রাধান विभारताच्च विकास स्थाप के अपने वा भागत । मा भागत वसे १६७० । करिया व्याप्त हात्रात १ १०१८ वृत्क छ । करता अवस्त्र यासीटक लागारा हुए किश्वा शाकित वर . ।

का हैती होता । भारकांत्र कारका अन्य 481 +864 - 17 Ful 4 WI 25 1-क्षांबाक नका लाह है, के ए.का किया याजीहा हो पर लिक्स । छालिखाक्त, विदे টেশ লাক্ষাৰ (ৰাষ্ট্ৰিৰ) প্ৰেক না भाषात क्षण क्षेत्र भारत करता । भारतक (et in ! Mette Bukers et diet:

নাজ চলান্যতী, আৰু চতুই বালি क्षार निर्माण कार्य मुन्द्रक कार्य LET WIND INTICO CHAPLES CHILE I condite with Entitle फर्कानार अन्ति वामभावादम भाठान mas minbit bige falleign nines क्षाता याला । अभवादनंद्र अने दर्शक अन्तर्भा 3 41 41 41 41 5 1

wir ift wie unun Buriffe Ger Gniecfele an, ein ! क्षेप्त विकास

বাল্যেক বাকি বিষ্ণাত্র ক্রিয় ११:1155 प्रदेशन निरुष्ठ अर्थन । भागीन पनात भी समेग्राह्म विवस नाहि । ministerente fefete nifabteen ার ১১ট র্গাল বারি প্রায় ৯ টাব ্ জাগতের বাড়ী ঘ্টালো। করে ছিনি কলেলার জীবল প্রায়ঞ্জব কর্মতে হ भारत चुन्न ।

#### মহায়ার ছাল্ডা

গান্ত ১০ই এ গিল ক্ষ্পনাত্র ভারেণার ্মহায়ালক লা একা জানীয় নেত

# 5 (4) 31

अवश्व व व व तर हा, श्वाम कान निरुष्ता श्वक े काया कडाइड का इडड दार विराध अर्थ कार्य कार्यकार्या है। इस अराव का कहता का वाल वाल करण करण कार्यकार भी क्यांकिरणना च्या चकर है है। है। कि के वर के भावित है। १०१०, ००० भारत विशेष के समार्थन है। स्मान्त के स्वाप का समार्थन कि किएक य करता राक्षणी कर रिक्टमा कार्या । विकासि । अधिक सुनार राज्य अस्ति अस्ति । . डाप्पीनग्रामः कारितः द्यान्तः । पान्तः । १० । ५० । ५० । ५० मान्यः कर्षाः । १० । १० । की स्व स्थानः व नासकाम सामितः स्थानिकारका িষ্ডাধ্য প্ৰায়ে কই প্ৰাৰ আহিছে। এবই প্ৰায় ভাৰিত ১৯ খাটায়ে আইলিয়া জাতাত এডিছে এডিছে টোল্লায় **কৰিয়া** नाताः नार्वेदार हुए भावतः बदर बद्धन । नात्राह्याः । ना বাল্টে বন্ধতালিকা এইছা আছে।গাভাবে : (৪) জাব এব রে মিঃ আছে লালিলা প্রবোধ অভিজ্ঞান্ধ বন্ধীবিধ্যার মধ্যে সংখ্যান শাকী এই প্রেমা গোল্যা টেশ্বে কামে এই প্রাণ্ডের, কভালন প্রাত্ত প্রটার হলের অস্ট্রের জন্তে অসুবার আরু কার্যার ইউ हार्यका खाद्रास्त्र ७४ भाग हायुक्त सम्बद्धाद्यम । , (4 Eloigi en c \$51, 6 Bist 4104. 1 ्रा १ व व्हारति स्थापन सम्बद्धाः (सङ्गाहिक <sup>हे</sup> काराब (मार्ट कार कार्यक्रमधादेव कार्य है प्यापि वृक्ताकः वस्तान सन् । अवस्ता ्यम, अभरता ८५० क्यांत भक्त विद्या मुक्कार्य सानिया अध्यान

#### महाराष्ट्र धाना

গ্ৰাক্ত হালা লামতে স্থাত लक्षत्र क्षत्र .तथ शाग्य विद्याल, केर्नाव ्राम क्रियान **क्रिक स**्छ धनाप दिला क्रिका क्रिका व्यापन क्रिका क्रिका क्रिका

#### মানিকগলে কলেরার ভীষণ क्रकाभ

টাণা জিলাৰ মাণিকগণ মণ্ডুমায় करवारी वर्षक नाशी विकृषि माक

#### লেতাৰোপা সংবাদ মারীনলল স্মিতি

অংগানী কৈলা: মাণের বিতীন সম্বাচে 🕯 कारत्ताः वारीयक्रमा समित्रित किञीय नायिक श्वितिमा व्यवस्ति । त्वते छिलशाक क्किकि अभाग भिर्म द्वारण क्षेत्र । अभागे-ीं क अभीव नावीलांबर राटक देखता ि । संश्राकति ।

# **રહેડ અ**લ્ટ્રેલિયા

াতি এবং পরের পাত্রিন ব্যাল্টীন চালেলি জ্বতু জাজ বিমান্ধালি প্রিচাশের প্রেলাম্ভিক করিলার **জন্ম ম্থাল্যে** े शहरत करतका व अवहत महाबाद्यादाहरू नाम नित्यय का शहर शहरान करिनाहरून । के बाद वाद्यायम करा केटा कहा । (क्षेत्र) कावश्व भून 'व छाका राह्या कहें का तभ करिटन कित बहमन भा कित है। है उरहा के कहा के हैं एकाव पूर्व द्वाव वाला क्रमान मकालकिए कि আৰু কাল্টোলৰ কালে কালে। ভাগোলা বিহাপে কালেলে কালিবলৈ, যে বেন্দ্ৰোলে চাল্ল বছল গ্ৰাম কালে বিভাগ ভাগোলালী মুক্তী কিন্তুত জন্ম কর্ম ধ্বার এটা এছিছে। একটি বৈ যুধক এইরাল ১০৮০। সালে করে, বিলি নিম্মান্ত র অভের্ম কৰিবাছেল। ভুল্লা, ৪৯ কিচ্ছা এবং **আরও আর্থ ক্রা**লা

> ্মন্ত্রী 'মঃ নাটাখাডাত আছি প্রাপ্ত জীতাকে ्चारश्रक अरुक्षाको बर्यान, क्यांनि काळलोनाठक[बर्टाट उद्यारम कनिसीन] .6 .. 1

#### সভায় প্রায়্য মাঙলার বিহত

्रक्र प्रतास चाल्यस्थात **चवः**ारी ्राणिक कामार्क आर्थ प्राणीशन किल्ला ाध्या अध्याहिक है । इस प्रमाहिक अधिक ्रकार हो अस्पृत्र महेशा शरावन विशास वृक्तिमा महनाम लाख्या शिक्रतक ।

त्याकान त्य, के मार्थनवन्त केंग्र আংশর অঞ্জ সাত্রসংগ্রে স্তিত মিলিছা की भन्न कडिएलिस्टलन रूपन मध्य केश मिश्रद का अन्तर्भ करा रहा।

लकारमध्य त्यं जारमञ्जू जेशन क्षणी शास्त्र अप मेलिका विकारशत कर्वाठाती फारिकीन कि. एक, रिश्ली, आर्व-हे-स केंगरक का जागारमक गण्यारम सामाम श्रक वर्षे कशिम शास्त्र छेखन क्रिकेन द्रमाश्रम कार्क मार्किटक काकिकाब्यक माहम একজন মৃদ্যান সাতেলার উভাতে লক্ষ্য कतिश किन वेद खनी व्हारह, खनर कारात वक्की खती केलाव बाद्य बादन । কল্ম প্রস্তুত্ব নতে বলিয়া স্থান্ত कहराएक। नारकीत किर्मेश व्यवहासक min egemen !

भाजन्भगवाती अञ्चमक हण्याहे विद्यारण ह क्षडे एक(पान क्षित्र महत्राम क्षत्र क्षां।-.. होड कोडन कांगा यात्र आहे।

#### স্থাশন্তালিষ্ট মুমলি**ম সংস্থান** 🦠

বিমানপোটেড নর্গিনে ইংলগু : মগ্রী ৮০ এবং ১৯৫শ জারান ্ংস্থাতে নিখিল ভারত কলেজানিট क सारक के भागभी विभागतीय भिद्र भूगिम माख्याम **अष्ट**िक क्रेटन । माखनसहस्र

#### অভিকাশ বন্দীর মুক্তি

वक्षात्र कांक्रशांच भारत्म वच्छा 🕮 शांच खुरनामकृषात स्म भक्ता ७ सुविशास **स्तिहा**। ्र अञ्चल महिल पार्ट किन्द्रान महिल्ला किन का विन का क्षेत्र किन का क कः ७ ८८ दश आक्रांच व्यक्ता क्रिकांका भिन १८८४ ७ द्याना वस्त्र विभि **।** होश्र.म ००८७ ष्यांना ०४३८६ । **व्या**म 中旬 《卷虹】 藥門 [

#### সেবাজ্ঞানের অর্থ সংগ্রাহে বিপ ডি

निक्षित क्षेत्र न्यां अप न्यां क्षेत्र निक्षित्र निक्षा क्षेत्र निक्सा क्षेत्र निक्षा क्षेत्र नि कार्य मृत्याह किनाब सक्ष शक्क अब्द सिवन यान्छ वृत्तिनारमध क्रम्य युवक शाखाञ्च क्राफाय जान जात्वता क्षिकिक्ष्मण धनान, १७ वह अखिल स्मोबनाडी कार्या। तिवत ১०३ धामाध्याती चार्कावश्रक carain wint minter erfen wat कता काशास्त्रिक वर्षभाष्ट्र श्रामित Leminte afel Eduffe 1.

## পারমাথিক ভারত

( ? )

যাহার হারা শিকালাভ ঘটে, উতাই শারা। বেদ ও বেদাযুগ উপদেশসমহকে আমরা 'শাস্ব' বলিয়া অভিতিত করি। সত্যোর অফফুল উপদেশই 'শান্ধ'; প্রেডি-ु कुल प्रांत्रकारक योहाता 'भाक्ष' बर्क्स ভাঁচাদিগছে ভংগ্লন্তানে পরিভাগের উপদেশই শাস্ত্রাত্ত শৌতপ্র। অভ্যাল चायुनीवान मरगत्रका नाहे. खानिकत अञ्जीलात्वरे मरमत्त्रा निश्चमान । उत्क्रि ছঃশক্ষ পরিহার ক্রিয়া 'লোকে ব্রি-रनाम' प्रकाश सम्बद्धनानीय राज्य व উপদেশ সর্বভোভাবে প্রিভাদ্য। এই क्रमारे व्याक्तिक एक्त्रतामीरक 'खाकिक' काथा (म इस्रा इहेस्स्ट । जाशकित्वन প্রতিকৃষ্ণ সক্ষ ক্ইতে যে পরিমাণ দূরে : व्यक्तिक भाका गांग, डाहाई वन्नीय অধুক্ষ সঙ্গ

माप्त व्यवस्थात त्य डेश्सम श्रमान দরেন, ভাষা প্রক্রিত তেরহুগ্টা-भटनात कांक्रिकत महरू। 'लाङ्गाता (श्राप्तः পরা অবশ্বধন করিল প্রেমের প্রিচার क समार्थ कर मोक स्टान्त क्रमुन्न करन বরং শৌৰপন্থিবলের অন্তক্তরণ ক্রিয়া ক্ষাকাপ্তরত হটবং ফলকানা হল অথবা कामकाद७ टार्टिन नाममा कतिया कल- ' क्यानित क्या

खडरूशालव क्याकाशास्त्र उठ ध्यकात्र (अपे धार्माक छेव्ट व्यवहरू । ८७४ यथन डिलर्ड्सक इन, खन्नेहें छैठा त्वमनाहा । (वन मनन ८०१मःकानीत कोडा প্রতিগ, তথ্য উচা শাল্যাম দিয়া বাদাম ভাঙ্গিয়া নিভের পেরাশ পরিচ্থি করা माज। त्वत्रभाष्ट्रं शुक्राबंद्रमः, टार्ट পুরাবোড়মের কথিত গান প্রবণ করিবে অৰ্থায়ণ জনগণ কৰ্মকাও ও জান-কাও হইতে মুক্তিলাভ করিয়া পামার্থ পথের পশিক হইতে গারেন। মতুর। প্রেয়াপথী হট্যা কল্মকাণ্ড ও জ্ঞানকাণ্ডের মায়ানালকে আশ্র কর্নাই এলংক বিচারে তাখানের ক্ষাক্ষাহর অথবা আল্পবিনাপ অবপ্রস্থা । জন্মজনাভিবের স্থাপন করিনাছেন। প্রণ্ডেল চাল্পাত ব্রিতাপদত্ম পুরুষ অগণা আত্মণিনাশিনী সকলাশিনী বৃদ্ধির ভিতাপমুক্ত উপকীবী क्षनहे दश्रामाछ कतिए। भारतन ना । বেরাশপরিভৃত্তির কতা যে সম্বয়নাদ **েश्वाः नष्टात देखान** त्यां शाहेबा तम्य. जाशात আদির করিবার অন্ত ভোগাঁ ও ভাগা मध्यनाम निक्र निष्य चार्थन ७।७नन्छ। व्यक्तीन करत्रन ध्वर छाहारकहे ध्वरताकन ক্ষান করিয়া মৃত্তপের স্থরূপ বৃথিতে অসমৰ্থ হন।

#### জ্রীজ্রীগুরুগোরাজে জয়তঃ

# मिनिक निर्मा - शकान

#### মিতাপাঠা বৈক্তবাকাৰত

(समाप्ति भगन्त भाष्य-मारञ्जत काकृतिम न्याभगाडा সমগ্র ভারতে একমাত্র রেলভ দৈনিক পারমার্থিক পর

#### ধীৰাম মাহাপুৰ ১লা বৈশাখ মঞ্জবার—১৩১৮

भक्षत्र (हार्याच धकि व्यवस्थान करत्रा । भारतीत्रक छारयान । यहेलारम मनीकी नहात्र वर्षमः, त्रमनाक्ष्ये---"त्यम", ,पन्नाकस्थितः 'সুংমুক শেভিবেড স্ভার রহাতে না পাৰিয়া শাহিবিভিত্ক মুখ্রিন্ম্ম সাহা मार्थ कविशाहलन, हमहोत्रण कान्,दानः ্ত্রত প্রের মন্ত্রিল । বেদ্রিক্ছাচর্য कतिप्रदेशका धारतस्य न्द्रस्य अर्थन বিহিত সভুলনকে চেলবিরোট ব্যান্ত ্বিবাহন বেদান্তর হারান, সম্পাস, এক রাত্র প্রভাগ কল্পান্ত বেলগ্রিশিত হত্যাৰ উহাকে বেদ্যিক্ষ শক্তে ব্লং

অতিব্যাস উপ্তি অবস্থন কৰিছে। অলপদে অনির আয়-দশন, কনান মুনির देनदर्भातक विश्वतिः . 614 অবানা ও প্রথমার ব্যালগ্রন্থি প্রভৃতি ব্ৰদ্ধিৰো মহসমূহ অভ্যানে থ

माहिला आहमत अञ्चलमाना नि প্রেছাতর মত বেলারা ক্ষকাও ১৫১ देकनवादेवकवानद्वांग एका तरः हा ग्रेक Cभीइभारतन (दानिया । ग एक्सक - , नो : িবাদ অংবিকার করিয়তেন, ভাষাই Cवेननीविगम्भ हे, अहे आके.च विजाब गार्क्स ধায়িকভা-পদ্ধনের জন্ম উদরেখনে নামে স্কীৰ্ণতা ব্যাহি অভিক দেয়েবিই হয় ন।।

वाधुनिक अभागान्छ। विकासकान বাদকালে প্রনাথবিচারে বিলেভিকত্রাদ মাতে জন্জারিত হত্যে নিত্রাগদার বিভাবেক ধাৰতীয় জাগতিক বৈতিয়েট অবেদ গ্ৰায় ভাষা অনুগাদের ভান ক্ৰিন পরমোপাদের বৈকুঞ্লিভিত্রভাকে মাধ্য কৰলে প্রতিষ্ঠিত করিবাৰ ভজ 🚓 को इंग्ले अमुन्त करान उर्दा कर्नन निश्वाम्बित्रष्ट फ्रमशरशत्र बिखा तः जित्र अञ्च स्योषिक रहाना। आकृष्ठ निकासका कि ৰক্ষ, ভাষার নিকট উপ্তিত হট্টে না পারিয়া কাল্লনিক মতবাদ পোষণকল্পে যে

বিচারক সংগ্রনায়ের অনেকেই স্ত্রীপাদ 🖯 বৈর্থসায় হবে 💎 গেনিগালে । মায়াপানের অবস্থল, লৈশ্চনিজনলে অন্ডিজ, दास्त्रीति भारति दाना गर्ति कत् सर्वेद्द्याच्या स्टास्ट्री যে সকল নিবলেড মুত্পুৰ্য আদর क शिर्वन, जक्षा स्टेडा ८ पर करा करिस ৰপণ আলক্ষাৰ । এজনো অনীতি ভল্লেস্ব ১ জিল জারিখাটের প্রতি লিভিন 🗤 ক্রিমা न्देशन, जाश्रुक्तिदक्त कहे था । या असे अपी का विकास स्थात

> লাম্বাদ্ভির্ভ \*\*\* 121 (45) ্ব ∫ুৰ মুৰ্বিত ভিটল তুল আত্ৰান ভিত্ৰিৰ करत्व, ५ (६) १ एड्डिंग १ एक्टर्स, १५८५ छ। हारित राज्यान जिल

ান কথা স্বাধুনিক प्रतिवर्गात ४८ A SETTIE 41.17 50-

(यामग कर्तुम २०) चित्रदलक तिहाब-40° 78 97 767

刘旭 在,中国主人有效与任用人的证据 বাৰ ভালি সংগ্ৰ - # 7 'd (d 4) 6.

अपूर्वक: अवस्थि क्रका-দৈল্পনাৰ ! ল বিমাৰে আৰু কিক কৰ \$70 W.

> A 577.00 78 ( d t ( \*\*)

创造代理 A112 中 2 go/海軍 计对流 राष्ट्रात हो अध्यक्त भारत का গ্ৰেৰ - চিন্ত (১০ চনৰ ১৯১১) 制作作者 医维利克特弗氏动物 (शोश केराव से १ कर पंट देगर १ **別(2) タイルが何(もり (可すが)、シャル**( নিমেৰ অভিছে ৰে স্পৰ্ভ ৰে হন্দিলন कारन में भिया। वर्षतान छात्र अंदर्श कहा ग ভালাদিশেৰ ক্ষাণ্ড বিচায় বিশিষ্ট অবভাগ নিরপেফ দশনের অভার অংছে, ভাঙ গ্রা ষ্বীকাশ করিছে বান।

লহ সিলা**রের** প্রতিপ্রতে আলেকিক পণ যালিতে পারেন। যে, বৈকুপ্রিচার্য্য । বাদ বাদান কার্চেত্র্য ।

নিরণেফশণ্ড ভাষানিশের বিচারে गर्नाटाहास्त वाधिक न्नाट्टा प्रविद्वा इक्ता देखिन्नक छ "रुनत्ते । प्रतिर्भाष् द्यानवार छ। शास्त्रत एक कथाध आर्थिक পণ আঞ্চা স্থাপন কবিতে পারে না।

**ल्थारम देवकुर्धमन्द्राभारम्य महिल्ल मासिक** राष्ट्रामारतित वास्तराम अध्यास छ । स्मान दमत छे नदयत विका**रततः स**राच शास्त्रभारणत मर्। अ.लक्ष इष्टेरश्रम् । सम्यग्नाद्राता কপট্ড অন্তিভ স্পান্সকৈ আংগাড়, মনেরেল বিভার ওলেশন কবিলা উদ্রেভার নহাজবাতে নিজেবি লোক মূৰ্ছ কৰিছে পারে মালা, কিয় টা প্রালাপ সমন্যালার ও যংগ্রহাধানের স্থিত জ্ঞাকত প্রেধানে দল্দেল্টি চটায়া লোল ৷ মুণ্টা ও পাড়িছায়, নিখা ওমাৰ, আ আ ও অনাআ, এক লক মাৰ ও ১৯, মৃতি এক মিলি, অধার বা পরবাদ, অনুবা এবা পর-फ़्तर **तथ**े है। समयहत्यत्रम्य तिल्ला , राप्यस् BERTH PLE

क्षत्रका वाज उद्याविष्ट अस्ता, অগ্রতিক ব্রাণ্য হলেরে প্রতিরা বার্যা META. Elet & direttare berging utgi মন্ত্রি চন্ত্র বা নাচ কিছা সং-সামানামের উপদেশ বিচার অন্তপ্রেমভা পাতিজাল, মাভাব বেভাডির বিপ্রতি ∙ক্ষের আন্ধান কর'র ভণা, ভা্চারা অন্যান্ত শাংলিক বিচাৰণর জন-গণের মুমুরত তিত্রিত করিছে পারেন। যদিও নিকিনিন্ধনী মাজিক ডি্ডাপ্ন দৰ্শনৈ ভাতি হয়গা ত্রিগুলাফর্ড ন্যুজার शराहरणा ७ एकि वाकारावर, छाह का जिल्लाकित श्रीर हे सदर एक में विकास राज्य विश्वतिहरू का शांकिरण के ए । हार्रक्ष ্বকুতের উপ্রেরভাগে অন্তর্ভ ও পর क, व भाव । अ अक (व अक्टो अस्ट्रास्ट्राह्म নিন্দি পরিক্রি নাই ও ইইছে গারে না।

# শ্রীশ্রীন্ত্রপথ্য এচারিণী সভার অংধবেশন-বিবরণা

( -8

#### জীমুভ হরিমোডন রয়ে

क्षणिकारान्त्र ठानेभ ५ 😗 स्थानका वात्रकातीवर देखका कातामक । १० मकाणम প্রয়াগ ট্রানগড়

বিভিন্ন হৈ । মুণোগ্য পুরুরারর সভার বিশ্ব এর <del>প্রথানের</del> लाक्याता अंश्रीकारी मधान किस्सूब खान्नुब कारामा । ना वीक्षाता क्रिक्त । इन ত্ৰু গ্ৰহ্ম আৰু জ ইপিনোক্ষম ৰা ক্ষেত্ৰ জ-

#### ভেয়াছনের ভ্রিদার

खीनक धार्मान । अधिकां की प्राप्त প্রেচারকর্ম যে কালে চেরাচনে প্রিমন্তান গরিক্রমা ও বিভিন্ন মহামতোৎগ্রাদির প্রাছর ক্রপা প্রভাষের জন ক্রভাব্যাল সময় ভগ্রৎসেবার জন্ম ভঞ্নাদি সংগ্রহে ক্ষরিমাছিলেন। সেই মালে টার্ডেনের ট্রেরেপন প্রিল্ম ক্রিয়া পাকেন। শ্রীবাম-ক্ষিদার আগত সতীশ চল ১০৭৮ - । বি | প্রচারিণী সভা তইও জ তাংগতে ১ এবাদ মহানয় ত্রীল প্রদূপদকে আতাগোচিত জিলেন কবিলেতেন। **অভ্যথন),** উঞ্জি কন্তিয়াট সুধ্য ভবনে ( यामञ्चान आमार. ज्याचन यानामि लानाम, নানাভাবে সৌৰজ প্রদশন এবং হরিকথ। প্রদান দও মহাশয় স্তীমগ্রহাপ্রভুর । কেটা আগতে ও প্রচালে অন্তবাগ ও স্কান্তকৃতি ক্ষিণাছিলেন। ইত্পেন্ড তিপত্তিকানী আমন্তিলকার ভিত্তিমহারাজ এবং প্রভূপাদের প্রভাগরন্তানের পর উল্ল ভিজিসারস ১০গাসামী আদু ও স্থানাদ অনস্তবাত্তদের গর্বিস্থান্ত্রন প্রান্ত ব্যাস व्यव्यवस्थाति निष्य स्वर्ग सम्माप ध्यमान । नानाच्यम ध्रातायत महावया করিয়াতেন। জীধান প্রচারিশাসভা এই-ক্ষয় তাঁহাকে শহরণে জ্ঞাপন করিতেতেন।

#### · ८मर्ठ सम्बन्धिताली

बीन क्षड़वार एंग कारन मूरनीती हैन्दर **७७'शमा-भक्ष ७**५११ ड.टेडप्रशासत्त्र ৰাণী প্ৰভাৱ ক্ষিয়াছিলেন, ত্ৰকালে मनार्थ है, ल व्यक्तिक व्यवस्थात करा মলোরী দৈলোপার করমা জাস্তেলপন অটালিক৷ 'বেলভিডিয়ার' নামক ভবন প্রদান করিয়া লেড শ্রীমদ বাম্কিলোগভা শ্রীবামপ্রচারিপ্রভার ধ্রবালের পাত **इन्द्री**हरून ।

#### **बिथामायमधे ७ ७**मी ब्रह्माया हा

क्षियुका धारमाना सम्मती स्मरी स्तर উল্লেখ্য জামাত। উল্লেখ্য কলগামর সুখোন लाकार्य महास्य करेक हो। द्विमानसभ्यद्भव क्छ उक्विया क्या मान क्रियाध्या दिशास्त्र इन्हिशामचा उद्यन् । जीवाहिशास । रक्षताम काराम क्विट्टट्स ।

#### श्रीयुक्ता मध्नाध्माहिना मानी

स्मिनीशस्त्र देशक खेलाउँ। বিশ্বাস মটোপথের পতা জাত্রণ মধ্যে (बाइनी मानी 'छधदरक्षा 'आशात्व क्छ भा(कृक्ष) क तिरा (७०) **अ**भागकात्र (अन्तर 可言) せきな数 かさに本 人切る করিতেভেন ৷

#### কলিকাভার আলুব্যবসায়িখয়

কলিকাভা পোডার খালুব মার্টেট -খ্রীয়ত হলিমাংন ভূলা ও ইয়েক যামিনা প্রাদান কলিব। পাকেন এবং ভাঁছাবের 🕽 CD হায়খ অ'ল্লাড্ডীত কইয়া বিপুল মতোৎ-माजन कार्या, रेस्ट्राक्त कर । ही शामाध्यक्तांत्रिया -क्षिएड(६म ।

#### খ্রীয়ত কানাইসাল মাইডি

ত্রীপুরু কানাইলাল মাইতি ত্রীধাম-

#### बीयुड कार्निस श्राम पर

क िकारा निवारी छि छ आरमक শ্বন্দর মেবার ভার এছেগ করিয়াছেল। প্রতির বিবাৰ, জীঃকাদলী বেং বিশেষ रत्तरभाष है, चुन्द्रतीश्राधन

ব্যান্ত্রিকারিবারীর শুহাসের এই ংল উংৰুই ৬ বছমলাবান পূজা ও পূজা মালেক গ্রাপ্ত हिल खोटा भागा করিয়া ুলন - এড্রাঙ্ডি উচেংটিট্রামসের মতে(২মতের সমা মন্তা সংগ্রহ ও বিভিন্ন আপ্রকৃত্য সং তে উছেরে চেত্র নিযুক্ত আছে: ডিফ উচ্চার প্রারীণ

বিষয়ধুরজারতে কাণাভাবে ভাগ্রংগেবার नियक्त करिए। पर्टिक्स्प्यूप्त एकक्रम জাক্ষমিক ব্যৱস্থারিটয় দি ছেন্টা বৈভিন্ন क्षेत्रियालाच्या (सहस्राध्यक्ष) १९५५ (जिल्ली शृक्ष)की উন্নিয় কৈবৈজ লোগৰ মহ গেনেল । তেও ভাল কানুৱ প্রতি কথাও তেইলে উন্নেথ कालकारा ta Black of miliet भारकरण्ड (य-सक्त ११८९ ७ धन-तरवहाँ) केटर रेखेंसमद्देश कीर्निश्दकत विकासभा द्वा निर्मय विद्यात 'स्वर्त खन्दर्भवार्थ भूष्य कलामि अमान कतिका भारकम. ক্রানা সকলেই ইয়েও জান বাবুর স্থিত त्नीविध्यवकोर्यास्ट्रहान् करल चीनाम शक्ततिना माजात वजनानाई।

যে দকৰ পাক-সন্ধী-ব্যবসাথী শ্ৰীমন্ত্ৰা-প্রভিব নি'র সেবার জ্ঞু অরুণ্ণ ১ইয়া প্রতাহ নানাবিধ তরিতরকারী প্রানান ৷ পুরুক ভাত্রাব্ধী প্রকৃতি সঞ্চ করিং ছেন, উন্নাল প্রচারিপাস্টাল প্রাক্তি উঠোরা ও मध्यपारम्य द्यान्ता ।

#### প্ৰতিও জীয়ত শচীক্ৰচক্ৰ স্বদৰ্শৰ-বাচস্পত্তি

কবিরাজ প্রিভাবর খ্রীমার্ক শচীক্রচন্দ্র জাপন সম্পূৰ্বচিপ্ত ১৬ দশ্মতাৰ মহান্য া নানাবিষভাবে গোটার্যটের ধেবা করায় 🖯 क्षेत्र । य- थान्यिती सन्ति । जनामार्थ ।

#### श्रीयका रजनीक्याती भागी

এটিজার গুলাকুমারী পানী প্রীটেড ক্সময়ের কাছ দে মহাশ্য জ্ঞীনাম পরিক্ষা ও একটা উচ্চ চুলগীমঞ্চ নিখাপের ব্যায়ভার ক্রীপ্রান্ত্রের র মহোম্প্রের সময় আলে ুর্ভন করায় জ্রীনামপ্রভারিণীসভা উচ্চেকে भगवान छालन कतिरहाकन।

### শুর পি, এস্ বিবখানী আয়ার

ভূঙপুৰা য়াড়েছেকেট কেনাৱেল শুর महा १८५७ है। हिंदि कि एक प्रकार कालम | लि, दिन, निन-वारी वागाय **१०-छि,** नि-चाइ-हे. (क-ति चाइ हे महामग्र हीत टीवृशास्त्र मामारक द्यामाशकाव्य कर्णा धार्मातकारण अञ्चापादक अञार्थनाः, अञ-পাদের শীমুখে ছরিকণা শ্রবণ এবং শ্রীল প্রতুপাদের অভুগ শিখা তিগভিসামী क्षीमप्रक्रिश्रमग्र वनमश्रात्राक कर्डक लाम द বঞ্জার মন্যে সভাপতির কাধ্য, নিশেষ্ড: শ্রীমণাধান্তা দুব দ্বামাংসবের বিশেষ অনি-বেশন দিবনৈ সভাপতির পদ এছেন্দ্র অশ্ভনয় করিয়া শক্ত ভক্তি নিদ্ধান্ত শ্বরে বে অসুবাগ প্রদর্শন ক'ন্য দেন এবং ৩০-महा किला वर्त छन्द्रन आक्षरण वह পাৰিব পৈতি স্থাপ্ত সম্প্ৰদায়কৈ আকেই করিয়া 👫 শেলকে ৬ ইচ্মন্মহাপ্রভুব কথা अनिवास अवास अवास कतिहारहरू, ভারতা ত্রিনাম প্রচারিকান লা করে শিবলাম: আয়ার স্থোলনাক অংশ্যে ম্যাবলি আপেন **帯信だったいる** 1

#### माखारकात महामाना शक्षत 114151

মাদাতের মহামার পাল্যর বাংগ্রের

His Excellency Lieuterart Colo nel, the Right Homble Sir George Fredrick Stiedey G. C. L. E. C. M. G. With the William of the William Consider इंट्रेस्ट्रेस ख्या र सामाराजाता प्रतिस्तृती र का (व) के(क) मार्थक ८ द्वार खा ते। ते 智學的 网络 生分对外 স্থায়ের প্রদানে স্বাক্ষাব্যে ও প্রকাশ िरवाकुत ५ महोनुन १७ - दुस्ताहीसम्बद्धान विकातिक सङ्ग्रहा कारका भाग सर्वाधान्त ভাৰ প্ৰিচয় এলেন ক্ৰিয়া চেন आहुनारमत अग्रन्त कि । किम्रिकाभी আমছাজিল্ল বন মধারামের মূলে সংখ্যালে, নাম শক্তি ভাগবঢ়ে, অথামিল আ্থান্নেছে भावनंत्रं नाजाकते जाद्यान्त्रं सात्रं सामान कर्माम (श्रामनस्यात कथा अवरणक लेक्स ব্রমূল্য মুম্ম নিয়েশ্য করিয়াছিলেল চ श्रीभाषात्र जिल्लामा एक ज भाषात्र ज মালাক গভাল-লাহ তিয়াকে হজানান কাগ্ন

#### ৰজের বিভাগীয় কমিশনার বাহাতর

किरिट : दहन ।

বঙ্গের বিভাগেয় ক্ষিণনার বাহছের Mr. Frederic Wynne Robertson 1. C. ১. মতে দয় অভাব সৌজ্ঞার স্কিত **ब्राट्यातक अक्ष्मी है। साम मातालत मनाम** (को उड़न, श्रीष्टि जन: श्रीनाम मात्राश्रावतः श्राह्मण निषद्भन श्राह्म ष्यस्तान श्राप्तम করিয়াছেন। তিনি খ্রীরাম মন্যাপর পরি-मनगर्भात त्म किन्नामन खानान दमः অপস্বার্থপর ক্রতিমদলের ক্রিভ বিষয়ণ-मध्यत्य वाशास क्षिमाधित्यन, खांशास्त्र ভাষার প্রকৃত সভোর প্রতি মর্যাদা প্রদর্শনের সাক্ষ্য পাওয়া গিয়াছে। জীগাম-প্রচারিণীসভা মহামাল কমিশনার বাহা-গুরকে ধন্তবাদ জ্ঞাপন করিতেছেন

#### **बीर्डिनाय दलना**

( अपूछा महाज्ञवामिनी (भवी )

(5)

क्य वज्र इतिनाम, অ্থিল অনুত ধাম. নমি প্রাত্ত চরণে ভোনার। েতামার মহিমা-ওয়,না জানি তব মাহাত্মা, আ ম পতিত ছরাচার ॥ প্রেম্বাতা শিরেম্বি, হরিনাম চিন্তাম্বি, महाकाराय मारा नाम । अनियाड नाहि अनि, अपग्र ना पृष्ट मानि, त्राम ६८ क्या व्याप्त कार्य ॥ क्य हरिनाम क्रम. স হা মঞ্জালয়. নতলিয়ে বন্দি বার বার। निया जीदर मधा कवि, नामकाल अवस्थि, প্রকাশিছ বিখের মাঝার। एत हारण, चतरण, शुक्राल, खिनकी हरन, সকল সালে সার হয়। ভূমি লাম চিন্তাম্পি, অসল পুরাণ বাণী,

भक्त (नरम्य भगान्य । তভাষার মান্যা-বোলে মিয়াছে পামার ভালে, ভারেত গুর লে ইলা গায় । ्टन मराध्या (४५) । भा ७ कि क्यू व्यामि क 🔩 অ ন পাটার ওরাপ্র ৮ নাম ক'রাল আভাষ MEM W W ST BY. পুলা পুৰ্ব আন্তুত কিলেয धष्ठ-एक भावन∤मि, नाम जिक्क निष्ठत्वि মহিমার অভুনাতি পায় ব কালত ভালত ভোৱা, তালভার অবভারি, ्राह्मार्यादकत्र छ। श्राप्त १ हेटा है। আলিল সূলতা নাম, সাধন সাধের ধাম, रिलाईन कार अन्तामित्क।

**७०-३०-२१ ४ तम्**त्र । মহারাজ প্রী: করে, গুলাইল ভাল মতে, শ্রীলামের মহিল অপার ॥ SCD क्रमशाणिकत् 苏野-开州州 安元县。 ८ श्राम् ७ अमूल आक्ता । ভাজাবাৰ লাহৈ আগোৱা তাৰ এই সদা পাছ

विश्वतास्थल **अस्य क्षत्र अ**स्त्र ॥ ক্রোয়ভি পক্ষণ্ড कार्खनीय मुलाइवि क्रश खन अंभट्य क्रिया।

ঙৰ স্বস্ত্ৰ শৃত্তি পায় । ভিতাপাদি দুয়ে বাৰ (माक्यरण कर्ने नाहि छात्र ॥

চৌরাণি লক কন্ম করি গ্রহণাগ্রহ व्यनामि व्यनप्रकात देशक। किइ उप मा लाइँछ । १०१ काल (बीहाईक

নাম প্রভুলা পারি ভঞ্জিতে। প্রভাত ভপন প্রায় নাম ভূমি ভেলেমিয়

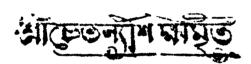
পুণ ফোডে: মাধুষ্য আগর। ष्यनर्थ क तिया नाम চিতে হও ছপ্ৰকাশ নত লিগে বন্দিহে তোমায় ॥



#### ভাজানশোদ**্যা**ক্ষ বিবা**স্**ত ভাজি গ্রেয়াবলী

# विची

**बिट्रेयबर्य- वेश्वरिक्तिकार ठाकृत्वर कि। १६-**--ট্টাডে জীবের পরিচয়, ক্রুফের স্থিত সম্বন্ধ, নিতা ভ रेमभिष्यक कर्षा. श्रीकटेष : गिष्य श्र कषश्रकारमत रहत . क्षा ठर - अध्यक्षका अध्यक्षक अभागका स्थान, देवानक वर्गा अध्यक्ष, देवक्षव-ৰুত্তের অঙ্কল, প্রজোপাসনার স্কিত পার্কা, মারাড্ড, বৈধী-कों 🕳 👁 🕶 काटबन्न ८ वस, हे ग्राम्ययम, व्यर्वक गामी कन्न ভবিত ভাৰতমা, জীবের বছা-ছা ও মুক্তি, বৈধানগৃহতের कांबर्गतः क्रिक्केत व्यक्तिकाशी-दिशात, क्ष्य व क्रमृतिकारमद माधक छ। भाक्षभण छ देनमध्यभण, त्यरम कृत्यम्भाः, छश्यान ্রিম বা আলার প্রাচীতি-ভেদ, ত্রিবিপ্রচপুরা ব পৌব-লক্ষায় প্রাঞ্জেদ, শৃত্তরমতের সভিত অনিলের করেব, সম্প্র-ুল্ম স্থপত প্রৌতপত্ম, শক্তিবিচার, দীস্পা, বৈদী 🐵 রাগারগা ভিক্তি, স্বস্কুজ্ঞান, রস্তুদ্বের আগ্রকারী, পারকীরবস, মধুর रह, नीनाव्यत्न व्यक्ति म्नास्त शृक्ष्माण्यत कर। '- गुरू मक्ष्णायमी च क महनकायात करवाभमकाम च --निक ब्रह्माक्ष । अबे अध्या व शक्ता हुत स्थान गर् ७ करित ग्राथमिक प्रारकात किहूं हर चळाल व, भरतप्र वर्ग करन ले। नदम मुख्य पाविष्य क करकार नदम क क्रम्सल्यामी कांक्र क्रम्साव्य क्रका: मक्र व्य वाह । विविद्यालायायी-मात्र-भटवामिन-भक्ष-म्राल बार अश्वाम के कित व्यवहारकता। ज्ञानाव क्रांत्यूक क्षां, क्यानाव हे रानि बाहा रित्य ममुक्क करा व्हरायक । निराह, अब, दमानाब करन नाम दनना ६०क्ट दामाहे---७ कुल भ**रकः ९ र**ू साख्या।



#### ্চতুৰ সংখ্যুৰ • ংগ্ৰন্থ বাধাই—'২, স্কুই টাকা আবাধা—১৮০ পোণে চুই টাকা

বৃদ্ধিপুণ লাজবাতঃ বারা আড়েক মানবের নিডা হ বে ও অনুষ্ঠাতগামায়ত করবং নিডারিড চইবাছে। এতের আড় উক্তি সনাত্য লাজবাকা বাবে সম্বিত হ প্রমাণত হতগাছে। থেতের, মনের ও আন্তার গল কি হ প্রধান, সমাজ, নীক্তি, বন্ধাক হ তথাকি ব্যবহা ন্যাপ্রসাবে ক্রিন ক্রন্তভাবে বৃদ্ধিনতনারে আলোচ্চত ক্রাছে বে, বিশ্বর সংক্রিন ক্রিন্তভাবে বৃদ্ধিনতনারে আলোচ্চত ক্রাছে বে, বিশ্বর সংক্রিন ক্রিন্তভাবে ব্যক্তিনতনার আলোচ্চত ক্রাছে বিশ্বর তথাকি ব্যবহা নির্ভ্ত তথাকি ব্যবহার না



17

विक्रीय मरक्षत्र १०० व्यास

শ্রীক্ষণ ভোষামী আঞ্ শ্রীণ ব্যুমাথ গোরামী প্রাভূতে উপ্রেশকালে বে সক্ষা কথা বলিংডেন, তাতা এন এছে ভাস্তপথের অস্কুল ও বালিকুল বিচার অভি প্রকারভাতে বিকৃত ভাষাতে। ইতা ভাষা শ্রীশ্রীমন্মভাত্রভূত্র উপাদ্ধ বিকার ও জনবেশ বিশ্বভাবে লিশিবভ হুইয়াছে।

# ৪৪৫ গৌরাব্দের

#### **শচি**

# শ্রীনবদ্বীপ পঞ্জিকা

পারমার্থিক বাজিনাত্রেরই একান্ত প্রয়োজনীয় বিষ্ণারত ও উপনাসাদির তালিক। সম্বলিত বাংলার ঘরে ঘরে বিরাভিত হউক

ভিক্ষা ৯০ আনা মাত্র ১০ ডাক টিকিট পাঠাইলে ডাকে পাঠান হয়।

মহাক্ৰি

জ্ঞাল সোচনদাস টাকুরক্কত জ্রীটেডন্যমঙ্গল

ওঁ বিষ্ণুপাদ শ্রীশ্রীমন্ত কিনিছান্ত সরম্বর্তী গোলামী প্রভূপাদ সম্পানিত দুমিকা; শ্লোকের অবন্ধ, বলাকুনাদ, প্রতি প্রান্তর ও যতের কথা সাল্ল, শব্দুটা, স্থানসূচী, পাত্রস্থাটা, প্রমাণগ্রন্থ, ভালিকা, পল্পচী প্রভূতি বিশ্বভ সূচী সম্বনিত নোল্ড, অক্ষরে ভবল ক্রাউন, আইপেক্সা আকারে ভিট গভের কার্যক্ত ভাপা। ভিজ্ঞা—২০০ টাকা

#### শ্রীহরিনা মচিন্তা মণি

নামানেক। প্রজন থানোনসকেরের মুপে জীগলালা প্রভু জীলাম মাধায়া, লামালান, লামাপরাধ প্রাকৃতি বিষয়ের ; বাবেটার বিচার করণ থারহাছেলেন, এই বিষয়গুলি আনি দ দর্শ প্রবারে সংক্ষিপ্ত আগ্রমহ পরিপাটিভাবে মুদ্ভিত। ইয়েল ভবিশালোদসাকুর-ক্তিত। বম সংক্ষরণ ভিক্ষা ১০ বার আন মুদ্

### বৈষ্ণবসঞ্ধা সমান্কতি

(शास्त्रकोभटकायशङ्)

িনর: — >। ভিজিশালে বাবলত শহাবনীর অব ২।
চাতিগল্পান্তরত নৈকাগণের চবিক, ০। নিক্ষেক্ষবসম্পরিত
লীমন্তির ও চিনিপ্রতের বৈবলে, ৪। বৈক্ষবপ্রত ড প্রবন্ধত সন্তের ভাত্বরা ড নিবলন,। বিধ্যাবশেষের লোভিক ও
শাসীর আক্রেশ্ন যাবতীয় হথা। চারেগত প্রকাশিক ১৯১৮ ) ১ন মণ্ড ৮৮/০, ২য় মণ্ড ৮৮/০, তয় মণ্ড ৮০, ৮০ প্রাস্ত, চারেগত এককে ত, চাকা (ধ্যাধ্যয়ন্ত্র)

#### बी छ ि छ म प छ

্ ১ম বণ্ড ১০ এক টাকা ১য় খণ্ড ১০ টাল --ভীমন্তাগৰতের ও গৌড়ীয়ের প্রাহকগণ ॥০
টাকায় সূইখণ্ড পাইবেন নৈদ্বাচায়। আন্দ্র ব গালামীণাণের গতি হ গ্রহা ইকাই বট্বনাটের আনি ক প্রারোজনীয় অংশ। আহিগও ডবল ক্রিন ৮ কর্ম ৬৪
প্রারোজনীয় বংশ । আহিগও ডবল ক্রিন ৮ কর্ম ৬৪

> শামধ্বাভাগা সঞ্চলিত সদাচারস্মৃতি ভিকাতে শানা মাত্র

# বিজ্ঞাপন

मावधान!

मादशान !!

কে, াব, দভের চোকা শিশি **বাদোম তৈল** আদি ও অজাত্রম এবং উপকারিতার স**নবন্ধ**ন প্রিডিঙ ও বহু প্রশংসিঙ।

আমরা স্বৰস্থারণকে জানাইতেছি, বাদাম তৈল থারদ করিব র সময় শিশির গায়ে ইংরাজী অঞ্চরে জে, বি, দত্ত এও কোম্পানী নাম খোদা দেখিয়া থারদ করিবেন। নঙুবা জ্যাচোরগণ ক্মদ্রের কৃতিম তৈল দিয়া প্রভারণ। কবিবে।

## ফেরাস কুইনিন্

ন্তন এবং পুরাতন মালেরিরার যম

ইহাকে উপ্যুক্ত মাত্রায় আইরন, স্বাইগাইছোক্লোর কুইনিন্ মাসেনিক তাং ইউনিধেন আছে;

্ এই ফেরাস্কুইনিন ছারা ইঞ্চেন্ন ক্রিপে একটি বা গুণটা ইঞ্চেন্দ্রেই সকলপ্রকার কঠিন মা লেভিয়া জার বছ করে এবং ৬ ইইতে ১২টা ইঞ্চেন্দ্রেন মালেগিয়ার সমস্ক উদ্দিশ্য নাম করেয় ফেলে।

> ত প্ৰেল্পলগুৰ প্ৰতি ৰাজ্ম—মূশ। ২০ টাকা, ট্ৰং ৩০ টাকা বাইও-বেল্মিকালে এও ক্লিনিক্যাল লাগবন্ধেটারীতে ২৯১২ নং ভজুবীমল লেন, কলিকভোৱ

গোড়ার বেক্সব-জগতে অভিনৰ এছ !! জ্রীন মাতুর ভাক্ষবিলেয়ের সীতি-এছাবলা :---



পক্টে সাইছ অষ্ট্র সংস্করণ ডিকা /• আন

পেত ও মনের চেছা মানতাবল্প শইরা—ট্রা বথন জীব বৃথিতে পারে, ভখন একমাত্তা নিভাগর্থ শীক্তগবানের প্রতি ইচ্চার কোন জাতার আন্সেমছী প্রাথনা হয় এবং শীক্তগবানে নথাপ্তাকরণে নিজ্পটে কি প্রকারে শরণাপর চুচাতে হয়, ইত্যানি বিষয়ক প্রাণম্পদী প্রাথনা ও আন্ধান সম্পূর্ণক্ষান। উ'ডয়া স্থেবণ্ড প্রকাশিত ক্ট্যাছে

किका व्यक्ति पश्च १० जन माना

্তাসভাজভাত্তকা— ৴৽, নবদীপদঙ্গ--- ৴৽

কল্যাণকপাতক

भटकड जा**रेक** भक्तम जरकत्रन भिक्ता /১०

আমার এতার নৃত্য কভাব ও সামনার বলবার্ত্তা চুইর। পুরংপুরং বে অকলাপের কলাপে বাজ্যা এবং কার এবং হাছার বিকট কলাপ কারক কার, ভিনি যে বিভা বা যথার কলাপ কারকে অসমধ এবং কোনু বন্ধ আমারের নিজা কল্যাপ্রথাতা এবং কি ভাবে আমার সের্হ কল্যাপ্রভাৱে সমূহ কর্মব এই সকল কথা সর্বশ সানে । এথিত। এই বিভিত্তার বাল্যাবকর কলাপের কর্মকর; হান আভোক্তে বিভাক্তারে আহাবে সম্মুখ্য

বিস্তৃত ক্যাটালগের জন্ম নিয়লিখিত ঠিকানার পত্র লিখুন—
ম্যানেজার—গ্রন্থবিভাগ, ক্রীচৈতন্যমঠ, পোঃ শ্রীমারাপুর, ( নদার)

# রাজসভার শুদ্ধভাজমঠ

প্রতিভাগ ম্য

#### আকর মইয়াজ

क्ष हीन गर्बीय, फाकर विधास मारालुन, संनीक्ष

শ্রীমভাবোশ্পীস ভইকে পার ৩০ । গত উত্তর-পূর্বে শীবলপ্রতে আচাণাণত ইচিছ-्ष्यक अन्तास खिद्योदेर एक यह निर्दाणमान

এই প্রায় সাংবস্থান-শীর্থ, পর্বিজ পাঁঠ বা সংস্থান ভব্ন স্থানী। 🗀 হা মহা শীর্ষে স্থানিক सहस्राम् । दाहेकदर्गीत-इत्तमान्नराम् , १ द्विका त सक्षत्रे । काति का सामान्य स्थान अभाग-अगरिश्वत-वीका-द १-४७ में १००० वे अन्तर अन्तर अन्तर अन्तर अन्तर अन्तर अन्तर .silgim-नाक्ष्मकार्न्स्वत कार्न्स्वत कार्याक साम्बन्धाः विकास केर्याक 'नवारकत्र गरिक्क 'अला अर्थत क करहराहर्य । जह प्रश्वारक व्यवस्थ विकास देवस्थिकवान राष्ट्रक স্পার্থতার অব্যাদ্র ও ও প্রার্থন অর্থনার পর্যার্থক বিষ্ণার প্রার্থনার বিষ্ণার প্রার্থনার বিষ্ণার বিষ্ণার महिक्क कर्यात्कतः व्याक्षणस्थतः 截 भागारिकामध्यातः ए अभागात अकाराधि र का द्वार श्राह्म महामार्थियाच मि का वाम महिल्ल हर । वहा मारका विकास-विभाव कि শ্রীবাদ নতং দিলী। সংকারী - স্থাবাদ বিদে দ্বি-রেট এপ বলি, প ও প লিবেদ বোলদাস उक्कारों भावत्रारीय, श्रीमाम नीत्राम तथाता, 'छन विधानतमम सम्माति, প্রিয়াক ননীপোপাল ব্যক্ষাপালায়, প্রিয়াগেন বা এসচা ী প্রান্ত জ্ঞান ।

#### ৩ যোগালীঠ <sup>ট</sup>ামন্ধির

খিনৰাধান্তভাৰ আহিছেৰে ভূমি মহানে শ-भागे। दशान देशहा प्रशास्त्र । व विश्वि रिक्षांत्रक सीटकानसासास्य अन्य अटियानसा ब ट्रीवामाकृत्कत सिक्ता प्राची एवं देशलक-ভাৰে সেৱা বহুমান ৷ বছ ক—্লোক-मानाबत (शाक्षामी क्षेत्रां) या अने के ता-माथ। महकाती दिल्हिलानम् बार मो. शिवानाम बनाउद्यो । बिक्यानाम अनि काती, (मनमवा खें) शतकव्या

#### (8) 🗐 제기 - 이렇게

अभावाशक्त कीछन-विकास वा चित्रोदनीमात दामछनी । दमान शिक्षालीतः बिन्धिक संश्वित कार्या वस्तान বক্ষণ--- ইরিংগজাম এখনারী, ত্রীগর্গুং ভক্ত, আগোড়কৰাৰ বাৰ ছী :

#### (e) अदेष 5-७१व

द्वे द्वारम बिहादेवल शक्त जनम जन्म । ्मन, बक्रदान ।

#### : ৬ : কাজীর সমঃদি প ট

चा तीन पाला पुर, नामन पुरुष (नवीषा) **अ**हस्रोदक्रभाषाळ क्षेत्रामकाची । प्रमास । उक्तक -- अक्तुरही और वटनाम वनाती।

#### ( 이 ) 백취적 절비대 출항

**औरशास**न्य, प्रक्रशशक समीकः । क्षारम देनिकापाम द्याम अकिरिस्तामहाकृत्त्र मधानि छतः औरभोक्षणासक छनः विश्वीतामा-मागर्यक्र ज्या वक्यान

ব্ৰুক—ভ্ৰিকুল্ম **ডাঙ্গা**র ব্ৰহ্মটারী अक्षाका क्षित्री बन, ध्य, बन ।

#### ा ৮ ओक्शकाल दलों हो स मर्ठ 45% \*455 1

हेरियदनन क्रांकल छो नमः छ. ोत. १८ल. तरकारी— टेन्डिफ काम कांक ्यक्तक — श्रीपुर्वशास्त्र वक्तातासी। नाही. औरक्रमा अधनाती अस्ति।

#### · ১) शिट्यात-श्रामत मह

B'mte 3. 725 (15. 1731) 4 ) क्षिण दानार । यद शा कि छ । शांत्रामरमन-

### ১০ , জ্রীরূপ জ্রীভার-মুস

शर १९१**छ. १९६**१५ हेर्चे, रेन रक्ष 🕶 है। धरिनाम अभागती, हैं। तथा(भणद्रा) 47.11

#### --- ब्रिक्ट्रक्ट्रस्य हा अध्या ।

PIBMI'S, SISTA, ASSIGNI ही पांधी पांच र कर उन्हां शनत आग । रक्षक — देश ४ रहारी सकताती । া ১১ ভাগেৰত আক্ৰম ল্লিন্দ্রত প্রা, ক্ষণগ্র, নদীয়া ৷ জ্ঞাৰ •ি দ্বাস্থ এখাননী প্রচাহ-কেত इक्त- व्यवसाय दक्षात्री ।

#### . ১৩ - जी এक शिम मठ

्छ,दा १६।, इत्राधा हो, कुमानवात, समें हा १ण ० --- ह्या भड़ाः लाम अक्कार्य

#### (১৪ : শ্রীনাপর গৌর্ডায় মঠ

৯০নং - বংবপুর ,রাভু, চাকা। भुवान्यक शास्त्र एक्स. इसारम खी छक्र-्योतक गाक्षयः।शदिभद्वत द्वता वस्त्रमञ् 국과 · - 플(소) 다' 수없는 스펙시키 !

#### ( ১৫ : औरगानामा में कश्यात्राच्याः हातः।

গোপাশকীর স্থানিপ্রয়ের প্রচীন সেবা बक्क-- डी थागरगांत अवहादी

#### ( ) बारगोष्ट्रीय मठ

১% नः वाणिक्षशाप ठळावको श्रीते. १९९३ वर्गवश्रामा . कविकास अ .वेलिकान नि. नि. ८५५०

শ্রীষ্ণালা বজর আচারিত সামকাশ ক্ষিণক্ষ-প্রচারেছকেশে গৌদ্ধদেশের সমা প্রধান নগ্ৰী কলিকাসায় প্ৰীণ্ডিগ্ৰন্যে আগনে প্ৰীমঠ প্ৰতিষ্ঠিত আছেন। এই ভল-গত্তবালামে এ এক-বেগাবাল-টাই চলাল-শ ভাউ সপাইলে নিজা সেবিক কন্ম সোধী। অচাধানরের বাবজীর প্রভাবতীর ভাতারেরেরের প্রথম প্রথমে সংলগ্ধ একটা ভর্তৎ স্তা-रशुक्त मरकार् के वहवारकत। अभिनात मुख्य 🌉 शोबनाम व्यक्तवार वाह यहानह टहे. फ 'ट्रबो होत्र' अध्यारिक शक्त कि क्या सि**हे मानिक शक्तिक करताकी काया**र ाँगशभक्त (त. शक्तांभक्त व्यक्ताक्षण) - श्रीभाष्ट्र पात शकी **र्वत, त्र शक्रांग-ठळ्ळ्य-३वरा व.** कीप्रमुख्या । मार्रेष्ठ - ज्ञा- का व नाम नामि - जावा के किया कर माने कारणाहना कर म ः श्रीलाक चन्नक्षतास्त्रत्वत् श्रद्धांत्रष्टाकृष्या विन्तः, जीराम अवस्थानक शर्मात्रकाम विन्तः, 🕶 क्षीलाल त्रमातकाती अञ्चलती, लीलाव क्षमध्यादक प्रामानिकादी विन्त्र, क्षीलाव क्षरभाषाम क्रार्शनकारी, वक्षठादी श्रीकीकेन्यन्त, बच्चजादी श्रीमा।वीद्यावस, बच्चजादी িলীক্ষণনাদ ভারেশক্ষেী ব্যান্ত্রী প্রীধেবকীনক্ষম, পার্থক প্রাণা নবীনস্কুক্ত erationismis always mais i

#### ५७ । ब्लिशनाडे -८ भार 👿 मर्ज ) करिकाक समाहिनी अलग् वर्गात्य

र्वेशम"६-C"रेद्राक्षद 'नाना (सरा

#### .১৭. शिकाशयडङनाजम मर्ज

किकालिक, वाकास्त्रभव, भावनी भागा ũभारमः नी कल-,शांदाकाश्यक्ष क्षेत्राः । বেজক -- জী-বিবাৰজ্ঞা আশ্সা, গোলিখাতীৰ নিজানেৰ সকলান ৷ বজক --दक्रनाभी जीकश्वासमागर्यो । दक्षठानी प्रनासन

#### ১৮ আমলাব্যেতা প্রধারাত্রম

वासर्वात इलाइ वस्त्रभागा

ि • ][गरा । तकक... बक्रतामी स्रोक्षेत्र । tecesa i

#### ు 🗦 श्रीशृक्षस्यात्वय गर्र

Attere, nat, Biggit जनात्म हैंद्रिशीक-विस्तासभाषवकीय सिन्हा-.সাং ব্র্যাল । রক্ত - প্রক্রারী ত্রীপ্র্যা-मन विशाहक, अक्तारी श्रीमहोशनक।

#### (२ •) बीजन-८भोडी स मर्ज

অব্যাসকলপি, প্রস্থাপির লেখাং, প্রাটী | क्रायापार्मर्वत बस्तमत मध्य क्रियाका

ञ्चेभग्रदमक्ती व्यक्तामकी। 780181 ---अक्षाती और प्रमिनिकाती ।

#### (.) श्रेजिकियानम् यह

Bigaramın, Bbe: क्रमाद्रम क्रिक्स- अधिक-विद्नासद्वर्ण-कीत्र निकासना नक्ष्मान। अक्ष्म--अभागती जीननायम्।

#### (२२) 🗐 त्रमाखन-, शोधात्र मर्ठ

नेतर प्रशास्त्रातमभूवा, काला । (भो :- लक्ष्मक् अना धन- लिकाक्षमः श्यात्म (भारत्यका नक्ष्यमः ४११४ — मीजानकीतावकी :

#### ১ ७: **अक्क**देहज्जु अठ

लीनुंगरक्षाम कृष्ण, लामाम वृत्यायन । के के वाधा-तक-द्रमाणनकोड (भवा: এন ক--- ইমগণপত্তিলাৰ প্ৰস্কৃত্যালী

#### (२४) 🗐 श्रुवक्श मठ रेनियशाबना, मोलानुब

हवारन क्रेक्शभवत भात्रनामा व विकार विद्याप विवासकीय दुनमा वस्त्रात ल ती एकरवाताल तीव कामका पातवातीन क्रमण--अकात्रो **त्री**मृगंश्वासम् क अक्राबी लीनक कराम ।

#### २० औदेष्ठक्यादशोक्षीय वर्ष

कृष्णिक का कित्रकृष्ण । भागक्य । क्रम वादे १२४-महत्रत्र सामः। वक्तक--- जीतमः-नाप काव. बारकत्नानक अवर्षः हो। जीवान कीय स्वयादावा

#### (२७) खीगामध्योखीय वर्ष

कुक्राचित्रे, वास्माह, क्याल्। अवस्ति जीक्षिवित्साय-वाद्यक दमना वस्त्रमान्। 144-34613 Burgaun :

#### (२०) जावानभाषा क्रमहास्वन-वर्ड अभिनेपाद्धाः, (पाः शक्तः, स्रवद्धाः

अभारत यह अक्षेत्र्वि श्रारणीवारकत स्था गर्वभाग । १ क्--- अवनागी जीव्यावकृष-मान, औश्रापाहमा अक्षाती।

#### (२৮) विज्ञा दशाकीय मठ---कार्यराज्य

be con cuinta, fin fruit ! प्रक्रम --- अक्राधी - जीवामिकामस्यकः अवकारी की बाधादश्यक्षणम् । हे,

(२३) द्वापानगाकाकानप्राध्यव क्षण-वष्णात्री बोदादादमाका

A CONTRACT MARKET

3)

# চৈতক্সমের শুদ্ধভক্তি গ্রন্থমালা

সুবর্গরুষোগ! সুবর্গ প্রযোগ!! সুবর্গ সুযোগ!! এত্থাকারে খণ্ডে খণ্ডে প্রকাশিত

ওঁ বিষ্ণুপাদ এ এী মত্তকি নিজাত সর্ঘতী সোধানী নহারাজের (गरे व्यक्तिमा-निक्तः मिनी के विश्वयक्तरभारका विनी कृष्ण-काक्षा विमा-पाशिमी को बच्छ ना वीत मूर्छ-नि शह--- देनक विश्वाप्त - रङ्गालात को श्वासमि —সোধাকুত্বগভাতের कृष्ण-कर्ण-रिकृषण कनत्रकृष्ट्य- मल्लामाम् देवछन-বিজ্ঞানগোরের মৌলিক তথ্য-প্রদার ও ভাগপতের সংঘ্রপ্তর -মহাজন-জীবন চরিত-নিঞ্চক---চিদ্বিলাস-চিন্মাত্রংচিন্মাত্র-বিচারক -- এপ্র্যা ও माधुनावरमव स्मोलिक গ্ৰেষণাগার—সম্বন্ধ, অভিষেদ্ধ ও প্রয়োদ্ধ-ভদ্তের भिद्धान्छ-भगूष्ट ।

১। প্রথমখণ্ড—বৈষ্ণবদর্শন, জীওলতত্ত্ব, কালধর্মা, জীমধ্বাবির্ভাক; শীবাবভাননী, পাঞ্চাতিকী দীক্ষা ও বর্ণ বিচার, আত্মধর্ম ও মনোধর্মা, জ্বীটেট্ড ফ্লেব ও ভাঁচার শিক্ষা, অপ্রাক্ত সংগ্রন্থ প্রাকৃত সহল-ধর্ম, ত্রীপাদ ঈশরপুরী, শ্রীল রসিকানন-প্রায়স, পুতিমার্গ প্রভৃতি বিংশ্তি সংখ্যক রক্তে জনোভিত। ভিক্রা মাত্র ৮০ বার আলা।

২। বিভায় খণ্ড-শুকা ও শিকা ভক্তি,মমুখোন শ্রেষ্ঠভা কোধায়, আল্লার নিতারতি, জীধর স্বামিপাদ ও মাহাবাদ, জীগৌর নিত্যানন্দ-প্রসন্ম, ত্রিচুগের ধর্ম ও কুস্ফকীত্র, জীব্যাসপূকায় জীমন্তাগবতের কীর্ত্তন, শ্রীগোরণাথের মহিমা, মহাপ্রসাদ, শ্রীগোরিন্দ, শ্রীরপামুগভঞ্জন-পথ, শ্রীমতী বুনভাতুত দিনা, জাতিত হথের দয়া, গোরণ রুণা ও কৃষ্ণসন্ধীর্তন— एकुकिन अश्वतिमाधुर्वन्वक्ष्णः विष्ट्रविष्ट्रविष्ट्राः जिला ३. वक्ष ऐका शाखाः প্রথম ও विक्रीय-कृते चछ একতে हाईला जिला ১॥० (पर् हें का. ডাক খরচ সভস্ন।

প্রাপ্তি ছান: – গ্রন্থবিভাগ— শ্রীটেডেক্সমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

# দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

প্ৰৱ িৰে সন্পূৰ্ণ আৱোগা

কোনী লেখাইতে হচনে। অভিন লাগের গরচ (বাজনা এবং আমার) लाहै।हेटल शिक्षा ताली दमधा कर कलता दानात्व का नित्य दलायी दार्थिका खेरत (मध्या व्या व्याद्यांशा मा बंधा भग वा भारतामा मा विद्या करेटन मार्थ शरीत द्यान्तरत्व अन्त बद्दन कृतिया हि किएमा कवा क्या विकादिक িবলপের জন্ত তকে আনার ভাক টিকেট গ্রুলিয় উপানার সঞ্জন্মান

প্রিক তীপচন্দ্র উকীল, হন্ধা-ভিত্তিবস্থ, পোঃ লৈকাসী, সবিশাসা। व्यथनः निम्न ठिकानाम माकार कृतिमा विद्यात्रिक मानिएक भारतम ।

প্রীযুক্ত রামব্যোপাল দত্ত তম, এ, ক্লঞ্চনগ্র, নদীয়া। স্থীযুক্ত কাংপদ

विहर, ১১৭, दर्शनवादनिका श्रीते, राजदण्यामा, कासकाखा ।

একখানি পত্র! স্মার লাইপুর গছ হয় মাস মাবং হাল ফলার कृशिया मुहलाम व्हारीवर, कामकाडाब विक्क विविध्यक्त्रम कार्यं জীবনের আলা ভাগে কলিয়া ক্রা স্থাক্তর অভা অবেক্ষা করিলে। চলেন এই নগৰ প্ৰায়ত কি শুল্পৰ নাকল মহাপার মাজ ১০ দিন চিকিৎসা करित मन्त्रपूर्व का लिशा करिया निधारकार (आह.) जीत नेस करणांव भाग कोशूजी ( अधिमान भानिमा ) वन् श्रीहे, निके विकित्। करानाहत्रान गार्थिः जिनावित्यके, क्लिकारा।

**	जामदा शकान	10	44	· <b>ত্রিল প্রেভু</b> পাদের বস্তু	ভাৰগ
> 1	জিসমাংগণভাষ,শমগ্র	••	<b>\</b>	( 🕶 ) প্ৰাথম ৭৩	, U, 1.1 h
	के (३४३५ ४५)				•
	ले (म्यम् पर्यः)				>#
	eneralle sk-regie				
, હ પત્ર્યું	( कर्च मरक्षत्र )	€.	•	( बहु दुर्शवास )	•
•1	<b>ब्रिटेड्डडान</b> रड			। मिडास्थर्भः	<b>→</b>
. •	(ুবিয়াট বিজীগ সংকরণ)	) e.	.   03	ं दीश-ावश्र वन≈ ं	•/
8.1	নীড়া ( শ্ৰীৰদক্ষেৰ-টাঞা-স	₹) <b>ર</b> ,	.   8+	। ७(क्शकुरकड	•
	<b>ই</b> ন্ডা ( জীচক্রব <b>টি</b> -টাকা-স			(নব্যাপ পরিক্রমা)	<b>.</b> ∕.
• 1	દે <del>ષા</del> ગ <b>ા</b> ષ	٤,		। শীভ্যালা	か
11	हिक्सिका करानोत्रकः न	HFWI	84	· 中町打雪中間電台 (可申以 內代等)	・・・ ・ハ・ハ・
	HIW }			ं नंदश्वीश्वकृष्ट	- 1, 7 6
<b>F1</b>	नोकोप-चक्रस			1 <b>नगा</b> ठावचु:खः	).
21 3	<b>নীচৈড্ড শিকারত (</b> বাধা				ر ر
, ,	हेटल नवदीन			। (अभ्रष्टिकिक्षक)	1
55 I d	विकास अस्तान कर्			: শরণাগডি	١.
	<b>টা</b> নগৰীপ শ <b>ভক্ষ</b> ্ (বাধা	) >,	85	। वैकारमी	/•
24 1 E	ইমন্তাঞ্জ শিকঃ ( বীণ	1) >	82	ं त्या हो स्थाउ विकास	, ,
	के (भारतमा)			। সাংখাবাৰ	).
3 1 °C	वक्ष्यक्षा-न्याम् 🕏		251	<b>अ</b> थ् <i>र्</i> क क	/•
·	व्यवम हातिषक )	۶,	4 + 1	শ্ৰীভ'ক্তনিত্ব'স্তৰানী	1
	হৈ জনাম চিকামণি	41	1	· -	,; •
e ( " #	क्षोणभाष-अक्षमाना	41.	(Fr	বনাগরাক্তরে প্রকা	
• 1 6	भागकरका । <del>संदर</del>	<b>M</b> •	48 I	गिष्ठास-महत्रकात्री-'मश्रिमसः	. 75
91 6	प्रयायम्ब ( कृष्टीय मरकदर	) h•		স্ভীক শিক্ষাধশ্যুগ্ৰ	•••
<b>*</b>   <b>*</b>	<b>联升电影</b>		1451		
<b>a</b> i <b>4</b>	ভার (কৰণ যাথ্য-ভাত্		47.	में दिहार भावनाम् स	
• i C*	।।प्रामी अपूनाच गाम ( वैःव	u ) *•	(	সাম্বাদ শিক্ষাইক্ষ্	•∕•
<b>३। ना</b>	ध <b>ण्यक्रमाया ( वै।व</b> । )			গোড়ীর মতক প্রিচরঃ	J.
।। 🖏	রিভজিকল্পাতিক। সাহযু	1 <b>4 h</b> -	1	রজী ভাষার প্রকা	
	राक्षक्षमात्र महसूराण		901		
•	।:भक्षकोषः)	••	1	नाहेक् इसक जिल्लोम् भव	j•
0'K <b>49</b>		**		न्त्रीटेशक महा शह	
	क्षीय-दशासर	100	! • <b>** !</b>	देवभावीक्षम्	1•
_	क्रीक्ष-गा(कक्ष	₩.	1	नि काशवद्यः नि काशवद्यः	1•
	सम्बद्धः ( <b>७३<sup>०</sup> मः६</b> ३१ )	14.	;	টারাটিক তিল্লিপ্ল সায় <b>ও</b>	1•
	।मश्रदी माष्ट्रपात	10	}		
	क्षानकी स जात्रासातमञ्जूष		<b>46</b> ;	चारमगरहरू विस्त्रामस कारमण्डल कारोकाल स्टब्स	
	শাপনিষ্ক ( বৃশক্ষের ও মা			्राप्ताहे त्याकोवधत क्ष्या कुटे: 	
	धार विद्वश्चि । प्रश्नश्च म	₹) 1•		ড়িয়া অকরে প্রকা	শিত
	नवरी नका राज्यक	'●	•• 1	mark harter (h. @ latted	t-
	अधिन कामानिक्षम्। वर्गः	ţ•	49	asilia alian	ţ•
ry r 🖎	••	٠.	10br	•	•
	ে ঐ ু ভ্রমাণ্যত	•		শ্বীন্তাৰলী	٠,5
ा मस	रोगवाय-माशायाः	ا ول	9+1	बद्रगामि	/ 4

# ৫০ বংসরের পরীক্ষিত কয়েকটী মহেশ্যধ—

ৰ।বহারকারীরা শুণে মুগ্ন চইয়া বে সমস্ত প্রাশংসা পজ দান করিয়াছেন, ভাবা া শ ক্রিণে বড় বড় পুতক চইয়া পড়ে। আপনিও ব্যবহার করিয়া বস্তু বউন ।

- ১। চক্তপ্রভা বটীকা—হহার নামটাও বেমন কামণ সেই রকম। ইবা ন্তন ও পুরাতন মেব, মৃত্রকৃত্ব, অর্গ প্রভৃতি এবং প্রীলোক্দিগের স্থতিকা বাাহাম, খেত এবং রক্তপ্রদার প্রভৃতি বোগে আত ক্লপ্রান।
- ২ । স্থাবিজ্ঞায় বটিকা-মাদকত্তবাবিশীন অত্যবস্থ নিজাবিধায়ক ঔষণ। বে কোন দৈছিক ও মানসিক লীড়াবশতা অনিজারোগে এই ঔষণ বাবধারে গাচ নিজা হইবে।
- ত। মণ্ডুর বৃত্তিকা—ইলা সেবনে প্লীলা ও ভদস্পলিক নেবা ও শলীর পাপুর
  ছইরা বাওঘা ইভ্যাদি বিদ্বিত কইয়া রক্ত পরিকার ও বৃদ্ধি প্রাপ্ত কয়।

केक किम अवादात आकाक खेवरमत मूना अहि कोहा ५- हाकः।

আধিয়ান:—আতক্ষনিপ্ৰাহ উক্সপ্ৰাচনত্ত্ৰ ২১৪নং বছবাখান দ্বীট, কলিছাডা।

# बैनवदौर्यधाममाश्या वमार पर विका ।

ব্রীচৈড্য মহাপ্রজুর বিহার ও শীলাভূমি নরট হীপ-সন্থেত। এই নর থীপের প্রাচীন বিষয়ণ----রাত্যেক থীপে শীমকাপ্রাভূত শীলা---প্রত্যেক থীপের পরিচর, ব্রীধাম-গ্রাক্তা---ধামাপরাথ কি গু ইন্ড্যাটি বিষয় বিশেষভাবে মনোহও ওকে ব্রীভঃ। প্রধান স্থানির প্রায় ১৬০ পূচা।

## প্রীনবলীপ ভাবতরদ ভিদা

উজ্জল ব্রোজনার কালাডে উত্তর কাগতে চাপা---জীনব শিশাৰ ধর্ণনে ভাবৃত ব্যাসকারীর কি ব্যাসার ভাবের উজ্জাস হয়, ভাষা এই প্রচে বাণিড। আড চমৎকার।

সাধকক ঠমণি—শ্রীবক্ষর নানা, শ্রীণাটণতন, শ্রীক্ষের অংটাত্তর শতনাম ও শ্রীণ নরোত্তম ঠাকুরের প্রকর্তনামত প্রনিত্তাকর প্রকর্তনামত প্রনিত্তাকর প্রকর্তনামত প্রনিত্তাকর প্রকর্তনামত প্রক্রিক বিশ্ব স্থানিক বি

## কবিরাজ শশিভূষণ ক্বিকণ্ঠাভরণের

# प्रविधित का किया

মক:খলের অ'বৰার জন্ত ৬ আঃ শিলিতে মনীভূত অবস্থার ভোটবোতলের গ্মণরিমাণ উষ্য ভাকে পাঠান হর, ইকাতে উষ্ধের কোন প্রিবর্তন করা হয় নাই। মূল্য প্রতি শিশি ৪০ আনা, পঠিট ৪৮০ আনা, বোভন ১৮০ আনা।

অফিস–১১নং উল্টাডালা রোড, পোঃ শ্যামবাজায়,' কলিকাতা

# মদন মঞ্জরী

व्यक्तिश्व एवं क वांकृतिकात, देखियमकित हान, व्यक्तित क्रम्भाव, वश्यकत, शवारपादा, तुम वक् व्यक्तिय, व्यक्तित व्यकृति व्यक्त मध्य विर्वश्य व्यक्तिया वृद्ध । वन, वीदी, राष्ट्री दृष्टि क्रिटक व्यक्तिय हेनिक। मुना ०० वहें २, अक होक)।

প্ৰতৃৎ সক্ষান্তি ছাত্ৰ পুলবহাৰি বাবে বাহুৱাৰে বাহা বাবেলা ভাষা বভিল্লা কৰে। বুলা ২ ছোলা ২, টালা। প্ৰক্ৰমপ্ৰিকাতিন্দী ন্যতিকা? গাঁগায়ৰ কৰক মছোলগড়ি ছাটা ও বৃছি ব্যৱহুত বভালগা। বুলা ১০ বটা ২, এক টাবা। ছাত্ৰবৈছ আক্ষান্তপাত্ৰী, ক্ষেণ্ণব্যক্ষী ২ ১৭৭বা ছাহিলন লেড, কলিকাড়া।

## शरेद्धामिन

বা

#### কোষরদ্ধি রোগ

ডাঃ এস্, এম্, খোষ বিলঃ অংগ্র, খাৰক্ষীবদের গাালাটি বিলা বৈছাভিত কাণাণাড়ে কোষবৃদ্ধি রোগ আহরাগা ক্ষিয়া থাকেন।

> डिकाना---अम् नर कडेन डीडे, वद्याबाड, कर्मकाका ।

# ১। প্লায়ত

निचल्या मनार्व मरशेष । > बाजाव केलन्य, नुबाहर व्यादशामा । व्याक्र ५० नात माना, वह २० माना । मानुश शृतका

### २। 🦠 अकाष्टार्या महावनी शास्त्राह

প্রামেল ও কাজভাজের একমান্ত মটোবর । মূল। ১ ডিবা ১:০ জালা। স্থা পুণক্:

৩। সন্ন্যাসী-প্রদত্ত অর্শরোগের অব্যর্থ আইনি আপোগা না ১ইলে মুলা ১৯০২। মূলা ১৮ মানা। - মাতন পুনত্ত।

৪। কোন্ত-বান্ধাব শীল অলীৰ্ণ, গেটফালা, পেটবেদনার মহোষণ। ডিগা ৪০ আমা। মাওল পুৰক্।

৫। বাভল'ন

বারংরাগের ম্কোপকারী ও সম্বাংক আন্ধোর। আমি বিশিক্ত আন্ধার্থ মাজ্য পুণক্ষ

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তুতকারক। সদ্ধা দ্যাটাদশের আ পর শিক্ষ।

व्याल्यान-गरनारमञ्ज (लवरक्रेक्री

পো: উরারী, কমলাপুর, চাকা,

# মনোযোহন প্রেস

পূর্বা-বালালায় তুলতে সকলপ্রকার ছাপার কর বিষয়ত বৈদ্যুতিক ছোলিলে দিবারাত্র কাজ চলিচ্ছেতে বিষয় থানিতে হইলে নিম টিকানায় প্র লিপুন ম্যানেজার—মনোমোহন প্রেস্ ১০শং শ্বাবপুর, ঢাকা।

### মরা মাতৃষ বাঁচাইবার উপায়

বলিও অভালি কাছত বনা মান্তব্য বিভাইনাত জ্যোক্ত বনা নাজ্যৰ বিভাইনাত জোকা বিষয় আনিছিল কৰি আনিছিল কৰিছিল আন্তৰ্ভ কৰিছিল আন্তৰ্ভ কৰিছিল আন্তৰ্ভ বনা কৰিছা কৰিছিল আন্তৰ্ভ বনা কৰিছা কৰিছিল আন্তৰ্ভ কৰিছা আ

লোল জলেক-ডাঃ ডি, ডি, হা**লরা**।

> ক্ষতেপুর, গার্ডেনরিচ পোট, ভালিভারর উপানা স্পাই ভবিষা লিখিরেট



"ঐশেষ" টেলি— নবৰাণ

প্রাভিনারে হার প্রাভিনারে প্রাভিকান ১ প্রাভিকান ১ প্রাভিকান ১ বিভিন্ন হার



ी त्राका∵मध्य कार -त्राम

11:11:4 6.

1 CANTHE : No

o.7.4

खर्डि २५४ ( <sub>१</sub>१

ভারতের পক্ষতে সভস-প্রচার-শনীরা ভেলার রক্তাত মুখাগুত্র

**७४ ४०**] मन्तानक—श्रीचाङीन्त्राथ वरन्ताशाक्षायाय, त्यनाच्याप्रणाहि । ७५म मध्या

**জাল্ডেডপামন প্রালাম মারাক্তর ১রা বৈশার রুগরার ১০০৮, ১৮ট এলির, ১৯০১** 

# নানা কথা

বিক্ষোয়ক আইনানুগায়ী **ক্ষুণের ছাত্র অ**ভিযুক্ত

क्रमानन कर १६, मृत्या की विदेशन व्यवस्था किरान कर व्यवस्था किराहण व्यवस्था कर व्यवस्था किराहण व्यवस्था कर व्यवस्था किराहण व्यवस्था कर व्यवस्था किराहण व्यवस्था कर व्यवस्य कर व्यवस्था कर व्यवस्था कर व्यवस्था कर व्यवस्था कर व्यवस्था कर

# ৰয়কটের শ্বিন্থ

ল্যাকাসায়ারের গ্রব্ছা

शाकी-भावकेंद्रेन हुकित यहन गावहन गावहत्व वस्त्र वानगात्री एक भारता है द्वां क करेंद्रकृष्ट, ब्रक्ट भारता हिन्द भारते हिन्द मकाशकि कि: ब्रक्टिंग कर्क हिन्दि करिता हिल्ला । भारता शाकागात्राहत्व वस्त्र वानगारी अधिक मकाशास्त्र कि: भन दश वंगत

কিনি বংশন, ভাগর করিয়া আনা
ংশল যে, গাাজাসাগ্রারের বানগানীদের
অবস্থায় উল্লাক কয় নাট—ভারতবর্ষ
কইংক মামসাধ স্প্রেল কোন বেশ্ব
অবস্থাকা বাহিতেতে না

मिः त्या चारक वरणम, रमण्डाण क्यिष्टित मुकास करणकार मन्द्र राजाः-दक्षम त्या, वानमारस्य चनमा भूकारणका मक्य क्षेत्रारक, क्षाप्रतक यानगावील आर्क व्यावस्थितक क्षालावस्थारका, वसकरणका करणावस्था स्थान भाव मान, प्रमुद्ध क्षा व्यावस्थान

# लाक्षात्राश्वत पूर्वा

ক্লফনগর এ, ভি, ফুলের ছাত্র অভিযুক্ত

# করাচী কংগ্রেলের অয়বায়

তজরাট বিভাপীঠে মহাত্ম গারীর বাফু ।।

# নিখিল বঙ্গ গহিলা কংগ্ৰোস

চি.কিংসক সম্মেলন, ডাঃ গীব্যাল সভাপতি

# ভীধান নায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফি.ট উট্" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যাল

(थाना इरेशादर।

তাহিত ও আদেশভারিত শিক্ষণান্দ ছার্নিনালেই আচি মাজের সহিত শিক্ষা প্রদান করিনেটোন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিশা লাহে ফুন্দর লাস্থানের বন্দোরগুহংখাছে। স্থান অভীব স্মাধ্য দর।

> সনিস্তার ন বাদের হল নিস্নলিধিঙ ঠিকানা পত্র লিখুন। সেক্টোরী, ভাকুর ভঙি বিশোদ ইন্টিভিড্ শ্রীচেত্ত্যমঠ, পোঃ শ্রীমামাপুর, নদায়া।

कताही कर्दशासन व्यास-नास ५० सम्बद्धात है। काल हिमत हैव ह

ক্রেডী ক্রেন্স ন্যুসর ক্রিন্থার ক্রেন্স এবং ব্যাহার্য কর্ড ক্রের্ডে ডিয়াকারের মেটোর্টি কিয়ার ক্রের্য় ক্রেন্ড

401-14- - 240.000

37: 11 -- 2 . 0 . 0 . 0

ा हत्या ३२ हेल, अवाद शाय

ંરેક ચેંધ

11(No 513)-54 54 5411;

37 10 B . 2 41

14->• 5-4 4. 4 21: 24. 29

Aftile 6-4->• 6-1

अयोद ज्याप २५०४ मन

কিসাবো লগা বান, আছে ১২০,০০০ গালাল এক পাইসাতে ওলাধ্যে আছিলিক এক দশক সংগ্ৰহ আহিবলৈ লগু গান্ত ক্ষাক স্থান্তিক আহিবলৈল লগু গোলাকিক স্থান্ত্ৰীয় সংখ্যা ৪,০০০ কাৰ্যাল

কারেরের মেট আর ক্রয়েছিল বিচাত, তেওঁ টাকা ইকার মধ্যে ট্রা বারণ পর্ভাগ গৈনাকে প্ত, ০০৪, টাকা তিং ০০০ কালার ক্রটেড ৮০,০০০, টাকা বিহার বিবাধা আলা করা ব্যার।

গ'লাল কোনাৰ কানাৰ বিভাগ জাল কংগ্ৰেদ কাষ্ট্ৰিক চয়ক্তেত ভাকাল কাৰ্য্যাহিচ

নিচ সোকত আলী বড়সাটের স**হিত সাক্ষাৎ** গঠনৰ এলিশ মি**ং সৌকত আলী** বহল টেই সংহৈত সা**ক্ষাৎ ক্ষিয়াহিলেও** ।

#### গুজরাট বিল্যাপীটে মহাত্মা গার্কার বজ্ঞা

लाम ३५७ क्षांतिका भवान प्रशास प्रशास रेनकारती के इका नार्किक छेलानि निकाली राष्ट्रीय कांन्द्रनम्ब इस्स हास्स्कृतस्य शर्भपूर भाषी। श्रमाधीनव आश्रम अवस् ministrated t

अकारत रह शिल्ले श्रामान अकिना द्भाग करक शकास है। एक किरासक अनुनाम् अस्ति क्रिके प्राप्ति प्रमान কার্যাল, ইয়েক হাকা ব্যাপ্ত ব্রী এক रमान्त्राण भारती भटन्ति कुल लाम अञ्ची उम्र कार्या 智·行政内 电压力 图 《西州·广安 刘阳·首侯 (智·尔-म र का दशकात्मा ।

লাগিছ হৈ তেওঁ কাটেল পাৰ সভ প্ৰ erigh 5 an breen Enter big. करतम अवश एकं अधार के स्था स्थापन 4: \*\*\* 1

#### গামীজী, বজ্ঞ।

कार्यकात्र संभी । सक्रमा कर्यक्र means for a manual process with the BURREN AT HE KAR I FREE HE F at the excited At t 数 t leget affice ৰ করে।

कारकात प्रकास की स्वतंत्र धर्वक Frank grand to built by Cartin a hotel with the fire Company of the second of the company of the company

Blesti - Ter Leteller, New Lite Ph. 1 c ( 1 ;

कार बर राम् भी सामीय रिकारमण with a country of the sites of marting and 'कुरार, क' राज्य दर्दर, करकारों है का राख क्षेत्रक का केश्व लगा का भाग अन्तर CATHLE MILLS STORE WHITE TOO ATECH \*\* (1,

To signe may not getting. 64 M (ned 20) 26 j 28 32-1-श्राफ्री करा अवस्ता निवा प्रतास दमर्भाव १८९७ - ज ५ ९ उस , अरब ८५ कार्य पुर दिस्तात करिस्तार काम कर् erra i

#### ष्टाची नार्षित जाला

may green or with the contract of the te कार्या करि अध्यक्ति एक देव कि एक er in entire money to a refere भारत्य मा १६ म्हाँबिक 🐯 १७६६ व्हेन्स ह বিষয় ব্যাক সংখ্যাত লাক্তি আন্ট্রীয় মতে 🛊 हैका काक्षा पर्धा प्रदेश मन्ति, क्षांकृति राखा कर मुना व्यक्ति संस्तृति है कि है

আ-শ্লের পিরছে, প্রকৃতিক গড়ি । । निधरण, कार यहें दश (पन खारी मारेश त्यः स्त भागानी मध्याम भावतः भीवतः 🤺 आत्म नहोति वहत्ता (भण क्या विशेषातिका। भ'न'त्रत था गामा का निक्ष बहाक बाउ छ ्नमा रचन क्षारित्य।

#### ৩০ কোটা লোধের স্বর্গজ

LENGTH SERVING TO BEEN MILE

: . : म २० ूक कि वर्तन वार्तन । meriods ato him, attendence 20 4 4 4 4 4 5 3 4 4 4 4 4 4 2 3 4 4 4 4 4 4 करात्र केंद्र संदर्भ किन्द्रा भागान , errer en eter mierterin fein ein 68741

#### काश भी भागम

है। सर्वात राज्या देश है। विश्वताल अकारक a letter of a livery began it against were statements the fit has a fitter where extra the end of the state 1.04 5

かまつとり ヤココー かいり かっかげ रा स्ट्रांड भारता समाम करता THE REPORT OF THE PARTY OF THE PARTY. किर्क **भ्रत्या ...** भा व, ४६८ वस्त्र । マルル 出いい よういま 7倍 1カルカ まむ 11分。 TORE WITH CONFINE PER Less within exist to be not men. \* \* P ( ( ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( )

\* T# # 1:5"

#### এলন টেইলে কাছত সভা

कार पर ने दें हैं। तथा देशक विश्व के स्थार है emin mile aftering acres just in the city of it and seemice to confidence कर्न हर है। त है दिल्लाच अस रमाञ्चलकु संदर्भारतक शास्त्राती शाद्ध जन्न । केन्द्रवी है भागित काइए संस्ति केच आहे हत्यान रक्षा विश्वत्य अभागमन्त्रज्ञातः । १५८५ (१४२) सत् ११८ (१५ ४८) । अस्य सङ्कारी कारण का नत करू । १६७ कावण व्यक्तियाचा देशीनकाम माझारा मिल्डाका । 1,30 839 604 19 - 51 (4 kg . ) तो क घाट रावक अञ्चल्लिन जुरुष ' जरवान पाटका पाटकाक मा । क्षा वाणिक शिंक कार्किया, वाब विश्वत প্রান্ত তি প্রবাদ আন সালেন বিভার বার বিশ্বর অন্ত প্রশ্রেষ্ট **পুরু প্রতিক্ষ ক্রম**্

कावान गणक खान हारिना गरकार कर्टरग--- गामः व्याप्तीरमञ्ज्ञ भागीत्मकः अपन्त । द्वार दोन्न मधः भागः, नामः नादाञ्चनः होस्यानः বিত্ৰ আনি বলিষাভি, দৈব আমানের জিম্ব রাছ, রাছমি লং দিন্দু নাত্রিব কার जाम क स्थाइक (नम् ६ स्थम, महावाक নাও কর্মে পাবে . যাধা ভাষার সভা । কুমার শৈক্ষেপ্ত রক্ষা ধের লাভাছর । প্রভাতি বিশের সভাগ এছ সভার আগম্ম

#### ু ভূই হাজার টাকার গছন। চরি

ह, नि. .तमकाश्च कार्क भी**वक** काकाची काहस वालन, एका प्रत ेत्राक्यांत कडेलाया वास्**टेटक श**क ুৰু গাল লাহিংকৈ এই কালাৰ টাকা মুংলাৰ ा राज्यसम् हो। विश्वास्त्र । जाकीव কাজে। প্রতিবাধ পুরুষ আগমানের সাধ্যতিক পাক্ষা মাণ্ডেকে নাত্র meine: etet. & Eng ninge \$85.87 b 1

#### ি খিল নঙ্গ মহিল। কংগ্ৰেস

डार मान्यार ८२ 🕶 रामा मीत 🕾 ी अ कि भूग । असे अविका अक्टबार्यन अभागीका त्राह्म सन् हत्का आहे आहे हुनन्ति estimate herr nonested a ेशको अरशोकनी नदरकु <mark>प्रका</mark>त ३ ंग नेदा विकाद किया खर्जा **त्राह्य पुण**ेश करण LOUIS CONTRACTOR STATES TELL OF BESTON OF THEE MIN ्राप्त भारत है से एक के प्रश्ना करा। बहुत है।

#### কংলোগ ও লাংশনার ভারিম

each whose is a series ্ম মতিল লাভাত নিত্ত কৰি আন্তঃ কৰা আহিছিল আইন্তঃ আন্তঃ কিছিল সম্পাদ আন্তঃ কিছি afig feit estice i ni tier তংগেদ আনেগাই এটার স্মত্ শালি 22 7 Ed. 1116 4-20 12/00 144 ६ जर्म स्टम्स कर्माल्यामा असम् १६८६ ।

कालानी स्टब्स क्षिम स्टब्स करो करका अक्तिको किर्दारण क्योंदिक्य विशेषी किरोक्षक कालमारी क्यांका करोति क्यांत इ. इम राजा खा खाल्याची काली था बटा ।

#### भाषितास देगग्रमण दश्यत्र

ग्र ३०० को धान मा भिनास अवनन े ए० थिल ६६६म हत्यास्त्र भी वाचा नाचा

भगगात्मत काकनानी विभाग महत्व धतन्त्रक ब्वेट्डर्ड ; ७८४ मुडिक

িরাছ দৌদিগকে সমুচিত্র শিকা

क्षकाम (य. शर्छ नारमञ्जू विक्रि হলাপ করি শ পাবে ? देशव যাতা সমাচৰত কটকাছিল। রাজা জিলীক প্রাদশগুলিতে কোন গোদ্ধেপ নাই। एरव बनत्व करे (य. क्षेट्र क्रिकेटिनक मरम व्यम्ताय (मच। विश्वरेष ।

> **৮**डे जिल्ला कार्तिल क्रांक नहेता (य जाराक ''व्याकत्रन' कक्षित्र्य याता किवशिक्षण. ८१ छात वार्छात मानमध्य गर**ाम भिक्षा की होटक किशाहेश। आग**र ###ILE 1

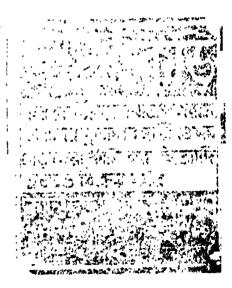
#### চিকিৎসক সম্মেলন ডাঃ জীবরাজ সভাপতি

(नाश: रवत एवः की नश्क अम. ুষ্টা নিবিল ভারত চিকিৎসক সংখ্যগনের সভাপতি নির্ব্যাচিত ভইল্লাডেন भुनोस कारे अहुष्राच कडें(वर्ड शह्यक्टनक া থিলীয় ও ভালীয় দিনে বিজ্ঞান বিশ্বস্থ शानक लाम कता कडेटन । दमनीम खेबरमम क्रकोरे श्रामनेती छ त्यामा क्रहेरव ।

: 5 किरमा शियरम आस**ीम शर**व-मन्। तद, विकिथमा विकास निकार, शाक्सीप धारामक चामरल क विस्माल कृतिह व्यक्ति । क्रम्य भागम माला कारण विकिर्मा कालक्षा विकारम काम्रजीय किरान ই লাগৰ লানা বিষয়ে জাস্তাৰ উপ म्(प्राण्टन क्रिय्रायम कन, कहेंट्रा ।

#### ু নারালসীতে জাতীয় সপ্তাহ करशकती निभूभ अनगर्भा

क्षार्थ के रहा होता । कहा के के के ८८८ रण्याः <u>ज</u>हार सम्बद्धः वादर्शयी सहस्र 难·cnix 为1.6kg 下LWish 斯製圖等 काशक के अभाष्याद छिला। कहा सांदरक र (१) हु हु । अहमा अहमाताह साहित निश्र करण का मार्थित है श्रिपद्यांता । लागी का गानम, अयुक्त तुशकासुधमात ही पुष्ट १ दर जा छ। । शक्क मनाव आकृष्टि न अल्लो अहितानाम करा शहर व अविधाय ◆理・型。4号 張 ☆ 季ぎ)やCstst ↓



### সময়ের সার্থকভা

चकि देनमतकारम क्षम रविनेन भिष्कक महाभग अभद्यक वान्यहात्र शबद्ध উপদেশ ক্রিয়াভিলেন, তথন ''সময অমূল্যধন" কথাটার অর্থ ব্রিছে পারি नाहे। क्रांट्स वटमायुषित गटक गटक बुविबाहिनाम. नमग्रहे मध्मातिक উत्राप्ति त्यांशान । कीवरनत्र नकामाधरन स्ट्याटनत श्चर्यश्वाता हानिया, ममत्र व्यक्ति अन्तर्वरश (कांन अवाना त्रत्म हिनदा यात्र, चार में क माधा गोधनाइफ खोड्ड भूनद्रागमन स्य मा। (महेमछहे व्याधिक উव्रक्तिकामी चाधुनिक सश्रष्टत मनीति-**कृत्मात खेशरमणः** श्राह्मभशत सम्बद्ध व्यवित्र वार्यमुख्याम नी विशासान । व्यर्गाद সময়ের স্থাবহার (१) থারা ভোগ প্রিপুরক ধনের অভিকারী হও। অর্থ ই धीवरनत हत्रम खार्मधन, আত এব मध्यदक काञ्चानग्र-नारक्षत (अंह जिलाग्र-জ্ঞানে ভাহার অভিযুকে অর্থে পরিণত কর। অর্থনীতিজ্ঞাণ বলেন, গে দাতি বাদেশ যত অৱসময়ে অনিক অৰ্থ সংগ্রহ করিতে পারেন, সেই ভাতি বা দেশ ওওটা উর্ভি ও সভাতার অনিকারী।

व्याचिक कल्याच्या लाइहायाम निकाद्यतः। कक धनमः अब कादश क्योंग कर्य गर्नड কিছ সময়ম্যিক পুণিতীর व्यविवासमी व्यवनी इजगानत वर्ष নীতির সহিত যদি আমর৷ গোরগ্রেষ্ঠ আচার্যাপ্রবন্ধের শ্রীমুখবিগলিত, অমুলা-ক্তমানু ক পরমার্থনীতির **有型规** আলোচনা করি, তবে দেখিতে গাইব **्य, व्यास्कृष्ट की** यत बनर्यु ध्रम खार होन মৃহুত্তকে নিভাগন প্রাধির নিগৃত সাথক-ভাষ নিয়োঞ্ডি করাই তাঁহার অপুর व्यर्थनी जित्र केल्ला । कात्र । व्यानहाना পরিশ্রমান্তর, প্রাণ্পেক। প্রিয়তর ধন-वानिक यानवट्क मिक्टवटश ब्राविटक गा **দান্তি প্রদান করিতে** বা মৃত্যুতীতি ষ্ট্রেড আন করিছে পারে না। পরস্ক অশান্তির মাতা জেখণ: ৰ্দ্ধিত হয়। ইহার দৃঠান্ত অরূপ উন্বিংশ मछाकीत ८७३ धमवान् तथम् ठावेल्एउत खीवनाटच्या कत्रम कारियो जायात्मत श्रारकार यादनाचा विषय।

ं अबूट्लंख भुकु। सं क्यान करन हर्हे छ यनि केकात्रहें भा शांक्या त्यम, एत्य या धामारस्त्र त्याग छेनकारत गानिरत ? লাভ ক্রিয়াছি ভাষা কি ভবু ভোগালু- ক্ষেত্র বিণর-লোলুপ চিত্তবৃত্তিকে ছবি-

#### खाळा अकटही लाटको जन्म ७१

## নিত্যপাঠ্য বৈকৃষ্ঠবার্তাবহ

বেদাদি সমস্ত সাম্বত-শান্তের অকৃত্রিম ব্যাখ্যাতা সমগ্র ভারতে একমাত্র মূলভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

জ্ঞাম মারাপয় ১রা বৈশাখ, বুংবার—১৩১৮

भक्षारतन दात्रा अक्यारनत्र हतम वार्थ-ভাই বরণ করিবে ।---মা প্রতিটি মুহুর্ত क्षणी तथत कीवन व्यामात्मक व्यनस्य कीवन লাভের বছুভাচরণ করিবে ভাই নিশ্ববাদী দক্ষকেই সময়রূপী Pated শুভ-স্থানাধ-প্রেনাছকে প্রমার্থের প্রম-পূর্বভার পরিণত করিবার জন্ত প্রমাধ-विष् देवकवाहारी खबत ना वियोद्दिम---

"েশ্রমা পুম্থো মহান্" ''লক্ষা মুচুর্যুভিনিদং বহুসভবাতে माञ्चाभर्यभगनिकामशीक भीतः। ভূণঃ মডেভ ন পডেদ্যুমুড্যু যাবৎ

्य कविनचंत्र मुक्काल् क्षेत्रा एकद्वा । निर्माचन विस्तुयस् अक्षणाः (एस)का অপ্রেন করিতে পারে না, জীবনাস্তেও যে অক্ষা রয়রাশির স্বাদেশিয়া ্ভিচ্নের প্রেচন্ক কিন্ন্য বন্ধত दिश् ७ ४८ एक इम्रामा, कानिए। मानव-নের লাভ করিয়া আদি কেন নেই প্রকার रेबकुन्धरमव व्यक्तिकाती इंडेएक छात्र **्टर है। इंटिक मन्द्रोटक भन्नमार्श्विमाल**ी

च्यांची करणावश्वा कांच्य कतिहर इंडेट्व । 🖯 ''ন্যুত্ত প্ৰমাণ''নীতির একমতে প্রচারক <sup>চ</sup>ব্শব্দী চইচ। অনেক স এ টাভকপাদপ**রের** নিংলেয়েবিটি যদি চভক্রণণও ভ আমানেরহ याङ्टल्ल काश्रदे कामारमञ्जू शत्रम । खारमा-

सन-चन्न केंद्रीयहरकत्र नामनग्र-रानाः

প্রোধির ওভ সঞ্চাবনী। তথন আর বৃথা বিষয়কোলাইলে কণ भिया व्यर्भ मध्य नहें कतिएं व्यद्धि इद्देश ! ना । इष्टक लाङ्गालक भोन्नव्याष्ट्रम्बादन চালনা করিছে অঞ্চি হুলিবে। নাদা অপ্রের ম্লাব্লার (৪) বস্তুত कांत्र कृषः भगातविरमत भगतम ভिन्न क्यात হয়ভিয় আকাজ্ঞা করিবে না। ভিহনা বৈক্ৰোফিট মহামহাপ্ৰসাদ বাতীত ইতৱ वञ्ज बायापान बाढ ध्रेश गगायत्र व्यन-আলু স্মরের পরিণতিখন্ত্রপ—পুলর ধ্নিই বাবহার করিবে না –স্পর্শেক্সির নিজিঞ্ন कृरेकक नतः। माधूनराय 🕮 हत्रनरत्र प्रधा আনিলা বে স্থ্যালপী অনুধা মানব জীবন অপর স্প্রের ক্ষেন। করিবে না। সভত

विषय-स्थाप अभवसम् कतिया वित्रस्य শ্রীমুকুল্যেবার নিযুক্ত প্রে ভীবিত কালের মতে প্রত্ন ভীবিতোত্তর কালের ও চরম সংখ্রাভাগ

"আসজি-র'হত विषयमभूक सकति मान्त " "जी: तिस्त्रतात्र ्डि! सञ्जूत्य "विषय" काल्या उत्राहित इस ुक्ता" ---ক্লান্স্থৰ-বিভাগে ও দ'তা আভাগ্য দেবের এই নিখিল ডিং'ছ - স্তুন সাংলের প্রম চমংকারিভার মত্ম মাধ্রণী ভাগে-क्य'दक्त ( ५८१) कुल ना (काश तमी भानु নিংলেরসায় বিষয়: ধরু সক্তে: ছাং।। - বেলিগ্রয় চয় না 19 (4

त्र स्पता एपोन्स्या-गल्पापरम धेकाष्ट्रिक · 7; [7] ভান প্রতিটি পল অসংল প্রায় · 27 . मुद्रवृत्ति इंडेबा काराओं कारण्ड ला इलानस প্রেম না ক্ষাকে গ ভোগৰুদ্ধি প্রায়ে, ভামনা tetta i 72 6 म्हन् अ আমারা ভিবে ধারণ করিছে পারি তবে । <sub>সমরী</sub>রুক্ত। সংস্কৃত সংগ্রের সমহার ৰুঝিৰ, তুক্ত অপত আপতি মনোৱম বিলাপ স্থাৰহাৰ নাৰইলৈ সকাদেৱ ধ্য বিষয় সন্ধানে যে অসমূল্য সময় চা চা বি কি প্রকারে । বৈধনগণানের ইংলে বিবাদ দৃষ্টি লাভ করেছে পরিবাধ অনের बाह्यगृश्वरत्त्व शृक्षांक छन्छन्यस्य **्हे (शुक्रशाय अर्थ अमग्रम कांत्रा** ৰুঝিতে পারিব গে, একমাথ ভণবংসেবাহ निरुवाहिए (श्रु दे । शब्द न लड़ी गया गता भता क्तिएंड भएतम, व्यक्त मध्तम ্লন্য্ৰহাধ কাল্য উল্লেখ্য

#### জ্ঞীচভক্তমতে ভাগনত শিক্ষা

जिमा किए। या में विकास अधिन ভীর্থ মহারাজ প্রভাই অপরাতে নিগমিত-ভাবে লীটেবজমঠে ভাগৰত ব্ৰী শিলা **প্রদান করিতেছেন। জন্ম**র্ণাগর উপস্থিতি। মহিমার •গাল বেশা নাম

# श्रीहरिनाम-दन्त्रना

( এপুরে। সংখ্যের (সনী দেখী )

ভাগৰত পালে জানি নাম মহিমার ধনি ভুলনায় মানি প্রাথা। ७७ दर्श कुननांग्र মহা অপ্রাধ্ হয় মাধু শঙ্গ ফুকারিয়া কয়। নাম বংগ প্রাপ্তি रम्हे एक १७५% মেই সৰ নাম কছু নয়। মাজ নাম অংলাধ তে কারণে ভক্তিবাধ कुष्ट कि भी देश द्विना ॥ তে বাংগরমণ রাম - তে বাংরণে স্থাম নাম

লাল ৬ছা ১রো বাল লার 🖟 'कृति'। मिकि'शुन्त श्रमः को स्वकृतिया **(अध्यस**स কেবায় ক্রিয় উচ্চস্ত ৮ পাপ ভয় দূব হৈল গৰ পারে চলি ভোল প্ৰথম্ভ হৈছা যে কাৰণ্য द्रकाराभ छन-छग हे कि स्व अधि नय क्षा पत्रक भौरत्य हैका क्या । সেলেনিশ হৈলে গরে। কান্য। গারিত করে। क छ न। छ " प्रटाट भारत जाय ॥

হিছবা যোৱ বে'লে সুস্থ সার

নামাচান, ছবিব'ৰ,ডি,ডি মেৰৈ মোছ-পাল ' লেই মেটো উই নামাপ্র। करम भाषक अग की नव योगमभूप िन'भरका अन्य भाउरा ॥ अन्ति क व धरि । शृष्टि क इन दल्लि হ'বুট্যু হ' ই নির্ভুর্ मा भएक पुनिवादी अधि। क्ष बाहि पहि ভব<sup>ি</sup>ত্ৰ গৰান্ত অপুৰিয়া

হরিনাম তেলাধরি राज्यालय भारतस्य का पानी । শুর ভাগেবভাগ পান লোকে কৰে কেনে ধৰি দ दुनक् हैं। मानाम মক্তা এনের ধাষ િ કો દક્ષ બૂલ મૃજી ઉત્તા ভাগাবান মারা য় অভ িয়া নাহি ভাষ करन इस्थ भारत्रत संक्ष्य ॥ স্বকাশনি ভাত্রণ গুদ্ধাম ডাম্ব কৈল সাধ্য নামাপ্রয় ভ'জ গভি ' এবদেবী না ভিঞ্চি' कामाद्राम । (य मात्राद्रमान ॥ সভিস্মিটেরতে মুক্তি প্রাধ্যেত সাতে উল্লি भाग, एडिस्ट्रें करहे एकामलीहरू সদা নাম প্রাক गुण के हरे। अ ब्राह्म B雪村雪春 春.(4)。4

कापि (१० मश्वा · 4. 23418 म्हाराष्ट्र भएक भक्ष । जारू याजा सम्रक्ष

ক নি' যে ব দশ অপরাধ। নিরমূর নাচ রঞ আমার রগনা সংগ্র ভবে নাশ অবিছা। প্রমাদ ॥ মোর অনিভা-পীড়িত বিহনে অভিশয় ভিডো প্রভাবে ঈশর-বিধানীর সেই ছগৈব एटिक सन छुड़े खश्चत । প্রাম্য কথা আলাপনে ভালমন্দ প্রজন্ম তিটিও লফণ ছারা ঈশ্বরবিশ্বানীর জীতাগ্যের भवीनराम भूपः शीरक (छात्र ॥ (क्रिस्ता) না খেবিল নিভাপতি সদা ভেক কোলাহল সার। লা কতিত্ব সামি সাধ্য কালে একাকার॥ মাম গার্মা ভভ্রর সর্ববোৰ কেমকর ভূমি। **७ मि मक्स एरगामब** মধু হৈছে মধুময় তুমি অভিলাভা নাম নামী # মহিমা কি কব মুই হয়ে কৃষ্ণ নাম ভট ग्रामाग गुरु गञ्जाल । মহাত্রদু গৌরহরি কলিহতখীৰ হেনি' महामञ्च क शिका । अष्ठात । भकानकि भवनिन कांच्य एक्टरम छाराहिल ेता सरकार अवस्ता वक्र अनेवत स्हेस আমি অপরানী ছরচে ব 🛭 विम्युज्या ना इस्थ अस्त्रिया ना एकन देवरा ध्यम निष्मण कीव छ त। শ্বনেতে তুণ্ধরি गरेमरक जार्थना करि নাম ভূমি কলগালাং ব। আত্মাবিন্দু দান করি' মনকে শ্যিষ্য হরি । বিভূচিত পাকিছাও নাত্তিকার এনতীন पर हिंदेश क्षमस्य साभात ॥ মহামন্ত্র হরিনাম উটেচঃ হরে অনির্মে

ছেন নাম প্রত্তুমি পতিত পাহঙী আমি ি গৈড়াল তপদ্বী বক্ধান্মিকগণের কবলে ্তিত হট্যার আকাজন উম্বন-বিশ্বানীর मध्ये। देनार श्रकत्रं-दिशाटक छेशाएनत কবলে পতিত হইদেও ঈশ্বরে নিখাস-व्यक्तिलार अञ्चित्र शहेशा यात्र । एदे भगाउ প্রিচয় শ্রেপ হওয়া ধার।

> ঈশ্বনবিধানা ভাবে নে জুর্লানা উপস্থিত হুইল প্রমাস্তী হয়, ওকারা মানবণ্ণ প্রতি পলে वाक्षिण । मानव श्रेशत विश्वागरीनातकाट्यहे নামাভির নামী ! নাভিকাব'দ বা ম্যোবাদ, ভাগিবাদ বা োড়তি জন্মল আহিয়া অভিনয় শুভত্তর থিতে ক্রিটা মুস্টাকে আয়ুচননের পণে ! कहेता गाँव। एक्स अन्तर्भ-विद्यम्भा-ता कि हु । दुर्गार । क्षिति । लि. १६ व है है। অস্তের প্রশ্য দিয়া সভেবে, সাধুর अटकम-माभएन डार्डो दश । किटलाद सर्थन-সকল শেকৰ স্থেপিটে প্ৰক্ষাপ্ত আগতে सन्ध अन्दिन नाष्ट्रका, दल्हें अकान भाष्टिकश्रेण भारत साक्ष्महारा। केश्रत ि हा। ं नत्कानि वार्ष्ट चाष्ट्राध्यम वार्षः।

> > मध्य इ.स. ०१७ वृतिस्थ २,५५७ বিচাৰে পিতৃথ থাক। — নাতিকত ব আবাংম করা আনিব ছাভায়েগর পাল্য স্কেছ ুলাইয় ভাগেতিক ধানতীয় ৬০রাশিখাবা । इंडाक्षा

প্রতর্থ ভগ্রহল্প ছারা সোভাশ্য ুলাভ এবং ভদভাবে ভুডাগে আভ হত্য গাই লেন পুনঃ গুনঃ 🖟 গাকে 🕽

# শ্ৰীশীনবছীপধাস প্ৰচাৱিণী সভাৱ অধিবেশন-বিবরণী

( 20 1

#### भिः उत्राष्ट्रेजिर

স্তুপারিকেউর একটা মিল্ল ওয়াট বিশ্ব ইন্রেন্ডার ভিন্নোপাল জাউর মতের বুভন মন্দির गर्छत अञ्चलकार्यक भागा खकात द्यति । अप्रान्त एवः किष्ठ्रांत्रम शुरुष हैं, डी, नवर्रकान-न, कम्छात অপ্তথ্য मुल्लातक डेप्लान अञ्चल बच्चा लागालागाय भारमानदर्भ पुरुष जीहिन् च्यापदनम् व्यन्ति व म्(काभनीन ८४(मारायात कर्णा स्वरं कृतिमा ইম্মান্টাজান্ব প্রচায়িত মতের জাতি উৰ্থতা প্ৰদৰ্শন কৰিয়াভেন। উঁচাম প্রচারিণ সভা একগু ভাগাকে মাপ্ত-বিক গভাবাদ জ্ঞাপন ক্ষরিতেভেন।

नमीतात हाजकभागतिशन

অনাদিরঞ্জন বস্তু ভিট্রীক্ট কালেন্ট্রর প্রীয়ুক্ত তারানাথ গুপু শ্রীগাম-মাহাপুর ভীচৈতভাষঠের সভাপ্রচারে নিরপেশভা শ্রদর্শন এবং প্রকাস বিভাগের সার্কেল हैनएक हो व वायमाद्य न जीव के वृद्धिन नाव যোগ: রারবাহাতর উট্ডেক মতীশচন্দ্র मङ्भनात डि. ७म्, नि मट्यामग्रदग्र কে'ল্মীপ-প্রিক্সাক্টেল শাভির্মার বিধান করায শ্রীনাম প্রারিনাদ্ভা कैंकि मिश्रक श्लेषांम उपलब कित्रिक्राहरा

#### গোরাণার্কাদ-প্রদান

মাংপর সভাগতিকার শ্রীনীল আছু-পাদ নিম্নণিখিত জৌরপ্রিয় সেবাছ্টাত্-গণকৈ কাঁছাদের বিভিন্ন সেবা শ্বীকার कावसा निमालितिका'(जीतानीकाल" कृत्य বিভাতি করেন-

मिनाफ्टरवत बुदात बाग्छन बाद्धि ता स्थाद्ध व जीवन विश्व भाषाप्रत नाय स्था, ल, लाफ भरकाम्य जिल्ला लाठा विजेशकाल স্ক্রাণক হতে বেধাছনিছাল বৈল্লা-লিবকৰ মালোৰ জাতি যে অহুৰাণ তাৰেশ্ব क निवास्ति में, प्राप्ति हैं। हा १८ (जिल्लाशाच्या "**द्वासम्ख्यान्**यान्" केलाहर J. + (a) # 4 . 477 1

ম্বলেক্লিবানা মহাম ও সংক্ৰি ছাক मानिक [ल्.डम.लक्यानास्त्र ल् वायान् । न ०० বি এল অবর্গল নিটেন্ডান্সমত ল ওচেন্ডাক্রাত্রক व्यक्तियाल का विकास का विकास के न শিকা আ, দিউ কার্য প্রার্থ কার্য ८७२ । द्वार प्रतिवयमस्त्रम द्वा हिन्दिनकम महामान लाजान मद्रानगाम है। स्थ द्याचीतनम्बर (दभोताद्या 🚓 ६३ व 🕫 द्रा अधिकार सम् श्रामान करियान ।

छ । कार भारतगर्भ कम । तुलाहम् व भावतिन कानी अपूज विदाय हमाध्य एम अहा भग लाकि वरमन ए किन्द्रारात है भागने प्रकारण প্রাকাশ এবং আগ্রাম মাধ্যপ্রের স্বাস্থ্যের दश खनभाषि निष्याग, उत्तर 🚉 भाषा-হা ওড়া হ', আট, রেল ওয়ের পুলিব | বেণ্ডায়মসে বিভিন্ন হাবে আত্মবুলা, ঢাকা িন্দান ভাড়তি দেনৈভিয়ে কাল্যাধ্নীয় भारत भागाति । जारत करावर शराबा के बना (मश्राहर ५ रहन) है। सम्बद्ध कियोग का लह ভাগকে ভক্তিভ্ৰণ'----ংহ राणदानीकाम-नार्य मध्यिक कतिरयन ।

अन्का निन्धी भेगुड क्रिक्सनाथ मुर्लालानाम भटानम है।देठ ७ श्रुवीलात नाम शक्त श्रीम युक्तवाकत श्रीमाटिय सब-ियौरमान मन्मिरतत अविश्वारण अगण्यम করিছা দে এয়ার ভারে প্রহণ করাম এবং জ্রিনাম প্রিক্রমাকালে ও ডাকা ই মাধ্য নদায়ার ভিঠান্ত মন্তিষ্টেট মি: টি, িপৌতীয়মটের দেবায় বিভিন্নভাবে আছ নির্গতির সমর্থ ১ সেই জন্ধ বঞ্জিক বঞ্চক ও ১ জি, রায় ; নদীয়ার এন্. ডি, ও ইন্টিক বিশ্বর করাম জ্ঞীনামপ্রচারিত্রীসভা কর্তৃক

'क्का किन' दहे शोत्रानीसीव मारव বিভূষিত হইলেন।

শ্রীগুক্ত মণীশ্রচন্ত্র আচার্য্য শ্রীহরি-शक्त-रेनक्षव रगनाय क्रिकेविशाबाचा नाना-विष देनशुगा जानर्गन कर्ताच क्रवर जिट्नीकी মঠেব পারম:থিক প্রেশনীতে পরমার্থ-श्रीत विक्रमण नियक क्याप शिक्षक প্রচারিণীসভা তাঁহাকে 'কলাংকাবিল' उनामि खमानं कत्रितन्त ।

# উপাধি-পত্ৰমালা

শ্রী ীমারাপুরচজ্যো বিপরতেত্যামূ

ত্রীনীনবরীপ নমপ্রচারিণ্যাঃ সভারাঃ শ্ৰী লগেরাশীকাদপত্রম্ त'अधेटरा कुमाताश जीमाक भन्नभिमान । जात्त्रामान्य वरक्षाम् तात्रालमा आसीत्र छ ॥ ता अभारत व देएकानः जासमदेखानना मिटन । धाम 20 । तिथी मान्नश्न**णामकाम भीमटक ।** मक्षक्षक्ष हाटन अक्षक्षनांविनानिद्यः। ८तमा वितिष्यः देवछम्।देविश्वहेक्ष्यम्। इ धाम लाः विक्षिताभवनदेखाम् मा अमीष्ठाकः। 'डे" नामाक 'त्यसाकृत्रमा देखि विक्रान्तम् ॥ গ্ৰহাপুৰ ভট্ড ছীলব্দী**গন্তলে পছে।** উচ্মণ প্রেলাম হপুল্যযোগলী**ে ভিন্ন ঃ** পান : বহুওলা ওপাকাদেছিল BETER!

ফার্নপূর্নিনায়াং শ্রীগোরাবি**ভাব-বাসরে ঃ** 

খা: ) আঙলিগৈছাৰসমূহতী **সভাপতি** 

क्षीतिमाग्राप्ताहरका विश्ववरक्षण्याव 🏝 🗐 नवशैलवामध्यकातिनाः मञ्चाषाः শ্ৰাপ্ৰান্ত্ৰান্ত্ৰান্ত্ৰান্ত্ৰ क्षिरेत एक महामा का का का का का विकास कर कि ভানিলভাষরানুত্র সম্পাদশভাবিতম । প্রচারয়তি স্কাল্মন্ আয়ায় ইত্যুপনাম্ভঃ भि, उन अध्य भूटकाइट्यो नावायनः সভাং মতঃ 🖠

भाग शह तिमान्मरमदेखा खेला खेला है। 'গোরাজিন রেণু'রিভোডছপাধিভূষণং মূলা গঙ্গাপুৰাভটম্ব<sup>©</sup>নিব্ৰীপ**ন্ধল পৰে**। व्यवाद्याश्वत्रधामक्ष्युद्यारवाननीरिकेश्वरव श পক্ষেত্ৰপ্ৰভাগত শাকাপেছপিন

क्षांवर । का सम्भूषिमामाः औरशोत्राधिकां वशामात्र इ ্বা: ) শ্রীভজিনিদ্বাভগরৰ গ্রী **সভাপতি** 

# मोडागा उ इर्डागा

র্মনায় পুর-কু আমার।

साल गाम व'जन अकत ॥

नाम महिमात कन

েভজিন∦ শ্রীণার রাধাতরণ ণেপামী. ভজিশাকী ৷

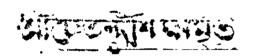
करुमा ६ सेचप्र-निचामहे (में और धार লক্ষণ তদভাবে ভভাগা উপ্ভিত হয়। ঈশ্বর বিখানহীন সুকি অস্তা বৃদ্ধি। অবস্থা রম্বাধন বেরূপ হিডাছিত কর্বরান কটব্য বিবেচনবৈহিত অগ্যক্ষপ্রাল মণ্ডু নেই প্রেকার ইব্রতিরাম্থীন ভুড়াগালের 學可跨灣門 不 6 1

क्रेमत्रविदानी नद्व७६विर। क्षेत्रका ख्या बहुएक. ७ श्रेट्याम. विश्वामभन्नावणः महिल्हि सहरत कीलन शालन कतिया छक्त-एश्नीरनत जला जान ক্ষরা হায়, হোজাগ্যবান ঈশ্রতিশ্বতি গে ভেত্তের অফুপ্রাণিত। ঈশ্বর্গিশানিগ্র मन्त्रपर्यात्ता विश्व शास्त्रिया माधु अयाधु

#### कांचानिकट्यामहोत्क्य विक्षिक ভাক্ত গ্রেম্বলী



· **औरणन्यन्य-- अ**मह्मिनिध्नान जान्द्रवन काषण--केश्रांक क्रोरवंत नर्रद्रास्य, क्रायन्त मुल्लि मध्य, मिला छ क्षिप्रिक्ष कर्या. शिक्षरेष - निष्य स व्यवस्थातन १ एक. सार्थित -शिक्षणाक क्रिक्षण क्षण । खात्र अयान, देवान न नवी अयवन विकास अर्खन चक्रम, मरकामामनाव मकिष्ठ भाषका, मात्राष्ट्रच, देनवी-कांकि कु कथाकारका दक्ता, इमहायस्य, अदेव करानी कह **कालक कार्याः जीत्यत बद्धाः छ। ५० मृत्यः, दे कार्युर्द्धः।** व्यक्तिका अधिकत अभिकाती-१४कात, कन्छ न कक्किलारनत माध्यक्षा, माञ्चलका खटेनभावनका, Cate क्रमानीमा, क्रमान अक ना काशाब व्यक्तीफ-८७४, क्रेनिश्रद्युका व स्थीव-To work except, managers are a winces aren. . . met-**यात्र क्षत्र के (त्यो क्षय), मिक्किवजार, मीक्कि, देव**ी के कांगालहा ें किंक, मध्यप्रधान, यम स्टबर बानकानी, भारकीयहर, प्रमुद क्षत्र, कोकाद्धाराच द्वाकाक प्रशासन प्राप्त व्यक्तिक प्रशासन निश्रृष्ट मण्डावणी च क नवसभागाः करवालकवनक त ता १-किन्द्र क्षण्डातक । एक व्यान्य के अञ्चल प्रत काल सर्व न निर्दात ावभाषिक बारक सामक्क, इस अक्काल व महलद्र शाहित कर उ শরম গুড় অধিবলক এই এপ সবল ক অন্নত্মশালী এই তেপ্যাত্ত ■भाग र देश नग । कि अल्दलाचन्त्री-नाक्ष-भटना कि २०१०-काश कर शहाबुर पनिष्ठ हरशाहरता। व्यादात छविन्छर प्रको, कथानाद स अपनि भाग ित्यम ममुक कत्, प्रकार का बि पर, यह, ज्यालाब करन लाम दन्त्र, एतकुट देश्याक---5 6 4 75 4. 4 - VILL 1



#### • इक्टब अः छत्। ्रिकाता योषाके-- २, पूर्व काकः व्याचामा--:५० (भोर्य छटे छाका

बुक्तिभून नाळवाका बारा अध्याक मानदाव हराया ক্ষাৰা ও আনত। সামায়ত কলবা নিজানিত ভইবাছে। बारक त्यां के देंकि मनाक्षत माश्चताका वाना महाचे के क MATTER BERTED | ANCOR. HOLE & MINTE HE TO P चरमण, मकाक, नीकि, बाड कि र अधामि विश्व माक्ष्मार and gravity dissisted the file of अवक नराक्ष कराव कावक काउड़ा १०० मा छ। यात्र मा अस्तिका निवृक्ष क सक्षा वाक ला।



#### विक्षीय मरकदम । 🗸 • व्याना

শ্রীক্ষণ জোষামী আৰু শ্রীল ব্যুমাণ গোষামী প্রায় ক केन(इनकारंग द्व मक्त क्या वागः १८६न, भारा का शहर क्षाक्रमश्यम अध्यम् व शाब्किम विठाय माउ श्रूक्तप्राह: lage seetes : Sel ein: Baufangie de HS निकार के केलांक्ष्म विकास कार का निकास कर माटक ।

#### ৪৪৫ গৌরাব্দের **দ**চিত্র

श्रातमा अन सा लगात् बत्र र तका ५ अत्राजनीय নিস্থান্ত ও উপবলের্নির ভাবেকা নথবিও बारक्षात घात भारत निवर्णाण के के

#### ভিন্দ। ১০ খালা ঘাত্র

**১০ ডাক টি**কিট প.্ৰাইলে ডাকে পাচান হয়।

#### প্রাপ্ত বেশালনাদ সভাকুরকাল दे। ८ उ छ गार अल

ওঁ বিমুখপাদ উন্নিমন্ত জিলিছাত সংগ্ৰহ द्भावाम अएमार मन्या मर कृष्णकः; द्वादकः আছা, বজালুলাল প্রতি প্রস্তের ও সভের এখা **माज्ञः सक्**षम्होः कासमुद्रीः ११<u>. ७</u>६। असार्पश्रह ভালিকা, প্রসূচী এড়াঁড বিশ্বত সূচী সর'েড লোভে, কলভে চন্য জ্ঞাতীন, আটোগোলা আগা। क्रिके महत्वद्भ काषाहरू छ। भाग । जिल्ला--- व्याप्त है जा

#### <u> আইরিলাম্টিরমেণি</u>

भाषा स्था । या वात्रकार हराव Estra a et al. + fut + sa + + 1 fust f min it found mor wirely Med more a time winder his ities in gris क्रीम अपने (मान) क्रिक्ट (मध्ये 114 M - 4 W

### বৈফ্ৰমঞ্ষা সমাকৃতি

( म कर्भाः, भावत्य )

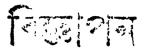
িয়প :-- ১। ত্রিশালে বাবক । শহারীর অর্থ १९ गुल्लाकाट्यत द्राप्तकातातालात करी अ. धा रिव्युट (अवश्वासी Trace in in by which he is. भद्रकत्र तर्थः सम्बन्धः कित्रमञ्जूषः । वैत्रपः । राजस्य १ प्रमा । सम MYATE MICH ACH RELATE CHILL TEND MICH estite in the boye, or the hole by his he, he

### ঐভিত্তি ক্ৰমণ্ড ভ

९ छ ।८ • . । । दशक च ० । व ० . ११ । वस शक वदह

अब चल ३८ अक होका - ग्रंचल ३८ है। क ----**टी। भर्कापन्टरत ७ (घोड़ा दाउ आ**पन्याम .॥ **है कि जिल्हा कुरू वेख अपने देव कर अपने अपने कि के व** भाषाभोज्यस्य ब्रिक छान्। हराह बहुदर छ। अहे । আরোজনীয় কংশা। আভিস্তু ওবল কর্ডন ল যুমায় সং शिक्षा का कारत सु क्षेत्र कहर १८७४ ।

#### 副四次 1日1711 网络阿巴 সদানারস্থাতঃ किया , • भाग माज



বাহর'ন

#### न त्याम ग

:समि नाकाता **टक्का** 。 医对抗性治疗病,只能阴解 ए अन्दिशिष्ट ।

व्यागनः सत्तरः। १९० कानावर्**हत्। सामाम** रेक्टन भारत कर्तिक है मन्य मिलित शास्त्र करहाकी word in it, he say comit maint .প্ৰিয়া আচদ কালিবনা ভতুৰা <mark>জ্যা.চোরগণ</mark> ক্ষাদ্রের কু ভ্রম এতথা দিয়া প্রতির করিবের

#### क्टिन क्ट्रायन

ন্তল তাশ প্রাতন মা'লোগিলার যম

er, r is for a will be trad, afficiently 京新的第三人称形式 医多生精神性多点致缺

बर अन्तर र कु किस घरता राज्य से के बिटन अपन्ति イ な 節 - 製合い ぎ おまいけい(きょない) - { 町 編の 海豚 कर्र रत्य ७ व्हाइट उपने १८७५। र स्थादर्श क्षांक्र स्थापक word or other lights

घरान्य अर श्रेष्ट नावा-स्वाव साथ हेर क्**षावा** iter in antic en income citalistichen -... \*\* @#Fil ... . \*\* /######

্ডাট বেকাৰ জনাইছ কা প্ৰদ্ৰ কৰে ব্ৰ it by etriffications him-instants...



भारका नावित

्तर के बरसर १६०० क्षांत्र नरमण्ड महेश----वर्षः यशस्य करिय 我们们的复数 电电子电阻 化二甲酚 医二甲酚 医阿斯特氏畸虫 网络斯 ৰ । কামহী প্ৰাথমা হয় এবং 11. 5 LAIR # 5 " 医前头 医山口科特别克尔氏病 化对对对应 "哪一会"并让他一点发现了对象 र १९ कर के स्थाप के रेजिंग र जा र क्लामी क्यां कर के **व्यक्ति** where it wish a service of the control and the

THE PROPERTY OF THE ST

्याः का क्षेत्रका का माना । अन्दान्तामा क**ा** ४०

**नदक्छ आहे**ख 門頭 不可以

FATHER JOSE

धका १५०० करा १८५४ - स्थानस्य १ के व्यक्तिक सिक्षा सम्प्राप्त

বিস্তৃত ক্যাটালগের জন্ম নিয়ালখিত চিকানায় প্রালসুন— गातिकात-धन्विकांग, बेटि ७नामर, ८गाः विभाताधूत, ( ननात्र )

# বিধাবেফাব রাজসভার গুদ্ধভাজিমচসমূহ

শ্রীতৈত্ত্যু মস

(১) এই নাভীয় মঠ

.छालेटभान नि. नि. ८५६

নগ্ৰী কলিকাছায় বিভিন্নি নেয়ে আসনে প্ৰীম্ম প্ৰতিষ্ক্তিৰ আন্তম। এই জ্বাক

अक्टा (Cu निकार (शानाक स्थातानका निकार मिला (माविक क्या । दर्शाचीक

अ b शामार्थन । । शेव প্রস্থাননীর ও bbitg:(জ/अ সীমেটে সংলপ্ত একটা ওপুরুৎ গুরু:-

यक्षां च अवका १५ वटकाटका । श्राण होते अकात आधानमात्र आहासाचे अहे नश्चानक

रण र किति मिलारिक अल, जि. अञ्चलके प्राणिक शक्तिक शक्तिक अलाहिक

「一」、ストロノイ、イタに内のはアイのをハイ、「野北方があって前時です。 対象管(4)-5/32年に編集1世。

The gerine. Bitte en biebeig eite-eint 9 ednite nach mitmibat ben

পালে। তাইকজন-- মান্তি এক স্থাপিত ক্ষাবিদারী গৈ**ও**-চ্যব্ত । মতকারী --প্রিছ

শ্ববিদ্যালয় বাজালয় প্ৰবিভালে বিভার প্রীপাধ প্রশ্ববিদ্যালয় প্রতি**সাবিদ্যাল কি এ** 

क्षीलाल राजावराती उक्तनारी. सी तम अगाउकातम अमानिकाती विन्तः खीलाम

अपटा १९१७ मारापिकारी, अपटादी सीकी क्यांतक, **इक्कारी सीकारी आश्रास**, **उक्कारी** 

विक्रियम्बल काञ्चलको, दक्षा । योदनक्कीन्त्रम, शास्त्रक अंत्राह स्वीनक्का

विभागका - जिल्ल । शहरीत विभागक अधिकाल- शहरद्वारावरण (शायकारण महास्थान

১৯ वर कारिन्द्रामान ठकताकी शिवे. त्यां: वाधवालांबे. कांमका कान

আকর মট্রাল क्ष हीन नवबील, खाकलत सिंधाय एवरल्य, समीवा

ि แอกทางกัน becre หรือ 🌼 🔫 हे ยัง-पुरस १... अभाव र साह राहर है छिन -

मुक्ट-- नटल ओटिहेन न अप्र विश्वास्थाल !

रहे पान भा जर-नीर, पदांतक भीर ना राख र कका खरी। अह शहा नीर्ल हैं। हार लाभ्याक्ष्य कार्त नरमात्रिकत्वत अध्यक्ष्य भावति स्वास अध्यक्षिक कार्याः व हिकः अरुद्धानः, सम अवित्र - मिल्ली श्राप्त श्री करू के न पार न अकुर (क्षेत्र अमासम् । ६ आला अतः लिल्ला करण स्थाप प्रशासक नाम का का का किर्मार कर । सं भाषा के अध्यामार्थिक का का में कार प्रशास का प्रशास रेनुबारबन्न , रेट के 'लावर ,सर्निक बरदानक्षण । कहें महरादाक भारभाभ के देशनिक र राज्य र करुप्ततार र कार्यका भाग के प्रजाति । शाक्षता कि शाक्षत राह्म । स्वाक में यक्ष पर ार्कित करण रहता । ए किसरमञ्जू क्षिमामाणीरक्रित श्रष्ट स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः । हे क में काम करता करें। अने कारों के देशियां निर्देश में किया है अपने के स्थापन का अप ভক্ত । স্থান্ত্র্তীয় ইংগাদ নীকেল একপার, পা**ত ।** ইংগাল্ডন রাজনার, ন ्रास्त्र अमेर्डान्स्यान् वर्षम् शुर्भाष्ट्रस्य स्थाप्तान् स्थाप्तान् । अस्य अस्य स्थाप्तान् ।

#### ् ७ : (सार्शनीह विवस्तित

Cr Bin Bergereibiet Gen 4 ्रियार काल : कार्रिका क्लीम संरात्ताता wild batte Einmit wiel im Beffich feren & Fire congres and Ellism श्री १६१क्रांकर के विकास मन्द्रिक छन। स्थालक with the applied the membella-भाषाबर दशाक्षांभी क्षेत्रिकामा आज व्यक्तिमा-काल । अक्का ते विकास अन्य शहर गरे. श्ची त्रांतरण ब्रक्त प्रति । व्यक्तितरणात **भ**ंकत् \* | で、 アイロイロ: 国 \* 1003年 |

#### ্ ১) জ্রিব:স-অঙ্কন

अन्तर्भाका **शक्त । कोखन-निवा**स । वा क्किमोड : १८१४ वामक्रमा । जनस्य टी क्किमाड बिकालक बुरुक्टरबंद स्थान वर्तनीय । रक्ष ५ - क्षितानाचाम बचानादी, व्यावमुख काक, हो। ए कुलमान दाव भी ।

#### ( a ) खडेष 5-छनम

क्रके प्रारम स्थामदेव अ अपूर अपन व्यार । दमना नक्ष्यान ।

भ्राक (कांत्र मश्रास भ हे <del>কার্ডির মালেপ্র, বাহরপুরুর (নদীয়া)</del>। श्चिरकोटकवानाद नाउँ। एका छी । अस मा gma. gneil Bietefetaeigl !

#### ( १ ) योजन खर्म कुछ

**डो:अफ़िस् यक्षश्च ( नमोत )** क्यारन खेविकुणाम मिथा छ किर्नेतरनास्याकृत्वव Ruffe war Mententeine mar bedintet-भाषां वद त्ववः राज्यान

कुणक- एकिक्डम **आकार** अन्नारी क्ष्मक्ष्मिको अग, जम, अम ।

#### ( ৮ ) 🎒 जशकाय दशाङीय मठ uen toes i

cm a .... = 13000 m' m m m m = 1 +2. . . . . . . . . ीं, जल, महकारी-- ट्रिकिन्सन कांध्र माही, व्यक्तिका सम्बद्धी हो हो का

**२) बीटगात-गन।मत मठ के** भारत हो, अध्यक्ष भूभ, र तक्ष्मान र Bur attitet de mitabe jeternet ्तर्वात त्रक्षक— स्मान्धित्रकास कार्याः

🕶 🔎 🎒क्रश्र.शोष्ट्रांस यह HT. [418. 21915] & 3. 14 रकाक--- शिव्हिमान उक्ताताती, सिक्तातम् अस 44 111

#### ( ১১ : ब्याटमामञ्जूष -

子() 4 16、甲伊对九 1%(14) 聞付けれてiでts ませつign: ved birj इक्षात्र---धितक वृद्धाः । उत्पादी । (১) তাগ্ৰ আসন किनाश्वम (ब्रा क्रमा श्व, महीबा : भाषात कि का छ अधाननी व्याहाद-दाम्बा धक 🕶 न्यामान अवाहारी।

ं ५० । बी बकास मह दछे.बा पाक्को, अथवाको, कुमाननशत, नामात्रा दम्क--- हेय्द्रश्यास अक्रादी ।

१ ५% । रेशाञ्च दशोकोन्न मठ Perit . 1 424 .315, 5[41] भूक्ष ग्रह्म अधाव-१०७, १४/१० औ प्रक ्रोतक वाकवाः धिक्षाक स्था वस्थार । son »-- हैं। (धारत्म वस्तानी )

( 50 ) डीएमा नामको सर्व 445114, 61411 रमाधानकोर सारकारक क्यांटीय स्थान 🗎 कीहा क्ष्य-अधानत्याः अवतातो ।

१७ आगमाई-त्या सम् तक कि के मार्गिको संस्कृत होती था। हेर्डानरर-द्वारे**त अ**तः "सह। अतः . के में -- च्ये रूप राम्य प्रमान होते ह

\*\*\*(\*例: 智(n \* 今年(5 ... 対切) も i

#### ५१ - शिकाशिवक्रमान (गाम अर्ह

"एक" ए। १. वर्ष भवलु ६ .स.स्नी लुद : ENTER THE THE PROPERTY. 'क्षित्रहोत विकाहभाग स्वाहर । स्थान वकारती सी नगर्गान्तातको । वज्ञवन्ती भूतानन

#### १५ अमिनास्यापः अभवाधान イ·田寺・イ 、c 11 1年2月日本

र विकित्य । एक के - अवस्था में अपने के अधिकार के ले 1000101

# (S) श्रीश्रमायायम् मठ

45(4'e, 98, 5:24) 1 क्रमाहन है। वा व-व्यानामा मानविष्ठीत विकास ्मा विवयंत्र । १००० - इक्षात्र म्युल्या-समा विना रख्न, वक्तारी खैनमीशानम ।

#### (२ ·) अञ्चन-८गो श्रीय मर्छ

भारतकाथ, वक्षाराक (पार, मुद्री । अग्रहाथरपरतत अन्तत्रत सम्द्राः ∰ग्राचकः कान्य न । वक्त-- अक्षानारी विश्वतद्यवती व्यवानको। 18013] ---अभागायी अनिभागवानी ।

#### (১) श्रीम विक्रमानम गर्ड

**曾昭朝 11朝 4, 李6岁** 1 क्षारत क्षेत्रक ,शाक्षक-दिस्ताहक्रमन-निकारमधा वस्त्राम । अभ्रहात्री जीवनावत्र।

#### (२२) ध्येत्रज्ञाडम-,शोकास सर्वे

नगर सर्वाक्षात्रमध्या, काला ह CHIC-MAINTE NOTEN-TONINGS ान जीवत्मक नहस्ता वक्क विश्वको । शक्ती ।

#### ः ०। है इसदेह इसु मठ

जीत राष्ट्रात कुछ, आलाम बुल्हाबस ह क व्यापा-जेक- माध्यक्तकार (भवा ।

### क्ष क ---- की श्रम भी करा के अकरा ही

(38) SYNAMEST WA रन्भियावमाः, मेहिल्ल्स द्रभारत क्रिकांशांक शाक्षांका 🖝 हिंदिनो : विद्याम 'नवानकोत दमया नग्नधास । নী দৰাকোৱাল উল্লেখ্য কৰা কৰা বাল বস্তুত ভালানামী কীনু সংখ্যা ৰ এখনাথী

#### २० औदिन अग्रदशीकी सम्ब

हेस्तर्भा, bade क. आशक्ष्य . **इस** भाग काव. शिटक्षम्मानम् अवद्यानी । जीवाय कीश्र अप अपि ।

#### (२७) औशाम्याकोय सर्वे

कृतारणान्त्रः, पार्त्तच्यः, कनामः। चर्णारम कीएएकातसम्मन्दारम्ब दनना बस्रमासः। (२५) खामानगढा अन्याज्यनमङ

अभिन्याका. त्याः माळ्. शक्षा

ज्यारात व ६ कुक्रमृति लीटमाश्रादक्त दक्ष 18मान । १कक--- अवनामी खोळावकुक-भाग, और शामान्य अञ्चलकी ।

#### (२৮) भिश्रा दशाकीय गठ-कार्यग्राज्य

be con caruff, fiebiegt j त्रण क .... अवाहाती जीवाभिकाश्वासकः अफ्टाठी जीवामान्यन्डवनमञ्जू । 🗱 अक्ष क--- अवहारी की अगटमार्थन

#### দেশিক মধীয়া প্ৰকাশ

# চৈত্যুমকের শুদ্ধভক্তি গ্রন্থমালা

বৰ্জাক্ষৰে প্ৰা গণিত	S. A.
)। व्याप्रदानगर्भम्म,नम्भ ६०० व्ये (,,১मनम्म चस्र ) २०।४०	1 '
	1 11011113
	A TANK A CONTRACTOR SI
१। कायापानम अभिटेम्डक्वाविकाम्ब	•
( इस मरचन्य )	
०। चिदेशसम्बागनस	<sup>-96</sup> । मिद्रासम्पर्ग
(বিশ্লাট্ছিতীঃ সংকরণ) ১	7
৪। সীজা ( জীবপদেব-টাকা-স্চ ) ২্	1
< । विका ( क्रिक्टक्य (विक्ति का अङ्) २ ्	(নব্যাপ পরিক্রমা) 🗸
का देखानार २	৪৯ বাসমালা /১
१। वृक्तिमाञ्चका स्थापनीतकः मान्नमाम	83 年前11日李朝明史(刊中科刊1年第7)/>
(માથમા) વર	80 : संवधीशलक्षाः /
<b>७। (गांडीय-कश्र</b> कार :	68। त्रम 51वच्या छः
a। औरिहर्ग (नकामुक्त (तीया) २	68 1 31444 ·
>• ৷ চিত্তে নগৰীপ সা•	৪৬। প্রেম্ডকিচ্ছিতা
३३ । व्यटिहरूक्षास्य स	८१ सप्तानाक
শ্ৰীনবন্ধীপ শক্তক্ষ (বাঁগা) ১১	6 मा शिकावनी विकास
১২। ইইমঝলাক্সাধ্যাশকা (বীণা) ১	धम . द्या क्षित्रमह कि कटबम क
व्यावीधः)	< । नारणनाने /-
50 । देनक्यवम् <b>ध्</b> रा-मृत्राज्ञाः	र । अम्भूक ।
, আপেষ্টারিপ্র) ১,	
८८ । <b>व्यक्तिसम</b> '5व संद	(2) #36×128•
६८। अवसी्चमाम-०।४गावा ५०	দেবনাগরাক্ষরে প্রকাশিত
२७। ८गोतक्र <b>का</b> लसः »	विष्ठ । कि श्रम्भाग्य की - भाषा प्रश्रहः
১৭ ( কেবাধন <b>ই</b> ( ফুটার সংখ্যা ) । ৬০	ৰ ঃ স্টীক 'শ্যম দশ্মনম্ ।০
200 ( )	2-1 24.725
३३ । पोकाद ८क्वम भाष्य-भाषः ४०	देश , अभागम् । १०१४
২০। শোক্ষমী ব্যুক্তে সমে (ব.ঘ.) ৮০	भेजा अधिवास म्हणाहका है।
<b>२५</b> । जानककश्रमण (देशाः ।	रुक्त । त्यांतिक स्वरूप्त व्यक्तिमः
२२। और्वतिक्षिक्ञां विकारितामः १०	ইংবেজা ভাষায় প্রকাশিত
२०१ (तमा स स्थमार्व नाष्ट्रताम	२०१ भूतिकेष 
(जामाञ्चलीयः) त•	५६१ - नाहे / या व विद्यालीम् अन्
<b>名皇 ) 遺稿内(1を答)</b>	Altreat Never
হর। <u>ব্যোদ্ধীয়-গোর</u> হ ৮/•	भर । देवक शक्ष्य ।
<del>২৬। গোডীর-স্থান্ড। । । । ।</del>	भवा कि भावतम् । ।
২৭ : সাধনপথ (৩৫ সংকরণ) 🐠 -	(*
ə৮ মাধ্য <b>ক্ষ</b> ী সাজবাদ ।•	and the state of t
२ । ७ प्रमुक्तावली ना शक्षावालभाव वृथ्यी . •	শানেধা বহু তিন্দ্র
००। क्रेल्मार्भानस्य (तम्स्यत् । भागस्य	. १८ १८ १८ १९ हो। हो। हो। हो। हे स्टब्स् प्राप्त
স্থান্ত এবং বিবু'ত ও অন্তবাদ গৃহ) je	উছিনা অক্ষরে প্রকাশত
०३। व्यामनदीमकान ।	५५। ट्याक्तिभाव विद्याविष् ॥•
वर । व्यासम्बद्धम क्रमणात क्रमा प्रण्य	পুৰ । কটাবোৰ কল্লাভ্ৰক ৪০
००। और्ष्यः ॥ ॥ ॥	भागा नाह्य श्राह्म
৩৪। ঐ প্রনাশস ৬০	का विकासनी
as । नज्योगसाध-माः खाः 🔑 🖰	१०। सम्प्रिष्

व्याख्यान :-कंटिल्ड वर. (भाः क्षेत्राचापुत्र, स्वाजा।

# স্বর্ণসুযোগ। সুবর্ণ সুযোগ।। সুবর্ণ সুযোগ।। এই।কারে খণ্ডে খণ্ডে প্রকাশিত

# প্রভুগাদের

১। প্রথম ও — নৈস্বনর্শন, জিওরত্ব, কালপর্যা, জিনলা নিতাব, জীবাসভাননী, পাল্যাতিকী দীক্ষা ও বর্গ-বিচার, আহ্বাস্থ্য ও মানাধর্ম, জীটেওতদেব ও ভাগর শিক্ষা, অপ্রাক্ত সংজ্বায় ও প্রাকৃত সহজ্ব-ধর্মা, জীবাদ স্বর্গন্তা, জিলা সমিকান্দ-প্রসন্ম, পৃতিনার্গ প্রভৃতি বিংশতি সংখাক রাছ তথা ভিতা ভিকা মানে দ্ব বার খানা।

২। ছিন্তাই শশু- শুকা ও বিকা ছিল্লিল্যার ছোড়ছা লোগায়,
আন্নার নিহারতি, জীবর সামিপাল ও মাহারাল, জীবেগার নিভালন্দ প্রসঙ্গ, বিশুবের ধরা ও রুফ্লীরেন, জীবাসপুলায় শ্রীনভাগরতের কীর্ত্ন, লীবোরধামের মহিমা, সংগ্রসাল, জীবোনিল, জীবাপাল্যভক্ষম-পর্ব, শ্রীমতী রুগ্লাল্য-নিলা নিচ্ছালের দহা, বেটা ও কুস্কুছে চাইনিন অপুবে মপুরিমান্ত ক্রিছালিছে। বিজ্ঞান স্বান্ধ। প্রথম ও বিতীয়—মূল প্রত্রেনারে বাইলে সেড়ে টাকা,

বলবিভাগ—নিটেচভালত, পোলেই(লাগাল্র, নদীয়া।

# যক্ষায় হতা শ হইবেন না

# रेम्व शास्त्र यकात अक्याव मरहोरम

প্ৰব্ৰ নিৰে সম্প্ৰাহোগ্য

श्चीमा हीता कु ऐसीत, रक्षानीयांत्र गत्र, टाइट्टेन काशी, तरिवाश । कर्या किस ऐतारामात्र मान्याद कात्मा विकासिक आतिक आहार मा

शियुत कामाराष्ट्रक माम नमा, ६, क्रमण्याना, नशीका । शिमुक कृतिनाम विद्रह, ১১৭, ১५'ल्डाइनेट्ट केंडु, राज्याका, मार्शिकारता।

ध्येन भागि काल । भागि नायुक्त ग्रेष्ठ क्ष माम यावर बाण यक्षात्र केलिय कुष्टाम कर्याचा जो कालात विक्र क्रिकिसकर्त काला कोलान काला कार्य केलिया नाय न्हाकृत क्षेत्र काला किल्लिक्टिन धर्म भाग सिद्धक (क्ष्मान क्ष्मान क्षिण मक्ष्मि भाग किलिया। कार्य कार्य कार्यक्षिक कार्यक्षित कार्यक्षित कार्यक्षित क्षित्र क्षित्र क्ष्मा क्ष्मा कार्यक्षित क्ष्मान कार्यक्षित क्ष्मान कार्यक्षित क्ष्मान कार्यक्षित क्षित्र क्ष्मान कार्यक्षित क्षित्र क्ष्मा कार्यक्षित क्ष्मा कार्यक्षित क्षित्र क्ष्मा क्ष्मा कार्यक्ष कार

### ৫০ বংসরের পরীক্ষিত কয়েকটী মঞৌষধ—

্ৰাবছারকারীরা ভাগে মুগ্ন ১ইয়া যে সমস্ত প্রশংসা পত্র লান করিয়াছেন, ছাতা াশ করিলে বড় বড় প্রভাক ১ইয়া পড়েন। আগনিও বার্বহায় করিয়া হয় হউন।

- ১। চক্ত প্রভা বটীকা--চলার নানটাও বেষন কালন সেই রক্ষা ইকা নুজন ও পুরাতন মেক, মূলকাছ, কল আভ্তি এবং জীলোকদিগের স্তিকা ব্যালাম, খেত এমং রক্ত প্রদার প্রাভৃতি বাংগে সাভি ফলপ্রা।
- ২। স্থাপ্তিক হান বিকা— নাদকলবাবিধীন অভাবক্ট নিজাবিধায়ক ঔষণ। বে কোন দৈতিক ও মান্দিক শীড়াবশহুঃ অনিজারোগে এই ওয়ধ বাবহারে গাচ্ নিজা হইবে।
- **৩। মণ্ডুর বটিকা—ই**হা সেবনে প্রীকা ও ভদমুদ্দিক নেবা ও শনীর পাছুর হইয়া যাওয়া ইত্যানি নিদুরিত হইয়া রক প্রিম্পার ও রাদ্ধ প্রাপ্ত হয়।

**एक किन आकारबार आरखाक अंगरभन्न प्रणा आकि उक्ति ३८ किका।** 

জারিয়ান :—আভিক্সানপ্রত্ন উল্লেখ্য ও । ২১৮৭: বছৰাখ্য খ্রীট, বলিকাভা ।

#### श्रीन वहीं भवा मारा का किया थर

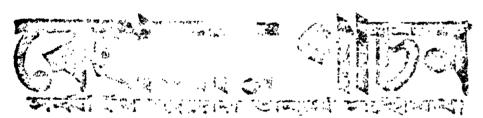
ব্রীটেড সংগ্রহণ বিহার ও লালাভূমি নয় চী ছাপ-সমাধত। এই নয় ছী.পর আচিন বিবরণ—ক্রত্যেক ছীগে জীমদাপ্রভূর লালা—প্রত্যেক ছাপের পারচয়, ব্রহমন মহাগ্রা—ধামাপরাধ কি দু কড়ালি বিবর বিশেষভাবে মনোকর ছব্দে বাদিত। প্রভূমি স্তৃত্ব স্থাতিক প্রয়ে ১৯০ পূচা।

#### গ্রীসবদ্ধীপ ভাৰতর**দ**িশা:

উজ্জাল ব্যোক্ত কালাতে ভিত্তম কালাকে চাপা--- শ্রীন্ধ পিলাম দশ্লে ভাব্ত স্থানকারীয় কি প্রকার ভাবের উচ্চাধ চয়, ভাচা আন ব্রাকে বাণ্ড। মাড চমৎকার।

সাধকক প্রতি — উটেবন্ববন্ধন), জীলাউপ্রন, উট্রজের আর্ডির শক্তনাম ও জীল মরেওর ডাক্লের অবস্থিতিকেও তানিষ্ক্রম্মত প্রাথনা, প্রেমতিকি চিক্রির প্রতিক্রি স্থানিত টিতবেণী পুলাকারে প্রেট স্থান্তরে মুদ্রি ও ব্যাসংস্করণ ভিক্রাতি চারি স্থান্যার:

### কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



মফংখনের তাবধার জন্ত ৬ আং শিশিতে ঘনীভূত অবভার ভোটবোদলের সমল্ডিমাণ উষ্ণ ভাকে শাঠান কয়, কংগ্রেড উ্ধ্রের কোন প্রিবত্ন করা কয় নাই। মুগা প্রতি শিশি॥• আনা, পাঁচট ৮৮/• গানা, বোহল ১৮/• আনা।

অফিল- ১১নং উল্টোডালা রোড, পোঃ শ্চামবাজার,' কলিকাতা

# यंप्रच यक्षती

বট্টকাছ কয় ও বাহুনিকার, ইপ্রিছপুজির প্রান্ধ আলাবে জ্বকুপাল, ব্যবস্থান, বাধাবোরা, বুক বর্ক কছাবি, জনিয়া কড়াত লক্ষণ সভ্য বিশ্বোধ আজোপাকর। বল, বার্বা, বেধা বৃদ্ধি করিকে জ্বিকার সংগ্রহত করি ১. এক টাকা:

প্ৰকৃতি ক্ৰকান্তাতি দাত্ত 
পূল্যভানি হোৰে বাজনাৰে হ'ব নাবোদা
কৰিছা পঞ্চিলনা কৰে। বুলা ২ ডেলো ২, টাকা ও
প্ৰভাৱত কৈছিল। তিন্দী আজিকঃ।
বাধাৰাৰ কৰক গৰোগৰকি ছাবী ও বুলি কৰিছে
মজ্যান্তবা। বুলা ২০ বটা ২, এক টাকা।
বাজনৈক আজ্যান্তাপজ্জী, ক্ৰেম্পন্ততী

ক ১৭৭খা কাবিদ্য বোজ, ক্লিকান্তা।

### शहर्षामन

বা

### কোবরদ্ধি রোগ

ডা: এস্, এন্, খোষ বিনা অস্ত্রে, বাসফীসনের গ্যাহাটি দিয়া বৈছুগতিক কালাগতে কোষবৃদ্ধি হোগ আহোগ। কবিয়া থাকেন।

> ঠিকানা— ৯৮ নং কটন খ্রীট, বড়বাঞার, কালকাড়া।

#### ১। শ্লামৃত

পিতশ্বের অগ্যর্থ মহৌষধ। ১ মাজার উপশ্য, দপ্তাবে আংগ্রাপ্ত। ছোট ৮০ বার আমা, বড় ১০০ আনা। মাত্তপ পৃথক্।

### ২। শুক্রাচার্য্য সঞ্জীবনী পোষ্টাই

কামের ও কর্মজন্ত কের এক মালে মহোষধা। মূল। ১ ডিবা ১:• কালোঁ। **যাঞ্চ** পুণক্।

৩। সন্ন্যাসী-প্রদত্ত অর্শরোগের অব্যর্থ আংটা

আলোগা না হইলে মূল্য কেবং। মূল্য সংখ্যান মানুল পুষক্ষ

৪। কোন্ত-বান্ধব শীল

- अलीन, ८५७६काला, १९७८ मनात्र भएशोधन । छिता ॥ • आनाः । भारतम शुवक् !

৫। বাতল'ন

বাৰ্ত্রাপ্তর মহেলপ্তারী ক স্থাতে আবোগাঃ আতি শিশি॥» আনোঃ মাজলপুথকঃ

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তৃতকারক। সহর ক্যাট্লেশের জন্ম পথ লিখুন।

लालकान-मरनारमाञ्च (लब्रातवेती

পোঃ ভরারী, কনশাপুর, ঢাকা,

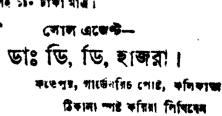
# মনোমোহন প্রেস

পূর্ব-বাঙ্গালায় ভগভে সকলপ্রকার ছাপার জন্ত বিখ্যাভ বৈদ্যাভিক্ত ফোলিলে দিলাভাত্র বলাজ ভালেভেছে বিশ্বত ভালিভে হইলে নিম্ন টিকানায় পঞ লিখুন ম্যানেজার—মনোমেহিন প্রেস্

२०नर ननारपुत्त, हाका।

# মরা মার্য বাঁচাইবার উপায়

যদিত অভাপি তারত মনা মান্তম বাচাইবার কোন উম্প আনিছত হয় নাত সংগ্, ডুপালি নাডারা নাণাবিক আনিরমিত উপার অপ্রিমিত শক্তি নত্ত করিয়া কাারে মরা কর্মা রহিলাছেল এবং নানা প্রজান মেন্ড প্রথেজ গাড়ুগৌকলা, আয়ুবিক ওলগুলা, বন্ধুলা, হল্পেম, পার্মান সংক্রোক্ত শীড়া, অল এবং ত্রীকোক্রিয়ের মধ্যে মান্তা বাব্দক, বন্ধা, মুত্রবংসা, স্টেকা, তেও ও রক্তরালর, কিন্তিলিয়া প্রভাত রোগে ভাগিল জীলনে নিরাল ক্রিয়ালে, তালার আমোরকার প্রপ্রায়ক ভাকায় পেটাল সাহত্রের আবিস্কৃত্ত ইলেক্তি ক লাজিউলন ব্যবহার ক্রিয়া আহিলালা কর্মা গালার অভাক্ত বহুবিধ শুবদ বাবহার ক্রিয়া আহিলালা কর্মা পারেন নাই, ক্রাহারা একবার এই প্রথানী ব্যবহার ক্রিয়া লেখন। এক মান্সর ব্যবহানোল্যালা এক শিলি ক্রম্ম ভাক্ষাক্রণ সভ্ ১৯০ টাকা মান্তা।





Climatica 



· 李明(李明 李章) 李明 李明 李明 《 李明 《 李明 《 李明 《 李明 》

৬৪ খণ্ড ] সম্পাদক—জী গাড়ীন্দ্র বিক্যাপাধ্যায়, বেদান্তবাতস্পত্তি তিপুল সংখ্যা

জালৈচ পামান জালাস মালাসুক তথা বৈশাখ প্রস্কালিলার ১০০৮, ১৮ই র প্রিল, ১৯২১

### नगत-मकी र्वन

भक्ष आ देनमान मस्यानां पाणनस्ति प्रमास्ति क्रिक्ट स्विति क्रिमाम माध्यानां स्वाप्ति क्रिक्ट क्रिक्ट स्वाप्ति क्रिक्ट स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति क्रिक्ट स्वाप्ति क्रिक्ट स्वाप्ति क्रिक्ट स्वाप्ति क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्र क्रिक क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक क्रिक क्र

# শ্ৰীধামে বা ত্ৰ মাংম

वा ७००० देवस स्थापत स्था तिराम स्थापत क्षा तिराम स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स

# শ্রীমায়াপুরে নগর সঙ্কীর্ত্তন

"দেশ হইতে হিংসার ভার দূর কঃ"

# চিত্রগুপ্তের খতিয়ান

"কংতে দের সাহত মিলন প্রায়েজন"

# ভীষণ বৈদ্যুতিক দুর্ঘটনা

**চ:-পान-**छ। दगह छे ।। ब

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটি উট" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

### (थाना श्रेशदः।

অভিজ্ঞ ও আদর্শনরিত্র শিক্ষকণণ ছার দিশকে অতি যথের সহিত শিক্ষা প্রদান করিলে জেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্ম নিনা বাংশু ক্ষর বাসবানের বন্দোরস্ত হংয়াছে। ছান আটার আধ্যকর।

সনিস্তার সংবাদের সম্ভ নিম্নলিখি ১ ঠিকান। পত্র সিখুন।
কোলেন্টারী, ভাসুস ভাজিবিলোদ ইন্টিডিড ট্
জীচেডয়র্মা, গোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

# नाना कथा

#### ন্দালীগড়ঃ সংবাদ ক্ষেত্ৰ

কানীগঞ্জ অংকাল ক্ষেত্ৰণ আন্তিক্ত হয়া হ : বচেত দিন তহন এনটা স্বীকোক ভাগোৱাকজ, মালা বিভাৱত । প্ৰকাশ, বিক্তম্ভ পানীৰ আন্তেপ্ত অভ্যুবত হয়াৰ অনুভাৱ বচন।

#### গাজনে দূভন গানের স্টি

ভিক অঞ্চল চৈত্র-ক্রেন্ডি উপাক্তে আতি ধহনত চাই। ও ক্রমক সম্প্রাক্তি বুলার চাই। ও ক্রমক সম্প্রাক্তি বুলার চাই। ও ক্রমক হলা নারাধিক ভাগান অবাধান সালের দল ইপ্রেন্ড আনি সালের বিশ্বনার ক্রমের ক্র

#### भै । कारणार्ड अ ग्राम्य । वृश्चि

Teletife ode iteate alm agen tellet- Stand niefe arm ame att fent--Kuf fied wittige miele on i fit -inletten fatoloulous biffin ettle the los blutt are also wer air sa hab mart by saids Like ibig jale be anien w. Em. tura e miero filh aufahr igem Subse des Biene, Meite eig o jeb Bie -with this is bigg . In 12-12 146 \$ ife, telle 15 mm 147te #478675 # The wife of attack which will be a second to Life Badala wa Budan shirikiaka संकाबंद का अंक चाल काइन तथा Mate in aletinam gen unim mism sintagen som bie ibni sale his is a sile of a sile of the state sing to said airie aus phile RIGH TES INC OF PROPERTY the event norther their and in phase whele the unit goes su

"के दिवा मह माइड मिलास खार्याचन"

1 47 944

glome mail and the second of wir fun tie bidanal imienite bim martes adju abe fulb ible blum ---- 11-0 1414" 6 414-5 169- 274 where the s. '. Ditait nicht & tale 1. E. 11 hab 1 \$20 6791 h 100 & ale and the page belle fire के में हर्य में हर बेकर चक्र के केर bien biebt bligh i billib. धार नामन कडूनक आहे। आहे। समाव तर हेर्स १०१०। हार अध्यक्त BLICATE INGLES OF BALLELS MIRLIA 11316 de b 21. [Sicht be.] abn Blanche budar bin feled aim mittelfe de feleiche bie fie

लीयन देशकारिक र मेंडेना

seife aleja Cultud Hojun sedia I diebe ied | antad 6. jojula killben ich.m क्रिका चानावात्रक

efistage ninieter negebb meld.

afein farm , mur after fiesterte jugierte grung ange, meite agig felt fiem-enenge torp teel i eligie with pfeels pmort nye, w 128 min 21 19 | 122716 9 1975 | ( thight bille ) istale tale bost and the kakit dese betile ange einen um bin ge mo fent Blog liebin | Glieftite igav ma, k biebmit is be Ser a the and dea - File stocks , was a wife of the other spirator Mas bi, erbim i img giem men bus! gun am geben milmie melle milm allefp our Ciffeinele , perse uple experience problem entere poste to be entered of mile dimi "allatutetta sibei o

जहांबाह्य हा हराये

1 5.9

wirdt farte flet we boltere 5 1.71. Q %\* e situible effiche -क्षाक कार्यक्षा का कर कर किया है। जारवास कर कर कर कार्यक कर किया कर कार्यक Sibolath be an 160ffeige 2000. त्रकार जीवरि श्रक्षां युवेक हत

1 675336 eleni orentica talisa elece to a letter the six in the fall bolankieh bit bierin nete av I bis -site tota stiebet indiania forte eine ויישף בנום מוגם מואם שושו שנטי untials wish to whose lughtle their emirale de Elstie batiole antigentles these 100 at 100 #3 柳川4.1 #211年 1 #1 # 4 # 4 # 1

Mar dar biete Biebe wilgente le theory exists english there t nite alma i no obethin bienthi e ebm koletsin unte bar ek

Lak Kerikia'; girka 11 3 mm 15 41

हाड हार उसे टाईड हिंगी...

1 to be 11 - a dale hila plusicht felente eine einen tet 10:01-00 00:18 al 21ta la Wieim 167:2011 2 gant eld Bilden gas forc कार्यमधिका । कांग्रेस देन देनत वाह isate preite pelblate neuteles feite Reinfam Gell nihifen nie esti ber 4m 1 97 19161 1820 68140 81274 Pipou. Fria ta ele trod eila प्रदानमा में क भावन्य स्थान पार-

इत्राहा है जान वर्ष क्षां मालक でするシ عالم عادهاع عالمعالم

the property of the east the state of the other states of the states and the states and criefles and criefles

intellitaten bole Bar bo felate tel al theje him the timb spinble sied offentale all bis auf

1 + mmel.b] 26 k iblak slopiatim belibals sensis feting track tricinial gera Gut 

the tebrea Histolisale tim isas subielteiete afelem ein! Boy the matter easter that seal & Bielm 10100 9394 9411 Big 16 Minte bleistelate the total this butter lbate minte iftigte imliettele" abntemm pinulk on spill and diddle

1 110 102110 toth after distantiate attentia wife to the later than the face of the file HIDRY THE MESTA WISTON WITH AM I mead develope the state of the state of the second -taile biefeje sibir, edas fien, fielje कार रेड का गांध देखी है। वा का

216 AIRN 4314118"

Califul Calte Gilles control 1. 15/15/501

1 LO & PZ x Lin . . . . . . . . so likelle gibt shalls tolls to a 1 1 kg w 4 21 4 2 1 1 1 2 2 2 1 6 2 1 1 4 tellar to be a total a white which the affice apple of the alire gel esik hiche leathing ing (to bigh the the bile

1 1-0211010 311-1-1 012 661 a i anti-bar should bitted the of · [ 編78]。 Blice Shalle felic 19 ml. 70 m कार्यक कार्यामीकांक एक अन, वर्गाक

है। जीत जीतिशेष कर्मा

1 515 110 अध्यक्ष क्षी हरक महादव कर्ता क्रिया white whiteles who telling the follow malifeten f.f. Alide Gedalen

ne 研(現在 中國 14回161 24 中國中 2年7節 en LIERRE BIOLE PROJE BIERR EM PREMS nieln g nate biffe affen gint miejn net ann niften eife mitte, mitte, mi

Fallale | IFIE mister enter attitet entenering a min Pen em e nintig fa nimienie IMES MES

1 1251 \*\* c miufins sem poffe ,c-"यन र तन्त्र श्रीका अर्थित का हिल्ला है को मार्थित कि कि मार्थित के अस्तर के अस्तर के अस्तर के LAND TABLE TO-BRIEFE TAatalemi sum fotiemin f pe --- mit ihr 

# - #214hi9# 1 9-- #73kijett#it2 atialij inin \$2kh siaibuja AKE

	65	Contains
• • • •	<b>e</b> K(	u s limi k
••	69	54 elected
40	60	12610
44	**	فالمؤردة إلانا
¥¢	ec	14.614
•	٠	niki niejk
4	• ¢	મહે. હિ
•	es nik	) laskielielieim
44	44	世は鬼子
•		i arianje
18,	Blum: Mes W	i. In., io., if to a

\$1岁代~130m	STREET GALLE	ومعرسوم
(0	40	18 10 18
•>	<b>~</b>	12 p 12 g 14
••	40	@is + ic . ≥
<-	10	Blomajde
60	уф	<b>च</b> श्री सम्बद्ध
,,,	4.	1411
256	24	lek   le
**	* *	11:1:16
••	• &	قرده اه <u>ه</u>
•6	*	is to bie
••	68	inthe
a interes	र्गस्त्रश्चाह बाह	

I redo grim perel a pri giel i antelle Die fforte-ige alienie simmy ace simple sea terepip sittle Cold etaite da adite Facette cart q q que est attent mitampi ibite militatite nime MIRTE PLEIS

# FIRETO ES JOE 91

mille mien mien Glotch o ale olaft fein kielelb die obiete alle

him seining min)

..! 10 7116 E.741

1 120 to 1 1 1 1 40

# ভাগ্যবান্ ও ভাগাহীন

व्यागत्रा भातमहःभी मश्री कीमन्-· **को**श्वराधेत्र कार्रेस करका शरकासरमाकन শীলার গভেদের তব-মধ্যে একটা শ্লোক नाई---

- <sup>66</sup>নমো লগজ ভাষদভাবেগ-म किलागां या थिया ने खनाय ।
- व्यानसभागांत्र क्रत्रक्षभद्धाः त क निक्षियां भाषान्त्रां भाषात्र्यां दन ॥
  - ( 西北 りいわり )

----**তে ভগ্রম, আপ**নি অসহাবেগ্-नि शिर्म सिम-निर्मग अहर গুণত্তমূপালী. শ্রেষ্টার্যান, শরণাগতপালক, অপার শক্রি-मण्डाह द्वर व्यक्तिराधिताधारमात व्यक्तीया-मधा। आभिनाटक पुनः शूनः नगणातः

উপরিউক্ত শোক হুইছে অবংশ হ ৬য়া । যাইতেছে যে (১) ভগৰানু আনানিশের मक है किराज खन वर्णार भवानि निमम्बर्गा **প্রভীয়মান হন, (২) তিনি শ্র**ণাশত পালক এবং ( ৩ ) বহির্গাদনগণের পক্ষে ভিনি ছপ্রাণা বস্ত্র সদ্ধ।

श्रामारभत शांधी कारमिस्य बार्ड । एके शक कार्य-निरंशत महिर्देश अभावता ন্ধাপ, রাম, গান্ধা, স্পার্শ ও এক অয়ভব করি। भुरकाक त्याकाञ्चनाटव कथत्वाति निः॥-ममह एसि खनवयुष क'न, ए।का करेंदन दा (कान हे शिरात किया निष्पत एके ना কেম প্রেড্যেক কার্যো ভগবভ্জান ফুটিয়া **डे**श डिफिड । यसि बना गांश ्य 'कडे. **छाहार इस ना"---शका रहेला न्'नार**ह इंडेटब द्या. वृद्धिश्रंभाष्टा द्वाड क्रश्नक क्रान বাদাপ্রাশ্র হয় এবং ভংপদিবলৈ ১ংর काम खाभिएड भारक विकार टाएराक ক্ষণ-রমাদির অভ্রত্তবকাণে ভগবজ্ঞান कृषिया डिटर्न ना ।

क्षुः सः -গুগ্রান--শরণাগতগালক। ভন্মাজিত-ক্ষুভিফলে যে সকল মন্ত্ৰণ **कर्गवरक्षा गायुः मगर्थ इस ७ उ**ण्डात करण माध्यक इडेटड मियाकांग व्यक्तान्त्र श्राद्यां । त्यांश्र इहेशां शाहकत, दकत्वायाः । क्षीश्राद्धेहे क्रम समाभित्र अञ्चलकारण कानन জ্ঞমদিগের অতুভতি বাভ করিতেছেন না ব্যায়া স্থান ভগবালের অনুভূতি লাভ ক্সিভেছেল ৰখিয়া খোষণা করিতে সম্প इस । यह एक चिटिन्डक विकास उक्त स्ट्रेबाटक,----

"श्रीयत्र सम्म एएटन, ना स्मर्थ छात्र भृदि। चळ चळ दलक भएफ, इस इंडेटमरनम् पुर्लि ॥" ध्या बहैनकड क पारिवाद्यान्-"नक्ष प्रदेश प्रेश कर्य संगमण। ८गरे (मधिवादत नात, वात्र भौधि निस्थम ॥"

#### শ্রীশ্রীগুরুগৌরাকৌ জয়তঃ

### নিত্যপাঠ্য বৈক্পবার্তাবহ

বেদাদি সমস্ত সাম্বত-শান্তের অক্তিম ব্যাশ্যাতা সমগ্র ভারতে একমাত্র শ্বলভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

#### জ্ঞান নাহাপুর ওরা বৈশাখ, রহস্পতিবার—১৩৩৮

ক্দিভিয় বা বহিচ্ছ বাভিন্কল ; রূপ-রুম্ভির অভুভৃতিকালে কুসংস্থরের ধারা চাভিত্ত হয়রা থাকে । বহিন্দে "ভাগানা ভলবজ্ঞান আছে সমর্থ হয় না। <u>''লগেক। প্রস্থি কামিনীস্থা জলাং"</u> राताञ्चम्यत ७(४'ता सम् ६ ८७१८)। नेखत ক্ষান হাতি করে। 'ীরাঃ পগুড়ি নারায়ন মরং কর্পার্থ রূপাস্থিস্থার সক্ষর ভণ্ডজ্ঞ জ্ঞান লাভ কৰা ভাগাদিতের ছারা ২ এবং ব नर्हा । एक्टि द्वाम महाद्यम व्यक्तिराध्यम,--

"असी कुछ ज्या गात विनय-वृत्तिहरू কেমনে যে পরত্র পাইবে দেখিতে ॥"

गर्भकाष्ट्रांद्वी कनगायाञ्चल विवर्ध्य-লাজিশ্ল যদি কোন গ্ৰাহ্ময়াজিত<sup>া</sup> অজ্ঞানকত প্রকৃতির ফরে ভংগেতে ব কাণ্ হাতের প্রণোগ পায়, তথেই ভাগলিখের পুদ্ধি মাণিকত হুইতে পাৰে এবং মাজিল বৃদ্ধির হার: স্থারা স্থার ভব্রান হাণ্ডপুর,ক স্মত্য ব্লিয়া পরিতিত ইইবার মৌভাগ্য মাছ কৰিছে। গো।

ক্রক্ত্রেম্বের গ্রেছ দুর্বিপরে মানের खीलाडी जानिकान अभटम Per 1/4 - 1/17 शिक्रामत कप एकिंग केंगत कांग । ३ প্রোচ্যক বস্তুর রূপ-দশ্রে জীক্তারে দিব।-ক্ষাক্রের সা কীহার পরিধের ব্যন্ত্যণের। গোসাদৃশ হেড় যদি কাহার লগতে ইচিক্ত-রূপ ফুটির: উচে, ৭২ ) মারতীয় শক্ষরণে যদি কোন ব্যক্তির ধরেণায় জীপুষেল মুক্ষণ স্থায় বংশার ছাডি ভাগিম चें: h, i o) हा (काम लाकात पक मानिका महत्त अतिहे ५६६७ श्व अवग वा वर्ष १६५४ कादव याचि ,कान वाधित अम्दय विकासकत অঞ্জাতের সংক্ষার জাগিতে হয়, (৪) সাম-প্রকার অরম্বলাদির ভেডান পানাদিকালে উচারা জীরমের ড্রাক্সেম পদার্থ हल्याकात कान यमि काहाब छमरव आवि-ভতি হয়, এবং ( ৫ / নিপিণ ক্টিনকোমল नक्षत्र मः म्लान बीक्रकमञ्चम्यन बृद्धि यहि । मसंद्राक्षा शतिकवि देव देवस्य स्मर्भा व्यक्ति **८कान गालित शांत्रशांत्र विदय एक, छाहा** क्ट्रेंटिन ए। वज्र क्रम्मामि याव्छीय ५ एक क्रम, त्रम, शक्त, न्यानं ७ नटकत्र मण स्ट्रेट

ভগৰাম উল্লেখ্যে অন্তর্গত বার্ডাত অন্ত কোন ইমর পদার্থের অনুসূচিলাভের स्वर्यक्त भाष्ट्रायम क

যে সময় ভাগবান জী গুলেল অন্ত ভুতি शास्त्र शास्त्रेगा क्रम्, स्ट, स्त, क्रम् अ শবেষার সাস হটাতে ভার্বদিত্র বার্ধ অঞ্জুতি প্রায় মাজে হয় জ্ঞান মুডির উটে, বুরিংতে ধহরে তা এল প্রার তাওবরুশে হইতেই। উদ্পাধ উত্তেত। যাত 🖟 পুলিন কালন স্থ দিনানা ছাড়াব্য এল অলানিকা কাটিকা যায়, ভাৰতকাল গণ ও কগৰণানির সঙ্গ-কংগে ভগ্রাম ইটেবেলৰ স্থাতি অসিফিল্ল-खारित के कि रेत बानरम उपारित है भारत का । श्रष्टाणां अव वाहियान यह है जा, कि अभिभारक অভিদ্ৰা কেভিডাগ্ৰান্মতে বৰ্বা, ৰাস্ত্ৰ ও সজ্ঞান ভারে (লিন্টেক ভেনারও জ্ঞান-হান নখৰ ৰম্ভৰ চৰানক,বা সংখ্যৰ স্বাহা ক্ষাল্যে নৰ্বী ব भक्त रिलिया द्रश्यमा वर्तमः। मक्त्रभ ভিত্ৰমূল্যের ফলে লে বিম্যু নিভাগেক ित्रिमित अफ़िश्मर्गत विश्य हम् जाहा खर्गनिवस नम्बर भन्नाह ७ ७ व्हीन वा किरास्त्र काता लामा कडेगड अस्य भाग ভাগাতীন বাজিশে এখেৰ অশেয়ে দাৰিভ क्षेत्रक सिम्बुद्धार कृष्यके दुक्ता के त्रिक्त **ग**ाटक ( প্রাকৃত স্কর্মভাগ এফালিনের ভালের ব্যাভ

### শ্রীধাম-মায়াপুর

েভট্ডিশ্রী ঐপাদ নার্যেশ্সাস ভাতিসংক্ষাক্ষর এম-এ :

क्षेत्र छक् - ५ जुन धन সেবন অভ্যান যে কভিল দেই ভাগ্যনাম। ভারে পাদপ্রে মোর মজি রহ নির্ভর ভার যেনা 🖏 ছক-দেবন । শ্রীসিদারগুরতা ट्यानुकान क्षीमार्गक বার দাস দ'ত মাত্র গতি। **अक्र क्यांत करत** निष्णि ि उ दरव देवकव-८भवत्न गमा औष्टि ॥ **८क! ८व तिय अन्य**ति दिकारत त्मवरत रवह मर्कामिक मान्ड ताहे डेमारगाउ मम धन

অঞান্ত ধাম তারে পুরে॥

ियम औरश्रीतथान चौत हम मन्ना, ভাঁচার সংসার যায় দুরে। भौत्रशास्य भोतकरम (५८७ छक-विकास खनसाम कारन चालमारत्र ॥ চৰ্ম্মচক্ষে কড় ভাই ধাম না দেখিতে পাই व्यक्ती अग्र माग्र (भूद-गाम । मध कति दें हैं कान **उद्ध गा करत गयान** उ. त भाग भना कामर्गन ॥ মাঘাপুৰ নিভাবামে থোৱা নিজগণ সঙ্গে निटालेका करत गिराकाल। क्षप्रक वार्रा । अग्रप्त द्रा हिस्स, হুরা ভাব ১৯৮১। স্ফাল্ ॥ मुद्र का ि अ शंका (१४०१-(मदा-विकीन ८१ के त्यांत्त भाग अवन्त । ८ हेडे दशन नगनास कड शांध बग्न खेलग्र ভাগ্রাক্ত ধ্রমের বলন । ভাগিরদ্বী প্রমূচট বেড্ডীপ প্রেকট भागाश्वत शमा निवाधिक । দশ্বেণ্ডে .গার্গাম চিত্রে পুরে পেটর ট্রপাপ্ত ॥ সুক্ষতা প্ৰোভন প্রশাপ্তান গ্রামন প্রায়র চ ভাগার্থী হাব ভূপি বেগাৰণদ হাতি চুমি শ্বপ্র প্র পর্বে অন্তর ॥ সুম্সল ভীপা হত হগে ারা শত শত সদা ন্ৰাংগ প্ৰাহিত। (4) मन भाग अत শুক গুগ প্রভাবে ত্রণাদ্ধ হয় হয় হয় সূত্র । স্থাক জলানারূপ মুক্তা বিপ্রধান্ত উদ্দীপন। সক্ষেত্র এই মত রুষ্ণ-বিরুহ-বা**পিত** शहस हरत कतिया अध्यम् ॥ অন্ত্যালি উচ্চেরিধা**মে** नगर्धत भूगाः स्य का भना अगन मक्तिनि। 5~17 生93 神樂學6 প্রাক্ত স্থীরের ় কলিয়ে সমর জুল্মী। भाषान्यस्य व नवास्त्र স্পূৰ কুল কৰ-ব্ৰা দশ্যনতে প্ৰিয় স্ক্ৰ। মায়াপুলে পর্যাপ্ত ক্যারোটার মেজোৎস্থ, মেন্ডেডে ভবির উনয় দ ফলবান স্কর্ঞ কয়তে জা স**মৰ্ক ७क्टिक्स कतरम खाना ।** বিভাগছ গেনার্য শেই ফল নিৰ্বাস পান কৰে স্বায় অকিকান ৮ क्रमध्वित्रदश्यः बञ् অফুর্তি মাধ্যা क्षांत्राण्युत्रवाहरत् अभिक्षाः फ्रिंगा (वश्र केश মারাপুর বাহিনাৰ काकरण न माहिक हिराना । প্রপুল্প সমূদদ 5 9 क्षि वास ८ निवास ।

স্থানিশ্বল হয় ডিড - হিপ্নাং বেখ-বিৰঞ্জি

গামবংগি কারুণা-প্রেশানে ম

डेनागाविश्रष्ट भीत्रहस्र ।

नाहि इव क्यांडन

পরম নিশাৎসর যেই গোরদেবা কভে দেই স্সীম বস্তকে পরিদুঞ্মান ও অমীম বস্ত গিলা ছঃখী পড়িছারী বাড়ীতে স্থাপনার অমুসরি' গৌরাক্স চরিত্র। 📆 ्य अधिक-शत কুষ্ণপ্ৰথ মাত্ৰ কাম্য ভার। **উष्**रिश्वासिटील (१४वा ना ४८७ माधुर्या-(१४वा निककाम १ । तर्भ ७५शत् ॥ স্ক্ৰিডি সাল মন্ত্ৰ खेलाचा-(ग्राचन-वस्त्र ्राव सम्म क शिएड कुले छे । মালপুৰ পোৱৰাম (मात्र (कम नहें। १५) वर १

#### স্বদেশ ও বিদেশ

া ভাজির প্রতিশাল রাধাচৰত লোকামী, ভক্তিশাস্থ )

কাল্ৰশ্বসভাৰোন্ত পেলা গেলা व्यक्तित्व प्रया इत व्यक्ति भाइत्य ५३०० ভূমির ১ই, দেই দেশটালেই থামার, খাদেশ विभिन्न का एन शुन्त वर्ग, उन्नाकीक व्यक्ति गण अल्ले कार्यक, एनटा कांगाल व्यक्ति नदह, (१८५५ कारम ८० महात् ७ ५५) कति भा, रतः ऋत्मक खटन प्रशास कति ।

द्य सम्बद्धा वा याचा वाचा । दस्यो सम्बद्धा দীমা ৬ অভিনয় জেতন্য লাত, এছিলার বিজেও ও সভাতেও হ'লে আম্বর এখন আনুষ্ঠ ব ভারবারী ব্লিলে আভ্যান ক'ব, তথ্য कानर इस का किरत का करा भाग भाग सामग्री हुन ध व्यक्षीक्षात्रभएक जिल्ला वाल्या धार्कर व्यानका राजन काहिन, बालन प्रकानित १००

অই ব্যাপালন্দ্র মত হে লাখ্যার, ভিত্ত ত পুস্তবজানবালা ধনিও জ্ঞান করেন क्षीकाता मध्य कडावम, क्रिया ५ धीकाम ४० व्यामारचत्र (नगः नः हः ।

अर्थ (दोर दिन का भारताचे अस्त्र के (देन) Mitted Africa factor to the de Africa in the স্থানের উর্লিড ক্ষাত ম্তেল ভিঃ বুদরশার বাহিত হি যাত্র এটার এই, ইন 機能出行者等 1 - Q2的4(),这一个1945()出版。上述 জেবে বং ডিবলেবল হালে আ ১ 🚁 । इन्हेर्न 🕾 (वर्ष १४ वर्ष १५) 🗟 (वर्ष १५) 🖯 🖰 有能作者 进行

दलकम्भद्राच छ ७१६ त्राप्त्रात श्रादान घटतः वा कारन सम्बद्धा रामर्थ, 🛴 आकर दिखान **इंका** भारतका अवस्त है। के 4 छताब জ্ঞার নিভা ও লংগ্র, স্কুল ও उनक्रम, मालग ६ विक्रम, क्षम भग भ প্রাস্ত্রা, ক্রান্ত্রা ও প্রথারা, ১৬ 00 on ७ क्रेश्वा, प**हे** शक्यात नाष्ट्र । ५०% भाषात्र अक्षतिश वृत्तिण ४० (तुनकात्र <u>क</u>रे ৩০০ ও প্রত্য স্কল্ অবশ্র অংগ্রেন। ১৯৯ উট্রেনিনির লুনিরের ১৮লের ১৮লের

विशाणा ।

কিছুক মেণ্ড আ আৰু প্ৰেন্ত অন্তেন্ত্ৰলা 🖟 🕻 সেৱ ব্যারিও কাষ্টিত বাংলা হরীয়া স্বায়েক 💎 ফ্রান্ট্রাই 🦠 र दिसा (१६५% विस्तृत विषय स्वा अपन व भरदात महासी एक रिकास करेशा (रहेश দেশটা হিবাশ হা। এদবুণ ভাগ স্বাক্তার क्रांत्र निका चर्गात्का को ग्रन्थकार

अवराधिक । ति इस १० (ध्यास्ट्रांट विकेट

# শ্রীপুরুষোত্তম কো ৰ সেনকের ক্কার্ত্তি ( **風**を考え かいりょく カモリ

7 3

भोरकसम् हिन्द्रान्तिक वर्षा ্ট ছাৰা গুৰুৱাৰ শক্ষক ত্ৰেক্টাকে अवतः दलकाने द्वालाह कृति। প্রিমত ৫৬% জোলন গ্রা<mark>রেছ হয় ও হার</mark> नारक के कार्य भवाभावक किन्न है। प्रेक्षा (भरत तर्गवन १०८५) ।

राष्ट्र भई डॉक्स (त्रिकाटम नास्त्रहरून न स ত বে<sup>ম</sup>প্ৰত কং সিঞ্জকৰ্ভিক্ৰিপ 化布朗机 医八路性炎 医骨头 医气焰 额线线线

本では客情でなります。 そ 日本 50.4 The men with the ব বিলঃ উহা তেইটেগৰ দি মিত্ৰ প্ৰস্তুত কৰেন त्ता ८ देश ते शुरुत किए। जा न ८५४ छन যৱাইকা মন্দিনের ভিতরে এক ফুল থাকে ব में देव तार्थित कर र को किस्सार दुर्भाग निधा राष्ट्रस्त व तार्गः (लाहाधेम् (सन्। ওলাল নিবাল পর মন্দিরের ভিতরে मुलाह्या তিভিত্তের পরে বার ভূমিকাস জাবন্ধ নছে, ভান্ত স্বাইলা রাপ্রতিবান। বাবেদ क्षीतिकार्य । मार्थिक व्यक्तीय वश्चाक । बाह्यसम्ब वाताल खावल खानाम लगः मानिया गण्यत अन्ति जान मा। क्रीभाता (भानता गुक्सांग्रिक ध्यमान धकरता भरेग्रा

বয়মাগত:, করণার রূপ বা আকর্যুক্ আত্মীয় স্বজন সহ ৫ ছানে 💆 প্রেমাণ হয় সক্ষণ উলার, বিলয়া অবগত আডেন। ইছারাই দিবা- এবং অকান্য প্রাাদ একলে ভোলন জান-সক্ষা মহাত্মা বা মহাপুরুষ নামে | করে। রাজি ১১টার সময় সকলে প্টেয়া মধাপ্ৰথপৰ মাধনন যে, এই জাগাং ভিষাপের জিলা আৰম্ভ হয়। রাবে একটা हर्देगारका नामी अहरन র পীঠখনি , মারে। ভাল টে আবাৰ একট হীব ধায় ( মাজনাচিক। ভাষে। পীঞ্চিত। অব নয় ু ক্ষাফল্ডে গোডেছ প্ৰাণ্ড আলিক ক্ষাধ্যেশ । ইম্বিটোৱেল স্বান্তি । তেই নালেও প্ৰশ্নিষ্ঠ

> नाइन एकार न इच् ११३ न तुरु ५६(४) No. 20 (51) 4 (4) 55 धनकृष्य २० . : : : : : : : अवृतिहर कर्ज का एक # +A \$1610 1 25

ताि : छ।त गमात्र भगावात्र (भारक निव व्यक्ति कट्यात रकाम निग्रमाञ्चलाई श्रा है है। हारका सुद्धा रहा रवर शतका उक्ती ভয় ভিরন্তির ভির ভির হাড়িল কেছি, সংহ, প্রজা ভাইচ প্রকোপী বিলেবজন では、10付付き さかれない 1 ग्रापा थांड ग्रुप्त भारत · 1. 电台电影的 C. 可能。 .८ । कानुबाद, क्रि.काम

> का काम प्रमाम लगा दिशा का आधा भाव भाव द्यांचार पान च उना १-५३-माः

क्षेत्रेश माधुन ५३७० विकास । असम

क्षे जन काल तम थाउँ न ता व न लागाः

( 5) 7 ; 5 ( 4 5 + 2 + 3

当,当时,一,到一种一种当时 रह्मभाषा कटा हाम द्वामायागुप 🖂 🙀 林山一种对对人 医 想到了一次的人都被 如圆形形 इम्लाहर ५ हमी जानका के अपनिर्देश के छ। व्यक्तिमध्यान द्वाम के एकनार भूतिका । भटनारमध्येन नामास्य मुलागर १ कानिद्य । क्षिमास्त्रदर्भोड् साथान्य भारत एम्पनाम ६ ॥ १८८१ - १५ श्रास्त्र । उन्हेश नात्नामम खनुना थिएन निजाभाग्याकनाथ क्षेत्रप्रकाशिकाल भएए ॥ भाग आप्रतियोगां सम्बद्धाः क्षेत्रे अपनीतर्थ । ভিতিত্যপ্ৰ হতে স উপাতিভ্যপ্ৰ মুধ্য ॥

( या: ) শ্রীভিক্তিসিঙ্কাস্ত্রসরস্থা । সম্বাপতি:

ঞী নীমায়াপুরচজো বিধরতেত্যান্ শ্ৰীনাৰদাপনাম প্ৰচাৱিল্যা: সভায়া: ত্ৰী লাকাশীক দেপত্ৰম मुधाकुरनाद्यनः क्षीतांत्र किएकसुत्रानमःस्टबः ष्यत्य खण्डभारका निक्रविद्यवास्यम सर শ্রীননাবনদাগত ইক্রক্ত থেলে ওভে। भीश न्मित्र (न दर्भावार माना के प्राप्त ॥ भागशनिक्षभागरणः निकृदेव्यव्यवस्थानम् ।

প्रत्रा उउ । मरहादमाहम्मन्छर ॥ कीरास्तरपोड़ीसाथ छ भां छ चितिभाद्र छिम মেৰাণ ধুশ্নী নিভাং সম্পাদয়তি

**७३ शतः** ॥ धाम भागतिवासभारभारेका परिण आगीबरक । 'સ્લ્યાનમ' કેંદિ નાસમુખા સિંગના

१७ भु पण्डेष्ठ श्रीभनग्रेस्टर्स नास्त्र । শ্ৰিমাণাপ্ৰ গ্ৰামত প্ৰণ গোলাপাৰ ক্ষিয়ে 🛊 প্রতের ব্রাপ্তল্য কথাকারে ১৯ স্থিন VISTALT :

र्ग पुनरातिसम्बद्ध विद्यालेकारिका <mark>,याकद्य ॥</mark> গা: ) শ্রীভবিদ নিজ্ঞান্ত সর্বভা Ser. 1815-19

के रिकामाध्यक्तरहरू। जि. नगुहुक्त्रमाञ्च

ैं है। उन्हेंन्याम श्रुप्तिमार्गः कर पर्देश ল এক্রীরাশী<del>বল্</del>সপ্তম द राज्य देशनामार देनार छ। कि र निरूप्त । 🕮 ल 🤜 वार्र १८५० है। यह माल्या व्यवसाय मार्थ तकार । अन्याद्यापाने प्राकृतेष्ट लाक्ष्रहाक र न प्राप्ति परिवर्ष १ र ५ । जीए हिन्दुक े, ग्रिक्ति । व

্রতার পার 🕔 ীলের্ডার্ডান্তরের স্থের। িম কপুৰ ব্যৱস্থাকে প্ৰতিক্ৰা ক্ষাৰ गर - १ । यहा च नहां ३ नहतं १८२ **क**रियन

學可[例符] ः इंग्लिशिको द्विष्येतः अय नाम**रस** 🛊 ব:: শ্রীভলিগিলংক্ররণাতী

शक्तां हर

পুরকার বিভারন

ল ংগৰ জীবমপ্ৰাভিটি মভাল পঞ करेरात । प्रशिचित यह करावरण केरणारणव 元1、大国的种创 增加的增长的 **利用的 他** चि.किश्व ८१४ र केश्व **अ**श्च---

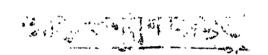
क दिलाकिएका शिल्ला काका मिलिना-यान-निवाभनी है। इस अलग्रहमयी "क्यो **多** 医乙烷十 ভারতম)"----প্রবিদ্ধ**্রাভি**-द्याधि - य भव छान्य छान अनिकात कत्राय 'महित्रत्। मनक' व अकि शक्रावनी केंपहार का प्रकार

कृष्णविष्यात-निवातिनी 🕮 छि। अशासमी দেশী উক্ত প্ৰেৰজ প্ৰতিযোগিতাৰ খিতীৰ ম্বান অভিকার করায় ভব্তিগ্রাহালী উপছার প্রোপ্ত হন।

#### lm ভাজাবিনোলটাক্র বিশ্বাস্থ ভাক্তি গ্রন্থাবিলী



श्वम च - अमहाँकात्रामा अञ्चल का क्षेत्र केर्याक कोरवर भारतक, कृष्यत महिल १४४, विका लिभिष्य के क्या, सी बर्ग रिनिष्क स अवध्यत्तान र . मन . छा र र र শ্ৰীমশাকা পঞ্জ কলাবস্থাৰ লমাপ, বৈত্তাৰত বৰ্ণাপ্ৰ প্ৰ, ১০০১-**ध्याद यक्त्र, मटका**नामनात मकिन धारका, स शानव, ८५सा-**७ के त ०% २९८०**३ ८०७, हम १०४७, आविक्याणी ७३ **किंग्स को बक्तमा, कीरवंद नवा 🕬 ५ में के, ८ फ प्राप्त** व्यक्तिक स्थित अभिकारी, नारधार, कला न वर्षा र र महत्रकाष्ट्री, **ल**हेन्द्रभाषा के हैं (भाग के एक), इन्तर है हाई है जिल्ला कर है। इक्ष के कांद्रीय लागीका, जेर, केंनि, अल्पा के उत्तर-TRIPOTA MICHEL MONACHE HER PERFORMANCE MON ষ্টাম্বার্কার লোক্ষ্য প্রতির্বিত্রত নীতে । বেলী ভালাত্রতে ★】新、お客場ですが、 古行やる妻が、明でおめて「】。 ていくかりん・ドニ シャド थन, क्रीका व्यापन व्यक्क के नगाकन संव प्राप्त संव प्र किशुक्त प्रकाशनम् । अ क अरम्हारातः कर्षाराज्यसम्बद्धः व ... THE REST OF LEE WANT SIZE TO WITH A CO. गुड़भाषिक बार्क ह स्वक्तु पर अक्षा साव शतकत नहीं प्रात्त सा भद्रभ शुक्त (क्षरि अल अ) क्षर्य राज्य के राज्य (राज्य ) शह अलग उ 🕶 🕶 स. १ १ १ १ वर्ष १९८० । हरू अन्तर्भ अर्थित अर्थित स्टब्स्ट (१९८८) । १८८५ ক্ষাল । ই সংহায়ত জনিত হলত লেও । আন্তান ও । ১ THE THE RESERVED THE STATE OF THE STATE OF THE PARTY 5 \$ \$ \$ \$ \$ 9 · ~ 别出了



#### · क्रक्षुचा व्यरक्षात्रम

्रका साम-५५० (साम्य छहे १८५) १०४४म वास्ताके (५८ ४०) १५७)

वृत्ति स्थान कार्यात्व वारा सार शास नाम कार्या कार्यात्व कार्यात्



#### विक्षेत्र भरसाम ।०० व न

নীক্ষণ ভোকানী আৰু নীল ক্ষুন্নি গোপানী সভ্ত ক ইপ্ৰেশজনে যে সকল কথা বাল্যাভন, দাবা এট এটে কাজিপ্ৰেক অৱকৃত্য ক আন্কৃত বিচাৰ আভি কন্যালাত -বিৰুদ্ধ কংবাছে। কৰা ভাষা ক্ৰীন্ত্ৰিয়াক প্ৰভূৱ উপাদা, শিক্ষা কাজপ্ৰেল যেজ্ঞভাবে ক্ৰিমিয়াক ক্ৰান্তে।

#### ভনত গৌলাব্দের সচিত্র

# बीनवर्षाय शिक्षका

পারনা পর বাং ওয়ারের ই এবং ও গ্রেছজনীয় কিন্তুজন্ড ও উপসংলালি গ্রেগ লকং নগানি হ বপলার ঘার পর বিরোধিত ১৯১

#### ভिक्ता ५० जान ४। इ

अट्टा : १ कि. के अप्राहेटन छाटक पाउसकर।

#### 510 L

শ্রীনি লোভদদ স্বাহান্ত এক্সত শ্রীনি সিংসাসিদা

প্রতিষ্থান কান্ত্রিক গ্রান্ত সংক্রণ ব্যাধাসা প্রকৃত্যান করে ১০ জুনিকার এই ১৯৫ জ্ঞান করার দিব ১০ প্রবাসক ক্সেরে করে সংগ্রান্ত্রিকার স্থানিক করে জ্ঞানিকা ভালিকা প্রস্থা প্রত্যান ক্রিক্ত স্থান করে করে জ্ঞানিকা ক্রিকা প্রস্থান ক্রিকাল্য করে জ্ঞানিকা উচ্চ স্থান ক্রিকাল্য ১৮৮০

ស៊ីស្តី។ បៀតឃ្លាំ

# ু ক্ষেত্ৰ সম্প্ৰ

1 4 T

#### क सा उन्म ड

্নাল্ভাগতিহন ও নেট্টারের প্রাক্তান্ত চালার স্থানিত প্রতিক্রা তার্কান্ত চালার স্থানিত প্রতিক্রা তার্কান্ত ব্যাস্থানি স্থান্ত স্থান্ত ভাগ নিজ ব্যাস্থানি স্থান্ত স্থান্ত ভাগ নিজ

> জ্ঞান ব নাম্য সভালে ভ সদাভারস্থাতিঃ ভেকাত আনা মাত্র

# িজ্ঞ পৰ

#### भारतभा न

या शन ग

ে চাকা শেশি আদেশীয় তেওঁকা ১৮১৮ জা উপক্ষার্থায় ১৮৮৮। ১৮১৮ বড় প্রশাসিত।

ন বিবাহন র জেলাজর হাজে, লাগাম নিবান কাজে বিশ্ব কারে গ্রেম বরাস্থা ে সার জাজ ১৯ বংশানী নাম থোগা লাজের বিনা নার্ধ ভ্রাক্তির স্থা মাজিল সেয়া, গ্রেম রাজ্য করিবে।

#### COMP GULL

इ.स. १५ इ.स. महत्यां होत यम

্ত্ত লংক্ষে প্ৰত্ন, ব্যাহার**্জার** এই চাত্ত উত্তর্গন হাজে ,

্রুণ নি জালা ব্যক্তন্ত ক্ষিত্র একটা বেল স্কৃত পার্যুর বাট্টি মার্য হিছা জার বছ বস ১২টা বাজ্ঞাবন নগানের ব্যর স্মঞ্জ বাজ্যাবন

্লোনি ব্যক্ত ভৰ্ষণ ২০ টাকেন, **ইং জ<sub>্</sub>টাকঃ** জয়াস এও টোনিকমাল কলবেলারট**াতে** বং অজুনি নিক্ত বা কলেয়

2月4 - 2日 电1 (1975) 12 (1975) 13 (1975) 13 (1975) 14 (1975) 14 (1975) 15 (19



প্রবর্ড সাইছ জন্ম সংজ্ঞা ডিক্সাস্ত জ্ঞানা

ন নংকর ১৯৯০ বা তা তা শ্বাস্থা শহর ন বই ব্যাস জীয়া

া ন কালন এক নার লিকাবেশ্ব ক্রিব্যার বিশ্ব প্রাক্তি

কাল কাল কাল কালিকাবি ক্রিবাস্থা করা কর্মার

্লাবি বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব কর্মার

্লাবি বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব কর্মার

তা বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব কর্মার

তা বিশ্ব বিশ্র বিশ্ব ব

- 1、4.1 (20) 10 では、・ 4.4 (20) - 1、4.1 (20) 10 です!— ノロ、みかで! (1 かんカー ノコ

> শ্রক্ত না**ইক** পক্ষম সংকরণ

- गानव **- भ**ा 😅 👍

医部门 / 20

বিস্তৃত ক্যাটাল্লিগের জন্ম নিয়ালখিত ঠিকানার পত্র লিখুন— ম্যানেজার— গ্রন্থবিভাগ, শ্রীটেতন্যমত, পোঃ শ্রীমারাপুর, ( নদার)

# বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভক্তিমঠসমূহ

बारिज्डम गर

আৰুর হটগাল

ल है व वस्त्री , काक कि निवास भारत्यक्त, वसीधा

শীনিভাগ্য পৌৰ সংগ্ৰহণ কৰে তথা তথা সমু উত্তৰ-পূৰ্বে শীৱেলপ্ৰতে আন্তঃশীবাস্থ শীচিশ্ব শোলনাৰ তে উট্টিটোৰৰ ময় শিৱানম, না

15 614 1

#### · o (पाश्यीय प्रश्नित

#### ( 8 ) 회 자기 - 리큐이

हिंदिकार स्थाप कि हिंदे किशादिनी भारत कार क्यों । क्याद्य के क्याद्य के देश स्थापक के असंस्थापक देश ते ते स्थाप प् रक्ष के किशाद क्याद्य के स्थाप के किशाद के किशाद क्याद्य के स्थाप के किशाद क्याद्य के स्थाप के स्याप के स्थाप के स्थाप

#### ্ন : তাইছ চ-ভবন

र्ड प्रदेश किं, ५८०० प्राप्त करने हतः दस्या दसमान्त्री

ভা ক।জার হয় দি প ট প্রচীন মানাপুর, বাননপুরত নর্নায়া, প্রচীন মানাপুর, বাননপুরত নর্নায়া, প্রচীনেশ্বিক্সপাধার স্থান্তাক কর্মান্তাক কর্মান্ত্রী ব্রাব্যানাবিধারা।

#### ( 4 ) श्रीमण श्रीम कुछ

শ্রীগোজ্ঞান, প্রক্রণগঞ্জ নাধীর। ।

ভা বিন প্রশাস শ্রীল ভাল্ডেরিনাগর পুরের

স্বাধন এবং শ্রীগোর্গান্ধাপর এবং শ্রীশ্রীনাধা

স্বাধনের সেবা বস্তুমান

१क ०-- ७ कि कुश्च छाजात अक्टात्री कुक्क कास्त्रियो बन, ध्वम, धक् NOTE A THE CONTRACT OF THE PERSON !

#### 

াক কি— শুষ্ঠিব চিভাগিল কী কিছি ৷ বি. কলা, সংক্ৰাৰী - উচ্চিছি লগে ভালি-বি. আধিকান্ত অধাৰণ্টী প্ৰভাক।

#### 🌣 । भारभात्र-भागामध्य मह

ই পার টী, সন্দর্গড়, নিছান্ত্র । ইংগালয়ীন্য প্রত্যান্ত্রিক প্রোক্তাল্য র-লেয় । ব্যক্ত হ—— আছিলিবিজ্ঞান অংশ্যা

#### े - . श्रीक्ष शाक्षाय-मठ

দা পোজে, সাহ গাইটা পি বিজ্ঞান শীহা দান এক্ষারী, সীকুলাশেসক। বিজ্ঞানী

#### ( ): . ब्रीट्याम् क्रियक्त -

মাউল হৈ ভালাল, ব্যাণান। মুনাগোলত কুল্লুকালনার ভান। বিগক— শুজাবংগা ব্যালানী। ১১০ ভাগাবভ আশ্সান

ত্রিলাদার লাজ্রা , ক্রম্মন্থার, নামীকা।
আন্দার নামজ্ঞান্ধা হলাকাটী প্রত্যালন্দ্রার রয় ক্রান্ধান্দ্রার ক্রিয়ার নামজ্ঞান্দ্রার ক্রিয়ার নামজ্ঞান্দ্রার ক্রেয়ার বিশ্বনা

#### ্ত শ্রীপ্রকারণ মত তেবাড়ো, তেগেড়া, ক্ষদন্তে, নদীরা। ক্ষক—শ্রীপত্যানল ব্যভাবী।

(১৬) শ্রীমাপের গোড়ার মঠ

১০নং নবাব বৃধ রোড, চাকা।
প্রবাসের প্রচার কেন্দু এখানে প্রীপ্রকসাল্য সংস্কলেশ্যারশবের সেবং বর্তমান ।
ক্ষক—শ্রীশাধ্যমত ব্রহ্মানী।

#### ८ १८ विद्यामानकी वर्ड स्थानः भूषः, हाकः।

গোপাদকীৰ জ্ঞানপ্ৰকেৰ প্ৰচীন সেৰা হক্ষক—জী গাণগোৎ প্ৰশ্বচায়ী। ( > ) बादगोड़ी स मठ

১% नः वालिकामात ठडायको शिके. त्याः गांगवासायः कलिकासः। उनिहलाम वि. वि. ८५५० व

ন্থানি কলিকাল প্রতিষ্ঠিত কলিকাল কলিকাল-মাচারেইছেলে প্রেছিলেই স্থাপ্ত নালী কলিকালা প্রিকিন্দেল কান্তিন প্রিক্তি কান্তিন প্রাণ্ডিক কান্তিন কান

## ১৬ / **शिकास है (ता 'क** गठ राजनीक कारिनी संस्थातानित । ७ का

শীগ্ৰাই-গোৱাকের ভাভ গেন্ত ক্ষেত্ৰ শীপুৰ্যজ্ঞ বন্ধকারী।

#### १९. श्रीकाशन इक्रमागम मह

তিকাৰি :, বাহ্বপেবপুৰ, ফোননীপুৰ :

এগানে ক্ষিত্ৰক-গোনজ-বাদ্ধান দাগোবিধানীৰ নিহানে বাহ্মনান - বজক---বনবামী শ্ৰীপ্ৰধান্ধান্ধান বজ্ঞান জিলা

#### ১৮ আমলাখোড়া এপয় শ্রেম

বাম্মবীৰে দেশাং ব্যৱস্থান। শীক্ষিক্ৰগোৱাজ উল্লেখন ক্ষিত্ৰক শোৱনাৰী। নিশাবোৰ ব্যৱস্থাক ক্ষিত্ৰকাৰী প্ৰাক্তিক

#### া৯ শ্রীপুরুষোপ্তম মঠ

\*\*\*\*\*\*

প্ৰথম প্ৰী, উটি আন।
ক্ৰানে ইচাগাৰ-শ্ৰানাদনাগৰ কীৰ নি মানেগা বৰ্মাৰ । বক্ষক ভাৱকানাৰী ইচাগ্ৰমান্
ক্ষাণিবাস্ত এক্ষানা ইচিক্টিন্নক।

#### (२०, बीज्ञा-८भोडीय मठ

শাধ্যসংগ্ৰাপ, বৃদ্ধানির পোর, প্রা।
অগলাপ্দেরের অনুন্যর সময়ে শ্রীন্নারন্ত্র অগপ্তান। বৃদ্ধক— এক্ষ্যাক।
ইংপর্মের্থী অস্থান্দ্রী। সহকারা—
বক্ষান্ত্রী শ্রীব্রিন্তিন্ত্রী।

#### (८) श्रीजिक्तिमानम् वर्त

केष्ण्यातः भावतः व्यवतः व्यवस्य व्यवस्य व्यवस्य व्यवस्य व्यवस्य व्यवस्य । व्यवस्य स्यवस्य स्यवस्यस्य स्यवस्य स्यवस्य स्यवस्यस्य स्यवस्य स्यवस

#### (२२, अन्नाडम-,शोकात मर्ड

अन्य समाद्धाननस्ता, कानी ।

(भी -- समाद्धान स्थान-मिकाश्वन :

ध्यास्त्र (भीवरम्याः नहस्य स्थानक्कः

#### :> **७**। श्रेक्केटेड्ड्य **=3**

जीमु गरक्षाम कुछ, जानाम वृत्सावन । ज्ञाचीवारा-जल-स्वाहनकां (सना)

त्य ० - चैत्रवर्गावनाथ अक्रानी

(२८) ञ्रीপরসহংগ সঠ

देनीमधावणः, गाउःण्यः
क्यारमः व्यक्तिशावः गाउँभागः व व्यक्तिशावः विद्यापः विद्यापः व स्थानः । क्ष्मकः व्यक्तिश्चे विद्यागरणान्यः व स्थान्। व व्यक्तिकः

#### १२०। औरेड इग्रदगोक्रोश मह

#### ः२७) अभागतभोज्ञाम सर्व

कुक्रकार, बारमण्ड, कनानाः स्थादन भौत्भावनिद्याण-वारमन (भनः वस्रमानः) भणक---अफ्राको विश्वकनमधीः

## (२०) जासनगाण जनसञ्जय-सर्वे

बाष्ट्रगणाचाः (लाः भाष्ट्रः शयसा वागात्म म ५ वृक्षमृति बोश्माशास्त्रम दशस वस्त्रमानः। वक्षक--- जलनामी खोळालकृष्ण-मामः, खो भाषाद्रमण अष्टरादीः।

## (२৮) विक्रा दशाकीय मह-कर्महानम्

১৮ বেগ ছোৱার, নিউ দিল্লী।
সক্ত — ব্রিগতি বাদী শ্রীমন্তবিদ সংগ্রন্থ গিরি মনাবাক, জীয়ার রমণ চর্মকারণ।
(২৯) ক্যোলাকাশাক্ষার্থীয়ার
ভক্ত — ব্রুক্তারী জীরাবাধ্যার্থী

•

## চৈতন্যমঠের শুদ্ধক্তক্তি গ্রেছমালা

সুবর্ণস্থােগ। সুবিশ স্ক্রবাগ।। সুবর্ণস্থােগ।। গ্রন্থাকারে থতে খতে প্রকাশিত

# শ্র প্রভাদের

ওঁ বিষ্ণুপাদ শ্রীশ্রমন্তরিকি সিন্ধান্তসরুমন্তী গোন্ধারী মহারাজের সেই অবিদ্যা-বিধাংসিনী ভাবাত্রসরুপোয়ের পিনী কৃষ্ণ-কাম্পান্তমন্ত্র কৃষ্ণ-কার্প-বিভাগন ক্ষান্ত-বিভাগন ক্ষান্ত্রস্থানার ক্ষান্তমন্ত্র কৃষ্ণ-কার্প-বিভাগন ক্ষান্ত্রস্থানার ক্ষান্তমন্ত্র কৃষ্ণ-কার্প-পালরার ও ভাগবড়ের সমন্ত্রস্থানার মেই কিল্লান-ভিন্নাত্রাভিন্মাত্র-বিভারক—ঐবর্ধ্ব ও মাধ্যারসের মেইলিক গবেষণাগার—সম্বন্ধ, অভিধেন ও প্রয়োজন-তাত্তর সিদ্ধান্ত-সমৃদ্র।

১। প্রথমখন্ত বৈন্তবদর্শন, প্রীপ্তরত্ত্ব, কালদর্শন, শ্রীন্ধরাবির্ছাব, শ্রীন্দর্শনী, পাঞ্চলাত্রিকী দীক্ষা ও বর্ণ-বিচার, আহাদর্শন ও মনোধর্মা, শ্রীচেত্রতদেব ও তাঁতার শিক্ষা, আপ্রাকৃত সংজ্ঞধর্ম ও প্রাকৃত শহজ্ঞধর্মা, শ্রীপাদ ঈশ্বরপুরী, শ্রীল রসিকান্দ-প্রসঙ্গ, পুষ্টিমার্গ প্রভৃতি বিংশত্তি
সংখ্যক রত্ত্বে স্থালোভিত। ভিক্ষা মাত্র ৮০ বার আনা।

২। বিতীয় অগু—শুদ্ধা ও বিদ্ধা ভক্তি, মতুষোর শ্রেষ্ঠতা কোথার,
নাজার নিতার্তি, জীধর সানিপাদ ও মারাবাদ, জীমোর নিতারন্দপ্রদান, ত্রিয়ুগের ধর্মা ও কুলানী এন, জীমাসপূজায় জীনন্তাগ্রতের কীরেন,
নিগোরগামের মহিমা, মহাপ্রসাদ, জীগোলিন্দ, জীরপার্গভ্জন-পথ,
শীমতী ধুমভাগুলন্দিনা, জীটেভিডের দরা, গোরকরুণা ও কুলাক্ত্রিন—
চার্দ্ধন অপুনর্ব-মধুরিমাপূর্ব-সভ্ত -বিভূমিত। ভিজ্ঞা ১, এক টাকা মাত্র।
প্রদম্প ও বিতীয়—তুই খণ্ড একত্রে লইলে ভিজ্ঞা ১৯০ দেও টাকা.

প্রাপ্তিস্থান : — গ্রন্থবিভাগ— ইটিডত্ত্যমঠ, পোঃ শ্রীমারাপুর, ন্দীরা ।

बनाकत्य श्रकांना		विनी	36) (21)
)। क्रिज्ञानवक्रम्,नमञ्	( 🕶 ) প্রাথম পশু	h•	<b>4 4</b>
<ul><li>(スカー・・・・・・・・・・・・・・・・・・・・・・・・・・・・・・・・・・・・</li></ul>	(ৰ) বিভীগ ৰও	1	• • • • •
/ (中州和 報報・) >>、		>A .	ওঁ বিষ্ণুপাদ 🖺
र वामवद-मन छोड़ीरेड कक्क विकास			(महे अभिमा-विश्व
( अब मश्चवर )			माग्रिमी कोतछ-नारी
। श्रीक्षकाश्यव	৩৮। সিভারদপ্র	4.	—সেবাকুস্তমগুছের
(विकार विकीत मध्यवन) ६	৩৯। বীপ-দিগ্দশন	<b>√</b> •	विख्वानागारतत (गो
। मेजा ( क्रीयगायय-प्रीका-जंग) २,	৪০ ( জাজিশবস্থাকর		মহাজন-জীবন চরিত-
e ( 南田)( 副6部4)建,即41-78 ) 2、	(নৰ্মীপ পরিক্রমা)	<b>/•</b>	गाध्यातस्यत स्मोलिय
रेख वशर्म		/>·	সিমান্ত-সমূল।
१। पृक्षिमश्चिमा कगामीवकः माण्याव	४२ क्या!न+स्टक्क (नक्ष्म शस्त्रा	1) />•	১৷ প্রথমধ
	89 नग्धोशल <b>क</b>	1	J. —
	66 माम15 <b>ाक्षण्य</b> !एडः	, /•	<b>জী</b> বাৰ্শভান <b>ী, পা</b> ধ
a । विदेशक निकामक (वाना) २५	। 6€ । नाधन++	<i>J</i> -	
३०। हिट्य मनबीन .॥•	89। <b>अध्यक्षक विक्र</b>	٦.	
३३। जैदेऽ च ७ इसाम् छ न	৪৭: শরণাগতি	1.	সংখ্যক রত্নে তলো
क्रियवहील मफलम् (वावा) २८	851 केलावनी	1.	🕴 ২। चिटीश
ार्थ। क्षेत्रसम्बद्धाः (नामा ) २५	৪৯ . গোডীয়মঠ কি করেন গ	/•	আছার নিভাবৃত্তি,
	৫ । সংখ্যাবারী		अमझ, जियुरमत ध
	३५ व्यवनक	10	शिद्यां त्रगादमात्र म
	दर। औक्र'क्रिकिक्षास्त्राणि	1.	্রীমতী রুগভাবুনদি
	€31 ##8##*	<b>43</b> •	
	্ দেবশাগরাক্ষরে প্রক	निय छ	
	া ৫৪ ৷ শিক্ষাস্ক-সরস্বাতী-দিবিলয়:	1.	ড়াক পরচ সভয়।
) १ (क्षमावत्य (कृष्टीय मध्यत्र ) he	१८: महीक जिलामनभूमम्		_
P.	৫৬ - ভ্ৰ-স্অম		প্রাপ্তিশ্বান
Sa । वेखाद (क्रमण माध्य-माण	८९ । माशाःण्यानस	<i>ij</i> •	
२०। द्वायामी व्युमाय वात्र (वाना ) ४०	८৮। माञ्चनाम भिकाहेकम्	n/ e	शक्क र
१३। नाष्ठ्रभागा (वीषा) ४०	৫৯। গৌড়ীর মহক্ত প্রিচরঃ	/•	141:
३३। क्षेत्रकिक वृत्तिका मानुनाम १०	ইংকেজী ভাষায় প্ৰক	<b>শি</b> ত	े रिष्
२०। (वराष्ट्रक्षमात्र माष्ट्रवाष	७०। नामक्रमन	1.	
( श्राभाक्षकोच )	৯১: শাইস্যারি প্রিমেপ্ট্র্য	44	ে হোগী াদখ
२३ १ अस्तरहरू	मिटिए इ.स. मना मान्	•	नार्तःहेल गिर्
े २६ । दर्वाचीयन्द्रणासकः 📈 ।	<b>५२ ।</b> देद <b>क ोल</b> म्	1•	
के २७। अमेडीक-माडिका चिन	৬০। দি ভাগবয়	;•	পতীৰ বেঃগীত
े ११। महासम्बद्ध (का मरकार) । ००	৬৪ । ইংৰাটিক প্ৰিকিশ শুল স্থাও	,	্ব বিষয়ে জন্ম ক্ষুদ্র ।
२७ ६: प्रान्थककी सम्बद्धित	चारनगरंदछ फिरलामन		ची कि की। स
२३ कि <b>प्रमुख्यात्रको वा माना</b> नावणकृष्यी १०	७८। <b>८०१या</b> हे दशी ही समक्रे हें व्य	ş <b>i</b> t /	व्यवस वि
००३ केटनामसिवर ( मगरम ७ भाग		-, , , _ (	শীবৃত রা
काष्ट्रा अन्तरः विकृष्टि । अञ्चनाम गण्) रि	्रे प्राप्त विकास किया वर्ष		(3,20, 529, 1

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

প্ৰব্য দিনে সম্পূৰ্ণ আৱোগা

ভোগী দেখাইতে কানে। ছবিম পাণের খনচ (যাওয়া এবং আনার) পাঠিছেল গিছা রেলা দেখা হয় অথবা এখানে আনিলে তেওঁ দেখালা উষধ দেওৱা হয় আন্তান্য লা কবায় পানি আমক নিচে কবে না । গুলীৰ বোগীদেও খনচ বহন কবিয়া চিকিৎসা কবা হয়। বিশুনিক নিবংবের ভক্ত এক আনার ভাক টিকেট সহ নিম্ন তিকালার অনুসন্ধান ককন।

শ্রীক্ষিকীশমন্ত উকীল, মন্ত্রানচিকিৎসক, োঃ নৈকাঠী, বনিশাল। অথবা নিম ঠিকানার সাঞ্চাৎ করিং। বিভাগিত জানিতে পারেন লিভা শ্রীযুক্ত রামগোণাল দত্ত এম, এ, ক্লফসপন, নদীয়া। প্রীযুক্ত থানিগল বিংক, ১১৭, বেণিয়াটোলা ইট্, হাটগোলা,কেলিভানো হ

क्षणानि शक्क । जामार लाक्षण्य शक्क हम माग यायर हास यक्षात ...
पूर्णिया मुख्यात करेशांकण, काणकाकात विक्र किनि स्थान गणन्ति । प्राप्त का स्थात ...
स्थित सामा खान किन्या (भय म्हाजित क्षणा । प्राप्त का किन्या किन्या । स्थात मान किन्या किन्या । किन्या मान किन्या किन्या । किन्या मान किन्या किन्या । किन्या मान किन्या किन्या किन्या । किन्या किन्या किन्या किन्या । किन्या किन्या किन्या किन्या । किन्या । किन्या किन्या किन्या किन्या किन्या किन्या । किन्या किन्या किन्या किन्या । किन्या किन्या किन्या । किन्या किन्या । किन्या किन्या किन्या । किन्या किन्या । किन्या ।

शास्त्राम :- कैरेडएड #2, (गा: क्षेत्रात्रागृत, अक्षेत्रा:

रंग विश्व सद्भाशकि

**એમવરો સમા**વસ વર્ષ

#B199 6

DESCRIPT.

oc । अवदीनगाम-मानाचा

## ৫০ বংসরের পরীক্ষিত করেক্ট্রিয়াহে বিধ---

नावशात कातीता खाल मूछ कहेता एवं नमक टाणरमा मूझ बाम कविहारकम, खाबा एक कतिता वह यह भूछक बहेता भएक। खालमित हायक्षा क्षिता वश्च बक्रेम ।

- ১। চক্তপ্রতা বটাকা—ইহার নামটাও বেবন কামার সেই রক্ষা ইবা লুখন ও পুরাত্ম নেত, মৃত্যক্ত, অর্ল প্রাকৃতি এবং জীলোক্ষিণের স্থাতিকা ব্যারার, বেত এবং হক্তপ্রন প্রাকৃতি লোগে আন্ত ক্লপ্রায়।
- ২। পুসুপ্তিসহায় বটিকা-মাধ্ৰজন।বিধীন অভূৎকট নিজাবিধায়ক ঔষণ। বে কোন বৈধিক ও মানসিক শীভাৰশতঃ অনিজালোগে এই ঔষধ ধাৰণাৰে গাঢ় নিজা হইবে।
- ত। স্তুর বটিকা—ইং। দেবনে শ্লীগ ও ওপত্নজিক দেবা ও শগীগ পাতৃত্ব হইয়া বাওয়া ইন্ডাদি বিদ্রিত ৬ইয়া রক্ত পরিকার ও বৃদ্ধি প্রাপ্ত হয়।

कि किम खाकारमम खारकाक खेबरभन्न मूना खाकि कोगा » , गिकः।

লাধিখন:—আতঞ্চলিগ্ৰহ উশ্পাদস্থ ২১৮নং বছৰালাৰ ব্লীট, কলিকাডা।

## बीनदहीशधार्ममाश्या वमान वव विका ।

ত্রীচৈত্রত মহাত্রভুর বিহার ব পাঁলাভূমি নয়টা ছীপ-সমারত। এর নর ছীপের আন্ত্রীন বিবরণ—রাত্যেক ছীপে বীমহাত্রভুর পাঁলা—আত্যেক ছাপের পারচয়, শ্রীধাম দহাত্রা—ধামাপরাধ কি ৮ ইন্ডাছি বিবর বিশেষভাবে মনোহও ওকে বাণিত। পরেট সাইজ আর ২০০ পুরা।

## |নবজীপ ।বিভৱদ ভিলা

উজ্জাল ব্যোজনার কালোভে উজ্জয় কালেজে চাপা---শ্রীনার গ্রহাম নর্গনি কার্ক ক্ষুপ্রকারীয় কি প্রকার ভাবের উজ্জান হয়, ভাঙা আহ প্রাহে ব্যাণ্ড। অতি চমৎকার।

সাধকক প্রমণি—শ্রীরেক্তরণ শ্রার্থন, শ্রীরেক্তর অর্থের অর্থের অর্থের অর্থনা, প্রেম্বর্কিন্দ্রের অর্থনা, প্রেম্বর্কিন্দ্রের প্রম্বর্কিন্দ্রের প্রম্বর্কিন্দ্র প্রম্বর্কিন্দ্রের প্রম্বর্কিন্দ্রের প্রম্বর্কিন্দ্রের প্রম্বর্কিন্দ্রের প্রম্বর্কিন্দ্রের প্রম্বর্কিন্দ্রের প্রম্বর্কিন্দ্রের প্রম্বর্কিন্দ্র প্রম্বর্কিন্দ্র প্রম্বর্কিন্দ্র প্রম্বর্কিন্দ্রের প্রম্বর্বর প্রম্বর্কিন্দ্রের প্রম্বর্কিন্দ্রের প্রম্বর্কিন্দ্রের প্রম্বর্কিন্দ্রের প্রম্বর্কিন্দ্রের প্রম্বর্কিন্দ্রের প্রম্বর প্রম্বর্কিন্দ্রের প্রম্বর্কিন্দ্রের প্রম্বর্কর প্রম্বর্বর প্রম্বর প্রম্বর প্রম্বর প্রম্বর প্রম্বর প্রম্বর প্রম্বর স্বর্কর প্রম্বর স্বর্কর প্রম্বর স্বর্বর স্বর্বর স্বর্কর স্বর্কর স্বর্বর স্বর্কর স্বর্বর স্বর্বর স্বর্বর স্বর্বর স্বর্বর স্বর্বর স্বর্বর স্বর্ব

## কবিরাজ শশিভূষণ কবিক্ঠাভরণের



মকংখনের জ বগার জন্ত ৬ জাঃ শিলিতে ঘণীভূত জবস্থার ভোটবোতলের সমপরিমাণ উষ্ণ ভাকে পাঠান হয়, হণাতে ঔষ্ণেছ শোন পবিষ্ঠান করা হয় নাই। মূল্য প্রেকি শিলি ৪০ জানা, পাঁইটারেও জানা, যোজন ১৫০ জানা।

অফিস–১১**নং উল্টাডান্ধা রোড, পোঃ শ্যামবাজার,**' কলিকাতা

# ग्रापन ग्राप्त ती

विकास पत्र क बाह्यिकार, देशियविका हान, बाराटन क्रम्याक, वदश्यम, माबारपात्रा, त्रूक वक् ककृति, व्यतिहा बाकृति कक्षण मध्य निर्वाध बारशामा त्रशः यम, योद्या, द्यवा दृष्टि क्रिटक व्यक्तिके देनिका मुमा १० वर्षे ३, अक द्वाका।

প্রকাশ কর্মান বিষ্ণা কর্মান ক্রমান কর্মান কর্মান কর্মান কর্মান কর্মান ক্রমান ক্রমান

## शरेटफ्रांगिन

=

## কোষর্দ্ধি রোগ

ডাঃ এস্, এন্, খোৰ বিনঃ অঞ্জে, বাৰক্ষীৰদেৱ গ্যাৱাটি বিনা বৈঞ্ছিত কাৰাণাকে কোনবৃদ্ধি জোগ আয়োগ। কৰিয়া বাকেষ।

> ক্রিকানা— ১৮ নং কটন ট্রাট, বড়বালায়, কামকাডা ।

## ग्यार्

्र निष्ठभूरतक चार्च बरशेयत्। १० शासाय केनन्त्र, महारक चारवांत्रा १० स्मार्ट ५० व्यक्त कामा, १६ ३१० चार्या । माक्रम भूगक्ता १००० । १००० १०००

## २। ಅकाठायां मक्षेत्रनी (शाकाह

कारमस्य व्यवस्थानम् अस्थान भटनायम् । मृणः > क्या ४:० व्यामा । मास्राप्त णूनकः

# ৩। সন্ন্যাসী-প্রদত্ত তার্শরোহেগর অব্যর্থ আংটা আংগ্রেম না হছলে মূল ফেবং। মূল্য মান সালা। মানুল পুৰস্কা

৪। কোন্ত-বান্ধব পীল

অনীণ, শেটফাঁণা, পেটগেছনার মহোষণা ভিশা হ- আমা। মালল পুৰত্ব। ।

বাতিল ন

বাহরোগের মহেলকারী ও সন্তাতে আরোগাও আজি শিক্ষিত আনাও নাজ্য পুণ্ডা

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তুতকারক। সহর লাচালগের বছ পর লিখুন।
প্রাঞ্জিখান—মনোমোহন লেংরেটরা

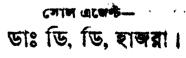
(भाः डेव्रादी, कमलाभूत, शकः,

## মনোমোহন প্রেস

পুক-বাজালায় ভলভে সকলপ্রকার হাণার জন্ত বিদ্যাভ বৈদ্যাভিক্ত ছোলিলে নিবালাপ্র কাজে **ভলিভেল্লে** বিশ্বত জানিতে হইলে নিম ঠিকানায় পত্র নিশ্বন ম্যানেজার—মনোমোহন প্রেস, ১০শং শব্যবসূত্র, ভাকা।

## মরা মানুষ বাঁচাইবার উপার

বিষ্ণ অভালি বাস্ত্রক মণা মান্তব বীর্ট্টেরার জ্যোতির উপন আনিছত হল নাই প্রতা, তথালি বার্ট্টার জ্যাবির অনিব্রমিত উপানে অপ্রিমিত লাফ নাই ক্রিয়া জ্যাবির অনিব্রমিত উপানে অপ্রিমিত লাফ নাই ক্রিয়া জ্যাবির মরা চহনা রাহ্যাবে এবং রালা ব্যক্তার হলের প্রায়ের প্রায়ের ভারতের প্রায়ের আর্থির ভারতের বির্দ্ধান ক্রিয়ার ব্যক্তার বির্দ্ধান ক্রিয়ার আন্তার বার্ট্টার আন্তার বার্টার আন্তার করার ক্রায়ের আর্থির ভারতার করার বার্টার আন্তার করার সভারতার করার বার্টার বার্টার আন্তার করার সভারতার করার বার্টার আন্তার করার বার্টার বার্টার আন্তার করার আন্তার আন্তার করার বার্টার আন্তার করার আন্তার আন্তার করার আন্তার আন্তার করার আন্তার আন্তার আন্তার করার আন্তার আ



কডেপুর, গাডেনরিচ পোট, কলিকান্ত্র ডিকামা স্পষ্ট করিয়া লিকিবের



'জীলাক' টোল --শ্বধাপ

MUNICIPAL EIN

প্রাক্তবারে প্রাক্ত কাজ ১২ কাজ কাজ ০১০ লাভ কাজ ২২ চাক্তিক কাজ মাজ



সাংগ্রেম দেয়া
কাহিম দেয়া
কাহিম দেয়া
কাহিম দেয়া
কাহিম ক
কাহিম ক
মাসিক ১
নগদ
প্রতি সংখ্যা ব

লাক্ততের প্রকাশ বছল-প্রান্থ--লনীয়া কেলার একসাতে মুম্পর্কু

৬৪ খণ্ড ] সম্পাদক—শ্রী অতী ক্রমাথ বলেরাপাধ্যায়, বেদান্তর্গচম্পতি

· Miran

ि ७ ५ मा गरभा।

এটিচতপ্ৰমট শ্ৰীৰাম আহাপুত ্টা বৈশাৰ প্ৰহ্নবাৰ ১০২৮, ১৭ই প্ৰথিল, ১৯০১

## नाना कथा

## আচাৰ্য্য জগদীশচন্দ্ৰ

किम काला है। छैन हरन

शक्त अस्य क्रिक्ट व्या व्या विकास क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक

আচাৰ। জগদীল ১ক্স উল্ভিড কালে মান্ত প্ৰীয়ক্ত কভাষ চক্ত ক্ষ এবং ক পাকল্পনের অক্টান্ধানে ও কাউলিলারগণ
ক্ষিত্র সম্পত্তির চনা ভংগী জয়ধ্বনির মধ্যে
আচার্য জগদান্তির চনা ভংগী জয়ধ্বনির মধ্যে
আচার্য জগদান্তির চনা ভ্রায় জয়ধ্বনির মধ্যে
আচার্য জগদান্তির চনা ভ্রায় অবান করেন।
আক্রান্য প্রায়ান অবান করেন।
আক্রান্য প্রায়ান অবান করেন।
আক্রান্য মান্তির ক্রয়োক্যা।

#### অভিনশন পত্ৰ

मात्र करानीभारकः बक्ष मिन्यम-आह, मन्बीहरू, डिन्यम-मि, खणन्यात्र-यम, श्रामदाक्ष कक्षकथण---

নতাশর, আনহা ক্ষিকার। কর্পোন বশনের অক্ষাব্যানি ও কার্টন্নেমার্গ্রন মাণনাকে আমাণের আর্থিক প্রভাল গ প্রধান ক্ষিত্তি।

व्यालनि, धामात्मत्र विद्यतिकालरुक क्रिकिकासम् काख-अध्य ध्योतस्य

# আচার্যা বস্তুর অভিনন্দন

कालिहार उहालावाग नित्र छे शलदक

স্থান্চন্দ্রের বক্তৃতা

## আদালতে জাল মানুষ

বীম শিক্ষার জন্য ব্রিম্সক্রের বিলাভ যাত।

# পর্জ্ব গালে গৈনাবিদ্যোহ

# बोधाय ग्राश्रुत

"ঠাকুর ভাতিবিনোল ইনভিটিউট্" নংগে

## উচ্চ ইংরেজী বিদালয়

## ्रामा वरे। हरू।

অভিজ্ঞ ও আদেশ্লিকির শিক্ষকর্ণ চান্দিরকে তাতি যাব্রের গহিত শিক্ষা এদান কার্ত্তন্তেশ। বিদেশী ছাত্রগ্রের জন্ম বিনা বাংশুরুদর নাসগ্রনের নন্দোবস্ত হ হাছে। স্থান অভাব সাধ্যকর।

সবিস্তার স বাদের জন্ম নিম্নলিখিত ঠিকান। পর নিশ্র। সেত্রে-জালী, ভাকুল ভাতিপলিন্দোদ ইল্টেড শ্রাচেড্যসম, লোঃ শুমারাপুর সময়।

ी अधिकारताध्य भूटक देशसा বিজ্ঞানের জ্ঞানামুভ কালেও গান করিখা-ছিলেন। মান্ত্রের নিক্স অনাবিষ্ট বয় বড় ওজানিক সংগোর সভানি त्राधन र दुकि न्ड कञ्चनात्र दश्रास्था काणिक क्षेत्रिक्षारिका । एड न्यादीन धाक निष्यान श्राद्य --- भारतात । त्रक्षान्त (त्रव को दव कारन कार्यन ५ हे भवत गुराखनकारी भागिकाका भूटवत कि कि कालन वाका न र्क**्ष**न् रहेकाब कटर अञ्चल अवश धुनिती বিক্ষানস্থ হল্ম এই নগানি কাৰি हाँके विस्कार को रूप । वर्ग हतू में नावश्वत માલા દેવજીમાં અમારવસ્તા વર્ષા છેલાવ व्यश्चकृष्टकृष्ट्य व्यापनि क्यार्टन्टप्रत शहनकी **काळागमाध्यस्य ८गोत्रदेशः चण**्याम्ब कविश्राद्रस्त । जालगावही राज्या र छ ८५ करिकास किंगर कर शाहित हो यह सम ब्रथा हि जिल्ला निर्माटक एक किए । व्यक्ति स्क्ट्रिक्ट्रम । ीन विलंड कारण श्राप्ति । भवरम के शांतकीय मेरझार 🔞 🔻 🖓 १९५५ कोर्य सरकत हेवइते एक द्वारा अलगक्त আপাণ র প্রীপার ১৮৪ বল্লান্থ আনুষ্ अर्गात करी कर्ग क्यांगा न गरमंडी 中报符号 明代 學問書 ब्दर्भार द्वा घर्गः व सिक्षात्वरः 🗵 प्राप्तास्थान W. MEG MICKE को राजद का माक्षर ५ ड करा एउटी न ag ate aterior and 1. P. ( 1. 16)

\_ चारात्व शिक्षात्रात्व क्याहान्। काल्यात्र - नहवर्ति शुद्धकाः मूर्णत क्याहान्। काल्यकाः

অভ্রাণিত ক'বরাছিল ট্রা ভাগারত व्यवस्त । अप्य मेशः ११६ मा १ कार्रे क न्ध्रतिकान-निकारनार । स्वरनीन मान । र प्राथमित अरम्भः पुरस्यम् यूर्णः 'May क्षांत्र र करन्य । कार्राट शहहात 1486 स्थल १४०१ तेच ४४३१ वर्ष अविभाग अर्था कर अपूर्व प्रान वर कालिय जाना २०० एतव भाषां THE TONING METERS OF A COST OF APPEAL IN m 内内の( Me fo か) ( ) भाभ काला, भारत उत्तर्भवन । धूरी **क्षक्षक अस्त अस्त लय हर्मालय के अवस्ति** নৰ আইপ্ৰথ অন্নীত চাত চাত চাত্ৰ সংখ্যাৰ চ মাজুক্তি এই আনু নান্ধানিক বিচ্চাচন্ত্ৰ अब्दात । प्रकारता प्रकार के प्रकार

. . \*\*. \* 41 + 4 P २ काङ्गाका- १ ... s

#### कार्डाका कामली यह उन्हर है जिस

**作・人味・・・ 思信: 1、 ・ セー・1オー 科・・**の 個別的用が動きではくり、 とこれ こうをながら THE TALL BENT SET .

व्यापक कार्याद वर्गा ६ ११९६५ ४ कासदेश **अर्भक** तर्मर १८ १ । स्वास्त्राहरू **कार नीवमस्यव श**कावणा र अन्य १००१ है। tecairis garait a no open mel-सूद्र कोटनाः अञ्चलकार प्रतिकार करोत्र र प्रति ·清醒性 #\$\$\$ \$\$\$ : 100 \$17 \$\$\$ (18) 9 100 00000 mit ete e fe fa'en CREA STANGE TO ME AN AREA MILET महत्र्यक प्रदेशक स्थापन के द्वार करण **कोबर्क समय १९**६० । स्वत् चार्यकार क्रमण लाग्य िकारत्व १ .६ ५ र्वासिन with the state of all the state of the state Maile Beauth .

affariete ein jul ute an कार लोका भाषा, बक्कर उद्धान भागा विश्व है। विश्व व्यामास वृश्वि कर-- गरेमन राखा ६११० देवन प्राप्ताः व्यक्तिक स्था दश्य नामाक्षर चुक्का १ देवर अपन संगीतन mates who sim wife is a straining 可有有限 香油 电二十二十二十二次 经营业 **অনুস্থার উভন পাল** । তার স্বালী ভূম কোক भी भूषे का स्वाटि La Lien Gist where artistication is a serious account ज्बन्न नगरवन अधिवासीत्मक करण वर्गन्त গুৰ্মীয় বিভিন্ন লা**ও** চেচ্চ প্ৰচৰ भारतिका क्यांच्या भव के भारतिक विव को हर १६६ स

र्वेश्वर्षर (मट्लब मधान ७ दशोतन-हार्र अर्थ मासूमन करका, कौश्रीतात (अ ७) भाग मा। ৰাল্ড ভাৰতীয় কাটীয়ভা গ্রিদ হয় 🚉 দৰ লক্ষ্যান লাগতিকত্ব গ্ৰেষ্ট অনুত্ম শক্তিৰ क्षेत्रात क्षेत्र वृद्ध वाच्याप्रदेशक সন্ধ ন-সন্থ হিগ্ৰহক আগন্ত ভিশ্বাহ্য আরু-४८ ० को शः व्यञ्जभत्तः ista a 7

জগদীগচন্দ্রের বক্ত তা हत निहार बहे भीत अंत आहे थी।

करा नवसारक विक् श्रृति । आहरती सन्दर्भातक াম স্থাস হল এশং শানুস্থ সংস্কৃত twenty arms, -- microfi laceter ालकी दुर्गत (१८) मा क्या किरावधान । अपन्मान ी का एक । खल्डाए स्थापक जिल्लानिकार क प्राधान क र स्तार्थर पुष्प करा है। न्यांसहर्ष्ट्रात कार्रात श्रीभागाः অভঃগর ভিভা বাহন, শীস্ক স্থাসাল ্মহারের সাজালিকার Handa stat del, ec はっかとりにわいり うににくた क्षान्त्रवाद्यः हिन्द 14 1M 11 % ; ्राप्त है दुवर यह हिन्स अपन क्रिकी 151 1 4554 4,15 M 81 87 1519 in and Gran n

#### द्यालिकान्यशाला नाग निनम

11.414 4.6-हता कि मा कि खिड़ \$1.0.M '50 可以 製 不多 的故事 明朝 1995年 क्राज्य व मंद्रीय छ.चत्रा अञ्चालमा . . रतः भारताला १३६ सम्पेतः १११४ . . . . . . . मार्य मार्यन व्हर्वाहन्। Bay माल'र नेने देन्य अनुक मार्गित नाव ्षर वर्षात्व, १२०६ वक्षीय व्यक्तिक कराद्राम क्षिक्ति मनार्य ह विष्क छन्।यum 18 प्रशासन मंचायां कर अल्लान अवस् recording their applicate catter of their भोकार, रोषुर भकीत कात, हे.युर शक्त याक्त कि प्राणनीय महिल्ल साह दन कद्र प्रति भारता कृति, जना । आगार्व की नर्भक उक्तम क्षाप्त व भूग गान आप र्गत्रात स्वर्थात दलका मार्गणका । मर्गक रेम्हर शालानारेशकालाब श्रीब अन्तर्भाः

च---काशास्त्र (मटमङ्ख्यादिशिध वना शाम क कक्रमाक्तित महाद्वरात्र **ए।श**ार

#### ত্ম গাবচন্দ্রের বক্তা

অ ংশর সভাপতি উচ্চুকু ভ্রায়ত্ত্র ডিক্রীর টাকা সমস্ত বুঝিরা পাইরাজে িলান্। ভাল সহকের অসুত নিচন্ত্র। বিজ বস্তুতা বিজে দেওায়সান চইলে বিভাতে জানৈক উকীল ও টোলার কুর্বীর ু। একটি বিচাটশালৈ বৃহত্ত্ব মুত্রতি "গণেল্যাভবন্" "প্রভাব বল্প নাকি যোগ আছে। বাছা ভটক ি কং' প্রভৃতি অমণ্রনি ক্রিয়া श्रात्म क'र्याचन डीकाटक व्यक्तिनिक \* 7 4 -1 ] frefer teferre ব্ৰেয় मालिकान वस्ताना नाम 7 जिल्हा राष्ट्रक जिल्हा मा यह सहिल्हान-अस्ताराध्य खुरिभियम् श्रास्त कति दक्त १ को दि कारण दहें ह्यू, वहें खुर्कि सामहत আন্ত দগকে হজ্জ তাল্প কবিলে ভইবে । ত্রীসূক্ত ক্ষিণ্ডক্ত বায় এন-এ, মহাল্ম প্র ्य, अरमत कारक आभागितारक आख्रु- 🕻 सर्भन करिए व करेरना स्थानके सक्क्ष শ্রণ কলৈছে লামরা দৃদ্ধ্বিভ ১ট ार्ग हरेरूल । के खु<sup>र्</sup>क शासन अपीक - करिष्ठार्तस्य (कोर १८०) कहेर १३ विष्णु यु:विमान मा**ल्या**नानिक कोई-ाण पहला किता हिन्दि वर्यन, मुगना भागान । जिस्र प्रति। दे एट श्रेटिश है। शिल्पात 🖡 - ১৪ ४% - भूमे मिटाएक्स, अभिरक मिनगण्ड । कांका दिव्यति**छाण्ड**पूत्र जनस्य क्**टीकांव** ३५ मध्य शक्ष (मश्राद्यमा, ख्रा आव्**द** याम ारकाक अल्लानाथ चर्चारवादन शक्ष निरम्भ **अल्ला केंद्रिक का कक्षा दरेगार**स **विश** খ্যাকন সাধ্য হেনে ন্ত্রনায়েক সম্ভা क्षान्ते नगाना कहेत् प्राटक ना । व्यापि । काल दह महाध माधु है। । शिट श्रीक-如你好! 1 马中一下语 医环龙 中冷脏 五中原 यक चर्युन । ५४० १ न ५४(त. १ का'नहें¢ wiceriel unt bigertige Suig. ११४७१ हैं। योत्र ५ ५ ५ ५ के ले ल जनकार एक थापर ए मानी श्रेति । । । इ. काबा स्वर्धा MINION BY 1891 LATTER MEDICAL व्यव में प्रकास कराता श्राची गर्का

> 030 - miss P (517 1(448: darm.h

Trete) यह रहान कविराद भन्न ग्रेकारक म्भाक्षक अञ्चरवात करदन् । डे।वात वकुडात ME NET BR BILL

### কান্দা সংবাদ আগ্লিটে জালমাত্র

Chiaticha Siger Gengenin enia তাতার আমাতা ও ডিক্রাগার প্রীযুক্ত भतक्तिक (घारमव भरण क्रक क्रिस्फ • हे का मा अस मूल्यासक निक्षे धाक पत-थाछ माथित करिशाक्ति। कामा उन्हा क आला र को उतारण । जा बोडा द्या अध्योग | beateb द्या, अग्रमात च्छिपुक्त व्यापिनी-্নতা নৰ — তা বলাই বাইলঃ বিলিলা ু কুনার গোল, শশিভূবণ খোল ও জন্তকুণ-্ৰ শ্ৰাপ্ত ভাগি খীবাৰ কচিতে প্ৰজ্ঞ বিজ্ঞানে ইংখনিবাৰণ থোৰ

क्रिकीनात थाए। करिया क्रहे श्रा कामामाक जिक मृत्योक रमम रव, रा व्यागम जिल्लीहात क नामात्र (देत नार्देश चाराक्, डाठाव शक्त इहेट्स स्मीकवारी काग। विभिन्न ८१७ भारत मध्य खबरखः शार्थन। कदा बहेबारका

### ৰীমা শিক্ষার জন্ম বিলাভযাত্রা

भवमनशिक्ष दश्यात किटलावश्रक क करात मांजांक दमरण क्यायांत नर ४:मध गाका कहिदांता । चिनि दमधाः रन्ति बटरका भवाक केछ्ड हम नहीं का विद्य क लक्ष्म निष्यान्छ। मध्य व्यर्गात व्यन्ता करित्वत । श्रीयुष्ट हाथ करिकाका किन्तुका (का-अन्तरहित केन्सि क्रताम दगामावेषी) फेक्टलाल अभिक्षिक किरमन। किना करि क्षेत्रं वह १,१६) क ब्राइन व वार्षी

गश्रद्धना करागा (इन्यूकार काम्याने

अबक्योता काराटक अवधी मुगायान् स्टीर्

छेगवाव निवादस्न ।

পর্ত্ত্বালে সেক্তগণের বিজ্ঞাে • खाल्य ५२६ किशालि मध्या व्यक्तानी गढ शारण खक्र इत स्वक् 電響す estite 1 frien atite mts um die fa niet eritie, eint गृहकारी भारतन शानन कतिहरू अभीक লাল লাগ্যসন করিলা অসপর ) নামক স্থানে ইবন্ধ সমাবেল কছিছেছে ।

#### গার্ডাজীয় খাব্য

का का नाम मध्या नामीत् याका प्रा े ६५८६ अरनक्षे। साथ, किस ध्यम भयेत फिलि मुम्मून श्रृष्ट बहराह पार्ट्सन नाहि ।

#### ज्ञाक्ष इत्यात कानमाम (वानवा

लाम भारत दशक गटन जीवी व (मरलप्र नाना शास्त्र व शिक्रेनिशिषा) वि मण्ड निकान्त व्हेंग । यह निकास ফলে রঞ্জেঞ্জের অবসান ছে। বিভাগ शाक्षा अक्षा ख्या<sup>†</sup>वक क्षेत्राह ट्रक्तरमञ्जू चांत्राधीका चात बावस्थ म हा। मा। कहें अवश्रीय स्थायात क काः कः का कि कदिएयन-काहास व भाज कक्षणात विश्वत क्षेत्राक ।

## मामशिक महन्त्रभ

क्षार धार छ। महानवा छ। वजाती **बिधित्गोतञ्ज्ञाततं अकृतिकं ८१वक्**गटनत् मनवर्षे कात्रज्ञ इत्र. काश्वनी टाक्छ-পুনিযার পর্নি ।স (ক্লক্সভিপন) হইছে। मचवर्षात्राष्ट्र छर्जून चर्चत हिगावानि সাংগঠিনা এবং পরসারের প্রতি পর-न्मदार्थ यांगत-मञ्जायन कांगनानि कांगा লক্ষা হয়। তাই আমহা ভৌরাদের क्षवय भिष्य स्मित्क भारे, शिलीनवदील-ধার্ম প্রচারিশী সভার সম্পাদকশন অপরাছে महाडी महात चारित्रणन कतिया नर्नालालय ममा भक्त स्थीय ध्योत िक्त स्ट स्ट स्टा-অশিন করেন, তৎপর প্রমাথ থাতায় শিপিৰৰ গৌর দেবাস্থান্তগণের দেবা-कारपात किमाय-निकासाञ्चारत स्वारपाता भूतकात ७ धळतानामि ध्यनान कतिहा भूत्रहाँड कानारभन्न पृष्ठे।खासूनवरण नकणरकहे त्यवाकार्या छेश्याहिक करवन ।

बणान बाजानीत नक्ते व्यक्तिताः कार्षे केवारा एक कार्यत्र टाव्यवित প্রতি বংগরই বছুবংরবগণ্যক অংবান ♥বিমা নিঠালাপ ও নিঠালাগি এবান करवन। देवकमान ल्याङ्गड एमन काण-পাজের অধিন না হ্হণেও বসবাধি-ग**েश मिळामभर**णत । संगत केरधारमञ **ब्रह्म आभएमत निर्म केल्लान गरक निका-**व्यक्तिक-महत्त्वन-दानहरून यह गान स्ता

গভ লো বৈশাপ মন্নপ্রার জীবান-मामाणुब्रम् रेखुत्र खिलिवरनाम देन्छ-विहेरहेत व्याम निकक जिल्ला ह्यांभी टीयड कि शर्मा भाग महादा अ १ वर्ग ७ -স্থামী শ্রীমহাকিবিভান স্থানেম সহ রাজ, **जिए जिए में। क्रीन्ड क्रज्लन द**ोक मधा-श्राकः, डोटेपुरुक्षमद्भवः श्रीकटेवडकनदम्बः, क्षेत्राम अञ्चलक । त्वर ध्योद्यानशीदकृत **শ্রন্থা** ও বানভাত ভড়: শ্রী মি মারা-প্রয়ের প্রয়ম্ভ ভক্তরের এবং অপনাপর বিশ্ব **िम्या । प्राधियक्षी ग्रम्मध्य प्रकारा**स अक्षिप्राद्यन। औष्णि एक (श्रीताक श्रामा सक्त शिक्षित्रात्रं म मणगात्राव्यास्त्र शत और ५७७ मार्क व्याप्तः । पहिनात्र मध्य मध्येत्र माज्ञ रहा क्षेत्रक थात र में के स्थाप **শর फरुष ও ছাত্রবর্গী** ভবিন্দ देशमासी धारगणुकान जिल्लियामा लाम-প্রথেষ অস্থ্রমনে প্রীনিপ্রছের সম্বর্থে প্রভাব ल्यां इत्या अन्य क्षांजान गरायाद्य निकेष्यभगक् अक्टलबर दीकरेपक्रहरूम नामन करधन । स्वाह श्रीदनीबक्षणक प **बिलेट** राष्ट्र के विश्व शरका मासूर व स्वयूक व्यानीय किश्वः संवित्या स्वानिक मान्यत्र निवित् । अत्र प्रक्रक व्योत्तास साम्युद्वत्र व्याष्ट्रात्तन । इत्यानामा विकास क्या देशा कि

#### জীজীওক্সগৌরাজে জয়তঃ

# দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

## নিতাপাঠা বৈক্পবার্তাবহ

त्यशक्ति मबल माइड-माटला काकृतिय व्यावारि সমগ্র ভারতে একমাত্র মূলভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

स्वाच चाकावुच- Fले। दिनाथ खक्कतात-५००৮

'श्राक्षात शास्त्र' कारान एका **श**ीनेता । नम 🗴 महीकृतमधनी-माना वर्दमान एरलत छीवाता 🗷 🖫 वामणात शमन ভিন্যোরমুন্দরের শ্রীনবণকমলে দণ্ডবৎ প্রাণাম করেন। कतिया औरणानशास्त्र मनत मत्राम উপ্তিত হ'ন। এই স্থানে প্রথান করিয়া ক্ষরেন। এবিংবে মনির পরিজন। কালে। আ ওপয় আন্নিনিত ভইল্মা। की बीट शीत श्रामात्र । अ अंश्री विकास स्वत ্রাণ ম क (जना তহপর ভাতবার সঞ্জীপ্রনাত নবনিম্মীয়ন ম্নে ট্রিঅলাকুড-ভবন পরিক্রমা ক্রিয়া শ্রীপার অতীক্ষিয় ভাতিতাকর এ:র अन्ति भ्रम कर्यन । एक्षि के स्व ষ্ঠ ঠন হয়। তংপর 🛍 মে মায় পুরের। क राम्य अभवत्या गर्दे, रुपम ध्या विवास हो। य নামক শল্প তে প্ৰন কলেন ব প্ৰানে পরণোকগত অব্যচন্ত্র এন মহাশ্যের মহালগ্রের ভবনে সম্বর্তন হয়। ভংগর भाग करतन, ७०१ ६६८० टाङाइख इडेशा वद्भालभाषि धारमञ्जूषाञ्च माधाः व वाच 🕒 भू<sub>रेत्र</sub> हेडिनियम स्नार्कित व्यनक १७४१ता <sup>।</sup> का ींश्र समाधिरक श्रम दश्यम क्याप्र ७ के जन - व्यक्तिभूष भगा। धार्याक्त का - वामनभू देव बाकावर साहेप्रभारत्व ন্যানাশ্বত সুধ্ে প্রবেশ করিয়ে। স্থাটিন ∤ কল্লান্য প্রথানিত কলিয়া ধ্রংধের মুখে বাখার অভিজন করিষা হরগুনীর প্রাচীন বিশ্বনীন শিকার বিশ্বর কল আমনা ভালের ভারে ভারে শ্বর ভালম। লয় নর 🕴 গ্রন্থাছ কাতে হাতে ছেখিতে পাইছে 🧺 মহামন্ত্ৰ ক্ষীপ্তন ক্ষিত্ৰ ক্ষিত্ৰ ভাগেই তাৰিন্ত পামনা কোনত পানা : कामां स जिलागमूरबा रागायमी शव वा १० वरवस करण स्वितिक माडेगा. ६ छ ,

ক্রমা করেন। তুংপর মুখীর্জন সূজ্য ই বাস: বিনৌতকারিনী ভাগারণীর তীবে। উপস্থিত অল্নের হার্দেশ প্রতঃ হট্যা অজ্না- হ'ন। তথ্য কির্থকাল স্থাসিনের প্র ভক্তগণ মুরারীচরণচাত প্রিত্ত গাঞ্চ-গোবিন্দ, এ ইপঞ্চয়, জীপালীরনিত্যা- বারিতে মণগাগন ও ফলকেল কলেন।

বর্তমান নাভিকভার মূগে অভাত জলোগপালাভ্যপ্তবে গ্রমণপুর্বক আত্রিগোর বিকার সভিত চ্পাভাবে প্রমাথ শিকা-भागात्रक, - ভীতীরেধারাক্ষ-দ স্থাতিরান-বিষ্ণু- । প্রদানত ঠারুর ভাতিবিলের ত প্রিটিউটেও ভিছা, জীতীপৌর-রাগ্যাণ্ড, ইটিপ্রাণ্ড বেলিং। মধাণ্ড বজালের প্রথম দিন एक द्वर 🏻 है। देशोत उन्नद-क्रमनाश्रामक- व्यापता गर्काविवास द्वराशाला व्यवस्था निक्षक শুটীদেবীর জীবিল্লানের সমুধে আগতঃ মহাশ্যুকে অগ্রপের চিন্দু শিক্ষ ও ছাত্র-ভংপর তাধারণ আমন্দির মত্তীয়ত বিছাবন্তীয়ত আইকণ্ড হতেত পালক্ষ-কলিকা জীনুনিংক্ষনিতা প্ৰণ সভিতে জীল্ম প্ৰিক্ৰমা কৰিছে দেখি । काय स्टापाता मधात्रम खाद्याम निर्मालका পৰে অৰ্থনে ক'বলে বিচালনের উচ্চত ্য সকলেক লে সংফ্রামণ্ডিত ১ইবে ভাগে वन्धः वृद्धनः ।

নেদিন কোনত জনসভার কলিকভো शहरकार्द्धत (काम सामधात मीनी न श्र-চিলেন যে, বিছালয়ে ম্প্রশিকা জ্যান क्षिल ছाउरनत गटनायाः বিষেদ্রাই জলিয়া ভাঠবে-এই আশকা অ্যোগ্যসূত্র ভক্তবর উয়াও ভূদেৰ এক কিবিয়া ৰক্ষান শিকাণ্টের ১ছনিকা নেবান প্রস্তাব বিখবিসালনে স্থান পার স্থাতিন-স্থা কাঞ্চনবা ।ান নমেক ভানে <sup>†</sup> নাই। আমরা তে কপার স্থিত একমত इट्टेंड भारतिश म महा कर्षा ग्रहा भामाभिगटक प्रका कतिएक शास्त्र, स्टाहाहे भयां । धर्मात कृत नीरिष्ठ छन्ति का स्वाउनस्य अज्ञाद्यहे यागरशत क्षत्र क्षत्र । अन्तिक इत महीर्व रहेका बाहर १ छ। । एक छ। जाता अनुवादः । शक्षः १५ व्यावद्यः वृद्धाः। भूतः । त करन्या ७२५व छोशात्रा नार् प्रात्त धानावित व्हेट्डएव वस्त्राम भीति छ

পরীক্ষাকালে অন্তপান্তবিশ্বনাধানী কোনত ছাজকে পরীকাগুর ইইডে বাহির করিয়া বেশুরার ছাত্রগত্বী নুজ্ববন্ধ • ছইয়া উাহাকে প**লিম**ণ্যে আক্রমণ করিবাণ ছিল। ভারগণের এই একার ফবর **চিত্রবৃত্তির অস্ত দানী কে ?** নাতিকা-নাদের ভিত্তিতে অভিষ্কিত শিক্ষাপ্রনাদাই देशत युग कात्रण सद्ध कि ?

অনুমারমতি বালকগণের ক্ষেত্রমল উর্জন্ম হাদয়কেয়ে যদি 'ৰাদ্যপান'-পাঠের সঙ্গে मात्र व्याद्यभार्यत वीख डेथ हत्, लाहा इहेश के बीक कडि महाच कड़ितड ध्यः क्रमशः आम्भेष्ठतिस निक्रकशासत উপাদশ ও দুঠান্ত-বারি লাভ করিয়া অভি সহর সতেজ, ভপুই 😮 ফলবানু ফুকে প্রিণত হটনে। তথ্য গ্রেডাক বালক 'বড়বৈৰ কুটুছকম্' বাণীর মুর্ত্ত িএই হটাে, ক্তরাং বস্তরা হটতে স্থীর্ণতা দুরে প্লয়েন করিবে এবং অগতে পরশান্তি-মন্যাকিনী এনাছিত হইবে।

## শ্রীগোরধাম-পরিক্রমা

(ভ্রতিশারী জীপার নারায়ণ্যাস ভাকত্রকর এন, এ)

ক ব্লিয়া পারণ : 5, 24-5**3**4 ই গৌরশ ভি গণে পুঞ্জিতে বলেমা অযোগ্য প্ৰা लक्षणि नाहिक कारत क

গোর-পঞ্ছিত প্রাথ মহর ক ভাগেন থাকে বিনি।

यटङ्क श्रञ्जानि প্রাণকুলা স্মরি च्यकि िमान नारी **॥** 

ীল জগুৱালে न में रहमर ह मधान दे"द्र कुलांकरत ।

লানি' নৌরখাম ইছিরে সান্ত भनंत निक्त गाउ ॥

डोक्ट भीताय । य ८भगन-ग€ान . ধান-পরিক্রা-রীকি ।

य । भारत कामारत প্রকট ভাগতে खीनिकाञ्चनत्रवही ॥

विना क्रमा छव **८१ नद्रश्चे दस्य** নামের হক্ষণ করু।

™क्षुनाहिस्य হড় রগনার त्रा क्ये शाम व्याप

কেডি সকলে ভূমিকো নিখানে स्थानभाषि समानदि वे

्षाय भागनि মূপ করি' জুনি শা লগেশ-ছণ্ড 🕱 🖁

सैंका का **मात्र** t. 1 1 44 5. क्ष - अभाक्षास्त्र संविध

विना शोहत्वा 4 55KM শত্তি না**হিক আন্ত্র দ** 

विशाय निरम्भ कंत्रद्य निट्कीन ष्ठतीं उप गाहि कारन । बारमञ् चक्रण অভি অগরগ भाषक नाहिक मारन ॥ नक् चुरान्त्रम স্থাসলপ্রাদ दगीतनिक दगवायन । विशास्त्रत (भवा নিতে পারে কেবা निना दशीय-निषक्रम १ व्यविवि-दनवाग्र শুকি নাহি ভাষ **८**गोत्रदगवा नाहि फुरत । **্রিও**রারুপার তর শভা হয়, **८गोत्रमञ्ज्या**नि छाटत ॥ ধাম সেবাগন করেন অর্পণ শ্ৰী ওক্ত কক্ষণা করি'। 🛢 ধামে সভত গৌর-বিরাজিত অক্তমত নাহি ধরি॥ ধামের সহিত গোরাকের যত শক্তিগণে দেবি ফথে। बदब द्वांशक्क ष्यञ्जल (भवन हेर्रे गांड व्यनावारम्॥ ধাম সেবা রী ভি পরিক্রমা বিনি वामना नाहिक त्यात । 🗬ফ ফুপা-করি আপনি আচরি নেবাদান-দীলাপর ॥

## জ্যামিতিতে প্রমার্থ-রাজ্যের দিগ দর্শন

বালাকালে বিভালবে অকশাস সকলেই জামিতির चारायनक (दन चारनाहना किছु किছु कश्चित्रा थारकन। আম্মিভিতে যুদ্ধ, কেন্দ্ৰ, ব্যাগাছ ও পরিধি প্রাঠতির পরিচয় সকলেই অবগত चाट्या द्राडत ठिक मधावडी द्यान একটা বিন্দু হইতে পরিবি পর্যাপ্ত যে नमछ नद्रम (द्रशा वा नामिष्क छ।ना गाप खाइाता विन श्राम्पत नमान देश, उत्त अ মধ্যবতী বিশ্বটিকে গ্রেহর কেন্দ্র বলা ছয়। ঐ িন্দু কিন্তু একটু হানচাত **इंटरन्टे भन्छ (श्रामाल वाल्या याप्र)** খ্যানাপ্ত জি ( অবশ্র তগন ঐ দরল রেখা खिलाक जात हिक नामाक वना यात्र না) আর প্রম্পর সমান হয় না এবং ঐ বিন্দুকে ভার বৃত্তের কেন্দ্র বল। इय ना ।

वशरमञ्ज मर्प्य मरत्र गथन काइ विकारनञ्ज অভিক্রতা লাভ করিতে থাকি, তথন व्यागता वृक्षित्व भाति (य, क्यामिटित अह ममञ्ज विवास छनि व्यक्तिकारनत बार्का कर े छ। हा অত্যাশ্চর্য অভিনৰ কৌশল উল্বাটিত করিয়া কোন অস্থবিধা ঘটে না। প্রত্যেক দাধারণ মানবগণের নিকট কি অপুর্ক ভাবের চেটা সেই একমাতা সেবাকেন্দ্রের হৰৎকারিতা আমত্ত্রক্ত তাংগদিগকে দিকে গাবিত হইলে আর কোথাও বিয়োগ किय प्रिन चक्कि कविया निष्टहा धरे गणिल इत्र ना, कात्रण सकरगतहे वार्थनिक

कार्मिणित चालाहनामूख रेवक्रानिक জগতে নুডন নুডন ट्यारशानकत्रण व्याविक्रण इहेता व्यामास्त्रत (धानामाल इसम (यानाइयात क्या (य क्ड महाश्रद्धा कतित्रा पिट्टएड. ভाहात ইয়তা নাই। আমরাও গেই আত্মেরিয়-তর্পারপ রাজকীয় পথে সাধুসকের আভাবে অপ্রতিহত গতিতে, ধাবিত হইয়া অবশেষে অনম্ভ নরকগর্তে গিয়া প্রিত চইতেটি :

বহু বহু জন্মের পুছীভূত জুরুতিফলে यपि कार्नामन वाकायात आपि कवि वाभा-বভার ত্রীল বুন্দাবন দাস ঠাকুরের ত্রীগরণে শ্রন্ধাবিশিষ্ট ইইবার গৌভাগ্য লভে করিয়া তাহার ক্থিত.-••পড়ে কেনে লোক क्रकडिंड **अ**न्तिराति। তা' যদি নহিল, তবে বিভাগ কি করে দ (महे (म विश्वास क्षण का'सह नि•6ग्रा) क्रकाभागभाषा याम कि इन्हिल अग्र ॥" ---এই শিক্ষার মন্ম মাতুরাবন করিতে পারি, তবেই অমানের জ্যামতি পাঠ मार्थक इंडरव ।

मगढ विश्व जिलादिका भूग दकछ। स्व জীবের একনাত্র স্বার্থগাড় (w ... 1 खीत्रक5टलत व्यवधान । डॉन-अन्त'न, मकरमत्रहे आमि धवः भक्ष कारास्त्र कारण। (मुझे मिक्रिनानसर्विश्च ८५६)वन्त জীক্ষাই পর্মধর। ভাই অনেনের প্রধেষ্ঠরের বিদয় कानाहेबाएकन,- क्षेत्रतः भत्रमः क्रमः म्हिलाः सन्त विश्रष्टः। अन्यानितानिटर्नाविन्तः भक्ताः করেণ্করেণ্ম n'

यथन व्यामारम्य ममञ्ज खाद्रकि । खात्राक् প্রথভিতে পুর্বপ্রগ্রহাত করিয়া সম্প্র कीवरनत यावजाब भागासम्, द्यायक, व्यापन मकन्छ द्रारु भूग द्राचादकदञ्च सनुभाष्टि इट्स (मदा উक्तिशक्त खाख हर, एवन्डे व्यामारमञ्जू विद्या, व्यर्गेट्टा, नीडि, यनाँ डि - मक्तर भ्रमार्थ खरार डिंक- । নীতিতে প্রাব্ধিত হয়। এরপ অবরায় भारत भागारमञ्ज क्षरम शतुभाव ८७४, क्यार. ঈবা, দেব, মংগ্রভা প্রস্তৃতি কিচুট স্থান पाय भा। द्राउत दक्त ठिक शाकिरण (यमन व्यामारश्चेत्र मर्ता) त्कान व्यममान्छ। था अनामक्रक घटते ना, त्महेक्क मःमादत गनि भागता भागापत्र उक्साव पार्थ-গতি আক্রণকে কেন্দ্রখণে বাভিয়া অগাৎ এक्साब डाहारकहे भूल स्वारकर अ প্রতিষ্ঠিত রাখিয়া কাষ্য করিতে গাকি, हहेरभ षानारमञ्ज मर्याञ

थारक ना।

কিছ আমরা যথন ঐ মূল কেন্দ্রবিত হইয়া, কেন্দ্ৰত্ত হইয়া আমেদ্রির-প্রীতি-CS होत यभवडी इंडेग्रा खळाळ चानिकातिक इहे, एचनडे चामारभन ८६ होगमूह, ८क छ-দেয়। ততথাতীত আমরা ভুক্তি, মৃক্তি, व्यन्तिशिक्षान्ति निमक्तिक वर्षे द्वर मुन त्वारक <del>प्र</del> इतेरड विष्ठां च इतेश क्रमाशाम-পায়ে বাভা, শোক, মোহ ও ভয়নাশক ভোষাগুত হঠতে বঞ্চিত হইয়া গ্রেই।

ব্যন্তর ব্যাধাই ওলিকে সমান রাখিতে 🧍 ভইবে যেমন ব্ৰুৱেক কটা চিক মাত নিজ্পিত। স্থানিক স্থা, সাধুপ্ৰাক্তি, বদাভাও সরব। ८६२। भावस्क, नाइर सञ्चावतात्र लोक्ता । व मता व्याला कति, छोशानत त्वचा द्रवि इस. १महोक्रम भन्नभार्थनारणः शानुभन्न १हराह । आति **छ छ। अस्त । अस्त । अहराह वर्षा कराह ।** ३३८२ ७ अ**गरमङ म्हण्य भागल**्य जापन इड्हा ७२८१५ लिंड ५५म ८०१८६ छ हिक क तिया को (नम्रा ०,७५) आवश्य । कात्रम भूग ८५ राटके छ दिश्वी में उस्ता क्रिट्स भागाति পর্ভার অসম্ন অংথের মূলে নানাবিদ বিলোন উপস্থিত করিয়া অশান্তির আনশ আভাগিত করিয়া দিনে এবং আমরাও अस्ता है अर्थ है। अने न न न न न न के बहु मार्थ के प्राप्त के स्वाप्त के स्वाप श्रुदेशमा, विदेखना छाट्छि मानावित এমণ র বরে৷ ভাবিত হুইবা আন্মেল্ডিয়-জীতিবাছারণ কাম চরিতাথ ক্রিতে ক্ৰিতে জন্মনংম্পা গ্লমেশে ধ্রুণ করিয়া ত্রিভাপানলৈ দ্বীল্ড হইডে থাকিব এবং রুফো'ল্রয়প্রীভিবাছা পরিপুর্ণ-রূপ পঞ্চম পুরুষার্থ প্রেম লাভ কোন দিনই व्यामात्त्रत जारमा घडित ना ।

## ভক্ষভক্তির অনুষ্ঠানে আর্কুল্য

छ्वनी (बनायर्गेष्ठ तास्रवनश्चे-নিবাদী পরম ভাগবত আযুক্ত গোষ্ঠ-निहाती मांग देवकार्य प्रकावकः है अवी-বলে। তিনি সভাপ্রবেং, বিশেষতঃ হরি-কণার অনুসামী। তাহার সরগতা, সভাব-স্থপত দেবাময়ী চিত্তগুত্তি এবং ছরিকথা-প্রচারে উৎসাহ বিশেষ প্রশংসার্ছ। পরম ভাগবত छै १क (গার্ড বিহারী-বাস মহাশর टीमर्लि-(प्रवाह अकावान विवाह शिक्षांता-े (नावित्यत क्षेत्र्हिक्ष्यांत्यत्र सम् २००८

व्यक्तिक र अवाव भवन्यता चार्यक्र मध्या क्रांका जासूकुना कविवाहक । जामना जाना কোথাও অনুমানতা ঘটবার সম্ভানা করি, তারার ভার প্রথমান ব্যক্তির সেবা-वृक्ति भावत छेडरवाछत्र व्यक्तानिक इहेरव ।

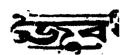
রাজবলহাট নিবানী কথামগত ভ্রমণ-পরম প্রধেষ প্রীতিবাহার জন্ত গাবিত না চক্র ওড় মহাশ্যের প্রোণ্য পুত্র আছু 🛎 क्षित्रहा ७५ ७ और्ष संबद्धान ५५ মহাশর গৌরজয়াস্থলী শ্রীধান মারাপুডে দেবতাগণের ভল্লনে ব্যাপত হই এবং ধর্মশালার সংলগ্ন একটা ফুটার-নির্ম্বা**ণেয়** রুফেডর স্বার্থনিছির উদ্দেশে মুদ্র মুদ্র মধ্য আনুকৃলার জন্ত ৫০০, টাকা স্থান লাভের ভল্ল উহাদিশের নিকট প্রার্থী করিতেছেন। তাঁহাদের আনুকুলায় নিশিত এট কুটীরটা ভাষাদের পুঞ্চনীয়া हारू निम्मू बहेटक शतिथि श्यास यावशीय विनायशका मास्ट्रविशे बानरनम् बानी महर्दा-সর্গরেপার ফায় অসমান হইরা আমাদের প্রার নামে এতিটিত হইবে। ভাছারা মধ্যে পরতার বিরোদের সৃষ্টি করিয়া তীটেডজ্ঞপাদপীঠ-ছাপনের আছুকুলা বারৎ সংসারে দ্বোনকার আবাহন করিয়া আর ও ২৫ · টাকা প্রদান করিতেছেন। ্যেই শ্রীটোভক্তপাদপীঠ জাহাদের স্বধামগুদ্ধ নিভিকানী ও অভাতিলায়ী হইবা খোর পিত্রের ভ্রমণচন্ত্র ভ্রজ মহালয়ের পুজার্ব द्धान इ होरत । अनामधक माना व निष्धान প্রকৃত প্রথান এই ভাষোণ্য প্রথম শুদ্ধতির অভুটানের স্মিত মাত্রপিত-স্থাতির লাছ বিধান করিয়া পুরেন্ধ আমূর্শ স্থাপন করিলেন। ভাছার। উভরেই মৃত্যা-

### <u>শ্রীপরুম্যাত্ত্র্য উৎসব</u>

আগামী চই বৈশাধ ১০০৮ সাল, ২ শে এজিল (১৯০১) মজলগার আকাশ্ব-करोत्रा विशिष्ट **धी**े, जनशास**स्यक** र द्वितः व ताशामनगरमास्य 😉 🕮 अमाद्रा-धत-५८अत ) के**टलल या**ओ व्हेटक अहे नातन, २०८० कुनाई भनिवाद की मिल ग्राब-দেবের পুনর্যাত্রা পর্যান্ত নী শ্রীপুরুবোর্য মতের বানিক মহামধ্যেশ্ব অঞ্চিক टटेरवः ७०८मा का**या**ष्ट्र : वहे **स्**नाहे বুদবার নিভালালাগ্রেষিট ও বিষ্ণুপাধ -खीं डेब्ल कल्जिविदमान के कुदबन ग्राम वाधिक विज्ञश्मदश्चारम्य हरेका । यस-তপ্ৰক্ষে ভাষ্টে প্ৰভাৰ 🖰 মন্ত্ৰাগৰভপাঠ. ব্যাখ্যা, ভাগবছ-ধর্মবিষ্মিধী বস্তুতা, 🦠 **এছিরসর্বার্ত্তন ও ই**ংগো**রী হটবে।** সামত-পাজে ভলিফদবানী হাহিয়াছে । (य, श्रक्तरवाखम मर्ठ व्हेट क्रम्स विध्य मर्ब-माष्ठ-वर्ष-मञ्चन्नकातिमै শ্ৰীচৈতক্তবাৰী প্ৰচায়িত হইবে। कामरमञ्ज्ञादम उप्रशिवि कामामनाथ. ঞ্জিকালে জীয় মতে প্রগোরাহণবনে, उक्क किया बार्टामध्य महामद्दारम्य.

**अञ्चितियदेवकथ प्राक्षमञ्जात रावस्थान** हु मकनटक ८३ छेरमट्य द्यांश्वाम क्रियामः सञ्चलकाम कतिएउएक।

#### াক্ৰা নালকাক্ষ নিৰাজ্য ভাকে গ্ৰেছাবলী



Benge - Bunferfechte Storbe Giene-Bufen eleas mines, neus nos nues fust e क्षिणिक क्यां. क्षेत्रदेश निष्य क अध्यक्षात्मक एका व्यक्ति -किथाना अक्ष कर्म न्याम समान, देनांसन अनी श्रम चा. देनकत-क्ष्म क्षेत्रण, लक्ष्मणामसाव महिल लालका, मात्रा रच, राया-कक्षिक के क्या बाटक्स ८०४, वंशनाध्या, महेवल नामी श्रक कार्किक कावक्रमा, कोरवड वक्षा-का का मुख्य, देखा-गुरस्थत कविषेत्र 'कविष्य कविकाती-रिठात, कवा व कविकारनार माचकशा, भाक्षामणा क देवकश्वामणा, त्वरण कक्षणीता. ऋशव न बच्च का कालाव आहे। छ-८७०, केनि प्रथम् । व रणोद-किक्**षाम अल्बर, नवश्यात्वर शहर अ**जिल्ड काइन, रब्लून **राष्ट्र क्रमक दक्षों अनव्य, अकि रिवर्डात, मील्या, देव**ी अस्वाराङ्गा ककि. मथक्कान. श्रम ट्यट वासकारी, भारकीयदम. च्यून यम, जीजाका:तम काम म मनावन प्राचननाय घराव निर्मुह श्रदक्षावर्णः स क मन्नकश्चाः करमानक्षान्। स न विक क्षेत्राका अब अवस्था शहर के व का कर्म करिए गढ्याणिक बारकाश्चाक्ष्युःक्ष्यं फळाला वः मरनद्र नाविद्या लाः महम्भ मूह्यः प्रात्तिवतः क करकण नवमः स अमञ्जाली अप ध्वापातः marima ou eta i fuinecutati-atgaucetatere semen as sistige Gien bestehnt mirte biebe क्ष्री, क्यानाव हे न कि बान किल्म मध्य कवा व्यवस्थ । विक्षा वाष्ट्र, दमानाव करण नाम दणका उनका वेरिकास 6 ga 418,9 : \ Ale |



### • हकूब मःश्वत [म्मळ बीबाहें-- २, कृषे हाकः व्यावीमा---১৮० পোণে छुषे हाका

ৰুক্তিপূপ শাস্তবাতঃ বাবে প্ৰাডেও মানবের নিজা জন্ম ও আনতঃ সামায়ত কত্তবা নিজাডিত হতরাতে। অভেন,আন্ত উক্তি সমাতন শাস্তবাকঃ বাবে। সম্বিত ব অমাণ্ড হত্তবাতে। ধেতের, মনের ক আন্তার ধ্যা কি চু ব্যালক, স্থাক, নীতে, বন্ধ কি চ ক্তালে বিষয় মানুসাবে আমল ক্ষুত্রভাবে ব্যাক্ত্রক্তারে আলোচিক ইয়াতে বে, ক্রুত্রকালিক কন্ধরা বাহ না।



दिल्ला मरबद्ध । 🗸 । आमा

শ্রীরূপ ডোমানী প্রাক্ত নীন ব্যুনাথ গোরানী প্রান্ত্রেক উপাল্পজনে যে সকল কথা নালগাকের, লাগ এক প্রাচে ভাকস্থেত কল্পকুল ও প্রতিকৃত বিষ্ঠায় অভি প্রকর্তাতে বিষ্ঠা কল্পনে । কলা কল্পা শ্রীন্ত্রিমায়তাপ্রকৃত উপাদ্ধর পিকা ও কল্পেশ বিশ্বাহুত্বাহর গোলিয়ার বহায়ায়ে ।

## ৪৪৫ গৌরাব্সের সচিত্র

## শ্রীনবদ্বীপ পঞ্জিকা

শার্মাপিক বাজিমারেরই একাত প্রয়োজনীর বিষ্ণুক্ততে ও উপবাসাদির ভালেকা সম্বলিত বাংলার যার ঘরে বিরাজিত ইউক

ভিক্ষা ৯/০ কানি: মাত্র ৯/২০ ভাক টকিট প:চাইলে ভাকে পাঠান হয়।

ध्वाक कि

জীল পোচনদ স ই।কুররুত জীতিতভামগল

ওঁ বিশ্বপাদ শ্রীশ্রীসন্থতি সিদ্ধান্ত সর্বাহণী গোন্ধানা প্রভূপাদ সম্পাদিত ভূমিক।; ট্রোকের অবস্থ, নক্সাদ্রনাদ, প্রতি প্রসালের ও অব্যের কথা সাল্ল, শক্ষসূচী, স্থানসূচী, পাঃস্থানী, প্রযাগগ্রন্থ, ভালিকা, প্রস্থানী প্রান্ধতি বিশ্বভ সূচী সম্বাদিত গোল্ড, অক্ষরে জবল ক্রাটিন, আইপেল্লা আকাবে ক্রিট গড়ের কাগতে ছাপা। ভিকা---। টাকা

## 

ामान्याः व्यान को भारत्रकृष्ट्य प्रश्न विभागित है व्यानम् म दश्चन स्थानात्रः नाम प्रशाः प्रञ्च । १९४० । यावतीर विश्व स्थान स्थाद्यां स्थान । इसे अस्य श्रः व्यान व्यान स्था स्थाद्य म सिक्ष व्यानम्बद्ध प्रतिन्ति स्थाप्त । स्थाप । व्यान स्थानम्बद्धाः स्थाप्त । इसे भारत्य । स्थाप ।

## देवकवमञ्चा नगर्का ज

( भागर भोगर भागा ।

নিয় : — ১। ছিলিশালে নানসং শক্ষানগীর আর্থ ।

নিয় দিলনের বৈন্দ্য নানসং দলি ক্র । নিয়ন্ত্র নানসংশালি ।

নিয়ালিক ও শিলাকের বৈনেন, ও। নেয়ন্ত্র সভি প্রান্ধন ।

সমূহের ত হ যা ও বিন্দ্র । যা যালি শবের দলা ক ও

শক্ষি আৰু মূলে মান নীয় লগা। নার্যাপ্ত প্রকাশ ।

১০০ বিলি সমূহের ক্র ক্রেড, ১য় স্পু দল্ত, ত্র প্রাণ্ড দল, ১০০ বিলাপে, চারেসপ্ত হক্তেড, উ.কা (ব্যুম্প্র ভাবত হ

## ই ভিক্তিসন্দ ভ

১ম খণ্ড ১ এক চাকা : রখণ্ড ১ টাক --শ্রীমন্তাগনতের ও গৌড়ারের প্রাহকগন ।।০ !
টাকায় সূত্রণ বাইনেন টান্নলগন টান্নল ব দ গালামীপানের গতিত গ্রহা চল্ড গট্রালাভর ফানিক প্রাহালনীর মণো প্রাহণ্ড ডবল কামন চ মধ্য ভন পুরাহালনীর মুক্তর চট্বেল।

> শ্রমকালাগ্য সক্ষলিত সদাচারস্মৃতিঃ ভিকাত খানা মাত্র

## বিজ্ঞাপন

নাব্ধ'ন

সাবেধান !!

.ক. কে. লড়েক চাক। শিলি লাদ্যান্ম কৈকিক স্থান এ অসংকল এবং উপাক্ষিত্য সক্ষান প্রতিত্ত এবং প্রশাস্থিতি।

থামর। স্বস্ধাধারণকে জ্যোইতেতি, বাধাম তেল থালে করিবার স্থায় শিশির গায়ে খংরাজী অক্সরে জে, বি. দও এও কোম্পানী নাম খেছিল দেখিয়া খারদ করে বন। তুবা জ্যাতোরগণ ক্ষণরের ও এম তৈল দিয়া প্রত্রন। করিবে

## কেলাস কুইনিন

্ৰুড্ন এবং পুরাভ্র মারেলরিরার যম

্তি হাতে জ মন্ত্রায় স্থান্ত্রন্ধ্য করিছে। তিন্তু ক্রামন তাংস্থানিক কাং স্কৃতিকোন করিছে।

্ এব ,ফবাস কুত্তিন ছাতা হচ্ছকণন কবিলে এজ্ব বা গুড়টী হছেক্লণেক স্কল্যাৰাত কঠিন ম্য হৈ তিয়া **অঙ্গ স্বত্ত** কহে তবা ৬ বছাতে ১৯টী বল্লেক্সলে নাবেল্বিয়ায় স্মত্ত হিন্দ্ৰান্ত নগ ক বয় ফেলে।

চ ত্রপ্রপুর্ব প্রান্ত নাস্থা — মুখ্য ২ টা কা, ট্রং জ্ব টা কা বাছার কোমবানার এই ক্লোন লাগে গুলবেরটারীকে নহাত ভাষাবান যে ক্যিকালা।

্গাভার-বেশ্ব-জন্মতে অভিনৰ গ্রহ



প্রকাচ সাইছ প্রমা সংক্ষরণ ভিকাস - আরা

্দান ও মানের চেক্রা আমোন্ডারাস্ত্র শাল্যানান্ডকা বপল জীব বুলি ও শারে, জালে একমান্তে লোড়ারাস্ত্র প্রীক্তরাবালের প্রাক্তি ইংগার কোনে কান্ত ই আবেশামন্ত্রী প্রান্থলী হল এবং ক্রিওলবানে সম্ভাস্ত্রাকরণে লোড্ডগারি প্রাক্তানান্ত করণালার শুন্তাক কয়, ইত্যানে বিষয়ক প্রাণশালী প্রাপ্রনা ও আস্ত্রান্ত ব্যান্থলমান প্রান্থ টিডিরা সংখ্যাপ প্রকাশিক ক্রেরাট্ড

> ভিকা আছি বঙ্চ / ০ এক আন) ২৩বিচ (অক্সান্ত / ০, নবছীপান্ত ক্ষান্ত /

ACITION OF

नदक्ष मा**देश** नक्षम मर**क**डन किका /১•

মাসত অভাচ নতন অভাব ও কামনার বনবান্ত রচরা পুরুত্তার কে কলগোলকে কলগাল বালচা প্রচাদ কলগান প্রচানে কামনা কেই কোন্ত্র আছিল নামত প্রচান এ নিজা বা মধ্যান কলগান প্রচানে কামনা সেই কলগালকাতে নামত প্রচন এই একল কথা স্বাল বাবে বাহায়ার এই কলগালকাতে বাজাবিক্ত কলগোলে বক্তবাত্ত বিভিন্ন প্রচন্ত্রকাল নিজ্ঞানবাত অভায়ে

বিস্তুত ক্যাটালগের জন্ম নিমালখিত ঠিকানার পত্র লেখুন—
ম্যানেকার—গ্রন্থবিভাগ, জীটেডন্যমঠ, পোঃ শ্রীমারাপুর, (নদার)

# বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভাক্তমঠসমূহ

बारें उंड ग प्रत

আকর মইরাজ

क्ष ठीन रत्न्दीत, छाक्यर द्वीसात्र भाषालुब, नतीवा

ব্রিমতগ্রাপ্তান কর্ত্তে প্রায় ৩০ - দশু মান্তব-পুরে সীচরকপ্ততে আচানারত সীচকত स्मित्रक कारण द्वी क्षित्रक महाविश्वासमा ।

रमें हान शा अन-रोबे, नवांतक भीर ता नावन सक्त छती । वह प्रका रोहर्स सेवांत-লামান্ত বাকি পালিত বলক্ষসমূহ, পালাবেল্ল ক্তান্তানাক, কালাক, অব্ভাৱ, তথা 西部へ衛行・東西舞・一をあいかな n hyrety action - 4 期刊(MAT wat theft 副おか . और अभावाक कर ना विभाव के जाविक अभावाक शिक्स माध्यम । विकास माध्यम । का जा के कि साम के कि का का বিআকের নহিছে লিক্তা হোটিত হংগ্রেছেন ৷ এই মইব্যাল প্রেমণ্ডেক প্রেমণক কার্যক नक्कालरहरू अन्य कालाम के के लगाहीने अवस्तारक लाहाब रहें। वसके मार यक्ष हर 朝後衛士 etalend - 智能のthat man mires alog a sale a manter b b ● 確心 明れな別で おかいけいすまれる fe saine matie sett with a come -- attactal किलाम में अपूर्ण । भवकारी - देवे एम जिल्लामिका हो अभागी, पांछ र रहेलाब ,सारकाम है सक्तरही १७ इपानिश्च, केलाम ती-कल अधनाता, शांकर क्षेत्रान-रामम अक्रातनः, १९ - १९ १९ १९ १९ १९ १९ १९ १९ १९ मा स्ट्राह्म स्ट्राह्म अञ्चलका अस्ति । अस्ति स्ट्राह्म स्ट्राह्म स

রিদল্পিরামা উট্-ছাজাকাদীশ ভার্থ মতারাজ । ধানে ছবিক্ল ক্রিল করিবে । ছ- ঃ

#### ্ত : যোগগাঁত টামন্দির

重用 医乳头 医复数形面线 "我""数十二年月时,对 भिक्षणाराक्राकृत स्वर्गन्छर कृति सक्टर सन च्या क्षान देशकारी शहा ले मिरिका freiging fleitenitelier ein Gitabeit 🕶 🛴 १म१तुर, धर रेश को अन्तर कथा। ह्यालपार with the section of the section নাল প্র ুপ, আর্থী ভাইতি প। গ্রাভু জীলতা-MIN : HOOLED ELFORISH BOTH क्षेत्र भाग बन्धार है। देशमान भाग अ'न-+10°, (47,4.4) € 11,44.41

#### (8) 国内河 科斯山

श्रीक्षाक्षक की खेल-किशन ता . क्रीरश्रीवनीमात्र वान्युनी । दलार- अधि तन जिल्ह्यानक क प्रकारक अपना बक्तान । Burg - Reihimin am ich. Eto. . ser. हैं। शाक्त नाम नाम की ।

#### ( ? ) 'CIČEB-EAR

আই ছালে ট্রিমবের হাজুব ভবন এবং Late. 4631 . 1

#### . ७) काळाच सम मिल है

क्काठील साधापत, याग पुराव (लर्ग) हा। **अ**क्तोबक्रमाणाव औठाम » ची व पम रव । बक्क -- बक्कहारी है। विश्वतान विश्वता

#### ( १ ) यांभण श्रुष । युद्ध

श्वीद्रशास्त्रका अक्षराध्य ( अमीवा ) काराच विकास शक् का अहिंदनावकाकुरवर auffe nar bernfestuten unt Billein: अन्त १६ जा । वहासी

१क्षण - (४५७म छाङाङ उक्षण्डी कुक्कशास्त्रकी बल, बन, दक्क

#### ८ 🛩 🖟 🚉 अग्रहाय 🐠 के हा अ यह wen fires 1

तक्षात्र — ते.विष्ट्रतत्र क्षां काला ग्री १००० । त्. । त्रतः त्रकारी--- व्यक्ति सम्म काल- । दश्यक -- व्यक्ति राष्ट्र राष्ट्री । लाही. की कान्य का सकाही छाज्ञान ।

## ( २ ) शिहात्राज अभावत सह

\$(ute के, मन्द्रणक अख्याम) 到: 对你了如一如 病 311- (41) (-্ৰা: রক্ত- আনিবিধান আন্নয়।

#### - ১• ; औक्रथ :गोडाब २४

#T. 1別数、 #N 1 11 6 15 , 174 तक्त क-- हैं। इं भाग उन्नाती, केंकुल्ट्स्थर

#### ( ১১ ৷ জ্রীমোদস্কলভন্ত –

NEW'S, WINSTA HERINA की नागर कार प्रकृत मुक्तानालव साम । ক্ষেত্ৰ বিশ্ব বংগ্ৰ রজনানী।

#### () ) STUAS WINA

धानावतक (टा , काम-शत्र, नमीता) क शवर्ता काक अक्षात विकास नामाना है। cm + -- "[uelum entil] --

#### ( ) ७ : श्री अवश्य सर्वे (हें न पढ़ी, आधार्ती, ककनगर, नहें, हा

रक्षक---≟श्रवहुषाःतस अक्षठ्रादीः।

## ( १४ १ सीमाप्त दुश्कास मह 110 E. Git. 0 Prip. 5101 भुष्य राज्य । अन्य अन्य अन्य । अन्य अन्य

्यो प्रभावन्यानभावन्द्रबद्धान वस्त्रमान । comme Bringen anniet;

#### (३०) शिक्षा शानको सह कमत् भूत, ठाका।

পোশাংশীৰ প্ৰাৰ্থনেৰ প্ৰাচীন সেবং रक्ष- है भारता उपकारी।

## () बिदगोजीप्र मह

১७ मर कालिजामात एक रही हैं। जा: नामनाकरिं, केलिका वा e अधिकाम नि. नि. ७५५ व

প্রিমগালা - ক্রব পাটাবিত প্রনিক্তর ভক্তিপক্ত-প্রচারোলেকে গোলালাক সক্ষার্থার নগ্ৰী কলিকাড়ের উচ্চকিলিলের আস্থান শ্রীমত প্রাক্তিক কারেন। এই ক্ষেত্ সহবাং তেম জী ক্লাকোরাজ জী হলেদ লেজ জী মপাবলে নিজা দেবিক জন। পোনীয় ন্দ দানবেরত নাবজীর প্রস্তাবলীত অভাচ। বাজেশে উম্বন্ধে দংগল্প একটা কল্পত স্থান মচাল্য সংগ্রতিভ ক্ষরচাঞ্চন। পুলিবীর স্বৰ্জ 🕮গোলনাম প্রচার্গের 🐠 ম**হাপ্**র ला १०० गता, ।स. अञ्चलिक्षे प्राणिक गाँतका देशांकी कावार ·.. (3#7 विधामककार्त शकाम्ब कर्राक्षका। 🕮पठि गत्र संबोधन, मञ्जादान-हाकुद्रेष्ठनद्रवाहरू উন্নত্তালাক, প্রতিচাল্ড চাকালালাকালাক প্রাধানক সমাক্র অন্তর্ভাই কর্ত্ত থাকে। মসবজ্ঞ ভাষাটোত ভূগিলন কুজাবতারী বেছাভূষণ। সর্ভারী ভাষাক্ষ শ্রীপার অন্তর্পান্ত স্থান প্রার্থিত ভূমবারিনতে, লীপাদ ওক্ষরারক প্রতিশ্রাবিন্যাল ক্ষিত্র आभाष तामानकाती अकाती. जीमाम व्यवस्थान मामानकानी वि-a. जीमाम < बद्भागान क मार्गिकरो, तथकारी तीकी हनानक, अधारणी तीमाधीस्थाकन, अधारीती लेकिमानन कविन्तु हो होत्या की सम्बद्ध । माध्य हाना सरी सम्बद्ध Rid storm. A ME's !

## . ১৬ - जीवना हे-५१४ ' स गठ

From waited may alfage द्यानमाहन्द्रभेत्र त्यव । भाना दलक

#### ১৭ - শ্রীভাগেৰভজনালক ১১

that's 1, etsierenge, interfreger ENICH Page Meren State প্রিবলীক নিজারের র ক্ষান্ত কুল 🔊 🚃 ह्या न र र जानको । युक्त की सबा

## ১৮ আনগামে(ড) লগভাতাত

नामन्। भ द्वार १ फर्मा वा

जी प्रकारवादाक स्ट्रिय हा काका 'शांक्रमारी ल Gettert : ama--antint miete-[ \*C=7# 1

### () अ. शिशुक्रदशासम् अठं

99(410, 9 d), \$1:411 1 ente Fruit-fatette trafe feet-.स.च. तदमार । दक्षक - अक्राती Tevica . नम विवादक, अक्षादी से मोहानक।

#### (२०) जीजण-८भोडीस मठ

व्यागतकाथ, अक्षांत इ (च :, जुरी ) अभग्नद्देश्याच्या अलवस्य मधास ड्रीमण्ड 849 a 1 49 0 -- 485 (d) व्यापन्दरम्बदी कामामकी। सहकादाः... द्वजाही से वीलनावश्रदी :

#### (८): श्रीमध्यमानम सर्वे

Bigg11:WIA. 4841

यम्द्रम अधिक- जावाक-विद्यालकान. कीद किष्ठात्मना वस्त्रान्त उन्नहारी वीजगण्डता

#### (२२) जिम्माजन-भोशन वर्ड

Con the

1.41

अन्तर प्रश्नाचानम्बः, कामी १ Ceil - राथ. अ.ग. अ. अ.श. १०- मिकाचुल है ent a collected agains and -द्रीयानकी नावकी

#### ः **छ। छ। क्रयादेष्टक्य ॥**३

वीन गरक्ताम कुछ, जीनाम बुखानन ह m Boiti-Bu-cuinneite (#411 १मान-चेशन र्वतन्त्र अस्तरते

#### (२८) अभ्यक्षभवः म सर्वे किमियातमा, गाकाश्व

 इचार्न दिकाशनक नाजनाना च Bicere feculu feminale cuel again : व्यक -- अक्षात्री सम्मारमानम व अक्षात्री क्षीमञ्चाकतान्।

## .२०/ औदेण्डलदशीक्षाम वर्ड

是是有意思。(Boga. Ithenat : got भाग रात. शिटक-नामक खत्रकाती । श्रीकाम कीन अप्रथातिक ।

#### (२७) धिनामध्योकीय वर्ष

BACTICE, WILLIAMS, MAINS MAICH भीत्योवनिक्ष म-बाट्यन दशना वश्वमान । रमक-विकासी देशकानाची

## (२५) जावनगढ़ा अनवास्त्रव-वर्ड

अकिल्याका, त्याः बाख्, हायका कार्यात सम्बन्धाति क्रीरभावादसम्ब दशक नमधानी। १कक--अन्यामी खोखा**रकक** म'त. बी ाबाध्यन बच्चनाती;

## (२७) भिताः व्याकीम मठ-कार्याणक

ie fon ining, fich fem 1 ध्रण - - किकिशियांचे क्रिवहांक मस्त्र fuls voterm, Elain sur Bernad !

(३३) द्याप्रायणाका क्ष्मात्मक वण्य-जन्मादी बोधारमान्य

## চৈত্রসাঠের শুদ্ধভক্তি গ্রন্থমালা

व्यक्ताकारक क्षान्तिक	১৬ জীল প্রেন্থপানের বন্ধ্যানের	भी
ইময়াগবভ ম,শম্প্র	(ক) প্রাণম পর্য	40
· (>= (>================================	(ধ) বিতীঃ পশু	٥٠ ا
<b>台。(</b> 8年 1 3 3 3 5 4 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5	(গ) চুই খণ্ড একতো	28 • }
२। अदिवत्न-तर अञ्जीदेशकण्डविकामुक	্ত্ৰ। নবধীণ পঞ্জিক।	•
१ ६६ सहस्रदेश )	( ८८८ (अतिक्य )	<b>~</b> • •
• । औरहण्डामानगड	ু । সিদ্ধান্তদর্শন	~· ;
(বিরাচ্ বিভীঃ সংখ্রপ) 🔍	় ৩৯ । বীপ-দিগ্দশ্	40
• ६। विका ( ञ्रीवनामय-विकानमः) २.	8•। खरिक्तवाकड	!
८१ वेका ( 🕮 ६०० न विकास १ रू	(নব্দীপ পরিক্রমা)	
<b>रक</b> न सन्द	. ৪৯ বিভিনালা	/>• ;
१ । वृक्तिमाञ्चल अन्तरमो वकः माक्त्राण	ें ६२ र क्लारिक्कालक (शक्त भरवंत्रन) 🗸	<b>'&gt;</b> - ;
ः भाष्यः )	Bo: नन्द्रीश्चक	1
৮ : প্রান্থীয়- কণ্ঠশ্য	88। नमात्रत्राकः	/• !
ə। 🚉 हेर का लिकामुङ (वीषा) 🤫	8¢   7]   48	<i>)</i> ;
३०। हिट्या नवधील - 40	<b>७७। उद्य</b> भंशकित्रां क्षेत्र	١. ٔ
३५। चिट्ठ-७८०४/मुख्य <b>१</b>	৪৭: শরণাগাস	/•
শ্ৰীমণ্ডীপ শক্তক্ষ (বাঁধা) 🧸	86 ) विकासनी	
ऽर । <b>अ</b> भवाडा शाकृत (लक्कः ( तीमा   >ू	Ba: दशा क्रीयमहे कि कटबस १	
ক্র (আবোণা)	<ul> <li>मास्या भवे</li> </ul>	1.
३०४ देवकवस <b>स्</b> या-नम¦का™	३४: अव्यक्तिक	/o ·
প্রাথম <b>৬</b> (রিম্প <b>র</b> )	<। द्वाप्तिकिष्यास्त्रवि	1.
১০ ৷ <b>ই</b> জিলামাচ্ছামাণ দ	€0 1 期間の事:	50
১৫ ৷ নবছীপুগাম-প্রথমালা <b>৸</b> ∙	দেবনাগ্রাক্ষরে প্রকাশি	<b>3</b>
	ে ৫৪। শিক্ষ অন্সরক ঠী-'দ'শ্বজয়:	¥ •
১৭ : (আমাব্ৰয় : ভূতীয় সংখ্ৰ° ) - দ০	ee, স্টীক শেলাদশ্যম্	, •
Th   ##11902	€5   <b>3</b> ∰-7/4%	ı •
३३ । वैज्ञाव ८कवन भागव-भाग्र ।		v •
<ul><li>২০। লোফামী বসুনাপ লাস (বাবা) ॥</li></ul>	eb । म श्वनाम भिकाहिकम्	· ·
३५ । आम् <b>००७</b> माण (दीषा) ।	কে গোড়ীর মহত্ত প্রিন্তর:	<i>i</i> .
भः। क्षीर्वात संक्षित स्थान का नाष्ट्रवात ।	ইংরেজী ভাষায় প্রকাশি	<u>න</u>
২০   বেশাস্ত ক্ষার পাস্ত্রাল - নামান্ত্রাস	<b>♦•</b> । শ্যাভ্ৰন	j•
\$ MITSTAL *** /	🍽 🕶 माधक्रत्य । सारायकेम 🐠	
The first section of the first	আইচিক্তা মতঃ প্ৰভূ	•
	७२ । देशक रोख्य	٠.
২৬ । গোড়ার-সাহিত্য • ২৭ : সাসুনপথ (তর সংকরণ ) -√•	<b>७०।</b> मि नःस्तुः	1•
२६। यानमञ्जूती मालकाण ।	৬৪ ৷ ইজোটিক প্রিকিশ্ব মাণ্ড	
रका नामनन्त्रा गाउपार २३। फ्लामुकाननी ना मात्रावानमञ्जूननी '•	<b>আনেগ্রেড</b> ্ ডিভোগন	
००। हिल्लान्सियर ( तन्द्रध्य ६ भाग्य	🛰 🕡 अथाति । शाकीयस्य हेळा पुरुष	J•
अव्या कार विश्वास के भक्ष्मां गरू ।	উভিয়া অক্ষরে প্রকাশি	15
०३ । द्वीसमधीमञ्जासाम् ।	৬৬: শ্রীচারনাম চিন্তামণি	ţ•
০০ টিলোটগ্রস্থান্ড ক্রম ধন্ত ১০ টিলোটগ্রস্থান্ড ক্রম ধন্ত	99 1 · 通訊 119 · 中間過報	<b>t</b> o
००। क्षेत्रिकाः <b>य</b> ष्ट	अन्। <b>म</b> श्यक्ष <b>लख</b>	i •
০৪   ট্র প্রামাণণ ব	৬৯। স্টিশ্যবিদী	,
oc। अवदीलगाभ-भागासः	१ । अश्रमाध	, .

**ट्यां अस्त्रामः :- में दिरुष्ट्रमः. (णाः** क्षिमानाणुत्र, अवासाः।

স্বৰ্গন্তবাগ! স্বৰ সুযোগ!! সুৰৰ সুযোগ!! প্ৰস্থানে খণ্ডে খণ্ডে প্ৰকাশিত

# শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃ ভাবলী

ওঁ বিষ্ণুপাদ শ্রীশ্রীমন্ত জিলি জান্ত সরস্বাস্তী গোস্থানী মহারাজের সেই অবিদ্যা-বিধ্বংসিনী জানাত্র সরকোগোছোধিনী কৃষ্ণ-কাষ্ণ নিন্দানারিনী জীবস্ত-বাণীর মৃত্ত-বিপ্রত — বৈদ্যুবসিদ্ধান্ত-রত্নমালার কৌস্তুভন্নি — সেবাকুন্তুন ভ্রেল ক্ষাক্র কর্মানার কৌস্তুভন্নি বিজ্ঞানাগারের মৌলিক ভ্রেল—পঞ্চরাত্র ও ভাগবত্তের সমন্বয়প্তক্র— মহাজন-জীবন চরিত্ত-শিক্ষক — চিল্লিলাস-চিন্মান্তাভিত্যাত্র-বিচারক — ঐশ্বর্যা ও নাপুনারসের মৌলিক গবেষণাগার—সম্বন্ধ, অভিধের ও প্রয়োজন তত্ত্বের সিদ্ধান্ত-সমুদ্র।

১। প্রথম শুক্ত বৈষ্ণবদশন, উন্তিক্তব, কালধর্ম, জীমধ্বাবিভাব,
শীবাধ ভাগনী, পাপংলাতিকী দীক্ষা ও বর্ণ-বিচার, আন্থাধর্ম ও আক্রেড সহজধর্ম, শীপাদ উপরপুরী, জীল রসিকালন-গ্রাসঙ্গ, পুরিমার্গ প্রভৃতি বিংশতি
সংখ্যক রড়ে স্তুলোভিত। ভিক্ষা মাত্র ৬০ বার আনা।

২। বিতীর খণ্ড-শুদ্ধা ও বিদ্ধান জি,নতুষোর শ্রেষ্ঠতা কোপায়,
আহার নিহারতি, জীবর সামিপাদ ও মায়াবাদ, শ্রীগোর-নিতামন্দপ্রমান, ত্রিয়ুগের ধায় ও কুল্ডকী ওন, শ্রীবাদেশকায় শ্রীনন্দ্রাগবতের কীর্ত্তন,
শ্রীনাহী স্বভাল্য-নিদা, শ্রীটেড্ডলের দয়া, গৌরবরণা ও কুষ্ণপ্রীর্ত্তন—
চতুদ্ধা অপূর্ব মধ্বিয়াপূর্ণ-বক্ততানিভূষিত। তিকা ১, এক টাকা মাত্র।
প্রথম ও বিহীর-শুট খন্ড একত্রে লইলে ভিকা ১৯০ দেড় টাকা,
ভাক ধর্চ বহন্ত।

প্রাপ্তি রান :— ১ ভবিভাগ— দ্বীটেডেফমঠ, পোঃ দ্বীমায়াপুর, নদীয়া।

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## দৈবপ্রাপ্ত হক্ষার একমাত্র মহৌষধ

#### প্ৰৱ দিৰে সম্পূৰ্ণ আয়োগ্য

বেগ্রী দেখাততে হক্তে। জনিয়ে গাগেয় হত্ত্ব (যাওয়া এবং আসার) পাঠাইছো গিয়া দেখা দিখা হয় অথবা তেখানে আয়িয়াত বেংগ্রী দেখাবার উষল দেওৱা বা আবোগা না হওয়া পায়াবা পাতিপ্রমিক দিছে হক্তে না। গানীব বে কিচ বহন কতিয়া চিকিৎসা করা হয়। বিভাবিত্র বিব্যব্যার হক্ত তেক আনিবে ভাক টিবেট স্ক নিম্ন ভিক্তানায় ক্ষম্ভব্যান

জ্ঞাকভীশচন উকীল, হল্পা-ভিলিৎসক, গোঃ নৈকাসী, বলিশাল। অপক নিম্ন ট্ৰিকানায় সংখ্যাহ কবিচা বিভাগের জানিতে পাবেন।

विष्युक्त काशरणाश्यक एउ एम्, छ, अभ्यत्नकात, मलीस्। विष्युक्त रहरणप्त रिरण, ১১५, क्विन्यारकेरण क्षेत्रे, कांग्रेरभाका, कांक्यकात्त्रः।

खनिश्राणि शिक्षः व्याविकाः कृष्णुन ग्राह्म माग्यास्य हाळ रक्षास्य कृष्णि सुभ्यास्य कर्राह्म कृष्णि सुभ्यास्य कर्राह्म कृष्णि सुभ्यास्य कर्राह्म क्ष्णां क्षणां कृष्णां विषय प्रशास्त क्षणां कर्राह्म क्षणां क्षणां विषय प्रशास्त क्षणां कर्राह्म क्षणां कृष्णां कृषणां कृष्णां कृष्णां कृषणां कृष्णां कृषणां कृषणां कृषणां कृषणां कृषणां कृषणां कृषणां कृषणां कृष्णां कृषणां कृषणां कृषणां कृषणां कृषणां कृषणां कृषणां कृषणां कृष्णां कृषणां कृषणां कृषणां कृषणां कृषणां कृषणां कृषणां कृषणां कृष्णां कृषणां कृषणां कृषणां कृषणां कृषणां कृषणां कृषणां कृषणां कृष्णां कृषणां कृषणां कृषणां कृषणां कृषणां कृषणां कृषणां कृषणां कृष्णां कृषणां कृषणां कृषणां कृषणां कृषणां कृषणां कृषणां कृषणां कृष

## ৫০ বংসরের পরীক্ষিত কয়েকটী মহোষধ—

্ৰাষ্ট্রকারীরা গুণে মৃদ্ধ কট্রা যে সমস্ত প্রাশংসা পত্র দান করিয়াছেন, ভাষা শুলী করিলে বড় বড় পুস্তক হট্যা পড়ে । আশুনি ও বাবধার করিয়া মন্ত ইউন ।

- ১। চন্দ্রপ্রভা বটীকা—ইহার নামটাও বেমন কালার সেই রকম। ইং।
  নুখন ও পুরাতন ্েং, মৃত্রকৃতি, আর্ল প্রভৃতি এবং স্থীলোক্দিগের স্তিকা বাবাম,
  শ্বেক এবং রক্তপ্রদর পাসুতি বোগে আত্ত ধলপ্রদ।
- ২। সুষুপ্তিসহায় বটিকা—মাদক্তবানিকীন অভাবক্তই নিজানিধায়ক ঔষণ। বে কোন দৈহিক ও মান্দিক শীড়াবশতঃ অনিপ্রায়েণে এই ঔষধ ব্যবহাতে পাচ্ নিজা হইবে।
- এ। মঞ্জুর বটিকা—ইলা দেবনে প্রীলা ও তদত্বলিক নেবা ও শনীর পাতৃর

  ইইয়া বাওয়া ইত্যাদি বিদ্রিত হটয়া রক্ত পরিকার ও বৃতি প্রোও হয়।

केक किन व्यकारत्रत्र व्यक्ताक खेवरध्य मुना व्यक्ति क्लेगि ३ , मिला।

প্রাধিহান :—আতঞ্চলিপ্রাহ উন্স্থালয় ২১৪নং বছনাধাৰ খ্রাট, কলিকাড:।

## बीनवरी श्वाममाश्चा वमान वर्गांक्या ।

শ্রীচৈতত মহাত্রাপুর বিহার ও লালাভূমি নয়টা ছীপ-সমারত। এই নয় ছীলের আচীল বিধরণ—আডোক, ছীলে শ্রীমলা প্রভুর লালি—আভোক ছালের পারচর, শ্রীধাম-বাছায়—যামাপরাধ কি ? ইডাবাল বিষয় বিশেষভাবে মনোলর চলে ব্যক্তি। প্রেট সাইজ প্রায় ১৯০ গুড়া।

## প্রীসবদ্ধীপ ভাষতরক fem i

উজ্জল ব্যাক্ষ-ব্ল কালীতে উত্তম কাগতে ভাপা-- ইনৰ শিগাম নগনে ভাব্ত ছলমকায়ীয় কি প্ৰকাপ ভাবের উচ্ছাস চয়, ভাচা এট গ্ৰন্থে বাণ্ড। আভ চনংকার।

সাধিক কৃ ঠমণি— শ্রীবৈশ্ববন্দন, শ্রীবাটণতন, শ্রীক্রেণ অসেতি শতনাম ও শ্রীক নরো ্ম ঠাকুরের ১০ইনিংকত সনিভাষনমান প্রথমন, প্রেমন্ডিক চিক্রিকা প্রস্তৃতিক স্থানিত গ্রীভাবনী মুনাকারে প্রেচ সাহকে সুদ্রিত ২৪ সংখ্যান ভিক্ষা ৮ চারি আনামান।

## কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



নক্ষাৰকের ও বধার জন্ম ৬ আঃ লিশিতে ঘনীভূতে অবস্থার ছোটবোওলের সমগ্রিমাণ উম্প ছাতে পাঠান হয়, ইংগতে উধ্ধের কোন গ্রিব্রন জ্যা হয় নাই: মুল্: প্রতি লিশি ৪০ আনা, পাঁইট ৪০/০ আনা, বাহুল ১০/০ আনা

অফিস-১১নং উক্টাডাঞ্চা রোড, পোঃ শামবাজার,' কংকোতা

# মদন মঞ্জর

कियात यस च बाहुनिकात, विकास कर हान, अखारन करूनाय, नवस्थान, वाबारनाता, दूक वक् कहानि, वान्या सकृति सकन मध्य निर्द्धात बारवाता दश्य वन, नोता, त्या तृद्धि करिएक व्यक्तिक हिन्दक । मुना ४० वहि अ, अक हाला ।

প্রস্তুত্সকামারি মৃত্য প্রথমনে হেলে বাছমনের হ'বা আবোৰা ছবিছা শালালার করে। মূলা ২ ছোলা ১, টালা । প্রত্যান্ত নির্বাসিনী অভিনাশ বাহারের করে সভোগদান্ত হারী ও বৃদ্ধি করিছে অভ্যান্তর নার করে সভাগদান্ত হারী ও বৃদ্ধি করিছে অভ্যান্তর নার বৃদ্ধান্ত করিছিল। বিহারের করে নার্যান্ত করি, কেল্বেক্স

🗝 ১৭৭মা ভারিসন রাড, ভলিকাভা । <sup>६</sup>ু ু

शरेट्यानिन

~

কোষরদ্ধি রোগ

ভাঃ এস্, এন্, খোষ বিনঃ অস্ত্রে, মাকজীবনের গ্যারান্টি পিয়া বৈভাতিক আপাশতে কোমবৃদ্ধি ভোগ আবোগ। কবিয়া থাকেন।

> क्रिकाना— क्रम कहन क्षेत्रि, वक्षवायात्र, कालकाञा ।

31

**শূলামৃত** 

শিভশুদের অন্যর্থ মহৌবধ। > মাজার উপ্পন্ন, মল্লাতে আলোগ্য শিক্ষাক্তিক ৮০ বার আনা, বড় ১৮০ আনা। মাগুল পুথক্।

William .

२। শুক্রাচার্য্য मञ्जीवनी পোষ্টাই

প্রথেক ও ব্যক্ত ক্ষেত্র এক মাজ মকোষ্ট্র। সুলা ১ ছিবা ১:• আনা। সাভিজ্ পুণক্।

৩। সম্যাসী-প্রদন্ত অর্শরোশের অব্যর্থ আংটি

আলোগ না কালে মূলা কেলং। মূলা চাত মানা। মাতন পুৎকৃ।

৪। কোন্ত-বান্ধব পীল

अभीर्न, ८ । हेक्नाना, त्यहरनधनाच भरवोत्तता छिता ॥ - आमा । भाष्ट्रण पुषक्।

৫। বাতলীন

বানরোগের মহোপকারী ও সপ্তাকে আবোগা। প্রতি শিশি। আনার মাত্রণ পুথক।

রবার-ফ্ট্যাম্প প্রস্তুতকারক। সংয় কাটাসনের ব্যু পর শিরু। প্রাভিন্থান—মনোমোহন লেশ্রেট্রী

(भा: उदाती, कमनाश्रद, धाकः,

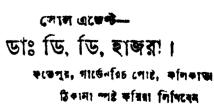
## যনোযোহন প্রেস

পূর্বা বাজালায় স্থলডে সকলপ্রকার ছাপার জন্ধ বিখ্যাত বৈদ্যুতিক মেশিলে দিবাভাত কাজে ভলিতেছে বিশ্বত জানিতে ইইলে নিম্ন ঠিকানায় পত্র লিখুন

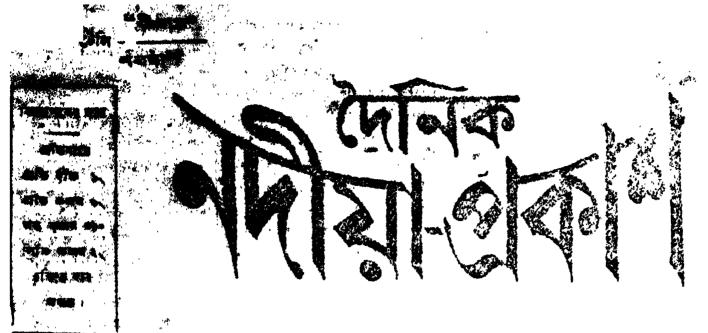
ম্যানেজার—মনোমোগন প্রেস্ ১০বং ববাহপুর, ঢাকা।

## মরা মানুষ বাঁচাইবার উপার

বাদিও অভানি প্রাক্তন মনা মান্ত্র বাচ ইবাও ক্রোভ্রন্ত বাদ আবিদ্র হল নাই স্বান, তথালৈ বাদান্ত্র নানাবিদ্র অনিক্রিত নানা, অপ্রিনিত লাজ নাই ক্রিট্র ত্যান্তে মান্ত্র করে আবিদ্র করে লাজ নাই ক্রিট্র ত্যান্তে মান্ত্রানাবলা, আয়ুনিক প্রকালা, বহুমুল, ছাল্লেম, পার্ত্রানাবলা, আয়ুনিক প্রকালা, বহুমুল, ছাল্লেম, পার্ত্রানাবলা, আয়ুনিক প্রকালা, বহুমুল, বহ







সাস্থানের-ভার
ভারিম নিয়া
বা্ষিক ক
বাংখাসিক বন্
বৈশ্যাসিক ২ ৮০
নাসিক ১
নাস্দ

ভারতের পর্যাত সক্ষণ-প্রাচার--অনিতা ভেগার কেসাত রুম্মপত

68 বঁও ] সম্পাদক—জী অতীন্দ্রাথ বন্দ্যোপাধায়, বেলান্তবাচস্পতি [৩৯শ সংখ্যা

**মটোতশাদট আবাদ দারাপুর ওই** বৈশাখ শনিবার ১০০৮, ১৮ই *ছ*িলেল. ১৯০১

## নানা কথা

### क्षिताम दाश प्रवंदेश।

व्यक्षण त्यः, कात्रकताथ व्यक्ताराः व्यक्षण व्यव वद वदनव्यक वृद्ध नाव प्रवेश व्यक्ति व

क्षात्रकार्थ (जनाकार्य) क्षात्रकार्थकार्थका केन्द्रारा मानिहारी

क वैश्वीका कंद्रजारमक द्रव्यादम के म मित्रिकिक कंद्रजा कंद्रमानी एकंच क मित्रान द्रव्य व्यक्तिकारीक कंद्रिक शक्का द्रव्या कंद्रका विका मानाक्ष्म क्रिकिक कंद्रका कंद्रका विका किरमम । क्षांत्रमें केरके कंद्रका केंद्रका विद्याप उठि एक मार्के मिन्ना पार्काबादका विद्याप क्षांत्रमानक कंद्रिकाकिकमा।

# লবাত্যা

স্পেনে গণতান্ত্রিক গবর্ণমেন্ট

## "ব্যাপার বড় সহজ নয়"

কলিকাতা কর্পোরেশনের মূতন মেয়র ও ডি: মেয়

# স্পেনরাজ কোথায় গেল'

भणिसकीत निर्देश मध्यान

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ठाकृत ভङ्जिविदमाम देनिछिष्ठिष्ठेष्ठ" नादम

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

(थाना इरेशार ।

অন্তিজ্ঞ ও আনশ্চিরিত্র শিক্ষকগণ লাইদিগকে অতি শক্তের পহিত শিক্ষা প্রদান ক্ষরিং তেন। বিদেশীপ্রতিগণের জন্য বিনা ব্যয়ে সুকরে নাস্থানের বিশোর্ভাই যোছে। খান অতীব আধ্যানর

সবিস্তার স খাদের জন্ম নিম্নলিখিও ঠিকান। পত্র লিখুন। সোক্রেটারী, ভাকুর ভাজিতিতিতান ইন্টিটিডিট শীচেইম্মঠ, গোঃ শ্রিমায়াপুর, নদায়া। "ন্যাপার বড় সহজ নয়"

शक ५०वे न्यां शक द्वार (शहेन नायक प्राप्त मा : केंक्सिकास इक्सादिक है निर्देश एमा वक्कका क्रियारणना केंप्य किर्मय प्रेस्टरणे काराधीत ममकात हेप्य किर्मय इक्सिका सिंग्या।

পার উৎবিদ্ধান কেছিল মধ্য করেন, জারত সম্প্রিক মন্ত্রণ সভাত কার্যা কেব নাক এলা প্রাপ্ত কর্মন লা প্রাক্তি প্রাক্তি মেটেটর ক্রেল পান্ধ কর্মন লাভ্য বাজনীয়া করেন মান্তলকে বিস্তাধ অন্তবিদ্য হয় (১) রক্ষণন্ত্র স্থান ক্রা ক্রেল ক্রিলাকে প্রবিশ্ব ক্রিন।

भिः हेंग त्या वंदणमा, ---- मण्डा ठ हात में वर्ष मार्गातम अधि युव त्या त्या व्या हा वर्ष मार्गा का मार्गा

## জ্যোত্ত কোথার গেল গ কলিকাতা কপোরেশন

লেপনে গণভাতিক গৰবীয়েণ্ট

भी भू मन ५६४ - खेर्न्स्टम् अरन् व গাংশি, তেওঁ নত সক্ষত্ৰ গণ্ডন্ত হোৱল me! #8\$ 1 1 इर्ज व्याज्यात्या বিষ্ণাল্ড স্থা প্ৰতি লাগে প্ৰতিকা স্থাতিব তেও 717111111 ゆ 17 1 ( を・ 十

त था .काभाव दिश्वाद्यास त प्र भारत होत्र **कात व्यवस्था म**हिल् कर कान्यात द्वालाच महिन्दिन ८५ ११३ 7141 585.24 1

र्घ । १०० के पर १९४ छात्राल, ३०० dine of 15 Moils and wife. ्रा कर श्रीकृति। तर्दर ্ষ, ভিন্ন বৰ্ণ পাৰে প্ৰাহিন আবাস্থ্য ं सारा के विकास का ।

1.35 电自动 海州之東 布代斯 有[4-्र (०) ११ - १ सम्बद्धः अवन्यसम्बद्धे दशस्याः 申責」 くなり マデ 可なが おおり 申申しす () 中点点 《新加索》中。 4.5 state of a maintage according to

### ુષ્યાનવારીન **ઉલ્વર્છા** ः भूतः छ। (१५४०)

·\*\*\$1 - x / 名 \* 15 20日型利用 智(\*)+ कार का भी राजा भी कान्या **जनक** Company is a second of the second ८व १४%, ब्यान्य स्थान विकास **संबद्धः** Here's at spikers i Con Las Richt martium (स. २०३) होते । कोल समर्गाप untigemming bigerfeit Mud Wiese the continues was the १ हो १ ले १ के १ वर्ष १ ले १ वर्ष १ वर्ष १ वर्ष • • श्राट १ ५७ .का ० ६भाग सन्दर्भ करका तथा पारका रिका, यह मेरवान কালেবাৰ বহু বহুছো প্ৰকাশ কৰিছেছে। भुभाग वर दिन्द्रारक विभाग । व विश्व । ६५ छ। क्षार्टराक्ष वर्ष । क्षा कृत दवली वर्षांत भारत जुल्लामच मरवर्ष शहर कार्न ।

फर्य प्रश्निक स.स.६ सम्बन्धारी 4代不拘(6) 中、日子 【77年 三年間、竹 田田田1日 हिन्द्र भू ताल भूभी। क्रिशीयगर इत्राह्म MID ON NIME OF STEEL IN

. - ., .

कर्षा । एक व्यक्ति । अ युग नष f .: White to be the the te च्या भारत . अध्यादकत येच अध्याद . भग्रत ্রদ্ধী নেশ্বর নিকাচন উপদাক প্র भु- व्यक्तिकात कार्यः दिवस्थात अस्य মন্ত সূত্ৰ ব্য ভিল ।

# নেরার ও তেপুটা মেয়ন নির্বাচন

५८ २ त देवणाय दुववाद 🔸 भी दिशासक शक्त । कि इतिसानिक्षा प्रति । विकास भाषाप्र (त्या क ५ क - ५ - ७) भारत र एस क्विका**फा** कर्भ ः भरततः । राह्यवानिभव्यति हेस्टम स्माप्त दश्यत निका किन्छ करेबाएक। ट्कांग द्राकात क्रिक्शिशिका क्रेटेंग का शृद्ध कामा मायक शाकारीकृति

भूत कडेशा शिकांक्षण ; मणास दास बाराइन हामन्द्रस नान्धा वासामाय मसा-भाज्य वामन बार । किंदिर किए से । अंतर्गन ्रहें के सूरत अध्यापन भागत शहन करि**रा** পার সীন্ধুর কান্দাকা প্রায়ে সাহে 🖺 চার্নিচ্ঞা राहरूच राम्म (५,८८ मानट ५ 🖫 । नाम्मान कर्रका जेला उद्धान पार रक्त खन् है। जा र भरीन का इस १८६० श्रेद्धनातिन का जि ক্ষান পুণার **ভ**য় : তালন ত ৬ জুলু <mark>।য়ে</mark> ংভার আভারের ভানিয়াশ নদীশাংকা নাংগা ्रामधरन िः अस्यः । ८०७३८०३ ন্য ডেপুটী নেধাৰ পৰের জন্স ভক্ষা বাধিৰ प्रथा • क्या ( पुडी • • **६** ६

हेक्क लाभ्यांनर भरता है, हुए छन्। एए ব্য ও জিয়ুখ সাহে ব্রুগরি ব্রু ন্মর্থ G's ton' or other elect subsers. ুপন ৷ উন্মুক ≩মঞোধাদ মুলং লিখেছ জ ড ঃ .আ. এন. হৈয়েছ ibust char in the state of the ा असी (१४८०) का एक वर्गावहाँ निस्त

#### य स्वी ६ महाइ स्व

ંદવાલ સનગાઉ વિવાસી रेनोत्तर कर तम क्यीं क वन्नीब आहरान ঋষা*র* গাল্যদের ভূলপূল সভাগতি উ<sub>ন্ত</sub> 有" 資格 6年制 明初:-क्षार्ट्यक कर्त्यक स्र व द्वाका अधीन भारप्रका हुन रियमभारि युक्तिका श्रीत्वार क्या कार कि कि विदेश भिट्डिट्या हिंग विष्ठ ५०, २०, २०, बर २०.५ टेन्ड हम 🕽 प्रमाद अनगर्म, প্ৰাস্তুল, ক্ৰফানগ্ৰন এবং ছাৰিপুৰ আন্দে बक्षेत्र सामान हरका अ ग्र আমবানীর শৃথাকে অভিনক্ষন পত্র i en. afere igte. ein 6 enn

#### ভাষ পরিস্যাগ

मुद्भ अद्भ करक्छ स् स्थान १३० विस प्रश्त अक काञ्चलकात छो। हेश के ताल कर ताकिल । दल ने द श्रीतम সাঙ্গের ক্ষত্তেক থানার দংগোগা জাজুজি ঐ প্রামে ভূদস্ক ক আয়োমী গ্রেপ্তার 'nin 511/14 · FECTS कुल्लम कर्मकरियान करू अपि छ।।। wfent ofent ain :

#### ভীৰণ অগ্নিকাপ্ত

कटक करिय शृह्यं याला कटबर अञ्चला समिक अप आदिम की यन व्यक्ति को के हैं है। विकास का अध्याप के के विषय में बार्ग नामक दयना शांच ५५ ते। व ममह मंदित व्यनक क्रेमारम बाह्न मिशा व्यान विरक्षकिन । ফাল্য অস্তর্জনাগদ্দ: ঐ আর্থ शारेका शरफा नात ८०:५० सामा काफ़ी अटक गांद्र काष्ट्र शहिल्ह कडेंग्रेड ; फटन कार्कारक क्ष्मीमन नहें क्ष्म काके। जि कुर्वारमध्य शृक्तीम आण्यानीत्मत कृत्राणः (पश्चिम निक्षं की श्राम क्ट्रेट ऋग्हा-मिश्राटक गयानामा भार या करा बहेर • एक । व्यवकारण क्षेत्रक का अन्तर अन्तर्भाक्ष क्टेराध्या कालित शांत्राव लात लिल vimia bioi esta i

#### শঙ্গার দর

बांक, काञ्च, खळ, अतिभवकारी ক্ষুটি সম্ভ কিনিধ্য দল জন্মলঃ 5 किए। बाहेरण्डा कृषियां में अवत्रात ; शास नव है छक्षा हाम म महानात्म । का **व्हेट्फ क्ष्मा** गां (अर्रेड )

#### द्वि

গাল বুৰুপ্তিশার স্থার স্ময় বড়-গ্রাম 👁 শালী পানার পদেক काष्ट्र वृद्धि बर्देशीका हेशास्त्र भाष न फिल्म पुर केंगाजात वर्षात्का स्कृता G खबर भूद भाग स ध्रः ३ ८७ मन वृष्टि

#### कार्वश्रद्धत्र व्यवस्था

कालपुरदव अन्याः क्रामार्थः 713 क्रोटिका कार्यक ८-३५ मन देश-क्रेब्राटक र क्यांबटक करतजार अनुस्थ करिया **७१७ कृष्। का**हेक कोडर्स(४०१) हाह ३३ई को यान भणिक भारतः खार समाभिक আকাদ ছবিম হানীয় নেঃব্লের সাক্ত चरनक निष्या बारकाहमा करियाका।

भिन्नमानाकः हे छात्रातावि । यक स्मानका क्षेत्र, केंड्स मन्द्रामात्वत्र वस द्या क ाक्षाप (वर्णकान कवित्रार्व्हणना ।

#### লর্ড আরউইনের ভার

वक्षाहि बढ मात्रहेर शह वह विद्या 'कविग्रह भर इंडिक' व्यक्ति गर्ड केबेलिक्स्मा निक्षे क्रिनिश्व ভার কোরণ ক্রিয়াছেন: — মাণনি क्षांबलम्बाक क्षेत्रीक बहेश्रास्त्रमः, धार माश्लाक्ष **रह** रहू माख्य---वैकात नामात व्यालमात व्यालयन व्योक्टका वृतिष्टिका - ब्रांबाबा गण्या । एक १वेटम जान-

RICT WAS क्ष्मकी विवेशितकारण न्मेंकार्व मध्येत मखात्रन् कामावेटककि। त्ये कुन् प्राव्यि भागमात मीखरे अध्य

करिएक करेरन फार्का मुख्यान कारात्रक कविवाशीत्मक वाकि मुख्य वेश्वका जार एक्का मुर्च किर्देश व्यक्तकार्ग व्यानगरक विशेष आह्याक्षण माने । व्यापि ज्ञास कारम नियोग कवि द्य, स्थालनाव कारीकारण अभक्त स्त्रीकाता कवर मुक्का कामनात भागी केटन। ८० छी आधिकेरेस ज्यमः चामि क्षेत्रहे चाशमामिशाक ্ণতিবার অঞ্চ উৎপ্রক ভইহা আছি ৷"

#### মাটিহারীর বিবিধ গংবাদ अंट कर्या

श्राविताबीत विश्वास वायमांत्री अभीत ntung erene min Genem Gturu পুৰ শীষ্ক আংশপ্ৰানীৰ নেম গছ ২৪শে े ८५०व शांक भीति भारत मित्रक नाविक्र शांकिकार ने शक्ति। करक ५, मृत्यात क्षेत्रा क में। छ-जनाशि योग कतियास्य।

#### करण मान

ভাষা গ্ৰাম কাৰু পিতার **পুঞ্জি ৯কাহৰ** कारीय डेस्ट देश्राकी कृत्य वर्ण बाजांच টা হা এ চকালীন হান করিবার আভাগ

রাত্রংশীর সূত্র গ্রহণ

भागितातीय क्रम मुख्यमारमञ्जूषा कार्षिक निक्षामित्रक कालिश वरदेश श्रव विशिध शांकी करप्रा प्रसम्बद्ध शङ्करूरम देवकं अलीव अभियाली नवीबाद अवस्य दशाकाल ्वा कं (bधांश्यान ट्यापुक मुध्य व्यातान त्रम, क्षांनद्रम त्यात्क्र ८४ मिछली THE NEW PORTHINGS OF WATER वह लिक्कि छ न्य आमवानीव (एक्स ও উপাহাততে প্রযুক্ত গভাগরি গার্ছুনীর crifceffecies Bieitug Grinum mint भण्या १मा निक्छंरकी आमामुम्हस बुः. ( काक्षवरती ) दवश अपनिश्चम कार्याक भवत मन्यत कदिनात रहेडो एईए७१६ ।

#### काकाक

करवर्गातम भूट्स कानीब भाविता • ३१२ व्यास्टर मानाव द वालि नाकर त्रव चटकराट्य कन्त्रीकृष्ट क्ट्रेबर्ट्स ह 48 . BI 418 इंशाइ खाद करन भारत बहेकारक । खन्नाता अप अरमा व्यवदा व्यवस्थ माठनीय विषय द्वानीयः चनाव काट्यरमः गुल्नापक देशुक कार्विक bm begintente Glots ga fecte fauch minimi miremen t

## শ্রীনবদ্বীপণ।মপ্রচারিণী সভার ाः **मक्ष**ज्ञिः मस्त्राचिक क्यमिद्रमदन

## শ্রীল প্রতৃপাদের অভিভাষণ

স্থান- শ্রীণাম মাগাপুর মহাযোগপীঠের নাটাসনির কলে--২:শে ফাল্লন ১৩৩৭, নুহস্পতি-ৰার রাত্রি ৯ ঘটিকা

(5)

আত্ম শ্রীণাম প্রচারিণী সভার বাণিক অধিনেশন। এীম্মাহাপ্রদুর আবিভাবের প্রবিশ্বমান বর্ষ ৪৪৫ রে পর্নভী বর্ষ। attented সংস্কারণিত : बीमाम-लाहातिनी गन्धा की ही दर्गति सम्बद्धत है कि क्यार में प्रशास क्षेत्र कि के श्वाकित्य : প্রচারিণীসভার উফেল্ড ছিল, গেলানে ন্ত্রীপোরত্বৰ আনিভূতি হ'লেছেন, হেথানে भाग मन्द्रमञ्ज (शोक्तान) मा ५ कौरविध (सन्) दश उहे मच्चा है। " ७(५)त कामा करेन ছেল। এই স্ভার ক্ষা বছনিল ুণ্ডে এক স্কান্ত ম্কল্পাধাক জাণিকল বাণ্ডিল এলেড ভাগাণে ভাগাণে ভাগাণে भागा ध्वकारत वर्षकरमत कांत्रा भूगातिक है। हेन्द्रस्य १८६५ वृत्ता वर्षे विकास खादा गाउ क्षिण ७ करळ । ज्यारशायाच्यातन था। ভারত বলী লে জীলান, উল্ল তাক বিত্ত হলেম্য ভূচিকার অব্ভিত আছেন, হরিল माना क्या एक छाड़े श्रामत १,61स-জীধামজাচালিগাসভা কণ্যত হাচাৰ ব'বে (क्रम ७ कराइमा ।

'ধাম' শ্রেকর অর্থ---আংশ্য, আংগ্রেক, ভাগ্রেভ ব'লেডেন--কিরণ প্রাকৃতি টিন্নবর্গীপন্মপ্রচারিলা ন্তা--- জীগৌরসুদারের পদন্য এবং 🔥 ব প্রধার্থের অর্থার প্রাস্থ্যের বিজ্ঞান । মন্ত্রতে স্নার্ট্রের্থার আভিদ্যালয় ॥ আচারিদীসভা। "ত্রীনবর্দাপদামতাচা রণ সভা বললে জনেকে হুল বিচার অবলহন প্রাক্টিভ হ'রে মে স্কানে ভ্রমণাদি ক'রে **डिटान, ८५३ श्राम माज है इंटिस है एउन**े । त्या पुन्तत यथा शहे, भारे दिता पुन्त. 'exoteric ভাষায় বল্ডে 183 \$ representation' ৰকা সায় ৷ 🚉 াম প্রচারিণী মন্ত্র এই প্রকার বিচারগরায়ণ , ১ম্বিটা পালনীশা ওরা প্রচালিকা বৃত্তি-ব্যক্তিদিণের নিকটে দেই সকল স্থাতি ও ভাৰতক্ষাৰ উদ্ধানন ক'ৰে তা'দেৱ প্ল' হ'লে আম্বা মেই খুডি জ'মতে পাৰি। বিচারকে ক্রেমে আরম্বর বিচারে প্রতিষ্ঠিত ! করেন। বহিঃপ্রেক্তাচালিত বিচারকগণের চিক্তপটে বাহা ধান ব'লে প্রতিভাত হয়, ভিয়াসত হয়। শ্রীধামপ্রচারিণীয়ন্তা যে তা'রই মান আচার করেন, তা' নয়; ব্রীধামপ্রচারিণী- । যেরূপ নিজেপ বা বিচাপ, সেরূপ ভোগ- । তা'ই জী ামপ্রচারিতী সভার উদ্দেশ্য ছিল। আন বাম । বিস্ন ইকার সম্মন্ধ্য

### জীজীওক্লগোরাকো জহাতঃ

# দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

## নিতাপাঠা নৈকুপ্রবার্তাবহ

বেদাদি সমস্ত সাম্বত-শাজের অক্ররিম ব্যাখ্যাতা সমগ্র ভারতে একমাত্র মূলভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

ধীলাম মাহাপুর- ৫ই বৈশাখ শনিবার-১৩৬৮

পরে ৪৯৫ বংসর বিগতে হ'রেছে। নিশ্ন - শভার প্রকৃত উদ্দেশ্ esoteric represent- : মন্ত্রী ভূমিক। 🛢

বেখাতে পাই। বিশোয়তনবেৰ জীৱন কার্ণেভিয় আলেছা, সমল মহাজুভক্তরের কথা বাহেছিলেলা নুম্ট ব্যালিকারি স अधित्रपुर्व अभिनेत करा। विष्ठ व एकः विकेशक क्याम । नाम दिश्य व हेक्सि ३३१ ८८३ मन २५६ चेलिक नात. रेन्ट्र

छ, माह्य हि, इस वालक्षक के द्वार्थक, भी जिल কাষ্টের স্থিত স্থান্ত অনেক বিষয় স্থান্ত্রির আদিব্যুত্রিয়ে গ্রেছিরেই উল্লেখনে বিশিষ্ট্রির উল্লেখন বার্ कार १९६६ विश्वादी सुकाहर का साम का 1 है। the or talking man come from Butter

@ (e fo " + + \$" + \$" (@, 3) ( + ) (\$) \$ (\$)

खनर्दे∹ः ।

नक, एवं शतकता होता के एक र जात আধাহি কাছা হ'তে উৎজ্যান্ত হু'বার আদ্র ক'রে মনে করেন,—ইটিপেরিরনর এগতে তাদশন ক'রেন্ছন, নেই তাপকারী পানের ধা গণ্ডীয় ক্রডি-জে ভূমিকায় আম্বা আ ধ্রু মতি, ওশবংকের সেখ্যমন্ত্রী গুড়ি :

> লি বজারাজি, পুরস্তি ময়, সাকল স্থিতিত বিদেশ্য । ক্ষাৰ জন্মেৰ মঞ্জিকতা বিদ্বিত হ'লে যোৱাৰ হুদ্ধি আমাদেৰ চেডনে

शहरता ह क्या कामतः, डीमागभतान-विश्वकारशक (नेथर) তীবেলস্তিত্দি গ্রে সমেদ। মেত- <sup>†</sup> পে'য়েছিলাম। উলোম্পিরতের ভার প্রাক্টরব্রের ৪০৭ বংসর পরে আর্থার ৪০৭ - ছাপ্র, ফিড্ছাপ্র, গোগেরক, বৈরু ছের বর্ণনা প্রীনামাণারবিও নালাল। 🗀 হামসংখের ছলনা ক'লে ইন্দিয়ত্পন 'ধ্যে ক্ৰেণ্ড স্থান্ত মাজাল । এই অন্তেশন্টান মপ্ত । সন্তিন নিলাব মতে ভালানের আহমন নিছে। প্রিয়েরক্রনের প্রয়েত্রন সন্বাধ্যেক ঞিশালবার্ষিক অবিশান। এই নামন সমূতের বিভিত্ত বিভিত্ত বৈভিত্ত কণা খাতে ইত্রপ-শিকার মতে প্রত্ত-সমূত শাসমুখ্য ওয়ের হিত্ত পারেছে। আমানুদের কার্যান্তের অভিক্রান্ত অসম্পর্য প্রেম্ব ভাগতের ভীলগণ এই প্রের্জ প্রেজ্ঞ বিশ্বর টি খন উচ্চাত এন, তামে কর্ম ইছিলমপ্রতির্গিত র দ্যানিক সি স্থিত ুলে(বুলাং) এ। থ হ'লে কণ্ডাল। শবন আভিন্ন লাগিল। ঘাঁলের ভক্ত অহ্যসালের সেই স্থানের প্রতিষ্ঠিত পোন্ধ পুনর প্রতিষ্ঠিত । এই বাহে চেল্ডময় প্রতিষ্ঠিত স্থানিক ভিস্কৃতি বাহেছেই কিলিক ভিস্ কারি গণকন। উভাস্কাল

> দশ্দ সের অলগ দশ্দের মহার (১) হায়ে যানঃ ওডকাম প্ৰিপুলনের ওকা ফেৰাৰ চল•১ কাৰে লাহৰল বিহনি अहे श्रीराष्ट्र की भादा दिये गराहर हिंदुधन कुरार १ ६६६७ के के खुर पहुर ५७० একা হ'লে অধ্যঞ্জাণ উদ্দা দাদিশকে সং(৯৩) করা। একর বৈধ্যাতীভ: (১৪)। ু ব্যায়ুহজা চুডিকো স্কুডিত হল্য হল্য ব্যাহ (य दुशाए) जिल्ला अंतर के, ताल केंग्र शन 罗斯-利克尼亚 发现企业社会发现 一点 倒行于不爱 पर्रारत्वर हुन्छ। करित्र । अल्बान्त द्वारात् श्रीरन বিভাগ বা চেও্ডলোড রে সেপের ভিন্তান करित (१७४१) । ११९८म देववर्ष भावत भवक्षाहे छैक्तिल । वर्त्ताविष्ठान ८ ५६० भि ধামতাভাগরহিম্ভাব জৌন বা অভ ছব Bin & 1'a, 191 Bing-er 110 4 প্রকটো প্রস্থান প্রিমিল তেওন র'জন উছালিত কণ্ডার বিচার প্রণেশটোই Si (8 )

অবলম্বন কারে নিজে লুঝি বা এখীন্থম বিভূষিত ধ্যান্য শেবীনাম আকৃত এতাৰে আৰ্মিল চেত্ৰাৰথায় নীত । বুয়াতে চেটা কবি, তা' খুদ্ৰ বিষয়ের বিষয়ের বা'ন্যায় কথাকিব । । ছাত্র---অভিজ্ঞান-বৃদ্ধিতে প্রতিষ্ঠিত। তা হ'তে জিমদীপান্য মত ৮০, মার্নান্যক্র ष्यिकार इ'स्य मानव-पीवस्तत मकन्छ<sup>।</sup> तक्ति। दक्षवस्थाः পুলভুকিপ্সনগ্রের হামের বি বৈকুঠনাম-প্রন্তন বৈকুঠ-এমক'স্তন। সাত্র সূত্র আলার মাত্র কার্তক

प्र कारक । अस्त्राम समस्य दी विश्वरेषक्व-রাজসভার সভাগ্র ইং মেতচে ক্রিণসভার সহিতে সংস্কৃত হ'লে নেই উদ্দেশেরই মা**রতি** ক্ষপ্তেম , শীপ্র প্রাটিটি ,ড ম মুল পুরুষ ही बीमक विदिश्याम । शहरते के प्रति छ इस्तान (स भारतत छे॰ क्रींस के स्वर्धन, মের হামের ধেবা কণবার কন্তা এটা সো-কছুছ লাভ কারে গাঁৱ চিত্রা ঘ্যা-দেবাৰ হুখুন্নিৰে আপ্তিভ ক্ৰছেন, किरिल्य अनुविद्य अवर करवाम । दिरिल्य खनातनी कनन नना धामापना प्राक्त **उक्काड़ हान्। डिक**् १४४ एउटा ए**ड**े দিবৰে গোরেভাষ্যতথ্যতে গোলা প্রায়ক গোলাক etastera প্ৰশাস্থ্যাৰ জন্ম ব<sup>†</sup>য়ে মৃথ্য স্থান কলে ব্র্যাপ্তিসমোধ্য স্ঞীবিত ওবং উম্বোধর উগ্ল ১৩য়'র ১১ই ঐীল্ম গ্রহাবিল্মভা এই অফুণিনী গ্রহর্তন क रिश्तरहास ।

> क, छन्मध्यां क ध्वान्त्र कार প্রাম পিয়বেণ্ড বিলা পশুর্থি ।

ভাৰতে ব্যাম লাঘ্ ও কামসে, ব্ৰ কথা আয়েঘাটী না বৃ'কো ভড়জগতের ুদ্ধেষ্ঠী হৃষিকার্কটা 'গ্রহ' ব'লে শ্বন্ধ या (५ १० द.र. श्रीन, श्राप्त, श्राप्त, कि छ। न इ ५७ दर्भत भविष्ठासका करता লোকাম ডালভাই লাবেলে বাস্লা Cপাৰণ কলে, নেই অন্য হ'তে নিখুক্ত হওয়ার क्रम अवस्थानी, शंदार, नाम धारु, मानानी, শাৰণ, ফাভিয়, বৈশ্য স্তুল এই ওড়ুৰাৰ্ ত্র প্রার প্রায়ুক্তক ই,থাম্প্রত ট্র্টীক্স: तम तरदार ६ ५% कर्नाट ८५१। कर्डम ; হিলাম পান বিভী সাম কাম্ভাকার এই সঞ্জা ৫৮ ৮৫৪ ছিল মধ্য <sup>কি</sup>লো গাইলো ছালো বামন কাৰ্যক্ষ মান্তাম পাণ্ডাৰন, ভালব্ৰাফ তেৰিবাঁ, चन : शिहन ५ ७ व के.क.सहावारी ±क. के अ. द.श. १ के जिल्हा ।

## মায়াপ্রী

भ्रेलाम करनामान्यानमान करिलाकी र খাত মামাপুরার কথা বলিব। মাধাত ्रतो---जी। प्रयोग्ध्य ०८६ , दन्तीलम इंडाय अला न म। बिलास रोबाल यात রা ভাগেমের অনীখন কলে-

রাজেশ্বর আনবারিত জেলালক ভারেক-व्यक्ति भौगात नाम श्राह्माना स्वित्रामनह टम-स्कर्भ कथा आधार्किक विष्ठात्र । <sup>कार्</sup>ग स्व तिनासम् । १८ तस्य स्वास्त्रक्षात्र ।

कारनारकत निक्छेर वाक नरह। माधाश्रवीत ্রচনা চাডুবা ও গতিনিয়ভির ভাৎপণ্যের भक्षीन दक्ष राज्यन ना - बाबिटक हारहन ভাট আল জানিয়ে চাহি ইহার নিগুড় তত্ খার ব্রিছে চাচি--বিচিজ दहें मध्यतिहरून ततिक देवलिया । दक्समा আমান বনমান জীবিকার সহিত ওত-জোদভাবে গ্রন্থক মাছে আমার এই क्षत्रकुष्ण क्रुपिका ।

ভাৰীয় সমগ্ৰহৈত্ব, সার অভেডন সাড়ীয়া छ । हिट्टा श्रीत काम रामत रहे दनवामाम । बिरुपानकश्य मञ्जूषात अवस्था जीगम -कात (तरीवांश कानिला क्रफ़्रांसलस्य :---নিতাপক্ষাবাধ নিরস্তর জাজাবিত ইহার <sup>1</sup> স্মূল্যট নিগ্সিলভাবে কবিতেও; ওবে অবিধারিবর । শ্রীবাম ভিওরা হীত আবীন । কি চেনেরে উন্ন আত্রারে প্রকাশের কি শ্বভন্ন স্থান ক্রমেক্টিরণ - ব্রন্থাপার-আৰু স্থাপুৰী প্ৰ হার্য **बीनाश फलतारन्तन मिक्किनिस्मय अन्तिन**् অপাৰিক। মালাকতিৰ জগেমল গ্ৰিৰ্মে।

प्राप्तां स्थान में अपने के प्राप्तां के प्राप्ता के प স্মিক:। ত্রেপ্পের,নপ্রক্তিস্ক্রতি প্রদ-ভূতে দুক অংশাদের । ই ম্'মাপুরী। অ'জ আন্মরা ১৯ মারাপ্রার ম্বিগ্রী প্রারুতির কারেপ্রতা। তিন্তালের অভিনত্ত আনের। ০০টে (এলচারীত পর্ব পরিধার C.ব্যাতা আমানের লাই , মানুর: আগ্রেছে ' खिन्धापुत । भटक छा क्रान माध्यभूती धारमतः কিন্তু মাম্পুর স্বাহাক্তান করিতেছি श्रीश्राभुती भरक ।

ভাই আংখি জ নিজে ইছে: হয়--- এই কার্বেটো ছলেভেগে কবি ১ সন্থ সাম্বা উছু∂ম ভছতে বিভ্∂িভ কেন? কেন প্রেন্দ্র-অনুটের পঞ্জন আনহাত্ গাতা को जिल्लास्य । भाग । खरामारामत निर्वेषकोरम কুল'নক ভূপস্পুন্ৰ **সংশ**-ক্লপা আ: ভাৰাখনৰ মাধাৰ আহে মাজান 23.3 4 स्थु।न অংশের প্রথ ক্ষাময়া ভারব করির। মাসা জারণ প্রাক্তর ্ৰক আজ ন্মকোৰ গ্রাহ্রণ ক বংশ উ 到地村的 你也一的问题 中部 海湾村田台 व्याभवतः स्वयः स्वयः त्राप्तातः सालगानशातः ক্ষরিয়াছি ভাষ টে কাপাবরণ আমানের कान है जिला ।

## জাগ্ৰত না নিজিত

ग आभि भिनाता वित भूभाइसा तिहिसाहि, छाडा

বিখাদ করিবে। আমারই সমণ্সী ष्यत्तरक हे हम ७ ष्याभारक वाष्ट्रनकात्न আমার প্রতি বিষ্ণুতৈলের ব্যবস্থা করি-বেন। তথন ভাহারা আমার উন্নত্তা **।রাইয়া দিবার জন্ত বলিবেন—"ভূমি** ভ' কাগ্রভ, ঐ যে ভোমার নয়ন প্রকৃতির বিচিত্র শোভা দর্শন করিতেছে, কণ নানা প্রকার শক্ষাজ্ঞতে প্রানুদ্ধ মাসিকা ঘানের উপর প্রাচ্য কারভেতে, শ্রীমাণাপুর চিন্মর পাম,চিন্মর নাম,চিন্মচ ্ ভোমার জিহ্বা চতুল্বিণ রদের স্বাদ গ্রাহণ করিটেছে, তোমার পণ্শ কেমেল, क्रिन, बीडन, উक्ष इंड्रामित পार्यकाः অস্কুভব করিতে পারে। 'ভুমি অংহার, বিশাস, এমন, শুমান, হাখ্য প্রিকাশাদি

ণু" ইংগাৰ উত্তৰে থামি কিয়াসভা বিক্ষান্ত্ৰ সভাই বলিছে বংগ, যে আমি জাণিষাই চাধ্যর করেলেরি। ভ্রাইষ্ট থাকি। **অ**মাণে নোহনিদার অৱপতা হাৰণ্ড হইলে অন্যৰান ব্যক্তি ! মার্গা, আৰু দেবীপাম মাল্পের্ডে কীহার : মত্তেই আ্মান ক্রান স্থাত উপল্কি ক ব্যাহ্ম ব 不能的

> F. 37 93 াস্ক্রেস ষ্ঠান ভাষ্টাৰ সংগ্ৰহণান্তক স্থায় ক্ৰিছে স্থান প্রেল্যে করে, স্থাম্যিক গ্রাভন-বাহিছোর একলা নিড্রা এটেশালনে বিশ্বকৈ আন্দালিত ক ন্দীবড়ল ভূথিৰে তিক সম্পূৰ্ণ আশ্বানিবেদন কাণীবেৰে প্ৰহুৱা ভাঠেৰে লেব বাভাবিক স্থান্ত ও िकतिया अहरता । अप्रयासन

বিভাগ-ক্ষুবা,দর প্রক'ভডেও রান্ধ্যের Cसरा ए(य ना : '१'३'र) িনিত প্রকলেন গুরুক্টার ভাগ্রণ-প্রনি প্রণে জাগবিত হুইয়াকাতই না আগ্রহন্তর ভালাদের অন্তর্গত্য একার্প করিতে পাকে। কিন্তু অধিন এমনই ছভিগে। যে, স্বাস্কল বিশ্বভিক্ষ মোহ-বিল্প কিছুত্তেই অব্যাকে দেহমনো-ক্ষের বেটিছনি ঘট ইউটে ব্যতিব ইউয়া প্রম भर्ताल करान् अंतर्भातत । व्याहरीक । व्याहरी আত্রয় করিতে দিবে না। ' <del>ভচ্ছের: মাল্লেবী জভ্যেজিয় অ</del>চেভন Cकार 5 अमानिकाल कररा व्यामारक अधन কর্টেটার্বিয়া ঋ্মার ভোগ্লেগুপ देनशृद्धात (मटबर्ग अंडि 3,1875 कक्षामध्यम ६३७ मधुन दाज्य के तर्रेट्स, वाली कामात कर्ण शासन मा करत, हेंबाडे 'बाबात धकान्न (581) जिल्ला-ময়ী মাহাধারা প্রাথিত স্বাহ্নপ্রিস্কৃত

व्यक्तां व्यामानिशत्क क्रिके कतिरहर । व्यतिष्ठाक्ते मञ्जान थलन कतिहा, विष-लाखिरमञ्डः महन कति, त्रह्महनत्र मामग्रिक **অভাব পরিপুরণেই** वृति षागारमत ছর্নার বিষয়-পিপাদার পরিকৃষ্টি ঘটিবে। এই জড়ভোগ-সুগাণা যে আমাকে ভীষণ দশন অন্ধভামণের পণে ক্রন্তগড়িতে ধাৰ্মান করিয়া দিভেডে— আত্মেরিয় কামনা পরিপুরির আকুলতা যে আমার ভয়াবহ ডঃপেরই আবাহন ক্রিডেচে, এ শুক্কজন আমার নাই। হায়। বিশ্য (जाशाना-क्रन কাম শেষ তবং বি.য়া গোগেছে ময় ভাগেধর্ম এই উদ্থবিধ षाद्य अप्रश्नी जिनादा व भिनी अ चित्र हर्ष অামাকে স্বাস্থানুতি শেবাংকা হংকে পথন্ত করিশভড়ে।

আমে'ব লাম অনপ্ত কোটি প্ৰিক্ত জীবের উক্তরের করা প্রদক্ষে অনুকীণ कतानाभारतम् । जिल्लाकेहैकः আম'জ বিষ্ণুপ জগতে অসুধ ককনাৰ মধ্যাৰন আন্তা न्दरभग्नः दुष्टाद ক বিষ্টাভান -- অপ্রব 'छे√-शान्डाच (पल-†नव{ष, भूशे (पर रन्त्र) MY INCAP . " Fr. "

207 14 BW ्राज्यसम्बद्धाः । (Afoil TAV) া দ্ধার্থ কারিনা ·4 图图25 44. JE 10 49 575 11 15 15, 40 - 아래의 정호.

चित्रात् छन्छ । 4 4 5 5 5 5 6 7 7 1

1987 . MIG. BIN'+1 উষ্টেডি আনুনিজা শিক্ষা অলিকে এইলেও শিখাদাদান আছি হৈ প্ৰায় একায় .लहरा कालाय । च १०६७ ७ देल १ १ ८ १ ६५ ६५ ८ েৱামন্ম প্ৰতি। দিয়াক্সিরোম'ন লচে বা (मर्गत है।)त्रशास्त्र श श्रीकार मा के तस অংমি অংশুসঞ্চা ওপ্ৰাঞ্চনৰে অয়সল লাশিকেই ব্যান্ন কবিলান ! নিজ স্নাের লংগলা ভিক্ত আমাৰ আত্ম প্ৰথ চেন

জন্ম, সালে, শেকে, জালাকপ भारतधिः असितिष्ठिण क्यांनानी स्वयः क्यांन পরিভ্রমণ করিয়াও কি আমাৰ নিয়ত নব-মবায়মান কমে িপালে নির্ভি হট্যে না। সন্মাপেকা অগদ অগচ অভিটা মানব-দেই লাভ করিটা গরম কর-শাময় উন্নিলিং নিন্দের স্কৃতির আজ্বানেও কি আমার প্রোণাপেত ক্রিন্ড্র দ্বী কৃত **ভটনে না** ় ক্ষপেনিন্ধান্তারপ অজ্ঞান-িলে ইটাত কাগরিত করিয়া, জীরাণা-আর বেন কখনও গ্রমতেতন আঞিতিতভঞ্ মা বেব ধামযেবা, নামদেবা ও কামগেবায় ক্ষেছে। তাহার গোলোক-গীতির চেতন ছিন। অর্থ াক বোকট ভাষা আনর। কেইই ছানি না, প্রকৃতই কোন্ স্থার, আচেতন ভড়গগতের প্রীস্ত

বাণীর সেবোমুখ রসনার বিখেমর শীহরির গুণকীর্ত্তনের অত্যন্তত বেরারণা দান করিয়াছে। তথালি আমি শ্রতিজ্ঞা করিয়াছি, কিছুতেই জাগিব না। জড়া-কানের তুরজ্নরী আমার কর্ণকে মোহিত कतिभारक, कार्वे मृर्डिमकी दर्भातनागित्र सद्दा মঙ্গল ধ্বনি আমার কর্ণে প্রবেশ ক্বিতে পারে না। **চক্ষু সমূদয় দুখ্য বক্ষয়** অধিপতি গাজিয়াকে, বিধয়মলিন নয়নের মাড়দৃষ্টি আচাগ্যবরের অপ্রাকৃত চরণ-নগরশোভা কির**ংগ স্ফর্শন** করি**বে** 🕈 ভাই ৭ড়ই আক্ষেপ করিয়া বলিভেছি, জানাৰ এ আত্ৰত নিজাৰ উৰব কোথায় ? জ্ঞী বিজ্ঞানপলে প্রথম হইয়া আত্ম-নগালের উপার চিন্তা করি না। মোছ-নিন্তি আমাল অহলে বহিন্ত িবের भागा विदासना, वह ममकात ममाधान-त्वांभा देखा में ८५ दुरावत 🤒 कर्ष्ट्राव <u>ंक्र १ डिश डियासमा व्यानिका सिट्डट्र ।</u> क १८-४१-१८, एरवत व्यक्तांत कक्षानात विशव ক্ষালয়েল্ড কল্প আফার চিন্তনীয় হয় ভাং অগত ম'হাল আপতে **মলোহা**রিণী नानः कृतियान भग्नः भारम आगातः विख्यक লুম জাবতেছে। আমার শ্রীনিক্ষ-কেলে কোনিয় তা দেখিনা আজ প্রিত-भा म अम्बिर्भागनालान्त कथन सहस्य कान्यात्रात्रा व्यक्तिप्रदेशम् । स्रोत्रा स्राप्ताः

राष्ट्रभावशासाला क्रियाची अध्यास वि অংগি তথু ছাত্রে, নিজা, ভ্রাদিরণ প্র ভাতর এই ব্যুক্ত প্রক্রিয়া অমুস্যাটন त्रिक्ट व्यव ! देवकुष्ठवानित अध्याधन न्ति । के व्याभाव के के क्षेत्र-कर्ण व्यास्त्रण ক্রিণ অন্মানে বাস্তব জাণাবনে জাগারিছ क कृत न, १ रहना दिशोनी आगात अधिक छ। । कि हित्रमिन्दे व्यामारक टाइन्न महारह इत मुख्याल जान ६ सा बिटन १

#### সাহাও বিধানে গ্রাক্

ও বিফুলান প্রমাণ্য পরিবাদ্ধকাচার্য্য ন্ত্রীলপ ভড়িনিখান্ত নরস্থতী গোস্বামী অভিনয়ের কুপাপ্রাপ্ত চট্টগ্রাম কেলার ধোৰণ চাম ভিন্তী প্ৰায়ত মলিনীয়ঞ্জ शिक स्थानम १ ७ २ ८८० देठळ सम्मन्यांत्र भवगनिहरू आवश्वास ८ भोषीय व्यामतन ভিল্লে মছনর দ্যে অধিকারী এম-এ, বি এল মচোদয়ের পৌরোহিতে। স্থসম্পন্ন ক্ষিয়াছেন 🕛

ट्यांनाम यश्चत मान अनिकासी अङ्ग्लम গণ্ড ২৯শে চৈত্ৰ ববিবার ভাষ্ক্রিৰে তাঁণার স্তপ্রতিষ্ঠিত করিবার হুতা আচার্যাদেবের বিশ্বমাতার প্রাক্ষ প্রীক্ষগরাধ গৌড়ীর আসনে মহতী হ'লা আৰু অনন্তবারায় বর্ণিত হই- ৷ পাঞ্চলাতিক বিবান-মতে সম্পাদন করিয়া-

#### ভাজাবলোদটাক্ষ বিব্যাস্থ ভাক্ত গ্রন্থাবলী



Bewand - Austerfacein Sipene inine-वैकारिक कोर्यक्र माँबहरू, क्रास्क्र गाँक अथल, जिला ह क्षिमि**छ क्ष्या, श्रीभर्षिक निष्ठि क स**ष्ट्रप्रकारमय एकम, साहिक र **क्षेत्रयका शक्**र क्षत्रवाक क्षत्रमण, देवाल र वर्गासमान्य, देवकान-ब्राचात्र प्रक्रमा. भटकाभागम्बार महिल भाषका, मात्राञ्च. देवशी-**कांक ७ क्यांकारका रक्ष, हेन**ाइसम्, व्यक्तितामा क्या कांक्ट काव्क्या. बोरवर वका का छ मू छ, ८ भागपुर ४४ **व्यक्तिकोतः के खिन्द्र व्यक्तिको**न्दिकातः, कन्न ५ वर्षः विकारनतः । माधका, महस्कारण स देवस्थानमण, ८०८० व्यवधीत, एका म রক্ষা কালাঃ প্রকৃতি-কেন, ইনিয়ালপুস জ ক্রিক-विक्कांत्र श्राप्तक, नकत्मरक्र माठक कमिरान्त्र काटण. अस्त्र-🏿 । মুঞ্জন্ম ১ আ জনন, লব্দি বিচাৰ, দী ক.. বৈ 🖰 🔗 বাংশালুগ 🗦 **र्कालः मध्यक्षानः व्रम्श्रद्धः व्यामकारी,** महत्रकीलारः, प्रवृत **ત્ર, ભીજાવ્યાનન ત્રાપ્રાપ્ક** નનાશન સાધ-માપ્યત સાધ-શ িপুঢ় রংস্কার্থন, আ জ সংলহাবার ক্রোব্রক্তনক্ষ ল প্রা-निक कहरा छ। कह कन्य व शहर द्वर काल नर्न की ... मध्यानिक नारकात किहूं हर ऋद्यान व अहमहान्। ३८० मा र প্রম গুড় পাবিবস্তক এ কপ সরক ও জন্মতালী লচ এবেই ও ■中村門 4 日東(1月) 「小「何と」、「唯て「」・何智…れくいをできてはない。 माण कर अवस्था फेलिस अवसारध्या । आतान छातपुर क्टी, क्यांनात ह क्यांन का न निर्माध मध्य कवा प्रत्य कर 14.176, बाब, दशानात करन नाम उलना ७६३६ व ११६० -**८८% गरमः, भ**्याद्धाः



### ं**इकुच** अश्चार् ्तिममता लेक्षाकें - २८ प्रके राकः ष्यायंग्या- : ५० द्याद्य छहे । १३)

बुक्तिश्रुष्ट माञ्चर्यका बाह्य कार्टश्य भागर हर है। क हेवा 🕳 व्यालका भाषा हु। कहार भिद्धारिक हहेवा है। **একের আন্ত উল্লি**বনাধন প্রস্নের করে মুম্বি স্মান্ত হ क्षमानिक के बाटक। Grees, पटनक के के बाद मधीर है **पर्यक्ष, समाब, जान्दि, यक्ष कि १ के छ**र्गास निवर्ण । अर्थिश्वरिद MAN TOTAL BELLIN WILLIAM APPLICATE NA 18 B. 117 HI कांद्रका लिक्क कक्षा, बाद ला।



#### ভিত্তীর সংখ্যণ 🛶 • খানা

ইংকণ ভোষামা আৰু প্ৰক নগুনাগ গোষামী প্ৰভোক केन्द्रामान्द्रम द्वा सकत कथा वानाग्रहस्त्र, जाहा कर खाउ कांक्रमध्यक कश्चमृत क शां क्या रिकार कांक कलावार है। fegu seetes ; উভা ভাষ্কা জ্ঞানীমপ্রতালভূর উপাদ্ধ ; femit in meiten lam milet infein beitich !

## ৪৪৫ গৌরাব্দের **সচিত্র**

পারমা থক বা জিমানেরহ একাও প্রয়োজনীয় ৰিষ্ণুত্ৰত ও উপযাস।দির ভা লক। সম্বলিভ बारमात्र घटन घटन निवासिक इडेक

## ভিক্ষা ১০ আনা মাত্র

ে ১০ ডাক টিকিট পাঠাইলে ডাকে পাঠান হয়।

ভাল পোচনদ স লাক্রকত

#### बोटिन्ड ना वस्त्र

ওঁ বিষ্ণুপাদ উচ্ছীচ্ছিডিনিয়াম্ভ সর্বতী গোখালা প্রভূপাদ সংগ্রিত ভূমিকা; রোকের कार्यप्र, नकाधूनाम अर्गे । अर्थ एकत । वर्षायुक्त नः वर्ष गाञ्च, अक्रमृती, खानमृत्री, १५५ छती, अमाराज्ञास ভালিক। প্ৰসূচা প্ৰহাত বিস্তুত সূচা মনেলি। টিট গ্রন্থর কাগতে ভাগা াত্রা---

## <u>শ্রুহরির গেটেন্থ্রে</u>

ালাকে ডিব্লিন্দ্র স্থানিক স্থানে স্থান

## (यक्षनमञ्ज नगका छ

र प्रान्टली, काम प्राप्त िस्त्र ६ . प्रतिकार के ताल्या के नाउद्देशी र्ष अरुक्त कार वार है प्राप्त करावान है। के कि कि हिन्दू विश्वक Elimina e l'ingles la servici e l'especiale ুশাংক শ্র দ বিরাধার। বিরিশালয়ের জ १४) आक भटा भागीय स्था। धाँ द्राक्ष लेका table 1 - Street box of Att A to box of a contract म् 🔑 📲 ५ ५ १ ४ ५ छ। अवस्था छ। हिल्ला है वस संख्या वस्त्र

## **अ** टिक्निक ड

3위 백양 1년 연락 하[하] '김 학양 1년 하는 હૈં|મમુકાગગઢકત ૭ દુગોફાંડ્યત ઝાક્ટગલ 🚚 **है।काञ्च प्रदेश ७ विकास में देवन अपने हैं।** इन्ह পাসামীলালের ১ঠিত এটো হবলৈ সমূহললেরর সাহিত প্রব্যাক্ষণীয় কলে। প্রাণ্ড দ্বল আন্নত্ত ন্ম্ব भुक्ता भाकारत मुक्ति केवर नकता

> শ্রী সামানিয়া সাকালত সদাচারস্থাতিঃ जिया ,० वाला माउ

## निखा शब

#### मावसाम ! বা-ধান !!

शका विक सामान एकल 51(10 1 ) as 61 59(\$1) a 5(\$ -1) 794

에 100 S 10 외제하여 51

আলিয়া সংক্ষাত্রগতে জানাহত্তলি, সালাম তৈখা আরম কবিবার সভয় শিশার আহর ইং**রাজী** মালবে ওছা, বং, লও এও তেওক(নী স্বান ব্যাক্ষা ়াপ্রিয়া পাচদ করি,বনা। -৩৩ জুয়াংচারেগণ 图解 (各种 )研算 (出) 表 (1)

## (सम्माग वृश्विस

कार लुका इस अधिदशी जाज सम

Processia Michael afeitethicht

दर्शन देश १५८ में क्लिस अवसी - 1・モラカー21 (Tild thore 字) ( ) かいじゅ 円橋 医乳粉 沙克森 电流电影 化二硫酸二二硫酸 对新编码

- \* "你" 有(十二时午,34万 街村

್ಕಿತ್ರಾಗಿ ನಿವರ್ಣ <u>ಆ ಬ್ರಾಂಗಿ ಕಟ್ಟಣಗಳ ಬಾಡಾ ಕಿ</u> Min 2, 18 5 4 5 4 6 688 3 1 12 5 8 9 1 4 6 1 2 -



गःकहे गाहिक चिक्कार कारा

राष्ट्रा के काम । १८५८ किया है। आहे जातान महार विकास करिया हुन के लहात्त्र, केनक हे लगा के किन के प्राप्त है और वे, इसे क 运动的 \$4.4 12 · 12 \$1 1 6 · 4 · 上 集成文 产品的 [代集 (4) ある 「もってきている」またいものが) Michael A - Wil Mich · . 意义的体 50% 自己发现,100分别的 100分别 100分别 100分别 100分别

(知)な やむしくむき 野(塩 (田内)

こい,かつびな む 治性 ウベー・シャー みゃだいいん ミュー・シャ

91922 T. 19464

auf fine auf bein wie erfeite i auf Affran 

বিস্তৃত ক্যাটালগের জন্ম নিমালখিত ঠিকানার পত্র কিখুন— ম্যানেজার—গ্রন্থবিভাগ, এটেতন্যমত, পোঃ জ্রীমায়াগুর, (নদার)

# বিখাবিত্যর রাজসভার শুদ্ধভাত্তমঠসমূহ

ह्यारेज्डल भन

with the letter

कुरों के कर्ने ए के अपने निर्देश देखान्त कराया

Fire to entitle an a situation of the property of the trade attention of the ter-STORES DOMESTICAL PROPERTY.

as may be now that we will and the same of the • म आभा स्ति श्री सिंहता -"我们在一样的一样的这个的数据有效,那些"数",大家是有一点,一声说,哪样都怕,希腊 1987年1日 1989年 1987年 1987年 1988年 198 रक्षण्यम् । तः क्षा कृष्णे । कृष्णे के द्वार रहिका । एक रहिला क्षा रहे स्था श्री र हैक्ती । संद्र कहाद क AND THE STREET OF THE PROPERTY OF THE WAS A STREET OF THE STREET OF THE Control of a control of the group of the first of the growth of the grow ार प्राप्त के के किया है से साम किया किया है की असे क ray was a sarah tengang ang ang ang analah an ang ang tengang tengang tengang berang ang tengang an Experience of a top of some fire and any time of the entire of the many given Control of the Control of the Control of the Control of the State of the Control ्रहरूर प्रकार है। इसके राजा राजिस है। एक राज्ञांक इति है। की उन्नावकीय राज्ञांक केर्यों अवहाल अक्षांक का कुमार

लाउ मदास द्वाराह सर

والمرافق والمرابع وولا الساوا وإروا يال تري الم इन्द्रक् अवकाराः <u>मि</u>ं €न्त्राल द्वाराराः S. A. C. C. C. C. C. C. A. C. W. 

#### ्राप्त प्रदेश

· 1.1.1 1.1.1 1.1.1 1.1.1 1.1.1 1.1.1 1.1.1 1.1.1 1.1.1 1.1.1 1.1.1 1.1.1 1.1.1 1.1.1 1.1.1 1.1.1 1.1.1 1.1.1 Exercises of the state of the state A GO GORD OF THE BOOK OF A STREET 2分子二条人2种物 3的 (A)、野乡(A) were a front of the state

#### . 474 B 394

204 117 11

ू. ० ८ डिनाम विभिष्ठे March Stranger Home March & Missly Be town got - Bened We Genicht graph come to the content to the

#### ্ৰ) আনত প্ৰথ কুণ্ড

Profesion, Marie 7 of the as it is to be the first of the second र प्रदेश करेश <u>च</u>ेल्याच्यक्तानव कार अंति ते र अया वर्षभाव

co. 7 - 9 | 9 7 44 BIWIE 3 Mb 5] क्ष्मका करी करी वात, वात, वास ।

Sold and the state of the state of . ठ । ईः इक्काइः स्थादः **स**ु

医毛线 學 海绵不能

e. 5岁 ma .. 8克 mg 

#### ( ). Chirips in pa -

机管性性 电路性线点 经股份证 Particle of the property of the property रमात्र- के अवसार न्यानी। ३० अस्ति । भागा B. MARKER . AM DE . BATE भारत में भारत असे तरी आजारमान से हैं gener will berning made it i

#### १० श्रीयायात्र गर . के वा १६%, जाहर हो। क्रमनगत, नमें हा । रक्त म - व्यं प्रकृत र क्षेत्र विद्यार्थी ।

ः ১৪ । देशास्त्र दुर्भाष्ट्राञ्च **मठ** भग्नार रच नेश्व (त्राष्ट्र), **हाका** । भूषा राजन क्षान्त . तक्तु प्रवासन जो सक-ा एक राष्ट्रां शिक्षिण्डात अवा वस्त्राल ( त्कार के स्थानक विश्वनी ।

#### १ ५० क्षेत्रपात्रामको सर्वे कमन, शुक्, हाका।

त्मानामधीव लहा न्यादर व व्याठीन दमश क्षण्य--- श्रीक्षाल्याव अवहाती।

( ) खादगोड़ी अ यह

२७ वर कारिकामात Birnal है। एता: नामवाकात, कलिका ना । .है।अटप्सन वि. वि. ८५५

- বালি বালিকা হার উল্লেখি বিলোধ আসেনে প্রীমুস প্রাকৃষ্টিত সার্ভের। এই সঞ্জ राजा। १८५८ ही एक इनोनाक धिरदर्गानान्य कोष्ठि मनावास विकासिक स्मायत 👫 । 📢 📢 🕏 क करा पूर्व : यह केति अञ्चलको अञ्चलकारण मा अध्यात मारण्य शक्की अञ्चल अञ्चल ्रहु∮्य ५०% के के देखें देखें । व्यन्तिकीय यक्तक **ﷺ** श्रीकाम व्यक्तकान कर व**डागड** १९ ৮ ', धो होर' সংগ্ৰাহক পক, 'स । ইতুম সিষ্ট মাসক পত্তিকা ছংবা**লী ভাষাঃ** र अन्यक्ति एकः भूत्र राष्ट्र छन्। स्थापित शास्त्र मा श्रीवान मा श्रीवान कालुक्षान्य स्थापन Piergiet e. -tit en sin eine in eine biffen iften G eduten neine Mitenbeit ubb ११८० - १२ श्राप्त - ऋगारम् १८८ त्रांलाक कृष्णा कार्ती नेन्द्रा स्वया । महकादी ---लाकिक लोनोर प्रस्थात होता प्रदेश कुन्नोतिन दे, लो भित्रक्षात्रक **ल**गवि**श्वा**तिस्थान विन्द्र, र्द्धान राश्तरकारी सकारी, श्री तन वर्णकारक अञानिकारी वि≖**०, श्री**नाव रदार एवं संकार मार पारवारी, जन्दनारी और नेप्यमानन, अक्षा की और साबोद्धावस, अक्षाती में रामका करें बहुती पास ही और मार्की काम, शासक माधा महीनका

#### ১৮ - जिला- (के जा) क बठ

17 : 21 more than the court of the second of the second पर के नाम हमें बाद संबद्ध होते हैं।

#### 🛂 🚉 छ। अस ५ जन । जन्म अहे

STATE FLASH STORES WITH STATES A DOMESTIC AND A CONTRACT OF A SECOND and significant out the sound of more on

## ार्ट व्यानगार्थाण व्यवसायव

द प्यते. १ . १८६ १ % भ. स ६

\$1.5 - N.5.414" MILE CH en + (> . )

#### ्रे शिश्वकाषायम् मह

Market Mert. Breigne इत्राटन ही,(भार-स्वरमाप्रमहत्वकीन मिन्छ) ্সার ক্রান্ত্রক্ষ ক্রান্তী **ই**লিরম:-नम विमादक, शक्तारी क्षेत्रमीरानका

#### (३) श्रीतकादशोष्ट्रीय भठ

कामदरगाम, एकाच ह . ल :. लुही । अभवाषामात्र अन्त्रत्व अन्त्रत्व अभवः धनकर्मा वर्णक-- दक्षात्री शिवहद्यम्बद्धी आतामको। 215 d (8) ---बन्नारों हैं। विषय कारी व

#### (२) श्रीमिकिमानक श्रे

Bimattimir, woor द्रष्ट्रातः शिक्षक-,श्राक्षात्र-विद्यापद्रधनः बिडारम्या वस्त्रमान्। अक्षा है औत्रायत्र ।

#### ्२२ श्रीमनत्त्रम , श्रीकाष्ट्र मठ

क्कोर प्रशासकात्रल श्रुता, काली 🖡 ८९४ - शमाक्षणक मन्द्रकालिकाकताः दर्भात (भादरस्था बहुभूत्व) वृक्षक -लीम नवान भक्ते ।

#### ३ ७ १ अयो १ ५ ७ वर्ष

तीन पराम संकृष्य, ज्ञानाम वृत्यः पन । 正教·1911- 44 (mi#n@15 .#41)

त्य क-- नेश्चाम किस व संवाजानी

🕬 🖺 भारत व्यक्त 🛪 🛪 े भिष्ठानमः, शोकानुक

এগালে জীলগাক্ত পাইশালা 🗨 देश रत दिएलान जनारत्योन स्थल नक्षमान । को पर शांतालाक । अधिकाल । धांतवाली र जार 🌯 । आके अंदे हैं है कु सहका स**ल या दश्वका हो** ي وي و الحادث

#### २० अदिहरू श्रादशी की स्राप्त

एत्रेर का, छित्कु छ । भागकुम । है। ि नीदि । रूप - १८७० - साथा । । तथा रू -- सीवमा-नाथ वाध, है। देन- पानन अन्न है है। जीवाब eld in altrai

#### २७। जीगानानाषीय मह

कुक्रकार्यः वारमचन्नः क्यानाः व्यास्य लीटका विद्याल-इटम्स (स्व) वक्षमा**ल** । वक्षक--- अक्षात्र हो नेश्वनना की ।

(২৭, প্রাক্ষণপাড়া প্রপদ্মাঞ্রম-মঠ

ब्राक्षणणाः, (लाः माक्, कावका जागारन वर केंकमंद्र सारशाबारकश रमना বস্তমান ৷ বক্ষক---রগবাদী প্রীপ্রাপ্রক্ষক भाग, और्राभावयम् अक्रान्ती।

## (२৮) जिल्ला (गाफ़ीय वठ--कार्याज्य

Se con (कावात, निक किली) রক্ত-তিগতিখানী শ্রীমন্ত্রজি স্কৃত্ব-शिति मधाराण, श्लीबाध, अभा हस्रकाश्चर । (२৯) ८गामानगाका नवासिक वक्क-जनहात्री खीशवादवाका

## চৈত্রিমঠের **গুম্ভ**ক্তি গ্রন্থমালা

স্বৰ্গন্থোগ। স্বৰ স্থোগ।। স্বৰ্গন্থোগ।। এই।কারে খণ্ডে খণ্ডে প্রকাশিত

# দের জ্তাবলী

ওঁ বিষ্ণুপাদ শ্রী শ্রীনত কি নিতান্ত সরস্থতী গোস্থানী মহারাজের সেই অবিদ্যা-বিধ্বংসিনী জাবাত্ত্বসংপোহোধনী কৃষ্ণ-চাদ্য নিজ্য-দায়িনী জাবন্ত-বাণীর মৃত্ত-বিগ্রহ—বৈন্যুবদিদ্ধান্ত-সম্ভ্রালার কোন্ত ভ্রমণি—সেবাকুল্ল গুলের কৃষ্ণ-কর্ম-বিভূবণ ক্ষত্ত্ব কৃষ্ণ-কর্মনার্গারের মৌলিক ভ্রমা—পঞ্চরাত্র ও ভাগবত্তের সম্প্রয়গুরু—মহাজন-হীবন চরিত-শিক্ষক—চিন্নিলাস-চিন্মাজাচিন্মাত্র-বিচারক—এম্বর্মা ও মানুগারসের নৌল্ক গবেষণাগার—সম্বন্ধ, অভিবেদ্ধ ও প্রয়োজন তত্ত্বের সিদ্যান্ত-সমূদ্র।

১। প্রথমথকে বৈষ্ণবদর্শন, জীগুনাজর, কালদর্ম, শীগদনানির্ভান, শীনাসভাননী, পাঞ্চনাত্রিকী দীকা ও বর্ণ-বিচার, আহাধর্ম ও মনোধর্ম, শীটেডগুনের ও তাহার শিক্ষা, অপ্রাক্ত সংজ্ঞান ও প্রাকৃত সহজ্ঞ-দর্মা, জীপাদ ঈশ্বস্থানী, শীল রসিকাম্প-প্রসঙ্গ, পুরিমার্গ প্রভৃতি বিংশভি সংগ্রক রব্দে তাশাভিত। ভিক্ষা মাত্র ৮০ বার আনা।

২। দ্বিভার থক্ত-শুদ্ধা ও বিদ্ধা ভক্তি,মনুষোর ভ্রেষ্ঠিত। কোথার, আহার নিহারতি, জীধন সামিপাদ ও মায়াবাদ, জীলোর নিতারি নিতাা-দ্ব-প্রস্থা, তিনুগের ধার ও ক্ষকীর্ত্তন, জীলাসপূলার জীলাগালতের কীর্ত্তন, জীলোরধামের মহিনা, মহাপ্রসাদ, জীলোরিক, জীলোলুগভ্রন-পর্ব, জানা ইন্তাল্ডনিকনা, জীলৈভানের দ্বা, গৌরকর্বনা ও ক্ষক্ষীর্ত্তন—চতুর্দ্বল অপুর্বন্মবুরিনাপূর্ব-বিশ্বাভানিক্য । ভিন্দা ১, এক টাকা মারে।

প্রথম ও বিতীয়—তুই খণ্ড একত্রে লইলে ভিক্ষা ১৯০ মেড় ট'কা. ভাক বরচ সত্ত্র।

প্রাপ্তিরান: - প্রস্থবিভাগ-জীটেডকুমঠ, পো: জীমায়াপুর, নদীয়া।

# য় হতাশ হইবেন না

## দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার ক্রমাত্র মহৌযধ

## প্রবাদিশে সম্পূর্ণ আরোগা

শ্রীক্ষতীল ক্ষান্ত কিংস্ক, টোঃ নৈক্ষী, বাংলাল :
অবশ্ নিম্ন নিশ্বার সাক্ষাৎ করিয়া বিভারিত আনিতে গানেন।

टीयुष्ट ताभरणाणाम मछ एम ज. क्रकमत्रत, ममीद्राः। टीयुक राह्यक विरम, ১১৭, रविवादिमा क्रिके, बावेरमाना, क्रकिसाः।

প্রক্রমান পঞ্জ। আমার অতুপুর গত হয় মান বাবং রাজ বল্লার পূর্ণারা মৃত্পার হঠবাতিল, কালতাভার বিজ্ঞা চিকিৎসকলণ ভাশার জীবনের আশা ভাগা করিয়া শেষ মৃত্তের কল্প অংশায়া করেছেলিল এই সময় প্রস্তুত ক্ষতীপচন্দ্র উক্তিশ মতাশায় মাত্র ১০ দিল বিকিৎসা করিয়া সম্পূর্ণ আবোদা করিয়া পিয়াকেন। (সাঃ) প্রায় তালার হার চৌরুতী ( অমিদার খালিয়া ) কর্মীট্, নিউ নিজিং। কর্মোরেশন লাইটিং ডিগাটিনেন্ট, কলিকায়ার

অভ্যাক্তত্বে প্রকাশিত	০ <b>৬ ৷ শ্রীল প্রভূপা</b> রেয় ব <b>জ</b> ্ভাবলী
३। क्राप्टात्रवस्त्रम् नगळ	/ m V mm m m
€ (34	(4) 6.5
ঐ (ধর্ণম ক্ষয় ) ১০	1 (4) -
१। काक्षय-नव विविद्येतिककातिकासुर	1114
( इबं सरक्षम )	(222 22422
•। গ্রীচৈতভাগাগৰত	at a formation
( निवार्ग् विक्तीत मास्त्रत )	53 1 Au Gu
া শীলা ( শ্ৰীৰণাম্ব কীঞ্চা-সভ্ ২.	4.1
e ৷ শীতা ( প্রচক্রণারি টাকা-সভ )	(ন্ধ্যীপ পরিক্রমা)
७। देश वर्षण	65 ) <b>S</b> mman.
	55 · 可で利用 /5。 - 68 · その間可や確認を(可申4 可を検引性) /5。
(माभर)	80 : अवहोशलक
►। <गोक्रोष-कश्रवाद ः	88। नमाठावन्त्राकः
»। धिरेष्ठ स्त्र (नकामुक ( वीता ) व	
>•। <b>किर्त्व नवशे</b> न ः	891 (days) 45(89)
३)। च्येटेक्टक्टक्सम्बद्ध । ८८	·৭: শত্ৰণাগৃত্তি
শ্ৰীনধৰীপ শতকৰ (বাগা) ২	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
: २ ।   श्रीमध्यक्ष अकृष निकाः ( नीमा 📉	্ব ৪৯ : গোড়ীঃমার বি করেন পু
खे (चारीण)	• । मारवानाने
> । देवक्रवसक्षा-गमःक्षा	) » • • • • • • • • • • • • • • • • • •
্লপম চ।বিশক্ত)	वर । क्षेत्र किश्वासनावि /.
<b>३६ । वि</b> र्णक्रमायाह <b>्यामा</b> न	** ** ** ** ** ** ** ** ** ** ** ** **
: ८। सरबीलभाष-अध्यामा	দেবনাগরাকরে প্রকাশিত
५७। दश्रीवक्षरकार्भरः	१६। १०६ स-नवय छी-विश्वित्रयः ।
59 : (कामांबर्क ( कृष्टीक मरकत्र ) he	<b>ংব</b> । স্টাক শৈক্ষালশমূলন্
The dayled to	401 34-20H
३क । विकास स्थलन माध्य-भाषा । ।	बन , श्राद्धाः <b>ण्यन्त्रम</b>
<ul> <li>दनावाभी अपृत्तः भाग (चेत्रा)</li> </ul>	db ( 円)합引導「呵吹」原導権
ab । भाषकक्ष्मामा (वेश्या) । •	ea। গোড়ীর মঠল পরিচয়: 🥠
ৰ ১ s ভীগৰিক জিক ল্লগতিকা সামূলাৰ এ০	ইংকেজী ভাষার প্রকাশিত
२०। (वशासक्षणमात मह्म्याष्ट्र (अभाक्षसीय) १०	५०। व्यास्त्रक्षम
१ अनुसर्वकार ।	७३ । गार्डेक् ताा छ जिल्लान्डेन् चर
१६। (शक्षीय-८शास्त्रः ४-	भेटेठ क <b>ल</b> महा शह
१७। (शोक्षीय-महांक्षकः 🛷	७२ । देवसा ग्रेक्षम् ।•
প্রাক্রন্ত্র প্রাক্রপথ (কর সংখ্রপ ) । ১৮০	<b>'५०। मि भागवण</b> ।•
। । अभियक्षत्रे भावतार	. ७४ । हरवाहिक् व्यानिम् न शाक
<ul> <li>अध्यक्षकावणी या माद्यायाम् अपनी ।</li> </ul>	वारनगरबंध् डिडामन
• । जेटलालनिषद (तलावत क भारत	७४ : ६०।वाहे .श्रीक्रीवयु इक पूर्वर 🏸
ष्ठाक्त धाद: विवृद्धि e व्यक्षताव तक) ।	উড়িয়া অক্ষরে প্রকাশিত
कः। द्वित्रवीणकाव क्रम	७५। श्रीकृतिमात्र क्रियाम्बि ।
व्या श्रीसाद्यम् करणा वक्षम् ।	991 44319 440# 10°
or Servers	७৮। भाषत भूष
व वामान्य ।	का विकासमी .:
भः । अवदीलक्ष्म-याश्याः -	৭০। শরণাগতি /

व्याखिष्यान :--विटेष्ठष्ठ मर. द्याः श्रीमाराश्व, नमोम्रा

'त' वरमदात्र श्रीकिं क्ट्रांकिं घटश्रीवर्ध-वारशावनात्रीता करने मूक्ष बहेता रव मनक कामरेना ने व नाम विशादनन, काश रूप विशादन वक्ष वक्ष मुख्य बहेता नाक्ष । कामनि इतादश्राद विशा वक्ष बहेता।

3। চক্ত প্রতাজা বঁটাকা—ইবাদ নামটাও বেনন কালপ নেই প্রকম। ইবা দুখন ও পুলাজন নেব, মূত্রকৃত্ব, অল প্রাকৃতি এবং স্থীগোলদিগের হৃতিকা বাগলদ, বেজ এবং লক্ত প্রদর্গ প্রাকৃতি গোগে আত ফণপ্রাদ।

३। श्रुषु खिज्ञहाञ्च चिका -- मानवस्त्र । तिशेन श्रुष्टक निकारिधावक देवना द्य द्यान रेनहिक छ भागितिक नीष्ट्रायणकः श्रानिखाद्वारण अहं देवस नायनारम गाँव निकार स्टेरनः

শুরু বটিকা—ইং। নেবনে প্লীলা ও ভদমুদ্দিক নেবা ও শ্রীর পাতৃত
ক্রীরা বাওয়া ইউনেরি বিদ্যাতি কর্নরা বাকার ও বৃদ্ধি প্রাপ্ত হয়।

कि किन व्यक्तात्मन व्यक्तिक खेरलान पुना व्यक्ति दक्तींग २० गिका।

প্রাধিয়ান:—আতঞ্চলিপ্রাহ উন্মধালয় ২১৪নং বছগলাও খ্রীন, কলিকাতা।

## শীনবদীপধাননাহাত্তা প্রমাণ বও ভিক্ষা ১৮

আটোক মহাত্রভার বিচায় ও দীলাভূমি নরটা দীপ-শন্ধিত। এই নর দীপের আটোক বিষরণ-প্রত্যেক দীপেন শীমহাত্রভার দীপা-ত্রত্যেক দীপের পরিচর, শীধাম- নহাত্মা-বামাপরাধ কি । ইডালি বিষয় বিশেষভাবে মনোহয় দুব্দে ব্যক্তি। প্রেট সাইভ আর ১৬০ পুচা।

## )নবজীপ ভাৰতৰ**ক** ভিলা

উজ্ঞান ব্যোজনার কালাতে উত্তম কাগতে চাপা---- শ্রীন্ত শিশ্বাম দশনে কার্ক ক্ষুত্রকারীয়ে কি প্রকার ভাবের উচ্চান্তর, ভাষা আহু প্রত্তে বশিষ্ঠ। আভ চমক্ষার।

সাধকক প্রমণি— ইটবেক্তবন্দনা, ইটিলেড্ডন, ইটিলকের অংশুডের শন্তনাম ও জীব নরোজ্য ঠা দুরের ১৭ইনিংস্ট প্রনিক্ষান্তসমূল প্রথেনা, প্রেমণিকিন্দিকা প্রস্থৃতির স্থানিত গ্রিভাবনা স্থানকারে শকেট সাইজে মুদ্রিভ ২য় সংগ্রেশ ভিক্ষা ও চারি শান মাঞ্

## কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



মক্ষাৰণের স্থাবধার জন্ত ৬ জ.: শিশিতে ঘনাড়ত অবস্থার ভোটবোক্তার সম্পরিমাণ উষ্ণ ভাকে পাঠান কয়, ইংগতে উষ্ণের কোন পরিবর্ত্তন করা কর নাই: মুখ্য আভি শিশিরত আনা, পাইটারেও আনা, বোহল ১৫০ আনা।

অফিস–১১নং উল্লাডাঞ্চা রোড, পোঃ শ্যামবাজার,' কলিকাতা

# মদৰ মঞ্জরী

स्क्रिकाश क्षत्र क बार्जुरकार, विक्रियणकित हान, स्वक्षारंत क्षत्रभाव, प्रश्नतका, त्रुक वक्ष-क्ष्मानि, क्षत्रिका राष्ट्रकि क्षका शर्म (बार्व्याव क्षारवाचा वक्षः) वन, बीर्या, त्र्या तृष्टि क्षत्रिक क्षारवाचा वक्षः। यून, वेग्यो, त्र्या तृष्टि क्षतिक क्षारवाचा विक्रम । यून, वन्यति ३, वक्ष विक्राः।

প্রমণ্ড সক্ষাতারি হাত?
পুরুষদার হোবে বাহুলারে বারা আগোগ্য
করিয় বাক্তসম্প্র করে। মুলা ২ ডোলা ১, টাবা ।
প্রমানাবিকাণি সিক্তা বাতিকাণ
বার্যারণ করত সভাগলভি স্থারী ও বৃত্তি করিছে
বার্যান্তরা । মুলা ১৬ বর্তী ১, এক টাবা ।
বার্যান্তরা মান্ত্রান্ত্রাক্তান্তর্তী, ক্ষেত্র্পবান্তর্তী
ক ১৭৭বং স্থারিস্ক রেডে, স্থানিসাতা । বি

## शरेद्धामिन

বা

## কোষরদ্ধি রোগ

ভাঃ গুস্, এন্, ঘোষ বিনঃ অলো, বাবক্ষীবনের গ্যাথান্টি দিয়া বৈছাতিক আশালানে কোষবৃদ্ধি গোগ আথোগঃ করিয়া থাকেন।

> ঠিকানা---১৮ বং কটন ঠ্রীট, বড়বারার, ভালকারা।

## ५।

निवासुरत्तव , वाहार्य संस्थेत्व । > नाजात सेववंत्, नवारः व्याप्त । व्याप्त ,

## २। खळाहार्या मुखीवनी (भाषींह

অংশের ক্ষতি ক্ষতি আক্ষাজ মটোধ্য। মুগা ১ ছিবা ১৮ আলা। বাজৰ পুগক্।

৩। সন্ন্যাসী-প্রদত্ত অর্শরোসের অব্যর্থ আংটা

৪। কোন্ত-বান্ধাব পীল : অজীব, োটফাঁশা, পেটবেদনার মচোবদ। জিবা ৪০ আনা । মাজন পুরুষ্ ।

৫। বাতল'ন

যাত্রোগেও মহোপকারী ও সন্তাতে আরোগা। আতি শিশিও আবোধ মাত্রণ পুণক্।

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তুতকারক | সভগ কাটালগের জন্ধ পর লৈকাণ

व्याख्यान-यत्नारमाञ्च (लः दत्रवेद्रो

(भाः छेत्राती, कममाश्रुत्र, छाका,

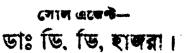
## মনোমোহন প্রেস

পূৰ্ব-বাজালায় স্থলডে সকলএকার ছাপার জন্ম বিখ্যাত বৈদ্যুতিক খেলিলে দিবাভাত কাজ ভলিতেজে বিশ্বত জানিতে বইলে নিম্ন ঠিকানায় পঞ্জ লিখুন

ম্যানেজার—মনোমোহন প্রেস,

## মর: মারুষ বাঁচাইবার উপার

যদিও অভাপি সাক্ত মণা মান্তব বাঁচাইবার জোন উবন আনিস্কৃত হর নাই সহা, তপাপি বাঁলারা মানাবিব অনির্মাত উপার অপ্রিতি শক্তি নই ক্তিরা জাতে মরা করৱা ক্রিলেনে এবং নান: প্রাক্তর মেত, প্রথেষ্ঠ গাড়াবাস্থান, আর্বিক প্রকারে। বহুমুল, গ্রেম্বা, পার্রু-নাড়াবাস্থান, অল এবং ন্ত্রীপোক্ষিণের মধ্যে লালা বার্থ্য, বজাং, মুল্পথা, প্রতা, খেত ও রক্তপ্রেম, বিশ্বীয়ল প্রভাগ রোগে ভূলিল জাগেন নিরাল ক্র্যান্তবন আবিষ্ণুক্ত আমেরিকার প্রস্থান্ত ভাজার পেটাল গাতেবন আবিষ্ণুক্ত ইলেক্তিক স্থিতিস্কা বার্থান ক্রিয়া বাহিছে পারেন, ভালার প্রতান প্রধান ক্রান্তবন ক্রান্তবালা বহুমুল বালারা অন্তান্ত বহুবিদ উবন বার্থান ক্রান্তবালা আব্রোমা কর্মেক পারেন নাই, ভালার অক্তবার এই প্রথমী ধার্যাল ক্রান্তব্য ভাক্সান্তবন সক্রান্তবন বার্থানেশ্রেক ক্রান্তবাল ক্রান্তবাল ক্রান্তবাল ক্রান্তবাল ক্রান্তবাল ব্যক্তর ক্রান্তবন সক্রান্তবন ব্যবনারেণ্ডবালি ক্রম্ব ব্যক্তর সক্রান্তবাল সক্রম্বার ব্যবনার ব্যবন্ধ ব্যবনার ব্যবনার ব্যবনার ব্যবনার ব্যবনার ব্যবনার ব্যবনার ব্যবন্ধ ব্যবনার ব্যবনার ব্যবনার ব্যবনার ব্যবনার ব্যবনার ব্যবনার ব্যবন্ধ ব্যবনার ব্যবনার ব্যবনার ব্যবনার ব্যবন্ধ ব্যবনার ব্যবনার ব্যবন্ধ ব্যবনার ব্যবন্ধ ব্যবনার ব্যবন্ধ ব্য



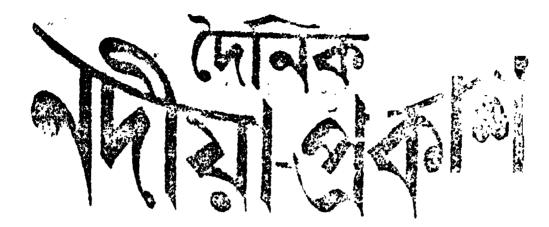
ফডেপুর, গাডেনলিচ পোট, কণিকাজ টিকানা ক্ষাই ক্ষিয়া পিথিকো



Cife -무리되기

Reg No C.1547

TREIMINE WIN



याः भाषात्मक हर् Challet a ban માર્ગિક 😘 \* 51 W শ্রেছি সংখ্যা ন

图片一年一年前年 (中四十年 日本日本)

मन्त्रामक—श्री कछोन्द्रनाथ नदन्त्राशाशाशा (टमा कुनाउन्याहि .৬৪ বত 🗋 ि ८०मा मः भाग

**এটিচতশামট আলাম মাধাপুত এই** বৈশাখ সোলবাল ১০০৮, ২০শে এপ্রিল, ১৯০১

क भगगदत्र मार्शिक्षार्व भिरक्षिर क्षामग्रदाक्ष अरमव स्मानाम छि एक शिक्षित्रम् कार्य लिएकहिर हाराज क्वेट र एक एक्कान कालीय केंग्रेनम् विषयक्षिरका प्रयानभाग कृष्टिर्वाक्रम ।

## त्राणदेनस्थितं क्षात्राक्षाक्षाक्षा

मक्षा पाक्षा परश् के किया पाक

्र विकित्वकारक ----- विक्षः देव भाष्ट्र देव विकास <sup>ા</sup>ચાલા હવર (ભવ-ગોલ્મદ મખાત્ર )મ**લ્મમ્** 特別の日本英語打中J:市C中 47に近16日 明(4.1 gravita un anibi entrafanica न्त्रको अध्यक्तिक करिएक एवं, १४८न व्यक्तिक विश्वामुणक के द्यार घटनक मन्द्र माध्यम् । भागाव १५ म । भूगाता म'का **ंडे**क मा (क्स, क्षडर: क्षिक्षित्रवर्ष वाक्षानिक व्यवस्था छ। स्थलक क्रिकि कोवसा बारक , बार्यात किरमाभूगक िष्कृतिकासी, अंत्राविश्वरक कावि f-merett ficuen aufe menn लिक मध्य बहरम. आभारकक छ र हेक् क्ष विकास क्षेत्र कार्या (सम. कार्या) Marin we for many with the second with the windleds नेहा विनादका कानगडा ४३४ अद्भारक **पश्चीः क्षांत्रकारक्षः । क्षांत्र क्षा**ि (प् METALLICATION THE STATE OF STATE Bigg Bling we stat | Naves with 111 विकास का नाम नाम वरेद्र क

# রুষ্ণনগরে পিকেটিং

রাজনৈতিক হত্যাকাও সম্বনে গান্ধী জী

# বোসাহয়ে নব গত বড়লাট

ইংলতের পথে লর্ড হাত্রুইন—বোধ ইরে নির্টি সম্বন্ধ

# মিঃকিদোয়াইর জলন্তাবরাত

োষাইরে গাফীজী ও লর্ড আরুইন

## কবরে গ্রেপ্তার

তৈলের কারখানায় আন্তন, অর্ক্ত লক্ষ টাক। ফচি

# বিদেশী বস্ত্র রপ্তালী সমস্যা

द<sup>्शी</sup> राक, भाका वर्गन आश्वानित्रक ची भाग काबाल ब्लेटन ८व. ि श्लननामगुरूक कारायात्रतं कार्यकातः त्रष्टव्यक्तिक त्यती-स्वत मुक्ति एक नि व पहें। हरका १ । अह श र्पामणे (य अप्त ५ हिन्ह, बार महन भवर्गाभाष्ठेष्ठ (महे -१८व भक्ति) । स्टार्टर यांव विरमाञ्चल कार्या ठाँसार नारस प्रश्ना कहे. श श पटनके विद्यालय कियान युन्न नार्यात सङ्क्षा भाष्ट्र आगार्था । शहकः ।

ाक क्षितः कार्याः लाहार कार्यः कार्यः व

### हे लटलब भाग तर्छ बार्स है ब द्याचा देश विश्व अस्तुम

J 1111 'मि- छत्र शम्ब , रम्मान के .क.छी कासम्बद्ध के स्टार्यन व्हेन हर िट्युंडला करिका यक्ति कालगरेन लागाव । जीरक्वारकता । जा बर्ध प्रमुखे । जनस्य **केशसम्बद्धाः अस्ति । अस्ति अस्ति । अस्** भागि मञ्चरताच कति दय, पर्शापन राम्य अवर्षक व प्रशीध मधी रणाउँ सार्यम् व्येनास्त्र

डी विश्वास प्रक्रिया वर्दमा १ १ महन TO THE STORY OF THE PROPERTY OF THE PER **भा**करणत रहमन श्रीदक्षम्त कृषिम हिंदिम हिंदीन भरतात्वके वास्तिम **कविया वा**न ।

## तालादेख भाषांका ७ गर्छ वा क्रहेन

यश्य भारी है।वात एएकहाक्का ent 索利司 (對馬C林 利C鄉 明ENT 打事 २ ७३ व्याद साहम्मानाम ०६६० द्वासाह Miles are cetered too artesta काश्रामाण दश्मारम अ।क्ष्री ८१८ ॥ व्यवस्तुम ৭(রন) ভিন্তার আরু সাহল হাও। कार्कित कर बान्स स्थानेत अहाहीर क राहरदावन aten unt Rete Buffa ant !"

कटान (वाडी सामहेन द्वार bise शिक्ति । व सम्बद्धः त्यात्राक्षेत्रः विश्व ।

व्याद्ध की दल्य नम गाप व्यापare not bei bei beit beite biede beraffet न प्रतिना शृष्ट्र के करा बर्नाला मा भवितन । **मञ्जूषा**न श्रुक्ति विराम मा। पारतार सम्भा भिक्र कि सम्बन्धाचारत विका करत्य रजापार । वस्त्र वार्यन्त के कांक्रेस्स कांक्र मार्क ह । भागावित सक्क व्यामाल कार्यन । ,

भंक ३१डं ब्राधिन मेकान ८०माव कांदरकत नवन्धिक नक्तांचे कर्फ क्रिकेंदिन 🖦 बहित्तीम् अन् 🗮 विश्वन मध मान्यवा अव विधा" बाबादव जो छवा हिं के त्या है: १-२ • किल्डिट मगत आधार ! BICH CHIMISTA MANGO WEER I WINTER बाकाकारण हादियांचे विभागरणाक व्यवस्य usul नक्षशाहित्क आनिवासने कटरा यक्षाति : मह के दिल्ल अन्यत्न करतन अक्षमि यनादी छ ५७। । थरनि ६६। ८ क्षेप्रहार सार्वेद क्षेप्र . शकी महिका चळता । व वैद्धाव शक्की व च कार्यना कट्डन et केर्टामिश्ट भगत्व (प्रमीध अन्ति : अत्र भागक याक्यात्व माठक नविक्ति कराहेल (क्ता) अवद्यद स्कत मध्याक 'शाक चार चना ' गाँतप्रमूच करत्रम । करणात्व डेस्ड व्यक्त गामिक दन्त द्वम्स्युक्तिक कव्यक्त्रतियुक्त, श्रद्भेत्र व अफ्र कार्टिस व्यामान-गाहिष्यामात मानमानुष्म कनर (बाधाडेटबर किलिके जरभदिकशनटक न् म मुख्याहरू के वाक न प्रतिष्ठिक क्याहरा . प्रतिष **७६** फिलि सकरणत मार्क कदम्भित ভবেন । ভংগৰে গোহাই বিী কপে-८०णामक मणाणां के भि: (बामान .वण्याम आगतिकाप्त लक्ष क्षेट्र वहुगाउँ क आगड अक्षेत्रम् व्यानात्त्वाः च्याच्यामः - सत् १९१३ **अहस्त । हेर्द्र ग्य कर्ल्डा**ल्लम्बर मन्छfaut a americha afes efates cateut ८५ छ छ। अदगदत शांक छ । छी क्रिकाल्डन कामकीय श्रापात 'बारट'कर बारतमधा गरिकाम बरतन । कार्व शामान न्तास हिन माहत हाछात छेलव लार्च देशक अंतर भूषान मात्रिक शहरा किंग । बळ्लाडे स्थल सञ्चीक अञ्चलक दैल अर्थन मगरबक्त समा धली कराश्वनि करत है

স্ত্রাউ ও লেড আর্ডইন দুছার প্রকারক এবং বর্ডনার বর্ড আট্টেইনের মধ্যে তির্মান্থিত ভাব অধিকে প্রধান কর্তাচে :—

#### मळा८ देव छात्र

১৮৮ त्रस्थित, ১৯০৯

गञ्ज आणनाव ८८ त्या स्वास्त्र स्वर्धः

व्यानि स्वर्गातक आभाव व्याधितक द्वर्टक्षः

व्यानि स्वर्धिक तन्त्र कार्यक्षः

स्वर्षेत्र भरमः आणीन मीठ त्रम्य कार्यः

व्याधात क्रांकिति विद्याग । य मन भगाने कार्यः

व्याधात क्रांकिति व्याधात क्रांकित क्रांकित ।

#### यक्षादिव उत्रव

ं ५७६ को शन, ५३०)

আপনি ভাষাৰ প্ৰক্তি যে উনাৰ্য পূৰ্ণ কটো পাঠ ইয়াকেৰ ভাষাতে আমি গজীল ভাষে অভিজ্ঞ কিয়াকি ৷ আপৰায় কাতি

শাব্দিক ইন্ডিকাটিউল্ল স্ক্রিকা নিশিল্প শামি ভাৰতে বে কাল করিকে প্র ১৭ই এনিল সকলে নেলার সমৰ কলচাকি, আপনি ভাচা অন্যোলন ভারতের নাগনিষ্কান্ত নাড়লাট কর্ড উইলিলে করিছালে আনিল আনিল আনাম অভান্ত ভালার করিছাল করিছাল করিছাল ভালা করিছাল করিছাল ভালা করিছাল করিছাল করিছাল ভালা করিছাল করিছাল ভালার চিল্লুডলাভার্তিক প্রায়হ বিল্লুডলাভালা লগতে আনাম চিল্লুডলাভার্তিক প্রায়হ বিল্লুডলাভালাভার্তিক সময় আচালাভালাভারত নিবেলন করিছেতি।

#### মি: কিদোয়।ইর জলত-বিবৃতি

माक्तीव ३७३ अधिरमक मध्यारम शकान, मूलिये बाडीब बदलब दमरक्तिकी মি: ব্যুট আঙলাদ ভিলেলার সংগ্রাপত্তা िरश्चाक भाषां अक विकि ताकाम करिया-Cha-Culmi मार्का म खेल खानाव दनम 144 Fece mamiy5 + +164 \*\* #:(9644 क्रम रहक मृग्लभाग'' तत रूपा उँ झर कतिवारधना कराश्चा (माक्रहेराव क्रमक मुनलमाध्यस नाम आध्यः, ध्योगरीह कि करा अरमद अमान-本(6) 模(A) 叫(C5 ? मामरपट मार्थय कालिका करणा बन्छे महा कतिया (मनिटनके द्योगनी उपशिष्ट क भारतम था. बमरभन खाः विलक मुझीन-শীগ ও গিলালং কানটামুছের সঞ্জি-तिक महस्र मर्थादक कोल हेशा व्यटनक डेएठ डेर्रिया 🕨 🗘 🗗 मुनलमार नव মনে। মুলিনলীগ ও শিশাদ্য কমিটি গুলিব ्राष्ट्रियम् अरुवा! 45 Cस्त्रि 8 कामाव এইবে; কিছু গাড় এক বংসাবর মধে। कार अध्यक्ष अध्यक्ष ३२ का बहर वे के जिल्ला wige pasten, coce .bजंडे(नहे त्य मकी माउँमा आर्क्टेड मारी भागान कडेर्य मा, कहा शाकारमब चारण রাধা করে। সাত্রধারিক কুসংখার **७ इक्किटीम द्याकाशीय करनडे कार्रम्**द्रस मामां व रणावति करका करण करण वााभारत गरिनक करेबारक । अभेगाना टमीकर बाली "कावाद शाकी" क क्लेंटिया एक भारत्व। अकी भाष्ट्रेषी 'अ **व्य**क्ति मानक्ष काकन शासकि देखिल्या विश काफारट + बाकुम, किंद्र कारतका मर्याकीन प्रशास अञ्च हारे लिक ७ देवळी, आधा-त्मव मृत् विश्वाम क्षे अक्रम डेस्डक्सा हेमानिनी मुख्य बागना कैंग माट 72 4 584 1

#### क्रमध्य दशकाय

যাসালোকের ১৬ট এপ্রিলের সংগালে প্রকাশ, একলগ প্রশি কটাই একটি মুসলমান করম ভূমি ঘেরাও করিয়া কেলিরা গেগ লগাগিরি নামে এক গাজিকে একখানা ছুবিনত্ব প্রেপ্তার করিয়াকের লোকটির বিজ্ঞান রোজ ওচ্চ প্রকারত্ব আলহানের আহিয়োর জ্যাতে এবং ছেম্মিন্ডি পুরিল ভাতার এই জে নিযুক্ত ভিন্তঃ

#### নোভাইয়ের লাট ও মহাভাতী

नं >१९ जीशन महाका नांदी दशकाहरबच काठ माब ट्राइशबिक मावे-(करमन मिक खास र चके व मिनिएकान करबर्गक्षम कित्रारक्षम । अकिय- हर्ने महीर मात्र चार्यहे काक्ष्मय के अध्ये उनिष्ठ किर्ना अधागतः नार्षताश्च भमी श्राकार्या क सम्भागीयात मुक्ति अल्ल के क्याराखी क्षेत्राका द्व कार्य बारकाश्च नन्नकि शकाःर्थद करा दह नाडे बनर प्राप्तनी किया यन्त्री विश्वत्य भूक्ति शामा क्या वह महि BIFIP বিবংগ-পূৰ্ব কাগ্ৰপত্ৰ লইয়া মহাআহি नारहेर निक्ष है शमन कविधारक्षम । त्याक्षा है शारतिक करक्षण क्रिकी यक्षणाकीटक खे अ त्य कांभव-शक महत्वा कविशासमा ार्टीन वादिक णामिश्रा त्कामळल विवृक्ति क्षापादन व्यापाद अध्याप ।

### তৈলের কারখানায় আগুন অর্থ্য লক্ষ টাকা ক্ষতি

গ্রহাত এবিল বালিকে অমৃত্যার
স্বরের বাহিরে নেশ নেশার ব্যক্তর একটা
কৈলের কাহিরে নেশ নেশার ব্যক্তর একটা
কৈলের কাহিরানেতে অন্তেন কাহেল।
কল্পাতি ও জালগানার বাকী সম্পূর্ণ কারে
কানে এবং মধ্য কালিকে অনেক করে
আন্তর্গ আন্তর্গ মধ্যে কালে। প্রকালিকা
নিলেধ কাল কনিয়াছিল। মন্ত্র এক
ভানে মান্তর নির্মাণনে বান্ত প্রকাতে
ফিউনিগিলালিটার সম্পল সমন্ত্র মঞ্জ অটনাধান আনিতে পারে নার। প্রকাশ
কার্থানাতে প্রায় অর্থ ক্ষা টাকা ক্ষিত্র
কর্মানে। ভবে ক্ষা ভূত কার্থানাটি
নীয়া করা কিলা।

#### विद्याने तथा कथा ही अभावा।

নাত ১৬৬ একিন মচান্তা গাড়ীর বোষাত পৌছনার অন্তর্গার পান্ত গান্ত বাংলার বিধা নালিক গানিতি সমুক্তর ক্রতিনিধিগণ বিদেশী স্থার ক্রন্তের ক্রতিনিধিগণ বিদেশী স্থার ক্রন্তর বাংলার মিলা গানার বিদেশী স্থার ক্রন্তর সমজা গানার আবোচনার জন্ত মহান্ত্রার গানীপে গারন করেন। করবোস সম্পোন মহান্ত্রার গানীপে গানার ক্রন্তরাক সাক্রের সমজা গান্তি গানার বাংলালার বাংলালার ক্রিক্তি উপস্থিত ভিলেন। সিল মালিক্রের প্রক্রিক উপস্থিত বিদ্যালার ক্রিক্তি ভিলেন। বিদ্যালার ক্রন্তির ভিলেন। বিদ্যালার ক্রন্তির ভিলেন। বিশ্ব মালাক্রিক ভিলেন। বিশ্ব মালাক্রিক ভিলেন।

विश्विक भाषा कि कि श्विक श्वेषा क्रियान इस्मिन वावक क्रिया कि स्मान क्रियान क

#### ভীৰণ যুক্তের আবাহন

व्यादममानातम् ४ १ क कि दलक मुर्पादम वानान, गर्भाव बहाबकारे के व्यक्त कडक क्षणि वक्तका शाम करियाटक में 1क माध्यिक मर्थ बहेत्तन,---- 'क्ष मारम्ब मत्या भागवा टाक्सीकिक कविकां लाह vine. woein an bies niaffe व्यवनीर्ग बहेरता शांधशिक वृक्ष विक्रिक्षेत्र कार्यामिश्रक क्षांतिका व्यक्तिका श्रामीप incies - minn fo wlagife are ७ 1वाटक कि कतिया आमहा आश्री um am ammiet arm ebute ambi अध्यात गाम कारबारि । आंत्रांथी बुरक्क नाटम देशिया की अ व व्यक्तिक वन्त्री উঠিতেকে, केलिया काशास्त्र मध्य श्रुका छ । वैदिया विका विश्वपटन मामेशा वश्वात्त्रत कावष्टा कावत्य भारतन । दक्त ना, व्यानामी युक्त जमन युक्त वर्षेट्य ८४. किकान क्षम क रनक्षण मुख रक्ष नावे।"

#### নারী বাহিনীর কাথিয়াবার পরিজ্ঞান

कारमण्यास्य २०६ व्यक्तिसम् स्टब्स्स कामा यात्र, मणका शाकीक निर्देशक्षम्यदेव त्येषुका मत्रमा दवनी क्षणमाण मयाकावेद्यक दम्मुद्ध क्रकी साधी स्टाक्ती, क्ष्म, स्टम् काणिमानाव क्षकम महित्यम क्रिट्यम, त्येषुक श्विमा मार्च क्रस्य बाक्रियम।

#### রাজ্যভূয়ত আলকালোর আর্থিক অধ্যা

वाश्रीय दावाष्ट्राक व्यावस्थाना नाकि ।
वाश्रीय २०१०० वालः वाश्रितक वालिक।
वाश्रीय व्यावस्था वाश्रीक वालिक।
वार्षः । वाला व्यावक मृत्या विकारक विकारक

#### बरक गृहणराज बुक्रा

ভনপুত ভিন্নীউবোর্ডের, সম্প্রাপ, কৃষ্টি চালসারপুরে, অকে একটা নেটে, ভূমিশার গ্রহমতে । উজ্জাইলার প্রাক্তিয়া বিশেষকাশে আহত বর্তমানে, এবং বালক সংস্কৃত্যার বর্তমানে, সাংগ্রহ লাজনারিক। উভাবের সভারের নিজিক জিল, বুলক কুলা নাজীটিত কাজিবাত, লাজের উল্লেক্ত্য

## क्षेत्रवर्षीनशामकानात्रिमी नकात्र मर्खितः मन्त्राचिक व्यक्तितमस्य শ্রীপ প্রভূপাদের অভিভাষণ

(1)

শ্রীপামপ্রচারিণী সভার মূল প্রাণ-শক্ষণ দীঞ্জীমণ্ ভক্তিবিলোদ ঠাবুর মহাশয় बह ब्लांटकत्र निकंडे ध्यक्त कर्णा न'रत-হছন; কিন্ত ভাগ্যের অভাগতেত সামান্তের মত গোক তা'তে কর্ণপাত कत्रक शास्त्र नावे या निरंधत योशालात অভাবহেছু ভা' ধর্তে পারে নাই, পেজস্ত व्यावता विटमर छः शिक्त ।

भारतिक्षित्रकायां। सुद्दे । इन्यान स्व अन-कन्यात्र अधिकात याँ (त) दमन, दमन दग कीर्यनकाती अञ्चलका— अञ्चलका विक खन-বর্গ, আম.দের প্রাক্তন কর্মাবশে ভালের না: কিম প্রাক্তত অবস্থায় পেকে যদি कथा अनुवास करिकास दश ना। काश्या: अध्यादण्डान लाख क'त्रिक मन्न कति, व्यक्ति कर्यंत्र बात्रा "टाक्ट्ट: क्रियमानानि 🖜 শৈঃ কথাৰি সক্ষশং। অহকায়বিমূচ্যা 🤄 **শর্টাহনিতি মন্ততে।"** এই केंद्र शहर Cश्वाकश्चित्रादत 'प्राधि कर्छ।'--- अह मुख्य । न'म--- मण्डा २७ । यनि व्यवस्थानमुख रहे, ७८४ चन्नवकाक्षण देकछ। मध्मप्रदान 474 **ॅिश्वि वस । किन्द्र अ.म.रा ८य छक्ष- । इ.स.र.५ । द्वार्य धाम-स्मायक, नाम राह्य क** लावनरिक्षक व्यक्ष्मण्ड, ८.३ छत्र भावभक्ष न तम दभनक प्रथम- एवं व्यक्षित व्यक्तिम् অক্স শিক্ষা বেন নাই। মহাত্রের ওপন ঠা'রা ধামপ্রচারিণীসভা-প্রকটে खित्रकारमञ्ज अञ्चान ये.'ता करतन, তামা পুরা---দেব।। ভগবান বেজপ পলব, পুন্প প্রভৃতি ভক্তংবৈভব চিয়য়-শেষা, ভাগেকাও আনিকার নের রামের প্রাচার সারক্ষণের জন্ত বার ক'বে **भगवार**भन्न रमवक मण्यवाद्य । रागोत्रयन्त्रत दयर व्यक्त भीत्रज्ञानम भामानिन्दक व्यक्तित्यद्वन,---

व्यक्तिया छ त्यावित्तर एमीब्राह्मार्क्टबाड्यः। म म जानवरका दक्षकः दक्ष्माः भाष्टिकः ५७:

वाला कारमध्यानात्का ध्यवसम्ब **ल्या क्टूब**म्,• क्षांबा विवय ७ जाश्यम-বিএত্রে মুগণ**ং থেবা ক'রে থাকেন**। काक रमयात्र महिष्ठ অ.মু প্রভীতির गर्भाष्टाकार्य मः स्वान चार्छ। या रेपन कार मारे. छ।'ता एक भारभाषाम्य त्या त्या एक <del>পারেন না। আ</del>গোর*ত্*করের সেবা ক'্ব'র श्रुर्क क्षक्रणकां, स्मर्वे क्षत्ररमवा मनार्वर श्रेषक द्वारच प्रदेश १ अलावेश १७ क टावा ना শ্বলৈ আত্ম প্রতীতি উর্ব হয় না। আত্ম-**শতীতির অভাবে,** নিষ্কপট সপার্থর ভক্ত--**প্রাথপদ্ধপু**র্জার অভ্যাবে ডে।ডাপার্থী থেরূপ ক্রা শিংখ, বুলি আভ্যান, আমহাও **मिरेशन मन के**क्सिंग क्ति भाषा। जानता मा पड़ गया गया क्या बीत, किय श्रीकात

गेकारको अश्वाकः

মিতাপাঠা বৈকৃঠবাতীরহ

বেগাদি সমস্ত সাছত-শাল্কের অকৃত্রির ব্যাখ্যাতা সমগ্র ভারতে একমাত্র মুলভ দৈনিক পার্মার্থিক পত্র

ক্রীলাম মারাপুর- এই বৈশাখ (সাম্বার্-১৩১)

(लोक "बारमकः **भवा**श खष्ट" एकतावछ । শ্বরণ কবি না। আম্বা নিজেরা আমা-দিশকে খুব বড় মনে করি-প্রাকৃতির कीर्यन, উত্তম সোধের যে গুল के छिन, छ। अधीर आर्यात आयादिक छ।व वाह ক'রেছি, কল্পনা করি। অঞারতভাব बांच मा कराम (काम भक्तम बांच केंद्र खा<sup>र</sup> द<sup>े</sup>रन रमक्र**भ मरन कता व्यरे**क्क ८७:। अटेनकवण छलगिकत सामग्रे—रेपण ।

> নৌরস্করের শিক্ষা বিভারের মভাবে ভড়ালগতে প্রভুত্তের বিচার *ং*দে উপঞ্চিত फिल्ट्याची हम । जीट्रायहे लाला, अलावा. शास्त्रका । अने यञ्च त्यभारम त्यलात्म त्यला या देन. त्राभारम दमनादम काम्क निर्मा ७ कुमा म अ डि.मफ के दिस्ट छ । कि ब टि. वि. वि. বিচুত হ'লে যদি আগাছাকে আশ্ল ক্ৰি, আগাড়ার শাখা গ্ৰেশাখা প্লৰ পূলা-कारण विश्वातिष्ठ इष्टे, खां इ'रण दे स्थरतत ডিডাবেশণ ছাড়া আর কিছু কব্ব না, দেটাই কম্মৰাও। কম্মকান্তের বিচায়ক-গ্ৰা মনে ক্ষেল,--জামন্না ধ্যানিৎপত্তি হ'ব, সকলের উপায় প্রাভুষ কাপুৰ, বৈঞ নীভি অবলখন কব্ব ইত্যাদ। আমি বড় বাং। চুর'--ইং। কশ্বকাতীয়গণের বিচার: আমার কুলিছের অভাব হ'েল আমি বৈষ্ণৰ হ'বে বাই; এলভ আন क्षि आयामिश्य सामित्राह्म,---

द्यदेवविशेमान्ड महोत्र मात्रः भारका शैनाक प्राप्ताकाः।

भूजानशीनाः ऋषिरमा ७ वजि নটা রুমের্ডাগবত: ভবস্তি॥

बरणप्र अस्थाय १/८०१ । आभन्ना देवकार "আহুতেঃ ক্রিন্দাণানি"—'ইভার চন্ত্রৰ হ'তে চাই! ক্রি বাজবিক ক্রাবতী

আয়াণ জিট বৈক্ষৰ। সেই বল পা» বিক वन वा बादोत बन मग्न, ए। देवमध्यन अमर्राष्ट्र हन, देवम्हरनन्न अमर्रान् देवस्वदरत केंग्रिक्टे। वत्रदान्त-निर **उत्र शाम श्वास्थायक देशकात्रत्र अ**नुमृत्यिद्य খাঁ'রা বশবস্থান, ভাঁ'রাই প্রেক্ত বল্নস্থা। বৈষ্ণৰ প্রম নির্মাণ বস্তু, জীবি পাদপুষ্ণে (कांग मुख्या कांगा वा मिनिका नाई : किय িংনি ক্লপা ক'রে যে প্রেপ্রস্থার্থবার্বের স্থের यांग. ८२३ प्रमुखि रामि आपन्ता आगारवत् । ৰ ধেই **অবৈক্ষ্যতঃ উপ্ৰতি** না করার ১ ম্থেরে মুখুট ক রে রাখ্ডে বাৰি, খেবেই স্থিকৈ বা স্বরোজা বাত করতে পালে . আমরা যেন কাষ্ট্রো হ'তে কথ্নও मांक रा कहें।

> বিগত বৰ্ষে একটা নতন কথা ও নুতন দুল্র দেখাবরে অবংশ পেরেছি। তভিদিন उटना ६ लाग. (क्टर भूषं सम्बद्धाः सुद्धे ষ্টিপেট্টাম মঠের কথা সুকলে না পেরে নান্য প্রকার বৈরত্ব ও হার্টনের আন্তর্করাভিক

ভিযোপিতা বং মণ্ট যায়: কিন্তু লিকিডেয়াল সংগ্ৰেষ ও নিম্মল পার্যাধিক শিশার প্রিলানকে আন্দর্ কাৰনাৰ চেটা কাডেন, ইচাও গোছাফাডিড केरियां छत्या, अधिक नाप्ती खालका शक्षा । यानि ध्यातीत कारणात्र क्याहें। व्यक्तिस के'रगर्ड দেখুতে পাই, ভারি চেয়ে ওভ আরে কি बाटक १ - त्यमन दशाभिक्षणाचिक विकिश-नाव बाजिए = नव .a.gravation) वे'रल् । अक्टें वंशा चार्षः, याद्रामित व्यमः দিকিৎমিত রোগার ८४८६ ४१८६६. '१एएक दक्षा गारह . কিন্তু ভিনিত্তি প্ৰের বিন উপট্নি হ'বে ডিকিংসকক্ষপ্রদিগতক - আন্তেদ্ব ফেলে, ভারা কক্ষকাতীণ বিচারে আক্রম ेश्र्य ना राम, ८ हेन्द्रहे चामात्र लाबना । क्षेत्रा कानकाणी क्रम निविद्यानवासी ना किल्ल के-निकास, म'दम नाएन, पाणां जिनामें में ता देवलेंग रामी 😇 किन्मू जिन्मि वनका में मकति कांना व 🏲 कीर्डन वस मा बता क्लेशका गंडहा-विकसाश्चिका महलाइडि बाझा व्याप्त्रज्ञ हरीएड वर्ष. र'रम बामहा भर वे बामहित बामका हैहै। बाद व

কিছ ভাগবতে রুধের যে বর্ণিত "স্কৌট পেষেত্রি, ভাতে কান্তে পারি, তিনি,------षाष्ट्रायाम्यायाच्या माख्याप्य मनगवनपूर्व 🛊 🕆 अन्डाबटर यदबरुट व्यक्तिस्याङ

Cत्रां⊍काहम व °

## অবিক্লব মতি

( শ্রীপাদ মতান্ত্রিয় ভক্তি গুণাকর )

ধ্যা, অর্থ ও কামের আশার ই হারা নাধন করেন, ভাঁহারা কথাকাও রও হা কলী। গাহার। মুভির আশাম ভান আলোচনা করেন, তাহারা জানী। नाननारम थान ना (माक्नान इहेरलट्ड পুক্রিবার জন্ম ব্যবহাদার বেমন সভত উদ-গাঁৰ এবং টাক, জালা,পাই গণনায় সর্বদা নিযুক্ত গাবেদন, ক্ষিপ্রণাও চেই প্রাক্ষার ংখনাধনকালে ধর্মার্থকামপ্রাপ্তির দিকে বভট্টক সংগ্ৰের হওয়া হাইভেছে, তাত্র চিত্তার মনকে নিবিষ্ট করিয়া র'েন এবং এগনও আশোহ্যায়ী ফল शाहिलाम ना ८१ रव भरता **मत्ता होस्डान** করিতে বা

ানশ্চিপ্ত না হইলে শাল্তিক্সপা নিশ্ব দ্বি-ীৰ আনন্দ্ৰণ স্থোতগারা মানবছদ্রে প্রবাহিত হইতে প্রে নার **চিত্তার্ভ** ব্যক্তি অধাপ, ভূতরাং পুনঃ পুনঃ ছংবের খাবা আফোফ লইবার যোগা। \*\*চিঞ 15 ए" स्टमार्स्टना किन्ना तय मन्नीसभी । किन्ता भवति निकीत्र तिष्ठा सदक्कि मधी**दश्वा** ---ইড়াবি ব্রনাস্থলারে চিন্তাযুক্ত জীবন ম্পন করা অংশেক। চিডাম **দত্ত হওর** सर्थाः मोत्रा या इद्या **नतः छात्र, कात्र** िटा निजीवरक मध्यवदा, **किन्न विका** পর্ভাবকে দথ্য করে। হু তথ্যাং জালান্ত 🖜 চিত্তরিপ প্রাংর বাণ-বিভ ক্রিজীবন घडीत Cश्य ७ इःश्**क्**या

শেষকল ভাগাবান ভীব আহৈত্ত্ব-ভাবে অধান কোন প্রকার অবাস্থর ফালেছ আশ্ব্য উত্তেজিত না হইছা কাউকা বোধে अक्षा (शब महिक खन्नामामामा निवके ां अरामग्रांवां महे। इत्या विश्व हाथ विश्व नीमरम्बरुविकानिभव्दक बाक्षत्र ना कोरत विभवनिकत्तम् बावण्यरम्त्र द्वाणा नीवैः परिकालरे खळ कुश मगुउन्नि में 🐗 ना : कवित्रोत्र दश्यदानी श्रद्ध दलिवर्षायम् 🛶 मध्य भएरमार का नाय भारती

ाय व देशांकिकी **े नर्गर्श**  নিজ ৩৬ ভগ্রদাভণর আত্ম-ছরপের অত কোনএপ ত্র্টনায় পুন: পুন: यामनात्र कवन धरेएक िक्किक गाउनत ভাবে ও প্রীতির সৃহিত্র ভগ গনের দাসগ্র শ্বরূপের পরিচয় পাতে সমগ্র হইগাছেন, मकूरा छेष्ट्री टाइडि लाट क्मालि ममर्थ इडेएडन ना ।

धन्मार्थकामध्यापधाः । । । वा विकास महत्र करतमं त्य, एहे वि त एकि वर्डमान होहा। भिर्मित **चारात्र माहे उत्तः दहे अ**नि মা পাইলে টাঞ্নিশের অভাব পূৰণ ও আন্নদ্রভ স্থবণর ১ইবে না৷ ভীব নিতা চেতন বস্তু এবং উচ্চার শুক্ক মায়া-শ্বরূপের গাঁনে অবৈচুকভাবে ভগবানের শেষা কাৰিবার প্রায়ত্তি চিরালিতা আচে CUCS के के के के का कार्य के श्वरण में कि नि-् ৰার প্রা, ডি বানীত অহা কোন একার ' আত্তি দীবের শুদ্ধ আল্লেফলের গ্রন-সামলীতে নাই, স্নত্তাং ধ্যাংথক্ষে-মেণে-खातित जाना (व कें रवत के जाय-ব্যভীত গত হর ন'ই।

হইয়া নশ্ত-দেহে আত্মগুদি ভাগ্নকাৰে बर्खार्थकामस्मारणत जाना कृषिण डेटरे बिन्द्रा डिहर्टक कुरू बाद्यवङ्ग्पण छ्यात. জাল্পার অভাবের চুত্তি চইতে পুথক্ বস্ত্র कर्ण के होता वृश्वित्त समर्थ हम, 'है। होता बिराक्षात्म डेब्रानिस इहेनारकम का निएस हहेरत । दा तृष्टि कीरतत लिका चलाइन ! শ্বাহ্যক নতে, ভাগে গে গীবের আগেরক सचात जारतत (भाउक, देश एक वालीकात করিতে প্রার ?

क्रमण्याज्ञित शृशीन्त छळ हारी: স্কৃতিকলে বে সময় বাবে নিছা ভ্ৰম আন্ধা অভ্ৰেম্ম প্রিচয় কাডের মহান ভাগেণ প্রাপ্ত হন, যে কালে হিলি হবিভঙি ইবিত থাকিতে ভালবানি মোরা, श्चरधीत्व नामक धारण विशेष "घलाक ना বিনত্তে বা ভাগ্যাকে বিন্যালনে ৷ অবিক্রল : আমার ক্রীণন কাম্য রাচন, মহিভূদা হরিযেব . \$ 1 — दल्लाकाक्षमाद्य । अतिक्रतमणितिनिष्ठ ७'न, ो टेल्ल्स छैनाम । धार्यम एमनिन, ধাহার ফলে তিনি লাভ ও জন ডে সম-'चातालब स्टेश वश्यकन धवः दकान आकारत । (प्रश्यमे भागत स्थापन दकारफ, छश्तक इंड इंटर विष्ठ कि है न की। यन भारतकेत्र सह कथनल छरक्रियाधिश्रन्थ इप, यथरा छिनि दपि खकाक्कामनः

णिविष्य न। एक नगर्व इस. ए। एक कान | निश्विष्ठ १६ए७ या ए'न. १८११ १६८न ७ मानव बानम कानस्य नांब. প্রায় তিনি ধ্যাপ্রিবনে ফরাপ আছে | তিনি অবিন্যুম্বিস্পায় প্রাক্ষন ব্রাণ টাছাল জ্বলংলাতে প্রশাস পিলুস্থারীর সাধন করিয়া জীব্দ-বঞ্জে, স্থাগে প্রাপ্ত হইতে পারেন না। ২ বিষয় কাখনও শভোৱ দুঠ হয় না। জীমন্-**৬%** আত্মদললে নিত্যকাল অতৈলুক- তিনাবছের "ওলেন্ড্রুপণ্ড পুদর্নীক্র-মাণো দুজান তথায়েছেং বিপ্ৰেম্। ৰা দেও করিবার ক্ল ভীতা আছি। ক্ৰ'ব্যাভিতি লগতে, দীৰেভালে মৃতি-**ভদ্ধা দেবা প্রতৃত্তি বাভ ব্যানে, ব্রিজে , সম্প্র বাতিকে মুদ্রভাবে নিজ সিদ্ধান্তে** হইবে যে, তিনি তথ্য নিছা ৬% আছে । দিব পাকিব'ও গোলালা প্রবান কবিলা शास्त्र, याश्रात करण शासक निकासना व्यात व्यात व्यात व्यात विभागत. স্বন্ধিবিশিগভাবে কালাভিপাত করি ভ সমর্থ এন। যেনকল ভাগেন্টান ব্যক্তির ভিত্ত, সাধ্যা বৃ**রিতে বৃষ্ণেতে কি** ভূব 📍 জঃধ ও স্থের দাবা বিচ লভ হর, ভাগান ফুট্ৰলের ছাল ভাড়িত হয় এবং कथन क्षित्र करन कै।पिटल शांदक । जागता जिल्लाकान दक्तात खर्थन ছাড়ালাই ভাঙা-নিপ্তক উচ্চা নাচাইয়া থাকে। আব্দ্রান কিপকামী ঐ প্যক্ষের হল। **।** इस्लाहा ना इ प्रता श्याष्ट्र ए हिर्देश के छ m . ষ্ট্ৰো মুখের হলত হততে প্রিছার প্রেডিড চণ্ডেন, করিপেন্ড উড়িক, সল-भावता १ रेगांस्य अञ्जलिक राष्ट्र सङ्ग्रहकारत আবেল্ড-ম(ড-বিশিট্রইব র জন্ম কাম্মন, ও বাক কে যথমেগভাবে নিযুক্ত কৰা। শক্তপাথ বিষয় নছে, ইংগ খীক্ষি করা। মানবের নায়ে দেহ এক রন নিশ্চন্থ ন্ই ছউর) যাটেরে রুজালতার নিশ্ব নেছের যথ। স্থারূপলাস্থ অন্য তীবের বৃদ্ধি নিব্নিত : বেজপ অব ন গটে, ত'ত। গটুক, আমি 🖟 শশত বিচলিত হত্ব না সভ্যাকরে विभिन्ने इहेगा जगनभारक निमुक्त

## জ বন

পাকটে (ভিব)ভির উচিত কার্যা। যিনি

( শীয়কা অপর্ণা দেবী লিখিত)

খাঁবন শভিতে স্বাই চাই फार दक्त मत्य निभरण भाष्ट्र ॥ হে:রম্ব গ্রামণা প্রাকৃতিরাণী। क्रानिश्र व्यानात कुटक वाली ह कामगांत भागा श्रामश्रा करते, भीकिन समस्य भएकक छूबि।

**११ विक वर्षी छा-छाकान** চাণিল প্রভাত অরুণ রবি॥ সংনিতে হটৰে জীবন ব্ৰত। জয়ী হতে শৰে ৰিম্নত ॥ জীবন-স্থপন সফল করিছে, **আকুল আবেগ উ**ভুলি উঠে। वर्ष वागनात चुक (नमना, পরাণ মণিরা পর জি " ছুটে ১ (काम भाग भाग कारण मा कारणमा, লক্ষ্য ভাস্ত ক্ষবোধ ভিয়া। चौतन-माधना मका निशा H মৃত্যু বার্ছে ভীবন নামে। হীব্ন-গারার সেবা শাস্ত্রতা, मिब्रिया ५ - १ व व तिल 'क राम' ४ द्वारण माणाय मुका मानकरः। ষাল।য়ে মধুল মোরন ব বি। विशिष्ट डेक्स खरील करिए ह ८०१ण-कांगमास डेकाटमधि ल्यास, আনুতি দিলাম সূত্র র প্রেড । ভালে-সাধ্য সাধিবার ভারে कडेकु भाउँछ नार्थकाम ॥ গোলাপ ভূলিতে পথাৰ ভূলিয়া, क्या कृतिहरू का भन्न के छै।। প্রদা সঞ্চয় করিছে চাহিত্ত स**ब्हे कृतिश** किन्न वाति। ॥ অনুভের লমে সেবিছাছি 🖂 , বিধানলৈ হিছা সভতে জাতে ৷ ছার জাব বাদা ভালু মানঃ গ্রেপে, পজিণাতি লামি বিষম দেনে। लाजानकशांशा कुलाता दुलाह. उद्देश छात् । तम ग्रांशम कतिहरू कर्तकन, मधु मस्मान्य भाकानेयम । হিনি ছাগ্যালা। তিনি নিজে খালক্লব-মৃত্যতি যোৱা ছালে বানি ভালে।, মতি সক্ষা হ'ন ও ঠংকে অলুসর্গ

**शक्कि रहाट**म्स निस्म मन्द्रम ४ করিয়া অনেক আন্ত বংতি পু ২ন্ত হইতে दक्षांत्र मानना १ दकावांत्र कीवन १ ছনি যে মর্ব-স্থার গাভি। অন্নৰ ক্ষিত্ৰণ মুদিরাতে আঁথি, **সমূত্রে নিবিড়** ' গেল লাভি ॥ **চপল गद्दी पृत्त (शट्ड म**ति' धम नत्रभात्र (व्याप्ट्स व्यापः) ध्यक् हाक्छ नीत्रवटा घाटक, **(मधि कामि ७५** ५.कारे श्राप्त ॥ कीयम कि ७५ कि निरक्त हामि ? स्वादिन उपु स्पट छत् ! বাথিত তথ্য মশ্ম জলগারা, তা হতাল ভরা ত্রানের গ कांब टक्रांन त्याह शांदलक कि अधू, वर्षे कि ल्यारगत मार्थक्ला। करनिष्ठ यानव चाम्छ-छनव, কোৰা ভার পুত প্রাক্তরভা 🕈

मधा भीवन दक हानिएछ शास्त्र 🦫 ं धा ८व मञ्जरशत नांभावित । চেতন বিহীন প্র গ্রাণে, क निरंप रहण्या वित्रश्वत ह **লট**েওজ মুখ বিশ্ব ভূষলে, दावश्वरात व्यक्तिमा नवास्थ वर्षः भिर्यः, ক্ৰিছে নিভা শীৰ্ম শাৰ 🛊 क्रमांभागत प्राष्ट्रांगाः धानतः के भग कथार दस्य मुख चीन जनारमारक प्राप्ति हा नजती, মৃচিল ক্ষীবের অবিজ্ঞা ওমঃ এ क्रममा छिन्दा देवटेठ ग्रामरा, শুদ্দভদ তিদি দাস্থ দাণী। মরণ আহক আন্ত কণতে विष्टत अन्छ क्षांभ श्रीम R ८ छ। भ-गरतात के सन ग्रह. क मना पृट्यन्त न म। কেলে হলি আনে, লপং ডেড চে ইণ্টির, कार ८ : "ठाका , ८ तरन **भूग्नि ४** कामना भिनाती प्रदेश स्टार्स, ल्ला र भरतन र जा ্নবাদন্যমার হার প্ররম্বনী, লাকে জীমনের ধী**ণাখন্তে** ১ গ্ৰহ সে প্ৰবাধ বি নামগুৰে, পুলক আংকে উভাগভিশা 🤄 बाद ५,१८० त भारता ३० माञ्चल, ८ ८ ८७/६८८ भागान काला ब ્કેલ્લા બનદ્ધ કરી કેલ જ જ્યાં છે. भर ४८% में कि शता शताह के हैं। एकक्रमानरच महिला होत्रमः ক্রিয়েছে কল্যান করে 🛊 गात. चौ चित्र एम मैंतिय स नगी, की नरम यनग ०८७ । आह अपूर्णभारतीय जिलाब दल-भाषा कुर्त्त गांत्र एर्टाट्स करिए u िन्नाटनाय कारण यस्य ५७७ ए। दन मनीन व्यानात करो। षाट्र । इन मार्थक्**डा** 🛊 হুদ্নটে ভা ভাতে কাল দাতে, इति (स्वा शह मानि । (६) हे मुल विल इप्रसि स्ट्रे भत्तन भाविष्ठ गाति ॥ শীটেওছা দয়। স্ত্রিদিও ভূওলে। मृज्यजीवनी शास्त्र एए। की बमला शक्ति तथा मा. लिता थता गरव सका**खरत ॥** 

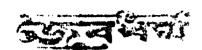
व्ययुष्ट द्रारम्य यारक व्यविकास,

ঐ নৰ চেডনার গুড করলেখা,

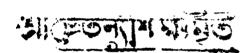
**६८त्र कालमाशस्त्रत्र बाळी** :

প্রভাত খাঁথার রাত্তি 🛊

### ভাজানিলেনিক্সক্ত বিবাস্থ ভাক্তি গ্রন্থাবলী



**ब्रिटेक्स वर्षाः - क्षेत्रहर्कि विद्यापः । अन्तर्वर वर्षाः २**-कैक्षरिक कोर्यक लाक्षहरा, कृष्य व मुक्तिल महत्व, िला ह देशियोद्धक कथा, श्रीकारिक निविद्ध क भवत्रकारमव एका सार्विक व **क्रियांको केन्द्रन क्षानकार असान, टेनाम व वर्गालाम खे, टेनफरन** मध्यत **पक्रणः भव्या**भागतात मधित शांदका, मावा • त. ८ गरीः कर्ति 'क. क्षेत्राटक्स टक्स हेन्द्रावस्त, कट्डाठ मधी चन कांक्ट कांटक्स, कोरवन वका का ल मुक्त, ( काःपुट्ट क्षिकात. क्षेत्रिक अनिकाबी-रिठाव, क्षा र क्षार्ट करार ! माध्यके हो, माञ्चलमा क देवका बनमा, स्वटन अभागीका, अध्यत -अस्य मा क्षात्रात व्यक्तीकिन्द्रकृतः व्यक्तिश्रवस्था स्व १००५-शिक्कोब खारखन, चळन्मरक्रक मारुक व्यक्तिराहर काल ... काल काम क्षण के देखा केलचे. क्षणि (विशेत, मी 🖘 , देव**ी**) 🧸 १९०९कता . **र्काल, सम्बद्धाल, नगत्रप्रदेश वानकारी,** लादकोदनस, ५मुध *ৰদ, শীলাজা, লে প্ৰাক্তাৰ দলাৰল সাবেল-চালের* অভাক िशृष्ट बर्क्कावनी च क सवनहायात्र करलालकन कान जा -निक १०६१ के। अब अभ्याद अवत द्वत काल रहे करिए শরস্থাপিক ন্যকেন্ত ক্ষমু , ১০ জন্ধান ন, সংগ্রন ন্যান ব লং ১ শরম সৃষ্ট প্রবিষয়ক এই এপ সর্প ভালদ পর্নী কর এপের ও च्च करा कर १४ - १८ । कि विकटमा करेंची - लाख-भाषा का का कर कर । करण अर्थ श्राप्तात्र प्रतिक व्यवस्थात्रम । आरत्य श्री श्री क्ष्णी, क्षांत केल्यान बाहा विस्कार राष्ट्र कवा व्यवस्थ । 🏰 रिकारिक अञ्चल देशपार करना लाग ,लाम, १०५४ से,पार ---0'04 NOW . 4 R. 414 1



### ंड्ड्बं जःखन्न १९नवदः वीशहें- २० छूटे होकः व्यावीया--१५० दमीरम छूटे छाका

ৰ্কিপুৰ লাজবাকা বাধা প্ৰভোক মানবেক নিজ।

ক্ষাৰা ও অনিজন সামায়ক কলেবা নিজাহিত বহৰতে।

ক্ষেত্ৰ প্ৰাণ্ড উকি সনাছন লাজবাকা বান সম্পিত ক
কাষ্যাৰ ক্ষেত্ৰতে। শংলকে, মনের ও আখার গলাকি প্
ক্ষেত্ৰ, স্মাক, নীয়তি, বজাকি প কড়াটা নিবল ন্যাপ্তসাবে

ক্ষেত্ৰ প্ৰজন্ধৰ ব্যক্ষককাৰে আলোচাক ক্ষাডে ব্য কাষ্যা লাভ কৰেতে আছে ক্ষিয়া শেষ গ্ৰান্ত নাম কাষ্যালয় লিব্ছ কলা বাহ লা।



विक्रीय मरकदन 🛶 • व्यामा

ক্রীরণ ক্ষেত্রামী প্রাচ্ন প্রশান ক্ষেত্রামী প্রাচ্ছত ক্রীপারেশক্ষণে যে সকল ক্ষা মালাবাচন, সানা এস প্রাচ্ন শাক্তপ্রতিক ক্ষায়সূল ক রাণিকূল বিভাগে ক্ষান্ত প্রকারভাৱেশ বিশ্বক ক্ষান্তে এ ইন্ট্রাক্ষান্ত ক্ষিত্রস্থান প্রভাগ দ্ব ই ক্ষো ক ক্ষাংকল বিশ্বক ক্ষায়ন্ত এ

## ৪৪৫ গৌরান্দের

শৃতিত্র

# कीनवदीय शास्त्र

পাল্লানার সংক্রের ছেই এছার প্রয়োজনীর বিষ্ণুল্লাক ও ৬ল লাল্লিক ভংগলোল বলিড সংক্রের মধ্যে যে লিক্লিক বাইক

ভিক্ষা ১০ আনি নাত্র ১০ ভার টকিট পাচাইলে ভাকে পাঠান হয়।

ale. etc.

জ্ঞান লোচনদ সাই ক্রেবজ্ঞ চ জ্রীতিভতা মুদল

ওঁ বিক্লপাদ নিন্দিছিলিগিছাত সর্থাই গোশামা অভুপাদ সাপ্রদিত ভূমিনাই প্রোপ্তত অবস্থান জানিকাল জানি প্রদানের ও ব্যাহর কথা লাল্ল, লক্ষ্টা, অনুন্দুলা, পাল্পুলা অনুন্দিত ভালিকা, পভস্চা গানুতি নিজ্ঞ স্টা স্বানিত গোড়ে অকরে ভবল জানিক নিজ্ঞ স্টা স্বানিত লিখেন্ত কাল্ডে ভালা ভিজা— ১৮০

## खे. इ.स.च कि खाप**ि**

ব্যানাম ন বারা নে লালালনা কাল করা লাভ ক বাবানী কবিবার কাল কলি লাভ কল কলে এই কালে বারা প্রাথিক লালাভুলনালনা কলে বারা লাভিত্র বারা প্রাথিক লালাভুলনালনা কলে লাভ কলে বারা

## ৰৈফৰমত্বয় সমাজতি

्भानरदर्भेनत्कः,यस्यः

িল ১০০০ জনত লাগ্র প্রকাশ কর্মার বিশ্ব কর্মার বিশ্ব করা বিশ্ব করা

## শ্রীভব্রিসন্দ 5

্ম খণ্ড ১০ এক চাকা লোখণ্ড ১০ চাল — আনিষ্ঠাগনতের ও গোড়ালের প্রাহন্দণ লাচ টাবার ভূইখণ্ড শাইনের ক্রেক্রনা জিল্লির লালামীনানের লাল্ড এছ। হল্লী ষট্যক ড০ জাল্ড প্রাধানীর মধ্য আহিছ্য চন্দ্র ক্রেক্ত্র ব্যাধানীর মধ্য হল্লী

> শুষ্কালাম সঞ্জিত ন্দুটোরস্কৃতিঃ ভিশা√• খানা নাত্র

## বিট্রাপার

শ্ৰধান !

417-11

শাৰের চীয় বিশি বাদ্ধনা গ্রন্থ শানে ১০কান্য এবং শ্রাকারেটা তথ্য প্রিচিত প্রতি প্রশার্মিত।

শ্বাধাৰ স্বাস্থা নেতৃত জানা, সত্তাত বা এম তেলা স্বাস্থা করিব আ সমল বি লার নারে ভংগালী আন্তর কো, বি, দ্বা ওড়ে এন্যালানি নাম বেগাৰা তেলিয়া প্রিদ করি,বনা নাচুব জুলাভোৱাল ক্মান্ত্রের ক্রাত্রেম ভৈলা বিয় ২০০ বন্ধা বিশ্ব

### কেরাস কুইনি

्राक्त अन्ति भूति। इस सन्ति । उत्तरिक सम

উচ্চিত্র স্থাপ্ত ১ ১ জন্ম আন্তর্গুল্লার কুইনিব্লাস্থানক এ

হার কোর বা কুজনিন ধার। জার কান্তর এ৬টা বা হাটী শক্ষাক্ষরেক সক্ষাকার কান্তর মানু বিষাকার বার্ করে এর ৬ জ্জাক ১২টা ব্যাস্থান নাত্র বিষয় সমস্ত তার বার্কিন কার্যে নাত্রা।

চি হলো পুলি প্রছি লক্ষা ন্যা নাজ , সুঁং হে ছালো বাহৰ ,কাম নাম নম কোনকলেল লগান্ত্রটাইছিক স্টেন্ত ক্রেনিফ কলো ।

্লান্তার বেষ্টা সগতে আবন্ধ করে। শ্রীদ সাকুর ভাজনাবনোনে ইতিন প্রকাশবাং ;-



भट्यमे मार्केक षट्य मरण्डल चिक्रा / - बाला

্দ্রক ও সংলেই বাছে কালেওবেছ বা -- ইক, যখন জীব বুক্তিত পারে, ভবন এজমাত্র মিন্দ্র প্রস্তারের আনি উল্লেখ্য কোন কাজ্যে স্থাওবিল প্রস্তারে করণাপ্রস নিজসবানে সক্ষাপ্রকেশনে কিছেপ্টি কি একারে করণাপ্রস নিজসবান সক্ষাপ্রকেশনে ক্রিকাশনী প্রাণন্দ্র ও লাজ্য-ক্রেকাশন ক্রিন বিশ্বর স্বান্ধ্য ক্রিকাশন ভব নাজে

(한마) 35' 6 약 5 / 이 최수 하[하] 30 k 8 [만나] 4 [ - / 이 취실[ 11세 13 4 - - / 이

कल्या वक न्या एक

भरकत गार्चेक भक्तम गरकडम किन्ना ३३०

কামৰ প্ৰকৃত নহন অকাৰ ও কাননাথ বলবত ২০৩০ প্ৰচালন বে কলাপতে কলাপ বাসেই তল কাই বা হিচা নামত কাশৰ কাই নাই কিনে বানিকা না ব্যাস কলা গ গালান কাই কাই কাশৰ কাই কামানের নেকা করা প্রায় কৰা ও লাব কাই কে কাশৰাকাইছ মুম্ম কুইব, এই সকল কাই নাক পানে নালা কা এই প্রিটিয়া নামতিকা ক্লাপের ক্ষুত্র ই না প্রচাক্ত কাক্যাণ্ড প্রথমিন সাম্ভ

বিস্তৃত ক্যাটালগের জন্ম নিয়ালখিত ঠিকানায় গ্রু িখুন— ম্যানেজার—গ্রন্থবিভাগ, শ্রীচৈতন্যমত, পোঃ শ্রীমায়াপুর, ( নদায় )

# বিশ্ববিফাব রাজসভার শুদ্ধভাজ্যসমু

श्रीदेवक्य प्रत

আকর মউধাল

क्ष हीर स्वदीय, आक्षत है। भाग बाबाल्य, ननीवा

শ্রীমহাব্যাগায় হয়কে গাহে ৩০ বছ উত্তালপুলে প্রান্তরপাননে মাচার্যারভ স্থাচন্দ্র (लगर-कराज टी फिराइक मन विदायमार ।

कर शाल मा खन्न नीर्थ, पश्चातक भीत्रे मा मादण सक्त खती । अहे महा हीरन ही किन्द्रिन न्योकांका के नामक क्यांक्ति- तम सम्मुक, एका खात अखती के का सा, का किया अश्राप, क्या ्रशोरक्क-शास्त्र खेका-शिक्षिक क नाष्ट्रक आण्डामाधक-वाष्ट्रायकक्ष व केकारमव देशाञ्च বিশ্বাবন্ধ । বৈক্ত সেন্ত্ৰ, মাৰিত ভালাসভোষ । এই মাইলাক পালমাবিক বৈশ্বিকাশৰ সাল্প का कार्यकार क्षेत्रीय भीत्रकेत्र श्रेष्ट वर्ग के अपी गाँव कर्याता कि क कोखन सारा-मुल्य महत्वार रेरमंत्र मि कल्पण कर्ताहर करेगा भारता । त्राप्त - त्या र सी আলিক , enterit, , সংকাৰী - আলিক বিভাগতি গানী প্ৰসাতী, গান্ত তালিক স क्षकारी मारक्तील केला है केल दे हैं। १७० टेवर केल कि अपहारी Dem abergeriet genenming, Derbein nicht unbied mit bereicht

#### ্ভারে গুলাস ইমিন্দির

व्यक्त क्षान व्यक्तिसम्बद्धाः तामान क्रमन अ वैश्वता शकृत आर्थित कृष्य संग्रहसः अ-भारे । कारान मिलकोर मधा । द्वी वस्त Freigne Rententingen und Etterent क्षात्र्व ११वर् वस्थान । वशक --- (काक-নাৰ শ্বশ্ব পোকাসেই কটুচোইছে প্ৰাভূ শ্ৰীবনা-साम । अवकारी केंग्निकालम द्वारा ही. क्षीत्रांत्राम अक्षणात्रः व्याधानामा । व Pich (Ramit) Buntenami

#### ্ৰ ্তিবাস-অঙ্গৰ

श्रीभूषार, शक्त कीहर-शिकाम ना क्षिणीवनीमाद क भएनी । जनारन द्विद्धाः योगः। जिल्लानक छ अस्य एक्त एवता वस्त्रकात क्ष म--- शिवः। श्राम अव्यविकी, विषयुक्त क. न्यामाकृतकात नावाची ।

#### (१) छारेष ५ ७२म

दह स्थाप श्रीकट्टिंग मुख्य नवल १६११ ina: 344(4)

#### ् ७) अञ्चल जन वि ल हे

कार्जीन भारतालुक, बारनालुक्त (नारीका) **श**रभावकृषाणाड क्षेत्रं अकाबीक प्रस्ति । क्ष्मक - दल्ला है। ब्रीविक्सक कार्याः

#### (৭) খানন হুব - কুল

M(5)1257, %#215(# -4410') क्षा दिन के तिकूणाल स्थित अन्तर्भित्त निष्मिक क्षा कुष नि कवर कीरमादश्रमान कार केंद्रिकामा व्यक्तित्वेद देश दी अवस्थान

ब्राह्म का कि त्राह्म का का व्यवहारी क्रमश्रक्षणी वन, अभ, वर्ष ।

#### ्र 💆 🚉 अध्यक्ष (अ. ८०) हो। स्र स्र ह प्रदेश रिएड ।

रक रु-- रे.स्ट्रा स्टब्स हो । ३. रह, सुरुष्काली - द्या केला मा काला A. 프로마마 의 회의 (C. ) 20 년 - 1

(৯) শ্রীগোর-গদাধর নত まいは 島、アットンと、 15Her) Be hillet de mialde stid intere-

্ ১০ - শ্রীরূপ পৌড়ায় মঠ WT 15130. P.U.S. 25. TH १५५ क — च्युक्तिकार अक्काओं, च्युक्तरमात्रह

मार्ग ( के. प्राम्हात, व्यापार !

#### ( ): . 墨州川田田田田田 -

Mittelfa etc & Be gert and State क्षणाक - हैं. क्ष बराजे दक्षणाती। 15 STITE WITH च्चिनावन . अ . क्रफ शंद. • मोत्रा कालव की काल अकार भी व्यक्ताक का an . Flatten anbest :

ः । शाबकात्रमञ्ज ८७ व छो. अलाका, क्षकनश्रत, संकीश्राव マキャーションリング つずい(引)

( १५) द्यामाश्व (क्षो काम मह अन्तर नव वर्ष वाष्ट्र, होना। श्वाराक्ष्य वाधावः । छ, व्याद्व सी धक-्यो एक शाक्ष्या-शिविष्टत्व दश्या वस्त्राम । दय ४-- हो । शनश्च श्रम्भागी।

#### ( 50 ) श्रीदगारभानकी वर्ड कम्बर, भूत्र, ३१का ।

स्मानातको न सार्वितास व व्यक्तिन स्मया क्रम-श्री मान्द्रशाः अम्हासी।

## ( ) खारगोडी स मठ

se at कारित्यामान ठळावळी ब्रीवे. त्यां: वामवाकांब. क विकास । ,छेमिटकर्म नि, नि, ४५५६

· Bunget wie einefam winden ufmire-notentenen einen eine auf ज्यांनी कालका हा । श्री किनियान सामान श्रीयत श्रीकृष्टिक सारक्षण । 🚜 स्थान মঞ্চা চন্দ্ৰ হৈ চক্ত-বুলাবাঞ্চ প্ৰধানলোক আজি মলাখাৰ নিজা মোৰিছ কৰা । প্ৰাতীক कार मानानीव मानभीव अधाननीव अलागा वारकाल स्थापत माना बक्की अवस्य सुध्रान গ্রাচ্যাল্ড ির ভর্বাটেন। পুলিবীর দ্যাত জীগেটবনাম প্রচারার এই মন্ত্রাকর হয়, ৯ (প্রাটীর) সঞ্জাতক পত্র, লি ক্রমনিষ্ট নামিক পত্রিকা ইংয়ালী ক্রমাত निधानक कारत आक जान कर (अरकार) - श्रीभारत अरते अर्था जात. माळाडाल-क्ष्युंब-दश्चास्त्रः अन्तिभारतक का अवशास्त्र का अभिनेता अवत्यां का अभित्या प्रकार का स्थाप का अवश्या का अधिक का अवश्या का अधिक প্রাক্ত মসংক্ষক--- আলোহ ব্রুহ প্রীপাল কুলাবভারী বিশ্বাক্তব্য । সভকারী---প্রিক Plate wanten fie multer bei fanc. Bitt warten naf wiftente fan. र्द्धालाज तम तकाते उक्तालाली, जीलाव अभवकारक बामानिकाकी विन्ता **जीलाव** क्षरभाषाक मामानिकारो, युक्तानी लीकी वंगानक, बक्रमांती लीपाधीस्थाक्य, **बक्कारी** लीकक राज कर्माल्या हो। एक ही सीरत की नक्षा भावक स्थाना अवीशक्रक १८वर्ष्यकारो है। प्राप्त महील केर्य राजावाक नदार करियन करिया करिया करिया भवनिकारकार करावना अक्षांका

## ১৬) শ্রীসমাই এগা 📅 নঠ

क्षेत्रका के शमा किया सकता । स्थित द्धिताम ग्रम्भाव । अपन । भारत वक्त - ज्यालून नक्ष नक्षत्र यो ।

#### १९ और शिव हरू मध्य मार्थ

"एक्"लर्ग्, नाकुः सम्पृतः , स्वनीभूतः 图1124 · 图 44- 明八岁、明春·福丰 রুম্ভ – উট্ভার বৈজ্ঞান আব্রুষ্ট 'ক্রিলংহীর বিজ্ঞানের ক্রন্ত্র রুজ্জ — दक्ताभी भी न्यास्त्रमा भी। बन्नानी सरामन्द्र

## ১৮ আমশ্রেব্ড। প্রসন্ধ্রম

ता वर्ताच (१९११ वर्षकान । निराम्या । इक्षण-द्वाराम्य स्वर्गः 1 22-14 1

#### () 🏖 🗐 श्रुक्टबाएम मठ

uninia, nat. Birgit ; बनाम चीत्राव-'नानामनाभवकोत मिका-्रभाग वास्त्राक । शक्ताक । अभाजारी ही शहराहा सम्म विना रुष्ट, अभारतारी क्रोन्सीधानक १

#### (२०) ओडम-को हो म मह

व्याभारमान, अकाराक (भः, भुदी। मार्थात्रामात्मत भागमात भगत्य छोत्राह অবস্থান ৷ বস্তুল বস্ত্রাচারী क्षान्द्रवाच्या । अत्र तामकी । 1104.41-अअवादी अविनानकाती ।

#### (,) श्रीजव्हिश्रासम्बद्ध

Biggia. Wie, man. anica Elem... 11 11 4-14(A) # 124 कीय विकासिक ब्रह्मान । अकारी जीनवास्त्र ।

#### २२ / औनमाडमः भोडान सर्व

प्रतः प्रशास्त्रात्मभूताः काला । CHI - MAISTE MAIST-TOWNS धर<sup>†</sup> स इंचीडरंगवा वश्चम,सा व्यक्कम---्रेकानकीना मधी ।

### २ ७, ड्रांक्स्यदेवक्कां वर लीम् मारानाम कृत्व, लीमाम बुन्धावस ह

St. B. of mi-Bur. Luisenwile Lung.

#### तक क-- द्विश्व दिवाल अञ्चलहर्ती (३८) श्रीशतमङ्ग्य सर्वे ्रम्भवाबनाः, मेर्फाण्ड

∡गात्म हो।।।।।।। चात्रमा **•** रैक्टलीन निध्नाम निवासकीक दमशा वक्तशक। भी प्रभावात है। प्रकार का कार का भावता है। का का -- अवकारी क्रिन्मिरका मा व संवकारी मीनक्षकण सः

#### ः २ व*े औदिए* इस्ट्रानीकी स्वयं

भूगक का, क्रिकेक , भागक्य । क्रेस भाग काम. हैं,देश-भानम अवतः हो । खीवाब कीच दलवर्षाचा ।

#### (२७) अर्गामर्गाकीय मह

PPINA, MICHAL, ONION & MARCH चौरभाविभित्स मन्द्रार्थन दलका बळायाला इक्त-अष्टाती शिक्षमंत्रसी ।

## (२०: व्याचा-भाषा अत्रश्राक्षक-वंदे

अधिनयाका. त्याः भाष्ट्, शावका अभारत ४५ कृष्मृति अंत्राशासक दम्स ^समाना वण०--वचनामी खीळा**वकुक**• माम, जी (मावमन सक्तारी) (২৮) দিলা গোড়ীয় নত-ভাৰ্যালভ

to con cutata, fait fratt ! तकक- किन्दिकारी क्षेत्रपुष्टि में बार filfa noteter, Binta nuensannng

(२३) द्या अवश्वाका जन<del>्या । ।</del> क्ष्म चं-विकासी बीशाबादमाल

## চৈতন্ত্রমঠের শুরুভক্তি গ্রন্থমালা

		<u>.</u>
मानामस्य द्या गानिस	१० वित बाजुनादग्र राज्या	
)   <b>A</b> NCTHARM	( क ) खार्यम पश्च ( क ) कार्यम पश्च	<b>p</b> .
a (name sa) enie		A.
通知·( 明明 報告:) .	4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4	ы.
s i mines-ur Macemelanida		٠, ١, ١
( क्रज अस्त्रवन )	( ८८८ (गोशंच )	<b>./•</b>
of Mendelata	का जिल्लासम्बद्ध	<b>./•</b>
Chambe Leader to the control of	०३। डील-वित्र व्यव	<b>å</b>
ा नेषा ( अवगरतव-शिका-नक्ष) २	8-1 <b>5(939)</b> = 7	. 1
क्ष्या ( किंक्स्पिक क्षेत्रा-तक ) रू	(নৰ্বীপ পরিক্রমা)	<b>√</b>
•। रक्षत्रवर्ग	৪১। শীভ্যালা	ク
१ । वृक्तिमधिका क्षणानी बका माझनाव	64 ; PHITTER (744 71889)	
(初報)	হও : শব্দীপূপ্ত ক	1
►। (शोकीय- <b>#8</b> णाड	६७। नगाडासप्राप्तः	<b>).</b>
के। जिटेड क्या निकामक (वीमा) २	86 । नापनक्ष	<i>)</i> -
a । हित्य नक्षीण :II	৪৬। প্রেমডবিকটোর কা	<i>)</i> •
>> 1 Mildwadelligen 4	८१ - नवनामांच	J•
क्रम्बद्दील वक्षमम् (वीषा) २५		<i>)•</i>
३६   अभववाकाकृत (मन) ( ने।। ) >	_	
🎍 (আম্বাদা) দ	८०। भारमानाचे	1.
३०। देवणकाक्षा-नमानविः	35   <b>447</b>	10
्, व्यवप्र ठाविषक्ष )	৫২। ঐভজিনিছান্তগানী	1.
२६ । विश्वनाम्हिकामा <sup>त</sup> भ	(4) WERTS	450
১६। अरबीलवाय-श्रद्धशामा be	দেবশাগরাক্ষরে প্রকাণি	43
२०। द्वास्त्रकात्तः भः	ব্য । সিদ্ধান্ধ-সর্বাস্তী-বিশ্ববাদ্ধ	. 1•
>१ (अमायवक (कृष्णीय मरकदर ) ५०	∉ে স্টাক শিকালশম্শম্	}•
१० विकासका	८७। ७४-एउम्	1•
Da । विकास (कर्न मामा-नाम वे.	८९ : माद्रारण । र्यनम	<b>J</b> •
a । (जाणामी वच्नाच वान (वेशा) so	८৮। शास्त्रवाम जिलाहेकम्	<b>å</b>
२)। मायक्कमानः (वाषा) वर्	্ৰ <b>ন।</b> গৌড়ীয় মঠক পৰিচয়ঃ	1•
२२। व्यक्तिकिकिक्षणकाणाञ्चाम ।	ইংরেজী ভাষায় প্রকাশি	শত
२०। . (पश्चामक मनी व नाम नाम	• । नामकसन	
( Malmaga )	७३। गाइक् प्राप्त ज्ञिरम्कृत्	•
	<b>बि</b> टेठ७ स महा अपू	1=
set chimbrecalas	७२ । देवक शिक्षम्	}•
र के द्राहित्र-त्राविक	७०१ मि केश्यवक	ł÷
early highlich ( de steat )	৬৪ ৷ ইরোট্ড বিশেশ্য যাও	
वक्रकेः यानमण्डीः नामगातः । । ।	TICHNING TOCKTAN	•
वस्त्र अवस्य कृतिको ना मात्रावासमञ्ज्यको । •	৬৫। ভোষাট্ পোড়ীর্ণত ইক ছুই	t /•
क्रा केरणानिष्ठ (तनस्वत क शास	ভিডিয়া অক্ষরে প্রক	<b>ালি</b>
कास असूर जिल्लाक क सक्तार गर।।	• । श्रीवंदिमात्र विद्यानीन	
०५ 🚛 क्रियमहो गुक्ता यह वन	•• • • • • • • • • • • • • • • • • • •	••
कर् केर्यास्त्रकत्त्रात्रकत्रा वर्षेत्	भाषक शब	1•
off's glattans	वैद्यानमी	د/د
	नवनामचि	1.

স্থান বিষ্ণা প্রে প্রে প্রকাশিত

# প্রভ দেরবক্ত তাবলী

ত বিকুপার প্রীয়ন্তজিনিকান্তসরকটা গোলামী নহারাজের
সেই লানিলা-বিধাংলিনা জাবালাম্যালপোহোজিনা কৃষ্ণ-কান্ত নিজলারিনা জীনস্ত-নাশীর মৃত্ত-নিগ্রহ—বৈক্তবলিকান্ত-রক্তমালার কৌ স্তভাবি

—সেবাকুমুমগুচ্ছের কৃষ্ণ-কর্ল-বিভূবণ কল্পকৃত্ম—সম্প্রপার্থ-বিভালবিজ্ঞানাগারের মৌলিক তথা—পদরার ও ভাগবতের সমইয়ন্ত্রে—
মহাজন-জীবন চরিত-লিক্ক-চিল্লিলাস-চিল্লাত্রাভিন্নাত্র-বিচারক—এইবাঁ ও

মাধ্যারসের মৌলিক গবেষণাগার—সম্বন্ধ, অভিধ্যে ও প্রয়োজন-তব্রের
সিক্ষান্ত-সমূল।

১। প্রথমশশু—বৈষ্ণবদর্শন, শ্রীক্তরতম্ব, কালাগর্ম, শ্রীমধাবির্ভাব, শ্রীবার্যভাননী, পাঞ্চরাত্রিকী দীকা ও কর্শবিষ্ণার, আজ্মধর্ম ও মনোধর্ম, শ্রীচৈত্রকাণের ও তাঁহার শিকা, অপ্রাকৃত সহক্ষধর্ম ও প্রাকৃত সহক্ষ্ণ ধর্ম, শ্রীপাদ ঈশ্বরপুরী, শ্রীল রসিকানন্দ-প্রসঙ্গ, পুরিমার্গ প্রভৃতি বিংশতি সংখ্যক রাদ্ধে অপোভিত্ত। ভিকা মাত্র ১০ বার আনা।

২। বিতীয় অগুল-শুদ্ধা ও বিদ্ধা ভক্তি, মনুষ্টের শ্রেষ্ঠতা কোথায়,
আন্নার নিভারতি, শ্রীধর সামিপাদ ও মারাবাদ, শ্রীগোর-নিভানন্দপ্রসন্ধ, তিযুগের ধর্ম ও কৃষ্ণকীর্ত্তম, শ্রীগাসপূলার শ্রীমন্তাগবতের কীর্ত্তন,
শ্রীগোরধানের মহিনা, মহাপ্রসাদ, শ্রীগোরিক্ষা, শ্রীদ্ধাণাতুগভক্তন-পথ,
শ্রীমতী বৃশভাশুনন্দিনা, শ্রীচৈততের দরা, গোরকত্বণা ও কৃষ্ণভাষীতিন্দ্রচতুর্দ্ধন অপূর্ণন-মধ্রিমাপুর্ণ-বক্তৃতা-বিভূবিত। ভিচ্মা ১, এক টাক্ষা গাত্র।

প্রথম ও বিভীয়—ছুই খণ্ড একজে লইলে জিক্ষা ১৯৬ থেক টাকা, ডাক শব্দ সভয়।

প্রাবিস্থান :—এস্থবিভাগ—শ্রীচৈতক্সমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, মধীয়া।

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

## প্দর দিলে সম্পূর্ণ আরোগ্য

রোগী বেপারতে চনবে। অগ্রিম পাবের ধরচ (রাওরা এবছ আদার)
পাঠাইলে গিছা রোগী দেখা চয় অধবা এখানে আদিলে বোগী বেথিয়া
উবধ বেওরা চয় আছোগা না কওলা পরাস্ত পানিজ্ঞানিক,বিজে চনবৈ না ।
গ্রীব বোগীদের খন্ত বহন করিয়া চিকিৎসা করা মন্তর বিজ্ঞানিক।
বিষয়পের কল্প এক, আনার ভাক টিকেট স্থানিক, কিয়াব্ ক্রেন্স্যুক্তির

প্রীক্ষিতীলচন্ত উকীল, বন্ধা-চিকিৎসক, পোঃ নৈকাঠী, বহিশাল। অথবা নিম্ন ঠিকানায় সাক্ষাৎ করিকা বিস্তায়িত আনিতে পালেন।

श्चिष्ठ कामालालाक प्रस्त वाम, वा. क्रक्रमणा, महीका । विष्क विश्वन विश्व ১৯৭, विश्विताहरूता होते, वातिवाला, क्रक्रिकाला,

একখানি পত্ত : অনের প্রতুলুত্র গম হর মান বাবং কাল বলার ভ্রিয়া মৃতপ্রার চলগতিব, কালকাডাত বিজ্ঞাতিবিক্সকপণ তালার কীবনের আন্দা ভাগে করিল শব মৃত্তুত্বির জন্ম আবৃত্তা ভ্রিকেলিগেল এই সাম শ্রীষ্ঠ কিন্দিনিক উলিক সংশাদ মান ১২ বিন ডিকিংলা করিল সম্পূর্ণ আ্রেলা; করিলা নিল্ডেন। (লাল) প্রত্তান ভ্রিয়াল কিন্দ্রান প্রতিষ্ঠি আন্দান পালিয়া) বল্ নীট্, নিউ বিজ্ঞান করণেরেক্ষ্ম নাইটিং ভিলাইবেন্ট, কলিবার।

৫০ বংসরের পরীক্ষিত করেকটা মটোবধ—

नावश्विकात्रीता खाल मुद्ध क्षेत्रो त्यु मर्जक दाण्यमा लख गाम क्षितारकान, खावा - अपन्यक्रिता वक्ष यक लखक क्षेत्रा शाक्षा आधानिक नावश्वत क्षित्रा यक क्षेत्र हैं।

- ্ঠি। চক্ৰপ্ৰতা বঁটীকা---ইগান নামটীও বেমন কালত সেই প্ৰথম ইংগ নুষ্ঠু ও পুৱাতন নেগ, মূল্যক্ষ, কল প্ৰাভৃতি এবং স্নীলোকদিগের স্ভিকা ব্যাভান, বৈভি এবং ব্ৰক্তপ্ৰথম প্ৰাভৃতি বোগে লাভ ক্ষুপ্ৰাদ।
- ১। পুষুপ্তিসহায় বটিকা-মাদক্তবাবিধীন অভূথকট নিজাবিধানক ঔষণ। বে কোন বৈহিক ও মাননিক পীড়াবশক্ত অনিজ্ঞাবোগে এই ঔষণ ক্ষণাৰে গায়।
- ত। মৃত্যু বৃটিকা-ইং। সেবনে শ্লীং। ও ভদমুগলিক কেবা ও শ্লীর পাতুর অটলা শাওয়া হত্যাদি বিদ্বিত হটয়া রক প্রিকার ও বৃদ্ধি প্রাপ্ত হচ।

केक किन व्यक्तात्वत व्यास्त्राक श्रेमानत मूना श्राक दक्षीण २८ है। करा

আবিশ্বান :—আত⇔নিপ্ৰহ উমধালয় ২০৪নং কালাগ শ্ৰীট, কলিকাডা।

## बैनवहीं श्राममाश्या वमान वक विका छ।

ক্রীচৈত্র মহাত্রভুর বিহার ও লালাভূমি নাটি বীপ-সমাসত। এই নই বীপের আচীন বিষয়প--- এডে)ক, বীপে ক্রমহাত্রভুর পালা---ত্রভোক বীপের পারচর, বীধাম- নহাত্মা---বামাপদাধ কি দু ইভাবি বিষয় বিশেষভাবে মনোহর ছবে ব্যক্তি। পংকট সাইজ আছি ১০০ পুটা।

## প্রীনবরীপ ভাবতরদ ভিলা

উচ্চল প্রোক্তর কালাতে উত্তর কাপ্তে গ্রাণা--শ্রীন্ত গলধান ধলনে কার্ক বল্মকারীর কি প্রকার ভাবের উচ্চাস হয়, ভাষা এই প্রতে ব্যক্ত। আভ চমৎকার :

সাধিক ঠমণি—শ্রীবৈশ্ববন্দনা, শ্রীণাট্যক্রন, শ্রীক্লফের অংইজের লভ্নাম ও শ্রীণ নগোন্তা ঠারুরের প্রকঠনিংহত প্রবিদ্ধান্তম্পত ব্যাপিনা, প্রেমণ্ডিক চিক্রিকা প্রাকৃতির প্রকৃতিভ গাতাবদী মুলাকারে গংকট সাইকে মুদ্রিত বর সংকরণ ভিক্ষা । চারি আন্মার ।

## কবিরাজ শশিভূবণ কবিকপ্ঠাভরণের



ৰক্ষাৰণের তু নগার জন্ত ৬ জাঃ শিশিতে খণীভূত জৰস্থার ভোটবোণ্ডাের সমপ্রিমাণ শ্বীধ ভাকে পাঠান হয়, ইতাভে ঔষণের কোন পানিবউন জন্ত। ভয় নাই। মূণ্য প্রতি শিশিরি জানা, পাঁইট ৮০ জালা, বোজন ১০ জানা।

অফিস- ১১নং উল্টাডালা রোড, পোঃ স্থামবাজার,' কলিকাতা

# यपन यक्षती

বচিতাত বত ব বাড়বিকার, ইজিরণজিব হান্
কালে অসপাত, ববস্তুর, বাবাবেরা, বুক বছকালি অনিস্না অকৃতি লক্ষণ নতার বিবাধে
আবিজী ইলিক। বুলা ২০-বলী ৯ এক টাকা।
ক্রিকালিক বিবাধে
বিবাধিক বিবাধে
বিবাধিক বিবাধিক বিবাধিক বিবাধিক
বিবাধিক বিবাধিক বিবাধিক বিবাধিক
বিবাধিক বিবাধিক বিবাধিক বিবাধিক
বিবাধিক বিবাধিক বিবাধিক বিবাধিক বিবাধিক
বিবাধিক ক্রিনিয়ালাক বিবাধিক বিবাধিক
বিবাধিক ক্রিনিয়ালাক বিবাধিক বিবাধিক
১৭৭ই ভারিকার ব্রেড, ক্রিকারা।

## शरेद्धानिन

ন্বা

কোষর্দ্ধি রোগ

ভা: এম্, এম্, খোষ বিনা অস্তে, দাৰজীবনেও গ্যারাটি ধ্রু বৈছাভিত কাণাগাতে কোত্রুছি গ্রেপ আংলাগা

कदिश पारका ।

ঠিকানা— ` ৯৮ নং কটন হীট, নড়বাকার, কালকাকা।

## । 'শৃলামৃত

निक्रमुरुवा चार्च मरहोदय । ১ भावाध केननम, मक्षार चारशामा । आहे भग नोत्र चीमा, यह अन् चार्मा । यास्त्र भुषक ।

२। खळाठाया मधीवनी (भाके)ह

কানেত ও ব্যক্ত কেই এক মাজে মতোষ্ধ। সুলা ১ ডিবা ১:০ আনা। সাজন পুলক্ঃ

- ৩। সন্ত্রাসী-প্রদত্ত অর্শরোশ্যের অব্যর্থ আংটা
- ৪। কেন্তি-বান্ধব শীল শলীৰ, োটটালা, পেটবেদনার মহৌবদ। ডিবা ৪০ খানা। মাৰল পুনস্থ

া বাতলান

বাদ্ধোগের ম্লোপকারী ও স্থাতে আগ্রেলা। আতি শিশিয়ত **আ**লোর মাজন প্রথম

রবার-ফ্যাম্প প্রস্ততকারক ৷ সম্ব ক্যাটালগের জন্ম পদ্ধ লিখন ৷

ene सम्मारमार्ग द्व द्वार देवी

त्याः उग्रात्ते, कमणानुत्र, छाकः,

## মনোমোহন প্রেস

পূন্ধ নালালায় ভলভে সকলপ্রকার ভাপার জন্ত বিখ্যাত বৈশ্যতিক মোশিনে দিবানাপ্র কাজ ভালতেভছে বিশ্বত ভালিতে ইইলে নিম্ন টিকানায় প্র লিখুন ম্যানেজার—মনোমোহন প্রেস্ ১০নহ নকালপুর, ভাকা।

## মরা মাতৃষ বাঁচাইবার উপায়

यन स अधारि आहर मन भाष्य वीहाहमार दणाम लेगम जानिहार रम नाहे महा, रुपारि वीहाहमार मानाविष्य अनिवास जानिहार रम नाहे महा, रुपारि वाहम नाहे करिया आधिक भारत है जारत अगितिष अगित महि महे करिया आधिक भारत है जारत अगितिष अगित स्वाम कर्म करिया वाहम जानक गाला जीए, जाम जगर जीताम मिरगह महाम वाहम जानक, गाला जीए, जाम जगर जीताम मिरगह महाम वाहम वाहम आपक, वाहम जीए, मुरुवर्गा, रू कर्मा, स्वाम करेगा मार कर्मा, स्वाम अगित जीताम करेगा मार क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिय

লোগ এংকক— ডাঃ ডি. ডি. **হাকরা**।

> ক্ষেত্র, গার্ডে-বিচ লোট, **ক্রালকাজা** ট্রিকালা শাই ক্ষিত্র লিভিন্নে



Cilia -

विकालत्वस साम MINATE. ate the ? ALTO WHEN W inin ona a इक्किंड काड



मानारमात नात भारे अभा दलका । 71 7 x 3 412/11/15 11 देशभाभिक २५० गानिक ५, 4717 व्यां ७ रशाः त

ভাৰতেই পাইত বছৰ প্ৰদাধ-নদীয়া তেলত একমাত মুখপ্ত

সম্পাদক— শ্রীসতীক্রনাথ বন্দ্যোপারার, কেল ন্তুরাচক্ষতি ५७ ४७ ]

83म गरभग

**জীলৈত গাঘট শ্রাধাস মালাপুর ৮**ই বৈশাখ মঙ্গল বার ১০০৮, ২১শে *হ*িরল, ১৯০১

বেশুরাভহরী সহতাদ প্রচার কার্যা

'পজান্তান্তী' দলের এক্সনির্ভ কথ্নী 💐 कर्गामिकाम देशक क अन्तानक 🗪 युक्त १८५७ कृष्णीय सञ्चा । বছ প্রেক্ত চেন বক্ত-সৰ গামে প্রামে শিক্ষা ও জনসভাব बार्क क्षत्रका क कमार्क्य आस्थाकली : का मध्यक्ष क्षका क्षत्रिक्षा (वक्षावेदक्रका ।

#### ৰলেকার প্রকোপ

क्षित्र बहैटक रववृषाक्षकीय भाष-वर्ती आमन्त्रक छत्कव कारन करणवा चारक रहेब्राक । जनात्या कःनीशक्ताना, विश्वश्राम, बाह्यपुर, शहाली भाषात्र माम फेर्झ ब्रह्माना । यह धारम्पृरिकात व्यवस्था पृष कीवन । किना वान्रकान दश, बह्न काम्यूनिशांक मध्य लंब ८५० पश्चिमा समीटक कामालेबा दम्हण नहेcrace : केशाटक की समीध शायतजी क्षाम्यमृत्देश नित्मय चालकाव काल्य क्षेत्रारक । नाक्ष्मित्रका ८करस्य अनिहासी **बेन्द्रण्यक्वे**रत काशत ८०८लाव श्रीरंशत मरमाबक क व्यक्तिमण-देवनामित नावस् · Benenten I

#### ব্যাস ভীতি

काश्च मामान्य कान क्षेत्र ८०थुरा-क्षकी क्षामक शास्त्रत देश्लाक क्रवारक। श्रक विम वाश्वक श्रद्धक श्रद्धक श्रद्धक केनव चाकाशाव कहिएकटक अवर माञ्चदक छ with freeze i

পুত্ৰ হতলাটের কাগাভার

मक उन्हें कांक्रण क्लानाह । के छेटे शिरक मनव ०० है। दरामधान रव 1 मर्क चाइकेंग्टनक् तिकके नियास अक्टनक

## বেথুয়াডহরীর সংবাদ মূতন বড়লাটের কার্য্যভার প্রজণ

गराषा जी उनर्ज यातः हैन

লর্ড জারুইনের ভারত হইতে বিায়

निक इंजर मित एव

वकत भेरन माध्यनाहिक महारवः वावस्

তিনটা সন্তান প্রসব

বক্তভার রিপোর্টের প্রভিবাদ

তে জীবস্ত সভাগি

ৰ ভুৱাঃ শান্তিলোর্ড

शत इंडेनिक्षा हि कर्ट्स्ट्रिक्न स्ट्र न्यान कटान । एस्ति भावन भागप्राकेत ख्यमळ भस्म भाक्ष करतस्य। च •३ त •७० } क्रिक्टिक्डन व्यक्तिकार हरते. लाज अक्त कर्युन १ एवल्च (क्षाप्त अन्त्र) अस् अन्त्रतः बक्तारहेत भार अन्त्रशिक्षत अवद्याद्वल अवद मार्काक केंद्रिमाशक करा हो। दिवासक केंगा मार्का करा है। कि एक करा रवाश्चाहे ब्राह्मकाकि आधील विकास कार्य कार्य करता • कि बद्धनाउ वस है। लिए. १०० कारा-

#### দিল্লা নাতা

- काक १६८ व.स्थित स्थापित (क्लांक क ৰবাষ্ট্ৰ বিশ্ববেশ লোক্টাটী এইখি, ট্ৰেন্ডট উল্লেখন ১৯, ন নিল্লী যাত্ৰ

ল্ড আর্ডিইনের িনার প্রহণ

का भारता करा । इंड के अल्लाहरू ি ভার এতংগর শপ্র প্রথম ক্রাণঃ এই ব্যাট্র হোগে চেল্টেন্টেন্টে 🔻 १। इं अन कार्यन भरिष्मात्मन भव कर्ड भाषाच्या (वाश्वास कालीहरणान्य भागमध ates, करान्त्रः । असीर मुर्गात्वास, सामक्ष केतर्भ करणम--- हिल ग्रन्ट महिन ochian men j

का का महाबद छन्। व वह का बहु है न कर्मा क्रमणांक स्थापत सहस्रात अस्ति। action to the beate gent es कार प्रेरम र 🔆 । छ। कम्पार (कर्णान्सीमन भागा "साहमध" नामक श्रीम शहण बादशन रण करवल / १०१४/१८४व भवतीह स्ट**्रा**स्ट्री 가'수줘~ #19(10%, 'p(3 항:))항송 [#2\*\*\*\*\* ]

#### मुज्य राष्ट्रभाटित मध्यमा

(याषाचे क्रथात अन क्यान क्रवर मृत्रमान मध्यतीय सुक्त व्यक्ति वर्ष Solorence artan efection ! .वाद इ .उथाद कॉल लाभा न माना हरे. : हाभाव वीचव (सह । क्षिक अ कन आवहताह wate Ereit deren alt no merete कोनान जो भद्यान भरताह्य मध्यानारमक मन्त्रान 

#### मराबाधी उल्ड व्याप्त्रिक

HATEL I ST - E MIGBECHE Alex भाषा । किया कि वर्षा गाउँ। क्विडा हुन. ्राव्ह को भग अपन्त है । अब स्थान/वित्त पण पिलाय किया किन्नु वर्तन्त है असी कहा wieler mieten miet leieten, beig Gin in the state of th कार्या रहे । जानी महत्राच रुश्वाक कारव <u>शी-दाक्किक हुन्</u>छि कटदरा १ फाला कटटक है। हाता राम्मानीय है का मान्या न कर्बिट १८७०% देश दिसदक छ णात कातरकत का करण हाथन कराना कारणावना स्थार कामा विशादक, किन्यू-

मुः प्रयास महाकार मधाबान कड़ेक जाह । दा: केष क, शर्ज बावजेटेन महाचा: शासीटक | •श्वादाटक मांवा शिवाटक । र्त्यान् छिनिस देवकेटक याहेबाव बन्छ विस्थय कतिका घटना। महायासी दर्शन सब का का विभागा का स्थान का विभाग कि क गमञ्जात मधानाम मा कविष्ठा द्वाला है निन रेनरेटक याक्य बचार मनावाजीत नह भारतिकेश्वर के बुद्धारिशाएकत, काशीय महकात कि भारत हुन्तित मार्फित कारत अञ्चलानिक करेश कांक कविटक्ष्यम्मा। मर्छ व्यात-केरेन नाकि महाशालीटक विशिद्यात्कन, हुखित्र मध अञ्चलात्व याहात्व काल कहा कर, त्य अञ्च दिनि टीशांत यथा-माना ८५%। कतिरकटकमा मान्तरक केना कार्या धरितक कहा वह छिनि स्वक्र व्यादिन मिता याहरत्व ।

विनायश्रद्धक मगद क्छ चा बाउँहै। गाक्षीकीटक भूनशांत क्रमुरशांत करत्रन त्य. কিলি যেন ,গালটেবিল ,বৈঠকে বান ৷ পত্নী এক সাথে কিন্টি সন্তান আগৰ मश्चाक्त रामन, हिन्द दिन्द्र युन्नयान भगकात मर्यान करें है है है जा न्याप्रत्म देनकेटच य राज्य नाहित्यन मान लाई कावकें न शाकीत्य करे विश्वत बादक िका कतिएक अनः पार कछ ॥ खाहा अधिरक बर्धना

#### 🕮 যুত শাজীর বিলাভ যাত্রা 🕠

ৰাজা কৰিবাছেন, ভয়াৰে স্ননীয় টোড়ত প্ৰথমেচন্ত বস্তৰ পৰিবানে বৃহস্তিত 🕮 নিধান শাস্ত্রী অক্তরুম। পুর আন্তিক 🗀 বার অপংগত বলীয় আন্দোশক কংগ্রেস मभक्राक कट्टब्के भाजनाट्यक कामकेटक माक्का भीन कांद्रवास म्हा उत्तर है मुद्रकांस . C-18 राम व देश्वक वरम् । Boten fanto vibiscomme Egys? এই ,প্রায়ার প্রাথণ করিছাছেন। কোনও কোনও লংশে সাম্প্রদায়িক মনো-জীবুৰ শাস্ত্ৰী পুৰি আ একো সমজার মালিত আল্লপ্ৰাণা কলাঃ কলিকাহায় 1 1-83149 P

#### পাননার ওর্ঘটনা

णा ७ वस्य. जिल्हा ।

ीयः है, उद्या, आस्त चार्यना क्षुत Color in Section 本章: 西南 (明日) 1 £318 केलें हें भी वाब अधिः महार असे, नाला । নিম্পান কর। পরে ভাগের মৃত্যেত বিভাগারবার্ত সভিত হব। প্রীয়ুক প্রভাগত ्राट्या यात्रा

कटेनक युग्नभाग आधिर्वक कक्षां ।

#### यतिमारम (अक्षेत्र

नमी शिवृष श्रीपद्य अद्वेतहारपात श्राप्ता तीयुक्त काशीनिकाम क्षेत्रहादारकं वित्रमान ष्टियाव रहेमान रक्षोक्यमार्वी सक्षति किस दक्ष नावा मटक द्वाशार कता करेशाटक ।

#### আসামীদের সহিত সাক্ষাৎ

अयुका महताबिनी गारेषु धानर छा: ভূপেন্দ্ৰ নাথ দত্ত (কৰিকান্তা) প্ৰিবার দিবস মীর'ট মাদলার মাসামীবের স্থিত माकार कविद्राविद्याना

#### ভিন্তী সন্তান প্ৰসৰ

लिगान्दत ५ करें व्यक्तिकास महनारम व्यकान इम्म्बित एके हि। ब स्मीत आलीत কৰিবাছে ৷ আহুছি ও লিছগণ ভাতই wite i

#### वकत रोष काटन मान्यशासिक मस्टिन्द्र नार्यकः।

आशामी नवत छेलात समझ कलि-বাভার মাজাণারিক সভাগ হলার উপার अल्लाक नारमहिला करियांच क्या वजीव ি গঠ ১৮ই অতিলে থাকাল কণ্ডন<sup>ু প্ৰ</sup>াপলিক কংগ্ৰেস কমিটার মভাগতি क विकास व्यासित्य विकास स्टिमाद्व ।

প্রেংমেই জীয়ুভ জাত্রাম চল্ল সমূ लालीक वाक व राम करामक हिला मिला छ फिला निवृत्र करिया बरनम, इस्टन्द मध्यक माह संबंधी इ.सन व डी.गू.क कि. । मण्डलाविक महात अवाहक वाचित्रात এম, বালপেয়ার সাহত ক্র,গ্রা উপায় উত্তৰন করা আৰ্ভুক হুইছা गर्निकारका याम कारावा भूमारहरू क्षिति अवस्था करिटक शाहरत, कटन िकाशामी दक्त क्षेत्र समहा दकामाख े माण्यामाधिक राजाना पहित्स जाहित मा भक्त रक्षातांत्र क्टार वाकाशिया छ प्रकार छा । राष्ट्र म महिलान वालीह বেছা নামত তানে ভাষণ আছু ও লেন ধানিদের বারা কমিটা কঠিত ভত্তর वर्खना । ई'वाता विवाद खबारवस व्यक्तिकाम भारतित नानगानी भन्नातिका ब्राह्म पाता छ प्रकास केगास माध्यमाक्रिक क्र.किं ध्वत माक शिवा लाख त मार्गकात राज्यत है स्वति है है कि विवास मिनन असूब संभवत (१४) करिराम । एक्छम्मन दलीकांत्र करिया आयुक्त अयुक्त असी कुरू । शुक्तावारक्षत्र अवस्पर्शताका साक करिएक

ें १७ व कारणांक्रमांत भरत जन क्लिक्सीय

मिः धरेष्ठ, धन क्षणांकि, यात्रा क्षणांकर निर,८७ १ हि सबंब दर्भागनी स्वावक्रम दश्कान नक्काती मकाशक्ति जयर स्मीनवी आवडण चानिश्व तन्ते । बार्ल चस्तीन चस्तीत, तीत्र भूमरशक्य वाद ७ क्षेत्र नाराधादमः स्थाय मन्नः एक मिन्। हिन् क्ट्रेकारकम् ।

> दराम कमिनी, जाहांक कथिनी, जनश्रक गठेन क्मिमी क्यूंबि माब क्मिमी श्रीक्र egates i "

#### করাচীতে জীবন্ত সমাধি

व्यक्तान, करांठी मानकाश्र द्वार्डश क्षकती कात्रथानांव केलक्षिक वशानि স্থাপন করিবার উদ্দেশ্রে একটা স্থাভীয় ভূতি খনন কয়। ১ইরাতিল। পাতের মধ্যে। ভূমিতল হটভে অল আসিয়া স্থিক णाक पाक ध्र्यतिनात करण । अन्य अभिक ভগতে প্রোপিত হর। তৎপতে মৃতিকা-खान महात बहेरम रमना बांच रव. व्यक्तकाटक गामभाखारम ८० डाम्स म्यम भरवहे खाराव मुडा पढि। बाकी २ क्या चाक्क करवाह श्त्रभाष्ट्रात्म किकिर्तिष्ट ब्हेट्ट्रह ।

#### সেকেন্দ্রানে পিকেটিংয়ে তোগুর

श ० ५१वे किथान हाट्य रमहत्रसाधाःन म्द्रपत द्रमानादनव স্প্রব # B L B **५०मन रिक्किशिट ८४छात करा वर्ग** # PEN 1 9 型CUI 医管神器 # 14 1 海中田町(中 काभित्म काष्ट्रिया त्म ख्या स्टब्स् भवनिष्ठे चुलिम शंबरक मारका

#### ব্যৱহার শান্তিবোর্ড

main, affinia Blania niblic ८४:डाट्यनन **२८ल ट्योननी चानक्**य त्या थ'-নের স্জাপভিত্রে করিয়ার কিন্দু-মুস্গমান अच्छापाटकस विभिन्ने काच्छिकारक कहता a e की चाकि मामाछ श्रीत करेबारका (\*।नक्षण महिनामानिक पहिला केवस भ**च्छावारक्षक्ष मःभः नाक्षि व्**रापना कता, चार्लम्क वाकिनन कवर दलानमान वापाहरक देक्क वाकित्वत माच्यवशिक Cभागत्याध वाबाह्यात छटलट्ड बहाटमा गिला, कि क-कीन अभरतक काठाव वक कताई कंशाव B(49)

### ८मध्यात्रादः ७४ शासिट्ड তিল বাড়ী ডাকাডি

nu gemilate situes inchi-চপ্ত বল্প উলার সভাপতি অবং মৌগালা ছাত্রের উপকর্ত প্তরবুঞ্জাল্য পুর নাম্য

minun culm, migruin feme fient dies aiffen nim minife utat Distro.

' के बन कोकाल श्रीहर्दक्त w Colui man war where alegem eich करे गण कवटनर खाकात्र बाकीस्क वार्वेश vel ette ein we bimin biefe किनिय गरेबा मित्री गर्फ १

चार बक पन छाण्डि के बारम्ब चार क्रमी बाहीटक छामांक क्रदर्श हेराशांक व्यासक विक्रियः नाम नहेरी গিয়াতে মুগিয়া প্রকাশ।

#### **७१७शाम ८हेट्डेस म्यममा**ः

काल्याम दहेरहेव क्विमर क्या केक (हेर्डिय निकास छाकांच दमानेता मुर्क्षरकत काशांगरक कक्रक्कशि मामना e ওরায উভাব পাড় ধ্বশিধা যার। এই । দারের ভরিষ্টিলা ু মুপেক সমস্ত মানলা ডিল্মিল কবার ভাগারা ছাকার (क्रमाक्रटका कामामरक कामीम करमा क्षि क्रियाच्य मार्थाहर व मध्य प्राथमा थक्ता मह किम्मिम् क्रियादक्षे ।

#### छे कारेलगानी यूजनबादमत काम

nunafire famin Bimibena wafu लाशिक ब्राय्य भिः चारकाम चै। चलादम . क्रम हि ज्ञानिक विकास बान्टम्स सक HIS RIMIS SEE INTE CHIE CHIE ভানের উন্নতির অল পাচ শত টাকা मान कतियादकन । शताकि किमि दर्गेश-हिट्छ किटनमा रम्हे ममद किमि चानीव िन्यू । मूनम्यानश्चमः म्याः म्यानाः ·च नवारम २,००० , हिमा विश्वत्रण कविश्रान् ... CH 41

#### বক্তার রিশাটের প্রতিবাদ

शक मधारक मधार यहा कहा है ज्यारिक ত্রোচ জেলার যে গ্র বস্তুতা বিয়াকেন क्षात्र क की महिल्ल नियम नश्यामणाले uifon otuffen i naften [Bm विवत्राग्य शिक्षाण कविषाद्वन । व्यापद्व नाकित बहेशांकल, शकांटकी व्यक्तिश्रीने भिश्वक विभिक्तिका, "एक महा मुक्का कछ भग्ना विरमन साहेबात अक व्यक्त ० छ' --- : कमना छविषादिक जामन जाक की वन मरशाम बनेदन याहा विकिश्वदन दकान निन ८०६ मध्य शाहे । अकाम आहेम् प्रविद्यालया किया व्यवस्था । 707月 可禁止 《中兴初》。 烟塘鸭 电引进 《甲斐报》。 भावन छेलस्थि दश्र गांवा

### সাময়িক প্রসঙ্গ

जनकारिपृत्य कांना गांत्र त्य. कः वक्षिम পুর্বে ত্রীয়ত কুলদাপ্রশাদ মলিক নুজন मिन्नीटङ नङ्ग्डा कतिटङ शिथा किरमन। বিশ্বভাতির নার্যাকারী 🚉 ত চার্চর वटम्माभाषा भगानातास ग्रह िन অবস্থান করিতেন। তথায় ভালার চা-পান ও অমেধ্য ভোকনাধি-বিংয়ে ভিডিন পণের পথিকগণের আগতিক। অনেক-শুলি ব্যবহার প্রকাশ পাইয়াডিল। ভাষাতে একটি প্রকাশ সভাগ রামক্ষা-अस्थानाट्यन भागात (ययधानी कटेलक বক্তার ও মন্দ্রিক মহাশ্রের গুরুণারের भटना काष्ट्रात-श्वरत कलिए केळ लिए क्षात বিনিময় হয়। ফালে সভার কাল্য পাও হওয়য়ে মলিক মহাশ্য । দিবৰ ভাগেৰতে -কল্যে অভিকানগোলে ও ভালির মহিমা व्यक्ति क शिट'ट शाहतून नाडे ।

त्रारकुणनग्रमधानि जिल्ला भरत्वन (प्राचिरमधान्यः जका मध्यम छेढ ५।धन रलाम्यन ५१६५ টিবর্ণ বি গ্রহণ জলগত প্রামান লামান্ত अस्तिकि राहरत्त्व छाहिनोम् करबन्ध 地编 树木 化硅矿 新门 体 前升 计多点 医性性 ष्प्राप्तां नान्य (भारत नाम नामून्त नामन बान करतान । छिन्द्रभा आगरतन्त्र पर गतान काम तुमा कुन करों नाम । का मा हिंक न हुन ম্বেদ শুজ্ঞালি আনেরি নক্ষ পরের কিন্তুয়ে" भारत्रत निक्षत्र सामधारया मधा वांचा • । (

ভাষা । ইউলো সামায়ের নাজিজ নান্ধিক } মাচার ধেরা নাতির প্রভাবে ফলবারী ইল্ कीवरमञ्जू ल्यां र काम्य द्यान्य चाक्षिक खेन्य सम्हारकत बागुहा नहीं यथन क बहुत महा

ভাগৰঙ্গীবা মানক, গৈংগেরী সল্প লাবেয়ৰ মধ্যে কাহিংকৈ ও কাহণার ও পাঁচ∂ স Cबान्य यहा हा, क्षेत्र निवासित निवासित । कार्याः । विद्यानिकासद्यतः । अञ्चरमञ्जून । ना । की एराध्यः द्यारी एर्ग एक्स्यात अस्तान । ।-क्षांपत्म क्षेत्रचेर नहीं। क्षांत्रमत ष्यक्षा भैनाका छ भाजपत्रनेन जाहिए। ५५ मधन-अक्ष क्रमधरम् व निक्छ। व्यानन्त्र क्षान् प মাডিপায় হ্লবে। উক্ত ভাডোলির ভাগবলে । য়াচক ৰঞ্ভাকাণি হেন্দ গ্রতি আন্দর্ভা রোপেব⊕ শপ্তবিনা অভি অল্লানত স্কৎ 'का अञ्चलक्ष्मानी मनि 🛼 🖽 🖗 ४-के व्यापिया धाननवर्षकाम ''क्षांक्रम ।'-তদিয়া ও "চলি হায়ত" আলোচনা रतन, खाद्या बहेरम है।देश उग्रहीर शहरता (लि। हिना-बाता च च चन हिन्द्र है। अक १८७ **द्विकात** भाष्ट्रिक भारत्तन ।

## শুক্রীগুরুগৌরাঙ্গে জয়তঃ

# দৈনিক নদীয়া-পকাশ

## নিতাপাঠা বৈক্পবার্তাবহ

त्नमानि मनल माइड-माटलत व्यक्तिय व्याच्या हा সমগ্র ভারতে একমাত্র মূলভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

শ্রীপাম মারাপুর ৮ই বৈশাখ মঞ্জবার-১০১৮

## নবদ্বীপ্রধামপ্রতারিণী সন্থার সপ্তত্রিংশদ্ব।যিক অধিবেশনে শ্রীল প্রভূপাদের অভিভাষণ

(5)

्करण श्रीकिशकाभी भएए छिन्दक ♥থমারে গায়বসিত কর্লে ভাগতিক জানিক হ'ডেভ সাবে ; কিন্তু ভেম্বানা বেকান প্ৰেম্পিক মলল কলে হ'লে মণ্ড বহিদ্ৰদ ক'ত্র শ্রাক প্রেক আয়ুদল্ল, আলোক হার্ডালন্যক । ধৃতিভাগ কারে যে সংক্র ीत् रात्रकात्रका

 हैं। दिस्त दाना ামায়াল বন্ধায়েও

1911年1日本1世本1F1111

化多级 解体化 特拉 知德 化火焰复制性打造 राख्ये, रेशकर राष्ट्र, युक्तीर एक जा के, असी, मार्थिते, प्रात्मक्ता ५ को, उन्हान कि उत्तरकात खरीय क्रामा क्षेत्रक रहाम कृति। অভিমানিক। হিমানেল তব্যুলের লাল তাত ্ৰ ু'বাৰ হজ খামেটেৱৰ আবেশভত কি **्तिक एम एकोनसम्बन स्टा**श देवपन

প্রাণি বিভেন্ধ হুপত্নপ্রাণি এ, মার रेखेन कारण वहात प्राप्त नाम त

----- शाच्या अस्ति। अस्ति। १डेन. व्यक्तिक भगरम । केंद्र । लागरतन (स्वात) विभाग देशस्त्रामानी नाव्यक्ति । केंद्र उद्ये कालाब एक हात्व है के व्यवस्था करें. . दा हादन कारतादनत भाग आधानिक कस्, ए वर्ग भाग (य-मार्ग एश्वर्राधनत काम भूगे इस, जाराओं जानसाम -त्य कारम ভগনতের নাম জানারিত হয়, ভাছাই প্রেড়ভ#ভগবৎশ ম।

> "राज्याका अक्टि: करले कडना लमा की इंगामा इकि-मः त्यादभदेनव"। कीक्ष्माचा ७ वि-- अम्बोअला । देवक्री

আকালে প্রবোমে প্রেট ক্রিয়ে দেয়: অনেকে বলো,—সভা, মধ্য, ক্লন, ভংগা- ু ডোনে কোন ভাগাধন দেখিবালে পা্য ৷ পোক আমালের কামা: ভুঃ, ভুরঃ, ু স্থানিক কাম্যানতে। জুণ, ভ্ৰঃ, স্থানিক , কাষ্যান্তন্ত্ৰাপের হে ৩২ ক্ষেত্র করি, গুৰুত্ব বেশকৈৰ কাম্যা। সভা, মহত, জন, ভাততেই সুহতা তেইকা কেইবা কেইবাৰিলোকিশগ্ৰে প্রপোলে।কে গুরুস্থান ক্রমনই গমন কলতে। মংসবনের জ্ঞানিতিত করে। ইহাতে পারেন না। যালে সমাব্যুন কারেছেন, আমরাও জাতি লেভারে লাভব্যু ২০। কীব। যতে ভেই গুল্পটা হউন নাকেন, আমাদের দ্ব উপ্রিড হ'বার যে অবকাশ है। इति सङ्घ मध्यः कन, हरलाइनाइक विदियः छ। व्यक्तिकार्य गाँव। भाष्य छ निवास महाराजिन, १८६७ के के व निरायक महत्व वाका। প্রের সেখানে যাও্যার ভক্ষাত্র আন্দ্রার ৷ আশা কবি, আগ্রেমি যে ক্ষারা স্কাক্ষর কিছালা ধৰাৰ গুমুখ আহুদেন হারিকলয়ে তাটোবে আন্তাৰ ১৩৩ বনে লোডা হ'ব ; ব্যবস্থানপ্র স্বর্ণাভতিত্ব । হয়ে । হৈকুঞ্চ । আমিব ও ৩ তিই সহায়ে ও ব্যবস্থান ক'রে গোটিয়েটক ৰাম কৰেন, যে স্কল্পুছাড়ের ভাৰা আছি মে লাভ এবং ওকাউড়ন পুল লা ক্লে গ্লেল লাজেন স্থাব্যাদ্ভিত্ত সাহতীক স্থানমাত্র নাচেঃ তক্ষ্ পুরস্থ ्यांशरान शरकता अभिति

कांबर्धे एशनवकाया। हान 🖝 ইন্টার, জা উলি অন্তাল্ডর 机复数有效性 斯德士 电影性 多点 ,दर्भ भा, किसिदी अस्त्रकार्य करा को अला । व्हर्नदास्त्रास्त्र । स्ट ६८ नर रुपात कि के छात्रता हो छ। छ। साम क्रम. एमके अदेशकृती भण*ा*ंक ार्ड वरमाम । २।इटवर धनान्यतान श्रु-朝代美国 医特别费 南野一河一种 医肝炎 為後 医神经 কাজিলালের অনুক্ষান্তন হ'লেখালের क्राप्ता अराज दिशास्य काल्डा रह জনপ্লেবাৰ-কীওন যাবং ভুন্তে চলে নং होतार अवस्ति । एक्किन । व्यक्ति । कर এটোলত হওয়া আবেচক, উচ্চী কলি ্ভিভিবিষেদ অহু গ্রিম্নীয় বাম প্রিক্রমণ লা কান্যা পল্ল কড়তা नांड करतरा, शास्त्र अर्थ कीन क्रीड-মিনেদে সংক্রের অভিশাপ আছে। ভারি উদ্ধপ আভ্রন ক'বে নরকে চলে योक्। व्याभारमत् छक्रश्रम्भाषा ८६ क्थाः জারসরে 🐫 🕻 ন

আমরা গত নথে হিমাণফের শুদ্ধে অবিষ কিছু দিন পুঞ্চে হুছত দক্ষিণ্ডাভ শক ভূতাক শের আবজ্ঞনাকে দরিয়ে দিয়ে। কুমারিকায় ভ্রমণ কবতে গিয়েছিলাম।

कुमाजिकात्र धर्मारनदीत्र विशय मधालाहुन्न-मुर्कित आग्र। ल्लोबीयमदर्वत ल्लीत्रमुर्छ-ममृभभूषि रमधारम शिरम रसद्याम । रक्क (कर बटलन, सिटवत मरफ विवाह क्'टव व'त्व कृषातीकृत्य धर्वात्मनी त्रथात्म नाम करण्या । विकासनाम सरहाम, त्राक्राकत्रष्ठित्रः। লক্ষ্মীদেবী সেধানে মেই মুদ্ভিতে ধাদ करण्डनः 'कामग्रहार रेन श्रुकीर व्यापर्ताकु रुनिष्यारः ८०० तद्यक्तः वीग्र দশন দান-গীলা প্রকট ব'বেছি**লে**ন। হুড়ালেবশ্র আমবা যে মুনর জন্মধাজ কণ্ডে না পারাম দেও একমার দশ্লীয় বস্তু দশন কৰাছে পানি নাই। কিন্তু--শ্বস্থাতি।ই কেই নীমা কৰে গোঁৱ রায়।

জানরা সম্বংস্টো কোনিন চানেবিপ্রেয়ন ্থেটো আছি মাভ কলন, আৰু ব্যাহান্ত্ৰ-本だいがなりませるが可 オヤマリ オフリー

#### ''**ভ**জিনি**জ**য়ঙে'

িনাৰ কয় হতিক, হাণ্ডিৰ, ক্ষ হউক, क्या श्राक्ष । १२७ व के देव সংগ্ৰহণ হৈছে হৈছে

ভ্ৰমৰ ও চাৰাতে বিহুক্ত ভালতে। এই 有一句 为一日 土壤河縣 网络甲磺基二氢邻亚二糖丙烷基 বিসাদিধভিত বিভিত্ত হৈ যে গৈছে তাৰে 不证价值 古路信务性的诗人 不正信。 网络山楂树木 কালী পাৰে হ**ঁ**লো বাহি পেল্ডিল কি লো ভাৰুৰ-পারেও ভালিলে ড্লাভাস্থ লা বছকু**,** বলাবকে ঐলাধানে প্রভেপতাম ছেস্ফুলড়া 41:5 4000

•পদ গাঁভ হ'লে যাতেছ। আপ্ৰান্ধের िकारकार्याः वाका विस्तारम् या सामुक्ति सक्तान হস্পান, আপেনারের ৩ ° ন্রাঞ্জন ব প্রতন র এই কম সময়ে ভাগবংশেষক চে ওছনান্ধ CONTRACTOR OF THE STATE OF THE মামে সংখ্যাপুত্র হাসক, তারি খনত সু सगर्कान गरमायुक्तक वर्षेत्र साम्राज्य **অনভ্তৰ ধ্ৰি ক'বি ৷ গোল গোল ৮০ ৮**৮ লেখায় পুৰ্মান্তাল অভিভিত্ত হ'লে স্প্ৰু (मक्शाम अहे Color, राप्त, नारक्त हाता রুপ্রেক্তর বারা বিশাসের । এটার **বন্ধ ক ছে** ঘাবৈ– এ'র টেল, তা'র ছিল্ল দলম, এর নিনা, তার প্রশংদা কর্তে ধাবিত

পরক্ষভাবকর্মানি ম শেশদের গর্হতাং। মাসগণের সেবা, প্রবশ্ন প্রবিস্নের, প্রবস্ত ্ষ্থ কর্তে পার্ব। যে-স্কল জ্যোভ চিত্রতির রাপ ভ্রত্তি : फरकात अन वर्षन, कर्जान निक्लिक इयः সেই যক্ষ ভাষা ও চিওটেডি ধ্বানেরই জানিবার পুরেষ আমরা জীভিধনচর্জান नांड इरेक

প্রেসাদ দে ওম ও. বি. ওল মহাশয় 🕮 মন্ত্রাপ্র সাবিভাবস্থী **ঐতিহত্ত গ্ৰহম একটা মুরণা ক'রে** দিবেন স্বীকার করেশ্যন অথাং অছম-জ্ঞানের সাণী প্রকাশিক হ'লে । ভাতিত **टलाक** देशकसानियमाञ्जीहरू आखरन हाराज **পাৰ্**বৰ । টিবর্প্ডেডিবেং (রং মধুপুরী) এই বেগ্লীস--মগ্ৰ, বিগায় সংন--अभिष्यती, अधिक राज्यात्र (तासक्ष्या क सकार প্রন— শ্রীবংগার ৭। বংগেরের সৃষ্টি নিলক কারে অন্তন্তী লাভ কর যে ্রই স্বর্ণ खाउँछन्द्रमान भूपा था रक्षामा खार्थाः **बीता**ाकुर ५ र तार ग 300 6 र्देश

বাহনারেন সাক্রিপের জার আলাম-**ल्हार्श्वर अपन्य हिम्नी कारण व आवनक** ভাষি গড়েচ । (১ জীপটো সভাটি আলে, (২ ভেলমবং) ক্ত রাখ্নাব ভর স্পাস্থ সংপ্ৰ: ৩ ভিডানেল্ডেল্ডের মাজ্যেন ' **উপ**ত্রি कर्य भिकारा भिन्न प्रेक्षान्य ধোকত এয়কল কথার কাষ্ট্রালনীয়তা ৰুঝাতে পাবেন । সম্প্ৰত ইংশামে 'চাকুল ৷ বালিয়া পাৱিং चिकितान्त इस्टिन्डिन् প্রেণেডিক শিক্ষরে মণের প্রয়োভন। ধাম গ্রেকণ স্কল্ড (বা কর্জি ১৮৫ - ৮ ছাবে, ধ্ম-বোৰা কৰ্তা দিছি লাভ হ

## একটু দাঁড়াও

( श्रीकरभारतेषमाध्य ७ कनाकन

**第41 出海河 约2** ্ প্ৰাণ্ডল হুটলেও ইতার সংধ্ দিশ . T 51.65 1 क्षक्तिम कक्ष दस 非土体证例 বালক প্ৰভুল 👀 भुष्टात्रम निमाध भिष्याम 多年(学艺 (अमाप्त थान्य । CHR सन्ति शामिश प्रतिस्थान "(त्रः ८५४ , ८७१'८५स ८९२५ कि ८५४ ६'८२ নাণ তোৱাকি বাড়ী আদিবিনাণ महरूका कि त्यम अक महर करिया अख. তেই কলে লৈ লেখির নিষ্ঠ।

िर्देशक मार्द्धके बुक्तिएड शास्त्रम (स বাংগকগণের ঐ কানোরে গুনার কডটুকু ?

প্রত্যেক অবস্থায় সমস্ত কার্য্যাবলীর দিকে দ্বিপাত করি, ভাষা হইলে আমরাও तिश्रिक **लाहे एवं जामना छ जे वालक**न्न অণেকা কিছু লোট নহি। এই সংসারে 'কুঞ ভজিবার তরে সংসারে আইছা'— অবসব প্রাপ্ত সবজ্জ জীল্জ অবৈত তিই বলিয়া প্রতিজ্ঞা করিয়া আদিয়াভিলাম, কিম কুদের মোহিনী মালায় বন্ধ ছইয়া त्म व्यक्तिकांकी बदकवारत्वर अटल विश्वरि माशस्य ५विद्या । शमारक ।

> আমাৰ মুদ্ৰ-দ্ৰবে সংগ্ৰহণ্য হল্পা কুণা কবিবাৰ জন্ম স্বাচিতভাৱে আমার ঘ'রে মাটিল অনাকে অনেধে ঐ প্রেটিজেপে কথা অবন সার্ভার ৰীটাকে মন্দ্রিলাম ব্লি to any filteral 1 - MIR Alex

अधिकारका जुनए सुद्देशिए हैं। किद्यमण्यात्र (७५ वर्षाच्या) कर ७ केटिए । \$ 10.77

· [01.54 期限的 大性化病 安鸡 电影 ८करम १८५८ कर म

: অন্ধুৰ চেন্টা আন্মান মান

20.00

ম্ভাবের জন্ম 5321 ব্যাপ্তিম ও স্থেত্যবিষ্ঠ কেম্বি অং১রেশ প্রাডেশ ক্ষান ভাগেবভানিহণ श्रीक्षण भाष्ट्राः । संगाः । ७०९० एतमर्गम 🗗 🗝 -अक्षाप महाराहरत हो छेटानम खन्छ ক্রাইয় দিয়া মাধুশ্য আমাদিশ্কে दुरावदर्गत व्हर्मनद्वेष नद्यान द्वा, प्रकृत्रानक्रका बाल्य कविष्ठा । इंकोशांत दश्दर्श अञ्चलाचे खन् देवन कारगाव व्यकृष्टांग स्तिष्टांगा सुस्रक "不知" ধ্রের অভিন্ন কর, করন্যা কারণ ইহাই ছীবের স্বরণের স্বঞ্জ ধকা। হ'লা ব্যাতাত দীৰ আবে বে সুমন্ত । আমাৰিগকে উদ্ধাৰের জন্ধা প্রতি মুহুতে গ্রের অন্তর্ন ক্রিয়া প্রেক, ভা ভাহার বিরূপের ধর্ম বলিয়া নেস্থিক। কারণ, সংসারে মহন্যমন্ম অভি ছুল্ভ, ভাষ্টে আবার অনিতা, কিম ভতাপি পরমার্থ প্রামা

गुनक ८६ जिल्ला अनिया बनिदन, 🗝 বর মার উষ্ণের বলিক, একটু পাছাও, বিকটু পাড়াও। আমি সবে মাত্র এই স্পারে প্রবেশ করিয়। কভ নুভন নৃতন স্ত্রের স্বপ্ন দেখিতেছি। স্থানাকে এপন পার্জন করিয়া সংগারণক্ষ পালন

আমার প্রথম কর্ত্বা, ভার-পর অভ পশ্মের কথা। এগুলি আগে সারিয়া লই।

লোড়কে ঐ উপদে<del>শ করিলে স</del>ে विश्व -- 'कामात ज्यान कातक स्थारे পড়িয়া বিয়োছে। পুত্র-করাগণের শিক্ষা माग, 'क्षार '८५च विवाह (भ अत्रा, शृक्षाण নিশ্মাণ, পরিবারবর্গের ভবিষাৎ ভর্ত পেণ্যবের জন্ম বিষয়ার্জন ও স্বর্থনি স্পাদ্ধ প্রেড়ডি অব**ভাকতব্য অনেক** কাষা বংকী আছে। ও'গুলি সারিয়া যদি কোনদিন কোন মারু বৈঞ্জ | ভবে ভগ্রস্ভছনক্স **অভ কঠন্য মনো-**भिटक भाजि । অভ্রব একট্ট **क्राइ**कि ।'

> বাছকো ঋড় প্রতিষ্ঠার চিত্তার দীব न्यात्का इडेग्रा लट्ड । निभग व्यवस्थि নানবিধ চিকা আসিয়া ভাছার জ্লয ভক্তাতি করিছে থাকে। ইনা বাভাত উলেকে শ্রন্থাস্থান ভেলপি ন মুঞ্ছি। আৰণভাওম্----ট ডকি অন্নযায়ী শিভা নুধন মূদন আশা ক্রমে উদিত হইয়া প্রথাকে অভিন ক'নতে **থাকে।** ভগন স্থয়া মন্ত্রণ আবিয়া যদি ভাছাকে ecs, প্ৰামার সময় পুৰ

ব্যাহার ১২৮৬ স্থিত স্থাতের চুট্টাতে, ভারের **আম্মরা ভোষাকে** ক্রিম্ম আর্থেন্ডিন-১০ড়েরর বছর বিভবে আনিহাতি । তথন **হয়ত সেই বুছ** িল, 'দক্রীয়েও' আংমি সমস্ত वत्य वाद्य एक । अस्यामात्र बुवाहिया विके. মুক্তের ভাষিটা ভাহারির**েক স<sup>\*</sup>পিনা** ्यक्षतः । उद्योगपायन दोर जिल्लामिक हो स्पेसि ।

यभि ८काननिय श्वक्रांटित **करण माध्** देवकवरारवद उल्लाम आभारतत वर्षकृष्ट्य श्रानिहे हहा, एटवर आगता वृक्षिट भातिय, ভাষা হায় কি করিলামা 'একটু ঠ'ড়ান', 'একটু ইড়িনি'—বলিয়া সারা कीयन (इशाय कांग्रेडिया मिलांच उत्रः इङकाल ७ প्रतकाल छ'कालहे नहे कतिलाम। ই০কালে মকভূমিতে জলা**বে**ঘা**রে ভার** अथारवस्त-(5%) ७ नार्थ हरेन, **आत ७१व-**मान्त्रभगात अभारत शतकात । महे बहेन । अभिटेतभावनन् आभारतत्र शतम आश्रीव **९ वक्षा काशता इःथनागत्र इंटेट** সাৰধান কলিয়া বলিডেছেন,-

ক্লফালাম ভক হীব, আর প্র মিছে। भ्रमाहरू श्रेश गार्ट, यम **जारह शिरह ।** আবার অন্তিমকালেও ভাঁছারা স্মন্ कतार्थेया नत्लन.---

সংসার ভঞ্জিশি এগোরাল ভুলিনি ना अभिनि गांधूत्र कथा। হ'কাল্ খোছালি हेर-भन्नमाग बाइेलि जानन माबा ॥ सामता क्षि स्याहिमीयाधाः अक्षे

ঐ বালকগণের কাব্যাবলীর কথা টাড়িয়া করিতে হইবে। বাহারা আমার উপর মুখ বে সাধুদিগের **ঐ সমন্ত উপরেশ** নির্ভব করিতেছে, তাহাদের লালন পালন উপেকা করিয়া মনে করি, ভগবদ্ভলন ছাড়া আমাদের সমুখে অভান্ত অবশ্ত-কর্ত্তব্য অনেক কার্য্য পড়িরা আছে, বাহা ৰুঝি মহুধা জনা ফুলাইয়া গেলে আৰু क्या ब्हेर्य ना।

> বিরূপের দর্শে অবস্থিত, ইতর কার্য্যে লিপ্ত ও আত্মানঞ্চিত হটকা আমরা 'একটু ि है। कान' विषया। गांधू देवकविश्वनादक कशवाप्-ভগ্ন স্থপিত রাখিবার জন্ত যে সমস্ত গবিদ প্রদর্শন করি, তাহারা শান্তরূপ কুসার বারা আমাদের মেই সমস্ত তৃত্ত স্তিকে খণ্ড বিখণ্ড করিয়া বলিয়াছেন, 'ফুৰ্ব্ য'তেত ন পতেদমুনুদ্যুয়াৰৎ নিঃশ্ৰেষ্ণ-माग्र निवयः श्रम मक्तरः छार।' व्यर्थीर বিষয়ভোগে ধৰ ভয়েই সপ্তৰ, সেই সপ্ত নীর ব্যক্তি যে প্রান্ত মৃত্যু নিকটস্থ না হয়, ভংকাৰ মনো ক্ৰফাৰ বিলৰ সা ক্রিয়া छत्रम क्यारान सार ५त ६ छ ८७**४। क्तिर्व**न ।

## শ্রী গুরু-বন্দনা

( टीएकां महाबच्चामिनी (भवी )

(3) বিমুখ কাহারে न्द्रा द्र'भुःभ्।ट्र ভাবে বহিন্তুৰ আমি আমার লাগিয়া ৬ গতে আলিয়া

প্ৰকট জগত স্বামী । লভুলিরে বুলি আমি ॥

महिरास्त्र मन्त्राम ए:इ (नावनायम অন্ধেন মতে স্বামী।

હાળ અપનીઉ আয়ার ও থেড়ে নহংগ্রেমরত ভূমি। ইচিরণ ব'ল আমি।

শুদ্ধভাৱি পথ - (কোটি)-কণ্টক আরুছ क नर विभवनायी।

कारनव करणान কণি-কোগায়ল এছেন ছুদ্দিনে ভুমি। कात का विश्व वासी।

की नहः च ८६ति । নীলাচল পুরী আবিভূত হৈলা ভূমি।

তোমার উপয 可有专门-安有 ছবিত হইণ স্বামী। স্থান্দ শিখাইতে ্যুগ): **শ্ব প্রবর্ত্তিতে** আগিয়াছ ভবে তুমি।

নীলাজি হইছে ই নবধীপেতে (এসে) খ প্রকাশ হইলে ভূমি॥ जर कर कगर चामी H

क्षांबाद्य गान ममा ७७:ग्र অভিন গোরাক ভূমি। গৌর-শিকানীকা হুগিছান্ত শিকা জগতে জানালে ভূমি। सङ्गिद्ध यमि यात्रि ॥

## ভাক্তাহনোদটাক্ত বিব্ৰাহ্ণ



**बिदेश्वसर्थ:-- के**म्ब्रकिनिय्मात ठाकृत्तव लिल्ड-উষ্তে জীবের পরিচয়, কুফের সাহত সম্ম, নিজা ভ क्रिशिखक,क्षा, श्रीवाद शिद्ध व व्यवप्रकातनव एउम. व्यक्ति **अत्यात चळण. लास्थालामनाव महिक लालका, मात्रा १व. ८८४)**-क्षा । क्षा कारकार दक्षा, हमन्यस्य है, व्याक्तामा अर्थ **र्जालक छाउछमा. जोरबद बद्यानका छ मू छन्, र**ामकमूब्रहा व्यक्तिकातः, क्रांस्कृतः व्यक्तिकाती-विधातः, कथा व व्यक्तिस्तारमह माचकाता, माक्कभणा क देवकादभणा, Cate क्या नीला, अराव न अश्व का काञ्चार व्यक्तीरक-इफ्ल, दीर्धन ब्रम्पा प इस्तिय-विक्रिकास कारक्ष, नकत्यत्वत माठ र चारितात कारण, र ग्या-ৰায় প্ৰশান্ত প্ৰেটাঙলৰ, শক্তিবিভাৱ, দীলাং, বৈশি 🦠 আগালা **कि. मधक्तकान, अमन्द्रवत भागकारी,** लाइकीयहम, असूर बन, मीनाव्यक्तम व्यक्ति मनासन माध्यानात्र अधार किश्र प्रदेश की के अंदिन श्री है विश्व कर्ण क्षा का का लिख बहरराष्ट्र । अह अवस्था अध्यक्षित छ । एक करिए গ্রমান্তিক ব্যক্তেরে কৈছু এক অঞ্চলে বা সংগ্র দার্গিরের লা : পরম সূচ্ অধিবছক লংজগ সরল ক কল্যাপানী এছে এপাই হ PER ES NETHS Bind DEUlten : Minin Mire. क्ठी, क्षामात के अनिक बात निर्मा मध्य करा व्यवस्थित विश्वारे शह, त्यांगांव करन भाग दशमा घरपूर वैश्वार----७७व भर**क**्ष रू भाखा



#### ं प्रकृष गः **प्र**देश

### ्रिंगम्य वीषाके--२, कृष्टे भाका स्थानीया-->५० (शोर्ध कृष्टे ठाका

ৰ্ভিপূৰ্ণ শাস্ত্ৰবাকা ছোৱা প্ৰান্ত্যক মানবাৰ নিছা ক্ষা ক্ষা ক্ষানভা সামায়ক কন্ত্ৰৰ নিছাহিত কইবাকে। প্ৰান্ত ক্ষানভা সামায়ক কন্ত্ৰৰ নিছাহিত কইবাকে। প্ৰান্ত ক্ষানভা নাজন লাজবাকা ছালা সমাধিক ছ প্ৰান্ত ক্ষানভা নাজন মানবাৰ লাজাই সাম কি ছ প্ৰান্ত ক্ষানভাৱে হাজসক্ষান্ত আলোচিত ইয়াকে হৈ, প্ৰায় সহাক্ষ কৰ্মত আলোকা ক্ষান্ত শাস্ত্ৰ নাজনা ক্ষান্ত ক্ষানভাৱে আলোকা ক্ষান্ত শাস্ত্ৰ নাজনা



#### ভিতীয় সংখ্যা কেও আনা

শ্রীয়াল ভোষামী প্রাঞ্জ শ্রীণ বগুনাপ গোষামী গাড়কে উপ্রেশতেশে যে সকল কথা বালহাতেন, সালা এই প্রাঃ । গোক্ষপথের ক্ষমুক্ত ও প্রাহিত্য বিচার ক্ষতি প্রকারপারে । বিষুপ্ত ভ্রমতে । ইণা ভাক্ষা শ্রীশ্রীমন্মকারাজ্য উপাদ্ধ ।

## ৪৪৫ গৌরাক্যের

**স**চিত্র

# শ্রীনবদ্বীপ পঞ্জিক।

পারমাপিক নাজিমাতেরত একাও প্রয়োজনীর বিষ্ণুপ্রস্ত ও উপবাসাদির ভাগেক। নম্বলিড বংলার ঘরে ঘরে বিরাভিড উটক

## ভিকা ১০ আনা মাত্র

ৰ্খত ডাক টিকিট পাঠাইলে ডাকে পাঠান ধর।

#### शर। करि

ভাল পোচনদ স ঠাকুরক্রত

#### ब्रोटिन क्राम्यन

3 বিকুপ্ল ইন্থান্দ্রিকাস্থা সর্বাহী গোল্লা প্রাহ্পাদ সংস্থাতি কৃষ্ণিকা; লেকেল অধ্যু, বজালুবাল প্রতি প্রবাদের ওপালের কথা সাল্ল, বন্ধসূচা, জালসূচী, পালপ্রচী, লালাগ্রাহু, ভালিকা, প্রস্তুটা প্রভাত বিশ্বত সূচী সম্পাদ্র বোজ্জ অক্ষরে ভবল ক্রাউন, আইপ্রস্থা আ গ্রেক ইটি গ্রেক্ত ক্যাক্তে হাসাল ভিক্তা—২০০ টাকা

### **ঞ্জিরিনামাট শুমিণি**

নামান্থ্য ইয়িল কা দ্বিস কুৰণক মূথে ইবিবাৰা ছি ইয়িলাম মাধ্যান নানাল্যান নানাগ্ৰাৰ পাল ক কিবলৈ যাবভাৱি বিনাধ প্ৰবা কাছেয়াছিলোন এক বিবা জোল কৰি যাৱল প্ৰাৰ্থ্য নামিপ্ত সাংগৱনক পালিটোল বি ভালিক। ইয়া ভালিবিলোকসাকুল-বালিক। এন স্বাধ্যান ছিলা ভ্ বাই স্থান মাদ্

## বৈক্ষবমঞ্বা সমাক্ষতি

#### ा भ कर भोग- कायर ()

## <u>ৰা</u>ভক্তিস-দত

ুম শশু ু এক চাকা স্থাপণ টোক —
শ্রীমন্তাগনতের ও গোড়ায়ের গ্রাহকগণ া
টোকায় সুইপণ্ড পাইবেল বিন্দান্ত্র ইচিব ব
লাখামীলাদের চৃতিক গ্রন্থ। চহাই ২ট্র দ ৬৬ কলি প্র
প্রাক্ষীর বংশ। প্রাক্তিক জন্ম কাড্র চ কল্প সহ
প্রাক্ষীর বংশ। প্রাক্তিক ভবল কাড্র চ কল্প সহ
প্রাক্ষীর বাকারে মুন্তর ইউবি বেচ।

### শ্রহণচাম্য সক্ষণিত সদাচারস্মৃতিঃ ভিকাত খানা মাত্র

## বিজ্ঞাপন

#### मान्धान !

गावश्वास !!

্ক, বে. সংক্ৰম চোকিং শিশি আদানে তৈ**লা** আ, ন : অক্তিম এক উপকা**রিভা**য় সংক্ৰমন প্ৰায়ডিঙ ও ব**ত প্ৰশাসিত।** 

ভাগর। সরবস্থারণকে ানাইছে**ছি, বাদাম** হৈল ভারদ করিব র সময় শিলেও গা**রে ইংরাজী** অক্ষরে জে, বি. দত্ত এও কোম্পানী নাম থোদা দেশিকা কে কার্বেন। তুকা ভুৱাকোরণা কম্পারের কার্ম তৈল দিয়া প্রভারণা করিবে

## ফেরাস কুইনিন্

নুহস এবং পুরাতন মালোরিয়ার ধন এ ই বুজ মালায় আইবন, বাব্বহিঞালোও বা ধানি ক এবং ইউবিশেন আছে। কেবাৰা কুইনিন খারা ক্ষেক্রন ক্রিলে একটা ব্যাহ্রসন্তে স্কল্পার ক্ষিন্না গেলিয়া অধ্ বস্ক ৬ ১ বিভ ১২টা ক্ষেক্সনে মানেক্রিয়ার সুম্ভ

ল্লগুৰ্ণ প্ৰচি বাস্ক--মুশা বং টাকা, ট্ৰ' ক্টাকা ভ্ৰুক্ষিকাল তেও ক্লিকিয়াল লাবেরেটারীতে নচত বং চ্ছুৱীম্ম শেল, ক্লিকালাঃ

্গাড়ায় বেকাৰ-**ভগতে অভিন**ৰ এছ !! আগ চাতুর ভাজাবিলোধের সীভি-এছাবলা :---



a dist . With 1

नदक्षे जाहेक षष्ट्रेय गःश्वत्रय स्थिका / • स्वास

নেও ও মনের চেপ্তা আন তাবন্ধ লইরা—ইকা বখন কীব বুলিডে লারে, ওখন একথান্ত নিভাগন্ধ ক্রীজ্ঞলবানের প্রতি ইংগরি চলান ভাতার আবেলমন্ত্রী প্রাথনা হর এবং ক্রিভগ্নানে নক্ষাডাকরণে নিভগটো কি প্রকারে লরণপ্রে ১১,৪৬০, ইডালে বিষয়ক প্রাণশ্পশী প্রাথনা ও আত্মন সম্পর্ধণক গান। উদ্ধোস্থেরণ ও প্রকাশিত ওচরাছে

ভিন্না প্ৰতি বন্ধ /০ এক আলা

(अम्रकास्त्रहास्त्रका- /०. वददीनमण्ड--/०

কল্যাপকম্পতক

প্ৰেচ সাইজ পঞ্জ সংখ্যুপ, ডিজা /১০

আমর অভাব কৃতন অভাব ক কাষণার বলবজা হ'ল৷ পুনঃপুলা বে মকলাপতে কলাপে বালয়া এচণ করি এবং গালার নি ১৬ কলাপে কাষনা কার ভিনি বে নিকা বা ধবাব জ্ঞানে আমানে আমার এবং কোন্ বজ আমারের নিকা কলাপেলাভা এবং কি ভাবে আমারা নেত্ কলাপেলাজে মমব চইব, এট সকল কবা সঙল লাবে ক্ষিতা এই ক্ষিতিএছ বাজাবিকট কলাপের ক্ষকর; বীন জ্ঞানেতে নিতাক্যান জ্ঞানে

বিস্তৃত ক্যাটালগের জন্ম নিমলিখিত ঠিকানার পত্র লিখুন—
ম্যানেজার—গ্রন্থবিভাগ, শ্রীটেতন্যমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, (নদায়)

## 1-1-1-19

## ही। दिल्ला मर्र

#### আকর মইরাজ

ला ठीन नवरीय, आक्षण हामाम भागामुत, ननीवा

ত্রীসভাষ্টের প্রত্যান কর্মান কে পর উত্তর-পুরে শ্রীভ্রত্মপঞ্জন আচার্যারত্ব প্রচল্ল-स्वयनकार के हिर्देशक प्रकृतिकार ।

ছট বাল সাং অস-ভাগ, ১৯৮১৯ গাম বা সাক্ষম ভক্ষমক্ষণী। এই মহাতীৰে আহিছি-सहर १५ के शहर र र रिन-हुन्त । क्रायुक्त कार्य के अपने कार्या, साम्रक्त कार्या, कार्या अपार्य के कि या है। वार की का के अने के अपार्थ के का का का का का का का का कि का का कि का का का का का का का का genigenen gragen icht eine ein bie birmeinigen ub ideborg Gieben Enter देव आर इस भागक भिक्का प्राधित कर राज्याद्या । अहं भहेदराज्य भागभाषिक देशनिकाशक भागकत्र-হি**ভা**গে সভ্রোশত ও প্রাটিন এছণাছে রচাব**ংছে '**ননী'-**প্**কাশ' য⊠লোহ क्रांक्षां । १९५१ । जा । ना अवस्थान क्रियाम पारिकाम छूट से । ब अधानिक स्कर्माछि । ब कीता व शामक महार प्रकार दशाराय कि साम मान महाने साम मान का नित्त रहता मान का अन्य मान मान मान हीं है के कहता है के अबक में - हैं। कि के दिलामी को बें बें बेंगा है। के मिलान आवसाम ्रकार र राष्ट्रराहित जीताम है। इस अधारती, रोष्ट्रक दिस्तार रस अक्षादी, है प्रवासत्त । में बारदराम क्रांग डकालांकी आमूल शक्समण्या (

ोक्षा कर में देशके कुरामित होये प्रशासक अवस्ति शतिकार जीवन कहिरागरक। পর্যাসভার ভঞ্জিশাস প্রত্ত ।

## BEN INT し いしし ていいいい

## (३) बीटगोड़ी अ मर्ठ

De बर कार्गिलामान ठळनको हैिए. त्याः गांगवाबाह, कशिकां छ। । उछेलिक्सन वि. वि. ८०३०

শ্রীম্বার্যা প্রভার । প্রচারিত ক্রনিবাল ভাজিপদ্ম-প্রচারোজেলে গৌজনেশের গ্রামারারার मन्त्री कतिकाकाञ्च जीकिकितिताम भागत श्रीमठ श्रावित्र भारकत। अहं सक-गठ्या : (१ म के करू-११) वाक-मानिरनामा नक को है मुनाबरक विका स्मितिक कम । "१ शीकीह चाहारावरतीय यावलीय अञ्चलित अञ्चलात्वारफाल लीधरत मध्यद्य अवसी उप्रकर मृक्षा-যত্রালয় সংস্কৃতিত হুচুল্ডেন। পুলিগীর সক্ষম 🕮গৌরনাম প্রচাহার্থ এক যত্রালয় क्टें 'क 'त्रोहीय' म पर'क्क मळ, जि. अक्काबिक्टे प्राप्तिक माळिका प्रशासी कावाह নিয়মিজভাবে প্রকাশেত জনজেনে। শ্রীমটে পাঠ সঞ্চীয়ন, সপ্রস্তান-চতিইয়- লয়ান্ত, चीम्यात्रक, सीटेठ क्ल-एवं बाय शान-लोगा । व व्यवस्थात गमाक वारणाठना व्यव भारक । अहरक क--- बार्मिक ही भारत कुछानिकाती निकालिया । अह काती -- अधिक सीलाम अम्बन्धनारु मन ल्यानका स्वत् । त्या अने पान लगानिका प्रतिकार रागम निन्ता, र्ज्योलाम अभावराजी अञ्चलको, कीलाव एशक्कारम बामामकावी विकास भीलाम करणाणाण प्राप्तानिकाती, अञ्चलकी लीकीवनामन अञ्चलनी नीवमञ्जालका, बञ्चलाही क्षीक्रकानम क्रांकनाक्षी, अकारती क्षारमधकीरूमन, राजक क्षारा सर्वीसक्रफ

#### . ৩ ং বেপেপীত এমিশিয়

बर्ट द्वार है, वाकार्या भाग करने ती CHARLEST STEELS SIN NOTCHISTA MAL HALL BURNELL & BOR THAT IS FLORIDAY BOY IN THE BLESTONS ng the garagement for my print may be the man of भारतक दूरता नहामान्त्। तमाक---(०११४-अध्यक्ष क्षा का भी अधिक का अधिक में हैं। साथ । सहस्रोती हैं। को कल उड़तारी Establishe सप्तारी । देशा मान भान कारी, अनुसंदर हैं, नात्वडल ।

#### 1 x ) En . (3) - 518#

Estational Monofacta of Emples in a all and a salta E. Elitas दिशालक करणकाइत अवा नहतान. ৰক্তৰ-১ ট্রালালত মে এজলারী, <sup>মি</sup> এয় শ was a graph of a si

#### ( u ) 5174'5-1544

क्षिणार के प्रियम भावत अवस खबर C . 4850-1

#### ্ড: কলেনি স্ফ নি প ট

म् न, अध्यान कृत (अमेरिका) | क्रीरिकेट करावार है। सकति । प्रमास्या ्रक्रा क - एकः ी निश्चानानानादी ।

#### ( व ) प्रात्मा स्थान कुछ

艺, 好趣, 有意心 第一部分 。 महार्थन जनन देशालानश्चाम्यक छ दर ले हिंदू रामा अ १८९६ जो । **देशा**न

বং ১ -- ভবি কুপ্তত ভাজার প্রক্রার · 查明 : 11 8 11 50 41 47 1

#### ्रि ख्रीअशब्द्य द्वी **डोग्न म**ठे 284. D.to 1

रक्त क-- ट्रायक्तर का लगा हो। हम, जा. বি, বল, সংকারী--- শ্রীউদ্ধারণে ভারত , রক্ষক-- শ্রীপুণ্ প্রভা এক্যারী। माही, श्रीकेकन्त्र धारकारी अङ्हा

#### ( २) और भोग-भाग्यत-मठ

**ठे** १९४७ हो, सञ्चलका, ( नश्चमान ) 型的 it fintene minfie interieten-

#### ্ ১ • জীরপ:গাড়ীয় মঠ

मा ११९क. या श र रेंचे लि 'भ क- है। है। नाम अंधानी, है कुश्रामध्य । 1. 1.

राचेत्रा ७ कालग्रह्म नक्षाप्रेत्री क्षि भागावणार अक्ट क्लावान सान । रफ क- देश्यक विद्यारी शकनागी। \$3 : BISTAB WITH

ची भागत १ एल ५ कुम्म-एत. + बीस ভাগৰ • দিবলয় ও হ'বলী আনচার-ভোগে। वक्तक-देश्यालम वक्षाणी।

#### া ১০ : শ্রীএকারন মঠ ाउँ मार्थाः, आगान्नी, क्रांकनगत्र, समीवा द्या 🏎 ही भड़्या नम्य उन्हरू दी ।

( ১९ : धामास्त-८गो हो स्र मर्ठ अञ्चर नवावभूत ,वाङ्, **हाका।** भूमानद्वात क्षात दक्ता, श्वादन ली एक-.ड्रांट्राक्ष ड्राक्स्स्.-रिशायनदाव द्वाना वस्त्रमान : ्य ह— झालागायाच राष्ट्राती ।

#### १ ५० ) बीरगाभानकी वर्ड करण श्राह्मकः।

গোণাংজীৰ প্ৰালিয়াকের প্ৰাচীন সেৰা क्य- माथा रशाः तक्ताती।

#### (১৬) जीभाषे त्या 🐄 नठ

कविवर्षक शामाध्यो मुका, नामित हाकः व्यागनाहे-दशोबारणाद निका स्थव

#### ্১৭ শ্রীভাগৰভক্তননেক মঠ

किया वरा, राज्यमनल्या, कामगील्या धारारम न्ये स्थलातात सन्धाकाना काः बक्रामी खोक्षातामनाशको । वक्षाती प्रतानन

#### ১৮ व्यामनार्थाण। अभूमाञ्चन

द्रास्त्रवेष उत्पाद वश्चमान ।

"me"[real | amm = awain] #[e]c= 1924191

#### (Sa क्या अक्रास्त्र अप्र

अर्थकार, भूती, के प्रदूर । MOSEN BESSTO-THEOLEGIS CANDO THAT (मरा वयभार । वक्तक -- अक्तराओ शिल्प्समार नक विशावक, अक्षारी किन्में। वन

#### (२०) खीजमा-दगोड़ीय मठ

व्यागतत्वाप, तकाशतः , ल ३, ल १। व्यवसायापारवर्त कलनगत समस्य चीवनाहः अन्दःस । रणक--वक्कातीः च्येणत्रामधी व्यवस्थी। मध्याता-अमाधारी मानिशनानगती ।

#### (६५ विम्नाव्यक्षानम् वर्षे

Biugiaimin, must deice Be .main-faceinann-चीतः निकारमचा व**क्षमान। प्रक**र दक्षकाती जीगवायम् ।

#### ्२२ ज्यानमाजन-शोधाः गर्द

वसः खडाक्यानसम्बद्धाः काली । ·明·中州市中医 Seten-femiliant कर्रास अधिरास्त्रमः वस्त्रमान । वक्रक---में बानकी । शहरे ।

#### इस एक्ट्रायाज्यक्री ७ ६३

णांस् गरानाम क्रम, जामान नुसाराज । 三、様のイガー当ぜっ(対)をの後)者 (数例) वक्त क- मेरियम किंदान तक ताती

### (シお) 動がるの数での 質素

देनशिकावनाः, शंष्ट्र भूट

द्वारत विकासक मात्रमादा क्याला । विद्यान विकास लेख देशका विद्यासन्। मी खक्ररपादाक हैं। अंक का का चात्रवाकी । रक्ष का उपवादकी चैनाभरका स्व च चक्र ही all acases of the

#### २० और इसुरशोका म मठ

9440 m. 1509 m. Winsh: 801 ं नाथ हात्र, हे एक स्थानक नक्षा हो । स्रोतस्य लीन अपार्थाताम ।

#### · ३ ७। न्यान्य गाउँ मह

कुश्याक, बालबर, क्वाल । अवास वीदगीवी दलाज-बादमक दमका बखमाल । अक्रमान्यका । ती हिंद्रभन्त सी ।

### (२०. अक्षित्रश्का अभन्नाज्ञन-मर्ड

अभिन्याका, त्याः मास्, शब्दाः क्षशादन यह इक्कार्ड लोटगांबाटलय दमवा नक्यान । बलक---बलनाभी खीळानकुक-भाग, जीशनावयन अकाराबी।

#### (২৮) পিলা গোড়ীয় মঠ—কাৰ্যালৰ

be con iminia, fuß fum ; त्रक -- जिला क्यांगी जी महिक मस्तक-शिवि यहाराज्य, श्लीवामः समग्रत्नम् सम्

(২৯) গোয়ালপাড়ালপদাঞ্জ इक्क-अमहात्री बोदाबाद्यास्य

## চৈত্ৰ**য**ৱের **শুম্বভক্তি গ্রন্থা**লা

১০ বিল শেভুগাদের বন্ধ ভাবলী MARCH SINTING ) : **Mas**tragu,—nas ( T ) dien 40 湯 (ソモー・おお 東京) スントノ・ (स) विकीत सक 🖈 (मणम ४६) 32% ('ग्') इहे वक ककरत का कामवर्त्त-मान व्यक्तिदेशकार किकानक वर्ता मन्त्रीन नक्षिका ( वर्ष गर्थक्ष प्र ( 888 दगोतास ) ०। और उसका श्रमक का शिक्षा आत्रां (fant ficht reman) ०० ! दोभ-ांद्रश्र हलड को निका ( क्षीतगरशय-क्रीका-नव ) २. (মধ্যীপ পরিক্রমা) 4 · 黄明( 题834 · 6 · 9 · 94 ) 4、 · ! '¿#### '... कि स्यामा 130 १। श्रीक्रमक्षिका क्षणानी तकः माक्ष्याव **ライバタを信じ子(ツマキ オにゅうり)ノン。** ( WINE ) b | (1) | (1) | 19 - 19 | 15 ANISTATIO: क्षेटेड अब लिकामुङ (दीवा) २ िट्या संब**र्शन** 201 *दश्रमणिक्वितिशा*क्षा 35 1 **B**EBWENIEN 4 শ্রপাগতি क्षेत्रवद्योग नफण्यं (वागा) 861 केडावणी ऽरा विभक्षणाळाच्या (नीमा) ऽ**र** 83 . (शाष्ट्रीध्यक्त कि करबन ? ( वार्वामा ) ho | Col मारशामाने > । देशकामक्या-मभासांक ६२। डीक'क्फिक बन्ति व्यथम हाजिसक ) 🗎 ৰ বিশা খাই আমৰি 明辰 1 李年 नवदीनगान-अद्याणा দেবনাগরাক্ষরে প্রকাশিত CHITTENTHE: वता शिक्ष अ-१०वकी-विश्वित्रः হতঃ স্টীক প্ৰকালৰমূলমূ (क्षाप्रश्यक ( कृष्टीक मरक वर्ग ) . Q61 E4-294 . 多张14 (中48 以144-京14 ४१ । मात्रारम् विनम ď (अ।कामी क्ष्मान वान ( नै।वा ) ४० 46 1 万·智利日 [阿坎]夏斯安 मानकक्षाना ( नामा ) ৫৯। গৌড়ীর মঠত পরিচয়ঃ २ । 🕮 ० ति अक्टिक स्था जिला नास्याम ॥ -ইংকেজী ভাষায় প্রকাশিত 201 CARINDWALE MENT 40 । अप्रस्टाहरू ( प्राथायकीयः) ७): शहिक्याश शिद्यल्डिम् चव् tal Amntfelli क्रिट्रिक के मार्थ का २८ । (श्रीकीय-श्रीप्रव करा देशकांक्षम द्याधीय-मार्क्स ७०। निकाशनक भाषमध्य ( ७३ मध्यप्रेय ) ৩৪ ৷ ইংমাটিক জিলিপ্ৰ মাত यानस्य हो नास्त्राह व्यादनगढाक् किर्कानम २का व्यक्तिकारणी श्रा मानावानणकवन्ती। कर । काबाहे लो श्रीतमंत्र बंब पुकेश र. 🕶 । 🖥 (नामिष्द (तमाम्य 🛭 भागव উড়িয়া অক্ষরে প্রকাশিত काक अंदर, विश्वकि ब्यूमकुराम गर्म) ।

স্বৰ্গ্যযোগ। স্বৰ স্থোগ।। স্বৰ স্থোগ।। ইছাকারে খণ্ডে খণ্ডে প্রকাশিত

# শ্রীল প্রভূপাদের বক্ত, তাবলী

ওঁ বিকুপাদ শ্রীমানতে সিন্ধান্ত সম্প্রমানী দুলাবারী মহারাজের সেই অনিদ্যা-বিধ্বং সিনী ফাবাগ্রসর পোঘোধিনী কৃষ্ণ-কাষ্ণ নিদ্দাদারিনী জীবস্ত-বাণীর মৃত্ত-বিপ্রাহ—কৈন্তবসিদ্ধান্ত-রত্তনালার কৌস্তুভ্রমণি
—সেবাকুত্বনগুড়ের ক্লেক কর্ন-বিভূবণ কলম্বকুত্বস—সম্প্রদায়-বৈভব-বিজ্ঞানাগারের মৌলিক তথা—পঞ্চরাত্র ও ভাগনতের সম্প্রমুক্তর—মহাজ্লন-জীবন চরিত-শিক্ষক—চিখিলাস-চিশ্যান্তাভিন্মান্ত-বিচারক—ঐশ্বর্য ও মাধুনারসের মৌলিক গবেষণাগার—সম্বন্ধ, অভিধেন্ন ও প্রায়েজন তথের সিদ্ধান্ত-সমূল।

১। প্রথেমখন্ডে—বৈদ্যবদর্শন, প্রীন্তক্তব, কালপর্ম, শ্রীমনাবির্ভাব, শ্রীবার্গলানী, পাঞ্চাত্রিকী দীক্ষা ও বর্ণ-বিচার, আত্মধর্ম ও মলোধর্ম, শ্রীটেডফাদের ও তাঁলার শিক্ষা, অপ্রাকৃত সংক্রমর্ম ও প্রাকৃত সহজ্ঞ-ধর্ম, শ্রীপাদ ঈশ্বরপুরী, শ্রীল রসিকানন্দ-প্রাসক, পুষ্টিমার্গ প্রভৃতি বিংশতি সংখ্যক রড়ে স্তাশোভিত। ভিক্রা মাত্র ৮০ বার আনা।

২। বিত্রীর অগুল-শুকা ও বিদ্ধা ভক্তি, মনুষোর ক্রেষ্ঠতা কোথার, আত্মার নিতার্তি, প্রীধর স্বামিপাদ ও মায়াবাদ, প্রীয়োর নিত্যানন্দ-প্রস্থা, ত্রিয়ুগের ধর্ম ও কৃষ্ণকীর্ত্রন, শ্রীব্যাসপূলার শ্রীমন্তাগবতের কীর্ত্তন, প্রীয়োরগামের মহিমা, মহাপ্রসাদ, প্রীগোরিশনের মহিমা, মহাপ্রসাদ, প্রীগোরিশনের ভিত্তান্দলিনা, শ্রীতৈত্তাের দরা, গৌরকালণা ও কৃষ্ণক্রীর্ত্তন—চপুর্দশ অপূর্বন-মধুরিমাপুর্ণ-রকৃতা:-বিভূবিত। ভিক্ষা ৯ এক টাকা মাত্র। প্রথম ও দিন্দীয়া-পূই খণ্ড একত্তে লইলে ভিক্ষা ৯ দেন্ত টকো,

প্রাপ্তিত্বান: - প্রস্থবিভাগ-- শ্রীটেডক্রমঠ, পো: শ্রীমায়াপুর, মদীরা।

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

ডাক খরচ প্রস্থ।

## দৈৰপ্ৰাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষ্ধ

### প্ৰবন্ধ দিৰে সম্পূৰ্ণ আব্ৰোগ্য

নোগী দেখাইতে হইবে। জাগ্রাম পাথের ধরচ (যাওয়া এবং আমার) পাঠাইলে গিচা রোগী দেখা হয় অথবা এখানে আমিলে ভোগী দেখিরা উষ্ণ দেওয়া হয় আরোগ্য না হওয়া পর্যন্ত পারিশ্রমিক দিতে ইইবে না। গতীব রোগীদের ধরচ বহন করিয়া চিকিৎসা ক্লা হয়। বিভারিত বিব্যবের ক্ষম্ম এক আনার ভাক টিকেট সহ নিম্ন টিকানার অনুসন্ধান ক্ষন।

জ্ঞীক্ষতীশ্চন্ত উকীল, যন্ত্ৰা-চিকিৎসক, পো: নৈকাঠী, ৰহিশাল। অথবা নিম ঠিকানাৰ সাক্ষাৎ কৰিয়া বিস্তানিত আনিতে পাতেন।

শ্রীযুক্ত রামগোপাল মন্ত এম্, এ, ক্লুক্সমন্তর, মধীরা। শ্রীযুক্ত করিপাদ সিংক, ১১৭, বেশিরাটোলা ব্রীট্, **কাটাখোলা, কলি**কাজা।

একখানি পত্তা। অংমার প্রতুপুর পত হর মাস বাবং রাজ যশার ভূগিয়া মৃতবারে ভইরাছিল, কলিকাডার বিজ্ঞ চিকিৎসক্পণ ভাগার কীবনের আশা ভাগা করিয়া শেষ মুহুর্জের অন্ত অপেকা কবিডেছিলেন এই সময় প্রীয়ন্ত কিডীশচন্দ্র উকিল মহাশন্ত মাজ ১০ নিম চিকিৎসা করিয়া সম্পূণ আরোগা করিয়া বিভারেন। (সাঃ) শ্রীষ তীক্ষ কিশোর বায় চৌধুরী (অমিদার পালিয়া) হব্ নীট্ট-নিজ বিক্রিং। করণোরেশন লাইটিং ভিশাইনেক্ট, ক্লিকাডান

टार्किकाम्य :—प्रेटेडफड मठे. ८९१: श्रीमासाश्रद, समीसा।

क्षेत्रकी एका मक्कि

०६ । अव्योगशय-सामामा

००१ दिवस्मान

कर्। व्रीक्षित्रकाणां क्रक्रमा मण्ड

क्षेत्रज्ञाम हिलाम्ब

.

10

. >

--

HINN ME

वैश्वावली

१०। यञ्जभाषां

# শ্রীধান নায়া

## "ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## খোলা হইয়াছে।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অতি যত্ত্বের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যয়ে সুন্দর বাসন্থানের বন্দোবস্ত হইয়াছে। ছান অতীব স্বাস্থ্যকর।

সবিস্তার সংবাদের সম্ভ নিম্বলিখিত ঠিকানা পত্ত লিখুন। সেক্টোরী, ভাকুর ভক্তিবিনোদ ইন্টিটিডট্ প্রীটেডড়মঠ, পোঃ ব্রিমায়াপুর, নদীয়া।

## ৫০ বংসরের পরীক্ষিত কয়েকটা মতে বিধ—

ব্যবহারকারীরা ভাগে মুদ্ধ ১ইয়া যে সমস্ত প্রাশংসা শতাদান করিলাছেন, ডাঙা শুশু করিবে বড় বড়ু পুরুক ১ইয়া পড়ে। আগানিও ব্যবহার কার্যাধন্ত ১ডন।

- ১। চক্রাপ্রতা বটীকা—ট্রার নামটাও বেমন কালন নেট রক্ষ। ইংগ সুক্তন ও প্রাভন মেচ, মৃত্যুক্ত, অর্ল প্রাভৃতি এবং শ্রীগোত্দিগের স্থাতিক। বারাম, থেতে এবং রক্তবারর প্রভৃতি গোগে আভ ফলপ্রাম।
- ২ । পুৰুপ্তিসহায় বটিকা- মালকজগানিতীন অতৃ ংকট নিজাবিধায়ক ঔষণ।
  বে জোন বৈতিক ও মাননিক শীভাবলতঃ অনিজালোগে এত ওয়ন বানহাবে গাঢ়
  নিজা হইবে।
- শুরুর বটিকা—ইং। দেবনে প্লীক। ও ক্ষমন্ত্রপদিক নেবা ও শতীর পাতৃর

  ইইমাবাওয়াইভাগি বিদ্রিত ইইয়া থক প<sup>রি</sup>রকার ও কৃত্রি প্রাপ্ত ইয়।

উক্ত ভিন প্ৰকাৰের প্ৰভোক ঔষণের মূল্য প্রতি কোটা ১২ টাক: : আবিশ্বান :— আতঞ্চনিত্রাহ উল্লেখ্য

২১৪নং বঞ্লাখার খাটি, কল্কিছি ।

## কাবরাজ শশিভূষণ কবিক্ঠাভরণের



নকাখনের স্থাবধার অস্ত ৬ আঃ শিশিতে ঘনীভূত অবহার ছোটবোত্থের সমণরিমাণ শ্রীবধ ভাকে পাঠান হয়, ইতাভে ঔষধের কোন বাহিবস্তন করা হয় নাই। সুলা প্রতি শিশিয়াত আনা, পাঁইটালিত আনা, বোকল ১০০ আনা।

অফিস–১১নং উল্টাডাঞ্চা রোড, পোঃ শ্যামবাজার, কলিকাতা



ষ্ট্রকার কর ও বাঞ্বিকার, ইঞ্জিয়শন্তির প্রাণ, ক্ষাবে ক্ষাপাক, বহুকার, হাবাংগারা, তুক বন্ধ-ক্যাবি, ক্ষাব্রা ক্ষাক্ত লক্ষ্য বিভাব ক্যায়োকার । বল, বাবা, বেখা বৃদ্ধি করিছে ক্ষান্তিকার ইবিকাঃ ক্ষা ০০ বসী ১. এক চাকা।

শ্বপৃহসক্ষাৰা বি হাত"
পুনৰ্গাৰ বেংল বাহুৱাৰাৰ বাৰা বাংৰাস
প্ৰথম প্ৰিলাগ কৰে। বুলা ২ বোলা ২, টালা।
শ্বেমশে প্ৰিলাগিকনী অভিকাশ বিধানাৰ কৰে সংবাদশক হানী ব বৃদ্ধি প্ৰথম অভাগ্যান বুলা ২৬ ঘটা ২, বুল টালা।
বাহুবৈধ নাম্ভান্ত ভালী, ক্ষেত্ৰভালী।
ক্ষান্ত বিধান ব্যক্তি, ক্ষান্ত ভালী।

## शहेरफ़ानिन

বা

## কোষরদ্ধি রোগ

ভাঃ অস্, অন্, খোষ বিনা অন্তে, বাংক্জীবনের গ্যারান্টি দিয়া বৈদ্যাতিক কাণাগাভে কোমবুদ্ধি গোগ আবোগা ক্রিয়া থাকেন।

> ঠিকানা---১৮ নং কটন ব্লীট, বঙ্গাজার, কালকাড়ো ১

## ५ भूमाध

निक्रणूरण्ड जनार्व सर्दोषयः > भाकात्र केन्यम्, नशास्त्र जारकार्यः। 🙉वि ६० नात्र जाता, वक्र २१० जाता । यास्त्र जुनक्।

## ং। শুক্রাচার্য্য সঞ্জীবনী পোষ্টাই

কামেন ও ব্যবস্থালয় এক্ষাত্ত মহোৰা । সুৰা ১ ছিবা ১:০ আলোর সংক্রম পুরস্কা

৩। সম্যাসী-প্রদন্ত অর্শরোচ্যের অব্যর্থ আংটা
ভালোগ্য না কল্প বুলা কেবং। বুলা চালামান মারুল পুৰুত্ব।

8। কোন্ত-বান্ধব পীল

चनीनं, ८ विकाशः, त्यवेदनक्तात मदशेषम । किया ह - चामा ह मा क्रम पुरुष्

ৈ বাতলীন

বাজরোগের মহোপকারী ও সপ্তাতে আবোলা। প্রতি শিশিও আনার মাজল পুণক্ত

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তুতকারক। সহব লাটালগের আছ পত্র লিখুন।

व्यक्तिम-मदनादम इन ब्लरदब्रहेंबी

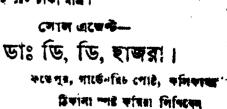
(भा: उपाती, कमणाभुत, छाका,

## মনোমোহন প্রেস

পূক্ষ বাজালায় স্থলভে সকলপ্রকার ছাপার জন্ধ বিখ্যাত বৈদ্যাতিক মেশিলে দিবারাতা কাজ ভলিতেছে বিশ্বত জানিতে হইলে নিম্ন ঠিকানায় পত্র লিখুন ম্যাবনিজার—মনোমোহন প্রেস, ১০শং শ্বাবপুর, ভাকা।

## মর: মানুষ বাঁচাইবার উপার

বিদ্যাল অভাপি প্রাকৃত মনা মান্তব বিচারবার জ্যোল উবদ আনিছাত লয় নাই সালা, তথাপি বালায়া রামারিছ অনিয়ানত উপারে অগতিমিত লাজ মই কলিয়া কাছেন্দ্র মরা কলমা কলিয়াকে অগতিমত লাজ মই কলিয়া কাছেন্দ্র বাড়ুগাবিলা, আয়ুবিক প্রকালো, বহুসূত্র, প্রাক্তা, পার্থক, সংক্রান্ত পীড়া, অল কবং প্রীলোকদিলের মধ্যে বালা লাধক, বন্ধাা, মৃত্যবসা, স্থাতকা, বেড ও রক্তরেল, কিছিলিয়া ক্রেড্রান্ত বোগে ভূলি। জীবনে নিরাল কইবাছেন, জালার আর্থিত বোগে ভূলি। জীবনে নিরাল কইবাছেন, জালার আর্থিত বোগে ভূলি। জীবনে নিরাল কইবাছেন, জালার আর্থিত কালিউসল ব্যবহার করিয়া বাছিছে পারেল, ভালার লভ সহল ক্রমাণ ক্রান্ত বংগলেই পার্যা আর্থেলা রুম্বতে । বালারা অন্তান্ত বহুবিশ উবদ ব্যবহার ক্রিয়া আর্থেলা রুম্বতে পারেল নাই, ভালায়া অক্রান্ত করিয়া বেশুন। এক মানের ব্যবহারোপ্রাক্তি আক লিন্ধি ক্রম্বত ভালাক্রা মান্তা





四四百四

PARTICIPATE EXS. Marte.



神(京代刊信) 東[在 व्यश्चिम (मध्र । নামিক 🗽 वाणामिक व देशभागिक २५० भाश्यक ५० +151W खि : : भा ता

マンカンカイディ

मन्यानक-शिक्षे अस्ताथ वर्ष्णायाय, रामा स्वाउन्याह **७**छ ४७ ो ि प्रश्न मेर्शा

**নাট্রেড্সাল্ট শ্রেল আরাপুর ১ই** বৈশ্যার্থরার ১০০৮, ২১০৭ শ্রিল, ১৯৩১ (

## নানা কথা

## ফরিদ ুরে স্থভাষ্য ক্র

#### का छिनमान

अ अ अञ्चल कशिश करवक भन्छे। तिलाम कश्रद नव अभिक्र समाय प्राप्त वा वापा त्मरमादियाम करण छैनिवित्र रम । दम्बारन মিউলিলিলালিটা, জিলা মহিলা সমিতি. काञ्च, यूनक, कराशायक्यी अवर वानक मुख्यमार्थस लक्ष क्ट्रांड श्रीकार चा क्रम्पन न्य (ब क्या क्या । जाडे केनावरण व्यम्स्य) रभारकत किए एखनाव बार्टित मूल विश्वीर्ग Creca Stots व्यक्तिस्मात्मक कार्या क्या क्ष्याक्रिया । स्थ-निनिम्बर्भार्ये मन्द्रत्व क्षाप्र मक्राके केनिवित क्रिशाकित्या --- भावता शहरमा मृश्या क्षेत्रशिक्य व माज्यक व्यक्तिक ।

अक्श चिम्पान गर्छहे अक्षार<sup>्</sup>रकर व्यक्तिक विक कार्याय क्षेत्र क व्यवस्थित ellen I minse toe balle anid ben भक्त **प**िन्सलेन प्रकार क्रक्रशास 1 1-12 2 SET

#### অভিনন্দনের উত্তর

किम्मरनिव केव्हर्य अक्षायत्य यरगर---**मक्क स्मरण भूक्ण पूर्ण त्या (स्मर** मणा--- अक्षाप्रदेश अवश्यातम् अर्थः दशक्या । दम भामञ्जन त्यविन भागिण तम विन भागाय-निकरक किनाम ख आार्यस्य नव उग्न क्तिश कामि क्यामात महात्न हृष्टिनाम ---- दम्बिमकाद श्वृष्टि व्याप्ति कूल नाहि ।

रमहेशिन व्यास्त आधिक आधि WEINTS ASIENE INTYCO'S I WITH मात्रा विकाशः कृषित्व भारतमः दक्त का्मि करे निगरमधूम ६:६५व भरन ना

# ফারদপুরে স্থভাষতন্দ্র

ক্যান্সার রোগের নলালিয়তে উষধ

# গাণতাত্ত্ৰিক স্পেন

**নেয়ার মার্কেটে**র সপ্তোহিক নিক্রা

# কাপড় আনদানী স্থাস

ভূতপুর্ব্ব স্পেনরাজের মূত্র লান প্র ণ

# চিত্রগুপ্তের নিকাশ

कतिमभुद्रत विविध मरनान

वाकृदिगाम। जनस्य स्थामि जल्हा কাংশ, আমায় ভারতের গৌৰ খপ্ল काशित-कामि किल्वाम, कामार म ভূমি বি**রেশী। শুম্মণ মৃত**। অবংবি विक्ति दम्हण्य द्वांश्वरवत्र श्रम्भागात्र समालीका व्यामान की बद्धक योग द्वारका **এ-প্রথ ১কল ন**েও **৬ছ হবে নি**ইনর প্রেশ-বাধীকৈ আহাৰ কান্ত্ৰা স্কুল করিছে स्विधितक व्यापि पूर्गी बब्द क नाति ।

## অংকির ভাগ্য-নিয়ন্ত্রণ

ি, <del>ুক্সালগেরাই</del> ,গক্তা জাতির দাস। बिक्क्ष कविशादकता मुक्त देशांनेत वर्ष मार्गिकिम दहारच जा लगा क्या । त्य चुक्कका वद्यम किमि कनाइद्यान, दगादक **७५० कामारक भा**रता विकास मामरकत देशक एक जीवारक निशीधन कविवारक,

o: .: ... -tile 193 45 "" ◆使用基本的规则。 ● 6, 1, 6 etes es las electra 1991 . 4 7 % reline offere minusce and of e, 📆 Mich oferits 1

#### मार्गि भागान

कारकात अधिक रक्षान्यम नहीं। **कश्चिद्राग्य के.शब्द कार्या करान पूर्वा** मश्क्षात्म करण अस्मात अस्तित ।य अस्मयः ष्टारेग व बाज्यास्थर्न कोल्बाइन कार्यक

जार भारत पुरुष निक्ति काच तक भिरमक् Stiffer of the signer out of the to म .नार अविकार कर्यास्य कार्यास्य शुक्रत n me france tell with after আহল। লাহী ও পুষ্টোর সংগ্রিত Tigin his early wishe hits 기·미디(ㅎ 쇼타이 '4일 이)) 1

#### ছাত্রনের কর্ত্তন্য

के जो मेर रक्ष के बेश्विक र व नाहार जा. ीर्वादिका हो। इंदेक्ष भाष्ट्रा भाष्ट्रा सन्द्र नाम नामान राज ियान त्रांग अञ्चलान 体外表的 自然中枢 (4) 1 (4)公司。 斯爾達布 कारकता क्या नाव अन्तिह दश्या का कविटल मानिया शास्त्रन । खन्नण कारत्वः অতাৰ লাই। মাচ্ছ্মির ফেবার ধ্বক-(मरहाशा स मालि गाँह, हरा विश्व The same of set the second in facility पुंच्या प्रकारक दक्षापा । कांक्ष कोद्रवाद बंदा भिष्म **का**र्यमन क**्र**मा

### পালতাত্রিক সেন্ নুত্র গ্রহ্ম নি:য়াগ

्रमा नव नुंग्न भवत्वा या छ। न स्वानाः 今門司。 東京 野門 一体100米之物的 。 一对证明 अध्मदलत भूत्राक्त इत महार्थिक अवस्त्र मिरारको प्रदेशको **करा कडस**हरू छ। ५५९ ज्यु कह भागमा कियुक्त कामा बहेदगरका है

१२७ असम्बद्धारी पर है ५० 不可行 医细胞管 有行行的 自己不能一 書(中) [in 対t 中 写 如 Sin Act カン190% (

#### माध्यम मध्य स

कर हो अल्लास केंद्र शक बहरक मेंख करकक्ष ६५ वना व्यक्तांद्रक क्षेट्रव । "भिम (संस्था" ष्य: लोश: नोहोत हो ,खायक्षते । ए उउँ ने प्यास्तात कार्यगावनी म्यादनाहना व्यक्तात्रकार्याः व्यक्तां व्यक्तां व्यक्तां काला- । किला कि कार्य मुक्त व्यवानीहरू काला करें कि भारत, कार्श निर्देशन करियात करें है है गाउन है श्रेम किया मिला प्रारंक विक्रिय विकारणात छिल्ल छाए द्वालशा नाम करोड मञ्चावनारे व्यक्तिक । बहेदन। क्षांकारः ७ म्म स्म काहित्यत मत्या दिटला है दल्ल कहिटतम ।

কারণর কাড়ীয় বাবস্থা পরিষ্ণেত निम्लाहानत वरमावक कवा बहेर्दा अभछ भागवानीत्र (भाग न्ध्रातारमञ्ज समिवदेव C4 44: 2824 1

#### গ্ৰহার মিয়ে।গে ২ † শব্তি

भूभिक्षण जीवर अवस्थाद्विक अन्तर् मत्त्रा अकृत्भम तस्या शाम्य र १७ । अतः का क्रिक गर्गामके सम्बद्ध सूच्य शामद नियक कांद्रशाक्ष्म, फार्शासन श्रांक आधिक-सराश्यक्षे सरकत्। स्विति सराज कालीय সাঁচতি প্রশাস্তালে আভিযান জাণ্ড क रेक्साइक रेक

#### পুরাত্তন পাপার নিচার

कुश्युक्त नामान प्रद्वी उन्नगातिक ८१८ अर्थ भूकापन कर्टन नाहे. कार्यास्य किमि बाद्य-ग्रार्थित करितार्थन । हरात करन भूबायन भानीत्मत विकास स्विधाः। क्रमारका स्वरं पदर्गदानी द्वा श्रुताबस व्यापनेक्षीरमञ्ज्ञ मकारन कार्यका ।

दान्त्र विकेशनिमानाकित अवनुद्रकाम ब्बदर देशका च भूर्रवादमात माकादमा । ब्वव हिं रशामभाग स्थापंक करवारक। श्रानीय कारोय मानत unitest ख्याव क्रिक भारत श्रा • श्रा था। १वः करिएक उच्च कर्माक्ट्या यह प्रेश्चन श्रु क्रिया CH 401 04 4)CB 1

#### क्यां है। दला नियात (भारत्यां भ

कि कारिश्लानियाय मुन्य (भाग-द्यां रहेशा स्थिएका स्थाकात स्थान यागीन कार्के यहत भग-त्र ,वायना कानशाक, वश्व गणांका डिहार अ.इ. भारत कारीय समाह तहना काम्याट कार माजिए छ। सारमंत्र शक्त हरूट काम करियात मध्य ध्येष्ठम व्यवस्थित्याथ प्र गम्हान कित्रमात्क ।

#### ভেডপুর্ব স্পেনরা:জর মৃতন নাম গ্রহণ

কাজ: আল্কেডিল, এখন স্লারিবারে न्धारित्रात यक दश्राद्धांत वास करिएक-CBA! चिमाय अतिक मर्गक अंतर महाa furge fer obrecht aim wat कार्वाद व गांवण देवना करान सा। करवाव शक्त कराक किर्मिखाद विकेश नामान--व्यानका.का. दिव करियार्थन (स. काकांक লোৱৰ ও মুৰ্বাজি তিনি সম্পূৰ্ণকাংশ भतिष्ठाश किंद्रवन । आभाव भः विन फिन्न अब .छ। जिल्ला नाम अवस करिन

साम क्रांबरन, काका अवन्त विशेषक किन।

#### ক্যান্সার রোগের নবাবিছত প্রয়ধ

मजन सम्माङ। (मञ्च छा: हैं। म नाममाजन काानमात दर्शाम ककि व्यनार्थ मिनाम व्यातिकात कतियारकन। शिवाम भरीरतत चक्र छिश्र महे नां कतिया मभुटण कार्मिश्वर हिन्छ बहुत । आदिमति-कात कानगात गरकीय मागिक शहक छ।: लागम्दरम लिथिजारल्य (य. लक्षक तिक व्हें के मिटाम कहें। कावा बाता किलि कार्षक छित्रद छ एटक क्रांक्य क्रान्यात शर्म 🗷 🗝 विराय शाहित (७०) । 😘: টমাস আমণ্ডেন বিশ্ববিত্রতা লিকা लांड करिया कड़िलास छ दिल्लाम कान्ति-প্রিব গ্রিস ডিবিৎসা ব্যবসায় করিছেন, কিছ ভগাকার উল্লেখ্য ছাড়িল কি:-िहात हैन्त्रिकेटिके व्यानमान करना अ १ कामनात कार्यक मिक्राम आर्थ-কারের জন্স গণেষদা করিতে থাকেন। वस्तरात किलि मधन कामणीशासक का नगत रियार्क , नगद्र विदेशिक काल ataceta-11

#### কাপড় আগদানি ছান

ए'ड काणका आध्यानानाह सर ५5**८**व ক্ৰিয়াতে চেচ কেটি ২০ হক্ত প্ৰকাশ-८५१ ४८० २ ८०१७ अब भाग काल पान है व्यानभानी बहार (इ. ) मुना कुरायत श्रीतमान । कदिए अन्य । Satistes am binin men nich oc 97 5:41 1

## সেহার মার্কেটের সাপ্তাহিক ালক।শ

ग्रह मुखार वाषात खहास निकार

क्षारक कर् क्षेत्रिकश्चारक । का क्षेत्र सत दर्द् द्रिक्षां क्यांट्रिक । कामावदाविक দর ৫৪৯, পর্বান্ত আগিয়াতে ৷ অক্তান্ত সকল দেয়ার দরে নানিতে আভ efentes !

कश्रमाध बनिव अधितत गांच पूर्व गर्जिन्छ क्डेशांकिन। अन्ति स्वयन नत्तकः, ७ द्वाविशोध वद यथाजन्य es:१६ण। माडेण कार्यामण्डाच हादिला Coराविक हरे। ্বশ্ ভিল ও দৰ কৰ্মত পৰ্যাক্ত এইয়াল ভবে তিনি কোলায় পিয়া স্বায়িভাবে চিল, মঞ্চপুর ৭৪০ পরীয়া কাল করিয়ান

हा वाशास्त्रव दमबादवक छाविया दवनी নাই। ক্রেডা অপেকা বিজেডার সংখ্যা ्रा द्वनी क्रिक्त विवास काळ सूत्र काले क्षेत्राकिया । विश्वमा विश्वमा के संग्रह्मा 1 1

दर्भाष्णामीत कांश्रक्त एव कांश ভিনভাবে ভিলা কেবল আৰু সুদ্দের ভাগল নামিতে ভ্রম করিয়াছে।

বিবিধ কোম্পানীৰ সেহাবের কাল त्यनी क्य नाहे। क्षादम्य मदशा हिन्त-दिशांण भेषांदिकत सक २०७৮ भरी। स Denfen !

रंटः कि के दगवादमत दनम हिम्मा fon i bim tenaffa 'n bt. fi. केटलक हिंक दम्बारतक मन राम रक्तकी। চিনি গোৱাবের ক্ষিত্র কাল চকরাছিল। हर्ती क्रांश्यातिक काळ ३०- ् शर्य ख रम्याकिन। दनज्ञन दक्षिकशास्त्रकाम २०१० श्री**ा हरेशकिए। श्र**ामरक्ष्म বোণের দব ৩৪৫ লার্ড চলর দিল में खतान जात्रका क हिएनत बन्न दर् भगास क्टेबोकिन । हे विश्वार देखे Cआकार्केश्वर मन ১৪ · প्राप्त कहेशकिंग मक्स स्मारक्ष ् पर शांत्र अवस्थात हिना

#### ফরিদপুর মিবিশ সংবাদ किया कनकारत्रक

क्रिमा कन्छ। दशकाय नय व्यक्तिमन যাতালে সাফলাম্ভিড হয় নেজন্ত चारायेमा मुमिडिक गुरु। भूत पुरा ८५%।

#### নিচারে ম্বি

त्रक ১৯৩+ भारत्य **क**ुन मार्ग्य व्याथम कारण जीव्या अधिका शक्ता काम्धियात्। कतिक्षाद्यात कत्तकसम कर्णाम अभावितादक विकास मनद मान्धिकमनाम अभिमाद्यत आवामदक পার্তকলের নেরারের দ্ব পুর পাছিল। বিক্র হোকল্প। কল্প কট্রা ক্ষিপুরের াংগ্রিক। আগানী সপ্তাহে ব্যক্তির অঞ্জন ডেপ্টী মাজেটেট নী: গোলাম अन्छ। अन्द्रक छ्राम व्यवा गाँएत्य। कविर्देश कामागरक के आक्साब (माक्षमात्र नामी निहाद एस। অমুণ্যচন্ত্র সুখ্রদয় বিভিন্ন আলালডে विভिन्नतान के कि कविशाहक विनश महत्त्वाव शक केळ कामणा कृतिभावत विकास मिला! माका मिकादि चिक्तियारम मखिविधि चाहरतक ১৯५ बादा मटक स्माक्तमा भारत्व करताना जाभाषी शंक्तित प्रशास म : के माधना विहादश्रम अन्तः शासनादी ৫৮৯/ ০, ৩৬৯, ১৪৯/ । ও ১৫ । পর্যাস্ত্র সাবভিভিগনাশ মাালিট্রেটের কারালতে कृतिकश्रास्त्र अविवास केंद्रिण क्रियुष्ठ कात्मावमाथ काम धार्म आहर्ष ध्रम्भन के किन व स्थापन के महनामी भक्ष नम्बन स्ट्रम् अष ३०१०,०३

Gifred cum miffer Belle Bochamen शाबर्गाकीय नाव विकितनान मासिट्डेडे केक दगानमना शरक्षणकर्दन आहेन चामाळ चारमानरमह महिक मर्जिक वाकाव षामायीक बालाम विश्वास्त्रम ।

# চিত্রগুপ্তের নিকাশ

#### কলেরা খাডে

व्यादिन चावा विकास किर्मा किर्मा ष्मध्यात्री त्मभा यात्र दय. ১১६ व्हल्लिन दर मुखान दम्ब क्रेब्राट, खेळा मुखादन काल-गाव विवामित्र नक्षि (क्यांच करणवार्श मुकुर मध्यत वृद्धि शहिवादक ।

পৃঞ্	मशुर्ड :	41	टगांठ। मन्त्रांक
46nta	*4		<b>৮</b> ٩
हशकी	•		**
२८ श्वर्णा	49		6.9
ચૂળન)	44		٠.
কালসাতী	¢		43
<b>थावना</b>	224		-224
देशयम शिक्ष	9		(45
বিপুৰা -	9)		81
(मार्थाशाणी	>		>5
मृश्निवानाम	•		¢
ि प्रशि	পিক্ত ক্লে	ण:1 <b>नम्</b> ८७	मुद्धा मरमाः
क्षिश्राटक ।			
नभी स	6.9		50
<b>नै(कू</b> क्)	> ₹		•
<b>ં</b> મળિની পૂર્વ	**		6.
•। ७कृं।	3)		₹•
क्षिकाश	4 •		**
বংশ(+য়	>>•		80
gt+1	***		2 4.3
क्षावम भूष	42	•	4.8
ষাপরগঞ	4=		•
<b>មន្តិ ស</b> ្រុ	•		47
		author proper	

#### वज्रष्ठ पाटक

ব্যক্তে নিয়াগণিভ' জেলঃ সমূহে wown uint finice Giela feria :--क्रिकाला---१४, कांब्या हर, बह्मान — >e, दे!कृषा—>>, स्पनी क्यर अक्षपूत्र -- >, २८ भन्नगणं -- ৮. स्मिनी गृहे करह देशयनशिरंदक व अस कतिया. कृतिविश्व. एंका कवर देशावावांनीटक श्वम कविया। मगोता, शालगारी जन्दे भागपट > अम Pfuni i

हेमक्र दश्य ७ दश्य क्तिकाकाव बार्लाहा नहारक के प्रदेशकार ४ मन जन्द (सर्व ३ मन min finice

# कि विद्यान देविकिएक क्षेत्रच। हेटन

# প্রভুপাদের বক্ততা

( > ) গভ ২-১শ চৈত্র (১৩৩৭), ২রা এবিল (১৯১১) ও ফ্রার প্রভারতে **ँतियम अनतारहः ८**गोत्रश्रेष्यक्षी श्रीमाम-यात्राभूत-द्वाभभीदश्च मः नश कित्भोतक (अव · अष्ठे विक देखनात्रायण धर्माणाचा "शकूत **क्षानितान-देन्छि। के**हें "अत्र वात्र कें ग्राहेन चैनगरक क्षणी विद्राष्ट्र गणात व्यक्तित्वन ण्डेबाहिण। এতদ্বিধ্যের সংক্রিপ্ত মন্ম **मरीयां-धारुटिया १** शहरू ११ हेळ: पूर्त्स्हे

সভাপতি 🕮 প্রভূপাদ সভাপতির শাসন হইছে যে একটা বস্তুতা প্রাধান क्तिमाधित्मन, नित्य छ।शावदे हुनक একাশিত হুইল,---

व्यवगढ व्याटहरा।

#### শভাপতি প্রভূপ।দের অভিভাবণ

भाभना (व कार्यात क म अप्र ८ थारः नमस्य ह ब्रेट्सिक्, त्न कामाजी इटक्क - ७.४ जि व्यात्रिक निका-व्यक्तिन উत्याहन। भिका-- छ्रेअकात । एक अकार निका-দারা লগতের কার্য। প্রচাঞ্চরপে অফুটিভ म'नाम सरमान जेनाहि इ इस ; व्यनत-नाटक আক্ত শিকা বা পরা শিকা—না' কেবল-স্থাত্র স্থান্টের ক্রেট্য স্থান্ত্র নতে, ভাস্থারা अभित्यत्वाख्या भागा प्रा

मूखरकार्शनिवर वरणून,--- विका कडे 24 TH : 工事出年17--- 4年。 7月7 यक्:, भाषता, निका, कज्ञ, वाकतन, मिक्कि, इनः, द्वारांक्य देखानि। **রে-সকল** বিভার ধারা বহি:-গুড়া-**क्रांगिड र'र्स कारा कर्यात छ**हे छा करवा चित्रिक मण्डलाय हेशात्कह **'विशा' मारम**ं व्यक्तिहिक क'रत्र थारकन । क्षि अंडिय बागिएंड दबब एक शास्त्रा गांत्र, --- अव भन्ना वदा एएक त्रविभागाएँ ।"

व्यभेष्ठी विक्री किछ मगरवत प्रका कारक नारम : किस कार्रिक दात्रिकारन कार गत मुख्यामाँ मेहि। भेदरनम् भटते पूरत् थाकृक्. धारे जीविककारमेर्डे देखिरवर्त अक्षियाङ অধাৎ অক্সাব্যতা হ'লে পুনাজিত সপরা विश्वात निर्मुण्छा 'कर्तन मनगर निर्मार्थक मद्र नाष्ट्र। अन्त्र जनेत्र खे नदात महिल "मधर" के कि के कि हैं। जन बाबल'ड बद । जानार्क क्षेत्रीमिकित कह नगनार्क व्यक्तित नाज वीरकने। जैनेनन जन

# শ্রীপ্রক্রিপ্রের জয়তঃ

# দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

# নিত্যপাঠ্য বৈকৃথনাতাবহ

বেদাদি সমস্ত সাহত-শাল্পের অকৃত্রিম ব্যাখ্যাতা সমগ্র ভারতে একমাত্র মূপভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

শ্রীলাম মাহাপুর- ১ই বৈশাথ বুধবার- ১৩৩৮

অভিবাফি হয়— সভাতা ও **সামাজিক**তার প্রার্থনীয়, তাঁরা অপরা বিভার লাভকেট की'द्रस्त्र मांग्रा मदन कदतन । किन्न माञ्चरात খুব দুর্বশিত। আবশুক। বৃহদিন পরে যে শমসল উপস্থিত হ'বে—ভিন্তিতে যে সকল অফবিশা উপস্থিত হ'তে পালে, | তজ্ঞানুষ্টিনম্পন হওয়া আবেশুক। গা'র: 🖯 মেকপ স্থারদর্শী নান, মেরপ ক্রিজভা-वानी स्वतं मर्ट (कवन चक् माम, गङ्कः প্রভূতির এলোগে দাধারণ দিখা আবগুক विश्व छेश्ये निरुष्टारफरन डिझ फल का

শভাগমাঞ্চ সভাভার ক্রনিক উল্ভি-সভাগের সংঘরে মানাপ্রকার সমভার একটি চুচ্চা পরিবতন্ত্রীল, মপুর্টিট সাম্মিক স্মাধান প্রভৃতি বিংহে যে স্কল্ পুঠভঃ অপরিব্দনশুল্ভু একট বাজি প্রদূষিতা আভ ক'রেছেন, ফার্মাদের বর্তমান অভিন্নভার হারে অপরটি অতিপিরতে বরণ করতে গারি। বিনি অংখাচাচ भै नक्य बिछाडान क्या नामा, छिनि শিক্ষাজ্ঞোত দিন দিন উন্নতির গড়ে ্রাৰিত হচ্ছে, আমরা মনে করি। शासिनाः चामापिनाक चनन ७ सनाउत ममक्रकामी व'रक मरन करत्रन; किन्तु আনমনের একপ শিক্ষানারা, এরূপ অভি-कारनत की हैन अवन जानानी ज्वर अजि-কৰা । অনিভা শিকা ও নিভাৰিকা

विषय के'रन ना ? **८क्थन भन्नकार**मत প্রবেশ লাভ গটে। এইটুকুই মাত্র গ্রাদের 🖟 অভিজ্ঞানে সাময়িক শিক্ষায় শিক্ষিত হ'ব তদারা উদ্দেশ্য বিদি লাভ ক'রব---এরপ বিচারে আবদ্ধ থকেটে কি মানতের **मृत्रम**िंदा ৰুদ্ধিখভার প্রিচায়ক গ মম্ব্রজাতি দার হন্ত খুব বাস্ত, দেই বিভা, আমাদের কোন একটি ইন্দ্রিয় প্রকাষাত-আন্ত হ'লেই, নিকাপিত হ'লে পড়ে। এছার উপনিষ্থ ব'লেছেন, — " अथ अता यम अनकतमनिश्म ८० ।

# লাভাপরিহাত চিমায় বাজ্যের উলগোগী। 'নেতি' বাক্যের তাইপ্র্য্য

শ্ৰু প্ৰক্ৰেন্ত্ৰিক কণের জনম যে-৭কল ওল্ব-বিষয়ে অভিয়ন্ত। বর্ণন করিয়াছেন, দংগ্র—'লে বার একার গ্র-कां छ के दिए छन, छी दिन स्वरंभकन कथा है केटल, भू केटे कर भू क्षा सम्वाकाश्वासक, जिल्हा क প্রথ কর্তে পার্লে অর্থার সভাভার বিচ্চ, সচচতচচ বিষ্ণাং —রামার ওইটা ক্রা উভিলা-নাভাতার ঘাত-প্রতিঘাত - বিশেষ-একটি মুর্ব, অগ্রটি মুর্ব (১৯৮) া স্থিতিশীল—ভারি -দুট্টিগোচর যোগা , कारमत मृद्य ८४ मकन कथा अवन क'रत व्यापति । यर- भागीत-नावि स्था-আমরা অন্নায়াদে স্তদুর অভীতে কালের ট্রিশিষ্ট); একটি দং 🕆 চিশের বস্তাচশে সভাতা, অভিজ্ঞতা, বিহাৰতা প্রভৃতিকে ভাষাণিত, তেইলপ বেলের গোলা : ( মনিদেশ - প্রভাগের

মন্ত ভেল: এই শিক্ষ বা কীর্তনকারী, মার যিনি অভি- স্থল ভূত এংগর অভিড প্পাতঃ দৃষ্ট এয় ৷ জতালাভ করেন, তিনি শিকাকারী ব: আকাশ অতি হল নিরবয়ৰ সক্ষর।পী শ্রবণকারী। এইকণ মভিত্রভার কীকৃন- বস্তু। হঠাকে কোন বিশেষ বস্তুরাণে শ্বণ-প্রেণাণীর মান্য দি'য়ে কাপ্তিব ্টিন্সিয়নির ছারা অঞ্চৰ করা যার নান বাযুও হাম্বাহতু কোন প্রাকার খন্যব-विभिष्ठेक्ष्टल व्ययः इति विश्व इति सा। ইহাতে উনানীন হ'লে সমাজেন ওভামু- বিভারাং প্রথমেই পৃথিবাটো তিনটা তুল वाष् । आकामरक छोहात् शरिनेता

মুগ অবস্থিতির হেজু বলিয়া শতি উপদেশ **করিলেন। জ্রুতির** এই মক্ত্র বাস্চ্যের व्यविवास मादावानी मुल्लानारात गहि छ षांगालत दकान महतिरत्तां नाहे।

রহদারণ্যকোপনিধনের তৃতীয় ব্রাহ্মণে: त्नित यह वारकात छालमारान वन्त् अहेब्राह्म শে ঐ পুরুষের রূপ হরিদাণপ্রিত বস্ত্র ममुन भी ह नर्व ; य नाकि देहाँटक आदनन, ঠাছারও এক করাশীক্ষত বিহাতের ভাষ উচ্ছল ত্ৰী হইয়া থাকে। কিন্তু এই**টাও** ভোগপ্রদ; ইহা সর্বসম্ভাপহারক নোক-প্রদানতে; মোকের জন্মই ত্রদানি আলার উনয়—অভথে জড়ি ব্রহের গোকপ্রার ক্লের বর্ণন করিতে তার্ত হইমা ব*্লি*তে-ছেন;—ঘণাছে৷ আদেশো নেতি নেতি হেতমাৰিতি নেত্য**ন্ত**ং—প্ৰমন্তাৰ ামণেয়ঃ সভাভ সভামিতি ৷ আণ্য বৈ সভাঃ ; ভেষামেন সভাস্।" ৬॥

ইচার অর্থ এই বে:--''ছাড্:" ি অভাবে মৃতামুর এবং তৎসার্ভত প্ৰৰ স্কলের কামও ভোগতাৰ মাত্ৰ **গুরুলতে অর্থাৎ মোকপ্রেদ না হওরা** েড়া, 'ভাগ' ( = মতঃপর, একোর পুর্বোলিখিত রণসকলের এপনার পর,এই-कन) "एनडिन्। डि\* ( = **रेश--वर्श**र েই প্রাস্ত বে গমত রূপ বনিত হইয়াছে टोटा बाजा भट्ट, केटा (मादा) नट्ट; ·'हेडि कारमनः" : हेडाई बरमन चन्नन निर्फिनक क्षित्रक ग'का)। **८३ "त्मिक** दमिकि" वादकात जारत्रया धरे त्य, "महि ভেমাৰ অভাং পরম্**অভি, ইভি ন** ( লঞ্পাবং রজের মূর্ক মূর্ক যে সমত ক্লপ বলিত চইয়াতে, তাংগার পত্র। তাহা ইইতে শেল । (এই আং পরং) ক্রের বাস কোল ্যারপুন:ই (অভাং ন অক্টি), ৫মান নাটা হাতি ন ) অধীং ধনিত সক্ষ দ্লপ হইছে यस (र এक है (शई ज्ञन चार्ट्स, त्महे हिंह তক্ষের স্বৰূপনিৰ্দেশক শেষরূপ। "**কথ** নামণেবং সভাজ সভান্" 🛥 মাভএই ইহাই (পূৰ্মপাদে ৰণিত) সত্যের সভ্য নাম ধারণ করিয়াছে। "আপা লৈ শতাম্" ( – **পাণ্ধকণ ও শ্ভা-নাংখ** আখ্যাত ; কিন্তু ) "তেখানেন নতাং" : = किन्न हेर्रास्त्रत मछा : मात्ररह ) ५ है সব্ধেশন বিশিক্ত ক্লপ, ইহা সচ্চ্যের সভা।

छेतिथिक नाका निरम्भक एका नामाक विक्ति मात्र-एवे ता. पूज ६ एम् छहै स्टारम्हे अरभात दिविभाग भ्केतन धनः | इहे । अवर वरमायन्त जनमान तरमावह सन কিন্ত ভৰতিন্তিক "সভোগ সভা" **নামে** অমৃস্তরণ বলিচা প্রতি বর্ণন করিয়াছেন। 🖟 উচ্চাব জল প্রেচরণও আছে 🖟 আর্থাই एके छेन्द्राहे एकिन कलिए सहा भूकरात न्त्राह अन्यानी रहेगां का किन का विकास क्राप्टा-िकाफूरण करित्तार गर्दे कि एतम । मुखबानीय, ये शुक्रानंत्र मन्द्रमान वर्षमान वार्ष्टकः स्टबार संगर्दकः लार्टि देश्राम्ब अविष्य निक्रमिक स्त्रत, जिलात क्य प्राप्त प्राप्त प्रमित्र विका वर्गमा 

কোন মন্দ্রহাইতে পারে না। ভণবান নহটতে জেট অন্ত কেনী দ্বল্প ওালার অমুক্তন হ'ত করিনাছেন,—

"आहरे छन्डावदर वि ध्य निरम्भ नि, भरता ব্রবীভিচ ভূর:।" 🔁 হ: হ: ০য় জ: **२**णा २२ ४३ ]

-- অর্থাং **"নেক্তি নেডি" ব**ংকো যে প্রতিরেধ উক্ত হইয়াছে, ভাছার লারা **ভ্ৰে**জন সুধ্য ও ক্ষা রূপ মান্তম্প্রত व्याहिरना कता इहेशाइह कारीर पू.वं त्य अहमत भूकि भूकिल सम्राक्ष नमा इहे-শ্বাচে, ভানমাত ভাছাত,---ইলা নচে। भूक् यूच जनकत बरवत्र 'ल्टकर'द्वे नाहे' এই রূপ ব্যাই যে 'নেডি' বাকের অভিচেপ্ত নহে, ভাষা উজ্গতিৰ ফেল ∤ মূৰ্বিণ <sup>4</sup>ন জেডআপিডি নেখেলং প্রমতি है हो जिल्ला हमत व्यर्थनाता मर्गाटे शिक्ष हम ।

পুলাধ জ জাতিবালো সোটের উপর। इन्हें व । हर्वाटन तम सुर्वास्थ्रतन वार ए অংকের আর া কলে নাই ভি হানতে, ছুল · 學問意志(語) 新州台 中 4 招 南江區。 Cir (4:5 रिक वाक कतिवात क्छार) १८ वि. ८ व व व महस्त्र व्यवसंत्र । सुर्वासूर्यः | स्पार व विषय वि. ह खल्पर धरंकात कता के अंवारकात छाए- | महे. १०४ हे में ' প্রা নতে। উক্ত জাতিবাকোর এই আকার ভাষপর্ক অবলোক্ষা ক্রিয়াই ব্রফিড চরীরা হচের ঐ পে কার অপ্র-ভাগবান্ স্থাননের ভরস্কুলে শতাল্টর- চিপ্রভৌন্তরে বেল্ড বয়ং এপ আ জাৰতা হি প্ৰতিনেদ্ভি" আবছারুর করিখাতেন। ইহার অর্থ গতালতে" পুত্ৰবৰ্ণিত, "এতাৰজং" মুৰ্নানুষ্ট- জীবতাৰ সকৈৰ মেপ্তা লগাং এত, জাতি -মার্ভেন্টে, "লেভিবেণ্ডি" ঐ শাতি নাই, এইরপ ছা মতবাদ প্র ভাবের করিবপ্রত্ব অর্থাই উক্ত क्रकि व'रका**व भूस वारका अरमत** रा चुर पुर्वक्रम नर्शिष्ठ इहेशाएक. ते वृद्धां वृद्धिकण সংক্রেন নহেন; ভদটাত ভেট্রপত ারী নাৰ কাজে; ইছা উপনেশ করাই প্রেটিন নেটিত **প্রেচার মুখ্য অভি**প্রয়ে। ইং ট্রেম 'বেশতি নেতি" বাংকার অভি-আব্যুক্ত ভার চেতু কি १ ওইরপ সন্দেহ-দলে সংকার বলিতেতেন, 'ভেভো उत्रीति ६ छन्नः" वर्षार 'कि" रगरहकू, ''ভত্র' 'বেডি" বাকোর ঠিক পরেই, 'ব**াঁভি চ জ্**লঃ" জাতি পুনরায় এই অিলায়ট প্রকাশ করিয়াছেল—''নেডি ८ (७) वादकान व्याविष्ठ भारत्ये सन्द स्थितहर्द्ध 🗗 🧸

ন্তা:-- 'ব্ৰেডখাৰ পরস্ অভাৎ ন আ বহুতি ন" আবাৎ "এডআৎ পরং" क अन्त मूर्जामूर्जक्रम हरेएछ ८ लते, स<sup>®</sup> एक्स १८५ । अ**रकात ८२ हुल ७ एक्** 

बामिलन भुजबाक मेर्ड बारकात्र दस्याद पा अपर १ । दाहे अभीत कि छोड़ा अहि बर्गन **প্র**তি নিধের লক্ষ্য কৃষ্ণিয়া এই বি রোচর ্কারিল্ডেন, ধ্যা <del>- বিশ্ব</del>র মা সতাপ্র সংগ্ৰহ্য বোগ**া কৈ⊹সভান্ঃ** তেলামেয় বি

> াৎ এই রূপনীং নিভেরে াংটা লাম পৰী 🖟 তাৰ দক্ৰ সভ্য, কিন্তু < হারী সেলেয়ার এত। বি: ব্রাণিত স্বান্তবার্থেই। ব্টিয়ে⊲ বেং, আমপ্নক্ষ (বাহাষুরীষ্ঠ কলের অংগট এবা ছেলালে লেওঁ, চাহা 🔻 नवार रहे । किन्द्र स्टक्त स्कार्टनम

> > (5 ታጣሽ ኤሪቹ፣**ኛ** ብር**፣**" (

পত্ৰ হলং ও জাৰকে মিগ্ৰা বল। ार्गान्स व्यक्तिय सम्बद्ध स्थान व्यक्ति हाहे स्यादन भारत उपानिक कहा। |本部 かりと 台 全(で)で、同(な)を) おきに da Adrie

5.12 9 CVI T শভিবাবিদ্যা হ যায় বিহাৰ আন্দ্রান্ত श्चभवक्ष अगणन दुश्य विभिन्न -- एक्टिकि क्यान्तिकः एकत्र १६५ शक्ष ভাগানি বাং বিবে উজ প্রিব সম্প্রায়ে · 李军(阿克) 前: क्षा सान् विचय द्राप्ता क्षान्द्री राष्ट्राक्त १५ ९ का विकास स्ट १५<sup>6</sup>%" संशुक्तक . 51 < डेग्टर विराद

रक्षा | डाश्हें निर्देश झार्ड ।

অভংব ম্লাবাদিক্লিড কণ্ড ক 4/93 71

# আমি কে গ

( ীল্ডদৰ্বস্ন্তন দাস ভক্তিশাসী )

ত্মানি কেণু এ এর উদৈদেছে ष्यात्रध्यान काय १तिहा। व्यामात्र व्यक्तेय सदा दकाशाक्ष १ कीवरनल अधिकारित চেনাই আনসার স্থার স্থান-প্রচেল। বুন্নাভন ভর্নজীবনের প্রমাক্লাবিন-এ। প্ লাগাইয়া ভূ*ৰি*তেতে তাই **হীন**েল প্ৰাণম वाशाहर कानिए जाबि -- मामि (क १ নতেং প্রেগতি ব্যাহত ১ইবে—জীবন-যজাত্তি ভবে স্ত ঢাগার হায় বিকলে गाउँदर ।

পাহয়। ছিলাম--- আমি দেই। পঞ্চুতামুক স্বরূপ পরিচয় পাই কেমন করিছা ? দেহত আমি---দেতের অভিরিক্ত আরে আমার ধানে ধারণার সীমাতী্ত তবের 🖰 ।রং ন অবিদ্রু আর কিছু । নাই, "ইতি। কোন আয়েরে নাই। প্রস্তুতের স্থিলনেই 🖁 স্কান মিলিবে কেমনে 🖰 আমার অভিছেন প্রভীতি—আর দেভেন ্কাপের কথা মুম্নি কলা ছইয়াছে, জাতা ভ অবসামের সঙ্গেই সেই সভার বিলয়। ভেন--সেই চরম্পত্যের মহামহিম বালী

এ সমানানে কিছু সন্তুট হইতে পারি भाने, वजः भिताभरे क्षेत्रांति- एकि छ। भीभारमात भितान काताण इतेगारए।

ভোগলগুটভা ব্যাগ ভোগা সভার শইয়া দেহনেবার উথার্থ কবিরাভিলাস। ভেবিশর মাল। সাভিয়া পিলতে। কাম-ষ্টের কোমকুও অভিয়া উঠাতে --रगन्धान बाकिनिया भिन्छ लगानिक इंडीबाइम । कड़े, इसट श्रीवास श्रदण व्यास स ভূদ্রি একস নাই। ব্যবস্থ দলি ছে।৮০ व्यक्षारात व्यवस्थ श्रृष्टिक्ति, अपन्तरस्य স্থান তথাই নই। ৩০: আমে ব স্ধা অংশাৰ আশ্বর্গপ্র . ऋ (अ) स १ প্ৰতিষ্ঠিত ভাই অৰাৱ েই ভুলিকেটি আনিকে 😷

भागात भारतिहास मन क काशाह অ'লোক 161631 6 15/17/15 दर भएक कि नाम को ८ किया देश के या । वर्षा জ প্রতিপতে, মনেধের ও নুজরাপ। िका गुरुन कामण ना ए कहानान 用带 对某事举行的第三人称单数 自动对抗病 有一点 海上 (लर्ग) कान एक्तिकारणात राज्यत्यास्य मील्युनिध्कारन ८५के भद्रतामन श्राम---८३ स ামের ক্ষেত্র হাই অন্যাস স্থার या १ भेडान - आ भद्रवंद्र शाला अवन्ति । १ १ वटन ८ र्देशकार्यः सद्धाः । स्रः ११ ० वर्षः दण् ি আমেৰে অপূৰ্ণ আলোচুতিৰ প্ৰতিৰ সহত। িভাবে আন্নয় ছলে বিচেন্ত্র আন্নরে মভাব কোগোর মু মধ্যের ১৮ছে আলোল অংশেক --- মাং সভাল মত্ত কৰি মন্ত্ৰ সাধনার প্রমাজালতে আমাল স্বা<sup>ক</sup>্র निष्य के जिल्ला निषय अभि

सक्त कि लाइक निरुम्दीस महस्त নিবসুশ আকিংজন অংবর সর্নাক্ষান্য অবিপ্রাপ্ত তাড় ৷ জীননের প্রতিনির্গিচণ 🤚 (इ कि स्वित्वेशनीत्र भागा धारे भागातव जिल्ला खे-- शाखात धुक्तीं(नाटकक १ नफ मरकत ८०१७गाउँ কি প্রেয় ধাননার আনার আনীয় ४%' कग्रमा-*ञ्रश*्य म्हान्यत्त्री कि ७८व व्यामात मानग ८ शास्त्रत व्यारमाभन-প্রয়োজন গুলি ফীবনের সক্ষণ্ডক্ষর হয় লা

एडि जांक मत्मह काशियारक, कावात किकांगा कविष्ठिष्टि, जामाव क्लाांगिनमान আমি কে १-- এট কিজানার উত্তর সভার অবভান কোবার গুলামার আগ্রাজের

সাক্ত সমাধ নিভাকাশ গাছিছে-क्षानात भारक्षण, जादा वाधीक कादा अध्याः वर्षे माद्यक कृषि चात्रपूर्ण महाक्नानिमय कृषिन-क्षारनय मुकान-

পাষার জীবনের পরম ও চরম বৃত্তি। কিটিনী। স্বিত্ত পাল্লেই আত্মতত্ত্ব ্ সঙ্গতা মতীক্রিয় বিছা-প্রস্তায় প্রোদ্ধানিত अवेतार है। भागन जीवर नहां महा-गमकांत्र স্ক্রিল্ল-স্মাহার সময়র শিক্ষা প্রচারিত े रुरेशार रू---८ तरे माणक स्टब्बर्स स्थानेना-

> ८५६२८नातसा आश्राम नर्षा गट्ड, एक्ट्र পেন্তাম আমার আল্লান্ম কর কটে। र 'श्रेन्द्र च अस्टनच ८ द्याः - 'डक व्यामान অংথাৰ ভিয়েত্ত হয় না**ট**া **প্**যায় ८ नगर-ग्रेका १७ मिर्क्स माहि । व्यक्तप्रदेशक েছনা ১ইতে পরিমাণ লাভ করিছে গালে নটি। আহোর চেডাসময় **সভ্**ধ प्राक्त कांत्र इंडेसा तकिया<del>रक पूलारमञ्</del> । ाया महाराम अ'छ 'कार्यसहरू, 'अंकि **८४क्मरमा**क য়' ৷ বিকাশ- হাডেইবিয় স্মাৰস্বাহণ্য ৷ **মথয়েক্ট**ণ मा किए। एक प्राटक, ८५७% समय ५ पत्रा । भाषा श्(रू - हि। क्ष'मात्र व्यव**टना ८नाम***ादै ग***ात्र** करणाराः, काञ्चलन त्रात्रक्ष **रूम स्व**र्षः

भाषानीत भूग जायतन-जापार-স্বর্গ অভোরেররের <del>আতুগত্য ব্য</del>ুরী**ত**া যুদ্রের ম্যান মিলিছে প্রয়ে নাত বন্দ্ৰত মান্তনার হইতে পারে া কাব্ৰামানকাৰ গ্ৰাঞ্চ প্ৰভাষৰ ্ত বিভাগের প্রথমির তথ্যবার্য र । ए। हालांक (क १५० छ किस्सानाहरू Lin cated the beith where 如 · 明 · Chieff I

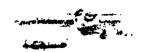
# ब एक-वर्मना

( अक्टलन क्रत ) भवाकाकी खंब નામ જાત્ન જાજા ভব-ভরহারী ভূমি \*15 3 410 (3 षांक ध्यत्कास অভিটোর ভূমি স্বামা 🛎 🖺 । तुन्यान व्यापि । आंत्र भव,कृति শুছার সার कशास्त्र कानात्म कृषि । गकाशिंग ८७३ ८४ युक्तमार ध्व সন্ধান্তীইপ্ৰদ তুমি 🛦 লভাপিরে নমি আমি # মাছাবারী বভ কুসিডাত মড ৰণ্ডিমাছ প্ৰভোত্তমি। (তব) আভিভিনিদায় নিরাশনে থায়ে ভূমি ১ছা ১ছা স্বামি। জন জন প্ৰাচ্ তুমি ॥ षानिषा विश्व

ভাগৰত মত ভূমি। मधका छिट्रभष टार्शायन् ध्यकः লগতে লানালে খোষী 🛊 🗆 श्रुतः श्रुतः विक व्यक्तिः॥

2.7.

### লাক্ষাব্যাল, গাঞ্চ নিৰ্ভাজ জ ভাটো প্ৰাথ্যী



**बिदेशवर्षाः - वैभव्यक्तिरित्याः अकृति जिल्ला** वैश्वीतक क्षीरवन क्षित्रह. कुटमन्द्र शक्ति २५६, हिन्छ छ। रेमिमिक्क बंबा, क्रिकरेक कि के क सम्रह्मात्वार कर राज रह আমল্লার প্রভাব কর্মার ক্রমার, বৈন্দ্রত নর্গাপ্রনাল্য, বৈন্দ্রন 🌃 নামের স্বরুপ, পালেগ্রাসনাত স্কিত পালক্য, মারা ১৫. বৈধান किंकि के कंपानात्क्य द्रमार स्थान्यस्य , व्यत्तर १ । ११ के किक खावकमा, सीरवंद नद्या छ। प्राप्त है कि एक मुद्रा है "अविकात. अक्तित अभिकालें:-१-४१द, कथा ६ सर्वा छ एत. मानका, महाक्रमण क रेनमहत्रमण, १४८० क्यारीय, १७९१ व अक का काञ्चार लालो। अन्यकतः श्रीतिश्रास्त्रका न्य दालावन ⊾ि क्षाकाञ्च तारक्षम्, लक्षरभटकस् शाक + क्यान्टिन्ड कारणः । ल्ला- : ए साम्राह्म वर्ता क्षाया, मिन्नी कात, मीरा १, देनी । का तरा रक्षा कर्तकः सब्द्रकानः, क्रमण्डाबर व्यवकातीः, लातकीयः। अध्य ৰণ, শীপাত্যাবৰ প্ৰায়ণ্ড নামেন সায়ন্দ্ৰের ভাগ্ত रिश्व बरकायनी स क अन्त्रस्तात न्यून्यात्रसः स्टब्स ल र निक क्षत्र हा । कह सम्बद्ध अवने कुर का न नम्म कर्र एन गावमाणिक प्रारक्षात किन्नुग्रहर प्रकाल न शहनव अर्थितात स শবম গুড়া স্কবিষ্ণক এংরূপ নরক ৬ জন্মতালী রাভ তেপ্যাত व्य कार्य के रच को के कि कि रामाच्या स्थान कार्य के स्थान कार्य कार्य के स्थान कार्य कार्य के स्थान कार्य कार्य कार्य कार्य के स्थान कार्य के स्थान कार्य কলে এই প্রস্তায়ত ভবিত ভত্যাছেন। আবাৰ ভাবত क्षेत्र कथातात्र व क्षांति बाता विस्तिव नमुद्र कता व्हेश एक एक रैंग हैंगे, अह, अमृत्यंत्र कटल लाम् द्रमध्य स्थाह---**७७४ गरफ. १ रू शक्त** ३



## हिण्यं मृत्यत्व ट्रिम्मक बीबाये— २० प्रये होका व्याचीया— २५० स्मिटन प्रये होका

পুজিপুণ পাজবাকা বাবা প্রান্ত্যক সানবের কিছা ভাষা ও অনুনতি সামায়ুক কর্ত্তা ক্রিছিত হত্যাছে। প্রয়ের প্রাণ্ড উক্তি সমাতন পাল্লবাক্য বাবা সম্পিত ও রাম্যাপ্ত ক্র্রাছে। স্বেকের, মন্দের ও আত্মার ধ্যা কি চু বিশ্বে, স্থান্ত, নীজি, বন্ধান্ত চঙায়ের ব্যৱহাতে ব্য ক্রম প্রান্ত কর্ছে আত্ম ক্রমের শেষ গ্রান্ত পাত না ভাষানিয়াত কর্ছে আত্ম ক্রমের। শেষ গ্রান্ত পাত না



#### विक्रीत मरकान् । ४० व्यामा

विश्वण द्वापामी व्यक्त कीन व्यूमाय शायामी आकृत्य देशहरूपक्षण दव मक्कण क्या मांगदारक्षण, कारा वह क्षाप्त गांकणस्था व्यक्त्य क कार्त्स्मण विद्यास व्यक्ति क्षणप्तकार्य रेन्द्र व्यवस्था है हैं। काष्ट्र किविस्तावर्यक्त केन्यहे स्था क्र केन्द्रस्थ स्थापकार्यक्ति कार्यस्थ

#### ८५७ **८**भी शास्त्रसम्ब

7.15 2

# बोगवधीय शिवन

পালুলা বিদ্বাক্ষণকোরত একার প্রয়োজনার কিছুত্রত ওটিপ্রালালির তা লকা কথা এত নাংলার মতে মতেরি লাভিত কটক

ভিকা। ১০ আনা নাত্র ১০ ভার টিক্ট পাঠাই লেভাকে গাঠাব হল।

জ্ঞান লোদনদ স্ব নাকুবক্ত ১

### खारे , ध्या व्यव

ত্র বিশ্বপাস জানিক বিজ্ঞান সংগ্রা ব্যোজালা প্রভুলান সংগ্রাক চাত্র বিলাগ হল লো ভাষান মন্ত্রী ভালন্ত্রী, গাল্লেন্ডা, ভাষাবাল ভাগিকা, গুলুষ্টা প্রভাতি বিলাভ সূলা মধানত ক্রিড্রাক্ষাকে ভালন্ত্রী, গাল্লেন্ডা ক্রিড্রাক্ষাকে ভালন্ত্রী, গাল্লেন্ডা ভিচ্নাক্র বিশাস ভালন্ত্রী

## है। वितास विकासि

শংসার্থী বিল কলিবেস চুক্র মুখ্য হৈ আবা জ ফিলেন ম কার্থি, নামালালের, বা প্রের প্রস্তুতি হৈ এই , মার্লীর নিজ্ঞ কর্ম কাচ্যাজ্যনে, এক গ্রে জুল আব বংলা প্রায়ে মুক্তিক জন্মলের প্রি কলিবের মুভুত্ব ক্রিক জনিবীবেল নগান্ধনে কিব ক্রিক মান্ত্রী

# दिक्वमञ्ज्यः नगःक्रि

र भ कर**्र**न(कादशह)

ষিয় : — ১ । ভকি শাস্তে বান্দ্রণ শাস্তি আই ২ ।

চালিনজাৰ বেব বৈশ্ব গোলের চালি, তা লিজুলিন, লাগেলি লিভ

টীন্নলিব ও লিজানের বিবংশ, চালিন্দ্রন গোল কা ও

শাস্তির ভাব গোড বিবংশ, চালিন্দ্রন গোল কা ও

শাস্তির ভাব গুলা বাবেলীয়া শাস্তা চালিন্দ্রন গোল কা ও

চালিন্দ্রন মান্দ্রন বাবেলীয়া শাস্তা চালিন্দ্রন লগাল কা ১৯ ৮০ ।
১৬ ৮০০ চালেব ও বাবিল্যা বাবিল্যা বাবিল্যা চালিন্দ্রন লগাল কা ১৯ ৮০০ ।
১৬ ৮০০ চালেব ও বাবিল্যা বাবিল্যা

# <u> এতি জিসল ভ</u>

শ্বনান্ত্র সম্প্রতিঃ

ক্রিয়া / শ্বনান্ত্র

Train Mr.

नानन म !

सा समा

্যা, পাং, দাং , চিচাৰ গাঁগাল, মধ্যাল্যালো ও কারণ কালাপ তেওঁ লোক হৈছিল কোন কোন ভারতি স্বাধিকাল প্রাধানিত ভাগাল গালোগালোভান

আদর। স্বল্যাধারন্ত ৬, ০০, ৩ছি, বা**লায়**তেল আরল কাত্রের স্থ্য কে বাত গায়ে হারাজী
পাকারে জে, তি, দও এ৬ বে বাত্তি লাম থেলা দিবিয়া আন্দ কবি বন। তেওঁ জ্যাত্রেরণ কালারে তেওঁ না তেওঁ বিয়া গাও রা, বার্বে।

# কেলে গুলানন

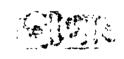
নুধন এপ প্ৰাইল মাধেললিৱাৰ ্যন

それ、も、早、円の一の、日日、東京では、「日日・日本春に変する シンド・トゥかん、ローコン・一下「ベタル After)

ত্র কোন স্থাপনি আলো লাজত্ন ক্রিলে **একটা** বাজ্যালী লাজবালনত নুক্ত পালুব ব্রিন হাতে যি **অব আছ** কার দলত ৮ বহাত ১৮টা ব্রেক্ষান নাচ্চ্যা**রির সম্ভ** জালব্যানত কার্য ১৮৪৭।

া তাল্যপূৰ্ণ আছি গায়া—স্কাই টাকা, **টা ক, টাকা** বাহত এই একটাই ইন্ধ্যালয়াই কাৰ্যন্ত্ৰীকে নহাত এই ক্ষুণ্ডাই কেন্ত্ৰিকাৰা !

্থাছোড় বেন্ধব-জগতে ধ্যাত্মৰ ক্ৰছ গ্ৰ আন হাৰুৱ তাবিদ্যান্তৰাক্ষেত্ৰ কীডি-প্ৰস্থাবনা :---



প্রকট সাইচ্চ সম্ভয় সংখ্যাণ ডিজা / ভ্যাস

শের ও মানার চেটা আনাগালন্ত কট্যা--- ইছা বথন জীব বৃদ্ধিন শাবে, ভ্রমন একমার নিজাবন্ত উদ্ধেশবানের প্রতি সংগ্রার কোন একোর কাবেরগমরী প্রাপনা হয় এবং শ্রিকারনে ন্যারেকেরশে নিজপটো কি প্রকারে শ্রিকার্য গ্রহত হর, ইভাবে ন্যার প্রাণশ্দী প্রাক্ষা ও আত্মন ব্যাপ্ন্যাক রানা। উভিনা সংগ্রহণ ও প্রকাশেত ক্রমান্তে

ভিচ্চা প্রাভ বড় /• এক আলা

(अम्कोक्टिकास्य)-- /०. ब्रवद्योशनस्य- /०

ল্যাপক জ্বাতক শ

প্রভাৱ সং**ভারণ** পঞ্জার সংভারণ ভিজ্ঞা /১০

আসর প্রকার ক্তম অভাব ও কামনার বলবছা সুইয়া প্রশ্বেষ কে
সকলাপতে কলাপে বলিছা সহল করে এবং গহার নিকট কলাপে কাম্ব করি, ক্লিমি যে দিকা বা কথাৰ কলাপে সহানে ক্ষমন এবং কোল্ মন্ত আমানের সেক্টা কলাপেছা এবং তি ভাবে আম্বা সেই কলাপ্রকারত সম্প্রকৃতি, এই স্থান কলা সবল পানে ক্ষেত্র এই বিভিন্নত বাধাসিকত কলাবের সম্ভব্ন ইনি ক্ষাক্ষাক্ত বিভাগন্তাৰ ক্ষাত্র স্মুন্ধ

বিতৃত ক্যাটালগের জন্ম নিয়লিখিত ঠিকানার পত্র লিখুন— ম্যানেজার—প্রায়বিভাগ, ইটিতন্যমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, (নদার)

# বিশ্ববিষ্ণব র জসভার শুদ্ধভাজমতসমূহ

ইটিভেন্স মস

#### ' আকর মইসাজ

क्ष ठील सबबील, छाज्यत हैं। नाम मासालुक, सबीपा

শ্রীমভাবোগলীয় ভটতে ভার ৩০ । বন্ধ উত্তব-পূর্বে আঁওল্লভনে আন্তাগারত্ব প্রীচন্ত্র-(चयव-क्रमांस क्रिक्ट मह figie मान !

এই স্থান সাগস্বত্র-বীথ, প্রাণ্ড পীয় বা সাম্বন ভল্লন্ত্রলী। 🕸 এই মৃথাতীর্বে 🗒 ছবি-माभाष के बाकितवामि-(वामाम मृह, बादांवकात अस्तिक कावा, नाहिक, सलकात, कथा অমাণ-উপ্নিবদ-প্র- প্র- প্র- ১৯৫(১র মণারন ও মণা।প্রা এবং ভগার ঐত্তক-श्रीदाश्र-शास संका-शिव्मत व शासक शासकाविक-शाक्षावा-bo त के। बादन केशास विश्वहृत्यु प्रतिक निका एम्पि म दर्गाप्तक । जह महेदारक भारमार्थिक देशनिक्षणक माप्तकः भक्तभारकत का शकामिक ६ के शांकित अहताकि अति। तकति 'नवीया- अकाम' यहानत লাক্ষ্রি ব্যাহ্র প্রাহ্রিব পর জীবাম প্রিক্রমান্ত্র ও অগণি ও ভর্তবার্টি । ত कीर्कन शहारम् महाभूरण महाभूरण प्राप्त में कर्णाय अध्विक ववंदा भारक। दक्क - अक्टावी क्षेत्राम मरवित्रो । महकारी - खैलाम निरमामनिश्री उन्न नते, लाख म सेलाम लाइमाम बक्कारी भावत्रप्रीत श्रीनाम नीताम अक्कारी, लाख स्थापनामम अक्कारी. चित्रक मजीरतालाम नरकारणामात. चित्ररंग्याम मान अल्लानी श्रमण नव्यमणा

বিষ্ঠিপ্রামী প্রীমন্ত্র স্থানীপ ভার মধারাজ এখানে ছাত্রপা ভারন করিছেছেন।

## (৩) যোগদীত শ্রীনশিয়

८४ मान ऑक्षत्रशास्त्राध्य क्रम स ীমশ্বদালতর আনিভাব-ভাম মহাযোগ-भीते । ज्यारम डीक्योशिया व डीविक-किथान डिस्टारेनाबाधन अनर डिटिन्डना w क्रेशिक (क्रिका (मना क्रेश) क्रेनक-कांचर (भरा नक्ष्मांना राष्ट्र के ---(माक-मान वद दना वाची कहातामा छात्र व्यवसा-अस्य । शर्काती ट्वींगर जन्म बन्नामी, **बिवायाम् बन्नजातीः व्यक्तातनमाम् व्याप**wiff, (Piani Biniceau)

#### (৪) জীনাস-ভালন

ইম্মানারাত্র কীর্ত্তল-বিলাস বা **अस्त्रीतनीभाव वागक्ती। बनाटन ट्यां ड्रिटना**व विकासिक क भ्रमक्टिंस स्थान वस्त्रीत । em e--- = नानाथाम अवनाती, व्यावपुर ww. श्रीशाकुगमाम श्री श्री

#### ( a ) wits-644

विक स्थापन क्षेत्रक शक्त क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्रक क्षेत् ८मनः चढ्यानः।

#### (%) काष्ट्रोड मन।सि भ हे

क्राठीन भागपुत्र, नामन पुन्त (भनीता) Beetosenein Stie का भी र प्रमाधि। क्षक -- अक्षात्री हो निरनामावदादी ।

#### (१) बांगक ख्रुवर कुछ

किरमाञ्चम, चन्नगाध ( नर्गमा ) चनारन खेविकुनाम श्रेण कांखानितः । सप्रःकृत्त्रव nutte auf Dentenatre unt Daseit वाध(देव स्थ्या वक्षमान

उक्क--- अधिक्षेत्र सामात्र अवस्त्रीत्री क्रम का अपने वर्ग वर्ग वर्ग । 3

#### (৮ श्रीकशकाथ दशोडीय मठ भक्षभागितक ।

तक २--- हैं.यह नह कि कि मालो हम. जा. वि. जन, गरकाती-शिक्तामाम क्रांक-नाडी. मेरिककाम क्षानारी सामाना

# ( > ) और गीत-ग्रामान मह

ঠাপাত টা, সমুদ্রগড়, ( বছমান ) ज्ञिन गांचेन ( अव आ · 唐 र द्यां तर्मा प्रमान)

#### ্ ১ - শ্রীরপ্রাজ্যনত

भारतभक्त, श्राक्षात्र इते, प्रि क्ष्म क---- टीक दियान अक्षात्री, टेंक्क्स (अवह 43 1° 1.

#### ( ); ) 劉(和[W]] ( ; ( )

माडेनाडि, कार्यन्त, नहारामा ब्री गामान गाव के कुर बुका समझ बाम । रण ०--- ही नहां तरात तक रामी। ( ) २ ) कार्यव कार्यव

व्यानागव ह (व्यान, क्रम्बन्जव, नकीवा । कामन निकास अकाननी व्यक्ताप्त-तमावा

# ( ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( )

टि ल**ाड़ी, दशाबाड़ी, कुकानशब, भगाता** । । क्क क--- वी बडमानम अम्हानी ।

#### ( ১৪ ) श्रीमाभ्य ८गोफीय मर्ड अन्तर नवानमूद ,वाक, हाना।

भूत्र वटमव क्षेत्रात : दक्ष : क्यारिम खी खन-्रां राक्ष-भाक्षसा-भिविभावत दमना वस्त्रमानः दक्ष -- क्षेत्राकावस्य तक्षामी।

# ( ১৫ ) औरगान्यक्ती अर्थ

क्ष्मणः गुत्र, 5741 ।

रभाषामधीत सार्विद्धाः व साठीन स्मनः क्ष्म — विद्यान्त्रीत खप्रवाही।

## (२) ब्लाटगांषीत्र घठ

५७ मर माणिकामाम ५ अन्यति होएँ. (भार मामनावास, कामिकाका) है। :ऐशिक्साम नि. नि. 855€

श्रीयका शक्त काठाविक कृतिका किनाम- अठावीटमरन श्रीकरमंत्रके नके संबंध मन्त्री कतिकासाय श्रीक्रिकिविद्याय चान्यत्व श्रीयष्ठ चालिक्षक चारक्ष्य । अर्थ व्यक्त नक्या वाटम कि बक्र-रत्रोवाक-किनिरमामानम की है मनाबंदम निका दनविक का । रत्रीकीश कारामानार्यत यानकीत अञ्चानकीत अञ्चलायात्राकाल विभारत मश्लव क्रिकेकी क्ष्युक्त मृक्षा-यञ्चानक मरकार्तिक व्यवेशास्त्रम । अविशेष मत्मक 🌉 शोबनाम आवासमें 📲 मञ्चानक rece 'cellbla' sietlies em, fo wanfiet uifne effet benieft wiere नियमिक छ। त अकाम क वस्तकाकम । जीयात माठ, महीका, मजावाम-कार्यकेट-देखी है. व्यापहारागक, अटिक्च-विवाय श्रीत-मोना व विवादक मधाक आरमाहेना प्रकृत থ'কে। মঠরক্ষক--- আচাবাজিক প্রীপার কুর্ত্তিকারী বিভাক্তব । সর্বভারী --প্রিত जीलार अमसराज्यान सर्वाकान्त्रम वि-व, जीलार अमर्गान्य सार्विशावित्यात वि-वे, स्तीनाव कामविकाची अक्षानी. श्रीनाव क्षणक्षाव्य बामानिकाची विन्ता, श्रीनाव क्यर्भागांग मामानिकारी, उक्षतांनी मीकी सनामन, उक्षतांनी लीगांशी(बारम, अक्षतांनी लीक्रमानक अख्यानाकी, अक्रानी श्रीरश्वकीनमञ्ज, भविष्ठ श्रीभा स्वीमञ्जा প্রতিয়াগভার ভরিপার প্রস্তৃতিঃ

#### ( ) & Juni & - Call To was श्विशंक राष्ट्राधिनी मुखा, वालिक 5141 चीनवार-(भोताध्यत विका दनवा क्ष क - मापन शक बच्छा हो।

#### (১৭: 🎒 जागवज्यनामण वर्ष

फिक्किका, नाडरबन्धत, त्यापनी सव । धीरादिन नि शक-्ताद.श-पाक्कांक् का-্পা। রজক – আনিকিবিজ্ঞান আলম। গিহিলারীর নিভাবেশা ব্রমান। রজক— বিজ্ঞান আলগ্রেরী उक्रामी बौक्षगान्धानको। उक्रावी प्रानक

## ं :১৮ : आवशास्त्राष्ठ। अभवास्त्रव

अध्यक्षेत्र ८७१: नक्ष्याम ।

ओ छक्रभाताक-**त्रीम क्**षिका गंगतिमादीर निष्ठार्थना। इक्--ब्रह्मनामी खोडांबfetmie 1

#### (>>: अनुक्रदशस्त्र वर्ड

44414. 941. Siemi वाशास्य औरशोब-विस्तामभाषवकीय जिला-्यका वहसाल । सक्तक -- ब्रह्महाती जीलक्षमा-सन्म विशासक, अधारती क्षेत्रकीश्रासक ।

#### (२०) ब्याजन-दगोड़ी व वर्ड

व्यागवत्रगण, अवाभिन्न (भार, भरी । अभव्यामात्रत्य अन्यम् अमृद्ध हो।यहः ###'d | 4# #-- ##614} क्षेत्रह्मचर्ती वामामकी। नवकात्री-अभवादी विकितिकविशासी ।

## (६५) क्रिमांक्सामम् वर्ड

कोक ान कारत म वक्ष्यात । : क्षक- लक (क्क्र)म**्यात्रामणाक्ष्यामणाक्ष्यामणा** अवकारी में)न्यायस

## (२२) खिमबाधन-त्योधान सर्दे

9月1 個別職[日本門間] 李[卷] (भी :- भराष्ट्रभुक्त जनाक्षत-विकासन ् अवरात्म (शहरदस्या वस्त्रवास्त्र सक्तरू---होबामकीनावको ।

#### (३ ७) जैक्कदेश्वय प्र

जीत गरभ्याम मुख्यः जीपाय बुब्धायन । के के बाधा-सम-दम्हा अलीह दमना ह

# (२८) औश्वयस्थ्य सङ

देनियवानमा, मीळाल्य

अवारम क्रिकामन्छ गाउँगावा । चौरशाँ विस्ताप विवासकी। अस्य प्रस्थास क्षक --- अष्टारी श्रीवांमरश्रात्म क अष्टार जीसम्बद्धगाम ।

#### (२४) औरेंडच्छरगोसास सर्व

प्रमुक्त का, क्रिक्स का, अभक्ष्य । है। चीटेन्कशन्मत्वत नानः। क्यके-चीश्रम माथ कार, शिक्त-लामेश अस्ताती । श्रीश Bir mafate :

### (२७) नामक्षीक्षेत्र वर्ड 🐃

PPCPR, CICROL, OGIST & WALL वीरभोर्कासम्बद्धाः दशका व्यवस्थाः (२०) जावनग्राका कामसामान्य

# जाबननाकाः स्त्राः मासः संबक्षाः

avica at guill alcelletent co वस्त्रमात । वक्तक---प्रक्रमानिक मानः श्रीशामास्त्रम् अवश्रीहो 💛 🥍 (24) PERICAISIN NO. Shown chieff, The fight 和中一· [4] [4] 11] · 對北京 · 清朝 मान व--- अनुकारी चीत्रावाद्यां

#### হৈত্যমানের অক্টাকি গ্রেমালা

. ————					
•	জাক্ষরে প্রকাশিত	🗝 - 🔊 🔊 প্রাকুপালের বজ্ঞ,ভাবলী			
,5-1	क्रिमद्यानमञ्जून-नगळ १०	( T ) diff 1/8			
	● ( Z和	( খ ) খিতীর খণ্ড			
	7 (nmi am) 29r	(বা) ভূট ৰাজ একটো সা•			
	काम्बर-मक छोडीहेडककडविकामक	৩৭ ৷ স্বৰীপ পঞ্জিত			
}.	६ अक्ष गरकवर्ग )	( 888 दर्गोशास ) 🛷 •			
• 1	<b>টা</b> ট্ডেম্ব্রক্তাপণ	৩৮। সিদ্ধান্তদর্শণ 🗸 🗸			
	( fant fuble neman)	० । दीन-१वन् वन्त्र 🚜 🚜			
• 1	तिका (क्षिमनदश्य-क्षिमा-मन) २,	8 । <b>चक्कित्रप्रा</b> कर			
ė:	· 大小 ( 到5004 日 - 101-14 ) 4	(নৰীপ পরিক্রমা) 🔑			
÷ ;	j	akı Amazını A.			
4. 1	जिक्कप्रशिका सन्दर्भेष्ठकः नाक्रश्य	82 : <b>*</b> 45114 <b>**</b> 86# (1#4 Ht##4) />4			
,	(মা <b>খ</b> ে)	So! ANTHUNES /			
<b>6</b> 5	्त्रीकीय-कश्चार रे.	66 । नवाठावचारकः /•			
	<b>এটিচ ডল লিক্ষামৃত (বাঁগা) ২</b> ১	8¢: 7]1444•			
301	हिट्या नवदीय भ	৪৬ ৷ প্রেম্কবিকরিক। 🔑			
33 1	Micowswiama 4	৪৭: শরণাগতি /•			
	व्यवस्थान नक्षणम (बाधा , )-	८৮। नेजावनी /-			
5 <b>3</b> 1	क्षेत्रणशास्त्रका व्यक्ता (तीना ) >-,	৪৯ : গোড়ীগমঠ কি কংগ্ৰন 🛉			
• • • •	ঠ (মাবাণা) <b>দ</b> ণ	१० । नारशायाचे /-			
<b>50</b> I	বৈক্ষণমঞ্বা-সমাগুডি	<b>३</b> ७∶ भवशक /८			
, ,	প্রথম চারিব ও )	ধ <b>ং। শ্রীন্ত</b> কিনিত্ব'স্থানী /			
38 1	ই ক্রিল্যেরি হাম্বি দ	दथा भास्त्रसंकर ्ः			
261	सम्बोलनाम-अक्षमाना भेर	দেবলাগরাক্ষরে প্রকাশিত			
>= 1	दशासक्रामातः भः	৫৪। শিক্ত স্ক-সরস্তী-দিবিজয়: ।			
29 1	(क्याविषय ( क्रांडीय मश्यवण ) अ-	। (২৫: স্টীক শিক্ষেশ্যুল্য			
3+ t	##4495	€७। ऋणा-रखम			
30 1	मुक्तांत्र (क्त्रंश रांस्य-प्राक्त	an नाशास्त्रवर्गनम् ।			
201	रमायामी तथुनाथ माग (वाथा) व॰	৫৮ ৷ সাজবাল শিকাইকঃ 🧳			
451	मामक्रक्षमाना (दीवा) ॥•	ea। গোড়ীর মঠক পরিচয়:			
	<b>ঞ্জিভিক্তমন্তিকা সন্মি</b> বাদ ব	ইংরেজী ভাষায় প্রকাশিং			
201	द्वराष्ट्रक्षकात्र काष्ट्रा	७०। नामक्कम			
ν.,	( भागामणीय )	৬১: লাইক য়াও প্রিসেপ্ট্র অব			
401	अध्याम् विकास	শীকৈতৰ মধাপ্ৰক			
261	द्यांकीय-द्यांसयः । ।	७२। देवकावीसम			
4-1	शोक्षेत्र-माक्क	७०। मि काशनक			
411	माप्रकाष ( केंद्र मश्काम , !:A	৩৪। হরেটিক প্রিক্সিপ্শ রাও			
461	वनिमसनी मास्यात	चारनगरक डिस्डानन			
	क्षपुकारणी या मामानायणक्रवति ।•	च्टा शामा है शोधोत्रमंत्र केल कुदेश ४			
	क्रिणानम्बद ( स्नतक ७ मावर				
	ভাজ এবং বিবৃত্তি ভ অপ্নথাৰ গছ) (০	উড়িয়া অক্ষরে প্রকাশিত ১০। <b>এ</b> ইরিনাম চিন্তামণি			
	. श्रीमक्षीमकामण्डकः				
41	कित्रोक्षम् कार्या स्थान	क्षां सर्वेश संस्था । कार्या क्योगि क्योक्स			
00.1	. Agains /				
-	्र भे के व्यानवर्ष				
		szerefi			

लाखिलाल उ-क्रिकेस वर्ड, त्याः विमामायूत, वरोप

## প্রবর্ণস্থলোর। স্করণ সংখ্যার।। প্রবর্ণ সংখ্যার।। গ্রন্থাকারে খতে খতে প্রকাশিত

# শীল প্রভগাদের বক্ত ভাবলী

ওঁ বিকুপাদ শ্রীশ্রমভিতি সিদ্ধার্থসরম্বারী বেগামানী সংগ্রাজের সেই সানিদ্যা-নিধাংসিনী জাবাজ্যসরপোরোধিনী কৃষ্ণ-কাষ্ট্য নিম্পানিনী জীবস্ত-বাণীর মূর্ত্ত-বিগ্রহ—বৈক্রবসিদ্ধার্ত্ত-রত্মালার কৌস্ত সমানি —সেবাকুস্তমগুচেছর কৃষ্ণ-কর্ণ-বিভূষণ ক্ষমকুস্তম—সম্প্রদার বৈভব-বিজ্ঞানগোরের মৌলিক ভথা—পঞ্চরাত্র ও জ্ঞাগবতের সমহরগুরু—মহাজন-জীবম চরি ছ-শিক্ষক—চিম্বিলাস-চিন্মাত্রাচিন্যাত্র-বিচারক—ঐশ্বর্য ও মাধুনারসের মৌলিক গবেষণাগার—সম্বন্ধ, অভিধের ও প্রয়োজন-তর্মের সিদ্ধান্ত-সমৃদ্র।

১। প্রথমশ্র কিবলেন, শ্রীগুরুত্ব, কালধর্ম, শ্রীমধাবির্জাব, শ্রীবার্মজাননী, পাঞ্চলাত্রিকী দীক্ষা ও বর্ণ-বিচার, আজুধর্ম ও মনোধর্ম, শ্রীচৈত্যদেব ও তাঁহার শিক্ষা, অপ্রাক্তর সহজ্ঞার্ম ও প্রাকৃত সহজ্ঞ-ধর্ম, শ্রীপাদ ঈশরপুরী, শ্রীল রসিকানন্দ-প্রসঙ্গ, পুরিধার্ম প্রভৃতি বিংশতি সংখ্যক রতে স্রণোভিত। ভিক্ষা মাত্র ৮০ বার আমা।

২। দ্বিতীর শশুল শুকা ও বিকা ভক্তি, মনুষোর শ্রেষ্ঠতা কোথার,
আত্মার নিভারতি, প্রীধর সামিপাদ ও নারাবাদ, প্রীগোর নিভারন্দ প্রসম ত্রিযুগের ধর্ম ও কৃষ্ণকীত্তন, শ্রীগাসপৃষ্ণায় শ্রীমন্তাগবতের কীর্ত্তন, শ্রীগোরধানের মহিমা, মহাপ্রসাদ, শ্রীগোরিন্দ, শ্রীরূপামুগভ্জন-পর্ব, শ্রীমতী র্মভামুদন্দিনা, শ্রীচেভ্ডের দয়া, গৌরকর্কণা ও কৃষ্ণমন্ত্রীর্ত্তন— চতুদ্দি অপুর্ব-মধুরিমাপূর্ণ-স্কৃতা-বিভূষিত। ভিজ্ঞা ২ এক টাকা মাত্র।

প্রথম ও বিভীয়—সূত খণ্ড একত্রে লইলে ,ভিক্ষা ১৯০ দেড় টাকা, ভাক খনচ সভয়।

প্রাপ্তিভান:- গ্রন্থবিভাগ-জীচৈতভামঠ, পো: শ্রীমায়াপুর, নদীরা।

# যক্ষায় হতাশ হইবেন ন

# দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

প্ৰবন্ধ দিলে সম্পূৰ্ণ আরোগ্য

নোগাঁ দেখাইতে হইবে। অগ্রিম পাধের ধরচ (ছাওয়া এবং আদার)
পাঠাইলে গিয়া রোগাঁ দেখা হয় অথবা এখানে আনুসিলে হে: । কিবলা উষ্ণ দেওয়া হয় আহোগ্য না হওয়া প্রায় পারিজ্ঞামিক দিতে হইবে মাঃ
গানীব রোগাঁদের ধরত বহন করিছা তিকিৎসা করা হয়। বিশ্বাবিশ্ব বিষয়বের কল্প এক আনার ভাক টিকেট সহ নিয় ঠিকানার অলুসন্ধান

আদিতীশচন্ত্র উকীল, যন্ত্রা-চিকিৎসক, পো: নৈকাঠী, বৰিশাল। অথবা নিয় ঠিকানায় সাক্ষাৎ করিচা বিস্তায়িত আনিতে লায়েন। শ্রীযুক্ত রামগোপাল দত্ত এম্, এ, ক্লফনগর, নদীয়া। শ্রীযুক্ত ভরিপন

शिरक, ১১৭, বেলিয়াটোলা क्रीहे, बाहेरबाना, कानकाका । 💰 👵

একখানি পতা। অন্যায় আতৃপুত্র গত ছব, যাণ বৃষ্টির বাল দুলা।
ভূগিয়া মুডপ্রায় চলরাচিল, কালকাডার বিজ্ঞানিক বিশ্ব করিছ।
ভাবনের আশা তাগা করিয়া শেষ মুহুর্টের জন্ত আপেকা করিছেছিলেই
করি সমর জীবৃত্ত কিলীশচক উলিল মহাশহ মাত ১০ দিন চিকিন্দ করিয়া সম্পূর্ণ আবোগা করিয়া বিভাছেন। (সাঃ) তীর হীজ কিলোধ ভায় চৌধুনী (অনিকার বাবিছা) হলু বীট্, নিউ বিজিন। করণোরেশন লাইটিং ডিলাট্যেক, কলিকাডা।

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

# त्थाना श्रेत्राटक ।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অতি যত্নের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা বাহে সুন্দর বাসন্থানের বন্দোবন্ত হইরাছে। শ্বান অতীব স্বাহ্যকর।

সবিস্তার সংখাদের অস্ত বিশ্বলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। সেত্রেল্টারী, ঠাকুর ভক্তিবিলোদ ইন্টিটিউট্ শ্রীচেডফার্ম্চ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

## ু ৫০ ব**ংসরের পরীক্ষিত** ক্রেক্টা মহেষ্য —

া বাবছারকারীরা **অংশ পুত্র ভইরা বে সমত** প্রাশংসা পঞ্জলন কবিংগাছেন, তাকা শি করিলে বড় ব**ড় পুত্রক বইরা পড়ে।** আন্তানিও ব্যবহার করিয়া ধরা হউন।

- ১। চক্ত প্রতাল বাজীকা—ইহার নামটাও বেমন কালন সেচ রকম। ইং।
  নুক্র ও পুরাতন মেন, মূল্ডেক, আর্শ প্রাকৃতি এবং জীলো দ্ধিগের স্থতিক। বাগামে,
  শেষত এবং রক্ত প্রবন্ধ প্রকৃতি কোণো আরু কণ গ্রান
- ২। পুৰুবিসহায় বটিকা—মাদকজবং নিশান অভূংহকার নিশানিধায়ক ঔপণ। বে কোন দৈছিক ও সাবসিক শীভাবশতঃ অনিপ্রায়ের এই ঔপন বাবহাতে গাড় নিজা হইবে।
- ত। মাজুর বাটিকা-ইবা সেবনে প্লীতা ও জনস্থালিক নেবা ও শতীর পাস্থুর হুটরা যাওয়া ইড্যালি বিশ্বন্তি ভুটরা রক্ষ প<sup>্</sup>রভার ও রুছি প্রাপ্ত হয়।

উচ্চ ভিন প্রকারের এডে)ক ঔবণের মূল্য প্রতি কোটা ১২ টাক:।
ভাবিহান:—আতঞ্জনিপ্রত উক্তথালাক্তর
২১৪নং বহুনাখার ট্রাট, বলিকারা।

# কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



ষ্ণাশ্বনের প্রবিধার জন্ত ও আঃ শিলিতে ঘনীত্ত অবস্তার চোটবোওলের সমপ্রিমাণ ঔবধ ভাতে পাঠার হয়, ইতাতে ঔবধের কোল পরিবর্তন করা হর নাই। মূল্য প্রতি শিলিরত আনা, পাইট ৪০০ আনা, বোভল ১০০ আন।।

অঞ্চিল—১১ৰং উচ্টাভালা রোড, পোঃ শ্যামবালার,' কলিকাতা

# ग्रंपन में भे

क्रिकां क्ष क क्षूतिकार, व्यक्तिशाकिर हान, व्यक्तित क्ष्मणाक, व्यक्तित, श्रावाद्यारा, पूज वर्क क्ष्मणी, व्यक्तित व्यक्ति क्ष्मण स्वरंग विद्यान व्यवस्थाक व्या क्ष्मणा क्ष्मणा व्यक्तित व्यक्तित

# হাইড্রোসিল

বা

# কোষর্দ্ধি রোগ

ভাঃ এস্, এম্, খোষ বিনা অঞ্জে, মাৰজ্জীবন্দর গ্যারাটি ধিয়া বৈছাভিত আগালাভে কোমবৃতি গোগ আরোগ্য কবিয়া থাকেন।

> ঠিকানা---১৮ সং কটন ট্রীট, বন্ধবাজাত, : কালকাড়া ।

## ১। প্ৰায়ত

निखन्त्व व्यार्थ मध्येष । ১ माजाह केन्न्य, मखादक व्यादहाशा । उद्यार्थ फल व्याद व्यान्ता, नक्ष २०० व्याना । माक्ष्म भूषक् ।

# ২। শুক্রাচার্য্য সঞ্জীবনী পোষ্টাই

প্ৰামেণ ও ধৰণ ভব্দেও অংশাত মাণোৰধ। মূলা ১ ডিবা ১:• স্থানা। সাঞ্চল বুণক্

# ৩। সন্ন্যাসী-প্রদত্ত অর্শরোগের অব্যর্থ আংট্র

भारतामा ना व्हेल मुना स्थवर । भूगा अवस्था । साक्ष्य पुत्रकृत

৪। কোত-বান্ধব পীল

बबीन, द्वाइक्षाना, त्नाइरितनमात ब्रह्मिन। (छना ४० बामा । भारता पुनक्।

৫। বাতল'ন

বাল্ডোগের মছোপ্রাটা ও স্থাতে আরোগা। ঐটিচ শিশি। ৮ আনা। মাজলপুণক্।

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তুতকারক। সধ্য ক্যাটালগের বন্ধ শন নিশুন।

लाल्यान-मत्नादमाञ्च ल्टरत्रहेत्री

८णाः ख्याती, कमवाश्वत, छाकः,

# মনোমোহন প্রেস

পূর্ব্য বাজালায় তলতে সকলপ্রকার ছাপার জন্ত বিখ্যাত কৈন্যুতিক মেশিলে দিবারাতে কাজে ভলিভেছে বিশ্বত ভামিতে হইলে নিম্ন ঠিকানায় পঞালিধুন

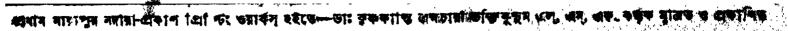
भारतजाद—मरनारमाइन ८ थ्रम,

# মরা মান্য বাঁচাইবার উপায়

যদিও অভাপি প্রাক্ত সংগ মান্ত্র বাচাইবার কোন উষ্ণ মাণ্ডিত উপান্য অপনিমিত পান্ত নাই কনিয়া জানাবিদ অনিব্যান্ত উপান্য অপনিমিত পান্ত নাই কনিয়া জান্তি মন্ত্রা কর্টনা বার্হান্তন এবং নানা প্রাক্তর মেন, প্রথম লাভু দীবালা, সাম্বনিক প্রসংগ্রা, বন্ধুরা, প্রাক্তর, প্রথম সংক্রান্ত পীড়া, অপ কাল প্রীপোক্ষিপের মধ্যে বার্হা স্থানক; বহাণ, মৃত্যান্যা, স্থান্তনা, শেষ্ঠ ও রক্তরালার, বিশ্বীতিয়া শ্রেছান্ত রোগে ভূগিনা জীবানে নিরাশ ব্রহান্তেন, ভালার আভ্রিত রোগে ভূগিনা জীবানে নিরাশ ব্রহান্তেন, ভালার আহ্রিত রোগে ভূগিনা জীবানে নিরাশ ব্রহান্তর আবিদ্ধুত্ব ইলো ক্রিক সলিউসল ব্যবহান্ত করিয়া বাহিতে গালেন, ভালার পান্ত সকল প্রমাণ প্রান্ত বহুলার করিয়া আহ্রান্ত কর্তনে পার্যান্য অন্তর্গর বহুলিন ব্রহান ক্রিয়া আহ্রান্ত কর্তনিত্র পার্যান্য অন্তর্গর বহুলিন ব্রহাণ প্রমাণ্ড আক্রান্ত করিয়া আহ্রান্ত করিছা পার্যান্য কর্তনিত্র বহুলিন ব্রহাণ প্রমাণ্ড আক্রান্ত আইনিন্ত আক্রান্তন্ত বহুলিন্তা ব্রহাণ প্রমাণ্ড আক্রান্তন্তন অন্তর্গর অন্তর্গর আক্রান্তন বর্ণ স্থানিত্র বানকারেশপ্রান্তনী আক্রান্তন অন্তর্গর আক্রান্তন বর্ণ স্থানিত্র বানকারেশপ্রান্তনিত্র আক্রান্তন অন্তর্গর আক্রান্তন বর্ণ স্থানিত্র বানকারেশপ্রান্তন ব্রহান আক্রান্তন স্থানিত্র কর্ণ করিছা আক্রান্তন বর্ণ স্থানিত্র বানকারেশপ্রান্তন ব্রহান আক্রান্তন স্থানিত্র করেন আক্রান্তন স্থানিত্র স্থানিত্র স্থানিত্র বানকারেশ্য লাক্ষ্য করেন আক্রান্তন স্থানিত্র স্

# ডাঃ ডি. ডি. হাবরা।

ক্ষেপুৰ, গার্ডেনরিচ লোই, ক্ষিক্যক্ষ ট্রকানা শাই ক্ষিয়া লিখিছের



PROPERTY OF

আভিনারত আভিনারত ১ আভিনারত ১ আভিনারত ১ ভিনারত বিশ্ব

Am In



भागार साझ साझ भागिक हैं, या जातिक दें, या जातिक दें, या जातिक दें। या जातिक दें। या जातिक दें। या जातिक दें। या जातिक दें।

WITE COS

图 新聞書一門百十二年前一年 1月 (第一四十五 年) 中華 1月 東京中國

**७७. यह** ] अम्मानक- व्याण्डोल्यनाथ तत्माभाषात्. तमास्त्र नाज्यां

[ 8.०म मः शाम

্লান্তেল্যন্ত শ্ৰীলান মাধাৰুত ১০ই বৈশ্য স্থাইস্পতিলায় ১০০৮, ২০০৭ এপ্ৰিল. ১৯০১

# গোষামী এতু ও গভর্গ

Bifmene warn fum a menteat eta Wiche nester more, frutenun कड्क्ष्म् करके व्यक्तिक स्वति । व्यक्ति का कर्या (देनी b) व પાંત્રમાર્વિ માચાહિક મદલલ મુખ્યાપ્ત છે. Water new its 317 45 14 भाषाम, अक्रियाम्म, त्राच मी शक् गड् waard affan men g etimeferen e wa वस्त्रक्षा शक्रमें। बारायात्र मणिक माकार काश्चिम काश्चा जनात्रात्म काराती माना ##### C## WHE TAKEN # 1194 #111-श्रदश्य निकेष्ठ कार्यानिक काल कार्यकरा Sian wegn : m Beiten mfema . व्यक्तिक के अन्य कथा हार ्कर्रेड्डी मुक्केड बाहा को एपः मन्मरिय या नारस ुविश्विषी कंतिर के का लक्ष करना कि नि क निक्रमान छा छ। छ कि निकास अवस्ती क्षात्राया अवस्थित सम्बद्ध के लगत 

#### লাক্স আহরণ লাক্রী ু শুরিডা পাওয়ে কেরপ্রাপ্তি

सर्वेश्वर अवारमं नार्रे कर्ग ग्रम्थान गुन्न स्वर्थेश्व मार्थेस द्य, ज्ये छ मार्गीन गुन्न अवस्थानवर्थेश्वर क्या वाल भारतम विद्या अवस्थानवर्थेश्वर क्या वाल भारतम विद्या अवस्थानवर्गित स्वर्थे स्वर्थेन व्याप्त स्वर्थेश्वर सर्वेश्वर क गुन्ना भारत क्या ग्राह्म स्वर्थेश्वर क गुन्ना भारत होता है। स्वर्थेश्वर छन्ना सामा क्या क्या है।

# গোস্বাগীপ্রভুত গতর্ণর

শিয়ালয়হ টেশনে ভীষণ কাও

जनाम्यम निम भावता ।

এরোলেবের মহিত শকুনির লড় ই

# আমেদাবাদে গন্ধীজী

বোমা বিজ্ঞোরতে ট্রেণের তলা িধ্ব ত

# সুয়েজ খালের শুক জ

নিখিল বদ রাজকলা ও কলা দিখেলন

#### भूतीत वर्डमान माचा

भूगोस वर्षनाम जाका त्वण काम ।

क्रियान कार्यो भूतम नहि । क्रिकास व्यवस्थ ।

क्रियान प्रेज्ञातमंद्र कार्यिका कर्म मन्द्र स्थान ।

क्रियान क्रियान क्रियान व्यवस्थान ।

# नाना कथा

# শিয়ালদহ স্টেননে ভীষণ কাণ্ড :

अक र नरण भी जान : मांभागत अपनाक्क मारक भी । धिलाका । जू भरत निवा अक रत्न खाव कुन् । विभागत धर्म व वाकाली कर्ती (: दें । यन भागा । राज्यु वुं पर क्रांक के किरान । भागांगी । याभाव किश निवा क्षक रत्ना भागांगी । याभाव किश गिक्ष कर रत्ना कि काम अकिरम गाई एक धर्ममा

मिन है ल्यां करण कारिका नामाली मुनक महिन है कि लिए कार्या नामाली मुनक महिन कार्या निर्माण कर छवर महिन कार्या कार्या निर्माण कार्या कार्य कार्या कार्

ইন্স. শক্তা হ টি, গুপ, পিৰাণদৰ হয়ল-প্ৰয়ে পুলেশের কলা,শক্তার ক্রাছবোচন চক্রাডীর সংখ্যাসিকার এই ব্যালয় হয়, ব্যব কার্ডেকাঃ

## ইংগতে মিঃ তিলিয়াসের নেতৃত্বদের সহিত আলোচনা

ভারতীর ইউলোগ্যান এমোসিয়েন সংগ্রুসভাগতি থিঃ ই, ভিলিছান লগুলুলু আঙ্চেন ৷ ডিনি ভারতের ভারী লাগন সংখ্যান সম্পর্কে বিনিধ্ন মেভাবের স্থিতি আবোচনা ভ্রিতেভেন ১

देशियरबार विश्व खालकेख द्या, हिन्न मराहुँ, विश्व कार्यक्षण, वाक मान्यक्ष चार् का मिल कार्यक कथानाका करेन स विश्व विश्व क्षित्र कथान महिल द्रमेक्ट क्या विश्व महिल्ल मान्यक कव्यक्ति विश्व क्षा महिल्ल इर्गाहक कार्यक व्यक्तिक मिन्नसम्हे

#### এরোলোনের সহিত াুশনর লড়াই

श्चिम निरम्भानाम क नाव्यां के दिला का का क थानिक स्वर्ध्यत विषय व काहरूनाम कहेटन का महाबाम माला द्या कर के किएका काशक्यांनि यथन व्यक्ति स्मर्काल १००० । ार-हे त्यरंत्र केंदिएकिंग कथ्म खक्की मक्ि | traf efente wien Bie mie का सम्बद्ध करता । कारक थुन दर्भागालक (व्हानिक क्रांकिकांक करता) मिकि मेटा अने बार्किटक मु । हवा शहरा वैक्तानरमान किन्न अकृतिर भूनवाकाराव । प्रित्य शक्कारमञ्जा श्राप करेटक कालानी GANGICA COM'S BEN LO BESTALLE भावि खर्कवार्य अकलात करेश त्राम । fanbare i tente und geben berten i MIN BING (+14 511 -C+ MINGS भूक्षक अनुक्र रिज्ञक्त अहारातीत अहरू क्षाम् अक्षांन कविश्व शांद्र व्हेशः दक्षान करिएक जान क्षणा करियारको । ŒÈ melm me.a. atanbe ereit

কল্প কৰি কৰি প্ৰায়েশ

क्रुनेमीक बाद्धीरक आधा १८७ (-१६ नीप यालाव ०० : शिकारक

화학(역, 역소대 위 명이 Gret) · 영 · 1819 [ a · की बार्क करना अवर अरुते श्राक वर्षाः बाब निक्षा योगानिक, अपना दुन्यत-व्यवश्विति वालि सा वाकिश्व ना दर #660 Winn Wome off a feat of the उ**छे। सम्बर्ध कार्यालक खास्त्रम म**्राह्म दश CHA! ESTANG CTITE CENTER भिः नार्यकाणन महन चंदा (प्रथम) अर्क्षार देश क्षार्य क्रांस्य क्रांस्य अपर MB केट्सक्यम प्रशास्त्रक शहर, या प्राटक भवता कालिया स्मानन ्यार स्वीयर क MIN CO. HACOS SE BUILDING AF ध्यानः ७५क्षपार शक्कीश्यात सानात जीरकाल क्षानदीरक सानाम बहाय रिकील वासुरधाउँ भव का (Sauthica) 署卷四卷 好 (首, 內門衛行為 報報 內部面別) cut t care wir m ent blocuco t

#### भागानी भारतामिदकत संधिकात 31215

Blene wohn beieffe ein iffe e. आप्तान व्यक्तिकांक महाक करिएड केराक क्षेत्राह्म विष्युकार्य कारानी गारaife extern mis. Bielers mitaffe ! क्षमा मार्टन्ट ।

क्षां, वासर त्यांक्रिकांच क्षित्राच क्रक ठीन ळवानी देवरमनिच मध्याम-दमबीयुव्य স্পুতি এক স্কার সম্বেচ কল। এই माना माना नियान्त्र व्यक्तिमा वदा weine minfrau gaarg afbite us क बाका काम्प्रदर्भ कड़ा कब हर, किलि दबन हीरलंब मर्खारका मिक्स आल्यानाना करिका कार्णानी मरवार इपनीवृत्सत अकि-

चाह्य मुकाब अभागकि इ-कान भारत खेरकु का कारबात वासणां वित शक्ति । तारवानिकारवस मुक्ति कीमा कर्छ । रक्त भगास्त्र वर्ति। कानामी मरबाव-नावा लक्षि वह दल्द्राक्षत करण जानकाश है छ-नान-भिनाक दक्षात कविष्ठा कल्लान कृष्णि बर किंकु छेट्रा काकाल-पित्र कात बहेराक, जागटक विधा-मार्ड काञ्चन करिका त्राम । कांत्रकारे कानीत (त्राहकक कारसहम अर्दक किया अर्थ

> कड़ नियशनर हीरमद कर्खनक क्षति श्रम कटवम ज्यार नरमम त्या, भिः B-512-122 राष्ट्रः कतिदावे अवस्थाप कृतिहारक्षमञ्ज अनिषद्य क्षाणानी भरताप (शरी) बुल इस विष्ट**ाई विकाल्डन फा**का war marcas family

Ma Sus winn mi'sin ballente britenfunge eten Ce, wonig Ciol-व्यक्तिनात करणाल अवसा करूप, कालाव | अकति लावका माधिका याथ। के भारम ineb प्रदेख वाक्शिकशाद अवन करा क्रांनश क्षांनानी मरनामगट्य गए। ! 1444 214 PH WH 4814 |

> होता ४ के क ध्वन द्वाकारन होत्री क्न नाहा काम त्या व्यवस्थितका C 2171. # ". c(w)" 4(4) 469 468 422(7) िराष्ट्रीकामभरक बचा क्यतारक दय, कार्याद भाव कीवाता प्रतित्यान क वावार करावार महावस नाहें। द्वीकारा क्षेत्र द्वांस्था दशाश क्षित्रक गा गा गा गा

#### द्यामा विकास दिन दिना है। वह BOIT ISEC

मिन्नीत अभाग ८८५८मा विकास CLUMISCOL BYES WAS CHAL WIEN य बदाव श्रंट ३०० व्याचित शक्तां है हाथ-मन द्विन भारपाडिम बाद्य आहे वह-

फामहीन खिल्म मिक्टि वि, वि, ति, आनं ceces is bie शत्यक्ष अरमानि यांग गाड़ी काकारनांक्या अवस्त न १६ न्यान कृति काल का ब्रह्मां हुन । ४३१२ याणि भारीत लेटह अक्षा क्षीरन काव-अब न्या कृतिश शबे प्राप्तक कान eres united other aleas collect धानिक्षा गविकाद दरेशा हमाण्य श्रापा

याब त्य. करमकशांन बाक्षीत्र कता विशिष्ठा निवास्त्रः हारथम सूनी श्रीवनश्चाद कांक क करेगाए के जबर लागान नारेम-केंग्र क्षाचि क्षेत्रांटक। शूनिम स्थायात ·at मृत्री करवकत्यमाक गरेश शिष्ठां व

#### चटत्रक चीरलंत शब्द द्वांज

कुरमण शारत्य यथा मिन्। दय अपन क्रांत्राच ब्राक्षांशक करत काशास्त्र नि न है क्टेटम क्याउँ। एक्ट काश्वास कता अव। धक्री पास्क्रीहरू दर्गणाली बहे गाम कांग्रेशिकात्कन त्या वर्दिमात रेकांड । एवंच शिवकालना कविष्णाकना इतिन शनर्गन (यन्द्रेड कडे (काम्लानीक मन्द्रार्थका बढ ı Bingerge

िছ्नतिम भुक्तं वृद्धिन नाममाधीतः क्रमात्रीय किटियासिस्मान्द्य, व्यक्ते अन्तर्भव मन। भिष्ठा व्यामक्त पुरिल कालाक याणावाक nen-mietenn nu ent mufeb! फिरण करता अण्डालि **क**ामा दशन त्य. क्ते बहुद्राप आर्श्यकहारम दक्षा कवा 1 1550

এন উলের প্রস্থানে শাশানী নটুকা কাটিয়া বাজালী বুবক আছঙ NB bes afmerten fegt file-

> खरुष्ठी पत्त नामकात करूका वःश्वानी Pie eifer bein mire i beet? করার শমরে একটি গাটিকা বিশ্বা ভার্তক मात्र अवानि क निकास क्षत्राहक । कोल्ल व्यालकात कार्निका नहत्त्राक क न्यूनिव दम्यादम चक् क्या चाक्क वाक्तित्क शामाकारम ५वि कहारमा अदेशाका

### कत्राभी कर्मानी व्यक्षात्र

कालावा करुगंड कालमवार्स जिनका महानी क्यांता देशकान क्षेत्रान CBHI Erici mimine Bumpene क्ति करते। कृतिरहरूतम, क्रम्न मध्य ±व धिम च-८क ट्याय व कता का। ष्म १३ गत व्याप वर्गायम् । कर्षाध्या ७८५ व्यक्तिक (+(4)1 mimie 74+fca 4fcmile seulce 1

क्षत्र मन्त्रदर्भ सार्वाचित्र शक्त कर्राय कत्रमी प्रकानात्म युवानीकि विक्रियान केंगविक मना श्रेष्ट्राटक ।

देशाच असाम .स. केलाब केक महानी कर्षधातीषुष, भूर्यं क्षांनशकं क्षत्र दक्ष्यं शरिक्षान करिटकविद्यम् अवस् अनुदर्शन · Britte cut verify with the Chemit

#### THE PROPERTY OF

Wind fin dinger merlig ninn-Binta no 3g escata tien our mili d. विकासियमा कीयन बाह्य व्यक्ता शिक्षात प Bortwie west wern men finien. ferme nem feingfen abnifema ab ure auceiten wie nicht BAL TIBLECE CH. WINN WINE MICH क्क्षी प्रशासन पर्द्रशास स्टब्स्नम् शाकी वट्ट नाक्ष्या प्रकाशक मुक्कि BUTER L

### নিখিল বন্ধ কাক্তবন্দী ও কন্দ্ৰী गामनम

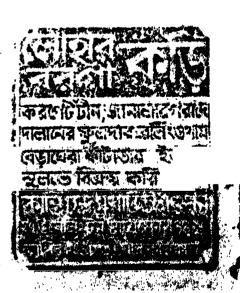
कशिकाल्यत केंगलाई भागामी दव मार्शक रणस्य मिथित यस निवासीक काम की क मन्त्री मार्काशमध्ये यावता कवा वरेटकाण । अने अन्मदर्भ कांबकर्थ Be a maine efficees !

हेर्न्याचा क्रमण अवाधी अवाधी मधिक भडिक व वस्तरक । खिद्रख्या मानगा-क्रका तथा च लिएक भ्रम्बङ्गार माणुनीरक मन्त्राक्षक मन्त्रारमधी था मन्त्रामक निवृत्ती क्या बरबारका निश्चन मान्यमधीय सामी च कार्चना गणिक भति व क्ट्रेस्य !-

अभिनामनीय भाग अध्यो पारंगने निष्ठ लाबनंती शक्तियाय गायता करा सर्वेदाटक १. गार्काटक श्रेमस वस्थान वहेटक स्थासिकः गायाक कारिनिधि मिकिर गैटक स्थानस्था 中门中的 电影子 医甲基二甲基 电影 电影 电影 कार्यः हाम दियात या बद्धां कंडा व्यक्ति । 🐃

### चाः दमनावादम नाची जी

म । मा नाकी समारी मीता त्यम ब्ह्या श्याकिकारीयन यस ५कटल व्यक्तिम मन्द्रक Comin wash enem meenmerten ज्लीकम। द्लीकिमके क्लिम क्लिमेंह्री চাত্যা যালঃ কৰাৰ জিলি ২২লে জালৈছ लवाच चनकान करदम है केदलब केदिन वारकीकी वाळा करिकां क क्या जानर द्वाबादम् क्ष मार्ग्य दल्य भर्य व वाक्टिया ।



# माभारक शमक

গত ৪ঠা বৈশাৰ (১৩৩৮) প্ৰক্ৰবাহ व्यवद्राद्ध उ विकृशांत अत्रवश्त्र अतिवाक क-আচাৰ্যা শ্ৰীন্মন্ ভক্তিশিদান্ত সরস্বতী গোখামী মহারাল কলিকাতা আগোড়ীয় মঠ ছইতে প্রীধান মারাপুর ঐটচতত্ত-মঠে ওভাগমন করেন। তাঁহার অফুগমন করিয়াছিলেন -- শ্রীপাদ অমন্তবাস্তদেব পর-विश्वाकृष्य- अकिञ्चमांकत श्रीलाम नाताम्यामाम किंगांजी अ धिशान मक्कनानन उक्कांती।

भ**७ ६६ दे**गांश ( ১७०৮ ) दक्षित्रात অপরাক্তে বীরত্ব জেলার রামপুরতাটের নিকট কোনও পন্নীয় অদিবানা প্রিয়ত विस्मानाम हत्यामागाम महामग्र छ विशव-পাৰ পোস্বামী মহারাজের নিকট শুদ্দুদ্ इदेश व्यागमन कतिरम कीम व्याप्तान ঠাহাঁকে জিতাপ হইতে অব্যাহতিলাভের উপায় সহজে বহুক্ষণ হরিকণা কীর্ত্তন करतन। जामना एक्सि हुचक सम्माष्ट्रत श्रकाण कश्चित्।

"ঠাকুর অভিবিলোদ ই-ষ্টিডিউটে" कात मःथा। भिन भिन दृष्टि लाइटिट्छ। **क्षात्र माथा। ५०० कम बहेर एक ।** 

गण बहे रेमणान ( ५ ००५ ), ५४ व्हिल (১৯%) भनिवात्र भिवश करेटकत तहाटङन्हा करनरकत्र देखिहारमञ्जू व्यवीन व्यधानक जनः পাটনা ইউনিভারনিটির ইতিহাসের নার্ম-প্রাণান পরীক্ষফ শ্রীয়ন্ত নিশিকান্ত মালাগ ध्य, अ ग्रहामय ''ठाकुत्र छिक्तिवित्नाम इन्द्रिकिष्ठे" शक्तिम्बीन कविवादित्वा। ভাঁচার মন্তব্য বসামুধাদসহ নিম্নে প্রকাশিত **ए हैं ज**,---

#### শস্তব্য:

I visited the school this morning. The number of students increasing fast. The average attendance even in the infant classes is very satisfactory. All this shows that there is a wide demand for instruction on a truly religious basis. Several of the teachers belong to the mission. But all of them appear to be fully convinced of the value of the religious basis. This, in my opi nion, makes their work full of a healthy, living interest which is shared by their students. This is bound; to produce real and enduring efficiency also in the mechanical portion of the work. I have personally a profound regard for

## শ্রীশ্রীগুরুগোরাজে জয়তঃ

# দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

# নিতাপাঠা বৈকুঠবার্তাবহ

বেদাদি সমস্ত সাছত-শালের অক্তিম ব্যাখ্যাতা সমগ্র ভারতে একমাত দলভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

### লীপাম মাহাপুর–১০ই বৈশাখ রুচস্পতিবার–১৩৩৮

the Head Master and I believe his great personality will prove a source of inspiration to teachers and students alike in the building up of the lofty tradition that is the heart's desire of the revered President of the Institution. I suggest that the speech of His Divine Grace at the opening of the Institution may be set up at a prominent place of the Buildings to be got up by heart by every real well-wisher of the cause of true education.

Sd./--Nisikanta Sanval Profescor, Ravenshaw College,

#### বজাগুৰাম

আনি, অহা প্রান্তে (ঠাকুর ভবি-বিলোধ ইন্টিটিউট নামক: বিভাগে अभिन्नम्य कतिथाय। एके निशामस्यत क्षांकारका क्षांक पूर्वि आश्च करेटकटछ । উপস্থিতির গড় শিশুলেণতেও অতি য भ्रतिशामकामका देशात्त्रः विश्वत स्थात উপর ভিত্তি-স্থাপন-দার: শিক্ষাত िष्ण आधाक में सराहे हुई कर १४६६ । निक्षक गर्भव भर्मा कराक स्म (८ १६) देवकार । मण्यामण्यात्रहे त्नाव । कि शहाता (भिक्तकत्व) सकटलहे स्या-ভিত্তিমলে স্থাপিত শিকা-বিশানের উপা মুশ্ররূপে আছাবান। আমার মতে ए हारभन्न उठे खबान निका छानानकारि काञ्चलनटक अञ्चल सारम धनर्कीनमाँ प াভাগেও 🕫 জালান করিলে বল শিকাপ্রদান অবশ্র প্রকৃত স্থানী ক্ষ প্রায় করিব। প্রধান শিক্ষক মহাশহের প্রতি আমার ব্যক্তিগত-ভাবে প্রগায় এবা আছে এবং আমি ক্রি, উাধ্যে স্থায় মৃহদ্ ব্যক্তির সঞ্চপ্রভাবে লিকক এবং ছাত্রেরণা সকলেই বিভালয়ের সভাপতি মংখাণদের हित्रमत्भाक्षेष्ठे श्रहारत्व महाप्रकाकरत्व क्ष्रे-फारव धारणां विक इहेरवन। आधि धारणां व

প্রের শিক্ষাসংক্রান্ত চেত্নবালসমুখ ( যকলেরই দৃষ্টি আকর্মণ করিছে পারে ) বিভালদের এরপ কোনও বিশিষ্ট স্থানে দ'বয় পাকুক; ভাষা হটগে বাস্তবনিকার প্রকৃত শভাকাজিকগণ সম্বক্ষণ আবে।-চনা-খারা ) উহা কণ্ঠত্ত করিবার প্রয়োগ : পাইবেন।

## ঠাকুর ভব্তিনিয়োদ ইনপ্লিটিট **छेक्च। हे**टन

# শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতা

কালের শিক্ষাপ্রধানীর মদ্যে প্রকিভ হয় মে, মান বিভাৱে তাতি উদানীতে পার-मानिए। माध्य (यस विश्वास मार्थकरण)। এরপ বিভার আনাক্ষেত্র হাম্বরে। বিলয়-Elect Whitelest Etres আধাকিকতা অন্যাপুরীর ভাগা 9 इ'रगर्छ ।

५७५५ शहरत यथम प्राप्त एकारम ্রাগমে ব'লে বান কল্ডে জার্ড কবি. তথন সানীয় লোকের শিকার ভর যতু ক'রেডিল'ম; পরা শিকার কথা দুরে शाहक, आधीरको भिका याशिकिको निकास निषद्यं । त'ब्राट्स्ट्रनस । काटकव আগ্রহ এও কম দেগতে পেথেছিলাম গে, অমেটক নেজপ মর হ'তে কায় ২ তে ৩°য়েছিল। প্রাবিখাদ আলোচনার জন্ত ताव वरम्य भुष्य गङ्ग व'रावियाम--আছীন পার্যাপিক গ্রন্থ এবং পার্মাণিক শাল, দশন ও বিভান এছিছির। নরখেত छुनमञ्जूक पादनाधमान स्थानस्त्री अङ्ख প্রেটিটান স্থাপত টোক, ধ্রত যত্ত্ব কাছে-धिलागः किश মান্যেগ্র 7626 ব্যাকরণের কংগ্রুমী স্থা কণ্ঠছ-করণ কিখা কৃত্ৰকথানা প্ৰাক্তি কাৰাগ্ৰন্থে স্থানি-কার লাভই অনিকতর আগ্রেচের বন্ধ অনুধা বিধ্য कति (य, উर्दाधन भिवरत मञ्जाभाष्ठि भरशाः | विष्ठात सब्दुष्ठ भाश्वता निवाहत किन्छ | विष्ठात ।

আমি যে উদেশ্য ও অভিলাদের বদ্ধতী হ'লে একপ প্রায়ত্ত ক'রেছিলান, আমি বা'-हैका क'त्रिक्लाम, ता कना नाउ रह नाई। अधिक कि, आस्तरकडे ८१ई উদ্দেশ্যের ভাৎপর্যাটীও গ্রহণ কর্মবার মস্ত (याभाजा वांड करत्रन माहे। (मरभन्न অবস্থা এরপ !

मः किल दनरम, युद्धारशत्र नानाञ्चारन এবং ভারতের বিভিন্ন স্বানে বৃত্ত শিক্ষা-মন্দির রচিত হ'রেছে ও হচ্ছে; কিছ এমকল শিক্ষা মনিবের ভাষা-বি**জ্ঞানে** উন্নত হ'লে কি তাৎপৰ্যা লাভ করা যায়, ্রা'তে আমরা অনেকেই উদাসীন। কিছ-ক'লের জন্স দরকার প'ড়েছে যে শিকার. শাম্মিক কাছ মাত্র চ'লে গেছে পারে যে শিক্ষায়, এরপ শিক্ষার আলোচনায়ই সামব। মতক আলোড়ন ক'রে থাকি। খণুর কার্য্যের এছোখন-সাধিকা শিকার সংগোচনা না কণ্ণেও চল্বে---এরপ একটা সংক্রামক আরম্ভ আমাদের স্ক্রাকে প্রাস ক'রেছে। কি এইখা দেশহিতৈনিতা ও পর্যুংখত ঝিডার অভাবজাপক।

কিছুদিন পুনের আমরা অমণ করতে कर्ए प्रभिनीश्व मुक्त वि'दाकिलाम. দেখানকার জিলাম (জিটেইট) ছিলেন তথ্য थामारनत कवात व्यवतिष्ठि कटेनक क्षांत कारण मना द'ला भागतिलात हातू-क्षा अम्यात करिक स्वाध शदा विष्णि ক'রে আমরা জানীয় সুহোর কান্তুপকাগণের निकेत श्रेटर युग्याहर शार खिला कर्रात-ছিল'ম কিন্ত ডিলেটাল অৰ্পাৰ্লিক इंजीक्स मध्यानग्रत कालिया ध्यारत ধ্যাবিষয় গমূহে মন্তলেল আক্রায় তলাবে विद्या हिरण द साह कर्त व त्या वाशक-निट त पाटिस कानव्यकात ध्यानियोश्ली শিকা ও শ্রমীতির মহিত মংযোগ না পাকে, ভাগ্নি সুলো মাগোর আবোচনা भक्षात्रं जोटन निरंशत लिला। कारक्षे आग्रता আয় সেপানে প্রথমের কথা বলবারও ए।न প্রাপ্ত হই নাই। অবশ্চ যা'র। অভিভন্ন বেৰে ভূমিকাৰ আবেহিণ ক'ৱে এরও বিচার করেন, ভাবের সেক্স বিচারের অনিকার গার্ভে গারে। শংক্রে মতে চে আছে ব'লে কোন মেহ আলেচিড र'रव मा', एक्षण विश्व तथ एक देखा भार जिल्लिय निष्क शासन । इत्य प्रशास **भ्रमुबन्तिशन् बल्**डन्न,---माञ्चन महो। का (भरवा देरकरहान वार्या । प्राची का कथ्रक थाव घटनव घटना क टार मा'-ভোগাকী পোক ८८ मा अन शास्त्रा न'रम अवशहन স্বার্টীর্থ প্রস্তৃতি উপানিলাভই তা'দের স্বাহে, কোগাও লাজন সেই' ব'লে ছির আশার শেষদীয়া বা প্রমণুক্ষার্থ ৯৫৭ নিভাত করা মতাস্ত ছুল ও অভিশাহদিক

# প্রহেলিকার মীমাংসা

( ঐকিশোরীমোহন ভক্তিবাদ্ধব বি, এল ) মেদিন কলিকাতা শ্রীগৌড়ীরমঠ হইতে হীশারে বাড়ী ফিরিডেছিলাম,আমার হাতে একথানি গোডীয় পত্রিকা দেখিতে পাইয়া আমাকে গৌড়ীয়মত সংক্রাম্ভ লোক বিবেচনায়, সীমারণ্ডিত কোন একটা শিক্ষিত ভদ্ৰলোক আমাকে হঠাৎ কিজাসা कत्रिया वनित्मन,—'दम चून, त्श्रीकृषियर्शत विष्ठात्रका क्रिक बुका यांग्र ना।' आणि विण-माम,---म नांग, 'वाालात्रहे। कि हत्यत्छ ?' ভদ্রবোকটা বলিলেন,—'দেখুন, আমি **भो**फीयम्टरेत भूग शुक्रव द्यीन एकि विटनाम ঠাকুরের 'শরণাগতি' থানি ছই একবার পঞ্জিলাছিলাম। কিন্তু তাঁহার বিচারের **বহিত বর্ত্ত**মান আচার্য্যবরের বিচারের শাসম্ভ দেখিতে পাই না। অথচ গোডীয় মঠের বভ্রমান সাধুগণ ভজিবিনোণ ঠাকুরের পণাকামুদরণকারী বলিয়া গর্ম স্থারিয়া থাকেন।'

चामि दानिनाम,-- 'वार्शावधाना कि. **একট পরিধার করিয়া না বলিলে ড' বনিতে** পারিতেছি না।' ভাষাতে ভদ্রবোকটা विनिध्यन, — 'दनपुन, त्मिन १४ है विज्ञानात অমন মহাপ্রার জন্মতান শ্রীগাম নামাপুরে 'बेर्ड्ड किनियात देनिएडिडे' नाटम अक्टी फेफ हे तानी विद्यालय व्यक्तिक ब्बेटन, (मधिश तकुरे व्यान्ध्र्य) विक ६४-नाम । अताम मात्राश्वत त्यानिभीर देवक्षव-গণের পরম তীর্থহান এবং পরবিভার **भीठेष्ट्रणी ।** विभि 'मङ्विधा रह, सामात বৈছৰ, ভোমার ভক্ষে বাধা। মোহ অসমিয়া, অনিতা দংসারে, জীবকে করছে গাণা ॥'-- এইরপ গীতি কীর্তন প্রক অড়বিছার অকিঞ্চিংকরত্ব এবং উহাকে बीद्वत वक्तरत्व कात्रगत्वक्रभ विद्या वर्गन निकाय में क्रिया भाष्ट्रगाया मा। করিলেন, আল কিনা ভারারই অনুগ্রম-कांत्री मांगाएमांग्रान, त्नरे भ्रतिश्रात পীঠন্তলীতে ভাহারই ভেডিবিনাদ ঠাকুরের ) নামে একটা ছড়া বা অপরা বিষ্ণার কেন্দ্রখণ ছাপন করিবার চেঠা করিতেছেন 🕛 এ' প্রহেণিকা ত' বুঝিতে 🖟 भातियाम ना ।

करदा मुक्तित मान गान काविनाम, ক্ষত্রকোকটার সন্দেহ নির্বন চওয়া **আবিশ্বক,** নচেৎ উহোর ভার ন্যনীল আরও অনেকেরই জীগেট্টার মঠের প্রতি व्यवस्क व्यवस्था व्यानिया उपिष्ट इडेरन ! ভত্তররে ভারাকে বাচা বলিয়াভিলাম, ভাষারই কতকাংশ এই প্রবন্ধে লিপিন্দ कत्रिगांय।

हिनाम वान, देवकुष्ठे बहेरछ दक्ता अश्रम क्तिरछह्म।

ভেগ নাই। এই চিমায় বৈকৃষ্ঠ ধায জীবের নিতাম্পলের জন্ত অবতীর্ণ হইয়াছেন। অচিৎ রাজ্যের কোন প্রকার হেয়তা বা অবরতা এখানে স্থান পায় নাই। গুরুপাদপদ্মের স্থপায় कीरवत्र मोजारगामग्र हहेरन कीय वह চিন্মর ধামের স্বরূপ উপলব্ধি করিছে পারে, নচেৎ অজ্ঞানান্ধ চকুর সাহায্যে কর্মমত্ত মার্টের বৃদ্ধি লইয়া কেবল মাত্র ইট, মাটী, গাছ. পাথর ছাড়া ভাহার ष्यात कि हुई पर्नन इत्र ना। भटर्गन নিকট যেমন প্রকের লিখিত অকর-ঞ্লির অন্ত্রণ উপলব্ধ হয় না, সেইজপ ফীবের চিনায় চকু উন্মীলিত না হওয়া প্রায় শ্রীবামের প্রবণ উপলব্ধ হয় না। অভাবে শ্রীনাম মায়াপুর ক্রমণ্ড কর্মাজ্ভ-মার্লগণের বিচার ভাষক। হইকে পারে না।

**দেশে অহাল স্থানে বহু বহু উচ্চ-**रेश्ताकी विकास शाका गरब अधिया আবার ঐকপ একটা বিভাগমের আবতা-क्षण भागारतंत्र म्हरज (त्रांवरामा हरा भा। (मर्भत ८९ व्यक्ति भावशाख्यास सामाहतत मञ्चानमञ्जलित वालित, शालिक छ विकेष्ठ क्रोटिंग्ड, १८११। स्वर्णानाति ভগ্রন্বিভ্গত্যেয় ৷ বাল্যকালের শিক্ষা ८ म्हान कि.शिव कीत्राम क्लीक्ट करूग रफ्डे क्रिन। भारा:जीतनदाली काट्याः লিখার ধ্য*িত্*ত বস্তু। এইরূপ তিন্ত জ্যেত আমাদের প্রভাকের ভীবনে প্রবাহিত, কি একারে ভাল করিয়া (क्वांश कतिया कीवन याशन कतिएड) शातिय, देशके जागामत निकास भूग মন্ত্র ইহা ছাড়া মলুয়টাবনে আর কোন কর্ম্যা আছে ব্লিয়া বর্তমান বিভার করিয়াছেন।

वर्डमान युवाजाया । अ दिकुलांव खीळीयह-ভিভিনিকার সর্বাহী গোলামী মহারাজ বর্তমান শিকার অভ্যস্তরে নিহিত এই ভগৰদ্বিৰুখভাৱাপ ডিডাংল্লেডিকে ভ্ৰ कतिया आमामिशक शृद्धत निक्त बहेगा গ্রিয়া পরশাস্থির আশ্রেম্বল কোটিচন্দ্র-ত্তৰিভাষ শ্ৰীম্মন নিতানিকার পাদপায়ে প্রতিষ্ঠিত করিয়া দিবার এন্ত এই প্রপঞ্চে | অভিন'বিগ্ৰহ জীল প্ৰভুপাৰ উচ্চাৱই মহাপ্ৰদাৰ-নামে **আখাত হ**য়। ইজার অবভীণ হইয়া সমস্ত শ্রীবকে বেদ-শ্রীগাম মারাপুর বোগপীঠ সাক্ষাৎ আন্ধানন করাইবার জন্ত বনোবস্ত

শভাতিদাবী ও লাধাকিক সম্প্রদারের **এই नर्खारेगकवायमर्जय मत्नाखारवय** যুগে বহিৰ্দ্ধতা বৃদ্ধির সঙ্গে সঙ্গে নির্ব্ধ-পর্বের বাজী না ছইতে পারে: ভোগ-বিশাসিতার সংস্পর্ণ হইতে দুরে থাকিয়া পারমার্থিক পারিপার্বিকভার মধ্যে শিক্ষিভ ও দীক্ষিত হইরা বৃদ্ধিত হইতে পারে ध्यतः मानवसीवनत्क श्वतः। भन्न भव हहे एक র শা করিতে পারে, তৎসম্বন্ধে বিহিত। नःवश्रा कतिवात कछ वर्खमान धृशाहाया हीभाम माम्राज्यात आम रेलहिक छ অভ্যিক স্বাস্থ্যকর স্থানে এইরপ একটা বিদ্যালয়ের প্রতিষ্ঠান অত্যাবশ্রক বিবেচনা कतिबाद्धन ।

व्यापनावे पैद्यापन डिल्ड, डाहारा প্রত্যেক বস্তুকে হরিদেবার অভুকুল করিয়া गहरक नारतन। छाडे बिजिनवहीनवाम প্রচারিণী সভাষ সভাপতিরূপে পুলাপাদ প্রাঞ্জিল প্রভূপাদ 'কুফাড জির অস্তুকুল করচ শ্বীকার' এই বাণীর সার্থকতা সম্পাদনের क्छ ८३ व्यवतिष्ठानस्थावस्त्रत् पात्राख ভীবের সেবোমুলিনী বুলিকে জাগরিত করিয়া ভাষাকে স্বরূপে প্রতিষ্ঠিত করিবার চেইছে আছেন। রোগী ড' छिक खेगम शाहेरहरू हाबिर ना. किन्र भव्येत्रण का क्रांकियात भाष्य व्यवस्थानिक শকরার আঞ্চাদনেও তিক্ত ঔষধ স্মোগার अक्षायःकत्रण कत्राहेद्वम । (महे ध्वकात्र व्यमस्मानग्र-मञ्जानातिषि द्वीम व्यञ्जान ভ্ৰ-ব্যাদিগ্ৰন্থ কোমলম্ভি ৰালক ও ব্ৰক গুণুকে এবং প্রকারায়রে ভাষাদিশের অভিভাগকগণকে পর্যায় এখামদেবা, উল্লেখ্যা ও ইক্ষিম্মেরের সেবার निवृक्त कत्रिवात कस्त्र वह दिनेननकान

धीधाम श्राहिती मुखात मुगा छेल्ल ( শ্রীল প্রভুপাদের ভাষায় ) 'ভগ্যানের (ভোমার) অপ্রাক্ত বিভা মালয়ে অবিভা প্রকট চিনারভূমি অবিমির চেতনর্ডিতে উল্লাসিত করা'; এবং 'শুপরাবিভার প্রবন্ধনাদি ধাম প্রচারিণী সভার পৌণ বা অবারের উদ্দেশ্ত মাতা! আধাফিক क्षांत्म त्य विश्वा 'मनता' बनिया विठातिक, त्त्रंहे यक दक्षि छशवरम्यात्र मानक वा অফুকুল হয়, ভাষা হইলে ভাষাও তথন অবতীর্ণ হইনাছেন। প্রীকৃষ্টেডজ্ঞ- ডালার প্রাকৃত্ত হারাইরা অপ্রাকৃত্ত অবতারে যেমন প্রেম্বক্তা উর্দ্ধিত হট্রা লাভ করে। বেমন প্রাকৃত কলমূল বা श्री, दुझ, नातक, युना প্রাকৃতি মকলকেই অরপানাদি यथन अध्यादानय উচ্ছি ডুবাইয়া দিয়াছিল, এবার আবার ভারার্ছ চয়, তথন তারারাও চিল্লমন্থ লাভ করিয়া

बीटनत कृष्टि अञ्चायी अनुता विश्वाह কল্লভাগর প্রেশক ফল যে প্রেমানুত, ভাষা ভাষাধিপের প্রের: বছ। ভাই জীল टाएगान धरे पड़नियासम ट्यार दर वाक्र्यत् পরবিভাষণুর জীবন-শঙ্কণ মাজেরই উপস্থিতি প্রার্থনীয়।

गांधिनिकांत्रक विशास विक হুকুমায়মতি বালক ও যুবকণণ বাহাতে স্থীপ্তনে আরালযুভ্যনিতা স্কলকে चाक्टे कतियात यस वह विश्वानत क्रिक्टांस गक्स कतियार्डन। 'এक कार्टी करवन टार् कार्या शीह शाक'--वर्त्वयास वृत्तां-চার্যোর কার্য্যাবলীতেও এই বাক্যের প্ৰভাবার দেখা বার মা।

> অহম্মানিগণ শ্রীল প্রাতৃণাদের এই বিচারণারা ধরিতে পারিবেন: কিছ प्रवामनी, त्याचत मृद्धि कर्षा बख्यार्ख वन खीन ভিভিবিনোদঠাকুরের বাজে ও বীশ প্রভিপানের কার্যাবলীতে লামগ্রন্ত পরিবা না পাইয়া তাৰে**লিকা দর্শনপূর্বাক সম্যক**-करल विभिन्न इट्टिन। देवकदवन सना वाञिष्ठ देवकारवत्र कार्यग्रवणी आहलो (वांभणमा हरा मा । छाई (कांन महासम विवादिकन, 'देवकदवत किया मुका विदश्व

# क्री एक-वन्द्रना

यहाभि वालिल, (किकि,दक्श वनाहरण मश्र एक कामन्न कृषि। दुर्श करि पुत्र देवकर्ष शक्त न्या व्यवादिए कृषि। क्षित्रम वृद्धि षाणि ॥ প্রধান কারণ **बिक्रफ**स्ययन-कामि । क्ष्मि कुला करत कांनारक मश्मारक कुकरे कीरवह याती ! জয় জয় প্রাভূ ভূমি। (সর্ব্ধ) ভীর্থ ক্রন্ত্রমণ महिमा की जन

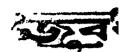
শতীৰ্ণকে ভীৰ্যভূমি পরিব্রক্ষা লৈয়া ट्रोमिक खमिश चग्रर छीर्जनाम क्रिम ॥ गङ्भिरत विभ व्यामि ॥

গোকাৎ) সরস্থতী নামী ভূমি। ' नक्षं किन् कव क्टेका निकास कृषि निधिक्रमी गामी॥ পুনঃ পুনঃ বন্দি আমি 🛊 🖰

নভশিবে বন্ধা শ্ৰীভ জি সিদ্ধান্ত প্রীসরস্বতী গোস্বামী। (তোমার) গকল স্থানিকা, নাম-মন্ত্র-দীক্ষা অগতে অতুল ভূমি # कर कर निव चानि ॥

ब्रिटेडक्कबर्ट ब्रेडिकिया विविधियांगी विगएकिकामीन कीर्य महात्राच व्यापा-मात्राणम व्यक्तिकामध्य প্ৰভাহ সন্ধান প্ৰীচৈতভবাৰী শিশাঞ্জনান कविरण्डा । आधारणनगरी शाकि-

### ভাজাভিলেগঠাকুর বিশ্বাক্তি ভক্তি গ্রন্থাবলী



Benge - Bartofeinie Sigene faire-ইহাতে জীবের পরিচয়, ক্রজের সভিও স্বস্ধ, নিতা ও रेमियाक्ष कर्षा. अवदेवक निष्ठि च व्यवस्थात्मत्र एक्षमः क्षातिहाः । क्रियामा अपन क्षाप्त क्षाप्त क्षाप्त क्षाप्त देशीय वर्गा अपने देशका बरका करूप, नरकारामनाव महिन्न गांवका, माहारुक, देवशे-किंक च वर्षाकारकत्र रक्षत्र, हेनश्यम्य, बरेबछनात्री एक किक कारका, बीर्यंत्र वहारका क मृत्यः, रेगकनशृष्टकत व्यक्तिकार अधिक व्यक्तिकारी-दिकात, क्या क व्यक्तिकारमध मार्चकका, माक्करण्ड क देवक रशर्म, ट्यटम कुक्करीया. कत्रव स इक्ष का कांब्राव टाकेफि-एडक, चैनिक्रवर्ग व शीय-निक्षां शास्त्र, मक्त्रमालक मिक्क कविराध कावन, अल्ल-ৰায় প্ৰগত ভৌতপৰ, শকিবিচাৰ, ৰীক্ষা, বৈতী ও সাগালগা **कि. मक्कान, उम्हत्वत वाधकारी, मात्रकोहरम, मधुद** दम, जीनाव्यत्वन व्यक्षात्र मनात्रम मृत्यु ३४१पात्र करान्य निशृष्ट प्रक्षावनी वा क मतनकाशाम करणालकवातक न अ क लिक क्षेत्राक । अने अध्यास अवश प्रत कान गांच करिए न्यवस्थित ब्रास्कात किहुएको क्षत्यान या मरलत्र वाकिरत ना । भद्रम शृष्ट् पार्विषयक धार्रक्रण महत्र e क्षत्रप्रणामी ताप्र जलगेरण क्यणान्य व्य भाव । निवनत्त्रावाची-नाळ-मत्रान नि-> ४०-करण बार्ड आहामुक दिलिक स्टेशास्त्र । आवार श्वीबस्ट्र क्ठी. क्यांगाव क्षांगांन बाहा 11त्यव मञ्च कहा क्षांगांदक । विश्वकि बाब, दशानाव बारम माम दमका केंदळहे दिवाहे---७७**च गरकः** न २५ माळ ।



## ्डकर्ष भरकश्व श्रुमाळा बांबा**टॅ—२, प्रटे** केरणः **भावाया--->भ० दशोदन प्रदे** हे का

ৰ্ভিপুৰ শাল্পৰাকা বালা প্ৰছেচ্ছ মানবেল নিছা ক গ্রা ও আনভা সামারণ করব। নিমারিত চট্টাচে। बार्ड बार्क केंकि मम्बद्धन माझवाका बारा मम्बिक क क्षभाग् करवाटक । द्यारक्ष, भारतक व व्याचाव मण कि १ चालन, मभाव, मीकि, क्ल कि ह क्लावि विवह नभावनादर and granted simpopies wientibe fries et. अवस नशक करण साम्य समिता (नव गरी-स नाउ ना कात्रवा नित्रक कक्षता बाह ना ।



विकीय शरकतन १४० व्यामाः

क्रियन क्याचामी काक जीन अपूराय शायामी वाक्रक केन्द्रमण्डाता दव अक्रम कवा विभिन्न कार्य कर अद्र ्राक्षणात्वत्र माद्युक्त व करिकृत विकास कवि क्रमसकादन luge stelle ! fol eim Bangeichen En ut िका क केमस्यम् ।वक्ककारव किरियक सम्बादक ।

## ৪৪৫ গৌরাব্দের সচিত্র

# শ্রীনবদ্বীপ পঞ্জিক।

পারমার্থিক বাঞ্জিনাত্রেরই একান্ত প্রয়োজনীয় বিষ্ণুত্তত ও উপন্যসাদির ভালিকা সম্বলিভ বাংলার ঘরে ঘরে নিরাভিড হউক

ভিকা ১০ সানা মাত্র

১/১০ ডাক টিকিট পাঠাইলে ডাকে পাঠান হয়।

মধাক্রি

জীল লোচনদ স নাকুরকত

### শ্রীতৈত্রামঞ্জ

ওঁ বিষ্ণুপাদ শ্ৰীশ্ৰীমন্তবিংলিছ (गाबामो अञ्चलाम जन्मामिङ ङ्गिको; (म्राटक) चावम, वकासूनाम, अर्थि अगरकत ७ भर अत कथा माञ्च, मसमूठी, चानमूठी, भाउन्हरी, ध्वमानअस ভালিকা, প্ৰসূচা প্ৰাঞ্জি বিশ্বত সূচী সম্বাধ্যত । এই নিন্ গাসনিক এবং ইউনিংগন আছে । বোল্ড অক্ষরে ডবল ক্রাউন, আর্চপেক্রা আকারে क्रिके मद्भुत्र कागटक श्राभाः विका-्॥० हे।का

# শীহরিনামটি স্তামণি

भेगम भागाचा, नामा +ाम, नामाणधीन शक् र शिक्षात्रव. गाव और विठाड लगन कडिहाडिलन, खर्ड दिशन छ ग अ. नवल अभारत मःशिक्ष भागवन्त्र अविभाविभावन श्रीमात्त्र भाग कि कि रिजान अरक रचन किया । अप अरक शि किया । अर बार जान मान

# বৈষ্ণবনঞ্ধা সমাক্ষতি

( श्रांतर भोगारक विश्व हा

ियतः -- > । एकिनास्त्र वावक भक्षां गीव व्यथं २। চাতিসম্প্রনাধের ইংকাগেণের চলিঞ, ত বিকুনৈকানসম্পর্কিত क्षेत्रिक्त । विजादक विषय, हा दिकारक व अन्य-मभूरवर्त छ। र त्या छ निवतमः। विष्विभित्तस्य १ १११ । क ड শাহীয় আক্সুলে যবেতীয় ইখা। চারেপঞ প্রকাশ চ \$2\$f(\$ ) 3% 9 8 ho/\*, 2% 98 ho/\* 10% 1,8 h\*, 84 भक्ष Wo, birang बल्दा ०, हैं(क) ( दम बह यहह /

# **क्र**ें डिलिंग फ

)म पण १८ जिन होका : अ पण १८ होक — শ্রীমদভাগনভের ও গৌড়ীয়ের আছকগণ 💵 **ট।काम प्रदेशक भारित्यम**ा दिक्कवाशाया हैं। के व গালামীপাদের হচিত গ্রন্থ। ইতাই কট্বলাডের অনিক आदाबनीय भरण। आकिम्छ एदण क्रांकेन रूप प्रदेश था गुक्का काकारत मू खेल व्हेर श्रक ।

> **এ**মঞ্চাটার্যা সকলেত সদাচারস্মতিঃ ভিকা / • আনা মাত্র

# বিজ্ঞাপন

সাবধান!

সাবধান !!

দে, বি. দড়ের ভোকা শিশি আদাম তৈকা আমি ও অভাত্রম এক উপকারিভায় স্কর্মন পার্রচিত ও বল প্রশংসিত।

व्याभवा भगवभाषाव्यातक कामाकेर्डाइ, नामाय रेडल श्रविम कविन त अरह शिंगत गार्ह है दा**ही** লকরে জে, বি. দত্ত এও কোম্পানী নাম খোদা .পথিয়া খরিদ করি.বন। নতুবং জুয়:cbারগণ ক্ষদরের ক্রতিম ভৈল দিয়া প্রভারণা করিবে।

# ফেরাস কুইনিন

নৃতন এবং পুরাজন মালেরিরান যম

हेबार के युक्त माजाव भाष्ट्रम, शहराहेरछाद्र्यात

এচ ফেরাস কুটনিন খারা হঞ্জেকান করিলে একটা বা ৯০টা চ্ছেক্যলেচ স্কলপ্রকার করিন মা লেতিয়া ছবে বছ ক্ষেত্রবং ৬ ০টজে ১২টা ইঞ্কেদ্রনে মালেরিয়ার সমস্ক डेप्यर्ग नष्ट कांद्रश दक्राला।

বাইজ-বেমিকাল তথ্য ক্লিকিয়ল লাবেরেটারীতে क्राइ कर हर्द्धामण (स्त्र, क्लिकामा ।

८गाफोत्रः (यक्षय-क्षत्रहरू क्षांक्रमय क्षत्र !! শ্রীন মাতৃর ভাতিবিলোভের নীতি-এলাবলা:---



भटक हे जारे छ प्रकेष प्रश्चास

(मह e महत्त्व (**58) धाम्यकायच** महेन्ना—हेटा वधन सीव বৃ'ক্তে পারে, কণ্ড অক্ষাক্ত নিভাবস্থ জীওগবাদের প্রতি ঠাচার কোন ক:ভার আংবেপ্সম্ভী প্রাথনা হর এবং উক্তগব্যনে সক্ষাপ্তঃকরণে নিঋপটে কি প্রাক্তরে শরণাপন্ন ংহতে হয়, ইডাাম বিষয়ক আপশ্ৰদী আছন৷ ও আন্তঃ त्रप्रमाम्बद्ध नान । डेंकिश मरश्रदम क टाका मिछ कडेशाकि

ভিকা আৰি বঙ /০ এক দাসা

্প্ৰস্তাক্ত চান্তকা--- ৴৽. মৰখীপদত্তক--- ৴৽

一個工事員 用门管甲 PHE 3:449 166 WT />

चामतः। वाकार मुक्तन चकार व कामनः। वनवर्षाः इत्रेषः भूनःभूवः स्व क्यापिक क्याप राज्या अस्य कवि अयः यास्त विकृते क्याप क्याप eid, ভিমি যে নিজা বা মধাৰ কলাৰ এলামে অসমৰ এবং কোৰ বছু মাসানের নিজা কল্যাপ্রতা এবং কি ভাবে আমর৷ নেই কল্যাপ্র**তে** নম্ম চইব, এই সভল কৰা সংল গাবে ।গৰিত। এই দীতিজয় ৰাজবিকট কলাবের কলভল: ইনি অভোককে বিভাগলাও এবাবে

বিশ্বত ক্যাটালগের জন্ম নিমলিখিত ঠিকানায় পত্র লিখুন— ম্যানেজার-প্রস্থবিভাগ, এটিডতনামঠ, পোঃ প্রীমায়াপুর. ( নদার )

# বিশ্ববৈফ্যব রাজসভার শুদ্ধভাক্তমঠসমূহ

## শ্রীতৈত্য নস

#### আক্রর মইরাজ

श्राहीन संबंधित, छाक्यत द्वीकाम मात्राभुत, मनीया

জ্রী: ১(যে গ্রাপীর ১৯তে বার ৩০ পর উত্তর-পূর্বে জীবরলপঞ্জে আচার্যারত জীচনা-(अबर-अवस्य द्याद्यीतिकक्क-मह विद्वालयान ।

क्ष्रे छात्र शुरुष हरे होते. श्रांत्र छा शीर वा भाष्ट्र कल करते । क्षेत्र महा शेर्ट के নাম্যুত্ব বাংক বাংগি বংগদি-ব্ৰদালয়সূহ, প্রবিভার অঞ্জী কার্যা, নাটক, অবাহার, তথা क्षापान-चेंद्राहित्यत-देव १-एक- ४ ४१० । १०८६३ अमारात । ७ अमाराजा । ४४१ कराव चेंखन-পৌর্জ-গান্ধ অকানাগারধর ও ালের মাজাধারক-আচার্যানচভূত্র উচ্চাদের ইপাক্ত रिवारक्य । क्रिक भारत प्रान्ति । इत्। १८५३ । १० ५ हतारक पार्वभाविक रेविनिकालक शक्षिक्र সম্প্রনার স্বাধারণাল ও ও লাটোন প্রাধানাল কচারকত্তে প্রাধান প্রকাশ ব্যালয় ক্রা, তার্ডির ব্রুলার্ডের প্রাত্র্বংগর প্রীধাম-গরিক্রানান্তর্ভান ও অগার ভক্তরোষ্ট্রিন্ত ক্রীড়া প্রচালমূল ১৯ মলেছ । বি ভকাল অভাতি ১৮লা পাকে। ২ক্ক -- এক্টারী 🛍 लाम प्रदर्भ १ वेश । अर कानी - शिलाम विटनाम किलाडी अधानती, पाछ र अधान उत्रादमान उपाहाती वारतवार्वीय, ध्रांशाम वीत्रक्त अवहारी, शंक्षत श्रीवाम गावन अवहारी, প্রায়ক নানীরেরার্গাল ব্যক্তর দি, র. প্রত্যেরত দি লগত এই চারী অসুত সংক্ষালয় ।

fige fing gran हैं। महाकार, को शाहित की शाहित के जिल्ला की का किया कि जिल्ला का ।

#### ্ত ঘোগণীত নীম্নিছ

कार्य करून की नगमा । प्राथ्य नगम वा व्यामणाशास्त्र का छिता कृषि महास्यात्र-केंद्रिय विश्वास दिल्ली रहा व देशिया-खिद्राप्तक केंद्रिश्चेत्रस्थान्य । ६०१ केंद्रिक देशी **鳴(唱す (\*\*(\*) すぎ料(\*) まか キー・(\*)\*\*\***\*\*\* आवादा (बान्यामी प्रदेशांगा टाकु की हमा- ) साथ। प्रकारी खिलिकानम अश्राप्ती, Birther gwoth Bristerin atte **等1分。 オイギタ1 ユラブイク出**年

#### ( ) 회기: 이 '대학의

ইম্মাল মাড়ে ক্রিন-িলাস বা हीं, बोहरी भाव रामवती । क ारन के केरियान ব্রিভালন এ প্রত্যের সেবা ব্রহান। रक्ष २---- भ्रियाभाषाम अक्षाती, भ्री भग व war. शिशाकुमभाग वादःश्री ।

#### (६) चार्टेष्ठ ४-स्ट्राम

खंडे अस्मि चै.भरेदे छ छहर । धरन । धरर **दशकः** विक्रेशालः

(७) काळोड मम.सि न है आहीन भौजालुक, बामनलुकुद (समीका) 🚉 नोरक्षणायाक व्यक्तिम काची ३ प्रशास । इन म - अभ्रष्टाती क्रियरमामानकाती ।

#### ( १ ) योशन खुरा कुश्च

चिर्माक्तर, वज्रश्रम ( सर्गोका ) 🛥 पारन केविक्या म 🕮 म छार्कि ग्रिमापर क्रक मधानि क्या श्रीत्रीक्रमश्यक खार श्रीती, मा **电(8,44 574) 4有利**可

बण र--- ७ वि कुछम खाकात अक्राती क्ष्म शांकियी दग, धम, दम ।

#### (৮ श्रीक्रशकाथ दलो हो सर्व 33 H -- Tota 1

वक्षक--- भैतहबः किल श्री सम्, ज्याः । বি, এল, সংগ্রী--- আছিছ।দাস ভাকে : রক্ষ -- শ্রীপূর্ণ গল রক্ষ্যরে। भारती, औरस्कात्र अधिकाती श्राकृति।

। के विभागनात्राचारक करे हैं भारती, श्वास्थ्य (अक्ष्यान )

উল্লেখ্য ব্যালিক কে কিন্তু পোরগদানক

১০ জীলপ পৌড়ার মঠ

मा (शक्त अवाश क्षेत्र, लि रफ क-- टें.र्नालाल अधानात्री, टेंक्सरमन्द 公告 【 首

#### ( ১. এিনে চেক্সাম্ভক ---

महिना b. शाश्रीत, ब्रह्मान। 🖺 वाधावणात मञ्जूत बुन्धावरमञ्जूषा श्राम । ८०० ० -- ट्री १इ दशनी अपनामी। (১২) छाश्वक कामब

🕮 भागात । अ. . जन्म भागा, समीहा । भावात - किया अध्याननी व्यक्त त-रकता। বক্ত--আনহা-ল একচারী।

SE REITERE (OC) क न ।की, काशकी, क्रक्रमध्य, नवीबा । वक्त - श्री पड्यातन बन्दा वी ।

( ১৪ / श्रीमाश्व-८गोष्ठीस मह अञ्चर वत्रायपुत्र इदास्तु, हाका । धुम्रात्यत्र लाभाव : कक्ष, धवारन जी सक ्रीत्यक शाक्षकान्। शक्रियद्वत्र द्वत्यः वस्त्रम् । रक्ष - औदाशावस व अस्वामी।

> ( ५० ) खैदगा शामा मह कश्माः श्व, क्राका ।

त्मिणानकीत आर्थिताह व ब्याडीन स्मर्था दक्ष-- विवादशीन वक्षाती।

# (२) बादगोड़ी स्मर्ठ

১৬ मः काञ्चिमाम ठळवळी हैति. रलाः वाशवाचात्रः कणिकाकात्रः .हेलिएकान नि. वि. 8558

শ্ৰীষ্মাৰ্য গভাৱ প্ৰচাৰিত ভালাৰৰ ভাকিশত-প্ৰছাবোলেশে গৌৰবেশেই সমা বাৰাই नगरी कतिकाकात क्रिकिनित्नाम भागत क्रिके अधिक्र भारत्य। अह स्थान সভ্যাতামে জ্রীকর-লোবাজ-জাবনোলালক জাউ সপার্থদে নিজা হেবিভ কম। পৌতীং का हा से। १८ में व वा वार्त व अक्षा भी व अधार हा स्थान के मा के मरण है अक्षा अक्षा अक्षा अधार महान গদ্ধাণর সংখ্য:ভিত ভট্ডাটেন। পুলিবীর সক্ষম জ্ঞীবোঁঞ্চাম আচলের আই বল্লালয় क्टेंटल '(लीक्षीप' माशा'हक मत, कि क्यूबाबिले मानिक मिलको हेश्ताको कामाह ेनशोक छ। १४ अकश्य ६ ०१८ ७८७ । जीवरत पात्रे, मधीखन, मन्द्रवास-४७७४ । আমিষ্কার্থক, আহিচভঞ্চাৰকাম লাগি-লীলা ও ক্রাছের সমাক আলোচনা করে পারে। মঠবজন-আলাবাংকি জীপাদ কুলাবলালী বিভাত্তব্য সহকালী-পঞ্জিছ मी भाग समस्या अवस्ति भवनिष्ठाल्यः। वि- a. ती भाग अभवनिक भविष्क्राविस्ताव वि- a. खीशाम वार्गादकाती अञ्चलाची. खीशाम सम्बद्धावन मामानिकादी निन्त, खीलाम करणात्राण कामानिकाती, अकामती सीकी केनासक, अवकाती खीमावीस्त्राक्त, अवकाती बीक्रम मन क किमाजी, बक्रानी बीस्माकी नाम. મશ્ચિક ક્ષીમાં નગીનકૃષ્ણ পর্যিস্থালকার ভ্রিনাল প্রভাত

ः ১৬) श्रीभवाचे-८५११ 🐨 सर्व अविकास श्रमारती मका, नामित्र 51 ×1 **व्यागनार्थ-(भोतास्थ । भिष्कः (**भतः

🗘 १ - शिक्षाचनकसभासम्बद्ध ibminut, armenen, entraitmet CHICA BER-CHIC W-SIEGRAL-.স্প - প্রক্তক - আঁছাকারজ্ঞান আভ্রম। প্রধিধারীর নিভাবেশ ক্রমনে। রগ্ন ----अव्यामी जीक्ष्मवानगरको । इक्ष्मः ने भद्रास्थ

# '> व्यायशाद्याष्ट्रा अश्वाद्यय

द! प्रदेश दर्भ: १ क्यांना

औ अक्रातात्र में से साम्यका अधिमारी: 'नडारम्या ४ क्- बच्चामी वीवाद-· Tetrial

#### (>> श्रीभुक्तरबाड्य गठ

अर्थकार, भुदी, के ध्या । #मार्ग टीरानेव-विस्ताह बानवकीत किला-(मना वसमार, I तक्षक -- तक्षण हो स्थिलहम)-नम 'बनावष. तक्षठाती हैं। मीधानक ।

#### (२०) अञ्चल-८गोडीय मर्ज

वांशास्त्राध, अर्थात्र : वर्षः, नदी । व्यवद्याप्तरमद्भव व्यवस्थात्र सम्बद्ध निवासः भनकाम । रक्तक--- अक्टाबी संगम्दम्बन्नी वाभावको । স্কুত্র -अष्मादी और्शनिविवाणी ।

#### (१५) दीमकिमानम गर्ड

Bimpinimie, #\$+ ! क्षणात्म क्षेत्रक्षण-रमावास-विद्यासन्त्रमः बीत्र निकारमया वक्सान। अष्टात्री जीवशासत्र।

#### '२२) श्रीमनाडब-प्रशोधास मठ

अन्द प्रशास्त्र निम्मुद्रा, कानी । (वा:--नवाक्षम् । अन्यक्त-निकाक्षम् । ध्यात्म वर्गावरभवा वर्षमान । वर्णम श्रीकानकोनावको ।

श्रीन्यादश्याम कुछ, श्रीनाम नुस्थापम । के में वामा-अब-(माम्मको) दमवा। ाम म --- शिश्वपतिकताथ अश्ववादी

#### (48) 劉智智斯尼河 東京 देशीयवादणाः मोखाल्य

वयारन बीक्षानवक भाक्रेनामा 🖝 क्षेत्रभोत विद्यान विद्यामकीक दलना वास्त्रमास । चीननाक्रम सः

#### .२०। औदेह इस्ट्रांकां मु मई

**५२०० का. १४वकुक, मामक्य, कर्म** लीरेज्ड थ-सरहत्र नायः। वसूक-लीवमा-नाम बाह, बिरम-मानग अवहरनी । श्रीबाद कीचं अपन्यादाव ।

#### (२७) नहानदनोष्ट्रांस चंड

李子(帝皇、司江中省出,年刊四十二 《明代年 जीदशाबागरमाय-शास्त्रक (मन् क्यामा वक्ष क--- अक्षतावी विश्वमना की ।

(२५) जासनभाषा जनप्राक्षत्र-वर अव्यापायाः त्याः मासूः गायका

anica as would michigican cam वक्षान । वक्षक---अपनानी खीळावक्षक-मान, औक्षापादमन अवाति।

# (२৮) विक्रा द्याक्षेत्र वठ-कांदशक्य

se con interes fich 清新) इक-- विम्रिकामी शिवहाँक नक्ष-र्गित वदाशक, क्षीतामाक्ष्मम् अनुसूत् (२०) द्वारामणाकामणाकाम वण र ---वण्डाको स्रोदाराह्याः

# চৈতক্ষ**ের ভাষভ**ক্তি গ্রন্থালা

AND THE PARTY OF THE PARTY.

. 🕴	(新年·日本) (1)				
	গুকাশিত	· 5	,	শ্রীল প্রভূপারের বজাত	वनी
* 1	A CONTRACTOR OF THE CONTRACTOR			* ) <184 9 G	4.
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	# ( )#># ##) #5	14	(	<b>४) विठी</b> ४४	
7	क (क्ला क्क)	<b>,</b>	(	भ ) छुडे चन्त्र छ नहा	<b>%</b> •
	Biggs-10 BRC6-006f8-01		1	নবৰীপ পঞ্জিকা	•
	(1,64 Atway)	eç .		( ३३६ ८भा ११४ )	4,
*1	<b>विदेहकसमा</b> त्रक	34	•	সিদ্ধা অধর্পণ	<b>√</b> •
	(विकार विकीत मरकत्त्र)	ود م	1	दोल-१४% हनक	J•
• •	निषा ( व्यवगायन-वाका-मण)	,			
• 1	' বিশ্বা (' প্রচারকারি টাকা-সর )	4		(सब्दोश श्रांत्रक्रमा)	
	रेश रथण	-		ই ওমালা	۸۶۰
4 )	्रविक्षांत्रका चन्द्रनीत्रकः नाक्रवा				13.
•				मनद्रीयम् ७ 🖚	1
100	(बाक्रीय-कडकार			नम । जान पुष्तिः	1.
*		•		मामन कर	1.
	हिस्य नन्दीप	•		রেশ্রম ভবিদ্যাপ্রশা	<i>)</i> .
35 1	Mita nuominum 4	89		नवशान(रे <b>ड</b>	
•	क्रियंदील नफक्षत्र (नाग)	1		में हा नहीं	••
361	विभवाग व्यक्त (नका (नीमा)			•	
	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	h•			/•
341	देशक्षश्रक्षां-नश्रक्ष	44		মন্প্র জ	/•
	•			द्धान कि । इस स्व	/•
187	জীকলিনামতি জামণি সম্বীপ্ৰাম-প্ৰমাণা	po C24	) <b>~</b>	শ্চনত শাগরাঞ্চলে প্রকাশি	γ:• Β #6
,	दशास क्रदक्षी तथा	C 8	i	िक च-ग्रक्को-स्थितः	1.
	(क्यांभवत ( कृष्टीत नश्कवन )				1.
	###36#	,		<b>च्या-</b> रुखम्	ļ•
32 1	क्रिकार देवन्त्र प्राथा-वाक	11 47		माहारचन् <b>नम्</b>	J.
R+ 1	(बाचामी बचुनाव वाम ( दीका )	1. 4.	(	माञ्चनम निमाद्येकम्	<b>å</b>
45 1	मार्थकक्षमृत्यः ( दीवा )	l· (2	ı	(श्रीकृष्टिक शहेक शहितकः	1.
441	🚉 • বিক্তি ভল্লগতিকা পাছবাদ	i. że	<b>7</b> 3	লৌ ভাশার প্রকাশি	
401	देववाकक्षक्षकाव नाष्ट्रक	••		भाग क्षमंन	10
•	1 at the start	**	i	गार्कक्षांख विश्वपकृत् सर्	
	- Control of the cont	4.		मिटिए र अभाग सङ्	10
	হ্ৰপ্ৰজীৱনবেগারক তি	₩₹.	1	८४क शिक्षम्	1•
	'स्ताको इ-म्युः एक।	Ao	ĺ	कि कालन्छ	<b>i•</b> i
•	सावस्था ( ०४ मश्याप )	- 40	ŧ	ইংকটিক্ প্রিলিপ্র সাত	ļ
	The same of the sa	4*		चारनगरत्रक् । उरकामन	
	<b>क्ष्मकुकारणी स आंशासम्बद्धते</b> केल्यान	10 26	i	े भागा है .शा श्रीवम <b>े वल</b> ्यु हैर	10
	্ষ্টুট্ৰাপমিষ্ ( বল্পের ও যাক্ষ	ŧ.	<b>E</b>	তৃরা অক্ষয়ে প্রকা	
4.	होस्य (वयर-विद्यांक क चाह्य तथा गर) क्रिकेसहोत्सकाय क्रमण	14		श्रीकांत्रमात्र क्रियामान	4.
		10		MOITH THE	1.
	Manual .		ŧ	गामक ल्य	1.
***	and the same of th		•	वै कावणी	. :
0 0 '		J. 40	ŧ	<b>ন্যুণায়ডি</b>	10

क्षापुर्व :-- केटक्का पर, ८९१३ क्षेत्रपुर्व, स्वाद्या ।

স্বৰ্গন্থ ইয়ৰ সংখ্যা।। প্ৰৰ্থ সংখ্যা।। এই কারে খতে থতে প্ৰকাশিত

# শীল প্রভূপাদের বক্ত, তাবলী

ও নিযুগগার প্রীক্রীনির ক্রিনির জ্বার্থনার বিশারারী মহারাজের সেই অনিদ্যা-নিধানিনী জানাজ্যর পোথেয়িনী ক্রন-কার্ডা-ন্দ্র-দার্থনি ক্রিন্ত-নার্থার মূর্ত-নিগ্রহ—নৈজননিজ্ব দার্থনার নেই ক্রন-কর্মালার নেই ক্রন-কর্মালার ক্রিক্রানার্থনের ক্রন-কর্মালার ও ভাগনতের সংখ্যার ক্রেন্তনার বিজ্ঞানার্গারের মৌলিক ভগা—পঞ্চরাত্র ও ভাগনতের সংখ্যার ক্রিন্তালনার ক্রিন্ত-লিক্ষক—চিল্লালারি-চিল্লাজাচিলাজি-নিচারক—ঐপ্রয়া ও শাধ্যারসের মৌলিক গবেষণাগার—সম্বন্ধ, অভিষয়ে ও প্রয়োজন ভাষের সিদ্ধান্ত-সমুদ্র।

১। প্রথমের গু—্বৈদ্যবদর্শন, দ্রীগুরুত্ত্ব, কাল্পর্ল, স্থীন্ধানিভাব, শ্রীবার্মভানবী, পাঞ্চনাত্রিকী দীক্ষা ও বর্ণবিচার, আহার্মে ও মন্তেরে, শ্রীটে গ্রাদেশ ও ভাগার শিক্ষা, অপ্রাক্ত সংজ্ঞার্ম ও প্রাক্ত সভজ্ঞ-দর্ম, শ্রীপাদ সমরপুরী, শ্রীল রসিকান্দ্য-প্রসন্ধা, পুতিমার্গ প্রভৃতি বিংশতি সংখ্যক রয়ে স্তালেভিড। ভিক্রা মাত্র ৮০ বার আনা।

২। বিত্তীর অত্য-শুদ্ধা ও বিদ্যান্ত ক্রিয়ের প্রেষ্ঠতা কোনার, আয়ার নিহারতি, প্রীধন সামিপার ও মায়াবাদ, শ্রীণোর নিহানিন্দান প্রায়র নিহারতি, প্রীধন সামিপার ও মায়াবাদ, শ্রীণোরণারতের কীর্ত্তম, প্রীণোরণানের মহিনা, মহাপ্রসাদ, প্রীণোরণানের মহিনা, মহাপ্রসাদ, প্রীণোরণানের মহিনা, মহাপ্রসাদ, প্রীণোরণারকর মহান্দান, শ্রীনিত হৈছের দলা, গৌরকরাণা ও কুরুক্তাইনিল্লানিত প্রসাদ্ধানিকর নিশ্বিত প্রসাদ্ধানিকর স্থিতি প্রসাদ্ধানিকর নিশ্বিত প্রসাদ্ধানিকর স্থানিকর স্থানিকর

প্ৰথম ও বিত্তীয়—ছুট খণ্ড এফত্ৰে লইলে ভিক্ষা ১৪০ দেড় টাকা, ডাক বন্ধ সভন্ত।

वाशिषान:- अष्विषान-शिक्षिणमठे, (भाः व्यामाश्य, म्हीमा ।

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

# रिनवशास यक्तात এकमाज मदशेवश

পদর দিশে সম্পূর্ণ আরোগ্য

নোগাঁ দেখাইতে কাবে। অপ্রিম শানের খনচ (বাওচা এন আদার)
পাঠাইলে গিছা রোগী এখা হয় অথবা এখানে আসিলে বেংগী দে খারা উবধ কেওবা হয় আহোগ্য না হওঃ পর্যান্ত পালিপ্রামক দিতে কাবে না র প্রীণ রোগীয়ের খবচ বহন করিলা তিকিখ্যা ক্ষরা লয়। বিভারিত্ত বিবংশের হন্ত এক আনায় ভাক টিকেট স্বাচিত্র তিকানার অনুসন্ধান ক্ষানঃ

ख्याक्रकोणस्य केकीत, रखा-दिक्शाक, रणाः देवकाही, बहिलात । स्थलना विश्व हिनामात्र माक्षाव कविशा विश्वाबिक वानिर्द्ध भारत्व ।

व्यक्ति कामराशालांश मछ सम्, ७. कृष्णमत्रव, सबीका । श्रीकृष श्रीत्रव विरुक्त ३३९. व्यविशादिका श्रीहे, कार्देरलामा, कांग्रकाका ।

একখানি পত্ত। वार्यां छात्र्यं गर वस साम दायर साम दाया स्थाप्त कृषिका सुम्द्रां व वदावित, कोलकात्वाद विक्क क्रिकिनम्बन्न छहा। कीराम् कामा कार्या करिया त्या महात्वेश क्रम करणका क्रिक्टिशन करें मध्य सिव्क किल्लिक्स केवित मनाव्या साल २० विम विकिट्य कार्या मण्या वार्याय करिया वदायका। (मा) स्थाप तेमा विक्या कार्या किल्लिक्स कार्याय करिया। इस् हिन्ने विक्या करणाहरून कार्यक क्रिक्टि, क्रिकाक वार्याय।

# শ্রীপাঘ মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

# ডচ্চ ইংরেজী বিন্যালয়

## থোলা হই গাছে।

অভিতর ও আদর্শ-রিক্স শিক্ষকান ছাত্রদিগকে
অভি বজের সহিত শিক্ষা এদান করিতেছেন।
বিদেশী লাত্রগণের জন্য বিদা বাবে সুন্দর বাসমানের
অন্দোবন্ত হংহাছে। ছান অভীৰ আহাকর।

সবিস্তার স্বাদের কল্প নিম্নলিখিও ঠি লানা পত্র লিখুন। সেক্ষেভারী, ভাকুস ভাজিবিলোদ ইন্টিভিউট্ শ্রীতেহয়সম, পোঃ ভীমারাপুর, নগায়া।

# ৫০ বংসরের পরীক্ষেত করেকটা মতোষধ—

ৰাগতারক:ভীতা জাগ মৃদ্ধ এইলা যে সমস্ত প্রশংসা গ্রাধান ক্লিগ্রছেন, তাছা শি ভাতৰে বড় বড় পুস্তুক হইলা গড়ে। আন্নিত গ্রাব্যার কার্যা ধর ভটন।

- ३ । क्ष्मुश्चिमञ्जास सक्षिकः भाषकक्षकातिको सङ्ग्दक्ते निकानिषासक छन्। द्या तकान देवशिक सं भानतिक लोझायल दश सन्दिता सा.श अब छन्त वानशद्द भाव निका क्षेत्र ।

প্রা সংগ্রের ব্রটিকা—ইঙঃ সেনলে ত্রীতা ও ক্ষত্রসজিত তেবা কাল্টীর গাস্তর ইইনাবাভয়া হতানি-নিদ্ধিত কটয়া সক্ষ পাত্রতার ও প্রায় আন্তেকত।

উল্লেখ প্রাধ্য প্রভাগ প্রাধ্য মূল্য প্রতি কোটা ন্ লাকা।
ব্যাধিকার:- আশ্রেম বিবাহর উল্লেখ্য সাত্র

কামেন্দ্র বহলাবার ব্রীন, কলিকারার

# ক্রেরাজ শাশভূষণ কবিক্ঠাভরণের



ম্যাখ্যের প্রাধার করা ৬ জাঃ শিশিজে ঘনীসূত ক্রপ্তার ছেন্ট্রোর্গ্যের সম্পরিমাণ শুবিগ ভাকে পাঠান ছবঁ, ইবাছে ঔষণের জোন পারিনামন জরা হয় নাছ। মুন্য প্রান্তি শিশি ৪০ জানা, পাঁইটা ৮০০ জানা, বোভাল ১০০০ জানা।

অফিস-১১নং উল্টাডালা রোড, পোঃ শামবালার,'

অলিকাতা

# यक्न देखन

यक्षिकाञ्च प्रकार कृष्ट वाक्षां कर्मा करा कर्मा कर्मा

न्यस्ति (यादन वाक्षणावात कहा प्राप्ति) कृत्यस्ति (यादन वाक्षणावात कहा प्राप्ति) कृत्या पासनल्य यादा। कृत्य व दक्षणा ५ देव्या। व्यक्षणाव्याक्षणा दिन्न हो। ज्याप्ति कार्याः वीर्तावात कहक श्रक्षाधनक्षि पाति कृत्य व्यक्षित्व ज्ञाक्षण व वृत्या ५० वर्षा ५ वक्षणाव्याक्षणी भावतेवक व्यक्षणाव्याक्षणेक्षणी, व्यक्षणाव्याक्षणी क ५ वन्नार सर्गाह्मणा (वाक्ष्मणाव्याक्षणी)

# शरेदङ्गामन

বা

### কোমন্ত্রিদ্ধি রোগ

ভাঃ অস্, অন্, খোষ বিনা আছে, সানুক্ষীন্ত্ৰের গাংবাকি হিছা বৈচাতিক কান্যালাতে ভোষপুত্রি ব্যাস আহ্বেস্থা ক্রিয়া প্রক্রেয়

> हिकाश---क्रम वर्षन क्रीते, यहबाबाब, कालकासा ।

## I Paris

निखन्तम वरार्व मरनेपर । ১ आह्नाह क्रियत्र, नखारण वारकाराः । अहारे १९ युक्त सामा, वक्र अल्लानाः । याक्रण पृथक्तः

# ২। শুকুচার্যা সঞ্জীবনী পোটাই

কাৰেত ও ৰবজত জেৱ এও মাত্ৰ মহোধৰ। সুৰচ ১ ডিবা ২০ আনুন্ধ সা পুণক

৩। সন্ন্যাসী-প্ৰদন্ত অৰ্শব্যোগের অৰ্যৰ্থ আংটি আংগ্যে না ফাল বুলা কেন্দ্র। বুলা চাল আলা। আলুল পুৰুষ্ট

8। কোন্ত-বান্ধব পীল

अमीर्व, त्यहेम्बर्गा, त्यहेदवस्माव मत्नेयम् । क्रियात्तकः आमात्रात्माकः पुत्रस् ।

। বাতল ন

रा न्दराद्यक महानकाती व नदाद भाषामा व्यक्ति विश्व भाषा । मानगणनका

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তৃতকারক। সম্ম স্যাট্যদাসের ক্ষান্ত নিয়ন।
ভাতিকাল—মনোনোন্তন লোপরেট্রী

(णाः अग्राबी, कमणाश्वत, शक्ः,

# মনোমোহন প্রেস

পূৰ্ব ৰাজালার স্থলতে সকলপ্ৰকার ছাপার জন্ম বিশ্বাস্থ বৈদ্যোতিক মেলিলে দিকারিতি কাজ্য ভিলিতেলক বিশ্বত জানিতে হইলে নিজ ঠিকানায় পত্ৰ লিখুন

> ম্যানেজার—মনোমেছন প্রেস্ ১০০২ লকারপ্রান্তাকা।

# মর মানুষ বাঁচাইবার উপায়

विषय कर्णाति काकत मन् मध्य विश्वित्रका त्याक्र वेषम वर्णाण्ड कर भाव भागा, क्यान विश्व मान्द्रश्चित्र कर्णाति वर्णाति वर्णातिक मक्ति भद्दे करिया काम्द्रश्च भवा केव्य द्रावन्द्रश्च काम्याना, वरुष्य, व्याप्त्रका व्याप्त्रका, व्याप्त्रका वर्णाण्ड विश्व काम्यान व्याप्त्रका, व्याप्त्रका वर्णाण्ड व्याप्त्रका, व्याप्त्रका,

> তাঃ ডি. ডি. হাজরা। হতেশং, গার্ডে-ডিচ গোট, কালতার

A ein mit witer feleten



The state of the s শ্ৰদাপ

MINESON WITH MI STILL वाच शंक ३ atte see o an ami or. लिकि क्याब रू क्रिकेश शाह



मा वार्यात्र देश **313:4 (43 1** वाविक 🙉 🕛 भागार्गम द ( तम् शिक्ष २ ५० भागिक 🛼 51 51 TO थाडि उरवार त

医内侧性 医皮肤的 医甲基二氏性甲基甲基甲基二氏病 医皮肤皮肤 医皮肤皮肤

সম্পাদক— শ্রী অভীক্রমাথ বলেন্য গোর্যায়, বেদা রু গাচম্পাতি ंक्षे पत्र ने

ি ৪৪শ সংখ্যা

এটেল্লেলামট প্রাণাম মাধার্থ ১১ই বৈশাখ শুক্রার ১০০৮, ২৯লে এপ্রিম, ১৯০১

समीमाच महिला करद धन व्यक्तिमिव सबीका दबका कर अन कतिकी किस गांच व अक्तिमान्यदक कालामा निव्यं यक मास्ता metating mafafeite femiliba ofen-C## :--

क्षित्रका नित्रभवनिनी त्याप, विका (सकी, देनमशामा प्रकृत्यात, मानिकी बार (स्वद्योग), नमीवाना कात्र cbigi) (अकिंग), क्योता शब्दाव, मुनाविकी क्षती (दराक्ता), मां भन्नी वनी, मांक हरू हैं। (दमरक्ष्म् ), कार्किना दस्ती, बन्धनिकी अस्त ( न्यां वर्ष ) ।

् हिन्दू सूत्रणमान विजन

मुक्क ३३८म बाबान का मेंब कानकाया क्रिक्टिक जुरुक्ति १४ मू क मूनम १००८पत क्ष्मि मिलान मन्त्र क्षि कर्नाहरू र्वेष को ब्रह्मके के व्यक्ति की विषय के अन्यकान seminis and mans feely non वर्षिनीव बर्देश भवस वासीनीव दन्युद्ध שענמנלאם שלים שנים היינים בי לאומים 

Ma Soe Maria new nece William Chia Windishinacha Chamblesom नकार्थीक किंव कार्रित क्वांच वार्यकारकम त्य विषये के केनियांगावरका शक्षक सिकाठन die be le winten wielnete risolt with ale wer ground Tremate new Water Minates | Mark THE PROPERTY WITH MERCHANISM बिद्धारी है अध्यक्ष दिना ' केन्द्रे जन्म

# হিন্দু মুসলমান মিলন

নদীয়ার মাহলঃ কংগ্রেস প্রতিনিধি

# ভারতীয়মহিল দের প্রশংসা

পৃথিবীর মধ্যে সর্ব্বাপেক্ষা অধিক বাক্ষ হন্দ

# সৈয়দ আবদুল্লার বিরতি

কুকুরের ভাশ্রত-পূর্বব গীতবিদ্যা।

# বিভিন্ন জেলা সম্মেলন

পোষ্টনাফারের সম্ম গরাদ্ত

# বন্দীদের মুক্তি দাবী

图8的A1ERE 事情心 对性的证 14年16日 त्राचा व वाची करा। विवास विश्वास वा अंदेष:प ८०१न भिम्म का छीत्रकात प्राप्ता बहरफ लाटम ना । अपून कान्याटक काडरक रिन्धू क्षां वा 'सूनवनान सारवन' कान पान नार । कार्यक्राणीय नेप्य ७४ (मनाब्दे 5वनात **७**०० व्य**ि**छ ७ 4864; Bloice देशन कुछ नात्रा महीयक्षांत्र मानलका बाहेक्टर मा ।

भूष ३७६ विभिन्न क्रांडिय नारनारत लोबाब गंनी काष्ट्रीय मुगरमानवटक nibicion fon abuten en metatene অগিনভাগ উলেভে কাৰ্য ভারবার জল

मध्य भूतलकाचा<del>ष्ट्रण परिकास भारित्य</del>न बन्द निर्माण कासणीय कालीस सुगलमान-भरत्रव मुख्यि अकाभार्त .य मामन भक्त क कार्वेक क्टर प्रदेश ग्रन्थ यमग्रीनगर मनिया कः मध्यन ।

दमायाके मनरहक काकीम मुनलमानगर क रिक्ट्रमुन्धमान । मण्डलक कार भाषा गर fringion nafe monette street भारतिभवत्तव वक शाबीकीत ८०५ व क्रद्रअभ भानिका Binco Benta

**छ।**३ : मामून - विश्वदिश्व दश्क ऋशुन्न, मिकिकि मिकेटको केरिके के केरियारम (काक्ष्णीक) कामगण्य । काक्ष्णिक कार्याः । कार्याः मुन्नम् अस्तर हरू । भक्षा ब्रह्म कृतिका हिन्तू- मुर्गमान रिमानित बाता कावटका देवकित भष क्रमा करिएकरध्या ।

#### रम्बीदमत्र युक्ति कारी

গ্রহ ১৯শে এবিশ্ সাণর ই ৪ ঘটিকার गगम प्रनगढ आहीरकातामी मुगांसम ग+1"िक नाव चाकी ध्यान विश्व কোন আমেলিনে পাটনাম চলিতা <mark>মণ্ডমা</mark>ভ भेग**ी कुठ किस क्य 'स काश्र आक्र**स प्रदेश करवेगा ें के कोश्चारबदन नामना तन भक्षात त्य मधक बस्ते (क निका-निकारक कर्तनक करिया काका क्रेसेक्टक শ্বাস্থ্য অনিংখে মুক্ত বিভান্নভ भार्याप्रकेष **अञ्च**रद्वाच कविष्ठा **सायस** शक्ष कि देवालक का। किह्नक भी लाइनाब एवं बारा 🎜 अवस्थितिहरू ગુલીએ લ્યા

#### (भाष्ट्रेगाडीरतत मध्येम कातामक

किर्देश के भेरतात का मेरतात व्यक्ता ७०० मह है। वा अ आहर करा अस्टियां (अ देवरात्रीय कांक्रे मांचा (लाक्षे मांक्रामक नागांव कुर्जानराज मावदा करणह - खलनाइक অভিযুক্ত বয় : বিচাৰে ভাষার আনি চট 4414 MI: 4 14 1414 Alkin 41 **41:44 CHOST BESTOR 1** 

### देवमबनिरद्ध विभागे देखाहास

विनव नेक्षा करके अवश्विक कृत्यक्र লি মূলক বভাগার গত ১৮৪ তালেজ कार्र मन्मलीयहरू अ०६५व चर्न स्थान भवनान व्यवहात त्याचटक भावता ह्या 🛊 क्षाणक्षांन ''नामगात निम्नतुनुद्धीक्षां' কণ্ডক স্থাসংবিত।



### **পণ্ডমে** ভাৰতীয় মহিলাদেয় ् कान्यरमा

**ंक्षमा ६८३म म**ार् हेर्नेसप्तर हो १०३ देखारम नक्त ६० मह्ना मधान **উইলা গিলাকে। এই সাক্ষণনে** বুটিল अभिकानुन्त ्यानक कडेरा छात्रांत्रीय करिकारक सर्वाहर अंतर कुछ हाल धालाता

जिल्लाम (समिक २८ मा ४१ तन, अस्त्री) Quy क की क्षेत्र अर्थ शार्थ मा अप अप अर्थ अरथ अ PS नव शिक्ष भित्रादेश आर्थ वाळ नि । क िया। कत १

१६८भस् ' व्याका राजक मार्थ <डे माख क्रिक श्राप्ति केपाय के करार वा मण्डा । आहेर १०० का करे ने एक व्यक्तिक おはに「いか 引要で いな事 "w'ので」に なって तुम्म त्यमण केर किर भारत भारत भारतिल कावबारकल् राडीव शनता क्वा वर्षा।

ब अल्याद्ध कि अभू निर्माण नामन LT. Miccod (#9 # +5 +5 5} वैस्तवादम् कदाः खान्तः कुम्हणात्मक के नेकान टाकिकांत्र करा भूष्ण का कार्याक्र मा 🗝 SYR 14(54 +54) 4 1/1

दिश्मम जिल्लाम दिल्ला अवाराज · Land marker 3557 अञ्चलका संदर्भ कर्त हैं हैं है । असन करा क्षां व का स्वन्त सामित्र with a sect, willed at her allighted क्षण्युव कार्नेसना साका अन्ताप कडान क्षात्वस्था दक्षण । व्याप्त । सं चीत्राहरी । ६६०। \* 43.11

ষ্টার্থা, উক্ত সভার প্রানী-আং উর্ল চু'ক স্থান কচিক এবং ভাগেতের জন্ম भ्य: श्रम् कोमनात श्रानात कोटना काकड़ा कारी कीमार १ करान, व्यवक्रम चाला करिया चाह अवसी अधार अभे 45 81C4 1

#### **२५७।(४०) शकात**न

श्रक मा. या प्रकृषि देश्वक अभाग म · # # - # # 15 - ( # 캠페(-) # # ( \* आप होती ३७१ अ.स. ५१५ अ.स. आ आप सामा अल William to the BELLING WIN SON HIN . **城軍 利 鬼が(神景 下球()さい 中田 - 利がる** क्युं के इंद्रा के स्वार्थ के स काका मार्क्ष कर्यत्रका विश्वत त्माः हरा भ जान महान करान विकास मा प्रदा

वभक्त कि निर्माणमा की अलाग कका के विकासिक एडि. वर्ग दिन के दिना है 1401

क्षितिकार (बहा क्षक्राट्यक्र

mit et i 2 car af tren Letten Alet er er en bei beginnt ्रका कारण का वश्टन । एउएक खानीब मराज्या क्यांकी ब श्रामार्थन क्यिक्षित शक्तान St. Bier शालात करितका । श्रुलिंबा व्यक् 'लनार निष्मित्र काम प्रदेशक लाग्न चाप्तिन भाग नारिक जिल्लिक कारण मानेक हिटा कि अ লংগিবেং। ভাহিষ কাম লগন মঞ্চল देश्यात कारिया गामा अभित्य । 🖨 मगाण . इत्र त्रांक्ष अपने काल अपने अपने के प्राप्ति क च द • दहाँ त कहें क्ल क्ला स्<sup>र</sup>िट कि दे

#### मान केटाच करियन कालक

निकार में अधिकार है अप है कि 1 1 1 1 1 1 1 1 mai अपन्धाः हिन्दि लघु प्राविधाः स्वय क्षान्द्रके प्रमाणिक श्री १ श्री भर्ग वा नामन कर-कुन्दे स् प्रकार-काम केन्सा ভিচনপুল, ভিশংস্ক প্রিয়ণ আগকাঞ্জা विधि । दिश्व क्षा कि (तम क्षा दक शेव क बर्टराधीयानाम नक्ता कतिवात अन्न कि E4 5 4 2 2" 67 1

फर्यान्य १०कि लिकिश्वका, कि: (中) 7年 五年 14智6 中野 神 1 年 11 11 21 21 21 11 हिते ६ ६ ७ जार जेश नंद श्रेष्ट **यदानी** ः

কু কুলোর অঞাঙ গুণৰ গীড**ি ভা** 411 : No 1- minite 68 . 61 4 pf c 5 ्य स्थानकः नाम वर्षे चित्रं क्रिके हिन्द्र । इस विकास

कि मणुद्ध इंडापार न हिर्दे को भीत बादेख्न गर्दे हैं 1.4月 1.無信用 化自由 机运用 制电压点用点 भुवकार । १६० - वहें कुकृत आध्या कुट्ट रही, का नाकि प्याप, जिल उम्राज्य व भारत करा कड़ेका कर दूसका दक्षका भारता ह राज भाषा करा पंच प्रभाव विकास नाइक । व्याप्त व खराब किल प्रभाव शक्की करणा |

MIN 45, 6 14 CF 45 45 2194

#### বুনিয়া ছাত্র নমিলন

आभागी पर अन्द ५० । म काबिट्स कुरिक्ष का बार अपन । वहरता । मा अपन आर्थक्त करियानात रहे । विश्व रक्ष । कि িল্ডাত কু:জ্বাঞ্জীৰ এগাৰত পাৰু ১৮৫৮ তথায় 。"我说话,我没好 网络COU C 真门内门具 / · · , \*\*! \* 後 中 [ · C tox ] - | 二月分 かっる 健 बद**् क** नाम । निर्देशका भूग-छ । मानः বিশিন বিশ্বী গ্লুট এন্ডাট্ড लहामात्रम भागा कृत यात्रा

मार्कित्व द्याध्यम् CONSCRET RACH AFTERN PRATER CIPIT, MUNITOR WITEB 李军

वर्गात्रक स्था । ८५१।त वर्गत्रक मा स्टाउ भारताणी था क्या ५ गण, ८६ म्यूनास्थ 🐞 (ब्रह्मा) W-12 4 4 5 5 (CM )

श्रु जिनी स मदश्य मर्क्याद लेका दुवा व कुर्क कावा आजा नामक फरकवारी क्ष कर्षे १४५ वर्षक वर्षे श्रीमा श्रीमा युक्त प्रारक्षा अन्य कांतर्छ विकार्षक्रें। काष्ट्रपत्र किया न सर्व करतक अञ्चार व्यक्ति | नाविक कतिया कर्मभुक्षितालाल केरवात यां ही के ब्राइन वंदन करिएमन । प्राकृत मुन्सं, न दन मां अ बक्टी कुक्ता मार्टनात ह

#### क विजिल्हें कालामा

Stiff Court Dag (Mr. ref rection Petrick 打棒 内, 有1 克 . 哪 \* 电影 中 ( 4 年 + 1年 中 7 年 中 भाग रिल्लंबर did jung to be mile Bliden miten મ્લ્લ ૮૦૬ જુંલદ્વન પ્રદેશ 910401 Mint & 112 pr 5 1

#### বক্সা হুটো এট্রন্ডে ভারক্যাস 可以明明 17 1月1日

現内ALMITTE AUTHOR COMPTO **用tdl\***# প্রকাশ, কারা কেলা কংগ্রেম কমিট द्र १,००१.५ क प्रतिक प्रान्यमाश nesting the district term of a the twen wing to end : 1 + 24+ eften #18 64 KEN BUT BE I CALLED THE BE THE !

### **ब्रह्मप्रकार** स्थान के स्थान 45(4) 4(4)

भारत कराया द्वराक्ष अपवार पुन्तक भन्नका निर्माण है किया (००००० भटक करिया कराया याजा) का प्रवादकत्ता । एक व इत्र ६ मान विद्यायद्शकः काकरनाम प्रः वाकाः (व्यः काम म \$10 to 414. 1

### বিখাতা ক গলে হওঁ আর্ট্রনৈর व्यक्ताः ना

"किडेम किनिमान एकति (क्यांक mi. Brice birig mirm eten fania अल्ब अल्लाहक फेक्क जाल्या विविधासन । ा शास्त्रियाल<sup>19</sup> नां • ८७ ८० स्था वर्षे, ७ विसादक ब्राह्म बहुक मा दक्त एका माला हैंग, बढ़ क्षांब्रिक के ब्रास्थ्य मुख्य कार्यमध्य भाषी, दागदक वीकांद्र कताम अनुबंधमुहे **७ करा,धारमंत्र भाषा यक्षा दिक्कामा व्यक्ष** 

क्षात नारका निकार वाणियार आहि. कि के ना नक्षा अवर्त्यक ा अवर्त्यक । िक्ट्राइक करे मान्य रक्षामध्य एका भागामक "काकार कर्यान क्रिक्ट्राई क्रिक्ट्राई क्रिक्ट्राई क्रिक्ट्राई wwwiaffin etalent

> 🤭 रेगसम प्यान्द्रेज्ञात निवृष्टि 🚯 क (क्योरकत वस्टम क्राज्यादम अन्यादम Beim, brin minem: med sw भाव अम निवृष्टिक विश्वहरू छन : ---विश्व-भूगणमास मभूक्षा भूभागास अल्लाह भारतिकारात्री भूगणश्रामनन व्यक्तन निर्देशन TIME O BRYCE WESTER GENEME कार्करेनां क्रकर की बहन अक्र**ांट्य प्राव** CATHIN MINT CHAPTEM MARYEN & ARMY मीभारता प्रक्रिकाण क्रकाल एका क्रेक भागीमध्यानमें मुल्यान जनर करस्वत्यक NEW WI . IN ABBM NI BERN WING #11의 및 .eix1+i(is #1(설 위# 이약기다 राम अभावक कार्य पश्चित **व्याप मा । व्यवस्थाना** भुन्दभारमञ्ज्ञ गाविक आध्यापुरुमा करिया ८७१वि (प. १८५, शस्त्र भूत्रश्याः स्थापकः -देखनी का ल जुने वक्कत हमाहितिक कार्या भाषाची । यह अही जीविष Bre र्रिक का या राष्ट्रितश्चाल अवश्व नरण कतिका सन्दर्भ किस प्रकारका के नियेश. का के देवें के ने किये करी वॉब माम देशका कान मंद्र छ। भगाव क्या नाहर बाह् अन म भ नि करणांक ना वानका साहित्या 레 (P. 작성소(기대 필시해보)위 (파영성역 अधिकार विकास विकास विकास विकास विकास शक्य कारन महिल्हामन, चुन कन વેલા કોશ કા પૈકે કિલ્મુક કિલ્મ સ્વલ્લામાડ્ય nimielinaerielelieu liebe Come श्राकारण मानव क्या. श्रुतिका मानवार स्व राक्रम मा ककतारक का हो। का गरी, भृतीबानद्दवन काम कहा पुर कहिन अवश्रद्धा ्रका मा श्रुपा भाग गेण्यात्र एकत वस स्थाक व्ह अविषय भ कविता बादक व्यासा कीक्ष्या-ताली भूतवयानभग विम्यूटलेड म्यटब में में स्वाह erritoni jus nus Mimteliten જાર્કિલા છે જે જે જોઈ મુનન માના મ**નેના છ**ે at: 4 41 1 m 74 7.86 516141 4100 ोडि (कवा १६८७ मास्यन्धिकका पूर elania wa ga wintechil fe

কু "সন্প্রত্তীৰ প্রতিবাদ" প্রকা এই সাম্প্রদায়ক সমস্ভার সমাস্কা । **ভালা** decen vermi nicht enterchlan 243cm िन्तू क भूगराभाग केक्स्प्रेस शक्क्षे व्यवार्थ नागटक भागितसम्बद्धकाय तक्क अकेर्फ् माराज्यप्रीवक्षात्र भूतिमान सम् भारीकरायामे स्मित भारीक्षात्रामी कार द्या माञ्चल का लाम कर । एवन विद्यु मुनद्यतालह मार्विका सका कि के के मार्विका क्षा का नाम निक्र भूमिव कि **सम्बद्धारी** 

ः अशिकारश्रीप्रायो प्रवटः

# क्रानीश-शकाम रेशनिक भारतार्थिक भज

विनाम मामाञ्च छ धनात : वे देननात > ०००

# देवकृत्रं क्रिकिटियान वेगष्टिविडिवे डेमर हेटन শ্রীল প্রভূপ দের বক্ততা

(0)

आभिटिम्ब अर्राव्यास अभारी कात वेगाउँ हा कित '(पत्रफ क लहांत्र' ( Self culture ) नामक रवशान वह । প্রৈছেছিলাম। মিং প্র গোলে--- শিনি বিশ্বেশির মধাধ্যের । কাল্টা প্রাচ্ছিত্ত হাতেছে। বৈ এক নীতি ছাতে পুলক **কলেদের ত্রিনি**পাণ চিধোন, তিনি উভিটোকি সাহেদের ত্রান্ত দৌত্ত ও কৈন-ম<del>ত্রা</del>দার করিংলানীছির আদেশ ভাজিবিয়া; ডালিকেনিন্ধানটো সদ্বাধাৰ, এন- মণ্ডব প্ৰভবিকে শেষ চেন্ডো মণ্ডব বছ भा भारक, एकि (मक्रम अत्र निह्न अत्र ८.ठेक्रम माहे। टाःत শক্ষা বৰং পাঁট্ৰ ফৰ্যো বড় আনেল হ'ছেট্ছেল। প্ৰত্যান হাফের সেতা জন্মগ্রহণ ক'বও ১৯০ বিল্যারের কলা হার্স লাই শাভ ক'লেছে দেনে আনকা জানন হাও ক'লা চলমা। এভিবেনতে নীৰেছে চেৰ হচ্চ। বেটি সক্ষেন্-**আহেছ, সু**ংবেং **। মান্ন অ**ক্ষান আহিখাড়-কৰ ল'ক চল্ল ভ'লেচেটা...-নীচিকে কল্প প্ৰতী মানত কৰাৰ প্ৰেচ বিশ্বলৈত কাতে হ'লে, একপ ডিচ ছাল্ল লিকা গোলে। লিকাল যে ৮ চ'লে জে ; ডি ডিচ আছাত কার্য় বিশোদ্ধ বেস্কেট কালের পথা বে প্রচার । ঘতার । তাজ । কাল্যান্ত পরীক্ষার প্রচারত ত্রিক ভাতিত । প্রচারত রি মধ্যরতা পুর এজি লেবে কেবে কেবল অভ্যান চারে ৮ ।

\$৯১৭ হ'লে ১৯১৮ এইবলেপায়েও চা বিন্যু হ ্লা বিচানে হ তি রাচ্চার চিন্তের ধান্ধিক মদল বিলান ছবছে প্ পাশ্চাতা হেনের সভাতীকে অক্রেম্য ক'লে কে, ক' ত ত কৈও হাজসং মেনমের স্থায়ী মালে ততির পারে **दी'लिय अध पर्य (वर्ष) '८०म ।** प्रयोग रह (प्रारंकत क्राया कू विकास के क्रमण । **ব'লো, ভবন ভা'নের** উত্রক্তনা লোকে একটা ভাট, জালা इकि (न'एड श्राय्या।

কিছু বর্তমানে জনসাধারটোই প্রিমার্থিত হার অভাব ব'লে নিমে শেই কুপের ধল ব্যাধার করেভ পান্তম ক**লা** লাক্ষিত চন্দ্রে। বর্তমানে লাগ্যাক কথার চন্ননীকার উঠে? ইয়া ডা'বলে কছকওলি ব্যাও্ও পাঁক-সংটিই জন্যবহার্য্য ভাগতে আন, ক'বে বিচাকের দেয়াপ অপন্যতার করা হলে, পশু এছণ করা হবে । এর দারা 'বেমাজ পিছেরে! যাতা পুর্বেওতের মধ্যাবহার স্মিত হয় নাই। নীতিনাপ্ত মেনসতাং পিছমধাং" প্রভৃতি উভিকে স্বাদির বরায় শক্ষানকে একটুকু সাম। জ বৃদ্ধিমান্ ও বিচারপর রণ সানিও । নামে খায় বৃদ্ধিক।র প্রিচার কেওয়া হ'বে। না। 'আমার रकता वर्षण मत्न करतन मा। हर्शसर-"शंष्ठ, वाल लिए।३० मनि पूर्वनाक वर्षमानन करेब लाक्सन, ভাগিবিউরালের নীতি, ইউটিলিটেরিমালেয়ের নীতি গেজভাজানি মুখতাবেই ভাগাবল্ব --জামার বাপ-পি**ডারভ** ব্যক্তিতিব্যার প্রীবি উৎপাদম ক্ষতে পারে, কিছু বিচার-পর্যার শাস্ত্র মাধ্যরপের শিকার স্থিত নীতির অবিভিত্ত সম্বাহ স্থীকাশ্য

खारारीय नेजिस गरमा 'खड़िर' !' सांग्री नीहिनै हिन्न-ছাজে জিলেন। আনাদের স্থয় ও প্রাক্থান। ব্যন্ধ নামের । ক' ঘটেন। বেল সিসেরটো হ'লেও তারে। হি ভানীতির लांकि दिया। एके एक भएए विशास, 'क्रेयप्रविदेश एक शिवास, कालामा कालास कालास विभावता काला काला काला काला काला काला হিওকর কাষ্যে আতৃতি কারেও গ্রিরাখাল আতি বামভা হাতেতে, কিয়ম ভুনের মত কিনিলভালিকে পাশ্যাবদ্ধ হয় ्रित श्रीमा -- ला के कार्यो দেশে ন্তে বাদ দিয়ে যে জন্মিকল বা গ্ৰেশগ্ৰান্ত্ৰ, জন্মিক গ্ৰেলেন্সন্তুল । তাল ন্তন্ত্ৰিক। আলাব ক্ষ্যানা, ভারিত কোন সুকার নাই টে ত সময় সামানের ৮৮ স্ক্রার গুলোর উনারতাই ও বেশা মেমানামে আচাবিত

অনি টিকি, সাংঘ্ৰীকি, বৈশ্ৰনিতি, সূত্ৰীতি সাক্ষা Cultural Education থেকে যদি টালেৰ নেৰ্জী ছভিন্ত প্ৰতি চেক কেউৰণ, অনুভূষণভূপৰত হ'তে হ'লে Ship building শিক্ত পিছেছিলেন, ৰাৰে কেওলা সাহ্য ওলাঁজালো 'ভিংনা' বা 'হয় এখাই' এই। বিজ্ঞান চেল্লান্ত বিয়া বাহা কথা চত্য ক্ষায়ে আৰু ভি উপস্থিত হয়। লোকছু পৌনিক শেষ ক্ষাজনাম মতে না হ'লে ভিজা চি গছাও হ'লে। চি চ ড' বিশ্ব তি ভা' নিখা দিব নাচা' ইংলা নই প্রন্তের Funde Secret मिन्दिक एकन ,न १ न १ तम भाने । 😘 विकास एक পাল্ডালঃ বিদ্যালয়ে ও ম্ভঃবরে পুণ লোকক। যা কলেবে কেলা, চেকিং এবচ, তথা ভ্রাক দে ভ্রা सिकिक में अस्ति मुलकार्क निमिन्न करिया । १८३ कि वर्षातर ने १५की कुल का निकार प्रकार में के सिना देवतर । व्यवस्त्रक के काल भारत्ये मण्डाच्या काण राष्ट्रिया ए गा १ एक सुर १८६०, कालहा सुमार्गिक Material Lads उस १८८ हार বিধরিণা শিকাকে -- আত্ম শেষ শিকাকে নিবর্গতে ক'লে। ভূমিকাল। উপর প্রাণিতি হচ্ছে। ভবে মিলেটো প্রা द्वारिकी विका सु मछ। क्षा क्षा कर कर कर के के दिन दाक्ति & Material hads के उन करने पुत्रक कर कार्य कर कार्य क পীড়ার। নৈতিক ও পারম্যাপক শিক্ষাকে কান দিতে যে জ্বাভি বিভাগত। সক্ষানে Legislative Assembly তেও বিচাম-ক্রোভ উপস্থিত হয়, ভা' হ'তের সাপাল্যাস করা। religious ouestionকে যাদ কেওয়া হ'তে ৷ Maho-শাষা পোৰোঁ অদুই-কলে শে-সকল কথাৰ ইতিহন গাড়ি হয়, medan, Don Mahone lan কিছালে Mahonedan - কেন্দ্ৰিক বে সৰ্বাধিক ভাগত চাল আছেছে আকাল 🤏 अबद्ध भारक कीयन भारत केराजी का ११ - १ - छना-नीक्षम । धति नामिक कार, Non maltomedan अपातिक कारव । यात अतर एक गरनत मानानि । आस्त्रा नामिक अस्ति स्वास পোপ যত্ন ক'রেছিলেন---- কলপ বিবাদ বিশেষ বর্গত হ'তে। বাজেন। materials desir ১৭তে ভরপুর মাজিক। শতিক পরি সভা, বিশ্ব স্থানুরদৃষ্টি পের মহাকান-**ত্তি পাশ্চাত্তে দেশ স্থান পান্ত** পান্তে নেতা সমূতের ভোটে Theistic educations চিবানকালিত ভালের কর্মিত প্রতান করিছ। কেলে সভাভার উর্ভিন্ন নামে সভাভাবে তাতিয়ে দেওলা করে লাগ্রহা ২০৬। এলা নাওলিছ লাখিক, ৩ া, তার বুঝিছে পালির -- সংক শক্তব্য নত্ত্র জন্ম মান্ত্র কুরা হিল লাজ ক'বেছিবেল। । । । । কল কবার মত্যে এবি ইয়া লাভ করিবল, বারা আন্তর জনসভা ভগবছকি তালতেই, এগালেকে সল অপসাধ-কিন্ত তালে বিস্থান্ত এ-১ছণ কৰা অন্তে ভন্তৰ সাংগ্রিমতো প্রবিট হয়েছেন, এরপ জনমত্তীর মতও ১: বড়েল্ডা মাত।

भूर-देकार्गान-देव 📭 वर्णता 😉 मधा विश्वात मार्थका , मरमात्र-द्युर त मानकरण শেষ বটে, কিন্তু আমান অভ্যতাৰে অভ্যালালে ব্যাভাল আলোচাত বলেলে, নেটা সক্তুত্ব ঠাছুলধাৰক আমালেক মানা প্ৰভাৱিত কামনা নাচ কাম, ভগ্ নৈতিক ও পারমুণিকি শিলাই জান্তের ভিরন্তন যে maticulality ব'লে এবড়া কলা প্রডলিত হ'লেতে, অভ্যুত্র মান্ত ভোগাই আনালের একমান্ত বৈশিটা। জান্ত ধর্ম শিক্ষা ক্রিত কান কোনালন্ত জা বুলানিক ঐ "ভাতত কুলা-জাতন আছিডিছ। বৃদ্ধ কুতা। আন ভোগোলার নিচালে আত আনুলাও তবৰ

ক্ষ্য হ'বেছিল, তথালি জনস্থাত্ত্ব তাল ওত্ব কলেন আই । স্থান কলেন পুন্ধ গলেও কুপে গেইছেও ন্ধাই আছে, **সংক্র** भीका द्याक भूग खराम जिल्लान वरल. त्याक्क व्यामि त्य বংশে হ্যাপ্রাচ্চ করেডি, তথ্য আমানেও গাঁড়া পাওয়া निक्रास्य द्रास, इक्षा (तरकरण आ मिनिस्सान आपन **रकाम** भुःषारणः वाश्चिकं करवन ना । हेश वासुनिय nationalityव काल के देखें शहराता ।

> ति ु । त शुराह (हिटन एमन कर्नात रागम विक **इरब्रक्क** পায় ও আঁবান জায়র বারে মহিত টোনে মাঞ্চাৎ হয়। रंशका डेटा हे स्थित । अस्तित मुख्यानर जाकि। जिल्ह প্রভুৱে বালে, নিক্তির ভালে ম<sub>া</sub>— গাল্ডান্ডা দেবের লিক্ত**রণৰ** राक्ष है तकात गाँधत भिका समा, व्याप'रमत स्मर**ा** প্রিরেগ্রের কেবপ (উন্সেত) দুই হয় না। তিনি শেই ्यारक राज्या - कामाक्तित तुरुत्वत इव ता भवाख कांडिएक কেনি হাজের এর ভাগের মন্ত্র ভিথালে মাল-কামার তার िर नत ८ . ८१ ६, ताल छ। छ। का छिएक का कवारताल । दर्का श्रा শিপ বে না। আমি ভার উনরে আমেশনের বাল্যকালে পড়া একটি ডি জেবল উল্লেখ ক'লে বল্লাম.— 'প্লিটাৰ স্কলিয়া াক্র পাল্য । প্রাণিয়ার বেগ্রেকার মধ্যে নের্থের জোকেছে বলৈ কেটা কথা বচুৰা। কামি কলমে, থাপ্ৰায়া ্যু প্রেটাণ্ড দেওের হাজিয়ে গের কিকট হ'তে কিছা লাভ करिताहरून, किर्मान्द होते नक्षा काका काविष्ठन । अस्तितालाखा ারা এক্টেড পড়ি, ডারেলভ উল্লেড) কম নয় ) 📭 का कारहार जिल्लाहर । ७ जिल्ला क्या ए स्र यह 🛊 अकात रक्षातिक। श्रीपात रुपा छोता अभाग क्यांब অ'ক এ.ডিব.ন না এটা উপায় লোকই প্রকৃত নিয়া নি**তে** तात- श्रीकात क उन्हा

# জগং কছেরে ভেগাৈ ?

( শ্রীয় লা অপর্যা দেবী )

াল বিচারের বলবন্তী হট্যা অমলা অনেকেই र र अ.श**.**श्चर

कामहा गथन करिश हा का का कर्या करण कि कि Sal The Sal প্র বা শতাংকে ভূপা-ভারে সংশ্লিষ্ট নহে। শতম নে আমানিগতে ট চন্ত্র লেগণেকর। এদান করিয়াটেন, द्भाम कथी क्षेत्रन करतम गाँह। यानेश्व होसाकापि मध्यसाम व्याभिकामध्य भागरात कृत्य रिएक निर्माण क्षेत्र विश्व विश्व मध्य स्थाप विश्व क्षेत्र क्ष क्रिमां भत्रत्यचत्रक "मयागर" "कक्रनानिमय" हेलानि স্বোধনে সৰোভিত করিয়া ভগবানের প্রতি কর্তবাপালনের শরাক্ষা ভারদর্শন করিয়াছি, ইরূপ মনে করিয়া ভৃত্তি পাই।

্ আত্মেন্ত্রিয়প্রীতিকামী, দেহাত্মবৃদ্ধিপ্রণোদিত আমরা निधिनवित्यत यान जीत त्योनया ७ अध्यय-व्याहर्सात रज्ञाका शांकिया. अमुन्य निष्ठापत लाइ इटेल्ड पार्टेया आलिनेहे শাপনার ধাংদের আবাহন করি। হায়। প্রকৃতি-क्रमतीत थाङ् इटेए यहिंगा खांगांत शर्म विज्ञालत मांग-ৰুছ্ন লিখিয়া নিই। ভাই, শরতের মেঘমুক্ত বচ্ছ নীলাকাশ, वनारकत स्वक मनवामिक, वत्रवात भव गीतनमाना, छेवारांगीत ক্ৰক্ষটা, বনানীল নীল্বত। আমানের লাল্যালোলুপ मन्न-गरमत्र छेभत स्माहकान विद्यति कतियो, উज्ञानस्त বিজ্ঞান্দ্রী ভড়াক্যণের জন্মগুডি গান করে। স্থপু-চেতন আমাদের মুম্লা ইন্দ্রিক্তলি যেন ক্ষডেলা **জগৎকে** ভোগ করিবার জন্ম ভীমণ অভিযান আরেও করিয়া দিয়াছে। এ'ভোগ্যান্তার চালক ঐ অগাড়কা-পীড়িত, অহমাববিষ্টমন। কউায় জানের গরিমাণকিত আধ্যক্ষিকগণের চিত্তবৃত্তি আছে মানব ভোগ্য বিশ্বের উপর ভাষার একছেত্র সামাদ্য স্থাপন করিতে প্রায়ানী। তাহার हुए दक्षा स्कूला भ्रष्टशामणा भत्नीत প্রাচ্যা-পূর্ণ স্ভার-সমূহকে প্রমদেবতা বিষ্ণুর সেবোপকর্ণক্রপে শর্শন না করিয়া আহ্বডোগৰুদ্ধিতে গ্রহণ করে। আধুনিক ভোগ্নমী কণ্ডের ভাষাণিজ্ঞান তাহাদের আভণানে 'দেশ্য-দেবক', বিষ্ণু নৈক্ষব এই পরম প্রয়োজনীয় ভশ্নীর কোনও আবহাকত। স্বীকার করে না।

ক্ষণে ভোগবৃথিসকাল সভাতাভিমানী ছাগতের চিন্তা-ধারা আজ ভাতার বাজ চাক্তিকেরে আবরণে গমো-**দিগকে** বিভা**ত করিয়া অ**তি দ্বিত, রুণ্য প্রস্তির স্থা আমাদের চিত্রে প্রাথালিত কবিয়া দিয়াতে। ১৮৪। স্ভ,তালোকে আলেকিত হট্যা আমরা দেংস্থো-শের প্রীতিপ্রদারত উপকরণ প্রাপ্ত হটতেছি, ওপালি দ্রোর भर्गामा तुका कतिएक धडेरन मिन्हगडे बिलाए धडेरत रग. আধুনিক ভার-ধারা থগোক্ষ বিক্রর বেবা ভার-বিবচ্ছিত। ভাহার চিত্র, শিল্প, নাহিছা, ভারণা, স্থাপতা, কচি, मोडि, निका, भीका, तथ कर्ष, ভाशत गीडि छटि, शृका বন্দ্ৰা সমূৰণই ভগৰসূতভাগ্য বিষয়বমূহকে ভোগ ক্রিডে চায়। ভাহার বিশাব--পর্যশ্কিমওর 图为那个多 ध्यक्षकारमय दहीनमध्य मालिहा सबस्य शांता यात्र। ুভোগপ্রসংকে অক্ষরপ্রসংগীড়িত ছনকলনন্তক বিনয়ে দেওরার মতেই সক্ষতনক জীরাধাণোধিনের সমগ্র সম্পতি व्याचारकां गार्थ 'अ। घुन्। २ कित्र व कीरना कीरना कित्र शुक्ष करें एक केश्वीत मान था दिन कविशा (म 9शा च शा वाहाता वया-थाकी, তাহার। ভগ্রছমনের আবররে লিফ ভয়াবঙ জ্যোগলোল্প অর্থটি আবত করিয়া কথতে ভজ বলিয়া श्विक्तिक कहेटच ५१८०। एट्टाल करन करन, हक्त्वात्र व्याखरम मतल त्यात्कत प्रजुटक मुलि भित्कल कतिया धालाकृष्ठ रेनक्वती व्यक्ति वान कति । शाता महिरतः এ'প্রকার অগস্থাপান্ধ ভাতবেষিণ্ডের নীঞ্চিক্ষা প্রবর্ ক্রাইন, শ্বরণ, অর্চন ইউ) দি মাণবভজির অন্ধূরীলনের व्यक्तिकारमुह्छ क्रांस द्वापन्थितकृष्ठ । जाहारमस व्यक्तिकाः ধাম-দেবার ও বীনামদেবার অভিনয় এবং জীভাদ-भौताक्रमान क्रियान कामरावाक अधिनय, मूर्य-ट्याटकत मुटिएट. कवरमधात छात्र मुठे म्हेटमञ विवास्टि-সম্পন্ন ক্রফ্লেপ্ত মংক্রনগণের দ্বনে তাহা ধরা পড়িয়া হয় সে ভাব উদয়। আমি পিছ ক্রফাস এই কথা ভূলে'।

यात । एथु वर्कमान कशटकत विष्युंचलाइडे विष्यात धाराणी मात्रात सकत हत्या विश्वतिन बुरल ॥ क्यू ब्राह्मा, क्यू दीकी, মহে, পর্ব সর্কাণের অজ্ঞানতা প্রস্তুত ভোগপ্রবৃত্তির नर्समञ्ज रचायना कत्रिया केरनानिमर विनाउए .--

"मेगावाक्रमितः मर्फाः यर किंक भगठनाः सन्। ভেন ভ্যক্তেন ভূজীপা মা গধ: কণ্ড দিছনম ॥"

ভগবৎকৃপার এই শ্রুতিম্ছের অপুর্ব চাঙ্গি যুখন আমাদের অনকার অন্তব ওচা উদ্বাদিত করিবে তথনই আমরা জানিব—পৃথিবীতে যত কিছু বস্তু বিভাষান আডে, ! তংসমূদর পদার্থই বিদ্চৈত্য জগদীখনের চৈত্ত ও মতাধার। ওত:প্রোভভাবে বিলড়িত হল্যা রভিয়াছে। তথন িমপভির স্ট বিশ্বকে ভোগ্যেত্নরূপে দর্শন করার পরিবার্ত সেবায়তনরূপে দশন হটবে এবং স্ফটেবরাগ্য আশ্রম করিয়া যথানোগা প্রিয়াণে ভগ্নছড়িই সহা-প্রেমণ গ্রণ করা বাতীত ক্ষপ, রস, শক, পর্শ, গ্রাত্মক विभाग (अद्यंत क्षति श्रृहेर्स को ।

পুথি ীর চেডনাতেজন সমগ্র স্ত্রব্য ভাগবক্ত জিনসম্বের অসম্মানি ভ--এই প্রকার নিউদ্ধ জ্ঞান করিলে আর ভগবছক্তি মহছে কুত্ঞপরাশন মায়ার দী ত্যাগাল বিভারো-খিত 'ভ্রস্তিতা জগৎ-মিগ্যা'রূপ অন্দ্রাণী আমানের স্ম Bरणानन कञ्चार्वेषा शांतन त्मना गत्रकात गिम्न छ। त्म প্ররোচিত করিতে অনুমর্থ হয়রে।

**্রীমুক্তন্তরেও মধ্য চাংবে চ**র্বাবের ভিন্যালয়েক বি প্রাটি ক<sup>ু</sup> अधाक्षकृष्टि व भी शस्त्रवास्तको म् भागासम्बन्ध हो ५५ वारमञ्ज विकास कर्मा 🗃 मिकरण प्रभाग करना एका 🛶

मेंकि। मोका (अज १९८५, खार्क) क्रम्य भट्टत

**িছবির জন্ম** লেখে না লেখে ও র মাই <sub>ন</sub> मक्क कुलब डिल इंडिएन पुर्दि ॥,, "नक्षत्र क्रट्यात भृष्टि करन् कलभणः **८म दम बि**एड भास, यान और चित्रवस्त ॥"

## শত্রুর সঙ্গে বাস

( শ্রীপার কিশোরীমোইন ভ্রজিবান্ধার, বি-এল)

অনাদিকশাফলে জীব যেদিন তালার সরুপ্রিশ্বত চইয়া স্থাং প্রভু সালিয়া মোরিনী মায়বে রাচত সাজান সংসার ভোগ করিবার ভাত শালায়িত উইয়াছে, সেইদিন হহতেই ভাগাকে এই ভবকারভারের ত্রিতাপরণ শুখালে আবন্ধ ছইতে হইছাছে। এই সংসারে ভোগের উপযোগী মূল ও স্থা শরীররূপ ১টটা উপাতিও ছীরে ভূমণ ভট্রাছে। ভীৰ মায়াকে ভোগ করিতে পিয়া, মায়ার सामच कतिएक वांचा बहेबाएक ध्यार मासिक मध्य, तकः ९ ভ্ৰম: এই ত্ৰিভাগের বারা আবদ হইয়াছে।

कि छनाद्धार कोन दहै मध्यात-मन्दर गक्क, कुछीत। मनुब काम दक्कांशांकि मङ्जिश्व ठाएटन ध्वः व्यामाध्यिक, जावि-(ओछिक e व्याधिरेपनिक क्रिकारशत वाता वर्क्यतीकृष्ट व्यवेशा ক্ষোগত হয় হুমান্তরে অশেষবিধ চঃখ্যাগরে নিম্নিজ্ঞ ভটভেছে। মারাপ্রভ দীবের ছর্দশার একটা চিত্র শ্রীগোর-পার্বদপ্রবন্ধ শ্রীল জগদাদন পণ্ডিত গোস্বামী প্রভন্ন ভালায় বৃণিত হটল,--- কুকুব্দিপুৰ কঞা ভোগ-বাছা করে। নিকটছ মারা তারে লাপটিয়া ধরে। পিশাটী পাইলে যেন মতিজ্ঞা হয়। মামাগ্রন্থ জীবের

करू विका, मूछ। करू घाबी, करू ख्वी, करू कीष्ठ कुछ । একমাত্র ভোক্তা পরমেশব জীরকের কভুপর্বে, কভুমর্ভ্রে, মরছে বা কভু। কভু বেশ, কভু रेल्डा, कड़ मान, क्षक्र ॥'

> প্রাক্তন কর্মকলে জীবের এইরূপ সবস্থা বধন অবগুড়ারী এবং অড়োপাধি বিষ্ঠিত অবস্থায় জীবতে হথম কাম-কোগাদি শতাগণের সভিত বসবান করিছেই ছইবে, তথ্য উচাদের সহিত নিয়াপদে ও নির্বিধানে মানের একটা উপায় উন্থান করা বৃদ্ধিমন্তগণের অবশ্ব কঠবা বিষয়। मार्थित मरक एक गरत नाम कतिरू कहेंद्रि मान्य बारक মানুষত বাস করিতে পারে, এমন কি বলোরত হইতে भारत ना १ माथुष्टियात माशास्या **मात्मत विवेशक क**नि ভাঙ্গিঃ দিতে পারিলে আরু মান্তবের প্রাণনাশের ভর পাকে না ; তথ্য মনেকটা নিরাপদ হয়।

> শক্তরপী কমে-ক্রোণাদি ইন্দিরপণ কর্মক যে আমর্থ জন্ম-জন্মন্ত্র ধরিয়া নিমাতিত হ**ট্যা ছ:খ্যাগ্রে নিম্নিজ** क्केटिकि, एडाबात सक्त्याम छेपांच क्केट्स्ट्र के मश्रक्त विक्रियानक मन् छक-मावारण नियक्तिण कवा अवर छेवारमम বিচ্ঠাত ওলি ভালিয়া গেওয়া। <mark>সদ্ভরশাদপতে শরণা-</mark> গতির ফলে জীবধণ ছানিতে পারে যে, যে সমস্ভ রিপুর্ব ত্তাদের অনিষ্ঠ সাধন করিছেছে, সেই সমুদ্ধ শত্তন্ত্র अधिक नकाम ताथिया भाग ए। दुविकांका कांकांका कालिके क तिराहरण, ८-३ वृद्धि अभित अधि किश्राहेश पिट्ड भाशिताहे মার কোন ভাষের কারণ খাটে না। এই বৃত্তির কভি प्रितिक किता (सप्रात नामहे शादणक विवेदाक कालिया)

> ८वनम (१ कार्न भारतस्त्र अक्ती शहर शहर । कारमह अङ्चिएको (जारत्स हैरल्डि। ध्वे काथ ध्वय कहेरल (मार्- शांध क्य रक्ष छतः भत भत **भत भवशा छाइ**:स **मर्जना**म के तां इन इन्सा वाटक । जाहा द्वाना वाटका का का का का ভবতি সংখাদ: সংখালাং ছডি**নিজ্ঞা:। ছডিল লাল-**ব্বিনাশে ব্রিনাশাং প্রণক্ততি দ

আবেতির প্রীভিবারণ হইতেই কামের উৎপত্তি। আক্রেনিয়-প্রতিবাহা ১ইতে উৎপর বে কাম, ভাছারই অগুপ্তিতে কোনের জন্ম; থেই ক্লেন্তের মারাই জীবের সকানাৰ উপত্তিত হট্যা থাকে। কিন্তু বেখানে কোনের मुरम ८५३केथ एकान त्याकात्र आरबालियाली कियाका मारे, ट्यथारन रकार त्र वाता रकान अनिष्ठे मा बहेश। यहाः **डेनकास्ट्रे** माभिष्ठ इस् ।

त्यप्ति औ कुक्लामलायात कुला आयारमञ्जू वर्षक চইবে, সেই শুভদিনেই আনর। শ্রীল নরোভ্রম ঠাকুর মহা-পরের নিয়লিখিত পতিভোদারিণা **যাণীখলিয় মধার্থ ভা**ৎ-श्रा प्रशासन कतिए नक्त करेंव धवर साम, दक्तांशि প্রবণ শাসগণের সঙ্গে একঘরে নিরাপতে বাস করিবার যোগাতা অজ্ঞন করিতে পারিব। ঠাকুর মহাপমের যানী

'त्वांश' ककंदरवी-माम 'काम' क्रक कर्यार्थान 'লোভ' গাধুসলে হরিকণা।

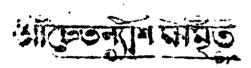
'মোল' ইট্রলাভ-বিনে 'NY' ##-44-91(A नियुक्त करिय मधा छन। ॥

काम रक्तांथ गांपरकास किया वा कतिए भारत . यपि रय गांधुमनात्र नण ।

### क्षेत्रकृष विश्वक्रिक ভাক্ত গ্রন্থাবলী



**बिट्यावश्य - बेमहिकिनित्सात ठाक्टरन निम्मक-**रंगरेल कोटबंब लांबहब, कृटबंब महिल मनक, जिला ह देनिभाषा क कथा. शिक्षरेष एनिश्चि । अवश्वकारन व रक्षा साहित् । श्चिम्बा शक्त अन्तवात स्वान, देवाव नर्गासमाय, देवकव-राष्ट्रक प्रक्रम, भरकाभागनाव मक्षित्र भागका, प्राप्तका, देवधी-्रिक क क्षांकारकड क्षिप्त व्यवस्थान महेकल्यामी क्षा **किंद कारका, कीरवर वदाव्या** के मुख्य, देक्पन प्रकारत भविकात कविकत अभिकाशी-रिठात, क्या ५ वर्षा खारना मामक छ। जाकानक स देनक रनका, दबरत कुकारीका, फार्चा स अक मा काञ्चाव काजीएंक-८७०, क्रिनिश्रहत्रका व द्रशीक-रिक्कांत्र प्राप्तितः, मध्यमारकंत मात्र स्वित्तित काटन, अल्ला-ाय क्षण के दक्षों अनव, मिकिविश्वाब, मीन्या, देवती 🔞 द्राराधनाः असि. मध्यक्षकान, व्रमकृष्ट्या आम्बारी, भारकीहरम, प्रयुक्त त. शैकाखा:यम खाक्राक मनामम माक्राक्ष माहास . शुरू सरकावनी का क मधनस्तात करनाभक्तवनकारा द्वार-क रक्षा का । जब जनमाज अवत ब्रह काल वर्ष करिए ावमापिक बारकान्न किन्नु: को अक्कान तः भ्रत्यम वाकित्त तः । नदम शुर्छ 'वर्षिषक करकार मदल च अवभूक्तानी वाष वाक्राः। क का करा व के कहा नहें । निवास र शायहरी-वाक्ष-भट्टान रिव-भक्षन-मध्य वह शहायुक केविस बस्दार्थन। सानाव अनिस्न : क्छी, क्यामात क्षानि बाता नित्य ममूक कता व्हता। ह । रिवार्क, श्राप्त, दगरनाहत कारण नाम दलका एएकडे द्वाराह---**७७ूथ शरकः ल** र**् गा**खाः



# क्षियं ज्ञास्त्रव

क्षिमक वीषाचे- २, पूर्व काका भावाया---> ho Colo हरे हाका

**डाक्टर्य माञ्चरा+।** कांबा व्य**ट्या**क भागतन किला ক্ষিপুণু শারণাক। দলে অবহাক নান্দ্র নত। ক্ষিপুণু শানভা সামায়ক কয়বং নিশ্বাতিত কইবাছে। बारक खाल केंकि मनाक्षम लाखवाका बारा ममांवर क कामाविक सन्वादक। दशरकत, मत्नक क व्याचार वच कि रू परकत् नवाक, न्याक, क्याक १ क्याब नवह च्यावनारः क्षम् क्ष्मकाश्य मुक्तिन्नाहम् बारणाहरू क्षार (२. अवन गर्शक करक कारक कारता एक गाउँ वा कश्चित्र लिखक रूक्ता वाष्ट्र या ।



विक्रीय मरभूतम 🕪 • भागा

নিষ্কেশ কোৰামী আৰু জীৰ ধৰ্নাৰ গোৰামী এক্ত केशरकेनकरण, दय मुक्कण कथा वालेश्वरक्षित, काश अब आह लाक्ष्मात्वम माम्यून क कार्निक्स विकास मानि सक्सानाटन 148फ क्रेस्ट्रिक । क्रिया काष्ट्रा किलामकाचाल्य केन सर्द शिका के क्यांद्रमात्रवृत्त्वक्रकारम किर्मित्रक क्रिकारक ।

# ৪৪৫ গৌৰাকের সচিত্র

পার্মাণিক বাজিমাত্রেরই একাও প্রহোজনীয় বিষ্ণুলাও ও উপবাসাদির ভালিকা সম্প্রিভ বাংলার ঘতে ঘতে বিরাভিত কটক

ভিকা ১০ আনা মাত্র

do जाक विकिवे भाठाकेल जारक भाठान करा।

মচ্চক্ৰি

জীল লোচনদ স ঠাকুরকুত

## ब्रीटें 5 छ जा महत्व

ওঁ বিষ্ণুপাদ প্রীক্রীমন্তবিদ্যাস म्य प्रश् গোৰামা প্ৰকৃপাদ সম্পাদিত ভূমিকা; প্লোকের व्यवस्त नक्षासूनाम, প্রতি প্রসংকর ও খণ্ডের কথা नाञ्च. मञ्चमृत्री, ज्यानमृत्री, भारत्यती, आयानश्रद, ভালিকা, প্রসূচী প্রস্তৃতি বিশ্বত সূচী সম্বলিভ বিষ্টানন প্রবাদ এক ইউলিগন আছে। বোল্ড, অব্যাহর ওবল জোউন, আউপেকা আকারে : क्रिके भटक्ष कामरण हामा। किका-३४० हेरका :

## শ্রীহরিনা মটি স্তামণি

मामारायाः श्रीत बिन्मानप्रकारक श्रद श्रीयका प्र শীলাম মালায়া, লানালায়ে, নানাপরার প্রাকৃতি টিয়ারের यान भी र तिकास नाम कादशा किटलन, शह विश्वतका न का न নকল পথারে সংক্রিপ্ত আশবস্থ পরিণাটিভাবে মুণ্ডের नीम कर्विशिताममाक्व-रिका स्य मन्द्रान किया एव বার মাল মঞ

# বৈক্ষৰমঞ্জৰ সমাহ্বতি

( भ करकोग्रकामश्रह )

िष्य :--- । लिक्नारम बान्य क नवानीव वर्ष २। जारियान्त्रनाटकक टेब्यवकारणहा करिन्न, का विक्रुदेवयवनमाणाहित ह सीर्धान्तव अ र्शन आदनव रव बदन, छ । देवस्म १ १ए छ । स-मन्द्रवत कार्याम ह दिवतम् । विश्वतिद्वारम । क्षा वर प्र माक्षीस व्याकन्म्टल यान नेत्र कथा। ठा तथा छ जान लिन DENT(७) भ्याशक्षाल • २४ मध्याल ५० ०४ भक्षा ५० । ५४ \* 영 N/+, 5((소기영 요구(대 이 , 라)아) ( ## 제영 제(명 )

#### अ ल कम्प ड

ऽम च७ ১८ এक हाका (सच्छ :८ है) ह শ্রীমদ্ভাগবভের ও গৌড়ায়ের আহকগণ ় है।काम पूरेण्य वाहित्वन (वक्कावामा व्यक्त व গাখামাণাণের হচিত গ্রন্থ এই। ইচার মট্রকভের সংক आहामनीय माला आहित्य छान उत्तिक । यस य ५६ श्रुका काकारत मुख्यक वर्गर ०१७ ।

> এমধ্বাচাৰ্য্য সঞ্চলিত সদাচারস্মৃতিঃ किया /० भागा माउ

# বিজ্ঞাপন

गावशान !

मादश्राम !!

19. 18. FC64 5141 MA SIMIN COM आति ५ कर रहा ५४ केन का दिखाय मनेत्रास পরতেও ও বার্ড প্রশাস্থিত।

ভাষির। স্ববস্থারণকে জ্বাইতেজি, বাদাধ टेक्स शांतम कदिन त मनम् भिनात शाह्य केश्वाकी अकरत (७, १८, प्रके अंध (कार्यानी गाम ध्यापा দেখিয়া থবিদ করিবন। নতুবা জুয়াচো**রগ**ণ कमल्दात क कम टेडल लिया श्राप्त अस्तित ।

# কেরাস কুইনিন্

्नुङ्ग तत् श्रुताङ्ग भारत्वतिद्रात् यम

हेटार - चे पुरू भाकांस आहेतम, तहिनाउद्धाद्धात

बर अलाम कुर्रालन बादा राक्षकणन कृतिरण अवकी া ছাটী ৰ প্রকর্তনই স্কর্প্রশার করেন হা লেল্যি জ্বর স্ক করে ধরণ ৮ বছতে ১২টা জ্ঞেকস্থে মাত্রে রার সুমুক্ত विभागान्त सह कारक दक्तरण ।

च डाल्याचूर अर्घ शक-म्या २. हाका, हेर a छावा বাহত কমিপাণ এও ক্লিকিলে লাবেরটারীতে २३ : at e द्वितीयण स्थान, क लिकाता।

ব্যোটায় বেক্কব-জগতে অভিনৰ এক !! শ্রীগ চাত্র ভাক্তবিলোদের ক্রীভি-এভাবলা:---



भट्यप्रं अधिक कर्ष मध्य मध्य

(अट ए अट्येड Che) कामणाव**ल ग**डेवा—हेडा वधन कीय বুন্দিটে প্রায়ে, ভূপন একচাত্ত নিভাবস্থা শ্রীভগবানের প্রাষ্ট केरकाल (काम काफाइ भारतकामती व्याधना वह कायः শ্রুদ্ধান্তে সজাপ্তাল্পরণে নিক্সটে 🎏 প্রকারে শর্শাপ্ত ×ংক্তে হয়, হাং, মে গ্ৰয়ক আগেশপুৰী আপেনা **ও আখু**ন 可知何如此成本 到14 1 一页"感情" 机电路电流 医四种门内侧 电影展览器

क्षिण कार बढ़ रें बढ़ बाबा

. ± मणाकानाक्षको — 🗸 ० , जनवी त्रमञ्जू — 🗸 •

কল্যাপক পতিক

नटकड मार्डेड भक्ता स्टब्स् TES 18 / > 0

শামর, প্রাচাণ বৃচন কলাব ও কামনার বলবস্ত্র চকর। পুনঃপুরু ছে भक्तानरक कलान राजदा प्रदेश कार कार प्रदेश राहाद निकेष्ठे कलान कांचन कान, क्षिमि (य जिल्हा का अपन कलाति समारत समानव अन्य द्रव्याम क्ष भाषात्मत जिल्ला क्लाप्यक्षका जन्मक स्थापन **भारत व्यापना एक क्ला**पनमार् अवय इक्रेंच अक्र अवल अव। अवल मारव (समिष्क) अर मेरिलक्षक ৰাপাৰ্কঃ কলাংশৰ কলভতঃ ইনি অভোক্তে বিভাকলাংক প্ৰথাৰে প্রপ ।

বিস্তৃত ক্যাটালগের জন্ম নিয়ালখিত ঠিকানার পত্র লিখুন-স্মানেকার এরবিভাগ, জীচৈতনামঠ,

# বিশ্বৈষ্ণব রাজসভার ওদ্ধভিজ্যিতসমূহ

शिरित्रक्या मन

আক্র মই রাজ

का हीन उन्हें रे, काकनव टीकाम भाषालुव, महीश

নীয়তাবোলগীর ১৮১৮ এর ব । ১৬ উজ্জ-পুরে ইন্ডালপ্রনে **আচার্যারত শীচ**ন্ত-! emu simaten @ Dita em na feglen a

वर्षे कार मान्य e- नेर्द् अवस्त्राओं असे अस्त क्षानकती । करे यहां नेर्स केर्ट-আনুস্বুত বাংকরণাটিত না ১২মুহ, পর্বিস্তার হাত্রীত কাবা, নাটক, অস্কার, তথা •आभाग-উপতি হর-গা •া-কু c - হ ও ল চভুগতে অগতেল । ও অগ্যাপানা এবং ভগায় 🕮 ওজ--বের্বা এক্স-প্রান্ধ হর ব্য-রাবার্যার ও সাজের সাক্ষাক্ষাক্ষর-আগ্রাহান্ত র ক.কালের ইপাক্ষ विश्वत्यम् दिक भाषा १२ कि कार्याहरूम । १६८ ५३६११व भावमार्थिक देशानकभक्त मास्क सम्बद्धाः १९ व व स्थानिक क ए शाहित अधनात्र एउ तन्द्र क्योता अक मा यश्चात्र की खार क्षात्र (१९५८) महामार होता है के का लाग का एक्किस करता लाइक का अक्क का अक्काति শ্রীবাধ নতহান্তব্যাল সহজ্ঞ । - প্রীবাদ বিলোধা হা নৈ এছ বি, াওও প্রীবাদ পোলদাস स्थानको सार्वत्वार्तील, धाराम वीर्ष्टम स्थानको, १९७७ द्वीवानवासम् स्थानको, শ্রীপুঞ্জ কনীপ্রসাধালে বলেন্দ্রগালার, প্রস্তুত্বতাম লাম ক্রান্ট্রণী পর্য মঞ্জান্ত্রণ

किन्दिकारी भिन्न कि अलेड के से मार्क के स्वारत हरिकाल करे.

(७) ८५: शब्दी व लेला दिन इ

धके क्यांच किलानियान जेराचार अन्तर्भ ती विभवताम शङ्का का । छा १ नहान भारत्य भन न्त्रीहे अवस्था वान्यासी मना व रो किन्द्राध्यक मेंद्रशिद्रव्यासायम् कान्य स्टिटेन्टना क स्थित्रभाक्राकर है। मा तमना जन सिशक अध्येत दशका बहुमान । अक्क--(क्रांक-প্ৰথম্ভ প্ৰেক্ষানী ভট্টাচাৰত কড় ছিলো-आका अवकारी देशीय नामक प्रचार । श्चित्रवात सम्बद्धाते । श्रीतात नात सातwith Chaman Theireadh i

#### १८३ ज्ञिनाम कशन

श्चिमञ्चलकापुर के ई. - जिल्ला ना **ब्याली**दलीमान का प्रमात का एक ट्रांक्सिकीय विकासिक १ १ क मार्थित कर्मा वस्त्रीत । क्षण प्रमान शिवासाधार अच्छानी, केवसु• चल, श्रिकाकुक्तमाम नात. नो ।

#### ( 🛊 ) च्या ,यास-खनम

45 Black 12 12 4 1 1 7 6 6 44 1 1 1 1 1 1 द्भवा वयसान

#### (७) कः प्राप्त श्रमाशि श है

कार्तीन पान एन. न्यानभूकन (समीका) **अ**ट्राविक्रमान्त्र क्षेत्रम् । भीदः गनः । १४ । 

#### (4) 聖如明 學問? 學問

कि शास्त्र , अज्ञानश्रक । संगोधः ) मन्द्रमानी तक्षण मा तीन का क्षति द्वामारा सुद्रक । Martin and Calendary of and in Process Material and the second

क्षित्रातिको नंतर सन्दर्भ ।

#### ( भ व्याक्षणनाय द्वारेकाक सर्वे 28. THE & 1

तक क -- शिश्वत्वत्व करियम् श्री स्टब्स्, खाः নি, এল, সংকারী--- মীছের ধাস ভাক-માંદ્રો, ક્રી-ક્રમમ **થ શ**ાવા શહેલા !

#### (山) 国代明者-明明四年四方 हैं। भारत ही, अध्यक्ष शक्त ( अध्यक्ष श

Bir mantene miefen minutte-

#### ८५ औज्ञथा औष्ट्रांस मह

क -- देववरिकास अभवत्त्री, विक्यारण रक

#### ः । अश्वादग्रम्बद्ध-

माउनः ७, भारत्रा, १६मान। 2 11411 - 10 3 4 4 4W14(4 WH) 1 उक्तर-धिन्छ बरावे डक्सवी। १ ): ) छ। जनक व्यक्तिम र्द्ध नाध्यक एवा . क्रफ्रेन्थ्य, न्मीशा । a中中--- 通用的中 出版的 計1

(१७) ज्ञीतकाञ्चन संदे दर्वे व १७५, ५४। व . ५, इन्सम्बर्धन, समीवा । क्षाक—धीवकु भूतम् अवस्त्र है।

( ১৪ : क्विमाध्य द्वाष्ट्रीत मह 3 - oft ordings . 315 . 67 #1 1 भक्षात्मव शहाब ८०५, १४१८म औ ५०-ा १% भारतानामांका १४६ दशका वसमान । <क र -- 🚉 / शब्द्ध श्रद्ध वास्त्री ।

#### (६०) किना गासकी वर्ड was not electe

(भा गामकी) असा ध्याद असाधीन स्मना १**५५—टी** भारतीः **बद्धा**री ।

( ) बादगोजीत मठ se सर कारि व्यामा ठास बच्ची होते. त्यां: मायवाकात. कविकादा e क्षीनदलान वि. वि. ७५५६

শ্ৰীমন্নতা শস্ত্ৰ প্ৰচাৰিক ক্ৰিটালে ক্ৰিক্তিৰ প্ৰচাৰোকেশে বেটাভাৰণেৰ দক্ষপাৰাৰ নগ্ৰী কলিকাতায় প্ৰীন্তিবলৈর মাসনে শ্ৰীষ্ঠ কাড়ট্টির ম্বাছেন। এই ম্বাছ भक्ता cicu 🚉 कुक-द्रभावाक है। वहनामानक को है शब बंदम निका स्मिवन क्या । दर्शकीय আচে সংপ্ৰতি বাণ্ডীয় প্ৰছাপনীয় প্ৰপ্ৰচায়োগেন্স নীমান্ত সংগৱ বছকী প্ৰছৎ স্থান वहा स अरक्षां क क्षेत्र (क्रमा) अभिवीत मन्द्रम और शावनाय व्यक्ताशार्थ व्यक्त ब्रह्मानक टकाक प्रशिक्षी अन्त्यात्मक भवा कि अक्रमामिष्टे माधिक भविषक देश्याणी कार्याक শ্রীন্তাগ্রত, শ্রীচে ৮৯-০ রিডামু বর্ণি-গালা ও ক্রিচারের স্নাক মান্ত্রা ভইক ঘাকে ৷ মঠনক্ত--জাচাসাহিত প্রীপাদ কুম্বািতারী বিদ্বাভ্যব ৷ সর্বতারী--পাবিদ্ भीभाग भगस्ताल्यकः भवात्रहास्य निन्दः, औषाय सम्बन्धम् भन्दिशानिस्थाय विन्दः, लीलाम तामाववादी अक्षणारी, जीलाम क्षणक्षात्व मामातिकादी विनव, जीलाम क्षरणांचाल साम्यान महित बजरारी लोको समामल, अक्षत्रती लोगातियालय, अक्षत्री हों क्रमानक करिका 🖖 अक्षादी होत्यवर्गान्यमः भाषक होता वर्गानक्रम ्रिट्रिकेस । अवस्थितकात विवास, आङ्ग्

> (১৬) जीभवारे ,का 🐄 मठ Costar mutical material total Ennere-Cutanne fami cha:

ाक म - में भूर्य अल अला । शो।

#### (১९ 🖹 ए जिस्हा स्वयं प्रदे

"6 क्षर्रिका १, बाख्यस्थल वृत्त, इम्राम्भी भूत । 图41CH 門班子·(別·第-4)第1個中)-.मा।। इक्क - 🕮 र्वि रेक्स स्थालमा । विविधारीत विकासना वस्त्राम । ब्रक्त - 📗 बक्राभी को लग्न शनगणको । क्यां अंदे प्रशासका

#### ं १८ व्यापनारमाष्ट्रा समझाध्यम

वाक्ष्यंत्म दलाइ नव्यम स ह mei(4111 | 4年4-- Sar[1] 图]eft-1+6-101

#### (১৯) 🗐 श्रुष्ट्या हम मह

45fate, 9c', \$1:911 अवस्थ हैं। वोर-्क स्कृत्य प्रश्नीत विका-া গ্রাব টি ছাত্র প্রথাবাটী প্রভাব-কেন্দ্রা । দ্রা ব্যমার । রক্তর-জন্ধগরী ত্রীপর্যা-नम 'बनारबय, अक्राती क्रिनीधानम ।

#### (१०) खालक-दशोडीय मह

मांगवदनाचा जन्माभात्र ज्याः, सुरी । भः :११/४८वद्र भनवम्द्र मनदः 🛍 वश्रकः 3/18/41 494--- 450/S ्रानदर्भवदी व्यथानकी। महस्राधाः --ब्यान्डो क्रिनिमानिश्ची ।

#### (१) क्रैनिक्सिनाम्य मर्ड

Biesteimin, Soot अवन्त्रः जिल्ला-त्याका-विद्याम्यावन-कीश विकारनेना रखमान । अपन-विवाहां सीवरायम् ।

(३२) ज्यापनाष्ट्रभन्दशोदाद वर्ड ent urimirangat, #14 1 (वी ,- नवाष्ट्रव अवी इन-विकासन क 20年1日 : 1974CHAI 司备署[五十 4甲年-न्त्रेयानकोगायको ।

१५ ७) अंश्वरतीय खेळा मह चीन भरवसाथ कृष्ण, खानाय कृष्ण,यस र El Barti-& e. (BIBHMIS CHAIF

प्रकार के अपने किलाव अध्यानी

(44) 熱性性性性 (44) Calualant affeide

अमार्थ क्षे±्षतक माञ्चल्या **●** Bunte fecate tempodia chai appunt भी एका भावाण श्रीम संभवा 'अविधानी- क्षण -- अभागती श्रीस्थानका क सम्बद्धाती न्त्रीनस्त्रः स ।

#### :२*०। औरिष्ठ शादशी और* सर्व

事可求更明 化对表电弧 阿州海巴山 數量數 লীটেড্ড ক-মটের পাখা। 'রক্ষক—**-প্রী**র্থান मान कार. निष्टकानाम्य उन्हारी । खीराव old Williage i

(२७) अहा नदमो औष अर्थ \*\*C\*4. 41(444. \*414 } #41C# Siculativital negline (ne) emplois धण १--- त्रक्षा 'त्रो दिश्यम्मानकी । (大人) (2)(成分45()(2)) (2) (大人) (2)(2)(2)

आधानमान्त्रः ८गाः मास्य, वाचका जनदेन बर्भ कुल्युसि और नाश्वारक्षक दमक न्ह्यान । एकक---ब्रन्थाओं खीखानकक-माम, श्रीताशावमन अकारती।

(३६) विद्या द्याचीय गठ-- कार्यराजक se cen untare, fait fieft t प्रकर- विविधारी श्रीवहाँ महीय-शिवि महर्गाया, श्लीकावापमण्डलाम्बर् ।

(२৯) द्या गामनामा जनशास्त्र . अवन-अवस्थाती जीशायारश्चेत

# दिङ्ग्रागटनेत स्थानिक वास्माना

्रेकाक्ट्स <b>टाकान्स्टि</b>	০ <b>৬ - শ্রীস প্রাভূপান্তের বস্ক্রাব</b> লী
	(৬) ধাণ্য গণ্ড ১০
\$ (7832 ##) 5910/0	
@ (1842 8%) 35.	
6 1 0 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19	
( au Athen )	A CONTRACT OF THE PARTY OF THE
A Brawn atwas	or। त्रिकाञ्चलप्रदेश <b>०</b> ०
्(विश्वाक्षे विश्वीर मरबदन) द	েন। বীপনালস্থপৰ 🛷
*e ; ৰাখা ( শ্রীগলদেব-টাকা-সভ ) ২.	Se i काक्तवाबर
4   \$61 ( \$16046 \$141-79 ) 3-	
● 1 ÷ 2₩ 44PF *	ss : ব্রভমালা /১ :
व । विकासिका खनानी ज्वार नाक्रनार	6~ s 中の33円中間の中、71申末 円代等気が、プラリ
( आवर्ष )	
en Ging want	RR I MAIDIRALES
जो क्रीहरू कि का कि का स्वाहत (वीवा) वर्	६६ । अवस्य वर्
ort किया भन्योग :he	
331	- ৪৭: শরণাগাঁও ৮০ ব
क्रिनवहील नफक्स (नाम्) रेप	धरः विश्वाननी
३२ । <b>क्रि</b> मखकाळ कृत (लक्क ( ने(पा ) >ू	
्रे (चानीभा) भ•	्रक <b>।</b> मारधाना <b>ने</b>
७० । देवकवत्रक्या-मन्नाक्षंत्र	१७! व्यवस्थान
, क्रमं ठाविन छ }	ৰ । আঁভাক্চিল্মণ্ডী /• ।
38 1 Mariaminis minis ha	4.0 1 <b>1000 1000 1000 1000 1000 1000 1000</b>
	দেবশাগরাক্তরে প্রকশিত
३७१ द्यावक्षरकाषयः भः	
29 : (अमानवस ( कृतीप्र मास्त्रत ) he	ৰ বং স্টাক শেক্ষ দশমূলমূ
	(45) <b>%%</b> -2.64
>> 1 #814 ( 44 H) HIM	६९ । मानारम र्गनम
२०४० दलाचामी वयुनाथ मान ( देशा ) का	क्षेत्र म स्वाम (भागाहिकम् 🛷 -
ab । भाष क्रमाना ( दीना ) ३०	৫০। লেড়ার মহল পরিচর: /·
कर। विश्विकाकन समाध्या मालुवार वन	ইংসেটা ভাষার প্রকাশিত
स्कृ । द्वसास्य व्याः व माध्याः	60 1 - 17 58 A
( श्रामा <b>४क</b> वि )	৯১: শংকা ১//ব পিলেপ্টস্থাৰ
ee   anneism	ইটিড ও মধ্য পার্
स्त । - त्याकीय-व्याप्तर जिल	७२ । देवक शिक्षम् । ।
२७ ( - (शाक्रीय-मा। का	७०। पि काशरष्ट ।
• १६ मासूनल्य ( ७९ मः १४४ )	७४। व्दर्शांक्य शिक्षण्य साथ
২৮ <sub>ন</sub> ্ম গ্ৰন্ধ বী সামূৰ্য ।	્ વ્યાબિશદા ક્ંક્ટ હામ્ય
केक । अध्यक्ष का कार्या मार्थातावण कष्मती ।	े ve । रशकाउँ भाषाकृष्ण हुन्द ्री-
<ul> <li>मृत्यानिष्यः ( नगरम १ क भागतः</li> </ul>	উভিয়া শক্ষরে প্রকাশিদ
्राम्बर्गा अवर (प्रवृश्क क क्ष्म्य शहर सक्) (व	क्षा स्थादिमाम छल्ता. बाल ।
क्रम क्षेत्रको नकाव ध्वर	·   • • • • • • • • • • • • • • • • • •
ৰম্প কুগোড়মভলপাপ্তমা শাস	. ७৮। मावस मार्च ।•
कार्त की समानम क	५३। <b>वै</b> श्वावली
्रक्ताः सम्बोत्सवाम-माराष्ट्राः <i>च</i>	and and there

শ্বর্ণার্থার। স্থবণ স্থলোর।। স্থবণ স্থোর।। গ্রন্থাকারে থতে খণ্ডে প্রকাশিত

# শীল প্রভূপাদের বক্ত ভাবলী

ত বিন্ধুগার প্রশিষ্ট জিনিছান্ত সরস্থত গোষানী মহারাজের
ক্রেই অনিলানিগরণ্যনী জনান্ত সর্পেরে প্রাংশী ক্র্নেনাক্রিলন
লানিনী চীন্ত ন গার মুক্তির গ্রহ ন বৈষ্ট্রেলান্ত নত্ত্বমালার ক্রেইড্রেশি
—সেনাকুড্রমন্ত কের ক্রেইড্রেলাল্ড ক্রেইম—সম্প্রেলার ক্রেইড্রেশি
বিজ্ঞানাগারের মৌলিক তথ্য—স্করার ও ভাগরতের সমন্ত্রের ক্রেইড্রেশি
মহাজন-ছীন্ত চণিতে বিজ্ঞান চিলেলাস্ট্রেলাত বিচারক ন ঐপর্যা ও
মাধুনারসের সোলিক গ্রেমণাগার—স্বান্ধ, অভিষয় ও প্রয়োজনত্ত্বের
সিদ্ধান্ত মুল্লা

১। এখনখাও—বৈস্প্রের্ণ, প্রিপ্তবন্ধ, নালগর্ম, নানধানির্ভাব, ব্রিগ্রেল্যনী, পাল্ড াক্রিনী নিজা ও বর্গ বিচাম, আত্মান্ম ও মনোধর্ম, প্রিটেড্যামের ও উল্লেখ্য প্রাণ্ড সম্প্রের প্রাণ্ড সম্প্রের প্রাণ্ড সম্প্রের প্রাণ্ড সম্প্রের প্রাণ্ড সম্প্রের প্রাণ্ড বিশেষ্টি সংগ্রের বার স্থানির স্

হ। দ্বিতী গ্লাপ্ত - শুল ও কিন গ্রিক, নাম্পান প্রেঠিকা কোপায়,
আহার নিরার ত, উন্নর সানিপাল ও মহাবাদ, জীলোর নিয়া-ক্ষপ্রস্থান রাম ও ক্ষানী রুন, জীল সাপুকায় জীলম্বানতের নীর্ত্তন,
জীলোরধানের হাজনা, নাম্পাল, জীলোলিক, জীরপামুগদ্ধন-পর্য,
জীলাতী ব্রভাগ্রনিকলা, জীলেক্ডার দল, গৌরকরণা ও কুল্ল হীউন—
চতুলির অপুরত-নালিলাপ্ত-বিভূতি । বিশেষ ১, এক টাবা মাত্র ।
প্রথম ও মিনীয়—সূত্র লগ্ একত্রে লগলে ভিক্ষা ১০০ দেড় ভিক্রা,
ভাক ব্রহ দেজা।

আধি হান : -- একবিভাগ—হীকৈ তেমঠ, পোঃ জীমায়াপুর, ইনীয়া ।

# যকায়হতাণ হইবেন না

# देव दोश भवाज उद्याख गत्हीवर

প্ৰাৰ্থ কৈ লো সাক্ষাৰ্থ আন্তোগ্য

শেলী দেশা হত কাল ত জিনা । ত লবত বাভিনা এক আগবিদী পাঠ হ লাগিন নে বিভাগ কাল এই কাল এই নে জালিকে কাৰে নায় উন্ন লেওছা নে আল্লান লোক জ্বান লাভ পালিক কাৰে নায় লাগি নেইনেৰ আন্ত বহন কলিক বিভিন্ন কৰা কৰা বাভিনা কিন্তুৰ এক আন্তাৰ ভাগ নিকেট স্থানি কিনানান অপ্নাথনাৰ আক্ৰান

क्षां प्राची मान्य के की न, शतुक्ति किरमण, ता १६ देन काकी वर्षरमाय । काल , किस विकास मुख्यान किराना के अपने का सम्मानिक प्राचन ।

ই.ড়া ও মাগ্যপাৰ মন্ত কা, এ, কালনাক, নধীয়া। ইয়েৰ আক্ষেত্ৰ বিহন, ১ বং কাৰ্যকোৰ ইয়ে, অক্টোলাক, কাকান্তৰ।

# ভীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইন্ফিটিউট" নামে

উচ্চ

# (थाना इरेगाइ ।

আছিত্ত ও আদেশভিরিত্র শিক্ষকাপ ছাত্রদিগকে।
আছি অত্নের পেছিত শিক্ষা প্রদান, করিতেরেন।
ক্রিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা বাহে সুন্দর বাস্থানের
জম্পোবস্তহ ধ্যাছে। খান অতীব সাধাকর।

৫০ বংশরের প্রাক্ষিত করেকটা মঙোবধ—

্ কোনভারক।রীরা গুণা মুগ্র চইরা হয় সমগ্র আশংবা গর্জধান করিচাছেন, ভাকা ু পুশা করিলে ১৯ বড় শুক্তক ১ইয়া গড়ে। আন্মিত বাবকার কারণা গছ ১উল।

১। চক্সপ্রতা বটাকা---ইলার নামটাও বেচন কাম্বর গ্রহ বক্ষ। ইলা মুক্তর ও পুরান্তন মেন, মুত্ররজ্ঞ, অপ কাঞ্ডি এবং স্তাংগাদিগের ক্তিক। ব্যাধান, খ্রেড এবং রক্তবালত প্রান্তি ব্যাধ্যে স্থাত কণ্যাল।

২। পুৰুত্তিসহায় বটিকা -মাদ দত্তকানিতীন অভাব কট নিপালিক ঔষণ। বে কোল বৈহিত ও যাবনিক গাড়াবলতঃ অনিমানেগ্রেম এই ঔষব ব্যবভাবে গাঁচ

ত। স্পুর বটিকা-ইং। দেবনে প্লীকা ও কদস্যলিক নেবা ও শ্রীক পাতৃৎ ক্ষমা ব্যঞ্জা ১৯১৪দি নিদুবিত কল্লা ক্ষক পাংকার ও বৃদ্ধি প্রাপ্ত কর।

कि किन कार्गात्वत कारकार सेपालब मृत्य क्रिक (क्रिके. ) देशका ।

বাবিয়ান:-আত্ৰুলিপ্ৰাহ উমধালয়

च ५८०१ व•राजाः श्रीतः, वशिकासाः।

# কাৰরাজ শাশাভূষণ কবিক্ঠাভরণের



মঞ্চাহতে য় শু বধার জন্ধ ৬ আঃ শিশিছে ঘণীতুর অবস্থায় ভোটবোশবার সমণ্যিমাণ শ্বীষ্ণ ভালে পাঠান লয়, উতাজে ঔষণের কোন প্রিবাছন কায়। তয় নাই। সূত্য প্রতি শিবি য়ত আনা, পাইট চেত আনা, বোচত ১০০ আনা।

অফিস–১১নং উচ্টাডালা রোড, পোঃ শ্বামবাজার, কলিকাতা

# মদন মঞ্জরী

ব্যক্তিকার করা ক বায়ুনিকার, ইজিবপারের প্রান্ধ ব্যক্তাবে কঠিলাক, ব্যক্তমন, বাব-বোরা, বুক বক কড়াবি, অনিস্কা প্রকৃতি প্রকাশ স্বাধ নির্দেশ আহোবা হয়। বল, বাবা, বেব। বাত করিকে স্ববিভাগ চিনিক। স্বায় ১০ বলী ১, এক টামা।

अवकात ज्यान चित्रं प्राठी प्राठी प्रावधान द्वार कार्यान कार्य प्रावधान द्वार कार्यान कार्य कार्या क

# হাইড়োগিল

বা

# কোষর্দ্ধি রোগ

ভাঃ এস্, এন্, খোষ বিনা আলে, ধানজীবনের গ্যাহাটি বিনা বৈশ্বাভিত কালালাতে কোমসুদ্ধি হোল আহ্বোলঃ দ্বিরা থাকেন।

> डिकाला---अभ्र व प्रेम शिंडे, व्यूनावाड, स्रोगकाचा (

51

## गुना भू उ

. १९४ जनार्थ नेटर्गेंदर । ३ भाजात वेललय, तसादक जाहकातहर आहे. ५० वात्र जाना, वर्ष २१० जाना । भाजन शुनक्।

২। শুক্রাচার্য্য দঞ্জীবনী পোটাই

প্রথমত ও কালভাষের একমাত্র মতোহর। সুলা ১ ভিনা ১০ সারো । সুলা পুলক্ত

৩। সন্ন্যাসী-প্রদত্ত ভার্শরোচেগর অব্যর্থ আইটিঃ
আয়োগ্য না হহতে মুগ্য স্থা স্থানা। স্থাতিন পৃথক্ত

8। কোন্ত-বান্ধব পীন

भजीन, त्यावेशाया, त्यावेद्यस्यात भत्वायया किया १० भागा । माध्य धुनुकृते

৫। বাতল'ন

নাকরেরের সংস্থানী ও সপ্তাহে আরোগা। আভি পিশি ১০ আৰু । মাত্র পুণ্ড।

রবার-ফ্রাম্প প্রস্তুকারক। সধ্য দ্যাটালন্দে স্থ সাক্ষ

(णाः देशातीः कमणालुकः आकः

Same age of the grant brighten white a

# মনোমোহন প্রেস

পূকা বাজালায় স্থলতে সকলপ্রকার হাপার **জন্ত বিধ্যাত** বৈদ্যুতিক মেশিলে দিবারাত্র কাজে ভলিতেঁলে বিশ্বত জানিতে হইলে নিয় ঠিকানায় পত্র দিবুল

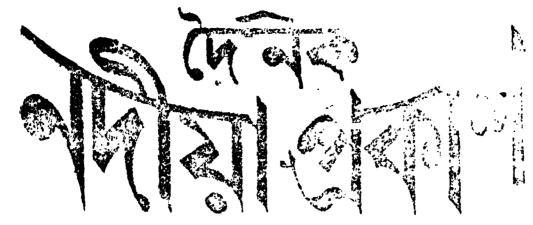
भारतकाल-भरनारमाहन (जान,

# মরা মানুষ বাঁচাইবার উপার

> লোগ এবেন্ট— ভাঃ ডি. ডি. হালরা।

> > कृत्कत्व, गार्वातीक दगारे, क्ष्मिल्यूक्





साम्बद्धाः ।
द्विभाग्यः ।
नामानितः ।
द्विभाग्यः ।
द्विभाग्यः ।
द्विभाग्यः ।
द्विभाग्यः ।
द्विभाग्यः ।

医胃性溃疡 医骨髓 人名西班西西班牙西班牙 医电路 医电影风险 电影地区

৬ৡ ধও ] সম্পাদক—আশতীন্দ্রনাথ বনেদ্যাপাধারে ে সান্তব্যস্থাতি [ ৪৫শ সংখ্যা

জালৈতসামত লালাম মাহাবুক ১১ই বৈশ্ব পানিদাত ১০০৮, ২৫০ শ এতিল, ১২০।

# নানা কথা

া শান্তিপুর মিউনিসিপ্যালিটা

व्यक्तिवास क्षेत्रक क्षेत्र क श्रुष्ठश्वकर्त्वक महागानिक कश्रिमनाव्यपनाटाड লাভিত্ৰ মিউনিসিগাংলিটাৰ কাৰ্য भक्षायञ्चलक कार्य हिंग छ। इ. ला । अञ्चिमा भूत्स्य सावट হতিয়াতে। পথ্যা সমূত অভিশব भगरपुष्ठ श्रष्ठकार शिक्कश्रातत .य वि भाषा विषय के दार्क का का महरू के भाष्ट्राया । क्रिक्किंकिंग दर्शकती दहेनान कुर एक शक्षाव tuce frietes । आ अल, धरे के छ केर উপর প্রাস্তঃমৃত এরণকাবে ৮৪ fem eien seute in mielet ifie क्षिश्चकृष्ट सर्भमा ७१४व। ब्रिक state et आकात छश्रमहा, क्षणांद (नणा ) रहें। नर्गा से माकि महतात नरक **हर्जनिक बार्धाविकः क्रमा यात्र द्रमध्यभग** मार्कि दक्ता ३२छ। नवास नाविमा পরিকার করিয়া বাবে। এই গরমের भगव दम्बद्रक्ष कार्या व्यक्तिम् अञ्चरम श्रुलाहा कदान कि व्यक्ती बनका वागार ? भिष्ठामभिना।'वता धकडी विकेव असम अन्दिनम मन्दिक स्थाना शिकाटक विश्व क्षांति कार्या सारक देश शहे । ठेली भरक कदलकांत्र गरनाम भावमा माहर १८७। -श्रक्षकार विवेद सहकातीय कांगा अग्रीक्रीनरूप mich wie Brin Ber Hala काश्विका अन्य क्रि... भएत पूत्र करा विन क्ष्मित्रकार कर्या क्षमा । 🔅

# শান্তিপুর মিউনিলিশা লিটা

মেছুণবাজার মাম গার ফালিলের রাগ

ডা:সারওয়াজিরগুণ এ হীত,

শেনে বেকার লোকের শহ যোগ ত্তন লোগ সরকার ও অবজীবনা (্রস

गर्नारा ७ भ्रम्भारा ॥ -

ভাতের বহিৰ্ব নিজোর **অ**ংছ।

বৈশাখ সাসের ক্রযি

ভারতীয় দিয়াশ লোই নারখানা

সপুত্র পুরহিতের শ ভি

ঢাকার বিভিন্ন সংবাদ

নেছুয়াবালার মানলার অ। নীলের রায়

মেছুয়াবালার বোধার মাধলার আপীলে প্রদীক্ষ্মার আহচ, শুবাংশু মজুবদ র বিভাগিলাল নিশাল, মংগ্রুর রার, রবীক্রবন্ধ, সাল্প্রেক সেনা, শুনি প্রের নাটাল্ডিল লালালাল দাশ্পুর এবং বেবাংশুর নাটাল্ডিল ক্রের নাটাল্ডিল ক্রের নাটাল্ডিল ক্রের নাটলাল্ডিল ক্রের

আসামী নিজ্ঞান সেনাওয়া, কনেজ বিশ্বাস, সভীপচন্দ্ৰ পৰিজ্ঞানী, কনাংক বাশগুৱা, নিশিকায় গায়চৌধুনী, শচীক करख्या, मृतुश्रदक्षन , सन् च्यु इतर स्ट्राम कार्योत व्यामित इस न १ १८६८६ । इत्य विश्व में , सन् भ्राप्यत । १८६८ । बीधाख्यत वर्षात मृत्य व १८५५ । वर्षात । सम्बन्धताम खन्या (स्त्रा के व्याम्बन्धान)

ভাই সার ওয়া দিয়ে গুণ গ্রাটিডা সম্প্রতি হাও চাল নিহিত এইটো নৃত্যমান সামতিক উত্তে গে অস্ট্রতি শিক্ষা জননে ন সভাতি ক্রিকাশ্য বিভাগনের

कारे मुहल्या हार उन्हर मान वा विश्व कि

গিলাচন যে শোলৰ ডিজুলৰ অভিনয়ুৱ প্রতি কেনে নাম্<u>রে ম্বিক নিহেন সা</u>ত . (१०७ १४० हेश्यक स्वताः छ। हरू. - ताप विकि जिल्ला मन्यालक श्रम्भ स 'न्य' (मा दर) रूक्ट्रन विकते करेक स समार्थन भागाया छ उपार्थन नाम १८ भागत हेशार नहारा । विकास स्पन्न ং-লে-প্রিকু, শংক্রাত স্থান্ত্র हिंग कि कि शिलाक राज्य नाहरू र्याध्य वर्षेत्रिकत भागा स स्थानमान्त कर्म । सुम्बर्गा-स्वतं स्ट्या एम्ट भागानगण्ड ल आ श्रुक्तार्शित आभारतित महना काठा है নগমত ষ্পেই উন্তি লাভ কাংচে ।। । १४ व रा । अञ्चल । भक्ता-१वस्य चेदाक व्हार्ट्डिटा युग्राम्बन युवक्षप्रदक्त र क्षार्तिमुक्त भाग शहाभी विश्वदूषा अधिक भक्षार भ्राभवेत ४६१७ ५६१वण । अस्क । काळा वा नावि ७ ३ मानान मा सहस्रानित ম ধ ১ ষ্ণা ক'রাউ.৮, ভার্তার কোন htere est. 1

### িজেন সন্দেশত কর্মন ক্ষেত্র কোর লোকের সাহাযোর স্থান বাসক দণ্ড বাস্থান বিশ্বন উপায়

्रण्यानन नव विक्रं का अ शाह शहर भाषा का या व्यक्तित का बेहतर-म । छित कर्षारक स्थानिकात भारत स्थान कार्ति भागा म करियारक्षन (क्या मिस्स्यामिक क्षत्रार्थन, कार्यात्वे आधा (व्यक्तिक् कार्यक्षता (व्यक्तिक आक्रियक मार्थिक्ष करा कर्ता

#### अञ्चलाञ्च ७ नवजीनन (अन

भाकिकाम द रंग तत काल त क देशमा, अनुभीतम दक्षाम् नार्मशास्त्र कहितात श्व अवर्षाम्बहे १ लगा है न तुन खाउँ स्था कार है। इस के अवस्त एवं कांत्र कार्यनावान कार्टिक अर्टे(क रहेका ११६ करे । अतिहास का कुरता संबंध के देखति। अधिता खड़ीया के हा अब अन् क्षित्र मार्थिक प्रति विश्वति । १० ११ कर्रियानामध्ये अन्ति। वि र्षात्रमा क प्राप्ताद । शहापुरास । अध्यापास । अध्यापा #463+4 . 11/2 # 2 . 1 - 127 1 3 - 146 2 24 ्क. रम्पान दरें कि रहे कहते । असे कुरिस्ट साम्बद्धः विन्द्रार्थं एकका । यान्याकुरार्थः एकदन स्रोतिक भीति । असे प्राप्त कर्म । स्रोतिक स्रो 45. 5 km ert

#### ভারতের বহিলাবিজের অবভা

والورام مدا العروف مراجع العالمي وا Pathog myon corn of news or च्छारकराकी कर्रावरत अन्तर कारफ है। संश्रुक पुष्ट अन् द्वारा विकासना र प्राप्ति । र स्टार्ट कराक का रहकारी है। राज शामान कराड Bern gris a constable control of barren · 医乳体 自己 计解析 \$101 + 在 + 在时间 · 例如 + 的 () metert miter gegen eintal war ba-The Mere in American in A The second with the grate শ বৰ্ণা ব্ৰুচ হুপালী। এক সুক্তের পুত্রে Sold it is white it will have courte 事款的 化二酚酚 经上载 指有指数方式 (图:我会的 The Alexander of the entire of the core artistically perfect reprinting as a track भागना है। है। के उसे के निर्माल 朝野 的复数医精神 医乳性黄疸 医额心脏 医胃结束 的第三十分 Will bed & Swam Allian Weath we 14 P & A . 44 4 4 15 -1 46 514 6 1 with the control of the control of the The state about their confess, in · 好性的 "\* 4.5" · 数据的数据的 电气流电 "\* 1901 · 12的数数 Existing the training majorist the straining strains Which is the first of the winds of the # # # # P . 1 - 8 1/ 8

काइ काइ किसानभाष्ट्र मा, ब्राम्स अभिनेति अभिनेति । स्वीति स्वानित । १६
 कार्तिका विकासभाव करान्या हो। एवं से कर Materisment materification : efetat eine -रहरू ते कारकित माठि दें विश्वति के यो केट ter beid wie G. Gleithu 经分分的 经收益 医性样的 有效的 海豚鱼 Thursday could need the extra walk \$ 55 to \$20 \$ 15500 1

#### - ভারতের সামরিক বাছ

करभा माध्याय दमलक दक्षाकांम दर्गाट स Mich Bara Gtan niba fil: Atte कि दान लागन, -- ८ शके बुटलेंन, कहेंद्र शाद्य । व. एपिया देवलाइक प्रश्नास कहारी िन्दं लिया पान कहा एक । आहे मिकाय ताम नात्म क्रांव न शाले मुखे आहे. स्ट्रांव हरिंग अर्थामध्येतक किन्नु चर्च क्रिस 网络中心主义 好出来 野鸡似鸡 光光 歌笑 3.行行人内门下下的人 经书 知明 撰 有明像 中内空台中,十分了一名图1点 19日 4年 राक या, वह देवनसम्बन्ध अभूति अकति CHANGE WEST FORS BURGE AN 《春代》 《唐·智尔》2 片(知) 云山 《汉东》 《昭中》

हर के किन्द्र रूप प्रवासिक राष्ट्र कियर हर रहा हरू । एक मुने देश में महाद्वह, हे देखे, भूग एक **एक मह मार्ट आफ़्रि मार्ट्स** গালনাতে নেম্বৰ্ণ কৰা হোঁতে কিলাতে বৰু মনোক্ষ ভালী, গাবু জাকুলাগ্ৰা বাল ভেলন্ত ৰপ্ৰ 1913 46.3 P 1 17 1 . 9 +1 + . 9 01 Con 1

A. 40:01 -00 .

. . . 1 : 50

कामश्रभु त कडनाता प्रकार

7.27

milition of the first field street, in the constitution of the street field Nathairi Berner bie be

#### 門面可以四日河(西村

এ প্রাণ্ড কার্ত্রাহেল, আল্লার্ত্রের বিজ বাছ্যা অম গগতে ১৯মাল্যের ও কৰাৰ্থিত প্ৰতি এল প্ৰত্যুত্ত বিশ্বন হীয়ে আন্তঃ — <sup>†</sup> কীকোৱে অঞ্চল্পত্ত আৰু তাইখতে ৱা সাক্ষ र नेश्री के निवृद्धि । प्रदेश के देश संध्या के मिल्ली के कि कि विश्वाद के स्वाप के स्वाप के fe and the motories of the telephotography and may the steel with the ्करमात्र कोटल श्रमाद्रम् कविष्ठारकः । स्थामित्स्य कार्यक् श्रीकार्यकः । 对的可能的 医探力 电 倒断 解点 化二甲化酚 出好 अत्याद्या अत्याद्यात व्यक्तिक अद्युष्ट 【张为1条新】 的对人上记 的现代的第三人称单数

### তাকার থিবিশ সংবাদ हरता श्रक्तियाभिष्ठा

११ क्रान्त हारित्य बक्छ, छहका खाकिन देखाकुछ दमनी कृतनील नगर कावटक द्यापिका बद्धा शिकातका क्षेत्र श्रुद्धात विका 上部 李葵 红花 七十

दमाष्ट्रे माष्ट्रीत दशकात

छाना महित्यानाव दणांडे याहे। इ. वांचु कृषिया शास्त्र रे..... राधिकारभावन द्वाभामी (अक्रिशाह्यत होता कक्षमण कंत्रांत का कित्यादश : Carelia eguten i

#### বজ্ঞপাতে ক্ষতি

পাতীন পার্ডি জোলারনী দাবাল নামক সমত জল দিলে পারিশে শীল্প ফল মত্ত্বে 🕷 भाकित्म एक्षां व व्यवः ५६ । ज्ञास्त कांक मह भाई व कार्काश्विति व वेद्धं केव ।

#### লাঞ্চিত ছাত্রদিবস

en 'g + b's, en b, es, es, ti, san, ! बारकशत ठकाडीर मुस्ति। मंत्रिक के किल्ला अर्थ का कार्यक्षण एक महिन्द्र भवत नद्यार

#### সপুত্র প্রের্ণাইটের নার্থি

এক চন্দ্ৰ জন স্বহালী দাৰ্থা এক : কেই গ্ৰা**ত ব্যাইতে পাৰা হাত**্ ক্ৰয়াল ও ৰফাৰাৰ সংখ্যা আৰু চুৰা; ्रमावन रुक्ता के कार केल लखा गहान है र कहती कविया **लहेंगा देवनाल मारन** रक मध्यम् प्राचारिकाक . यश्चीत , २१५ भिन सक्षे काश्चि वृत्ति करेरण द्वामन mient Preid untmin mittern, mittilla ! mierm en : fange wieftunen migger g महिलाह कांद्र अन्तिही के किन्द्रिय . कार । देशीय शह खालांशीरा अकाहिका 1. 可经付有价值 经债券 事件。 महर्गमा औष्ट भारता साम्रास्ता स्थान भूतिक त्रकांभक् नशामगा काररका. या कुछा <sup>1</sup> भ श्रामदश्चेत्र अस्त्रावीयमञ्जूतिलस्यः । क्षा इत्त्वे Burtheline will be bei etene emphysical minimist whichever, acces कार्युक्तरहरू । कार्यहरूपहरू मानूर अकरम् । मेर्डि दिन १८६७ तो हो है एक दुर्की । शार्रिकार प्रेपे

# देवनान भारमत क्रिय कृत्भन शामान

देवमात्र मार्थ क्रमकांग, बाधाराष्ट्राम िक्षा कि आ। व्यागानकाम, गान् क्रू अवान ना बागालय स्थानकी विक्रियान ह छ म क्याअन कार्यजन खेल्याचा । व्यवीकाम्य व्याप्तां, विनिधा शुक्त

> दनम क बूहे कूरमध क्या क्या क्या গিকলের স্থাবহাল ভাই উপযুক্ত

गरिमार्ग क्य गाइरक अन्देशक कृत

करनत वांशान

आम जिल्ल कार्रेशिया आम आकृष्टि शीरक चाक्छक यह कर्ण शहम है विश्व क्रम क्रमानारयक्रम सित्र अन दर्भम विश्मय

गर भून कमनारत अकात द्यानक . क्यापारन गाककाती दशाकात वर्ष

गकी वाभाव 🔧 🔭

माणन हीन, वस्त्रती, श्रावश न्त्रकृष्टिश र्शंभ रह सम्रह क्षम कहा है हिन्छ !

्रेणांत हर्फ दक्क दक्क के लिम्स्स्क वेत् पार्या श्रष्ट १०४ को थात के किया किया किया किया का अपना के किया ो जधन कवा हरता।

लना, नि । की कुमका ( निर्फ कुमका), कारकात राष्ट्र प्रार्शनक माधारम राज अस्तरायम कावि, महात वा निमाणी अन्न, माना े देनाच मालिक काश्य महारक्ष घुल 🕏 भगन्छ वीच वर्णन कार्या एमस कविरस कर । कृति बुम्बूल व बिद्धान तीक देः नादयन

व्याक द्वारा कारा के किन्द्रस

#### क विष्ण अ

देननाथ शहसत त्लप फाइस व्याखनान्। বলিচা, পাট প্রাক্তির বীজ স্থান কারতে

भर<sup>्</sup>नि शक्त बादकर क्काल अहे शब्द दियान: शिनियाम कार्छिक मणम कहा के छ न । किया वर्णा वादला, पुष्टि व्यक्ता क्षभित्न 'द्र्या' ब्हेरण करत्वे औ भगक बानाम SINCS MICCI

कुष्टे<sup>।</sup>, इस्राधात आकृष्टि **धील देनला** लक लाभाग नगन केंकिए। यदि केंग अधन ज्ला ा काशा घटत करन देवनारमध रमम भराध न्यान कता कांगाल भारत । किथिय आधिक दृष्टि ७ ६ दशक ८ ५ ६ वर्ष मा देवलाय व अभ्याम दिस् व साम वताम क्या महाव क्या Biet aben Cimicae Che. With Him wfor Costs well Geites Collusta माहि विशाध देशकृत बहेश केर्ड ।

रेश्व मी(मृद नात्मक नीक्र-रेक्ट्र ना 'ঐ'বের টাক বসাহবার কারী 'এপর क्षांत्रा क्लिट कर । क्ष्यू क्लिक देवनावर ATCHR ACH) NIYW中 有第一新的 4年多年 कतिएक क्षः छ। एक ध्यावित्र भारतक मेमाञ्चल कार याहि दिश्वेश व्याद्यतं द्याकांत भिष्या छक् मध्ये देशाका वैश्विका विदक्त अका है Enches & Marting Mar Action मार्थक वेर्टन्द केंद्र नेवर क्षेत्र हिन्दून + (aca )

## मा हे गर्भी दर्भ

দার্জিনিং চইতে মিজৰ সংবাধনাভার ভারের সংবাদে আকাশ,---বিশ্ববৈক্ষৰ-রাজসভার অভভয় সম্পাদক এবং 'গেড়ীর' পারমার্থিক সাথাত্তিক পজের সম্পাদকসক্তের नक्षणिक जीवन व्यक्तिका वस्मानिशाय, किल्मात्रक, গোস্থামী প্রাকৃ গত ২:শৈ এপ্রিল অপরাছে দার্কিলিংয়ে ৰদের মহামাল গভার বাহাত্রের সহিত সাক্ষাং করিয়া कैंदिक भगरमध्य ध्यमानी माना भवादेश (मन ध्रवः छ० भरतः) भवर्ष वीवाधात्र निक्छे 8. मिनिए कान व्यादिका व्यादिन করেন। লাটবাহেব অভিশব আগতের সহিত ঐ সকল কৰা প্ৰবৰ কৰিয়া জীগোড়ীরমঠের প্রচার-কার্য্যে সহায়ত্তি প্রকাশ করেন এবং সর্কা-প্রকারে সণায়তা করিতে প্রতিশ্রাচ ছন। তিনি ও বিষ্ণুপাদ শ্রীশীমছকি নিজাত নরস্থী গোলামী ৰহারাজ-প্রেদ্ত কভিপর ভতিগ্রেম্ন উপহার সাদ্রে গ্রহণ 學(質用 4

#### मानाटकाच मध्याम

পত ২১ এপ্রিল (১৯০১) তারিখের নিজম্ব সংবাদ-দাতার ভারে প্রকাশ-

রিয়ার ভন রোড ভেপারি মাল্রাফের দেওয়ান বাহাত্র अम बालक्षणतम् नाष्ट्रेषु उत्तरः शृता पुनन्तित राष्ट्रितत् वर्धीनात कामि अन शांके तिया ८६ है। मरकामग्रहम म लाइक शिर्वाहीय मर्फेक्ट कृषि क्राय कतिनात एका सर्शक्तिम ৮०० । ५ ५०० । **हाका बाल्क्ना क**तिरङ खाहिम्सङ इन्हेग्राइन । केल्लाहन बड़े नांद्रशाहरत कीहाता मक्त्रमा १ करहे लागमा छाल्म BERICUM I

# গ্রীপুরুষোদ্ভর মঠে

क्रिल्याम् । आक्रम्स्टा

গাড় ৮ই বৈশাৰ মলবার প্রী প্রিপ্র ছোত্ম মুঠ क्षी क्षेटगोननिरमान माध्यक्षिकेत हमानयाळा-वेश्यव थारीय क्षमञ्चादिक मालाव व्यक्तादिक । यस प्रणापाल कर प्रास्त्र तर उ क्षम्बश्या मका। प्रिकृतकत्र शतः शहै-कैष्टिम्पि अवता छत विष्ठित महाव्यमात्र मध्यान किलाहित्वमा देवेल हरेतन ३० ३२ अन एक धनः व्यामामनाच इरेग्ड वाह अम एक ওভাগমন করিয়া এই মহোৎধ্যে খোগদান করায় সমাগত ভক্তপাৰ্যে আনন্দু বভিত ংইয়াছিল। এই মতোলগাৰে পরম ভাগবর্ত ঞ্জিক সহাচরণ দত্ত মহাশ্রের সেবাচেটা विद्यास ध्यानः गर्नी सा ।

#### जिल्लिक एक अग्रेटावा

अंडी कहैं रिनशाय भवनशेत हरेटड अध्यक्षतावागतत इन्समर्विको क्षेत्रिको द्वेद्वाट्य । ७०० अत्रद्भत गम्ब व्यक्त कृटीमाम मिम केरेंट आंत्रक क्रिया २२ मिन काम अ.डी. बागवाविर्देश खोळाड राजा ५ है। व मगव विवास व ६६८७ । आव दक्षाहेन भूत्रवृद्धी हम्मनभूकृत्य (साम्य भारतावत्त ) ७७ विश्वक करबेन हैं बोजान देशन अहम क्षित्र क्षित्र कार्य अवित्र मंद्रेश क्यान-पूर्वितीत उटि ट्यी हिंता स्मिक टिनी का चादबार्रन कर्देवनी देनीकाटक त्मवनानीचन नानावान अव छत्री महर्त्यार्थ मुख्याणानित वृत्ति। जिल्लानावानरवत व वि-विष्य हुन देशवा करवरी। व्याव > विकी काल देशेका

विविधक्रशीत्राक्षे वयटः

-- 141 ---দৈনিক

নিতাপাঠা বৈক্পবাৰ্তাবৰ বেদাদি সমস্ত সামভ-শাজের অক্লব্রিয় ন্যাখ্যাতা সমগ্র ভারতে একমাত্র মূলভ

দৈনিক পারমার্থিক পত্র

শ্রীশাম-মায়াপুর, শনিবার ১০ই বৈশাস ১৩৬৮

বিহার করিয়া সরোবর মন্যতিত শ্রীমন্দিরে শুভবিত্র করেন **এবং ওপায় স্থাঞ্জি চক্তন औअटम गाथिता ज्ञान गय**, প্রানস্থর অগন্ধি আত্রাদি এবং পুলাদি ছারা বেশ গুচিও হুইলে পর নানকেপ মিষ্টার পিঠাপানা ভোগে গ্রহণ করিয়া তথায় ভারালিওকের পর রাহি আরা ১.টার সময় ইলেন্টিরে, পঞ্চরার 'লেওেন্— প্রভারতন করেন।

# ঠাকুর ভক্তিনিলোদ ইনষ্টিটিউট্ উদয় টনে শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতা

যদি মত্য সভা কেউ (শক্ষা লাভ ক'তে পারেন, কং হ'লে উরে স্বান্তানিক গ্রেছি হয় যে, কণ্ডেছ নচ্চার ঐকপভাবে শিকিছ হৈছি। পাত্ৰছ শিক্ষি

एक्ट्रे( शहर के शिक्ष का शहर के अपने का अपने का अपने का अपने के अपने का अपने का अपने का अपने का अपने का अपने क যনি জীৱপ স্কাণ্ডাপ্তেক ভাটেলে উল্লেখ্যনে আন্তেভ भी दिविभक्तमा स एक भटा शहर २००० थाएक। किन्दु एन्हें আশ্রেম টোক।

अधिकारम कामार प्राचाराज भारता। यात्र-अधिकारक नेष् ৰড় University degree holder- পুৰ ভাৰ । বহাপড়া তাগা গছে এছে। তুল কগানী হতে এই,— লিনেডেন, কিন্তু প্ৰশিক্ষত কৰ্ত যে সকল কৈনে তালা ভাততে, ভাতে জারা সক্ত উরালী ৷ বেনন তেমন কাবে নিজের অপসাথ সাধন ক'রে নেব, ইহাত তালের মুন উদ্দেশ্য रक्षा माङ्ग्य । भव्यकात्रहित कर्णाः जित्रम छात गृत रुप्य याण्य অ মা ক্ষেত্র তাতি অন্তব্যাং গোড়া বেকে ব্যাঞ্চলের কানীয়

व्यापुत्र वृद्धि पादक, एए का न्त्रभाविकश्रदात विद्याल महित्य दर्शन थाका डिल्ड । महिन्दक अवद्यना कर्वात

थाव, भाव, थाक्व'— दहे दर दूरिका, सा' ६८६ নমাজকে রক্ষা কর্বার অভ্য একটা বিভাগর উল্লেখন কল্বার আবশ্বক হলেছে। সাতে নীতি ও ন্তাবিস্তুত্র শিক্ষার সহিত পারমাথিক শিক্ষার একটা বিভালনের। এবংগারী। , बार्ककरा बाह्य।

व्यां भाषा महान कही गर्म करत,--- प्रथम रामन रहमन क'रत वरथक्कां जिल्हा करा याक, मतर्गत श्राव यथन श्रवह निर्म যা'বে, তথন আপাত সুক্তুকু হ'তে বঞ্চিত হই কেন 📍 'পরজগতের কথা বিচার করা মুর্গতা ও সময়ের অপব্যবহার মাত্র'---ংকপ বিচার পাশ্চাতা শিক্ষার কুফল থেকে **क्षांतरक व व्यामिक-काल बानमानी स्टाररक। बारांत क्रिक्र** क्षेत्र 'कार्टन वीधिया कांगा' कत्र वाच कोनल-निकांच क्षाविधवत (म-मकल कामा दिविक दुरशत वानक इएड পারে, দেরণ কাষ্য হতে পিরভিকেই 'নীতি' বলে বিচার कराता। कियु 'काहिन ट्रा'हिया कारी कन्ना' शालाबहोत দর্শতার যথেই অভবি রচেতে। এক্লপ দর্শতার **,শভাব** বিদেশীয় বা ভারতীয় উন্নত দীবনে অভিলাধ করা উচিত নয় ৷ প্রমাধি নীভিচে এবপ সর্গতার **অভাব** বি<del>লুমাঞ্ছ</del> नार्छ । এই ভাবতে নৈতিক ওতারমার্থিক शक्त कृति উৎপাধন কর্বার চেইারও ছলিখা উপরিত **হয়েছে। আ**কু**মারিকা** \_ হিনাচল, অন্ত বিক্তে আনাম, পু**র্ববন্ধ হটতে হারকা,** বোধাই, গোয়া জনণ কর্লান, নক্ষত্রই নৈতিক ও পার-নিক দির প্রাচুর মভাব লয়। ক'রেছি। লোকে निकानी ा. क्य-(कोनज आत्मकडे आग्नक कत्राहन, विश्व

मंग्र विन्दरत थालि सकलाई जेनांशीन। नात्रह-

আরা ি ে বনি হরিতপ্রা ভতঃ কিং ভারের ১৯ - সাল,রওপ্রা **ভতঃ।কণ্**। अपूर्व दियान करें कापना एक: कि: ৰাহ কি কি কচিওপ্ৰা **ভতঃ কম্**।

তংকালিক ভপ্ত। বা শিকাবিচয়**ক সাধন বদি নিত্য** क्शवरणता भरीक जर कारमा निरम्भिक इन, **करव** रकत करहारहे क्लात, व्यक्त **कानि ना व'लाहे आंग्रहा** ভিমালতে দি লৈ লেডক, প্রক, কুন্তক মারাত্ত করি। মধন প্রত্যার চল্লা, ওখন বেকের নিকট প্রতিষ্ঠা পাওয়া যুৱা (১৯৭ লেখ্ থিটাটে), বহুবোকের **ওপজা নট হয়ে** েতে , িম নিত্র ওংমনকার উদাধরণ্ট ভার দাকা। ক্ষাম তেখেছ, শহরে হাহার তথ্য প্**তিত হ'রে** থানে বল্ডি মা যে, নাতি ও ধর্ম নিয়ে পরক্ষা ক্ষত্য বিভার উপ্রচান্ত হোলে, লাম্মিক নামবারী লোক্সাতেই ७७, इ.स. १ - १५१६। संद्राप्त ए अभाव मा**हे, कड कड** विश्व महत्वाफ ७ व्हाफ. विश्व आमारमञ्ज भूग कवाणिह

> 'द्यान्। বদি হবিস্তপনা ভডঃ কিন"।

जिल्हा विशिक्ष यनि इतिहास्यामेश दृष्टि मा **चाटक.** पः । ' भ'रत प्रमुखः क'रत कि हरत ? Different schools of ' th nights হ'লে উদ্ভেচ । যদি শিক্ষার প্রারম্ভ**থেকে একটা** भितासक comparative study श्राटक, छ। स्टल क्लाम Co পালে কোন্ ভিনিটোয় প্রেরুত মকল আর কোন

⊱া সমস্প হৰে । একপ Comparative study মঞ্জ যে কুশিক্ষা----বৈষ্ণ ক'রে চৌক, দেলেয়ে ক'রে ুসাল্লত শিক্ষাৰ মঙ্গে প্রশালাশি হওয়া উচিত, মতুবা খুৰ ৰড় বড় University degree holder এবং সাধায়ৰ नियात भीगशास्त्रत आंदकांती, वह आंगादिद, क्लाविद: হ'রেও যথন দেখা যাচেও বে, ভা'না আনিক্ষিত আলোকাও , आदगांत मां कत् तात त्याभाषा आत्म, बातक Comparative | दक्षीविष्टा- अनिक काम-दन्धवाभन साम इंदेश विश्वतः study of religion প্রস্তুত নির্পেকভাবে সাহিত হয়, পভিত হ'লে যাত্তন, তখন মেংরপ শিকার ক্রেড এমজি শিশুকাল হ'তেই এন্নেড হওয়ার উদ্দেশ্তে গানামণ ্ ানাপকার ও দুরের কলা, বভনাল সমাজের সমূহ **ক্ষিত্রত** ীক্ষ

কুৰিফা, বিহুত শিকা ও আধিদা**র সভ ক্রছে 👁** 

সমাজে নানাপ্ৰকাৰ অৰ্থ তিনে উপন্থিত হ'বেছে। ৰাজিলাভো ণঞ্ম **শ্ৰেম্বর জাতি** পেরিয়াকে রাজা দিয়ে किंगन उद्यो यभि वहतूत त्थरक উচ্চত্রেণীর জাতি পাববান मा इन धार विकास नित्र काफि एजान मा हिवास यान, ভাইলে ত।'দিকে আলাগতের বিচারের অবীন হতে হয়। ৰৈহা দেখে এরপ পঞ্চম শ্রেণীর মাতি প্রস্তৃতি বিচার **ক'রে নি**হেছে যে, যথন হিন্দুদের মধ্যে এন্ডদুর নির্পেক্তার अष्डाव, एथन आमजा 'हिम्मू' स'त्वहे পরিতম দেব না। ভাই তার। খত মতে প্রবিষ্ট হ'বে পড়ুছে। প্রীযুত খদনমোচন মালবা প্রভৃতি আবার অন্ন উচ্চেত্রের বশ্বধী **খালে মনে কর**্ডেন, ইহাদিগকে কিছুটা স্বিধা দেওয়া दशेका कुछ आवात वल्डिन, कानिगटक नावित्य त्यात्र. শামাদেরই প্রাধান্ত বদার রাখ্বার জন্ত হোর অভিযান হৌক। কিল প্রায়ুল শিক্ষার বিস্তার হ'লে ঐলপ রুত্রিয শাম্মিক অনিকার প্রদান বা সম্প্রদান-বিশেষের ক্রিম আধায় কতদিন থাকবে ? একারনে সম্প্রতি একটা উচ্চ हैश्टब्रिक विधागदात छेत्रावन कता विषदा आगादनत আয়াদের প্রয়োগন হ'ছে। এইরাপ প্রতিষ্ঠান সমৃদ্ধ र'ल ७४ वालानः वा जावज्यस्य वावक शाक्त ना, ज्ञा ভারতবর্ষের অভীত সক্ষ দেশের অনিবাদী, African, American, European, Asiatic স্কল ছাত্যল-পথিবীর সকলের প্রতি প্রকৃত মঞ্গতিভার কপুণার ভঞ্ শরম্পর বহাত্ত্রতি কর্তে পাব্বেন। সকল দেশের পোক, जुकन स्टान्य वानक शांत्रवार्थिक विश्वानाय शतुवार्थनीति শিক্ষা ক'রে সমাজ ও দেশের প্রাক্ত মধ্যণ করতে পালবেন। অগতে আবার প্রকৃত বর্ণাশ্রম-ধর্ম---শার্কীয় বর্ণাশ্রম-ধর্ম প্রবর্ত্তিত হবে। কিন্ত্রিত ও বিক্লত বণাপ্রম-ধর্মা দে শালীয় ুর্রণাশ্রম-পর্ম নর,—ইহা লোকে পরেমাপিক-শিকা-বিভারের अदम मदम खर्मा वृत्रक शांत्रका ।

ব্রীয়ন্ত বিভূগা-নামক একজন সম্পত্তিশালী ও প্রতিগা-শালী বৈশ্ব আছেন, তিনি পণ্ডিত শ্রীয়ত মদনমোহন মালব্য মহালয়ের নিকট হ'তে শিকা লাভ ক'রেছেন এবং অর্থানি श्रां निकाविद्धारत्रत्व राष्ट्रे यह क'त्राह्म । श्रांत श्रांत डीरमञ्ज्ञ कथात्र जामञ्ज रुट्यः ; किन्द मृत कथा रुट्यः, जाराज-বান শিক্ষ না হলে আচারের আদর্শ প্রতিষ্ঠিত করা যায় ना। शहा चाठाव-छाठाव्रमधी भव्रमार्थ-निका गांछ कहाइन, বছদিন পর্যাত্ত না ক্ষপৎ তাঁলের শিক্ষায় স্থকল লাভ ভরতেন, তত্তিন পূর্ব কুশিকায় কুফল ভোগ করতেই **इन्छ। अक्न मन्त्रभाष--- मक्न निकर ता भक्न निका**त কথা মু'বেছেন, তা নুনাধিক পর্ম শিক্ষা নর, কিন্ত **এটেডভাৰে তার 'শিকাষ্টকে'** পরম শিকার কথা ষলেছেন। এই শিকা সরবভীপতি শ্রীগোরতন্ত্র জগৎকে कानिस्तरक्ष । ठोक्त एकिनिरनाम स्मरे निकाविष्ठास्त्र আন্ত আধুনিক শিক্ষিত বুগে বিশেষ চেষ্টা ক'রেছিলেন এবং দেই প্রথ শিক্ষা-বিস্তারে তার আচ্চাত্তক হার্দ অভিলাধ क्षित्र । श्रीप्रदेशहे पिछनान गांक भूर्य हत, प्रनाट कना।न-ক্রতক্র পুরীতশ ছামা ও কল বিভারিত হয়, তক্ষর बाबता ठाकूत किकिनिटनांसन मादम धक्या फेक रेस्टाक विकासक-नाटक शासमार्थिक निकारक मूथा छेरकश्च क'रत ওংগলে ললে ভারই আত্মকুলাকারিকী দাসীপ্রতে সাধারণ चय-नात्र-निकास निरशक्तिक दरक शास्त्र, ध्वम केरमाजन बुनवर्की हरत यक्की निकान्धाक्रिकान करवान जन्म करवृति।

#### শব্দ-রহস্থা

( শ্রীপাদ অতীক্রির ভক্তিগুণাকর )

শৈশবকালে আমাদিথের আত্মীয় ও শিক্ষকণণ বাবা,
মা, ভাই, ভানিনী, শক্র, মিত্র, যর, ছরার, নদী, পর্বত্ত,
ফল, বারু, অন্নি, আক্ষাপ, স্বর্গ, মার্রা, অর, বস্থা, ভোগা,
তাাল্য, পূজা, পূফক, বর্গ, আশ্রম ইত্যাদি বহু প্রকার
শব্দ পুনং প্রামাদিগকে শুনাইয়াছেন এবং বেদমুদ্য
বন্ধর প্রতি ঐ সকল শব্দ প্রযুদ্য, মার বার অসুলি নির্দেশ
পুরাক ও হাও আমাদিগকে দেখাইয়াছেন। অভ্যব
াথিব বন্ধ স্বয়েছ আমরা বর্ত্তমানে যে প্রকার অভিভাতা লাভ করিয়াছি, তাহার মূলী গত কারণ যে আমাদিশের আত্মীয় ও শিক্ষকগণের শব্দপ্রযোগার্ক চেনা,
ইহা সুক্রি।

আনাদিণের আত্মীয় ও শিক্ষকণণ-মুখনিঃ হত শক্ষ শবণের পূর্কেও আমরা বস্তু দর্শন করিয়াছিলাম, কিছ শক্ষানাভাবে আমরা বস্তুজান-লাতে সম্পূর্ম ইউ নাই: মাচুণাউ হইছে ভূমিত ইউরা আমাদিণের আত্মীয় ও শিক্ষকাণের মুখনিঃকত শক্ষাবশের পর অভিজ্ঞতা লাভ হয় রলিয়া আমরা আঁকার করিছে বাব্য হউ যে, ভাহানিশের শক্ষপ্রযোগ্যাক সেইটি উচাই মল করে:।

বিদ ভোগপরায়ণ বা ভাগি আগ্রিয় বা শিক্ষকের
নিকট ইইতে শব্দের প্রযোগ-বিধি ও শক্ষরি আন্দ্রান্তর
কর যার করি, তাতা ইইতো আনর্য শব্দের অন্তর্জাট্
প্রভিতাত অভিজ্ঞতালাভের প্রযোগ প্রাপ্ত হই । শব্দের
বিষদ্রান্তি-ইতিনাত অভিজ্ঞতা লাভ করিতে ১ইগে
আমাদিগকে শাস্ত্র ও ভগবনিত সদ্ভানর চরণ আগ্রয করা আবাঞ্জ, নতুনা সন্তবপর নতে।

শক্ষের বিষদ্কতি বৃত্তিসাহাথ্যে আমরা জানিছে
পারি যে ভগবানই একমান্ত সেবারস্থ এবং ভনিতর বস্তুমান্তই তাহার সেবক, কিখা তাহার সেবার উপকর্ম।
শুত্রাং শক্ষের বিষদ্কতিলাত অভিজ্ঞতা মাহার লাভ
হয়, তিনি শক্ষের অঞ্জ্ঞাতি বৃত্তিপাত অভিজ্ঞতাসম্পদ্দ
ব্যক্তির স্তাম সম্পাধেবণ রত পাকিতে পারেন না। ভগবান্
ও ভদীরগণের স্থবেই মধার্থ স্থানী হত্রা যাম বিলরা
তিনি ভগবান্ ও ভক্তের সেবাম জাবন উংসর্গ করিতে
কুঠা বোদ করেন না। তিনি নিতাকাল পরনোজ্ঞল সেবানন্দরস আম্বাদনের স্থেয়া লাভ করেন। ত্রিতাপ
আর কণকালের অঞ্জ তাহাকে ক্লেপ প্রদান করিতে
পারে না। মন্ত্রাভীবনের ইহাই সর্পোচ্চ ভূমিকা।
ঘাহার এইরপ অবহা লাভ হয়, মান্ত্র তিনিই সোকাগ্যশালী ও ক্লেপ্রভার্থ হল, অস্তে নহে।

একটা 'কু"কে একভাবে পুরাইলে উহা কঠিন- এবং বছকতা ভাবে কাঠে সংলগ্ন হয় এবং অভভাবে পুরাইলে উহা যোগা নহে।
কাঠের সহ সংলগ্নতাব পরিভাগে পূর্বক কাঠ হইতে জগবানের জীবিভিন্ন হইলা যার। এই 'ক্লু"র গতির জার লক্ষের ঘারাই জগবাণ গান্তি ছিনিগ। লক্ষের অজকাচি রভিন্ন চালন-প্রভাবে জীব সমস্ভই অকিবিভাগের বা ভ্যাগবৃদ্ধিবিশিষ্ট হয় এবং বামংবার উচ্চাবচসূলেজন্ম প্রহণ করিতে বাগ্য হয় এবং বাজবান ভ্রমণ ভ্রমণার করিবিভাগ হয় ও আজীর প্রাণিক ভারমণার বাজবানিক বাজনপ্রকার বাজনপ্রভাবে মুর্বার লংকার পর অভিন্ত বাজি ভ্রমণ বাজনপ্রকার বিকৃত্বিধন ও বিষয় নিজ্যানক-বাজের মুর্বার বাজনিকে।

লাভ করিতে পারে। ভাই জনৈক হিন্দি ভাষাভিত্র তারস্বরে গাহিয়াছেন, ধরা—

> শ্লম্বহি যে ভালা, শ্লম্বি মে কঞ্চি শ্লমে শল্পে হোৱে উলিবারি

অর্থাৎ পদেতে ভাগা বা বার রাজ করিবার বন্ধ এবং চাবি বা তালা খুলিবার যন্ত উভয়ই আছে। যদি শদের বিষদ্যাতি বৃত্তির ব্যবহার হয়, তাল হইলে অক্তথার খুরিয়া গিয়া তীবের লগনে দিবা জানালেনের উপর হইতে পারে।

## স্গজ ভজন (ত্ৰীবহিষচন্দ্ৰ ভজিনান্ত্ৰী) (১)

শ্রীথরি সর্বজ্ঞের আংগ্রহরণ, অন্তর্যানী, ইপর ও
সকলের প্রির। ওীকার আগ্রের গ্রহণ করিলেই চ্নের্থ
পরিসন্তননীগ এই সংসারচক্র নত হয়। সদ্প্রনর চর্নার্থর
ভলন করিতে করিতে সকল বর্মন মৃক্র করা ভলগানের
শ্রীণানি লান করার মন ও শ্রীর ম্যোক্রত স্টিলানন্দ্রভা প্রাপ্ত হয়। দেই সমন অভিশয় ভক্তিতে প্রথিভা প্রভৃতি
মন্তান ও বাসনাসমূহ নিংশেষরণে ধর কইবা বার থবন্
প্রোন্ধন ব্যা রথ রূপ নোক্র লাভ কয়।

মার্তবৃদ্ধি প্রবেশনিত হর্রা কেছ কেছ মনে করেন ধে,
আনাদের নীচকুবে জনা, বেলমন্ত্র জনিকার নাই ভগবন্ধিৰে
অন্ধিকারী, ভাতরাং বর্ণাপ্রমণ্ড ধলানানা পালন করিছা
নাই। বনি পরকরের উচ্চ কাতিতে করা কর, তথন ভিত্তি
পাছ করিছা হবিবেরা থারা সংশার করের জালা করিছে
পারি। এবং যথাসাধা গান, রাড, তপজা, লোচ প্রজ্ঞি
নির্মণেরা ধারা পুণা সঞ্জয় করিলে পরকালে বিজ্ঞা,
লাগিত, বা লেবত লাভ করিলে ভগবান্সন্তই হইবেন। এই
সারণা দূল। পার বলেন—

চারি বর্ণাশনী বদি ক্ষণ নাকি ভবে।
প্রকাশ করিতে নে রৌরনে পঢ়ি মতে ।
নীচ আতি নহে ক্ষণ্ডজনে অযোগা।
সংকুল বি প্র নহে ভাগনের বোগা ।
বেই ভবে দেই সর্ড, আভাক হীন ছার।
ক্ষণ ভাগনে নাহি আভি-কুলাদি বিচার ।

শ্রীপ্রজনাদ মহারাজ ঐঞ্জ ক্ষত্তমনুদ্ধিবিশিষ্ট খালক-গণকে কহিবাছিলেন,—

> भागर विकास (प्रवस्त्रविक्षः वास्त्रवासात्राः । श्रीननात्र मृक्त्रका न इंडसर न "स्वस्त्राः ॥ न सागर न जला (नक्षाः म त्नोहर न जलानि ॥ ॥ श्रीवरणक्ष्मणवाः करुता स्त्रिज्ञविक्ष्यनम् ॥

হে অপুরনক্ষনগণ, রাজণত্ব, দেবত্ব, ধাবিত্ব, ধ্যাচার এবং বহুজভা কিছুই ভগবান প্রীযুদ্ধের প্রীতি উৎপাধ্যেত্ব বোগা নহে। কান, তগভা, বঞ্জ, পৌচ ও এত এই সমজ্জ ভগবানের প্রীতির কারণ নহে। কেবণযাত্র নিভাব ভঞ্জি বারাই ভগবান্ প্রীহরি প্রীত হন। ত্তি স্থাতীত ভজ্জ সমস্তই অকিকিংকর।

देवरणामा नक-प्रकाणि जिला पूजा करकोकना । बना मृशाः भागबीबाः निख स्ट्रान्न्छार स्वाः ॥ द्र देवणानन, तक, प्राक्षम, जी, मृद्ध, रभाग, गण क नकी-बाजीव व्यानिभरतव क्षर भागकीवन्नरमञ्ज्य कीव्यक्रारम्थ व्यक्ति कवित्रतानव्यकारम् व्यक्तम् क सङ्ग्राक्षाम्भा व्यक्ति महिनारम् ।

## Windstand Sales ভাক্ত গ্রহাবলী

**बिटेक्टबर्य- डेप्टिकिनिस्तार उन्हर्दर निम्ह-**Bestes क्रीरवंत्र लांडक्टर, कृत्यन्त मुख्कि महस्त, निका छ । आजिएक कर्य, श्रीकारेंद्र स्थिति क मयश्रकात्वव एका. क्या टर -क्षेत्रका शास्त्र क्षत्र १६ १ वर्षात्र देशांत्र वर्णा समान्य देशकव-क्ष्यंत चक्रमे. भाष्माभागवाव मध्य भाषका, मात्रा हच. देवधी-कृष्टि के क्षाकारकड़ देवस, हमनाम्बर्ड, मार्ककनाशी कृष्ट क्रिक काश्यमा, कोरवह वधा हा छ मू छ, देखार पृश्यक अधिकार अधिक अधिकात्री-दिशास, क्या ५ अधिकारतत अप्रथम का का का का वा के देश का प्रथम का का का वा म am w minte anbitib-cur. Alfantenet e ceiteforests attent, muchtes hime whites mich. . . . क्षक्ति, मसक्ष्यान, क्षमक्ष्यक वानकारी, भावकोध्रतम, अनुव यम, जीनात्वादनम् ज्ञाकाकः नगारमः नापान्यस्य अस्य किश्वह प्रकाशको च ७ अवनका हात करवाल करनाकान च --निक क्षत्र ११%। क्षत्र क्ष क्षत्र का अपने प्रति है। क्षत्र का का का का का न्यव्यापित बारकाश क्ष्मुश्यम प्रकान व अश्यम गाविदा नः -मक्ष गुर्क पहिंचक करक्रम महम क क्रम्यामानी अप क्रम्या क्क का मा का का का कि विवाद का चारी-लाख-भटका विन्मस्त-काल कर अक्षामूल केरिक करशास्त्र । भागाव अनिष्ठ । क्टी. क्यामात हे जानि बाता चित्य ममुक कता उठहार । र्विताम् अष्ट, भ्यानात्र करण नाम दल्या घरक्ष व्यवस्य ७ कृष भरकात र**्भाव**ा



## **\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*** £्ममळ बाबादे- २, प्रवे शका व्यावीया--->भ० द्रशोरन छुटे हाका

विकाल नाम्रवाका बादा व्याप्ताक मानदार रिल्हा wan wallen muise este ficifem ereich ! aces atte केंकि मनाक्ष्म माळवाका बारा मर्शवक प क्षमान्त्र महत्रार्दे । त्याक्त्र, यत्नत्र व व्याचात्र वन्त्र कि ? बहुत्तम्, समाक्षः, जीकि, बन्ड कि १ क्लाकि विवत - माहिमारद स्थान क्षणकार्य वृष्टिमान्याद्य भारताहरू व्यारक रवे. क्रमा नर्कि वर्षक कारक क्रांडिश (तर गर्के नाउ ना काषधा विश्व केवश वात मा।



क्षेत्र । विक्रीत मरक्षक १८० वासा क्रियान क्षांत्रामी काफ क्रिन प्रकृताय लापानी काफुरक Commission (4 344 out atmation, will as all काकंगरका प्राप्तक व किन्यून दिशास व्यक्ति अन्त्रकादjagu segija i fel elei Aftauridige beret fried a martial landance inques equito !

## ८४७ ८गो बाद्यत्य **বচিত্র**

शासमा शक वाकिमार्जक्षे जका ए शासमा নিষ্ণান্ততে ও উপসামানির ভাগলকা স্থালিত ৰংলার ঘার যারে বিরাভিত ইউক

# ভিক্ষা ১০ আনা মাত্র

dio जाक विकिन भारतिहास जादक भारति द्रा।

জীপ সোচনদ স **ভাকুবক**ত

## बोटे उच्चा इस्ल

ও বিকুপ:দ প্রীমীবছকিস্ম ভাষ প্ৰপ্ত প্ৰোক্তণৰ, শক্তিবিচাৰ, ছীক্তা, বৈদী ও ৰাগান্তগা । লোগোলা প্ৰাকৃপান সম্পাদিত ভূমিকা: স্লোকেও चावर, बङ्गाजुनाम, अहि अन्यासत् ३ म्या नया माञ्च, असमूठी, खासमूठी, भाः खूठी, अमानशह ভালিকা, প্রস্তৃতি প্রস্তৃতি নিয়ত সূচী সম্বলিড ্রতানন াবেনিক এবং ইউবিখন আছে। न्त्रान्त्र अक्टर छन्त्र काछिन, वाछित्रका व्यक्ति (८:

## শ্রীহরিনামটি প্রামণি

भागाहाय। ज्ञान बरिम्रान्त्र कुटरच भूटन · \*\* \* \* \*\* \*\* न्त्राम म राष्ट्रा, नानासाय, नान,पद्राः सप् यान ही। निवाद अन्य कादशाक्ष्यक, अह नियम् छ । धा क मदल मधाद म किन्द्र अः महत्व महिला हिनाद मुन्द्र है। Bo of of 114143154-51 191 44 4 411 190 4 বার আন ম এ

# देवकवमञ्चा ममः।

्भानारकोमः(कासश्चर्षः)

िसक ६०-३। एकिमाध्य बानका के मध्या गरीत कार्य २। নালিনাম্পান হৈছে বেষ্ণ গোলেই চলিজ, ৩ : বিকুৰেফাৰনাম্পতি দ क्रीमन्त्रित छ निशादन विश्वत, छ। द्वामा शास ४ अ १%-मनुरकत कार्यास विवतन्। विश्वाति अस्य व्याप्त के इ नाकोक काक-मूरण याःशोक श्वरः। ठाडयञ् शकानः 6861(6) 34 40 boy +, 28 40 hoy +, 194 46 h+, 64 we W. . 5[[34@ di+CG o, 5]+1 ( €H + 9 9 42% )

# बें छ कि मन्म ड

्य प्रकार अक शका त्र प्रकार केंक-श्चिमम्कारानद्रकत छ दशोक्षादनत खाद्रकान .॥० हे|काम प्रदेशक गार्वेद्यम : देनम्बाहागः मिन्छ व आशाधीनहत्वत्र राठिक अहा हेकाई बहुरक अर जानक श्रीकारीक व्याप । श्रीकाल काम काकिक के क्यू के क भूका ब्याकारम मुख्य क क्वेर करण ।

> **এ**মঞ্চাতার্য্য সঞ্চালত সদাচারস্থাতঃ ভিশা , • শানা মাত্ৰ

# ান্দ্ৰোপন

সাব্ধনে !

সাবধান !!

~

.চ. ব. দক্ষে টোকা শাল ভালাম তৈল আন্ত্রান আন্ত্রান ভাগের, বিভাগের কর পরে,১১ ও বহু প্রবংগিও।

वार्या सरस्यायाजनाः सामाईरङ्ख्, अविभ তৈল আরদ করিবার সময় শিংশার গায়ে ইংরাজী अभारत (७, १८, ४७ এ५ (काल्यानी माम **स्थामः** থেখিয়া থারদ করিবন। নভুবা **জুয়াটোরস্থ** কন্দরের কু.জম তৈল দিয়া আত্তরণ। করিবে।

# কেরাস কুইনিন্

स्क्रम अंतर श्रुवाक्रम माहलतिहाव <mark>य</mark>ग

इडा • ए युक भावाय जास्त्रम्, नार्ड**ा**रेह्याझार

ত্রহ ফ্রাস্ কুইনিল ছারা ১ জ্বেনল কবিলে একটী 🕱ট গড়ের কামতে হাসা: ভিকা—২॥০ টকো ˈব: চণ্টা লফকবনেত সকলপ্রবাত কঠিন না লেভিয়া কর বন্ধ करत करन ७ वहटड ३२वे हरश्चकृत्रस्य सार्गाद्रवात्र मथक ቼ ፡ ኢቭ ሐያ **ው** ኔፋ፣ ርቅር፣ [

> ভ তেপ্ৰসূত প্ৰতি ৰাস্ত্ৰ-মুগা ২, টা**ড**েঞ্জু **০, চাৰা** राष्ट्र कामकार्य कव क्रिक्किश्त नावदत्तकाबीटन - ३ ५ तर ७ क्टूरोमन (बान, क्विकारा)

LALEND MADE WILE CAMED ELECTRY श्रीम शक्त काष्मांबरमारका केषि-अकावमा :---



92.48 27BE

(सह च मानंत्र (५४) चान हावच नहत्रा----डेड) यथन चीन ্'ঝার পারে, স্থন একমার নিভাগত উভগবানের তাজি ০০তে এর, *ত ৬৬*টের বিষয়ক আগেশলী আখনা ও আ**শ্ব**-ন্মপুণসূক্তক গান ৷ ভাক্ষা সংকরণ ও আকাশিক ব্ৰয়াছে

ভিক্তা আছি বন্ধ ৴৽ এক আমা 

भरकड गारेक PAR'S COP

अभव इकेंद्र तक अकत कथा अवत शादन व्यक्तिक । जन विकित्यक tiatiene maticus ment i fin erolote indiante mein

ি বিশ্বত ক্যাটালগের জন্ম নিম্নলিখিত ঠিকানায় পত্র নিখুন— ম্যানেকার—গ্রন্থবিভাগ, এটিচজন্যমত, পোঃ শ্রীমারাপুর, (নদার)

# বিশ্ববৈফ্যব রাজসভার শুদ্ধভাক্তমঠসমূহ

শ্ৰীহৈত্য মঠ

#### আকর মইবাল

ला.हीत नवतीन, खाकवर लेलाम मानालुन, नमीता

জীনভাষোগ্ৰীর ভয়তে প্রায় ৩০ । মত্ব উত্তর-পূর্বে জীবন্দপদ্ধন আচার্যায়ত্ব শীচন্দ্র-क्षित्र रूक कृतरास की है। देव का अपने विकास मार्थ ।

दके कार मारकार-वीर्ष, पतानेक भीह ना भाव र कुक कती । जह बका नीटर्स शिर्टक-न्द्रन्द्र र नत्त्वरद्धिन-त्रमाक्षणभूत्र, ध्वतिष्ठात अञ्चलीक कावा, सावेक, अवध्यात, ख्ला अप्रा -केश्रीव्यत-ती ११-कुळ- १४। न ०७१८४४ अन्यतः १ अप्राप्तिः धानः अश्रा श्रीकार-्राक्षेत्रक-शास्त्र साकार्गारामव । । शासक शास्त्रवाधिक-र्वाठाया-५७ व कीकारमच केलान विश्वदृष्ट पहिन् मिन्छ। दश्चित हरा न्या । एके महत्वाच शाहमाधिक देशनिकश्व साम्बन्ध সম্প্রদান্তর জ্বাকাশত ও ও প্রাচীন এডিবালি পাচরিকরে 'নদীয়া-প্রক শ' ন্ত্রালয় লাক্ষ্রির হল্পানেল প্রার্থিবর জীপাস-পরিক্রমান্তর ন ও প্রপাণ স ভাকরের ও স্ক্রীনাম - কোর্মনারী-- ব্রিল পরি-লগতিহাতী প্রক্ষালী, লাও শতিশোল গোলগাস । প্রাধান গাস্বাহাতী প্রক্রাণী, প্রীবাদ ক্ষপতভারণ কাসাধিকাছী বি-এ, প্রীপাদ अफ्रांकी बानिवर्गारेखे, श्रेराम गैन्छक अध्वाता, श्रेष्ठ श्रेषानवानम अफ्रांकी, . ीताक अभीरतातान भरकताताना व. शिक्टननाम करम अध्यक्ति शामन मक्कनमन ।

জিনাতি প্রতি প্রতিষ্ঠান কর্ম কর্ম করে। কর্ম কর্ম করি কর্ম করি কেন্দ্র করি কর্ম কর্ম কর্ম কর্ম কর্ম কর্ম কর্ম করে।

#### (৩) যোগপীত ইলেন্দির

क्षेत्र द्वीकश्वाल्यान्य कृतेन व भिश्वका शास्त्र आहे। कारा-कृषि मधारमाधा-नते । क्यारन जिल्ला करा व जिल्ला विषयांत्रक विद्यादिना प्राथित । अन्य सिटि । अन्य प्र विश्वामाञ्चरकार निका प्राणा कृषा द्वाराष्ट्र कर्बर दमने बहुभागः वक्रक---(लाक-आश्रामक अभिन्नाओं अद्वेशिका व्यक्ति है। देश-साथ । महकारी द्वीनिकातम बन नानी, बिजनाम अवल्या । विभाग मान बार-। कारी, 'स्मामका द्वित्रावास्त्रा ।

#### (8) Eld. N. T. G.

Binger eine Pien-fiern et हैं। भोद विवास बाय बने । न तर में विकास क्रिकारियम् स् राष्ट्रविद्ये । भगा नविद्यागः 🖦 🚜 : चार्याक्यमाय न्यानी ।

#### (৫) ভারেছত এবল

बाई खरान व्याधारत्व शकु । धनन । एउए ্ষ্ট দেশ নহমাল

(৬) শ্ৰের সম:মি প ট क्याचीन भाषाधुन, त्राभन पुन । नतीयाः, **देशोरक्षाणाः अक्षेत्रक होर अम् ५।** 安林事一、大角をごう きょくいっさい インション

#### ( १) भागम श्पर कुछ

Bittima, mante . ..... श्रीनकृताम निम ७ कि रिलाना कृताः अधारि क्षार शिलाक्षणांत्र बन्द है। दिनाम भु अश्वादव अवा वक्ष्मान

REPORTED BY BING SHOP . क्रमुक्तावारी बन, धन, दक्ष

## अक्षाबाध (भोडोक मर्ठ) भड़म- विश्वत १

বক্ষক---- শ্ৰীৰভব ভিজিলাপ্তী ব্য, তে, ্ব, এপ, সংসংগী-- আভিদ্ধাস ভাক 🏻 কেছ - আপুর্গাজ এক। রুণা माही, श्रीरेक्टका वास्त्राची आस्त्रा

(৯) জীলোক-গদাগের-মঠ 5'e te है। सन्द्रभक्त : नक्कान )

च्चीर प्रतिना, भर छा क्षित , हार सामित्र स्

ু - জীরপ গীড়ার মঠ ना, 'पञ्च, श्रामा हे हैं, शि ात क- होशी भाग द्रावाणी, होतवारमञ्जू ।

#### (১: , জ্রীমেদ্যক্রন্ত্র -

भाष्ट्रित कि, काशजूद, न्युमाना श्चितामीत्र कार अस्ति नुस्तान सन्न स्थान PARA TOR FOR FOR (১) তা বিভ আনন ब्रिश्तात्वक त्या , क्षेत्रकश्चात्व, असीका । च शत कि का खा व अन्तर दे व्यक्त का दल क--- देशकांगक डक्षांत्री।

### া ১০ / জীএকারন মঠ दर्भ ता । १८६ में इंग्लिस के सरीका ।

१ १५ - श्रीमाश्व (प्रोफीय नह 2000 मनावस्त नाम्, काका । भूक्तराज्य क्षार .क्क्स्, रजारन मी अक ्रां विष्य व्यक्ति सामान्य सम्बद्धाः । रक्ष कर हैं। भारतन अवनाती ।

### ः ১० । श्रीहिन्ना भारतानी सर्वे 445 25 STOLL

· करू—ही शा त्याद अकार हो ।

# ( ) बिंदगोडी इ मर्ठ

be at uife ginin bonent Bo. cett ringimig. wiemmigt i .डेनिएमान वि. वि. ७५५६

चीर ताका नखर न्याकः विष्क कृतिन्यम क कि भण- श्रकारमारमारम रशीमरमारमं श्रम अवास নগ্রী কলিকাভার 🖆 ধনিবিদেশে আসনে শ্রীমার প্রতিষ্ঠিত আছেল। এই তঞ্চ अध्या ाटम श्री कक्र-दशीवाक श्रीतिर नामा नक्ष की है मशाबंदम निष्का स्मिषिक बम । प्रशिक्षीर फ.bifinefia बावलीय शहानीव अन्तर्भाषात्वामा श्रीमात मरमा वक्की अवस्थ महाः মন্ত্ৰালয় সংস্কৃতিক ভটভাছেন। পুলিবীর সমাত্র জ্রীবোধনাম প্রচাহার এট মন্ত্রালয় হয়.ত 'গোটার' সাপ্রাত্ত পত্র জি জকুমনিস্তু মাসিক পজিকা ইংরাজী ভাষার र्विकारिक्त भारतः शाकात्म । अरहाराक्ष्म । श्रीभारते सात्रः, मधीर्षितः, माश्राधानस्वत्रेष्ठ-रेवशासः, শ্ৰীমতাগ্ৰত, প্ৰাচেত্ৰ চার কায় গালিকালৈ ও তত্ত্বাতের সমাক খালোচনা চরত পাৰে। মুহত্যক -- আলোমাত্ৰি হ প্ৰীপাৰ কুমানিকারী বিভাক্তৰণ। সভকারী --প্ৰিক শীপার অন্তর্যাপ্তরের পর্ববিপ্তান্ত্রণ বি-এ, লীপা**র প্রকার্যক্ত পর্ববিভাবিল্যের বি-এ,** करण्यान मामानिकारी, बन्नावानी मीकीयनानम, अन्नाती जीवाहीध्याका, अम्नाती প্রতিষ্ঠানক অভিনারে, একচাতী স্ত্রীদেবকীনক্ষম, পঞ্জি স্ত্রীপা মবীমঞ্জ

# ं ১७ , श्रीशकाष्ट्रे-८शा 🐄 अठ চ্ৰিড়াল পালগতিশী সভা, বাহিছ टेश्नाबाद-८ देशक्षा का का दमनः

#### ा अधिशासक्रमायस गर्छ

किक्रेलिक, मन्द्र सर्वात, ,यानसंबर्द ह SATER - 建自由的 11岁 11日本 11日本 .स.च । अक्षण - च्यानीकारकाल व्यासम् । १०१८ सहीव विकासन्त विकास । अक्षण -্ৰভৰণী শুকিলৰমেবাস্থা গ্ৰহত বীপ্ৰভিক্

# कार्यात (क्याप्ता वास বাস্থবী - গুপারে কন্দ্র লোৱা

भी स्वतारात्राभ-वीत स्वत्रका पार्वत् हो 🕽 'सम्'८१' । उद्यम् -- वक्षतामी स्रोधात-1010761

## 🗫 🖺 क्षुष्या एम मह 95(4) 1, 5 3, \$1(3) 1 कर ११म लेए शहर-निरम्पा रतकीन कि का-MY ATHER COMP SECTED PROBLE नम जिलान्छ, दक्षणांती किन्मी काम ।

#### (३०) खाँडका-८शोष्ट्रास मर्ज

व्यागवरकाथः अक्षर्ति । नाः, पूर्वे । व्यवद्यापासर्वतं व्यवस्थातं सम्बद्धाः 🚉 👑 । सम्भागाः सम्भागः सम्राज्याः भाषान्द्रभवाकी व्यातमधी । प्रकादा --उक्षादी श्रीतिशिवात्रभादी ।

#### (८) वैशिष्णिमानम् गर्ठ

Biguta:@ir. #84 ( ENTER Bede-, Statu- fat einen. ्धानाम्कीः नार्वत्यात्व जातीन सना थीव निकारनव वस्थान । अव्यक्त अष्ठाही जीभुशायह ।

#### (२२) ध्विममाख्य-। शोषात्र वर्ड

अन्द संश्राकात्मण्या, काण्ये १ (शा - ग्याक्षभूतः मनास्म-निकाक्षतः। जीकानकोनावको ।

## ः । शक्कदेहत्वम् ४३ जीन गरकाम कुछ, जीभाम बुक्यायम । नी श्रेशभा-अव-स्माक्तको । स्थान

रण क-- होशन-हिनाब असन्दरी (२४) डीनियमहरम सर्वे

देगीववानगः, मीडाणुक £चारान केंद्रेशायक भागमाला **व** हींदर १० विद्यान "वनामचीत दनक नक्षणन । क्कक - अवदारी मेंस्यागरवातक क अवहाती A .....

## ·· e: श्रीडिड्याटशोक्षात्र मह

李明名唐 明、"西西势 想"。 知识明明知识 養職 सीरे--श-मात्रप्र लागाः वक्तक-सीरबान भाष दाह, शिटनगणानम् अवदायी । औत्रव कीर्य व्याचीत्र ।

्> ५। सहाय-मोखान सर्वे कृषरक्षे, बारमध्य, क्याला अध्यक्ष त्रीत्मवातालास-सारमक क्षा वर्षमा वर्षमामा १क १ -- अभावाची हो असमानी । (२०) जासनभाषा जानहास्त्र-वर्ड

अभिनेताका, त्याः मास्, अविका auten ale Sanlig Gittlatene tum रहमान । अक्कू अवन्ति श्रीतानक्रक क्षम, श्रीवाशासम्बद्धाः अक्षत्रातीः

(२৮) पिद्वा त्याकीत वर्ड-कान्यानक Die gun curura, fait fruit if 🤫 राज्य-- विम्रोडियामी - श्रीमहास्थि - मस्तेय-शिवि वशालाक, क्षीप्रायाक्षणहरूमांक्रम् : \*\*!

(२३) ८कापानभाषाव्यवस्था वयम् अवगारी की शासामा ""

# হৈতগ্ৰমতের **শ্রমভা**ক্ত গ্রন্থমালা

সুবর্ণসুহোগ। সুবন সুহোগ।। সুবর্ণ সুহোগ।। গ্রন্থ বিষ্ণে ধ্রে প্রকাশিত

# শ্রীল প্রভূপাদের বক্ত, তাবলী

ওঁ বিস্কুপাদ শ্রীমন্ত জিনি ছাত্ত নর মন্ত্রী নোমানী মহারাজের সেই অনিদ্রে-বিদ্রুলি ক্রিন্তর ক্রেন্তর ক্রিন্তর ক্রিন্তর ক্রিন্তর ক

১। প্রশান্ত ছে—বৈষণনদর্শন, স্তিত্রতন্ত্র, বালদর্শ্ব, শ্রীমন্ত্রানির্ছাব, শ্রীমন্ত্রানির্ছাব, শ্রীমন্ত্রানির্ছাব, শ্রীমন্ত্রানির্ছাব, শ্রীমন্ত্রানির্জ্যানির মান্ত্রের ও মান্ত্রের নিক্ষা, জালানির মাহজ্যানির প্রাকৃত মহজ্যানির, শ্রীমানি ইল্পানির ইল্পানির নিক্ষা, জালানির মান্ত্রিমার্গ প্রাকৃতি বিংশজ্ঞি মান্ত্রের হার্লানির হার্ল

২। দ্বিভীত অংগ্র-শৃক্ষা ও বিদ্ধা ওলি,মনুষ্টোর শেষ্ঠার কোর্যার, কাড়ার নিতার ভি. উন্ধর স্বানিপাল ও মার্যান্য, জীনেনার নিত্যান্যকল প্রস্থা, ভিন্নবার পর ও কনকী ইন, জীরামপ্রজান জীনিনাগার কীর্ত্রা, জীনেনার মান্তন, মহাপ্রসাদ, জীনেনারিকা, জীরামপ্রজান পর, জীনেনার স্বান্থনা, মহাপ্রসাদ, জীনেনারিকা, জীরামপ্রজান পর, জীনেনার স্বান্থনার কিলা, জীনেনার স্বান্থনার কিলা, জীনেনার স্বান্থনার কিলা স্বান্থনার মান্তনার প্রথম করিবান্থনার কিলা স্বান্থনার মান্তনার প্রথম করিবান্থনার মান্তনার প্রথম করিবান্থনার মান্তনার স্বান্থনার মান্তনার স্বান্থনার মান্তনার স্বান্থনার মান্তনার স্বান্থনার স্বান্থনার মান্তনার স্বান্থনার মান্তনার স্বান্থনার স্বান্থনার মান্তনার স্বান্থনার স্বান্ধনার স্বান্থনার স্বান্ধনার স্বান্ধন

প্রান্তিরান ১-- গ্রন্থ নিভাগ-- নিটেডেল্যস, প্রেট **শ্রীমালপুর, নরীয়া** ।

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

# দৈৰ প্ৰাপ্ত যক্ষার এক মাত্র মহৌষধ

প্ৰস্তু দিৰে সমূৰ্ণ আত্তােগা

বাবে নগায়তে কথাবে। অভিন্ন নাবের প্রদার প্রাক্তরা প্রাক্তর আলোর)
গাঠ হবং, শিছা রে ও দেখা হয় কবে ওপানে আলোল হবালী লেকিছা
উষা নগায় কা কারোলা না কওয়া নগান্ত আবিপ্রান্ত দিলে কইবে নাঃ
গানীর সোণালের প্রান্ত বহন করিয়া ভিতিতী দ্বাক্তর ইনা বিজ্ঞানিক
নির্বেশ্যে ভরু এক আলোল ভাক উত্তেট দ্বাক্তি সামান্ত অনুসন্ধান
কর্মনার

क्षीक श्रीमा क में कीता, यक्षानामक्ष्ममा, ट्रांट टेनकाठी, बरिमाम । युवार बीमम क्रिकान ए भाकार विकास स्थानिक स्थानिक सामिका।

निष्य राज्यानात्वार मह उस, छ, कक्षमणत, मनीता । विष्युक करियाम भित्र, २८९, उत्विद्यार्थिया है है, सार्वे नामा, काम्याना ।

अक्षां कि शृक्षा अवार सार्ष्ण्य ग्रह है। यात्र यात्र श्राह यक्षात्र कृषिया मुक्ताम व्हेशिएण, कालकाकाव विक किविदेशकर्म लागान कीनाम कामा ए शि काल्या त्या मुद्दात्वन कक्ष कालका कविर्द्ध हिलाम व्हे समय द्वित कि शिकाम केविस महाक्ष्म मात्र >० मिन निकरम्। कार्य मुक्ति कार्याद शालिया । स्थापन विकास कार्या । कार्या कार्या । कार्य । का

·	ক্লাক্ষরে প্রকাশিত	200	দ্রীল প্রাকৃপাদের বক্তা	वनी न
•	<b>क्रिप्रहामध्यम्सम</b> श्र	(	( 🍑 ) প্ৰথম পঞ্চ	lg o
•	\$ ( \n-nx \n n ) \$> \rightarrow \text{\$\text{\$\sigma}\$}	i	(খ) বিভীগ্ৰপ্ত	۵,
, .	** ( ### ## ) >>-	1	(ମ) ବୃତି ଷ୍ଷ୍ତ এବର୍ଷ	280
<b>.</b>	<b>114.63-144 题题的人的自己的词</b> 。	.59	। নগ্ৰীপ গঞ্জিকা	
	( केंब्र मरखस्य )	!	( 888 (911474 )	4.
• 1	है। दिल्ला का भाव क	: 25	। मिश्रायमपन	o/ •
	(विकार विकीर मरक्षण) ६.	ંક	। क्षेत्रभ-क्षित्रः सम्बद्ध	n/o
8 1	A COMMENT OF THE STREET	50	<b>等「書でま」中く</b>	:
٠,	· ( 00-10 ( )   10		(सदबील एतिकना ।	
_ •	र्ख नवन्द्र		গ্ৰিক মাংল)	,
91	वास्त्रभाष्ट्रका सन्दर्भोक्रकः नासनार	કર	·	150
4 '	( 11140 )			,
b- 1	•	1 88	। अक्षात्राचाद्वाल्डः	, '
<b>₽</b> (	শ্লীচৈত্তত শিক্ষামূত (বাবা) -	'. Œ	। <b>१</b> ] मृज्यं क	,
		. b.w.	! ଜମ୍ମନ୍ତିନ୍ତ୍ର ବ୍ୟବ	12
35 1		89	: শ্বশাসাভ	· · · ·
311	क्षेत्रांचील लखनम (वापा) ३५	৮৮	। वैक्षित्रभाग	, 0
158.1		. 8%	त्यांकि भट्ट कि कदबन ह	, ,
• • •	and a second sec		·	10.
	বৈক্ষাবন্ধ্যা-স্থাক্তি	: 55		10
301	द्वाया है। १०१७ )	1	ে ইনভাকিটিছার গ্রাপ্ত	
	क्रीवांत्रनाम 'इस्टमं* भ			. •
381	अवश्वीभवास-अक्षमान		ননাগরাক্ষরে প্রকা	
\$ ¢ 1	्त्रीशकृद्धान्त्रः लग	48	,	i•
301	्रशास्त्रकार्यकार्यः । ज्ञासम्बद्धाः (क्रुक्तिः अध्यक्षाः । अव		্টীক শক্ষণশূলম	, ^
39 i 38 i	4.44.44.4	'	•	, 
	कुरुप्र (कन्ने भाष्य-भाषाः ।	12.9	편) : (영報 : 귀대위	
301	(कारणार्थः) वर्षमान भाम १ वः नः । ५०	,		
	स्मिक्कश्राका ( देश्या ) १०			, •
*> .	Befesthentiller 180 in 11			
	्रद्रवाक्षर क्षांच नांचित्र	208	计存储分析程序 18825.	<b>*</b> ( <b>*</b> )
. १६।	(श्रामाक्षेत्रक) हुन			1.
<b>ag</b> }	अव्यागर्(२७):	, m		
₹6 1	গোড়ীয়-চগায়ং প		विष्टेष्ठ र भारता आह	14
,	ेनां जीय-मारश्या 'ल'	, <b>4</b> , 2	• •	, •
29 1	স্থাধুমশু <b>ল ( মন সংক্রণ</b> ) প	<b>%</b> \$	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	<b> </b>
•	ম্বিম্প্রতী সাম্বাদ	\$ h	हरकाष्ट्रिक । स्वाचान्य व्यास	
	अवस्यकारणी वा भारतिसम्प्रत्ये।	•	<b>धारमगरप्र</b> कृतिसम्म	
:	क्रेट्लर्शिस्थः ( त्लारम् ४ स्थाप	<b>₹</b>		
1	स्था वयः चित्रक ६ अञ्चलक महारा	•	উড়িয়া অঞ্চরে প্রক	ৰ্দিশশু
in the second	क्रिमध्दीलकाव ठ <i>त</i> ण	מיפל	. ঐহহিনান ছিলাদণি	
03	क्रिट्रमुक्त्र्य क्रमणा स्टब्स्या स्टब्स्	. ' **	· 电电子图 中国的中	
-00 t	्रेक्ट सम्बद्धाः स्टब्स्ट सम्बद्धाः	i tober		
<b>48</b> (	के आमानशक ८	• **	। वेखाननी	
not :	अववीत्रभाव-भागाना	• 9•	৷ শর্ণাগাঁড	

अर्गाक्षकाच्या :- कैटिंग्य मटे. । ीहे खेलावाणुर्व, अप्रीया।

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

# খোলা হইরাছে।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অতি যক্ত্রের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যয়ে সুন্দর বাসস্থানের বন্দোবস্ত হইয়াছে। ছান অতীব স্বাস্থাকর।

সবিস্তার সংবাদের ভন্ম নিম্ননিধিত ঠিকান। পত্র গিথুন। সেক্রেন্টারী, ভাকুর ভক্তিবিনোদ ইন্টিটিউট্ শ্রীচে হক্মঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

## ৫০ বংশরের পরীক্ষিত করেকটা মহে বিধ---

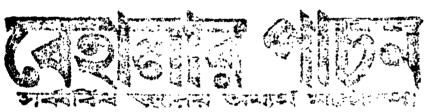
ৰাৰহারকারীয়া গুণে মুগ্ধ চইয়া যে সমস্ত প্রাশংসা পত্র গংল কবিংগাছেল, কাণ্ কুল করিলে বড় বড়ু পুস্তক চইয়া পড়ে। আন্তিনি ও বাবহার কারহা ধর্ম কটন ।

- ১। চক্তপ্রতা বটাকা—ইগার নামটাও যেনন কালন সেই রক্ষ। ইগা নুধন ও পুরাভন মেই, মুমনুক্ত, ঋশ প্রস্তৃতি এবং স্ত্রীলোকদিপের স্থিত। বাবিষ, থেক এবং রক্তপ্রদের প্রস্তৃতি রোগে আনু ফলপ্রাদ।
- ১। স্মৃতিসহায় বচিকা—মাদকজনবিশীন অভ্বক্ত নিধাবিধালক উষ্ণ। যে কোন দৈছিক ও মান্দিক পীড়াবশতং অনিজ্ঞানে এই ওচন কাৰ্ডাৰে গাড় নিজ্ঞা হইবে।
- ত। য়শুর বৃত্তিকা—ইলা সেবনে প্লীলা ও ভদক্রগলিক লেবা ও শবীন পাপুর
  ইইরা বাওয়া হওয়াদি বিভূতি ভদয়া রক্ত পালধার ও বৃদ্ধি প্রাপ্ত হয়।

🐝 किन आकारबंद आरकाक खेबरमञ्जू मूना आठि एकोछ। 👡 छै।का ।

ব্যাপ্তিয়ান :—আতঞ্চলিপ্তাহ উদ্যালয় । ২১৮নং বছনাগাৰ ব্ৰীট, কলিকাডা ।

# কাবরাজ শশিভূষণ কবিক্ঠাভরণের



নকংশ্বলৈর প্র ব্যার জন্ত ৬ আঃ শিশিতে ঘণীভূত অবস্থার ১৯টবোনলের সমপ্রিমাণ শ্বিব ছাত্তে পাঠান হয়, ইনাভে ঔষ্টেগ্য কোন প্রিবস্থন করা হয় নাই। মুলা প্রতি শিশি দ্বৰ আনা, পাইটা দেশ আনা, বোজল ১০০ আনা।

অফিস—১১নং উল্টাডাঙ্গা রোড, পোঃ শ্যামবাজার," কলিকাতা

# মদন মঞ্জরী

ব্যক্তিয়া থক্ত ও বায়ুবিকরে, ইল্লিয়পজিব প্রায়, এক্সানে ক্রকণাক, ববহক্তন, বাবানোরা, বুক বক ক্যানি, অনিলা এক্তি কক্ষণ সম্ভৱ নির্দেশ আরোগা বহু । বল, বাবা, বেখা বুভি করিতে অধিবাঁর ইনিক। ব্লা ১০ বনি ১, এক টাকা।

# **हा** हेट्यानिन

বা

# কোষরদ্ধি রোগ

ভা: এস্, এন্, খোষ াবন: শক্তে, বাৰজীবনের গ্যানটি দির বৈচ্যাভিক প্রশাসাতে কোষবৃদ্ধি গ্লোগ আবোগা কবিয়া বাজেন।

> ডিকানা---১৮ নং কটন ট্রীট, বড়বাজার, জালকান্তা।

# 31 **भूमाञ्चल कि दि**र्ग के ल

শিক্তশ্বের অব্যর্থ মটোষধা ১ থানার উপ্পন্ন, সন্তাহে আরোগ্য । ক্রেটি ৮০ বার আনা, বড় ১৮ আনা। মাত্রল পুরুষ্

# २। শুক্রাচার্যা मञ्जीवनी পোষ্টাই

ক্রায়েল ও ধ্বরভারে একমাত মতোষণ। সুশা ১ ডিবা ৯:০ **জানা। সাধান** পুলক্

- ৩। সন্ত্রাসী-প্রদন্ত ভার্শরোগের অব্যর্থ আংটী নাবোগ না ১৮লে মুলা কেবে। মুলা ১৮ খানা। মারুল পুগস্ক।
- ৪। কোন্ত-বান্ধব প্রীল অভীণ, গেটফাল, পেচচেলনার মহালগা ছিল। জানা। মাজল পুণস্থা
- ঠু। বাত্রোরের মুক্তাপ্রকাল ও স্থাতে আরোলা। প্রতি শিশিক

বা শ্রোজের মকোপকাতা ও স্থাতে আবোলা। প্রতি শৈশিক জানা। মাল্লপ্রকা

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তুতকারক। সৰু কাটালগের ৰুত্ত পঞ্চ শিষ্ম। প্রাঞ্জিল—মনোমে,হন লে রেইরী

(णाः डेशाही, कमलान्त्र, छाकः,

# যনোযোহন প্রেস

পূক্ষ-বাজালায় স্থাতে মকলপ্রকার ভাপার জন্ম নিখ্যাত বৈদ্যাতিক মোশালো দিকারাতা কাজা ভালিতেছে বিশ্বত জানিতে হউলে নিশ্ব টিকানায় পত্র লিখুন

> ম্যানেজার—ম্নোগেছিন ( প্রস্ ১০নং শহাবপুর, ভালাঃ

# মর মারুষ বাঁটাইবার উপায়

> সোল একেন্ট— ডাঃ ডি, ডি, ছাজরা । ক্ষেত্র, গার্ডে-বিচ গোট, ক্ষিত্রতা তিন্যা স্পষ্ট ক্ষিত্র বিশিক্ষ



विकाशस्त्र सा প্ৰাভবাহে विष शेंक 3 আৰু ক্লাৰ 🗣 क्ष क्षेत्रं कार्र 5किन नार



माशास्त्र हात्र विधिम (म्य । বাধিক ৯১ यागायिक व देवगानिक २५० गाणिक ১ ग्राप क्षिति भःभा। त

নদীয়া জেলার একমাত মুন্দশশু

শ্ৰীসতীন্দ্ৰনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদাস্তৰাচস্পতি

ি ৪৬শ সংখ্যা

১৮ই বৈশাথ সোমবার ১০০৮, ২৭শে এপ্রিল. ১৯৩১

জীতী গুরুগোরাকো জয়তঃ

रिप्रविक निर्माता-शकाय

নিতাপাল্য প্লারমাথিক পত্র

खीगाय-माम्राञ्चल-८गावनाम ५४**वे** टेनमाच. ५७०৮ -

পরিবর্তনশীন জগতে সকলেই পরিবর্তনের পক্ষপতৌ। <sup>4</sup>পুরাণ ভাগ লাগে না, নৃতন কিছু কর<sup>22</sup>—ইহাট যেন **নক্ষের মন্ধাণ্ড সংখার। ভাই আ**হারে বিহারে, আচারে বিচারে, শরনে ভোজনে, এমন কি ধর্মে কর্মে প্যাপ্ত न्छन शंखन। ध्यवादिक क्तिएक प्रकानहे ८५ है छ ।

আক্রকাল নৰ্য সম্প্রদাহে জীর পুণাতন ছিনিয়ের আদর নাট। অনাদিকাল চঠতে বে আচার ব্যবহার পালন করিয়া আচাণ্যণণ উহিত ও পার্যাধিক দীবন যাপন করিলা পিরাছেন, ভাচা আর আলকাল কেই প্রায় করেন না। মাছবের মুধ-দান্তিও কাজেকান্দেই এ'জগৎ হইতে বিদায় এইণ করিয়াঞ্ছ। লোকে সক্ষদাই বিবিধ অভাব-बाइविधान, इत्रय-देनदञ्च व्यनीष्ट्रिक, विश्व त्वादशत मृत कात्रश <del>অন্তুসন্ধাৰ না করিয়া সকলেই</del> ভাহার সাময়িক প্রতিকারে

ধর্ম-জগতেও এই সংক্রোমক ব্যাধি প্রবেশ লাভের চে**টা করিতেছে। বাহা গনাতন কাল হই**তে চালিয়া আনিজেছে। ভাষা আর আল্কালের লোকে প্রায়ই अंद्रभ वा अध्यक्ति करण मा। हुने होता, कांनफ शता, **থা ওয়া-দাওরার ধন্নণ ধেমন আলকাণ নি**ত্য পরিবত্তিত স্টুডেছে, ধর্মালোচনার প্রকারও তদ্মণ পরিবতন করা क्षेत्र--देशहे नवा-मक्तमारम्य माम्ना। कारकहे अण्डि-স্থাতি আছতি সন্তিন-ধর্মগাজের বা মহাজনের কথায় লোকের আহা কমিয়া গিছাছে। নব্য অবভার, নব্য ধর্ম-প্রচারক, লোভপ্র ছাড়িয়া ভল্নের নব্য-পথাবিদারাধি बाता भवासगाडी नवं नव छाटव गिष्का केठिएण्डन । किन्न

ভাছাতে বাস্ত্ৰিক পকে লাভবান কত্ট্কু হইতেছেন, নৃত্ননৃত্ন ধর্ম মহগুলির আদের ক্রিলে "প্তস্তু ভাষা (कड़डे निष्ठांत करत्रन ना।

'শিতা' একটা প্রাতন শাস্ত্র, তাহা স্বয়ং ভগবানের জীগুথ-নিঃস্থত ব্লিয়া ভাগতে একেবারে উপ্রেক্ষনীয় হয় নাই; কিছু ঠাহার প্রাতন অগগুলি পরিবর্তন বা পরিত্যাগ করিয়া শৃত্ন অধ, নৃত্ন টাকা রচনা করিয়া ভালা**র সুধোও ন্তন মত** প্রচার করা চরতেছে।

मृष्टरमत शिशामा कामारमत এए तिनी (प. तकह दकह নৃত্ন কিছু করিতে না পাৰিয়া পুরাতনগুলিকে কালিয়া একটুকু ন্তনের বং ফলাইয়া তাহাই বাজারে চালাইয়া मिट्डर्डि। ভाङा नक्ल इड्रेट्लंड शहल कतिहत, विश्व व्यामनहेक भ्राडम ननिया ভाशत जानत , कहरे कर्निय मा।

न्छन वञ्चत व्यक्ति (वनी । न्छन काल्फ, न्छन काल्फ, ইতাদি নিতা বাবহাণা ৰজাওলিও ন্তন অবহায় বড় শাদরের পা∷ক ৷ একপ নৃভনের হাওয়া, নৃভনের ভাবে অমুপ্রাণিত জগং ধ্যুজগতের নৃত্ন ভাবেও প্রমন্ত হটবে, ভাষাতে আর আশ্চণোর বিশ্ব কি আছে ? বিশ্ব विस्माहिनी मात्राक ऋत्यांश वृक्षिया न्टरनंत यमन मरना-। হারী বেক্সিন খুলিয়াছে যে, নৃত্ন-পিপাস্ সকলেই নুজনের স্কান ক্রিতে ক্রিতে মারার কুছকে ভূলিয়া गहित्दह् ।

**্রীমহামত্র ভারকল্রক্ষ নাম কলিছীবভারণের জলু** জনাদি কাল হইছে আচলিত। নৃতনের হাওয়া ভাহাও বেন উড়াইরা বিতে উছত। মহামতকে বলি দিয়া আগা কাটিয়া ছাটিয়া ক্তন করিয়া ধ্যাঞ্চতে চালাইতে পারিলে एम क हे दिन्य वांशांकती कतिए लाता. याग् अववा दिना मणान भा अशे मांस ।

শীক্ষ প্রাতন অর্থাৎ প্রাণ প্রায়; লাভি. সুভি भूतानामि भवके भूतीष्टन। भीव १ भूताष्टन। পুরাতন হট্রা এইটার দলে বিশিতে গোলে—নৃতন হাওয়া লাগাইতে গেলে, পুরাতন বাবহারে অভ্যন্ত কীবের নানা অস্থবিধা আদিয়া উপস্থিত হইবে, অগাং, জনাদি-কাল-প্রচলিত পদা পরিত্যাগপুর্বক শ্রুতি-স্বাণাদির মতবাদ অগ্রাহ্য করিয়া, প্রোতপথ অবলম্ব না করিয়া

নাদুত্যুৱণজ্যুৱং'' অবভাতে বরণ করিতে হইবে।

## *শহ*জ ভজন

কেঃ বলেন থে, আনার যদি অর্থ থাকিত চইলে বড় করিয়া দেক্যালির করিতাম, নানা উ ভোগের বন্দোবস্ত করিভাম, ২ছ উৎপ্রাদির আং করিতাম আমবে কি আছে ? ধাবার জোটে না, ক'রেই বা ভণ্যানের দেব। করা দা'বে? তছ द्यीशक्ताम मधाताब व'द्रवाह्न--

न कहु।त्रः योगकाता वस्तायोगा**≥** ५वाञ्चलाः । व्याद्यक्षर अकाङ्डानाः निक्षणानिक अकाङः॥

হে অসুরণং ধেই অচ্যতকে প্রদান **কর্মা বহু আ**য়োচ কাগ্য নতে, তাঁহার দেবার জন্ত মন্দির নিম্মাণের অপেম থাকিতে চইতে না। ভগবান্ শীংরি সর্কভূতের আছু তিনি সকলের জনরে অন্তর্গানিকপে অবস্থিত। ভক্তগণ ভগবানের শ্রীমন্দির,—

ভट्डित अनुरय मध्± द्यांविटनान विशासण ्वावि<del>म्</del> कट्टन सम देवस्थक्त्रकात्॥

ত্ৰদীদণ্ও গড়্মমাত্ৰ কৰা উলোকে ভক্তি পূক অপন করিলে ভক্তবংসল ভগবান্ জ্রীক্ষ ভক্তের নিব বিক্রীত হ'ন।

क्रमा ट्रिमान १६ विनि वेटन एक्रोत । मामानक देहरू क्रम करत जात नान म

किए मामधी विश्वमादन दशीरनामधादत भूका कः বিত্রশাসারপ একটা অপরাধ হয়। দিনি জীচরির জনত क्शा अक्षाभूक्क निर्देश अर्थवा अग्रः रोडन कडि बाद्यन, जनवान् बारः, श्रीधनकाण मध्यारं अरे फटर-क्षाय वात्रियः डिमिक होता।

व्याभागी शत्रधः २१ मधुन्तम, ७७३ दिवः २৯**८म এপ্রिम वृगवाम जीता ज्ञानी वाम**नी अर

# শ্রীধান নায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

উচ্চ

বিদ্যালয়

(थाना इहेत्राटक

অভিতর ও আদর্শটরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগব্দে অতি বড়ের সহিত শিকা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যয়ে সুন্দর বাসছানের বন্দোবস্ত হইয়াছে। ছান অতীব স্বাছ্যকর।

সবিস্তার সংবাদের জন্ত নিম্নলিখিড ঠিকানা পর লিখুন। সেক্টোরী, ভাকুর ভাজিতিশেদ ইন্টিটিউট্ শ্রীচৈতভ্যমঠ, পোঃ শ্রীমারাপুর, নদীয়া।

## ৫০ বংসরের পরীক্ষিত করেকটা মহোষধ—

বাবহারকারীরা তথে সৃদ্ধ কইরা বে সমস্ত আগংগা পত্র দান করিয়াছেন, ভাষা শুল করিলে বড়ু বড়ু পুত্তক কইয়া পড়ে। আপুনিও ব্যবহার করিয়া বঞ্চ হউন।

- ১। চপ্ৰান্তা বঁটাকা—ইহার নামটাও বেমন কালক সেই বক্ষা। ইহা নুচন ও পুরাষ্ট্রীন মেদ, মৃত্যুক্ত, অর্গ প্রাকৃতি এবং শ্রীলোকবিংগর স্ভিকা ব্যারাম, বেড এবং গুডাপ্রান্ত প্রান্তি ব্যাগে লাভ কণপ্রান।
- ২ । পুশু বিজেছায় বৃত্তিকা—মাধকত্তব।বিতীন পাতৃ।২ইট নিজাবিধায়ক ঔষণ। বে কোন বৈহিক ও মানগিক পীড়াবলতঃ অনিজারোগে এই ঔষধ হাবভাৱে পাঢ় নিজা হইবে।
- ৩। **অঞ্**জ<sub>়</sub>ৰটিকা—ইবা দেবৰে প্লীবা ও ভদসুস্থিক নেবা ও শদীৰ পাতৃৰ কুইয়া যাওয়া ইড্যাবি বিদ্যিত কুইয়া যক প<sup>1</sup>রকায় ও বৃদ্ধি আগু কুম।

উক্ত ভিন প্রকারের প্রভাক ঔবধের মূল্য প্রতি কোটা ১২ টাকা।

ব্যাধিস্থান :--আতঞ্চলিপ্ৰাহ **উল্লবালন্ত** ২১৪নং বছৰাবাদ ট্ৰাট, কৰিকাডা।

কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



মক্ষেণ্ডের প্রিধার জন্ত ৬ আঃ শিলিছে ঘনীভূত অবস্থায় ছোটবোড্লের সমপরিমাণ উষ্ধ ভাকে পাঠান হয়, ইলাডে ঔষধের কোন পরিবর্তন করা কয় নাই। সুদা আছি বিলি ৪০ আনা, পাইট ৪০/০ আনা, বোভল ১০/০ আনা।

অফিস—১১নং উচ্টাডালা রোড, পোঃ শ্বামবাজার,

# াদন মঞ্জরী

ক্ষাৰ বৰ ব বাৰুবিভাৱ, ব্যৱস্থানিক প্ৰাপ্ত আৰু জন্মান ব্যৱস্থা, নাবাবোৱা, বুল বন্ধ ভানি, অবিলা প্ৰকৃতি প্ৰকৃত বহুৱা বিবেধি হোৱা হয়। কৰু বীৰ্বা, বেঘা বুলি কৰিছে বিবাহ কৰিক। মূল্য ০০ বহি ৯, এক চাকাঃ প্ৰস্তুত ক্ষাক্ষান্তিৰী প্ৰতিক্ষাপ বিহা বভিস্পান কৰে। মূল্য ৭ কোলা ৯, চাকাং ব্যৱস্তুত প্ৰতিক্ষান্তিৰ ক্ষাক্ষান্তিৰ ব্যৱস্তুত সংভাবনকি ভানি ব বুলি কৰিছে লাক্ষ্য। কুলা ১০ বহি ৯, এক চাকাঃ ১৭৭নং জাবিসন বোভ, ভলিকাছা।

# হাইড়োসি

বা

# কোষয়দ্ধি রোগ

ভাঃ এপ্, এন্, খোব বিনা অলে, বাৰজীবনের গ্যাহাটি বিহা বৈছাভিক প্রপালাতে কোলবৃতি লোগ আয়োগ্য করিয়া বাকেন।

> ট্রকানা— ১৮ বং কটন ট্রাট, বড়বালায়, কামকাডা ।

#### 31

### শ্লায়ত

निष्णपुरमञ्ज्ञ भागर्थ बरहोयन । > बाजान ष्टेननय, मश्राद्ध जारहाता । स्ट्रार्ट ५० सुन्नि जाना, २७ ১।० जाना । बाजन नुषण् ।

## ওজাঁচাৰ্য সঞ্জীবনী পোষ্টাই

वादवर **च वाम करणण धाँकतील मरहोत्त**र । मूना ५ किया ११० वासा । योकन शुक्कक

## अ। महानी-अन्छ वर्णद्वाटगत्र व्यवप्र्य व्यार्धी वार्तानी ना स्ट्रेल म्ला स्ट्रार म्ला अन्यान । आक्य नृष्ट्रा

8 । **(कांछ-वाक्य श्रीम** अजीर्ग, त्मप्रेशिमा, त्मप्रदेशनात्र मस्त्रीयम् । वित्रा त्रव जाता । शक्स गुपक् ।

# ধ। বাতলীন

বাভরোগের মহোপকারী ও সপ্তাবে আরোগা। প্রতি প্রশিদ্ধি ও আনা। মাতদ পুণক্ষ

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তুতকারক। সহর ক্যাটাগগের জন্ম পর পিছুন।
প্রাক্তিভাশ—মনোম্যেকন লেবরেটরী

(भाः छेन्नात्रो, कमणाश्रुद, क्राकः,

# মনোমোহন প্রেস

পূর্ব-বাজালার স্থলতে সকলঞ্জার হাপার জন্ত বিখ্যাত কৈন্যুতিক্ক কেলিলে দিবালাতে কাজা চলিতেতে বিষয় জানিতে হইলে নিম্ন টিকানায় পর লিখুন ম্যানেজার—মনোমোহন প্রেস, ১০শহ শ্বাবস্থার, ঢাকা।

মরা মানুষ বাঁচাইবার উপায়



যদিও অভাণি প্রকৃত বল বাছ্য বাঁচাইবার জোন 
উবৰ আনিছত হল নাই সভা, ওবাণি বাহার। নানাবিধ
আনিবনিত উপারে অপতিনিত পাঁক এই কনিরা আছে
মরা বইরা বহিলাতেন এবং নানা প্রকার নেদ, প্রবেদ
বাত্বাক্ষা, পার্থিক হর্মপ্তা, বহুসূত্র, হুংখ্ম, পাঞ্চন
সংক্রান্ত প্রকৃত্র, আর্থিক হর্মপ্তা, বহুসূত্র, হুংখ্ম, পাঞ্চন
সংক্রান্ত প্রকৃত্র, আর্থিক হর্মপ্তা, বহুসূত্র, হুংখ্ম, পাঞ্চন
সংক্রান্ত প্রবেশ ভূগিল জীবনে নিয়াল কইরাবেল, উলিছিল
আত্তি রোগে ভূগিল জীবনে নিয়াল কইরাবেল, উলিছিল
আমেরিকার ক্রানিছ ভাজার পেটাল সাবেবের আবিছক
ইলেটি কুক সলিউসন ব্যবহার করিরা বাহিতে পারেন,
ভাষার শত বহুম প্রবাণ প্রাণ্ড ব্যবহার পারেরা নাইতেকে ব
বাহারা অভাত ক্রবিধ উবধ ব্যবহার করিরা আরোগ্য করতে ।
পারেন নাই, ভাষারা অক্রার এই ঔববটা ব্যবহার করিলা
বেপুন। এক বানের ব্যবহারোপ্রোণী এক বিশি ক্রক্
ভাক্রাক্রণ বহু ১০০ টাকা ব্যব্য ।

লোল একেউ— ডাঃ ডি, ডি, হাজরা। ক্ষেণ্ড, গার্ডেনরিচ পোট, ক্লিকাজা উদ্যান পাই ক্রিয়া নিধিয়ের

অধাস সায়াপুর নবারা-প্রকাশ থ্রি তং ওয়ার্বস হইতে—ভাঃ কৃষ্ণান্ত ব্রেশকারা ভক্তিসূত্ব এন, এন, এক, কর্ক বৃত্তিত ও প্রকাশ্বিত

#### 養養的品質はは、は、日本というです。 বৈত্ৰিক স্বীয়া প্ৰকাশ

नाम्य-स्टार् न

द्धान मुक्तिक कालाल ठ नीमाह्यत विम 💆 🗷 ५३००

System (4: Will or ं पावि क्रमार्गन कि इंड लेख व्यानानिक मीर प्रानीयमा (द्वा विकास मध्य निर नार क्रमकनमी टेनाः बीजानिक

াখাৰী ভাপড়াৰ সাদীল ফুলফলমী গ্ৰামে कार्यमी मोगी ७ बोचांगमान निरंह मिर रगरंत्रकाव रगः ১১৪ वक्तितारम् १-१५ नः क्य २०५/>৮॥ श्राप्तकी त्यांकृतवी क्रमा तः ॥ व्याप मृणा व्याः ১००५

( )

मावि (४)१० ७ ১১৬৭ সেঃ জারি ৩১ ডিঃ মহেন্দ্রনাথ প্রামাণিক শিপড়াগাছি

**८एः मिन्यस्पाम** বিশ্বাস দিং সাং जनार्कि त्याः राष्ट्रीयकि

খানা চাণড়ার সামীল এলাকি আমে **लिंदनांता**प्रश त्यांच बिर *श्चा*रत्रकांप्र तमः २२ **শন্তিগ্রানয় ৬-১৪ শন্তক জমী ১৫**্ রায়তী বিভিনান জনা মায় আকর আওলাভ मुणो प्याः ३६०५

(0)

>२१४ (मः स्नानि **०**) मार्वि ७०२।८७ ডিঃ স্থগীবে**ল্লভাত** রাজচৌধুরী সাং শোরান্টী

দে: আসাগউদ্দিন সেগ দিং সাং ट्याबाडी ट्याः क्रुक्ममञ्जू

থানা কোতনালীর সামীল গোৱাড়ী গ্রামে অহণ্য গ্রামাণিক দিং সেনেভার ८२ माठी केंनी ५८ कमा मुना चाः ००८

२। ঐ থানা ঐ গ্রামে ঐ মালিকের भागीत /२ समी 🔍 धमा, तः ताम भाना प्रकम चार्म मृत्रा चाः ४०.

**३२३१ (म: व्यक्ति :30** मानि ८०३५/७ জি: 'বিৰাণীলাল গছ দিং সাং সভক া বেঃ নিসিনীখোহন সরকার দিং সাং गढ़क (गाः इकानगर

बाना दक्षकपाणी असीन गरिवणाहि ब्यादम फेटमलानाचं कहालामा भिः त्मरत्रसात ন্যে ১৭৭ ৰজিগুনের -২৯ শতক ধনী ৫০/০ য়াহতি হিজিমান কমা মাছ আম বাগান সহ मूणा चार ३०००

(4) ३७६४ त्याः वाहि कः मानि ১৫१॥३ ं क्रिं बातक्रमास्य कांग्री निरंगाः

दिशास्त्रामाच्या है। इस अभू है के अपने हैं

ৰামা ভাগদাদ সামীল ৰাট্যা প্ৰাক্তে विश्वमध्योषिनी-मीनी मिर रगरंत्रकात्रः टेगः 🕬 🖟 🕉 र ताः कात्रि ७५ **व्यक्तित्रारमञ्ज्ञान । १००० १०, १४६०० १०**०० चित्रिस्मत ४४% १ भेडक **स्मी** ४४% अर्थ डिक क्षत्रोत्र ह∕6 क्ल मृशः काः द∗्

( \*)

১১६६ (मः स्नोति ७) णावि **२१२५/**• ডি: মহিরদিন মণ্ডল সাং বড়-

(मः धत्रकान यश्रम नाः छना इतिष-ভাষা পো: হাসথালি

থানা হাস্থালীর সামীল হুদা হরিণডাকা গ্রামে উপেক্সনাথ ঘোষ সেরেস্তায় ৯২।৭ कर्मात्र मरभा ८४: २९१०/२। होकात्र क्येंनी ৪১৷২ কাঠা মায় আকর আওলাত মূল্য ৭০১

২। ঐ থানার কাধীন ঐ গ্রামে ঐ मानिक रमरत्रष्ठांत्र २/२॥ सभी ८/४॥ समा (म: क्य: ८०/১৫ क्या : डेक्ट क्यांत्र ক্ষমি ও কাকর আওলাত সহ মূলা ১০১

(9)

२>२० (मः स्नाति ०० मानि २३१।• ডিঃ বিধুভূষণ দক্ত সাং দেবগ্রাম

দে: অমুকুসচন্দ্র গালিত দিং সাং দেবগ্রাম পোঃ কালীগঞ্জ

২। পানা কালীগঞ্জের সামীল দেবগ্রাম গ্রামে নদীল কালেউনীর ১৯১১নং লাগরাজ মহালের সেঃ ৬৩২।৬১৬ খডিয়ানের ৯০০ বিঘালমী মার ভতুপরি আকর আওলাত मुगा या: ३१.

। এ পানার অধীন ঐ গ্রামে অনাগ नाथ मुरुषाधाराहि पिर स्यातुष्टाव स्यः ১৯५ ৰভিয়ানের ৩৪ শতক কমী ৪৪১০০ রার্ডী <mark>মোক</mark>ররী জনা সেঃ ৪∙ অংশ মূল্য অং: ১৫১্

 अ थानात अधीन के आम के মালিক দেরেভার সে: ১৯৭ থতিচানের -**৯৭ শতক অমি গু**তি বিখা IL/ ২৷৷ হাবে क्त्र लिएक रुप्त। यूना काः ५४-्

। ये भानात ये शारम से माणिक সেরেস্তার সেঃ ১০৫২ খতিগ্রনের -৬১ শঃ क्यमी व्यक्ति विचा ॥/>२॥ शहत मृत्रा क्याः ১१८

ৎ। ঐ থানার অধীন ঐ গ্রামে ১৯১২ নং লাগরাজ অধীন সে: ৬৩২ শভি-शास्त्र ७ • > শতक क्ष्मी मृत्रा आः ৮ • ्

( b )

> २१ र माति ०३ मिति ७५१ मित **डि: (स्मानिनी प्रती गाः शाबाड़ी** (मः भाषन त्थाय विश् मारं विकूनगत्र **८७**ाः क्रमनश्त

খানা কোড্যালীর অধীন কইপুকুর ब्राटम निवक्षात्री (मवी अधीन (मः ৮৯२ त्यः चलाक शाम विद मार वृक्तिक्या अक्तिप्राध्मत >-e र गक्तम करी ab. - ताप्रकी विविद्यान् समा मूला साः २४५

मार्चि ७१।/क ভিঃ বামচিরণ বল্যোপাধ্যার সাং 18 4 গোয়ান্টী

দে: শরৎক্ষরী দেবী সাং ও পোঃ 'ক্টঞ্চনগর

থানা ক্রফনগরের অধীন ক্রফনগর মৌজার ন্দীয়া মহারাজ সরকারে সেঃ ৫৫৯২)১ ও ৫৫৯২)৩ থতিয়ানে ৪-৭১ শতক क्षाच कर् र खगा।

मानि ३०० ।।।।। २४) (मः स्रोति ७) ডিঃ মতি সেথ দিং সাং গোয়াড়ী (मः निणमङ्गान (तथः निः नाः গোয়াড়ী কাঠবিরাপাড়া পো: ক্রকনগর

थाना दकाल्यांनीत अधीन शांबाड़ी কাঠুরিয়াপাড়া গ্রামে কলিকাতা সাকিনের যতীক্রনাথ ঠাকুর সেবেস্তায় । কঠি। জনী ১।√• कमा गाँउ चत्र एतका, कानामा है छ।ति সহ মৃত্যা আ: ৫০০১

( >> )

৩৯৫ দে: জ্বাবি ৩১ मावि ১१४।।०/० ডি: রাধিকানাণ বিখাস **সাং কো**লা দে: সভাৰচক্স বিখাস সাং ভবানীপুৰ ণোঃ মেহেরপুর

थान। बिट्छे माबील नाउँ डाल्पलगाउँ मत्था । कमनाभूत आत्म ताङ्क्याती । । অফ্লেন্সনী দিং১৮ পাই পড়নী অধীনে २৭.॥% চ জন। দিছে হয়। উদ জন। মাৰ আকৰ আওলাত মূলা আঃ ৫০০১

১১৪৫ हमः क्यांति ०১ P1 63 31 . 3 ডিঃ গৌরীলাল ঠাসুর মোং গোলাড়ী लः विकासीला मात्री भिः ता जाकता পোঃ হাসপালি

থানা হাস্থালীর অধীন পাছনা গ্রামে ধীরেক্সন্থি ছোদ দিং দেবেন্ডার সেঃ ১৬৯০৯ প্রিয়ানে ও অধীন ১৭০০১৮১৷ ২৪৭।১৪ প্রিয়ানে ১৯-০৮ শতক জমী तनतीनांतारण ८०९लाकिया क्रमें भानिकथक ০১॥০ঃ জনা দিতে হব। দেঃ निकारण ৫৪५৪॥ काठा कभी विज्ञात इहेरत । भ्रशा खाः ४.

(35)

३३२८ (सः काती ३५ দাবি ওগ্রণত ৯ ডি: আবছল রহমান বিশাস সাং <del>ভৈরবচন্ত্রপু</del>র

(म: मन्द्रमात बल्लाशाधि हिः শাং বেতনা পোঃ হাসখালি

থানা হাস্থালির সামিল বেতনা গ্রামে পগেন্দ্রনাথ মুখোপাধার দিং মেরেক্তায় সে: ১১-১ পভিয়ানের ৪৭-৯১ শতক ঋমী माक्षा कार्य क्या विष्ठ हत्। हुना चाः २००५ । । तक्य अर्ग पूना चाः ३४५

**७२७ (म: स्नाबि ०) मावि ६७२॥**४३ ় ডি দীতানাথ গড়াই সাং লোণ্ডাখ। <sub>ह</sub> . दमः शा<u>र्</u>ट् मिटम , मिर मार रमाशासमा পোঃ ক্ষলগর

১। থানা কোতয়াসী অধীন সোণ-ডাঙ্গা এটমে মহম্মদ খালুম ক্ত দিং সেরেক্টার সে: ১২৪০ পজিয়ানের ১০৪২ প্রঃ क्रमी 🌣 कार्यभी साकत्रदी सम मृता को: १६८ ...

२। ओ. शानात कारीन की आमि की সেরেশ্রায় সেঃ ২৭৮ থচিয়ানের ২-৩৮ শঃ करी वा॰ कार्याची क्या म्ला चाः >२६

( >4 **১९**১ दर: **व्य**ति ७১ मावि ১৩०२/० ডিঃ রুক্তবিহারী বিখাস দিং সাং শিবপুর

দেঃ পাচুগোপাল ঘোষ চৌধুরী দাং বার্লিয়া পো: তেহট্ট

থানা তিহটের এলেকাধীন বাণিয়া গ্রানের ,১৫ গড়া ,৬ বীপ না বীপের কড়া - চই থিপের জোন্তি **অংশ মত রাজস্ব** নদীখা কালেঐর তে দিতে হয়। (23)

७६६ :मः कान्ति ३३ मानि अध्याप **डि: हम्भक्वडा गंगी माः नवहीन** 

দে: কাগীদাস বৈরাগ্য সাণু ও পো: ন্বহীপ

থান: নবছীপের অধীন বাাদড়াপাড়া গ্রাদে ১া• কাঠা ভনী মার তত্পরিস্থ ৪ কুটারী পাকা কোঠা মাঃ জানালা, কুয়া, পায়থনো সাজসংস্থাম ইন্ডাাদি মূল্য ৫০০১ ( 9 )

২৩৪৬ (ম: জারি ৩• मानि ३३३१०/३ ডি: রাজা হ্যীকেশ বাহা মোং

গো নভী .पः गदशक्रिमी (मदी) भार भागभाषा Call: शक्तिक

থানা চাকৰহ সামীল পালপাড়া গ্ৰাহে সে: ৮৭ থতিয়ানের ২-৮ শতক নিক্র ব্ৰক্ষান্তর কমি ও বোতালা পাক। ইমারভ जानि युवा जाः ১००५

(34) मानि >२७॥/० ১০৯০ মণিজারি ৩১ ডি: থতিব মতল সাং ভাতছালা দে: ভূপতি নওল সাং ভাতছালা পো: ছাটচাপড়া

থানা চাপড়াৰ সামিল ভাতছাল। গ্ৰামে সর্বোজন্তমন সিংহ বিং অধীন সেঃ ২১৪ यण्डितान ७ व्यस्ति २००१२०७१२०५।२००--৩০১, ৩০२ थिखात्मत् ১৮-२२ भएक समि ২০,৭ রামতী স্থিতিশান জনা দে: 🕫 আনা द्रकम मुना काः ३०५

२। अ थानात गानिग ो आय सह->৯৬- মধ্যমত্ত চিরকারী কোকবরী পত্তনী ছুর্মা দাসী দিং সেরেন্ডান ২৯১ প্রভিশ্ববেদ্ধ अमात् भावर्गेष ६०॥०। समीत्र हात्राहाती ১-२। भाउत सभी आरू मंक्यूकी सम्हित (46)

১১-৩ মণিজাবি ৩১ দাবি ৩৭।

ডি: প্রভাসচন্দ্র সিংহ সাং পীরপুরকুরা
ক্ষে: এমান সেখ মিগ্রী বিং সাং কুলকলমী পো: বালালবি

থানা চাপডার সামীল ফুলফলমী প্রামে জ্বছগা দাসী দিং অধীন ১৮ থতিখানের -৫০ শতক জমী ১৮/০ জনা দেঃ বোল আনা রকম অংশ মূলা আঃ ১০১

২। ঐ পানার জন্তীন ঐ প্রামে ঐ
মালিক জন্তীনে ২০ গতিগানের -৫ ঃ ক্রমন্ত্র
জনী প্রতি বিখা ১।/০ গলার জ্বাস্থা বিনা

- েবস্ত হইয়ালে ।

হেসাবে; মুলা ২

( \* • )

২৭ মণিজারি ৩১ দাবি ৯০৩৮/৩

১০৯০।৩১
ডিঃ গোমানিলী বিশাস সাং ভূমবিল দেঃ মধ্লদি মওল দিং সাং ভগবান্-পুর পোঃ মাসাননগর

থানা ক্লফগঞ্জের সামীল ভগবান্পুর প্রামে অন্তর্গা দাসী দিং অধীন ২৯৭ ও অধীন পতিহানের মোট ৭১-১২ শং মমী ৮২০০ মধাসক জমা মধ্যে দেঃ ,১০৪১ = জ্বান্তি রক্ষ মূলা আঃ ২৫.

২। ঐ পানার সানীল ঐ গ্রানে ঐ

১১---১০ বভিয়ানের ৩০-০১ শভক জমী

১৮০৯ জনা মধ্যে দে: ১১১৮৮০ রকম
বিক্রের হইবে। মূল্য সাং ২৫১

( (5)

১১•• মণিজ্ঞারি ৩১ দাবি ৫১৭॥৵• ডি: ঐ

দে: আছারণ বিবি সাং ডুম্ছি এপাঃ আসান্নগর

ধানা চাপড়ার সামী স ভুমরিয়া প্রামে তারাপদ সরকার অধীন চব।৪৬,৪৭ থতি-যানের ৪১০০।১৯০ থতিরানের ১৬-৪০ শঃ হামি ৫০৮/৬ রায়তী জনা মধ্যে দেঃ ॥০ অংশ মুলা আঃ ৫০১

৩ । এ গানার নামীল ঐ প্রামে ঐ মালিকের দ্বান ৪০ পতিয়নের ও কাকুর-ছদায়ানের ৬ গতিয়নের ৬-০৫ শতক জনী ৯৩ রার্ডী জনা মুগা আ: ২৫.

৪। ঐ থানার সামীল ঐ থানে ঐ
সরকারে ১৯ থতিয়ানের ৭-৮৫ শতক জনী
১৭৮/০ জনা মূল্য আ: ৫০

્ ( ૨૨ )

১০৯৯ মণিকারি ৩১ দাবি ২৬৭৮/৯ ভি: পদ দেখ সাং ধাপারির।

দে: জলববর**ণী দানী সাং ধা**পারির৷ শো: নাকাশীপাড়া

থানা নাফাশিগড়ার অধীন ধাপারিয়া সেঃ ব্রজেক্স না মৌজার কালীবতি বালী দিং লেকেরার ৪৮৮ টিভিছি পোঃ কালীগঞ্জ

পতিয়ানেত্ব ৩৫-৮৬ পতক ক্ষমী ৪৭/৮৮ বায়জী মোকররী ক্ষমা যে: ॥• আমা অংশ মূল্য আ: ৫•্

( 20)

১১০২ মণিজারি ৩১ দাবি ৯৯৫/৩
ডি: নৰুগোপাল দে নাং জয়নগর
দে: হেলু মলিক সাং হরনগর পোঃ
নাকানীপাডা

থানা নাকানীপাড়ার সামীল হরুলন বৌজার বিভৃতিভ্যন প্রাণেশ্যে

> ৽ ৮ ৽ মণিজারি ৩১ দাবি ১ - ৭৮ •

ডিঃ দেববাণী দাধী সাং বড় আব্দুলিয়া
দেঃ ভূষণ মওল দিং সাং বড় আব্দুলিয়া
পোঃ ঐ

থান। চাপড়ার সামীল বড়আলুলিয়। প্রামে নফরচন্দ্র পালচৌধুবী অধীনে ৩১৫ পতিয়ানের উটবন্দী জমী মূল্য আঃ ২৫১

২ । ঐ পানার ঐ প্রামে ঐ ক্ষিদার
 ক্ষ্মীন ৫৬৭ খতিয়ানের ২-৪০ শতক ক্ষমী
 দোল মান। রকম মূল্য আ ২ • <</li>

৩। ঐ শনায় ঐ গানে ঐ মালিকের অধীনে ৩:৫ পতি,ানের ৬ ৫৮ শতক অমী ২১/২৮ জনা দেং বোল আনা রকম অংশ মূল্য আঃ ২৫১

. 2 4 )

১১ -> মণিজ্ঞারি ০১ দাবি ৬৪০/০ ডি ঐ

দেঃ ছনু বিধি সাং ও পোঃবড়-আক্লিয়া

ধানা চাপড়াব সামীল আল্দাথামে
নক্ষরচক্র পালচোধুরী ক্ষীন ৩১ খতিরানের
- ৭৬ শতক জোত জমী দে: একড়ডীয়াশে
নল্য আঃ ৫১

২। ঐ থানার ঐ প্রানে রামচপ্র চক্রবর্ত্তী দিং সেরেস্তার -২৪ প্রতিগানের ১-৮৮ শতক জনী উটবন্দী ক্ষোত দেঃ এক-পুতীরাশে মুব্য ক্ষাঃ ১০১

125

্•৯০ মণিজারি ৫১ সাবি ৯৫৮√• ডিঃ মুকুলমুবারী অধিকারী সাং চাপডা

দে: রামচন্দ্র গড়াই সাং ও পো: চাপড়। থান। চাপড়ার সামাল চাপড়া প্রাবে ক্রুচর্গা লগা দিং সেরেভার ২৫৬ থতিয়ানের ৪-৮৮ শতক ক্রমী ৭৮৪ রান্টা মক্ররী, ক্রমা মূলা ক্রা: ১৫০

(29)

৪৭ - মণিকারি ০১ পাবি ৪৬৮/০ ডি: অফুকুস্চক্র ব্রেল্যালাধার সাং মাণিক্টিহি

দে: ব্ৰজেন্দ্ৰ নাথ বাহ দিং সা; মাণিক-উচি পো: জালীগঞ থানা কালীগজের কারীন বাণিকজিছি, প্রানে নিবলান মুখোশাধ্যার দিং গেরেকার ৬৪৯ বভিরানের -৭৯ শতক ক্ষমী ২৪৩ ক্ষমা আম কাটালের চালাবছ মৃল্য আঃ ১২ ২। ঐ থানার ঐ প্রামেশ্রে ক্ষমী মার্

(=+)

थणुरांचत नांक नतकाम हेजाति मूना > ८०

১১১৮ মণিজারি ১১ দাবি ১০২৮৮৬ ডি: রুঞ্চদ বল সাং বেণুধাড়্বরী দে: ভোমেল মঙল দিং সাং ধাপাড়ে পো: নাকালীপাড়া

থানা নাকালীপাড়াব সামীস গাপাড়ে গ্রামে কালীয়তি দাসী দিং অধীনে ১৮৪ থতিয়ানের ৫-৬: শতক জমী ১০৮/৫ জ্ঞা মুল্য আঃ ৫০১

( 22 )

৩+১ মণিজারি ৩০ লাবি ৩৮ ৬।
ভিঃ রগজিং পালচৌধুবী বাং মতেল জ্ঞা
লেঃ প্রাকৃলকুমার লাম দিং সাং মণ্পোজা পোঃ জন্ধ-নগ্র

পানা কোডলালার সাদীল মণিপোড, আমে ডিজীদাম সকলাবে ও পড়িবনের ১৬ ৯৮ শৃতক জমী ৭০০০ জন: চে: ৮০ অনো রকম মুল্য আ: ৫০

1 50 1

১৪৮ মণিকাবি : ১ ৪ % ১৯

ডি: জিনহরি ভট্টাচাধা লাং বেলপুক্র

দেঃ ভূপতিভূনপ মিল্ল না: পোঃ বেলপুক্র

থানা কোভগলীর সামীল বেলপুক্র
আমে রাফকুনারী প্রফুলনবিনী দাসা দিং

ক্রমীনে ৩৮০ ধতি ানে ৮৪ শতক ক্রমী
১৮০ ক্রমা দেঃ গোল খানা ক্রম গুলা ১০.

২৭৮ মণিতারি ৩১ দাবি ২০০/৯
ডিঃ প্রগাধন নাম বৈরাগ্য সাং সেজুনা দেঃ ক্রফান্স বিশ্বাস সাং সেজুনা শোং ক্রানীয়ক্ষ

থানা কালীগঞ্জের সামীল সেক্ত্রণ প্রামে নূসিংহ পালচৌধুরী দিং লেরেন্তার ৫০ থতিখানের ৩ -৭ শতক হুমী ১০৮৩ রায়তি ক্ষমা মূলা ক্ষাং ২০১

( 52 )

হণ্ড মণিজারি ৩১ লাবি ১৪৪ /৯ জিঃ হোসেন দকাদার সাং হাজরাপোতা দেঃ রণজিং সেথ সাং হাজরাপোতা পোঃ কালীপঞ্জ

। ঐ থানার ঐ গ্রামে ঐ নরকারে
 ২১২ থতিয়ানের ০ ৪৮ শতক আমী ৪৬/২
 নোকররী কমা দেঃ ৪০ অংশ মূল্য আঃ ১০০

०। के बानसे के बाद की अवसाद २०१ पंजिताता १७ मध्य की अर्रेश कमा ता ३० जाना जरम नुमा बार

১৮১ বণিজারি ৩০ দিবি ৯-১/৩
ডিঃ বিধুত্বন্ধরী দাসী সাং ভবানীপুর দেঃ গিরিবালা দাসী দিং সাং ভবানী-পুর পোণ ক্রমেবন্ধর

থানা বেছেরপুরের সাধীল বিশ্বনাগপুর গ্রামের নগেলবালা গুপ্তা সেরেলার ৫৯ থতিরান ও বিশ্বস্থার ২১৩ ,থতিগানের ও ভবারজপুরের ৯৬৫ ও ভবানীপুরের ২৫২ থতিহানের ৪৬০০৬ পাছনী জ্বা দেঃ ১০ আনা অংশ মুল্য আঃ ১৫০০১

( 38 )

২৮ মণিজাৰি ৩১ দাবি ৬২ দাবি ডি: কালীদাৰ মৃত্যী কাং শেলপুকুল দে: নগেল নাথ নাথ মাং পো: বেলপুকুত

পানা কোতরালীর সানীল বেলপুকুর জামে ৭৭৫ থতিরানের -২৯ শতক জনী ১৮০ কাসেনী জনা শ্লে ৮০ আনা কংশ আন কঠিল হর ১খান মান সাজ সরজান মুলা কাং ২০১

( 54 )

১ ৪ মণিকায়ি ৩১ দাবি ১৪৯৯৯৯ ডি: ৈলোকানাথ কথ কবে নাং কালীগঞ্জ দে: কাজাবী বিবি সাং ঘৃণী পো: রয়ননাং

থানা কোডালনীর সামীল সোকা থাকে ক্লপালনী দেখীৰ সংক্ষারে ৫০০ থতিগানের -৫১ শতক ক্ষমী ১৮৮০ ক্ষমা দেং বোল আনা রকম অ শ মুল্য আঃ ১০১

। ঐ থানার ঐ আমে এ সদকারে
 ৫০৫ গতিরাচনর -৩৭ শতক জনী া। শুলা
 েবাল আনা অংশ নুলা জাঃ ১০ন্

(৩৬)

৪২- মণিকারি ৩, গাবি ২১০ছু০

ডি: ধনশ্বঃ ভটাচাটা গাং বেলপুক্র

দে: রাজেজনাথ ভটাচাইা সাং ও পো:
বেলপুকুর

থানা কো গুলনীর সামীল বেলপুরুর আমে ১০৭২ থভিয়ানের -১০ শতক লাখ-রাজ জনী মার নোতালা পাকা মর ১০ কুটারী ব্যরাকা, রোয়াক ইত্যাধি শাক্ষ সর্ব্বামের একপঞ্চমাংশ মূলা আঃ ৩২১

২। ঐ থানা। ঐ প্রামে নয়সিংছ-ভট্টাচার্য্য দিং জ্বীন ২২১।৯২৫ প্রতিনানের ৬৮ মকর্মী জনা সেঃ এক পঞ্চনাংল মূল্য ডাঃ ১০১

(44)

৪২৬ মণিজারি ৩০ সাবি ২৮৬৯ ডিঃ তৈলোক্যনাথ কর্মকার সাং কালীগঞ্জ

ताः नाष्ट्र त्यय नार दर्गानगर दर्गाः इस्थनगर

### देशकिक वशीशा-व्यंकान

(bt) . ৩৭৮ খাংডারি ৩১ भानि दशा • **फि: त्रमिक् शामारशिक्षती मार मरहमनश्र** (मः शंताःम ने नी नाः भाषिश्वा অভড়াগড় পো: শান্তিপুর

थांगा त्का इया वित मागिन पिरागलत-গ্রামে জিলীলার সরকারে ৮৭০ প্রতিয়ানের বিধ্যাতী 🗣 গিকডিকে প্রামের ১৪০ প্রিয়ানের 😘 ৪৭৬ ৪৪৭ খ:তিয়'নের <sup>\*</sup>৫-০১ শতক জনি गुला भाः २०

७१२ मार जामि ७১ मावि ७১५० ডিঃ ভারাপদ সরকার মো: গোয়াড়ী (पः क्रिनः विविधः माः कालिया। मह (भाः वात्रानिक

शाना कुछनगरतम अरमकालिन श्रीवता পোডা মৌলার ডিজীদার গেরেস্তায় ১৪০ খভিয়ানে -৭৭ শতক জমি ২৮/৪॥ জম। भूगा याः 🖎

1 68 1

७৯৪ र एक दिन अ मानि : >>10 ডি: জীপড়ক ননী সাং কাইমবাজার (चः अउन्तिहाती दशाश निः गद्यत्रहाका ८माः जीभागाश्व

भागा नवकीरलद नामिल परअत्र छ । अर त्मीकाम त्याः 'वनानीत त्यत्तकाम २०२ প্তিয়ানের ১০-১২ শুভক কমি ১৯৮৮৮ क्या यहा द्वार ५०.

( +4 )

मानी इप्रसाली 859 बार का ब्रि ३५ ডিঃ রসেবিতাবী মুড্লামাণ ১৯৩ নং दननिष्ठादिनेका देखे कलिकाला

(सः कड़ेरनाओं मधल 'भर गृह तक्ताकें) পোঃ কেতুগ্রাম

থানাক লীগ্রের অন্তর্গত ফুল্বাথান त्मीक्षा कि कीलात भारतकात्र २-- १ ६ छ-য়ানের ১০ ৪৯ শতক জালি চগাঠার পায়ন্তা - পো: হান্যালি স্থিতিবান জম: মুখ্য ডাঃ ৫০১

(64)

৪২৩ খণ্ডারি ৩১ मनी ७३॥७ .. न्डनभाषा (याः नैवदीन

থানা নৰ্বাপের সামিল গদ্ধ:লি মন্তে ডিফ্রাদার সরকারে ১৮ থতিয়ানের ১-৭৪ শতক জমি ৭৮৮০ রাষ্ট্র স্থিতিবান জমা भूना जाः २०

मावि १८३। र ५ ৪৩৪ থাং জারি ৩১ ডিঃ রাজা শেষপার্ষণ দেব রাও त्यार साक्षाती वाशकतथानी

(सः शकुत हज तांत्र मिः मार व्यागम পুর পো: কুষ্টিয়া

थीना कृष्टिवात व्यक्तीन जिवनजाम त्योः ! फिजीबात्र भगीत्म ५० विद्यास्मत्र ०१६-६१ | इकागत

শতক জমি, মাগবপুর মৌজায় ৭১৭ चित्रांत्म ७-১৯ भक्क समि ०१६ मन-পত্তনী জমা মায় প্রেকা শহ মূল্য ৭০০১

( bb )

मार्चि हा।/७ ৪৪৯ থাংকারি ৩১ ডি: ভারাপদ সরকার দিং সাং

(म: अंतरक्रमत्री (मरी गाः ७ (भाः सम्बद्ध शत

পানা ক্লয়নগরের পলেক্রিন ক্লয়নগর: নৌলায় ডিকালার সেরেন্ডায় ৩২৫৮ খতি-য়ানের ৩ ৪৮ শতক জমি ৬ রায়তী স্থিতিবান ক্ষা ম্লা ১০১

(63)

১৩০৪ পশ আনি ৩১ माति ३५.० ডি: ভতরিলাল দাস সাং গোয়াডী (मः मञाध्यम छिलानाम मा॰ । । ८भाः क्रमञ्ज्ञान

থানা কোভায়ালির সামিল রাচানগর আমে ডিক্রীলার পরকাবে ৪৯ থটিয়ালের ৰ' প্ৰক ভাষ । ৪া**৽ ক্**ষা স্থেত প্ৰি हेमापर हेलालि मुना ह्या २००

( 20 )

১ ৯০৯ আ॰ জাবি ৩১ मानि ७८५।३ ভি: তিরেলুনাথ ঘোষ দিং মোং বাছারী আছাঘটো

দেং নবিভূদি মল্লিক দিং সাং পাটিকাবাড়ী পোঃ হাস্থাগি

থানা ক্লফনগবের অভীন পাটাকারাডী গ্রামে ভিক্রালবিশ্বের সেরেস্তায় ১৮৬---৮০৭ পরিহানের ৩৯-৬৭ শতক ক্ষি ৫০॥৶ রায়তী ধিতিবান জমা মুলা লাং ৫০১

( :: )

১০৪০ খাং জারি ৩১ 71 3 5:4 · िः व

দেঃ নাটু মণ্ডল দিং নাং নিধিল্লগোড়া

भाग करन्य नित माश्रिण भागना छ। গ্রামে ডিজীপার সরকালে ৯৮৮-১-৩-খতি বিনর ৩৫ ৬৯ শতক কবি ৪২।১ ও **ডিঃ হরিপদ মুখোপাধ্যায় সাং রখন**গর । বনরানরোয়ণ চেৎবাদিয়া সরকারে ১৯৮/৫ ৢে • ফটিক সভার সাং তেখার বেটে ৪০৮৮৮ নলাক্ষর জ্যা মূল্য ৫ •
ৢ

> ८० था काति का צינים ז אוש किः क्षक्रिभानी भाग त्यावासमाति। নেঃ পাতৃ নেথ সাং বালিয়াভাষা (वाः वाष्ठापदा

পানা চাপড়াৰ সামিল বালিয়াডাক্স ্র আমে ডিলীবার ও সরোজরঞ্জন সিংহ পিং অনীনে ১৮২ খতিয়ানেত একর ভানি উটবন্দি ( शां७ भूगा था: ১०

( 20)

८८७ बारकाति १३ 4197 08/2 ্ডি: সুরোজ রঞ্জন সিংহু দিং মোং

পো: বাঙ্গালঝি

গ্রামে ডিক্রীদার সরকারে ও জনতর্গাদানী । অনীন ১৬০ প্রিয়ানে ২-৮৮ শতক জমি उँदेनी (काट भूगा बा: ১**०**० ( 58 )

११ मा जाति १ मानि १९॥३ णि: शिरवस्ताश मि॰ड भि॰ मा॰ নাকানীপাড়া

(मः (कः नुमनि तर्यशा माः नाताप्रवः भूत (थाः नाकांगाभाषाः।

থানা নাকানীপাড়াৰ দামিক ভ্ৰভান-পুর মধ্যে ডিক্রীলাব অবীনে ৬৬ খডিয়ানের ্১১-৬: শতক জমি ১৩৮৮ । ম্যাম্যা ৫৫. ( 24 )

८१४ वर्षा दे १) RICE STR ডিঃ নক্রচকু পাল্চেপ্রী সাং নাট্রছ দেঃ বেনয়ারি লাল সিংহ দিং সাং বড আৰু লিয়া গোঃ হাটটাপড়া

भागा हाभाव माधिन वक्कान्स्लिए। গ্রামে ডিজীলার স্রকারে ৫৪৪ প্রিয়ানের -চশতক জমি না চজমামায় ব**্**টা খর कानांका केटलिक हुना हर

( 25)

७३३ २१ इन्हें त ८३ मानि २२. ভিঃ ভাষতপালামী মাং বোষাল্যারি (मः कुड़ानो विवि भा॰ कालिशाम् स्माद्यापानि दशः स्थापनानि োঃ ৰাজ্যন্তব্যি

প্রিধানের ১-১৭শঃ কমি উট্র্লিক্টেড বুলা ১০১ मुला थाः व

भार भा जाति ।. नःवि २२.२ fu: 3 দেং রমিবিবি মাং রাজিবপুর গোঃ বাজালঝি

ডिक्रीमात नि॰ व्यादन २०२ पटिशाहरू • 'डक क्रमी शाल'• क्रमा मुना व्याह द् ১-৩. শতক দ্মি উটবন্দি জোত মূল্য ১০১

७.३ शाःषाति ०३ मानि ७०. E : 3 Ur: अलाव मधन मा: कान्यामर ্পাঃ ব্যস্থাগ্রি

প্রামে রাথাল দাস দিংহ দিং মহীনে ১৫৪ জামি ওম্বন্দি ছোত মায় খর জানালা পতিয়ানের ২-১৫ শতক কমি উটবনিল সর্মলাম ইত্যানি মলা ১০১ (काठ क्या यहा :०)

( 22 )

৬২০ পাণ্ডারি ৩১ मानि हुद्याल' ० F5: 3 (मः निन मखन नाः वानिकाना (भाः বাঙ্গালঝি

াসামিল বালিডাঙ্গা মধ্যে ডিক্রীদার অনিনে ১৩০ খ্রিয়ানের ৭-৯৪ ণানা চাপড়ার সামিল রাজিবপুর শত্ক জমি ২০০১০ জমা দেং লে/॥৬== অ শ সুল্য আঃ ১৫১

७२७ बास्माति ७३ मापि २१।८३ ডি: ঐ

ता दाहिनी विवि गार कालियां पर পোঃ বাঙ্গালবি

থানা চাশড়ার সামিল কালিয়াদহ शास्त्र ताथाय भाग भिष्य निष् व्यक्तिय २०८ প্তিয়ানের ১-২২ শতক জনি ভা**ঠত জমা** 

( >0 )

५०० शहकाति १५ elfa : and's

िः जिल्लाश्राम शालाकाषुती पिः সাং হাতিশালা

লেঃ পরব বেওয়া দিং দাং চরনগ্র । পেঃ ন্কানীপ্ডা

থানা নাকানীপাড়ার খামিল হরনথব গ্রামে ২৬০ প্রিমানের ৬-৪৫ শতক ক্রি এ০ বায়তী জমঃ মুনা আঃ ১১১

1 503 )

७०६ वाः जाति ०५ C/18c F1# ডিঃ উমাপদ হালদার সাং ক্লম্ডনগর

(नः अ: दनक्रनाथ भत्रकात निः भाः

থান। হায়থাথির দামিল মামুছেরানি থানা চাপড়াৰ সংখিল কালিয়াদ্ধ মৌলায় ডিজীদার দিং সেরেন্ডায় ৫৯৮ প্রামে বার্থায় দায় বিশ্ব দিং অন্তিন ৫৮ প্রিয়ানের ১৭-২৪ শতক জনি ১৩ জন্ম

( 300)

৮৫০ খাংজারি ৩১ मानि २०५० ० ि गरीसङ्क्ष भागकोधुवी मार **माउँमङ** দে: মমবেদ দেব সাং প্রমালা পো:

পালা চালভার বানিল গলনালা থামে পান। চাগছাৰ যামিল রাজি।পুর প্রামে ভিক্রীদার অবীনে ৭২৭ অভিয়ানের -৭৮

( 208 )

১৫১ ধাংজারী ৩১ स्विः २३,० ਇ: 🗿

দে: নৈদি ফ্কির পাং প্রমালা পোঃ ব কোল বিং

থানা চাপড়াব সামিল প্রমালা এটেম পানা চাপানুর সামিন কালিয়াদেই ' ৭৪৯ ও ৭১১ খতিয়ানের বাগত ভটাক

( 306 )

৬৬৭ থাংজারি ৩১ महाति २३१६० ि छि: अभिवक्षात इज्यादी पि: गार

(मः উমেশচ अ श्रामाश्रीशांत्र मिश्र मारः কুড়ালীগাছি পোঃ গাঙ্গালঝি

# देश विक जारी गा-का का भा

व्याप्त नकत्रत्र शानात्वीधृती क्योन ६० यूना ३०० খডিয়ানে ৩৭১ ৫৭ শৃতক জমি ৪৪৪১ পত্নী জ্যা মূল্য আ: ২৫ • ্

(306)

৬৮৮ খাংছারি ৩১ RT 85,2 **ডि: कन्नज़र्ग नामी मार বোয়াगमाति** দে: উমেদ দেখ দিং সাং পিতাম্বরপুর : পোঃ বাঙ্গাল্ধ

থানা চাপড়ার সামিশ পিতাধরপুর आध्य दार्थान मान निष्ठ मि. अनीरन ৫० **পতিয়ানে**র ৮-০৮ শতক জমি ভাগবনির জোত মুগা আ: :e.

( 309 )

मावि ७२॥७० ৬৯০ খাংস্থারি ৩১ फि: वे

দে: খুনী সেখ ঘরামী সাং পিতাশ্বপুর পো: বাঙ্গালবিং

থানা চাণ্ডার সামিল পিতাঘরপুর গ্রামে न्नाभाग भाग शिश्ह निः अनीरन ७०। १ অভিয়ানের ১ -- ৫৪ শভক জমি ওইবলিং কোড মুল্য ২০১

(300)

৭০০ খাংজারি ১: महित्र ३०१. ५ मण्डीमञ्चा পालट्डीवृती मार बाहुँबङ CV: বয়তুলা ম ওল সংগে গ্রামালা পো: বাঙ্গলৈ থ

থানা চাপড়ার সামিল প্রমালা এামে ডিক্রাধার সেরেস্থায় ৭০০ গ্রেয়ানের ৩-৯৪ শতক ভাষি ৮৮১৯ ছমা মুলা ১০১ ( > 0 > 1

१३३ वर्ष्कावि ३३

मानि ४०% **ि । नकत्रज्ञ भागारत्रीधुनी मार भाई५०** ्नः উमनि एक्षा निर शाः शतामाना <sup>।</sup> दीतुमश्त পো: বাঙ্গালবি

থানা চাপড়ার ধানিখ প্রমাল। হানে নারোগণ্পুর পো: বাছাল্ডি ডিফ্রাঁপরে নেরেন্ডায় ৭৫০—৭৫৫ খাতিয়ানের ১৫-২০ শতক জমি ৪১৮৮৮ জনা মূল্য গ্রেম ডিজীলার জ্ঞান ৫০৮ ও জ্ঞানি প্রতিয়ানের ২০১৮ শতক জ্ঞা ৪৮৮০ 760-

( >> )

৭.৪ খাকোরি ১১ #154 20,5 फि: बबढ्रशालानी मात द्वाद्यानमाति CH: कि. द्राय शाः वानिक्कः (भाः ) ব(প্লিক

খানা চাপড়ার মামিল বালিডাকা। বাকলিবি आदम जिल्लानात नवक एतत ४४ भाउदारनात ৯-৭৫ শতক জনি লেখত জমা মুল্য 📢

( 252 )

१३७ थाः का दि उ. नः वि ३%।• डि: ঐ

C#: C#166म (अथ फक्ति मा: ८७। छे-বালিডাঞ্চা পোঃ বাফালবি

থানা চাপড়ার সামিল বালিডার। व्याप्य जिजीमात्र मिर शिरतकार २১५

থানা চাপড়ার অধীন বেতবাড়িয়া থিতিয়ানের ৪-৬৬ শতক জমি ৬৬/১০ জনা

(5:2)

৭১৮ থাংজারি ৩১ माचि उद्यालेष ডি: ঐ (म: ८ प्रभाव मधन माः कृतकराभी পো: বাঙ্গালঝি

থানা চাপড়ার সামিল ফুলকণ্মী গ্রামে फिलीभात मतकारतत ६৮ अधिवारनत অধীন ২৪৯ শতক জমি ওচবন্দি ছোত भुगा जाः ८

( >>> /

मार्जि २४८३ ৭১৯ সংক্রাপি ৩১ fu: B

দেং তেভিম বেখা গালান গাল দুৰা হৰ্মী ে বাঙ্গাল্থি

ধানা চাপডার সামিল ফুলকলগী ज्ञारम ताथाय भाग शिश्य निश अधीर ৬৮) এ বা উর্বেশর ১৮৭ শতক জানি। ১৪৪ ৫ জমা মুলা অ(: ১০১

: :58 )

भारत = ॥ 1२ • शां क्रांचि **३**ऽ fr. 6

.सः 1िक्या (संया डा) (स. २,१° कालकाः (भः गाउँ। भः

थांक अध्यक्ष मुख्यिल बाजि लिए। यह । साथाल मान भिर् कि भागि ३३००० वर्षः ब्राटिनल अन्यव शक्त काम कालान दकाक मन्तः : •

१३३ ६ एका शि १० 4 1150 C 174 ि नरश्चनाथ पुरश्चाताय यह CH: डिवानल मध्य निः गाः छन -

খডিয়ান স্হ ১৪৯২ শতক কমি ১৯৪ মতাবাম তিরভালী জনা মুলা ৫০১

( 253 ) 9 8 41:51 4 52 भा'त ३२५**८** • िष्ठः अध्यक्षामाना साः द्यायामाति (तः, शाहु (श्रेष माः कृषकनेमा (शाः)

থানা চাপড়ার বামিন কুলাক্রমা -প্রায়ে রাখাল দান সি-চ দিং অধিনে ২৪-১৪৯ প্রিয়ানের ১৫৯ পত্রক ছামি e/र क्या भूता e.

(3.9)

१२७ थाःकाति ३. माबि ५२५/० fs: 3

দে: নৈয়তয়েছা বিৰি সাং মধ্যপুর পে: বাস্থানি

थाना ठानवात माभिन कूनकम्भी मरका त्राचान क्षांन निष्क किर व्यक्तित्व ১७५ चक्तिः यात्मत ১-००भः क्रमि ४५८० समा मृना ६ ( >>+)

৭২৭ খাংগান্তি ৩১ मावि ७०५० ডি: ঠ

CH: थरभम्मनां शत शत शह रभागां हो। পো: কৃষ্ণনগর

পানা চাপড়ার সামিশ কুলকলমী নধ্যে রংখাল দাস সিংহ দিং অবিন ৬৪ খতিয়ানে ৪-০৩ শতক জমি উটব্লি (জাত মূলা . •্ ( <<< )

मानि व ॥। प्रम सारकार्च ७३ ডিঃ পুরনেচক্র সংহা দিং সংং नाः छन्न

(मेर लाह सिथ मिर मार नारवा (लाह) वाकानाना ।

यांना नाकानी गाइक भागिन नाका। : গ্রামে ১২২ ছতিয়ানের ৫ ১৯ শতক জলি ं भार देशा भूका २००

( : > 0 )

120 था का जि. W. For a copy " डिं को लोडीय वा लिक्क या अल ST 413 31

दनः । खरहालनाथ दम भिर्म यह दराह छ। ुन्(३ (क्रिक्कानाय

প্রান্য ও প্রভার সাম্মান করিব আমে ४ वर्ष देश पूर्वत २ ०३ वर्षेक वर्ष । भा क्षा भूषा ३३०

1 .23

#1"1 . 84 " पर ज भार कार्ति कर 1 42 सार्थाकामाम उत्तरभाव मार হারিয়পুর (लः नामामाभ निचाः निः ५११ (लाः नामामानः

াশবপুৰ ১৭৪ ব ওংন

্পো: বাজাগান

পানা ইংস্পালির সামিল হল্টাপাড়া ব্যান্য ডিজানার ব্যারেডায় ১৫১,৮৫২ - ১-৬১ শতক জনী তদ্ধ জনা মুলা ১৮

( 522 )

२३७० मा" आति ३० मानि २२२/० B: सक्त्रण्य शालाक्ष्मित्री गार दर्शः ताक्राकिस नाडेमक

থানে চাপড়ার মানিল হাটথোলা ्मोकाय फिकीनात निल्लाखाय २२५ अप्टिन सार्नत १-२० शहक अभि २०१४.० सभा गुला ८००

( > < > )

१७४ शाःकाति ७३ मानि २७०५८ ७ ডি: সতীশচন্ত্র পালচৌধুরী সাং নাটুদহ পো: বাঙ্গালঝি

থানা চাপড়ার সামীল ছাটথোলা গ্রামে **जिमीमात्र (मरतदाब ७०१ चित्रास्त्र ≥-३१** भक्त कभी कभी উটतनी क्षांच मना ४००

( 3 ? 8 )

१५२ शास्त्राति १३ >45H0 ডি: ঐ

দেঃ অনিনাশ মুচি মাং হাটপোলা পো: বাজালয়ি

পানা চাপাতার সামীল হাটপোলা গ্রামে ভিক্রীদান সেরেস্তায় ৪১৪৮% পতিরানের ৮-৩৪ শতক জনী উট্ৰন্দী জোত ক্ৰমা ग्या आ: ००

(:23)

भगम भाः जानि ३३ माति ५६. ডি: ঐ

टमः भागति शिक्ष सिर्शाः वाहित्थाण। পোঃ বাঙ্গালনি

থানা চাণড়া ব সামিস ছাটথোলা গ্রামে ডিক্রীলার সরকারে ৩০৬ প্রি:ানের ১ ৯৬ भ एक स्था ऐंग्रेनिमी (स्राठ क्या मुना . • र

१४४ भी जाती क मानि २४८/१

েন্ড ভূগতি খোন সা, সৃত্তিহ্ন পোঃ 1141116

धारा राष्ट्रांत सधीत कानुकद्रता আন ি লাগ্ৰ স্থেরছার বে প্রিগ্রেম্ব ना प्रेप उठाना दका का रूप का देश की बर

427 41.8/14 52 PIFE COURS

८३ अभकान मध्य ित्या, स्काशाम

থান। চাপড়াব সামাত বঙ্গাদ্ধান। থালা লংকাশপাছাৰ দানিব শিবপুর প্রামে ডিক্রালার লে, সার ১০ পতিবানের

१३२ था, अती ७३ क्षाति २२॥ १

নে: লোখনী মোলা সাং ভারকহদা

পানা চাপড়ার স্থীিয় ভালুক্টদা গ্রামে দেঃ স্ত্রীনাথ নাথ দিং সাং হাটখোল। ডিজিলার সরকারে ১০৬ পতিয়ানের -৩২ उक कभी भूषा ४०

( 5 % )

श्रांति वश्राक ৭৯৫ থাংজারি ০১ ডি: ঐ

দে: এজাই দেখ সাং খালনগাছা পো: বাঙ্গালঝি

পানা নাকাশীপাড়ার সামিল বহিরগাছি গ্রানে ডিক্রীদার দিং অধিনে ২৯৮ খতি-দে: অভিন বিশ্বাস দিং সাং হাটবোলা, মানের ১-৪৩ শতক অনি উটংকী জোড় মূল্য আ: ১০১

# देश मिन मधीया-अकाम

( >>> )

৭৯৬ খাংজারি ৩১ भावि ७८॥• ডিঃ ঐ

দেঃ অহরদি সেধ ডাক্তার সাং বড় আজুলিয়া পো: বাফ।লবি

পানা চাপড়াব সামিল বড় আব্দুলিবা তামে ডিক্রীলার সেরেস্তায় ২৫০।২৫৩ পতি ানের ৪০৬৯ শতক জমি উটবন্দি ভোত युना जाः •

( 205)

कार्ति २ ३१०/२ ৮० । श्राह्मति ७० छि: छद्रष्ठर्गामात्री नार क्वांग्रामाति নে: ছোশান মেথ দিং সাং ও পো: বাঙ্গালঝি

থানা চাপড়ার সানিল মাদিন নৌভার ভিক্রীলার ও সংগাজগঞ্জন সিংচ পিং সেরেস্তার ৮২ প্রিন্নের ৮১ শতক **অনি উটবলি জোত মুগা আ**৷ ৫.

b • द था:कानि э. সাবি ৩৪% ১ TE: D

েদে: আমেদিমওল দিংসং মাদি.া পোঃ রফোগ্রি

· প্রেচ চাওছার সামিল মানিও মধ্যে चिक्तं मात्र । अस्तिकत्रकः भित्रं निः अदिन २०५ थाँड १७११ ० ५० सहक छ। मार्डिन नि (कार्ड युवा काः कः

( > >> )

bob था ऋानि **७**১ मानि २२, ७ फ़ि: अ

(मः कहेम न उन फिर् गर्र भिडालतभूत পো: বান্ধালঝি

পানা চাথড়ার স্থান্য 😘 ব্রবিশা मत्ता वाचानमाम मिल् भिन्त भारत ६५ প্রিয়ানের ৬০৪ শতক করে ১০০ ০ ঋষ! মুলা ৮ ্

( 308 )

৮০৯ থাড়োরি ৩১ भारत ३६। • ডিঃ ধারেজ নাগ ঘোষ কিং মোং **কাছারা"** দ<sub>ে</sub> ঘটো

দেঃ ম্যারাণ নিকারী দিং সাং উমার-পুর পো: হাস্থালি

পানা হাস্থালিব অধিন গাল্লা গ্রামে , ডিক্রালারগণের আন্সন ৩০৭ গাড়নানের -१० में छक कि ॥ ७५ किमा गुणा २.

( 90. )

৮২৫ থাংজারি ৩১ एवि २२॥५ ডিঃ কালীমতিবাসী সাং ধাপাড়িয়া (मः खनामा (मन मिर मार छे

শো: নাকাশীপাড়া থান। নাক। শীপ। ড়াগ্র সামিল পাপাড়িয়া আমে ৪৫৭ খতিয়ানের ৩-০৯ শহক জমি B ् अमां मूला ३ द

( ve: )

मादि ७१०/० | (शाः धामाननगत ৮২৬ থাংজারি ১১ ডিঃ ঐ

**एकः महाराग विश्वाम जिल्लाह भाषा**-ডিয়া পো: নাক্রনিলারা

থানা নাকাণীপাড়ার সামিল ধালাড়ি ব ঞামে ডিক্রেলির দিং অবিনে c-১২ শতক क्षि आर् ५ कमा भूजा २ १८

( 209 ) ৮৪० शाःखाति ७, Alfa ean a फ़ि: क्र

एकः । टाक्क निकाती प्रिः मार भाषा- । टानागः জিলা পোঃ নাকনিগাড়া

शास्त्र फिक्केमात मनकारत ১२२ थेडिगेरनत ৪-৭০ শতক জনি ৮, ৬ জনা মলা ২০১

(3'5) be: 31 511 7 33 WITH 200 महीराज्यः सामग्राद्री ५६ লাট্রনত

কেঃ পোকাই মঙল দি সাং প্রমাল। বঞ্চানি লোং বাঙ্গালমি

ৰ এব ——এৰত স্থানিকাৰ ২১-১৮ শতক জনি । শতক জন ১৮৮ জনা মুদ্ৰা জাতি স ৩৯% জনা মান গড়লখৰ ৬থানা সভি স্প্রেটারটে মুস্টামের ১০০১

638 815 ft 1. m1 (4 301 5 ্ডিঃ জাজা দীসালে যে মেন্তি ভান্ত ক্ৰ দেঃ ওলন মতুল দি সাং মালি চ

দ্বীপচক্রপুর গেড নাসামনি পানা চাপড়ার সামিধ মালি একী জেলপ্রী অভক চার্টিট্র লি বুছাত মালাভার ১৯১ মধ্যে ডিক্রাণ ও সংবৃত্ত রয়ন সিটে কি জনিমি ১০০ ২টি মের ৬০০ শতিব क्रीय ३५% १३८ समा भूता साह ३ व.

bun का काल कर क्षांति १६५५ ্ডিঃ কিনোৰ গোপাল লেডি বেখুয়াড্যনা

দে: ইও নাওল পিং সাং আসাননগর ८भाः ३।मनाणी

থানা চাণ্ডার ধামিল পাকুরগাড়ি রামে 🦠 ডিক্রীদার সেবেস্তার ৩১০ পতিয়ানের ৪-৯৯ : শতক জনি ৭৮০ জনা মূলা ৩০১

( 282 )

मानि ३४१० ৮৭০ থাজোরি ১১ ডি: মধ্যাদ এতাত্ত বিভাগ সাং ইছাপুর

দে: ছাবেলা বিবি সাং ঐ পো: বাঙ্গালবি থানা চাপড়ার সামিল ইছাপুর মৌহান ডিক্রীবার সেবেডার ৫৪ থতিয়ামেণ ১ ৭৬ भक्तक कमि हा ए हर सभी मुला ३००

( .9 . ) मार्च ५००॥व ডি: আডুতোৰ হালদার দিং সাং ক্ষলিকা

(म: किक्र ८) धुता दि मार अगवान्भूत

ডিট্রেলিপার সেবেস্তার ও অভিনয়েন অবীন 🖯 BA शांक्तिरामा : 8 ३० मध्य हरी २३०/० ) রবিতী ক্রমানের ধেলে জন্ম এবে মুনা বেং 🕻 ৯৫১ গাড়েনি ১১

৮৯৬ খা: জানী ৩১ - সা ৩০৬০ ৩ | ১ ট্রিস্ট জিঃ সভাশ চল্ল পালতেবুলা সাং

দের । এবলের প্রবাহী হার পর্যাব্য জের ।

্থানা চাগাড়ার সামীল প্রানার, প্রায়ে 🖟 শুভর ভুমা 🗟 রুলনা (৬ রুম্বর ১১ থানা নাকংশীপাড়াৰ সামিল - পাণ্ডি ৭ ু ডিঞ্চিব মেরেছা। ৬০০ পতি চনেৰ ৮-৪০ ্পত্ক জন্পুর ১ জন; ম(। গ্ছুম্পের এক প্রিক্রাটিন স্থিস্থয়ীর সভার্যা ২০

> 1 168 ) bit 9 2" ! " 5. স্থানি , চাদ্ধর

্লে সুন্দের মুখ্য স্থান্থা পোল

থাৰণে, এব ফাল্য গুলুলা গালে भामा प्रारक्षित माणिक अञ्चलको भारत । विक्रीतात रागावद्या । व व भिन्दामन - ०१

220 51 51 7 25

1 ... 3

र्षः सङ्ग्री श्री

記録はれた。中、イシャ・レ・・「E Chint Josh

1 540 1 22. 5 Bife 12 FIFE LASHERS (5 B

নেঃ ভারতী মেথ সাং প্রভা পেরি 7 155 (V) in

519E14 POLICE ডিজনিব্ধ গোলভাগ হাজ থাত নেৰ হালক । भारक कर्य, उद्देश में इल्लंड स्थार स्थार स्थार

Mil ababes 3 ৯৩১ আছেট্ৰ ৩১ ডি: শ্ৰংছন্দ্রী ল্মী সা; গ্রেছণেডা

(म: भुन<u>िक स</u>नकात स. शावराधूत লেশঃ ব্যঙ্গালাক

कराकत मधुनाधुरतत स्थानि । इटरीवर विका ্ডিক্লির কেরেন্সা। ১০০১ কালে ৮ চেইক্স জনকর জন। মুগ্রা আর ২০০

२०० मा आति ५३ F+5: 40,0

িছা শিকেন্দ্ৰ নাথ চিতে বার দিং সাং ' ভোট বাঙ্গাই ও নাকাশপাড়া

পো: নাকাশীগাড়

থান৷ নাকালিপাড়ার সামীল ভচানীপুর मर्सा छिन्नीनास समीन ১৩: --- ১৩৬ महि থানা চাপড়ার সামীল ইডাপ্র গ্রামে হানের ৫২৭ শতক ক্ষমী ১৫৮১২ ক্ষম मना आ: २०

A16 . 6 . 4 ডিঃ সভাশ চক্ত পাল্ডে বি সং

নেঃ নতিফারেজা বিবি সাং শিবচরূপুর । ८०७ र अम्

ানা চাণ্ডাৰ দানীল শিশস্কুপুন গ্ৰাণ ্ডির্রালের মে.রক্ষ্ম ১০ অভিনারের ১-৬৮

383 7 5 5 To 05 W. 10 38.0

13: Esticion più per elecera

(中) - 51年5中 fisher \$11 (5)(6)(5) ্ৰায় রয় না ব

पान bir इति सामित काष्ट्रेर का फार्का र ক্রিক্র সিং জনিকে সংগ্রহণ্য যাত থালে গানিকে সকল পাত্ৰ হৈ যা গানত 54, 471 : 00

> (:4.) 8 C 25

় চাল্ডার স্বাধিত মান্তপুর · 17.67 - . 2 图 5 4 5 4 5 4 6 6 1 1 1 1 1 对某 ব্ৰুটি সাক্ষা সংখ্যাল হ'ব সৈতে ১৮

· · · ·

२०: ब्रास्टानि ०) Phil. 30, 1

ে: সক্ষেত্ৰকী দুশী সাং মাগ্ৰুৱ ্রণা ব্যঙ্গাহাঝি

পান ডা ভার নামিল সাদল্লে মৌজান ডিজ (শতার আধন ১৮৮ খটি টেনর ৩০ भार्क कृषि ३, इन्हा अन्या ४

৯৬২ প্ৰাক্তি ১. भागिता. व

থানা চাণাড়াব সামিল মাণ্ডপুত লে জান श्रीमा क्रुक्कनशत (रामाधारीन स्थितक छिल्लामात क्रिक ३० ठाउँक श्रीहरासन् -०० শতক জনি ১৮৬ এমা মুল্য জায় 🛕

৯৬০ ঝাড়োর ৩১ AT 0 = 41. डिंड के

CAR कारफाक्ष रिकाम कर का लाजून

পানা প্তার সামর জনা । মেজার লেল শিক্ষাৰ সেখ সাং অভেগতঃ ভিন্ন গোল অধিনে ২০১ন-১০ খতিনানের ৬-৪০ শংক জমি ১১, জলা মুনা আঃ ১৫১

( >21 )	!
ase शास्त्राको २३ मादी ३२।०	Ì,
	, v
C** #	, æ
গ্ৰা চাক্ষ্য সানিল মাক্ৰপুৰ মৌকাণ	,
ভিত্তীশার বিং কে, প্রচ ৬০ পতিপ্রানর	; ,
-৮০ প্ৰক ডিনিং ১১১ জনা মুকা আৰু ৫	
2 (% )	. 2
व्याप्तक सिन्दिका छ	
fer,	; `
्रमः क्रि	٠,
শ্ৰা লেখ্যে সংখিত কাইলড়া কৌলাল	, r
किलोल्ड , जनसर्वे २२००२७ वर्षा ११४न	
র ওচ পাত্র করি চলত মহা মুখ্য আরু ১০	
( > 4.9 )	; ·
Super trans Prit otenia	1
ভিঃ । শতেকেনার বেলা মোর কাছে। ব	
১০ স্বল্ল মহল (৪, ২০ ব্রেন্স্	;
chita (5), (19), (5)	
প্ৰিঃ হাটপ্তিক স্মিল চল্বল ক্ছেলৰ	
રિશ ધાલ દેવા (૧) કર્મોક્ટર છે. છે. છે.	) :
ন্ধণ, পেলেলে, ভলকত হয় উভা চাকা	•
শেজা মহাজেৰ সৰক দেৱে জানা দৰন্ত ,	
<b>६१</b> क सं: ५एक १ एका दर. १५०	
1 3 25 1	Ţ
১৬১৪ পার্চ্কে ৩১ - জারি ১৭০ -	•
ড়িঃ অক্টেদ্র রাপর জিলা কারিল,	स्
্য মাজেব মতা সাং, ইরপুর গেও	÷
संस्थित ।	-1
থানা লাপভাৰ সামিল ইয়াপুৰ সাজে ৷	:
ডিঐটিগ্রাড়ের অভিনে জ্যান্ত প্রি	34
্রানির ১৯২ শাস্ত্র ভূমি ১১৬ রাজ্তি। জন্ম ১৮৮৮ সাজ্য ১	į,
িতি হব্যন ভালা সুন্ত ২৩১ (১০১১	
২০০ চ.জানী হয় সাবী ২২৬৮৯ :	
િક મુખ્ય મહાવાલ મહિલાના સંક્રમાન કહેલા મુખ્ય મહાવાલ મહિલાના સંક્રમાન	C
্র ক্রিক স্থানিক ক্রিক ক্রিক করে। বিজ্ঞানক স্থাপুর	
्रात्ता । इस १८ इस १८ इस १८ इस इसरे कारकार (स्था) रिति कि का हासूही	ş.,
কোন কালের কালা বার্থ সন্ধান করিছে । কোন কাল কুমলামালি	£
ক্ষাৰ বিশ্বেশ নিয়া সংশিক্ষা ওছাইকোলে। বিশ্বিশ্বেশ নিয়া সংশিক্ষা ওছাইকোলে।	
জ্বা - ১৯৮ পতি লোৱ কবিন লাবিক।	Φ
নাগ কৈছ দি সেবেপ্তার ১২৮ রাগতি ক্লম	٠ چ
्राची । का न्यान । क्षेत्रिक कुटी किहा करेर	31
র । ই পৌর্ধ ক্রি স্থান্ত আবে <b>ত্র</b>	र स्
আহিব নিজাত বেলেগুলি ১৮১ প্রিল্টেনর	**************************************
* 등 등 변수한 역사 및 전투 (2013) 역(대)	উ
역 세 속·() 최(: > @	भू
। এ কে মে'ছবে এন্তিক নি ন্নী কিছুল <sup>†</sup>	-
	•

कश्चित करा है छ। अक्षा

ষ্টারের -মুদ্র শতিক হলি ২৮০মকরণ জন্ম।

क्या (स्ट १० माना भर्ग नुगा की कर्

🐪 🐠 এ মৌজায় ছগাপুর নিবাসী লাবী ১২৮০ 🕴 এয়েছেন আলি মিঞা দিং সেরেভার ৫৮০ খতিয়ানের ৪৮ শতক ভুমি ১৮০ মকরবী ं इसा (नः ॥० व्याना घ.न भूगा व्याः १

ৰে শানিল মান্তপুত মৌজাগ 🦠 🤟 ৬। ট্র মৌজায় খোদভূগাপুৰ নিবামী ে, ওচ জ পতিলানর সৈনেছণ রতিব মিগ্র ও বড়্রিণ আমের ্তত জনা মুক্তা আই কে, 🦾 মহাতাপ উদিন বিশ্বাস দিং সেৱেডার ৮৮৪ ু প্তিপানৰ ১৮ শুড়ক জমি লাপত মকাৰী , ১৯ টোলে সামা সংশ্রমণ করিছে

্ ৭ । বিবেট্ডায় বাতিকান্তি হৈবে দিং ্রেপেশ্র ৮২০ থতি নের ২-৩৪ শুভুক রে সংখিক কারিগছ। যেইলাল ইভানি দেয়ে।ত আনো আৰু মুকা ১০১

প্রায় ২২১--- ১২৫ থালি (প্রায়) । ৮ । ই কৌজান নাগেলুনান গৈব সেবে-ম ৮০ছ দ্যা মুখ্য আই ২০১ ুলার ৫৯৫ গতিবারিনার ১ ৪০ শতক জ্ঞানির।০ খোল 🖓 জনা কেলে লাশ নলা আহি ৭১ os माने वरकारक का के दिश्यान ब्रह्मनाथ रेमव জনাব বেল মো: কছি৷ বিস্বেয়া ৩০ কবিলবনের ৩০ শতক জনি ব ৰ মধ্যে (ট. সা বংশেশেৰ - ২)১ জনা জেছাত আল মূৰণে ৭

# নাম কথ:

কুমান-গর সংখার न्।८५%

्राह्म का किस्स संबंध का प्राप्ति । া দে, কানেব সঞ্জাগ কার্চেরের তরছেরেশ্রক - क्षति । भा क । अनु प्रतिकृति । विकास क्षिति । व्यक्ति । । হ'লাপৰ দিপ সা' কালিস। কালিখাজো। জনান পুলিশ কামজালি আলাহ भवर भार वेदालून द्वार हिस्स्डिए किरान वाना का मा या एक নালে নায় যে বে ি নোটাং শাহিত ও প্ৰথমাৰে । ৰ সংখিল ইতাপুৰ আহে। তুৰিত চলিতাৰতে। মাৰলেপণ্য ৰথন অভিনে জ মানত পতি । এন চালকানের সন্তব্ধ ধর লৈতে তথা ভাক ভিমি ১৮ বলুচি <sub>সংক</sub>্

# मस्दान मुगा

স্বী ১৯৬৮ ৯ : স্বাস্থ্যের রাজ্যে পুরুরে **জলু চল্**। মহতেদ ম্ভিন্ন সংম্যে সেলে কলা বিষয় বিহাট হইল্ডে। যে 🖯 মটর লাগ্য গোঙায় কলা এড়াই এ মিড ভারের । ।ক্ষেত্র চিবি দি হয় চড়ুজন ইজিন খাবাবে হইব গি চচে। ২৮৩০চ ব্যংগ্ৰিষ্ট প্ৰকৃতিৰ প্ৰকৃতিৰ প্ৰকৃতিৰ বিভাগৰ কৰে বিভাগৰ সভাৱে থনির সংক্রিল চড়্টাকোল । বে কি ছববজার করি হয় তেওঁ ভাষা বর্ণনা টিড লের জবিন প্রবিক। ক্রান্যে না। বধন মটবল্রী ভিল না বেবভায় ১২০০ র(জতি জনে। তথন কুম্বি। ইন্দ্র। ইহাত জনে তুলি।। শুৰুৰা আছে হ'ং - ভাৰো ছড়াইলা লিড্য এপৰ সেকৰ ৯৮ এ ঘানত আবেদ্রশ ব্যবস্থা করিলেও লোক-চমান্তবোর কিছু ারতায় ১৯১ গতিবানের তাবিধা হটত। একে স্বশ্বস্থান তাহাব নি ব কম বৈষ্টাৎ সলো। উপল গড়িং লোড়া চলাগলৈ সৰ্বান্ধৰ রাস্তান ধুলা ইড়িতে থাকে। আমলা মিউনিলি-াৰ এমাজি নিমানী সভুগ । প্ৰালিটীৰ কণ্ডপজনাপৰ নিকট হুহাৰ আশু क्रमा मञ्जूनात है। १२१७ छान ७५५ आछ- । दर्गिकात वार्यमा कति ।

# दलाक्यानस्यादर्धत थिएैश

Geo ৭৭ জানে জাল বুল, আহ ১০ ৪। এ মৌজার দেরকালি নিবার্গ । হাত ২০শে এপ্রিল স্কাল ৭টার নালনা গোনে সাহাল দিং সেবেভাগ ৮ ৮৮ । সময় লোকগ্লাব্যেট অফিলে ক্ষেত্ৰালণের আত্রানের -৩৪ শতক ক্ষমি ১০ মোকররা , একটি সভা ইইনার্ছে।

# শুৰভিক্তি গ্ৰন্থমালা

বঙ্গাক্ষতে প্রকাশত	০৬   শ্রীস প্রাকৃপাদের বক্ষাভাবনী
	ं रु जारा व्यक्तात्मम् चक्र्वावनाः
)। अभिद्राभवक्षम्,मथश्र	(ক) প্রাণম গশু ৮০
के (३५ — इस सक्त ) • ३५% •	
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	
र । अधिवास-मान स्थि । १८० संख्या । स्था ।	1
· ( ৪ব সংজ্ঞান )	( 888 (91107W) do
	ুণ্ড বিভাৱদৰ্শ ' 🚜 -
(विवाध विकास सम्बद्ध ) ६०	
ं हा नीका(ञ्चितस्यत-जिम्ना-सह) २,	3•া ভাৠ-র্জুাক-ং :
с: প্রতা ( এচজনাই চীকা সঙ্চ । ২১	(নবৰীপ প্ৰিক্ষমা) 🗸 🗸
৬। কেশগর ≥ু	৪৯ প্রক্রেশা /১০
. का कालकाताक कालको असः पाक्याहरू	
	301 H151144 /
ा नाम्य-पश्रहार र	48 1 7W1514W1"3:
अ। चिटिक रेख लिकायुर (निष्या ) नर्	
১০। ডিজে নাছীপ না•	
13 1 원CJ 985생(왕은 H 역	<ul> <li>भवताशाक्ष</li> </ul>
হীনবন্ধীপ শভজ্ম (বাংগা) 🔍	া প্রাধেশী
, ,হা <u>আ</u> মিটোল <b>লভ্রশিক</b> াটবলৈ ৯০ }	
ঐ (আবিচা) h•	
ऽ <b>०</b> ः - ऽत्रकः भा <b>ञ्</b> चा-नभः %ः	22 MANDA 79
खायम ठावि <b>ष छ</b> )	ং। শীভ'ভাগিছভাগী /
SB: Sbeidelle Bill.	<b>१७</b> ः <b>म</b> 55-≀ <b>क</b> •
,হা নবছীপুণাম-এতমালা দং	দেবশাগরাক্ষরে প্রকাশিত
্ড ( ক্রোক্রফোপর: ৬০ ) প্র ্ড (ক্রোক্রফোপর: ১ ) প্র	वस्य रिक्ष सन्भवज्ञान्। स्वित्रसः 🐽
4	८८: मंत्रीक । लगः । सन्यम् । । । ।
	१७ । क्षा-प्रक्रम्
•	४९: मःत्रभाग्नम् √•
. २५ । अधिककक्षणालः ( वीषा )	६৮। गाञ्चनमः । लक्षाहेकम् 📈 🗸
non a feet at a ruit recomment for the 1 (40 c. M. De	रंभ । त्याकीत भरक भागितवः
१८   GANISE अमान माक्राह	হংযেকা ভাষার প্রকাশিত
1	ছি <b>∘</b> । গ্ৰিভিজন
१३ । अक्षातिकार,	»> . नाटभ्द्राकि शिक्षणन्त्रम् सन्
	আইচ ৬ ডা মণা প্রস্থ
**! C41.2)3-41.9 9: %.	७२ । द्वसन्त्रीक्षम् । ।
। १९ । आधनभूष ( ७४ शरक्षत्म )       ✓•	न्। पि चात्राह ़ । e
२५ । भाषसम्बद्धाः स्टब्स्यः । स्टब्स्यः । १५ । भाषसम्बद्धाः सङ्ग्रहेन	७६ । <b>ह</b> (ब। हिक्दि (द्रामिन मृत्या ख
्रकाः भाषास्थानसम्बद्धाः । २३ । अञ्चन्नकारको ना साम्राज्यसम्बद्धाः ।	चारनगरब्धः किरसामन
८०। मेटमार्शनिष्ठ (तस्मान क्राभव	et । कामा है जामामा क्या पुंचर /•
क्रांबी रुजा (वर्षात्र से अस्त्र गाम ग्रह)।	উড়িয়া অক্ষরে প্রকাশিত
१ अध्यक्षित्र विश्व	७७। व्यवदिनाम कियामनि ।•
०२। जीरवाष्ट्रभञ्चनथा स्थ-	59 1 中间引用 中間指揮 10
००। श्रीकृताम् <b>ष</b>	५৮। सामझ श्रव
হল এ আমাণ্ড ১০	५२। वैद्यानमी
ne । सर्वोणधाम-मानाचा d.	৭০। শরণাথতি 🗸 🗸
বিজ্ঞান হাতি কার ওঞ্জ নিয়লি কাড় চিৰ	म्याव गळ विश्व

স্যানে জার - গ্রন্থবিভাগ ब्रिटेड्डडनरं, दुनाः ब्रिमामानुद्र, अमेता।

# रिविक महीशा-क्षेत्राम

প্রায়া ক্লোডরালীর সামীল সোণদহ ্রামে ডিঞ্জীদার সরকারে ৩৫৯ খতিরানের -०७ मछक समी २, समा ब्ला जाः ८,

( or ) हर मनियात्रि ७३ वाचि ५५५।/५ क्षिः कानीवान मृदयांनानात्र विश नाः नवदीन

(सः श्रुतंत्र मान क्रमेशिता त्नाः **७ जाम मंग्री** न

ৰানা নৰ্বীণ সামিণ নিজ নৰ্বীণ মধ্যে ও৯৯৮ বভিরামের ৭৯ শতক ব্ৰহ্মতন্ত্ৰ কৰি লাকা দালানবাটা ইত্যাদি CH: #+ मांगा करण मुना का: 5 - - . 1 60 )

३ र २ ९ मनिकाती 's• शादि ३६ ७८० **डि: फंडीहार्गा, मन्टी এ**ए द्यार अ ब्रिज्ञा, मांभकुम

त्यः मानिक गांग खामानिक मिः मार पूर्वी त्याः क्रकनगत

ক্ষুক্তনগন্ন মিউনিলিপ্যালিটির ১নং নগাড়বিত সভীপচন্দ্ৰ CACप्रशास ४१४म अखियादगत्र -5•माङ्क জাস 🛰 জমা লেঃ একত্তীয়াশে মার मण्डास बाढ़ी इंडामि शक मत्रकाम मुका २००५

(8.)

मार्थि स्रकार २४२ मनियाति ७४ कि: विस्तान मधन निः माः नग्नानाहा Ca: बांक-बाधम नदन्याणायात्रात्र निर 对代 磁性电板 (內信 野神可以沒

থানা কোডিয়।শিয় গামিল চুদাথাণি ব্রামে ৮০।৮৯/৮৪ পতিয়ানের ১-৮৯ শতক अवाह्य क्षत्रि (व: u. क्षांना काम मुना W 12 2 . . .

(68)

১০৯০ মনিছারি ৩১ भागि ४ ५५७ ডিঃ নরেম্র ফ্রমার বিখান নাং বহিম্পাছি

(सः ইয়াকুষ মাঙ্গ সাং এল। श्रि পেঃ ৰাজ্যলাখি

श्रामक डाम्फान गायिम दनाश्रिशास হৈলবন্ধী দেবীয় লিমিন ৭৮।৭৯ অভিনাদের ३-> भटक स्थि स्थि दमल त्रायकी समा (५: ६० भागा जारन भूगा जाः २१८

(82) **८) ) मनियांति ७)** भावि सम्प्रमार्ज्ञ ্ডিঃ আখনী ক্লফ লাস সাং নব্দীপ

ं ८४३ - इन्निकिट्मान गारा आर ७ ८गाः **अव**दीश

খানা নধ্বীণ সামিল নিম নব্দীপ ब्राल्य /२॥ काठी कवि मात्र शाका टकांठा-षद्र ३वी निष्कि विदनत छान कृता भात्रभाना इंड्रांपि मृगा थाः ००० (189)

. १८२ मनिकांत्रि के सार्वि २३०৮<sub>८</sub>३

किः कंकित हम (म त्याः कथ्राव्यः ंबरेनार्य मान होए, कतिकाला

দেঃ সভা পোশাল দাম দিং লাং धिनवत्रभूत्र (भाः क्रमानक

পানা ক্রণগঞ্জ অনীম দিগধরপুর গ্রামে মুম্বাৰ চজবৰ্তী অনীন বিগমনপ্ৰদেষ ৬০৪ **বভিয়ান ২: ৪: শভক ও প্রভাপপুর** -মৌস্বায় ৬২৩ খডিয়ান ৯৬ ৯৮ শৃংক ছয়ি ৮৯/- मधा परा साकतती अवनी कमा (स: ॥+ कामा कार्य 88॥५ कमामुला €०.

২। ঐ গানার ঐ ঐ মৌলার গলিও মোচন রার অধিন দিগদরপুরের ৬ ৬ পতিয়ান, প্রভাপপুরের ২৭৬ পতিয়ান ও নলুয়ার সামিল ৩৩৬ খতিয়ান মোট ১১৪-७) नएक कमि १८ ८ समः (मः ॥• भानः चार्म ०१॥०७ कमा निष्ड मुना चाः e -

০। পানা ইাস্থালির সামিল উদর পুর মৌলায় ১৮ থডিয়ান দিগদরপূর মৌকার ৪৬ থতিয়ান ২১৯া/ পত্নী কমা ভাষ্টেত নে: u- আনা অংশে २०२॥ल'७ कमा हेन्द्र समा मुना ८००

(88) ১৫৭০ খ'-জারি ৩০ मावि २०१०/ **डि: तामनिटाती म अन मार शाविक्या**न েং ন্তির আলি বিখাস সাং চাটগোলিল পুর পো: কালীগঞ্চ

থানা কালিগঞ্জ সামিল গোৰিন্সপুর গ্রামে ৪৫০ গ্রিয়ানের ২-৫৪ শতক ফ্রি ১৮५/ । छमा मुना चाः ३८८

( 84 ) उद्यक्ष कारकाति ३० MITTA Semis

ডিঃ গ্রন্তিৎ পালচৌধুরী দিং সাং यटहर्मश्रं क

দে: আনারদি সেধ সাং রক্ষনগর কুর্মচিপোড়া পো: কুঞ্চনগর

থানা কেভিয়ালির অধিন রুক্নগুর जाम मटना छिक्रोनांत नतकारत २०७२ **থ**তিয়ানের ৯৭ শতক জমি : ৮০ জমা মূল্য ৫১ (85)

১৭১৯ পাংস্পান্তি ৩০ মার্বি ১৯৩ ডি: ঐ

CH: भात्राम्य वाना मिर आर ७०त-**ट्वांग्रा**िमा **८**णाः क्रकमश्त

थाना दकाङग्राणि माथिन द्वाग्राणिया ত্রামে ডিজীদার সরকারে ১০৮ খভিয়ানের ১৪-০৯ শতক জমি ২৫১ জমা দেঃ॥• थाना जराम भूमा बाः २०५

(89) ১৯৯৭ चारकाब्रि ०० मार्वि ६०,७ ডি: সরোজ রঞ্জন সিংহ দিং সাং ক্রকানগর

CV: मट्युमाथ मह्याह गर शामाणामा ८७१: इक्वनगत्र

ধানা কোডয়ালি সামিল হাসাভালা গ্রাবে অমহুর্বা দাসীর অনিন ১৯৬ খডি-बंदिनम् १-२१ भक्त स्वितः अरंगिमः स्था (यः (शंग व्याना तकस्य मृगा व्याः . • .

(er) " 5299 बार कांत्रि ७० भागी ५०२८०

**डि: वर्णावर भागरतीयती मिर मार** HEFFIT

**८म: फाइ उपाय मिर (म** क्यांनराक्र বাবলাড়ী পে!: নবৰীপ

भाग नवदीरभन्न माधिल (स्कार्य-१क বাবলাড়ী লামে ১৯৭১৬৭ বলিছানে ১-৬৮ শতক কমি আ/১০ মোকররী কমা। २। वे व्योक्षक ३५६ शवित्रांत इस ও ত--- পতিয়ানে ২ ১২ পতক কমি। (83)

১৯৯৮ খাং জারি ৩০ मानि १ ७५० ডিঃ সরোজরঞ্জন সিংহ দিং মাং क्रमध्यशस्य कार्राम्यरभाष्ट्रा

(म: फंडिक विश्वाम प्रिः गाः हागा-দেশের পোর কঞ্চনার

পানা কোতোরাধীর সামিল হাসাডাঞা গ্রামে ডিক্রালার সিং সেরেক্রর ১৯৪---১৬৬ পভিয়ানের ১২-১৬ শতক ফ্রি ष्ट्रया भूगा आहे ५००

( . :

ু ২৯ পা• জগুরি ≎• ME 2.317 ডিঃ ভয়গুৰ্গালামী সাং লোকাল্যারি Cम: ट्याक्साथ यन्त्रम भि: भार य दर्शभक्त (भाः वे

পানা কোতে য়ালির সামিল মানিয়া दर्गाण मार्ग किकोमात जिर व्योदन ১৪৫ . ৪০ খতিয়ানের ১০-৫৭ শতক জমি उत्ते कि द्वार स्था भूषा ४०.

1 (2) २) ७) भार छात्रि ०० माचि ४८।३ is: 3

(मः शांक्रण त्थांग बिर गांर हामा-ভাঙ্গা পোঃ কুঞ্চনগর

থানা কোডোয়ালির সাহিত হায়--**ভाष्ट्रा आद्य ताथानमाग मिश्ट निर्माण** शोधन ৮৭ থতিয়ানের ১০-৫৮ শতক ভ্রি ১৮৯৬ क्या भूना चाः २०५

( 62 )

२ देश बारकाति ७० मावि २७५० ७

(मः कानकी मत्रमात मिर मार कामा-**डाका (शाः क्रमान**ात्र

থানা কোত্যালি সামিল ইাদাছাল। মধ্যে রা 'ল দাস সিংহ দিং সেবেন্ডায় ১১৫ পতিং দেয় ২-১৮ শঃ আম ভটবনির কোড কম: যুল্য সা: ১০১

: 49 २३३३ थारकाति ७० । भावि २५ ।।।।। ३ **डि: टीम ६% गर्नी गार कानीमवाकात** CH: ोरबज माथ भी नि: मा: बाँब-নগর পোঃ বীর্মণর

থানা কোত্যালি সামিল খেড় হরি-मांश अञ्च श्राह्म ३००७ विद्यारमञ्ज ३-०० শতক কমি ৫৮।০/৫ মায় পাকা ইনায়ৎ चानि नवकाम गर भूगा २००५

( 48 )

২২৯৬ থাংকালি ৩০ - দংলি ১৬৫৮/০ फि: धनकात (तका डणक्क टााग বাঘ-পুরুষ

দেঃ ইভাষতি বিভি দিং সাং বেলে :-लाफा लाः सीमाबाभुव

থানা নবৰীপের অন্তর্গত মোধাপাড়া গ্রামে ডিকিদার সরকারে ১২৫ খতিয়ানের B >> == > >> र्च र्च ध्य (तत ४-१५ मा श्री 🌣 नामधी (भाकतती क्या प्रका ५००

২। ঐ থানার সামিণ রাজাপুণ এামে ভিক্রীদার সরকারে ২৭০ ছতিয়ানের ১ ৩৪ শতক यभि ।।। त'यूटि क्या भूना २०.

 े थानात्र माभिल धामिशाहित्यात्म फिक्नोनाम मनकारन व अफियारमञ ऽ-≯२ नाटक अभि हर द्वाराष्ट्री अभा भूगा 🔩

৪ : ঐ থানার সামিল বামনপুরুর अ व्य छिक्षामान सनकारत ४५८ चल्हिसरमञ् ২ ৪৮ শুভক কমি ১,৬ রয়েটো মোকসুরী क्रमः युका व्हाः ३०८

💶 🏝 भागात्र भागित 🍱 आहर ভি*ন্*টাদার সরকাশে ৫৩০ খডিয়ানের 🗀৯ लंखक कक्षि ५० क्षा युना कार ১e.

ে। এ থানার সামিল সর্ভাচ গ্রাম ভিক্রীৰ বি ধরকা বে ১৯৮ ঘতিয়ানের 🕒 🕶 लाटक कृष्मि be क्षान्त क्षमा मुक्का कार्य ३६८

( 44 )

२ १ १ १ १ वर्ग स्थार कर्णात् । HIN BOWS . ভিঃ ক্ষত্ৰপোনী সাং বোহাপ্ৰানি CHI MARI (RIN FRE MIC MINISTER) ्रताः सर् १ -

থান বেতেয়ালির সামিল তানাভাজা मर्गा त्रापांग माम भिष्क पिर क्यिया २०६ থতিবানে ৭-৪৯ শতক অমি : ৪৮৫ জমা कः त्वांन आना भःग मृशा : • र

1 241 ২০-৭ পাংজারি ৩-দানি ৩০)• फि: क्रे

দে: মহিউদিন মণ্ডল সাং সাহেবনগর (MI: \$43+15.6)

থানা কোত্যালি সামিল মাদিনা-यन भाग मट्य फिक्रीमात्र । अट्याकताया নিংছ রায় দিং অনিনে ২৮ খতিয়ানেধ खदेविन्स **८४**१७ (५३ )/७ == **४१० भूगः** ५ न्

( 69 ) २००४ शहणाधि ७० मानी ७ ५ . • ডি: ঐ

Ca: कारमणिक्त मधन मि॰ शाह मार्क्यमध्य तथाः ऋष्याश्य

भागा क्षांत्राणि ज्ञान सामित्रा बन-क्षाण माना जिल्लामात्र निः अनिश्न २० পতিয়ানের ১ •১ শতক জমি ওঠমুনি (काड (म: अर्थ: का---म्राम मृत्रा मा: २०८

( eb )

২৫ খাংজারি ৩১ #! ( >8 Ne > ডি: ঐ

নেঃ অটল ঘোৰ পপ্তরী সাং হাসাডাঙ্গা (भाः कृष्णनशत्

পানা কোত্যাগি বামিল ছাযাডাছা াামে রাখাল দাস সিংহ দিং অধিন ৪১ প্রিয়ামের ৭-৪৭ শতক জমি এটব্লি CFT性 質問! この、

(63)

वत बार प्राप्ति ०১ পারি ৩৬৯/ ডি: এ

লেঃ পরম ঘোর সাং হাস্যভাঙ্গা (णाः क्राञ्चनात

পানা কোডোয় জিল দায়িল হাসাডাক गरेबा ताबालकाम मिश्ह किः व्यक्षीन १०० শতিশ্ববেদর ৫ ৭০ শতক জমি ওটার্ণন ८क्रांड मृद्या व्याः ...

( 50 )

दण बार का जि क 41 17 5 she 5 F: 3

**ে অটল** যোন সাং হাসাদ্রহা ८९६ क्रकाशश्च

भागा (काएकायामित माध्यम मानिया बन्धाम मध्य प्रिक्रीमात निः चौधन ১० প্রিরানের ৩-০৪ শতক ছমি ১২৮/০ कमा, भूका ३३५

( 45 )

कि शाः कादि कः पानि ७১৮२ ডিঃ সরোজ্যক্তন দিকে সাং ক্রকানগর ्राप्तः प्यविनाम हज्ज त्मानक निः मा कामाज्ञाकः ८५८ क्रकमध्य

बाना (कार्डायानिक गामिन हार्गा-জ্ঞান প্রামে ডিক্রাদার স্বকারে ৪৫ থতি-্যানের ৪-৮২ শতক জমি উটবন্দি কোড 有明 シ・、

( 452 )

১১৮ খাং ছংরি ৩১ 4159 62/0 छि: छीन्। सुननी गाः कानीवराजाः (म: बडिनान गांच गाः ६ ८भीः

পানা কোতোয়ালিব নামিল সোনভালা হমীমায় ডিলীনার গ্রমিন ৭৬১ থতিন श्रारमंत्र अनीन ১১/१ सायटि दिविधान क्रमा मृत्रा जाः २६ ्

( 33)

১৯৯ খাংলারি ৩১ मानि ६७% ডি: ঐ (भः त्राक्ष विचान माः (भागागमर (भाः

পানা কে:ভয়ালি নামিল দোনাভাদা शास्य किजीमांब अधिम ४>१ अकिसारनत বাদ ক্ষমায় হ মি মুল্য জাঃ ৪০১

( 98 )

🂢 ১२० शास्त्रामि २२ 🛒 मृति ১ आले দে: নিশ্বলা দাসী সাং ভাতলা পো: | মাটীমারী

পানা কোভয়ারি সামিল ভাতলা গ্রামে ডিজীদার সুরকারে ৫০২ প্রতিয়ানের -০৮ শতক ভমি ১॥৴৽ লমা মূলা ৫১

( 90) ১০১ খাংজারি ৩১ मानि २३छि ि: व

দে: গোকুল গোপ দিং সাং গঞ্জেরডাঙ্গা পো: শ্রীমায়াগুর

থানা নবরীপের সামিল গঞ্জেরডালা প্রামে ৩০০ পতিয়ানের ১-৩২ শতক জমি ১৮৬ ছম। মুলা ৫১

३२२ चाः त्रि ७४ माति > 8॥ • ডিঃ গোরীশকর চক্রণন্তী দিং সাং

(मः बाङ्गानाथ (मार्च गाः s (भाः

গানা কেতিয়ালি সামিল কুঞ্চনগর বেণ্ট্রালাড়: এ'মে ডিক্রীদার সরকারে ০৯৮৭ পরিয়ানের-১০ পতক জমি ইত্যানি माक तमकाम मुना ३४.

( 54 )

১০ ০ গাংকারি ৩১ 41 4 - 812' ডিঃ প্রায়াম পড়াই সাং হাট

দেঃ বামন দাস সবদার বাং বিষ্ণুপুর পোঃ জোয়া নিয়া ভালকা

পানা কোত্যাগ অনিন বিক্রপুর মৌঞ্যায় ডিক্রীলান অধিনে ২০১ প্রতিয়ানের -২৪ শতক জমি ১৮/১০ জমা মূল্য ৪

46 1

১৪২ পা•লাবি ১১ בשלפיל שוום ডিঃ বৃসিংহ চপ্ত পালচেব্রিরী দিং াাং চক্তাতিশালা

(मः ठांडा गडन नामा मिः मार সোনাত্রা পোঃ ক্রঞ্নগর

থানা কোত্যালির যামিল সোনাতলা आरम डिकीमात नतकारत ६०६ थडिवारमञ् ১২-৬৫ শতক জমি ২৫/৯ জ্মা ও ৯০৯ पंडिय़ारन - ५२ मंडक छनि ১, ३ **छमा मुना** बाः १ - ्

( %%)

১৪০ খাং জারি ৩১ मानी २५॥/३ ि श्रीनिष्ठ सन्तो गाः कानामवाकात्र तः त्रव्यान ८५७ पिः गार गटक्षत्रष्ठाका । गिःदाँगै ८भाः क्रकनशत (याः ध्याकाश्व

গ্রামে ৪৭৮ বভিয়ানের -৪৯ শতক ক্ষমি ১৬৯।১১৯ বভিয়ানের ১০-৯৯ শতক ক্ষমি े २५०/३ सामा मुना स्थाः ३००

( 4°6" 4" ১৫७ बारणाति ठेउँ भावि २: Na **डि: बामर्रिश वटकारिशीक गार** 化一定进入 化线路槽

CH: कंडिक टमथ मिर नार बाँगियाती **८**भाः कानीनश्र

গানা কালীগঞ্জের সামিল মাটায়ারী त्योकात जिक्कीनात मतकादत १८ थण्डियादमञ ১-৯৯ শতক কমি ৪৮৮ ন বারতীক্ষিতিধান क्या मृत्रा जाः ३२५

("cr)

भावि २२७३ seb थार काबि का ডি: ট্র

3 C#:

পানা কালীগভের সামিল মাটারারী মৌদার ডিক্রীদার অধিনে ৭৬ খডিয়াবের ১-১০ শতক ছমি প্রভিষিধা ১৮/১০ | হিসাবে দিভে হয়। মূল্য আ: ১٠১

(98) मानि क्रांशिक ১৯ - খাং ফারি ৩১ ডিঃ শর্থকুমারী দানী সাং পোড়াগছে৷ Cus মন্ত রাজাক-বা সাং মাধ্বপুর ! (भा: काविवाशका

भागा क्रुसामगद्वत एटनकारिक सन्दर्भ গ্রামে ডিজালার সরকারে ৫৬০ পণ্ডিয়ানের ৪-৮৯ শতক জমি ১৫৷৯ রায়ভীস্থিতিবান क्या मुला चाः २०५

( 9.0 )

वर्षि ५०% **১৯১ भारकाति १**५ **ডि: इतिशम मूर्णाशाम मार् कृष्य** अश्व **केश्वित्रत्व** 

त्नः कवित्र त्मथ माः शमयानि পো: নবদী

णान: नवशीरणव भामिन अनुवानि मरधा ৭৫ খডিয়ানের ২-৩৭ শতক জমি ১৬৭৬ द्राग्रंटी क्या मृगा चाः २०.

১৯৯ খাংকারি ২১ मानि ३२ % ভি: সুণ্ডিত পালচৌধুরী সাং ম**রে**শগ**ল** (मः वत्रक्षक्रमात्री (पर्वी तरः ७ (भाः 運動は付き

পানা কোতোয়ালির সামিল ক্লানগর गर्भा २६७२ ५ जिस्रास्त्रत् ७-०७ महस् क्रि ५००७ सम् मुना काइ ५६८

(94)

২৭৪ ঝাং জারি ৩১ मःवि ३४ आळ/३ ডি: জিভেন্দ প্রসাদ সট্টোপাধ্যায় भार युष्टांशाष्ट्रा

ca: categ राथ गर्भात विश् गार

থানা কোডোয়ালির সামিল বিংহাটী थामा नवदीत्थत मामिन शर्मत छात्रा आहम छिक्नीनात्र मिर श्रीतकात्र >००। ত আঠ ৯ দাউক জমা মূল্য জাঃ ৫০১

**১৮৭ খাং খারি ৩**১ फि: भारतीकृतात क्षेत्राहाँका मार भावनार्धी

লৈঃ জ্বিয়াৰ সন্ধান লাং প্ৰথাবিয়াৰ ८९१: मर्एभश्रक

ধানা কোডোয়ালির সামিল স্থেপ-বিহার প্রামে ডিজীপার সেরেডার ১৭২----১२२**६ ७ :६८८ प**ित्रारम् ७-०५ भा<del>ष्ट्</del> कथि ८५/० क्या मुना ३०५

(99)

२४४ बार बादि १३ पावि ३७१/७ फि: स्वर्त्रावामी मार व्यवस्थित तः व्यक्तिमान इक्ष प्रशिक्ष विरं गारे रागाणामा त्नाः क्रकनंगम

ধানা কোডোয়ালির সামিল হালাডালা शारम डिक्नीमात भनीम १७ पश्चित्रारम 840 व स्मा मुना सा: e.

(96)

৩০৮ খাংজারি ৩১ 🕆 रावि १३८/० ডি: ভারাপদ সম্বদায় গাং পোডাগারুঃ त्यः काणांशी मक्षण विः गाः बीलुव ८भाः क्रमानश्य

থানা কোলোয়ালিয় অনীন বাঁপুর মৌলায় ডিফীলার নেরেডার ২৪৪ খঞ্জি-बारना १-२१ मछक कमि ३३०/० क्रम्

(47)

এংর খাংজারি ৩৯ मावि ७७॥/-**छि: मदबाणवक्रम भाग दहोधुबी मार** हा जिल्लामा

CF: शांठेककि मध्य भिर शांर सामग्री-পোড়া পোঃ কালিগ#

वोक्षा काणीवर स माधिन शक्तारवाका आरम डिक्कीमान व्यतिस्य ३७३ विकादमन २-- 98 महन यमि अधि समा मुना २४८

( 60) ৩২ ঃ স্বাংক্যায়ি ৩১ वावि ७१० . ऄ ८४३ भागः काणीभटक्का मामिण कालवारमाञा প্রামে ১৮০ পতিয়ানের ৮-৭৭ শতক ক্ষমি २०५२ कमा मुना च्याः ५६५

**०२७ वास्त्रात्रि ७১ । मार्वि ५६४०।/३** फि: तमिनीशूस समिनाती (कार বিমিটেড সোং আমস্ক্রপি

Cr: नमस्यूमात प्राप्त मार प्रश्लीयुव (भाः भागाणाणा

थाना त्यरहत्रभुद्र यरधः क्रिजीयांच व्यक्तिन ं ६ वरमञ्जलमानी २२६०५ देवामा अगुम्ब सना मुन्। साः ३००५

21 के बानाब अधित विक्रीयांव त्यद्वाचा १ सरमय द्वानी मानिस्मा ७५१६ येग्यम स्मा क्रम

111 For

family cas als ं शक्याद निर्देश केल्य ६. piere els 1 '98 .

----



नागारयात्र कांब B. (3.3) (43) 1 2119年 10、 नाथाभिक दर् देखिम्हिमिक अध भागिक ১ 015|P क्षा भिरुद्रात तर

大學家 的现在,我們們 (Gamis alexate #2014)

43 43 T भन्नामरू—श्रीकार्टोन्स्याय वर्षना भाषाचि । त्यन छ । १५०० नि

ि ८१वा मध्या

**ब्रोटेल कमाबले क्रीबाब ब्राह्म नुबन् ५**००३ देवन्याचा भवन्त्रनाच ५००७, २५८५ वर्गहाल, ५३०५

শ্লীশ্ৰা জিলাবোডেৱ লাৰ ক্ৰিটা নিৰ্বাচন

अकाककी अधिक समेता विकासनाति। चक्ति भाषांवय अकाव इक्का केक्कार स्टाइस **ভত্ত সাবকানটা** চনাচটী সংগতিত হচলাতে। wulle felliebenice aberen in, wien contante, Gate **শ**ণভিভিগ্নাশ क्षिमान, त्यद्वश्युद्धतः सःविकित्सनाय व्यक्तिक, क्रांगांकित गांगिक ध्रमान व्यक्तिक, हुक छात्रक मृत्यक्तिमनाम व्यक्तिक, समीक्षांत निक्षित माध्यन भरतामम्, Beig fainfaulft amplot, aig मुहु: अप चाहःया, ताबू भक्षाचन धान्यो। (योगकी आंतुकक कार्तान जना बाबू (यात्रीक्ष माच् मतकाम् माहेलाम क्यिशेत स्थव निवृक्ष क्षेत्रात्वन ।

# वर्ष काम आदगाव-व्यटमान

चक्र मखारक विकाहक लागीरमध्के कविवरतक व्याद्याक-अद्या क् द्यानहान क्या आहेम मन्छ करिया विभिन्न पुन्न अनका क शालमान एक्सा निवारक । अञ 2960 अरिएम दनियांच विषय व्यक्ती भारत कार्यक्रिक क्षेत्रिक दक्ष दक्षानम् विकासके के व्यक्तिमान-व्यक्तिमान करिएक शास्त्रिक अरा ह केल्ल केलिल्स अरा **ंश्वास्त्रं**ी, भवाकः चन्त्रारमन्। विन ः सःहत व्यविक भारक । खेलिल स्थानारक र लाटक माध्यक्षकः निर्वाहरू । विश्व विदेश बच्च केश्वानगांव (याश्वान मध्यम ) किंच ধর্ম বনাম আমোদ-প্রাদ

নদীয়া-জেলাবোডের সাব ব্যক্তি গঠন

गढि जीवल जनाशि

কিপ্ত প্ৰজাৱন্দকভূক জনিদার খুন গ্রানে গুণ্ডার দৌরাল্যা **চ**টुखारम कर्जुभाक गडकंडा वार्ष्मीनिए (नव्हन्म

বিলাত হইতে ভারত ৫ গিনে

# শ্ৰীনবদ্বীপ-পাঞ্জক

भोताक 88%

মাত্র ১১০ ভাকটিকেট পাঠাইলেই বুকপোটে পাঠান হয়। আনেজার-গ্রন্থবিভাগ

ख्रीक्ट कर मठ, ला: क्रीमाद्या शुद्ध, महाजा

वर्ष्णभारम त्यारकः विवेशकःय व्यक्ष्म व्यामिक क्षेत्राटक दय छिल्ला घटनाटकछ आधिक अधिक एक विश्वनात्वाद्या निर्मिते स्त । मलाएका कातिकामा रामनावातिक व्यव्यक्ति माना शकात विषया कारणात- छण-कत्रन मरशास्त्र निश्च भाकिया मध्य पित्रम व्यवीर अविवादतके निक्षणक्रदन विवयस्कारम विश्वादिक विश्वाद्य ।

भित्रम विकारक सिर्द्या काकृति कारमाप-माना फारूनकः वस आंग महान्त्र क्रम भिन्न भयन्य, आंदश त-व्यदशास chisialy wished college colle-भिभागात निवृद्धि सार, पाई छानका भागीत्यःके बहस्य . बक्कि आहेत्सक পাপুলিণি গেশ ক্রিয়াছে যে রবিবারে

interne dista monthematiculat প্রতিরে। ঐ প্রিজিপির **ছিলীর দফরে** স্বর্থন গুরু মৃপ্তাতি পার্ভাগ্নে 🚱 🖼 🗗 iffel weiten Bilbe mi-compe भाषकारकारक भागविश्वास **८०८०** । जिल्लास त्याला है। आदिक सर्वनादस काकारमब था। प्रमुच युव्धिक भावत्व साक वद्यात कर्मा ३৮ क्ष्म भी १ के बाजभार १८० छ ावादा वानमासान करिएन, बहा अञ्चरी क 'লান্য স্বৰ্ষ্ণী ইংগৱ পক সমন্ন कर" (१३मा क्या छ्री स्वतीय दशक erternigeren feitaffe anger nur funtien fes Arien ateite ferfine र्शन नार्षे । छमा यात्र छ अवगरण क नह-.... इ.अध्यक्त महायान कार्य का गा किशारक । बिर्धितिश्व छ शिष्क्रीय राष्ट्रांडरवन প্রিশাস দেখিকার লক্ষ্ম সংগ্রাহা আছে।

# वार्ष् की नस कल नमानि

मुन् विशव्यक २४.म व्यक्तिरत्व ग्रन्त्व आकान, पठ र.एन खाँद्यन नाचि जात পাত ঘটকার নময় শাল্মিতে অবহা হাত कर का निवार है। जिक्काल ठ० क्रम व्यास्त्राकी-भर वक्षानि कोका समीधाउँ निर्माण क ा 🌣 💆 समय नाजाध्यशक्ष ४०८७ ६५.छा-ः राजितामी जन्यानि श्रीमात्र जे श्रान जना ंच्छान्थं' कार्यस्य अञ्च श्रामवार दिएकिंग। श्रीगाँदात माहरूक समक्ष बाषाब बिक्षक गाहर खात करवहें। यानी क्झाट्यत लक निमाहर कता किएल व मृत्य व्यन्तक क्रिकार करा क्या क्रान्य ९ व्यालक (कान भूकान श्री इस गाव नाई 🖡 **७मार्या ७०** है। गालिका **७ २ है। बांनक** 

# চট্টগ্রামে কর্ত্তপক্ষের সতর্কতা

क्षेत्रशास्त्रक स्थाम ब्राह्मिट्यक मध्यान क्षाकृत्म, मुक्त गार्भावक वाविनी कृश्य (लीकिवारक। युद्धाशीताम कर्षातारीत्वत अभीता तक खर्श-गाविनी काम कामास भ अस्ति मृद्धि मृद्धाम कहता श्रीक्षण्य भारक्रमण करता । अक्रमत देशक व्राक्षामाति म भार धक पर ८ जुन छ नियु स साहा क जिलाटक इ. आवालिले देशसूबक एकियाच witch !

राजि ४ ऐति शद बहेट्फ क्षेत्र श्राह्म अनगःभारमध्य साथ पावित करेटक छन्। र्विनी करिंद्रमध्या मञ्जा द्रमाभाषाकात आदिशंदर, काक्ष्य योगी निहलान अञ्चल िष्यम करिशा सिका श्ला'ला हेते अक २०६० bus viel mynice feiteiles mete miralcon i

अञ्च २८६७ वर्ते भाग्यं विका शाहिए हे आत्रव धन्ति ध्यादा । कारी करियारकत दम, काखि ४. छ। ब लब करणा हलांच गरमा The elois difes perio action बाटक, करव 'विन प्रान यहिनांत कस (कारकाया.वीष अन्यतादीद निचन करेटक व्यादक्षकीय अञ्चनि श्रवत कर्रस ।

भाड २६८म ब जिला छाउराय जुलिम वक कारन दशकर कामाक्यां। काउंश टक्की बसादी संचार्ति शर्मामन कारन क्ष्म्यताची ५० वस द्रक्टक (अधार कोट-शादक ! यून मा कालव मार्थ। व्यक्तकात निक्षे करक्षित देवे हैं। len । शहरूक द्रमाटक देशक विकाशीय कच्छा ने द्रमान्याका wei oseite i Gielei han Eife • बस्टार द्राकिमद्रिय शास व्हार अवकाती डिकीम ध्वर @ (st 516) अनदा व अनुभाक (काकश्य नः यहर-L TO 1-235

আন বাধান্ত মকবৃত গোষেন, মৌলবী वाणानप्रीक्षन वाश्यक, दात्र वाश्यक म कीम दशन, काश्यनी नाग छ छालक श्राप्त काञ्चलगड्ड वाष्ट्री छ रेनलपरनत भागा क्षेत्र माइक मार्क ए कं मार्ग है। जी-क्षिश्रद कांभिक्त कह दय, श्रीयण अम्मन्दर्गत अक्षावराध क्षक्रक संवक्षत एडि व्हेर्य कानका करिया देशक्यरक्य मानाया अव्य अल् गटकेका कृति छेगाँव व्यवस्थानव · 在11年7 ~克灯(事 [

# ভারতে বিলাভের বাণিজা

freitent num nifermit mie mien माना काक्रकदर्वहै लामान । ताक ४-२৮ मार्ग िमांक क्षेत्रक मृत्र स शलक दरमध्यत रक्षांकि, कश्रूरा ह आहे हेम्लाक खनः नानन्त्रान्ते । शहत्वावनीय विकित्त-भक्षार्थ व वश क्षां कुलार्च ,भाष्टे ५६० मण शाकिक मृत्याद ( कांच ४४४ क्यांनी निका ) প্রা জবা অংবল নি কর্মাছিল। গ্রু ছইতেতে টেড সমিতি ত'প্রস্ত : ৯ no नात्न विलाभ करेरक आगमानी শংগরে মুলা মাত্র ৫৩০ কফ শাউন্ত।

বিলাভ হইতে ভারত ৫ দিনে fantes verie ula a fere bemeß" नाम जन्मानि न्द्रसङ्घन ५० वन यहती . म र <sup>के</sup> यात्राव ५०२ माडेश (तर्न विकास व मिट्न व भागा कातावारणक करांत्री तकात केशकिक बहेतात छ। अस 01cB1/6 /

# ভারত ও ত্রমে দেল

एक्रियारम कर्मकृति सम्रोहक कार्क কেম্পানী যে পুল তৈয়ার ধরিচেডেন कारा मेख (नव व्हट्या आस्त्री) क्रुन शंदम क्षेत्राम बरदक छक्तकारी गुराक्ष दाश हिलाब कवा अपूर्व करिश्वाल में काइन दक्त मध्यत आहा कान शका प्राप्त िखक बन्दा कावक अवर अल मान दवन म्हार्यान €इं(वं,

### वाद्य छ अह दर्भे हा बा

CHREMINIA REIM E'ELMA HETITH श्रकाल, मल्लांड एवं कात कर्रधमकार्रीत करेंग के अक्षारिशाक वह दील इंडरफ हैं। ए MIRIT ofent noca Bestoun ofenta रमध स्तान्द्रिण आरम काधकान काछा शक्तिक भूषः मान फाश्य निकत्र व्हेट्ड b'ata व ख का पिता शहेश खानारक लाइदिश सम्मा हम्द्रभुरम् व्यक्ति छह्ति। ্রত্বন ভার্থের ক্রিয়ানে ওপ্রায় হয়ে निरम्बद्धार । वर्षशिक वृद्धारक । अवे गम्छ ना भारत के कि द भाग अधिकात भाई ?

### ভাষীনের টাকা বাজেরাপ্ত

देवनिक 'काल भोन्छरम्' भावत श्रामाण প্তিত ভাষাবীর আদাশক সরকারের कार्षात्वक विकास दशा अधिकान्ताद । ४७ शक्षा अञ्चलको अन्य स्थादनम्ब स्वर्थाः !-किर्वतः शक् २६ व्य अध्यव सारमा बारटका है। कू टकाम वि १४० कि मात्र टक, ध्वम, मधीमान केक विनम जनता दू क्रमाम ब्रह्म हरू. मि: मणीय त्रिश्व प्रभाव व्याचल्या कार्यस्य होता व्याधान कार्यस्था कार्यस्थ

Ger nerteneng miniment fin siala Bimi alteria wat senten i

# ভারতীয় কৃষিসমিতি

व्य गांभी ১১३ (ग इटेस्फ शिमनारफ कांत्र की व कांक्रमकाम गणिष्टिक कांसि-८०मन बहेटन । कार्डाटल ८०१माठे । सार्कान शास्त्रक क्ष्म हेकून हाय, शास्त्रक हाय लाफुकि वियास क्षेत्रकारमस लाखाव सहैता। धा नियरत कांत्रकीत निवासिकां सम्मानस्य স**িত একংখাগে কাৰ্য্য ক**রিবার বাবস্থা b राक के कि एवंड कितारक स्थाप का कार क दरमहरू काछ। वर्ष्वाम क्षेत्र काम द्वार रह रहा B| 41 <} ₹ • 64 |

# কলিকাভা কর্পোরেশন

গভ ফেকেয়ানী ম'় বালণা বালখা क हिंद दे की fa के जिल्लाम आहेग म्हानाय व वाका मि दनन हरेगछिन अन्बंद्रके दम निष्ठान किनाजाका করপেরেশনের অভিনত ভানিতে চারিয়ান ्ष्टम । **एक्ट्रक क्यूट्श्**ट्रम्मन क्रेड्ट्स धकति अध्यक्ताम कांत्रति पश्चिक कडेकाटक । साहार के कम मुग्रमान, द कम वालानि ्रचन महत्तारात्री छ अक्छन और्रान रिक्सा छ । स्वत्याद्व

### ৰাৰ্দ্দোলীতে নেতৃসুন্দ

আইন অমাপ্ত অংশেক্ষানের সম্বে द'्रिती स्थान, का ता मुक्त आमा wir igt eineitig marteitwenge Bretenn प्रक्रिक च्यारमहत्तः कहिताद चन्न नायीकी शक बन्दा र रि.श खांचारमव गुरु म विकिक ब्रह्माकिरणन ब्यारमाहलाय नार्यहोती कालाकत कातिकि लाग्म जरर अलाल ए। जाक श्रीति व्याक्षिति । अस वह कादा ि किंद्रे कहा कडेपाटका

शह २०१५ विश्वाम मात्र काल्यामञ्जी व्यानाश्चीक क मिः आफ. मतीयान ८ व्यान इटएड शहकीशी शवन किंद्र रहन । पाकना वक कारमान्यस्व ग्रह्म सालीवन वाकासी ভালুকে যে সমস্ত বাংলনাথ কমী জেছ किर्दाह्म, काशांश्वादक के गम्छ बभी भूका अधिकारी किंगरक किया वा भिट्रक क्षार्थात करियात के एक फोर्शन নরগারীতে অবভরণ করিয়াছিলেন।

माय का क्षांमधी वाराकीय है कि श्रवाचा शासीय गांवक गांकार कराम। कानान यहकीती आमृत्यक **ভা**খাল नारक्षकां मान्य क्षत्र क्षिणा गर्मात गांभारक शक्ष अवेश व्यागिशकिरणगा Pel'El शाबीत शृहिक काशाया बीर्यकान आध्ना-

bal an ! waterte gein nicht Grate चाचीरप्रमामक अधिक लक्ष्म करिया त्यम केवन क्षणांत्मम काश्रिक्षक विश्वास्त्रम ।

बिधिन रक महिला करदर्शन गांक पुरुष्णांकशास जिल्लिन स्क स्विका कर्यसम्बद्धाः कामार्थना मुश्लिक क्रम मुखा क्षेत्रा शिश्राक्ष । श्रीवृक्षा गरशक्तिकी आहे छ थ शिवुका गांवकीतावी प्रमुखान कतान de noin feblatis nwichal finition •हेन। होतुका मनना (मनी दहीयुक्ती क्रदशास मक्रास्त्रकी भएन 🛊 हीवृक्ता भाविती भावी व्यक्तश्री मधिक म कार- की भरम भिन्दािक का बहेबरबस ह

व्यानाथी प्रका करेक व्या त्य नर्वास जिन वियमगांनी अधित्यम्य क्रांत्व चन्द धके कश्राम कलिकाका क्रिकिस करण यशिद्य ।

# क्रिय अकात चाता क्रियात स्म

mimican seem afmican neater अनाम, मह्यामान का छः ना है। वक्ष्यां कि ह এলাবাণীন মাওয়াই মহলের অমিলায়েক ing anini poli manica i ablin विकारत व्यक्तान, के स्विभाव अञ्चलकर्त्र नव शादन्त रूप्ता पाक्रमा कालाव कविद्रक शिश्यकिश्यम । जिल्लाहर मनव मुक्त क्षेट्य us आम अग! १ मृत्य अविष्ट । खार्चाता होका नित्क लाडिन ना युनिया व्यक्तिया नाकि कांबारकत लेख द्यान कांबरक ८७३। कविश्वाकिरमन । वेबाटक खाबाबा क्क ब्हेश काशास्त्र विविदा रक्षरण क Deel bear mern wifin eintem निधन करता । कमिनादश्य गुळ क क्षेत्र कारण के कि कि । दाक व्याधाक नाइका के थान ६६८७ महादेश आन्दर्भ करता

# দিল্লী বড়বল মামকা

त्य क्लानान क्रीके वृत्याला विली वर्षक्य भामणात विश्व बर्द्धात. के क्रिक्सिनान ले at nen um micen mile wfanten ca as ain in acretaficela ainmin चक्किक क्षेत्रक खानाबिशतक त्व क्यांनी राक्षा कामाकविक कवा व्येष वामर कार्याभिनदक, काकः न्यातः न्यानस्य विश्वाब क्षाचा अवदय मा ।

# মাহেশ ও চাডরায় ক্রীক্রেস

व्यक्षामध्य भिष्ठिनियाणिश बाद्यम् 🐞 bioris रिकी व्यविमात्री कृत कृत्वन कविश्रास मक्का कतिशा जन्नकारका अञ्चलित कार्यमः क्षित्रास्त्रमः। विका क्रुरंगके 💅 लक क देश र लंक काब निका नाईटवंड

জ্ঞীগুলুগোনাকো জন্মতঃ

# শানদীয়া-প্রকাশ

নিভাপায় বৈকৃপবার্তাবহ

ঞ্জাস-আয়াপুর, ২৬লে মধুস্তন ৪৪৫

# সাময়িক প্রসঙ্গ

কালের কটিলা গতির প্রভাবে প্রীশ্রীগৌরস্থনরের লীলা-নশোপনের পর প্রায় তিন শতাব্দি কাল তদীয় আবির্ভাবভূমি সভাজগতের শীর্ষস্থানীয় স্মুপ্রাচীন নবন্ধীপ শ্রীধান মায়াপুরের সন্ধান অনেকের নিকট অপরিজ্ঞাত পাকিলেও ন্রীঞ্জীচৈতত্ত-বেবের ইচ্ছাঃ তাঁহার নিম্নতন ও বিষ্ণুপাদ জীতীঞ্জরাণদাস वावाकी महाताक, ও विक्रुशाम औ शीमध्किवित्नाम शकुत छ । বিষ্ণুপাদ শ্রীশীনমন্তিনিধান্ত সরস্বতী গোসামী প্রভূপাদ গ্রেম্ব নিতাসিক ভগবৎপার্বদগণের ঐকাস্তিকী চেষ্টার ফলে আঞ্চ জ্ঞীণামের জ্ঞীবৃত্তি শুধু বন্ধবাসীর নহে, শুধু ভারতবাসীর নহে পর্য অগতের সকলে হ্রদামগুলীর দৃষ্টি আকর্ষণ করিলাছে। তাই আমরা দেখিতে পাইতেতি, পুণিণীর বিভিন্ন স্থান \_হইতে প্রত্যক্ত অসংখ্য ঘানী শ্রীধান নালপুরে আগমন করিল খাকেন। প্রত্যক্ষণী মাত্রই অবগত আচেন, নহাপ্রভূব আবিভাবোৎসর সময় প্রতিবংসর সহস্র সহস্র যাত্রী স্তীনাম-পরিক্রমা করিয়া গাকেন। প্রায় দুইবংসর পুরের আমেবিকার । ওহিও-ইউনিভার্ণিটীর স্থাোগ্য অধ্যাপ্ত সাপাস সাহেব এবং অধ্যাপক নিক্সন দর্শনাথী চইয়া জ্রীগাম মায়াপু:র **অসিগাছিলেন। কিছু** দিন পুর্কো প্রোসিংড্রান্স বিভাগের কমিশনার সাহেবও শ্রীধাম পূর্ণন করিয়া গিয়াভেন। আমবা ভনিতে পাইলাম, বঙ্গের মহামার গ্রপরবাহাতরও আগামী বর্ষায় ক্লফনগর পরিদর্শনের সময় এখান মায়াপুর দর্শনে আগমন করিবেন। বে স্থানে ভারতের বিভিন্ন প্রেরণ এবং ভারতেতর প্রদেশ হইতেও এই প্রাকার বচ স্ঞান্ত যাত্রীর সমাগম হইয়া থাকে তথার মুগন নাফার বাবস্থা করা জেলা **বোর্ডের সক্ষপ্রথম কন্ত**বা। কিন্তু বড়ই স্থাপের বিষয় এই যে, তাহার। এবিধরে সম্পূর্বকপে উদাসীন। ভীগাম মারাপুর-ধুবুলিরা রোড নামক জেল। বোর্ডের যে রাস্তাটী আছে তাতা। সামারত বর্বা হ**ইছোই** এরপ ক্ষমাক্ত হয় যে, ভাহাতে <mark>পথ চলা প্রায় অবস্থার হইরা দাড়ায়। আমরা আজ ৪।৫</mark> বংসর বাবত শুনিরা আসিতেছি যে, ঞ্লিলা নোর্ড এই প্রথটীর শংকার কাব্য কারম্ভ করিলছেন কিন্তু কালেও: কিচ্ছ বেথিতে পাইডেছি না। ধাতিগণের স্মাগমের অসুবিধা गका कतिको औरेडकस्परित करूंनक व्यक्ति अवत द्वाराणित শংখারকার্যোর অন্ত জিলা বোর্ডকে কিছু অর্থ সাহায়ত্ত **क्रियारहरू । छवानि छोशा**मत এই প্राकान उनानीरमञ्ज কারণ কি 🏌 গভ বার কনিশনার সাহেবের আগমন করিবার পূর্বে অসংস্কৃত রাজ্ঞানী স্থাম করিবার জন্ম জ্ঞাপন করা সত্তেও কর্ত্তুপক্ষ কোনও প্রকার ব্যবস্থা করেন নাই। উপারাম্বর না দেখিরা ঞ্রীচৈতক্রমঠের মঠরক্ষক অতি করে রাক্তাটী বেটার-বানাদননের উপবোগী করেন। আমরা আশা ক্ষ্মি, ডিটিইবোর্ড অভি সময় এই রাজানীর সংখ্যার-কাণ্য

মার্ভ করিরা বাছাতে গভর্ণর বাহাছরের আগননের পূর্বেই উক্ত কাৰ্য্য শেষ করিতে পারেন ভাষার ব্যবস্থা করিতে কোনও প্রকার ক্রটি করিনেন না।

গত পরখঃ ২৪শে মধুস্দন ১৩ই বৈশাধ ২৬শে এপ্রিল আকর মঠরাক্র শ্ৰীকৈতক্তমঠে এবং রবিবার অপরাণর শাধামঠসমূহে শ্রীমীতাবিভাব ও শ্রীজাঙ্গবাদেবীর আবিভাবোৎসৰ অতি হুচারুক্তপে সম্পন্ন হইয়াছে। ও বিষ্ণুপাদ শ্রীশীমন্তক্রিদিকান্ত সরস্বতী গোস্বামী প্রানুপাদের ইচ্ছায় এই উৎসবদ্ধ হংসকেত্রে শ্রীএকায়নমঠে বিশেষভাবে অমুষ্ঠিত হটরাছে। এতত্বগলকে তথায় কলিকাতা, তীংনি মায়াপুর এবং আরও অনেক স্থানের ভক্তম ওলী ওভাগমন করিয়াছিলেন। তাঁহারা সকলেই এটাল প্রভূপাদের আফুগতো শুদ্ধভক্তিবিহিত मकी हैं नामिषाता 5 दुर्भिक মুথ্যিত ক্রিয়াছিলেন। সুঞ্তিসম্পন্ন স্থানীয় অধিবাসিগ্র উৎসবে যোগদান করিয়া স্বতার্থ হইয়াছেন। চৰ্শ্ব চুণা লেজ্পের চতুকিন বিচিত্র মহাপ্রসাদ সকলকেই আকঠ পুরিয়া বিতর্ণ করা ১ইয়াছে। প্রম ভাগ্রত স্থীয়ক মধীচরণ রাম ভফিবিশ্য মহোদয় এই উৎস্বের ব্যয়ভার গ্রহণ 🚶 করিয়াছেন। সঞ্চীতন-ছন্টিকের দিনে এই প্রকাব মধ্যেৎসর। নে স্কাস্থাবণের হান্য হটাতে জ্বাভা দূর করিল। টিভজোন্য কবিবে ভথা বলাই বাহুলা। খ্রীপাদ ভক্তিবিছয় মহোদয় তাঁহার স্বোপাজিত অর্থ হরিষেবায় নিযুক্ত করিয়া জগন্ধাদীর সম্মুখে অর্থেন স্থাবহারের প্রকৃষ্ট গছা এদশন করিতেছেন, তত্ত্ব তিনি সক্তন্মাত্রেরট ধ্রুবাদের পার।

পারমার্থিক ভাবত ভগতের ওক। রাতবাং প্রমার্থের मिक मित्रा (मिब्रांड (१९८० कशकारी) सक्तमाई <u>नार</u>दाहत निक्रेड অবনতমন্তক। কোনও সময় ভাবত কুমি, শিল্প, বিজ্ঞান, বাণিজ্ঞা, রাজনীতি, যুদ্ধবিখা, আয়ুর্বিখা প্রাভৃতিতেও জগতেও শীর্ষস্থানীয় ছিল কিন্তু কানের প্রভাবে ঐ সকলের অবলতি ঘটিকৈও ভারতের প্রমাণ, সম্পদ্ধ কেই । কামও সম্মান মই ক্ষিতে পাবে নাই এবং কগন্ত পাবিবে না। স্থানশং হাঁভারং নিজদিগকে ভারতবাসী বালা পায়চয় দেন এবং ভাবচের উচ্ছলা বিধানট হাঁহাদের জীবনের একমাত লক্ষা, ভাইংদের শর্মপ্রধান কণ্ডতা-- নিজ্ঞতিগকে প্রমাথলিফার শিক্ষিত করা এবং নিছ্পিরোর আদর্শ জীবনধার। জগধাদীর মঞ্চলবিধান করা ।

অধিভারতের গবেরণাগার সংস্কৃত সাহিত্যে সংবলিত। निज्ञानकमाण्यतः निमञ्ज्ञमान छशनश्रमदेनकनिष्ठे स्राधः अनिधन । জগতের মজলেব নিমিত্ত ভাঁহাদের সাধনার প্রথালী এব स्टतीर के मकत अभूगा तरकृत मसारमत निधिष्ठ व्यक्तारकत সংস্কৃত সাহিত্যের আলোচনা করা কর্ত্রবা। অক্ষত্র জ্ঞান বিভা সদ্ধানৰ আহুগতে। ভলনপ্রায়ণ বাফিলগতে স্ক্রাভা নুতন শিক্ষাপদ্ধতি প্রবর্ত্তনের সঙ্গে সঙ্গে সংস্কৃত প্রটের হইলে অধিকাংশ ছাত্রই বে উধা বাদ দিবে তৰিবরে কোনও অভক্ত অন্ধ বিখাসকারী।

বাসকমুলভচপ্লতার বশবন্তী সন্দেহ নাই। বাল্যকালে উহা বাদ দিলেও ভবিষ্যতে সংস্কৃত সাহিত্যের প্রয়োজনীয়তা লক্ষা করিয়া অনেকেই দু:খিত ইইবেন। হতরা সংস্কৃতপাঠ বাধ্যতামূলক থাকাই বাহনীয়।

# <u> শেভাগা</u>

खगरन चिर्नातकति नैकशरनात्रामीरक **एकिन्यविनया** व्यामीकिक भक्ति मकाय कतिया छे 'एम मिताहिस्मन। তন্মধ্যে আমরা লক্ষ্য করি বে, ভাগ্যবান জীবই স্থগবৎক্ষপা ও ভগ্ৰজ্ঞন রূপা চটতে ভিজিল্ভার বিলে লৈক। লাভ করেন। দিনি শ্রদ্ধা লাভ করেন, ভিনিট টোভাগ্যবান। শকার্যপ্রিব ক্রাক্রপে আমরা বেভাগ্যকে দর্শন করি। অকিলভার বীক ভুটাতে জীবাতার ভুমবুতি ভক্তিশভা লোলোক প্রায় গভিবিনিটো হট্যা ভল্নীয় বস্তুকে সেবা কলে নিজ কৰি প্ৰদৰ্শন করিবার চৌভাগ্য লাভ করে।

'শ্রে' শব্দে শ্রুত নিখাসকেই লক্ষা করে। স্থাড় বিখান ও অন্ধ বিখান--পরস্পার বিণারীত-ধর্মবিশিষ্ট। অফেজ ভাগ্যার প্রেক্তি বা অপরোক্ষ ২৩টে আছা क्र'भारक है 'अस विश्वाम' करण । अरशक्त बाद मिछा। িটান ও অবিমংবাদিত চিদানল কথনই অন্ধবিশাদের ল্ফীড়ড বন্ধ নতে। ভ'শেষীন জনগণ্**ই আকল ভানের** বশবর্তী ইইয়া ভঙ্গীয় বস্তুর প্রথমা ছতিকে অভ্নবিশ্বাস রতেপ ভ্রাস্ত গরেণা করিছা <u>৪৯</u>ইন **হয়। কিন্তু প্রেক্ত** এতাবে প্রজা অংজ্য বছর স্থানে অন্ধ বিশ্বাস্থাত নছে। শ্ৰার পাত্ররূপে শ্রন্ধার পরিধানে যে সাধুর মঞ্চ হয়, ভিনি 🌁 অনোকজনেবাপর জান্বিশিষ্ট। ক্ষুত্রাং ই**জিন্দান্য দৃগু** ভাগতের জান-গৃহে আন্দ্র নহেন। সভাজান বছার দুখাপতে উদিত হওয়ায় অনপময় দুল্ল জগৎকেই বিনি একমাত্র অবস্থন মান কৰেন না, তাদুশ সাধুতে বা ধিছলালো সাধকের প্রপৃতিই ં મધ્યાં માંગી દૃષ્ટિ ।

শ্রমাবান ব্যক্তিই হতিংব অধিকাবী। অশ্রমধানের ফ গাঁজ ভূমিকাৰ তিনটা পথ দেখা বায়। অক্সজ্ঞানচা**লিত** এইণা ঐ পথ তিম্নীতে ভ্রমণ করিতে বেলে ভ**ক্তি পর্বের** সকলে প্রাপ্তা হার না। অক্সজ্ঞান প্রাচিত সৃ**ত্য অগৎকে** জে: নলিল দীমা সা কলায় অন্ধ বিশ্বাস ব্যতীত **তাঁহার অক্ত** গতি নটে। অন্ধ দুখলগুৰ দুৰ্পন ফ্রিটে অসমর্থ। ভা**হার** কেবল চেটাই দুগু জগৎকে দর্শন, স্কুডরাং অন্ধ বিশাস অদিদ্ধঃ অধিবোহ পথে এক অন্ধ অকভজানের বশবতী হুইয়া অপুর অন্ধকে নিজের অনভিজ্ঞ**া গোপন করিয়া** সাধনালক বিনয়সমূহ সংস্কৃত সাহিত্যে লিণ্ডিবন করিহাছেন। নিজকে লভদর্শন বলিধা পরিচয় দেওয়ায় এবং অন্ধবিশাসী ভীহার অন্তশমন করায়, ভতত্তোভভাবে দৃষ্ঠা ভণ্ডের নিমিত ও উপাদান আরণ নির্ণয় করিতে গিয়া কেছ বা 'ব্রহ্ম' শব্দে বেদাদির প্রাথম্ভ ফল পাইবাব সম্ভাবনা না থাকিবেও সংস্কৃত ্ পাহিৎ দুছা, কেহ্বা মিলো'শলে দুছা জগতের মূল কারণকে ় সংস্থানিত কৰেন। উভয়েই শান্তৰ হল্প-জানে অজ্ঞানী হইয়া করিতে পারে। শুনা ঘাইতেছে, কলিকাতা বিশ্ববিধালয়। অভক্তির পথকেই নিজ নিজ এমণ্মার্গ জ্ঞান করেন। অক্লাভিলাবিতা, নিজের উপাধি দ্বানা এটিক পারলৌকিক বাধ্যতামূলক নিয়মটা প্রবিদার পরীকার ভালিকা হইতে অনিতা ভোগ অথবা নিজ্ঞো-রক্ষাত্রসঞ্চল, বই নিশ্লেংস যালিকা উঠাইয়া উহা তথু স্বেচ্ছায় পাঠার্থিগণের নিমিত্ত রাখিতেছেন। স্থাপন করেন। অরু বিমাসের হানা অদৃষ্ট ব**ত্তকে লাভ** সাধারণতঃ বালকগণ শব্দর্শণ ও 'ধাতুরণে'র অধ্যায় দেখিয়াই কণিশার উদ্লাবনী শক্তি ওক ও শিশ্বকে অভজ-স্ক্রায় সংস্কৃত বাদ দিবার পক্ষপাতী ; স্কুতরাং বাধাতামূলক না অজ্ঞানকুপে পাতিত করে ৷ এইজু ভক্তিমান্**ই লৌভাগ্যান**ু

1500

η,

্যু জ্ঞানরাজ্যে নির্ভেগ ব্রহ্মাভিন্ন গুরু-পরিচয়াকাজ্য মুক্তাভি-মান করিলে তাঁলাব থিচারে জান-জেয় জেতার একথগ্রযুক্ত উপদেশযোগ্য বস্বস্তরাভাব। আধার অধিদ্ধ অবস্থায় অজ্ঞান-বলে তাঁহার গুরুভিনান প্রভাগে এক অন্ধ অপর অন্ধকে गांधन-तांखारे गिकि-व्याधित निक्ना व्यवस्त करत । राक्त তাঁহারা ভজিহীন ও মন্দ্রাগ্য।

ভাগাবান জীব ভগবান ও গুরুদেবের প্রামান লাভ করেন। সেই জ্যোদ হইতেই তাঁহার ভঞ্জি - সোণনের প্রথম স্তর্গান্ধান वृश्चिन आकरि। कीरदर भोजान क्रुटे शकात डोम्ट इस। मृष्टे ७ व्यपूरे इन्टाए ह्या स्ट्राइटिन जिल्या भारत निर्फिट जाइन, **জাহাই সাধুগণও বলিহা খাকেন**। জাতিমার দেব্যি ভাষার প্রাক্তন হারুভির কলা বলিয়াছেন, আনলা তাহাব উভি-হইতে জানিতে পাবি যে, আমাদেবও অদ্চ-সংগতি বন্ধাত লমণকালে লাভ হইবার সন্তাশনা আছে। দুই ভবতি বিশ্বে **জ্মামরা নিজ্যুক্ত দ্বারা সাধু ও শান্তেক উ**পন্তৰ আন্ত কৰি। জিলোৱে গ্রেটিন নিজ্য কেট্রা**ল্যান** ধ্বা যায়। সংস্থাত **সন্ধ-প্রভাবে প্রধণ জন্ম আমানে**দর দুই ফৌচাণে উদিত হয়। সৌভাগোলয়ে আনাদের নিজ্য আন্তা অভ বিভাসেব প্রিব্যুন্ত নিতা উপল্পিজনিত প্রণারিচিত নিতামান্দ্র মাল প শাল্পের সালিন্য লাভ ক্ষি। তার্গতে আন্তাদর দর্শনাভার্ণক কোন ও অন্ধ বিশাস করিতে ২৪ না। দুল জগতের প্রতাকানি **ट्यांगमधी** छेणवासिष्टे व्यामातनत निर्द्धना गासिक उन्हें स নশ্বর বস্তুতেই অন্ধ বিধাস স্থাপন কলায়। ভক্তির প্রান্থ অবস্থায় সাধ্য-প্রত্যের শ্রন। স্কর্ণ একর । চল্লান নিম্পাই (मोनाशा ।

# শান্তি লোগায় ?

(পণ্ডিত শ্রীপাদ কিলোগীমোহন ভত্তিনাদৰ বি, তল) व्यातकतरम् ५३ कर्पम्य क्षण्यः १४म कामिलिए। क्थन माधिक महत्वक्षस्यामाक्षण विकासक वसीमक व्याप কর্ম করিতেই হলরে, অব্যাহতি নাই। টোলনের পান্ধ লে ত্রেকদিন এইরপ কর্মের । ভেনে বেল। ছিপান্যাত সময বাহির হইলভি। বৈশ্যে মান, ঠেলে মান টোডেছে, **প্রেচ্ড মার্ট্রভাপে সাবা ধরিত্রী মেন ক্লিট্রার চারণ** कतिबाहर । काफी बीचे मुख्य भाउन देशन किया है। **চলিচাভি। কোথাও** একটু বিশ্রামন্তান নগনগোচর হয় না।

কিঃদলুর ইটেইবর পর প্রথব রৌসভাগে মতাভ কাতর হটরা পড়িলাম। শ্রীর অব্নর হট্য, চলচ্চিত্র রহি ১ হইল, প্রাণ সান্চান কবিতে লাগি। একড় শীওল ভাষার অভ্যক্ষকে উন্নের হইলান। কিছু দেবল ছালা কোথাও মিলিল না। মত্মতে ভালতাৰ নিজ व्यक्षेट्रक विकान निष्ठिष्ठि, ज्ञान मारा जानात्म क्रीर একপণ্ড কলে মেন দেখা দিন। দেই মেনধান কমাশা অপ্রেমর ভরী, তীদ্ধে লামার মন্তব্যোগরি আবিও গেণ্টিবে মাস্ত্রনের কৈঞিং আক্ষানিত হওগত নিমে চাল গতিত হুইল। আনিও কাত্র প্রাণে দেই ছান্ত্র চালিত লেকে শাহিত্যত করিবার এক আখার লইলাম।

হার : হার : মুগ অবি. ত্বিলাম না যে এরপ প্র ভার্মী ক্লেলেরই পুক্তবৃহনা মান্ত তেখার্থন যেনন স্ত্রিয়া ধাইতে লানিল, আনিও ছাধার আশার ছটাছটা ক্রিতে লাগিলাল। প্রিশেষে আছে হটন হতাশ হত। পড়িলাম। সামার ধ্থম এইকং ক্ষান্ত। ওপন কিছু দূরে অভিবাহিত করিয়া বুরিতে পারিয়াছ যে, তথায় শান্তি আদৌ দেখিলাম একজম জোভিশার সাধুপুরুষ আনার দিকে আসিতেছেন। নিকটবর্ত্তী হউলে, দেখিলাম তিনি এক- প্রক্লত নিতা শান্তি চাও, তবে প্রেমকলভন্ন নিতাবন্ধ অভিন

कन देवध्व प्रकाशी। स्नीच उँकिन श्रामवर्ग मतीत्र, नगांकि निजानमविश्वक **विश्वित्रमात्रभवा मानव** श्राहम, कर्त्र। উর্দ্বপুত্ত, অলে তিলক, হতে তুলদী মালিকায় জ্ঞীনাম জপে নিরত।

তাঁহার কি অভাদুত শক্তি, দর্শনমাত্রই মন্তক স্বতঃই তাঁধার জীবেশে নৃত্তীত হইশা পড়িল। তাঁহাকে কোন প্রের করিয়াব পুরেইট ডিনি আমার অবস্থা দেখিয়া জিল্পাসা। করিলেন, 'প্রক্র শাস্ক ও নাস্ত পথিক, তুমি এই রৌনে মাঠে চুটাছুটা করিতেড কেন ?' আনি বলিলাম, প্রাচেট এই ছায়াৰ একটু শাস্তি লাভেৰ আশাষ্য ' তিনি আয় ছিল্ভি না কৰি ৷ আমাকে সঙ্গে লইবা নিকট্ল্ছী একটী বুক্তল দেখাই। দিখা ধ্সিলেন, 'এইখানে বিলাম লাভ কল, শতি পাইলে। আবার সমনে নেপা কইপে। এই মাত্র বলি । হিলি দারপদে আছেছিত এইলেন।

ভার পদ বহু দলে অভাতের গুড়েলীন হটা গিগছে, প্রাদেশপুদাক উল্লুদণ্ড ভানিত যে নিজ-চলাহল আফা ন ক্লিচ্ছিল্ম, তাব বলিও যে শমন্কিয়ার সংগ্রহাষ প্রিলন করিবালিলান, সংসাবভাষার শীতল্ভা লাভ ক্ষতিবাস আৰু তাওন প্ৰেটিয়া যে যদ স্থা অধ্যন্ত कर्तिसाम अतः शहात्र कास है हकाल असकात कृते स्थापटे ন্ধ কবিলাম, বে সুখার মাখতে অংশাম্পীচিকরি পশ্চাদ্ স্থানি কটান, জুলাই এটি কোন ছাত্র পাল্ডন প্রত্য করিবলৈছে, ক্রুটি চুস ্ৰন বিশেষসাৰ নিজুঙি এই ল'ল লা এবং, আনহাণ্ড बिरायन कार्य में भा-भागिष स्वाप्ताननार प्रशिक्ष ।

জাপট গতিবেকাছালে জীভেগবানের রুপা সাম। জার मा शक्तिक ज्ञान करा दक्तरहे खाल विक्रिया । अही ই ছন্দিনে সংস্কোণ্ডে বোরতর ছথে নিয়ালিত ইকরা শ্বিন অভোগ স্পত্তিধনিৰ্শন ভাবেংস্ভি সংশ্বে ভকু দি পুদ্ कालिया पिठिया। कातल--भागु राज्ञ भागु मञ्ज्ञ मन्त्रं नगरत्व कर ব্ৰম্ভ সাৰুপদে যাহাগতি হয় গ' নিঅংশৰ শুল্ভান্তপ্ৰই অন্যান্তে সদক্ষের নেকাসনিব্যালী জোন করিয়া জারাত শান্তি প্রদান কবিতে সম্মান্ত পুরের অভিন্ন বছরান আগাম-মান্ত্রেৰ কথা শুনিলভিল্মে। ভাই উথনে ঐঞ্স সাধু-সঙ্গের আশার জ্রীনাম মানাপুর বার্যা কবিকাম।

উচ্চল্যাল্য সৈ, উচ্চাস-অসন, জিনাৰৈত্ত্বন প্ৰাচ্ডি দৰ্শন পুর ক গুরিতে খুরিতে জ্রীতৈ ভর্মেরে আফিরা উপস্থিত হউলাম, দেখানে অভান্ত ন্যনমনোটভর্যে জীবিপ্রহ দশন ও জোগাস্তিত ব্যাহ্যৰ আসিতা পাড়াইবাহি, এমন সময় হঠাৎ সেই পূৰ্ব্ব-প্রিডিভ সর্যাদী মহারাজের দর্শন পাইকাম। দর্শন-মাজেই 🖡 कर्य आमर्क्क डेस्ट्रिन इंट्रेंट्र डिनिंग व्यक्ति मार्श**क** कृष्यित कडेबा मध्यर कतियाम । अञ्चयाभी विकारकेक्ट्रिय হাণের অভ্যত বুলিলা বলিতে লাগিলেন, 'ভৌমার অভানে আলম্মনের কারণ আমি বুলিছে পারিয়াছি। সেই মাঠে যুগ্ন স্কোং ইট্যাছিল, ভিখন তোনাকে কোন কথা বলি নাই, ভথন সমধ হব নাই। ভুমি চঞ্চল ও সমনশাল মোৰের ছা য়ে শাহিত শতক্তা লাভের জন্ধ দৌড়াদৌড়ি কৰিছে-क्षित्व ; उन्निक्ताना के क्षेत्रिक तुकाउन मिथाईमा मिया অন্তর্ভিত হুটরছিলাম। তথ্য ভরের মধ্যে প্রবেশ করিছে

এতক্ল সংসারে —নেছের ছায়ার স্থায় গমনশীল, অনিতা (ভক্তিশতা) বৈকৃত হইতে যায় গোলোকেতে ও চঞ্চন্ বস্তুর, আশ্রেমে শান্তিলাকের আশায় সারা জীবন নাই. অধিক্ষু উৰ্বেগ ও অধিক্তর ক্লেশ বর্তমান। বলি

বর্তুমান যুগে যুগাবতার পরমহংসপরিব্রাক্ষকার্চার্যা 🗳 বিষ্ণুপাদ প্রীপ্রীমদ্ ভক্তিসিদ্ধান্ত সরস্বতী গোখানী মহারাজ জীবকুলকে শাৰত শান্তির স্থশীতল ছানান প্রতিষ্ঠিত করিনা তাহাদিগকে উপারের মার এই প্রাপঞ্চে অবতীর্ণ হট্যাছেন। তিনি একবে এই শ্রীচৈতক্ষতিই অবশ্বিতি করিতেছেন। তুমি যাও, সমর তাহার কোটিচক্রক্ণীতল শীচরণে দৃঢ়ভাবে শরণ এছণ কর। তবেই তুমি নিতা শান্তির অধিকারী **হটবে।' সন্নাসী** মুখ্রাজ এই বলিয়া নিম্নলিখিত মহাজন পদাবলীটা গান কবিতে করিতে ভানান্তরে চলিরা গে**লেন**।

''নি গ্রাই-পদ-ক্ষণ্য, 'रकाउ-एन-सभीकन, त्य झाला जगर खुझा । হেন নিভাই বিনা ভাই, রাণাক্তম পাইতে নাই দৃঢ় করি ধর নিতাই পান।" हें छापि हें छापि।

# ब्बो ७ तह- वन्द्रना

( डी) का महाक्रामिनी (सवी ) ( t )

শ্রীণাম-সেলার অপুশ সম্ভার জগতে দেখালে স্বামি। মহা সঞ্চীপ্রনে िशा प्रकाशहर लियाल कीर नोजक्षित প্রচার ছিল না कारुक् श<sup>ह</sup>ल्लाहरू ছীবের মঙ্গলকামী। প্রেড় মহার'জ সভক্ত সমাঞ্চ <u>লেচ।বিংশ মাত্র ভূমি ।</u> १७५, **ड्रिइइन बन्ति काशि** भ काडेन सांडेन एड कत्यामभ मञ भिष्ठा इंडि व्यक्तिमानी। व्यष्ट्रनेनी पुरवा खाइ (क्याइटन **क्षिमादाश्वारण कृषि ॥** পুনং পুনং সমি আমি # ভক্তির মঞ্চাল कांशिल शक्त নতে ও ভক্তি-কামী। অপশ্ৰ আচরি' धर्मा-८न्य-भाषी मुक्त बङ् तानी कामी व व्यक्ता । जक्याज क्या कृषि ॥ मनुना, दर्शास्त्रीक अन. जुल दर्शाक ' কত আরো লোক কৃমি। আর রগাড়ল অন্তল, বিভগ সব দেখাইলে ভূমি॥ क्य प्राप्ता निम निम ॥ ভিক্লিড়া ধরি' शिकनाति कति' इ'रव क्रिय भारतिबाकांगी। अवारमांक रिवा वित्रका इंटरिया हराङ देवकुर्भगामी॥ জয় জয় প্রভো তুমি ।।

(छवा) क्रक्कडक मानी।

दमय रमयारम पूनि ।

क्षित्रण विन पानि ।

द्याम मण बान

তার ছারা পাম

# গ্রন্থ পরিচয়

# <u>শ্রীমদ্ধাগরতম</u>

শ্ৰীননাহৰ্দি ক্লাইবলায়ন দেন্যান প্ৰণীত মুল, শ্ৰীমন-मध्याष्ट्राया-कृष्ण क्टार्श्या-निर्धारीकाः, श्रीमप्रतियनाथ ए कृत ही क्रेक्क्र-क्रुक भारार्थभनियाँ दिका, वजास्त्राव, मध्युक जयह अ त्मके करकात छाडिलाछ कथायान, जापारतन अगरम है অধ্যায়ের সার্গ্র শ্বিস্থত ভাংগ্রাণি িবৃত। শ্রেক্স্টী, निष्यापूर्ती, अमाध्यित्तत्वन, शांद ଓ सामस्तिमक छेन्य কাগতে উত্তম অক্তরে মুলিছ। এপেম হইতে ১০ম কন পায়ে ছাপা সম্পূৰ্ণদ্ধে শেষ হইয়াছে। ভিক্ষা প্ৰথম कतिएक क्रम क्षम भगीथ २३।√०; मन्त्र यक ३२०; ं 3,3,51 Reg 1

# শ্রীনীটেডগুচনি ভাষত

खीदीगर्दाक विद्युप्त के ने का कार्या के कार्या के कार्या के किया के कार्या ত প্রীমার্ক কিনি জাও সরক হা বেনকামী প্রাদ্ধার বিভিত ক্ষিত্বভাষের একতি অভ্যাদি বতু শালাল্যখাণ স্থালিত এইয়া , क्षाका भिक्त करेवारकण । (सारकत नावस्तानाना, एकानुनावर প্রাক্তোক পর্যারের পরেক স্থাতিও অভিযাস সংযোগিত। পদীয়, মাদ, পান, মাজে প্রাড়ান্য কয়ছং স্টা ও গ্রন্থকারের ৰিস্ভ জীৰনী-নম্মীয়ত এই চল অসুভালু ৰ সংক্ষাল তাহঃপুৰেন কুরাপি প্রকাশিত হয় • ৮০০ টি এম কাপ্রকে প্ররূপতে র माथण हुन कामरत यूनारन यूनार स्टेशर । अन शांत beco शृक्षा राष्ट्रात । जिल्ला प्रक्रमध्य कर् माळ १

# ্র টাচ্চলভাগ**ব**ড

গুলকারের জীবনী, প্রতি প্রিছেদের ক্রামার, বিস্তৃত বেটিটার ভাষা, শক্ষত্তী, পরারত্তী, বেশয়-ছান পাতালি ক্ষতী, আছেটি বিলিও বিচ্চ সংক্ৰিড বিদাউ ছিতীয় সংগ্ৰহ ভবল জনউন ৮ গেনী অনুকরে। অনিবীলা ও মচনর किश्वपुरम् ध्वकाभिक इवेद्वाक्रमे । क्रांच क्रांच ध्वकाभिक হুইতেছেন। অগ্রিম ভিজা ১ ড.কা, আদি শীলার किया ० ।

## **बिटिहरू महल**

এই প্রশ্নের একণ অভিনৰ স্থানর মংসরণ আর কুরাণি **প্রেকা**শিত হয় নাই। সংস্কৃত প্রেকোংগ্রের অধ্য, বঙ্গালবান, ভাষা, কথাসার, ছব্য প্রাকৃতি সহ গণ্ডে থণ্ডে প্রকাশিত हरेबाहिन। मून (बाठे। खकरत उनन क्रांडेन बाहेरलकी ব্রচলাকারে ভাপা হট্যাছে। মুল্য २॥• টাকা। নদীয়া-প্রকাশ ও গৌডীয়ের গ্রাহক গড় র প্রে ১॥• টাকা।

# শ্রীৰম্ভগদদগীতা

—- **এনেটির বৈক্তবাচার্য্য অ**প্রাক্ত রসিকচুড়ামনি **এত্রবিদ্যাথ চক্রবর্ডিগারর গোলামিকতা** সারার্থবিধনী টিকাসমেতা ও প্রীশীমছাকিবিলোদ ঠাকুর-তাণীত 'রসিক-রশ্বন নামক ভাগাভাগান্তির:। অধ্যায়ত্তী, মাতৃকাজমে (साक-एडी, विश्व-एडी, अष्टकारतत की गरी ७ व्यवण्यभिकामि बहु-काछबार्विवस-नह छेरक्ट दीवारे कृतीय मरबवन--- ८३ ताल मःचत्रान्त किया २ हासा माज, गांधात्रग मःकत्रा-- >॥ • क्षेत्रा गावा।

# **শ্রীল প্রভূপাদে**র বক্ততাবলা

ও বিস্থাপ শ্রীমন্তভিদিন্ধায়ন্তম্ভী **भिष्यामी मश्तारकत** लाहे खिल्छ। विकास कीताश्चवत्याद्वाधिनी क्षम कार्कानमस्त्रिनी कीवयन्त्रान्त मुर्गः विश्वकः -देवस्थवित्रक्षास्त्रः त्रज्याद्यात् । दर्शस्त्र स्थापि - सन्दान्तस्य देवजनविद्धान्यभारतत दर्शातिक एका-च्यावताच च छात्। उत् भगवा उत्त -- भटादान जीतना नि छ-निक्क क-न जिला किया व আজিশন, তথ্য ও বিরুচ্যাদিয়ক। প্রতি হকের আদিতে অচিয়াত-বিস্থাক— ইংগ্রে ওমাধ্যারনের মেংলিক প্রেন্দ্রার ----गथक, भिक्तिएय । ७ । शास्त्राक्षण एटवस विकास स्वाप

> ১। প্রথম খণ্ডে -বৈশ্ববদর্শন, খ্রাভাত্ত, করে-मणं, बीममानिकान, काराग्रहाननी, आक्षताहिको में छ ও বর্ণ-বিচাপ, আত্ম আ ও মনোন্মা, প্রীটেড্ডল্ল ন ভাষার শিকা, অঞাকত স্থক্ষাক্স ও লেকেও স্থকাজ, প্রাকৃতি বিশ্বতি মংগাক রয়ে জনোভিত। ভিখা মতে ভাতি ছতি পুরণ্য-গঞ্জা প্রকি মাহত-শাস্ত্রসভুতের প্রমানাব্যী uo ধার ভারে। ।

5 1 THE ETER STATES IN THE TOTAL TO BE A THORE OF THE PARTY OF THE PAR শোষ্টা কেপেতে, আহ্ব নিতার্তি নীম্প জ্বামিতা (त सम्बद्धाः व वर्षः) কীছেন, জীল্যাস্থাৰ জা বিজ্ঞান্ত্ৰত কীক্ষন, ব্যাসের স্থিম্যা, মুধ্যত এক, এই তান্ত্রিক, জীনাব্যস্থত ৮০ মন the function of the dealers, but there while define in 「多郷」」(中 3 (本) A. A.)

क्षारम । विकास — ६५ भाषा १ तराव स्टेस्स ( हेन्स) । १०० CPए डि.किम, उ.7क वत्र , चक्छ ।

# ই মঙ্গানক বীস্থা

(१) पृथ्व तिसक्षत्राम्भानिक तथकतः न्युक्तिमान कार्यस्य निर्ण् ब्री कि कि दिनान देशकर रहे । एक अल হোলায় বিভাৰ অধানসকলা নামক ভাষ্যক। এবাছ-প্রা'ত প্রোকেষ ওলেম ও ত্রীয পদ ক'ে । ১৯৭ ভীবনী প্রায়ুণ স্থানিত। चैरक्ष चेहिक्कि, संकिताध्वतन ( क्रूबिक सन्धनन ) अहरूत किला २ है जिला

#### প্রথেয়রত্ববলী

ध्यामभारतन विधाननग-अणिक देवस्थाननम्, मन्तक व গোপিন-ভাষাদি গ'ড়বার প্রথম এছ। উৎরও কার্পিতে ভাপা। স্থাপুত টাকা ও এালবস্থান্তব্দ-সাহালে। कर्मिक वर्षात्कता अस्ति। विश्वास्थ्या । क्षेत्रा । विश्वास्थ्या । विश्वास्थ्या । প । আনা মাত্র।

### श्रीनगरी भागमा इनका

ষীপের বে মধিম। কীডিড আছে, ভাইরে মুল সংস্কৃত ভ অন্তব্যে। চিকাত জানা।

# শ্রীন্ত্রপভাগতরক

শ্রীগার্থর ভাষ্ট্রিনেশি লিখিত। প্রলালিত গ্রাণ্ট্রে পরিক্রমান সংবাদি বিষয়ক। ভিকা। আনা।

#### ভজিরতাকর ও নংশীপ পরিক্রম।

हरेरड शतिक्रमाः भाज गृशीक; श्रीकीव शाक्षामी कि প্রকারে বীমব্বীপধানের প'রক্ষমা ক্রিয়াছিলেন, ভাত্তি পছে বিবৃত। ভিক্ষা ০/০ আনা



জীল ভতিতিবিশেদ সাৰ্থ তাওক। ইংগ্ৰান জ্বীচভাৱেন াপ্ৰালী—≱মা, ক্ষাণ্ডি ওয়াৰ- সহ ওয়ুও হীৰ भ प्रया एक्सरारम्भ कन्नु-स्था अन्ति श्रि-विश्व-द्यारान्ति । कार्य-কাণ, জাপ্রয়াদির বিচাধ - ধৈনী ভক্তি, ভারভতি ও ्रध्यमार्था क्रमण । नामानकान-धानानी । **७ व्यारेकानी**ल गीता-প্রবিচয়ানি প্রথম নিখানীর উপ্রোগী করিয়া সরল ভাষ্যত ন্দুৰ্য প্ৰি-মেন্স্ত লিখিত থাতে। ততুৰ সংক্রণ বাধা ২০ ডকো, অবেয়ে ১৮০ চাকা মার

# গোড়ীয়কণ্ঠহার

🖺 🗠 े ही स देवनक्ष्य अरुवाद 🔻 अरुवाद 🖚 देश 🌣 वासनदर्गाला 🥆 नियमित् कुर्यकर्म मार् ८ ६ फिल्हा एडेक्स देवस्थ- त्वत शात्रमयग भन्न कृष्ता। अकाशित वस माहै। हेट १८ है। १६ १ के १ - प्रांतान है देवान र देवान है। जिल्हा निर्देश करण ाटे - ए -- ए छ -- स्टिन्स- च प्याप्त -- भीत - चटि श्वार्ट्स ए अस ----- <u>শ্রেক্তির ও রোমার-ভিন্ন হরি পুর্বর ভারারে</u> ন্ত্ৰা হ'ব বি হৃত্যাৰ উক্তি ভাগেলে বেলে ও ক্ষাক্ষী চন—— প্ৰেল অপুৰ মধুৰিমাপুন কিছত। বিচুলিত। তুল প্ৰত্ত ভুলিত, উৎচুটিশী ক ক্ষোনাৰ জা**লে নাম ক্ষো**ৰ। एव लांग हर । पाद मल्ला छिपा २५ हेका श्वा

# জ্ঞান ছালগ্ৰাম-গ্ৰন্থাৰ্থনী

ইটি সংগ্রিবের ১০বে রচিত বিষেষ্ঠান্তাম-প্র-ম্বাংশাহার সাহারৰ প্রমায় হাও—মাল নর্বরি ১৯বারী ारतानत राम लदि क्रमाण्या चित्रम सत्रोष्ट्रा लिन ग्रामानाथ-ंक र —िश्विष । ८११ प्रांस्त्रक अमहीलनाइकः

ইন্মন্ত্ৰিবিধানৰ সাক্ষেত্ৰ ইনিবামীৰ ভাৰত্ৰশ্ব আন্তৰি প্ররাজ্য কর ভেষ্ট ক সংগ্রামরে।

### গ্রীহণিকামামুভ ন্যাকরণ

শ্রীকীর গোষামী প্রভুপদ-বির্চিত হর ও চুবি, দংগ্ৰহে ওবিফুগাৰ আমছক্তিনিদ্ধান্ত সংখ্যা গোৰানী ্লাসালে বিজয় ভূমিকা **ও হ**টা **প্রভৃতি সহ**। অপ্রাণ্ড বিভাগের স্থান। ভিকা ২, টাকা, চাত্রগণের গ্ৰহে ১৮০ টাকা মাত্ৰ।

### (नदान जन्मात

ত্রীমলামারুলাভাষা-রচিত। বেদাত্তের বিশিষ্ট্রিভ ।দে-্রিচারক উট্টেল্ম প্রবেখ্য **অচিন্যি প্রবর বের্ছিরশী**ল প্রসের উপ্রোগ কর্বার্থ এই উত্তম ক্রিয়াছেন। ইংব্রে ( প্রমাণগও ) সাম্রবাদ। বাং ৩-শ্বত্যাদি গ্রহে জীনব-। বছারবাদ ও স্থাপরাদি সংযোগিত করা হইষ্চে নাম মাত্র ভিজা ৪০ জালা ।

# শ্ৰীটেতহা চন্দ্ৰায়ত ও নবছীপশতক

পৌৰপাষদ ত্রিদ জী জীমৎ প্রবোধনন্দ সরভাই প্রকার युग. व्यापुणांत जीवन् अधितिष्ठाष्ठ मत्रवटी एनावानी परानाक गणाभिक व्यवधाराय द्वारात ७ वशास्त्राम अवस्तिक । নব'পিশতকের জীভজিবিনেগ্ধ হাতুরের পভারুরাদ জ আল নরহারি চালবভি-ঠাকুর রচিত। ভবিরস্থাকর ওত্ত্বত্ আনাবাপ্রাপ্রর কেটা কিব্রেলিক অলোকিঞ্চ ভিজ लामक क्षेत्राहर । इत्रत क कायक छरक्रे ( र बास्त একরে ) ভিক্ষা ৮০ কামা, তাতি হুলুমা বাধাই স্থান্তসংগ্রন २ है।का माजा



শীমন্ত জিবিনাদ হার্র-প্রেণীত। এই একমান প্রস্থার ক্ষের জ্ঞান লাভ করিলে পারমার্থিক রাজ্যে কিছুছেই ক্ষর্জান বা সংশ্য থা হবে না। প্রম গৃত দুর্মবিবরক এই-ক্ষুপ্র সর্বাপ্ত ক্ষরজ্ঞানী প্রস্ত এ প্রাপ্ত প্রকাশিত হয় নাই। কিলিগোস্থামি শাস্ত্র-মহোদ্ধি মন্তন্তলে এই এপেন্ত উলিগ্র ইইয়াভেন। মাবার স্থবিস্তুত করী, কথানার ইত্যাদি ধারা বিশেষ সমৃত্ব করা হইয়াভে। বিশাট প্রত্যাদি বারা বিশেষ সমৃত্ব করা হইয়াভে।

# প্রেমনিবর্ত্ত

শ্রীমন্ত্র শিল্প প্রক্র পার্যন শ্রীল কাল্যনার প্রভু বির্তিত। এই প্রক্রেক কতি স্বধ্বাধা ভাগত মহাপ্রভুৱ ক্রতিপর লীগানের বৈঞ্চবাদার, একারণী ও নামভ্রন-প্রধালী প্রভৃতি অনেক বৈশ্ববৃত্তর হুনীমাগা। দেখিতে পাইবেন। পার্যনিকার হুরুর হুন্তের বিশ্ববাধি ও প্রায়ক স্থার পরিচয়াদি-সম্বলিত চাহুর্য সংবর্গ ভিলানেত দশ আনা মাত্র।

#### क्षान १३ च

ভঞ্জনকাণীর নিজ্যান্থী; ঠাকুর ভজিবিনোদের সম্ধান লান: নিখিল শালের নিয়াস। এছখানি না দেখা গ্যান্থ কেছ বুঝিতে গারিবৈন না। চুটীয় সংস্করণ ভিজা নি।

### হরিকামটিস্তামণি

নামাচার্য শ্রীৰ হরিদান চাত্রের মূপে শ্রীনক্ষা এড় শ্রীনাম-মাহান্তা, নামাজান, নামাপ্রাধ এছেটি বিভাগের বাব টার বিচার জানন করিয়াছিলেন। তেই বিভাগ ওলির ক্ষান্তি সর্গ প্রারে সংক্ষিপ্ত আশ্বনহ প্রিপ্ত টিভাবে মুলিত। শ্রীগ ভিকিবিনার টাবুর-রচিত। প্রক্ষ সাধ্বন ভিকা ১০

### 李河(可中蜀迈萨

শ্রীমন্ত কিবিনাদ ঠাকুর-রচিত। প্রত্যেক তেগ্রন্থ বিশ্বাসী ও জ্ঞানপথের পথিকের একান্ত এবেবেনীয় উপন্ধোনলাপুর্দ সীতিওছে। সামান্ত কোণা ডা জান্ত পোকেও এই ভজনরাজ্যের সীতিসমূহের ধারা অন্থানির্দ্ধি ও ভগ্রগ্রেশ্য বাভ করিবার স্থাবিধা পাত্রেন। ব্যদ্ধেরণ, ভিজা ১৮০ আনা নাব।

#### শরণাগড়ি

শ্রীমন্ত্রনিবেশন ঠার র-রচিত। তণবানে আল্লাম্মর্শণ, বিজ্ঞান্তি, ভেন্দনাল্যা, গড়্বিধা শ্রণাগতি ও সিভি লাল্যা। বিষয়ক গাতিপুণ, ভিন্ন। ২০ আনা মার।

#### গী ভাগলী

শ্ৰীটাকুল ভঞিবিনোদ-প্ৰায়ত। নিতা ভলন, আৱাত্তিক ও প্ৰবাদ-দেৱনাদি-বিশ্যক নগুৱ গাঁতনমূহ একতে প্ৰায়িত। ভিকাস • স্থানা মাত্ৰ।

#### **अन्यम्बर्गम**

রণিকেন্দুকৃটমৌলি প্রীন্থিনাথ চক্র গুটা ইকুর-বিক্তিত্বসগ্রহ। প্রীন্ত্রিকিবিনোদ হাকুরের সভুবাদ-সহ। ভিক্তা শানা যাত্র।

# ज्ञाननश्री;

শ্রীমন্মহাপ্রভুর শিক্ষা ও প্রীণ রখুনাপ দাস গোস্বামীর প্রতি প্রীকপ গোস্বামীর উপদেশবাদী, ভক্তিপথের অফুকৃল ও প্রতিকৃশ বিষয়ে স্থানিচারিত সন্মোদন ভাষ্য, বিভৃত বিবৃতি, চরিতামুতের প্রমাণ, সায়র ব্যাখ্যা ও মহাজন-প্রশীত ভত্নগোগী গীতমমূহ প্রভোক স্লোকের সহিত স্রিবেশিত হইয়াছে। তর সংগ্রণ ভিস্বানিশ আনা।

# সাগল-কণ

ীবঘুনাথ দাস গোস্বামীর মন:শিক্ষা, শ্রীদ ঠাকুর ভিত্তিবিনোদ-চরিত গ্রহায়বাদ্যহ। ভিক্ষা ৴• স্থানা।

# প্রেমভব্দিচন্ত্রিক।

শ্রীণ সাক্র নরোত্তমের স্থানিক প্রোমভতিবিষয়ক বালের পৃষ্ঠক। ভিকাস আনা মাত্র।

### নবদীপশতক

শ্রীন সাকুর ভিজিবিনার-রচিত শ্রীন প্রবোধানন সূত্রস্থীপংগ্রের সংস্কৃত নবধীপশতকের স্থাণিত প্রায়বার। ভিজা ক সানা মার।

# অর্থপঞ্চক

জীল লোকাচাগ্য রচিত্র। বৈক্রবভা-জানের আকর প্রক। ভিক্ষা - জানা মাধ।

# সদাচারস্মৃতি

শ্রীণ মধ্বচাগা-প্রণীত। বৈফাবের ভিত্যকর্মাদি সদাচারা-বলী, বজ্ঞবদ্ধহিত। ভিকাতি প্রানামাণ।

# मान्य अही

ক্ৰিকুলকেশ্রী জীমলবোলণ্ডাটা রভিত। জীমলাধাং ৪ংগ্রেব সংক্রিপ ভীবনলীতা ও মূল বৈক্তবধ্যমত। সালুগার ভিক্ষা। অন্য মাল।

#### **८भो तक स्थानश**

প্রাচীন কৰি ইংগোবিল দেব প্রণীত উংগোরাবভারের প্রমাণারেশা দংবাগিত সংস্কৃত এছ। ভিকাশ দংকানা।

# যুক্তিমল্লিক। ( গুণসৌরভ)

শ্রীনধান প্রদায় দ্বান ত শ্রীনবাদিরাল স্থানিকত। বঙ্গাকরে সান্তবাদ এই প্রতেব প্রকাশ পারমাধিক দাহিত্য-জগতে এই সক্ষপ্রথম। শ্রীনাধ্যা ইইতে গোড়শাবন্ধন থিতীয় নধ্যা চাটা নামে খ্যাত শ্রীনাধ্যাজ্যীর্থ স্থানী এই প্রথে সাধ্যার কৃত্রিও প্রাণিক ক্যায়াম্যারে কিন্নপ স্থানকভাবে ভিজিবিরোধি-নত্যাদ সমূহ পওন ক্রিয়াছে, ভাষা পাঠ ক্রিতে ক্রিতে আশ্রীনাধ্যিত হততে হয়। ইহাতে মৃক্তির হারা চার্কাব্, কৈন, বোধ, মানাংশক ও মানাবাদিয়ত-গমূহের স্থানৰ গওন বহিয়াছে। ভিজা ২ টাকা মানে।

# (गायामी क्षेत्र त्रपूनाव मान

(ওঁ বিকাশাদ শ্রীণ ভবিশ্বিধান্ত সরস্বতী গোশামী প্রভূপাদ-লিশিত ভূমিক। সহ ) গৌরপ্রেট স্বরূপ-রূপের তেকমাত্র প্রিয়তম শ্রীল দাস পোস্বামী প্রভূর অপুর্ব চারভায়ত ও শিক্ষা অতীব প্রাঞ্জল ও সর্বল ভাষার সন্নিবিত্ত বেং প্রিলিত্তে দাসগোস্বামী প্রভূর বির্চিত ক্ষতক্রটী সাহ্বাদ মধুরতম তব ও মনঃশিক্ষা-সম্বলিত। ভিকা বিগাই ৪০ সালা, আবাবাই ৮০ সালা মাত্র।

# চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাচীন নববীপের অন্ববিতি, তথা, ঐতিহ, শৌড হ ঐতিহানিক প্রমাণসভাগিত নয়চী বীপের সচিত্র বিষয়ণ-গ্রন্থ। রাফর্নি রাওসাহের কুমার উনুক্ত শল্পনিকু মানারণ রায় এম, এ, প্রাক্ত (লাহোর), বেলাডভূবন মহোলর কর্তৃত্ব সফলিত এবং ৪৭ থানি বিভিন্ন বর্ণের আপুর্ব চিত্র ও মানচিত্র-সময়িত; প্রাচ্যবিভামহার্ণব রাম নাছের জীয়ক্ত নগেন্দ্র নাথ বস্থ বিষ্যোধসম্পালক মহান্ত্রের বিভ্নত ভূমিকা সহ। উংক্ত (ইং) মরজো বাধাই মূল্য ১৪০, ভিন্ন লিঃ তে ২ টাক মাত্র।

# সাগদ-কণ্ঠমালা

গুরুবন্দনা, নৈক্ষব-বন্দনা, বৈক্ষবন্দ্রণ, নালালের সীত,
ব্রীনামংট্র, শ্রীমন্মহাপ্রান্তর করেন্তর্গত নাম, করিপ্রথম
নামনী কন, শ্রীনামগরীকন, প্রেমধ্বনি, বাউনগরীক,
নবদীপ-মতিমা, শ্রীমায়াপুর মহিমা, শ্রীনরোগ্তম-প্রতুর্ত্ত করেন্ত্র
সাচান্তা-বন্দনা, নড়গোস্বামীর অষ্টক, প্রেমভান্তিচ ক্রিকা,
উপলেশমালা, নামভজন-প্রণালী, মহাপ্রান্ত হ রাম রামানক্ষ
সংগাদ, মনংশিকা, শ্রীগুরুপ্রণিতি, শ্রীগুরুপ্রন্দনা প্রভৃতি সাধক ও সিম্কীবনের নিতাপান্তা,
বৈধ্ববর্গণের কণ্ঠাশ্রিত তুলসীমালার স্তার অস্থান্দন করে
গারণ্যোগ্য অপুর্ব গ্রন্থ। ভিকা ৮০০, বাধাই ৪০ নাম ।

# গোড়ীয়-গৌরব

কলিকাভার স্প্রাণিত আলবার্ট হলে গৌড়ীর সম্পাদক শ্রীপাদ অন্তর্গনন্দ পরবিদ্যাবিনাদ-প্রদত্ত বস্কৃতার বিশ্বর গ্রন্থকারে প্রাকাশিত। ইয়াতে গৌড়ীর বৈশ্বসম্প্রানারের ইণ্ডিগ্রস স্থাকারে গ্রনিত হইরাছে। জিকা ৮০ নাল।

# গৌড়ীয় সাহিত্য

কলিকাভার স্থাসিক আলবার্ট হলে গৌড়ীয়-সম্পাদক
শ্রিপান স্থাননান পরবিভাবিনােদগ্রাড় প্রদান বক্তার বিষয়
গ্রহাকারে প্রকাশিত। ইহাতে সাহিত্য-শংসর কর্ব এবং
গৌড়ীয়-সাহিত্যের বিষয় স্যাকারে মণিত হইয়াছে। ডিক্সা
। ১০ আনা মাত্র।

# জ্রাগ্রেমণ্ডল পরিক্রমা-মর্পন

শ্রীপৌড়বেশের যে সকল স্থানে লপরিকর শ্রীময়হাথাকু 
এবং তদগুল পরবতী মধ্যজনগণ দীলা করিরা গিরাছেন,
সেই সব আধুনিক ভোগোলিক পরিচয় ও পেথবিপ্রহালির 
পরিচয় সহ যাভায়াতের স্থবিধা নির্কেশ ইত্যানি বিষয় ওলি 
স্বিশেশিত আতে। ভিক্ষা • আনা।

### THE HARMONIST

## OR SHREE SAJJANATOSHANI

প্রিল হাদের ভাজিবিনাদ-প্রতিষ্ঠিত এবং প্রীল ভাজিসিদ্ধান্তসরহতী গোহামী প্রানুপাদ-সম্পাধিত পারমার্থিক
নাসিক পত্র। কোণে ইংরাজী ভাষাদ আইনিংশ বর্বে
ভবলক্রাউন ৮ পেন্দা ও ফর্ম্মা আকারে প্রতি থারে ইরিনামের বিজয়-বৈজ্ঞান্তী গইয়া উপন্থিত ইইভেল্পেন।
কাগজ, মূল্রণ-পারিপাটা ও চিজ্ঞানি অভীব চিল্লাক্ষ্মা।
এই প্রকার উৎক্রই প্রয়ক আর কোন যাসিক প্রানিতে
দেখিতে পাইবেন না। বার্থিক কিলা ভাক্যাক্ষ্মান্ত
টাকা মাত্র।

श्रीदेशक्यमंत्रे, त्थाः श्रीमान

# コレーションコンマ

# শ্রীহৈততা মঠ

# (३) खाँदगोडी स मर्ठ

আকর মইরাজ

क्ष होत-त्रवहीन, काक्यत द्विशाय मात्रानुत, त्रवीता

🎍 बैयकारवाशनीठे क्रकेटफ शाव ०० अष्ट উखन-भूटर्स खेडाबभवात चाहार्याव खेहतः **रम्बा**क-क्रमास की विदेशक क्रमांत्र विद्यालयान ।

এই স্থান গাৰ্পত-ছীৰ্য, পর্যবভাগীঠ বা সাখত ভজনত্বনী। এট মহাতীর্থে প্রীচরি-নাধার্ত বাকে ব্যক্তি-বেলালসমূত, প্রতিভার অন্তর্গত কাবা, নাটক, অলভার, তথা अवान-केणिनवन-मेश-एय-श्रवाम-एक्टेएक स्थावन - ६ स्थापना ध्वर छनाय श्रीकर-स्त्रीक्षण-वीक्षण्य का-तिविधन क शासक शास्त्रवादिक-चाठाया-ठकुन्य काहारतत केलाक विश्वतक्त प्रक्रिक निका स्मितिक करेरकाका । धर्व मेठेवाल भारमार्थिक देवनिक्शव माचक-সম্ভারত্তিত আহ্বাশিক ও কথাটীন প্রায়র্যাকি প্রচারত য়ে 'নদীয়া-প্রকাশ' ব্যালয় **জাতিটিত ভাষাতেন - প্রতিবংগর ঐগাম-পরিক্রেগান্তরান ও অগাণিত ভক্রেগারি**গত কীর্ত্তান প্রচাপ্তমূপে মহামধ্যেশের দি ভাজাল অভ্যান্ত হত্তরা পাছে। বক্ষক--- ব্রশ্বচারী 👼 পাৰ সৰ্বাহ্মনী। সৰ্বাধী— শ্ৰীপাল বিলোধবিধাতী ভ্ৰহ্মচাৰী, পাওড় শ্ৰীপাৰ গৌৱদাস अध्यक्षाती बारवहमधीर्थ, दीनाव नीत्त्रम् अध्यक्षाती, मधिक वीवायनान्य अध्यक्षाती. 🚵 मा मनीरशालाल वरकारणावात. 🖹 स्टब्सम सान अक्कारी अमून महानाताता

১७ मः वानित्यमान ठळवाडी है। एगाः नामवासात, क्रांतिकाका । छिलिएकान नि. नि. ८०७६

শ্ৰীময়তা পভ্ৰত প্ৰচঃরিড স্থানিশ্বল ভব্তিশ্য-প্ৰচংহোকেলে গোড়বেশের সক্ষাপ্রবাস মগ্রী কলিকাভার শীভনিবিনোদ আসনে প্রীম্য প্রতিষ্টিত আছেন। এই আক্র शक्या बादम 🏥 श्रञ्ज-(श्रो शक्त-च्रितिरमांभानक को छे मनार्यस मिला दम्पिक बन । दर्शकीर আচার্বাণর্কের যাবভীর গ্রন্থাবনীর ভগ্রচারোধেশে শ্রীমঠে সংগন্ধ একটা সুরুতং মুদ্রান বছালয় সংস্থাপিত চইছাচেন। পুলিনীয় স্বৰ্জ 🕮গৌৱনাম-প্ৰচাৰ্গৰ এট মন্তাৰ্গ रहेटल 'दशीकीय' मान्यानिक भवा, मि क्यूमानिष्ठे मानिक भविका हेरताकी कार्याह निश्मित्राचारन शकांत्रक क्रेटफाइन । " श्रीमद्र भारत महीर्सन, मधावान-इक्ट्रेय-द्यवाय, चैक्ष्मकाश्वक. औरिवक्रक-वृतिकामुणाबि-नीमा व क्षम्माद्यस्य महाक् **चारमाव**ना वरेष পাবে। মঠরক্ত-আগ্রেই ত্রীপাদ কুমাবিদায়ী বিভাভ্যব। সহভাত্তী-প্রিত শ্ৰীপাৰ অনস্কৰান্তৰেৰ প্ৰবিভাৱৰণ বি-এ, জীপাৰ প্ৰস্থৱানৰ পথৰিয়াৰিনোল বি-এ, स्त्रीमान नामतिकाती अक्षणांवी. जीमान सम्बद्धातन नामामिकांवी वि-व. जीमान करणाधान क्षानिकाती, अवकाती जै.की वंतानन, अवजादी जीवात्रीत्वाक्स, अवकाती প্রীরক্ষান্দ ভক্তিশালী, এক্ষাচারী প্রীবেংশীনক্ষন, পাউত প্রাপা নবীনক্ষ -বিশ্বপ্রিয়ামী শ্রীমন্ত্রকে গ্রমীপ তীর্থ মহারাজ এখানে হ্রিক্ল। শীন্তন করিসেছেন। প্রতিভাগ্রায় ভক্তিশাত প্রভৃতি।

# (৩) যোগণীঠ ভীমন্দির

कर कान जीवशहादिशासक करन व क्रिम्बराशक्षत्र व्याविकाय-क्रिम महाद्याग-भीता अधारम क्रीमची शिषा व शिनिक-श्चित्रात्रण श्चिरशोदमाश्चाद्रण sat श्चीटेठ हमा w Beietsems fam cant wei Bow-WE'ER CHAI RENIN | SP --- (0) TO-माबाबक शायाची कहे। हार अकु जीवमा श्राथ । मन्द्रश्री अभिकासमा उक्षराती, **बिशामगान तकाला है।** बिशामन नाम व्यक्ति-कारी, रवनमना क्षेत्रावस्त्रम ।

# (8) श्रीवाग-कामन

**क्षेत्रमधानाजुब कीर्सन-विशा**न रा **किरबोक्नीमात्र कामक्को । अभारत बीजीरगांक**-विकासिक क गक्करक्षा भाषा वस्त्रानः पक् --- श्रीवाधाय अवाधावी, भ्रीवामु ह ww. Menigenein einist

(८) चार्टचक-क्रमम at with Butes nur ben det CHA! THRIA!

(क) काळोड जव।वि ल हे व्यांकीन मांबालक, वायमलकुष (संबीधा) **बिट्नीवस्नानाम अध्यस्ताकी स्मारि ।** - क्षणक्—सुष्रकाची :कैविटनावर्गवशको ।

### ( १ ) पात्रम प्रपय कुछ

किर्मासम्भ, प्रसम्भाष ( समोत्रा ) ■वांद्रत केविक्नुशाय श्रीक किकिविस्मावऽःक्टकः muife wat Dentennifen wet & Doint-आबर्देश त्नवा वर्षमान

क्षक--किक्सून काकाम वर्षात्री इक्स्पेडियी बन, धन, धन ।

# खिक्शशाथ (शोडीय गर्ठ भक्षन्तिश्रः।

রক্ষণ--- শ্রীবছবর ভাজিশাস্ত্রী এম, এ. ति, दन, मरकाती—क्षेत्रेकामःम क्रांक-माश्री, जीवेककम यांधवादी अवृति।

(৯) গ্রীগোর-গদাবর-মঠ টাপাত টী, সমুপ্রবাচ, ( বছমান ) শ্ৰীণ বালীনাখের প্রাণিষ্টিত পৌরগদাশর-

১ • জীক্ষপ,গাড়ীয়-মঠ बादाशब, क्षाप्ताश केंचे, लि क्ष्म 🖛 🖺 वृद्धिमान अभ्यादी, श्रीकृत्रामध्य বৰ গৰী।

## ( ১১ ) और या प्रकार महत्त्व ---

মাউগাভি, জালগার, বছুমান। ব্ৰীগাধাৰভাষ ঠাকুত বুজাবনের স্থান इक्क-- द्वीवद्यविश्ववे ब्रह्मनामी। (১২) ভাগৰভ আগন

ची शामन छ (द्यान, अकनमात, महीता। ভাগৰ • দিখাৰ গ্ৰন্থাৰদী প্ৰচায়-কেন্ত। अक्रम--- अधिकातक अक्राडी ।

रेह कहा किथा 🖹 ( 🖭 ) टिम्मवाकी, त्याताकी, क्रफनशब, सदीता । क्ष्म -- 🕮 भड़शानम अवहादी :

( ১৪ ) बीमान्य-द्याकीय गर्ड अव्यर सवावण्य द्वाक् , क्राका । पृथ्वत्यत्व व्यक्तान-त्यस्य, अवादम खोशक-दशीकाम भाषास्था-भिक्षित्रदश्च दशका बक्कमास । क्ष्मक-- विधाशकात्र सक्रमाने।

> ( ५० ) ब्रीटगाभागकी बर्दे **申刊明] 对用, 斯中] [**

र्मागानकीत आर्विकास्त काठीय त्यवा प्रमाण- श्रीजानरशोध कथाती।

(১৬) जीगमाहे-८गा. क गठ इविटक्ति श्रमादिमी मुखा, वाशिष শ্ৰীগদাৰ্চ-গৌনাকের নিতা সেবা

दक्क - धीमूर्व शक्त अक्ष (ती।

# १८९ शिष्टाशवङ्कमानस मर्ठ

किकिला। वादासवस्त, व्यक्तिशैत्ता धकारम । वेंद्र क्षान-श्री व क्ष-माक्ष कि का-দেবা। রক্তক— আভিকিবিজ্ঞান আ্লম। গিলিগানীর নিভাগের ব্যয়স্ন। রক্তক— ুর্ফক— আগণাচিনাপ একচারী जनवानी जीकश्वान्तानको । जन्नहारी भद्रानक

# ে৮, আনগাবোড়। প্রপদ্মশ্রম

वाभवीत द्वार वस्त्राम । विकारमवा । अक्रक---- खबरामी आवृति । श्रीनक्षणाय . fermie i

### (>>) श्रीशृक्षरवाद्यम् मर्ह

क्राकात, भूती, के दिया। बाभारम क्रीरणाव-निरमामभा गयकोत्र मिका-্সণা বভ্ৰমান। রক্ষক — অন্ধচারী জীপর্মণ-नम विमाइष, अक्ताती जीम्मीधानक।

# (२०) बीखन-८भोडीस सर्व

व्यागवस्थाय, अक्षांत्र ह उपाद, भूती । काश्रह्म १५८५ वर्ग कर्नवम् राम्यसः स्थितम्ब धनवार । रक्षक-वक्षताही ह्म लब्दभवती व्यागामकी। सक्कादी-अक्षाती और्वित्वविद्याती ।

# (१४) श्रीजिक्षानक सर्वे

केषित्राराखान, कढ़का जवादम खेलक-लोबाक-विद्याप्रध्यन-भीत्र निकारमश वंकमार। उक्क---अष्ठादी जीतरायत्र ।

# (२२) खीननाजन-शोधात्र मर्क

श्भर क्षत्रकावन न्या, कानी। (भी १- भाषाक्ष्यक जनावन- निकायन। এখানে গোহদেবা বত্তমান ্ ক্লক---श्रीव:नकीनावकी

# (३०, जेक्सरेव्डल मह वीन गरन्म, म क्या. जीभाम बुन्यायम ।

दे मे वापा-अब-त्याहनको द त्यवा

(२८) जीश्रह्महरम् बद रे-विश्वास्त्राः, मीकालूब

दबारन डीछ। ११७ माहेनामा 🛊 ज्यात्मीव विद्यान विनामणीह स्मन। बद्धमान : खी छक्षशाताल कीन कन्यिका शिविकातीती क्षण - अक्राति क्षेत्र मेरहानक व अक्राति

# .२०: औरें इन्हरूर गोष्ट्रीय वर्ष

हुम्बर् छ।, किंब्रू छ', बानकृष । है। मोरे: डक-मध्रेत नामा। क्य-सीरमा-नांग बाह, ब्रीटक्रममस्य खन्नहाती । श्रीकाय कीर्य स्मरकतिश्व ।

# (२७) गाम्याने छोत्र बर्फ

क्षरक्षक वात्मवत वनाम । अवारम चौर्याविद्याय-वाद्यक त्यका वस्त्रमान। वक्क क-अव्यक्ताकी शिक्ष्यमंत्रकी । (২৭) ত্রাশ্বপাড়া অগরাভ্রম-মঠ

आंक्षनभाषाः (भाः माष्, नावका

वागारम वस क्रम्युक छोरशाबारमञ्ज दबस वर्षभागः । वक्षक---त्रकवानी जीव्यानकृष्ट शत, जीशशासम्बद्ध उक्ताती। (२६) विद्वा दशको इ सठ-कार्यकार

ab (क्श काशह, मिक्के विक्री । इक्क-बिमिवियांनी श्रीमहोंक मुद्राप्त-शिवि मध्यकाल, श्लीकाशात्रमण्डलम् ।

(२२) जात्रालगांकाळमहाव्यव वक्क - अवहारी द्योगावास्थास्य

# ज्याश्रम महाश्रद

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইন্ফিটিউট্" নামে উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

# (थाना इरेड़ाटर ।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অতি যথের সহিত শিক্ষা প্রদান করিছেছেন। বিদেশী ছাত্রগুণের জন্য বিনা ব্যয়ে স্থানর বাসহালের বন্দোরস্ত্রহয়াছে। স্থান অতীব সাহা কর।

> সবিস্তার সংবাদের জন্ত নিম্নলিশিত তি দান। পতা লিখুন। সেকেটারা, ভাকুর ভঙি বিনোদ ই-টেটিউট্ ক্রিচেক্তেমঠ, পোটে উল্লায়াপুর, নদায়া।

# ৫০ বৎসরের প্রীক্ষিত করেকটা মগোষধ—

वावकांत्रकातीता खरण मुद्र क्षेत्रा स्व समक व्यन्तरमः गळ लान कविवादितन, गाँदा শৈ করিলে বড় বড় পুত্তক ১৯:। পড়ে। আংকিও ব্যবহার কাব্যা গভ ১উন।

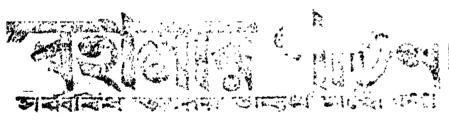
- ১। চত্ত্রতা বটাকা—ইবার নামটাও বেষন কালৰ নাং একমঃ ইবা মুখন ও পুরাতন মেছ, মুত্রকৃত্ব, ঋশ আভৃতি এনং জালো গাগেব প্রতি । ব্যারাম, **च्चक जिन्द केल अन्न क का**कृष्टि दराद्य का क क्यारान ।
- শুরুপ্তিসহায় বটিকা-নয়দবল্লনিরীন অফুলকর নিল্লাবিধায়ন ওলিল। एवं दकाल देवहिक अ भागतिक गीड़ायमण: आग्धा-प्रांटा धरे उपन भगादि भाइ
- ৩। মণ্ডুর বটিকা--ইন সেবলে খ্রীল ও চনপ্রস্থিত দেবা ও শবীৰ গাড়ুঃ क्षेत्रा गांकप्र' र लालि निवृद्धिक वर्षेत्रा तक भारकात छ द्रश्चि आहे हैं। ।

के किन आकारका आर शक छेरा ता भूगा आहि दवाते. ३८ लाका

লাখ্যান:- আতথ্নিপ্তত্ উম্পালয়

२५८नः स्थतानाः क्षेत्रः वित्रकारः ।

# **কবিরাজ শশিভূ**বণ কবিক**ঠা**ভরণের



**হুজাহেনের আ**লস্থার জালা ও আর শিশিকে ঘণীড়াও অবস্থার ছেটেবের গলের সম্পরিবাধ खेबा काटक लाक्षेत्रा हव, हे बाटफ लेबटपर दवान लाटियसमा कवा वह माहे । भूता शाहि निमित्र कामा, शहिते हर्न कामा, (त) क्षण ५०/० कामा।

অফিস-১১নং উল্লেখ্য রোচ, পোঃ স্থামবাজার, নাহিদকাতা

CE CELLED ST

प्रक्रियाम पत्र के बाकृष्टिकान, नेतिवनकित होन प्राटक अञ्चलको चनवाचेको बोबोरमाना, वृक् पद-क्षापि, कविता वाक्षि सकत नवत है जिसकेत बारमाना पर । यद, बीबा, त्युवा वृद्धि क्रिंड्ड व्यक्तिक देशिक। मुना कर वर्ति ५ अक देशिका।

"मगूर जकाचानि क्रूड<sup>ल</sup> बुक्षपत्रणि त्यारम् साम्ब्याणामः वाका न्यारशया করিয়া পঞ্জিদশর করে। মুলা ৭ জোলা ১, টাকা। **"ব্ৰহা**পবিলাসিনী হাটকা" क्षित्राचन म्हलामाचायमध्य स्थित वृद्धि विदेश तिनाक्षा । प्रमा २० थरी हरू अक है कर । तिक को जिसे हर दियों , ट्यूक्ट के प्रमाण के प्रमाण है ।

शारिका मिन

কোবরদ্ধি রোগ

छाः जम, जम्, त्याव विना भारतः,.. 🤰 যাবক্ষীবনের প্যাতাতি বিদ্বা বৈছাতিক क्षनाभारटं दकावयुष्टि स्थान प्यारवाना कतिश थारकम ।

> টিকানা--- , ১ ३६ मर कहेन होते, बद्धवाणार I IN TONTO

51

**শূলায়ত** 

शिखण्टगढ च नार्व मध्योवथ । > भहळात छेशमम, मखाटक चाटकाशाः 🐠 be यात व्यामा, यक > कामा शासन श्राका

শুক্রচার্য দঞ্জবনী পোষ্টাই

शास्त्र व बद्दक कादमा कादमा कादमा । मृत्रा ३ किया ३१० व्यामा

৩ ৷ সন্ন্যাসী-প্রদত্ত অর্শ রাগের অব্যর্থ আংটা चारताण ना व्हरण मूला रणवर । भूण अन् चाना ।

কোষ্ট-বান্ধৰ পাল 8 |

क्रजीन, अविकास, १ (१६८ क्रमात प्रकायम । किना ४० क्रमा । या ५० भूवकू ।

বাতল'ন 21

तार्द्रात्वर मन्द्रायकाथे क स्थाप बाजाना। अप्ति विविध अपान्ना भारत पुरुष ।

ব্ৰাব-ট্যাম্প প্ৰস্তুতক বিক | সম্ব কাটালগের জন্ম প্ৰ লিখুনঃ

र्ट्यालकान-देशीट्स इन (अ॰ देवेहें**स्)** 

८णाः इप्राज्ञीः, कमलाश्रुव, छाकः,

# ন্নে নে ত্স

পূর্বে-বালালার ভগভে সকত প্রকার ভাপার লভ বিব্যাভ কৈল্যাত্ৰ খোলৰো দৰানাত্ৰ কাফ্য ভানতেছে বিশ্ভ জানিতে হবলে নিজ ঠিকান্ত্র পত্র বিশ্বন

गाः तिजार-परिवादम (अर्

みの一にいますかだだ、町本り

# মন মারুধ বাঁগাইবার উপার

যদিও অহাপি পারুত মান মাল্লয় ব্রিট্রেরার কোল क्षेत्रभ का निक्ष : ४० मार्ड अला, क्ष्यालि बाबाझा अप्राविध व्यक्तिप्राप्त्र श्रेष्टाच्य व्यक्ति । व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति यता व्हान टाक्ट, कन ६वर स्तामा कामात त्यक, बार्लेक গাড় দাব লা, সায়ুবিক কোলনা, ব্ৰুমুল, সংখ্যা, আছৰ-मध्यान्त्र भीका, कामा उन्तर श्लीदन । कांभद्रश्च सदश्च वाका व्यापक, 4年15万岁5代刊,见诗中1、代节 《 为中国时,有着独林 व्यक्षां coren कृता। की रव निवास बहेबाद्यम, क्षाप्ता ष्यारमातकार खर्जामक खाकार एन्छान मार्टक्ट्य व्यक्तिक क ইলেক্টিক স্থিউসম ব্যবহার ক্রিয়া বাছিতে পারের काम न भक्त मुक्त व्यामान व्याष्ट वर्गात्ते मास्या दाई(क्टर)। योहारा अकाश नकरित्र धेराव नामकान्न व्यक्तिया व्यक्तिमान अवेटी 🤻 नारक्ष्म भाग, एतमाता करूनाव करे सम्बद्धा नामधात क्षित्री रिष्युत्र । अक मारमप्र तातकारबालावानु अक निमि अक क्षिमाक्षम नम ३६० हाका भाव । 🔧

> Callel meme ডাঃ ডি, ডি, হাজরা।

> > ক্ষেপুয়, গাজে-বিচ পোট, ক্ষেপ্সালিক টিকায়া, স্পাই ক্সন্থিয়াল **লিখিয়েন** লেকল

PROPERTY AND वाच्यात afe die 3. আত কলন 🛰 **46 484 41**0 निकि क्रमा ३ प्रक्रिक गाउ





नारात्वात क्ष व्यक्तिम (मग्ना বাৰিক ৯১ गामाविक ८ গ্ৰেমাসিক ২৬• মাপিক 📐 31519 ঞ্জতি সংখ্যা 🚓

ভারতেও পক্ষত বঙ্গ-প্রচার—মদীয়া ভোলার একমাত্র মুখপ্র

সম্পাদক—শ্রীজতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি 48 NO ]

86-मा मध्या

**জীলৈভত্যত জিলাম মারাপুর- ১৬ই বৈশাথ বুধবার ১০০৮, ২৯শে এপ্রিল, ১৯০১** 

ं शदकीतीटक शाकीची

बा २०१म विकास सम्बद्ध मनाया आकार कारमा । धारे गर क्षेत्रकात स्थान शानक्ष्मके कांक्र माध्यमाथ करेगांक अन्त क्षाकीक्ष भक्कदक विश्वास कर्या वस माहे।

कारलाष मन्द्रगत कृषकशन व्यक्तिश weine sq, wisifiete white win कतिरस दर्वसा क्रेट्स्ट्र मा । मनावासी क्राह्मध्यक क्षाजिरमान निभिन्न न'न ध्वयर 🐠 विषद्ध च्यानक्ष श्रीय बावका कविद्यम वांत्रश क्रिक्षिक त्यन ।

# सर्छ आप्रकेट्रेश्य का किमन्त्रन

नीक्षम् मन्द्रबद् स्वत्रम् मण्यानि अञ काक्ष करिया मर्ख जाविष्टरभटक कामादेशcun, पह त्य श्रीविश्य गीक्ष्मव है। केन हरण क्षेपार्क बक्यानि मानवा चारारमञ् nenjan derice i

# विद्वीद्रक कांकारत्रत्र गृद्ध कांकांकि

विश्वीत चारक्यामा कि क्रिक्ट का काव नि, मि, रंगस्मक बाकीटक शक २०६७ श्रामिक अप अपन प्राकृति वहता fratte i bimiuni mininia file wiffel athe stat atten men mar अंद्रेशक शर्व व्य व्यक्तकात करिया यात र ल्क केरलाचे देवाचे शर्मा शिवादय i भारतक लाया प्रशास मुनायान अया अभिन्नी दर कारम मुकारिक विके, कार्यावश कार्यक्र महात शाह मार्ड ।

# বাৰ্দ্দৌলীতে গান্ধীজী

লর্ড আর ইইনের অভিনন্দন

# माकी महिमी क्षापार कारण महिक जतक दित्त क जित्र शिंख्य ज

প্রিভি কাউন্সিলে দীনেশ গুপ্তের আপীল

# বোস্বাইয়ে শান্তির আশা

শ্রীযুত দেনগুপ্তের উপদেশ

# বিলাতে বর্ণ সমস্যা

দিলীতে ডাক্তারের গৃঙ্গে ডাকাতি

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরাব্দ ৪৪৫

बाज ८) • काकिंदिक भार्ता है दक्र भारत शाहीन हम ।

ম্যানেকার-গ্রন্থবিভাগ

জীচৈত্তখ্যমত, পোঃ শ্রীমায়।পুর, নদারা।

# প্রিভিকাউলিলে দীমেশ অপ্রের चा शिन

बक्षीय ग्वर्गस्यके मीरमण खरश्च के की म क्षेत्रक किया मुबाकीटम कानावेश-ভিষেদ যে, ক্লিভি ভাউজিলে মালীল मण्याः विरम्य जारमस्य साचित कक्षिपात्र নিমিত নিশিষ্ট প্রচা ২৭লে এলিলের मरेबा माध्यक मामिनिहाद्या निक्र समा बिटक बरेटन कक्ष्यन्त्र कै.नि काव क्रिक

त्राया क्ट्रेटर ना। अगुक्त वा एका मुबाक्की फन्युगारत २ हरन किंग राम रामार्ग রিপ্রেলে এক্ত কেল্ডানীর নিকট ৫০ लाकिक क्या विशाहकता किक दशकाती व्यक्तिके विभाग खाद्य मस्टान मानामहाम दमभाग हि, बन, छहे नमन बह दनान्यामी दन पियात अञ्च काशासत्र मधन आफिरम Mibien fraice i

# বোষাইরে লাভির আলা

१**०८ जैन अञ्चेतामक अग्रम स**र्द्धाः শাবি বভাগ থাকে, ভক্কর সীবৃকা गरकार्किनी बाठेषु गब्दबन्न विभिन्ने भूगम्याम् 'छ व्यमू (मजारमञ्जाषक महिक भन्नामान कर्दम । गर्भाव गणियन। जयर कुष्ठशृक्ष द्याप्त्री स्टब्स अन्ते मामकी फीश्रांटक व्याचीन स्मन दम् क्षत्र भाषातालात व्यव व्यवेदक शत्माह मूत्र क শাষিপূৰ্ণ আৰক্ষিয়া ক্ষ্তিত কল্প স্বল अभारत देश क्या बहुद्य ।

मुन्य मालवाय य काटक मण्लू वं वर्षात्रक सhica छेरमेब शांतम कटन्स, क्रान्तः शक्कार प्रशास का अधिक विकास के स्वाधिक के स काल वाकारक ना क्ष, एकाल गुगगगःस নেতৃত্বৰের স্বাক্ষরযুক্ত বছ প্রিক! এনং विकालन व्यक्तिक श्रेट्य नशिया श्वित ট্ট্রাডে ৷ মুসল্মান পাড়াতলে বিভিন্ন भक्ताय विषय क्ट्रेंटन क्यर व्हाटकाक মঙ্গা একজন ক্রিয়া বিশিষ্ট সুস্লুম্ন নেতার হতে অপ্রি হর্বে :

বৌৰাই কংগ্ৰেস ক্ষিতীর সভাপতি और्ड दक, यक, नशीमान बानाहेबार्डन त्त, करण्डात्मक गम्य निक नांखि बकान क्र अभिवासिक क्षेत्य। किन्यू अग्रह -भग ७ वर्षे वाशादक स्वाभवास किटक व्यक्षक, केश्वाकाल वस्त्र जेत्वत मुद्द्य पुनन-মানদের প্রতি ওড়েছো জ্ঞাপন করিয়া **७०७ वस्य रेकाणक वावित क**दिद्यत ।

পরামণ পেষ করিয়া প্রীযুক্তা সরো-किनी शरिष्ट् वरणम---'मक्कन, मुभना जानः निक्ति भुल्लामाद्वत भट्या मन्द्रणाशकः १ का १६६ हिस १५। १५ में हाशाच भाषात्र निर्दास, बाधाय मुख्य अह सुन्धि-चर्म मास्त्रभाविक अन्छ। यथाव व्यक्ति ्वाचारे छाराव पूर्व दशीवय अप्यूब Rifacq !"

গাছীত্রী ও স্বরাষ্ট্র সেক্টেটারী वारकोशीत कर मरशास धकान, मराञ्चाकी बताडे (मटकाछाकीटक कानावेतारकन (य. नकी विशादक का फिल्ला दल उदा कहें उदक ना धानर ऋष्टिकिन्छ न्युजिन व मनादेश मध्या क्रांटिक श-- धमामा किलि विश्वित আদেশ কংকে পা লাভেন। ভিনি আয়িও को अधिका हम । खण्यारी आहेत कामान च्याःमहत्वम युष्पर्यं शामा कष्रहातीयमञ भट्यः हो। वात्रां कालावा काल्याविक्षा काम विभाग भारतात्र महाध्याती प्रवास का(र्श न्हाल क्या ध्य नाड ना ब्रुधन स्मत बाद्यक्रांश्च मण्याखि ,कवर अ छ। वस माहे। चनाडे क्यांटाली ही एक्षण क्यांग्याम

शांदक .मार्च छा ।देशादकत-- डिंग नांगरा-८७व कश्टबारमत दशास्कत्तं में शक् छ्यात्री काथ कहिए मध्य में में।

# महाचाडी अभिन्त यहास्तारे

जनन्द्रभन्छे स श्विन्भन्त भानिका छन्दितन Con किना मा हिता थानित कारेन व्यथाक व्यास्तानन व्यानाचे श्रेक करा खाटका अन्न किना) क्रांबियत्व मणाच्चा ध्वतः अस्ति ब्रह्म छ है तिरण्य भारत विद्याप्त करिट्ट्राइन । नेखन धार्थाम कालावा बक्त विश्व च करिया दक्ष वार ना

## শ্রীয়ত সেমগুলের উপদেশ

त्र २६८५ औथन केंग्ड महीक माध्य (मनक्ष्र कानकार्य व द र भूत्व वस्तर्भ । निराध्य शावनमाटक छ कटण '- मनिविक MIC184 21513 41141CSH :--

অব্যান্তির ছাত্র সম্পার ব্যক্ত मकान कार्कि सामान प्रकृति का श्रांतिक कारतम् । कारका वालगाना भरवनिश्दक रव मिना काक-गटक दनक औरकामन ক্রিলাছলেন, কভ+গুলি ল্রাপ্তপণ চালিত बाकि त्याज्योग । मध्यम्बीन भारत Bills afet fenice : Wolfe: हैं। जागुरार्षिक यर्न एक: छ छ नाव्ह श्री कार काराहिता कृतिएक आरह ; ब्दर शकात डिप्यमात सम्बद्धी परुष (मर्प्त प्राप्तित चर्च विच्र ६ हरान हरिटर आ। आश्वनाक्षत श्रीत आमात आवित्य कार्यक्षन कड़े त्य. कामनात त्यम कह व्यानांत मिन्द्रशाही अक्षाला मिन्छित ना स्था । ५ जंदर्भनाव व्यभाषाम संस्थ कालनाका त्यंग भरम-शिशयत काळा ! अवृत्यव नाव क्यक्ति नः नदस्य। व्याणभारं शक्त है व्यक्त दाविष्यम य किला छिखात्या मानादगढः व्यक्ति व्यक्त बादा श्रेमामक तिरमंत्र कारणका कारणमा मन शाहित दन् आवर्ग वह शाम वह

### কলিকাভা যাত্ৰা

ध्येषु । दनमध्य (मळ्टकांगः शमन वाफिन कविशा शह २६१म खिता धनशाष्ट्र विकाश याचा विविद्याद्यम । वह नाकि डीशांक विशास छाशानम कर Cहेम्पा शिक्षादिष्यम् । अकालके शक २ हाम् काशित्यंत्र वार्राशस्त्रव मिन्ना कतिएक गाँग कियारकन,कांना सन छैं।कांना कविन्द्रव ferna !

# প্রতিমিধিগণের সন্তা

काळ-श्रीकारशत कारुशिश श्रीकित গ্ৰহণ প্ৰতিনিধিগণের এক সভার নিয়-निधिक अञ्चान गुरीन करेदाए :---नश्रीत প্রাদেশিক ছাত্র সাম্প্রিক ও মধ্যনসিংক জিলা কংগ্রেষ কমিটার বাংক জন সকল শ্ৰীয়ত দেন হয়ের প্রতি যে অভন্ত বার্চার करियाटक, बड़े मला जीच कार्छ कारता थाविनाम करिएकाक ।

# चर्मनी खनिष्य अनम्बी

গত শদিবাৰ বৈকাণে কলিকান্তা हिष्टिम दरण औषका नियाना महकाव प्रश्ना आधिमञ्ज श्रामनीति चारकाम्य हेन कविहा-(कर्ना निश्चिम बद्ध प्रतिका कर्द्धारम्ब रें। शांश कर कामणंनीत कार्याक्षन रहे-द्रारक। बढ़े जिल्लास्य कलिकास्त्रक वस भगाम छ एत मिल्ला जातनी करक मगरतान दरेशीक्रमन । अधिका विभिन्न ्म बो ः डोधूनानीः (उद्यन्धनः इनती, स्मानिनी দেবী প্রস্তু'ত মহিলাগণও এই উৎস্থে : ्याशमान क्षित्राक्षितान ।

# (न्नागद्राटकत मधर्तना

शहरकाल को शंग शाका शक्य **क**र् क्रिकाद कालिल मिल्लानकाड ल्यांन-शक कालका स्माटक मध्यमा कवितादकम ।

# সরকারের কাজের প্রতিবাদ

गक ১३४ .यज्ञधारीय कामका ्रनाटक्षाट्ठे ज्वड घटमाँ ज्वक शश्याम वाकिस नरीकात्र अञ्जीन e देवा एक -- अ छ। अब कल्लाङ्गेष्ठाविमध्यक माम द्रवासक्षेत्री कतिएक करें(न) ७६ क्या छ।श्वित्शय कार्ट्सक्रक e हाकः कि भिर्क बहेरत। मन्यकि निवित् वर्षीय कल्लाकियांव करगामिद्यम्यास्य कार्यकरी भगिष्टित ध्वक समिदनमास अहे भुल्लाहर्क रित्यम कारम व्यादशाहना क्ष्मश्र Сकाम व्यक्तिक छाठ. व विकासिका कविशा शिवाटक । मकाव था'. बाठ-सेत शव गव-कारतत कारणम ल्यांकियान कतिया धार्क माला क्षक व्यक्तात श्रीड स्वेदाहरू हर. (त्रष्टम शा<sup>9</sup>म: छान्। काका व्यास्तरक नदीकात अधुक्षीर्व कलाछिखात्रमित्वव बाहाई काम कहारता गडहात शाम कहा

कल्लाकेकाञ्चित्रक व्याप्तकरक वरमद्वर **भागिकारण मगत्र (वर्णात्र आवश्रावर्ट विमार्ग** थाकिएक एका शहरुष्ट गत्रकांत्रर क व्यष्ट्राय कवा बाहेटकटक, कीशांवा (व माय दशक्षेत्री कविषय बस्त अल्डाक क्लाडिखारम निक्षे क्षेट्य ८, हेक्सि सि रातिशोत करलन । च्यांत कहे मच्छा मुन्तुर्गः कार्य श्रीबिक्षांश कहा एमि क्रीकामिर्शंश भाषा अकास कामक क्या--- कार करेंद्र के नोबा त्यन अखनः त्यने मि 🖎 है। नाज क्ष'न ५ है। की बादी कटरता

# त्रकानीम प्रम ও ভারত

गम २०८म अधिल अवानिःहेतन रक्षणनील महत्त्व शक्षात्र मिहीक केटे हो। दिव विविश्तिकः---छोट्टिक मानन मध्यास चारिकास्ता (काल ममह क्टेंट्र क्रांडा सर्वा करें राष्ट्र करू ब्राफरनीय प्रमा नामाना-Cমেণ্ট এ শ্ল উত্থাপন কণিবেন। ऋকণশীল मर्मात हें छ्वा, छा ब्राप्त क विष: ६ वानचा সম্পর্কিত সংকল গুলোরা প্রিভার कित्रवा मा। एक विविध केरिया का ८७ अ मानश्यक्तिय नगारमाध्या करिएक मा अध्यासन कटेटन छेगांत आधिवान करिटल अन्दार्शक क्रेट्या भा

# বিলাতে বর্ণ সমস্তা

विकारक रचकनार्वत क्रमर काचकनार्वत काहित मध्या दमोथाकान व क कहितार सक धक्ति शिक्ष ग्रामिकित का est etate ! धहे शांत्रकेकिया मात्र खाल्यम देशत्व-ব্যাপ্তার সভাপতিতে সে দিবস একটা मकाञ्च कविर्यालन करेग्राकिका विशेष **ठाल्लम् वर्डेन कम् भि. वन्द्रिश्चित्रनः**, অবেচবর্ণের মধ্যে জাতীখনার আবাহ वक् क्रा क्रमा क्रमाया स्थित क्रिय बर्लक्ष काष्टीब मरमा स्मोदामन सामन ক্ষািতে গ্রুষ্টেপ্তার অন্তগরণ এবং খ প্র श्वका वक्कन करिएक बहेरन।

#### বিখান ডাক

<sup>4</sup>'लामार्गमन<sup>22</sup> नामक विशान व्यट्डेलिया जन्द हेरणएखन भटना वास्त्रवास करना विमानवर्गन 857 शक्ति अञ्चलक छाक महेश १७ २६८म व्यक्तिम विगर्वन शका कतिशाक। दिशायन छाक नागिरण कूरेन्त्रकारक विश्वति छाटक छेटा ल्याउँ **छाद्रडेट**(न यार्टे(न ।

বিমানে পোডের বিপদ द्रमाश्चादक्षक क्ष्यम क्रियाम महत्त्रात ं क्रमान, ग्रंड २६१म अवसानि प्रायकीत

विमान बार्चाम बहैटक कुनुई नविवर्णन क विद्या दश्कादेशकृष्टिया । आपूर्वी व्याक्टबर बिशादक काशिद्रण की जिल्लाम कर्राव बाजा-काष्ट्रिक े कहेंग्रें कुनलिक का 1 कहें निमारमञ्ज २ क्या २ क्या आह्वाकी में ब्रायुट्य मिक्क व्यवस्थान वित्ता जामका श्रेटकरकी।

### রাজা আমানুলা

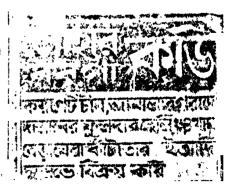
व्यवस्था विकारमञ **5374** আমান্তলা ম্কান ভীৰ্ণ কৰিছে বাৰিল esticent athian contran স্থা করিছেলে। তীর্থ পর্ণন পেষ कतिया कुल्लूका बाजा देवाँकी विकास याहे नास महास क किया (कमें 1

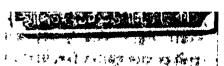
# প্রবল শিলার্টি

भार्खश्रीश्रुत स्वयानग**ा संयोग मर्स** কীষ্ণ শিলাবৃত্তি ভটরা গিলাতে ৷ শিলাথত **उन्ति अस्त कई त्यक्ष कंद्रील २ त्यक्ष** ग्रांख किया। अवर अक व्यवसद्दर्श शक्तिक क्ष ८४. ८काम ८काम बाफीत क्षप्रशास्त्र काम (क्या क विश्वा दम करिन करवेश मर्था क्टर्यम कवितादम ।

# রুযিয়া পণ্যেয় বৃদ্ধি

वृत्तिम दहवात व्यव क्यारंत्रीत ब्रह्मानित्य-मन मकाव गमता पुचितीएक वांदेगाव नः निर्देशका क्षांत्र मध्या कारणांकमा करेगा-किन । त्याकिरवर्षेतिरश्च श्रम्बर्यव नार्शी मार क्या भूषा प्रभावता विदेशकिया विदेशकिया किन। कविशास नना बुट्डिंटम अक्षामा शकात त्य करा कशियात्य, कार्य विलिष्टेक्राल প্রাংগাচনা করিবার জন্ধ এস্থেসিংগ্রন্থলৈয় कार्य निवारक मिनिटक अर्थापार्थ "स्था pole, ninim etuce i wann श्रात कामनामि वाकिषाति । श्रक्षति culfucubferen emas auf memm कार्या गांवगंड ब्हेबारक। जह मक्ल क्रिकार भवा आश्रष्ठ काम महलका अंत्रक काषिक शारम विक्रीण क्हेरफंटण है





A CHARLEST A CANA

# 'শ্ৰীশ্ৰীগুৰুলোৱালো জয়তঃ

# নদায়া-প্রকাশ

# 🦑 নিভাপাঠা বৈক্পবার্তাবহ

ोभाष-याम्राश्चर्ता, २९८म मध्युषम ८८७

# সাময়িক সন্দেশ

वर्षे जात्कणात दानभागीत व्यक्षितानिगरगत शतम त्नी काशा-**खरम ७६८ेवकव-मध्येगार्टशकमश्यक्त उँ विकृताम ओञ्जीनम्** ভিজিসিদান্তসরবভী গোলামী প্রভূপাদ গত সোমবার চইতে मश्रीश्विक्षाण इत्याक्तवञ्च श्री वकायम माठे व्यवश्राम कतिया ভত্রস্থ ভালনু জনসাধারণের নিকট হরিকথা কীওন ক্রিয়াছেন। মহামানার শৃত্বলে আবন্ধ হওগার নিমিত্তই य कीर आशाश्चिक आधिराशेष्ठिक 9 आधिरेशितक- 18 ভাপথ্যে সক্ষণা অর্জারিত হইতেছেন এবং ভারিমিন্ডই যে চতুদিকে গুভিক, মহামারী প্রভৃতি গ্রন্থ জনগণের কেলের মাতা সহস্রগুণে বৃদ্ধি করিতেছে এবং একমার জীক্ষণ-শহীর্তনই যে ঐ ভাপামি সম্পর্ণরূপে নির্মাণিত করিয়া অগতবাবিগণকে পরশান্তি-মুধান্মরে নিম্ভিট করিতে পারে ভাষা জ্ঞীন প্রভুগাদ প্রমাপ-বিজ্ঞান্ত্র বিশেষরূপে বুঝাইল দিলছেন। -

বড়ই আনন্দের সংবাদ এই যে আছকলে শিক্ষিত সম্প্রবায় विश्वदेवकद्वाक्रमञ्जून अञ्चलकदर्शन मृत्य इतिकया सूत्रय किराः পরমার আলোচনার প্রধাননায়তা ক্রমণঃ সদয়কম ক্রিছে -ছেন। তাই প্রচারকণণ পাঠ, বঞ্চা ও স্থীধন হার। গুণ্ধৎক্ষণা প্রচারার্থ ট্রেচের বিভিন্ন প্রবেশ হইতে আন্তত ছইটেছেন। শুবু ভারতের নহে ভারতের বাহিরে পাশ্চাতা নেশসমূহের করেক জান হটতেও সাম্বর্থ প্রচারার্থ আৰ্থিপাৰ্গণের সাদর 'আহ্বান আসিতেছে। স্বতরাং **এ** শ্রীগৌরগ্রন্ধরের 'প্রিকীতে আছে যত নগরাদি গ্রাম। সক্ষার প্রচার কটবে মোর নাম। বাণী যে অপুরভবিষ্যতে সম্প্রিপে সাক্ষামাওিত হৃষ্টতে ভবিষয়ে কোনও সন্দেহ नाहे।

দি দান্তিলে তিটিনদ্ নামক স্প্রসিদ্ধ ইংরেজী भक्तिकात २०८५ विक्रित्यत मःभाग विश्ववेगक्षवत्राक्षभभाव मार्किकिर्द्य व्यव्यक्तित निम्निषिण्ड म्याप्रध्य व्यक्तिन्ड इडेग्राट्ड-155

PANDIT SKEETUT ATUL CHANDRA BANER-JEE, Bhaktisastry, Scoretary, Sree Vishwa Vaishnav Raj Sabhas and President, Editorial Board, Gaudiya Math, Calcutta, had the honour of an interview with His Excellency the Governor of Bengal on the 21st instant. His Excellency was pleased to give a very warm and friendly reception to the Pandit, who garlanded His Excellency with some sacred flowers and explained the devotional activities of Sree Vishwa Vaishnav Raj Sabha, which owes its

now being conducted and presided over by His Divine Grace Paramahansa Sreemad Bhakti Siddhanta Saraswati Goswami Maharaj of Sree Chaitanya Math, Sreedham Mayapur (Nadia). His Excellency was pleased to accept some devotional literature in different languages, which were presented by Paramahansa Maharaj, and expressed his willingness to visit both the Gaudiya Math, Calcutta, and Sree Chaitanya Math, Sreedham Mayapur, on his return to Calcutta. His Excellency graciously listened to the religious discourses held by the Pandit and assured him of his sympathy for the mission, which is purely a religious one.

**অনুবাদ**—বিশ্ববৈশ্বরাজসভার সেফ্টোরী এবং কলিকাতা গৌড়ীরমঠের গৌড়ীয় পত্রিকার সম্পাদকসজ্যের স্তাপ্তি পণ্ডিত শ্রীযুক্ত অভুগচন্দ্র বন্দোপাধ্যায়, ভবিশাস্ত্রী (ভক্তিদারছ) মহোদ্য গত ২১৫শ এপ্রিল বলের মহামাজ গভৰ্ব (দি অনাবেৰণ সাধু ঠান্লি জ্যাক্ষন্) মহোদ্ধের স্থিত সাক্ষাৎ করিলে গ্রহণর বাহাত্র আনন্দের স্থিত প্রিভ**জীকে সাদর আ**ভাগন। কবেন। প্রিত্তী তথন গভর্ণর বাহাতরের গলদেশে পবিত্রে পুষ্পানাল্য প্রাইন্য দিয়ে এটিছতন্য-মহাপ্রভর সংস্থাপিত এবং বস্তম্মকালে মুদ্রী ভেলার আদান भागाभुत्रक ब्रोटेक्टकमार्कत ब्याक्तरात्या, उ. दिक्यताम अग्रमकः म খ্রী শ্রীমন্ত্র ক্রিসিন্তান্তস্বস্থাতী গোলামী মহারাজের প্রি-চালনাধীন জীবিশ্ববৈষ্ণবরাঞ্জন ভার ত্রাঞ্জ ভাজিলপ্রচার্যাবির স্মত কীওন করেন। গভগর বাহাল্য গ্রমধান মহার্ডেল এবভ বিভিন্ন ভাষায় রচিত ক্রেকথানা ভব্তিক্ত ট্রিলার-স্করণ সাদ্ধর গ্রহণ এবং কলিকাত। প্রভাগার্তন সমায় জীলেই, মঠ এবং শ্রীধা**ম-মায়াপুরত শ্রি**ট্রৈত্র মার্র-বিনর তাড়া প্রকাশ করিয়াছেন। গভর্ব শহাত্র পাওত্তাল ধ্যানাল্যন্ত মনোযোগপুৰুষ জাবৰ কৰিয়া বিশুদ্ধ-দক্ষেণ ভিভিত্ত প্ৰতিটিত মিশনের (বিশ্ববৈষ্ণবরাজ সভার ) প্রতি প্রত্তি হ সংস্ করি নছেন।

( 2 )

HIS HOLINESS SREEMAD BHARTL VIVER Bharati Maharaj, a 'carned disciple of His Divine Grace Paramahansa Sremad Bhakti Siddhanta Saraswati Goswami Mahraraj of Gaudiya math, Calcutta, delivered a very interesting lecture on Sanatan Dharma at the local N. N. H. P. Hall on the 19th instant, when a large number of gentlemen attended, The lecture was preceded and followed by melodious Sankirtan. The Syami has been explaining the injunctions of the scriptures in the Bengal Boarding and will deliver a series of lextures on the Universal Religion of Divine Love in different places of the district.

**ভীশ্রীমন্ত ক্রিসিদ্ধান্তসরস্বতী গোস্বামী ম**ারাজের স্থাকিত শিশু ত্রিদণ্ডিস্বামী শ্রীমন্তুক্তিবিবেক ভারতী মহারাও গত ১৯১শ এগ্রিল ফানীর ( লা**কিলিংরের** ) এন্, এন, এইচ্, পি হলে বহু শিক্ষিত লোকের নিকট সন্যাতন ধর্মা সম্বাদ্ধ একটা আত্তীয तिको क्षिमी नक्षण धामान क्यिमां कार्यामा । यक्षणात भूति ख भारत समयुन मही इंस स्टैशिशिन । भारीकी राजन ट्या हिस भारत्रव छेशररभवाके तब्द नाथा कतिर छ। हिन लहें

origin to Sree Chaitanya Mahaprabhoo and is (দাজিলিং) বিলার বিভিন্নভাবে ভগবৎপ্রেমের সার্বন্ধনীন ধর্ম महत्क वक्कां क्रियान।

# 'জনমত ও প্রমার্থ'

িকলিকাতা শ্রীগোড়ীয়মঠের সারস্থত নট্যমলিরে (अडिश-मन्यानक जीशाम सम्मदानम शद्दिणा-বিনোদ প্রভুর বক্তার চুথক

[ ? ]

এই দেবীধামবাসী আমত। সকলেই রোগা--রক্ষকে ভূলে ্যা ওয়ায় অনাদিবতির্গুপতারোগে আম্বা সকলেই আক্রান্ত। এমতাবস্থায় ভগবদভিম্নবিগ্রহ সদ্ওক্ষ বা সাধুবৈজ্ঞের অধীনে পেকে চিকিৎসিত হওয়া বাতীত আমাদের এই দুরাসেগ্য ভববাধির উপশ্য সম্পূর্ণ অসম্ভব। রোগা কথনও নিজে নিক্ষে চিকিৎসিত হ'তে পারে না। ভাকার রোগীর প্রাম্প নিয়ে কথনও ভা'র উদ্ধ প্রাদির ব্যবস্থা করেন না। ভবে যে গোগাকে ভাজার কথন্ও কথন্ড জিলাসা করেন, 'ভূমি কি থেতে চাও, ভোমার কি ভাগ বাগে ?' এরপ প্রশ্নকরার উদ্দেশ্য পাকে ঠিক পথা দিয়া রোগাঁকে ভাল কব্যবন। এই দেবীধামের কত্রী প্রগাদেবী আমাদের ক্রচি অনুবায়ী আমাদিগকে যে ধন, যশঃ, শ্রী, পুত্র প্রাকৃতি প্রদান ক'বে থাকেন, তাঁ'রও উদ্দেশ্য--এই সমস্ত অনিত্য েম বস্তু যে আমাদের উৎকট ভববার্ণির প্রেক কুপ্রা-বাচপ, ভা আমাদিনকে বিশোদ্ধপে উপলব্ধি করিছে প্রিপামে স-শোষিত করতেন।

আমরা ভবরোগিগণ মিলে যদি আমাদের ব্রোগদুর্ভ কবৰার ঐনধ বা পথোর বাবস্তা করি, ভা'হলে আমাদের রোগ কথনও সারতে পারে না অর্থাৎ অনাদিকাল থেকে ে রুপংবহিশ্বভা-সভাব আনাদের অভিনজ্জাগত হয়ে গড়ে, এই বিম্পতা স্বভাবকে ক্লকসেবেল্প এম্বভাবে পরিগত কলতে হ'লে বিমুগৰ চাৰবিশিষ্ট জীব আলাদের বাৰ্ছা শ্বারা ফলমও সভ্ৰপৰ জ'বে না: বৈক্ঠদুভ সংগ্ৰন্ধ বৈশ্বেৰ रावकात काकुरांकी वेषम भगानि वानवात का ∴नहें का वाहमूत जाङ्ग्या ह र रेव- भागती भवग । श्रामारहत समिकाती ह त ।

এই ভব্ৰেণ্ডিগ্ৰে<mark>র মধ্যে কেহু বৃদি সভা সভাই সাজাবার্</mark>জ १८० मान-- এकसाँक चाह्यकरा लाएंटत **कवा निकला**हे. আকাজে: ক'রে থাকেন, তা' হ'লে যিনি আত্মধত্ম বিষয়ে গশ্প অভিত্র-সংগ্রন্থ, তারি নিকট হ'তে ব্যব্স্থা নিম্নে মাধন ভজন করতে হ'বে, মজের নিকট হ'তে নঃ। এছছাই শ্রীসভাগবত ভা জ১৯ বশন্তেন ---

ধর্মত্ব নাকাছগ্রংপ্রণীতং

- न देव विष्ठश्च बढ़ा नी ि एन्दाः।
- ন সিক্ষুখ্যা অক্সরা মনুষ্যা:
- কুছো হ বিভাগ্যসারণাদ্ধঃ :

অংগং সন্তিন আত্মধন্ম বা স্ত্য-ধন্মটী সাক্ষ্য ভগৰং-আমু বাদ—কলিকাতা গৌড়ীয়মঠের ও বিষ্ণুপ্রাদ প্রমহমে বিগীক, ভ্রু প্রভৃতি সম্বন্ধণ প্রধান ঋরিগণ্ড উহা নিশ্চিত-রূপে জানেন না, দেবতাগণ্ড জানেন না, প্রধান প্রধান निवराय, अञ्चलम् ७ अस्याम् । कार्ये जात्मा मा । विज्ञास्य क हो इंग्लिट्श व कथा क्याएं कि वर्षण १ । ४० एक्टर विकेक इंग्लिक এই ভগৰতৰামের উপদেশ গ্রাণ কর ও । '১। १—के|'सा এই . ধর্মাবিদরে সম্পূর্ণ ক্রিক্ত ?— এটা ধ্যার্য বিশ্বর আক্রিক্তা জীবের কি লাভ হ'বে, তবিবয়ের ও অন্তু মীমাংলা অমল-পুৰাণ শ্ৰীমন্তাগৰতে লিখিত ব'বে হ—

স্মত্নারণ: শহু: কুমার: কপিলো মহু:। थक्लामा कनरका जीत्या वनिर्वेशमिकर्वश्रम् ॥ ৰাদলৈতে বিজ্ঞানীমো ধৰ্মং ভাগৰতং ভটাঃ। প্তহং বিশুদ্ধং দৰ্কোধং যং জ্ঞাত্বামৃত্যসন্ধুতে ॥

ষমরাজ তাঁ'র দৃতগণকে বল্ছেন,—হে দৃতগণ স্বয়স্ত্ নারদ, শম্বু, কুমার ( সনক সনাতন সনৎকুমার ), দেবছুতি-নন্দন কণিল, বাঃছুব মহু, প্রহলাদ, জনক, ভীন্ন, বলি, ভকদেৰ এবং আমি (খম),—আমরা এই খাদশভন মাত্র ভাগবতধৰ্মভন্থ বিদিত আছি। এই ধৰ্ম অভিশয় নিৰ্মাল, ওচ্ছ ও ছমেধাধ ; ইহা জ্ঞাত হ'লে জীবের ভগবানের পরন-পদ-প্রান্তির সুক্তি লাভ হ'য়ে থাকে। এই কয়েকজন ভগবানের চিহ্নিত; এঁরাই 'মহাজন' নামে পরিচিত; আর এ'দের অন্থগত যারা, তাঁ'রাও মহাকন—তাঁ'রাও ভাগকভধন্মতভ্রত। উপরি উক্ত দাদশ জন মহাতন এবং এঁদের অমুণত জনগণ্ট সনাতনধর্মবক্তা--- এঁরাই ভগবানের নিকট হ'তে চাপরাস্ প্রাপ্ত হ'য়েছেন। এই দাবশন্তন মহাজন এবং ভাঁ'দের অহুগত জনগণ বাতীত অপরাপর ব্যক্তিগণ জগতে মহাজন' নামে প্রচারিত থাক্লেও প্রস্তুতপক্ষ তাঁ'রা মহাজন ন'ন, অভিন্ন ভগবদ্ বিগ্রহ **জ্ঞী**মন্তাগবত উ'াদের সম্বন্ধে কি ব'ল্ছেন, <del>ওয়ন,—</del>

> প্রায়েণ বেদ তদিদং ন মহাজনোহয়ং দেবা। বিমোহিতমতিবঁত মায়গালম্। অ্যাং স্কড়ীর তমতিম্পুপ্সিতারাং বৈতানিকে মহতি কৰ্মাণি ধ্ৰামান: ॥

( आयाधर्म या नाममधीयनानिवातारे यनि मूकि ज्ञान इब्र. छत् विध्नम्भा कर्यात्याभाषित छेशाम्म करतन त्कन ? তমন্ত্রে বল্ছেন,—) ভাগবতধন্মবকা প্রেকাক বাদৰ মহাক্ষম বাতীত বাজ্ঞবন্ধা, কৈমিনী প্ৰাঞ্জি অন্তান্ত ধন্মশায়-প্রবেত্গণের মতি প্রায়ই দৈবী-মারার ফভিশর বিমোহিত ছওয়ার উরো এই নামস্কীপ্তনরূপ প্রমভাগবত্দর্য জানতে পারেন নাই। ওাঁদের চিত্ত ঋক্, যত্ম্ব ও সাম--- এই অহীর অর্থবাদাদিবারা মনোহরবাকোই কড়ীছত ছিল: তাই গ্রাজবা, অমুর্গান ও মন্ত্রাদি ছারা বিস্তৃত, বহু কটুসাধা. দর্শপৌর্ণমাদী প্রাকৃতি তৃচ্ছ অনিত্যমূলপ্রাদ্ধ কর্ম্মাজেই প্রবৃত্ত হ'রেছেন এবং স্থসাধ্য অপচ চতুর্বর্গধিকারী প্রমার্থফলপ্রদ নামকীর্ত্রনাদিতে রত হ'ন নাই।

অনেকে বলেন,—এই ধর্ম ত' সাড়েচারিশত বা পাচশত বংসর যাবং প্রচলিত হ'রেছে, স্বতরাং উছাকে আয়ধর্ম বা নিতাধর্য বলা যায় কিরুপে ? কিন্তু আপনারা নিরুপেকভাবে শ্বিচিত্তে বিচার ক'রে দেখুন,—ধর্ম অর্থ কি ? যা বস্তাকে ধরে রাখে, তা'ই ধর্ম; মেমন জল একটা বস্তু, ইহাকে ভরলতা ধরে রেখেছে। এ'ছলে আপনারা বল্তে পারেন, ইহা ত কঠিন হয়। কিন্তু জলের এই কাঠিল কতক্ষণ থাকে, ভা'ও বোধ হয় আপনারা ককা করেছেন। আনরা দেখ্তে প্রে, কিছুক্ষণ পরেই শিলা বা বর্ফ গলে গিয়ে তরল হয়ে প্রান্থে ; কারণ তরল হ'লে থাকা তা'র দর্ম। জলের কাঠিশ্র ধর্মট। অনিত্য নৈমিত্তিক; অত্যধিক শতি লাগলে অল জনে কঠিন হয়ে পড়ে, স্বতরাং অলের কাঠিক ধর্মটা সাত করার নিমিত, হেতু বা কারণ— অভ্যধিক শীত। এই অতাধিক শীতটা অপসারিত হ'লেই উহা আবার স্বরূপপ্রাপ্ত হ। অথাং উহার নিতা স্বভাব তর্লতা ধারণ করে। আবার ্ৰ্যান্ত্ৰিক উদ্ভাপ পেলে হ্ৰল ৰাম্প হ'ৱে পড়ে, এই বাম্পাকার গার্ণ ংটটাও জলের জনিতা—নৈমিত্তিকবর্ম ; সভাধিক উত্থাপ্য বান্দের নিমিন্ত বা হেছু। এই বান্দে একটুকু

ঠাণ্ডা বাভাদ লাগদেই পুনরায় উহা নিভাধর্ম ভারলা

এ'রপ যে ধর্ম আমাদিগকে নিত্যকাল ধরে রাখে, তা'র নাম প্রমার্থ---আস্থার নিতাবৃত্তি। এই ধর্মের কথা বস্তে গিয়ে শ্রীমন্তাগবত বল্ছেন,—

স বৈ পুংসাং পরো ধর্মো যতো ভক্তিরধোক্ষকে। অহৈতৃক্যপ্রতিহতা যরাত্মা সম্প্রসীদতি॥

অর্থাৎ তাঁকে বলা যায় পরধর্ম—থেটী সরল, ভীবের স্বাভানিক ধর্ম, যা' অপ্রতিহতা, অহৈতুকী, তা'তে হেতু কিছু নাই। আমি অমুক্ত, মৃক্তি পাবার জন্ত ধর্ম কর্ছি-এ'টা মৃক্তিরপ তেতুমুলক। আমি পিতৃপুরুবের পৃছা কর্ছি । লাখিত হটবে ? তাঁদের তৃপ্তির জন্ম, এ'টাতে তৃত্তিরূপ হেতু রয়েছে। পরমান্নার প্রতি যে আমাদের আকর্ষণ-এটো স্বাভাষিক। বড় বন্ধর প্রতি ছোট বন্ধর আঠটি স্বভাবিক। পরম পুরুষ রুক্তে আরুষ্ট পাকবার নাম—ভক্তি: কাজেই উচা সার্ব্বকালিক। ''চারি হাজার বৎসর পূর্ব্বে ভক্তিপ্রচার श्टाहिन — अ'ठा अन अस्तानामित नमस्यत धर्म श्टाह शास्त्र এখন দে'টা চল্বে না, এখন গায়ের কোর চাই।" দর্জমানে আমরা অনেকেই এরপ ব'লে থাকি, আমরা বিচার ক'রে দেশি না যে, এই পায়ের জোবের আবিশুক্তা সব সময় পাবনে না। কিন্তু ভক্তি চারিহাজার বংসর পূর্বে কেন, উহা স্টীর সমণ হ'তে আব্ভেক'রে আঞ্চ পর্যান্ত আছে अवर व्यवस्थ छिरिग्रश्कारण शाक्त, कांत्र डेझा त्य छी। নিতা শ্বভাব। এই নিতাধ্য**টীর কথা পূর্বোকে ছা**দশ মহাজন জানেন, আৰু এবা জগতে ভক্তির কথা প্রচাব করেন,তারা এই ঘাদশ জন মহাজনের অন্তগত হ'য়ে তী'দেবই कथा कीर्जन करत शास्त्रन ।

# দেহস্থথ

(পণ্ডিত শ্রীপাদ বঞ্চিমচন্দ্র দাসাধিকারী ভক্তিশামী)

ध्वे भःगात्त नकरण्ये छथ-धाश्वित ८५ हे। करन, ८४ हरे ছঃখ চাতে না। কিন্ত ছঃখ না চাহিলেও পূর্বং কর্মদেশে সুথ বা ছঃশ শ্বয়ং অংশিয়া উপস্থিত হয়। সভাব যোচনের জন্ত বা হুখের উপকরণ সংগ্রহের জন্ত যে নানাবিধ চেঠা করা হয়, ভাহাতেও শক্ষণ ছঃখ ভোগ করিতে হয়। পরে ত্থ ভোগ করিব—এই আশার ধন সংগ্রহের চেটা; (त्रोप्ट, दृष्टि, श्चि श्टेएंड नित्रांभएं। श्वांकितात्र सम्म ग्रहः। আবন্তক, সংসার করিতে বিবাহ করা আবন্তক। অসহায় অবস্থায় উপার্গ্জন করিয়া পালন করিবে অথবা পরকালে পিও দিলা উকার করিবে, এই 🗪 পুত্র আবিশুক: পত্র পুষ্প ফল-শত্যাদির জক্ত ভূমির আবশ্রক; ঐপব্য সংরক্ষণের নিমিত্ত ধনাগার আবহাক, আবার চোর দক্ষা হইতে রক্ষা করিবার জন্ম উপযুক্ত প্রাহরী আবন্তাক; কিন্তু ঐ সমস্ত বস্তাই ক্ষণভদ্র, সঙ্গে সভে নই চ্টবার সম্ভাবন।। ঐ সকল লইয়া সক্ষা উল্লেখ পাইতে হয়। আরও অধিক লাভের কামন। উত্তেজিত করে, অপ্রাধ্যিতে ক্রোধ জন্মার। লব্ধ বন্ধ মোহে ৰুড়িত করে। এই প্রকারে সুর্থসাচের পরিবর্ডে উত্তরোক্তর ष्टः भारे वृक्ति भार ।

''नर्कर्श्वायाः क्लाबनुतातुरः কৃক্তি মৰ্ত্তাক্ত কিয়ৎ জিয়ং চলা:। ( 61 11193 )

সূত্রাং ঐ সকল কণছায়ী বস্ত মানবের আয়ুক্তর ভিন্ন 🌤 প্রিয়-কাষা করিতে পারে ? लोकिक ७ विभिन्न धर्मात अप्रक्षीन कवित्रा व गळानि कार्या

তাহার কল বরণ যে বর্গাদি লাভ ভাহাত ক্ষমীল ৷ বে प्राट्त कछ लोक छानकामना करा तिहे क विकास-पूरु दनर यथन क्रम्डकूत भवनिधार-द्याता बन्ना वाधित विभिन्न, क्कृत-मृगालित क्या उथन धारे नवतं त्यर शरेश कि क्य-ভোগের আশা করা বাইডে পারে ? যে দেহের এই অবস্থা তথন সেই দেহ হইতে ভিন্ন পুত্ৰ, ভাষ্যা, গৃহ, ধন, জন, বাজ্য কোষ, হঙী, জমাতা, ভূতা ও জাগু প্ৰভৃতি মহতাশাই বিষয় গুলিও নশ্বর ব**ন্ধত: অনর্ধ। হুতরাং অনর্থ হইলেও আলাড়ঃ** ्ष्ट्रिट्ड विरमय खारतांक्नीय विषया **राध १८३ । जनका कुछ** বিষয়ের ছারা নিভ্যানন্দ দল-লমুক্ত আত্মান্ধ কি এটোজন

ধর্ম অর্থান সকলট সেই ভগবানু **জীহরির পালপতে** অপাগ্রিত। তাঁহার ভক্তগণের প্রা**ন্তসরণে ভোন প্রকার** কামনা না করিতা সেই নিরপেক্ষ ক্রথম প্রীক্রির আরাধনা कतित्व किष्टूरे बजाना शरक मा। स्थ-

> তক্ষাদৰ্থান্ড কামান্ড ধৰ্মান্ড ফালাপ্ৰয়াঃ। ভৰতানীহয়ামানমনীহং হরিমীবর্ষ ৷ (ভা: ৭/৭/৪৮) অত এব মায়ামোহ ছাড়ি' বুঙিমান্। নিতাত্ম **ক্ষভ<b>িত ক**ক্ষ**ন সন্ধান।** ভক্তি বিনা কোন সাধন দিতে নারে ফল। সব ফস দেয় ভবিদ স্বত**র প্রবল** ॥ অভাগৰ স্থান কাল ৰক্ত সাধন। অত এব হরি ভক্তে বৃদ্ধিমান্ জন ॥

# াগুরু-বন্দনা

( শ্রীযুক্তা সরোজবাসিনী দেবী )

(\*)

रुव ७४ ग्र **(क वर्निश्व क्**छ उभगती सभी नामी। সর্ক করি নাশ जिए ७ महाम দিয়াছ পো লেভো তুমি। भूनः भूमः विक कामि॥ **কত ৰা গৃহয়** • আয় বানপ্রাঞ্ সকলের ডুমি শামী। যায়া করি ভাগে সৰ মহাভাগ कतियाच काच् कृषि॥ (সেই) ভাগৰভগণ क्रम कीर्छन ভূমি অমিরা ভারত ৷ লাগ জীবগণ ए ७ गरह जन ७वर जानन यानी ह অর জর প্রেকু ডুমি র क्षकि व्यवस्त जीव बाद्य बाद्य ट्यामात्र जारमध्य जामि। गांभन क्षांभन नियाय कीर्डम **हम्राय मिलम नानी ह** कर कर कर हुनि ह 🕮 रशोत्रमञ्ज অভি সুমুখ্য হয় চিন্তাৰণি ভূমি। সেই এল ভূমি ভক্ত সম্বাহ্ **शक्तिका किएम छूमि ।** 🐣

मछन्दि मनि ननि ॥

# গ্রন্থ পরিচয়

# **ৰামন্তাগৰতম**

ব্দিৰাহৰি ক্লাইৰপায়ন বেছব্যাস-প্ৰেণ্ডত মূল, শ্ৰীমন-মধ্বটোৰ্যা-কভা ভাৎপৰ্য্য-নিৰ্ণয়টাকা: আমদ্বিখনাথ চক্ৰবন্তী "ठीक्त्र-क्षण नात्रार्थनिनी किया, वश्राप्रवान, मः प्रष्ठ व्यवत छ तिहै परकार व्यक्तिमाछ कथानात, जमादित वाश्रम के অধাৰের সারসহ স্থবিস্থত তাৎপর্যাদি বিবৃত। প্রোকস্চী আণাদ্ধবিষয়ণ, পাত্ৰ ও হানপ্টীসহ উত্তয কাগতে উত্তৰ অকরে মুদ্রিত। প্রথম হইতে ১০ম ক্ষ পর্যান্ত ছাপা শ্রুপরিপে শেষ হইরাছে। ভিক্লা প্রাপম स्केटक अन सन्त नवीष २०१० ; मनम एक ३२८ ; श्रमका हरू।

# **এ এ**টেডভক্ত বিভায়ত

**অভীনহতি**বিনোলঠাকুর রচিত 'অনুতপ্রবাহভাবা' 🤏 🕮 🕮 মন্ত জি নিদ্ধান্ত সরস্বতী গোলামী প্রভূপান লিখিত 'অমুভাষ্যে শ্রুতি-মুত্যাদি বহু শাস্ত্রপ্রমাণ সহলিত হটয়! প্রকাশিত হইয়াছেন। লোকের সাব্যব্যাখ্যা, সমান্তবাদও প্রত্যেক পরাবের পূর্বে সংক্ষিপ্ত অভিনেয় সংযোজিত। खारहाक चन्डांत्र-खांत्ररक्ष क्यांत्रांत तम हमा चारह ! त्सांक. नहात, नम, काम, नाख व्यक्तित अपूर्व क्ती । व्यक्तिता । किका २ वक हैकि। बाह । বিশ্বত শীৰনী সমন্বিত এইরূপ অভ্ততপুর্ম সংস্করণ উত্তঃপুর্মে कुकाणि व्यक्तानिक इस माहे। উत्तम कार्याक लाजिलारहे। त স্থিত পুল অক্সে মূলাংল মুদ্রিত হইরাছে। এড প্রায ১৫০: शृहीय मुन्नात । जिन्ना वर्षमात्न ८ माछ ।

### **ক্রিটেডজভাগবড়**

গ্রাহকারের জীবনী, প্রতি পরিচ্ছেদের কণাদার, বিস্তৃত (शोष्ट्रीय 'काया, अवश्रुकी, श्रमात्रश्की, विश्व-शांत-शांत्रांत्र-স্থানী, প্ৰকৃতি বিবিধ বিষয় সম্বাভিত বিরাট বিভীয় সংস্করণ ভবল ক্রাউন ৮ পেলী আকার। আমিলীলা ও মাের किश्रमः ध्यकां निष्ठ इहेशाह्मां क्राप्य क्राप्य ध्यकां निष्ठ हरेट्डिका अधिम किंका ८ हाका, आपि शीनान किया थ्।

# **बि**टेड ख सम्मन

**এট প্রাচ্ছে এরপ অভিনব স্থান্তর সংখ্যাব আ**র কুত্রাপি क्षकाणिक दम नारे। "गरङ्गक (झं;कारणंत्र क्षत्र, वक्षास्वास, ভাষা, ক্ৰাসায়, তথা প্ৰভৃতি সহ খণ্ডে খণ্ডে প্ৰকাশিত ষ্ট্রাছেন। মূল ৰোটা আক্ষরে ভবল ক্রাউন আটপেজী बुह्माकारम् हाना इहेम्रास्थ । मृता २॥ व्हाका । ननीमा क्षकान ७ (मोधीरवर आहरूमानत भरक अ। । होका ।

## **ভীমন্তগ্ৰদ্**গীতা

-- জিলোডীয় বৈক্ষবাচার্য্য অপ্রাক্তত রসিকচ্ডামণি **এই**মিখনাৰ চক্ৰৰৱিঠাকুর গোখামিকতা সারার্থবর্ষিণী हीकामध्यका क अधिमहक्तिविदनाम ठाकुत्र-व्यंगील 'त्रितिक-सक्त मानक जावाजाबात्रहिका। अधावरही, माजुकाजस्य (आक-शृही,विरद-शृही,वाइकारतत कीननी ७ व्यवज्यानिकापि क्रम-क्रांक्रवादिवत-नर के क्रेड दीपाई क्रडीन मरक्रव--- ८ दास नाक्तरनम किया २ होका माज, गांवामून नाक्तर--- >॥ • क्षेत्रा माना।

# শ্রীল প্রভূপাদের বক্ততাবলী

ওঁ বিষ্ণুপাৰ শুলীৰছন্তিনিছাখসৱৰ্তী গোখানী মহারাজের দেই অবিভা-বিধাং নিনী कीवाश्ववक्रत्भारवाधिनी क्रक-कार्कान-मनाग्रिनी कोवल-वाधित मूर्च-विश्वक----देशकि-क्रांस-त्रकृतालाव (कोन्डक्पिक-मन्द्रातात्र বৈভববিজ্ঞানাগারের মৌলিক তথা-প্রকরাত ও ভাগবভের गमबग्र अक-महास्थान-कीतमहात्रिक-निक्तक--हि दिलानिह गाय-অভিশ্ব, তথ্য ও বির্ত্যাদিবৃক। প্রতি ভদের আদিতে অচিয়াও-বিচারক—ঐখণ্য ও মাধুর্গরণের মৌলিক গবেদগার তথ্য ভিডিশহ নামভকন-প্রণাণী ও অকলীয় শীলা-

> ১। श्रीया थाएक—दिकानसमीत, क्षी उक्षण्ड, कान-भर्म. अम्बादिकार. अवार्यकानरी, श्रामताद्विकी भीत्रः। ও বর্ণ-বিচার, আত্মধর্ম ও মনোধর্ম, শ্রীটেডভাদের ও ভাষার শিকা, অপ্রাক্ত সহক্ষণর ও প্রাক্ত সহভাগর্ম, প্রাক্তি বিংশতি সংখ্যক রয়ে স্থানেভিত। ভিক্ষা মাত্র ভ্রুতি পুরাণ-পঞ্চরতে দি সাহত-শাসুসমূহের প্রমাণাবলী ৮০ বার আনা।

> ১। দ্বি শীতা অঞ্জ-ভদা ও বিদ্ধা ভক্তি, মচায়ের প্রেষ্ঠতা কোথায়, আত্মার নিতাব্ভি, শ্রীণর স্থামিপার ও माग्रानाम, बीरशोद-निष्ठ्याममञ्जनम, क्रियुरश्च सम्ब 🥺 ऋछ-কীন্তন, শ্রীব্যাসপুদায় শ্রীম্বাগণতের কীন্তন, প্রথার-ধামের মহিমা, মহাপ্রসাম, জ্রীগোবিন্দ, জ্রীরপারুগাভ্রম-थय, **क्रीमछी व्यक्ताप्रमिली, ब्रीटे**ज्जल्लाव नवा, त्यीवकरूना ও রক্ষরভীর্ত্তন— চতুদাশ অপুক মধুরিমাপুর্ণ-বঞ্চা-বিভূহিত। ব্লি কালিতে মুদ্রিত, উংক্রই বাধা সোনার ফলে নাম শেখা।

প্রথম ও বিতীয়—ছই খণ্ড একরে লইলে ভিকা ১৮০ त्मक होका, जाक बद्र दश्ह ।

## 🛢 মত্তগ্ৰদগীতা

Cशीषीय-देवकावनार्वनिक-८मधत्र ख्रीश्रीमन्यलदनव विष्या-ज्यनकृष्ठ ভाषा ও व्यायहास्तिवित्नाम ठाकृततत् शाक्षण वन-ভাষায় বিভূত 'বিগণ্রলন' নামক ভাষ্যক। অধ্যায়-সূচী, বিষয়সূচী, ও প্রতি লোকের অথম ও তৃতীয় পাদ স্কী, ভান্তকারের কীবনী প্রান্থতি দছলিত উৎক্ট বাগাই, রাজসংকরণ ( তুতীয় সংকরণ ) গ্রন্থের

#### প্রেয়রভাবলী

ब्यायनाम्य विश्वाकृतन-ख्यापिक देवकवननेन. मन्तक छ গোবিন্দ-ভাষ্টাদি পড়িবার প্রথম গ্রন্থ। উৎকৃষ্ট কালিভে ছাপা। স্থবিশুভ টীকা ও প্রাঞ্চলবন্ধামুবাদ-সাহায্যে অভি সহত্রে বাসকেরও বোধগমা হইয়া থাকে। ভিক্ষা । 🗸 • জানা মাত্র।

### **এলবদীপগামমাহাত্য্য**

( প্রমাণৰ ও ) সামুবাদ। প্রতি-দ্বত্যাদি গ্রন্থে শ্রীনব-ৰীপের বে মহিমা কীর্ভিত আছে, তাহার মূল সংস্কৃত ও অমুবাদ। ভিকা 🗸 আনা।

#### **अजिमवर्षी**

ব্দীঠাকুর ভক্তিবিনোদ লিখিত। মুললিত গীতাবারে পরিক্রমার জ্ঞরাাদি-বিষয়ক। ভিক্না। আনা।

#### ভজিরভাকর ও নবছীপ পত্তিক্রমা

শ্রীল নরহরি চক্রবর্তি-ঠাকুর রচিত। ভক্তিররাকর হইতে পরিক্রমাংশ মাত্র গৃহীত; প্রীক্রীব গোখামী কি व्यकारत क्रीनवरीमधारमत भत्रिकमा कत्रित्राहिरणन, छाड्डह শতে বিবৃত। ভিক্ষা । প শানা

শ্রীল ভক্তিবিনোদ ঠাকুর প্রণীত। ইহাতে শ্রীচৈতন্তের निकालगानी--क्य, क्रमांकि छ त्रन-वद्ध छ भूक कीव--चित्रिः (छमाट्या एक-माध्य-मिर्ध्य-खार्यायन-एट. कर्य-का छ, बाधामापित विकात-देवती छक्ति, छावछक्ति । পরিচয়াদি প্রথম শিক্ষাপীর উপযোগী করিয়া সরল ভাষায় সমুদ্য স্ক্রিপ্রমাণমূহ লিখিত মাছে। চতুর্থ সংস্করণ স্বাধা २, ठीका, व्यावाधा ३५० छ। । माछ।

# গোড়ায়কগুহার

क्षिरओ श्रीय-टेनक्ष्यनारण अक्ष्मण कर्छ श्राप्तनारमण विषयविভाগकरम माञ्चाम श्वन्तिः । एकेक्स देवस्य-সিখায়ের সারস্মর্থ এক ক্রাপি প্রকাশিত হয় নাই। हेश्ट खक्डब--- डाइवड--- देक्कव - जोड़-- निर्मानम----- विटिश्य--- माध्यान कि---वर्ग व्या-- व्या नाम-नव्य -- कुक्र नाम — जीनाम-- अलाधन ७ अभाग- उद्दर्शन भूगक् अनाहि স্তুগ্য ধ্যোকাদি স্থাসহ উৎকট এটিক কাগতে বোঞ श्रष्ट व्याप्र ४०० शृक्षार मण्युनी जिक्या २८ छाका माळा।

# জীনগ্ৰীপ্ৰাম-গ্ৰন্থাবলী

ভীমণ্ভতিবিনোপ ঠাকুর-রচিত পামমাহাত্মা--ধাম-गाहारकात मारुतान अभाग थ ७-- जीए नवंद्रति ह कराडी সাকুরের থাম পরিক্রমাংশ—শ্রীধাম নব্দীপ পরিক্রমা—ভার্থ-যাত্রা প্রতি-টীমং প্রবোধাননকত নবর্গাণ্ডকম-শ্রীমহন্তিবিনোদ ঠাকুরের শ্রীনব্দীপ ভারতরঙ্গ প্রস্তৃতি গ্রন্থ একর ভিকা ৮০ সানা মার।

### 🕮 হরিনামামত ব্যাকরণ

শ্ৰীৰীৰ গোৰামী প্ৰভুপাদ-বিরচিত হয় ও বুরি, তংগ্ৰে ওবিঞ্পান আমন্তজিসিদ্ধান্ত সরস্বতী গোস্থানী মহারাদের বিশুভ ভূমিকা ও স্ফী প্রস্কৃতি সহ। অপ্রত্যাশিতভাবে হুণ্ড। ভিক্ষা ২, টাকা, ছাত্রগণের পক্ষে ১৫০ টাকা মাত্র।

# বেদান্তভ্ৰদার

শ্ৰীমদ্ৰামামুক্ষাচাৰ্য্য-যচিত। বেৰাছের বিশিষ্টা**ৰৈ**ত্যাদ-প্রচারক জীভাষ্য প্রণেডা আচার্যাপ্রবর বেদাস্থদশন পাদের উপযোগী করণার্থ এই উত্তম করিলাছেন। ইয়াতে वक्राञ्चाम ७ स्नीलजामि मःयाक्रिक कत्रा बहेबाटक ন্ম মাত্ৰ ভিকা ॥• আনা ৷

# শ্ৰীচৈতহাচন্দ্ৰামূত ও নবদীপশতক

লোবপার্বদ ত্রিদণ্ডী ভীমৎ প্রেবোধানক সরস্বাতী প্রাণিত মুল, প্রভুগাদ শ্রীমন্ ভাজিনিকান্ত সরস্বতী গোলামী মহাবাদ সম্পাদিত অযুবহুতে ব্যাথা ও ব্যাহ্নবাদ স্থলিত। নব্ধীপশতকের শ্রীভক্তিবিনোদ ঠাকুরের পথায়বাদ ভ তৎসহ শ্রীমন্মহাজেনুর একটা ত্রিবণরজিত অলোকিক চিত্র প্রাদন্ত হট্যাছে। মুদ্রণ ও কাগল উৎক্রষ্ট ( ২ বানা একত্রে) ডিকা ৮০ মানা, অতি অরম্য বাধাই স্বাঞ্চন্তর্ব ২ টাকা মাজ।



শীমছাজিবিনাদ হারুর-প্রণীত। এই একমার এছ-বছের জান লাভ কবিনে পারমার্থিক রাজ্যে কিছুএেই স্কান বা সংশ্রু থাকিবে না। প্রম গ্রু দ্মান্থ্যক এই-কপ্ররণ ও হৃদয়ক্ষ্মী গ্রুত এ প্রায়ন্ত প্রকাশিত হয় লাই। নিশিলগোত্থামি শাস্ত-মতেরেতি মহন্তলে এই প্রচান্ত উপিত হইরাছেল। স্থানা ত্রিপৃত প্রতী, কপাসার উত্যানি দ্বারা বিশেষ সহ্র কবা ১ইয়াছে। বিরাট প্রথ, সোনার জলে নাম প্রেরা, উংক্র বিশেষ – চতুর্থ সংকর্ম ভিজা ২ টাকা মাত্রা।

# প্রেমনিবর্ড

শ্রীমন্ত্র প্রভাগ প্রাণ প্রীন ভগদানন প্রাণ্ বির্তিত। এই প্রভাক কৃতি স্থানেধ্য ভাষার মহাপ্রার কৃতিপর নীলাগত বৈধনালের, একারণা ও নামভাসন-প্রণালী প্রভৃতি অনেক বৈধনাছের স্থীমাপে। নেশিতে পাইবেন। পান্টাকার হ্রত প্রানের বিশ্বাধা ও গ্রন্থক ঠার প্রিচ্যানি-নহখিত চতুর্থ সংস্করণ ভিক্ষা ৮০০ দশ আনা মন্ত্র।

#### ७ जनतर छ

ভদ্মকানীর নিত্যসন্ধী; সাকুর ভিক্তিবিনোদের অমুখা দান : নিথিল শাল্পের নিধ্যাস । এইখানি না দেখা গাঁচীয় কেহ বুঝিতে পারিবেন না। চুটীয় সংশ্বরণ ভিক্ষা ৮০।

# হরিনামচিন্তামণি

নামাচার্ব্য শ্রীণ হরিদাস সাক্রের মুপে শ্রীনন্মহান্তার শ্রীনাম-মাহাল্মা, নামাভাস, নামাপরাধ প্রভৃতি বিধানের মাবাহীর বিচার জবন করিয়াছিলেন। এই বিধারগুলির আতি সরক পরারে মাধিও আশ্রম্মত পরিপাটিভাবে মুলিছ। শ্রীক ভাজিবিনোর সাক্রি-রচিত। প্রথম সাক্ষরণ ভিনা দ্ব

# কল্যাণকথ্য হক্ত

নীমন্তবিধান হাকুর স্বভিত। প্রভোক ভাগেন্-শিক্ষারী ও জ্ঞানগণের প্রিবেস একান্ত প্রয়োজনীয় উপলেশাবলীপূর্ব গ্রিপ্রের। সামান্ত লেখা-ড়া-ডানা লোকেন্ত এই ভলনরাজোর ক্ষিতিসমূহের ছান্না জনগনিস্থিও ও ভগ্রংসেরা লাভ ক্রিবার স্থাবিধা পাইবেন। ব্যঃ মাজ্বন, ভিজা ১৮০ স্থানা মান।

## শরণাপতি

জীমছাজিবিনেদ ঠাওর রচিত। ভগবানে আর্মমর্পন, বিজ্ঞান্তি, ভগনবালদা, ১ড়বিফা শর্ণাগতি ও দিছি বালদা। বিষয়ক টাতিপুর্ণ, ভিকা ৴৽ আনা মাত্র।

# গীভোগলী

শ্রীকাজুর ভিজিবিনেদ-প্রথিত। নিতা ভক্ষন, আরাত্রিক ও প্রেকাছ-বেবনাদি-বিনয়ক মধুর ইতেনমূহ একরে গ্রন্থিত। ভিজা /- আনা মাত্র।

### बीनक्य क्या मध्य

বনিকেন্দ্রমূত্রমোলি প্রীম্থিনাথ চক্রবর্তী হাকুর-বির্ভিত রসগ্রন্থ। শ্রীমন্ত্রিভিনিন্দান হাকুরের অফুনাদ-স্থা ভিকা। শ্রানা মাত্র।



নীমন্থাপ্রাক্তর শিক্ষা ও শ্রীন রগ্নাথ দাস গোস্থানীর প্রতি শ্রীকপ গোস্থানীর উপদেশবাদী, ভক্তিপথের অহুক্ল ও গ্রেভিক্ত বিলয়ে স্থানিটারিত সম্মোদন ভাষা, বিস্তুত বিবৃতি, চরিতাস্থানে প্রমাণ, সাহায় ব্যাখ্যা ও মহামন-প্রনিত ওল্লগোপ্র গীত্মমূহ প্রভাক লোকের স্থিত স্থিবিশিত ইয়াতে। তয় সংকরণ ভিক্ষা পি আনা।

#### সাগল-কণ

জীবনুনাপ দান শোলামীর মনঃশিক্ষা, **জী**ন সাক্ষা ভাতিবিনোৰ-চ্বিত প্রাহ্বাদ্যহ। ডিক্সা / • জানা।

# প্রেমভক্তিচজ্ঞিকা

প্রিল হার নবোড্রনের স্থাসিক প্রেমন্ড কিবিনরক প্রেন্থ প্রকা - ভিক্তা / ভাষানা মাত্র ।

### লবদ্ধী পশত ক

শ্রীল গ্রের ভিতিবিনোদ রচিত **শ্রীল প্রবোধা**নক সর্বাদীবাদের স্থায়ত নাথীগশতকের স্তব্যাতি **পদ্মান্তবা**ল। ভিক্তা ২০ আনা মারে।

# ভার্থপঞ্চক

জ্ঞিল পোকচোয়েরচিত। বৈকাণতা-**ভানের অ'ক**র পুরুক। ভিয়াসং স্থান্য অ!

# সদাচারস্থতি

্ট্রিল মুস্পান্তানপ্রনিত। বৈদ্ধবের নিতাক্সাদি স্থাচার। ধনী, ব্যাস্থ্যনে স্থিত। (ভিকাস» সালা মাই।

#### मुश्रिम 🗱 औ

ক্ৰিকুলকেশ্রী জীনমারোম-(চামা রভিত। জীমমাধা চাল্ডের সংক্রিপ্ ভারনলালা ও মুখ বৈধ্যবধ্যমভ। সামু দিব ভিজাত আনা মার।

# **८**शीजकृद्धानग

প্রাধীন কবি ত্রীগোবিদ্দ দেব প্রাণীত ক্রীগোরাবভারের প্রায় গুরুষান্য বিশিষ্ট সংস্কৃত হস্ক । ভিক্ষা দ**্ধনানা**।

# यु लिया क्रिक। ( खगरभोद्राष्ठ )

শীমধ্যনভাগ মানুনত শীমনা দিলাত স্থানিকত। বন্ধান্দরে সায়বাদ এই প্রবের প্রকাশ পার্মাণিকা পাছিতা-তথতে কে সক্ষেতান । শীম্মানাচার্যা ভইতে যোদ্ধান্দকন দিনীয় মধ্যতি গ্রিনামে থাতে শীবাদিরা ফটার স্বামী এই প্রশ্নে মানুনার স্থান ও প্রানিক ভাষা ভ্রমারে কিরুপ ইন্দর্শনে ভিতিবিরোদি-মতবাদ সমূহ প্রভান করিয়াতে, তাহা পাঠ করিতে করিতে ভাল্চ্যাপ্তিত হত্তে হয়। ইহাতে যুক্তির মারা চাকাক, কৈন, বৌদ্ধ, মীষ্ণিস্ক ও মারাবাদিমত-সমূহের ভ্রমার প্রনার বিভাতে। ভিক্ষাণ্ড টাকা মানা।

# Cशाचानी जील त्यूनाथ मान

( ও বিষ্ণুপদ প্রীল ভকিনিদ্ধান্ত সূত্রতা গোরামী প্রায়ুণাদ-নিবিচ ভূমিকা সহ ) গৌরপ্রেট অরপ-রূপের ওকনাত্র প্রিয়ুত্ম প্রীল দাস পোস্বামী প্রভুর অপুর্দ্ধ চরিভান্ত ও শিক্ষা মতীব প্রায়ুল ও সরল ভাষার সন্ধিবিই ক্ষাং প্রিশিবেই দাসগোস্থানী প্রভুর বিস্তৃতি ককেটী মান্তবাদ মধুরতম ওব ও মন্দ্রিকা-স্বলিভ। ভিকা বাধাই ॥০ আনা, মানাবাই। ১০ আনা মানা।

# চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাচীন নবহীপের অবস্থিতি, তথা, ঐতিহ্ন, শ্রোত ও ঐতিহাসিক প্রমাণসম্বাজিত নর্মটা স্থীপের সচিত্র বিষরণ-গ্রন্থ। রাজ্মি রাওসাহের কুমার তীসুক্ত লম্বনিন্ধু নারামণ রাম এম. এ, প্রাক্র লোহোর), বেলাস্ভভূবণ মহোদর কর্ত্বক সকলিত এবং ৪৭ গানি বিভিন্ন বর্ণের অপূর্ম চিত্র ও মানচিত্র-সম্বিত; প্রাচ্যানিস্থামকার্থন রাম সাহেব প্রাক্তক নপ্রেক্স নাথ বস্তু বিশ্বকোহসম্পাদক মহাশ্যের বিস্তৃত ভূমিশা স্কু। উৎক্রাই (ইং) মরজো বালাই মুল্য ১॥০, ভি: পি: তে ২ টাক যাত্র।

# সাগন-কণ্ঠমালা

ভববন্দনা, নৈক্ষর-বন্দনা, বৈক্ষরশন্ত্রণ, দালাবের গীড়,
প্রীনামগুট, প্রীন্মহাপ্রদের অটোত্তরশত নাম, অইপ্রহর
নামনাক্রন, প্রানামগুলিন, প্রোমধ্বনি, বাউন্স্লীত,
নান্দ্রীগ-মতিমা, প্রীমায়াপুর মহিমা, প্রীনরোক্তম-পানুর অইক
আচান্য-নন্দনা, ষড় গোলামীর অইক, প্রোমভক্তিট ব্রিকা,
উপ্রেশ্যালা, নামভল্পন-প্রেণালী, মহাপ্রেড ও রার রামানন্দ সংগাদ, মনংশিকা, প্রীভক্তপ্রণতি, প্রীঞ্জম-পরন্দরা,
মহাপ্রের বন্দনা প্রভৃতি সাধক ও নিক্ষাবিনের নিভাপার্টা,
বৈক্ষরগণ্ডের কঠালিত তুল্লীমালার ভার অভ্যান্ত কঠে
গার্গ্যোগ্য অপুন্র গ্রন্থ। ভিক্ষা তেও, বাধাই ৪০ মান্ত্রা

# গোড়ীয়-গৌরব

কলিকভাব স্থানিক আলবার্ট হলে গোড়ীয় সম্পাদক শ্রীপাদ স্থাননান পরবিদ্যাবিনোদ-প্রানত বস্কুতার বিধয় এডকারে প্রকাশিত। ইহাতে গোড়ীয় বৈশ্ববাস্থান্থর ইতিহাস হ্যাকারে গ্রাপিত হইয়াতে। ডিক্সা ৮/০ মাত্র।

# গোড়ায় সাহিত্য

কলিকভার স্থানিক সালবাট হলে গ্রেটীর-সম্পাদক প্রথান ক্ষরানন্দ পর্বিচাবিনাদেশ্রের প্রান্ত বক্ষভার বিষয় প্রথাকারে প্রকাশিত। ইংগতে সাহিত্য-শন্দের স্বর্থ একং থোট্য-মাহিভার বিষয় স্ত্রকারে ব্যিত হইবাছে। ভিক্ষা দি সান্যান্ত

# শ্রীগোড়মণ্ডল পরিক্রমান্দর্পণ

ন্তিনিভ্নের বে সকল স্থানে সপরিকর শ্রীমন্থ্রিছ এবং তথ্যত পরবর্তী মহাজনশন দীলা করিয়া বিশ্বাহ্নন দেই সৰ সাধুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও দেশবিগ্রহাদির , পরিচয় ২০ যাঙারাতের ভবিধা নির্দেশ ইত্যাদি বিষয়গুলি স্বিধিশিত আছে। ভিকা ভিকাশি ক

# THE HARMONIST

OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীল সাকর ভাজিবিনোল-প্রাভিত্তিত এক জীল ফাজিসিদান্তসারখনী গোলামী প্রেম্নলাল-সম্পালিক পারমার্থিক
মাসিক পতা। একণে ইংলালী ভালার আইাকিংল বর্বে,
তবলকাউন ৮ পেনী ও ফর্মা, আজাকে প্রতি হারে হরিনামের বিজয়-বৈচন্ত্রী লইনা উপন্তিত হইতেছেন।
কারাজ, মূল্য-পারিপাটা ও চিঞালি অতীব সিতাল্বক।
এই প্রকার উৎক্রই প্রবন্ধ আর কোন মাসিক প্রাণিতে
লেখিতে পাইবেন না। বার্ষিক ভিক্ষা ভাক্ষাভ্রমত্ত্র

शिक्षांन-चिरुष्ठक्रमठेः (भाः चिमाद्राशुद्धं मनीहा ক্ষুম্মনগর সংবাদ

মুখ শিভা জীবৃক শ্রীণচন্দ্র মন্ত্রদার প্রক क्षेत्रारमञ्ज्ञ व्यक्तिकाम यक्तर श्रमाह व श्री-Pice wirmiterent bieter gemit विना िहारच कावद कक्षांच नव स्टेरफ वृत्क्षत चार्थिक चारका चारक बाहान वह-श्रांटक विकाश क्षणांच, युद्ध च्या करेगा **र्भक्षेत्र** मुक्किण व्यासक वास्त्रिया शिवाटका সম্পাত ক্ৰিয়াৰ নাকি বৃদ্ধ কোন মানিক कुर्खिन भागम माठे। यात्रिक कालात क्रम किमि अनवाध ठीक स्मायक्रोतीक निक्रे **मत्रभाष्ट्रः भ**तिरास्त्रम यशिका श्राकार्मा

# মুক্তির পর পুনরায় অর্ডিগ্রাক্সের কবলে

(शक्क्यांनाकांक हवागः मामनांत कांनाभी कीयुष्ठ पनि वस्, भून मागन्त्रश्च वनः स्रभारत्व <sup>२%</sup> प्रे**क्ट**मबाद सामिश्व रमनद्वीत रकरण हिरमन । भागान्य कित्यान करेटक मुक्ति भारेतात कोष्ट्रांटमम् क्रका गाउँ। ज्ञानामित्राटम दनक्रम অভিশ্রামে রেপ্তার করিয়া বন্দী করা Beiten :

# কলিকাভায় জাভীয় পভাকা উৎসব

शक दिविशेश कि काला ख दा बहार 'काफीब लड़ाका केटखानन' छेरमन मह!-সমারোকে ক্রতিশালিক কটভাতে। আতে क्रिकाकोड अभिकारम भाःकेड क्रःछीव পছাকা উড়িতে দেখা পিয়াভিব। আতীয প্রকাষ মৃণ্য আঞ্চলাতির সাংগে জাগ-विक ब्हेबारका जाते काकीय शकावा ! व्यक्तियांत्रीयकः व्यक्तः व्यानान-वृक्ष-वनिष्ठाः अधिकाय का कियानन कतिवादक ।

नाकारव भरीकात अश्च अवाम लाकान निर्मात्काभारात साह-क नतीसात अन्न अक्षाणिक संदेशी शकाय गिर- हे श्वताय श्रीका कृता विक पतिशासिक । वात्र कटला बनारम काकुरमत मटमा देव देव नाजिना शिक्षात्व अत्रः विश्वविक्षाक्षात्रः कर्कुनकरान aferificen cata कर्य क्तिएएका। क्षकान, वा शामादक शूर्व कहेटा वे वस्पत ভলিপাছিল; প্ৰসান সুফেলী নামক এক या किएक वा जाना के दासी मान कर कर कर है। ख्नकान जीनोटन मुक चाटकन ।

. ्र अस्तित भार्टेटलव मध्य बारकीकी जन्द कछाछ छात्रु कर ही ब्यादम बीयुष्ट यक्ष कराह ना। हिलात मिन-नहीं क्यायहन । किनि व्यक्त रहे जर अक मुद्दिन वक्षुका कशिरका ।

মি: পেডী হত্যার <u>ক্রে</u>ক্ रक्षणान, राज्यकी अनुवास प्रज्यसहरक्षण करू स्ट क्ष्म किलान - स्विनीग्रहकत ভারন: জ্ঞের কোটে বিবেফানজু বছর ंभक इटेट्ड बक्डी काशिलाइ महचार्खनाथिन अमा ब्रह्मा विद्यक्तिमा बिर (अभून (गर्फी) ्रद्रा। गण्यक्ति ५ इ. जनः श्राप्टक व्यापद

०हेशास्त्र ।

फाँहोत्र शक्क छहेटछ यहा कत्र द्य, दन शानीय वक्षम উकीत्वय भूव धार करन-জের ছাত্র; গুলী মাধার সময় সে বাদীতে खांगात गृष्ट-निकारक विक्रो किया। जिनि कालास्य अकलन धिमनाष्ट्रेतेत। यहेनात অল্লেশ পরেই ভাগেকে গ্রেপ্তার করা হয়। श्रुक्तिक फाठांत कवान्त्रकीय मधाराष्ट्रा गरीका कविया दम्बिशांटका

মৃত্যা মার্ণিষ্টেট স্কল গুরু বাজির काभीरमध मत्रथ छ नाः शुः कविदास्ति।

शांबदा कारकत निक्ठे वना वत्र वि. নিবেকানল একজন বুৰক। তাহার विकास दकाम आगान गाँहै एथाणि छाहारक se जिस यां ९ कांस्ट्र काथा कडेबाटक ।

नियाँ क्रमः सांधकातीत्र शकः क्ट्रेट्ड छ ष्यकुत्रण मत्रशास्त्र कता क्षेत्राटक। दमञ अक्सन कृति अन्य बरेनक कानीय छेकीरगढ भूजा। कांश्रीत नरण नन। इस रय, घठेलीव भगव दम दमकिली भूटव किम ना ।

म श्रेष्ठा व्याच नक्षणाध्यक्षानि आव्य करतमः। ভিনি মানলার ন্থিপক ও গ্যাকিট্রেটের रैक्किर्य धार्किश मार्ट्रावेशिष्ट्रम । एका धावा भावतिक अति किष्ठेत्रक छेनक छ क्रक ल्याजीन बांधी करियात्कन।

आकाम, कश्चभिक्षात्म कांना शिशात्क दय, অংশঃত্ব লাকেট শ্রমধেক হটরা সাম্ভিক বিষ্যকুমার দাশ গুল-পুলিল এই হতা-गुष्पारक यादाव त्याक कविवाहिन--दकान मगरत्र ध्यमिनीभू करणांकरयुष्टे कृत्यत कांक किय ना।

> মিঃ শেন্ডীর দহাাকালীকে ধরিয়া निवात अञ्च द्यमामाध्याञ्चे ६०० । हामा भूदकात (वायना करिकारक्ता ! "

# এক লক্ষ্য পাউও বেজাইনী TEN DUIL

প্রায় এক লক্ষ্য পাইও মূলে) মু মর্ফন भागक माधकळाता बता शतिवादक । व्याकाण, **+54% मिल्ला मार्क्ट में मार्क मार्क मार्क** भागक अव। मुक्क विक किन व्यवर छ। वात्र आं १९८० व केंग्र क्या बांग्या मार्का त्म्ल्या दिन। এह व्यवदास भारक है खिन धान-यानि कार्यान काशक श्रेटक कार्विकृष्ठ eenice :

ব্যস্ত	নক্ষরে প্রকাশিত	<b>-26</b> 1	শ্রীণ প্রভূপাদের বক্ত,ড	াবলী
) i e	ইমহাপ্ৰভঙ্গ,স্মগ্ৰ ১০	(	क) दाधम पण	ho
	à (54-54 44) ₹516.	(	ৰ) বিভীয় বঞ	31
	ले (मुलस कक् ) ;>्	(	ग) पृष्टे चल कक्ट्रा	>10
<b>ti %</b>	াশুধর-সঙ ঐতিচিতক্সচরিভামুক	99 1	নবধীপ পঞ্জিকা	
(	ed तरकत्र <b>।</b> ८०	•	( ८८८ (गांबास )	<b>~</b> /•
01 8	रिहल्क्ष्यागर्य	041	সিদ্ধান্তৰপূৰ -	4.
( )	বিলাট (বিভীয় সংখ্যাপ ) 🔍	ا دو	दीश-१मग्र मुनम	<b>"</b> /o
e i 19	ভা ( শ্ৰীবলদেব-টাক্খ-নছ ) ২্	8-1	<b>व्यक्तिकाल्याकर</b>	
c 1 9	ভা ( ইচক্রবঙ্কি-টাকা-সর্চ ) ২১		(নব্দীপ পরিক্রমা)	<b>å</b>
७। देव	¥वश्य २,	95 1	<b>শীক্ষালা</b>	/>•
৭। বুর্	क्रमांक्रकः अनुरमीत्रकः नाक्रवाह	6₹ (	क्राानक्ष्मचन्न (नक्ष्म मृश्कान)	150
(	माश्तः) २८	80 }	নব্যাপশন্তক	Is
<b>₩1</b> (1	गाक्षीब-≄8काउ	66	স্থাচারস্থাতঃ	1.
ə 1 🕏	টৈড ছব্ব শিক্ষামূভ (বাঁগা) ২১	84 1	ना धन 🕶	1.
. · · · · fb	टळ नक्षी <b>ल</b> आ•	891	<b>্ৰেম্ভকিচল্লিক</b> !	1.
ו כנ	ইটে ভঙ্গচন্ত	59	শরণাগতি	10
į a	নিৰ্ভীপ শভক্ষ (বাধা) ১১	801	নী'ভা বঁশী	1.
ا بر	মমহাঞাভুর শিকা (বীধা ১১	85:	গোড়ীখনঠ 🗫 খরেন 💡	10
I	🗗 (च्यादीश)	• 1	সাংখ্য <b>াট</b>	1.
بن ۱ ه.	কেব্যক্ষা-সমাজতি	251	<b>भ व् १३० क</b>	10
	আংখম চারি≪ ৩চ)	e> 1	শ্ৰীভঞ্জিটিছে স্তৰাণী	1.
. 58 1 🕮	হেরনাম্চি ভাষণি	201	मार्किन कर	رغه
561 A	ব্দীপ্ৰাম-ক্ৰম্মালা ৬০	দেৰ	নাগরাক্তরে একাণি	45
.61 4	गावक्रामगः ५०	•	िक ख-नवच्छी-विक्रियः	1.
391 6	আমোৰবত (ভূতীয় সংক্রণ) দ		স্টাক শিকাধশমূলমূ	10
; ; ; = : •	<b>1•</b>		ভঙ্ক-ক্ৰম	1•
13 1 A	চার কেবল নাক্ষ-ভাষ্ট 👫 🔭	49;	माद्रारणदर्शनम	٠
	श्राष्ट्रामी अधुनाथ शाग (वांशा) ॥	er i	गाञ्चाम लिकाडेकम	<b>√.</b>
	ाव + च ३ भागः ( दीषाः) ३०	e>.1	গোড়ীৰ মঠত পরিচরঃ	٠,٠
ેરરા 🖺	ংডিভডিকল্লগভিকা সা <b>পু</b> বাদ ও•	Ber	রজী ভাষায় প্রকাশি	_
२०। ८	वशास्त्रक्षभाव माञ्चनार		নামভঞ্জ	1
(	হামাজ্জীয়) 1•	•> 1	गारेक् गांध खिरमञ्जेन सव	i•
) <b>3</b> 1 .6	জ্বাহানত। <u> </u>	įi - ,	द्योदेहरू म महाद्यक	10
₹€1 (5	গ্ৰন্থীৰ-লোৱৰ 🛩•	w2	(वक्रवीसम्	1•
301 6	গাড়ীয়-গাছিতা 🚽 •	401		10
	।খনপথ ( ৩য় সংকরণ )       '৵∙	961		•
•	প্ৰেশ্বরী সাম্প্রকাল :•		আনেশয়েড্ ডিভোগন	
	মুস্তাবলী বা সাধাবাদশভদ্ৰণী ।	1 36 1		· /•
į.	)শোপনিয়ৎ ( বললেব ও মাধ্য	Ħ	উড়িয়া <b>অক্ষরে প্র</b> ক	
ŧ	ছু এবং বিবৃতি ও অন্তবাদ সহ।।			11-10
<i>l</i> .	শ্রীন বর্থাপভাব কর্ম	1		# <b>-</b>
1	ঐপ্রেড্মন্তলপারক্রেমা-দর্শন			10
	একুৰনেশ্বয় /	1		.15.4
08 (	ঐ প্রমাণ্যক <i>ত</i> ভটালগাম-মাচা <b>রা</b> ঠ	'   '		10
	ব্যাপ্থাম-মাহাস্থ্য <i>ব্য</i> জন্ম হোজিকার ক্ষম বিশ্বনিধিক গ	. 1		•

বিশ্বত ভাগিকার মন্ত নিম্নলিখিত টিকানাম পত্র শিশুন--

ম্যানেজার-গ্রন্থবিভাগ ब्रिटेन्ड वर्ड, त्याः श्रीमात्रार्थतः नदीया।

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

# খোলা হইয়াছে।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অতি : নত্ত্বের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্ম বিনা ব্যয়ে সুন্দর বাসন্থানের বন্দোবস্ত হইয়াছে। স্থান অতীব স্থান্থ্য কর।

> সবিস্তার সংবাদের জন্ত নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। সেক্রেডারী, ভাকুর ভাক্তিবিলোদ ইন্টিটিউট্ শ্রীচৈত্ত্যমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

# ৫০ বংসরের পরীক্ষিত কয়েকটা মঙোষধ—

শাৰ্হারকারীরা ওবে মুগ্ত হইরা যে সমস্ত প্রাশংশা পত্র লান করিহাছেন, ভাগা শি করিলে বড় বড় প্রক্তক হইয়া পড়ে। আন্দ্রিও ব্যবহার করিয়া ধর কউন।

- ১। চন্দ্ৰভাৱ বটীকা—ইহার নামটাও বেমন কংলার সেই রকম। ইংগা বুখন ও প্রাতন মেদ, মৃত্যকুত্ব, কর্ম প্রভৃতি এবং স্থাংগাল বিধের স্তিকা ব্যাবাম, বেক এবং রক্তপ্রায়র প্রভৃতি হোগে আশু ফলগাদ।
- ২। স্থাপ্তিসহায় বটিকা—মাধকলবাবিশীন অতৃত্ত ই নিডাবিশারক ঔষণ। বে কোন বৈহিক ও মানসিক পীড়াবলত: অনিজারোগে এই ঔষণ খাবতাবে গাঢ় কিলা হইবে।
- ত। স্কুর বৃটিকা—ইণা সেধনে লীণা এ ভদকুদলিক নেবা ও শণীর পাতৃত্ব হটয়া যাওঁয়া ইডাাদি নিদুরিত চইয়া রক্ত প<sup>্</sup>রভার ও বৃদ্ধি প্রাথ্য হয়।

**७७ छिन आकारतत अरक्षाक धेरामत म्या अति व्योग २८ ठाकः**।

ব্যাপ্তিয়ান :—আভৰুনিগ্ৰহ উল্লেখালয় ২১৪নং বছৰাপাৰ খ্ৰীট, কণিকাতা।

# কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



রকঃশ্বলের প্র'বধরে জন্ত ৬ আঃ শিশিতে ঘনীভূত অবস্থার ছেটবোড়লের সমপরিমাণ উব্ধ ভাকে পাঠান হয়, ইবাডে ঔ্যধের কোন পরিবর্তন করা হয় নাই। মূল্য প্রাভি শিশির• আনা, পাঁটট ৪৮/• আনা, বোডল ১৮/• আনা।

অফিস-১১নং উন্টাডাজা রোড, পোঃ শ্বামবাজার, কলিকাতা

# ग्रंपन गुक्र ती

ক্টিভার থবা ও বার্বিভার, ইক্টিরপ্রিস হান, ক্টানে ভ্রমণাত, বহর্ষান, বাবানোরা, বুল বড় কড়ানি, অনিয়া এড়ডি সক্ষণ প্রয়া<sup>ট</sup> বিজেবি আয়োগ্য হয় । বল, বীর্ণা, বেথা বুড়ি ক্যিকে অভিনিত ইনিক ( মুলা ৪০ বটা ১, এক টাক)।

প্রবৃদ্ধ ক্রম্মানী প্রতিশ পুনবহানি হোগে বাইএহার বারা আরোনা বারা বভিনালর করে। বুলা ২ জোনা ২ টালা। প্রেক্তাপ্রিকাশিলানী আন্তিকাশি বার্থারণ করক সভাগবাভি হারী ও বৃত্তি করিছে অভ্যান্থা। বুলা ১০ বলি ২ এক টালা। ব্যাহিনত আব্যান্যপ্রতিটি, ক্রেম্প্রতালী

# शरेदफ़ानिन

V

# কোষর্দ্ধি রোগ

ভাঃ এস্, এন্, খোধ বিনা আছে, বাৰজীবনের গ্যালাটি বিলা বৈহাতিক আৰাগাতে ভোববৃদ্ধি হোগ আলোগ। করিলা থাকেন।

> क्रिकामा---अभ्यार करेग द्वीरे, वक्ष्याकात्र, कालकाचा ।

# 5.1

**मृनायु**ङ

প্রিভন্নের অব্যর্থ ব্যবেষ্ট। ১ দারার উপনয়, সম্ভাবে আছোগয়। আহি 🖠 ৮০ বার আসা, ২৬ সত আসা । স্বান্তল পুরুষ্টা

# । ಅकागर्या मधीवनी (शाकें। ह

कारमञ्ज्ञ **काक्षणक क्षण्यास्य मर्ग्यस**ः। मृतः ५ किया ५:० कासः। **स्थल** पृतक्

৩। সন্ত্রাসী-প্রদত্ত ভার্শরোগের অব্যর্থ আংটা

খাবোগা না বর্থনে বুলা কেছব। মুলা ১৮ খানা। মাতল পুৰক্।

৪ ৷ কোন্ত-বান্ধব শীল

वाकीनं, त्राविकानां, त्रवटनवसात्र मत्वीयन । किना वन वासा । भारता मुक्का

৮। বাতলীন

বাচরোগ্রের মহোপকারী ও নরাতে আরোগা। প্রতি শিশি ১০ **জানা।** মাত্রণ পুথক্।

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তকারক। সময় কাটালগের বছ পর নিশ্ন।

eािंचिचन—मदनादमारून दल॰ दत्रहेत्री .

(भाः उत्राती, कथणाश्रुत, शकः,

# মনোমোহন প্রেস

পূর্বা-ৰাজালার ক্ষপতে সকলপ্রকার ছাপার জন্ত বিখ্যাত বৈদ্যুতিক্ষ মেলিন্সে দিবাভাতা কাজা ভলিতেছে বিশ্বত জানিতে বইলে নিম্ন টিকানার পঞ্জ লিখুন

> ম্যানেজার—মনোমোহন প্রেস, ১০শং নবাবপুর, ভাকা।

# মর মান্য বাঁচাইবার উপার

यिक व्यक्षणि व्यक्षण वन प्रकृष वैद्याह । इन्से सेवन व्यक्षित वन सार्व विद्याह विद्याह

त्माम अध्यक्त

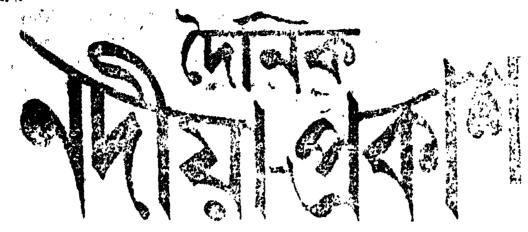
# ডাঃ ডি, ডি, হাজরা।

ক্ষেপুর, লার্জে-রিচ পোষ্ট, কলিক্ষ্ম ডিকাল্য শাই ক্ষায়য় নিবিধেন



MENT OF

AND THE STATE OF THE PARTY OF T



भागातिका हार व्याप्तिका स व्याप्तिका स व्याप्तिका स्व व्याप्तिका स्व स्वाप्तिका स्व स्वाप्तिका स्व व्याप्तिका स्व

WINDS MAKE HE WE WE THE HIRITAL COMPTE CHOSTE MUNICIPAL

৬ঠ 🖘 🕽

मन्याप्तरम् के वर्षेत्रकाथ यस्त्राशाशाश, त्यमाञ्चराठम्या

[ प्रक्रम गरचा

**এটিচয়শালট জিলাম নাধাপুত্ত- ১**৭ই বৈশাশ রহস্পতিলার ১০০৮, ৩০কে এতিলে, ১৯০১

# নানা কথা

দ্বৰাক্ষাৰ গোলটেনিলে বাইবার ু সর্প্ত

निर्माण क्षित्रकार मिलाव कर करनारम सामान, महामा मार्की ाहि गाउँ मार्केडर्टक मारमान मुक्ति मिलाव क्षित्रकार मिलाव क्ष्म साकाय मिला गाउँविशास्त्रम । काराय क्षित्र मेलिशास्त्रम (म. रमना मिलावेन वृद्धि मेल मर्ट्याठ, १९३०) कारमान क्षमाविक्या कार महकानी जन विद्यान कार्याक कर महकानी जन

विकास विकास कारण करांन, मन्द्रश्चा विकास विकास करांका करांका विकास विकास करांका करां महिला सार्ट स

शिवन्द्रमण वद्यन व्यवद्राक्त निवन्द्रमण वद्यन व्यवद्राव्य प्रदेश कर्या व्यवद्रमण वद्यन व्यवद्रमण व्यवद्रम

# গোলটেবিলে যাইবার সর্ত্ত

ইয়ুত পূৰ্ণচন্দ্ৰ দান অজ্ঞাত স্থানে নীত

# লণ্ডন অভিমুখে যুবরাজ

মিঃ ইয়াকুব হোদেনের বিয়তি

# দিল্লীতে সশস্ত্র ডাকাতি

গিশরে সাধারণ নির্বচন

# ক্যাটালোনিয়ার দাবী

रेगममिः दह छोयूठ श्राहत्स माम

# চট্টগ্রামের বর্তমান অবস্থা

মেডিকেল ফলের ছাত্র বেঙ্গল অর্ডিস্যান্স কবলে

# ভৌলবদ্বীপ-পঞ্জিকা

भोतांच 88व

মাত্র 🗸 ১০ ডাকটিকেট পাঠা**ইলেই বুকপোটে পাঠান হয়। ম্যানেজার- গ্রন্থ**বিভাগ মিঠ, পো: শ্রীমায় পুর, নদাগা।

# প্রমীয় প্রভাপ মলুমনায়ের পত্নী নিহত

शक द्राप्तवात छाडूर्य गरण्यक्रम ব্রাহ্মণত্র পাঠ্যক প্রাথাণন্ত মতুন-দারের অধ্যাত্রপারা বিষবা শাস্ত্রীতে সারguic corefus " nitu allica" - Aista रेशक गुरंब र तरा कवा करशांक । व्यवसात. जिल्ल शक्तिला रहितान दशस्य युगानीकि न्या करिए से यान । उन्यानवात निन ल्यार से र्वाक्षीत इसा कबन यथन एउटा जिस्स वृक्षा यशिवात दकान गांद्रा भक्त लाहेन ना ख्यान कार्यक्र महत्त्व ध्याप ञ्किश द्वीरे भूगिनटक खरत स्वया भूगिन चारितक बहुका चूलिया त्रका याव. इन्ह भारा निवादक्त--- क्षेत्रिय भवाव व्यक्त कालक कड़ान सांट्रिक । खावलक स्ट्रिन्सान कृतिशा (मन्त्रयाथ ।य. छ।वात व आ करें।क शांत ३०० है कि विषय विषय भक्तक मान करन, आफलाहीन काश्वक चाल्य ११८७ छ। वि शहेश वाका पुलिशात । भू काल करे अध्यादक तत्वर शक्करम नाष्ट्रीत हें किया 61कवटक दशक्ष के कवित्र दिक :

# দিল্লীতে সশস্ত্র ডাকাতি

দিল্লীৰ পা ভনামা তিকিংসক ভাজাৰ
বি, সি, গেলের সাদ্ধীৰে গদ্ধ সভাল কাব্যক

এক সলার ভাকাতি ধ্যকা গিলাভো

হা নালের লালাবাত গলাদ কাটিন ঘ্যের

মান্ত প্রেশ করে এবং বহুলি প্রাক্ত কলা গিলাভো আন্ত ব্যক্তি ক্রাক্ত মুন বাল প্রবাধান্ত ক্রাক্তিক ক্রাক্ত হান বাল প্রবাধান্ত ক্রাক্তিক ক্রাক্তিক হিলা ভাতার খন্ধান আক্রাক্তা কার্য নাই।

# ত্রীযুত পূর্বচন্ত্র দাস অজ্ঞাত चारम मीड

ध्यमा काळ मध्यमस्य निन्धिकि मकार्भाक श्रीयुक्त भूगीहल भाग (नवारकाया व्यानियांत्र मञ्जूष श्राचित्रामा माछेनी नामक ्हेलाम कर्यक्रकम यूवक क**र्क**क गश्चिएक वाषा व्यक्तात्कतः।

कर भग्रा पुरक निशंक स्टांश व का मान् क्या

बाकान, द्विनवानि वाडेशी द्रेमस्य **्ली**किटन वहताब क युवक श्रुष्णवाण गर्नेश कारीत स्वांन कविष्ठ कोटल क्षेत्रक शात्म क कामवाय छातिमात मन्द्रक कर, ব্ৰেন ভাছালা ভালাকে অভাৰনা করিছে कांत्रिश्राह्य धार्मत्र श्राह्म कात्रकक्र व्यक् काल्य कामश्रक काल्डिया केठिया স্থানীর ঘুর্ক স্মিতির পক্ষ কইতে প্রান্ত क्यकिंगन्यन शख शहन कवियोग सना कार्यक द्वेग इंट्ड अधिए शक्र 1 23 0

**और्क माग हो। कोटल ना**निवासीय ষত্ সংল্প ধুৰু জাহাতে বি'র্যা ঞাল कार्वादमध महत्र कारतह कत्र निकंग का हि अल्स ভের্জ ভিল। ত্রীযুক্ত দাস ব্যালার কি ভাল करण बिवारक सः मुक्तिएक जिल्लार प्राप्त-क्षा करें ७ वस्तु शक कुलिया गरें था शिवा धार्कि शासीएक क्याहित धक व्यक्तकि-चारन करेल शाख्या रहा।

व्यायक मूर्व व्याप्त काल गत्यगरन স্জাশভের আস্ম এত্র করিবার কর क्षाहिनिधिश्वत्रक्ष भक्त २५८म विद्याल (नेज Catel Almi · 4[4] [24]

देवमन्त्रिः एव श्रीयुक्त शूर्वहत्त भाग CWM1 क्षा अरखा: स्मार निकारिक अका लिक चैर्क पूर्वत्य गाम गाउँ २५ मा •िधन ! व्यादक देशमनिषदक भौतिका निश्चनिषक नाथ कर निष्ठि खातान कविवादकन.-

"च्या :नहदकानाय देममननिश्व दयशां काळ गत्यन्त्य मकाश्रीतथ कवितात कह **जा**ंच कलिकाको बहेटक छलाव वाहेटक-विकारित । देशयानिश्च कहा छ । योडा श्रुष वाष्ट्रियी माध्य दिल्ला भी केटन, आशि लाक भक्राक ''भूर्ग मान कि कर" न्यस्य हीरशास कतिएक छन्। हाविश्वन जुनके कामान कामताम टाटनम करव छात्र कार्याम् कार्यसम् व्यास्टरान स्थल क्रिकाक क्रम (काष्ट्रकट्स कामार शहि-क्षत्रम गामिएक क्ष्मादांव करता वामि अबस् विष दम द्वित कहेटक बा कवन कविरण काश्रादक आधि दिल क्षण गुनक चिटिया CHE ARE ROWCHE RINE WIRTTHE WEST

ভাগার আমংকে বলিল বে, যাতাতে আমি (अक्ररकार्ग मध्यमध्य द्वामहाय क्रिक मा नाति, त्रवे बहारे खानाम धरेकन PERICO !

# চট্টগ্রানের বর্তমান অবস্থা

छन्तिय प्रक. खारमान विश्वाम, शक्रियन (मन, छारवस्त्र (कोधुनी, श्रथारक (काफ, क्रमीत हाति।क्यी. जिल्ला सकी, मक्क प्रस्त. यन लिक क है। हाथा, क्षत्र हिर्मे है, निकृत दर, रहे 🎳 मञ्जूमनात 🙃 व्यञ्जन मञ्जितात সংশোধিত ফৌললাতি আটন অভুগাতে (अञ्चल केटेरारकम। जाशीमगरक शक ২৬শে এবিষ প্রেসিডে**জী জেলে প্রেরণ** कवः कनेत्र'टकः।

हितादात व्यवधा व्यवको मण्ड क्टेब्रान्छ, कारण कश्चिमनाद्विक बार्ट्सान অप्रधिक देश्वेटक व्यामकण क्षांचान कहेंची-किल कञ्चलक लाहा प्राप्त करियादका. ध्वंर क्रमग्राधोदण्य चार्मा करेवा श्राजि ঃ-টাঃ পর ধাণির ংইকে অনুস্তি শেওরা eश्चारक अ पाक्षियनीत श्रामा क्यांकाशी-গুণ একাৰে মিলিটাতী পিতেটের স্থিত श्वाकित्यहरूम ।

राश्वाच (बाक्यक्तरक धर्मन । साना-खद्याम कवा हरेटाए। वाखा व्यवस कार्कत फर्व्हा भिका दश्वा विकास्य अन्य य: को कालो 'शाशास्त्र । **উপরিবিত্ত বিভি**ং भश्र. ६० नग्हेंदम वृशिक द्वानारमञ्ज विव्हित्सन stre Bus e were with mane **जीवन्त्रन्य करणक कामान ममूह स्वर्गा** शहरकरका द्वीहेबुद्धारमञ्जूषम्बाद्यभव य बारक विशास मा शास्त्रम, शब्दक Bistera eribena maieten e Masten भारकात्रा शाक्षी याहेटलका विकास करणक लिहरत हरकत मन्त्र व्यवही 1 834354

eष्ट्रेग्राम (मन काखि ना**ष्ड्र >)।** क्रांकिक बकारन छेत्राद ममग्र शक्तिकिक कृतिया मुक्का वहा कनेशाटक। द्वान बर्य लाइरनंत्र भारत भागत गुलिम स्माफोरब्रम

#### का हो दला मौत्रा व प्राप्ती

माजिलक २७ म जीवारणक महनारण প্রকাশ, কর্বেল মেনিয়া এখন শেশমা मञ्चित्राको लादमन काउँदिन निक्रीय নুখন গ্ৰহিছের সভঃগ্রি ●ইইছেন। বংশিলোনার সম্প্রতি এক বিষয়ে জনসভা करत्रकिया । एवं मकाव कार्यम दम्भिया (करण) व्यापि माथियामाक्रणे द्विन शक्ति। माविन वक्तनाम विवास कर, "रुम्मरनम तुष्क्षत्र चार्चित चाकित्य चालाळण्ड चाहिल **मा**नि बाब खेंदन केंद्रिक शाबि मा : , लामिशं शक वरंदक बायन मणूर्व बाब-

**क्षुं पर अविकार किकिर बस करिशांकि।** ख्यानि खण्या भरत हाथिएक एरेटन, मर्पमाथावरवय द्यारे वाश् काश्रारमानीयाव में भूर्व वार्यमणा मारकत्र व्यक्तितात वाकान भिष क्षेत्राटक । त्यानीत शव्यातकेश निक्षे व्यादीकि धरे किन्द्राप स्थानन कत्रा वर्षेत् । अयम यकि आधान अञ्चलाय व्यक्ताब्राष्ट्र हम कांग करेल बामत व्यामार्ट्स कंप्सर्भन मुखान क्षमान क्रम ची बरन स्थाप विश्व नर्थाच नर्थाय कविष । **ভূতপূর্ব্ব প্রধান মন্ত্রীর আত্মসমর্গণ** 

त्मात्म कुछमुक्तं श्रामान मञ्जी cunitan ८नद्वकाव मुक्त शवर्ष(मार्ग्डेश निक्र काणा-ममर्थन करिया किरमम, अहे भरताम भूरवहरू शक्षिक इरेशांक। मन्त्रति किनि बय व्यक्तिकानक पालन करिया कार्नोहराइन. অঙংগর ডিনি স্কলিকারে নুগন গণংক্র श्वर्वस्याप्ति अवर्थम स्विद्यम् ।

# बिमद्र भाषात्रण निकाधन

बिनद्वत वर्षमान खानान मन्त्री किए की-লালা যেকাৰে লাসনভন্ন পরিচালনা कशिरक्षरकमः, जाबारक विश्वरक्षत्र व्यक्ति-वा भीवा छवी बहेटल शारतम मारे। करण कें। हार विकास कारण असमा शहिमाडे ভটভেডে। ডিলি সাধারণ নির্বাচনেত भारतासम् कतिप्राट्डम, अन्ते निकाहन ार करें करियात कन्न भिमालक कार**ोध पण** र्खनः डेना-रेनिडिक मण धक इकिएल WITH FFRICER I

मित्र हो हिन्द क्षान क्षान मर्छ-क्षणिक क्या डिश्लिय क्रेग :---

- (১) रेक-विनव शरकात क्रकी समान-क्षमक ग्रांधःस कडा । एक्कार व ग्राहरू केवर क्यार अन्यक्त ।
- (३) किएकी लाला दशहेबुरहेरमञ् मध्य द्यानक्रम मस्तिमध्य व्यानम् । व्यान खादा क्रेक्स पन कर्कक व्यक्ताच बहेरत !
- (७) ১৯२० औं) एक मिनएक व नामन च्छ व्यक्तिक व्हेन्डिन, खानक जूगः-श्चर्या केश्य मन्द्रे लाल्ला एक म्राह्मका PREM !
- (৪) ভিন্তী পালা বে লাগনভন্ন विष्टा वार्ष हार्गाहर हा हा दिए हैं। উভয় খণ্ট সন্মিণিতভাবে Gieta. famen: # face 1
- (e) किए ने भाषात कवावनारम लाश्रीरमत्त्रियं च कारनिम्म यावधानम मखात्र व्य निर्माहम जागत्र-शांव देशव श्रमहे चाना अकत्यादन यमके कतित्व. व्यक्ताक मिन्तवामी दहे कार्व वर्षान कहा Cise i
- (७) ७३२० चुडे।६सर्व मान्न-एश्व विन्दा अधिक क्रांत रात्र छेण्ड वर्ग्ड

5 कर है गार्थिक क्रिकेट के प्रशिक्षक : wich neiminn wiegen

(१) अम्बिकाचीन कर्द्धान कर्द्धानेत wiegt winte ein ab plur mit water nocu pace mar fancie गर्यक्ष हैना क्षात्राहरू क्षण व्यानक्षण व्यवश्वम कशिष्ठ क्षेट्रिय हैं

# मिडिकनकृत्नम श्री दिवन वाष्ण्यां क्वरन

नक २६८म वृद्धिन ग्रमान (१११) राजन चिकानमं चक्रमाही द्रावित्वस Acus nia antichina bincu cunin कत करेगाल । किमि दमलेटकाना शक গ্রেণ্ডের অভার্তনা সমিভিত্র ভাইন (क्षात्रमान निकां क्षि व्यक्ताक्रियन ।

মি: ইয়াকুব হোলেনের বিবৃদ্ধি मिनिन काडक काफीडकारांनी मुन्निक म्द्रिन्द्रम् कांच ममाश्च कविया देशेमधी वेशक्त दशास्त्रक वर्षा वाला ग्रह्मी वर्षेटक মাপ্রাত প্রত্যাবর্তন করিয়াছেন। সংখ্যেগমের গাফণা সৰদ্ধে ভিনি এক বিবৃত্তিকে এইঙ্কণ क्रमान क्रियादकी : --

'करे मध्यमध्य व्यायात हत्यू पुनिवादक । यपि । आवि बहाबत्त विचान कविता कानिन राकि (य. शमक बादमाम भूका प्रशास करवक्षम व्यक्तिकान्त्री पुनन्त्रयाम चारक्तः किन्द्र छ। शहस शहसा अप दक्ती .. ভালা আমি কথনট আলা কছি নাই। আতীগতাবাদী সুগলমানপ্তের মক্ষিত্র বে কিল্লপ শীভণ ভাগার আচুত্ব, প্রাথ্প সঞ্জি-লনীকে পাওয়া সিহাছের কাণ্পুর 💌 मञ्जाक कारमक अवस्थितिकाम् कारकक्र, काशास्त्र मक विचान धक्रहेस क विठ्या कर नहिं। जाकीश्वाहाकी जुलवहासमूल वृश्वित्क भाविद्यादकम्'द्यः अहं ममक द्वाराज्यः नीत परेना यक प्रतिकात क्षणमात लगा करेन विष्यू क युगम्यास मानुस्वास्त्रक् भरवा बाकीबकात काव बुद्द कर्या अवस्थित मगण कार्रा करे हुई मण्डारात श्रामनी क्रि. CWICE पुनक् बहेता थाटक दगहे जन कांत्रम 1 12 **4 2** 1

'आमि मिन्दिन विचीत स्टिंदिन गाको मिनगीक द वसक बेकाव कुरीक क्षेत्राटक खानाटक दशामा छेन्सि देवेडटकके विनिध श्रविमिधिम क्यी विम्पिकः विक्रि efwfifing stoffff ste # die ित क द्रशानरहितिन देशकेटका द्रशानकाम minifelia amia man affer वा ही व करद्वान द्यानदेशिय देवहरण द्यीप मा (शबदाव काफीदकावामी मुगर्गमामान afel abut du ge ma Mas facen i wit नृत्वाक इत्रमधानमन सरिया

# **এটি গুরুগোরাকো ক**রতঃ

# শ্রীনদীয়া-প্রকাশ

# নিতাপাঠা বৈক্ঠবার্তাবহ

-माञ्च। পুর. ३৮८म अधुगुणन ৪৪৫

# দাময়িক সন্দেশ

আসজি মানবকে নির্মে নিক্ষেপ করিছে পারে, আর্র্য আসজিই ভাগাকে বিরম্ধা পার করাইরা পোলোকবৈরও শুরুষচরণক্ষরকের স্থাতল ছাল্য সভাগিত করিছে গাবে; অভ্যাবিকা আসজি জংগ্রানিকা, প্রবিষ্যা আসভি প্রশাহিত শুরুষা। একটা মহামান অগ্রাচী যোগালা।

ইংসত্তে বিগত ১৭৮০ খুঠানোর একটা আইন আছে থে,
শ্ববিদার কেই কোনিও থেকার বিষয়কক অগ্রা আমেদি
করিতে পারিবে না, ঐ বিবস 'লারাঘ' অর্গাই উন্নয়ের
শিন্ন নামে অভিথিত চইবে এবং ঐ বিবস সকলকেই
শিক্ষার নোগদান করিতে হইবে। কিন্তু ইংলণ্ডের গ্রোয়
ক্ষিত্রার নোগদান করিতে হইবে। কিন্তু ইংলণ্ডের গ্রোয়
ক্ষিত্রারীই এখন জড়বিরসকাথ ও আমেদি গ্রেমানে এরণ
ক্ষাক্র যে, সপ্রাহে একদিন উন্নয়কা মন্ত্র লারাহার ভারাহার
ক্রিপাসনা ক্রিপেন—এরার দৈয়াও ভালার। হারাইছা কেলিলছেন্ । তাই ভালায়। পান্যমেটে এরপ একটা অ্যানির
পাঞ্জিপি পেশ ক্রিয়াছেন যে, রবিবারও সিন্নয় গ্রাহার
ক্ষাপ্রান্ত হইবে। পাল মেন্তের উপান্ত্রান স্থানির
ক্ষাপ্রান্ত সম্প্রি ইইনাছে, জুলীর অনিবেশনে স্মান্ত্র হইলেট উল্লেখন স্বান্ত্র

''ল ছাতু কাম: কামানামুণভোগেন শানাভি।

হনিধা কৃষ্ণৰাম্ম না কৃষ্ণ এবাছিবছাতে । বি স্মোকের একেট উদাহনণ বাটে। বাঁহানা আগ্যান্য দেশ স্বাধীন করিয়া পশ্চাম জনবহুলাসনা জনিবান প্রাণান্য হিলে-দের পুর্বোক্ত নিষ্ঠানী একটু চিন্তা করিবান বিষয় নাই কি প্

যাহারা সর্বাধা বাজালগছের অফুনিলনে বাজ আং নেব সম চঞ্চল: এই চঞ্চল মন বৃত্তিবিখন ভোগে কানত। কিছ ভগ্যংক্রার নিযুক্ত দেকেওজিয়, মন প্রাচুতি প্রায় প্রকে। ক্রোজ্ঞপাও গুলবাকা প্রকাল প্রকাল ক্রিকে ১০ বিবিধি চিত্তাঞ্চলা ও ইন্দ্রি-বিকার ঘটেন।।

আৰু ক্ষাৰ কৰা কাল-পানে ল উপৰ নিজৰ কৰে না। যি নি
ভগবন্ধকান দৃষ্টিত কইবা জীছবিব অভয় পানগালে শবন বাহন
ক্ষেত্ৰ জীছবি তাঁহার ভজনের যাবতীয় সভ্যাত হৰন কৰিব।
আনক্ষ ক্ষেত্ৰাং সাধক জ্বায়ে কেনন বল পান বাহ, ভগতেব বাৰতীয় কঠোয়তা, নিষ্ঠুলতা জনায়ানে পদানিত কবিবা হিনি ভোষানক্ষে জীয় জালাধ্যদেকতার উপাধনান নিম্ম থাকেন।
ভাত্র (অজ্ঞা) ইবিদান মুগলমান লাজাৰ বাভ্যকালে মুগল-মান বংশে আবিভূতি কইবা এবং 'হলিনাম' কলাৰ নিম্ভ ক্ষিত্ৰা ভাৱা নানা প্রকাবে নিগ্রীত কইবা ও

'''খণ্ড খণ্ড হ'রে যদি যায় দেহ প্রাণ।
ক্রমাণি বদনে না ছাড়িব হরিনাম।"

—এই দুঢ়োক্তি কার্য্যে পরিণত করিয়া আমাদিগকে তাছা স্কঠুত্রপে শিকা প্রদান করিয়াছেন ।

দার্জিলিং হইতে প্রেরিত নিজ্ঞ সংবাদদাতার ১৭শে তারিথের তারের সংখাদে প্রকাশ,দার্জিলিংয়ের নৃপেক্সনারাগ হিন্দু পাব্লিক হলের মগ্পী লেফ্টেনাট বিজনপ্রসাদ সিংহ রার মহোদরের সভাপতিত্বে গত ১৬শে এপ্রিল একটা মহতী সভার অধিবেশন হইয়াছিল। সভাপতি মগ্পী মহোদ সভাগ বিজা প্রিলিও স্থানী জীমদ্ ভিজিবিবেক ভারতী মংবাদেরের পরিচয় প্রদান করিলে পর স্বামীজী সনাত্ম ধর্ম সম্বন্ধে একটা গেডার পারিখন্তাপূর্ণ হলুভা প্রদান করেন। স্বামীজীর স্পর্নীয় কলেবর, স্বগভীর শাক্ষরান এবং ভিজিরাজার চোতনমনী বাণি সমূহংবা মুক্ষ ইত্যা শোক্তমন্ত্রী পারমাধিক স্থালোচনার প্রয়োহনীয়তা বিশেষরংপ উপলব্লি করিয়াছেন। মগ্পী মহোদনের ভরিভিজিপ্রচারে আগ্রহ বান্তবিক্ট প্রশাসার বিদ্যা।

ভীগাম-ম্যাপাণ, ভীটিভেল্মঠের অভ্তম শাগা মাদ্রভ ে, ভীৰ মঠে বাচালক বিদ্ধিস্থানী শ্ৰীনস্থালির্ভন ভড়িনাল মহাবাজের ১২শে এডিন ভাবিখের পতে একাশ, মাছাভ প্রদেশত চিত্র কেনার অত্যত 🖏 নীবানাজীর স্থান ভিরপ্তি ন্নক সংগ্ৰিণণ, ১ৰ শ্ৰী মহাফ শ্ৰীমুক্ত ব্যোজ্ঞ দাস্থী 🖟 বি এ মংখ্যালৰ সভাপতিয়ে অৱস্থিত একটা মধ্তী সভাত ব্যালিতাবৰ বিচারিকামী ভামর্কিন্দ্র বন্মধ্যাত স্থান্ত্তি मधर्क ह भीत धरामा भूगे अवसी गाए । सङ्ख्या अन्तर কৰেন্দ্ৰ স্থানীজীৰ বড়তা শাৰ কালে উপজিত সক্ষমগুনী মানিক্স মধ্য হটা (ভিলেম । । এই ন্ট্ৰান্ত) শ্ৰণ্ডিয়া সন্ত া নেষ্য একার আভারতে, মধ্যে জনব নিগেডে মনেগ্রেকর কথ সংখ্যা ধালা প্ৰাথেধিধাৰ লগা পিলহুত কলা জলাভালো কে বাহাতে হুছা গোল ধান্ধের ক্রানেরাছা সার্ভিক্লালে তা ব্যাহ্য करान है। इ.स.स.च्याच्याच्या व्यापक विद्यालयात्रक विद्यालया । विद्यालया । ভূলমানত ৰ অস্থাসন্থ বিশ্ববৈধ্যাসন্থন ব চান্কস্থান অচালের স্প্রেম্মির উপস্থিত ক্ষেত্রস্থলীকে বিশোষ্ট্র বুকটো দেন। আফেড ডিনি আরুমফণ ও ব্যথে ত কাল সংগদের নিমিত্ত সকলবেটি তথ্যতালের স সময় কে কটাত লাগেল গালন কলেন। আলবং সভালত মগালাকে ওচনৰ সভাগেষ্কিংসা ও সভাগেলা আঙাইক ান্মির আছবিক ধান্দার জাগন কবিডেজি।

# ন্দিং আত্মার স্বরূপ মা শক্তি ?

মাগানাল-সম্প্রাণা বাধিনা থাকেন, দেখাগিতে আয়া ছাত উপজনি কথিতে ইইলেই উপজনা বস্তব শাক্তবা শ্রু তবং প্রায়ণ গৌল নহে। সালনের বস্তু জাব্দ্রন বিশেষিণ অন্তই প্রজিনার সঙ্গে সঙ্গেই উপজ্জি হয়। করিলাই প্রেণা বৃত্তি প্রজিনার সঙ্গে সঙ্গেই উপজ্জি হয়। করিলাই প্রেণা বৃত্তি প্রজিনার সঙ্গে সঙ্গেই উপজ্জি হয়। করিলাই প্রেণা বৃত্তি প্রজিনার সঙ্গে বিশোষ বিশ্বানার বিশ্বানা

নিম্নেশেষবাদীর এই প্রকার আশকাল উত্তরে ভাগরত সম্প্রদার বলেন যে, নিমিকর প্রতামেও ত' প্রমের অভাব, মৃত্রা; লাভিটা স্বিশেষেই প্রবৃত্তিত হয়। শুক্তিতে যে রক্ষত প্রম জন্মে, ভাগর কাণণ এই যে, উভয়েই শুক্লাদি সমান শুণ বভ্যান। 'নীল আকাশ' এইরূপ বাকা প্রয়োগে

হ্যাদির অংশও আকাশ বলিয়া প্রতীত হয়। ইহাতে হেতু এই যে, হ্যাদির কিরণমালা আকাশের প্রতাক্ষের কেনন প্রতিরোধ করে না এবং উহারা হক্ষ ও বিশ্বত আকাশের সমানাকার বিশিষ্ট বিশিয়ই, হ্যাদির অংশ আকাশ হইতে ভিন্ন হইলেও উহাদিগকে আকাশ বলিয়া প্রতিতি অংলা। আকাশের নীলাদি প্রতিহাসও আকাশ বলিয়াই অংগোগিত হয়। ইংগোলারা স্পষ্টই ব্যাং ঘাইতেছে যে, লান্তি জানাটি সবিশেষ বাবকে অবলম্বন করিয়াই ইংয়া পাকে। প্রক্রত প্রভাবে জারে ও দেহে যে লান্তি জ্বো, তাহার হেতু এই যে, উহারে একটা সমান বিশেষণ আছে, কেই বিশেষণ্টী – সিং' অর্থাং সঞ্জান-স্ক্রত্তাং আল্লা কেবল জন মান্ত নহেন– ইয়াও বিশেষণ্ড ক্রেয়া মান্ত্র বিশেষণ্ড ক্রেয়া মান্ত্র বিশেষণ্ড ক্রেয়া মান্ত্র বিশেষণ্ড ক্রেয়া হালা বিশেষণ্ড ক্রেয়া মান্ত্র

মার ও এক কথা— উপথানি নেই আছে হি বহা কা—
স্থাত এই সভাগুতির ক্ষণ কি গু ভেড়াছির কাইনান
স্থাত অথাং বথন অন্তচ্চির কথে হুইতে পাকে, তথ্ন
উহা নিজেব সহা মাত্র ছাবা নিজের মণ্ডা, অ্বপ আয়ার
নিকট প্রকাশ্যনে হল অথাং কেই অবজ্ঞান আয়া শ্রীয়
অন্তাভিহালে কেবল মাত্র নিজেবেট ছামেন। পাক্তা
প্রেন এই অবজ্ঞাকে Self-consciousness বা Internal
perception, হলে।

প্রতি গোর একটা অবস্থান আন্থা বাতীত নিশিল প্রথিব অনুভব হয়, পশ্চাতা দশনে এই অবস্থাকে ভিসালোমী বিশাস বিশেষ হয় ভূতিকে বিশাস বর্গেন এক এক উদ্ধান প্রকার ক্রেন্স এক এক বিশাস বর্গেন এক এক এক এক বিশাস বর্গেন এক এক এক বিশাস বর্গিন ক্রিন্স ক্র

ক্ষেত্র ক্রিন্সভূত ব্যেষ, বে অনুস্থিকার জনকারা আত্মান অপ্রতিটি কানে অধ্যা হৈ অকুন্তিকার জনকারা অব্যাহ্য ক্ষেত্র ক্ষেত্র বিভূতির কান লাভ কর্মে, সেই অপ্ততি আত্মার শক্তিন্ত্রের।

মালানাল সংগ্রনাধ যে লেবল তথাত গ্রহণ করি। নিত্রিশেববানের সম্পন্ন করিতে গ্রেন্স, ভাষাতে আমারের
বজনা এই লে, প্রেট যে ছই প্রকাল অন্ত্রতির কথা পো
ইন্ট্রাছে, উল্লেছই প্রকালের যে প্রকারের অন্তর্গৃত্য
আসার ত ইউল না কেন, ভাষাতে তথারেজ গুনীত হ্ব
না: প্রথ শজিম্নাই আপ্তিত হয়। অর্থাৎ অন্তর্গৃতি
ছাল উপল্লি কাহিতে ইইলেই উপলাল বল্পর শাক্ত বা
বিশোষ্ট গ্রহতি প্রেজিনার সলো সম্ভেই উপস্থিত হয়।
বুলিছ স্বশ্বে বল, স্বাইতে পারে যে, মুক্টা ও নিলা প্রভৃতি
ইন্তি জাল্বন্বালে লোকে বলিয়া থাকে, আমি স্থাপ
নিলা নিগ্রহিন্যম বা আমার মুক্টা কইয়াছিল। এই
প্রকান অন্ত্রিতে আন্তর্গার শক্তিমন্তর্গী স্প্রমাণ হয়।

মায়াবাদি সম্প্রাণায় ইং।তেও আনি উলাপনপ্রতি বিলেন প্রতিব্যালার কান বিলেন বিল

উহা রূপ, রুস, গন্ধাদির জ্ঞান বা আত্মজ্ঞান জন্মার, ইহা অনৃতধাম হইতে প্রত্যাখ্যাত—ভগবানের কালণাঞ্জর হইতে হইতেই স্থিদেরও স্বন্ধ প্রকাশতা সম্থিত হয়

মতঃপর আমাদের মার ও জিজান্ত এই যে, সমিং প্রমাণ সাধা কি না? যদি প্রমাণ-সাধা হয় তা' হইলে উহা নিশ্চিতই ধর্মবিনিউ। আর যদি প্রমাণ সাধ্য না **হয়, তাহা হটলে** উহাকে খ-পুম্পাদিবং তুচ্ছ বলিতে হয়। व्यात यनि वन। इत, मिथर निष्क्षे छामान (व्यतः मिछ्न ), ভাষতে आमातित रकता এই य, উहा ( वे धार्माप) কাহার এবং কোন বি১৪ সমন্ত্র, ধনি উহা কাহারো প্রেমাণ না হয়, এবং কোন বিষয় সম্প্রীয় না হয় ভাহা इहेरन डेहारक धानावहें दशा गाहेरत मा, कांतव मिकि वां শ্রমাণ বাপারটাই পিতা স্ফলমন স্থাত অংগাং পুর विणिलहे रामन कोहारा। श्री अस काश्री । मध्या भूत অবশ্রই স্থীকার করিয়া স্টতে হয়, সিদি বা প্রমণে সহতে ও **छक्रभ भारतकराइत औरहाइन ।** 

যদি দ্বিৎকে আখার প্রমাণ বলা হয়, ভাহতিও आगामत बिखाण बहे हर, बड़े आदा हक ? यति तन, স্থিত অন্ত্ৰি জ্ঞানট আছে। ক্লোন চলাল স্থিত ও সিন্ধি ( প্রমাণ ।, এই ভিভায়ের ভের নির্কন স্থিৎ আছ্মার শক্তি ক্সপেই ক্ষিত হয়, উহাকে আনোর স্বান্ত বলা যায় না। ভাছা হইলেই জানমাত্র স্বরূপের সভাবদির জাত্র---নিত্যত্মদি ধর্মনত। আনিমা পরে। दिनाचनर्भागद "প্রাভিধানাং" ি স্থাঃ ী করেব শহর ভাষোরও জ্ঞান মাত প্রপ জীবেরও শভিমত্র অহী হত হটাতে। জানের স্বায়ং প্রেকাশতা যুগন স্থানাণ হর্তী, তুগন চৈত্রস্কুর कीताबा (करन काम मात म्ह्म, श्रुष करहाद्वापि ७९ रा ধর্ম বিশিষ্ট - স্ততবাং স্থিং কথন্ট আন্মাৰ করুপ নতে, পরস্ক আন্মার গুণ। অগ্রেডন হ'ব্যারে জাত্র ও নিতা আদি ধর্মা সিদ্ধ হওয়ার বিভাচতন প্রশারণেও বে জ্ঞাইখনি थर्मिविश्वे छोड्। वनावे वाङ्गा । भागानानि नास्त्राना कादाएक জ্ঞান মাত্র বলিয়া নিজিপেদবাদ স্থাপনের লে জংকর দেখিতে-ছিলেন, আশা কৰি অভাপৰ ভাগৰত সংপ্ৰদাবের টোডি-বিচারপুষ্ট চেডনবাণী এবনে ভাষাদের সেই ভাষাপূর্ণ ভক্রা **७**च स्टेद ।

# বঞ্চিত কেন গ

( পশ্চিত শ্রীপাদ স্বদর্শনসনাতনদাস, ভক্তিশালী।

আছ আমি বঞ্চিত। নিভেট নিজেকে ধঞ্চিত করি-য়াছি। তাই স্থাত-দলিলে তুৰিতে বিদয়াছি। থাত বধন খনন করিতেছিলাম তথ্ন জানিতে পারি নাই-স্কি:ত পারি নাই—আমার মরণের পথ পরিষ্কার করিতেছি। बुविश्लिष्टि व्यदानाम भाषाकीयत्न, गुडुाशस्त्रदातः कण्डेक-कठिन-ম্পূর্বে। স্বহস্তম্ভিত প্রশান চিত। প্রেম্বরিত। অসহ জ্বলনে জলিতেছি—পরিফাহি ভাক ছাড়িতেছি কিন্ত পরি कार्यक डेमाइ ड' एसि मां!

অমৃতের সন্থান আমি! অমৃতন্য আনার গতিছিতি। সেবোর প্রতি সেবকের অন্তর্নজি—দেবাপ্রীতিই দেই অন্তর অভিবাজি। আমার হর্ষতি ঘটল---অনুতে অকচি অভিযানে আত্মহারা আমি ভোগের পথে ক্টিলাম। সেবক আৰু প্ৰতু সামিলাম। তাই আমি সামালালে নিপতিত--

ঘঞ্চিত। স্বকীয় স্বতন্ত্ৰতার অপব্যবহারের বিষমর ফল, আমার নরক-নিয়তি—এই মারাবদ্ধ জীবন গতি:

সভা আমার চেতনময়—সভা। কিছু সেই সন্তা আঞ প্রাকৃত বিক্রমে বিপর্যান্ত, অচেতনের অন্ধকারসমারত, শীবন আমার ত্রিতাপবিষে জর্জারত। তাই আকাজ্ঞা হয় অনুতের আসাদনে—মুক্তির সন্ধানে; সাধ হয় গেই স্ফিলানন্দ্র্য সেবাবস্তর আশাল গ্রহণে। কিড বর্ত্ত্যান ব্যক্ষীবনের বিভাগ প্রয়াণে আমার নিরপেক শ্বতপ্রতার অভাব। প্রাক্ত বিগাপ্রাচ্যা ও বুদ্ধি প্রাথ্যা প্রকৃতির সীমতিত অপারত তত্ত্ব সন্ধানে অনিপুণ। তাই নিজশক্তি-বংল সেই মহাকলাগ্রুলভক্তর শ্রীগাদপায়ের সন্ধান লাভে আৰু আমি অনোগা ও অসমর্থ।

ভগবান ক্ষণানিদান--ভীবেৰ জু:গে বিগ**লিভপা**ণ ভাহাৰ কালন্য-প্ৰসাৰ প্ৰবাহিত হয়, বিশ্ব জগৎ প্ৰেম-दकांध शांतिक इहेशा छेट्ठे. छश्यान् श्रीष्ठ मिक्रनी-ब्रुखित বিকাশ করেন, আংগ্যান্তপে প্রাকৃতির হ'ন প্রাপ্রেয়। শোণাযোর আনি জানের অভিজাধ - জগ্মনীয়াকে স্বীয় সম্বান भारवत अलाम । भागामुक्ष कावानकाक मुक्तित सकाम १५ छत्। কুন্তকে রবং করিলা ভেষো। স্বস্তিও মনিকের স্বরূপে ব্যবহার বাহারে প্রনাজ্যান-লয়েলকরে সেয়েরে সের্ডিকরি लक्षात्र । हेकांके हैं। एक एकर अध्यक्षियों या ।

ম্যাল্যে অবতীর্ণ হটাগ্ন। মর্ভগতে আঞ্জ করিণা সজীবনী প্রবাহ— প্রজাজেন্থিবিবলানে প্রভানিত প্ৰভা বিশ্ব সন্ত । ভিজাগুনবিহছ বিভ-ন্যন-স্মূপে ভাকটি। জনবৈদন নিভা সভা স্নাতনের যুগাবতার— নব্যুগাচাযোগ অভিনৰ জীলামাণুদা। ভিজ্ঞান্য আঞ্জুপুথানালনত বিপুস সমাবোধ। আবোর ভাগেত ক্লপাকণ্মিকিভ লিগ স্থাতিৰ সমীৰা প্ৰদে স্মাৰদাবানৰ সম্ভপ্ত সভাছসন্ধিংগ্ৰ আংগৰ আৰু হল হাতিয়া উঠিব।

মেই মহাক্রাপেক্লডেক্র অপারক্রব্যের পরিচঃ পরিকট হইল অকণ্ট শ্বনগ্রের ধ্বয় কুটীরে। আচান্য প্রকিলেন ''উত্তিটত, জাগাচ, আপো বরান্ নিবোধত। কুরত ধারা নিশিতা ছয়ভায়।। ভুগা প্রভাহ ক্রয়ো বদন্তি সভাতুস্কিংজুর ভীবনভ্রী বাজিয়া উঠিল। সভোর याशास्त्र अन्य উर्श्वाधिक श्रेम । अधार व्यवस्य याक অহশাবোমাত, দর্শদভোদ্ধত শির—শ্রণাগত আহানিবেদন कतिम ङ्री छक्तिदत्र পामशसा ।

আর বৃধিত ইইলাম আমি ও সামার মত তত্তাগা যাহার। প্রাক্ত বিগাবৃদ্ধিনীপ্র—অনিতা আতিকুল-গ্রিমা-গক্ষিত ও সক্ষ্যভিনন্ধ। নিরপেক সত্যান্থসন্ধান-প্রচেষ্টা व्यायात नाहे। छोटे दिशियाम आधारात्मद आमातर मड ভড়দেহধারী—ভড়বৃদ্ধিসম্পন্ন প্রাক্তিত পাণ্ডিতা ও ৫ চিডা-বিশিষ্ঠ মানব্বিশেষ মাজ। স্বায় আমার কপ্টভাম্য-ভাই मः भारतत व्यक्तकारत म्याक्ति । सक् श्रारकार्यत व्यवस्थात আলোক বিস্তার হটল না। ভাগবত কারুণা প্রবাহ নিখিল বিশ্ব ভাষাইল-আমিই বঞ্চিত রহিলাম। পুঞ্জীরুত কপটতার আবর্জনা ভূপের মাঝে পড়িয়া রহিলাম। 🛍 গুরু-তবে অবজা দর্শন করিয়া, স্বরং গুরু সাম্বিয়া স্পাস্থ-প্রবঞ্চিত र्हेनाम ।

# वनग्रख

ক্ষেত্ৰৰ অভিলাধ এবং জান-কৰ্ম-চেষ্টা পৰিজ্ঞাপপুৰ্বক त्य ज्ञान त्रहो, काहात्क 'वनक्षककि' वर्तन । वाक्रक व्यानांक বিতর্ক করেন যে, বৈঞ্বদের সবটাই গৌড়ামি। কর্ম না করিয়া কি মাহৰ এক মুহূর্ভও থাকিতে পারে ? আবু আন না ইইলে কোন্ কাৰ্যা সম্পাদিত হইতে পারে 🔋 🛒 📜

এই নিতকের সহত্তর উমদ্ ভাগবত ( ১)১/০১-৩৬ োকছরে) প্রদান করিতেছেন,—

> যদতা জিহুতে কর্ম ভগ্রৎপরিভােষ্বাম । জ্ঞানং যত্তদধীনং হি ভক্তিধোগসম্বিতম্ ক বানা যত কর্মানি ভগবজিক ভিসভং। গুণত্তি গুণনামানি রক্তভারু**শ্বরতি চ**া।

লীভগবানের সম্ভোগের নিমিন্ত যে যে কর্ম এই সংসাবে অন্তৰ্ভিত হয় এবং প্ৰবণ কীৰ্ত্তনাদিরূপ ভক্তিযুক্ত যে ভাগৰ্ভ জান, সেই জ্ঞান নিশ্চরই ভগবংশক্ষোবজনক করের স্বাভিচারী **ফল। যে কালে জীবগণ ভগবংশিকার্যারে** কর্মদন্ত করিতে উম্বত হ'ন, সে**ই কালে তাহারা পুনঃ পুনঃ** त्र त्यात अनुनामामि कौकन ७ विका क्रांत्रन ।

তাংশ্যা এই যে, কর্ম্ম যে ত্যাগ করিবার কথা ছইতেছে, া এবং ভগৰৎকৰ্ম এতন্ত্ৰসংগর পার্থকা বিশেষভাবে বৃথিয়া না আবহুক। যে কর্ম আছেরিয়চোনগার্থ কৃত 🗱 শাহাই ভাগ্ডা; কিন্তু বাচা জগবৎপরিভোষণার্থ অনুষ্ঠিত হয়, ভাহাই বৰ্ণীন। ্যমন, ধা**ন্থাদি নীক্স মৃত্তিকাতে ব্**পম কাশলে ভাগতে অধুর ফলিয়া জনে বুকে পরিণত হয়, কিছ াে বাঁজ ভক্ষিত অথবা সিদ্ধ করিয়া মৃত্তিকার বপন করা যার, ए जारक कात कबुरतामध्य-मक्ति थारक ना, किया-दा स দ্রা ভেড়েন করিলে প্রাণিখণের রোগ করে, নেই ्रहें ल्यारशाक्ष्म स्टा **्ययम कत्रिल कंग्रम** । রোগের উপশন হটতে পারে না, কিছু যদি সেই সেই এবাই अक्षप्रदेश वा देवरभत मध्य तमात्रन व्यार्थ तमिक हैत. ভাগা চটলে ভংগেবনফলেই দেই রোগ নিরুদ্ধ হয়, ডজাপ ा कथ अरुहारन कीरवंद मःभात-कनक हहेगा शास्क खाद्या धीर्म রসায়ন হয় অর্থাৎ রসব**ন্ধ জীকৃষ্ণকে ( অরন অর্থার্থ ) আগ্রার** करत, वर्शर जीवकार्ण व्यक्तिक हत्र, छाहा हरेरन उपानाहै मः मात्र विनान विद्या था**रक । नातम मक्तारव ७ एड एक, --**-

लोकिकी देविकी वालि या किया क्रियरक मूरन। ংরিদেবাপুকুলৈব সা কার্যা ভ**ভিনিদ্ধতা** ॥

मान्त्रान लोकिक ५ विभिक्त ता नक्न किशाह अपूर्वान করে, ডকাভিলাধী ব্যক্তিগণ সেই সমত জিলা **বাহাতে** হরিদেশার অঞ্জুলা হয়, তজ্ঞপ করিনেন। তালা হইলে উহা আর কম বলিয়া আধ্যাত চ্টবে না, ভাছাই তথন ভাজি 🕆

জ্ঞানবারা অজ্ঞানলয় কর্মা নাশ হয় এবং সেই জ্ঞান : ভক্তিযোগ হইতে উৎপন্ন হয়, তাহা হইলে কৰ্মমানা কিন্তপে कर्यनान इत्र १ फ्ट्रक्टरत वक्तवा बहे त्व, खग्रवश्निकावव क्रिधारि क्या नाइ, छेटा क्रीक ! - (-श्रामिगिका)

এরণে ভগবংশিকাঞ্নায়ে গীতোকে "বং করোমি বদল্লালি" লোকাহবারী) ভাকিমিল কর্মবারা বে ক্রানের क्षित क्याहरव काहाई कानवक्कान, वक्कान नहाँ। देनी कान एकितरे अप्रकृषे धारा कार्य में त्रिकाला मार्स ।

# গ্রেম্ব পরিচয়

# *য*ভাগবভ্য

. **विमयर्गि, क्रफरेन्शा**यन (तस्याग-आगे व भूग, धीयन-মুখ্যাচার্যা-মুখ্যা ভাৎপর্যা-নির্ণয়টাকা; জীমদ্বিখনাথ চক্রনত্তী সাই কাক্ষ্যে প্রাতিপাস্থ কথাসার, অধ্যায়ের প্রথমে ঐ ম্ধ্যাবের সারসহ স্থবিভূত তাৎপর্যাদি বিবৃত। লোকস্চী विवयक्ती: अधावविवत्रण, शांक ও शांनक्तीयक छेखन **गामा केतम अकरत मुलिए। अध्य इट्टा**ए ১०म अस् া**র্যান্ত হালা ল্পুর্বরণে লে**দ হইরাছে। ভিক্ষা প্রথম हिएक अस कक भरीक २०१४०; मनम दक ४२,; HOE BON

# **এটিটেভক্ত**চরিভামত

**অব্যাহতি বিনোদঠাকুর র**চিত 'লমুভপ্রবাহভাগা' э অধিকতিশিকাত শর্পতী গোপামী প্রভুপার লিখিত **অক্টাব্যে প্রতি-স্ত্যাদি বহু** শাস্ত্রমাণ-স্থ্লিত ১ইয়া सकां भिक्त करेगारक्त । त्यारकत यांत्रश्वतां थां, यक्षाश्वतां प्र **মতি)ক পরায়ের পূর্বে কালিপ্র অভিধ্যে মংগোলিত।** মত্ত্যেক অন্যার-আরিস্থে কথাদাব লেওয়া সাহত। স্থোক, बाब, मक, दान, भाव अफ्टिन प्रतुरेश कही । अहकारतः। वेषु छ जीवनी मम्बिक धहे तथ बहुर भूका मृश्यतः हे छ : भूत्र ভাগি অৰাশিত হয় নাই। উত্য কাণতে প্ৰতিপাটোৰ **হিত খুল অলবে মৃদা**লে মৃদ্যিত হটবাছে। প্রার প্রায় ৫০० पृष्ठीय मुन्नाम । किया वर्त्तमादन वर् माछ ।

### **এটি চত্ত্বাহাণাবত**

**প্রস্থারের জীবনী, প্রতি পরিছেদের কথা**সার, নিতৃত **নীট্রীয় জাব্য, শক্ত্**তী, প্রাপ্ততী, বিব্য়-স্থান-পাত্রাদি-ठी. टाफ्फि विविध विशव मध्मिल विवाध विक्रीय मध्यपत বল **জ্ঞাউন ৮ পেজী আ**কার। আদিশীলা ও মানে **१ अपरम व्यक्तामिण स्टेशार्ड्स।** क्रास्य क्राप्त व्यक्तानिक हेटफरहम। चित्रम किला' ८, छाका, जानि जीनात FW1 C 1

#### **क्रि**टेड्ड ग्रामणन

**এই গ্রন্থের এরপ অভিনব স্থলর সংবরণ আর** কুত্রাপি धकां मिक इस नाहे। शाक्षण दल्लाकां रामत व्यवत, वकास्त्रवात. াহা. কৰাসায়, তথ্য প্ৰভৃতি সহ থতে যতে প্ৰকাশিত हैब्राटक्स । मूर्ण द्यांछे। क्षणाद्य उत्तर कांडिन व्याप्टितकी श्वाकारम श्रीमा परेमारक। मूना २॥ - छाका। समीधा क्षिण के देशीकीत्वत्र आहक्ष्मभटनत भटक अ० होका ।

# **জীলন্ত**গৰদ্গীতা

- জনৌতীর বৈক্ষাচার্য অপ্রাক্ত রসিক্চ্ডামণি **विश्वनाय इज्याविक्षां दशायामिक्छ।** मात्रार्थविनी কার্যেতা ও এইটাময় ভিবিনোগ ঠাকুর-প্রণীত 'রসিক-ল্প নামক ভাষাভাষাসহিতা। অধ্যাহস্চী, মাতৃকাক্রমে वाक-पूर्वी, विवय-पूर्वी, शहकारतत कीवनी ७ अवछत्रनिकापि [-काक्ष्यानियम नद के क्षे चीराई कृष्टीय मध्यम--- ८ दे ताक त्कतत्त्व किको 🔍 केकिंग नाव, नावात्रण नरकर्म-----------। स्रोक and the same

# শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

ওঁ বিষ্ণুপাদ শ্ৰীশ্ৰীয়ন্তব্যিদীশান্তসর্পতী **भाषाची महाद्वारकत्र** त्यहे व्यविष्टा विश्वः विशे कीयाश्वरतात्पादनामिनी क्रया-कार्याननमात्रिनी कोत्र यु-दार्गेत मुर्ख-निवार---देनभवनिका यु-तञ्जमानात्र दकोन्त्र समिन-मन्द्रामा विच्नतिकामाधारतत स्मीधिक ज्या-शकताल व जावनरज्त कारक महाराधिक किया, वकारकात, সংস্কৃত অধ্যয় ও সমধ্য ওক -- মহাজন জীবনচ বিভ-লিজ ক -- চি হিলাসচি আলু আছিল্ম, তথ্য ও বিহত্যাদিযুক্ত। প্রতি কলের আদিতে অচিয়াগ্র-বিচালক—এখগা ওমাধুগারতের বেগলিক গ্রেমণার প্রেমত জিসত নামতলন-প্রণালী ও অঠকানীর নীলা-— সময়, অভিনেয় ও প্রয়োজন ভবের ধিকাত সমূদ।

> ১। প্রাথান অন্তে—বৈক্ষবদর্শন, জী ওক্তার, কাল-मर्चा, जीममाधिकांव, दावारकाननी, शाक्षकाछिदी मीलन ও বর্ণ বিচার, আত্মনর্ম ও মনোন্ম, ভীচৈত্তাদের ও তাহার শিল্পা, অপ্রাক্ত সহলধ্যা ও প্রাকৃত সহজধর্ম, প্রভৃতি বিংশতি সংখ্যক রয়ে ফুলেভিড। ৮০ বার আনা।

> वीकिंग, कीनामभूकांत्र कीमद्यान एक की म. आएनेत-तारमञ्जा महिमा, महात्यामाम, जिल्लानिम, जीक्सलामून ६४ वन পথ, জীমতা রবভান্তনানিনী, খ্রীইড্ডেফের সহা, রেণীদক্ষর হা ও ক্ষমন্ত্ৰীকৈ –০ডুখৰ অপুন্ন মধুনিমাপুণ্-বভালনিভ্নিত जिक्षा ५, ७७ है कि। माना

खालम ५ विकेश-- ३३ च छ छक्रक् ला । - का দেড় টাকা, ডাক পরত সহর।

# 🚇 মন্ত্ৰগৰদ্গী ভা

Crit होत-देवकात्रमानांनक-तन्त्रत की बीमन कारमत ভাগকত ভাষা ও জীনছ ভিবিনোপ সাক্রেরাপ্রাঞ্জ ভাগ্ৰ বিশ্বভ 'বিদেশরজন' । যক ভাষ্যধুরা। ভা মতি, কিয়েস্তী, ও প্রতি **মোকের প্রথম** ও পদে কুটা, ভাতকাবে। ছাবনী প্রভৃতি স্থলিত। উৎकरे विविद्धि, तास्याध्यान ( कृतीस मुश्कान ) आस्त्र र्गक्त २ इंकिंगा

### প্রবেয়রত্বাবলী

िमय्यानिय निश्राष्ट्राय-अवीक देवस्थ्यमध्यम्, स्वतंत्र छ। গোবিন-ভাষ্যাদি পড়িবার প্রথম গ্রন্থ। উৎকট কালিভে ছাপা। সুবিশৃত টীকা ও প্রাঞ্গবকামুবাদ-দাহংয়ে। অতি সহজে বালকেরও বোধগ্ম্য হইয়া পাকে। ভিজা । ত' আনা মাত্র।

#### শ্ৰীনবদ্বীপধামমাহাত্ম্য

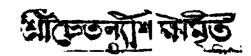
( প্রমানগণ্ড ) সামুবাদ। জাতি-মৃত্যাদি গ্রন্থে জীনব-ধীপের যে মহিমা কীঠিত আছে, তাগর মূল সংস্কৃত ও ন্মে মান ক্রিমা। আনা। অমুবাদ। ভিকাত আনা।

### **এটি নবদাপভাৰতর**

শ্রীঠাকর ভক্তিবিনোদ দিখিত। স্থলনিত গাঁতাকারে পরিক্রমার এইবাাদি-বিষয়ক। ভিক্ষা। শানা।

#### ভক্তিরভাকর ও মবদীপ পরিক্রমা

হুইতে পরিক্রমাংশ মাক গৃহীত; শ্রীমীব গোখামী কি लाकारत अभववीनधारमत शनिक्रमा कत्रिमाहित्नन, छाहाहे পত্তে বিবুত। ভিক্ষা।৮ আনা



শ্রীল ভক্তিবিনোদ ঠাকুর প্রণিত। ইহাতে শ্রীচৈতভের निकालागी - क्रमा क्रमा कि उत्तम-विक द मुक्त कीव-অভিডঃ ভেদাতেল তমু-নাধন-নির্বয়-প্রয়োক্সন-তত্ত্ব, কর্ম্মন কাও, আশ্রমাদির বিচার—বৈবী ভক্তি, ভাবছতি ভ পরিচয়াদি প্রথম শিলাপার উপযোগা করিয়া সরক ভাষায় সমুদ্ধ মুক্তিপ্রন ব্যত বিখিত আছে। চতুর্য সংগ্রেণ বাধা २ होका, धानाया ३५० हाका माछ।

# গৌড়ীয়কণ্ঠহার

द्धीरभो ई प्रेंटियक्षवभरभव कराम करार्थ भावभरधांना কা মাজ বিচ্ছি-ছতি ব্রাণ-পঞ্জা এটি সাহত-শার্পমূহের প্রমাণালং विवयविकार करमः भाष्यवान **८**हेद्रभ (दक्ष-১। দ্বি লীতা প্রে- ১৯। ও বিকা ভক্তি, মহাদে ব সিকাত্রের সাবদ্যবয় অন্ত কুবালি প্রকাশিত হয় নাই। ংশ্বিতা কে,পাম, সাম্মান নিভাগতি, জীলৰ স্বামিলাল ও ইচাতে প্ৰকাতম—পালেত—বৈধ্যন—কৌর—নিভানিল— মাধানা ে, ইটবোধ-নিভানের প্রায়ক প্রিবরের ধল্প ও কর্মান অধৈত—সাল-শক্তি—ভাগবন্ত্রস —জীব - অভিজ্ঞান্তের - অভিনে ার্নভাল-নগ্রা- আত্মন্প্রা-ভর্গান্ত ম—প্রেশ্বন ও প্রমান-তর্ভনি পুরুক্ অসায়ে স্তব্যহ লোকানি স্চান্ত উংস্কৃত্ত এ<mark>তিক কাশ্ৰে</mark>ল তেন্ত্ৰ ন্ন কাথিতে মুদ্রিং, ভারেষ্ট্রনার সোলার গলে নাম লেখা। গ্রহ প্রায় s-০ গুলার সম্পূর্ণ ডিফাব্ন টাকাম্যান।

### শ্রীনবদ্বীপদান-প্রস্থাবলী

উন্নদভতি বিনোদ সাধুর রাজিত বিমনাহাল্য-শ্মন भाराट्यात भारताम व्यमान घए--- हीन बतर कि हरू यही াকুরের পাম পরি নমাণশ— আগম নহারপ্রসিটির মাণ-চৌধ-বারা প্রতি—ভীন্ত প্রণোধানগ্রেড নব্দীপুশ্চক্য— , ঐন্বয়, জবিনোপ টাকুবেৰ শীনবনীপ ভাৰতরঙ্গ প্রভৃতি প্রস্থা ক্রিয়া দল **স্থানা নাত্র** ।

#### শ্রীহরিনামায়ত ব্যাকরণ

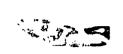
শ্ৰীকীৰ গোৰামী প্ৰভূপাৰ-বিশ্বচিত হত্ৰ ও বৃত্তি, তংসকে ওবিফুপার শ্রীমছজিসিদ্ধান্ত সরস্থতী গোসামী মংলোকের বিশ্বত ভূমিকা ও স্থচী প্রান্তুতি সং। অপ্রভাশিষভাবে হল্ছ। ভিন্না ২, টাকা, ছাত্রগণের প্ৰেক্ষ ১৪০ টাকা মাজ।

#### (नहां खंडचगांव

শ্রীমদ্রামান্তভাচাণ্য-রচিত। বেদান্তের বিশিষ্টাবৈত্তবাদ-প্রায়ারক জীভাগা ওালেতা আচাব্যাপ্রবেশ বেলারলপন পাঠেব উপযোগ কবনাথ এই উপ্তম করিয়াছেন। ইয়াতে বজারবাদ ও হতীপ্রাদি সংযোজিত করা হইয়াছে

### শ্রীটেড ব্যাচন্দ্রামুক্ত ও নবদ্বীপশভক

োরণার্যদ জিল ভী শ্রীমং প্রবোধানন্দ সরস্বতী প্রণিত মুল, প্রেম্পার জীমন ভজিনিকান্ত স্বস্থালী গোরামী মহাবাল . काशिक अवस्पाद्धा वाशिस ७ वस्थिवान सर्वाहि । নবৰীপশতকের শ্রীভবিধনাদ ঠাকুরের প্রায়বাদ ও প্রীল নরখরি চক্রপর্ত্তি-ঠাকুর রচিত। ভব্তিরত্বাকর ওৎসহ শ্রীমরাহাপ্রভুর একটা ত্রিবর্ণরভ্তিত অলোধিক চিত্ত প্রাদ্ত হট্যাছে। মুন্রণ ও কাগদ উৎকৃত্ত (২ খানা একতো ) ভিক্ষা he মানা, অতি হুরুমা বাধাই রাজসংখ্যুরু ः , ठीका माज।





শ্রীমচ্জিনিনোল াণুল-প্রণীত। এই একমাজ গ্রন্থ-রত্বের আন লাভ করিলে পারমাথিক রাজ্যে কিছুতেই পানন্দ ৰা সংশ্র থা (চেন্ন না) পানম গুড় ধর্ম বিশয়ক এই-कुल मरात । अभगत । अर रोता छ लाका विष्ठ इस भारे । লিলিচ্ছাক্সানি লাজ-মতে লোভ মহন্দতে এক এতাহাত উলিভ ক্ষাতেন। আক্ষেত্ৰ এবিল্যু ক্ষাধ্য बेक्काक्ति आका विरुध्य माह्य र ११ स्टब्स । तिस्ति अह. र्यामांत छता गय तथा, छेरते हैं। চতৰ সংস্কুল ख्यित २, छ।क। मः ।

## (अर्था-नर्ड

द्वीरकर का भूत अञ्चलस्य स्थलन है। বিরাজন। এই এরংক ক্ষামপ্ৰ হাজ ত শৈকাত প্রবালী প্রা লেপিছে পাইবেল। পাদ্টিলাস ছাত্র স্থা গ্রক্তির পরিচয়পে-স্কৃতিত হা সাধ্রণ ডিফা।৵৽ ভিজা৴৽ সানা মার मुभ या । मान ।

#### एक न्या व्य

क्रमभक्ति निकासम्भे । भारत अधिरितास्त्र अभूता । १६४० । १६४० । १००० । **मर्ग** : के विशेष सरद्भुत किए। स्थाप । अवस्थान का उत्तर प्रशास **८क**छ पुरिश्चास व्यक्तिसम्बद्धाः । १ हे हैं भिरमावद्याः । १ १ । १० ।

#### হরিশ্মতিভাগণি

ন্ত্ৰাচ্চাই খ্ৰিক হবিলালৈ সাচুৰেৰ মূৰে। ভীমালত ৫ ১ জীনান-মাহাম্মা, নামাজাস, নামাগোল গ্রাভু ব বিশালক 有钢造物 "我心想,只知此,如"世界"。 **অভিনা**ৰত শ্ৰেষ্ট্ৰেষ্ট্ৰেষ্ট্ৰেষ্ট্ৰেষ্ট্ৰেষ্ট্ৰেষ্ট্ৰেষ্ট্ৰেষ্ট্ৰেষ্ট্ৰেষ্ট্ৰেষ্ট্ৰেষ্ট্ৰেষ্ট্ৰেষ্ট্ৰেষ্ট্ৰেষ্ট্ৰ @ात कि कि निरंगात प्रतिकार करें। जानेक र ४३४ कि ने १९४०

#### 神。131月中海宣傳

বিশ্বানী ও ভালপাগের প্রিকের একার প্রেণ্ডিন্স खेलहरूनात्रकालुर्व शिवित्रष्टाः ্ষাংক্রেও তে ভ্রমন্তান্ত্র সাত্ত্যন্ত্র থাবে আন্থান্তুভি সাম্ভবনে এক গ্রেকাশ প্রেমাধিক সাহিত্য-জগতে ও ১৮৮৮মেন হাত করিবার জুনি ৷ প্রেল্লেন ১১ । তে স্প্রেগ্ম । আম্বাধ্যাত্তি চইতে সেল্লাব্ডন দিতার भव्यात, डिका ८.० भाग भार १

### भाजभाग डि

বিভ্ৰন্থি, ভ্ৰন্ত প্ৰথম্ । জুবিতা শ্ৰণাথতি ও াস্থি প্ৰাণ্ডাত । কবিতে কবিতে কাল্ডান্ডাপিত হুচতে হয়। । ইচাতে যুক্তিৰ 1तमग्रक थी। ७५८ . चिक्सा ८० व्याना सार्वा

# आंडामशो

গ্রীঠান্তর ভিন্তিবিনোর-প্রগতি । তা দুখন, স্বার্গরিক 📗 श्रामान-द्रमणपालि निजन मनुन प्राचनम्ब उक्तक अणितः। ভিজা /• সামা নার।

#### **ब्रिंगक एक ग्र**ाज्य

ৰিবভিত্ত রসপ্রত। শ্রীমন্ত্রকিবিনোদ ঠাকুরের অহ্বাদ- গাল্ডবাদ মধুরভিত্ত তাব ও মনালিকা-সংশিক। ভিকা महा विकाश भागमाना

শ্রীমন্মতাগ্রাহুর শিক্ষা ও শ্রীণ রগুলাপ দাস গোষামীর প্রতি একপ গোস্বামীর উপদেশবাণী, ভক্তিপথের অন্তক্ত ও প্রতিকৃষ বিষয়ে শ্বিডারিড সম্মোদন ভাষা, বিস্তৃত বিবৃতি, চরিভামুতের প্রযাণ, সাময় ব্যাথটা ও মহাজন-এনিত ভত্নপ্রোগী গাঁতমমূহ বেডোক লোকের সৃহি • স্ত্রিবেশিত ইট্যাছে। তা সংখ্রণ ভিক্ষা 🗸 আনা।

#### সাগল-কণ

कीवजुनांश मांग त्याकाणीत मनः निका, श्रीम शंकृत 🔍 हाक गांता। ভিক্তিবিনাদ-চ্রিত প্রায়ুব্দিন্ত। ভিক্তা 🕫 আনে।

# প্রেমছ জিচ জিক।

শ্রীল সাধার ২০০০খনেশ কলোড জেলাভাজবিশয়ক িশানের প্রথম । ভিগা । গলেগ নার।

#### াবদাপল্ভক

বৈক্ষাব্যক্ত ক্ষাম গাল্ল কিন্ত বিবা ভাতত্বিকে কেন্ড্ৰিছ জীল অহবোধানক ্ৰশ্বা ৬। ধনখালাপাদেৰ মাজত লবল তাকেব স্বাধিত প্ৰায়্ৰৰে।

#### অর্থপঞ্চক

### সদ।চারশ্বতি

- প্রিল মধ্য চোর্যান প্রভাগ বৈক্রবের লিক্তক ছালি সলাভার। त्यो, तम्र स्व भगविष्य । विकार विकास मार्थ ।

#### মণিসঞ্জী

ागचिका अधिकश्रा क ी कुः। ে তাৰের সালে জার হার্নিকাল্য ও মূল বৈজনস্ক্রমভা। সারু রাজ

#### दशीतक (स्वाम स

<u>क्षा है।</u> स्वार ্ৰণ অংথিত ভিজেনার মান্তাবের ন্ত্ৰীম্ম্ ক্রিনের সাম্পার্কিত। সাজ্যক ভিজৰত বিধারকাত বাগত ক্ষুত্র স্থা। তিকা ৮০ আনা।

# যুক্তিমালিক। গুণকৌরভ)

উন্নিধ্বনত লিখের উন্নিধ্নির স্বানিক্রত। বছাল ধে মধ্যভোগ্য নামে খ্যাত ভীলানিরাজভাগ স্বামী ৫০ গ্রে সাধারত সাস্তি ও এটাকিক ভাষোগ্রধারে কিরাপ জুনারভাবে कीयहरिक रिकाम है। तमार्च एक। करवारम व्यायस्थरीत, रिकिनिक्किनिक्किनि भववान समुद्र अञ्चन करिवारह. छाहा आहे भाता ठाकीक, देवन, द्याक, अभाश्यक । बाहानामिया -प्युट्टत स्कृत भड़न त्रविदारक। चिट्टा २८ है कि। माळा

# (भाषामी डी)न त्रम्माथ भाग

(ওঁ বিফুপাৰ ভীৰ ভক্তিমিদ্ধায় মন্ত্ৰতী গোদামী ব্যন্তলাদ-বিভিত্ত ভূমিকা সহ ) গৌরক্তেটি স্বরূপ-রূপের একমান প্রিরভ্য শ্রীণ দান গোরামী প্রেটুর অপুর্ব্ধ চারতারত ও শিক্ষা মতীৰ আঞ্চল ও সরল ভাষার স্ত্রিবিট গুনিকে <u>ক্রমুক টমৌলি জী</u>ন্ধিখনাথ চক্রান্তী সাতুল- তবং পরিপিটে দ্বেগোখানী **গ্রান্তর বিরচিত্য কর্তকটী** ना ।हे ॥॰ जाना, जावाबाई। ४॰ भाग माज।

প্রাচীন নববীপের অবভিজি, ভগা, ঐতিহ, প্রোত 🛊 ঐতিহাণিক প্রমাণসংখিত নয়্তী ধীপের স্চিত্র বিষয়ণ-अङ । त्राक्षि तालगारहर कुमात छिएक भत्रविस् नातासन ताम तम, ज, शास्त्र (नारशत), त्वशास्त्रकृपन मरशास्त्र कर्जुक সম্বাহ্নত এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন বর্ণের অপুর্ব্য চিত্র 😉 নান্ডিত্র-দম হাত : প্রাচ্যানিভামহার্ণন রার সাহেব নগেল নাগ বস্থ বিশ্বকোগদশাদক মহাশ্রের বিশ্বত ভূমিকা গত। উৎকট ( ইং ) মরকো বালাই মুল্য ১॥০, ভি: পি: তে

# माधन-कछेगाला

अक्टमाना, देवकव-वन्त्रना, देवकवन्त्रण, मानारमञ्जूषी ... আনামত্ত্ব, শ্রীমত্মহাপ্রানর অধ্যেত্তরপত নাম, অইআইছ नामके छन, श्रीनामनकी यन, दशामननि, बाउँगनकीछ, াবরীগ-মহিমা, ীমারাপুর মহিমা, শ্রীনরৌত্তম-প্রান্তর অইক গাটালা কলনা, লড়ুলোপামীর অইশ, প্রেমভঞ্জিচস্থিকা, 🥕 <sup>चित्रात</sup> नेमाला. शोम अपन-खनाली, महाखाङ्ग ६ तात्र सामासम गरवान, मनः निका, औ खक्र छात्रि, खे खक-नवन्त्रता, মণা প্রানু বৰদনা প্রাভৃতি সাবক ও নিদ্ধানীবনের নিভাপাঠা, ীলকণগড়েশ কঠালিত ভুক্নীমালার ভার **মহুক্তণ কঠে** ভীল লোকাদ্যা হ,5৬ । বৈ চাছো-ভাবের আকর নাবন্ধেশ্য অপুন্ধ প্রন্থ। ভিকা 💅 , বাগছি ॥ । মাজ ।

# (भो डी अ-८भो तब

क विकास ते हा दिन साथात् है हरता द्वी द्वीष मुल्लासक टीमान रामवीनम श्वतिमाविकाम धारस वकुछात विश्व शहकात धारानिक। इटाटर आईशा देवभवनकानारस्य िहै, ध्वास ए अस्तिति शामिक ध्रीयन्छ । क्रिका लि गाम्या

# গোড়ায় সাহিত্য

ক্ষতিক ভার ভূতাহিত্র জাল্যাট হলে কেট্টির-সম্পা**সক** জ্ঞীপাৰ ক্ৰমতানন প্ৰবিজ্ঞাবিনোদপ্ৰান্ত আদম্ভ কম্বুভার বিষয় প্রভারতে প্রকর্ণশন্ত। ইহাতে সাহিত্য-শলের অর্থ এবং ্রণীর্ভাষ স্মানিকভার বিশেষ করেকারের বর্ণি**ত হউরাছে। ভিক্ষা** াক আনা মার।

#### **डी:८गोड्य उन भित्रक्रमा-पर्णन**

খ্রিংগাড়দেশের যে সকল ভানে সপরিকর খ্রীনমহাত্তাভ . नः एतसून शहराडी मश्रामनगर शीला **कतिया विदारहम.** নেই সৰ ভাগুনিক দেখিগোলিক পরিচয় ও দেববিগ্রাছানিয় প্রিচয় মহ মাভায়াতের স্থাব । নির্দেশ ইত্যাদি বিষয় ছলি 🖪 স্কিনেশিত আছে। ভিকা • আন্।।

### THE HARMONIST

OR SHREE SAJJANATOSHANI

গ্রীণ ঠাতুর ভব্তিবিনোদ-প্রতিষ্ঠিত তবং খ্রীণ ভব্তিক শিদান্তগরস্থতী লোকামী প্রভুলার সম্পারিক পারমার্থিক 🚄 गानिक लज्ञ। जिल्ला हेरताकी खाराम खडाबिश्य वर्ष ভবলক্রাউন ৮ পেদ্রী ৪ ফর্ম। আকারে প্রতি ধারে হরি-नाटनत निज्ञत-रेवक्यकी गहेगा छेशकिक व्हेट्टट्ड्म । কাগ্ছ, মুদ্র-পারিপাটা ও চিত্রাদি অভীব চিভাকর্ষক। अक्ष छेरकडे ध्रावक च्यात द्यान मानिक भजाविषक । ८५ थिएड भागेरतन ना। वार्षिक डिका फाक्साक्सगृह 🔍

প্রাভিছাশ-**बिटिक्कमंत्र, (भाः बिमाधाश्व महोशा** 

# বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভিভিন্ঠিসমূহ

# শ্বীকৈত্য মঠ

আকর মইরাজ

बालीक सब्दीन, का क्षेत्र क्रीधाम महाभूत्र, महीता

্ৰিক্তাব্যোগৰীট ষ্টকে প্ৰায় ৩০০ বছ উত্তঃ-পূথে শীপ্ৰদশৰতে আচাৰাছত গ্ৰীচন্ত-শেষ্যা-ভৰ্তা শ্ৰীপ্ৰতিকত্ম-মাট নিয়াজ্যান।

আই প্রি মাণ্ডত-টার্ব, পর্যবিভাগিঠ বা সামত জনসন্থা। এই মহাতীর্বে ঐচরিনামান্ত্রী আইন্রের্নারি-বেদালসমূল, পরবিভার অন্তর্গত কাবা, নাটক, অলভার, তথা
নামান-উপনিষ্ণ-দীতা-ভ্রা-প্রান-চতুইদের অবারম ও অব্যাপনা এবং তথার ঐতরবৈর্বাধানগালাকা লা-বিরিধর ও সামত সাংলারিক-আচার্যা-চতুঃর তাঁহাদের উপাত্র
বিরাধের সভিত নিভা সেনিও হলতেকেন। এই মঠরালে পারমার্থিক দৈনিকপর সাম্বতসমান্তিরে অন্তর্নাশত ও প্রপ্রচীন প্রধানি প্রচারকলে 'নদীয়া-প্রকাশ' মন্ত্রালর
ক্রিক্তি ক্রমানত ও প্রপ্রচীন প্রধানি প্রচারকলে 'নদীয়া-প্রকাশ' মন্ত্রালর
ক্রিক্তি ক্রমানের বিরাধিব সাম্বানিক ক্রমান-পরিক্রমান্তর্নাল ও অগণিত ভ্রমণোন্তিন্ত্র
ক্রিক্তি ক্রমানের বিরাধিব স্বান্তর্নাল ক্রমান প্রকাশি বিরাধিব বিরাধিব

(.७) द्याशीठ क्रिमणिक

STATE OF THE STATE

कर काम अक्षत्रशासिक्षत्र करन वा विश्वत्रशास्त्र कारिकार-कृषि भगारवान-विश्वान केरियोशनात्रायण करा किरिक-विश्वान केरियोशनात्रायण करा किरिक-कर्माव राज्ञा नक्ष्मान। इक्षक--रण्डल-व्यावत राज्ञा केर्राहाया व्यक्तिया-व्यावत राज्ञा केर्राहाया व्यक्तिया-व्यावत राज्ञा केर्राहाया व्यक्तिया-व्यावत अक्ष्माति क्षित्राम्यान व्यक्तात्री, किर्मानाम व्यक्ताति। क्षित्राम्याम व्यक्तात्री, कर्मान व्यक्ताति। क्षित्राम्याम व्यक्तात्री, कर्मान व्यक्ताति। क्षित्राम्याम व्यक्तात्री,

# (8) **3417-188**

शिक्षाशिक्ष को क्यानिशास वा शिक्षासम्बद्धाः व्यापन द्वित्रियात्रः शिक्षासम्बद्धाः द्यारा वश्वसाम । अक्षान-शिक्षाक्षाम् अवकाषी, श्रीमपुक क्षाः, श्रिमाकृष्याम सामान्ते ।

(৫) আইছড-ভবন এই স্থানে শ্রীনহৈত গড়ত কবন এবং নেধা যভাগন।

काकीय मानाय मनावि श है
बाहीय बाबालक, बाममलकृत (मनीवा)
बिर्लीयकुल्लाक किंग्रिकाकीक प्रावि।

( व ) वार्यका स्वत कृष्ण विश्वासक, बस्त्रमण ( मगीया ) व्यक्ति कृत्यक सिम्न कृष्णितमायास्त्रम अमानि कृत्य किर्माश्मासम्बद्ध कृष्णितस्या

न्याध्यस्य (नेत्र ३ क्यान क्ष्मरून्य क्षित्रकृतः क्षाक्षः व्यक्ताःश्री क्षम्यमञ्जूष्टियो सन्, ध्यः व्यव ( ৮ क्रिजगन्नाथ दशो हो स मुठं

রক্ষক—শ্রীবছনর ভব্লিশারী এম, ৩, বি, এল, সংকারী—শ্রীউদ্ধান ভব্লি-শারী, প্রীউদ্ধান কবিধারী প্রভৃতি।

(>) ব্রিমোর-মদাধর-মঠ
টাপারটা, সমুজগড়, (বছমান)
ব্রিণ কাবিনাথের প্রানিষ্টিত গোরগ্রাণ্যব্রেণা। রক্তক ব্রিচিকিজ্ঞান আগ্রম।

( ) • শ্রীক্ষপাসীজীয়-মঠ

ধা:াগঞ্জ, প্রমাগ হউ, দি

হক্তক--- শ্রাহবিদান প্রস্তচারী,শ্রীকুলদেশর
প্রস্কানী।

( ): ) और भाषकामक्रक-

মাউণাছি, ভাষগৰ, গন্ধনান।

বীণাগাণভাষ ঠাকুন বুলাগনের খান।

কুলক— শীনস্থবিকানী ব্রজনাগী।

(১২) **ভাগবিত আগিন**শীণাগৰত বেশা, কুলনগন, নদীনা।
ভাগবিত গৈড়াৰ এছাবলী মেচান-ক্ষেত্র।

ক্ষক—শীঘনানৰ ব্রহ্মানী।

(১৩) **এএকারন মঠ** টোলগড়ী, বোগড়ী, ক্লনগর, নদীয়া। বলক—শ্রীমতুলানন্দ বন্দ্রদারী।

( 58 ) श्रीमास्य द्वाष्ट्रीय मर्ड > नर नवाय प्र द्वाष्ट्र, हा नः । पृक्षनदम्ब श्राह्म देण्यः, यवाद्य श्री धन-द्वी नाम भाक्या-भितिषद्व द्वारा वस्त्रम । इक्क-श्री नवायव्यक्त स्वयोगी ।

> ( ১৫ ) **শ্রীযোগালনী মর্চ** ক্ষণাপুর, চাকা।

्नानागबीव जानिकारव काठीन त्नवा वृक्षकम्मक्रीकानरतोव जन्मवाकी । (२) बिदगी जी है मठे

১৬ নং কানিজ্ঞনাৰ চক্ৰবৰ্তী ঠীট, পোঃ খাগৰাজায়, খানিখাড়া। টেগিফোন বি. বি. ৩১১৫

শ্রমানা গভ্র প্রচারিত শুনিশ্বল ভক্তিশন্ত-প্রচারোদ্ধেশে গোড়ানেশের সক্ষ্যাবার নগরী তালিভান্ন শ্রীক্তিবিনান আগনে শ্রীমঠ প্রভিত্তিত আছেন। এই অক্তানারামে শ্রীক্তিবিনান শ্রামঠ প্রভিত্তিত আছেন। এই অক্তানারামে শ্রীক্তিনারাম্বর্গর বাবতীর প্রস্থাবারাম্বর্গর বাবতীর প্রস্থাবারাম্বর্গর বাবতীর প্রস্থাবারাম্বর্গর বাবতীর প্রস্থাবার্গর শ্রমান্ত লালার প্রস্থাবার প্রস্থাবার শক্ষ্য শ্রীকে গাড়ারাম্বর্গর বাবতীর প্রস্থাবিক পঞ্জ, ক্তি ক্ষমানার্ভী মালিক পজ্জিকা ইংরাজী ভার্মান্ত লাবে প্রকাশিত ক্রীক্তেন্ত চরিভান্ত লালিক শ্রীমার প্রস্থাবার স্থাবার ক্রিক্তানারাম্বর্গর ক্রিক্তানারাম্বর্গর ক্রিক্তানারাম্বর্গর ক্রিক্তানারাম্বর্গর ক্রিক্তানারাম্বর্গর ক্রিক্তানারামান্ত লালারামান্ত শ্রীপান ক্রমানার্দ্ধিক শ্রীপান ক্রমানার্দ্ধিকারী বিভান্ত লালারাম্বর্গর বিভান্ত লালারামান্ত লালারাম্বর্গর বিভান্ত লালারাম্বর্গর বিভান্ত লালারাম্বর্গর বিভান্ত লালারামানারামান্ত লালারামানারামান্ত লালারামানারামান্ত প্রস্তানারামানার প্রস্তানারামানার ক্রমানার প্রস্তানারামান্ত লালারামান্ত প্রস্তানার শ্রীক্রমানন্ত ক্রমানার প্রস্তানার প্রস্তানার প্রস্তানার প্রস্তানার প্রস্তানার ক্রমান্ত বিভান্ত লালারামান্ত প্রস্তানার প্রস্তানার ভিল্নানার ক্রমান্ত প্রস্তানার প্রস্তানিকর প্রস্তানার স্তানার স্

(১৬) শ্রীগদাই-পো: জ মঠ হ্রিডকি প্রদাধিনী সভা, বালির ভাকা শ্রীগদাই-গৌরাজের নিডা দেবা বক্ষক — শ্রীপূর্ণ প্রক্ষ ব্রহ্মচারী।

(১৭. খ্রীভাগবডলনালক মুক্ত

চিক্লিগা, ৰাজ্যেৰপুত্ৰ, মেদিনীপুত্ৰ। এগানে শীগুক-পোৱাজ-গাছৰিকা-গিবিধানীক নিজ্যাদেশা ঘটনান। সক্ষক-এমবাসী শ্ৰীক্সবান্দাসন্ধী। ক্ৰন্ধচানী প্ৰানন্দ

(১৮) जामगारगङ्गा अनदाद्यव

রাশ্বীধ পো: **বর্ত্তমান**।

শ্রীভাগগোরাছ-শ্রীগান্ধবিদা পিরিগায়ীর নিভাগের। যুক্তক--- একবাদী শ্রীবরি-কিশোর।

(>>) जीशृज्यवाख्य मर्ड

পাৰাৰ, প্ৰতী, উডিক্সা।
এখানে শ্ৰীগোৰ-বিনোদমাধৰতীয় নিভাসেবা বস্তমান। একক-- প্ৰশাসায়ী শ্ৰীপাইমান নক বিধ্যায়ন্ত্ৰ, প্ৰস্তায়ী শ্ৰীকট্টায়কে।

(२०) खीखण-८गोफीस मर्ड

শালবহনাথ, ব্ৰহ্মগিরি পোঃ, পূরী।
কগরাথদেবের ধনবসর সময়ে শ্রীমগ্রহা
ক্রেড্র ধবস্থার। বক্তদ—ব্রহ্মগ্রী
শ্রীপরমেশ্রী ক্রাগ্রন্থী। সরকারী—
ব্রহ্মগ্রী শ্রীবিদ্যবিদ্যাধী।

(१) बैनकियानय वर्ड

(২২) **শ্রীসনাতন-গৌদার নঠ**এনং লগজাবনপুরা, কা**নী।**গোর-প্রারপ্ত বনাতন-বিকাল্ক।

এথানে গৌরপেরা বস্তম্যন। বলক—

এখানে গোরণেবা বস্তমান। বক্তক— প্রীকানকীনাথকী।

(২৩) শ্রীকৃষ্ণতৈ ভক্ত কঠ
প্রীনুসিংগোগ কুলু, প্রীগান বন্ধাবন।

শু শ্রীধাধা-এজ-মেক্টেনজীর সেধা। রক্ষক-শ্রীধাণ্ডিনাথ একটারী

(२8) जीপরমহংস गर्र

নৈমিবাৰণা, সীভাপুণ তথানে জীভাগৰত পাঠশালা ও শীগোঁও বিনোধ বিভাগনীয় দেবা ৰঞ্জমান। কক্ষক — ভ্ৰন্ধচাৰী শীনুদিংভাগন্য ও ভ্ৰন্থচায়ী শ্ৰীদন্দভগাল।

(२१) औदेष्ठक्यादशीकीय सर्व

চুন্নকুঞা, চিরকুঞা, আনভূম। ইশু শ্রীতৈভল্ল-মঠের শাখা। বক্ষক—শ্রীরমান নাথ রাধ, শ্রীকেনপানন্দ ব্রন্ধচারী। শ্রীরাম ভাবি দে হেরিরে:

(২৬) ব্যাসগোড়ীয় মঠ
কুলক্ষেত্র, বানেশ্বর, কণাল। এখানে
জীগৌবনাদ-মানের সেরা বন্ধমান।
রক্ষক—বন্ধনারী ভিত্তদর্শক্ষী।
(২৭) জ্রাক্ষণপাড়া অগল্পাঞ্জন-মঠ

প্রাহ্মণপায়া। পোঃ মাজু, হাবজা অধানে বড় ভূতমুটি ত্রীগোরাণের দেবা বর্জধান। বক্ষক-প্রস্থানা ত্রীপ্রাণক্ষক-বাস, ত্রীগুধারমণ প্রস্থানায়ী।

(২৮) বিক্লা গোড়ীয় মত—কাৰ্য্যাক্সৰ ১৮ হেগ কোনান: নিউ দিল্লী। মুক্তক—জিনভিত্তামী শ্ৰীনত্তকি মুক্তি

शिक्षि महाराज, जीवाशक्रमणक्रमण्डम् ।

(२) भाषामभाषाक्रमाक्षर

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ठाकूत ভिक्ति वितान देनिकि है । नाटम

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

(थाना श्रेशारक।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অতি অভ্নের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যয়ে সুন্দর বাসছানের বন্দোবন্ত হইয়াছে। স্থান অতীব স্বাধ্য কর।

> সবিস্তার সংবাদের জন্ম নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। লেকেন্টোলী, ভাকুতা ভস্কিল বন্দেদ ইন্ষ্টিটিউট্ শ্রীচেত্তখনঠ, পোঃ শ্রীমানাপুর, নদীয়া।

# ৫০ বংসরের পরীক্ষিত করেকটী মহে যিধ

শাৰ্থারকারীরা তাণ মুগ্ধ চইরা বে সমস্ত প্রাশংসা গত্র গান করিয়াছেন, ছাঞ্চ শিশ করিলে বছ বছ পুত্তক হইয়া গড়ে। আগনিও বাব্যার করিয়া ধর এটন ।

- ১। চল্লাপ্রতা বটাকা—ইবার নামটাও বেমন কামন নেত বকম। বংগ নুক্তর অপুরাজন মেব, মুত্রেক্ত, অল প্রাকৃতি এবং প্রায়োক্ষিণের স্থাতিক। ব্যাবাম, বেজ এবং রক্তপ্রাধ্য প্রাকৃতি বোগে আতু ফণপ্রাধ।
- ২ । শুসুবিসহায় বটিকা —মাধকলনাবিতীৰ অভুত্তই নিজাবিধারক ঔষত। বে কোন বৈহিক ও মানসিক পীড়াবলতঃ আন্দ্রাহোগে এই ঔষব ধারতাতে গাচ নিজা হইবে।
- শুরুর বটিকা—ইবা দেবনে প্রীকা ও ভদপ্রস্থিত নেবা ও প্রীর পাতৃর

  ইইরা যাওয়া ইড্যানি বিবৃরিত বইয়া রক্ষ প্রতিকার ও বৃদ্ধি প্রোপ্ত হয়।

**चेक किन व्यक्तात्रम व्यव्हाक केवरमंत्र मूना क्रांत कोते। ১८ तेवरा**।

প্রাধিয়ান :—আতঞ্চলিপ্রাহ উপধালর
২১৪নং ফারালার গ্রীট, কলিকাডা।

কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



মফারতের ও বধার কল্প ৬ জাঃ শিশিতে ঘনীতৃত অবস্থার চোটবোনগের সমপরিমাণ উবদ ভাকে পাঠান হয়, বহুতে উধনের কোন পবিবস্তন করা হয় নাই। মূল্য প্রেকি শিশি ৪০ জানা, পাঁইট ৪০/০ জানা, ব্যাহত ১০/০ জানা।

অফিস– ১১নং উল্টাডান্সা রোড, পোঃ স্থামবান্সায়,'
কলিকান্ডা

# মদন মঙ্গরী

# **हारे**ट्डािंगन

বা

# - কোষর্দ্ধি রোগ

ভাই অস্, জন্, খোষ বিনা কারে বাবজীবনের গ্যারাটি দিয়া বৈছাতি জ্বালাতে কোমবুদ্ধি ছোগ আয়োগ ক্রিয়া বাকেন।

> क्षणाम---अन्य कडेम क्षेत्र, बद्धमासर

# Maria.

णिखणुरमक चेशवं मरणेयकः । अध्यात्र केलनम्, मश्चारक केरद्वाताः ५० वात्र चामा, वक्ष अल्लानाः वालक भूतमः

২। শুক্রাচার্য্য সঞ্জীবনী পোষ্টাই

कृत्यक व व्यक्तकत्व व व मास्त भरतायम । भूगा > किया है। स्रोता है है स्रोत

৩। সন্ন্যাসী-প্রদন্ত অর্শরোগের অব্যর্থ আইটা আবোগা না ভাগে বুলা কেব। বুলা ১৮ মানার মার্টাই বুল্

৪। কৈ তি-বান্ধাব প্রীল
আলীণ, গেটবাণা, পেটবেলনার মছোবদ। ভিন্ত ক আলা। মান্তল পুনক্।

৫। বাতলান

বাদবোগেও মাহালকাটা ও সন্তাতে আরোগা। প্রতি লেলি ৫০ আনি । মাজল পুদক্।

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তুতকারক। সংগ্রাচালগের বহু লব লিবুন ভগভিভাল—মনোমেছন লেপরেট্রী

(भा: उपादी, कमलाश्रद, शका,

# মনোমোহন প্রেস

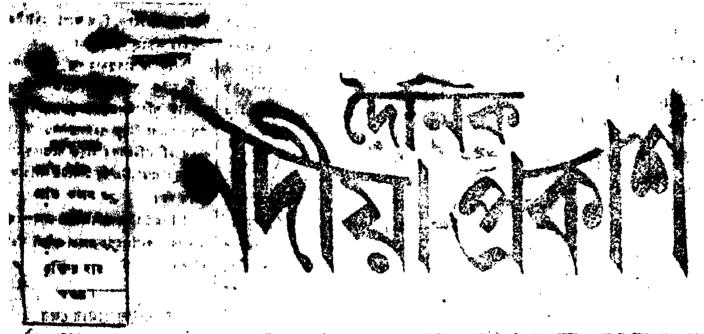
পূর্ব বাজালার ওলতে সকলপ্রকার ভাপার জন্ত বিখ্যাও বৈদ্যাতিক কেলিলে দিলাভাত্র কাজ ভলিতেতে বিশ্বত জানিতে হইলে নিয় কিবানায় পত্র বিশ্ব ম্যানেজার—মনোমোহন প্রেস, ভলনং অবাহস্থার, ভাকাঃ

# मतः माञ्य दाँठाहेवात छं भात

विश्व क्षण्ठांत क्रक्रम यन मध्य दिव हनान द्रवाल छेपन क्ष निष्ठ कर नाहे सन्त, एक्षांस याहाश्च आनानित क्षांस्त्रा क्षण्या क्षण्या क्षण्या कार्या कार्या भाग क्षण्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या भाग संस्त्रा, कार्या कार्या होत्या कार्या कार्या कार्या कार्या स्वता तीष्ठ का्षण्या कार्या होत्या कार्या कार्या कार्या का्ष्या का्या का्ष्या का्ष्या का्ष्य का्ष्य का्या का्ष्या का्ष्या का्या का्ष्या का्ष्या का्या का्या क

> সোল একেন্ট— ডাঃ ডি, ডি, ছাজরা। সংক্ষার, গাঙে-ডিচ পোর, ক্রিকার উপাধা পাই ক্রিকা নিবিকা





मा कार्याहरू के स्वाधित के स्वाध

医胃内腺素 直角的 医医乳络一种乳状门外部沟 医静息区 总是是国

65 40 ]

স্পাদ্ধ-শ্ৰীঅভীলামাথ বলোগাধ্যার, বেদান্তবাচম্পতি

[ ৫०व मरथा।

**জাতৈ ব্যামত আ**ধাম মালালুর ১৮ই বৈশাথ শুক্রনার ১০০৮, ১লা মো ১৯০১

# नाना कथा

কু কালগার ছাত্র সমিতি
গর ২৬শে বংগ্রা ছক গাও চাত্র
ক্রিকিডালাক কালাক কালাক কালাক ক্রিকুড বিবালা স্বলোগালার কালীকেড লবকার বর্ত্তথান বংগ্রের জন্ত ব্যক্তিন লক্ষাক কালাক নিকাচিক কর্ত্তান কেন্দ্র

শ্ৰীয়া সিপাছী জনসন্থ মনীয়া পুলিধ লাইনের গিণাছী নেড়েশ্বং বাঁঃ বণদী নদীকে ভূণিয়া মান। বিয়াকে ধনিয়া প্রকাশ।

# জীবুৰ স্থ ভাষচল্ডের কল ক্ষকলে পরিজ্ঞান

্ৰাৰণাপক সভাৰ গ্ৰন্থ নৌধৰী কৈছাৰত কুলাগেল বা কানেয় অভাক অনিক কেছালিয়েয়া আছালোকে তীমুক্ত বহু কল অকালে পৰিত্ৰাৰ ক্ষেত্ৰত, হাসীৰ নেতৃত্বব্যেত্ৰ লাক্তিৰ লাকাৰ ক্ষেত্ৰত এবং উভায় সম্ভান্তায়ের ক্ষুত্ৰতাব্যাহ পাকে সংবাহায় আৰক্তিক টা

# ক্ষক্রগর ছাত্র সমিতি

শ্রীযুত সুভাষ্চন্দ্রের কল অঞ্চলে পরিভ্রমণ

# নদীয়া দিপাহী জলমগ্ৰ

কংগ্ৰেদ ক্লিদিগোর সভা

# নীমান্ত এদেশ সমস্যা

মেছুয়। বাজার বোমার মামলা, ৫ জন আসানীর মুক্তিলাভ

# কলিক ভার মৃত্যুহার

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গোরাব্দ ৪৪৫

শাত্র ১১০ ভাকটিকেট পাঠাইলেই বুকপোটে পাঠান হয়।

ম্যানেকার- গ্রন্থবিভাগ

- ঐটেভডম্মর, পো: শ্রীমার।পুর, নংগ্রি।

বিবৃত্ত কলেন ৷ সকলেক জাতাকে জানাতন সমূদ দ জিলা কংগ্ৰেম ব্যাতীৰ সন্দান তাৰ ছাকেন ব্য, জানাল জাতাৰ উপদেশস্থ্যালে , ত বিশিষ্ট সম্ভাগনের সাহত সাজাব কারা কালেবন ৷ কার্ম স্থানি স্থানি

কংকোস ক্সী িত্যার স্থা গত হতাৰ একোন অবনাত বসীর আবেশিক কংগ্রেস কমিটার সভাপাত শ্রীয়ুৱ গুভাষ্টপ্র বস্প কলিকা নার বসীয় আবেশিক কংগ্রেস কমিটা অফিস ভবনে সমুদ্ধ কিলা কংগ্রেম ব্যিটার সম্পাদ করণ ক বিশিষ্ট স্থান্তগণের স্বাহৃত সাজাহ করেন ধ স্থানীয় জ্ঞান আক্রাগ্রেলি কর্মী কংগ্রেমের অব্ধানিত ব্যুদ্ধ কার্যপদ্ধতি ও স্ফাক্ত আন্তগ্রিক বিষয়-গুলি আন্যোচিত কয়। স্থিন হর্মান্ডে, মণ্ডে স্থান এইরেশ স্ভাব আন্তেশন ইইবো

# জাল মুদ্রা প্রস্তুত করা ছয়ানেশী ভিক্তুত ত্রোল্লার

কানক পশ্চিম দেশীর কোকে জাকার

ত্তী ও কভাবে কারণ বিভূপিন যাবর গাল লহরে আমিলা বাস কাবেছার। প্রচার বংজি ভিক্তা করিয়া বেছার। প্রচার টাউন পূলিস সংবাদ প্রেরা এই বাতি ব বাসা গানাভ্যাস করিয়া প্রায় ১৮৫৪ কালা নিকি প্রচারতে। সুদ্রা ক্রেডান্ড করিবার যুদ্রশাতি ও পাওবা বিধারে।

### जीभास अटमन-गम्या

প্রকাশ, পোলটে নিগ নৈঠকের উত্তরর গানিচম দী দ্ব সাথা কমিটার নির্দ্ধেশক্রমে ভারত স্থাকার এক ভারত কমিটা গাঠন কবিয়াভান। যিঃ জে, সি, ভেল এট কমিটার স্কাণতিপ্রদেশিমুক্ত ভ্রাজেন।

শীমান্ত বাদেশের জনগণের মধ্যা প্রের্থ বিভাগ নির্বান করাই ভগন্ত কমিটার মুখ্য উদ্দেশ্যা আবেশিক সভা ও কেন্দ্রীর বভাগ অন্ত এই প্রেণীয়িভাগ জাবগুরু করাকে। প্রেণীর লাগ কাথ্যে পরিশন্ত কর্মকে শহু হয় প্রাকেশিক ও কেন্দ্রীর স্ত্রণারের বায়ভার নিগগেন্তি হর্মে।

कारणीय महत्यानाव नाम---- स्थान नि, व्यक्तियां , जि, क्षांत्रम् , भात आंत्रास्थ एका व्यक्तियां , जात व्यक्तियां के एका रमका व्यक्तियां कार्त्व स्थान वार्याक्ष रमका क्ष्मियां कार्त्व स्थान व्यक्तियां कार्याक्ष न्यास्थित स्थान कार्याक्षित स्थानिक । व्यक्त कार्यात स्थानिक स्थानिक स्थानिक । प्रमाणावारक । आंश्रामी द्रम्मानाक स्थानिक स्थानिक ।

मर्गाहे वर कार्या द्वाय क्रेयां अक्षावमा ।

बिह्यानाकात्र दर्यामात्र मामला ৫ খন আসামীর মুক্তিগাভ २९ (भ ) कां लग ८ एकिसी श्रव । समुद्री ग

दक्षण क्षेट्रेड दण्डुभा गांचात द्यांबाच बामधीत ब धन भागानीत्य पुक्ति मुख्या करेशाता ।

মিঃ শেন্ডীর হত্যার **ভের**্ बिश (अपी कका मन्त्र के मुख कनीक मान कुछात (क्या श्राचा क श्रामा खिल क्रा बन्धाकिता ता राज राज अलिल काशहरू जुनलां ८वा पर (ती बानः मामरक प्रशिक्षांतक अवस्थ अरहारक । **लियलकुभाद हाय वनैशास्त्र शामाह कालएक** 哺乳等 [

# ক লিক ভোর মৃত্যুহার

্পজ ৯৮কে - পিল যে স্থতে কেন व्यवस्थात्र महारहरू कालिका स्ट कालात क्षेत्रक कर्म कर्मन में के कहर है है। কোলার পা করী ছাই সন্মাতে স্পাত্রত্য कहर व नक्त कर्रवह मुद्धा करप्राचित्र भारणाता मध्याक मधान अपन करनर गुकु **७३३१८७। भू**सन्त्री ६६ सम् । ६ सन् । े आकास २०० छ ७०० छा। सहयाfor 1

बाबो (महुत्र लिय घोडे। न व्यक्त বালী বেতৰ শেষ অপাধ চন্তৰ ঘ টাকটি ্বচলে প্রায়েল জাতে সাটান লেম ১ই-बारका अन्देन हो नहिन छण्य ३१० हेन । आलः कर्ता शहर-८७, आगाशी ্ভিদেশৰ মানে ক্ৰিক্তি কল লাইন WINATO AB OF 1

্যেরর পদে ২৬ বার নির্বাচিত ध्रास्त्रंद कुक्त्रं श्री अभाग अश्री भिः द्धार्थकाठ ग्रंड पर बन्मन यावर नावना अभाजीक दमप्रक निर्मातिक क्षेत्रा आर्गिटक-- १वन र कर्माध्यक ि कर्षात्रहान व खिलि २७-२४ Lunes munte afreiten ; weife पंगा: .कि.धाव व्यव कविशाद्यत त्य, किनि · "क्षा अध्याप्त कार्य कार्य खावन करिएक्स क्षा । कारने समावक्षणाधीय सन धुन · ' द्रवर्गि । महाभागिय । किस्सर्गति । क्रम्बादिक न । कुकारा न मक्तानोत्रशास्त्र का ∞क (दनी त्रभरमध्य के,शहर मध्य कविद्या शकी क्ष्मकृष्णाका करेंद्रा किनि दमश्रद सम्बद्धाःन " किट्टियम अह अवश्वात्र आर्थात स्थितिहरूम · 明代 明明 5 4 6 图 1 1

### ১৫३ वर्गात्तर युष

्कृतिकान सिर्वामी व्यक्त बाजात करण San बरमक्ष । केलिक बक्रमारम भूतिनीव अलबा मकारणका श्रुष्ठ गार्कि । किञ्चलिम भेजूदब मात्रा आता मास्यतिकात विदेश- विश्वता । देशानीर दिनि वक्तरन चानियाः । ठल्लो त्यदे । अक्षतिय चाराधिक दक्तने हैं हैं विश्वितिहरियन हैं के कार्य दक्षेत्रहें কৰিয়া চিনি কনষ্টান্টিনোপলে প্ৰমৃত্ ক্লাপু বছকে মুধি মামক এক বাজিকে कित्तित ख्यात्र किनि शामेशायक 214 WELLE !

# মেম সাত্যেকে ছরিকাঘাত আনারীর হাত্তবাস

ক্রিমংয় নামত এক বাস্তি লভ कु क्वाब नाट्य रागाया बाटन बिटमम निमि নেলোমনতে ছুলিকাথাত্র অবিশ্ব ক্ষতি-.शां(भ प्यक्तियुक्त क्षेत्रग्रह । ध्यकाण,धृहे चन रहरी(मन वर्षे मण्यार्त द्वाशांत कदिश शास्त्रक राजाव छ। बाब काबीटन का प्रिया (अ दश व हेवार छ ।

efancin .un alucu Biente मद्रभाव्य कृतिशाकितः। व्यथान ্রেন্ডিড্রা মন্দিংগ্রী ভাষ্ট লাম্প্র

# ভাল হিনাৰ ভৈয়ারীর জন্য শেষাংকর তিন বৎসর জেস

अध्य तम् मार्डेर्ड न्याक वन देखियान । रुक्कत शांद अकामेण्डे छिन। खाणाव िकटक अभिरयाश -- म विमादनक मदशा ein wiebich i Gibin fante Gab **ठ**ंद्ध गठिष्ठ इव द्याना द्रिशास्त्री भाक्तिके जिल्ला किन १९गत माम etele G fenten 1

# व्यवक्रमात्र राष्ट्रियादभ ভূঙপূৰ্বে কন্দেইবল অভিযুক্ত

রাম ভাষত গৈং গেলৰ পুলিশের अत्रथन करन्द्रेयम किम। विकश्याम----त्म निरम्बदक भूतिम कथान्त्री दिन्द्री गतिएक मिना अवधी साम ६६८क भारत २०० । हाका भूरनाह व्यक्षामि मान्द्रका व्यव मदत्र मदत्रकामन श्रद क्षारी के प्राथित करा करा करन (मधा यात, तम बद भारत आप्रक व हि कः मृत्य व्यवक्षिक स्वादकारका स्व याप्रभा वहार्यन क्रम्यानि क्रांद्रवा गार्टक्रम

चामायी (सन काम्टड व्यक्तिसंध बाञ्च जन ४६न छ कासम्बद्धिंग खाराम ध्यितिका मालिक्षेत्र काल ना-स्थ्र 41311641.

# वानिकात भना घटेटड शंब " 医对斯里

कमना नहीं देख न बर्गावर्ष वीणिका (विविधायित देशक अक मिल्डिकीकार्यक क्षिण । अपन गमत्र अंकि यां कि का नीत ज्ञा बहेटच भागात्र संत्रवका 'गरेता

ছিলেন। করেক স্থাত কতান বিলাম । ঝোখ পাওল যায় নাই। পরে পুলিখ unin sest nifecte falle fine ere, ce, ain ecue scritt aifen senten vieren

क्षमानी मुगळुती भारक र "

# কলে ব্রেশনের সভার সিদ্ধান্ত প্রেণান কর্ম্ম-কর্মার ক্ষমন্তা ভার

क्रोगः क्रक्**बिक्डिडिक का**श्चमहरत्रत्र उनद व मनम क्या क्या विन किन. रगामनाव कलिकाका कर्ल्यारमप्रमा विस्थय मुख्य छारात किছु अधिनक्षम व्हेशास्त्र । . करे सकत कामका भाग गांक पदमक नांग होस ध्वक्तिकिकि व्यक्तिवा श्वितागना करिया आगिर्फेटिशमा ।

क्षमञ्चल कहे वानंग--() निर्देशकार अभका (२) अनुकालिया শংক্রি দ্বারের ক্ষমাণা (৩) গাইনোক্ষে छै!। स रक्ष्य मियात या क्य कविशास क्षम्का (१८) हानीत्र श्रदाष्ट्रपद्ध विकासन जिन्द्रत परग • । जन्द '( e ) कट्नीट्यमध्यव याकी ज्ञाना व्यक्तिक क्रमशा

আছবিন মাসিক ৩৫১ টকে। প্রয়ন্ত ्याकास्त्रतः भारतः च्याकः, निरम्भागः कवितान क्षमण्डा है। य- ध्वक्रविक्रिकेति व व्यक्तिगटन्छ क्रियः, बन्धाय क्रिया क्रमानेशा द० है। का कका कृषेबाटक । श्रुटका छिन्। कथ आरगव क्षक मात्रक जनमक है। ना नग्रस ८१७राज व्यवस्थी लग मुख्य अधिराष्ट शांतिएम, धाम्प विभिक्ति भाषा चक्र माधिक दर है। कार भवे छ उपकार व व्यक्षायी नम मञ्चन दिस्त नार्विदनम ।

भाडि श्रामार्थ्य क्रमकः भन्नः कं व्यक्ता ভিনি যে কোন প্রেছের কথচাতী মসুপাও कतिएक पाविस्त्रम, भक्षासद्य विकिन्त्या ্চিনি মানিক ৩৫০ টাকা পাইস্ক বেডনের त्मा कविशास मम्बन्ध कविएक गाविएकता

क्षण स्वाह होना शरीख मात्र क क्रम्हिटयुक्ते अञ्चल गण्याक विश्व व्हसार्**स**्टन. ভিনি একণে উল মন্ত্র করিতে পারিবেন बटि. क्षि क्षांति बाटलटि कावास वर्धल बाका हाई । अश्वास्तर्ध विकासन स्वत्धे मन्द्राद्ध डाकारक करूल क्षककृषि निवय भामिता छ्रिएक बहेर्य अपर औ मन्नार्क क्रिकि माना माना वि सम मानावन चिर्कन व्यापान कवित्तन, खार्यगारत 

ध्यदं गक्क नहिन्छन क्षर्याहरूमध्यक करर हाम क मुनलबाब क्या मुपर्यंत करवन है. वृक्त कामक्त विवास कविनव वालामी स्ट<sup>ा</sup>नी साम वालामा कन्मी स्वाम की की की की मब्द्र च इक्रद्रांनीत मंत्रम मद्द्रशक्तिकार वर्ष विषय क्षेत्रण विश्वास के विकिर्क विश्वीस

CARLA ARIA Atelegals an

Beiren aut Bige estemme Bill Aufe wanterne : Boge berregten के प्रमेश के का अधिक के किया के किया के किया के किए का किया के The same with 10 a 10

fofon Billing melle Miller ment कर्नाहरूपटमकः विकास मेका BP418 •हेर्द ।

# कार्गभूत्व मामात्र द्या दिन्तू मर्।ज्ञात (अ**टक्कोती** CISIS

णानम्बामा गल्माक विद्वकि अवस्थ कतात्र शक कथल खिळाण स्रोति ६० द्वाप স্থন নিৰিণ ভাৰত ভিন্দু ইইলিভাঙ व्यमादन रमाक्रीडी क्षेत्र क्रम्य व्यक्तात्रम् गानरक मञ्जितिक ५८० ( ख ) वांतास्थानी (अथात समा क्षेत्रारकः)।

্তিনি নিয় নিখিত সামীট কোনবানীয় निक्षे टारान कडिशार्थम,---"विश्व সম্পার আমান্তে বে ভাবে আম্ভিড कविरान, खाशास्त्र बाल्ड्या ब्रेसिंड विक्र

আমি ভানি উচায়া আমাৰ এক ভাল-PICPA CH, WINIER WCH RIffelle imm कार दकाम क्रम भू केटल किरमस । े बाक्स मामा । हेशाइ क्षु शामि नाम द्व. শাহারা আর্মানে যে অপরাধের অঞ mayer winter, mores er com ficialnest wine de deurin BISTORE PART WINEY WAR THEE \*1168\*\*·\*

# नश्रकाकान जानक कर्मा नर्जनक

SWELTINE WOLFTEN WINE AND সংখ্যাদে সঞ্জাপতিত্ব করিপরালক্তা লীবুর হ্ৰভাগতক বহু সমত বছৰাকেন কল

शासनम्बर्भ अभाषनामध्यः अभीवाधः mer ment bemter mitermer pfeiemen: હ્યું. 'ગારવ-'હાજ છે ખાલેલી આવતની કેલ હવામાં **७३८५ । व्यारमीतिक मनास्मिकः प्रवासन्यकः** 对10代码 "电影" "图7的1次 : 电2세路中枢 (+ 福德斯) CB जनर पन्कतिः नाकः वहेट्डा क्रेस्ट्रकालेनिक आकार कहें। बालक स्वतं करना को वानकानान ROCT WITH DOT COURTS WATER WEN INWINIA MERCE TO THE ME

क्रानां के कि स्राधिक के स्राधिक के

\* 100 ME

# **এ**প্রিপ্তরুগোরাকো জরতঃ

# শ্রীনদীয়া-প্রকাশ

নিতাপাসা বৈৰ্পনাৰীবহ

ञ्जिम् मात्रा शृतः : ১লে মধুসুদন ৪৪৫ ·

# यु करिवद्गागा

ইক্সিনের খারা ইক্সিসের ঈশতের সেবার নাম ভক্তি। ক্রিয়ের শারা স্বীয় দেহমনের অভিজ্ঞেত বিধয়ের অন্তর্নালনের াম জাভাক, ভোগ কিংবা ইন্দ্রিপরায়ণতা।

ইন্দ্রিরে যপায়থ পরিচালনারারা প্রয়োজন লাভের শহারতা হর । স্বতরাং প্রথমেই লক্ষা হির হ ৭লা আবিচাক। দকা ছইএব একটি মাত্র হওয়া সম্ভব, (১) ইণিংগণীশ 🗐 ক্রডের পাদপদ্ম-দেবা কি:বা (২) উপাধিক ভড়দেহ ও জড়মনের প্রীতি বিধানের চেটা। এট উভয় লক্ষা পরপোর-বিরোধী এবং বুংগাং উভয়ের অঞ্জীলন সভাব নঙে। কড়ের কংশীলনকে ভাজক অ-ভিক্তি সংস্থা প্রদান্ত করেন।

ক্লড়ের অস্থাপন অয়ঃ ও বাহিবেক ভাবে সম্পাদিত হইতে পারে। অংহণ অধ্য অন্তর্শীক্ষান্ত নাম ভোগ। জাড়ের বাভিরেক বর্জীকনের নাম ওয়াগ। ভাগেরে অপর নাম ফল্প বৈরাগ্য। অনুচালা, ভাগের ছারা আভাবিক উপাদের। श्री रिक्ताभा नाम रह मा। य अकिकिर करश्री, कष्टकत् **কের মকট-বৈরাগ্যের আ**ছিন্ধ কছে হারগিলাণের ছার। প্রদশিত হয়, উহা অতিরিক্ত ভোগাস্থাসনেশই অন্যন্তানী কুফল अतः **काश्चरिना**लकाती वृक्ष्मिष्ट्रः। यह देवत्राः। साञ्च भजरणजून भरक मर्शन। वर्जनीय ।

স্থাতিরজ্ঞানেশ সহিত ফল্প শৈবাগোর ঘনিই সংক্ষা আছে। জড়দেইমনের ত্রিবাধনের ভলা ভড় উপাদানের আবগুক হয়। দেহমনের সহিত জড়জগতের স্থন্ধ নিদ্ধারণ করিবার চেষ্টা আবহমানকাল চলিতা আলিতেতে। ভোগোৰুথ বাজিব পক্ষে এইরূপ চেটা নিভান্ত আবহুক,মেহেতু এভদ্বাবা স্বৃহ্নপে ভোগ সাধকসক্তব হয়। ত্যাগোমুখ ব্যক্তির পক্ষেও এইরূপ চেষ্টা অনিবাধা, বেছেড় ভোগের হেয়ত্ব এবং নমারত্ব নিক্রণিত না হইলে ভাাণের হেছু এবং উপয়ি সমাক্ নিদ্ধারিত হল না।

ধাহারা অভ্নেহকে আত্মা বলিয়া সিকান্ত করেন তাঁবারা ইক্সিফ অভিক্রতার উপর প্রতিটিত অঙ্বিজ্ঞানের সাংগ্রা জোগের অষ্ট্রতা সম্পাননে চেটাবিত। গাহারা জড়াসভামনকে আত্মা বলিয়া সিদ্ধান্ত করেন, তাঁহারা মনের স্থণ ও তৃত্তি-বিধানের অভ ছুল অড়ীয় ভোগোর অনাবভাকীয়তা লক্ষা করিতে সমর্থ হ'ন। তথন তাহাদের স্থলভোগতাগ-বাসনা প্রবৃদ্যা হয় এবং দৈহিক বৈরাগা জীহাদের নিকট আবল্লকীয় **এবং মদল্ভনক বলিয়া বোধ হয়। এ'রূপ অবস্থায় ভাগা** সম্প্রদার মনের ধারা ফ্র ভোগ-সংগ্রহের উপার নিদারণ করিতে ব্যক্ত হ'ন। এ'রূপ চেটার ফলে এড়নির্থিশেষ অবস্থাকে জনম চরম বলিয়া লক্ষিত হয়। এইরপ ধারণার বশন্ত্রতী হইয়া তাঁহারা ছুল হন্দ্র উপাধিবয়ের সর্কবিদা চেটা নিরোধপূর্বক প্রকৃতি কিংবা এক্ষে আত্মলর কামনাণর হ'ন।

पूर्वक्षिविकान धारः र्याक्षक व्यर्थाः गटनाविकारनत्र मध्य পরস্পর ঘনিষ্ট সুষক্ষ আছে। ভোগসাধন কিংবা নিবিবশেব-ত্রন্ধ প্রকৃতিলয়-সাধন ইহাদের চরম লক্ষ্য। এই উভয় উদ্দেশু সিধির জন্ম উভঃবিধক্ষানের পরস্পর সাহায্য আবস্থক। এই উভশ্বিধজানই ইক্রিয়াভিজ্ঞানসাহায়ে মনংকর্তৃক ক্রিত। ইহারা ইক্সিন্নের সংগৃহীত উপাদানের প্রতি মনের সংকল্প ও বিকল বৃত্তির পরিচালনা হইতে জাত। মন স্থল এবং সুক্ষ উভরবিধ অভীয় উপাদানের উপর সাক্ষাং এবং পরোক্ষ ভাবে কার্য্য করিতে সমর্থ। জড়ীয় উপাদ্যনের অভাবে মনের ক্রিয়া সম্ভব হয় না। মনঃপ্রয়ত জানকে কল্পিত বলা **৪মু, কারণ বাও**ণ ব**ন্ধর প্রতি মূল কিংনা ফুল্ল উ**পাধির প্রতি সম্ভব নঙ্গে। বাস্তব বস্তম প্রতীতি জড়বিক্সান ও মনোবিজ্ঞানের সম্পূর্ণ নিত্য অংগাচর বাাপার। যাহার। স্থল এবং স্ক উপাদিদ্বদের দারা ছুল এবং স্থন্ন জড়ীয় সতার প্রীতিসাধন কবেন, ওাঁহার৷ বাড়ব বস্তুর অফুশীলন অপ্রারোজনীয় এবং অন্তুৰ বিচাৰ করিয়াই এক্স স্ক্রাদিসমূত অনিতা ১৯৪ায় প্রবন্ধ হ'ব।

ভোগ কিংশ ভাগে প্যায়ে যে সমুদ্য মনক্ষিত সিদ্ধান্ত উদিত হয় তাহাদিগের সমষ্টিকে অনিঞা, কিংনা অপরাবিঞা সংজ্ঞায় অভিহিত্ত করা হব। তাহাদের ধারা কথনই বাস্তব वस्त्रत अञ्चलनम् উদ्দिष्ठ किंग्ता मध्य बहेर्ड भारत मा ।

র হার। বাত্তর বস্তুর অফুশীলন আবশুক বিচার কবেন, উল্লাব্য অবিভা স্থোচের চেটার লক্ষ্য কিঞ্চিংনাম্ভ করেন না। তাই/দেৱ তথন প্ৰশ্ন হয় যে, বৰ্তমান দেহমনেৰ ছারা জ্বতীত বাস্তব বস্তব সংগত সম্বন্ধ স্থাপিত চইতে পারে কি না। যে বিভা এই সম্বক্তে লক্ষা করে ভাগের নান প্রারিণা ।

গ্রবিভাব প্রতিপায় বিষণ এই গে, আমাদের বভ্যান দেহ, মন এবং যাবভার জাণতিক উপাদানের ছার, বাছর বছর शांद्र अव्यक्तिनिष्ठे क्रेग्रा कीवनशायन करिंद्राञ भावा याप ্লাংকিব ভাগে আমাদের পঞ্চে অবস্তম্ভারী একং আদেই প্রচোজনত নাং। বাস্তববস্তুর সহিত সমন্দ্রবিশিষ্ট হইতা জীবন यानात साम इमरा किस्ता हो छ। दाता बाजा वाखत दखत জাতি প্রেমাণ ১০৭ হল। উধাই **মূক্ত আত্মার সাভাবিকী** বৃতি। ওধাই এফমাত্র প্রায়ে গুলী।।

८मरा-८भन्क मध्यस्य व्यक्ता करत्। सीव यथन व्यक्तिस्य দেহ কিংবা মন বলিবা ধারণা করে, তথন ভোগ কিংবা কিন্তু নাম প্যোর উদ্বে ভাষারা দূরে পলায়ন করে। লাগ ভাগার কত্তবা বণিয়া মনে হয়। জীব যথন নিজেকে আত্মা বলিয়া জানিতে গাবে,তথন ভাঙাৰ এড়ের সহিত সম্বন্ধ স্থাপন অস্বান্থিক এবং হেয় ধলিয়া উপলব্ধি হয়। উন্নন্ধ নীৰ ঋড়ভোগ কিবা ঋড়ভাগে এই উভ:বিধ বাাপার ২ই.ত স্বত ই নিচুত্র হয়। ভড়ারুনীসন নিচুত্তি স্বরূপোপণ্ডির আন্তুস্ক্রিক এবং জৌণ কল মাত। পাত্তর বস্তুর অন্ত্রীলন মুখ্য ফল। উলুদ্ধ আহোবতমান দেহ ও মনকে ইন্দ্রিরে ঈবর বিকুবস্তর সেবায় নিযুক্ত করিতে সমর্থ হ'ন। অভনেহ मध्यत्र वाता माक्यार विषय्तीलम इव मा । किस 'विनयतामन. আত্মার প্রয়েজনীব'--ইচা কিঞ্চিন্মাত্রও উপলব্ধ হইলে দেহ ও মনের ভেটা ক্রমণঃ চিন্তম্নাখনের অহকুর হইয়া পড়ে। এই-ন্ধন অনুক্ৰ চে 1 ভোগ কিংবা ভাগে হইতে সম্পূৰ্ণ পুধক, ন্দিও ইহার সহিত তাহাদের বাফ্সানৃ**ত্য থাকা অনি**বা**হা**। কিছ এই পাথকাও কেবল উদ্ধ আত্মারই উপলব্ধির বিষয় হয় ৷ অ-বিভাগ্রত লাত্মা দেহমনের ধারা শ্রীকৃষ্ণদেবার

ভাংপৰ্য আদৌ বুৰিতে পারে না। অনিয়াগ্রস্ত ভীব উৰুছ জীবান্ধার দেবার অহক্ল চেঠা ভোগ কিংবা ভ্যাগের সহিত সম স্তান করিয়া বিষম ল্রমে পতিত হয় এবং নিজের অন্ধিকার বৃ্ঝিতে না পারিয়া স্বীয় মৎসরজা-ধর্মবশতঃ নির্মাৎসর বৈষ্ণব-দাসগণের নির্ম্মল আচরণে দোব করনা করিয়া ভীবণ অপারাধ मक्ष्य करता।

# দিব্য দৃষ্টিলাভের উপার

শুক পাণীর ভাগ মানর। অনেকেই অনেক **লোক কণ্ঠ**ছ করি কিন্তু প্লোকের প্ররুত তাৎপর্য অভি অল্প সংখ্যক লোকেরট হল ক্ষম হইনা থাকে। কেহ বা পঞ্চনবর্ষীয় বালকেব না বৃকিয়া 'জল অর্থ সলিল' কণ্ঠত করিবার স্থায় গ্রাম্বাক্ত হোকার মুখন্ত কবিলা থাকি, কিন্তু ঐ অর্থ ঠিক ঠিক বুঝিলা তদমুসারে যে কার্য্য কবিতে ২ইবে তল্পিয়ে আদে লকা কবি না। ইহাতে ভজনরাজে। অন্তিজ জনগণের নিকট হটতে প্রতিগ পাওয়া যাইতে পারে বটে, কিন্তু আন্ত্র-মান-পিঞ্র হুইতে মুক্তি লাভ করিয়া উন্মুক্ত অধোকজ-সেবা-গগনে বিচৰণ করা যায় না, অথবা অজ্ঞান গঠ ১ইতে পবিত্রাণ্সাভের কোনও উপায় নাই।

''ও অজ্ঞান তিনিরাস্কল জ্ঞানাজন শলাক্ষা। চকুরকৌলিতং যেন ওবৈ ৯/জরবে নম: ॥"

স্নোক উজারণপূর্ণক আমর। ই গুরুদেবকে প্রণাম কলি এপাকি। কিন্তু হেই লোকের মিজা**ন' শব্দীর আহত** শ্বরূপ অন্নেশ্র শ্বনেকেই ক্রণ্ড নহি। 'অজ্ঞান' শদে (১) করপের চত্তের হয় ব। ধারিছা (২) কঞ্চেতে আহার-বুদি বা বিপ্রশ্য । ০ / জড়চোর টিমান বা ভেদজান ( 8 ) ্বিত্যায় ভিনিবেশ বা ভয় ( ৫ ) বিভ্নপ্ৰাহণ বা শোকমোহগ্ৰন্তছ ্ট্র প্রকৃষিধ ক্লেশকে এবং ভক্তথ ধন্ম-অর্থ কাম-(मार्फ राक्षाक्रभ देक इंदरक क्षका करता कहे क्षिविध অজে, নেব মূল থকাণের হাজে য়ই বা বরূপ-ভ্রম: অপর চারিটা এইটা ২ইচেড ভাষিত ইইটা পাকে।

প্রশ্রন s প্রক্রি——( ১ ) স্বৈরূপ্রন ( ২ ) প্রস্কুপ্রন সেবা কিংবা ততি বাত্তব-বস্তু জীক্ষেত্র স্থিত ভীবাছার । (৩) সাধাসাধনবক্ষণভ্রম, ৪) বিরোধিকরণভ্রম। এই স্কল কৃষ্টিকা গুটাগা জাবের দুটিকে আয়ুত করিয়া রাখে

> অন্থ চারি প্রকার: তন্মধ্যে স্বস্কু শব্দই প্রধান অন্থ, ভাষান ফলে অসমুকা, স্বাহনৌধীয়া এবং অপ্রাধ নামক অপব অন্ধত্যের উৎপত্তি। এই অন্ধত্যেত্র নাম-ক্ষালোকদশনে বাধা এদান করিয়া থাকে। সদ্ভাক-নিজিড সেব:-বায়ুতে ভাহারা বিদ্বিত হণ, তথ্ন স্থপ্রকাশ নাম-৫য় জীবন্ধবদে স্ব্যুদ্ধণে আকাশিত হইয়া থাকেন।

'আমি কে ?' এই জানটা তণুক্তপে না হওয়া প্যান্ত সম্বন্ধ সাম ক্ষা ও বৈক্ষৰ কি বাস্ত তাংগ না জ্বানা পৰ্যাস্ত পরস্কাপত্রম, যাহাকে ভবন কবিতে হ**ীনে এনং বে আণালীতে** ভন্ধন করিতে হইবে তাহা না কানিতে পারিলে যাধাসাধন-শ্বরূপন্তম এবং ভজনের প্রতিক্ষ বিষয় কি ভাষ্ট শ্বঞ্জাত थाकिरन वित्तांशियकण-अम शाकित्रहै। अधिकरणद्वत्र চরণে প্রণতঃ হইরা গরিপ্রায় ও সেবাবৃত্তি সহকারে এসকল

मा बामिए गातिरम सोविक कांटि कांटि गात 'खे प्रकान-ভিদিয়ারড' লোক উচ্চারণ করিলেও ভল্তনরাক্যে প্রবেশ লাভ সম্ভব হইবে না।

ৰে স্কল বিষয়ের নিতাত্ব নাই তাহার।ই অসং। বন্ধ-জীব সং-অসং-বিচারে ভ্রান্ত। তাই তাহাবা অসংকে 'সং' कान कतिया धवाणालाल भूटेलबना, व्यवनाकार्य निटेखवना, कामना डार्व इरुक्ता उत्र स्ट्रियमा এবং । याक्र ना चार्य चामुटेजममा করিয়া পাকেন। এই ধশ্ব-অর্থ-কাম-যোক্ষাদির বাস্থা কৈতব নামে অভিহিত। তন্মধ্যে মোক্ষবাছাই প্রধান কৈতব। এই কৈতব-চতুইয় অসভ্কা হইতে জভ। अनश्रमीवना হইতে নিষিদ্ধানার, কুটিনাটি, আঁবিহিংসা ও লাভ পূজা-**@ जिल्लामित्र जेमग्र इत्र,** फरन विकृरियक्तरम्या अरलका মারার সেবার মন প্রধানিত ইইরা থাকে।

অড়নীতিশাল্পের উপদেশ উল্লেখন করিলে পাপ হয় কিন্তু পরমার্থশিক্ষক গ্রান্থ ভাগবাড় ও ভাক্ত ভাগবঢ়ের আদেশ অমাক্ত করিলে অপরাধের সৃষ্টি হইলা পাকে। অপরাধ প্রধাণতঃ s প্রকার--(১) নামাপরাধ (২) নামীর চরণে অণরাধ. (৩) বৈক্ষবাপরাধ ও (৪) সেবাপরাধ।

আমরা অতি সংক্ষেপে অজ্ঞানের দিগুদর্শন করিলাম। **শ্রিশুরুদেনে**র চলনে সর্ব্ধপ্রকারে প্রপত্তি শ্রীকার করিলে তিনি শিষ্যের এসকল অজ্ঞান বিদুরিত করিয়া দিবাদৃষ্টি প্রদান করেন।

ইত অগতে আমরা দেখিতে পাই, কোনও বাজিব চকুতে খাৰু৷ মৰেও ভংকালে মে ভাষা দেশিতে পার না, ভাছার নিকট সবই অঞ্চকার বলিয়া বোধ হয়। বেলী यদি ভারাত্তানি দর করিবার জন্ম ঠিক ঠিক ভাবে ছানি অস্থোগচার ও তৎপর ঠিক উবধ প্রয়োগ কবিটে পারে এরণ चरिक हक्तिकिश्तरकत निकंधे गांध, जाहा इंहेल जिनि जाहारक ভাল করিতে পারেন কিন্তু হাতুরে ডাক্তারের নিকট গেলে সে আমুলকী পাতার রুদ চকুতে দিতে পারে বটে কিছ ভাগতে **इक्टूब इानि कांद्रिय ना, अक्षय पूर्विय ना: ज्यात यान दान** दन এ'ব্লপ নিৰ্বোধের নিকট যায়,যে কিছুই ভানে না অথচ বাহাছরী দেখাইবার হাক্ত চক্ষতে এরুণ একটি বিষ ঢালিয়া দেয়,নাহাতে চকু ভাল হওয়া ড' ছবের কথা, বোগার প্রাণ প্রান্ত বিন্ট হয়, তাহা হইলে রোগার মৃত্যু অনিবল্যে।

জীব মায়াবদ চটবার দক্ষে দক্ষে তাহার দৃষ্টতে অক্সান ছানি পতিত হওয়ায় সে অভ্নত লাভ করার দরণ প্রমার্থ क्षशरखंत किन्नुहे (प्रशिष्ट शाम मा। शतमार्थ स्रश्य उरकारक জাহার নিকট সম্পূর্ণ অককারমর। এ'রপ অবস্থায় যদি এট बद्ध और बाउँग, राउँग, क्ठीक्सा, त्रिज्ञा, सन्नर्रम, मार्ड. महिका, मनीटककें, चार्छ, बाज्यामाठे, चिठवाड़ी, हड़ानाती গৌরাসনাগরী প্রভৃতি ত্রয়েদশ প্রকার অপসম্প্রদায়ের নিকট গমন করে তাহা হইলে তাহার কোনও প্রকার মজল इहेर्न मा, कांत्रव , উहात्रा विक्रविशयक भारतार्थकारत्त्र क्तिकिश्मक निवा पतिकृष ध्वनान कतित्व नित्ववाह अक ञ्चताः উहात्तव मनञ्जान जनाव जनान-छानि विपृतिः कर्रत ना : यनि त्म निरम्धे मूर्च मात्रामामीय निकंड शमन करत ठारा स्टेरन ६७ ठाराक व्यक्क अधिक अस्य कतिएक

চেটা করিবে। জিল্প যদি লে সৌভাগাক্রমে দিবাচস্থান সদ্ধ্য প্রকৃত মঙ্গল বা আনন্দের সন্ধান ভাহার। জানেনা বলিবা শুর-বৈভরাজের ঐচরণাশ্রর করিতে পারে, তাহা হইলে তিনি সাম্বত-শার্নাণী-শলামাৰারা ভাহার ছানিটা কাটিরা উशंख व्यासामकतम्याम् व्यासा केतिरदन, मान ভাহার ভগবজ জ্ঞান ক্তিমণ দিবাদৃষ্টি শাভ হইবে, তখন সে দেখিতে পাইনে:---

'সক্ষয় ক্রফের রূপ কবে ঝলনল।' তখন অগতের যাবতীর জিনিব- বিশ্বসাথ নীচরূপে দর্শনের নৌষ্ঠাগ্য পাইবে স্বতরাং সকল জিনিবধারা জগনানের দেবা क्त्रियः।

**बि**निजानका जिन्न বস্তুত প্ৰক্ৰ স্ধিনী-প্রিম্মকুর শ্রীগুরুদের আমাদিগের প্রেমাপ্সনক্ষরিত ভক্তিচকু উন্মোচন-পূর্কক 'হলাদিনী' ও 'স্বিং' শক্তিদার। আল্লিট সাট্টেরানন্দ-বিগ্রাহ জ্রীক্লফের সেবা-সন্ধান গুণোন করেন।

# কৃষ্ণানুসস্কান

( পণ্ডিভ শ্রীপাদ শিক্ষস্করপ রক্ষচারী, ভক্তিশার্হী।

শীবের স্বভাবে আনন্দ অধুসন্ধাকানিশা একটা বৃত্তি वर्द्धमान । कीन मधन क्रमा रेनमुशायमानः मारिकक्षाएउ धाक्रक পুণ নিগতে আৰক্ষ হ'ন, ওখন তাঁহার আনন্দারস্থানম্যী রাডিটী নিক হভাবে পাণিব বস্তুসমূহের প্রতি ধাবিত হয়। জবিং ভ কুকাদেব্যম্থী আন্তমসক্ষণিতী বৃতিটীকে হারাইবা কুফাদেবা বিন্তিনী বহিলুখি বৃতিটীৰ আলাল কইলা ভেগেমী ধারণায दिज्ञ कानास्त्र वाज्यस्थातः निश्व दशः। ६२८४१ ७३ स्थः, রুষ, শক্ষা, গন্ধ, স্থানী বিবয়ালিকে নিজ-চোগ্য জনে করিয়া খালবাগ্য অনুমন্ধান প্রিভাগ্য কান্যা কেবল রক্ষের कर्ण्यान्य । १८५८वा । यसकीत्राम । १९भितः विवटातः व्यस्यम्बानः । কৰিতা পাকে। জাৰ্যা এক বস্তুমা এই অনিভা। অনিভা বস্তু জাৰাণে সংগ্ৰহ উপানেশের ভাষণাত উপধানি কয়িতে ছানি পড়িলে সে ক্ষক্ষ চল, ক্ষণতের যাবতীয় বস্তুর ক্ষণিত ক্ষণন্দ প্রদান করিতে পারে না। অনিতা বস্তুর হৈছা কাৰেন তাল। ইললে তালার প্রমণ্ডল ইইবেন। ভিন্টী অবস্তা-পুর্ণে ছিল না, বর্তমানে আছে, ভবিতাত পাকিবে না। এই প্রকার ধর্মবিশিষ্ট বস্ত্রই ক্ষনিতা। এই অবস্থাত্রয়ের কথা স্কণ্টকপে বিহার করিলে বুধিয়েছ পারা নার, 🏻 🚉 চিত্রসানেরের অসমার্ক্তা করের 🔻 কথা বিচার **করিলে** বস্তুর অভাবকালে অভাবভনিত ছংগ, বওমনেকালে বস্তু নষ্ট 🌡 জীবছাৰে - গ্রাহার উপদেশের অপুন্ধ ৮মংকাল্লিডা **উপল্**জি इटेश साम्यात स्थापा निवस छत्र जन् महे इटेश स्पर्ध उन्तर প্রেছ। এলাভ হট্যা পাকে স্নত্রাং অনিতা বস্ত ছাব, এর এবং 🍐 েদশ করিয়া ছীরখণের প্রতি যে কি প্রকার সরা শোকই প্রদান করিল পাকে। এই প্রাকার অনিতা বস্তব । বিশ্ববি করিলাগুনু ভাগা আঠচতভাইক্ষর বাতীত মায়ার লাস-প্রতি আসক্রিট জীবের বন্ধনের এবং নানাথাকার চংগাদি। গণ বুনিতা উঠিতে পারেন না। लाश्वित कातल बरेना शांदक। देशक्यारावत श्री, शुक्र. পরিজন, ধন্ িছা, কুলাদি সকলই অনিত্য স্নতবাং ইহারা কেট্ট দীৰ্বকে াচেত আনন্দ প্ৰদান করিতে পাবে না। অজ্ঞানারত জীব ভাষা বুঝিতে না পারিয়া জাগতিক অনিতা বিষয় ভোগে শান্তিপ্রাধ্যির আশাষ বচ প্রকার প্রধাসবুক্ত হয় ৷ সেই প্রকার ছোগপ্রগাসমূলে জীব গত্পকার বস্তর অনুসন্ধান করিয়া পাকে কিন্তু জাগতিক বস্তু অনুসন্ধান করিয়া। এবং রুঞ্চপাদপল্লের অনস্ত চিবৈভবে আকুই হ'ন। জাহার 🐠 বতকটে লাভ কবিলেও পুনরায় হারটিতে হয়। সেইপ্রকার च्यानकारन क्षीरतत छात्र छ सक्षण वा भाखि नाहे। वश्वकीतश्व নানাপ্রকার অভাবে অভাগ্রন্ত। কোন একটা অভাব দুবী-করণের জন্ত কোন বস্তব অন্নসন্ধান করিয়া পাকে। বছকটে ট্রা প্রমণান্তিময় হুখালোকে ফুক্সেবার্লে, নিম্পু ছ'ন। সংগৃহীত সেই বস্তুটী কণিকের জন্ম অভাবের নিবৃত্তি করিবা পুনতার তাজার বিনাশকালে অভাব আন্ধন করে। বিতীয়তঃ প্রেম। সেই প্রেম্ট জাবেশ একমাত্র পরম প্রার্থন। কোন একটা বস্তুর সংগ্রাহ হইলে সেই বস্তুর অভাবজনিত জীবগণ সেই পরমার্থ ভূলিয়া অনুর্বের আশ্রারে অনুরিজ্ঞাল

ত্রিবিধ তাপেতে সর্বাদা ক্লিষ্ট হর।

পরমদ্যাল পতিতপাবন খীবৈত্তমূহন থীসৌরমুশ্র জগন্দীবের প্রকৃত মললের বার্তা জানাইবার ব্যক্ত বাং मनाबंदन कृत्वादक व्यवजीर्व इ'त। यज्यन बीदनन वर्गकृहत्त ु শ্রীচৈতজ্ঞের মললম্বী বাণী প্রেবিট না ধ্য ওওকণ জীব कामजारक हे मध्य तिवास वतन करता। द्वीरे एक कुनाकन । লন-জনগণ প্রার্ভ মঙ্গলের অনুসন্ধান পাইয়া অগজ্জীবকে ভাগর সম্বান প্রাণানের কম নিটেডেরমাণী **ফীর্ডন করেন।** योशवा जागवान् कानातारे औरिष्ठक्रव्यवास्त्रभवनशास्त्र क्रियूच-বিগলিত ভন্ধ কীউন্দাৰণে অম্বলগালিকে বিনাশ করিয়া প্রেরত মহবের পথে চলিতে পাকেন। ভাগাছীন অনগণ নিজ কন্মদোনে অমৃতকে বিষ ব্যানা মান করে. এটাতভক্ত-বাণীতে গ্রিড়প্ত না ছইনা অচৈতক্ত ভগভের বাণীবিলালে গ্রমন্ত হল এবং কীল মহুলাজান কবিক্লামূভ পরিত্যাপ করিয়া িনয় দ ভক্ষণ কৰিব থাকে : ভাছাতে আন্মান্স না হট্ট্যা 'পাত্মাবনাশই ঘটে। জীতে ৩ক মহাপ্রভু জীবছাবে প্রাথী হইলা ' ভীবকে প্রার্থ শাভিব রাজে ঘটনা ধাইবার জন্ত মন্তব্যু সভজ বাজকী পথ অবিকার করিয়াছেন। এই **মড়তপুর্ব-**আনিশাৰ বাৰ্ত্ত। জাঁবের ছারে ছারে গোষণা করিবার জঞ্চ क्षीति : . ताल क्षी अक्रमानाया महाता १५ देखा क्षिरे 5 देखा উল্লেশ্ররণজিল সার কৌয়েভ মহাম্থিকলে যে উপদেশটী বড়মান সেটী আৰু হিছুই নঙে, কেবন কুঞা**ছুন্থান।** ভাৰবুল আন্দ্ৰেল ওকু আম্বৰ বৃত্ত অতুস্কলে করিয়া**ও শাভিত্** সন্ধান গানি না। তাই শ্রিক্কটে তত্ত মহাপ্রত্ব সন্ধান্তাভিকে অনুস্থান কা াবে জন্ম উল্লেশ প্রধান করিশেন।

''লীটেড রম্মত হেল সম্মান্ত বিচার।

বিচাপ করিপে চিত্তে পাবে চমৎকার ॥" কারতে পাশিবন াংনি ভীবকুলকে কৃষ্ণাছযুদ্ধানের

ক্লৰ প্ৰিপূৰ্ণ চেড্ৰন্মৰ। ভাঁহার লাভে জীবের গরিপু চিমেছন লাভ िरेष इताज विकास এই अঙ্বৈত্র। अঙ্বৈত্বে বিষয় প্রতিফলনই स्रोत । १ दिवस्ता अत्र हेशाला । अभाव अधिक अधिक না পারিকেও জাইচতভাত্বগ গণের কা ানা তি অভিবিক্ত इहेगा जन्म जन्म नवन कड़रिकट्रन द्वाक विवास भारत्व भ আর্টি রুফ্সেনা প্রাণ্ডার পরিপূর্ণাবস্থার ঐপুরানিঞ্জি কুক্তপ্রমারটিকে তুল্জীরত করিয়া বুক্তেরিমনীভিরালার নিয়ত রহস্ত উদ্ঘাটন করেন। তথন জীবগণ ক্রমনোবারদে প্রিছরে

इक्टनवात्र औरवज्ञ विमन आनुष । अनुश्च विमनानुष्यके চঃখ সাম্ভিক নিবৃত্তি হইলেও সহল সহল অভ অভাব হইতে মানাবিধ হংগ ভোগ করেন। মারার স্থানে সারার ভীগকে আজমণ করে। এইজন্ত লাগতিক বস্তুর অনুস্থান নাজো বাস করিয়া মাহিক বন্ধর অনুসন্ধানে <u>বাছত শ্রাক্তিক</u> क्तिरङ नित्रा और व्यक्क्ष पूर्व वा विभिन्न नीव मा । कीरवत्र वीवनन स्काम विमर्द नाहि नाहिर्यन मा । बीवनन विद्याल

175

माताजीक भत्रमभूत्रय क्रिक्काटलात व्ययभाग ना करतन, इकारमदारक श्रवर्ष दनिधा दशा ना करतन, ७ छपिन छीरतन व्यक्क मंत्रन नारे। श्रीवंदिकका वयम ब्रीटेकक कराएम यदा नीकिष्ठ र'न छथन माम्राणिभाष्टीत कवन श्र्टेरन उन्नात লাভ করিয়া প্রকৃত স্বাধীনতা এবং প্রারুভ স্বরাজা লাভ क्तिता गकानमी र'न। क्रकास्त्रशानरे जीरतत अर्गभवन श्रीमात्मन धक्रमाख मन्नम महस्र श्रीमण्ड भर्य। ८मडे भर्य পরিত্যাগ করিয়া বিপথে গমন করিলে জীবের কোনদিনই মকল লাভ হইবে না। অভএব প্রীচৈতক্তপ্রেষ্ঠ শীর্মপান্তুগ 🕮 গুরুপাদপদোর আহুগতো রুফাম্পুসধানমন্ত্রী চিব্ তি অবলগন পূর্মক ফুকেতর বিষয়াপ্রস্থান পূরারাপ অনর্থ দুরীকবণের ৰম্ভ সরল প্রাথ ব্যক্তিমাতেরই সা-ন পথ অবলয়ন করা একান্ত কৰ্ত্তন্য।

# গ্রন্থ পরিচয় শ্রীমন্তাগবতম

শ্ৰীমশাহর্ষি ক্লেবৈপায়ন বেদব্যাস-প্রণীত সুস, শ্রীমন-মধ্বাচাৰ্যা-কুন্তা ভাৎপৰ্যা-নিৰ্ণয়টীকা; শ্ৰীমদ্বিখনাথ চক্ৰবত্তী অভিশক্ত তথ্য ও বিব্রত্যাদিয়ক। প্রতি ছদের জাদিতে দেই ক্ষের প্রভিণায় ক্পানার, মধ্যারের প্রথমে ঠ অধানের দার্যহ ছবিস্বত তাংপর্যাদি বিবৃত। খোকস্টী বিবরস্তী, অধ্যাহনিবরণ, পাত্র ও স্থানশ্চীনত উত্তর ভিক্ষাত্ काशक डिक्स बकरत मूजिछ। क्षथम स्टेटम ५-म इन भगाष कामा व्यक्तिरण त्मन इवेतारक । विकास लागन क्टेट्ड क्रम क्रम भगाब २०१४ : स्थम दस ১०. : **এটি টেড কাচ বিভায়ত** 

আশ্রীমন্থতি বিনোদসাকুর রচিত 'অমুভপ্রবাং ভালা' ও ্ট্রীনিবজিনিদার সর্গতী গোলামী প্রচলার চিলিড 'অমুভাষ্যে আতি-মুত্যাদি বহু শাস্ত্রমাণ-সম্বিত চইত প্রকাশিত হইরাছেন। স্লোকের সাধ্যবাধান, বসায়বাদ 🤉 প্রাতে,ক প্রারের পূর্বে সংক্ষিপ্ত অভিনেয় সংযোগিত। উৎকট বালাই, রাজবালব (ভূতীয় সংখ্রণ) গ্রন্থের প্রভ্রেক অধ্যায়-প্রারম্ভে কর্ণাসার দেওলা অভে। প্রোক্ । ভিজা ২ টকে। পরার, শব্দ, স্থান, পাত্র প্রভৃতির অবৃহৎ স্চী ও এতকাবের িছত জীবনী সম্বিত এইরূপ অভূতপুর্ক সংস্করণ ইতঃপুর্কে কুঞালি প্রকাশিত হয় নাই। উত্তম কাগতে পারিপাটে র সহিত স্থা • সকরে মুলাংশ মৃদ্রিত হইরাছে। এত প্রার ছাপা। স্বিকৃত টাকা ও প্রাঞ্জনবদান্তবাদ-সাতায়ে ১৫०० शृहेशि मुल्लात । भिन्ना वर्डमारन द् माज ।

### <u> এটিড রাজাগণত</u>

গ্রন্থকারের জীবনী, প্রাতি পরিচ্ছেদের কণাসার, বিশ্বত ुशोषुरित क्षांना, भन्नपूठी, भनात्रप्रही, विशेष-छान भावाभि-क्ष्मी, क्षाकृष्णि विविध विश्व मधनिक विद्रार विकीच मन्द्रशत ভবুল ক্রেডিন ৮ পেলী আকার। আদিণালা ও মাের किश्रम्भ क्षकाभिष्ठ इहेशार्छन। कारम कारम कारमिल হুইডেছেম। ক্রিম ভিকা ে টাকা, আদি শীলার किया ६ ।

**এই গ্রাহের এরপ ক্ষতিনব ক্রন্যর সংকরণ, আ**রা কুতালি व्यक्तभिष्ठ इत्र गाहे । त्रश्युक द्वाकारदभय व्यवस, वन्नास्वास, ভাষা, কথাসায়, তথ্য প্ৰাভৃতি সহ খণ্ডে গণ্ডে প্ৰাকাশিত क्रेब्राट्सन । मून द्यांकि चिक्ट्स छवेश काउँन चार्टेटनकी बहनाकारत कीला क्षेत्रारक । भूमा २१० ग्रीका । मधीवा क्षमान ७ दगोड़ीरमम् आर्कनीरमम् भरक अन् हामा ।

# শ্রীল প্রভূপাদের বক্ততাবলা

ও বিষ্ণুপাদ এতীমন্তবিকসিদ্ধার্থসন্মতী গোৰামী মহারাজের বেই অবিজা নিধাংগিনা की वाषायकत्यात्यामिनी क्रथ-कार्का सम्मातिनी कावल-नावात्र भूक-निश्रष्ट—देवकविकास सङ्ग्रहमात्राच (कोष्र अमनि-मण्यानाग देव इनिकामाणारवत स्मीतिक कुणा-लक्षतात ० जाण रहत अभवत थक-भवाजन की मन्ति ह-भिन्क-पिरिवार किया व व्यक्तिमान-विकातक---क्षेत्रमा ६ मासुनातरमत हमोद व हारवनशहरी -- मध्य, व्यक्तिभ्य ७ शारमाक्रम परवृत्त विद्याप

> 1 **소리의의 의연 — (대한**경하세시, 라이어 등병, 와이어-धर्मा, ब्लीमभनानिकाम, है। यार्च बानशी, बाक्षताहिकी ही छ। **७ वर्ग-विधात, काश्चा-क्षां ७ मस्मानक्ष, ै.हे**डण्डसन ६ ভাগ্যা শিকা, অপ্রাক্ত সহজ্ঞার ও প্রেড স্চক্ষ্ ५० नात का ना ।

১। দিন শীহা **শগু**— শুদা ও বিদ্ধা ভক্তি, মনুযোৱ माधानांग, जीरशील-निष्ठामिक श्राष्ट्र, जिल्हान संध । क्रमा-ইঞ্র-কৃত সারার্থদিশী টকা, বলাত্রাদ, সংস্কৃত অধ্য ও বিক্রিন, জীব্যাসপূত্রে ত্রীমধাণবতের ক্রিন, প্রিনোন- — অভিবেদ-নাধনভত্তি—বর্ণ মান-আত্ম-ধর্ম ভঙ্গাছ ধানের মহিমা, মহাপ্রালাদ, ভ্রিলোরিক, ভ্রিলোরগভ্রত্ব-প্রপ, জীনাতী সূদ্র প্রদান্দ্রী, উট্টেল্ডরের দ্বা, প্রেটিক্রন দ্বা স্কুচ্ছ স্কোক্রিক স্থান্ত উল্লেখ্য ক্রিক কান্সলে রোঞ্জ ও রক্ষমকা ১৮০০-১৯৯৭শ অপুকা মধুরিম।পুণ-বঙ্ভে। বিচুধিত। | সু ক লিতে সুদ্রিত, উৎক্ষ ধারা বোনাল হ'লে মাম বেখা। €.**\***\*

> थालम । विवेह — ठरे श श अकटल शहेरण (करू) (म ६ है। दा, इति १५५ घटरू।

# 🛍 ম হ গ্ৰহ গ্ৰহ

८शी श्रीय-देवसम्बन्धान निक-दनशत है। हें। मन्द्रिमान 1981 क्तमक्त खारा । योगद्धिनिरमाम रेग्यु त्यत श्राक्षण नक्ष-ভাষায় বিভূত 'বিবং লেন' নামক ভার্যুক্ত। অধ্যায়-হুটা, বিষয়স্টী, ও প্রতি স্লোকের প্রথম ও সূতীয় গ্রন্থ কের ভিক্ষাদ আনা মার। পাদ সুসী, ভাগুৰাবেৰ শীৰনী প্ৰভৃতি সম্বলিত।

# প্রে যেয়র ক্লাবলী

ইট্যমালদের বিজাভাগ-প্রাণীত বৈক্ষাবদর্শন, সন্দভ ও বোধিন্দ-ভাষ্যাদি পভিযার প্রথম গ্রন্থ। উৎকৃষ্ট কালিতে। প্রেচ ১৮০ টাকা মতে। খতি সহতে সাগকেরও বোদগমা হইয়া থাকে। ভিকা । 🗸 । আনা মাই।

# **बीनत्वोश्राममाराष्ट्रा**

( এমংগ্ৰন্থ ) সাম্বাদ। জাতি-শ্বত্যাদি এতে জীনব-খীপের যে মহিম। বাদিত আছে, তাহার মূল সংস্কৃত ও অহবদে। ভিগাত খানা।

### ানগদীপভাৰতরক

আফাকুর ভঞ্জিবিনোদ গৈণিত। হলণিত গাঁডাকারে পরিক্রমার ফরবানি বিবাফ। ভিন্যা• আনা।

# ভব্দির্ভাকর ও নম্বীপ পরিক্রমা

প্রীল মনুহরি চক্রবর্ত্তি-ঠাকুর রচিত। ভক্তিরভাকর চইতে পরিক্রমাংশ মাত্র গৃহীত; 🕮 দীব গোস্বামী কি लाकारत शैवनवीलनारमय मात्रकमा कतिवाकिरणन, आशहे পতে বিবৃত। ভিকা । ত আনা



<u>শূরীচনরের</u> গ্রিক ভিত্তিবিদেন্ত্র সাক্ষর প্রক্রিছ निया शर्मायो --- हुन्तर, क्रमध्यक्ति अ तम -- वक्त अ मुक्त कीत-অতি গা-টেল গেলে ওর্লন্দান্ত নির্ধান্ন প্রয়োজন্দ্র কর্মন কাও, নাংমাদির বিচার-ব্রী ভতি, ভারচজি 🌞 (श्रम इंटिनक भाग रक्त-शाली क खेकावाल भीका-প্ৰিচয়ালি প্ৰথম শিকাগাৰ উল্যেখ্যী করিবা সম্ভল ভাষায় সমুদ্ধ হৃতিক গ্রান্ধ্য লিখিত আছে। ১৬% সংস্কৃত্র সাঞ্চ २, केंक्क्रि, व्याराश १५० केंक्रि महिला

# (भोड़ीसकर्शकात

किट्नी डीय देवभन्दशहरत कर्ष धात्रभव्याश्व প্রাকৃতি বিংশতি সংপাক রাছে জ্পোভিত। ভিজা মার জাতি গৃতি পুরাণ-গগরভাগি যাছত-শাসসমূহের প্রমাণাবরী বিষয়বিভাগকমে সায়বাদ ও ফিত। এইরাগ বৈক্ষৰ-া মতা করাণি প্রকাশিত হয় নাই।

কোপায়, আন্মাৰ নিত্যসূত্ৰি, শ্ৰীনৰ স্বামিপাদ ও ইংগতে ওণাত্ম —ভাগৰত বৈধ্বন —পৌৱ – নিভ্যামন্দ— व्यक्ति । अस---शक्ति ---- अन्यक्ति -- व्यक्तिकाट्यमाट्यम — ইনিম – প্রায়েকিন ও গ্রেম্বিটার্য প্রথক স্বান্তর গ্রহ প্রায় ৪০০ প্রার সম্পর্ণ ভিন্ন ২ টাকা মাত্র।

# खीन की भगाय- धार्मनजी

ইবিস্থলিকাৰ ভাত্র লডিভ বিষয়বিংখ্যা---পাম-াল্যারে মারুলের মেনার অভ-জীল সর্ভরিভ্রত্তী পাঁৱ বের বাল বালিল - - ইলেম নৰ্লাগ্ৰ বিজ্ঞা--তীৰ্থ-- জানং প্রোধানকরত নব্দীপশতক্ষ---শ্রীমছডিবিনোর ঠাকুরের শ্রীনবরীপ আবতরঙ্গ প্রভৃতি

# এইবিনামামুত ন্যাকরণ

এফীৰ গোসামী প্ৰভূপাৰ-বিয়ণ্ডিভ হঞ ও বুদ্ধি, ওংকে উবিদুলাৰ জীমছাজালদ্ধান স্বৰ্ভী গোলামা মহারাফের শিস্তুত ভূগিকা ও ফুটী প্রভৃতি সহ। অপ্রভাশিতভাবে হুগদ। ভিকা ট্রকা, ছাত্রনবেশ্ব

# বেশাস্ত ভ্রমার

শ্রীমক্রমাজ্য চাধা-রচিত। বেদাভের বিশিষ্টাগৈতবাদ-প্রচারক ট্রালায় প্রণেতা অ'চালাপ্রানৰ বেদাসদর্শন পাঠের উপযোগা কর্নাথ এই উন্নয় ক্রিয়াছেন। ইহালে वश्राञ्चल । एजेश्रञ्जामि मःलाशिक कहा इदेश्राह নাম মালে ভিবা ॥০ আনা।

### শ্ৰীটেডকাচজামুভ ও ন্দ্ৰীপ্ৰভক

পৌরপার্যন ত্রিপঞ্জী আমং তালাধানন সরস্থতী প্রতিত भूग, टानुभार खीमन् अकिमान् मन्यदेशै एता प्रामी महानाम मुक्तांपिक कादरपुर्ध वराया एवं वकाद्यतीन मध्यिकां ন্ব্ৰীপ্ৰত্কের জীভিজিবিন্ন্দ ঠাতুবেৰ প্ৰভাৱৰ ও ভূৎসূত আন্মালাপ্তার প্রকী ডিগ্রেডিড আনৌকিক চিঞ श्रापुषु इडेशाएए। भूग्ल ए कालक देशकरे ( २ श्राप्ता তেক্তে ) ভিক্ষা ৮০ সানা, অতি গুল্লা বাধাই **বালসংভন্ন** ः हाका गाज

न्दिकष्ट को दिवान मेहिन खानाचा एक एकमाल शहर ब्राक्षा लाग लाज करें । शास्त्रार्थिक तारका किहरहरें আতাৰ বা লগত পা भवाभ भूत स्थानसम्बद्ध उद्देन भाषभवत ए शब्दा सी अप यो प्राष्ट्र व्यक्तीमा इस माहै বিলি কলোজনাম কালেন্দ্ৰ চাল্মদন্তকে । তেওঁ সংগাদিক कि बाह्य अध्योद्धान । अस्तित श्रीतवृष्ट रुप्त, नवीश्रीत के और प्राप्त किएम र अपने केशा नरेगार्टन । जिल्लीचे अले, ্ষ্যান্ত্ৰ জন্ম নাম ত্ৰুপা, ভিংগ্ৰ বাব্যিল চভুগ সংক্ষা 51# STTE .

### क्षा है है

প্রিম্যালাপ র সাত্রক থাসন প্রান কর্মানক প্রান্ বিপানত চত্ৰা প্ৰথম কৰি พาธิพฤ พิเศษท สิสทาก 7 (An) 9 - (12 - 5 An) -বশ্রুর কর্মালয় <u>।</u> প্রারণ প্রারণ সংগ্র প্রথম ব্রাপ্রিম্যান-র্ভ লাও তারুখা সাঞ্জন আভ্যার র√ । ছিলান • প্রানা মার্লি 神典 對[4] 不[图]

#### ग्रजनात सु

স্থানত্ত বিধান প্রকেষ নি এটে । এইপটেন তা লেভ প্রতির **८क्क तुब्धिट्ट** रहातिहरून गाउँ । पूर्णांग शास्त्रत । प्रियोग मन् ।

### श्रीया भां हुखा भां न

ে সংখ্যাসুন্ধ স্থিতি জালিকার সংখ্যারের সুপে আমেলসংগ্রন্থ শ্রীনাম-মাঞ্জার, নুলিছেল। মাস্টার্পন च स्वाभीत विकार चित्र चित्र विकास स्था । स्था विकास परिवा আছি সম্ভালগ্রহ হৈ হৈ জালেখনত প্রিণেডিভাবে মুডিটে। ब्रील ओक्टिस्सिल हो पूर्व संप्रदेश हैं। १००० वर्ष प्रकार ५०

### 都利丁(4つきしか

প্রিছাজনি দে সংগ্রারতি হব তাল্ড ভারেদ विकारी ६ कामप्रदेशक भागाकत उक्ताक कारणामनीय উপদেশাস্থীপূৰ্ব ঠালি এছা। সামাপ্ত ব্যেষা ড়া ফালা ্লাতে এ এই ভাগনায়েলের পাতিব্যুক্তর হারা আনপ্রিস্থিত াও শুলুৰ। হে, বা লাভ কালবাল কুৰি । পাইবেন। ব মুংস্পুণ, (৬ফ) ে আনা নাত্র।

#### A . 5 1819 5

্ট্রীমন্ত্রসূত্রব্রাধ সূত্র রাজ্য । ভালেরেন আল্লেন্মার্লিত বিজ্ঞান্তি, ভণ্নলাগ্রা, মচুটালে শ্বামানি ও লিভি গাল্যা বিষয়ক গ্রীতিপূর্ব, ভিকাসক আন্যামার ।

### **शिकान**ी

্লিষ্টাকুর-ছড়িনিবেল্ল প্রতিত নিশ্য ভ্রমন, প্রায়েট রক 😘 जामान-दावनाहि-वि प्रव न्यून विरुद्ध उक्देश असिए। ভিকাঠ- আশা মাজ।

### গ্রীসম্বর্জকর ক্রম

ं वृत्रिकसूत्र एक्टबोनि खेनियनाथ ठका थी शहरा-বিশ্বতিত ব্যাহারণ শ্রীমন্ত্রিবিলের সাজুরের অঞ্বাদ-সহ ৷ ভিক্ষা ৷ স্থানা মাতে ৷

টীমল্টাপ্র শিক্ষা ও শ্রীণ রঘুনার দাস গোস্বামীর छाडि क्षेत्रन त्यात्राचीय डेन्ट्रम्यानी, छोक्न्यम व्यक्तम ও প্রতিষ্ঠান বিষয়ে অবিদারিত স্থান্ত্রণাদন ভাগে, বিস্কৃত বিবৃতি, চরিত মুটের প্রমাণ, সংঘ্যা ব্যাথ্যা ও সহাজ্য-প্রণীত ওচুপ্যোগী গীতমমূহ প্রাধ্যেক স্থেকর সহিত্ যানিবেশিত ভটয়াছে। তা সংখ্যৰ ভিষ্যান 🗸 শানা।

#### अभिग-कर्

हैं त्वयुन्ति नाम एपाय मेज भन्दनिया, जीव भिक्त ভাজিবিলেদিটারত গ্রায়ুবান্সহা - কিবা ১০ আনা 1

# প্রেমতজিচ প্রিন

শ্রীল সার্ভ নলেও মের জালানত গ্রেমভভিনিলেক Lettera magazi - factor a mar ma

#### T. 图121 图 5年

Bोन शंक्य ভिकित्तरम य ६७६ Bun लास्याधानम স্তানে । বিশ্বস্থিত বু স্বস্থতীৰ চেশ্ব সংস্কৃত লা খীপ্ৰত্যক্ষ স্থান্থিত। প্ৰায়ুক্তি ।

#### অর্থপাঞ্চক

का अपरमञ्जू व्याक्त टींग लाकान्यां नी ল্লেলের অফুলা বুক্তক - শিক্ষা ১ জান

## স্থাচারারা ৬

শ্রীন মধ্বতে ব্যা-প্রাণীত। বৈস্কৃত্যের ভিত্ত।কীশ্বাদি স্বলাচারা বলী, জন্মবদ গৃহিত। ভিজাপ আনা মাজ।

### मिथिय अन्ती

क निकुभटक मती 🕒 यहातातात्र गाउँ । 🛣 सम्बन्धाः চাল্যের সংশিশু জীবনলীলা ও মূল বৈ চাংঘ্যাতঃ সাঞ্চাল करो। १ ८,०३ महिल

# ८भोतक्र स्थानन

প্রাচীন কবি নিবেংবিন দেব ব্যাহ ইতিগোপাসভারের কি গানি মাজ। ্যেল্বেল্-স্ব্লিভ স্ । ১ছ। (১৯১५ আন)।

# যুক্তিমজিক। গুণদৌরও)

গ্রীনধ্বশাস্ত্রপায়ত্র প্রমার বিবাস কর্মেক্ত। বসাক্ষরে माधनीक एक आर्यत धाकाल शातमाणिक माहिएक कर्ट्स एके मुख्यालय । िमध्यस्य (ठाप) क्टेटल (राष्ट्रमानक्षम विल्हीस মধ্বচোণা নামে প্যাত জীব্যবিভাততীৰ স্বামী এই প্রছে ८५ : १ १ के ९ स्थाबिक छाग्रधमास्त्र किक्षत्र स्वयंत्र हास्य ্তিন ধরাবি নতবাদ সমূহ পাওন করিয়াছে, ভাহা পাঠ याजा ठार्नात्, टेबन, ट्राफ, मीमात्मक छ मामानानिमण-সমূদের হুকর খণ্ডন রহিয়াছে। ভিজা ২, টাকা মাতা।

## (भाषामी आन तघुनाश मान

ে বিকুপাৰ শ্ৰীণ ভঙিংশিদাও সরস্বাচী পোসামী প্রভুগাদ-লিনিত ভূমিকা মহ ) পৌরপ্রের অন্ধণ-মণের ध्वमाज श्रिष्ठिम श्रीत काम (भाषामी श्राह्म अपूर्व চরিতানভাও শিক্ষা আতীৰ প্রাঞ্জন ও সরবা ভাষায় সমিবিট এবং পরিনিটে দাসপোখাখী আহুর বিষ্ঠিত কএকটী গাফুলাল মধুরতম শ্বৰ ও মনংশিকা-স্থলিত। ভিকা नाताह ॥ जाता, जावाधारे । । जाता माजन

# চিত্রে নবদ্বীপ

লাচীন নবরীপের অবভিতি, তপা, ঐতিহা, প্রোত 👁 ঐতিহাদিক প্রমাণস্থলিত নয়্টা মীলের স্চিত্র বিবরণ-গ্রন্থ। রাঞ্ধিরাওণাংহর কুমার তীগুক্ত পর্দিশু নারামণ রায় এম, এ, প্রোক্ত (লাফোর), বেদাক্তভূবণ মহোদয় কর্তৃক 🧈 স্থানিত এবং ৪৭ থানি বিভিন্ন বর্ণের অপুর্য চিত্র 😘 নানচিত্র-দুমবিত; প্রাচাবিভাস্কার্ণৰ রায় সাহেৰ 💐বুক্ত নগেন্দ্র নাপ বস্থা বিশ্বকোন্যালক মহাশরের বিশ্বত ভূমিকা भग । উरक्रेट (हेर ) मतरका नात्र मुना अल्, कि**: लि: एक** २ हैं।क माना

# मानग-कर्रभागा

छत्वसमा, देनकव-वसमा, देनकवश्वत, प्रामारणत्र ग्रीख, শ্রীনাস্থয়, শ্রীমন্মহাপ্রান্তর অটোত্তরশত নাম, অইপ্রেছর गामकी उन, जीनामगदीकन, ८ श्रम्यनि, वाडेनम्बीड. নব্দীপ-মতিমা, জীমাবাপুর মতিমা, জীনরো রম-প্রাপুর অটক आहार्या चनाना, यहुत्भाशामीत करेक, त्थ्रामहिकिका, B प्राप्त नामा नामा अम-व्यवाधी, महावाड e त्रात्र तामानक मन्त्राप. मन्द्रानिका. शिक्षकाशाणि, शिक्षक-नवन्त्रवा, নং প্রার বন্দনা প্রাভৃতি সাধক ও সিদ্ধানীবনের নিভালাঠা, বৈদ্যবণ্ণের কণ্ঠালিত তুল্দীয়ালার স্থায় মহুক্ষণ করে গ্রন্থোগ্র সপুর এর। ভিক্ষা 🗸 ০, বাগাই 🕪 মাত্র 🛭

# ८भोष्ट्रीय-८भोद्रन

ব'নকাহার স্থানিদ্ধ আলবাট হলে গৌড়ীয় সম্পাদক क्षीपात सम्बन्धानन अविविधाविद्यापन्याप्त बक्रस्टाम विश्व গ্রন্থকানে প্রকাশিত। ইহাতে গ্রেড়ীয় বৈক্ষবদ্<u>রপ্রদা</u>য়ের ই হিংস হাজাকারে গ্রিভ হইয়াছে। প্রিকা 🕪 🕶 মাজ।

# গোড়ীয় সাহিত্য

কলিকাভার প্রপ্রনিদ্ধ লালবাট হলে গৌড়ীয় সম্পাদক উল্লেখ অন্তর্গাদন্য প্রবিষ্ঠা,বল্যাপ্তেম্ভ গ্রেছত বঞ্চার বিষয় अपृथ्यात्त अक्षांन्छ। हेवाटक माविका-मदक्त अर्थ करः লোড়ায় দাভিতে প বি য়ে জ একাবে বর্ণিত হইমাছে। ভিক্রা

# **औ**रभोड़मक्षण পরিক্রম।-দ**র্প**ণ

শ্রীনোড়নেশের যে সকল স্বাদে সপরিকর **শ্রীমন্মহাপ্রাভূ** ্ব তথ্য প্রবভী মহাত্মগুল শীলা করিয়া গিয়াছেম. (मर्ट मन व्यागुनिक (फोर्ट्यानिक शतिष्ठ । अ (सन्विधक्षित পরিচয় সূহ্যাতায়াতের ভ্রিণা নির্দেশ ইত্যাদি বিষয়গুলি স্মিণেশিত আছে। ভিকা • আন।।

# THE HARMONIST

### OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীশ ঠাকুর ভবিশনিলোদ-প্রেডিটিভ এবং শ্রীশ ভবিদ-ক বিতে ব রি. - আন্টেণ্যায়িত হলতে হয়। ইহাতে যুদ্ধির বিদ্ধান্তসর্বতী গোলানী প্রভ্পাদ সম্পাদিত পার্মার্থিক मानिक लद्या धकरन देश्ताकी खाबाय बढाविश्म वर्ष ভবলকাউন্চ পেথী ৪ দর্শ্বা আকারে প্রতি থামে হরি-नात्मत्र विकत्र-देवकाश्वी शहेशा छेलक्षिक क्षेत्रप्रदाम । ফাগছ, মুন্তুণ-পারিপাটা ও চিআদি অতীব ডিডাকর্থক। **क**हे ध्वकात्र **छे०३३ ध्वक्स चात्र ८कान मानिक भवाभिए**छ ८५ शिटक नाहेरवन मा। आर्थिक क्रिका क्राक्याक्षणपुर क् ठाका माज

# প্রাভিছান -औरे ७७ १३, ८९१: अमाशालय समीबा

# বিশ্ববৈষ্ণৰ রাজসভার

'ब्रोटेंडिके भी

আৰুৱ মইৱাল

क्ष क्षीत गर्वीन, छाक्तक दीश्रीय महाराजुन, सरीहा

ुर्व विषक्तात्वात्रकृष्ठे व्हेटक जाव ०० वय क्रिक्ट-मूट्स विजयमञ्जल नाहार्यायक विकतन त्यवर-क्रमाम क्रिकिटेंठकक-महं निवाकमान ।

ুনাই প্লান নাগ্ৰাক্ত-ভীৰ, প্রনিক্তাপীঠ বা সাক্ত ভল্লনত্ত্বী। এট মহাতীর্বে আহিবি-न्यायुक्त या कर्न्यानिन्द्यत्।क्षेत्रमृत, अव्यक्तित व्यक्ति, कार्या, नाष्ट्रक, व्यक्तित, क्या आवात्रविक्तित्त्वत्-मिका-एक-अकात-तक्तेरवत् व्यववात । च व्यवातिमा धनः ख्यात शिकात-পৌরাজ-পান্ধ বিকা-বিভিধন ও সামত সাম্মদান্তিক-আচার্যা-চতুংর তাভাদের উপাত বিশ্রমেশ সহিত্য বিভিন্ন কেনিক কটভেছেন। এই মঠবাজে পাৰমার্থিক দৈনিকপঞ সাজত-में स्थापादम्ब में अका मिक के जन्माठीन अवदाकि आठावक्दा 'महीदा-आकाम' यहानव অভিটিত কটয়াচেন। অভিবংশর <u>ই</u>ধান-প্ৰিক্রনান্তইনে ও অগণিত ভব্তগোটিগ্র को खेश क्षाठा हुनुश्य महामा । । । तक्क -- अफा हो हो । । । तक्क -- अफा हो हो শ্বিপাধ নভছ বিশী। সংকাষী-জীপাদ বিলোদবিধারী ব্রহ্মচারী, পঞ্জিত জিপাদ গোরদাস अवकात्री नार्कत्रपरीर्थ, क्षेत्राव नीरहस बक्षहाती, मण्डित खेवाननामस बक्षहाती, िक्य मनीरमाणाण वरणात्रणामातः क्षेत्ररवद्राम क्षांग खणाती काम्य ग्रह्ममण्य । ्र विविधियांनी श्रीभवक्ति अमेरि कीर्थ महाद्राष्ट्र क्यारत हिन्द्रभा कीर्यंत कविष्टाहरूत ।

# "(৩) বোগণীঠ শ্রমন্দির

আই স্থান জীলগুলাপমিশ্রের ভবন বা শীধশ্বদাঞ্জাত্ব আনিভাগ-ভূমি মহাযোগ-मोहे। ध्यारम खिनकी शिहा व अतिकृ विस्तानक शिरंभोदमात्राहण अनर केर्देहरूना willeimeme fent that Go: Elnm-करवर् , द्वा वस्त्रभाव । क्षण — व्याप-माबादत द्यायामी कहाताचा टाव् दीतमा-বাব। সংকারী জীনিভানন ভ্রমণাসী, -बिहानवाम अवकाती । ख्रीमाधनवान व्यक्ति काही, विश्वनंता श्रीकाश्वतक ।

# (८) क्षिताम-जनम

अभागाना अपूर्व के विश्व-विश्वाप मा क्षिक्रमीयाव वागवनी । जनादन किन्तिमोह-कियारिकमा ना नाम करबाद - दमवा व संगति । विक्य- क्रियामाधाम तक्षाती, क्रियमुक 🏎 क्रीत्माक्रमवाम वावाकी।

पूर्णः . . . ( **५** ) **, व्यदेषक-क्रव**स

ं गालके चारम क्रिमटेश्क श्रेष्ट्र करन जार A PERSONAL PROPERTY OF

ंकृतः <sup>क</sup>(क) कश्चोक्त व्यवस्थित न है मानिसंस्थान्त्र, बायने गुरूब (सबीया) **अत्योक्ष्मभानाक" अहै। एकाँकों** इ अवाधि । The second second second selection

中 一年代日本一年日本 一年日本

क्षिरशास्त्रक, चन्नाश्रम ('नशीवा ) क्रमान वेश्वितात केल क्रांकिश्वामग्राङ्ख्य multe mer Mandenfullen mer Millerini Marie bad Sania

The obstact pinis sanis क्ष्मिक्षियो स्त्र, स्त्र, स्त्र

# (> शिक्षश्राधाय दगोड़ी स मर्ठ महमन्तिहरू ।

कुक्क क---- द्वीयक्ष्यक करिक्याको ध्वम, ध्व, वि, धन, महकाही--- चीडेकानाम क्रि-नाश्ची, क्षेत्रक्रक्रम व्यथनात्री अकृति।

(১) शिर्गोत-गमानव-मठ हालांक.ही, अमुखशक, ( वहमान ) क्षिण गारीमारबात श्रामिकिक रशीतगमायत-দেশা। রক্ষণ-- 🕽 চকিবিঞান আল্রম।

্র - প্রীরূপগোড়ীয়-মঠ कालाश्रम, क्षात्रात्र हें हैं, नि वक्क क--- छो हिमान अक्षाती, छी दुनामध उद्यक्त हो।

#### (১১) ঞ্রীমোদর্যাসমূত্র---

प्रकार-धिमशासम्बद्धारी।

माजिनाकि, बाह्मश्रद, वद्यान। ্রীব্যাসবিভার ঠাকুত বৃক্ষাবনের স্থান ঃ धक्क---दीन्डविश्वी तक्रमामी। (১১) ভাগবন্ত আসন 🕮 शावक (व्यम्भः क्रम्यनगत्र, नशीश)। कात्रव मिद्रास अस्वती व्यव्यत-क्ष्य !

( ५७ ) अधिकासन मर्ठ क्षांच वृद्धी, श्राप्ताकी, क्षकनगत, नवीता । वश्र ०--- ञ्रेषञ्गानम् अमहासी ।

ः ( ১৪): श्रीवास्त-८गोषोत्र वर्ध ु ५०मर नवाक्ष्य देशायः, हामा । नृक्त्रद्वद् वाधाव-दक्तक,ववादन श्रीकत-दशोतक भाकका-निविधारक दमका वक्रमाम । इक्क-दीराबाबहर अवस्थित।

# ( >० ) अद्ययं भूजकी वर्ड कवगाश्च, हाक। ।

त्वानामको इ आविश्राह इ त्याकीम त्यवा प्रकल--- श्रेमान्द्रशोव सक्ताशी।

(२) बीटगोष्ट्रीत मर्ठ

3 क सर कालिक्षागुत ठळावळी डींडे, त्ली: नामवास्थात, केलिकांका + क्षिणिक्ष्यानः दिनः दिनः अ०३६

क्षिमकारी शक्य । आठाविक प्रस्थित क किश्मित्रकारावाद्यां व्यक्तिकार शक्य अवास নগরী ক্লিকাভার প্রীক্লিবিনোর স্থাগ্নে প্রীমত প্রভিত্তিত আছেন। এই কক-গুৰুৱাবামে প্ৰিপ্তয়-গোৱাল-প্ৰীধিনোধানক জীউ লপাৰ্থদে নিকা দেবিত চন ৷ পৌড়ীর व्याकार्यावटर्लन वावणीन अञ्चावलीन श्राद्यकाटनाटनाटन श्रीवार्टन नश्मा आकृति अञ्चलित ন্ত্ৰালয় সংখ্যালিত ভটভাছেন ৷ পৃথিনীয় সমত : বিশোধনাম-আভালার এটা ইপ্রাণছ চইতে 'গোঁড়ীয়' সাপ্তাদিক পত্ৰ, জি ক্ষমনিষ্ট মানিক পত্ৰিকা ইংগাঁজী-কাৰ্যাঃ নিয়মিতভাবে প্রকাশিত কটভেচেন। জীমতে পাঠ, গঞ্চীর্জন, নপ্রজাশ-চফুইস্কার্জনত व्ययसार्थन् व्योटेक्डस-एक्सिसामुकाविक्तीमा व क्षण्याहरू त्याम् अस्तिसारमा वर्षेत्र थारक । महत्रक्रक-आहार्याच्यक जीवान न्यूकित्वती विषाकृषण्। न्यूकाकी--शिका শ্ৰীপাৰ অনস্তবাহুদেৰ পথবিভাতৃৰণ বি-এ, বৌগাৰ প্ৰস্কৃত্যনক পছৰিভাবিনোদ বি-এ, स्रोताम वामनिकाती अक्षानाती, जीताम स्राहद्धात्य प्रामाधिकाती. क्रिका ज्लोगाव कराशानाम कामाधिकाती, अवहाबी औकीर्वनानक, समाध्ये बोलाम्बेदवाहरू, बचाहरी প্রীয়কানৰ ভক্তিশাল্লী, একচায়ী প্রীধেওকীনক্ষন, পশ্চিত ্রীপা নবীনক্ষক পরবিভাগভার ভবিদার প্রভৃতি।

# (७७) शिक्षाचे-८काः क वर्ड হরিভজি-প্রহাহিনী সভা, বাশির व्येगवारे-८गोबाध्यक निका दम्या

व्यक्त -- जीपूर्व श्रष्ठ उच्छा हो।

(১৭ 🗐 छा भव उपनामस गर्म চিক্ললিয়া, বাহুদেবপুর, মেদিনীপুর। क्यारत नी सक-त्याराज-शक्त के का-जितियातीय गिकारमना नहसान । क्रमण----उबकानी जीकनवानपानको । उक्काकी गडानके

# (১৮) जानगारपाका अल्हास्य

ब्रामचीप द्याः वर्षमान । मिकारमना । अक्य-व्यवनामी खीन्ति-WEWIS L

# (১৯) जीश्रक्तरवासम गर्ड

वर्गधान, भुदी, डेविका। ब्रशास श्रीशोत-निर्माष्याभवकोत निष्ठा-त्यता वसमात । तकक--- अवडाकी द्वीशहमा-नन्य विषात्रप्त. उत्रहाती अनिषीधानन ।

# (২০) শ্রীরন্ধ-গোড়ীয় মঠ

कामबन्धनाथ, अवस्त्रीत त्याः, भूती । व्यवश्चारत्यतं व्यवस्थातं नगरः क्षेत्रमहा रक्र--- अवहात्री **新春春日** विश्वद्रसम्बद्धी (व्यासम्बद्धी । मक्कामी-बच्छाडी श्रीविनिविद्यात्री।

# (१) बैंग कियानय गर्ड

Beginung, Pho: क्षणातः व्यक्ति-त्योत्राच-विद्यावद्यमन-भीव निष्ठासना वर्षमान । जनकारी स्त्रीगराए

# (२२) श्रिममन्डम-दंगीणाच मर्क

क्ष्मर सन्त्रकातमन्त्रा, कानी है (बोध-नवाक्षण्ड ननाउन-निकाश्वन । व्यर्शति शोद्रम्या क्वयाना वक्क-श्रीवानेकीनायकी ।

(३७) श्रीक्करेडफ्स भड खीन्तिरव्यात क्या. खीनाम क्यायन । द्ये श्रेशाया-द्यप-त्याम्नचीत्र त्यवा । রক্ষক—শ্রীগণণতিনার হার্ছনারী

(১৪) জ্রীপরমহংক মঠ

ेनियावयां. मीकायुव

बसारन क्रिकाशक नाइमामा • জীটো কবিনোধ বিবাসজীর সেবা ব**র্ত্ত**মান। खो धक्र (शोदाब-धीशावासका शिविधादीक क्षण क- उत्तर्भा की दीन् शिर्धातम् क उत्तर्भाकी **बोनमध्या**त

(२०) औदेङ्ख्याणीकी सर्वे

。 夢見夏季 今1。 「万男李·台!。 - 新河御書 · 山津村 खोटेठङक-मटंत्र माना । अक्रक-प्रकेशका-नांग बाब, बिरमनगानम अवहाती। श्रीकाय कीर्य त्यवधीतात्र ।

(२७) गामकोडीय वर्ड

क्षात्मक, बारमध्य, मनाम् । चनारम क्षीरभौकविरमः स-कारयक रनवा वर्षामानः वयम-वयहात्री शिक्षवंत्रकी :

(२०) वाचनन्यक वनशावा-वर्ड

PARTY OF CASE WATER न्यतारम् वर्षे स्वत्रमेषु स्वीर्यास्त्रम् व्यक्त वर्षकाम् । इंश्वाप-स्थानानीः स्टीकार्यक्रकः ्रीकाम, क्षीवायाक्ष्मम अव्यक्तिको।

। (२०५) विकार दशक्षी क्रमाठ लाक्षेत्रहरूल व

ar cen culara, farfent i इक र- (देव विश्वामी क्षेत्रक निक fille netige. Anniantearrage · (२०) ८वरप्रश्लेष्यकार्वाक्ष्यकार्वे TT 4-35517 Allefelen

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ठाकूत ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" नारम

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## (थाना श्रेशाः ।

অভিতর ও আদর্শচনিত্র শিক্ষকগণ ছোত্রদিগকে অভি যত্নের সহিত শিক্ষা প্রদান করিছেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা বায়ে স্কুন্দর বাস্থানের বন্দোবস্ত হয়্যান্তে। স্থান অতীব আত্মক্র।

সবিস্তার সংবাদের জন্ত নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। সেহেন্ডান্টা, ভাকুর ভক্তিনিনোদ ইন্স্তিটিউট্ শ্রীচেত্তমঠ, পোঃ জীমায়াপুর, নদীয়াণ

## ৫০ বংসরের পরীক্ষিত করেকটা মঙ্গেযধ—

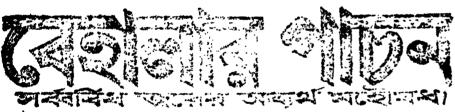
कारकासकातीता ভাগে মৃত্য কটনা যে সমন্ত আশংসা পত্র দান কনিচাছেন, সাকা মুখ্ ভ্রিলে বন্ধ বন্ধ শুক্তক কটনা পড়ে । তাম নিকে ব্যবহার কার্যা ধন্ধ কটন ন

- ১। চক্সপ্রতা বটীকা—ইছার নামটার বেনন কাজর নাই রকম। ইং নুষন ও পুরাতন মেন, মুল্লকুছ, অল প্রাকৃতি এবং স্থানা নিশের হতিকা ব্যাবনে, শেত এবং রক্তপ্রানর প্রত্তি বোগে আশু কণ্ডান।
- ২। স্থাতিসহায় ৰটিকা মাদ হল প্ৰিচীল অসু বল্ল নিপ্ৰাৰিক উধ ৰে কোন হৈছিক ও মান্দিক শীভাৰণতঃ অনিত্ৰালো এই ওধৰ বালংগতে গাঢ় নিজা হইবে।
- **৩। মণ্ডুর বটিকা—ই০া** সেবনে প্লী০: ৬ জনক্র সিক নেবা ও শবীর পাপ্তুর **কটা বাও**য়া ইত্যাদি নিদ্ধিক কটনা রক্ত গ<sup>্রি</sup>কলে ও কুড়ি প্রাপ্ত কচ।

केंक किन क्षणाद्वात कारकाक खेवरात मूला क्षति कोता ५८ है।का

আধিয়ান :—আভক্ষনিপ্ৰাহ উম্পালয় ২১৪নং বণবাধাৰ ব্লীট, কবিশাসা।

## কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



ষ্ট্ৰেক্স প্ৰথম অভ ৬ আঃ শিলিতে ব-ী চৃত অবস্থান ডোটবোণলেও সমপ্তিমাণ ঔষ্ণ ভাকে পাইনে হয়, ইতাতে ঔষণেত কোল প্ৰিব্তন কয়া হয় নাওঁ। সুলা আহি শিলিয়াও আনো, প্ৰিট ৪৮০ আনো, বোভল ১৮০ আনা।

অধিক–১১নং উচ্টাডালা নোড, পোঃ শ্বামবালাচ,' কলিকাতা

# गपन गणनी

क्षिण्य कर के वाह्यवनात, देशिवनकित होन, क्षार करणाय, वाह्यवन, वादारवात, दूर वह-कारि, वार्त्या क्षांक करण नवा निर्माय वाद्याच वह । वर्ष मौके, त्या होत करित विद्याद होते । स्था ते वहि क्षांक होता। । स्थानकृष्टि क्षांक व्यक्तियात द्यां वाद्यांना एक्फान्ति ह्यार वाह्यक्ष्यात द्यां वाद्यांना करिया पुष्टिकणा करेता रंगां वे ह्यांचा क्षांका करिया पुष्टिकणा करेता रंगां वे ह्यांचा क्षांका प्रभावका व्यक्तिका क्षांचा व्यक्तिका व्यक्

## হাইড়োগিল

T.

## কোষরদ্ধি রোগ

काः कान्, धान्, त्याच विना नात्त्व, वात्रकीतत्त्वक भागदानि विक्रा देवकाणिक व्यवस्थारक दमामबृष्टि स्थान व्यादवाश्च कवित्रा पारक्षा

> ক্রিকান— ১৮ এং কটন ট্রাট, বঞ্চবাজার, ক্যাক্যাতা।

## **न्नाइ**ड

णिकम्द्रमण व गर्च भटकायय ४ ० भाकास केशनम, मखादक कादहाला । तकारी ५० वास व्याना, वक्त २० व्यासा । याखन शुक्षकः।

## । । শুক্রাচার্যা সঞ্জীবনী পোন্টাই

্ষাধ্য । স্থান বিশ্ব কৰিছ একৰাত মহোধৰ। মুধ্য ১ ছিবা ১০ আৰা ৈ আৰু পুদক্

## ও। সন্ন্যাসী-প্রদত্ত অর্শক্রোরের অব্যর্থ আইটা । সংগ্রাস সা স্থান ক্রেন্ড ক্রেন্ড স্থান সাক্ষর সংক্

। কোন্ত-বান্ধব পীন

क्रकीन, ८ विकास, त्यव्यानसाह महश्यम । क्रिया हरू वासा । भारतम पूर्वकृ

## ৫। বাতলাম

পান্তরেশ্যের মতোপকারী ও সপ্তাতে আরোগা। প্রতি শিশি ৮০ আনুর্ব মাজল পুথকু।

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তুতকারক | সদদ ক্যাটালনের জন্ম প্র শিশুন।

श्रांख्यान-भरनारमाञ्च (ल॰ द्रांस्त्रो

(भा: अमाती, कश्माभुद, धाका,

## यत्नारमाञ्च (८%

পূর্ব-বাজালার হালতে সকলপ্রকার ছাপার জন্ম বিষয়ত : বৈদ্যাতিক মেলিনে দিকাভাত্র কাজে ভালিভেছে ' বিষয়ত জানিতে হইলে নিম্ন ঠিকানায় পত্র লিম্নর

> भारतकात-भरनारभाइन ८ अग् २००५ - नानभूत्र, हाका।

## মরা মারুষ বাঁচাইবার উপায়

त्नाम ख**्यक्क** 

ডাঃ ডি. ডি, হাজয়া 💮

क्रक्त्या, नार्क-विक त्याहे, क्रिकेश्वी



साकारकात्र कार्य कांकाम (वडा । वासिक क् राजभाविक द राजभाविक २ % भाविक २ भाविक २

ভাষতের লক্ষ্যে বছল-প্রচার—নদীয়া ভোলার একগতে মুলপ্র

66 43

ক্ষান্ত — এত উদ্ৰুদাপ ব্ৰেল্যাপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি

ि ৫३म मःभग

'জীচৈতভাৰত জ্বৰাৰ মাহাপুত- ১৯শে বৈশাথ শনিবার ১০০৮, ারা মে ১৯০১

## नाना

भार गारबक्त गाबी-अनम

नाव्यादक शहानकार्त मिः कात्रण मार्थितम् कात्रक मिट्टवर्त मिक्ट विकाना कटसम् ८२, द्वाकटक्षेत्रक देवठेटक द्वानाम कत्रियास स्वक्र महस्यात्र कि ग्रहान्। नाबीटक क्याद्वर कत्रिद्यन ?

নিঃ ওবেক উড বেন উত্তর বলেন বে, গ্রহণায় খইতে পুর্বেই এই নক্ষ অভিপ্রায় জাপন করা হইয়াছে বে, আপানী বৈঠকেয় লালোচনায় কংগ্রেসের ইতিনিধিয়া বোগদান করিবেন।

আতঃশ্র মি: লকার লাবের্ন বিজ্ঞানা ক্রেন্ন শ্বত্থান অবস্থার মহাত্মা গান্ধীর বিস্তিত আগ্রম করা কি ভাল হইবে !"

বিঃ বেন এই আখেন উভন দিতে উঠাত ত্তিৰে বজা কৰ্ত বাদা প্ৰাপ্ত ক্ষেত্ৰ

विका आहेट्र महायाः की

देव त्रव रावहात्राकीयां आवागठ वर्कन
कराम नावे, कार्वाकावित्र आहातिगटक कार्या
सा विकास करेक मार्यादाव हम देव, नावाद्य रावहाक मध्या विकास करेक, कार्यादा विकास कर्यादा

क्षेत्रकारणया विकास क्षेत्रकारण व्यक्तिकारण विकास क्षेत्रकारण क्षेत्रकारण विकास क्षेत्रकारण क्षेत्रकारण

# পার্লামেণ্টে গান্ধীপ্রসঙ্গ

বিভিন্ন স্থানে বকর ইদ নির্বিদ্যে সম্পাদিত

## সর্দ্ধা আইনে গান্ধীজী

চট্টগ্রামে সর্ব্রেই সতর্কতার ব্যবস্থা

## বড়লাটের নিকট তার

করিদপুরে দলাদলির অবসান

## গাড়োয়ান ধর্মঘট

## শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরাব্দ ৪৪৫

মাত্র ১/১০ ডাকটিকেট গাঠাইলেই বুকপোষ্টে পাঠান হয়।
ম্যানেকার- গ্রন্থভিলিভাগ
শ্রীচৈতখন্ত, পো: শ্রীমায়,পুর, নদীরা

কোন বিনিছে ভাষার কারণ এই যে,
গরকার কোন গোপন সংবাদ পাইরাছেন।
ভানস্থারণ সে সংবাদের মন্ত্র তথনও
ভারণভাইতে পারে নাই। তবে সরকার
নাকি প্রকাশ করিয়াছে এবং কোপাও
কোন প্রভার, গভিবিধির সন্ধান পাওয়া
বার নাই।
বে ১৫ জন ব্রক্তে অভিভাগ বলে

ত্রেপ্তার করা হইরাছিল, তালাদিগকে কলিকাতার ক্রের করা হট্যাছে। ২৮লে এপ্রিল নাকি আরও ২ জন ধ্বককে প্রেপ্তার করা হট্যাছে।

া সন্ধ্যা আইন এখনও সগরে বলবং রচিবাছে। পথিকদিশের দেহ আর তল্লাস করা হইডেছে না।

শেশ্য টাইবানাল আগালতে

<sup>:</sup> পাহারার বন্দোব**ত্ত পূর্বাপেক। অধিক** , দেখা গিয়াছে।

## वन मार्टेज मिक्टे कात

চট্টগ্রাম সমিতির সভাপতি বালালার লাটের নিষ্ট এক তার করিবাছেন। তারে এই অভিযোগ করা ছইরাছে যে, সামরিক কর্ত্বপদ ক গ্রাক্তি নিয়ম প্রবর্তন করিয়াভেন। সৈন্তরা যাহাকে ভারাকে আ ক্ষণ করিছেছে ও লোকের পেছ ভলাস করিছেছে। এই সকলের কারণ গে কি ভারা কেই কানিতে পারিভেছে না।

## ফরিদপুরে দলাদলির অবসাম

বঙ্গীয় প্রাদেশিক কংগ্রেস কমিটার
সভাপতি প্রীয়ত স্মভাসচন্ত্র বস্থা, করিলপুরের শীবুত প্রমধনাথ গুণ্ণ, বিজয়তন্ত্র
বন্দোলাশায়, নিবারণচন্ত্র পাল ও
দেবেন্দ্রচন্ত্র রায় ঘটক চৌধুরীর নিকট
চইডে এই মধ্যে সংবাদ পাইয়াছেন যে,
ভাগারা গত ২-শে এপ্রিল ভারিখের
মীমাংসা মনুষ্যী করিদপুরের বর্তমান
বিলা কংগ্রেস কমিটার গঠন সম্পর্কে
সমন্ত মভিযোগ প্রভাগার করিতেত্বন।

## गाटकामानदमञ्ज धर्मग्रे

বৰ্ণমান ভাজ্যেট বোজার গাড়ীর গাড়োয়ানর। গত ২৬শে এপ্রিল কইতে ধর্মঘট করিয়াছে। মিউনিনিপ্যালিটী ভাছাদের নিকট যে অভিরিক্ত পরিমাণ টেক্স লইতেছেন, ভালারট প্রতিবাদে ভাছারা এই পণ গ্রহণ করিয়াছে। প্রকাশ ভাজাটে মোটর ও বানের নিকট হইছে ঐট্যাক্স লক্ষ্য হয় না।

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## (थाना इहेगदह।

অভিত ও আদর্শভারত শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে থাতি ঘল্লের সহিত শিক্ষা প্রদাস করিতেছেন। বিদেশী ভাতগণের জন্য বিনা ব্যয়ে সকরে বাসহানের বন্দোবত হংখাতে। স্থান অতীব স্বাহ্য হর।

সনিস্তার সাবাদের জন্ম নিম্ন'র বি ও ঠিকালা পত্র লিখুন। সেক্রেডিনি, তীকুর ভাজিবিনোদ ইন্**টিডিট্** জাচে এখনে, বাবে দ্বীমাধ্যার, দেখি।

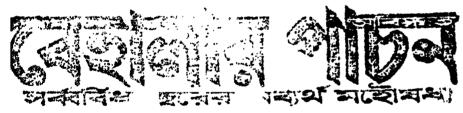
## ৫০ বংসতের পরীক্ষিত করেকটা মঙোষধ—

্ৰাবহারকারীতা জ্বা মৃত্য কইবা যে সমস্ত প্রশাসন বাল করিছাকেন, ভাকা শ্রে কারণে বছ বছ প্রস্তুক নইয়া চড়েয়। আ বিজে বাবস্থার করিয়া আছে কটিন।

- ১। চক্তপ্রতা বটাকা— কাব নামটার যেনন কামর বেট ছক্ম। ইনা নুধন ক প্রাঞ্জন মেং, মৃত্যুক্ত, খাল পাড়ার তাবং প্রান্ধো থিলোর স্থাতিক। ব্যাধান, প্রেক্ত এবং চক্তব্যবং প্রভাগি বিশাসে আভ ফণপ্র।
- >। সুসুথ্রিসহায় বটিক। মাদবত্র-বিশীল অভাতকট নিত্রাবিধারত ঔষণ। যে জোন বৈভিক ও মাননিক পীড়াবশং: অনিপ্রায়েগে এট ঔষণ ব্যবহারে গাড় কিন্তা হটবে।
- া মাণ্ডুর বচিকা---ইংল সেবনে প্লীক ও কন্দ্রগলিক নেবা ও শকীঃ শাস্ত্র হুটাং ব্যক্তিয়া হওয়ালি নিমুক্তি হুট্যা বুক্ত প্রায়ের বুক্তি প্রায়ে হুটা
  - केंक्र किन अवारतत शहराव छेशान्त्र मृत्य शति व्किति २० है।कः।।

কা ধয়ন :- আতক্ষমগ্রহ **উন্থালয়** ১.৪নং বচবাধাং ক্লীট, ছলিছাড:।

## কাবরাজ শাশভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



মধ্যক্ষেকের প্রস্থার জন্ত ও আঃ শিশিকে ঘণীজুত অবস্থার ছোটবেকৈলের সমপরিমাণ ঔষণ ওংকে পাতান লয়, উভাতে ঐয়ণের কোন প্রিয়েন করা হয় নাই। মুণা আছি প্রিশি ৪০ আনা, প্রিট ॥৮/০ মাণা, বোতণ ১৮/০ আনা।

অফিস-১১নং উল্টাডাজা রোড, পোঃ শামবাজার, কলিকাতা

## यहने यक्ष

বটিনার কাল ও বাজুবিকার, ইলিছপজিব রান,
কালাপে ভালাজ, ব্যবহান, নাপানোরা, বুল বক্ সভালি, আনিয়া রাজতি কালন স্বাধ বিশোধ আন্দোল্য রায়। বল, বার্বা, বেখা বুলি করিতে অধিনীয় ইবিক। মূল্য ৪০ বট ১, এক টাকা। ক্রিয়া বাজিনালা কালে। মূল্য ব কোলা ১, ইজার ক্রিয়া বাজনালা কালে। মূল্য ব কোলা ১, ইজার ক্রিয়া কালেনালা কালে। মূল্য ব কোলা ১, ইজার বিশ্বসাক্রাক্রিকা জিল্লী কালিক্রাণী বার্বানার্য কালে সংখ্যাবাজি স্থানী ও মুক্তি করিছে ব অভ্যান্তব্য। মূল্য ১০ বস্তী ১, এক টাকা।

ছাছবৈছ ল্যান্ড্যান্ড্যপ্ৰজী, ক্ষেপ্ৰথ ১৯৭৭নং সাধিতম বেছে, ত্ৰিচাছা।

## হাইড্রোগিল

- II

## কোষর্দ্ধি রোগ

ভা: এন্, এন্, খোষ খিনা অলে, খানজীবনের গ্যাভাতি বিলা বৈত্তাভিক কানাধাতে কোনবৃদ্ধি লোক আবোগা কবিলা থাকেন।

> डिकामा— क्रम मर करेन डीडे, स्कृताबार, कालकावा !

## [লায়ড,

পিক্তপ্ৰের অব্যাধ মটোরখা ১ খালার উপপ্র, সপ্তাতে আরে।সাং । ক্রিটিড - বার আনা, বড় ১৮০ আনা। সান্তল পুদক্।

## ভক্রাচার্য্য সঞ্জীবনী পোষ্টাই ""

अर्थ के स्वरूप के कार्य के कार्य महाराज्य महामुख्य महामुख्य महामुख्य के स्वरूप के स्वरूप के स्वरूप के स्वरूप क

## ৩ ৷ সন্নানী-প্রদত্ত অর্শরোশের অব্যর্থ আইন

चारतात्रा ना इत्रम पूना दक्षा प्रमाद । भूमा ३१० चाना । वाम्मूर्व पूनकृति

## ৪। কোন্ত-বা**দ্ধাব পীল**

च जीव, द । हेर्कानाः, १ वहरावसात घटकोषम । किया a. आसा । अन्त्रम भूगक् हे

## ১। বাতলীন

या करहारजाय भरकार जाती के महारक भारताचा । आफि मिल्लिक भाषा । उक्त भूकर ।

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তুতকারক। সম্বর স্যাটালগের লক্ষ্প পর শিশ্ব

टाल्यान-मदनारमाइन (लवरत्रवेती

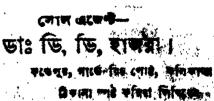
(भा: उम्राही, कमनाश्रुत, छाका,

## মনোমোহন প্রেস

পূর্ব-বাজালার হুলতে গকগপ্রকার ছালার জন্ধ বিখ্যাভ কৈল্যুভিক্স মেলিনে দিবাঝাত্র কাজা ভলিতেত্ত বিশ্বত জানিতে হইলে নিম্ন টিকামার পঞ্জ লিখুন ম্যানেক্সার—মনোমোহন প্রেস.

৯০নং এবাবপুর, ঢাকা।

## মরা মানুষ বাচাহবার ডপার





## শ্ৰীশ্ৰীগুৰুগোৱাকো জয়তঃ

# শীনদীয়া-প্রকাশ

নিতাপাঠা বৈক্ওবান্তাবৰ

।य-याप्राश्वत, ७०८म मधुमुक्त ४९१

## के नुमिश्शिविङ्ग

## <u>জীলমি: হস্তব</u>

"বাগীশা যক্ত বদনে লক্ষ্মীযক্ত চ বক্ষসি। ীৰজাতে ধানহো সৰিং তং নৃসি, খনহং ভৱে ।''

বিনি --- জীবজনতের মদল্যাধনার্থ প্রারত স্বাদিও ব্যয় ক্তে তাত রাগ্রেখাদির দাস হিরণ-াক্ষিপু ভোগ্রোলুগ वंत्रवाक निभूत ध्वःम मामन कतिया स्मतास्मनाय कात्र वंत्र (भ बाञ्चान श्रमानकाती शक्ष्मांभरक तका करतन राष्ट्रे मार्भ इर उत হর্ম ও সমভাবে সঞ্জের রক্ষাক্তা ভীনুসিংখনের জন্মজ হউন। ভার্বই অনুগ্রহে শ্রীবাদ-মায়াপুরস্থ প্রীয়োগণিঠের শ্রীনৃদিং হমন্দিরে বিশ্ববৈক্ষণরাজ্যভাব অংবাপর ভদ্ধভক্তিপ্রচারকেল্ফসম্বরে গভ কলা নুসিংহচভুদ্ধী দিবস শ্রীনুসিংহদেবের আবিভাব উৎসব অতি প্রচারতাণে সম্পন্ন হ্রীটো। এত্রপ্রক্ষে স্কার্ডন, শ্রীম্বাগ্রনত পন ক্ষ হইতে জীনুদিংহদেবের আবিভালের কাল্য গাঠ এবং জীনসিংহদেবের মধারীতি চেল্গরালাদি সম্পন্ন হইবাস পর সমাগত ভত্তবৃশ্বকে বিচিত্র মলাপান্ত নিতরণ করা হইরাছে।

## **ঁভগৰানের ক্রপা**খ্যমত ও ভাজপানপাতিই

ভগৰান এমন্ট কুণাম্য যে অস্কুল সাবে ভগবঙ্গনের ত कवाहे नाहे. त्यरापि अध्यक्त हात्व उक्तामत्त का वेश्यक একাপ্রতিক ব্যক্তিগণ তাঁহাকে বাভ করিয়া ভাকেন। আবার তিনি সভন্ন হটলেও তাহার ঐকান্তিক ভক্তবংগৰ নিকট প্রেমে এরপভাবে বাঁধা যে, কোন ও ব্যক্তি ভক্তবণে অপরাধ করিলে তিনি কিছুতেই ভাহা সহা করেন ন। ডজ-খেবী জীভার (ভগবানের) শুব করিলেও তিনি তাহাকে याथाभयुक्त भाषि धानान कतिया भारकन ।

## প্রেকিকুলভাবে ভগনে সামূল্য-মৃতি

**डशवास्त्रत रेनक्केन्डिङ अन्न-निरूप नामनः ছाव**ारिमध्य **ककाशतारम हान्द्राक हरेश मठायूरम हित्रशाक 3** हित्रशा ি **কশিপু , জেভাযুগে** ভাবণ ও কুম্ভকর্ণ এবা, খাণারণুগে শিশুণাল ু ও দ**ওবজন্ত্রণে জন্মগ্রহণ ক**রিছাছিলেন। তাঁথাবা কথাবলে **শ্রীভগবানের বৈভয়ের গোষণ ক**রিলোও, তদাবেই সভত ত**জিস্তারত গাঁকি**ল ভাঁহাবারাই নির্ভ হইয়া শেষে সাম্ভা मुक्ति गांच करतन।

#### হিরণ্যকশিপুর জন্মের কারণ

धक्ता अकारना मनदानि महिष्ण चित्रना गतिः প্রমণ করিতে করিতে যদক্ষান্তম বিশ্বুলোকে উপস্থিত হ'ন। সেই ঋষিণৰ মনীচি প্রভৃতি ঋষিণাণেবও ক্ষঞ্জ ু কুই**লেও জীহারা উলন্ধ এবং দেখিতে** খেন পাঁচ ছয় বৎসবের . খালকের ভাষ ছিলেন। তাই জাঁহারা বৈষ্ঠ্ছারে উপস্থিত বাণীধারা দেবগণ্ডে অভয় প্রদান করিয়া কহিলেন,—দৈত্য- বা। পরে ভক্তবংসল সঞ্চল্পত ভগবান্ ভক্তবংক্ষের

তাঁহাদের বৈকুঞ্চ প্রবেশধার রক্ষ করিলেন। ভগবদর্শনার্থী ঋষিগণ ইহাতে অভিশয় ক্র.জ হইয়া অভিশাপ দিলেন,— অিরে মূর্থার, তোরা ছইজন ভগবান মধুস্দনের পাংমূলে বাস . করিবার যোগ্য নহিসু; ভোরা শীজ এস্থান হটতে পাণিঠা আন্ত্রী যোনিতে জন্ম গ্রহণ কর।' এইরূপে অভিশপ্ত হইরা জা ও বিজয় দিতির গর্ডে হির্ণাকশিপু ও হির্ণাক্ষরণে জন্ম গ্রহণ করেন। প্রকৃত প্রস্তাবে ভগগানের সমকক যোদা না থাকাম দায় বিভয় বৈকুঠের ধারী হইগাও বৈকুঠপতি জ্রীনারা: য়ণের যুদ্ধ-পিপাসা-পৃথির কামনায় ব্যতিরেকভাবে ভাঁথার সেনার নিমিত্তই প্রতিপক্ষভাবে জগতে জন্মগ্রহণ কবিণা-**डिलान। वित्रगाकशिलू स्थाप्ते जायः शितशांकः क**निष्ठ । পুথিবীতে উটারা দৈতা ও দানবংশ্বারা পুজিত হইতেন।

## श्रीमुनिः इटम्टन्य चानिर्छाट्यत कात्र

ভবব্যদিহাতী ভগবান শ্রীহরি মুখন পৃথিবীর উদ্ধার মাধন করিছেভিলেন দেই সময় প্রতিকৃত্য আচরণ করায় িনি বরাহমুটি পরিগ্রহ কবিয়া হিরণাক্ষকে বধ করেন। ইথাতে শোকসম্বপ্ত ফুল হটয়া হিরণাকশিপু লীংবির শত্র-৪,5রণে বন্ধাপনিকর হইল, কিন্তু ভাঁহার সহিত যুদ্ধে ভ্যা লাভ করার কমতার মেতার লকা কবিয়া হিরণাকশিপু অভেন অজন অমা এবং প্রতিপক্ষণীন অদিতীয় অদিপতি হটবার বাসনায় মনারপ**কাতের গুহামণ্ডে অতিশ্**য় কঠোত তথক্র। আরম্ভ করি**ল। তাঁ**হার তপগ্রভাবে সমুষ্ট ই<sup>ট</sup>া রুদ্ধা ভাছার নিকট গ্রমনপূর্মক ভাষাকে বন প্রার্থন। কবিতে त्लिएक देव साराप्रक दिवशाकि सिथु व्यवसंख्या स्टब्स कृतु है है दे हैंगा পুন: পুন: প্রণামপুক্ষক নানাভয়পুর্ণবাকো চলাচর বন্ধাণ্ডের স্টিক্ষা চ্যাবাহন ব্ৰহ্মাৰ শ্বৰ ও ভংগৰ এই व्यार्थन, किंदिलस दूर, वर्त्वमास को अतिषादन खड़े दिकास लागी दहेंदर. আবেত বা অন বৃত কোন স্থানে, দিবলৈ বা ব্যানিতে, বহাৰ अहे चित्र वाग आणे हटेएड, क्यामन भारत, अभवाग रा ন্তেল্যতাল, নৰ বা পশু, চেতন বা আচেডন পূৰ, মঞা, মহাস্পু হুটাছে যোগ 'ভার মৃত্যু না হয় এবং সে থেন প্রায় कार भवत्त अविश्व गत ब्रहेटक भारत बहर मुक्त धारी ও লোকপালগণের ভিগর আপিপ্রমানি এবং অপিমানি ঐন্বয়সাভ কৰিতে পাৰে। ব্ৰহ্মাও ভেগায়' ব্ৰিয়া बस्टिंड क्टेंग्सन ।

हिनवाक्तिभू के दन श्रीक्ष इहेमा वर्गकान्ति भन्नीत धानग নিজেশ করিয়। তথার বিহার করিতে লাগিল এবং নানা সপ্রবাপক্ষ এবং নিশিখ জানের ভোগবিধানে মত হইল। একা, বিষ্ণু ও শিব বাতীত গমন্ত বিভাগ বিভাগ কৰিল। বৈভাগালকে আহু বিভাগ দৈতা গান্ধ একাধারে সমস্ত শোকপালের পুথক্ ওণ ধারণ- কিরিমেন। সৈতাবৰ ভাগতে অন্তর্ভ আ গ্রিত থাঞায় শাস্ত্রবিধি উক্লান্ত্রজনক্ষ্ণ তাহাকে খীকার কবিংগন। হির্গাক্ষণপু ব্যাকের এতা সংযতিতে তাহার উপায়নায় প্রবৃত্ত হইলে 🔊 জগবান্ হৈব- । শব্দ নির্মত হইল । দৈতাবাক প্রথমে কিচুট দেপিটে পাইল

क्रेटल बाजभाग क्रेंग्र ७ विकास छोशांमिशत्के वांगके मरन कतिया । छत्र नीखरे निजाक्रफ रुकेरव । ४-८मवका, त्वम, त्या, विका, नाम, ধর্ম এবং ভগবধিষেকারীর আন্ত বিদাশ অবগ্রস্তাবী।

#### প্রজ্ঞান-চরিত্র

সৈভারাক হিরণ্যকশিশু বিষ্ণুনৈকবের প্রতি নিকেমচরণ কবিলেও ভাষার পুত্রচমুইরের অভত্য প্রহলাণ ওক্ষণাওপ-সম্পন্ন, সচ্চবিদ্র, সভ্যপ্রভিঞ্জ, জিতেক্সিয় এবং একান্ত হরি-ভক্ত ব্যাধা পাশিনাবেরট অধ্যন্তম। তিনি মাননীয় বাকি-গণের প্রতি ভূতাবং প্রথতঃ, দান্তবের প্রতি পিতার স্থায় বাংমলাযুক্ত, শিকা-দীকাদার ওজ ও সতীর্থ গুঞ্চলকে প্রভু জ্ঞান করিতেন। তিনি বিভা, এর্থ, রূপ ও অভিজ্ঞতাবিশিষ্ট इंदे 19 व्यवसातनिकार शिलान ।

প্রাহলার শৈশবেষ জীড়। পরিত্যাগ করিল। ভগবানে ভন্মনা इहेत्रा काइतर चावछ। शाख इहेराचम ; छोशांत मन क्रमां अहात् धाख ৬ মের জন্ম যে এইরূপ রয়েত্ব প্রত্যতিমা ভাই। তিনি স্তানিতেন না। তিনি সক্ষা ভগ্যান সেগেযুগ থাকিতেন ব্লিং আগতিক উপ্ৰেশন, প্ৰাটন, ভোলন, পান, শ্যন. কাগাপকথন প্রভৃতি প্রাকৃত ভোগাবিষয়ের উপলব্ধি ক্রিটেন না।

প্রাহ্লাদ রক্ষপ্রেম-ভাববিহ্যলিত্রিছে কথনও রোদন, কথনও হাজ, কথনও আহুবাদ এবং কোন সমতে বা গান ক্রিতেন। কথনও ভার্নেকে নেখেন উৎক্তাবলে শব্দ করিতেম, কথনও আনুন্যাত্পালে বিল্লুড ছট্যা নৃত্য করিতেন, কোনও সমত ভগব্ঞিভাগ মন হইবাঁ ভন্মতা লাভে বিভার হুইয়া উহ্নের লীল। অভুসরণ ক্ষান্তন । ক্রমণ ভগবৎ-পাণি াৰ্শলতে আনন্দমগ্ৰ হটা প্ৰাক্তিত এবং স্থিতপ্ৰমন্ত্ৰন জনামনী লিভ নতনে আনুকলে সিভু বুইয়া নিস্তন্ত আকিংছন। তিনি স্মকিক্ষন ভাবেছজনঞ্জভাতাত উত্তৰংক্ষাক ভগবানের ্রাস্থ্যমেরায় সক্ষ্যা প্রমান্নিত হইছা ছাস্ক্রিট্রাস্থ্যমেরও ভি বিধান করিছেল।

## নুলি,ছদেনের আবিষ্ঠান ও হিরণ্যক্ষিপুর নিষ্ক

हित्रपुक्तांनाचे कुरकत रहि शक्ति संभग करिया नामः अभारत ভার্যে হ'বছাঁও হুইডে নিয়ও কবিতে চেন্তা কবিল কিন্তু কিছতেই স্ধান্ধ্য না - য়া মহাধানাবান্ মহাধানত প্রাফালের বিরক্ষালয়, এমন কি ভাহার প্রাণ সংখ্যার করিছে উন্তত হুইল। প্রবেশন তথ্য ক্রোধান ক্রেনান হিম্নাকশিপুর চনলে গভিত হল্লা কুপিত শিতাৰ জোপশাছেৰ নিামত বিবিধ করিণ এবং আতৃবধ স্থারণ করিলা ভগবান্ **ত্রী**হরির প্রতি দ্বেষ<sup>্র</sup> স্থানন বিন্যু করিণাও ক্রতকাণে হইজেন না। প্রদান্তরে ক্ষতিতে আবস্তু কবিল। তথপৰে দে দশ্দিক, তিনলোক কৈ ভাবাজ বিবিধ অংকারবিজ্ঞিত বাকো ভাবান্ হল্ডেও ভগা দেবস্তরাদি এক্সাণ্ডের যায়ভীয় প্রাণিক্ষাভির অধিপতি- <sup>†</sup> স্বীয় প্রেড্ছ। প্রভিশাবন কণিডে থাকিলে এব এক্সাদের গণকে স্বৰণে আনাল করিল স্বায় ডেক্কঃপ্রভাবে লোকপাল- হিবিভলি ভাগে না কৰিবলৈ নিত্রীকাষ্টে করেণ গুণের স্ব স্ব স্থান অধিকারপুশক মহেলভবনে আন আধানস্থান কি জাগা কলিলে অধ্যান ই পানগ্রই স্থান্ত্রইছ. লোকপালই ভাষার গেয়ার সক্ষেণ শশবাস্ত হউলেন। ভিত্তিত হইয় সগত স্মন্তন্দ্ৰসম্পন্ন হটাচো অনুবোধ পুৰ্ণ ক জীঙাদের ভোগা যাবভীয় বিষয় স্বাংং ভোগা কলিয়াও - প্রাঞ্চাদেকে ভাষিকটয় স্বস্থা সংগ্রাই ঐতিধান আছেছ বিষয়ে আপনাকে প্রিক্সার বোধ করিত না, স্থানা ঐত্বান্ধন্ত 🧐 এখ করিলে প্রাঞ্চাদিও সেই ভ্রত্যান্থ 💯 💯 হ 🖎 🙉 🔻 অভিসম্পাস করি**তেন। পরিশেষে ঐদান**ধের অভ্যাচারে ভাচ্ছিল্য-ভরেই সেই ছড়োগরি সরেও এবং মন্যাভ নিতান্ত উ গীড়িত দেবগণ ভগৰান্ **অচ্যতের শরণাপন্ন চইর। কিরিল। সুইয়াপাত ক**রিবাগারেই তাও ২০০০ এক জন্মকব সভারকণার্থই এক দৈজায়াতক অভি তরকর অভ্যকুত নাগংহ-মূর্তিধারণ করিয়া সেই গুল্ক হইতে নির্গত হইলেন, হিরণ্য-কশিপু ঐ অপূর্ব মৃত্তিকেই তাহার 'মৃত্যুকারণ' বলিয়া বৃঝিতে পারিমাও পদা গ্রহণপুর্বক যুদ্ধার্থ প্রস্তুত হইল এবং ভগ-বানেব' শ্ৰীষ্ণকে আঘাত কবিতে লাগিল। তথন শ্ৰীভগবান নরসিংগদের সেই অম্বরের সহিত কিঃংশশ যুদ্ধকীড়া সম্পাদন পুৰ্মক দিনা ও রাত্তির সন্ধিস্থলে অর্থাৎ সন্ধাকালে তাহাকে স্বীয় জ্যােলাপরি নিপাডিত ক্রিয়া নধরদারা ভাহার হৃদয় বিদীর্ণ করিলেন এবং তৎগঙ্গে সঙ্গে অক্যাক সঙ্গ্র সহস্র দৈতাকেও নথবাঘাতে নিহত করিলেন। অভ্যাপর আর প্রতিয়োদ্ধা না থাকিলেও ভগবান নুকেশরী অভিশয় ক্রোধোদীপ্রবদনে সেই সভাঞ্জিকসিংহাসনে উপবেশন করি-লেন। সমগ্রবিশ্ব দৈতাপীড়ন হইতে নিয়তি লাভ করিয়া আনন্দে উৎযুদ্ধ হইল। এক্ষাদি দেবতা, ঋণি, পিতৃপুক্ষ, সিক্ষ, বিষ্ণাধর, নাগকুল, মহুগণ, প্রেল্লাপতি,গন্ধর্কা, চাব্ধ,যক্ষা, কিম্পুরুষ, বৈভালিক, কিয়র প্রানৃতি বিষ্ণুণার্যলগণ সকলেই অন্তিলুরে স্থিত হুইয়া সেই সিংহাসনাধাদীন ভীবতেজঃ-সম্বিত নুকেশরীর শুব করিতে লাগিলেন

## একারন ও বহবয়ন

( अभागक श्रीमातामनाम एकिन्नुगांकत, एकिनादी )

"নানা মুনির নানা মৃ**ডু**" স্লভরাং আমি কালাব মত অল-जात्त क्र**जित ? व्यापनि এই क**था तरमन, व्यासात छतः **जकुक्रभ**ाराम् काशत कथा महा विनिधा सैकिश करित ? আপদার মতের সহিত যদিও আমার মতের মিল নাট ৩৫% আপ্নার মত ভুল এ'রূপ কথা আমি বলি না, কারণ বিভিন্ন উপারে সূতো পৌছান যায়। স্বতরাং যে সঞ্চয় মত স্থানি তাহণ করিতে অসমর্থ দেওলি আছ-ইহাও আনি বলিতে প্রস্তুত নহি। কালী, ছগা, রক্ষা, বিষ্ণু, শিব, আলা, গড় এর উপাসনা প্রতি এবং লকা বিভিন্ন হইলেও প্রচেত্রক উপাসনাই সত্তো উপনীত হইবার ভিন্ন ভিন্ন পথ, উহাদের কোন পদ্ধতিকেই ভাস্ত বলা সকত নতে। গাঁচার। প্রবৃত সভোর (?) সন্ধান পাইরাছেন, তাংলের স্থাত্র স্থ-দল্ল (?) ; জীহারা কোন মতনেই ভ্রান্ত ( ? ) বলেন না ; তিংহারা সকল মতই সভা। ?) বলিয়া ব্ৰিতে পাবেন। বাখাবা সভার मदान भा'न नाहे, डाहादाहे गडदेवमा मक् किंद्राः वर्गगर। <del>টাছারাই গোঁড়া, অমুদার এবং অস্থিয়ু।'—বংবাহনবাদিগণ</del> এইব্রপ গারপাসমূহ পোদণ করিয়া একান্নপর্য দিগের সহিত निरम्दापत शार्थका चालन करवन।

একাননপদ্ধিপদ বলেন থে, মনোধ্যিগপের মন্তবৈষ্মা অবস্তম্ভানী এবং জীহাদের কোন মন্তই সতা নহে এবং সভা নির্দ্ধারণের অন্তবৃদ্ধত নহে। একারনপদ্ধিপদ বলেন দে, মনঃ-কল্লিড মিড মাত্রই জাল্প হইডে বাধা। মনেব চেন্তা ছারা। আরোহপপের একটিও সভ্যাভিমুগী নহে। আরোহপপ্যমানেরই প্রত্যের অভিমুখে। কেবলমান্ত আন্তাহপপ্যাবেরই সভ্যমন্ত্রী সম্ভাব অভিমুখে। কেবলমান্ত আন্তার পশ্চেই সভ্যমন্ত্রী সম্ভাব আন্তার প্রত্যের অভিমুখে। কেবলমান্ত আন্তার পশ্চেই সভ্যমন্ত্রী সম্ভাব আন্তা প্রত্যা আন্তা প্রবং জাল্প। মন অনিভা এবং জাল্প। আন্তা নিতা এবং জাল্প। মন অন্তাভার ছইডে নিতা মুক্ত বিশুদ্ধ অনুহিন্তল্প সম্ভাব আন্তানিক আন্তাভারিক আব্দার জাল্পন। জাল্ডাভ অবস্থা চেতনের আহাংকি ধর্মা। আন্তাল্পন মনোধর্মী চেতনের ধর্মের বিক্তাভ অনিহাতিক অবস্থার অক্সমণ। চেতনের ধর্মের বিক্তাভ অনিহাতিক অবস্থার অক্সমণ। চেতনের ধর্মের বিক্তাভ আহিফ্রিড অবস্থার অক্সমণ। চেতনের ধর্মের বিক্তাভ

বিক্তি হয় না। উপাধিবারা চেতনের তথাকথিত হথাবছা।

সৈদ্ধ হয়। দোবচতুইর উপাধির ধর্ম, বছর ধর্ম নহে। অধুচেতনের পক্ষে বাধীনতার অপব্যবহার সম্ভব। অধুচেতন
সত্যের সেবা হইতে বিমুব ইইবামাত্র দে উপাধিবারা অসত্য
দশনের অধীন হয়। উপাধিবরের বারা স্তাবিমুথ অপুচেতনের
লগতে অবস্থান অচিস্কারণে সাধিত হয়। বদ্ধাবস্থা
আত্মার পক্ষে অপ্রদর্শনের স্থায় অবস্থা। উহা আত্মার পক্ষে
বান্তব নহে, উপাধিক। কিছু উহা মিগ্যা নহে; উহা
অস্বাভাবিক। স্থাও জাতাত অবস্থা এক নহে। কিছু অপ্রাবস্থা
ভাতাত অবস্থা হটতে প্থক্ এবং জাতাত অবস্থার তুলনার
অবাত্মব ইট্যাও মিগ্যা নহে।

একানপছিল। বলেন যে, বান্তব বন্ধ অথও। বান্তবলাজো হণ্ডিত জান, ধণ্ডিক সন্ধা কিংবা থণ্ডিত খানন্দের অবস্থান 🕴 অসম্ভব । সেধানে অনন্ত বৈশিষ্ট্য ও অনন্ত বৈভিয়োগ সাহত পুৰ্ব একছেৰ নিতা অবিৰোধ অবস্থিতি। ইং। উপাধিক মনের সম্পূর্ণ অন্তের ব্যাপার। চেতন স্বপ্রকাশ বস্তু। উহার 'আবিহার' 66টা সপ্রয়োজনীয়। চেতনের ভূনিকায় জ্ব-প্রিত না ১ইলে অচেতনের ভূমিকা ২ইতে ১০৩নের স্বরূপের উপলব্ধি হয় না। চেতনের ভূমিকার অবস্থিত হটলে বিনা cচ্ছার অহমজ্ঞানবস্তুৰ সাক্ষাৎ লাভ হয়। অবিজ্ঞাতনঃ 'মণ-সাবিভ হইলে চেতনের ভূমিকায় অবস্থিতি সিদ্ধ হয়। যে ভুগায়ের ছারা দৈতিয়া সম্পানিত হয় ভাষাও হৈছেয়বস্তু। ঠৈ এর সম্পাদনের উপায় উপোয় হইতে পৃথক নতে। মত কিংবা বৈভিন্ন উপায় অংশতন এছে প্রাকীতি দাও। বিশুল ১৮তনে অচেতনের বিভিন্নতা আদৌ সম্বন নতে। वक्तग्रम है। मत्नाक्षणिशन উপে: এक निवास श्रीकात करवन। একামন্ত্রী আহিংশির্গ্ উপাস এবং উপে উচ্চকে এক विशा चें कात करतम । कियु डिस्टान भवन्यत्ति এक এत অর্থার এক নাছ। মনোধ্যিগণের একছে বৈচিয়েলে বিনাশ-कार्ती, देवनिष्ठा ७ महमानिष्यशहाद अकटवत विमानकार्ती। কা যুদ্ধী দিন্তের একছ এবং বচছ অচিহারণে পরস্পরের স্কট্টা স্প্রাদনকারী। উপায় বহু হুহলে উপোন কিছুতেই এক ইইডে পারে না। বহু পথ দিয়া একই গছবান্তানে উপস্থিত ২ইজে পারা যাব—এরপ যুক্তি বস্তুতঃ ভাত্তিমূলক। বহু গণের ষারা কোন ভানেই উপস্থিত হওয়া যায় না। বহু ছাগতিক প্रথেत সন্মিলন বিন্দু বিলয়। ऋड़देवछ।নিক্পণ্ক ইক ক্ষিত ৩য়। উহার বা**স্থ্য অবস্থান ভাগতিক বিচারে ও অসম্থ্য**় একারন : পঞ্চিণ্ড স্লৌভগন্ধী। বন্ধনীৰ উপাধিক চেঠা-দারা চেতনের ভূমিকা উন্নীত হইতে পারে না। চেভনের ভূমিকা চেতন। বস্তু: ে নেশ ভূমিকা অহৈতুকী কুপাপুথক বঙ্গীবের সেনোঝুপ ভ শতাৰ অবতরণ করেন। ভদারা চেতনের উদ্বোধন সাচিত হয়। ইহাই পারমাণিক ক্ষববোহ প্রতি। চেতনের আগ্রয়ে চেতনের বিষয়ত্ব উপলক্ষি হয়। ইহাট এकशांक श्रष्ट। कि ना क्रकांवन ।

## মনের কার্য্য

( विमिधियामी जीमहाक इरमन दलोडि महातास )

রুক্তনারা বন্ধনীবগণকে রুপাপুর্বক মূলফুল্পদেহছয় গ্রাদান করেন; ভাগার মধ্যে মূলদেহে দশটী ইন্দ্রির ও ফুল্পদেহে একটী ইন্দ্রিয়—সর্কসমেত একাদশটী ইন্দ্রির আমরা লাভ করিয়াছি। চক্তু, কর্ণ, নালিকা, জিহ্বা, ছক্তু, বাক্, পাণি, পাদ, পাছু এবং উপস্থ—এই দশটী জ্ঞান-কর্ণেজিয় এবং মন উভয়েন্দ্রিয়। সন্ই ইন্দ্রিরগণের রাজা, ভাছার বেক্ছাক্রমে

এবং বৃদ্ধির মন্ত্রীদে ইন্সিরণণ বথারীতি কার্য করিলা মনের সংস্কাব বিধান করে। কিন্তু সন এমনি উল্লেখন ও অসভাই বে, কোনদিনই সে শান্তিলাভ করিতে পারে না; সর্বনাই চঞ্চল। আজ অমুক দেশে গম্ন করিব, কলা অমুক বিষয় ভোগ করিব, তৎপরদিবস অজনাসলে দিব্য উপধনে বিহার করিব, অনাদিন অমুক রাজার রাজ্য অপহরণ করিব—ইত্যাদি প্রকার অভিনাধ-প্রাসাদে আরোহণ করিতে সর্বনাই সমুৎস্কক, এইরণে ওাহার সেবা করিতে করিতে ইন্সিরণণ প্রান্ত রুটান্ত হইলা পড়িলেও মন কিন্ত ভালদিগকে কোন দিন বিশ্রাম দিতে ইচ্ছা করে না। ইন্সিরগণ মনের এতে বশীভৃত বে, ্রাণন্ত হলৈও তাহার আজ্য করেনে সর্বনাই বত্নশীভৃত

প্রতিতেও বলি ছেন, ভীবদৈই একটা রখনিশেব, নেই। জীব — ভাহার রখী; বৃত্তি — রখের সারখী, মন—
ভাহার লাগাম, এবং ইক্রিংগণ—অশ্বত্তরণ, ভাহারা বিবরদিকে গদ্য, কুলিভেছে। আয়া ইক্রিয় ও মনেছুক দেহ প্রাপ্ত
বিব্যাসকল দেশ। ক্রিভেছে।

বিশুদ্ধ খাংবাব কোনত্তপ অসন্ অভিনাধ থাকিতে পারে নাং কিং শিশচিগছ বাজির থেকপ মতিছাল হত্ত, তক্ত্রপ মায়াশিশাটার থাবা আকান্ত গল্পীথের জড়বিষয়-সকল ভোগ কবিবার তথ্য কি উদিত হউ ছে।

মনই আহার প্রতিনিধি। মনের নিংশিক্ষে আহা সকল কাথা সমাধা কবিলা পাকে ভক্তরত প্রীকৃথবান কলিবকের বলিলাভেন,— ''চেডিঃ থবজ বন্ধায় মৃতক্তে চাবানো মন্ম। 'গুণের সকরে বন্ধান রাজ্য বন্ধায় মৃতক্তে ॥'' চিক্তই জনালার বন্ধন ও মুক্তির আরব। ধেমন রাজা ভাহার বিশ্বত সন্ত্রীণ উপর বিশ্ব কাথা প্রিচালনার ভার অপ্রীক্ষিণা স্থাং প্রথমভাগে বিশ্ব কাথা প্রিচালনার ভার অপ্রীক্ষিণা স্থাং প্রথমভাগে বিশ্বমন্ত্রকভা করেন, ভালা ছইকো রাজার প্রাণ্ডিক ইইলা মার, ভক্ষণ আহাব প্রধান প্রতিনিধি ভিত্ত বিশ্বয় আন্তর্ভ ইইলা আন্তর্ভ বা নাম্মনা উপ্রিত হয়, আরু প্রমণ্ডলর প্রভিন্নবানে আন্তর্ভ ইইলেই আন্ত্রান বন্ধনা নালি কালি গালি।

শ্বেশা নামী নদীতে মনোরগ ভল প্রবাহিত। তাহাতে ভোগারল চ্ফা ভাগসগৃহ বিজ্ঞান। রাগ প্রাহক্ষণে ইতারত ধারির হইতেছে। নোরকণ অতি গ্রহন আবর্ধ ঐ নদীতে অভান করিয়া সম্প্রশ্বেশিরগণ্যে গ্রহীর হুলমধ্যে ভুবাইয়া নিডেছে। নদিব উভ্রগণ্যে চিন্তা অতি উচ্চ তউর্লেশ বিশ্বনিত। মনা যদি বিভন্ন নৌকা লটার ঐ নদী উত্তার্শ হইতে পারে, তাহা ইইলেই মহল, মতুনা নদীতে পড়িয়া হারুদুর পাইতে থাইতে প্রাহতে প্রাহত প্রাহত প্রাহত প্রাহতে প্রাহত প্রহত প্রাহত প্রহত প্রহ

যাহার উপনে বিশ্বাস স্থাপন করিয়া রাজা র্মুখে নিজ্ঞা গমন করেন, তিনি যদি বিশ্বাস্থাতকতা করেন, তবে ভাছাকে শাসন করা সক্তোহাবে কওবা। মনই বথন বিষ্তে প্রমন্ত থাকিয়া আমাদের প্রদান শক্ষতা আচরণ করে, তবন মনকেই আক্রাকো স্বীকার করেন। কিন্তু মনকে নিগ্রহ করা বড় কঠিন। সে সকালা এত সতর্ক যে, একটুকু কাক পাইকোই অক্তর প্রভান করে, আর ধরা দের না। সেইজাল্ল ভারনান্ শ্রীক্লফ গীতার মনোনিগ্রহের সহজ্ঞ উপার্ম বিধান করিখাছেন— 'মন্তনা ভব মন্তক্ত।' 'অনহচেতাঃ যতন্ত্ব যো মাং স্বর্মান্ত নিতশং। ততাহং ক্লভঃ পার্থ নিতাগুক্ত বোগিনঃ ম' তিনিয়ে আর ও সহজ্ঞ পত্না প্রাদর্শনকরে শ্রীকৃষ্ণতৈভক্তকে। বলিলেন,—

কি ভোজনে, কি শন্তনে কিবা জাগরণে। অঙ্নিশ চিন্ত ক্লফ, বলহ বদনে। 'ভন্মাৎ কেনাপ্যপান্তেন মনঃ ক্লফে নিবেশয়েৎ।' (ভাঃ বাচাণ্ড)

# গ্রন্থ পরিচয়

## **জীমন্তাগৰত**ম

আৰমহৰ্ষি ক্ষুক্তৰপায়ন বেৰব্যাস-প্ৰণীত মূল, শ্ৰীমন্-ঠাকুর-কৃত দারার্থনর্লিণী টীকা, বলামুবাদ, সংস্কৃত অব্য ও সেই ছদ্ধের প্রতিপায় কথাসার, অধ্যায়ের প্রথমে ঐ অধ্যামের সারস্থা বিভূত তাৎপর্যাদি নির্ভ। প্লোকসূচী विषयक्ती, अधि।विविद्या, शांव ও जानक्तीम् छेत्र কাগজে উত্তম অকরে মুদ্রিত। প্রথম হইতে ১০ম স্কন্ম পর্যান্ত ভাপা প্রণক্ষিপে খেব হইয়াছে। ভিক্ষা প্রথম नमङा ८०५।

## **এইটি ভারতি বিভারত**

ক্রিমান্ত সরস্বতী গোকামী প্রভূপাদ লিখিত 'অফুডাবো ক্রতি-স্ত্যাদি বহু শাক্তপ্রমাণ-সম্পতি হইয়া ध्यकानिष्ठ इदेग्राष्ट्रम । स्मारकत मान्यवाचा, वन्नानुवान ० প্রত্যেক প্রারের পুরের সংক্ষিপ্ত অভিদের সংযোজিত। প্রভাব অব্যায় প্রার্থ্য কর্ণানার দে হয়। আছে। শোক, े ও ক্লা পরার, শব্দ, স্থান, পাত্র প্রভৃতির স্বর্তৎ ফটী ও গ্রন্তকারের বিশ্বত জীবনী সম্মিত এইরূপ অভ্তপুর সংগ্রন ইতপুরে কুরাপি প্রকাশিত হয় নাই। উত্য করেনে পারিপাটোর महिक कुल कामरत भूगारन भूमिल बहेगारक >eoo शृक्षांत्र गण्या । किका वहमारन e, माज ।

## <u>জীটেডমুক্তা গবভ</u>

এছকারের জীবনী, প্রতি পরিক্রেদের ক্থাসার, বিস্তৃত (नोडीय कारा, समक्ती, भगतक्ती, विश्व-साम नाश স্তী, প্রস্কৃতি বিবিধ বিষয় সম্পাত বির উ দিতীয় সংস্করণ ! পাদ স্তৃী, ছবল ক্লাইন ৮ পেলী আকার। আদিলীলা ও মাের কিয়াল্প প্ৰকাশিত হইয়াছেনৰ জানে জমে প্ৰকাশিত इट्टाइम। अधिम जिंका ६ होका, आति शौनात 1841 0 1

#### **ब्रिटेड उड़ गहन**

এই গ্রাছের এরূপ অভিনব ফুলর সংস্করণ আর কুত্রাপি প্রাক্তি হয় নাই। সংস্কৃত প্লোকাশ্পের অবয়, বঙ্গামুবাদ, क्षांगा, कथामात, एथा अक्षि मह थए १ ०१३ अवर्गानक ছইয়াছেন। মূল মোটা অক্তরে ভবগ ক্রাউন আটপেছী कुरवाकारत काला क्षेत्रारक । भूला २॥ व्यवसा नवीश ख्यान ७ (भोकीसात आहरू गरात शरक अ। • ऐकि।

## ঞীলভগনদ্গীতা

-- ত্রীগৌদ্ধীর বৈঞ্চবাচার্য্য কপ্রাকৃত রুগিকচ্ডামণি মুক্তীবিখনাৰ চক্রবটিঠাকুর গোলামিক্তা সারাধ্ববিণী াকানমেতা ও আত্মিমছকিবিনোদ ঠাকুর-প্রণীত 'রসিক-अस' नामक ভाषाভाषामहिन्छ। अभाष्यकी, म'कृताकत्म প্লাক-স্চী,বিদয়-স্চী,প্রস্থায়ের জীবনী ও অবভরণিকাদি -काण्याचित्रव-मृद् के कहे बीधारे कृष्टीय मःश्वरा--- र दे ताक ·ध्वर्गत किका २ होका माख, गांभातन मःकतन--->॥• तका भाषा

## শ্ৰীল প্ৰভূপাদের বক্তৃতাবলী

ওঁ বিকুপাৰ শ্ৰীশ্ৰীমন্তজিসিদাখসরসভী **गोचामी नदातारकत एक व्यक्तिका विश्वास्त्री** कीवाश्वयक्तरभारधारिनी क्रमः काम्छ निक्तनात्रिनी छोयश्व नागन्न भूकं विश्वह—दिकानिका छ-तक्कालात दकोल स्मिलि--मन्द्रकाल **ম্মাচাৰ্য্য-ছতা তাৎপৰ্য্য-মিশ্রটীকা;** শ্রীমদ্বিধনাথ চক্রবার্ত্তী বিভ্রবিজ্ঞানাগারের নৌলিক তপ্য--পঞ্চরতে ও ভাগ্নতের गमध्य छक-स्थाकन-दीवनः विक निकक िविवासितियाः व আভিশ্ব, তথ্য ও বিষ্ত্যাদিস্ক। প্রতি ক্ষেত্র আদিতে অচিয়াত্র-বিচারক—ঐখণ্য ও মাধুণ্রসের মৌজিক ও বেসগার বিশ্ব । তিম্ভ বিভ্রণ প্রথালী ও অওক নিমা লীবা-—সম্বন, অভিনেয় ও প্রেয়াকন সংবর নিদ্ধার সমুদ্র ।

১। প্রথম খণ্ড—বৈষ্ণবদ্ধন, শ্রীপ্রণত্তপ্র, কাল-भव, बीमम्हानिकान, धनार्यकाननी, श्वानाशिकी हीका अ वर्ष विधात, व्याचा च अ मानावर्ग, स्टिंडिए जाएन क ভাষার শিক্ষা, অপপ্রার্ভ স্থত্যকর ও প্রায়ত স্থত্যকর, **ইউতে এর কর পর্যায় ব্রাপি ; দশ্ম হল ১২**্ঃ বিভ্তি বিংশতি সংখাক বছে তথোডিত। তিখা মার এটিত পুরাণ-পঞ্চরালোট সাহাহ শাসসমূহের প্রমাণাবলী he বার আলো।

২। দ্বিতীয় খণ্ড- দ্বা ও বিদ্ধা ভক্তি, ময়দের **্রীনীমছন্তি বিনোধঠাকুর রচিত শিমৃতপ্রবাহভাষ্য** (এইতা কে পোষ, মান্তার নিতার্ভি, উন্ন স্থামিপাদ ও मात्रावान, क्रीर्ट्याल-चित्रासन्म क्षयम, विग्रताच ध्या ७ क्रम कौरुन, जीतामधूर्यात्र शिमधानगर्धत की इन, जालीत-व रमत महिना, मन श्रमा, जिल्लानिक, जीतलाक्रनान्त्रका थय, ज्ञामको १० च छन्निको, ज्ञिते छट्नव सम्म, ८५० ালেশ অপুর মধুরিমাপুণ-বভুতা-বিভুনিত। বিভুনিত। বিভুনিত। পুলুত, উপুরুই 🖯 कियात .. ५क छ ता भार।

> প্রথম ও দিতার— সই খণ্ড ক্ষতে শুইলো ভিক্ষা ১৮০ দেছ টাকা, ডাক ে হাত্র।

## 🚇ম ভগবদগী ভা

कृतन्त्रप्र ७१३३ ७ शद्धात्रात्याङ्गात्रम् **२५**-ভাষায় শিস্ত ' স্থতী, বিষয়স্থতী, 🔞 প্রতি স্লোকের প্রথম ও স্থতীয় | গ্রন্থক্ত ভিলাচত জানামাত। াবের ফীবনী প্রভৃতি দম্পাত। উংক্ত বালাই, এ, দ্যা গুরুণ ( ভুতীয়া সংস্করণ ) গ্রাহের किया २, जिला।

#### **প্রেররত্বাবলী**

ट्वीमदलस्य (वज्राध्यय-ध्ययेष विकायमन्त्र, मन्द्र ६ গোরিন্দ ভাগ্যাদি গাঁচুবার প্রথম গ্রন্থ। উৎকৃষ্ট কালিতে ছাপা। সুবিশ্ব টাকা ও প্রায়ণবঙ্গানুবাদ-দাহাল্যে অভি স্কলে ব লবেরও বোধগম। ইইয়, পাকে। ভিকা |৺০ স্থানা মাত্র

#### श्रीमः हो भश्रामगाहाचा

মাণ্পও সাহবাদ। শক্তি-স্ভাগদি এতে শীনব-ছীপের বে মাংফা কাঁইত আছে, তাহার মূল সংস্কৃত ও নাম মাল ভিজ্য ॥ । আনা । व्यक्ताम । अयो ८० आली।

#### শ্ৰী শ্ৰীনবদ্ধীপভাৰতর্জ

জীগানুর ভ্রতি নিন্দ বিশিষ্ঠ। সুদলিত গীতাকারে পরিক্রমার এরবাটি বিভাক। ভিক্ষা। আনা।

### ছক্তিরকাকর ও মবদীপ পরিক্রমা

শ্রীল নরঃ রি চ কণ্দি-সাকুর রচিত। ভক্তিরতাকর হটতে পরিক্ষাংশ মান গৃহীত; প্রীঞীব গোখামী কি প্রাকারে জীনবর্গাণগানের পার্ত্তনা করিয়াছিলেন, ভাহাই প্রছে বিব্রত। ভিজাত আনা



मीक इंकिटिश्मिन शेर्यस लगेन 2.003 भिणा अपाणी-कृष्ट, द्वक्ष कि ए । । तक ५ वक कीव-মাচন্ত্র দেনতেন -না নি নিগ্র-- এব্যোভন-পদ্ধ, **কর্ম**ন কাও, নাংমাদির চৈচার নবৈত্র ভাজি, ভালংজি ও পরিচয়াদি তাগম শিলাগার উল্লেখ্য করিয়া সরল ভাষায় সমুদ্র স্ক্রিমোনস্থালিখন আনে। চতুর্থ সংস্করণ বাদ্য টাকা, আনাল , দুৰ্ভ টাকা নাক।

## (भो शहकर्धशत

भिर्मी है। प्र देवक बराइन्स । असमा व कर्ष भागन हा । विवयतिकाशकरम माध्यान छक्तिको । उन्हेन विकाद-সিদ্ধায়ের সার্থ্যবয় মতা কুঞালি প্রকাশিত হয় ন। । ইহাতে প্রকৃত্ত - ভাগ্রত-- বৈধান - কৌর -- নিভ্যানন--- - चिर्द्रश्य -- मुक्तिम् कि--- भर में न स्वास्थ्य क्या - सम्बद्धाः --- श्रीनाम -- श्रासाहम २ श्रामान - व्यंत्र श्रीन व्यापास প্রবচ্ছ খোকাদি ফ্রান্র উক্তর্থ ক্রিক কান্ডের বোঞ্চ গ্রাস্থার ৪- • গুলার স্প্রা ভিয়ার টাকাংশার।

## ভীননদ্বীপধাম-রাম্থানলী

শ্রীমণভত্তিবিশোর ১০০২ বড়িও তামমাহাল্যা--থাম-া নাংগাল্ল সাম্ভান প্রমাণ भवड ति ५ कनकी - আনহ ভাবোধানকরত নব্বাপ্রভক্স---ান। নামক ভাষাযুক্ত। অধ্যাদ- শ্রিমছঞিবিনোদ সারুরের জীনবরীণ ভারতর্গ ওছেতি

#### শ্রীহরিনাগামুত ব্যাকরণ

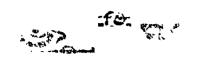
শ্ৰীকীৰ পোৱানী প্ৰভুপান বিশ্বতিত ধন ও বৃদ্ধি, ভংমদে ভবিক্ষণাৰ জীমছজিনাকাও সব্বতী গোকানী হকা যুৱী প্ৰছেৰি স্কা মহারাজের ष्यशासिङ्कार्य भगस्। २८ है। का जा गरन পকে ১৮০ টাকা মাত্র।

## (नभाष उच्चात

শ্রীসভাষাত্র সামার বিভাগ বেলাকের বিশিটাইবছবার-প্রচারক জীভাগা প্রাণোধ্য আভাষ্য প্রবর্গ বেদারদর্শন গাটের উপযোগী করণার্থ এই উখন করিয়াচেন। ইংতে বঙ্গালুবাৰে ও জ্বলিখাৰি যাংগাজিত করা ইটয়াছে

#### শ্ৰীটেডকাচজায়ত ও নবদীপাতক

শোরপায়ন ত্রিদ্ভী জীমা প্রবোধানক সংখনী এইছ মুলা, প্রাণুপদি শ্রীমন্ ভক্তিনিদ্ধান্ত লাকে টী ১ প্রার্গ ১০।এক মুক্তরালিত কার্যমধ্য বাংগা। ও বছাতে এল মহ্নিত। মধ্যীপূৰ্ম প্ৰক্ৰে 🖺 ভাজিবিংকাদ ১ ফেরের প্রসমূব দি 😉 एक्ष्म औरमध्याक्षां ते ते की किल्प्यिक मार्गीक्क विक প্রায়ক চইয়াডে। মুদ্দ ও কাণ্ড উংকর । ২ বানা (करात ) जिल्लामा आर. यहि स्वाम रीमारे ताकामस्यव ः , हाका मात्र।



শীম্ভকিনি দি লাভে-প্রদিত। এই একমার প্রস্থ স্থান্ত । ব । ব কা হে পাল্যাবিক সালে। কিলা 🕫 আপেন্ন বংগ্ৰেষ্ট জ্বিয়ে নাং তথ্য পূচ আন ৰাজক । अस्तर हराम की प्राप्त अंश अ**य** अस्ति काम करें। रीको साम् अस्य । काल इत्या त्रा अस्तानात्रात्रः । सह । राजीको इ.स. आ ल एकिए र ते, क्राप्ति Contain in a mill bound for forthe ar, F 21 4 ্মাম্ ব্যাধ্য ওংজাই বীবেজি- চতুৰ বাজিলা टगराः ख 4.23 1001

## *હ્યા* રિવર્ધ

শ্ৰন্ত গ্ৰাম এ কে হাতি ভালালা

প্রসূতি আর্ক CRivi. १ के बन्ध अप-जिल्हा ব্ৰাহ্য হ'ল হ'লি হ'লি ২২, চি ৮ চছেপ ই म्ब अभागामाः।

### ভঙ্গনর<sup>্</sup> **ভ**

ভ্যাক্ষণীর মিত্রাজার শহুল ভ স্থায় নিজিল লাগের (১ টার। । প্রথম **८क** के बुलिएट भारतिस्तान नगर हुई भारति

## হরিকাম'চভামণি

भित्र इत्तरा शाहिता भूष झैनामध्या है। 翻斯(斯勒)로 चा, नाम कान, नामाह नाम का क्रिक निरामिता अक्षा रेख रेख प्रकार अपने कि दिया कि जिल्ला है। एक जिला अर्था के আনি সংল কংগ্ৰেড ডি.চ. আন্তঃভপ্ৰিড উদ্ধেষ্ট্ৰিড 🖟 🖼কা 📭 আনে) মাৰ 🛊 

#### 新开515中代医》

বিশ্বতা ও আদশারে পরিকের এবংর এথানের (श्रथण है। कामा Burne asses sie दुराग्रह व एक ७ बागसाद शतः अधित्यभूदवतः वादरः व्यन्तर्थशिद्धवि ও ওগরংবেল। এ'ভ করিব'র হাবির। প্রেট্রেন । ষ্ট মাসরণ, ভিকাসতে মানা মার।

#### শ্রাণার্গ ত

জিম্ভা জাবলেদ সাতি সাম্ভাত চা ভারেদে **সাল্লন্মর্প**ন্ধ বিজ্ঞপ্তি, ভালনা কৰা, মহুবিধা শর্মাণতি ও সিছে লাল্যা-विषयक (प्रतिकार) , ( ७०१ ) के स्वरंग मा के 1

#### গীভালশা

শ্রিমার্প ভবিটার বন-তর্ণাদ। নিত্র ভলন, মারাত্রিক खंतरम-द्रभन गाँग मिन नेत्र क्ष मानुत भारतामुद एकदळ अभिन्छ । रिकार रामा माता

#### জী সংযোগ হাটাৰ

चित्रक्षक करेट मोलि किमिनिस नाय एक छो शक्त विविधिक तमराखाः जिल्लाहिकविद्यान शहरातव सञ्चनान-সহা ভিকাত থাকা মানা

শীমনভাটোরৰ শিসা ও শীন রম্পুণ দাস গোস্বামীর ত্তি এটা বা ব্যাস্থামার উপরেশবাণী, ভব্তিপ্রেপ অফুডুল ও প্ৰিকল বিবৰে ভ্ৰিচালিত ম্যোদন ভাগ, বিস্ত পিরুলি, চালভায়ুকের প্রেমণে, স্পেল বর্ণলা ও মহামন প্রানীক ক্ষেপ্তের বা গাল্ডমন্ত ব্যান্ত বেশকের স্তিক ्दिश्चि क्षेप्रारक्षा । एक श्रेप्तन किया (४० घाना)।

#### अन्धरा-भाष

नाम र्याप्य भेषा मन्द्रभिका, खील शांका ति: ११ अत्रान्त्रा (ध्या (• अला)

### প্ৰেম্চলিচলিক।

দ্বীর ঠাব নরে মধের প্রশ্নীপা প্রেমভ্রিবিলক Jan 2012 18 18 Con

#### सन्धो शन् अन

তেপিকাৰে চুক জীল পোৰেধানক [ ল টোলাল জেব জনবিক্ত পছাত্রবাল । ই

#### ामधील १९७५

Co1475133 8 अवस्था १.१४। रिकार के उस

## সদাতারশ্বতি

जिङ्गा देनकादनन निङ्गालकारीम गर्माधाता

#### मधिराक्षको

ক্ষতিকলকেপটা শ্রিম্যালে গ্রাগ্রার রচিত। শ্রীম্মুদ্র ৬৫টোৰ সংক্রিপু ছবিনালীন ও ছব বেপ্তব্যক্ষত। হাজু ক্র

### (भौतक्रद्रकारस

প্রাচান কবি আলোবিল দেবা প্রথাত আলোৱারারা আমাধ্যবলা-সূত্ৰিত সংগ্ৰহত হয়। তিখা চেত আনি চ

#### যুক্তিমল্লিক: ( গুণদৌরভ :

শ্রীমধ্বসম্প্রদায়ান্তথ্য শ্রীমনাদিবার স্বামিরার চরস্কার্য যাপুৰাৰ এই প্ৰভাৱ আৰুশে পাৰ্যাপিক মাহিত্য-ছগতে এই সক্ষত্রথম। জীমগাধ্যান্তান হইতে গোড়শাব্দম বিভীয় মধ্বাচাৰ্য্য নামে গ্ৰাড জন্ম নিরাজতীপ স্বামী এই প্রচ मायात्रर पुक्ति छ त्रोकिक आधारामात्र कितल स्नन्तकात्व ভিভি-বিরোধি-মতবার সমূহ পাওম করিকাতে, তাহা পাঠ कतिएक कतिएक काम्हियात्रिक इंदेरक इय । 🛮 देशएक युक्तित इ'ता ठाकाक्, टेड र, त्राफ, भागाभक 🧐 भागावानिमछ-সমূহের ভ্রুত্র প্রন রহিয়াতে। ভিজা ২০ টকে: মাজ।

#### (शायांकी जील तप्नाथ पान

। ও विक्रमाण ख्रीन ७ डि. भिदाय महत्र्व है। (शावामी প্রাদুপাদ-লিখিত ভূমিকা সহ ) গৌরপ্রেষ্ঠ স্বরূপ-রূপের তক্ষাত্র প্রিয়তম ভীল দাদ গোলামী প্রানুর **অপু**ন্ধ চরিভাতত ও শিক্ষা প্রতীব প্রাপ্তর ও সর্গ ভাষায় সরিবিঠ এবং পরিশিটে দানগোশামী প্রতুর বিরচিত কর্কটা সামূৰ'ৰ মধুরভম তবে ও মন:শিকা-বছলিত। ভিকা राजह ॥ जाना, भाषानाई। ४ जाना मात्।

## চিত্রে নবদ্ব

আচীন নবৰীপের অবভিতি, তপা, ঐতিহা, শ্রৌত 📽 গ্রতিসানিক প্রমাণসংক্তি নংটা খ্রীপের সচিত্র বিবরণ-এর। রাজবিরাওগাতের কুমার জীগুক্ত শরদিশু নারায়ণ त्रात तम, ल, व्याञ्च (बादशांत्र), द्वानाळ्यस्य मदशाम कर्डुक মফলিড এবং ৪৭ থানি বিভিন্ন বর্ণের **অপূর্ব চিত্র ও** ধানতিজ-গুম্বিত: প্রাচ্যবিজ্ঞামহার্থি রায় সাছেব মণেন্দ্ৰ নাগ নহু বিশ্বকোন্যম্পাদক মহাশ্বের নিস্তুত ভূমিকা সত। উৎরুও ( ইং : মরকো বাবাই মুল্য 🚵 🙉 😇: পি: তে २ हें कि साधा

## माधन-कर्श्वनाता

'अक्यन्तिन, टेक्सन्त-वन्त्रना, देवसन्त्रन्त्रन, शा**लाटनत गील**, শ্রীনামতট, শ্রীনধার গ্রিন্র অধ্যোত্তর শত নাম, অষ্টপ্রছর नामको छन. भीनामनही यन, ८ श्रमधनि, वाष्ट्रेतमञ्जीक. मनशैल-मनिमा, किमामालून मिन्या, श्रीमद्राष्ट्रम-श्रीपत बाहेक অ'লায় বলনা বভূগোপানীর অটক, প্রেমন্ডব্রিচ ব্রিকা, डेल्टन गराया भाग उक्रम- लागावी, महालाङ् e तांश त्रामान<del>वा</del> সংবাদ, সন্ধান্ধা, জী ওকাপ্রাণ্ডি, প্রী ওকা-পরশারা, নহা প্রের বন্দনা প্রভৃতি সাধক ও সিদ্ধভীবনের নিত্যপাঠা, বৈদ্যবগণের কণ্টাশিত ভূন্মীমালার ছায় **মহকণ করে** িলে ভা ভালের অবের ) ধার-মোলা অপুন গ্রন্ত। ভিজন (৮/০, বালাই ॥০ মাজ।

## (भोडीस-(भोत्रव

क ेका पान अधिक आवर्ष है हता भी श्रीत मन्नातक कीलाम अन्याक्त श्वाकिम्याविकाम श्वमक वक्कणात्र विश्व शहकात आकाशिक। डिशाइड त्योडीय देवकवम्स्थ्रमादश्व । हा इंड्राय करा कारत शिविष्ठ क्ष्रेगाटक । विकासि 🕪 भावा।

#### গোড়ায় সাহিত্য

কলিকভার প্রপ্রনিদ্ধ আলবাট হলে গোড়ীয় সম্পাদক জ্বীপান চন্দ্রানন্য প্রবিচ্চাবিনোদ্রান্ত প্রদান্ত **বাফ্তার বিষয়** প্রভাগালে প্রকাশিত। ইহাতে স্থিত্-শঙ্গের অর্থ এবং ্রাট্র মাতিতে ব বিন্যু জাকোষে ব্রিড ইয়াছে। ভিকা igo आना माति।

### **উটোটোড়ন ওল পরিক্রমা-দর্পণ**

ইতেনাড়লেশের যে সকল ভাবে সপ্রিক্তর 🔊 মন্ত্রাপ্রাক্ত त्या अनुसुध अववर्धी भराष्ट्रनात्य भीता कतिया नियाद्यन, ক্রের ব্যব আয়ুনিক ভৌত্যোশিক পরিচয় ও দেববি**গ্রহাদিয়** প্রিডয় সহ যাত্রোতের জ্বিল নিধ্যেশ ইত্যাদি বিষয়গুলি সন্ধিৰেশিত আছে। তিকা • আনা।

### THE HARMONIST

OR SHREE SAJJANATOSHANI

ত্রীল ঠাকুর ভাজিবিনোদ-গ্রেডিটিড এবং খ্রীল ভাজি-নির্মান্তনর্যাতী গোসামী প্রভূপাদ-সম্পাদিত পার্মা**র্থিক** शानिक श्रेष । एकार है होतां की कार्याय करे विश्व वार्य अवस्काडिन ৮ (१६) व कर्षा भाकात व्यक्ति शास इति-নামের বিজ্ব-বৈজয়তী শইনা উপস্থিত হইতেছেন। কাগত, মুদ্রও পারিপাটা ও টিজাদি মতীব চিতাকর্বক। ८३ लाकात उँ१३३ लावक चात दकान गानिक भवाणिएक ্ৰিখিতে পাইবেন না। বাৰ্ষিক ক্লিকা ভাকমাণ্ডলস্ক 🖎 हे.का माळा।

## প্রামিস্থান-শ্রীটেডগুনঠ, পোঃ শ্রীমারাপুর নদীরা

# বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভক্তিমঠসমূহ

তভ্য মঠ

## আকর মইরাজ

व्य हीता भवषीत, छाण्यत व्यवस्य मात्रान्त, नवीता

क्षिकारवाशनीके व्हरण कांत्र ०० मन् छेन्डव-भूग्य टीजनभन्नत्व चारावाहर छेरस-त्ववन्यत्व अधिके श्व-यठ निवासमान ।

এই স্থান সাবস্থান-ভীব, পরবিষ্ঠাপীঠ বা সাম্বত ভজনস্থা। এই মধাভীবেঁ ত্রীহরিন লাগামুভ মার্কিবশালিত্রকালস্মৃত, পরবিভার অন্তর্গত কাবা, নাটক, প্রকলার, তথা क्षमाग-केशिभिष्यु-तिका-एक-श्रमान क्रकृत्रिक क्षमाचन । क क्षमाणना क्षयर क्रमाय क्रिकन বৌরাল-পাত্র অ্কা-গিরিগর ও সাত্তত সাত্রালারক-আন্তার্থা-চতু র উচ্চেরে উপাত্ত বিধানের গৃহিত মিজা সেবিত হইজেছেন। এই মঠবাজে পাংমার্থিক দৈনিকপত সাম্বত-मध्यस्ताद्वात्र व्यावस्त्रात्मक व कथाछीन आकृत्राचि आकृत्राचि अक्षित्र क्षा 'समीग्रा-आक्।म' यञ्चानत আভিটিত ভাষাতেম আভিবংগর শ্রিধান-পরিক্রমান্তর্ভান ও অগণিত ভক্তপোষ্টিগত ভীপ্তিন প্রচারমুগে মহামংগ্রেগনি ওজাক অভৃত্তিত চেলা পালে। বক্ষক--- এসচারী শ্রীপার নরচরিত্রীঃ সচকারী--শ্রীপার বিনোগরিধানী ব্রশ্বচারী, পঞ্জি শ্রীপার গৌরদাস अव्यक्ताती मानक्रमधीर्व, किलाम नीप्रकक्ष अव्यक्ताती, शिक्षक द्वीयामनानम अव्यक्ताती, শ্রীযুক্ত মনীপোণাল বল্বোপাধাঃর, জীহবেরাম লাগ একচাতী কামুণ স্ক্রেরগণ।

বির্ভিশানী শ্রীনত্তজিপাদীপ তীর্থ নহারাজ এখানে হরিকণা কীর্তন করিতেছেন। পরশ্রিলাকার ভঙ্কিশাল প্রজ্ঞতি।

## (৩) যোগপীঠ শ্রিসন্দিয়

कर दान जीक्रमहाचित्रज्ञत छन्न न श्रीबन्त्रशास्त्रकृत व्यानिकात-कृषि मनावान-नीर्क। जवादन अनुकारिकामा व अविकृ व्यिशानक मिरगोन्नातात्त अन्य केटेव्हमा श्रीश्वास्त्रक्ष विका ग्राना छन। श्रीनक-**चट्चर दमरा नक्यां**ला तक्रक—्वांक-माबाबद (लाखायी कड़ेकिस) वाकृ जीवमा-माबः मञ्जाती श्रीनिकाशनम अक्ष्यामी, विवासनाम अच्छाती । क्षिमायनमान व्याप-कारी, (वनमंत्रा क्षेत्राप्रकाम ।

## (8) 🎘리기-미국의

अभग्नशकाञ्चन कोश्वन-दिनाम या **बै**रगोतगोगात वागदगो । जनारन बिक्किशोत-विकासिक के भक्क दिवार (गरा) विकास । १क र--- श्रीशशास्त्राम अवहात्री, श्रीवमुक **७७. शिलाकुनवान वावाको** ।

## (१) चार्टचक-क्वम

बहे प्राटन क्रिजटेवक श्रम्भ करन व्यवर (म्या वस्त्राम्।

(%) काळोड ममाबि न है 🕟 - आठीम मात्रालय, नाममण्ड्य (भगीया) अक्षीक्ष्मभागात क्रिडांबकाची व मधाव । श्राम्य --- श्राम्य हाश्री श्रीविद्यानावकाकी ।

## ( 4) **배(하면 떨리트 주의**

**शिक्षाक्ष, बस्नगाम ( सनोधा )** अवारम केविक्नार क्षेत्र काकिवित्नापरे।कृत्वन auffe war Acoffentius war Adaiui-बाब्द्यम् दमया यक्ष्माम

इक्क-क्रिकृत्य काकार अवहाती 47, 44, 44 1

## (৮ জीक्षणबाब दमोडी व मठ भग्रमनशि**१**ण ।

মুক্ষ ক--- শ্রীবছবর ভাজিশাস্ত্রী এম, এ, नि. बण, मरकाशी-- श्रीडेड क्यांत अकि-नाथी. केडेककम चांदभाती अङ्हि।

(১) 🕮 दशोत्र-भवश्यत्र-मर्ठ है। भारती, ममुखगङ, (व्यमान)

क्षेत्र वालीमात्वत श्राष्ट्रिक ल्लाव्यवापत সেবা। রক্ষ**ে তী** চকিবিঞান আগ্রম।

## ্ ১ - জিরপংগাড়ীর-মঠ

बाबाशक, श्रामा केंडे, नि बक्त क--- श्रीकविषांग अध्यक्ताकी, श्रीकृत्रसम्बद बम्बाबी ।

#### ( >> ) श्रीध्यापक्रमहा —

माञ्जलकि, कार्यात, बद्धमान। 🕮 गामावकाव ठेरकूव बुक्तावस्था काम । হক্ষ--- ত্রীবছবিদারী ব্রহ্মধানী। (১২) ভাগৰত আসন 🖹 श्रावक (व्यम, क्रक्ममन, नमोधा । काश्वन शिक्षां अश्वनशी व्यव्यान-एकव व्यक्त-अभहानम बन्दाहारी।

( ५० ) अधिकासम सर्वे CB:मनाष्ट्री, त्याशाष्ट्री, कुक्कनगढ, भवीता । क्ष्मक---श्रेबङ्गानम् अभ्रत्नाती ।

( ১৪ ) ख्रीमाश्य-८गोफोन्न मर्ठ ৯-अर अवाव मुक्ष दशाख्, हा का । भृषासम्बद्ध काठाव-८०व्ह,वशादन क्षी छक-(भोताक माक्का-भितिषद्य द्रम्या वस्थान । क्रक-- श्रेवायावलक बक्यामी।

## ( ১৫ ) ब्रिटगाभानकी मठ क्ष्मवाश्वर, हाका।

लागामबीर अविकार व वाहीन त्रया 

## (२) बिटगोषीत्र मर्ठ

১৬ मः कालिखनात एकवडी क्रीहे, त्याः वानवाबात्र, कलिकांछा । छिलिएकान वि. वि. ६०५६

জীমসাকা গ্রন্থর প্রচারিক ক্সনিশান কজিণখন-প্রচারোদেশে গোষ্টবেশের সম্বাধান নগরী কলিকাভায় আছিলিনোই আসনে গ্রীমঠ প্রতিষ্ঠিত আছেন। এই ভঞ্জ-গুৰুবারামে 🖴 এক-ব্যোগাল-প্রিবিনোলানক জীউ সপার্বদে নিত্য দেবিত হন। সোদ্ধীর আচাৰ্যদৰ্শের বাৰভীয় প্রছাৰলীর প্রপ্রচায়োদেশে ঐমঠে সংলগ্ন একটা কর্তং সূত্রা-বস্তাশন সংখ্যালিত বইনাছেন ৷ পুৰিবীর শক্তা টুগোওনাম-প্রচারাথ এট বস্তাশর эहेट्ड '(त्रीड़ीय' माखादिक भवा, कि क्याजानिष्ठे मानिक भव्विका हेश्याकी खावाह নির্মিতভাবে প্রকাশিত কটডেছেন ৷ খ্রীমঠে পাঠ, গড়ীর্ত্তন, গপ্রভান-চতুট্র-বেরঃছ, শ্ৰীমস্বাগণত, প্ৰীটেডজ্ঞ-চরিভামুভাদি-লীগা ও তথ্যতের সমাক্ আলোচনা হইছ থাকে। মঠরক্ক-আচাই।ক্রিক জীপার কুর্কবিচারী বিছাপুষণ। সচকারী-পঞ্জিত जीनात अमस्याक्त्य भड़िकाकृष्य दिन्त, जीनात श्रमदानम भरतिसादितात विन्त्र, জীপার রাস্বিকারী একচারী, জীপার জগতভারণ বাসাধিকারী বি-এ. জীপার क्यामान कामानिकाती. अवहाती औकी र्वनानक, अवशाबी औमात्रीसारन, अवहाती ত্ৰীক্ষণনৰ ভাৰিশালী, ব্ৰহ্মচাৱী ত্ৰীংখৰদীনকন, প্ৰিচ ত্ৰীপা নবীনক্ষ

## (১৬) क्रिशमाचे-८शाः वि वर्ठ रविक्कि अवादिनी मुखा, वानिय व्यागमाह-दशीबारमञ्ज निका दनवा धक्क-- जीपुर्व श्रक्ष अष्ठाही।

### (১৭. शिकाशयक्षमानम् मर्ह

ाँठक्रनिका, बाङ्कालनश्रह, स्विभीश्रह! खशास की अ**ब-(भोर)#-भाद्य क**ा-शिविभातीय निकास्त्रका बद्धमान । वक्क---ंडबरायी और गरानगायको । उच्छा हो भगाननः

## (১৮) कांबनां द्याका अनेबाध्येत्र वायबाय त्याः वर्षमान ।

निष्ठारम्याः ४कव--- अवस्थानी स्रोधितः ferute :

### (১৯) जिल्लासम्बद्धाः वर्षे

वर्गशांत्र, लक्षी, डेस्क्या । जवात श्रेरवीय-वित्नावभाषवणीय निका-रमना वर्षपात । सक्तक -- क्रकारो श्रीलन्या-नम विशादम्. बक्रवाती श्रीमहोत्रातक।

## (२.) बीजण-दर्शाकीय गर्ड

माणवत्रनाथ, उम्मणिति (भाः, भूती । व्यवज्ञाब्द्यदेवत व्यववात मध्दत व्यवका मध्यात्र । ४००-अव्हात्री ध्येनवृद्यम्बर्धे क्यानको । मस्कानी-उच्छाती अविभिन्नविद्याती ।

#### (१) जैनकिनामम गर्ड

Biggiqimia, 484 : बचारम विका-शोशक-विस्मानप्रमन-जीव निषालया वर्षमानः प्रकर---वयमधी बीयरहर

## (২২) গ্ৰীসৰাভন-গৌভায় মঠ

अमर कशक्कानम भूता. कानी है (भोर-भगक्षभूक मनाक्रम-निकायम। क्यांत्म (गांद्रश्यता वक्तमःम । अक्तम---जीबानकीनावकी ।

## ্২ ৩: শ্ৰীককাচৈতন্ত্ৰ মঠ जीन्धिश्याम कृत, जीधाम नुस्थान । मियामा-तक-स्मावनकीत स्मना।

রক্তক — শ্রীগণণতিনাথ ব্রশ্বচারী

(२८) जिलत्रमहरण गर्ड ेनियवादणाः, मौळाणुक

এবাবে শ্রীভাগ্রম্ভ পাঠশালা e জীগেতি বিলোধ বিশাসন্তীর সেখা বঞ্জান। ত্রী অকপৌরাজ-প্রীগাছিলক। গিরিধারীর এক ক-ত্রন্মচারী প্রীন্সিংকানক ও এলচারী जीनसङ्गाल ।

## (२०) औदेहज्जदगोज़ी व वर्ड

कुम्द्रकुका, विद्रकृका, भारकृष । इस मोरेज्कस-मध्वत नामा। क्यक---स्रोदकाः नाथ द्वार, औरफन्यानम अवहारी । जीवार कीनं स्मरचित्राव ।

#### (२७) नाम भोजीय मह

क्रिक्षित, बारमध्य, क्रामा । अधारत औरभौतविदनःय-वादमक दमना बळ्यानः तक 🕶 — उक्त ५ जो 🏝 अवन्। छो ।

## (২৭) প্রাক্ষণগড়ো প্রপদ্মশ্রম-মত্র

ब्राक्ष्णणाहाः त्याः माकः कावजा बाबाद्य वक् क्रमांडे जीत्रावाक्षत दमना वर्षमान । व्याप----वन्नामी की आनुकृत-पान, जीवाधातम्य उन्नाती।

## (२৮) विद्वा दगाफ़ीय मठ-काश्रासक

३५ द्वश द्वायात्र, निक्रं किल्ली । द्रमण--- विषठियांभी निमह्मि गुक्क निश्चि मधाराय, जीवाधात्रमण्ड्यान्यन् । (२) (शामानगामामनासन त्रक्ष---व्यकात्री बोधाराहरू

## विकिश्रीक वर्ण के निर्विष्य मन्त्रीविकः क्लिकाका महत्र ও महत्रक्ती

উন্তর ও দক্ষিণ কলিকাভায় এবং শহরভথীতে গভ বুগবারে শান্তিপূর্ণভাবে বকর ঈণ সম্পন্ন হইয়াছে। প্রাডে বিভিন্ন মস্থিদে উপাসনা হয় এবং সহস্র महत्व यूम्लमान मग्रहात्न मम्द्रेष्ठ ह्या বৌলানা আবুল কালাম আঞ্চাল উছো-विश्वदक जिन्दान वान करतन। महत्त्र क সহয়ত্ত্ৰীতে আয়ুত স্থানে কোৰ্বনৌ हर्देशाष्ट्र । भूनिम ये मकन स्टान भारावा পিরাছিল। ভবাতীত রান্তার প্রধান মেড়েগুলিতে ও কোঝানীর স্থানের নিকটে জ্মারোহী পুলিস ও সশস্ত পুলিস স্থাপিত হইয়াছিল। উত্তর ও দক্ষিণ কলিকাতার পুলিশের ডেপুটি কমিশনার ও সহকারী ক্ষিশনার বিভিন্ন স্থানে পরিভ্রমণ করিয়া অবস্থা পরিবর্ণন করিয়াছিলেন ।

## मिन्नी एक

बक्तक्रेम উপলকে मिलीएक विरमय खारव छेश्यव मञ्लामिक इहेग्रारक। উপাসনার জন্ত প্রাতে ইণ্যাতে বহ मुननमान ममरदङ इन। (तना > छेदि नमश्र छेलानना कार्या ८ नव हत्र । जे नकन বাঞ্জি অনম্ভর কোরবানি করিবার নিমিত্ত স্ব পুহে বা সম্ভত্ত গমন করেন। भूमित्नद श्वावशा करेबाहिन এवः मृधना বুহ্মার জয় বিশেষ সতর্কা অবল্ধিত इडेबाहिन महत्त्र हिन्दुनिरात्र मन्तात्र দোকান খোলা ছিল সাধারণভাবে কাজ कर्म हिनश्रिका।

## (वाचारेएम

শান্তিপূর্ণ ভাবেই সহরে বহরঈদ छेरमव ब्यात्रक रहा। धनी पतिज्ञ निस्तित्मध्य সকল মুদলমান সহরের বিভিন্ন ভানে व्यार्थमा करतन । कृषा मन्दिन ও व्यासान वक्षारन न्यार्थका विविक क्रम्याग्य स्हेमाछिन। वह मूमनमान म्या आकान ৰয়দানে সমবেত হইয়াছিলেন। প্রার্থনা সমাপনালে মোলভী হাকিম আৰু বাহুক দাম্মারিক একা ও পদাতীর উরতি मध्द वक्षण क्रवन ।

#### मार्का (क

भछ २२८न धिक्यन मोजारक वकत्रत्रेन **७२मव** निकास मन्त्रत हहेगा निर्वाहरू।

## नादरादत्र

बक्तक्रेव मन्भटक गाटकाटन अञ्चरशाल इब नाई । अरे दिन প্রাতঃকালে স্থানীয় नाही मनिकार थात तक नक मूननमान লমবেত হইৱা নামাল আভুতি পড়ে। 

#### অমুডসরে

विक मरवारम टाकाम, बकब्रेम मन्मदर्क . धर्षादब ६ क्रांन ध्यकास मध्य प्राप्त व्यक्ति হর সাই। নিরিয়ে উৎস্বাদি সম্পর হইরা গিরাছে।

#### E10013

হাওড়া সহয় অঞ্লে বিনা হালামায় কোৰ্মানী হইমাছে। ছাওড়া বিশার भन्नी धक्क हरेरड खास मःबंद्र खनान, के ज्वन पारमध रकामध्यमः हामामा उनिश्विक रस नाहे।

#### कम काक्षरम

বার্কিপুর ও জীয়ানপুরের কল व्यक्षम इटेट्ड खाले मरवारम खकान, धै স্কল স্থানে শান্তিপূর্ণভাবে বক্তমীদ সম্পর হইশাচে ।

## 🖫 যুভ সেনগুণের প্রতি আচরণের ভীত্ৰ নিশা

গত ২৭শে এপ্রিম মৈমন্সিংছ টাউন इटलत मञ्जूष । मग्रमादन এक वित्राष्ट्रे कन-সভার অনিবেশন হইয়া গিয়াছে। প্রধান উকিল শ্রীনুত নিজয়চন্ত্র দাস সভাপতির মাসন গ্রহণ করেন। ছীযুত গ্রহেজ डेकीन এই প্রাস্থাবটী উথাপন করেন যে. গত ২৪শে এপ্রিল বাঙ্গলার সন্মানিত নেতা এট্রত ফে, এম, সেনগুপ্ত ছাত্র ন্ত্রিকনীর সভাপতিত করিবার জন্ত শ্রীত্ত অভেক্সনারায়ণ আচার্য। চৌধুরীর গৃহ হইতে যাত্রাকালে কভিপন্ন গুৰক ঠাহার প্রতি যে অনিট এবং উদ্বত वात्रशांत्र क तिवाद्य. देममनिशंद्यत्र नाग-গ্রিকদের এই সভা আহার তীত্র প্রতিবাদ এবং নিকা করিতেছে এবং এই সভা শ্রীয়ত সেনগুপ্তের প্রতি আন্তরিক শ্রহা এবং আরা প্রকাশ করিতেছে। প্রভাবের নক্ষ মহাঘা গান্ধী প্রীয়ক সেন্থপ্ত স্থিত স্থাৰ্চল বহুর নিক্ট क्षवर मरवामणाक भाष्ट्रीहेमा (मश्रम हरे-श्राष्ट्र ।

প্রভাব উত্থাপন করিয়া ত্রীয়ক উবিদ ন্থানীয় কংগ্রেদ কমিটীর উপর গোধারোপ ক্রেন এবং এই ব্যাশারের সহিত জাহা-त्मत्र भरक्षय आह्य विक्रा भरन्तम् ध्येमान दीवृत्र सरवत्र कहेकिया करतातात्र शक हहेए खाडावि ममर्थन करवन । किंख कामीव करदारंगव विकरक বে সৰ অভিবোধ করা ক্ষাক্ষাতে তাহার

व्यानिकन नात्म वद कत्रिका वर्षाविवि गरकाता नक निक विपूर्ण स्वीत्रक्षक वसूर विकास कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य अक्षय क्यां प्राचन । वीवृत रथः सूर्वकृते क्रितास्त्रमः। कार कारा प्राचीकित वर्ष केर ক্ষিটির নিয়েণের কথাও সমর্থন করেন।

অভ:পর শ্রীবৃত যতীক্রমাপ দান "নিম্ন-লিখিত সদস্তগণকে লটমা একটো ভৰত্ৰ কমিটা নিয়োগের প্রভাব ক্রিলে, উহা সর্বাসকাতিক্রকে গৃহীত ধর। সপঞ্চপ্রবের নাম:--- ত্রীবৃক্ত মহিষ্যতন্ত্র রায় (জেল উকিল সমিতির সভাপতি \ শ্রীমত প্রারু মোহন খোষ, জীবত বিজয়চক দাস, মি: षांवक्षण ममञ्जूत षारमण धवः क्षीयुष्ट क्षीमानः

### বর্মা অর্ডিক্যান্সে গ্রেপ্তার

हेटहर नामक शास्त्र श्रीम शाफि বিচোহীর। মাজমণ করিয়াছিল। সম্প্রতি षाक्रमन मदस्य एवं निवतन व्यकान পাইয়াছে ভাষাতে অবগত হওৱা যায় বে, বিজোহীরা ২ থানি গাড়ীতে চড়িয়া ফাঁড়ির সম্মূৰে জাগিয়া গাড়ী হইটে সামিরাই ক"ডি আক্রমণ করে। প্রিশ चारमी शक्षक किया मा। এই निमाधी-मरनतः मनभठि हिन ८ वस्त । स्ट्रन । নতে। তেনকাদা জিলার দক্ষিণ ভাবে আনোলনে যোগ দেন নাই ! পাহারার স্থানোবস্ত করা হইটেছে।

টুজ হইতে প্ৰাপ্ত সংবাদে প্ৰকাশ त्य, बारेनक कृषी ভाषाद्यत्रीय त्याकविशतक আক্রমণ করিবার জন্ম থন্টীধিপকে উত্তে-ভিত করিতেছিল। এই ্যক্তিকে গ্রেপ্তার कत्रा बहेबाट्ड ।

### जास्कां उक धामिक रेगरेक

ভারতীয় বণিক্ সমিতি ও বলীয় জাতীয় বণিক সমিভির সদস্ত ভ্রুত এস. সি. খোষ ভারভীর বাণক সম্প্রদায়ের मरनामा छ छापि निविद्याल आध्यक्ष । हिक अधिक रेन्डेटक याश्वान कविएक याहरण-ছেন। এই বৈঠক ফেনেভার বসিবে এবং শ্রীয়ত গোষ ৰুংবার ২৯শে এপ্রিল ভারিশে যুরোপ যাতা করিয়াছেন !

## कालाक्षत्र त्राटकत्र मन्नशि সর্কার কর্ত্তক প্রত্যাণিত

কালাকছরের রাজ। থারিক কিন্তীর जम्मूर्व ब्राइक मिर्फ भारत्रम माहै। ८३ হেড় সরকার জীহার অস্বাবন্ন সম্পত্তি ক্রোক ক্রিয়াছিলেন। সম্ভাতি উক त्काकी गण्यांख थानाग भिवास कस धक जारमण काति श्हेमारकं ।

য়াজায় সন্ধৃতি জোক महेशांक वरे गरवान कातात महेरण पूर्ण-बारबरमम यावदानक मुख्यात्र (व-मन्त्रकाही मुक्तका मका क्रिएमंत्र एक क्राक्षां क्रियानम क विश कि रनान ।

## बाजाणजीटङ जैमर्गटर्सन सुद्धी সভৰ্কতা

केम शर्कत्र ममय याद्याराङ टक्समक्रश त्नालमान मा हत उपके विना मा बिट्डेडे भूक्त रहेटएडे नावनानका अवन्यन अविद्रार्थ-ছেন। বাবা **ধলিদাসের উপর উলি** ১৪৪ গারা ভারি কমিরা ভারতে ছই मार्गत मस वातानी शास्त्रा वाक्टिक विविद्यास्त्रम ।

क्षकान, बनिगशास्त्रव पाष्ट्र श्रेषती তাহাকে সহর ছাড়ীতে मा बिएक চাওয়ার তাঁহাকে পুলিশ -itelate গাজীপুর ভিলায় বৈরপুরে **गार्टाटमा** 

चलित कामाग्र हरेल उचारम चानिश्रा मुग्रह्मानभगटक माण्यामाधिक शद्ध हासमा করার চেঠা করিভেছেনঃ বার্যাপদীর ফ'াড়ির দারোগার আঘাত ভঞ্তর বিশিষ্ট মূলেমানগণ কিন্তু জাহার এ

#### महारा उपल ट्रांक

ताका हेदन मांडेब अकृष्टि साब-ट्यांब विवाहकृत । अहे एकांटक आफनासिकारमञ्ज ভতপুৰু সামা আমাইলা, সাম আৰহুদ করিম গজনভী, তৃকীর ভৃতপুর্বা ছুলভামের ८भोद ७ व्यापनान तरकाइ वाक्यूक উপণ্ডিত ছিলেন।

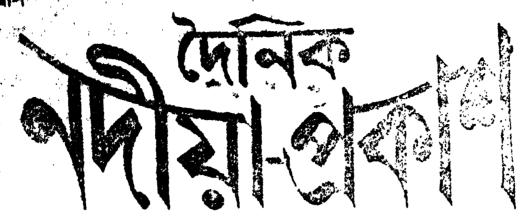
### ভ্ৰাহ্মণ প্ৰীলোক মিছড

शक अक्षाम ब्रिया ब्रीएक के गरमाप्तर বিবাহিত৷ আহ্মণ জীলোক বিদিবালা लियोदक १६क है। चारणंत्र ग्रहेक निवन्त व्यव क्षत्र दनभा यात्र मीकाशुरत्रक भारत्याक-গত হুৰ্গাচরণ গান্ধুলী উচ্চাৰ পিছা। পুৰ্ব ৱাতিতে জীলোকটি ভাছাৰ কন্মীৰ महिन्द येणानियस्य निका भिकाहित्यन ।

## प्रक्रिन काक्षिकात युवसारकत क्रमन ं गमा ख

ब्दराक्ष व्याप संब ७१६एम् ७० संस्थ-कुमात्र सर्का एकिन चारमधिकात्र सम्ब क्रिशास्त्र । सामा ७ शाना केर्याना कारमरण जाजन्यापरसम् वर्गमांकाकाव भारतको कतिर्द्धहिरमस्य स्थानकुर्वका 5.3Cम कव्यम (क्रमा अप्टेर म विभिन्निक महार विश्वास व्हेटक किंदेकगर दशके श्राटक क्षाचा व्यवसं अवसंच भारतीयच नामूर्त । क्षेत्रकार्य व्यवस्थ क्षेत्रसं क्षेत्रसं अवस्थ क्षेत्रसं स्वीराम्बा स्वीतिक **3** 1 - 1 - 1 - 1

Colored Colore



मानाश्याद हाई कां अत्याद हाई कां अत्याद हाई सामानिक हा सामानिक हा सामानिक हा सामानिक हा सामानिक हा सामानिक हा सामानिक हा

७ वर्ष १

रम्पास्य - केट दीसान्थ र नगार्थितार. (रमास्यार

আটোচনাম্ভ আবাম মাহাপুত- ২১৫ ৭ বৈশাখ মোমবার ১০০৮, দ্রী লে ১

## নানা কথ

অস্তুত জুহাচুকী ২০০০ টাকা আমুসাৎ

প্রাকাশ, কভিপর বিবস পুকে কৃষ্টিয় ধনী বারনবারী প্রীয়ত কালীপর পাল বেভারিত করিয়া ছই যাজি ২০০০ টা নিয়া উপতি হয়।

शहेमात्र विवत्रदश क्षाकाण. करहका नुरक्ष कानीनम बाबू विश्वन कीकात्र गुड् স্থিত ভাহার বাড়ীতে বসিয়া কণাবা बिगाकिहरणम ७०म ध्रेमांकि कांगर । मिक्के कातिया गरम त्य, कावाता याक कादम ध्या (य क्यान देनाहरक विध्य क्तिएक भारत.-- हेहन खिनमा काणी-बार्य क्षांत्रकः अस्थाना द हाकात त्य के हि श्रीताश्र प्रथा क्रांज के व **ब्राह्म ट्राइटिक व डें।का**त छहेबाना ट्रम लक्षिण करत्र, जन्द काणीनम वान् ंक्षिक्रदिक्षा (एवं ; क्षाक्रःशत्र ८को इहरा ्यंभूबाडी स्टेश कालीशन वानु राजात है। **कतिशा.॥. शामा दमा**चे छाशासत त्वय ্**ইংলিড উচ্চ** ছই ব্যক্তি কাৰ্যাপদ বাৰ্ত क्षा कार्या प्रांटक एक मुक्तिक कति ्क्रभुक्द्रश्रेषक माम, मिएड वरण, कार्यन ्ष्यां एक ्ष्या कि विश्वन कतियात्र भटन ु अविशे स्टेटर । क्दरक मिनिए अत्र काणी का वंडवुं इक् थूनिया अनिएक भाग ए धक्यम छनात्र मार्ड, উन्दिक जनत नारि कांगीना वापुरक छवन कक्षि दनक्षाः िन्तु हेनी द्रवंश, शुहुमीति दंशामा अंतरंग दमव बाब रेक, छैटान बर्सा किन्नू छाडे प्रशिवादा ्विहारेक करणी गर जीवृत्त । भरम भरमा **अनिकि इस्ते अगटेन कारले जुनिए** 

# ুষ্ঠিয়ায় অভূত জুয়াচুরী

পোক্টআফিসের টাকা আত্মসাং—শোক্টমান্টার অভিযুক্ত

## থেতাঙ্গের জরিমানা

निश्चिलवन्न नाती-मत्मालदनत वाधिदवनन

# স্পেনে সর্বত্র পূর্ণ হরতাল

है। डेन्डल शाक्ररन श्रीयुक्ता मतलारमयीत वकुर

## খেতাঙ্গিনীর বিপত্তি

লাহোরে মৌলানা সৌকৎসালী

## কংগ্রেস ও বেকার শ্রমিব

ক। য়বোয় ভীষণ টেণছর্বটনা

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিক

্গৌরাক ৪৪৫

মান্ত 🗸 ভাকটিকেট পাঠাইলেই বুকপোটে পাঠান হয়।

ম্যানেভার - গ্রন্থবিভাগ

থবর নিবেশ পুরিশ আমানির। উ. নাডি থেগুরে এবং ত্রের নি কইডে সংগ্রানেট পাওয়া মহা, আ

## পোষ্টফাফিসের টাকা আ**ল্লসাৎ** পোষ্টমাষ্টার অভিমুক্ত

কুমিটা সদা সল্ভুল। হাকিন রাম্ব বাহাছর এন, দি,দেন কর্তৃক গুণবতী পোট আফিদে টাকা চুবীর মাম্বার রাম দেওয়া হট্যাছে।

খটনার বিবরণ এইরূপ,—ওণবতী লোটসাফিনের অগ্যনী পোটনাটার কালী মৃদাফরউনীন মানেদ মাফিনের পোটার নিক্ক ভাবিরা ১০০০ টাকা আহ্মান করিয়া কড়লকের নিকট রিপোট দের যে, ডাফাতে টাকা পুটিয়া নিয়াছে। পুরিশ ওদত্তে কিন্তু স্ব খটনা কাঁক হইয়া যায়।

দীর্য ১ নানীর পর পোরনাটার নিজকে দোনী স্থীকরে করিয়া দকা ভিজা করে, বিচারক প্রাহাকে ১০০০ টাকা অর্থ দাও এবং ৬ মান সভান কারাদতেও কণ্ডিত কার্যাছেন। সরিমানার ৯০০ টাকা শ্রতি-পুরুহে দে ৬৮। ইইয়াছে।

করেকদিবস পুনের জিপুরার অন্তগত কুটা নামক স্থানেও অন্তরণ এক খটন। ১ইড়া গিয়াছে। কুটার পোর্টমটোর নুবন-বিহারী ৫,০০০ টাকা অন্তান্য করে।

পরে পোচমটোর তাতা স্থাকার করিয়া দ্যা ভিক্ষা করে, এক তাকা ফিরাটিয়া দেয়া একিগবাড়িয়ার মহকুমা হাকিম ভাহাকে ৬

31

## ্ৰাধাম মায়াপবে

أو المحاصلا

## \* "ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইন্ডিটিউট্" নামে উচ্চে ইংরেজী বিদ্যালয়

(चाला इहे १८१।

আনি ত তান্ত্রির শিক্ষণণ ছাত্রিণকে আন মাজের সাইত শিক্ষা এদান করিছেছেন। বিদেশী এতিবালের জন্ম বিনালহে স্কুকর বাসহাদের ব্যাক্ষার তার্বি থালা হল

> দ্বিস্থার সাবাদের জন্ম কিমনিখিত ঠিকালা পত্র বিধুন। স্পেক্ষেডাস্থা, ভানুত্র ওাঞ্জিলিয়েলন ইন্টিটি উট্ নি,চছলতে, পোল্লামন্যান্ত্র নাজন

## ৫০ বংশরের পরীক্ষেত করেনতী মণোষধ—

শংকৰণ মন্ত্ৰীৰে জন্ম মৃত্যু শুজুল জন্ম প্ৰশংগ পৰি নান কৰিবলৈ নান সংগ্ৰহণ কৰিবলৈ নান কৰিবলৈ কৰিবলৈ

- ১০ চন্দ্রকা নতীক,—হহার । এত কার্ড গোর্থ বর্ণ হয় ক্রম। হয় ক্রম হত কর কার্ড কর্ম। হয় ক্রম। হয় ক্রম হত কর কর্ম। কর্ম হর্ম কর্ম। কর্ম হর্ম কর্ম। কর্ম হর্ম কর্ম। কর্ম হর্ম কর্ম।
- ১। প্রস্থাপ্রসঞ্জে বাউক। হার সংগ্রিটান অভ্যারহ নিত্রাবিদায়াক ওয়াল বে কোন নেটিক ও বান কো গাড়াকেশবং অনিজানিয়াল এই ওয়াল চাবহালে মার্চ কিন্তা বহার
- তা। মাধুন ৰাজিকা—ইংল ফে ও প্লীত এক জ্বাসিক তেৱা কল্পীন শাস্থ্য ছিল্ম ব্যক্তি তালি চিন্তিক চল্চত বিভাগতিকাৰ কল্পাস কৰে।

इक किन वाक्ट्रवन बारकाक अमान्य एन। मीन जनाते। ३८ हाका -

শা প্রধান: - আতি শনিপ্রাই উন্মধ্যেকার। ১৯৮৮ বছা বিশা ট্রাই, এবিকারে।

## কাবরাজ শাশভূষণ কবিক্পাভরণের



মসংখ্যান র রাধণার জন্স ও আং শিশি নার মনীজুক অধ্যন্তার জোটবোশ্যাক সমপ্রিমাণ শীগন ভাষের পাস্ত ন হয়, হলাছে উষ্টেশ্য ওকান প্রিবাহন কবা হয় নাই: মুশ। প্রাক্তি শিক্ষান আনা, প্রিটী ৪৮০ আনা, ব্যোক্ত ১৮০ আনা।

অফিস-১১নং উল্টাডালা রোড, পোঃ শ্যামবালার,'
কলিকাতা

# यानग त्राज्ये

বটকার বত ব বারুলিকার, ইঞ্জিবপজিত হান প্রপ্রাংগ ভাগণাত, বচনবাব, বার্থাপোরা, বৃত্ত গড় কটাবি, অনিটা কড়িটি লক্ত নথক নিজেবি প্রায়োগ্য চয়। বন, বার্থা, নেথা বৃত্তি কবিছে প্রথানী ইনিক। মুনা ১০ কি মু, এক টাকা। ব্যুক্তিপুর্বাক্তিশিকা মুক্তিশ

## হাইড়োগিল

বা

## কোশরন্ধি রোগ

ডাং এস, এন, খোষ বিনা শক্তে, বাবজনীবনের গ্যানান্তি নিয়া বৈক্তাভিক কালানাতে কোমবুদ্ধ হোগ আহোগ্য কবিধা থাকেম।

> डिकामा---२৮ मर कड़ेन ड्रीडे, वस्त्राबांड, कालबाधा !

## শূলায়ত

পিত্রশ্বের অবার্থ মহোবদ। ১ মানার উপ্পথ, নস্তাতে আইয়েরা । প্রকার্থ দেও বার আন্যা, বছ চার আনা। মাজল পুথক্।

## ২। শুক্রাচার্য্য সঞ্জীবনী পোইটাই

গ্ৰহণত ও ধৰণ জংগৰ এক মাজে মাৰোৰ। সূৰ। ১ জিবা ১;• আলো। সাক্ত পুণক

- ৩। সম্লাসী-প্রদত্ত অর্শরোধের অব্যর্থ আংটি ব আলোক না কলে মূল কেবে। মূল মানা মার্ক পৃথক
- ৪। কেছে-বাস্ত্রব পীল মতীন, তেওঁলো, পেডালেনার মহোষণ। ছিনা চন আমা। মান্তল পুৰস্থ।

গুলি, . টকাল, পেটালনার মহোষণ। ছিলা **ছং আনা। মান্তল পুৰস্**। ক্লো

্র । বংলেগ্র মধোপ্রকারী **ও স্থাতে আরোগা। এটি শিশি। আনা**। প্রক্রপ্রবা

ন্বার-ফ্যাম্প প্রস্তৃতকারক। সৰর ক্যাটালগের বন্ধ পর লিখন।

र्टाल्यान-म**ायाहन (लवदत्रेती** 

(भाः উत्रात्री, कमणाणुत, छाका,

## যনোযোহন প্রেস

পূক্ষ-বাজালায় স্থলঙে সকলপ্রকার হাপার জন্ধ বিশ্বাদ কৈল্যাতিক মেশিলে দিবাভাতে কাজ ভলিতেছে বিশ্বত লাগিতে হইলে নিম ঠিকানায় পত্ত লিখুন ম্যানেজার—মনোমোহন প্রেস,

## মর মানুষ বাঁচাইবার উপায়

যদিও অতাপি কাকুত মন মান্তব বাঁচাইবাং কোন উপদ অ নিয় : ১১ নাই সভা, তথাপি বাঁচায়া নালাবিং কনিয়ামত উপানে অগনিত শক্তি নই কনিয়া কাাছে মনা ১০০: বাহলাতেন এবং নানা প্রকার যেও, প্রবেচ মাতু দীবালা, আযুবিক কানভান, বহুনুতা, ক্রমেরা, পার্থন-সাত্র গাঁড়া, অর্প করের স্ত্রীলোক্ষিপ্রেছ মধ্যে বাঁহা বাহন, বজান, মৃত্যাবনা, স্পাড়কা, বেজ ও স্ত্রক্তেরেল, কিছিলা প্রভাত বোগে ভূগিনা জীবনে নিয়াল কইলাছেন, তাঁহায়: আমেরিকার ক্রমেন্ড ভাজায় পেটালা নাবেবের আবিষ্কৃত্র ইলেন্ডিক সভিত্তিসন বাবহার ক্রিয়া বাঁচিতে পারেল, ভালার শত সক্ত প্রদান প্রাক্ত ববনকেই পার্ডয়া বাহনেরেল গাবেন নাই, ভালায়া প্রকার বাবহার ক্রমেলা প্রবেদ ক্রিয়া ধেলুন। এক মানের বাবহারোগ্রাক্রী এক শিল্পি ক্রম ভাক্যাক্রন

> লোল এতেওঁ— ডাঃ ডি. ডি, হাজরা। কতেপুর, নাজেনুহিচ গোই, কনিকাজ ক্রিকালা লাই ক্রিয়া নিবিশ্বক



## 🧸 🛍 🕮 खराष्ट्रशिकारको कारायः

विভाशाक्ष रेवक्श्वतिहात्व

ৰাম মানাপুর, ২য়া জিবিজ্ঞ ৪৪৫

## অমতকাই নিভীক

**ৰতক্ষৰ মানৰ অভার কাট্য ক**রিবেন, ওওকণ তাঁহার আৰু পাকিবেই। বছকীৰ অস্থায় কাৰ্য্য না কৰিয়া পাকিতে शास्त्र मा. क्षणतार त्य चरमूक रुवेत्व भारत मा। 'वाकात कांका कंत्रिक बार्कि शहित्क इहेरवरे--- और अप महीमा विकिन পটে পাকা বাহনীয়া, কারণ ভাষা হটলো অলাের চিকে চিক व्यथिष्ठ रहेरव मा अवः इक्समीत समाय अमारगत निरक গমনে বাধা দেওয়ার একমাত্র পদা সাপুসালের স্পৃত্য ক্ষাত্রে আগরিত হইবে। ধাহাবা অভার কলিটাও নিভীক্ষ क्षानीतत इनना करत, छादारमञ्ज मांग्रानुवान ध्रेट्ड पृक्ति शहिराय मधायना नाहे ।

भहामानात्र व्यक्तात्वरे गांवधीय अलाह कारा इंड व्हेस **चारक । अक्रमिक कशनकक माद्रामुक**, १०० तार केरात छता. **ক্ধনও কোনও অন্তান্ন কাল্য সম্পা**তি হ হতকে পাৰে না। ভাই किनि गर्नमार निकीक। निकाक कराइक धारा । अधान ক্ষরিবার মন্ত্র যদি কের ক্পটতা ক্রিণা গ্রীয় নিভাকর আভিপন্ধ করিতে প্রামী হর, ভালা হইলে সে নিজের ৮৪ : नित्यहे कुठीरांपाछ करत, काठन रेनम घटेल्ला अवसार्शभक्ता ৰাবিতীৰ ব্যক্তির কণ্টতা ধরিতে পারেন এবং কণ্টতা ধরা পরিবে ডিনি কণ্টাকে বঞ্জা করিয়া গাংকন।

शिरहमन्दिन अधिकारम धानी है भगत : : च्ट्र क्यां है ৰাধিনায় উপজ্ঞা হয়, আৰু জোগোদীশু 🕬 📑 বনি একটু **ভাৰত্যিক করেন ভালা হইলে ভীত** এর্বাবিগনের অবস্থা কি হুইবে পাঠক ভাষা কলনানেজে দর্শন করুন, করেণ উহা वर्षन करियुत्र कावा कामात्र नाहे । अवस्थि 📑 ४त शहराक्षः छ শীৰ অপভাের নিকট আধে। ভরতাদ নংখন। ভাই ১ডান व्यमाश्रास्य छारात्र निक्षे यारेटा भारत कार रहि भूक वार है। फीरांत्र भाष्यक्षमा करत, क्षमनि छोशाः वावछी। द्यात भासि **অংশ শরিণত হয়। ছার্য ভগণের বিনাশ**হারা পৃথিবার পাণ-**ভার দুরীভূতকরণ ও সারুগণের সংরক্ষণপুর ক দল্মসংস্থাপনার্গ অবতীৰ্ প্ৰীনৃসিংহয়েৰ যথন দৈত্য**াল হিল্যকশিসুকৈ বধ **ক্ষিয়া আনুক্রোচনে সভারণো অ**ধ্যুক্তির বাজাপনে উপ **दिनान क्षतिराजन, क्रथन कारकत का** कथा, उद्यागि स्वर्थन, भाषम कि विनि विमृतिः स्तिरवा राज व्यादान काम (धर मजीतनी नर्वाष छाश्य मच्चीन इकेटड माह्मी इकेटबन ना **তথ্য জনাম আদেশে ভগওদেকগতি মহাছা**গ্ৰত এইবাণ निकीकिटिया जीमृतिशहरमध्यत जीनाक्षणाल धानकः हरेशमन, कांत भवनि छोरांव त्वायांविहे भूषि फिरवास्थि रहेरमन । कवनायु वीनुनिः हरिव धालानाक विवासनमृतः कानमनं धी व करन्छ

## প্রস্থাদের শুব

মহাতাগ্রতের হান্য প্রেমসিশ্ব। জীভগ্রানের অনুগ্রহ-করম্পর্শে উহা উদ্বেশিত হইয়া উঠে। তাই প্রীনৃসিংহদেবের করম্পর্ন-লাভদাত্র শ্রীপ্রস্থানের আত্মার বাভাবিকী বৃত্তির কাধ্যসমূহ সভাস ভবন্ধ রাজিতে পরিপ্ত হইল। তিনি ममाधिलक चान्छाम ७२। मध्यम् वन त्रात्र का विद्यान, 'য়ে ভগৰন, আমি তোমাৰ আনন্দ বিধান কলিছে পারি আমার এরপ ক্ষতা নাই; তোমার রুপটি আমার একগার 😑 বিবল্পনে ; উহাই আমার সক্ষত্রেষ্ঠ সম্পত্তি । একদার ,কংবাভক্তি অভিতেক্তিয় পুরুষগণের ভীবনেংগার হট**া পাকে । ছে** ভিন্ন ভন্ম, ঐখয়া, শ্রুত, ঞী, ভপ্রজা, যোগবল কিছুই ভোনার প্রিয়ুংপারক নছে। অভক্ত খাপেগুণাযুক্ত নিপ্র আপেকা চণাযকুলে উত্তর ভক্ত আতুসনীয়েরপে প্রেষ্ট। তে ভগবন্, ভূমি নিজ্যাতে পূর্ণ, অনিধান কুমুব্যাভিগণের নিকট হইটে তোমার প্রাণি গ্রহণ ভাষার মদলের নিনিত। বুনি । এতাদুশ রুগানয় যে ঋঞ্জ নীচ সাজিকেও তেখের মহিমান কীজনে যোগাত। প্রদান করিগছ। তংগ অবিখানাশ হল এবং চিত্তপত্তি গটে। তে করণ মহাল্য নিনিত্ত ভোমার লীলা গ্রাকটা---গ্রের ভীতি केश्यानमार्थं महा। मुस्थितमारायहे औरत्र विधी विभिन्नतमः ক্ষিড ভয় নির্ভ হয়। তোমার উন্পোধ্যুতি অভ্যক্তর নিকট ভীষণ বাসিয়া প্রাণীত হুইলৈও ভাষা ভক্তের এমনমনোন । আখাদের ভোগ-ভূমিকা 😜 অত্তর একমান্ত বলাং এখানে ফোলফারিন। সংসারচজ্যের **তঃপই জাবের ভাতির** কারণ। অহংবৃদ্ধিই দেই ছুংখের মূল ভেছা। निक्रमार्चे कानमाच्यामार्थे नार्यं निवास्त्र **े ने । व**ं करतन्त्रीयथन व्यवस्थितः कान-नार्वः नि निम् क इतेल अञ्चलक महामा ८ में छता गलाहा शाल उत्तरक्षीया गाम करणतः कोट-स एवानएकशान्द्रभान्द्राक्षका अहटन व আ দ্যন্তিক প্রতিকার অসম্ভব। ইহন্যতে অপর কঠা শিক্ষাদি হুইতে প্যাক্তপ্ত ব্ৰহ্মাদি कोरतन प्रकार करण ५४ वर्गाण छोशाचा मकरणहे मा तीन ভোমা ই ছঃ ংপ, উচ্চদেশ ম্পঞ্চান কারক বড়োনাবই উল্লেখনঃ মান্তাল, দ্বলাগত পালক ভোগতে পোৱে 🚁নগণেরই মান্ত করণ হইছে উদ্ধার আধির ঘটে। 🖼 🖘 সমীলে ভংগালগোসোলাক্ষা বাভীত অলেচ<u>নি</u>য় প্রধান্তার্থ কোন নহর আগ্রেম্বকর অংও পরিনাম-ভয়াবহ ভোগজ্বাদি বা আমন্নাশরণ মোঞ্জ কমেনা করেন

ভগবানে হবিদ বা অভবিদ অসম বা সদ্বংশে জন্মগ্রহণের অপেকা করে না। এথাদি দেবতা, এখন কি ভীভাবানের বলংগ্রিতা গ্রন্থ দৈবীর গলেও যাতা ত্রাভ তারা ভাজ ভগ-वानिक विक्रे अनावारम गांड किया शरकन । अब किया व्यक्त चनार सेवारम निर्दिशास जनगरकना दनि इस পুনি সেবার নমাই হথান দে তেকর সঞ্চনাত্রন অভাই পুরণ थता सीनाम स्वामहानकाम श्रीप्रत छेनात कतिनात অন্ত তুনি ভোষার নিজ্ঞানকে প্রোব কর, তাই আমার ल्यांक क्रीमानकात क्रांत्रा माधुकान रामा ६३८७ एडामान कुणा याच इहेला शास्त्र, मानुष आल्यास्ट्रे दुनि হিরণা-ফশিপু-এাগুণ মহংগ্রহোপানক রফারহির্গদস হইতে ভোমার অন্তশাদ ভক্তকে উল্লাৱ কর, পুমি বুলে বুলে দেব, মধুষা, ভিনাগু, ঝাৰ, মংজাদি অবতারছারা শিষ্ট পালন ও ছুই দমন ক্ষায়া ধর্ম সংস্থাপন করে। বছজীলের চিত্ত সংগদাই । ক্ষাস্থাবয়ন্। তং তেনেট্রার ৮ চয় সরা ভ্রাব্ছাবিতঃ 🗥 অভারতা ভবীর শ্রীকরক্ষক জীতার মাজকে অর্পুণ করিলেন। বিহিনুপিধিধনে ধাবিত --কামজোধাদি ধারা প্রাণীড়িত-- 'অর্থাৎ অনভক্তনে নিনি যে ভাবে অনুণ করিতে করিতে ্বিভাপে অর্জারত; ভোষার অধৈতুকী কুপাছই এতাদুদ ্কলেবর পরিত্যাগ করেন, ভিনি সেই ভাবভাবিত তরকেই

ন।। কাম ালা কাম-প্রশানন তেখা মুর্যতা মাত্র।

জীবের একশাত্র ভরসাহদ। ইগবানের ভক্ত সেবা ভগবৎ-ক্লপালাভের উপার, ভগবং-গুণ-ফীর্ডন রাচ ছক্তে সংসার-ভাগুরা। কীর্ত্তন-পরাশ্বপ বংক্তি শোচা। নির্ছ্তানভঞ্জন-প্রয়াগী মৌন বতপরায়ণ মুনিগণ নিম্ন বত্যাগনে প্রমাণী, পরস্ক ভক্ত পরত্বংথকাতর; তিনি নিজ মুক্তিলাভের ইচ্ছা পরিভাগেও প্রমন্ত কামনা করেন। স্থী-স্থাদি ভাপাদ-স্থাবাৰ এইলোও প্ৰিবানে জ্বাধান্ত স্থান্ত্রাং পরিত্যান্তা। (मोनवड, क्षड, उपला, अपलन, मकर्पवाचा, निर्श्वनताम. জপ ও সমাধি,—এইনকল মোক সাধনোপার তারিই ভগৰন, ভূমি এবেড বিছা ও উপ ভক্তগণ্ঠ শুড্ড জিবলে তোমার আগ্রান্ত স্বরুপদর্শনে স্ম**র্ণ** হ'ন। প্রমাণ্ প্রভৃতি কার্যা-কার। ১৮তে পারে না ; তুমি সক্ষাব্য-কালণ। ভোমান ওচি লং ও নমস্কার, ভব, ক্লার্পণ, অর্চন, ডোমার স্মরণ, তোমার কল গ্রহণ,—এই ষ্ডুল্পেরং বাড়ীত প্রমৃহ,সংগ্-প্রাপ্ত তোমাতে ভ্রুভ**তি লাভ** ভাষার 🖟 কথন ও সম্ভব নহে।

## ভোগই পাপ

প্রভিত দ্বীপার বিশোরীমোহন ভবিবারব, বি এল ) दक इमिकाव सामज्ञ अनिवास कविदानी। देश ভাষাদের লগতিবা হল্প। জীবের স্বরূপে ভোগের **যোলমাত্র** নাই, কেবল নিতা রক্ষদাত বহুণান। কিন্তু জীব ভটছ-मधायमधी बाजाय क्रमध्याक क भागिक ८६। १० वर्षे केन्द्रविध प्राप्त्रे व्यवस्थानाम् निर्मे । ভটভাবভার জীব ব্ৰভ্ৰতার স্থাবহারপুল্ক কুফ্লাজ এবং উহার অসম্বাৰহার-পুলক মানিক ভোগে, মহাদের মধ্যে যে ফোল একটা গ্রহণ ক্রিতে প্রের: অন্তি প্রিপুনিভাষ্ট্র আনর স্মাধিকাংশ ছলে মারিক ভোগট স্থাকার কাবর। থাকে।

শ্রীচেত্রচরিতায়ত বলেন, 'আর্থ্যেনিচই,তিবাফ তা'রে বলি কাম। বৈখানে খতন খেডানর খরটে পুর্বোভানর हाक्रिक्रडर्भन ता दसराज कथा नार्ट, अधाउत घटक दस कथा यंडरे एक, बहान, डेमार या भूनाक्षरक रूपेस ना दकन, स्थारन ক্ষে বা ভোগের ভাওবনূতা বভ্ষান।

८३। ५३ अकार--इंग ७ क्स्म । এই लाभाक चूनात्म् । धावन कविशा वाभवा होत्यप्रवाक्षे ब्लगानन कविशा शाकि। সেই ইন্ডিংস্থার নিচরনভূমিক। এট মড় আগং। साम হইতে মৃত্যু প্ৰান্ত বে ইডিয়ান্থ, ভাষার নাম উছিক এবং মরণাত্তে ভিত্রবভার তে লাক্ররত্ব ভার্বি মান আন্তিক षश, भट्टा, ङन्, প্রাবার ইন্দ্রিঃপ্রথ বউবাল কারে। তাহারাই গামুনিক স্কর্ম নামে স্বভিহিত।

এই প্রায়েণ্ডর ইপ্রিয়ার্থ অভান্ত খুলা। প্রানারকাকে देशिक्षणक्षा क छोशायतः । अनुक् प्राप्त, अर्थ माज (स्ता कः विश्व त्तादक्शे कथ हो ...) च नार्वक वात्र কিনুই নহে। এই সমত হলে। বালের ন্যে ্তি হা ৮৮।গ । देशनारकरे ६५४, जात ক্রানান্ত্রসভাপনৈজ্ঞাল পরি চার নির্দেশ চার্লানান্ত্র নির্দেশ মার্লানান্ (मर्थात्वरे कुन्ति या Calt (व) म १, १ लगान ।

প্রীপীতা বাগেন, "বং দ । ৪০ খবন্ ভাবং ভাষেতাতে

कार्यात करतन। टांगहे हैं। विस्ति कीरानत नाका रख হঃ, ভাষা ২ইলে সেই ভোগ-প্রবৃত্তিই আমাদের ভবিশ্বৎ শীবনেম নির্দেশক ইইনা শাড়াব। ফারণ শ্রীগাভার উক্তি **অর্থা**রে **আ**মরা জীবনে যেরণ ডোগ-প্রগুত্তির বলে ভাবিত **ৰট্না দে**হত্যাগ কনিব, মেই দেই ভাৰতানিভ দেহ আমা-অ**নিন্তক ধারণ ক**ণিডেই হইবে। ভোগী জীনের পরিশতি-নির্দেশে ঐতিহয়কারিভায়ত বলেন, 'ভূজি, মৃতি, বাছে বেই, কাংগ ছাঁহার গভি ? স্থাপর দের, দেবদেহ বৈছে **পৰ**হিতি ॥'

ভোগ-প্রবৃত্তি সেনাপ্রবৃত্তির বিক্লছ না গর। এই ছোগ-প্রবৃত্তিই ভগবদ্বিমুখতার ভনক। এই ভোগপ্রবৃত্তি **रहेटकरे जामास्मत शांवर्जीय स्तार्शत उँ२०छि । अक्षामाञ्चल मिवा-सर्विमे विद्युष्ट इहेशा ख**्यार (आङ्गोडिमानी) इहेटल छन्छ। ইহা বাতীত আমাদের বহু গ্রাকার ধ্যা ও কর্বা আছ বলিয়া ধারণা হয়। তথন ক্ষমেরা সূম ও ক্লা নেহ ধারণ **कतिएक वांधा ६६। ७३ (मह्मा**तवह सामालय स्थात छवर **ইহার মূলে** বিষয়-ভোগ।

ভোগপ্রবৃত্তির বলে আমরা এই দেহ লাভ কবি, আনার এই দেহ রক্ষাব জন্ত পাপ করি। থাকি। অভিমকালে **এই দেহ পড়িয়া থাকে। বায়ু যেমন পুস্প**ান্ধ হরণ করিল। চলিপ্লা যাম, জীবাত্মাও দেইরূপ ক্বত পাপ বহন করিচা চলিয়া যায়। সেই পাপের ফলে, আনরে জন্ম, আবার ভোগ, মৃত্যু, পুনরায় জন্ম এইরূপ চক্রবং চলিতে থাকে। **অভএব দেখা যায় যে, ভোগই আমাদিগকে িতাপ-ক্লিষ্ট**় क्का-महन्यमाना वत्तन कत्तिका व्यानव धार्य छ छ। यहानार्य : নিম্ভিত করিয়া থাকে।

'ডোগ' বলিতে কুঞ্চের বিনা-ভোশই বুধার। ক্রফেতর বিবয়ভোগ পাপ ও পুণ্যমিলিত। যেখানে ভগবংপ্রদার-বুদ্ধিতে বস্তু গ্রহণ বা ভগবৎতাদাদ-দেবা ব। সম্মান, দেখানে েছোগ নাই, হি:মা নাই, অভএব পাণও নাই। কিছু বেখানে বেইটার অভাব, সেইখানেই হিংসা ও পাপ অবভানা। विषयाखारभव मरक मरकहे छीरवर करवसन दर्शनान । काउन মহাজনগণ বলেন, ''বিষয়ের সভাব এই' হয় মহা অন্ধ। সেই <del>ক্ষা করার</del> যাতৈ হয় ভববদ ॥<sup>29</sup> পুণাভোগের ভূমিকা निवर्गिष्ठम सूथ नाएँ।

ভাই জীমন্ত্র্যবদ্গীতায় ভগবান ভীকৃষ্ণ তাঁহার প্রিয়ত্ম ভক্ত অর্জ্বকে লক্ষ্য করিলা আমাণের স্থায় বন্ধ ও ভোডাভিনানী জীবের নিতা-কল্যাণের নিমিন্ত বলিনছেন যে, যাহারা যক্ত-বিশিষ্ট অন্নাদি ভগবৎ-প্রসাদ-জ্ঞানে গ্রহণ করে, তাহারা ভাহাদের উত্তম জকু অগ্রিহাম্য সমস্ত গাপ হটতে মুক্ত হয়। ক্ষিত্র ধাহারা ক্ষেত্রিরতর্পণ্ডের প্রণাতিত না হইনা ভাষামেন্ডে জ্ঞান পরিধারপুর্মক নিম্নেন্তির প্রীতিবাসার বংশ জোগপর উদ্দেশ্য ঘটয়া যাবতীয় বস্তু ভোগ করিবার জন্ত শ্ববিত হণ, তাহারা কেবল পাণ্ট ভোগ করিয়া পাকে, কারণ তাহারা একশ অপরিহাণা পাপ হইতে মুক্তি লাভ **ক্ষরিতে** পারে না, বগাহি আগীতা ৩।১০ :---

> यक्कभिटेशिनः मध्या मुठाटक मर्ककिविदेवः । ভূমতে তে খ্যং পাপা যে প্রস্তাাস্থকারণাৎ 🛊

## **এ**লুসিংহোৎসব

মত্র ভরিংবিনোর ইন্ট্রিউট্রের প্রধান শিক্ষক তিদ্ভি नामी श्रीभड़िक अभील जीर्वमहातास गड़ फजनाव नृतिःहः চতুর্ঘনী নিবস অপরাপর শিক্ষক ও জীনৈ হস্তমঠের সেবকরুক্স-मृह् देश्याममहकारव विकारत औरिव्यूक्टमर्थं धवर व्यवजाद्ध **बि**रवागलेके जीनाम मधीर्वन व बीमबागवक गाउँ कृतिहासून।

## দোষ – দৰ্শন ( बीयूका चर्ना (मरी)

অভিন্ন বিফুনিতাই খ্রীনদীয়া প্রকাশের মতাক্বত কলেবরে **ज्यात दिक्क्य (अनुस्य माधुर्य मधि जूननमध्य जिनाम स्या,** জীগাম-সেবা ও জীকাম সেবার চিদ্বিজ্ঞান-মহিমা-ফীর্ডনের ছারা সম্প্র বিমুখ বিখের শ্রম ক্যাণ 'বিধান ক্রিচেএছন : ব্যক্তিমাজের অধিকার-যোগ্যভা ভদাচরিত অনুধানেই প্রাফাশিত হব। বহিন্দুগতা নিম্মক্তনিত এপাষ্থাধ্য আজ আত্মহতনিপাকের প্রাধান জ্বারণ্টী কর্ম-চিত্ত বৈষ্ণব-পাণপঞ্জে নিবেদন করিতে শ্রেষাস পাইডেছে। শুনিগ্রাছি সমুদয় ছাপ ছলৈনের ইভিহাস নিজ্পটে তাঁহাদের চরণে निर्मान क्रिया छै।शास्त्र कुला अमामवरण दी विश्वकेटेवकव ্দ্রানিমুখভা-রূপ মূল ব্যানিটীর উপশ্ন হইনা গাঙ্কে। াবৈধ্ববের আন্বেবনে ক্লক দল্লাময়। মোতেন পামর প্রতি হ'বেন সদর u'' আনার বিষম হায় জিল কাহিনী লইয়। উপ্ত্রেড ছইলাম বলিয়া অহৈতৃক কঞ্গাসিম্ন মুকুন্দ্রেশ্বকর্বার ত্রী বেলপুনঃ পুনঃ মার্ডারা ভিক্ষী করিছেছি।

ভাষাৰ স্বাৰণালয়। নিৰ্ভাগ্নতা ইহাকাৰটে **অমাণিত** ্হ্যা:১২ ৫. জানি ভাষার নিজের ৫৮৯, মন, জর্থ বা বাজের কোনও কিছুবই ছাগ্র শ্রীভগ্রান্ত ভগ্রছজের সেবা कतिव मा, व्यथा यो धाना मधीन। अपन व्यादिमहरा एक विकू-देवभव-तमदात कथित दहशायक्य, जाहारात लाहि कारण লোষ দৰ্শন কলিতেতি, অংশাজিক একাল দেবার ন্ধেও অপস্থার্থপ্রান্যনিত। ইইবা ছিন্তান্ত্রস্কানে আপুত ইইস্ভি। অনুমার এই ওক পাণেম্বা কুজার্ডির মূপ অভ্যান ফরিলে দেখিতে গ্রুটান, আহিপ্রাথিক ছাপন কামন্টে এই অস্থ তির জনক। নিরস্তর হবিচেম্য - প্রারে বৈ ৮বছণ্যপক। আমার কড়ীর জ্ঞান ও কাম ভিয়ানের তেই লা-প্রতিপাসন চিষ্ঠার মধন আনি বিমুদ্ধ কটা পড়ি, নিজের সহস্র সংগ্র দারুণ ক্রুটীর বিভ্যানত। সংখ্র ভগন্ত আলার অগ্রের ন্দী অধুসদানে প্রবা সঞ্জেই করে। হয়ে। মনিও <u>जी छम-देवकवास्थरला चपु भूरणत ,कथांग्रहे । परिवर्शित । कार्य</u>ा **উৰ্জ্যতম লোক হইলেও জীবেত সেধানে নিতা স্থানিত্ব বা** ি পুৰীধের কাট গৈতে মুক্তি সে লখিল। জগাই মাধাই হৈছে পুঞা দে পালিষ্ট। পরমভাগবতবংগর এই একাস্ক দৈন্তমী বাণী প্রায়ন্ত আকৃতি কবিলাও আনার অভিনানদৃত্য অন্তরে করালি বলার্থ দীন্তার উপদক্ষি হইতেছে না। আমার এ'পোয়াফী দীনতার হজা অপেকা অনাত্রত দান্তিকতা বে কোটি ৪৫৭ জেই ৷ আনার কাপটোর জুনটাপূর্ব এ'আফালন স্তত্যু গুণ্দেবকণণ অনাবাদেই আৰুত হইংতছেন, এই জ্ঞান আমার নাই। আমার বিখাস, 🗈 ওরুদেবের আদেশ পালনের যে কপটভাপুর্ণ এয়াস দেগাইভেডি, ইথার পুরস্কার-স্করত ভগনন্ত জন্যানের শিরোদেশে আমার অবস্থান আবিশ্রক। অকণ্ট দৈক্ত ও আছরিক আগ্রহণুক্ত সেবা-লৌন্য ভিন্ন যে का नगरिश्व के जारता है हि विश्वन इस ना धार गतन श ও অকপটভালৰ ভূষ-দলকে সেবাব্দির সঞ্চিত শিরে ধরণ मा क्रिक्त ८२ आधूमका गाँउ इत्र मा, डेडा व्यामात श्रीकारी নতে। আনার দেবাপরাদের দারা আমি যেন নিত্যানলাভির शिक्षत्रभाषभारतात उभकाव मा न कतिर छाइ, धेई शकाव कीतन কুবুদ্ধি আখার অন্তবে সত্ত নৃত্য করিতেছে। আমার कृपृष्ठि निस्कत कृशावादन-सागाको एर्नन करत्र सा, विस् विकाल काक शत्वत मरधा । यहा-व्यक्तिक-त्करम क्रणा-विख्येन-তারভনা এনং তাহাদের অহাউত নেবাপ্রদানীতে অনুন্দৃতি ७ जनप्रकात जनकान नर्सरकेन करहे।

र्गत्रममशान् बर्गाणांगम् देवस्त्रीह्रम्यः सन्दर्भन क्तिराज्यम् - धानीमारक मरनाशास्त्रा करवन मा निरंग ! आयात गर्मेश (bei देन देन हेन्स कामान गकरपत कन्नरे निवृक्त रहेबारेका । विश्ववृक्ष जीव निवानांगरक উপদেশ করিবাছিলেন—'তোষার নির্ভেন্ন নুজুর কড়িকাঠ অত্যে পরিকার করিয়া পশ্চাৎ অপরের চোর্টের স্থী। ক্রিনি 🛊 श्रीमात कड़नृष्टि, व किंछ श्रीमर्टनवक्तरशत्र विद्वारवर्षश्र अक नात्य माधून अधिनः अविता नक्षणी माधिएकहे वास्तः। া যদি সতাসভাই হরিভফনে আগার আঞ্জ ছরিছে, ভবে 🗣 व्याक श्रीतानवाक्तिएक व्याच्यानत दक्षनवृद्धित ग्राम्बद्धी इत्रेक्ष খ-প্রাণাস্ত প্রতিধান উন্মত হইতান ৷ সংগ্রাক্তভানসার্দিক ক'মদেবের পূজাবেদী মূলে একবিত হই া আগর৷ আন্তর্জাটি : কঠে মহানিলনের ঐকাভান গাঁথী কীটেন কীনিভে আপ্রাণ্ড यः। कतिन्। । चान् व नामामदङ्ग विक्षित्रका स्वामाः कामदाद्वस গানগোৰা, নামদেৰা ও কামদেৰায় সন্ধান্ত নিধেৰন কৰিব।-টিল ত িবাদন্ত্রী জড়জগড়ের প্রতিযোগিভাক্তের নহে, নিবিবলেগ, নিনিবগাদ, নিংসংশরের বিজ্ঞাবৈক্ষণনী-কম্মে সমাগত চইবা আলার সেবাক্ষেত্রেক বিবাদ-বৃদ্ধির স্থাবাহণ ক্রিটেটি কেন্তু সমূপর ইউর কামনা মাছ্ডি দিয়া, এ' दक्ष-काम-एकरवनीटिक व्यामता आस्टाक व्यवस्तिकत, विवृद्धकारम्ब भद्रामानंत नागित काताममा कविन । ध्व'कि कक्ष वहरान्छ । व्यवाक्ष्यतः १ क्षारकानभी सीवन कि केन्द्रभवाविनियासम्बन्धानाकः জীষ্ট পূৰণে ভাষার সমতা জীণাচটাকে নৈচুবছ্মকণে জাদাৰ করিবে না গ

यनि जागात शक्कारणक किलामगारमगाव स्थात থানিত, ভাগে ভাগানি প্রভাগে **ভাগাসকে আনায় ওলবুছি**া ভারিয়া, ভারাদের অপুণ নিটার মহান আনপকে আমাছ ুস্ব। জীবন প্ৰেণ্ গামের করিছিল। ক্ষমি বুদি **প্ৰাভাৱে** যানেন ছুনুবছার বিষয় ডিস্কা করি' তবে দেখিতে পাইব থে, काश्चवरण्यतः कपूनानम कतिराज कार्तितः प्राप्ति भरमान्याचीके ন্মধিক পৌলা একাশ ক্ষিছোছ, নতুষা দেবাবিষ্টের অক্সন্ধ সংক্রে পরক্ষেরে মধ্যে **ইব।, ছেব, পর ট্রকাতঃভার ভারসভ্ন** 'डे॰(ए७ ३३ ८०न १ - दहिम्बं**०७)-करम अस्टेरकव्हतर्ग बह्ब**-অপরতেখন সঁসা ঘরন নির্মিছণর বুদ্ধিপ্রাপ্ত হয়, তথন সালগৎ উµভগনানের অপ্রাক্ত লীশার প্রাস্ত দোবারুসদ্ধানের পিপাস**।** দৃষ্ট 🕬 । 🛮 🕮 চতরচরিতামুক্ত এছ-বণিত রামচরাপুরার চরিজ। ইহার প্রকৃষ্ট প্রমাণ। পাত্রসাবেনলালানভারী **আভন্ন প্রক্রেন্ত**ি नक्त ज्ञात्नात्रयुक्तत ज्ञात माध्यस्थानुदी तालद्र निवास्थिमोहीः রানচপ্রবাবেক ভারত্তি করিলা সম্ভাম ভ সন্মান কাম্প্র ক্ষাত্তন, কিন্তু ভগবানের আচম্বণেও সন্ধল ছিত্তান্ত্রসন্ধান করাকেই তিনি এক্ষাত্র ক্রতা করিরা ছুগিয়াছিলেন। ভালায় বোষাহ্দমানরূপ মণিকার্ডির সংক্ষিত্ত প্রিচয়: চবিভাষ্তকার এইরপে বিয়াছেন—'বাহ। <del>তথ শ্</del>ত আছে<sub>ই</sub> कार। मा करत अस्त । जनमद्भा कृद्य प्रज प्रश्न भारताला 📽 খননারও এই প্রকাস মন্দিকার্রারণ অক্ষার ভারাবার্যার হইয়াছে। ভাগবতবর্গাচরশের লোহাই দিরা আন্ত্রি ক্ষকট্রায় অনস্বাহাণি বরণ করিডেই বছপদ্মিকর হই াছিও জীতিভাত मीमात याम कीम नुमायम काम ठेएकू कामान आहे। महभगताबीत क्यादिन वक्ष की हैन कि बहुद्दान के 🍪 🐇

> िकाहारता ना कृदन्ने निमा, स्था स्था वरण 🗀 व्यक्षत्र के उस्र देश किनिस्त्रक देशक है নিকার নাছিক লাভ সঞ্চনাত্রে কর্ম। স্বার সন্মান ভাগবন্ধ করিছ

## গ্রন্থ পরিচয়

## **শিদ্ধাগবত**ম

क्षित्रसद्दि स्कटेरनायम (यंत्रवाल खाँगे व भूल, शीमन-

**त्रहे भृदेशक व्यक्तिशास क्यांगांत्र, व्यथाद्यात व्यथाम के । — मध्या, व्यक्ति क व्यवस्था में कार्य महिला ।** অব্যায়েশ্ব সামসহ স্থবিস্থৃত ভাৎপর্যাদি বিবৃত। লোকস্টা चित्रम्ही, जशांत्रविवत्रण, शांख ७ शांतर्हीत्र छेड्म **'কাগতে উত্তৰ অক্ষরে মৃত্রিত। প্রেপম চইতে ১০**ম ছঞ পর্যায় ছাপা স্প্রিপে শেষ হইরাছে। ভিক্ষা প্রথম स्टेंड्क अन कह नर्गुष्ठ २०१४ : तमाम दक्ष ३२८ : 1 1.00 BPK

## **बिटेट एक ए**ति जाव उ

বিশ্ব কিৰিনোৰ্গাকুর রচিত 'অনুভঞ্জাবাহভাল্য' 🗢 💆 উমেইভি বিভাৰ সরস্থতী গোস্বামী প্রভূপাদ লিপিত 'कंक्कारवा क्षांक-प्रकाशि वह भागानागर्भाव प्रदेश क्यक्रोनिक इडेबार्कन : स्मार्कित नावग्रनाथा, नक्राक्रवाधक প্রেজ্যক পরারের পুর্মে সংক্ষিপ্ত অভিদের সংগোরিত। क्षरिकंक क्षणाय-व्यावस्थ क्षणायात (प त्या कारह । द्वाक. প্রায়, শৃষ্ক, স্থান, পাত প্রস্তৃতির স্থবৃহৎ পূচী ও প্রস্থারের বিশ্বত জীবনী সমন্বিত এইরপ অভ্তপুর্ব সংকরণ উভংপুরের कुळाणि आकानिक इस माहे। छेश्म काल्यक लाजिलाटी व गहिक पूर्व कामरत भूगारन मुख्यिक रहेरेराक । अब ल्यांव >eoo পृद्धार मण्यक्ष । किया वर्षमारम e. माज !

#### <u> এটি চেট্টাকার বিষ</u>

এছকারের দীৰনী, প্রতি পরিচ্ছেদের কণাসার, বিস্তৃত त्त्रीष्टीष भाषा, भाषापुठी, भाषातपुठी, विवय-प्राम भाषाति-স্থানী, প্ৰাকৃতি বিধিধ বিষয় স্থাপত বিৱাট বিভীন সংখ্যাৎ क्रमा क्षांडेन ৮ भिन्नी भाकातः। भाविनीमा ७ मटाः। किशारण व्यक्तिष्ठ वरेशाहरूम। केंद्रम करम आकार्त्र क्षेप्टरक्षा व्यक्तिम किका ६, हेका, व्यक्ति शहात 1641441

#### **बिटेड उन्हाम मन**

**এই প্রভেন্ন এরপ অভিনৰ হুন্দর সংহরণ আ**র কুরুপি क्षकार्तिक इस नाहें। मश्कृष्ठ झाकारत्मत क्रयत, यह छनान, ভাষা, ক্ষাসার, ভগা আছতি সহ গণ্ডে গণ্ডে প্রকাশিক ভটরাছেন : মুল মেটো অকরে দবল জাউন আদেপেনী मुक्तामन्द्रम काला करेवाटक। मृत्या २४० छ।या। अमेदा क्षणान के देनी द्वीदयत्र आहरू नारनत नारण आ। है। का ।

## **এখন্ড**গ্ৰহণ গীতা

- विक्लीको देवसमाहाया स्थाइल त्रनिकृष्ट्यामनि ক্রীক্রিবিদ্যাপ চক্রামারিকার্য ব্যাক্সামিকতা সার্থেব্রিনী টাভাগনৈতা ও ইন্টিমটভিবিনেতে ঠাকুর-প্রাণীত প্রতিক- । পরিক্রমার এইবচানি বিষয়ক। চিকা। আনা। प्रवास आयक कामाकामानिका । अथामक्रिको, माञ्चाकरम (माक्न्फ्रि),विवय-एकी,वायकारतम् कीननी क व्यवस्त्रिकारि बह-काक्याविष्य जह के बहु देशाह क्लीब मध्यत्र-ए हे ताल इहेटल अतिकारात मान गृहील; क्लीकी दशायामी कि न प्रमाश्या किया व प्रोकी माथ, मेशियन माध्यम -- ३॥ -1.研集体值 

## শ্ৰীল প্ৰভূপাদের বক্তভাবলী

ওঁ বিষ্ণুপাদ শ্ৰীশীনতকিবিদাওসরগভী পোস্থামী মহারাজের দেই ক্ষরিখা বিধ্যালিনা कीनाश्चर्य त्यादाविनी इपा नाक मिललाबिनी की यह वार्त्त वकाष्ठ्र**यो-इन्छ। फ्रांश्नयाः मिनायो।काः, कीमम्**धिवनाग हत्तन्त्रहीः देवाच्यनिक्छानाभारतत्त्र स्मोलिक छथा ---नकदात । ९ छात्र राखत **উন্ত**্ৰভাৰ ও বিশ্বভাৰিত্ৰত। প্ৰতি ভ্ৰেত্ৰ আৰিতে অভিযাত-বিচাৰক—ঐথবা ও মাধুমাৱনের মৌলিক গ্ৰেবদার বিশ্বভারত মাত্রতা ও মাধুমার শীপান

> ১। প্রথম অভে—বৈক্ষণদর্শন, প্রী ওরাডার, কাল भाग, खीमध्यानिकार, दे, यावकामधी, भागताजिकी ने का ख वर्ग निधात, आधार्य क मस्तारक, और्टेड्डिस क ভাষার শিদা, অন্যাক্ত সংহ্যক্ষ ও প্রাক্ত সংহ্যক্ত প্রেকৃতি বিংশতি সংগ্রক রয়ে স্থানোভিত। ভিক্যা নাজ বিন্তি ভুভি পুরনে-প্রবাদ নাজ্য-বারসমূহের জ্ঞান্থানলী ৮০ বার আলা।

> 51 कि टी रा व्यक्त - कहा 'व दिक्ष' अखि, मगरतः শেষ্ট্রতা কেংপার, আন্থার নিভার্ডি, শিবর স্বামিপাদ 🤨 भाषावान, श्रीदशीत-निधानमधातम, जिल रक 9 क्रफ-केंद्रिन, दीनामभुकात दीमश्रापरदर ধানের মতিমা, মধা প্রাাদ, জীবোরিন, উল্লেখ্যাভ্রাভ্রন প্রপ্ত, উল্লেখ্য বৃদ্ধান্ত্রনানিনী, জীবেতজ্ঞের পরা, জৌরকান্ডা বিস্তৃত প্রোকাদি স্টান্ত উপরুধ ওটিক কাগ্যে বেঞ্জ ও রক্ষাব্যাক্তন—চতুলাশ অপুকা মধুনিক — বড়াভানবিভূতিত ত্র কর্নাক্তে মৃত্যুত, মতক্রিত তা লোকার করে নাম **বেশা :** धिका ् ८क हैं। का शहर

द्धारम स्व शिकीश-एड अ.च. १कटम सहैदन हिस्सा (मण्डाका, सकि । द्वा वर्षे ।

#### 🚇 মুখ্ব গ্ৰদ্মীত।

द्यो हैर देवकत्व (महिन्क-८मथद क्रिकिय करतन ভাষের বিভাত প্রিলেবজন নামক ভালাবুক্তা। স্ববায়ন স্থা, বিষয়ত্তী, ও এতি সোকের প্রথম ও তৃতীয় গুরুত্কর ভিগ্নাত মানামার। लाम कही, जागकारतन कीवनी आकृष्टि मधनिक। ( इक्षेत्र अध्याप ) अस्त्र すいまき オリッジ、 क्रिका २, है।ता।

#### **अध्यात्रज्ञायली**

क्षांचिक-क्षाणानि (, कृषात खाषा अष्ठ ) चित्रके किथिए । भूटक ३०० हेरका बाजा । হালা। ক্ষিত্ত লিব। ও প্রাহলবন্ধার্বাদ-মাগ্লে। হাতি ২০০ জ সালকেল ও বোধগমঃ হইয়া থাকে। ভিজা া/০ আলা মাত্র

### जीन घोषशामाराषा

्रत्यमुग्रस्य शुक्रपाम । स्मृडि-मुख्यामि द्याप्र सीमन् बीटलंब द्वा महिमा की हैंड चाटफ, छाञात मूल महद्व ड अध्यक्ष किया ८० घरता।

## জ্ঞানিবতাপভাবতরক

প্রীয়াকুর ভবিধাবনোৰ গিৰিত। স্থলনিত গাঁভাকারে

## ভব্তিরতাকর ও নগ্রীপ গরিক্রনা

শ্রীল নরংরি চক্রবটি-ঠাকুর স্বচিত। ভক্তিরস্কাকর अव्यक्ति क्षेत्रवंशीय ायत्र पत्रिक्रमा विश्वाद्दिलान, शास्त्रके পতে বিবৃত। ভিকাত থানা -



टीक क कि लिरेगांव जाकृत खालित । केवारात टीरेन फरसब ४ वां ५ ६४ ८ ट्रमाट राष्ट्र मान्य नामानियानियान्य **एका वार्यास्थान व्यास** ना छ. अस्मानित कि अन्ति विक्रि छात्रक्षि छ পরিচয়াদি প্রথম 🖰 ার্থার উপরোগী করিয়া সর্গ ভাষায় সমূলয় সভিত্রসংগ্রত বিশ্বিত আছে। **১তুর্থ সংক্ষরণ ব্যবং** 

গৌড়ায়কওঁলার

### केंद्रिय नामः अन्तिका मात्रा

িব্যয়বিভাগেরমে সামুবাদ গুড়িত। টেক্সপ বৈক্ষা-ি হিরেছের নারন্মর্থ অভা কুরানি প্রকাশিত হয় নাই। হয়তে গুরুত্ত ভাগেরত বৈক্ষর পৌর নিভাগ<del>েন</del>— ष्यदेश्य -- दश्य- -- दिश--- चणत्र प्रम -- क्योत - त्यञ्जित सम्बद्ध मः ह्याराहेतः । — अस्टिराम् भारमञ्जितानान् म्यानाम्य – **७३णा**क -श्रीनाम -दारमञ्जन । अमान-अवस्ति शुनक् भागाता किकार, छैकि। मान

## क्रियनश्रीश्रमाण-अञ्चानशी

भारताता मार्कतंत समान थड - श्रीण मत्रविष्ठ कवाँही ্রেরের ব্যাপ্রিক্রমাণে—ইন্নান নক্ষরণ পরিক্রমা —ভীর্থ-इतरकुष्ट कारा ९ किराए अविराम शाहरतायायम वन- १५१४) भूतीर- शिवर कार्याममञ्जूष **मवर्गणभावस्य** প্রায়ন্ত কিবিলের ইরকুলের তিনধর্মণ ভারতরত্ব প্রভৃতি

#### শ্রিকলিলালার ভ ব্যাকরণ

किकीय (चार्यायो अनुसाम-वित्रविक स्व । अ तुर्वि, তংগদে উলিফুলার উল্লেখিকনিকার সরস্থতী গোস্বাদী মহারাদের বিভূত ভূমিকা ও হলী প্রভৃতি সহ। নীমালারের বিভারত্ত বৈষ্ট্রেশন, সভত ও । অপ্রত্যানিতভাবে ফলন। ভিকা ২০ টাকা, ছামগণের

### (नमां खंडचगांत्र

শ্রীমান্যাপু সানে। । রচিত। বেদার্ভের বিশিরাবৈতবাদ-প্রচারক জ্রীভাষ্টে এনেতা মাচার্যপ্রথার বেরাম্বর্ণন পার্টের क्षेत्रपूर्वा कर्माण उद्दे क्षेत्रम कतिसार्कम । देशका ব্দ্ধান্তবাস ক স্থানি লাল সংযোগিত করা ইইয়াছে साम माळ कि । १० मा-१।

#### শ্রীটেড ফু চন্দ্রায়ত ও লবদ্বীপদত্তক

োরপাবন তিপানী আমং প্রবোধানন সরস্থাী প্রবিত্ত মন, প্রাম্পান উমন্ ভক্তিনিদান্ত সরস্বতী গোসানা মহারাজ मुल्लाकि कर्यभूष्य यागा ७ वक्षाकृताम भविष्ठ । মবহীপুশভকের আভিজিবিনোদ ঠাকুরের প্রমন্তবাদ 🛊 ত্ত্ৰত ত্ৰীন্ত্ৰৰপ্ৰাৰ তক্ষী বিৰণম্বাহত অংশকিক চিজ তাদ্র হটাছে। মুদ্রণ ও কাগেল উৎকট ( ২ **খানা** ८कट्या ) फिका ५० काला, व्यार द्वारा देशमंह साक्ष्मरवर्ष ্ টাক্না খান।



3753 DAY 1.5 K'S



্বিভা ক্টে হক্ষাম প্র-ाराप्रिकि जार १ रेकर्रास्क्री राष्ट्रया भूतमञ्जूषा

Martin & MARK OF, E. fat your to be m १ देशकार काले. यशासात्र Billia Beritang B Water was interest कता व्हेश्वरण । जिलाह अर. (अफिन भार नम .\* किना ५ वेदानामा

#### C311 45

्राहरू स्ताप है है है है है है है है र्शात के । १८ क्यांत्र मध्यान्त fart". SHARET REPORT OF APPEARING P. 75 . 3 কোন প্রকার জনাস্থানের 領別の 4.1 电波电影带性 杂音员 在这一样,"可可胜到 CRETTE WE selem must broken fignisch গ্রামকর র গ **짜써** 되다는 뭐다. 1

#### काष्ट्रमहार छ

জন্ম নালালীল্ল নিজ্ঞান্ত হোৱা ভাত হৈছে। আক্রা, আহিত প্রের বিয়ে ৷ ১০০১ টি বার্ 🗪 । पुरिकार प्रशासिक स्थान । १ जानीम भाषक । जिस्स

## द्विमाग । आगंग

बामाहार। द्विम हो लगा। प्राप्तान स्वाम द्वि ∰ক্ষাণ মটে জ্বেঃ, লাম, হাও, জামাললাৰ জাতাত भावशीत रिवास तर्ग कार्य । ११ वर्ग भागां अंतर नारास भागां अल्लास का अल्लास का विकास के विकास के विकास के विकास के लिए हैं है है है है है है है है क्षित आहेत्। जनम् अध्यक्षान्ति । जनमा ५ ५४० चिपाने भव

#### 本月7月中間3分

· Approximate 多種小工多面(一个花形布) 1779 ক্ষিত্রটো ও এনেশ্যের প্রিটের তথ্য তথ্য করেনিট্র देल्लान्त्रकोत्त् श्रीक्ष्या स्थात्र एक्श्या ए गानी (लाइक संदर्भ प्रदर्भ तारकात वर्ष्ट्रभारत स्था। अभवा प्रदेख 😘 ভেগ্নহান্তা কাভ কবিবার হুলি। পাইবেল। মুছ अग्रहेद्देश, जिल्हा // व ज्याना माळ १

#### महावाद जि

প্রিল্পেটিয়ালনে নাজান্ত্র স্বাচিত র ভেগবানে ক্রাপ্রনামর্পির 🚶 বিজ্ঞানি, ভালন্তান্তা, 🚉 তাং শ্রতাত্তি ও তিত্তি লাল্যাত । কলিতে করিতে আশ্রেণ্টানিত হইতে হয়। । ইহাতে যুক্তির विश्वक परियम, १७६१ / भाग मादा

#### **ब्रि**क्षान्त्रः

ब्रीहेन्द्रत ७ वि विस्ताप- अपन । निर्धा ७२०, भाराधिक 💌 अन्तर्वनद्ववनाचि निकास अपूर्व भेट 🛴 ५ ६५८% आवि । किंभा / जाना मान।

#### 墨河南部不可斯耳

प्रशिदक समुक् छेटमी लि. श्रीमहित्रानाच । ठाक दखी हेरिहा- । बियातिक अन्ध्रह । क्षेत्रपृक्तिम्याम हेर्नुद्वत सप्याम-সহ। ভিকাত দানা মতে।

के भनाराज्य विकास के शिल बणगांत्र भाग Cशांत्रामीत ত 🗽 🗀 গ্রপ রোল আনি উল্লেখবানী, ভ কিপ্রের অন্তক্ত ও গাছিত্য বিশ্ব ফলিডাবিড ম্বেল্ট্রন ভাগে, বিভ্ত বৈত্য হ বিজয়ে এর প্রামাণ, মধের বাগেল ও মহাজন-ল্টিড় প্র চারী গাঁওমমুখ লাভাক প্রেকের স্থিত লালুক্টালিভ এই লাছে : আৰু সংগ্ৰহণ চিল্লালাল আলামান

#### अर्धन-कार्

ेनप्रभूत प्राप्त अत्यादायोग यसभिकता, क्रिक अन्यत् हर् हेल्स यादा । নিচ্ছে মহাত্ৰহাঞ্জলন্ত্ৰ। ডিলাই 🕒 আনন্দ 🚶

### ্রোগ হ জিল ভিল কা

केंद्र १९८ ते १६० वरमत द्वापारिक दश्रमण्डिकित प्रक वर्गत्त्। १९४१ /**० व(ल) म**्बा

#### 高一門 四州西市

্র সংবর ভাজিবিনোলার নিজ জীল প্রবোধানন ্টিল দেৱ সংস্থাৰ নৰ্বাবিধাতেকে ব বুলালিত প্ৰয়োষ্ট্ৰাল । ্ত হোলা মাত্র চ

#### जार्था न क

क्क्षेत्र, भग्न, १

#### সম্ভারতা ত

क्रीत बहुत हारान क्षण है। देवकदमत्र निरुष्टकार्या भिरामाधाना নি, এক বাদ সভিত্ত। ভিত্তা 🗸 পালা নাজ।

#### स्विश्रक्ष हो

कतिकल्दकमदी वैश्वमञ्जात्वकाला । विकेष চালে। মাজিলা ক বন্ধীলা ও মূল বেক্ষরণামত। সালু ব্ল 🖯 নীলের জনবান ল প্রবিছাবিনেরেনার প্রদান্ত ব**ক্তার বিধ্** डिकार पान भार ।

#### গৌরক কোনয়

প্রাতীন কৰি ত্রীলোবিজ নেব প্রাণীত ত্রীলোবালচারের श्रामाण नती-भरतिये गण्याक १ ए । छिन्छ। ५० आसा ।

#### সুভিন্দল্লিক। প্রথমেরভ

শ্ৰীমধ্বন্দাৰ্ঘাত্বত শ্ৰীমধানিৱাম অংশিক্ষা সভাগতে সাক্ষিক এই প্রায়ের জেকাশ প্রামাণিক দাহিত্যালয়ে उन्हें भनश्रेव्यवस्था । ज्ञिस्याननां हारा ३००७ द्याक्रणां नहस्य हिस्सेस मध्याहार्य। नारम ब्याप्ट खीनानिताक्ष्टीर्थ वासी उट्टे शाय মাধারহ যুক্তি ও পৌরিক ভাতারুগারে কিরুপ স্থভারভাবে ভিত্তিবিধানি মতবাদ সমুখ্য পাওন ক্রিমাছে, তাছা পাঠ काता ठावताक, टेब्स, राहेब, भीमारमक छ महाविश्विमक । महाराद स्वात च प्रमातिहारण । जिल्ला २८ छ। माळा ।

## গোসালী শ্রীল রঘনার দাস

(ও বিক্তৃপর শ্রিল ভক্তিসিদার সর্বাস্থী পোধার্মী ্রিত্রাধ-বিভিত্ত ভূমিকা গছ) গৌরজেট স্বরূপ-ক্ষেত্র उक्सान लियाच्या जीन मात्र गायामी व्यक्ति मशूर्य চ্পিত্তিত ও শিক্ষা অতীৰ প্ৰোক্তৰ ও সরল ভাষাত সমিবিই चनः शतिभारि यानशायात्री धाइम नित्रविक कथ्यकी সাহব দ মধুরতম ক্ষম ও মনানিকা-শ্বলিভ। ভিকা नैशिहे ॥• भाना, भाषाधारे ।d• भाना माज ।

# চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাচীন নববীপের অবভিতি, তবা, ঐতিহা, প্রোভ 🛡 টিভিল্পিক প্রানালয়গুলিত নয়টা মীপের সচিত্র বিষরণ-अयः। नाव्यि शास्त्रास्थ्य क्षेत्रात **अनुस्क भवनिम् भारतीयन**े तारा तम, क, शांख (मा अति), तमशक्षकम् महामण क्रंक সঞ্জলিত এবং ৪৭ থানি বিভিন্ন বৰ্ণের অপুন্ম চিত্ৰ 💘 নানা বন্যম্মিত: পোটোবিভামহাণ্য রাম সাহের বীশুক্ত নগের নথে এত বিশ্বকোধসংখ্যাদক মহাশ্রের নিশ্বত ভূমিকা ह । फेरकेश (हर ) महरका योश्वेह भूगा आर, किः निः एक

## गाधन-कर्शमाना

र रावन्त्रमा, देवक्कप्र-वन्त्रमा, देवक्कप्रमुत्रमा, भागादशक्त श्रीक, ীলাসভ্যু, ভীষ্মসালাভ্যু অষ্টোত্তরণত নাম, অষ্টলাছ্যু লানকার্তন, প্রানায়ন্ত্রান, প্রেমধ্বনি, বাউদদ্দীত, ন বলিন্দ্রিনা, জীমরোগুর মতিমা, শ্রীনরোভ্য-অভ্রের শাইক भारतां। वयस्य सङ्द्र**शायायीत परिक, दश्रमञ्जलक शिका,** ভালেশমালা নামভদন-প্রেণালী, মহাপ্রাছ ও রার রামানন্দ गरनाम, प्रवास्थित, शिक्षतालाम्ह, श्रीक्षत्र-भन्नामा, মহাপ্রান্ত বৰনা পাড়াতি মানক ও পিছটাবনের নিজাপাঠ্য, বৈক্তৰগতেও কণ্ডালিত ডুগনীমকোল **ভাৱে মতুক্ষণ করে** ্যা কোকোলোর বিভিন্ন - কেন্সকল আনের আকর । ধারণবোশ্যে অপুল এছে । ভিন্ন ।৮/০, বাবাই uo মাত্র ।

### ८भोजीय-८भोतव

क ं का राज इलाविश्व मागवार्व हता शोशीय मन्नामक উল্লেখ ভুনরনেক প্রবিদ্যাবিদ্যার প্রমন্ত বঞ্চার বিষয় १ ग्रेगात शकान्ति। वैशादक स्थिकोत्र देवस्थानास्थानाद्यम् े शेरिकार क्याबात अधिक श्रेयाक । जिला ले बाबा

## গোড়ায় নাহিত্য

कलिक उप इ श्रानिक चायदाउँ घटन दर्शाकीय-मन्नापक अक्षादारत अकारिका है। हेश्वाट माहिका-मारमात्र व्यर्थ अवर ेडीय न्तिस्क स निषय प्राचकारम विविध क्षेत्रसम् । किका ্ত গালা মাত্র।

#### **ঐারোড়মণ্ডল পরিক্রম⊹দর্পন**

উট্টো ছালনের যে সকল ভাবে সপ্রিকর - জীমনাহাতার ्नः ७५६न পর্বস্থী মহামানগণ गीमा कतिया निवास्छन, নেট সৰ আধুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও বেশবিগ্রহাখির পরিচয় সহ যাভায়য়তের স্থিতা নির্দেশ ইক্যানি বিষয় খলি সন্ধিৰেলিত আছে। ভিকা • আলা।

### THE HARMONIST

## OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীল ঠাবুর ভঞ্জিভিনোর-প্রতিষ্ঠিত ধবং শ্রীল ভঞ্জি- 🗐 নিরাস্থ্যরহতা গোধানী জন্মাদ-সম্পাদিত পার**নার্থিক** माधिक भवा। एकरन इंश्वाकी खागाव खडेाविस्म वर्ष ভবলফাউন ৮ পেড়ী ৪ ফর্মা আকারে অতি বারে হছি-मात्यत विकत-देवकाकी गहेशा छेन्दिक परेटटट्समा কাগম, মূল্য-পারিপাটা ও চিঞাদি মতীব চিডাকর্বক। द्ध अकात्र देश्केदे अवश्व कात्र द्यांन मानिक श्रवानिष्ठ নেণিতে পাইবেন লা। বার্ষিক জিলা ভাকমাওলনত 🔍 छाका माल।

शाश्चिम --**बिटेहरू एमठे. त्याः खिमाबा यस मगेबा** 

# বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভাতিমঠসমূদ্

## श्रीदेखका यह

## আকর মইরাজ

अ हीस सबबीन, फाक्यब खेलाम मावालुक, समीबा

শ্রীমতামোগপীঠ তর্গদে গ্রায় ৩০ গল্প উত্তর-পূরে প্রীয়দ্রপদ্ধনে আচার্যারত প্রীচয়-**भ्यात्रक्षक्रम् मान्यात्रक्षेत्रक्षः मह**ित्राक्षमास ।

🤿 এই স্থান সাগস্ত্র-শীর্থ, শর্বিভাগীঠ বা সাহত ভজ-ত্বলী। এই মহাতীর্গে 🕮 গরি-মংগাস্থ মংকেৰণাদি-বেলাজন্মুত, অর্ণিভার অন্তর্গত কাবা, নাটক, অবস্থার, ওপ্ প্রাধাণ-উপনিষ্দ-গীতা-পুঞ্জ-পুঞ্জন চভুইটের অণারন ও অণ্যাপনা এবং তথায় ঐত্যক্ত প্রেরিঞ্চ-পাস্ক পা-বিধিধন ও সাত্মত সাম্প্রজন আচার্যা-চতুণর ভালাদেও উপাত্ত বিপ্রতের গণ্ডিছ নিজ্য সেধিত চণডেছেন। এই মইয়াজে পাৰ্মার্থিক দৈনিকপত্র সাত্ত-স্প্রাধানের অপ্রকাশিক ও প্রপাচীন প্রস্থালি প্রচারকলে 'নদীয়া-প্রকাশ' যন্তাশর ্রাভিটিভ ভইয়াহেন প্রতিবংসর ইম্পান-প্রিক্রমান্ত্রীন ও অগবিত সকলোটি।ছ জীপ্তন প্রচারশ্বশে মতামধ্যেংসনাদি ভাকাল অভ্যতিত চতরা পাকে। রক্ষণ--- ব্রহ্মচারী 📵পার নম্বছরিকী। সঙ্গারী— শ্রীণাধ হিনোপ্রিগারী প্রস্কারী, প্রিস্ত শ্রীপার গৌরদাস क्कारात्री बारवत्रमधीर्य. श्रीलाम बीत्रहम् अक्षात्रो, शिक्षत्र श्रीवामवासम् अम्रहाती. অক্স মনীপোণাল সন্দোগাধার, আছিলেয়াম দাস এখাচালী প্রমুখ সক্ষমগণ। অিদভিষানী শ্রীমন্ত্রজি রাদীশ তারি মধারাজ এখানে ছবিকগা কীর্তন করিছেছেন।

## ( o ) त्या गर्नी ठं न्ये गन्ति ह

बारे कांग अक्रिश्रश्लालिशालिश क्रमल मा শ্রীমরালাঞ্জুর স্মানির্ভাব-ভূমি, মহাযোগ-नीर्क। दबारन डीलची'शहा व डी:क् **विश्वामक शिक्ष्मीतमात्रामि ४०१ शिटि**ठ द्या • औराधाक्रतकत निका स्था । अनुभन्न ভব্ৰেৰ সেবা বৰ্ডমান। বৃক্ত — কোক-माबःयह रशस्त्रामी क्षेत्राधार्यः अक् व्हेरस्था-साव । प्रकारी शिलिकः। लग अवनामी, **बिकाशाम अवस्ताती । अभावनमान व्याप-**· अभि, (सनम्बा श्रीकावन्त्रम् ।

#### [**7**]-**5**[**7**] (8)

শ্রমশ্বতাপ্রাকৃত কঠিছ-বিশাস বা **द्यानावाच अगरना**ण क्यारन स्थिताना नियामिक क लक्क त्यात्र दमना वस्त्रान । **७७. शिशाक्रमणाम वावासी** ।

## (৫) আবৈত-ভবন

· बड़े शास जी मरेपड शक् करन व्यवर (गरा वर्षमान।

( ७) क (क) व अभाषि भ हे वाधीन मांबाणक, वामनजुक्त (मनीका) **ब्रिटनोक्कनानाळ ब्रिटानकाळीड** प्रमासि । वस्य-वस्ताधी कैविटनामांवनावी।

## ( q ) **খাগেল তুণ**ণ-কুঞ

े औरशाज्यम् चन्न नशक ( नशीक्षा ) deten dempin In Bir birfecatebigene nuifi dut Medisentus det Baluis. शाबद्यत दमना वर्षमान

क्षण-किक्श काष्मात्र वस्ताती क्ष्मपारियो वन, वन, वन।

\*

## (৮ **अक्षत्रशाब ८गोडीय** २७ মৰ্মলসিংগ |

नि. दल, गरकादी-- श्रीकेषामा किन-माही, औष्ट्रकाम बाधकारी आवृति।

( २) क्रीट्यांब-श्रांशब-मठ

টাপাঞ্টী, সমুদ্রগড়, ( বস্কমান ) क्ष्मित्राधिनां थ्य अनिष्ठित स्त्रीत्यमध्यन

## ্ ১ - এক্লিপ্লোড়ায়-মঠ

बा:1918. शबाश केंडे. शि रक्षक---- भेड़िद्दिनाम अक्काती, खेळुलाम्बर बक्क-ाःी ।

## ( >> ) औदमामक्षमहत्त-

राजेगा के. सामगढ, नक्षमाना बी गामाव कार्य के क्य युक्तावत्वत्र काम । १कक-- शिक्षविद्यानी अधनाती। (১২) ভাগৰত আসন

🗐 नाशवक (व्यान, क्रमानशत, नशीवा । ভাগৰ - নিছাম এছাবলী প্রচায়-কেতা। दक्ष क---- भिकालमा बक्क ठाडी।

## (১৩) এএকায়ন মঠ ८७.सनाकी, दशाशाकी, कुम्मनशब, नशीका । रक्ष --- 🖺 बङ्गानम अवस्था वी ।

( >८ ) श्रीमाथ्य ८गोक्रोप्र मठ a.म: सवाव पूर त्याष्ट्र, हा का । श्रुवारणय श्राप्तात-(क्ष्म, वचारन खो छक्न-्योल्प गाक्सा-भितिभवास स्थवा वसमान । १क - जीवाशायम व तमनामी।

## ( ১৫ ) औरगाभानकी मर्ड

**\$40193, 51411** 

(जानानकीश जाविक्षहर बाठीन स्वत क्ष्य- श्री श्रान्त्री व वच्छात्री ।

## () बिदगोडी इ मर्ठ

১७ मः काशिक्षामार ठळवळी श्रेष्ठि. त्याः वात्रवाष्ट्रांत. कशिकास्त्रा । .हेलिएकान नि. वि. 855e

শ্রীমনাকা গড়র প্রচারিত স্থানিত্রত ভাজনত্ত-প্রচারেরদেশে গৌড়ালেশের সঞ্চপ্র मन्ति कतिकालात्र श्रीविकितिस्मात कामान श्रीयह श्रीविक्ति वाटकत। धके काल-গতবা :ামে জি প্রক-প্রোরাল শ্রীবিনোদানক জাই দপাবদে নিতা দেবিও চন । পৌতীর মাচার্যাবর্ণের বাণভীর গ্রন্থাবলীর শুল্পচারোদেশে 🖺মতে সংলয় একটা পুরুতৎ মৃদ্ধা-নস্ত্রালর সংস্কালিত ভনরাছেন। পুলিবীর ধক্ষত্র 🕮গোরনাম প্রচারাথ এট বস্ত্রালয় इक्टेंट्ड 'cell होत्र' अ:श्वांक्क शक, जि. अक्ट्रमसिष्टे माधिक शक्तिक हेस्टाओं आयाह নির্মিত জাবে প্রকাশিত ১ইতে ছেন। খ্রীমতে পাঠ, গর্মারন, সপ্রকান-চতুইয়-বেলাভ, শ্রীমন্তাগণত, প্রাটেডভঞ্চরিভামুভাদি-লীলা ও ওপ্রস্তের সমাক মালোচনা চইচ থাকে। মার্রক্ষ ক-- আনোধাত্রিক প্রীপার কুঞ্জবিহারী বিভাক্ষের। সহকারী--পশুক শ্রীপাদ অন্তম্বনাভাদের পরবিভাত্নণ বি-এ, লীগান জন্মরানক পরবিভাবিনােদ বি-এ, खीलाम कामतिकारी उक्काती. श्रीताम अग्रहकारण मामानिकारी विनदा. श्रीलाम क्षरभाषाम मामाधिकारी. जन्नतारी श्रीकीश्रमानम, अन्नतारी श्रीणावीश्मान्य, अन्नतारी প্রীক্ষণমন ভব্নিশাস্ত্রী, এক্ষ্ডারী জীবেবকীনন্দন, পরিড প্রীপা নবীয়ক্ত পর্যালক্ষর ভঙিলা প্রভৃতি।

## ं ১৬ ) श्रीनाचे-८नाः 🖼 गठ इतिकृष्टि श्रमाधिनी माला, नामिय

**ब्याशनाह-८भोतास्मर निका स्मरा** রক্ষ — শ্রীপূর্ণ প্রজ রন্ধর হয়।

### ্ৰে শ্ৰীভাগৰভজননেৰ মঠ

किक्शियो, बाङ्गप्रवश्चत, इयक्तिमैश्चत । এবানে 🔍 ন্দ-গোত স-গাড় জিকা-বেবা। কক্--- 🗐 ছিলবিজ্ঞান আএম। বিভিন্নবিধারীর নিজাবেবা ব্রুমান। রক্ত--- ব্রুক্ত--- ত্রীগণ-ক্রিনাথ এছচারী डिक्कवामी खीलभवानगामधी। बक्कडादी शहानक,

## ালে অবিশাবোড়া প্রপদ্ধশ্রম

त्राष्ट्रवेश (सा: १६६१म )

भिकास्त्रता। दक्षक--- इक्षतामी जीवाद-THIPST

### (১৯) 🕮 शुक्र (स स्वय मर्ठ

শ্বৰিষ্ণ, পূৰ্বী, উভিক্যা। वशास औं शोब-विस्तादशायकीय मिला-পেশ বৰমান ৷ রক্ষক -- এক্ষারী জীপর্মা-सन्त विद्यादेष्ठ. अक्षाती अस्तिहीतास्त्र ।

#### (২ •) জীব্ৰন্ধ-গোডীয় মঠ

भागवतनाथ, उन्नाभाव (भार, भूकी। अभागपरमध्य अस्वयंत्र भ्रम्य जीमना भवस्य मा विकास--- उद्यहात्री **ड्रांगब्रामध्यी अभाषको। महकाबी-**बन्नादी औःविनानगरी।

#### (१८) जैजिकिमानम गर्ड

केष्टियानामाध्र, कडेक। खबारन <u>जीक्षक-त्वीशक-विस्तावस्थान-</u> चीव निकारनवा वसमान। 3744---अष्टाची जीनगर र

## (२२) श्रीजन छन- ओकां स सर्व

अमर करास्कानमनाता, काली । Ctil -गराक्षण्ड अनाक्त-निकाक्षाः। क्यां(न (गांद्राया यक्त्रांना व्रक्रक----छ। याग्यीनापकी ।

#### २ ७ अक्स्प्रेटच्या मठ

बीन गरकाम कुछ, जीपाय बुक्शावन । के के लाधा-जब-ब्याङ्गबोद स्मा।

### (১৪) শ্রীপরমহংস মঠ

ৈ মিঘাৰণ, সীভাপুত

द्यार श्रीकात्रक नाहनामा । िशा नित्तान निवानकीक स्थान वसमान क्षी बकाशाताक रें. श करिएका पारिमादीर अक्षक -- अकरादी स्थानभएका नम क उक्रमाती जीनमञ्जान ।

## (२०) औदेष्टश्चदशीक्षीत्र मठ

মুম্বকু হা, চিরকু হা, মানভাম । ইকা भौटिक्छ अ-मरका नामा। **स्थान-**भौद्रमाः-नाथ शाह, हैं। किश्मानन उन्हारी। श्रीताह **भौशे (भाषां श्रीक्ष)** 

#### (२७) वहानदशोष्ठांच बह

कुरक्ति, प्रात्ववा, क्याला। अवस्ति क्योरशेवनियान-बारम्य दश्या वस्त्रमान्। रक्षक--- बच्च ५ (ही स्थापन मन ६) ।

## (२०) जाकानभाषा कामहासम्मन প্রাঞ্জনপাতা, পোঃ মাজু, চারভা

क्षणात्म सङ्ख्यमार्वे जीरपात्रात्मच अस वर्खमान । वक्तक---अवशासी होत्यासक्रम-माम, औदाधातमध अधानवी।

## । (२৮) पिद्धा ८गाफीय यठ-- व्यायाजय

De Con State, fair lant i রক্ত-তিগ্রিখানী প্রীমন্ত্রতি সক্তর-विदि गर्गातास, श्रीताशास्त्रमहत्रवस्त्रम् । (২৯) গোয়ালপাড়াঞ্চল্লাভ্রন

वक्क-जक्रात्री खीवाबादमाह्य

## কলিভাভার বি नाती महामद्यामद्रीय अधिदर्यन

গত শুক্রবার 🖂 ম্যায় টাউনহলে निविण वक्ष नाती भरामात्रालानत व्यवम व्यविद्यमन इहेग्रा निवादह । धरे छैपनरक महिलाशासद्र मारा य उरमाह शतिलक्षिष ইইয়াছে, ভাষা অপুনা। এত আল্ল সময়ে— মাত্র ভিন সপ্তাচকাল মধ্যে মহিলাণণ মে এরপ সাফল্যের সৃহিত সংখ্যানের অধিবেশন সম্পন্ন স্বিয়াছেন তাহা বিশেষ প্রসংসার বিষয়।

## हे। जैन इन क्षान्त 🕮 युक्ता नवला ८४वीव वक्तृडा

গত শুক্রবার স্কাল ৯টার সময় টাউন হলের প্রাঙ্গণে জাতীয় পভাকা উত্তোলন কালে निधिलयम महिला कर-গ্রেদের নির্বাচিত সভানেত্রী প্রীযুকা সরলা দেনী চৌধুরাণী তাহার বস্কুতায বলিয়াছেন :---

''আমাদের প্রিয় মাতৃভূমিকে তাহার প্রাচীন গৌরব ও মহিমায় এবং পৃথিবীর স্বাধীন কাভিসমূহের মধ্যে প্রতিষ্ঠিত করিবার জন্ম ৩০ কোটী ভারতবাণী আফ দুঢ়সম্বস্ত্রথন্ত। ত্রিবর্ণ রঞ্জিত ভাতীয় পতাকা এই সম্বন্ধের মূর্ত প্রতীক! আজ আমি এই পতাকা উত্তোলন করিতেচি, উন্তুক্ত আকাশতলে এই পড়াকা সমগ্ৰ विश्वत निक्षे (चायना कक्क स वाक्रमात्र मातीत (नर्रह अक विम्यू त्रक शांकिएंड धरे প্তাকা অবনমিত হইবে না।

लंडे देशमय छेल्लाक ठाउँन हम आयान বিপুল জনসমাগম হইয়াছিল শতাধিক বালিকা লোহিত বর্ণের সাড়ী পরিধান করিয়া সামরিক ভঙ্গীতে টাউন হলের গোপানাবণীর উপর ভাহাদের প্রধান অধিনায়িকা আমতী জ্যোৎসা মিতের त्त्राहरू मखाइमान किंग धरे अपूर्व मुख मकरमञ्जूष स्टेशिहिन।

সমবেড করে জাতীয় স্থীত গাঁড ছ ওয়ার পর সভায় কার্যা আরম্ভ হয়।

ভামতা শক্তি দাস সভানেত্রীকে প্রত্যকা উড্ডীন করিবার জন্ম অমুরোব करतन। এकी कुछ अवह अमग्राही বক্তভা দেওয়ার পদ্ম সভানেতী পতাক। উত্ত্রেলন করেন। অতংপর স্বেচ্ছাসেবিকা-श्व क्षिमनी (बहारका मिटक्रक व्यक्ति नाइकृष्ट शहाकांद्रश्य ममस्यव्यक्त अवर গভাষা অভিবাদন করেন , তথন সমবেত क्रमम अभी मीत्राय प'छात्रमान रहा।

काउ: लत वन धन 'गतनवां छत्रम्" श्वनित्र भएमा डिप्सब (लब रहा।

## काजू कार्त्र व्यक्ति दवकारकत **प**त्रिमाना

कार्कन शार्फरन श्रुशीनान नाजी उक-জন ঝাড়দারকে প্রহার করিবার অঞ্চি-त्यार्ग वि. हे. ध्यहाम नामक अक मारहव व्यथान व्यमित्हकी महिन्दु है मि: तका-वार्ग कर्जुक >० होका मर्थ मर्छ मस्टिछ

## শ্বেড।জিনীর বিপত্তি

क्लिकाला देखद जिंक गान्नाई कर्ली-রেশনের কম্মচারী ডি, এড়ো এবং ছেলেন গ্রোদ মিঃ এদ আমরিলোর নামক এক ব্যক্তিকে পার্ক লেনে গালি বেওয়া এবং অহারের চেঠার অভিযোগে অনারারী ce्मिएडकी नाहित्र मिः उत्त, ति, ননীর কোটে অভিবৃক্ত হইয়াছেন।

## मारहारत स्योगाना स्मोक्ट प्यानी

গত ৩০শে এপ্রিল কলিকাতা মেলে स्मेनामा मोकर वानी उथारन क्षेष्टिया-(इस (देश प्राप्त (रेम्प्स्स है।देश)क छठ । देकम व्यक्तार्थना (महरा हा । एकमरा केहिरिक ''দোকৎ আলা ভিন্দাবান" ধ্বনি করিয়া গ্রহণ করে এবং অপর্ধল ক্লপ্টাকা लहेश ''मोक्श्याःल कितिया या**ध**", পাঞ্জাবী মুদলমানেরা মিল্ল নিকাচন ও পূর্ণ বয়ন্ধদের ভোটানিকার চাই ইভানি ध्वनि क्तिए भारक क्रमभ्याकाश्वीत কোন কোন মুলিম বুবকের ঘারা আক্রান্ত হইয়া কেচ কেচ আহত হইয়াছে বলিচা প্ৰকাশ।

भि: तोकश्यामी छाः शालक माछू-ফ্লিনের বাড়ী অবস্থান কবিতেছেন।

কংগ্রেস ও বেকার শ্রমিক

করাচি বাংগ্রেদ কমিটার সভাপতি · अन्द्रशास्त्र निकारित केंक (बकात শ্রমিকরা যাইয়া পিকেটিং করিছে পাকে। हेहात्रा कःट्यारभन्न (कान (क्षक्रारम्बकरक व প্রহার করিয়াছে। কংগ্রেস ক্ষিটীয় স্দুছরা ভৎপরে রাত্রিকাণে একটা সভায় भगरव ७ इस्म व्यापन धार्भ करते । एवं, বর্তমান যে খেজাবেবক বাংনী আছে **ভাহাদিগকে পার্পেয় দিয়া স্ব স্থ পল্লীতে** প্রেরণ করা এবং তংপরিবর্ণ্ডে নৃত্ন **ट्याक्कारमनक अडन कड़ा इंडेक। जानीय** কংগ্রেস কমিটার অভিযত্ত এই যে, স্বেক্ষায়েৰকদিগের দলে কভিপয় উত্তর ভারতের বেছোদেবক থাকায় এই প্রকার भागायाम्बर्गा कार्षे इटेंटल्ट्स् ध्वर अने সকল খেছোসেধক থ খ গুড়ে গমন করিলে সার কোন হাসামার আশকা থাকিবে না। कर्न्याम मध्याम्

गर्फ झारेख माछेके सन कि गानिम গত ২১শে এল্রিক ডারিখে ফার্ল পরি-দর্শন করিতে বাহির হইয়াভিলেন ৷ ইহায়া বে-সরকারী ভাবেই গিয়াভিলেন এবং : কাবুল হইতে গত বুগৰার পেশোরারে প্রভারেও হট্যাড়েন। মর্ড ক্রাইড পলিয়া-एक त्य कीरांत्रा कावुरण (यन जानस्य विन काठिशिंगांद्धन ध्वाः ज्ञान क्रिक्रमा युगक (कांग वार्गात घटि माहे।

### যুসল্যান মোক্তার মিহত

পরুয়াখালির প্রবীণ মেটেনর মোলবী व्यविश्व कारम्य मुश्चित्रंत्र द्वांक रहेत्व मभग काँगत नाड़ीएक विद्या ठेडेग्रहन। গ্রকাশ আভভাষী সিদ কারীয়া ভিতরে p किशाधिन ।

### **চরকায় ল্যাভালায়ায়ের ভাগ্যনাল**

लाकान, विनाएछत्र भाष्यक्षेत्र नाष्ट्रि-য়ান' পত্রিকা এই বলিয়া দার্শনিকের জায় व्यक्त महत्ता कतिगारणम (११, महाञ्चा) आक्षी যে চরকাকে উল্লাভ করিছে তেওা করিছে-চেল ভাষাতে আকোশাধাবেশ ভাগানাশ স্তিত হইতেছে: ইে পতিকা অংশ ও विनिष्टिष्टम एवं, शासीकी यनि वानेगाहे-**(क्राल्स अक्षरक अक्रिक्स व।वड्डा क्रिस्डिन** ए। इंट्रेंग मिर्वि । एक एक एक অনিষ্টকর হইত বটে কিছু আয়াদিগকে ৰদি ভারতে বাৰদায় করিতে হয়, ভালা পূর্ণ বিল্লাম লভে করিবে। হ**ইলে অক্তান্ত দেশের সহিত আন:দের** যেরূপ চুক্তি আছে ভাগেতর স্থিতিও ভদ্রাপ চুক্তি করিতে এইবে।

## ८२कात खिनिकरतत्र अन्या

শত ২৯শে এপ্রিল প্রায় ৭ শত বেকার শ্রমিক করাচির আমদানীকারক क्षांन्याची क्षणित खनारमत प्रवास याहेगा भूभावद्वाय क्विश्रा एडायमान शहक। मनानिख मण्डामाद्यत (वकात गुरुकत्रा बेबाबिगरक পরিচালিও করিয়াভিল বালয়া मरबाम भाउता शिक्षाक्षा अमारमञ् স্পুথে ইহারা দাঙায়মান ছঙ্যায় মাল याङ्ग्रास्ट्रित वर्ष एरक्सारत यक एटेस यात्र ।

खेळ अभिकता वरण "व्यामाणिशतक बामा माठ व्यवदा कार्य देशाकात्मस नव করিয়া দাও। যদি আবশুক হয় তাহা इटेटन कामामिनटक कर्द्यानव (चक्टारनवक कतिया गञ्. छार्श एवेदन भाषता दलल शहेर्ड शांतिक। श्रमन क्षित्रीहे इक्क चार्माक्शरक दवन चननदन शक्रिएक मा

करम्बन युविक क्रिक शिरकीं क विनदक किছू किছू वर्ष निवा निनाव क्षित्रा

रतम ! किंक थाव १० कम जिल्लाका गाना पाकि नर्गच निष् भक्त सामानी কারক স্মিতির সভাপতির বাটার বাই त्मरम् मधारमान पारकं।

कांत्रत्यात्र कीयन द्विन क्षत्रहेगा

कांधरत्रात ७-८न धाखिरमञ् मर्यास कारदर्श जात्मका जिला धकार शत ८६८० अधिकार खत्र करेंगे के জন লোক মৃত্যুদ্ধে পতিত ছইয়াছে একং 8> जन वाग्य क्रेसाइ । चानक जीवक -ব্যক্তির বৃঁচি বার আশা নাই। বাছারা क्छाक्टाकत नावायादर्थ ये द्वारम निवासिक ভাহ:রা মানবদেহ গুলি শগুণিশ ও **নবস্থার** 🎆 🔊 ইভডভ: বিকিশ্ত অবস্থায় পঞ্জিত আছে टम थिया उटकनाटत किश्यार्कता विष्कृष्ठ व्यक्ता यारा। अध्यक त्वक आता हिनियात केलीय অধির শেলিচান ভিত্তরে ৌলিরাফের ভার অলিয়া যায়। **করে** সংবাদ আদান প্রাদানেরও কোন উপায়

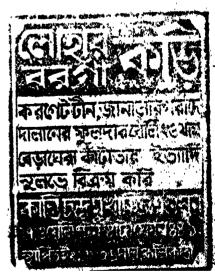
## স্পেদের সংগ্র পূর্ণ হয়ভাল

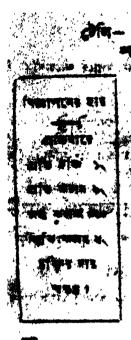
গত চলা মে ভারিখে জেনেয় স্থাত काशीय भिवम खाडिलांगरमञ् गरमावण **१रेशाए । याना नतकाती फारम क्षकान** ক্ষা হটছাছে, ক্ষেণ্য বিল্লী যাতির कारण किस्क समिक छ जना शत्रवसारक নিগৃক্ত প্ৰমিক ভাষ্টা প্ৰান্ত নামত প্ৰমিক্ট

मालाक ध्या यक्षात्र खालिक সহরে কোন প্রকার খান বাহন চলাচল कतिरत ना दकान । श्रावाम गढहें भनो दम ভারিখে প্রকাশিত ১টবে না কৈপ **द्वीदश्वा, नाक टाइकि गमण्डे यक** 

कार्चान (मठात्र साहारकः

कार्थान बाधीय महात्र स्मारा हिंद र्गार्यम जामाग्य स्वयानगांत्र অভিযুক্ত হটমাছিলেন্, বিচায়েনট্রাদায় গুভিত্ৰ মাস কাল্পাস্থ এবং ১৫০৬ मार्क व्यर्थनर उत्र बारमण बहेव।रह ।







इस शहार-मनेदा (समाद रमभाए यूमण्ड

শ্রত ভালনাথ বলেয়াপাধ্যায়, বেদান্তবাচপাতি

क्रिक्रम मरसम

**এটিততশ্যমট জীবাম আয়াণুর- ২২শে বৈশাশ মঙ্গলবার ১০০৮,** টেই মে ১৯০১

## विमन्त्रभूदत्र देशका गुरु क्षणीय संस्थिति क्षणा व्यक्ति

ক্ত ১লা যে অপুরাত ও ঘটকার সময় क्षत्र जीवन मना छ। वाछि वहेदा निवाटक । वयन क्षणा क्रमंत्र हानद्वाना १५०० नड ष्ट्राकात (मध्ये द्वामध्यः वाधिता १० ३०६ क्राका भून ककी, यान महेबा गर्त वाठेव - आम-मन्द्रिका निक्के विश्व गाँडिकिन क्षन प्रदेश श्वक हानदानीत्क व्याजन

खाकान, बक्डी वृदक চानवानितक अः अमाधिनाम् ॥ मामाकः कृत्यः । छ । स्कृतिकः मा सामक्रिय अक्रमादेश . गरेश गाह । फटन्द र, अक्ष अर्थेऽधी दिनाव क्रांत्रबाना हटेटड ं अष्ठेन्। अर्था क्षां विरच्याः करक्षारः कर्यारः ्यन् माला अविवा खही दशाबा वदः महल , क्रांक्शिक, देशिक वास्टिक मानाल जापाठ Salasta Francis Contract Contract

क्षा का क्षा के कि दिन है। दिन है दिन है । क्षप्रकार्वाद्वर्<sub>वश्र</sub>द्धक , बनाइक , द्वारात कतिथा क्रिक्ट कार्या वार्षित एवनव कामक क्ष्यानकात शास्त्रा गांव गारे।

## THE END LOW SHALM TO BUTTON IN - अव्यक्ति द्वाराशास्त्र स्मिन-

काहे. जारे. जनगरक्षक समिक जिल्ला The was vernet , main, caan कामा क्रिकारन लाव ३ हायात जिथकरक Televi Smelin windla PARTITION OF THE PART SECURE! क केंद्र में त्रिके के प्राचीत नहीं व कार ह अक्रीके अने विकित कारणकेवरक अनाताल

## টাক

ই, তাই, রেলপথের এমিক সংখ্যা হাস নকল কনষ্টেবলের কাণ্ড

স্কুল বিভাড়িত ছা এগণ ও শ্রীযুক্ত সেনগুপ্ত

# ৫০ খানি গৃহ ভক্ষীভূত

ধান্য ব্যবদাগীর শোচনীয় মৃত্যু

# চিড়িয়াখানায় চুরি

বাঙ্গালার রাজনীতিক বন্দীদের তালিকা

# শ্রীনবদ্বীপ পঞ্জিকা

গৌরাব্দ ৪৪৫

माज ०/३० डाकिटिकडे भाषाहेत्सहे व्करशारहे भाषा इस

ম্যানেভার- গ্রন্থনিভাগ बिटेडणम्ब, त्याः ध्यमासाध्य, नगोर्धाः

করা হইয়াছে। কর্মচ্চতির নোটীশ এছণ অভ বছ লোক উপত্নিত ভ্ৰৱগড়িল। बानान्द्र द्वनभर्गत गमुहत्र टामिकगरेनत्र মধ্যে জাতকের সৃষ্টি চইরাছে। ভারারা क्षेष्ठ इनियम्बद्ध क्ष्णिमिरशत्र व्यागमानव व्यडीका कतिएउएछ । श्रक्तान, हे, बाहे, (तनशरभव व्यमिक गरक्यत्र गण्यापक दे) युः इ वि, नि, विज गादारगत कछ दीगृष्ठ छ्डाव गाँकिया भूणित्यत्र अथ गाविक छिडू वितित्यन ।

**हस्य वस्त्र, कार्यात्र मध्युदना, कध्यन**्ति इनि । ও অভাগ্ৰ শ্ৰমিক নেভানিগকে প্ৰক্ৰ निविश्वार्यम । नामाभूत निरम्य छेल्ड-।-জনার সৃষ্টি হইয়াছে।

## नकल कन्द्रश्यदलत्र का क

महास्थ (पाटव भक्ष कन्ट्रेवन

महेश क्वेरम स्वज्ञाहर छिया। विकीस भूमिन ম্যাতিইেটের বিচারে ভাষার একি ২% कार्यस्य ६ इहेशाहरू ।

## বিলেহীদের প্রতি আক্রমণ ৩ জন হড, একজন আহড

গায়াইট্যাইও লাম্ড স্থানে সরকারী रेमछनः विद्वाहीत्मत्र क्ष निवित्र स्राजन्यन করিলে, ০ শত বিজোহী তারাদের সম্পীন विद्वारीतित २ मन निश्ट ७ একল্পল আহত এইয়াছে।

डिश्त भूटल २,9८म, २५८म ७ २ ३८८ এপ্রিল ভেডিলে প্রিম বাহিনী হেনকাদ। किनाम विकाशीत्मत च्छ चुछ मानद স্মুলীন হট্য়া ভাষাদের কভককে হালা-হত ও বনী করিনাছে। বিজ্ঞোহিণাণ ইত্যতঃ বিচরণ করিতেছে !

अशास कराक्षि किना इटेटर ए कि छिन मःनाम लाउगा निपादि ।

## विद्विष्टाइटम्बर दर्भाष्ट्रयादर्भम হীমা সা

## हाजधार क्या श्राचना

এবাহাবাদ বিশ্ববিদ্যালয়ের গোল-মেটোর সভ্যোবজনক মীমাংসা হইচাতে।

काहेन-भिगाणी हाजन ए। इत्या আচরণের জন্ম ভাইক্ত চ্যাদেশলাবের निक्षे प्रमा व्यक्ति क्रानः केलातः क्षेत्रि भूत्रामात्र करा अर्थ आगाम कर्नाटा स াশুভি প্রকাশ করে।।

हुति इन्द्रगांत्र धांध्यम्। एतिहा गारेट्ड ছেল। বে যে বিশ্যের প্রারণ ও প্রাক্তি इंडेग्राट्ड दिन्द्रा मदल्ड इन्. त्यदे त्यद विवास भूनवास भन्नेका खीनासम्ब कथ আগামী ১লা কুলাই তারিবে প্রভাবেত্তন

# श्रीशाय यात्राशुद्त

المارين المسا

'ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনভিটিউট্" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## (थाना रहेशारह।

আভিত ও আদশ্চরিত শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে আভি মালের অভিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী এতিগণের জন্য বিনা বায়ে সুন্দর বাসহানের বন্দোবত হ হাতে। স্থান আহাকর।

সবিস্থান্ত সংগ্রেম্বর নিম্নালিখিত ঠিগানা পত্র লিখুন। সেখেনটোল্লা, সৌকুর ভাঙিগনিনোদ ইন্টিটিউট্ উল্লেখ্যমত, গোল্ডাম্বর নাল্যা।

## ৫০ বংগরের পর্যাঞ্চ ক্রেক্টা মতো্যধ—

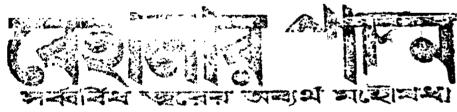
্ৰংগলাবকংগীলো ও গ্ৰাড় ১ইয়া যে সমস্ত প্ৰসংসাগত কাৰাকৈন, ছাজা ব্ৰুকাংকে ১৮১৮ প্ৰক ১০৮ গড়ে। আৰু মিত গুলবাৰ কলিয়া ধন্ধ কটিন।

- ১। চক্সপ্রা ব্লিকা—ংকার নান্টার বেষন কামর বাম কম। ইকা সুন্ন র প্রত্যান কর্ম, মূল্যজ্ঞ, অপু প্রাকৃতি তাবে শ্লীপোর্যিগর স্থাতিকা ব্যারাম, স্বেষ্ট তাব্য বর্তনালন ব্যক্তি । তাব্য কাম প্রবাসন
- ১) সুযুদ্ভিসহায় গতিকা নাগণতানগিনীন শভুতক্ষ নিজাবিধায়ক ঔষণ ধে কোন কৈতিক ও নানগিক গীড়াবশহা অনিপ্রায়োগে এই ঔষণ বাবহারে গাছ কিয়ো ১৯৮৭ -
- া মৃত্যু ব্যক্তিকা--ছৰ। সেন্দ্ৰ প্লীক ও সদক্ষ্যক্ষিক নেবা ও শ্বীত পাশুৰ ভুকুমা ব্যক্তিক ক্যাকি সূৰ্যিক কালে বাজু প্ৰিক্ষাৰ ও বৃদ্ধি প্ৰাপ্ত হয়।

क्रिक किम आकारबढ शास्त्रक छेपापत्र मृत्य शक्ति क्लोडी ३ हेन्का।

গ্ৰাপ্তান : -আতক্ষমিগ্ৰহ উমধালয় ২১৪ন: বছৰাখান ব্ৰীচ, বলিকাভা।

## কাবরাল শাশভূষণ কবিকপ্ঠাভরণের



মদঃম্বেক্স প্ৰধান জন্ম ও আঃ শিশিতে ঘণীভূত অবভার ভোটবোণবোর সমপরিমাণ উপন ডাকে পাঠনে হয়, ইথাণে ঔষধের কোন পরিবস্তম ক্ষা হয় নাই। মুগা আছি বিশি ৪০ কানো, প্রিট ৪০/০ আনো, বোকর ১০/০ আনা।

অহিন্য - ১১মং উক্টাডান্সা রোড, পোঃ স্থামবাজার, কলিকাতা

# ग्रंपच भक्षती

व्यक्तिश्व कर्ष क बार्क् त्वारा, विशिव्यव्यक्ति हाम् व्यक्तराय क्षत्रनाक, प्रवस्त्रका, वावारपात्रा, पुरू वक्त क्यारिं, व्यक्तिमा बार्कक सकत मध्य निर्दर्भक व्यक्तिमा व्यक्त व्यक्ति स्वार्थक क्रिक्टिक व्यक्तिक विवस्त मुक्ता ४० विरुद्ध अस्ति क्रिक्टिक

अञ्चली क्षांत्र वाक्ष्मांत्र व्याह्मण नुक्ष्मकाति व्याह्म वाक्ष्मांत्र व्याह्म वाताना कांत्र नांक्षमण्ड व्याह्म । त्याना २ हांचा १ अञ्चलका व्याह्म । व्याह्म व्याह्म

## হাইড়ো**গিল** ব্য

কোষর্দ্ধি রোগ

ভাঃ এস্, এন্, খোক বিনা অল্পে, বাবজনীবনের গ্যারাটি বিরা বৈভাতিত জানানাতে কোমসুদ্ধি গ্রোপ আংয়াপা কবিরা বাকেন।

> क्रिकामा— अन्न मर कड़म डीहे, बकुवाबाड, बाकबाबा !

## শূলায়ুত

## ং। শুক্রাচার্য্য সঞ্জীবনী পোষ্টাই

কামেণ ৰ কালভাষেত্ৰ একমানে মধ্যেষ্ট সুণ। ৮ ভিবা ১০ আৰো। আৰু পুণক্।

৩। সর্যাসী-প্রদন্ত অর্শরোত্যর অব্যর্থ আংটি

৪। কোন্ত-বা**ন্ধব পীল** 

चलीन, टाउकीमा, रम्बेरनवनाय मदलीका। किया हर वाला। वशक्त पुरस्ति

৫। বাতলীন

বাৰ্ডাংগৰ মৰোপকাৰী **ও সন্তাৰে আমোসা। ক্ৰমি বিশিত- আন**তি মাজন পুথক্।

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তুতকারক | গখন খ্যাটালনের আচ পর বিশ্বন

क्षांख्यान-यदनारमाहन (लदरत्रवेदी

(णाः उन्नत्ती, कमगाश्रद, हाक्यु

## যনোযোহন প্রেস

পূৰ্ব-বাজালায় স্থলতে সকলপ্ৰকার হাপার জন্ত বিষয়ত বৈদ্যুতিক মেশিলে দিবোরাতে কাজ ভলিতেকে বিষত ভাবিতে হইলে নিম্ন ক্ৰিয়াৰার পঞ্জ লিপুন

भगातिकां त्र—भरनारमार्न ८ थन,

## মরা সাত্র বাঁচাইবার উপার

যান অভানি প্রাক্ত হবা সাহ্য বীচাইবাক ক্ষোত উবাৰ আনিক্তি চন নাই সভা, ভবালি বীহায়া নামানিক আনিক্তি উবারে আন্তিনিক লক্ষি নাই কলিয়া আনানিক আনিক্তি উবারে আন্তিনিক লক্ষি নাই কলিয়া আনাক্ষি মারা কটনা বিহালে অবং লালা প্রাক্তার বেবং, প্রাক্তেশ নাজুলারলা, আয়ুনিক প্রথালতা, বহুমূল, দুলুমা, পারকল্যকোন্ত প্রিকৃত্ত, অর্ল এবং শ্রীপোন নিরাল মধ্যে বারক, বিশ্বীপ্রিক্তা প্রাক্তি রোগে কুলিনা জীবনে নিরাল মইনাছেন, জাবার, আহার আক্তি রোগে কুলিনা জীবনে নিরাল মইনাছেন, জাবারক আন্তিকি রোগে কুলিনা আক্রান্ত প্রথানিক ভালার বারকার করিয়া বীচিতে পারেল, ভালার লভ সম্প্র প্রান্ত বারকার করিয়া বার্তিক্তের বার্তির অন্তর্গার করিয়া করিয়া করিয়া বার্তির স্থানিক করিয়া অনুষ্ঠান করিয়া আক্রান্ত করিয়া আন্তর্গার করিছে পারেল নাই, তাহারা অক্রান্ত করি কর্মনী আক্রান্ত করিয়া আক্রান্ত বারকারেশ্বরণ কর্ম শিক্ষি কর্মন করিয়াক সম্প্রকৃত্ত বারকারেশ সম্প্রকৃত্ত বারকার সমান্তর্গার করিয়াক সম্প্রকৃত্ত বারকার সমান্তর্গার সমান্ত্র্যার সমান্তর্গার সমান্তর্গার সমান্তর্গার সমান্তর্গার সমান্তর্গার সমান্ত্র সমান্তর্গার সমান্তর্গার সমান্ত্র সমান্তর্গার সমান্তর্গার সমান্ত্র সমান্তর্গার সমান্ত্র সমান্তর্গার সমান্তর্গার সমান্ত্র সমান্তর্গার সমান্তর্গার সমান্তর্গার সমান্তর্গার সমান্তর্গার সমান্ত্র সমান্তর্গার সমান্তর্গার সমান্ত্র সমান্তর্গার সমান্ত্র সমান্তর্গার সমান্ত্র সমান্তর্গার সমান্ত্র সমান্তর্গার সমান্ত্র সমান্ত্র সমান্তর্গার সমান্ত্র সমান্ত্র সমান্ত্র সমান্ত্র সমান্ত্র সমান্ত্র সমান্ত্র সমান্তর্গার সমান্ত্র সমান্ত্র সমান্ত্র সমান্তর্গার সমান্

লোগ এডেক— ডাঃ ডি. ডি, হাজরা।

> ক্ষেত্র, বার্ক-চিত্র পোর্ট, ক্ষানিকার্টা টিকান্য পার্ট করিয়া নিচিত্রক



## ্ৰীত্ৰী গুলালো বালে বালা

# गैननीशा-श्रव

মিভাপাঠা বৈক্ঠবার্ডাব

- শ্রীলাস-মায়।পর. তরা ত্রিবিক্রেস ৪।

## তাশাসার

'অন্মার' শব্দের অর্থ প্রেক্তরবাহ কঠিন। ব্যবহারি দ লগতে বিভিন্ন ছানে উহাব ব্যবহার দৃষ্ট হ । মাহা 1 ক্ষমিকজ্ঞ, টোহারা সন্ধীত বিভারেই বহুমানন কলে ক্ষাণ । ভালাতে কাহারও আজাবিক অক্তি দেখিতে গা'ন,তবে ভালাবা বলেন,—সন্ধীত অপেকা আর প্রেট বহা নাই, ইহাতে যাহার ক্ষমাণকোনা, সে বাজি নিশ্চনই পাষাণ-ক্ষমা।

ৰদি কোন বাক্তি সংসাবে সমতাশূল হ'ন, খ্রীপু্যাদির প্রান্তি বিরাগ প্রদর্শন করিয়া সংসার ত্যাগ্র করেন, আখ্রীর স্কলনের কাত্রক্রন্দনে যদি তাঁহার হাবর বিগলিত না হয়, ভাষা হউলে তাঁহাকেও লোকে অশ্বসাধহনয় বলিল থাকে। কিছু সর্কাশাশ্বনিবোমনি বিষয়ভাগবত (২০২৪) বলিতেছেন,—

> ভনশ্বসারং ক্রম্যং ব্যেত্রণং যদ্গুক্সাটনইনিনামনেট্রঃ। ন বিক্রিয়েভাব যদা বিকারো নেরে ক্রমং শ্রেক্তেম্ হর্ষঃ।

উপরিউক্ত লোকোজির প্রেস কারও কতিপর লোক উল্লেখপুর্থক প্রিশৌনক শ্ববি হার-জনহান ব্যক্তির বাহু অপ-সক্তের নিশা করিরাছেন। ধ্যা

বাহার কর্ণজুহরে কপনও স্থানন্ম থাবেশ করে নাই, গেই মানব কুকুর, গ্রামা শ্রুর, উত্ত্র ও গদভগুসা পশু ব্যাসা নিক্ষপিত ইইয়াছে।

যে ব্যক্তির কণপুটে ভূরিগুণ্যপার ওগবানের বিক্রমের কথা শ্রবণ না করে, ভাগের কর্বিক্ষাহ্য রুগা ছিল্লমার।

কে ভিছৰ। ভগবানের বিক্রমের কথা কীওন না করে, সেই

প্রি- কিবো অসতী স্থী বা গারবনিচার স্থায় নিদপ্তি ন্বীকেশের

ভগ কীওন না করিবা নানাবিধ প্রান্যকথার কীওন করে এবং
ভগারা ভেশজিধ্বার স্থায় কোলাংল করিয়া কেবল (নিজশক্র)
কালসপ্তিদৃশ মৃত্যুকে আছ্বান করে।

বে সকল পুরুষের নরন শ্রীহরির শ্রীবিগ্রন্থ দর্শন না কলে, লাগুনিক লগতে যে প্রকার আন্তান্যপূর্ণ অবস্থার উদ্ধা ভাষাদের নেল মন্ত্রপুত্তে অভিত চকুর নাবি নিজ নিজ হিলাছে, ইরার ছাবা পৃথিবী অনস্ত সম্পদ্শালিনী হইয়ারে উদ্ধারের পথ দর্শন করিতে না পারিধা উদকল ব্যক্তিকে এবং কেনবদ্ধনশীল বৈজ্ঞানিক স্টির ছারা মন্ত্যজ্ঞাতির স্ব সংসাধনা কটক-ক্ষেত্রেই পাতিত কমে । বিধ অভাব দুবীতুত কবিবা অদুব ভবিশ্বতে ধ্রণীকে স্বর্গ

বে সক্ষমন্ত্রের পদক্ষ গুছারের লীলাভূমি বা উর্থান্ত পুরীর প্রাচ্যাতাত পরিপূর্ণ করা যাইবে। পাবিব উন্নতিকামী বিচয়ণ মা করে, ভাহাদের পদসমূহ স্থাতুস্য স্থানর। উহা অন্ধন্তিকর উপাসকগণ ভাহাদের উদ্দেশুসাধনে বন্ধগরিকর ব্যক্তিক সুঠারের যারা ছিন্ন স্কুরীরা থাকে। ইইয়া উক্ত কার্য্যে অন্মেনিবেদন ক্রিয়াছেন।

বেবাজি কথনও কৰ্ণবাহ্যক চরণবের সাধানে দুকা।

না করে, সে বাজি নীবিত বাজিলেও তানার অন্ন প্রেডলাইবের নার সাধুশপদে কর করিয়া বাকে। তাহার হস্তরত লাইবেরার করেন নার করে।

করিবালি করবান তাহণ করেন নার করেন নিকত না হর

ক্রেন্তি নিবাল থাকা সভেও স্ক্রেন্তি

বাহ অবসমূহের নিজা করিয়া একণে অভ্যন্তরের ৪
নিজা করিছেছেন, অনর্থন্ত প্রবেদ্ধ নাথ-এইণবাজে না মান্গ্য অনুভূত হর এবং সলে সলে অন্তর্গকণ ব্যব্ধিক ব
ও বাহ্যসকণ অন্তর্গকাদি প্রকাশিত হইমা থাকে। বি র
বহুসার শ্রীহরিনামগ্রহণ-সন্তেও বাহার ক্ষম প্রবীভূত হয় ;
রোমসমূহ আনন্দে পুলকিত হয় না এবং নেত্র অন্তর্পূর্ণ হর ॥
ভাহার হালর পারাণসন্শ কঠিন। সে ব্যক্তি নিক্ষরই নামা রাণী। সর্গান্তিশান্ নাম দেহ, গেহ, অর্থ, অনতা, বে ছ
প্রভৃতি পারাণ-মধ্যে পতিত হইলে নাম্ম কল্পনক হয় না। ।
সক্ষ গ্রিক্রকল্বারা প্রদর্থকার প্রতিহত হয়।

নামাপরাধীর চিত্র লৌহসকৃশ কঠিন। প্রতরাং হরিন।
প্রবণ কিরিন করিয়াও উহা দ্রবীভূত হয় না। যদিও কাখা।
হরিনামপ্রণানিতে বাহা লক্ষণ অপ্রপুলকাদি দৃষ্ট হয়, ি।
ক্রিসকল অপ্রপুলকাদি যে সকল সনমেই চিত্রদ্রবার প্রকাশ।
হইবে, তাহা গলা যায় না। শ্রীল ক্রপণোহামী বলেন,
ক চক গুলি লোক অভাবপিচ্ছিল-চক্ষ্ অর্গাৎ ছাহারা এত ভা
প্রেণ ছর্গালসময় নে, সহক্ষেই ভাহাদের চক্ষে লল আমে
ভাহারা সামান্য একটু প্রথ বা ছাথের কারণ উপস্থিত হুইলে
অবীর হইবা পাছে এবং ভ্রমই ভাহাদের চক্ষ্ হুইতে অং
পতন হুইবা থাকে। এইকপ অপ্রপতনাদির মূলে জনগ্রেক্সক
বাহীত আর কিছুই নাই।

কেই কেই আবাব 'ভাবুক' বলিয়া প্রতিষ্ঠাসাভের জ্ব রুত্রিন অভ্যাসধার। অঞ্চ ও বোনাঞ্চ আন্তর্ক করিলা থাকেন কীন্তন করিতে করিতে গর দর ধারে অঞ্চ প্রবাহিত ইইতেতে, স্বাক্তিন কপ্র-প্রকাদি দৃষ্ট ইইতেতে, কিন্তু কান্তন ভদ হর নাই অথবা ভ্রত্তেম্ব কিছুমার ব্যতিক্রন শেখা যা না—এইরূপ অঞ্চবত্তনাতির মূলে লাভ, গৃঞা, প্রতিগ্রাক্ষে হাজা আবে কিন্তুই নাই।

হতেবাং অশুগুলজই যে সকলো ভাবের লক্ষণ, ভাষা বলা যাইতে পারে না। অধিকত্ব দেখা যায় যে, অভি গাড়ীর মহাস্থতর ভক্তগণের ভিত্ত হবিনান করিনে এবী দুভ হবীয়েও বাহিরে অশ্প্রকালি প্রকাশিত হয় না। অভ্যান বাহিরে অশ্প্রকালি সংখ্য যে হানয় বিগণিত না হয়, ভাষাই পানা। সদৃশ করিন —অন্যার।

## উছ্তি না তাবনতি

( এ। জন ভালনা দেবী।

বিংশ শত্রশীর পাশ্চান্তা বিজ্ঞানের গৌরবক্ষীত অনেকেরই বিখাস যে, ধন-বিজ্ঞান, শিল্প বিজ্ঞান, রূবি-বিজ্ঞান, গারবিজ্ঞান, সাবি-বিজ্ঞান, গারবিজ্ঞান, সাবি-বিজ্ঞান, গারবিজ্ঞান, সাবি-বিজ্ঞান, গারবিজ্ঞান, সাবি-বিজ্ঞান, গারবিজ্ঞান, সাবি-বিজ্ঞান, গার্থিক অবস্থার উদ্ধান আধুনিক অবস্থার প্রথিবী অনস্ত সম্পদ্ধানিনী হইয়াছে এবং কেনবদ্ধনশীল বৈজ্ঞানিক স্পত্তির ছারা মন্ত্যালাতির স্ববিধ অভ্যাব দুশীভূত কবিলা অদুব ভবিষ্যতে ধরণীকে স্বর্গ পুরীর গ্রাচ্যাতাত পরিপূর্ণ করা যাইবে। পাবিব উল্লিভিনানী অনুপ্রকর উপাসকগণ তালাদের উদ্দেশসাধ্যনে বন্ধপ্রিকর হইয়া উক্ত কার্য্যে অন্থেনিবেদন করিয়াছেন।

ষদিও জড়বিজ্ঞানের গবেষণাগারে নব নব বিজ্ঞানক্ষার ক্ষারিজ্ঞিনা জাহাদের দূরদর্শন শক্তি প্রশংসনীর কথানি ধথার্থ সুবৈজ্ঞানিক, একান্ত স্বহৃদ্ধনিদর্শনমূক্ত মহাজ্ঞার বিচারে ঐ গ্রাকার মনোধর্ম চালিত উপকার চেটাও মানব আতিকে অবংপাতিত করিবারই অসচ্চেটা মাত্র। বেহেডু জোহারা সম্ব্র বিজ্ঞান-গরিমার শিবোধেশে কর্মারীশন

''রেখ্যেখ্য বিশ্বজনানি স্থা ভাষাদ্বি শুস্কুল্ল । আনক্ষু কুডেছ ৭ পরং পদং তাতঃ পত্তাগোহনাদৃত্

ध्यामञ्ज्या ग्रः ॥

অনেকেরই বন্ধনুগদংখার নে,জাণতিক চৌশমুখের সহিৎ সংশ্লিষ্ট থাকিয়া জীতগণনের আর্থেনা করা যায় না ভগবদ্ভজনকারী আবার নিজবে তাথার অথিল চেটা ভগ বানের বেবার্থে নিগোজিত করেন ?

ভাগবভীর নৈরখাঁবাদের উপায়কাণ কাহাকেও সমুদ
ি মর ক্রিয়া রোপ করিলা কুলেগিগণের বৈভব বর
করিতে পরামর্শ বেন না। ভাগবভাগনের উক্তিকা
প্রদান করিয়া থাকে। "নিখিল বিজ্ঞান-সিগান্ত, নিশিল
দর্শন, প্রাণিক্রগণ্ডের সর্করিধ প্রাাস পরন সভা বস্ত শ্রীয়াধান
মাধবের পরালিকিলে আমুসমর্শন করিয়া সেবা-বিজ্ঞানের
পরমৌজ্জলা নিধান করুক্ —আম্মেলিয় প্রীতি-বাছামূলা
ভেদনীতি পরিছার কবিলা নিশিল সাধনা হক্ষেলিয়েশ্রীজিপ্রদানিকলালের স্থাভিল্লাগভালে বিশ্রাম লাভ করিছা
মহংসামের প্রভাক্ প্রের প্রগতির গাঁতি গান করুক্।"—
সভাভাভিনানী কোগান্ত শ্রাভির গাঁতি গান কর্মক্।
বর্ণা।

বৃত্তি প্রেক্তাসম্পর অভুন্ন ক্রিবান তথু ক্ষনিকের । এয়ো-बान छान करिया शास्त्र इक्षेत्रशहरू, ऋमिटा अक्ष छ मत्त्र প্রতি ভাছানের দুউদংবন। তাই অবিনয়ণ অনর আছার the state of the s বর্ত্তমান্তে ্যাগ্রাদ সাফলোর খালা জনমুক্ত কন, ভবিশ্বক্তো অঞ্জীতিপ্রার কোন ও আবগুক্তা নাই'-- এই প্রকা বহিন্দু থ কচিছ্ন। ভাবধারা বর্তমান মহায়ভাতির সংশিগ্নীকুম চিতকে উংগ্ৰিত কৰিয়া ভূমিয়াছে। তত্ত্বভূই আৰু স্থ-উন্ধ महार्डाहारक चेहारिक नामग्रम् अभी- च्यान्तिरागरीन " অশান্তিমতিবিশিষ্ট। হায়! কলিব কি প্রভাব। আবিচিক Survey and the survey of the s প্রকারাপ্রে গভগমেই অব্ভিত হটবা অহীর ট্রতির অব-চক্তি ব্রাহাইতেছে। যে ধ্বংস্থীন স্পত্ন উন্নতির উচ্চ ্লোপান, রাবণের সিঁড়ির স্থায় অভিষ্টে ধুনিসাৎ ইইছে, ভাষার গক্ষ করার পূর্বে ইতিবৃত্তের অনুসংগাণা স্থরণ করা कहरा नग्न कि ? প্রাচীন এঁ দুও নিশাবের মহাতা এবং মপুলাতন জীট ধীণের মানারাকোন বৈজ্ঞানক অদ্বাদ পৌধন অড্--বাদের ভিদ্তির উপরেই হানিড ছিল। শিকা ও সভাতাতি-यांनी सनम्बास ाप्रमार्थिवळात्तिम् , विकारांकि उनद्वत्र भाग-পরে আছোৎসূর্ব না কর। প্রান্ত বিছতেই মানবলাছি

ভাতিৰ মুখ্যবাহৰ ট্ৰ ্রী লোরণা পাইবে । क्ष ७ काफ त्वर्त यू পরিণতি। ইহার জ্ঞান-প্ৰাস্থত সভাভার ্ষ্লিভম বিকাশ ও অঙ্শক্তি বা মান-শক্তির ( নির্থক আকালনের ) কপদক্ষণাধীনতাই প্রতিপন্ন कदिएव ।

## **अ**िखां भानन

যাঁহালের শ্রেশা—এমন্মহা গ্রভুর ওাচারিত দর্ম আমাদের **म्मारक निक्वींश कत्रिया किलाबारक,** डाँहां पिश्राक शक्रा वरशीय উৎকল সমাট প্রভাপক্ষের জীননী পঠি কবিতা স্থীয় প্রম অপনোদন করিতে বলি। আমরা উচ্চার শ্লীবনী লিখিতে বসি নাই—কেবসমাজ ভাঁহার মহিত ভীমন্মহাপ্রভুর সম্পর্ক-मध्यम् किकिस जारमाञ्चा कतित।

একদিন মহারাজ প্রভাপরত্র বাহ্যদেব সার্গভৌনকে विज्ञालन, "बाबि अनिनाम य व्यालनात गुरू दर्भ इंटरन ६३८७ সমাগত এক মহাপুরুষ অবস্থান কবিতেছেন; তিনি নাকি মহারুণামর, আপনাকে বহু কুপা করিলছেন। আপনি অমুগ্রহপূর্কক একবার আনেকে তাঁহার দর্শন লাভ কবাইবেন"

সান্ধকৌম বলিলেন, "যাহা ওনিগাছেন, তালা সমস্তই সভা, কিন্তু আপনার সহিত ভাঁহার সাক্ষাং হওয়া সম্ভবপর নহে। তিনি বিশ্বক সন্মানী, নির্ক্তনে অবস্থান করেন, স্বপ্নেও রাজনুর্শন করেন না, তথাতি কোন ও উপায়ে ভাঁহারদ শন কাভ । করাইবার বাবস্থা ক'রিভাম কিন্তু সম্প্রতি তিনি দক্ষিণ্ডেশ গমন করিয়াছেন।"

রাজা বলিলেন, "ডিনি জগ্নাথ ছাড়িয়া গমন করিলেন (कन ?'' नार्बदकोम फर्झाठारा २ 'ानन,—महारखद ४३ এक नीवा---

> **"তীর্থ প**থিক করিছে করে। নির্থ ভ্রমণ। **(महे इत्न नित्धांत्रस्य मा**त्मादिक कन ॥ বৈষ্ণবের হয় এই এক সভাব নিশ্চল। টেহো জীব নহেন, হ'ন স্বতন্ত্র উপর ॥

বল্পতঃ একুস্প্রৈতক ভীব নহেন, তিনি প্রতম্ন ঈশ্বর, তথাপি প্রাক্তমন্ত্রণে ভকাবতার হইয়া ভক্তের স্বভাব প্রদর্শন कतिश्राष्ट्रम ।

বালা জিল্লানা করিলেন, "আপনি তাঁছাকে মাইতে দিলেন কেন ? উলোর পাছে ধবিয়া, যন্ন করিলা বাপি লেন না কেন ?\*\*

সার্কভৌন বলিলেন, "ডিনি বয়ং খতন্ত উখর, সাক্ষাৎ ब्रीक्टक, তিনি কাহায়ও অধীন নহেন। তথাপি তাঁহাকে এখানে রাখিবার অত মহাত্ত ক্তিয়াতি; কিন্তু ঈশবের শ্বভশ্বহাৰ, তাঁহাকে রাখিতে পারি নটি।''

ব্যালা বলিলেন, "আপনি বিজ্ঞা, আপনি যথন ভাঁগকে ক্লফ বলিতেছেন, তথন আমিও উলিকে ক্লফ বলিয়া বিখাস कतिलाम । महाक्रमनारका विचारमहे त्राक्रांत महल ९ छङ्गा लग ছইল। তিনি আরও বলিলেন, "তিনি পুনরায় এখানে আসিলে একবার ভাঁগার দর্শন লাভ বাজ্যা নয়ন সফল क्वित्रा"

প্রীতে বিবিশ আমিলে রাজা তাঁছার। আলিজন কবিলেন। ব্যক্তিধানী কটক হইতে প্ৰেভুৰৰ্শনাভিয়ালে পুরী আগদ্ধ কৰিয়া माना होरावत महिंड माकार कतित्व हिन सरियान, "वाबि यहाक्षज्ञक व्यानक व्यष्ट्रदाव कतिनाम, विश्व हिनि हाद्यान्त्रेन कतिएक मध्यक इटेरमम ना । आमि भुनताय निरुवधन कतिरण ভিনি জ্রীকেত্র ত্যাগ করিগা বাইবেন।"

প্রভাপরত্র সাধারণ লোক ছিলেন না, তাঁহার প্রভাপে শাঁচরণ করিলে মানবের অপূর্ণ- , যখন তিনি ধারণা করিলেন যে, এক প্রতাপক্ষত্র ভিন্ন সমস্ত অগৎকে প্রাভূ ধন্ত করিবেন বলিয়া প্রতিজ্ঞা করিয়াছেন, তখন প্রভাপরন্ত প্রতিজ্ঞা করিখেন যে, তিনি নিশ্চঃই শ্রীমশ্মণা-প্রভূকে দর্শন করিয়া, তাঁহার সেবাধিকার লাভ করিয়া ধ্রু इटेरवन। डिनि मिलिलन.--

> 'গাঁ'ব প্রালিজ্ঞা ---মোরে না করিবে দর্শন। োর প্রতিজ্ঞা--তাঁহা বিনা ছাড়িব ভীবন ॥ যদি সেই মহাপ্রভার না গাই কুলাধন। কিবা রাজ্য, কিবা দেছ,---স্ব অকা"ণ॥

সাক্ষ্যেম রাজার এভাব ক্রন্ত দেখেন নাই: ভিনি িক্সিড ও জড়িত হইলা বলিলেন :-

"মহাতাক, আভনি বিষয় হটবেন না, আপনার প্রতি গ্রাভ নিক ই প্রের হইবেন, কারণ ভিনি ভক্তরেয়ারীন।

कारतमाम अत्राप्त हरीज रम जयसादात पिन, स्थन महोतापु কেমানিট ইটন ডাপর আত্রে মুত্য করিলা এলনালেশে পুলোড়ানে প্রাবশ ক্রিলো সেই সময় রাজা ছয়থেলে তার প্রধান্ত্র প্রিটে প্রিটে একলা সেখানে বাইছে মহারাভুড চুন্ত ধাৰ্ণ কলিকে: কাণ্ড কোময় প্ৰভূত ব্যৱস্থান্ ्रक्तिरत्य सा এवर ऋष्यसम्भ ज्ञान किरिया जोक्यांक देवस्य त्रज्ञास्य कालिक स करिएक ।

भारत अमानकम मात्र नीगाक छाग्दिकम हा, भा द हात ন্তিইকে ডিনি স্কোপ্রিয়েয়াকবিয়া হিকাড়ি সংস্থন ক্রিনে। সমস্ত ভতা ভিত ইউনামধ্যে এক দেই কথ। ব্যালিক তিনি বাছা লোগ একাশ করিছে ব্যালিকান, "এতামারের मकाल को यक्ति पुरे रोक्का रूप, जारी कोटल जायाज कोटल ল্টাল বিধা রাজ্যার সম্মুখে 🐪 😕 করে। প্রমার্থ দরে যাইবে, লোকে নিন্দা বিবে । বাহিবের লোকেব কণ বে शक्क, मध्यामत्रहे ए। या क्रिक हर मध्य विकास अनु एक नार्यक আজিছি বাঞ্চি স্থিও সাক্ষাই কাবিছে পারি নং, যদি দ যোগৰ े जिल्लिए रहन, लोगा इंडेरनरे *लान* शहुत धरे शका অনেক গুড় অর্থ কাট্টে -দ ফাল্যবের ভত্তিবল ইটালেও টার্চা বাগ্রন্ত অনুষ্ঠ সংগ্রাম বাংলা ও সংযোগ্য, এই কাণ্য নামেন महत्त्व बहे खद्धि ६०६ ० १६ त ।

জন্মের প্রিটেইল যে, ্লাকে প্রভার এবাং নি বহিবাস দেওয়া হটাবে। প্রান্তাগক্তা নেই বন্ধ পূর্ব করিবান। তিনি দেট বস্থপাকে প্রানুধ সহিত গভিন্ন জ্ঞান করিতেন।

পরে রামানন্দ রাষ্ট্র ভীননাগ্রাভুকে প্রভাগরায়ের महिल माकार करियात एक कहात्राम करिएनम ।

> প্রভু কহে, 'অ,মি মরুশ্ব আন্মে স্লা,সী। कारमह्मातातका वादबादत ७४ वामि।"

त्राम विनातम (व महाताक भद्रम देवकर । आकृ छेखव | कदिर्जन:-

> यद्यपि । প্রভে'শরদ্ম সংগ্রিখবান। फौड़ाइट मिलन देलल क्रक ताका नाम ॥

পিতা ও পুত্র এক কলিয়া অবশেষে প্রান্ত রাজপুত্রকে বিক্রা থাড়িল ভাই,

জগন্নাপের রথবাত্রান সময় রাজা সংমাজনী হতে সেবা করার শুসন্মদাপ্রে , তাঁহার প্রতি ক্বণা করিবেন এবং রাজাকে তাঁহার রহস্ম জাপন করিবেন। কাশীমিত্র ও ার্কটোম রাজার প্রতি প্রভূর কুপা দেখিরা আক্র্যায়িত হইলেন।

পরে নৃত্য করিতে করিতে প্রাক্ত রাজার অঞা পতনোধুধ নবসভাতার পরমোৎকট ছক্জর ধবনগণও তাঁহার প্রতি বন্ধুতাব দেখাইতে বাধ্য হইত। হওৱার রাকা তাঁকৈ ধারণ করিবেন, তথন তাঁহার বাফ্ দশা ফিরিরা আঁশার তিনি রাজ্ঞার্ল হওবার জক্ত থিকার দিড়ে व्यावस कतितन । त्राकात स्व इवेन, मत्त्रकोन डीहारक সাহনা প্রদান করিছ। বলিকেন বে----

## ভোমার উপরে প্রভূর ক্রাথার মন। ভোমা লগত করি' লিপারেন নিজগণ #

নুভা ত্যাগ করিয়া মহাপ্রাভু সমগণ্ডি উপরনে প্রাবেশ ফরিলেন। সেধানে ভিনি প্রোমারেশে পাড়িয়া সহিলেন। भागास एउटाधकप्रसार धकाकी रेतकारतम श्राह्माणुक्तक ভাগনতের স্নোক পাঠ করিতে আরতে প্রায়র পাদসম্বাহন 🔏 কণিতে লাণিলেন। গ্ৰেমানেশে প্ৰভু তাঁহাকে **আলিছ**ৰ নিন রপা করিলেন। এইরপে ভগবান ভক্তের এতিজ্ঞা न्का कि. त्वन ।

## আমার গে: ডারই গলদ

( शिष्टका महान्ध 📜 ही दलती ) 13)

নৈশবের পর একবিন্দু গ্রান্তর জ্ঞান লাভ করিতে করিছে कि एक अक्की दिवस व्यवस्थित कामान महन्द्र महत्व नात्रात्राहि আছে, ১৫ ক্ষেত্ৰ অধিম কিছুমাৰ প্ৰণ, বা স্তম্বন্ত উপলব্ধি কাঁতে পাবিনাম না। দেটা কি ৪ বিভার করিল দেখিলাম, কালা । বিবাসৰ আভাব শ শভাবেদ আভাব। এই আ**ভাবেদ্** দ্বাধ নিয়াৰ হ'ব অভাচিক আৰু করিবাড়ি ভাচার या ११३१ शकी १७.भारत । ३५ फहिल कामम क्यिकाल

অভানের বরণাত পারীরক হর, ভবুত' ছভাবের কোন সকলে কবিটে সচেত্র বা ক্রিড মণি, আমি মুগোই ভগ করিয়া ভাষার চি বিবসভাবে ভল্লাস করিলে যকাপে, পাওয়া যাবে, পোচায় প্রদাবলি প্রাক্ত হট্যা

া । এড়াবোর ওঞ্জিত ধনবিলের। जन्मान देवीयाचे एक्का फार पा **एक्कियांचित्र, दशक्रमात्र माध** क्षाता । जे ५१(६) ३० मानि जाउती वामि, एक्ष्ये स्था मधी • भित व्याभात राष्ट्र कृष्टिक ।

शानु, माद जन्य केंग्रेडी धक्रमुख्य आवादमरी स्था सक्तार्थ बम्पमा कावशार में, किशात बन्ता द्याविद्यादक पालिस्विति 🖰 धतनात्राय प्रतिवात का जिलाबर मारे : छ।सारक बान विका সংখন- হওনও পাড়িকতে। ভিল আর কিছু নহে।

ত্রী চারিত্রমান চার্মার ভারীরপ্রােখামিপ্রছু লিখিয়া-(B) ---

আনে) ভারা ভাতঃসাধুসঙ্গোচপ ভালনি রা ष्यर ठाञ्चल निवृद्धिः रग ७८७। निर्धेत क्रिक्ट ४८६ ॥ অধ্যাস্তিক্ততে ভাষ্ততঃ প্রেমাভাদ্ধভি 🖡 शांतकामानः " ८ शक्षः व्यक्तिक्रीरत **करवर क्रा**मः ॥ भनः विकास राष्ट्रय एकिनिस्नान विविधारहन,-

अक्षी (भर्तीत खन गाहे,

यात क्षमा अस्ति भिष्ठ भारत ।

মহা প্রানাশিক প্রস্থ শ্রিটেডক্সচরিতামূতে কবিস্থাত গোলামী শিংমাছেন, বানা শনে শালে কহে জন্চ বিশাস। व्या अवत अपूर्व क्षाया विकास विकास विकास विकास विकास र्टण ना, शक्कि व्यक्ति कि कतिया शायन स्वयन्त्र ध्यामा ! मृत्म आयेत

## গ্রন্থ পরিচয়

## শ্রীমন্তাগবভম

নৈই ক্ষেত্র প্রতিপান্ত ক্পাসার, অধ্যায়ের প্রথমে 🚵 **অধ্যায়ের সারসহ অবিস্থৃত ভাৎপ্রাচি বিচ্চ । মোকস্চী** विवयक्ती, व्यभावविवयन, भाव ७ ४००० एक देवन कांशरम खेंद्रम धकरत मुसिए। क्षापम हर्रेट > म इस नवार्त्र काला न्मर्गन्तरम रामय क्टेब्राइक्। क्टिया खाबम स्टें एक क्या अन् अन्। अन्य क्या ३२० : সমর্প্র ।

## **এটাচৈত্য চ**রিতামত

আনীময়ভিবিনোদঠাকুর রচিত 'অনুভপ্রবাদভাব্য' 🐞 🕮 🖺 মন্ত্র কিনি জান্ত সরপ্রতী গোলামী প্রভূপার লিখিত 'অফুডাব্যে ফ্রতি-স্থাদি বহু শার্থমাণ-স্থলিত চ্ট্রা टाका भिक्र करेबारकन । स्त्रारकत गायग्रशाशाः, क्राध्यांकत প্রভাক পদারের পুরের সংক্ষিপ্ত অভিচেয় সংযোগিত। खाटकाक व्यापान खालाब कर्णातात (म क्या व्याटक । स्थाप, প্রার, শ্রু, হান, গ্রে, প্রস্তির চুকুহুহু হুটা ও গ্রান্তকারের বিভান মীবেনী চনাথত এইজল অভ্যপ্তপা সংস্করণ ইতঃপ্রকে কুঝালি আছালিত হয় নাই। উত্তম কংগ্ৰেল পারিপাটোর বিদ্ধ টকে।, ডাক ব্লচ ছাত্র স্কিত সুল অক্ষরে মুল্যালে মুদ্দির ইইয়াচে। গ্রহ প্রায় See. श्रेश मुल्ला । िया विषयात्व स्था ।

## **এ**চিভগ্রতা গ্রহ

প্রক্রমারের জীবনী, তাতি গরিকেনের কলাদার, বিস্তৃত ব্রেট্টীয় ভাষ্য, শব্দস্তী, প্রায়েগ্র্তী, দি াম প্রায়াদি-স্কুটী, প্রস্কৃতি বিবিধ বিধর স্থাণিত দিরটো খিটীয় সংস্থাত ভবল ক্রাটন ৮ পেন্দী আকাং। অংশিলীলা ও মণ্ডের কিয়ৰংশ প্ৰাকাশিত হইয়াচেন। ক্ষমে ক্ৰমে প্ৰাকাশিত क्टरफरछ्न। अधिम किन्दा बर्गिका, सामि नीकात किला द्री

### শ্রীটেড জা মল ল

**এই গ্রন্থের এক্লপ অভিনৰ ফুলর দক্ষেরণ আরা কুল**িশ প্রাক্তঃশিক্ত আ নাই। সংখ্যে লোকোপের অবয়, বঙ্গান্তবাদ, ভাষা, কথানত, তথা আড়তি দ্ব খণ্ড খণ্ডে প্রঞ্জিত হুইয়াছেন। মূল মেটো আকরে তদল গোটন অটেপেণী वृष्ट्याकारत छाला स्टेशाटछ । भूका २॥० छोका । नमीश প্রাক্তাশ ও শৌড়ীয়ের প্রাহকগণের প্রেশ সাল টাকা।

## **এমত**গ্ৰন্থী চা

-- शिरभोड़ीय देवधवाठाया अध्याद्वा व्रामक्ष्याम প্রশ্রীবিশ্বনাথ চক্রণটিঠাকুর গোখানিক্তা সার্থেনিথি ট্রকাসমেতা ও প্রীতীসম্বৃতি-বিনোদ ঠাকুর-প্রণীত 'রণিক-রঞ্জন' নামক ভাষাভাষাবহিতা। অধ্যায়সূচী, মাতৃকাক্ষে লোক-প্টী,বিষয়-প্টী,গ্রন্থকাড়ের গাঁবনী ও অবভরণিকাদি ৰত-ক্ৰান্তৰ্যবিষয়-সহ উৎক্লন্ত বাঁধাই তৃতীয় সংক্ষমণ--- এই রাজ <sub>চইট্ছ পালন নানে</sub> মাত্র গৃতীত; জীলীৰ গোলামী কি ্যান্তরণের ভিকা ২ টাকা মাত্র, সানারণ সংকরণ-১॥। - ठाका माज।

## শ্রীল প্রভূপাদের বক্তভাবলী

ও বিষ্ণুপাদ শ্ৰীশ্ৰীমন্তক্তিসিদ্ধান্তদারগভী গোনামা মহারাজের মেই অবিভাবিধাংসিনা कीवाच्यक दलाद्याविमी क्रक-कार्यामनम (प्रमी भीवस व सद ঠাকুর-ক্ত সারার্থনিশিলী টি কা, বলাচবাদ, সংখ্য আরম্ভ সমধ্য গুর- মহাজন-ছীবনচরিত-শিক্তের - িইলাম্চিত এ **প্রতিশব্দ, তথ্য ও বিব্নত্যাদিওুক্ত। প্রতি ক্ষরের আছিতে অচি**লার-বিচারক---ঐখন্য ভ্রম্প্রাব্দের কৌতিক গ্রেলনার জিলার জনত কমিছল - প্রাণ্ডলী ও অইকালার লাল্ড---- भेरब, व्यक्तिय अ खार्याक्रम १८६५ विकास भागा

> ১। প্রহাত হাত্ত—বৈদ্যাস্থান, স্থিতর হাব, কলে-थया, श्रीभकानिकार, श्रीनार्यकामनी, नाक्षतर्गक्रका में,का e वर्श विकात, आधार्य e भरमाध्या, केटेल्डलस्पन क ভাগার শিকা, অতারেত সর্গণার ও প্রার্ভ স্করণার, প্রস্তৃতি বিংশতি সংগ্রাক রয়ে। প্রথাতিত। ভিকা মাত্র ५० বার আনা।

শ্রেষ্টতা কেপেয়ে, আল্লার নিশ্যবৃদ্ধি, ইং-র স্বামিপ্রি ও भाषातान, श्रीत्यात-निर्मानन अपन, दिश्हात म्य छ जमा की इंग, जीत्यावश्रकाय की मधान त्वत की इंग, और श्रेत धारमत महिमा, महालागाम, जीतातिक, असला ও ক্লাক্সম্বীতিন—সমূজন অপ্তান মধুনিম্পোদৰ সূত্যা-বিভূগিত। শিৰু কালিতে আনুমুখ, ভাৰত ঠাই ই হোনোৱা কলো নাম শোৰা । किका १, ४४ है का मांछ।

लाधम ७ विक्रीम-- छुडे भ ७ तकत्व सहेत्स हिल्ला ।।।०

## क्रिय दर्शनमधी डा

্রিদ্রবদাশনিক-শেখর খ্রীন্রীমন কোনের বিজ্ঞা च्या व **बीयम् किनिरमान शकुरतत्रव्याञ्च**ल त्य-বি লব্জন' নামক ভাষ্যস্ক। এনায়ে-- গেয় Wil. fanne it. প্রতি মোকের প্রথম ও ভূতীয় পাদ জানী ভাষাবাবের জারনী প্রাকৃতি সম্বানিত। বাদ্রে, প্রেণ্ডরণ (তুরীয় সংস্করণ) প্রয়ের

### প্রায়েরতাবলী

উচ্চিত্রকাদের বিভাগের বেক্তানীত বৈক্ষরদর্শন, সক্তিত বেলেবিন্দ্র ভাষা দি প ভ্ৰাব প্রথম গ্রন্থ। টিংকট কাণি লে ছাল। স্থানস্থ টাকা ও প্রাপ্তসম্পার-নাখালে। অতি স্থান ৰাল্ডেরও বোধ্যম্য ইইলা পাকে। হি 100 3151 5161

## **ট্রান-ব্রাপধামমাহাত্র্য**

্রেমানপ্র । সামুবাদ। আহি-ক্তাদি এরে সীন্দ-हीत्वत ता महिना की देंछ चाहरू, डाइन मूल महारू ड ভায়ুৰ্দে। ডিখাত আলা।

#### শ্রী দ্রীনবদীপভাবতরক

ব্ৰীলাভু । ভঞ্জিবিনােদ লিখিত। স্থললিত গীতাকারে প্রিক্রমার : ব্যাদি বিষয়ক। ভিক্ষা। আন।

## ভজ্জিরতাকর ও নংশীপ পরিক্রমা

জ্ঞীল মরজারি চঞ্চার্ডি-সংক্রারচিত। ভাতিরভাকর लुकारत कीनवनीवनारगत वात्रक्रमा कतिशाष्ट्रियान, छाकाचे প্রে বিবৃত্ত ভিক্ষা । ক' আনা



A STATE OF

টীল ভতি বিনেদ ঠাকুর শ্রেণীয়ে। ইত্রান্তে कांच. राज्यादिन विकास - देववी अक्ति, जावधानि अ श्विष्ठशासि टार्यम निपार्थित छिलस्माले कविया मत्रन धामाप्त মনুৰ্য স্তি-প্ৰাণ্যত কি নিছ আছে ৷ চতুৰ সাম্বৰণ বাবা २८ है। का, बाताया ३५० है। या ता

## दशोष्ट्राधन केशात

कीरने दीय रक्षकारतंत्र । यहान । कर्य अवस्थाना শাতি ছতি প্ৰায় গঞ্জাতাক ্সহছেৰ ভাষাণাৰ্কী विषयति अधिकारम् अभिन्याः अभिन्याः अवेकाः देवस्यतः ১। দ্বিতী বা প্রাপ্ত - কুছা ও বিদ্ধা ভবিদ, ময়দের স্বাধান্তর সার্থমন্ত প্রত্যালি প্রকাশিত হয় নাই। এবৈত-নতুম্ব -শতি --- তেম্য - মীর - অভি এটেন টেড্র — श्रीनाम-- लाहा, इन ५ अन्य स्थापन ५० वर्ष তে প্রায়েও • গ্রার্যমুখ্য ভিনান, টাকামাঞা।

### श्रीमन्धः श्रप्राय-श्रष्टः निली

হীমসভানি বিলোল টাবের রচিত 'মেমাহাত্মা—গাম-মাতাত্রের সভারত প্রমান মাও-মীর নলহারিচারবারী ০ চেত্রৰ বাম-গ্রিক্মণ্শ—ইইন্মে ন্যুট্গ প্রিক্রমান-ভীগ-গাবা প্রতি— প্রিমং প্রাধানপ্রত নব্ধীপশতক্ষ—-শ্রীনত্তি বিলেপ হাড়ারের খ্রীনববীপ ভারতরঙ্গ প্রাকৃতি হ একত্র ভিকা দেও সাবো মার।

#### প্রিকামানুত ব্যাকরণ

শ্ৰীকীৰ চাৰামী প্ৰভুগ বিৰ্ভিত হয় ও ৰুছি, ्राष्ट्र के किन्द्रात्म के इंग्लिख क्षा के स्वयंकी व्यक्तिक ·म (४६५ क्रिकः अ क राज्याभिक्यांत्र स्थान । जिल्ला २८ हे।का, छांबरासात श्राक अल्ल है। की की विदेश

#### (वर्ष खडकार्त

শ্রীমন্তামান্ত গাড়াওঁ বাটেও I বেদায়ের বেলিটাবৈশ্যাদ-क्षाहातक क्री श्रीण-क्षरन हो। बाधारी धारत प्रशासनीय भारतेत छेलाम में कदमार्थ इह छेखन कतिहास्टन । हेहारफ ন্দ্ৰেল্যৰ ও স্থলিপ্ৰাদি স্বাধানিত কৰা ভাষাতে ন্য মৃত্যে ভিকানি মানা ।

#### শ্রীচৈতহাচন্ত্রামূভ ও নব্দীপশতক

নে ব্যায়ৰ ত্ৰিল জী আমহ প্ৰায়েলনৰ স্বস্থ ট প্ৰায়ত ্মুল, একোৰ আমৰ্ ভাষ্টিনিদ্ধান্ত স্ত্রত্তী পোপানী মহালাস মৃত্যুদিত অধ্যয়েশে ব্যাপা। ও বস্বায়ুস্কান ন্যানির । ন্ত্রিপ্রক্রের উত্তেকিবিনেরে স্থান্তের প্রাভান্ন ও एरम्ह के अवस्थान अन्तर्भ किया हो। है अहा दिक्क किया लामक करेग्राट्स একটো ) ভিক্ষা ৮০ লাত। কণি চন্দা বাধাই কাজসংখ্যাপ ः होका माज।



র্মাষ্টিভূরিনোদ ঠাকুর-পণীত। এই ওক্যাত্র গ্রন্থ-রক্ষের জনান চাত কলিকে পারমার্থিক রাজ্যে কিচুত্তেই व्यक्तर वा व श्रेष शाकित्व मा । अतम भृत् भ्या निष्धक अहे-ম্বান্ত্ৰ ও সৰ্বাপ্ৰী প্ৰৱ মাব্যান্ত প্ৰেকাশিত হয়। নাই। ানা কলোপ্রামি স্থান মার্কানার মহনক্ষরে । এই । প্রাথান্তি किथित रहेगारहरत । भा लेश दालक्ष करते, कथामान है क्षेत्रापि हाक्षा (सामन महत्र स्थान सार्य ) । तिसांचे श्रेष् ्राह्मात्र ऋहण साम दार्था, खिरत्रहेता हुई-- डाहुचे महस्रमा क्षित्र । तिकार्या

## প্রেখনিবর্ত্ত

👵 ্রীমর্গারারে অন্তর্ম গামন স্থীন কগ্রানন প্রভূ এরির ডিছে। এই পুড় কাং ছিল অন্তরণদা ভাগাবে সহ। পারে क्षार्थक वीर्य ४ उपकराज्य, १४ ७५% व सामभ्यम প্রভাগ প্রভূতি মতের নিজনতবের ব্যামাণের ন্দোষ্টে প্ৰাইবেন। প্ৰেট্টকাৰ ছেত্ৰ প্ৰাক্তি বিশ্বাধি ও প্রভক্ষার প্রিচলন্দি মুখ্যিত চারুগ স্থারণ ডিগানে । ভিয়াস শাসামার । मन अप्ता गाउँ।

#### **形型研究2019**

ভাষনকা শিব বৈভিন্নিয়া 🛊 সারির 😑 জাবিলেরে সমূল্য 🖟 क्षांत , जिल्हित भारतः स्र नियशान । अप्रवर्धन का स्मर्भ न्याप्त **ক্ষেত্র্বিরেড প্রান্তিশন না। চুতীয়ে সাওরত ভিনার ৪০**৫

## হরিনাম হিন্তামণি

- नामाधीया औल श्रीवशाय हा इटलत पूर्व क्षेत्रागदाक्षा ह व्यमाय माहाचा, समाज्य, भाषाध्वाध वाज्ञीं विकास ধাৰ্মীয় বিচারে প্রবাদ করিখাছিলেন্। এই বিব্যাহিতির चा च जनम अग्नरत १११० छ चरनग्रम्ब श्रादिशकि नामभूष्टि । উল্ভিডি, লোগ সালে মতি । প্ৰমান ক্ষরত ভিগা দং

#### कत्रा । विश्व विश्व

क्षेत्रहर्षिक्तिताता अस्य रिजिया । देशका स्थानकः ভিন্নারী ও জানগুলের পরিক্ষের ক্রেছে এলেছেনীয় खेलान नामको भूगे। श्रीहराष्ट्री श्रामाख *कारा* १०० हुमहरू छ इहे एक उद्योदकात है। उनम्हरूकत होता अन्य नयान পুর ভর্ম সোলা আভে কলিবারে জুলি । প্রিটবেন । ৫৪ সংকরণ ভিন্ন / • সান্য নাত্র।

#### मद्रवाद कि

क्षीश्वष्टिक्त वटनाम २१ ! स-द्रिष्ट । छण्ड स्था आधार्मामर्थनः `বিফরি, ভলসলভালা, মড়্বিল পর-শৈতি ও গিছি **লাল**লা-विश्व हे ब्रोडिश्य, डिका ८० भाग भाषा ।

#### शे डानगा

ब्रिक्षात्रत रुप्ति विस्तात-दर्भितः। निष्ठा अवन, व्यात्राधिक 🖷 প্রায়াত্ম-বেল্লনারি বি লক মানুল গাঁও।মুগ একটো গ্রাপিত। िका / बाग मात्।

## শ্রীসকল্প রাজ্যম

क्षेत्रभारकसम्बद्धाः है। भी अभिन्यान का वर्षी है। जुन-विश्विति श्रीमश्रदं। श्रीयक्षकिविद्याम अक्ट्रिय बश्वाम-महा किशा शामा माजा

দীম্যাহাঞ্র শিক্ষা ও শ্রীল রযুনাথ দাস পৌশামীর! প্রতি শ্রীকল ব্যোম্বামীর উপদেশনীনী, ভক্তিলপের অক্তৃত্ব প্রতি নীজ্যি রাওনাত্ত্ব কুমার প্রীযুক্ত প্রদিশু মারামণ্ ও প্রতিকৃত্য বিনয়ে প্রবিচারিত সম্মোদন ভাল্য, বিশ্বত বিশ্বত, এ, প্রাক্ত বাছোর), বেরাছভূত্য মটোদর ভার্ত विवृত्ति, हिविहागुट्टत ल्यांग, गाह्य बार्गा । अ महौजन-প্রণাত তত্তপ্রোগী গীতমমূহ প্রেভ্রেক গোকের স্ভিভ স্থিবেশিত ১ইয়াছে। তা স্থেরণ ভিক্ষা 🗸 আনা।

#### अभूमस-क्व

बीनपुनाथ मान (पाशायोग्न मनः विका, बीन शिकः ভবিংবিনোদ-চরিত প্রান্থরাধ্যম। ভিক্ষা 👉 আনা ।

## প্ৰেম্ভ জিচ জিক।

শ্রীণ ঠাকুর নরোভ্যের স্থান্ত্রির প্রেমভন্তিবিহয়ক গালের পুরুষ। ভিমানত মানা মার।

## মন্ত্রী শহান্ত ক

শ্রীর সংবর ভতিবিনে দেরভিত শ্রীপ প্রাযোধানন স্ত্রসংগ্রিকের স্থেত নব্দীপ্রতকের স্থানিত প্রান্তরে।

#### ভার্ঘপঞ্চক

ত্রীপ বোকচোর রিভি। বৈক্তরে।জ্ঞানের আকর পুতৃক। ভিজা • জানামাত্র।

## সদাচারশ্বতি

ষ্ট্রিল মধ্যভোগ-এটিত। বৈক্ষবের নিত্যকর্মাদি সদাচারা বলা, চহাপুৰাৰ স্কিট। ভিজাত আনা মৃত্রি।

#### মণিমঞ্জরী

কবিতুককেশরী শ্রীমনারাঘণারাগ্য রচিত : শ্রীমন্যধ্য চাব্যার সংক্রিপ্ত জীবনহাঁকা ও মূল লৈ এববন্ধমত। সাস্ত্রান किका। बाला य दे।

### दशीहक्रदक गिय

আঠীন কৰি ত্ৰীপোৰিল দেব এগাত জীপৌৱাৰভাৱের প্রমাণবেশী দ্বনিত সংশ্বত এত। (ভদঃ দ্বু আনা।

## মুক্তিমল্লিক। ( গুণমৌরভ )

শ্রীমধ্বসম্প্রাধারামুগত শ্রীমরাদিয়াক স্বানিকত। বজাকরে সাধবাৰ এই এক্ষের প্রকাশ পারমাণিক দাহিত্য-জগতে এই নধ্যপ্ৰথম। শ্ৰীমনাধ্যাচাৰ্য্য হইতে গোড়লাধ্বন থিতীয় মধ্যভাষ্য নামে খ্যাত জীবাদিরাজভীথ স্থানী এট গ্রান্থ দাধারণ ছব্দি ও শৌকিক ভাষাভ্রদারে কিরুপ স্থলরভাবে ভিভিবিরোধি-মতবাদ সমূহ পঞ্জন করিয়াছে, ভাষা পাঠ क भए कतिएव का का गाविष वहें एक इया । देशा के पूक्ति ्ता जान्यक, टेब्स, (बोइ, योगाध्यक 😮 मार्गवानिमञ-নমুতের তালর পাওন রতিহাতে। ভিকাম, টাকামাতা।

## (गायामी शिल तघुनाथ भाग

(ও বিকুপাৰ শ্রীৰ ভডিপিদ্ধান্ত বর্ষতী গোৰামী প্রভুলাদ-লিভিত ভূমিকা নহ ) থৌরগ্রেষ্ঠ অরূপ-রূপের একনাত্র প্রিয়তন শ্রীল লাম গোলানী প্রায়ুক্ত অপুক চরিতামূত ও শিক্ষা অভীব প্রাঞ্জণ ও সর্প ভাষার সরিবিট এবং পরিশিরে দাদগোখামী প্রান্তর বির্চিত কর্মকটী সামুবাধ মধুরাত্র তব ও মন:শিক্ষা-সম্বলিত। ভিক্ষা तान्हें ॥ वाना, व्यादागारे । । वाना याव ।

खाठीन नवनीरशत अवविक्ति, क्या, अकिन, स्थाप क अश्रिकातिक व्यमानगर्शतिक महति बीटनम् महिवा विवस्त-ार्दैनिक धार ११ थानि विक्रित सर्वत अन्तर्भ हिन्त । ॥ নানচিত্ৰ-প্ৰাথিত ; প্ৰাত্যবিভানতাৰ্থৰ স্বায় স্বাট্ডৰ প্ৰীয়ন্ত মার্গিন্দ নাগ বহু বিশ্বকোধ্যম্পাদক মহান্ত্রের বিভ্ত ভূমিকঃ 'गर्व । 'উरक्ट ( हेर ) मत्रतका वाशहर मुगा अत्र , किंद्र निक्र 'देखें ২ ্টাক মাল।

## गाश्म-क्क्रेमाला

ैं अक्रवामना, देवलवन वन्ता, देवलवनवन, मामारमंद्र शिले, जीनामर है, क्रीयमधार्थाहरू व्यक्तिकागण माम, व्य**देशां**स नामकार्थन, श्रीनामनदीर्थन, ८शमध्यनि, वाउनुनन्नीपु, নববীপ-মতিমা, আমালাপুর মছিলা, শ্রীনরোগুম-প্রভুর অইক काइ मा-दमना, गण्डावायीत कहेत. ट्यायक्रीक्र क्रिका. উপলেশনার। নামভলন-প্রবালী, মহাপ্রান্ত । বার রামান্তর भः पाप, भनः भिका, श्री धक्र शर्षांह, श्री कक्र-श्रक्रणहा, · बर्श (ब्राइट नम्मना अफ्डि मायक ও गि**इडीवानद्र मिछाপार्छा**, বৈষ্ণবৰণালে কঠালিড ভুদ্দীমালার স্তায় অভুক্ষণ কঠে वातगरमाना माशृक्ष श्रष्ट । सिका १००, वाश्रष्टे ॥ भाव ।

## গোড়ীয়-গোরৰ

কলিকাভার জ্প্রতিদ্ধ আলবার্ট হলে গৌদ্ধীয়-সম্পাদক প্রীপাদ অন্তর্যানক প্রবিদ্যাধিনোদ প্রেদ্ত বস্কভার বিষয় এখুকারে প্রকাশিত। ইতাতে পৌডীয় বৈক্ষমপ্রাদায়ের देखिरान एका कारत अधिक श्रद्धारक । जिल्हा १८० मारा ।

## গোড়ীয় সাহিত্য

कशिकारात अञ्चलिक चानवार्षे इतन त्रांकीय-मन्नामक चित्रांत स्वादानम वर्तवश्रातित्वावकान क्षावा वक्षात विवय গ্রন্থারে প্রকাশিত। ইকাতে **সাহিত্য-শব্দের অর্থ এবং** ন্যোড়ীয় - ভিডের পিন্য স্তাকারে বর্ণিত **হইয়াছে। ভিকা** ধ্বনি মাস।

#### ভীগোড়নগুল পরিজ্ঞা-দর্<del>গর</del>

क्रीरश्रीकृत्मत्मत्र त्व मक्षा श्वात मुश्रीकृत्व **क्रीमधराता**क अनः उपकृष भवन्ती महाकानवन **भीमा कविया निवाह्य**कः নেট সৰ আধুনিক ভৌগোলিক পানিচর ও বেববিপ্রহাদিয়া পদিচয় সহ যাভায়াজের হাবিধা নির্দেশ ইন্ড্যাদি থিকা ঋণি স্বিবেশিত আছে। ভিকা • আনা।

#### THE HARMONIST

OR SHREE SAJJANATOSHANI

প্রীল ঠাকুর ভক্তিবিনোদ-প্রতিষ্ঠিত এবং জ্রীল ভক্তি-नियासन्त्रपानी व्यक्तान-मन्नानिक नाममनिक मानिक शता | ८कारन हेश्यांकी कामाब कडीविश्न व ভবলকাউন ৮ পেলী ৪ ফর্মা আকারে প্রতি বাবে ছবি-नाटात विकत-देवंकवसी गरेका छेनकि "क्टेस्टर्सन। কাগল, মূদ্রণ-পারিপাটা ও চিত্রাবি মাডীব চিত্তাবর্মক। **८३ अकात छेरहरे ध्रेवक भाव (काम बाजिक भवानिएक** ८४थिएड शाहेरबन मा। वार्षिक किला छाक्यां छन्न क हें का माला।

গ্রাভিছাশ -क्रिक्कियार्थे। भारतिका क्षिमात्रा श्री समिति

## বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভক্তিম (२) बिटगोडीय गर्ठ

बिरिज्ज्ञा मर्ठ

আকর ঘটয়াজ अक्टीम मनदीन, काक्यत क्षीशम मात्राभूत, मनीता

क्षिमहारवाशनीके स्केटक आप्त ००० थक केकन-भूटन क्षित्रक्षणकाम क्षांकार्वात्रक क्रीक्स-ल्यबन्धकाम विकिद्धकार्या निवासमाम ।

আই স্থান সাঃগ্রন্থত-তীর্থ, পরবিভাপীঠ বা সাগ্রন্ত ভজনত্তনী। এট মহাভীর্ণে 🕮 বি-লম্বাসুক বাকেববালি-বেলালসমূত, পরণিভার অন্তর্গত কাবা, নাটক, অলভার, তথা অমাণ-উপনিষ্দ্-শ্বিচা-কৃত্র-প্রান্তান-চতুইখের অন্যায়ন ও অন্যাপনা এবং ওপার শ্রীওজ-পৌরাখ-পাছার্কাকা-বিভিধর ও সাজত সাত্রদায়িক-আচাগ্য-চতুহর উছোলের উপাত্ত विश्वत्वक निक्ष मिष्ठा मिनिक व्हेटल्डका । यह मेंद्रेवाच्य भारमार्थिक दिनिक्षण्य नायक-সংক্ষাহাদের কালকালিভ ও জাগাচীন গ্রাহার।জি প্রচার কল্পে 'নদীয়া-প্রকাল' ব্রহালর 🕆 অভিক্রিক কর্টরাছেল - প্রতিবৎসর জীগাম-প্রিক্রসায়টান ৰ অগণিত ভজাগোটিস্ক ভীৰ্ত্তন প্ৰচাৰমূপে মহামণে প্ৰবাদি ভক্তাল অভৃষ্টিত চইরা পাকে। সক্তক--- ব্ৰহ্মচারী 🌉 পার মধ্ব শ্লিমী। সংকারী — প্রীপার বিনোদবিধারী একাণ্ডী, পথ্ডিত প্রীপার গৌরদাস अध्यक्षात्री मानम्मार्थीयं, श्रीमाम नीप्रकृत बच्चकाती, मिछ ह श्रीमानवानम बच्चकात्री, 🚉 🕶 ননীলোণাল বলোগোলার, জীখবেশ্বাম দাস ব্রহ্মচারী আমুণ সঞ্জনগণ।

ক্ষিক্তিশ্বামী শ্রীগছজি প্রদীপ তীর্থ মহারাজ এখানে হাত্রকণ। তীর্ত্তন কনিতেছেন। প্রশিক্ষালভার ভজিশাল প্রাকৃতি।

## (৩) ৰোগণীঠ প্ৰীমন্দির

👊 शांन औषगद्याश्मित्ज्ञत करन या বীধরালা প্রাকৃত্ব আনি জাব-ভূমি মলাযোগ-नीत्र । अवारम क्षेत्रको तिश्र व क्षेत्रिकः **खिशानक विशोधनाबायन अन्य किटे**ड स्मा 🐞 🕄 ৰাণাক্তকের নিকা সেবা তপঃ উচ্চপঞ্চ-**चटच्य ८**नया नक्षमाना यक्रक---(श्राक-माबाबब दनायामी अहे।।। वाक मीत्रभा-बाष । महकारी खिलिखानस खबनागी, विश्वभवात अव्यव्यक्ति । अभागनधान व्यान-कारी, व्यवस्था छैठावन्यम ।

## (৪) খ্রীবাস-ভারন

श्चित्रकाकाञ्चन कीर्जन-विभाग वा किलोबनीमात्र वागवनी । जनाटन जीजीरशोव-लिकामिल क शक्षात्रका देशका वक्षात्र । कक, क्षेत्राक्ष्मणाम नावाची ?

(१) चादेच-७ चन

'बहे कारम क्रियरिक अकृत करन धारः क्षा रक्षान

(७) कालोस जमाधि ल.ह ्वाहीन मांशालुह, वामभलकुष (नतीया) **्रिलोक्क्शानात अ**द्देश्यकाकीत प्रथानि । ं ब्राह्म-साम्बद्धाः श्री विदर्शयविद्यादी ।

#### ( ৭) খালন খ্ৰন-ভূপ

**क्रि**(शाक्रम, चल्रगाक ( मरीता ) अनुस्त केविकूनाम डील कांचावित्वामठे।कृत्वक mulfe wer Benteneine wer Belaiet-कांस्ट्रवंद क्ष्मा वर्षमान

प्रकृत-कित्रुवा काकाव अवहाती ु कुक्क वर्ग किसी समा, जाय, जाय ।

## (৮ क्रिक्रामाथ द्योगेत मर्ठ

মহমন্সিংছ ! वि, धन, गश्कादी—क्षेष्ठिकामान **का**कि-भाशी, वीडेककम भाषकाती व्यक्ति।

(১) औटशोग्र-शंकाशत्र-मठ চালাগটা, নমুম্রগড়, ( বছমান ) শ্রীণ বাণীনাথের প্রাহটিত গৌরগদাধ্য-

১১ - শ্রীরূপংগীড়ীয়-মঠ मादाशक, आधान दें है, लि रक्ष क- शिरुदिशाम अध्यक्षात्री, श्रीकृतरम्बद ব্ৰহ্মগাণী।

## ( >> ) श्रीदमामकामहाज-

यां छेना कि, काशनात, वश्वमान। विशामावकात के क्व वृक्तायमञ्जाम । क्षण व---- चीवष्टविहानी अवनामी। (১২) ভাগৰত আসন 🕮 ভাগৰত তোগ, স্কুক্তনগন্ত, নদীয়া। काशवाकिकास अदावनी व्यवाद-क्रिका इक्---- चिम्रशास्त्र अक्रा ही।

८४ महामध्य (७६) (केश्नवाफ़ी, त्याबाफ़ी, क्रम्बनगर, समीमा । धक्र क--- श्री बङ्गानम् अवहारी ।

( ১৪ ) श्रीमाश्रम दशोकोत्र मठ a-मर मयायम् (बाक् , जाका ! जुक्त रामत व्यक्तात-(+ख,जनावन खी क्रम-को लक्ष नाक्ष्या-निविधारवत्र दनवा वक्षमत्त्र । यक्क---- क्षेत्राबावश्रक खबवाती ।

## ( ১৫ ) औरमाभानकी वर्ड क्रमणः भूत्र, भ्रामा ।

বোগাণৰীয় আবিএছের আচীন গেৰু क्ष्यक्---विश्वायमात्र व्यवहाती । 🕒

১৬ मर कालिलागाम ठामपार्की क्रीते. त्याः वीत्रवाकातः, क्रमिकाका । छिनिएकांन वि. वि. 8338

শ্রীমন্মছা গড়ের প্রচারিত স্থানির ছভিদার্গ-প্রচা<del>রোখেনে গৌড়রেনের সক্ষাধান</del> নগরী কলিকাভান্ন অভিকিবিনোদ আগনে জীমঠ অভিষ্কিত আছেন। এই গভ্যাবামে প্রী এক-সৌরাজ-প্রীবিলোদানক জীউ সপার্থতে নিজা সেবিভ কর । স্বৌদ্ধীদ काहानावर्त्तत बावकीत अज्ञावनीत अज्ञाहारवारकरण जीवर्द्ध मश्मद्ध अकही अञ्चल मुखान গন্তাগর সংস্থাপিত চইয়াছেন ৷ পৃথিবীর সক্ষত্র 🕮গোঁখনাম-অচায়ার্থ এই বস্তালয় इक्टेरफ '(तो होत्र' भाशाहिक भळ, वि अवस्तिक्षे पानिक भाविका वेश्वाकी कार्याह निश्मिककार्य दाकानिक वहेरकाका। द्वीमार्क मार्के. मही हम, मदाहाम-हक्ट्रेड-द्ववाय. শ্রীমত্তাগণত, জ্রীতৈত্তপ্ত-চরিভামৃত্তাবি-নীগা ও ছত্তাতের সমাক্ আলোচনা ভটা থাকে। মঠরক্ক—আচাণ্ডিকি ত্রীপাদ কুল্বিচারী বিভাত্বণ। সহভারী—প্রভিভ श्रीनाम अञ्चलकाराम नविकास्त्र विन्या श्रीनाम सम्मानम नविकाविताम विन्या खीलाव शामविकां के अकृत्राती, खीलाव बराइफावन वामाविकां के विन्त खीलांक क्षरणांनान मानाधिकाती, अवहाती जीकीर्शनानन, अवहाती जीनाशीस्मापन, अवहाती খ্ৰীরকানৰ ভক্তিশাল্লী, বস্থচারী খ্ৰীদেবস্থীনৰন, প**ণ্ডিড খ্ৰীণা ন্দীসক্ষ** 

( ১७ ) खीगमा है-८गाः । म गर्ठ र्विक्कि श्रमादिनी मुका, वाणिष चीगवाइ-८गोबाद्य किन्छ दावा दक्त - न्योशूर्ग शक अवहाती।

#### (১৭. @काभवडधमानव मर्ह

6क्किनिश्च, वाञ्चलवश्चतः स्मिनीश्च । ध्यभारम - 🛅 श्रम-(गोधान-गाम्रक्तिना-शिविवादीय निकारमया यक्षमान । त्रक्रक---(अस्वामी औक्षणबाम्बामको । अक्षाःको गन्नामक

## (১৮) আৰুগাৰোডা প্ৰপদ্মপ্ৰন

ब्राक्षवीम ल्याः बद्धमान ।

खो सङ्ग्राजाम : श्रीम दिन ना निविधात्रीह विकाटमना उक्क---व्यवागी व्यक्तिforms :

#### (১৯) जीश्रक्तरंगखन मर्ड

पर्वकार, लुती, केरिका । बशास औरशोब-निरम्भागवश्रीय सिका-(त्रका क्रियाट 1 क्रिक -- अध्यत्। ही शिलक्ष्याः नम विमाद्य, उष्टाडी श्रीनमीशनण।

#### (২ •) শ্ৰীব্ৰদ্ম-গোড়ীর মঠ

আলবরনাথ, ত্রন্ধারি পোঃ, পুরী। अभागामा अभागामा अभागामा अभागामा चनदान। १४४-- उद्याती निगहरमचर्वा व्यागवस्ती। नक्काबी-अष्माती औरिशिवविद्याती ।

#### (६) बैगकियानय गर्ड

Continue, 484 : ववादन दीश्रम-त्यांचाध-दिक्तावश्रम-লীয় নিভাবেশ বর্তমান। স্বক্তক---समाजाही सीलवार व

## (२२) जीमनाजन-त्योदात गर्ड क्षार संश्रास्त्रावस्त्रात्राः, काली ।

(गोर-गराष्ट्रण्ड मनाजन-निकाश्चन। क्षरात दर्शकरम्या वर्शमान । इक्क---जीवानकीनावकी ।

(२७) श्रीक्रकटेज्डक मर्ड खीनुभारकाम कृत्व, खीनाव कृत्वावय । के के शाधा-तक-त्याक्तकोड स्था। বক্ষ--- শীগণ চিনাৰ ব্ৰহ্মচাৰী

(५८) 🕮 शत्रमहरम भर्ड বৈমিয়াৰণা, সীভাপুৰ

এখানে শ্রীভাগবত পাঠশালা 🖜 औरशोव विद्यान विद्यानकीत द्वारा बद्धाना क्ष्म -- विकाशी श्रीनृतिरदातमा । अवहाती जीनसङ्गान ।

#### (२०) औरेड्डिंग्डिंग्डिंग नर्के

पुरुवक् था, विवक्ता, मानक्ता क्र चौटे०७ड-मध्येत नागः। **१कक--धीरक-**नाथ बाह, क्रीरक्रमणानम् अवहाती । स्रीक्षा कीर्य (मन्द्रशिव ।

(२७) गामदभोकोन्न वर्ष

Trema, Michais, main : aufen श्रीरभी विस्ताप-बारमक स्था वक्रमाल। ( त्रक क---वश्ववात्री श्रीकृष्णनं नहीं।

(२०) जाकनगाका कागनाजम-वर्ड

बाष्त्रणाष्ट्राः (नाः मास् शायाः क्षारम यक क्षात्रकि सीरमावरमा द्राक वर्षमान । वक्ष---बक्वामी छोजानक्ष-याम, खोबाबाक्रमण अक्टाही।

(২৮) বিক্লা স্বোড়ীয় মত-ভাষ্যালয় b Con wille. भिक्के किको

त्रक --- जिम्हि श्रामी क्षेत्रहर्कि श्राम विकि मनावास, खीकाबावमवक्कवव्यक्ष : (२३) ट्याप्राणयाक्ष्रकान्यक्ष नग प--वष्ठात्रो स्रोत्राद्यास्य

१० थानि गृह्य क्षित्र গত ৩-লে এক্লিন , অপরাস্থে, আগুন লাগিরা স্থাগরপনি প্রামের 🐠 গানি गृर क्ष्मीकृष करेस निमाहक। अपि निर्साश्टनत वहविश ८० है। कहा रहेगाहिल 🕫 কিছ সমস্ত রাথ হইয়াছে। ক্তি**গ্র** ব্যক্তিয়ণ ডেখুটা ক্ষিপনারের নিক্ট गादाश आर्थना कतिसंदछ ।

ं 😙 😘 ः 📆 ब प्रश्रीवेशा ালক ক্তাইর) মে উন্টাডালা ও সমদন ু ব্যুংসুমেন্ত্র মধ্যে এক ভীরণ ট্রেণ ছর্ঘটনা " बहेबा 'शिबाटक । कदेनक म्ननमान নেল লাইনের উপর দিয়া লাকাইতে काक हिए छात्रिए हिन्द तमहे नमद्र अक्शानि া 🗗 আগিয়া পছার শে টেণ চাপা পড়িয়া - প্রথমণাৎ মারা ভিয়াছে। লোকটির वहार शाम किन्नहरे झाना याय नाहे।

## बाजनात ताजनी जिक वनी दमन ভালিকা

্রাজনীতিক বন্দীদের মৃক্তি সম্পর্কে ্র্ত্রনাচী কংগ্রেদের শিক্ষান্ত অস্থায়ী বস্ত্রীয় **ঁপ্রাদেশিক কংগ্রে**মের কমিনীর কার্য্য-নির্বাহক সভা শ্রীণুড রাজকুমার চক্র-বভাঁকে বালালার বে সমস্ত দণ্ডিত ও विलादानीम बाजनी उक वन्नी दबन ह 'ছেলে আছেন, উাহাদের তালিকা একত করিখার ক্ষমতা প্রধান করিছাছেন। ভদমুৰ্বালে ভিনি প্ৰথম তালিকা বোধাইশে मि: नत्रभारतल निक्छ भार्राहेग्राट्यन। छेशास्त्र बाजवामी धावर हिश्यां मूर्य कार्या 'ঋ" বড়বত্ত মামলা সম্পাৰ্কে দণ্ডিত ও বিচারানীন বন্দিসত রাজনীতিক বন্দীদের (माछ मरभा ७ माछ ६०। ७ अस वन्तीत অপর এক ভাল তালিকা আমেদাযাদে িখিল ভারত কংগ্রেস কমিটার সম্পাদক चिगुड सगताम नाम (जीव हत्तादमत्र निक्छ পাঠান হইয়াছে। ঐ বন্দিগ্ৰ রাজভোছ ध्याः आहेन , अमृष्ठि आर्माणराज्य ग्रहत নাম মাত্র হিংপার অভিযোগে দাওও ্রুইরাছেন; ভাতরাং তাহারা সন্ধি নতের ष्यक्षपृक्षिः अन्तर्भ वन्तिदस्य मःस्त ্, ক্লেপ্স কলা হনতেতে ্ব প্রভরাং ভালিকা अवस्थ मुख्य हर नाहे।

## किणिया मानाम कृति

আবিপুর ভিড়িরখানার তপারিতে-ए-अप्लेख बंदब इति कविवास (छष्टात अखिरवारन । बलाहे वास्त्र ५३१ नरफ । न्तिन माजित्द्वरहेक विहास फाइन्स

## वरसम्बद्धाः द्वास्य साम्यन्तारसस অন্সম ব্যাহট

वश्यमभूष ज्ञान जीवृक कानार्वाप ন্যোপাধ্যার এবং অন্তাক্ত বেরণ অভি-াজের বন্দীরা আর এক সপ্তাহ পরিয়া ानम्ब धर्मघे कतिएएएन। मुस्यानित ভাতা এখনএ নির্দারিত হয় নাই। ানশনের কারণ অজ্ঞাত।

## চুলবিভাড়িত ছাত্রগণ ও শ্রীযুক্ত

ন, এম, সেনগুলু দার্ফিলিকর াটের সৃহিত আনোচনার কালে শিকা ইভাগের সাকুলার প্রভাগের করিভে ष्यप्रदांष कतिप्राहित्मत दिनमा व्यकान। কৈ শাকুমানে রাজনীতিক কাণোর ভা বিভাগর হইতে বিভাতিত ছা**ত্র-**াকে গুনরাম ভবি করিবার পুর্যো গ্রহাদের এবং অভিভাবকদের আভিক্রতি ণৰী করা হইয়াছিল। ·

উন্ত জে, এম, দেনকথ চইপ্রাম হুইতে এক টেলিগ্রাস করিয়া লাটকে <u>वे विषय श्रावण कवाहेया त्या ।</u>

উহার উত্তরে কাটের প্রাইডেট भिक्ति हो की पुरु Cक, जम, स्मिम क्षेत्र क ন্নিইয়াছেন যে এক মান পুর্বে Bক্ত সাকুলার প্রচাহত হইণ**K**ছ। वर्खमारम क्षेत्र मिख **चारमण चन्न**योदी दक्षपण हेहरत । ছাত্রগণকে ভাহারা যে নিভাগতে প্নরাম 🖯 ভিত্তি कतिरक, छैशद निवय-व्यवानी . প্রালনের প্রতিঞ্জি প্রদান করিতে

## রেশুণে বিজোহীদের সহিত সংঘ্য বছ হ'ডাছড

গত ২৭শে তল্লিল একদল প্ৰিল रहम काहार नद्रजन विद्वारीत राष्ट्रवीन इत्। धक्यम निर्माण पुष्ठ इत्र धाः আরি একজন আ্তাসনগরি করে।

क्रांच का विकास किन्द्र के कल बाहिनीत महिछ ७० जन विष्टाहीत ग्रंचर्व इया। कांटल ७ व्यन निरुष्टा शिक्षक, ছুইজন খুত্ত ও বহু আহিছে জয়। क देवेनिकत्रम मुक्तित इवेमाड ध्यः वर्ष मुल्लाबि डेबात कता व्हेबार्ट् ।

বহু ভান হটতে সংবাদ পাওলা शिवारक त्यं तिरमाशी नाविभिक मृतिया त्नफ्रांडेटस्ट्इ—श्रीमाथ चित्रम कतिश অপর অেলাদস্তে প্রবেশ করিতেছে। টাইকির ভেগ্টা প্রিশ প্রণারিক্টেভেন্ট গ্ৰহ্ম ওমাৰ একিল কেৰিছাৰ নিকট लेकि दिन मान कातामर क्या कारमका दक्त विद्यारीत निवित्र काजमन कशिया क्षेत्रका विद्वारीय निर्देश कविवाद्यम् अ धक्की बनुक का क्रिया गरेजारकत ।

चार्च क्रान्स लिंगा रहाचे बीकाविक श्यार भाषमा बाईएटए ।

## व्यवक्रमात्र क्रिडेड নাসামীর বিক্তি চার্জি গঠন

हाब वृक्त जिल्लात भरकत्र क्रिकेंग शिक्क হেভার কুমার লাহিড়ী রগুনাথ তেওয়া-ति विकास में खेविनि चार्टिएनंत ४२-६55 ারাছ্বারে (তাবজনার চেনা) জোড়া-াগানের অভিব্লিক প্রেনিভেগী মাজি-हुँ मिः ८म, ८क, विश्वारमञ्ज कार्ट मामना क्य कात्रयोष्ट्रमा व्यक्तिन. আসামী নিমেকে টাদপুর বুফ ডিপোন নালিক বলিয়া পরিচয় দিয়া কলিকাভা जिल्लाक जिंक मालाई कर्मीत्त्रभट्यत निक्र াক ভিপোন যে সিকিউনিটার টাকা ক্ষা আছে ভাষা ভালবার C5%া কার্যা-ছিল। আসামী পুশেষ উক্ত ভিলোর একজ্ন কুর্লাচারী ত্রিল, এলাণে ১৯৫০ না ফারিদন রোডথ ভারতী। পুস্তকালয়ের प्रशिक्ताः

य जिल्ली अरक्त माका । । निया गाहिः ८हेड काभागीय विश्वतक क्रांक श्रीम कविशा **८क्रम। आगागी निस्मटक नि**र्दमाय व्यामात्रहाटका

## **इट्टाबाम्टल गर्छ उद्दोगः**डम

क्षामा अपन्योः नह उद्देशियन আগামী আগত মানে সন্ত্ৰীক উত্কামতে याहेटवन ।

### ·कामाबद्धः विदयकानमः"

निद्यकानमा", उद्घटम्- ध्यः मि, भिक्राक ८शारमना भाषान् व्यानगहतत्र प्राचन यशिक्षा हो हो स्थान विकास करते । क्षांत्र मा विकरण व्यक्तिताना, तत रे छे दानीय ख्य ७ छ्लमस्निक्त्व, नात्म क्रशापूर्व চিঠিপত্ত-পঞ্জায়ণ ক্রিডে, ও ভাইাদের मक्ता व्यदेवन खान्य चार्क विनया व्यक्तातः ক ক্লিড,। 🦼 🏸

• আসামী নৰ্ণনাধ বলে বে, সোকা बाबान्हे हादात्र ८९मा । यक वक्ट्रिश्टिल ্টেড্রুপ কুরা হইয়া প'কে ক্সতরাং ভাষার त्यान्य घ्रविष नारे।

- भूजिन माजिएकेंद्रे फार्साटक, ३०१ थाता व्यक्ष्यांका अंत्रित्र 🚉 व्यक्ष 化妆品品 है।कात्र इहेरी बाबीन बुहरनका पिएक कारमण विशादकत, व्यक्तशास खाराटक এক বংসর সত্রম কায়াবাস করিছে THE PARTY OF THE P ाक प्रमानीय द्यावनीय पुष्र

টলিবাড়ী প্ৰিণ খালাৰ এলেডাৰীল वे ह्यामनाम द्यानाम गार्टम निक्दा स्थान ार मुक्तानरवना मखक विशेष अके बुकरन्द तथा राम । दक्षमण्डः मुख दबरेरम दकाम ना करे कहा बाद नाहै।

न्तान गरबार भारतीहै विवासान मन करत, गरत गुजराकिक ही से गुजरतर नाक करत । भाषवंत्री वृद्यमा क नियानी हरेनक मूननवान क्यी पाछ कर्वन शिक्ष र म्टरपट । केंक्र बायगाती केंक्रांत जिलाबनारन्त निक्छ इंडएक छाका जानाव क वाहित रहेगा दिन । नात्व पूर्व के क्षि व्यक्तावस्त्र करत ख्रम वह इन्नक्ता दवा छात्रात निक्ष एक्टक छ। 📆 गूप कविनात संसदे छाहादक पुन सन्। हर्देशास्त्र, কারণ ভাহার নিকট টাক্স প্লিয়াটা गांदना यात्र माहे।

क गन्नदक दणाव भूगिन उनुष्ट हिक-करह । जनगात्र क स्ट्रांटन क देशकां है कहा मुष्टानसम्बद्धाः सञ्चल्याः प्र नाहे किया ।। इया यात्र माहै।

## नवरमाटक कावचा नाववरमञ् जनक जन. जि. मोदांनि

वालका निविध्देश सम्बद्ध हिन्द कि. 🖝, নাগানা ৯ছ মে পুনবার ভনানা বিদ্ধু কলেকের ভূতপুথ আগলি ইছ্ছ दम, नि, माशानि गफ क्रदर्न केंद्रिक्स क्तात्र माता निवादकत । नक् भिनन वेदेटकार डिनि रएभूका द्यारन होनिटेड किर्मिन है।

**८३ मिमालन मुक्तानां वरिम वीवकीम** निक्षांग्राम्भ्रेट वस क्षेत्रं यात्र । १००

## ব্যকুড়া ভেলা রাষ্ট্রীয় সন্মিলন

चित्रक छड़ाइडक रक्ष रीक्षा **टबला** ताक्षीय मञ्जादन देशानकाम कविद्रक 🗫 टन 🕞 टिल्ला दर्शीष्टिमाट्या । **डोडॉट्स गास्स** भवकिमा कविषा गिविशारमध में में एक शहें प्रो वाक्ष्या एक । ८व्रजांत नक्क ने विश्विह कः आत् क्यी मुलिगुरम्ब आकिमिधिनव পেজানেৰকণণ এবং উপস্থিত বহু সংখ্যক Plen Diete "acenica" weite काछीय स्वनियाता नीयम क्रिकार्यसर करानाना ।

यताय नकाका, जान्द्रकातीय, वेदी धरः प्रकास गाम भक्ता गर्म क्रिकेशियाः मन्द्रत व्यानिका क्ष्मा व्यक्ति प्रकारका সমবেত নরনারীকে অভার্থনার 🗪 वियोज वर्षकार का नाक्या वाबल- (व मयर्केन्द्र अक्षान्तरकांक अशिक्ष कारिए, टान-MACCHE WINSTER PARTY PARTY BY

white the first of the same of FURTHER PROPERTY AND ADDRESS OF THE PARTY OF

TO A PARTY BY THE PARTY OF THE A STATE OF THE STA

(AMPIACHA BIR SIP SICE erie sie si

ेशस्यात्र भात्र BI " 12 2 " NE 1 11 11 A. नानानिक ६ <u>द्विमा</u>भिक २ ५० भागिक ५८ 6:51P शकि गरणः। ५०

Reg 150 C 1314

WINCES MAKE WERE-CIMIS -- WEIGH (WHO IN HIM I WAS IN BUILDING

মুক্ত দ্ব 🗕 🗟 ভ ভীকুলে । থ ক্লেন্ড প্ৰায়য় প্ৰদান্ত প্ৰভি 80

ि ५८म गरभग

किर्देशक कालांक कालांचा

टर~ देवलाच सुग्रवाच ১८८৮. ४३८७ ठा ८১

মাদ্রাকে প্রীমুত সেনগুর্ভ পত হয়া যে প্রাতে উল্লুত কে, এম, **रमम ७७ मध्यारकत टान्डीम ट**ेमरन चननीष श्रेष्ट 'राम ७% किर्नावान, **বিলেমাভেন্নৰ ধ্**বনির সভিত উচ্চেত্রে भिनुम, काइव अञ्चर्यना कता व्हेगाट७ । প্ৰভীক্ত ছৰ্মন্দ্ৰনিয় মধ্যে ত্ৰীবৃত গোল মথকে পুপদান্য বিভূষিত করা হয়। এওয়ণগকে कामान सर्वन, क त्रक वांनी आवानाव. 🖛 সভ:মৃতি, রামণাস পাটরু, বের 🛚 **काषाम पूज्राका मूट्रकार अपूर्य वर्छ विलिये** भाकिश्र गमार्यन इहेगां हिन, छय म हिन **क्षित्रकार**नम् भश्कि अवशान करिहारङ्गः সন্ধ্যায় কেরণ রাই সংখ্যানে সভাপতিত क्यांत्र केंद्रस्थ यतानका व्यक्तिपूर्ण याचा क त्रिशास्त्र ।

## दमनश्चा अक जा

क्षित्र चत्राका कानरकत कक ८व **ৰুজন ৰা**ড়ী ভৈয়ায়ী হটবে, শ্ৰীণুত সেন ভণ্ড बांबाटक भीकियां र महे वाजीत किंखि श्रामन क्षित्र रहान। এই উপলগে বহ **বিশিষ্ট লোকের** স্থাগন হইলাছিল। 🚾 मणारक किमि ८४ मार्किनीय वक्ता ক্রিয়াছেল। তিনি বক্তা প্রাণে बर्गम, जन मन्धवात्र लाटकत्र भारताः অভিনি ভাৰ অচাম মনিয়া কোন কাপন **আর্থিক বাহ্নগড়া লাভ করিতে পারে** না। এই মারণা প্রাতিমূলক। অভ্যপর তিনি कर्षे मुल्लाटकं ब्लाहः कटहकाँठ कथा चरिहा बरमन, हेरा यहहे नविद्यादनम विद्या ক্তৃক্তলি কাণ্ড ধনিক স্পান্ত্রের 🐞 क्षकारम निर्मम कारन खाकानिक बहेगारक।

# মাদ্রাজে শ্রীয়ৃত সেনগুপ্ত

সোজেভাগৰ প্যাগোডায় নবনিশ্বিত চুড়া

# নিখিল বজ্নারী সংখলন

আলবাটংকো ডাঃ মুঞ্জের গল্পতা

## শিক্ষা পদ্ধতির রূপ

কলিকাভায় মে দিবস উংসৰ

## বরিশালে ডাকাতি

# ভীনবদীপ-পাঞ্জক

भोताय 880

মাত্র ১/১০ ভাকটিকেট পাঠাইলেই বুক্তপাত্তে পাঠান হয়।

ম্যানেভার- প্রস্থবিভাগ **७१८७७४भट, ८९१३** श्विमास श्वत, सतीहा।

অভিনন্দম গত্র প্রদান

পদ্ম হইতে ত্রীযুত 🕻 নগুপুকে তক্ষপানি। হুইয়াছিখেন। 🚉 🥍 সেনগুপ্ত সমবেজ चाकिनमान शक व्यक्तान कहा वर्षणाहरू।

খড়গপুরে সমন্ত্রনা

প্রীযুক্ত দেনপাপ্তকে বিস্নাট্ ভাবে সম্প্রনা क्या इहेबार्छ । एहे केलबारक द्रेम्प्स

**। প্রায় ৫০০ শত মহিলাও** ীয়ত যেন ধলুকে অভঃপর অন্ধ্র জিলা কংগ্রেদ কমিটার - সংখ্যনা বাবিবার জল েখানে উপস্থিত क्रमश्रद्धनीत्क नका किया करतकि अनिसम्दर्भाश क्षात व्यक्तित्वना करतन् । माञ्जादमञ्ज नादम ५ एका व टोनारम ध्वेष्ट मन्नादक छिनि छ। हा मिशरक चिदनिय বস্ত্র বর্জন করিয়া থানর স্থারতার করিতে বিশোলেশন পার্চে ডাঃ প্রাক্তর খোষ काइरताथ करतन । **िल्ल यूप्तकार**मन वह लारकत मयागम हरेगापिन। टाकान धक्छा मदस्य डिनि बरनन, उहे उक्छा।

বার্তি স্বাল বাজন ধরা ভুধু ক্রস্ণা ्यान्यत्। ४५शाः वर्षे भिरम ध्वत्रिक्षः ६ ५४५ शक्याप्तत् । अभ्यत् । ८ । ध्वताकः करता। क्रष्टाशव िति वरमन, धरारमञ् নিবেশনতঃ কলেব প্রামিকবিবের দার্য ---কংগ্রেম কভিপায় ধলাতা বেশকের প্রাক্তি-होता एक भातना दला महस्या शाकी ए कर्राक्षम् (र चर्गात्मम् क्रमः ८५५) कतिराग्ट्यम, त्र चताम भनिर्मत चताम ---বড় লোকের সরাজ নহে।

## সর্বভারতীয় অত্রাক্ষণ কংগ্রেস

পুনায় সক্ষ ভারতীয় অধান্ধণ কংগ্রেদের कांगालती जलात अस्टिन्स ६४। काल र. थि, भाक द्वाला हे निम् देवहंदकत ক জে স্থানে কফুলো কলিয়া। শাসন সংকার, সংখ্যানৰ কাতিদের মদ্ভা, আৰিক স্পার হ*ারি বিষয়ে অংলাচনা* 

#### বিদ্নিশাৰো ভাকান্তী

বরিশাল কিলা সুলের চালন্ত্রবির সে ভাষাতি হটয়া ভিয়াছে নেই সম্পর্টে নি, 🎊 এন কলেজের চাজ ননী গাস্কী, কুনাৰ षारेड उदश्यारक मान छउएक श्रान्य গ্রেপ্তার করিয়া আদালতে হংভিন্ত কবিষা-ছিল ভাছাদিধের প্রতি হামভবাদের यानकः इहेग्राट्ड ।

## চাকাণ হুড়ীয় পতাক। দিবস

গুক্ত ২৬৫শ এতিহা**া বৈকালে চাকা** মহাশ্র ভাতাম প্রাকা উদ্বোধন করেন।

# শ্রোধান নায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবি:নাদ ইন্ফিটিউট" নামে

# एक इश्द्रकी विणानश

(थान) रहे। (इन्।

অভিন্ত ও সানেশভারত বিক্ষান্যৰ ছাত্ৰদিগকে ্তাতি সম্ভেল সহিত শিক্ষা থকাৰ কৰিছেছেন। বিদেশী ভাতগণের জন্য বিনা বাংগ্র স্থাসন্থানের ৰান্দোৰত হ, হাছে। স্থান অভীৰ পাহা নৱ।

> ম্বিতার স্বাদের জন্য ভিক্তিলিও ঠিকানা পর নিযুল। শেকেটারা, ভাকুর ভবিধেনেদ ইন্টটিউট্ ोति देश मेरे. १९८८ से मार्था पूर्व, १५ हो।

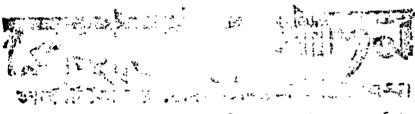
## ৫০ বংসরের পরীক্ষেত করে হটা মশেবের---

कातरहरूकाद्वीदर छ म मुद्ध रहेता अ राम्यल लागरमा पद्ध नाम हिस्सिक्स, राष्ट्र শুশা কান্যে ১৮ বছ প্রক্তক বেলা গ্রেম । আরু নিশ্ব চার্যে কাস্তার পর্জ কলিব ন

- s हसायाचा राजेका-ता कारण तारण तार स्वार हता. सुमान क श्वारक्त आहे, मुक्षराका, यम अप्योत कार क्वीरात (पालड प्रिक्त वाराम) **থেছিত এবং** শক্তিকার জাতারিত বা গালোভ কার্য লা
- ১। স্কুতিসহলে বটিক। মাদণ্ডানিন্দ অনুধ্রহ নিংবিধানক ঔষণ CN दकाल Cale के 8 मानायक रोष्ट्रात्मक अभिन्नात्याम अभिन्नात्याम अरु स्वम कात्रशाहर प्राष्ट्र
- 😊ঃ মতুল ৰটিকা—ধন নেগনে গীত ১৯৮৮/বিক নেগ এশহীৰ শাস্ত্ৰ **क्षरः भ१** सम्रा के ब्रासित रित्तृति र कम्भा तक भागकात छ द्वीक अलग्ध का ।

पर्व कोडी 🐪 उरका Be fen artist mere Bira গ্ৰাণ্যাল লোভ ছবিতার উপলালয় २. ७०१ तकताचा द्वारे. विकासा

## ফাবরাজ শাণাভূষণ কবিকপ্তাভরণের



মকংখনের ও ব্যাপ জত ও জাঃ 'শশিতে ঘণীভূত অবজার জাইবােশ্বলের সম্পতিমাণ खेदा आदि मार्टिम तर, हेब्द्राल ऐसा र दकाल भटितसम कता वद मात्र। सूता आणि किल् no आया, पांचेते १०/० कार्ल , ताप्र ५०/० माना !

অন্তিস্ত ১১ৰং উজ টোজা রোড, পোঃ খামবাজার, াচ লৈ বছা তা

बरसप, बापारणाह, 🕬 🕫 ककृति, करिया अकृति अकृत महरू निर्देश बारताना स्था। यन्। यादाः दाया प्रापः कृतिहरू क्षतिकीय देशिक । इसा वर वही ३८ क र हाका । "নপুৎ সকাৰাতি গ্ৰত"

मुरुवत्र वि द्यार्थ शक्कक्षणाम् वेद्या जारनात्रः व्यक्तिक प्राप्तमाण्य कर्मा न स्वतं ५ दक्षातः ५, हिक्सा र "ৰুম্পৰিখাসিমী বটিকা" বীৰ্বাস্থপ কৰুত সভাগপুৰি ছাত্ৰী ও বৃদ্ধি কৰিছে बाक्यांकरा । देशा २० वसे ३८ वक हाता । बारोस मात्रादालकी, (कनवर्ष 🗝 ১৭৭মং জাহিদন ব্যায়, কলিকাড়া। '

## शहरकामिन

## কোশরাদ্ধ রোগ

धः धम्, धम्, त्याम विमा व्यक्त, २। वस्कीवरमञ्ज भारतानि विका देवकाण्डक क्षाना । १८ ६ ० १ सर्वे ६ १३१ व मारवाम। क्रिका थारकत ।

क्रियामा---

लिख्यारमञ्ज अनुवर्ध मरकोश्य । ১ शाधीक जेलल्य, मेखीरेर आर्रवामान क्रिका ue वात जामा, वक्ष कं आंगा। भावन पुणक्।

## শুক্রাচার্য্য সঞ্জীবনী পোষ্টাই 🧼

थ.८ १७ ६ व्हत्व अटक अटक वाक भारत भारत है । भूगा > किया शाम भारत । विका 744

৩ ৷ সন্ত্রাদী-প্রদন্ত অর্শরোগের অব্যর্থ আংটি क्षारताना मा कहाल मुला उसकर । मूला ३१० माना । माखन मुशक्

কোছ-বান্ধব পীল

बदीन, दाहेकीचा, १५७८तमनात महनायम । किंगा bo बाला । धरणम पृथक्।

বাতল'ন

वाकारतात्वाद माकावकाती क मधारक आवाताता । अति विभिन्न आना। মাৰুল পাণ্ট 🚹

গ্রার-ফ্যাম্প প্রস্তুতকারক। সহর ক্যাটালগের জন্ত পর লিখন। क्षांक्र्यान-भरनारमाञ्चन (लब्रहावेडी

পোঃ উথানী, কমলাপুর, ভাকা,

## মনোমোহন প্রেস

পূর্ব বাজালায় ওলতে সকলপ্রকার ছাপার জন্ম বিষয়ত্ব লৈগুতিক মেশিনে দিখাৱাত কাজ চলিতেছে विक्र काम्टि स्टेट मिन्न टिकानात्र शक शियुव

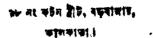
> भारतकात-भरकारमाइन ८ धन. २०४९ नवाचपुरा, छान्।।

## মরা মানুষ বাঁচাইবার উপার

र्याप्त अर्थाणि शकुष्ट करा मध्यम वैक्रिकेशह, इकाम केरन मानिकार कर मादे जला, कवालि मानामा अहादाबिक व्यक्तियाम् क्रियान्त्र व्यक्तिम् व्यक्ति महे व्यक्तिम व्याद्य भवा करता दाश्यारकन् अपर नीता वाकाद स्मान, व्यासन माछ बोक्सवा, अ:यूनिक धक्रवादा, बस्यूब, श्रावष्ठ, शाक्रव शरका ख श्रीकृष् व्यक्तं कवर खीरणा कि भिट्यत मरक्षा बाका, वार्यक, वका, युक्तरमा, स्राज्या, दवल क सक्तव्यवक, विक्रीवय लाञ्चि (कारण कृषिना क्षीपरम निकाण श्रहेशाहरू क्षाणासः আমোর কার প্রপ্রাণিত ভাগ্রার- পেটাল, সার্কেবের প্রার্থিত द्वेदल कि क अलिक्निम नानकाम क्षिम माहित्क सारक्र, काशाय गम नक्य कामान व्यक्ति वद्यटव्ये गा दश महिद्यक्ति क्षेत्राता व्यक्तास वस्तित क्षेत्रभ वस्त्रात साध्या व्याद्शासा नरूट्य भारतम मार, केश्या अकवार वर्ष वर्षी वार्याव क्रिका ८९ दुव । जरू भारतक वावकारवामाना के जरू निक्ति । चवर का कमा क्रम और जिल्हे माल के अपने क्रिक्ट के क्रम

Callan October 1944 is 184

ভাঃ ডি. ডি. হাজরাশ্য क्रक्तुर, बार्ड-विक त्यारे, क्रिकाक प्रशास नाई क्षित्रा शिष्टिक



নদীরার হুযোগা শোষ্ট্রাল হুপারি-ट्रिंग्यके जीवृक दश्यात्व खर् बर्शनव किरात वर्षमान कर्ष धारतन नृत्स ्किष्णमः खेळं हेरताकी विकासत्तरत लाधान শিক্ষকের কার্যা করিনাছিলেন। হতেরাং ানিকাবিভাগে জাহার যথেষ্ট অভিজ্ঞতা আছে। ভিনি গত ২৭শে এপ্রিল ্ঞিধাম-দাগাপুরছ ঠাকুর ভতিবিনোদ देनिकिकिछे পরিদর্শন করিয়া যে মন্তবা অকীশ-ক্রিন্নছেন, পাঠকবর্গের অবগতির নিমিত্ত তাহা সাম্বাণ নিমে প্রকাশিত ₹**₹**₹

- Visited the Thakur Bhakti-Vinode Institute to-day, school is barely a month old and class x is yet to be formed. The number on the rolls is 166, out of which about half belong to the moslem community. This is satisfactory. There are three graduates on the staff and the second Pandit is a Mahammadan. The Head Master Sj. Bhakti Pradip Tirtha Maharaj is an erudite scholar and a saintly character. He has proved his mettle in this line of his choice elsewhere for quite a number of years. I am glad that such a man has been placed at the helm of the School. For it is really the helmsman that often saves a boat foundering.

The sponsors of the Institute. I am told, intend to impart to the boys moral and religious instruction as part of the daily curriculum of studies. This is meant to be a safe-guard against boys going astray. Vocational training, too, will follow suit, in due course. And it is vocational education that is the crying need of the hour.

What lends an additional charm to the school is the salubrious climate of the place. In fact it निकाशानातत्र वावका कृतिशाह्य । धारे section to me to be the one spot in this part of the country like an casis in a desert—that is free from the scenne of malaria.

this infant institution will, I doubt | विराम कार्याचन

## विशिष्टकानाटको कराउः

# দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

## নিতাপাঠা বৈক্পবার্তাবহ

নেদাদি সমস্ত সাম্বত-লাজের অকুলিম ব্যাখ্যাতা সমগ্র ভারতে একমাত্র মূলভ দৈনিক পার্মার্থিক পত্র

শ্রীলা গালার পুরার —১৩০৮ বৈশাখ বুধবার —১৩০৮

not, one day and that at no distant future, be a model of its kind and serve as an example for others to follow. If morning shows the day, success of the school is assured.

Sd/-Hem Chandra Guha Supdt. of Post Offices Nadia Division Camp-Sree Mayapur Dated the 27th April, 1931.

অনুবাদ—আমি অভ ঠাকুর ভতি-বিনোদ ইনষ্টিটিট পরিদর্শন করিঃছি। कुगिरीत व्यापुः जयनव जरूमाम भून इत मार्डे अयर <u>६थम ३ > म दश्री</u> (कार्डे क्रांन) গুলিবার বাকী আছে। ইহার মধ্যেই স্থলের <u> चाकमश्या ) ५५ अन क्तेश्राक्ट</u> ; हेद्यानन मध्या श्रीय व्यक्तिक धात्रहे यून्न्यान, हेहा সন্থোগ জনক। শিক্ষক গুণের মধ্যে ৩ জন গ্রাছমেট এং দিঙ্গা পণ্ডিত মহাপর মুস্পমান ৷ সুস্পর প্রধান পিক্ষক শ্রীয়ত ভক্তিপ্ৰদীপ ভীৰ্থ মহাৱাজ একজন দেব-চরিত্র, হারিজ্ঞ মনীবী। তিনি পুর্বে অনেক বৎসর এই কার্যো ত্রতী পাকিল এই কার্য্যে তাঁহার ক্রতিত্ব প্রদর্শন করিয়া-ছেন। আমি এই গ্রকার ব্যক্তিকে কুলের কর্ণালকণে নিযুক্ত দেখিয়া আনন্দিত हरें थे छि। कातन, अनिकान करन कर्न ধারই তরীকে সলিল-সমাধি হইতে तका कत्त्व।

আমি শুনিয়া হুৰী হইলাম যে, कूरणत धर्षमञ्जल कर्तुशक्तराव रेमननियन শিক্ষার সংখ সঙ্গে নীতি ও ধর্মবিবয়ক প্রকার निका शनानी বালকদিগকে বিপণগদন হইতে ককা করিবে। কাল-ক্ষে ব্যবসায়োগ্যোগী শিকাও এই বিভা-गात अक्षरण हरेत रागश आना करा Under such happy auspices बाब । वर्डमान नवाय कर टाकास निकारहे পড়িখাছে।

বিগালয়টা সারও একটা বিষয়ে সর্ক্ষাধারণের দৃষ্টি আকর্ষণ করিয়াছে। তাহা এই যে, মেস্থানে বিভাগটো সংস্থাপিত হইগছে, তাহ। অতীৰ স্বাস্থ্যকর। আনার বিবেচনার মালেরিয়া-প্রেপীডিত নদীয়া জেলার মণো এই জান্টা মকুভূমির মধাস্থ ওয়েসিসের (উর্বরভূমির) সদশ অর্থাং ম্যালেরিয়ার করাল কবল হইতে সম্পূর্ণ निर्मकः।

এইরাপ শুভ লকণে এই নবপ্রতিষ্ঠিত दिश्रामधी व अनिडिदिनक्षि आदर्निशामा রূপে পরিণ্ড এবং অপরাপর বিভাল্যের আদর্শহল হটবে, তদিবার কোন সংক্রহ প্রারম্ভই ভবিশতের অবস্থা-জ্ঞাপক; স্বভরাং এই বিভাগতীর সাক্ষণ্য স্থানিশিত।

> খান্দর--- হেনচন্দ্র ওহ স্থপারিটেওেট অব্পেটি অফিসেস নদীগা ডিভিমন ভীমাধাপুর

তারিখ ২৭শে এপ্রিল, ১৯৩১

## শোক-শাতন

(ডাক্তার শ্রীরঞ্জান্তি একচারী ভক্তিকুমুন)

অনেক স্থান হটতেই বিস্চিকা, বসন্ত, **মেগ প্রভৃতি মহামারী**ৰ স্বোদ**্পাও**য়া ঘাইতেছে। তত্ত্ব স্থানের অধিবাদিগণের মধোকেই পুত্রের শোকে, কেই ক্লার শোকে, কেই গিভাব গোকে, কেই মতিার শোকে, কেই আতাৰ শোকে, কেই ভগিনীর শোকে, কেহ স্বামীর শোকে, কেছ খ্রীর শোকে, কেছ বা একাণিক স্বজনের শোকে অধীর হইয়া কাতর-ক্রেম্ম-রোলে চতুদিক বিবাদ-কালিমায় লিখ করিতেছে।

क्ट्र राषात्र राधी नाविया छहे हातिमे नाचना बाका वातान चाता শোকাৰণ আছও বৃদ্ধি করিতেছে। স্বভন্নাং

ক্ষেদ্রের উচ্চরোগ আরও উর্নেরে অধাবিত হইতেকৈ মুভবাজি সমনের স্থ-मास्त्रित अष्ठ दा-नुकर्ते, भागा कतिशाटक, छाहा শোককারীর শতিপটে অগেরক থাকিলা ভাষাকে আরও মুখ্যার করিতেতে: এ সকল উপকার আর না পাইবার চিন্তা क्षात्यत्र अस्तर्क्य धारमान धार्यन कत्रिया कानमार्भन साम भूनः পুন: করিতেছে। কোন কোন প্রচ্ছন্ন শত্রু মিত্রের বেষে আগমন করিয়া মৃতব্যক্তির ওণাবলী কীর্ত্তন করত শোককারীর শোক সহবাওপে বৃদ্ধিত ক্রিভেছে।

এই যে শোকাগি সহত্র মহত্র শিধায় দাউ দাউ করিয়া জালতেছে, ইহা প্রশানের उलाग कि ? व्यानाक है इस छ' विवादन, নমর আসিলে উহা আপনিই নির্মাপিত इठेरन, উद्दान बक्र हिसा ना कतिना महामानी গাহাতে ধ্বংস হইতে পারে, তাহার নিমিত্ত <sup>ল</sup>প্যুক্ত চিকিংসার ব্যবস্থা হওরা প্রয়োজন।

व्यागामा (१) अहे वस्कता ২ইতে মহামারীকে বিতাড়িত করিবার নিমিত্ত ক্ষিগণ অনম্ভকাল যাবং কত কট স্বীকার ক্রিতেছেন, ফত বত্ব ক্রিতেছেন কিছ কিছুতেই কিছু হইতেছে না। এই ছ্বারোগ্য ব্যাদি কিছুতেই জগৎ আগু ক্রিয়া হাইবে না ; কণ্মবাদনার অভিত্যের স**লে** সঙ্গে छेर। शक्तिरवरें। **छाहा स्ट्रेश कि मानव** অন্তৰ্গ শোক**জালায় জ্**জন্তিত **হটবে** ? াধার ভাগো কি শান্তি নাই; ফংগভোগের নিনিংট কি তাহার সংসারে আগমন? এই প্রারের উত্তর ত' অনেকেই দিতেছেন, কিন্ত পাশের নম্বর ত' তাঁহাদের কেইই পাটতেছেন না, ফারণ তাঁহাদের **উত্ত**র मनीठीन १६७७ मा, छाहारमञ्ज हक्का मरमञ्ज ছাঁচে গড়া, আধানিকজানের অর্থপৃত্তক-লৰু উত্তর বিলেশৰে (Experiment) অখ-ডিপৰ প্ৰাপ্ত হইতেছে।

तोग-नाक-बता-मृजूक्तशीकि लीन-াণের মকলের নিমিত্ত অবতীৰ অভিয়-ভগবংকলেবর ভীমন্তাগবভই উপ্রিটক ানের একত উত্তর প্রদান করিয়াছেন; थे ए अत छेखर ज्वातान् मार्शिव सामान बाहा मानवश्याक निखा, भाषाव, निवर्तिका শান্তির রাজ্যে উরোলনাথই অহৈতৃক-কৃশানম পুরাধরাজের প্রাণকে প্রকট-লীলা। व्यासन गाउँक मटहानवरान, व्यासना निकंगक्र-व्यक्ति-मर्ननीगर क्य-तांश देवस्त्रारकत्र हैत्रद्व व्यंगम बहे जरा मिन, छिनि लोक-मीसिन কি বাবস্থা প্রদান করেন।

विवडागरक विग्रहरून,—'कार्ड, क्रा ৰাহার বন্ধ শোক ক্ষিতেছ, নে 💞

কোন পদার্থ নহে; সে বে বন্ধ, তাহা ত'
তোমার দর্শনের সৌজাগা হর নাই, সে বে
জিনিব আশ্রম কর্ত্তি তোমার নিকট ছিল,
তাহার সেই নগর লগীরটা ত' এখনও
তোমার নিকট রহিনাছে; তুমি ত' তাহার
এই শরীর ভিন্ন আর কিছু দেখিতে পাও
নাই. তবে তুমি শোক করিতেছ কেন?
এই শরীরটাকে সংরক্ষণ করিতেছ কেন?
বাহাকে আত্মীয় ভাবিয়াছিলে, সে তোমার
নিকট রহিল।

ভুমি হয় ভ' বলিবে,—এই শরীর ত' পচিরা যাইবে; কিন্ত ভাই, এই বৈজ্ঞানিক যুগে তুমি ড' রসায়নশাল্লের শাহায়েতে।মার জীবন কাল প্রাস্ত এই জিনিধটীকে ভোমার নিকট রাখিতে পার, কিছ ভাই, তুমি তাহা ইচ্ছা কর না। কারণ ইদিও এই শরীরের প্রতিই তোমার মমতা ছিল, সেই মমতার মৃণীভূত কারণ, এই শ্ৰীর চলিয়া ফিরিয়া তোমার স্থধ-স্থবিধার জন্ম অনেক কার্যা করিতে পারিত; কিন্ত এখন তাহা করিতে পারিতেছ না. ভাই তোমার এই শরীরের প্রতি আদর নাই: ভবে যদিও ভূমি এই শরীরের শরীরীকে দেখিতে পাও নাই, তথাপি সে তোমার জন্ত যে সকল কার্যা করিয়াছে, সেই স্থৃতি তোমাকে শোকাভিত্বত করিতেছে। তোমার লোকের মূলীভূত কারণ, যে জিনিব তোমার নহে, সেই জিনিবকেই তুমি তোমার বলিয়া প্রান্ত হইগছ।

যে জিনিব চলিরা গিরাছে, তাহা আর
পাইবার উপার নাই; স্বতরাং তাহার

অন্ত লোক করা বুগা, কারণ তাহাতে
কোন উপকার ত' হইবেই না, বরং
শোকাঘাতে ভোষার শরীরটাও নাই হইবে।

স্বতরাং লোক পরিত্যাগ করাই পতিতবাজির উচিত,—এই শিকা প্রদানের নিমিত্ত

নীতিশার ভোমাকে বলিতেছেন,—

নাই মৃতে অতিক্রান্তে নাহ্নশোচন্তি পণ্ডিতাঃ
পশ্তিভানাত্ত মুর্থানাং বিশেবোহুয়ং যতঃ স্বতঃ ॥

কিছ এই উপদেশে তোমার শোকজালা
নির্মাণিত হইতেছে না; কারণ তোমার
জনকে তুমি বনাভুত করিতে পারিতেছ না
দ্যে প্রতি মুহুর্ত্তে তোমার শোকায়ির ইয়ন
সংগ্রত করিয়া দিতেছে। ভাই, যদি শোকের
জালা হইতে পরিজাণ পাইতে চাও, যদি
কথন্ও আর ছংগভোগ করিতে না চাও,
যদি সর্কালণ শান্তিসাগরে ভাসমান থাকিতে
চাও, যদি তোমার জান সম্বান্ত চাও,
আহা হইলে তোমাকে বৈধ্য ধারণ করিয়া
সর্কাশ্রম্মে ভোমার পরিচর, বাহার ক্ষম্ম

ভূমি শোক করিতেছ, ভাহার পরিচর এবং ক্ষিত্রে, কথনও বৈশ্ব, কথনও পূমা, কথনও তাহার সহিত ভোষার প্রকৃত সম্বন্ধ জানিতে রাজা, কথনও প্রজ্ঞা, কথনও ধনী, কথনও হইবে। ভাহা হইলে জগনাসী সকলেরই দিরিজ, কথনও পশু, কথনও পজী, কথনও পারিচর তুমি জানিতে পারিবে এবং এই মৎজ্ঞ, কথনও কীট, কখনও পত্তক ইত্যাদি পরিচর পরিজ্ঞাত হইলে তোমার শোক নানা অবস্থায় নানা প্রকার পরিজ্ঞাত হইলে তোমার শোক নানা অবস্থায় নানা প্রকার পরিজ্ঞাত হটলে তোমার লোক নানা অবস্থায় নানা প্রকার পরিজ্ঞাত কারণ এই পরিচ্ছের জ্ঞানাভাবে শোক হইয়া কথেক দিনের জল্প এই বন্ধ্যীব তোমার হাদরে স্থান পাইচাছে। অফু বন্ধভীবের সহিত বন্ধ, বিবাহাদি

বে তুমি শোক করিতেছ, সেই 'তুমি কে?'
সাধারে তাহার বিচার করা যাউক। তুমি
তোমার শরীরটী নহ, কারণ তোমার মৃত্যুব
পর তোমার শরীরটী বথন ধরাশারী থাকিবে,
তথন যদি ই সূত্যদহের সম্বাধ তোমার ঐ
দেহের সম্পর্কে যাহারা হচ্চনে উহা এক
বাজিরও মৃত্যু ঘটে, তাহা হইলে উহা এক
বিন্দুও শোক করিবে ন!—একটুও কর্মাত
করিবে না। তোমার ভিতরে বাহার
করিতেছ, বিবিধ কাষ্য সম্পাদন করিতেছ,
তিনি ভীবাছাং। এই জাবাছা নিতা,
হুতবাং তাহার জন্ম, মৃত্যু প্রাভৃতি বিক্রটা
নাই।

প্রম করুণাময় প্রমেখন জীবাক। ক ি)সা-প্রামান **एक। এই यक्त है ब्रहार मदादरात ह** অস্থাবহার তাঁহার আণ্ড: তিনি ইচ্ছা করিলে ইহার সভাবহার ঘার। নিভাগাল শ্ৰীক্লকড়প্ৰের भारत हिंद्र होते ভাগে!ক্ষভ (मदा-स्र वा व পারেন, অগবা অস্থাবহারের ফলে নিজে সেবোর আলন গ্রহণ করিবার নিমিত্ত কম্বেলতে প্রবিষ্ঠ হইতে পারেন। যথন কর্মজগতে প্রবিষ্ট হ'ন, তথ্য কর্ম ভাষাকে নানানানিতে পরিভ্রমণ করার।

দে প্রকার জন্ম-বিজেয়গোগ্য প্রবর্ণদিবস্থ निक्छे. कथन छ *পুরু*, ধর श्रीरमारकत्र निक्छे, क्शन् विस्तृत निक्छे, ক্রমণ্ড মুসল্মানের নিক্ট, ক্রমণ খুষ্টানের নিকট, কখনও বাহ্মণের নিকট, कथन ९ क्वतिस्त्रत्र निक्छे, कथन ९ रेनस्थ्रत्र निकते, कथन्त्र मृद्धत निक्रे, कथन्ड রাজার নিকট, কখনও প্রভার নিকট, क्थन अभीत निक्छे, कथन अ निर्भावत निक्रे गमन करत, त्रहे श्रकात कर्षकंत्र-বাধ্য ভীবাত্মা স্বীয় কর্ম্মনের দেবতা-নর-পশু-পক্ষী-তির্যাগাদি যোনি পরিপ্রশণ করিয়া ক্ৰন্ত পুৰুৰ দেছ, ক্ৰন্ত বা স্থীদেহ লাভ करत्र वादः कथन । हिन्तु, कथन अ सूत्रमधान, कथ्न ७ गृहान, कथन ७ जायन, कथन ७

ক্ষজির, কথনও বৈশ্ব, কথনও পূর্ব, কথনও রালা, কথনও প্রজা, কথনও পশ্বী, কথনও পশ্বী প্রাথা হয়। এই অনাদি সংসার-প্রথাকে পশ্বিত হইয়া কথেক দিনের জন্ম এই বন্ধনীব অন্ধ বন্ধনীবির সহিত বন্ধ, নিবাহাদি ঘারা সম্বন্ধীভূত জ্ঞাতি, শশ্বা, মিত্র এবং শশ্ব প্রমান বাতিরিক্ত মধান্ত প্রভূতি সম্বন্ধ পানা করে। কিন্তু যাহাকে পূত্র বিলিয়া চুম্বন করা ঘাইতেতে, মৃত্যুল পর সে বীয় কথাবলে কোন যোনি জ্ঞান্ত ইইবে এবং ভাহাব সহিত ইই জন্মের পিত্রভিনানীর আর কোনও জন্মে দেখা ইইবে কি না সন্দেই। যদিও ব' কন্মের বেড়াজালে সাক্ষাই হয়, তাহার ইইলে কি সম্বন্ধ সাক্ষাৎকার হয়, তাহার ইলি কি সম্বন্ধ সাক্ষাৎকার হয়, তাহার ইলি কি সম্বন্ধ সাক্ষাৎকার হয়, তাহার ইলি কি সাহার সাক্ষাৎকার

ইচ করেও দেশা ঘাইতেন্ত, যাহার সহিত্ত আবন্ধ রাথিবার নিনিত্র চেঠাথিত, তিনি ভোমার ভালাও দিনের আলাগ ছিল না, তোমার করারও নহেন, ভিনি ভারার কর্মাণ লক্ষ্ম করিলে ইভজভঃ পরিপ্রামণ লিন প্রথম আলাপ হততেই দৈহিক সম্পর্কে করিছেছন। অভএব ভীহার সেহামির উভয়ে উভয়েকেই বড় আপনার অন বলিয়া পরিভাগে লোক করা কিছুতেই উভিচ আলিকান করিছে। তামার ভাগার ভাগার নিচে।
ভীবনট্রেণ হাহার গখনা টেসনে পৌছিল, অমনি ভিনি ভোমাকে ছাড়িয়া
চলিলেন। ভাগার সাহত ভোমার সম্বন্ধ পাইবে না। প্রভাগে অফ বিষয়ের আমতি

ভ্যাপ্রানর কথা বাদ দিনা ইছ জ্বান্ধ যে এক ভীবের সহিত অক্স ভীবের স্থাক নিতান্ত অনিতা, তাহাব আর একটা উদাহরণও দেশাইতেছি। ভাই ইছ জীবনে স্থাক কি নিতা হ যদি নিতা হইত, তাতা ইইলো যে কাল প্র্যান্ত যে বন্ধর সহিত সহক থাকে, শুণু দেই কাল প্র্যান্ত সেই বন্ধর সহিত সহক তাকে, শুণু দেই কাল প্র্যান্ত সেই বন্ধর সহিত সহক তাকে হাপ্রান্ত সংক্র নিতা কর্মান্ত কেন ? সহক তিরোহিত হইলে আর মমতা থাকে না কেন ?

ভাই, প্রেরাক্তভাবে ঘোনিগত সংক্ষায়ক হইলেও জীব নিতা; বেংছ বুবন্ধতঃ দেহাদিই জিমিল। পাকে। জীবের জন্ম বীকার্যা নছে। জীব নিরহক্ষত অর্থাৎ আমি ইহার পুত্রবা কন্ধা—উদুদ্দ অভিমানপুরু। জীব কর্মবাদে যাবংকাল পর্যান্ত যাহার সহিত যোনিগত সংক্ষে আবন্ধ থাকে, সেই কাল পর্যান্ত বৈ বাজির জীবের সহিত এক্ষ বর্তমান। মৃত্যুর পর আর সংক্ষ থাকে না। যিনি ভোমারই জার চলভ টোলে পরিপ্রমণ করিতেছেন এবং ভাহার অ্যান্ত নেই কেলের

বাত্রীর জন্ধ এই প্রাকার অভ্নয়সমূক্ত হাইরা লোক করা কি বিবেকীয় কার্য্য ?

জীবাস্থা—নিভাবত্ত; কেন না ইহার ক্ষর বাবিনাশ নাই। তিনি পুতা অর্থাৎ অস্মানিশক্ত এবং উৎপত্তি বা অস্মনীল দেহাদির আত্রয়, স্বাংই দেহাদি নহেন। তিনি ক্তঃ-প্রকাশ-স্বরূপ এবং প্রেম্ভু বা সমর্থবানু ছইরা 🗷 নিজ মায়াগুণে আপনাকে নানারণে স্ট করিয়া থাকেন। এই আত্মার ভোন প্রির বা অভিায় নাই---স্ব কিংবা পন্ন ক্ষেত্ নাই। তিনি এক অর্থাৎ স্থলগাঁদিতে মাসজিরহিত এবং বিভাহিতকারী নিম ও শাসানগোঁর বিচিত্রবৃদ্ধির জন্তা অর্থাৎ সাকী মাত্র। আত্মা হুণ বা চঃথ অথবা কর্মাল-कनिष्ठ नाक्षापि किष्ठुरे शहन कर्यम ना। িতিনি কারণ ও কার্যোর প্রষ্টা এবং দেহাদি-পাব্তর্ভাত্ত হটনা উদাদীনের স্থায় অবস্থান করিতেছেন। স্লভরাং দেখা বা**ইভেছে,** তুনি যাংগকে তোমার কুন্তা গভীর মধ্যে স্থাবদ রাথিবার নিনিত্ত চেঠাবিত, ভিনি তোমার করারও নহেন, ভিনি তাঁরার কশ্ব-পক্ষে ভর করি: ইতক্ততঃ পরিজ্ঞান क्विट टट्टन । अञ्चत छोश्चेत्र दशशित्र

क्षेत्रे, क्षरायत तात्या चलार पृष्टित পাইবে না। জ্জবাং আড় বিষয়ের আস্ত্রিন প্ৰিতাগ করিল স্বভাবের রাজ্যে গম্ম কর। অভাবের রাজ্যে ভূমি অণুচিৎ, নিতা শতা এবং মৃক। এই রাজ্যের এক- । ক্ষ সভাট স্থা ভগবাৰ, ভিৰি নিতা, মুক্ত এবং ভিনিই ভোমার একনাত্র সেবা। ইতরাং <u> বিভাকাল</u> তাহার নিতাদেবার অধিকারী হইতে ८० है। कत्र, भिरं व्यक्षिकात्र भारेटन स्मिनिट পাইবে, আর কের ভোমার গুলার অব্যয়রণ্যালা প্রাইতে পারি**তেছে না। আর** লোকাদি জোনাকে ম্পর্ন কারতে পারি-তেছে না। তুমি অমৃতের সন্তান এবং অমৃত-সাগবের নব-নবাহমান শান্ধি-ফেন্ডুক্ত উসিমালায় নৃত্য করিতেছ। প্রভাবের त्रांका विधानस्कार्य सकारवन्त्रे ट्रांमात নিতা শ্বভাব।

## खब नर ट्रांशन

গত ৫১ সংখ্যার মদীরা-প্রকাশ রর্থ পুনার তৃতীয় আছে ২১শ প্রক্তিকে "ব্রেদ্ধ কার্থা" শীর্বক প্রাথকে "ব্রেদ্ধ নিয়ারকক্ষে" স্থলো, "মনেয় সম্পাধকত্তে" ব্রহেছ।

# গ্রন্থ পরিচয়

## শ্রীমন্তাগবতম্

আমন্ত্রি ক্লাইবপায়ন বেদব্যাস-প্রণীত স্থল, শ্রীমন-मस्ताहाया-क्रम्या छार्शयी-निर्वयातिकाः अमन्तिकाल ह क्रवदी ठीक्त-क्रफ नात्रार्थनिंग हैका, ननायुवान, मःत्रक व्याम छ প্রতিশন্দ, তথা ও বিবৃত্যাধিযুক্ত। প্রতি ক্ষরের আধিতে নেই ইংক্রে অভিপাম কণাদার, অণ্যায়ের প্রথমে ঐ অধ্যায়ের সারসহ স্থবিশ্বত তাৎপর্য্যাদি বিবৃত। লোকসূচী विषयक्ती. व्यागाप्रविवयन. शांव ७ कानक्तीमक देवन कानाम छेडम व्यक्तत मुख्यि। खालम व्हेट्ड ১०म इक **পর্বাস্ত ছাপা** পার্ণরূপে শেষ হইয়াছে। ভিক্ষা প্রাথম **इंटेंटि अम क्या लगाक २०१४०; मलम एक ०२**,; नगडा हरू।

## **এটিটেডগ্র**চরিভারত

**অশ্রিমন্থতি** বিনোদঠাকুর রচিত 'অন্তপ্রবাহভাষা' 😮 🕮 निमहिक्तिकां ज गतक है। द्वाकारी व्यास्थान विभिन्न 'बाशकारवा व्यक्ति-युक्तामि वह भायकाराग-मध्यिक इहेबा প্রকাশিত ইটবাছেন। শ্লোকের সাধ্যয়ব্যাখ্যা, নঙ্গালুবাছও প্রত্যেক প্রারের প্রবেষ সংখ্যি অভিনের সংযোজিত। প্রত্যেক অন্যায়-প্রারম্ভে কথানার দৈ ওয়া আছে। স্লোক, প্রার, শব্দ, স্থান, পাত্র প্রাকৃতির অনুহৎ প্রচী ও গ্রন্থকারের बिखा कीवनी नम्बिक दहेबल कालकात्र मध्यतः हे हालूर्स कवानि अकानिक दय गाँछ । केट्रम कांश्रक लाजिलारहीत मक्कि भूग .कारत मृगाः न भृतिष्ठ दश्याक । अत्र आय >eoo श्रीत मन्द्र । धिका वर्धमात्न क् मादा ।

## *ক্রিটেডসাভাগবঙ*

গ্রন্থকারের ভীবনী, প্রতি পরিমেদের কণ্যার, বিশ্বত ্রোডীর ভাষ্য, শক্ষত্তী, প্যারস্থচী, বিষয় ছান পাঞাদি-স্কৃতী, প্রভৃতি বিবিধ বিষয় সংগিত বিরাট বিতীয় সংখ্রণ ছবল ক্রাউন ৮ পেলী আকার। আদিনীলা ও মধ্যের ক্ষিত্রদংশ প্রাকাশিত চইয়াত্তন। ক্রমে ক্রমে প্রাকশিত ছইছেছেন। অগ্রিম ভিক্ষা c টাকা, আদি লীবার श्चिमा ८ ।

#### **क्रि**टेड डा महन

এই গ্রাছের এরপ অভিনব পুনার সংস্করণ আর কুত্রালি প্রকাশিত হয় নাই। সংস্কৃত প্লোকাংশের অবয়, বহাত্ত্বাদ, ভাষা, ক্থানার, তথা প্রভৃতি নহ খণ্ডে থণ্ডে প্রকাশিত ছইখাছেন। মূল ঝোটা অক্ষরে ভবল দোউন আটপেদী ु बुक्काकारम छाना इडेग्राट्ड । मूना २४० ठाका । सनीमा ্ৰ আন্ধান প্ৰবেটিটায়ের গ্রাহকগণের পক্ষে ১৪০ টাকা।

#### **এমত** গ্ৰদ্**গী**তা

🔭 🗕 শ্রীনৌদ্ধীর 'বৈঞ্চবাচার্য্য অপ্রাক্ত স্বনিকচ্ডামণি **জ্ঞীবিখনা**ৰ চক্ৰবন্তিঠাকুর গোখামিকতা সারাধ্বনিণী চীকান্যেতা ও জীতীময়কিবিনোদ ঠাকুর-প্রবীত 'রনিক-<sup>্</sup> র**ঞ্**ন' মার্যক ভাষাভাষাসহিতা। অধ্যাদ্রস্থচী, মাতৃকাক্রমে (ब्राज-शृही, विवत-शृही, श्रव कारत की वनी ७ व्यवकारिकानि ৰছ আত্ৰাবিষয়-সহ উৎস্থ বাধাই তৃতীয় সংক্রণ-এই রাজ হঠতে পরিক্রণাংশ মাত গৃহীত; ভীলীব গোখামী কি शरधप्रत्य किका २ काका माज, गांधाप्रण गरधप्रण-->॥ शका मार्थ। 🦟

## ল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

ওঁ বিষ্ণুপাদ এএএমভাজিসভাত্তসর্পতী গোস্থামী মহারাজের খেট অবিলা বিধাপিনী कीयाश्वकत्थादशासिनी क्रक-कार्का सन्तर्भावनी कोवड वार्याद भृक-विवाद--- विकाय निकाय-त्र द्वारातात्र (कोश्व अमिन--- मन्नुपार दिवनिकानाभारतत्र (योगिक छ्या—यमदादा ९ छात्र (एउ শ্মশ্বর গুরু-মুহাক্সন-কীবন্দ রিভ-নিক্সক -- চি ব্লান চিল্লার व्यक्तिमांज-विकायक-- क्षेत्रमा अमामुगानामन (मोलिक नात्माना - मच्या, अख्टित्य छ आग्राचन इत्वत विकास मान्।

১। প্রথম হাত্র— निकायमर्गन, श्री १४० हत्। काला थर्ष, श्रीमध्याविकार, टीवार्यज्ञानती, लागवादिकी मीका ও বর্ণ-বিচার, আত্মান্যা ও মনোচন্দ্র, শ্রীট্রেডল্লের 🗸 তাহার শিক্ষা, অপ্রাকৃত সহত্যার ও প্রাকৃত সহত্যার প্রান্থতি বিংশতি সংখ্যক রয়ে স্থানাভিত। ভিকা মাঞ্জিভ দুভি দুবণে-লঞ্চরতে দি সাহত-শাসন্মুহের প্রমাণাবলী ৮০ বার আনা।

শ্রেরতা কোথার, আহারে নিভাবৃত্তি, ঞীধর আমিগাল ও मात्रांबाब, बीटबोत-विद्यानम श्राम, विद्यावत धर्म ए सम्बन्ध करेवल क्रम - महिन्य कर्ततहत - क्रीव - क्रिकाटल शटल । टिल कीर्त्वन, धीवामभूषात्र शिमहोशन्यत्व कीरान, खीरशीय-भारमत मधिमा, महा अराम, जीत्याविन्य, जीक्रपाञ्चय न-পথ, শ্রীমতী বুবভাসনলিনী, শ্রীটোডজের পথা, গৌরকরণা ও রুক্সভীর্ত্তন-চতুদ্ধ খপুরু-মধুরিমাপুর্য-বঞ্চতা-বিভূতিত 🗟 উক্ষা ১, এক টাকা মাত্র।

প্রথম ও বিশ্রীয়-ভুট পণ্ড এককে লইলে ভিক্রা ১৪০ (भष्ट ग्रीका, छाक भन्न अन्तर अन्द्र ।

## बियदगनम्गी डा

গোটীত-বৈঞ্চলদার্শনিক-শেশর জীতীনদুরলদের বিভা দুৰণকুত ভাষা ও জীমছজিবিনোৰ ঠাকুরেরপ্রাঞ্জল বছ-ভাষার বিশ্বত 'বিষদরশ্বন' নামক ভাষাযুক্ত। অধ্যায়-স্টী, বিষয়স্চী, ও প্রতি লোকের প্রথম ও তৃথীয় भाम कृती, ভाषाकारतत कीवनी প্রভৃতি সম্পাত। উংক্ট বাগাই, রাম্প্রেরণ (তৃতীয় সংকরণ ) এন্দের विका २ हाका।

#### প্রয়েরভাবলী

গোবিল-ভাগাদি পড়িবাব প্রথম গ্রন্থ। উৎকৃষ্ট কালিতে ছাপা। ভ্ৰিত্বত টীকা ও প্ৰাঞ্জনবদায়বাদ-সাহাল্যে অতি সংখ্যে বালকেরও বোধগমা হইয়া থাকে। ভিকা । 🗸 • আনা নাতা।

### श्रीननदी नदा महा काषा

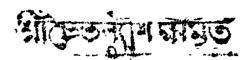
( প্রমাণ্ধ ও ) সামুবাদ। প্রতি-মুড্যাদি গ্রন্থে শ্রীনব-শ্বীপের যে মহিনা কীটেড আছে, তাহার মূল সংস্কৃত ও অন্তবাদ। ভিকাত আনা।

#### **এএনবদীপভাৰতরত্ব**

শ্ৰীগাৰুর ভঞ্জিবিনোৰ দিখিত। অলণিত গীতাকাণে পরিক্রমার ত্রেইন্যাদি-বিষয়ক। ভিক্ষা। অ'না।

## ভজিনুতাকর ও নবদীপ পরিক্রেমা

🞒 নরতরি চক্তবন্ধি-সাকুর-রচিত। ভক্তিরত্বাকর लकारत क्रिनवदीनधारमत अतिक्रमा कतित्राहिरमन, छाराहे পছে বিবৃত i · ডিকা ৷ প • সানা



कें श क्षा विस्तान शेवब ल्योंक । डेडाएक ब्रीटिक्टलब भिक्षां अवाक्षे:- क्रा. क्रमां कि ख दूत... वक अ मुक की न-অগ্নিস্ত ১৯৮৫ এন জ্বত্তসাধন-নির্থাত্তরে কর্তিভাত জন্ম কর্ত্ত '-ब'नित तिहात -- देवती छक्ति, ভावएकि छ ८६१२ र्च १८४० - गामका न-श्रमांनी । अ व्यवस्थात श्री शा-প্রিচয়ানি প্রথম শিক্ষানীর উপ্যোগী করিয়া সরল ভাষায় ময়লয় যুক্তি প্রভাক্তাত ভিত্তিত আছে। চক্তর্য সংক্ষরণ বালা २. उत्का. आवामा ३५० ६ का बाब ।

## গৌছীরকণ্ঠহার

कीत विशेष देवाधनवात्व अञ्चल कर्छ सात्रनायां वा ेवसर्भव छात्र वर्षे अध्यान अस्तिक । **उठेकल देवस**्व-১। বিক্তীয়া খাণ্ড-ভদ্ধা ও বিদ্ধা ভক্তি, মহাদোর বিদ্ধারের সাসেম্বর অতা কুরাপি প্রকাশিত হয় নাই। एश्ट ७० च्य - चार्याच - देवकव - दशीत- निकासन--- अ- १४११ -- भाषता हो छा-- वर्गः यां - आश्राम - अक्र आक —ি: ম—প্রয়েজন ও প্রমাণ-তত্বগুলি পূপক অন্যায়ে अनुहर दशकानि स्थानिह है कहे धारिक कांश्रक दशक নু বাঞ্চিত সুদির, উপ্রঠবার সোনার দলে নাম পেথা। शक खाव ४०० शृष्टा मण्डा किका २८ होका माखा।

## श्रील-बीशश्राम-श्रष्टानली

্ব্যাল্যার সাভাবে প্রমাণ প্রস্তুল নরহরি চক্রহতী সকলের পাম প্রিক্মাংশ--- **ীধাম নব্দীপ পরিক্রমা--ভীর্থ-**যাত্রা প্রতি-জীনং প্রবোধাননকত নববীপশতক্ষ-প্রীমুং ক্রিবিনের ঠাকরের জীনবরীপ ভারতরঙ্গ প্রভৃতি গ্ৰন্থ কেন্দ্ৰ ভিনা ৮০ আনা মাজা।

#### শ্রীহরিনামানত ব্যাকরণ

ইফিল গোখানী অ:পাদ-বিরতিত হত ও বুর্ণি, তৎস্থে ভ্রিকুণাদ জীমছজিনিছাত সরস্থী গোসামী হারাকের বিভাত ভূমিকা ও হটী প্রাভৃতি সহ। তীমধলদের বিভাত্যা-প্রণীত বৈক্ষরদর্শন, সক্ষতি ও অক্রভাগিতভাবে প্রলভ। ভিকা ২ টাকা, ছাত্রগণের পকে ১৪০ টাকা নাত্র।

#### বেদায়ভ্ৰমার

क्रीमधामांच्याप्राची-विष्ठ । त्वनादश्चत विनिष्ठे**रिय**ण्डवाम-প্রচারক প্রীভাষ্য-প্রবেশ্য আচার্যাপ্রবর বেনাস্কদর্শন পার্টের উপ্রেগ্য কর্ণার্থ এই উত্তম ক্রিয়াছেন। ইহাতে বঙ্গাফুবাদ ও স্থালীপত্রাদি সংযো**লিত ক**রা হইয়াছে নাম মাজ ভিজা 🕫 আনা।

#### ध्रीरेष्ठशास्त्राग्रह ও मवदीशमण्डक

त्नोचनामम विमर्की **द्यीगर कार्यानामम मनवरी** क्यांगर মূল, প্রভূপাণ শ্রীমদ ভক্তিসিদ্ধান্ত সরস্বতী গোসামী মহারাদ্র সুস্পাদিত অৱসমূদে ব্যাথা ও বলাম্বাদ সম্লিও। নব্ধীপশতকের জীভজিতিবনাদ সাকুরের প্রায়বাদ ও তংশহ শ্রীমন্মহাপ্রানুর একটা জিবর্ণরঞ্জিত অংণাকিক চিত্র लावल इहेबाटि। १सन ७ कानक छैरहरे ( र यासा একলে ) ভিক্ষা ৮০ আনা, অভি ভ্রম্য বাগার্থ রাজসংস্করণ ः होका माज।



শ্রীমন্থ জিনিনাল ঠাকুর-প্রণীত। এই একমাত্র প্রস্থার বিশ্বরণ শান লাভ করিলে পারনাধিক রাজ্যে কিছুতেই ক্ষত্রান নাম থাকিবে না। পরম গুড় ধর্মনিগমক এই-ক্ষত্রান ভ লাভয় প্রাক্তির না। পরম গুড় ধর্মনিগমক নাই। নিং লগোলগমি নাম-মহেলেনি মহনক্ষে এই এছিনিই দিলিত হই নাইনা লগেন্ব ক্ষত্রিকৃত হুটা, কথাসার ইন্যানি মধ্য বিশ্বর বিশ্বর ক্ষত্রা হুটা, কথাসার ইন্যানি মধ্য বিশ্বর বিশ্বর ক্ষত্র বিশ্বর ভ্রমি নাম লোখা, উৎকৃত্র বিশ্বই—চতুর্থ সংখ্রন ভিকা ২ উর্ক্য মান্ত্র।

## গ্ৰেখনি দৰ্ভ

শ্রীমন্মগার্থ অন্তর্জ পামন শ্রীল অগদানন প্রেচ্ বির্বিচিত। এই প্রকে মতি বাবেল্য ভারার মহাপ্রাক্ত ক্ষতিপর লীলানেই বৈদ্যবাহায়, একাদনী ও নামভ্যান-প্রেল্ডী প্রেচ্চ অনেক বৈদ্যবভাষের স্থামিশনা দেখিতে প্রতিক্রান্তর্গ কর্ম স্থানের বিশ্বার্থ ও প্রক্রার প্রিচার। পান্টীকার কর্ম স্থানের বিশ্বার্থ ও প্রক্রার প্রিচার। শ্রীকার কর্ম স্থানের বিশ্বার্থ ও

#### ভত্তরংক্স

ভাগনক। নির নিত্যস্থা; সাত্র ভাজিবিলোলের সম্থা শান; নিধিও শাঙ্গের নিথাবে। এম্বগানি না নেগা পর্যন্ত কেহু বুঝিতে পারিবেন না। চুটাং সংক্রব ভিজা । ।।

#### হরিনামচিন্তামণি

নামান্তায়ে শ্রীল হরিদাধ সাকুরের মধে শ্রীমনাহ। এড় শ্রীনাম-মাহাস্কা, নামাভাষ, নামাপরাধ প্রাকৃতি বিভাগের শ্বাবহীয়ে বিচাৰে প্রবাদ ক<sup>ি</sup> চিলেন। এই বিভাগেরির শ্বাভি সরল গ্রারে সংক্রিপ হাশ্যমণ পরিপাটিভাবে মুক্তিত। শ্রীল ভ্রিকিবিনাদ হাকির রচিত। প্রথম সংস্করণ ভিক্ষা ৮০

## कर्ता । शंत स उन्न

শ্রীমন্ত কিবিনাধ ঠাকুর-রচিত। প্রভ্যেক ভণবদ্-বিশালী ও জানপথের প্রিকের একান্ত প্রবেশন্দীয় উপরেশাবলীপূর্ণ হাডিজন্ত: সামন্ত শেখাগড়া-জানা লোকেও এই ভন্মনাড়েয়র গাঁডনাম্ছের ছারা জনগনিস্থতি ও ভ্রথবংসেবা লাভ করিবার স্থানির পাইবেন। বন্ধ শংক্রাব, ছিকা /১০ লানা নাত্র।

#### শরণাগতি

শ্রীমছতি বিনোদ ঠাওক-রচিত। ভণবানে আত্মসমর্থন, বিজ্ঞাপি, ভত্নবাল্যা, বড়্বিধা শর্ণাগতি ও ধিত্বি-ভাল্যা-বিব্যুক গাতিপুর্ণ, ভিক্যা ৴৽ আন্যানাত্র।

### গী হাবলী

ক্রীঠাকুর ভবি-বিশেদ-প্রণাড। নিত্য ভদ্দন, আরাজিক ভ প্রসাদ-যেবনাদি-বিগয়ক নধুর গাতবযুত একজে প্রাণিত। ভিকা ৴ আনা যাজ।

#### **শ্রিগতর্গতা** ক্রম

রনিকেজ্রসূত্টামেলি প্রীমন্বিদাণ চক্রবিত্তী ঠাকুর-বিরচিত খগগ্রহ। প্রীমন্তক্তিবিনোদ ঠাকুরের অহবাদ-সহ। ভিকা। পানা মাত্র।

# श्रीविनशृश्री

ইনিয়াহাপ্রাকৃর শিক্ষা ও ইটা রযুনাথ দান গোলামীর প্রতি নিরূপ গোলামীর উপদেশবাণী, ভক্তিপথের অমুকূল ও প্রতিক্রণ বিশ্বে স্থবিচারিত স্থোদন ভাষা, বিশ্বত বিস্তি, চারতাস্তেল প্রমাণ, সাধ্য বাাধ্যা ও মহালম-প্রেটিত ক্রণযোগা গীত্যমূহ প্রভাক লোকের সহিত্ গ্রিবেশিত ইইয়াছে। ওয় সংহরণ ভিল্পান/ আনা।

#### সাপল-কণ

তীবলুনাথ দাস ধ্যোক্ষামীর মনঃশিক্ষা, **তীল ঠারুর** ভ্রিবিনেশ্ব-নারত প্রা**ন্থবাদস্য। ভিক্ষা /- আনা।** 

### প্রেগ ছ কি চ বিশ্বকা

প্রীল হারে নবোভ্যের জ্ঞানিক **প্রেমভন্তিবিন্নক** গানের পুত্তক। ভিক্ত ভিজ্ঞানা মাত্র।

#### सन्दी शमा क

শ্রীন সাকুর ভিভিবিনোদ রটিত **শ্রীল প্রাবোধানন্দ** স্থারটোপানের সংস্কৃত নর্থীবিশ্বত্বের **স্থালিত প্রায়্বাদ।** ভিকাসে আনা মান্ত।

#### · ভার্যপঞ্চক

শ্রীল কোবালগো রচিত। বৈক্ষরতা-জ্ঞানের আকর পুরুর। ভিকাত সানা মাত্র।

### সদাচারস্থতি

্রীল মধ্বাচার্গা-প্রণিত। বৈক্ষণের নিত্যকর্ত্বাদি দ্ব**াচারা-**বলী, বঙ্গলুবাদ স্থিত। - ভিকা ৴৽ খানা মারা।

#### মণিমঞ্জী

কবিকুলকেশরী শ্রীনমারামণাচার্যা রচিত। শ্রীনমধ্য চাথোর সংক্রিপ্র কীবনলীপা ও ুা বৈক্রব্রশামত। সাম্বার ডিফান শ্রানা মাজ।

## গৌরকুফোলা

প্রাঠীন কবি জীগোবিদ্য দেব প্রানাত কিন্দ্র বাবভারের প্রমাণাবলী-সংবংগত সংস্কৃত হয়। ভিক্ষা ৮০ আনা ।

## যুক্তিমল্লিক। ( শুণদেশীরভ )

শীমধ্বসংগ্রহণত শীমবানিরাল স্বামিকত। বলাকরে সাম্বরণ এই এত্রের প্রকাশ পরেমাথিক দাহিত্য-জগতে এই সর্বপ্রথম। শীম্মধ্বাচার্য্য হইছে দোড়শাগন্তন বিতীয় মধ্বাচার্য্য নামে পাতে শ্রীবানিরাজতীর্থ স্বামী এই এত্রে সাধারণ বৃত্তি ও নোকিক ন্যায়ার্যারে কিরুপ হালরভাবে শুতি বিরোধি-মতনান সমূহ পাওন করিয়াছে, তাহা পাঠ করিতে করিতে আশ্চন্যাহিত হইছে হয়। ইহাতে যুক্তির হারা চার্কাক, জৈন, বৌদ, নীমাংসক ও মাহাবানিমন্তন্যরূহের হালর পওন রহিয়াছে। ভিকাহ ্ টাকা মাত্র।

## (गामामी क्षिम त्रम्माय मान

(ওঁ বিক্পাণ শ্রীণ ভক্তি সিভাত সর্বভী গোৰামী প্রভুগদ-িথিত ভূমিকা সহ ) গৌরত্যে ব্রুপ-রূপের একমান্ত্র প্রির্মান্ত শ্রীণ দাস পোষামা প্রভুর অপুর্ব চরিতামুক্ত ও শিক্ষা অন্তীব প্রারণ ও সর্বা ভারার সমিষিত্র ব্রুপ পরিশিতে দাসগোরামী প্রভুর বির্হিত্ত ক্রুক্তী বাছবার ব্যুরভার তব ও মনঃশ্রিকা-সম্বান্ত ৷ ভিকা বাছবার ব্যুরভার তব ও মনঃশ্রিকা-সম্বান্ত ৷ ভিকা বাছবার ব্যুরভার ভাষাধাই ৮০ আনা মান্ত ৷

# চিত্ৰে নবদীপ

প্রাচীন নববীপের আনবিভি, তবা, ঐতিহ, নৌত ও
ঐতিহাসিক প্রমাণসংশিও নয়টী বীপের সচিত্র বিবর্ধণ
প্রায় । রাজবি রাওসাহেব কুনার উপুক্ত পর্যারিক নারারণ
রার এম, এ, প্রাক্ত (পাহোর), বেঁশাজকুনণ মহোলর কর্তৃত্ব
সকলিত এবং ৪৭ থানি বিভিন্ন বর্ণের অপুর চিত্র প্র
মাণচিত্র-সময়িত; প্রাচ্যবিভাসহার্ণর রার নাহহেব উপুক্ত
নগেক্ত নাথ বহু বিশ্বকোবসম্পাদক মহান্তের বিভৃতি কুরিকা
সহ। উংকট (ইং) মরজো বাঁথাই মূল্য ১৪০, জিঃ পিঃ ডে
২ টাক মান।

## गामन-कर्श्वामा

ভক্ৰনদনা, নৈক্ষৰ-বন্দনা, বৈক্ষৰণরণ, ধালালের নীত,
ভীনামণ্ডী, ভীনলহাপ্রভুর অটোভরণত নাম, অইনেনুর
নামকীর্ত্তন, শ্রীনামার্যভিন, প্রেমধ্বনি, বাউন্দলীত,
নবনীপ-মহিমা, শ্রীনামার্যগ্র মহিমা, শ্রীনার্যভার অইক্
আচাণ্ডা-বন্দনা, মন্ত্রগাস্থামীর অইক্, প্রেমতক্ষিত্র বিকা,
উপদেশমান্য। নামভলন-প্রণালী, মহাপ্রভু ও রার রামানক্ষ
সংবাদ, মনান্তলন-প্রণালী, মহাপ্রভু ও রার রামানক্ষ
সংবাদ, মনান্তলন-প্রণালী, মহাপ্রভু ও রার রামানক্ষ
সংবাদ, মনান্তলন-প্রণালী, শহাপ্রভুর বন্দনা প্রভৃতি সাধক ও বিশ্বনীবনের নিতাপাঠ্য,
বৈশ্বনগ্রেগ্য অপুন্ধ প্রথ। ভিক্সা কি, বীধাই ৪০ মাত্র।

## গৌড়ীয়-গৌরন

কণিকাতার স্থানিত জালনাট হলে গৌড়ীর-সন্দাদক শ্রীপাদ স্থাননানন পরনিব্যানিনোর-প্রান্ত বক্তার বিষয় গ্রহকারে প্রকাশিত। ইঞ্জে গৌড়ীর বৈঞ্চনস্থানারের ইতিহান প্রকাশের গ্রথিত হইয়াছে। ভিকাশেও থাক।

## গৌড়ীয় সাহিত্য

কণিক।তার হুপ্রাসিদ আলবার্ট হলে প্রেড়ীর-সম্পাদক
প্রীপাদ ক্ষমরানন্দ পর বিজ্ঞাবিনোদপ্রক প্রদন্ত বস্কৃতার বিষয়
গ্রহাকারে প্রকাশিত। ইহাতে সাহিত্য-শঙ্কের অর্থ প্রবং
েইটার-সাহিত্যের বিষয় ক্রকারে বর্ণিত হইয়াছে। ডিক্ষা
নিশ্ আনা মাত্র।

### **ब्रिट्यो**ङ्गक्षम् भवित्वस्था-सर्भन

শ্রীগোড়লেশের যে সকল স্থানে সুপরিকর ক্রীমন্বহারের এবং তদহাল পরবারী মহাজনাল লীলা করিয়া লিয়াছেন, সেই সব আধুনিক ভৌগোণিক পরিচর ও ধেববিএহাছির পরিচর সহ বাতাঘাতের স্থিধা নির্দেশ ইভ্যাদি বিবর্তনি স্থিবিশিত আছে। ভিজ্ঞান আনা।

## THE HARMONIST OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীণ ঠাকুর ভক্তিবিনােদ-প্রতিষ্ঠিত এবং জীল করিন্দ্রিনির্বিদ্যার্থর বিশ্বরার্থিক নার্বিদ্যার্থর বিশ্বরার্থিক নার্বিদ্যার্থর এই বিশ্বরার্থিক নারের বিশ্বর-বৈশ্বরার দুইরা, উপজ্জি রুইডেজেন। কারল, মুল্ল-পারিপাটা ও চিয়ার্কি, করিন ক্রিন্তর্কার এই প্রকার উৎক্র প্রের্বিদ্যার উৎক্র প্রের্বিদ্যার বিশ্বরার বিশ্বরার আর ক্রের্বিদ্যার বিশ্বরার বিশ্বরার বিশ্বরার আর ক্রের্বিদ্যার বিশ্বরার বিশ্ব

**बैटिन्क्स्यके स्थाः विश्वासायस मुद्दीका** 

Se Big

# বৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভক্তিমঠসমূহ

কাকর মইবাজ

🐃 🏿 होत सबदीन, छ। कथत दीवाय वात्रानुत, सबीवा 🍃

্ত্রিকারের পার্নীর ভারতে প্রায় ৩০ বর উত্তব-পূর্বে জ্রীব্রস্থপত্ততে আচার্যায়ত জীচন্ত-CHUNENEN BERTEN -AB festenin :

ाबहै ब्रांस महें स्वक-दीर्व, शत्रविकाशीठ ता शावक क्रक-वृती । अहे महातीर्व श्रीकृति-हा अहम के बार्ड करना बिन्द वहा कर मुझ्क, शह निकात अधर्म क काता, माउँक, जातकात, छणा **बाराप-केप्रियम् केप्रा-एय- शहाम-ठकुरेर्ड अ**माचन । स अमानना कर रूपाय शिक्षक-লৌবাল-লাকার্কা-থা-লিবিধন ও সাত্রত সাত্রালারিক-আচার্বা-চতুঃ র উংচালের উপাত্ত বিপ্তাৰের মহিত লিক্ষা দেশিক কটতেকেন। এই মঠবাকে পাৰমাথিক দৈনিকপত সাথত-कार्याबर्द्धको व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था । व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था । আন্তিপ্তিক ভটনাটেন্স । প্রাধিনংসর জীগাম-পরিক্রমায়টান ও অগণিত ভক্তগেটি।চ জীক্ষা প্রচারশ্বর মহামহোর সহাদি অক্ষাম কর্মট ও চলল বাকে। বক্ষক—এপ্রচারী क्रिमाह अक्षा क्रिकी। अटकाती--- क्रिमान विरमानिवनाजी अक्षाजी, পাঞ্চ প্রীপান গোরধান अव्यक्ति अवक्रमणीर्वः श्रेणाम बीत्रहस अवकारी, পাঞ্চ জীলাদবালন এখনানী, **উল্ভ নদীলোপাল বলোপোধার. উ**ইতেরাম দাস এজচানী আহুও স্কল্মগণ। खिब्खिश्वामी अनुस्रक्ति श्रेषीण छीर्थ मनाताल कथान रुकिया। केरिन किराहरस्त ।

## 🐪 ( 🌣 ) ৰোগণীঠ গ্ৰীমন্দিয় -

दहे द्वान श्रीकश्रदायविष्यत्र क्षत्रन वा श्रीयवाना श्राकृत च्या विकाश-कृषि मनास्थान-भेंद्रे । बचारन क्रिक्यो शक्ता e क्रिनिकू-ेर्देशकामक किरमोक्षमान्नाक्षण अन्द कीर्देशका 🕳 क्रिन्साइएक मिका धनवा छवा 🕮 भश-करवंद दगवा वर्डमाम । क्रेक --- (गाक--अव्यादन व्यापानी कडीहारी वाक क्रीकर्मा-माथ। १४०१को क्विनिकाशमा अवनामी, - कीर्वामणाम समावती । श्रीमाथ-भाग व्यापwift, canmal Beineman

## (৪) প্রিবাস-কার্মন

क्षित्रमाश्वाक्षक क्रीकंत-विशास या कियोक्षणीकाव जामक्यो तः प्रभारत किथ्येटभात-্ শুনিভাবেক ও পঞ্চতের হোবা বস্তমান। 🀔 👭 वाम 🌭 अधाराजाम जनतात्री. श्रीमधु ह कर्क, शिरमाञ्चनमाम वामाओ । ।

## ( ० ) घटेचक-च्यन

नाम हो आहे प्राप्त क्षिप्रदेशक श्राप्त करन धारर ः दस्या यसम्बन्धः

÷ २ % (४.६८) ऋषेकोञ्चलकावि श हे क्षांद्वील महत्रकृत्य महत्रकृत्य (समीमा) किर्मी के नामांचा अधिक मानी । तथावि । The Butte Bittate toel

化海水 经最级执行 经银行 电压火焰

अध्योक्षर प्रमुख्य (सरीक्षा) विश्वास के विक्र नी कि कि कि कि मानके करवर auffe aut Meifeneres are Belleief. क्षाप्रदेश देशको गाव्याम

क्षम-७ किन्द्रश्य कामात्र अवकाती क्षण परियो वन, यम, यम ।

## ( E किया चाथ दर्श की समर्थ महभगगि**१**।

सक्त क--- भी बहुन के किल की क्रम. ज. नि, धन, मक्नादी-विकेशनाम अकि-नाष्ट्री, क्षेष्टिककृत कांधरात्री अकृति।

> ( ১) ब्रीटशाब-श्रमाधव-मठ है। ११०। ही, मयुष्ट गण्ड. ( यश्चमान )

क्षिण वालाबाध्यक ला महिल द्यांत्रश्रमधन ্দ্রে। । রক্ষক— 🕮 : লিবিজ্ঞান আরম। বিধিকারীর নিজাবেশ বস্তুমান। রক্ষক—

(১০ শ্রীরপগোড়ায়-মঠ बा::शक, शकाण के छैं, लि क्क क-- शिक्षिमाम अक्षात्री, श्रीकुमरम्बर প্রস্থানী (

## ( ১: ) औद्यापसम्बद्धाः

बाडिनाकि, जावना, - खबान। **শ্রীব্যাসার্থভার ঠাকুর মুক্তাব্যের স্থান** । হুগ্ৰু--- শ্ৰীবন্ধ বিভাগা প্ৰজ্ঞানী। (১১) ভাগৰত আসন

ত্রী লাগবভ জোন, ক্রমনগর, নদীরা। भाराव •िकास आष्ठावकी खाठार-त्मका। सक्त -- श्रीमधानम अल, ही।

( ५० ) बीज्यक (सम गर्ठ ८७:णवाफी, त्याकाफी, अध्यस्य वर्, समीचा । क्षक--- श्री भड़गानन अवहाती।

( ১৪ ) जीमाध्य दशोकोग्र महे a मर नमाव मूत्र ताख्, हा का । शृक्षरक्षत्र वाधाव-. महत्वपारन खी धन-त्योत्यक्ष भाक्षत्यान्याद्याद्यम् द्यवा वर्श्याम । स्क् म---कीटाचायम् । असम्बर्गी ।

ं (५४) 🕮 द्या लोलकी मठ wanten, Mail

त्मानामकोत्र आर्थिअध्य र व्याहीन दमना क्षण-अश्रीशांतरमोत्र अवहाती ।

১७ वर काणिकामान ठळवळी क्षेत्रि, त्याः मानवासान, सनिकांका । क्षिणिकान नि. नि. ४५३६

( ) बिंदगोडीं स मठ

শ্রীমন্ত্র প্রভার এচ।বিত ক্রনির্বল ভক্তিগত্ত-প্রচারোক্তেলে গোর্ডারেশের সক্ষাপ্রধান নগুরী কলিকাভার শ্রীক্ষকিবিনোর স্থাপনে শ্রীমট প্রতিষ্ঠিত সংচেন। এই ভক্ত-शक्याबादम क्री बक्र-दश्रीदाक क्रीनिरमामानक क्रीके मधार्यक निका स्थापिक वन । दर्शकीर আচার্যাপর্যের যাবভীর প্রায়বেলীর জাত্রচারেবাদেশে ব্রিমটে সংগল্প একটা ভবুতৎ মুল্লান যন্ত্ৰালয় দৃশ্য:শিক্ত ভটরাছেন। পুলিবীর সক্ষত্র শ্রীগোলনাম প্রচারার এট মন্ত্রালয় क्टांट '(त्रोडोव' माखाकिक नख, कि क्याबिक्के मानिक निक्रिक केरताकी काराह निश्मिककारन अवानि ह वहेरकावना जीमात भात. महोसन, मधाकान-इक्षेत्र-दन्ताय, चैभ्रष्टानानक, ऑटेन्ड्रिक प्रिकाम कृति कीता क क्षत्राह्य सभक् भारताहना न केक থাকে। মঠনেক -- আচাৰাত্ত্ৰিক শ্ৰীপাৰ কুলাবিকারী বিল্লাভ্ৰৰ। সহকারী --পভিত্ত শ্ৰীপাদ অন্তর্গান্তবে পর্বিভাভ্রণ বি-এ, শ্রীশান গুলারানন্দ পর্বিভাবিনোদ বি-এ, खीलाम रामविकाती अक्षताती. खीलाम चनक्षात्रन मामाधिकाती विन्ता, खीलाम क्षरभाषाण मामाधिकादी. उक्काकी जीकी स्नातना, उक्काकी जीवाका, उक्काकी <u> बीरपवकी सम्मन, भाषक सोना वजीसक्रक</u> মীরুঞ্পলন ভ্রিশাস্ত্রী, ব্রহ্মচারী শর্মিক্সাল্ডার ভবিশাস প্রভঙ্গি।

( ১৬ ) ङ्गीनकाचे-८नाः । स मर्छ इडिकिक श्रमाविका मुखा, वाशिष मीधनाइ-८भोबाक्ष्य निष्टा स्मत क्ष - चीत्र शक अस्टाही।

## া১৭ শ্রীভাগবভন্তনানক মঠ

किलानिया, याद्यस्वल्या, स्मिनील्या ध्यशास ने शहर-(श्रीताक्र-शक्तिका-विषयामी क्षीरूभगानभागको। वक्षाती गर्धानन

(১৮) धामनारवाका अभवाअव द्राष्ट्रवेष दशाः वद्धमान ।

न्त्री कक्ष्मांचाक - न्याना क न्यान का निवादी है निष्ठारभवा। दक्तक-अववागी आहिति-TOCHIS I

### (১৯) শ্রীপুরুষোত্তম মঠ

वर्तकार, पुरी, देशिया। क्यारन किलोब-निरम्धमानवकीत जिला-(नेन) वहाराज्य । तक्षक - तक्षादारी शिल्याः नम विमात्रक, अक्टादी जैन्हीधानक।

#### (२ •) ब्रीजन्म-८शोकीय मठ

व्यागवहमाथ, अवाशिक तथाः, सुती । अभवाषात्राच्या अस्त्रम्य सम्बद्धाः संबद्धान । सम्म -- अम्राठाकी धीलकृद्यमञ्जी कामामधी। महकावी-बद्धहादी ज्ञानिशनिवशनी । ...

## ् (६५) क्रैमक्किशानम् वर्ठ

Cifentalwid, who :

aute Cariffen Ginnenu-कीय निकारनवा वसमान। उक्तक---जनहारी जीनगर र

## (२२) श्रीनमाजन-भोजान मर्क अनेः व्यश्नकात्रम्थः, कानी 1 (भो :- नभाष्य ५ ४ - ननाष्ट्रभ-निकायका ।

अवादन दशांद्रदेशका यदयान्। क्षेत्रक्र----खीबानकीनावजी ।

(२० डीक्सरेन्डम ४४ जीन गरभाग जुला जी गाम बन्धावन । का क्षेत्राधा-खण-त्यावनकाक स्थवा । রক্ষক--- শ্রীপ্রশাস্তিনাপ প্রশাস্ত্রারী

## (२८) ञीभद्रवद्दश वह रेलियात्वा, गोडाभूत

এখানে শ্রীভাগৰত শাসশালা ৰ चौत्भोन निटमान विलाभुकीत दमना बर्फमान । क्क क--- अक्ताती क्रीनामश्चानम च अक्षाती द्योगसङ्ग्रहातः ।

#### '২৫) শ্ৰীচৈতভাগোজীয় মঠ

मुर्वक् का, कितकुका, मानस्था, केल क्रीटेस्ड छ न्यटका भारा। तक क- क्रीक्रिया-मान तात. शिक्तनातक अवह हो। श्रीदाम ভীপ দেহঘরিরে।

## (२७) नहाभदशोङ्ग्रेज मह

कुरुष्कित, प्रातिष्ठ, क्यांग् । बल्यान चीर-तेवायरमाम-कारमण रम्या यसमामः। तमक---वक्ठाती स्थानमत्त्री।

## (२०) जाकानभाषा आश्वासम्बद बिनिनाका, त्याः मास्, श्वासी

खगाम येष छुव्यां और राजा कर रमना वर्षभाव । वय क---बर्बनाभी हैं ले वक्षक माम, जीशवातमन अंधनारी।

## (६४) र्भका दशाकोत्र मठ--अपरासक

De cen culate fas fingt तक र-- विश्विष्याभीः श्रीमहास महास-शिति मधानास, औदाबाद्यनक्ष्यनसन्। (२०) द्यामानगाकाकाकाकाकाकाका वक्क-ज्ञाताः। स्रोतायायाया

## শিখিল বঙ্গনারী সম্মেশশ विजीय फिटमंत्र व्यंभिटनमंत्र

পত শনিবার সন্ধাকলে কণিকাভা हाखेन हरत निविध वज्ञान रेजा विकासीत **বিভীয় দিনের অ**বিবেশন হইয়া িয়াতে I **এ**বুক্তা দর্লা দেবাঁ চেট্রাণী ছিতীয় দিনেও সভানেত্রীর আখন গ্রহণ কবিয়া-ছিলেন। সভার নারীশ্যাগ্য পাংগিনের অভুরণ ছিল। সভার প্রারম্ভে কুমারী শান্তি দাস 'আমি আশা বটা বাজগার নারীরা ভাষাদের তাতিহার পরিচয় দিবেন ---গান্ধীদীর এই বার্নি পাঠ করেন।

## গুহীত প্রস্থাবনমূহ

এই সভায় ৭টি প্রতাব উধাপন করা হয়। তন্মধ্যে ৬ টি প্রেক্তান সম্বন্ধে বিষয় নির্বাচন সমিভিতে যে আফোলনা হহয় ণিয়াছে, এই সভা তাহাতেই প্রিচুগ इष्टेशायश्यां ७१८य जन्न कः जन। १२ প্রস্তাব শইয়া সভার একট বালায়বাদের **সঞ্চার হয়।** কুমারী শাস্তি দাস, প্রাসিধা প্রায়রচায়নী জীগৃত। অন্তর্মপা দেবী, অগ্রান আভান্তাতিক বিবাধের বন্ধন তালিত 🖴 पुका नीना मिज, दरीस उड़ेता। थाइन, ৰ ওড়ার শ্রীদুক্তা প্রিয়বালা দেনী, মেদিনী-পুরের নিগুরীতা মহিলা বিস্ফা চাঞ্জীবা দেবী ও হাওড়ার শ্রীণুক্তা নানগ্রী মজুমদার প্রাকৃতি মহিলারা প্রকাব স্থানে বকুতা क्द्रन ।

১ম প্রস্তাবে নির্বাতিত। নারীদের প্রতি শ্রদ্ধা জ্ঞাপন, দিতীয় প্রস্তাবে बीब्रहर्नि, इंडीब श्रष्टारन नमोरन्त मुक्तित माबी, हर्ज्य व्यक्तात लिया भवन्य व्यक्तिसियुगक व्यक्तिशास मात्रीभिरगत ও পুরুষদিধ্যের ভূষ্য নির্মাতনংকিক রদাবী, পঞ্চম প্রস্তাবে স্বতম্বনির্মাচনের নিন্দ कता बहेबाटक ध्वारकं ध्वातात माती **লাতির প্রগতি-বিষয় লালো**চিত হইয়াছে। এই ষষ্ঠ আলোচনায় নিয়লিখিত বিষয় ওলি विकास खाद्राक नीय बनिया छविस्तव एडि আক্রিত হইরাছে।

। दिविकारण गठेन। এই एक मलाशह व्यञ्ज विस्ती भग वर्कन स चलनी जना धर्म, ठत्रका धारणन ध्यक्ति कार्या मन्नास्य कविद्यम ।

🛊। ব্যারাম ও স্চিত্য চর্চার কর क्राव या जावड़ा जानन ।

এই প্রস্তাব কার্য্যকরী করিবাদ্য:মানসে ণ অন সুৰভকে শইমা একটা কমিটা গঠন मद्रा इन्द्राट्ड ।

সপ্তম হোজাব----नश्च बाडाटर बन्ध क्य द्य नाष्ट्रांशतिक

কলহ ভারতের কলম্বিশেষ ভুতরাং ফাতির মধা হইতে এই সাম্প্রদায়িকতার भन्म, वर्ग ७ मण्डाबारयन गरना मागाजिक মেশ্যেশা ও আদান প্রদাদ আয়ক্ত এবং ভাগার সম্ভব করিতে হুইলে ১। अन्तर्भाष्ट्रका निवातगर। बाहिराजम प्रती-করণ। ৩। ভিন্ন জাতি, বর্ণ ও পর্ম সম্প্রাণায়ের সহিতে বিগালে বাগ না ৪ ভিন্ন কাতি, বৰ্ণ ও भर्ष मध्येपरियत सत्तमातीत महिष्ठ ८कन्द्र আহুবর।

## ष्ठहे एटल वाषास्वान

**ंडे (**गरगांक जाफ व कानलहरन সভায় বানভাব দেৱ ক্ষিত্র। গোড়া-मर्दात भरक ही। उन कड़कना स्वती छ নবাদলের পদে কুমানী বাহিদায় 🖻 वान ख्वादन द्यालनाम कात्रम ।

धिएका श्रयक्षणा (भनी वरमन (य. कतिरवाहे भाष्ट्रात निक निवादभव निवाद-क्षेत्र १९६४ मा । १०३ छाउन वर्गण श्रदेशको **१के अ**कात निवाक (य **प**ीर्य ध्यम दकाम कथा गाउँ। मुख्यमंत्रिक भिज्ञम मिडे(हेटक क्टेरल यत्र किन्तुरवत्र ইমলামেলম প্রাহণ করিছে হটাবে অথব। भुभुलभारतास्त्र किस्तू इडेटाड इडेटन । खाट। यथन नहार महा ७१० ७१० ५३ छाउ १८७१ BC4-4/3 मध्यण्य नरः। PHOTET দেশের কথা উল্লে: কার্য। শ্রীসূক্রা प्रकृति तन्त्री वालग एप. अध्यक्ष प्रतान বিবাহ প্রভৃতি ব্যাপারে কোন বাগা नाहे। उदाह उलाय क्यान्त शकात হয়কেন্থ দুয়ান্ত স্বস্ত্রপ তিনি ইংশণ্ড ও জার্মার বিরোদের কথা উল্লেখ

कुमात्री भावि नाम छेल्टत बरनन ८४, व्यालामी क. रियमन रमधनीयुल ०४८४। **८**हे श्रष्ठाव वाताक्राभ्यक भटन। यहस्रात्रा अधू नाडीनिशटक चामी वाण्या नहेबात इन्छ अञ्चर्याङ (तथा। वृक्षाङ्गेराङ्गः) সাবাজিক শাসনে পাকিয়া স্বেচ্ছাত্রিছ विवाहतरान व्यानक भात्रीत कीवन वार्थ চটরা গিয়াছে। এভবাতীত বিভিন্ন मुख्यमारम्य मर्गा बङ्गियन घरित काङि भुक्तकाणि हहेगा फेंद्रित । छाङा हरेला সাম্প্রদারিক বিরোধ কাল্যমনে অপপ্রভ চইতে পারে।

## সংশোধিত প্ৰস্তাৰ পৃথীত

घटानत छक मर्रामाधन वाश्वाव ভোটে উটিলে উগার পক্ষে ৮০ ও বিপঞ্চে এংটা হওয়ার গৃহীত হয়

শেষ দিনের অধিবেশশ

গত হবা যে সবিবার বনীর নার্মী-मिनिनीत्र व्यक्तिस्थान स्थाय रहेशास्त्रः। अह भिवम मञ्चारनधी औगुका भवना (पवी লোভ: ৮টার কিছু পরেই সম্ভাষাগুণে আংনিয়া উপস্থিত হ'ন। এই দিবস সভার लातत्त्रहे की पूका एक महती ताब रेममन-निष्ट भीगुक एपन छटचन क्षत्रि भारतस्थरणत প্রতিবাদ করিয়া যে প্রস্তাবতী সভানেত্রীর নিকট পাটান স্ট্যাতে ভাহাৰ পালোচনা इडेर्रंड ए एवं कि का. अलामिडी एक इड कथा किछा।। कतिया छिनि वाङि বিশেশের নাম উল্লেখ কবিতা কোন বিষয় অংশোচনরে আংঅভি ভাগন কানে। ए। इंटिंग की । इसे तथा दार आवश्र ५ अन ম্তিশাপ্তাতাশিক বিলা চলিল। যান। व्यथे निपरमञ्ज व्यक्तितालयः भनित्रं दोना-বিবাহ নিলেণে আই টী সমর্থন করিল।

রিক রিক ভাবে করেটা ক্ষিবার নিমিত্ব একটা গ্রন্থাৰ অভিযান প্র ভোটে গুটি হয়। আছে:পর বহুবি গছ, বি লাবিবাচ, প্লাপেপা ও প্ৰথংখ বেগরে নিধ্যেত্রনমে একটা ব্রাহারও पुर्वीष्ट इस किन्द्र न.कार्व (नारक्त पुनर्ताक বিবাহ প্রসান চ্ডিছে পারিবে । ভেষ্টবে निष्यं किराधन <u>ळाळ</u>(मेडी सश्टब<sup>्ट</sup> ड करेगा बुर्श कर्या। अही पार्य से देन क्रि bित्रहरू भाषानी त्रांग ०६॥ तिभग्रक . १ के जे क्षा कर है जो के कि का कि का कि क मध न्।वह त वस ,दवः दवशालय वस क्याप्त ওকটা প্রস্থান, আলিক গি যে নারীগেলের সানেলয়ন মধ্যক একটা প্রস্তাব কেরেইটের দ্লাদ্দির অবস্থান স্থাদ্ধ এক নি প্রতিতিক ৰাষ্ট্ৰীয় মং বেনিভিন্ন নিৰ্দেশান্ত্ৰালে আন্ট্ৰীয় अ दल्लांगरम बढारान्याक गर्रते न द्वापान्यास्मत निमिन्न उक्ती व्यञ्जाय शृशी ह १ हे प्राय्य ।

काशाया अभिदनसम ব্দীর নারীগণের মহসেকেসনের

## লোয়েভাগণ প্যগোড়ার মবনিৰ্মিত চূড়া

शृष्ट ७०८न जिल्लाम महानगारमाहरू নোৱেছাৰণ পাৰ্যোভায় একটা হীরকণ্ঠীত मुक्तम वर्षह्मा नमान बहैगाएए एहे हुए। हि নিশ্বাণে আট থাক টাকার উপর ধার পভিনাছে। जन्नार्यामत्र नानाम्याम श्रेटि বচ লোক আসিয়াছিল।

গত ষংসন্ন মে ধানে ভূমিকশ্পে চুড় টি नहे इहेशाईण ।

ज्ञानगाउँ घरन काः मुख्यत रक्ष्या गण निवात मकाकाल कणिकार। चानवार्डे एटन क्षेत्र्य ब्रामानम एट्डानीया-

रतत्र त्रकात्र विरम् अस् क्रान्यका त्यमा क्रेश शिक्सका छाः पूर्ण अहें সভায় বুৰ আন্দোলন ও ভায়তে সাময়িক-भिक्ता विषदम् वकुछ। कश्यमः। मुखान्न मह नवनात्री উপস্থিত ছিলেন।

### শিক্ষা গছড়ির স্কর্প

পরিশেরে ডাঃ মুক্তে,বলেন বে., ডিমি क विगरत क्षेत्रिक क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र व এই খিম ভিনি ভাষতের সকল ভা**লেনের** लाकामत निकार डेलडा किए क्रियन। ভিনি বলেন যে বাজালায় জাজিভাৰকণৰ एक त्यम विध्यहत्वा **कविता** अपराप्त (त. ল্যেদেশের যুব**ক্তিগের লামন্ত্রিক লিকা** দে পুরার উপবোলিত। কর বেশী।

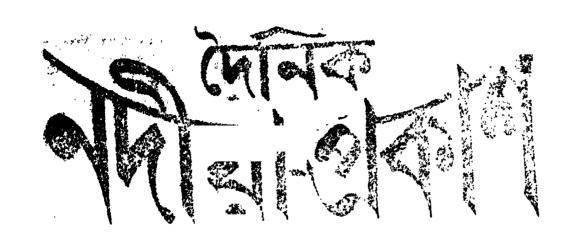
মতঃশর সভাপতি ও **বভাবে বছবার** দেওয়ার পর অভিক ছার্মিতে সভাউত

वक्का (नरव का मूटक बहुमुनु ८६. िनि अप्रमाप्तक कानविष्यम बाबादक ভারতে সামরিক শিকার **প্রবর্তন বটে**। िन राष्ट्राणी मृतकविटशम शका कत्रिमा यरमान त्यं नाकामात्र मृगकता द्वन स्माइटक श्रीतिम भाग्न ८४. कीकांका मेरकांक मृत्यक्त भहित्र (नोट्या मयकक ४६८७ भारतनः পাঞ্লীয়া যেন ৰাঞ্চাল্যৰ একটি সাম্বিক नियानग्र कालन कतिएक खाबान वर्गने। भूतकात्र याचि व्यर्थ माज्यमा माः व्यक्तस एका कहरण छ । दबस यामाणीता यीव BUEN अवाहन क्षेत्र व्यक्ति व्यक्ति विश्वास ツ(ペス 年(ガイ) ・ 山 田田 明年間 平に関手 शक है।का बाब कबिटक करेंद्र : ८६ বাসালার দনী সম্প্রধার যামবসূত কলেজের লায় বিয়াট্ প্রতিষ্ঠান ছাপুন ক্ষিয়হেন উাংগ্রিয় পঞ্চে এইরূপ একটি স্বাহরিক विश्वास्त्र क्षेत्रित कडा जन्छन नटर ।

क्रिकाकात्र दम प्रियम खेरमयः

গত ১লা যে তায়িখে কলিকাডায় শ্ৰমিকগণ কৰ্ম্মক মে দিন্দা উৎসৰ অধুটিয় ठहेडोऽ**७ । भूभिय छेहाटक स्फटक्य क्रिएक চেঠা করিয়াছিল ভক্ষত পুশবিল ভারারা** २०१३, श्रावित्रन ८शास्त्र वर्षीय क्रवेकण প্রতিক স্থান্তর অভিনে ৭ অন্টাকাল बाधाळ्याम कतिया आधिकत्वत्र कार्रके. (व-দিবস উৎসৰ পালনের অভযোগস্টক সমস্ত ইতাহার গ্রহা পিয়াছে প্রমিক্ষণ উহাতে गिक्रश्माक मा बहेवा शक्षीम . छेरमक भागम करबा अनवारत वशीय ठाउँका अभिक সভেরর সম্পাদক মিঃ আবছুক মনিদের म्लान्दिक मुक्तादम महद्यद्वेष निक्रे अन मना हर। छेराटक नेविकाणात्र व्याप्र मनक क्षत्रिक मनुष द्वानकान कवित्री-**海明** 1 ·

PROPERTY OF



काश्रदश्य प्राप्त भागामिक वर् Cantina रश्र 4. 714 34

÷(5)# ला के भागा रह

医医 医腹侧 医胃病一生现代性 医电气性 医医口气性 经基本原

वत्न मरया।

ल त याचे जीताच भाषा इत २८०० ट्रेस शांथ खुठ पत्रा, लंगांच ५०००, व्हेट्स ८३००

## हेश्मर्व कृतिकन्न

मुख **अतः (म** मकारण है) मा अत बारकडोत दल्कांत्र स्व विश्व कलाग ६८% शिवादक, दमला कल्लास पूर्व कमडे ७१० । भूत्से माध्यक्षेत्र प्रवेशात्यः। कालाव राज्यत मन्नमात्री कष्मारमात्र आसारक मन्नण करेगा পৰে ছুটিয়া বাহির কইয়াছিল। তাগনে **८हे कल्पनत्त्र ज्ञिक्टल्लद आगाउ** जन्मिश কেচ্ট বিশ্বাস কলিতে গালে নাত। क्ष्णताः त्यात्क क्षेत्रात्मत मङ विम १६६० ॥ 🛊 বিজেরেশের গুজব রটাইতে থাকে। **बहै फ्ल्लारनत रवरश टक्टरे खाँ**० ड व মাই, তবে, সাক্ষাঞ্জলি ভীত নৱনারী भावा भूर देहेगा भित्र किंग लंदर व्यानक অনুসারীর বেহেই অতি সামাভ গারাবরণ . किছু। খনের চূড়া ধলি ভালিয়া পড়িগছে ब्दंश समकरणम् (लादकता के छ नि मनावेश CAFACTES !

## मूनिम ए निप्नवर्गनोटक लड़ाई

मिश्री भक्षा मामगात लगाउक वागामा জন্মীল অশং সূত্র লাগের বড়বর यामगात्र भवाकक व्यागामी अकत्मन हाटमत मरक भागिमात्रगार्य श्रामात्र जन्म भःश्राम हहेमा निशास्त्र । ध्यकान (१. स्मिन जामाबीरंनत्र अवकान कानिएक व्यामाधीत्रम श्रीमात्मा व्यक्ति धरी धानाव **अन्तीन प्रक्रिमक्टलेट मिट्छ ६६४।८ए धनर अनुस्रात्र ८४।**००। क्रिशिट । अवस्त्र वाल मात्र करणांद चारक

# इर्लए जांचकन्म

গুলিশ ও বিপ্লব বানীতে লড়াই

# व्यानार्यात्रिक जगारि

লওবে লওঁ আ রুটিংনের বির্ণী সম্বর্ণা

# রিদোর ভীষণ বিভীষিকা

স্কার প্যাটেরলোর নিকট গান্তী স্মতির তার

# বিদেশী পণ্য বয়কট

ভারতের অবস্থা স্বাস্ত্রে লর্ড আরেউইনের অভিমত

# ভ্রানবদ্বীপ-পঞ্জিকা

(भोड़ाफ 880

माज ./১० छाकिएकी भाविष्टिल यूक्टमाएँ लोशिन यह ।

মানেলার- এছবিভাস

শ্রিটেড অমত, পোঃ ইখনায় পুর, ন্দীরা ? প

हर्*हार्डि । कारसक्चन* भूभिन कच्चेट ग्रेडि | भारत केरेप्राटाः वश्विमा ध्वकामा ।

क्षकरगटनत भिक्छे भेटी बानाटसय दुःख क महाक एक हैं, का ना का है। वादक শারিমা উভালিগতে ধরিতে গোগে ্রন্তর্গন একর্ডন রোগকরিচার, তিন এবং सकरमन क्यान्त्र शाक्ष्यः। देशाविशस्य আৰু প্রামিশত আহার করার প্রায় । ফলে । ধরিব। দিবার অভ্য প্রাথান গোটা টাকা

## मकात्र भगाउँ यात्र किन्छ पार्छ সাগতির ভার

**লও**ন হইছে আলোঁ সনিভিন্ন সংখেশ-ভারতীয় কংগেদের সভাপতি ন্যারে প্যাটেলের নিকট নিয়লিবিও ভার ত্রের-ক্ষিয়াডেন।

मखरमत शांकी मिन्छ छ देखिलाम ्रा | क्यांभारतन करत्व नान भवत् हा छात्र कहारी ক্রোনের প্রভাবগুলি কর্মোদন এবং

সাস্ত্রিক আছম ও न्तरङ्ख्याच्य सन्तरभवत्क कार्योदय **मूर्ति** ्र इस्ट्राच भावी करतन।

## হয়(জুমবাণে ছড আছউইৰ

ল্ড লাভটন সমাটের সহিত স্পাত ক্ষিত্ৰ সাম এক স্বাচ্ছি কাইকে ক্ষেত্ৰ सृष्ट्रज राजे हैं। जिस्से रूप्यारीनाक किल्लिकोबाहरूरा ल भारतांत का व्यक्त मण्यांच छित्रध्यत तांक-প্রাণানে সম উল্লাপতির সহিত আহার क (इ.स.)

## অ(র টুইনের প্রশংসা

त्रभवनीय भटनात "दननी देवेनिवाक" उत्तर "शिव्याति" शृष्ठ आस्टिट्स्स **प्रकेश** প্রধান করিছেতেন। ভবে, ভীছার কোন কোন অনুসত নাতি কাশ্রপ্ত লটেনুলক বলিতা মন্তবা প্রাকাশ করিছা-८७ व । विक भारती जना कार्या भारती-মান্ডিম চুক্তি অকরে অকরে পার্ব क विराधकार र । हो । । शहरता विशिष्टामा কৰিছেছেন ৷ ি কে লাবে লাকে লাকাৰেৰ भागिताल व्यक्तिः साराजन देखिल।

## कुउभूति ताका याजाकारका

গত হরামে কেন্টেনর ইউট্লে বাজ আংগফানেস্য এবং ডিউক অব নিরেও ्हे 63 करून भिज्ञाहा **एचा**लाल **मध्य**न िट्देश तहा दर्भमा वर्षक लाग्नेस मुख windless wascin no त्यक्षे शतामिलास्य **विभिन्न** शा

# खोधाय गाराश्रुद

## "ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনষ্টিটিউট্" নামে উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## (थाना करेशदर।

তাভিত্ত ও শাংলশভ্রিত্র শিক্ষক ও ছাত্রদিগকে ভাতি সাজ্যে সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী হাত্রগ্রের জন্য বিনা ব্যয়ে স্থানর বাসপ্রানের বিশোবস্ত হাত্রে। ভান ভাত্রি স্বাধ্য কর।

সবিস্তার স বাংগের জন্ত নিম্বালিখি চ টি সমা পত্র নিযুদ। সেখ্যেন্ডান্ত্রী, আবুনা জ**জিবিনোদে ইন্**টিটিউট্ শ্রীচে হয়সম, সাঃ শ্রীমারাপুন নদীর। ।

## ৫০ বংসরের পর্যাক্ষত করেকটা মঞোবব---

্ৰাৰ্থ্যকোৱীৰা ওাই সৃদ্ধ হয়। ১৯ - মন্ত্ৰ প্ৰশংসা পত্ৰ লাল চিপ্তিমন, ৰাজ্য কুলা ক' ১ বছাৰছ পুত্ৰৰ হয় চাছা। আৰু নিজ্ঞাৰণৰ কাম চাল্ড ছট্টন চ

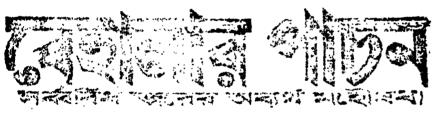
- ১। চালেপ্রতা বটাবা--গণা নামটিও যেমন কারত হার বসম। ইন্ ল্লন্ত প্রতিক্র নার্ডিছ, অল প্রভৃতি এবং স্থানোন্দিলের স্তিকা ব্যানিক, ক্ষেত্রবার কালনার ভারত যাত্র আভ্যান্ত কাল্যান্ত
- ২ । স্বৃত্তিমহার বটিকা মাধ্যক্রাবিধীন অভুগ্রহ নি প্রিধারক উধব বে ১০ান বেতিক ও ম্যোলিক নীড়া।বিজ অধিকি হোগে এই উধৰ বাবহাতে গড় বিজ্ঞা ১ছবে।
- া অকুর ন্টিকা--জ্বা দেননে প্লীতা ও ভনন্দ্রিক হলে ও শ্বীর গানুর কাল্যা জন্ম চন্দ্রিক চন্দ্রিক চন্দ্রিক স্বাধিকাত কাল্ডি প্রাপ্ত ব

केंच किन अव्हातन श्राप्तक क्षेत्रान्य पूरा अधि क्योंके ५. मा का ।

হা ধ্যান : – **আতক্ষমিত্র**ই উল্লোলয়

abent tonimir 35. indien

## কাবরাজ শাশভূষণ কবিকপ্ঠাভরণের



্সকংখনের ত নিধার হাজ ৬ আং শিশিতে য**ীভুত অব**হার ভোটবোলনেও সম্প্রিয়াণ জীবধ্ছেট্ডে পাঠান হয়, হতাতে ঔবদের কোন প্রিয়ন্ত্রীন করা হয় নাই। মুণা প্রাচি িশিশিয়িত আনা, পাঁটটার্কত আনা।

অ্ফিস- ১১নং উল্টাডালা রোড, পোঃ শামবাজার,' কলিকাতা

## यमब यक्त

स्क्रिक्षंत्र क्षा च नाव्यंत्रकातः, वेक्तिप्रवृक्तित हारः स्क्रांत्रः क्ष्मत्ताःकः, व्यवकातः, वाष्याःत्रातः, वृक्ष वक् क्ष्मातिः, व्यक्तिः स्वकृति स्वकृतः वाष्यः तिर्वत्रवातः स्वरुक्तिः विकृतिः । युक्ता १० वर्गे ३, तक के का ।

अन्यवाद्वी कार्याच्याच्याच्या ह्या कार्याना कृत्यवशीव द्वारण वाक्यदाना वावा कार्याना कृत्यवशीव व्याप्तिकार्गि कार्याका क्ष्या कार्याना अन्यव्याप्तिकार्गि कार्या कार्याकार्याक्ष्य कार्या कार्याका व्याप्तिकार वृत्या २० वर्षा २० वर्षा १० वर्षा व्याप्तिकारा व्याप्तिकार कार्यास्त्राच्यालाका, द्वार्थाकारा कार्याकारा कार्याक्ष्य कार्याकारा कार्या कार्याकारा कार्याकारा कार्याकारा कार्याकारा कार्याकारा कार्याकार

## शरेर्षामिन

ব

## কোষরদ্ধি রোগ

ডা: ৬স্, এন্, বোধ বিনঃ অলে, বাসজীবনেত গালেটি বিধা বৈদ্ধাতিক এপাপানে ডোমবুদ্ধি মোগ আবোগা কবিয়া বাকেন।

> টেকানা— ১৮ নং বটন ঠাঁচ, বছৰাবাত, কালকাণ্ডা ট

31

शिक्षणुद्देशक व्यागार्थ सहस्रोयम । ५ आक्षांत्र विश्वलान्यः मुखारेक वार्रक्षांत्रः । द्वारे सुद्देशकाक्षाः, एक ५ - व्यागाः । अभक्षणः मुसक्षः

**医腹**样的 在公务

শুক্রাচার্য্য সঞ্জীবনী পোঞ্চীই

৩ : সন্ত্রাসী-প্রদন্ত অর্শারেরিসের অব্যর্থ আংটা শংখ্যা না হরণে মুনা ফেল্ড। মুলা ১ বালা। মার্টন পুরুষ্ট

। কোন্ত-বান্ধাব পীন্দ

चकीत, ८ किसाला, त्राव्यालमात भाकायम । क्रिना तक व्यामा । भाकम भूपके ।

**৫। বাতল** ন

বাৰ্ত্যালের মাজাপকারী ও সন্তাহে আরোগা। আছি শিশিছে আন্নার মাজুল পুণকঃ

त्वात-क्यान्त्र अञ्चल त्व । मध्य माग्रेगरम् ॥ मध्य मध्य निष्त्र।
क्षास्त्र स्थान-भटनाटमाह्य स्थितिहाँ

लाः उद्याती, कमनाशृत्र, शकः,

## মনোমোহন প্রেস

পূর্ব-বালালার স্থলভে সকলতালার হাপার জন্ত বিশ্বাভ বৈল্যুতিক মেশিলে দিবারাত্রে ক্লাজে ভলিভেজে বিশ্বভ ভালিতে বইলে নিম্ন টিকালার পঞ্জ লিখুন ম্যানেজার—মনোমোহন প্রেস্

৯০নং লবারপুর, ডাকাঃ

## মর: মারুষ বাঁচাইবার উপার

> লোম একে<del>ব</del>— ডাঃ ডি. ডি, হাজরা।

score, nice-les cuis, alquid Baim mis alsa fillecte



## সাময়িক প্রসঙ্গ

**এ এ**রিখবৈক্ষবরাজসভার পাতারাজ-ধ্বর ও বিচ্পাদ পরমহংস পরিত্রাজকা-চাৰাব্ধা এত্রীমদ্ ভক্তিসিদান্ত সরস্বতী সোন্ধানী গ্রাভূপান দার্ক্ষিলিংবাসিগণের বিশেষ আগ্রহে গত ২০শে বৈশাথ তরা বে স্ববিবার দার্জিলিং মেলে দার্জিলিংএ বালো করিরছেন। তাঁহার অনুগ্যন ক্রিরাছেন-পণ্ডিত প্রবর শ্রীপাদ অনন্ত-ৰাস্থদেব পরবিভাভ্যণ, প্রীপাদ প্রমানন্দ उक्कांत्री विश्रात्रव्र, व्यथाशक श्रीत्राप नातात्रव দাস ভক্তিমুধাকর ভক্তিশামী, এম, এ, ঞ্গাদ রাণবিহারী রক্ষচারী, শ্রীপাদ সজনা-নন্দ প্রনাচারী ও শ্রীপাদ স্থীচরণ ভক্তি বিকর গ্রেক্টি।

ঞ্বাদ মারাপুৰ হইছে ত্রিদণ্ডিসামী ত্রমদ ভক্তিপ্রদীপ তীগমহারাক, ত্রীপাদ মন্নছরি প্রস্কারী, প্রীপাদ রক্ষকান্তি ভক্তি-কুতুম, : শ্রীপাদ যজেবর দাসাধিকাণী ও 🛢পাদ শীরচক্র ব্রশ্নচারী গ্রাকৃতি ভক্তগণ প্রভূপানের পালপর সন্দর্শনার্থ রাণাঘাট ষ্টেশনে পূর্বাছেই উপস্থিত ছিলেন।

क्षित्र क्षामभाग तांवागां हे देशान भी दिला বিদ্যামী বিষদভক্তিপ্রদীপ ভীর্থ মহা-রাজ প্রাক্তবাদের গলদেশ পুশ্মালো বিম্ভিত कविश मोठाक ५ धवर श्रम् छ हत्रेसम । এवः আক্রাক্ত সকলেই তাহার অন্তসরণ করিলেন।

ক্লাক্ষ্যার ভাগবত ক্লেক্সের রক্ষক अभाष महासम अभागती क्षेत्र छापूर्णात्मत অভুগৰৰ করিবার বাসনায় বাণাঘাটে আসিয়া প্রান্থপাদের স্তিত মিলিত হ'ন।

অহৈত্রক কুপাময় বৈক্ষবগণের রূপার অব্যবি নাই। উভাষা নানা ছলে জীব-গণের মন্ত্রণ বিধানের *তন্ত্র* টেষ্টা কবিয়া খাকেন। কিন্তু পাদগুণণ ভাগ বুঝিতে লা পারিশা তাঁহাদের চরণে অপরাধ সঞ্চয় পূর্মক অনম্ভ নহকের পথ প্রাশত করে।

चमत्यांनद्र-पद्मावाहिष औत लाकुणांत অমণের ছলে ভারতের প্রায় স্ক্রিট গ্মন क्तित्रांट्न अवः मक्न त्मरणहे महादशका-ৰতারী মহাপ্রভুর অমলোগয়া গ্যার কথা व्यक्तंत्र कतियां कीवमारगत्ररे छक्तागूर्या । स्कृष्ठि छैरणायानत्र किहा कवित्राहरून ६ क्तिएक्टब्न ।

**अविद्यांबारकत्र** त्वरव त्वरण् द्वरण क्रमण করিয়া বহি বেছ-মনোগ্রথ বর্ত্ধনই উল্লেখ্য প্রীপাদ অপ্রায়ত ভাজনাগ্রন গোস্থানী প্রাস্থ

## প্রিপ্রী গুরুপৌরাকৌ জয়তঃ

# দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

## নিতাপাঠা বৈক্ঠবাৰ্তাবহ

বেদাদি সমস্ত সাম্বত-শাল্লের অকৃত্রিম ব্যাখ্যাতা পমগ্র ভারতে একমাত্র স্থলভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

শ্রীলাম-সারাপুর—১৪শে লৈশাখ রহস্পতিবার—১৩৩৮

হয়, তাহা হইলে তাদৃশ ব্যক্তি 'প্রিব্রাজক' নামের অনোগ্য। ত্রীল লোচন দাস ঠাকর 'শাদ্রাম্যাত চক্রী-গ্রেরণি' বলিয়া উদুশ বাজির দেশ লমণের নিবর্থকতা প্রতিপন্ন

পরিব্রাক্তকাড়ায়ান্যা দ্রীল প্রাভূপান দ্রীগোর-স্থুন্দারের অনুস্রাণ সমগ্র ভারতে এমণ করিয়। পরিরাজকের গুঞ্চত পরিচয় প্রদান ক্রিয়াছেন। তিনি যে যে ভানে গিয়াছেন, श्रक्षक्रे कीटरल निधानशामान्यत क्रम শ্রীপৌরচরগণিত্র ভাগন, মঠ মনিবাদি নিখণে প্রভৃতি ধালা ভিত্তা জনগণের শ্রণীয় ও বর্ণীয় হরীয়াছেন।

আৰু দাক্তিলিং-অধিবাসী ভাষাৰ পুত প্রান্তপার্ট রক্ত ইইল । বাহানের আবল-মাত্রে ভারের অংশ্ববিধ মদল লাভ হইগা থাকে, ভাহাদেশ গনিত্র পালপত্র मन्त्र-व्यक्तिम् वाता व व्यक्ति कर মতল ঘটিয়া থাকে, তাহার ইয়তা নাই। ভাই জন্ম পুরাণ জীমন্তাগ্রভ ভারসংর ব্লিতেছেন,--

ट्यबार भरवानगर भूरमार मण्ड चनाहि देव शहाः । किः भूगर्मनिन्यानिभागरमोष्ठामनाभिण्डिः॥

माङ्गिलः कड्टानकामी वास्तिनातव ভোগতান ধলিয়া পরিচিত। গ্রীছের শ্রেম্বর ভাগে যথন ভোগী স্কীবণণকে সম্ভপ্ত করে, ভগন ভাঁফারা দাক্ষিসিংএ গমনপুর্বক তাপনিধারণের চেষ্টা করিয়া পা.কন এবং ভগার বিচিত্র বিলাদে গা ভাষাহয়৷ ভোগা-নলে আরও ইশ্বন প্রয়োগ করেন। জীল গোসামী মহারাজ আজ এই সকল তিতাপ-ভপ্ত ভৌট্যার ভ্র-ডাপ-নিবারণের জন্স উচ্চাবিশামূতবকা এবাছিত করিয়া তাহাদের অপেষ মঙ্গল বিধান করিলেন।

खाङ्गाणात माकिशिर-विकासत **भृत्व** 

ত্রিদ্ভিত্বামী খ্রীমন্ ভক্তিবিবেক ভারতী মংব্রিঞ দাজ্জিলি: এ গ্রনপূর্বক ভীটেচভক্সবাণী প্রচার করিতেছেন-এ'সংবাদ শঠকগণ ইভঃপুরেই অবগত আছেন। তাঁহার। প্রভূপাদের অভ্যগ্নার নিমিত্ত বিশেষ राक्षा कतिलक्षिणम्।

ঢাকা মনোযোগন প্রেসের স্বরাধিকারী প্রম লগবত আছে বিল্লেকালন ভক্তি-ভূষণ মহাৰ্য গ্ৰহ চৰ্ছ বৈৰাণ আলোদৰী তিথিতে তাঁখার নবনিব্যিত গুতে সন্ধীকনমূৰে প্রবেশ করিলাছেন। এত্তপ্রক্ষে কলি কাভা হটতে তিপতিস্থানী প্রামদ ভিক্তি-বিল্পে গভভিনেমী নহারাজ ভথার গমন কলিনাছিলেন। গ্ভবিনেমী মহারাজ ভিভিন্ন মহাশক্ষের নবগৃহে প্রবেশের পর তথাৰ পাঠ-বড়ুং। দাবা শুদ্ধতক্তির গৃহ-প্রবেশ ও ভোগার গুর্প্রবেশ এবং গুরুত্ব ও গুহুরতের পাথকা বিশেষভাবে বুঝাইয়া দিগ্রছেন। বফুভান্তে ীহরিসভারন হটয়াছিল। ঢাকাবাদী সকলেই গভঞ্জি-নেমা মহারাজের জীমুখে জীটেডেগ্রবাণী প্রবণ করিল বিশেষ আরুঃ ইইলছেন।

## অশ্রণের শ্রণ

( প্রীযুক্তা অপর্ণাদেরী লিপিত ) भर्यत धुनाय व्यक्त दकरती, বন্ধ কাধার পারের থেয়া ? পাথেঃবিহীন চিব ভ্যাতুর (क इः, डिक्क भन्नाम निया ? শত আশাণাশে বিবশহান্য লাল্যা-জালার রুক্তাপে, ছয় বাখিনীর দাপটে ভরিয়া কে পুরে সভত 'পুণ্য পাপে' ? আছে গতিবেগ, নাই হিভিভূমি কেলে। সাগরের প্রবাহাঘাতে ? भाषत्र भाक क नातरक अड़ि কুটিল নিধর অমার রাতে ?

ধন-গরিমার জাতি-বিভামদে डेक गात्नत डेक च्या. আরোহী প্রবল করেছে কি স্থণা সামাবাদের বাকা ছলে ? ওরে মৈত্রীর অমৃতকামি ! वृष्क कि शनित इति মিজতা নাবে শক্রর দল करत्राष्ट्र कि निर्देशाणी ? উঠাতে গেছিল অমরা পুরীতে 🕆 স্থান-কৃত্ৰুম গাঁথি, কাল্যছার খোর অট্টাস নেশছে কি আশা ভাতি? প্রেম্বর্ডির মোহ-মাদরার স্থয়াল-ভাপন লাভিতে গিয়া, স্বাধীনভা-কাষে কেগো পরাধীন ? सोबात बाक्य नित्रश निश ? ওরে বঞ্চিত ! আন ছুটে আন, वक्ना यमि ना कारण कारमा । আররে ভ্ৰিত, ভাৰমা-বাথিত, কাম ভাকি ধণি চাহিস্ আলো u মিথ্যা আশার লৌহ-শুখণ ক্ষৰে ক্ষণে রোবে উঠে কি বাঞ্চি' ? रान, हिन्दि हेब्द (आर्थ समीत কারা আভরণ-রাজি॥ দেবে না এপ্ততে, সত্য লভিতে मीश कित्रण गटर ना कांचि । বচু মূগ ধরি বেঁণেছে সে নীড়, ডিমির গুহার **গুপ্ত** থাকি' ॥ তবু এস ওগো বিশণ-পাছ! হেলার প্রযোগ ধার যে বহি' ঘনায় অদৃরে আধিয়ার নিশা অতারুণের ছটাব মোহি' ॥ (হায়) চিরদিনই টানবে জড়ের টানে, দাস হবে কি প্রভুর পরে রাজা ? জ্ল-জঞ্চাল ভরবে শুধু কুলি,

> দৈক্তরে করু পদাশ্রম ৷ नित्कत्र शरत जात्र दत्रत्थ नाहे यन---िष्ठा दावा (म' मा \* दिवत शत । অশরণের পরিত্রাপের লাগি' (তার) কমতা আধি করে নিরম্ভর II উঠাক চেউ উছল পারাবার, नक मकत 'इटिंहे क्लिनि':यपि क्रम तरव ना महाहरून नार्य भद्रभ समि महेरद्र नित्रविश्व ষড় যারা, ভাদের অনেক আশা---উঠবে তারা আরো বছৰুৰ-প্ৰতি মোহা, বছই দীন কৰ— (ভাই) প্রভুর রূপা মারি নির্থান

এই কি তবে সতানিধি ঝেঁজা ?

সেতো তথু ভীৰুর তরেই রর,

বলদেবের অমিত বলরাশি

বল মাগরে, কাটুভে মানার জাল,

## বাস্তব রূপার স্বরূপ

( শ্রীকিশোরীমোহন ভক্তিবান্ধব, বি-এল )

व्यमृतमर्भी ७ पृथवृश्विविशिष्ठे वास्त्रिश्व তাহাদিগের প্রাকৃত বিচারে 'কুণা' শন্দের ছারা যাহ) লক্ষা করিয়া থাকেন, সুসুন্ধ ও তম্বদলিগণ কিন্ত সেই প্রকাব বিচারের পক্ষপাতী নহেন। আধ্যক্ষিক বাজিগণের বিচারে মাহার৷ তাঁহাদিগের ভাগতিক কোন প্রকার সাম্যিক অভাব পূবণ করিতে বা ইঞ্রিছোষণ করিতে সমর্থ, তাঁখারাই কুপারু বলিয়া পনিচিত্ত। রোগীবে कुलवा, दम्भाःचात्रक दम्भाव एतानि বোগাইয়া দেওঘটাই তাহাদের পকে রূপার কার্যা বলির। বিবেচিত।

ভঙ্গশিগণ বংশন যে, উন্ধপ কুপা জীবের প্রতি নিষ্ঠরতা মাত্র। যভারা আমানের ভাগী অমুখ্য অবগ্রহারী, ভাষ্ট क्रशा ना जिल्लाम्भाष्ठ । याका जीवरक আপাত প্রতীয়নাম মঙ্গলের আকারে প্রেয়ের পথে চালিত করিনা প্রিশেষে ! ধোর অক্কার-কূপে এবং নিংশ্রেম হইতে দূরে নিকেপ করিরা থাকে, তাহারে किलकारत 'इला' याचा रमड्या गांदर इ भारत १

আমরা সংস্থিক স্থাপ্তর জন্ম কালাল। ভাই নিনি আমাদিগকে সংসার-অথের প্রতিশ্রতি দিতে পারেন, তিনি আমাদের চক্ষে কথার। কিছু সংসারে নির্বন্তির তথ কোলায় ? এ সংসার হ' **भ्रःश**्चारशत्ते स्थान, अथात्न प्यातात राभ কোথায় ? 'স্থু' বলিয়া যাহা সাধাৰণ দৃষ্টিতে প্রতীয়মান হয়, ভাগা কোল গুংশেরই সামনিক অভাব বা চাথেরই পূৰ্ব কুচনা নাত।

এक कथात्र यमुद्रि। आमारमञ्जू विशिष् ছোষণ হয়, ভাহাই আনাদের নিকট 'কুপা' ওলিয়া বিবেচিত। বন্ধজীবগণ আমারিগকে যে রুগা প্রদর্শনের অভিনয় (एसान, डाइ। दाउन कुला नरह, डेन्। दक्षना মাত্র। ভারাদিগের ঐপ্রকার চেটা-শারা আমাদের কোন দিন চরম মন্ত্রণ লাভ হইতে शास्त्र मा । 'ठावाता निष्मताह गथन वक्ष, তখন অপরকে রুগা করিবার যোগাত। তাঁহাদের কোপাণ ?

বন্ধারা জীবের নিতামকল সাধিত इंहेट्ड भारत, छाकाई औरतत्र भएक ताजन कुणा। (महे ध्यकात दायर कृशा धक्या ह **এটি ভগবান ও তদীরগণের নিকট** সম্ভব। **अक्रावात्मत्र कृषा छहे ध्यकारत**ोहरूव উপত্ৰ বৰিত হয়, হখা--- অন্তৰ্ম ও ব্যা বেক-ভাবে। জীজগ্ৰান বা জাহার নিব মনগণ यश्रव माक्षाय छोर छोर इंगा

সেইটাই অবয়ভাবে ক্লপা। প্রীচৈতন্ত্র-মহাপ্রভু জগাই মাধাইকে উদ্ধার করিয় অষয়ভাবে তাঁহাদিগকে রূপা করিগাছিলেন

**এটি ভাষা বা ভাষা ভাষা বাজৰ** 

কুপানা পাইলে জীবের ভব-বধন কং হওয়া ছংসাধা। "মহৎকুপা বিনা কোন कर्ष्य एकि नग्न। क्रथाङक्ति पूर्व हरू. সংসার নহে ক্ষা।" আইচভছ্করিভাষ্ত। माधातियी श्रीकृत्यन्त्र विदश्यांभणित्। देनिहे दहे भिनीधामत त्रकति। कनामि ভগবদবিমুখতার ফলে র্জাব এই জু,খনয ভন্যাগনে নিঞ্জিপ্ত হট্যা তুণ্ডাপ্রগ্র ধাঁতীয় নিজেবিত হইতে থাকে। ভণ্বদ-বহিন্দুপতা নষ্ট কলিয়া জীবনে ভগ্ন চুযুখ कतिया दर इसके माश्राद्यतीन जाश्रादक द्राप যধুণা দিবার তাংপর্যা। বল্পজীন আমরা ্রেই কাশ্টীকে নিষ্ঠণত। বলিগা পাকি। প্রকারিষ্ণবের প্রাধানে হলি কমিবং জানিতে কৈছি । পাবি যে,ভণবদ্বিম্থতাই আমাদেৰ যাওত आ गातिक कार्यात्र भनी एक कार्तम, जार इडेटन भागामितीय अञ्चल्य कथातः আব নিতৃৰতা বলিয়া ধাৰণা হল না : ভীবে চরম কল্যানের ভঙ্গ মাল্যান্থীর এ

--- द्विष्ठासाम् र सर्वज्यानम् सी प्राप्त

क्षित खर्क देवसः स्थापन रूप्या कार्यः, . . উপৰ মিত্যকলেই এমিত। আমন কিন্তু। বাপৰ কুপা গ্ৰন্থ না। किल्ला धन्म : আম্দ্রিগ্রেক কুপা করিতে অংগেন, তথ্য নু আমরা আমাদের নিতা মহাল্য গুণে নাথ। कक्षा निकित्रिक्षाकाषात्र नावाक ६३१त জানিয়া ভফাতে সরিয়া ঘটে এবং নানা প্রকার অভিনায় সাংসাদিক অপ্রবিদাং কর্মের কন্ধাট প্রাকৃতি দেখাইন। চি টে निरम्भरक विभिन्न कतिथा शाकि । उ गर्म व्यामानिगरक कीर्नत भटम श्र েপ্রমান লাভেদ উপাধ সম্ভান উপ্যাল না তার এই ছন্টা সম্পানি পে পানিকার। दर्जन.---''दिसंद्र शांकिएच क्रफट्यां मार्चि ছয়। বিষয়ীর দ্বা ক্লয়ও জানিক নিশ্চান আসংস্থাপালে, ওজান দ্বাহা আয়ুক্র বিষয়ে আবিষ্ট মন পভাই তথাল। 😢 পুত্র भावाकाल এই मत काल । देशत दकान ভাগাৰান সাধুসক পাঞ্চিবতে আবেশ ছাড়ি, স্বাধ্বে ভঞ্র গ' - তথ্য আমবা ভার্দের উপদেশ অগ্রাহ কবিয়া **তাঁহানের আত্র**র পরিচ্যাগপুর্দক আন্যানের ভোগানলের ইন্ধন প্রদানের স্থায়সংলা কোন গুৰুক্তবকৈ কুপা এপতা ব্যালয় ব্যাপ क्रिया। व्यनस्थ नद्रक्रप्रभव मां हो इटे ।

खक्रदेवकादवत क्रमा बदेग्डकी । विमान নল্যে বিক্রীত জ্ঞাের হেমন গ্রাহকের শ্বভাব, তেমনি গুরু বৈঞ্চবের বাস্তব কুপা-প্রাণীরও অভাব। আমার রূপা চাওলটো কেবল কণ্টতা মাত্র। আমি মুখে মাত্র ক্লপা-প্রাথীর অভিনয় দেখাই, ফিন্ধ হোরা ারেন, বিষামাকে বাস্তব রূপা দিতে আদিলে 🗝 উহা লইতে অনিজুক হই। আমি চাই আমার নিজেন্সিয়ভৃত্তিকে বঞ্চায় রাধিয়া গুরু-বৈষ্ণবের কুপার পাত্র হইতে অর্থাৎ আমার মনোধর্মের ছ'াচে আমি যাহাকে कृषा विविधा सामगा कतिनाष्टि, खक्र-रेवसप्टवत বারা যদি ভাষার সমর্থন হয়, যে সকল কুপথোৰ প্ৰতি মাদৃশ ভৰলোগগ্ৰন্থ ৰাজিন क्रि, ठिकिएमएकन बाता ञ्चलका प्रशिक्षा यनि তালা সম্প্রিভ হয়, তবেই আমি তালাকে क्रणा विभाग शहर करिएड हेस्टक । उहें जिसे আমাৰ কণ্টেন।

खन्नार्वार्वारकात् अनुम अहेत्वा वाक-हेत्रम्बराजान काभाव क्रिक राष्ट्र तभी क्षप्रधान वास्त्रा निर्मा হিলো একোঙে খানাকে বজনা কাবন না। छक-रेबमन्तरान्हें राख्य क्रभारलाक्ष्यिनीत 4、增加强强 4、增加4、

আহাত গোডামত গল

· \* \* \* ; 

১৯ - ১টি চিষের স্বাধিক 491,512,54 \$ ্রহার এলটি ৷ ১০ হল জলিলের যত নাইবার লাভাটীং উপ্তিসাধন হইতেছে . . ! 4..

Barne, farre, Beit, Germanneier,

এই ভাটী বুৰি সম্পূৰ্ত যে প্ৰচণ ক্ৰিটেড পারিত্মিন তবে স্কৃষ্ অন্ধ্রি চুব হুইও, डरा घालारात छ। मृत दहेल खलारात সালন অংশাংগট পাওলাঘাইত। অভএব 🕻 ্ৰামার ড'গোড়া ই গলন বহিষাছে— শ্ৰা হীনতা। ধৰি কোন ব্যক্তি 'ক' খিলিতে না জানিয়া বড় বড় পুশুক পড়িয়ত যাব, ও হা হুটাডে তাহার দেমন লাভ হয়, অভাইন আমার পক্ষেত্ত সাধু বৈঞ্চৰ এবং জ্ঞান্তাও চমুখে রাশি রাশি ভগবংকণা প্রবণ, শ্রাদামে বাস ও পরিক্রমা, ভালিপ্রায় অধ্যান, আত্রীহলিনান গ্রহণ এবং আইনাদি করিয়া লাভ তদ্ধপর হুইগ্রাছে। কোন পিকা. দীকা, তৰ্বজ্ঞান না শানি, তা'তে বিশ্বমার

कु: ब नाई, यभि यथार्थ कहे दाकारी क्षप्रता

পাৰ্ত্তব্যঃ সভতং বিষ্ণুৰ্বিশ্বৰ্তব্যো ন জাভু চি नर्क्स विधिनित्वधाः चाद्रिकत्भाद्रव किस्त्राः ॥

যাছাতে অফুক্লণ বিষ্ণুখন্ত হয়, ভাছাই পর্বিধি এবং শ্রেফার্য্যে নিফুমিশ্ররণ হয়, তাহাই সর্কতোভাবে নিবেদ বিধি। যদি ইটা সক্ষাল অরণ রাখিল বিচার প্রক্র প্রতিকুলবিষ্ণতাগি, সম্পূর্ণ অঞ্কুল বিষয় গ্রহণ, ভছনে উৎসাহ ও ভগবংকুপা সাভ কণিয়াই এই প্রেকার নিশ্চরতা, শুরুপদি কাণ্যস্পাদনে থৈয়া; অসংজনসজভাগে সাধ্বতি অবহামন সহ 'কীড়নীয়া সদা ছবিঃ স্কোনী পালন কলিছে পালি, ভূবে আমা আৰু কিলেৰ আদাৰ পাকে ৮ তে কৈফব্লুৰ আপনাণ কুপা করুন, দেন আনি আমাণ প্রদান অভাব শদ্ধারেণীকে লাভ কলিতে পারি

### शिक्तरसायम् गर्र

**भूनै वर्गभागरिक शिभुकरमाञ्चम मर्क** লালত নিৰ্দাদৰ প্ৰায়েড ও সন্ধার লাঠ-कीर्यन हरे । राज्य । सामग्र प्रकारण एकराव তেকে সভায় এটোৰ স্বয়স মুঠে আফিলে प विष्कृत भारत कलिएड भारित्य । शास्त्र ০ - লংক প্ৰীয়েছ বালু প্লিবাইন ক্ৰিল**লৈ কল** শংশাদ কজেন্তের ব্যক্তিয়ের পাঠকীক্সাদি ं होते। क्षेत्री क्षेत्रकारमञ्जूष महीत । तस्त्रकर **व** া চন্টানের বিনিময়ে কোনবাণ অর্থাদি এচণ दः ना ।

#### ञालालमारभद्र तास्त्रा

প্রতিটি ব্যাসের স্বর্গের ভারিদ-্যা কেন্দ্র স্থিত্র ভগল্প নিখা বি. এক ক্তিত তিক স্কৃতি ই<sup>ত</sup>ি মহাশ্যার উচ্চোলে ওবংসর আকাল্যা**রে** ट्रिश विभाग विद्यास कार्यामा है दरेशालि । ्या व्याप्त करणारम् ५ मा १ प्राप्त कि. जिल्लामा काला कति, कार्याची ३ करमस्यक् মধ্যেট্ ট্র লাকার কামগ্রেসে স্থাল সময় লোটর গাটো এবং **অক্সা**জ ধানালি গ্রমনাগ্রমন कश्यिक शासित्य ।

### শ্রী লালাবনাথ শ্রমন্দির সংকার

क्रियामालमाल प्राप्तत वैभन्ति मरकात-কাণ্টী অধাভাবে প্ৰায় ৫ মাধকাল বছ ভিল ৷ সম্পতি প্রায় ১৫১৬ দিন হটল পুনরায় কার্যা আর্ম্ন চইরাছে। এই কাণ্যে সম্প্ৰত অভি ২০ কু নিক্ অৰ্থ সংগুলীত হইয়। কাৰ্যা আগ্ৰন্থ চইল। নেশ্বাদী সহাদ্য দনেবীল ব্যক্তিগণের নিকট আমানের একান্ত জার্থনা যে, তীহারা এই का: ''अवात्क त्यम निक निक त्यम स्थिता অভিনয় শীযুক্ত পরমানন্দ প্রশাচারী विष्यातक श्रीतृत्रद्याच्य मठ श्रुती 6णाः (भूतो) ठिकानाम् भाठाहेन तम् । 'बहे <sup>আ</sup>্ৰাণীন কীন্তিটা বাহাতে ধ্বংস প্ৰাপ্ত না ২য়, আখবা ভব্দস্ত সকলের দ্বতী

l afa

# গ্রন্থ পরিচয়

## <u>শীমন্তাগৰতম্</u>

**অনন্ত্ৰৰি কুকটৰপায়ন বেদব্যান প্ৰণীত মূল,** খীসন-ঠাকুর-ক্ষত সারার্থনশিষী টাকা, বলান্তবাদ, সংস্বত অধ্যাত নেই ছলের প্রতিপান্ত কণাদার, অনায়ের প্রথমে ট্র অধ্যান্তের সার্থহ গুবিস্থাত তাৎপর্য্যাদি বিশুভ। লোকসূতী विवयक्ती, अधाराविवत्रम, भाज ও भागक्षीमक छेउम কাগনের উত্তম অংশরে মুদ্রিত। প্রথম ১ইকে ১০মারণ প্ৰান্ত ভাপা স্পৃতিরূপে শেষ হইয়াছে। ভিন্দা প্ৰাণ্য इंडेटक व्या करा भवाक (२०१४०) नगम यक ১००) ममदा १० ्।

## 🗐 🖺 চৈত্তকাচরিতারত

**শ্রীমন্বভিনিলোদ**ঠাকুর রচিত প্রস্তুত প্রবাহ ভালা ও জীলীমন্ত কিনিছাত সর্থতী গোষামী প্রংগার আিগত **অন্ত**ভাষ্যে জাতি-কুন্ত্যাদি বচ শাস্থ্যমান-সম্প্রিত ১৪য়া আকাশিত হটাবাছেন। স্লোকের সাধ্যবাধিত, বল্লাচনান ও প্রতেঃক প্রারের প্রের স্থাদিও অভিনের সংযোগিও। প্রাপ্ত্যেক অধ্যায়-প্রারহেত কর্ণাপ্রার দেওয়া আছে । স্লোক, প্রার, শন্স, থান, পারে ভাড়ানির ভারতং কটা ও প্রান্তর বের বিশ্বত জীবনী প্রাথিত এইরূপ অনুভাগুর স্থের্ণ তাভ্রের্থ কুর্মাণ প্রস্থানিত হয় নতে। উদ্ধানতে ৬ জিল্লান্ত 🖟 নেড় টাবা, তাক ৭৪১ স্বতিয় । मिकिष्ठ थुल ,काफरेख मुमारन मुसिक करेगारक ১৫০ - शृक्षाय मुख्या । जिल्हा बर्स्टम्स्टन ८८ महारा

#### জ্ঞীটেভজভাগৰ ভ

अध्यक्षातित्र कीयनी, व्यक्ति शांकारमत कथामाव, विकृत <u>रशोकीय कांगा, सक्षक्रकी, श्रद्धात्वकी, विषय-श्राम शाहाल-</u> कृती, अकुछ विनिध विशेष मध्यित विशेष के कि ही । मध्यान च**यम क्राउ**न म ल्लाही आकात। आलियोगा ७ मा छ किश्रम्भ व्यक्तिक वर्षेत्राराज्य । जारम करम व्यवसाराज्य হটডেছেন। অগ্রিম ভিজা 🔍 টাকা, আনি দীনের कियाद्।

## **बिटिए एक अन्य**

এই প্রস্তের এরপ অভিনৰ ক্ষমর মধ্যেরণ আর কুরাণি প্রকাশিত হয় মাই। সংখ্যত সোবোলের অব্যা, বঙ্গান্তবান, ভাষা, क्यांगात, एमा প্রভৃতি গৃহ বতে গতে প্রকাশিত হইয়াছেন। মূল মোটা আগরে ভবল জাউন আটপেনী ुवृक्षाकारत द्वाला दरेबारछ । मृत्य २५० हेकि। समीवा ু প্রকাশ ও গৌড়ীয়ের গ্রাহ্মকগণের পলে ২৫০ চাকা।

### শ্রীমন্তগ্রদ্গীতা

— শংশীভীর বৈক্ষবাচার্যা অপ্রাক্ত রণিক্তৃভাষণি **উন্তির্বিশ্বনাপ চক্ষণ্ডিইছের গোডামিয়ত। সারাধ্**বনিনী हैं।बागरमधा ७ किमीमप्रकिविटनात श्रीकृत-व्यवीक 'त्रिमिक-র্কন' নামক ভাবভোগাদাগিতা। অধ্যায়সূচী, মাতৃকাক্রমে (अ) क स्रो, विश्व-स्रो, अध्वात्त्र की देनी क स्वरुत्तिकानि ab कालवावियह मुरु के स्कृष्टे वीधाई दृष्टीस मध्यतग—ए हे ब्राफ मांच्यानम किन्दा २ होका माळ, मानामन मरकनन-- अ तकः माम ।

# শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

ওঁ নিফুপাদ শ্রীনিছভিসিদ্ধান্তসর্গভী **भिष्याची महातारकत** रहहे व्यविशा विश्वः निही কীৰাগ্মশ্বৰূপোধোধিনী ক্লচ কাঞ্চনিন্দলায়িনী ভাৰত-বাহিৱ भुष्ठ-निध्यक्-- देवकविष्याण तहुमानात्र दकौत्तरुमनि---मल्लानाव **মধ্বাচার্ব্য-ক্লভা ভাৎপর্ব্য-মিণ্রটীকা; শ্রীমদ্**বিধন্যথ চক্রবড়া - বৈভ্যবিক্রানংগারের মৌলিক তথ্য---প্রথবজ্ঞ ও ভাগ -সেন ধন্দাম গুরু — মহাক্ষান-খীলনং বিভে-শিক্ষক --চিবিবাসেভিন্নাং র ্ **অভিশন্তণ্য ও বির্ভ্যাদিয়ক। তাভি ক্ষরের আদিতে** প্রিনার নিচাবক— ঐখ্যা ও মধ্যাসনের মৌলিক প্রেন্ডার — मंत्रकः, अभिरक्षा एक खारणाचान प्रतात विकास महात् ।

> अथञ्च व्यक्त व्यक्तिकारमध्य, श्री १० ७४, कावा मर्चा, अमध्यानिভाव, देन्दार्यভानदी, প्रायनाजिकी जीवन ও বং বিচার, আত্মধন্ম ও মনোন্তম, উট্টেড্ডেমের ও ভারতে শিক্ষা, অগ্রাক্সত স্থলস্থা ও প্রাক্তি স্থাক্ষ্ আ ৮. ত বিংশতি সংখ্যক মধ্যে ভ্রমোভিত। ছ॰ বার **অ**গো।

51 विसीत थाड- ७वा e निवा कांक, महार व लंडेटा द्वालाय, व्याद्वात निष्डादृष्टि, टील्ब व्याविताल 🤟 २ ातामः बीटनोत-निर्वासन्म व्यथमः, विश्वतर सम्म छ। कृत्य-কাওন, তীব্যাসপদায় তীমহাণবংহর কাঁঠন, স্তাপৌর-াথের মহিলা, মহাপ্রধাদ, ইতেগাবিনা, জ্রীজপাল্পাহল হল্ল-भारत है। मेडी द्रवादाश्वसन्तिनी, श्रीदेगाल खाता नदा, दारीलका ক্র রমস্ট্রতিন— স্কুদ্রশ অপুরু মধুরিমাপুর্ব-বক্তর বৈভূমিত।

व्यातम क विकीय-- १ र म छ अकटा महिला किया । ३४०

## **किं**गस्थानम् शी डा

Cणी होश-देवमावनाण भिन-दनभाव आश्रीमण साम्र ११. ভূপিকত ভাষা ও জীমহাজিবিনোৰ ইপ্ৰেয়েপ্ৰান্ত্ৰণ ৮০১ ভাষার বিচ্ছে ভিরন্তালনা <mark>নামক ভাগায়ুক্ত। অ</mark>ল্লাখন হা, বিষয়স্চী, ও প্রতি স্নোকের প্রথম ও চুতীয় পাৰ স্থা, ভাষাৰ বের জীবনী প্রছতি স্থালত। উংকপ্ত বাদাই, রাজসংখ্যাণ ( চুতীয় সংখ্যাণ ) প্রচেত্র faces = Bland

#### **ाटनगुत्रज्ञातनी**

ইমিংশদের বিহাভণণ-প্রাতি বৈশ্বপর্ণন, সম্ভ ভ এগাৰিকভাষ্টাৰি প্ৰিবাৰ **প্ৰথম গ্ৰন্থ** । উৎকট কালিছে। ছালা। স্থিত্ত নীক। ও প্রাঞ্চলফলামুবাদ-মালালো আভি স্থানে বালকেরও বোধগ্যা হইয়া থাকে। ভিজা 19's জালা মার <sup>1</sup>

#### **बीन** सी**नशामगराया**

( প্রমান্থ ছ) সাম্মনাদ। ক্রাতি-স্বভাগদি প্রন্থে জীনব-ধীপের যে মহিমা কী:ত আছে, তাহার মুগ সংসূত ও অসুবাদ। ভিকাত আনা।

### **এ** শ্রীন্দর্গীপভারতর ক

🖴 হাকুর ভব্তিবিনোদ লিখিত। স্থালিত গাঁভাকারে अभिकास एउनामि विश्वक । किया। • आसा।

### তব্দিরভাকর ও নব্দীপ পরিক্রমা

শ্রীল নরহরি চক্রনর্থি-ঠাকুব রচিত। ভক্তিরত্বাকর হইতে পরিক্রমাণে মান্র গৃহীত; শীদীব গোস্বামী কি लकार्रत क्रिनवदीननारमत निज्ञा क्रिजाहित्नन, छाडाहे া পছে বিবুছ। ভিক্ষা । প আনা



ইলে ভিজিপিনোৰ ঠাকুর প্রনীত। ইলাকে শ্রীকৈভাষ্টের শিক্ষাপ্রবাদেশ-রাম্বর বর্ষা ও প্রবাদ-বর্জ ও মৃক্ত জীব্দ- भाग्यानिक्ष्य-अद्याधनान्यः, कर्णन् –বৈত্ৰী ভণ্ডি, ভাবন্ধন্তি 💩 त्यम च ित्र के काल क्षान स्थान । अस्त्र व्यक्त প্রিক্তি ক্রিক করা বি উল্লেখী ক্রিয়া সর্ব ভাষায় সমূপর । এবা কর্ম কিলিও আছে। **চতুর সাম্বরণ বাধা** २८ काको, च तथा तता उका सा± ।

## ८ भेड़े जिन्हें के शहर

ACA COUNTRIES भाग कि जिल्ली हार्डि भूतान-अक्षतादा कि । द १-४ द्विरासुटक्ष ख्यालावसी বিষয়বিভাগভ্রমে সাম্ভবাদ ভাগ্নত। এইক্লপ বৈক্ষৰ-শিদ্ধান্তের মাল্যমন্ত্র অন্ত কুকালি প্রকাশিত হয় নাই। ইং তে ওক্তর—ভাগ্রত – বৈশ্বর—বেং)র – নিভাবন— चदेश्ड—त्रमः—र्नाटः— = धार्म्य —कीत्-व्याटिक राहमार**ङ्** - অভিবেদ-নাধনভতি--বৰ্ণন্দ্--আপ্ৰন্থৰ - ভাগ্ৰাছ –ইন্নাম—প্রচোদন ও জামান্তর্ভনি মুখক অন্যায়ে ্রকাদ স্থাস্থ উল্কাঃ ডলিক বাগ্রেল ব্রোঞ্চ त् करिंग्य ए । . ७ क्रियेतीका स्थानात । एवं नाम स्थापी । এল এলেও ১ বুলুমান্দুর। ভিন্যুক, ট্রেম মাজ।

### शितः द्वालामा अन्यकान्ती

ইলেল - ডি কেলের সার্বার্তিত ভিন্নবাহাল্যা--- থাক-मध्यारता राज्यान रामान चन्ड - बीग महरूबि इक्रवासी थ.डा. ११६ ट— देश्वर शहरातानमञ्जूष नवशेष्यद्वम्— এনমুখি বিলোদ ইন্তেবের এনিবনীপ ভারতপ্র**ক প্রভৃতি** এই একতা ভিকা ৮০ আন্দ্রাতা।

#### শ্রীকরি নামান্ত ন্যাকরণ

ইফেন চালেনী প্রান্থান বিয়চিত হয় ও বৃদ্ধি, এমেছাজ সভাত সভ্ৰতা গোসামা মহারাবের বিঙ্গ ভূমিকা ও হচী এছিতি সহ। भरक ३॥० छ।का मादा

#### (नशास अञ्चलात

खीयमामाञ्चलका । त्वनारश्च निर्मिशे**रेश्डनाम** আভারক উচ্চাত্ত । ১০ খ.চাব। প্রবন্ধ বেলাওলপন প্রচার উगरपांध कतनाथ अब डिब्स कतिहार्द्धम । वैशास्त বলাছার ও স্থাপতাদি মালোমিত করা ইইয়াছে নাম মানে ভিজ্ঞানত আলং চ

#### ট্রিটেডজাচল্রামুড ও নবহীপ্রাভক

পৌৰপাৰ্যদ ভিদ্ৰভা শীমং প্ৰবোধানন সৱস্বতা প্ৰণিত মুল, প্রত্থান শ্রীমণ্ ভবিজ্যিদান্ত সরস্থতী গোরামী মহারাজ মুক্তানিক অব্যয়ণে ব্যাধ্যা ও ব্যাস্থ্যাদ স্থালিও। নবদীপণ্ডকেয় জীলভিলিনেশ সাধুরের প্রায়েরাদ ও ত্ত্যত্তীমন্ত্ৰপ্ৰা;র একটা জি প্রত্নিত অনে কিক চিত্র প্রায়ত কর্ত্যাতে। মুদ্রণাও কাল্ড উৎকুট ( : খানা ত্রকারে । ভিক্ষা ৮০ আনা, আত কুরন্য বাধাই রাজ্যসংখ্যাপ ः, छोदा गाज।



শীমদাজিনিবোৰ সংক্র-এনিত। এই একমার প্রথন রাম্নের জান প্রান্ত করিবে পারমার্থিক রাজাে কেনুর্বাই জানাম বাধাশ্য পাকিবে মান প্রমান্ত গান্ত হয় নাই। নাপ্ররাণ জান্যাব শী প্রস্থাপ্রাপ্ত বাহানিক হয় নাই। নিকিবগ্রেম্বি শাল মান্তার্থ প্রস্তান্ত করা ক্রেন্ত উল্পিন্ত ইইলাজেন। আবার অবিশ্ব ক্রি, ক্রেন্ত ইতাদি দাবা বিশেষ সমুহ করা হ্রন্ত বাহাই—চতুর্ব গান্ত ভিলাহ ক্রেন্ত নাম কেরা, উইদ্ধারীনাই—চতুর্ব গান্ত ভিলাহ ম্নির্মান্ত।

#### প্রেয় নিবর্ত্ত

শীমন্তারের অধ্যক্ষ প্রান ক্রিন ক্ষান্ত্রন থান বিশ্বলিত ক্রিপ্তকে তাঁল ক্রান্ত্রন থান মহাপ্রার ক্রিপ্র জীলোকে বৈশ্বলভারে, বেরান্ত্রী ও নামান্ত্রন প্রেরালী প্রান্ত্রিক অনেক বৈশ্বলভারের ক্রিমাণ্যা দেখিতে প্রিরেম্ন ক্রেনিক্স ক্রক জানের প্রজ্ঞান্ত্রিক প্রির্মান ক্রেনিক্স ক্রক জানের প্রজ্ঞান্ত্রিক প্রির্মান ক্রেনিক্স চাতুর্ম সংগ্রেশ ১৮

#### E21-172 2

ভ্রনকারীর নিভ্নেজী; স্বত্ত ও জুরিনেগ্রের অনুবা লান; নিথিত স্তেম্ব নিজেম । এসপ্র'ন ন্যুরের প্রাও কেছ সুক্ষিতে পারিবেন না। জুতীয় স্বত্র ভিজ্ঞা ॥•।

#### হরিনাম:চভামণি

নামাতাগ্য শ্রীন হ'বনায় গোকুরের মূপে শ্রীমগাহাক্রাভূ

ক্রীনাম-মধ্যাগ্য, নামাভাগ, নামাগোরপে প্রাভূতি বিগতের

যাবাতীয় বিচারে লবণ করিলাভিবেলন এই বিশ্বস্থানির

ক্ষান্তি স্বর্গালয় সংক্রিপ্ত হান্যস্থান বিশ্বস্থানিত।

শ্রীন ভ্রিবিনাের সাক্রিক্সিতি। প্রামান্ত্রণ ভিজান

#### কল্যাণক হ ভক্ত

শ্রীমন্ত্রন্তিবিলোল গালুব-রতিত। থাতেক ভাগবদবিঝালী ও জন্মাপের পাশিবের একাপ্ত প্রাধ্যান্দ্রীর
উল্লেখ্যেকীপূর্য কাশিগ্রন্থ। সামাধ্য বোধান্দ্রা কাশা
কোপেকও এই ভাগ-বাংকারে ফারিসমূর্যের ছারা আন্ধ্যান্ত্রির
ও ভাগবাংযোল পাভ কলিবার স্ক্রির পাত্রেন। মন্ত্রন্থান্ত্রিক। ভাগবাংযান্ত্রিক। মন্ত্রিক। মন্ত্রিক। ভাগবাংযান্ত্রিক। ১০ আন্ধ্যান্ত্রিক।

### मत्रगार्ग ड

শ্রীমরতি বিনোদ হিং রংরচিত। তণবানে আগ্রসমর্পণ, বিজ্ঞানি, ভাষমণাল্যা, মঙ্বিক শরণাগতি ও সিদ্ধি শালসা বিজ্ঞান গ্রেপুণ, ভিজাতি আনা মারে।

#### গীত।বলা

ক্রীঠাকুর ভাজিবিদ্যোদ বাণীত। নিত্য ভদ্দন, সারোধিক ভ-আবাদ-যোবনাদি বিভিন্ন নগুড় নিত্যেন্থ কেন্তে গ্রাণিত। ভিকা৴• সানা নাও।

#### **শ্রিসহত্ত**ক আফ্রস

প্রনিকেন্দ্রক্টমোলি শ্রীমনিখনাপ চক্রবরী নৈকুর-বিকলিত সমগ্র। শ্রীমন্ধকিবিনেপে ঠাকুরের অকুবাদ-সহ। ভিক্ষাত আনা মাতা।



শীমনাহাতানুর শিক্ষা ও শীল রখুনাপ দাস পোশামীর তাতি জীৱল দোলামীর উপদেশবালী, ভক্তিপথের অর্কুল ও প্রতিকৃশ বিশয়ে প্রতিগ্রিত সংখ্যাদন ভাষা, বিশ্বত বিরুতি, চরিতায়বের প্রনাণ, সরেয় ব্যাথ্যা ও মহাজন-শানিত ভত্তাযোগী গ্রীত্মপুত প্রতেষক শোকের সহিত্য সংগ্রেশ ভিক্ষা ৮০ আনা ।

#### अर्थश-कव

ভীৰিগ্নাপ দাস গোলামার মনঃশিক্ষা, **জীণ ঠাকুর** ভণিবিনোদ-চারিত প্রাঞ্জনাদ্যত। ভিক্ষা ৴• **সানা।** 

### প্রেম্ভজিচ্ছিক।

টোল হালিব নালাগ্যাৰ স্কৃতিধি**ন <b>েপ্ৰমভাকিবিধাক** লগুনৰ প্ৰকৃত্য ভিৰম্ভ স্থানা মা**ত্ৰ।** 

#### ন্দ্ৰীপশতক

লীল সংযাত ভাতিবিনোদ-লচিত **শ্রীল প্রবোধানন্দ** ব্যেক্ট্রিলনের সংস্কৃত নব্দীপ্রত্<mark>রের স্থালিত প্রান্থান ।</mark> তিবা ন সানা মাজ ।

#### व्यर्थशक क

প্রিক কোকার্যার রিজ। বৈক্ষরতা-**জানের আকর** প্রকা ভিন্নাসা আনাম্যনা

#### সদাচারশ্বতি

্ট্রীল মপ্রাত্থা প্রণিত। বৈশ্ববের নি**তাকখাদি সদাচায়া-**বল্লা, নঞ্চান্ত্রবে মৃতিতি। ভিক্ষা ৴৽ আনা মাত্র।

### মণিমঞ্জী

ক বিক্লকেশরী জিন্ত ব্যালালা রচিত। **জীনখন্দ** চালোর সংক্রিও জীপন্ধীলা ও মৃথ বৈশ্ববন্ধ**মত। সামুবাদ** জিলা। শান্য মান্ত।

#### (भो वक्र स्थामश

প্রাণীন কবি খীলোবিদ দেব প্রণাত খীগোরাবভারের প্রমানাবলা-সংবলিত সংস্কৃত ১৯। ভিকা দ**ং খানা।** 

## যুক্তিমল্লিক। গুণকোরভ)

শীনধ্বসম্পানির ক্লগে শীন্ত নির্মানিক সামিকত। বৃদ্ধান্ত নিজনার এই একের একের পরেমানিক সাছিত্য-জগতে এই সক্ষাপ্রথম। শীন্তাস্বংচাগ্য ইতাত সোদ্ধা কন বিতীয় মধ্বাচাগ্য নামে গ্যাত শীনানির ক্লভীর্থ সংমা এই প্রয়ে সানানা গতি ও গৌনিক প্রায়ান্ত্রসারে কিরুপ স্থানার ভিতিবরোকি নাম সমুহ প্রথম করিয়াছে, ভাষা পার্চ করিছে করিতে থাকিল। বাদ সমুহ প্রথম করিয়াছে, ভাষা পার্চ করিছে করিতে থাকিল। বাদ্ধানির ইইডে গ্রাহা বিনার, কৈন, বোদ্ধা, মীমাংস্ক ও মানাবাদিমত-সমুধ্বের হানর গ্রাহা প্রতান বিভিন্ন । ভিসাত্ত নির্মানার প্রায়ালাদিমত-সমুধ্বের হানর গ্রাহা বিভিন্ন বিভিন্ন হান বিভিন্ন হান বিভিন্ন হান ভিস্কান ইটাকা মানা।

## গোৰামী জীল রঘুনাথ দাস

(ওঁ বিকুণাদ শ্রীল ভড়িলিয়াস্থ সরকটী লোকামী
প্রত্বপাদ-শিনিত ভূমিক। নহ ) গৌরপ্রেট অরপ-রূপের
ক্রমাত্র প্রিয়তম শ্রীল দান গোকামী প্রভূর অপূর্ক
চারিতান্ত ও শিক্ষা অতীর প্রাঞ্জল ও সরল ভাষার সন্নিবিট
লগং পরিশিন্তে দাসগোকামী প্রেভূর বিরচিত ক্রকটী
সাভ্যবাদ মনুরভম গুর ও স্নাঃশিক্ষা-স্থালিত। ভিকা
বীগাই ৪০ সানা, আরাগাই ৮০ জানা মাত্র।

# চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাচীন নববীপের অবছিছি, তথা, ঐতিহ্ন, শ্রোত ও ঐতিহাসিক প্রমাণসংগিত নয়টা ধীপের সচিত্র বিষর্ধ-গ্রন্থ রাজবি রাজসাহের কুমার শ্রীগৃক্ত শর্মিশুকারারণ রার এম, এ, প্রাক্ত (লাহোর), বেগান্তত্বণ মহোলর কর্তৃক সম্পাতি এবং ৪৭ থানি বিভিন্ন বর্ণের অপূর্ম চিত্র ও নানচিত্র-সম্পাত ; প্রাচাবিস্থামহার্ণব রার সাহের প্রকৃতিক। নগ্রের নাথ বস্থ বিশ্বকোষসম্পাদক মহাশন্তের বিশ্বত ভূমিশ্র। সহ। উৎস্কর্ত (ইং) মরজো বাগাই মুবা ১॥০, ভিং পিঃ তে ২, টাক মাত্র।

## गाथम-कर्भभागा

खनवन्यना, रेनक्षन-वस्त्रमा, रेनकवन्त्रम, मानारमञ्ज नेख, व्यानाव्यक्त, व्यानगण्डाक्ष करहे। खन्नमा अप्रतास्त्रमण्ड नाम, व्यानविक्र नामको हिन, व्यानगण्डाक्षेत्रम, रक्षामविन, वाहेनमण्डाक्ष, नावनील-मिन्ना, व्यानगण्डाक्ष, मिन्ना, क्षानाव्यक्त व्याक्ष व्यानगण्डाक्ष, व्यानगण्डाक्य, व्यानगण्डाक्ष, व्यानगण्डाक्ष,

## গোড়ীয়-গৌরব

কলিকাতার স্থানিক আশবাট হলে গৌড়ীয় সম্পাদক শ্রীপাদ অন্দর্গানক পরবিদ্যানিনাদ আদত্ত বক্তুতার বিষয় গ্রন্থকারে আকাশিত। ইঙাতে গৌড়ীয় বৈধ্যবস্থানায়েয় ইতিহাস প্রকোরে গ্রিণ্ড ইইয়াছে। ভিন্না ৮/ - মাত্র।

#### গোড়ীয় সাহিত্য

কলিকভোর মুপ্রাপিদ্ধ খালনাট হলে গোঁড়ীয়-সম্পাদক শ্রীপান গুলুরানক পরবিভাগিনাদেশ্রাস্থ প্রদান্ত বিষয় গ্রান্থারে প্রকালিত। ইহাতে সাহিত্য-শক্তের অর্থ এবং গোড়ীয় সাহিত্যের বিষয় স্তর্জারে বর্ণিত হইয়াছে। ভিকা কি খানা মান্ত।

### জীগৌড়মগুল পরিক্রমা-দর্পন

শ্রীপোড়দেশের যে সক্ষ স্থানে সপরিকর শ্রীমন্মহাক্সের এবং তদহুগ পরবর্তী মহাত্নগুল প্রাণ্ড করিয়া বিশ্বাহেল, সেই সব আধুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও পেববিগ্রহালিয় পরিচয় সহ যাভায়াতের স্থানিগ নির্দেশ ইভালি বিষয়গুলি স্থিবেশিত আছে। ভিকা দ কামা।

#### THE HARMONIST

#### OR SHREE SAJJANATOSHANI

প্রিল সাকুর ভাজিনিনাদ-প্রতিষ্ঠিত এবং প্রীল ভাজিনিদান্তসরপ্রতী গোষামী প্রত্বণাদ-সম্পাদিত পারমার্থিক মানিক পরে। একলে ইংরাজী তাবার অইবিংশ বর্ষে ভ্রমকাউন ৮ পেজী ৪ ফঝা আকারে প্রতি হায়ে চরিনামের বিজননবৈজ্ঞায়ী সইরা উপস্থিত হইতেতেন। কাগভ, মুদ্রণ-পারিপাটা ও চিজাদি অভীব চিজাফ্যক। এই প্রকার উৎস্কট প্রবন্ধ আর কোন মানিক প্রাদিয়ে দেখিতে পাইবেন না। বার্ষিক ভিক্ষা ভাক্যাভ্যাসহ ও টাকা মাত্র।

প্রান্তিক্ষাব্দ — এটেডভার্যটা পোঃ প্রীমায়াপুর নদীয়া

# রাজসভার শুদ্ধভক্তিমঠসমূহ

# ब्रीटेइट्य घठ

### আকর মইরাজ

अ होते संबंधीन, कार्क्यक अधान मात्राश्वत, संबोधा

মন্বার্থনিক চার্থনিক ক্ষার ৩০ গল উত্তর-পূথে প্রিপ্তরপত্তনে আচার্যারত প্রিচন্তন প্রশাসন-ভবাস ক্রিটারিক ক্ষাব্য শিক্ষাক্ষাব ।

রাই স্থান সাংস্কৃত নার্থ, পর্যাবিভাগির বা সাম্বন্ধ ভলনজনী। এই মহাতীরে প্রিক্তিন নার্থিক মান্তিক প্রাক্তিন ক্ষিত্র পর্যাবিভাগির মান্ত্র ক্ষার্থিক ক্যান্থিক ক্ষার্থিক ক্যার্থিক ক্যার্থিক ক্ষার্থিক ক্ষার্থিক ক্যান্থিক ক্যার্থিক ক্যার্থিক ক্যার্থিক ক্যার্থিক

#### (৩) যোগণীঠ জীগনিয়

The second

eser, Parking

वह दान शिक्यवानियात ध्यम वा विभागतास्त्र कार्तिस्थात द्वाम मनावान-विदेश व्यापन श्रीनची गया व शिक्य-व्यियान श्रीरतीवनायायन दनर शिक्य-व्यापन श्रीरतीवनायायन दनर शिक्य-कर्ष्य रमायासी क्ष्रीतिया श्रीष्ट्र शिक्य-साथाय रमायासी क्ष्रीतिया श्रीष्ट्र शिक्या-साथा सक्कारी श्रीतिकार्यन अथनाती, श्रीतिवासन अथनाती। श्रीतिकार्यन अथनाती, स्वारी, स्वायना श्रीकार व्यापन।

## (8) **@ 317-488**

श्रीभवाश श्राम्य कोस्टम-विशास या श्रीमात्रीमात्र शामको । जगारम किल्डिलोक-विकासक क मक्कालक स्मान । वक्क-श्रीकामात्राम वक्कालो । श्रीकाल कक्क-श्रीकामात्राम वक्कालो ।

, ....(१) **कार्यक-क्वन** को शांस की बरेबक श्रम्न कवन कवर स्मर्था वर्षमान ।

(०) काकोष्ठ अमापि श है बाहीय बाहाशुम, बानमशुक्त (मगीमा) बिट्गीकुल्यालाक किहार कालीह चयापि। सुकुक सामहाकी किविद्याविकानी।

## (१) चडुमच स्वयं पूर्व किर्तास्थः चस्रतस्य संगीतः) स्व केरिकसाय स्वित कव्यविस्तायक्षास्ट्रस

अनादम केन्द्रिकाराण क्षेत्र अधिकारताणकाकुदश्च प्रवाणि असर विद्योशनवाषक असर क्षेत्रिशासी-वास्त्रकारताला अध्यान

व्यक-कतिम्बर काकार अवहाति इक्कावियो अन् वर्गः

# (৮ একিগলাথ গোটার মঠ

রক্ষণ--- শ্রীষ্টবর ছক্তিশাস্ত্রী এম, এ, বি, এম, সংগালী--শ্রীউত্তরদার ভঙ্কি-শাস্ত্রী, শ্রীউক্ষক্রম অধিকারী শ্রেকৃতি।

(৯) **এটোর-গদাণর-মঠ**টাণান্টা, সমুদ্রগড়, (বছমান)
শুল বাবীনাথের প্রান্তিত গৌরস্থান্ত্র-সোধান বুল্ক —শুকি ভিবিধ্যান আগ্রম।

ं अक्षिक्र**ाम्ध्राम् नर्ड** बारामकः समाग्र हेडे. पि क्षण्य---- डीव्हिसान उत्त्रहात्तो, ज्ञिक्र्णस्यव उत्तरहारीः

#### ( ) । औदमामसम्बद्धः —

মাউগাছি, জারগ্র, বছনান।

ক্রীগাগাবভার ঠাকুর রুকাবনের জান।
ক্রিক—শ্রীগছবিধানী রুজনাগী।
(১২) জাগাবভ জাগান

ক্রীভাগাবভ প্রোগ, ক্রকলগর, নদীলা।
ক্রাপ্ত নিভান্ত গ্রহাননী প্রচার-ক্রের।
ক্রিক ক—শ্রীন্যানক ব্রহানী

( ১৩ ) **শ্রিঞ্জায়ন মঠ** টোলগড়ী, সোধাদী, রক্ষনগর, ন**ধীরা।** রক্ষক-শ্রীমতুদানক প্রকলারী।

( >8 ) ख्रीनाक्ष द्वाष्ट्रीय मर्ड कन्मर भगवन्त्र द्वाष्ट्र, हाका । भृक्षेत्रक ख्रावर-२०%, वयात ख्रीकक-त्वीराक शाक्षमा-विशिध्यक दनम वक्ष्मम । विकर्ण-स्वीराधावसक स्वयानी ।

( ১৫ ) শ্রীবেশাপালনী মার্চ ক্ষণাপুর, চার্কা। লোগালনীত জাবিজহুত জাতীন সেবা জাববেশিৰ স্কল্পতারী।

# ( > ) बीदगोड़ी त्र मठ

२७ मः कानिव्यमान ठळावखी क्वीहे, स्माः मानवाषात्रे, कनिकां हा । इंहेनिस्कान वि. वि. ४५५४

## (১৬) শ্রীগদাই-পো াল মঠ ইতিক কি প্রারাধিনী সন্ধা, বাসির চাকা শ্রীগদাই-পোরালের নিভা সেবা রুক্ত শ্রীপূর্ণ প্রশ্ন প্রশ্বচারী

## () श शिक्षागवडकतामक वर्ष

हिक्क निधा, राष्ट्रामन प्रतः, श्रिमिनी पृतः। धाषात्म स्वी अक्र-लोडाक - तास्त्रीस् का-विविधाजीत निध्⊹ाता स्वस्तानः। वृक्तक — अक्षवाजी औश्रातान्त्रामकी । अक्षवाजी स्वानस्य

तासरीम (गाः वर्षमानः)

শ্রী ভরংগোরাল-শ্রীগ দাঝিক। গারিমারীর নিভাবের। ধক্ষক— প্রস্নবাদী শ্রীকরিল কিশোক।

## (১৯) জীপুরুষোন্তম বঠ

पर्श्वात, भृती, উভিন্তা। बबाद्य खीलीर-विस्तावभागवकीत निका-द्यात वस्त्रातः। तक्षक-- बच्चडारी खीलरमा-सन्त्र विद्यातक, बच्चडारी खीलरोगासक।

## (२) अञ्जन-८गोड़ीय मर्ड

व्यागनक्षभाष, त्रवाशंशंत्र त्याः, सृत्री।
व्यश्नाष्ट्रपट्ट व्यन्तन्त्र मध्यः व्यथ्याकः
व्यक्ष्यः व्यवस्थानः। त्रक्षक—त्रव्यक्षः।
व्यक्ष्यः व्यवस्थानः। त्रक्षक—त्रव्यक्षः।
व्यवस्थानः। त्रक्षक—त्रव्यक्षः।
व्यक्षः।
व्यक्षः।
व्यक्षः।
व्यक्षः।
व्यक्षः।

#### (१) बैनकियानम् वर्ड

# (২২) শ্রীসনাজন-ব্যোদ্ধার মঠ গনং লগজাবনপুরা, কানী গো:-পদাজপুত সনাতন-লিকাছল থগানে গোরসেবা ব্যয়নে । ব্যক্ত----শ্রীজানকীনাধলী ।

(३०) शिक्यादेशकण वर्ड श्रीनृतिश्वनाम कृषा, श्रीनाम कृषायम । श्रीनृतिश्वनाम-त्राण-त्राणमणोश स्मना। वृष्ण-स्वत्रमण्डिनाथ श्रीवशो । जी (३८) श्रीभाष्ट्रमण्डिनाथ श्रीन्

এখানে শ্রীকাগ্ন' বন্ধ

কিনাৰ দিশ্মক কাগন গত করেক
কিনাৰ দিশ্মক কাগন গত করেক
কিনাৰ দিশ্মক কাগন গত করেক
কিনাৰ কান্তিন কান্তিন কাল্ডিল না ।

(২৫) শ্রীকৈনত নাম বাংলিলানির
ভূমরক কান চিয়ার সংক্লের ভংগিত ,
শ্রীতৈভঙ্গ-মতের পাথানি মাগিক আড়েল
নাথ রার, শ্রীকেনপানস্করেশের পোকের
ভীর দেখোরার । তিক সময় মত

(२७) न्यामदगोड़ी ।

बाजनगढ़ाः (भाः यास्, श्वका क्यात्म वक्ष्कुक्याति श्रीत्मातात्मव त्मवा वक्षयात । रक्षक---बक्याती श्रीत्मानकूक-वाम, श्रीवाधादमन बच्चात्री।

(২৮) দিল্লা গোড়ীর মত—কাব্যালয়
১৮ ০০গ গোড়ার, নিউন্নরী।
রক্তক কিবিগুলামী শ্রীন্ত্রিক সর্বাধবিরি মহাবাদ, প্রীরাবার্যপদ্ধবাদ্ধর
(২৯) গোড়ালপাড়ালপাড়ার

## देश्विक महीचा क्षकान -

## ছगनी (बना ताहीस निमन्ती

গত তরা মে হগলী হইতে প্রায় ২৫ महिम पूर्वकी मामक आदम ख्राली एक ला बाशिव मश्चिमनीत शक्षम मन्दिद्यन आहु एत। এडमर्थ धक्छि धाकाख महत्र নিশিত চইয়াছিল। দূরবৃদ্ধী প্রাম্থ্যমূহ হইতে বহুদখোক শ্রমিক এবং ক্লমক এই শ্বনিবেশনে যোগবান করিয়াভিল। প্রান-ৰাদীদের মধ্যে রাষ্ট্রনীতিক ভেনা व्याशाहेबात डेल्म्ड महेमाहे अधिटनमहतत উদ্বোক্ণণ প্রামে এই অিনেশনের ष्याखामन कत्रिप्राहित्यन । डीहादनत त्नहे केटल अ मर्खार (लंडे लिफ इंडेग्राट्ड ।

#### দারিজ্যের ভীষণ বিভাবিতা

· 'द्रिक्ष द्रिक बहे दमत मध्याति काकान. রানরাও কানাতে নামে এক বেকার युवक धक्यामा यस्त मत्रणा तक कतिशा নিজ ১৪ বংগর বয়কা কলা তারাবাটাক ও ১১ বংশর বয়স্কা কলা ভ্রমিত্রতক अञ्जितिक माजाय अहिरक्त (नन्त क्ताहै॥) হত্যা করিয়া নিজে ছোরাহারা আনু-इक्रा क्टब পুলিশ দর্জা ভাজিয়া चरत्र व्यर्वन कतिया जिनक्रमस्क्रे म्ड অবস্থায় দেখিতে পরে। ডাক্রারী পরীকার জানা ধার বে, অভিযাতার অভিযেন व्यक्तारण स्मरत इस्ती माता शिक्षारक चयः কে-ছোৱারদারা আদাত করি ার কলে রাম্যাত লমারা শিহাছে। একথানা চিঠি न्या भागा द्वीत निवास्त्र চিঠিতে এই জিলাল-লাক ছো, নাম, সালীপালী মূল বিসরং -ঠিতে ধেৰা হটয়াছে যাপ্রতিল 'বচার অভি স্থল প্ৰাত্র স্পলিপুৰ <mark>অবভায় প্রিছ</mark>ে अभ ভ जितिसमान गाँउ व महित्र के तिहा भारता ক্র্যোশাজার পরিস্মান্তি

শ্রীমত্ব জিনিকার বিশ্ব করিয়াই রামরাও

10 8 1 3 3 A A CO.

**द**लहरू भ अभी मृद की কেল্ড টেডিট এযুত সেন্ত ও s ভণৰ ফেশ্<sub></sub> হ হস্তাসহ মি**হিল** 

সংস্থাৰ, ভিজা ्नः ८४, अक नत्रीमारणत्र ४वर

s টি, প্রাকাশন বিতাহরে কেরলে ट्रिशेष्टित्य विश्वदाक्षीत नःविश्विक इंग। একটি বিরাট মিছিল সহকারে তাহা-भिगदक महेगा या अया २३। उहे मिकि लिख পুরোভাগে চিনটি জগফিও ০টা গমন করিতেভিল: বহু সংখ্যক বেজাদেধক मिख्रिय (वाश्यान कतियाष्ट्रित ) कालिक हे णामुक अदः इक्रेनियन द्यासियमुक्त सानीत अञ्चाक अधिकाम बहेटक रेनकृषर्व मान-পদ্মের দার। যথেতিক করা হয়।

পাবে, অমন কারায়ও ক্ষমতা নাই গ্ৰণ্দেণ্টকে কংগ্ৰেসের নিক্ট পরিছার স্বীকার করিভেই হইবে। পূর্ণ স্বানীনভা অভিষ্ঠিত না হওয়া পর্যান্ত কংগ্রেশ নিরম্ভ रहेर्व मा।

#### ত্রকো সাম্প্রদায়িক অলাম্ভি

গভ শুক্রবার রাহিত্তে মৌংমাতে लक्ष्यामीरमञ्जूषां वा बाज्या छ हरेन्ना किनव्रम ভায়তবানী নিহত এবং ৭ জন গুরুতর-ভাবে মাহত হয়। তাফ্শ, ঐ প্রামের तकर्मनामी साध्य ख्यी ठाणांत द्या ভোহার মহচরণণ ভারতবানীদিশতে দা লইয়া আফ্রমন করে। ভারত নরীরা ইউ পাট ক্রম **ছ**িছিলা জামান্ত। করিছে CD देश करता। स्माप्तिक अक करा है ने एक। অমাৰদেটিৰের আভ্যাতিরের ফাচে (ক্রাকে-वारियकाश्चर । अस्मान

कर्माचा वर्षात के इस अपन्त আকংশ, এই দৰ ভাৰেতীৰ প্ৰিবলে যথম चेद्रशास पदस मार्डेट ठिएक, क्रिक्टिक बनारम अकितिकाचाण निक्क नारण माना गणा। প্রদিন শিশুটির মাত্রাও মাবা বিরাচের।

#### विद्वनी शरा नशक है

মহাত্রাপ্থী গোখাই কারেখন কাচুক প্রাকাশিত একট মুখ্যটিলের প্রাক্তি দুট व्याक्ष्यम् कतिष्ठः विकार १८६० । गुप्रकाणितम्य চুক্তি অতুদারে কেবল মাত্র ইটিশ পণ্য मक्तारके बसक है नरहा, भगाउ । धार । स विश्वम - स्वित्र १% है

केदन । वृद्धीन भएत्युराध्यक्षके जीवलाइन च्युक्तानी छ देखीलात गाप्त समृत्य । स्वाते कात्रदार क्षेट्र । अञ्च इत्रर अञ्चाख आहरू দ্রব্যাপ্ত বর্জন করিতে ২ইবে

## जहान जिल्हा के निया माजी ७ लर्ड बाइडेरेन

श्रुक बावजिक्रामय शर्कत अक रहेराके শ্বীযুক্ত শ্রীনিবাস শার্তী ভিত্তে রিয়া স্থেপনে कार्यतम करवना "त.उ.टत्रा" व्यक्ति-चित्रि विक्रि डिचि भटनर, ध मराव धामि ভাষভীয় মুমঞা সম্পত্ত ভিতেশ কোন কণা বনিতে চাই না ৷ আফ্রিকা সম্পর্কে যে কমিটা বনিয়ংছে, ভার্মার নিকট সাক্ষ্য নিম্নেই আনি সাওনে दकान डातिस्य सामान আধিয়াছি ৷ क्रवानवनी इडेटव, छाडा उपान्छ कामि द्यानि म् । श्रुडवार व्यक्तिक क्रिके क्रिके ণাকিব, খালতে পান্নি না।

न्यान अनुद्रुद्ध गडा व्यक्तिमारमञ्जूष्य केत्र भरमन, कःध्यासम् अकित्वान अविष्ठ अस या वायगामियन्य दा अतिमान, कृतिया-

हिटलेन, कहा में अकारत त्यान जारेरकहेन रहेटन मा असन मन । करन त्यान गर्ग कर्डक कांग्ररमानिक इहेबारक।

🍐 জাড় হও্যার ভয় আট বংসর

क्भूभगांन भाग गारम हुहुक्। इ.जी-ख्यांच ध्वयं मना वस्यो (श्रांक छश्योत ব্যব্রা ক্রের একবারে ভারার বত লাভা, ৰায়ু সংবাদেশ পালকে কভাগ করার व्यश्चिति वाचि वद्यत्र मुश्चम संदार्ट छ मध्य रहेबाद्य। अध्यासम भूता भूत প্রের ভিপ। ঘটনার দিন সন্ধার পরে কুমুদ বাড়ীর স্ত্রীশোকদের সামনে বনিচাই মন মংইতে ছিল। পুৰল আপি তি कतित्व बुद्धम अक्षांना कार्षाती कुछाहेता শ্ৰীয়া মৃত ব্যক্তির সার বড় মহুন্য সংস্কৃত खार्टिक दक्षालाईका गुन करत्र ।

### मध्य मर्छ या ब्रह्मे दिन ब বিয়াট সংগ্ৰহণ

गर्रे रेना (में केल अटलिंड व्यक्तिडेंड्न P. 37-1 ८९) क्याटकन - हिट्डिएशिया ८ १६म होर रिशस्क निश्चणकार्य घटार्थना कर्ता ४४० रह । उक्ति विस्तत आहे प्रस्त दाश्वर क्षा क्षेत्राहितः। एथात्र मधारास्त অভিনেধিকণে ৰউ ছান্ত্ৰেল উপাৰ্ত धिरा वक्ष भन्तवागरमञ्जूषा आफ्र आक्रिकेरचत्र शह शहरक भग्नाका करन्। अकालत केंद्रे ज्ञातिष्ठकारक उटक एटक एटाव ४०० ्वात्रम माध्य भारभन्ति क सट्ट ध्रा । ं भाग थाता महिन्दा **डिल्लिंड** हिर्देशन জীলা, **সেবে মা**ম ও নাস্ত্ৰ নাম ভিনাত কৰা, মাসা ক্র প্রমন্ত্র গ্রাডিগু কর্মার কার্মের, रहीक कार्ज ८२ कश्चाम, भारत आड्क চাটে জ্বী, মিং আগার কেওারসন, মিং स्टर्फ डिंड ८१स. 'म: हमार्ग, मि: हेम दशा का इंडित माथ मिल्म छेट्सप्रकाला ।

भन भन आन्तर्भात्त भट्य रहेन হয়তে অবভরণ ক্রিয়া 👸 ও পেডি भाविष्ठहेंग (हेन्स श्वित्रांश काल्या । থ ৩ ে কিন্তু সময় বিশ্রম কবিয়া ৪১ া Bifgen Stein bud n'uten mit धा रखिरेटमञ् ३२ वरमत वश्य (१७) লভ ভালিফাজের শহিত দেশা করিরা

### ্ভারতের অবস্থা সম্বন্ধ **লর্ড আগ্রুইনের অভিমন্ত**

CAN CANCAR "अप्रेटिश्व" ACM ACM का ल्लांकिमिनि, मर्स भावविद्यान . महिन्छ माकार कतिबाहित्यम । छोटात सिक्छे गर्ड बाज्र डेर्न यशन, अक्या गणा (र.) कातरखन व्यवसान क्रिक इंडेग्राटस् क्रक्रिक महिक्का महिएछ व दर्ग नाईएछ

পৰ্যাত্ত এই বাধাৰিত অভিনান করিছেই स्ट्रेटवः।

· भामि धनर कामात्र नहीं मदन कृति दर, व्यामारमञ्ज मन अध्यक्ष व्यानकृष्ठे। **ভারতবর্ষেই মহিয়াছে। क्लिमा ध्रामक** यदर् भटनक विनित्र शक्तिक मिक्कि आयादमत वसूत्र प्रदेशादिन छोहाता मानावा महाश्रृष्टि बाना बामाधिनत्य मुद्ध क्षित्रा-(एन । यामता किहर उरे डाइएएस क्ला ভলিতে পায়িব না।

"व्यामात भावना धरे द्व, देश्या कर्ष्ट्रका, जलाहे विखानाता मनक जिपके দুর হইভে পারে। আমি আরও শাশ্য कात, कात्रक ख इट्टेटनत मदना दबाका-ाड़ात व्यक्तक वर्ष गौशाधा बुट्यम जिन्ह वात वास हरू ८६४। विक्य २ ६६वाल में अन वाशाम जिल्ला स कटनम, काशाम मनण्डम चन तन अवश्रांक नेवानादन महाकृष्णा. कांसदयस्य ।"

## টাইশ এর ম্প্রন্য

लाई व्यक्तिक प्रतिक व्यक्ति व्यक्तिक क्रिय-लटण "उध्यम" खुर्बार्च" मन्नाम कीम सक्षवा व्यक्षां कोत्राद्धना काहारक वना क्ट्रेडरेस, शह मात्र**क्ट्रिंग ८५ काल क**्रिका ্তন ভাষ্ট্র কথা যুটেনের ক্ষণিধানীয়া POST SEE WHY WINES I

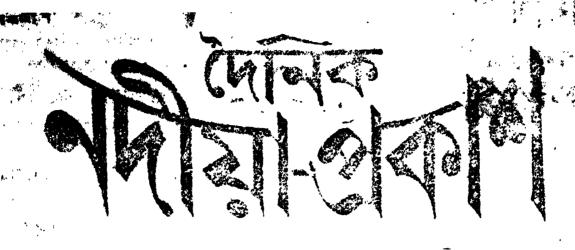
यक व्यावस्थित ५८४० ज्या मन्ह व्यक्ति-योगेटक उपाल कार्यात्र करो जान कलिए कार्याक्षेत्राच्य संस्थानमञ्जूषा कार्याः कार्यः ्रका करा ना कालिश देवनाड करहक श्रश्रकांग प्रशिद्यत असिवानीया अक षाक्रदेश्य निका कविष्टारह्म ।

"हें क्यान व्यक्ति विवादक्ति -- ८ क्या मृतिन कर्क्ष दिसादन कांत्रष्टनक नागरमक मिन का के माहे-- धक्या विस्तवकारवर्ष माक म अप्रदेश किन्या कि क्रिशाहकता.

winter "biene" wan wint-८७म, बर्फ आंतडिसम्बे व्यक्ति भक्ष निर्देशन ক. এছাড়েল, তাই পাৰেই ভারভার - **সম্ভা**র मगानाम ६६८७ भारत्र ।

NINOT!

भागदराकी द्वाराख्य प्राचीन बेटनाइटस्स किकीन अयुक्त मधानगाचे व्यक्त लेख दीरतक्षमांथ पद्धक भनिवास भिर्मानरक्ष विष्टीय भूमिन मार्गिष्ट हे मिश्र रेक, नि. मालात जनगाल शामित्र करता शिक्ता नाबद्द निवासम् कार्याने गुडे मन्नदेव नरकर्त्वारमे दक्षश्रात संदा स्हेतांस्ह । क्यान नाकी जन्मक कारादक क्याक with high wilfacts wienes we कृत्व व्यवस्थ बावादिक केन्द्रिकारक है तम नवास वाय के केविकार केन्द्र ivative of i The state of the s



कारकारामध्य काज व्या अभ दक्षा । भाषायिक द्र CANIFIT २ No ultue > ot 312 व्यक्ति मःच्या त्व

अ ७ ए लिकाथ र टक्का शाया . (र मा खवाठ क्या कि न

西方でもませる きゅう とうさい いっちゅう とうかん とうしゅう という とうしゅう しょうし

## **क्षिणानामभा**रथक्र ल.चंडपंत्रजा

पुत्रीत जीक्षत्रद्याश्चिमात्रतः ज्ञाप जीवानान-থদেবের জীমন্ধিরের তিনদিকে ৩টা পার্শ্ব-বতার মৃশ্রির আছে। বছদিন হইতে र भाषामध्यात अमृजिजामा (वजार, नृभिःश योगेन) अनेनार्शन खारताकन व्यताराज **শিশুসার ট্রিয়াহিরতে স্থানান্তরিত ক**রিয়া খিরাছেন। সম্রতি ঐ গ্রী শৃক্ত মন্দিরে নেটা শ্রীবিপ্রাই প্রতিহার বাবস্থা হইতেছে। মেরা ভক্তসাধানণের নিকট প্রাথনা নোইতেছি যে, যে কোনও ভিন জন পেষা একজন ভক্ত এই তিনটা শ্রীবিগ্রহের **डिडीनिय कार श**र्श कति । माल्य संक्रि 🕶 কম্মন । তাত্যেকটা শ্রীমৃত্তির প্রতিগ্রা াৰো আত্মানিক ৫০. পঞ্চাৰ টাকা তে ৬০. টাকা করিয়া ব্যন্ত লাভিবে। ভাষাতীত প্রীন্তির প্রতিনাত। বর সিমে নিজ নিজ নাম স্বতিরূপ -মল্মু সিতে চান ভবে প্রত্যেক । स कनत्कत कत्र नमहियात मक्ती मध्य क ड्रोका इहेटल ४८ है।का वाग । মাত্র ভিনম্মনের ভাগ্যে এই মৃষ্টি অভিয়ার স্থযোগ উণস্থিত । मार्कारका ८५ ० स्टान्य मार्गया पठ, भ्री'-डिकानाव टीपाप নুষ্প এক্ষচারী বিচ্ঠারত্ব মহাশরের लोছिए। **कारा**किशस्त्र अहे खीमृहियम । इ स्टबान (पश्तक हरेटव । कह पूर्व अभिया अहै मन्त्रि । अहे अल्लोत র্থকেন্ত্র দর্শন করিতে কড লক मश्राक्षां कक कागिएक एवं व्यव ভাষার ইয়ুভা নাই। এ'ছেন ্ৰ কেটো নিজ নিজ সেবাবৃতিক্ষণ ছতিটুকু য়া ঋতি সামাক্ত ঋর্মবায়ে একণ একটা রস্থানী ক্রীটি সংগ্রহণ করিবা স্থতকতার্থ -हेराहे जानात्मत्र धकास खार्थना।

# আলালনাথের পার্থ-দেবত

াস্তিপুর সংবাদ— মিউনিসিৎ্যালিসী, অপয়ৃত্যু णावशास्त्र ७ साखा, भाषियुद' दक्ष

# গান্তা খদরপাগল

ঘুৰুীতে ভীষণ অগ্নিকাও

# চীনে রটিশ রণতরী

কেরলকংপ্রোসে দেনগুরেপ্রের বক্তৃতা

# আদালতে বিপ্লবাত্মক ধ্বান

চট্টপ্রামে ছয়টা মেল ব্যাগ চুর

# ভ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিক

भोताक 88%

মাত্র ১/১০ ভাকটিকেট পাঠাইলেই বুক্পেট্রে পাঠান হয়।

ন্যানেজার- গ্রহিল্লাগ জ্রীচেত্রখনত, পোঃ স্থান ম পুর, নদীবা।

नान। कथ।

## শান্তিপুর সংবাদ মিউনিসিশ্বালিটা

এছকাল পরে শাধিপুর মিউনিসি-দ্বামচন্দ্র গোরোমী, প্রীয়ত সীচানাথ গুলার জানায় কাপড় আটকাটয়া যায়;

লেছামী, <sup>ছ</sup>াযুক্ত প্রানাথ গ্রামাণিক, Cमोल की ट्रमाकारक्य इक ६ इन्सी कारबन উল্লাসভা মনোনীত হট্দাচেন।

#### অপমূত্য

স্থানীয় মিউনিসিপ্যাল কমিলনার ডাঃ ্ প্যালিটার প্রথমেট কর্ক কমিশনার প্রাক্ত বিজয়পোপাল প্রামাণিক মহালয়ের । মনোনয়ন কার্যা শেষ হট্যাতে । ীযুক্ত ধ বংস্বের প্রের পেবু গাডের কণ্টকে জীয়ক বিজয়গোপাল আমাণিক মহালয়ের নামক রণভরীধানি নানকিং ১ইডে

कारण, दन्हें अनुपान कुल्लाक शादक कवा অভি অনুস্ময়ের মড়েই ভা**রার সূত্**য

### व्यानना उमा ६ भाषा

निवरन पुष्टान्यस्पारितायक सम्रद्धाः द्वाटक অভিচ চইনা উট্টাছে। **অকেলের অব**ভা দশ্যে নিকট ভবিষ্য<mark>াত থাৰিপাতের</mark> মত্বিনা বোধ হয় না। জার, কলেরাও লেখ বিক্রেয়ে, আ কিলাজে **একৡ ঠাওা** অভ্ৰত চইলেও ভাষাতে বিষ্ঠার বছণা লাঘৰ হয় ডেচে না।

### 'শাভিপুর' বছ

''শান্তিপুর' নামক কাগত গত কথেক मान कराउ आल वादित इकेटल्ट्स मा । উজ্যেত্কভারা এও শীঘ্র কাগ্দশানির একাশ বন্ধ করায় সকলেই ছ:বিভ. ''ঘুরক" নামে একথানি মাণিক আছে বটে কিন্তু ভাষ্টেও বেশের পোকের সংগ্রুভূতিৰ অভাবে ঠিক সময় মত বাহির হয় ন, ১লিয়া একাশ গ

#### वाद्याद्वाती शूमा

লক্ষ্য থালের চ.উলিয়া পটীতে রহা পুল লোক আহম্ভেনের ধুন পরিবাচে, ্লাভ লার এপুনা উলেকে বালা পান, নাড ও দ্বিদ্রগণের ডোলনের লগু । विध्यय व । इति इति । दर्भा

#### नागिकः इदे । उ खाद्या

(ल)ावकारभंत कन्नहाशाः गरणनः চীনের গটনান জেপ্যালে **সম্পর্ক** বিশেষভাবে রণভরী লগাচল করিতেছে বলিয়া মনে হত মা ৷ তবে ভিডিফটক क्एका त्रश्रामा रहेगा**टक वटके।** 

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"গাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে উচ্চে ইংরেজী বিদ্যালয়

## (थाना इहेशदर ।

অভিজ্ঞ ও অ শহরিত িক্ষকগণ ছাত্রনিগকে
কৈতি কছেব সাংত শিকা গদান কডিটেছেন। দিদেশী হাত্রগণের জন্য বিনা ন্যায়ে সুন্দর বাস্থানের বঙ্গোবস্তহ হাছে। জা বিনা স্থালাকর।

> সবিস্তার প নাদের জন্ত নিমনিপিত ঠি পান। পর নিখুন। পোহেন্টে রৌ, ভারুজে তাভিপনিন্দোদ ইন্টিটিউট্ শ্রুতে ১৮৯

## १० वरमदात था किए कदाकरी मदः सिथ-

ংক্ষারভারীরা প্রাপ্ত মুদ্ধ শহরে এই সমত্র পাশ্চন ওক্ষান করিয়াছেম, প্রাথা প্রশাসক্ষিত্র করু ১৯ পুত্র শহরে শাল্ড ১ । আর্ড এব প্রশাস সার্থার প্রভাগন জন্মন ১

- ১। চলাপ্রতা ব্রীকাল-সভাব নাম্ট্র ব্যমন হার্থ বৃদ্ধ বহুম। জলা প্রকাশ কাপ্রতালন মহ, মুক্রাজ, কলা প্রাষ্ট্র হার স্ট্রোটার্নার স্থাতিব ব্যাহ্যম। প্রেক্ত হার্থকে প্রতাল ক্রান্ত ব্যাহ্যমন্ত্র
- ১ । সূত্রীপ্রসাহার কটিক। সাধানত বিভাগ অভুতকর নিতাবিধারক ওয়

  বে কেন কেতিক ও না চাক ব্যক্তাধান জনেলা । ল এই ওধন বাবকতে গাঢ়
  নিলা হতবে ।
- ্ত। মাজুল ৰাজিকা শত সেবানে প্ৰতি ভাষ্টার সংগ্ৰহণ বা ও শতীৰ পাসুৰ ভাষতা সাজিল হ'ল বি বিচ্চিত্র তাল বন প্ৰতিক্ৰে জন্মতি প্ৰণাম্ভ কৰে।

উচ্চ ভিন প্রাস্থ্যের প্রচার প্রচার প্রচার মুগা প্রচিত্র করিল হৈছে।
প্রচার প্রচার প্রচার করিছে।
১০০০ বহুবার প্রচার প্রচার বহুবার প্রচার বহুবার প্রচার বহুবার প্রচার বহুবার প্রচার বহুবার প্রচার প্রচার বহুবার বহুবা

## কাৰরাজ শাশভূষণ কবিক্ঠাভরগের



মাজালের জ্বিধার জন্ম ও আহ শিশিছে ঘণীতুল কাবজার ১৯টেবো শবের সমগ্রিমাণ শুখ্র ক্লাকে পাঠান হয়, ত্রাণে প্রথমে কোন প্রিবস্তম করা হয় নাত। সুলা প্রতি শিশি ৪০ আনা, প্রিটারেও আনে, ব্যাস্থা ১৫/০ মানা।

অফিস– ১১নং উজোডালা রোড, পোঃ শামবালার,'
ক্ষিকারা

# गणवं गणनी

विकास कर व पार्तिकार, विकासकार हात. बारादि करणीक, प्रकार, वार्थ एगाता, तृत यक् कर्माति, करिया ककृति राक्षण शहर निर्देशक बारताना कर। यह, वीर्था, त्यरा तृष्टि करिएक व्यक्तिकोत्र हेनिक । कृता १० वर्ग २, ७० हेग्सा।

ধ্বন্ধসূত স্কাজাতি ছাত্ৰ"
পুৰুষ্ণাৰ বেংব বাজনােৰ বাৰা আনোৰ।
কৰিব। প্ৰিপাশন কৰে। বুলা ব কোনা ১. টাকা !
ধ্বন্ধান্ত কৰে স্থোপৰ্শক বাৰী ক বুলি কবিছে
আনাক্ষা। বুলা ১০ বুলি ১, এক টা হা !
মাধাৰেৰ আন্তান্ত্ৰিকালী, কেন্দ্ৰান্ত্ৰিকালী
ক্ষা ১৭৭কা কাহিসন বোক, ক্ষিত্ৰিকা ! উ

## शरेर्डानिन

₹.

## কোষর্দ্ধি রোগ

कार व्यम्, व्यम्, त्याम जाता, यानव्यीतरम्ब ग्राजाणि १०६० टेन्झाकिक कामानोटक टकायनुष्ट स्थान व्यारवान। कविया वारक्य।

> ক্রিকানা----ছচ নং কটন স্টাট, বন্ধুবাজায়, কালকায়া।

## 51

শিকুশুনের মাণ্ডা সচৌষধা ১ মাত্রায় উপশ্য, সপ্তাহে আরোকাঃ প্রোট ৮০ বার মানা, বড় ১০ আনাঃ মাণ্ডল পুলক্ঃ

## ২। শুক্রাচার্য্য সঞ্জীবনী পোষ্টাই

ক্রমেন্ড ও পরকাভালের একমানো মতোর্থ । সুদা ১ ছিবা ১;০ আসা । সাক্তিপুনক্

৩। সম্রাসী-প্রদন্ত তার্শরোগের তাব্যর্থ আংটা আলোচ না কালে কুলা করে। মুগা সংখ্যান। মারুল পুৰুদ্ধ

৪। কোন্ত-বান্ধব পীল

कालीय, ६ विकास, १ (लाहरवमलाह सहवीयम । जिना ४० कामा । भावन मृत्यू ।

া বাতল'ন

বাস্ত্রেলেও মালাপকারী ও সমাত্তে <mark>আরোকার আজি শিশিরও আনার</mark> মাত্ত পুত্ত (

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তেক রিক। সহর স্বাটালনের জ্ঞা পর লিখুন প্রাক্তিভাল—মনোমোহন লেখেরেটরী

त्याः **उत्रादी, कमनाश्रद, शक**्

# যনোযোহন প্রেস

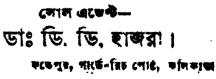
পূৰ্ব্ব-বাজালায় ভলতে সকলপ্ৰকার ছাপার জন্ত বিব্যাত বৈদ্যোতিক ছেলিনে দিকাকাতে কাজ ভলিতেছে বিশ্বত ভানিতে হইলে নিম ঠিকানায় পঞ্জ লিপুন

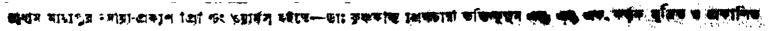
महादनकांद्र—मदनादमाहन दशान,

२०० ९ नश्चारश्चा, जाका।

## मतः मान्य दाँठाहेतात छेलात

বিগও অহাপি কাক্ স নং মাত্র বিচিট্নার জোনা প্রথম প্রণিত হল নাই সভা, ওথাপি বালারা নামানির প্রনিধিত উপারে প্রগতিনিত পাক্ত নাই কলিয়া কাজে নার কলিয়া কাজে কলিয়া কাজে কলিয়া, প্রায়েশিক ক্রমণজা, বহুনুত্র, প্রথমণ্ড, পার্থন পরিকাশ, প্রতাহণা, প্রভাগত প্রথমণ্ড, কিটিছিল্লা বাজ্তে বেংগে ভূপিণা জীবলে নিরাশ ক্রমান্তেন, ভালায় প্রথমিত ক্রমণ্ড ক্রমণ্ড





## ণিশ্ব-ভরকে

বর্ত্তমানে সগতে কি সগান্ধনীতি, কি **ष्यभी**डि, कि जासने टि—मकन निक निवार गाःमातिक উद्योख्य अक्षा अकाल সাড়া পড়িল্লা নিভাছে। কিন্তু বড়ট নিশ্ময়-কর ব্যাপার এই বে, উন্নতিপ্রয়াগী সভ্যাতিমানিগণের মধ্যে অনেকেট সংসার चिनियটা কি, তাহা ভানেন না। ভিত্তিখীন ভাসের ঘর কতকণ দণ্ডা নান পাকে ?

রোগী অবোপচারের ভয়ে ভীনণ কট্ট-প্রাদ ভীনননিনাশী ক্ষত্ত পোষণ কবিয়া शंदक। চিকিৎদা-শাহে অন্তিজ জনগণ দারিত্বপূর্ণ চিকিংসকের আসন গ্রহণ করিয়া রোগীয় মনোবঞ্জনের নিমিত্ত অস্বোগচারের পরিবর্জে পঢ়া দা'য়ে বাভাদ প্রয়োগের वावका-अलान बाता (ताशित शक्क-आश्वित স্থযোগ করিয়া পাকে। পৃতিগদ্ধমন্ত কাম পীড়ার পীড়িত জনগণের কামবুদ্ধির महात्रक मगाय-िकिएमकतालन महिछ - পুর্কোক্ত হাসুচে চিকিৎসকগণের পার্থকা कड़ीक ?

অনেকের ধাৰণা-ভাতিনিভিলেনে শুক্রশোশিত সম্বন্ধ সাস্তাশিত হটলে দশুদার नास्त्रित स्वाभात स्टेट्टा छाहा हटेटन স্বামী-স্ত্ৰীতে ৰগড়া, পিতা-পুত্ৰে কাড়া, करिय-वरित्र कगङ्गत भागां ल्या ह **ग**्दोमण्डब द्वान शक्टिस्टक (कन १ । ५३ ৰগড়াই কি শাস্তি ? সঞ্চ প্ৰকাৰ বিভাদের মূল কারণটীর অভুসান শান্তিদ্ভগণ পাইয়াছেন ড'?

ন্ধারতের মনীধিশ্ব, ভারতের মাতৃলাতি এক সময়ে সমগ্র সভাতগতের আদেশভানী: ছিলেন। এপনও সমগ্র কাণ্ড ভাবতের পারমাধিকতার নিকট অবন্ত মতক। পাশ্চাড্রাদেশের নিরপেক সত্যাক্সাধিৎস্থাণ ভারতের প্রমার্থ ধন্যাভে সচেষ্ট। এই রক্ত লাভের জন্ম সেদিনও লগুনের উচ্চ निक्छ कान । अधापक देवकर महामि-বেৰ ধারণ করিয়াছেন। এ'হেন ভারতকে পান্ডাতা অড়-শিকা-র কার ছ'নচে গঠিত ক্ষিবার চেষ্টা কি ভারতবাসিগণের পঞ व्याग्राव करा १

य भागतिशक करेकाकीर्व का ताश्रह ক্ষম করিগা এতি মৃহু:র্ভ নিম্পেণিত —এই জনিয়াদনাণীর সাথকতা সম্পাদন क्तिराज्य, व्यामात्मत मध्या (अनमें कित भूतक गकाटक विचिध क हमश्केश कतिरव । धावर्डन कत्रक भन्नश्राद्यम नत्मा विवाप-विनवीम यांशरिया चहिराच क्षिएछएइ, আমাদিপকে ভাষায় অধীনতা-পাশ ছিল আনক-তর্জ নব-ন্যাঃমানতাবে উদ্বেলিত कतिवा जीत्वत गावछीत जल्लक्त्रनकाती इहेरव गरमण्य नाहे। **টিংবির অভর পাদপন্ন-দেবার্ডিতে**—

## জীজীগুরুগোরাকো জয়তঃ

# দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

নিতাপাঠা বৈক্পবার্তাবহ বেলাদি সমস্ত সাম্বত-শালের অকৃতিম ন্যাখ্যাতা

সমগ্র ভারতে একমাত্র ফুলভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

রিশান্য 1 · 1পুর-২০শে বৈশাথ শুক্রবার-১০৬৮

আত্মাৰ নিতামুক্তব্ভিতে পৌছিতে কিছু-। তেই দিনে না নপিয়া প্রতিজ্ঞা করিয়াছে। বিজ্ঞাতিমানী সুম্ভা মানবজাতি আমবা আমানেল দেই প্রম শক্ত মহামায়ার বিক্লছে युक्त त्यातमा ना कतिहा स्थीत भ्वत्म स्थानग्रस्तव মস বিবিধ উপচারে ভাছারই পূজা করি-**८७%।** कटन हो एड-मुखन आमा निशतक দৃঢ় হইতে দৃঢ়তরবাপে বন্ধ করিভেছে। কিন্ধ এমনই উন্মন্ত সামবা—এ'দিকে , আন্চলের কাহারও দৃক্পাত। নাই। আমরা হিতাহিত জানশুর হট !- অভিতকে প্রম-হিত আন করিয়া তালাবই আবাহন করি- ; তেছি। এই মধমাশ্রপুজা পাশ্চাতা প্রাদেশসমূহে চিবকাখাই অধিক পরিমাণে मुटे बग्न, किए छात्रछ आए छात्रामत निक्रे হটতে এট সূত্পুলা শিক্ষাৰ যে আগ্ৰহ পেণাইতেছে, ভাষা বড়ই ভাগের, লজার এবং প্রিভাপের বিষয়।

च्या भूक्तकारण इतिह हरेगा। भूषिदीन যাবতীয় অধ্যকাবরাশি বিদ্বিত কবিলা থাকে। ইতিহাস পথ্যালোচনা করিলে দেখিতে পাওল যায়, ধল্মজনতেও ইহার বাতিক্রম ঘটে নাই। আরু ভারতের যামাপেক্ষা গৌরবের বিষয় এই যে, সাগর-বিধৌতচরণ পুক্ষোত্তম কেত্রে সমূলিত মুহ্তিমান সভাক্ষেত্র কিবল আজ সমগ্র ভারতে প্রিকাপ্ত হুট্গ ভারতের বহির্দেশের অনেক স্থানেও বিকার্থ হটারছে। আশা করি, অদুর ভবিষাতে এই কিবণ সমগ্র বিশেব যাবতীয় অন্ধকান ধ্যাস করিল কারুণাবভারী শ্রীশ্রীগৌবহন্দণের—

''পৃথিধীতে আছে যত নগরাদি আম। স্পাত্র প্রচার হইবে মোর নাম ॥'<sup>2</sup> ইহাতে মাৎস্থান্ধকানের পক্ষণাতী পেচক-গণের অস্থবিধা হইলেও সক্ষনগণের স্থানের

## প্রার্থনা

(क्यांनी जीनामहीतम्बी, आग्रांग)

না মাগি স্থন্দৰ কাগ্ন, অর্থে মন: নাতি পাগ

ভোগহুখে চিত্ত রত নহে। ঈশ্বর এ বর দি'ন ভক্তি থাকে চির্নিদ্র মেরি যেন ধর্মে মতি রহে। ব্যাধিই'ন কলেবর শুদ্ধ মন্তি নিস্প্তর হ'লে আৰু অভাব কি আছে? रा अर्थ मुम्य गात, रही कि तम द्वार भारत िष्टा टर मना यात कार्ष्ट ॥ नगति गांधि मर्भ श्रेश कर বিনি অথিলের স্থানী। ব্রের ইচ্চার ভন্ম মৃত্যু অমুগামী॥ ভাঁৰ প্ৰভি মন করিয়া অর্পণ স্থা কাল হব স্থে॥ পেটেড ধ্থন মানব-জনম च धर्म स योग स्टार ॥ দেশিতে কি বাকি যে শেহেছে জাখি আর তার কিছু আছে ? মহিনা জোমার প্রকট প্রচার সদা রয় তার কাছে ॥ ওছে ন প্রমা কি করিণ স্থব মান্স-ভিমির হর। অজ্ঞান নাশিয়া জ্ঞান বৃদ্ধি দিখা

## আশাবধিং কো গত

আমানে কুতার্গ কর ॥

নিংযো বটি শতং শতী দশশতং नकः मङ्साधिद्रश লক্ষেশঃ ক্ষিতি গলতা: খিতিপতি-क्टरक्षत्रवर भूगः। চজেশঃ পুনরিক্সতাং স্বরণতি-র ক্ষাম্পদং বাছভি ব্রদা বিষ্ণুপদং পুন: পুনরছো আশাবধিং কো গতঃ॥ चानांत्र चयि नारे। धनशैन वाकि

শ তমু জার কামনা করে; যাহার শতহুলা

আছে, এব সংস্কৃতার ক্রিয়ার করে। সহস্তাশীল লক্ষ্ম নাভের ইক্ষা করে। गकार्षित शासा ध्वर शका मान रही ग-भन বালা করিয়া পাকেন। সম্রাট আন্তর **ইজন্ম, ইক্স একার এবং একা** বিষ্ণুত্ম কাঠের জন্ম আকাজনা করিয়া থাকেন। কি আশ্চর্যা ৷ সকলেই জন্মশঃ উচ্চ পদ বাতের নিমিত্ত পুন: পুন: অভিলাব করিয়া থাকেন ; কিন্তু আশার অববি কোনদিনই কেহ দেখেন নাই। আশা-পিশাচী এমনি কছক ভাবে (य, मकरणहें डेनाड इटेश डाहात शकाएड পশ্চাতে গাবিত হা, কিন্তু আশা কোনদিন কাহাকেও ধরা দের না।

শুক্রশোণিতের পরিণাম স্বরণ এই বে শরীর, ইহা মৃত্যুর ক্ষাম্পদ, ওরতা শোকের <del>আলা। এবং বাণিসমূহের বিল্লান্ডল।</del> देखित्रभवाद्रभ मानव देह। ममाश्करभ व्यवश्रह হইয়াও আশার তাড়নাগ অবিভা-সাগরে निभक्तनभूक जीमः नर्श कामना, भूक कामना, বিত্তকামন। শ্রেভৃতির বশীভূত হইরা অশাস্ত-চিত্তে অবস্থান করে।

আশা-িশাচী গুলোভন দেখাইয়া একটা রম্বীর পশ্চাতে আমাকে লইয়া চলিল। কিছুক্ষণ গরে ঐরমণী নিজন্বরূপ প্রকাশ করিং। ফেলিল অর্থাৎ যে রক্ত-মাংশের িও চেতন-সংযোগে আমাকে মুদ্ধ করিয়াছিল, ভাষার চেডনতা অহন্ধান করিল এবং একটী শব মাত্র অবশিষ্ট রহিল। তথন সেই শবটাই ধেন অস্থরাগান্ধ আমাঞে উপহাস করিয়া বলিতে লাগিল,—ভংহ মোহাক মানব! বাহার গশ্চাৎ পশ্চাৎ ধাবিত হইতেছিলে, সেই আমি ত পড়িয়া রহিয়াছি, তবে সমূথে আসিতে ভার াও दक्न ?

"আমার একটা পুদ্র হউক"—এইরূপ আশাগ্রন্ত হইয়া অশেষ কইভোগ করিলাম। পবে ধাদ একটা পুদ্র শনিল, তবে তাহার **ऐ**श्कृष्ठे वार्षि इहेबा अत्नक कृ:व अनान कतिन। शहे छः दश्य व्यवसान इटला छ পুত্র যদি অবিন্রী, মুর্থ বা হুরাচাব হয়, তবে ভারার মুর্গতা নিংলন সক্রাই ছ:খ-ভোগ অনিবাশ। যদি কোনকপে পুত্রের মৃত্যু হয়, তবে ত হুঃধের অবদি নাই।

'আশা' नाही এकति नती आছে, उदा মনোর্থরূপ স্লিলে পরিপূর্ণা, ভ্রঞারূপ ভরতে সমাকুলা, মোহের আবত্তে মুদ্রকরা এ**বং অত্যন্ত** দি**স্তাতটে নিবছর ভীষ**া। উহাতে বিষয়াশ্রাগকণ ভয়ন্তর ভলচন্দ্র আনিগণ দৰ্বনা িছমান আছে, বিতৰ্কন্ধণ বিহুগকুণ অনবন্তুক,উচাতে বিচন্ত্ৰণ করিতেছে ध्याः छेरात छेरु ह जीनताम देशसम् तुक-সৰল লোভোগেগে সন্ধলা উৎপাটিত হই-তেছে। বিভগচিত বোগিলেট **মহাপুরুব**-গণই ঐ নদী উত্তীৰ্ণ হইয়া পঞ্চপারে গমন-

পুৰ্বক বিমা আননা উপ্ৰোগ করিতে সম্বর্থ रहेशा थाटकन ।

শ্রীমন্ত্রাগবত বলেন (১১১৯৪৪ ) --আশ। হি প্রমণ ছঃখং নৈরাল্যং প্রমণ রথম । ষণা সংক্রিয় কান্তাশাং প্রথং স্করাপ পিঙ্গলা ॥

তাংশ্যা এই যে, আশাট জীবের তঃখ-জনক এবং নৈবাশুই প্রম স্থপদায়ক। যেমন, পিছলা নামী বেঞা কান্তালা প্ৰি-জ্ঞাগ করিয়া তথে নিগ্রিত হইয়াছিল।

মন্ই আশার জনক। প্রত্যাং মন্তে: বদি সংযত করিতে পালাযান, ভাষা ভ্টলে ষাবভীয় 'আশার নির্ত্তি হইলা থাকে।

## ব্রসাম্বর শ নির্ণয়ে ৰৈতাৰৈত সেক্ষান্ত

শ্রুতি ব্রহাম্বরূপ নির্দেশ করিছে ঘাইফ বলিগ্ৰাছন যে, তিনি চিলানক্ষণ, অতি টাণ্ मर्भाकिमान, मदश्व। 'डीझान श्वन (५व আন্নদ্রপত। "আন্নর্গ ব্রেছি ব্রাজান্ং" ইভানে আকো স্পরিরপে রণিত হর্গাছে 🗀 তাহার স্বরূপের চিৎস্বরূপতা তৈত্তিবীদেব : तकानमन्तीत आराष्ट्रे डेक हरे 🕾 .--यभा – गडाः कानगनसः सक् । जहात স্প্ৰাক্তিমভাও ''অহং বহু স্থান'' এট শ্রুতি এবং অপরাপর বত শ্রুতিব কা প্রেমাণিত হইয়াছে 1

জগ্ৎ তাঁহার অরূপণ্ড আনন্দ্রেশ 🕏 প্রকাশভাব এবং জীব তাঁহার স্বরূপ্তত , বস্তা কাভের স্থান্ন। ১ ১ চিদ্দের আণ ; মুতবাং জাব ও জাং টভাই **ভাষারই নিতাংশ।** অক্ষালিকণ वीना का जायक्ष, जाव ९ (म किस र सन অংশ বলিয়া ভাষাবিও জাতুহ বিক. ভগবান ব্যাদদেব প্রতিমূলে ওলীয় বেলার-

এব' ক্রে জাপুন ক্রিয়াছেনু: উভয়ে জি' হরণ হওয়ায় তীহাদের নধো : वाष्ट्रव अरङ्ग कि द्वर भग्नम्भद्वत मरमः स অংশাংশী সম্বন্ধ উপদিপ্ত হটবাছে, ভাচা কি প্রকারে সম্ভবপর হয়, ভাষা "জ্ঞাজেই ছাব-कारीमानीमारकारश्या (जाक-उज्जानार्ध्यका": অগাৎ ব্রক্ষের উত্থাক্তপে তিনি 'জ্ঞা-সক্ষরভাব: অনীশ্র—জীবরূপ আপে 'অভ্য'-- অপূর্ণজ্ঞ বা অস্কৃত্ত বভাব কথাং বিশেষত এই উভয় রূপম্মই তাঁহার নিতা। এতব্রি টাচার আর একটা রূপ আছে: ভীবর্মপা অংশের ভোগদাদক-—অর্থাৎ বহিল্পং ; ইহাও নিতা--উপরিউক্ত শ্রুতি ইহা হাটুরশে বর্ণনা করিখাছেন।

ত্রমের চিচ্ছজির ঘিনিধ প্রকাশ— लक्षत्र बराक्षरम छोरात भूग व्यक्तिराख्यि, कार की तकती 'कारम कमयाक ना कोर्रामक ্রাকাশ। সর্বজ্ঞরূপে ভাষার ভগ্রত। নিত্যদিক। জীবরূপ অংশকে অসক্ত বসায় সম্পূর্ণকণে জ্ঞানাভাব বুঝার না, পরস্থ গ্রাপ্ত সাজিবিধয়ক জ্ঞানের অভাবই পাছিত

হয়: স্তবাং জীব 'জ' হইলেও বিশেষজ্ঞ। মায়াবাদী সম্প্রদার ইহাতে পুর্মণক উখা-পন পূর্দিক বলেন যে, এই হুই সংয়জ্জ ও অস্বাঞ্জম্ব (বিশেষজ্ঞম্ব) নিতা একত্র কি अकारत शाकिएक भारत 🤊 এই ५ भ कन्नतात উদ্ভৱে ভাগৰত সংখ্যায় বলেন যে, এই-কাণ আপত্তি ইথিত ২ইতে পাৰে না। কাবণ, একটা ব্লুক্তব স্থাক্ চুপ্নের (জানের) সঙ্গে সঙ্গে ইয়ার প্রয়েজক বিশেষ বিশেষ আজের জ্ঞান্ত অবংগ ব্রহান গালে: এই দিশেনাঞ্চৰ ভাৰ সমগ্ৰ জ্ঞানের জন্পত। এই উল্লিখ জ্ঞান 1.178 Est

। तिलाना माङ গ্ৰহাৰ সংক্ষম হয়ৰ জ্বাৰ সংখ্যা এইড়ার স্থিতির স্টার 🛊 🚓 🖟 শ্ভিমণ্ড সং ভাব ক ादा सनाभ ক√িল:ছেন, শ্রভাগের অবিষদগৃতি আল্ছান টে বিস্তা বিজক্তিমান মাবেলী সংগ্ৰেবদেৱাই ধালচাপ্ৰা মাত্ৰ (

মোক্ষাবেদ্যাও জাবের জন্মবের ভূন্ कुष्पाद अन्द्रकाली इत्र का पार्वीक है।ह)व खकाराङ विक्रमाञ्चर राश्यिक इत साह একটি উচার জন্মতারের কিন্তুরের বুট অরপণ ১ নিশেষত হ'ু ১ ুটা উ(১৮৮ । আনছা প্রিটোরের অব্যাহ্যারের করিছে মুক্তা-

ভীৰে মধন কেবেও-পেছুক কণ্ণ বিশেষ বিশেষ এর দর্শন অর্থাই স্বীয় জ্ঞানেত বিধ দ্বেন, তথন যুখন ট্রোট ক্রণণত চিফ্লের এর, শিকার স্মাতি কথাতের অল্থাীভূত মূল উপলোন দশনে (২য় অং এর পাদ ১৭ কাব) "জেছেছ) একাবস্তবেও জীয় সানের বিগ্রাভূত করেন, নহ উহিলে মুক্তাৰিপা।

ন্মত্রাণ জীব ও চথাং উভয়ই বিশ্লেষ किया व्याम श्रद्धात्र अक्ष निष्टार्थ क्षेत्रत, क्षीत छ कराल , १ न देशांन 'बारहन । कीन छ करार নিতা ভট্টােও ব্ৰন্ধেৰ চিদ্ধেশৰ व्यानमहरूपत् २.४% स ३ ७४।। निधानराध ভাঁহাদের অভয়ন বি৯ হই তেছে।

#### श्राहा श्राह

बाह २४ म इंशिया अंधे देवलाच ट्यि-বার সন্ধ্যা ৬ ঘটকাব সময় দাভিজ্যি, সহরে নুপেন্দ্র নারায়ণ হিন্দু প্রিলিক্ হলে বভ গণামায় শিকিত সজ্জনমঙ্গী সমধেত হইয়াছিলেন। কলিকাতা গৌড়ী মনঠের বার্ট্রীপ্রবর প্রচারক ত্রিদভিস্বামী শ্রীমঙ্কি-বিবেক ভারতী মহারাজ 'সনাতনধর্ম' সহকে এই সভাগ ছুই ঘণ্টাব্যাপিনী অমৃতব্যিণী হরিকথা ক্: এন করিগ্রছিলেন। দার্জিলিংএর লক্ষপ্ৰতিষ্ঠ উৰ্বীল ভাষপাহেব তুবন মোহন **हर्द्धोशीयात्र महागत राज्या भागन विद्यारगत** 

মন্ত্ৰী অনাব্ৰেবল লেপ্টেম্থাণ্ট শ্ৰীয়ত বিজয় গ্ৰাপ্টেক আমাদিগকে প্ৰীয়তিকগা শুনিবাৰ প্রাদ সিংহ রায় এম্ এ বি এল্ মহাশঃকে উক্ত সভার সভাপতির আসন এছণের প্রেক্তার করেন। দার্জিক্তার হলিসভার প্রেসিডেণ্ট স্থান্ত্রসিদ্ধ উঠাল শান্ত্রিপুর্ন-নিবাদী প্ৰমভাগৰত শ্ৰীণ্ড স্ফিদানন সান্নগল মহাশ্য স্কার:কংগ্রেউভ প্রের অন্তংগীদন কৰেন এবং সভাপতি মহাল্যকে গ্ৰহা বিজ্ঞানিতী মহাপ্ৰাক্তকে প্ৰজানাং চ मिक्ति र परति ।

সভাপতি মহাল্য অনুসম এইণ করিবার পুলের বলেন, -- 'যে সভাত স্থানিলী' মহালাজ ধ সভাল বং তার বিষয় 'স্কৃতিক ুধই যতা কামার জগে বাজিও শাহরী বিবাধ গোছের নারী শোহকালা मधन कियो तमन्त्रमध्य भाग अस्ताप्रक প্রকা খনাক বন ইত্রকত করেত আয়ুক্ত অনুসক্ত বক্ষেণ্ণালাধ মহাশ্য অংমানে এই গ্রুন্ট্র সাল্ল কবি বারে প্রাক্তা করেন, তান করিছি স্থীয় লোগেলে বৈচাৰে সমতি জামান কৰি, ১ ইচ্ছত, ক্রিটিক্লে। উপস্থিত রার সাত্র বৰ্ণামুম্ব সাহস্মধানার নাজের দেখারি मार्गित तमा ३ गाउँ । अही । कारान् । वस्त । कर्ति লান্য সভাস্থাকে আগলাকা ব্যক্তি

> রওয়ারকার, ভিকোক আছ ক্ৰিটেডিয়া লাখিত এক্ষম স্থিপিটি শংস এবং কার্ড কাপেনালের Erron ुन, मध्य मध्यक्त भाग वर्ग का करि ্রত। আন্নাত নাই। কেবলম্ব বলেশে সহকাৰে প্ৰাণ্ডি হামিৰী সহা ছৰ মূৰে উটোবিকণা শ্ৰৰণ 4017 অধিক্ষি মান আ 121. অমিতা সকলে মনোলোল সংকালে ভাষা কগা প্রাণ কা कड़े। खरभारत है। অতি ন বলেন যে, প্রাচীন মন্দীপ নার-का १३१न विकासित सूत्र महे-- ब्रिटेश ब्लास्ट ভাষারই শাঘামী কলিকাতা গৌটামমটের मञ्जादिन कादाकरहेत भरा तमामा क्षाकात 'बरमंथाना', नामानारभणतक चारून कविया आक्रकारका 🖺 रोगमधुक्तिभिक्ताम् अत्यक्ति। इहेग्राकिरम् । োপোনা নহার্জি ঐ সক্তর অপস্ভাদায়ের মূল উংপাটন করিয়া জীতিভক্ত মহাপ্রভাৱ ভাচরিত এবং এচারিত শুদ্ধ ভক্তির প্রচারের হত বদ্ধগরিকর হই। ছেন। এই र्वेष्मरक क्षेत्रहरू म्राह्म रह रहा সংস্থাপন করিয়াছেন এবং সুযোগা প্রচারকের বারা হরিভক্তির কথা সর্ব্যুষ্ট্ প্রাচার ক্রিভে<u>ছেন।</u> ভাষারই প্রির শিশ্য স্বামিজী সহারাজ ভারতের বছজানে ধর্ম

শহদে বক্তা দিয়াছেন, এবং অভ কুণা-

স্থাগ বিভেচ্ছেন।

অতঃপর বিশ্ববৈক্ষ্যরাজ্যভার সম্পাদক পণ্ডিত ত্রীগুক্ত অকুলচ্জ रामगानाधास मध्य दरनम त्य, घोषत्र यूटा क्रिक्टिकरी ভগবান জীকড়েল নিকট বলিপছেন,--क्टेबाभ्यां १५% है। डिट्य भागमाः श्रमान । देनवाश्रञ्जिक्षाकुः देन जामकिक्कन्दशाहतम् ॥

অর্থার জন্ম, ইম্মান্ মাত্র, নী সাধারণতঃ भागांध्यत र किल्पायत करोक्यक्षण । कात्रन, আনসা দেখি এতি অনেকেই আভিন্যভামদে, अध्यक्षाच्या, शास्त्रिकारम् ५ ज्ञान-वाम टाइख ইট্রানিম কর্মেনিয়ের এছি হয়। সমাগত মাজনল জ্লা মান্দীয় সভাপতি মহাশুহের क्षमा. क्षेत्रणा. क्षाप्त, क्षी भवत्व मानत्व বিশেষকাৰ অৰণতে আছেন। তিনি সন্ধ একোৰে ওাৰান হটৱাত যে দীনত। একাশ ক্তিরাখেন, ডাগে, তা উলোবা মহস্ক কৃতিয়া িটিলছে । সা স্বিদ্ধ উল্লেখনার নিত্য মভাপতি কী দল পাই আঁথেলার ক্লয় ত্রদর্গত ভাহাত প্রিয় **ভন। কোন** সংস্কৃতি ও গেছিক বাজি **লে আসন এংগ** शास सा । एकि **अञादका**ई ব্রিয়াল ভাল্ড সংখ্যারে ভগাদ্ধি CD हिर्दान, छक अवर रेनकरनन्न বিশ্বের, আন্তাল্ভি কেন্দ্রেশ্বেশ

**७:१८/१७/ ७/३१ व्यामण कार्म** থ। আন্যানাননীয় সভাগতি मधानापुत ह রভারতার, স্বস্তা লীচাকস্থক বৈৰুদ্ৰেল প্ৰেছি **আছুৱিক প্ৰ**ন্ধা বল ব্যাহার ও অত্যারত ভত্তিভাগ সমর্ম কবেলান, ভাগাতে ভাঁগাকে এই সভার रारम' । सन्। िंड निवास व्यामादनत भावना ংখ**া**ে। তিনি স্বয় আনালিংকে বে अकार केपार धकरेरकादरक मधान दिवास শিকা এণেশন করিবেন, ভাষ্টেড আমরা केश्वादय मग्रदाम व्यापास क्षत्रिएक हि।

অভপের গভাপতি মহাশয়ের ইচ্চারু-্বাবে পুলাপাদ বিদ্ভিত্থানী শ্রীমন্তবিদ-কলা আপনাৰা সকলেই জানেন। উটিচেডজ । বিধাৰক ধাৰ শ্ৰী মহাপ্ৰাক্ত সভাপতি ও সজ্জন-े म द्रभीटक सरकारन कतिया भून ब्रहेशकीनाजी া জানেমনেছারিণী অসুভধারা ব্রণ ফেলিলডে, ভাহা আপনাদের অবিধিত নাই।ি করিণাভিকেন, ভাহাতে উপস্থিত শিক্ষিত **ভিলেট্টার মঠের আলের পরমহণ্য পরি- । জনমন্তর্যান্ত সভাপতি মহাবর পরম পরিত্রপ্ত** লোক্ত্ৰ গুলী স্বাম্ভার মূপে ছরিকথা ভানিবার ভয় ভংগাদিব্য সভার আয়োজন করিলা-**ियान। वस्ट्यास आणि ७ व्यास्ट व्यवस्त** त्रिविद्य कीखन इहेशिक्ष्म । श्रीशिश्व-মঠের প্রচারকগণের মুখে 🕮 ছয়িকথা শুনিবার মন্ত অনেকেই আগ্রহায়িত হইয়া-ছেন এবং এনন কি দার্থিলাতে বাহাতে প্রিগোড়ীগ্নটের একটা শাখামঠ আড়িকিড় द्य, श्रमक कडो ७ क्यिक्ट्रिस ।

# গ্রন্থ পরিচয়

## **ীমন্তাগৰতম**

विभाग्नहित क्रफटेवलावन द्यमयाम् अभित्र भूत, नीयम-মধ্যতিব্য-কৃতা তাৎপর্য-নির্বয়টাকা; ইনিদদ্বিধানাপ ১ক্রবর্মা বিধানাপ্রকানাপ্রবের নুম্বান চার্থ্য ঠাকুর-কুত সারার্থনশিশী টাকা, বছাছবাদ, সংস্কৃত অধ্যয় ও বিষয়প্ত জাল নাত ভাল-ছাবন বি व्यक्तिमम, उना ७ विवृद्धामिगुक । व्यक्ति सहत् असिए **त्रहें करकत व्यक्तिगाध कशामात्र,** कामाहरूत लाग्रस हे অধ্যারের সারসহ স্থবিশ্বত তাৎপর্যাদি বিপ্রত। স্থোক সভা কাগতে উত্তম অকরে মুদ্রিত। প্রথম ১ইট্র ১০ম ১৯ প্রীয়াট্ট **চাপা অপুর্ণরূপে ভো**ষ হট্মাছে। ভিন্না প্রাথম क्टेट अस चन वर्षाच २३ल/०; प्रत्य युक्त ३२०; गम्ब हर्।

## র্জা প্রীচৈতক্সচরিতামুত

**अधीमध**िकविद्यार्थ किस स्रुठिक । '४५,७ क्षेत्राक स्रोधाः' **४ चैदीमहिकतिहार गत्रवर्ण (भावामी खन्याम कि इन् অফডাবো শ্রুডি-মুত্যাদি বচ শা**ও প্রমাণ স্কুলিত ১ইর্চ আকালিত হইয়াছেন। লোকের সাধ্যব্যাগ্র, ক্লান্তরাদ ও क्षास्थाक नगारतस भूरक मःभिन्ध क्षास्ति सामानिक्षा **প্রেট্যেক অন্যান-প্রান্তরে কথা**ধার দেওয়া আছে ৷ ত্রাক প্রার, শক্ষ, স্থান, পারে প্রায়ণ্ডির জন্তত্ত কুটা ও প্রকারের বিশ্বত জীবনী সময়িত এইরূপ অভ্যুদ্পুর সংখবন ইত্যুদ্ধ কুজালি জেকালিত হয় নাই। উদ্ধাকালতে পা বাংচেত্র **প্রিত ভুল অক্টরে মুলালে** মুল্লিট হুইয়াটেড : ব্রুস প্রার ১৫०० शृ**ष्टाय मण्यात ।** क्रिका बर्डमाटन वर् स. व ।

#### **बिरेड्ड अलागन इ**

লক্ষমান্ত্রের জীবনী, প্রতি পরিছেদের কথ্যার, বিভ্: গ্রেম্বীয় ভাষ্য, শব্দস্থতী, প্রায়েছটা, বিষয়-ভান পান (নি-স্থানী, প্রাকৃতি নিবিধ বিষয় সম্বাদিত বিরাচ বিভিন্ন সংস্করণ ভ্ৰম জ্বাউন ৮ পেলী আকার। আদিবালা ও মানে ক্রিয়াল প্রকাশিত হইয়াতেন। ক্রমে জানে একে।শিত **क्षांक्राक्ष्य । व्यक्तिम क्षिणा बर् होत्या, अ वि क्षांका**त 1641 C. 1

#### **बिटिइडग्रम्म**

**এই প্রান্তের এরূপ অভিনৰ শ্রুমর সংব্যাপ আ**র কুরাগি **ब्यक्शिक इव भारे। मध्यक (मार्कार्यस कार्यस विकास्त्रात, छात्रा, क्यांगात्र, एथा आफू**डि गृह थटछ ॰८७ आकान्तिः ছইয়াছেল। মূল মোটা অফরে ভবল জ্রান্টন আট্রোনী मुद्दश्यादम् द्वाला क्षेत्राटक । भूता मान विकास असीत **প্রকাশ ও গৌডীরের গ্রাহক**গণের পক্ষে ১৯০ টাক।।

#### **শ্রিমত**গ্রদ্গীতা

 প্রীর্কারীর বৈশ্বাচার্য্য অত্যাক্ত রবিকচ্ছামনি **এতিবিদ্যাপ চক্রনটিঠাকুর গোস্বামিরতা** সাধার্থবালি ইকাসমেতা ও ইাইনিয়জিনিনোদ ঠাকুর-প্রণীত 'রসিক-হল্পশ মামক ভাষাভাষাদহিতা। অধ্যান্নসূচী, মাতৃকাজনে (आक-शृष्ठी, विमय-शृष्ठी, श्रष्टकारमञ्ज कीनकी ७ अवलत्रिकाकि वह-काण्याविषय-गर केरकेंद्रे वीशाहे दृष्टीय मारुवन---- हे ताह-अश्वतातम् विका २ कोका माळ, गांशात्रण माव्यान--- अ। क्षका मान ।

## শ্রীল প্রভূপাদের বক্ততাবলী

ওঁ বিক্রপাদ শ্রীশ্রীয়ন্ত ক্রিসিদ্ধান্ত সর্পনী Cगायामी सङ्गताद्रज्ञत त्वह कावान क्वरीत र्वेश **प्रश्वतात्वार**्वारि । असः कामकी संस्कृति । को वार्षः वर्णताः भूभ निश्चक्त-देवक्कनिरक्षाण्य विश्वयाचात्र द्वरेष्ट्रण्यान्यः । ...... ....... মিচিয়ার-বিচানক— ইম্বল। ওমাধ । ব্রেব হেটিয়ের গরে --- मन्या, व्यक्तित्वयः स्ट १८९८ । त त्राह्म दिवस्य मिक्स प्राप्त ।

১। প্রথম শত বিকাশন বৈ विवत्रक्रो, अमात्रविवत्रण, भाव ও काममधीयक किया क्षा, द्विममाधिकाद, भावार आमना, अधाराधिकाद, भावार आमना, अधाराधिकाद, ও বৰ্ণ বিশ্বর, আছেলক ও মনেচিত্র, ইট कार्याः निका, पातार का काका ७ द्यानक नहकार । । १ कुरिने का कारता कान्यान करता शासनामाना প্রভূতি বিজেতি সামের রাজে জারা হত। । তিনা মাজ িন্দ্র ভূতি সুবার প্রতা থালি মাজেভাত লোজ্ভের মেনারবলা 40 3/1 8/1011

> ্ৰেছভা গ্ৰহণাৰ আলোধ নিৰ্ভাতিক, নিষ্যু আন্মন্ত ভূচিছালৰ ভান্ত ভান্ত — চুলাৰত – লৈছৰ বেশ্ব নিৰ্ভাষ্টিক— মলেপেকে, সিংক্রেন্ট্রন্ট্রন্ট্রেক্ট্রেক্ট্রিক র সম্প্রতি ও জন্ম । জন্ম ১০ জন্ম নাজিল ভারত বছর নাজিক জ্যাতির সং भागमें में हिलामकारण 📜 होत ামের মহিমা, মহাতা দে, ভাবে MAY, BOAR OF HOME COMES, BUS 4 71 1 F 70 - 4 70 7 19 1 4

> > र केन्द्रिक **अस्तर का**र्याल करें के के \$ 340 gray 1

#### শীমারগবদনী গ্র

如何所有 的第三分词对 · 高, 出海中 · (14) ( क भागणा दानियान शहरतन आधन , ' জেলুকন' নিম্নে ভাতাৰভাৱ সংগ্ৰ ি. ৬ পাৰি মোকেৰ প্ৰথম ও ভূৰীয ए. इकारात की नगी लाइ कि अवस्थित। ট, লাচ ধাণ ( টুটায় সাক্ষণণ ) এচেয়া

## ত:১২য়ারক্সাবলী

र्वे (अपन्यात्मक विकास कार्याः अस्ति । विकास कार्याः अस्ति । विकास कार्याः अस्ति । ্ল্যবন্দ্রন্তি পাছবার প্রথম প্রস্তান উৎক্রই কালিছে कीला। सुनित्त जना **७ व्यक्तिकास्त्रास**न्मास्ट्रा অভিনত্ত সভাবেলত ব্ৰাধ্যম্য হয়য়া প্ৰকেন বিচার fro wiles The

#### श्चीनगढी भग दिश्वा

( ৩% (১৭৪) সহবাদ। জাতি-শ্রন্থার প্রত্যে হীনের-चौरशत हा भीवमा के कि भाष्ट्र, खारात देश महत्र क অন্তব্যার : ভিজাত ভালা।

### <u>জীজী</u>নবদীপভাৰতরজ

ट्यांगादुत छन्ति निरमान विश्वित । खुराहित १०१४ स्व लिक्सिक एउसारि विकित्त । जिल्हा । आसी ।

### ভজ্জিরত্বাকর ও নববীগ পরিক্রমা

শীল মর্চবি চ্ডাংটি সাকুর রচিত। ভাতিরভাকর ু ঠতে পরিক্রমাংশ নাল ্ঠীত; জ্ঞানীব গোস্বামী কি क्षकारत चैनवनील शरमत शंचातमा क्रिक्सिक्ट्लम, छादाई পত্যে বিবৃত। ভিক্ষা প্ৰত আনা



रामान प्राप्त कालेका हरूरा <u>से,,जिल्ला</u>ख 174、 1949年 台灣村一周新春日春春年18 日 大学者 1997年16月2- 新聞作品 多名、神傳· প্রার বর্ণনী ছিলি, ভারত্তি ও स १ । १ सन् १(नार्थः । सः । अहेकाला सः रोगः) । া কৈ পৰ্যাৰ ভি এম এ কল্পিন সন্ত্ৰণ ভাগান্ত বল কৰিত আহে। সভূষ মুখ্রম ছবে। ৰান্ ६ ५५० ३ वर्ग स्थार ।

#### त्वी **इसि १**७०० औ

्रिकार्यात्रहारा स्टब्स् । स्टब्स्या देवधन्त्रः মিলালীকা আছিল কলা কলিছা ছিলি, মহালে বলিল, বছৰ লাল মন্ব লাভা কুল্পি প্ৰকাশিত হয় নাই। र्कार्यक्र सम्भागन स्थित सम्भागन । साम्यानम् । प्रस्**रक्ष** ্লাম – ব্যালাম বা ও বাহাল ভাষ্টাম প্ৰাণ্ড আলোকে ፥ (አ. ተነጉ ል እኔ ቼነቱ, የቪቆ ቁጥረም **(**ጠህ 人名西德伊德 医硬金脂 化物二磷酸钠 法随风的职士 द्वार ६-० १४% शुभावी । जिल्ला २८ केंद्रिया से प्रा

## बियन्द्रीलयाय-अखाननी

ইয়েল-বিভাৰত কি পাছু চাৰ্যটিত বিষয়ালৈ আ—লাম-আনে মন্ত লৈ সময়ে আন্ত জীন নাজ লিভ শ্যানী गाडा शक्रार- इ.घर छाइना गंगलक्ष भवशेलन्डकम---উন্ময়ভিবিনেদ ই বুবের ইন্নব্রীপ ভারতাক আভৃতি 超级 上海山 (古代) 的《 期间的 期(五)

#### শ্রীকার নামালুক ন্যাকরণ

टीकाव तार्थानी व्यान्तातिकित सम ६ वृष्टि. কুজার্থ জুলারু বুল বিজ্ঞান্তিলার <mark>সালম্বারী লোখামা</mark> মহান্ত্ৰেক বিভাগ ভাগৰা ও হটা আৰ্ছি সহা ভাপ্রাংশিতভাগে জন্ত। ভিক্ষা ২০ টাবা, ছাএগাপেল 에진다. Sun 전 (中) 되[五]

#### বেলা ভত্তসার

ন্ত জনপ্ৰতা । লাড্ড । তথ্যতেওৰ বিভিন্ন বৈশ্ব পদ लाहरत्व । ११ अन्द्रायमञ्जूषाहरणा व्यक्ति । व्यक्ति व्यक्ति । উপত্যান কলাৰ্থ এই উভ্য কলিয়াছেন। ইং তে ব্যালিকার ও জ্ঞানিকারি সংযোগিত করা হুইয়া ও नाम याच जिन्हों १० को हो।

#### উটেডেয় চ্ছ্যামুড ও নহয়াপশতক

ে বিপানৰ বিদ্ব জী আমহ প্রায়োগনন সন্তর্ন প্রিক্ত মূল, তা, পান উল্লেখ ভা ভাগিছাত স্বস্থা নি লোকামা নারাজ अन्य के किन्छ । व्यवस्था स्थापन । १९ अस्तर्थ । अस्त । अस्तरिक क মন্ত্রীপ্রত্তক্ত উভিত্তিবিলেরে ইবিটেরে প্রত্তক্ত ভ্রাদ 👁 ভূত্যত বীন্নয়গ্রপ্র তথ্টী ভিত্রেছিড প্রভৌবস্ক চিত্র लाभाय कहेतारह । ध्राना ए का नाम हिरम्हे ( र बामा একলে ) ভিক্ষা ৮০ আনা, অভি জ্বন্য বীধাই রাজসংভ্রন 🔪 हेका माद्य।

M. 234

ोक्राम कुनिम्बर्ग अस्तुत्र स्थित । उड़े उनकार शहर नानमाधिक नाममा कि हार है । - १८५ मो । । त्रांचा गुज्यकारायक *•* इ भारतीन सार े हार दे ए एक लक्षानिक देश आहे। ቆጣ የ4 1 % 予計 (c) かいい May age this admiretal (本語) でき物画 चिलिए उदेशहराता अस्तात स्तित्र स्रा. क्यांगत अन्त्र कि शाना विक्रमार रहेव करता रूपण राजन विकास धार. रामान में अरल साम राज्या, खेरा हे नी निल्ह - ५ है। राजन

#### জেম- পর্ব

श्चिम्प्रकाताल अवलय श्रीत द्वीर कर्मात्म अन् प्राचित्र । एके राज्य के भी के स्ट्रान्त की पर अस्ति है कर्तु लगा अन्यार प्राप्त देशक तालाम्, अस्तिकोत् । या साध्यमध्यकः ্ডিকৰাত্ত্বভূত ব্যম্মিকাত্ত্ৰ खायाचा खाउँ का त ा स्थान 💎 १ १९८५ क्युटनव । विश्वसाधी 🙉 心性 朝何 智治力

#### ではアフタラ

ভিন্ন বালীৰ শিক্ষামান্ত হৈছে। ভিভিত্তি বিজেপৰে অনুস্ত । ও ইক । ভিভাগ শিক্ষানা মাত্ৰ । MAR CONTRACTOR SHOWING DOLLARS WILLE ৫কচ পুরিরের পর্যারকেন লগে। ক্লাটীল সংখ্যান

#### হরিলামতিভামণি

বৰ্ণে চড়েবেৰ মূপে ইন্ম্যালাপ্ৰায় खिनाम-माल्यास, नाम प्राप्त, ম্বান্ত্র বিচারে এবং করিয়াটি দেন্য তেওঁ লি সভ্তির ব্দ্ধনি স্থান প্ৰয়োৱা ও নিজ্ঞ কংশেরণত পারণ উভাবে মুলিত। 🗃 ६ किरियमान ११: १ विजि । १ मन २ ५४ । (५०) ५०

#### কল্যাওক্ষতক

নিষ্ক্র ভিল্প (১৮)ক সংক্রার চিত্র। প্রেরেক ভিল্বল- । প্রমাণারণা-সংব্যিত সংস্কৃত হয়। ভিক্ষা দৰ্শ আন্তর্ন किन्नाओं क क्रानिशास्त्र र शास्त्र स्वाप्त शासामिनीय **खेलानकालको लुर्व काविक्षण । भाषाण त्वाया हा काना** ক্ষ্যের ও এই ভব নরাজ্যের ইংডিসমূতের হরে। অন্থলি, ভি। দ্য ভিন্ত গোলা আভ কলিবলৈ সুৰে। প্ৰিনেন। বহ R-2017、 デビヤイノ . ・ 国 1 川 平( s) 1

#### শরণাগতি

উ, হছড়ি বিবেছ গ্রার বভিত। ভাবেনে আল্লেমপ্র, निकारि, कर मलालगा, रङ्गिता राष्ट्रभावित । अभिक्र मालगा-रिवतहरू के उपूर्त हैं का राज्या । या वा वा

#### श्री का बन्हों

নীয়ণত্র মতি বিমেদ্ধ-প্রবীত। নিম্মান্তম, আরালিক। 😢 প্রবাদ-দেধনালৈ বি এক মনুর গাতে মৃত একলে এপিত 19年1 / 四月 31百1

#### শ্রীসম্বাশ হাফ্রম

विभिन्तक सुबुक् हिंदमी नि श्रीमिविष्य गांत्र । ठक्क वर्ती शिकत-বির্ভিত রণগ্রন্থ। শ্রীমন্ত্রতিবিনোদ ঠাকুরের অন্থ্রাদ-স্হ। ভিকাত আলামাত্র।



শীস্থতাপ্রে শিক্ষা ও মীল রপুনার দাস গোক্ষামীর ्धारि किल द्वाप्रामीत উপরেশবালী, ভর্তিপ্রেশ অফুকুল ও লে জ্যা বিংয়ে ক্রিডাখিত স্বোদ্ধ ভাগে, বিভ্ত বৈর্তি, চারালায়্তের প্রমাণ, সাধ্য বার্থা ও মলাজন-প্রনিত্ত ভূতুপ্রোলী গীড়মমুহ প্রাণোক শ্লোকের মহিত ন্ত্রিবেশিত ভট্মাডে। তদ সম্প্রা জিলা। 🗸 জানা।

#### भोगन-अन

िनपुराव नाम रभाषाभीत मन्धनिका, बीध शेकुब ভূপিনের দ্বিত প্রায়ুধ দৰ্ম। ভিজা / • মানা ।

### প্রেম্পরিক গ্রেকা

প্রিল সার্ব পরেলেলের প্রশানিক ওপ্রমন্ত ক্রিবিয়রক 🚶 ात प्रकृत (चार का प्राप्त मान)

#### ন-বাপশতক

শ্রীল সারে অভিনিয়েদ ব্যক্তি শ্রীল প্রেরোধানন সারস্থানীপের্যার স্পুত্র নার্দ্ধীপশার্কের প্রদারিত প্রয়ন্ত্রশাল ।

#### অর্থপঞ্চক

্রীপ্র কোকালাল বভিত্ত। বৈঞ্চবতা শালের আকল্প

#### সদাটে রক্ষাত

ন্দ্রীত মধ্যে । এটাত। থৈকাবের নিভাকত্মালি সলাচারা-न्बर् नक्ष्मपुनाम महिला। जिल्ला / • काला भाना।

#### মণিমঞ্জী

कति तुम्परकसर्वैः श्रीयद्भाषात्रागा अध्यक्ष चित्रतः। । श्रीयमाक्षाः চাংগ্ৰেষ স্বাক্ত হাৰ্মণালঃ ও মুখ বৈধ্যবধ্যমত। সামুক্তি | জ্মিপ্ত স্থাবানন্দ প্রবিহাবিনেদ্**তাভূ ওদ্ত বস্কৃত্যে বিষ** ें डक्षा । भाग माद्य ।

#### दशोत्रक दक्षामग्र

अ<sup>भ</sup>ान कवि द्वीरभाविक राजन क्षणांड द्वीरणीक्षात्रकारत्रत

#### মুক্তিমল্লিক। প্রথমৌরভ )

শ্রীমধ্যমন্দ্রপানান্ত্রগত শ্রীমন্ধনিরাথ স্বামিকত। বস্থাসারে াাস্থবাৰ এই গ্রন্থের প্রকাশ পারমার্থিক সাভিত্য-ক্ষণতে गर्यकार्या नाम बाहर है। तिल्लाकारीय सामी दहे शह যাপারণ ছব্দি ও গৌকিক ভাষোত্রপারে কিরুপ ভালরভাবে ভাতিবিলেটি মত্পাৰ সমূহ প্রম ক্রিয়াছে, ভাঙা পাঠ ক্রিডে ক্রিতে অপ্টেট্টারিত ইউতে হয়। । সংগ্রেড যুক্তির अला छान्धान, ८५न, ८न'क, मामाध्यक **७ मार्गवा**रिमाङ मनुद्रत छन्तत थ पन तथिकारक । विकार है कि गाँछ ।

#### (भाजाओं शिल त्रघुनाथ मात्र

(ওঁ বিফুলার শ্রীল ভাতিসিদায়সর্যাতী গোসামী প্রভূপান-লিখিত ভূমিকা সহ ) গৌরপ্রেষ্ঠ ক্ষরপ-রব্পের একমাত্র প্রিয়তম শ্রীল দাস গোস্বামী প্রভুর অপুক চারিভানত ও শিক্ষা মতীব প্রাঞ্জ ও সরল ভাষার সমিবিই লবং প্রিশিষ্টে দাবগোখানী প্রাভুৱ বির্ভিত ক্রকটা সাহৰ দ মধুরতম ভাৰ ও মন:শিকা-স্থালভ। ভিকা र्रोबोर ॥• जाना, जाराधार । ४ जाना मार्च ।

# চিত্রে নবদ্বীপ

আচীন নৰ্বীপেয় অৰ্থিছি, হৰা, ক্ডিছ, প্ৰেটিছ ৰ अधिशानिक क्षेत्रानमधनिक महते बीरलह महिता विवहन এছ। রাজবি রাওশতেহব কুমার শ্রীগুক্ত শরদিশু নারার तात्र धम, ल, श्रीक (गरिष्ठात), द्वताञ्चल मर्द्धाव कर्ष्ट्र স্ফলিড এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন বর্ণের অপুর্ব চিত্র খ गानिजिन्मयिक ; व्याष्ठातिश्वामहार्गत बाब मार्ट्य बीवस নগেজ নাপ বহু বিশ্বকোষদৃশ্যাদক মধাশয়েয় নিশ্বত ভূমিক गर । উरक्छे ( हेर ) सनत्का वाधि **मुना ५४०, जिहे नि:** टर २ हाक भाग।

## माधम-कर्श्रमाना

खनगरना, देवकम-वन्मना, देवकमात्रमः **मानारनात्रं ग**िष्ट শ্রীনামষ্ট্র, শ্রীমন্মগাপ্রান্তর অষ্টোত্তরশত নাম, অইপ্রছ भामकोर्छन, जीनामगर्कोर्छन, ८शायध्यनि, बाँडेशमञ्जीष भवनील-मन्मा, श्रीमाद्यायुत महिमा, श्रीमातायम-व्यापृत कहेर व्याजागा-नन्ता, यस्ट्रावायीत क्रेक, त्थ्रयस्कित्वा উপদেশমালা लामालका-खानाली, महाखाङ्ग । बाब ब्रामान रप्ताप. यमानिका, श्री एक व्यविष्ठ, श्री एक-भन्नभन्ना মগ্প্রের বন্দনা প্রান্ত্রি সাধক ও নিম্নারীবনের নিতাপাঠা বৈভবগণে কঠাপ্রিত তুলসীমালার জায় অভুক্ষণ করে পরেন্যোগ্য অপুর গ্রন্থ। ভিকাবি 🗸 বীধা**ই ॥॰ মাত্র ।** 

## গৌড়ীয়-গৌরব

কলিকাভার হাণ্ডাত্তি আলবাট হলে গৌডীয়-সম্পাদ্য भाषात अभवानन शहिनग्राविसात क्षत्रक वक्षणात्र विश अध्यास्त न्यकान्ति । हेशाटक ट्लोकीय देवधवग**न्यामाट**स ইভিয়াৰ ভয়াকাৰে প্ৰথিত ১ইয়াছে। ভিকা 🕪 মাজ।

#### গোড়ীয় সাহিত্য

কলিকাডাৰ শুপ্ৰমিদ্ধ আসবাট হ'লে গৌড়ীয় সম্পাদ প্রদান হৈ প্রকাশিত। ইহাতে সাঞ্চিত্য-শ্রেম**র অর্থ এ**ব ন্থোটার মাভিত্তেল বিবর স্ত্রকারে বর্ণিত **হর্রাছে। ভিত্** 1gr · 到一门可谓 1

## श्रीद्रशोष्ट्रमञ्ज शतिक्रमा-मर्जन

हीए। एएएएनत ता नकन द्वारत ननविकत विश्वताहां द्व ्तः एककृत भूतवृद्धी महाजनत्व कीला कविया विद्राटकः নেই সৰ আধুনিক জৌগোলিক পরিচয় ও দেববিগ্রহাদি পরিচয় সহ যাতারাতের স্থাবিধা নির্দেশ ইত্যাদি বিষয়প্তা সন্নিৰেশিত আছে। ভিকা '• আনা।

## THE HARMONIST OR SHREE SAJJANATOSHANI

खील राक्त छिकितिसाम-धाविष्ठिष्ठ **धवर खेल छ**िर নিভাত্তনরস্থা গোৰামী প্রভূপাদ-সম্পাদিত পার্মাবি माधिक श्वा । एकरण देश्त्राणी क्षांत्रांत्र ष्रदेशिश्म क प्रविकालिक एक विकास कार्या निकास कार्या कार् নামের বিভার-বৈভাষতী শইনা উপবিভ চইতেছেন কাগ্ৰম, মুদ্ৰণ-পারিপাটা ও চিআদি অভীব চিভাক্বৰ এই প্রকার উৎক্রই প্রবন্ধ ভার ভোন মাসিক পত্রাবিং দেখিতে পাইবেন না। বাৰ্ষিক জিক্ষা ভাকমান্তবসহ ও हाका माज। প্রাপ্তিতান-

এটেডগুমঠ, পোঃ শ্রীমারাপুর নদীয়া "

\*\*

# বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভাক্তমসসমূহ

## ह्योदिकका गर्र

#### আকর মটরাজ

अ हीम सबदीन, फाक्यत खेनाम मात्रालुब, मनीता

্ত্রীমভাবোলদীট ভাগে প্রায় ৩০ । গড় উত্তৰ-পুরে শীব্রজগরমে আচার্যায়ত্ত শীচন্ত-**लियत-क्रमान में जिटे**क्क यह निवादमान।

এই ছান সংব্যেদ্র- নির্ধান পর বিভাগীত বা সাম্বত অভনম্বনী। এট মহাভীর্বে প্রীচরি-सार्रामृक्त नार्करवाति-त्वतालस्यूब, अविश्वात श्राम्बद्ध कावा, ज तेक, व्यवद्यात, कथा ख्यान-छन्निया-त्रीका-एक- श्रांत- क्रुहेटबर समावन । ६ समानना धार क्रमाय श्रीखन-द्रशीक्षाक-शाक्षाकां का-शिक्षिक व शाक्क शाक्ष्यमाद्रिक-वाश्यां-ठकुः व काकारम्ब केशास विश्वरुक्त श्रीक्क सिका श्रीनिक कर कालम । अब महेबार्क शास्त्रानिक देवनिकश्य माचक में अपनार्वा का शका नक क कथा हीन अहता कि का हात नहीं में नहीं मान कि ना यह नह ক্রাভিট্টিট চর্গ্রাচেন প্রাভিধংসর প্রশাস-পরিক্রমান্তর্ভান ও অগাণিক ভক্রণােটি ত कोकाम शहादमारण महामार १९भवामि अकाम अवक्रिक वर्षेत्रा शहक । ११० — नका ने শ্রীপার মহঙ্গ্রিকী। সঙ্গারী -- শ্রীপার বিনোধবিশারী ব্রহ্মতানী, পাওত শ্রীপার গোরদার क्षमाही वाव प्रवादीर्थ, द्वालाम बीताम अध्यानी, शिखा द्वीयानवानम दशहाही, **बिक्क अभीत्याणाल बटल्याणांगाय. बिह्दवर्गाम गान बक्कारी वाह्य मक्कारणा** 

## ( ৩ ) যোগগীত আম**ন্দির**

अहे कान किलाशतायामध्यद क्रमा वा ীমসালাপ্রসূত্র আনিভাব-ভূমি মতাবোগ-नीते। द्वारम दीनची श्रेषा । अतिकृ श्चित्राम् क किट्नोद्दनात्राम् अवर किटेन्डना क और्ताशक का निका अर्थ छन। औनक-कर्ण्य (भग वक्ष्मान । वक्र म---(माक मानावत रनावामी कहातार्गा लाक किया-माथा मणकारी जीविकालम अमरामी. **अ**वामकाम बक्काती । श्रीमामनकाम अभि-काशी. (प्रयम्पः) द्वीतावस्त्रकः।

### (8) <u>শ</u>্রিব।স-অঙ্গন

ইংয়াগালভ ভীর্ত্ত-বিদাস বা **क्टिनोह्ननो**गः व वागवनो । जनारन क्रिक्केरनोह-निकाशमा ७ १क ७८ पत्र । समान । em e--- शिकाशास्त्राम अस्तिती, श्रीममुक ww. . शिर्माकुमभाग नावाकी ।

#### (१) चारेषक-स्नम

करें कारम खी घटेंबल शक्त करन खार (四年) 有情期(司 )

## (७) काष्ट्रोत्र शवःवि १ हे

वाधीन मानायुक, नामनयुक्त (मणीता) **कि**रनोत्रक्रणात्राक व्यक्तिम काळी र प्रशांत । . बक्क --- अक्टाजी क्रीविटनावांववाबी ।

### ( 4 ) **막히에 떨어서-포함**

**अ**रशास्त्रम्य, पञ्चनशक्ष ( मणीवा ) बनाइन केनिकृताम क्रिम कांक्रविस्मामकाकृद्धक मधापि कवः व्याप्तीश्मधायम् कवर विविधाया-里(4)(司書 (四年) 司書等日本

क्ष्यम--- क्षिक्षम काकाव अध्यक्षती क्ष्मपासियी वन, धन, धम ।

### (৮ श्रीकशवाच ८गो डीय मर्ज यहमन्ति ।

রক্ষক— শ্রীষ্ঠবর ভড়িশ স্ত্রী এম, এ. वि, धन, मन्नाही---श्रीहेदामाम क्रांक-माबी, अप्रेडकक्रम व्याधकाडी लाउँ है।

(३) 🕮 ह्याच्य-अन्तर्भवत्र-वर्ष টাপাণ্টী, সমুদ্রগান ( বস্ক্রান ) विश वाधिनाटवत रणं तक्षिम दशीत्रजमाधत-(मना। अक्तक-धी-दि'छान व्यास्त्र।

্ ১ • জীরপ গীড়ায় মঠ मा ाशक आयाश के छे. लि ৰক্ষক--- শ্ৰীকবিদাৰ একচারী, শ্ৰীকুললেখয় প্ৰশ্বতালী।

#### ( ১: ) औ्यापक्रमहत्त्र—

माडेना कि. काश्राव, नद्यान। 🗃 গাসাবসার ঠাকুর বুলাবলের স্থান। वक्ष-जीवहाँबहारी उपवासी। (১২) ভাগবভ আগন 🕮 গাগৰত তোল, কুঞ্চনগর, নদীরা। वक १-- श्रीयशानम अञ्चलारी।

(১৩) প্রীত্রকায়ন মঠ ८क्टें। मनाकी, क्रम्मनगढ़, नशीया । बन्द-श्री बङ्गानम् अन्ता वे ।

( ১৪ ) औनाश्य दशीकोन्न यर्ठ >•भर •शावभूव द्याख्, हाका। **न्यरण**त ज्ञातान-८७४, श्यास्य ज्ञी ७३-क्तीराक्ष भाष्क्ष्या-शिविभद्यत्र दशवा वस्त्रमान । इक्- क्रियाश्वय व्यवनारी।

> ( ১৫ ) धीटगानामकी यह क्यमः भूत्र, हाका।

(भागानकोत्र आदिश्रहत आहीम स्मरा क्ष्य--- अव्यागरमो शवाही।

## (३) बादगोडी स मर्ठ

১৬ मः वाणिक्षमात हक्रवादी हैकि. (भा: नागवाक्षात, क्रांसका : किशासनाम दि. वि. 851e

শ্রীমবাহা প্রত্যারিক স্থানিবাল ভর্তিপর্য-প্রচারোলেলে গৌল্লালের পদাবাদা নগ্ৰী কলিকাভার প্ৰীভিজিবিনোর আগনে ত্রীম্ঠ প্রভিট্টিভ আছেন। এট অক্ত সভ্যাতামে 🖫 এক্স-লোরাক্স-শ্রীবিলোদানক জাউ সপার্যদে নিতা সেবিত হন। পৌতীক আচার্যাপরের বাপভীর প্রস্তাবলীর শ্বপ্রচারোদেশে শ্রীমঠে দংলয় একটা শুরুতৎ মৃদ্রা-ষয়াশ্য সংস্থালিত ভট্টাছেন। পুলিবীর দক্ষত্র জ্রীগৌতনাম প্রভারার্গ এট বস্তালয় व्टेट '(श्रीक्षेत्र' शाखांकिक शत्त, जि. क्यूबासिष्टे शाशिक शत्तिका देखा**छी क्षाबा**क নিয়মিও ভাবে প্রাকাশ চ ভইজেতেন । শ্রীমার পার, সভার্তন, সপ্রান্তন, সপরাক্ষান, সপ্রান্তন, সপরাক্ষান, সপ্রান্তন, সপরাক্ষান, সপ্রান্তন, সপরাক্ষান, সপ্রান্তন, সপরাক্ষান, সপ্রান্তন, সপরাক্ষান, সপ্রান্তন, সপরাক্ষান, সপ্রান্তন, সপ্রান্তন, সপরাক্ষান, সপরাক্ষান, সপ্রান্তন, সপরাক্ষান, সপরাক্যান, সপরাক্ষান, স্বান্তন, স্থান, স্বান্তন, স্বান্তন, স্বান্তন, স্বান্তন, স্বান্তন, স্বান্তন, স্বান্তন, স্বান্তন, স खीगद्वाप्तक, जीरिकक-5विकायुक्षापिक्योत्। ७ फ्रच्यास्त्र समाक् **चारमा**हना वर्षक থাকে। মালকক-মাচাধাত্রিক প্রীপাল কুটবিবারী বিশ্বাভ্বৰ। সহকারী-পাতিত শ্ৰীপাদ অন্তব্যস্তালৰ প্ৰবিভাজনৰ বি-এ, লীপাদ প্ৰক্ষানক প্ৰবিভাবিনেকে বি-এ, क्षीभाव क्षांप्रतिकादी अक्षभावी. जीभाव व्यवक्षात्रम बागाधिकादी वि-व. जीभाव बर्टणाणांग मात्राविकादी, अञ्चलांशी श्रीकीखनानम, अवलांशी श्रीणातीत्वाक्य, अम्बलांशी ত্রীক্ষণনক ভবিশালী, বন্ধচারী ত্রীদেবকীনক্ষম, পবিত শ্রীণা নবীনক্ষত ত্রিবজিপামী শ্রীমন্বজিপ্রদীপ তীর্থ মধারাক্ষ এখানে হরিকণা কীর্ত্তন করিতেছেন। পর্যাপ্রভাগতার ভক্তিশতে প্রভৃতি।

## ( ১৬ ) श्रीनवार्थे-८भाः 🐄 मर्क अधिककि श्रास्तिनी मछा, वालिय

च्यानाह-दर्भवादम्ब निष्ठ। दमवा दक्ष - श्रीलन्स्छ उन्हारी।

### ্ৰে জ্ৰীভাগৰভজনানন্দ মঠ

फिक्रविता, वाक्षासवस्त्र, स्मानिनी स्वता धनारन ने कुक- श्वाकाश-शक्तिका-সিবিধারীর কিজাদেশ বস্তমান। রক্তক— ব্ৰহ্মদী ভ্ৰীভগৰানগাম্ভী। ব্ৰহ্মচাতী প্ৰানক

## :১৮) आवनार्याखा अश्वा अव

विष्यवैश्व ८५११ वर्षामा

लो धक्रणाताम क्रिश क्रांसका 'बातवाडीन बिकारमना। बक्क-अध्यामी श्रीवि-! tecess !

#### (১৯) এপুরুবোত্তর মঠ

पर्राष्ट्रांक, भूबी, इंक्सिया। वयास खेल्लीव-विस्तामभाषवश्रीव जिल्हा-ভাপ্রৰ সনিভাৱে এপ্লাবলী প্রচার-ক্ষেত্র। ; সেবা বস্তমান । রক্ষক — অক্ষচারী শ্রীপরমান सम्म विमात्रकः बच्छाती श्रीतमीयानसः।

## (२०) बिलक-दर्शकी है मर्छ

व्यागतप्रमाय, अक्रियांत द्वाः, अदी । व्यवस्थितिया अनवगत सम्राह्य व्यवस्थाना सन्दःस । वक्क---वक्कावी ध्येभवरभवती व्यमामकी। जरूका ---अमार्गा के विश्वालिमाविका ही ।

#### (२) अभिक्षितामक गर्द

केष्णितावास्त्रात्र, कडेका अयात दीखर-त्यात्राक-वित्यापत्रमन-चीत्र लिखादमवा वसमामा युक्तक---वषकाशे खोगगार व

## (२२) जीमनाजन-ध्रामित वर्ष

अमर क्राक्कारम भूदा, काले । গো:-পদাসপুত সনাতন-শিক্ষাত্ম। এথানে পোর্গোরা বর্মান। বৃদ্ধ---श्रीकान्कोनावद्यो ।

## (२०) श्रेक्सरेहरूम् बर्द

जीनु गरभ्याम कुछ, जीनाम बुन्यायम । में में वाधा-जब-त्याहराक्षीत त्यवा। গ্ৰহ্ম ক--- শ্ৰীগণগতিনাৰ ব্ৰহ্মচাৰী

## (२८) ञीপর্যহংস হত

देनाभवावनाः, मोखानुक

এখানে ইভাগত গঠেশালা 🗨 **ब्योरभोर-निटनाम विमागकी**त रमना वस्त्रमान। बक्रक--- बक्रावी दीन्गारशासक व बक्रावी सीनसङ्गाम ।

#### (२०) औदेहज्यदशीक्री सर्वे

ভূম্রকু ওা, চিরকু ওা, মানভূম: ইঞ্ नीरेऽ ७ ज-महत्रत्र वाशः वक्तक—सीदमा-मान दास, डीएफरनायन अस्टः वी । जीवाय कीलं दण:धतितः

#### (२७) नहामदशीखीय अप्र

कुर्करक्षत्व, श्रात्वचत्र, कुष्ठान । अश्राद्य व्यादिकार्यन्यादम् । अत्र वक्षमामः। ामा --- विक्राता ने विकास बहा। (২৭) প্রাক্ষণগড়া প্রগরাজনম্ম

आक्ष्मणाचा, (णाः भाष्ट्, ।तकः धारात्म वक् कुलकृष्टि सीर्राज्यात्मक रमवा वर्खयान । वक्त---बयनारे ही शानकक-माम, और्राशांत्रम अक्तारं।

(२৮ विज्ञा त्याक्षेत्र २ठ-कार्यानर : b ( का , शावात , Teif शिक्षी । व्यक्त- विषावयामी द्यामहर्कि गर्मण-शिक्षि महाराज्य, स्वीवाधावमणहवणमञ्जन

(२) द्यामामभाषाळ्यकात्मक वरूप-वक्ताती स्वीक्षास्थालस

दक्न गांकीको चक्कत-भागल भक्त ६३ ट्रें प्रकाशि शहांची शांची একটা ভারতীয় স্বাক ফিল্মু কোশ্পা-मीएड बार्वात डाँशांत नानी असान ऋ दान।

ভিনি বলেন,--লোক জিজানা করে, কেন আমি থালা-পাণল। সাত লগ গ্রাম আছে; ভন্মশে বহু সংখ্যক গ্রাম অদা-শনে বাদ করিভেছে। বংগ্রের মন্ত্য প্রায় ছয় মাদ গ্রামবাদীদের কোন কাল थाएक ना। छाशालाब काग्र काश्रिक কিছু কাল খুঁ ভিয়া বাহির করা আবশুক। ष्यामारमञ्ज छाशामिशरक कि प्रकाश मिर्ट्ड । रहेर्द । यहें काम हहेरहरू एक किए। স্তাকটো যদি সকল গ্রামে প্রবৃত্তিত क्तिष्ड रूप, छारा स्रोल आसारमञ्ज अकत পরিবান করা স্বাভাবিক।

### होन का छिम्दल वृष्टिन त्वान्ती

প্রকাশ, রটিশ ক্রুড়ার "ভিডিলটিভ" মানকিং অভিমূখে রওয়ানা ইইয়াতে। ভথার বৈনেশিকের বিশেষ অনিকার পরিত্যাগের শ্রেশ লইমা গোল বাভিয়াছে। मानकिः इहेटच 'दिष्ठिवित' এव सःनात-माछ। कानिष्टिशाटकन, ठीटनत शनगटमाछ বে শমস্ত মামগায় কোন না কোন পালে বিদেশীরা আছেন, গেই সমস্ত মামলাট -বিচার সম্পর্কেই নূতন নিয়ম প্রচার , कतिषाट्या मुख्य निषय व्यष्ट १८त खाशामिशाकर "दितनी" विश्विम भगा कता क्ट्रेट्रा श्राहाता ३२२२ नार्यत ७३८म ভিষেশ্বর ভারিখে বিশেষ অধিকার ভোগ্য : কোন না কোন বিলৈনী ভাঙির অন্তর্ভ ছিল,এরপ বিদেশী ব্যক্তিদের বিচার ১৯০১ দালের অসৌবর মান হটতে চীনা व्यामीनटाइ ४३८व। ७१४ करावका दिर्भव श्राप्तित सञ्चित्रमान मृश्ध्रहे. है। तिनन, भूपातन ७ क्यांन्डेरनत क्छ বিশেষ আদালত প্রতিষ্ঠা করিয়া বৈদেশিক मः भिरे कोखनाती छ । त उपानी मामलात । বিচার করা হইবে।

## **চট্টগ্রামের ছয়টি মেল ব্যাগ লুঠ** ভাগি হরকর। গুরুতরক্রপে লখম

মার্থিণ চর, মহলদর ও অভাজে পোষ্ট অফিনের ছয়টি মেল টোক , मान शक्तामार्कि दशांश्रं व्यक्तिर व्यानदात् । मध्य भविमामा त्राकामाहि ४३८७ ३३ माईल . মুধ্যে আ। জান শোক কর্ত্তক প্রতিত তবং তারভার হণে 600 ७ कश्तकत्राभन

ব্যাগ ওলির ভিতর যাহা ছিল নমওই অপদত হটয়াছে, কিন্তু ক্ষতির পরিমাণ এখনও নিদ্ধায়িত হয় নাই। ভিনম্পন युग्नमार ये छान निज्ञा याहेएडिवन जिन का किएक स्वीतिए नम्ब इहेगाई। ভাষারা আভভাষী বলিয়া অস্থানিত হয় 🕯 ভাহাদের নিকট কতকগুলি নোটের অন্থাংশ পাওয়া গিয়াছে। পোঠ অফিদ সমূহের ইনসপেক্টার ঘটনাত্তে গিছাছেন।

### বোদাইয়ে পিকেটিং

বোম্বাইয়ে পতাকা দিবসের উৎদবে বত লোককে কংগ্রেম মভ্য প্রেণী হুক্ত করা ছট্টাছে। প্রকাশ প্রায় २००० হাজার। সংখ্যারী সভা ধেণীভুক্ত হইয়াছেন। ২০০ শত সাম্ভিক প্রেক্সালেরক নির্দায়িত হইমাডেন। এপানে আর লোকের लारबाक्रम भाग। (सामतात १३८७ लाग শভালিক মেণিয়া প্রভাষ্ট বিদেশী বঙ্গের लाकारम शिक्किंग कतिहरू । जनमात *হুইরা*ড কংগ্রেসের তুলেজীন পাছির হুইরো অংশ) করা মার ১ বোদংর, মে মালের লেখেই স্বেক্ষ্যাব্যক সংশ্রে ক্রাম্প প্রাপ্ত ৪

## গয়লার বাড়ীতে ডাকাভি

গভ শনিবার রয়েত গ্রেশছর বুল্লার মনিব,মপুৰ পোৰৱড্জেৰে ব্যিষ্ট গ্ৰহাৰ বাড়াঁতে ভীৰণ ভাকাতি হর। প্রিচে। প্রায় কুড়িছন চাকাত বন্দুক লইনা বাড়ী আজেমণ করে। বাড়ীর লোকেরা বাধা দিখেও শীপট অভিভূচ इडेग्रा श्रहा (\* व श्री: ख डाङ्का संगास ও গুখুলায় তিন হাছার টাকা প্রহীয়া চম্পত্ত সেয়ঃ - গৃহবসৌতের একজন ভীরণ-ভাবে আহত হটারতে।

## ঘুসুড়ীতে ভীষণ অগ্নিকাণ্ড ममकरणाऱ .लाक क्रथम

कर्मक निवंश ठठल गवा। १॥ घंकेकान्त সুময় হাওড়ার অভুগ্ত মুরুড়ীর পাটকংশব छन्दिन व्याधन व्याद्धाः।

কলিকাতার দমকথের ঘাটিতে এই थनत्र (शीकिरण करिल्डिंग बाना नगकन প্রেরিভ কয় । দমকলের গোকেবা সমস্ত রাত্রি ধরিরা আভেন নিভাইতে ৫৮.1

রাজি আলাক ১১॥ ঘটাকরে সময় বাহাঁর প্রকাও দেওয়ালের অনিকাংশ करार भारतिया भटक, हेबाट क्यकटला (भाकत्त्व मत्त्र व्यष्टाञ्च व्यक्तिक स्टि হয়। ধনকগের একড্ন গোক সামাগ্র तुक्य क्ष्म इयू।

মেসাস এতাক ইউল কোম্পানী এই পটিকলের ম্যানেজিং এজেণ্ট। বাড়ীর

তাহাদের সাহাট্টো ডাক হরকরাপণ জন্ত ক্ষতির পরিমাণ প্রায় লক টাকা লমুহের ধ্বালা রাশিবেন, আল**রা ক্ষেত্** विनयां द्याना वार्त, अहीरमञ्जू अधिकार काम कार्याकिनाटम् कि निः मक वर्षेटक मनि क्छ कछि इहेशाटक जाना यात्र महिंग क्षत्रर वांनिका चित्रत्रक देशाटमात्र जान কিভাবে আঞ্চন লাগিল ভাহাহাত, জানা ভাহাদের কোন ভারে কারণ নাই, बाब गाउँ।

> থবর পাওয়া গিয়াছে, এই আগ্নি; সম্পূর্ণরূপে নিঝাপন করিতে ২৪ খন্টারও বেশী সময় লাশিয়াতে।

## নিঃ পেডীর হত্যাকাণ্ডে**র ভের**

দেদিনীপুর কলেছের বিভীয় বার্ষিক শ্রেণীর ছাত্র ফণীলুনাথ কুছুকে মি: শেডীর হতাবোগু সম্পর্কে ধৃত করা হয়। त्म भूमत मध्युमा महिल्देरिव निक्रे छो मरमां ४ क्षे च्यारनम्म क्रियाध्य स्यः ভাষার নিকট হটতে স্বীকারেনজি আদায় করিবান জন্ম পুলিশ তার্হার উপর ষ্ঠাচিরি ক'বড়েছে।

सहकुरा साकिएहें एके चारवणन স্থক্তে ভদন্ত করিবার ভার পুলিদ ইন্যপেরয়ের উপর শিহাতেন। ৭ই মের মধ্যে ভাষার রিলোউ লাখিল করিছে

## (कर्म कःट्यारम (मनश्चरश्चर र स्म अ

গত তরা মে কেরণ প্রাদেশিক সংখ্য-লনে জীবুক্ত ভে, এম, সেন্ডপ্ত সভাপতির ष्यांश्रम शहर करवन जदर कह बहुत्व बहुत्या দেন, 'থাকরাপ্ত নিদাবে ক্ষিটি যে সমন্ত প্রেন্তার করিয়ামেন এল জ্ঞানন মন্ত্রীয়ে काष्ट्रे इक्रिक भित्राहरून, ए।शहर वाहि 👁 বড়লটে দিখের হ'তে আইন প্রাণয়নের ध्यम क्षमणा (एक्या इन्हेंब्राट्ड (४, (कान রাফোট এরপ প্রায়ুর অমুখ্য পেওয়া হয়

(कान वायुक्तामनकीय (मर्मके हेरिका কড়ির ভারে ও অর্থ নৈভিক বিভালের পরি ठालन विश्वविश्वामात्रात्र शहर cm एशा अग्र যেশমন্ত ইংলাজ ভারতে জন্ম-গ্রহণ করেন নাই ও ভারতীয়দিণের মত স্বাভাবিকভাবে নাগরিক গ্রন্থতা ও অধি-কার পাওয়ার যোগ্য নতেন. সেই সমস্ত हेन्द्राक्षणिशतक कामता। निन्छद**े छात्रट**स লাগরিক বলিয়া আকার করিয়া বছৰ ना । काहाबिशदक बाधता विस्वी विश्वाहे ভাবিব এবং নাগরিকদিগের যে সমস্ত অৰ্থ নৈতিক ও রাজনৈতিক ক্ষমতা আছে, সেইগুলি ২হতে তাহাদিগকে আমুরা निक्टबरे बाम मिन । किन्ह त्य नगण रेश्याम , इरेब्राटेस । 🖰 আভীয়ভার সর্ত্ত রক্ষা করিবেন কিছা দেশান্তরের বিধি-বাবছা অসুযামী চুক্তি

ইহাও বলিতে গান্ধ।

**এই আছটি গোলাটেবিলের আগানী** विकेटक म्लाहेकरन खेणानिक स्वेटन अन्द जि निमित्रक छेशाल शक्तीन स्टेटक श्केटव । क-रक्षभद्भवकान् **कान्यद्रवन्नः भूर्य** বাৰীনভাষ প্ৰতিজ্ঞানত এবং এই সমস্ত करटअभीभिटगंत गश्चि टेनर्रटक हेरबाटकक मिलिक व्वेटक व्वेटन : ख्रुकार (नाल-CBविण देवप्रेटक यनि कञ्चकश्रीण बादबा জিনিব উত্থাপিত হয়, কংপ্রেসনায়ত-, गण डिहारे माथा माजिया सहस्यत. धामन कथा दशन (कड मान ना काक्रन ।"

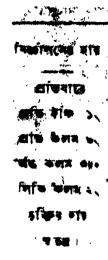
क्षीमुक्त राम खन्न ५ जीगुक रक, क्रक निविधानिक निभूग सञ्चार्थना (४ ९४) इके. शांका जीवृक्ष महिलाम ८क्षण श्रास সন্মিশনে সভাপতিত করিয়াছিলেন।

## **होटन देनरम**िक घिर्मात खिक्स

গতে, করা মে ইংলাগের মে সম্প্র রাষ্ট্রাতিরিক অধিকার আছে, ভাঙা णतिहारशत एक वह निमा रतिया **रास्**क ও চীন কপ্তগকের মাত্র কথাবাকা ১ লিডেডিল - কিন্দু রংজনুচন্দ্রল আনি**ক্রচের** নীমাক্ত লইচা এই কগাৰ্ডেন ভালিয়া িছাছে। শামাণে এট কণাৰাক। স্থানায় षांत्रष्ठ ६६८व. अस्य यक्षा (१९४१) योष मा। किन्न भारमधिका, कुाका क सामारमध महिन्छ बाटलाटवत मञ्जानमा दलका वाके-८५८६। এक्स विश्वास ८४, छोमा कर्क्सक दे दे छात्रिय देवदमिकनिरणत अञ्चितिः রিজ অভিকরেমন্ত বুপ করিবায় জয় (यायना क्रियन।

## जिल्लो यञ्चरक्षत्र सामका ज्यापाण एक विश्ववाञ्चक भवनि

গত ২রা মে নমা সেলেটারী কট अद्विशिकात्र विश्वी गड़्यक मामनात्र अमामी আরম্ভ হয়। অন্যাশত গুরু কড়া পুলিশ भाशात्रा डिन । करण आवम कहितान পুর্বে মহিলাদিগকে পর্বান্ত তলাস ক্রিরা रमधा क्रेमां किन । जिल्लामी निशंदक कारले राज कि भिन्ना जामानटक जीना रहेबाछिन निश्चवात्र्यकं स्वानि कविद्योधिक। खेळ विवन नवस्त्रेत्र भएनेत्र ६ अध्येत्र नामन खेर्न कत्रा





भागा(यात इ वा श्रमात्मय । सामिक कर् भाषातिक ८ ত্রেমাসিক ২৮০ মাসিক ১১ 2151W প্রান্তি সংখ্যা ব

四年四月 日日日 四日日日 日日日日 日日日日 日日日日 日日日日

৬ষ্ট পশু

–এই ভটোব্ৰুনাথ বৰেদ্যাপাধ্যায়, কেদান্তবাচস্পত্তি

ि ८१मा मरभा

শীলৈতসামার জালাম মাহাপার- ১৬লে বৈশাম শনিবার ১০০৮, ১ই মো ১৯৩১

## नाना कथा

## কুটিয়ার বিবিধ সংবাদ মিউনিসিপ্যালিটির নির্বাচন

কুটিয়ার আগামী মিউনিসিপ্যাল নির্বাচনে ৫টি প্রয়ার্ডের প্রত্যেক প্রমার্ড इडेटल्डे बाबाटक कर्ट्यम् मटनानीख् मध्य নিকাতিত হটতে পারেন, একভ ভানীয কংগ্রেদ সম্প্রতি উচ্চাদের মনোনীত लाधीत्वत्र गाम लक्षा क्षिप्रका लादन लाडिया'निका इहेबात मछावमा, कांत्र इंट्डाबर्गाई अगश्यक महरत सीटियङ क्षांना क्षांना इस ब्रेगार्ड ।

### कारमाम-आरमाम

कृष्ठिया महरतस मृदकतृत्री मन्त्रांकि कृष्टे-ज्ञाटक "मज्ञमिक" "शरशत रशर" ७ "मर्ब ख्धा" व्यक्तिम कतिया दलाइम्ट्यत अनामा আর্ক্তন করিরাছেন। স্থানীয় "পরিমণ রন্মঞ্চ" বিদাত কয়েক বংগর পরিভাক অবস্থায় পড়িয়াছিল; বস্তমানে ভাবার छेडा ज्यानगरमञ्जू सामम समहत्व मण्डू इदेश छेठिशास्त्र । "यहील त्याहन रता" **७५ वर्गरवह माद्या मरजन**्यत्र देवरूक बाहारक दात्री हत, कक्क वृतकरणत मरना माङ्गा शक्किया शियाटक अवः क्षानम छेटछाटन कार्या व्यक्तिक बहेशार्छ ।

## कृष्ठिम मिडेनिनिनाम अकारणमी.

"সুষ্টিয়া যিউনিধিপ্যাল একাডেনী" माधक क्रिके बें:बाबी विचागरवत निर्मान मिन इहेन काजाहिया हित्नत्र वाजी इहेटल িশ্বলটিকে নিজৰ পাৰা ৰাড়ীতে <u>স্থানান্ত</u> त्रिक कन्न इर्देशारह। यह कुन्ति मध्यक्ति मधारेपत्रात्री विधानम श्रेटेंड क्लिकांछा विश्वविश्वानदात्र अस्टर्शनेन अञ्चात्री छ। हैश्बाकी विकाशस निविश्व रहेबाट्य।

# कृष्ठिश् । त निविध भः नाम

কুমিলার গথে শ্রীযুক্ত সূভাযচন্দ্র

# জেলে শ্রীযুত স্থরেশ দাস

ব্রাহ্ম মহিলার হল্যার জের—ছইজন আমানীর গজত বাস

# নেত্রকোনায় ঘূণাবাত্যা

মুক্তিপ্রাপ্ত রাজবন্দীর নিরুদ্ধে মামলা

ভি, জে, প্যাটেলের স্বাস্থ্য

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

भोतान 88%

মাজ ১/১০ ডাকটিকেট পাঠাইলেই বুক্পোষ্টে পাঠান হয়।

ম্যানেজার - গ্রন্থবিভাগ শ্রীচেত্রভাষত, পো: শ্রীমারাপুর, নদীরা।

#### व्यावशास्त्रा । अवाषा

গত ৰ সর ব্যার পর ২ইটের এপানে कारी थाव ८ वर स्ट्रिस्ट ध्वरः स्ट्रिकः पात्र दृष्टि मा स्थ्यात्र कामशाशात्रदात्र, विष्मिष्ठः कृषक गर्भत त्य क्रमणा छेनिहिङ इहेग्राटक, जाहा ध्यवनीय । ध्यादृष्टित बास मरखत घराड कि इंटेस्ट्राइ নিক্টৰ গ্ৰাম সমূহ হইতে ছই একটা কলেরা ও ব্যস্ত আক্রমণের সংবাদ **পाश्वम याहेर**क्टा

## কুমিল্লার পথে ঐযুচ শ্বভাষতত্ত

কুমিলা রাজনৈতিক কথী সংখ্যানের নিকাচিত পভাপতি শ্রীণত স্কুডানচন্দ্র থম্ম, জেলা ছাত্র ছাত্রী সংখ্যানর নিকাচিভ সভাপতি সাছিতা স্নাট্ ठळावरी, अपूछ व्यक्तिक्रात शानुवा, नाटिव च्व छेनकात हहैत। काल्डिन नरत्र जनाव मछ, खीबुका विभव-

িবর্ণ ছভা দেবী, বহীয় প্রাদেশিক ছাত্র মনিবিৰ মভাপতি ইনুত্ত কিরণচন্দ্র দাস, সম্পাদক খ্রীড়ে অবিনাশ ভট্টাচাধ্য এর ৬ই মে চরিল্লান কেলে কুমিলা যাথা ক বিয়ংছেন ।

## িভিয় **প্রেশনে সম্বর্জনা**

ভাগেরা গণে বাহ্যাড়ী, ভারপাশা, ধাংবি পাছতি ভাবে বিপুৰভাবে সময়িত - ग । केल्याच धोनादम द्वीमात द्वीपाठनाच বত পুর্বেহ বিশ ভালাবেরও অধিক লোক ওাংগাদের সহস্কনার্থা ভথার সমবেভ হটরা-ছিল। তাইবারা টাদগুরে পৌছিলে বিপুদ-ভাবে অভ,খিত হন।

#### ভি. জে. প্যাটেগের স্বাস্থ্য

कीएक जि. प्या. नोहिष्टियत गृह िकि नक छा: शि. छि, शांदिन ভित्रना इंडेएंड मरवाम शाहिलाट्डन त्य, ब्रीक छि. কে, প্যাটেল নালিংছেম <del>(সেবা</del>গদন ) ভাগি করিমা এলগরিবেষ্টিভ একটি স্থানে পিনালেন। এই ছান্টি ভিয়েন। ইংক্ত ্রেলে ''চে ঘণ্টার পথ।। এইস্থানে তিনি তিন স্থাত কৰি অবস্থান ব্ৰিব্যৱ মন্ত্ কবিরাছেন। তথা হইতে প্রভাবেভানের পর ত্রীপুক্ত প্যাটেলের স্বাস্থ্য পুনরায় পরীক। করিয়া অংশাপ্চার আবগুক কিনা বির क्द्री इहेर्द ,

## निशासगढ्य रहि

গত এবা মে নিরাজগঞ্জে বেশ খুষ্টি इहेरांड्ड (कान एकाम यामवाद हेडी चूर्व श्चीवृत्व भावप्रस्थ प्रदेशिपात्रायः, स्थीयत् (तनी क्षेत्रारणः) (काशां क्य क्षेत्रारण विणिनविहाती शाक्ष्मी, हायुक हतिद्वात याना कता यात्र धहे वृष्टिक धान धान

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## (बाना इरेशदह।

আভিজ্ঞ ও আনুর্বভিত্তির বিক্ষক্তরণ ছাত্রনিগকে অতি ষল্লের সঠিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী শেত্রগ্রের জন্য নিনা লাগ্রে স্থন্দর স্থাস্থানের ৰন্দোৰভঙ্গাতে। খান অভাৰ প্ৰধাণৱা

> স্বিস্তার ল বাদের জন্ত নিম্নলিখিত চিলাল। প্র লিখুন। সেয়েভারা, ভাকুর ভক্তিবিনোদ ইন্টিডিউট্ 🚉 (১৬৩ নম, ১০১৪ 🟝 ম(মাপুর, ১৮ র) ।

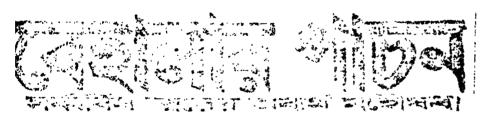
## ৫০ বংগ্রের প্রাক্ষিত করেকটা মঞ্বেশ-

जारकारकारीता काल मुश्र रहता .य अभाग्न शानामा लग्न वितारकार मान रम्भ कर देश करू देख शुक्रक प्रदेश १८ छ । । अहा तील ए अवाहत क श्राह गण कम्म र

- 5: इक्टलच्या निका-स्थार मारकेत उद्यान कालन लाइ रक्षा। है। জুলনা জ পুনাৰত ১০৩, মুখ্যাসা, কলা জাড়াতা এ গাড়ীবোনলিবেগৰা স্থাতিকা স্থাবিতি, **(場形 出付 とかかる) 「 (1) 、 (1) 料) なりかす**。
- ৯। স্থায়ুপ্তিস্তাল ৰটিকা সাদাল লাগিলৰ অভূগেকা কিশাবিধালক ওমৰ स्य एकाम (नोहरू छ भागातक ४१६१४म का अ'लक्षा और ११ में किये व विवेध विवेध Tel (元) 1374 .
- **७। अकुत रा**ष्टिमा-स्था उपराम श्लीर सम्बन्धार तका व महोद शाकुर ख्यका पालका करा भि । ए पर करणा तक का का का का का का कि आ कि ।

के किन व्यक्तात्व व्यक्तक छन्तनात्र मृत रहि .का अ के काकार क्षात्रकात :-- स्मान क निर्देश स्थायाया २८००१ तकताचार हाउ. करिकाल।

## কাবরাজ শাশভ্যণ কবিষ্ঠাভরণের



মক্ষ্যবেশের স্থাবদার ক্ষত ৬ আঃ শিশিতে ঘণীভূত অবভার ছোটবেশ্বলের স্মণরিক্ষাণ खेबर फाटक मार्ट्राम बह, बकाट ह लेखरमद दकाल शहिराक्षम करा कर माहै। मुन्ना शक्ति कि कि no काम, भीटिंग क्षेत्र कामी, त्वाक्त कर वामा।

অফিস-১১নং উজীডাঙ্গা রোড, পোঃ শ্বামবাজার, কলিকাতা

क्षारंत क्षक्रणीय, यहप्रक्षम, मान्यारणात , तुम ४६ क्षकृति, कविका सकृति सकत नवत निर्देशक ब्लाइक्षाचा वस्त । चन, बीवी, स्वया पुष्टि कतिहरू अधिकीय हैनिक। मुना ६० पते 🔍 जब होसा।

"নপুংসকাভারি মৃত" পুরুষরণানি বোলে বাঞ্জয়েগে ছারা ভারোগ্য कविता जिल्लामा के कटबन भूगा व दकामा २<sub>५</sub>वाका १ -- অপৰিলাসিনী ৰটিকা<sup>গ</sup> দীবালারণ কংক শবোগপাঞ্চ স্থামী ও বৃদ্ধি করিছে बाक्कालक्ष्य । ' मूंना ५७ वर्षि ५ , अ.स. हीका । बाबरेक नान्त्राञ्चलकी, त्कन्त्रचली ত্র ১৭৭নং কালিবনু হোড়, ওলিকাভা । <sup>(</sup>

## शरेरफामिन

## কোষর্দ্ধি রোগ

ডাঃ এস্. এন, খোষ বিনা আলে, या विक्रीतरमञ्ज भारति विका देवका कि काबाः १८७ ८काथवांक स्त्राण व्याद्याणा कतिमा पाटकम ।

ঠিকানা---

## শূলায়ত

णिखन्तम् अन्तर्थे मत्त्राययः। > आकृत्यः क्षेत्रम्यः, मञ्चादः व्याद्यानाः । अस्ति ho बात कामा, नक Sie काना। शक्त भुवक्।

## শুক্রাচার্যা সঞ্জাবনী পোষ্টাই

क्षार्थक क स्वरूक्त का कमान भारतीय । भूगा > किया ::- स्वासा । भारत

৩। সন্ন্যাসী-প্রদন্ত অর্শরোগের অব্যর্থ আংটা भारताना ना वहरण मुला दशकर । मुला ५ लक्षाना । भाकत लुबक्र

#### (काष्ठ-वास्तव शीन 8 1

चकीनं, ८ : हेकेंग्ला, १९६८ वस्तात प्रदर्शयम । किया ॥ • माना । भारतम भूतक ।

## - বাতল'ৰ

तारुट्डारश्व म्हालकाती क नेष्टारक धारश्चामा। व्यक्ति निमित्तक धाना। भाक्ष भुवक् ।

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তুতকারক। সধ্য ক্যাটালগের জন্ধ পত্র লিবুর,

क्षां क्ष्यां न मरनारमाहन (लगरतं हेर्जी

(भाः উग्नाजी, कमलाश्रुत, छाकः,

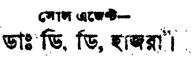
# মনোমোহন প্রেস

পূৰ্ব ৰাজালায় ভালতে সকলপ্ৰকার ছাপার জন্ম বিখ্যাত বৈদ্যতিক মেশিনে দিবায়াত্র কাজ চলিতেতে निष्ठ णामिट श्रेटन निष्य ठिकामात्र शक्त निष्य भगारनकात्र—भरनारभाइन ८ ७७ ग्

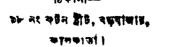
२०नर नचांचपुत्र, ठाका।

## মরা মারুষ বাঁচাইবার উপায়

यशिक व्यक्तांति काकृष्ठ मना भाष्ट्रय वीकाहेबास दकाक खेमप व्यानिक इक्ष काई गड़ा, छवानि वाकाका सामाबिक অনির্মিত উপারে অপ্রিমিত শক্তি নই ক্রিয়া জয়তে भवा क्षत्रा विकारकन बदर नाना काकाद (४४, कास्त्रक भाकृ मोसाना, प्राकृतिक प्रसंत्रका, वस्त्रुव, क्राव्यक्र, नावक्र मध्याख लीकः, सम बदर जीरमाकविद्यात मध्य याता यातक. 4%11, 3'51471, 'Y''''' (1 CT & BE-CUTE, fatter) व्यक्षि द्वारम कृतिम कीवरम भिक्षाम ब्हेसारक्स, कावास चारमविकात श्रक्षांतक छाकात लाहांक नारकरवत व्यक्तिक ইলে ক্ৰিক সলিউসন ৭)বছাছ কৰিয়া বাচিডে পাৱেৰ, कामात पक मरम व्यथान व्यक्ति वर्भाव मान्या मान्यक्ता वाकाका व्यक्ताक व्यक्ति क्रेयन वार्यकांत्र काश्रम ब्याटमाया क्रेटक शास्त्रम नारं, फाशात्रा अकवात अर्थ क्यकी वावशात अधिका रमपुन । जरू मारमञ्ज सावशासामारगाने जरू निर्मि स्वय कार्यभाषण गर ३३० हामा मास ।



म्द्रण्या, शार्क्तविष्ठ त्याहे, मानवाचा क्रिकामा प्लाहे क्रिश विश्ववस्थ



নিঞ্জ বিশ্ব বিশ্বন নি করিলে কাছারও আইত মুখল লাভ হয় না। অতথ্য তুঃসুদ শহকে বিলেব জ্ঞান আবস্থাক।

> প্রথমত: দেখা দাউক, 'ছ:সদ' কাছাকে , बारण ? माधानण विद्यारत स्मिरि: ७ शास्त्री ্ধান, বাহার থেরণ বস্ত বা ব্যক্তিকে ক্লচি, **७९ श**िकृत वश्च वा नाकिन्दे ए हात्र विहास BINT !

मफिबिय दाखि इन्हितिखरक इःमक्र - আনে বৰ্জন করিয়া থাকেন। সাধু অস্পুধুক **ভংগদ বিবেচনা**ন ভাহার সঙ্গ ভাগে করেন, কিন্ধ অভীব আশ্চর্যা ও হাজের বিষয় এই যে, বাঁচারা প্রকৃতই ছাসফে অবস্থিত, ভীহাৰা আবার সাধুসন্ধকে 'চঃসন্ন' বলিগা কীর্ত্তন করেন। যেমন, কাহারও পুত্র ধদি বান্ডবিক কোন সাগুর সন্ধ লাভ कत्रिया मः मात्र-स्राथ समाक्षीय क्षामा भूतिक লাধুনুছে সুভাচ কাল থাপন করেন, ভবে ভাঁহার শিভানাতা বিচার করেন যে, ভাগ-দের সম্ভাবের ছঃসঙ্গে পড়িয়া ব্রীক থারাপ ছইয়া গিলছে। নতুবা রাজার ঐশ্বর্যা, অব্দরাসমা ভাগ্যা ত্যাগ কৰিনা কি কেহ मझानीय मरण काल यालन कटत ?

कविकूमपूर्विमणि जीम कवितास গোপামী প্রভু শ্রীচৈতরভাবতামূতে 'চঃসঞ্চ' শব্দের এই গুকাব কর্ণ করিয়াছেন,---'धःमण' कश्टित टेक्छव, आधायकता । कृष्क, कृष्कक्रिक विना व्यक्त कामना ॥

ম্বাংসেবা বাডীভ আর যাহা কিছ कारता कता योत्र, नवहे छः मत्र । क्रकटनवात **উ**नाप्रकल क्रफटिक वाटीठ याहा किहू ·**च्यक्**रीन कवा बाब, সে भगछहे छ:मञ्र । আক্তাভিন্দাৰ, কর্মা, জ্ঞান, যোগ, তপস্তা, बान, बान, भूटें खरना, विटेखरना, चटेर्ननना ध्यक्षि मकनरे घः मम ।

বেমন রোগীয় পক্ষে চিকিৎসকেন केनरमनास्मादय खेबन-नवाति अर्ग कतिएक হর, চিকিৎদকের অনুষ্ঠি বাতিরেকে क्ष्णवामि अर्ग कतित्व छोरात्र त्यांग विमान লা ৰইনা বোগ বৃদ্ধিপ্ৰাপ্ত হইনা থাকে,ডজ্ৰপ ভবনরাজ্যেও পুর্কোক হংশগদক্স তথাগ मा क्रिक अक्ट मक्रम शाक करा यात्र मा।

শাপুসক্ষ কুক্তজি ক্সাইবার মৃত ্রিক্সমণ। কিন্ত বে সাধ্যক লবমাত্র লাভ कतिएन नर्सनिषि रहेवां बाटक, छःमण वद्यान ना कविश कांपून मार्गाल कांग्रेक्स वानर

নিতাপাস্য বৈক্পবাভাবত

আগ্রাহ-হার্ পুর—১৬জে বৈশাখ শনিবার—১০০৮

### আশার ছলনা

( খ্রীণুক্তা প্রায়ুলকুমারী দেবী ভবিলাপ্রী )

কে আসিছে ঐ বিকট ভীষণ বদন ব্যাদান করি' তা ওবনুতের কাঁপারে ভূবন বাঙ্গায়ে কালের ভেরী: ভীৰন প্ৰভাৱে নবীন আশাৰ ওপন আলোকে কুছেলি আধার দিতেদে আনিশ ধননিকাথানি সকলি সমাপ্ত করি উত্থান প্রত্ন প্রত্যক প্রবায় দেখায় স্থান্থ দরি ।

ভবু পুনরায় আশার কুহকে আকাশ কুপুম রচি' মন:স্থে মনের মতন কত যে সাজাই, নাই ভার কোন ঠিক। কেন এ ছবালা ফাগাও গরাণে, মাচাবিনি ভোরে ধিক্ ৮

ধবিয়ে নিমত আপার অঞ্ব कछ या पुलांक कविश ठक्षण এফি এছলন।, বুঝিতে পারিনা, কেন ধাই তেসে তেসে, আশাৰ কুহকে আপনা পাসৰি যাইছেছি কোণা তেনে। আজেলা দেখারে গভীর জীধানে কে গোল গো মোলে ফেলি, একি প্রমান, সাধের জীবনে কে দিস গরল চালি গ বিকট ভাষেণ পিছনে রাখি গ চার ছবি চোরে দেয় গো আঁকিল মাহাধ মোহিনী ক্লোর নেশায় সকলি রুলর বেবি। শেষে েখি হায় প্রহেলিকামর মুগড়বিকার বারি 🛭

আশার তুমাবে প্রভারিত হ'তে এসেছে কি সবে এই অবৰ্ ভে জীবন বীণার প্রভাত মূর্চ্ছনা রবে যদি অসমাপ্ত। ত্তবে কেন নবে নিমেবের তত্ত্বে করে বিবি বিখে বাক্ত ।

যাবর্জাবন ধরিয়া শ্রীনামকীওন করিলেও আক্রমণ করিতে না পারে, তছরের একটা কোন মঞ্চল হউবে না।

ভজ্জাই শ্রীময়াগ্রত ভারত্তর ঘোষণা करिहाटक्रन--ভারে চ:সম্মুংকরা সংস্থা সংক্রেড वृक्षिमान् ।

সম্ভ এবাত ছিন্দল্ভি মনোবাগসমূজিকিঃ॥ वहे साक्षीर्छ डिनी यहबूगा क्या च्यारक,....( ) १ श्र. शक्य व्यक्तन, ( २ ) **वरशक्** গ্রহণ ও ( ৩ ) সাসুর লফণ।

কেবল ছাসদ ত্যাগ করিলেই চলিবে ना, वादात्क कादा स्टेटिक व्यवगादकि नाक

অবস্থান কবিলেও কোন অবিধা হইবে না. কিন্তা যায়, যাহাতে ঐ ছঃগদ আসিয়া পুনরায় দুঢ় অন্তরাস আবম্রক। তাহা আর কিচু अप्र---गांधुमण ।

> ভগবান জীক্ষণ উচ্চাৰ ডিচাৰম ভক্ত উদ্ধবকে লক্ষ্য করিয়া এই শ্লোকটী ট্রানন্ত-ভাগ্রতের ১শ ছলে ২৬ অধ্যানে বলিয়া ছিলেন: ঐ তিনটা বস্তুই তাঁধার লক্ষীভূত

এদরার পুরুরবা উধ্নী-সম্ম পরিভাগে করিয়াছিলেন বলিয়া পরিণামে স্বীর আত্মাতে আত্মারাম শ্রীসভের দর্শন লাভ করিতে পারিরাছিলেন। স্বভরাং বৃদ্ধিদান। স্বামী শ্রীমদ ভক্তিবিবেক ভারতী

ী ব্যক্তি বিচার পূর্বক সর্ব্ধপ্রয়ত্ত্ব জ্লেছ বর্জন

সাধুসলে অবভান বাতীত জংসক বৰ্জনের থিতীয় পছা নাই। কারণ, সাধু-গণের কৃত্য এই যে, তাঁহারা সর্বক্ষণ निवयागरक कीवगटनत विवय-वामनाकर्ण শৃত্যক ওলিকে ( ত্র:সঙ্গুণ্ডলিকে ) শাস্ত্রযুক্তি-ক্ষা 🖅 🖹 । কুপান ধারা ছেদন করিয়া দৈন।

## দুর্জন্ম লিঙ্গ উদ্ধার-পথে শ্রীল প্রভূপাদ

( গ্রীনারায়ণ দাস অবিকারী পজিস্থাকর ভবিশাসী এম,এ-প্রেরিড)

পঠিকগণ অবগভ আছেন, গত ৩রা মে শ্রীল প্রভূপান কলিকাতা শ্রীগৌড়ীয়মর্ম হইতে পজিলিং মেলে প্রীপাদ অনন্তর্গান্ধ-দেব প্রবিষ্যাভূদণ প্রভু প্রামুণ ভারেরুকা সহ ত্ৰজ্ঞালিক অভিমূপে যাত্ৰা করেন। বহু সঞ্জন ভদ্রমহোদঃ পিয়ালদ্ভ ষ্টেশন পর্যাপ্ত 📚 প্রভূপাদের অনুশমন করি।ভিনেন। অভ্যথের রাণাগাট টেশন পর্যায় শ্রীস প্রাক্তপাদের শুভ্ৰিয়ার সাবারিও পাঠকারণ অবক্ষত कांग्रुव ।

अम्बिराई। ८हेन्य बीयुक दाधावत्र গোখানী এবং ডাঃ জীযুক্ত ছারেড্রচক্স দাস মহোদর শ্রীল প্রভূপাণের অভার্থনার নিমিত্ত রাজি ১টা হইতে অপেকা করিডে**ছিলেন।** ভলণাই ও<sup>6</sup>ড় টোশনে শ্রীল ভ**ভিন্তিলেদ** ঠানুর মহাশদরে প্রিয় শিয়ে শ্রীষ্কে কুষ্দ-কান্ত ভৌনিক ভত্তিকার মধ্যের প্রীযুক্ত गार की क्रमीकेंद्रना लिख ( धनकारण जिल्हा বির্লামহোরতের জামাতা) এবং **অক্সন্ত** । अभिह उप्तमस्यानकाम भूष्यामा होक : 🗐 व প্রভুগানকে অভিননিত করেন। **লিনিচ্চতি** ८३-गरन कानीब कर्राक्षम निका शक्किके-ীবাবহারবিং শীতিক লক্ষ্মারণাল মন্মরার া ( সাম্যাস ) মহাশয় প্রামুখ ভাগি দ স্ভত্ন ও · 'स्टामहाम्याम श्रीन आहुभारतः **बहार्य**ना कदत्तन् ।

জীমন অপায়ত ভতিসালক লোপামী প্রাভূ এবং বিদ্যাপ্তিশানী ভীনদর্শনিবিবেক ভারতী ম্যারাজ কিছুদিন পূর্ব ভইডেই ए जिला व महिमाधात्रक मिक्छ क्रिन া গাদের আদেশাসমাতে ই।মন্মহা এ ভুর শিকা ও আচার প্রচাল-কল্যা নিবুকে ছিলেন। ছজিদারস গোণানী গ্রাভু নিবিশুড়ি টেশনে লীপ এড়গানের অন্তাৰ্থনাৰ জন্ম অংশকা ক**িভেডিলেন**। क्षा इकेट आहेग्यान जिन्हासात. পরমানক প্রামু এবং সভিগানক ওক্ষারী বেলা ১১টার সদা লাজিলিভত পৌছিয়া-ছিলেন। দাভিলিং টেশন **হইতে ত্রিছাও** 

প্রমুখ স্থানীর ভদ্রমণ্ডলী শ্রীল প্রস্থাপকে নাই। হার্শান্ত অন্ধ মাত এবং ব্রহ্ম नावरत अवार्यना कवि । नुरेम् कृषिमी जानि । छान्तर महकाती भाव । अस्मानाधि चौद स्वतम जीन जान्त्रात्वत्र कार्नात्व । 🕶 প্রার্থনা করিয়াছিলেন। শ্রীণ প্রাত্ত-শাদ ত্রীবৃত্ত শিশিব বাবুৰ আগ্রহাতিশয়ে তাঁহার অপতিথা অধীকার কবিয়া সম্প্রতি ভাহার স্থান্মা ভবনে আব্যান ক্রিতেছেন

## শ্রীমধ্ব-সিদ্ধান্ত সমাহাতি

( > )

३। अभवष्ठ मध्य ७ मदिःसत्। ভীব অবুপ্রিমাণ, এবং ভগ্নানের দাস। বেদ নিতা ও অংগীরবের। প্রভারতি-শাস্ত জীবের আশ্রানীর। প্রার্থ সভা। ভর का भगार्थ स्थिम---श्राम् ए यश्रास्त्र । নিৰিল সদ্ভাষুক্ত ভগবান নিঞ্ খতপ্তভাৰ । জীব ও অভ্জগৎ অস্তস্তত্ত্ব। প্রমংসরা 🕮 ছগুবানের সেবা ব্যাহীত ভাবের ফ্র কোন কর্ত্রনা নটে।

স্বতর ভগবানের এসরতা লভে ' হার্ব ল্কা পাবে না।

অভনের ঘারাই সেই পুরুষার্থ লাভ ইট্যা। বিকার পাকিলেট রে এনিতা হটবে, এনন খাকে। ভিরুম্পি বাকা খিলিলন্বক। েক্ন কথা নাই। সত্তার জান না থ-পুলোর স্কার কথার কথা মার।

श्रीकात्र करतम् मा ; कात्रम, मृध द्वाविष्ठ ; নহে, দুৱাবায় ও সত্য অভিন , উল্লেখ কান স্পিত্—'ন চ জাত্ত্বের্র্যাতিত জান अधि महस्य।

 अ । काम माजरे सारशकिय । काडा स (सहय ना श्राकित्व कार्त्नावः इदेरह পারে না। জন্তা ও জেন আনের স্থিত চিব্ৰসংবন্ধ। জ্ঞাতা ও জ্ঞাবে সম্বন্ধ-বিচাত হুইরা জ্ঞানের খেবস্থিতি নাই মাত্রেই স্বিকরক।

बकाकर, जायज्ञल ও সভাপরিজ্ঞানের সভা। बाबदेवच न्यांद्रा, ১৭৭ন অনিস্বাদি প্রমাণের নিতাতা

টোরিয়াম পর্বান্ত অন্তর্গমন করিয়াছিলেন ! আমাণ শক্ষ প্রমাণের অন্তর্গত হুইলেই क्रानिति।तिगरभव स्वयाना संभाविरकेरङके शिकामा। नवशामार्यत्र दितायी इकेल ভাঃ প্রীযুক্ত শিশিবসুমার পাল পুর হটাটের বস্তবিচানে অপন এমানের ছতন্ত্র নির্মাচন সম্থিত হইতে পারে না : যেতেত ভাছারা च्यरभोक्षरभय भटक

> ভ। গ্রামাণ বাতীত কোন বিষয়ের যথাৰ্থ জ্ঞান জনিতে গাবে মা। জ্ঞানই জেৱ বস্তা প্রতিপালক, গান্ত প্রধান। প্রদাণ। पथम दकान कारानव छेलग्र इग्न, छिथम । भशः-न्छी असम क्लाम तल्लन लाइस्यभीयाचा नाहे. যহোবীসভিত এমাণীরভ বস্তব भेक शहीपुर শ্রেমাণ বরুপ यम। यादेर छ -३ जिलावत्रः आधारमा ा, विक हेन्द्रिक्षणि किङ्गु खारनव Kin H. च्चारमानद्वत सर हे<u>न्तिय ख</u>नि क्षानित यान करोट भारत में जारा कान्छ रेक्टिय-माश्रादां है वंद्धव महा दे स्वत কাৰে না। অভবং জ্ঞানট আনাল।

त्र । कार्य र कार्यमधी <sup>१</sup>५ (स्थापन महरू ) कार्यमध কাতের সভারা করাই অসতমুবা সেবক জীবের প্রম- 🖟 প্রমানিত হুইছে গোল ন্তান গ্রম নিস্কিল্প প্রীভগবানের ওপে। কেবজান নিচে, তথন বিবধ বা নৃত্যন্ত কাবজাই সভা আতীত ঐ পরম পুজনার্থ লাভ ২ইতে 🖟 কেন্তু সভান। হইকে জন্তেন কার্দ্ধি ছইকে পারে না। কাষা ক্রণিক হলবেও ভারা ভর্মজনি আদেশিক বাকা জন্মে সং, কারণের সভাত্তি তাহরে তেতু। **भूक्यार्थक्षण क्रम्बक्कारम्य क्रियम क्रम्म ।** २५५ सः भवितक्रेमस्य क्रम्मके एय छ।हा 🏙 গুরুপারপল্পার্থ জন্ম নামকবন ও নিখ্যে বং অবাক্ষর হটবে, উঠা কে বলিল ? বাক্ষ্যে স্থায় সাদৃশুপর। নিকাশ মৃত্যি । গাড়িংল অন্যত্যের বোধ হয়ে ম.। টিহা हर्य दहे आम निक लाल्य डेल्डबर किन ! এট জ্ঞান প্রতিষ্ঠিত। 'ইহা নয়' ৩। মারাবাদী দৃহ্যবন্ধর বাজবতা এই ফগ্র বলিবেই বন্ধর সভ্য প্রমাণিত इत्र । एका कें तुत्र उत्तर छाटा छाटनत विवधी-প্রবাং আনেট সং। কিব বস্তুত: ভাগা ; ভূত হুট্তে পারে না এবং নিখ্যা জ্ঞানেবও বিষ্ঠীভূত হটতে পারে না ও কা্যাকারণ তের অস্থা আহ্বার জের বার্টাত স্থকের স্থক হটতে পালে না। বাহাল কগতের মিথাাত্ব করনা কবেন, তাঁচাবা कांगाकाद्रस्थत निव्य अधिक्रम ७ च्छाडिकाद বিবেধে ধ্রধন করেন

भागावाणी वरणन, कशर भिशा : क्य मा, ক্ষগং দুৱা। যাগ দুৱা, তাহা মিখ্যা। এইরপ অঞ্চীকারে ভারতাসিক লোক হয়। কারণ, জগতের ধণন অভ্যর, ভগন আলায় অধ্যেৎ জনে কথনও নিৰ্মিকন নছে। জনে । অনিধাচনীয় অসিত্ব হওয়ার বিশেষণাও অপ্রসিদ্ধ। আর যদি সদসদ-रिकाकनाष्ट्रे विधा वना इव, छाज्ञाट । निष-শাক্ষা বেদ স্বভঃপ্রমাণ এবং নিতা। সাধনতা দোষ পাতিত হয়। স্বত্রের জগং

৮। বন্ধর সহিত বন্ধছেদ নিতা। ৰশ্বর সমন্ধ অবশ্ব থীকারা। गयक भाकित्वहै भन्नन्तत त्यम भाकितहै। भागाः वाती ८६ ८७८एवं रेशिंगिक कन्नमा कराम. छोश भिष्या । छैलादिक दनिरमञ्ज মিগাম নিশ্চিত হণ না এবং উপাতিত কথনও মিখ্যা নতে; স্কুত্তাং ভেগ নিতা লা পারমাধিক।

তের আত্মতার। তেরের উপ্রিক্স व्यमानिक नदर्भ अर्थमा उपरयस्य চেষ্টা প্রভিত্ত পার্থক। পাকার একে ১৬ र्डेट थुपर--- वर्ड अर्डी क बारम-(नद्र। জীবের অসকজ্ঞার, অল্লেখ্য, ভালকর্র, আর ঈশ্ববের সামতাত্ব, সপ্তশাক্তিত্ব । লাভূতি मकरतान निकाष्टि (विभिन्छ। अधिरा व विक्रुत महत्र्यां छ शनि छात्रव ऐ हाथ यो । रह. क्षांत्रियांका कथनहें भिष्या न्रहा করিয়ানেন। অভএন ভেদই গালগাথিক। खेलामिक । हर एम् ऋष्ट्रो हे व ऋक्षीकिक । र्र CERCO मर्गावक क्षेत्र न माधानाती बरवान, 🖟 विविधारक्षम——

मारात अवने ७.४ रहका विराधिक वर्ग কিছ দানাবাদ স্বাকার বাঁচিল ব্রহ্মটোমানার ग्रांशांचीर तुनाम क्यानके मधनशत नाम । কাৰণ স্বৰূপেৰ আধাকে অধৈতেৰ ধানি व्यक्ति। यश् ম্পালে ভর্ণতের 🖖 राजाहरू(स्थः श्रुक्तः ट्यरक (" "भापरीत श्रम्म । हार्य আগ্নার প্রাকাশত নিব্যন সিংসাধনতা यक्त (० किएसन्) ভগন কোনও বিশেষ হাততে নাই চ আয়া অত্যাস্থ্য, স্বরূপের দ নাই। পুতবাং অজ্ঞান কগনই আলোক हडेट शास ना। व्यक्तित्वतः अन्तर्भार िन्छित्रे िका प्र भार । स्टिट्स व इंडेन्। फा॰ धर (६४डे मधा। स्वासित আপেকিক্ম ও ভেদের পারমার্থিক্রই স্বীকাধ্য।

ম। শাস্ত্র সান্ধ গোটগাছ প্রতি शास्त्रक **मध्यः । उ**त्रत्न -शास्त्रताजा । अभ দুৰ্দনীয় বস্তু অভ্ৰান ভিনি শক্ষৰাচা। নিথিব क्काप्तक्षणकत्र निकृष्टे लिडलाका कीन व निकृ चित्र। निष्कृ (भग ७ काल घाना পরিছিলে নংগ্ন। ঔাহার গুণের সীমা নির্ণত করা যাব নং। 🕫 🗷 অর্থেট তিনি নিক্ৰ। ভিনি কথন্ট সক্ষণ্ডঃ নিগুণ नहरून ; क्षण्याः ष्यरभवं भव् ख्यानात मितिस्व अकरे विषय ।

ছাখনিবৃত্তি ও কানন্দপ্রাপ্তিট তাথেকন, ब्रेचरत्र नामावन, नामकत्रन ଓ छक्त हिनि रेममुर्श्वलन्डि निमुद्दे भारा। প্ৰীত হন। मुक्कभूक्षक रेवकूर्छ शिया नासाहरभन रमवाय

পরমানক লাভ-কংগুন্। এই আন্দলাভই क्षाराजन ।

## বৈক্ষবের ন্যবহার ত্রংথ

জগতে মার মন্ত্রী আছেন, তীহাপা বৈষ্ণবা ও "ম্বিদান ভেগে ছটা ভাগে বিভক্তা। ভজিবি গৃহত প্রতিত, ধনী, বলবানু, আঞ্বৰ, माना प्याचा --- अक्टलडे करेगान । यीश्रत eভি আছে, তিনি গুলত ংউন বা সম্বাদী इत्न, क्ष्मी इडिन या निः मी कडिन, পखिछ হটন বা মৰ্গই ছটন, ছাৰ্মল হটন বা শ্লবাৰ रहेन, हिन्हें देवभाग । य नेज्या मा निशाह ক্রিছে অবৈ গ্রন্থিতের স্থায় देश्यक्तिम्हणव ६ भारते तिक ७ मास्त्रिक मानी-न्ध्रकाच भागवात वृत्य व्हेटल भारत । ८५सम्ब ज़िश्त (र मक्त्र) शहरात छूट चा एतिक एरण नश, कि त देवपूर्धभावीय । लाभ হুংগেৰ ভাৰে আখাটী এনং ক্ষমৰৎ স্বাটি 1 ঘার: এই ১কু শ্রীল মুন্দাবনদার ঠাঞ্জ

ग्रंड (मन क्रिकार्यत मानस्त प्राप्त । क्षिकः क्षतिक दम्हे श्राधिक **स्थ**ा तिशक्षाकात्रक्ष सन् किन्द्राज्ञ सः 🐠 🖼 🗓 िर्मागत सम्बद्धाः देवसम्य मा विस्म १

প্রতিব্যাহর এই, স্পরিকর্মির প্রতিরাধি এই **সাধ্য** की दल्ला अन्तर्भ । नेप्ताना १० क्षेष्ठ व्यक्ते িপ্লি, ভারে। সংক্রেড াকটি। এই কট अमितिक की गांव भारत भार, छाटा। हेटना सिनानरतन केन्द्र नेत्रा एक तेस (bbb) काल्याक क्षेत्रका ८४३० लाहियान का र हरू ताच काकस्तान की नाहि। ८कदण यम-ব্যবার কার অভিবাহিত হল। পশাস্তবে nur und wiell fie beiteigenter Bertat ्रकारण पर्यापक शासकीयमः वर्षारा कारमम । ত ১বা: শুন্ডিয়ার ক্ষণের প্রভাবে ডাঁহাদের ক্ষানিক সলেংগনিক হাপ সকল অভাক অনাদ্যবন্ধ সভিত অভিবাহিত চন। অভএব ८३ खाँडेटकम । बहे सहरू दक्षण दक्षिकि-লভুকে নি্মপ্টরাণে সংগ্রেম ফরতঃ বৈশ্ব ्रम्भी ५ क क छ, 'बाब बालनामिशटक व्यटेनक'-নলড় ড কলিয়া বাখিও না। এই বে (अमृत्य दांड का क्षतिरहरू, तम दक्षाम অবৈক্ষণতা মাত্র। দেখ ভাট, প্লেগে কি কৰিছে পাৰে ? অতি অপদাৰ্থ ঐবনের সমাপ্ত কৰিলা প্ৰেগ ভোমাৰ কি ক্ষতি कं इटड भारत ? यान 'डाग छ। १, 'छरम दमन **इटा**फ़ दक्की निका करा। कवा यमि काट सत्त, छाड्। इंडेरम 'आज कीनम मार्चे । एकामा ३ এত তৃথ সম্পদ্ কোগার বাইবে, একবাৰ फ:निहा (मथा अ.स. এन नुषा काल नहें ना ক্ষরিয়া নিম্নন্তর নিম্নপট ছাফের শহিত হাঁল নাম কর। কোটা কোটা সেগ আসিখা ব ভৌমার কিছুই করিতে পারিবে না।

# গ্রন্থ পরিচয়

## গ্রীমন্তাগবতম

অবসহৰি স্কুৰৈপায়ন বেদব্যাস-প্ৰণীত মুগ, বিমন-मस्तावार्या-इष्टा छारनगा-निनंत्रविकाः क्षेत्रप्रतिकान व्यवस्त शक्त-क्रज मात्रार्थनिकि है। का, वक्राक्रवान, म क्रुक सवस फ শেই ছজের প্রতিপায় কথানার, অধ্যাব্যের প্রথমে এ ঋধ্যাথের সার্নত স্থবিস্থৃত তাৎপর্য্যালি বিবৃত। শ্লোকস্টা কাগ**রেল উ**ন্তম অকলে মুলিত। প্রথম হটতে ১০ন হল **পর্বান্ত ভাপ। পুর্বরূপে শে**য় হইয়াছে। ভিয়া প্রথম स्टेटक अस क्या भवीख २०१०; समस ४४ ००.; 745 8 - 1

## **এইচেড**গুচরিভায়ত

**্রীশাস্ত্রকিবিনোদ**গাকুর রচিত (অমুভূঞ্বাঞ্চুণ্যু শ্রীনিষ্টিক নিরায় সরস্থা গোসামী প্রাণাদ ভিস্কির 'অকুভাব্যে অভি-ছত্যাদি বহু শাগু প্রমাণ-স্থানিত হইয়া बाकांचिछ इक्केबार्ड्स । स्वारकत्र मानव्यामा, नक्षावनाग छ আভোক পরারের পুরের সংক্ষিপ্ত অভিয়ে সংগ্রেভিভ। আড়োক জাগার-প্রারিছে কণাসার দেওয়া আছে। প্রেক. পছার, শন্ত স্থান, পাত্র প্রাকৃতির ভারতং করী ও গ্রুকালের বিশ্বও জীৰনী সমন্ত্ৰিত এই রূপ অভ্যতপুল সংখ্যার ই ভ্রাপুন্তে কুজালি প্রকালিত হয় নার। উত্ম কাণ্ডে পর্ণেন্ডেন্ मक्कि कृत अकरन मुनारन मृह्यिक ब्रहेशारक । अह आ." २८०० भेडीय मुल्लात । सिका क्षिमारन क् महत्त्व ।

#### প্রীটেডগুড়াগন ভ

প্রকারের জীবনী, প্রতি পরিফেদের কল্লার, চিত্র ব্যোতীয় ভাষা, শক্ষ্ঠী, প্রারহটী, বিষ্ণ এন এলান প্রচী, প্রস্তৃতি বিবিধ বিষয় সম্বাশিত বির টা বিটার সংগ্রা क्ष्यम क्राप्टिन ६ (मधी आकात्र। आमिनाना ७ महात् किश्वारण क्षाकाणिक कडेग्रारक्त। ज्ञास क्रांस अवारि छ इटेटक्टका सक्षिम टिका ६ अका, साति सेवात 100101

### <u>श्रीटेट उड़ा शत</u>ल

**उहें अध्यक्ष एकिन किन्द अन्द मन्दर्भ कार्य कर्मान ∉:क्र†भिष्ठ इश् भ(है। अ**श्कृष्ठ द्वाकाः (भए अध्यः, वश्चायनाम, **चारा, कथामात्र,** ७४। ११५<sup>६</sup>३ मह थटल ७६५ १८४१। १५ **इडेब्राट्डम ं मुल (**माउ) अन्तरत क्रमण क्राष्ट्रित आहरणकी वृद्धकाष्ट्राय हाला क्षेत्रार्छ । यूना २॥० हें का व नहीं हा **প্রকাশ ও গৌডীয়ের প্রা**চর গণের প্রেক ১৮ ডাকা ।

#### **শ্রীমন্ত**গ্রন্দরী ভা

— **এংগাড়ীর বৈফ্রাচার। অত্যা**ণত রণিওচ্ডামণি শ্রীপ্রিভিভাগে চক্রবর্তিসকর গোস্থামততা মানার তিন টাকাসমেখা ও এই শ্রীমন্ত্রতিবিলোধ ঠাকুর-তাবীত ক্রিফিন পরিত্র মার ১০বর্ষার বৈষ্ট্রক। ভিক্ষা ১০ জানা। अक्षत्र नामक ভाराखाधार्यक्छ। अधाप्रस्की, य उकाल्य श्चाकीकृति,विश्वकृष्टिने,श्चादकारक्षत्र कीयनी ७ व्यवस्तिकामि an-wienifana-ne हेरक्रं दीराहे इंटीश शस्त्रत- यहे बाद अश्यक्षत्वयु किका २८ होक। बाँख, मानात्रन मुश्यप्रत--- अतः क्षिणा माना

# শ্রীল প্রভূপাদের বক্তভাবলা

ও বিকুপান উল্লেমছভিনিছাপুসবুদ্ধী গোৰামী মহালাজের তেই অবিভাবিধানিনী দীনাম্মসকলোতে ধিনী রঞ্জাধনিনাল নি টা ভারত বার্যার মুক্ত বিশ্বস্থান বিশ্বাব নিজ্ঞতে স্নত্নখালাল কে। সাভ্যালি ভাস্কুলালা देव अनिविध्यानाका रदेश द्योगिनक अभागः अवस्ताकः ७ (३१०) द्वतः । रमेनी एक--भटायम होतम होता कि निक्र के जिल्लाहर আজিশন, তথ্য ও বিবুভ্যাদিয়ক। প্রতি ধ্রণের আদিতে অভিয়ার-ভিচ্নেই । ইর্মা ওমাধ্যালা যুক্তিক ভ্রেম্মণার — मध्या, अधिराय । ६ जारगहरू । १८०४ विक पुरस्का

১। প্রথম আন্তেল্পের্যার লাভ করে কলে। विवयक्षी, অধ্যান্তবিষয়ণ, পাত্র ও স্থানস্চীমত উত্তম মার্ছ, জীমধ্যানিভাব, ইন্রেম্ভাননা, প্রের্ব্তেকা দাঁত হ ও ৰণ বিচাৰ, জাল্লাক্ষা ও মনেচক্ষা, উট্টেড্ডলেৰ ও ভাষার শিক্ষা, অব্যায়ত সংখ্যান্ত ও প্রায়েও সংখ্যানত, প্রাকৃতি বিংশতি স্থান্ত ব্যক্ত জ্বালাটিত। তিক্ষা সাঞ্জ জাতি স্থৃতি পুরান-পঞ্চর নাতে সাহত গোলা তের প্রামাণাবলী ५० द्वान आला।

िक्तो ३८ *७ के छे 'के।* मांधा

एर्थम क निरुद्ध — एवं थ के उक्ता करेरण किया । ५५० दमा नेदका, हाक भन । भारत् ।

#### **包用文明外形**引进1

दर्भ होते हैं राजनात संबन्धन क्षेत्र अक्षियन् अदन व चित्र रामण्ड कार्या ए हैं। जिल्लाहर्मान शहरतकादाक्रम दम-হারের বিভাব বিভাগন নামক ভাগেরক। অধ্যান করি, বিক্রক", তা ক্রান্তের আগম ও সুরীয়া প্রস্তান্তর ভিকাদে আনোমার। াদে হ'ে, ভান্তানের জীবনী প্রাঞ্জি সম্বাল্ড। উৎকর বার্থা, বার্থারবার (জুতীয় সংস্কার্য <u>১</u>(জের Feb. 2, 3141

#### ্রধেয়ণ ক্রবেলী

্টান নাৰ বিজ্ঞান্তৰ্ণত একৰণৰীন, সন্ত জ জোলিক সংখ্যাস প্রাক্তবার প্রথম প্রস্থান উৎক্রই কাগিবলৈ। প্রেক্ত আৰু টাকেং মাজে। চাপা। কবেছ - টাকা ও প্রাঞ্জবসম্ভবাধ মাহায়ে। को १ मध्य पान्य १ वर्ष १ त्वायम् । इस्या सार्व । किसा 10 + 31-11 4/61

#### **ील का भगमगण का**

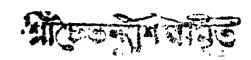
্র মণেগও ১২ চন দ।। জ্রুতি-ছুত্যাদি গ্রন্থে শ্রীনব-ঘীলোর যে মতিমা ক এত আছে, তাচার ম্থাসাপ্তর ও অক্লব্ৰে , ভিন্তার • আলা।

#### গ্ৰিনিখ**ৰ বীপন্ধাৰত** হ**ল**

ী াকুর ভারুবিনের বিখিত। এখানত স্মীতাকারে 🕽

#### ভক্তিরজ্বাকর ও নবদীপ পরিক্রমা

র্জ্ঞাল নরহার ৮ জগত্তি-সাভুর রচিত। ভবিবরাকর হাতে পরিজ্ঞাংশ মাত্র গৃহীত; জীকীব গোস্বামী কি তংকারে শ্রীমন্ত্রীপ্রাম্পের প্রায়ম্মা করিয়াছিলেন, ভাষ্টে বিক্রের ) ভিগ্রাছ বানা, অতি হরম্য বাগাই রাজসংকর্ প্ত বিবৃত। ভিস্পান' আনা



नियम् अभावी - वृद्धाः समायो । स त्रम- वर्षः ४ म् ः भाव-व्यक्ति पृष्ठ (एक (००) १० वृक्त भारतानी वर्षण्यात व्यक्ति व्यक्ति । वर्षण्या লাশ, কৰম দিয় প্ৰায়ত ধৈনী ভক্তি, ভাৰতকি ও ८वासफिल्मिन नामन्यान श्राही ए आहेकावीम बीका পরিচয়নি প্রথম শিহ্নগোর উত্যোগী করিয়া সরল ভাগার ধন্তম স্থিতবালে তেতি হ'ত আছে। চতৰ মুখ্যাৰ সাম্ভ ন্ট্ৰি), **জান্ত্ৰ** ১৭০ টকে মানে :

## दशीकें। अर्थ : स

क्षीर रेशिय देनावन्यत्वयः । राष्ट्राम्बः कर्षः वर्गतारायाः বিষয়বিভাগের যে সাম্লখনে গুণফুত। তহরুপ বৈক্রব-২। দ্বিলী ইাহার ৩৮০ এলাও বিদ্যাভতি মহলের । নিদ্ধায়ের সার্থমন্ত্র অভ্যালি একালিও এর নাই। ্লেইছা কে পান, আত্মাৰ নিশালুভি, এইর স্বামিণাল ও ইহাটে প্রসম্ভন্ত —ভাগ্যত – বৈচাল - তেরিল নিভানেল--भागतिक्त, है... स्त-निकानन अपने अपने किएएए क्ष्म । अपने अदेशन १७० क्षित-स्टिन अपने अपने अपनिकार क्ष्मी কার্ত্তন, ত্রিরাসপুত্রর উল্লেখ্য চেক উল্লেখ্য প্রচেপীন । ত্রুকিংগ্রা ৮ চাক্তিকেল-বর্ণ ক্সল আলম্বন্ধ লাভ্রুক্ত নাট্টিটে জ্ঞাৰ নতা, বেশীৰক্ষণটো, জনুহত দুশাক্ষণৰ হচ্চতে জ্ঞান্তই এন্টিক বাচাহন হেলা**ল** ও র এমন, বৃদ্ধ । বৃদ্ধ অপুন মধুরিমাপুন বঙ্গতা বিপ্রতি । ব্ল কর্নেতে মুদ্রিভ, উংক্ট না । নোনের নলে নাম শেখা। े शह बाक्ष । शृहाय मुल्बा (७०५) २८ हाका माजा।

### डीश-दीभगाग-शकानकी

ইম্মণভাতি বিভাগৰ টামের মতি সংগ্রেমাহাস্থা--- নাম-সাধ্যোত্র সাম্বাদ এমাণ খণ্ড - চাঁল নরং রিচ কর্মনী ংগ্রিকর থাম প্রবিভাষ দেন—িন্নাম নব্যাপ পরিব্রমা—ভা**র**-रादा गर्हाट -- देश्वर टाटवाधानमञ्जूष अनदीलसङ्क्य---क्रेमप्रकिरियान शकुरतत क्रीननदील कान्द्रत्य छाण्डि

#### ভাছরিকালায়ত ব্যাকরণ

বীলীন লোকামী প্রভূপনে-বিশ্বচিত ক্ষম ও বৃদ্ধি, তিহাতে উলিয়ালৰে জীয়তভিন্নছাত্ব নৱস্থা বেৰোক্ষী মহাবাদের বিশ্বত ভূমিকা ও ব্রী প্রাকৃতি সহ। काराजार्गिकार । विकार । विकार २८ वेगका, इतिहास्त्रक

#### বেদা ব্রহ্ম বর

শ্রীন্যামান্ত্রণার্ভার রচিত। এবংক্রের বিশি টেখরবাদ-शहातक श्रीकाण (शहात) माजावाचेत्र इतराक्षत्र नारक्ष खेलारानी कन्नार्थ <u>एके खेळ</u>न कात्रशासना हकारक वणास्त्रवाम ७ एडीश वासि भारताक्षित्र कहा इस्तादक নাম মাজে ভিজা ॥• জানা।

#### **बैटें हर के हर्सा में अपने हो शब हुन**

পেরপাষদ ভিদ্রভী শ্রীমণ ব্যব্দোলন্দ সভ্রণী প্রার্থক पुन, धार्मान श्रीमन प्रतिनिकाद रहण हो एए है हो महानान ल्यो १ के । **अवय**्या, नामग्री के नम्भावता के स्वास्तिक । । অধ্যাপ্ৰক্ষের ইন্ডিকিবিনের গ্রান্য প্রা**ন্তরার** ৬৮ ত্ত্যুত ইয়াম্মতা প্রেন্ড একটা ভিন্তত (এত অংগ্রেড ক্রিক চিত্র त्यालक करेंग राज । शहन के फाराबर **धेरकक्ष** है **र क**ाला



- जीमहाकिनितनाम राक्तन्यायील । एके अकमान शक्रन রংশ্বর জান লভে কারাল পারমার্থিক রাজ্যে কিয়ুত্তেই अबद्धात वर नरस्य धाकिद्ध मात्र । शतम श्रृष्ट्र शक्षात् ६क अहे-कार्या । प्राथनमी अह श्रीभगष अभागित । महि। বিন্তি জন্তবাধিৰ প্ৰতি নিত্ৰ কৈ নি মন্ত্ৰী বিশ্ব বিশ্র বিশ্ব বিশ্র श्रीकार्राते पांचा विद्यान महाद कता कव्याटक। 'सन्तरित छ। ८. বেশানাৰ প্ৰয়োলাল লেখা, উৎস্ট বিচাট - ভুগ গুণুকৰণ किया २ हे ति व का छ ।

#### প্রেম্বর্ডিবর্ড

প্রীয়ের প্রাপ্ত প্রাপ্ত কর্মির ক্রীর কর্মনালন প্রাণ্ कियों, जा। रहे लागाक भाँडा राजावादा । १०१६ मनाधानुस क्षिक्तित श्रीकात्व देवकात्र ५ त स्वाहित व साधन्यस भाषानी खर्मात आगक इक्कान र ते देशी शास्त्रत এলগোলে পাইতেল। 💉 🎖 কাম ৪৫০ জালের। বিশ্বতে ও 🏿 প্রস্তাগিতেদ্র সংগত মন্দী শেতকের হল নত পথাস্কাল। আছকজাল প্রিচয়ালি-ম্বাফত চার্প মার্কন তিক ৫০০ চ क्षा आहेत सहस्र ।

#### 电影可深度

ভাগনকারীর নিভাগলী। সাকুর ভানিবিনেবের অনুলা বিওক। ভিজনেত আলা মান। শীন ৢ নিশিয় শতের নিল্যাল ! এইবালি না কেল্পায়ত্ত ক্ষেত্র বুঝিটের গায়রিকের না । র নীয় লাগের । ভিজা । । ।

#### হরিলামটি ভানেলি

नामाधारी जीव कतिनार ठाइति। पुरुष देशेयक लिए কীলাম মার্ম্মার, লাম্ভার, লামত রবে প্রভৃতি বিভয়ের ষ্,ৰভীল বিচাৰে প্ৰণ করিল(ছিবেন। এক বি এছবিয়ে ঋতি স্বৰ প্ৰয়া: মূৰ্ণজন্ত আৰ্ষ্যৰ প্ৰিপ্টেম্যাৰ মূৰ্লিত। **क्षित्र क**िशिदम्भ ११३६ स्थित । १९७७ साम्बर्ग साम्बर्ग । ७५१ मन

#### **李明(《沙里**亚东

শ্ৰীনক্ষতি বিদেশে সাকুর ১০ ছে। তাতে হাক ভিন্নবৃদ্ধ বিশ্বাসী ও জনেপপের পরিকর একার এরেছেনার छेष्ट्रसावनी भून शारितक। शासाल काशा कामा ्लाहकक डार्क सम्भागितकात की नगस्तकत्र धावा व्यवसीनहाँ द च क्षत रामा का क कितात **छाता। भागराना** अह शक्षत्र, छिया ८०० आसिआ

#### শরপাগতি

শ্রীমহ বিবিদেশ সা, ব-বাচ্ছ। ভণবাবে আশ্রাপমর্ণা, विकासि, क्रमनेशकता, गृह दिना राष्ट्रांशिक **छ विद्धि भाग**तार विशयक विश्विप्त, (२०१७ - आ) । भाव ।

#### धा आगमा

শ্রীঠাকুর ভটিত নিলেশ-পাটিত নিলো একন, আরালিক 😘 প্রবাদ-দেবনালি লি ঘক মর্ব গ্রেগ্র ওক্তে এপিত। डिका / माना गाउँ।

#### শ্রীসন্তব্য ক প্রক্রেম

द्रशिक्षणपृत्केरमोनि धीनप्रियमान प्रकारी शक्त । विज्ञातिक ज्ञानामः। व्यामहस्तिविध्यान श्रीकृष्यम् भाग्नामः। সহা তিখাত আল লাভা

শীময়হাপ্রের্ড শিক্ষা ও শ্রীল রখুনাথ দলে গোখ।মীর टाहि प्रेक्षण (नामार्थाव जेलामननाती, जिल्लावक व्यक्तम ও প্রতিক্ল বিধয়ে পুরিসায়িত স্বোদন ভাগ, বিস্তৃত বৈৰু তে, চ্বিভাৰ্তেৰ প্ৰমাৰ, সাধ্য বল্পৰ্ভ চৰ্তমন প্রাণীত জন্তবাহালী গীরেমনুহ প্রেমের প্রেমের প্রতিক মলিনেশিভ এইয়.ছে। তল সংস্কল ভিকানে∕• আনা।

#### न्त्राभन-कर्ग

উরেল্লার নাম গোলামার মন্যানিকা, জীল সাকুর ভবিধবিলেন চারত পথায়ব নগ্র। ভিক্ষা 🔑 স্মানী ।

#### (अगर्ट कि हिन्सुका)

ক্রিণ সারে মরোধ্যনে গুলানক প্রেমভানিবিষয়ক

#### न र भी भाग उक

শ্রীল সাধার ভতিতিক দেব চিত্ত শ্রীল প্রবেশার্যনন হিন্দা , • আলা মার।

#### অর্থপঞ্ক

द्यीम दलकान्या विक्रिया । देवकार्य कार्यन कार्यन

#### **সদাচারস্থতি**

বলী, ব্যক্তবাৰ স্থিত। ভিকাত - আনা মার।

#### म विमक्षती

क विजुक्तरक मही भिन्नवासंक्रिया शिक्ष । स्थित सक्तर **ठाँटगात मध्यित्य होत्रमणीला ७ मृण द्याम्बस्यमण्डा हास्र १**८८ हिका। वासा भाव।

#### दशी अक्टरका नग

ল্যা শৈ কৰি উচ্ছোৰিল দেব গুড়াছ। ইচনার সভারের अस्ति। वर्गान्या वर्ष । अन्य १ कर्मा । वर्षा ।

#### यक्तिम्बाक्तिः स्ट होत्सः।

মীনধৰসংখ্যৰ যিন্তুগত জীন মাদিকাক স্বামিকতে। বন্ধাগারে সাহসাদ তেই তাখের প্রকাশ পরেমাণিক গাহিত্য-ছণ্ডেছ এই সক্ষেত্ৰপ্ৰ। জীমনাধানানী হততে নেভেশ্বস্থ হিছে। মধ্ব চোণ্টা নামে প্যান্ত 🕮 থানিবাফভীপ স্বামী এট গ্রহে मामात्रव पृक्ति छ दशीकिक छ।वाद्यनादत किञ्चम छन्द्रस्थात्व ভজিবিরোধি মতবার ধনুহ পারন কালাতে, ভাষা পাঠ করিতে করি<mark>তে সাল্চগ্য</mark>াথিত হইতে হয়। ইহাতে যুক্তির बाह्य ठावराक, देकन, त्रोक, भीमारगक क माधानाकियल मभूरध्य छन्नत च धन मध्यार्छ । हिल्ला २, छ।का भाजा।

#### (भाषांभी डील रघमान माम

্ও বিষ্ণুপাৰ শ্ৰীৰ ভাতি ন্যায় ন্যায় টী গোতামী প্রভুপাদ-লিভিড ভূমিকা মধ্য গোরপ্রের স্বরূপ-রূপের ि ८४मात जिल्हा जीन नाम (पात्रामी खाउूत अभूनी চরিতানত ও শিক্ষা অতীব প্রায়ণ ও সরণ ভাষার সন্ধিৰিই भारतिक्षित्र मानद्वाकानी लाइब विविध्य क्षाक्रिके শাহুৰ দ মধুৰ্ভম শুৰ ও মনংশিকা প্ৰ**লিভ** । **ভিক্ৰা** रीतारे ४० जाना, भाषाशहै। ४० भागा माज ।

# চিত্রে নবন্ধ

व्याठीक नवरीएनव कावशिक, कार्क मिल्झ, (जो क ঐতিহাদিক প্রমাণসখলিত নয়্তী খীপের স্টিঅ বিষয়ণ-अष्ठ । त्राष्ट्रिता ध्याद्वाच क्यात त्रीतृक अत्रविक् मात्रात्र ताम ध्या, न, ध्योछ (गारहात), द्वमाछकूत्व म्रहासम् कर्कक गक्रिक अनः ८९ थानि निक्षित्र चर्नत्र विक्रम हिंवा 🖜 मानिवित-गमविक ; व्योठाविष्ठामुहार्ग्य स्रोत मार्ट्य व्योद्धि नरशक्त नाथ यक्ष विश्वदकाशगण्यातक महाभटवन्न वि २०। फेरकडे (हर) मतरका वालाई मुना अत्रक, किः निः दे २ हेर्द्य भाव ।

### गामम-कर्श्वशासा

खक्रवस्माः, देनकव-बस्मा, देवकवनत्रन, वृश्वात्मत्र श्रेष्ठ, टीमामः हे. व्यागवादा इतं व्याते छत्तम् जामः विदेशहरे नामक अन. भा तमगना छन, ८ श्रमधान, वाष्ट्रवानी हैं. भवशिश-मनिमा, जीमाशासूत मिन्मा, जीनाताखम-खेलूत **चहैक** वाइति। व हता, वक्टबायामीत कहेक, क्टामक कि क्रिकी, छे १८४ मधारा नाम अणन-वागायी, महाविष्ट्रं e बाद ब्रामानन मध्याप. मनश्रीयका. श्री श्रक्त खार्गाच्या. মহাপ্রাচুর নদানা প্রাঞ্জ ত সাধক ও নিষ্কৃতীধনের নিজ্ঞাপাঠ্য, বেধাৰণানেৰ কথালিত ভুলগীমালায় ভাত অভুক্ষণ কৰে तात्रभरमान्य व्यक्त अह । जिक्रा १४०, वाबाहे ॥ वास ६,

#### ८भो छो छ-८भो बन

কলিকভোৰ হুগ্ৰনিদ্ধ আগবাট হলে গৌড়ীয়-সম্পাদক শ্ৰীণাদ অন-বানন্দ প্রবিদ্যাবিনোদ গ্রামত বভুতার বিশ্ব ছীল মধ্বাভাষা- প্রাট্ড। বৈক্ষবের দিনাবালালি স্থাতি স্থাতারে। প্রক্রের প্রকাশিত। ইতাতে প্রেট্টীয় বৈক্ষবপ্রস্থাধ্যের ব্যবহাণ কুলাকারে প্রশিক্ত হয়নাডে। ভিক্ষা 🕪 হাজ।

#### গৌড়ীয় সংহিত্য

कलिकः। जात्र श्राचीनं भागतः । इटनः **८भीफ्रीव-मण्यामक** শ্রীপান যুক্তরানন্দ পর্যবিভাবিনোদ গ্রাড় প্রাদত্ত বস্কৃতার বিষয় গভাল লে প্রকাশিত। ইহাতে সাহিত্য-শঙ্গের অর্থ এবং প্রেরিভার সংক্রিভার বিষয় ক্রেক্রের বর্ণিত **হর্মাছে। ভিক্রা** in • আনা ম' এ ৷

#### टेंगार भोड़म क्रम शक्तिकमा-म**र्गन**

প্রীপ্রেট্ড দেশের ব্যাসকল কার্নে লপরিকর জীমনাহাত্তভ त्या एनपूर् भनवटी यहासम्बद्ध भीना कतिका विद्यादक्त. মেই স্ব মাধুনিক ভৌলোলিক পরিচয় ও বেশবিপ্রছাদির পরিচাল এই নাভায়াভের স্কবিদা নি**র্দেশ ইন্ড্যারি 'বিষয়খনি** সরিবেশিত আছে। ভিকা • আনা।

#### THE HARMONIST

#### OR SHREE SAJJANATOSHANI

रीत शक्त अधिनिरमान-व्यक्तिक व्यवर क्रिन क्रिन भिका प्रशास्त्री त्याचारी ध्यक्षणम-मन्मानिक **भावस्तिक** मानिक लका जिल्लाम संस्ताली काताम कहाविर्ल यह ভবশক্তাউন ৮ পেলী ৪ ফর্মা আকারে প্রতিভ মারে ছবি-नारमञ्ज विश्वत-देवसम्बी गरेमा छेगदिक इहेरहरूम । কাগক, মূল্ৰ পারিপাটা ও চিত্রাবি অতীর চিত্তাকর্ম। **এই প্রকার উ**रक्टे প্রবন্ধ আর কোন মানি<del>ছ</del> প্রাবিতে प्राचित्र शहितन ना। वार्तिक क्रिका **क्षांक्षणम्** 🖎 हैं। को बाज ।

#### প্রাথিকাল-

औरेष्ठक्रमक ल्याः खेबाबायुक्त नवीबा

# বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভাজন

, faic

তভন্ম মস

#### আকর মটরাজ

d ठीम मन्द्रील, काक्यत खिनाम मात्रालुत, समीता

শ্রীমধাবোগশীঠ বর্গতে গায় ৩০ খন্ন উত্তর-পূর্বে শ্রীব্রজপঞ্জনে আচাব্যারত প্রচল্জ-**८मथब-अवस्य क्षेत्रीटे**०कक्क-मठ विज्ञासमान ।

এই স্থান সাক্ষত-ভীৰ্ত্ত, পরবিদ্যাপীর বা সাহত ভল্লনত্ত্তী। এই মহাতীর্তে 🕮 জিল লামায়ত খাকেওপালি-বেলাজসমূত, প্রতিপ্তার অন্তর্গত কাবা, নাটক, অলভার, তথা অমাণ-উপনিষদ-শীতা-ক্তা-ক্তান-চতুইড়ের অধ্যয়ন ও অধ্যাপনা এবং তথায় আঞ্জ-গোরাজ-পান্ধান্ধাকা-পিরিগর ও সাম্বত সাংপ্রদায়িক-মাচার্যা-চতুঃ র উচ্চাদের উপাক্ত ব্রিএকের স্থানিক নিজ্ঞা দেশিত ক্রতেকেন। এই মঠতালে পান্স।বিক দৈনিকপত গাল্পত-সম্মান্ত্রের আপ্রকাশেও ও প্রপ্রাচীন প্রস্থগালি প্রচারতারে 'নদীখা-প্রকাশ' যন্ত্রালয় আভিট্টিভ দ্বাহেন অভিৰৎপ্র জীগাম-প্রিক্রমান্তর্ভান ও অগণিত ভক্তগান্তিগ্র ভীৰ্ত্তন প্ৰচান্ত্ৰপূপে মহামণেৎগৰাণি ভক্তাৰ অনুষ্ঠিত চত্ত্বা পাকে। এক্ষক—প্ৰক্ষচাত্ৰী অপাধ নৰছরিলী। সংকারী--জীপাদ বিনোগবিধারী ভক্ষতারী, গান্তত প্রাপাধ গোরদাস बक्काती बाक्त्रमधीर्व, क्रिमान बीप्रवक्ष अक्षाती, गाउठ खेशानवासम बक्काती. ख्यक समीरशालाल सरकाशलायात. द्यावरवश्य साम अक्षातारी आगुन मक्कमतान ।

ত্রিব ভিশ্বাসী শ্রীমন্ত্রজি প্রদীপ ভীর্থ মহারাজ ওপানে হরিকণা কীঠন করিভেছেন।

#### (৩) যোগণীঠ শ্রীমন্দির

कह द्वान जीकश्राशांभरखत करन ।। শীনশালা প্রভুৱ জাণিজাব-ভূমি মহাযোগ-नीर्छ। जनात्म जीनमी शहा व ट्रांकि fennte Bentungtun ant Ebereit 🛥 🕮 राषाकृतकत सिका (मना छथा 🖼 भक्ष-अस्ताबह द्याचारी क्षेत्राचा काल जीवगा-बाब । मञ्जाती जीनिकासन अवनामी, **बिरायशाम बन्धाती । जिमायनगाम जा**न-कारी, (पनमना खैकातकतका

#### (8) Bala-war

🖺 भग्न शास्त्र की छन-निगान वा **शिक्तोधनीनाव बानवनी । जगारन खेळीरनी**क-निकाश्य क भक्त द्वार राया वसमान । ्रक्क--- भेद्रावानाम सक्ताती, भेजपुष चक्क, औरशाकुमनाम वावाकी ।

#### ( ८ ) च्यदेषक-क्ष्यम

बरं दात क्रियरेंदक शकुव करन धरर दमका बढ्यान ।

(७) काष्ट्रीय जमाधि लाहे व्योधीम बाबालुक, बाममलुक्क (महीहा) **बिश्तिक्षणात्राक वि**ध्यमाणीय प्रशासन क्रम्म---अम्राठी श्रीविध्मार्शवादी।

#### (4) খাৰৰ স্থাধ-ভূপ

क्षिरशाक्षमः चलवाश ( मनीयः ) अभागि केविक्ताम ज्ञान कविन्दितास्त्राक्ताक muife war Dentemuter wer alleitet-शास्त्रत द्वारा वर्षमान

क्ष्म का क्षित्री चन, धन, धन ।

### (৮ अवश्रामाथ दशोडी स सर्छ भट्टमनिहरू ।

वि, धन, मश्काही-- औड़िकामाम कि माही, क्रिकेकाम कार्यकारी क्राइकि।

## ( ठ) औरशोब-श्राम्बद-मठ

ठालाक ही, नगुलाए, ( नश्चमान ) 🕮 न नाना मार्थित शानिष्ठिक स्मोत्रश्रमानः

বেবা। এক ০--- আ ভিডিবিজ্ঞান আ এম।

## () - बीज्रशःगोष्ठीय-मठ

माशामा अधान के हैं, लि क्षण क- - व्यक्तिमान अक्षात्री, क्षेत्र करामश्रव d'abreil :

#### 

मांडेगाडि, काश्चर्य, रहमाना 🕮 गागावकाव है।कूब वृक्तायस्थव बान । दम्क-श्रीवहविश्वो अञ्चलाती।

#### (১) ভাগবন্ধ আসন

ची नागवक (कान, क्रमनगत, नमोता। স্থাগৰ • নিদ্ধান্ত এম্বাৰণী প্ৰচায়-ক্ষেত্ৰ। बक्त - अधिमधानम अक्षादी।

( ५० ) औद्धकात्रभ गर्ठ (छ। म राष्ट्री, व्याचाष्ट्री, क्रुक्कन शत् समीवा । वणक---श्री धडुशानन उत्ताही।

#### ( ১৪ ) बीमाभा-दशोकोन्न वर्ठ aoat नवावण्य द्वास्, हाका।

श्यानंद्रमत आठाव-दमक्ष, अचादम औ छक-(शोबाक शास्त्रा-शिविषद्वम दश्या बळ्यात । क्रम-जीवाशवस्य वस्तानी।

## (३०) औरगानानको वर्ड

\*\*\*\* 51411

वक्क-- अधानत्योव अवहाती।

## (२) बादगोडी इ मर्ठ

১७ सः कानिव्यमान ठळवळी हीहे. (शाः ताश्रताकातः, कनिकाका । ्रविनिक्शिन नि. वि. 8550

শ্রীমশালা পাড়র প্রচারিত অনিশ্বান ভবিদশ্ব-প্রচারোক্রেলে গোড়লেশের সক্ষপ্রধান নগরী কবিকাভার প্রীভক্তিবিদোদ আবনে আঁবঠ প্রতিষ্টিত আছেন। এই ভক্ত সঙ্খারামে 🖆 ওর-রোরাজ-জীবিনোদানক জীউ সপার্বদে নিত। সেবিত চন। সৌজীর মাচার্যাণর্গের যাবভীর গ্রন্থবাদীর প্রপ্রচারোদেশে শ্রীমটে সংশল্প একটা প্রবৃৎ মুদ্রা-যপ্তাশর সংস্কাশিত স্ক্রাভেন। পুলিবীর সক্ষত্র 🕮গোরনাম-আচারার এই ব্রাণ্ড इंडेटड 'ट्लोफीय' माधा'हरू मात, वि क्यूमानिष्ठे मामिक मातिका इंश्वाकी कामाह নিন্দ্রিভভাবে প্রকাশত হইডেছেন। ত্রীমটে পাঠ, মছীকন, সপ্রস্থান-চভ্রম-বেছাছ, শ্ৰীমন্ত্ৰাগৰত, প্রতিচত্ত্র-চরিত।মুগদি-লীলা ও ভত্তাত্তের সমাক আলোচনা কটছ থাকে। মতএকক—আচাধ্যত্তিক ল্রীপাধ কুম্ববিচারী বিশ্বাভূষ্ণ। সহক্ষারী—পাতিভ चीलाम अमस्यवाद्धास्य लडविकाल्यन विन्छ, तीलाम क्षणकामण लश्चविकाविस्माम विन्छ, শ্রাপাদ রাস্নিহারী একচারী, শ্রীণাদ প্রগত্তারণ দাসাধিকারী বি-এ, শ্রীণাদ क्वरणाभाग मामानिकाही, अक्षताती लीकीकनानम, अक्षतादी लीभावीस्मानन, अक्षताती প্রীক্লক'ন্দ্র ভজিশালী, এক্সচারী প্রীদেবকীনন্দন, প্রতিত্ত প্রীপা নবীনকুক পরবিজ্ঞানভার ভক্তিশাস প্রাভৃতি।

## ( ১৬ ) श्रीयवारे-८गा. । अ अर्थ कृतिक कि भागाति । मना, नानिश

व्योगनाह-Cशोदाः स्वतः सिन्छ। स्वतः বক্ত - শ্রীপূর্ণ প্রক্র একাচ (রী ।

## ·১৭. बीसागरडकनामण मर्ठ

किक्लिल, बाक्सनथुर, स्मामनी भूत। ल शत्म न्ये छक- शादाक-शास्त्रिका-াগ্রিধারীর নিভাদেশ ব্রুমান। রক্ত্র-वलवाणी जोकशवान्याशको । बक्काही शहानन

#### (১৮) আমলাযোড়া প্রপদ্ধান্ত্রম

ताम्बर्गाम द्रभार नक्षत्रात्र ।

निशासना। तकक-अवनामी जीवति tecesa i

## (১৯) खीशुक्रस्याख्य मर्ठ

अगेबाव, १४ो, উद्दिशा। क्यारन है: भार- नामस्यापवकीय निका-সেবা বহুমান। ক্ত-- একচারী জীপরমান मना विशावक, अध्वताती जीनगीपानक।

## (२ ·) 🗐 जन-८गो छी स मठ

व्यागवत्रभाषः अकानात्र (भाः, भूती । ष्णाताथामध्य जनवम्द्र समृत्य श्रीमसङ्ग वन्द्राम । वगक-वक्ताहादी अभिनत्रदश्यती व्यभाषकी मक्काद्री---अव्यादी जीविष्यानिकाती

### (२) जैजिक्तानम गर्ठ

केक्शिवाकाम, कर्डक । धारत औक्य-शोत्राक-विस्ताबन्धन-निकारमया बखमान। प्रकर-

वषठावी जीनगरत

## (२२) बीमनाडम-, शोकात्र वर्ड

अन्द स्वश्नक्षा स्त्रभात कानी । (शी:-ध्रमक्ष्य नगाउन-चिकायुव : क्यांक क्षाइरमवा वस्त्रम्म वक्क ज्ञानकोनावनी ।

## (२७) श्रीकृषादेहत्त्वम् सर्वे

भीन प्रश्रमात्र कुछ , भोगाम पुरस्ति । के के वाधा-अब-स्थावनकोत्र स्वता।

#### दक्त क-- जीमन्दर्शिताल अक्षणकी (२8) अभित्रमहत्म बर्द

निभियाबनाः, श्रीकाणुब

এখানে শ্রীভাগণত লামশালা • ইত্রোর বিনোধ বিশাস্ত্রীর সেরা বস্তুমান। चौ खक्रशाताक-चौत क्रिका शिवशादीत तकक--अक्राती क्रिन्गरशस्त **व उक्र**श्ची व्योनमञ्जाम ।

## २० औरेडङग्रहगोड़ोत्र मठ

पृत्तक था, (हत्रकृषाः, यानकृषः। वैश मान बाब, जीटकमनामन व बकाती। खीबाय कीनं अन्याज्ञिष

## २५७) ब्रामःभोजीत यह

क्रेक्टक्क, शास्त्रवर, क्यांस । अमारत क्षीरशोवविकाम-बारम्य दम्या वसमानः। दक्ष-व्यानाती में अन्यत्वी:

## (২৭) ব্রাক্ত্রপাড়া প্রসমাজ্ঞর-মত

आऋगलाका. त्लाः मादः, ४,२४। ध्यत्रात्न वक जुक्रमृति जीत्रात्रात्रात्मव दमका वस्त्राम । वक्षक--- अववामी जीव्यानकक-मान, और्बाधात्रमन उन्तारीतः

## (२৮) भिद्वा दशाकींग्र मठ-कार्रशानर

b con angig, fas femi i तकक-दिनविषामी सम्बद्ध के नर्गक शिति यशोबास, खीबासाम्रमण्डसनमञ्जन

(२৯) द्यामानगाकाकामास्त्र वक्क-अवहादी खीशवादवादन

### জেলে শ্রীযুত স্থরেশ দাস

সংবাদপত্তে প্রকাশিত হইয়াছিল বে. আর্মেণিরান খ্রীট ডাকাতি মামলার আসামী তীগত ভরেশচক্র দাস জেলে "वि" (अगी एक इवेबात कथा गर्गामान्द्रेय নিকট ভিনথানি আবেদন করিয়াভিলেন। ভাহাতে ভিনি উত্তর পাইয়াছেন খে. "ভিনি নিয়প্রেণীর কারত বংশোক্ত, গিয়াছে। কাজেই ভাহাকে 'বি' শেণীভান কর। बाहेटक भारत मा।" वह मध्यान मध्यान । মিথ্যা। বিচারক মাজিট্রেট হুরেল বাবুকে তৃতীয় শ্রেণীভূক করিয়াছেন। কিন্ত সুরেশ বাৰ উচ্চতৰ শ্ৰেণীতে বাইবার হাত প্ৰণ মেণ্টের নিক্ট কোন দরগান্ত করেন আই। তাঁহাকে মথানিহিতভাবে গ্ৰণ-মেণ্টের নিকট জাহার বিধর জানাইতে यला इहेग्राट्डा

### প্রায় ষ্টিমার বিপর

বিপক্তনক लाहेटनत वादीवाही श्रेमात्रथाना कट्या हिट्याहरून । হাতে আশ্রহা রকমে রক্ষা পাইয়াছে বলিয়া সংবাদ পাওয়া শিলাছে। কড়েব । অভি ও কড়েকজনেব সাক্ষা দেওয়া তল বেগ এতই প্রবল চইয়াতিল যে, डीमारतस समझ छुउँहा गांस अवर नीट-नका ननीत (सहिना इहेटड व्याप्त ८क माहेल स्टब हिलामा बाब ध्यक्त श्रीलाक क्टब क्रिमाटतल खेलत मुक्ती गांव, के शनदम ধলেখরীতে একথানা বড় দেশী भोकारक अर**फ्त (नरश छा**निया याहरक (मथा शिवाछिन, जे लोकाटन, तकर छिन কিলা ভাষা নির্বু করিয়া জানা যায় नाहे।

## ধ্বরীতে বড় ও শিলা वह चारन मणु शनि

প্ত হরা মে মন্ধ্যায় ধুবরীতে ভীষণ बाइ व निकान्ति इहेमा निवादि । धन একটি শিলার ওলন প্রায় এক ছটাক, ৰাড় বৃত্তি প্ৰায় আৰু ঘণ্টা স্বালী ছিল আকাশ অভ্যস্ত মেবাছিল। আরও बृष्टि इक्रेटन बलिया महन इया निया-পাতের ফলে অনেক স্বানের শক্তচানি । क्राप्त हे

## নেত্ৰকোণাৰ ঘূৰ্ণীৰাভ্যা वह शहरत होन उर्कि अ

গত তক্ষামে সন্ধান্ত এখানে ভীষণ चुनी गांछा इकेबा निवाह । वद हित्तत চাল ২০০ হইতে ৫০০ হাতে দূরে উড়িয়া क्रम क्रिया नाइ। গিয়াছে । অনেক গাছ গিয়াছে। প্রায় সমস্ত কাচাবাডীরই

किছू ना किছू व्यनिष्टं श्रेशास्त्र। छेकीन দীনেশচর চক্র ধতীরই সর্বাপেক। বেশী ক্তি ংইয়াছে। তাঁহার বৈঠকথানা ভূমিগাৎ ক্রাছে এবং আইনের পুত্তফ-গুলিও অন্তান্ত কাজগণত সম্পূৰ্ণ বিনষ্ট হইয়াছে। কোন কোন বাড়ীর টীনের **हान मृत्र बहेट** गाड़ अनिट्डाइ दिशा

কাহারও শ্রীবনহানির সংবাদ এ পর্যাস্ত হয় পাওয়া যায় নাই।

## মুক্তিপ্রাপ্ত রাজবন্দীর বিরুদ্ধে মামলা

রাজবন্দী শ্রীগৃত পারালাল মিত্র গভ ২৪শে এপ্রিল ভিছলী ক্যাম্প হইতে মুক্তি পান। মৃক্তি পাওয়ার পর টোহার উপর তকুম হয়, জাহাকে কলিকাছার **ডেপ্টা পুলিশ কমিশনারের নিকট** নিজের মহকে রিপোট করিতে ১ইবে। পরা ও ধলেখনী নদীতে ইামার ! ডিনি টে ছকুন মাজ করেন নাই- এই रहेरा | अভिगारंग लागम (लागिरंगमी मार्गिन দীড়াইয়াছিল। নারায়পুগঞ্জ ও টেলব , ৫২৬ মিঃ রক্দ্রার্গের কোটে অভিযুক্ত

> **ডেপ্টা কমিশনার মল্লিক এ**বং জাসামী ভিজেকে ভিডেন্য বলেন।

> > ५२वे (म श्रुनताय खनानी बहेरव

### পটুয়াটোনা হভ্যাকাণ্ডের জের

*প*্রয়াটোশা কেনের ওভভোকের বিমান বিহারী বস্তর মাতাকে হত্যাকবং मन्त्राति श्राम मामहदनहः त्नरातास्य त्र ध्वः (छानांभानं रक्षांकः । शक्षांत ক্রিয়া অভিরিক্ত প্রধান ,প্রেসিদেনী माज्ञिरहें में। वाहाजत नामिक किन कारम-त्नत काटडे शक्ति करत । **खाश्मिनटक** ৯ই যে প্ৰায় হাছতে রাখার জালেশ (म अग्रा इंडेग्राट्ड ।

অক্তওম খৃত আসামী অনিবকুমার হালনারের জামিনের জঞ্জ পুনরায় দরখান্ত

## ভাষুরকি কংগ্রেস কমিটির সম্পাদকের বাড়ীতে খানাহল্লাস

মিব্ছাপুর থানার পুলিশ জানুর্কি কংগ্রেদ কমিটার সম্পাদক শ্রীমৃত নৈত নাথ ভৌমিকের গ্রহে থানাতলাদ করিয়াছে। বাড়ীর শোকজন তলাদী পরওয়ানা চাহিলে ভাষা দেওয়া হয় নাই। প্রীযুক্ত ভৌমিক সে সময় বাড়ী ছিলেন না। প্রকাশ, আগতিজ্ঞাক কিছুই পাওয়া যার

## ভ্রান্ধ মহিলার হত্যার জের তুইকন আসামীর হাজত বাস

**७**।: প্রতাপ মন্ত্রদারের বিধব। জীকে হত্যা করা সম্পর্কে কালী পাত্র এবং রামানন্দ দাসকে অভিরিক্ত প্রধান **ে**প্রসিট্র ম্যাজিটের কোটো হামির করা ২ইলে ভাহাদিশকে ৯ই মে প্রায় লাজতে সাথিবার ত্তুম পেওয়া

## है, जाहे, दिला उत्सादक वास महान আরও • মুজন বর্থান্ত

মাত্র এক দিনের নোটালে গ্রহ শনিবার ই আই. রেলওয়ের আরও নয়জন টিকেট কালেগ্রুত্রকে গ্রুথাপ্ত করা ्रशास्त्र— वेकास मार्गा क्रवेशन क्रांशी वेखियान हिर्दे हेन्यल्लेव्य ष्ट्रांट्स । मात करवक लिसे शृहस ब्यायस वर्ष कथा-एक्षिक काङ्ग्रेया (मध्या स्टेशाटक। দানগ্রের নেথ ক্ষ্চারীদের অসংস্থায करणाः मन्ध्रत ८ छ। हेशा श्रीकृत्वर्थ छतः অ'শ্রহা ৩ই (ই ম'ল তথ্য আ'ইও কথাh तिरिम b (कारोब) (अ द्या क्या **प्रत** ख अ.८एम अ. त. ७ श्रीनाचि **१ हेगा च**ित्रत । গ্যাল শেশকল টিকেটকালেলীবাক ६ किया का क्या श्रेयादक के अन्य विकास বাহায়ারে নিকট নিম্নলিভিত ভারে প্রিং रेशाव्हः - "उद्दे वास शतकात्रत्त व्यवसारण पारिकारनत अस्तिभिक्त आर्टा । कि.स. মনাৰ স্পাৰিটেট এটা ভিৰাচৰিত নীতি क्षण कतिहारदान । जिल्लाकन विद्याप्त कारतकेताक मिलिशास्त्र छ। इन्हें हा एए छत्र क्टेंगाइक । त्वन प्रशंदक अमरकाय हिन्द निमारकत अभाग मुद्दोत्र कातकाशम्म পাইতেতে — আপনার হস্তাজপ গ্রাপনীয় "

## গৃহসামীর অনুপশ্বিভিতে খানা-ভল্লাস ও গহের ভাসা হল

পুলিশ কন্ত্ৰক শ্ৰীনুক্ত হরিপদ বাগচী মহাশয়ের অস্তুপ্তিভিত্তে পুলিশ ভালা-ভাকিয়া চাঁহার গুয়ে প্রবেশ করে এবং একটা স্কুটকেন্ শইয়া যায়। বিগত त्नम फाकाफि मुल्यहर्क वान्तिहरू नाम्य গ্ৰেপ্তার করা হট্যাছিল। কিছু অস্তাস্ত ধুভবাজিলাণের নহিত ভাহাকেও পরে छाकिया (एखरा इस् ।

# আচার্য্য রাইয়ের আবেদনের

মাননীয় নিঃ কে, ডি, রম্বামী चारमभारतत्र भूल धन, चात्र, त्राक्षणयन একদল বস্তুর সহিত প্রাৰে প্রচারকার্য করিতে যাতা করিয়াছেন। ভাষারা থদাস, দেশী মাল এবং **কংকো**সেয় সভা

করার রশিগবহি সহীয়া বাহির ছইরাছেন। वाकात शृद्धं माञ्चदनवम नाकि वश्चदश्च কাছে বলিয়াছিলেন যে, গ্রামের কাজ তাহণ করিবার জন্ত ভাতদের প্রা আচাৰ্যা সায় পি. সি. বায়ের একার অন্তরোগট ভাঁহাকে এই কার্য্যে প্রায়ত্ত চইতে উৎসাহিত করিয়াতে ৷

তপ্রান্ত বাহুদেবন আঠারধানি তামে श्रासियोग्रह्म ।

## ম্যাপেষ্টার রয়াল এক্সচেকে সভা

यारिक रित्र त्यांन र कर्डरब ৮००० তুটিশ বাৰণাথী সমবেত হইলা ভান্তভক ितिनी भना वर्कात्मव अधिवान कविशी-**ছেন। র্যাল একাডেলের সভাপতি সার** আৰ্থণা হাওমাৰ্থ এই প্ৰেম্ভাৰ উপস্থিত कतिशाधिरयन। इंडोर्ड आमलांनी 📲 হ্র দেবে দাবীও কর। ইটয়াকে।

হুটিশ ব্যবসায়ীরা এই অভিমন্ত প্রেকাশ कतिय्राट्या त्या. ध्यान च्यात व्यक्ति षांत्यांगन हानात्मा ५८४४ । कांशक---कार ते व भारत है जा अपन का । ভারতের কার্ডীয় রলের আবিকাংশ ध्यक्षात्रे रथन रावेनलकुक क्यार्याक्षिक टहेग'ए७ एशन का'वात महत्त्व काल्य করাই কউবঃ পরিশেষে ব্যবসায়ীকা মুটিশ প্ৰথমেটের স্বভাগ **প্রথম** क दिशायण अनः योषापुत्र सहक्षेत्र क्रम क्रम त्तर अध्यापन कामनानी सुद्ध द्वान हरा. ভাহার উপায় করিতে মনিধান্ত অভ্যাের कतिहार्छन्।

আগামী শ্রহ্যাবে প্রাথেটের অধিয়েশন স্থানিত চটলে বিলাডের প্রানান मधी भिः, महाकटानां हा ना मशीमचात व्यक्त काञ्चलकका मनक जिल्लासमान गरियम — मुख्या (रहेक्स खरून मुख्यित्स्र) সংস্কৃত্ৰ দলের মিঃ ব্র্যাকেন এসম্বন্ধে গাল নিমণ্টে এক প্রশ্ন উত্থাপনের নোটাপ विद्यादक्रम ।

## **ट्याबार्ट श**र्का (श्रमणे कर्जन **७**कटमव ब्राटक्य उद्योग ?

व्यकान, नाटहास मानियात्रवादश कुछ ७करम १ त्राकरक मा। मि: हेम (तारक क्मी-वर्षन भागांत मन्मार्क त्यापारेटमत कर्ड-পক পুলিকতভিবেদ। উপস্থিত ভাষাকে (याश्वेद्य व्यामा वहेट्य मा र्यवद्या (वाश्वे कर्युनक विदास कतियाद्यता धाकान, क्रमामाम त्यापाव हरेटक गार्ट्यातः শিয়া ভদৰ্ষি তথায় বাদ করিভেছিল। 👑

विकामित साम क्षांक्रमाटक



माहार्यात इ 新りらい (1年) नागिक कर साधानिक दर् देवगामिक २५० মাসিক 🌭

-15|W शांक मःगा ,त

ভাষতের মধ্যত প্রচল গোর- ন্দ্রীরা (জমার বক্ষাত মুলগত

৬ষ্ঠ খণ্ড ]

সম্পাদক—দ্রীত ভীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি

िएम्स मरशा

প্রটেভভন্মমট শ্রমাম মাহাপুর ১৮০০ বৈশাখ লোমবার ১০০৮, ১১ই মে ১৯৬১

## নানা কথা

मिः द्यात अखरत गांकीत निवृध्धि

বিলাতের বন্ধ বয়ন স্মিতির অস্থ্যী সভাপতি মিঃ এোব পালের উত্তরে মহাত্মা গান্ধী নিহ'নাখিত বিবৃতি একাশ कतिशाद्य न :--

"যি: ১৯'র ভাষ দায়িত্তান স্পান ইংরাম্বরণ প্রাকৃত অবস্থা সম্বন্ধে কিরুপ অন্য ভাষা ভাবিলে বিশ্বিপ হইতে হয়। আমি মিঃ ভোষ উপর অভ্যতার আরোপ করিলাম। ভাগায় কারণ ভিনি স স্থার প্রকৃত স্তকে ইন্ডাপুক্ক বিরু**ত** ক্ষিতেছেন ভাষ্ট বুনিতে পারিভেছেন

मिक्किय भारते क्यायी विषयित्ता अम व्यवनीय, बन प्रवाश देशावि निविध । िशरकोष्टिः इहेरव जल्पूर्व भाषिलूर्व । स्था म ५३ शर्त भौत्रदाद छेभत्र दे दश्च प्रियाधिकाम । অধিকাংশ কেন্দ্রেই ভাষা করা ১ইছেছে। यकि कान कार्य यथार्थ है छत्र टापनेन **বিশা বল্পে**টোগের প্রামাণ পাওরা যায় **ভৱে আমি সেকেজে পিকেটিং বর্ প্রাথিতে বলি**তে হতততঃ করিব না: আমাদের দিক হটতে সন্ধিন সত **यशामक्षत अ**ग्रिकाटन भाजन कता ८ए **ক্ষিত্র** প্রায়েল নীয় তাহা আমি বেশ व्यवश्रक्ष काहि।

শালিকটে জীযুত দেনগুরোর বজাতা

পত ৭ই মে পন্ধ্যায় সমুক্রতীরে এক विभूग समम्बाग वङ्ग्डाकारम श्रीमृद्ध श्रमण्डेस वर्णन<del>े ''क</del>ंद्रात नामाद्यत शर्ख्या इसकी बन्नगान्त कतिरंव ना ।"

# মিঃ গ্রের উত্তরে গান্ধীর উক্তি

কালিকটে দ্রীয়ত সেনগুপ্তের বক্তৃতা

টেণ হইতে গার্ডের পতন

জেলের মধ্যে রিভলভার টোটা ইত্যাদি প্রোথিত

# लाक जारा दित नकार शका

रिगेमन इटेट उ रेन्तूक नहेश: ठम्भेडे-- अभवाधी ধ্বত ও পুলিশের হাতে সমপিত

# জাহাজের ভাড়া হ্রাস

# শ্রীন্বদ্বীপ-পঞ্জিকা

भोताक 88%

माज 🗸 । जाकि दिक्रे भार्ति है दिन है यूक्टभार है शार्तिन हम । মানেকার-গ্রন্থবিভাগ জীচৈভভামত, পো: শ্রীমার।পুর, নদীরা

"ভाषाभा**ती** एक छिन छान-ात छेटलथ করিয়া ভিনি বংশন ৫৭ টি গারা না। কিন্তু নেভার নিকট হইতে আগেশ नामित् । युक् अतिष्ठ हेरेल এकजन गृहित हेरेल नित्व ना।

ইংরাজও এক পাই আর করিতে পারিনে

''দেদগাড়ের" কথার উল্লেখ করিয়া नाधि गरसंत्र थास्त्रिमाणा कला संस्थारह । जिल्ला राम अश्व तरनम रम जात्रकी**सरम**त्र তিনি বলেন কংগ্রেম শারিভ্স করিনে বাবীনতা রক্ষার কঞ্চ লেফ্গার্কের প্রচোদানীয়তা, কংগ্রেস রাটশ ধ্রিক্ পাওয়ামার অপেদা না করিটা যুদ্ধে সম্প্রদাণের স্থিপার জন্ত কোন সেফ পার্ট

## दिन इदेट भार्षत भारत ওক্তর আঘাত প্রাপ

Cम कि मा तिल अस्य ८ भारति विकासिक (Be कटेटड शिंटड क्टेंश टक्डम छात्रहीय রেশওয়ে গার্ড সানর মৃত্যুর হাত হটতে রকাপ ইন্ডেন।

घटेनात्र दिनतरम छाकान, हे, खाहे রেল ওয়ের মাইনক গাড় পত্তিভ জি. পি ষিল মোকান) বেলপ্ররা টেলনের নিকটে হঠাৰ টেশ হইতে পড়িয়া যান। পাঞ্চর আঘাত প্রাপ্ত কটনা আটেডনা অবস্থায় তিনি গড়িশ পাকেন - কিন্তু ট সময় এক-ধানা অপে টেে ঐ থান দিয়া যাই ভডিল উজ টেণের জনৈক ইউরোপীয়ান গণ্ড মিঃ লিমন গ্রিক্তকে দেখিতে পায়, অতঃপর দেই ফ্রেন্নান্য পামার্যা মিত্রকে মোকামা রেলভয়ে হাস্থাভালে পাঠাইয়া মেয়। ইলতে ঐ টেপানার শসুস্য कारन cell/≥रज यरपढे विश्वत क्रेग्नाहिन। পণ্ডিত মিশ্রের পরেউ হইতে ৩৫ 🔍 টাকা সহ একটি বর্ণগও রাপ্তরে পার্ছে প্রিয়া িয়াছিল। মিঃ দিমল মোকাল। কেনের মানারের কাছে উহা গদ্দিত রাখিলা-(3A.

পণ্ডিত মিলের অবস্থা ক্রমণাই ভালর দিকে যাইভেছে।

### **কাকুলানে জাভীয়পড়া**ক। উত্তোপন **উৎসব দর্শনে জনভার িজেটি**

আকাণ, ীকালপানে বাবে উপর ক্ষাতীয় প্তাক্ষ উল্বাহন উৎম্য দৈশি-বার নময় পুনিল জনভাকে লাঠী বারা আক্রেমণ কবিষ:ছিল। তিন জন আহত इहेब्राएए विश्वा टाकाम ।

31

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনশ্চিটি উট্" নামে ডচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## (शाना इरेशद्य ।

আভিত্ত ও আদৰ্শভৱিত নিক্ষকগণ ছাত্ৰদিগকে অতি করের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী গতিগণের জন্য বিনাব্যয়ে সংস্কৃত্ব বাসভানের সন্দোবস্ত চাংগারে। স্থান অতীব সাহ্যভৱ।

> সনিস্তার স নানের ভয়া নিম্নালিষ টিকানা প্র নিখুন। সেক্টোন্ডা, ভাকুর ভাজিবিনোদ ইণ্টিভিউট্ ঐচিত্তদম্ভ, পোঃ শ্রীমধোপুর, নদীয়া।

## সুবর্ণ সুযোগ বেলী দিন আর থাকিবে না

- (25m =11 --

#### च्याक्षण-भिश्व अवशालदात्र

খান বাংসানিক আন্তর্কাৎসার ও ভাগে জুলিনী শের কালে নিজ্ নাই। এই উৎসার বেষ তাইনেই তার্গ নাজ্যাপার পান্ধান্তি-স্প্তিনানী বাটীকালে পুরের নিজারিক চন্দ্র কালে বিজ্ঞান কালি কালি কালি পান্ধান কালি কালি কালি আই বলীকালে এক কালি বলিছে প্রেলে নার-জাবন লান কালিকে সমর্থ। প্রাণাক্তিনীক কথা ভাগে আই মানিজার্জানে চন্দ্র গালিকারিকা উলার এক কোটা লাইন। সন্থান নাজন নাজন নাজন বলিছে নিল্লে লাকে মানিজার্জানে চন্দ্র গালিকার বিজ্ঞানিকার বিজ্ঞানিকার বিজ্ঞানিকার ভাগে নাজন বিজ্ঞানিকার বিজ্ঞানিকার বিজ্ঞানিকার ভাগে নাজন বিজ্ঞানিকার বিজ্ঞানিকার বিজ্ঞানিকার ভাগে নাজন বিজ্ঞানিকার বিজ্ঞানিকার বিজ্ঞানিকার কালিকার বিজ্ঞানিকার বিজ্ঞানিক

প্রাপ্তিছাল ৪ - আঙ্ক নিএই ঔষ্যালয় ২১৪নং বছবালার খ্লীন কালকাতা !

কবেরাজ শশিভূষণ কবিক্ঠাভরণের



ন্দাসন্থের প্রাণ্যার মঞ্জ ৬ আঃ শিশিকে মানিজ্জ অবস্থার ভোটবোর্গার সমপ্রিয়ার প্রথা ভাকে পাঠান হয়, চলাডে ঔষধের কোন প্রিয়েরন কর। হয় নাই। মুগ্য প্রাণ্ডি বিলিয়ত আনা, প্রিটারেশত আনা, বোভগ ১৯৮০ আনা।

অফিস- ১১নং উল্টাডাঙ্গা স্থোড, পোঃ শ্বামনাজার,' কলিকাতা

# SIN GI

ব্যক্তিভাৱ কর ও গাড়ুনিকার, ইলিয়প্তির হান্ ব্যক্তিনে জুরুপান্ত, ব্যব্জন, যাগাংগারা, মুক এক ভড়ানি, অনিল্লা বাড়াভ লক্ষণ লব্ব নিশ্বেষ আলোগা হয়। বল, বাব্য, বেবা বৃদ্ধি ক্ষিত্রে অহিন্তার ইনিকা। মুল্য ৪০ বল ১, এক টাকা।

## হাইড়োসিল

**21** 

## কোষরদ্ধি রোগ

ভাং এস্, এন্, খোৰ খিনা অঞ্জে, বাৰক্ষীৰনের গ্যাকান্টি দিয়া বৈজ্ঞান্তিক আগাণীতে কোমবৃদ্ধি রোগ আহ্মোগা ক্ষিয়া থাকেন।

> डिकार्ता— अन्तर कडेत हैं है, रक्ष्याबार, कामकाचा ।

## শ্লায়ত

শিন্তপুৰের জনাৰ মহৌষধঃ ১ মাতার উপশ্য, সন্তাকে জারোলা। হয়ট ৮০ বার জানা, বড় ১০ জানা। যাত্রন পুণক্।

২। শুক্রাচার্য্য সঞ্জীবনী পোইটাই ক্ষমেন্ত অবস্থাত মহোবধ। সুলা ১ ভিবা ১৮ আন। বাত

৩। সন্ন্যাসী-প্রদন্ত অর্শরোগের অব্যর্থ আংটি।
ভালোগ না কলে মুলা ফেলে। মুলা ১০ আনা। মার্কণ পূর্বক্

৪। কোন্ত-বান্ধব পীল অন্তাৰ, োটফালা, পেটবেগনার মধ্যোধন। ভিলা ৪০ আনা। মাতল পুৰক্।

৫। বাহরেগের মহোপকালী ও সন্তাতে আরোকা। আভি শিবি ১০ আলা।

বাচ্চরাগের মফোপকারী ও সন্তাতে আরোগা। আছি শিলি ১০ আনা। মাতল পুলক।

রবার-ফ্রীম্প প্রস্তুকারক। সহর ক্যাটালগের জন্ধ পর লিখুন।

লোভিছাল—মনোমোহন লেবেরেটরী

পোঃ উরারী, কমলাপুর, চাকা,

# মনোযোহন প্রেস

পূৰ্ব-বাজালায় স্থলতে সকলপ্ৰকায় ছাপায় জন্ত বিব্যাভ বৈদ্যুতিক মেশিনে দিবালাত্ৰ কাজ চলিচেছে বিশ্বত জানিতে হইলে নিম্ন ঠিকানায় পঞ্জ নিশ্বন

> ম্যানেজার—মনোমোহন প্রেস, ১০নং লকাবপুর, ঢাকা।

# মরা মার্ষ বাঁচাইবার উপায়

বলি অভালি কান্ত্ৰত মনা মান্ত্ৰ বাচ ইবার কোনা উবণ আনি কিন্তু তন নাই সালা, তথালি বালান্ত্ৰ নানাবিৰ অনির্মিত উপারে অপ্তিমিত শক্তি নাই কবিয়া কালান্ত্ৰ মানা কতা কৰিয়া কালে মানা কতা কৰিয়া কালে মানা কতা কৰিয়া কালে মানা কৰিছে নাকু লাকলা, আহুবিক চলান্তা, বত্যুত্ৰ, চাৰ্ব্ৰে, পাংলা সংগ্ৰান্ত পীড়া, অৰ্ণ এবং শ্রীপোকলিপেন মধ্যো বালা বাধক, বজাা, সুতাবসা, স্বাভকা, খেত ও রক্তর্রাল্য, বিশিল্লিয়া ক্রেড়াড় বোলে ভূগিণা জীবনে নিরাল কইরাছেন, জালার: আমেরিকার ক্রেমিড ভাজার পেটাল সাকেবের আবিষ্কৃত্ত ইলো ক্রিকা ক্রেমিড ভাজার পেটাল সাকেবের আবিষ্কৃত্ত বিভারা করে ক্রেমিড লালার করে ক্রেমিড লালার ক্রিমা বাছিছে পারেন, জালার লভ সক্র ক্রমাণ ক্রান্ত বংশে ক্রিমা বাছিছে পারেন, জালার করে ক্রমাণ ক্রমান্ত্রালার ক্রিমা বাছিছে পারেন নাই, জালারা অক্যার এই ক্রম্নী ক্রমান্ত্রালার ক্রিমা দেখন। এক বাসের বাক্রানোপ্রেণ্ড এক নিলি ক্রম্ন ভাজান্ত্রণ সভ ১৯০ টাজা মানা

লোল এতেও-ডাঃ ডি. ডি, হাজরা। কভেগ্রন, গার্ভে-ডিড পোট, ক্লিডার টিকানা ম্পাই ক্রিয়া নিবিধনে



## সাময়িক প্রসঙ্গ

क्रियूग---বিনাদ্ধুগ। তাই অফ প্রাণীর ক্ষা কি, প্রাণিজগতে বাহারা শ্রেষ্ঠ জাসনের तादी करतम छाहारमञ्ज अधिकारत्मत्रहे रेखियमन अछ यमभामी इहेशाए (य, छेशाता मत्त्र विभावकाष छेशामत थाःत व्यक्ति নতাপাদ ছিল্ল করিয়া শুল্রাধান্ত বিস্তার ক্রিতেছে। প্রভোকের মনোরাজই ভোগ-**ছাজ্যের একচ**্ছত্র সম্রাট্ হইথার চেপ্তা **ব্যরিভেছে।** ভাই পুতিগন্ধময় স্বাহ্ম স্থার্থ-आंशांद्यस अः ग गहेत्रा मक्नीरमत सात्र পরস্থারের মধ্যে ভীষণ বিবাদ উপস্থিত - ब्हेटल्ट्स् ।

পুৰিবীবাাপী মহাসমর মাত্র কয়েক বংসায় ছিল-ভাগতে অগতের ভাগ কাংশ লোকই 'আহি তাহি' ছবে গগন-প্রম মুখরিত করিগছিল; কিন্তু এই যে ভীৰণ সমৰ অনার সংসারে চিরকাল गागिया चाइ - हेशत निव्याप ८५%। क्यक्टनंद फाट्ड १ यहान्यदत जनस्त শীবকুলের আকুল অনুটাতে—কান্তর জেন্সনে করণার্ম হই /৷ শ্রীমনুস্থন উহার নিবৃত্তির ব্যবস্থা করাইলেন, আর আমরা যদি ভাগাড়বটনক্লেশ হটতে প্রতিয়াল পাই-বার নিমিত্ত সেই অচ্যতের অভয় চরণার-বিজে জনভোপায় হুইয়া শ্বণ গ্রহণ করি, ভাছা হইলে কি ভিনি খানাদিংকে রক্ষা না করিয়া থাকিতে পারেন গ

অপরেম্ব প্রকৃত মঙ্গল সাধন করিতে পারে এক্সপ লোকের সংখ্যা অতি বিরুল। কিছ অস্ত্রের অনিষ্ট সম্পাদনে সিক্ত্রু লোকে ভগত ভরপুর। ভগতের এই আকার হুর্ভাগোর কারণ-নির্ণয়ে দেখিতে পাওয়া বাম যে,ঈশগংলি শিক্ষাই (Godless education) স্বীয় কান্ত্র মূর্ত্তি পরিতার কারিয়া এই অবস্থা সংঘটন করাইতেছে। এই শিকা মানবকে এমনভাবে অধীভূত ক্লিভেছে (व. तम निरमंत्र चन्नात्भव मकान महेवात **८कान ७ औरशक्त ८**वांच करत्र ना, करण প্রাক্তত মুদ্ধল জিনিবটা কি এবং কিশে প্রাক্তর মুখ্য সম্পাদিত হইতে পারে,ভাহার क्षिष्टरे व्यवज्ञान्तर । ध्यास्य वास्तित वाता বে অশ্রের প্রারুত উপকার সম্পাদিত হইতে পার্মে না, তাহা বুদ্দিনান নারেই অতি সহজে ধাণমুদ্ধ করিতে পারেন।

ভাষতের অধিবাসিগণের মধ্যে অধি-कारभरे निक्रमत्रे। छाराता विषविधानस्त्रत्र লক্ষা করে; এমন কি, অনেক সময় তাহা- ু পারে চ

## • শ্রীশ্রীগুরুগোরাকৌ জহু

# দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

নিত্যপাঠা বৈক্পনান্তাব্য

বেদাদি সমস্ত সাছত-শাল্পের অক্রতিয় ব্যাখনাতা সমধ্য ভারতে একমাত্র মূলত দৈনিক পার্মার্থিক পত্র

শ্রীকা হ-১ † বপুর – ২৮শে বৈশাখ সোমবার—১৬৬৮

দিগকে হয়া, কঠা, বিদাতা বলিবাও জ্ঞান করিল থাকে। ভাগদের এই নিরক্রভার স্থাগ শ্ইয়া জন্মব্যীন শিক্ষায় পাই বিজ্ঞাভিমানিগণ নিভেদের ভাক্তচা গোপন কৰত উহাদেৰ উপকাৰেৰ ছল্নায় অনেক সমা ভাখাদের কার্ন क्लाइन छानिया निःकामत वाक्षावती व्यन्तः

নীতি ও ধন্মশিকামূলে প্রতিষ্ঠিত ঠাকুব चक्कितिरमाम देम्बिविदेखेत विकास टाहारकार्ती কভিশ্য শিকিত্যভিন্নী সুংকের পুর্কোক্ত প্রকারের সমার্ভির পরিচয় প্রি আমরা অভিশ্য ছংখিত। উসকল গুরুক প্রকৃত জানালোক বাভ কনিতে পাবে নাট, ডাংগদের প্রামের ভেলেন। মেট আলোকে উদ্ধানিত হউলে ভাগেদেৰ জডিডা मिनि व्हार - এहे न्युट कि छ।वाता ती প্রকার হীম কার্যো বতী হই গছেন ৪ পদ ভাষাই হটন থাকে, ভাষা হটলে আমিরা জীহাদিগকে আভয় বিত্র জানাইতেটা যে, ঐ প্রকার ভারের কোন কারণ নাই ; ক'বণ ठेकित एकितिरमात इमिष्टिष्टिए विस् ছালেগণ হিন্দু শিক্ষক হইতে এবং মুসলমান ছাত্রগণ মৌলবী সাফেব হইতে বিভন্ন ধক্ষ সংক্রান্ত শিক্ষা পাই।। আদর্শচরিত হইতে-ছেন--স্তরাং অক্টের প্রতিভা মলিন কর। কিবে: অন্তকে থীন প্রতিপর করা তাঁহাদের উদ্দেশ্য হটবে না। পকান্তরে যাহাতে ঐ শ্রেণীর লোকেরও প্রেরত মগল ২ইডে পারে. ডমিমিন্তই তাঁহারা প্রয়াস পাইবেন।

ঠাকুর ভক্তিনিনোদ ইনষ্টিটিউট নার এकभाम पानर रथामा इहेशारह। व्यक्तिमन , व्यानः मत मरवान धारे ए, विकक्तवानिनः गत्र আপ্রাণ বাধা দেওয়া সত্তে বিভালয়ের দেব-চরিত্র শিক্ষকগণের শিক্ষাপ্রণালীতে মুগ্ধ इहेबा व्यक्तारहें मुख्य होज अर्थि रहेरळाह । ক্রতগতিতে ছাত্রসংখ্যা বৃদ্ধি পাইতেছে। উন্মৰিন্তারিনশকে পণ্ডিভজানে "অভিনয় বনান্ধকার কতকণ স্থাকে ঢাকিবা রাখিতে

## 🕸 মন্নাথ্যনি

দাক্ষিণাভ্যে তাঞ্চোর ও েচ্ছুদেশের মধ্যে মধ্যদেশ অবস্থিত: তথাৰ কুত্ৰ নার্বায়ণ নামক প্রাণে ঈশ্বর ভট্নানক দনৈক জাবিভ বান্ধণ বাস কবিভেন। তথায অন্তাচ্যাপ্রণীত প্রথম্ম তাতের মতে শকাব্দাণ বিশ্বোনের অংশে জৈটো পুলিমায় উন্থান ভাটের একটা পুত্র জন্মগ্রহণ পরে তিনি শ্রীময়গেয়নি বলিয়া दिवारि इस । दलाहिकत र दिल की सक्षाय-মুনি অংশ্য শালে প্ৰদুশী হইয়া প্ৰাম্ভ বাছাগোপালাদেবের সেবঃ প্রাপ্ত হন এবং মধ্য ि- इ. अ जान अक्न अक्नां क्रिया रहकान গাইস্থাধ্য পালন করিঙে লাগিলেন। ভ্রমুর মধ্যা গ্রেড়ডি উত্তর দেশ দর্শন ও সেন্লাভ বাসন্ত জীতিগ্রেস নিকট প্রোথনা কণিলে ব্যক্তপ্রোল্ডের ভাঁচার ্রেপ্র অফীকার কবিলেন। ন্থমুনি এৰ্ম্মকাৰ অঞ্জা লাভ করত পরিবান: ও বাটখন্থ সম্ভিন্যাল্যে উত্তৰ দেশে থার। কবিবোন। গগে নিতা প্রবছটো ব্যাহদের দর্শনান্ত্র পেরপার পৌছিলেন। তথা এইতে ন্মন ভীর্বে অবগাহন পুর্ণক জিবিক্রম দেখিয়া ঘটিকাচল গমন করিলেন। ঘটিকাচল ১ইতে নেকটাংলে রুমাপতির প্রাদপন্ম বন্দনা কলত প্রকৃত্ন পর্যতে অভােবল নুসিংহ দর্শন ও ক্রামে জামে পাঙ্বজ প্রাদেশে বিঠগদেব ও কুম্মাণেতে কৃম্ম প্রানাম পুরুক মধুবায় উপস্থিত হউলেন ৷ আতংগর মায়াতীৰ্থে মধুহুদ্ন দেখিলা খোনজ প্রকাতাভিমুপে গ্রন করিলেন। ডিএকুট পর্ণাতে রামচন্দ্রের চবণে গুণিপাত পূর্বক গ্রামাগর ভীতে উপস্তি চটলেন। তিনি ल्यावर्कन, बुम्यादन, व्यत्याध्या खङ्डि छान দর্শনে নিতান্ত আনন্দ লাভ করিলেন তবং रिगावक्रत्मन व्यक्षक्रिक स्थानस्य विमुद्ध इहेश ক্লফাসেবায় অহনিশ ধাপন করিতে माशिकान ।

मध

নিজিত হটগে সুর্প্রিকালে দেখিলেন যে, জ্ঞীলাম রাজগোপাল নেব **তাঁহাকে** গোবদ্ধন ভাগে করত বীর নারায়ণপুরে প্রভাগমন করিতে আদেশ কণিডেছেন। নিজাভক হইকো গোণালকিলার নাণ্যুনি খনেশে যাইতে বাসনা করিয়া গোনদ্ধনা-হিপতির অভুজা লইয়া খজন সহ খণেশাভি-मृत्य हिन्दान । श्रीमदश्च द्यमंख्रिभागत অধ্যুষ্টিত বারাণ্দীকোত্র হইলা নীলাচলে জগলাধ দখন করত পুনবার সিংহারলে অংশবল নুসিংহ দৰ্শন কলিলেন। জীনুসিংহ-एएटवर १८५१ डि.ज. वस्त्राः कतिशां तक**डीडव** পতিকে প্রণতি পূর্গক ঘটকাললে পুনরায় डीननिश्दरत् ५२/(४६न कतिदयन । शुक्र সংবাহৰে অভিনন পূৰ্ণক গোগীৱাজেৰ অভি-दामन अर्थक कार्यः नगरत छेननी ६ इंडेरनन । তথ্য বরদ্বাজের ছতি করি। নানা ভীর্য 😉 টুমরপ্র-ভি পুর্বক মণিগ্র সংগ্রেছ ইচ্ছা পেশ্র শক্টালে মতীসাপের জগরাপ দর্শন কবিয়া গ্ৰুম্বটি**৯**ট্ৰ ছিত্ত চইলেন। তথা ২টতে কৈর্বিনী তীরৈ পাণ্যাব্পি, তকে**শ**, রাঘন প্রেচ্ডি দেবত। নাথের করত মর্র নগরে পৌছিলেন। মনুর নগবে কেশব দৰ্শন পূৰ্পক ভোগ প্ৰসং পুণ্ডবীক সংগাৰৰ, মহাৰণীপুর, চোলদেশ ও কুছকোণ अः ि कारनतः आिमृतिनिष्ठातः यथीयथः অভিযানন পুত্ৰক ধীরনারায়ণ নগরে लाबाग्युक्त इहेरहम् ।

वहेद 🕾 छीर्थ । वा समायम शुक्रक माथ-মুনি ই'রনালারণপুৰে পুৰোগত বৈঞ্বলণকে নানা ভাঁও হটতে আনীত প্রাসাল্দি প্রদান কবিলা প্রম অপ্রোবিত ক্রিলেন।

किएकाम १ ७ ६ होल ध्यमा दीवहाय मुनि कार्यकर्ती देनकारदक् कः दियादकुछ 🕮 अस বিষদক গাঁথা গাঠ ক্রিটে ভারণ ক্রিয়া পর্ম পুলাকত হইলেন। গাথাটা সম্পূর্ণ সংগ্রহ করিবার বাসনা হটল। বৈক্ষরগণের নিকট সভোবত্তনক উত্তর না পাইলা স্বৰু প্ৰস্তাধেণণে কৰ্ম্পাকলে কাৰ্যা করিলেন।

भीता कहा भारत द्वी हैया। जानान-শীলনে নিযুক্ত ইইলেন। কিছুকাল সেগ সাধন করিয়া ভগবানের সংহাল বিধান করিলে ভগানে প্রান্ধ ক্টরা স্থানিকে বলিলেন,—"বংস, ভূমি সম্বৰ ভাষ্ট্ৰপ্ৰী নৃন্তু-তীরে কুরকা নগরীতে গমন কর। তথ্য আমার প্রম ভক্ত শ্টানেল চিতাশ্রীরে वाम कविष्टास्थ । हार्ग बहेरकान महारहे এই গাণা বচনা করিয়াছিল ব্দলীপিত গ্রন্থ গ্রন্থ কর।

क्यवारमह जात्मगड माथमूनि कुछका নগরীতে উপত্তিত হইলেন। তথার লাভানি अक्षित्र वक्रवीएक जीवबाधमूनि भावक्षन नात्थत हरन तक्षन भूक्षक हिकामूल नार्द्धान. ধ্ইয়া ভদীয় শিয়াগ্ৰগণা মধুর কবির মৃতি দুর্গায়ত

মচ ব্যক্তিরা এই ৫' 🔧 করিবার ভঙ্গা বছপরিকর ছইয়া এবংশনৈ তামপ্রী নদীংতে शुक्रकशनि निक्तिश करत । এই भूग्रदकत একর'নি মাত্র পত্র রক্ষা পাইয়াছিল। এই लिएक वन्ति माक स्माक भूमक्रकांत ३७. महित्कारभव बहुनाव मरश् छेहारे अकरण আছে। শঠকোপের শিশ্ব মধুর কবি 🗈 গ্রন্থ পুনর্কার রচনা করিয়াছেন। ভারার নিকট হইতে আমি ঐ প্রবন্ধ প্রাপ্ত হ**ই**াছি। তুমি মন্ত্র গ্রহণ করিয়া ভক্তি হক্ত হাদশ সহত্র স্থা। তব পাঠ কর। ভাষা হইলে শঠকোপের ভোমার গুতি রূপা इक्टेंद ।"

भहाद्वास उभाम बाट जीनांव खनभारते ব্রতী হইবেন। পাঠের ফলে অভিনেট অতীই গ্রন্থ, ভব্রয় ও বহুজ্বা পাইনেন . कृतकां नगरत व्यवस्था सम्बद्धा प्रदेशिया । নিকট অপ্রাক্ত বিগ্রহপ্রাপ্তির ইতিহাস ও বুংকে প্রচিয়া অস্ক্রমন্ত্রশ আমি এতানিন ভবিষ্যাদাচাথের বিবরণ জানিবার বাসন। "পান"-দেবাকেই ত্রেনদেবা মনে করি-হয়। তত্ত্তরে জ্রীনাথ জানিতে পারিলেন বে, আছি। ভক্ত কবি তুল্দী দাস গাহিলা-জগবান কোন শিল্পীর নিকট সংগ্র প্রাচ্জ ত ছইয়া নিজ রূপান্তসারে বিগ্রহ গঠনের আদেশ স্থাপন করেন এবং উ.সৃত্তি গঠন भागातक वार्यन ক্রিবার করিয়া ভাষার আজ্ঞা করিলেন। তদমুদারে প্রোতঃকালে শ্যোখান করিয়া আদেল মত 🗃 মৃত্তি নিশ্বাণ পুত্রক ত্রীমন্নাগনুনিকে প্রাদান করিল। জ্রীনাথ দেহাবসানে পদ্মাক নামক তদীর শিশুকে অর্পণ করেন। পদ্মাক গিন্ধনুর্ত্তি রামনিত্রকে দিলেন। রামনিত্র হটতে যামুনাচাধ্য বিগ্রাহ প্রাপ্ত হটলেন। যামুনমূনি ভদীয় শিশু গোটাপূৰ্ণকৈ অক্চামূৰ্তি धारान करतन। त्राडीशूर्य छमीत्र क्लारक 👼 সৃষ্টি সেবা প্রাদান করিলে রামান্ত্রকের महत्रहर्ग कारण के विकार जागुण स्टेमिकिंग ।

क्रिशंहित्यन । भरत त्यायां जात्रत्य : देव्हा- नारे । क्रयप्रेनचप्रेन भौगते व्यानरे দাসের বিরচিত স্থক্তি দেখাইয়াছেন ? ঐস্থতি জমে পুনরায় বীরনারায়ণপুরে আদিয়া বাস করেন। তাঁহার শিয়সংখ্যা দশ্টী, তথ্নধাে পদ্মাক্ষই প্রধান। গোস্বামিগ্রছে ও শ্রীনাথের গ্রন্থের প্রেশ্যে দেখিতে পাওরা যায়। শ্রীনাথ রামান্তর্জ সম্প্রাপারের প্রাতীন ওরা-अभिका।

## েব –িবে ফ

( ত্রিক্তিলামী দীন্দ ভ্রিক্তিবিজ্ঞান আশ্রম মহারাও )

व्यक्ति बनानिकान ३६८३ ओक्रकतरिय श रु अगत "जगद्रराम" कि तम्र काश स्वानिएक ार्टिक्टी हिंद, होद, चा, माद, समाजिला, করিত। তদবধি জাবিড় আমায় পর্য় আৰি শ্বর-বিশ্বত ইইয়া সংখ্যা কাল-তেছি। ভূবননোহিনা নায়ার রূপ, রুপ, ১৯. স্পর্ন, শ্রাদি সম্ভোগ করাকেই, অর্থাৎ "कार"-(जवादकरे प्यामि ८ अमरभता मन ক্ষরিয়া নিবন বিশ্বস্থান্তিতে পতিত হইয়া এই ব্রিভাপতর্ক্ষসক্ষ সংসাধস্থার পাছন হাস্তুত্র থাইতেভি। এখন মানার উভারের উপায় কি ? ভাগণ কমে, ক্লেৰি, সোভ, মোহরূপ . নৃক্রা, মকরা, ফক্সে প্রাচৃতি ল্লক্ষ্মণ হানাকে গ্রাস করিতে উত্তত হুটনাছে। এই দার্কণ মন্তট ১ইতে আমাকে এখন কে রকা করিবে গুরিবাম, অভিঃনিতামক পতিতথাধন এক ওফলেব ভিন্ন আমাকে এই আসম বিপদ্ হই:: উদ্ধার করিবার আর কেইছ ন্ট।

> श्चिकतम्बद्धाः क्षेत्रात् क्षात्राः 'काच-ৈ লো এখন একটু একটু করিয়া জাগ্রভ হলরাছে। এতবিদ আমি ভগবৎসেবারূপ ্রেম হটতে বঞ্চিত হটয়া মায়াদেবীৰ ছেন, যাই: 'রাম', তাই। নাভি 'কাম', যাই। 'কাম' ভাই। নাহি গাম ''দোনো এক নাহি মিলে বুবি রহুনী এক ঠান ॥" মরুভূমিতে মরীচিকার আন্ত হরিণের কাম প্রতিদিন चानि विक्रमात कड्क धार्रात्र श्रेशहि, আমার এই ভীষণ বিপদ ইইটে এক क्षेत्रकार किंद्र विश्व विश्व कर्म क्षित्र मधर्य नरहन्। अक्या व्यक्ति व्यक्तिस्तरात কুপা প্রভাবেই বুঝিতে পারিয়াছি। কি অভিয়ে । এখনও আমার মায়বিবেক বা সেবাবিবেক আগ্রন্ত হয় নাই। আগ্রন্ত भूक्य की अक्टारायद मिया किंद्र कथनहै জাগ্রভ হইবার নহে।

> এতদিন আমি প্লাক্ত বিবেকাননে বা অভানন্দে রিভোর ছিলাম, অঞ্জাকত

শ্রীনাথ কুরকানগরে কিছুক্ত বাস সেবাধিবেকের কোন দিনই স্কান পাই **टा**डाय-नम्, त्रस्का, एरमा मन নৌপ্য ও লৌহ-শৃত্বালে আয়াকে আবন্ধ করিয়া দেবীধামরূপ কারাগারে নিকেপ

হে জাহৈতুক রূপাদিখ বৈষ্ণব ঠাকুর গণের মধ্যে একজন অতি প্রধান যগিয়া পতিভগাবন শ্রীভক্ষের,মাম্বিক রূপা কর্ম, त्यन कामात काश्वरेष्ठकाल केन्द्र स्थ, त्यन আমি "দেণবিবেক" লাভ করিয়া এই ঘুর্জন মাণাকে জয় করিছে পারি। কেননা. --मृत्र श्रुक शांकरते, ८५० त्राप्त अत्य व्यक्ति करते जिनामन, कराजारका बाज, हुर्छ या, जान, কবে প্রনেশ।

> শ্রিদ ঠাকুর মহাশয় ওঁঠেন করিয়াছেন ;— কিরূপে পাইব ",দন:" মুই ছলাচার। উ। ভর্মীব্যুন্ধ রুচি না হৈল আমার ॥ অংশের মাডে মন মহন এইল। বৈষ্ণবেতে লেশমাত্র গাঁও না ফ্রিলিয়া িন্দে স্থালিরা অন্ধ হৈছে দিবানিশি। গলে ফাস দিতে থিবে মান সে ভিশাসী॥ हेश्रत कतित छ। ज्ञानम में या । शतुष्टक क्रिया साधिक है। या।

कृत्यात्र हाकती ६ म्हान हाक ।।, इंग्रेजी म्रोम इ काश्रम छ अल्य भएड । ८ धामरम्बः ७ वर्षम 医肝脏 医乳内钳 医神 斯德士

करमानिकश्ची। स्वाद्धा भरत "८वाम" साम ॥

আমি এত দিন কামদেব্যক্ত এমন-সেয়া মনে কবিতা লাভ হয়িখছি ; এই ল্লম সংশাধন কণিয়েও এক বৈধাৰ ভিন্ন ক্ষম্ কেট্ট সম্প্রকেন।

व्यक्तिकार के जी धक्कारता औष्ट्राप রুণার এপন আমার ঐ প্রারুত বিবেঞ রূপ পুরস্থা ভঙ্গ হয় এছে--- এথন জ্ঞা-কৃত সেবাবিবেক অকুবত রত্বের ভারার षामात मञ्जूष । आकृष्टित्यम्भ---কড়ানন্দ, আর অপ্রায়ত তিবেকানন্দ -- সেবানন্দ-- এই ছুইয়ের কগন্ও সমন্তর হর্তে পারে না।

🖺 भ्यतास्मत रगवा— 🖹 देवकुछ वस्तत প্রেমদেবা, আর প্রাক্ত বিবেক্নেক্রের দার। পরিচাশিত হই । যে সেবা অর্থাং ---স্থ্যাদি আন্ত্রীয় কুটুস্থাণের ভরণ পোৰণকপ কামণেবা-নানার সেবা। এভত্তর কথনও এক বস্তু হইতে পারে না।

# कृष्टिङ जग्राम

(ভক্তিরত্ব জ্ঞীরাধাচরণ গোস্বামী ভক্তিশাস্ত্রী) (3)

ঁ সাধুসজুই কুঞ্জজির জন্মমূল। ভোগে বা ভাগে নিতা কলাণ কুক্ডজি লাভ হর না। ভগবভভাগণই সাধু; তাঁহারা নিভাগতা, সনাতন বম্ব 🕮 জগবানের

শ্রীপাদপর আশ্রের করিরাছেন। তগবঙ্ক-গণ নিভাকাল প্রীহরির নাম, ক্লপ, ওণ, नीनाकथा **जारम:**हरा कर:न।

र्यादात्रा शिहतिकथा जारणाठमाः करवम. প্রিগোবিনা সভত্ত তাভানের হাদরে বিপ্রায় करतम । कशंशकुकशन (मनामोद्यां कर्म-বানের স্থিত বাব করেন। বাহারা সেই शक्त जनवर्त्रत्रीत तक लांख करत्रन, তাংদেশ নিভামখল জকভাজি লাভ হইয়া शांक, हेशरछ विसुधांत्र अ अवह नाहे।

यपि वना यात्र तथ. व्याचता अक नार्ष् সঙ্গ কৰি, আমাদিণেশ ক্লয়-ছব্তি লাভ इय मा (कम १ एक्टरत तना बांध-क्य शांपुत्रक (समाग् । ध्यकारत्य सामुप्त निक्छे रामन ) रश ना 'कशना मानु --गयात 🗐 🗷 🕶 বানের আলিড, এই বিশ্ব সের অভাব। নেরাণ বোচ স্পর্কানিতে প্রেট ইইনেই CHICI रम : ८मेडे अकाम खोरवन मानुमन লাভ ভটলেট ভী। মাবু হয়। অকপটে ম্ধ্ৰ 🕦 য় উপাস্থত না **২ইলে** मानुनक रूप्र का, मानुष र इसा यात्र सा।

ভগ্রথনত্নী সার্গণ, জীবের জ্বয়ে ভক্তিণভাবীঞ্জ নোপণ করিয়া জীবের নিতা মুখ্য বিধান করেন गान्डं म । अत्याकानद्व महस्य अन्यद्वामहे नदम প্রয়েণ্ডন। ধর্মার্থ, কাম, মোক এই চ্ছু "কাল্লাপ্রের প্রীতিপার ভালে ব্রিক কাল্লাম । ক্রিয়া প্রাণেক্ষর ক্ষরণাকা পঞ্চম ও পর্যন্ত क्षा । इस अध्यादाम क्षांति क्षेत्र । 5 तम काराक को इन्द्रम ह

> শুব্দজের সহিত হব মার কাল সক্ষাত হটকে ভাবের আসীৰ মঞ্জ ভাদত গে। ভাহার মহিত মহারাজ Bअवर्दीलन, हेक्कप्रशास र द्याप्यानिश्र**ङ किछ** মাৰ বুলনা হইতে পাৰে নাল

भगागक>अन्तर्धी ज्यामि लग्नाता सीर्यन्त निराक्षां। माधि इहेट्छ भारत नो ইসুৰ্ণদ্ৰ চিন্নকাল থাকে না, ভাহা कश्चि, भूगा क्या इटेलारे चर्गानि जाला হটতে এর চইরা মন্তাদি অবর লোকে পভিত হবঃ হতবাং শ্বর্ণার্ফ লাভেও व्याङास्टिक छःरथत्र नितृष्ठि नाहे 🗠 🐯 🖛 নিবৃত্তি—সাম্যিক ছঃপাভাব মাত্র; নিভা স্বাহা ক্রনাভ নহে। ক্রিণা মনুবুলিভ वारका बुद्ध धरेता छिल्मार्गरक डिक्क त्यार्थ ভাছাতে উদাসীন থাধিয়া খত জোগ-टिहार एक्पारेट भाक्क ना त्यन, त्यान প্রাথারেই নিডাকল্যাণ্যার্গে **ভারো**হণ করিতে গারিবেন না। সাধুস**ত্ত ভীবে**র নিভামস্প্রাদাতা বলিয়া পৰিবাস করিয়া তাঁহারা আত্মকল্যানের 'পথে বোটা কোটা কটক আকীৰ্ণ ক্ষমিতে-(छन । निम इटक चशक्ता १८६६ मन्डेक অংরোপিত করা নিতান্ত নির্বোধের কার্যা। ভাষাও ভাষারা বুঝিরা উঠিতে পারিজে-

# গ্রন্থ পরিচয়

## শ্রীমন্তাগবতম

व्ययमार्थं क्यंदिलायन द्यस्तात-धारी ह मून, दीशन-ঠাকুর-মত সারার্থনিত্তি টীকা, বঙ্গামুলাদ, সংস্কৃত অধ্যা ও প্রম্পণ গুঞ্জ-মহাজন-ফ্রীপন্সরিত-শিক্ষক - তি গ্রাম্টি ল **দেই ক্ষের প্রতিপায় কণা**দার, অধ্যায়ের প্রাথনে ঐ অধ্যারের সারসহ অবিভূত তাৎপর্যাদি িয়ত। স্লোকস্টা বিষয়সূচী, অধায়বিবরণ, পাত্র ও স্থানস্তীগৃহ উত্তন কাগজে উত্তম অকরে মুদ্রিত। প্রথম ইউতে ১০ম ৪%। পর্বাস্ত ভাপা স্পৃতিরূপে শেষ হইয়াছে। ভিক্ষা প্রেণম इहेटल जम क्या भगाल २०१०; मभम यस ००,; मयश्र हरू ।

### শ্রী শ্রীটেডকাচরিভাষত

🗴 🛍 व्यापार कि विकास महत्त्वको द्याचानी लाइनाम विकास 'অকুভাষ্যে হাতি-ছালাদি বহু শাস্ত্যম্প-স্থলিত চইয়া अकां विक इदेशां हिन । स्तारकत गात्रत्रवा था। वक्रान्त्रवा ह अट्डाक अभाग-आंतर्ध क्षामात (भ छता अट्ड । ८४) क. प्राव, भक्त, श्रांन, भार लाइ इंत अवूटर कृती व अध्कारात विक्ष कीवनी सम्बिष्ट बहेन्नल चाहु छल्ला सम्बन्ध है छ। १५०४ कुळालि खाकें। सिक्त क्या माहे। खेडम काशरक शा तुनारहाय বহিত স্থল অকারে মুলালে মুলিত হর্যাতে। এও প্রায় )eoo भूडीय मुल्लाहा । किया प्रकाशन e् माञ्चा

#### ই তৈত্ত ভাগৰত

**লয়কানে**র শীষনী, গুলি পরিছেদের কথাসদা, নিস্তুদ লেড্রিল **ভাল,** শক্তঠা, গ্রারকটী, বিব্য স্থান পারাট श्की, क्षाकृष्ठि विविध् विश्व शक्षणिक विवाक विश्वीत शक्कतन इवल क्रांडेन ৮ (भड़ी काकाता आधिर्गाण ଓ महार क्यापरम् कार्यात्यः इद्यार्थम् । कारम् कारम् आवर्गमः ह्हाएटएम। व्यक्तिम हिका ब्राह्मिन, व्यक्ति बीवान 1 12 148

### **ब्रिटेन्ड स महान**

**এই প্রস্থের** তবল অভিনব হাদর সংখ্যাণ আর কুলাপি **टाकोनिक २१ मार्ड । मार्ड ए (श्राकारम्ब अ**धर रक छवान, खांश, कथागात, एना छाङ्धि गर बटल बटल छावानिक इहेग्राटक्त । मून दश्धा अकता करन काउन काएंला वृक्षभाष्ट्राट्य छोला इटेसाट्य । मुला २०० होका । असीश অকশি ও পৌর্টাদের প্রাহকগণের গকে ১॥ । টাকা।

## **এমন্ত**গ্ৰদ্গীতা

-- শ্রীপৌতীয় বৈঞ্বাচার্যা অপ্রাকৃত রণিকচ্ডার্যাণ **क्रिक्रियाण ठळावर्किंगकृत ८७१७। महाध्या** भातार्थवर्तिनी हिकाम्यका ७ कि किमक्किनियाम शक्त थारी ए 'विन्य-মুলন' নামক ভাষাভাষাসহিতা। অধ্যায়সূচী, মাতৃকাঞ্চে (शाय-पृष्ठी,विरद्ग-पृष्ठी,अधकारतत शीवनी 's व्यवस्त्रविकापि तरकतर्गम किया व हाका माळ, माराम् मरकत्र--- अ। श्रंका माम ।

## প্রভূপাদের বক্তভাবলা

ও বিষ্ণুপাদ এত্রীমন্তজিসিদ্ধান্তসমূর বর্তী **८भाषामी महाद्वारकात** ८४६ व्यक्तिका विकासिना कीना प्रमात देशाद्य किया क्रायन का विकास हिमी की नेप्र मानित भुक्त-निवाह--- त्यक्षत्री, क्षाप्त अञ्चलागाः को सुन्धानि - शृष्टानाग মধ্যাচার্যা-কভা ভাৎপর্য-নির্ণার্টাকা; শ্রীমদ্বির্থনাপ চক্রবভী - বৈভববিজ্ঞানাপ্রের নেইজিক ভগত প্রথমতে ও ভাগত চাল বিজ্ঞানিক বিজ্ঞানিক ভগত প্রথমত করে ভাগত চাল বিজ্ঞানিক বিজ্ঞানিক বিজ্ঞানিক ভগত প্রথমত করে বিজ্ঞানিক বিজ্ঞানিক বিজ্ঞানিক ভগত প্রথমত করে বিজ্ঞানিক বিজ্ঞানিক বিজ্ঞানিক ভগত প্রথমত করে বিজ্ঞানিক বিজ্ অভিনক, তথ্য ও বিশ্বতাদিযুক্ত। অতি ধন্দের আদিতে অচিয়া েবিচানক—এখনত আধুনাবদের নৌধিক গ্রেমণ্ড -- भवता, अधिकात । ४ कारताया स्टाइत विश्वाप नग्रम् ।

> ১। প্রথম খণ্ডে—বৈদ্যবদর্শন, নীর দরত, কাল वया, आवश्वानिकात, दावारीकानना, लाकनादिकी नावा ও বর্ণ বিচার, আত্মধর্ম ও মনোন্ত, ভীটেডভংগেন ভ তাতার শিক্ষা, অনুধারত স্তত্ত্ব ও প্রাচ্ছ স্তত্যুক্ত প্রাঞ্জি বিংশতি সংখ্যক রয়ে ওপোভিত। ভিজা মাত্র ৮০ বার জানা।

**্রিটানয়কিবিনোলনার**র স্বাহত ক্রিয়ত প্রবাহত লাগ্য ক্রেয়ার নিভারতি হৈছিল আনুষ্ঠ ক্রিয়ার ভারতি ভারতি ক্রেয়ার নিভারতি হৈছিল ক্রেয়ার নিভারতি হৈছিল ভারতি ভারতি ভারতি ভারতি নিভারণি<del>নালিনা</del> भागानान, दिल्लांत-जिल्लानम् अन्तर, जिल्लान स्था ७ जस्य । अहेन्द्रन तथा-मानिय-नाम । .....कान मकारिकारमाहास কাঁতন, নিজাবপুল্য টীম্যাব্দের কাঁতন, প্রচৌর- ি-মু রের –ম্পুল্ডভিন-র্ব্যান্থা-আন্থয় – ক্রমান্ত रायत महिमा, मध्ये धारान, किर्णायन, धीदशहरा-मन প্রয়েত্রক প্রায়ের পুরের সংক্ষিপ্ত অভিশেষ সংযোগিত। । গণ, বিন্দ্রা চালার নিন্দ্রা ৮,৫৮৬টের ন্যা, রেটির ও *छ दानुस्मित्रमञ्जूषम् वाष्ट्रम्, सञ्चलिद्रारम्यः सन्तर्ति ।* (35%) 人,布多布(期至)

> তামন ও বিভাগ - ১ট মণ্ড কেতে লটকে ভিকা ১৪০ (त) इंडिक्स, अंकरता, अव्हार्ड

## 🗸 নতু গ্রদ্গী ভা

 (तो होष्ट्र-ऐन्फ्डनलोक्स्स्कित्र एनप्ताः हो। होप्राप्त-सदस्य निष्ठाः स्तर्काट 'स्तार ६ - म्ब्री (फाउन, तरनात एएंड्रहत्त्वया, १ ) । ५म জনা, বিক্ষেত্ৰী, ভ আভি স্থোকের অথম ও চুকীয় । পুর একর ভিক্ষা দুৰু আলা মারা। পদ বা, ভাতকালের মাবনী প্রভৃতি স্থলিত। উচ্চাই প্রার্থ প্রার্থ প্রার্থ ( ঠুড়ীয়া সূপ্তরণ ) হার র 1551 - 1

#### শয়রত্বাবলী

.পাবিদ হায়োদি গ ড়বার অধন গ্রন্থ। উৎ#ই বালিছে 🖢 গুলে ১৮০ চাকা নাজা। छ १९३३। श्वतिष्व ह छोका **७ व्या**श्चनत्र सम्बद्धान । क्षार्थिक मध्यक्षक (वास्त्रमा इरेगा पाटका विका 100 MIN 31 5. 1

#### <u>ि।वर्षा श्रिमायमा स्पार</u>

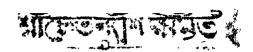
(তামান্থার) সংশ্বাদ। জাভি-স্বভ্যাদি একে স্মীনব-श्रीरशत रा महिमा के हिंछ आहि, लागत मून महत्र छ অসুবাদ। ভিনাত আনা।

#### দ্রাত্রানং দ্রাপভাবতর ক

পরিক্ষার হটবাানি-বিষয়ক। ভিকা। আনা।

#### ভজিনুতাকর ও নংখীপ পরিক্রেমা

**ত-আত্মানিন্ম-স্থ উৎক্ট বাধাই** চুতীয় সংশ্বন—এই রাল হটুতে পরিক্ষাংশ মারে গৃহীত; এলিব গোখামী কি লাগত ১টয়াছে। মুদেশ ও কালে উৎক্ষ ( ২ খানা প্রাকারে শ্রীনবধীশধানের পারক্রমা করিয়াছিলেন, তাহাই একজে ) ভিক্ষা দ- আনা, অভি হ্রমা বাধাই রাজসংখ্রণ পতে বিবৃত। ডিজা।০ আনা



<sup>9</sup> श व्यक्ति रिक्षान हे दिवा खाने १ । हेट क्षिक स्थित है । ा. क्राक्ष्मिक ए ।म--नम ७ मुक कार--

া-ম ল চিরে—বিনী ভঞ্জি, ভাগভটি ও दल्पन हो छन । मान हात्म छात १ । छ। व्यक्तवां मान भोगान প্রিচন্ত্রি প্রধন্ন 🦠 ভারতি 🛴 जाती कतिका महाश ভাষার মন্দ্ৰত সুভিত হাল । লি'ছ ব আছে । চন্তুৰ স স্করণ বাধা २८ हाका, अंचाहा ३७० है कि भारत

## গোটা কুইছার

জন্তমন ২০৪ স্বার্থনোরা र न १६-५, क्षात्र । । । । १६४७ - ४१ व्याप्त द्वान (स्वास्त्र) (विकासिकारकारम माजितान खालकार) एककेश रेनकार-১। দ্বিনীস্থা আপ্র-শুদ্ধা ও বিদ্ধা তাজি, ময়বের । বিদ্ধারের সরেরমন্ত্র করেছি একালিত হয় নাই। — उद्याम — ४८११ जन ८ असार ४५ ७०। असु असारम জ্ঞান ব্যাক্তানি কচান্ত ভাগতত এত্তিক কান্তেল বেশ্ব র কর্মিটে একের, উৎক্র বিশে চেনেরে নরে নাম বেখা। গ্ৰহ হোছ ৪০০ চুগ্ৰহ স্তৰ্গ ডিজা ২০ টাকা মান্ত্ৰ চ

#### **बिल्ल के श्राम-अक्षार्यो**

ই,মলন্তি বিন্ধান সংগ্ৰহতিত বিষ্মান্ত আ—বৌশ-মাহ হেয়াল সভাবন এনেতি পাও জীল মলভলি এই ইজী ात्रका वस्य वर्तवसमान <del>— दिलाय वस्त्रीत एकिस्सा —सीध-</del> न्। का अके. १--- विवर अट प्रतानामका वस्त्रीलकारका---ভাষার বিশাত শার পরজনা নামক ভাষায়ক। অধ্যায়- বিশ্বমূলি বিনেলে স্থাকুরের জীনব্দীপ ভারতরত প্রভেতি

#### শ্রিভারি লাখাবাত বঢ়াকরণ

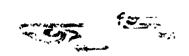
জীকীৰ ব্যোমা অংগাদ বিশ্বভিত হ'ব ও বৃত্তি, ভ্ৰম্পে তাৰ লেন ইন্সভুকিন্দ্ৰান্ত স্থায়তী ভোগোষ্ মধ্বোভের বিষ্ঠ ভূমিক। ও ২০ী এছেডি সহ। ভিষেত্তার বিপার প্রাণ্ট বৈশ্বদশন, সভাত ও অপ্রভাশিতভাবে ক্রছ। ভিসা ২ টাকা, ছাত্রগবের

#### নেদান্ত চন্ত্ৰদার

ভীমভামাঞ্জালে । এভিত । বেলাছের বিশিলীবৈভনাদ-প্রচারক ভিডারা-প্রবেদ্য অচিয়ে প্রবর বেদারদর্শন পারের উপ্ৰেণ্ড বৰণ্থ **উভয क** तिशास्त्र । इंशास्त्र বজান্তবাদ ও স্থানিধাদি সংযোগিত করা হইবাছে নাম মাত্র ভিক্ষা ৪০ সালা।

#### শ্ৰাটেতভাচন্দ্ৰামুক্ত ও নব্দীপশতক

োরপাদদ ভিদত্তী আমৎ প্রবোধানক সরস্বতী প্রতিত আঁঠাতুর ভক্তিবিনোর খিথিত। স্থললিত গীতাকাবে । মূল, আচুপার শ্রীমন্ ভক্তিশিদ্ধাত সরস্থতী গোলতা মহারাজ भुष्याभिक व्यवस्थात्र व्यवस्था । व वक्षास्थान अर्थितः মবহীপশতকের ভীভজিবিনোদ সাব্রেম প্রায়ুবাদ ভ শ্রীল সম্মানি চক্রমার্ট-সাকুর রচিত। ভতি মন্তাক্র তিৎসহ ভীমেয়হাপ্রত্ব একটা বিধারভিত আর্থানিক চিত্র ১ , টাকা মাতা।



ীমছদ্দিলিনের মালুল্বলীভা। এই রক্ষাত্র গ্রন্থ-শ্বক্রের গাম লাভ কলিলে পারমার্থিক রাজ্যে কিন্তু এই कादारा का ग्रामध भा किएन ।।। श्राम ग्राम ग्राम वर्ष के अलाम्बर्ग के कार्यक्रियों अने दें लाग्य देश वर्ग में हैं। निर्देश बद्धानंद्र पत्रिक स्टेश अस्ति। अस्ति वद्या । उन्हें । इन्हें स्टेश किंगित बर्गात्वम । काम र स्तिकत क्रांत क्षाना केलार्जन बाला विकास समुद्रकता करण राज्य विवासि छात्र. (तरमान कट्टा भाग दलका, किर्पृष्टे में भारी- ठावून मध्कता) किया २ है विश्व शब्द ।

#### ८ व्यगानि ई

四日初年(ここ) गुरुहार भाषत आहे ५० मानाम (1) विक्रिक । १४ ५.११क और अ १८१६ । प्राप्ता म-१८८५त अधिकार याचार्क देशका प्राप्त क्यालग व समान्यस ्यान्त्रपार ८०व । ४० ४० ४ জানাদ: **প্রা**র্ড জনেক टमिका काकेटनमा अपनीकाम क्रक कराव विकास करा অন্তক্তর প্রিয়াদি-সম্পিত চতুর ২ ধর্ম (৮০১ ৮ श्रुष काला मानि ।

#### TOTAL TOTAL

ছত্মৰ বিৰুদ্ধেশ্ব হোড়ৰ ভতিৰিচনদেৱ অনুগাহিত্ৰ । তিক্ষান্ত আননাম্ভা **লাংন ্**ৰিপিড শংক্ৰেৰ নিয়োগে। তালগানি নাংলেশ পথ,ডু কেছ বুলিছে পালিবেন লাং ছিটীয় ধাবনত ভিকা ৪০ চ

#### ক্সিলানচিন্তাল্যি

নামান্তালা খ্রীল ছবিনার সাবের মূপে জীমবার পোর লীনাস-মাধামার, নামাভাবে, নামাপরাধ প্রভৃতি বি-যো মাণ্ডীদ বিভাৱ এবং কবিখাছিলেন। এই বিভাগিল আন্দ্রি সারল শ্রালে বংলিজ্ঞ লাশানত পরিগাটিভাবে মুড়িতে ১ **ब**ल के कि कि तिमान श्री के राजिए। अक्रम याद्य के निर्णा कर

#### **本部门中心通过源**

मिक्स कि बिट तोक प्रश्लेश करिए । व्यक्ति स्था कि अपन বিশ্বতী ও জানপথের পালকের একংস্ক তালেকিল हिल्द्रम्यक्षीकः स्टिट्टो महासास द्वारा हा बाला रुक्तरक छ । हे अप प्रमुख्यान कि विशवहरू द बाहर व्यवक्षी है है भ्य खन्तर स्था काफ कान्तर द्वांत । शारीका वाक मध्यता. (५७) ८.० वाना वाट ।

#### শালগাগতি

প্রভাৱের জাত স্থার বিভিন্ন জারালে আল্লাম্প্র रिक्टि, अप्रमन पात, कृतिमा मत्रमां भरि छ निक्किलासना-न्त्रशासक को छिल्ली, विकास का ना माधा।

#### গীভাল্যা

🗟 । ব্ৰুল ভবি বিৰোদ- গ্ৰণ্ড । নিত্ৰ ভদন, আরাত্তিক 🛥 त्थापि-दिवस्ति वि सक मधुन धीलतपुर এक 🖎 अशिकः। ক্রিল /- আনা মরে।

#### **अभिक्षत्रकारम्य**

श्रितक सम्मृत्क छेरमी लि अभिकियामा । इक्त वछी हा कूत-दिवि ७ वर्रश्व । अभिक्षकिवित्नाम शक्यात्र अञ्चलाम-সহ। ভিছাত স্মান্ত্র :



নীমচাতাপ্রের শিক্ষা ও শীল বসুনাগ দাস গোস্বামীর ্ৰতি জীৱন লোক।মাৰ উপদেশবাণী, ভক্তিপথের অমুক্ত ও প্রতিক্স বিনরে অবিস্থারত সংয়োদন ভাশ, বিস্তৃত বির্ভি, চবিভায়তের প্রেমণ, যালগ লাখেল ও মহালন-প্রাণ্ড ভতুপ্রাণী গাঁওমমুছ প্রেণ্ডের স্ভিত ষ্টিবেলিভ ভইষাখে। তা সংস্কৃষ্ ভিছা ।√• আমা ।

#### সাগ্র-কণ

উনেযুদাপ দাস গোস্বামীর মনংশিক্ষা, প্রীল সাকুর ভাক্তিবেদ ভারত প্রায়ধ্যমের। ভিকাস **ন মানা।** 

#### ্রেস খক্তিত জিল

শীল স্বাধন দৰে। আমর স্কল্পান্ত গ্রেমভার্কবিষয়ক গাবেৰ পুথক। ভিচাসত সানা মাতা।

#### गत्ही शभा उत्त

के १११६ किनियाम विषिध श्रीम खारवाशांगम ্ৰহণীৰ এন গ্ৰহ সংগ্ৰিশতকৈৰ কুল্লিভ স্থা**লুৰাৰ।** িংগা, • খানা মাই ৷

#### অর্থপঞ্চক

ीय रमाकाहामा विजया । देवभवका खारवर व्यक्त

#### স্ণাচারস্থতি

ब्रीत मध्याप्रधानताती है। देवभद्रवय निकाककाति समर्गाताः उन्नी, तक्षाप्तराम मध्या । जिला ८० व्यक्ति भारता

#### খাণিগঞ্জারী

কবি কুলকেশরী আমাধানগারীয়ে রভিত্ত । - ইন্নমরাধ্বা जातात मः किथ कोनगरीका छ मूर्ग दे**न ध्**तरकारण । **माछ**ान 5약 [ ] 이 뭐[네]

#### (भोत्रक्र स्थापन

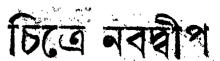
खाः जिन्दान द्वाराधिक दन्त्र खार्ग 24दक्षावायाचारतव [[지[이, des]-귀(d, s, 집 위(성) 3 상 ] [ [송바 ] k · 제[비] ]

#### যুক্তিসল্লিক। (গুণসৌরভ)

ब्रीमध्याण्डामाधान्यात श्रीमपानिताक चामिक्छ। दक्षाणद्व যান্তবাৰ এই প্ৰাৰের প্ৰাৰাণ পান্নমাণিক সাহিত্য-ক্ষণতে তে । কপ্রেথম। প্রীমক্ষকচোণা হততে সোজুশাবস্তন শিন্তীয় মধ্য (১/খা নামে খনাত জ্রী ন্দিরভোগীর স্বামী এই এতে माधातर पृक्ति ଓ क्लोकिक क्रामान्यास्त कित्रभ सम्बद्धात्व ভাঙি-বিলোপি-মতবাদ সমূহ খণ্ডন ক্রিয়াছে, ভাত্য পাঠ कतिएक कतिएक व्यान्ध्यमाचिक बहेरळ बद्रा । देहारळ युक्तिन भारत जार्रताच्य, देशन, दशक, मीमाध्यक 😉 मार्गावानिमछ-যামুখ্রে জনার খণ্ডন রহিয়াছে। ভিশা ২ টাকা মাজ।

### (भाषामी औल त्रयूनाथ पान

( ও বিষ্ণুপাৰ শ্ৰীশ ভক্তিসিদ্ধান্ত সরস্বতী গোস্বামী लाइलान-विकित्त कृषिका गर्) (भौत्राक्ष वक्रल-काल्य একমাত্র প্রিয়তম ত্রীণ দাস গোশানী প্রাচুর অপুর্ব চরি হাতত ও শিক্ষা অতীব প্রাঞ্জন ও সরস ভাষায় সন্নিবিট এবং পরিশিটে দানগোখানী আছুর বিরচিত কর্মকট্টী সাচ্যাদ মধুরতম তার ও মন:শিকা-স্থাসিত। ভিকা रीधारे 10 थाना, भाषाधारे । ० भाना बाज ।



व्यागीन नगरीरमत व्यविधि, एवा, खेळिए, त्योक व विकिशानिक ध्वमानमध्यिक सम्बद्धी बीट्यू महिता विवसक अह । जान्यि ता क्ष्मादक क्ष्मात्र विश्वक भन्ने हिन्दू नायायन त्राय धम, ७, थाक (गारहात), द्यमाक्षक्षम मरहामध कर्कुः সঞ্চলিত এবং ৪৭ থানি বিভিন্ন বর্ণের আপুর চিঞা नानिक नगतिक; প্রাচ্যবিভামহার্ণর রায় शांद्य विश्व নগেক নাপ বহু বিখকোন্দশোদক মহাশ্রের বিভূত ভূমিব गण। छेरकहे (हर) मत्राका वैश्विह मूणा अवन्यक्तिः लिः ह २ । छाक भाज।.

### म्बन-कर्शमाना

अत्यक्ताना, देवकव-वजना, देवकवनत्व, नांगद्रवात मूख धीनामध्ये, धीमभाराकास्त्र व्यटशिकान्छ नाम, व्यद्धेवा नामकार्डन, द्यानामान्द्रीर्डन, (श्रमकान, वांधननमीच भववीश-मिन्म, धीमांग्रायुत मिन्मा, श्रीमातासम-धानत महेः भा त्रांगा वनकार, वाष्ट्र**ाधामीय व्यक्त, त्यामकव्यित क्रिक** ৬০ বেশ্যালা নামভত্ন-প্রণালী, মহাপ্রত ও ছার রামান্স भागाम, सगानिका, 🗎 धक्त आपि, 🖺 छक्र-नम्माम নাংপ্রভার বন্দনা প্রভৃতি সাধক ও দিক্ষীবনের নিভাপঠি ্রিফারণানের কণ্ঠান্ডিড ভুকারীমালার স্থায় অভুক্ষণ করে ातनस्याना अभूत अह । सिका लंब, देशहे ॥ माता ।

### গোড়ীয়-গৌরব

किक : अत्र स्थानिक कांशवार्व हरण त्योष्ट्रीय अल्लामः टी। भाग सम्मतानम अत्रविषाविद्याप खन्द विष्णाप विष अञ्चलात व्यकानिए। देशार दशोदीय रेपकार्युत्रासार्य हेल्डिशन एजाकात्त अणित श्रेबाट्ड । क्रिका लिक्का

#### গোড়ীয় সাহিত্য

কলিকাভার ভূপ্রসিদ্ধ আলবাট কলে গোড়ীয়-সন্তুম্ব শ্রীপাল স্থলবানন্দ পরবিছাবিনোদঞাত প্র**দন্ত মন্ধুতার বি**ষ গ্রহারারে প্রকাশিত। ইচান্তে সাহিত্য-শ্রামার **অর্থ** এই পৌঙীয় সাহিত্যে র বিষয় স্থাক্তারে 🛲 বিভ হইয়াছে। ভিন 1v · 301:1 3130 1

#### **এিগোড়মণ্ডল পরিক্রমা-দর্শন**

क्रोटन्य इत्पर्भन्न त्य गक्य श्वारम मन्त्रिकन्न বেং তথ্যুগ পরবারী মহাজ্ঞান্য শীকা করিয়া পিয়ায়ের মেই সৰ আগুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও দেববিগ্রহাটি পরিচয় সহ যাতায়াতের ক্ষিণা নির্দেশ ইঞাদি বিষয়তা স্ত্রিবেশিত আছে। তিকা '- আসা। \*

#### THE HARMONIST

OR SHREE SAJJANATOSHANI 💯

শ্রীল ঠাকুর ভল্লিবিলোদ-প্রতিষ্ঠিত এবং জ্রীল ভূমি निकासम्बन्धि लायामी धानुनाम-मन्नामिक नामसंस्थि मानिक लक्ष । अकटन देश्तामी क्रांतीय महाविश्म ुवा ভবলকাউন ৮ পেন্ধী ৪ ফর্কা আকারে প্রতি খারে ছা নামের বিজয়-বৈজয়ত্তী লইয়া উপস্থিত হউতেছেন কাগত, মূদ্রণ-পারিপাটা ও চিত্রাদি মতীব বিভাক্ষক प्टरे टाकात छेरकेंटे टावक जात्र देकान मानिक श्रवाबित त्मचिटक शहिरयम मा। यानिक किंका काक्याक्रमगढ़ र টাকা মাত্র।

व्याधियाम-**बिटिएक्टम्ठे, त्याः विमाजायुक्त महोता** 

## দেবিক বদায়া-প্রকাল--পারমাধিক প্র

# বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভাক্তমঠসমূহ

रिञ्ड्य मर्त

আক্রম মইকাল

चा ठीम मरबील, खाकवत्र ख्रीवाम मात्रालवः सहीवा

প্রিমন্বার্গালীট ব্রুতি আর ৩০ বহু উত্তর-পূর্বে প্রিমণক্তে আচার্যারত প্রীচশু-🐣 स्पर्व-चन्द्रम् 🕮 औरेड एक-मञ्जितवासमान ।

এই স্থান লাওপত্ত-ভীর্থ, পরবিদ্ধাণীঠ বা সাম্বন্ধ কলনম্বলী । এট মধাভীর্থে প্রভারি-ु ्लाविष्यम् क नारक व्यक्ति-त्यतालगम्ब, शत्रविद्यात्र व्यक्तित कावा, माठेक, व्यवद्यात्र, कथा া প্রমাণ-উপনিষ্ণ-স্থিতা-শ্রম-ক্রন-চভূতিচের আগ্রমন ও অগ্যাপনা এবং ভবার এখিক-ু (১): ব্যোখাল-পাক্ষাৰ্থ ০া-পিরিধর ও সাম্বত সাম্মদারিক-মাচার্থা-চতুগর ভারাদের উপাত শ্বিপ্রচেশ্ব গণিত লিভা সেবিভ কাতেখেল। এই মঠদালে পার্যাবিক দৈনিক্পঞ্জ সাত্তভ নুৰ্বালয়ের অ্ঞাকাশ্ভ ও হু গ্রাচীন এখনাজি প্রচারত্তে 'নদীরা-প্রকাশ' ব্যাগর জাতিটিভ চইয়াকেন অভিৰৎসৱ শ্ৰীখাম-পহিজেমাস্কটান ও অগণিও ভক্তগোঞ্জিক শীর্ত্তন প্রচারসূপে মহামংশংশবাদি ভক্তার অভটিত কর্মা থাকে। রক্ষক---রক্ষারী অপার্থ মরক্রিজী। সঞ্জালী--- শ্রীপাল বিমোদবিশারী অন্ধচারী, পণ্ডিত জ্রীপাল গৌরদাস अमहात्री थाक्त्रमधीर्व, श्रीमाम नीइहता अमहात्री, माखिक श्रीमामधारण अमहात्री. প্রিবৃক্ত নলীব্যোপাণ বল্পোপাধার, আহমেলান লাগ ব্রহ্মচারী আমৃধ সক্ষনগণ।

(৩) ৰোগণীঠ ভীমন্দির

1.

वारे शामा जिल्लाहा श्राम वा প্রস্থাপাপ্রস্তুর আদিউবি-কৃমি মকাবোগmoi अवारम द्वीराष्ट्री शिवा e द्वीतिकः **ब्रह्मान् श्रीर**ाहेबनाबाधन कदर **श्री**टेहरूमा 🌉 এবাৰাক্তকের নিজা সেবা তথা ত্রীপঞ্চ-सर्था - द्यवा वक्षमान । सक्रक---- (काक-माबाबन द्यायामी क्षेत्रांतांत टाकु क्षेत्रमान माथ । मह्दारी श्रीनिकानिक अक्रमानी. विशेषमात्र बच्चडाही । जीतावनमात्र व्यक्ति-मानी, वार्यम्या क्रीकात्रकत्रम् ।

#### (৪) এবাস-জন্ম

श्रीभवाश श्राकृत की खेंग-विनाम या **द्यालको**लास प्रामस्को । क्यान्य द्याजीत्राय-विकासिक व भक्षकरकात त्रवा वस्त्रमान। 🊁 🧎 रक्क — मिहाशास्त्राम अवस्थाती, मिनमुक **७७. अत्माक्ष्ममाम स्वासी** ।

( १ ) काटेषण-करम at mich Bulen nien wan war PH 48414 1

(क) क्वेबोड जबाबि श है क्षामन भूकृष (मनीश) Medingerine Milemiele vulle " Tamm - amein Macmintania) !

( 4 ) 海洋田崎 福山市 直面 कीरणाक्षक, चल्रामक ( मरीका ) Te if Be wier ichtes pent are den angien at Belleiel-WINDS CAN BEING क्षक-- एकिस्ट्य प्राक्षात्र विष्कृति

44, 44)

(৮ - अनग्राथ दर्शातीय वर्ड भग्रमसंशिद्द ।

রক্ষক—দু শ্রীবছবর ভবিদ্যাসী এম, এ. वि, धन, मरकारी--- क्रिकामात्र क्रिक नादी, व्येडेक्कम सर्वकाबी व्यक्ति।

(১) औदभोत्र-भणाभन्न-मर्छ টাপাত:জী, সমুদ্রগড়, ( বছমান ) द्यीग वाचिनात्वत श्रीकिक दशोत्रणमानतः 

( ১ • जिन्नभः गोकोन्न-मठं Will 98. WRIN 85. PA क्ष क- छोर्र क्यांग अच्छात्री, छोक्गरमध्य उपनारी।

( ): ) औद्यासक्तमहत्त-

माँडेशाङि, कात्रशंत, वर्षमान। विशामावकाव ठाकून वृक्षामानम कान । वस्य----- विवहविकांती खक्रवांती। ()१) जाशवक जानवः 🕮 भाषत्रक (व्यतः, क्रफ्लगतः, मक्तेशः। काशव शिकास अशावनी व्यक्ताप्र-व्यक्ता

( ३० ) खेळाचा वर्ड ट्डामनाकी, दंशांबाकी, क्रथनशंत, महीता। वक्त व---- जी बहुगानक जेक्छा ही

वण क-- धीमकानम बच्छाडी।

( ১৪ ) 🗐 माध्य दशीकोत्र सर्व अन्तर सवावश्य द्वाक्, हाका। न्मनत्वत व्यक्तान-दक्ष्म,जवादन व्योखक-भी श्रेष गास्त्र्या-शिविषया द्रम्या वस्त्रमान । वक्क- जीवाधायम् अवस्थानी ।

( ५० ) औरना भागमी ना -1 • क्षमान्त्रम, हाका। †3**1**, त्यानामकीत कारिकारहड खाडीन त्यता क्ष्य- क्रिकान्टमोत्र क्ष्याती ।

(२) बिदगोडीय मर्त्र

১৬ मः कानिकामान ठळवळी हैठि. (भाः वागवालान, कनिकाछा । किंगिरकान वि. वि. 8556

শ্রীমন্মতা গ্রন্থর । প্রচারিত জনিশ্বল ভব্তিশন্দ-প্রচারোদেশে পৌরুদেশের সঞ্জঞ্জান নগ্ৰী কৰিকাভার আছিকিবিনোল আগনে ভীম্চ প্ৰতিট্ৰিত আছেন। এই ভঞ্জ-मध्याबादम अञ्चल-त्रोवाल-क्रिकिटनातामक की छ मश्रवंदत निष्ठा दमविक क्रम । त्रोडीह আচার্ব্যবর্গের বাধতীর প্রস্থাবলীর প্রপ্রচারোদ্ধেশে ত্রীমঠে সংলপ্ত একটা তথুতৎ মুক্তা-বস্তালয় সংখ্যাপিত চইনাছেন ঃ পৃথিবীয় লক্ষ্ম 🕮গোধনাম-প্রচারাথ এই বস্তালয় बहेटफ 'লোড়ীয়' দাপ্তাতিক পত্ত, कि করস্তিত মাদিক প্তিকা ইংরাজী ভাষার নিয়মিতভাবে প্রকাশিত চইছেছেম। প্রীমতে পাঠ, সভীর্তন, স্প্রান্তান-চত্ট্র-বেছাত্ত, व्यापनाचन, व्योदेश्यक्ष-एत्रिकाम् एत्रि-नीमा च क्याद्यास्य नमाक् चारनाहमा वरेत्र পাকে। মাত্রক্ত---আচাণাত্রিক প্রীপার কুম্ববিভারী বিভাতৃষ্ণ। সহকারী--পশ্তিত खीलाम चनस्रवाष्ट्रस्य लद्धविष्ठाकृष्य विन्त्यः तीलाम सम्बद्धानमः लट्डिशविद्धाम विन्त्यः लीभाव कामविवादी अक्षांती, लीभाव लग्डवादन वामाविकांती विन्ता. लीभाव क्षरमानान कामाविकाती. बन्नठाती औकीर्शनामक, बन्नठाती औनावीध्यात्म. बन्नठाती चोक्रकानम कक्तिनाको, बन्नहाती चौरपरकीनमन, गणिक चौगा नदीनक्रक অিধ ভিষামী শ্রীমন্ত্রজি প্রদীপ ভীর্থ মধারাজ এখানে হরিকথা ভীর্তন ●রিভেছেন। ---

> ( ১৬ ) ञ्रीभवाहे-८भाः । व मर्ठ र्जिकिक अमादिनी मुका, वानिम चौगमार-(गोदा(क्य निका स्मर्ग दक्क -- क्रिपूर्व श्रक अवहाती।

(১৭) श्रीकाशवडकमानक मर्ठ

िक्रंगिश्व, वाक्स्पवश्वत, व्यमिनीश्वत। धायात नी शक-त्रोकाक-गाक्तिका-निविधातीत निकारमन। बक्क-जनवानी जोक्यवान्यायको। बन्दाकी भन्नानन

(১৮) আমলাবোড়া প্রপন্নাশ্রম

ब्रायनीय त्याः वर्षमान । ত্রী ওলগোরাল-ত্রীগান্ধকিকা গিরিধারীর निकारन्ता। क्षणक-क्षणकानी आहति। Peria !

(>>) औनुकरवास्त्र मर्क

वर्गधान, प्रती, केफिना। बर्धात चैत्रीब-वित्याप्त्रमाधवंबीब निका-সেবা ব্রুমান। ব্ৰুক্ত -- প্রস্কারী প্রাথা-मण विशावक, उच्छार। क्रीमहोदानक।

(२०) खेखन-दशोणीय मर्ड

चानवरमाथ, अभागितं (भाः, भूत्री। व्यवद्याच्यावतः व्यवद्यतः मध्यः व्यवस्थाः व्यवस्थान । 444-94PIS अमहामचत्री व्यवाधकी। गरकाको---<sup>बं</sup>डक्छाडी **अ**विभिनविदाडी ।

(२) बैनकिशनम वर्ड

Beifering, #\$# | अकारन ् शिक्क-दशोद्यान-विस्तावस्थन-निकारमधा वर्षमान। वषणात्री जीनशरह

(२२) व्यामालन-त्योपात्र वर्ड

8月 新州城门中村司,李清隆 1 (गोव-नवाकन्छ नगाकन-निकासना। এখানে গোরদেবা বর্ত্তমান : ক্রক্ত जीवानकीनावकी ।

(२७) बीक्संटेड्ड बडे जीन् निः भाग कृता. जीगाम वृत्वादन । विश्वेताथा-अष-त्याक्तकोत्र त्यता। वक्क क-- चीनवर्गितमार्थ अक्कारी

(२৪) अभिनेत्रवहरम वर्ड देनियात्रमाः, मौकानुव

वाणात्म श्रीकाशवक मार्क्षणां । औरभोव निरनाम निमामकीत रमना वर्डमान। इक्क--बक्षांडी कीनृतिरहातक च बक्षांडी जीनमञ्जाम ।

(२०) ब्रीटेड्डडरगोड़ोन्न वर्ड

চুমুরকু ভা, চিরকু ভা, মানজুম। ই জীতৈভক্ত-মঠের শাখা। বল্প ক--জীরমান माथ बाब, औरकनगानक खब्छ। हो। खीडांब छीब मिरचति।

(२७) न्यामदशोकीस मर्ड

कुक्त्वित, शास्त्रचत, क्लांग । वाणादन औरत्रोबविद्याष-बाद्यक दर्शः वस्त्रमानः। त्रक क- बन्नाठाची क्रीक्षमंत्रकः।

(२०) जाचनभाषा वालहाळ्य-मञ्

बाचनवाषा. (वाः मा! कारणा धानात्म मञ्जूषमृषि हो'' । शास्त्रम् दन्या वर्समान । वक्क--- अक्षान आधानकृष् राम, औनावात्रमन अञ्चलती।

🐠) দিলা খোড়ীয় মত—কাৰীয়ালক sw con cuture, fic femt

अक्क--- विविधारी : विश्वकि । गर्मण-शिक्ति स्वाकाक, खीक्तवस्त्रमण्डमण्डल

(२**>) भ्यात्रामभाषाळ्याळ्य** प्रकण-वक्तात्री जीवावारवास्त्र

## त्रिच्नसात्र, दोही ७ (योगात्र **छेशासाम टक्स्टल इ मध्या मार्गिट्ड** প্রোথিত '

विভिन्न विशक्तिक सन्न स्माविकान्न সম্পর্কে প্রকাশ বে ছইটা বিভদভার, বহ তালা কার্মিও বোষা প্রস্তাতর উপাদান চট্টগ্রাম কেলে অস্বাগার লুঠন মামলার বন্দীদের "সেলের" নিক্ট নাটার নীচে প্রোথিত ছিল। জেলের মেরামত কার্য্যের সময় মাটার ভিতর হইতে ঐগুলি পা ওরা শিরাছে।

পুশিশ বিভাগের মি: ভি, ডব্লিউ, धक, शिक्ष प्रम द्रशादिक्टिएक निमुक्त क्रेग्राट्य ।

নৈশ আইন ও অক্সান্ত ব্যবস্থা পূর্ম-य९३ त्रशिशाटका

## ভারত সচিবের নিন্দার মর্ণিংপোষ্ট

ভারতের ব্যক্ট আনোলন সম্পর্কে কমৰা সভায় মি: ওয়েজউড্বেন যে দিয়াতেন, ভাহার সমত প্রকৃতির লম্বালোচনা করিয়া 'মণিংগোট **এক** প্ৰবন্ধ লিখিৱাছেন। ভাহ'তে জিজাসা করা হইয়াছে,--- 'ভার কথনও কি এরপ ভাবে আল্লনম্পণ করিয়া আমাদের দেশের অপমান করা হইয়াছে ?"

পরিশেষে মর্ণিংপোঠ বলিয়াছেন.— **छात्रक्रिक्त उँ** छिन बँदेख दर्शन। दशन, ब्राष्ट्रजाहीत्त्व मञ्जूल न्याकामधाः वत चार्थ विन एम अबः इहेरन ध्वरः भवर्गस्यन्त्र व्यानाम व्यानाम निन कछि।इँदवन,--इशह वर्खमान महाकट्डानान्ड शवनंदमर्ग्डेत व्यामन नौडि।"

## টেশন হইডে বন্দুক লইয়া চন্<u>পট</u> 'অপরাণী' শ্বত ও পুলিলের হাতে সমর্পিড

গত ২রা মে গোবরডাকা ওয়ার্ডন এটেটের মাধুদিয়া কাছারীর ছইলন नाटप्रव थुननाट<sup>®</sup> 8, ••• छोका सहैवा ষাইবার জল্ঞ চারক্ষম পিওন সহ খুলনা बारणतकां है नावेषे त्रमाश्रक्त आत्राण রাকদিয়া বেশনে উপস্থিত হন। তাঁহা-দের সঙ্গে একটি শব্দুক ছিল। জীহার। क्षिणत कन्न वालका कतिरहरूक, ध्रमन नमम चाउँटकारणत त्रीक्रमाथ रगाय मामक ध्यक्रम युवक छाहारमत निकटी जात्त এবং বন্দুক্টী পরীক্ষা করিবার ছাল উচা লইয়া চল্পট পেয়। বন্ধুক বাদাদের बिकाम किम छारासा अवद दुवेदनक करण्य-श्रीन याची छाहात श्रफादावन करता। व्यायक ८५ होत्र शत्र व्यवद्गद्य केलाहाता ভাহাকে ব্যিতে সক্ষয় কয়। তারপর ক্রিক্ত হইবাছে ভাষা ভাষালা পর্বাত-

তাহাকে ফকিরহাটের পুলিশের হাতে সমর্পর করা হর। 'এখন সে বাগেছহাটে পুলিশ হেণাজতে: আছে।

## काशास्त्रत काका हात्र বিলাভী বস্ত্র শিলের সাহায্য

বুটেদের বিভিন্ন বন্দর হইতে যে সমস্ত তৃলাজাত দ্রবা ভারতের নানাড়ানে প্রেরিভ হয়, তাহার জালাজ ভাড়া হ্রান করা ভইমাতে। বার্কেনভেড চইডে মাদ্রাজে নিরুষ্ট রক্ষের অনেক কাপড রপ্রানী হয়। এই কাপড়ের ভাড়া টন প্রতি ৬০ শিলিং হিসাবে লওয়া হইড প্রতি ৪০ শিলিং কাহাত্র ভাডার বন্দোবন্ত ইইয়াছে। ইহাতে যদি ব্যবসার শ্রবিধা হয়, ভাহা হউলে এই ভাড়া হ'নের সময় ष्पात ७ वाजाङेशा ८म ७शा इहेरव।

## পিন্তুৰ রাখার জন্ম অভিযোগ पृष्टिक्रन वाकामी युवटकत्र कात्राष्ट्

শ্রীনৃত সময়েপ্র নাথ মুখাজী এবং হরিপদ মুগাড়ীকে পিতল রাগার অভি যোগে অভিযুক্ত করা হইয়াছিল (त्वातरम्त कावणे महाकिरहे कर्तक তাহাদের প্রভ্যেকের ০ মাস করিয়া সভ্রম कात्रानए अत्र ज्यारम्य रुट्यार्ट ।

## वित्रमारम छ।क गुर्ठ

পিরোজপুর হইতে বানরীতলা বে হীমার চলাচল করিয়া পাকে উক্ত হীমার গত সোমবার দিবস রাক্রি ৮০টার সময় জালাবাড়ী েশনে পৌছে। ইনার ইইতে যথন মেইল ও টাকার ব্যাপ নামান इटेट्डिंडन, उथन शांगखनि ६% (६८)

এপর্য্যন্ত এ সম্পর্কে কাহাকেও প্রেপ্তার করা হয় নাই, কিখা কত টাকা লুটিত হ্ইরচ্ছে ভাহা ও শ্ঠিক খানা বার নাই।

### ল্যাক্সায়ারের আশকার মহাস্থাজী

মাঞ্চেঠার রয়াল এক্সচেত্রে গৃহীত প্রস্তাব সহক্ষে মহাত্ম'তী বলেন,--- ম্যাকে ঠার রয়াল একচেচেরে প্রস্তাব আংশিক-ভাবে প্রান্ত শকার উপর **শ্রেভিড**। বর্ত্তমান আন্দোলনে রুটেনের প্রতি কোন শক্রতা নাই, পক্ষান্তরে কংগ্রেসকলীয়া ব্ৰহ্মান অবস্থায় যতনুৱ সম্ভাবপায় সম্ভাব গুদ্ধির অস্ত বিশেষ অস্থ্রিধা**র বং**ণ্ড⊛ চেটা করিতেছেন।

क्रम कश्टवागरक किन्नण विश्वण काक

करन केनन कि कतिएक नारतम माहेन दिक्यादियम आकारी मुख्यादिश्व विस्ती यक वर्कात्मव महिल दृष्टिश्च शक्क মিশাইলা দেওলা উটিত নতে। বিদেশী वज वर्जनाक वर्जनक्राभः श्राष्टिहिक क्रता ঠিক নছে। এইজন্ত দিল্লী আপোষে के नाम देव्हा शुर्तक वान तम उम्रा इदेशारह । বিদেশী বন্ধ পরিছার স্ক্রত্তেও আমি 'বর্জন' কথা ব্যবহার করি, কারণ উহা একটা প্রচলিত ভাষা হটয়া বিয়াছে। অবশ্র উচার উদ্দেশ্য সহজে কেচ ভুগ (व'रबान मा। बिटमनी बन्न পরিহার ब्राप्टरेनडिक क्वा लाग्य करता किंद्र ल्यान्य देश वर्षनिहित्क । गामाणिक তৎপরিবর্ত্তে আগ্রামী আগাই মাস হইতে টন ব্যাপাত্র এবং অর্থাশনক্লিই লক্ষ্য লক্ষ্ नतमाञ्जीत अस्ताकनीयाजा, प्रकार वर्श-নৈতিক উন্নতিকর একটা স্থায়া আন্দো-गरमत्र विकास व्यान्मामम कत्रात गांतवार्ड ল্যাক্ষামারের নেত্রনীয় ব্যক্তিগণ ্টাছাদের উৎপন্ন দ্রব্য যে দেশে প্ররোজন **टार्ट (मटम यनि काउँ दिवास छे**लास क्रियान करत्रम, लाहा क्रेंटल छाहारमत ণ্ড স্ময় হাতিয়া হাউছে এবং উত্য দেশের সধ্যে প্রকৃত স্থিত। বহিত হটবে।

শান্তিপুর্ণ: পিকেটাং দমন করিবার চেঠা আমি নিক্ষ ব্লিলা বিচ্চচ্চ করি। শর্ভ আরউটন বিদেশা বস্তু ও মদের লোকানে শান্তিপূর্ণ লিকেটাংএর সর্ভ বিনা চুক্তিতে গ্রহণ করেন নাই। ভিনি যেরূপ ধীরভাবে এই বিসয়ের **পর্যালোচনা ক**রিয়াছিলেন, সেই লবে **८कर यशि काश्रम, छात्रा दकेरण छिनिछ** नर्स चात्रडेट्टनत छोत्र निकास ना कतिया পারিবেন না।

#### दमाकाखदा जात मुकाज दशनि

সার প্রাস ব্রেলি প্রলোকগমন করিয়াছেন। মৃত্যকালে উছেরে বয়স ৮ १ वर्मन इदेशाहिल। देनि निवार মেলি ত্রাদার্স কোম্পানীর অংশীদার ছিলেন। ইনি লগুনের এবং আভাজ কতিপর হাগপাতাল ও সাক্ষ জনীন প্রতিষ্ঠানের পথিত অভিত किटमम ।

ভটুপ্রামে আবার পোষ্ট আফিস বুঠ গত ৭ই রাত্রে একদল সশন্ত্র ডাকাত **চট্টগ্রাম হইতে আট মাইল দূরে অ**ণস্থিত

खब्बांबा द्वाबालाका नाव त्लाडे व्यक्तिंग শুঠ করে। প্রকাশ বে, ডাকাভেরা भाक्तिम टार्यण कतिया (गाँडे माडेात्र अवः পোষ্টদানিকে পরাভৃত করিবা রোক ৪-৫, 'টাকা, বিশ্বভিত নোটে ৮--টুল পছা বৰ্জন অপ্যায়িত ক্ষিবাল্প টাকা, কতকভালি ইন্সিওয়ক্ষা জিনিব बाबर क्यांनियम ठावी गहेवा छनिया यात्र ।

किठादत किन प्रभव मध्यम कावायक्ष्य

**ीक्ट मनाइकित माजनो श्राय-**े জোহের অপরাধে চার বংগারের বালক काताम ७ वर्षेट्ड मूजिला छ कतात्र कराक्षेत्र ा দিন পরেই আবার অন্ন সাইনের 🝃 ধারী অন্ত্ৰারে ভোগার হইছাছেন। নাগপুর সহরে হরভাগ অমুটিত হইভেছে।

তাদাকে ভাষতীয় পড়বিশ্বির ১১৭ वाता ७ व्यक्त काहरमत है हार्तात विकास কল্পা হয় এবং প্রতেষক গারার ভীলাকে ১৮ मान कत्रिया मध्यम कानामर इत मियार्टन। कांत्राम् ७ शत शब है जिस्त

## সদার বন্ধভাইনের বারী 🗽

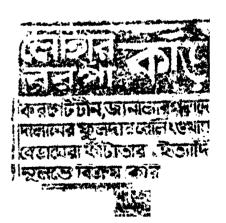
কংগ্রেনের সভাপতি সন্ধার বর ভটাই লাটেল নৃতন ভামিল সংবাদ**্**জ 'ফডিয়া"—র তালম সংপ্যাম বে **মানী** প্রভার করিয়াছেন ভাহার মণ্যে ভিন্ থাণনাছেল-

'থ্যাপান দূর করা, পদ্ম আটাঞ্ रिश्मी कागड़ बच्चम दयः सञ्चास गठम-মুগক কাজ---সংগ্রাম বির্তির সময়ে এই भवर व्यापनाय कतिए स्ट्रेस्व !"

## জানীয় গলের প্রচার কার্টে<sup>রের</sup> PRTS

मिन्द्रीत इंडम्च व्यान मन्नी भाराम পাশা ও মাচদ পাশা আবার কাইলো হুইতে টেনে চড়িয়া **মফ:মলে ঘাইবার** ८७%। कतिवाधित्यमः 🏯 टीहालक ८५%। भक्ष क्य माद्रे । भवाः बदेश शिक्षा मिन्ना-हन व्यक्टहेन्न .व्यहात कार्या हानान्ह कारात्मत उत्कक्ष रिण।

পুলিন সংবাদ পাইয়া ট্রেশনে উপস্থিত্ इय दवः छाडा भिनास्य द्वित्य **छडिए**। वाधा ्लय, बळ्टलाक अगरवं वृहेमार्किन। নালাস পাশা ভাছাদিগকে বৃষ্ণাইয়া প্রতিনিয়ন্ত করেন।



नार्वाद्यात र यायक 🔪 ... यान्यामिक १ जिमामिक २५० भागिक ১ व्यक्ति मःबहा द्व

68 40 ]

শ্রীত তৌক্তনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, কেদান্তবাচস্পতি

ि ८० म मरथा

**এটিভভামত জীবাম নাঙাপুর—১৯**ণে বৈশাখ মঞ্জবার ১০০৮, ১১ই মে ১৯০১

## नाना कथा

আৰহাওয়া 🤚 अर्थात नेका।त भेत हीया कड़ होता सरस्य खारम टेन्टम करवकी क्ष्या अटन्ट • इ. जिस्सा **७ यर**कत व्यक्तिमार अधेषारक। ये नियम वर्धे एक क्रीकान व्यात्र गर्कमारे स्वयाञ्चत्र कार्रष्ट ইবং প্রভাহই সভ্যার পদ অর্থিতর বৃষ্টি কৈইতেছে। গত্পরখঃ: সন্ধার পর 🎥यम ८६क भगवा दृष्टि इहेग्राट्छ । दृष्टित ্ষিলে কৃষ্কগণের সেনের কাবের ভোল 📆 अधिका सहिमाद्र छ। व्याः और प्रज्ञ व्याह ७७। मण्युर्वस्तरण खोग्यिक हहेसार्छ।

कर्द्धात्रकार्भीत छेशत निद्यमाध्या দৈন্দ্রিপ্রামানের পিকেটিং কাম্বে া গাঞ্জাবা কলিবার করা ও কংগ্রেসের কাজ नियञ्जि के तियात जन्म द्याम क्षामा इहै एउ ্**ৰামী<sup>, "</sup>সন্মান**ণ সন্নস্থতীকে" ভোৱণ করা हिराष्ट्रिण"। बिल्ह्ना महाबिद्द्रिक छावात व्यक्ति देश मध्ये दक त्नाहीन साती क्षिबोर्ट्स देव, डीशरेक २८ चन्छात मटना शिक्रामीन क निष्ट्रांतम स्ट्रेट हिना गारेटक परिदेश टेनटक छात्रीत निधिष्ट অমুনতি বাতীত তিনি ভবিয়তে আই 'धरे कारन कारनमें क्विटि मात्रिरंगन ना ।

अ त्रिय बाबा निर्देशक कामी कात्रियाहित्सान, वह व।

# গঙ্গায় নৌকা ডা

কং**ে** প্রক্রমার উপর নিবেধাজা

# দিল্লী ষড়যন্ত্ৰ মামলা

খ্রীযুত মদনমে:হন বর্মণ কারামুক্ত

# সরক রের টাকা

রেলকর্মচারীর সভায় ভীষণ গওগোল

# পুলেশ সাহেবের বাড়ী চুরি

্রাজগহী*তে নৃপেন্দ্রচন্দ্রের বক্ত*তা

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরাব্দ ৪৪৫

মাজ ১/১০ ডাকটিকেট পাঠাইলেই বুকপোটে পাঠান হয়।

মানেকার-প্রস্থবিভাগ জীচৈতভাষত, পোঃ জ্রীমায়ঃপুন্ন, নদীগ্রা।

मधारि कतिया नियादिन। धारे गामनात আয়ও ওলন আগামী প্লাডক আছে। नैश्र छोट्टिन थेवा लिख्या मुखावना विश्वी वर्ष्यक अञ्चलको । का वी नाहे बनिया (कोयनाही अंशविदित को र विज्ञी वर्ष्यक मानुवाह व्यक्तिवाल व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति

#### कल वक्ष

बाहे के बाद्वक भी भिद्रम धर्मा घर हिल-(छट्टा निष्ठ ४३ (म करनत कर्डुनक अट्यं त्मिणि भिन्नात्क्म त्यः छ। हाता । অন্তরণ বিভাত মাকরা প্রাত কল বদ্ধ রাখিবেন। অমিকেরা দৃচ্যকর আছে; ভাহালের সক্ষ দাবী পূর্ণ-সক্ষিম

পারিশ্রমিকের হার ও বড় মিসী**র পদ্যাতি** সংক্ৰান্ত সকল বিষয়ের মীনাংসা লা ছওয়া ভালারা কাগো (ग!भग्नेन क्टिव मा।

## গলার লৌকা ভূবি

গত व्हे (म अनुताङ मास्क्र-स्त्रिकोत्र সময় কেবানি নৌকাভাটপাড়া হইছে চুচ্ছ'त চড়েখন তথার দিকে याहेटल-ভিলা সেই সময় কঠাৎ ঝড় **উলিড** ্হওয়ায় মধ্য নদীতেই সৌকাণানি ভ্ৰিয়া योगः स्नीकाग्र ३२ जन स्नाक फिन। িতাহাদিগের মধ্যে ৫ জনের জোনও ম্লান পাওরা यात्र नाहे। ८४ छम्भान व्यक्तित्र শ্রীয়ত শিবচক্র মণ্ডল হেই নৌকার हिलाम। डोहाइड त्याम भारा भारत पहिट्छ न। वाकी मक्यरक है हान्न করা হইয়াছে।

## পুলিস শহেবের বাড়ী চুরি

**ाकान. मयमगनिः दश्य का**टितिक ध्विम स्थारिएउएउ में माउ किरहान्याय তাদের বাটীতে এক অন্যদাহদিক চরি क्ट्रेमा शिवारक : ध्वक्ति है। देव ब्रह्मा नगम ७ শত টাকা, २३०० টাকার অভোয়া গ্রনা করেকটা মূল্যবান বলাও জীগুত तारवत, **करप्रक**ि शनक किंग। त्महे ট্রাষ্ট্র আপহত ভইয়াছে। এবাশ. अथम काजिएडहे हुती इष्टेया हेन, किन्न রাজি অভাতের পূর্ণে কিছুই সানা যায় महि। धार এक महिन गृत व छक्छनि সাংবেশ সামগ্রী পূর্ব অঞ্চি টাছ পাওলা निवादि । करमा सन्दर्भ दश्चात्र कत्रा भ्रहेशाह्य । , ७५**३ छ निरक्राह**्य । वस्तर ।

21

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"शेक्त ভক্তिविद्यान देनिछिछिछे" नारम

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## (श्वा इरेशदः।

অভিজ্ঞ ও ভাটার্নর নিক্ষণণ ছাইদিগকে অভি ঘটের সহিত নিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী াত্রগলের জন্য বিনা ব্যয়ে সুন্দর বাসছানের ব্যন্দোবস্থ হংহাতে। শান অভীব সাধ্য হব।

> স্পিন্তার স্বাধ্যের জন্য নিম্নাধিত ঠিকানা পত্র লিখুন। সেক্টেডিনি, ভাবুক ভাজি-বিনোদ ইন্টিডিডিট্ শ্রীতেক্ষমের, গোণ্ড শ্রীমায়াপুর, নদায়া।

## স্মুৰণ সুযোগ দেশী দিন আও থাকিবে না

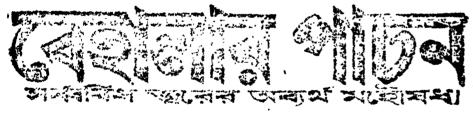
- (25 m =11 --

## ष्ट्राप्टक-निश्व अम्बालएकत

শ্বত বাংসাহিক আন্তেশ্যা না কাৰ্য জুনা প্ৰেষ্ট কাৰ্য হিছে নাই। এই উৎসৰ শ্বেৰ কাৰ্যকৈ অ ব আজ্বাদক শ্বাজিক স্থানিক বিজিকা? পুৰের নিজাবিত ১২ ্যাক মুকোন নিজাবিত ওংবে। ৩১লে মে গাল্প উলা ৮ টাকার পাওলা যাইবে। এক বিজাল ক্ষালিকে লালে নান্ত লালে নালে নান্ত লালে নালে নান্ত লালে নান্ত লালে নান্ত লালে নান্ত লালে নান্ত লালে নান্ত

ভগ্ৰান্ত আতক্ষ নিত্ৰহ ঔবধালয় 
১৯৪২ ক্চলালার গ্রীট কলিপাকা।

## ক।বরাজ শাশভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



মধ্যপ্রার প্রার্থার জন্ম ও কাঃ পিশিতে ঘণীতৃত অবস্থার ছোটবোর্গতের সমপ্রিমাণ উবদ ভাকে পাঠীন হয়, উভাজে উষ্ধের কোন প্রিক্রন করা হয় নাই। মুগ্য প্রতি শিল্প ৪০ আনা, প্রিট ৪০/০ আনা, বোজন ১০/০ আনা।

অফিস--১১নং উজাডাজা রোড, পোঃ শ্যামবাজার, কলিকাতা

# ग्रंपच इन्तर

स्क्रिकास कर व वाक्षिकातः र पत्र प्रकाणिक हाम् स्वाद्यस्य स्क्रम्यास्य, व्यवस्थान्, सूक पद्म-क्रम्बाद्धः, व्यवस्थाः, स्वयं नावतः विद्याय स्वाद्यापा क्रम्नः। वस्तु, वीदी, द्याया कृष्टि कृष्टिः व व्यक्षिति हेनिकः। मुख्य ०० विष्टिः, तक हेन्याः।

প্রকাশ করিব বিষয় বিষয় বিষয় প্রকাশ করিব বিষয় প্রতিষ্ঠা বিষয় বিষয়

## शहर्षामिन

~

## কোষরন্ধি রোগ

ডাঃ এস্, অন্, খোৰ বন। অন্তে, বাৰক্ষীৰনের গ্যাহাটি দিয়া বৈহাজিক বাৰালাকৈ কোমবুদ্ধি প্রোগ আহমাগা কবিয়া বাকেন।

> किना--->৮ मर कड़ेम द्वीडे, यद्याबाड, कामकाखाः;

## শূলায়ুত

निख्णुत्तव च शर्व मरशेषध । > माजाद छेननम, मखादक चारहातहः । ५० वात चानाः यक् २० चाना । माजन मुक्तः

## ২। শুক্রাচার্য্য সঞ্জীবনী পোষ্টাই

ক্রমের ও ব্যক্ত জের একমাল মলোবধার সুগ। ১ ডিবা ১:• আনার স্থাক্ত প্রক

# ৩। সন্ন্যাদী-প্রদন্ত অর্শরোগের অব্যর্থ আংটা

भारताया मा क्वरण मृणा रकररा भूगा > भामा। बास्त्रम गुंबर

8। কোন্ত-বান্ধব পীল

बहोन, ट । টথাপা, পেটবেগনার মহোষণ। ছিনা ३० আনা। মাহল পুলক।

া বাতলীন

বা নরোগের মহোপকারী ও সন্তাবে আয়োগা। প্রক্রি শিশি ১০ আর্থা। মাত্রস পুলক্।

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তুতকারক। সহর কাটাশনের ভব পর শিক্ষ

eाख्यिम—यतार्याह्न (जरत्रवेत्रो

(भा: अबादी, कमनाश्रुत, छाका,

# মনোমোহন প্রেস

পূৰ্ব-বাজালার স্থলতে সকলঞ্জকার ছাপার জন্ত বিখ্যাত্তী বৈদ্যুতিক্য মেশিলে দিবোরাত্রে ক্ষাজ্ঞ ভলিতেতে বিশ্বত জানিতে হইলে নিম্ন টিকানার পঞ্জ লিখুন

ম্যানেজার—মনোমোহন প্রের, ৯০লং লকাবপুর, ঢাকা।

## মরা মানুষ বাঁচাইবার উপায়

বলিক অভালি প্রাকৃত হল মান্ত্র বাঁচাইবার ভালে উবণ আনিক্ত হল মান্ত্র সতা, কথালি বাঁচারা মানাবিক আনিব্যাত উপারে অগতিমিত লক্তি নই করিয়া জার্মিট্র মরা কটরা রাঁহ্যাতেন এবং নানা প্রকার যেব, প্রেমেত গাড়ারাকার, সাহ্যবিক কক্ষণভা, বঙ্গুল, চাক্তর, লাক্তরাকার, সাহ্যবিক কক্ষণভা, বঙ্গুল, চাক্তর, লাক্তরাক লীড়া, অর্ণ এবং প্রীলোক্তরিক বাঙার বাহা বাঁহক, বছাা, স্বত্রবাহা, স্থাতকা, আন্তর ও রক্তরান্ত্র, কিটিনিলা প্রভাবিক ক্ষেত্রাক ভাজার পেটাল সাহত্রেল আবিদ্ধার ইলোক্তি ক সজিজিলন ব্যবহার ক্ষিয়া বাহিকে পারেক, ভাহার পত সক্ষ জামান লাভি বহনবেই পার্ডার বাহিকের বাহারা অভান্ত বছরির উবন বাব্যাক ক্ষিয়া আব্যাস্থা কন্তর্জন লাভিন পারেন নাই, জাহারা ক্ষমান্ত্র এই প্রবন্ধী আন্তর্জন ক্ষিয়া ব্যক্তরার এক মান্ত্রের ব্যক্তরাপ্তরাক্তি এক বিশ্বি কর্ম ভাকারীক্ষম এক ১৮০ ইক্ষা আন্তর।



লোল একেক ভার ডি, ডি, হাজরা।

Burn - - Wan file Carle

## প্রীপ্রিওফগৌরাকো জয়তঃ

#### ভক্তৰ A to the same of the same

অক্সনীবদ লাভ করিতে হইলে সমাধ্যে চক্তুবেটি সাধনকজনাকের প্রমু মুখ্য ভক্তাক **্রীগুরু**গাদগদ্ধে আশ্রা গ্রাহণ করিতে হয়। বাহারা জীওলপাদপদ্ম আশ্রম করে না, জাহাদিগের ভগবছজিতে কোন কালে অধিকার হয় না। 🕮 গুঞ্পাদালর বাতীত তপ্তা, দান, যোগ, সদাচার, প্রতিঠা প্রভূত্তি অমুচানসমূহ এবং প্রবণ, কীওন আভূতি ভক্তাধ্বসকল অ্ব্যুল প্রাস্থ্য করিটে गारत ना। यथा,—जाशत वहेगा उरक, আরে কৃষ্ণ নাহি ভাজে, আর সব মরে क्रकार्श ।

**एक्ट्राव कीन-भूगा क**न्यक मीका প্রদান করেন না। **যাহার হুর্জাতি**-প্রান্ত্রক পাপ বিনই চইয়াছে, ভাহাকে चन्त्रात चाला जाना करतन। यिनि मर्काच गमर्गन कतित्रा 🖲 छक्रभगरि एक व्याख्य अपन करतन, छोडातरे क्रकनीका 🤫 ক্লফশিকা লাভ ঘটে। আংশিক আদান-প্রেলানে 'সর্কায়নাভিতপদ' ছওরা যায় না। ক্লছন্তাং ভাষাতে পারমাথিক বিচ্যুতি ঘটে।

🥍 ছুৰ্জাকুনৎপদ্ম ব্যক্তি সীয় পাপাচরণরূপ ইন্ডাভিত্ব সংরক্ষণপুরুক প্রীপ্তরুপাদাশ্র क्तिएक शास्त्र ना। यति त्तर लाटका वनवर्की इष्टेश भागान्तगरीम एड्जीन्टिक আধার প্রদান করেন, তাহা হইলে ভাদৃশ কাৰ্যোর নিষ্ট্রিত হিনি লগু হইবা পড়েন।

व काम भगन्छ कीकामांठा अज्ञलाव निवाहक (वधमधीएन कहेता गांहे दोन करवाता ক্লান করেন, তৎকালাকণি শিক্সের যোগাতা পরিপূর্ণন করেন। শিশ্যও সর্বান্ধার সহিত **এতন্ত্রাদগন্ম আগ্রহ করিয়া ওরূপদেশক্রমে** (मबाभरका निकृतः शक्तिमा উच्दतां दत्र अनवाम् ए म ग

শ্ৰীমন্ত্ৰীপত "বস্ত মন্ত্ৰান্তং" -মোদের তাংগ্রায়সারে প্রভক্ষের কোনও स्माधिकावीरक मांगा विस्तरमा कतिश मीका-विधानाष्ट्रभादव कृष्णिनीको अपान करतन करियकर अक्षेत्र निक्षे का नीकाध्यानकण हमात किम्ब (पर्या गांव, कार्रा धाइए প্রাক্তাবে শিক্তার আত্তর গ্রাহণ বা অফলেন্বর 👙 शिका क्षातान मरह। क्षत्रास्त्र क्षेत्राक् कार्टन निचारक शाणिक शोबियाक कार्राक्रन का टाइंडी, ट्राकाटन मीकाविधि बाह्रा ट्यायन कारकात्र अकार कामिटि ब्रेट्रिया क्रिक मुख्या रिन्स र राम निक्रि का किनामन

# নক নদীয়া-প্রকাশ

-101

# নিতাপাঠা বৈকৃঠবার্তাবহ

বেৰাদি সমস্ত সাম্বত-শাল্কের অকৃত্রিম ব্যাখ্যাতা সমগ্র ভারতে একমাত্র স্থলভ দৈনিক পার্মার্থিক পত্র

শ্রীধাম-মারাপুর—১৯শে বৈশাথ মজলবার—১০০৮

করিলে তিনি ধীক্ষাবিধানের উত্তৰাংশ মন্ত্রাপেনেশ গ্রান্ত করিয়া থাকেন।

ভদপেকা হেয় জ্ঞান করে, ভাছার। ভগবদ্-বস্তুর কোনও সন্ধানই পায় নাই।

ব্ৰাহ্মণ্ডৰ বহিষুপ্জনাসক পাপিগণ छगदहरकत जालासरे भाषात गाँछ करतम । সংঝার লাভ ফারিলে তাঁহারা আরে অত্তন थारकान ना। यामन वरनन,---

ু অন্তর্নাঃ শুদুকল্পা হি রান্ধণাঃ কলিমন্তরাঃ। তেবামাগ্যম্মার্গেণ ভব্নিন্ লৌভব্স্থানা।।

क्लिकारन (कर्डे आश्नाटक किताडानि পাপ্যোনিসম্ভব ব্লিচা পরিচয় দিতে ट्योत्रदायिङ इ'न ना शत्र डेफ्टरर्पत वक्ष থাকিকেও শৌজন্তাত্যভিমানবশে <u>লোরণারিচয় প্রালানে কৃত্তিত হন না।</u> তাঁহা **भित्र जाभशामि शतिहर ७६ म्टर । अज** অন্তঃজনামা হটলেও কোন অন্দিকারী काल्यक्ष्य-करन डीश्वकक्षात्र भिराकान লাভ করিয়া ইহ জন্মেই সধনংজাধিকার লাভ করেন। কিন্তু পাঞ্চরাত্রিকী দীক্ষা বাতীত স্থুজাতি পরিচঃমাজে কাহার ও শুদ্ধি হুইতে পালে না।

বৈক্ষব গুরুর পাদপন্মালরেই । ভান্ধি। 🔊 বৈক্ষবাচাথ্য জীনদিখনাথ চক্রবর্তী বলেন,-বাবহারিক জগতে সাধারণ অনভিভাজন দীক্ষিত ব্যক্তিকে ভাহার দীক্ষার পূর্কের পরিচরে আনিধা খাকেন, বস্তুতঃ পারমার্থিক বিচারে তাঁহার পূর্ব ছজ্জাভিবের সম্ভাবনা থাকে না। দীকিত বাক্তিতে ছাতিসামার বিচার—জ্ঞার পাছিভোব কারণ। ভারতে নীকিত ব্যক্তি গহিত হ'ন মা। বৈক্তব-নিন্দাকারী নিক্ত অনডিজ্ঞতাবলৈ প্রায়লিচতার্ছ। इ'न माज।

भाभभुगाविकारत भीरत्ते भागभगाञ्च गाप्त दर्गिकाम । विद्यासी अभिनित्र সাক্ষাৎকা। লাভ করিয়া ভাষার সেবা-চেটা প্রদর্শন করেন, সেই বর্ণালমাতীত मीकिक रेवकथरक बीहाता माधातव भागपूर्वा-জীবী মানবের সহিত সমস্কান করে বা

## माञ्जिलि१-श्रमः

(ডা: রুঞ্চান্তি ভক্তিরুস্ন)

## লীলা-বৈচিত্র্য-রহক্ত

লীলামর ভগবানের বিবিধ বৈচিত্রাপূর্ণ লার রহজ সাধাবণের নিকট জজের। জগদাসীর উদ্ধারার্থ অবতীর্থ মূক্তপুরুষগণের निक्रे इंटेंट कानी यात या. चकाकवादाता পঞ্চার তপ্পের ক্সান বিদিস্ট বিবিধ দ্রব্য वाना निक्रमा छपूर्व की इक्काटकन श्रीहार्थ ভাতার প্রানির স্থানার ভাতারই কপায় আমরা প্রাথ হই। এবস্প্রকারে বঙ্গলাব-গণকে উদ্ধানের সহজ পতা পাদ-নার্থ ই জুবিলি ভানাটারিলনের স্থাপা স্থারি-कतःशामाध्य धडे नीनादेनीच्या

#### লোৰ কাহার?

বাবহারভেদে প্রভোক পদার্থ ই জীবের वकानत अवः मुक्तित कावन इंश्टंड शादा। হ্বাতী, যুগি, কন্ত্রনী, শেফালিকা, গন্ধরাত, গোলাপ প্রভৃতি স্থাতি পুশসমূহ অগ্রাকৃত কামদের শ্রীরক্ষ্যক্রের সেধার নিয়ক্ত করিছা জীব প্রপঞ্বধন হইতে মুক্ত হইতে পারেন, আনার ঐ গুলি মভোগে অগনা ভগবদিতর অহ্য কোনও প্রাকৃত প্রাধে প্রয়োগ করিয়া ভগৰদ্বিশ্বতিরূপ আত্মহতাার নিমিত্ত প্রপঞ্চ-সংস্কর্মার ফাসি গ্রামেশ ধারণ ক্রিডে পারেন। বৈছাভিক আলোক ভগবদগৃহ আলোকিত করিয়া প্রয়োগক তার স্কৃতি সম্পাদন করিতে পারে, আবার উহাই বার্যনিভার বিলাসমূল্যে বিচিত্রশোভা বিভার করিয়া তদীয় প্রয়োগকর্তাকে বৃশ্চিকাদি হিংঅক্তপ্রিপূর্ণ গনাগ্ধকারদ্নাক্তম নরক প্রহার নিক্ষেপ করিতে পারে। অপ-প্রধানের অক্ত দোৰ জবোর বা স্ফটকর্তার নহে, দোৰ প্রধোগকর্ডার।

### षर्भिक्षा छाः प्रभागंत्राधि

হুজ্যালিক নামক পাৰ্কতা স্বাস্থানিকাটটী সাধারণের নিকট 'দার্জিলিং'নামে খ্যাত। এই স্থানটা বঙ্গের মধানাম্য গভর্ণর বাহাগুলের খাস্থানিবাস: অনেক সম্বতিসম্পন্ন ব্যক্তি গ্রী**ম্মের দারুণ ভাপ হ**ইতে নিয়তি *আভে*র জন্ম তথার গমন করিয়া থাকেন। ঝর ঝর শব্দে তর তর বেগে ধার্বিত ঝরণার উৎপত্তি-স্থা, হৃ•উচ্চ তুধ্ব-মণ্ডিত শৈল-শ্রেণী-স্লোভিত, হরিদ্ধি তৃণাদিবিমণ্ডিত **তুর্জয়-লিকের মনোরম আফ্রিক** ভূঞে ধর্ম**কর্ম** বিমোহিত হ'ন, কিন্তু এবার ভাঁহারা বহু জন্মের হৃত্ততির ফলে বিশ্ববৈষ্ণবর্গজসভার পাত্ররাজ ও বিষ্ণুপাদ পরমহসে পরিবাজক আাৰ্য্যনৰ্থ্য অষ্টোত্তরশতত্রী-ত্রীনস্ততি সিদান্ত সরস্বতী গোস্বামিনহারাজের শ্রীমুখবিগণিত ধ্রিরসম্বধাপানের সৌভাগ্য পাইয়া মপ্রাক্কত জগতের গৌন্দর্য্যের তুলনার প্রাক্কত দৌন্দর্য্য যে নিহাস্ত হেয় ও অকিঞ্চিৎকর,ভাহা বেশ সুদয়ক্ষম করিতে পারিতেছেন। যে স্থান পূর্কে ভোগীর ভোগবাসনা দুদ্ধি করিয়া ভাহাকে নিররগামী করিত, আজ তাহা পরনহংস ঠাকুরের পাদস্পলে ভীর্থে পরিণ্ড হ**ই**া তত্ৰস্থ অধিবাসী ও প্ৰবাসিগণের পরম মঞ্চল বিধান করিতেছে। স্পর্শমশি সংযোগে লৌহও স্বর্গে পরিণত হয়।

## ডাঃ শিশিরকুমার পাল

দাৰ্ভিলেং টেশনের নিক্টবর্তী লুইস ভেত্তেভ ডাঃ শিশিরকুমার পাল মহাশর একজন সজন বাজি। তাহার বড়ে ও বিনয়ন্ম বাধহারে সকলেই নৃধা। তিনি গর্মছংস ঠাকুরকে সাদর সভার্থনাপুর্বক স্বীয় ভান্টিরিয়াম্এ নিমন্ত্র नाना প্রকারে তাঁহার সেবা-মৌত্রাগ্য **গাভ** করিষাছেন। এই কাথ্যে তিনি ব্যস্ৎ নিক্তের মন্দল এবং ঠাকুরের জীমুশে হরিকথা শ্রবণের সুযোগ দিয়া আরও অনেক ভার লোকের প্রকৃত মঙ্গল বিধান করিয়াছেন এই সাণুকালেরে নিমিস্ত আমরা তাঁহাকে আন্তরিক ধরুবাদ প্রদান করিতেছি।

## ঐ্বত্ত ভারানাথ বন্দ্যোপাণ্যায়

দাজিদিংএর ভারানাপ বন্যো-পাধ্যায় মহোদগ বিষ্টেশ্ডবরাজ্যভার পাত্রবাজের শ্রীমুখে শুরুভজিসিকান্তবাণী শ্রবণ করিয়া এড়দূর সম্বর্গ ২ইটাছেন বে, ডিনি ঐ ভেলায় ঠাকুরের বাণী সমাপ\_-ন্ধণে প্রচারের নিমিত্ত একটা স্থায়ী প্রচার-८कक्ष मध्यानदमन देख्या धाकान कृतिया-্ছন। আমবা তানতা **অভিশন সভট** হইলাম বে, তিনি এই ফার্ফোর নিমিক

निष्यत , धक्री चमुक्त , बह्मोनिका अमान করিতেছেন। উক্ত গৃহ প্রদর্শনার্থ তিনি পর্যুহংসু ঠাকুরজে হীর মোট্রবোগে গড় 👀 মে তথায় সইলা গিয়াছিলেন। বে ব্যক্তি নিজে সক্ষোৎকট জিনিবের সন্ধান পাইয়া অপরকে তাহা প্রদানে বত্নীন হ'ন, তিনিই প্রকৃত প্রস্তাবে মহৎ এবং পরোপকারী। তারাপদ বারু মহত ও প্রোপকারিছের প্রিচয় প্রদান করিয়া সজনমাত্রেরই প্রশংসার্হ হইয়াছেন।

## ভাজত্বাকর প্রভুর দান

কটক রাভেন্সা কলেজের ইভিহাসের প্রধান অধাাপক শ্রীযুক্ত নিশিকান্ত সালাল এম-এ, ভক্তিমুধাকর ভক্তিশায়ী প্রভূ নদীয়াপ্রকাশের পাঠকগণের নিকট বিশেষ-ভাবে পরিচিত। এই মহাত্মা যে মুহুর্তে সর্কপ্রথম পরমহংস ঠাকুরের জীমুরে হরি-কথা প্রবণের সৌভাগ্য লাভ করিলছিলেন, সেই মুহুভেই ঠাকুরের শ্রীচরণকমলে আগ্র-সমর্পণ করিয়া ভাঁহার নিদেশারুসারে জগদ্-বাসীর মঙ্গলের নিমিত্ত সর্ব্বেঞ্জিগ্নছারা উক্ত চেত্রনবাণী প্রচার করিতেছেন। তাঁহার প্রচার শুধু ভারতেই আবদ্ধ নহে। পরশ্ব সজনতোষণী (Harmonist) নামক বিখ-বৈক্ষবরাজ্যভার ইংরেজী মাসিক গতের মধা দিয়া উহা পাশ্চাত্যদেশেও বেশ প্রদার লাভ করিতেছে। জন্ম, ঐদুর্যা, প্রত, 🗬 প্রভৃতি বতপ্রকার অভিমানে মানব মক হয়, আহার প্রত্যেকটার অধিকারী মুট্টুরাও ভক্তিস্থাকর প্রভূ সম্পূর্ণরূপে ব্লিরহৃত্বত, ভূগদপি অনীচ, তহর স্থায় সহ-খাশ, সম্পন্ন, অমানী এবং মানদ। তিনি ঠাকুরের অম্পোদরা দগরে কথা সর্কতো-ভাবে সক্ষের নিকট পরিবেশনার্থ সভত गुरुष्टे। वर्षमान जिन मार्किमाः अभाग অভুপাদের পাদপদ্ধপ্রান্তে অবস্থান করিয়। তাঁহার 💐 পুণনিংসত হরিকবায়ত সংগ্রহ-পুর্কুক নদীয়া প্রকাশের পাঠকগণের নিমিত্ত শাঠাইভেছেন : পাঠকগণ ক্রন্শঃ উহা লাভ कतिया क्रजार्थ हरेरवन ।

ভক্তিম্ধানৰ প্ৰাভু "দেৱোম্ধে হি **बिस्ता**रमी चर्यस्य मुक्ताग्रामः" वांनीत लोक्ना পরিচয় প্রদান করিতেছেন।

## ভূছবিহারের মহারাগীলাহেবার সৌৰগু

পর্মক্পে গোলামী মহারাজ বর্ডমানে দাৰ্জিলিতে অগাই ভিন্না নামক প্ৰাদাদে व्यवद्यानपूर्वक मित्रक्षक हत्रिकथा की उन করিতেছেন।

"वर्गाडे जिला" कुग्निशास्त्र महाताने

ঠাকুরের প্রতি শ্রদ্ধা প্রদর্শনার্থ নিজ আরাসে তাঁহাকে বাসা প্রদান করিয়াছেন। আমরা তাঁহার এই সৌজভের প্রশংসা করি।

## জয় পরাজয়

প্রীধামে শ্রীমন্মহাপ্রভূব স্পবস্থানকালে এক पिरम जैन मूक्त जोशांक रनितन,--"ব্ৰশানন ভারতী আপনার সহিত সাকাৎ করিতে আসিগছেন। আপনি করিলে তাঁহাকে আপনার নিকট লইয়া আসিতে পারি।"

প্রভু কহিলেন,—"তিনি আমার ওক, व्यामिहे काहात निकंग गाहेव।" এই कथा বলিয়া তিনি ভক্তগণ্যদে ব্রহ্মানন্দ ভারতীর সমূথে আগমন করিলেন। মহাপ্রভূ দেখিলেন যে, ত্রন্ধানন্দ ভারতী মুগচর্মান্তর পরিধান করিয়া আছেন। প্রাচুর মনে সভান্ত তঃধহইল। ভারতী তাঁহার গুরু-স্থানীদ, স্থতরাং প্রকাঞ্চে প্রতিবাদ না করিয়া তিনি ভারতীকে দেখিয়াও যেন দেখিতে পান নাই, এইরূপ ভাব প্রদর্শন করিয়া বলিলেন,—"ভারতী গোখামী কোথাঃ?" মুকুল কহিলেন, "আপনার সমূথেই রহিনাছেন।"

প্রান্থ বলিলেন,—"ইনি ভারতী নচেন, তুমি অজ্ঞান, কাহাকে ভারতী বলিভেছ? তুমি নিভান্ত মূর্ব, ভাই একজন মুগচর্ম-পরিহিত ব্যক্তিকে ভারতী গোস্বামী বলিয়া নির্দেশ করিতেছ। ভারতী গোশামীর কার একজন আচাৰ্য্য স্বীন্ন শ্ৰীক্ষত্ৰ মৃত পশুর চর্ম্বে আয়ত করিবেন কেন ?" এই রুণা শুনিয়া ভারতীর চকু: উন্মীলিত হইল। তিনি স্পষ্টই বুনিতে পারিলেন যে জ্ঞীনরহাপ্রভুর চক্ষে চর্মাধর শোভা পায় না। তিনি আরও ভাবিলেন যে, মহাপ্রভু ভাল কথাই বলিতে ছেন; আমি দক্তের বশবর্ত্তী হইয়া চন্দ্রাম্বর পরিধনে করি। ইহাতে সংসার তারণ হইতে পারে না, আজ হইতে চর্মানর পরিধান করিব না।

শ্রীমন্মহাপ্রেকু তাঁহার অন্তরের ভাব উপ-শক্তি করিয়া বহিকাস আনয়ন করাইলেন। ব্রহ্মানন্দ চন্দাদর পরিত্যাগ করিয়া বন্ধ পরিধান করিলেন। তথন প্রভু আসিয়া তাঁহার চরণ বন্দনা করিলেন।

ভারতী বলিলেন, "লোককে শিক্ষা দান করিবার নিমিশ্ব ভূমি আচার পালন কর। আমাকে তুমি আর প্রণাম করিও না; তোমার শ্রেণাম এছণ করিতে আমার ভব হয়।"

জগৎকে আচার শিকা দিবার জন্ম সাফেবার অধিকৃত। ভিনি পরবহংগ। জীমস্বহাপ্রভু অভিন এলেজনকন হইরাও শিক্সভিদানে ওঞ্ছানীয় ত্রনানন্দ ভারতীকে প্রেণাম ক্রিলেন বটে ; কিন্তু ভারতী মহা: প্রভূম মহত্ব উপলব্ধি ক্রিয়া ঠাহার প্রণাম 🥕 এইণ করিতে মাগতি ভাগন করিলেন।

ভারতী বলিলেন,---

শালাতিক হুই এন ইইা চলাচল। ৰুগুমাথ অচল, তুনি ব্ৰহ্ম সচল ॥ ভূমি গৌরবর্ণ, ভেঁছ স্থামবরণ। ছই ব্ৰহ্ম কৈল সৰ অগৎ তারণ॥ প্রভূ কহে, সভা কহি ভোমার আগমনে। ছই এন্ধ প্রকটিল শ্রীপুরুয়োন্ডমে॥ ব্রদানন্দ নাম তুমি গৌরব্রদা চল। স্থামবর্ণ জগরাণ বসিয়াছেন অচল ॥

( टिंड है: यस ३०/२७०-२७७ )

ভারতী ভীমরাধাপ্রভুর বাকা প্রবণ করিনা বাহুদেব সার্কভৌমকে মধ্যন্থ স্থির ক্রিয়া বলিলেন,--"ইহার স্থিত আমার বিচার মন দিয়া শুন। ব্ৰহ্ম--ব্যাপক অর্থাৎ সক্ষরাাণক; কী: রক্ষের ছারা ব্যাপ্য। যিনি চন্দ্র মুচাইয়া আমাকে শোগন করিলেন, তিনি ব্যাগক এং ভানি ব্যাপা। এম্বলে এক্ষানন্দ ভাবতীরূপ আমি কিংবা ক্ষণচৈতক্ষকণ উনিই একা হইলেন, তাহা বিচার করিয়া দেখ।

আবার, মহাভারত দানধন্যে কুবর্ণবর্ণ, গলিতহেমবং অল, मकालक्ष्मत गर्छन, हमन-मानारमाहिष्ठ, मह्यामाञ्चम, श्रीवृत्तककारमाहम क्रण नम्बन्धिनिहे, इतिकीखनक्रण महायद्ध দৃঢ় নিইতারপ কেবলাবৈতবালি অভক্রনির্ভিত্র কারিণী শান্তিসর মহাভাবপরাত্র যে সকল নাম আছে, তাহার শ্রীরক্ষটেতকুই আপাদ অর্থাৎ উহ। ভারাতেই স্থান পাইয়াছে। চন্দনমাথা প্রসাদডোর ইইার ছই বাছডে বলরস্বর প

সার্কভৌম ব্রহ্মানন্দ ভারতীরই জয় मीयाः ना कत्रितन।

बीबीमहाक्षाक् वनिरमन-निवाबारकान সভ্যতা থাকিলেও গুলুবাকাই শিব্যবাক্যের উপর অয় লাভ করে। গুরুবাকা সর্ককালেই नियावास्त्रारभक्ता अधिक जानवनीय। উক স্থায়মতে একানল ভারতীই খক এবং महावाञ्च जाननात्म ठीरात निवाबियान করার ব্রহ্মনক্ষের বাকা কর লাভ করিল। কিন্তু এক্ষানন্দ এক্ষেত্ৰে মহাপ্ৰাভুৱ ক্ৰিড গুক্ষিৰ্য ক্লাধাবলখনকেই ভাঁহার পরাঞ্জের হেতু বলিগা বীকার করিলের না তাহার चन्छ अक्षि रहलू स्थाहेश विद्यान जगवान परकार तिकते नवाका वीलाह करवन । देशरे शिशंत क्यून्याद, वकार ।

্ভাৰতী লাহও ব্ৰিজ্ঞান 🚐 चात्र धन पन पूनि चाशन ध्यक्ति ॥ আপন্ম করিছ বুঞি নিরাকার-খান। **ट्यामा (मुस्कि एक) देशम ध्याम विश्वमान ॥** क्ष्यनाम पुरस मूल मान मान मान ভোমাকে ভজ্ঞপ দেখি' হাবর সভুক্ত।

आमात विवयमरणव श्राव मणा व्हेल । অবৈভয়ার্গের পথিকগণ বারা উপাত্ত আৰু আত্মানন বিংহাসন হইতে দীকাঞান্ত হইয়াও আমি কোন গোপবধূলপট কর্ত্তক হঠক্রমে দাসীরূপে পরিশত হইগাছি। প্রভূ বলিলেন---"ভূমি ব্ৰহ্মানন্দ ভারতী, প্রেম্মর মহাভাগৰত, হতরাং তোমার সম্ত্রই ক্লক-मर्नेन श्रेट्त, हेशांट जात मामह कि ?"

क्ट्रें। ठाँवा केंद्र स्थाप हरेश बनिरमन, "নহাভাগবত ব্ৰহ্মানক ভাৰতীয় যে ক্লঞ্দৰ্শন হইথাছে, মহাপ্রত্ব এই বাকাও সভা। যেহেতু কৃষ্ণ মহাভাগৰতের সন্মুদে সাক্ষাৎ मर्णन मिन्ना शांटकम, किन्छ पट्र व <u>জোমাবিকা বাডীত ভালুশ সাক্ষাংকারের</u> সম্ভাবন। নাই।"

## क्ष इन्द्रिक अध्यम् (ভক্তিরত্ব শীরাণাচরণ গোখামী ভবিশারী)

( > )

হুবামর্ণমালা বা জিতাপ্রালা হুইছে মৃতিলাভ করিয়াও যদি সাধুসঙ্গে ভাগাইং-(मना वा क्रयम्(अमानमाध्नीमन ना स्त्र, তাহা হটলে উহা আত্মহনন্ত্রণ মহান্ত্র वा भवम व्यक्तान वाडीक किष्ट्रदे नदर । শ্রীমন্তাগনভাদি সচ্ছ,াত্র ইহাই, ভারস্বরে পুন: পুন: খোৰণা করিচেছেন,—ছে লীব! প্রভোকেই আত্মকলা।প্রদানী इदेशा ७६७ ऋगरपद गण क्रुत, ज्लामण ব্যতীত, কণাচেটা, যোগচেটা, জানচেটা, 'उनल्हें। '9 शामानित ८६हें।—८काम **उना**रवरे প্ৰম প্ৰয়োজন ত্ৰীক্তমত্তাম বাভ মুইডে পারে না ৷ "ক্লফডজি জন্মধূপ হয় সাধুসক 🖓 সাধুসক ভিন্ন গড়ান্তর নাই, ইহা সক্ষাস শাল্পেই স্থক্ষিত।

এববিধ শাধুমকে বে ক্লেকডিক **লাভ** হয়, ভাহাতে কোন আকার সন্দেহ উপজ্ঞি হইবার অবকাশ থাকিছে পারে না। কারণ ''সম্ভ এরাজ ছিন্দুবিল মনোরাসমূদ मुक्कि ।" "मानूनम मातूनम सन् भारम क्य। जनमान नाधुनहत् नुक् निक्ति हत् ॥" गांधुगरण क्रम्भाम अहे भाज धार । जागात्र মিনিতে সার কোরু বন্ধু নাই 👢 বাছমি শ্রীর বাটাই অকাট্য প্রমাণ :

কলিকাভার প্রচার क्षिकांका कीएगोचीय मध्ये व्यक्ताह विश्वकिताम्बद्धः विश्वहाग्रदकः शाह्यः कविद्व CER! WHY

# গ্রন্থ পরিচয়

# **মিদ্যাগবত**ম

্ ক্লেইৰপাৰন বেৰবাাস অণীত মুগ, এমন-वयग्रिया-कृष्ण जार नवा-निर्वत्रिका, श्रीमम् विवनाश हक्त नहीं ठीक्त-क्र**क**्रमोत्रीर्थनिनी किया, यशास्त्रात, मःद्रार अवग्र छ व्यक्तिममं, छना ७ विवृष्णाविष्यक । आणि वटकत व्यानिटक নেই বন্ধের অতিপাম কণাসার, অধ্যাদের প্রথমে ঐ অধারের সাঁরসহ ছবিভূত তাৎপর্যাদি নির্ত। লোকস্চী বিৰয়স্চী, অধারবিৰয়ণ, পাত্র ও স্থানস্চীগছ উত্তন ৰাগ**লে উত্তম অক্ষ**েন মুক্তিত। প্ৰথম হুইতে ১০ম ক্ষম পর্ব্যস্ত টীপা প্রপদ্ধিপে শেষ হটরাছে। ভিক্ষা প্রপদ **ब्हेट्ड अम क्**स नर्गाख रेऽा√०; समम शक ऽ०्; ममञ हर्।

## **এইটেডক্সচরিভায়ত**

্ৰীশীৰম্ভ ক্লিবিনোদঠাকুর-রচিড 'মনুভঞাবাহভান্য' aু ব্রীমার জিনিকান্ত সরবতী গোলামী প্রভূপাদ-লি।গভ ब्रह्मकारयाः क्षेत्रि-ब्रह्मापि यह भाजध्यभाव-म्बन्धि इहेबा প্রকাশিক হট্টাছেন। সোকের সাধ্যবাধা, বলাভবাদও মডেন্ডেক,প্রথারের পুরের সংক্ষিপ্ত অভিবের সংযোগিত। ক্ষেত্রক অধ্যায়-প্রারম্ভে কথাশার দেওর। আচে। প্রোক. प्राञ्च, भाग, भाग अकृष्टित खुद्दर एठी ও अपकारतत श्रृष्ट कीवनी सम्बिक धारेकण अञ्चलभूक मध्यत्। हेन्: भूरका कालि अकालिक एक गाँहै। छे क्षेत्र काश्रदक शांतिशादहात विक प्रश्नाः सम्परित भूगोरम भूतिक श्रदेवादक । अप्र क्षाव । • • প্রায় সম্পর । ভিকা বর্তমানে ৫, মাজ।

### · **এ**টিচন্দ্রভালা গবড

গ্রন্থকারের জীবনী, প্রতি পরিজ্ঞেদের ক্লাসার, বিস্তন্ত हिम कारा, भक्तपूर्णी, लगावष्ट्री, विवय-यान लादानि-ी, अकृष्ठि विशिध विश्या-मध्निष्ठ विश्वारे पिटीस मःकतन ল জাউন ৮ পেদী আক্রে। আদিগালা ও মনের इष्टम ध्यमाणिक इदेशाह्म। जन्म जन्म ध्यमाणिक एक्सा अधिम किका ६ होका, आपि भीमाध #1 0 1

### **এটেড হয় মৰল**

**८हे छ। एम काल व्यक्तिन स्माप्त मः यत्र व्या**जि क्रांभिक क्य महिना नश्यक द्याक्रार्टम्य क्वरा, रश्यक्रात क्षा क्रवामात्र, प्रका व्यक्ति मह : यद्य भएक व्यक्तिक व्यक्तमात मुख स्मार्किः व्यक्तरत करण जनकिन कार्वेश्यको **व्यक्तिक क्रिया क्रेस्ट्रिया । मृगः २॥० छारु।** असीता मान्य कर्याकीरम् अध्यक्षारम् नाक अ। । । ।

## **क्रिक्ट**नवर्गिका

- Beiक्षेत्र देशक्रवाहाँगा चलाइक त्रशिक्ष्णमिन विविधान एकपर्डिशक्त लायाभिक्षण नामार्थवरिनी शिर्मण ७ विमिन्छिपितान श्रेक्त-खपेण प्रशिक-ं ज्ञाबन कार्याकामाशहिका । जनगण्यकी, बाक्रकाकरम इ. मृही, विरय्न-मृही, शब्दारात्र कीवनी क व्यवस्थान गाहि शक्तवार्तिकर-पर केटकर ब्रार्टि केट्डिय मध्यम् —प हे साल ब्रह्म किन्द्रा २८ हाम्। माख्यात्राशात्रण गरमञ्चल-->॥• I WIGHT

# वि श्रेष्ट्रभारमञ्ज वकुकावनी

ওঁ বিকুপাদ এএীমন্তভিসিদান্তসরভটী **गोत्रामी महाद्वादणत तारे** , चविश्रा-विश्वःभिनी कीनाषायक्रत्भारवाधिनी क्रक-काक निम्माविनी कोवल-वाधिन মূর্ণ-বিপ্রহ---বৈক্ষবসিদ্ধান্ত-রত্তমালার কৌস্তভমণি---সম্প্রদার বৈভববিজ্ঞানাগারের মৌলিক তথ্য-পঞ্চরাত্র ও ভাগণতের ামন্ত্রপ্তর-মহাজন-জীবনচরিত-শিক্ষক—চি বিলাসচিশাও অভিনাত্ত-বিচারক—ঐশ্বয় ওমাধুণারনের মৌলিক গ্রেষণার ত্রেমিভিক্সিই নামভত্তন-প্রাণী ও সঙ্গালীয় গীলা-—সম্বন্ধ, অভিনের ও প্রয়োকন ভারের বিদ্ধান্ত সমুদ্র।

১ | প্রথম খণ্ড—বৈষ্ণবদর্শন, শ্রী ওপ্রতম্ভ কাল-र्षणं, ध्वेमस्वानिष्ठांत, टेवायकान्ती, भाषात्रादिकी कीजा छ वर्ष-विष्ठात, व्याध्यक्षम् । अस्माध्यम् । इत्हेत्रचन्नद्रमन । ভাষার শিক্ষা, ক্ষাপ্রাক্ত সহজ্ঞান ও প্রাক্ত স্থল্পা, প্রাস্কৃতি বিংশতি সুসাক রছে ওংশতিত। তিকা মাত্র ৮০ বার আলা।

১। বি ভীত্র খণ্ডে—ওদা ও নিদা ভবিং, মহাধ্যের ্ট্রা কে।খার, আত্মার নিতার্ভি, উনের আন্দ্রাদ ও माग्रानामः श्रीदर्भात-भिष्ठतानमञ्जनमः विश्वदर्भत्र वृद्धः । कृष्ट-केष्ठिन, खिलानभूनाम खिमहाधरण्य केष्ठिन, खिल्लीव-বামের মহিলা, মহাপ্রদাদ, আন্দোরিক, একিপালুগভলম-थल, क्षामाडी ट्रम्ड स्मानियो, ब्रिटेन ड.स्ट्रा प्रश्ना, त्यांतक करा क्षण्यक्षीत्रन—ठ्रम्भ अपृत्र मधुतिमापूर्व-वङ्ग्छा-विज्ञित्रः। 'क्:ा : ( क्र**क** है।का बाल।

প্রথম ও বিটোশ-- চই থণ্ড একচে লইলে ভিকা ১৭০ দেছ টাকা, ভাক গ্রুচ শ্বর।

### **डेगड** भन्म जी जा

প্রেট্টার বৈক্ষনদাশনিক শেখর এট্টামন্থকনের বিখ্যা ভূবণকৃত ভাষ্য ও শ্রীনম্বজিবিনেদে হার্ত্রেরপ্রাঞ্চল বস-ভাবায় বিস্তৃত 'বিশ্বর্গন' নামক ভাবাবৃক্ত। অধ্যায়-স্চী, বিদ্যাস্চী, ও ওচ্ছে লোকের **প্রথম ও তৃতীয়** পাদ ক্টা, ভাষাকারের জীবনী প্রভৃতি সম্বলিও। উৎফ্ট বাঘাই, রাজ্যক্ররণ (কৃতীয় সংক্রণ) গ্রন্থের किका २, हेका।

#### প্রথময়রত্বাবলী :

टीमध्यापा विष्ठानुमन-धारीष्ठ देवस्थमनीन, मन्दर् छ গোবিদ্দ-ভাষ্যাদি প.ড়বার প্রথম গ্রন্থ। উৎকৃষ্ট কালিতে ছাপা। ত্ৰিষ্ণত টাকা ও প্ৰাপ্তপাহৰাদ-সাহায্যে অভি সহতে বালকেরও বোধগম্য হইরা পাকে। ভিকা IV- आल माता।

#### জ্ঞীনগৰী পৰাম নাহান্ত্ৰ্য

( প্রমাণ্থ ও ) সাফুবার্গ । এই ডি-ডুড্যারি প্রস্থে শীনব-হীলের যে মহিমা কীটিত আছে, ভাহার মূল সংস্কৃত ও নাম মাত ভিকা॥• আনা। অমুধার। ভিকা । আনা।

#### · জীলামবদীপভাৰতবন্ধ

শ্রীগ্রাকুর ভক্তিবিনোন লিখিত। প্রলাগত গাঁভাকারে श्रिक्रमात्र अध्यामि-विश्वकः। **किका। व्या**ना।

### ভজিবুড়াকর ও নব্দীপ পরিক্রমা

শ্রীশ নরহরি চক্রবর্ত্তি-ঠাকুর-রচিত। ভক্তিরস্থাকর হইতে পরিজ্ঞাংশ মাত্র গৃহীত; প্রীদীর গোশামী কি क्षकारत क्रीमवरीलधारमत श'तकमा क्रिताहितान, छाहाहे ্ৰালাভ বিৰুত। ভিক্ষা প - আনা



जीन एकि विराम शंकत लगिए। हेराएर चीरे प्रामुख निकाधानां - इक, इक्शनि ६ तुन- वक ६ मुक छोत-অচিস্কা (৮০) চেদ ভাৰ-স্থানন-নিৰ্বয় : প্ৰয়োগ্ন ন-ভান্ধ, কৰ্ম্ম-কাও, আনুমাদির বিচার-- বৈনী ভক্তি, ভারত্তি ও পরিচ্যাদি **প্রথম** শিকার্থীর উপ্রোগা করিরা স্রশ ভাষা**র** तुमय युक्तिक्षामाणमङ विचित्र घाट्य । ५ कृष मन्यत्र माधा र होंकी, व्यावाश ३५० होका बाजा।

### গোড়ীয়কণ্ঠয়ার

बैदिनो जैय दमभ्य गरभन्न । अञ्चलन करक भारतभारताना শতি ছঃ: পুরাণ-পঞ্চরাতাদি সাম্বত-শারসমূহের প্রমাণাব্দী বিবয়বিভাগেরনে সামুবাদ ও কিত। এইরূপ বৈপাৰ-বিদ্যায়ের সার্থনশ্বয় অন্ত কুল্লালি প্রকাশিত হয় নাই। ইহাতে জনতম্ব—ভাগৰত—বৈঞ্ব –গৌন – নিত্যানন্দ— মধৈত— সম-শক্তি-ভণবদ্রৰ - জীব - জচি হাডেনাভেদ --- সহিধেয---শ্রধনভক্তি---বর্ণব্দ্ম-- আশ্রম-বৃদ্ম - শুরুগ্রাল — আনান - প্রয়োজন ও প্রমান-ওর্থনি পুথক্ অন্যায়ে অবৃহং মোকানি স্থচীনত উংক্ট ওতিক কাগ্যমে ব্লোক ব্র কালিতে স্বস্তিত, উংস্কৃত্ত ইং । সোনার দ্বো নাম লেখা। গ্রন্থ প্রায় ৪০০ পূড়ার সংস্থ २ , छाका मान्छ।

## बीबदबी श्रेशाय-अष्टानशी

শ্রীমদভ্রজিবিনোর ঠাবুল রচিত গ্রেমার্ছাল্যা-ধাম-शहारदात माम्यान ध्यमात भाषा- मीत मतहति प्रवर्षी হাতুরের ধাম পরি সমাংশ— ীলাম ন্বরীণ পরিক্রমা—ছ - আমৰ প্ৰাণোধাননকত নৰ্থীপণ্ডকম-শ্রীময়কিবিনোদ ঠাকুরের খ্রীনবরীপ ভারভর্ম প্রছতি গ্রন্থ তকরে ভিকা দ আনা নাত্র।

### এইহিনামামুভ ব্যাকরণ

জীকীৰ গোৰামী প্ৰভূপাদ-বির্চিত হত ও বৃত্তি, তংসকে ওবিষ্ণাদ জীমবৃজিনিদার সর্বতী গোলামী মহারাজের বিশ্বত ভূমিকা ও হটী প্রভৃতি সহ। অপ্রভাশিতভাবে হলভ। ভিকা ২ টাকা, ছাত্রগণের পক্ষে ১॥০ টাকা মাত্র।

#### (दश खडकगांव

শ্রীমদ্রামান্তভাচার্যা-রচিত। বেদাক্তের বিশিষ্টাবৈতথাদ-क्षात्रक श्रीष्ठाया-व्यापटा भागाया श्रवत त्यमा क्षमनेन भारात्र উপবোগী করণার্থ এই উপ্তম করিয়াছেন। ইচাতে বন্ধায়বাদ ও স্টীপ্রাধি সংগোজিত করা ইইয়াছে

### শ্ৰীটেডকাচপ্ৰায়ত ও নবদীপনতক

গৌরপার্বন ভিনাতী শ্রীমৎ প্রবোধানন্দ সর্বভী প্রাণীত মূল, প্রাচুপাদ শ্রীমণ্ ভব্তিদিভাত প্রস্থাচী গোলামী মহারাজ দশ্যাদিত ভাগমনুৰে ব্যাৰা। ও বলাচুবাৰ সংগ্ৰিত। নৰবীপশ্তকের 😂ভজিবিনেগদ ঠাকুরের প্রভান্ধবাদ ও তৎসভ ভীমন্ত্রাপ্রান্তর একটা ত্রিগণরভিত অংশকিক চিত্র প্রদান্ত ১ইরাছে। ধূরণ ও কাগজ উৎকট ( ২ ধানা একলে ) ভিক্ষা ৮০ আনা, অভি সুরুষ্য বাধাই সাক্ষরণ হরণ र होका माज।

अवराज त्याम रहापाटाला है। एक सक्वाल शह-লাভ কৰিলে পানমাধিক লাজ্যে কিলুতেই उत्तर को प्रभव भाकित्व स्ता। अनुब श्रुष्टक्या नामक छ**रू**-र प्रतिश के राज्य र की खाद खें करा है अब मिंग हुए। आहें। निर्धा करा करांच सहवाद दशकांच 😇 वड कहेर्राज्य । घर स्व करी, क्यामाश कें हा लि द्वांका विद्वार शहर करा इंडेस दा । विश्वार खड़, CHIN स क्षारण भारत ए. पर, किरान्धे दी कि-- 5 छुई गानिया ভিদা ২, টালামার ৷

#### 41

ल्प्रिकडोड्डा । १ १ १ १ । १ म क्राक्रानम **報報をよりなりなってい** ক্ষালৈয়ে ১ ১০১১ টুল্টেল্ড স্বাহ্ন করে। বিচাৰিক জিলাক করে लामको **अ**ष्ट्र ३ अटलक दिसम्बद्धत द्वारामा ८मधित्त १ (इ.स.स.) - १०१७ ५ तत्त कर्ष कृत्यानस्य विभागार्थ লাম্ম । স্নাংগ্ৰিশ সাহিত্যে সাজা ভাতুমী। সংখ্যার । ইভারত ৪৮০ भग काम गाउँ।

#### WSW 355

ভেলনকংগীরে বিভাগেল ; সংবুর ভাজিবিলেদের সমূহ্য স্থানঃ, নিংখা শতে প নিয়োলা। প্রথানি নালেল প্রথ কেচ বুঝিতে পারিকেন ২০ ( ভাটীয় সাম্পর । ভিজা ৮০ (

#### হলিলাগতিভালি

भागा जाता और कतिनाग जा हरतात मुरल क्षेत्रकार छाए শ্রীমাম-মাণান্তা, নামাভাষ, নামাণারাধ প্রাভৃতি বি মের 'ইয়াধ্রীয় বিভাল আহবৰ কবিছাটি গেন্। তেওঁ বিচায় ছবিৰ **হিন্তি স্বল প্রারে মংক্ষিত অভ্নত্য পদিরাটি একে মুদ্রিত।** 🚵ল ভক্তিনিলে হাক্রড়ভিড। প্রথম মাধ্রবর ভিত্রা এ০

#### कल्या । विकश्य

শ্রীমছ্রিকবিনের্য ঠাপুল রচিত। পর্যান্তর ভগাবদ-বিবাধী ও জালপণের প্রিকের একার তারেলেন্দ্র উল্ভেশ্বলীপূর্ণ স্থানির গণ। সংখ্যাত ভাষাং হা জন চ Curc । स अबे कामनारमान शे किरमुट्टत बला। आश्रीनद्रिय क रूपव रमना बाज कतिनान स्राते । लाहरवया वह মাধ্যার, ভিকা /: • আল। মাজ ।

#### শঃবাগতি

স্ত্রাহ্ম কলিবলৈ লাহিব প্রতিভাগ জনবানে আল্লান্মপীয় विश्वाप्ति, '७२मलावरा, रङ्ग्वना तमगाविक छ विश्वि वालगाः । विशाक भें। ७५%, "छक्। २० व्याना माद्र ।

#### शाहानभी

क्षित्रं इंडिनियम् - अर्थ ७ । विका उन्न , बाशांकिक ও প্রানাম-ব্রেমার্ক-বি পেক মধুর গাত্যমূহ : করে প্রবিত। डिका / जामा मीक ।

#### **্রীসন্তব**কর ক্রম

विभिक्तिमुक्तिमालि श्रीमेदिश्वनात हजान्छी शाक्त-वित्रिक अंगेश्रंत्र । श्रीमष्टकिविरमाम शेकुरवत अञ्चनाम-गर्। डिका । जार्ग गाते !

গ্রীমতহা প্রত্ত শিকা ও শ্রীল রগুনাণ দাস গোলামীর তাতি খ্রিকপ গোস্বামীর উপদেশবাণী, ভঞ্জিপধের অমুকৃষ ७ अधिकृत नित्या छनिहातिक भ्रामापन छात्र, विष्कृष বিবৃতি, চরিভায়তের প্রাণাণ, সাধ্য ব্যাধা। ও মহাজন-বলিভ ভয়প্রেগা গীত্যমূহ প্রে**াক লোকের স্থিত** मजिल्लामिङ स्टेशिएए। जा मल्याम क्रिया । 🗸 जाना ।

#### সাম্মন-কণ

रीयर्गण भाग (भाषामीत मन: निका, औन श्रेकुन ভিভিবিনেগ্ৰ-চারত প্রভার্বাল্যক। ভিক্ষা 🗸 আনা।

#### প্রেমছজিচ জিকা

প্রীয় ঠাবুর মলেন্ড্রের রুল্সির **্রেমভ**ক্তিরিয়াক राज्य १६४। डिया 🕶 माना माला।

#### ন:ভীগ্ৰভক

भीन शिक्षक प्रान्थियनम् प्रान्तिक द्वीति स्वारवाधीयन রম্বানাগোলের সাল্পত নাংখীলগভাকের স্থালিত। প্রায়রার।

#### তার্ঘ পঞ্চ ক

द्भिन १९१४: । । प्रतिष्ट । । देवनवाका-कारमञ्जालम् आक्ष ুপুড়ক। ভিনাত-স্বা**ন্**যার।

#### নদাচারশ্বতি

ক্রীল হক্ষণের মান্ত্রলৈত। বৈদ্ধবের নিভাকস্থাদি স্থাচারা-ली. अक्षिल प्रतिकार । विधाल जाना माजा।

#### अभिश**क** हो।

क्षिक्तरक्षती श्रीयतालायगाजाना त्रिकः श्रीमध्यकः চাল্যের সাকিব জাবনবালা ও মুল বৈক্ষবধন্মত। সামুলাদ 🏻 ত্রীপাল ফল্যানন্দ প্রবি**ন্ধানিলেদ্রাড় প্রদত্ত বফুন্ধার বিবন্** 'चका ! • जाना मात्र ।

#### **्भीतक एक मिन्**

व्याप्तिन कति जिल्लाचिन स्मय वापेष्ठ क्षेत्रीतावष्टास्त्रत टामानावना-मध्यांगड २०१७ असू। क्रिया ५० व्यामा ।

### যুক্তিমগ্রিক। তেপ্রেমারত )

শ্রীমধ্বনতালায়াস্থাত শ্রীমরাধিয়াক স্বামিরত। বঙ্গালরে দাছবাদ এই প্রভের প্রকাশ পরেমানিক ।াতিতা-ছাগতে ८३ २० अलम । अभिनाधनां। गाँउ इकेटच (भाष्ट्रभागक्षम विक्षित्र मध्याहायां नारम था। है जीवानित्रावादीर्थ चाँदी एक अस्त সন্দারণ যুক্তি ও কেনিক্র জালান্তনারে কিরুপ স্থানরভাবে ভিজিবিলেবি নাংবাদ সমুহ বঞ্জ করিলাছে, ভাষা পাঠ कतिएक कतिएक अभ्वत्याधिक व्हेर्ट इत्र । हेहाट बृद्धित इक्का ठाउँवाक, टेब्बन, त्वाक, मौमारतक ও माप्रावाधिमञ्ज ্লমুবের জন্মর পত্তন রহিনাছে। ভিজাব ্টাকা মারে।

## (भाजायी किन सम्माथ मान

েও বিকুপার এক ভক্তিসিকান্তসর্যাতী গোৰামী অভিপাদ-লিভিড ভূমিকা সহ ) গৌরত্রেই শ্বরূপ-রূপেয় <u> अक्रमाज लिशक्स जीन नात (प्राथमो) लाह्य वर्ण्य</u> চরিভাত্ত ও শিক্ষা মতীর আছেল ও সরবা ভাষায় স্ত্রিবিট अतः পরিশিরে দাসপোশাসী আহয় বিয়ভিত কওকটা সাহাব দ মধুরতম তথা ত মনঃবিকা-স্থালিত। বিকা বাগেট ॥• মানা, সাবাগাই।৵• সানা মাত্র।

# চিত্ৰে নবদ্বীপ

आहीत गवबीरणत अवश्विष्ठ, छना, **अष्टिन्, ट्यांड ख** के जिल्हा निक अमानिमधीन अस्ति बीटनत महिता विवतन-এছ। রাচবি রাওসাহেব কুমার তীব্জ প্রবিশু নারারব तात धम, ज, श्रीक (गारहोत्र), देवशासकृतन मरहामक कर्जुन সম্বাত এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন মূর্বের অপুরা চিত্র ও মানতিত্র-দম্বিত ; প্রাচ্যবিভ্যমিল্পিব স্থায় স্টেহৰ প্রিকৃত নগেক নাথ বস বিশ্বকোষসম্পাদক মহাশ্যের বিশ্বক প্রিকা गर । উरक्छे (हर ) मताका वैश्विष्ट, मूना आून, कि लि एक ২ টাক মাত্র।

## माभग-कर्श्यामा

खकवण्या, देवकव-वन्यमा, देवकवन्त्रण, शांकारमञ्ज श्रेष्ठ, श्रीमागरुष्ठे, श्रीमवाराधारुत्र वारहेखिन्छ गाम, वाहेखारुव नामकीर्थन, द्यानामतढीर्कन, (अवश्वनि, वादिवनकीक, सर्वी भ-मित्रा, दीमाराभूत महिमा, ख्रीम्**त्राडम-ध्यकृत कडेक** आठ दि। नामना, यह दुर्भाषाभीत कहेक, त्लामक कि शिका, উপরেশমালা, নামভজন-প্রণালী, মহাপ্রাভু e রার রাবানক मः ।। म. म.मं: निका, श्री धक्र आग्छि, श्री धन नक्र नामाना, মহাপ্রান্ত্র বক্ষমা প্রাকৃতি সাধক ও সিভ্জীবনের বিভাগাঠা, देवक्षत्वारमत क्ष्रीशिष्ठ जूनशीयांगांत छांद चल्चन कर्ड धातपरधाना अलून्द्र अष्ट्र। जिका लिक शक्षि ॥ शामा ।

### গোড়ীয়-গোরৰ

ক্ষিক্ৰোৰ হাপ্ৰসিদ্ধ আলবাট হলে গৌড়ীয়-সুন্দাদ্ধ व्यापा क्रमन्त्रामन्त्र भन्निमानित्माम-कार्क स्कृष्टाम विश्व शहरतात्र शाकानिक। देशात्क (शांकीय देवकवम्सानादवय ইতিহাস স্বাকারে এপিত হইয়াছে। ভিকা 🕪 স্বাত্ত।

### গোড়ীয় সাহিত্য

কলিকাতার স্থানির ভাষায়াই খলে গৌড়ীয়-স্পাদক গ্ৰহাৰালে প্ৰকাশিত। ইংলতে সাহিত্য-শ্ৰেম **কৰ্ব এবং** প্রেডিয় পার্ভিডের বিষয় সূত্রকারে ধর্শিত হুইয়াছে। ভিকা ly • কানা মাত্র।

## শ্রীগোড়মণ্ডল পরিক্রমা-দর্শন

श्रीरवीड्रास्ट्रव द्य गक्त द्यारन मुन्तिकत **श्रीवस्रहाटा**ङ् ध्यः छन्छ्य शत्तव दी महारामनाव शीमा **कतिना निवादक्त,** গেট সৰ আধুনিক ভোগে লিক পরিচয় ও কেববিপ্রহায়িয় ` পরিচম সহ যাভায়াতের ভাবিধা নির্দেশ ইভার্য বিষয়ত্ত্রী शतिरानिक चारह। जिक्ता • माना।

#### THE HARMONIST

#### OR SHREE SAJJANATOSHANI

क्षीन र्राकृत छनिर्दिरनाम-व्यक्तिक क्षा क्षा का विकाश्चवरणी (वाषाधी ध्वाइनामें-नेन्नोबिक नामगृधिक -মাণিক পত্র। একণে ইংরাজী ভাগাঁর জারাবিংশ বর্ধে **एवगकार्डन ৮ लागी ३ सन्दर्भ आकारत टाकि मोख्य देति-**नारमत विकत-देवकवर्षी गरेता जिल्लिक व्हेटल्ड्स । .. कार्यम, मूलग-लातिलाहा क हिलाबि सकीय हिलाक्यम । **८वे धार्मात प्रेरमंडे धारम**्याम् अस्तानः सामिक नावाचित्वः रविचि नारेश्वम सा । वार्तिक क्रिक्को क्रांसवाक्रममु वाका मास्य

**बिटेन्डकार्ड, ट्याः जिसाबायुक्त समित्रा** 

# বিশ্ব

# রাজসভার শুদ্ধভিজ্যিসমূহ

## শ্রীতৈত্ত্য মঠ

## আক্র মটরাজ

क्ष होम सब्दीन, क्रांक्ष्य क्षेत्रांत्र यात्रालुब, स्थीता

विषयात्रात्रात्रीय व्हर्ण काम २० थष्ट केवन-पूर्ण क्रीव्रवप्यत्व चाहार्वावय क्रीह्म लग्द-वर्णण क्षीटीटेड्फक-मा निवासमध्य ।

নাই স্থান সংগত্ত-থবি, গ্রবিদ্ধাণীঠ বা সাত্ত ভল্লনত্তা। এই মহাতীর্থে শ্রীকরিলাধান্তণনাকি শোলি-গোলালসমূহ, গরিক্ষার অন্তর্গত কাবা, নাটক, জনভার, তথা
লাধান-উপনিষ্য্-প্রান্-প্রান্-প্রান্-চড়ুইছেই অধানন ও অধ্যাপনা এবং তথার শ্রীপ্রকপৌরাল-গা্দ্রার্থানা গিহিছর ও নাম্বন্ধ সাক্ষান্তিক-আন্তর্গা-চড়ুহে তাঁহালের উপাত্ত
বিপ্রক্ষো গতিত নিজা সেবিক চইন্তেল্লনা এই মঠখালে পাংমার্থিক দৈনিকপত্ত গান্ততগল্পাছেই অপ্রকাশেত ও কপ্রাচীন প্রস্কাশি প্রচারকলে 'নদীয়া-ক্রান্য' মন্ত্রার
লাভ্রিত কর্যাছেন প্রতিব্যান প্রস্কাশি প্রস্কাশি ও অগ্রিয় ভল্লান্তিগ্রহ
ভারিন প্রচারমূপে মন্ত্রান্তবিদ্ধান বিদ্ধান্তিক লক্ষ্যান্তর্গান ও অগ্রিয় ভল্লান্তিগর
ভারান প্রচারমূপে মন্ত্রনেশেন বিশ্বান প্রস্কানী প্রস্কানী, পাঁতিক প্রপান গোরদান
প্রক্রানী যাক্রগ্রীন প্রশান বীচেন্ত প্রস্কানী, পাঁতিক প্রশাননন্দ প্রস্কানী,
শ্রীকৃত্র মন্ত্রাপাল বন্দ্রোপাধান্ত্র, প্রতির্বাম দান প্রস্কানী প্রান্ত সক্ষনগর ।
বিদ্ধান্তিপ্রান্নী নিম্নুক্তি গুনীপ তর্থি মন্ত্রান্ধ কর্যানে হতিকথা কীর্তন করিছেনেন।

## (৩) বোগণীঠ শ্ৰীদন্দির

কুই কান আজগলাপমিশ্রের কবন বা

শীমক্ষণপ্রজ্ব কানিজাব-ভূমি মহাবোগপীঠা। এবানে প্রীপশ্রীপালা ও জীবিকুবিরোধন বিবোধনালারণ এবং উঠিওজনা
ও জীবাবাভ্রমের নিজা সোণা তথা জীপকভব্নের গোলামী ভট্টারাবা লাভু জীরমান
লাবান সভভাগী উট্লিকিনামন্য প্রস্থানী,
জীবাবাব ক্ষেচারী। জীসাধনার অধানী,
ভাগি, বেশশ্রা জীকার হক্তম।

#### (8) 圖키町-明明年

শ্রীমন্মণারাজুব ক্রার্ডন-বিনাস বা বিসোমনীপার মাগস্থা। এখানে শ্রীজ্রীগোর-শিক্ষাসন্দ ও পক্ষওস্থের গোনা বস্তমান। ক্ষক—শ্রীমাগালার ব্রজনারী, ক্রীমনুভ ভক্ত, ক্রিগোর্ডনানা ব্রান্ডী।

( १ ):**व्यदेशक-कनम** करे कारम क्षेत्रदेशक शकुषे कनमः व्यवर द्यास संस्थान ।

(%) काषांत्र समावि में हैं
वाहीन याशमूत्र, समामूक्त (मनीता)
क्रिक्टिशीक्षणमाख क्रिक्टिशकाणीव भगाय।
वाक्त-स्थानकाली क्रिक्टिशकाणीव स्थाय।

क्षिणां क्षणां क्षणां

\* . . .

## ( ৮ कियाबाध दनोडीय मर्ठ यहमभगिरन।

রক্ষক—শ্রীষ্ট্রবর ক্ষেত্রপাত্রী এম, এ, বি, এল, সংকারী—শ্রীউদ্বাহাস ক্ষি-দার্থ্রী, প্রীটক্রজম ক্ষাধিকারী প্রাকৃতি।

(১) শ্রীবেণার-সদাধর-মঠ
চালাগটা, সন্তরগড়, (বছমান)
শ্রীল বালালাখের প্রকিষ্টিত গৌরস্বাস্থসেবা। রক্ষক—শ্রীকবিকান আন্দ্রম।

( > • শ্রীরূপগোড়ীয়-মঠ
ধ্য:গঞ্জ, প্রয়াগ ইউ, পি
ক্ষক—শ্রীষ্ঠিদান প্রদানগৌ,শ্রীকুলপেধর প্রস্কানী।

#### ( )) 图(aleanaraea-

মাউপা'র, ভারগর, বছমান।
বীন্যাগ্রেমার ঠাকুর বুকাবনের স্থান।
ক্ষক—বীক্ষবিহার ব্রহণাধী।
(১২) ভাগবিত আগমন

্ (১২) ভাগবন্ধ আসন শ্রীধাগবন্ধ শ্রেদ, ক্ষণগর, নদীগা। ভাগবন্দিদ্বাস্থ গ্রন্থাবদী প্রচার-ফেরা। স্বাস্থ ক্রিমানন্দ ব্যস্থাগ্রী।

(১৩) **এ**একারন মঠ ্টোলশড়ী, গোগড়ী, রক্তনগর, নদীরা। বুক্তক-চঞ্জীবভ্নানক ব্রহচারী।

( 5.8 ) किटमा नामकी वर्क स्थान पुत्रः हाका । स्थानामको स्थानिक स्थानि स्थान स्थान कियानामे स्थान

## (२) बिटगोड़ी अ मठ

১৬ নং স্বাণিপ্রসাদ চক্রবর্ত্তী ট্রীট, পোঃ বাগবালার, স্কলিকাড়া 🗓 টেলিফোন বি, বি, ৪১১৫

শ্রীমন্ত্রাগ্রন্থর প্রচারিত স্থানির্দ্ধন ভক্তিশন্ত-প্রচারোদ্ধেশ গৌভবেশের সক্ষাক্রমান নারী তানিভাগর শ্রীভাকিবিনাদ জাসনে শ্রীমঠ প্রতিষ্ঠিত জাভেন। এই জক্তানারান শ্রীমঠ প্রতিষ্ঠিত জাভেন। এই জক্তানারানে শ্রীজন-গৌরাল-শ্রীবিনােদানক জাই সপার্থনে নিভা সেবিত কন। গৌভীর নাচার্যাগর্গের বাবভীর গ্রন্থবিনীর প্রপ্রচারাদ্ধেশ শ্রীমঠে সংগপ্ত একটা ছর্পুর্ণ ব্যুলির সক্ষার শ্রীগোগনাম প্রচারার্থ এই ব্যুলির হার্ত্তার প্রাণিত হইবাভেন। পুরিবীর সক্ষার শ্রীগোগনাম প্রচারার্থ এই ব্যুলির হার্ত্তার গোলাহ সংগ্রাকি পরে, জি ক্ষান্তরারিট্র মাসিক পরিকাই ইংলাজী ভাষার নিয়মিতভাবে প্রকাশিত হইভেছেন। শ্রীমঠে পাঠ, সভীর্ত্তান, সপ্রস্থান-চত্ত্রন-বের্থান, শ্রীমন্ত্রাগর্থত, শ্রীচৈত্রন-চেরিভামুন্তানি-লীলা ও ভন্মগ্রের সমাক্ আলোচনা কইর থাকে। মঠরক্ষক—আচার্যাত্রিক শ্রীপান ক্ষাবিহারী বিভাত্রণ। সহকারী—পঞ্জিত শ্রীপান স্থাসবিহারী ব্রুচারী, শ্রীপান জগতভাবণ বাসাধিকারী বিশ্বন, শ্রীমান্তরাপান কাসাবিকারী, ব্রন্ধচারী শ্রীকানিক, ব্রন্ধচানন, ব্রন্ধচানন ভর্মিণারী, ব্রন্ধচানী শ্রীকানিক, ব্রন্ধচানন ভর্মিণারী, ব্রন্ধচানী শ্রীক্রানকন, প্রভিত্ত শ্রীপা নবীনক্ষক

(১৬) শ্রীগদাই-গো: দি মঠ হরিষ্ঠক প্রমাধিনী সভা, গালির চাকা শ্রীগদাই-গোরাজের নিতা সেবা বক্ষক — শ্রীপূর্ণ গ্রন্ত ব্রন্ধচারী।

## (১৭. श्रीकाशनडसमामक मर्ठ

তিকলিখা, বাহুদেবপুর, মোননীপুর।

এথানে নী গুক-গোরাজ-গান্ধর্মিকাগিরিধারীক নিভাগেবা বহুমান। রক্ষক—

রক্ষাসী শ্রীফগবান্দাস্থা। রক্ষায়ী পরানক্ষ

#### (১৮) जामगार्याका अभेजासम

बाबवीम (माः वह्नान।

ত্রী শুরুগোরাল-শ্রীগ-ছব্দিকা গিরিধারীর নিভাদেশ। এক ক-এলখাসী শ্রীক্রি-কিশোর।

#### (>>) श्रीनुक्रदशस्य मर्ठ

বর্গছাত, পুরী, উদ্বিয়া।
এখানে শ্রীগোর-বিনোদমাধবদীর মিত্য-সেবা বর্ত্তমান। রক্ষক— ব্রশ্বচারী শ্রীপরমান নম্ম বিধ্যারন্ত্র, ব্রশ্বচারী শ্রীনদীয়ানক।

#### (२०) खीलक-८गोड़ीय गर्ठ

আলবরনাথ, ত্রন্ধনির লোঃ, পুরী।
ত্রুগরাথনেবের অনবদর সময়ে শ্রীমগ্রহা
প্রাত্ত্ব অভয়ন । বক্ষক—ত্রন্ধচারী
শ্রীগরমেগরী ত্রাগাধলী। সচকারী—
ত্রন্ধচারী ত্রীবিশিনবিহারী।

## (६১) बैजकिम्बर्गमण गर्ड

अधारमः विश्वत-रशोशाय-विरमाग्रहण्य-क्षेत्रः विश्वत-रशोशाय-विरमाग्रहण्य-क्षेत्रः निकारमया वर्षमानः। प्रकर---क्षणात्री जीनगरद

## (२२) औननाडन-रनीडाइ वर्ड

এনং জগজাবনপুধা, কানী ।
গৌও-পদাছপুত সনাতন-শিক্ষাছ্প।
অধানে গোলসেধা বত্তমনে। রক্ষ---ভীলানকীনাধ্জী।

(२७) व्यक्तकटेडख्य मर्डे चीनु:गरण्यात कृत, खोगाम दुव्यवम । क्रिक्कितामान्द्रव-द्याक्तकोत्र स्मरा ।

রক্ষক—শ্রীগণ/ডিনাপ ব্রন্ধচারী (২৪) শ্রীপরস্বাহণে সঠি

নৈনিয়াৰণা, স্বীকাপুর
তথানে জীঞাগৰত পাঠশালা ও
জীগোল-বিনোধ বিলাগনীয় গেখা বর্তমান ।
তলক—একচারী জীনুসিংখানক ও একচারী
জীনকচলার ।

#### (२०) औरेडडक्ररगोकीय वर्ड

ভূম্রকুণা, চিলকুণা, নানভূম। ইথা এটিওভগ্গ-মঠের শাশা। বক্ষক—প্রীরমান নাথ রায়, অন্তেনগানেক ব্রক্তারী। প্রীরাম ভীথ বেবছরির।

(২৬) ব্যা**সমোড়ীর মঠ** কুঞ্চকেন, খানেখন, কণাল। এখানে

কুলকের, খানেখর, কণাল। এখানে ত্রীগোর্গবিনোদ-ছামেত সেবা বস্তুমান। রক্তক—প্রস্তুচারী শ্রীপ্রদর্শনালী।

## (२4) जामनभाषा वाशवासन-मर

বাৰণপাছা, পোঃ মাক্, নাবছা এখানে বছ ভূতমৃতি প্রীগোলালের দেখা বর্তমান। বক্ষক-ব্রত্থাসী জীব্রাণক্ষক। বাস, প্রীধাধার্যণ ব্রম্পানী।

(২৮) দিল্লা গোড়ীয় বত-কাৰ্য্যালয়

२० (दश दशवात, निके विश्वी ।
त्रक्षण-विश्वविद्यामी विश्वविद्या ।
निवि प्रदेशक, श्रीमाशास्त्रम्यक्षण्यक्ष्यः
(२৯) भ्रिपामाण्याक्षण्यास्त्रम्यः
त्रक्षण-वक्षणेत्री वीश्वविद्यास

## जीपुर नगमस्यादम वर्षन <sup>শ</sup>ৰারামূক

বীয়ত মদনগোহন বৰ্মণ গাড়োৱান ধর্মঘটের সম্পর্কে ৬ মাস কারাদণ্ডে হইয়াছিলেন। ভিনি বৃহস্পতিবার বেলা > ঘটিকার সময় আণিপুর দেউ লি জেল হইতে মুক্তি-लांक करत्रन । नकाकारन स्थितात সমিতির পক হইতে ভাহাকে অভিন্দিত क्त्रां इस ।

## करद्यामनिकादसम् मरदमाधन

কংগ্ৰেদের করাচী অধিবেশনে গুর্হী मृग अधिकांत्र धारा अर्थ रेमिकिक शतिराधन সম্পৰ্কিত প্ৰস্তাৰ সম্বন্ধে মতামত জানাই-বার ভার কংগ্রেসের পক্ষ হইতে যে আহ্বান করা হইরাছিল, জামদেদপুর अभिक्रांज्य त्म नयस्य निम्नणिथिङ्क्ष মতামত প্রকাশ করিছাছেন :---

- ১। প্রত্যেক ব্যক্তিরই কর্ম পাওয়ার অধিকার থাকিবে এবং রাষ্ট্র তাহাকে काञ मिटंड वांधा धांकिरवन। काञ দিতে না পারিলে তাহাকে জীবনধারণের প্রয়োজনীয় ভিনিষপত্ত দিতে রাষ্ট্র বাধ্য बाकिरवन ।
- (>) अभिकरमत धर्माचं कतियात অবিকার থাকিবে।
- (৩) द्रष्ठ, व्यवसांगा । निरुपात -विष्यदः स्रमाथ निरुप्तत द्रक्षनार्वक-পের জন্ত রাট্ট হইতে ব্যবহা করিতে। ভাচাকে প্রথমেত ২০০, টাকা পুল্ম ব हरेद
- (८) ब्राट्डेब व्यक्तारम्बर व्यवस्थ समर्गत ध्वः दिश्य ध्वाजावर्त्तमत्र भवाध স্বাবীনতা থাকিবে।
- (৫) কলকারখানার মজুরদের প্রতি মাসে ন্যুনপক্ষে পঞ্চাশ টাকা করিয়া বেকার ভাষা দিছে ইইবে। সানারণ काञ निरम एव घन्हेत्र तनी धवः অম্যান্য কাজ দিনে চার ঘণ্টার বেশী हिन्दि शांतित ना । मशांद्र भीत मिन कांक धनः अहेमिन निज्ञाम शाकित्व। বৎসরে বাহিনাসং ন্যুনপক্ষে ছই মাস

बिट्ड इटेर्टर। वानकारतंत्र अधान्त्र বাৰত্বা, কান্দের পাত্যখনক ব্যবভা, কর্মাডার, মহুর, অকর্মণাতা, বাছকা हेजामित्र यगङ्ख व्याधिक एदवनात প্রতিকারের ব্যবস্থা করিতে হইবে।

(৬) হাহার: ভাষ করে, জনির উপরে ভাগবেরই বছ থাকিবে। জমির थाकना वा तामच कृतियां विद्या शहरव এবং তাগার পরিবর্ষে চাবের আবের **छ**ण्ड -श्रविमाण्यक च्यात्रकत्र वंगारेटल

खवानि---<! अन्यद्धक त्रादेशेत অধিকারে আনিতে হইবে। ক্লমিল এবং শিল্लकां जारवात निवन बाहे कतिरव। ব্যক্তির অর্থনিক্রেম অধিকার ক্মাইতে हहेर्य ।

## বিহার মহিলার ক্রভিছ অধনসংস্কৃত উপাধি লাভ

শ্রীমতী হুণীলা পণ্ডিত মি: কে, ি, জয়সোমালের জ্যেষ্ঠা কলা। বিহারে মহিলাদের মধ্যে তিনিট সক্তপ্রথম মণ্যত উপাধি পরীকার উত্তীর্ণ ইইলেন। শ্ৰীমতী স্থশীলা কলিকাতাম বিগত কাব্যতীর্থ পরীকায় বিতীয় শ্রেণীর অনান পাইয়াছেন।

## नत्रकादत्रत है। का मूर्ठ

গত ২রা মে ভারিখে চট্টগ্রামে কালেক্ট রীর একজন পিয়ন সরকারী কর্মটারীদের বেতন দিশার জন্ম প্রানীয় ইন্সিরিয়াল ব্যাদ চই:৩ ১০২০০, টাকার চেক ভাঙ্গাইল অংকিশে ফিরিবার সময ক্তিপ্র লোক ঐ টাকা ছিলাইয়া লইয়া रायः वर्डमात्न शवर्गस्यन्धे द्यागना করিয়াছেন যে. যদি কেছ অপরাধি গণকে ধরিষা দিতে পারে ভাষা হইলে

#### थ्लमा (ला मद्यान

খুলনা জেলা সম্মেশন আগ্ৰামী ২৯শে ध्वरः ७०८म भा क्रियाटि प्रमुक्ति इहेरन, **ংরা মে অভার্থনা স্মিতির অধিশ**্র i ডাঃ বিধানচক্র রায় সম্মেশনের সভাপতি निकां ठिंड बरेबार्ट्स ।

স্থেল্নের স্থিত যাহাতে একটি ম্তিলা সংখ্যানও হয় ভক্ষান্ত চেটা **हिंग्डिट ।** 

শ্রীয়ত ক্ষতাগচন্দ্র বস্ত্র, মৌলবী সাম-হৃদ্দিন আমেদ, ইযুক্ত জানাঞ্চন নিয়েগী জীবুকা হেমপ্রস্তা মন্ত্রদার প্রাভৃতি श्रास्त्रका डेशकरक चुननाव घारेटवन विवया

## রেলুণে অত্র আইনের মান্সায় বালালী অভিযুক্ত

একটি তাৰা কাঠ্ৰ বাৰিবাৰ অভিযোগে মি: কে,দি,কর অন্ন অংইমান্ত-সারে,অভিৰুক্ত হুইবাছে। কিন্দু অভি-

দিরাছিল। কার্ড দিবিয়া তাঁছার यत्न श्रेण, छेश विष्कातिक स्ट्रेल प्रकृत

## বালিয়।কাঁশীতে ছিন্দু-মুসল-मारमय विजय

ফরিদপুর ফেলার অল্কারপুর গ্রামে বক্রস্ট্রোপন্দে সম্প্রতি বে সাম্প্রদারিক বিরোধ দেখা দিয়াছিল তাহার চুড়ান্ত मीमारमा करेगा निपाटक ।

মিটমাটের করু একটি সভা কর। সভায় বিশিষ্ট **হিন্দু ও মুসল্মান**গণ উপश्चि ছিলেন। বেগ্ছত্যা, মসজিদের সমূপে বাজনা এবং অক্সান্ত ছোটবাটো সমস্থা সম্বন্ধ একটি চুক্তিনামা হইয়া योग। উভग्न मुख्यमारमञ्ज व्यक्तिस्तिन् উशएड गृहि करत्रन। क जिल्ला देव পুলিশ স্থারিটেডেন্ট এই দলিলে माशी द्रान । मुगममानगन सम्मात्रम বিলক্তে যে মমেলা কল্প করিরাছিল ভাঞা উঠাইয় শইবার জন্ত পুলিশ সুপারি-क्टिए ७ एक्म नित्राद्यम ।

## রালসাহীতে লুপেক্সচন্ত্রের বস্তু ডা

ष्यानवक मुर्ग्याप्रसः बरम्मानाशुक्रां গত ७० Cम मकााय ज्वनामाध्म लाटक এক জনসভায় বস্তুতা দিয়াছেন। 🕮 🕫 হুরেক্স মোধন থৈতা সভাপতির আসন গ্রহণ করিয়াভিজেন। মূপেক্স ব্যে িশেষভাবে ছাত্র এবং মহিলাগণকে লক্ষ্য করিয়া বঞ্জা করেন। ছাঅগণকে বলেন, তাহারা যেন সক্ল मयामनि विश्वात हरेसा महाश्वा शासीत त्महृष मानिया हरन धवा विस्त्री काश्राहत टमाकारन विटिकिटिः करता हिनि महिला-গণকেও পিকেটি করিতে অন্তরোধ करतन ।

## दरम्दन काकावि ১৫ হাজার টাকা বুণিত

शङ १ हे (म मकांग (बना (प्रश्नृद्धाः পশ্চিম व्यक्ष्टन सन्दर्भत्र शस्त्र काञ्ची काकानी नामक इंडिंग क्वांशीय अन ক্সারতীয় দ:বোষানের নিকট্ হইকে ১৫ हाबाब छाका गुक्ति बहेबाटक । व्यक्ता, के क्षारवाद्यान ८कि अनिप्राटक >६ श्रामाप्त हाकात्र ट्वांडे गरेश ध्वकार गृद्ध केंद्रिए यहिएडिक्न। ध्यम नमप्र १ कम छात्र छ-वानी धक्यामा स्मार्टेश गांकीएक क्रिया णाबांत्र निक्रे भारम क्येर केश्राटक है।नित्रा

(বি) প্রধান প্রধান শিল্পতাই অর্থ- ভালা অফিনার ক্যান্টেন জেন খলেন, জি মোটলের জনম ছোলে, ভারণ नीजि, वाकिर, वानवाइन, वानवाह, कार्जुकि जिनि गृहीका कविवा विविधा कार्याक जाराक व्यादावानन नार्गाका वानिया, अभिन धवर अलाल कालाविक एकन । जुनिन हैहा केविक निकार निकार कारन गरेश कीव এবং ছোরাম ভর দেখাইয়া ভাহাম নিকট रहें ए के बनियांने किनाहेश नंत्र अधनत घडों हेटल शांत्रिक । क्षनांनी वृशिक कारह । बारबाबानरक सहिवादन दक्तिक ब्रांबिक **छाराजा त्यावित र**ीकृष्टिता खिन्ना कदत्त । **डाकार्डनिगरंक बाधा मिर्ड चित्रा मार्ट्या**. बारनव सर्एक करवकी सामना कारिया शिकाटकः। लाम त्या छत्रभावांच महाभ পাওছা বায় নাই।

## **८चन-श्र**भातित्वेटलकेटक हटनहांचाक

ध्यक्त मानावन क्रावरी (मनिनेन्द्रि दलन सुनातिरंकेरकके कारल्केन घरनार পাণ্টারকে চল্টোখাত ক্যার কেলের छिएम दायम ठामग्रमात मृष्टि एम्। ध्यकान, ध्रहे करश्मी वह भूर्र्स कटककान अफिरवारगत्र कथा छोटारक सामात्र, किन्द শে**ত**শির কোম প্রাতিকার করা হয়

क्षिण कार्रेन क्यूनारत उरक्षार क्रम-যাধীয় প্রতি নির্জন কলে পারে থেড়ী সমেত হয় মাস বাস করিবার আছেল ष्ट्रेषाटः । छेनतन्तु, भून मृत्र क्ट्रेटकं क भरीख काहाब दर छाक भावता व्हेडाहिन, **खहा । बाकिन क्या : हेग्राट्ड ।** 

## **दशम क्यों** महाग्र कीयन यक्दभान .

(याबाहेरबन्न भने दबन गरनारम आकाम, উক্ত দিবস গ্রেট ইঞ্জিনান পেনিনমুলার **(सन करवय कर्णा छ। ते।** श्री नश्री मार्किक व्यक्तिय-भ इटबाक्ति । विशासिक आदिकाषि गटक केंद्रांक वि. ভি, গিরির শভাপতিথে এই সভার व्यक्तियमम रहा।

धरे मखात्र करूपण धरे विश्वता सान्ति क्टबर ट्रेंग, ध्रहे यूनियटमत्र मण्यामक श्रीपुष यानीत कंपकेंदिन कता इट्टन ना । इंट्टिक गुकाब बिटलव श्राप्टरशादणव स्थेत स्था বিভুক্ত সভাছৰে: বিশুন্ধলা, চলিছে थारकः मध्यमण्डि द्वम्बिकः द्वमञ्जय गठा बक श्रेम थिनडा (बाधना, क्रूड्रम् ध्यर खबनदे मुखायम छा। क्राम् क्रिय गर्फ राष्ट्रावाकि हिनवास गर वस् वाकि भारक श्रमं।

## থায়াৰতি বিজ্ঞান নামলার স্বাস্থ

(त्रम् रम्य वरे त्रम् मध्यारम कार्याम, अ भाग्नायकि विदेशार्थ भागनीति विद्याद्य क्नीरम्य मध्य ७४ वाम एमान मुक्रमएक ७ ६० अम्भागम्बायन वीनाञ्चत्र नाम श्रद्ध मिक क्रिकारक । श्वा नाम व्यवस्थित THE WAY TO KEE WAS नाक कतिबाटका

The second section of the second second

Traiffe some all significants and significants are significant significants. The significant significant significants are significant significants and significant significants are significant significants. The significant sign

112124 MAIL

ল-প্রায়ত্র- নদীয়া ভেলার একমাত মুম্মপত্র

সালাবের রছ
আইন দৈয়।
বাসিক ন
বাজাবিক ব
বৈমানিক ২৮০
মাসিক ১৮
নগদ
কাতি সংখ্যা বে

Reg No C.1544

৬ঠ খও ]

कृष्टिक राह

A T NOT LIME

সম্পাদক জীতত লাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি

ि ७०म मश्भा

শ্লীদৈতভাষ্ট শ্লীলাম মাহাপুর- ৩০লে বৈশাথ বুধবার ১০০৮, ১৩ই মে ১৯০১

## নানা কথা

बाग्यार विकेतिशरानि

**कटेर्नक** सामामा हे योगीय मध्यात् व्यक्तिम् हाः क्षेत्र विकेशियानि সহরেম ধূলি নিবারণ এত নিশেট **ड**ि डेलोगीन त्यं, **अम**स्य श्राक्षात्ररमेच कररेक मीमा बार्टक मेः। সহজের লাক্তাক্রিল, মধ্যু মিউনিলিগাণ व्यक्तिस्म शुर्देश्व मञ्जूरेश्व ताष्ट्राय दक्तिम कव (म ६वा इस ८वर बहै जन त्म अगात **প্রধাত অমুত। সা**ধারণতঃ বৈকাল ১॥ e টার পর জল দেওয়া আরও হয়। वाक्षेत्रं बारंत्रज्ञं शक्ता हिमाना इटेटक सन ্ছুলিয়া কেরোরিন টিনে করিয়া চার দিয়া ्क्रिया कि होहेया (संख्या स्या अरे अर अक् हिन् क्तिया जना क्रिया आप जान बहुन भूष जिल्लाहरू मुख्या रहेगा यात्र क्ष्या अर्थाः हेमात्री । कियाहेरात कात्रत बुबुषु वाष्ट्रिया याख्याटेड वन ठानियाँ गहेशा यहिट्छ । अटनक गमत्र नार्श-कार्यन किंक गुगम में काल करेना जिस्त मा। जिन्हां सून मजूत ८३ काम करता। कांब्राटनम् माहिना यातम वाही अबुर्क इब कारी विंबी अकि नद्दक्षेत्र दक्षी क्रम दुर्भक्षीत गणित यावस क्री गांप ि स्टिश्ति । ध्रमुर कांबाटक व्यक्ति व्यक्त नेमद्रमन मद्रम अधिक श्रामणा जिलाहेबाच महावना । दिनो शास्त्र । मेरीत शास्त्र त्राखातात मध्यम गरिंग्ड चार्यकेंना दक्तियाँ क्रवंधमध कतिया एकाना क्रहेशएक किन्द व्यक्तां गर्वकार वेत्रीत आदीत अपना व्यक्त स्वाधिकार्याच्याकश्च नाम सम्बद्ध कर श्रामुखः के अविकास क्रिया माना हम।

## রাণাঘাট মিউনিসিপ্যালিটি

বড়লাটের সহিত আলোচনা-প্রত্তে নেত্রন্দ

## কুষ্ঠিয়ার বিবিধ সংবাদ

গাইবান্ধায় ছভিক্ষের ভাওব-মূত্য

## ভারতে ভবিষ্যৎ

স স্প্রদায়িকতার বিষময় ফল

## জেল অধ্যক্ষের আত্মহত্যা

নদীয়া জেলা জাতীয়তাবাদী মুসলমান দল

## শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরাব্দ ৪৪৫

মান্ত ১/১০ **ডাকটিকেট পাঠাইলৈই বুক**পোটে পাঠান হয়। ম্যানেকান্ত - গ্রন্থতিভাগ

**बैटेड कथंड, त्याः** श्रीमात्रः भूत, सरीवा ।

ধনগনের সামনের রাজাটী কপনও
প্রিকার দেখা ব্যব না। রাজার বা
জাবোর ব্যবহা আছে ভারতি প্রান্তর
ছকর। রাজার ধারে আশে করেকটা
নলকুপ ছিল, কথন জার ভার্ নাই।
আশ্চর্যাের বিষয় এই যে, কিছুদিন আগেই
ট্যান্ম বৃদ্ধি করা হইয়াছে।

## নদীয়া জিলা জাতীয়ত।বাদী মুসলমান দল

কুটিবার এক সংবাদে প্রকাশ গত তিলা ম্যানিট্রট তঠা যে তারিবে ডাঞার সদক্ষিন গত ৮ই অপরাহ আমেরের ওবনে মৌলতী সামগুদিন সিভিল হাসপার আমেরের সভাপতিতে নদীয়া তিলা জেনারেল ও আতীরতাবাদী মুলিমদল গঠিত হইবাতে। উপস্থিত তিলেন।

এই দল মিশ্র নিকাচন সমর্থন করিয়া গান্ধালার মুসলমান সম্প্রদাধের জন্ম আইন সভার কতক গুলি স্বত্তর আসন সংরক্ষণের দাবী উপস্থিত করিয়ণ্ডন।

## মুড়াগাছা সংবাদ নগকুণ খনন

আমরা শুনির সন্ত ইইলান বে,
মৃডাগাচা নিবাদী আিকে ফণিভূদণ কে
মহাশ্য ঠাহার বাটার সরিকটে পাডার
লোকের হাবিধার্থ নিজ বারে একটা
নলকূপ ধনন করিয়া দিয়াছেন। তিনি
আরও ২০০টা নলকূপ ধনন করিয়া দিবেন
বলিয়া প্রতিক্রাভি দিয়াছেন।

#### হিন্দু যুসলমান মিলন

হিন্দুগ্রনান মিলন গুড়তর করিবার উদ্দেশ্যে এক পালাবী ফকির জান মহক্ষ বা গত শনিবার দিবস এক বিরাট্ মহোৎসবের ব্যবতা করিয়াছিলেন। নদীঘার জমিদার প্রীযুক্ত কানাংলাল সিংচ রায় উক্ত উংলহে উপত্তিত থাকিয়া ফকির সাহেবের উংসাহ বর্তন করেন। স্থানীয় বেন্ডাসেবকেরা উৎসব স্থানে উপত্তিত থাকিয়া জাতীয় স্ক্লাতে সকল-কেই মুখ্য করিয়াছিলেন।

#### **दलम च**ारकत्र चाच्चरकाः

গয় দেন্টাল জেলের মুণারিটেওওট মেদর ইউ. দে. বৃক গছ ৭ই মে রাজিছে ৬লী বিলা আফ্রংতা করিয়াছিল। কিলা ন্যানিটে ভালত করিয়াছিলে। গত ৮ই অপরাচে অন্তেটিক্রিয়ার ব্যব সিভিন হাসপাতালব্যুহের ইল্পুপেটার দেনারেল ও প্লিস মুণারিভেতেওট উপরিত ছিলেন।

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

(थाना हरेगाद ।

অভিত ও আদর্শগরিত শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকৈ
অতি হাক্রের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন।
বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা বায়ে ফুন্দর বাসহানের
বন্দোবন্ত হ হৈছাছে। খান অতীব সাহাকর।

সবিস্তার স বাদের জন্ম নিম্নলিখিত ঠি কানা পত্র লিখুন। সেত্রেন্ডারী, ভাকুর ভাজিবিনোদ ইন্টিভিডট্ শ্রিচেড্যুম্স, পোঃ শ্রীমায়াপুর নদীয়া।

## স্থবর্ণ স্থযোগ বেশী দিন আর থাকিবে না

## ष्या ७ छ-नि शह 'अयमालदात्र

ৰ নাবসনিক আনকোৎদৰ লাজনে দুলিকী লোম কালে আৰু নিবস্থ নাই। এই উৎসৰ শেষ কালেই ও প্ৰ আছেলাখাল গলাভিচনা জিলনী বটীকা' পুজেৰ কিছাবিত ১২ ্বাক মুলোই কিছাব কৰণে। ৩১লে মে প্ৰায় উলা ৮ টাকাৰ পাওছা ৰাইবে। এই বটীকা জক কথায় বলিতে গোলে মৰ-লাবন দান কৰিছে সমৰ্থা অৰু কোটা কাইনা কৰা উল্লেখ্য আৰু মানিজ্যিতে ৮ টাকা পালিইয়া উলায় এক কোটা কাইনা ২ছাব টেনা। বিল্লেখ্য নিবাল কংবেন।

প্রা প্রজ্ঞান ও আভেছ নিজহ ঔষগালয়

১১৪নং বহুবাবার খ্রীন ক'লাবাত: ।

## কাবরাজ শশিভূষণ কবিকপ্ঠাভরণের



মক্ষেত্ৰের প্র'বগার অজ ৬ আঃ শিশিতে খণীজুত অবস্থায় ভোটবোহগার সমণরিমাণ উব্ধ ডাকে পাঠিন হয়, ইতাতে উব্ধের কোন গরিবর্ত্তন করা হয় নাই। সুল্য প্রতি শিশিরত আনা, পৃতিটা ॥৫০ আনা, বোভল ১৫০ আনা।

অঞ্সি– ১১নং উল্ভাজা রোড, পোঃ শামরাজার,' কলিকাতা

# यपन यक्त

ব্যক্তির বর ও বাড়ানকার, ইরিছণ্ডির হান্ ব্যক্তির ক্রন্যাত্ত, বর্ষন, মাধ্যেরার, রুত বড় বড়াবি, ক্রিয়া প্রভৃতি ককণ সভর নিজেব বাড়োর হর। বন, বাঁবা, বেধা বৃত্তি করিকে ক্রিয়ার ইবিক। বুলা ৪০ বল ১. এক টাকা। ব্যক্তির ক্রিয়ার ক্রিয়ালির ভ্রাতি<sup>77</sup> পুরুষদানি রোধে বাজ্যারের ভাষা ক্রারার

পুলবহণতি রোধে বাজনবাপ বার পালান ভারে প্রক্রিপার করে। খুন্তা ব ক্রেলা মূটাকা। "স্মেক্তাকাসিকানী আতি-ক্রো?" বাধাবারণ করত সভোগপতি রারী ও বৃত্তি করিছে অভ্যান্তব্য । বুল্য ২০ বট মু এক চাকা। লক্ষাব্য স্থান্ত্রকান্তনী, ক্ষোপান্তা। ' হাইড্রোসিল

বা

## কেশির্দ্ধি রোগ

ভা: এন্, এন্, খোৰ বিনা অন্তে, বানফাবিনের প্যাবাল্টি দিয়া বৈদ্যাভিত আপাণাতে ভোগরুও জোল স্বাহেষাগা কবিলা পাতেন।

> টিকানা— ১৮ নং কটন ট্রীট, বড়বাজার, ক্রমণকায়ে।

3 1. upur

## न्गाप्रक

প্রিতশ্বের অবার্থ মধ্যের। ১ মাজার উপন্য, স্থায়ক আর্থারা । প্রাট ৮০ ধার আনা, বড় ১৮ আনা। মাজস পুরক্।

२। শুক্রাচার্য্য मञ्जीवनी পোষ্টাই

অংশৰ ও কাকভাৰের একমাত্র মধ্যেষর। সুগা ১ ডিবা ১া০ আলা। । সাত্ত পুণক্

৩। সন্ন্যাসী-প্রদত্ত অর্শরোত্যার অব্যর্থ আংচী

भारताश ना २१रन १ना ८२०२। মূল্য ১০ খালা। খাতন প্রকৃ

8। কোন্ত-বান্ধব পীল

चबीर्न, (प्रकेशनाः, (अप्रत्मनात्र मरकोषम् । किना ॥ व्यामा । मण्डन पुत्रकृ ।

ে বাতল'ন

বাজরোগের মহোপকারী ও সন্তাতে আবোগা। আতি শিশি ছ০ আনা। মাত্রণ পুণক।

রবার-ফ্যাম্প প্রস্তুতকারক। সভন কাচালনের ৰঙ পন্ন লিখুন

eাভিছান—মনোমোহন **লেশরেটরী** 

(णाः छेवात्री, कमनाश्रुत, शका,

## মনোমোহন প্রেস

পূৰ্ব-বাজালায় খলতে সকলপ্ৰকায় হাপায় বস্ত বিদ্যাভ বৈদ্যুতিক মেশিলে দিবাস্থাত্ৰ কাজ ভলিতেছে বিশ্বত ভাগিতে হইলে নিম্ন টকানায় প্ৰ লিখুম ম্যানেজার—মনোমোহন প্ৰেস, ১০শং শ্বাবস্থা, ভাকা।

## মরা মাতৃষ বাঁচাইবার উপার

বলিও অভালি প্রকৃত বল মানুষ বাচাইবার ভোজ উবদ আলিড়ত হয় নাই সতা, ওবালি বালায়া নামাবির আনির্মিত উলারে অলানিতি লক্ষি নাই কলিয়া লায়কে, মরা হল্যা রহিচাতেল এবং মানা প্রকৃত্তি, প্রটেব গাড় বার্মণা, আনুষ্কিত প্রস্থাতা, বর্দ্দ্র, ছংলয়া, পাল্লা-লক্ষাত্ত প্রিক্তি প্রস্থাতা, বর্দ্দ্র, ছংলয়া, পাল্লা-ক্ষাা, বৃত্তবলা, স্থাতকা, বেড ও প্রক্তাক্ষেত্র, বিশ্বীক্ষিত্র প্রভাত রোগে তুলিনা জীবনে নিয়াল কইয়াক্ষেত্র, বিশ্বীক্ষিত্র আন্তিতি কে সলিউসল ব্যবহার করিয়া বাহিছে পালেল, ভাষার লক সহল জানার বাজ বংলাই পাক্ষা ব্যবহার বাহারা অভাক্ত বহুবিধ উবদ ব্যবহার করিয়া আলোক্ষ ক্ষত্তে পালেল লাই, ভাষারা প্রকৃত্তর ক্ষেত্রী অবহার ক্ষত্তি পালেল ক্ষেত্রন। এক মানের ব্যবহারোপ্রাক্তি ক্ষত্তি প্রকৃত্তি ক্ষত্তি

> লোল একেট— ডাঃ ডি, ডি, হাজনা কৰেণ্ড, নামে-ডিড কোটা কটিবালা টকাৰা



## ্রেরঃ ও প্রেরঃ

কঠলতিতে উক্ত হইগাছে,— লৈয়ণ6 *ে*থারণ্ড মন্ত্র্যামেত-🚌 🙀 সম্পরীত্য বিদিনকৈ শীর:। শ্রেয়ে হি ধীরোছভিত্রেয়সো বুণীতে **८**व्या गरमा रगागरकचामव्यारक ॥

অংগী শেষঃ ও জোৱা এই ছইটা অত্যকে আশ্য করিয়া থাকে। কিন্তু ধীব ৰাজিগণ ঐ ছুট্টাৰ ভত্ত সম্যাগ্ৰূপে অবগত ্ছইয়া এফটাকে 'নুজির কারণ' ও অপর্বতীকে বিশ্বনের কারণ' বলিয়া নিচার করেন। ভাঁছারা প্রেয়: প্রিত্যাগ করিয়া त्यात्रात्क नत्रन करतन, जात विरन्कशीन मन्द **ক্ষ**ক্তিগণ যোগ অৰ্থাৎ অধ্যন্ধ বস্তুত্ত লাভ ও **क्रिम कर्थार गक्ष वस्त्रम महत्रकर्- - এছछ-**ভাগারক প্রেয়ংকে প্রার্থনা কবেন।

প্রেয়:প্রার্থী ব্যক্তিগণ সর্বাদা প্রেয়ের गमर्थत्न रक्ष्मान् । वित्तकी ८ ध्वकामी ा कि গণ প্রেয়ংগ্রাণীর ছন্ত্রিদ্ধ অপনোদনের मध्य ८५ है। कतिरम् ६ इंश्रान्त ८ श्राप्तत ममर्थत्मेहे गांवकीय ८५ही (मथिएक 😁 १४या यात । ভाग कर्श (कानक्राप छनित्वन ना, ভাষা গাছাতে না ৪৯০৬ হয় বা ভজগ ! षाठियम ना करिटल इय, हेहाहे छ।हारमत व्यानशाक्ष ज्यो अवास . ८ श्रद्धम त्रमर्थरनत सन्न উটোরা ডাঁচানের প্রায় আরেও কভিপরের আদর্শ প্রদর্শন কশিষ্য নিজেকে ভাহার মধ্যে আরও দৃঢ়ভাবে জড়াইরা রাপিবার প্রয়াস গা'ন।

অগতে প্রেয়ের গনিদারই অধিক। ষাধাতে বহিমুপিত। বুদি পায়, ক্লফনহিমুথ **জীব ভজ্জই সভত চেটা ক**ৰি ৷ থাকে। ওক্ষর ভার্মা প্রেমের উপাসক। প্রেয়:-সেবকগণ প্রেরের পক্ষপাতিত প্রদর্শনকরে সভাসমিতি হারা বক্তভাদি করিয়া দল-পোষণের চেষ্টা করিতেও কুটিও নকেন। ख्या ट्यामिशामत अपूक्तरण डीशामत व्यक्तिक अज्ञ निकास मिथा योग ।

(अक्षामिश्रव (अधः विভारति करू সভত চেষ্টাৰিত। ঘাহাতে জগতের সকল শীবই শ্রেয়ের উপাসনা করিতে পারেন, ত্ত্ত্ত্ত জীহারা প্রাণ, কর্থ, বৃদ্ধি, বাকা---ভাছাদের সঞ্চল নিশৃক্ত করেন। শ্রেরের গ্রাহক বাড়াইবার এক তাহার। সভাস্থিতি ক্ষরেন—প্রত্যৈকের খারে খারে গিয়া 🗻 छाराएक घुःरचन्न सना कछरे ना काराकारी করিয়া ভাহালের চিত্ত পরিবর্তনের চেটা ্ ক্রেন ; কিব ভাগ কথা কিছুতেই শুনিব না ইহাই প্রেরের উপাসকগণের প্রভিঞা।

> (अ इनि ध्वत्रभ (अवःरम्बर्क्त মুদুলেম অভ চেই বিভ, শ্রেম:প্রাথীও ভক্ষণ

## बीडीश्वरात्शीदाटको सम्बद्धः

# দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

নিত্যপাঠ্য বৈক্পবাৰ্ত্তাবহ

বেদাদি সমস্ত সাম্বত-লাজের অকৃত্রিয় ব্যাখ্যাতা সমগ্র ভারতে একমাত্র মূলভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

Bets-মারাপুর-ত০লে বৈশাথ সুরবার-১৩০৮

শ্রেরক্ষামীর বিক্রনাচরণে প্রাকৃত্ত। প্রেরের **উপাসকসংখা। क्र**গতে বেশা। <del>স্থ</del>েতরাং তাহারা সকলের খারে খারে গিয়া সভা-সমিতি কৈরিয়া প্রেয়ের বিরুদ্ধে বস্তৃতা আর্ম্ম করিয়া দের এবং দাহাতে সকলে মিশিয়া বেশ দলপুরু করিয়া থাকিতে পারে, ভজ্জন্য উঠিয়া পছিয়া লাগিয়া থাকে।

প্রেয়:প্রার্থীর দল বেশী, কাচেই "সমশীলা ভক্তি বৈ" ন্যায়ামুসারে তাহার। সকলে দল বাধিধা শ্রেয় উপদেশকের প্রভাহয় না। ্রিক্লাচরণ করিতে পাকে। ফলে কি লাভ হয় ? কঠ শতি বলেন,---

অবিভাগ্মত্রে বর্তমানাঃ স্বয়ং ধীরা: পডিভন্মনামানা:। मध्यमामानाः अनियस्ति भूता व्यक्तित्व नीयमाना यथाकाः॥

অবিবেকরপা অবিভার মণো অবস্থিত ছইয়া নিজে নিজেকে 'বুডিমান্', 'পণ্ডিত' বলিয়া মনে করে। এই সকল কুটিলম্বভাব भूर्शशन व्यक्त क इक পतिहालिए व्यक्तत नाव ছু:প্রকাশ জন্মদি লাভ করিতে থাকে।

শ্রের: বস্তর আহক কগতে জন্ত। রোগার যেমন রোগ-নিরামণ অপেকা কুপণ্য গ্রহণেই অধিক রুচি, ভোগী প্রেমের উপাসকগণ্ড তদ্ৰাপ প্ৰেয়: গ্ৰহণ করা অপেকা প্রেরের আদরেই অধিক ফচি-বিশিষ্ট। হতরাং প্রেরের উপাদক হল্ল ।

প্রবণায়াপি বছভিযো ন লভাঃ শৃথাতাছপি বহাবা যং न বিহাঃ। আশ্চর্গ্যোলন্তা কুশবোহত লকা আশ্চাইন জাতা কুশবাস্থানিটঃ॥

ভোষের কথা ভনিবার লোক বছ পাওয়া যায় না। ছুই চারিজন পাওয়া গেলেও তাহা শুনিয়া অনেকেই ভাষা উপলব্ধি করিতে शास्त्र मा। आदं ५ स्थायिकसम्म एकवि९ ও নিপুণ বক্তা অতীব চর্মভ। আবার এইরূপ সূত্রত উপদেটা কদাচিৎ অবজীর্ণ হন, কিছু আচাথ্যের অসুগত প্রোডা আরও प्रवृत्तं व ।

## বেকার সমস্থার সমাধান

(শ্রীপাদ কিশোরীমোচন ভক্তিবান্ধন বি,এল)

বর্তমান বেকার সমস্তার যুগে নিখ-বিজালয়ের উপাধিধারী নাদৃশ অভাবগ্রস্ত ব্যক্তির নিকট পারমার্থিক পত্রিকার হুছে শিরোনাগায় লিপিত আশাপ্রদ বাণী বড়ই লোভজনক সন্দেহ নাই। গ্রামাবার্তাবহের পুঠার কর্মথালির বিজ্ঞাপনে অনেকবান বঞ্চিত হইথাছি, তাই উহাতে আর

লৌকিক ভগতের ভোগভূমিকার यिथात्म नहां मर्काना भवन्भत्वन निज्ञिम्भी স্বার্থের সহিত ক্রমাণত সংঘর্ষ অবশ্রু-ভাবী, যেপানে এক পুক্ষোভ্যের সেবা বাদ দিয়া মানবগণ নিজ নিজ ভেচ্চেব ইন্ধনসংগ্ৰহে বাদ, যেখানে নিতাস্তা বস্তুর অনুসন্ধানের হুল শুপ্রভার পরিষ্ঠে কেবলমাত্র আপাত: প্রের: বস্তু লাভার্গ ভারাদের সমগ্র কর্মসর চেটা কেন্দ্রী-ভূত, দেখানে যে প্রতিপদে বঞ্চিত চইতে হটবে, ভাহাতে আর বিশ্বয়ের বিধন কি আছে? ওনিরাছি, প্রমার্থরাজ্যে নাকি ঐরপ বিভিন্ন স্বার্থের ঘাত প্রতিঘাত নাই, নিজেক্সিয়তর্পণের লেশ মাত্র নাই, সকলেরই স্বার্থ বিশব্দমাণ্ডের কেন্দ্রভিত একমাত্র স্বার্থগতি বিষ্ণুর ইক্রিয়ভৃথিতে পর্য্যবসিত, তাই সেধানে বঞ্চনরে কোন প্রকার তাওব নৃত্য নাই।

এবার ১৯৩১ সালের আদম সুমারীতে উপাধিধারী শিক্ষিত ও বেকার ব্যক্তিগণের এক**টা স্থমা**রী হইবার পুথগ ভাবে ব্যবস্থা হট্যাছিল। আশা হই গ্রাছিল, আমারও কিছু স্থবিধা ছইবে, কিয় আমার কণাল পোড়া, "অভাগা বেলিকে চার, সাগর শুকারে ধার্ম" তাই কিছুই ইইল ना । कर्त्यत किष्ठोत्र मीर्थकोय रमणियश्य পুরিলাম, কোণাও কিছুই হইল না। তবে দেশ ভ্রমণের ফলে এই অভিক্রত। লাভ হইয়াছে বে, দেশে, বিশেষতঃ বাদালালেণে **একপ্রকারের বাবসার খালি আছে, বদ্ধারা** 

ট পারে। কেবল অর্থ কেন, আমার ক্লায় সংসারী জীবের ইহা ছারা একযোগে, कनक, कामिनी ও প্রতিষ্ঠা সংগ্রহ ইইছে

अत्यक गरवस्यात्र भन्न क्रेन्नभ नादमा-তেই ব্রতী হওয়া স্থবিধান্তনক হি করিয়া কোন কার্য্যোপলকে ট্রেণে কলিকাভার আদিতেভিলাম। এমন সময় ঐ টেণে **একজন कमनीतम्**कि निकिश्वन साध्युक्टयद সহিত আমার সাকাৎকার ঘটল। মাধুর পরণে গৈরিক বসন, হত্তে মালিকা ও ত্রিদ্ও ৷ পরস্পর সামার আলাংগর **পর** তিনি আমার উপঞ্চীবিকাসম্বন্ধে ফিল্লাসা করিলেন। আমি বলিলাম, বিশ্ববিদ্যালয়ের **डे**भाषिशाती হইয়া বেকার সমস্তাম প্রদীভিত্ত। কালকৰ্ম কিছুই যোগাড় করিতে পারি নাই, বড়ই অভাবগ্রন্ত। অনেক চিম্ভার পর সম্প্রতি একবোগে কনক-কামিনী-প্রতিষ্ঠা-প্রদানকারী ভাগ-বত ব্যবসায়টা বিশেষ লাভজনক মনে করিয়া ঐ কার্ণ্যে ব্রতী হুইব এইরূপ সঞ্চয় হির করিয়াছি।

আনার কথার নহান্ত মহারাজ যেন কি ু বিক্ষিত ও অসুখুট্ট হইলেন, বুঝিতে পারিনাম। তিনি আমার বুদির প্রশংসা ना कतिया दलिएनन,--- ८मथ, धाकन कंप-ফলে তুমি এই সংসাবে অভাবের ভাড়নে সমুচিঙ ক্লেশ ভোগা করিতেছ। ভোমার এই ক্লেশের মূল কোথায়, ভাহা কোনদিন অন্তৰ্গন ক্রিয়াছ কি ? অনাদি ভগবদ্ বিৰুপতাৰ আংশিচ্ভ স্বৰূপ সংশোধিত হইবার জন্ম মাধারচিত কারাগার এই ভবসমুদ্রে নিকিপ্ত হইয়াছ। ইহাতে নিম্ভ্রিড না থাকিয়া উধার হুইবার অস্থ চেটা করাই বৃদ্ধিনান ব্যক্তির কণ্ডবা। যাহাদের জন্ন এই সংসারে পাপাদি খাগ্রাছ ক্রিয়া প্রাণণাত পরিশ্রম ক্রিতেছ এবং যাহাদের ভরণপোলণের জঞ্ ঐক্লপ শাস্ত্র াগাহিত কমে প্রায়ুত্ত হইবার সম্বন্ধ করিণাছ, ভাষ্টের বর্মণ্টা কি কোন দিন চিন্তা করি: ছি ? সদগুরপদিপয়ে প্রপত্তি-লাভের সৌভাগা যদি কোন দিন ভোমার উদর হয়, ভবে বুঝিডে পারিবে, 'কন্স কে পতিপুত্রাস্থা মোছ এব হি কারণন্।'

আরও দেখ, ধর্মশাল্পে ভাতক ভাগবত-পাঠকের স্বৰূপ বৰ্ণনৈ ধলিবাছেন,---(तरेविद्दीनाक शर्रेडि माळः माञ्चन दोनाः পুরাণপাঠাঃ। পুরাণহীনাঃ স্ববিচ্যা ভবস্তি ভ্রষ্টাভতা ভাগবতা ভবজি 🖟 অর্থাৎ া বেদলান্ত, ধত্মশান্ত, পুৰাণশান্ত্ৰা ভাংপৰ্য্য গ্ৰহণে অসমণ হইলে মানুৰ কৃষক হুইয়া পড়ে, ভাহাতেও ভাষার ভোগের বাবাত ঘটনে উহা ছাড়িয়া দিয়া ভাগবতপাঠক ব্যাভণ্ড ভাগৰত ইইয়া পড়ে এবং ভন্ডারা अमामारम अकि महरस टाहुद अर्थाणम अर्थम् अह शूर्कक छेमत छ शूक्कमामिरक

পরমার্থ নষ্ট করিতে সাহসী হট্যাছ ? পরমার্থ ভূলিলেই মাহবের স্ব-স্ব-জড়ভোগার্থে, মায়াপুর অন্তর্গত আক্রমটরাজ প্রীচেড্স-অর্থনংগ্রহের চেষ্টা বলবাতী হয়। 'পরমার্থ' শব্দে ভক্ত ও ভগবানের সেবামাত্র ব্রায়। ভদিতর যাহা কিছু, তাহাই নিম্ন কড়ভোগ-তাৎপর্যাপর। জড় সম্বন্ধে অর্থসংগ্রহচেষ্টা ষেধানে যত প্রবল, আলোকের প্রাচুয়ে। ব্দকার ছাসের স্থার পরমার্থ চেষ্টাও সেখানে সেই পরিমাণে শিথিল।

'ন ব্যাথ্যামূপ্র্জীত'—মহাজন এই আদেশ করিরাছেন। কারণ প্রীমন্তাগবভ 🕮 ভগবানের দেহ, 🏻 ভানামণ্ড ভাহাই। ইহারা কখনও মূলোর পরিবর্তে জেম-বিক্রের পণ্যদ্রব্য হইতে পারেন না। তা' ছাড়া ইহারা আমানের সেবাবল্ত। ইহাদের সেবা না করিয়া তম্বারা নিজের जी, भूब, भित्रवाज्ञानित क्कृतनृगानाजाना प्पर्वत (मना कतिहैया नहेवात कक्क त्य क्रही, তাহার ফলে মহানরকবন্ত্রণাই লভা হইয়া থাকে। যিনি এই কার্য্য করেন, তিনি महा ज्ञानार्थ ज्ञानारी इहेश ज्यान इ:ब-অনক নরকগতি লাভ করেন। क्रिक्र कार्या मकरमञ्जू राक्ति कथन ७ হন্তকেপ করেন না।

এই নরতত্বই একমাত্র হরিভজনের মূল। ইহা ছারা হরিভজন না করিয়া ক্রমাগত অপরাধ করিতে থাকিলে শেবে অনন্তত্নতি লাভ ঘটিবে এবং ইংকাল 'রক্ষিয়তীভি বিশ্বাসো গোস্তুত্বে বরণং তথা' এই শান্তবাণীর সন্মানপৃক্ষ 🕮 ভগ-বানই তোমার একমাত্র রক্ষক ও পালক ক্তানে তাঁহারই চরণে প্রপন্ন হও। তোমার আপাতঃ প্রতীয়মান কোন ছঃৰ থাকিলেও ভাষা ভোমার পক্ষে আদৌ ক্লেশকর না इहेश, "यङ दल्भ देनसन्दवत्र वावदात्रकः । নিশ্চর জানিহ সেই পরানন্দ হুখ।" মহাজনের এই উক্তি অনুযায়ী সেই সব ভাগ তোমার নিকট ভার্টার্টানের ব্যতিরেকী ক্লপা বলিয়া অকুভূত হইয়া ভোমাকে স্বৰই व्यमान कतित्व। द्यीनगरान भूव वस्र, পূর্ব বস্তুর আশ্রয়ে জীবের কৈথনও অপূর্ণতা বা অভাব থাকিতে পারে ন।। সদ্গুরু-পাদপত্মে প্রপন্ন হইলে এ বিষয়টা ভূমি সম্মান্থ উপলব্ধি করিতে পারিবে, নচেৎ উপার নাই।"

महास बहाबाटकत जीनुपनिः एकवापी শ্রুপ করিছে করিছে আমি যেন এক অভি-ম্ব গ্লাফোর দিবাালোকে উভাবিত হইরা পেলাম। প্রণতি পুর্বান্ধ ভীহার ঐচরণে পরিচয় বিজ্ঞানা করার ডিনি ভাষ্য পরিচয় প্রাণানে একটা বীর্ণ লোক পাহন্তি 🖟

অক্তারপূর্বক পোবণের ইচ্ছা বলবতী হয়। করিলেন। গ্লোকটী মলে নাই, ভবে একে ড' পরমার্থ ভূলিয়া এই ক্লেশ ভোগ তাহার শেবাংশে "গোণীভর্তু: পদক্ষলয়ো-করিতেছ, আবার কোন্ সাহসে সেই দাসদাসায়দাসং" এই কথাওলি আছে এবং বৰ্তমানে তিনি আচীন নবৰীপ 🕮 ধাম-मर्ठिश्ड स्रोतक रमदक মাত্র---ইহাও व्यानाहेश पिरमन।

## বঞ্চিত কেন গু

( ? )

( ঐপাদ স্থদর্শন সনাতন ভক্তিশারী )

হাদর আমার কপটতাময়। কপটতা বলিতে সাধারণভাবে বৃঝি—অন্তরের সহিত বাহিরের সামঞ্জের অভাব। মনে ভাবি এক, ভাষায় ব্যক্ত করি অন্ত এবং কর্মে যাহা ঘটাই, তাহা সম্পূর্ণ বিভিন্ন। অন্তানীহিত মনোভাব ও বহিরাগত কর্মব্যঞ্জনার ছন্দোভক হচিত হয়, মূর্জনার মিল থাকে না। আমার স্থকীয় বুদ্ধির বিচারে —জ্ঞানের গোচরে অবস্থিত এই কণ্টতা। আনি জানিরা ভ্নিড়াই এই খপ্টভার আশ্রয় গ্রহণ করিয়ছি। স্বতরাং এই আশ্বর্থেবঞ্চনা আমার অধাতগসিলে অঞ্চারত নিমজন।

কণ্টতার আরো একটা দিক্ আছে, যাহা আমার বৃদ্ধিশ্যা অথবা বস্তমান জ্ঞানের : গোচরীভূত বিষয় নহে। যেথানে যস্তর অরপের পরিচয় আমার নাই—আনুশের ' উপলব্ধি আমার হয় নাই, :८সথানে অবস্তই বস্তরূপে প্রতীত হয়—অসতাই স্তারূপে मदौठिकात रुखन करत्र- भावनं निहास्टिहे তথন বরণীর ও লাখনীর হটন। উঠে। সেখানকার জ্ঞান-প্রাক্ত জ্ঞান, অন্ত্যের শ্রতীতি, হতরাং অজ্ঞানের নামস্তির মাত্র। त्य कान श्रक्षानविदयान् नतः, व्यक्षात्तत्र অন্ধকারে পরিমান, সংশক্ষের আবরণে সমাজ্জন। আমি কিন্ত এই অজ্ঞানের चाला विकार गरा कि है हिसा कति, কলনা করি, সভ্যস্বরূপ প্রজ্ঞান-ছোভনার ষম দেখিতে থাকি। ইহাই মান্ব-মনের মারাত্মক কণটভা। এখানে আমি কানি ना, द्वि ना त्व, व्यामि क्ष्पहे। उथानि আমি আত্মপ্রবঞ্চিত। কেননা, আনার সভ্যাম্বাগের অভাব ; নিরপেক্ষ সভ্যাহ-नकारन खेमानीकहे जामात्र जकारनंत्र द्यांचार বাড়াইখা তুলিয়াছে।

আপিক বা ব্যবহারিক সভ্যের কথা এখানে বলিতেছি না। ব্যবহারিক সত্যের অভিনে প্রাকৃত জানের ফলে লাভ হয় অনিতা ৰাগতিক অহানয়। তাই ৰানিতে চাহিতেছি—মানবজীবনের চরম ও পরম্ কলাণপ্ৰদ পারমার্থিক সভোর সন্ধান সাত্ত পাল্ল সেই পাৰত সভ্যের কথাই গাহিরাছেন,---সর্বধর্মান্ পরিতাজা মানেকং नत्रभः खब । चरः चाः नर्स भारभर्द्धा स्मिक्तिगानि ना **७**०: ॥

ত্রীভগরানের চরণাল্রা নিতাকল্যাণ-মর। আর নিরন্তর নির্যাতন নিশীড়নে নিশেষিত আমাদের মাগামুক সংসার জীবন। कत्रणामत्र कश्योम् चत्रः कीतः अग्रहमग्र সন্ধানপ্রদাতা। ভাই ভিনি আচাধ্যরণে প্রাপক্ষে প্রকটিত। তিনিই সেই অমৃত-প্রাক্তবণ-পবের পাপেরপ্রাদান্তা। সেধানকার পথ একটা মাত্ৰ, একান্ত্ৰন পদ্মা, অস্ত্ৰ কোন পছা নাই। একায়ন পছার সন্ধানদাতা धाकमावा माषाज मभास्मत्र आंहरिस्ट । मनिवन्दहे ष्यांवांचा नत्ह, ज्यावात्वत्र श्रीव প্রকাশ বিগ্রহ एক। আমার বর্তমান বুদ্ধির অগোচর, প্রায়ত জ্ঞানের 'অম্দির্মা সেই একাগন পদা। আমি কিন্ত তাহা कानि ना, द्वि ना এवः वृक्षित्क ও চাহি ना।

আয়প্রতিষ্ঠার অভিনাভূমিকার আন আমি অহনিকার জীড়াপুড়ালকা। আশ্ব-লাঘার বৈক্ষারিত দপদত্তে আত্হারা। **बी**ण्डकलांक्यरम् व्याचामभर्गभ-- व्याचित्रक्रन আমার বর্তমান মাঘনীয় জীবনে অচিস্কর্নাগ্র

একায়ন প্রথিক্সপ ভক্তিধর্মের হরপ-ভার পরিচয় আমাব ভারে। ঘটিস না। তাই আৰু আমার হড়ীয় উত্তেশনা ও উদ্দীপনাসমূহকে ভক্তির উচ্চুদে বলিয়া মনে হইতেছে। জড়ীয় বিকাশকে চেওন্মর क्कान इडेटडटम् । यथंदक याभि शतमार्थत সিংস্থাসনে ৫.ভিছিত কবিয়াছি।

कष्मगण्डाभा देशमूब खनन्नुशी, खान-ফলগভা সাৰ্থ্য মুক্তির স্পৃহ। অগন। অস্ত কোন লাগতিক অনুসর অভিলাধ অপ্রাঞ্জ পৌছায় না স,ভালোকে 🕮 क्रम्भभाषभाषा निःस्पर्ध व्यायामध्येन, **এकास बाएक्नाशत ज्ञिक्कार्यन्तर** নিতা কল্যাণপ্রদ পারমাথিক সভাসাধনা।

আমি কিন্তু ভাষ। বুঝিয়াও বুঝিলাম না। আমার অদুষ্টবৈত্তপা। আমি ভাগ ভ প্রতিষ্ঠানকে ভাজের উপচার জ্ঞানে অবজ্ঞ। করিলাম। আর ভাজের বিলাসবিভ্রমে দেখিলাম ভডের লীলাবৈচিত্রা। কর্ম-*(क्वांक्वारक क्कांट्या-न्यारताह कार्य* মান্ডিয়া উঠিলাম। অন্তরে ভোগের লালযা ধুমাণিত। তাই কর্ম খোগবৈভবে আমার আকাব্দা জাগিয়া উঠিয়াছে। আমি কন্মী-প্তরু যোগীগুরুর মানাজলে নিপতিত।

জীবনের রকক্ষেত্রে পট পরিবভিত হয়। প্রচ্ছন ভোগদাদশা ভাগের পরিচছদে প্রকটিত হয়। তথন উদীপিত হয় তাগের গরিমা মহিমা-পরার্থে আত্মবিসর্জনের বিপুল স্থারোৱে। :নন্দনের পারিজাত-নোরভে গগন প্রন ভরিরা বার, স্থানবভার সার্থকত। ছুটিরা উঠে। সক্ষরী বটিল, क्षि जिल्लानिका जांत्र हरेण ना। আন্মবিস্কলে আত্মগ্রতিষ্ঠার বর্ণবস্ত্রী জাগিলা উঠিল-সামনীৰ গৌরবের উদান্ত किक्सानर इंडिएक नाशिका राजनात्क कारन चर् ८ एएनव नामना। প্রকাশ্র অথবা থেক্স ভোগ—কোণ স্থার ত্যাগ। ত্যাগই প্ৰেছৰ ভোগ—লভানিহিত ক্রতিষ্ঠার জ্ঞাশা। আমার ভগবৎসাধনা ७५६ जापा शरकना ।

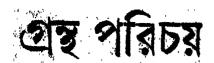
**अक्र**न्स्टरम क्लानकिङ आमि। সাম্বত শিক্ষাবাণী আমার প্রবণগোচয় হয় নাই। শ্রীভগবানের স্বরূপতত্ত্ব আমার জনরে প্রকটিত হয় নাই। ভাই ছাজেয় ভগবান্ সজিদানক্ষম হিভুক্ত মুরলীধর অনন্ত জপ্রাকৃত গুণসম্পন্ন স্বিদেব মুগ-পুরুষ শ্রীক্লচক্তকে নির্মাণ নির্মীকার নিথিশেষ কর্মনাকরি। আদি মারাবাদীর আন্নত্য থীকার করিয়াছি। মুক্তিকামী অানি ভগবানের সায়ুজাগাভের প্রাণোর্ডনে প্ৰাপুৰ হইবা উঠিয়াছি। মানবজীবনের দর্শদন্তের চূড়ান্ত অভিনৰ !

শান্তের প্রাকৃত ভাৎপধ্য **এছণে আমি** একায় অক্ষম, তাই জন্ব। ও ব্যতিরেকী শিক্ষার গৈশিটা বিচারে বিমৃত ছইনা পড়িয়াছি। অধ্য ও ব্যতিরেক শিকাকে ममभागात्रप्रक कार्तिश्रा श्वामभवतात्र धूवा ধরিয়াতি ৷ ব্যতিরেকী শিকার অব্যভাব-मागाजात्म मत्रत्य लभएकहे ক্ৰিয়া তুলিভেছি। আমি বিশ্বত হলাম---भावन मगाव्यस भावन खारशस्त्रीध निका-একায়ন পদ্ধার সন্ধান—ক্রোডবানীৰ এ**কান্ত** আখন। আমি খিড মত ডত পপ' জানে নিগবে প্রধাবিত হইতেছি। ভাই বলিডে-हिराम, এ कीयरन व्याम विकेश हरेबाहि।

## প্রাপ্ত পত্র

গত ১৮ই বৈশাৰ আন্দাৰণাড়া প্ৰাণনাশ্ৰম মঠে শ্রীপাদ ববদরাক রক্ষ্যবৌদ্ধীর উল্লেখ্যে ও সাঞ্জরিকভায় শ্রীনৃসিংহদেবের আবিভাষ উৎসৰ স্বষ্টুভাবে অহুষ্ঠিত হইরাছিল। नानाशकात भूष्य, इक ७ कर्नावर्गकत बाता শ্রীমঠের তোরণ অগন্ধিত হই।।ছিল। এই উংস্থ উপলক্ষে উক্ত ব্ৰহ্মচারীলী বিরণ্য ক্ৰিণা বৈধ 'ও জীনুসিংছদেবের আবিতাৰ नवरक পঠि এবং ব্যাখা। करतन এবং পাঠান্তে হুৰাগিত কীন্ত্ৰন ঘাণা প্ৰোহ্যবৃহ্ণকে मुख करतन। अति क बाव् अध्यान (बाव (जिल्हाल्ब), जीव्क बाब् कानिशम शक्ता (রতনপোতা), জীয়েক বাবু বরদপ্রসাদ কর (टेमम्पूत्र), श्रीपूक रावू वर्धीश्रमाथ महस्रात, अपूक वाव् किलाबीत्माहन छोत्नी, গ্রীবৃক্ত বাবু বিখনাথ চোবুরী ( গ্রাক্ষণণাড়া ) প্রভৃতি সজ্জনমন্তলী এই উৎসবে বোগদান कतिशाहित्यन । अयदेशक अर्थान 🐯 🗷 💗 श्रीतारमञ्ज एक्शनि कतिरक छतिरक विहित्रकार्य महाव्यशाय गणान कराव ।

> निद्यम् स-णाः श्रेणात्रागर नवसाव



## **মামন্তাগবতম**

्रिनम्बर्शव क्यादेवशावन (यत्रयान-धाने छ मृन, टीयन-मंगाराया-क्रष्टा छार नवा-निर्वर्शका । अमन विचनाथ रुक्तवर्ती ठीकूत-क्रक नामार्थनिनि किका, बलाक्रवाब, मश्क्रक जनम छ সেই ক্ষেদ্র প্রতিশাভ ক্থাসার, অগ্যারের প্রথমে ঐ অধ্যানের সারসহ ছবিভূত তাৎপর্ব্যাবি বিবৃত। স্লোকস্টা विवत्रक्री, अंशावविषत्रम, शांख ७ जानक्रीमह छेल्य কাগকে উত্তম অক্ষরে মুক্তিত। প্রথম চইতে ১০ম শ্বন্ধ প্রয়ন্ত ছাপা প্রুবরিপে শেষ হইরাছে। ভিকা প্রথম वहें एक अब क्य वर्गक २०१०; वनम क्य ०२८; नम्य हर्।

## **এটা**টেডভাচরিভায়ত

विकार कि विस्तापटीकृत बिंछ 'अमुण्डावार जाता' ও. 🕮 ন্মন্ত জি নিছাত্ত সরবতী গোৰামী প্রভূপাদ লিখিড 'অমুক্তাৰো ঐতি-শ্বতাদি বহু শান্তথ্যাণ-স্থলিত হট্যা व्यक्तानिक स्टेशाह्म । (शाय्त्र मावयवाक्षा, वक्राञ्चवानः প্রত্যেক পরারের পূর্বে সংক্ষিপ্ত অভিখ্যে সংযোজিত। व्याखाक कामान-शांत्राक क्यांगांत (मध्या कारक। दलाक. পরার, শব্দ, স্থান, পাত্র প্রান্ধতির স্কর্তৎ স্থচী ও গ্রন্থকারের নিশুত জীবনী সম্বন্ধিত এইত্বপ অভতপূৰ্বে সংখ্যাপ উতঃপ্ৰে कुलांशि ध्यक्तशिक इत्र मार्टे । छेत्रम कांश्रद्ध शासिशास्त्रित স্থিত পুল : অক্সে মুলাংল মুদ্রিত হট্যাতে। গ্রন্থ প্রায় >400 शहीय मुल्लात । किया वर्षमादन द भावा ।

#### **बिटेड एक का गवड**

গ্রন্থকারের জীবনী, প্রতি পরিচ্ছেদের কথাসার, বিভত বেণাড়ীয় ভাষ্য, শক্ষ্যতী, প্যায়স্থতী, বিষয়-স্থান পাঞাধি-স্টী, প্রভৃতি বিবিধ বিষয়-সম্বলিত বিশ্বাট বিভীয় সংস্করণ ক্ষাল ক্লাষ্ট্ৰ ৮ শেলী আকার। আদিশীলা ও মলের ভিতৰত প্ৰকাশিত হট্যাহেন। জমে জমে প্ৰকাশিত 'ছইভেছেন। অগ্রিম ভিক্ল ে টাকা, আদি দীলার क्षिमा द्रा

## **क्रिटेन्ड मा महान**

**এই প্রায়ের এরূপ অভিনব ফুলর সংখ্রণ আর** কুতালি आकाणिक देव माहे । जान्यक क्षाकारमञ्जू व्यवस्त वनास्त्रास, ভাষা, ক্ৰাস্থ্য, ভৰা প্ৰভৃতি সহ খণ্ডে বঙে প্ৰকাশিত क्रेबार्डन। मून माठा चकरत उतन काउन चाउरभयी कृष्णाकारक काला क्षेत्राटक । मृत्रा २॥ । छोका । समीग्रा व्यक्ता ७ दर्शकीरम्म श्रांस्कगरगत भरक ॥ । हाका ।

## জীমন্ত গৰাৰ গীতা

-- জিণোড়ীর বৈক্ষাচার্যা অপ্রায়ত স্থানিকচ্ডামণি **্রিজনাধ চক্রবর্তিন্দুর গোস্বামির্ভা** সারার্থবনিণী টাভাগবেতা ও ক্রিক্রিজিবিনোর ঠাকুর-প্রেণীত বিগিক-प्रसन् मानक कानाकामामहिका। व्यथाप्रकृती, भाकृकामस्य स्ताम-स्टी विवत-रंटी, अर्च कारतंत्र कीवनी व व्यवकानिकापि मह-काच्यावियम-मह फेड्ड्ड माधारे कृषीय लक्ष्यमा--- व रे ताव त्ररकार्त्वक क्रिका के क्रिका प्रोत्त, शांपश्चित शरवत्रन-->8 -श्राक्ष मधि ।

## শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

ওঁ বিষ্ণুপাৰ আশীৰভাকিসিভাস্তসর ঘটা भाषामी महातादलक दाई व्यविका विस्तर्भिने कीवाश्चयक लाएकामिनी क्रक-काक निकासायिमी कीवल वानीत मूर्छ-विदार-देवकविष्कान्त-त्रक्यानान् दकोन्त-मान्त्राताम् বৈচৰবিজ্ঞানাগায়ের মৌলিক তথা-পঞ্চরাত্র ও ভাগাংতের गमगत्र खक्र- महासन-सीवनहित्र छ-निकाक-हिन्तागहिताल व्यक्तिमा, क्या क वितृष्ठाविष्क । व्यक्ति करकत्र चावित्त विविधानिक-विविधानिक-विविधानिक-विविधानिक श्राह्मणात्र विविधानिक श्राह्मणात्र विविधानिक श्राह्मणात्र विविधानिक श्राह्मणात्र विविधानिक विषयिक विविधानिक --- मचस, अख्टितम 'ख क्यासाकन खावत निकास गम्छ ।

> ১। প্রথম খণ্ড—বৈক্ষবদর্শন, শ্রী ওঞ্জর, কাল भर्ष. श्रीमध्याविकार. केंद्रावंडामती, लाकताब्रिकी मेंका ও বর্ণ-বিচার, আত্মণত্ম ও মনোধর্ম, ভীটেডভুদের ও তাহার শিক্ষা, অপ্রাকৃত সহ্রধ্যা ও প্রাকৃত সহমধ্য প্রভৃতি বিংশতি সংগ্যক রব্লে স্থানেছিত। ভিকা মাত্র ৮০ বার আনা।

**১ ৷ দ্বিভীয় শশু—ভ**দা ও ছিলা ভক্তি, মহাযোৱ লেইতা কোধায়, সামার নিত্যবুদ্ধি, ফিল্ট সামিপাদ ও माप्राचान, धीरनीत-निष्ठानन्त्रश्रभ्य, जिल्लान्य पर्य । इ.स.-कालन, शिवामश्रकाय श्रीमधानतद्वत की देत. आर्थात-ধামের মতিমা, মতাপ্রথাদ, জ্রীপোনিন্দ, উল্লেখ্যন্ত কম-थन, औषणी तुरखायननिमनी, छोटे छाउल मग्रा, दर्शातकाना ও রক্ষস্থীর্ত্তন—১৯৮৭ অপূর্ব মধুরিমাপুর্ণ-বভুতা-বিভূষিত। ব্লু কালিছে মুদ্রিত, উৎক্র বং । সোনার কলে নাম শেবা। ভিক্ষা ১, এক টাকা যাত।

थायम । पिछीय-छा थाछ एकराव गहेरन जिल्हा । H. দেড় টাকা, ভাক ংরচ স্বতপ্ত।

## अभाष्ट्र शंचन भी छ।

গো বীয়-বৈঞ্বদাশনিক শেশর আইমিন্ লেনেব বিতা क्षपक्र काम; ६ विषष्टकिवित्सम शेक्ततत्र श्राक्षण वन-ভাষায় বিভাত 'বিৰণ্রপ্লম' নামক ভাষাযুক্ত। অধ্যায়-খুচী, বিষয়সূচী, ও প্রতি লোকের প্রথম ও তৃতীয় পাদ স্টা, ভাষ্যকারের জীবনী প্রভৃতি সম্পিত। উৎকৃষ্ট বালাই, রাজসংখ্রণ (ভৃতীয় সংক্ষরণ) গ্রন্থের किया २, छाका।

## প্রমেয়রতাবলী

टीमध्याम्य विश्वाहरून-लागेड विकादमर्गन, मन्छ छ েগাবিক্স-ভাষ্যাদি পড়িবার প্রথম গ্রন্থ। উৎকৃষ্ট কালিতে ছাগা। সুনিভূত টীকা ও প্ৰাপ্তনাত্ৰনাত্ৰনাত্ৰায় অতি সহত্রে বালকেরও বোধগম্য হইয়া পাকে। ভিকা । ৵• আনা মাত্র।

#### **बिवनही नशामग्रामा**

( প্রমাণখণ্ড ) সামুবাদ। শ্রুতি-মুত্যাদি গ্রন্থে শ্রীনব-बील्य य महिमा कीउँठ आह्न, छाहात्र भूग मः कृष्ठ छ অমুবাদ। ভিকা ১ - আনা।

## **এ** শ্ৰীনবৰী পভাৰতরজ

শ্ৰীঠাকুর ভজিবিনোগ লিখিত। পুললিত গীতাকারে পরিক্রমার স্তইব্যাদি-বিষয়ক। ভিক্ষা। আনা।

### ভাজিবভাকর ও নবছীপ পরিক্রমা

শ্রীল নরগরি চজবর্তি-ঠাকুর-রচিভ। ভঞ্জির্দাকর sহতে পরিক্রমাংশ মাত্র গৃহীত; শ্রীদীব গোখামী কি क्षकारम श्रीनवधीनवारमञ्जलां कत्रिवाहिरणन, काराहे প্তে বিহুত। ডিক্ষা । ক' আমা

खिन एकिनियान होत्रत खनी है। हेट्या ब्रीटेस्टरक्र भिक्रां श्राली—हतः. व्रक्षमिक ७ यग--वन ६ मुख् कीव-व्यक्ति हा एडम एडम उन्न-भाषन निर्वद्र--थारा बन-उप, क्ये-কাও, আএমাদির বিচার – বৈনী ভক্তি, ভাবভবি 💌 (अम्डिक्स नामज्ञन-अशाली 'अ अहेकालीह मीना-পরিচ্যাদি প্রথম শিক্ষাগার উপ্রোগী করিয়া সর্ব ভাষার সমুদর হৃতি প্রাণান্ত লিখিত আছে। চতুর্থ সংকরণ বাধা र होका, स वाक्षा ३५० हेक्स सवि।

## গৌড়ীয়কণ্ঠহার

**बीलो डीय देवकवललत अञ्चल कर्छ श्रंतललाश्रः** শ্রতি পুরাণ-পঞ্চরাত্রাদি সাহত-শাস্ত্রসমূচের প্রমাণাবলী विरय्विष्ठांशकरम मास्याम धन्ति । एकेब्रल देवस्थर-দিশ্বান্তের সারসময়র অন্ত কুরাণি প্রকাশিত হয় নাই। ইহাতে গুঞ্জৰ —ভাগ্ৰভ- বৈশ্যৰ – গৌৰ – নিত্যানন-মবৈত-ক্ষ-শতি-ভগবদুদ-জীব - অতি থাডেমাভেদ --- मिट्टिय--गाधमक्रिक--- दर्गनम्-- माध्य-भर्म - खक्रमाक -- শ্রীনাম -- প্রয়োজন ও প্রয়া- ভর্মানি পুথক অন্যায়ে মুবুহৎ মোকালি সূচ্যানত উংকৃষ্ট এণ্টিক কাণালে এঞ্জ शह आह अन् १ शहीह मुल्ला । छिला २८ छाका माला।

## জীনগৰীগ্ৰাম-গ্ৰন্থাৰ্গী

শ্রীমদভিক্তিবিনোৰ ঠাকুর রচিত বিন্মাহাত্মা-শাম-মাহাছ্যের সালাদ প্রমাণ গও—প্রীণ নরহ্রিচক্রবর্তী ঠাকুরের গাম পরি ক্রমাংশ-জীবান নব্দীপ পরি ক্রমা-জীথ-যাত্রা প্রতি-শ্রীমৎ প্রবোধাননকত নববীপশতক্ষ-শ্রীমন্ত্রকিবিনোদ ঠাকুরের শ্রীনব্দীণ ভাবতরঙ্গ প্রভৃতি গ্রন্থ একর ভিক্ষা ৭০ আনা মাতা।

## শ্রীছবিনামায়ত ব্যাকরণ

শ্রীকীব গোষামী প্রভূপাদ-বিরচিত হতা ও বুভি, তৎসঙ্গে ওবিকুপান তীমছজিনিদায় সর্মতী গোষামী মহারাছের বিশ্বত ভূমিকা ও স্ঠী প্রভৃতি সহ। অপ্রত্যাশিতভাবে হলত। ভিকা ২, টাকা, ছাত্রগণের भएक ३॥० छ।का माज।

#### বেদান্তভদ্দার

শ্রীমভামান্তথাচার্য্য-রচিত। বেরাছের বিশিষ্টাবৈত্যাদ-প্রচারক শীভাষা প্রণেশে মাচার্যাপ্রবর বেদাস্কর্দন পাঠের উপযোগী করণার্থ ।ই উভম করিয়াছেন। ইফাতে वशास्त्राम ७ एडीभजामि मः स्माजिक कत्रा द्वेतारक नाम बाक किया। व्यामा।

## শ্রীচৈতক্রচন্ত্রায়ত ও সবদীপশতক

भौतपार्वम जिम् की व्याप व्यापानमा गुरुषकी व्यापेक মূল, প্রেদুগাদ ভীমদ্ ভক্তিসিদান্ত সরস্থী গোসামী মহারাজ मण्यामिक व्यवसम्बद्ध वाष्या ७ वकाव्याम भवनिष्ट। নব্দীপশতকের শীন্তজিবিনোম ঠাকুরের প্রদায়বাদ 👁 ए दशह श्रीमचहात्वान्त एकी जिल्लाकिए भागीकि किय लाम्ख इहेबाट्ड। मूल्ल ७ कांगम उरक्रें (२ बाना একতে ) ভিকা ৮০ আনা, অতি প্রমা বাধাই রাজসংকরণ ১ , ठाका बाज।



ত্রীমং জিবিলোর সাহর-প্রবিশ্ব। এই একমাত্র প্রস্থান্তর জান কাও কলিলে পারমাথিক রাছো বিভূত্তেই অভান বা নংশয় থাকিবে না। পরম গুড় গলাবিষয়ক এই-কণ সারল ও জনয়লানী এর এ পর্যাপ্ত একান্দিভ হয় নাই। নিট কলোজানি শাল্প-মলোদ্ধি মহলফলে এই গ্রহানুহ উবিত্ত হইবভেন। জাবার হাবিস্ত স্থানী, ক্রপানার ইন্ডাদি হারা বিশেষ সম্ভ করা হই তে। বিরাট প্রথ, নোনার জলো নাম লেখা, উংল্লাই বিশেই —চতুর্য সংগ্রহ জিকা ২, টাকা মানা।

## প্রেগনিবর্ত্ত

শ্রীমনাং প্রের অন্তর্জ পর্যের জীল জ্বালানন্দ প্রের বির্ভিত - তি প্রথকে ক্ষতি প্রথবোধা আলার মঙাপ্রাভুর ক্ষতিপদ আলাভ বৈদ্যবাহার, একালনা ও নামভজন-প্রাণালা প্রভূতি অনেক বৈন্দ্যবাহের প্রমীমাংসা নেকিতে পালেন। পালটাকার ছাল্ড বিশ্বনার্থ ও প্রথক রাজ প্রভিত্যানি-সম্বাভিত চাতুর্থ সংকরণ ভিজা।।√• দশ কালা নাম।

#### ভজনরহ স্থা

ভর্মক । এ নিত্যক্ষী; সাক্ষা ভব্তিনিনানের সম্প্র শান; নিখিন নাজের নি এব। এছথানি না দেখা প্রান্ত । কেছ ধুকিতে পারিবেন না। চুতীন সংধ্রব ভিকা ॥•।

### হরিনামচিন্তামণি

নামান্ত্রে শ্রীণ হরিদাস গৈকরের মূপে শ্রীমশ্বহাপ্তাভূ শ্রীনাম-মাহান্ত্রা, নামভোস, নামাপরাধ প্রভৃতি বিধরের মাবাটীর বিচার প্রথণ বারিয় ছিলেন। তেই বিষয় গুলির শ্বাহি সরল প্রারে মণি ও সংগ্রাহ গ্রিগ্রেউভাবে মুদিত। শ্রীন ভিডিতিশের গাড়িব রচি হ। প্রথম সংক্রমণ ভিক্ষা ৬০

#### কল্যাপকল্পভক্ষ

শ্রীমন্থ জিনিনের ইন্টের বচিত। প্রত্যেক ভগবদ্-বিশ্বনী ও জানগগের প্রথিকেন একান্ত প্রয়েজনীয় উপদেশালগীপূর্ণ ইচিডিএড। সামান্ত লেগাপড়া জানা প্রেক্তে টেডিএমন্ডার ইচিডিয়ন্তের দাবা অন্ত্রিক্তি ও জগন দেবা লাভ কনিবরে স্থানির পাইবেন। য়াই সংক্ষের্থ, ভিশ্ব ৴ ০ আনা মান্ত্র।

#### শরণাগতি

জীলন্থ কিবিনোল সাধ্যান্য চিত। ভগবানে আত্মমন্ত্ৰ, বিজ্ঞান্তি, ভক্ষালালায়, ধড় বি । ধর্ণাগতি ও সিদ্ধি লাল্যা-বিষয়ক গা. হতুনি, ভিজা ৴০ আন্য মাত্ৰ।

#### 'নাঙাৰলী

-শুসিকুর ভভিনিনেদ-এনীত। নিত্য ভজন, স্বারাত্তিক 'শু প্রদাদ-পেৰনাধি-বিনয়ক সমূব গভনমূহ একতে এপিত। ভিন্না ৴৽ আনা ৰাজ।

#### শ্রীসকর করা ক্রাক্র

রসিকেন্দ্র কুটমোলি জীস্থিসনাথ চক্রবাড়ী ঠাকুর-বির্চিত রস্প্রায়। জীম্মাঞ্জিবিনোদ ঠাকুরের অভ্যাদ-সহ। ভিক্ষা। আনা মান্ত্র।

# সামিনপৃথ্য:

শ্রীমন্তাপ্রান্তর শিক্ষা ও শ্রীল রস্থাপ স্থাস গোলামীর প্রতি শ্রীরূপ গোলামার উপদেশবাদী, ভক্তিগথের অন্তর্গ ও প্রতিকৃল বিশয়ে প্রিচারিত সংলাদন ভাষা, বিস্থৃত বিবৃতি, চরিভায়তের প্রমাণ, সাম্ম ব্যাথ্যা ও মহাজন-প্রণীত ভচ্পণোণী গীত্মমূহ প্রভোক লোকের সহিত্ সরিবেশিক হইছাছে। তম সংক্রণ ভিক্ষা ৮০ আনা।

#### সাহন-কণ

ভীবখুনাথ দাস থোকানীর মনঃশিকা, শ্রীণ ঠাকুর ভিজিবিনোদ-চরিত পঞ্চাহ্বাদসহ। ভিজা /• আনা ।

## প্রেমভক্তিচ জিক।

শ্রীণ ঠাকুর নশোক্ষার স্থানিদ প্রেমছকিনিংয়ক গানের প্রক। নিকা 👉 মানা মারা।

#### ন্ববীপশা ভক

শ্রীল সাকুৰ ভক্তিবিলোদ-রচিত শ্রীল প্রবোধানন্দ সরস্থতীপাদের সংস্কৃত নব্দীপশতকের স্থালিত প্রান্ধবাদ। ভিকা ৴৽ মানা যাত্র।

#### অর্থপঞ্চক

প্রীল লোকাচার্যা রচিত। বৈক্ষতে ভানের আকর পুত্র। ভিক্না /- আনা মাত্র।

## সদাঢারশ্বতি

শ্রীল মধ্বাচার্য্য-প্রাণীত। বৈশ্ববের নিত্যকর্মাদি সদাচারা-বলী, ব্যান্ত্রাদ প্রতিও। ভিকা ৴৽ আনা মাত্র।

#### মণিমঞ্জী

ক্রিকুলকেশরা **শ্রী**মন্নারারণাভাষ্য রচিত। শ্রীন্মধ্য চার্য্যের সংক্রিপ্ত ক্রীধনলীলা ও মূল বৈক্ষরধন্মত। সামুবাদ ভিজা। অনা মান।

#### ८भी बक्र स्थानश

প্রাতীন কবি আংগাবিন্দ দেব প্রণীত প্রীণৌরাবভারের প্রমাণাবলী-সংবলিত সংস্কৃত হছ। ভিক্রা ৮০ আনা।

#### युक्तिमञ्जिक। ( श्वनदेशीत्रक)

শীমধ্বসম্প্রনাথান্থগত শীমবাদিরাত সামিত । বদাদরে সাহবার এই প্রছের প্রকাশ পরেমাতিক গাহিত্য-ক্ষণতে এই সর্বপ্রথম। শীমবাধ্বাচার্য্য চইতে সেড্শাগন্তন বিভীর মধ্বাচার্য্য নামে থাতে শ্রীনাদিরাত্তীর্থ স্বামী এই প্রছে সাধারণ বৃত্তি ও গৌকিক স্থায়াহ্যারে কিন্ধপ স্থলরভাবে ভব্তি-বিরোধ-মতবার সমূহ পশুন করিয়াছে, তাহা পাঠ করিতে করিতে কান্ড্রান্তি হইতে হয়। ইতাতে মৃক্তির ধারা চার্যাক, জৈন, বৌদ, মামাংসক ও মাঘাবাদিমতসমূহের স্করে বশুন রহিয়াছে। ভিগ্না ্ টকো মাত্র।

#### গোৰামী শ্ৰীল রঘুনাথ দাস

(ওঁ বিষ্ণুগান শ্রীন ভক্তি নির্মান্ত সরস্থতী শোধামী প্রান্থান-নিখিত ভূমিকা নং ) গৌরপ্রের অরপ-রপের কেমাত্র প্রিয়ত্তম শ্রীন দান পোস্থামী প্রান্থা অপূর্বা চরিভান্ত ও শিক্ষা আভীব প্রান্তান ও নুরল ভাষায় সরিবিধ থবং পরিলিক্টে দাসগোম্বামী প্রান্তর বির্মিট্ড ক গ্রুটী সাম্পুরাদ মধুরতম ত্বৰ ও মনঃশিক্ষা-সম্বাহ্ন । ভিন্দা বালাই॥• আনা, আষাধাই।৮/• আনা মাত্র।

# চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাচীন নবধীপের অবস্থিতি, তথা, ঐতিহা, শ্রেড ও ঐতিহানিক প্রমাণস্থলিত নয়টা বীপের সৃষ্টিত্র, বিষরণ-গ্রন্থ। রাজবি রাজসাহের কুমার শ্রীসুক্ত শর্মার কর্ম্বক নার এম, এ, প্রাক্ত (লাহোর), বেগাক্ত্রণ মহোদর কর্ম্বক সকলিত এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন বর্ণের অপূর্ব চিত্র ও মানচিত্র-সময়ত ; প্রাচ্যবিদ্যামহার্ণর রাম সাহের শ্রীবৃক্ত নগ্রের নাথ বস্থ বিশ্বকোরসম্পাদক মহাশ্বের বিভৃত ভূমিকা সহ। উক্তেই (ইং) মরকো বাধাই মৃষ্য ১॥•, ভিঃ পিঃ ডে ২, টাক মান।

## লাধন-কণ্ঠৰালা

গুরুবন্দনা, বৈক্ষব-বন্দনা, বৈশ্ববশ্বণ, বালালের গীড়, শীনামণ্ট্র, শীনয়চাগ্রেছর অটোওরশত নাম, অইগ্রেছর নামকীর্তন, শীনামগরীর্তন, প্রেমধ্বনি, বাউগ্যমীত, নব্বীপ-যহিমা, শীমারাপুর মহিমা, শীনারোক্তম-প্রভুর অইক মাচার্যা-বন্দনা, বড়্গোরামীর অইক, প্রেমভন্তিত জিকা, উপদেশমালা, নামভগন-প্রণালী, মহাপ্রাস্ত হার স্লামানন্দ সংগ্রাদ, মনানিকা, শীগুরুপ্রাণতি, শীগুরু-প্রক্রমার, মহাপ্রান্ত বন্দনা প্রভৃতি সাগক ও সিক্ষমীর্নের নিতাপাঠ্য, বৈক্ষবগণের কঠাপ্রিত তুল্দীমালার প্রায় অঞ্জন কঠে ধারণ্যোল্য অপুর গ্রন্থ। ভিজ্ঞান্ত , বীধাই যাহ মান্ত্র।

## গৌড়ীয়-গৌরব

কলিকাতার হাপ্রশিদ্ধ আলবার্ট হলে গৌড়ীয়-সম্পাদক শ্রীপাদ অসলানক প্রতিন্যাবিনোদ-প্রেমন্ত বক্তার বিষয় গ্রন্থকারে প্রকাশিত। ইথাতে গৌড়ীর বৈক্ষসম্প্রদানের ইতিহাস হাজাকারে গ্রাপিড হটনাছে। জিলা কি থাকে।

#### গোড়ীক সাহিত্য

কলিকাতার স্থপ্রসিদ্ধ আলবার্ট হলে গ্রেণ্ডীর-সম্পাদক শ্রীপাদ স্থলরানন্দ প্রবিদ্ধাবিনোদপ্রাত্ত প্রদেশ্ত বস্তুতার বিষয় এতাবারে প্রকাশিত। ইহাতে সাহিত্য-শন্দের অর্থ এবং গ্রেণ্ডীয়-সাকিত্যের বিষয় স্ত্রকারে বর্ণিত হইয়াছে। ভিকা ৮০০ আনা মাত্র।

## औरगोड़मधन পরিক্রমা-দর্পণ

শ্রীপৌড়নেশের যে সকল স্থানে সপরিকর শ্রীমন্মহার্ট, ব এবং তদহাল পরবাধী মহাজনগণ লীলা করিল নিরাছেন। সেই সাব আধুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও দেববিগ্রহানির পরিচয় সহ যাভায়াতের স্থাবিধা নির্দেশ ইভাানি বিষয়গুলি স্থাবিশ্বিভ আছে। ভিকা। আনা।

#### THE HARMONIST

## OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীণ ঠাকুর ভকিনিনোদ-প্রতিষ্ঠিত এবং আদি ভকিনিদান্তগর্মতী গোষানী প্রভূপাদ-সম্পাধিত প্রার্থাখিতি মাসিক পরা। প্রকৃশে ইংরাজী ভাগার অটাবিংশ বর্ধে ভবলক্রাউন ৮ পেলী ৪ ফর্লা আকারে প্রেডি থারে হরিনামের বিভন্ন-বৈক্ষমনী দইয়া উপস্থিত ইইভেছেন। কাগল, মৃত্রশ-পারিপাটা ও চিআমি অভীন টিভাম্বর্ক। এই প্রকার উৎকৃত্র প্রবন্ধ আর কোন মাসিক পরাধিতে দেখিতে পাইবেন না। বার্ষিক ভিলা ভারমাত্র্যাস্থ এটাকা মাত্র।

अर्टिक्कणगठे, त्यार विमासायुक्त समीका

# বিশ্ববৈষ্ণৰ রাজসভার শুদ্ধভিজ্যিঠসমূহ

बिटिल्ल्य मर्ठ

মইবাজ

अक्षेत्र अवस्थित, काकवत्र श्रीभाग मात्रासूत्र, मनीता

**এছিলারেরিটিট কটার প্রায় ৩০ বস্থা উত্তর-পূর্বে প্রিরম্বপর্যে আচার্বায়ত প্রিচন্ত**-द्यान्त-क्रमुक्त क्रिक्रिक्टक-मठ विद्यालमान ।

बहै शांत मान्यक-शेर्य, भवनिकाणीर्ध वा मायक कक्षणवृती । को महाशिर्य खिर्णान-आश्चा ह बार्क क्यांकि-द्वशंक्षमक्त, नश्चिक्षक मतार्थक कावा, माठेक, जनकात, कथा প্রাধান-উপ্রিষ্থ-প্রিতা-প্রান-প্রস্থান-ভভূতবের মধারম ও অধ্যাপনা এবং তথার প্রতিদ্র-নৌরাল-লাভ:অ্-০া-লিভিগর ও সাত্ত সাত্তাদারিক-আচার্যা-চতুরর উচ্চাদের উপাস্ত विश्वत्वत्र मृश्यि विष्यु त्मृतिक इनेट्याइन । अने म्रेशाक भाग्याचिक देवनिक्शव मायक-नक्षावरिश्व व्यक्तमानक क क्रवाहीन अक्ताकि अहात करता 'नतीयान्यकःम' यहानव **অভিত ভর্তমানের অভিবংশর ঐগাম-পরিক্রমান্তর্ভান ও অগণিত ভজ্জগোট্টগ**চ कीर्यंत्र क्षात्रकृत्य महामर्श्यस्यापि कसाम महिक वर्तना थारक। वक्तक-अवनात्री অশাদ মহতরিত্রী। সক্তাদী--- অশাদ বিনেদেবিহারী রক্ষচারী, পশুত প্রপাদ গোলগাস अवहांती बावत्रमधीर, किलाव बीवहस अवहाती, शिख्य विवानवासम अवहाती, . अपूक समीरवालाल बरम्यालायात्र. शिक्टककाम वान तकाती वामून नव्यस्मानन । क्षित्रियां की अश्राक अभीन कीर्य मशाम क्यारा वित्रक्षा कीर्तन कति करिक्ता

## (৩) ঘোগদীঠ তীনন্দির

बार्ड ज्ञान व्यक्तिमानाथियास अवन वा श्रीक्षणका आविश्वान-कृषि मकारवान-नीर्छ। जनात्म श्रीनची श्राम व श्रीतकृ-व्याबामक जीटबोडमाबाहर अवर क्रिटेडफमा 🖜 श्रीवाकृतका निका त्यना छमा श्रीनक-करबंद दगरा वर्डमान । समय---(माय-माबाद्य (मायामी क्यांशर्य। बायू क्रीमभा साम । मरकारी विनिक्तामण अवनानी, विश्वयात अवहाती । जैतायनवात जाति-कारी, द्रायमंत्रा क्षेत्रावस्त्रमः।

## (8) **2419-189**

**श्रिक्शकाक्षक कोर्ड**ल-विकास वा ब्रिश्मीपनीणात प्रामक्ती । जनादनं विकाशिक विकारमण क शक्करक्त त्मना वस्त्राम । क्षा क्रिलाक्षणकाम वाचाकी।

(१) जटेवंड-च्यम क्ष सारम क्षेत्रक अकृत करन करर **्रम्भः सम्बद्धाः ।** 

भारतिक समितिकामानि न है कार्तिम शाबाजक, शायमगुक्त (गरीमा) Biewing naife : www.musial Bfecafefesiel i

(१) चात्रम प्रवर-सूक्ष क्रिकार्यक, चन्नानग्रह ( मनीक्रा ) wine diegen Bet wiefernnargen auff auf Mentennius aut Alleini-क्षांचार्थ क्षाया पंचाया

क्षण-विष्युत्र सामग्र सम्बद्धी 47, 44, 44

## (৮ श्रिक्शकाय दशोकीय वर्ड nanafnes t

রক্ষক— শ্রীবন্তবর ভবিদাল্লী এম, এ. বি. এশ. সংকালী--- এটাউদ্বাদাস ভাজি--माडी, औरेक्क्रम अधिकाती क्षत्रकि ।

(>) औटगोत्र-गमाधव-मर्क টাপাত'টী, সমুদ্রগড়, ( সম্মান ) 🕮 म मानी नात्यव अ ि 🕫 अरे तमामामत-

( ) • जीक्रभःगोष्ठोग्र-मठ माताशक, शकाम केडे, लि क्षण क--- छेर्ड दिशाम बन्दाती, छैकुग्रामध उष्णाती ।

#### 

মাউপাজি, জামগান, বছমান। 💂 গাসবিভার ঠাকুর বুলাবনের স্থান। इक्क-- अवस्थिताते उपनाती । (১২) ভাগৰত আগ্ৰ 🕮 भारतक (व्याप, क्रमानमञ्ज, नकीशा । वक्र--- श्रीमहानक बन्नहारी।

(७७) 🕮 এकाम्रन मर्ड CBIम राष्ट्री, (प्रावाक्षी, क्रकनगव, नवीवा । अक्ष --- ने बड़गानस उपहा ती

( ১৪ ) अभाष्य ८गोकोन्न मर्ज >+मर नवावण्ड क्षाक्, हाका। भृषास्त्रक व्यक्तात्र-रक्षक, श्रवादन खी यह-दशो बाक्ष भाक्ष्या-भित्रिभटत्र प्रत्या वस्त्रमान । क्ष- अश्वाधायम् अभवागी ।

. (১৫) औदमानामानी पर्व क्यम्। भूत्र, छान्।।

🦪 देशांशांश्योत छ।विश्वस्तत छ।ठीम स्मया अक्षर--- श्री शांग्रानी ।

(२) बिटगोड़ी अ मर्ठ

১৬ वर काणिव्यमान ठव्यवर्की ब्रीहे, (भाः शत्रशाबाद, क्रिकां हा । : छिनिक्सान वि. वि. 855€

क्रियका शब्द व्यवस्थित क्षतिर्थन क्षतिर्थन क्रियम-अवस्थित स्वीक्रास्ट्रमा नवावाया মগ্রী ক্লিডাভার প্রতিকিবিনোর আসনে প্রমত প্রতিষ্ঠিত আছেন। এই তথ-मुख्यावादम श्री शक्-त्योत्राष-श्रीविद्यामानक क्योंडे मुनाबंदम निका द्याविक क्या । श्रीकीक काहार्वाश्वर्तात यावसीत श्रष्ट्रावनीत श्रश्रहात्त्रात्माम स्थिमकं मरणव अवसी श्रवहर मुखा-বস্ত্রাগর সংস্থাপিত চুট্ডাডেন। পুথিবীর সম্বত্ত 🕮গৌরনাম-ক্রচারার্থ এট মস্ত্রাগন্ত क्टेंटि '(शोधीय' माखाविक भवा, मि स्वयमिट मानिक मविका देश्यामी कांबाद मिथमिककारव क्षाक्तिक व्हेटकाक्त । विभाग्ने शांके महीक्षेत्र, मध्यक्षात-व्यक्ति-द्वास, প্রাগণত, জ্রীতৈভদ্র-চরিভাম্ভাবি-লীলা ও ভ্রমত্বের সমাক্ আলোচনা ব্রৱ थारम । मठेत्रक क-- आठार्गाञ्चिक जीनाम कृष्टिवहात्री विश्वाकृष्ट । महकात्री--निक औशाप क्रमञ्चराष्ट्राप्त প्रविश्वाकृष्य वि-व, लीशाय क्षणवानक প्रविश्वाविद्याप वि-व, खीनार क्षानविश्वती उक्ताती. श्रीनार क्षण्डावन रामानिकांती विन्ता, श्रीनार **क्यामान नामानिकारी. उच्छारी श्रीकीखनानक, उच्छारी श्रीमाहीसाहन, उच्छारी** প্রীক্ষণনশ্ব ভক্তিবাল্লী, বশ্বচারী প্রীবেবকীনশ্বন, পঞ্জি জীপা নবীনক্ষ পরশিক্ষাশহার ভক্তিশার প্রভৃতি।

(১७) जीनमारे-दनाः । म मर्ठ হৰিছকি প্ৰদায়িনী সভা, বালিছ 5141 श्रीभवाडे-(भोदाक्षिक निष्टा (भवा রক্ষ - শ্রীপূর্ণ প্রজ্ঞ রন্ধচারী।

## (১৭. शिकाभव उक्तमामक मर्ड

फिकामधा, वाक्ष्यविश्वत, व्यक्तिशिवत । ध्यात ने छक्-त्याताक-माक्रिका-াগবিধারীর নিজাদেরা বস্তুমান। মুক্তক-अन्यामी जीवनगमनागणी। उच्छानी नवामन

(১৮) जामनार्याणा अशवान्यव वाष्ट्रवाम (भाः वर्षश्रम।

खी सक्ताताल-खीन क्रिक्न भित्रियाकीत निकारमना। तकक--अवनामी और्बाद-किटमाव।

## (১৯) औश्रक्तरवासम मर्ठ

वर्गकार, मुदी, छेड़िका। बार्यात औरशोब-विस्तामभागवकीय जिला-ভাগৰ • দিছাত্ত প্ৰস্থাবলী প্ৰচাৰ-কেন্দ্ৰ। বিদাৰ বিষয়ন । বক্ষণ — বক্ষচারী শ্ৰীপরমান नम विद्यारण, उक्तारी जीनदीधानक।

## (२०) बीजन-८शोखीय मर्ज

व्यागवत्रभाषः, अवागित्रं दशाः, शती । व्यवद्यार्थाः विश्व व्यववाद्य व्यवद्य क्रियाः WORLS ! वक्तक--- वक्तकात्री क्षेणवरमध्ये क्षांवसी। अवकाती-बच्छाबी श्रीविश्वितिहाती।

## (२১) क्रेजिकिकामण वर्षः

प्रेडियानाचार, एकेन । mutte Bun-chine-feinegus-.सीव्र निकास्त्ररा सक्ष्यात् । उक्तक---बच्छादी जीनगरन

## (२२) बीननाडन-शोहा वर्ड अन्द प्रशासन्त्र गृता, कानी है (शाद-भवाष्ट्रपुष्ठ मनाजन-मिकायुक्तः।

व्याप्त शांत्रभ्या बढ्यान । क्रक्-श्रीमानकोनापमी ।

(२०) ञैक्कदेहज्ज स2 औन भरत्राम कुछ, औषाम बन्धावन । 🕮 बैराधा-खण-स्माहनकोत्र स्मरा ্ৰফৰ-- শ্ৰীগণণছিলাৰ ব্ৰহ্মচাৰী

( - ८) श्रीश्वयद्दन वर्ष निविधानमा, मीकामूक

এখানে শ্রীভাগবত গাঠশালা • ত্ৰীগোর বিনোল বিশাস্থীয় দেবা বস্তমান। क्ष्मक---अक्षाती खेनुनिरशासक क अक्षताबी ञ्जीनसङ्गाम ।

### (२४) औरेड्डग्रदशोष्ट्रीय वर्ड

कृत्वक्था, क्रिक्चा, बामक्य। देश वीटे ७ छ - नरह वाचा । वसक -- वीवसः नाथ बाद, व्याप्तनभातम् अवहाती । जीवान कीथं दश मितिहा ।

## (२७) गामदशोकीस सर्व

कुक्टकाव, बारनस्त्र, कवान । अवादन और्शोवनिस्त्राह्म-बास्यक दनवा वस्त्रमानः। दक्त-अवधारी विश्वमन्त्रको ।

(২৭) আঞ্চপাড়া প্রপদ্ধাশ্রম-মঠ ত্রাহ্মণপাড়া, পোঃ মাজু, হাবড়া

क्षवादन वक् क्रुक्त्रभृष्टि औरशाबादमञ्च दशवा वर्षमात । दक्क---अवनामी खोळानकक-बान, खोडाबाइमन अक्टाती।

(२৮) विद्वा (भाषीत्र मठ-कान्यालक

क्षेत्र कामात. निके विक्रो । वक्क -- जिन्छिकामी अम्बद्धिः मुक्क शिवि म्हाताल, श्रीवादावसप्रव्यक्ष

(२३) भाषानगामामनबास्त्र वक्ष-जकात्री कीश्रासाम्ब

## বড়লাটের সহিত আহলটিলা धानरम (मञ्जूनम

भिमनात्र ३० हे त्यत मःवादम शाकाम, गाउरन जागडे मामत खलम मशाह রাষ্ট্ররূপ নিরূপণ কমিটীর অধিবেশন হটবার সভাবনা। মহাত্মা গান্ধী এবং রাইজণ'নিজ্পণ কমিটীর কভিপয় সমস্ত कराकेभिरनत मरशके निमनात्र आधमन कतिरवन । जाहारमञ्ज नाज जहाँ छहे निः ডনের বে সমস্ত কথা গাড়ী ছইবে ভাহার উপর অনেক কিছু মির্ডর করিভেছে। মহান্মা গান্ধীর সঙ্গে সম্ভগতঃ নম্বৰুল বেজা আসিবেন। ভাঁহার আল্মনেন অবাবহিত পরেই রাষ্ট্ররপ নিরূপণ কমিটার সদস্তব্য **এकं এक जागिराना। जुनारना मर्गा** মেমাদের শেষ সপ্তাতে আফিবেন হির कत्रियाकित्मनः; किन्द्र द्यान रात्रा याहे-তেছে, ভিনি ভাছার অনেক পুর্শে व्यामित्वना कात्रन, ताहुक्त मिक्रलन ক্মিটীর সম্পর্কে এখন অনেক বিধয় আছে যাহার কন্ত উচ্চার পরামর্শের দরকার हरेकां। **ज़शास्त्र नवारवत शांत्र मर**≢ সদেই আসিবেন বিকানীরের মহারাজা, সার জাকবর হার্যারী এবং সার শিক্ষা ইন্মাইল। সার তেজ বাহাত্র সাঞ্ मात्र महत्र्यन भक्षी, मात्र श्रुनाकान व्याप्यन खर की एक क्षत्राकत २०१म स्म'त कारन সিমলায় পৌট্নেস বলিয়া আশা করা যার। ক্লবি গবেষণা পরিষদের পরি-চালক নমিভির সভা সম্পর্কে সার সি, পি, রামস্বামী আয়ার এখানে আণিয়াছেন, ভিনি ছুই ভিন সপ্তাহ সিম্বায় থাকিবেন অক্সান্ত গাঁহারা আসিবেন ভক্ষণ্যে সার व्यांनि देमाम এवः छाः बानमात्री व्यक्टम ।

## भारेबाक्षात्र प्रक्रिटकत्र काश्वयम्

÷ গাইবালা মহকুমার **তঠিকের ভা**ওব मुट्डात मध्याम एक्यात माकिट्रेडे, किछातीय कविश्वतात्र '८ महकूमा बार्गिन-(हें मकला विकास वारामा । धारामा, মহকুমা স্যাজিটেট এযাবভকাল ভিন লক টাকা কুদিখণ দিবার জন্ত গ্রথমেন্টকে অমুরোধ করা দৰেও প্রার্থিত ৰূপ প্রদান্ত इश्र नाहे। भाग गाउठतिन शकात ठीका विक्रिक्शारम अन (मध्या व्हेशारक । देशां এত সামার যে তদারা গ্রামের অতি অল সংখ্যক বাড়ীই উপক্লত হইতে পাড়িয়াছে। অনেক থানার এলাকার এলাকার কোনও সাহায্য বা ঋণ দেওয়া সম্ভবপর হয় নাই। সুন্ত্রগল্প পানার এশাকাধীন ক্লুবক সাধা-রণের অবস্থা অভান্ত শোচনীয়। অনেক क्षारम करहाशत शहस्राने इतिन क्षत्रके धकरवणा शहरक भाग मा । क्य वक्ष क्लाफिन विवय धहे त्य, **व्यास व्यास** 

क्रिन नारे। दिल्ला करे क्रिन হর্ভিক্ষের এতাদৃশ তাণ্ডৰ দীলায় প্রাথিত जिम गक्क ठाका स्ववि अन छाड़ा अ तिनिय अश्वाकरमञ्ज क्षक भवर्गामा जिन्हे करू-কাশীন দান কি দেখের লোক আশা করিতে পারে না ?

## युद्धानीदवव याष्ट्रका

মাজাৰ ও সাউথ মারাঠা রেণওয়ের মিঃ দে; এ, ব্রাউন নামক ফটেনক কলচারী কিছুদিন পূর্বে আয়হত্তা করিয়াছিলেন। শহুতি তাঁহার মৃতদের সম্পর্কে করোনার আদাশতে ভদন্ত লেন হইয়াছে।

া করোনার ভদন্ত করিয়া অবগত হয়েন त्य, भिः बांडेरमन्न चान्न। किन्नुनिम इत्रेटन ক্ষুধ্য হইয়া পড়িয়াছিল। তিনি ভাছার वन्नारस्त्र निक्रे ध्वकान कत्रिवाधितन्त्र त्य. তিনি আর বাভিতে ইক্রা করেন না। > **ঘণ্টা পরেই দে**খা বায় যে তাহার দেহ কুভম নদীতে ভাগিতেছে।

## ভারতের ভরিষাৎ

প্ৰায় 'কেপ্ট্ৰী' নামক মান্ত্ৰী প্ৰিকা विविद्वार्ष्ट्रम (व. ५६मारम (य. मकित मुह वडान चारक, छोटा यभि वार्थ हम धनः (नाम (हेविन देवहंटकत्र धाछान १ विम क्रिक्न इहेबा याब, छाटा इन्ट्रेंग बड़ खोरन भवका माफाइटव । क्षुष्ठताः देश्य ७ ভারত এই উভৰ দেশেরই এমন চেঠা कता मत्रकात याङ्ग्टि छहे विश्रम ना घटि। दमक्रम कतिएड स्टेरण गर्भ आत्र-উইনজে ইংলভের ও মহান্মা গান্ধীকে **ভারতের প্রতিনিধিরংশ** মামিয়া লইরা কণাবার্ত্তা চালান উচিত এবং ইইারা **উভয়ে যে निदारत उ**त्रनीड इट्टन, त्तर निकास तन পार्लारमणे मानिया शहरा আইনে পরিণত করেন 🖯

## লাকাণায়িকভার বিশ্বময় কল অভ্যর্থনা সমিভির চেয়ারম্যানের **<b>कथ**1

লাফোরে পার ১ই মে শঞ্চাব ও গীমার হিন্দু- সন্মিদনের ' অনিবেশন 'আরম্ভ **ষ্ট্রাছে ৷ অভ্যর্থনা সমিভিন্ন চেয়ারম্বদান** হার বাহাতর রামশ্রণ গাস বস্তা প্রায়ে যালেন, বাছায়া শাস্ত্রি:ও নিজ-প্রক্রমান প্রহাল ক্ষেত্র বাহারা বিভিন্ন স্ভানারের মণ্যে সন্ত্রীতি ভাবের প্রতিষ্ঠা করিছে চা'ন, সাম্প্রদায়িকতার উপন্ন উভিডিড বৈ সামস্ত্রশাসন সেই সামস্ত্র-শাসনকে ভাষায়া কিছুতেই বন্ধ করিতে

नाहे हेहा बना यास ना ; अल्ला >>> रहेश वार्कात जन यास मानदक व्हांस খুটান্দের পাল ামেন্টের প্রতিশ্রুতি অনুসারে কাল করিতে হইলে সম্প্রদায় বিদ্যুত্ত শ্রুতিনিবি নির্বাচনের প্রধা দুর করিবার माकिक बंडीन मत्रकाटबत्र ।

্ অতঃপর তিনি এই সম্পর্কে আর करमक्षी कथा क्षिया छोहात्र बद्धत्वात्र উপদংভার করেন।

## **होनाहरल भागाजना**न

পুলিন গত ৮ই মে প্রাতে মোজার জীয়ত থামিনাকান্ত দাসের বাটা ও পর-লোকগভ, গয়ানাথ রার চেট্যুরীর দোকানে थानाच्छान कतियांचित्वन छुत्र ब्रह्म हरत्र ডাকাজি সম্পর্কে। পুলিশ বদীয় প্রাদেশিক কংগ্রেসের ভুতপুথা সম্পাদক ই যুক্ত গিরীক্সনাপ শাস্তি গ্রানাথ গাবুর পুরবের গৃহ শিকক খ্রীত মতিগাল বিখানকৈ মন্তবিভিন্ন ৩৯০ হারা জ্যোনালে ८ अक्षेत्र कतिशास्त्र । चामाञ्चास्य ८काम. ९ गालक सनक किছ পাতमा गाय नाहै। कुन: बाष्ट्रेट्डर्ड, घंछेनात भन्न शित क वाब काकेस कार्यकः कार्यक्तरतः कारिन्द्र Cमनी कि Co एम काताम ७ एकान किंतरक-

ুর্দ্ধিয়া চর ভাকাতি স্পাধে যে मृतकविश्वदक हेन्छ:शृद्ध दक्षश्रक्ष क्षाः হইয়াছিল, প্রায় ২ মাস পুনের ভাহার। ত মাদ হাবতে ছিল।

## নিৰ্কাসিত ভারতবাদীর नामरनार्ड च्यास

মি: লৈলেক্সনাথ খোৰ গভ চৌদ বংগর কাল নিকাসিতের শ্রীবন স্থাপন श्कीवात्रक्षेत्र मक्तित ক রিভেছেন। পর জিনি ভারতবর্ষে প্রতাবিত্তন উদ্দেশ্যে 'পাসপোটের' ( ছারপথের ) জন্ত कार्यमन कश्चिम्। क्रियाकिरणन । क्रिया छैशा भागकृत कत्रित्राष्ट्रम ।

## गाची छेरेनिः छन माकार कात्र

সিম্বা ১২ই মের সংবাদে প্রকাশ, গামীলী আগামা পরম: শুক্রনার বড়: লাটের সহিত সাক্ষাৎ করিবেন। এই नमध्यत मध्य (शालाये निम देवरेटकत রাষ্ট্রঞ্প নিজপণ, কমিটার কভিগর সদস্ত व्यानामी देवरेटकतः कार्यन्यक्तिः नवटक বরোয়াভাবে আলাণ আলোচনা করিতে-(छ्म।

## वागटम कनकात्रपाना बटबात कन जिन योषात्र व्यक्तिक विश्वास मानानहरमम अक गरवारम धाकाना

मानद स्टेट्ड वस्तरपाक अभिकार्गातारक

কর্ত্পক উক্ত থানার ওবাকার ওকানও পাজেন না । রটার কর্মচারীরাই বে এই আনিবাছে। বে নকর ফ্যাক্টরি আননিক-আমে উমেধহবাগ্য কোনও বাল বাল্ডানিক ভাবের আনুবানী করেন। করেন চলিক্টিইটুই কুটার ত্ৰ্বৰ ছালায় ভারতবাদীয় কাছ निव्। पुरामिनारक नीक्षर अरे स्मर् भागिदेशा (मध्या व्हेट्यू ।

कुक मृश्याद्वा व्यक्ति १७ वरगबुक দশিণ জানতে ৮০,০০০ শেকি প্রত্যাব করিয়াছিল।

## লাহোরে ডাঃ গুঞ্জের বিপুল तर प्राथिता

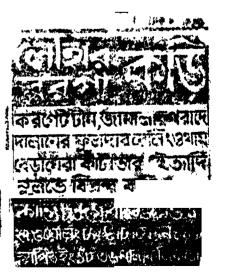
्रशाकाय हिन्सू शुत्रक मुद्रक्षण्टनम् निर्म-চিচ্চ সভাপতি ডাঃ ব্ৰঞ্জে গত ১ই বৈ मकारण सारहारत दुशीविहारक में भवनावाक िल्यू डाइम्द्रक दहेल्टन, गुष् हेर्गी, कटब लबर कृत्म वक्ष्मभाकतम् अवृत्ति भदेश द्वाराकः পুলাবালে। বিভূদিত কুরে। 🥠

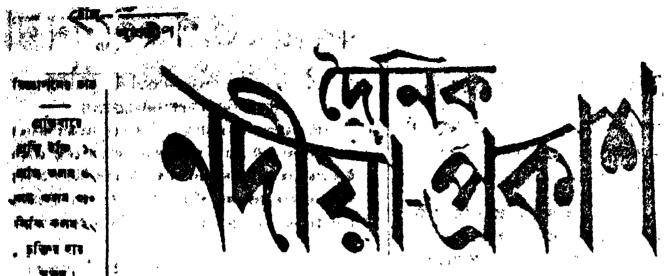
## বিশা লাইনোলো ৫০ হাজার : 'টोकात **क**हिटम्स

বিনা পাইসেলে ৩০ জ্যোক টাকা মুক্ষের- অধিকেন রাখিবার অভিয়োকে भ्य भियम, हुड्डा लि: e carein caeril. क निकारतातु है। है है अभिएक भी बार किए हैं है मि अत त्रवादार्शित , आभागरण अहियुक क्षेत्राटक्ष्म । ....

घडेताव नियतरम झालाल. चाताबीवा ः कथानि त्याजेत्र शास्त्रत्यादशः भिन्नी ह**र्वट**के केस अदिदान मानवन कतिया शासीशासि नक्ष्मा त्यान तात्यः व्यानभाकी विकारीर्भेष्ठ কর্মানীল উধা আনুগত ইইয়া 🐯 🕏 গাড়ীর অসননের নিম্ন ভাগ হইতে 😘 🕉 चित्रिका अधिकात्मरसम् । **८वः जानामी**-प्रवास मुख्य करवार ।

भिलाटक क्षत्रिक करतकक्षत्र माकीब সাক্ষা এছণ জন্ম অসোমীগ্ৰ কমিনিদ ट्याबरनव मारमण व्यापीना करता । मार्सिप्रोपी भक्ष डे के चार्यमध्य खंडांक करियांटक । সাক্ষ্যী উপত্তি ক্রিব্রি ক্রিক্স আস্ক্রী भिशास्क **मुन्द**्र हिंधु सुर्गाण्टिहे मानना मुगळूनि द्वाचित्रादछन् 🚛 🕟





मा ए। एषा दशक् मा अध्य (भग्न । गार्विक 🔊 याधारिक 🐛 दिवशिषक २५० মাসিক ১১ 3151W वाचि मरबंगे 🕫

পাদৰ—জ্ঞীত তীন্দ্ৰাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচস্পতি

[ ७५म मरसा

টিচতন্মমট জীৰাম আহাপুত্ৰ- ৩১শে বৈশাখ স্বহস্পতিবার ১৩৭৮, ১৪ই মে ১৯৩১

## नोना कथा

চুরির দারে ডাকার क्रशनीभूष बना द्वारंडेब लाकानमात विद्राम । शाद । चाँनि गृहेत्रत्र चनातात्री याजिल्ले हेरेत नामासर । छारात्र वाफी अवाना कार्सन दल, अम, बारवन विकटक अहे व्यक्तिरपान क्षित्राटक दर कारतम लाक-अन महेवा किहार दे प्राकृति विनिध्न व्यारवण करम कु यांगेश्रव नमस्मित सम्मे ভাষায় বিকলে চুরি ও অন্থিকার व्यत्न्द्रमञ्जू व्यक्तिरवान निक्षंत्र हरेबार्छ ।

वित्व साम्य कात्रकीतात्वत्र कीवन र ।। ।

्र कृष्णियः वृष्यात्र । छात्रकीवृत्यत्र । छोयम विशक् बहेबाद्य। छात्रामिश्रदक वर्षा कृष्टिका जानरङ किविना गरिनांत कर वहा बुडेगाहर - मा दशाम छावासक मीवन बाह्यम् विज्ञा अव द्वर्षाता बहेबाट्ड ।

ब्राह्मात्त्व मानास्थवह नामाव नृहिष्ठ क्षेत्रात्क - व्यवस्था व्यक्तीय (नावनीय ! प्रकृष्टि मार्गादम् हेटकामस्याहे मारनक कास्क्रीत होजाएम होजा कतिबारक धरर श्राप्तक जामान जावाक सितियात अक 41/27

काक्षीय (मुठापन जान गुका निवर्ग-विकास अवर अवर्गायु केंब्र निवास क्रांकीकात व्यक्ति। इतिवाह वह (क्षेत्र) व विकार न

मालिए कीयन शकामा व्यक्तिक अपे द्वार मध्याद्य वाकान. faction bringe sifer pre gingal

FRANCE!

# রর দায়ে ডাক্তার

শ্রীষ্ট্রজ্বেলা কংগ্রেস কমিটীতে মিলনের প্রকাশন

# সুভাষচন্দ্রের বক্ত তা

দক্ষিণ ব্ৰহ্মে ভারতীয়দের জীবন সংশয়

# মাদ্রিদে ভীষণ হাঙ্গামা

সরকার ও বিচার বিভাগের মধ্যে সংঘর্ষ

# জাপানের খানতে সত্যাগ্রহ

পার্শেলের ভিতর তাজা কার্ত্তুজ

# ানবদ্বীপ-পঞ্জিকা

त्गोज्ञाक 88%

मात् ४/> शकितको भागिरित्तरे तुक्रणारहे भागा वह । ম্যানেকার- গ্রন্থবিভাগ और्रेड सम्बद्ध राम श्रीमाहा भूत, नवीश।

উপনটেই হৈচ্যিকটেই এতী হইরাছেন । ভিনিত্রা তথার লোক সমাগ্র হর 🕯 সংর प्राचित्रकी बर्गात एक मधात एकवन क्षवीधीन वृषक ''नेनेस्टर्डन सर्व व्यक्त" विविद्या ही श्लाब कविद्यादिन। छोडा दि ্ষাছ্রনিট করা হয়। ইহাতে গোকটি রাজভন্তী ধনকে অভত সরাইয়া কেওয়ার

ৈ উভয় হিন্দের জোবেশাই বিবাচন ক্রেলন করিতে থাকে। ক্রেলনের শব ब्रमका विकित्र श्रेता सामच्यी सगरक

পুলিদ আসিয়া তখন অল সংখ্যক

চেরা করে। উত্তেজিত গণতান্ত্রিকশণ ইহাতে বাধা দেয় এবং রাক্তছীদিগকে ধরিয়া আনিয়া মারপিট করে। অভঃপর এই জনত৷ কোনও সংবাদপত্তের কার্য্যা-লয়ের দিকে অগ্রসর হয় এবং বাড়ীক্তে পেটোল ঢালিয়া দিয়া ভাষাতে আভিন ধর:ইয়া দেয়। পুলিশ এই জনতা দুয়ী-করণের জল্ঞ গুলী করিতে বাগা হয়। 🕆

## অগলাপ হন্টারমিডিয়েট কলেজে ছাত্ৰী ভতির ব্যবস্থা

ঢাকা জগন্নাথ ইন্টারমিডিয়েট কলেছের | প্রিশিপান তাঁহার কলেবে আই, এস. সি, শ্ৰেণীতে মহিলা ছাত্ৰী ভৱি করিবার্ক থভিয়োর ব্যক্ত করিয়াছেন। ইতো-मध्याहे करप्रकथन हाजी करनटच स्थानमान করিবার ইচ্ছা প্রকাশ করিরাছে। প্রভ वरनत्र এই कामाज चाहे, ध्रम, नित्र कन খুন ভাগ হওয়ার সম্ভবতঃ মেরেরণ ভত্তি **হ্ইভে ইন্ড। ক্রিভেছে** ।

## পার্দেরে ভিউন্ন ডাঞা কার্ড্র

ध्दक्षि दिश्वतात्रिम श्र मृद्याहपूक नादर्गम मिनाफ़ा नहें व्यनार्टि अकिंग इरेट ठहें-श्राप्त कारम ध्वर कामाम त्वक्रम दब्रम श्रा কর্ত্তক সেটি ১১ই যে চট্টগ্রাম শিলা माबिटड्रेटच्य निक्छे शार्राश्हा (मध्या इत्र । महकूमा माजित्द्वेरित मध्यूरेच भार्तमारे (थामा इहेरन रक्षा गास (य. ভাহার মধ্যে তিন শত ভারা ও বিশ্রি त्त्राण कार्क ख बरिया**रह**।

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনষ্টিটিউট" नाम .

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

থোলা হইগতে।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অতি যত্ত্বের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা বাহে স্কন্দর বাসভানের ৰন্দোবস্তহঃহাছে। স্থান অতীব স্বাস্থ্য কর।

> সবিস্তার স বাদের জন্ম নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। সেক্ষেটারা, ঠাবুর ভক্তিবিনোদ ইন্টিটিউট্ উট্রেড এখনঠ, পোঃ দ্বীমায়াপুর, নদীয়া।

## স্থবৰ্ণ সুযোগ বেশী দিন আর থাকিবে না

- (좌주 위!--

## का ७ स-भिश्रद ঔग्रेगल द्वित

 ৫০ বাংস্থিক আন্দেশত্মৰ বা ত্বৰ্ণ তুৰিলী শেষ হইতে লাগ শিল্প নাই। এটা ডৎসৰ শোষ হইলেট প্ৰবৰ্ণ আনহানিত শ**ল্ভি-সঞ্জিবনী বটাকা'' পূ**ৰ্বের িলাধিত ১২, বাকা মুকোই বিজ্ঞা ১টাল। ৩১লো মে প্রাপ্ত উহা ৮, চাকার পাতর। মাইবে। এই নচীকা এক কথার বলিছে গেলে নব-তীবন দান করিছে সমর্থ। তুল্ব জুল্লীর কথা উল্লেখে আছই সমিঅর্ডারে ৮২ টাকা পাঠাইয়া উহার এক কোটা লটন। সত্র ভটন। বিলাখে कित्रान व्हेरनव।

क्षा'@कान १ - चा उप मिश्र केमानग २५४०१ वस्ताकात होते. कालना सा

কাবরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের

## K III O I P K W अन्याचीन त्रक्षानम् जान्यश्च नार्वश्चित्र

মফল্পেরের প্রাধন্যর ক্ষাত্র আরু পিশিক্তে ঘণীভূত অবস্তাব ছেটেলেড্রের সমপ্রিমাণ सेव्य एक्टक भारे अ वक् वकाट एथिएम दिवास शिंद्य केवा वक्ष माहे। सूत्र आहि निम्म ४० काल', शहित १०/० जानी, (नाष्ट्रण ১०/० वासा 1

ভাষিস-১১নং উজাভালা রোড, পোঃ শ্যামবাকার, ক্ষকাতা

# CHURSTAN

मुक्तिकांच चक्र क मार्थिका है, विश्विष्टमानिक हान, BERT BENTUL TERRER, MITTERE, TO TO ক্ষানি ক্ষান্ত্র ক্ষান্ত ক্ষান্ত বিভাগ ब्हारवाण वस । यम, वीवी, स्वया वृद्धि करिएक व्यक्तिक हैनिक। न्यूका ४० वर्ते ३८ अन् हेरका १

"नगूर**नकाषा**चि छ " প্ৰথমভাগি হৈছে ব্যক্তব্যোগ যায়া পাছোপা कांबस लेकिनलम् करव । युगा व रक्षामा ३, है।ला ! "কুমণবিলাসিনী বটিকা" হীৰ্বাহন ২০৬ সভোৰপতি ভানী ও বৃত্তি ক্ষিত্ৰ भावातम् । जुना ३० वर्षे ३, वक् डीमा ।

बाबरेश मानात्राभक्ती, त्कन्नवक्ती •• ३९१मर अक्तिमन दशक, क्रमिकाको। <sup>(</sup>

## शरेट्डामिन

## কোষরদ্ধি রোগ

ডা: এন্, এন্, খোষ বিনা আছে, वातक्कीनत्त्रत गावाछि विवा देवहारिक क्षणागीतः दकाषवृद्धि दश्य आत्यामा करिया पाइकम ।

> টকানা---अ मा क्षेत्र हैकि, नक्ष्याचार,

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

্দৈৰপ্ৰাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহোম্ম প্ৰায় দিলে সম্পূৰ্ণ আস্থোগ্য

Cuift दिवाहेटक एक्टवे। क्राजिय शाद्यत्र वहार (वाक्या केवर व्यक्तित) है लाकारेक विशे दशकी दशका कह जानवा खेलादम जातिएम दशकि दिक्ति। देवध (महन् का बादनाना मा कलमा अवाक नामिलामिक निटक करेरा मा है श्रीन (बाग्रित्व अप्रष्ठ यहम कतिया हिक्दिमा क्या क्या विकासिक िबद्दर्गत क्षेत्र क्षान्य छ। क विद्विष्ठे गर्ग निव्ह विकास अञ्चलकार . 580

শ্রীক্ষতীশচন্ত্র উকীল, বন্ধা-চিকিৎস্ক, পোঃ কৈকাঠী, বরিশাল । काथ । विश्व क्रिकानाय माकार कविशे विखाशिक कामिएक लाश्विम । क्रीवृत्त कामालालाल पछ बम्, छ, क्रमानश्च, मबीका । व्यवस्थ विश्वस गिरक, ১১৭, cबियारहोसा शिहे, काहेरनामा, कविकासा

একখানি পত্ৰ ৷ অংশাঃ আভুলাুর গড় ১র মান বাবৎ ছাল বন্ধার कृतिका मुख्यात •रशकिन, कृतिकाखात विका विकित्न नत्र कराहिन कीबरनंद्र आणा करान कतिश स्मय र हुरखंद कक्ष व्यटनका करिएकिश्मन এই স্থায় শ্রীবৃত কিবীশচল উকিল মণাশ্য মাত ১০ দিন চিকিৎসা कतिका गण्युन कारकामा कतिका विधादकम । (शाः) , विव शिक्ष किरमंत्रि कात दिनेश्वती ( काम्मान नानिता ) क्या हिहै, निके विकास । अवदिनारवनन मार्टीर खिलाइटमण्डे, क्रिकाचा ।

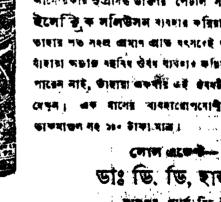
## মনোমোহন প্রেস

পূর্বা-বালালায় স্থলতে সকলঞ্চনার ছাপার লভ বিখ্যাত বৈদ্যতিক মেশিলে দিবারাত্র কাজ চলিতেতে विषक जामिटक बहेटन निष विकासात्र शक्त मिथ्न

मगटनकात्र—मटनाटमाइन ८०७७. २०मर सरायशुक्त, जाका।

## মরা মাতৃষ বাঁচাইবার উপার

বলিও অভাপি প্রাকৃত দল মাত্র্য বাচ ইবার জোন क्षेत्रम कानिकृष्ठ क्य माहे मना, क्यानि श्रांकाया मानास्थि অনিয়মিত উপারে অগ্রিমিত শক্তি নই ক্রিয়া কার্যে मता करेवा विकासिक कवर माना काणात त्यक, व्यक्तिक नाकृत्रीसाना, चाश्चिक श्रमानाता, वस्युक, श्राच्या, नाक्ष्य-मरकाश्व नीकः, व्यनं अवर बीरमाक्षिरमध मध्य बाबा व्यवक, नकार, युक्तरमा, क्षाप्तका, दशक च सक्तवाबत, fe@fam আভৃতি রোগে ভূগিনা জীবনে নিরাশ চইয়াছেন, জালার कारमञ्ज्ञकात क्षात्रमिक काकात व्यक्तिन मादन्द्रमञ्ज्ञ कार्यिककी ইলেক্টি,ক সলিউসল ব্যবহার করিয়া বাচিতে পারেন, कारात नक मनस व्यामान व्याप बरमदन्द्रे ना दश वाकेटकटक ये। यात्रा व्यक्तक वस्तित खेर्चन याचना क किया व्यक्तिता व्यक्तिक भारतम मारे, काशाया अक्योंके अर्थ क्षेत्रकी बांबराई अधिक रमपूर्व । अस् बारमञ्ज नायशासान्दराष्ट्री अस् निर्णि स्वरं



ডাঃ ডি. ডি. হাবরা। करवजूब, नारक-दिन रंगाहे, विकित्ता विभागा न्याहे कविशा शिव्यक्त

## गाकिनिर्ध अञ्चाम

্ঞী শীবিশবৈক্ষরভালসভার পাল্যাভ ও विक्रुभाग शत्रमहरम शत्रिज्ञासकांठावावदा এইমহজিনিছাত সরবতী সোধানী এডু-পাদ পপার্বনে গত ১ঠা মে ভারিখে ভারতের **উত্ত**त्रद्धारक हिमानक न्निल्ल मार्क्सिनः नहरत ভতবিজ্ঞা করিয়া জীককটেতভা মহাপ্রাহর আচরিত ও বাচারিত প্রেমধর্মের প্রবল বন্যা আনংন করিয়াছেন। প্রভাই প্রচারক-বুন্দ আতিবৰ্ণ নিৰ্কিলেৰে সকলের খারে বালে যাইয়া চেতনবাণী কীর্ত্তনে বচ স্থপ্ত জীণাত্মাকে উদ্ভ করিভেছেন। বলা विद्या, शास्त्रिणिः महत्त्रत चायूकारणत মধ্যে ইহা সম্পূর্ণ অভিনয়। কারণ, এগানে সকলেই আগতিক ব্যাপার লইয়া উপস্থিত হন। ধদিও অগতের সর্বতেই উক্তবিধ বাাপার বিরল নছে; তথাপি অন্যত্ত ধর্ম্মের একটা আবরণ কোন কোন ছলে দৃষ্টি-গোলৰ হয়।

কিছু দিন পূর্কে খ্রীল প্রভূপান মন্ত্র-দেশে ওছবিজন করিয়া ভারতের দকিণ ध्याङ्गिनामीनिगटक भना कतिबाटक्न धरः তথায় তাঁহার কভিপন্ন মনোভীইপ্রচারককে রাধিরা আসিয়াছেন। তাঁহারা শ্রীল এতৃ-भारतत कृषानकिन्द्रकार्य कृषात्रिका भगस्य শীরকটেতনা মহাপ্রভুর আচরিত ও প্রচারিত সনাতনধর্মের প্রচার দারা আপামর সকলকে ধনাভিধনা করিতে **ছেন। একণে অ'বার ভারতের অ**পর আছ হিমালয় প্রান্তেশ স্বয়ং স্পার্থদ শুভ বিজয় করিয়া কলিকোলাহলপূর্ণ স্থানেও প্রভোক মানবের একান্ত কর্ত্তব্য বে হরি ভলন, ইহাই মুঠুভাবে বিজ্ঞাপিত করিতে-ছেন। ভাঁহার চেডনবাণীর সাড়া পাইলা ধন্মী, বিধন্মী, আন্তিক, নাত্তিক, ভারতবাসী ও প্রবাদী আনেকেই প্রভার প্রীদ প্রভগাদের জীচরণাত্তিকে ওঞারু ঘট্যা প্রাণিণাত, পরি-প্রবাদি করিতেছেন।

গভ হই যে শনিবার সভাার পর
ইস্লামধর্মাবলী উক্ত শিক্তিত চুইজন তল্ত
লোক এবং আরও অনেক বাজি শ্রীল
অভুপাদের জীরুবে সার্ভালনীন প্রেমধর্মের
কথা প্রবন্ধ করিছে আসিরাছিলেন। শ্রীল
আনুপাদ 'জীহরিনাম কি', তাহা বাাথাা
করিতে গিয়া একটা পরবোগাদের সিভাত
করিতে গিয়া একটা পরবোগাদের সিভাত
করিতে গিয়া একটা পরবোগাদের ব্যাইতে
তেটা করিমাছেন; ভাষা এই,—পর্মেখরের
বাবতীর কিন্তি
জীহরিনামে বিভ্যান।
জীহরিনাম সক্ত অন্তেমের অন্তেমন্ত হ্রপ
ভ্রেমন, জীহরিনাম সক্তার পরিবাধে। সেই
জন্যই শ্রীহরি বিশ্বা নামে ক্ষিতা।

## জীজীগুরুগোরাকো জয়তঃ

## দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

## নিভাপাঠ্য বৈক্পবাৰ্তাবহ

বেনারি সমস্ত সাম্বত-শাল্পের অর্কুত্রিম ব্যাখ্যাতা সমগ্র ভারতে একমাত্র স্থলভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

শ্রীলাম-ছার ।পুর-৩১শে বৈশাথ হৃহস্পতিবার-১০০৮

শ্রীল প্রান্থপাদ আরও বলিলেন,—কর্মকোলালসময় জগতে বিপদাপদ নিবারণকরে যেসকল হরিকীর্তনের আবাহন দেখা
যায়, উহা বাতত্ত্ব প্রীন্তরিনাম না হওয়ায়
জীবের কোন প্রকার হুবিদা হইতেছে না।
বাতত্ত্ব হরিনামজীর্তনকারীর বড়ই ছুর্ভিক্ষ।
আবশ্র ইরিনামজীর্তনকারীর বড়ই হুর্ভিক্ষ।
ক্রিকীর্তন করেন না, তাহাদিগের অন্ত এই
সকল ভাগভিক ব্যাপারবিমিশ্রিত হরিন
কীর্তনেশ হল থাকে থাকুক; তাহার
অপক্ষে বিশক্ষে বলিবার কিছু নাই, কিয়
মাহারা প্রেছ্ডপকে শ্রহিরশাদপ্রসেনভিলামী, তাহারা থান্তব কীর্তনকারীর
নিকট শ্রহিরকীর্তন শ্রহণ কর্মন।

এই সমস্ত কথা শ্রবণ করিয়া ই দ্রামধর্মিষয় ও জন্যান্য শিক্ষিত ভদ্রমহোনয়গণ
পরমাক্তাদিত হইয়া প্রভূপাদের তথা।
জবস্থিতি কাল প্রান্ত এতাফাই এবছির
পরম মললপ্রেদ সাক্তনীন প্রেমধর্মের
কথা শ্রবণ করিতে অভিলাধ করিয়াছেন।

দাক্ষিণিংএর স্থাসিক 'দার্জ্জিলং টাইমদ্' নামক পত্তের ৯ই মে (১৯:১) তারিখের সম্পাদকীয় অত্তে ওঁবিষ্ণুপাদ শ্রীল পরমহংস ঠাকুরের সম্বন্ধে খাহা প্রকাশিত ছইনাছে, তাহা সামুসাদ প্রকাশিত হইল,—

His Divine Grace Paramahansa Sreemad Bhakti Siddhanta Saraswati Goswami Maharaj, the organiser-in-chief of Sree Viswa Vaishnaba Raj Sabha, arrived in Darjeeling from the Gaudiya Math, Calcutta, on Monday and is the guest of Dr. S. K. Paul, Superintendent of the Lewis Jubilee Sanitarium. His Grace will be pleased to grant interviews to all honest enquirers after absolute truth and to reply to

শ্রীল প্রান্থপাদ আরও বলিলেন,—কর্ম্ম- any questions between 7 and দাহলময় জগতে, বিপদাপদ নিবারণ- 9 o'clock both morning and বেসকল হরিকীর্ডনের আবাহন দেখা evening, at Dr. Paul's residence উচ্চা বাহুব শ্রীহরিনাম না হুডয়ায় during the next ten days.

Those who are religiously minded will doubtless be glad to avail themselves of this opportunity of consulting One Who has gained such fame throughout India tor His piety and extreme godliness.

#### অনুবাদ

শ্রী-বিষ্টবন্ধবরাজসভার পাত্ররাজথাবর এবং প্রাণ্ডান পরিচালক পরমহংস পরিব্রাক্তবাচান্দর্বন শ্রী-শ্রীমন্থজি সিদ্ধান্ত
সবস্থ তী গোলানী মহারাজ কলিকাতা
শ্রীগোড়ী মেঠ হইতে গত সোনবার দান্তিলিংএ
পৌছিলছেন। তিনি লইস্ জুনিলি
ভানিটা নিলামের স্থানিক্টেভেন্ট ডাং এস্,
কে, পাল মহোদ্যের আতিগা শ্রীকার
করিয়াছেন।

পর্মহংস ঠাকুর আগানী দশ দিবসকাল ধাবৎ ডাঃ পাল মহাশয়ের ভবনে প্রভাত প্রোতে ও সন্ধার ৭ ঘটকা হটতে ৯ ঘটকা পর্যন্ত সকল বাত্তবসভাারস্থিপস্থ জনের সহিত সাক্ষাৎ এবং ভাহাদের সকল প্রকার প্রান্তেরপ্রদানে প্রস্তুত আছেন।

ধর্ম প্রাণ বাজিনাত্রেই এই প্রাকাব এক জন ভারতবিখ্যাত বদানা এবং ঈশ্বর প্রেমিক ভজের সহিত ধন্মালোচনার স্থযোগ পাইয়া বিশেষ স্থানী ইইবেন, সন্দেহ নাই।

## তুরুত্ত

(3)

শাহসকল তিন ভাগে বিভক্ত। কর্ম-বিচার, জ্ঞানবিচার ও ভক্তিবিচারে শাহার্থ ভিন্নভাবে গৃহীত হয়। বাঁহারা অধিতীর ক্রম ব্যতীত অন্ধ জীবাদির খতন্ত অধিচান হা অনুভূতি শীকার করেন না, তাঁথাকের মতে এক ব্যতীত বিতীয় বস্তুর অবস্থিতি
নাই। এই নির্ভেগ ব্রক্ষজানিগণ বস্তুনাত্রকেই ব্রক্ষ বলিয়া জানেন। তাঁহাদের
মতে ব্রক্ষ হইতে গুরু পুণক্ নন। ইহারা
উপাসনা বা ভক্তিনার্গ স্বীকার করেন না।
কিন্তু শ্রীসন্মহাপ্রভু ভন্তিন্মার্গকেই শান্তের
উদ্দেশ্য বলিয়া জানাইরাছেন।

শ্রীমহাপ্রান্তর মতে তার আচিন্তান্তেশাতেশ
কর্পাৎ বাবতীয় বন্ত্র যুগপৎ ব্রন্ধ হইতে থিয়া
এবং ব্রন্ধেই ক্ষরস্থিত। ব্রন্ধ বাতীত বিভীর
বন্ত নাই; কিন্তু শক্তিগত পার্থকো একই
বন্ত ভিন্ন ভিন্ন শক্তির পরিচন্তে পরশার
পূপগ্রধান্তিনিটি।

মারাবাদী জ্ঞানিগণ তত্ত্ববিষয়ে যে ধারণা করেন, ভাষাকে নির্ক্ষিণেদজ্ঞান বলে। শ্রীমহাপ্রভূব প্রকাশিত তত্ত্বজ্ঞান—ক্সবিশেষ।

শ্ৰীক্লফটেডজ এক বস্ত হইনা ছন্ত্ৰী ভিন্ন তত্তে প্রকাশমান, ->! প্রীতরুত্ত ২। শ্রীবাসাদি ভক্ততত্ত্ব, ৩। অংশাবতার অধৈতত্তৰ, ৪। স্বরূপপ্রকাশ নিত্যানন্দ-তক্ত, ৫। গদাধরাদি শক্তিতক্ত, ৬। স্বয়ং ভগবানতত্ব প্রীকৃষ্ণচৈতক্য। এই ছয় ভারই একমান প্রীর্থাকৈত্য। ভাল হইলে গুৰুতত্বও প্ৰীকৃষ্ট্যতন্ত । সচিত্যভেদাতেশ শীকত হইলে ছয় তথ্য জগবান, কিছ পরস্পর পুগক্। ভীবাসাদি ভক্ত, শ্রীগদাধরাদি শক্তি, অংশাবভার অধৈত, প্রকাশস্বরণ নিত্যানন এবং শুরুদেব---এই পঞ্চত শ্রীক্ষাটেতক্রের সহিত অভেন হইলেও এই পাচতত্ত্ব শ্ৰীকৃষ্টেড্ড হুইতে भुशक् माम ।

শুগুরুদের চৈতক্সদেরের দাস হইলেও
ভগবানের প্রকাশশ্বরণ। ভগবানই শুক্রদের। শুরুদের সাক্ষাৎ ভগবৎপ্রকাশ
হইলেও তিনি ক্ষফ্টেডজের প্রিত্তম দাস।
শুগুরুদের মন্ত্রা নহেন, অনিত্যা নহেন,
তিনি ক্রফ হইতে দাসরূপে ভিন্ন হইলেও
ক্রফের অভিন্ন প্রিয়বস্তা। তিনি ভক্ত,
মুক্তরাং ক্রফ হইতে বড়। ক্রফের সহিত
সমান মনে ক্রিলে ভাঁহার থক্তা করা
হয়।

শ্রীটেডক্লচরিতামৃত্যোক্ত কতিশঃ প্রমাণ,— রক্ষসাম্যে নহে তাঁর মাধ্যা আহাদন।

- রক্ষের সমতা হইতে বড় ভক্তপদ।
- **७क** व्यक्तिमानभूग श्रीतनद्गारम ।
- সেই ভাবে অহুগড **গুর অংশগণে**।

নানা উক্তভাবে করেন স্থমাধ্যা পান।

আপনাকে করেন তার দাস অভিমান।

ক ক কি অভিমানে কথে আপনা পাসরে।

ক ক ক কান অভিমানে যে আনন্দসিদ্ধ।
কোটি একানন্দ নহে তার এক বিন্দু।
সুই বে চৈতক্সদাস আর নিত্যানন্দ।
দাসভাবসম নহে অন্তর্জ আনন্দ।
দোসভাবসম নহে অন্তর্জ আনন্দ।
সেই কফ অবতীর্ণ চৈতক্স ইবর।

অভ্যব আর সব তাহার কিকব।

এইনকল পদ শ্রীক্ষণ এবং শুরুদেব মাধবের প্রিয় এ বাস্ব।
সম্বন্ধে ও আলোচা। ভক্তা, ক্লণ্ড এবং একদেশী উপনাস দির্দ্দিনত বাং
গ্রীপ্রক্রদেব কেবল অভিন্ন হইলে ভক্তিমার্গের পালনেতে বতি নাহি যে
অফিছ পাকে না, উহা নির্কেদরক্ষজানমার্গ প্রতিদিন প্রায়াদার বিধি চেবন
হটার, হালা। চারি সম্প্রদায়ের বৈশুনগণ প্রকাশী প্রকাশী প্রকাশী প্রকাশী প্রকাশী প্রকাশী প্রকাশী প্রকাশী বিধি চিল
ভাই: কিন্তু ভগবদ্বুদ্ধি কবিলেও ভাঁহাকে শুলিবানে সেবক ভক্ত জানিগছেন। একানে বিধি বিধান স্বায়াদার বিধি চিল
ভগবানে সেবক ভক্ত জানিগছেন।

কথা, জানী ও ভক্তগণ—সকলেই
ভাজদেশকে ভগবদ্দৃষ্টি করি। থাকেন,
কেইট প্রাক্ত দৃষ্টি করেন না। কিন্তু শুদ্ধ
ভাজগণ গুরু ও ভগবানে আভেদ দৃষ্টি
করিলেও গুরুদেশকে ক্রন্ধের জিয়ত্ম
বিশ্বাং ভানেন।

প্রীক ব শ্রীরপান্তগ আচার্যা প্রবর গোসামী অভাতক্তি বৈধ্যাগীয় ভক্তগণের মহবের জরু ভজিসকতে বিধিয়াচেন,— "ওদ্ধানতাঃ ত্রীগুরোঃ ত্রীলিবছ চ ভগ্রতা সহ অভেদ-দৃষ্টিং তৎ প্রিক্তমত্ত্বেনৰ মকজে।" অর্থাৎ শুরু ভক্তগণ ত্রীগুরুর এবং ত্রীশিবের শহিত ভগবানের অভেদদৃষ্টি ব্যাণারকে ভগবানের প্রিয়তমত বলিয়া মনে করেন। প্রমাণ্ডরূপ আমাদের আচার্যা প্রীকীন ণোসামী শ্রীমন্তাগরত হইতে গুরুদেরকে ভগবানের প্রিয়তমরূপে জানিবার পরিকার গ্রেমাণ দিগাছেন: ভাষা এই,--- "বরং ভূ . বাকাং ভগবান ভবভা, প্রি**ঃভ স্থাঃ ক**ণ-সঙ্গামন। প্রতৃশ্চিকিংক্তক্ত ভবক্ত মৃত্যো-ভিৰক্তমং ছাত্ৰগতিং গভাষ।" **টাকা**—"ত্ৰ য়: প্রিঃ স্থা ভক্ত ভবক্ত। আতান্তমটিকিং-ভাষ্ট ভবজ কৰানো মুড্যোল্ড ভিষক্তমং নবৈছং বাং গভিং প্রাপ্তা ইভোরা। ঐশিবো (क्याः वङ्गनाः खनः । 🖨 धारुक्तनाः 🕮 मन् প্রাচীনবৃহিত্নয **यहे ऱ्य**ः भूक्तम् ॥" প্রেচেতাগপ খ্রীশিবের শিশা। প্রচেতাগণ রুলুগীত ধারা ভগবান অইভুক্তকে আনিভাব করাট্যা যে তাব করেন, ভাহার মধ্যে এই (ज्ञाक्टी पृष्टे रहा। প্রাচেতাগণ বলিলেন,---হে ভগৰান, আমরা আপনার প্রিয়স্থা শিবের অল্লকাশ সক্ষঞ্জাবে অভ্যন্ত ছন্তি-কিৎক ক্ষান্তারূপ সংসারের ভিবকলেট আন্তগতি তোমাকে লাভ করিয়াছি। এই। মন সমত্তই সমর্পণ করা কর্ত্তরা। ভগবৎ গোকে প্রচেতাগণ তাঁহাদের গুরুদেব সেবায় যিনি যতটুকু পরিয়াণে ঐসমত্ত শিবকে রক্ষের প্রিয়স্থা বলিয়া নির্দারণ নিস্কুক করিয়েতে পাবেন, তিনি ততটুকু করিয়াছেন।

## শ্রীএকাদশী

্জ্রীপান নারায়ণদাস ভক্তিত্বধাকর ভব্তিশক্ত্রী, এম, এ) বন্দি সর্বাত্তভার (শ্রী) একাদ্নী ভিণিবর মাণবের প্রিয় এ বাসব। একাননা উপনাস गोवकाठवरः वाम পালনেতে বতি নাহি যে প্রতিদিন প্রাসাদার বিধি গেশ্ন, धकारमा । अकत नि । শুদা তিপি পালন বিহিত চ একাননা উপবাদে, ब्रीहरू श्रमान बाल मक्तकाण देवमध्दवत श्रीडि । अकामना अभागितम মানৰ প্ৰাণন্ন তাৰে প্ৰ कृष्णत श्रामानकप ে বি' ধর ভিত্রন, সেবা, জোগ এক নতে ভাত । क्रकार्या देशनाम প্রারালেকে এ৯৪%(লাল), লজিম কড় প্রামাণ না গাইন

আকাদনী উপবাস পাবানেতে ভোগনাল।

ক্রিক কড় প্রসাদ না গাই ॥

অসাদেতে ভোজা জ্ঞান নহে সেবন বিবান,

উপবাস অসান সেবন।

ক্রেকের যুগল চরণ একলাত সেবা ধন,

নাহি জানে ভোগপরা ৭॥

ক্রেকের তেলেগ গাহা প্রান্থাসাল ভাগে

সাধ্য মার মানবপ্রসান।
আনহানে কুলনান, ভোগে সাধি সর্বনান,
উক্রিনতপণি ভক্তিবাধ ।
কুকুরাশুগাকভকা দেহ প্রতি যার লক্ষা

বে অধন প্রসাদে বঞ্চিত।

ভোজনে সেবন জ্ঞান মানি' দম্পানাং প উপবাসে হয় অসমাত ॥ বতেক পাধপুষত, যাহে সুক্ক কলিচত,

মহাপ্রস্থ শ্রীগোরস্কর
নবারিতে রুপা করি' একাদশ বিদি আচরি
স্বাপনি শিথাল শুরাচার ॥
প্রসাদে চিন্মগ্রস্থান বিশুত এ মুধা জন,
দেহ অভিমানেতে বিভার ।

একাদশী পালন, যাতে ক্লঞ্চ : বিধি তেঁই মোর অনাদর

## "চাকরী"

( डीक्यामन हर्द्वाभागात्र)

জীব ভগবানের নিত্য চাকর। তগবং-সেবাই জীবের একমাত্র ধর্ম। তাঁহার সেবায় জন্ত আমাদের বাক্য, জার্ম মন সমন্তই সমর্শণ করা কর্ত্তবা। তগবৎ
সেবায় যিনি যতটুকু পরিমাণে ঐসমন্ত
নিশুক্ত কলিছে পাবেন, তিনি ততটুকু
পরিমাণে বৈক্ষব। আব ছিনি যতটুক
পরিমাণে রুপণতা করেন,ভিনি ততটুক পরিমাণে অবৈক্ষব বা নান্তিক। জীব নিজ
ভাতজারশতঃ যথন ভগরন্থোগা কামিনীকাঞ্চনে লোলুগদৃষ্টি নিক্ষেপ করেন, নিজ
প্রেছুর সিংসাধনের থেবিকারে হতকে।
করেন, মাধানিশার্টার তোলোভান ইতিয়
চলিতাপের হল আনিই দও মুজের কর্ত্তা
বলি। অভিমান করেন, তথনই জান
মহানার কার্গার দেবীধান মব্যে মাধা
কর্মিত ইই নে মধ্যে যম্বণ ভোগ করিতে
বাব্য হন।

ভাবে নিতা ক্ষণদাস ভাগে ক্লি' কেল।
ভাতএব নাগা ভাবে গলাব বাজিল।
কড় সংগোটঠান, কড় নবকে ছ্বা।।
দেখা জনে নাফা যেন নদীয়েত চুবায়।।

র জীতি।

মার্বিচাক্তর ইয়া অন্বাদিকার ব্রহ

শ্বাবিধ বেই মানে

এই প্রতাবে বিলিপ্ত ধ্যা কটি ইবলৈ জাব্যু

করি । বিলিল্য ব্যাস, কুলুব, প্রথা ।
বিশি প্রতাবিদ্যাল, কুলুব, প্রথা ।
বিলিল্য হিছুবন, স্থানি ভূলবী সক্ষা, বালি পরি প্রথা করি ।
বিলেন্তে ভোগেশা, চাকার অনুপ্র চালিবি অবস্বন নাই।
বিলান্তে ভোগেশা, চাকার অনুপ্র চালিবি অবস্বন নাই।
বিলান্তে ভোগেশা,
করা বিলান,
নহে সেবন বিলান,
মন্ত্র প্রথা হলকার বেলার করি ।
বালি চাকারী ।
বালি করি ক্লান্ত্রিক করন প্রবানপ্রকাল
বালি বালিবিদ্যাল বিলান ।
ভিত্রেভির প্রথা হিছাপান্তে আন্তর্গ আন্তর্গ বিলান্ত্র স্থানিক্র

মানকাল প্রত্তিভ ইই তে থাকিবে।

আসবা কছলগতে যে জিনিবের আছু সাজিয়া ভোগ করিছে যাই, সেই জিনিসের প্রভূত্রর পুরে পাকুক, জনম ভার্বিই চাক্দ হইয়া পড়ি। अध-मत्स्वीय অস্থিমাংসের পলে রক্ত, পু'র, মলমুত্রে পরি-পূর্ণ এই পাঞ্চটোতিক নশ্বর দেহের ভব্তি সাধনে ভগবানের ভোগা উপকরণসমূহ নিযুক্ত করিলা আন্ধ ইন্দ্রিরে দাস, কনক-কামিনীর দাস, প্রতিভার দাস, অর, বন্ধ, অসম্বার, এমন কি, অস্প্র চব্দপাতকার যাতে ক্লফ সূপ্রসন্ত লাস প্রান্ত হইবা পড়িবছি। প্রা कूरमञ्ज्ञ किन्। व्यक्ति नफ्यात्र इसि । कि के.यन शतिनाभ कामातः। नक्षमात्र शाकिया থাকিয়া আর এ স্থান জ্যাগ করিতে ইচ্ছা হয় ना, - शक्राम खुना त्वाम क्टेरक्टाइ ।

> আমি এমনই মূর্ব, যাহার চাকরী করিলে কত অনম্ভ কোটা ইপ্রের ইক্সন্ধ, কত অনম্ভ কোটা এক্ষার প্রস্তান অগ্রান্ত ক্রী বার, বাহার চাকরী করিলে এই ছালার ভব-জলবি পার হইখা নিতা খানে উপস্থিত

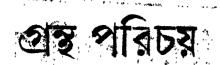
হইছে পানা বাৰ, সেই প্রেম্বর্র তাকুরী ভালা দিনা আৰু তিনা মানার গাল, ইলিবের গাল হইরা গালাবিকারে উন্মত, ইলিবের গাল হইরা গালাবিকারী বিবয়ী কীটের হাবে ভুক্ত ধনের কন্ত লালক কবিতে ঘাইছেছি। তবু ভার মনগুটি মানন করিতে পাবি না। হাত্রে ভুরুল্ট থারা বৃদ্ধিনান, তাঁবা মানাগিশানীর ক্রুক্তে মুদ্দ না হইরা কাত, মন, পাকা, অর্থ, মন্দ্দ মাহট অনুভেগ দেশার নিগুক্ত করিয়া অনুভত গানে সচ্চত আনম্যে অনুভাত চাক্রিতে বহুনান পাকি । আন্ধানার মত মারার পাল ভে পিকুসকে উপদেশ বিভেন্তন,—

''বেমির ক্মক ভোগের জ্ঞনক ক্মকের গালে লেবহু মাধ্য। কামিনীর কাম নহে তব দাম ভাষার মালিক ভুল বাদ্য ॥"

## প্রতার প্রসঞ্

গত ১৭ই বৈশাণ ৩০শে জা: ল ं बुक्र राजियात । मामनीम Ch \$ 30 124 \$ 534 \$ 40 ें। भ ६७०स ार्गरावक्षाता अभ, क. व द्वा भद्धास्य ক্তির ভিত স্থান্য রাম্নেস্থেইর मरुक्तिका चार्याकृति सार्व वार्माप्रकाक ८६मध्नन निकलेवकी भागगी धामर्यन गरी । बग वारावड होतेक स्माक्तांत ८१ मधान्य व क्तिकारा है। देशपूर्वा भूगमाञ्चली ८५ मध्य म (५ माडाङ व्यास्तरम और ५७क्टनाम প্রচার গমন করেন। গ্রাম্থানী সক্ষন यक्षता क्षान्त क्षेत्रिया क्षेत्रमाश्चान्त कथा व डी, भक्ष सामवस लाहे जातन कातवा तिरुष्य আনন্দ একাশ করি।ছেন। গ্রিক্ত रमाकनाथ रम भद्दानग्रं ८ टेक्ट्स्यानी अन्ताः নক্তর বিশেষ আনন্দিত ও আত্মষ্ট কুই /চেছন। তিনি হরিক্ষাত অস্থরাপী এবং প্রম উৎসাহযুক্ত।

গত ২০লে বৈশাপ রবিষার তরা মে শ্রীশান যদ্ভবর দাসাধিকারী মলোনত মংমনসিংকের সিটি শ্বলের শতিত সংমানত আবৃক্ত দীনবন্ধ নিকটবর্তী ঠিয়ারাগ্রামনিবাসা শ্রীগৃক্ত দীনবন্ধ দক্ত মহাশরের ভবনে শ্রীমন্তাগবত পাঠ ও ব্যাধা। করেন। গ্রামনার্গী বহু সক্ষম হরিকাগা শ্রবণে বড়ই আনন্দ প্রতিত্ মহাশার দৈনিক নদীগ্রাকালের প্রাথক ও বৈক্তবে শভাবতই শ্রন্তাগানের প্রাথক ও বৈক্তবে শভাবতই শ্রন্তাগান্ত ভ্রিকথা প্রচারে সার্গাহ চেটা বিশ্বিক প্রশাস্থিত



## मा महा गव जम

**ब्यामग्रहित क्रकटेवशायन (यहवाम अधिक मृत, टीमन-**মধ্বাচার্য্য-ক্লডা ভাৎপর্য্য-নিশ্রটীকা; শ্রীমদ্বিধনাপ চক্রবর্ত্তী अकुत्र-कृष्ठ मात्रार्थमनिंगी किका, यक्तांसूर्याम, मायुष्ट अध्य छ শেই ক্ষের প্রতিপায় ক্পাসার, অন্যাহের প্রাপ্তে অধ্যামের সারসহ স্থবিভূত তাৎপর্যাদি বিরুত। খ্লোকস্চী विवयक्षी, अशाप्रविवत्तन, शांख ও शांनक्षीयक छेव्य কাগকে উত্তম অক্ষরে মুদ্রিত। প্রথম হটতে ১০ম হঞ পर्गाष **६५**मा व्यक्तिरण स्थित इंडेग्रास्ड । ভিকा প्रश्न स्टेटिक क्रम क्रफ लगांच २०१४०; समाम दक ১०,; শ্ৰহা ৪০১ ৷

## **এ** শ্রীটেডকাচরিভায়ত •

ও জীনীময় জিনিছা সৰস্বতা গোসামী প্রভুগাদ লিখিত 'अञ्चल्या अण्ड-प्रजामि नद भाष्रध्यमान मधीन्छ हरेया क्षका निष्ठ करेबारक्रम । (बारकत मानवताथाः, वश्रावनाम ल প্রাজ্যেক পদারের পূর্বের সংক্ষেত্র জড়িনের সংযৌদিত। জাতোক অসায়-প্রারম্ভে কথানার দেওয়া ফাডে। স্থাক. প্রার, শ্বন, স্থান, পারে আভ্তির ভ্রুত্থ সতী ও এপকারের । ভিকা ২, এক টাকা নাত। বিশ্বত জীবনী সমধ্যিত এইকপ অভতপুৰা সংস্করণ উভঃপ্রেং कुद्धाणि व्यक्तांनिक क्य नार्क । किंद्र्य काल्ट्य ला त्रालाहित शक्तिक कुल क्ष्मभटत मुनारल मुलिए बर्डेग्राटक । अब आत ১৫০० शृहीय मण्यक्ष । जिल्ला वर्णमाध्य त, माळ ।

## <u>চৈত্তগ্রভাগবভ</u>

श्रद्धातात श्रीवनी, लाकि मलिएकामत कथामान, निकृत ব্যৌদ্ধীয় ভাষ্য, শক্ত্তী, প্রার্থতী, বিব্যাস্থান পাথানি-अही, क्षाकृषि विविध निमग्र श्वांतिक निमा विकास विकास भावतः ঙবণ ক্রাউন ৮ পেলী আকার। আদিল্লা ও মঙ্গে क्रिकारम क्षाकामिक इडेग्रार्टका। जात्म जात्म जानामिङ **इटल्ड्डिंग। अधिम लिका (् छेका, आ**पि जीनात fun cy 1

## **औ**टेन्डिक वक्क

**এই প্রতের** একপ অভিনৰ স্থনর সংহরণ আর কুত্রালি व्यक्रीनिक इत्र भावे । मःश्रक (श्राकाःटमत क्यतः, तक्र)स्नाह, क्षांत्र, क्थांत्राप्त, क्था वाकृष्टि मह घट छ एए व्यवालिक क्ट्रेब्राट्कम । 'मूल त्यांका आकारत छवन अन्तिम आकरलकी दुरमान्यात्त्र छाला स्टेसाटछ । भूगा २॥० छाला। समीता শ্রহাল ও গৌড়ীয়ের গ্রাহকগণের পকে ১॥০ টাকা।

#### **এমত**গ্ৰহণীতা

--- শ্লীপৌর বৈক্ষাচার্য্য অপ্রারত রদিকচ্ডার্যাণ **এক্রিবিদাণ** চক্রবর্তিঠাকুর গোলামিরতা সারার্থবিশী क्षिकामस्यका ७ किन्सियहिकावरनाम हारूब-व्यापिक किमिक-महार आवक कामाकावागविका । अधावश्की, माक्काळाम (ब्राक-पूठी,विशव-क्ठी,खंदकारमंत्र कीयनी क व्यवस्त्रिकापि अछ-खाखवाचिम्म-नाम केव्यहे वीबाद कृष्टीय मरम्म--- हे ताल गरकतर्गत्र किका के वाका माक मानामा गरकता----- ।। क्षाका माळा।

## শ্রীল প্রভূপাদের বক্তভাবলা

ও বিষ্ণুপাদ এএএমছডিসিছাখনর ঘটা **গোস্থামী মহারাজের** টেট আবিছা নিধার্থন भौताश्चनकालारवाधिकी द्वारक कार्क (सम्बद्धारी) करेक्छ नाप न मुख-विद्याध---देवकवरिकार्य-त्रक्रमाणात दकोष्ट्रभमणि---मार्थालाग्र किंगा ! शान ला---मार्थः, इक्षणीक छ सा-বৈভববিজ্ঞানাগারের মেলিক তথ্য - পঞ্চরতে ও ভাগ দের শ্মশ্বর গুরু-- মহাজ্বন-ফীলনড়রি ছ-শিক্ষ ক চি বিলন্দেচকার আজিলন্ধ, তথ্য ও বিষ্ত্যাদিযুক্ত। প্রতি কলের জাদিতে মিডিয়াত-বিচারক---জর্মা ও মাধ্যালনের ফেলিক প্রেরণার --- म**श्चाः व्यक्तिः ।** ७ । १८८१ । अत्यक्ति । अत्यक्ति ।

> 51 প্রথম অভ্যান্তিক্রাল্ল, জ্রীপ্রকৃত্য, কলে भन्न, श्रीमध्यानिकान, निध्वायकार्या, भाष्ट्रवादिका प्रोपता ও বাং বিচার, আত্মধ্য ও মনোলয়, উট্ডেড্রাণ্ড ১ ভাষার শিক্ষা, জালোপ্রায় স্থান্থ ও প্রেরার স্থান্থ্য, প্রান্থতি বিংশতি নাখ্যক রয়ে স্বশোভিত ५० नात आला।

হ। দ্বিতীয় শগু- খবা ও বিদ্যা ভক্তি, মহলে র 🕮 🕮 মন্ত্রন্ধি বিদ্যাদ্যাকুর রচিতে। 'অন্তর্জ্ঞারাকভাষ্য' শেষ্ট্র। কোপায়, আল্লোর নিভারতি 🛣 নর স্বামিগাদ ও मात्रानाम, बीटगीन-निर्धानन श्रमण, निर्दात वचा क अमर সংমের মহিমা, মহাপ্রনাদ, উল্লেখিক, উল্লেখ্যাভ্রতভ্রত । -- উল্লাম - প্রেছ্র ও প্রাণ্ডিছ লগি পুরুষ্ট আলাক लल, ब्रीमहोरे से काल्याकारे, ब्रीटिंग्चर्स्स एका, राजाएक का ও রুজনার্মার্ডন----- ভুলের অপুন্ন মধুনিমাপুর বভুত বিদ্রিত।

> প্রাথম ও বৈভাগে--এই বাও একটো এইলে বিভাগ दमफ हाला, ए.क. भ । संख्या

## 🚊 মঙ্গানদ্গী ভা

दर्भी हीय-देवयहत्वत (स्थित १०४१ व मिलीयन व्याप्त विद क्षमाक्षक काना व जीमस्किनियनाम प्राह्माता अधिक रूप ভাষার বিভ্রত প্রান্ধরণ নামক ভাষাপুরণ। অধ্যায়-ফুটা, বিষয়পুটা, ৬ প্রতি লোকের প্রথম ও চুড়ীয পদ স্ঠী, ভারবাবেৰ জীবনী প্রাকৃতি মুখলিত। উৎ#৪ বাজি রান্ধ্রণ (তৃতীয় সংক্ষণ) প্রাধের [941 - 5'411

#### প্রথম্বরতাবর

ट्रीमध्यात्त्र विश्वास्थान-खानीक देवस्थाननाम, मनाई ६ दश्यानिम ज्ञाम कि व इनात खालम अहा। जिस्त्रहे कालिएडी ছাপা। স্থানিত্ত উকা ও প্রাঞ্জনকায়নাদ-দাহ হো অভি স্থকে বলেকেয়ও বোধগমা হইয়া থাকে। ভিকা 100 MINI ALE "

#### ঞীনগৰী পধাৰমাহাত্ম্য

( প্রমান্থ ও । সাজুবাদ। আতি-স্কুত্যানি প্রত্তে শীনব-শীপের যে মতিমা কামিত আছে, তাহার মুল সংস্কৃত ভ অভ্ৰাদ। ছিলাত বালা।

#### **এ এনংখাপভাৰতরত্ব**

🗬 ঠাকুর ভব্জিবিলোদ শিখিত। স্থালিত গাঁতাকারে श्रुतिक्रमात प्रदेनमधि-नियाक । फिका Io काना I

## ভজিরতাকর ও মংখীপ পরিক্রমা

জীল নরছরি চত্রবন্ধি-সাকুর রচিত। ভক্তিরদাকর হটতে পরিক্রমাংশ মাজ গৃহীত; জীজীব গোস্বামী কি প্রকারে জীনবরীপদাযের পরিজ্ঞমা করিয়াছিলেন, তাহাই পছে বিবৃত। ভিক্ষা । ক আমা

## 'शाटिल्लाम खर्ड

कृष्टी के कि विश्वास देखित खाँगित । केर्टाक अन्ते क्रामेट

· [60] 第一世代的[四十 字傳、本傳、 अ कि को एक क . . नि इंडि. इंनर्डड व १९४४ - १९४४ में १९४४ में १९४४ - अप्रे**वाणा श**ीर প্রবিচ্ছালি ত্রপেম কিন্যুলীর উল্যোল্ড করিক সর্বা ভাষাথ চাকা, আবাধা চলত চাকা নাং

#### গৌড়ায়কওহার

क्षित्र होते हैं हा इसकान-परनंत्र । साक्ष्य । जटक भाननर पान াত্র সংক্র কৈটিত বুটিত পুরান-গঞ্জনান্তালি সাহিত্য শক্ষেত্রতার প্রমাণাবর্ত্ত [त्रश[त ७]ज्ञाल(म नाक्ष्याम छ|कारा उदक्रण देवस्तर-নির্তিন্তর নার্মেষ্ট অন্ত কুলাবি একাশিত হয় মাহ। छहा८७ अञ्चल - छाऽ,याः - देवभन - दर्भन - मिन्सम<del>ण-</del>-अदेशहरू अप: -- श्रीहरू--- जनवहर्ग -- क्रीव - व्यविश्व देशहरू कोईन, জীলামপুলায় দীনলাগবদের কাঁছন, জানোন- 🅌 শ্বিংশ-- সংখলভতি---বং শ্ব-- সাখন স্থান স্থান স্থান স্থান স্থান স্থান खनार दराकामि वर्धान अन्तर विकास नार्टन दराष्ट्र ন্তু কর্ণাল্ড সুসিতে, জিলুই লা । জ্যালার হবে নাম গেপ । भ्य अक्षाप्त । तुहला शतुरा दिक्षार, देशिया सका ।

#### ब्यायन्द्रीलगांश-अक्यानगी

द्याम निवास राज्य राज्य राज्य 415 (3) -- 51 মান্তেয়্যের সাল বাব এয়েতি পাও — আবা ভারহারিও করাবী ગાલુકાત હાથ જાલ્લિકાલું અફ કરાયા કહેલા અલ્લેક લે દાર્શિક મેમ્સ્સ્ટેલ્સ ব্রানা পর্বাত--- ব্রিলং তাবো প্রকাশত স্বরীপশতক্ষ---बैज्यम किर्निट्याम होत्रस्तत क्षेत्रस्तील भावकत्त्र आहाल ত্রপ্রকর ভিনা ৮০ আলা নাত্র '

## শ্রিহরিনামায়ত ব্যাকরণ

শীক্ষীৰ গোষামী প্রায়ুগাদ-বির্হিত কর ও বুণি, ভূত্যকে ক্ৰিঞ্চাৰ আম্ম্ৰিটাইন্ধান্ত স্থপতী গোকানা মধ্যেরে বিভার ভূমিকা ও হারী প্রাভৃতি মধ্য अञ्चला विष्टाता रुगम । (७७) २, छ का, छात्र व्यक्त গতে গাল টাকা গাত্র।

## বেদাক্তভগার

শ্রীমস্থাস্থলাচার-রাচিত I বেদাক্তের বিশিন্তীয়ভবাদ-लाहातक की हामा-लारगहर व्यक्तिमा क्षात्र धनना धनना ला ३५ खेलहाला कत्रनाथ उद्दे উष्टम कतिहाहरून। इर् तकाक्षताम क करीश्रद्धानि अध्यानिक करा बकेश हरू নাম মাত্র ভিলা ।। আনা।

#### ইটেডেড চন্দ্ৰায়ত ও নৰ্মীপদতক

<u>ल्योत्रलायम जिस्सी क्रीमर खालारामक महरूरी छ।</u> মুল, প্রাহুপাদ শ্রীমন্ ভক্তিনিদ্ধান্ত সংখ্ঞী এগালামী মনেও জ নুজ্যান্তি অধ্যমুখে ব্যাথন ও বঙ্গাধুনাৰ ন্ধাণ্ড মব্দীপ্রত্রের উল্ভান্ত বিলোদ হাকুরের প্রায়বাদ ব তুংস্ট প্রীময়ালাপ্রাংর ওকটা তিওপ্রজিত অপৌৰিক চিত্র श्चामक अध्यादका, भूतमः ७ कोलङ डि॰क्रक १ २ थाला একত্রে) ভিক্ষা ৮০ লালা, অতি কর্ম্য বাগাই রাক্ষ্য হলণ ः है।का भाज।



শীল্যজিবিনাল নাব্ৰ-গাওঁত। এই একমাএ গ্রাথ-গ্রহের জান লাভ করিলে পার্মার্থিক রাজ্যে কিছুছেই জন্মন বা সংশ্র থাকিবে নার। প্রম গ্রুষ্টবিষ্মক এই-কল সরল ও জনমুশ্নী গ্রন্থ এ প্রায় প্রনালিত হয় নাই। নি জিলোকামি শাল-মতোলবি ম্যানালে নাই। গ্রহাত্ত উপ্তে ভ্রাথিকেন লাকার করিছাল স্থানী, কলাসার উন্থানি ঘানা গ্রেশ সমুদ্ধ করা স্ট্রালের। বিরাট প্রথ, গ্রেমান ক্ষে নাম লেখা, উৎকৃষ্ট্রালাই---চভূব সংখ্রন ভিন্না ম্নাকানাল।

## (अग्निवर्ष

শ্রীনন্ধ তেংর মন্তর্গ পার্ম শ্রীণ ছাল্নিন্দ তাং,
বিবিচিত্ত ক্ষিপ্তকে ছাতি হ্বাংগা ভাল্য মহাপ্রাংর
ক্ষাইপ্র ছাল্ডেই বৈদ্যুল্ডার, একাননা ও নামভ্যন
নপ্রাণী প্রাকৃতি অনেক বৈশ্যাভ্যাল স্থান্ত্র দেখিতে পাইবেন। পাননিধ্য ছান্ত স্থানের বিশ্বাণ ও
প্রেম্বন্তার প্রিভাগিনিন্দ্র হাত চাতুর্থ সংস্থান ভিক্তা । ৮০০
স্কাশ কান্য নাম্যান

#### ভঙ্গারম শ্র

ভজনকাশীর নিখাসাসী ; সাত্র ভিভিবিনেশদের সমূল। লান ; নিথিল পালের নিয়াস । প্রথানি না দেশ প্রায় কের্বুঝিতে পারিধেন না । ভুতীয় সংস্কৃত্য ভিজা ৮০।

## হরিনামচিন্ত।মণি

নামাচার। শ্রীণ হরিদান সাক্রেব মুখে প্রীন্যাহাপ্রাস্থ শিকাম-মাহার।, নাম, প্রাস্থ, নামাপরাধ প্রাস্থৃতি বিভাগের মার্কটার ি র প্রাণ্ড করিয়াছিলেন। এই বিভাগবির মার্কিসরল প্রারে সংক্রিপ্ত মাধ্যমহ পরিপাটিভাবে মুদ্রিত। শ্রীণ ভ্রিকিসিনোদ সাক্রিভাসিত। প্রথম সংহর্ষ ভিক্ষা ৮০

#### কল্যাপক্ততক্ৰ

শ্রীনম্ব কিবিনোর সাক্ষা বভিত। এতেক ভগবস বিশ্বাসী ও জ্ঞানপপের গণিকের একান্ত প্রমোদ ন্ জ্ঞানেশাবলীপূর্ব শ্বীতিএক। সংমান্ত গোপাশভা কানা লোকেও হে ভক্তারালোর গীতিসমূহের ধারা অনর্থনিবৃত্তি ও ভগবংসেরা লাভ ক্ষিত্র স্কৃষিণা পাইবেন। মুদ্র সাহ্বন, ভিজা ১০ খানা মাত্র।

#### শরণাগতি

শ্রীমন্থতি বিলোদ সাকুর রচিত। তথকানে আত্মমর্শণ, বিক্রপ্তি, ভজনবালনা, সভ্বিধা শরণাগতি ও বিদ্ধি শাল্য। বিষয়ক সাতিপূর্ণ, দিন এক আনা মান্তা।

#### **भा**ज(दशो

শ্রীঠাকুর ভিজিনিনে দ-এবি । নিরোভজন, আরানিক ও প্রসাদ-সেধনাধি-বিভাক মধুব গাডামুগ কেলে এপি । ভিজাস কালা মার।

#### **শ্রিসভব**করক্রেম

রসিকেন্দ্রকৃট্যোলি শ্রীমন্থিনাপ চক্রণভী ঠাকুর-বিরচিত রবগ্রন্থ। শ্রীমন্থকিবিলোদ ঠাকুরের অন্ত্রাদ-কান ভিন্দা হি আনা মাতা।

## **क** जुर

শীমন্মহাপ্রান্তর শিক্ষা ও শ্রীল রবুনাণ দাস গোষামীর প্রতি শীকণ গোষামীর উপদেশবাদী, ভঙিপথের অমুক্ল ও প্রতিকৃশ বিবরে ভবিচারিত সম্মেদন ভাশা, বিশ্বত বিবৃতি, চরিতামৃতের প্রমান, সামন ব্যাধ্যা ও মহাজন-প্রবিত ক্রপ্রোণী গীভ্যমৃত প্রত্যেক প্লোকের সহিত্ স্রিবেশিত হইলাতে। এন সংক্রণ ভিক্ষা প্রভানা।

#### সাধ্ন-কণ

ভীৰখনাৰ দান গোৰাথীৰ মনংশিকা, **প্ৰীল ঠাকুর** ভিডিবিনোদ-চ্যিত পঞ্চাহ্যাদ্যহ। ভিকা*া* আনা।

## প্রেমভক্তিচন্ত্রিকা

্রীণ থাকুর নরেণ্ডমের ভ্রাণিক **তেমভন্তিবিধয়ক** গানের পুত্তক। ভিগা /• মানা মাত্র।

## নণত্বী পশত ক

শ্রীণ সিক্র ভিজিবিনেদের চিত **শ্রীণ প্রবোধানন্দ** সরস্থিত বের সংস্কৃত নবধীপশতকের **স্থাণিত পদ্মায়বাদ।** ভিজাসত আন। মাজ।

#### यार्थ १४ भ

শ্রীল লোকভাগারভিত। বৈশ্ববতা-<mark>জ্ঞানের আকর</mark> পুত্রক। ভিজা৴• আনামজো

#### সদাচারশ্বতি

ন্দ্রীল মধ্যাচাটো প্রটিড। টাঞ্চলের নিত্যকর্মানি স্বাচারা-বলী, বঙ্গজ্ঞান মহিত। ভিকাস সংশ্লাম মাজ।

#### यशियक्षती

ক্ৰিকুলকে শ্ৰীমনারাধ্বাচাণ্য রচিত। **জীনশধ্ব**। চাংগাৰ সংক্রিপ্ত ভীৰনলীলা ও মূল বৈক্**ৰণক্ষমত। সাক্**ৰাদ ভিমান আনা মান্ত।

### গোরককে।দর

প্রাত্তীন কবি প্রীপ্রেরিন্দ দেব প্রাণীত প্রীপ্রেরিণরতারের মেণাবর্গীন্যংবলিত সংস্কৃত এছ। ভিক্সা দ**্ধানা।** 

### যুক্তিমলিক। ( গুণলৌরভ)

শীনক্ষণশ্রদায়াত্ব্যত শীমধাদিরাত স্থামিকত। বস্থালরে এই এথের প্রকাশ পার্মাধিক দাহিত্য-ক্ষপতে এই দক্ষিণ্ডম। শীমধাবাচার্য্য কইতে ধ্যেত্বলাক্ষম দিন্তীর মধ্যাচার্য্য নালে গ্যাত শীনাদিরাক্ষতীর্থ স্থামী এই গ্রহে সাধারণ কৃত্তি ও গৌকিক স্থায়ান্ত্যারে কিরাপ স্থান্তমারে ভিতিবিরোধি মত্রাদ্য সমুহ পশুন করিয়াছে, তাহা পাঠ করিতে করিতে ফান্চশ্যান্থিত হইতে হয়। ইহাতে যুক্তির বারা চার্কাক, জৈন, গৌদ্ধ, মীমাংসক ও মারাবাদিমতেন্যমুহের স্থান বভন রহিহাতে । ভিত্তা ২ টাকা মানা।

#### গোখামী শ্রীস রঘুনার দাস

(ওঁ বিফ্পান প্রীণ ভকিনিছাত সর্যতী পোষামী প্রান্ধান-লিখিত ভূমিকা সহ ) গৌরপ্রেট অরপ-রাপের ক্রেমার প্রিয়তম শ্রীল দান গোষামী প্রান্থর অপুর্ব গরিতানত ও শিক্ষা মাতীর প্রান্ধান ও সর্য ভাষার সন্ধিবিত্ত করং পরিশিত্তে দাসগোষামী প্রান্ধ বির্ভিত ক্রেম্কান সাল্লবাদ মধ্রতম ভব ও মনঃশিক্ষা-স্থালিত । ভিকা বাহাই ৪০ অংশা, আষাগাই ৮/০ আনা মাজ ।

# চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাচীন নবৰীপের অবছিতি, তথা, ঐতিহা, প্রেটিত ও ঐতিহানিক প্রেমাণসহলিত নরটা বীশের সচিত্র বিবরণ-গ্রাহ । রাজবি রাওনাহের কুমার শ্রীসুক্ত শর্মিণ্ডু নারারণ রার এম, এ, প্রাক্ত (লাহোর), বেলাস্তর্কণ মহোবার কর্তৃক্ সফলিত এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন বর্ণের অপুর্কা চিত্র ও মানচিত্র-সময়িত; প্রোচাবিদ্যামহার্ণন রার সাহের শ্রীসুক্ত নগেন্দ্র নাথ বহু বিশ্বকোষসম্পাদক মহালরের বিশ্বত ভূমিকা সহ। উৎকট্ট (ইং) মর্বরো বাগাই মূল্য ১৪০, ভিঃ লিঃ তে ২, টাক মাত্র।

## नायम-कर्शनामा

গুক্রবন্দনা, নৈক্ষব-বন্দনা, বৈশ্ববদরণ, হার্গালের মৃত, প্রীনাগৃহত্ব, প্রীনগরাপ্তান্ত্র অটোররণত নাম, অইপ্রেইছ নামকার্ত্তন, প্রীনামগরীর্ত্তন, প্রেমধ্বনি, হাউণগরীত, নবহীপ-মহিনা, প্রীমায়াপুর মহিমা, প্রীনরোজ্য-প্রভুত্ত অইক আচার্য্য-বন্দনা, বড়ুপোশামীর অইক, প্রেমন্তজ্ঞিতি ক্রিকা, উপনেশমালা, নামভজন-প্রণালী, মহাপ্রান্ত ও রার স্নামানক্ষ সংবাদ, মনংশিকা, প্রীগুরুপ্রাণ্ডি, প্রীশুলুপ্রান্তা, মহাপ্রভুত্ত বন্দনা প্রভৃতি সাধক ও নিজ্জীবনের নিভাপার্ত্তা, বৈদ্যবগ্রের কর্কাপ্রিত ভূকনীমালার ভার অভুক্তণ কঠে ধরিন্নোগ্য অপুন্তর প্রহু। ভিক্ষা ৮০, বিধাই ৪০ মান্তা।

## গোড়ীয়-গোরব

কণিকাতার স্থানিক আলবার্ট হলে গৌড়ীর-সম্পারক শ্রীপাদ স্থানাদল পরবিদ্যাবিনোদ গ্রাপন্ত বন্ধুতার বিষয় গ্রহকারে প্রকাশিত। ইহাতে গৌড়ীয় বৈক্ষরণআহাধের ইতিহাস স্বাকারে প্রবিত হইরাছে। জিকা ৮/০ মাত্র।

## গোড়ীয় সাহিত্য

কলিকভার হ্পানিক আগবার্ট হলে গৌড়ীর-সম্পাদক
উল্পান অন্তর্গনিন পর বিভাবিনাের প্রত্যান বক্ষার বিষয়
প্রসাব গার প্রকাশিত। ইকাতে সাহিত্য-শাসের কর্ম এবং
প্রেটিয়ার প্রতিভাব বিষয় স্ক্রকায়ে বর্ণিত হইবাছে। ভিকা
কিং কান্য মান্ত্র।

## শ্রীগোড়ম ওল পরিক্রমা-দর্পণ

শ্রীগোড়দেশের যে সকল হানে সপরিকর **শ্রীনমহাগ্রাভূ**তবং তদম্বগ পরবাতী নহাজনগণ লীলা করিলা বিরাহেন,
নেই সব আধুনিক ভৌগোলিক পরিচর ও দেববিপ্রহালির
পরিচর সহ যাভারাতের ক্রবিধা নির্দেশ ইত্যাদি বিষয়গুলি
সরিগেশিত আছে। ডিক্লা । আনা।

## THE HARMONIST

OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীন ঠাকুর ভকিবিনোদ-শ্রেতিরিত এবং শ্রীন

নিছান্ত্রসর্থতী গোলামী শ্রেছ্পাদ-সম্পাদিত পার্থার্থিক
মানিক পত্র। একংশ ইংরাজী ভাষার অইন্থিপে বর্ধে
ভবনকাউন ৮-পেজী ৪ ফর্লা আকারে প্রতি ছাল্লে হরিনামের বিজয়-বৈজনতী গইরা উপস্থিত হইডেছেন।
কাগল, মূল্ল-পারিপাটা ও চিজারি অতীব চিভাকর্বক।
এই প্রকার উৎকুই শ্রেম্ম আর ভোন মানিক প্রামিতে
পেরিতে গাইরেন না। বার্ষিক ভিক্সা ভাক্যাঞ্চল্যক ও,
টাকা যাত্র।

व्यास्त्रिकान -विद्यासम्बद्धाः त्याः विमानाश्यः सरीताः

# বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভক্তিমঠসমূহ

তেত্ত মঠ

## আকর মইরাজ

अ हीन स्वदीन, काक्यत क्षेत्राय यात्रानुत, नतीत्रा

আমিটাবোলনীত ছবলে প্রায় ৩০ । বছ উত্তর-পূলে উত্তরপত্তনে আচার্বারত তীচজন শেশস্থাক্তনত্ত প্রতিবাদক সময় শিরাধ্যমান।

এই স্থান নাৰ্থত-থাৰ, গ্রাবিশ্বাণীঠ না নামত ওজনম্বনী। এই মহাতীর্থে প্রিংরিনার্থান্ত বাবে বেলাল-বেলালসমূত, গাহবিশ্বার অন্তর্গত কাবা, নাউক, অলভার, ওবা প্রামাণ-উপনিম্ন-জীতা-স্ত্র-হালান-চভূইছেত অলারন ও কাবালনা এবং ওবার প্রিপ্তর-বিশ্বান-পাছ্ম কাবা-গিরিগর ও সাম্মত সাম্মালিক-কাচার্যা-চজুংর কাঁছালের উপাত্ত বিপ্রবেশ থাকি নিজাবে ও সাম্মত সাম্মালিক আচার-চজুংর কাঁছালের উপাত্ত বিপ্রবেশ থাকি নিজাবে কাটান প্রথমানি প্রচার-বিশ্বান কাম্মালিক গৈনিকপত্র সাম্মালি প্রচার-বিশ্বান কাম্মালিক গৈনিকপত্র সাম্মালিক প্রামান কাম্মালিক কাম্ম

ভিধ্ জিখানী শ্রীমন্ত্রক্ষি পদীপ জীর্থ মধারাজ এখানে ছরিকণা জীর্ত্তন করিছেছেন।

## (७) (बामनीठं क्रिमन्त्रा

নাই স্থান প্রীক্ষগন্নাথামপ্রের করন বা

শীগ্রনারাক্তর আনির্জান-ভূমি মনাবোপ-পূ

শীঠ। এখানে প্রীক্ষপারাকে এবং প্রীকৈতনা

প্রীক্রানারকের নিজা দেবা তথা প্রীক্ষণা
্রিক্রের সেবা বস্তুগানা। রক্ষক—কোকসাধার্ম ব্যোখানী ভারীভাগা রাড় প্রীন্ন্যান

নার্ম সকলারী প্রীনিক্যানক মঞ্চানী,
প্রীনিধ্যান প্রাধান প্রাধান

কারী, ব্যেক্রা প্রীক্ষারক্রমা।

#### (8) 国内1河-町町石

শ্রীমপাণার কুব কর্তিন-বিকাশ বা

• শ্রীগোরনীলার স্থানস্থলী। একানে উল্লিগোরবিভাগিত ও পঞ্চপ্তের সেবা বস্তমান ল ১০০-শ্রীম্যালার ব্যানারী, শ্রীময়ত ৬০০-শ্রীম্যালার ব্যানী।

(৫) **অবৈত-ভবন**এই স্থানে শ্রীকাইডে গ্রন্থত কবন এবং
সেকা ব্যবান !

(७) काष्ट्रीय मधायि भ हे जाहीम महत्वालम, मामग्यकुत (नवीत) वित्रोक्षम्भागामः विकासकाकीत ममाप्त । विकास --- अवकानी विविद्यागायकानी ।

## · (१) पात्रम ख्रुपर-सूक्ष

क्रिलाक्षक वक्षणगढ ( सर्गेत्रः ) बगादम खॅनकुणाण स्थित क्रिकिन्द्रशासकासूद्रप्रव स्थापि जयस् क्रिलोनेनागायं जनस् श्रीक्षिनाया-शान्द्रयत् द्रम्या मण्डमाने

क्ष्यक—्यक्तिक्षण क्षाणात्रः अवस्थाते । क्ष्यकाक्षित्रीः क्षत्रः वक्षाः

## ( ৮ - शिक्शबाब दशोहीत मर्ड पर्यस्थितः।

রক্ষক—শ্রীবচনর ত্তকিশাস্ত্রী এম, এ, বি, এস, সংকারী—শ্রীউদ্ধানাস ভজি-শাস্ত্রী, শ্রীউক্ষক্রম অধিকারী প্রস্তৃতি।

> (১) প্রিগোর-গদাধর-মঠ টাপাণটী, সমূদ্রগড়, (বর্ষনাম)

শ্রীণ বাধীনাথের অভিষ্ঠিত গৌরগদাধনন লবা। রক্ষক—শ্রীভকিবিজ্ঞান আশ্রম।

## ে১ • এক্সপংগাড়ীয়-মঠ

কাগে**গন্ধ,** পদাগ ইউ, পি ংক্ষক--- শ্রীকলিদাস ব্রহ্মচারী, শ্রীকুললেগর ব্রহ্মচা<sup>নী</sup>।

#### ():) (ATV (B) A E (G)

মাউগাভি, জারগর, বশ্বমান।

শ্রীগাসাবভার ঠাকুর বুজাবনের খান।
কলভ—শ্রীবছবিতারী প্রস্নবাদী।

(১২) ভাগাবত আগস্ত

(১২) তাগৰত আগৰ শ্ৰীপাগৰত বোগ, ক্লাগায়, নদীয়া। ভাগৰ-নিদ্ধান্ত এছাবলী আচায়-ক্ষেত্ৰ। ক্ষত-শ্ৰীসভানন্দ অক্ষ্যানী।

(১০) **শ্রিকারন মঠ** টোলগড়ী, গোৱাড়ী, ক্লানগৰ, নদীয়া। বলক—শ্রীমতুগানল ব্রহ্মচারী।

(১৪) প্রিকাশন গোড়ীয় মত্র

১০নং নবাৰণ্ড হোড, চাতা।
পূক্ষনপের প্রচাব-দেখ্র, গ্রাংন জ্রী বকগৌনাল গায়কা-গিড়িদরের সেবা বক্তমান।
কিক্ত-প্রিচাবার্য্যন্ত প্রবানী।

( ১৫ ) জীব্যোপালকী অঠ । বিশ্ব ক্ষিত্ৰ পূজ, চাৰু । বিশ্ব ক্ষিত্ৰ বিশ্ব

## (२) बैंदगोड़ी अपर्व

১৬ মং ভালিপ্রাস্থার চক্ষবভী ষ্টাট, পোঃ বাগবাঝার, কলিকাভা । টেলিফোন বি. বি. ৪১১৫

শ্রীমার সভ্য প্রচারিত স্থানিক কবিশাল-প্রচারোদেশে গোড়ারশের সক্ষরধার নগদী কবিশালার শ্রীকলিবিনার আগনে শ্রীমঠ প্রতিষ্ঠিত আছেন। এই ভক্ত-সক্ষারামে শ্রীক্ষান-সৌরাজ-শ্রীবিনারানক জীউ সপার্থনে নিজা গেনিত কন। গৌড়ীর আচার্যাবর্গের বাবতীর প্রস্থানলীর ক্ষপ্রচারোদেশে শ্রীমঠে সংলগ্ন একটা স্থান্থ মুল্লান্থ সংলাবিত ক্ষরাছেন। পুনিবীর সক্ষর শ্রীগোর্গাম-প্রচারার্থ এই ব্যাল্ড ক্রিণ্ডে গগোঁচীয়া সাপ্রাহ্মিক পত্র, ক্ষি ক্ষম্বান্ধিন্ত মাসিক পত্রিকা ইংরাজী ভারার নির্মিতভাবে প্রকাশিত কর্তনে শ্রীকৈ হল-চরিভার্থানি-লীলা ক্ষান্তর্গের সমাক্ষ্ আলোচনা কর্তন্তর-বেধান্তর, শ্রীকৈ হল-চরিভার্থানি-লীলা ক্ষান্তর্গের সমাক্ষ্ আলোচনা কর্তন পাকে। মঠনক্ষক—আচার্গান্তিক শ্রীপাদ ক্ষরিকারী বিজ্ঞান্ত্রন। সহক্ষ্মীন-পত্রিক শ্রীপাদ অনন্তর্গানিকারী প্রকাশনিকারী প্রকাশনিকারী প্রস্তারী শ্রীকানক্ষ্ম, ক্ষর্ভারী শ্রীপান্ত্রী বিভার, শ্রীপান্ধ ক্ষর্ণানাল লাসাধিকারী, প্রস্তারী শ্রীকানক্ষ্ম, ক্ষর্ভারী শ্রীপান্ত্রী নির্বান্ধিকারী শ্রীক্ষ্মণক্ষ্ম ক্রিপান্ত্রী, প্রস্তারী শ্রীক্ষ্মণক্ষম, ক্ষর্ভারী শ্রীপান্ধ ক্ষরিকানক্ষ্ম ক্রিপান্তর, প্রস্তারী শ্রীক্ষ্মণক্ষম, ক্ষর্ভারী শ্রীলক্ষ্মণ ক্রিকানিকার প্রস্তারী শ্রীক্ষ্মণক্ষম, ক্ষর্ভারী শ্রীলাল প্রস্তারী প্রাণ্ডালন্তরে প্রস্তৃতি।

## (১৬) শ্রীপদাই-৫গা: শৈ মঠ হবিড কি প্রদানেনী সভা, বাবিছ চাকা শ্রীগদাই-পৌরাজের নিতা সেবা বক্ষ হ -- শ্রীপুর্ব প্রজ্ঞ বস্ক্ষরাধী।

(১৭ শ্ৰীভাগবড**জ**নাল<del>ৰ</del> মঠ

চিক্রণিয়া, বাছদেবপুর, মেদিনীপুর। অব্যানে শী এক-গোডাল-গাছবিকাল-গিবিগানীর নিজাদেবা বত্যান। রক্ষক— একবাসী শ্রীদ্পবান্ধানকী। এক্ষ্যারী প্রাচন্ধ

## ८५, व्यायमार्याका अभन्ना अन

वासर्वाम द्याः नक्षमान ।

শ্রী শুকপোরাজ-শ্রীল ক্ষান্ধকা গিরিধারীর নিভাগোর। রক্ষক—এলবাদী শ্রীকরিশ কিশোর।

## (১৯) জীপুকুৰোন্তৰ মঠ

পর্যধান, পুরী, উড়িক্সা।

এগানে জীগোর-নিনোদমাগবঞ্জীর নিক্তাসেনা বস্তমান। রক্ষক-- ব্রহ্মচারী জীলরমান নক্ষ বিদ্যারত্ব, ব্রহ্মচারী জীনদীয়ানক।

## (२०) खीजब-८गोसीय मठ

আনবরনাথ, এআগিরি পোং, পুরী।
স্বাধাথদেবের অনবসর সময়ে ত্রীময়ত।
প্রাকৃত অবস্থান ৷ বক্তক—এআচারী
ক্রিপরমেশ্বরী ত্রামাললী। সচকারী—
ভ্রন্থানী ত্রীবিশিনবৈধারী :

## (२) वैकिमानम वर्ड

## (२२) जीमनाकत-इनोहास वर्ड

श्रमः सगक्षायम नृता, कानी ।

(भोव-भगक्षम् मना क्रम-निकाद्याः।

क्रमाय- (भारत्याः वदमानः। वक्षम--
क्रीयानकीनाथकी ।

## (২ **৩) ত্রীকৃষ্টেড্ডে মাঠ** শ্রীনু সংগ্রাস কু**ন্ধ,** শ্রীধাম কু**ন্ধা**য়ন । শ্রীপ্রবাধা-জন্ধ-মোচনালীর সেবা।

রক্ষক---শ্রীগণ ভিনাথ ব্রহ্মচারী

(২৪) **জ্ঞিপরসভ্গে সঠ** লৈনিবাৰণঃ, সীভাপুৰ

अधारन श्रीकाशवक भावनामा । श्रीरभोत-निरमान विमानकोत्र रमना वसमान। तक्क-अधारो श्रीमृतिरहानक क अधारो

## (२०) औरेडज्जादशीकी वर्ष

চুমুরকুকা, চিরকুকা, মানকুম। ইন্ধ শ্রাটেডকা-মতের শাধা। হলক—শ্রীরমান নাগ রার, শ্রীকেনপানক ব্রন্তারী। শ্রীরায় কীব লেবধরির।

## (२७) न्यामध्योक्षेत्र वर्ड

क्यारणवा, वारमवा, कवान । क्यारम जीरशोर्दावरमाम-वारमक स्मान । तक्षक---अवाहाती क्रिक्षमर्गमकी । (२-व) जाव्यमण्डाका जानवी, जाव-वर्ड

## अकिनगामा. त्याह मासू, हारणा

धारात वस्तु क्षत्रमृति सीत्माशात्मक त्मवा वक्तमाम । क्षणक-----ज्ञक्तामी सीत्माणकुक-नाम, जीवासक्रमन ज्ञक्तानी ही

## (२৮: विक्रा श्वाफीय कठ-कार्यालय

्रेष्ट (क्ष्म (काश्र) निके विश्वी । इक्ष्म — विश्वविद्यामी श्रीमार्क वृक्षण्य-विश्वि भगवाम, जीवायात्रमाक्षण्यक्षण्यक्षण्यक्ष (२०) ज्याद्रामणाक्षण्यक्षण्यक्षण्य

२०) ८मा प्रान्**मा ज्ञानकाराया** त्रक्*र—स्व*नाती स्रोतासरायम्

## बर्ड देवना करद्वान कविक्रिक মিস্তের ঐক্যক্তাল 🐇 💮

**बिर्देश ठेडिन हरन बेर्डेड-एक्ना** ক থেসকমিটীর বার্ষিক সভার অধিবেশন ৰদীর প্রাদেশিক কংগ্রেস ক্রিটার সভা-পতি শ্রীযুত হভাষচন্ত্র বন্ধুর ,সভাপতিত্বে অসম্পন হইরাছে। সভার উভর পুলের मत्भा कानीव करत्वान विद्यारमञ्ज एकि मीमारमा रहेवा निवादक् ।

জীয়ত হভাৰচন্দ্ৰ বস্থ তথায় পৌছি-यात्र श्रव रहेरछहे बानवृत्र ह विक्रित प्रानवः কংশ্লেদ কর্মীদের ধহিত পরামর্শ করিয়ান ছেন। দীর্ঘ মালোচনার পর ভিনি প্রিযুক্ত रदाश वाम कोश्वी, मक्तिना खक्ष, दक्तरत নাথ ভটাচার্যা এবং তাহাদের সহক্ষী-দিগকে ধরকবাক্ষির ভাব-ভ্যাপ করিয়া व्यक्तांव नतिया नाषाहरक अष्ट्रताथ करत्रमः। ১০ই ভারিখ ভাঁহার৷ শ্রীবৃত বঞ্জ **टाडार्य चीक्रड १३रव जीव्रड वञ्च**्यार्गा निर्सादक गमिकि शर्रामन गक्न हान्निकः শ্রীবৃত অপেক্স নারায়ণ চৌধুরীর হাতে অর্শণ করেন। তদমুদারে শ্রীযুত ব্রফেন্ত নারারণ চৌধুরীকৈ সভাপতি করিয়া নৃতন কাৰ্য। নিৰ্মাহক সমিতি গঠিত হয়।

## ইভাষচন্দ্রের বন্ধ ডা

অতঃপর শ্রীযুক ফুডানচন্দ্র বহু বিপুল হর্ষধানির মধ্যে দাড়াইয়া একটা বৰ্ণনা **প্ৰদান ক**রেন। ভাছাতে তিনি ৰলেন, আমি যে একটি মীমাংসায় উপনীত হইতে সুমুধ হইরাছি ইহা যোষণা করিতে পারিয়া আনন্দ অযুভব कतिएक हि। भागि ठाँहे समस्यत शति-গুরিগর্ভন বর্তন আনিতে—হদয়ের वाजित्त्रक वित्तार्थत वीव किছूट हे চির্দিনের মত দুরীভূত করা যাংবে ना। कांद्रकरें दर एक ध्वक्राण कर-বোসের কার্যাভার এছণ করিয়া আছেন আমি তাঁহাদিগকে স্বেচ্ছার সরিয়া দাড়াইতে অমুরোগ করিয়াছি, এবং ভাহারা ভাহাতে রাভি হইয়াছেন। তাহারা আমাকে আখাদ দিয়াছেন যে, ভাহারা কংগ্রেসের নামে কোন প্রতিষ্ণী প্রতিষ্ঠান খাড়া করিবেন না; তাহারা হওয়া আবশুক। ট্রাইবুজালে আবেদনে কংগ্রেশের পদেই কাম করিতে থাকিবেন ध्यः नर्समा (प्रमा कः(ध्रम क्रिकेश स्मात्रेश श्रञ्जं क्षाच्य वाकित्वन। छाहासम धहे উদার প্রভার আমি গ্রহণ করিয়াছি ध्यश अक्ष अध्यक्ष नातात्रन (होधुनीत्र হাতে গম্ভ বাহিত ক্তম্ত করা বিপ क्तिशहि। वीद्क रात्रमध्य कोष्त्री এবং ভাছার শহক্ষিপ নিলমের থাতিরে ৰে আত্মভায়েগছ :কাৰ : কেবাইনাছেন एकक कावि क्षेत्रिकारक शक्यांक कामाहरकति । वाकासमा वर्षे कार्या

करणहें "बहुत्रभ नीत्राह्मा नक्ष्यमत नीवका माहा" जानानीत्रत कहे नक्य नित्रक्षणाह नित्राम जीवता होई सहस्त्राम ररेशारकः। व्यक्तिमारमाञ्चलः क्षण्यानः व्यक्तिमानः व्यक्तिमानः व्यक्तिमानः মীমাংগার ফলে প্রীহটে: কংগ্রেলের কিছুই করিছে নাজৰ নাত্র কাল জড় প্রারগাভ করিবে। অন্তাভ (बनाव करवान कर्जिशनक औरदेवेत मुहोस व्यष्ट्रगत्रनः कत्रिद्रन्य ।

#### পরস্পর মন্তবাদ :

শ্ৰীমৃত ৰহুৰ, বহুণডার, পদ্ম ভুমুল ''বন্দেশাতর্ম" ধ্বনি উথিত হয়। অতঃগর উভর দলের মধ্যে পরস্পর ধস্তবাদ কাপন আরম্ভ হয়। পরিশেষে শ্রীযুক্ত खरकक्षमात्रायम कोषुत्री धदः श्रीमृह হরেক্সচন্দ্র চৌধুরী অভান্ত প্রীভিন্ন সভিভ **পরস্পার কর্মর্ছন করেন। উভয় দলে**য় আপামর কংলোস ক্রিমান মধ্যেও এই ভাব পরিলমিত হইমাছিল।

## সত্তরেশ্বীর প্রকৃত্তকুমার

সম্ভরণবার ত্রীয়ক আছুল কুমার ঘোষ গত নই মে শ্যিবার কুমিলা রাণীর मीथिए व्याटक काहि भवे, द्व वकामिक्स ৮ यन्त्री वाभी मध्यम (मधाईबाइका) তিনি চ ঘণ্টার মধ্যে ১০৮ বার রাণীর দীঘি পারাপার করিরাজেন 🔻

## সরকার ও বিচার বিভাগের মধ্যে সংঘর্ষ

न्छन मारहात यङ्ग्य यायनात्र टकान আসামীর ব্যারিগ্রের 🗃পুত জগরাধ व्यागवाश्वमाना गठ ४हे त्य नारहात हाहे-কোটে আদামী পঞ্জের আবেদনের সমর্থনে বক্তা করিবার সময় এই মর্ম্মে অভিযোগ করিয়াছেন যে,এই হাইকোর্টের বিচারপতিয়া ইতঃপূর্বে বৈ আদেশ দিয়াছেন, তাহা কাথ্যে পরিণ্ড করা हत्र नाहे। यात्रिक्षेत्र वरणन, जे चारम्न अञ्चारी काम पाश्टि इस, छाहात गावश रि गक्न अভिবোগ क्या इहेब्राइ, সরকার পক্ষ ভাষা জীকার বা অধীকার করেন নাই। আগমীরা অভিযোগ করিবাছে, এঞ্চাররা দেন্ট্রল জেলে त्यशास्त्र था क. भूमिम ६ त्रारहका বিভাগের লোকজন তথার অবাধে বাতারাত করে। গেন্টু লে কেলের রে বিকাশ ভারতীর প্রকিকবিশের মধ্যে বার भारम এक्टअविभिग्रम बामा प्रदेशास, छाटा श्रुनिर्मेत्र यात्राहर्षे भतिनक कता हेडेप्राट्ड । कटन श्रीमहनमः दसमाक्षक व

वानि काठा क मोनिविक इरेगाहि-के. हेरेक कालान नेरेगाई कर वानेना क्विट्रा तर वरना वान्य राजनात्व কেন না ইহাতে কোন ভোট গ্রহণ, মুলজুবী রাখা হয়। কিন্ত মুলজুবীর त्कान पता क्यांकवि, दकान बाधिया के श्विन चाडीड स्ट्रेगाय भा महेकाती चार्या क्रांत्रियाद्वार वार्याहर्षि ঢाक्तित कथा। वना देकाति किषुरे खेकीन शैरिवृत्रात्तं वरनन, काकिनिक्वितार्थाके आर्थ अधिक विविद्धा ছিল চনার জানি আলা করি এই ঐ অভিযোগ বীকার বাত পদীক্ষার 🗻

## मत्रकात्र शक्कटक मिना

প্রধান বিচারপতি সার সাধিলাল বলেন, সরকার কোন প্রাক্তার স্পট্টাম্পটি ভাবগতি অবলম্বন না কয়ায় উহা ভাছা-(मत शैन मरनाजात्नत श्रीकृष विरट्र । সরকাবের ঐক্তপ করা বিশেবরূপেই

জীযুত অগন্ত বলেন, আ্লামীয়া একিডেভিটে যে সকল অভিযোগ कतिशाष्ट्र, छार्शत छाट्यक क्या महा। श्रदेशकार्येष पारमम प्रश्रास कतिनात वज्र म्यकात मर्वाध्यकात (5%) कतिएकः ছেনঃ টাইবুছাল চাইকোটের অট্রনে **राहेटकाट**छेत्र क्टा एक न পালন কয়া कर्बया। টাইৰভালের শাষ্মবিভাগ कारेटकाटल स अ के हे बुकारण म व्यक्ति व्यवका कतिरहरक्त विवश महम हर; श्रे:हेन्छारमञ्ज कर्छदा, छाङ्गामत्र मग्रामा রক। করা। সরকারী উক্তলের উচিত চিল, অপেকার্ড ভাল পণ অসলমন

প্রান বিচারপতি ব্যেন,---আদেশ कार्या পরিণত চইয়াছে कि भा, बाबागड छोको निन्छ्य द्विश्वदन ।

गांत्र व्यावध्य कार्णत वर्शम- गत-काती छैकीण महकात ও আধানতের मध्यकी भक्षक्रम। এই विषय मध्यक ध्यक्र जनका सानाज्यात कस नवकंत्रव তাগায় সাহাব্য শইতে হইরাছিল। भारक्षात्रा जन्मकास्त्रम काब्र्यास তথন সরকারের দায়িত্ব আছে। সরকার ও তাহার একেটরা আগালতকে অস্থিন-ক্ষনক অবস্থার কেলিডেছেন।

में गुज অগরাধ বলেন-সরকার ও বিচার বিভাগের মণ্যে সংঘর্ষ **इ जिरक्टल** ।

## दे. वि. एकान वात्रभएकाङ

পূৰ্মাক বেলপ্ৰেম চাকা বিভাগেয় बेरएक्न मीकि बहुक्कि देखनाम केल विका देनन अभिकृतन विरमन जनपढ़ स्वैनार्टन केशबूक अमरशंक शृहक् अवेशक खातान, काराम्बरकः दर्भागद्वाः अद्याः अभागः (यक्त द्वान कः केक्सरम् क्वांहाहीरि भरत

, का कोश्राद्धा जाकान, ता नकन

हिट्ट गमा प्राथिश विश्वासी कारक শদ্ধাত 🛫 ক প্রিবায় ে বিবর্গ বিবেচিত क्टेरकरकः। काकास त्यादका कामस्यान हरेड > भक्र ४० भन सम्बद्धारिकः भारूमक क्या क्षेत्राटक । े **आका**ल, ध्यम्बन्धं (प्रकामः व्यवता स्वतीतः वद्यानाःकः भारताक का 1. वस नादित <sub>व विका</sub>शास्त्र कर्षा के कि होता है कि स्वाधिक के कि स्वाधिक के कि

## चानादमत्र चनिएक नद्राक्षर

हेक्टिश जक्तात मृत्य अवसाय ্পনিতে ধর্মঘট চলিতেছে। \*\*\*

**উत्रविद्ना कश्रमात्र थनि , श्रेट्स, कटब्स-**क्या क्योरक व्यक्षक क्या स्ट्रेशक्षित्र । ইয়ার অভিবাদে তথাকার প্রক্রিকরা গর্মায়ট আছম: করে। আন্তঃপর সাহায়-कृष्टि मिश्रहेवात्र अञ्च हेकारम् अमित्र अभित्नत्रा । अर्थवष्ठे कविषाद्धः। अश्विता धनित शर्छ है भियात्राजि गामन क्षिर्छ छ , फाशास्त्र भविवास्त्रत प्रारमाक 😮 निक्या थाना अ यशामि सानिया विटल्टाइ ।

िছ তেই अभिकाश प्रित्र गर्छ एरेड वार्क्टित वार्तिष्ठ प्राच्छे क्रेटक्ट्स बा ।

केट्टामरना मरखानकानक वीकारमा जा इंडेटन ८३ ६णामके मण्डा कुन्स द्वालाव পরিব্যাপ্ত ইইভে পারে ৷.. এই জেলায় यग्रमात पनि ३,२०,००० अधिक क्षेत्र करतः हेराता मकरमहे श्वाप दान मिटक अक्षक क्षेत्राटक ।

## **क्षिक्षीरक देवारमञ्जू क्षित्रक दशाहा** रक्षकामनाम जारक

नवामित्रीत ३२३ ट्या गरबाटम लाकान. ভেপ্টাগঞ্জ সমুদ্ধ ৰাজ্যৰে এক বিটায়ের लाकानमात्र वयन विहास देखहाची कुतिएक-हिन, छथन छैनाटन कि धक्छ। बिनिय कार्रिया यात्र । मरण मरण कहिर्द्धानि केन्ट्रोरेका लाक्ष्मा यात्र व विकासमाध कारक प्राप्त कवा रहेका बाक । श्रीकान यहेनाव्राण दिनविष्ठ देश अवर केमान इंडेटच 'कार्डनकामून ' **मृश्यि**मा 'मानिस करता। त्याप स्व त्याम व्यक्तक व्यक्ति Calcul aces Cellula de le man कि.सर विरमन चित्रसिका विश्व बार्करमा च्यारन काविया निवासक



All sings

मामार्थस्ट्रशत व्यक्तिम् त्र याभाविक द् राभाविक द् राभाविक द् राभाविक द् भागिक २०० भागिक २००

कासरकड नामाल ज्ञान-श्राम-मनीया क्रमां बक्रमाट मूलनट

65 43

সম্পাৰক—জীভাতীক্তনাথ বল্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি

ि ७२म मश्था

**মিলৈডলামট জীলাম আরাণুক- ১লা জৈষ্ঠ শুক্রনার ১০০৮, ১**৫ই মে ১৯.৫১

## নানা কথা

बाबीबीब बाद्य व्यवक्रा

नक इंटर का कानाश्वादयत राजनान इनकार माजिएके जन नाम जामक क्षित्र कार्किक कार्याद्व कार्या लिक क्षित्रकार कार्याद्व कार्या एक रहिक करिनार्यम्

्रविकाश विकाश क्षणान, बागावी शाबी-माध्यम कार्मायामध्यम नार्मयार्थ हुक्की जाएकांन महत्ता टनाविक पासित the let by co, an alecas fire शक अवर क्षेत्राच अकडी वृज्ञिक चारवणन क्षा अभिनुष्क अक्षामा प्रतित परि लक्षा वारकार बारिक चांड चाना PRES BIRTH STATE TEN ! " WIR श्रीका लेका के देशका कि मा क दर्शावन क्षा क्षा देव, देव देव कांत्राचीरक बार काना त्या । " द्वारिकवासीय निवंदे क्षा नामा किन या अवस ता अवसामा क्षानाम त्यांक जानामीटक विशा जांके भावर करेवा वकी नामा कियारेका विटड क्षिति , क्षानावी भविषा नेटकः नाम छापाप पुरुष्याम् अधिका वाव स्था । जाव भा । अधीरः । शास । भागमितक विकासीकाम । कृषीय । एल्पीय । वास्तीकास Matter Links digal. Califor क्ष्मा कार्यक विभिन्न समितिका वागामा वागाम THE WAR STREET, OF द्यानिवादावीय गुरु यान्यात प्राथापात en allentes, en enem co the approx court with कार्या विकास त्या गिनाव नाम

# গান্ধীজীর নামে প্রবঞ্চনা

মহিলাগণ কর্তৃক আন্তর্জাতিক বিবাহের প্রতিবাদ

# ব্রহ্মদেশের বিদ্রোহ

वफ़ वाकादत भाष्डिशूर्ग शिटकिर

# জ্যৈষ্ঠমাসের ক্ষষি

हीरनत मरक जाशास्त्र मनाखत

# হেড্ক্লার্কের কীর্ত্তি

বিশ্ববিদ্যালয়ের সরকারী রবি

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

त्गो<u>त्राच्य</u> 880

মাত্র ১৯০ ভাষটিকেট পাঠাইলেই বুড়পোরে পাঠান বয়। ম্যালেক্যায়া- প্রক্রতিভাগ

क्रिटिक्कमर, (भाः क्षिमामा शूब, नशीशाः।

कारकत्र बारतास्थात तो ये गय याप कत्रिरवृद्धि । त्य अवत्राक वीकास व्यक्त त्व त्य वृद्धि कालात्यत्र स्त्रोक संस्थ

विवासन्यक्षेत्र सामग्री। उन् विवासका अधिनार

शक्ष व्यवस्थात्र मात्राक्ष काटन किन- विकित्त व्यक्ति व काव्यात्र व्यक्तिकाल व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति

সভার অংশেক্ষ হয়। গ্রীবৃক্তা মোহিনী থেবী সভাসেন্ত্রীর আগন গ্রহণ করিয়া-ছিলেন । গভায় অনেক খহিলা এবং বিশিষ্ট বাক্তি উপব্লিড হিলেন।

हीत्का (बाहिनी (स्वी क्रांशंत वक्कात त्व मव प्रदिश्त विशेष शामी वशामकार विक्रित व्यक्ति, वर्ष क्षेत्रः मध्यशास्त्रम नवन्यसम्बद्धाः विवासम्बद्धाः वाजाव क्रेनशिक

করিমাছিলেন, তাঁচাদের মনোবৃত্তির
তীর গম'লোচনা করেন। তিনি বলেন,
প্রেডাটি যদিও নারী মহাগভার মুকীক
হয় নাই তথাপি এরপ প্রস্ত'ণের কর্ণা
উপাপন করাতেই দেশের ছন্নাম কইয়াছে
প্রপ্রতাগের উভ্জেক্ত্রণ বে সমর্থন লাভ
করেন নাই, ইহা স্থাকে বিষয়। ঐরপ
প্রস্তাব স্থাতি, সমাল প্রবং বেশের প্রকা
ক্রনাণকর।

আরও মনেক বকা 'আন্তর্জাতিক বিবাহের প্রস্তাবে তীত্র নিন্দা কর্মিয়া বকুতা করিবার পর উহার নিন্দাবাহ করিয়া একটা প্রস্তাব সর্কসম্বতিক্রমে সভার গৃহীত হয়।

## ভেক্ত চাৰ্কের কীৰ্ত্তি

১৯২৯ সালের ফেব্রুরারী মাসে রমেশ
চক্র সরকার নামক ই, আই, মেশের
ক্রেজন টিপ সহি পরীক্ষক ছেলের
শ্রমিকদের বেতনের তালিকা পরীক্ষা
করিতে করিতে দেখিতে পান বে, ছেড
ক্রার্ক থরেন্দ্র নাব গোখারী এবং শ্রমিক
দের ভারপ্রাপ্ত কর্ম্মচারী এডওয়ার্ডস
কতক্তলি মিধা হিলাব কিবিয়াতে।
ইহাতে প্রায় ১৯৫২ টাকা প্রমিক
হইরাছে। এই অভিযোগে ভার্যের
নামে মামলা কর্ম্মহর।

# শ্রীধাম মায় পুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনঞ্চিটিউট্" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

(थाना इरेड़ारक।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অভি অলের পচিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যায়ে পুস্পর নাসন্থানের বস্পোবস্ত হংহাছে। ভান অতীন স্বান্থাকর।

সনিস্তার স নাদের হল নিম্নলিখিও ঠিকানা পত্ত লিখুন। লেক্টোভান, ভাকুর ভাজিশবিদ্যোদ ইন্**টিডিউ**ট্ শ্রীচেত্তমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

## সুবর্গ সুযোগ বেশী দিন আর থাকিবে না

- (本年 ni ---

## व्याज्य-मिश्रह क्षेत्रशामदश्च

৫০ বাৎসধিক আন্তেশগৎসৰ বা প্লবৰ্গ ভূবিশী শোষ হইছে আর নিলম্ব নাই।
এই উৎসৰ শোষ ইইলেই জ্বৰ্গ অভিনিত্ত শৈক্তি-সঞ্জিনী বঁটাকা? পূৰ্বেইর
কিন্ধানিত ১২, চাকা মুলোই বিক্রার ইইলে। ওঠাল মে শযান্ত উহা
৮২ চাকার পাওয়া যাইলে। এই বঁটাই এক কথার বলিতে গোলে নবনীবন দান করিছে সমর্থ। প্রবর্গ জুবিলীর কথা উল্লেখ আছেই মনিঅর্ডারে
৮২ টাকা পাঠাইরা উহার এক কোটা লউন। বন্ধান হউন। বিলম্মে
নিরাশ হইবেন।

প্রাক্তিকান ৪ – আডক নিগ্রহ ঔষধালয়

১১৪নং গ্রেগ্রার স্থান ক'লগালা।

কাবরাজ শাশভূষণ কবিক্ঠাভরণের



্ মকংব্ৰুতের ও বধার জন্ত ৬ জাং শিশিতে ঘণীকৃত ক্ষরকার ছেটিবোওলের সমপ্রিমাণ উষণ ভাকে পাঠান হয়, হহাতে উষণের কোন প্রিবর্তম জয়া হয় মাই। সুগ্য আছি শিশি ৪০ গামণ, পাঁহট ৪০/৬ জানা বোহণ ১০/৬ জান।

অহিস-১১শং উন্টাডাঙ্গা রোড, পোঃ **শ্বামবাজার,** কলিকাতা

# মদন মঞ্জরী

## शरेदछानिन

4

## কোষরদ্ধি রোগ

ভাঃ এস্, এন্, বোধ বিনা অন্তে, বানজীবনের গাঙাটি বিষা নৈছাভিত কালাগাতে ভোগসুদ্ধি গোল আবোলা কবিয়া বাকেন।

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## দৈৰপ্ৰাপ্ত যক্ষার একমাত্র

नानव मिटन अन्तूर्व कार्याम

গোপী বেখাইতে হবঁৰে। ক্ষরিম পাবের খন্ত (সার্ভ্যান্ত্রী আগ্রান্ত্রী পাঠাই। পাঠাইলে সিনা কোনী বেখা হয় ক্ষর্থা আগ্রান্ত কার্ডিবর বেওনা হয় ক্ষান্ত্রোলা না কল্পনা প্রান্ত পারিল্লান্ত বিশ্বে কর্মনা কর্মনা ক্ষরিক বিশ্বের ক্ষর ক্ষরিক ক্ষরিক বিশ্বের ক্ষর ক্ষরিক ক্যরেক ক্ষরিক ক্ষরি

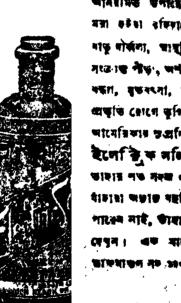
একখানি পাত্র! আনার প্রাতুপ্ত গভ হয় নাগ বাবৰ রাজ বজার ভূগিয়া মৃতপ্রায় ভ্রমান বাবৰ প্রাত্ত ক্ষিণা মৃতপ্রায় ভ্রমান বাবৰ প্রাত্ত ক্ষিণা মৃতপ্রায় ক্ষিণা ক্মিণা ক্ষিণা ক

## প্ৰস

পূর্ব-বালাগায় কলতে সকলপ্রকার হাপার আছ বিব্যাত বৈপ্যতিক মেশিলে দিবারাত্রে কাজা চলিতেলে বিষত জানিতে হইলে নিম টকানার পঞ্চ লিবুল ম্যানেজার—মনোমোহন প্রেস,

३०मर मतास**्या**, छान्।।

মরা মার্ব বীচাইবার উপার



मिक अवानि टाक्न प्रण पायम वीक्रविया टाइक केवर मानिक्ष कर गार्ट मका, क्यानि मेंक्स मानिक मिना करेवा विकारक क्या माना व्यक्त द्वान व्यक्त प्राा करेवा विकारक क्या माना व्यक्त द्वान व्यक्त पापू वोचेगा, पाय्विक क्षणांका, वस्त्रुव, क्षण्या, नामक मध्याच नेका, भन व्यक्त क्षणांका, वस्त्रुव, क्षणांक, नामक मध्याच नेका, भन व्यक्त क्षणांका स्वा वाक्र प्रोचक स्वा, क्षण्या, शावका, त्वक क क्षणांक्य, विक्रवित व्यक्ति द्वारंग क्षणांका व्यक्ति मार्ग्यक्त, क्षणांका स्वात्र क्षणांक प्रशास क्षणांक क्षित्र वाक्रिक व्यक्ति, काव्यक मक्षण व्यक्ति क्षणांक क्षणांका क्षणांका क्षणांका वाव्यक मार्ट, क्षणांका व्यक्ति क्षणांका व्यक्ति वाव्यक्ति क्षणां प्राप्त मक्षणांका व्यक्ति क्षणांका व्यक्ति वाव्यक्ति क्षणांका प्राप्त मक्षणांका व्यक्ति क्षणांका व्यक्ति वाव्यक्ति क्षणांका प्राप्त मार्ट, क्षणांका क्षणांका व्यक्ति वाव्यक्ति क्षणांका प्राप्त । वक्षण व्यक्ति क्षणांकाला वक्षणांका क्षणांका क्षणांका

Corporations

The field by the state of the

## **मः**वाष मार्किनिर धामक

भण )•हे (य त्रविवास कुठिवहातायि-পতিম গাঁকিলিং সংবহিত অগতা ভিলা নাম্প্ একটা বিভ্ত বাগলোতে সকাল বেশা হইতে স্নাতি ১০ ঘটকা পৰ্যন্ত रिक्रिया चारणांच्या इरेबार्ड । यह निक्रिड শৰ্মাক প্ৰেশবিধ্যাত সক্ষন শ্ৰীল প্ৰভূ-शारमञ्ज अमृत्य एतिकथा आवन कतिहा এবং মহাপ্রাসাদ সন্মান করিয়া পরমানন্দ नाक क्रियारक्त। मार्किन् महत्र এहे থাকার প্রভূতপূর্ব ও অঞ্ডপূর্ব ওদ-क्षिकादान कर्षान पर्नान मकलाहे পরশক্রীত হইয়াছেন। বিশেষতঃ বাঙ্গালী क्षिणूगरगत्र कामन कात नरत मा। ८मरक-**े जित्री व्या**भिटमत बाजाणी बिष्णु भटहापद्मशन. मनार्यम कामीय द्राम न्द्रा दहेमन माहात, বৃদ্ধ পোটাপিদের কর্মচানীরুন্দ, স্থানীয় উকীল ত্রীভুক্ত সভোক্ত বাবু এবং স্থানীয় ভারণার ও সম্ভাক্ত বহু ভদ্রবোক গড় ৯ট শে অগতা ভিলাম বিলেম আগ্রহের সহিত উপश्चिष्ठ इहेगा क्षिण खन्नारमत की पूथ-নি ক্ষেত্র হরিকণায়ত লোলুপকর্ণপুটে গান ভবরো নোশক করেন। ভাঁহালিপকে উপধ্রৈ সঙ্গে সঞ্জে পথাস্বরূপে হিভিন্নতা পূর্ণ চন্দা, চুখা, ব্যেহ্ন, পেয়া: মহাপ্রাসাদ ও व्यक्ति स्हेश्रीहिन।

ত্রিদভিষামী শ্রীমন্ ভব্তিবিবেক ভাব ঠা মহারাজ, গোস্থামী শ্রীগাদ অপ্রার্থত ভজিলাগ্নস প্রাভু ও অহাত বহু ১ডের चामर्भ अक्रामितात धालाव महत्रमा ६ हारेडा পড়িতেছে। সকলেই যেন একই সংবে क्रेड फारन क्रेड विधार्ट्ड पूर्णन अवा করিয়া কিয়া পূর্ণ ইন্থমে সেবাকাথ্যে এ গ্রী।

🧸 গ্রন্থ শুক্রনার ক্ষিকাভা হইতে শ্রীণাদ भागीत्मार्न जन्महाती, श्रीभान क्रवरकिरन् मामाधिकाती वि, अन , अवः भवन जागरञ জীবুত বড়ীস্থনাথ পাল নি, এ মতোদর मार्किनिर्ध जीन क्षापुशास्त्र शर्माहित्क (भीष्ग्राट्य।

**अ**भाग करनकाकिम् भागः अधिकाती বি,এ মহোদর লিখিতেছেন,— খানের প্রাকৃতিক দৃশ্ব শতি শনোরম। এখানকার व्यक्तिक रेनिया शहे ता, करन बाहे, कंटन देशीया। कथन छ हाद निम धरिता অনবরত বুটি পড়িতে গঠিক। আঞাশ আনেক মুর ছইতে অনেক শিক্তি, সমায়,

শ্রীক্রীগুরুলোক্সাকৌ জন্মতঃ

# দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

## নিত্যপাঠ্য বৈকৃষ্ঠবার্ত্তাবহ

বেদানি সমস্ত সাত্ত-শাল্পের অক্তক্রির ব্যাধ্যাত্তা সমগ্র ভারতে একমাত্র সূপভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

শ্রীলা অ-ছাহাপুর--১লা জ্যৈটি শুক্রবার--১৩৬৮

চিক্ত পর্যান্ত নাই, আবার পরক্তনেই দেখি-বেন, কুয়াসায় চতুর্দিক সমাচ্ছর। ক্সি-কাতা, মাগাপুৰ প্ৰাচৃতি স্থানে অসহনীয় গরম, আর এগানে পৌৰ মাসের কন্কনে শীত। যে সময় ট্রেণ শিসিগুড়ি ছাড়িয়া লৈল আরোহণ করিতে থাকে, সেই সমহকার দৃশুটা অভীব চমৎকার। একসবে ৪া৫ থানি গাড়ী লইয়া একটা এলিন ছাড়ে। পর পর ২।৩ থানি ট্রেণ যখন একদলে চলিতে থাকে, তথন তাহা অতি ञ्चलत (तथा योग्र । এथानकात देनगवामिशन প্রভাষ্ট্ আমাদের বাসায় আসেন এবং পরনাাধা গ্রাভুগারের শ্রীমুখে হরিওখা ख्यवन कतियां निक्तनियदक ४७ **छान करतन**। এখানে উলেটিলন মিশন, বৃদ্ধিষ্ট মনেষ্টারী, মুসল্নানদের মস্থিদ প্রভিতি অনেক ञाटक, जिन्ह रिक्युफ्त **टकान गा**वानन भर्या-মন্দির নাই। এরপ অবস্থায় আমাদের এচার পরমার্থ<del>াক্ত শৈলবালিদের যথেষ্ট</del> শ্ৰদ্ধা থাকৰণ কৰিবছে।

क्षिकोटा इडे. अबाताराधिक जीलाम **আছেরবে থাবতীঃ জ্বা**ড্যাদোষকে প্রধানত ক্সবেহারী বিছ্যাভ্যণ, শ্রীণাদ স্বীচরণ ভক্তি-বিজয় মহোদবের পুত্রখ্য, জীযুত জেণাতীশ **हम्म माधान, इक्शनगरतत छेनीन जी**श्रृष्ठ অন্নদাপ্রদান দত্ত এবং রাজগঞ্জ হুইতে শ্রীযুক্ত কিশোর্বালেছন ভজিবান্ধর বি এল, সংহাদয় গভাৰত্যে বৈশাৰ শনিবার রওনা হইটা ব্রনিবার যেলা ২টার সময় দাজিলা্এ উপष्टित इहेगाएन। वर्तमान जीत्र शकु-भारतत निकंठे २७ मूर्वि अवर्द्धिक ।

শ্রীযুক্ত ছিলোধীলোছন- ভক্তিবাদ্ধৰ বি,এল মহোদৰ লিবিভেছেন,—শ্ৰীল প্ৰস্থ-পাদের ক্রায় তাঁহার পাদপথ দর্শনের সৌভাগা ঘটিন। এখানে এই স্বন্ধ सम्दाता अत्यादे द्वाना व्याजाता हरेबारह । द्यांकि क्रिंगिष्टिक । व्यापनि बीखान शिक्टिक ज्ञामाञ्च , क्यानाक आकार है अनुपारमन হাঁটিতে দেখিতে পাঁইবেন, কাকাল একৈ - ট্রেকট্ ছুরিক্লা, প্রব্যের, গ্রিপাসা, লুইয়া वारत निर्मान, स्क्रांबाध्य स्मय वा कृषानाच जानिएछएम्। १८७।यस्य नकरनम्हे

**अञ्**लारमञ् উপর यरश्डे अ**दा स**िथ्या বত্ই আনন্দিত হইলাম। প্রচার বিপুলভাবে হইতেছে।

## মাদ্রাজ প্রসঙ্গ

গত ২৪শে বৈশাধ ৭ মে বৃহস্পতিবার এধাম মাগাপুরক আকর মঠরাজ ঐতৈতত মঠের অক্ততম শাখা বাজাৰ গৌড়ীয়মঠে শ্রীমন্মহাপ্রান্তর অস্করত প্রার পর্যদ রায় রামানন্দের ভিরোভানোৎসব বিশেষ সমা-রোহের সহিত সম্পন্ন হইরাছে। এতছণ-লকে অহুঠানের ভালিকা নিমে প্রদন্ত ट्डेल,--

- () विमिधियांनी जीमहक्तित्रकरू শ্রীধর মহারাফ সভাপতিরূপে নির্বাচিত इडेग्नाइटिंगन् ।
- (২) সভাপতির অভিমতারুষারে জীপান क्रमानम उप्तामीकी कर्ज़क मक्सा ७।०• হইতে ৮/৪৫ পথান্ত উহোধন সঙ্গীত গীত 5:11
- (৩) ৬ ৪৫ ছইনে ৭টা প্ৰাস্ক ত্ৰিদণ্ডি-বানী শ্রীমদ্ ভক্তিবঞ্জন ভক্তিদার মহারাজের হিন্দিভাষার বক্ততা।
- (৪) ৭টা হইতে ৭-১৫ পুৰ্য্যন্ত পি, এন, শক্ষর নারায়ণ আয়ার এ, ভি, এল. বি, এল মহোনয়ের তামিল ভাষায় বন্ধতা।
- (e) ৭-১৫ হটতে ৮টা পৰ্যাম্ভ জিদণ্ডি-স্বামী বাগ্যিপ্রবন্ধ শ্রীমণ্ডভিদ্যদন্ত বন মগারাকের বস্থাতা।
- (৬)৮টা হইতে ৮-৩০ মি প্রয়ন্ত সভাপতির অভিভাষণ।
- (৭)৮ ০০ হইতে ৮-৪৫ মিঃ পর্যান্ত অন্ম ভক্তের বস্থুন্তা।
- ( ৮ ) ৮-१४ इंदेर र २६। भवास ७६-ভক্তগণের প্রার্থনাসদীত।
  - 🖚 বিচিত্ৰভাখুর্ব মহাপ্রসাহ বিভর্গ ।।

गठ २८८म देव<mark>नाचे ५६ ८व छक्र</mark>वात माजारक कर्मरावद्यारणाडे नावक विकेश नस्यन रिविक बर्बात अस्तिक त्यी अध्ययान নামক একটা সমিতিতে মি: বিজয়রত্বস शिक्षके-महामध्यत प्रेट्याण माजाब लोकी व-मर्देक्ट्रमयक्क्रम औरेड्ड्रमयानी कीर्चन करतन । ঐ সমিতিটা 💝 বংসর মাবং প্রতিষ্ঠিত। বছ লোক সভার বোগদান করিয়াছিলেন : ওঁ বিস্থান পরমন্ত্র 🚇 শ্রীমন্ ভবিং নিভান্ত সরস্তী গোষানী নহারাজের অসুগত व्यवित्रकृतसम्बद्धाः व्यविद्धाः विश्वकः नाष् **अफ़िया निमादक ।** 

## জ্ঞানের নিক্ষলত্য

(১০ই অঞ্চায়ণ (১০০৭) তারিখে: শ্রীগৌড়ীরমঠে শ্রীপাদ স্থন্দরানন্দ বিশ্বা-বিনোদপ্রভুর অভিধের তথু সহকে বভুলা হইতে সংগৃহীত )

বিনি বডই জানালোচনা কৰুন না কেন, कशटा अगन क्रिक्ट नारे, यिनि व'लाइन-এবান ইতি হ'য়েছে। কোনও পাশ্চাভ্য বৈজ্ঞানিক সমস্ত জীবন জ্ঞানালোচনা ক'কে ব'লণেন,—'আমি কেবদ জান্দমুদ্রের তীয়স্থ উপল্পণ্ড সংগ্রহ কর্ছি মাত্র, এখনও ভাগতে পদাসুঠ স্পর্শ করাবার ক্ষতাও হয় নি।' কাজেই উহা বিশাস, উহা কেহ অভিক্রম কর্তে পারে না।

ত্রদার চারটী সভক, তিনি চারটী মাধা দিয়ে চিন্তা করেন, আর তার পরমায়ু ামাদের হিসাবে কত বেশী, কত যুগ-ঘু<'ান্তর গত হ'বে গেলে<del>— কত</del> প্রলয়াদি সংঘটিত ২ংলে ভার একটা দিন মাত্র গভ হয়, প্ৰভাৱাং জান্ন অভিজ্ঞতাও বেশী; এমন দে একা, তিনি ব'লছেন,—"ভানে প্রেয়াগ-ম্দণাক্ত নমস্ত এব জীবন্তি সনুপরিতাং ভবদীণবার্ভান্। স্থানে স্থিতাঃ শ্রতিগভাং ভয়ুবামনোভিৰ্যে আগমোহজিইজিভোইপাসি তৈগ্রিলোক্যাম্ 🗗 —হে ভগবান, আমি মনে ক'রেছিলাম, তুমি বুঝি আমার রাজ্যে **५८ग**इ: ८६मन **कन्नान की**न, ८महेक्रल তুমিও বুঝি আমার প্রজা। কিন্তু ভগ্রানকে এইরূপ মাপ্তে গিয়ে ভিনি যথন গোবংস ও গোপালগণকে হরণ ক'রেছিলেন, ভখন ভগবান্ মুলুনিয়ে সেইরপ গোবৎসাদি প্রকাশ ক'রে ফেললেন। তথন একা कश्रवमाधात मुख इ'रव व'लाहिलान,--कारनद প্রাাসকে ত্যাগ করে—একেবারে উন্মানিত रु'त निष्य योजा नमः विधान करतेन, अञ्चल তাণে করেন, শরণগিত হ'য়ে সাধুগণের **মুখ**বিগ**ণিত তো**মার যে বার্তা, ভাহা च च चारन व्यवचित्र इरधरे दनि শ্ৰৰণ ক'লে জীবিত বাকেন, ভা'হলে বে অভিত তোগকৈ কেউ ৰছ কর্তে गोरंत्र मां, रगरे कृषि कीरमञ्ज पातालीक क्षाय । अहे वर्षक अंद्रा **क्ष्म क्ष्म कर्म ।** 

স্টিকতা ব্ৰদা জানাগোচনার চূড়ান্ত হেন নিভাই বিনে ভাই. ক'রেও ঠকেছিলেন, আমি তার স্টের অঞ্জতি কুজাতিকুল মাহুধ একটা, আমার কতটুকু প্রভাব! আমি যত বড়ই প্রেতিষ্ঠাশালী হই না কেন, বন্ধার মত হ'জে পার্য না ; কাছেই অত বড় অভিজ্ঞ, অভ দ্র পরমাযুবিশিষ্ট ব্রহার কথা না ভনে আর কার কথা শুনব ? এই রক্ম জানা-লোচনা কর্তে কর্তে ধখন আমরা ইতি পাই না, তথন অকৃগ সাগবে পড়ে 'অনন্ধ' মনে করে ব্রহ্মকে 'অসীম' 'নিবিবশেষ' প্রভৃতি সংজ্ঞা দিয়ে থাকি—ভার সীমা নাই, ইতি নাই, বিশেষত্ব নাই, ক্লপ নাই, আকার নাই, নতুবা আমাদের মাপকাঠিতে ভিনি আস্বেন না কেন ? ইত্যাদি বলে নিজেকে প্রবোধ দেই—একটা শান্তি দান কর্বার চেটা পাই। এই ত জ্ঞানের नीय।!

## গুরুতত্ত

( ? )

আচার্যাবর জীরগুনাথদাস গোস্বামী প্রভূ গ্রীরূপাত্রগঞ্জনের রাগাত্রগমার্গীর আচাৰ্যা। তিনি বলেন,---न धर्षाः नाधर्षाः खंजिशगनिककः किंग क्क व्यत्क त्राधाकृष्क- প্রচুরপরিচর্যামিত তমু। শচীসমুং নন্দীখরপতিস্কতত্ত্বে গুরুবরং मुक्सारश्रवेष चत्र भत्रमञ्जाः नस् मनः॥

অর্থাৎ হে মন, তুমি বেদাদিষ্ট ধর্মসমূহ बा दिननिविक अधर्मानि किष्ट्रे कति ना, ত্রজে রাধারুক্তের প্রচুর পরিচ্যা এথানেই সাধন कत्र। महीनकत्रक 'उक्किनकन' वानित्व अवः अक्रान्यक मर्कना इक्किथावजन कानिया जन्म कन्नित्व ।

লিখিয়াছেন,---বন্দুবি আমার শুরু চৈতন্যের দাস। তথাপি তানিয়ে আমি তাঁহার প্রকাশ ॥ **এই 'शांन औश्वन्धराव औरेंक्टना ना इहेरल**७ रेठळनारमस्त्र टाकाम । **एड**ङक স্ক্রগতের শুরু চৈতনাদেবের প্রকাশ, নিতাা-নক প্রভূ বিফুডবের মূল বস্তা হইলেও দশ स्म् श्रांत्रण कत्रियां कृष्णत्मयां करत्रन ।

শ্রীপাদ ঠাকুর নরোত্তম তাঁহার প্রার্থনার मत्था निर्विद्यारहरू,---श्चरार्गत्र साहि सहित, श्रामासूटक सम भूति, ৰোহাকার অক্টেক্টেরিব।" জিতৰতজিন ঠালে, শ্বক্ষণা সৃথি বাষে, . टामरतम् **सार्था**तः **कतिन् ॥** 

ब्रांशङ्क भारेत्व नारे, मुख् कवि यत्र निकारित शांत । (म मक्स माहि वा'त्र, तथा क्या त्राम छा'त्र,

সেই পশু বড় গুরাচার ॥

শ্রীপাদ চক্রবন্তী ঠাকুব লিখিবছেন,---माकाषतिरञ्ज ममञ्जादित-ক্ষক্তত্তথা ভাষাত এব দৃদ্ধি:। কিন্ধ প্রভোষ: প্রিম এন তম্ম वत्न अरबाः होऽत्रवात्रविनम्॥

व्यर्थीय यमिक मुक्त भारत क्षराप्त ভগবান্ বসিয়া কথিত হইঃ।ছেন এবং নৈক্ষৰগণ ভাষ্ট ভাবিয়া পাকেন; তথাপি শ্রীগুরুদের সাক্ষাং ভগবান্ হইলেও ভগবানের প্রিন্ন, ক্রফের প্রকাশস্ক্রপ ; সেই खतः। कति । कति ।

শ্রীগোরপার্যদ বক্রেশর পঞ্জিতের শিশ্য ত্রীগোপাৰগুরু, তচ্ছিয় শ্রীগানচন্দ্র গোষামী শুরুভক্তের প্রমাদৃত স্বীয় প্রভৃতি এরে निश्वितारहम, — "ञीगहाळा इरमयनियादनाम **बीवांत्रामितार्यनाम् शृहरतः छटेथवः उद्यक्ताम् क्रिश्वक्रामीम् 'अक्रिश्वः।'' 'व्यर्थार द्धिशोत-**নিশ্বাল্য থারা খ্রীনাসাদি পাধদ ভক্তপণের পূজা করিবে। সেই প্রকার গোরপ্রাদার বারা জীওমদেবপ্রমুগ ভব্তগণের ভব্তি-महकारत शृक्षा कतिरव ।

🕉 বিষ্ণুপাদ ভক্তিবিনোদ ঠাকুর ২বিনাম-চিস্তামণি-এন্তে লিথিয়াছেন,—

"श्रम्पक गामाञ्चकीय ना कानित्य करू। खक--कृष्णनिक, कृष्ण्यह निडाधक् ॥"

"গুরুকে কৃষ্ণ বলিহা মনে করা মায়া-वानीत्र मञ्, ७६८वक्षरवत्र मछ नरह । जाधक ভক্তগণ এবিষয়ে বিশেষ সতর্ক হইযেন। মায়াবাদ স্চাক্ষরে সাধনমধ্যে প্রবেশ করিলে শ্রীপাদ কৃষ্ণদাস কবিরাজ গোস্থামী প্রত্ত সমস্ত সাধন দ্বিত করিবে।"

> শ্রীক্লকতৈতক্তপ্রভূ উপদেশ করিয়াছেন,---किया विक्र, किया नामी, मृष्ट क्लान नत्र। (यहे क्रमण्डवत्यका, त्महे खक स्त्र u

সুতরাং বছাত: উপর না হইরাও স্থালাসগণ কৃষ্ণতৰ্নিৎ হইলে শুক্ল হন। देशदे निकाबिक रहेन।

পারমাণিক পালে লিখিত আছে, **औधक विन दार्गाव,—अवगश्चन, क्यान** শিকাশ্বক এবং মাশ্বক (প্রীচৈতর চরিতামৃত্যতে হৈওঞ্জে শইরা চারি अकाब )। वर्षा कार्यक्रमा वा अवगर्धक *्र*्राष्ट्रमात्रनिकाश्चनः सद्ग्रहः एटन् अक्टे राजि सन्। जिलाधक पानक स्टेरनक আগৰমৱশায়কুশল খালর নিক্ট বয়

वार्ष क्रिएड स्त्र। महाक्रम विभ অবৈক্ষণ হন, ভাছা হইলে ভাঁছার স্বার্থ উপেকা করিয়া জাঁহাকে ভ্যাগ পূর্মক ভগ্ৰদ্ভভাগ্ৰন্থ চৰণাশ্ৰয় করা কণ্ডবা। প্রীপ্ররাদে কে অভীষ্টদেবতার ফার্ন ভব্তি করিনে। ভব্বাদিগণ মাগ্রাদিগণের ক্লায় চিদ্বস্থতে বিশেষ নাই স্বীকার করেন না। ভ্রীঞ্চীন গোৰামী প্রভু ভক্তিসকর্ডে লিপিশছেন,—"তিমিংশিক্সাদেছলি বস্তুনি বা বিশেষাঃ স্বয়পভূতশক্তিসিদ্ধা ভগবন্তাদি-রূপা বস্তুত্তে তাংছে বিনেক্ত্রু ন ক্ষমত্তে যথা রক্ষনী থভিনি ক্যোভিধি ক্যোতিশাত্র-**८५** शि म उनास्तर्काहरू भिवायिभागानि-পরস্থারপৃথার ভূতব্দ্মি পরমার্রপা বিশেষা-छाः कषाठक्षी न कमटल हे हा वश्यक्ष । প্রবচ্চ যদি মহৎক্পাবিশেষেণ দিবাদৃষ্টিতা ভবতি জনা বিশেষোপলবিশ্চ ভৱেং।" শ্রীগুরুদেবকে মায়াবাদ বুদ্ধিতে দর্শন করিলে ঈশ্বর বশিয়া প্রতিপন্ন করিবার প্রচোজন হর, কিন্তু শক্তবিক ( ওরুত্বপা) মহংকুপা-वित्मव बाता बिवामृष्टि लांख ६हेल श्रेयत-বস্তুতে বিশেষদর্ম উপলব্ধি হয়। তথন "रान्त श्रक्तन्" अञ्चि स्माक दात्रा श्रीकृषा-চৈতক্ষের আসুগত্যাভিলাবে রুচি হয়। इस, खज़्दत्र, डाङावाडात, टाकान । শক্তি-এই ছংক্লপে করেন নিলাস।

এই महम्ताका इहेट्ड काना यात्र दय, শক্তিগত ভেদ নিতা। তাহা লাধানিকাশ-दकोगरम ठाभिया दाशिया ठाँगदा ना।

হুতরাং মৃদ্ এবং নিপুণ উভগ্নপাঠকই শঙ্কে বুঝিতে পাবেন যে, বস্তুত: ত্রী গুরু ঈশ্বর নহেন, কিন্ধ ভগবদাস। তাঁহার স্থিত প্রাক্তর বাবহার করিলে ক্রমণপ্রসাম কোন কালেই লাভ হুইবে না। অংগ্রারত निष्ठाक्रत्भ अक्षरमग्रक मक्षमा विद्यारम्कि कतिरत । शक्तरक इर्देनीडक, व्यर्थरमाञ्जी, ज्ञिभुक्तिवाशायान्, त्यातिष्भणी, क्रकाञ्क, কণ্টী, জীবহিংসাপর, লাভপুলাপ্রতিষ্ঠা-(मदी, मप्रकीवी, व्यदेवक्षव विषय्न क्रानिएक পারিলে তাঁহার আশ্রয়ে রুঞ্ডক্তি লাভ হইবে না। সেই অযোগ্য কণটাকে সম্পূৰ্ণ-ভাবে ত্যাগপুৰ্কক ক্ষতব্ববিৎ অমন্ত্য, ৰপ্ৰাক্ত ওকাশ্ৰয় অবস কঠবা।

## यात्रात-८नमा

( ত্রিদ্বিখানী শ্রীমহক্তিবিফান পালন वहात्राम )

())

त्ननात्वात्रत्य मकरमेरे प्रना करत्र। নেশার মাছবের মছডার লোপ করিয়া পভৰে পৰিণত কৰিলা বাবে; ইহাৰ কৃষি ভূমি দুটাক ইতিহাস সাক্ষ্য নিজেহে। নেশার खंबा वह धार्मात्र भारत, एम्राया---

অভাগিতভ্ৰণ তথ্য হানানি কৰবে নৰে।। পূতং পানং ছিল: স্বা হতাধৰণিত **ুৰ্বি**ধাল 🗈 পুনন্দ বাটমানার আভন্মপ্রদাৎ প্রাকৃতি **उरकार नुद्धः मनः कामः संस्का**ं 🔻 🔻

रेवत्रक शक्सम्॥

(১) মূত ৰণা—ভাস, পাশা, সভন্নক हेडापि (२) शान, यशा नानाविध **मछ**, গঞ্জিকা, অধ্যেদন, চা, পান, ভাষাক, ভাড়ি हेडानि (७) प्यतिष क्षीत्रकानि (६) হিংসান্থান (৫) জাতরূপ স্বর্ণটোপ্যাদি---এগুলিও দেশার বস্তু।

क्षडे कमिनक्क श्रांत बाह्यत दम्कि। अकाष्डराद्यापत्री मामारमती क्रक्य हिना प জীববুদের উপর আপন প্রভাব বিভার পৃথক অটুহাক্তে তাঙ্ব নুভ্য ক্ষড় कीनदुनरक रुक्तुनक नवरमत्र मछ देखकः ঘুরাইতেছে; কি এক গোলাপী রঙ্গীন নেশায় মাাদেবী ছীবকুলকে উন্মন্ত করিয়া রাখিগাছে ! এ উন্মারনা, এ মুর্চ্ছনা কি ভান্দিবার নচে 🏻

মাতালকে মাতাল বলিলে, লে জুদ্ধ চইয়া উঠে, নেশংখোরকে নেশাখোর বলিলে আর রজা নাই! সভাকথা বলিলে লোকে সভসগুই অগ্নিশর্মা হইটা ভাষার मक्तेमान माध्यम विकक्ति करत मा।

হে পতিতপাবন পতিতোদারণ 🖫 ভঙ্গ-দেব, আমি মাগার নেশায় অন্ধ পথিকেন্ত্র স্থান এছর স্বোরে পরিজ্ञমণ করিছেছি। আমায় এদারণ নেশায় ঝোঁক হইতে डेकात करून। तिमार्थारत्रत्र कि छुर्गेडि. তাহা আপনি বিশেষ**রণে অবগত আছেন**। मारायक कीयदरम्बत उभन्न अहे कर्डकुकी কুপাব,নিবৰ্ষণ আপনার নিত্যস্বভাব ; আমি যেন যে ক্লপা হইতে বঞ্চিত না হই।

জাঁবের কুর্দশা দেখিয়া ঠাকুর জীপ ভক্তিবিনোণ কীঠন করিয়াছেন— মার কেন মারালালে পড়িতেছ জীবনীন। नाहि ब्लान रक्ष ह'रब ब्राय्व छूमि हिन्नमिन 🕫 **क**िकुक रकांग कारम, यसी शुरू मात्रानारम রহিলে বিরুতভাবে দণ্ড্য বথা পরাধীন 🛭

উলিখিত পঞ্চ স্থান ব্যতীত জীবেশ্ব আরও নেশার বিশঃ আছে। সুভীদেবীও বলিয়াছেন,—

करेम्बर्गाक्षक क्रिकिटनध्यानममः भूगान्। । देनवाईछाकिशक्त देव चामिककरगांत्रम् । (all : links)

करशत कविमान--( > ) वया--कानि स्मीन बाधन (उक्क्यूलाहुक बार्कि), दे रे ) जैचवाक्तिमान, व्यापात्र स्ट्रावक्ता वन-ম্মানি ( ০ ) আমি সময় নামে পরিষ্ঠ, (০)-আমার ক্ষান্ত্র, ক্ষা अधिमानक बाबाब दमनो ।

## মন্ত্রাগবভম

विमन्नहर्ति क्रकदेवनायन द्यस्याग-अपी छ युग जीभन-মধ্বাচাৰ্য্য-ক্লডা ভাৎপৰ্য্য-নিৰ্ণন্তীকা; শ্ৰীমদ্বিখনাপ চক্ৰবন্তী अकूत-कृष्ठ नात्रार्थनिया क्रिका, वश्वास्थान, मः कृष्ठ व्यवस्थ লাই ক্ষেত্র প্রতিপান্ত ক্থাসার, অন্যারের প্রথমে ঐ স্বাহের ব্রাহ্ম হবিভূত তাৎপর্যাদি নিমৃত। লোক সূচী विषयक्ती, अशांशविवत्रण, शांक ७ हानकृतीम् छेद्य কাগলে উত্তম অকরে মুদ্রিত। প্রথম হইতে ১০ম ধন পর্যাক্ত ছাপা স্প্রিপে শেষ হইয়াছে। ভিকা প্রথম **क्ट्रेंटक क्रम क्रक श्रीहर २०।√० तन्म ऋक ३२**् ; শ্ৰহা ৪০ ।

## **बिडिट्डिक विश्वायक**्

विधियस्थि वित्नारशंकुत्त-त्रिष्ठ 'बगुण्यवाद्यवाद्यात्।' ও 💐 🖎 মন্ত্রজিনিকার সর্বতী গোরামী প্রত্রপাদ লিখিত 'অফুডাব্যে ঐডি-স্ভাদি বহু শার্তমাণ-সম্লিভ চট্যা व्यक्तिक इटेग्राइन । स्मार्कत्र मानग्रताथा, क्याक्ष्रतान्छ প্রভ্যেক পরারের পূর্বে সংক্ষিপ্ত অভিনেয় সংব্যক্তিও। প্রত্যেক অন্যায়-প্রারম্ভে কর্থাদার দেওরা আছে। গ্লোক ামার, শক্ষ, স্থান, পাত্র প্রস্কৃতির স্থারুহৎ স্চী ও প্রস্কৃতির নিশুত জীবনী সম্বিত এইরূপ অভ্তপুর সংস্করণ ইতঃপুর্মে কুতালি প্রকাশিত হয় নাই। উত্তম কাপ্তে পারিপাট্টের ाक्तिक **भूग क्ष्म**ारत मृगारम मृज्ञिक स्हेपारक । अस् श्राय ১৫০० शृक्षेत्र गुल्मझ । खिका चखकारन e् माळ ।

#### **क्रिकेट क्रमान्त्राश्वय अ**

ব্রস্কারের শীবনী, প্রতি পরিছেদের ক্পাসার, বিশ্বত भोजीब कादा, भक्रफी, भवात्रक्षी, विवय-शाम भावाधि-সূচী, প্রস্তৃতি বিবিশ বিষয় সহলিত বিরাট বিতীয় সংখ্রণ রব্দ জাউন ৮ পেলী আকার। আদিলীবা ও মনোর কিশ্বৰংশ প্ৰকাশিত হইলাছেন। জ্ৰুমে জ্ৰুমে প্ৰকাশিত क्षद्रेरक्टकमा अधिम किया ८, छाका, आणि मीमात विकाद् ।

#### **बिटेस्ट सम्बद्ध**

এট প্রয়ের এরপ অভিনব মুদ্দর সংকরণ জার কুতাপি क्षाकृतिक इस नाहे। माक्षक द्वाकाराभव व्यव, वकाल्याम, स्राधाः स्थानात्र, स्था श्राकृष्टि नर् पर्छ परछ श्राकानिक ব্রৱাছেল। মূল বোটা অক্সরে ভবল ক্রাউন আটংগলী ब्रह्माकाट्स झांना ब्रह्माट्स । मुना २०० होका । समीता क्ष्मान ७ भोकीतात्र आर्क्नगरनत गरक ३॥० छ।का ।

्रेट स्थान के जा किया है। इस्तार के किया **अवि**विश्वयां इक्त्यविशाष्ट्रत (शायां विक्ष्ण नातार्थयंथिये श्रिकामध्यका क किञ्चिमद्यक्तिवटनाव ठाकूव-व्यनीष्ठ 'प्रतिक-्यंत्रम् सामक् काराकामानविका । क्यामिन्छी, माक्काकस्य ब्राह्म-पूर्वी विवय-पूर्वी शहरात्र सीवनी । व्यवस्त्र विवनी अह-आध्यक्षविवह नक केरमूद वीक्षाद प्रकीत नश्यक्षप-- এই त्राक स्टेट्ड शक्तिकमारण गांव गृरीक; क्रीकीय शांवागी कि क्रिका गांवा र

## ोन প্রভূপাদের বক্ততাবলী

ও বিভূপান এএমত কিনিবাভসরসভী গোম্বামী মহারাজের নেই অবিভাবিকারিনী कीयाश्चाश्चकत्यात्वासिमी क्रमा-कार्ध्वानम्बाद्यिमी कीवल-वानीत মুক্ত-বিপ্রাহ—বৈক্তবনিদ্ধান্ত-রত্তমালার কৌস্তাহমণি—সম্প্রদায় বিধ্ববিধানী—দল্ভ, রক্ষণজি ওর্ন- বদ ওয়ক জীব— বৈভ্ৰবিজ্ঞানাগারের মৌলিক তথ্য-পঞ্চরাত্র ও ভাগ তেব শমবয় শুক্ত -- মহাজ্ঞান-জীবনচ স্থিত-শিক্ষ ক -- চি বিপাস চিন্মাত ক্ষতিশন । প্রতিশন । প্রতি করের আদিতে মিচিমাজ-বিচারক—ঐপ্রণ্য ও মাধুণালয়ের সোলিক প্রেমণাল --- শবদ্ধ, অভিনের ও প্রয়োজন করের সিদ্ধার সম্ভা

> ১। প্রথম অত্ত-বৈশ্বদর্শন, শ্রীভবতর, কাল सर्च, श्रीमध्याविकार, श्रीमार्चभागी, शासमाधिकी मीका ও বর্ণ-বিচার, আত্মধর্ম ও মনোধর্ম, ভীটেডভভনের ও ভাষার শিখা, অপ্রাক্তি সহজ্ঞপত্ম ও প্রাক্তি স্থ্যস্থ ৮০ সার আলো।

১। দ্বিতীকা খণ্ড-- শুদা ও নিদ্ধা ভব্তি, মনুযোর খেটতা কোপার আত্মার নিতাবৃত্তি, শ্রীদর সামিপাদ ও भाषाताम, श्रीरणीत-निष्णानमञ्जानम, वितुर ति सर्व ६ क्रक-कींत्रम, शिवानिश्रकांत्र श्रीभ्रष्टांश्वरत्त्व कीर्त्रम, आत्राशिव-গামের মভিমা, মহাপ্রায়াদ, জীগোবিদা, জীক্ষপান্তগভলন-भण, क्रीमाठी गुमछाञ्चलक्रिकेते. क्रीटेड अटलाम जगा, Cela कराना ও রস্পার্কার্তন---চতুর্দশ অপুস্ব মধুরিমাপূর্ণ-বকুতা-বিসূহিত। किया > जक डेका माछ।

প্রথম ও বিভীয়--- তুই **খণ্ড একতে দ**ইলে ভিকা ১৮০ নেছ টাকা, ডাক গরচ স্বভন্ত।

#### **এমত গ্রদগীতা**

Cभी श्रीय-देनकावलार्गनिक-द्याचन अञ्चित्रम् । कार्यान विका ভ্ৰণকৃত ভাষা ও ত্রীমন্ত্রকিবিনোদ ঠাকুরেরপ্রাপ্তল বল-ভাষায় বিস্তৃত 'বিশ্বর্থন' নামক ভাষাযুক্ত। অধ্যায়-স্চী, বিনয়স্চী, ও প্রতি স্লোকের প্রথম ও ডঙীয় পাদ স্চী, ভাষ্টকারের জীবনী প্রকৃতি দল্পিত। উংক্ট বানাই, রাজসংখ্রণ ( তৃতীয় সংখ্রণ ) গ্রন্থের क्रिका २, हाका।

## **टा** भ्यात्र क्षावनी

बीमहरूतन निशासन्य-व्यापिक विकासनीम, मनार्क छ भावित्य-खाषाणि পड़ियात्र व्यथम अस्। उँ९कृष्टे कालिल्ड ছাপা। স্থবিভত টাকা ও প্রোপ্পবস্থামুবাদ-সাচাযে। অতি সহকে বালকেরও বোধগমা হইয়া থাকে। তিকা । প । আনা মাত্র।

#### **এনব্দীপৰাসমাহাত্ত্য**

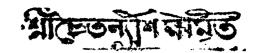
( প্রমাণখণ্ড ) সামুবাদ ৷ স্লাভি-সভ্যাদি গ্রন্থে শ্রীনব-बीटनत त्य यहिया कीडिफ चाह्य, छाहात मून मश्कुछ छ অমুবাদ। ভিকা 🗸 • আনা।

#### **अभिग्रही शकावकरण**

ক্রিঠাকুর ভট্ডিবিলোন নিখিত। অলনিত মীডাকারে भश्चिक्यात्र क्षष्टेयानि-वियवन । किन्ना । बाना ।

### ভজিরভাকর ও নববীপ পরিক্রমা

ব্রীল নমুছ্দি চক্রবার্তি-ঠাকুর-রচিত। ভক্তির্দাকর क्षकारत क्रीतवधीनधारमत निक्रक्षा क्षिताहिरणम, छाराहे প্ৰছে বিব্ৰস্ত। ভিক্ষা । প আনা



ভীক ভবিনেশৰ ঠাকুর প্রাণ্ডিত। ১ ৮০৮ ট্রানেডকের व्यक्तिश्चा १९५११५५ ए व - भारता निर्मता-स्थादा वन-ए व. कर्य-কাত, ন ১মানির বিধার - বৈবী ভক্তি, ভারততি ও (१९१२) संस्कृत साम १८ स- १९१७ । अ अहेकाशीत में शिला-পরিচয়ালি প্রথম নি লাগীর ভারেখালা করিলা সরল ভাষার সমূলর স্বিক্রিয়ান্সত লিখিত আছে। চতুর্থ সংক্ষরণ বাধা र हिका, भानामा ३५० हे का भाव।

#### द्याञ्चा कर्य राइ

ट्याली होत्र देशकनगरन्त्र अञ्चलन कर्ष्ट शत्रन्द्यांभा প্রাস্থৃতি বিংশতি সংখ্যক রক্তে হুলোভিত। ভিফা মান ক্রতি বুতি গুরান-পঞ্চরক্রেলি সাম্বত-শারস্থৃত্ব প্রমাণাবলী বিষয়ণি ভাগা<u>ন্নমে সাম্বরাদ ওপ্টিড। এইরূপ বৈক্</u>যথ-নিদ্ধান্তের সাবসময়ত অন্ত কুরাণি প্রব:শিত হয় নাই। ইহাতে প্রকৃত্ত —ভাগ্রত - বৈদ্যর - গৌর - লিড্যানন্দ---- किट्रिस्य---मारमञ्जिक--- वर्षस्य -- ज्यास्य-स्य - ७ कसाक — শ্রীনাম — প্রয়োজন ও ভাষাণ-তত্বওণি পুণক স্পাধ্য জনুহাং প্রোবাদি স্চীন্ত উচ্চুট বৃ**টিক কা**ন্দে ব্রাঞ্ রু কালিতে স্থানিত, উৎক্র বাধা সোনার হলে নাম লেপা। গত্তায় ৪০০ পুঠার সম্পূর্ণ। ভিকা ২ , টাকা মাত্র।

## শ্রীনগদীপরাম-একার্ননী

শ্রীমদভতি বিলোধ হাত্র রতিত 'বামমাহাত্রা—ধাম-মাহাজ্যোর মাতবাদ প্রমাণ পও-- ত্রীল নবছরি চ কবভী াকবের ধাম প্রিক্রনাংশ—শ্রীশ্য নব্দীপ পরিক্রনা—ভীত-যাত্রা পশ্চতি--শ্রীমং প্রবোধাননারত নব্দীপশতকম--শ্রীমছন্ডিবিনোদ ঠাকুরের খ্রীনব্দীপ ভাবতরঙ্গ প্রাভূতি গ্রন্থ একত্র ভিক্ষা ৮০ আনা মাতা।

#### এছরিনামায়ত ব্যাকরণ

জীকীৰ পোষাণী প্রভুপাদ-বির্চিত হত্ত ও বৃত্তি. তংগদে উবিকুপাৰ শ্ৰীমছজিনিদান সরস্থা গোস্বামী মহারাজের বিশ্বত ভূমিকা ও হটা প্রভৃতি সহ। অপ্রত্যাশিতভাবে স্থলত। তিকা ২, টাকা, ছাত্রগণের পকে ১॥• টকো মাতা।

#### বেদান্তভ্রমার

শ্রীসত্রামুক্তার্যা-রচিত। বেদায়ের বিশিষ্টা**রৈভ**বাদ-প্রচারক নাভাষ্য-প্রবেভা আচার্য্যপ্রবর বেদান্তর্বন পাঠের উপ্টোপ্ত করণার্থ এই উচ্চম করিয়াছেন। ইচাতে বঙ্গাছদান ও খুচীপতাদি সংযোগিত করা হইবাছে নাম মাত ভিক্ষা ॥॰ আনা।

#### এটেডজ্ঞচন্দ্রায়ত ও নবদীপশতক

গৌরপারৰ ত্রিদত্তী শ্রীমৎ আবোধানক সমূহত্য-প্রশীত মুল, প্রানুপার শ্রীমন্ ভবিনসিদ্ধান্ত সরস্বতী গোলানী মহারাজ সন্দানিত অবয়মূথে ব্যাথা ও বলাধুবান সম্বাদিত। নৰ্থীগণতকের শুভিক্তিবিনোদ ঠাকুরের প্রভান্থবাদ ও তৎসহ শ্রীমন্মহাপ্রভন্ন একটা ত্রিবর্ণরঞ্জিত অলোকিক চিত্র প্রাৰ্ভ ছটরাছে। মূল্রণ ও কাণজ উৎকৃষ্ট ( ২ বালা একতে ) ডিক্ষা ৭০ শানা, শতি হুরমা বাঁধাই স্থান্ধসংকরণ ১ होका माज।



শীমন্ত জিলিনোদ সিকুর-প্রাণীত। এই একমাত্র প্রছ-রামের জ্ঞান লাভ করিলে পারমার্থিক রাজ্যে কিছুভেই ক্ষজ্ঞান বা সংশ্য থাকিবে না। পরম গৃত্ত গুমানিবলক এই ক্ষাপরলাক জন্মকালী প্রজাল গগান্ত প্রকাশিত হল নাই। নিটি লগোলানি শাল-মহেলালি মন্ত্রকলে এই প্রজান্ত উলিত হল্যাতেন। আনার প্রস্তিত প্রতা, ক্পাসার হুজাদি ছালা বিশেষ স্তুক্ত ক্যাত্রনাতেন। বিরাট গ্রহ, নোনার জ্বলে নাম লোখা, উংগ্রহ বাঁগাই —চতুর্থ সংক্রম ভিকা ২ টাকা মাত্র।

## প্রেমনিবর্ত্ত

শ্রীনভাচাতা র অভরগ পানে শ্রীন জগদানন প্রত্ বিল্লিডিড। এই প্রচাক অতি স্থানোধা ভানার মই এইর ক্রিপর কীলাতে নৈক্রবাচার, একাননী ও নামভজন-প্রাণানী প্রভৃতি অনেক বৈক্রবাহার স্থানিংগা দেখিতে প্রিরেন। পান্টীকার ভাষ্ঠ প্রতের বিশ্বাপ ও প্রত্যক্ষিত্র প্রিরেন। ভারতীকার ভাষ্ঠ সাক্রব ভিন্দান্ত ।

#### क्षात्र । . . . . . . . . . .

দ্ৰন্ধটোৰ নিজ্ঞালী; সাকুর আজিবিনাদের অনুবা দান; নিধিব শাসের নিজাব। প্রথমিন না দেখা প্যাত কেছ্ ৰুজিতে ধারিবিন না। চুঠীয় সাক্ষর ভিজা ৮০।

#### হরিনাম'চন খণি

ন্যাগ্ৰি নিৰ ক্ষিণ্য হাত্ৰের মূপে ইট্ন্যাহাত্ৰেড় জীনান নিংগ্রা, নামডেবে, নামাপ্রাণ প্রভৃতি বিষ্ফ্র মান্নির জিলে প্রণ ক্রিয়-ভিষ্ণেন্য তে বিব্যুগুলির জাতি এব এল তে প্রিক্ত মাল্যব্যুগ্রিগিটিভাবে মুদ্রিত। জ্ঞান্তি তেন্ত প্রবিধিত। প্রমুদ্ধিয়া ভিষ্ণাধ্য

#### 神河门可不可心理

নীনছ জিনিনে ন সাক্র রচিত। প্রভাক ভণবন্-বিশ্বানা ও জানপথের পাগকের একাপ্ত প্রয়োজনীয় উপনেশাবধাপুর্ণ কিডিএড। সামাল্ল বোপাণ্ডা জানা লোকেও এই ভাইনিরাজেনে নিভিন্নকের ধারা অন্থনিবতি ও ৬ বিজ্ঞান লাভ করিবার জ্বিনা পাহনেন। বহ সংকর্ব, ভিকা / ২০ জানা মাত্র।

#### শরণাগতি

ক্রীনত্তি বিলেপ হার্ম স্চিত। ভগৰানে আল্যান্স্পি, । বিজ্ঞান্ধি, ক্র্ন্তাল্ল, মৃত্বিধা শ্রণাগতি ও বিদ্যান্ধাপ্দা। বিশ্বক গাতিপুর্ব, ভিতা ৴ে আনা মাজ।

### ें शिष्टावर्गी

শ্রীটাকুর ভিজিনিলেদ-প্রনীত নিবা ভাগন, আরাত্রিক ত প্রীর্বাদ-বেষনাধি-বিশ্বক মধুব গাতনমূল একতে প্রবিত। ভিক্রী ৴ আনা মাত্র।

### ্ৰীসন্তত্ত কৰ<del>ু</del> সাম

রসিকেরাস্কুটমোলি জীগবিধনাপ চক্রাতী ঠাকুর-বির্ভিত রসপ্রত। জীমন্তজিবিনোদ ঠাকুরের অন্থবাদ-সহ। ভিজা। জানা মাত্র।

# त्रीवनश्य)ः

জী মন্মহাপ্রান্তর শিক্ষা ও জীল রমুনাথ দাস গোলামীর প্রতি প্রীরূপ গোলামীর উপদেশবাণী, ভঞ্জিপথের অন্তুক্ত ও প্রতিক্লা বিধয়ে থ্রিচারিত সন্মোদন ভাল্য, বিভ্ত বিষ্ঠি, চরিতামুদ্দের প্রমাণ, সামর ব্যাখ্যা ও মহাজন-প্রেণীত তছপ্রোগী গীত্যমূহ প্রত্যেক লোকের সহিত স্মিবেশিত হইরায়ে। তর সংহরণ ভিক্ষা ৮/০ মানা।

#### লাগল-কণ

জীরঘুনাথ লা। বোদ্ধামীর মন:শিক্ষা, শ্রীল ঠাকুর ভতিবিনোদ-চলিত পঞ্চাস্বাদসহ। ভিকা /- স্থানা।

## প্রেমন্ত কিচ জিকা

জীল ঠাকুর নরোন্তমের সংগ্রাসিদ ক্রেমভজিনিয়রক গানের পুত্তক। ১০না ৴• মানা মাত্র।

#### **নবভীপশভক**

জ্ঞাল সাকুর ভিত্তিবিনোদ-রচিত জ্ঞান প্রবোধানন্দ স্বস্থাতীপাদের সংস্কৃত নব্দীপশতকের স্থানিত প্রাক্তবাদ। ভিজা /• স্থানা নাজ।

#### चार्च शक्त क

শ্রীল কোকাচার্য্য রচিত। বৈক্ষণতা-জ্ঞানের আকর পুতক। ভিজাস • আনা মাতে।

## गमाठा त्र दि

. শ্রীণ মধ্বাচার্য্য-প্রাণীত। বৈঞ্চবের নিত্যকারাদি সদাচারা-ন্থী, বস্কায়বাদ সহিত। তিকা ৴• আনা মাত্র।

#### यशिशकते

ক্ষিকুলকেশরী জীনহারারণাচার্যার্ভিত। শ্রীমরাধ্বা চার্য্যের সংগ্রিক বন্ধানা ও মূল বৈক্ষবধন্মত। সাঞ্বাদ জিলান সান্ধানা মান্ত্র

#### ८गोत्रकृ दकामग्र

প্রার্থীন কবি জীলোবিন দেব প্রাণ্ড **জী**গোরাবভারের গ্রেমনাব্যান্যবিভিত্ত সংস্থাত হয় । ভিক্তা দ**ং জানা।** 

## যুক্তিমল্লিক। ( গুণসোরভ)

ইনিধ্বশালদায়ালগত শ্রীমনাদিয়াক সামিকত। বছাকরে সাম্বান এই প্রথম থেকাশ গারমাধিক সাহিত্য-কগতে এই সক্ষপ্রথম। শ্রীমনাধানিয়া কইতে নোড়শাবন্ধনা বিভান মন্বাচার্য্য নামে খ্যাত শ্রীশানিরাজভীগ স্বামী এই প্রয়ে সাধারণ যুক্তি ও গৌকিক স্ভায়াল্যারে কিরুপ স্থানাভাবে ভিজিবিলানি-মতবাদ সমূহ খণ্ডন করিয়াছে, ভাষা পাঠ করিতে করিছে আশ্চন্যামিত হইছে হয়। ইহাতে যুক্তির হারা ঢাকাক, জৈন, বোজ, মীমাংসক, ও মালাবানিম্ভাগ্যাহ্ব এনার খণ্ডন গ্রহাছে। ভিজা ২ টাকা যাত্র।

#### লোখাৰী শ্ৰিল রম্মাৰ দলে

(ওঁ বিক্সান জীন ভকিনিছাত সর্থটা পোষামী প্রচ্পান-লিখিত ভূনিকা সহ) পৌরপ্রেছ স্বরণ-রূপের ক্রমাত্র প্রিন্ধান প্রায়ণ প্রায়ণ প্রায়ণ প্রায়ণ সামিবিট, ক্রমাত্র প্রশিক্ষা স্থান প্রায়ণ প্রায়ণ ক্রমাত্র সামিবিট, ক্রমান্ত্র প্রায়ণ প্রায়ণ প্রায়ণ প্রায়ণ কর্মান্ত্র। ক্রমান্ত্র প্রায়ণ স্থান্ত্র প্রায়ণ স্থান্ত প্রায়ণ স্থান্ত্র প্রায়ণ স্থান্ত স্থান্ত স্থান্ত স্থান্ত্র স্থান্ত স্থান স্থান্ত স্থান্ত স্থান্ত স্থান্ত স্থান্ত স্থান্ত স্থান স্থান স্থান্ত স্থান স্থান্ত স্থান্ত স্থান স্থান্ত স্থান স্থান স

# চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাচীন নবনীপের অব্দিতি, তথা, ঐতিহ, শ্রেত ও ঐতিহাসিক প্রমাণক্ষণিত কর্মী বীপের সচিত্র বিষরণ-গ্রাহ। রাজধি রাওসাহের কুমার শ্রীসুক্ত শঙ্কলিত নারারণ রার এম, এ, প্রাঞ্জ (লাহের), বেলাস্তর্ভণ মহোরর কর্তৃত্ব স্কলিত এবং ৪৭ থানি বিভিন্ন বর্ণের অপূর্য চিত্র ও মানচিত্র-সমন্তিত ; প্রাচ্যবিভামহার্ণব রার সাহের শ্রীবৃক্ত নগেল নাথ বহু বিশ্বকোরসম্পাদক মহান্রের বিভ্ত ভূমিক। গ্রহ। উংক্তি (ইং) মরজো বাধাই মুলা ১৪০, ভিঃ দিঃ ভে

## मानब-कर्शनांना

গুলবন্দনা, বৈক্ষব-বন্দনা, বৈক্ষবন্দ্ৰণ, গালালের নীত,
নিন্দান্ত্র, শ্রীমলালপ্রের অটোডরণত নাম, অটপ্রেইর
নামকীর্ত্তন, শ্রীনামগর্লীর্ত্তন, প্রেমাধ্বনি, বাউনীন্ত্রীত,
নাববীপ-মনিমা, শ্রীমাধাপুর মহিমা, শ্রীমারের-প্রপুর অইব আচার্য্য-বন্দনা, বড়গোরামীর অইক, প্রেমভিক্তিচ ক্রিকা, উপলেশমালা নামভক্তন-প্রেণালী, মহাপ্রেম্ভ ও রার রানীনন্দ সংবাদ, মনঃলিকা, শ্রী ওরপ্রাণতি, শ্রী ওর-বর্মালার, মহাপ্রের বন্দনা প্রভৃতি সাগক ও নিক্ষীবনের নিত্তাপারা, বৈক্ষবগণের কঠাপ্রিত তুলনীমালার ভার অর্ক্ষণ কর্মে ধারণবোগ্য মণ্ড্রা প্রস্থা। ভিক্ষা নেত্র, বিহাই ৪০ মাত্র।

## গোড়ীয়-গোরব

কলিকাতার হুগুনিদ্ধ আলবাট হলে গৌড়ীয়-সম্পাদক শ্রীপাদ স্থকরানন পরকিল্যাবিনোদ গ্রামন্ত বস্তুভার রিয়য় গ্রন্থকারে প্রকাশিত। ইহাতে গৌড়ীয় বৈক্ষরণভাগায়েয় ইতিহাস স্বাকারে গ্রন্থিত ইয়াছে। ভিজা 🕪 মানু।

#### গোড়ীয় লাহিড্য

কলিকাতার স্থপ্রসিদ্ধ স্থানবার্ট হলে গ্রেড়ীর-সম্পাদক
প্রীপান স্থান্যন্দ পর্বিচাবিনাদ্যোক্তান্তর বস্তুতার বিষয়
গ্রহাকারে প্রকাশিত। ইহাতে সাধিত্য-শন্মের স্বর্ধ এবং
গ্রেড়ীয়-সাহিত্যের নিময় স্ক্রকারে বর্ণিত ইইরাছে। ডিক্ষা
ক্রিক স্থানা মাজ।

#### श्रीरगोष्ठम थल श्रीक्रमा-मर्भन

শ্রীগোড়দেশের যে সকল স্থানে সপরিকর শ্রীমনাহাঞ্জর তবং তদহুণ পরবাধী মহাজনগদ লীলা করিয়া দিরাছেন। সেই সব আধুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও দেবলিপ্রহাধির পরিচয় সহ যাভায়াতের শ্রমিণ মিক্রেশ ইন্ডাদি বিশবশুলি সরিবেশিত অ'তে। ভিকা । আনা।

## THE HARMONIST OR SHREE SAHANATOSHANI

শ্রীল ঠাকুর ভবিধিনাদ-প্রতিষ্ঠিত এবং প্রীণ করিব-সিহারগরবাটী পোলামী প্রান্থল-সম্পাধিত পারমার্থিক মাধিক পরা। একংশে ইংরালী ভাষার অইনবিংশ বর্ষে ভবলকাউন ৮ পেনী ৪ করা আকারে প্রতি থারে ছবি-নামের বিজন-বৈভাগনী ক্রীলা ট্রুপরিভ হইভেছেন। কাগল, মুন্রণ-পারিপাটা ও চিত্রাদি অভীব সিন্তাক্রিক। এই প্রকার উৎক্রই প্রবন্ধ আর কোন নাসিক প্রাণিইক দেখিতে পাইনেন না। বার্ষিক কিলা ভাইবারগুলন্ত ভি

टाडिशम-

विकित्रकार्यः त्नाः विमात्रापुत्र बनीवा

# বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভাজমঠসমূহ

ৈছেন্স মঠ

গ্ৰাক্ত মটকাত

क्ष ठीम मञ्जीन, फाक्चक क्षीनाम मात्रानुत्र, नवीता

क्रिकारवास्त्रिके कर्गक माथ कर अब प्रेयन-मृत्य क्रिक्रमायाम यानावात्र विनयcontinuen Stone unb figuene !

ে 🐣 📲 স্থান স্বান্পত্ত-চীৰ্য, প্রবিদ্ধানীর বা নামত ভজনত্তনী। । এই মহাতীর্বে 🕮 জি--कार्वाह्यक मार्क वेनावि-द्यमालगम्ब, शहनिकात कक्षांत कार्या, आहेक, कालात, कवा आमान-केन ियाम में को-एक- दे कान-कक्षेत्रक भाषायम । ६ भाषानमा ध्वर कथात श्रीकर-दशीबाक-लाकं विशे-निदिश्य ও সাত্ত সাত্রাদায়িত-আচার্যা-চতুরে উলোকে উপাত विवादक महिक विका मिनिक कराधाकत । बाके महेकारक भारमार्थिक देवनिक्या मायक-मध्यकाराम व शकामिक क ककाठीम बादवाकि वाठामक स्मिना-काकाम' यहामद আছিটিত এইবাদেন আভিবংসর জীবাম-পরিক্রমান্তর্চান ও অগণিত ভক্তগোটিগছ कीर्श्वम व्यवस्थित प्रवास दोवनवानि क्षणाण वस्त्रीत वरेवा वार्क। उक्तव--- उक्तवाकी अवकाती कारक्षणधीर्व, जीलाव शीरकक्ष अवकाती, शक्षिक खीरावशावन अवकाती. **উল্লে** মনীপোশাল বশ্বোশাধার, শ্রীদ্ধেরার যাস এখচাতী প্রামুধ সঞ্জানগণ।

বিষ্ঠি বানী জ্রীমন্ত প্রদীপ ভার্ব মনারাজ এবানে ক্রিকণা ক্রীর্ত্তন করিভেলেন।

## (৩) বোগনীঠ ঞীননির

बहे ज्ञान कीवानंत्रान्तिरक्षत्र क्षत्रम ना श्रीअध्वराज्ञास्त्र चानिकाय-कृति मणारगान-नीर्ड। बचाहम शिमन्त्री दिशा व शिक्क विदेशायक शिर्णोक्षमाबादन ८०१ शिरे 5 हमा 🛥 श्रीशाबादक्य निका त्मना छन। जीनक-個に着名 CAAI お春川村 ! まみ 年---(4)な-मानायत रनाव्यायी कहे। हाना बाकु जिल्ला-माथ। महणावी श्रीतिकाशम उक्तराती, विश्वयशान वयाहाची । क्रीमायनभाग व्यापwiff, cerumi Gorandu i

## (8) 國祖河-明明年

श्रीकाराक्ष्य कीर्यन-रिमाम य **बिरनोपनीमाप पामपनी । जनारन जिल्ली**रभोव मिकामक क मककरवड तथा वसवान। वर्षा क---- शिक्षा भाषाम अव्यक्तांकी, शिव्यमु क चक् के(जाक्शवात गांवाको )

## (१) चार्ट्यक-क्वम

at wich Stutes nas wan att -

कि अधिका अभावित में आश्वीम मात्राचन, नामनचुक्त (नवीमा) क्रिकेशकार्गामा विदेशकार्थीक प्रमाधि। क्रमंत्र-अवकारी कैविटमानविकारी।

## ( ५) स्थान स्थान स्था

किरमास्त्रक, वस्त्रवस्त्रक ( मधीया ) maten alfamile gen eimfernianiten. auff aut Meileneren une dellen MINERS CHAIN WHITE

क्षक करिक्स प्राथात अवस्थि an an ar

## (৮ शिक्षश्रद्धाच दशोडीय गर्ठ भक्षमनशि**१**७ ।

বি. এল. সৰকারী--- এটা ভাষাল ভাজি--मात्री, व्यक्रिकक्रम व्यविकात्री श्रव्यक्ति ।

## ( > ) बिटगोत्र-गनाथत्र-मर्ठ

টাপাচাটী, সমুস্তগড়, ( বর্তমান ) क्षिण वाविमां एवं न क्रिकेट द्योगणमानव 

## ্ ১ • জীন্ধপংগাড়ীয়-নঠ

बाह्यात्रक, अधान केंच्रे, नि यक् क--- श्रीवृद्धिम् अव्यक्तात्री, श्रीकृत्रामध्य ব্ৰহ্মগৰী।

#### ( >: ) द्वीदमाश्वामबळ--

माउनाहि, काद्यन्त, गर्दमानः विशामां कात्र है। कुछ बुक्ता गरम स्थाम । शक्क---- श्रीवह विश्वा विष्यामी। (১২) ভাগৰত আসন 🕮 काशवण (८०४म, ज्रक्कमध्य, अमीका । कासय-भिकास अक्षावनी व्यव्यात-स्वता क्षण क--- व्यवस्थानमा वसहारी।

( ১७ ) 🚨 একার্ম মঠ (छे:बनाकी, दशाबाकी, अकनगत, नशीवा । क्ष क--- ही पञ्चानम अवहा हो।

( ১৪ ) 🕮 भाष्य ८ शोफ़ी स वर्ड bont नवायभूत (शाख्, हामा"। शृक्षस्तक व्यवान-स्थान,व्यवारम् औषक-८गी शक्ष भाषामा-भिक्षित्रम दमना बक्षमाम । em w-Bereinne amaiel

## ( ১৫ ) श्रीदशामामणी मर्ठ क्यमानुष्ठ, हाका।

(बानानबीह आविकारम काशीन त्रका श्राप्य--- श्रितान्दश्रीय समहात्री ।

(২) এগোড়ীয় মঠ

: ७ वर कालिकामात एकवर्षी हैति. (ली: मात्रवाषांत्र, कलिकांका । दिनियमान वि. वि. ६००६

জীমন্ত্রতা প্রস্তুত্ব প্রচারিত অনিশ্রণ ভক্তিশর্প-প্রচারোদ্ধেশে গৌচলেশের সক্ষরভাগ मन्द्री क्रिकालाइ जिक्किविर्माम जागरन जीमर्र श्राविष्ठित जारवम । अहे जंब-भव्याबाद्य श्रिक्षक-त्नोत्राक-श्रीविद्यावानक कींग्रे मुनाबंद निका दमविक वन । दमीकीर व्याहार्शाश्तर्भव वान्छीव अष्टावनीव अअहारबारकाम विवर्तत मानव अवही अनुवर मुझा-वश्रालय मरकारिक बरेबारकम । अभियोज मध्यक 🕮 शोबमाम व्यक्तावार्य करे यहालह रहेएक '(लोड़ोड' माखानिक गढ़, कि सञ्जामिक्ट मानिक गढ़िका हेरवामी कार्याक निश्मित्रकारत अवानिक वरेराज्यका । विभाक्ष मार्क मार्क महीकन, मधावान-क्यूरेय-व्यवस्थ **क्षिम्डानन्छ. श्रीटेन्डस-**हिन्छायुक्तानि-नीना ७ फ्याडरह नमाक् चारमाहना ४३४ थारक । महत्रक्रक-वाहाराज्यिक श्रीनाम क्वाविकाती विकायमा । महकाती-निवा लीनाम ध्रमध्यान्यस्य भवविद्यास्यन् वि-व. तीनाम सम्बातमः भवविद्याविद्याम वि-व. बीनांव शामविवाती तक्ताती. जीनांव बनाव्यात्म वामाविकांती विन्ता, जीनांव क्यालाला कामानिकारी, उद्याती जीकी र्तनामक, उद्याती जीलाबी शाका, उद्याती প্রীক্রকানক ভব্তিলাল্লী, বন্ধচারী প্রীবেশ্দীনক্ষন, পভিত প্রীণা নবীনক্ষত गर्ने शिक्षां का किया अव्यक्ति ।

( ১৬ ) क्षिप्रवाहे-८गाः । व मर्ठ रविश्वकि श्रवादिनी ग्रञा, यानिश्व व्योगनावे-८गोप्राध्यक निष्ठ। ८७वा 

## (১৭) श्रीकाशवस्त्रमानस्य वर्ष

किक्किमिक्षः, बाष्ट्रश्वनुष्टः, स्वक्षिमीनुद्रः। धभारत निवद्ग-(श्रीवाक्र-श्राह्मिका-शिविधातीय निकारमधा वस्त्रमान । यक्तक----जनवानी जीजनवान्यो। जनहात्री नतानक

## (১৮) আমলাবোড়া এপছাশ্রম

सामनेश्वर ट्लाइ वर्षकाम ।

निकारम्या । अक्क-अवस्थानी खीवति frema !

#### (১৯) ञीशुक्रदशख्य मर्ज

ufeie, gal. Birmi बनात द्वीरशोत-वित्नाषमानवतीत निका-भारत वर्षमान । सक्त - द्वाराषी कीनव्या-नम विशावक, तकात्री श्रीमहीशामक।

#### (२०) खीखचा-८गोकी म मर्ज

আলবন্ধনাথ, এমাপিরি পোঃ, পুরী [ वन्तर्भाष्ट्रपर बनवन्त्र नम्द्र क्रीयक्षण MATIR ! वक्क--खब्राह्री व्यापन्न विभावको । महस्राही---वषहाती अविश्वितिश्वति ।

#### · (১১) **ब्रीसव्यक्तमा** सर्दे

Smaldiais, whei ध्यारम् क्षेत्र-शोद्याय-विस्तावस्था-की विकासना वस्तान । क्रमन-अपनाकी जीनेकार व

## (२२) जीनमरहब-त्योहान वर्ड

बन्द संभव्हानमन्त्रा, काली । (बोर-नवाष्ट्रपुत्र मनाकन-निकायन । अधारम त्यांतरमना चक्कांगः क्षणक---खोषानकोनावणे ।

(२०) जैक्कदेहरू वर्ड खीन्निरम्याम कृत्व, खीषात्र बुक्यायत । द्रो के वामा-जय-त्याक्रमकीय द्रावाः। इक्क-- अनगाहिनाव अवश्वी

## (६८) जीनसम्बद्धम वर्ड देनियवादयाः, मीकाणूक

क्यारम द्रीकानक नाउनामाः क व्यापाद विमानकीत दाया वक्ताकीत व्योक्करपोत्रात-श्रिनाक्षणिका त्रिविधानीतः वक्षण-विकारति श्रीनृतिरशासकः क वस्त्रहाती जीनमङ्गाम ।

#### (२४) बीटेंड्डसटमीडीय सर्वे

पूर्वकुष्ण, विवक्षा, भागम्ब । देश औरे ७ छ - मर्द्ध माथा । क्य छ - सीवया-नाथ वात. औरकश्रमानच अक्तावी । जीवान कीन सम्बद्धाः

#### (२७) न्यामदश्रीकीय मह

खीरगोनवित्नाम-दादम् स्ममा वर्गमानः त्रम्म---व्यम्हादी श्रीक्रम्मन्त्री ।

## (२4) खाष्ट्रभगका व्यवशास्त्र-वर्डे

बाजननाथा. त्याः मास्, हावधा क्षवादन वक् कृष्णभूषि जीदग्रमादण वास वर्षमान । वक्ष----तवरागी औद्यानेक्षक बान, जीवाबावयन तकात्री।

(२৮) विक्रा दशकीय मह-कांग्रासक The con culting fat forth प्रमण-विम्वियामी श्रीमंद्रीक प्रमेश्व

fift neinm, Bullimpienen (45) CHININGING HEYERS

THE GENERAL WASHINGTON

जनामाना विद्यान्

महिष्ड अक मुख्यर्व रहेगा निद्योदक । २ व्यन विद्यार्शित की वसूक गांख्या निवाद ।

विश्रान्षिशादनव उदी हिट्टिक ১० कन धामवानीटक (अधाव कता हहेगारह)। ব্যাদিন দীমাজে দাদাণোবাক পরিহিত अक्षन रगाक्रक (अधात कता हरेतारक विवादिक्सामात्र मःवारम ध्वकाम । भाव ১•ই মে হেনজালা খানা আক্রমণ সম্পর্কে रेशांक दश्यात कृता रहेगाए ।

## ় জারভীয়দিগকে আক্রমণ

हान्याओं रजनाज २ है। खात्रकीय मुनित ৰোকান ২০ জন আন্ধী মাক্রণণ করিয়া <u>লোট্ট নিলের করিতে থাকে। তাহার।</u> कुठांद्र विद्या पत्रवाद जामाङ क तिएव पाटक কিছ প্রবেশ করিতে পারে নাই। ১লনকে **ब्रह्म् अन्ति । स्ट्रिम् अन्ति । स्ट्रिम् (इ. ।** 

न्याद्यान दक्तांत्र द्वारादन, द्वारादन প্রভৃতি ছানে ভারতীয় বিষেষ বথেই বি**জ্ঞান সহি**য়াছে। **পড়ের** পাণা ও बाफ़ी क्य भाफ़ाइबा विख्या । अन ভারতীয় ও এক্লন ত্রন্থানী নিহ্ছ क्ट्रेबार्छ ।

शंतथाणी व्यक्षि (नना हरेटड ক্ষেক্টী ভাকাতির সংবাদ পাওয়া পিয়াছে। নগৰ ও অক্সান্ত নাল নইয়া छाक्टिका भनावन करत ।

পুলিশ শর্ডুক গ্রাম বেষ্টিভ

अव्यानसम् भूनिम स्थातिरहेए ७ हे বিঃ স্পার জি, বি, প্রেমটের নেভূচে একক গণা শিভিগ এবং মিলিটারী পুলিশ গভ ১২ই যে সকাল বেলা মাইটলে नामक चारनत्र निक्रवर्डी धक्री धान विश्वित एक व्यवः विद्यारी गत्नहरू क्षार हैं के केन ब्लाक्टक दर्शशीय करत्र। देशांक्षत्र नाम विद्याशीलक विद्वित छेडी

बाबाख्याङात्र मःशास्य व्यकान, जिन অনু বুলোহী গত ১১ই রাজিতে বন্দুক এবং লাও লইরা মিললো মহকুমার ুপোরাইয়া ঝামের যোজলের अ (एवं। कारांत्र) स्मापन,कारांत्र

जी लेक्ट किमार के का। करते ।

- 10 mg वक्वाकारक माजिलाई तिरक्रकीर गढ ४३हे हम स्वयुक्त त्यांविती त्याची, काः रठीलस्यास्य वात्रक्षाः, वात्रुवीशाणान त्यावियाः श्रम्प्याच्यः श्रामः विश्वाकी गुण्यी দেবী, হায়বেহেল প্রস্তৃতি ক্রিকাভার वक्षत्राकाः वक्षत्र निक्किरः कार्यः नात्र व्यक्तावर्षम् विषयः वानां कार्यम्

हेरांडा रक्तकाड विक्रिके या गारणाहित थाति। विकास कि क्षेत्रसारक संगरक विकास वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा উত্তর পূর্কস্থিত এক অগনে বিজোধীবের করিতে অম্বরোধ করেন, ইহাবের संबंदनात्यः वह त्याका क्योक विवाकी निनारी नामान चार्क स्टेशाइ । विद्यारी- कान्क वर्गारेश व्यवनी कान्क नरेश त्मत्र हुक्कांडर कर नामा माना गाय नाहे। यात्र । **अक्रम्न कानुनी विश्वनीवन्न किनिया**-ছিল, পরে পিকেটারদিগের অন্ধ্রোদে **छेश कितारेया निया अनी कार्यण गरे**या

ा, Cब अम् दनम्**०३** ्र

প্রীগৃত জে, এম্ প্রেন ৩৫ কিছুদিন রিল্লায়পাভ, করার বস্তু উত্তৰামণ্ড গ্রিয়াছেন। পাণ্যের মন্ত ভারাকে মারও २ पिन छशोद भाकिएक बहेरव। जिनि **১८३ ८म मालाक त्रक्रम**्ह्हेरवन, ३५-३ ভাবিৰ 'মৰ্গ ' ছাহাতে কলিকাতা সভনা

পটুরাখালী ভাক বুটের জের

वर्षिक्व इहे छ (बागावन्त्र दव छाक यात्र छेक छोक मूठे कता जन्मदर्क अ्निम चानवृत्त स्थित संभक् बरेनक पूर्णः করে। প্রকাশ, উক্ত সুস্পমান ব্যক্টি ডাকের ব্যাগটী নিয়া নিকটবর্ত্তী এক গ্রামেই প্রায়ন করিডেছিল, ভারাকে পটুয়াখালী আনরন করিয়া পুলিশ (रुगांकक क्रांचा स्टेबारक ।

#### वाचीजीत खनएकावस

यहाचा भाकी जीत्उ महारमव रमभावे সহ গত ১১ই মে অপরাত্নে কররা জেলার কালেক্টর মি: পেরির সহিত সাক্ষাৎ करतम । जारनाहमा त्याव इहेबकी बाानी চলিয়াছিল।

বর্ত্তমানে বোরদাদ ভালুকের অবস্থা क्रमनःहे छानद्र निटक गहिरक्रद्ध । यहाचा গাণীর চেটার প্রায় ২০ খানা প্রামের যাহারা ভূমি রাজব অগানে সমর্থ ভাষা-(लंब नाम मध्यार क्या स्हैपारकः। धाराः উহা কালেউর সাহেব গ্রহণ করিরাছেন।

व्ययं छब् प्रान्धारमप्र व्यवहा निवाहे গওবোল চলিতেছে। বিপ্ত বালনা यक कारकालरनत नमन नामधारमन बरवडे क्र छ हरेबार । यहाचा नाची अविवस्त्रक एमछ कविशे वर्खनादन छाशास्त्र बाममा यम् प्राचिएछरे चारमण विश्राद्यम् । क्रमण्यारके कारणकेत्र गारहरक अन्य कतिर्कालन । অভাভ থানে ৰাখনা আখাৰ বেশ জানই हहेटराहा त्याम व्यवसार्थन सीवि व्यवस व्यवज्ञान कृत्र इस मा।

भक्षात्र हीमात्र विशव मंक्र मेरे दन लागीना महेनानी

रमन जीवात जात्रगानात निकार नहां प्रतिन टामनविद्यत विकारमध शैभारतत हरे निर्क ब्लाकुत जना रहा । केएक क्षा नांबावनश्च द्रशिक्षित्क शिमाद्रवेस ৰধেট বিলম্ব হয়। সাণরায়ে প্রোয় ওটায় नगर हीयांद्र नातांद्रगण्ड (भीट्रह्र)।

मर्च मर्च वृष्टि सूर्व हम। देशहरू वह हम। ৰাড়ী ষরের যথেট ফতি হইতেছে। শক্ষের ও যথেষ্ট ক্ষণ্ডি হইবে।

## পাঞ্চাব বিশ্ববিজ্ঞালয়ের माष्ट्रिक शक्रीकात कन

গত ৯ই মে পাঞ্চার বিশ্ববিভাসমের ম্যাট্ট্রিকুলেশন পরীকার ফল মাহির হরবাছে। এ বংশরে উক্ত বিশ্ববিদ্যালয়ে २०,००० कन काल माष्ट्रिक भन्नेभा निमा-हिन, ১२००० कम कृष्ठकारी श्रेताद्य ।

मान्दक प्रतिनात कराविकि नत्तर (अशात मामातिन्द्रतत आकृताव देन्ना मित्रात গিছাস্থ

विভू निम भूटक वर्त जीवकावामी स्मारहाम गत्यमन व निकास छननीक इरेगाहिन, मानात्रिश्व व्याक्ष्मान प्रक्षिपूर्ण देश्यात्रियात्र कार्या निकाहक मुसिष्टि छोड़ा -बाहन করিরাজেন। তাহারা কংগ্রেসের সহিত धकरवारण काम कतिएक श्रीकृष्ट रहेश-ছেন। এপর স্থান্থান সম্ম জাতির অস্ত কোন কাল না করিয়া কেংল মুস্লমান সম্প্রদারের ছন্তই অনিক কাছ করিতেন।

বিশ্ববিজ্ঞালনে সরকারী বৃত্তি সম্বামী সৃত্তির সম্পর্কে কলিকাডা विश्वविश्वामद्वय नक बहेर्ड निकारित्य নিকট প্রতিনিশি প্রেরণ করা হইবে यान्या धक्ती गरवाम करवक्ती गरवामनस्य बाहित रहेबाट्स । श्रकान, छेरा गठिक नय । क्टर जिकानिहरुक गर्ज व्हे बारनत (नरा त्नि विश्वविश्वामात्रम छावेन ज्ञात्नमम धारः निरम्रहेत्र करप्रकाम नगरकामः ध विवास क्ला हहातः।

**होटबङ गटक वृत्तिरमह समा**क्षत क्षमानः हीनस्तरम् इतिसम् विराम व्यक्तिका संदेश नवाकि नवामा वान्त्रिम जनका प्रदेशका । यथकि विवाहका बाल दिन्दे बहुआकार देवटा निक स्त्रात्मत्र द्रनवणारम् महापाणी द्रवाच - महित्र विश्व चार्वात्र द्वाचामम् द्रण विश्वकि freiten | fit confirm ferfore

नर्गम रन, मस्त्रिक व्यवस्थानि मह Bur ste the exerce ---मरीटि यद्वत मत्या भट्ड । विद्यादात मामानक कीर्यक व्यानामक व्हेरक विद्या केर नार्यं व ठाका काकिया गाव 🙏 प्रवृत्तः व्याहासुद्धं द्वारावृद्धिः क्षिरं व व्याहास्य

THE STATE OF THE S

े देशके बादमस्कृतिक **जरे ग्रेमक स्थापन शाम ८**गामा **हुए**, नाव क व्यक्ति शास्त्रक दक्क निकाहरक क करत था। क्षा का करेट का करेट का एक , दब्बन नारक आहि साविता क्षिक

देजार्के मार्गाक , दनव . शहा क्षा अनुसंबर्ध . এতখাতীত এই সভিনিক্ত বৃধিন ফলে। বীক্ত বপন করা চলে। আনে हिन्द्र कृत, अन व्यक्ति देवाई मारम के सन्देशक 

भाकान्त्र रीक देवमाथ बहुटक आक्रक कतिया जागाह यात लगास मेशम क्या চলিতে পালে 🗥

## मक्रीयामान

ucरे मादन एको बीक यनम अका केंक्किक । (कर एकंट हेक्स्मृरक्षेट्र बन्न क विवस्त्यम ४-त्कान दकान दकावा वेटकाबराहा कृष्ट्रा **८क निर्दछ जात्रक बरेबाट्स** ।

गाउ, क्यका, ८४क्न, नामाविका পালা-পদার বীজাত এই প্রায় বপন করা **इत्य । वर्गाक मुना क मामा आफ्रीय जाएकक्रे** वीध-चन्नकार्वा देशके ब्राह्मक खान्यक् ८नव क्रिएड स्ट्रेंब ।

बर्दे भवद स्हेट्ड शाहनाई क्षाकृति व्यव क्षित्रा ठावा देखको क्षिएक भावा बाद । कृत्मत्र योभाव

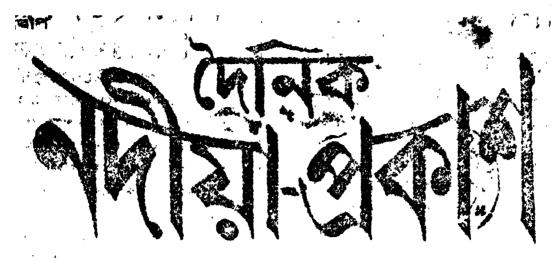
धरे गयस किनिया, त्यानाहि, बीक्ष वीक वनन कतिएक स्ट्रेंट्य । क्रानिक स्थिक ध्ये नमत वर्गन क्या करण् । ८ एवं ८ व्यक् **जिता म्न ८३ नमा मनावेदक मान** मायारमक दगरमब भाकानिक वंदीय कुन कृति भक्तिशा **बादेशक क्रम भारक,** नगरिएन जान सता। 'नूस अविक प्रश्नेतिक यांठीक आयोगात्राम, क्यांक्यांत्र, आये ८लाविया, प्राधानम शुक्रमा सहिल्ला कुनगीय यभटनम् अहे समय 🖅

ACMS MININ करणा वाशास्त्र क्वन

गाउँ नार्वे । कन मार्वेश देशन कर्माव कार्य ।

कृत, नीठ, त्रवृत्तक्ष शानकाम क्षिएक क्षेट्रम कारात व्ययम वर्देटल क्षिटक क्षत्र । अविका किन बहुत नार्वका दश्क विकित व्यवस्था केवा देवेता परिके, शाकाहरू era milani piktota, dan terpita ticiple o paufr de grie

Tamericas que (alle parte part



স্থাবিদ্ধার্থনার
আগ্রিম পের এ
আর্থিক ক
আ্রাথিক ৫
আ্রাথিক ৫

রোগাধিক ২৬

মাসিক ১

মাসিক ১

মাসিক ১

মাসিক ১

মাসিক ১

Mr. Plante Mer.

मन्याहरू — है ए हो स्काथ वेत्न्याभाषाय, त्या हवाहर्णा ह

[ ৬৩শ সংখ্য

জাটেভভন্তমট জালাম আত্যাপুর- হরা জৈঠ সামিবার ১০০৮, ১৬ই মে ১৯৫১

## नाना कथा

## नमीहा एका क्रश्रम

নদীয়া বেলা কংগ্রেম কমিটার সম্পাদক শুষ্ঠিত প্রস্তুম কুমার ভটাচার্যা ভানাই-ভেক্তি

১। ছু ক্লাই ক্লা প্ৰায় সংগ্ৰীত। সভাগণই আগুমুহ্ বি, প্লি, মি, নিছে অভিনিধি মিকটিন উপলব্দে ভোট নিছে। পান্তিবন।

ই সম্পাদকগণ মেখারসিপ ফরমের
অপরাংশভয় এবং সভাগণের চালার
অধাংশ (শেক্ষকর ৩০ ভাগ) এবং
সভাগণের নাম ও ঠিকালার চইটা তালিকা
আগামী ১৬ই মে তারিবের মধ্যে তেখা
ইংরোদ কমিটার সম্পাদকের নিকট
ইণিটা করিবেন।

कर्राजी किया प्रशिष्ट का कर्राजी कर्जी कर्राजी कर्राजी कर्जी क्राजी कर्जी क्राजी कर्जी कर्जी कर्जी क्राजी कर्जी कर्जी कर्जी क्राजी कर्जी

# নদীয়া কংগ্ৰেস কমিটী

শ্রীংট্টে শ্রীয়ত স্থভাষচন্দ্রের বক্তু চা

# সিমলার পথে গান্ধীজী

স্কুলেশ উপত্যকা মহিলা দুমেল্ন

# স্পেনে সামরিক আইন

मिताजगञ्ज नाहरत (हेन दूर्यहेना

# বালিনে আফগান মন্ত্রী

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরাব্দ ৪৪৫

খাত্র ১১০ ভাকটিকেট পাঠাইলেই বুকণোটে পাঠান হয়।

আক্রেকাল্য- ক্লাপ্রবিভাগ

ক্রিচেডখমত, পোঃ ভ্রায়াপুর, নদীগা।

শহাদ্যা গান্ধী গভ ১-এই দে ডিগ্রেরর ব কালকা হইতে মোটরবোগে দিম্মান পৌছিয়াছেন। জীখার সংগ জিলা কন্তবীবাল গান্ধী আছেন।

মিঃ মোহনলাল এবং কংগ্রেস সভাপতি
মিঃ এম, এল, বর্দ্ধা ভাঁহাকে ভারাদেবীর

নিকট জভার্থনা করিয়ারেন। গান্ধীথী সিম্লায় মিঃ মোহনলালের গৃতে অবস্থান ক্রিয়াছেন।

এলোসিয়েটেড তোসের দনৈক প্রতিনিধি তাঁহার খোলা গাড়ীর রাণি নোর্ডের উপুর দাড়াইয়া ছিলেন; ইনি মহাত্মা গাড়ীর মহিত সাকাৎ ক্রিলে পানীজী বাদন, তিনি বঙ্গাটের নিকট চইতে কোন জাম্মণ পান মাই—জ্বাই বিভাগের সেজেটারীর নিকট হইতে পাইয়াছেন।

## उरका कांग्र का विस्तृत वामना

নেল্পের ১০ই মেশ গংবালে প্রকাশ,
থানে কণেল বিক্তি যে আর কাইনের
গামলা আনমান কর। হলৈছে, ভাহতে
কাশানী দ্বীকার করে যে, ৭ই এপ্রিন সে
কেলা মাজিন্টের আগোলতে ডিল,
কিল কার্ত্তু ফেলার বর্গা যে অধীকার
করে। সির্ভ্রেনী ভাহাকে থানাওলাস
করে কিন্তু কিছু পশ্ম নাই। নিকটেই
একজন এলী ব্যবহাছিল; সে একটা
নেকের নীত হইতে এক। গুলী বুড়াইয়া
পার, তথনই ভাহাকে প্রেল্ডার হর। হয়।

## कात्राम द्वसग द्वस्थरम

আসাম বেক্স রেগপথের চৌধুবীর কটি এবং লোকা স্থ্রের মধ্যে নের ভূম্টনার ফলে গাইন থারাপ ক্ষা লাইন মেরমেত ক্রা হইছাছে এবং ট্রোচলিতেতে।

## 🚨 यूङ मही महान

গুলারটে ভূমি এরের বি নালার ব্যালমাল উপতিত হওগায় ইয়া ক কর ম্যানকে গায়া ব্যাল যার বিনা কর মান্ত্র করা হঠবা । নেজার বিনি নালার ও মন্ত্রন সংগ্রাক স্থানিত স্থানিত্র হেনা

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## (थाना स्टेशाट ।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অভি মক্তের পহিত শিক্ষা প্রদাশ করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্ম বিনা ব্যব্দে স্থান্যর বাসন্থানের বন্দোবস্ত হংয়াছে। স্থান অতীব স্বান্থ্যকর।

> সনিস্তার স'বাদের জন্ত নিম্নলিখিত ঠিকামা পত্র লিখুন। সেক্রেডারী, ভাকুর ভক্তিবিনোদ ইন্টিটি উট্ খ্রীচৈত্যমঠ, পোঃ দীমায়াপুর, নদীয়া।

## স্বর্ণ স্থযোগ বেশী দিন আর থাকিবে না

- (本平五)--

## **काष्ट्रप-**निश्चर 'अयवाहादहत्त्र

৫০ বাৎসন্ত্রিক আন্দোশের বা প্রবর্গ জুবিলী শেষ হইতে আর নিলম্ব নাই।
এই উৎসদ শেষ হইলেই সুনর্গ আজ্ঞানিত 'শক্তি-সঞ্জিবনী বটীকা'' পূর্নেরর
নির্দ্ধানিত ১২, চালা মূলােই বিক্রেয় হইবে। ৩১শে মে গথান্ত উহা
৮, টাঝার পাওয়া য'ইবে। এই বটীকা এক কথার বলিতে গেলে নবজীবন দান করিতে সমর্থ। প্রবর্গ জুবিলীর কথা উল্লেখে আছেই মনিঅর্ডারে
৮, টাকা পাঠাইয়া উহার এক কোটা লটন। সম্বর হউন। বিলম্বে
নিরাশ হইবেন।

প্রাপ্তিকাল :-আত্তর-নিত্রহ ঔষধালয়

> Sant नकताक्षर शिरे कशिकास: !

## কাবরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



ংকাখনের জ'বধার জন্ম ৬ আঃ শিশিতে ঘণীভূত অবস্থার ভোটবোড়লেও সমপ্রিয়াণ উব্ধ ভাষে পাঠান হয়, ইঙাতে উদ্ধেদ্ধ কোন প্রিবহন করা হয় নাই। সুণা আজি শিশি ৮০ আনা, পাঁটটা ৮/০ আনা, বোহন ১০/০ আনা।

অফিস– ১১নং উল্টাডালা রোড, পোঃ শ্যামবাজার,

# মদন মঞ্জরী

ভাষাত্ব বা বাহুনিকার, ইপ্রিরণ্ডির হান কালতে ক্রণাক্ত, ব্যবহান, বাবতেবাং, তুক বন্ধ ক্যানি, অনিয়া ক্রড়াত ক্ষণ লগত নির্মো আয়োগা কয়। যন, বাবা, নেধা বৃদ্ধি করিছে ক্ষিত্রত ইনিকা ক্রাত - বহি ১, এক ইবা। ক্রেক্সপুত্র অনুন্যান্ত্রতালি স্থাতের পুনবহুলারি হোবে বাহ্যজ্ঞানে হারা আহোব ক্ষিয়া লাক্ষণতার করে। মুলা ব ক্যোগা ১, ইকো নেলাক্সকাব্যিকার্তিনালী আক্রিকার্ত নিয়াব্যবহন করে ক্ষোবালকি ছারা ক ইছি ক্রিয়া মতা, করা। ক্রাত্রকার্তিনি, ক্রেক্সকার্ত্রতালিকার, ক্রিকার্ত্রতালিকার, ক্রেক্সকার্ত্রতালিকার।

## হাইডোগিল

₹

## কোষরদ্ধি রোগ

ভাঃ এন্, এন্, খোষ বিনা অঞ্জে, বাবজীবলের গ্যাত্তাটি দিয়া বৈছাভিক কাণাগাতে কোমধৃতি রোগ আরোগ। করিয়া থাকেন।

> क्षिणाम्— अन्य स्टेस द्वीष्ठे, वक्ष्यांबाद्यः कालकाका ।

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## দৈৰপ্ৰাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌশ্ব

প্ৰৱ দিলে সম্পূৰ্ণ আছোগ্য

নোগা দেখাইতে হইবে। অগ্রিম পাথের খন্ত (রাওয়া এবং আনান)
পাঠাইলে গিলা রোগা দেখা হল অপবা এখানে আলিলে হেন্দী থেখিলা
উবধ বেওয়া হল আলোগা না হওলা পর্যায় পারিআমিক বিজে কইবে না।
গানীৰ মোগাদেল খন্ত বহন কলিলা চিকিৎসা ক্যা হল। নিভাবিত
িবংশের কল এক আনার ভাক টিকেট সহ নির টিকামার অনুস্থান
কলন।

প্রাক্তীশচন্ত্র উকীল, যন্ত্রা-চিকিৎসক, পোঃ বৈকাঠী, যদিনাক।
অধবং নিম ঠিকানার সাক্ষাৎ করিয়া বিত্তারিক জানিতে পালেন।
জীপুত রামগোণাল দত্ত তম্, এ, মুক্তনগর, নদীয়া। বীশৃত হবিশৃত্ব
নিংক, ১১৭, বোল্বাটোলা ইটি, কাটখোলা, কলিকাতা।

প্রক্থানি পত্ত। আনার প্রাতুল্যুর গত চয় মান বাবৎ যাল কথায় ভূগিয়া মৃতপ্রায় চলচাতিল, কণিকাভায় বিজ্ঞ চিকিৎনক্ষণ ভাগত জীবনের আলা কাণ্য করিয়া শেষ গুছুর্জের জন্ত অংশকা করিছেরিলর এই সময় প্রীযুদ্ধ কিছীলচন্দ্র উকিল বলাগা মার ১০ দিব চিকিৎনা কার্য সম্পূর্ণ আবোগা করিয়া দিয়াজেন। ( নাঃ ) প্রিবাচনা কিলোর ভায় চৌধুরী ( অমিদান গানিয়া ) বল্ বীট্, নিউ বিজ্ঞিং। করণোয়েক্ষন লাচটিং ডিপাটনেনটা, করিবাহা।

## মনোমোহন প্রেস

পূর্ব-বাজালার স্থগতে লকলগুকার ছাপার জন্ত বিব্যাত বৈদ্যুতিক্র মেশিলে দিন্দারাত্র কাজ ভলিতেজে বিশ্বত জানিতে হইলে নিম উকানার পঞ্জ লিখুন

भगारनकात-भरनारमार्न (खन्ः

## মরা মাত্ৰ বাঁচাইবার উপার

বিধি অভাগি প্রকৃত বহা সাহয় বীচাইকার কোন বিধা আনিহিন কান বিধা আনিহিন কর নাই সভা, ভবাপি বীধারা নামারিব আনিহিনিত উপারে অপরিনিত পাঁজ নার কবিয়া আছেল মান কইয়া ধবিয়াকেন প্রবং নানা প্রকৃত্য, হারের, পার্যক্র নাজুলা, আহুনিক হর্জনভা, বহুস্তা, হারের, পার্যক্র নাজুলা, আহুনিক হর্জনভা, বহুস্তা, হারের, পার্যক্র নাজুলা, আহুনিক হর্জনভা, বহুস্তা, হারের, পার্যক্র নাজা, মুতবংসা, কাজেলা, বেজ ও হুজনার্যক, বিটিনিয়া প্রকৃতি রোগে তুলিনা জীবনে নিয়াল কইয়াছেল, প্রাকৃত্যা আনেরিকার প্রথমিত ভালার পেটাল নাহবংক আনিহাত বাংলার প্রথমিত ভালার কর্মান করিয়া বাহিনে পারের, ভালার অভাল বহুবিধ উবন বাবহার করিয়া বাহিনের পারের নাই, তাহারা অক্যার এই ক্রম্মী হার্যায় ভালিন প্রকৃত্যা আক্যারণ নাই, তাহারা অক্যার এই ক্রম্মী হার্যায় ভালিন ক্রম্ম আক্রারণ নাই ক্রমারণ নাই ক্রমারণ ক্রমারণ নাই নাই ক্রমারণ ক্রমারণ নাই ক্রমা



লোল এবেন্ট— ডাঃ ডি, ডি, হাজ্যা। ক্ষেত্ৰ, বাৰ্ক-চিক লোই, ক্ষিকাৰ ক্ষিয়া শক্ত ক্ষিয়া বিভিন্ন

## श्रीनम् दक्राणात्र

and the second second second

मर्कवर निर्वादक छाव। विषे, मृशा, चता, वामा, त्लोमात्र, त्योचन, विद्विका रेष्ट्रापि मनासंघ जनर ऋग, घरण, হৰ, শোক ইত্যাদি ভাষান্তর সক্ষ সাং-इक जिल्लास्य गर्दे अवन्।

· • (माटकेन ८व रठी॰ উन्नेडि रूप. आवात ইঠাঁৎ অবসতি হয়, ভাষার কারণ কি চ विकारी प्रकार छारात्र कातन ।

পুলা বিক্ষিত হইল, চতুদিকে সৌরভ বিজ্ঞীৰ ছইল, লোকের নাগারক পর্য ভৃত্তি আছুত্রক করিল। কিন্তু তাহা কডগুণ চ মুদুর্মবাটে ভাহার দশান্তর ও ভারাতর (वया यात्। मूल यतिया शक्ति, त्रोत्रक्त महर्दित रहेग ।

ুজীৰ জন্মগ্ৰহণ কণিল, ভাগাবলে উন্নতির পর উন্নতিম উচ্চ শিগনে কার্টোহণ कतिएक गाणिम, छङ्गिएक दीव छोत्रत বি**ভার করিল। ভাষাতে** কড় গোণেজা মন, আগ বিপুল পুলকে পরিপুর হইন, ক্ষিত্রহা কর্মণের মন্ত ্ কাশলোতের আফিয়া ভাছাকে কে।পার ङ विकास শালাইখ লইরা চলিল, সমলি স্ব গুরাইল।

लाएक वरन,—'अगुरकत भागात **गरमात्र ६ अ.स., भारत, कुरम, ने रण मकाररण अन्धः।' वाश्वनी कामना** करावारमहे मान कतिए भार्ति, जैशांक नक्या द्वति 👁 निकास्त्रम् भूर्य । विन्द विस्थाकरण व्यवस्य क्वित्य रमधा याथ, शुःहात्र ऋथ-चाळ्ळका निका नरह, र्याकार्यीन काकारमूत बाब भवन् वाक्षात्र, क्यन्त्र वा व्याधाक **ভাষার থারে তারে উকিস্**ভি মারিভেছে। हरामा (यमन क्रथारश) निक यसर धाराम ক্ষিয়া অগৎ আলোকদর করিনা তুলে. जाराक्र जात्र मूह्र छहे निविष्ठ अक्रकारव লোক্টকু আব্রিড করিনা দেন, ভদ্মপ श्रीतिबृद्ध व्यवद्यां व्यात्माक ७ व्यक्षका वर्षक ।

1941年李 ু নৈ সংসালে করা কাছে, জাবার মৃত্যু ्राचीस 🛊 ्रयोदम् आरष्ट्, कार्यात्र वार्कका ুলালে ৷ বুরস্ক আছে, কাবার তীয় আছে : सन् आहेत, भारात सन्न आहर । विश আহে, আহার, অফুড আছে; আলোক आहर कार्यात चक्रमात मारकः द्रशंग चोटक् आहात द्वाम जाट्यः त्यरे वच्यूर्व अस्त्रोक्षक अधिवात औरवात निवास विकास

রাজো জরতঃ

# দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

নিত্যপাঠ্য বৈক্পবাদ্যাবহ

বেৰাদি সমস্ত সাছড-লাছের অকৃত্রিম ব্যাখ্যাতা সমগ্র ভারতে একমাত্র মূলভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

জীঞাক্ষমায় াপুর—১রা জ্যৈষ্ঠ শনিবার—১০০৮

আনব্দের অধিকারী হওগে যায়। যোগিগণ আগ্রার এক অনির্বচনীয় ভাবান্তর ঘটে। প্রমানক রস্পানে উন্মন্ত হট্যা ইন্দ্রের সাধিপতাকেও তুচ্ছজান করেন।

মহর্ষি শান্তক্ষণি ভগণানের একাস্ত ভক্ত ছিলেন। তিনি পিতামাতার একমাত্র পুত্র। অভরাং ভাঁচাদের প্রাণাদেকা প্রিরতম। প্রের ক্ষণমাত্র আর্দ্নে জনক-জননীর গেলর জান হটত। কিন্তু শাসক্রি পরমাননা রুসপানে এত মত্ত কটরাচিংল্য যে, জনকজননীর জেহপাশ অলেশে ভিন্ন করিয়া নির্ম্ধন অরণামধ্যে আল: গ্রহণ করিয়াছিলেন।

ভগবানের শ্বরণ, মনন, চিন্তনাদিক্তে প্রেবৃত্ত হইলে যে অনিক্রচনীয় আন্দ্র লাভ হয়, সংসারের কোন বছতে তাদুশ আন্দ मृहे इय ना व्यवदा दकान दक्षत्र महत्र ठाहान्न **पुणना स्त्र ना**।

ভগবন্তজ কখনও শেকাদির বনীভূত হন ন। ভাঁহারা শেকের মধ্যে, বিপদের मरवाल भवमानम कार्यस्य करवन । स्थारकव পর শোক, নিপদের পর বিপদ্ মহাসাগতের উ-ভা**ল ভরজ** বিস্তার করিয়াও ভগ্ৰ**তক্ষের কিঞ্জিনাত্ত** প্রেণান্তর উৎপাদনে সমর্থ নছে।

রাজাবেণ ছম্মতিবশত: শ্রমন্ত নামক কোন ভক্তকে হুগভীয় কুপমধ্যে নিকেণ করেন, কিন্তু ডিনি ভাষাতে কিছুমাত্রও বিষয় হন নাই। পরুমানকে মগ্র থাকায **छारात्र ७विधस्य किष्ट्रभाव्य कास्मन हिम** ना ।

व्यक्तव तांचा यहिएहरह ता, व्यानम कड़ জগতে বা জড়বন্ধতে নাই, তাহা কেবল চিমম্বীলনে ও চিদ্বস্থতে। উপর্যাত্তে সমুদ্র সভাপ ্বি**দ্রিত** एक महत्त्व विशेष सिक्षणिक हत्। ब्यादिक

জগবদমূলীলন করিলে নিরবচ্চিন্ন অভাস্তরে অমৃতের উৎস প্রবাহিত হয় এবং

## ওরুত ত

(0)

চতৃদশভূবনবন্দ্য ত্রীভগবৎপার্যদবর আচাণ্য শ্রীমং বগুনাথদান গোসামী প্রাভূ বন্তমান এবং ভাবী ঐক্তিষ্ঠ ভক্সচরণামুগ মহামহে। দয় বৈষ্ণবগণের প্রমারাধ্য । তিনি স্বরূপদামোদর 🕜 🗈 নিপ্রোস্থামী প্রভু-প্রধেব জাপুগ্মনে 👉 গুরুপন্বের তক্স মনঃ-শিক্ষাগ্রান্তে বিপিন্ত করিলান্ডেন, ভাহার বিজ্ঞা কাল্লনিক শুগ্নভেদিচীৎকাৰ কথনই स्मान है। शामन करित ना । किश्वनस्मय মুকুন্দের প্রোদ, প্রম প্রিয়, ক্ষতবাং মুকুন্দ নকেন। শীল নলোভন ঠাকুর তদীণ প্রার্থনায় "নিভাইপদক্ষল" গ্রাভৃতি গীতে 🖟 শুরুত্র সম্বন্ধে বিশেষ করিং। উদ্দেশ দিয়াছেন: ভাহাতে তালিক বৈধ-বমাজেই বুড়িতে পারেন যে, ওকদের দক্ষিনী, হলাদিনী বা স্বিৎশক্তিমলে নিভা বির্কে-মান: সন্বিংশক্তিপণিত্র তাঁহার স্কংক চাপাইতে গেলে মায়াঝদী বা বাউণ সহজিলা মত হইয়া ঘাইবে।

यपि एक कि क्षांमां करतन एय, श्वक দেব সাক্ষাৎ ভগবংপ্রকাশ হইলেও তিনি ঞ্জিককটেভফের প্রিয়তম দাস বলিবারই বা তাংপর্যা কি ? সাক্ষাৎ ভুগ ২প্রকাশ বলিলে কি স্বৰ্ধ ভগবান শ্ৰীকৃষ্ণচৈতক্ত আহ্কে বুঝাইবে না ? ভছত্ব এই যে, ব্যংক্রপ ও প্রাকাশ এক নহে। ভগবান্--ষ্ণাংক্ষপ, শুরুদের--ভগবৎপ্রকাশ। ভগবৎ-धाकान योगला ब्रीइकटे हर छा पर क्यां इ मा। अधिकात्क्रमात्क्रमञ्जू योशंत्रा वृश्चित्र আয়াম পান না, তাঁহায়া বিশুদ্ধত্ব কথন্ই बीकांत्र कतिएक शांतिरवन् ना ।

नुक्त नाम अक्टावरक चंद्र क्यवान् योशवानी भावतः, वाहिर्द्ध क्रेन्स्कृतिक क्रान

বলিয়া বাাথা করা হই াছে, তথাপি তাঁহাকে ভগবানের প্রিয় ক্লফের প্রকাশ-चत्रण क्रांनिएंड इट्रेस्ट टक्न ? देत्रण क्रांनि-यांत्र कात्रण कि ? हिशत छेउत धहे त्यं, कगवानिव व्याकांत्र माहे, खन माहे, जीना नारे, नाम नारे ; मुक्किटवत्र वित्रात्र व्याकात, গুণ ও ক্রীড়ার পরবোকে অভিছ নাই---এরপ থাহারা বিশাস করে; ভাহান্তা নীক্তিক दा निक्तित्ववामी । जाशाता वरमा मामाव মিণ্যাশকিখারা পৃথিবীতে নাম, হল, খণু-লীলার ভেদ হইয়াছে, ব্সতঃ: প্রমার্থ অগতে এক্লপ ভেদ নাই ; সেথানে কেবল নির্মীধর নৌদ্ধরাদ অথবা শক্তরপ্রবর্ত্তিত একমাত্র কেবলাবৈত বা মাধাবাদ আছে। এট নিনিংশেব্যাদই লোকপ্রতারণার জ্ঞা গলেশ, ত্থা, শক্তি, শিব ও বিষ্ণুদেষতার মিপ্যাকলনা করিয়া সাধনের শেষ সিদ্ধ অবস্থার চিমা বিশেষরহিত জড়ীয় নাঞ্জি-কতা প্রচার করে। তত্ত্বস্ত 🗐 🖹 মহা-প্রভূ নিবিশেষবাদী মারাবাদীকে ক্লেব চরণে অণরাবী বলিরা আনাইগছেন উপার্টক্ত মায়াবাদীর বুদ্ধি অনুসারে क्षिणकारमदरक इस कानित्म नाक्षिक्ष পাৰওতা হয়, তক্ষ্ম তাহাকে ক্ষমপ্ৰকাশ জানিতে হইবে !

বৈক্ষরগণ পাষ্ড মায়াবাদী নছেন; স্ত্ততাং ওরকে ক্ষা না আনিশ্র ক্ষথপ্রকাশ दिनहां कारमम्। देवसन्दर्भनं मास्त्रिकं मार्टम्, ভাহারা গোলেকের নিতাত, ক্লেন নান, রূপ, ৩৭. লীসরে নিতাছ, শুরুপাদশক্ষেব টিল গাড়ান্থ এবং নিজের পুথক্ সন্তা বৈকু**ঠে** নেতা অবস্থিত-একথা বিশেষরণে ধারণা ক্রিতে পারেন, বৈঞ্বগণ মাগাবানীৰ নত নাত্তিক মতের পশ্চাদ্গামী হইয়া গুরুদেবকে রক্ষভক্ত না জানিয়া প্রয়ং कुक कार्तन ना।

শাক্তে ওফনেবকে মারাদাস, মন্ত্র প্রাকৃতি विनिधा 🗟 छन इम्र नाहे; निवा खतरमदाक गातिक दश्च मन्त ना करतन, निष्ठा छश्वर-সংগ্রী অমিপ্রিত বা সাকাৎ ভগবদ্বস্থ कार्मन, हेर्दा नारश्चन हेरमञ्जा नावक মানবালীর জুলিতে ভগবান, পঞ্জ ও সেবক—এই তিনের পৃথকু নিভাগতা না থাকায় তাহারা মুট্তাপ্রবৃক্ত ওলেবিয়ার ভজের সহিত বিতর্ক করিয়া পার্কে। मुक्तम 'काठिशंदर्वे।' मात्रावानी श्राक्तकात **ীগৌরস্থনরের ভীচ**রণ লাভ করিতে পীরেন নাই। পরে শান্তের কর্ম মাদা-राम ছोড़िया चाजिक देवकव इहेबाहिरमा। इक इरेट ७४३ १५६मछ। धीकान्नना ক্রিলে শাল্পের কবিত ভক্তিবার্টিরা পুনরার বলি পূর্বপক করা হয় বে, দিতে হন। বেসকল বৃষ্ট্রাক করেবে

कतिया जागनानिगरक देवकव वनिया शतिहय बिट्ड राख, कांगुन क्ने वाकिगरनद बट्ड नाकिक मात्रायामीत्र मण्डे ८५५ ।

## শাপে বর

(প্রীণাড় কিশোরীমোহন ভব্তিবারৰ বি,এল)

'नारन वज्ञ'---- इ चथांडि अवरन मापुन जात्नरकर रहकान स्टेर्ड जाहारा। व्यक्त कानाविमानी मारामूच कीरवह कान ও চিন্তাল্রোভ এই বাহু জড়জগভের গণ্ডীর মধ্যেই আৰম্ভ, ঐ গতী অভিক্রম করিয়া बर्धित द्या मारे। छारे कामारमन विठात ক্ষের মধ্যেই অন্তর্নিহিত। আমাদের হুখ ছাখের বাবতীর ভাবনা সমস্তই জড়াশ্রিত, প্রাক্তর সীমা অতিক্রম করিয়া অগ্রাক্ত রাজ্যের ত্রিসীমানার বাইতে অক্ষম। স্থ वा द्वः व विष्ठ ज्यामदा वांदा किছ धांत्रण করি, তাহা কড়ীর ছুল শরীর বা ক্ষম মনের मचरकोर कतिता थाकि। এই इरे ध्यकात ভাৰনাবন্ধ অভিক্রম করিয়া জোন তুরীর िबाइ व्याचात्रांद्वात्र कथा व्यामात्मत्र क्रमत्त्र श्वान भाग ना।

শাপ অর্থাৎ অভিসম্পাত চির্দিনই আমাদের ভীতির বস্তু, :উহা কোনদিনই শানবের বাহনীয় বা লোভনীয় বিষয় হয় না। মাগ্রহত সংসারাসক জীব আমরা সংগারত্বথকেই বছনানন করিয়া থাকি धानः बच्चाता स्मेरे भःभात्रस्टब व विमानमाधन হুইতে পারে, তাথাকেই শোপ বলিয়া মনে **ভরি। তবে যদি কোথাও ঐশ্বপ অভি-**সম্পাতের ফলে আমানের সংসারত্ব বা ধনাদি ঐপর্যাপাত ঘটিল যায়, ভবে সেইরূপ অভিসম্পাতকে আময়া 'শাপে বয়' বলিয়া প্রহণ করিতে পশ্চাৎপদ হই না। কিন্ত ঐক্নপ শাপের ফলে আমাদের ধনাদি নাশ च्छित्म উष्टा जामारमञ्ज निक्छ जारमी वास्नीय হয় না। সাম্বত শাল্লের বিচারে এবং অভিন ব্রজেজনন্দন শ্রীক্তকটেতক মহাপ্রভুর जीलांद्र **मध्य नाधात्रण मामवगरणंद्र आधा**क्तिक दिहात्रविभवानी त्य व्यमान नाख्या याव, फाहारे रहमान क्याब भागामत विठावा विवय ।

अक्टेरकाट्यर भारभाषा जना क्रकशाम-প্রে শরণাগত জনগণ একমাত্র ক্রঞ্ভব্তি বাতীত ত্রিভূবনের অস্ত কোন প্রকার क्षेत्रका, आक्रुष्ठ धर्नानि वा देहमश्मादतत्र ভুথাদি কামনা করেন না। তাঁহাদের বিচারে ক্লডজির নিকট ঐে সমত বস্তর মুলা অন্ধ কপ্ৰকৃত্ব্যা। সন্ত্যাস্থীলার शृद्ध विषय यहावाज क्रमावानिभगरक एति। न्महोक्तरत्र क्रांनाहेश विहारक्त । अक मनत्र শ্ৰীনন মহাপ্ৰভু ও নিত্যানন্দ প্ৰাভু কোন रहेरन गरावाज् छक नेप्रानीत्क व्यनांव कटवन । উक्त ग्रहागि, 'धन, स्था, ছবিবাহ, হউক বিভাগাড'--এই বুলিয়া महावाष्ट्रकं जानियांत करतन। महावाज् কিছ ঐরপ বাক্যের প্রতিবাদ করিয়া বলেন त्य, डेरा जानीकांत नत्र, भवद 'कृत्क उच्चिं रुप्ते -- हेशहे कका ७ कराव कानीसार।

বহিঃপ্রজাচালিত কড়বৃদ্ধিসম্পন্ন মানবেদ্ধ বিচারে প্রাকৃত ধনই সমস্ত পার্থিব স্থবের আকর বলিয়া বিবেচিত হয়। স্ন্ডরাং যাহার थन नारे, छारात्र कीवनधातगरे चुवा। क्षेत्रण रिচাरেत वनवर्थी **हहेश উक मधानी** श ধনদান প্রাকৃতিকে 'বর' বা আশীর্কাদশ্রেষ্ঠ বলিরা বিবেচনা করিয়াছিলেন। মহাপ্রত কিন্তু উক্ত সন্মাসীকে লক্ষ্য করিল জড় বিষয়সক্ত অজ্ঞানান্ধ জীবের নিতাকল্যাণের নিমিক্ত উপদেশ দিয়া ভানাইয়াছেন,---"ভব্তি বিনা কেছ যেন কিছুই না চায়। <del>ও</del>ন ন্তন সম্মাসী গোসাঞি বে খাইব। নিজ কর্মে যে আছে, সে আপনে নিলিব ॥ ধন বংশ নিমিত্ত সংসার কাম্য করে। বল ভার ধন বংশ ডবে কেন মরে ? অরের নিমিত্ত কেছ कामना ना करत । তবে কেন खत्र श्रामि পাড়য়ে শরীরে। • • হুখেতে বড় দোকের সম্ভোষ। চিন্ত বুঝি करह दरम, दरमत कि साम ॥ ५२ भूव পাই গলালান হরিনামে। ওনিরা চলতে সবে বেদের কারণে।। বেভে মতে গদামান হরিনাম দাইলে। জবোর প্রভাবে ভক্তি इहेरनक (इरन ॥ ७३ रतम कान्धितात नुर्ध নাহি বুৰে। ক্লকভক্তি ছাড়িনা বিষয়স্থৰে। মজে ৷ ভাল মন্দ বিচারিলা গোদাঞি। ক্লফটজি বাতিরিক্ত আর

অক্টাভিলাৰী ইতর বিষয়াভিনিবিট ঐখগ্যমদে মন্ত জীব ভড়ৈখবোর হেয়তা উণলব্ধি করিতে না পারিয়া পরমোণালের চরম কল্যাণদামিনী ক্রফভক্তিকে অনাদর করিয়া থাকে। জড় ঐথব্য হইতে **বঞ্চিত্ত** হওঃটাই যেন ভাছাদিগের নিকট অভি সম্পাত বলিহা গণ্য হয়। ব**হুজন্মের পুরীকৃত** ভজ্যবুখী হুকুতির ফলে সাধু,শান্ত্র 🐿 😘-বৈশ্ববের অহৈতুকী কুপার জীব যদি কোন पिन करकांश्व रश, **उ**टवंरे तम **आनिए**ड পারে যে, কৃষ্ণপাদপদ্মবিস্বভির কলে কৃষ্ণ-ভত্তির অভাবই তাহার পঞ্চে সম্পূর্ণ অভিসন্দাত। বয়ং ঐ সমস্ত বিষয়ারি হুইডে বঞ্চিত হুইয়া কুফাতজি লাকই স্কা-পেকা বরণীয়।

वथन कीरवंद्र केंद्रान भीकारनाक्रिक स्थ, তথন সে 'নালে বর' এই কবাঞ্চনিয় যথার্থ তাৎপর্বা হাদরলম করিতে ভবং ণ্ডাঙ্গুত বৃদ্ধি ভিরোহিত **হই**রা **অঞাকৃত** বুদ্ধির উলবে অমল পুরাণ জীবভাগুৰক-এक बामागाडी नवानीय शूर्व केननीक विकि चन किनगातम प्रक्रिकक,

"वकाश्यक्षण्डावि इतिहास एकत् प्रदेशः"---**८२ वारकात जात्रका क्रेमलंक क्रिक** नमर्थ एष । श्रीकश्चान श्रीश्चादकः स्था करतम, तम्मनः छोत्। मम्ब्र अरेक्चन **इडन क**िया थाटकन । **८व केप्सा हेडेएड** विकाछ हे उद्योगिष्टे जामात्मत्र विठातत्र ज्यकिः সম্পান্ত বলিয়া বিবেচিত, শ্রীমন্তাগৰতের ভাহাই ভগবৎক্লপা বলিয়া শিদ্ধান্তিত। ভগবৎকুণা বা কুফাছন্তি অপেন্দা শ্রেই দান আর কিছুই হইতে शारत ना। शाक्ष धरनत धरश्य यपि जेश्रम (अहे या गड़ा इत, खंद डेशाकड़े 'শাপে বর' বলিভে হইবে।

ঐম্ভাগবত সাকাৎ ভগবন্তম। শ্রীকৃষ্ণ-শীলায় বাহা শ্ৰীমন্তাগতখারে বাক চইয়াছে. ভাহাই ঐতিতক্সাবভারে নবৰীপলীলায় भरताक्रकारय अवः क्रेक्कनक्ररभ क्रेट्रिक निक्छे প্রকটিত হইরাছে। শ্রীমশ্বলাপ্রভু বর্বন ঞীবাসগুহে দার বন্ধ করিয়া কীর্ত্তন করিতেন, তখন জনৈক গ্ৰাহ্মণ কীন্তন দেখিতে আসিয়া विक्रमस्तात्व इ 8शाः ज्यान अकृतिन अक्षा-সমীপে গৌরস্কারকে দর্শন করিয়া জাহাকে **অভিসম্পাত কবিলা বলিলছিলেন,**— ''সংসারত্মণ তেংমার হউক বিনাশ।" গৌরস্থার শাপ শুনিল হংপিত হওগে দুরে থাকুক, পরম উল্লাসিত হইগছিলেন ! निवारे किंद्र (महे म्यावयूथ नहे एउड़ा ক্লপ অভিসম্পাতকেই আশীনাদ বলিয়া বুঝিতে হইবে। জানাইবার জন্ত এবং আমাদিশের ভার কুবিষয়বিষ্ঠাগণ্ডক্সণ গৃহাৰুকুণে পভিত সংসারাসক্ষ গৃহরত জীবকুসংক শিক্ষা विवाद क्षष्ट मः मात्र छाड़िया मधाशीय जीना অভিনয় করিচাছিলেন।

ভাই বলি,---'শালে বর' এই স্থাটীর হবার্থ ভাৎপথা বলি আমরা উপলব্ধি ক্ষিতে যাই, তবে ভাগৰতোক্ত লোক এবং **अरे**ठळळ्ळमहा:शह्य मीनाबादाह সর্বতোভাবে স্থমীমাংশিও ইইয়াছে দেখিতে

## यात्रात-८नमा

( 2 )

আময়া সামান্ত নেশাখোরকে যুগা করি, মাজাল, ওলীখোর, গাঁজাখোর দেখিলে ভাহাদের নিশা করিলা থাকি, সময়খহীন बिन्द्री कार्रात्मत्र व्यवक्री कत्रिया निर्वादम्य বৰ্ডমান অবভাটি বিশ্বত হইবা বাই, ইহা विषवित्यादिनी भाग्रारमवै तरे अक ध्यकात मंकि ! टम मंकित्यकार्य मयक बीयक्रमः এঁক নেশার খোলে উল্লভ হইলা মহিয়াছে, ভাষা চিঞা করিলে বিশ্বরাপর प्रदेश्य एवं ।

माबाह्म त्मान महेना करेजन्यो, स्टब्स, क्रिया क्यानक स्थाप यह । आहि क्रिक

বাখণ্ডল অভিয়াহি, আনার গরীৰ আত্র **८क्ट्रे गरि । जानि नवंदम्ब शिल्ह्स्स्ट**न नाव चानव स्थिति नाति, वचानव स्ट्री क्या, विश्वका देशानि कानोप बहुत অভিনান কভক্তৰ খান্তী, ভাষা বুদ্ধিয়াৰ गालियांक्यांचे निर्मा विषय

জীপ ঠাতুৰ অভিনিন্নের পীর্কা क्षिप्राट्म :---

मनदश ८कम च्यात्र वर्ष व्यक्तिशास । मजिल्म भाक्ष्मी श्राप्त, अमहत्या शास्त्र आहतः, ना कदिएव बाखिक मचाम 🗱 🙉 🙉

भाषात्वती केषर्वत्वत दम्लाव व्याक्तिवरक **উत्तर क**िया शाबिशांट । आभाव औ **क**ए धनश्रक्षांति धीर्थार्थश्रम् (नना क्**ष्ण्य**न् १ त्रांग्न, हित्रगाकनिश् आकृष्टित स्राह वैश्वि আর কাহার ছিল ? ভাহাদের পরিনাম कि बहेग, छाहा कि धक्यांत मात्रास्त्री আমাদের ভাবিবার অবসর বের ? ভাঙা **दरेल जेपट्याव त्म्मा आमारमंत्र हुन्सि**। वाहेस 🛉

बरन यनि व्यान निष्ठ, अनी ताका मा असिक, ধরামর হটত রাবণ।

धरम माहि बार्च तम्ह,तक्ष तमाम नर्ष त्कर. **अ**ज्जार कि कविरव धन ॥

তৃতীয় প্রতরূপ বিশাভিমানে আমাদিসকে मार्थात्वरी डेग्रास् कतिया ताश्वितात्मः ; विश्वाति : भिन्तिम्थ**ो** ना स्टेटन छाहा माताबर दमना

মন তুমি পড়িলে कি ছার। নবৰীপে পাঠ করি, ্সাধরত্ব দান ধরি তেকের কচ্কচি কৈলে সার।

চারি বেদ বড়দরলন পঞ্জি লে যদি **८गोबाम मावि घरम ।** 

ৰুথা ভার অধ্যয়ন লোচনবিধীন ধন मस्यारम् व्यवस्था विकास्य म

সাংখ্য, পাতঞ্জ, জার, সীমাংসা, **नत्रमान्याम. (यमारखद्र स्म्यमारिक्कपाय**ः প্রভৃতিতে क्षिप्रत्येश सहिता की केन मान कतिरम जक्ष्महे गुन्धे ।

त्कृष्टः **क्षे वर्षात् ह्योगार्**गाप নেশাৰ আমানিগকে অন্ধ কৰিয়া মাৰিয়াছে, चानि पुर जुनात या चुनाती, ज्यानात सुन-नावरना कार पूछ। विष्यु के साहिक (जीवार्या कर निरंत्रण, कांशा ्किः वाक्यांस **णावित्रा दम्बिशाहि ? यमक दक्षान**े क्यिए क्रवानित्य त्व सन् विद्वित मह स्टेश वाक धरे सामन गर्म कर्ता हुना । अकुत किल्लि िटनाम माहिबाटस्य :---

सर्गंत रंगीत्रम दक्षम कार्रे क्ष मार विश्वत श्रानिका अ करणवहः नवन कारेरव किंदू मेरि ब अप नेका शरा, बारि जानशिव हरेंग क्रिकाम चाच्या राम सामित्र

# গ্রন্থ পরিচয়

## **ভাষতাগবভম**

किन्तुवर्षि क्वारेवनायम द्वप्रवाम-द्वापिक मृग, क्रियन-क्षिकाना कारनवा मिन्द्रीका, विवत्वान विवया हे संकृत कृत गांतावशनिक है। को, बकाववाब, माइक कवत क श्रीक्षित्रम् क्या क विद्वकाविद्क । व्यक्ति करकत व्यक्ति महे बटबर वालिनाच क्यानाच, व्यशास्त्र वायदम व ৰ্যালের বার্থই ছবিছত তাৎপর্বাদি বিহুত। লোকস্চী विवयपूर्णी, व्यवाद्यविवर्तन, शांक ७ क्षानप्रतीगत छेडम काशास्त्र विश्वम बाक्टरब मुख्यित । क्षांम स्टेरल ১०म वन शिक्ष क्षाना व्यक्तिरंग त्यव इदेशारक। किया व्यवस हिरक असे क्य नवाक २०००; मनम क्य ३२,; -

## **अप्रेटन्ड**न विकास

**এটানভক্তিবিনোদঠাকুর র**চিত 'অমৃতপ্রবাহভাবা' জীবন্ধকি নিভাব সরপতী পোখামী প্রভূপান লিখিত 'মছভাব্যে ক্তি-খুড়াদি বহু শার্তমাণ-স্থলিত হইয়া क्षणानिक इदेशायम । क्षारकत मावत्रवात्रात्रा, वक्षाश्रवात्रक প্রাডে।ক পরারের পূর্বে সংক্ষিপ্ত অভিনের সংযোগিত। প্রান্ড্যক অণ্যার-প্রারম্ভে কথাসার কেওরা আছে। স্লোক, গরার, শব্দ দ্বান, পাত্র প্রকৃতির স্বর্হৎ ফটী ও প্রস্কারের विष्ण कार्यो गमविष धहेकन चकुरु नृत्रं मः इत्र हे छः नृत्रं कुकारिन क्षाकालिक वर्ष नाहे। केवम कानटब लाजिलाटहात পৰিত স্থুল কোজরে মুলাংল মুক্তিত হইরাছে। এছ আর See - शृहाय मुल्लास । फिक्स वर्खमादन e ् माळ ।

## **এটেডজভাগবড**

क्षक्षात्वक कीयमी, काणि निविध्कतनत्र कवानावः १८०७ इंबोड़ीय छाता, नमक्ठी, नवाबक्ठी, विवय-कान नालावि-सही, क्षंक्षि विविध विवध नवनिष्ठ विश्वाप्त विश्वीय भारतका স্তথন জ্রাষ্টন ৮ শেলী আকার। আবিনীনা ও মনোর क्रिक्स्परम् व्यक्तिक स्टैबार्डन। ज्यस्य ज्यस्य व्यक्तिक **এইডেছেন। অগ্রিন তিকা ে টাকা, আ**দি দীবার TOWN C. 1.

## **बिटेडफ्फ्रमण**न

এই এত্রের ওয়ণ অভিনব সুনার সংবরণ আর কুরাণি व्यक्तिक देव महि। मध्यक द्वाकारणय व्यवस, वकाञ्चास. ভাষা, কৰাসায়, তথা প্ৰভৃতি সহ খণ্ডে খণ্ডে প্ৰকাশিত क्रेबास्क्रम । यून स्थाति चम्प्रत क्रवन काकेन चांग्रेरनकी ब्रह्माकारम सामा बहेबारम । मूना ०३० छोका। समीया क्राकृति व दश्रीकीताम ब्राह्म नटनम् नटक अ॰ हाना ।

## জীলত গৰহ সীডা

कर्माकार देवकवाहाचा जलाक्छ अनिकृषामनि क्रिक्सोन हक्कार्विशहत लाचायहका नात्रार्थवरिय क्रिकारमध्य के क्रिकिटिकांबरमांच श्रेष्ट्रक व्यक्तिक 'प्रतिक-क्का मामन कानाकानामधिका । अनामक्की, नाक्काकाम क्षाक एकी विश्व एकी व्यक्षकारतम कीवनी क व्यवस्थानिकानि सद्द का कार कर कर विश्वाद वाशाद करीय गरकतन-- अहे बाक वहेटक अधिकमारण मात गृहीक ; क्रिकीय श्वायामी कि अकारणा विकार के केल्या वाला मार्गाइव मरकाव---अव The second of the second of the second of the क्रीमा बाह्य।

## न প্রভূপাদের বস্তৃতাবলী

ও বিকুপার এএীনভজিনিভার্যরভী भाषामी महाबादणय शहे मिनिया दिश्वरित नी **ौ**वाषार्वक्रत्भारवाधिनी कृष्ण-कार्का तन्त्रवाधिनी क्रोवस-वाधित वृर्ध-विवार---देवकविष्काश्व-त्रप्रमानाव दकोश्वध्यनि---नर्धानव विश्वविकामानारमम् स्मीलक छना--- शक्ताव ६ छान - एछन नमचत्र श्रक्त--- महाज्ञन-जीतनहत्रिष्ट-निक्ष क-- विचिताति श्रात মচিক্সাত্র-বিচারক---ঐখণ্য ওম্পুণারদের মেলিক গ্রেণার —স্বন্ধ, অভিদেয় ও প্রয়োজন ওবের নিকাপ্ত সমূত্র।

১। প্রথম অক্ত-বৈঞ্চবদর্শন, শ্রীপ্ররাত্তর, কাল-धर्च, श्रीमध्याविकांव, श्रीवार्वकानवी, शाक्षत्राद्धिकी सीक्षा ও বর্ণ-বিচার, আত্মধর্ম ও মনোধর্ম, জীটেডভঞ্চের ও ভাছার শিক্ষা, অপ্রাকৃত সহজ্ঞর্ম ও প্রাকৃত সহজ্ঞার্ম, প্রস্কৃতি বিংশতি সংখ্যক মূদ্রে স্থানেভিক্ত। তিক্ষা মাত্র he বার আনা।

**১। দ্বিতীর শশু-তথা** ও বিদ্ধা ভলি, মন্তবের শ্রেষ্ঠতা কোধার, আত্মার নিতাবুত্রি, শ্রীগর অমিপাদ ও मान्नावान, बीटबीत-निष्णाननकात्रमण, जिप्रदेशत धर्म 'अ क्रमा-कोर्जन, श्रीवामनुकात श्रीमहाश्वराष्ट्रत कीर्जन, श्रीरशीत-धारमञ्ज महिमा, मशक्षामान, औरशाविन, बीजभार्याककन-পথ, শ্রীমতী বৃধভামুনন্দিনী, শ্রীটে তভের দলা, গৌরকরণা ৫ কুক্ষমন্ত্রীর্ত্তন—চতুদ্দশ অপুর্ব্ব মধুরিমাপূর্ণ-বঞ্চতা-বিকৃষিত। ভিকা ২, এক টাকা মাত।

প্রথম ও বিভীয়—গুই গও একরে বইলে ভিকা ১৯০ MU ট্রাকা, ডাক খর্চ সভর।

## **এ**লপ্রগ্র**দগী**ভা

গৌড়ীয়-বৈশ্বধাৰ্শনিক-শেখন শ্রীশ্রীমন্বলদের বিষ্ণা ভূৰণকত ভাৰাও শ্ৰীনভক্তিবিনোদ ঠাকুরেরপ্রাঞ্জণ বন্ধ-ভাষার বিভৃত 'বিশ্রলন' নামক ভাষাণুক। অণায়-পটী, বিষয়সূচী, ও প্রতি শ্লোকের তাপম ও চূডীর গ্রন্থ একত ভিকাদ আনা মাত্র। 🗠 পুচী, ভাকুকারের শীৰনী প্রস্তৃতি সম্বনিত। ্রাক্তর বালেই, স্বাস্থ্যস্থ ( তৃতীর সংখ্যাণ ) গ্রাছের जिल्ला के ब्राह्मा

## **टारमञ्जूषावनी**

😂 মধ্বদেব বিভাতৃংগ-প্ৰণীত বৈষ্ণবদ্শন, সন্দৰ্ভ ও ণোবিশ-ভান্তাদি পড়িবার প্রথম গ্রহ। উৎক্রট কালিতে ছাপা। অবিভ্ত চীকা ও প্রাপ্তনাম্বাদ-সাহাব্যে অতি সহকে ৰালকেরও বোধগমা হইরা পাকে। ভিকা । 🗸 • স্থানা মাত্র।

#### श्रीतवहीं श्री मार्गाही

( প্রমাণখণ্ড ) সাতুবার। এতি-শৃভাারি এতে শ্রীনব-ধীপের বে মহিমা কাঁটিত আছে, তাহার মূল সংস্কৃত ও अध्याम । जिल्हा ८० जाना ।

## **अधि**मद्दी श्राचित्रम

আঠাকুধ ভঞ্জিবিদোদ লিখিত। পুৰালিত শীতাকারে পরিজ্ঞবার মাইব্যাধি-বিবরক। ভিক্ষা। আনা।

## ভিজ্ঞিরত্বাব্দর ও নংখীপ পরিক্রমা

🕮 ন্ম নৰগৰি চক্তৰ্তি-মাকুল-মচিত। ভবিবরাকর क्षान्द्र क्रिनवरीलवादमत न'त्रक्रमा क्षित्राविद्यान, छाहाहे शास निवृत्व । विका । ० वर्शना

## ध्रीटिन्सिम सामुज

্রীল ক্ষিবিনোম ঠাকুর প্রাণীত। ইচাতে জ্রাটেচতকের निकाद्यालका - प्रक. इक्कमिक ६ इम--वद ६ मुक कीय---অচিন্তঃ 😘 ৮০ন তথ্য---সংখ্যা-নির্ণয়---ক্ষয়োপন-ভাষ, কর্ম-কাও, পরমাদির বিচার—বৈবী ভঞ্জি, ভারভঞ্জি 🤏 CMमः किन्द् नागडशन-अवाणी ७ अहेकाणीत मीत्।-পরিচরাণি প্রাপম শিশাবীর উপবোগী করিয়া সরব ভাষাত সমুদ্ধ ্কিপ্রমাণসভ লিখিত ছাতে। চতুর্গ সংখ্রণ বংশ্য ২ , টাকা, আবাধা ১৮০ টাকা মান।

## গৌড়ীয়কণ্ঠহার

শ্রীরেন বৈক্ষরপণের অফুক্ষণ করে ধারণবোশা ক্রতি শ্বতি পুরাধ-পঞ্চরাতাদি সাম্বত-শাসসমূচের প্রমাণাননী বিশ্পনিভাগ্রমে সামুদান স্তশ্ফিত। এইরূপ বৈক্ষপ-সিছ তেও সারসমধ্য অস্ত কুরাণি প্রকাশিত হয় নাই। ইচাতে শুকুতন্ব —ভাগৰত— বৈঞ্চৰ – গৌর — নিস্ত্যানন্দ— অবৈত্ত--কৃষ্ণ---শক্তি--ভগবজন-ভীব --অচি স্কাডেনাভেন — অভিধেষ—সাধনভঞ্জি—বৰ্ণ, শ্ব— আশ্ৰন-ধৰ্ম — কম্প্ৰান্ধ — খ্রীনাস-প্রেরজন ও প্রমান-তর ভলি পুণশ্ ক্ষায়ান্ত্র সুর্গৎ লোকাদি স্থান্য উংকঠ এঞিক কাপতে ব্লোচ্চ : ৰু কালিতে মুদ্রিত, উপর্য় বিদ্যা সোনার ছলে নাম লেখা। अव थाव ४०० पृक्षेत्र गण्युर्ग जिक्का २ होका माळा।

## श्रीमन्द्रीनमाय-अपायली

শ্রমণ্ডভিবিনোর চাতুর রচিত 'নামমাকা**ত্মা**—ধার-মাচাস্ক্রোর সামুগার প্রমাণ পণ্ড-- গ্রীল নরচরিচ চবতী ঠাকুরের ধাম-পরিক্রনংশ—-শ্রধাম নব্রীপ পরিক্রমা—ভীখ-ৰাত্ৰা পছতি---শ্ৰিমৎ প্ৰবোধানস্কৃত নৰ্থীপশগুৰুষ্---প্রীমন্বতি বিনোপ ঠাকুরের শ্রীনবরীপ ভারতরত্ব প্রভৃতি

## এইরিনামায়ত খ্যাকরণ

শ্ৰীকীৰ গোখামী প্ৰান্তপাদ-বিরতিত প্র ও বৃদ্ধি, ভংসলে ওবিকুপাদ শ্রীমছকিসিদাম সন্ত্রতী পোলামী ষ্টারাজের বিহুত ভূমিকা ও খুটী প্রভৃতি স্থা। অপ্রভ্যাশিতভাবে খুল্ড। ভিকা ২ টাকা, ছাত্রগর্মের भूटक आ॰ छाका माळ।

#### CARIBORNIA

विवक्तामासूक्षांठाँदा-व्रक्तिः । द्यसारस्यत्र विनिष्ठेरियक्षयाम-অচারক শ্রীভাষা-গুণেতঃ মাচার্য্য প্রবর বেদাছদর্শন পাঠের উপবোগী করণার্থ এই উত্তম করিয়াছেন। ইংগতে বল্লালুনাদ ও স্কৃতীপতাদি সংবোজিত করা কইয়াছে নাৰ যাত্ৰ ভিকা ॥ আনা।

## **ब्रिटेन्डक्रन्टाइड ७ वर्गीनगढ**र

গৌরণার্যর তিমন্তী শ্রীমং প্রবোধানন্দ সরস্থতী পেণ্ডিছ মূল, প্রাভূপাৰ জীমদ্ ভক্তিশিদ্ধান্ত সরস্বতী গোস্থামী মহাবাজ प्रकारिक **अवश्रम्**द्ध काल्या । क नकास्यान महाना । নম্বীশশতকের শ্রীভান্ধিবিনোদ ঠাকুরের পঞ্চান্ধবাদ ও তৎসহ শ্রীমন্মরাপ্রাভূম একটা জিবণরঞ্জিত আলৌকিক কিন্তু व्यवक इदेशारक। भूखन ७ कानक केरकडे (-३ बाजर একবে ) ভিক্ষা ৮০ আনা, অতি স্থগুয়া বাধাই স্থালসংক্ষণ २ होका माज।

## ক্তিব্ৰহ

জীমহাকি বিলেদ সাবুৰ-প্রেমীত। এই একমানে প্রস্কুলারে জনন প্রাক্ত করিলে পার্মাধিক রাম্যে কিছু হই আজনান ধা সংগ্রু করিলে পার্মাধিক রাম্যে কিছু হই আজনান ধা সংগ্রু করিলে মান ব্যায় প্রাক্ত এই এপার্য প্রকাশ ও ভালানানী আই এ প্রাক্ত ক্রাক্ত করি লাভ নাম নাই। প্রাক্তি করেলে লাভি নাম নাই। প্রাক্তি করেলে লাভি নাম নাই। ক্রিক্ত হই ক্রিক্ত হই ইবালেন। করেভি করেল নাই করেলে হালানান করেল নাম লোখা, উৎক্রই বালিনান চতুর সংগ্রুব ভিলা ২ টাকা মানা।

## **েগ্ৰ**নিবৰ্ত্ত

নীয়ন্তাপ্রত্য অন্তর্গ পর্যের প্রথম কর্মদানক প্রত্ বিশ্বতিতি । এই প্রস্তাক সতি ক্ষানোধ্য লাখার মধ্যের র কালিব্য বাঁলাগার বৈঞ্চাচার, ক্রেটান্য ও নামান্তন লোগায়ী ক্ষান্তি অনেক বৈভাবত্তের ক্রামাণান ক্ষানিক্য প্রতিব্য ও পর্যাক্তির প্রকৃত্তি স্থানার ক্রিয়ানিক ভ্রেক্তিকা প্রিচ্যাধি-সম্বাধিত চতুর্ব সাম্বরণ ভিজোনিক।

#### » खनद्र १ गृह

ভানক (এর নিজ্যমন্ত্রী ; সাত্র ভান্তিবিলেশ্যের () । প্রকো হি
ভান ; নিধিব লশকের নিশ্যাল। প্রথমনি না নামা প্রকাশ কেন ব্রিতে পারিখেন নাও ভূতীর লগেরও এন কা । সিল্লাল্য

#### **ক্রিনাস**চিভাম্থি

নামতে যেই জীল হলিকাৰ ইকিবের মধে তীন্নাং গ্রেছ লীনাম মাহাজ্যা, নামাভাষ, নামাপ্রাণ গ্রেছতি বিধেনা মুন্তিখি বিগার অন্ত করিয়ালিকোন। এই বিশ্ব গ্রিষ জুগতি স্বাক প্রাক্তে শংক্তিক জান্ত্রসহ পরিপাটিভাবে মৃত্যান । জ্ঞিল ভজিবিনোদ হাঁত্র-স্বভিত্ত। প্রথম সংস্কৃত্য ভিস্কৃত সন

## ক্ষাপ্ৰকল্ডফ

শ্রীনছ জিবিনেশন হাকুর রচিত। আত্যেক ভগবদবিশ্বালী ও আনপ্রের পশ্যিকর নকাত প্রচেন্দ্রনীর
উপ্রেশ্যেকীপূর্ণ ক্ষিতিগ্রন্থ। সামায় শেশাণ ড়া জানা
বোকেও এই ভবনরাকোর ক্ষিতিনমূহের হাবে অনপ্রিকৃত্যি
শুল ভানবংবারা লাভ ক্ষিবরে স্থানির। পাইবেন। যা
সংখ্যার, ভিজা /১০ শ্রানা মান।

#### শ্বণাগতি

জ্ঞানছতি বিধ্যাল হাকুর রচিত। ওপরানে সাত্মনার্পর, বিজ্ঞান্তি, ভলনলাল্যা, বড়্বিধা শর্ণাগতি ও বিশ্বি-লাল্যা। বিবয়ক স্মৃতিপূর্ণ, ভিকা ৴০ জানা মাসে।

#### গীভানলী

ু উট্টাকুল ওজিলিনেন-প্রাটি । নিতা চকন, আর্ক্তিক জ প্রেল-বেবনারি-বিজক মধ্য গ্রন্থ একতে থাপত। ভিকা /- কামা মতি।

### **अगदस्य राज्य**

রবিকেন্দ্রশৃ**টধোলি** শ্রীমন্বিশনাপ চক্রন্ধী চারুর-বির্তিত ক্ষ**ন্দ**া **শ্রীমন্ধন্ধিবিনোদ** টাকুমের অন্ধ্রাদ-মহ। ভিচ্চা।• আনা মাত্র।

# সাম্বনস্থা)

শ্রীনকর প্রান্ধ শিক্ষা ও শ্রীণ রত্নাথ দাস গোলামীর প্রান্ধি শ্রীকণ গোলামীর উপদেশবাণী, ভক্তিপথের অনুকৃত্ব ও প্রতিকৃত্ব বিবয়ে স্থবিচারিত সম্মোদন ভাষ্য, বিশ্বুত্ব থিরুটি, চরিতামূতের প্রদাণ, সামর ব্যাখ্যা ও মহাজন-প্রাণ্ধিত তভ্রপযোগী গ্রীগ্রমমূহ প্রভাক স্লোকের সহিদ্ স্যারবিশিত ১ইরাডে। ওর সংশ্বরণ ভিক্ষা ১০ গানা।

#### সাধন-কুণ

শ্রীবন্দাপ দান গোঝানীয় মনঃশিক্ষা, ঞ্জিল ঠাকুর ভাকিপিনোদ-চণিত পঞ্চায়বাদনক। ভিক্ষা ৴ আনা।

## ভোমভকি:চন্ত্ৰিকা

ীৰ সাক্র নরোত্মের হাস্পিছ পোনভ্জিবিয়েক প্রের প্তক। ভিখাস- খানামার।

## ननमी मम्बर्क

য়া শ্রমণ ভবি বিদোর র'টভ **প্রান্ন করেবার্গনন্দ** মরবার পারের রাজত নব্দীগ্রশুতকের **স্থানিত গ্রান্থবার।** দিখা ৮০ মান্যবার।

#### **副位列物等**

্টীল হে,কোচ্চারিভিড। বৈক্ষরতা-**জ্ঞানের আ**ক্ষর পুরকা ি তেলান মারু।

### গদানারস্থাতি

্ট্রীর মধ্যার (৮-এনীড) বৈক্তবের নিত্যকর্মানি বদাগারা-বলী, বজাসুধান সাহত। ভিকা ৴৽ আন্যানাম ।

#### মণিস্ভুরী

কবিকুলবেশ্রী শ্রীসরারায়ণাচার। রচিত। শ্রীসরাধ্ব। চার্য্যের সংক্রিপ্ত দীবনবাঁস। ও মূল বৈক্ষাও মত। সাম্ভবাদ ভিনা। শ্রামে মানে।

#### গোরক্রকেন্দ্র

প্রাচীন কবি ঐশোচিন দে। প্রাণীত ঐগৌরাষভারের গুমানাবধী-দংবলিত সংস্কৃত হয়। ভিকাধন আনা।

#### युक्तिमञ्जिमः । : ७५८भोत्रष्ठ )

শীনধ্যদভাগায় হৃণত শীনধানিরাক স্থানিরাত। বস্থাকরে যার্রান তেই প্রান্থর তাকাশ পারমানিক সাহিত্য-জগতে এই নক্ষপ্রান । শীন্দাধ্যাহার্য্য হুইতে ঘোড়শাগন্তন দিনীর নক্ষাচার্য্য লানে খ্যাছ শীনানিরালভীর্য স্থানী এই প্রক্ষেপারার ভালে ওলাকিক ভারাল্যারে কিন্ধাপ ওলাভাবে ভালিবিরানি-ম ব্যাদ সমূহ পশুন করিরাজে, খালা প্রান্ধ করিতে সভিত্য আক্যান্তিত হুইতে হয়। ইহাতে মুক্রির ধারা চাকার্ত লেন, ব্রাদ, মানাংসক ও মানাবাদিনত সমূহের হুকার প্রনারালাভো ভিকাব ্ টাকা মানা।

### ८भाषामी खिल त्रम्माय मात्र

তি বিক্পাদ আঁল ভডিনিছার ারখনী গোষামী
প্রচুগাদ-লিনিত ভূমিক। নত ) গৌরবের স্কল-রপের
তক্ষাত্র প্রিকৃত্য আঁল দাস প্রোর্থনী প্রচুর অপুর
চরিতামূল ও নিকা পতীর প্রাক্তন ও সরল ভাষার সরিবির
ধ্বং পরিনিত্র দাসগোষামী প্রচুর বিরচিত ক্রেকটী
সাল্বাদ মধ্রতম ওব ও মনা-নিকা-ন্যালিত। ভিকা
বিবাই ॥- আনা, সাধাবাই । ১০ সানা মারা।

# চিত্রে নবদীপ

প্রাচীন ন্যবাসের অব্ভিতি, তুলা, উত্তিহ, ক্রেক্ত ত ঐতিহাসিক প্রমাণবিশ্বনিত ক্রুটা বীলের স্থিতি বিষর্গ-গ্রহ । রাজ হি রা জ্যাহের কুমার প্রাক্তন্ত পার্থিক বার্থিক রার এম, এ, প্রাক্ত (লাহোর), বেরাজ্বন্দ মহোরের ক্রেক্তন স্থানত এবং এণ থানি, বিভিন্ন রর্ণের অপুন্ত চিল্লা মানচিত্র-মমন্বিত; প্রাচ্যবিদ্যান্যবাস্থি রায় সমুব্রের প্রিক্তন নাগ্রহ নাথ বহু বিশ্বনোক্রমণান্ত মহাপ্রের হিজ্কে ভূমিকা স্থ । উৎক্রই (ইং ) মন্তক্ষো ইলোই মুলা ১৪০, জিঃ লিঃ জে

## नावस-कर्श्वाणा

শুরুবক্লনা, বৈক্ষব-বন্ধনা, বৈক্ষণদ্ধণ, বালালের কীত্র,
ভীনামগাই, ভীন্মহাপ্রেচ্ন অটোজন্ত নালা, অইপ্রেচ্ন
নামকীর্ত্তন, শুনামগর্ভাইন, প্রেম্প্রানি, বাউপন্তীত,
নববীপ-মহিমা, শুনালাপুর মহিমা, শুনারোক্তম-প্রভুগ স্কুইক
আচান্যা-বন্ধনা, বড়াগোলালীর অইক, প্রেমভন্তিচ জিকা,
উপনেশ্যালা নামভক্ষন-প্রণালী, মহাপ্রেচ্ছ ও রার রামানন্দ
সংবাদ, মনানিক্ষা, শুক্তমপ্রতি, শুক্তম-প্রশালার,
মহাজান্তর বন্ধনা প্রভৃতি সাবক ও সিভ্জীবনের নিভাপারা,
বৈক্ষবগণের কঠাপ্রিত ভূসনীমালার ভার অহুক্ষণ কর্তে
নারগবোগা অপুন্ত প্রস্থা। ভিক্ষা বিশ্ব, বাহনাই ॥ মাত্রা।

## পৌড়ীর-গৌরব

কলিকাতার ত্প্রনিদ্ধ আলবাট হলে গৌড়ীয়-সম্পাদক
শীপাদ স্থান্দর্শন প্রনিধ্যাবিনাদ-প্রদন্ত অক্তার বিষয়
প্রহণরে একাশিত। ইন্তে গৌড়ীয় নৈক্ষরস্থান্ত্রের
ইতিহাস প্রকাশের প্রণিত হইরাছে। জিকা ৮/• মালা।

### ্যোড়ীয় পাহিচ্য

কণিকাতণ হতাসিত্ব মানবার্ট কলে পৌড়ীয়-সন্পালক শ্রীপান ক্রন্তরানক পরবিদ্যাবিনোনপ্রায় ওাধন্ত বক্তার বিষয় গ্রাথানের প্রকাশিত। ইহাতে বাহিত্য-শলের স্বর্থ এবং গৌড়ীয়-সাহিত্যের বিষয় স্বাকারে বর্ণিক হইয়াছে। জিল্লা কি সানা মাত্র।

## श्रीदगोड्मक्षण शतिक्रमा-वर्णन

শ্রীনোড়দেশের যে গকল বানে সপরিকর শ্রীমন্ত্রাপ্ত করে তদক্র পরবন্ধী মহাজনগণ লীলা করিছা নিরাছেন, সেই সথ আধুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও দেকবিশ্রছান্ত্রিক পরিচয় সহ যাভারাতের স্থাবিশ নির্দেশ ইড্যানি বিষয়ক্ষানি স্থাবিশ্বিত আছে। ভিক্ষা । জানা।

## THE HARMONIST TO SAVI OR SHREE SAJJANATOSHANI

প্রিল হাকুর ভকিবিনোন-প্রতিষ্ঠিত এবং জীল ভকিসিভান্তব্যবতী গোখানী প্রভূপান-সম্পাদিত পার্থাবিক
নানিক পঞ । একংশ ইংরালী ভারার ভারাবিংশ বর্ষে
তব্যক্রাউন ৮ পেলী ও কর্লা স্থাভাবে প্রেক্তি নাবের বিজ্ঞান-বৈজ্ঞানী লইবা উপত্তিত নাইতেকেন।
কালক, মূলগ-পারিপাটা ও তিলানি ভতীব হিলাভর্মক।
এই প্রেলার উৎক্তি প্রেক্তি লার কোন নানিক প্রানিকে
কেবিতে পাইকেন না । বার্যিক ভিকা ভাকরাজ্ঞানত ও

ट्याडिकान-विक्रिकानः, त्याः शियाशानुब नवीशाः

THE RESERVE OF THE PARTY OF THE

# বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভিজ্মঠসমূহ

নাকৈত্বতা মঠ

আকর মটবাত

व्यक्तीम अवदील, काक्यत क्षेत्राम मात्रालुत, मनीता

শ্রীমভাবোগলীঠ ভটভে জার ৩০ ধছু উত্তর-পূথে শ্রীত্রস্থপান্তরে আচার্যারড় শ্রীচন্ত্র-শের্থর-ছদমে শ্রীশ্রীচৈড্রজনমন বিরাজমান।

কাই স্থান সাধ্যত-তীর্থ, গর্মবিভাগীঠ বা সাম্বত জন্মন্তনী। এই মহাতীর্থে শ্রীহরিন্দ্রামান্ত বাক্ষণানি বেলালসমূহ, পর্যবিভার অন্ধর্গত কাবা, নাটক, অলকার, ওথা প্রান্ধন-উপনিবন্দনীভা-প্রে-প্রজান-চকুইছেই অধানন ও অধ্যাপনা এবং তথার শ্রীক্ষর-প্রোক্তাল-সাম্বান্ধতা-সিরিধন ও সাম্বত সাম্প্রদারিক-মাচার্যা-চতুরে তাঁহালের উপাত্ত বিপ্রহের গতিত নিজপত্র সাম্বত-সমুদ্রান্ধর অক্ষান্ধত বিলিক্ষণত্র সাম্বত্ত সমুদ্রান্ধর অক্ষান্ধর কর্মান্ত ও ক্ষরাচীন প্রহ্মান প্রচারকল্পে 'নদীয়া-প্রকাশ' ব্রান্ধ ক্রিক্তিক ক্ষরাহেন ও অগ্রাহিন প্রভাবনার ক্রিক্তাল ক্রান্ধনার ক্রিক্তাল ক্রান্ধনার ক্রিক্তাল সংগ্রান্ধ ক্রান্ধনার ক্রিক্তাল ক্রান্ধনার ক্রান্ধনার

(৩) ৰোগণীঠ শ্ৰীমন্দির

এই স্থান শ্রীক্ষারাপ্মিশ্রের তবন ব
শীন্ত্রালা প্রজ্ব আনির্জ্ঞাব-ভূমি মতাবোগ
প্রিঠা এবানে শ্রীকার্যালার এ শ্রীকৈত্রন
ক্ষারালার প্রথার নিজা সেনা তথা শ্রীকল
কর্মের সেরা বস্তুমানা বক্ষাক শোক
মাধারর গোলামী কট্টানালার ব্যক্ত শ্রীকান
বালা সক্তর্গালী শ্রীনিভানালার আননালী
ক্রামধান ক্ষার্যালী শ্রীনাভানালার আন

## (৪) শ্রীবাস-অর্মন

स्विष्ण । अपार विकास वित

(१) चटिषक-क्षतम बहे न्हारम क्षेत्रदेश्य श्रप्तक क्षत्र व्यव स्मर्था विश्वसम्बद्ध

(क) काकोत्र जन।वि नः हे बोठीम माधानुत, वामननुकृत (मनीत कित्रोक्षणानाव विद्यादनाकोत त्रमावि। सम्बद्ध-वस्त्रात्री विदिशादिकाती।

## (৭) খানন ছবদ-ছঞ

श्रीरमाक्षम, प्रश्नमग्रह ( नगेता ) ब्रमाल देविकूमाम क्रिम क्रिकिश्मित्रोक्टा । समापि क्षार क्रिमोन्स्याम क्षर केळीवा -बाक्ट्य स्मया सम्माम

## (৮ **জিজগন্ধাথ গোড়ীর ম**ট্

রক্ষক—শ্রীবহ্বর ভাজিশাল্পী এম, এ বি, এল, সংকারী—শ্রীউদ্ধবদাস ভাজি শাল্পী, শ্রীউক্ষক্তম অধিকারী প্রাকৃতি।

(৯) জ্রীদোর-পদাধর-সঠ
চালাগটা, সমুজগড়, (বঙ্কান)
শ্রিদ বাণীগাথের ক্রাভিটিত গৌরগদাধ
দেবা। রক্ষণ-শ্রীকভিবিকান আগ্রম

### ( ১: ) औरमामकामहता-

নাউপাছি, জান্তপন, বছমান।
নীবাগাবভার ঠাকুব বুকাবনের থান।
নক্ষক—শীবছবিগানী রজনাদী।
(১২) জামবন্ত আ্যানন
নীবাগাবভ বোদ, ক্ষমগর, নদীরা।
ভাগাবসনিভান্ত এন্থাবলী প্রচার-ক্ষেত্র
রক্ষক—শীবগাবন্ধ বন্ধচারী।

- ( ১৩ ) **विश्वकासम सर्ठ** टिंग्णशक्षी, रणशक्षी, क्रक्नगर, मनीसा रणक—जीवकुणासक श्रवहारी।
- ( 58 ) श्रीभाषा-दगीकृषि गर्ड > नर भगावश्व दशकः, हाका । भृत्यस्थतः व्यक्तात-दक्तः, व्यवस्थ श्रीकः दगीवाक गाहत्वा-निविधाकः दशवा वस्रमान सक्कः श्रीवाधावद्यकः वस्रवाभी ।
- ( ১৫ ) জীমোপালজী সঠ ক্ষণাপুৰ, চাৰাঃ লোণাপুৰীঃ জাবিজ্ঞাহৰ আচীন সেঃ

i ferams einerme.......

(২) ব্রীগোড়ীয় মঠ

১৬ মং ফালিপ্ৰাসাদ চক্ৰবন্ধী ট্ৰীট, পোঃ বাগৰালায়, কৰিকাজা। টেগিকোন বি. বি. ৪১১৫

শ্রীমন্ত্র প্রচারিত স্থনিক্তন ভক্তিশ্ব-ক্রচারোছেলে সৌক্রেশের সক্ষর্মধান নগরী কনিকাভার শ্রীভানিকি বিনাদ আসনে শ্রীমঠ প্রতিষ্টিত আছেন। এই ভক্তানামে শ্রীভানিকি প্রায়লন শ্রীউনিদানক জ্ঞান্ত সংগ্রাহ্য নাহার্য একটা ক্রন্তর প্রায়লীর প্রপ্রায়লিক স্থান্ত প্রায়লিক সংগ্রাহ্য একটা ক্রন্তর প্রায়লিক সংগ্রাহ্য কর্তানাম ক্রাহ্য কর্তানাম ক্রাম্বানাম ক্রাম ক্রাম্বানাম ক্রাম্বানাম ক্রাম্বানাম ক্রাম্বানাম ক্রাম্বানাম ক্রাম্বানাম ক্রাম্বানাম ক্রাম্বানাম ক্রাম্বানাম ক্রাম ক্রাম ক্রাম ক্রাম ক্রামে ক্রাম ক্রামে ক্রাম ক্রাম্বানাম ক্রাম্বানাম ক্রাম

(১৬) জ্রীগলাই-গোনাল মা হরিকজিপ্রবাদিনী সভা, বালির চাকা জ্রীগদাই-গোরাজের নিডা দেবা বক্ষক—শ্রীপূর্ণপ্রজ্ঞ ব্যবহারী।

## (১৭: এতাগৰভজনানন্দ মঠ

চিক্রণিয়া, বাস্থদেবপুর, মেদিনীপুর। আধানে শীপ্তক-গোৱাল-গান্ধকিক গিরিধারীক নিভাদেবা বস্তমান। রক্তক-রক্তবাদী শ্রীভগবান্ধাগদী। রক্ষচারী পরান্দ

## (১৮) चाननारयाका वाणनाव्यत

त्राक्षयाम (लाः वक्ष्याम ।

শ্ৰীশুৰুগোৱাল-শ্ৰীগ্ৰন্ধকিকা গিরিধায়ীর নিস্তাদেশ। রক্ষক---ত্রলবাদী শ্রীকরি-কিশোন (

#### (>>) जीश्रक्तरवास्त्र मर्ड

ষ্পাছাত, পুথী, উডিক্সা।
এবানে প্রীপোন-বিন্যোদমাধ্যকীর নিত ।
সেবা বত্তমান। রক্ষক— ব্রহ্মচারী প্রীপর্য ।
নক্ষ বিধ্যায়ন্ত্র, ব্রহ্মচারী প্রীনদীয়ানক।

## (२०) खेळक-८गोडी व वर्ठ

শালবরনাথ, এক্সনির পোঃ, পুরী।
কারাখনেবের জনবদর সময়ে শ্রীমস্থা।
কাত্র কাবস্থান। বক্ষক—এক্ষ্ণারী
ক্রিপ্রমেশ্রী ক্রিণানক্ষী। সংক্ষারী—
ক্রিক্রারী ক্রিণিনবিধারী।

## (२) बैगकियानक वर्ड

केष्ट्रियायाकात्र, कर्वकः। बन्धादन स्वीक्श-स्थाताल-विस्तावत्रयः -कीत्र निकारमशः वर्षमानः। त्रक्क- -स्थाताक्षेत्रीभागासः

# (২২) শ্রীসনাত্তন-গোড়ার মঠ গনং জগজাবনপুরা, কানী । গোর-পরাজপুত সনাত্তন-শিক্ষাস্থল। তথানে গোরদেধা বস্তমান। ব্যক্ত---

(২ ৩) শ্রীকুষ্ণট্রৈডক্ত মার্ট শ্রীনুগিংগ্যাগ কুম, শ্রীগাম বৃক্তাবন। শ্রীশ্রীবাধা-ত্রজ-মোচনজীর সেকা। রুক্ত-শ্রীগণগতিনার ত্রহারী

ज्ञीबानकीनावको ।

## (२8) **अभिन्नमक्श्म मर्ठ** रेनिमयावना, मीकाश्वत

क्षणातः विकाशन्तः भावणाता । विधान-निरमान विभागमात्र रमना वस्त्रामः इक्षण-वक्षणाती क्षेत्रमिरशाममः संवेषकार्धः स्रोमन्त्रकृषानः ।

(২৫) **জিটেডজ্ঞতোজীয় মঠ**সুম্বক্ষা, চিরক্ষা, মানস্ম। ইং
লীটেডজ-মটের শাখা। বক্ষক—শ্রীরহা
নাথ রায়, শ্রীকোনশানন্দ বন্ধচারী। শ্রীরা
ভীত বেবছরিয়ে।

(२७) नग्रामदशीक्षीम् वर्ड कुक्त्क्व, बार्त्वव, क्याम । क्यार जीर्शाविद्याप-बार्यक दमश क्रमान कुक्क्-बक्कावी श्रीक्रमनंत्रकी ।

(२०) खासनभाषा धामहास्म-मां बासनगाषा, त्याः मास्, शतका स्थादन वक्ष क्षमृति खीरभावात्मव स्था वर्षमाम। क्षमक—जनवाभी जीव्यायक्रम माम, खीवायावमा बस्तनानी।

(২৮) দিল্লা গোড়ীয় মত—কাষ্যাক্য ১৮ কো কোলার, নিউ বিল্লা। রক্তক—নিগতিখানী শ্রীমন্তবিদ সংখ্যা গিরি বকালাক, শ্রীরাধান্তবদ্যান্তব্য

(२०) श्रीप्राणभाषाक्रमञ्जाक्षय प्रमण-जनगरी बोरानस्माक्ष

গত ১২ই মে অপরাক্তে শ্রীহট্ট টাউন হলে শ্রীয়ত বসস্ত দাসের সভাপতিছে এক ি জনসভার অগ্রিশন হয়। এই াবভাষ ত্রীতে প্রভাষ্টর্জ বস্থ বিভিন্ন দলের कराजन कन्नीरमत मरमा खेका माधरनत জন্ম অংশেন্যী ভাষায় আবেদন করিয়া বলেন,—''বেশবলুর মৃত্যুর পর হইতে वाकालीरमंत्रे ध्यवश् रवम ध्यनारशत राश হইয়াছে। বিরাট ব্যক্তিরশালী কোন জনপ্রিয় নেতা পরলোকগমন করিলে এরপ হওয়া স্বাভাবিক বটে। রাজ-নৈতিক প্রতিষ্ঠানে বিরোধ ও বিস্থান কিছু অবাভাবিক নহে। কিছু আমাদের ছৰ্ভাগ্যৰশতঃ এই যুমন্ত শোচনীৰ বিবাদ विभाग वामानात छाज ध्वः एवक्टनत মধ্যেও অত্যেকাশ করে। যুবকালার অন্তর পবিত্র হইবে তাহাদেশ আপ্রশ **छेळ ८वः भहान इहान-इ**टाई व्यानता আশা করি; কিন্তু ভাষারাই নথন निट-करमञ्ज मरभा रक्त विभवारम मध स्थ তথন আমার অন্তরে হঃধ হয়। কিন্ত বাঙ্গায় এটা 🕾 অবস্থায় জন্ম পায়ী কে 🤊 এই সমস্ত বিলেশের মূল কোপায় ? নমস্ত বাস্থানী স্নাতিকে কি এমত দায়ী করিছে হইবে ? অথবা ইহা কি দেশের নেভা ও কথাটের দেষি ? আমার সংক্র আমি বলিডে পারি, বাদালী ভাতির উপর আমার অনমনীয় বিখাস আছে। मिय व्यामारम्बर्धे, त्कनमा व्यामता दमन একজন ব্যক্তিত্বালী পুরুষ প্ ডিয়া डेंग्रेडिक शांति नांगे, यिनि नकनाक এক মিলনের হুতে আবন্ধ করিছে বেল বেরেস্টারকে মুক্তি দেওয়ায় শ্রমিক-পায়েন

## निष्यत अस्तिष मान

चकःभत जीवृत्र वश्च वित्र शायन, "কমি কোন বাক্তি জাতির প্রতিনিধি হইতে চায়, যদি কোন ব্যক্তি সমগ্র আতিকে জাঁগাইবার শক্তি লাভ করিতে ইচ্ছা করে, তবে জাতির আত্মার জঞ্জ নিম্নের অভিযুক্তে দান করিতে হইবে। এমনি এক বাজিম্বশালী পুরুষ ছিলেন দেশবন্ধ। ধ্যন ভিনি কথা বলিতেন उपन डीटांत यतं इहेड प्रशक्तिकः, কেমনা ভাষার সর ছিল অবও বাঞ্লার আন্তন, কর্মপ্রার্থনার উপা-স্থাত্ত মধ্য দিয়। আমর। দেশবভুর ভার **८क उपाद राजिम्ह**नाची शुक्रव राष्ट्रि कतिनात ८५ हो। कति। छोर। इटेलाई आंबका गक्न विद्यारिश्व ग्राह्मारक्रम कतिएक नीतिय। विवास विश्वास यभि किंतेनिरमतं कछ मगाहिकं कत्रिएक व्य **তবে मंहित खगातेजा धंवर संमध्यत्र जैमोत्र**ा অপ্রিছার। বিগত ধাদশ মান কাল

করিয়াছে। তাহারা আত্মীয় আন্দোলনে অন্তত সাহায় করিয়াছে। স্বাধীনভায় সেই স্ব বীর গৈনিক আজ দেশের এই অবস্থায় মাতৃভূমির সেবায় মিলিত হউক এবং ভেদ বিস্থাদে বিক্সিয় বাঞ্লার সম্পূথে এক উদ্মান আনৰ্শ খাপন ককক। অতি चुन्त दरे बीर्षे क्ला-रेशंत नतनतीत श्वष्य अन्तर्भ मा इटेग्रा शास्त्र गा। मगख टिमाटिम विनुष्ठ कतिया वाचना एमन কিরূপে কংগ্রেনের পতাকাতলে মিলিভ হট্যা শফ্র নম্বথে যুক্তভাবে দভায়মান इट्रेड शाल, आफ डीश्लीव सबस्तीवन ভাচা বাঙ্গানাকে প্রদর্শন করক।"

বজাতা শেষে শ্ৰীনৃত বস্তু যথন আসং গ্রহণ করেন তথম সমধেত জনমণ্ডলী दक्ष निर्दार्य इर्यस्तिन करतन।

## স্পেনে সামরিক আইন

প্রকাশ, স্পেনে সাম্বিক আইন জারী कत्रा इडेसार्छ । स्विकिमिश्यक कार्ड (योशमान कत्रात कछ 51177 ইউনিয়েন যে চেঠা কবিয়াভিলেন এটো मुम्पून निक्य बहेश है। द्वीम छ है। शि দ্বালানা একেবারে বন্ধ হট্যাছে, অনিকাংশ कार्डिती, कात्रशाना नया। निक्रिनेन्डी आभन्ध्य कडेएक मृत्य मृत्य स्थित्कता রাজগানীর দিকে আনিতেতে। মাত্রিবে প্রবেশ করার সমত্র প্রধান প্রধান बारकाशके देशका व्यक्ति

यह (भाकान बन्ध इंग्रेश निप्रांट्ड 1 एकना-अरन्त मरमा ष्यमण्डाम दत्तथा पिदार्ह्य

## **क्लिम**ेरतल द्वदिक नात कारात श्रु

टिल्डिन इंडिश्ने व तार्द्वेनायक दिनादिन নেরেল না ধুত ইইমা ছেব্রিম কোটের विघारत मुख्यि लान, किन्नु ध्यमनाशात्रव কাহাকে <u>রোধার করিবার জন্ম দা</u>ধী করুতে পুনরায় উচ্চেকে গ্রেপার করিয়া मार्गातक विस्तिवासीय स्रोपा कर गाएक ।

#### বৰ্তমানে ভাৰতা শান্ত

टाकान, ३०६ (म मासिन महत्र निष्ठ-সহরের ভাষ অবহারন করিয়াছেন। পোকানগটে পুনরায়: ভুলিয়াছে এবং স্থান্দ্ৰত্বে ইনজনলের প্রান্থা ব্যক্তীভ भटर, य श्रीरातका चित्रिका चानिवादक । (अयुर्वे अध्यक्षारयम् भाष्त्रीचन द्वां**चमार**नम् कातक भूक्षि काशक्रमा द्वारम भर्दशहरा विश्वक्रित्वन धवः दंशांशशीरणेत्र नमःश्र ध्यानाचित्रम नाधात्रम रंभागारम नीका इट्टेंड नाहित इट्टेंबा निवा आवाली

अथवा कान जिनिय मुर्थन कन्ना इस नाहे। গ্রণ্মেণ্ট পক্ষ ব্লিভেছেন বে, রাজ্ভন্তী ও কমিউনিইদল যড়গল্প করিয়াই এই সব কাল করিতেছে।

## জ্বোনে ভীষ্ণ অরাজকতা দশট গীৰ্জা ভক্মান্তভ

**ट्यारनत महीमका एएएनत मर्क्क हैक** अकरहरकत काम वस कत्रिया नियारहरम। चताड्डे गठिव रचानना कत्रियार्छन रच प्रज्ञे गीको अभीकृष्ठ रहेगाट्य। यादारक उ.हे পরণের উৎপাত না হয় ভচ্চতা প্রণ্মেণ্ট ८६ हो कतिरङग्रहम ।

## गर्लिटन जाकशांत बही

কাৰ্ল হইতে ভূঙপুৰ আমৌর আমো-इसात भनता देनिक दशालाम मानिक शह **३) हे १ ८९८ ना गांच १ ५० कि नि** सफीत काराइन छ। वि वी व्यक्ति सक्षी পদত্যাৰ ক্রায় কাফ্যান ময়া হিলাবে करिषाली याष्ट्रीय एवन ।

## সাম্প্রনারিক সমস্তার মীমাংগা মুল্লিন লাগের সেক্টেরীর ভার

निधित ७ ते । भूष्टिय जीद्रशत मुल्लाम क े दमीः महस्रत रेशाकृत कृशारशत सराहरत নিক্ট সাপ্সের্থিক সমস্ভার স্মাধ্যমের मन्नदर्भ - निश्चयदर्भ क तिहारका :-শ্পাম্প্রদায়িক সমস্তাস্থাধানের সম্পানের ্মাপনার প্রচেষ্টা মতীর প্রশংস্থীয়। मुग्लमानस्त्र महा। क्रेकाई नम्छ नः छ। मगानारमञ्ज दक्योक छेलाय । युग्लभागरमञ्ज न्यक्ष नगरक है एक कक्षम । भूकीय शीन धासक मेक्स काम भागा প্রস্তুত ,"

## পুরুষা উপত্যক। महिला मरणालन

তিন দিন অধিবেশনের পদ্পত ১১ই (म अक्षामा केंगळाका महिला गुल्यनदगुः व्यभित्नभग (भग इत्र । मीधंकांश विख्यकंत्र পর "১২টি প্রেক্তাব সুক্ষেণ্ডে পরিগৃহীত ২য়, প্রতিনিশিরা সকলে এই বিভকে (याश्नाम करत्रम। भांधक मुख्यान (नरहद्व स्पोनाना, रह्यन जानी, पाउँ शरानमकत्र शिष्टाची, , व्यनारक मुन्धाः व्यामनतक्रम व्यक्षि गेहाता तम्भागवाम कीवन मान कत्रिमार्ट्सन, डोबारमेन मुकारक (नाक श्रकान कतिशे निकारनकी श्राप्त विनिष्टिक करत्रम , किन नविनित्रक्तिकरम

त प्रकास करें का वातिका त्वराने कछ विश्व जानि नीकाई कहिंगहिंदनने। की निर्का कर्मिक लिहिंग्रीक का विश्व अखाद क्या িবিগত ৫০ বিংসরকান ইইলেও কাহাকেও হত্যা করা হয় নোই। রাজনীতিক বন্দীদের মৃক্তির দাবী কর্ इस, कुक निकांछन छाथात भगर्यन कता क्य, धारः मयममिश्टिक के धार्कमण दर्शाक শীযুত ৰভীক্ষমোহন সেনভাগের প্রতি त्यक्त चाहत्रन कतियादधः, ভाषात्र छीज निमानाम कर्ता दश्र । गटक्यन कर्ट नेक्स **अंहन करत्रन (व. नागक्तिक अवर ताल**े নৈতিক কার্যোর ক্ষম্ম নারীদিগকে শিক্ষিত कतिनात डिट्मट्य टक्यमात शर्वाद बहिया সমিভিসমূহ প্রতিঠা করা হটবে এবং आया यहिला-नियि जिन्द्रका निरुप्त निरुप्त न बाता शक्षक किनिय शख विकरम्ब एक **क्रीहरों १६कड़ि (का-बनारत**िक देशेन काणि भर्म भिनित्रमारम (भारता कडेरन। गानी-श्वारम विवादकत खाष्ट्राय अन्तर किन्तु तमनीतन्त्र विनाकत्रकत्तात्र अभिकारमञ्ज দাবী করিয়া ভাটি প্রস্থাব উপস্থিত করা व्हेग्राफिन किय निश्त निर्माणनी मुसिलिट्ड ভূম্ল বাদ বিতক্ষের পর উহা আরাছ इडेशा यश्चा

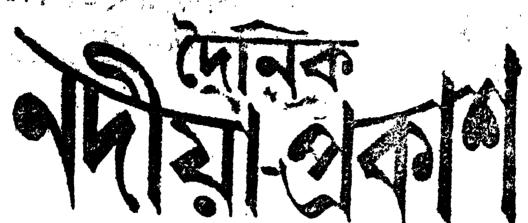
## गिताकाक थाहिएम ८व्रेम प्रयक्ति ।

ग्रह २५ई दम जाति ५२।०६ :बिगि**टिया** ' मयग्र निन्धात्र अ भव्यस्मग्रहतः सरभः रम नः एडिन शिताष्ट्रशक कशिकाएड भारिकात द्विनशामा भाष्ट्रमुख्य इटेबान যায়। ইঞ্লিন বেকভান-ও ভিন্<del>থালা</del>-शारी थाकेनहार दश, देखेला, ब आलकान' करल्याकि है विभि. १८वर अर्थिक सेन देखीन करण्यादि वे विश्व नाष्ट्री विश्वेषक इस । ইলিনের তিন্তন থালানী আছে ছ চ্ট্যাতে, কেচ চডাইত ইইয়াছে কি না মানা यात नाहि। द्वेशिक खुलाबिटलेएकले गड ১২ই गक्न टोटनंत याकाबाक वक र করিয়া দিগাভেন। ২৮ নং ভাউন **টে**লেছ: ८नशाम निवासन्यक विस्तुनारस्य महना या टाया क किएक ए ।

## (कल्लोन वानगरकाइ मणिक

পাঠকণৰ অবগত আহেন, ব্যবস্থা পরিষদের ১৭ জন সাভা সহ কেঞ্জীয় ব্যয়সকোচ সমিতি গঠিত চইয়াছে, আগামী সম্ভাৱে ভাইায় অধিবৈশন विगटव । अहे ५५ बन में एक वहाँ प्रमिटकी हैं मन्त्रीटकं द्याँठावृष्टि कि नहाँ खरमेंवन कहा তইবে, ভাষা স্থিত করিবেন এবং তাঁচানের मर्गा वहें एक कमर्रक महिशा जात अकी। कमिति गर्रेन कर्ता हरिये । 'डीहीक्रा शह्य शृष्टिनाहित्रे निवंत्र नेन्नादक भारताहर्ते। कतिरवन ।

निवामान्य कार \*\* CHARLES - C - 10 - 10 414 Jun .. बंद क्राप्त का निकि क्रमा ३, plans als



-লদীয়া কেল্পায় একমাত মুম্পত

माना सादराव नाविक क याधारिक ८ (अम् भिक २५० মাহিদ্র ১. S 13 अहा अंक्सी प

<u> এতি ভৌন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি</u>

ि ७० म मश्या

**ধবাৰ ৰাভাপুন**- ৪ই। জৈই সোলবার ১২২৮, ১৮ই মে ১৯২১

## নানা কথা क्रमगटत विश्वतंत्रक चाहित्तत्र नामना

गमर पूर्वाकि ७ घष्ट २ करनद विक्रांस निएकांत्रक छन। वर्षिक बादेरम्य ॥, **ः अप्यानिक स्वयुक्तारम मामाना प्रतिरक्तरम् ।** दर्शक व्यक्तिमास क्यान वसकामा वक्षी मा भावशास्त्र २ : १५ ८६ छाडिन পৰ্ব,ত মানলা ছণিত লাছে।

## ভুষ্টিরায় ভীষণ অরক্ট

🖛 मरवान मानिहाटक (व क्रिट) सर्क्षां हु. ३ • हि अ(दम कार्याक्षार १व मक्षण धीरम बाहकडे दिना विद्यादम् । व्यत्नक रमाक जनाबादा बर्गक्टड्ड द्या दक्र **८क्ट मुक्ति किया । ज**हेश<sup>ेल</sup>ल खुशका कांत्र **्ट्राः ज**नम्भवित्यः क्षांकर महित्य। क्षित्र स्य क्षित्र केरनार्। यूनक ध्यक्षक्ष अञ्च अञ्चल क्षित्रा जिल्लाम्स व्यर्थ-काला करनकरक मानायः कतिरहरू ।

## कृष्टिमाम क्षेत्राज्ञणा

. , क्रांनीत बहुबनाशी बाबू कार्रिशम भारतत निक्रके स्ट्रेटक काकामना कतिमा अवनामान देशिकांत्र के बाना त्माहे गहेगा त्म वाकि পালাক্ত কৰিয়াহিল, সে কাৰাণতে আছ-मसर्गिक करियारक ब्रह्मा ४०० होतात मामिटनाय्कि नामेष्ट्राटकः। नाटनक टनाक कविष्टिक मानाक कविष्टाहरू व व्यक्त कावानगा मुन्द्रिक जात अब या जिटक एक न्यामात के काम क्षेत्र एकण्ड प्रोचान कर्मक्रमामा दर्गाचेन्द व्यागरेपरे दर्भयात CH RINCH WICE !

# ায় ভাষ

কৃষ্ণগর বিস্ফোরক আইনের মামলা

## বিপদ তালিসভেক क्टिन्त कामनाम रेडेटनाशीय य खीन मृत्रमर

# কুষ্ঠিয়ায় প্রতারণা

গান্ধীজীর স্বরাষ্ট্র সচিবের হাইত আলোচনা

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

भोजान 88%

মাত্র ১/১০ ডাকটিকেট পাঠাইলেই বুক্পোটে পাঠান হয়। খ্যানেজার-গ্রন্থভাগ

ভীচেভখনত, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নধীবা ।

## বিপদ আসিতেছে

'গানী বিপদ আগিছেছে' শীৰ্ষ । ক व्यवस्य थिविएएएव :--

शांख्या यात्र त्यः कर्द्धान्तस्म होत्वत्र काया यक्षि मुख्यात्वाद्यतः निवयं अस्याधी ना इस धानतः नवाद्यतं स्वर्णतं स्वर्णतं स्वर्णातं स्वर्णतं स्वर्णातं स्वर् एक्स मरा शराय कार्या क्या व्यासाल (यम-হিতক্র কার্যা সংখ্যানের বা তৈর অভাবে স্থালি স্থেতির সংক্ষার করা, স্থাতের স্থাতের করেক ব ভরবোক ছিল। আবল সভার ভাসিত্রা বাটবার সভাবনা কণ্ড দূর করা গবং স্পন্ধগালে একলাপ श्रदिशाहरू । असु रक्षा क्षित्रकामके आहित विशव द्वा अतिकास क्षेत्रक विकत

किन क्ष ७ वटा हहेत्छ प्रका गाँउवात করাচীর ছাজামা সম্পক্ষে মহাত্মা কল্প বেননাব্যাবের দরকার হয়, বিশৃথকা बहेरछ क्रका नाईनात कछ (एमनहे अध्यत নিয়মাছবর্তিভার আণ্ডক। অবজা ১ "क्ताहीत बहेना हरेएड एरे निका । ७ व्यक्ताहास्त्रत टाउप्टन ए सम्मानातन ध्यायर कांग किसामध दिन, काकारनत कृहेशा याहेरक शास्त्र । कार्टकरमत **डेरकड** 

ত্ইয়াছে, বেই অনিকাবে ভাছাদিগকে শ্রতিষ্ঠিত করিতে সাধায্য করা। গণ্ডয় সাহর বিরুত দাবীর পশ্চাতে এক্টা একা অ'ছে। কণাচীতে ভারতবর্গের অক্সায়ত বাক লক্ষ আমের মত বহু গেকে কেকাকু ना। भिष्ठे भ्रमारक दकान व्यक्ति निम्छन्न स्

## बैंडेटतानीय याद्यात ब्राड्टबर ट्विट्नत कामताम आविषान

"প্রভাগ" পরের এক সংবাদে প্রকাশ যে, বি-নি নি-আই' ট্রেণের ৫৯টি বিভীয় শ্বেণীয় কামরায় স্টানক ইউরোপীয় গাতীর मुक्तिह भावता विद्यादछ । जाशांत रमदः রিঙ্গভারের তথী ও ছুরিকাগাতের

একণ একাণ দে, গত ১০ই সে ভাটিভা েশনের পর বধন উক্ত টেণ ভারগারগা নামক একটা পুদ্র ষ্টেশনে **्गीरक,** ज्वस्य अक्ष्यस हेश्तारकत सुज्यस व्यानिकृष्ठ इस । इष्टल्लादश नार्ष्य प्रकृति শ্ল পণিয়া পাওয়া লিয়াতে এবং বিছানটো क्लीन भाषात (४वा शिवादक् । अत्रोठी हत्रेट्ड careufa याहेवात अवनी चिक्रीय **८म्पीत हिस्क वृद्ध नाज्यित निक्छ भावता** निवारक् । ८वीन इस ७।श्रांक विजयसात u प्राप्तकात्राता का क्या कता क्रेग्राहिन। শ্বনেহ পরীকার মস্ত পাঠান মইটাছিল. পুনিৰে এতৎ সম্পূৰ্ণে ভাষত্ৰ কৰিছেছে ৷

बातक धारान त्य, छेक क्रील माध्य े हे शहभत ८५ (च समान व्याख्या प्राहे**८ एट ए** 

# ভাগাম মায়াপুরে

"মুকুর ভক্তিবিনোদ ইনাফ " না

# एक इ९८ तथा विकालश

(थाना इरे: रिष् ।

অভিজ্ঞ ও দাদেশিস্তাত শিক্ষকগণ চোচনিগকে অভি ৰভেৱ সংগ্ৰহ শিক্ষা প্ৰদান কবিংগছেন। বিদেশী ছাত্ৰগণো দলা বিনা বাংগু সুন্দৱ বাস্থানের নান্দোবস্তহঃহালে। হাদ অভীব আহাকর।

সবিস্তার সাবারের গ্রা সম্মান্থিত ঠিকানা পর নিখুন। সেন্দ্রেভীতী, ভীবারে ভাজিনিনোদ ইন্টিটিজট্ জী/৮৪খন্ট, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

## चुर्वा चुर्याम (वेनी फिन चात शांकरव ना

- can =1--

## का। उल्-मिश्रम् छेप्या लंद्यन

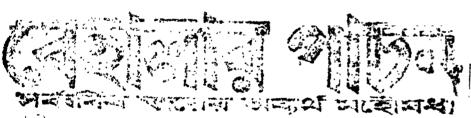
৫০ বাৎসন্থিক আং দেশংশৰ বা হুবৰ্গ ছালি শ্লেম ছহছে জান নিলম নাই।

এই উৎসৰ শোৰ ছইলেহ ছাৰ্ন আছে। তি জন্ম জিননী বটাক।" পূৰেরে
কিটাকিছ ১২, চাকা মুক্ষাই বিভ কইলোও একে মে প্যান্ত উহা

৮, চাকাম পাভয়া মাইবে। কিনি ক্লাক্টাল্লে আৰু মনিজ্ঞালে
নিরাশ হইবেন।

প্রতিস্থান ৪ - আতম্ব নিগ্রহ ঔষণাবার ১১৭০০ বছরাধার ট্রাই ক্রিবাসণ।

ক বলাজ শাশভূষণ কবিকপ্তাভন্তণর



भेपाक्षरम् छ वश्यत बाल १ व्याः मिनिएड घनीसूक केमावाब रकान्द्रशास्त्र मुम्याचित्राने. खेर्मा छाटक माहित्स क्षा, इकार १ क्षेत्रशास ८०१ । १ दिस्कास, क्षता क्षा साहे। सूगा छाटि निर्मित्तक काला, मी है ॥% वे लागी, र्वाकास ५० व काला।

তাফিনা- ১১নং উল্টালনে রোড, পোঃ শামনারার,

# नंत्र मण्डली

ষ্ট্রিকার অভ ক সামুলিকার, ইন্দ্রির হাজন প্রার্থ কর্মেটার ভিচাপান্ধ, বল্পন্ধ, মাবালোর, বুক নড় ভঙ্গানি, ক্ষায়ো রাষ্ট্রিক ক্ষণ কর্মন নিকার আন্তোপ্ত কর্মন বার্থা, বেখা রাষ্ট্র করিছে। অবিক্রীর ইনিকার ক্ষ্যু এক-ক্ষ্যিত, এক ইয়াল

## शरेत्ङानिन

=1

## कांगहिक द्रांग

काः जम्, जम्, त्याम विमा चत्यः, दानच्योगत्म्य भारतन्ति विशे देनदास्तिक व्यामानाटक दणायबुद्धि द्वाम चारवायाः कविथा चारवमः।

> ট্রক।মা---১৮ নং কটন খ্রীট, বড়বাজায়, কামকাধা।

## যক্ষায় হতাশ হইবেম না

ैरिनव शास्त्र यक्तात क्रियाज मरहोत्र

मिना किट्यू कांक्यून काट्याका देशी त्यवीहरू हन्दर्भ कांक्य गात्म १ १०० (शावम वाद कांक्य) भाके हत्य किला का कार्याचा मा १ १०० भगाव गाहिलामिक विद्य कांग्य मा १ उपम दलका १ मा कार्याचा मा १ १०० भगाव गाहिलामिक विद्य कांग्य मा १ गहीन दलकात्म वास वदम कांक्या किनियम क्या १ विद्याबिक विवस्त्य केला वस्त कांग्य कांक विद्योग क्या व्या विद्याबिक विवस्त्य केला वस्त कांग्य कांक विद्योग विद्याबिक

ख्याण होत्रहस छ कील, रश्चा-किक्श्यक, त्याः देवकारी, विक्राणी। विक्राण क्षेत्रकार्थ कार्यक्ष क्षित्रकार्थ कार्यक्ष

हिर्देश कामरशाणाम पद्ध अम्, ७, क्रम्थमञ्ज, नधीम । **अव्य कान्य**-

প্রক্রমানি পত্র। আমার প্রায়ুল্পুর গতে হয় মান বাবৰ রাজ বজার ভুলিয়া মুদ্রপ্রায় কর্ববাহিন, কালকাজার বিত্ত চিনিক্সকর্প প্রারার ক্রিয়ার ক্রিয়ার কর্ববাহিন, কালকাজার বিত্ত চিনিক্সকর্প প্রারার ক্রিয়ার ক্রিয়ার

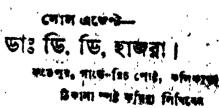
## ग्राचार्गर्ग तथा

পূর্ব বালানায় ত্বনতে সকলপ্রকার ছাপার জন্ম বিষ্যাদ লৈন্ত্রেক ক্রেশিনে দিবারাত্র ক্রাজ ভলিতেতে সামতে হথলে কিয় চিকানায় পঞ্জ নিশ্ব দ

भगात्मजात-भर्मादमाह्म ८ थ्यात्, २०५२ समामगुरा हास्त्राः

## मतः माञ्च वैशिवेदात छेलात

यशिक अधारित जाक भरा. माध्य याँठाहेगान रक्षा छैयन का निष्ठ कर मार्क मठा, क्षांनित यांका मानावित अनिविद्य का निर्देश का नि





4 40 ....

ं हैं है विकेशन धनगर्भे छन्हें सक्क करार गत ু শাধ্য ও নাধন। দেই প্রবাকীর্থন কঞ্চনকে कर्षां कान, इंटराशः छत्र असमितः पदशका नाहै। यना छान, त्यांग, ७१५ भाषित क्षां इतिकशास्त्रभः को ईन ६ अक्की - माध्यत्र चक्र, केम्बी डिकि कायकतान वनदारी बाक्तिशत्वत वृता अनान माज।

শুদ্ধভাষ্টের হবিকপাত্রবন্দীর্তনাদির गश्कि क्यि,काने, (विकित्यत अवनकार्यन আকাশ-পাতাল পার্শকা রচিণাছে। বু কু के मुस्कू ककी, कामी, प्राणिशन किस्त्रक । ইইলেও ছাঙাতে অসমি । সাম, জিলা সম্ভব ৯০০, এটি ভগবান জীড়ার ক্ষেন এবং সামন্ত্ৰ ডিভের স্থিততা ইইলেট নাই, প্রত্যাং তিনি নিশুণ। অধাতীত "ভগৰানু স্থানীভাগনিৰ জনজনেশাবিভূমি চিত্তভাৱি হইয়াছে বলিয়া মনে করেন: , হইলেও ভিনি জগতেও কৰি।। জীয়ারা একণ মনে করিয়া জীভগবানের व्यम्भव ५८७मः यष्ट्रा 🏣 তপন্ত জিলালের চিত্ত খন হয় নাই। 'বছতঃ दुक्ति एक मार्थ हाक बक्ति विस्त ।"

খনাত্রিকভাবে জীয়ের স্ববস্থান পাকিছে 🖟 পালে না বালা ভাষালা কেই বা व्यवस्थान क उद्गार्शन भूगानर्छ विष्ठग স্থাতিত থাকেন অব্যান্তস্ক্রাল্য সাবনাদি ক্ষিরাও অসংপ্তিভ হন। কিছ বাহাবা खामापिटरहे। मन्पूर्वत्तरम भविद्यान भेक्स শ্রণাগ্ত হইনা সাধুম্ণবিগসিত জীহরি-ভগৰানকৈ ভয় করিলা থাকেন। ভগবান द्याहारक्त निक्छ निक्र नाम, स्ता, खन ड বীলা একটিত করেন। তীহারা ভগবানের भिका नवनगानान भाग भाग मह रहे। গক্ষ ইতর আশা হংতে নিবৃত্ত হন ও भवनाति गांक कविता निष्टा ८नवा८४हे विकासारमञ्जू कष्ट निर्म शास्त्र ।

## **छकः देव ए मिस्रा**स সমাহ্বতি

১ ব্রহ্ম-প্রতিগাত মার লায়-প্রতি-পাশক। পার ও এথো প্রতিবাদক ও গোঁও-পালে স্থান। উল্লেখ্যের অবিধয় নংহন। · सम्बे निष्य, अधिकानिक्ष छ जन आखिरे व्यक्तिकात । कार्यात क्यारे कीलात हार, প্রসায়িতেই সেই ছাইবর, নিয়তি ইন, चुक्कार बक्रदाबिके शुक्रवार्थ । यथा ---· "अक्ष्याखिदार भूमनःश्वाप् ।" (मन्त्रहा)

क्षापक्षण । अस् एक, मात्रा छै।शह माकि

## खीं बी खन्मर भी सारको कर सर्छ १

নিভাপাঠা বৈক্পবাভাবহ

दिशामि नश्च भाषक-मारश्चन कर्वाजम वर्गामगुखा সমগ্র ভারতে একমার ওপর দৈনিক পার্মার্থিক পত্র

ক্লপ অকাধ্য ক্লিক্ৰিৰ অক্স ছবিক্ৰণা প্ৰাৰ্থ বজা ও ভনামুক কোন আৰভ গুণ উচ্চাতে কন্দ্ৰই জীব ও ভগ্ কৃষ্টি কৰিছে যথা---

🕶। রক্ষের শক্তি অভিয়াও অনহ। 🖟 ্তুত্বা ইলা হুইছে পশ্চিম এবং ইয়া হুখনে বিজ্ঞান্ত কৰিছে এবং সংখ্যে স্থায় ওলাল স্ত্রাং বিক্ষা থক্ষের ও বিক্ষা বাবেটার জীবেটা জাদাশে অবস্থিতি হটকেও চৈত্য ম্লাবের একমার ভাঁছাতেই ক্রুডারে ওপ-এসারব্লীন রেডসার্বিত বে বেন ব্যাপ্ত BRIS MICT ! অন্যায় ভূমনায় ।" বিএক ধর্মালাহে আমার ন মটত ইতি বিলেধেনা ন চৰতি চক্ষাৰণ, কথামূত জাবদ করেন, তাহার। অঞ্জিত সক্ষত্র ও সামশক্তিমান । তিনিই কভা ১ইরাওসমত ে গাতন করিয়া স্পোৎ এক তিনিই লোকা কথা-

''উংগ্<sub>ডি'</sub>ছা চনাশানাং **কগতঃ** 

বেদেন ব্যেধিতং তদ্ধি নাম্বধা ভবিতং ক্ষণ্ দ

নহি ছাত্রিবিয়োগোহতি কলোহনি ন শিক্ষাতে।

मुर्वाडायमगर्वद्वातिरिष्टवर्षास्यहरू ॥" [ अञ्चला ]

8 । सन्दर 9 अध्य को छकात्रन मनक Ì कार-कारा, अक-काश्य दत्तः हारा क्ष कारण का ब्रह्म । कात्रण होते हुन अहात कामा अ मर, व्याचन विश्व भी ব্রন্থান হল্মের ব্রতঃ সভান এগ ত্রীড়ার জন্ম বেছাক্রেনে জগজলে পরিণান প্রাপ্ত হইয়াতেন, কিন্দু এই পরিবাবে তিনি कविश्वक शास्त्र, श्रामी व्याद-जाना অনিকৃত পরিশাষ। আগৎ মানিক বা चन्नद्र मिला नरह, खनवान् इहेटका किन्न छ बद्ध। अशर्छत छएनडि विनान नारे, क्षेत्र माकोत्र ता माविद्युव हिनाव, विश्व चातिकात ७ जिल्लाकात माट्य। मर्कनिक्तमान, मर्कक, मर्कक थ मिल्या- किरबाधार कामनकरन व्यवद्यान क्षेत्र रिक्सिन वारका व्यवस्थान वारका व्याविकाहव कार्याकान व्याक्तान वाकान निक्रानिक हर्देशीरक । वामारका ताकान 

कोएडी उर्जादिकनिरीवटड ।"

 कीव उ.का ६। प्रक्रिम्स्म । क्रीव लाहबन मा, जबल विभिन्तितालात गोधा भाइन, अञ्चन । के उन्ह — के हता अला । जान यता-"कारिकामध्य हेना । त्रमाप्त सर्वत्मत अकः वर्षा भारत শালেন, চ সাপাচবনসমূহের একশি বিলোধান। "অনিলোধকশন্ত্র।" তারে ইয়া বলা। াবকল্পস্থদৰাপ্ৰত্ত ইউলাছে-- "গ্ৰন্ত সন্ধৰ্মীবব্যাপীচৈতন্ত ভূষণ । লাকট্ স্কণভের নিমিত্ত ও উপাদান চন্দ্ৰন্থেকদেশভিত্ন সকলেহল্পং কলোতি । িপ্রান্তির, ওঞ্জ অর্থার হাদেশে অব-**१एक क**रेश ७ ८० ३ छ। न सरस्य भित-क देव बृह्द्रभ ने बाह्य है।

> ৬, জঁবের অবহা তিন প্রাকার क्ष, महमात्री । मूका करात व्यविधान স্থক ন হিতাই ভাষার ভদ্মর। অনাদি-अन्यशासक की दहे महमानी । जनसम् दर ! সক্ষা विद्वानियों सुन्ति अनियातीक्रा दश्च मध्याभगविक्ति , १ । इ. हालाम करान. তাংগ্রাই মুক্ত। (১৯১) সনিবাংশ िरहा एक रहेता । दक्त मान प्रतिकास अपन व्यानवर नीतव। यथा जानकारमञ्ज পু মানৰ ভিন্নেছিছে৷ যেৰ জাব লাৰ ইভি ।" স্থাপ্ত পুরেশ্বনা তাওম জাবনাম ভগবতশিচনংশ द्वेडि ।" (लट्रकारा)

१। १८४ताष्ठ वर्गस्य (२ व्यः ७ माः ६५ क्:) "अम्स्रामाजवाक, अम्या**भरमणः** व्यक्तिर। "श्रव अध्यक 'उपमित् नारक्षु व अधिन्धा निवास स्टेबार । **ন্ধানোরে ভার** জীবে ভগবৎবাপ**রেক** बुबिएक श्रेटक श्रेत ।

৮। একককে পিতিরণে দেশ ও गर्गाश्वराक्षेत्रि । भागात्र विवहे तका- 🐍 खक । यथम ममक क्रिका, जुलानाम क নিভিত্ত কারণ---ব্রহ্ম, তথন কার্য্য বস্তর পুথক ও কাশ হইলোও ভাষা কামণ একা <sup>হচ</sup>াত প্রথম অভিমনীর নহে: **কারণ্ট** ম্বরণে অবিকৃত প্রিয়া কাণ্ডিরণে **পরি** শত, ৰখন এইরাপ বাওল উপল্লি হয়,তথনই সকাত্মভাব দিক হয়। ওজ জীব সমস্ত স্থাৎ কুঞ্মর দেশিয়া উচার পাদপদ্ধে আরুট হন এবং প্রেমে তাহাকে প্রিয়তন আম্প্রিমণে গেষা করিয়া সেই দেবানক-রদে নিম্ফিট হন। ইঙাই পর্ম পুরুষ্থি।

 । भूमनवाभि—गहित्रम माध्या । खब्ब. मनन ७ ि ाधामन- अख्या माधन। ভগৰানে চিট্টো প্ৰবণতাই দেবা এবং স্টাত্তহারই মান্দী সেবা। প্রতিমাণীর সালেই লেড ভিডিল বিং একল<del>ণ---</del> মানান ত**ক্তি ও গু**উছজিৰ ভাৰা**নেয়** বিশেষ অন্তগ্রহে যে ভক্তির উদ্ধ **হ**য় ভাহাই পুষ্ট হকি ।

ফনপ্রাপ্তির শ্রেডিব**দ্ধক ধর্ম**সক**ল** नित्राः। भूषक गरिककान किटिने **भूषि-**মার। ্রাধানে ভগবারের কোষগুণ বিচার माहे. दरहाल छ।हात अध्यान भगाना নাই, জাহাই শুদ্ধ পুষ্টিছজি। যেরলো ইংগৌকিক ও পারগোকিক বিখনে কোৰ চেয়া নাই, ভাহাই ৩৬ পুটিনটো ৷ বেখানে ভাষীর ইঞ্ছিড়তপ্থের উজ্ই নিশিক্ষ প্রচেষ্টা, ভাষাই ৬% পুর্ষীনার্। যে ভাজি আপ্রয় করিলে ভারান জারকে স্থায়ীয়ক্সে यत्रभ करत्रम, छ।इ।हे ७% भू छ हा जिल्ला । समय াৰদৰ ভাগে বা নিকিঞ্চনতা, সংক্ৰাবে ও मकाचाकरण का मरनागारकात समर्थनहे खड পু**টিমার্। পুটি**মানীর মেবাণ্ড্ডুতার ভগৰান প্ৰীত হইৱা জীবকে প্ৰামোৎসবে আক্রমণ করেন। জগবানের বেনুনানে আফুট **ছইয়া রাগোংশৰে যোগদান করিবার** বোদ্যতা লাভ করাই পুষ্টনারীলগণের . इत्र क्षा ।

## আমার হুর্ছ,গা কেন ১

( শ্রীপান ক্লাকান্তি বসচারী ভতিকুসম )

ज्ञानाकाण इंदेरक्ट कामान मन-भास (মৌকার বাদান) প্রতিকার আবদ বাজান-পাইলা আমার জীবনতরীশানাকে বিরক্ষায় বিশয়ীত বিদে সংবারগমূক্তর বেব প্রারে

এমনভাবে সংবন্ধ করিয়াছে বে,উংটক রক্ষা **ভারি**বার আব কোনও উপায় নেপিতেছি बा। जे निगरे हरेग्राष्ट्र दशन जामात्र অভ্যাত্র আশ্র-ছম্বর্ক উহাত উপর দথায়-ৰান হইয়াই এখন আনি চতুলিকে, দুক্পাত कतिया रावधेत्र िनिः नभन कति। यनि কোনও প্রস্ত হৃত্তা আমাৰ ওলনা দর্শন শ্বিয়া আমাৰ ভরীধানাকে উভাবেশ সেহা ক্ষেত্রৰ, তাহা হইলে আনি ডামার শভিত্র **উ**शय अभिश्वास इहे.। छोशास अकाश হুইতে বিয়ত কবি ; লৈসের কঠিন সাত . স্থার আগতে কত্রিকত এবং ক্রিহাপাত-পভাগে হয় ভূম দেখিনা যদি কোনও अक्षिक्षित महाक्षम ज्यामाटक आख्रियत हाटका क्रिक्कातम्कत्रवृत्कत् स्थाजम् साम्राम् यहेश बाहेटड हारहम, छाठा दहेटल आमि हङ्किटक শংসারস্মুক্তের থাবল ভালমালা দেখিয়। তীহার কথায় বিশাস স্থাপন করিতে 😘 🕏 না,তাহাকেও আনার 'সহগেনীর বেবে ধাবং' বলিয়াই মনে হয়: কারণ জর্ভাগ্রেশ্য: দ্বি-জ্ঞানে অনেকবার চুণ্ণোরা থাইনা আমার মুখ পুজিয়াছে, ভাই এখন দধি দেখিলৈ 🤋 कत्र रहा।

কোনও রাজাব প্র ব্যাধারণ হঠতেই কুক্রিংসিক ছিল। কারারও অনিষ্ঠ সাংন ন। করিটা সে জগ গ্রহণ কবিত না। রাজা এতাদুশ ওণ্ণর পুরের চিত্রত্তি পরিবর্তনের নিষিত্ত অনেক প্রকারের শান্তি প্রদান করিরাও রতকাটি হইলেন না। তিনি পুতের ভবিশ্বং তিতা করিয়া ত্রিয়মাণ পরিক্তেন । এক্যা কোনও সন্নানী রামপুত্রের বিকার ভার গ্রহণ করিবেন। তিনি রাজপুরকে অথমতঃ ভাহার কার্য্যে যাগ্য না ছিল্লা বরং ঐকান্যের নিনিত্র ভাহার প্রশংসাই ক্রিভেন। ভাই রাজপুর উক্ত সন্তাদীকে অভিশব ভালবাসিত এবং সর্বক্ষণ স্থেকার শন্নাশীর নিকট থাকিত। একদা বাগানে অন গেণরে সম্বাদী একটা কচি বিশ্বভক্ত (मधि । द्राक्षश्रातक छेशात भतिहत्र खिळाता ক্রিণেন। রাজপুর উত্তর প্রদান করিছে না পাৰ'ল সমাসী ভাতকে নিৰপ্তত্ব স্থাম ·প্রাহণ করিতে পলিলেন । ভাক্তনার নিক-প্রক্রের আবাদন পাইয়াই তক্ষটিকে সমূলে উৎপাটিত করিব: স্থানী ভাগতে উহার কামণ ভিবেষে করিবে সে বলিল — এই গাছের পাতা এখনই বে প্রকার ভিন্ত. वफ़ रहेरन हेश रव कि छीत्रन फिल्ह इंडेस्ट, खाहा वंगा गांव मा, इरफ भारतक लाक कैशन लाला बाह्या मात्रा महित्व, एहिं আমি ইফাকে"সমূলে উৎপাট্যির স্বার্থিকান। वाश्यम्भारात है कि सावन कविता जन्माणी ৰলিলেন-এই মুম্মীয় ফচিঃ শাগুৰাৰ

আৰম্ভি অড়ানিকা-নৈগের স্ক্রিড় ভিক্ত দাখাদে ভূমি যেমন পরিনামে ইহায় গোৰানীর গ্রহোক্ত ঐ অমুন্য বাক্সাংগীয় । कीया व्यानक्षेत्रातिष शामका कविश देशांक जात्माध्या कति, उदेव वृत्याक शांतिष ता. বিনাশ করিলে, দেই প্রকার বালোর এথম তগ্রন্থহিমুখ তীব্যাতেই পিশাচ্নাত্তের মবস্থা ই ছোমার এবহিধ ছুপ্রসৃতি ক্লা অভাবনিশিষ্ট 🐃 মারাশিশাচীর অধিক্লচ ফডিয়া প্ৰাঞ্জের প্ৰজাৱন্দ, এনন কি, জানৱাত বড়ই বিক্লান্ত ক্তিৰ প্রিচয় প্রদান ्डामात च्याचीस्थलन १ भूर्व कोरतन उत्थासत कतिरहाँ है, कशह चातात स्थासताहे मशस्त्र কুকাগোর হলাংগে সকলেই জর্জান্তিত হইবে 🦠 অশিত। করিল তে,যার প্রাণ্যাহারে রাস্তত হইণতে। সভাগে এখন হটতে চরিত্র সংশোধন কল, নতুবা ছোনাল গরিবাম कि दहेता, जाहा छुनि कर है सहित्क পারিতেছ। মহাদের মেই উপলেশ কার্ড। লাবিল, চাইদিন কইতে বালচুমার যাবভার ষুত্রের র গলি লাগে পুদ ক সক্রবিত্র হইল।

> পুর্রেটাক বছিল্মান স্থানীর কথান বিখাস ভাগন করিল নিম্বাতার তিক व्यक्तिकार गुन्तासार विसम्य कता छिल्लाह कद्रक गिर्द्धात ऐसे अतिकाश कतिल, আরি আনার এখনই ফুডিয়া যে, প্রম काम्लामस देवस्यक्षेत्रमण्य अधि मुहार्यः থেনাকে মাধার লামছের নিনিভু আমার সক্ষাদেশ বিষয় উত্যালনা অল্পাইয়া দেওং ! সংৰপ্ত আনি উল্লেখ্য কৰাৰ কৰিছ कति एड जिल्ला । शुरुषा । भद्राभी शास्त्र-कुमोतरक 😇 🕯 अनुष्ठति २७११ कुमरनव কথাই বর্ণন করি তেন, স্ফর্বরভার ক্রমতার বিষয় কিছট বর্ণন করেন নাট: किन्द्र देवसम्बद्धाकृतराम् । इक्सिटक T. 75. নির্দ্ধেশপুরক আন্তরে হ ম্বেছিল ভিত্ত-ল্যোর আংবাদ, অন্নতিক ক

> श्रीशास्त्राच श्रीमान क MIMILIANE CA अस्ति कात्राकालनः ল বাধ বি বে ক্রিক্টে সংনি 🗺 😉 এননই ইহা ভোক্তমণ্ড গোভ কিছতেই সমাণ কবিতে পানিতেছি না। "দক্ষানাকে ! শভানিক্ষানার মুর্যভাবে !! नहस्र रिक् अन्यति व्यवस्थिति ॥।

## পিশাচগ্রের লক্ষণ

**?**)

জ্ভাবির ব্যতিগুল যদি ভাগার নিবাস সহক্ষে এল কলা বায়, 1919 সে কোন্ত া বছে আদেশ পাণ্ডন কলিগত কি ভাষার বৃক্ষ বা পোলে কদণান্তানকৈ ভাষার বাসস্থলী বলিয়া নিৰ্দেশ কৰে, এবং ভাছার 🕽 থাত্ৰ কি, তাহা জিজানা ক্ৰিলে প্ৰচা মানে, প্ৰাচি কৰ্মৰ দৃষ্টিশাত চইবে মাণু সভত পুরীবাদি অংশেয় মধ্যে ফুচি তাকাশ ভিজাগা করিলে গ্রাম্ম অপন্ন কোন মুত ,বয়জির নামে নিঞ্চ পরিচর প্রদান করে। कामका सन जन्मे देवरमात्र महिल् भूषिक गाहिएव भावित —

न्कियान ও क्रांसिट्डाई मासद विवाद विध-भङ्गात्र इत्सर्वे कासरभग्न भावी कृति । ८काशात्र िलामिक व्यवसारक व्यम्बन्ता कार्यक्र করিব, তারা না ধনি। কিনা মারার मडानकत ३३ । तात्रांनी गक त्यांन समन অভিডেই সম্মিক ভালবালি।

ভতাবিটেৰ সাম মানুগত আমৱাৰ 'আমি ও আমার' এই প্রকার বিরূপাত্তি-মানের বশবভী হইয়া, এই অনিভা ধাংস্কাল कृषामध्यम निष्ठा नामध्यी मान कतिला. निकटक हो, भुक्रम, शुनक मूनडी, जायान, क्रक्रिय, देवध, मृज, महत्तमें , जक्राजाती, शृहक, अनि रक्ष, धनी निर्ना कुमान, कुछ। ইত্যানি অন্তির সংক্ষা। সংক্ষিত করিতেতি। অাষরা এতেকি অপুচেত্র হার বে, ্ৰাপ্তিকাৰ্মণ ইলোম্ভকারের প্ৰদ্ৰভয়ন ातिममामायपाम." श्राष्ट्र ±हे विश्वक एक .कारागुर व वामान বৃধিত। অংব ভচিমিত্রট বিভাগমী প্রবলা মায়ার <u>शिक्तिः लही यानात्रा इहेता नाहात</u> काका भागगार्थ दक्ष भिन्न क्रेस नहासम्ब उठिला । अनातिकदाकरण कृष्णि ३ हेन्त यथम य दाराम समाधः । कतिराष्ट्रिः, एसम् । (गड़े दानरकड़े 'कामात (प्रम' स्थिए: नक् অক্সাংব কলিতেটি ৷ তাপক্ষারের একগ্র मध्यम निर्श्त विभागातामारम क्वितिम्ब ক্তি প্ৰকাশ না ফাল্যা আল্যাহয়ল নামা আক্লাছ পদাৰ্থে তথা ৰপান্ত, এই ও নাৰ, भागरक कुछ इंदेड पुष्टन करिएडोड : ब्रद्धान्छतः विषयत्रत दशालांका वर्गावः । भारत বিশাসীর করাল কামের প্রতিভ এইন चान्या यथम ९ ४/ई, क्यम ९ मृत्यक, क्यम । বা এই ভূংলে কেপথাৰ নানা দেহ লাভ করিয়া অবর্ণনীয় যাতন। প্রাপ্ত হইছেছি।

কামনাপিশাঠীর বিষ্ণুত ক্রচিয় তথি বিধানের অন্ত অনাদিকাল বাণ্ড আমরা টেপাড়েই পিশাচমুক্ত হইডে পারিধ নাও নতই না যায় করিলাম, কিছু গ্রাণপাক-কানপিথাসার শান্তি হইল গ

হার! আমাদের কি আত্মদেশার ঐ দান্বীর প্যাথাতরূপ পুরস্থার ও নান্য করে। ভূতপ্রতাহর সমূদ্য কাঞ্চলগণেট<sup>া</sup> কলন্য বোনিতে পরিল্লন্য করিয়াও কি ভাষার থিকত অমুত বজাধের পরিচর চৈত্রত ভারতে হইবে না ? ইয়াণেকা भारता गांत । अमन कि, 'तम दक', छारा आक्रिंग श्रोमा आत्र कि इहेर्ड भारत १ কবে ক্ষান্ত্ৰা প্ৰণাণক ভদ্ভতেশ্ব প্রত্যবাহগড়ে বৃণার্থ নিম্পট্টভার সহিত

"নানানীনাং ক্ষিত্ৰ ক্ষিণা পালিজা ছনিদেশান্তবাং আজা মরি ন কমণা ন জগা লোপশাক্ষি:। উৎস্থীক্ষাভান্ত্ৰ ব্যুপ্তে সাক্ষাহ্য সক্ষ্মিলালাকাল সম্প্রমালয়ং মাং नियुक्ता शाराध्य ॥"

ছবিজ্ঞ ওকা বেরণ ভৃতাবিট হাজিকে পথীকা করিয়া নানাবিধ মছাদি প্রয়োগ षाता निभातमुक करतम, एकान माध्यस्कः कार्व की ब्लगरक मा अल्यारी म िक्ट बरन रहें एक देखान कतिया, के रवन निकासकाव-धर्म डीक्रफमारच स्थारिहिए कविवास निधिक, शब्दा मधामय शिक्षक कीदन प्रव रमक्षकारण कर्यान कार्तिक क क्रेग्राह्म । আমরা ধলি সভাসভাই মানালসংখর জৌছ-निगम इंटेट मुंक ध्रेंगात्र खरण वासमा **লট**য়া তদীয় কে:টিচপ্রস্থাতিল **অভয়**-চৰণারবিক্ষয়গলে শ্রণাগত হট ভাষেত ভাঁচার অপাব কলনা আলাদিং কে মারা-**्मवीत एरन्द्रश भागकाम इकेटल बक्क** कनिरवहे वर्षे राव । वावन, श्रीभद्रश्यालीखाः व्यक्तित्व केंग्टानकान खिर्क माहित्य २.म.श निष्याभिष्टक ऋत्य किया कवियादस्य----"ेपवी दश्या खरमधी यम भाग प्रत्रकाता। **ন**ামৰ যে প্ৰাণহয়ত মান্তামেন্তাং ভর**ভি** তে ৷" আবার কমিতীবেদ ইকাণার্থ প্রতিত-পাৰনবেভার ক্ষরিয়নলন্দন জীকৌরস্কুক্সর সনাতন্দিকার মায়াপিশার্টার কবল হইকে মুক্তিলাডের উপা:টি অভি সহল ভাষাঃ निविद्यान,---

"নিভাৰ**ন ক্ল**ফ গৈছত নিভা বধিছুলি। নিভাস্যোগ ডাকে নহকাৰি ছাও ॥ সেই দোৱে নালাভিশালী মণ্ড কলে ভালে । আ টাছিকাদিতাপুলর ভারে জারি ভারে 🛊 কাৰজোধের দাস হত্রণ ভারে লাগি থার। अनिटक समिराध यनि गानु देन*ा* पान्न ॥ তার উপলেশগরে শিশাটী পলার। কুলক্তি পায় তবে ক্লণ্ড নিকট বাং 🛍 🕆

ভক্তিসক্ষ ভ্রাতাভগিনীগণ, আন্ত আহেন, আমৰা গকলে সমবেত হইয়া ক্ৰ-उपनिष भिन्नीमाम् अवस्मरमञ्जू 🕮 🖺 लग-কমলে শ্ৰেপন্ন হ'ই, এছেব্ৰিয় জাৰ্মণা কোৰ

#### গ্রেটার প্রাক

ভিত্তৈতভাগতের অস্তত্স , **এটোরা** विष्यियांनी द्वीयम् स्विक्तिरामः व्यक्ति মহারাজ গত ৩০লে বৈলাধ সন্ধ্যার একা-পাই গুড়ি সহজের কালীরাড়ীতে ্র 🛍 🐙 ভাগৰত পাঠ, কবিষ্ঠান্তেন ১. ভারী মানজ্ঞৰ-মঙগীর আগ্রহে আয়ও করেকদিন ভবার পাঠ, শীৰ্ষণ হইবে ব 🕖 📒 👑 💥 🔻

# গ্রন্থ পরিচয়

## মিদ্রাগ্রভন

अक्त-रूख नावार्शनीय केका, यशास्त्रात, म ४० ... ४० छ व्याखिणान, डमा ७ विवृद्धाविष्ट । প্রতি स्टाइत वा न क्षाहे मध्यम व्यक्तिशाच कथातात. चमाप्टात टाल्ट्य के <del>প্রধ্যারের সায়সহ ভ্</del>ষিত্ত ভাংপর্যাদি নিতৃত। স্লোকস্থ চী # 1915 W व्यक्रदा स्थिति। साम्य व्यक्ति ५-ग छह भवास अल्ला म्पूर्वकरण राम्य इवेशारक् । प्रिका टाम्य **बहरण्डाक्रम व्यक्त भगाव २०१४०**३ गण्य १५५ ३८०३ PASE-80 1

### **अभिटेन्डक** विज्ञासक •

লী ীমছজি বিশোষ্ঠানুর রচিত বিমৃত্তাবার ভাগা 👲 🕮 🖫 अप्रकृतिका । अप्रवासी द्वारमा । विवास 'অফুডানো ল'ত স্বাদি বহু শাস্ত্রমাণ ন্র্লিড ১ইল व्यक्तिक ब्हेबारक्स । द्वारक्त गायबरायाः, वज्रास्त्राक्षः क्राटाक भगारत्व भूतर्व माकिश क्रांडिए । থেছে। জার-প্রারম্ভ কথাসার বে ধরা আছে। স্রোক্ भवात, मण, शाम, भाग लाक्षित प्रवृत्त क्री ७ १४६ कारात িছত জীবনী সম্ভিত এইকপ অভূতপুৰ্ক সন্ধিয়ণ উত্তঃগুংগ কুলাপি আকাশিত হয় লাই। উৎম কাগ্যমে পারিপণ্ড 🖟 স্থিত তুল ক্ষেত্রে মুগাংল মুদ্রিত হর্ত্বাতে। এত এর ১৫০० भुकेश गुण्या । किया वर्षभारत e, माळा t

#### <u>ভিট্রচন্তরভাগনত</u>

अवकारत्व कीवनी, व्यक्ति अधिकारमत क्लामात्र, निकृत **दशोदीय** फामा, अवस्ती, अमाबक्ती, निरम्कान भागानि সূচী, প্রাঞ্জি বিবিধ বিধন্ন সম্বালত বিরাটে বিভীয় সংস্করণ ভবল ক্রান্তন ৮ পেন্ধী আকার। আদিবলৈ ও মচের क्षिप्रधान व्यवस्थित क्रेरास्का काम अध्य व्यवस्थित क्षेत्रप्रक्रमा अधिम किया ८ हेर्छा, असि जीगात FORI CY !

#### **ब्रिटेड एक महत्र**

**वह अक्षत्र एक न काकि**सन समात्र मः क्षत्र न कात्र कृदानि আফালিত বয় নাট্। সংস্কৃত প্লোকাংশের অবর, বছাত্রাদ. कारा, क्यांत्राच, रबा अक्छित्रहं बर्ड करण आकानिए इहेबारक्षम । भून त्यांछ। व्यक्त छवन कार्कन व्याहरणकी वृद्धवीकारत काला क्षेत्रारक । युका २४० छोका । २५%। व्यक्ताम केंद्रशाकीतांत्र आहमभारतत्र भटक आ॰ छामा ।

#### Bueneufici

্ৰত্তীপৌতীৰ বৈক্ষাঢ়াই। অআছত রণিকচ্ডামণি **এই বিশ্বনাথ চক্র**ববিহার র গোস্বামিক্তা সংগ্রথবারী ्र विकासम्बद्धाः । औ अवहित्र विस्तान् हे । कूत्र - छानि छ । अहित्र - । ্বস্তর নামক ভারাক্যধ্যহিত। অধ্যাদ্স্তী, সাতৃকার্র্যে आम-प्रे , विरय-प्रदेश आश्चात्त्र श्रीवनी ७ अवटत्र निकातिः वह-काषकाविष्य महत्त्वकहे सामाहे कृषीय मध्यति--- हे सेवि अरबबार्वक किला-२५ केलिन अन्या, अन्यामन ्याधान->॥० 'क्रांका बावा ।

# শীল প্রভূগাদের নক্ততাবলী

'3 कियानि स्मित्रकिनिकाधगतको **दर्भाषामी में मंद्रामादज्ञ वे एक्ट जानका विभवन्ति ।** कें वास्त्रवन्तरभारकाविनी क्रक-काक सम्मन्नात्रिनी को यह वार्गत **ীমন্ত্রি ক্রফ্টেরপায়ন বেন্দ্র্যাদ এণ্ডিড মুল, উ**লিন্- বিন্তার—বেক্ষর্থিদ্রাত সক্রমালার ক্রেক্সভ্যান-সম্প্রদায় **মধ্যান্তাব্যান্ত্রতা ভাবপর্যা-মিপরটাক্য। উম্মদ্যবিশ্বমাথ চাজ্যর**ী। বৈভববিজ্ঞানার জের নৌলিক তথ্য---প্রস্তুত্রতা ও তার্থ ছের

> গ্ৰ-মধ্যজন জীবন্চরিত্র-পিক্ষক - ভিনিকান্ডিয়াত্র | ि। । । अक्- केंद्रता के म धुराहरण हो विक राज्यनशहा --->গ্রহ পেরিতের ও প্রধ্যোতন ভারের নিদ্ধান্ত সমুদ্রা

১। প্রোথাম আঞ্চলটুল্লেবরণান, খ্রী ওণারক, কাল-বিষয়স্চী, অধ্যারবিষয়ণ, পরি ও- ভানস্চীনত উত্তম ধর্মে, জীমসংগ্রেছাক, ই,ধার্মভাননী, পরেন্ত্রকী দীলো ও স্থাবিঃ রাশ্ম ও মনেচালা, ইট্রেক্স্রের ন जाबात्र निका, भटातिक व्यक्तिये ७ ट्याक्ट প্রাকৃতি বিংশতি সংগ্রক রাজে জ্পোভিত। ভিগ্না মাত্র বিভিন্ত পুতি পুরাগ-পদরাতাদি সাজত-শাল্পমূহের গ্রামাণ্যবা 60 317 27 12 1

> 5 । खिटीहा चान्छ-- ५६: ७ विका चिता सहस्य त শেষ্টভা শোলাণ, আলার নিতার্ভি, মানর আলিলান ভ भागाधार, क्षेत्रपांत-निवास-स्ताप्तर, निवास सम्बं ७ क्रक क्रीका, ध्रीवामभूकाम श्रीमदालन्त्र की हन, खाट्यीत र प्राप्त गरिका, बध्दशाहार, श्रीराशाहिक, श्रीराशाहकपर-াপ, আমতী দুখত চননিনী, শ্রীকৈতভোৱা দলা, ভৌৱককণা क्षक्रमधीर सं—उञ्चल चलात मप्तिमालयानकृष्णानिवृदिण । जिया ६ ७व है कि। मा ६

লান ও বিতীয়--১০ খণ্ড একমে টাল ভিলা (内) ((行), 2 年 5張) 智道集1

#### ক্রমন্থ গ্রন্থ গাঁড়া

त्भी हो। देवकवन तिक कारा शिक्षा अतन दिश ভূমণক্ত ভাষ্য ও ী. জজিবিনের সংযোগতালে বল-ভাষার বিশ্বভ প্রিস্বর্জনা নামক লাভ জন জন মন্ত্র-স্থানী, বিভাস্থানী, ও প্রতি প্রোচার এবন ও দুর্ভাত প্ত হ'ে, লায়ৰ নের ছীৰনী প্রাছতি সংগ্রে। উৎকট বাণাট, লামন করন ( সূত্রীয় মণে লে ) গ্রাছের 🖟 किया २, हैदा

#### **अध्यक्ष है है। दशी**

दीमसमाप्त विल्लाहरन-अभीक रेनकनन्त्रमा मन्छ ६ বোষিদা-ভাষাদি পাতৃবার প্রথম এছ। উংকট কালিতে शाला। क्षिण्ड विका - ब्याक्रमवद्यास्वाम-मार्थाता अधि महत्य कानात्कत्र एयानम्या वहेता भारक । जिला । 🗸 । পানা মারা।

#### श्चिमको लग्नामा श्वास

( প্রমাণৰ ৪ ) সাত্রবাদ। স্থাতি-স্বভ্যাতি গ্রান্থে খ্রীনব-খীপের যে মানিমা বাঁলিত স্বাছে, ভাষাত্র নুধা সংস্কৃত ও षाद्यामा किया ० - धाना।

#### ্ট্রিসংগীপভাবতরক্ষ

শ্রীঠাত্ত্ব ভারি-বিনাধ বিপিত। স্থানিত বীতামারে भतिअभात एक्षेत्रामि-नित्यक । किका ie पानाः

#### ছান্তিরভাকর ও মংগীপ পরিক্রমা

আল মন্ত্ৰিল চক্ৰবৰ্ত্তি-ঠাকুল মডিত। ভঙি গ্ৰন্থ ক pites পরিক্রমণ মাত গৃহীত; জীলীব গোস্বার্মী কি श्राद्य क्षेत्रवर्धेलवाद्यम लिख्यमा कश्चित्रहित्यन, छोराहि , भरक विवृष् । किना। ० नाता

# भीएए ने भागेड

শ্ৰীল ভক্তিবিনোদ সাক্ষম প্ৰেণীত। ইতাতে ভিটেডভেম্ব निकाशनाती-क्रम, क्रमणिक अत्रग-बंद अव्ह जीव-অচিত্য ডেমডেন তদু--সংগ্র-নির্ণয়<del>-- প্রয়োজন</del>-তত্ত্ব, **কর্ম**-दाध, अल्मामित विष्ठात-देवनी कृष्टि, खावनिक्ष क ८ अम ७ किसर माम ४० में अने अने भी भी-পরিচয়ারি তাপম শিলাগীর উ ধ্যাগী করিয়া ঘরণ ভাষার राज्यस द्विकामान्यर विभिन्न भारता । ठाउन मामसा बाधा र् हे।की, क.र.भ ३५० हेका माञ्च ।

#### গেটিয়ক গ্ৰহার

ी.टररोटीस देव कवरदारम्य । अञ्चलम्य करके भावसरहाराहः বিষয়বিভাগ্রমে স্থেগ্র ভাল্ডা **এইরপ বৈক**ণ-দিন্ধতের সার্থমন্ত্র হল ক্রাণি প্রকাশিত হল নাই। इंशरड छक्षडम् – छात्रक – देनक्षम् – क्लोब – निष्टानिम – অবৈত -- গ্ৰা -- বিল--ভগবন্তুস -- জী : - জানি শ্বাহতদ তেখ ----थार्टिश्य- भाषनस्थि --- नर्ग पा-- पा अवन्यक् -- क्षा अवन्य প্ৰতিহ প্ৰোকামি হ'ুচান উ'কাই প**টিক কাগালে ভোক** ্র কারিতে খুলিভা, উপস্তুর বারে বোনার ফলো নাম গোধার। এতি এটো ৪০০ গুড়ার সম্পূর্ব : ভিন্ন ২০ টাবে । মাজে ।

#### श्रीन-बीशभाष-श्रद्धाननी

প্রিলভক্তিবিবের সাঙ্গ প্রতিত ধ্যেম্বার্ক্ত্য-শ্ম-নাচাল্ডোর সামান্ত আমাত পাও -- খ্রীশ নরভার চাওবারী সাক্ষরের ধাম পরিক্রমণে — বিধান নার্বা করি এ খাঁ-ভীথ-वासा लक्षाकि-दीमर लाजानमञ्जूष मार्थीलनवक्य-উন্নাহতি বিলোদ টাক্রেরে উনাব্দীপ ভাষত্রত প্রেক্তি এর বেকত ভিলাগত আলা সারে।

#### আহ্বিনাগামুত স্যাকরণ

धिकेत १ तना है। াৰ বিৱহিত ক্ৰ ও বুলি, खरम्हण केरिकामान केल াৰতী গোৰামী প্রস্তৃতি সহ। मध्यत्राहरू विकृष्ट हुनै । काद्याना स्टब्स्ट स्टब्स 2、 "诗",野猫们的演 भटक ा॰ है।का माजा

#### (वंश ख उपनांत्र

श्रीयप्रामाञ्चलाहाना अहिल । द्रामारक्षत्र विभिद्धेरिक्टवाव-প্রচারক জীলাল প্রদেশ্যে মাচালা প্রবর বেলাম্বর্ণন পাঠের Ban करिमाहिम। हेहाटि डेन्द्राधि वजगार्थ বজায়বাদ ও হতীপ্রাদি শংবোদিত করা ইইরাছে काम माद्र लिक्षा १० भागा ।

#### क्षितेहरू इस्टाम्ड ७ वर्गी अन्यक

क्षीत्रवारंग विषयी स्थाप कर्यायानम् गत्रवाही क्षापिक হ্ব, প্রচুপাদ শ্রীমদ ভবিদ্বিভাত ন্বত্ব লী পোত্রামী মহাব্রে मूल क्षिण अवश्रम्हरूच च्याच्या १६ वर १५ वाम अवश्रिकतः अवदीलन्यस्य देशिकाकियान श्रेष्ट्रातत मधासूराम क प्रथम विकास व्याप्त व करें। जिल्लाकिक व्याप्त किक लामख रहेशाहा मुल्याच कामझ खेरकडे ( र बाना एक(क) किया। बाना, किए खन्ना वीवारे नावगरकाव > होदा मात्र।

शिमा किविरमान शहत-खनीछ। धरे धन्याम अप-श्रुरहार छन्। कांछ विद्यान शांत्रमार्थिक श्रारणा किहुए छरे আটোৰ বাসংগ্ৰাপ্তিটোলা। প্ৰমাসূচ ধর্মবিবয়ক এই-क्षिप महत्त ७ शतकात की अह औं लगाय काका लंड इस साहे। निर्वा करणांचामि भोत-संदर्भनि मधनसंदर्भ । एके आए हरू ক বত ভইরাভেন। আবার স্বিভত ত্তী, ক্বাধার के नामि काता निर्माम महाक कता करेगारह । विश्वीत अंड, त्यानांत खरण नाम (एका, उ०्रंड वीवाई—कपूर्व मण्डतन किया क् है कि माल।

#### জেম্বিন্র

শ্রীননাহাপ্রার অসুকে পার্রন প্রিক জবাদানক প্রাভূ चित्र फेला एडे पार्क अपि छन्द्रताना क्लोराय प्रश्टाहत कालिया कीकानह टेरकराहात. एकामनी ए मामहान-देवकवाडराज्य करीयाण्या প্রধান প্রভাত অনেক শেষিতে পাইবেন। পান নকাধ ছক্ত ছালের বিশ্বদার্থ ৫ । ধার্মভীপানের সংস্কৃত নার্থ,পশতকের প্রধাণত প্রত্যুক্তার। গ্রাকেকার গরিচ্যাদি-সম্বলিত চ্ছুর্য একাল ভিস্কাল/ । বিকাস সানা মাত্র। चन का !! माना

#### **ए**टर गर्**र** ज

ভিন্নকারীর নিও গ্রাভা ; প্রাকৃত্ত ভাজিবিলালের শন্মা भागः, निश्चित् नाटश्च (राजापा) । इत्रभानि ना (४४) भधाव েক্ছ বুঝিতে পারিব । ।। ততীয় বা অনুধ ভিন্না।।।

#### হরিলাগতি স্তামণি

মমোচার্ব্য খ্রীণ হরিবাদে সংচুরের মুখে জীমঝছাগ্রাড় া অসম্মান্ত্রায়া, নামাভান, নামাপরাধ প্রাকৃতি বিধ্যের শাষ্ট্রীণ বিচার সাবর করিমানিকেন। এই বিমেওণির অতি স্বশ প্রারে সংখিত্য আশ্বন্য প্রি**পাটিভাবে** মৃত্রিত। स्थित छोडिनी, उत्ताम देश । त्रे त्रिका भाषा माध्यस विकास भाष

#### কল্যাণকল্পত্ৰ

প্রিমন্ত্রিক বিলোধ সাহর রচিত। প্রত্যেক ভগরণ প্রিমণ, বন সংবলিত সংযুত ১ছা ভিকাপ আনা। विषामी १९ कामनावद्रः नांवत्यः एकाषः द्वाराष्ट्रकेन উণ্টেশ্বিশীপূর্ব ফুডিএর। সামান্ত শেবা ভা কালা द्यारक इन्तरे छ समझ्टिमास शिल्मिन्ट्र ११५ वानवीन्द्रिष्ठ प्र खनव राजा भाक कतिन प्र श्रुति । भारेराम । यह সংখ্যা, ডিফা / • সানা মার।

#### भाजनाश हि

क्षिमहिकदित्यम ११७त त उत्तर जनवात्म व्याचनमर्भनः विकासि, ७७२० । १, ४५ दिना भत्रमान्यि । श्रीदा र लगार विषयक श्रिक्षिक (५० किका ८० धान) माळ ।

#### ক্ষিত্রভালী 💛

শ্রীসাকুর ভাঙি বিচে দংগ্রেল ৮। নিতা ভাচন, আরাত্রিক प्य लागामन्त्राचगरीत नीत अप अपूर्व प्रीट शुरू एकदम अभिन्छ । 1=21/ Will Will !

#### शिनदब एशक न

यांगाक सम्मक्तियालि अमिविषनांश एक वर्षी, शिक्त-विकारिक सं तर्वक । - विश्वविक्रिकिक के क्रियात सम्बोत-शह। जिल्लान वाली म.सा CASS FOR MEN

প্রতি ভীরণ লোগানীর উপদেশবারী, ভবিপারের অভ্যুক্ত ও প্রতিকৃশ বি য়ে ছাবিচারিত সংস্থাপন ভাল, বিভ্ত विकृति, प्रतिष्ठानुसन्त्र क्षमान, माद्य बाबा 🔏 मन्यम-ব্যবিত ভঙ্গৰাৰী শীৰ্মমূহ প্ৰভো**ৰ প্ৰো**ক্ষেৰ : শিশ্ব স্মিৰেশিত ধ্রাছে। তম সংকরণ, কিন্ধান । সানা।

#### अभाग-कर्न ''

धीवानां प्राप्त देशांचाभीत मनः भिका शिक्ष कि निर्देशपन्तिक श्रश्नाक्षणावाद्य **किया : • बाना ।** 

#### (अगर्शक विक्रिका

গ্রীল সাক্র নরেভেমের স্থাপের প্রেমভ্রিবিষয়ক গানের পুতক। ভিলা / • পানা নাজ।

#### सन्दो शम्ब क

ট্রাসাকুর ভিভিত্তিলে রচিত শ্রীণ প্রলোধানন

#### অর্থ পঞ্চক

ীল লোকাচাণ্য সভিত। বৈক্ষৰতা-জানের আকর প্রক। ভিলা, 🗸 । জানা মাজা।

#### ় সধাচায়শ্বভি

শ্রীল মধ্যার গো-এটোড। বৈক্তবের নিভাক্ষর্যানি স্পা<sup>ন</sup>রো-ষ্ট্ৰী, বছাসুৰাদ স্তিত। ভিকা / • মানা মাজ।

#### মণিমঞ্জী

कविक्तरकर ने किन्द्रातायगात्राचे प्रक्रिक । धीनवान्ता াবনগালা ও মূল বৈক্ষধৰ্মসভ। সামুবাৰ · 41. 1161

#### গৌরক বেগদর

त्यातीन कवि किरशाबिक स्वयं व्यवीक क्रिशीवायकारवय

#### গ ক্রম্প্রাক। ( গুপ্রেম্বর্ড )

া আন্দানভাদাবাছপত আমবাদিয়ার স্বামিকত। বসাকরে সালবাৰ এই এতেৰ আকাশ পালনাৰিক পাছিত্য-জগতে एके सन्ध्यालय । देवगणभागामा क्षे**टेस्ट स्माक्तना वि**ख्या माराज्यां भारत शहर को एनियां केंग्रेस सामी सह बारह মান এন গুল্ক ও গোঁকিক ভান্তালালে কিল্লপ ক্লালভাৰে र्टाड विद्याति भाष्ट्रवान राष्ट्र १० थन **कत्रिशाइक, छाटा आ**हे করিছে করিছে মাণ্ডগ্রাহিত হং ছে-ব্রা । ইহাতে যুক্তির वाक्षा धाकाण, देवन, दशक, यामास्यक 😉 अञ्चलानिमञ् नमृत्कत एकत च्छन तिवादछ । जिल्ला व है जिला मार्थ ।

#### त्यासाभी श्रील दश्माय मान

( ন নিজেপার শ্রীল ভারিনিভারণারশভী গোবামী ক্র লি লিখিত ভূমিকা নছ ) ভৌর**ংগ্রন্থ স্থাপ-রূপের** व्यवसात विवाहम जिल्ल मात्र द्यांचानी क्षेत्र अनुस চরিত্রেম্নত ও পিকা আতীৰ প্রায়েশ ও সরণ স্থানার সন্ধিষিত্র त्वर প्रतिनिर्दे मागरशायामी ध्यारम विविधिक व्यवकी .माञ्चर प्राप्त प्रदेशपार । स्था १७ - मनः सिका-महानिष्ठः । . क्रिका नानारेक भागा, सुवाबर हो। भागा भाग ।

व्याठीन नवर्गेदनद्र अवविकि, छना, जेल्कि, इलीक क শ্রীমণ্ডালালুর শিক্ষা ও শ্রিণ রস্থাধ কাম পোন্ধার্মীয় ঐতিহানিক গ্রামণ্ডাপ্রসিত মার্টী থীপের স্টিরে বিবরণ-अष्ट । प्रावित प्राथमारकेष कृषात अपूर्व अवस्थित मोद्रापन त्र'व दम, ज, व्याक्ष (गार्रात), देवशाक्षकृत्वे वेरक्षित्र कर्जुकं गक्षणिङ ध्वर ४५ वानि विक्रियं बर्लम् अनुवर्ग, हिन्त 🛥 मानिध्य-गमिष्ठ : धाष्ठाविष्ठावेशायेशाये तीव मार्क्य स्थित नरगम्म नाभ वस्र विवरकार्यमासक ब्रह्मनरस्य िक कि किसकी भग । छेरक्रडे ( हेर ) मत्तरका बार्वाह भूमो अन्तर्राक्षित निः 🐯 🧍 २ हे:क भागन

### मागक-कर्भमामा

'एत वन्त्रका, देवकव-वभका, देवकवन्त्रव, श्रान्त्रहास **से**ख, भीनामकष्ठे, श्रीमणवादादत आहे। यह बंद नाम, प्रदेशहर नामकीरुन, जीनामनकार्तन, दशक्षानि, 'नाजनकार्तन, - विभागानिका, अभागानुत्र मिन्या, श्रीमात्राज्य-क्षापुत्र **क्षेत्र** चाहार्या-बन्तना, बङ्रभाषामीत चारेक, एश्रवखर्कित क्षिका, उल्लान मा नाम अपन-धाराणी, महाधान व नान वानामक भःवाष, मनः विका, श्री श्रवाशिक, श्री श्रम-नवुष्णवा, महाद्यापुत्र बन्नमा द्याङ्गीष्ट त'भक स निक्रणीवरमत् निकालाहेतुः देवक्षवर्गरम् कर्भः दिन्तं कुरानीयाकात्र स्राप्तं १ १४०४ व स्टर्फ भाजभाषाता अभूना भारत जिल्ला । लेक दीबाई ॥ बाज ।

#### ८वोडोग्र-८भोदन

কলিকালার জ্ঞানিত্ব আলবাট হলে পেটিটা স্প্রায়ক শীপাদ প্রশাসামা পর্যাতিদেশ পর্যাত্তি বালা বিশ্ব श्यकारत अकाश्यक । देशारक रशोष्ट्रीय देवकवनकामारहा ইভিয়াৰ প্ৰাকাৰে জালিত হইয়'ছে। ডিফা লি মাত্ৰ।

#### গোড়ায় সংহিত্য

কলিকভাৱে জন্তানিক আৰম্ভ কৰে গোড়ীয় সম্পাদক গ্রীপাদ অনুবানন্দ পর্বিচাবিনো দুরাড় প্রদেশ বঞ্চারা বিষয় भक्षा गांदत अव्यक्तित । हेशांद्र माहिता-मार्मिय व्यक्ति खरा পৌতীয়-সাভিত্যের বিষয় স্থাকারে ধর্ণিত হইয়াছে। ভিকা Me শানা নাত্র।

#### **डि:८गोड्रम ७ना भविक्रमा-प्रज्**व

किरणीष्टरन्द्रभात ८२ सकत छाएम स्थातिकत सम्बद्धाताक ध्यः उपरूप भवन्दी महाक्रमणम शीला कविता विद्याद्यान দেউ সৰ আধু িক ভেটিশোলিক পরিচয় ও বেক্ষরীগ্রহানির शतिका मह वा हातारणत स्वविधा निर्देश हैं का मि विवास विश দলিবেশিত আতে। ক্রিকা । আনা ।

#### THE HARMONIST

OR SHREE SAJJANATOSHANI

क्षिण है। त्व कि विस्मान-व्यक्तिक व्यवस् क्षिण क्रिक বিকালসভ্রমতী গোখানী প্রাভ্নাদ সম্পাদিক, প্রাভ্না**্রি**ক अधिक शक्त । जगरत हेरबाकी कुमाब महाविश्म बदबे क्ष्यमञ्जाहित है दलकी व कर्या काकारत खाँक बारत हति-मार्गम निकत-रेनकम्सी गहेम छन्डिक प्रदेशक्रम । काम्मक् मृत्रन-माविभाषा छ जिलापि महीव डिलाक्येक । की क्षान है देश का बाद का का का मानिक नेवाबिटक विचिट्ड शहरवर ना । यातिक विका छाक्या क्रानेक के क्रिका बाज ।

#### ্প্ৰাবিহাস-**बिटेन्ड्यम**के एनश क्षेत्राशास्त्र महीताः

### শ্রীকৈত্যা মঠ

क्याकरा घटेरास

क्षातीम सवदील, फाक्यत क्षेत्रांच माधाशत, मरीशा

🏭 মার্থালনীট তথ্যে থার ৩০ । গল উত্তর-পূথে তীত্রথপর্বনে আচার্বারত প্রচল্প-ट्यबंद-कनदल शिक्षितिकक मह नियायमान ।

্রট্ট খান সাল্যজন টার্য, নর্মানজনীর বা সাক্ষত জল্পস্থলী। এট মধানীর্যে ইটিনরি-क्षाबाक महाकरणाति-त्यक्षाव्यक्त, श्वाविष्ठात्व व्यवर्गे का साह क. व्यवकात, स्था अयोग-छर्गा-सम-मेहा-क्य-क्षाम हक्टेटरक व्याप्तम । ७ व्याप्तानमा जनर छन्। अध्यक-क्षीताम-नाका में नी-निविधन । शाका शाकामाविक-चाराया रुप्त है। हारायन किनाल विवादक्य प्रेटिक निका दर्गनिक क्टॅरल्टक्न । बाटे मठेशारक भावमाथिक देवनिक भवा मोकक-अस्त्रवार्षम् वा अवानामान व वं शाहीन अध्याहीन अध्याहित व्यवादन्य 'अवीमा-अवनाम' रहानही আভিটিত ১০মানেন : প্রাভিবৎসর স্ক্রীধাম-পরিক্রেমান্তর্ভাঞ্জ ও অপশিত ওপেগোষ্ঠিটে জীপ্তান প্রচারম্বর মধামধ্যে প্রাথি ভঙ্গার অভৃতিত কর্তনা পাকে। ওক্তি--- একচারী 🚵 পার মধ্ব ছিত্রী । স্ত জারী -- ত্রীপার বিলোগ বিলাবী অস্বচারী, পাঞ্চর ত্রীপার গোলগায बेक्कादी बाक्त्रपानियं, शिलाय बीत्रात्त अध्वाता, शांखक व्यवनामन उत्तराती. ै <del>शिर्दक महीद्वालाम बदल्यालामाय, व्य</del>क्टरबराम माग उन्नतानी कामून रव्यानगण । ত্রিদ্ভিত্বামী জ্রীদম্ভিত প্রদীপ ভার্থ মধারাজ এপানে হরিকথা ভার্তন করিছেছেন। প্রশিল্পাল্ডার ভঞ্জিশাল প্রস্তৃতি।

### (৩) ঘোগণীঠ তীমন্দিয়

क्ष कान शिक्तवार्थाम्य क्रम या विषयशाशकृत व्यानिक्षान-कृषि मनारवान-लेकि। जनाम केलकी शहा .व कितिकfauthe Etertunimen aus Eteren · Datutgema feint ent war Anm-कर्षेत श्रीया न स्माम । सम्म -- (ना क-अवादद लायामी कहें(हानी टाइ केंद्रमा-बोथ। शरकाशे अतिकासम अवगारी, **अ**श्रीभणाम खाक गाउँ । खाँमाधनवाम व्यक्तिन काती, क्षत्रमधा विकादनवल ।

### (৪) শ্ৰিবাস-অঙ্গন

- প্রমন্ত্র ক্রিন-নিবাস :1 **शिर्मोप्रमोगाप कामप्रमो । जनारम टी छि**र्मोक निक्रांगल ७ भक्षांच्या दन्ता वस्मातः। 🍅 🖝, डिस्टनाक्रममाम वावाची ।

#### ( ८,) छाटेश्च-क्वन

की चारन की बरेबछ शकुर करन धारर **ारा मध्याम**ा

(७) एक्टिप नमःवि नःह (बाडीन, बागान्य, बायमनुबुद (मधीश) **ब्रिट्याहरूपारमाधः अक्षेत्रकात्रीत प्रमासि ।** ं केक क- देवाराजी शिविदनामां बनावी।

### (१) चामल ख्या रूक

📳 ्री(वाद्भायः चल्र्यायः ( मर्वे)या ) अंतरम केलिक्साम श्रीन अकिशिदमान्।कूरवन समादि अन्य क्षेत्रनी धनावा सह अञ्चलका था शास्त्रक दशका चर्चमान

क्षक-किस्मित कामात अवहाती क्षांत्रियी का बाद वर्ष ।

#### ि शिक्षणबाय दणोशीय वर्ड વર્ચ- મિર્ષ્ટ [

वि. धन, मधनादी-- धिक्कामान अधि-भाषी, व्यक्तिकाला व्यवस्थाती अञ्चलित .

#### ( ১) ब्रीटभोत्र-ग्राचन-गर्छ

প্রিল সাধানাংখন প্রাণ্ডিড গোরস্থাপত-দেবা। রফাক আভিতিবিজ্ঞান আলমা | গিবিশানীর িভাগেবা বভ্যান। বছক—

#### ( ১ - 🖺 तथः भो की प्र-सर्व

41. 1918. MR19 23. M रक क--- क्रिक्टिशांग जनाधादी, श्रीकृतामधड दक्षभागी।

#### ():) श्रीत्मात्रक्रमेण्ड-

भाष्ट्रिताकि, कावत्रक, व्यक्तान। ख्येतामात्राहर कृत दुलावलंद अला क्षा 🕶 🕮 तक्ष विश्वादी अञ्चरात्री । (১২) ভাগৰত আসন'

🕮 ভাগৰত তোৰ, রার্জনসর, নদীয়া। ভাগৰ সনিভাভ এছাবলী প্রচার-কেন্দ্রা क्क क -- श्रीमश्रामम् अव्यक्ति ।

( ५७ ) ख्रीजकाञ्चम मंड ट्डे म नाड़ी, त्याकाफी, ऋकनशक, समीवा । क्षा क -- क्षेत्र प्रच्या नन्त्र, अस्त्र होते ।

( ১৪ ) ब्रीमास दम्हे छोत्र गर्ह अञ्चर व्यावसूत्र द्वाक्, श्रामा। भूमारत्वत व्याठात-रचस-वचारन ह्यो सक-Cशीराक शासमा-शिक्षिक्षत द्वारा बसमान । प्रमाण-धीवाधावश्रक सम्बाधी ।

> ( ३१ ) किटमानामामे मर्ड 中国阿拉斯斯 四十十二

(बानामकोव सारिआहत साठीम एम्स क्ष्म्य-- श्रेजान्त्रीय सम्बद्धारी

(२) बैटगोडीस पर्व ५ वर का निलामान ठाकनकी है। त्यां नीर्या **्डिलिएकाम** नि. नि. ४५५%

清瓷

শ্ৰীমনাতা পড়ত বেচারিড ভনিত্তল ভাকিনত্ত-প্রচারেক্তিশ গোডবেলের সক্ষ প্রধান मगरी केतिकाकात किकिकिकिकाक स्थानाम स्थापत त्याविकिक सार्वक्य । अहे कर्यक গঞ্ছাবামে 🖹 গুল-পোরাজ-ইবিনেমানল আই নপার্বদ নিতা সেবিক জন । পোডীর अक्षानागर्यात यानशीत अक्षानणीत स्थानात्रात्मत्म क्षेत्रपत नश्मत विक्री क्षेत्रक श्रमा বছালর সংখ্যাতিত কর্মাতেন ৷ পুলিনীর সক্ষাত বিধারণাম আচারার এট বছালর क्ट्रेंटि '(ग्री हीध' अध्याक्ति शक्त, मि स्थापनिश् मिक्त देखाळी कावाह भिष्ठिक छाटन आकाम अ कहेटालाअन ! स्थिमत्त्र लाई. मर्का खेन, में अविन के कुटेब-देवसां खे, चीमहाश्वक, खीरेक्ष अ- कविकास कामि-शीला ७ क्वर्याद्वत समाक् चारमाहमा क्रेड থাকে। মঠবকক--আন্তাৰ্গ্যতিক প্ৰীপাদ কুমাবিদানী বিভাত্ৰৰ। সভকাৰী-পঞ্জিক श्रीनाम अस्यवाष्ट्रास्य नविद्यास्त्रम् विन्तः श्रीनाम अस्यवासम् नविश्वाविद्याम् विन्तः जीनार प्रामिश्वादी अक्षणाही, जीनार ममध्यादन रामानिकारी निन्द जीनार ५६८शाशांत पामादिकारी, अव्यक्तांती श्रीकीर्यमानल, अव्यक्तांती श्रीवर्शनीर्याक्त, अव्यक्तांती भीक्षामण किलाजी, दयान्द्री भीत्रवर्णीम्बन, प्रविक्र सीपा मरीमञ्जू -

(১৮) जीयगाचे-८भा एक वर्ड इतिक कि बामारिनी मका, वाणिक श्रीगनाव-८भोदादमच निष्टा दमन, ब्रफ्क -- माल्य यक अवहाती।

#### (১৭: 🖾 ए। श्रव उच्च वा नक्त वर्ष

खपारन श्रीकृत-८गाव क-मास्त्रिकाः जिल्लामी खील्यान्सामधी . इत्राजी स्वाननः

### (১৮) स्थानशास्त्राक्षां वः (म्राज्यन

नाभवाम दर्भाः वर्षमान ।

ত্রী ওকগোরার্ম-টাগ্রন্ধকা গিরিধারীর বক্ষক-ত্রকচারী ত্রীনুসিংবাদক ও এছচারী নিভাবেগাঃ বক্ত-অর্থানী আছিছিfermis I

#### (১৯) जिल्लासम्बद्धम मर्ड

यर्गकार, लुकी, किल्डा । क्रभारत डीरमीय-विस्ताममाध्यक्रीत निका-त्म शं व संभाव ! कुक्क - अक्षात्री श्रीभव्नमा-नम विषाविष्ठ, अष्ठारी जैनमीशनम् ।

#### (२०) खीलब-८भोडोत्र मर्ठ

चानवत्रमाण, खक्तिवि देगाः, भूते । क्षत्रप्राथ/परतत्र समयंत्रस् नेश्रदः चित्रकः 'অসম্থান**া বন্দক---এজ**চারী विनम्द्रयंच्यी व्यमामबी। महकारी-वक्षाती विनित्नितिकारी ।

#### (१५) श्रेजिकशम्य मर्ड

. . . . . के विश्वविद्या के विकास अवादन' विस्ता-त्यांत्राव-विदेशावत्रायन 1 " 244-4 कीशः जिल्लादमभाः य वणठाशे जीनगर्द

#### (२२) शिमनांचन स्मीतात वर्ड

बनः कर्मकाननेतृता, भाने ) (को के लंबाई लंड अमास्म-चिक्कांकता धरात दशाहरमना वसमाम विकास क्षेत्रामकोनायको । 📑

(२७) विक्वारिक वर्ष सर्रे क्र के वांभा-क्रम-द्यां क्रमकीय दर्भवा । द्रम क- धिनगर किमार्थ विकारियो

#### (२८) श्रीनन्त्रमध्रम मर्जे

े देनश्यावणाः, जीकाण्य এখানে ঐভাগৰত পাঠশালা द्येत्शोक नित्नाप विद्यामणीय दमवा बस्याम ।

खोनन्छनाम । (२०) ब्रीटिड्ड्डिटर्गिड़ीय मर्ड कृम्द्रकृत्वा, कित्रकृष्ण, "मानंकृष"।" देश सीटें के क- माठत नामा। क्या की की नाथ दाव, क्रीट्रान्नशानम अवहावी सीवार्य कीर्य अपवर्शनाव ।. 🕐

(६७) ब्यामदर्भाष्ठीत वर्डः কুরুকেন, পাষেশ্বর, **করাল t** । **এবাকে** क्षीरश्रोदायस्य सन्वास्थवः स्थानः व्यवसार्वः य-म-विष्ठादी जिल्लामंत्रकी । ... (২৭) প্রাহ্মণগাড়া প্রাথমান্ত্রম-মার্চ

अक्षिणाचा, त्याह माखू, श्रावक्षा जानारम व इन्द्रक्षपृष्टि और गोत्रार्वक स्मूक वर्त्वान । प्रमान-विषयांनी जीवानक्र बाम, औदाराज्यम बेमानही। (२४) भिक्रा द्यांकीय मठ--कं वर्शकार्व

- be centiming, fall fine ন্মক্ষ—বিগতিবাদী <sup>\*</sup> **বীন্ত কি** ' **পর্বাই** feffernetelm, mulutungenffine ् (२**৯) टमामस्यगामान्यस्य** 

उक्क--अमहादी क्षीश्रशहराक्ष

चाविमगदबादक कीवन विद्याहन

गढ ३६६ (म वृश्म्मार्डियात मक्ताकारम >७२ मः शातिमन द्याछक माफीब हाबि-**ढालाब केनदब क**कती कीयन विस्काइन पटि । धक्क वद्भवाचात्र अकरण छीरन कांकरणात्र रहि दश । यह विरमात्रश्य करण विक्रमान बाजन नामक धरे बाडीज धक्यन हिमुशानी काकाजेग हाटब बरा हाटक क्षक्रक्रकारन क्षम स्व। यह বিন্দোরণের আওয়াল অতি ভরানক रुरेप्राहिण।

बाइड वाक्षि वान, तम नाघरानायड বিয়াছিল, তথ্য একটা জীবণ আওৱাল क्या जाहात कारण कि त्वन धकरे। ছুটিরা লাগে, ভার্রে কলে ভার্রে ডেখে काना इहेडा बाजा। त्न किंदूहे प्रथिक शाम ना। हेदात गात्र त्म त्वाय करत्र, বেন ভাছার শরীয়ের ভায়গায় ভায়গায় পুজিয়া याहेट छ। छथन म धुडिया नीटि नामिट्ड बार्फ। जे नमग्र काराह ক্ষা পাছত ভাক্তার জানিধা ভাষ্টে ধরেন এবং কল্লধা করেন। ভার্যার হুইস পা এবং হাত অধন হইরাছে।

যে পাৰ্যানাট্র ভিতর এই বিশেষে ঘটে, তাহার দেওরালের থানিকটা व्याप्तशांत हें छे छिष्ट्रा शिक्षा है।

এই ঘটনার থবর পাইরা বছবালার स्थित प्रयानात व्यक्तिशत वेशक्ति रोगाच व वारामा मध्यक ग्रहान कानुसाव दिटप्रकारिक अनाटर्षत्र द्वान हेकता शाव ন্মত ব্যাপার্টী সহস্তম্ভিত यिनाम्या स्थाप्ट । श्रीम (जाव काष हानाहर देखा

### পাত্মীর স্থরাপ্ত সচিবের সহিত जारना हमा

গভ ১৪ই মে সকালে পরাত্র পঢ়িব নিঃ ইমান্ত্রের সহিত ম**াত্মা গা**নীর २ यन्त्री काल व्यालाल इत्र । देवशाल इ গুনরায় ছইফটো কাল আলাপ হয়; देवहरकत्र कता शत्यावक्रमक हर्देगार्थ समित्रा यान इष्ट। शक्तिक मनगरमारुन यांगवा अवे देवकाम बहेश्य ध्वर श्रासीकी ১৫ই অপরায় ওটার মড়লাটের স্কিত व्यवा कविषाद्यम ।

### युक्तनाडे मागनएड शर्रव क

গত ১৪ই মে যুক্তরাট্র শাননভন্ত श्रीत क्रिकित सम्बद्धात्र महिन्छ नाह-नारश्यक अक देवहरू भारताएमा स्म : देशांद्र राहाता जैनहिक किलान, डांदा-द्वता मद्धा विकासीद्रिय बहात्राक्षी, **जुनाबोहर नवाप गांव ८क्ववविश्व गांक** 

नात नवनात निक, नात नि, नि, त्रामचाबी निकास स्वद्भावत देखिनश्चाहे स्वाक्ष्मेंन-আ্রার, লার গুল্ভান আমেদ, নাম व्याक्तत शावनानी, भिः त्राभवासी मूनानी-यत्र, यिः क्षश्रक्त, यिः रगडिन् रकाण, সমাৰ উচ্চলসিং, কর্ণেল হাম্পার প্রাস্তৃতি । সংবাদপ্রসমূহ এই প্রাস্ত্রার প্রতিবাদ

#### মিৰ্ব্যাচন ব্যবস্থা সম্বাচ্ছত

ডাঃ আনসারী ও সারেব কোরেকী निमनाव आभिदारे जुलान देशअरक्य निकास गराका ता अवाधी हु कि व नेवारक, উল জানাইবার অভা মহান্মার পুলাভিমুখে গমন করেন। এই সিহাত গৃহীত হট-ग्राट्ड ८४ ১० वरगत्र कांट्यत ग्रह्मा हुक নিৰ্মাচন ব্যবহা আচলিভ না হওয়া প্ৰায় যুক্ত পুথকু নিৰ্মাচন বাৰণা মিলিভ-खाटा विषाभाग बाकिटन । अ विषय শেষ সিভাস্ত গ্রহণের জন্ত ভুন নাসের প্রথম সপ্তাহে ভূপালে আবার সভার खन्दिन एकेट्र । एक्टेड्रास्य मूग्णमान সমাৰের একটি স্থিতিত দল গঠিত **इहात युगमयामन्य कराधातक हेशा आदि** ৰয়াইয়া লইবার কর কথুরোধ করিতে भातिद्दन ।

## चात्रज-विरचय जचरक जवागार्षेत्र

#### सिक्ते ए पर

पार्की है जिसान ८३ शत क्यान बदकत्र भर्ात्रत्र धारेट्डि एम्टिनोत्रीत निक्षे निष्क्रभ कात्र कतिहारध्न :-- ५ हे व्यापरमञ्ज काम काम अकाल छ। त छोय-रमत्र विकट्य भाषात्र मञ्जूष रव श्वरूप्य অবভার স্টে হইরাছে, ভাহার প্রভি ভ্ৰম গ্ৰহণিয়ের দৃষ্টি আকর্ষণ করার জন্ত এই স্নিতি গ্রুরোধ করিছেছেন। বিভিন্ন ছেলা—বিশেষভাবে টোক হান্পাওয়াড়ী মেলা ছইতে ভারতীয়লেয়

ধনপ্রাধ্যের প্রতি অমায়নিক অভ্যাচারের ाःनाम व्याचाण भावता बाहेरस्ट । বরীপ হেল। সমুছের ভারতীয় আবৈ-ব.শীরা শবিল্যে এক ত্যাগ না করিলে काशातित धनव्याय विमहे, चत्रवादी गुर्देन क व्यास्थ्य भिया द्याकृष्टिया दनस्यात्र च्य नसमारे (ननान ६६(७८६। यह वरमद गावर (व अवन्त्र काम्रजीय कृष्य 🤏 कः शैरोदात्रा नामा विशाय काष्ट्रीयत अतिश बन्छि क्षापन कतिहारक काशास्त्र काश क्रमेश अश्वास्त्रका हिन्दिहा (विश्वा **बद्धा अप्रवेशगरनत बर्द्धा वस्ट्रे बानदा-**अनक 'इदेश' পड़िदाटका विकिट्स यङ्के दःश्वत महिन्द्रः स्वित्व स्कृतिहरू (क प्या क्षुणक मासि क मुख्या व्यक्तिया किनि त्य क्षि सूमका मुख्य विधान भेष ६५ वटन्युकः, कतिशास्त्र छ। स्टास्त्रातः

काबीरवड काटक वाफी पत्र धनमानिक (पणिश वह नदीव इवक ७ सममोदी B विका बाहेट छटका ( दनवेश खावान লা করিয়া পরস্ক উহার প্রাপ্তর বিভেছেন, देशा अवर्रद्रक्ष मुष्टिर्गाहक क्या इरेट्ड्स् वर्जनादम दर व्यवका निकारेग्राटक काहाटक ब्दे अल्प्स्य वाचना बानिका विद्यान विद्य-क्षण्या वद्य १६३१ भिद्यार्थ एवं भञ्जन्तः **ब्यामक्षा है। एवं विक् विक् का का का का का** खनिएक नीधरे कांत्र वक्ष कतिएक हहेरव ; क्रिकि ध्रकक श्वर्गत्राम अभूताम् क्रिएडरइन दर, फिनि चन्नर द्वम छेशक्रफ व्यक्त श्रिवर्णन करतन कर: व्यक्ति माश्चि ७ मुध्या धार्डिहं त वावका करत्न।

### क्याहोटक निरमनी बरखन ८०मा

ध्वकारः, क्याष्ट्रीत्र इटेनक कालटङ्ग मानाम "देशः द्वीलशा" भट्य एवे च छ-বোগ প্রেরণ ক্রিরাছেন যে, সভা, চিভাকৰ্ষক এখং জ্বলভ বলিয়া মহিলারা पूमवाच विषयी वञ्च क्या कतिहरूरणा । "बानाबी यदम्ह बात्मायात्मक कन्न चरानी बच्च कालाहानि वक इहेश हरिया। whom fulle all whiterassia where **८इन ८१, ८४१व ८७%।८१४क** विद्वनी ৰজেম ৰোকান গুলিন্ডে পিংকটিং করিয়া-ष्ट्रिन, खाशाबा काटक काळाटव कानगाची-पिट्यम निक्षे काम क्छाइया स्वित एक । **णञ्चनव कत्रिका ८५७।हे८४८**५ । खेलनःहारत्र পত্ৰ শেশক ৰশিচেছেন বে, ভারতধানীদের चकःकत्रभव कान भविभरुग रहानाई. পরত বিদেশী বঙ্গের প্রতি শেই পুরাভন **अञ्चलाग व्ययमान अपूर्वे हिन्द**्राह्य ।

यखना ध्यकान कारण महाचा नारी दलन रव विरम्भी बञ्च भवकीत अस्टियांग वाष्ट्रविष्टेनाक मुँछ। ध्यः दिएनी व्याप **प्यामानकारक याश्यकारय शि**रकहिर दब नाहे। अष्टर अम-नियात कराउ अध्याद्य ।

#### पाषीकी ७ वस निस

মুদ্ধ বিস্তিস্থ পরত পোকের বিদেশী नज व्यक्त कतिएउ इटेएएंट्स विभिन्न स्व मन पिटियांग उपानिक हेरेटलाइ, करंगक्रक भाकीकी शक ३०वे स्वयं देशः रे किया भरक विविद्याद्यम् — निरंदेनी यञ्ज वर्षान सवदत्त इव नयः अभिद्यान वर्षे छ छ।

भाक्तीकी परणक, विद्य (बाकाम्बहार शिर्दकतिः कतिबाद टाँगा-क्रमीव्या क्षक्रको । बाद्य माळा । श्रीकृष किमिय रहेग जनग्रधात्रग्रम और जिन्द्र শিক্ষিত ক্রিয়া ভোলা। वाराम अर्थ निक्षांतारनत अरलका कवीरक्ष जावन हरेश काल कवात युगा अभिन, प्रमधनकी व्यक्ति भूना बहेन, कि छाटब हुत्रकृष्ट शहारक क्षाटक नामि क्रियाममा क्रमा कत्र रहेगा डिविशास्त्र । ट्वावे ट्वावे ट्वावेटन्त्र वाहेट्ड नारतः, ट्वाकटक खाशा विकास দেওবা। কাৰ্যাতঃ এই তিনটিই এক সঞ্জ क्रीनवा भारक । प्रत्याह बाबिय क्रिकेश मित्रा वशक्रिक कार्यनीकिक कार्यस कर्ने সালারণকে অভিজ করিছে হইবে 🞏 कारव देवळानिक खेशारब खुना, नीख कतिरक क्य. बुलिएक इय. एट्टा. काफ्रिक दश अदर काल्क रनाना पात्र, कवीरस्य हेश काना अन्यक्षक शुरुतार वृद्धिया निरम्मी मञ्ज यश्यक्ते जनर बालिक प्रेरम्भिन 🕶 वान नारक काली मुनी नुस्तितरकतु, कालाका ્ય નિવૃષ્ટિતજ આમચ્ચિક **રદેદવ**મ. CH CHI अ दशान अक्षिय व्यावस्त फलके अञ्चलाणिक क्रेन, देशा Cप्रशिक्ष প্ৰােগ ভাষ্ট্ৰত ভীহাৰ। লাভ ক্ষিট্ৰন। আবল জনমতের চালে প্রিয়া সংগ্রামকারে Cल'टक यटका कशिमादके माथ'त्रग माखिक भम्दर ७ वाहाइक स्टाटक स्वतं मृत काळ अरम काराम् केलस्स असिएन्स **छाङ्ग** भक्ति विश्वत के आएउ**ट**्रा

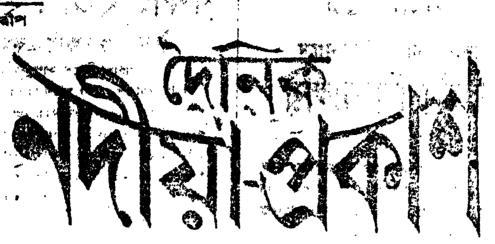
> गाफी की व्यटः यह मिन क्ष्रांग (विश्रास) व्य चिक्र काटका छद्दा साह्या व्यक्ति श्राप्त मान कतिया गावि चारलाम्यम् साहारम् र, द्वार विषय वर्षेट्य कास्ट्रदाच करतम ! ाटीन यरणम, विस्मित वज्र वादमारीक्षा यादार्क व गावमा पश्चिमा कविता शतने वटलात वाचना व्यवस्था कटलान, विकास हालान निगर्द छक्षक यद्वनाम स्ट्रेटफ स्ट्रहरू प्दर छेरलज भारमञ्ज भूगा श्रुविश्वश्चिक बाब्दिक दहेरवा छोट्या स्थान क्रता ८४, छारात्रा छद्दे निरमहे स्वक्रिक्टमे संदर्—गरुधा क्षत्रविक **क्षत्रि चक्ता** ।

## ीपश्रात रेनरामकेम् स्टा

নশিনী কান্ত সামাল নামক - একরাজি निरंबर के विश्वपूर्वत देशान्त्रक ने स्थान খ্যাপারে সংশ্রিষ্ট শশিকা পশ্চিক 💛 বিক্র পাক্তাপুর পুলিশের নিষ্ট আলুব্দশ্ৰ करब ध्वर काशरनम् सूर्य सम्मक्ति कार्ड व निर्मा वकडे व्यवस्था कदा। भिनाजन्द्रत्वे यश्क्रमा वाक्षिप्रेटकेक विठारम , बांस बाहेंग अस्त्रारक कार्यक क्र<sup>ा</sup> X 44 21 34 मात्र शेक्ष्य काष्ट्रांप ७ इंदेशांटह । いい 神を治療

# Reg No C.1544

5 W4 #11



সালাবে: হলার ભાં કામ (**નવ**્ર 11111 भावाधिक 🗨 ंत्रवाशिक केंप्रक मागिक, 🌭 4514 श्री मिरण्या 💰

40

ि एएम मः थान

শাদৈখনাত্ৰী শ্ৰীৰাত্ৰ আৰু পূৰ্ব তেওঁ কৈছে সংগ্ৰেকাৰ ১০০৮ -

### নানা কথা जिमनात महासा भौकी

ৰছালা গাণা ১৭ই মে অপ-সচিব भाषा काछ प्रशेष्ट्रात मुक्तिक दीवात शृहद माकार मध्यमे । सेवन अख्य नश्य भिक्षीत जारकारमें राजेंन मेर्छ प्रवेगार्छ दमह मन्त्रदक्ष के ब्रह्मस का के निहत्ताकरा क्या अहै जिस्स महेता अनुमा (द्वाराह्ने सद्भा ब्रायुट्टे मुश्यद्यस ख्रिक्ष श्रेष्ट्रायक । कृष्यकी व्यासीन हत्स हेवात्र मत्या , বিবাটি স্থান পুমান্তপুমভাবে আংগাচন

ब्रुदीकी, भागहिमकत दर उन्दर सम्बद्धिक निप्तर जोगा भेदारमणे सम्बद्ध किक्क जिल्ला है हारिया लाके हिटान, प्रशः क्षित्रों जारभारता मुख्यक्रिक कारण लिक्किक स्विट्छ श्वर्यद्य है कि कि , दुर्वे । स्तित्वत्वम जाहा पुसाहेश अवहा देखा काल अकाल कतिर्वन ।

भाव कर्षा छ । त्यम् गृह १६६७ महाना नाही के नहेट्ड गानित सार्व तिः चैमासनदन्त्रः शुरदं शुमन करवन् । दम्बादन काम्युक्तीरन्त्र मुक्ति (व अप्रा नव क न्मत्राष्ट्र व्यादिकार्थना स्थाप्तक द्वा ।

# dept we will THE RESERVE OF THE PROPERTY

केन, वाम, अमुक्तक मामवेदगृहित, श्रीक्रित मक्टन यान्यात निर्देश मेठ विका माना विका कर्यात हाइप्यात के हैं हैं निश्च निश्चित करियार करण माहक पार्थ महाचा शिक्षित करियार प्रदेश विभिन्न म भेरान अक्षान । भेरान अक्षान स्मान

नियल रा गर या शक নেতৃরন্দের স্তিতার স্ক্রীজীয় আনোচনা गलन, जो अयुष्क ह ছাক্রান্দলের সহিত প্রলিগের সংঘর্ষ

लाहे आजाति शक्कोज

রাণ ঘাটো সাদ্রত হত্যাকাও

কলের। <u>৬ বৃদ্ধিক প্রকোপ</u>

শৌরান্দ ৪৪৫

माजे ८० अविदिक्षे शार्शित्व व्यवस्थात भारता व्या ম্যানেকার- গ্রন্থবিভা

औरंठ छ्छमर, (भाः क्षिभाग्ना भुत्र, सतीवा ।

नो क्रम जिक्रमण कविकेश अधिर्देशमा इदेह्ड हुश्च निर्देश स्थलक आरह क्षमा नदर्श्व मधाचाः भागीष मध्के काहे । नहे । नाक - दणम्याराष्ट्रक- श्रीका अवर्षेत्र मार । यति स्थित द्रनेकारी द्रव । উক্ত প্ৰিটীৰ অভিৰেশন হছল। পিনি সালবোৰ বজেনকজনীটেন গোৰ ছুব মিনিট স্বিদ দিনবলেন লা ।

"बालनाची ७ - जुनाह

के प्रकार व्यक्ति । श्रीवासन् । का नर्से । व्यक्तिकाला विके स्वकार प्रकार । स्वति ।

िनिकारीयान भारताका स्वतः छन्। श्रम स्वादित वान् इत्या अधान कें के देवता करण करपकी। निषक कहता देशिक **मार**क्षात्रमा ५८५ -

#### का विशासादन बाक्ताका

মংগ্রেছ গান্ধটি ১৮৯ লে মিপ্রদান্ত ষ্ট্রাত ভিন মাইল প্রাণাধ্যে ছারিয়া কার্ডু, ভাৰে উপ্তিত ইনা স্নাডাত উট্ন পাখেশিমধেত বিপুল গলত, মহ খুলুঙ স্থানিত করিতে পাকে। মহাত্ম। স্বভাব-হ্মণ্ড ভঙ্গিতে প্রতিস্কারণ আপন कतिराज कतिर्देश अञ्चलते १ वृद्ध पार्टिकः । .वंकाम क्षेत्र ममत्र शह डेट्यान्ड्यत স্তিত মংগ্রার অনুগোচন। প্রদূত্র ১

भकान दबना कालीय राज् अञ्चलात भक्ताचा रक्ष ३,००० शिक्तावा इक्की १५१७। **उपरात नाम क तिराधितम् ।** 

#### मान्या के कहार हा जाना

घट ३४३ ८६ तहाँ ब ४ ५१५ कात भूषप्र धुक्रमात रणाय माभक अक्रमान करवार कुत छाक शानीव साधानामाहत्वत कारान्डन পানকড়ি নাহাতে জনতেওটে ভুরিকাখাতে रहा। कतियास्त्र । ध्यकान, राहास्त्र ভিতর পুকারিন বচনা হয়। পাচকাড়কে ত্ৰপণাৰ সৰকাত্ৰী হাসপাত কে ওামাও शिष्ठ कड़ा कर, किश्व सकत् छन्। दार्थ ক্ষিত্ৰ সংখ্যি ৪ ঘটিকার গ্ৰহ প্ৰায় 👂 (महाश्र घटिं। सुभाव िक्स्मिन इंड-सार्थ । कुछ वर्गाल उक्ता धर्माध्यस<sub>्य</sub>ः गत sas रम भाष्ट्र में में स्वारमें स्वरंग्याफ़ दिया। एकिक कट्टेनका

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনচ্চিটিউট্" নামে উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

### থোলা হইগতে।

অভিজ্ঞ ও আন্তর্শনিরত শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে
অভি শত্তের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন।
নিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যয়ে সুন্দর বাসহানের
নিদ্দোবস্তহ হৈ তে। ছান অতীব স্বাহ্য কর।

সবিভার স বাদের কন্ত নিম্নলিখিত ঠিকানা পঞ্জ **নিধুন।** সেন্দ্রেভিডিনারী, ভাকুর ভা**ক্তিবিনোস ইন্টিডিউট্** শ্রিচে ংখ্যাঠ, পোঃ বিমায়াপুর, নদীয়া।

# সুবর্ণ সুযোগ বেশী দিন আর থাকিবে না

-- (주어리!---

#### व्याष्ट्रप-निश्रष्ट ঔषधालदः त

৫০ বাৎসনিক আনন্দে ৎসব বা জুবৰ জুনিলী শেষ হইতে আর নিশ্ব মাই।
এই ডৎসব শেব ইইগেছ জুবৰ অভ্চানিত শেকিন্দ ভিবনী বঁটাকা?' পূর্বের
কিলাবিত ১২ চাক। মুগোচ বিজেয় হুইগে। ৩১শে মে প্রান্ত উরা
চি চাকায় পাওয়া যাইগে। এই টি চা এক কথায় বলিতে গেলে নবনীবন দান করিতে সমর্থ। জুবর্গ জুবর্গার কথা উল্লেখ আরই কনিশ্বভারে
চি টাকা পাঠাইয়া উহার এক কোটা হারন। সহর হউন। বিভাগে
বিরাশ হইবেন। ২হা জুন ইইতে ১২ টাকা মুগো বিজ্ঞান হুইবে।

शास्त्रधान ३-वाउद मिश्रह देवभाग्यः।

२५सर न्स्नालक श्रीत, क्लिक्टक्टा

কাবরাজ শাশভূষণ কাম্বপ্তাভরণের



৯সংগ্রহের ও বধ্যে হজ ৬ আং শিশিছে খনীকুত অবস্থায় ছোটবোণ্ডলের সমগ্রিমাণ তীব্য ভাষে পাঠান হব, মঙাডে উবংগত কোল পরিষয়ন করা হয় আই। মুগা প্রাতি শিশি ৮০ সংলা, গাইট ৪০/৬ আলা, বোডল ১০/৬ আলা।

ভাঙ্গিল- ১১লং জীডালা রোড, **পোঃ স্থামনা**লার,

# यंदवं चछते

ত্রিভার থকা বা বালুনভার, বাল্লবনাজন প্রান্ধ্রের করণার, ব্যবহান, হাব গোল, লুক বছ বছারে, বাবারা করিব নাজন করে। নাজার বার্লির ইনিক। ন্দা বন বাই নাজনার করে। করে বার্লির ইনিক। ন্দা বন বাই নাজনার বার্লির ইনিক। নাজনার বিশ্বানির ইনিক। বার্লির বিশ্বানার বাজনাল লাভার করে। নাজনার বাজনাল লাভার বাজনাল করে। নাজনার বাজনাল করে নাজনার বাজনার ব

करेल माद्यासम्बद्धी, त्यानसम्

un > १ १ वर्गः कार्रिम्म (इस्ट क्रिका**ला** ।

## हाहेद्धानिन

**21** 

## কোষর্দ্ধি রোম

ভাগ এল, এন্, বোৰ বিবা আছে, বাগজীবনের গাগগানী বিধা বৈভাতিক কালালারে কোবস্থাত জ্ঞান আব্যালা কবিয়া গাকের।

> विकाश — अन्तर करेंग क्षेत्र, सक्तासास, कार्यकाका (

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

# দৈবপ্ৰাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহোরধ-

शनस निरम अन्यूर्थ काट्सांशा

শ্রিক ভীশার্চ জ কীল, মৃত্যা-ভিক্তিবস্থা, গোর বৈশ্বারী, বহিলাল। আবন নিম ঠিনানার সাক্ষার করিব বিজ্ঞানত জানিতে পার্ডনার শ্রিষ্ট সামগোলাল দত্ত এম্, এ, কুকানগার, নদীয়া। শ্রিষ্ট চরিপ্র বিবেদ, ১১৭, এবিরাচোলা ইটি, বাটলোলা, কলিকারা।

একখানি গান্ত। আমার ক্রাডুম্পুর গান্ত হয় মান ব্যবৎ রাজ ব্যারা জ্বারা মৃত্তাল চংগাঁচল, কালচাতার বিজ্ঞা চিকিৎসবস্থা ডাংগার জীবনের আলা তাল কলিয়া লেয় মুহারের জন্ত আংগজা কলিছেছিলের এই স্বায় প্রীয়ত কি নীলচন্ত্র উকিল মনাশ্রম মান্ত ১০ দিন চিকিৎসা করিয়া গানার ক্রাড়েন। (সাং) শ্রীষ্ট্রি বিশ্বেশ্য লাবটিং ডিপাটনেন্ট, কলিকাহা।

# মনোযোহন প্রেস

পূৰ্ণ ৰাজাবাৰ স্থগতে সকলপ্ৰকাৰ ছাপাৰ লভ বিব্যাভ বৈদ্যুতিক মেলিলে দিকাকাত্ৰ কাজ ভলিভেল্লে বিশ্বত ভানিতে হইলে নিশ্ব ঠিকানায় পত্ৰ লিখুন ম্যানেজার—মনোমোহন প্ৰেস্

৯০বং লহারপুর, ভাকা

# মর: মানুষ বাঁচাইবার উপার

विषय क्षणि शक्त यन मध्य वृद्धि हैवाह दक्षाम देनन का निष्कृत कर भावे भटा, क्षणांन दोनामां मानाविष्क कानमारक केनात्र क्षणितिक क्षणि महे करिया कार्यक भया करवा वाकारकम करत माना वाकांत त्मक, व्यावक नावु मोसामा, प्रावृत्तिक क्षणांमा, वर्षभूष, क्राण्या, मामाक मरद्धाख मीच, कर्न कर बीरमाकविद्यक क्षणां दाका वावक, वक्षा, क्षण्यत्मा, म्हाक्षणां, त्यक क क्षण्यांचा, किसियां व्यावक द्रारम कृष्णां क्षणितम् मिसान क्षणांमा, क्षणांमा व्यावक द्रारम क्षणांना क्षणांमा क्षणांमा क्षणांमा क्षणांमा कारमांच का व्यावक क्षणां क्षणां महिना द्राविद्यक माद्यक केरमा कामांक व्यावक क्षणां क्षणां क्षणांका क्षणांमा कारका माने, क्षणांचा क्षणांचा क्षणांचा क्षणांचा क्षणांचा कारका माने, क्षणांचा क्षणांचा क्षणांचा क्षणांचा क्षणांचा कारका माने, क्षणांचा क्षणांचा क्षणांचा क्षणांचा क्षणांचा क्षणांचा कारका माने, क्षणांचा क्षणांचा क्षणांचा क्षणांचा क्षणांचा कारका माने, क्षणांचा क्षणांच



লোক একজ্ঞ-ভাঃ ভি. ভি. ছাজ্জা। কুকেশুৰ, বাৰ্ডে-বিচ গোট, ক্ৰিক্ত্ৰ ট্ৰকাৰা শুল্ক কৰিব। বিভিন্ন

## खर्गकीर्त्तन

इतिक्यां-अन्तर्के छन्दे एक्डक्यार्ग्य मांधा छ गांधन । दमहे अंधनकी छन करनाटन কৰ্ম, জাৰ, যোগ, ভগ আদির অপেকা मोहे। चर्य, कान, योग, छन चानित স্থাৰ ছবিৰ গাল গ্ৰ-কীৰ্ষৰও একটা সাধনেত चाव, क्रेन्ट्रे विकि अभवस्त्रता व्यवसाय बार्किशास हता खारान गाउँ।

1/2

. एक इरक्य ट्रिक गां अन्तिक विभागित শহিত কৰি,জানী, বেগিগণেৰ প্ৰাণকীৰ্তন আকাৰ-পাতাল পাৰ্ধ্য মহিলাছে। বু ক্ 🖳 ও বুমুক্ কথী, জানী, বোগিগণ চিত্ত ছি-শ্বপ অকাণ্য সৈদ্ধির ভার হণিকার্য কারণ करद्रम अर: मामिक हिस्सत हि एटा इंडेरमड़े िछलि इंडेशार्ड बिलमा भरन करन्य; ভীছালা উদ্ধান মনে করিলা একগবানের क्रनावत कर्यनः वयटः ভগনও উংধ্যাসের চিত্ত খ্রুজ হয় নাই। 'ব্রতঃ बुकि अब नार क्रक इंकि वित्न।'

অনালিভভাবে জীবের অবস্থান থাকিতে পারে না বলিং। তাঁখারা কেহ বা অনস্তকাল কর্মনার্থের সূর্ণানত্তে বিচন্দ ক্ষরিতে পাকেন কর্বা কৃছ্সাধ্য সাধনারি कति। 9 व्यक्ति 50 रन । विक की कि ■নোদিটেই। সম্পূর্ণর পে পরিত্যার পুরক অব্যাপত চইল মাগুন্থবিধনিত জীহরি-ক্পামূত অংশ কংগ্ৰ, গ্ৰহার। ক্রি क्कावान्तक क्षेत्र कतिया धारकन । क्यावान् । अन् किनिहे ८ हो का यव छीड्राटक्षत्र मिकडे निक्रमास, 🐨 🐧 😘 শীলা প্রকৃতিং ফরেন। ভাগরা ভাষানের निष्ठा नगनवा सान अवस्था सङ्घ दरे । मकल है इत भागां १३१७ े ११७ इन ६ পরণাত্তি লাভ ক্ষানা নিয়া দেবাতেই নিতাকাদের কর নিযুক্ত থাকেন।

# **७**ढारेष्ठ मिका छ **সমান্ধতি**

à। ত্রন্ধ—প্রতিসাত, শার শার—প্রতি-পাৰক। শাস্ত ভ্ৰম্মে প্ৰতিগাদক ও প্ৰতি-**भाग्न अवस् । अस भारतः ।** व्यविषयः सरक्तः। बकरे दिनश, व्यविकानमृद्धि ও टक्स आधिर आस्त्राक्षम । + भारियात्र सप्तरे बीद्यत्र कृत्य, अक्रुआशिक्ट दगहे द्वारथम निरुष्टि दश, क्कार अवदाशिश भूकार्थ । यथा---"अस्थाधित्वतः भूकशर्यस्य ।" (अस्याता)

मर्कणिकमान्, गर्काळ, गर्क के छ गकिया-अववद्गा वद एक, मांत्र छैश्व मिल

### **बिबि धरम्याजादको कराउः**

# দোনক নদায়া-প্রকাশ

নিতাপাঠা বৈক্পবাতাবৰ

বেহালি সম্প্রসাজত শাজের অঞ্চতির ন্যাখ্যাতা সমগ্র ভারতে একম, র ঝুসভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

প্রাধান-শারাপুর— তেই লোট মসলবার—১০২৮

নাই, স্নতবাং তিনি নিওগৈ। গুণাতীত इहेला ९ डिनि खना इत कर्छा।

০। রামাণ্টিক অনিয়াও অনুষ্। ব্রহ্ম টতা হইতে পাবেন এবং ইহা হইতে লানে অংগিত এবং একো সাম শুল ও পাবেন না, এ মপ বিবিনিধেধের বাধ্য নছেন, বিভেন। হৈতক -- জীবের প্রণ। অভিনাং বিক্র ধন্মের ও বিক্র বাংগার জাবে। হাজান অবভিনিত হালেও চৈতত সমাবেশ একমাম ভালতেই জুলাবে ভণ্- অস্ত্রণলাক ; জুলবাং ব্ডালনে ব্যাপ্ত इंट्रेंट शास्त्र । শাতিমতি সক্ষতবনসমর্থে এক্সণি বিরোধা-विक्रमान्द्रशर्का श्राहर 💆 ও সামশজিমান । তিনিই কও

শউংগ্রিছিতিনাশানাং **ক**গতঃ कर्त देव दुष्टर । বেলেন বোধিতং ভত্তি নাছপা

ভাৰতা প্ৰন্ধ

নহি জতিবিলোগেছতি কলেহনি न िभक्षाः उ म् अञ्चारमध्येषात्रिः ख्यावम् १३८ ॥" [ व्यक्ष् अक्षा ]

৪। হুগ্ৎ ও ব্রন্ধে কার্মিকবিশ সমস্ত । জগং—কাঠা, এম-কাইণ এবং কায় ও কারণ অভিনা কারণ সং হওনায় ৷ বাহার কার্যাও সং, অতএর কার্য ব্লশাপ হইসেও বড়ত: সভা। এক ক্রীয়ার হল ক্ষেক্তাক্রমে অসম্রাধ্য পরিপাম জ্ঞান্ত হংগ্ৰহ্মৰ, ফিন্ত এই পরিণামে তিনি আবেরত আছেন, তুডারাং জগণেনারের অবিরাভ পার্ণামঃ অগৎ মানিক্রা चन्नदर विकात नार, जनवान् इहेरछ। जिन्न व नदश अगरत्र उरलि विनाम नारे, ্ৰ। এক নাকার বা স্বিশ্বে বিপ্তাহ, কিছ আবিভাব ও ভিয়োভাব আছে। তিরোভাবে কারণরপে অবস্থান এবং चाविक्रीत कार्राद्धत्व व्यक्ति। ध्वक्षि

হটলেও ভাষতে অন্তিতা নহে। স্থ, জীড়া সম্ভব নহে, তাই চল্লান জড়ার রঞ্জ ও তমাস্থাক কোন প্রান্ত গুণ তাঁথাতে। হানুই জীন ও ক্ষণ্ড ক্ষি করিলেন বপা---প্ৰধান স্থানী ছাপ্ৰেৰ জগজবেৰাবিছ্বি ক্ৰীড়ভাতি ধৈলিকৈৰ্নিনীয়তে।"

। कीत अपना अनुमक्तिमा शीत মধা--- "অভিতানত হা। বেদার দশনের স্থা তব পোরে "डांदर प्रकासन्तरः।" ाङ् । १८५ - गर्मा गर्मा । नगरितं हरू া ভূষণাত ৷ " বি ৷ জ পশ্মালাগন্ধ অক্ষেত্ৰ ন ঘটত জাতি ( লোগোটু ন ভণাত চন্দ্ৰণৰ, । াপ্রত অগতের নিমিত্র ও উপাননে । চনা- মেকলেশপ্তির স্কলেশপুণ্ কলে। ত। ন। জনতের কঠা বনিধাই তিনি (----অভ্নান)। চন্দ্রন এমন এফালেশস্থিত ह्या व भग छ इन्छ भारत क्रांतरा । प्राथा २ া গগে, ভিনাধ সমুদ্ধৰে ধ্যক্ষণে স্বৰ-रक ... ४ के विक्र खर्म भारतम् भौत

> चे चे त्रांत कारा विन अकात ७६, भरमाता ७ मूण्या कारदा अदिशाः সধন্ধানত,ই তাল্য তদ্ধা আনাধি-খাবিতাকে ভাবই সংগ্রানী। ভারান যে সকল ব্যাহানকে মুজিল অধিকালীকণ रुषा भन्तानना तिलंड देवदा ध्यपान कटनन, ভাধারাই মুজঃ একোরা আনদাংশ डिट्ना हुए हरेब्रा । दक्ष्यम मार्क ए.४१ अर ण्यास्य कीतव। यशा--''मा পু মনেৰ ভিৰোহিতো যেন ভাৰভাৰ ইতি ।" শ্বরতব্রেখনা গ্রহজ দীবনাম ভগণত তি গ্র হাত।" (মহভারা)

৭। বেৰাস্ত দৰ্শনে (২ আ: ৩ পা: ২১ সং: ) "তদ্ভনসায় হাত্ তদ্বালদেশ: ্রাজবং। "ধ্যে শ্রন্থান্ত 'তর্মনি' বাক। স ভাংপথা পরিবাক হইছাতে। "ডক্মিনি" ২ কো অংশ্লাংশিভাবের অভেনত্তই নিশ্বণিত হইগাছে। অভিতঃ রাজ্পদ বিশ্বীত দিকে সংবাহসমূত্যের বেৰু প্রাত্তে

প্রয়োগের ভার ভীবে ভগবংবাপ্রেশ वृक्षिटक इंहेटक इंहेटन ।

জীরফাকে পতিরূপে শেরা ও দক্ষিভাবই মৃক্তি। সমশ্য বিগই একা-আক-। যথন সমত্ত কার্বার উপাদান ও নিভিত্কারণ-বন্ধ, তথন কাব্য ব্রুর পুৰক গোৰাৰ হইবোও ভাষা কাৰণ এক ০টাত গুড়া অভিয়নীয় নহে; করিণ্ট হরণে হাবিরত থাকিয়া কাঁয়িরবে পরি-ণ্ড, যুখন এইক্লখ বাঙ্ধ উপল্কি হয়,**তথনই** मधायाज्ञाद भिक्ष हथ। एक स्था नवस्य ভণং কৃষ্ণমা দেখিয়া ভাঁচা পাদপ**লে** অংগ্রন্থ তার তার কার্যা কার্যা কার্যার বিষয় কার্যার অভিক্রণে দেবা করিয়া সেট সেবানক-तरा निमञ्ज्ञित स्म । इसके काम शूक्तार्थ ।

৯ । शतरवाति—विश्विष्य गांवा । खवन, मनन 'छ निविधायन-अद्याप नापन । ভগৰানে ডিন্তের প্রবণতাই দেবা এবং স্পান্মভাবই মান্সী সেবা। প্ৰীৰাসীয় সাগনই লেট। ভাজের নিবিধ প্রকাশ---ম্যাদা ভক্তি ও পৃতিভক্তি। ভগৰানের নিশের অভুত্রহে যে ভক্তির উনর হয়, তাহাই পুষ্টিভাজি

ফল প্রাপ্তির প্রতিবদ্ধ**ক ধর্মদকল** ণরিত্যাগ পূর্মক ধরিমেরতে কিভিট্ট প্**টি**ন মার্গ । বেখানে ভগবানের সোক্ত্রী বিচার নাই, গেছলে ভাঁহার ঐনধ্যের মর্বাানা নাই, তাঙাই ওল পুরিভজি। বেশ্বলে हेश्योक्तिक **व भावत्यो**क्ति विश्वतः **व्यान** চেষ্টা নাই, ভাষাই শুদ্ধ পুটিমার্গ। বেপানে शाग्त्य हेन्द्रिग्रञ्जलाय सन्तरे निधिन প্রচেষ্টা, তাগাই ভদ্ধ পুষ্টিমার্গ। যে ভক্তি का क्षत्र को तन कशरान् की तरक का ची वक्रतन বরণ কারেন, ভাহাই **৩% পুষ্টিভিক্তি। সমত** বিষয় ৬৪৬ বা নিকিক্নতা, সংস্থাবে 👁 সন্ধায়ক্রণে কা.মনোবাকোর সমর্পণই ভঙ্ক भूष्टिमानी। भूष्टिमानीस त्नवाद स्ट्रेंखाव ভগবান প্ৰীত ইইয়া জীবকে রাসোংসং व्याकवण करदन । अभवात्मन्न त्वव्नारम् व्याकृष्टे হ্নুলা লাগোৎস্বে যোগদান ক্রিবার গোণতো লাভ ক্ষমাই পুষ্টিনাগীয়গণের हिंश कामा।

# আমার হুর্ভাগ্য কেন ?

( শ্ৰীণাৰ ক্ৰফণাৰি বল্ঞানী ভজিকুহৰ)

বালাকাল ২ইতেই আনার মন-পালু (নৌকাঃ নাদাম) প্রতিষ্ঠার প্রথম বার্ত্তান भारेश आमात्र औरन्छत्रीयानाटक विवस्तात

क्वित रावडींब ि िं। तमेंन क्वि । यनि করিয়া খানার তরীধানাকে 🗟 🖽 🚓 🕩 স্করেন, ভারা হটলে আমি তালে প্রির **'छैनत समिहान श्**र्देश छौहारक उत्पास **ষ্টতে** বিবন্ধ করি: শৈলের কঠিন সাত্র-স্পার আঘাতে শতবিকত এবং জিতাপাত-পড়াগে দল্ধীভূত দেখিল যদি কোনও পরতিতিশী বহাতন অংশকে শাভিষ্য র গো 🗃 ক্ষেত্রণকরবুকের স্থাতির ছয়েয়ে লট্ট : **ঘাইতে** চাঙেম, ভাষা হইকে আমি চড়ুদিকে **সংসাবসমূত্রের থেবস তর্ত্তমমার্মা চে**লিলা **ভাঁহার কথার বিখা**স স্থাপন কভিতে পারি मां,दीशारक । जागात महानि व तात नात- ' শ্বশিরাই মনে হয় ; কাবণ ডুর্জনোবশতঃ দ্বি-कारम अध्यक्तात इत्रात्या शहेत कागात মুখ পুড়িয়াছে, ভাই এখন দ্বি দেখিলেও चत्र हत्र।

কোনও লাজার পুত্র বাসাকান হইতেই াসক ছিল। আহাতি ততিওঁ সাধন ন। করিরা সে জন এইণ করিত না। বাংল **এতাদৃশ গুণার পুরেল - ডিভ্রুত্তি ৭** বিষ্**র**্ণ নিমিত্ত সনৈক আকাদের শাবি আদান ক্রিয়াও ছতকারা হুইলেন না। ভিনি পুচরব ভবিষাং ডিফা করিল বিখনাপ থাকিতেন। একদা কেনেও স্থাসী রাঞ্পুডের শিক্ষার ভার গ্রহণ কবিলেন। তিনি রামপুঞ্জ শ্ৰেমতঃ ভাষার কাৰ্য্যে বাহা না ফিচা বরং बाकारणत निमिष्ठ छात्रांन खनागाई ক্ষরিতেন। তাই রাছপুর উক্ত সম্পাদীকে অভিনয় ভালবাসিত এবং দৰ্শকণ স্বেচ্ছায় সন্নাদীর নিকট থাফিত। একদা গাগানে खमननमात महानी एकी कि निष्ठक বেষিধা রাজপুরকে উহার পরিচর জিল্লাসা ফরিনেন। রাজের উত্তর প্রদান করিতে মা পারায় সমাধী ভারীকে নিমপ্তের স্থান গ্রহণ করিতে বিগলেন। সাজকুমার নিয়-পজের আমাদন পাইয়াই সক্তিকে সমূলে উৎপাটিত করিল। সংগ্রী ভারকে खेरांत्र को १९ बिखांत्रा कहि,य दन दनिय--এই গাছের পাতা এখনই যে একার ভিন্ন. नफ़ ब्हेला बेबा ता 🗗 बीवन विक इटेंटर, कार्ग नगा गांव गां, इसक व्यासक त्लाक स्थिय भारत बाउँया भारत शहरन, छाड व्यक्ति हेराएक अपूर्ण डेर्पारिक क्रिनाम । बाक्कुशास्त्र हिन्दि स्थिपे क्रिका नामानी ৰ্নিণেন—এই বৃক্তীর কচি পাড়ায়

এমনভাবে সংবন্ধ করিনাছে বে,উহাতে রক্ষা 🗐 গণ অনিটকারিত আশকা করিছা ইহাকে 🖰 আলোচনা করি, তবে ব্**নিভে, পারিব বে, ছনিদেশাভেবাং লাভা নমি** ন*িক্ষ্ণা ন্* অপা ক্ষিবার আর কোনও উপার দেশিতেছি বিনাশ ক্ষিণে, সেই প্রকার বালোর প্রথম ভগবদ্ববিশ্ব ভীর্মাতেই শিশাচগ্রন্তের বিনাশ**টিঃ টিউংস্টে**গভাষর 🥍 ব্যুষ্তে না। ঐ শৈগই ইইয়াছে এখন নানার অবস্থাইই ভোমার এববিধ ছালুবুড়ি জন্য অভাববিশিষ্ট। সা। পিশাটীর অধিষ্কৃত একমার আএংছম। উহার দিংব দ্বাম । করিয়া বাজার একার্ক, এমন কি, সামরাও বড়ই বিরক্ত ক্ষতির পরিচয় প্রদান মান ইইটাই এখন আমি চতুখি, মা দুক্পাতা ভোমার আখীয়মজনও পুর্গ চৌবনে ভোমার করিছেছি, মধ্য আখার আমর্ছী স্পক্ষে কুকার্যার হলাহসে সক্সেই হর্জরিত হটবে । বুদ্ধিনান্ ও আনিলাে নান্ব । বলি । বিখ-কোনও প্রত্নত হুহুন্ আনার হুণনা দুশন - আন্তন করিয়া ভোনার প্রাণ্যাহারে প্রস্তুত ইন্টার স্প্রে জাসনের দাবী করি ৷ কোগায় **६हेलाइ। इन्डब्राः ध्यम व्हेटड हिल्ल** সংশোধে কর, নতুবা ভোষার পরিণাম कि श्रेटा, छाठा दुनि महरक्षर बुनिएड भातिएउइ। मन्नामित (म**र्ड** स्भारतम कारमा লাগিল, দেইদিন ১ইতে রাজসুনার ধারতীর লুঞারুভি পণিভাগে পুনক সচ্চরিত্র হইল।

> গুলোক শহরুমার সন্নাসীর কথার বিশ্বাস জ্ঞান কবিং। নিমপাতার তিজ कार प्रसारे कुकारणात तिमध्य कता छेशनकि । কাতে দিবভাবে উঠা প্ৰিটোগ কলিল, ' আৰু মান ও ৬২২ট ছালেন্ড বে, প্ৰম কর্মনাময় বৈধন্তিকুকংশ প্রাচি মুহ্নর্ছ অন্নেচকে মাজার ধান্তের নিনিত্ত অহার ্রেগাবিকারনণ জীভানজন্দকের "বছকাঁল

অনি উচ্চাৰেও ক-বে কবিতি বিশ্বানান্তে আম্ব করিছেছিনাং পুলোড সন্নামীরাজন किय देखन्द्रीकृष्ण अकृतिक अपृति নিম্বেশপূর্বক আন্যেকে ম মাণ্যন্তির ভিঞ-রবের অংখ্যাদ, অপর্যাণকে ভগবংসেনা-পুনারদের জমধুর আফাদ পাশাপাশিভাবে : डावित कानि कतिएराज्य, मामा दिशेष क्रीमकी है वानि विशेष अवनह অাশফ যে, উচা ভোকনের যোষ कि ३ (७३) स्थाप कांत्राक शातिराष्ट्रीय मा । বিক্ আলাকে ! শতাবিক্ আমার মুর্গতাকে !! प्रदेश विक् भाषात भागी करण !!!

## পিশাত গ্রন্থের লফণ

( ? )

ভূতাবিষ্ট ব্যক্তিকে যদি ভাগার নিবাস 🖟 সম্বন্ধে ও হা করা যায়, তবে সে কোন্ত ্বা পোড়ো সম্মান্তানকে ভারার ' वामक्ष्मी विविधः निरामन चरत, धनः छाहान । थाश्च कि, छादा क्षिकामा व्यक्तित भाग गार्म, । अडि क्यम ९ मृष्टिभाड हरेरव ना १ । भेष्ठ প্রীয়ানি অংশথা অন্যে কচি প্রকাশ জাগান্ত্রীর প্লাখাতরপ পুসন্ধার ও নানা ्दा किक्किनारमः निका अनिहस्न कामन करता । श्रीक्षेत्र क्षेत्र स्थार्थः निकारिकात्र निविधः व्यामता पनि अक्ट्रे देश्तीय महिल পविक । गाहित्क भारित, --

অবস্থিত অভু শিক্ষা দীক্ষা-শৈবের প্রতিট ভিক্ত আখাদে ভুমি যেমন প্রিণামে ইছার ব্যাখামীর প্রছোক্ত ঐ অমূল্য বাষ্ট্যায়লীয় শিশাচাবিষ্ট জনস্থাতে অসম্ভন্নতা অসুস্তব করিব, ভাগা শো করিনা কিনা মায়ার ष्टानकत अङ्गा क्षीयानी मक स्मानि अभव করিতেই সমহিত ভালবাসি।

> ভূতাবিটের স্থান না. গ্রেম্ব আমরাও 'নামি ও সামার' এই প্রকার বিশ্বণাহিন मानित वनवहीं स्टेश, एहे अविष्टा ध्रामील সুমাদহকে নিভা বাদস্থলী মনে করিলা, निकटक दी, शुक्त, पूर्व, युद्द , जाञ्चल, । क्रिक, देवण, गुज, मधामा, जकानिः, गुरुष्ट, यान अक, धनी निर्धान, कुनात, कुनी ইতা বি অধির সংজ্ঞার সংক্রিত করিতেছি। অনের এটেরক অবুচেতন ভীর চে, স্বাধ পোচ নিষয় উত্তম লগতে বুজাজীয়া লোপুলা আলোসের সাল্লালয় "আলোক এই বিশুদ্ধ ওস্থ ভ্রমিভট বিভেশ্মী এবলা মারার কুমারকে তা জগন্ধি এতার কুক্ষালর অভিনত-বেদ্ধী বাগালতা হট্যা ভাষার ক্রাট বর্ন ক্রিটেটন, স্করিজভার আছে পালনাধে বছ পি টেয়া সংখ্যান स्रम्भारतात दिवार किप्त्रे दर्गन कारान नात्रे ६ दिक्ष । चिनामिकसंभएन छाराउ ६३।। यथन स्य ८७१न क्या शहर कतिराष्ट्रीयः, उत्तरम সেই হানকেই 'আমার দেশ' গলিতে গ্র অসংব করিতেছি। প্রাপঞ্চয়ের । কমাত্র মতে তথ নিতাৰ শ্ৰীমহা প্ৰসাদে একবিন্দুৰ : क्री दिकान ना करिया क्राविश क्रिकेश नाना द्याक्रफ गगार्थ (बां स्थातनम इहेत स्था ानरक पुरु श्रेटिक पुरुष्टत कतिरप्रक्रिश क्ररफेटन निवरम्य ट्रामश्राक्राक्राके मार्थाः পিশাইর করাল কবলে পভিত হইয়া ্ৰাম্যা কথনও অৰ্গে,কখনও নবকে, কখনও বা এট ভূডৰে ক্লেপপ্ৰদ নানা বেহ বাভ করিয়া অবর্ণনীৰ যাতনা প্রাপ্ত হইতেছি।

ক্রনাপিশাতীর বিশ্বত স্কৃতির ভৃত্তি 🚶 বিধানের ভক্ত জনাধিকাল ধাবৎ আমরা কতই ন যায় ক্ষিলাম, কিন্তু প্রাণগাত যত্তে আনেশ প্রেম করিয়াও কি ভাষার কানপিপাধার শান্তি হইল 🏾

दात्र! आभारमञ्ज्य कि कांबर्ड्सनात्र করে। ভূতপ্রান্তর সমূদর কানিকসাপেই ক্ষমণ্ড বোনিছে পরিনামণ করিবাও কি ভাষার বিক্লভ আয়ুত অহানের পান্তির হৈতেছ ছাগ্রাড ছটবে না ? ইথাপেকা পাংরা,বার। এনন কি, 'সে এক', ভাষ্ট। আক্রের ঘটনা আর কি ছইতে পারে হু ক্ষিত্রাসা করিলে পর্যন্ত আপর কোন মৃত ্রিবে ক্ষান্ত্রা ক্রমণায়ত ব্রহ্মতক্রের

"কাৰানীৰাঃ কভি ৰু ফভিধা পালিছা नाष्ट्राप्टर नेवन्बिखाबाहारः नवनमञ्जर मार निष्जानेयामारक ॥"

হ্ববিজ্ঞ ওবা থেরণ সৃতাবিষ্ট ব্যক্তিকে পরীকা করিয়া নানাধিধ মহাদি ইেয়েপ ঘারা পিশাচন্ত্র করেন, তক্রণ সামাহত আৰ্ত্ত কীবনুগকে মানালিশানীয় বিষ্ঠ ক্ষরল চইতে উদার করিয়া, জীবের নিতাপভাষ-বর্ণ প্রায়েক প্রাথিটিত করিবার নিমিত, পরম দর্মিয় ভীত্ত ভীব্যাক্তর সদ্ভররপে ফগতে আনিভুত হইরাছেন ঃ আমরা যদি সভাসভাই মাধাণাসম্বের লৌছ-নিগড় হটতে মুক্ত হইবার প্রথম বাঁমনা লইয়া তথীয় কে:টিচক্রত্বনীত্র আছম্ চরবারনিবর্গনো শরণাগত হই, ছবে ভাগার অবার ভরণা আমাদিগতে মায়া-দেবীর হতেও মায়াখাল হউতে মুক্ত करिएको कतिएत । कातम, श्रीभद्रश्येमेगीणांड ভাষ্ট্ৰাকে উপদেশভাগে গ্ৰীৰফ মাধাৰত ১৯১ শিখবাৰ্শ কৈ অখন দিয়া কৰিয়াছেন---পদৈনী কোলা তল্মদী ক্ষম কালে প্রকারা। সংযের যে তাপ্রাস স্থান্ত্র**ার ভারতি** তে 🔐 আশাস কলি বীবের নী**ভাপর্য পতিত**-পাবনাবভার অভিসন্তর্মন প্রীপৌরস্থান্ত সনাত্রশিকার মায়াশিশাচীশ কবল ইইজে মুক্তিবাভের উপা টি অতি সংক্র ভাষায় र निश्चम,---

"চিতানদ রক্ষ হৈছে নিতা ৰহিছুৰি। নিতাসংখ্যার ভূজে ন্যক্তি হ'ব 🛭 সেই নোগে মারাশিশারী দও করে ভারে। আধাৰিকাণিতাপত্ৰত তাৰে আৰি **মাৰে হ** কানজোধের দাস হঞা ভার কালি খার। জনিতে জনিতে যদি সাধু বৈক্ত পায় 🛭 তার উপদেশমন্ত্র শিশাচী শবার। कुषाच्छि श्रीत खरत कृष्ण निक्रों योग हैं।

পুরুতিসংশার প্রাতাত্যিনীগণ, আত জান্তন, আনুধা সকলে সমধ্যেত ইইয়া ক্লফ-ভত্তবিং ভীত্রীশাগুভালনবের 🚨 🗖 পদ-কমলে প্ৰেশয় হ'ই, অভ্ডিন্ন আমরা কোন উপায়েই পিশাচমুক্ত হুইতে পারিব লা !

### **এচার প্রাক্ত**

क्षीरेहरू सगरेत्रेत्र विष्टरम् "खोठात्रकः विम्हियामी है। एक इकिरिश्यक वामरी महाताक शक्त ००टन दिवनीय मेकीय जन-भारे ७ । अस्टार्य कानीवादीएक स्थिमन्-ৰাগণত পাঠ করিয়াছেন। স্থানীয় সম্প্রন-মঙলীয় আএটে আয়ত তথ্যেকদিন তথ্য लाई, के जन श्रीम

# **শ্রমন্তাগরতম**

<sup>লক্ষ</sup> **উন্নদূহতি : মুকুটে**পায়ন: তথ্যস্তাল-প্রাণিত : মূল, উন্নেন-व्यक्तिहाना-कृष्टा छोर्श्या-विनंद्रज्ञिका। श्रीमम् विन्याश हक्तरही क्षिप्रे कि मार्गार्थमिनि किया, नमाप्रयान, मरहक व्यवस প্রের প্রতিপায় কর্ণাসার, অধ্যায়ের প্রণমে ট্র অধ্যারের সার্থক ত্রবিভুক্ত তাৎপর্যারি নিবুত। বেংকস্করী विवयक्ती, धामगीविवद्यव, शाख ७ शानकृतिमह छेउद **"কিংগালে" উত্তর "কাক্ষ**রে মুক্তিত।" প্রাথম কটতে ১০ন কর **ক্ৰিডি- হাপা প্ৰ**ৰ্গপে পেৰ কইবাজে। ডিফা প্ৰথম '**बॅडिटेफ**ं≱म पद लगाँउ २५।०'०; सलम यक्त ३०८; श्मक वर्ष

#### প্রীক্রীতৈতত্ত্ব চরিতারত

**ट्रियहिक विदर्भाष्ट्राकृत हिल्ल 'बगुण्टावां हाना'** 🖷 শ্রীনীমন্থ কিনিকার সরসভী গোলামী প্রচ্যাদ বিবিভ 'बाह्यकारमा अवि-कण्यामि वद भागाधावान-प्रपालिक इडेशा ब्राकालिए ६६७ (१ ल ) । (तार्रित मात्रवराका, वन्नाध्याम ६ প্রত্যেক পর্যালের পুরার ক্ষিত্র অভিযায় সংযোগিত। स्टिए क मा मा का निर्माल एक कर्ण मा देश कर का का देश के . প্রায়, শক্ত্রের প্রকৃতির হার্ডৰ স্ট্রী ও প্রস্তর্গায়ের ব विश्वक कीवर्ता मस्तिक एके करा व्यक्तरभूका अध्यवन केकान्यत কুরোপি প্রকাশিত হয় সংখ্য উত্তম কাগতে পারিপাটে।র স্থিত ভুল জ্বাসার মূল্যাল মুদ্রিত হইয়াতে। প্রায় See- श्रृष्टांत्र गण्या । क्थिया वर्षमादन स् माळा

#### ELLES SINTE

্ প্রস্থারের শীবনী, প্রতি পরিছেদের কণাসার, বিশুও হৈশীড়ীয় ভাষা, শক্তালী, পরায়ওচী, বিষয়-স্থান পাতারি-সূচী, প্ৰস্তুতি বিবিধ বিন্দ্ৰ সৰ্বলিত বিদ্ধানী বিশীল সংবরণ **क्ष्म क्रीडेन ५ ल्ली आकात। आ**विशीय, ७ ५८ तत विश्वभूष्य देशानिक इर्देशाकिया काम काम दाकानिक इंडेएडरइम । माधिम डिका र होका, वालि मीनात F541 4 1 

#### **अट्रेस्ट्राम्बर**

এট প্রচেয় এরপ অভিনৰ ছুমর সংখ্যার আর কুরাপি अक्षिक इब मार्डे। श्रांष्ठ® (ज्ञानशास्त्र काव, वक्षाध्यान, छाता, कशामात्र, एवा टाफ्टि गर बर व नरव टाकानिक . हरेशारकतः मून त्यांका अकटत उत्त खाउँन व्यक्टिमधी अध्यक्षिति द्रांता व्हेबारक । भूना २०० हेकिं। संवीध ब्यक्राम ७ त्थीकीरम्बं आहुकभरणब् भरक आ॰ हाका ।

े**ं क्षित्र के अंतर कि अपने विकास के अपने कि अपने कि** ্ৰভাৰতিক্তৰ ভাগপ্ৰীক্তিকতি বিলোম কাত্ৰৰ-অশীত 'মণিক-क्ष्मा भागक काराकावानदिका । क्याप्रस्की, बाकुकाजरम (माक: एठी, विस्त- एठीं क्षेत्र के प्रिका की भन्ने क व्यवकारिका भि बह-आक्ष्माविष्यान्य के के विश्वति विश्वति अध्यान-प्रदे याच अश्यद्धात्म किया २ केलि साथ, गापामण गायस्य-->॥• क्षाचा माख।

# ঞ্জীল প্রভূপাদের বক্তভাবলী

ও বিষ্ণুপায় জীতীমন্তজিনিভাপ্নরমতী গোষামী মহারাজের বেই অবিভা নিধানি धीनाचकारभारपाधिनी कका-कांक (मनामासिनी कोनस-दार्शन भूक-विश्वह---रेक्कवरिकार्य तकुमानात रकोस्वध्यनि---मच्छानाः ेव जेन निकास नारत्व त्यों शिक कथा—-भणावि ६ काम-एड व সময় প্ৰজ-মহাজ্ঞা-ছীৰ নচ্ বিত-শিশ ক - চি বিশংস্চিমাত্ৰ **্রিভিন্ন, তথা ও বিশ্বত্যানিস্কা। প্রতি হলে**র আদিতে পিচিয়াত-বিচায়ক— ঐখন্য তাম ধুণারনের মৌশিক গ্রেণ্যার বিশ্বতা নংলতগন-প্রণালী ও অইকালীয় নীলা--- সহন্ধ, অভিশেষ ও প্রায়েখন ভাষের নিজার সমূত।

> े। द्वाराज्य व्यक्ति—दिकावस्थान, हो धन उन्, काश-দক্ষ, শ্রীনধরাবিভাব, খাধাবভাননা, পাঞ্চরাতিকী দীকা 9 वर्ग विष्टात, कामा क्षे ७ म्याप्त हैं। है। है। इस्तान क ভাষার শিক্ষা, অপ্রারত সম্বন্ধর্ম ও প্রারত সম্প্রশা, আছুতি বিশ্পতি সংগ্যক স্বত্তে প্রশোডিত। ভিজা মাজ ভাতি ক্ষুতি পুরাণ-গ্রহণাতাদি সাম্বত-শাস্মান্থের আমাণাবশী ५० यात याता ।

১। দ্বিস্টীত্র হাও - কমাও দিলা ওচিত্র মন্তব্যের বেইড়া কেপেয়ে, অন্যানে নিভাবলি, জীগর স্থামিপার ও माश्राकाम, क्षीरचीत-चित्राचन लग्न, किररात धर्म 'अ अमा-कीर्खन, श्रीवामभूकात के काला रहा के हुन, श्रीरशीत-নামের মহিমা, মহাপ্রনাদ, তিলাবিদ, তীক্রপাঞ্জলভবন-পণ, উন্নতী দুৰ্ভাষ্ট্ৰালিনী, স্থাতিভাৱে সংগ্ৰেপকস্থা ও ক্লফ্লস্কীন্ডন--১৯৯শ খণ্ডা মধুরিমাপ্ণ-ব পুতা-বিভূমিত। किका .. जक है का माजा

প্রথম ও বিতীয়-ভুট পর একরে লাইলে ভিন্না ১৪০ (राज् ऐरका, अंक ध्वा घटा ।

#### **अध्यक्षत्रमाम** शिष्टा

रको देश देशभवतामानिक त्यवत है। क्रिम्स करनव विका ভ্যানক ভাষ্যাত শ্রীনার কিবিন্যার সাক্রের প্রাক্সক বল-ভাষায় বিভাত 'বিষয়ব্যনা নামক ভাতাগুকা। অবা'য়-ক্ষ্যী, বিষয়ক্ষ্যী, ও এতি রেকের এথম ও ছতীয পাদ ক্টা, ভাতকালের ফীৰনী প্রাকৃতি স্থাগিত। किर्केट केल्कि, लाक्याक्रतम (इंडीय मान्द्रमः) काल्य जिल्ली २८ वे.क्टा

#### ্রমেয়র ছাবলী

्रियामात्र विष्यास्थान-धारीक दिक्तवननीन, मनाई अ रवाविम-छाग्रामि शास्त्रात टावम शहः स्टेस्टे कालट ছাপা। স্থ্রিপুত টকো ও গ্রাপ্সবদাহ্বার-গাহাংগে অতি সহজে বালকেরও ভোরগন্য হইন। পাকে। ভিকা 100 काला माद्र ।

#### শ্রীননতী পথা মহাছাত্রা

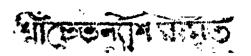
( প্রমোধপ ও ) সামুবলে। জাতি-শ্বভাতি একে জীনব-कीरनात रम महिमा काँदिए कारफ, काकात मूल मरक्ष्य क অমুধ্যে। ভিকাত শানা।

#### क्रिजिन्द्री शक्षा विख्या है

প্রীঠাকুর ভাজিবিনোদ শিখিত। প্রান্ত গীতাকারে পরিত্রনার জন্তব্যাদি বিষ্ণক। চিক্ষা। আনা।

#### ভাজিরতাকর ও মংশীপ পরিক্রমা

ীল মরহার চত্রবর্তি-গারুর রচিত। ভাতিরভাকন 'ছটুড়ে' পঞ্জিমাংশ মাজ গুলাড; আজীৰ গোৰামী (ক প্রকারে শ্রীনখরীপথানের পরিজ্ঞান করিরাছিলেন, তাহাই: পছে বিবৃত। ভিক্ষা 🗸 • খানা



**क्षेत्र ७ लिविरमान हो दूब दागै छ। इंशांट जीरे**ए राखन भिक्षा अवासी—क्रम् : क्रम्मिक ७ स्थ--विक ७ मृः श्रीत---অভিডঃ ক্রেণ্ডেন ভয়-সানন-মিণ্যু-ক্রেয়োক্স-ভয়, কর্ম্ব-কাও, আংমানির বিচার-বৈতী ভক্তি ভারত্তি 🐿 পরিচয়ানি তাপম শিক্ষাপীর উপ্যেশ্য করিয়া সরল ভাষার স্মুদ্র ্ ক্রিপ্রান্সত বিভিন্ন আতে ৷ চতুর্থ স করণ স্বাধা २८ हे१का, अ.स.स. ३५० है(का गार्स)

#### নে ভিন্ন কণ্ঠখার

िट्रा ीय ट्रेन्फ्रवयट्यं चार्यक्ष कर्षे भौतगट्याभा निर्देशकाशकारम भाषाताल खालाका वकेनल देशमन-াদ্ধান্ত্র স্বেন্স্রয় সভা কুরাণি একাশিত হয় নাই। इंशास्त्र क्षण्डम् -- जागवज--- देवकव - १० ति - निर्देशनम्--भटेन्ड—क्रम—महि — अधददन —कोव भिरु ४: एडम 'टिम' -- अिट्रा--गामनलिं--वर्ग या- अ श्रम न्या- ७५ वास --- शामाजन s खामान उपक्षि भूषक् अन्ताद ল্যায় ব্যেকানি স্টান্ত উক্তেই ভটিক কাগেৰে ভাল बुक कि कि पुंड है, के क्रिके ती । शिलात करन सम वाषा । इंड लाइ हर प्रायमण्या किया र हिका सामा

#### क्षित्रवाष्ट्रीश्रमाञ्च कानसी

্ৰীমণ্ডভিবিলোৰ ঠাড়ৰ বড়িত 'বামমালায়া—াম-भारत्यात्र माह्याम अनाम थाय-शिव नतक्ति । यसी সাকুনের হাম প্রিক্রমাণে - মিদাম নবহাপ পরিক্রা - তীখন वाका अवर्षाच---विषय द्वारतातान का भवर्षानस्यम्---শ্রীমছন্তিবিনোদ ঠাবুরের বীনবর্মাণ ভাষতরত্ব এছতি গ্ৰহ একত্ৰ জিলা ৮০ আলা মতে।

#### এছিহিনামায়ত ন্যাকরণ

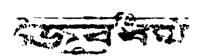
শুলীৰ গোষানী প্ৰভূপান নিমটিত সূত্ৰ ও বুজি, ত্তালে ভবিকুলাদ ীমছজিনিছাত সরস্থী গোলাখা মহারাজের বিভার ভূমিকা ও ঘটী এভূতি সহ। অপ্রত্যাশিক্তভাবে অ্লভ। ভিকা ২ টাকা, ছাত্রগণের পক্ষে ১।।• উক্তি মাত্র।

#### বেদায়তব্যার

खिनसामाञ्चा हापा-अांहरू। दननारञ्ज विनिद्धारेश्वनाथ-अहरतक शिलाय-अस्पर काठामा श्रेषेत्र (ननाष्ट्राम शास्त्रेत केलार हो कहानाथ छहे फेक्टम कर्तिकारणना हेंदाहर्फ वश्राप्तर । । एजिएकानि मध्यालिक कता दहेगाछ गाम मार्थ किया ॥ व्याना ।

#### **ই..১ৈডভাচনামুভ ও নংগীপশত**ক

পোরপারণ ভিদ্বতী জীমং প্রপোধানন সরস্থানী প্রতিত মূল, প্রায়ুপান শ্রীমন ভাতি নিমান্ত ন্যাস্থ টা পোসামী মহাবাদ্য मुक्तांकिक कावसमूद्य साथा। अ सम्बद्धान मर्थानाः। भवसीलशाहरकत श्रीकांश्वरिकाम रेड्डिन १ / प्रतिम क एक्स्स टीमग्रहाटाः । एक्स जित्रत्त्रिक व्यवस्था किसे क्षान बहेबारक। मूलन ए कालक केंद्रके ( मूं ब्राना ্কতে ) ভিকা ৮০ সানা, মতি ইয়ানা বাবাই প্রতিস্থিত্ত ्र केंका बाजा।



শীমগভিবিনাদ হৈছে এথিত। এই একমান প্রথকান্তব্য জান লাভ করিলে পারমার্থিক রাজ্যে কিচুত্তই
অনান বা সংগ্র ঘালিবে না। পরম গৃহ ঘালাবেক ভা
কণ নলন ও বান্তপানী প্রায় এ প্রয়ন্ত নাকালিত হয় নাই।
কৈ হিলোজানি শালাবহে দেল নাজনাতে তই ভাগানত ।
ইপাত চইনাতেন। প্রায়েশ হ্রিছ ও স্তা, কথাসার
ইপ্যালি ছালা লিশেষ সম্ভ করা চইলাতে। বিরাট গ্রন্থ,
লোক্ত লাম লেখা, উইক্কেইবিনান্—চতুর্থ সংকরণ
ভিক্ষা ২ টাকা নাজ।

#### প্রেন্থির

শীনবছাপ্রাক্ত অন্তর্জ প্রান শীন জ্বানান্দ গ্রে বির্মিত । এই পুথকে ক্ষতি প্রবেশ্য ভাষার মহাপ্রের ক্ষতিপর গাঁলাসহ বৈক্তবা বে, একাদার ও নামভলন প্রবাসী গুড়েছি অনেক বৈক্তবভারের ন্যম্মণের প্রেলি: গাইবেন । পান্টীকার তক্ত হাবের বিশ্বাম ও গ্রেক্তাশ প্রিক্তিবিন্দ্রেলিত চতুর্য সংক্রম ভিন্যান্ত

#### एकवर्षण

ভানকাণীর নিভাগজী; ঠাবুর ভজিবিলোলের অনুষ্যা কান; নিবিল গালের নিধ্যালে। একখানি নাবেগা প্যায় কেন্দ্রবিভাগেরিকে নাবে কাইয়ি সংকরণ ভিম্মানে।

#### হ*িলাস* **চন্তামণি**

নমি চার্য্য শ্রীপ হণি গগে সাকুরের মূপে শ্রীনকহাপ্রায় শীনাম-সাহতে তভাগে, নামাপরাধ আঙ্চি বিশ্বেদ ধার্যানীয় বিচার । কিনিয়ানি বেন। এই বিভাগ গুলির জাতি সর্বা প্রত্যানে চার্যানি আশ্রমহ প্রিপাটিভাবে মুলিত। শ্রীক ভিতিতিনার সাক্ষিত । প্রধান সংক্ষরণ ভিত্য ১০

#### कराउद्गिकश्रहा

শ্রীমন কিবিনোর হারের রভিত। প্রত্যেক ভাবেদবিভাগী ও জানপথের গ্রিকের একান্ত প্রয়েক্তনীয়
উপদেশ প্রশীপুর্ব হীতি প্রস্তা। সামান্ত বেখা জা জানা
কোনেও এই ভলন্তালোর গ্রিসমূলের খারা জনগ্রিকৃতি।
ও ভব্সন্দেরা লাভ করিবার স্থবিন পাইনেন। বহু
সংক্ষরা, ভিতা ৴১০ আনা মান্ত।

#### मज्ञपाग जि

শ্রীমাছস্থিতি লেগে হাত্র হাত্ত। ভগ্রতন আগ্রসমর্পন, প্রিক্তবি, ভ্রমনগ্রসা, মড়্বিস শর্ণাপতি ও নিজি-শাল্যা-বিশ্বক গতিপুণ, ১৮.১ শ সানা মতে।

#### र्व असी

শ্রীষ্ঠাকুর ভটি নিলোল এ নত। নিভা কেলন আরাজিক জ প্রেন্থ-বোৰনারি বিজ্ঞক সর্ব ও চন্ত এককে এপিত। ভিকাস • আনা মাধ্য

#### **শ্রীনয় ভকর চা**ং

্ধনিকেত্রমুক্তমোলি জীননিখনাপ চক্রণটা ঠালুর-বিরচিত সমগ্রস্থ। শীনজড়িবনোদ ঠাকুনের অস্থবাদ-শং। ভিক্ষা। আনা যাজ।

# श्रीभनश्री;

শীমন্থান্তানর শিক্ষা ও শীল রখুনাথ দাস পোস্থানীর আঠি শীকণ গোস্থানীর উপদেশনাথী, ওজিপথের অনুকৃষ ও গাতিকুল বিষয়ে স্বিচারিত সম্মোদন ভাগ্য, বিশ্বত বিষুতি, চরিত্যাতের শ্রেমান, সাহর ব্যাথান ও মধান্তান-শ্রেড তলপ্রোগা গাত্রমূল গ্রেম্য শ্রেম্য গ্রেম্য স্ক্রিস স্রিবেশিত ইইন্ছে। তা সংক্রেগ ভিজা ৮০ কালা।

#### স্প্ৰ-কণ

ীরখুনাথ দাস গোক্ষমীয়ে মনংশিক্ষা, জীল থাকুর ভতি-বিনেধ্য-চরিত প্রাক্ষালয়ত। ভিকা সংখ্যান ।

#### (अगर्धा अग्र सिका

ন্ত্রীল স্বাহ্ন মলোহমের স্থানিক বৈপ্রমন্ত্রিকিক প্রানের প্রক। ভিকাসি কানা মাত্র।

#### ন্ত্ৰীপণ্ডক

ট , সাল্ল ভিডি বিলোধ-রচিত **শ্রীণ প্রবোধান**ল স্থস্থানীপ্রবিদ্ধান হ'ছ নব্দীপ্শত্বের স্থানিত প্রা**ন্থ্যাদ !** ভিজা ৴৽ সালা মাজ।

#### অর্থপঞ্চক

্রীল লোখাচাগ্য রভিত। বৈক্ষবতা-আনের আকর পুতক। ডিফা৴• জানা মত্তে।

#### সদ চে হেম্মন্ডি

িল মধ্যেত লে এগিছ। বৈভবেৰ নিভাকৰ্মাদি সদাহারা-বহী, এহাছে দে সহিত। ভিকা ৴৽ জনা মাত্র।

#### श्राणः छत्री

ক্রিকুলকেশর আমরতোগণাচার্তিত। জীনক্ষর।
১০০০ সংগ্রিক জীবন্দ্রা ও মূল বৈ চন্দ্রমত। সামুবার
১০০০ বালা মাজ।

#### दशीत इध्यक्षामग्र

এন নি বাবি নিধোবিক দেব প্রাণীত **উটো**রাবভারের প্রমানাগনন বাবিত সংগ্রভারত । ভিকা**দ- আনা।** 

#### মুক্তিমল্লিক। ( তুপদৌরভ)

বীসধ্বণালেলাগভগত শুনানালিরা ল স্থানিকত। বদালেরে সাহাবার এই প্রথের প্রকাশ পরেনার্নিক সাহিত্য-জগতে এই স্বাধারের এই প্রথে প্রানারিক সাহিত্য-জগতে এই স্বাধারের টানির গাছে শুকি ও গৌকিক ভাষাভ্যারে কিন্ধপ স্থানারভাবে ভারিবিরোরি-মান্ধ্যে স্থান করিবারে তাহা পার্ম করিতে করিতে জাশ্চণ্যান্ধির হবতে হয়। ইয়াতে স্কির ভারা লালানি, ইনা, বৌদ, গীনাংসক ও মায়াবানিমত-মানুহের গুলর গণ্ডন বিভাগে। ভিন্মান্ট্রিক মানার।

#### (गायात्री जीव द्रष्माय मात्र

(ওঁ বিকুপান জীল ভকি-সিভার সরস্থী পোরামী
আন্পাদ-লিভিত ভূমিকা মহ) গৌরভার সরপ-রপের
তবমাত্র প্রির্থম জীল দাস গোপানী প্রান্থর স্পুর্প
চীবভান্ত ও শিক্ষা মাতীব প্রায়েশ ও সরল ভাষার সরিষি
বিবাং পরিশিরে দাসগোপানী প্রান্থর বির্বিভ করকটী
সাহবাদ মধুনতম তব ও মনঃশিক্ষা-স্বালিত। ভিকা
বীবাইনা মানা, স্বাবাহাইনে স্পানা মাত্র।

# চিত্ৰে নবদ্বীপ

প্রাচীন নববীপের অবহিতি, তথা, ঐতিহ্ন, শ্রোত ও উতিহানিক প্রমাণপথনিত নরটা খীপের সচিত্র বিষরণ-গ্রন্থ। রাজবি লাভনাহের কুষার প্রীমৃক্ত শল্পনিকু নারারণ রাজন্ম, এ, শেষ্ট (পাহোর), সেলাক্ত্রণ মহোলর কর্তৃত্ব সকলিত একং জংগানি বিভিন্ন মন্ত্রের অপুনি চিত্র ও মান্টিত্র-সমান্ত্রা, প্রাচাবিভাষহার্গর রাজ সাহের প্রীমৃক্ত নগেক নাথ বস্ত বিশ্ববোৰসম্পাদক মহালয়ের বিশ্বত ভূমিকা স্কা উংক্ত (জং) মন্ত্রের বাবাই মৃশ্য ১৪০, ভিং পিঃ ভে ২, টাক মান্ত্রা

#### गामक-कर्भमाला

ভারত্ত লা, বৈভাব-অন্ধনা, বৈভাবশ্রণ, দালালের প্রীত, ত্রীনানগাঁট, প্রীন্মলালের অস্টেল্রেশত নাম, অইবাহর নামকার্তন, শ্রেমধ্বনি, 'বাউল্যালীত, লববীপ-মন্তিং িমাগাপর মহিমা, জীনরোভ্য-প্রভুর অইক আচার্যা-বন্দনা, মতৃণোধামীর অইক, প্রেমভন্দিচন্তিকা, ত্রিপদেশ্যালা, নামভ্যন-প্রাণালী, মহাপ্রভু ও রায় রামানন্দ্র নালা, মামভ্যন-প্রাণালী, মহাপ্রভু ও রায় রামানন্দ্র নালা, মামভ্যন-প্রশানী, মহাপ্রভু ও রায় রামানন্দ্র নালা, মামভান-প্রভুতি লাগক ও সিক্ষীবনের নিত্যপার্যা, বৈশ্ববগাণের কর্তাপ্রিত ভূক্সীমালার ভার মতৃক্ষণ কর্তে ধারণবোগ্য কপুর্যা গ্রহ। তিক্ষা নেতি, বাধাই ৪০ মান্ত হ

#### ८भोकोश-८भोत्रव

ক্ষিকাতার হাঞ্জি আলবার্ট হলে গ্রেডীয়-সন্পাদক শ্রীপাদ অনুরামন প্রতিদ্যাবিমোদ-আনত বস্কৃতার বিষয় প্রথমবাবে গ্রেকালিত। ইংগ্রেড গৌডীর বৈক্ষবদক্ষদায়ের ইতিহাস গ্রেকালে প্রধিত হইনাতে । ডিক্সন ৮/০ মাত্র।

#### গোড়ীয় সাহিত্য

কলিকাতার অপ্রসিদ্ধ আলবাট চলে গোড়ীর-সম্পাদক
শ্রীপার ওলসামন্য পরবিভাবিনাদ্রাত্ব প্রদেশ্ত বকুতার বিধ্য গ্রাসাধের প্রকাশিত। ইকাতে বাকিত্য-শক্ষের অর্থ এবং প্রতিভাবিতার বিষয় স্থাকারে ধর্ণিত হইয়াছে। ডিক্ষা ৮০ কানা মান।

#### শ্রীগোড়ৰওল পরিক্রমা-দর্পণ

শ্রীগোড়বেশের বে সক্ষ কানে সপরিকর শ্রীমন্মহাপ্রস্থ এবং তদক্ষণ পরবাধী মহাজনাগণ লীলা করিয়া গিরাজেন, শেই সাম আধুনিক ভৌগোলিক পরিত্য ও দেববিগ্রহাদিশ্ব পরিচয় সহ যাতারাতের শ্রবিল নির্দেশ ইত্যানি বিষরগুলি স্তিবেশিত আছে। ভিকা। আনা।

#### THE HARMONIST

OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীন ঠাকুর ভিক্তিবিনাদ-প্রতিষ্ঠিত এবং প্রীণ ভবিজ্ গিছারগরবাড়ী গোখানী প্রানুগাদ সম্পাদিত পারমার্থিদ সাগিক পত্র। প্রকাশে ইংরাজী ভাবায় আঠাবিংশ বর্ষে ভবলক্রাউন ৮ পেলী ৪ কর্মা আকংরে প্রভি ছারে ছবি-নামের বিজন-বৈজ্ঞালী সইয়া উপস্থিত হইতেছেন। ভাগজ, মুদ্রণ-পারিপাটা ও চিজাদি অতীব চিকাকর্মন। এই প্রকাশ কর্মা কোন মানিক প্রভাবিতে গেলিতে পাইবেন না। বার্ধিক ক্রিকা ভাকমাঞ্জনসহ ক্রিটাকা মান

**बिट्टक्कार्यः (भाः श्रीमात्राश्व मनीता** 

# বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভক্তিমঠসমূহ

ब्रोटे>एका मह

আকর মইরাজ

बा हीय अनुबील, काक्ष्मण द्येशाय यातालुल, मनीता

প্রিয়ভারে গ্রামীত ভবকে কর্ম ত০ । বছ উত্তব-পূরো শীরজাপন্তকে **আভাবাছত নীচার**-লোগন-সন্মানী শীরিসকল মত নিয়াজনান ।

এই স্থান সাংগ্রহণ নীর্ম পর্যাপক্ষাপীঠ বা সাজত ভজনস্থানী । এই মৃত্যুইর্থে ইছিনিলাধান্ত মন্ত প্রান্থি-শেল লস্মৃত, পর্যাপ্তা অন্তর্গত কাৰা, নাইক, জলানার, তথা
লামা ক্ষিণ্ডিয়ালয় বিশ্বাস্থ্যন হ ভাষ-চত্ত্রতের লাগনন ও অন্যাপনা এবং তথার শ্রীজ্ঞানইনালিয়ালগান্ত কা লাগিনের ও সাজত সাংগ্রাহিক-আচালা-চভূত্র উল্লেখ্য উপাত্ত
বিপ্রতের পালত নেতা সেনির চর্যান্তরেম । এই মঠরাতে পারমার্থিক লৈনিকপ্র সাজতসম্প্রহাণ্ডের অংকাশান্ত ও প্রাচীন প্রস্তরাভি প্রচারকল্প 'ন্দীয়া-প্রজাল' মন্ত্রার 
ক্রাক্তরিছ তারাতের প্রতিব্যান শ্রীলান প্রস্তরাভি কার্যান্তরিল ও অর্থান্ত অন্যান্তরিল
ভীপ্তান প্রচার্থান্ত কর্মান্তর্গান শ্রীলান নিলোলনিধারী প্রস্কারী, পান্তিক শ্রীলান স্বেলান্তরিল
শ্রীক্ষ নিল্লান্ত্রিল স্থানান্ত্রিলান নিলোলনিধারী প্রস্কারী, পান্তিক শ্রীলান প্রস্কারী,
শ্রীকৃষ্ণ নিলিগোলাল সম্পোশান্তর শ্রীলান নিজে বিলোলনিধারী প্রস্কারী প্রান্থ সজ্ঞনান্তর ।
বিশ্বাক্তরালী প্রশান্তর প্রশান্তর বিশ্বাক্তরাল ক্ষিত্র মুল্লান্তরিল ক্রিকেশা নির্মান ক্রিকেশা নির্মান ক্রিকেশা নির্মান ক্রিকেশার বিশ্বাক্তরালী প্রস্কারী প্রস্কারণ বিশ্বাক্তরালী প্রস্কারণ নির্মান্তর ক্রিকেশার্কীন ক্রিকেশার্কীন ক্রিকেশার্কীন ক্রিকেশ্যুক্তর বিশ্বাক্তর বিশ্বাক্তরালী প্রস্কারণ বিশ্বাক্তর বিশ্বাক্তরালী বিশ্বাক্তর বিশ্বাক্তরালী প্রস্কারণ বিশ্বাক্তর বিশ্বাক্তরালী প্রস্কারণ বিশ্বাক্তরালী প্রস্কারণ বিশ্বাক্তর বিশ্বাক্তরালী প্রস্কারণ বিশ্বাক্তর স্থানির স্থান্ত বিশ্বাক্তর বিশ্বা

( ৩ ) ৰোগণীত শ্ৰীমণাত্ৰ

নাদ স্থান প্রীক্ষরাখানতোর ক্ষণন বা শ্রিমান প্রাক্তর ক্ষানির্জান-জ্যা মহাযোগন পাঁঠা। এখানে প্রাক্তরী। পাল ও প্রীবিক্ষা-ক্ষরাগত প্রক্রোরমারাংশ এনং স্টাটেড না ক্ষরিনাগারকের নিজা সেনা দল। প্রাক্তন-গ্রাকন ক্ষরোগত পোলামী ক্ষানিটো প্রাক্ত প্রিয়ান-ক্ষরোগ সহকারী প্রিনিটোটো প্রাক্ত প্রিয়ান-ক্ষরোগ সহকারী প্রিনিটোটোল রক্ষরালী, শ্রীমান্থায় রক্ষরালী। প্রশানন্ধন স্থানন্ধ

### (8) <u>의</u>제기가-백주의

ন্ত্ৰিমপ্তৰাকাজ্ব কৃতিন-বিকাস গা কিলোঁ মহালাম কানজনী ৷ এলানে উল্লিখনোৰ-সিন্তানন্দ ক লক্ষতখোৱা সেবা বঙ্গান।

কৃত্যাক-উল্লেখ্য প্ৰস্থানী, ভিনমুক্ত কৃত্যাকিক ক্ষিত্ৰকুম্বান ব্যাহ্যী।

ं ता प्राप्त श्री भटेबल शक्त करन जन्द समाम प्रश्निक श्री भटेबल शक्त करन जन्द समाम प्रश्निक है

मा (क) काश्रीष जान थि शा है
बाहीन मार्थालुक, कार्यालुक, समीहा)
क्रिलीक्ष्मणार्थक क्रिक्टिक्टाजी प्रधान।
क्रिक्ट क्रिक्टाजी क्रिक्टिक्टाजी क्रिक्टिक्टाजी

#### ( 4 ) WING WAR WIR

श्रीरमास्य प्रस्तानाः ( सनीता ) ब्रह्मारेन सेनिकृताः श्रीन श्रीकारितास्याकृतस्य क्ष्मारि क्षार श्रीरमानसम्बद्ध करेर श्रीसीवाया-स्वस्थान स्मानकार्यान

44, 47, 4¥ )

# १ ৮ श्रीक्षणज्ञाच ८णी हो स सह

রক্ষক——ইবেগ্রর অভিশারী এব, এ, বি, এব, সংকারী—জীউদ্বাধাস ভাতি-শারী, জীউক্তজন আধকারী প্রস্তৃতিঃ

(১) শ্রীগোর-সমাধর-সঠ ঠংগাগটো, সম্প্রগড়, (নম্বান) শ্রীগ বাণীনাথের হাগিন্তিত গোরগ্রশুগর-দেবা। রক্ষণ-শ্রীপ্রকিশিক্ষান আগ্রম।

( ১ • **শ্রিরপংগাড়**) নু-নত্ত হ্যাংগঞ্জ, প্রদাগ ইউ, গুঁও হম্প--- শ্রীক্রিধান ত্রশ্বচারী, শ্রীকুললেধক ত্রশ্বচারী।

#### ( ১: ) औदमाष्ट्रकमञ्जू

মাউগাভি, ভারগাং, গছমান।

শ্রীনামবিদার সাকু বুনাননের হান।

কাক---শ্রীনড়াবিদারী রজনাদী।

(১২) ভাগোরত অব্যান

শ্রীদারত জোদ, কালনার, নদীয়া।
ভাগন - নিছার এইনলী ব্যালনাকর।

সাক্ত---শ্রীনচানক ব্রহ্মারী।

( ১৩ ) জীএকায়ৰ মত টে লণ্ডা, গোলড়ী, ক্লমনগৰ, ধৰীক্ষ। জ্যাক---শ্ৰীপ হ্যানন এমচাৰী।

( ১৪ ) श्रीमास्य द्वाष्ट्रीय सर्वे २०२१ - वाव पूर्व दशक्ता हाका । भूत्रवदम् अधान-दन्छे ,विवादम खीवक-शोवाम गावन्ता-भिविषदम्ब देनमा वस्त्रीय । वस्त्रक-श्रीवामास्य सम्मागी ।

#### ( ১৫) **अस्यानामको सङ** कर्मानुद्रा, हासा ।

्ष्यामाणीत्रं साविक्षणः व्याहीन स्वक कृष्यम् स्वीत्वागरणोक्ष सम्बद्धी । (२) बिटगोड़ी अपर्ठ

্রত বং তানিজ্ঞানায় চক্রবর্ত্তী স্থীট, পোচ বাগবাজার, তানিকার। । টেলিফোন বি. বি. ৫১১৫

নিষম্ভাবিত্ব : ক্রচাতিত স্থানিক। তিন্তাল-গ্রাহালেল লোড্রেল্ডে গরাপ্রথান মণ্ডী তলিভাভাভ শ্রীভাভিবিনার আগনে প্রীমন প্রতিষ্কিত্ব আছেন। এই জন্তু-নভাভাগে প্রিকেল্ডানন আই গণার্থনে নিজা গেবিত কর। গোড়ীয়, আচার্থাপর্বিত বাবভীয় প্রভাবনীয় প্রভাৱেশ্বেশে প্রীমনে সংগত্ত একটা ভবুবৰ মৃত্যালয়ালয় সংভাগিত করাছেন। পুথিবীর সকরে প্রিগোননাম-প্রচারার্থ এই মৃত্যুল্ডর ইউডে 'গোড়ীয়' গালাভিত পরা, কি শুরুল্লিট্ট মানিক গত্রিকা ইংলাজী ভাষার, নির্মিতভাবে প্রভাগিত করাছেন। প্রীমন্তে গাঠ, গরীকান, সংস্কল্পান-চত্ত্র-বের্ডাল, প্রীমন্তালবত, প্রীচৈত্রক-চড়িত্বাবংকিলীলা ও ক্রমনের মান্ত্র আলোচনা ভর্তর বাকে। মঠনকত—আচার্থানিক শ্রীপান ক্রমবির্ভানী বিভাত্ত্বণ । সংকারী—পঞ্জিত শ্রীপান অন্যান্তর বাকে। প্রবিভাত্ত্বণ পর্বিভাত্ত্বণ নিত্র, লীগাব অন্যান্তর সংস্কারী বিল্লা, শ্রীপান কর্মেণাল কার্যানিকারী বিল্লা, শ্রীপান কর্মেণাল কার্যানিকারী, ক্রম্ভানী শ্রীকানক, ব্রহ্নারী শ্রীপান্নীয়োকন, ক্রম্ভানী শ্রীকানক। তলিভান্ত্রী, শ্রীকানক, ব্রহ্নারী শ্রীপান্নীয়োকন, ক্রম্ভানী শ্রীকানক। তলিভান্ত্রী, ক্রম্ভানী শ্রীকানক, ব্রহ্নারী শ্রীপান মনীমন্ত্রক

প্রথানার-পোরাক্ষের নিডা সেব। বন্দক-শ্রীপূর্ণপ্রাক্ষ রাষ্ট্রারী।

#### (১৭: श्रीकाश्यक्षमामक वर्ष

हिक्कारा, बाह्यप्रवृत्त, स्वक्रिकोन्छ। ध्वपादम निक्कारनांशक्रमान् विविधानीव निकारनश बक्कश्रमाः स्वक्रकरू क्षमामी औक्षमबान्धामको। स्वक्षश्रोमश्रमानक

#### (३৮) चावगारशका व्यवशास्त्र

वाष्ट्रीय स्थाः वद्यान ।

শ্রীক্তবোদ্ধাক-শ্রীদাক্ষরিকা গিরিধারীর নিকাশের। দক্ষক-শরমধানী শ্রীবরিক কিলোক।

#### (১৯) जिनुस्रवास्य वर्ड

वर्गकार, गुरी, केडिया : बनारम द्वीरगोर-निरमायमायबद्धीह जिल्हा-स्मना वसमान : सक्क - त्रब्दशरी क्रिनस्मा-सन्य निर्मास्य, अब्हाशी द्वीनदीसम्बर्धः

#### (२०) खीलच-टचोडी इ वर्ड

वाणवहनायः, त्याणिकं ह्याः, यूने । वश्रापादावतः वनवतः स्वरः क्रियःहः क्ष्युं वन्द्रातः। वक्ष्य-त्यक्ताःहो क्षिणहर्भवशे व्यश्नात्वो । स्वयाहो---स्वयादो क्षिश्चित्वित्वाःहो ।

#### (६३) वैयक्तिकातक गर्द

উড়িবাগালাও, কঠক। কথাৰে জীৱক-খোৱাল-বিবোচন্তব-জীয় নিভানেখা বস্তব্যব । বজক---ক্ষান্তবিধানে

#### (२२) जीममाध्य-८श्रोषां वर्ड

ধনং অগজ্ঞানলপুরা, কানী ই পোব-পলালপুত সমাজন-লিক্ষাত্মল : এখানে গোরংসবা সক্তমান । বক্কক---শ্রীকানকীনাথকী ;

(२ %) सिक्का क्रिक्क विश्व सोन्पिरवर्गान प्रत्यः सोपाम क्ष्मापन क स्थ प्रवास-तक्ष-त्याकतकोडः त्यस्य क्ष प्रकार-सोगपाकितास अस्वत्यो

#### (२8) **जीशत्रमस्य यहं** रेनमियानगः, मीकानुक

কথানে প্রিভাগ্যন্ত পারশালা ক প্রিগৌর বিনাদ বিলাগভার দেখা বস্তমান। চক্ষক---রন্মচারী শ্রীনু'নংবানক ক রন্মচারী স্ত্রীনক্ষ্যনার।

#### (२१) ब्रिटेडफ्करगोड़ी म मंड

#### (२७) ब्रामदर्शकोस सह

क्रक्ष्यन, वार्त्यन्त, कनान । कनार्त्व औरशोनविद्याय-वार्थ्य (ध्या व्यक्तान) प्रकण-सम्बद्धानी क्षेत्रयनंत्रस्था । (२.व.) ज्ञास्थनभाष्ट्रा अभूक्षास्थ्य-स्ट

अध्यानामाः त्याः शक्, अवदा

क्यात्म वह कुरुमुखे जोरमाशास्त्र दमस्य वर्षमान । उक्तर----वत्रपानी जोट्यानकुरू-यान, कोतापात्रयन उक्तराती।

(२৮) विश्वा द्याकीत वठ--काव्यावक

२৮ रक्ष श्रावातः निके विक्रो । यक्षक—विगक्षिणाणी क्रिम्हक्षि व्यक्षकः गिति वर्षात्रकः सीमायास्त्रकत्रस्यकः

(२३) क्यात्रामणाकाळणाळाळ उपक-अकात्री बोशनसम्बद्ध

### नार्वेष्ट्रवट्ट देवंडक

विकागीरवात्र महाब्रह्मा 🎾 कृष्यार्गात मबाब भेक ३८६ ८२ नकाल ५३ छात्र समय नामात्र दिन ८३नटन ८००नार्न ,८३न , देन्रीर्न विभक्ति हम । ८३मध्य वस्मार्टित २ सम अफिक्र धरा कर्रान हामनात १९ कर्रान আমির আহমান ভাহাদিগকে অভ্যথনা े केंद्रिन विशेषात्र अधिवासन ଓ मुस्किश अभिर्देश भेर किश्री माठे श्रीमारम श्रम . **4 (16)** दोर्वर সেখানেই তাহারা 😬 অবর্গনি ক্রিভে জাকেন। ঐ একই টেলে एरिक्सिनाति लेवर यिः एम, जान छता-क्षे निमलीय देशी दिशाद्या ।

नीव (उप वाशक्त मक्ष भियनाय পৌছিয়াছেন এবং তিনি গুরুরাট্ট নির্মারণ কমিটার সদত কর্ণেল হাসপার ও অস্তাইের সৃহিত হাটেল নিণিলে অবস্থান ক্সিতিছেন।

ৰুক্তিরাট্ট নির্দারণ কমিটির যে সমস্ত শ্ৰীক সিমলাতে উপস্থিত ছিলেন, বড়গাট তাহাদিগকে লাটগ্রাসাদে অভার্থনা करतन । गर्छ छेरेगिएछन कटाश्व क्रम्छा ७ বৈশ্যের সহিত আলোচনা করেন এবং परे व्याताहमा त्याव इरेप है। बाभी **इहेबो**ছिन। এই बालाठगांत ফলে २% किनिय পतिपूर्व दहेश डेटरे । यह मुख्यत মত এই যে, যানি স্থানীৰ ডেলিগেটগণ व्यक्षक चिक्ता बर्टिकेन, उद्देश कून मार्ट्स বুক্তরীট্র নির্দারণ ক্ষিটির আগামী रेबर्ठकं इंख्रा डेविड ध्वः यात्र धक् मरणत মত এই বে. ক্মিটীর আর একবার মাত্র বৈঠক অগিন্দী বেপ্টেম্বর নালে লভনে হওয়া উচিত। এই শেষোক্ত গলকে শ্মর্থন করিয়া রাম্ম্যুবর্গের প্রক্রইডে ভূপালের ন্বাব ও বিকানীরের মহালালা ৰক্তা দেন। তাহার। আরও দেখান भाषीकी अग्रः स्माल्डेक्य महाम कशिक्ष अधिद्वान क्याहेदात् शक्ताको ।

अन्द्र हेर्। अन्य यात्र नार्ट द्यः श्राकीकी ८मुर्ल्डेयतः सादम् देवस्थ्यतः काव्यानम করিং চাতেন কেন। স্**তব্**তঃ 'ভিনি मदन क्रमा देशे छश्म मान्यामाप्रिक সম্ভাৱে আলেনি স্থান্ত্রপর চইবে 🗀 একংগ वृक्षक्ष बाह्य देश देश देश हैं विश्व के देश है देश हैं कि स्वार्ध के विश्व देश हैं कि स्वार्ध के कि সংখ্যম আগামা নাভকালে অফুটিভ THE PARTY

#### ভাক্ত মধ্যের সহিত্ত পুলিপের जर्षवं

नार्रात 'अ नार्रातनी' दिन्तुरेमत ' एकंपन त्मक काम के के विक्रिका प्राचारन काकाछि क्षितात में डिटारिंड मेरिटेस्ट, अज्ञम भरवाम गाँठेशी (लीमीक महेत्र व्याप भूमिन, क्षेत्रीनिंगरिक भौषेत्राकी स्वति

F.E.F. क्षेत्र नामक क्षेत्र स्तान भारकक 8 - मन कन्द्रहेरण क्या महमा याजा रहेंद्रान । 😘

् तापाइरतत् निकट्डे ध्रेक्शात नामक স্থানে পুলিশেরা আত্মগোপন করিয়াছিল। **फाकाट्डिया व्यागत हर्डेटल्ट्ड (म्थिया** भिः खाकरशान এक वृत्त भारतानरक धतितात চেটা করে। বে তথ্যসাথ এক স্থীর্থ द्याता नाहित कतिया यिः जाक्ट्याम्टक আখাতকরে। ইহাতে তিনি ভরতর মাহত হন। মতংপ্র তাহাকে কঞ হ্লেপাডালে এরের করা হয়। ১১০ মে সম্যায় ভাষ্ট্র মৃত্যু হইয়াছে। ইতার वद्रत्य २८ वर्गाद्वत् ्वनी वय महि।

#### কলেরা ও বসংস্থর প্রবেশপ

भाउ अहे: (म (म मश्चाकः (मातः क्रेक्स)(क्र নেই সপ্তাহে নিম্নিখিত মটি যে লায় কলেরার মুজুমুহুখন এইরুগ বুদ্ধি পাই-

क्षेत्रपुर्वः ১७-১৮, वालीया ५६ २०, युजना २ ) २. अध्यक्षा ४ १. छ। कः ) १ २८, देशमानि इ " २-७१, हिंगु म ११-१७, विभूता ४०-४२, ७३: द्वामा १मि ३१-२१ । নিয়শিবিত কেশাগুলিতে মৃত্যু সংগা दहेतल<sup>की</sup> क्येमिनाइक् : नश्चमाम<sup>े</sup> २३-३৮, टमनिनेशून **३२**/२७, २८ भन्नगरा ६० :६. কলিকাজা ৪৪:৩০ এবং বাখনগঞ্জ ১৩-০ बमरक क्लिकालाक ३४, किश्रुवीय ३७. वक्षप्राटम ১৪, देवमणति १३ क, का छछः, ২৪ গরগণা এবং যশেষর—প্রভাক ट्रिक्शांत्र के, नैंकिंड़ा अन्ध सम्भूत - कारहाक (ल्लाप्र 8, वीत्र हुन, वृश्वितवाम खेवः कृष्ठ-বিহার – প্রভোক কেলায় ৪, মেদিনীপুরে ्र हिका धार त्रांश्यांति टाट्याक ्रक्षभात्र २ ८वः व्यामाग्यताम **य**नि **উ**लनिर्न বেশ, হুগগাঁ ও পুলনা – অভ্যেক কেলায় ভক্তন কবিলা বোক মারা পিরাতে। कशिवाडांत्र ७ वस शिक हैसेक्ट्रायात मात्री शिवरिष्ठ ।

এই সমন্ত কেলার অনিদার প্রতি-(य पूनक यावंदा अवनवन कंत्री धारा-

#### ख्यारबरम एक्न प्रचेत्रभात *रचत*

১৯৩০ জীঠাকের ৯টা মে ভারিপ गाकिमा निष्मारत (हैन हामार्टेश इटेंग (लाटक्क मुकुा घडे।हेनाते अनैताटन यक्ति महत्रम सामक अकंपन प्राप्तिकात्र शाहा-७४: 🗗 राष्ट्रश्च बुख्यः क्राईकः संग्रनातः स्थान कारामराख मध्यिक ब्रहेशाहिन्। U E मःशरमरमञ्ज विकर्ण होही कार्रहे द्य जानीम क्रवाहिन दारे वालीत्नते बार्य दिनात-

विश्वाहरतेत् मस्य कराकते क्यो का করিতেতিল, বে সময় জ্বইভার বিগঞ্জা गशास्त्र कतिहा, इंग्डाहारान्त्र जेलत भरकृत क्यानाहेसारसन पॅट्न छहेजन दम्हारकत स्ट्रा अता।

#### मिनंदर शूनिदमत अलि

মিশরীয় পার্পাদেশেট সদক্ত সংক্রাস্থ निकाष्ट्रम ३६६ टम मकारण व्यक्त ए का किन्द्र हेट। वहेसा ह्याक इराहा अकरम বিশ্য হাজামা হইয়া গিয়াছে ৷ পোনকাল Cतर अध्य ६ Cप्रांका अधिक के अभागात्र প্রতিক্তা ক্ষেত্র ক্রিয়াতে ব্রাচ্ক উল্লেখ্য জনত। ইনি ও বাবেশ্য জাল্মণ कतिशाधिश दनः भरभति भारमद साम्बद ८भाडे उमि ६फ (शहा भिद्रा तावाब उगाहम .रक्ष कडिट॰ ८३%। यतिगाधिणाः **२०८**ण. প্রিশ ওল ভারার ধরা অনেক माभाक तो निजन अस्थाएक नशिक्षा धाकान । या.स्मानम अञ्चल व्यवस्थ छष्ट्रहेस

২ জন বৃটিশ ই.জিনীয়ার ভারণতরকারপ आइल इंडेसाइड निया लाकाना है मिनस मन १६म ६४ माध्या ४०व ८७ । ए १०१६७ उर्द श्याप्त ... का विषय १४० छन आइन्ड **इहेप्र एक विद्या ध्यक्षाल** ।

#### ১৪টি द्रमद्रम कार्शक्तरभद्र मागल।

দিলত ১৮শে প্রটোবর ভারিখে ्राधाद्येश्य (य लक्षका अधिवासम अंदर्भ इस, दबरे अमरत दक्षाके श्रीमरभन्न मार्ट्यन्य किनान जगन्नारमञ्ज मह्मान ध्टेट्ड ५०% एमरबरक अक्षांना सर्वाटक कृष्णितः। शहरतत नाहिता गर्डेडो गात्र दनर ख्याब छारा-पिश्वतः क्रांक्तिः (भग्नः। अके क्षेत्र रमरत्राभन्न भक्त ४३८७ कुमात्रा (भाकाश नाई बार्तां। माहित्र होत्र जामागदर केल गार्ट्स होता निकटक स्मर्थ व्यवहत्तरम्त व्यक्तियान एक भाषका पार्त्तम । माक्रिटहें छ एके दलिया भागभा डिमिमें कर्यान त्य, केंद्र मार्ट्क है সরল বিখালে এই কাস কার্যাছেন চ क्षेत्र भारत्वर्गत्र विश्वत्य क्रुमात्री क्ष्माण वानि शहरकार्ड अक वालीन कक् कविश-(एम। आशीन आह स्केशाइ।

गाङ्गि भूत यूत-इद्यालक ८ठो भन्न नी एक स्मृतिम् श्रमः अवस्थार नम् अदिनुषय हरेटन, दशहे अदिनुषद्वात्र

.शक्तिकारक ब्रोह्मसञ्ज्ञ दह, नाम्ब दिन्दे । अध्ययंत्रा नामक जानकारण 💆 🖼 ्री विटवहरी क्षित्रों हेटल, अम्. त्यम धेरा, खार तम अम देमक. नट ७ व अतियाग इ.स. कतिया हिम्मान छ।: (क स्य नाम ७ छ, छ।: कामहिनान করিয়াছেন। ঘটনার বিধরণে তাঁকাশ গাঞ্গী, ডাঃ প্রভাগত গুলরার, ডাঃ যে টেশপানি প্রোম হউত্তে ক্লেক্স, ভূপেক্সনাথ দত, শ্রীণ্ডা অমরেক্সনাথ वक्षे दिशास साबि हरशेलानाम, जिल्हा देखिया (मदी. ভীগুকা কোভিম্মনী পাছনী প্ৰস্তৃতি **एमप्रमुक्त मरम्बर्ग स्थानम्बर्ग मणाणि** ्रेडाहाभिन्दक अभागीना गताल प्रश्न निश्न व्यारशंक्रम कड़ा 2 FY2 CB-1

> गामामानम् नाम् उन्ही पाननी धाननीय वानभा इंडेट १ एक ।

#### वालिकात है से अञ्चलका (च डा क्य निक्रम्स कि छ। कि

करेड़े सामन्त्री कारणाच्या विभाग होता ালিকার উলির আনচাডেনের করিবার টুবে অভিযোগে গ্রেমারীটার প্রাবেটার उक, छि, ध्विडांसरक स्वयुद्धत किया महाभिद्देष्ठे छात्र सरमत संश्रम कोबामदक्षाः मिडिए शहसमा। उद्देश शहरमध्यक्ष विश्रदक्ष 🥻 कार्टर कार्टेड जर्म्माल क्षेत्र क्रमा अकेमाद्वक । বিচারপাতি সাপীক মতাুদ করিয়াভেন।

#### চুরির সাহের ভাষতো অভিযুক্ত

कारणता दशरत वित्ता क्राव्यति स्था লালে লালেনি উপ. এক বাংলা ভাতার আমাতা সাল্যাত্র ডিম্মটা বস্থা মইলা আনির। ভগরে পাকিতে চরে। শার্কী क्राक्षण गरत कल्लिक्टाम **१**६८७ 'क्रा अञ्चल द्वारक्षणां भरतः। ८५१दत्र ७(५४४) CE अ: गाव (म अप्टिशिता भवाद्र । कशिवादह **इ टे**ंक्स लक्ष चंदर व्यवहात्राधिक साहै। भारती कारणकाल भारत (अलाही ब फशामा श्रमयाना बाहिस केशिश क्रिश উনুষেড়িয়ার বাটী হইছে কিছু কি নিংপ্তা বাতির করে ও সামাভাবেও গোপার कक्षा कत्र । भागमा छ निरः राष्ट्र ।

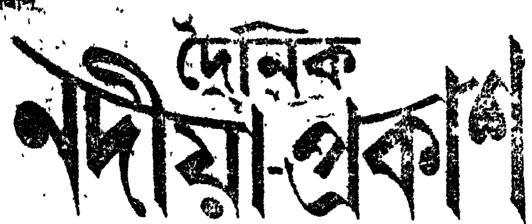
### विश्व किया क्षेत्र क्षेत्र नक्षेत्र क्षिक हर म C##

एश स्टानत प्रिक्ताक भाक्राव निष्ठविद्धागद्यतः <sup>।</sup> श्लीकां পুন্ধে ভালপতা ভাকাপ ধইমা পড়া স্থাপুকে ca नवभम वास्कित्क भूमिन भ्रायात 🔏 कतियादिन काकारमञ्जू भरभा भ्रमुन्द् क्राणिया निवादक । 'अम्मान दय, 'याकी रिटमक्षम कार्द्राव ८५१वेदकक दृश्यम, मार्टेश्यम भूक निकाशकान, भागामहि मात्री सुर Cकांग्रेस् Cकेनद्रमञ्ज्ञ स्ट्रेस्स् √हिंद्विस् वास्त्रीत् प्रति । अक्रम्बाम अक्रियान विकास Calben Coals & reales!

com - marain

Mileston

Milest



मामा द्यान होत व्यक्ति दश्यः । व्यक्तिक क् व्यक्तिक क् व्यक्तिक क् भागिक क् व्यक्तिक क्

काकरामक अवदात क्रका-दाताक-अध्येता क्रिकाच क्रमाट मूम्पाट

७वं ४७ ]

সম্পাদক— জ্রীজভীক্রনাথ কল্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচস্পতি

ि ७१म मश्या।

জ্ঞাতৈতস্থামট জ্ঞান মারাপুর- এই জ্যাষ্ট ব্রহস্পতিলার ১০০৮, ১১শে মে ১৯০১

# নানা কথা

कालिगदश क्रम्यका

গত ১৩ই যে গ্ৰা ৭টার সমন কালী-ল রোয়ারীতলা হলে জীবুজ আবাত্ত আ ল তৌধুমীর সভাপতিতে এক ভনসভা ইমাডিল।

শ্রীরক পোশের্জনার মুখেপো চার বীঃ ফলপুর মহমান,সভারতীদলের শ্রীরকা হিন্তা ক্ষেত্রসকলা শ্রীয়ক চ্ তালোপাল ন্যোপাশ্যারের পরী দেশের বস্তমান আনৈতিক অবস্থা বস্তমান কর্মণক্তি বাং মাজানপ্রধা ও ধনী-সরিজ সম্ভা হিলোচনা করিয়া ব্যক্তা দেন।

পরিপেবে কংগ্রেস দভ্য হইবার জন্ত কলকে অনুযোধ করা হয়। সভার যি সহজাবিক পুরুষ এবং হই শভাবিক হিলা উপভিত ভিলেন।

्रकामपूर्व जक्र नवाड

क्षानगृत आरंग कार्डकार्य वृत्ततत्र । जंकी कार्ड मकाम जानव किताहिण। ।शास त्य मकान मिटक म्यांन पृत्केत्र ।रकः। मानीत व देकि मना। वाड विद्वानगृत्तेत्र नामा देवेट गरित वरे-।रकः। भारतत्र भाका मकान मिटकः। मानीता या जानाव-यान किन्नूरे मारे।

# নৈনিভালে শ্রীযুত গান্ধী

বগুডার পথে স্থাবচন্দ্রে সম্বর্জন।

# রেঙ্গুণে বাঙ্গালীর কারাদণ্ড

মহ ত্মার প্রাণ্ডি যুক্তরাজ্যে সহায়ভূতি বিব ও উত্তরবক্ষে দভিক

- ওজোয়ান ভারতসভা সম্মেলন

# জুড়ানপুরে অদ্ভুত সন্তান

পটের পীড়ায় আত্মহত্যা

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

भोजाक ४८०

भाव 🕉 । जाकिटकडे भागिदिलके वृक्तभादहे भागित वत्र ।

ম্যানেকার- এছবিভাগ

**এটেডভ**ল্মত, পো: জীমারাপুর, নদীরা।

विश्वरक छाक्रदेश अक्यादेश ग्रंत कामानी श्रांश कदेश जिल्लाकित । यह जम्मादक दक्ष्याम (वर्षमान) श्रांनत जात्मत्र अस स्टन कामास श्र्विश कर्क्त १७ स्टेशाइ ।

#### দিগতে ভাড়াইয়া এক্ষাইল গ্রে কামারী ফিউমিলিপ্যাল একাডেনীর পুরক্ষার পর্যায় লইয়া নিয়াভিল। এই সম্পর্কে বিভর্গী লভা

গত ১৭ই বে কুণ্ডনা মিউনিসিল্যাল একাডেনীয় খার্থিক পুয়কার বিতয়নী-সভার অন্তিবেশন হইয়া গিয়াছে। সভার दुर्छियात मा जिल्हा उन्हाल रत काथा क चारु व लही लुरुक्षत्र चित्रा काथी। सन्त्रामन काजन।

#### বস্তুজার পথে স্মৃত্যবঢ়জের সম্প্রিয়

ত্রীত প্রভাগ চক্র বিশ্ব বাদ্যালার । বিভিন্ন নে এমণ করিম। আছেছ, স্পিধ-পুৰ ও কুমিলার কংগ্রেদের বিচাৰ निकास्ति कनियादधन। তিনি দীয় ं क॰८ धानद (भानमान मिठेटिया (भागाशान যাভয়ার পথে কেলার কংগ্রেস 🧿 :বুন্দেব অহুরোদে বুমনার এক'দন অংশকা क विश यान । अहे द्यारमञ्ज विक्रिक्षक्षा ক'গ্ৰেগ কম্মীদ্ৰেম মা বে বিৰোধ ছিল, ভাগার চেঠার ভারার মীলাস। হট্না গিয়াছে। দীঘ **আলোচনাব প**ৰ স**ৰু**ল । দল্ট মীমাংশায় সম্মত ১ন। মীমাং**লাগ্ন** স্তভুলি একথানা কাগজে শিশিবঙ कतिया छाः लाक्त (चाव, चीवृक कात्रण)-व्यमाम (होधूती, कोमजी जाम्का क्रोकन আংখন চৌধুবী, শ্রীযুত পুলীন বিভারী খণ্ড, নীরেম্ন নাথ গড়, শ্রীবৃক্তা হেমপ্রভা মছুমদার এবং অন্তান্তের সমূবে উভয় नल्हे चानव करहन।

রাতি ১০০ যিনিটের নম্য মচেশআলণে দীমাংসা হর। হুলা বাবু সেই
ছান ছইছে নোরাগালি মাওবার অভ
সোজা স্টেশনে চলিয়া যান। তথায়
ভাহাকে নিদার আভনক্ষন প্রদান করা
হয়। বিপুক্ত জয়ক্ষনির মধ্যে ডিনি
বিদার এহণ কবেন।

# শ্রীধাম মায় পুরে

# "ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

### त्थाना इहेशार्छ।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অভি যত্ত্বের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যয়ে স্থন্দর বাসন্থানের বন্দোনন্ত হইয়াছে। ভান অভীব আহ্যকর।

> সণিস্তার সংবাদের ভক্ত নিম্নলিখিড ঠিলানা পর লিখুন। প্রেক্টোরী, ভারুব ভক্তিবিলোদ ইন্ট্রিডিউট্ ব্রীচেত্তমত, গোঃ শ্রীমারাপুর, ননীয়া।

## সুবর্ণ স্থযোগ বেশী দিন আর থাকিবে না

- (AR A)--

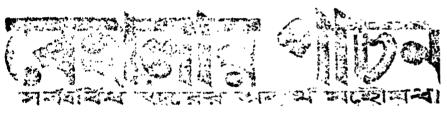
#### আড্ড-নিগ্রহ ঔষগ্লয়ের

৫০ বাৎসরিক আন ন্দোৎসব বা তানণ জুবিলী শেব হইতে আর নিলম্ব নাই।
এই উৎসব শেব হছলেই স্থান আন্তানিত শেক্তি-সঞ্জিবনী বটাকা? পূবেরর
নির্দ্ধানিত ১২, চাক: মুগোন্ধ বিক্রয় হইবে। ৩১শে মে প্যাস্ত উহা
৮, চাকায় পাওয়: ঘাইবে। এই বটাকা এক কথায় বলিতে গেলে নবকীবন দান করিতে সমর্থ। স্থান জুবিলীর কথা উলোপে আজই মনিজ্ঞারে
৮, টাক। পারাইয়া উহার এক কোটা ঘটন। সম্বর হটন। বিলম্বে
নির্দ্ধি হইটাকা জুন হইতে ১২ টাকা মুগো বিক্রয় হইবে।

ख्यां **अक्टान**्य - जा उद्य-निवाद क्षेत्रशाहरू ।

२ ३८०१ वहनावाद द्वीर, कविनाक्ता

### কাৰরাজ শশিভূষণ কাবিক্ঠাভরণের



সক্ষেত্রতার প্রারণার ক্ষতা ও আং শিশিতে মনীকৃত অবস্থার ছেটেনে। স্থার সমপ্রিমাণ উন্ধ অংশে পাঠান হয়, ইহাতে উন্দেশ্য কোন প্রিবর্জন করা এর নাই। মুলা প্রাক্তি বিশিয়ত আনো, শীহেট তিনি আনা, সোভল ১০/০ আনা।

অফিস ১১৯২ উল্লাভান্ধা লোড, পোঃ **স্থাম্যালার,**। ক্রিডা

# वंपन्न निष्

বাইকার কর্ম ক নানা কোরে, ইন্তিবন্ধিক প্রান্থ ক্রেমানে ক্রম্পাক, বনংলান, মান্যানের, বুক নান কর্মানে ক্রম্পাক, বনংলান, মান্যানের, বুক নান কর্মানা ক্রম্পাক, বাংলা নাম্যানির ক্রমানা ক্রমান্যাক্রমানা ক্রমানার ক্রমানা ক্রমান্যাক্রমানার ক্রমানার ক্রমানা কর্মানার ক্রমানার নাম্যানার ক্রমানার ক্রমা

## शरेट्यांगिन

=1

### কোৰয়ন্ধি ব্যোগ

ভাঃ এস্, এন্, খোষ বিনা অসে, যাবজনীবনের গ্যারাটি দিরা বৈদ্যাভিক কণাণাজে কৌববুঁছি বোগা আইক্লব্য কবিয়া থাকেন

> টিকানা— ১৮ নং কটন হীট, বছবাজার, জালকাজা।

# যক্ষায় হতাশ হহবেন না

# দৈৰপ্ৰাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

পশন্ত দিলে সম্পূর্ণ আন্তোগ্য

दश्यो द्वाराहे एक कहेरन । अक्षित्र शार्थत वहार (याकहा जान आगाह) नाहित्य निवाद दशकी द्वाराह दशकी दशकी का अपना का अपना व्याप्त आगाहित्य दशकी दशकी का अपना का अपना नाहित्य शाहित्य का विकासिक विद्या का विकासिक विद्या का विकासिक विवाद व्याप्त व्याप्त व्याप्त का विकासिक विवाद व्याप्त व्याप्त

শ্রীক্ষতীশন্তর উতীল, বস্থা-চিলিৎসত, শোঃ নৈকাঠা, বরিবাল। অথবা নির ঠিকানার সাক্ষাৎ করিয়া বিজ্ঞারিত আরিতে পারেন। শ্রীষ্ট রাষগোপাল মন্ত এব্, এ, ক্ষমসগন্ন, নধীরা। শ্রীষ্ট্র করিবল নিংল, ১১৭, বেণিয়াটোনা ব্লীট্, কাটখোলা, কলিকাভাঃ

প্রক্ষালি পরে! অনায় আচুপুর গড চর মান বাবৎ রাজ বস্তার, ভূগিয়া মৃতপ্রার বচনাতিল, ফালকাডার বিজ্ঞ... চিকিৎসক্ষণ ভাগায় ভীবনের আলা ভাগা করিয়া শেব মৃত্বরের জন্ত অংশুলা করিছেছিলেন করি সময় শ্রীক ফিলীলত উদিল মলালয় মান ২০ দিন চিকিৎসা ভাগা সম্পূর্ণ আলোগা করিয়া বিধাকেন। (সাঃ) শ্রীবাল কিলোল ভাগা চৌরুটী (জমিলার গালিয়া) হগ্নীট, নিউ বিজিন। করগোরেশন লারটি ডিগাটনেন্ট, কলিভানা।

# মনোমোহন প্রেস

পূৰ্ব-বাজালায় হুলতে সকলপ্ৰকার হাপার জন্ত বিখ্যাত বৈদ্যোতিক ছোশিলে দিবাগ্বাব্ৰে কাজ চলিতেল্লে বিশ্বত জানিতে হইলে নিদ্ধ ঠিকানায় পত্ৰ লিখুন

> ম্যানেজার—মনোমোহন প্রেস, ১০নং শবাবপুর, ঢাকা।

# মন বাহুৰ বাঁচাইবার উপায়

বনি ও আন্তাণি লাকত মনা মাজৰ বাচাইবার জোল
উমল আ নিছত হল নাই সলা, ভাষালি বালারা লালাবির
আনির্মান্ড উপানে অলানিনিত আজি নাই ভালিরা ভালের
আনির্মান্ড উপানে অলানিনিত আজি নাই ভালিরা ভালের
নার হলা বহিনাকেল এবং নালা প্রাক্তার মেন্চ, প্রামেত
লাকু লাকালা, প্রায়ুবিক চুক্তালা, সভ্যুত্র, চালের, পার্ছাল
লাকালা, প্রায়ুবিক চুক্তালা, সভ্যুত্র, চালের, পার্ছাল
লাকালা, প্রত্যান্য আলানি, ব্যক্ত প্রক্তালেন, আলালানি,
মুক্তবংসা, স্বাক্তালা, খেড প্রক্তালেন, ভালারির
আন্তানিকার অলাসিক ভালার প্রত্তাল নাক্তিকে
আন্তানিকার অলাসিক ভালার প্রত্তাল সাক্তিকে
আনার লাভ সভল প্রমান প্রাম্থানিক বিশ্বালার অলাক্তাল ক্রিয়ালার অলাক্তাল ক্রিয়ালার আলালার আলালার ক্রিয়ালার আলালার ক্রিয়ালার আলালার ক্রিয়ালার আলালার আলালার ক্রিয়ালার আলালার ক্রিয়ালার আলালার ক্রিয়ালার আলালার ক্রিয়ালার আলালার ক্রিয়ালার আলালার আলালার ক্রিয়ালার আলালার আলালার ক্রিয়ালার আলালার ক্রিয়ালার ক্রিয়া

लाग जरमके-

4. 4.75

ডাঃ ডি. ডি, হাজরা।

Bein wie mfaut frieten

#### জ্ঞীভারণগৌরাকৌ জয়তঃ

### क्र विश्व

জনন্ত প্রকার সাধন হজির বংগা প্রথানতঃ চতুর্মী প্রাক্তর জনতাত হৈব প্রথানতঃ চতুর্মী প্রাক্তর হয়। শ্রীমন্ প্রতিষ্ঠানত শ্রীপ্রকার ক্রিক্তর শ্রীমন্ ভারিক উলোধ দেশিকে পাই। শ্রীমোন-ক্রিক উলোধ দেশিকে পাই। শ্রীমোন-ক্রিক উলোধ দেশিকে পাই। শ্রীমোন-ক্রিক উলোধ দেশিকে পাই।

কেবল মনের যাতা মন্ত্রপ হয়।
বৈটকালে জগকটা মননধর্ম হঠাতে
আদি লাভ করেন। কিছু ওট স্পানিত উইলে অপের অপেকা অধিক ফল্যাক কীর্নন ইইরা ধার। কীর্ত্তন হইলে প্রবাধ-ভারীর ও প্রেণোলাভ ঘটে। 'সক্টিন' প্রে মন্ত্রভাবে কীর্ত্তন অর্থাৎ যাহা কীর্ত্তিত ইইলে সম্ভ প্রকার সাধনাজের সাহায়। আবিশ্রক হয় না।

শক্ষের আংশিক কীউন 'সংকীউন'
শক্ষের কালা নতে। ধনি ক্লকের
আংশিক কীউন করিরা ভারের গর্কভালের না ২০, তালা হইলে ক্লককীউনের শক্তিনিবরে সনেকে সন্দিও হই ।
পর্কেন। শ্রী কোর সমাত্ কীউন সকোপরি
ভারত্বক হউন। বিষয়কথার কীউনে
আংশিক ভোগপরা গিদ্ধি হল। অপ্রারত
ভালের শ্রীক্রকাই বিষয়, সেগনে কোন
আক্রতের অবকাশ নাই, ক্লক্রং প্রারতির
ভালিতের অবকাশ নাই, ক্লক্রং প্রারতির
ভালিতের সক্ষা নিহিই শ্রীক্রণস্কী ভানে কভা
ভ্রা ব্যাসিদ্ধির মনে সাক্রী নিশেব নির্নিক
শ্রীকৃত্বকার্টিনে সংগ্রিট ভাল্যই এইছলে
ভালাত ইইবাছে।

আক্রমণার্থীর্থন ভিন্নি মধিন, চিত্ত- অপ্রাক্তত মর্পাণের পরিমার্জনক। বি: উপাইন্ম্পার্থন সভীতন। আজাভিনাক, ফলভোগ ও ফলভাগ----ই আহিল প্রাক্তত আবিলা ভারি। বছলীবের প্রিটিড সম্পূর্ণরূপে আবৃত হইরা আছে। আনন্দরা: আবিল ভিন্তদর্শন হইতে ঐ আন্বর্জনা পরি: স্পান্তমার প্রাক্তমার ভারা আর্বান প্রাক্তমার ভারাক ভারতে সমর্থা। শীরুদ্ধের সামান্ত্রমার ভারতে ক্রিডে ইন্মার্থন ভারতে ক্রিডে ইন্মার বিশ্বমার ভিন্ততে ক্রিডে ইন্মার বিশ্বমার বিশ্বমার স্থানির ক্রমার বিশ্বমার স্থানির ক্রমার বিশ্বমার বিশ্বমার স্থানির ক্রমার স্থানির ক্রমার স্থানির ক্রমার স্থানির ক্রমার স্থানির স্থানির ক্রমার স্থানির স্থানি

बहे गरमात जाणाञ्चम् इहेटन् है है।
निविष्ठ जेत्रनाञ्चस्य मार्गाधामून मार्गाध जात जाननाइक गुक्तालि मरण घरण विनाम-जास का कि कि कि निविष्णम मरणारत्व जाता श्राधित जारना होत गर्यमा गर्व करत्न,

# দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

নৈতাপাঠা বৈক্পবাভাবত

বেগাদি সমন্ত সাহত-শান্তের অর্কতিব ন্যাখ্যাতা সমস্কান্তারতে একুমাত্র স্থলভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

Petu-stalys-4ই জোট হহস্পতিবার-১০২৮

কিন্ত রুদের সমাক্ কীর্ত্তন চইলেই এই সংসালে পাকিয়া ও কুছে জুখতা-হেতু দান-জালার দুধন হটতে নিয়তি লাভ অবসন।

শ্রীক্ষণের সমাক্ কাঁশুন পর্ম মতল পোলা বিভারণ করে। 'শ্রেয় — মতলা; 'কৈরন'—কুমুল, 'চিক্রকা'—জ্যোৎসা, শুনুজ। চল্লোদরে যেরূপ কুমুদের শুনুজ বিকাশ লাভ করে, শ্রীক্রকার্জীগুনে ভক্রাণ অধিল ক্যাপে সম্দিত হয়। অসাভিলান, ক্যা, ও জ্ঞান কল্যাপের উপায় নহে, পরস্ক শ্রিক্ষণেকার্ডনই জাবের পর্ম মকল-বিনাংক।

মৃতক উপনিবদে ছট প্রকার
বিহার কথা আছে। গৌকিকী বিহা ও
পরবিহা। প্রীকৃষ্ণসভীতন গৌকাবে
গৌকিকী বিহাবসূব জীবনসমূপ এবং মুখা
ভাবে পরবিহা বা জগ্রাকত বিহারপ্র
জীবন। প্রীকৃষ্ণসভীতন্ত্রভাবে জীব
কাগতিক বিহার অধ্যার হউতে উল্পুক্
হইনা কৃষ্ণসন্ধ্যান লাভ করেন।
অপ্রাকৃত বিহার লগীভূত ব্যুই শীকৃষ্ণস্থীতন।

প্রিন্থ সহঁ উনই জীবের অগ্রাকত আনন্দ্রান্ত্রের বছনকারী। গও জলাশর স্থান্ত্রান্ত্রের অথও আনন্দ্র ফার্নি ব স্থিত তুসনীয়

ীরক্ষপদ্ধতিন প্রতিপদেই পূর্ণামৃত আসাদন করা। অথাকত রসামাদনে অভাব বা অপূর্ণতা নাই। জ্রীরক্ষপদ্ধীতন হুইতেই সংক্ষণ পূর্ণ নিতা রসামাদন হয়।

অপ্রাক্তর প্রকা মন্তই শীক্ষণকীর্ননে বিশ্বতা লাভ করে এনং প্রাক্তর রাজ্যে দেহ মন ও তদাভানিক আন্তা শীক্ষণকীর্নন কেবল নে নিপ্রসভা লাভ করে, তালা নহে, পরস্ক ভালাদের বিশ্বতা অবশুক্তাবী। উপাদিগ্রস্ক জীব স্থান্ত আন্তান্তার বৈ সকল

ষ্বালনতা লাভ করি ।ছেন, সেই সমস্তই কীন্তনপ্রভাবে বিধোত ১ট । যায়। ভড়ের অভিনিধেশ ছাড়িরা গেলে ক্ষোল্থ জীব সুশীতল ক্ষপাদপর্যেবা লাভ করেন।

শ্রীথীবগোষামিপ্রার শ্রীভাগবতসন্ধর্তের
অক্তরম শ্রীভক্তিমন্দর্ভে ২৭০ সংখ্যার ও
শ্রীমন্তাগবত ৭ম সক্রে ক্রমসন্দর্ভে বিধিয়াভেন,—''মত এব যত্তপালা ভক্তিং কলৌ
কর্তব্যা তদা কীর্ত্তনাগাভক্তিসংযোগেনৈব।"

# র্থা অভিমান

( श्रेषुका धर्मना तनी ) কাগেনি পরাণ, সিংছ অভিনান, জীবন তথা বাঞ্জিল কই <u>?</u> যদিলে জাগিত, চেতনা সভিত, তবে কি আজিও খুনারে রই 🏲 **७५**(न। नंशन, **ভ**ড়িত স্বৰ্ণন, আশার কুহকে লুবন হি:।। ছলমার বাণী, व्यत्नाम शतानी, • द्रतिष्ड् जन्मा भारत्य निया ॥ ককণাসাগর षाहाषा अवज গাহিছে পূর্ণ স্বরাজগাপা। না ভানিত হায়, विधितित ट्याय. ष्यक्ष 5ित्न ना तठन यथा ॥ কশ্বজানকাগ. অকু অভিনাৰ, এখনো ভুলাও মোহন সাজে। চারুবেশ ধরিবু প্রকৃতি হস্পরী, ভুলাইতে আসে সকাল নাথে। **অ**চ্যুক্তবেৰক . . ভকতিপথিক,

ত্ৰেৰ্ছ উছোৰ মানিমু কই ?

्मांह (स्वाहिम्बू) तमें श्रादतपुत, नटह ममजून, धं खान कहे हैं हांबद्ध कर्षाहे, भाष्ट्रेशांत माहिः! ध्वत द्वद्ध स्वद्ध खारमा । वाहिद्य खूनांत्र, वित्र' माधु द्वन, ख्वाद छात्र निक्य कारमा ॥

# দার্জ্জিলং **শৈলে** শ্রীচৈত্তগুরাণী **প্রচার**

শ্রীপাদ কিশোরীমোহন ভজিবাদর বি.এব)
নিদাবের নিদারণ তাপে তাপিত মানব
বথন অভ্যন্ত অধীর হইব। উঠে, তথন কে
শীতনতা ও পান্তিলাহের অভ দার্জিনিং
লৈলে আরোহণ করিচা থাকে। হিমানত
পর্কতে দার্জিলিং একটা সাছাকর অ
শীতন স্থান হওয়ায় বত্লোক সেবানে
ভাপিত প্রাণ শীতন করিবার অভ বহুবাস খীকার করিবার প্রস্কৃতির মনোহারিণী দুর্ভাবদীও মানবগণকে তথার
আরেই করিবা গাকে।

মাদৃশ অভাগার অদৃত্তে দাৰ্কিনিংপর্যনের গৌতাগা ঘটনার কোন আশাই
ভিল না। এই শীনিববৈদ্বরাজ্যতার পাত্ররাজপ্রর ও বিশুপান প্রীপ্রীমন্ত্রিনিজান্ত সরস্বতী গোস্বাদী মহারাজ তথার
গিয়াছেন এবং প্রীচৈত্রভ্বানি আচার
ক্রিতেছেন শুনিরা এই স্বর্ণ স্থবোধে
গত ১০।৫।০১ ভারিখে ভাহার শীচাণাভিকে
উপ্রিত হই।

ক্ষেক দিবস পূর্মে উক্ত গোষামী
মহারান্দের শ্রীচরণাশ্রিত তিদভিষামী
শ্রীনছকিবিবেক ভারতী সহারাদ্রের
শ্রীচৈতক্রবাণী প্রচারের ক্লে হাজিনিং
বাসী জনেকেই উক্তবাণীর মাহান্মা উপলব্ভি
কলিতে পারিয়াছেন। তৎক্লে ভারারা
আচার্যাপ্রবর শ্রীস প্রকৃপাদের চরপে আকৃত্ত
হইরা ভারার মুখনিংক্ত শ্রীচেতক্রবাণী
শ্রবণের কল্প শিপাসার্ভ ক্টরা ভারার
নিকট যাতাগাত ক্রিতেছেন।

নাজিনিংএ বসবাসের বালা মান্তব বাছিক তাস হইতে নিছতি লাভ করিরা দৈহিক শীতলতা লাভ করিতে পারে, সংশ্বহ নাই। কিছু ঐক্তন নৈহিক তাপ বাতীত ভীবের বে তিন প্রকার তাপ আছে, তাহার হাত হইতে ও ঐ প্রকারে ম্বরাহতি লাভ হর না। এবানেও ত সেই লোক মান্তবের দেহ ও মন নবর। উহানেক বিনাশে বাছিক শীতলভার আর আবভক

इत्र ना, किथा माञ्चिलिः वनवारमञ छेन-বোগিতা থাকে না। দেহ ও মনের অভিরিক্ত জীবাত্মা নামে কথিত যে অবি-ৰৰর, নিতা সনাতন বস্তু আছেন, তাঁহার শাস্তি বা শীতলতা লাভ কিনে হয়, সে नित्क भागान्य कीत्वत कहे जाती लका নাই বা ভাষা অভুসন্ধানের অভু জীবগুণ कातो राख नरहम।

দাক্ষিলিংএর মত স্থানেও ৰখন মাহুয আংগাল্মিক, আধি ভৌতিক ও আনিবৈনিক ভাপত্রের ছারা ভার্জীন্ত, তথ্য কেবল মাত্র দৈহিক তাপ নিবারণের খ্যার ভাষার কৈ সুবিদা হইবে ? তাহারা জড়মুখভোগে धा हरे मुद्ध । अ सक्ष (य, मिहे जाशनकन ছইডে কিরপে মুক্ত হইবে, ভাহার অপ্লক্ষান আদৌ করে না। উত্তরোত্তর তোগের দারা ভাষারা ভোগদ্দিত তাল-সকল খ্রাত অন্যাহতি লাভের কর क्टिशिविलिष्ठे विनियारे यस रहा।

আন অতিমন্তা মহাপুরুষ শ্রীসপ্র পালের डीरेड डमनानी खनान मार्किनिः वत स्मि-বাসিগণ ব্যাতিক পারিয়াকেন যে, কেবল্যাত্র रेमिक ना गानिमक मास्ति या नीजगण শ্বীবের চরম কল্যাণগ্রাদ নহে অথবা কথ্য ও জ্ঞানমার্গের জাত্যুত পুরু আলোচণ করিকেও নিয়গা ভক্তির আলার ব্যত্তি ভতঃ প্রসানেজন্দেত্মুমন্স মাল-এই বাবে খারে কেবলনাম এক্সিলো বিভর্ণের শোক, মোর ও ভাগির হস্ত হইতে পিশাচীর কোলে ॥" এই ভবণোগের উদ্ধারের উপার নাই, ইথাও তাহারা একমাত্র মতৌষ্ধি তারক্ত্রশ্ব প্রীত্রিন্ম ববিলা ধারণা করিঃছিলেন, জাহার। আঞ্চ ' বাহারের প্রকৃতি আছে, ভাঁহারা স্থানা ঞ্জি প্রভুগাদের রূপাত সমাক্ উপলব্ধি বুঝিলা জড়ভোগের হেরতা ও নখরত माखि मांड कतिए इट्टा किस्त निहानस् । इटेएडएइन উপাধ নাই।

याजारमञ्जा कि किए किन्दु। गुन्नी किन्ने उन केन्द्र इंडेग्राह्म, छाडादा मरन मरन और 50% -बार्गाह भगान । अ भइक डेननिक कतिया প্রান্তালের প্রান্তরে আরুট্ট হইতেছেন क्या केर **১**ীক্থামুভ্রানে আয়ার निकामां विवाद : क्रम है २० है है । इहेरह-ছেন। ভোগপ্রত্তির বলে নিজ নিজ শতন্ত্রতার অপশ্রহারফলে জীবের অবেধ ক্রণতির বিষয় জীব নেচবপতা উপনতি **∓রিতে পারে না বশি**ষ⊨হারার প্রতিকাব चार्मकार्भन सम्बन्ध काव एवं मा, क्रिक चक्राकृत्य बी.एउद अक्रल कार्य कार्य क्रिक बनः व्यटेन्क्र्मी क्रुशानिक्रम भूसंक

কাতর হইনা তাহাদের ঐ সমত হংগ ও তাপ নিবারণের অক্ত সদাই সচেট্র। মামা-মুগ্ধ শীব সেই কারুণ্যাবভার আচাগ্যবরের ক্ষণাক্ণার ভক্ত লালাভিত না ছইলেও রুণাবিভরণকারী আভার্যাদেব উাছার व्यम्बनामसम्बद्धात नभवनी ब्रह्मा निन्तिस ७ निक्छ शक्टिक गादवन मा।

'মহাজ্যের স্বভাব এই তারিতে পামর। নিজ কাণ্য নাহি তবু যান পর খব॥"---মহাজনের এই উক্তি অমুযায়ী কর্মণাবারিধি ত্রীল গ্রন্থাদ নিজ প্রয়েজন কিছু না থাকিলেও কই ও অভুবিদা অগ্রাহ্ম করিয়। িতাপত্রিষ্ট ভোগী জীনকলকে তারাদের ভোগপ্রবৃত্তিরূপ নবংকর পথ চইতে উদ্ধার ক ি। শাঘ্র শান্তির শীৰণত। প্রদানের জন্ম বছনানে এই দাজ্জিলিং পাহাতে সমন ব্রিগ্ডিপেন ব্যু ঐসমন্ত ভোগোম্মন্ত জীবকে ভগ্ৰদ্বিশ্বভিক্ষপ ঘোষ মহাধাকণ হইতে উদ্ধার পুথক তাহাদিগকে চেতনের পর্শ্বে প্রতিষ্টিভ ক্যাবার জক্ত প্রবন্ধ কবি রাছেন। বিশ্ববৃদ্ধান্তর একমার ভোকা সভন্ন স্বেড্যানয় শ্রীভগণানের আসন কাড়িয়া শইয়া হুপ্রভিক্তমে জীব স্বয়ং ভোক। সাজিতে গিলা যে ত্রিভাপতা**ত হ**য়, ভাষা সে বৃষ্ধি। উঠিতে পারে মা।

ঐটেচতপ্রাণী গপ অমৃতের পদব। । জীমন্তাগবতের ''আর্ভ কুল্ডেন পাল পদং ' কুইয়া জীলা প্রানুপান নাজ্জিলংবানিবানের বাণী অন্ত্ৰণায়ী জাবের পতন অবভাজাবা। জভ ববিতেছেন,- 'জীব জাগ, জীব জাগ। অটিচতক্রবাণীর আত্রয় বাজীত জীবের গোরাটাদ বলে। কত নিয়া যাও মান-ব্রিকার্ডেন । উত্তার, ভোগের চরম সীদাকে কীওন করিল উত্তালিগকে অশোক, অভ্য অপবা তানিপথাত ভাগানেই শান্তির উলার ও অমূতের সন্ধান প্রদান ফরিভেছেন। ক্রিতে পারিয়াছেন যে, নিজা, শাখত উপধৃত্তি করিয়া তাঁহার জীচালে আক্র এবং ধর্মার্থকামমোকরূপ বিপ্রায় প্রীপ্রী প্রস্থাদিশলের কোটিলেপুশারণ । চতুরার্থের আর্টীত পঞ্চম পুরুষার্থ ক্রমন। ছায়ার আশ্রয় ব্যতীত জীবের অন্ত ২০০ প্রেমের সন্ধান লাভ করিয়া নিজদিগতে কুতার্থ মনে করিতেছেন।

•गरम्।विद्येष्डांडे **जी**रवज्ञ छन्यक्षः छ । বিতাপভোগের কারণ! 🗐 अध्यादनव বহিরশাশকি মাগানেবীই আলগ্র ভব-कात्रागाद्यत्र अक्सिकी। क्षाप्रवर्ग**्नर** बेकाएडरे मात्राप्तती त्रीक्यत केल शहर **ক্রফোন্থ**ণ করিবার ক্রন্থ জাহাদিগাকে ঐথপ ্রেশে পাতিত করিয়া থাকেন ভাষার আধার এমনই লীলা া, ডিনি ঞাবের ছাথে ছাপিড ছইয়া নিশ্চিম্ভ भाषान ना। ७।३ ७/न আচার্যারপে এই প্রপঞ্চে অবভীর্ণ হইয়া ছবিভবরণী ত্রিকালদলী আচাধাতাব্যালয় জাবকুলকে নিভাগ হইতে মূক্ত করিবার নিশীক্তন নিধ্যাতন, বিভিন্ন প্রথমর ভীবন-

ভাছাদিগকে নিতা শাখত শান্তির শীতল ভারার প্রতিষ্ঠিত করিবার ভক্ত সর্বদাই टाडोबिङ ! इक्शविष्यं एकालागढ कीन-গণের প্রতি কৃষ্ণপ্রেমপ্রদানরপ অহৈত্কী कुभाविकदर्गत अक्रहे अमरमानत्रमगवादिधि বর্তমান ধুগাঢ়ায়া প্রবর জীল গ্রান্থপাদের এই माञ्चितिः सम्बनीता ।

## हाई कि १

( শ্রীপাদ প্রদর্শনসনাতন ভজিলার্থি )

দার্শনিকগণ বলিয়াছেন --- মাহার ভাব ও ভাবনা ,যমন, তাহার সিদ্ধিও ভদর্ভকপ । অন্তরের আকাক্ষা পরিপ্রবের চেটা জীবের সাভাবিক। এই প্রেটার নামই সাধনা, আর সিদ্ধি সাধ্যতেই অনুসমন করে। ভাই ্রাণমেই বুঝিডে চাহিয়ছি -- শামার আন্তবিক ভাৰভাবনাৰ ধারা---আমার কাথ্য কি ? আমি চাই কি ?

कविश्वकानस्तत काकलीकृषान कशना-म्मानकार करिया है। विकासभारतम शदर्यमा शहीनाइ निकासारमाक्टे निष्टात्रह হয়। শিম-কৃতীরের কৃষ্ণিকৃষ্টিরের মনোকারিত निश्वभवादीरिकाव अन्नर्दरमंसनाई हाएटिया मियारहा कारामल्लम् किन्न तिङ्कानत तिकृदिकत कामध्य करत माहै। व्यवदा স্বরাজনের ত্রানিনালে সুন্ধ শির্ষ্টার ও স্ট হয় নাই। তাই বলিতেছেলান, --"ধাননা ভাবনা যভা দিকিউবভি ভাদুনা।" अवयुक्त करिए७६६। भीतस्मत्र अस्ति। हे विकास विकास भागा भागा

আনি চাই কি ?—ভোগ, ভগু ভোগ, অবিয়াম অবাহিত ভোগা ডাপেঞ্চ-উচ্দ্রণসূপ্র, প্রিণামের ভারমা মাই ৷ श्तिनाम नाहे, चाट्ड अनु दर्शनान - राष्ट्र একমাল বর্জমান। বিখেল ছ পানাবিদা, निशीएन निधालन, वाधारवधनात्र निरम्धक শ্বড়াইও না। বিরাট বিশাল ব্রমানকে ব্যাপিল খীর আন্থাকে শ্রমাবিত কব, *(करण (*७:१९१४ मधारम, यां श्रञ्जाद्यनरण ।

वीकाता भतकारण आधार्यान, भत লোকের অন্বভাষক নরক-বিভাষিকার বি-ক্ষা, ভাঁহারা স্বেজ্ঞাচারিভাম্য আস্থা-स्य द्यातीम द्यानुद रम मात्र व्यागानासम्बद्ध विभिन्तिसम्बर्गाणक मानवभः शिकाङ काहारमञ জীবন: তির নিয়ামক। তাঁহাদের আঞ্র भएकप्रमाप् । সৎকর্ম্ম দলে ইংস্কণতে व्याननम्भादतार्, প্রকোরেক স্বর্গপ্রপ উপভোগ। কিন্তু কর্মাফস অনিতা, নশ্বর ও क्षण्याती। भूगाकत्य वातात्र व्यथः ग्रह्म. গর্ভবাদে মংদে,:খডোগ,—আবার সংসারের পরিক্রমণ।

বৈরভোগ পরিগাদহীর আখার্যথ-পরারণ। আয় বৈধভোগ আর্থনীভিপরায় স্বার্থপরার্থের সামঞ্চলাধন ৷ বৈরভোগ-প্রবৃত্তি অনর্থপর আশামরী চিকামার। বৈধ कृत्कि भूगाञ्चर्याश्चिका क्षतिष्ठा, तथन ७ कन-साबी। जाराग महिमाई रेगमह किन खाः है প্রিণ্ডি। প্রাণে উৎস্**র্জন--জাছোৎসর্গ**। भवार्थ, कि भवान्थं, तम विष्ठांत विद्वावर्णक त्यांकन अभन माहे। युविएक किंडी ক্তিভেছি কেবলমাত্র সেই দিংক্লিবিভারী গগন্পবন্বিদারী আত্মভাগের স্বক্ষপতা ---ভাচার মধ্রাণী। যাহার মধ্যামে অবস্থিত প্রভান ভোগের প্রেনাস-আর্থ-প্রতিষ্ঠা — আয়স্ত্রতিতা — ভাগের দর্শদশ্ব। প্রারত বিজ্ঞান ও প্রায়তে দর্শন যথম বিখাণীত বাাপাবের অঞ্চেরতের বিক্তরে অভিযান কৰে, তথনই আমানের জান-পদ্ধ। চৰমে টিঠে। প্ৰাকৃত কালেয় ভাজানীক্ষাৰে কাম্ডা অলাক্ষ্য ব**ন্ধা** कारकाक मर्भरन्त शहाम लाहे । **जावि** ত্বন জানী - জান্যান ইয়াসাবুদাকামী —ভাগৰভদিংহাগনের অধিকারপ্রয়ানী। পরিধাম-- কার্যনিক সিছি সম্বোগ---সায়জ্ঞা-शाधि- निवाकात्र निविकाम-निर्दिशमग्रह ।

ইটক্তত বেথানে অবজ্ঞাত, ওমচক্তি-তত্ত সেখানে প্রকটিত হল না। মানব चकीत माधननकियान ध्यम ज्ञानकामा अस्तिम करते, क्रथम । अकार विकि अनम करें। हैर्द्धा अपने प्रति अपने मानात. নী ভগবানের স্কুণানাডে বঞ্চিত যে। জান্তার एकाश्रयक्रम नाध्येय ५० । विद्याम्येनिवा কণ্টভবিন্দ্র (নদর্শন মাত্র।

পারমাণিকভাট আধাশিকা। পার-মার্থিকতার প্রভালন প্রেমান্ডের অগ্নভূতি নিত্যানদের সংস্থাগ, নড়বিশের দ্বংখ, मातिष्ठाः विवश्याननात्र व्यक्तास्य भिनुष्टि । সেখানে খৈরভাজির প্রজ্বতি নাই i বৈধ ভোগের ইংশ্বর এথএরাস অবছেলিউ---ाशिव शक्षिकाता व्यवस्थिता स्थानीत জান-প্রহেলিকা সম্পূর্ণ বিধার। ভঞ্জি-কাপটোর বিখাসবৈচিত্রের স্থান দেখানে এই। আছে শুধু আছ্মসমর্পণ— নিয়েশ্বে, मक्तकाशास्त्र आयमम्बर्गः वार्ष्यक्रिक-कृश्विवाष्ट्रांत्र माम काम । दम कारमात्रे श्वीक भारतमाणिक क्याट साध, ब्याटक क्रम् কুকেন্দ্রিগুলীতিবাছা —'ক্রেম' বাগুনাম ↓

जारे सानिएडिंह - यात्रि हाई कि ?

এগোড়ীরামটে প্রভুপাদ शक ज्या देशा ३१ र स्म सनियां स ट्या हः काटन ये निकुषान भन्नभहरम अहि-ज्ञानकाठाधानदी अधियम ভिकितिबास मत्रवर्धी भाषाभी महात्राय हास्कियाः ६ हेर् কলিকাডা শ্রীগৌদীম মঠে প্রভাবেশ্রন **क**ियारस्न ।

# গ্রন্থ পরিচয়

## **জিমন্তাগ্ৰত**ম

टीब्ल्यहर्वि कुक्रदेवनामन ८वमनान धारीक भून, क्रीमन-मध्यातामा-क्रष्टा ভारभया-निर्मयविकाः जीनम्नियनाथ ठळनती शिकृत कुछ मात्रार्थनिनि किका, वकाञ्चनान, मानुक व्यव छ व्यक्तिभक्त, छना ७ विवृद्धाविवृक्त । व्यक्ति बस्त्र न जानिए राष्ट्रे फरेबात व्यक्तिनाष्ठ कथागात्र, व्यन्तारप्रत व्यवस्य है। ঋধ্যাধের সারসহ ভ্ৰিকৃত তাৎপ্রামি বিবৃত। প্লোব স্চী বিষয়সূচী, আনাংগিবরণ, পাত্র ও স্থানসূচীনত উত্তম কাগতে উত্তৰ অক্ষরে মুদ্রিত। প্রথম চইতে ১০ম রখ: প্রায় ভালা স্পূর্ণরূপে শেষ হইয়াতে। ভিকা প্রাথম .स्वेटक अग व्यक्त सराध २०१० ; मनम छड ३२८ ; न्त्रदा ४० ।

#### **बिडोट**हरू हरिकास

🐞 🕮 🖺 মহকি নিয়ার সর্বতী গোরনী প্রভূপাদ ছিবিত 'अञ्चल्हाद्वा अधि-४ए। भिन्य भाग्न श्रामान-अवनिष्ट ३ हेवा । क्षाकालिक इटेडाएइम । (१९८कत मध्यताला, वक्राकृतालक) প্রান্তে ক গণালের পুরের স্থানিপ্র অভিনের সংযোগিত। क्षाप्तक व ११४-व्यक्तिष्ठ कर्षणः, १ (त्रह्मा बारह । द्यकि, প্রার, লক, তান, পাত্র প্রান্তির স্বস্থার প্রতি ও প্রথমারের , কিপুত জীৰনী গ্ৰান্ত এইকপ অভ্যুত্ৰপুৰা সংস্থান উভ্যুদ্ধে कृत्यांल क्षकालित रम गाउँ। डिटम काल्यक वार्तिलारहेत गृहिन्छ पुना व्यक्तात भूनारण मृद्धिन क्रेडिशाटक । अप छाड See- शृक्ष्य मानवा । किला प्रकारम क् माला।

#### <u> इतिहास सम्मा</u>शक

अक्रमध्यत्र जीवनी, व्यक्ति भनिरफरमत कमाभाव, विक्षा পৌণীয় ভাগা, শুশস্তী, প্রার্থতী, বিবয়-স্থান পাঞ্জি। क्रही, व्यक्कांक विविध विसंत्र दर्शनिक विकास विक्रीय अध्यक्त ভ্ৰম জ্বাট্টন ৮ পেক্টা 'সাকার। আদিশীলা ও মনোর किश्वरण व्यवस्थित करमारकन । जान क्राम व्यवस्थित क्टरल्डा माधाम किया ६ एका, माध्य मोधाः Family, 1

#### **क्षिट करा वहारा**

ভট প্রান্থের তার পা আভিমৰ শুন্দর সংকরণ আর কুরাণি व्यक्तांमध क्या लाहे। म ४७ (आक्तांस्मत व्यवत, नम्राजनाम. स्था, क्लांभाव, एका शङ्धि गर सर्थ २८७ अवर्शनाः ক্ষমাছেনঃ মূল নোটা সভাৱে ভবন ক্রাউন আচলেনা बुक्काकारक कान्य बहेबारक । कुना २०० विकास असीया क्षाकाम छ द्वीकीरशत्र आदिकशर्यत्र भएक अन् धाका ।

#### জীমন্ত গ্ৰন্থ গাঁড ৷

- शिरभोडीम देशकासका व्यवाका प्रतित्वकृत्मणि **है.बीविधनाथ अवस्थितिकार ('प्रशामित्स' अतिस्थिति प्रकारमधा ७ शैक्षिप्रक्रियरनाम होतुः।** का १६ क्रियन-सक्कर भाषण काराकारामधिका । अन्यादक्ती, माकुरु वास CRIX-कृती, विरश-कृति, अप्रमारशत की की का भारत हो लगा !! वह-काक्ष्य)विषय-भव केंदबंधे वीशाई पृश्लीय मध्य तर--- वर्षे अर्थ भाष्यप्रतास किया के हैं।का बाब, मार्थायन अध्यक्ष--- अन 智神 神通

# শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

ওঁ বিষ্ণুপাদ এএমছকিসিছাখনরঘটী **८भाषामी महादारकत एग्डे फ**निशा निश्वः मिनी कीनाश्चायक दलादमाधिनी क्रमा-कामा निम्मा दिनी कोकब नावाह कृषि-विश्वह-- देवस्वितिकाश्व-तङ्गमानाङ्ग दकोश्वरूथि-निम्मानास रेन ध्वनिकागान्यतन सोविक छना -- शक्ताल क छान्य छन শ্ৰথা ওক-- মহাজন-ভীৰনচরিত-শিক্ষক - চি বিধাস্তিলা এ অচিমাক বিচায়ক- ঐমস্য ওমানুধারদের মৌলিক গ্রেষণার --- मध्य, याच्टान्य । शास्त्राक्त शास्त्र मिन्ना ।

: 1 প্রাথান প্রভানের বিষয় নাম প্রীপ্রকৃতির, কাল थय, डीमलादिकार, द्येतार्यकानती, लाकवाहिकी हीला ও বৰ্ণ বিচার, আত্মবৰ্ণ্ম ও মনোধৰ্ণা, তাঁটেগতভাদের ও ভালার শিক্ষা, অংথাক্রত স্বত্থন্ত ও প্রাক্তে স্থল্পর্যু, 🕽 প্রাকৃতি বিংশতি যা বাক রাজে অংশাভিত। তিক্ষা মাজ । এতি কৃতি পুরা ব্যক্তা বাল সাহত-শালসমূহতর প্রমাণারলী ৮০ বার আলা

कीलम, विकासमध्यात िमधानिरायत कीलम, ब्रोटियोप- । अधिद्यय--सामभाविक- वर्गाया-- व्य जिल्ला 🛴 ८क छ।का भावा।

वाभग व विकास-इट थ छ এक छ नहें सा किका आ (त ५ छ। क् १, ७। क । ब्रा घटता

#### क्रीय दर्शनम् क्षेत्रज्ञा

कृष्णक जाता । श्री । इं किविरमाम राज्यतवक्षाणन यन-ভান্য বিভাত 'বিবলর্জন' নামক ভাষ্যুক্ত। অন্যায়-সূচা, বিংশসূচা, ও প্রতি সোক্ষের প্রথম ও ইতীয় প্রদি প্রতা, ভাষ্টকারের জীবনী প্রাকৃতি স্থানিত। উংকট বানাই, লাকসংখ্যাণ (তৃতীয় সংখ্যাণ) এটে किका २, केंगा।

#### প্রমেয়রভারজী

শ্বিকাল্ডাক্তাদি প্রভ্বার **প্রথম গ্রন্থ। উৎ**ক্র কর্ণলাত : ব্রেক্ত ১৮০ টাকা মানে। গা। স্বিশ্বত টীকা ও আল্লবকালনাদ-সাহাটের , टराइ: नाजार क्लाल (नावशामा) क्लेशा लाएक। <sup>१</sup>क्सा 100 100 100 100

#### **बीनवदीरशामगाशका**

্প ও ) সামুবাদ। । স্থাত-স্থত্যাদি রাম্বে ইনিব-রালের 👵 মহিমা কীন্তিত আছে, ভাষার মূল সংগ্রান্ত अध्याम । चित्रा ८० व्यामा ।

#### **শ্রীশ্রীলবদ্ধী পত্রাসতরত্ব**

क्षिप्रस्त के जिस्साम मिनिक। सम्मिक प्रभावत्य পরিসমার <del>তেওঁব</del>ণদি-বিবয়ক। ভিকান- ২০০০

#### ভক্তিরতাকর ও নগরীপ পরিক্রম।

শ্রীল লখার চজবরি-ঠাকুর রচিত। ভতিরভাবর ১৯৩৬ এর কমাংশ মাত্র গৃহীত। জীদীব গোলামা কি टाकारत 🔻 वधीयनारमत शक्तिसमा कतिहादित्मन, काशहे शहर्षात्रका क्षिमालं भागा



द्यीन फुक्तिविद्याप देश्वित छाने का है बार सीहे हफ्का व ाञ्चराती—कृष्क, इष्कर्णाङ छ त्रन--नद ५ मुक की५— । यातिश्वा-(१७मण्डल ७६ -माभन-निर्वय--श्वारमञ्जन-एष, कथ-কাও, আজুমাদির বিচার—বৈশী ভড়ি, ভারভতি স ८ श्रम के कियह अध्यक्षिय अध्यक्षि अध्यक्षिय सीहा-পরিচয়াদি প্রাপম শিকালীর উপযোগ্য করিয়া সর্বা ভাষার সমূলয় যুক্তি প্ৰদান্ত গিলিক জাতে। চতুৰ সংখ্যৰ বাদা २८ हें का. आन्धा ३०० है के बार ह

#### গোড়ীয়কণ্ঠহার

क्रिटाओं ,"म रचमन्त्रतारक्षा अञ्चलक कर्ष्य भारतगरमाना विकारिकार्यस्य प्राप्तराम अभिकार । एरकाल टेबकान ১। আই ক্রিক্ত 🗝 😅 -- ওছা। ও বিছা ভব্লি, মন্ত্রেলের বিভাগেলে স্বালেকেল জন্মতা কুলালি প্রকাশিত হয় নাই। অত্তিমন্ত্রকি বিলোধসাপুর রচিত "অমুভতপ্রবাহজাধ্য" শেষ্টাত গে গার, আল্লার নিভারতি, উল্লার আমিগাধ ও টিভাতে জ্ঞাত ক্রেভিড --ভাগর ভ- বৈদ্যার নিভারন্দ---भागाताल, भिर्म । मण्यानकरणक, तिराहण्य सर्वे ५ हम्भः । अदेश्वः क्रमः । अदेशः । क्रमः । अतिकारः अग्रानः । अग्रान ধানের মহিমা, মহাপ্রসাদ, ইত্তাবিন্দ, উল্লেখন্ডের ভাল- - ইল্লেল্ডন ও ওলেক্ডির ভাল চুলক্ স্বাচার গ্ৰপ, উল্লেখ্য চুলনাস্থনন্দিনী, শ্ৰীটো শ্ৰেষ্ঠাৰ স্বয়া, পোলকেগ্ৰান প্ৰস্তুত কেন্দ্ৰেল স্বস্তুত গুলাই নাক্তিক কণ্ডেল **ব্ৰোঞ্জ** ভ রুষ্ণসন্ধী উন—চতুর্দেশ অপুরা মধুরিমাপুর্ণ-বঞ্জানিস্টিভি। র এটেন্ডে মুক্তিন উচ্চিত । যোলার এলো নাম শেখা। श्रप्त । श्राप्त । भूताम मन्द्री । फिल्ह २८ छ।का माळ ।

#### बीब-दोशनाम-अस्त्रनली

ই. সভিভিত্তিৰোৰ চাত্ৰ সভিত বিষয়ালায়<del>া পায়</del>-भाव हिम्बुद्ध मार्थ होने अस्ति। अस्ति है। अस्ति अस्ति हाकनाई। ব্যেটিটার বৈন্ধবন শেনিক পোনে নীক্ষিমনবশ্বনের বিক্ষা 🖟 চুত্তর নাম পরিক্ষাক্ত — দ্বিন্ধ নবর্ত্তর পরিক্রমান-ভাষে THE TO SO THE SECTION OF THE PROPERTY OF THE P শ্রীমন্ত্রিনিনার সাকুরের শ্রীনব্রীপ ভারতর্প প্রাকৃতি अप दक्क किया ५० जाना गाउ।

#### 🗐 হতি মামামুভ ন্যাকরণ

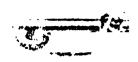
লীকাৰ নোপানী প্রানুপান-বির্ভিত ক্ষম ও দুদ্ধি, িত্তস্থে উবিক গুল নিগড় জিলিক স্বস্থা গোলাম মধারণকের শিক্ষার ভাষিকা ও স্থাটা প্রভাতি সক। শ্ৰীমজ্ঞানৰ বিষয়ভূগে-**তাণীত বৈশ্বৰণৰি,** স্থান হত অন্তল্পতিত লাভে ক্ষাত্ৰ ভিকাৰ বৰ্ টকো, ছাত্ৰগালের

#### (नका खडायगात

ষ্ট্রীমালামার জাত (ব্রুলারের বিশির**টেবত** বাদ-व्यक्तिक के मार्ग-व्यार का बाहारिक द्यार प्रमास भारत्य फेलरदारी कतनार्थ एके फेक्क कालगारका, हेकाएक न्द्राह्म । ० करीश्वानि मधाक्ति वसी क्षेत्रस्क आस मार्च रेड्या ६० झाला, १

#### জ্ঞী: ১হাচন্দ্রবায়ত ও নববীপণ্ডক

भौतालारम िम । क्षिम ए एएमध्यास अवश्वती-लक्ष् মুল, ত্রানপার খ্রীমন দে, ত্র নিকার সরস্থাী লোকানী মহাবাদ राष्या ७ वसाइतार मधांश्र हरू र्वाप्तक व संबंधिक्टरक लह अभाग 🔫 ২০১৯ উ ময়ভাগ্রেন্ত্র একটা ভেলেন্ড সংখ্যাকক 🕻 🧉 क्षाम के हेर्पांड । भूगा का गांत है एक है । व वापा 京都在面上作的你们的。如何是 有什么 有种的 有种 1克 有情的现在分词 ः होका माना



हैं.भद्राज्यिकान भेरत्युवादीय । वहें क्रक्यात हुण-ক্রেছ া নে লাভ কবিলে নাবেল্পিক স্থাত্তা কিছুদেরী স্কার্যন্ত সংখ্যা ওটা হবে এছে। প্রায় পুরু পর্য করেও এই-तभा १८७ म श्राप्तर ते और खेर कि सिविद का नामित न राम अपने द শীয়, হাত প্ৰেণ লৈ ল'ত মহালাদিকি মন্ত্ৰণ 👵 স্থাবিদ স্কৃতির না। আহিছে প্রায়ন্ত প্রতীত প্রচান্ত্র होते। स ४ भी विश्वसित् का फला अंडेगाइन । विभागां छाए. \$100mm 1 (1) 100mm 1

#### ह सम्बन्धि

প্রতিক্রাপ্রান্থ আছর কোনে এর জন্মতিক প্রান चित्राह र । इन्ने शुक्राक वर्ष र शुक्राकामा अन्तराम श्रदाना । इ कर्रेड्रभूष जिल्लास्य दलकृत्याक्षराहरू, रक्षरास्था साध्य स्थान with the street रवक्षवार । इ.स.चार व ্ৰাহিত্ৰ হ'ব । প্ৰাণ্টীকাম ছঙ্হ সংযোগ । বিশ্লাহাতি হ'ব বুজালীপোলের সংস্কৃত নাবলীপ্ৰাণ্ডকৰ স্থানিতে। প্ৰাছিকাৰ ১ ত্রস্থক হার প্রতিনয়ালি মুদলিতে। চতুহা মুস্তাল (ভিনার have ) ভিসাব ৮০ জালো বহার। कल स्ति साम् ।

#### でもあるを型

-বিবেশদের অনুবয় ) গুড়ক । **লান**ু নিবিল শালের নিউপে। প্রত্যানি না দেবে প্রত কেছ বুঝিতে পারিলেন না। ভূতীয় স্থাল্য ভিক্ষা ।।।।

#### **ভরিলামচিত্ত মেণি**

anningen auf oliener Stocha bei Gunnotai-লীলমে লালারা, লামাভাপ, লামাপড়াধ এড়াত বিশ্যেৰ ছাবাল্লি লোল ভাৰণ কৰিছ দিবলন্ত । এই বি রাজনিয়া শাভিনিৰণ চয়তে পদি স্থায়াশ্যাই প্রিচ টিশ্যবয়ু মুভাই 🗃 🗃 😸 । इतिहास १९५७ ति । 🖰 १८५५ । अध्यान राज्य । १७५८ ।

#### कम्मार्थन एउक्

के विकितिस्तान प्राह्म हो कि । लिए एक प्राप्त िलादी छ कामधार्यत लाभक्षत उकाष धाराविका BOUTH of Lovel, side भागान्त्र (सथा कृत्र का ८ सार्यक छ । वे जिल्ला महीर भारत अविश्वाहक से अपनी अने अने में प उपन सिता हाउँ के त्रवात छ त । लाउँटना १४ भाकत्र, कियोग्राज आगा महिल्ला

#### \* 44 (1) 5

श्चिमहास तर प्राप्त व प्रतिष्ठ । स्टब्स्स व्याधानम्बर् া শ্রুতি, ভলন্দাল চ. ১১ বি সালবালাতি ও সিছি জালান । \$160万 唯13岁 1941 1 · 斯山田 山上

#### গ্রন্থ প্রা

भौतिकृत करिक्तिरम् ए-अप्रकार निका अभ्यः, आकाद्धिरु ा अंग रूपार कि है। एक शहर बेंड पुरु रक्षा अधिक। किया १० धाना गाउँ।

#### **阿尔斯市沙亚河**

ं विभिन्न विक्रम्भूक् हेरमोति । श्री विश्वनाथ । हाल भी १८कृत-विक्रिके रामश्रम - शिवदाकतिसमा अङ्गद्रत अद्भतान-मही डिकान बान माता

নী,মালত প্রভাৱ শিলাও আলি রলেণ্ণ দাস পোস্থানীর। खाः टीन्य द्वायापीत छेणामनाता, इकिमान्त **पञ्**कत ও গ্রেটিকুল বিবয়ে স্থবিচারিত সমোদন ভাল, বিস্তৃত িচুডি, চবিভাস্তেৰ প্ৰমাণ, ধাৰৰ ৰাগেল ও মহাজন-প্রান্ত কড়ান্দে ই ইন্থামন্ত প্রচ্ছেক প্রাধেশ স্থিত রবিবে†+৩ এইমাটে। তথ্য সংক্ষাৰ ভিজা কে• **আনা**।

#### अप्राप्त-कर्

গ্রিবস্থার দাস পোরামার মনঃশিকা, জ্রীল সাজ্য । ২, টাক মাজ। क्र'क्लिर्नाम-क्र'त्राष्ट्र भञ्चाञ्चन भिम्मक्ष । क्रिका • व्याचा ।

#### প্রেন্ড ক্রিড ক্রিকা

শ্রীল সারে নারে যেয়ের স্তাপ্তানি তথ্যভাতি বিভাক গেস-রুগুড়ক। ভিলা ও গলা মাজে।

#### अवद्यो नगडक

श्चीन क्षाप्रभागमा

#### অর্থণঞ্চক

दीन क्षाकात्राता प्रतिका विकास का का MIST BLE !

#### সমাচারস্বতি

স্থাল সন্তাচাপ, এবে ৬। বৈক্ষবের সিভাক্স, দি সদচোরা-वदी, वक्षाच्च (प्रवृत्ति है। जिका 💤 व्यत्ना मानः ।

#### स्थित अही

क विक्तारकरान्। भीशशास्त्रात्रार्थात्रात्रीतिक । अभिनास्त्राः। रदयात मर्शक्त प्रीयमनीया अभूत देवनत्यसम्बद्धाः मृत्यु स्थ किया 10 अला महा

#### (भी ब्रक्टस्थानश

্ল্যাটান কৰি ভীয়েণ্যবিদ্ধ দেৱ প্ৰাণ্ডত জীয়েণীয়ালভাৱেল প্রমন্মলী-মার্থিত সংগ্রহ ১৪। ভিজাবি আমা।

#### युक्तिम् 👉 😸 🖰 दमोत्र छ 🤈

दें,, या अतिकारिए। धिमनानितां स्वाधित छ। वश्राकत्त गाउ । त १ वे अल्प्य अकाम भारामिक साहिता-कन्द्रह ্র স্মান্ত্রেম। শ্রীমন্ত্রাপ্রভিন্নে ইইডে গ্রেছশান্তন দ্বিভীয় মধ্যচানে নামে প্যাত জীলানিয়াখনীৰ স্বামী এই প্ৰান্ত राधात। एकि ६ त्योकिक छाराखदात्त किवल समावसाद क्षित राजाति महनात रम्ध अधन कतिग्राष्ट्र, खर्भ लाहे ! প বিশ্বে করিতে আশ্ভব্যায়িত হুইতে হয়। 🛮 ইচাতে যুদ্ধির कृति ८११क, देशम, द्वाफ, मीमसमक 🔞 माम्बासिमछ-रहात ६ दल्क १५म वर्षिकार्यक । **विका**र हा**का भावा**त

#### ্যোমামী জীল রম্নাথ দাস

েওঁ বিঞ্পাদ শ্রীল ভক্তিনিয়াস্ত্রময়ন্ত্রী পোরামী প্রভাগে থিনিত ভূমকা নচ্চ গোরপ্রের পরপ্রপের তবনার জৈয়তম এটা দবে বোসেনী জাতুর অবপুর চ্রিড্রেড ও বিক্ষা অভাব গ্রোরখ্য ও নর্প ভাষার স্ক্রিবিই ্রবং পরিশিতে দাস্থোখানী প্রান্থ বির্চিত কর্মটা সাল্লাদ মধুলতম ভাষ ও মনংশিকা ব্ৰথিভ। ভিন্দা े येशहि 🌬 भागा, भायाताहै।🗸 भागा माज ।

# চিত্রে নবই

আচীর নবহাঁপের অব্ভিডি, তথা, ঐতিহা, পোত ও ইতিহানিক শ্ৰেষ্ণসন্থলিত নম্বটী দীপের স্ঠিত বিবর্গ-এও। রাভবি রা ভগাতের কুমার ত্রীগুত প্রদিন্দু গারাঘণ রার বেন ৩০, প্রাক্তি (বাংকার), বেদাভাত্নণ মচোদর কঠু চ मक्तिक जनर धन बामि बिख्यि बर्गनी कार्नुन िक ुछ भागितिक-रामिष्ण ; लाहाविश्वामशार्वि प्राप्त शांक शांक्य श्रीकृत নগোল মাণ বাদ বিশ্বকোষসম্পাদক মহাশ্যের বিশ্বত ভূমিক। मर । উरक्षेट ( हैर ) मतंत्का वैशिष्टि भूगा >no, खिः लिः Co

#### माभक-कर्शनाना

क्ष्यानम्बर्गः, देवस्थन-बन्धनाः, देवस्थन-वृत्यः, प्राच्यात्रः श्रीक्षं, ीमाभः है. चीमनाशासाहत व्यट्शेक्षत्रनंत माम. 'काहेलाहत्र भागकां राज, ज्ञानाममही देव, द्वायम्बनि, भाक्षणमहीछ, भवतील गतिया, क्षित्रशायुत्र महिमा, क्षित्रशाख्य-छाउन करेक व्यक्तित्वा तसमा, यक्तुरशाक्षामीत व्यक्तेन, त्रामक्किकेलिका, উপদেশ্য দ্যালক্ষ্য অনুষ্ঠি, সহাপ্তাদু ও রায় ধানানক্ষ সংগদ, জ শিকা, খ্রীওলতাগতি, ঐওর-পরক্ষায়া, महा ले व कर १ १ हिंड साल्क । शिक्षणीयान निकासरेह ত ভুল্যানধার লার অভুক্র করে श्वास्त्रात्वा का कार्या । १००१ कि के सामित्र में माने ।

#### दशो हो सन्दर्भावन

ক্লিকভার স্বপ্রানিদ্ধ সালবার্ট হলে পৌদ্ধীয়-সম্পাদক শ্রীপাদ শ্রনারামনা প্রতিষ্যাবিনোদ প্রমন্ত বস্তুভার বিষয় शब्दगाद अकानिक । केशाटक दश्तीकृति देशकवश्राम्मारश्च উণিচলান সামাকারে প্রশিষ্ট স্ট্রান্ডের। ডিকা 🕪 নাজ।

#### द्रशोकीय माजिक्त

कविकां इ.न श्रन्थिमिक क्षांगवाने ३ तमः दशीक्षीत मुल्लाएक ইটানে ব ক্রান্স প্রবিভাবিনেদেশত লগ্নের বজ্জার বিষয় अधारात लालान्छ। देशास्त्र माजिला-मारम्स वार्व खर ্গৌড়াত দালিত্যের বিষয় স্থাকারে প্রিত হট্নাছে। ভিক্ষা We what this i

#### क्षिरगोष्ट्रम छल अजिल्हागा-मर्भन

শীবেণীভূদে পের বে সকল স্বানে স্পার্কর 🕮 ম্যাহারেছ त्रका छन्छन् भन्न ही मधाचननन जीवा कतिना निवादक्रम, শেই সৰ আয়ু<sup>ৰ</sup>নক ভৌগোলিক প্রিওর 'ও দেববিপ্রহাদির পরিচয় সহ বাতাবাতের স্থবিধা নির্দেশ ইত্যাদি বিষয় থাকি স্বিবেশিত ভাতে। ভিক্ষা । আনা।

#### THE HARMONIST OR SHREE SAJJANATOSHANI

द्यान केर्द्र छिकिनिरनाम-अविशिष्ठ एवर खेल छिक-নিদ্ধান্ত্ৰসম্ভূতী গোস্থামী অভুপাদ সম্পাদিত পার্মার্থিক মাসিক প্র। তক্ষে ইংবাজী ভাগার ক্ষরবিংশ বর্ষে फनमाकाकेन ৮ शिक्षी e कन्द्री वाकारत टाउँ वाद्य इति-नारमञ्ज विकत-विकश्ची शहेशा दिलविक प्रदेशका। कानक, मूजन-शातिलाका ও চিত্রাদি অন্তার চিত্তাকর্মক। **एके लाकात केरक**रे लाबक कात त्कान गानिक शकाबिरफ বেণিতে পাইবেন না। বাবিক ভিকা ডাক্যাপ্তল্য 🔍 होका बाव ।

#### প্রাপ্তিভান--

**बिटाउउप**कं, त्याः श्रीमाणश्रद महोद्या

# বিশবৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভাজমঠ

### बीदिङ्ख्या यत्र

#### আকর মটবাজ

बाकील नवदील, काकदव क्षेत्रांम माधाल्य, महोता

श्रीमकारदानानीप्र करेरक थात ०० अष्ठ केंद्रव-गृहस द्योतक्षणकाम कांहारीत्रक श्रीहरू-लबध-कन्दन क्रिक्किटेडलक-मठे निवासमान ।

এই স্থান সাংখ্যত-ভীৰ্ত্ব, প্ৰবিদ্ধাপীঠ বা সাম্বন্ত অভনন্তনী। এই মহাতীৰ্বে শ্ৰীদ্বি-ৰামাৰ্ভ বাংৰ-পাৰি-বেৰা্জনৰূত, পচ্চিছাত অৱৰ্ণত ভাষা, নাটক, অল্ছান্ত, ভ্ৰা আমাগ-উপনিমন্-প্রি-ত্র-ক্রান-চভুচনের আগ্রেন ও অগ্যাপনা এবং ভগায় প্রীঞ্জ-পৌরাজ-পান্ত অংকা-পিতিধর ও সাহত সাপানায়ক-আচার্যা-চতুত্ব ভারাদের উপাত বিজ্ঞানের গণিক নিক্ষা সেণিক ভগকেছেল। এত মন্ত্রাকে পাদমাবিক দৈনিকপঞ্জ সাক্ষত-बच्चवाद्वत व्यवस्थानक क ककाठीन अवस्थान काठासक ह्या 'समीवा-काठाम' वक्षान्त রাত্রিত ১০ছাচেন অভিবংশর ঞীখাম-প্রিক্রনার্ডান ও অগ্রিড ভক্তগ্রেটিন্ত কীর্ত্তন প্রচারসূবে মতামধ্যেবারি ভক্তাল অভ্যত্তিত তর্বা থাকে। একক-এক্সারী चैनार महत्त्वको। সংকাদী— শ্রীলার বিলোধবিধারী ত্রন্তানী, পাঞ্চল শ্রীপার গ্রোরদাস अवकाषी बाक्तवरीय. दीवाम कीरहस अवहाती, विकास स्थितवासमा सम्महाती. **ীৰক** ননীগোণাল ৰক্ষোপাধার, জাঁহতেকাম দাস অক্ষতানী আমুণ ব্যান্ত্রণ । बिक्षिक्षामी क्षिम्बक्ति शहीण कीर्थ मश्राम क्षात्म क्षिक्रण कीर्यन कडिएसएस।

#### (৩) যোগণীঠ শ্রমন্দির

🐗 है द्वान व्याधानामानिया करन ना শ্রীমশ্রদা প্রভুর আনিজ্ঞান-ভূমি মহাযোগ-भौते। क्यांत्म क्रिक्सी श्रमा e देविक-खिशामक मेंद्रशोदनायादण अवर सेंद्रिक्टना 🛥 🚨 टामाक्र (क्या निका त्मवा क्रम) 🕮 शक-**च्हाब ८१वा वठमान। प्रकम---(ला**क-माचायत द्यायामी कहेकारी व्यक्त शिवमा মংখা। সংকাৰী জীনিজ্ঞানৰ একৰাসী, সেবা। একক-জীনজিনিজ্ঞান আৰ্মা श्चित्रायान अवहाती । अध्याम-मान व्याप-कारी, (पनमचा औकादनअम्।

#### (৪) জ্রীব:স-অঙ্গন

शियमाना शास्त्र केंद्रिय-विभाग वा रेश्नीक्रमीमात कामथने, । जनारन उक्किशाब-विकालम क प्रकट्या दनना नक्षमान । ww. Bengenn वार्वे की :

#### (१) फाटेंच छ-कवम

बाहे शास ब्लिक्टिशक्त ७ वन द्वर रणया वस्त्राम ।

#### (७) काळोज जब।वि भ हे

व्याठीय माशायुर, नामन उक्तर (नमें सा) रियोबक्रमानाक श्रीहासकाधीय प्राप्ति। वक्क -- अक्षाता है। दिर्गित काम व वार्ती ।

#### ( १ ) योजन जुन्म कु

द्यारमञ्जूष, चक्राणश्च ( नशीवा ) यादन विविक्रभाष श्रीण कार्किनिस्मामहाकृत्तव रमानि व्यर खेरगीवनेमाध्य वावर खेळीवाधा-क्षांध्यक्षेत्र दशका वर्णभान

वक्-किक्यंत्र खेळाड उपहांती क्रमास्त्रिको अगः वरः करः।

#### (৮ আজিগ্রাথ লোটার মঠ नगमना भरत ।

বক্ষক--- জীবচবর ভালিলাস্থা এম, ৩. ति, जम, मध्याती--शिकेशामाम अकि-मारी, अप्रेक्षक्रम व्यवस्थाती आकृष्टि।

#### ( ১) ब्लिटगांब-गम्।मब-मर्क টাপালেটী, সমুদগ্ত, ( ৰক্ষমান )

শ্রীণ বার্নীনাথের জান্টিত গ্রেরণাধার-

#### ১১ জীরপংগভায়-ছত্ত

बारानक, नामान रहे, नि em # - Gefenin ambig), Romenue । अञ्चलको ।

#### 

भा छेशाकि, बाह्मश्रव, व्यक्ष्मान। व्यागाव गाव है।कृत दुलानरमंत्र भाग। क्षण क--- क्षेत्रक नकानी असनाभी। ( )> ) 'द्रागनक आंगन <del>ত্রী লাগবঙ্গ প্রেল, ক্রমন্যর, নদীরা।</del> बक्क-शिक्षान्य अध्याहे ।

#### (३०) ब्रीजवासन मठ ८७.ज राष्ट्री, दशाक्षाक्षी, क्रक्रनशब, नसीक्षा । ्ष्या क --- हो भ हशासन्य अवस्थाती ।

( ১৪ ) खीमाध्य दगोजीय मठ भेरतर नेत्रावसूत्र दशक्त, छाका। भूक्षेत्रका जान्तव-दक्क वचारन जी सके-গৌৰাল পাককা-।পরিদরের দেবা বস্তমান। ক্ষক--- শ্ৰী: ভাৰম্লত এলৰাগী।

#### ( ১৫ ) श्रीत्राशामकी मुर्व 學和問] 製品, BT 學1 /

গোপাণজীৰ জ্ঞাব্যাহের জ্ঞাচীন সেবা मक्ष-अव्यागरमोत्र अवहारी ।

#### >७ शेर चार्निटामाम ठटावर्की शिष्टे. (गां: वाश्रवाकाय: क्रिकास: I क्षिणिकाम वि. वि. ८०७८

वीमका शक्य वाठाविक क्रमियंत क्रकिम्ब-वाडाखारका स्त्रीकारमा मध्यास्य নগরী খনিকাভার ঐতিভিবিনের আসনে স্থীমত প্রভিত্তিত আছেন। এই ভক্ত मक्यार्वाटम विकस-द्रमाशक-विविद्यामामक कीके मनावदम मिका दमविक कम । द्रमोकीस व्याठायहरतित वानछीत शाकानभीत अकाठात्त्रात्करच वीमार्ड मश्मत अक्की अनुबर मुझा-वद्यानव मध्यः निक क्वेत्राह्मन । পुचितीय मन्त्रव औरगीवनाम-व्यक्तात्राच वह बद्यानह हरेट '(गोडीव' माश्राहिक नक, कि क्युक्राबिक्के वानिक नक्षिक वेश्याक्षी कार्याक निश्वमिक छाटन व्यक्तानिक व्हेटकाकन । वीमार्क लाई. नकीकन, नवाक्षान-क्रकृतेन-दनकाव, জ্রী-ভাগণস, জ্রীকৈন্তে-চরিভার্থাবি-নীশা ও ভর্তাহের সমাক্ আলোচনা কটর থাকে: মটরক্ষক-মাচার্গাত্তিক প্রীপাদ কুমবিদারী বিশ্বাভূষণ ৷ সহকারী-স্পত্তিত্ত শ্রীপার অনস্থবাপ্রদের পরবিভাভূষণ বি-এ, লীপার প্রস্করানক পরবিভাবিনোর বি-এ, स्तीलान प्रामाविकाती अध्याती. जीनार सम्मद्भावन सामाधिकाती विन्ता. जीनार क्षप्रांभाग नामाधिकांती. अवाताती लीकीकनामक, अवाती लीमाात्रीत्यात्म. अवाती প্রক্রিফান্ন ডাড্লারী, বজ্জারী প্রাদেশ্দীনক্ষ, প্রতিভ রীপা নবীনক্ষ পরবিজ্ঞানভার ভক্তিশাস প্রকৃতি।

#### ( ১৬ ) श्रीभणाष्ट्र-८भगः क वर्ष इतिककि शहायें ने नका, वानिय 51**4**1 व्योगनाह-(भोदातकत निहा भवा

बक्क — श्री पूर्व शक बक्क उसी।

#### (১৭ এ ভাগবছন্ত নামক মঠ

किकलिया, माञ्चरमनभूत, भावनी भूता 데시[대 전 요마-(아' , #-11]등] 夜리-शिविषादीत निकास्त्रता वस्तः न । त्रक्षक---बकदानी की नजवासमारकी। अन्तर्राकी पदासम

#### ে৮, আৰলাবোড়া প্ৰপদ্মশ্ৰম

े प्रवेश द्वार नक्ष्मास (

'नेष्टारमदा। तक्क-अलवामी डांब्रि-FORTS !

#### (১৯) ब्लीशुक्रस्याचन मर्ड

प्रशिक्षात, भूती, प्रशिक्षण । ख्यादन नेंद्रशाब-विद्याम्मानवकोत्र निका-জ পৰ নিভাৱে একাৰণী প্রভার-কেতা। সেধা বসমান। রক্তক — একাচারী জীপ্রমান मन्त्र विनारवष्ट्र, दक्षाताती व्यक्तिमानम् ।

#### (२०) बीडका-दमी डीस कर

व्यागर्वत्रसाथः अकाशकः (१५०, क्री) ष्ट्रश्चाभागत्तेत अन्तर्भत रचट्य <u>स्थि</u>यत्त्रह क्रवंडाव । क्रक—संबद्धी ंधेनत्रद्यवदी दामानली। मन्यादी---अमार्गादी अंतिनिनातकाती ।

#### (३) खेनकियानम् अर्थ

. केंक्शिवाकात, कड़ेक वाषारमः व्यक्तिकाम-प्रतामन्त्रमणः विश्वि मन्त्रामन, व्योजास्कासन्त्रमण्डन कोष विकादनका वक्तमान । प्रकार-वश्रमात्री सीनवावत

#### (२२) जीमबाख्य-त्योषात्र गर्क

अनः समस्यायन ग्रा. कामी। গোর-প্রাক্ষপৃত সমাক্র-লিকাভল। धनात्म दशाद्रत्मना नक्षमाम । राष्ट्रक----लीवानकीनावकी ।

### (३०) टीक्करेडख्य मठ

लीम् भिरुकाम दृष्टः खीराम तुम्सायम । ले में वाथा-डक-दर अवकाद (मेवा।

#### রক্ষত-ভাগণাড়িনার একটা টা (२६) छिल्द्रणहरू गर्र

टे- भिनादमाः, मीखामुव

রখানে ঐভাগনত পাঠপালা 🖝 **क्रि**लाङ विद्याम विद्यागळीत दमका वसमान । भी चन्नाभाषाक व्यक्तिक विविधारीत एक क---अवकारी व्यक्तिमान के उधाराती वानकातात् ।

### (२०) और विकास गोकी व वर्ड

**इत्रक्षा, १०**३कृषाः मानक्य। देश श्रीदेशस्त्र-महत्रत्र नाया। सम्मक--सीत्रमा-. नाथ वार्य, टी.टन-शानम अवन्ति । खीटान कील उत्तरशावास ।

#### (२७) न्यामदशोखीय मर्ड

कुक्राक्षात, पारस्थत, क्यांकर क्यांकर लीक्ष्मां वाद्यां वाद्या तक्त-विकासी क्षेत्रम्थली । १२०) लामग्राहा जारामाळा सम्ब

बाक्षिणाङः, त्याः माञ्, भावका ब्धारन सङ्कुष्टमाडे लोस्मानारमञ्जू जाता वर्षभाम । वक्तक--अक्रामी लक्ष्यानकुक-भागः, औदाशाहमण अक्षादी।

(२४) निहा त्याक्षीत्र मठ-व्यक्तिमानः

ib cen culuis, 何書 诗韵 i . . तक १ -- विविधियामी विमृद्धिक असूच-

(२०) दशामानगामानगामान त्रक क- बकाती खीक्षणा म्हलू

নৈনিভালে 🚉 মুন্ত গান্ধী 🗼 🔻 মহাত্ম শালী : ৮৫ মে নৈনিভাল. পৌছিয়াডেন এবং ২০শে মে অপস্থার । আস্থানি পঞ্চের কৌমুলী মিং ভেণী-২টার এনয় প্রওয়ের সহিত্র সাক্ষাৎ कतिशाट्य ।

### পেটের গীড়ায় আত্মহত্যা

ৰালকটে প্ৰিণু থানার এলেকারীন **%**शिश श्राटम ०६ वराच चक्रम श्रक ग्रनक উহন্ধনে প্রাণভ্যাণ করিয়াছেন। প্রকাশ. निनिकुछ मृत्याभाराम नामक जरेनक ত্রাক্ষণ যুবক পেটের অন্তরে বছদিবস কট পাইতেছিলেন। সম্প্রতি হিনি আয়ুহাত্য করিয়া দকল জালার অবস্থ করিবেন, ইক্লা করায় তাঁহার আগুটার 🖟 অজন স্ক্রাই ভাঁলতেক এচাবে ১৯৮৮ রাখিতেন; কিন্তু ঘটনার দিবস ঐ बाड़ीएक निवाह डेल. इंड इया ८३ গঞ্গোলে উক্ত বৃৰক প্ৰাইয়া গিয়া **५क्जि** वृत्क छेदवरन आञ्चश्टा। करतम ।

#### পূর্ব্ব ও উভরবঙ্গে তুর্ভিঞ্চ

্নানাত্বন হটতে প্রভাগ সংবাদ পাওয়া যাইতেছে যে, বছলোক অনাহারে भिन को हे हिए हह । (कहवा एक विमा, दक्षिम शत जरातना, दक्ष्मा इड्रेमिन श्रद्ध ध्वकतिन थाडेग्रा दीविया चार्छ। मधानिङ घरतत्र (लाटकत करका प्रदे (बाहनीय। ८६ अवन अवता छेलन क করিয়া স্থানীয় কংগ্রেস ও ইউনিয়ন বোর্ডের কতিপর মেম্বর ও কভিপর সৈলদ্য ব্যক্তি শইয়া একটা দাগ্ৰা সমিতি গঠিত হইরাছে। এীয়ত মাধন লাল সাক্রাল সম্পাদক নিযুক্ত হুইয়াছেন।

#### রেজুনে বাজালীর কারাদণ্ড

भूक् बह्कूमा म्याबिट्रिंगे ८क, मि, ক্স নামক একজন বাদালীকে কতকওলি কার্ড রাধার অভিযোগে ৪ মান সভ্রম কারাণতে গণ্ডিত করিয়াছেন। তাঁহাকে গণ্ড ৭ই এপ্রিল কেলা ম্যাজিট্রেটের বিক সমিতিয়ও সম্ভ নির্বাচিত হই **टकाटर्डे टब्राधान क्या वर्डेबार्टिन ।** 

#### বালিকা সভ্যাঞ্ডীর সম্ভব হালি

মিদ দৈয়লা দীলার পিতা আগান **ब्लिंग्डिकी** माबिद्वेटिंग कार्डि श्रीनन गार्कान्डे मारकति ७ जात्र बरुकानत्र विकास वामणा क्ष्यू करतन। छारात 'এছ ৰফা গুনানী হইরা পিরাছে। গত जहन्त्रम् माटन मिन देनम्। धवः मात्रक >৭)১) অন মহিলাকে সভ্যাঞ্জ আন্দো-লন স্লাৰ্কে ধ্ৰেপ্তাৰ কৰিবা বিচায়াবীন करवरीकरन शंकरक वांचा रव । तांचे नमव जानांबीका काहान नदस्य हानि क्रान-देशदे अविद्यान । कारात्रा गावि

মাত্রে দেলের নিক্ট আসিয়া অমীপ ভাষা প্রয়োগ করিয়াছিল।

कारत्रत्र (सत्राप्त मिन नीना बरनन, गणा धर আলেশননে যোগদানের পুনের তিনি দেও ছেভিয়াস কলেছের ছাত্রী ছিলেন।

शिः। मार्फिनी ५दः ज्ञलत ६३ अन गायी প্রথম সাজীয় বনিত ঘটনা সমর্থন

আগামী গোমবার শুনানী হটবার

#### का बीय काराकी मुक्तिम कल

গুও ১৬ই মে স্ক্রায় পাটনার নেতৃ-স্থানীয় মুগলম্বিদের এক সভায় জাতী-भटाताली पुलिस लटलत द्वानीय लाशा **अ**िक्षिष्ठ इंडेग्नर्ट । देमसम स्थातातक ! थाणी मञ्जूषी उत्र आमन अध्य कर्तन। যাহারা উপস্থিত ভিলেন, তমানো সার ब्याली हेमाग, एतः मासून, भिः धन, उम. হাকিছ এম বে-সি এবং অন্যাপক काल्यम वादित नाम विद्यमण्ड'द्र फैट्सप

धाः मामून को रोग्रकायांनी मुस्ति পুলের নীতি কি, ভাষ্ট ৰুঝাইনা দেন। যুক্ত -নিক্ষাচনের আদেশ গ্রহণ এবং খনেশের খানীনতা কঞ্জনে ক্যান্ত সম্প্র-मालाः। महिक मश्ट्यालिका, इत्यापि উक् নীভির **অন্তর্ভ**ুক্ত। মুদ্রমানগণের স্বংগ কল্পে সুন্ত নেশুন্য এই ভাতীয়ভাবানী প্রতিষ্ঠানের কিরণ প্রয়োজন ভাঙা তিনি পত্নিকার ক্রপে বৃঝাইরা দেন।

শা বাহাছর গৈয়দ মহশ্বন ইসমাইল স্থানীয় সচ্ছের সভাগতি নিশ্বাচিত হন।

দৈয়ৰ মোধারক কালা এক এস, এম, হাফিজ সহকারী সভাপতি এবং মিঃ এস, এম, জলিন সম্পাদক নিযুক্ত

वार्गा-निकांहक ममिडि धरः लाल-STEE 1

### क्षाद्व महिन्द क्षिणादम **महत्याभिका**

স্ভাতি বার্ডুম বিশার অমিদার-शर्मक व्यक्तिविध्यत्त्र अक शङ्कात "वीत्रकृष অমিদার সজব" নাবে একটি স্মিডি পঠিত হুইৱাছে। প্ৰাৰ ৪০ জন জমিদার ध्यः क्षमा-मर्चामास्त्र यह व्यक्तिवि সভাগ বোগদান করিয়াছিলেন ৷ ২৭ জন সহস্তকে লইবা একটি কাৰ্যা-নিৰ্মাহক স্মিতি গঠিত হইয়াছে। সজ্বের প্রথান उरमञ्ज परि :---

(১) প্রকারের সহিত সহযোগিতা ও তাহাদিগকে সাহায় করা (২) জমিদার গণকে অৱ হুদে টাকা কৰ্জ বেওয়াৰ কল্প "अभिनात वाकि नाटम अकि बाह्य গঠন, ৩০ জমিদ্রেলের স্বার্থের প্রতি ম নাযোগ প্রদেশন, (৪) প্রেরা ও क्रमिनाटतत्र भट्या (छाउँथाट्टा विनाम নিপাত্তির জন্ম সমলখা-নিশাত মঙলী-જાર્રમા

#### পররাষ্ট্র বিভাগে ভারতবাসীর **अ**१थे]।

ভারতম্ভির মিং ওয়েন্ট্ড বেন বলেন, ভারত গ্রগ্মেটের রাজনীতিক বিভাগ চাতুরী করেন: ভন্মণো ৯৮ জন ইংরাজ এবং জনভারতবানী ১৯০৪ সাম इरोग्ड ४२० मान भवास एकाम स्पर्देश কড় জন ভারতবাধী ও কড় জন ইণ্যাক্ষকে এই বিভাগে চাৰ্থী দেওস ংটয়াডে, ভাহার বিবরণ নিমে দেওওা

	Was to de part	es torns orth
<b>द</b> ः मृत्	টা:রাজ	<b>भारत गा</b>
3328	r	•
<b>355¢</b>	>	9
225.	•	ર
2254	<b>b</b>	9
322r	b	6
5242	•	ર
>>>>	9	

#### मश्रकात्राम कात्रहरका ज (जा अञ

কুদাপ কংগ্রেস কমিটার সম্পাদক ছানাইরাছেন বে, ফলিকাভার ভৃতপুপা নেরর শ্রীযুক্ত পুভাষচক্র বস্থ রাজল দীনা রাজনৈতিক সম্মেলন এবং ঋষ্ আদেশিক নওবোরান ভারত সভানখেলনে সভা-পতিত্ব করিবার জন্ত ৭ই জুন তারিংখ কুদাপার পৌছিবেন। দক্ষিণ ভারতের नाना शादन पारेट रहेटव विश्वा अपूक ভুজাৰচন্ত্ৰ প্ৰায় একমাস কাল দলিল काश्रक काठाइटवन ।

#### मशाकात्र व्यक्ति मुक्तत्रादका সহাসুভূতি

ভারভের স্বাধীনতা স্পর্কনে সহাস্থা পানী বাহাতে সাক্ষ্য লাভ করেন মাৰ্কিশ্বাসিগণ জাত্যুত্ৰ প্ৰতি शक करें। सून সহাত্ত্ত্তিসম্পন্ন। निकेदेवार चाहेत्र ट्याटिए वराया বাধীর সন্মানার্থ হৈ ভোলবভা হইগাছে,

शोह एक े अहै भरना छात् ता छ कता **रहेब्रा**इ

এই সভার বৃঁহোরা বফুতা দিয়াছেন, डीहाद्रमञ्ज अरश चार्छन विद्याप्तेत ( चाहिन **পরিয়দের সভা) রয়ান এবং কোপ-**काष, क्रम जामियम कार काहाबाम ᢪ বিশ্ব ফ্রাপেস মাংকডোলাক্ত মিং ক্লেক্স व्हिष्म क्या भिः देशस्यान द्याम ।

সভার কাশ্য বিশরণী ১০টা হ**ইছে** >-॥+ मत्त्र त्वकायरपार्श भवत्व व्यष्ठाः করা হইদে। পৃথিবীর সম্ভ্রে স্থায় Bet (बाल पारेट्स विवश कथा हिन १ क.

#### ভারতের মধ্যে ভারত সচিন

াত ১৩ই মে পাল মেটে ইন্ডিয়া বরবার বিভাগে ১১২ জন খোক আফিনের ব্যয় বহার স্কাটের যে স্মন্ত আলোচন ও বান-বিভাগা হয়, ভা**হাতে** ি উংলইন চাটেল, নার সাম্তরণ থেকি তামূপ কাতিপয় রক্ষণদীল সদক্ষ শ্রেক গ্ৰন্থেণ্টকৈ ভীৰভাগে আক্ৰেমণ করেন। क्षेत्रका नरमन, याकी अक्षेत्रेन अक्षिएक भाग्रकः, १८२४ कार्य छेटलिक स्हैप्रोटक । ভাগেত মৃত্যি মিঃ ভাগেজ্য চাও্য উত্তরে यरनन त्य, व्यापारमञ्जू मकारक्षके बाज द्या किमिनि भारत्यं युक्त सामरेमिधिक भारता त्राचाक भारतात अक्ति व्याप्तारम भक्षक कत्राहेबारहरा। देश छोशांत पूर বভারতিয়। আমাদিৎকে যদি কথন লাপ্তির পূল নরিয়া চলিতে দেওয়া হয় ए छ। मन्द्रारलका कुण्डियत काम श्रेरव । অংশের ভাষত গঠিব বলেন, পার্শামেন্ট नामानागारवे क्रमनाम दशन क्यनियानीटमञ्ज PESEI W ক বিশেও यक्रान्य सम्बद्ध कार्या नम्बन सामिन भारक ।

#### কর্থের মট্টছেড নিক্লকেশ तकाक (पट्ट अटचत्र क्रकावर्डन

गार्ड व्य देखियात वर्षा विखारभय দর্শ্বচারী কর্ণেল এইচ, টি, মটহেড ১৭ই त्य त्या वः काण वहेरळ अपृत्र वहेशाध्वन, কোগাও ডাহাকে পুলিয়া পাওয়া याइएएए ना।

গ্রোতে আট ঘটকার সময় ভিকি-ट्याप्नांत एष्ट्रिया द्यम्प्टिय वास्त्रि स्न। অভঃপর রক্তারু দেহে ভাছার ঘোড়াটা कित्रिया आशिशाद्य, किन्द्र कार्यन महेरबक এখনও ফিয়েন নাই।

कर्नागरक पू भिवा वावित्र कवाव लक्ष **हान्निक्टिंक रमारू रक्षत्रम क्या ब्हेमारक।** क्षि मक्ता १के भगक स्कर्द स्थान नकान पिएड गार्स गारे।

প্রতিশ্বতি ১১



तिश्च (०४ :
वाधिक २०

त्याभिक २०

गामिक २०

गामिक २०

गामिक २०

गामिक २०

-

の日本・大学「本」 (Alania -

हं ये ] मन्नामक-शिष्टील । १ वत्नाभाशाय, त्रमान्त्रताठन्य। ७

মিলতশাৰ**ট জিলাৰ মা**ৰাপুৰ ৮ই জোষ্ট শুক্ৰবাৰ ১০০৮, ২২০ তেন্ত্ৰ

#### নানা কথা

।। ভিপুর নবধীপ ঘাট রেপওয়ে বর্ষার যাজীদের অস্থাবনা

भ्रानक लबालिय नव है. वि श्च अरब कर्डुनक नाविश्वत नवधीलवा है াইট রেলওয়েন্ডে ক্রান্তিকালে আলোর কেরোগীনের ।वश्रा कतियार्ष्ट्न। व्यक्तिक ज्ञात्माटक गाजिनम् अक्कातित **৬মঙ্কর দশন হউতে অব্যাহ**তি পান, प्रश्रीः के आत्मिक मत्मन छाण बांगटक बहेटर । किन्न छ।रशत विषय अहे ा, ओ चारलाश्चील मिर्नित (बेला श्रुणिया दाथिता जात्नात मृश द्यमश्रीन वर्षात करण याजिशनास डिजनकरण निक बहैवाव হুবোগ দেয়। এডহাতীত অনেক থিড়কী केटबानम कर्त्रा इत्माधा । এवन वदाकान, আগত প্রায়, স্তরাং আমরা এই সকল বিধয়ের প্রভীকারের নিমিত্ত কর্পুণের সুট্টি আকর্ষণ করিতেছি।

#### ছাঞ্ছ নিবারণী সমিতি

নুগীয়া কেলার অনেক স্থান হইতে ছডিফের সংগ্রান পাওয়া যাইতেছে। আমরা ত'না প্রথী চইলাম, চভিক্ নিবার্থী ধ্যা সমূহ্যর প্রতিকারকয়ে কার্যা আল্লেস্ক্রিয়াতেন।

#### भाषा धार वहेन मि

भागी कार्या करना महिल्ला भारता कार्या कर्मा कार्या कर्मा कर्म कर्मा करा कर्मा कर्मा

# गाकी वात्उर्गमाक

শান্তিপুর নবরীপ ঘাট রেলওয়ে— বর্ষার যাত্রীদের অস্থ বিধা

# দুভিক্ষ নিবারণী স্যিতি

কলিকাভায় থেপ্তারের হিড়িফ

# জেনারেল আভেরী

বঙ্ড় জেলা রাঞীয় সম্মেলন

# আচার্য্য রায়ের অভ্যর্থনা

मात्र (म 1 श्रमाम मर्द्वीधिकाती

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

भाराक ४४॥

মান 🔑 ভাকটিকেট পাঠাইলেই বুকপোষ্টে পাঠান হয়।
ম্যান্সেন্ডবার প্রান্তবিভাগ শ্রুচেডখন্য, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীরা।

ভারতে চার তাহা হইলে ভাছাদের কতব্য ।

— স্বংগ্রেদের শক্তি তিছি করা।
প্রত্যেকেরই কংগ্রেদের গ্রন্থ্যক কার্য্য কার্য্য কার্য্য কার্য্য কার্য্য

আচাধ্য হানের আচাটা প্রফল্লচন্দ্র ধূলনা কেলার মূলঘরে উপস্থিত ধইলে প্রীযুক্ত নেপালচন্দ্র রাম ও কিরণচন্দ্র বস্থ প্রমুখ বহু ভদ্রলোক এবং একদশ

ভাগিত হ'ন। ভ্ৰপরে ইতিকে প্রস্থিত ত তেব ভিতর তিয়া হ প্রনিব সহিত শাহাসকো কবিচা লটায়ায় ওচা হয়।

সভাষ পারিতোতিক বিভরণের গণ মান্টার বায় গাজিপিকে বলেন— জ জন জায় ভধু পভিয়া যাভত লান— দ্বিদানের জাবনালপ ভির কবিয়া বেহমান পড়া কল নিষ্কারিত করিও। ভগু বি. এ. এম ব. হইলে কেবল বেকাবের দলই ডান ভইলে।" ভিনি আরও বলেন, — বান নায়ের দিকেই এখন ভাই'নের যাওব

হানায় লোকনাথ উচ্চ হণ্যাকী স্থানে প্রথার বিভাগ উপলক্ষে নহুত রমাপ্রবাদি মুখোপালায় গও ১৮৮ মে প্রাক্তে রালারাদি মুখোপালায় গও ১৮৮ মে প্রাক্তে রালারাদি লোক করে ও ছার্রাণ করিছেল। তাহাকে বেলা করেনা হালান মোটার্যোগে উন্তোভ হলেন নৈরের বাড়া মান এবং ভর্মা বর্জান করিছেছেল। তিনি লোকর করেনা নামাজ, সমাজ নেরক স্থান, পার্বালক লাহব্রেরা, কে, মার, মোকনি, প্রাক্তিনি, প্রাক্তিনি লাহব্রেরা, কে, মার, মোকনি, প্রাক্তিনি, প্রাক্তিনি লাহব্রেরা, কে, মার, মোকনি, প্রাক্তিনি, প্রাক্তিনি লাহব্রেরা, কে, মার, মোকনি, প্রাক্তিনি লাহব্রেরা, কে, মার, মার, মারনানি করেনা।

মভাপতিকে প্রস্থার বিসরণ উৎপর সম্পান হয়। ভাত্রণণ আবৃত্তি, শারী-বিক ক্রীড়া ইত্যাদ প্রদর্শন করেন।

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

থোলা হইগতে।

আভিজ্ঞ ও আদশ্চরিত্র শিক্ষকগণ ছা শ্ৰদিগকে লাঁত যাণ্ডের সাহত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। ানদেশী ছাত্রগুপের জন্য বিনা ব্যায়ে সুন্দর বাসস্থানের -ক্ষেত্ৰত হংকে। ছান অতীৰ সাহ্য কর।

> সবিস্তার স্বাদের জন্ম নিম্নলিখিড ঠিকানা পত্র লিথুন। সেলেডারা, ভাকুর ভবিদানে ইন্টিটিডট্ জীচেওখামঠ, পোঃ জীমায়পোর, নর্মায়া।

# স্তবণ স্থায়েগ বেলী দিন আর থাকিবে না

- (mm mi)---

#### का ७ छ- नि अङ्क छे यथा ल ८ इ. द

৫০ বাংসরিক আত্তেজ্থেশৰ বাজেৰণ জুবলী শেষ হহতে আৰু বিশ্বস্থা নাই। এই এৎসৰ শেষ ইইলেই গুৰুৰ স্মান্তঃ তে শ**েক্ত-সঞ্চিৰনী বটীক।'' প্**ৰেৱে र-फ्रांबिक ३२८ छ।क। मुस्लाई निक्षय क्वेट्रर । ७३८**म स्म श्राण्य छैडा** ৮০ ডাকায় পাওয়া ষাইবে। এই বটীকা এক কথায় বলিতে গেলে নব-তীবন দান করিতে সমর্গ। স্তব্ৰ জ্বিলীর কথা উল্লেখে আঞ্ছী মনিঅভারে ৮৯ টাকা পাঠাইয়া উহার এক কোটা লউন। সমুর হউন। বিলম্মে निश्वाम क्हेरनम्। ५ला खून क्हेर्ड ५२ - छाका मुरला निख्ना **क्हेरन**।

প্রাপ্তভাল ঃ –আভদ নিগ্রহ ঔষগালয়।

२ असार मध्याकार है। विभागामा

# কাবরাজ শাশভূষণ কবিকপ্ঠাভরণের



भमः घटन दे अ वश्य क्रमा ५ कार्र लि नटक घरोकुर कारकाद क्राविदर्श हमा प्रभाव क्षेत्रम क्षाटक लाहाल वध, ववाटक क्षेत्रटमव द्रवाल शहितकेल कहा कहा आहे। भूगा अर्थिक निर्माल ४० व्याचा, शाहरे अले॰ व्याचा, ट्यावास २०० व्याचा ।

ভাফিস-১১=ং উল্টাডালা রোড, পোঃ শ্যামবাকার, কালেকা শ

# CHIMETY'S

i allmin un a nigtemte, einenfes ein बाक्षारंद क्रमान्य, वरश्क्षम, मान्य दश्या, दुम १६ क्कृति, अतिका क्ष्मिक अधन मदर निकाय व्यारक्षण्या क्षत्र । क्ष्मः, नीवेतः स्थानः पृथ्वि कविद्य चविकोत केविक । भूका, ०० वर्षे ५ - अक केवित । "मण्डमकाचात्रि शक्ता लक्ष्यक्रशीन दश्चाल वाक्षयद्वाल वाह्य व्यादिशीना করিবা শক্তিসভান্ন করেও মুক্তা ব প্রেংলা ১, ইংকার | "কুমণবিলাসিনী বটিকা" নীকাধানৰ কৰক সভোগশক্তি স্বামী ও বৃত্তি কৰিছে

म क्राप्त्य । पूरा ३० वसे 🚉 अन होता । भःचरतः मान्नान्त्रभक्ती, त्कन्पनक्ती ১৭৭বং কারিবৰ ব্যক্তি, ভলিভাতা। <sup>1</sup>

# शरेर्डामन

## কোষরদ্ধি রোগ

फा: **क्ष्म, द्धन, त्याय विनः व्यत्य**, शानकीनत्वत्र शाबाछि विश्व देनक्रांकक कानारीटक ८कामवृद्धि दशन कारबाना किया बारकम ।

> 日本141― के अर कड़ेन हैं है, बद्धवाश्राप्त, TO GIGHT

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

# দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌযধ

समिद्ध किटन मन्यूर्व चाट्डाना

· दर्शनी अवस्थिति इक्टन । अभिम भारत्यत्र वत्र । यास्त्रा स्तर आगातः ) लाठे। वृत्याना विष्युक्त विषया का व्यवस्था क्ष्याच्या व्याप्तिक द्वानी द्वानी खेयन दर्शको वस चारवीया ना बख्या लगान लाजिलामक निटल बहर्य महि। भगीत दत्रामित्मत खेत्रह तरन कतिया छिक्टिमा करा क्या विश्वातिक frarces au am miein bie ficeb no fen Beinig munuin

ख्योक शिल्ठक के कील, वक्षा-fofकरमक, col: रेसकाठी, afamin i अथना नित्र विकानात्र माकार कवित्रा विद्यादित आसिक गाहिल।

अव्युक्त कामरश्राणां मञ्ज बम्, ब्ल, क्रक्रमश्रत, महीद्राः। अव्युक्त क्रियम रित्य, ३३१, ८वर्णबाटमाला श्रीष्ट्र, बावेटबाला, काल काला ।

একখানি পত্ত ৷ অ মার ত্রাভূপুর গত ১৪ মান বাবৎ রাজ বস্থার ভূপিয়া মুক্তপ্ৰায় এবহাছিল, কালকাভাৰ বিজ চিকিৎসক্ষৰ ভাগের कीनराम आमा काम कोडा म्य भ्ट्रास कस करणका करिएकि शाम এট সময় ইইমুড কিনীপচত ভাকিল মধাপর মাত ১০ দিন চিকিৎসা कावतः मण्यून व्याद्धांका कावता (अत्राह्म (आह.) श्रिमशिक कित्यांक हाय ८० रेषूकी ( कामनाब मानिका ) व्या क्षेत्रि, निष्ट विक्रित । क्षार्मास्यमन मार्ग्हर किमाइस्थल, कालकारा।

# মনোমোহন প্রেস

পূর্ব্ব-বাজালার স্থলভে সকলপ্রকার ছাপার জন্ত বিখ্যাভ বৈদ্যুতিক মেশিনে দিবাহাত কাজ চলিতেছে বিশ্বত জাবিতে হইলে নিস্ন ঠিকানায় পত্ৰ লিখুন

ম্যানেজার—মনোমোহন প্রেস্

केंग्सर नरार्थात जाना।

# মর: মাত্র বাঁচাইবার উপায়

যদিও আন্তাপি কাক্ষম ধনা মান্তব বাঁচকেবার জোন উব্ধ অন্তিয়ত চচ লাউ প্তা, কথাপি বাচায়া নাৰাবিষ প্রকিছমিত উপার অগ্যামিত প্রকি মই কবিয়া জাাতে अञ्चा क्रमा डाक्शास्त्रन वर्गः स्थाना व्यक्षात्र (२०, व्यास्थ শাভু দ্বীরালা, সায়ুবিক গুলাগড়া, বৰ্দ্যুত্ত, গুলায়, পারক मरका**स** भी हर भन जनर छोटना कमिटनब मध्या नाका नामक, वक्षा, मुक्तरमा, एएटका, ८५७ क अ**कव्यम, क्रिट**िस्स আছাত বোৰে ভূগিল জীবনে নিয়াশ ংইরাছেন, গুলের আমেরিকার প্রহাসন্ত ভাজার পেটাল সাকেবের আবিষ্কৃত ইলেক্ট্রিক সলিউসল ব্যবহার করিয়া বাছিছে পারেন, काकाम नक मन्स काशान व्याप नरमटर मास्ता मानेटकटक ये।काशा मध्यक वस्थिव छेयन वावकान मुक्तिया चारशामा करणा পারেন নাই, ডালায়: অভবার এই গুরুষ্টা বাবহায় করিয়া रमभूम । अरु बारमङ कानकारकाणरमाण्यु अरू निश्चि स्थाप BIFRIEN SIC SIC BIFF HIM !



(7) M (100) ডাঃ ডি. ডি. হাজরা।

क्ष्कित्त, मारक्ष्मीत्रक त्याहे, क्रिकेंग्ला Boil will was fire fifetan

#### भाम सम्बद्धानम

'সাহিত্যিক' বলিনা সম্মান অনেকের रहेबार्ड ७ इटेरन, 'मान्नावामी' मार्ननिक' विद्या गणान व्यानत्कत इत्रेशां ए ७ इत्रेत, 'ভশ্বাদী দার্শনিক' বলিয়া সন্মান অনেকের হটরাতে ও চটবে, 'বাগাঁ।' বলিগা সম্মান ष्मदनदक्ष्ये भाष्ट्रातकम ७ भाष्ट्रदन, स्मीन्सर्था-বিজ্ঞান অভিকানী অনেকে হইগ্রাডেন ও হটবেম,সরকভার অধিকারী অনেকে হট্না-एक व इकेटनन अवर छत्तरमनात व्यक्षिकाती छ च्यानात्क ब्रहेशार्या अ ब्रहेरलम: किन् একাধারে বর্মান দুণে সাহিত্যিক, বাগ্যী, भागांताम ७ एक्तानितहारतत स्वभीमार्भक, भोन्मगानिकाश छत्ने ऐसक् अकृतिम श्रीत-গুরুবৈদ্যবদায়ে স্তানিপুণ —্যেটা জগতে অভি বিৰুল,দেরণ একটা অসম্ ঋণ গেড়ি-গগনে উদিত হইয়াছেন, ভাহা কি ব্যুমান সমা-लांठक मन्त्रमास लका कतिशास्त्रम ? यपि मका कति। शारकम, 'हाहा इहेरें बहे জীহারা জানিধেন ্য, ব্রুমান অক্তামিজ্র-গগনে একল একটি প্রার্থনী। আলোকের উদয়ের আবহুকত আছে।

कथार्थे हिल्टिस्टर्छ। देवसन्वक्षम्द्रमञ्ज्ञाहम আদিলভাপুণ বাডুসভাগিবির অভাব নাই. সেলিমাবিভার নামে কারই অপক্র সাহিতা ক্রণতে জন্ধান আনিতেতে, কিন্তু সেগুলিব তথাকবিত প্রতিভাব বিদাশকরে যে ঋকটি चौत्र विश्व एकारयात्राता चन्न विभ अञ्चलका ফারিগণকে ছাত্র করকরংমর হটতে শান্তি साम करिएडएइन, डीशात कथा। कि भावेक : प्यादमात्मा करियारतम १

'ণৌড়ী৷ নামক তে একথানি সাপ্তাহিক পতা পৌট্ৰায়মঠ হট্টতে আৰু আটি বৎসৱ कांक गाउर क्षकतिम् इडेग्स्स हाजाउ পাঠকগণ নিশ্চ টে এই অভ্লানীয় নক্ষএটিৰ গতিবিদি লক্ষা করিণাডেন।

एके लागरण केश निरमसंकारत सकत्। **করা কন্তব্য যে, ভাড়াটিয়। হইবে ালগক**ু अध्या गात्र सा का औडक लाए ५ तुक अञ्चल । অগ্ণা নেক নাহ্মা নিরপেক্ষতা থাকে विश्वादिक कृतिम यह कतिरम स्कटे নিরপেক সাভিভাক ইউতে পারেন না, এবং অল্বার্নেন লোমন কবিতে শিয়া भवकात बुक्ति मध्य आंश-अशट केम-प নৃত্য কৰিতে শিখিলে নিতীকভাবে সভা क्या विज्ञात स्थान हम नः। **ाई मक्न** व्यानाभानत इष्ट इहेर्ड मुक्त इहेग्र নর্তমানকালে গ্রেট্রায়সম্পাদক পরিভ ध्यवतं अनीम ध्रमंत्रानमः नत्रविशावितान चीत एकन शिष्ठीत बादा तक्षभाविष्टात

#### ত্রীত্রীগুরুগৌরাকৌ জরতঃ

# দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

নিত্যপাঠ্য বৈক্পবাভাবি নেদালি সমস্ত সাত্ত-শাল্পের অরুত্রিম ব্যাখ্যাতা সমগ্র ভারতে একমাত্র রূপভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

क्षानाकार कार्य निर्देश के दिलाने कार्याचार निर्देश

পাঠকগণকে নিৰপেকভাবে সফল্মে নিযুক্ত হটধার যে অপুরুষ স্থযোগ দিতেছেন, তাহা আশেষ ক্লেশ ভোগ কলিতেছে, স্থাগর অভুলন্ত্র ৷

একাধারে দাখত সাহিত্যিক, দাশনিকের অক্লজিন দরশতা ও পরোপকার স্পৃহা शाहित्कत समग्रमम बहेर्न ।

অ্যামনা আশা করি, উপোদ স্তল্মনানলের বৰ্ষনাৰকালে ভিজ্ঞিলভিত্তোর নামে কভ<sup>্ত</sup> অস্থ্যমনে গৌড়ীয়মঠের অপরাপর প্রচারক বর্গ ও কাথ্যকারকগণের ভাবিগতির গণ निष्पिष्ठे इटेट्ट। मटानात कानत कतिहरू পাবিকে স্বলতা আপনা ইটতেই প্রকাশিত হয়। অশিক্ষিত দান্তিকগণ প্রকৃত গুদ্ধ হরের সৌল্লক ব্ৰিতে না পারিয়া ভগ্রতাকেই নিধ্যক্ষতা ব্যান্সনে করেন। সেইরাপ অস্থাকুকম্বীরের ছালা গৌড়ীয়মাছিতা স্থলিত ইইবাৰ আন্দৌ আশা নাই। সহস্ৰ मध्य मध्यप्रतीय व कुक्यतात पाउँहा पार्टात, किंद्र शतिकीयमकाती निष्ठाष्ट ছণ ৮— মিন্ডিশ্য বিশ্ব।

> अस्य नाकित निक्षि नानकानपुक ক্ষপটক্ষিসম্প্রদায় যে গুরাশ্যর ডিড। বঙ্গ करिएड:७म, छाश्चा दली जेरहर दादक लाठे ক্ষারিল নিষ্ট নিজ ছবিজ সাংশাদন করিলে নিম্মুক্ত লাভ করত বর্মান্যুগ্র ক্রাণ্ স্থানন কারতে সমগ হইবেন।

#### শ্রহা

অন্তকাল হটতে অন্তভাব মান্ম इडेशा प्रभारत समन करिताकाछ । स्नीत चक्र छ: द्रभागम, अहे शक्त विकृत स्टेग (अलिताक्षावनाटः भासात नाम हहेसारह। শ্রীনীমাগাপুল বলিভেডেন,-

कोटनल कक । इध क्षांकर निष्ठालाय ( कुष्ट राज्य पुरुष्टे हैं न अमानियशिष्ट्रीय । অভিনয় মায়। তালে এক সংসারহঃখা।

মায়াবদ হইয়া এসংসারে পছিয়া জীব আশায় মন্ত্র হইয়া চতুদ্দিকে ছুটাছুট করিতেছে,মনে করে অমুক বস্ত্ব পাইলে বড় ৯ম বর্ষের ৩৮ সংখ্যা পাঠ করিলে এই ্স্থুখ হইবে, কত কট ক্রিয়া ভাগ পাওয়া গেল, কিন্তু ভাষাতে ভ স্থা নাই; ভবে वृक्षि आत এकी वस भागेल सम इहेरन । ুকিন্তু ইহাতেও রুখ ধুইল না, আশা মিটিল না, প্রাণ ও কুড়াইল না। বিপুর দাস হইয়া তার লাথি থাইয়াও ঘুমের ঘোর ভাঙ্গিতেছে না, ডাগাকে ছাড়িতে ইচ্ছা হইতেছে না, ভাগাব দাদত্তে বুকি কিছু স্থুখ আছে, তাই জীব ভাষার জন্ম এত वावारिख।

> यभी धरमंत्रः स्थीतस्य प्रतिस्त्रतः पिरक স্বাধ চাহিতেছেন না, বুকিমান মুখের ক্ল। গ্রাহ্ম ক্রিডেছেন না **অ**বিদ্যারূপ বিভা দিপাজন কারণ সেহ অভিমানে কেছ বা ফুলিনা মড়োইতেছেন, কেই বা তাহা না পাইল। ছাথে অভিভূত হইলা পড়িতেছেন। চিম্মর রাজেরে দিবারত জীয় আ্রু म्भारत्व धुनाव भोग्ना यथन छोल्ल বানে অন্ধারূপ নিক্তপ বাবে ছারা বিজ্ঞা-मिक्किन पुराकातः विद्याप्त व्हारत, उथन्हे রঞ্জের ভেগাড়ে রফভাক আপনিই বাহির কইবে। তথনই চিনাগরত চিনানেহে याद्रीत्व । दकाशाव दगाँ नवा गति १

এট সংস্থারের অনুশ্য ক্লেশে বাথিত হট্যা ভাষা ষ্টতে নিছতি পাইবার ইচ্চার : ছইনে অংব क्षेत्र:तर कांस्य श्रीकात कतिग्राहे असेक. অথবা শাস্তাদি আলোচনা কৰত ভাষাৰ `কাৰ্নে ৷ কিছু প্ৰোক্ত এজাবান मधार्थ अर्थ विहाद कविशा किया अर्थ (१) কোন কার্ডেই ইউক, ধগন জীবেল মনে দৃঢ় বিশ্বাস হল - ঈশ্ব মহানু, সক্তশ জিলানু, কিবেন না। ভাষার কলে হাংকল জীংকুল, শতিহীন ইয়াৰ স্থাধন, জীৰ জাৰ লাগে—ছিনি ভাষাত স শ্রীহাৰ আহিছা শক্তির অধীন, ঈশর এড়া, 🖯 জীব দীনহান দাস 🖫 ৬খনত 'আনন্দ্রগ্রেক 🧎 সমস্ত শৌককা, ত শোহনস স্কাশ্য উচ্চিবর আশিত হটার ইয়া ব্যাগ্র্যমন্ত ক্রেণ্ বিজ্ঞান্ত বাহরাগ্র-हा के कार्यकर हैं कर रहे जान अधिनिया, **यह अनु**हान कीरवह श्रक्तांवा के प्रिष्ट करेंगा তীহাকে পাইবারও অন্ন অন্ন ক্রি, অলগত, ভা ও জোগবিমুক্ত হটকা.

८ठ है। इस्। इंश्हें आकात टालम कारणा; কিন্তু জীবের স্বভাব বিক্লান্ত হওয়ায় জীব **জড়াসক্ত হ**ইরাছে, স্থতরাং সাধুস্ व्यक्तारा ना नुमन्नकारम এ क्षका एक्नारत শুক্ষারিত হইতে পারে। অভএন এই সময় ছইতে সাধুসজের প্রয়োজন। সাধুসজ ক্রমে শ্রহা ক্রমশংট বৃদ্ধাপ হয় এবং শ্রহ্মার্ক্সার সভে ব্যাক্সভান্ত বাড়িণা উঠে। তথ্য কি উপায়ে জীব শ্রীভগ্রানের চরণ পাইবেন, ভাছাবই অবেষণে ঘ্রবান ভগন তিনি প্রথমেই দেখিতে পান, ভিনি অনার্থর একাস্ত দ্শীভূত ও ভাঁহাৰ সভাৰ স্তপ্ত। ভিনি ভগন কোন বিগতিখনথ জাগতখভাব সাধুর পদাশ্র পুঞ্জক একনিষ্ঠ হটয়৷ ভক্তনকাৰ্য্যে প্ৰেবুস্ত ध'न। अकात बने 'धनकात नाम**ें** पृष् বানিশুণ্ডদেশিনী কা৷ ইহাই "ভক্তি-লভাবীক"। এই সময়ে শ্রন্ধাবানের থেরপ ভাব হয়, ডাহা নিম্পিথিত বাকো প্রকাশ इटें एड । यणः-

भ्रषान्यक 'विश्वाम' कर**श स्न**पृत्तिन्दर । क्रक डिक किला मक्यमा वर हर।"

अकार्यान् कीरवंद्र गरन मृह्दिशास हन्न, একমাত্র কুঞ্চত ক্রিই ফীংধের প্রভাব, প্রীক্রঞ্চ-দেবা বাতীত ভাবের কন্তব। আরু কিছুই নাই। স্রভাগে ইক্তাঞ্চ ভিক্তি করিলে জাবের সমস্ত কাখাই কর। ১ইল। কিন্তু মায়াব্দ্ধ হটয়া জীব বিরুত্তসভাব হটয়া-ছেন। স্তরা সভাব প্রাপ্তি শ্বাস্ত দেহ योजी सुमारकरण मिनराइ शृतिक क्रकासुनीयम করাই প্রেয়ঃ। তাই তিনি ভক্তির অন্তব্দ याः। किছ, टाटारे मात्र श्रीकाश करतमः। ভক্তিপতিক্স বাহা কিছু, ভাষা জীবের কষ্ঠা নঃ বলৈয়া কদাত গ্রহণ করেন ন। ।

লকাবেন জীবের কর্মাধিকার নাই, কাবন নিখাম কথেব ফল যে প্রথা, ডাহা হটতে উত্তম এই সাদ্ধা প্রার্থন স্বভাবত্তই উন্নয় क्षेत्रार्थ जी भक्ष है । दाक रनिर शक्ष्म,— इत्तर कामः। विक्रिक्षेण्ड स

निर्निदर्शक गांदका । अध्कर्णा नवसारमे का मक्ता शावक स्थारण्ड । যুক্তিন কৰ্মান্ত্ৰৰ প্ৰতি অনাস্কু না ा नियम सार्वकी है। জাবান মা হটাল উত্তিন কথাজান कथ्रमत्म ज्ञामक महिः वातन हिमि १७५१र ক্ষান্ত কিন্তু আৰু কিন্তু প্ৰাণ্ট মতেন। ডিনি "সক্ষ্যান পার্ডাড arter 1 প্রেয়া সমস্ত যাতনা জুলেইলাব আগবা । একমাতে ভ্রুলানত প্রাণ্ড হ'বল, ভিল্ল

কলোন ক্ষাপুশালন" : পা "উওমা ভক্তি" ভক্তিলাগারীত অভ্রিত ক না। আচরণ কাণতে দল দায়দ্রীল। স্নতরা, তিনি যোগীৰ যুক্তি বিচাৰ অবচেক। কৰিয়া বিশুদ্ধ क्क ज्ञायाता वर ४० । कावर "ज्ञातान জন হয় ভিজ্ঞানক:বা" একমাত্র ভারাবান্ বাক্তিই ভাজ পাইবার যোগাপার এবং ক্রেক্মাত্র"ভক্তো ভগবানের অনুভার পূর্বরূপ" ভিজিছার ই ভগবানের পূর্ণ অঞ্ভব হয়, জ্ঞান ও যোগ দ্বাবা তাঁহার জ্যোতি রক্ষ ও তীহার এক অ:শ প্রমান্তার অন্তব হয়। স্তরাং এদ। জীবের বড় 'আদরের ধন। শ্রহাবান্ সাধক যতদিন সাধনভক্তিরাকো অবাস্থ্য থাকেন, এই শ্ৰদ্ধাই কুঞাপুৰীলন-ক্রেমে অবস্থান্ত্রসারে নিসা, ক্রচি, আসক্রি আদি নাম ধাবণ কবেন ৷ ক্রেমে ধখন ভাব छित्र इय, उथनहें अहे अका निर्श्व अका, রাগ বা রতি নাম প্রাপ্ত হয়। সেই রতিই <u>েলমমন্দিনে প্রনেশের ছারশ্বরূপ।</u>

अकारान् स्रोत এकमात्र क्रक्षछिक বাততে অবে কিছুই প্রাথনা করেন নাঃ যদি হলভাবেও ভাঁহাদের মনে অকু বাঞ্চ থাকে, তাহ। হইলে বুকিতে হইবে তাঁহাদের শ্ৰহানিগুণ উদেশিনা হয় নাই। সাধু**সজ**-ক্রমে যতদিন তাহার৷ ঐ কামনা তাগে না করিতে পারিবেন, তত্তনিন তাঁহাদের ভক্তি-লাভের আশাও কম। ৩%ভক্তিই জীবের েশই ভক্তি পাইতে হইলে প্রথমত: প্রকার প্রয়োজন। প্রকা বাতীত। তাহা কোন ক্রমে লাভ হয় ন। ।

## অসাধুর লক্ষণ

( প্রীযুক্তা অপর্ণা দেবী )

মাগাগ্রাও আমরা ,সাধুনিশ্য করিতে ৰাইয়া অসাধুকেই সাধুর আসনে বরণ করি, সেই নিমিত্ত নিতাকল্যাণলাভেচ্ছ বাজির পক্ষে সমাগ্রে অমাধুর স্বরূপ অবগভ 美丽 带着打了

এইভন্তই অগদ্ওক্রণে অবতীর্ণলোক-শিক্ষক শ্রীকৃষ্ণতৈভন্তদের রূপা করিয়া স্বীয় শ্রীমুখে অসংসুর প্রকৃত পরিচয় দিয়া জীব-মাত্রকেই অসংসঙ্গ পরিনক্ষন করত বৈক্ষর-সদাচার এখণে উপদেশ করিভেটেন,---"बामरमक डाँग डाइ देनका बा**धाना** । স্থীসঞ্জা : ক অসংগু, ক্লাভজ আৰে।।"

আত্মনাশকর অসংখ্রমত সর্কাত্যভাবে পরিত্যাগ করিতে না পাবিলে কথনই **পরম মঞ্জাদারক বৈষ্ণব স্বাচার এত্তার** যোগ্যতা লাভ হয় না। রুপেত্রকামী অসাধুৰ সহবাস বৰ্জন না করিলা কেটি कज्ञकान माधुत्र माजित्या योग कतित्वध কিছুমাত্র ফলোলা হর নাঃ ক্রেণ- পরায়ণ ফল্বডাগীকে আনর্লের স্মৃতক

অক্সভিলাধিতাশৃষ্ঠ জানকর্মাজনার্জ আর- অসদ্বিধয়াভিনিবিট মরুতুলা চিত্রসমতে শিধবে স্থাপন করি। থাকি। কিন্তু

একটি শুশ্ন উঠিকে পারে গে. যদি কর্মধোগীর সম্মকন্ম খভীত কশিয়া, জ্ঞান- বিকাশৰ বাক্তি নৈধাক অবৈধভাৱে কাশিনী সঙ্গ করে, সেই ব্যক্তিই কি স্ত্রীসঙ্গাঁ 🤊 ভবে ভক্তিবোগে ভাব ন্ জ্রীক্ষান্প্রেক গাইবাব : কি স্লাগণ এই বিচারের অন্ত: কি নহেন ? এভছন্তরে শাস্ত্র ও ভক্তনির মহাজনগ্র বলিতেছেন, স্থা অলুনা পুৰুষ যে কোনও राष्ट्रशांत्री कींनमरना याद्यान रव दिनरव আসজি, তাহার গকে সেইটিই স্ত্রীসঙ্গ বা যোধিংসঞ্চ। কোনও ব্যক্তি যদি অপতা ক্ষেহে নিতান্ত আসকচিত্ত হন, ভবে ঐ স্বেহট ভাহার বন্ধনের কারণশ্বরূপ যোধিং সক্ষয়ে প্রিচ্ছিত্য কেনেও স্ত্রী যদি 🕮ক্লয়ের পদার্থিক আশ্রেম না ক্রিয়া ন্দানিতা প্রারভ পদির প্রীভিতে বনীভূত ় হ**ই**া পড়েন, ভবে '<u>টাহার পজেও কাক</u>-প্রীতিই ভাহার লাধুসকের অভ্যামপ্রল স্ত্রী-সঙ্গ। ক্লঞ্চ বাতীত ইত্ব বিষয়সকে ধে **আনু**র্জি, ভাহাই ,্যাবিংসক

> বিভন্ন জ্ঞানের আবেশ্রক। কাবেশ আজিকাল । উচ্চার অসাধুস্থ রাজনট গলাগ্রন্থ ক্রতা। **ভक्तत्वधाती लाकवश्यक्त** क्टर व অভাব পরিল্ফিড হয় নং ৷

च्याटच्यां स्वर्धा हो विकास माजिए स्टेश যিনি যেভানেই জীলগবন্ধকনের বাহাজ্যর প্রদর্শন করুন না কেন, ট্রিছায়স্তথকামী मयुक्त मच्छानागरकडी मः भाषा "बनः" तः 'আভান্ত' সংজ্ঞানারা অভিধিত করিয়াছেন।

दिवह ८७। शंक्रमा भूगमनाटस्य कर्ती, নির্ভেদ ব্রহায়সন্ধানপর জ্ঞানবাদী মৃত্যু, নানা অসৰুদাণীড়িত অস্থাতিলানী, কেইট প্রম ল্লেইত্র গোবিক্সপ্রিয় ভক্রের পদবঁতে ष्यादबाहरायाचा नाहन।

यनि ७ প্रकालामनाभूरम नाग्रावानिश्व করেন বটে, তথাপি ক্লঃপ্রীতিকামনাব্যিত ভণব্ৰিতাৰে 'মাডিক'বুদিকারী ভাষাদের সেই শুবন পুঞ্চনাদি ভগণানের তৃষ্টি বিধান করা পুরে থাকুক, ভগবদকে বজ্ঞদম বিদ্ধ EY I

"আমেডিঃপ্রীতিবাস্থা ভারে বলি কাম। कुरक्षक्षित्रश्चीिकताका भटत ८ धम नाम ॥"

—ক্বিকুগমুকুটমৌলি **জ্রীণ** ক্বিরাজ লোখামিপ্রাপু এই চুইটী অমিরম্ভিড ছবে অপুৰ সিদ্ধায়ভাৱার সঞ্চিত কবিধা রাপিণাছেন। যে স্তানে আয়স্থসভোগার্থে (कान शकात .5ए। मिका इंटेर्स, सिट স্থানেই কামের প্রবল আবিণতা কান कतिएक इंट्रेस । इतिरमवारनीना धिम य अमरा ब्लाटेकम्या, श्रुटेखम्या, विदेखम्या हेळानि 'ध्रमा'त प्रकार, (महे ऋड:क्रम क्रकाञ्चलकारीन ।

আমরা কথনও কখনও কৃচ্ছে সাধন-

শ্রীংরির সেবাকামনাতীন কপট ভাগী ৪— क्रका इक । র ১৯ জিগরাপুর ভাঃার **चक्रदेवला**रभारत এক কাণা কড়িও মুগা নাট। ভাগীও ক্লাণবে আছোনিয়ে প্রীভিকাদী। অতিবিক ভোগের বিদ-জালায় পাড়িত ১ইয়া বনানীৰ নীরব সৌন্দল্যে, বিভিন্নীয় মৃত্তকলনাদে, প্রস্তাতের মহান দলো প্রাকৃতিৰ ক্রোড়ে উপতি চটয়া পে'ও ল্যাগের প্রাঞ্জ সক্ষান ভেরেনট का अपन का हानमा का भी भुभुक्त भाषां न सहात्रकृत साह ।

ज्ञीक्रकशी डिनिक इटे कंक्सत्र मिक्सिक्स মহা গণবভগণই সাধুৰ মধেষ্ত্ৰ সিংভাসনের একছেজ সমটি। ात्रका स्कटमर 'यमानू । 'याचिन, ताज्ञेन, कशांज्ञा, त्वजा भन्नदन्त, मारु, महक्षिः।, मशिद-काः, न्यास्, काडिए विश्वे देखाति नामत्त्री व्यक्तका का । मस्स्राम् । 🥺 🗃 । अनुरस्मिती हुन्छः । । । । । । উল্লেখ্য সেবালাভাপ স্বার্থ স্বাম ক্তব্যের অভ্যক্ত স্থাক্ত সমাগ্<sub>কি</sub>ণ ৷ পুরণাগ লাভেৰ বাসনা বিভয়ন আছে

### जा मर्भ

च्ची नम दिलामात्रअंश भामाविकार्ते.

এঞ্চাতে ,কান নিষ্ণে প্ৰদৰ্শিতা লাভ इंडेर्ल (मर्ड क इक छिना यो कित का नहीं निक कान ने १८५५ গ্রহণ করিয়া ভদস্পায়ী চলিবার প্রাস জীবনকে স্থাদিশ্বনি গ্রন্থ করিবার একমান্ত প্রক্রত এবং । মতুবা জাতপদে বিপণগামী কইবার সম্ভাবনা। खाउतार थोल (कह एकातप्रक हरेरा७ bitहन, डांश वेहेल डांश्रासक करकेशन बाल्स कारक स्रोतनी आभने एम अवन करा क्षकाञ्च प्यार । अस्त । नाउ : ,का विकन्तिका-कीर्य छर्पम के कियर विधानत प्रदेशका এককণ অসম্ব ব্যাপার হর্বে।

ভিক্তিয়াজনকারা ব্যক্তির দারির অন্তকুল কাষ্য স্বীকাৰ এবং জ্ঞাক্তৰ পাভকুল কাণ্য বক্ষন এক স্ক প্রভাবেজনীয়। কিন্তু কিন্তুপ কাশ্য ভঞ্জির অঞ্জুল এবং কির্কাণ কাশ্য ভক্তির প্রতিক্ষ, তাহা নিরাক্রণ করা कडक्छ। छःमासा बाालाव । এই छःमासा न्यालाच याशास्त्र महस्रमाध्य ३५. (महस्कट्ट পর্ম কারণিক ভগবান্ ্গৌরস্ক্র স্পর্যদি স্বীন্দাম সহ অন্তর্ণ করিয়া নিজ চরিত ও অসুগগণের চরিতের বারা দেখাইয়াছেন, ভক্তজীবন কি আদর্শে গঠিত করিতে হইবে। অভএব পাঠকবর্গ, আত্ম আৰু আমরা গৌরপার্যদ শ্রীল সার্ক-ভৌম ভট্টাচাৰ্য্য ভক্তিপ্ৰতিকৃষ বন্ধ ত্যাগ

করিতে গিয়া নিজ আচরণ ধারা কিরূপ শিকা দিয়াছেন, ভাষা অনুশীলন করিনা ष्यामानिश्वत क्रुप्तेन क्षत्रप्रक भवन क्रितित क्य श्री छ भरे वक्ष नह न १० व्या छ त । । था व

এক নিন নীলাতলে স্ত্রীমহা এতু বাস্তুদের े मालट नेटभन्न भुटह डिका अक्रीकात कतिता যথন ডাঁচার পুছেতে ভোজান **किरणन १८९ मा सरडाम 'डाहै।**धारी **डी**मनारी-ব্যসুধ দেবায় নিগুক ভিবেন, ধণন উহোৱ এফমার কলা ঘাঠীর হামী জনেংঘ আদিনা कंटिंग,—"এট करब दृश्व ध्य मन नान ্একেলা সন্ধানী শ্র এতেক ভক্ষণ 🔐 অমান গাশেকেম জেনানে উদান্ত হরান শির্বাচান লক্ষ্ম পুস্ক নার্টি লইন। जामाडाटक मार्गाङ कोण्यान । ধাৰতে না পাইণ অভিশ্: বিবেধ বিজে कितित आभितः शिल्यशास्त्र निकंडे নানাটিধ কাকুদি কার্য ক্ষম হিকা চাহিত্ত আণিবেন ১০০ নিজ ১ টী ষাঠীর মাভাৰ নিকট স্মানক ১৭৮ ক্লিন্ত ব্যৱহৃত वाशिक्षान,---देठ'७ / दशामाञ्चित्र निन्मा गहरू মুপ হইটে জ্লেল্ম, ভাগেকে বৰ ক্ৰিলে ্বংনিক এলে বিসক্ষন দিলে ভবে এই পালের পোটভিড হয়। এ নিম্পুক্রে चाल इराउ प्रतिहास कातलाथ। छहात ভাব মুখ দৰ্শন কবিংনা। যাও, ডুলি যাঠা কাৰল, কেব প্ৰিত শ্ৰানিকে ভাগে

अडे ग्रहेगांत अस भितम न्यारातः व्यदमाय । वक्किकादवाद भाकाय इहेग्रा मत्पाणक ब्हाराप मानशकोग हेरदूर रिक्ट्र মাত্র বিশ্বস্থ না হট্টা উল্লেখ্ড হইলা কহিলেন, --- ইচভগবান বৃদ্ধি আমার কাছর পার্থনা শুনিবাজামার প্রতি স্লচ হট্যা কামার কাঠা করিতেছেন। স্থানভৌদ ঠাকুৰ অকোষী, কুনাদলি জনাও, সামগুলে विভূষিত হটशাও ভীহাব জ্ল<sub>ং</sub>সলম্ব জৌশ্র-क्षमध्यय निमास्यरण ८कारपः डेमाड इटेश डेडिग्राइन । निक्त क्यादर-সেবাৰ প্ৰভিক্ষ ক্লেবছিছিল ছা ৰাজ্যৰ মৃত্যু কামনা করিনা আমাতা বিজ্ঞকাব্যাধি অক্রোপ্ত হট টেছন শুনিলার ভাঁহার জন্ম खरी . इ. इ.हेग ना ।

এঞ্গতে ধেমন কামের অতৃপ্তি হেতু লোকে জেন্দে অন্ধ হইলা স্বাৰ্থসিভিন বাখাতকারীর অনিষ্টাচরণ করে, তদ্রপ टकामहोन अक्तर्गन जीहारमञ्ज अगन्यरमनान কলিন্দাবের প্রতি রুপাপববন হট্যা বরং বিমকানী ব্যক্তি বা বন্ধ যদি লাণ অপেকান্ত প্রিমতম হয়, ভাছার প্রতি জ্বোণ প্রকাশ বা ভাহাকেও পরিত্যাগ করিতে বিশুমান কুষ্টিত হন না

প্রতিকৃপ বিচারে এই আদর্শটী থেন च्यांबानिकात्र पञ्जिलको नना विनामान थारक ।

# গ্রন্থ পরিচয়

#### শ্ৰমন্ত্ৰাগৰ ভম

**टीगनाइ**षि क्र**स्ट्रे**क्लाग्न ८८५४गान छाना ६ मून, तिगन-মধ্বটোষ্য-কতা ভাৎপ্যা-মিন্মটীকা; নিম্দানখনাথ চক্রন সী ঠাকুর-কৃত সারার্থদিশিলী টিকা, বঙ্গান্তবাদ, স্পুত্রভাগ ও প্রতিশক, তথা ও বিব্রত্যাদিয়ক। প্রতি ধ্রের আদিতে শেষ্ট ক্ষরের প্রতিপাল্প ক্লাসার, অস্যাব্যের প্রাথমে ঐ অধ্যায়ের সারসহ স্থানিস্থাত তাৎপ্র্যাদি নিমুত। স্থোকস্থানী विषयक्ती, अमाध्यविवयन, लाख पर शानक्षीत्र केयम কাগকে উত্তম অঞ্চরে মুদ্রিত। প্রথম ১ই৫৩ ১০ম ৪% भगान काला म्युर्वताल त्यात करेगारक। जिला व्यापम इंडेट्ड ल्या क्षेत्र भगाय स्थालंक; मन्या द्वस ३२, ; भग्ना हरू।

#### 🎒 শ্রীটেডভাচরিভায়ুভ

জীমন্ত্রতিবিনোদসাকুর বুড়িত 'অমত প্রবাহভাষা' ও শ্রীনীমন্তিনিকার সরসভা গোস্মী প্রচলান লিখিত 'অফুভাষো লাও ক্ডাাদি বহু শাকুপ্রমাণ-স্থলিত ১ইয়া ख्यकाश्विष्ट इहेशाइन । (शास्त्रत मान्यनाभ्या, नक्षानुनाम द প্রতেত্ত পথাবের প্রবে সংক্ষিপ্ত অভিনেয় সংযোগিও। প্রতে কি আনার-প্রায়ত্তে কথাসার দেওয়া আতে। শোক প্রাব, নাদ, স্থান, পানে প্রান্থানের প্রবৃহৎ পটী ও গ্রান্থকালের 🔻 বিভাও জীৰনী ন্মায়িত এইজপ অভাতপ্ৰসাল্যৰত উভাপুন্ত कुराणि खकानिए हर नाह । खेदम काराद्य लाखिलाएकेव िमप् केरका, अक उत्र साहरू। ম্চিত ভুল জোলালে মুলালে মুলিত হটবাছে। প্রত প্রায় 2400 श्रृष्टास मुख्या । विध्यात वस्त्राहरू यू. साळा ।

#### **ड**िहार एक एक वर्ग अ

গ্রুকারের জীবনী, জাত প্রিমেদের ক্রাণার, শিস্ত গৌড়ায় ভাষা, একস্কটা, প্যার্থটা, বিখ্য-ভার পাঞ্চি ফুটা, প্রভাত বিবিদ বিষয় সম্বাধ্ত বির ৮ ভিটোম সংস্থাপ ভ্রম জেটিন ৮ পেটা আক্রে। অ(দেগীলা ও মতোর क्षिप्रस्म अक्षांमाच क्षेत्राटकन। क्रुक्तस्य क्राम्य अक्षांमाच ভইতেছেন। অগ্রিম ভিজা a টকো, অাদি লীলার 1891 5 1

#### ब्रीटेट एक मन्म

এট প্রস্তের এরূপ অভিনয় পুনর সংকরণ জার কুজাপি लाकर्राल्ड ३३ मार्ड । मध्येष (श्राक्तिरामन भाग्य, वक्राध्याम, ভাষা, কণাসার, ওণা প্রাভৃতি সহ খণ্ডে হতে প্রকাশিত ভইশাচেন। মূল মোটা আকরে ডবগ ক্রাটন আচপেরী द्रदशाकारत काला वर्षप्रारक। मुका २४० केका। अमीका क्षकाम ७ (को किर्रम्य लाइक गरन्त भरक अ। की वे।

#### **過用電打不管剂"5**1

- शिटलोखीय देवस्थवाहामः अध्यातः वरित्कृष्ट्रामान শুলিখনাথ চক্তবৃত্তিয়ের গোস্বামরত। সারাধব্যিণী विकानस्था । श्रीशिवद्वांकावरनाम हाकुत्र-व्यांगार 'दनिक-রঞ্জা নামক ভাষাভাষ্যসূতিত। অধ্যায়সূতী, মাতৃকাজনে ्रमाक-प्रकी, विरय-प्रकी, खश्चकारसम् कीवनी ६ अवस्तानकामि <sub>রম্ভ জা</sub>ভবাবিষয়-সম উৎস্কৃত্র বালাই তৃতীয় সাংক্রণ-- • ই রাজ भर्**कतर**ात्र जिल्ला २८ काका भाषा, मानावन २११४५०-- ३॥। 1 41 AIN

#### Mr. 5 421 [77 100 5]

র্ভ নিকুপার জিলামস্কাক্তির স্বাভিন্যসভী **८गामामा महास्टाह्म**न ८५० वानकार स्वर्धन कीवाश्वन्नकरणारवर्षभनी तथः क वर्धाननमाणिनी कावष्ट्र तथात्र মৃত্ত-বিপ্রাচন বেশনবি দ্ধাপ্ত-র এমালার কৌস্তুত্রমিন ত্রান্সদায় देव अनिकास भारति है सोशिक ख्या-अक्षत्राच के आनिकार छत समस्य ७५ -- मध्याल न दोसन्छति र-सिककः विशेषाति। (মিচিয়া ব-বিচারক— ট্রুষ্য ওমাধুণাবঢ়ের মেটিক অবেচন্ত্র উপন্ত কিছে। নাম্ভজন-প্রথানা ও অইকার্য্য আন 

১। প্রথম অভ—বৈদ্যবদর্শন, श्री ५ १४, कल-मया. श्रीमम्बानिकार, भिनामकाननी, भाकताप्तरी नीका वर्ग विक्रांत, काञ्चलक 'अ बर्गालक, निर्देशकर्मत के ভাষার শিকা, অপ্রাক্ত মৃত্যুগ্র ও প্রাক্ত কর্ত্তা প্রাকৃতি বিংশাত সংখ্যক রক্ষে প্রশোচিত। তিখা মান্ 10 বার জানা

কেটাভাকে থালাল আল্লার নিভারতি, ভাবর স্বামিলান ও ছিল্লে জ্ঞান্ত ভালান ভারণের ভৌর- জিলানাল মাধাবাদ, জিলোঁর-নিশ্যানকাল্যসঞ্চ ভিত্তার ধ্যা ও তাল বিহত জন্দ- শ্লিন ভাতন্য ক্ষার অভিভাতভাত কীর্ত্তন, শ্রীব্যাদপ্রসাধ শ্রীমহাধাণণের কাফন, প্রাণোর 🖟 আন্ধ্রেন নগ্রস্থাত জনন্ত্র আন্তর্যালয় । ১৯৩১% লামের মতিমা, মংগ্রাসের, জীলোবিল, বীকেলায়লালন্দ্রনা ---- ইনেন্স -ত্রেলারক ও প্রয়াল করন্তালি পুর্বর আর্থায়ে প্ৰথম আমাৰা সুখন স্বান্ধনী, এই গ্ৰহেণৰ সংখ্য গোৱৰ কলা নাম্বন্ধ চুৱা কল্প ক্ষতিত উল্লেখ এক্টিক কলেতা ব্ৰোক ক **রম্পনন্ধী নিন**্ত ভূমিক মাধু র মধু বৈমা প্রতিবৃত্ত তা বিস্তৃতি হয়। ভূমি কাৰিছে ভূমি কা উচকু হয় ৩ চেনেবে কালে কাম **বো**ৰা। 「BOTT L 大本子 部 別 61

व्यवम व विनेशा—कर बंध रकता, सकता हिस्स ।

#### कै.स दश्याम शी है।

हमगत्तर । ৮০। ও শ্রীষ্ট জবিংনাল সক্তেবের প্রারণ বল- | বংক্রা প্রভাত— হৈমধ্ প্রিবেরিনালকার নবরীপশতক্ষ--ভাষার হিছুত প্রজন্মজন নামক ভাষাধুক। জনাত্র-কটা, বিষয়প্টা, ও প্রতি স্লোকের প্রথম ও এটায় : পার সূতী, ভাষাকারের জীবনী প্রান্ততি সংখ্যিত। উংক্ট বান্ট, বাছসংখ্যন (তৃতীয় সংখ্যন ) প্রথম ( # 1 4 BIATE

#### প্রয়েরতাবলী

ইন্মন্ত্রন্ত্র বিফাভ্যন-প্রথাত বৈশ্বদশ্ম, স্কভ ও এশাবিন্দ-ভাষানি পাড়বার প্রথম এও। উৎক্ট কাগিছে । প্রত ১৮০ টাব গানে। ছাপা। স্থানত টাকা ও প্রার্থনবন্ধারণা করেছেল অভি সহয়ে সাধকেরও বোধগ্যা হইয়া থাকে ৷ ভিন্ন ৷ ।০/• স্থানা মতি।

#### **बिभवकी भग मगाराया**

( এমাণ্ডার ) সাম্মবাদ। । জাতি-কৃত্যোদি গ্রায়ে শ্রীনব-बीट्यांत्र तम महिमा कैन्द्रिक स्थादक, छारुप्त मूल नःस्थल छ আন্ত্রদা কি ১০০ সভিন।

#### · · · · · · (一色清晰

প্রসাধন । বিভাগ প্রশাধন প্রভাগরে প্রিক্রার র ব ব প্রক্র was to stell !

#### ভাজারয়াবর ও ল দাস পরিক্রমা

আল । এনাৰ । এনকি সাহস্ত স্থাতিত। ভিন্দিল চাৰ্কৰ इक्टर लाग्रनमान मात्र श्रदीख : ब्रीकीय (नास मी कि लाकारत ती-विभीषधारमञ्जलमा कतिशाहित्सम, लाहारी निह्य निवृत्त । विकासिक जाना

बाल क्षतितामान शेकन लगा कर देशतक बाहेडकर उन निया खिलाली -- क्राः, क्रांश्य हिल्ह त्य- व्यक्त हे युक्त कीरा-শতি হা-ভেদ ভেদ ভাই —সাধন-নির্ণয়—প্রয়োপন-ভাই, কল্ল-का ए. आसमानित विष्ठात -- देवती एडलि, कान्यकि ह প্রিচয়াদি ওপেন শির্ণারি উপযোগা করিয়া সর্গ ভালাং লারুরয় সুন্দিরে বিশ্বত হিন্দার আহল ১০ । **চতুপ সাক্ষ**রণ **ব**ংচ क्र छ। केर. व्यास्थित, ३००० व्यास्था ।

#### গৌষ্ঠানকণ্ঠহার

राजारे देश रामान्य द्या । अञ्चलका सद्धः । वस्याद्यांचाः এটি প্রতান একরার (IA বার্মিটান বিস্কৃতির প্রাধারকা 「可以是有当时的价值」。如照有16 在 \$\$ \$ 1 三年数 · 《有糖》。 51 चिन्त्रेश श्राह्म- मुद्दा १ तिका मिक. रशासात मिन १४त प्राप्त प्राप्त करा करा ते वार्तान । वार्तान । े ६० अपर ५ ० धराव मामान । विकास कर अवस्था मार्थे।

#### श्रीवन्द्रीलग्राम-अश्रीकृती

ইন্দ্রভাত বিধান সাধ্য বাচত প্রমায় ছাড়---লাম-भारताला न पाछ (न आमान २ छ--- 🖺 य अस्टोत हाकवारी তথা প্রীয় ত্রিকরেল প্রতির প্রতির প্রতির প্রতির বিভাগ বিভাগ বিভাগ বিভাগের এম থারি কম্পের ভাগের এমবীশ পরি ক্রম।—ভাগে-্ ইট্মন্বান্ট্রেলে সাকুরের ইট্রব্লীপ ভারতর্থ প্রজ্ঞা 28 444 BHI 10 MIN NE

#### क्षित्रीर नामाग्रह नामन्त्रन

দীক্ষাৰ ব্ৰাপ্তানী প্ৰভাৱ-বিৰ্চিত কল ও কৃতি, ভূতাৰে ভাৰমালন ইন্মার্ক্তিরাপ্ত মবস্তা গোসানা মহাব্যাহর বিজ্ঞ ক্ষিকা ও স্থানী প্রভৃতি সং। अञ्चल शिहाराद दशका किया २ हेन्सा, हाजनरनत

#### ्या च उवमात

প্রিচনত মান্তম (১৮৫) তার বার্নার প্রের বিশিষ্টার ভব পদ প্রভাবত (১৮৮৮) তার তার প্রাপ্তরের বের্না**ওদর্শন পারে**র উন্তোশ কর্বা । উত্তম ক্রিয়াছেল ইঞ্চানে বল্লানুধার ও জাপান বা বাংগালিও **করা হইয়াছে** , नाम भारत जिल्ला ११० माना ।

#### ্চেড্ডাট্ডায়েড ও নবছাপল্ডক

্ৰান্ত্ৰাস হৈ দাৰ্ভ্য উন্নয়ত জাবোধাননা সরস্বাতী জাবীত মুল, জে, পাদ স্থান পতি নিয়াও সৰ্পতী গোৰানী সহাবাৰ राम्प्रीमाच अवर गृद्ध द्याचित क वक्षाकृताम अवीलान नवर्त्तर प्रवास केलिक किला कार्य केलिक प्रवास प्र gere hingereigt ind feineblich nichten fei-सामा क्षेत्राताच्या कार्य के वास्त्र १२ वास ্কলে । স্থেক্ত নৃত্ৰ আনা, অতি ক্ৰমে) বাগাই প্ৰাৰ্থনীয়া ्रिकामाळ ।

२. निक भाग ।

माभक-कर्श्वमाना क्षक्रवस्थाः, देवक्षव-वन्त्रयाः, देवक्षवस्त्रवः, शांशास्त्रव श्रीकः, क्षीनामरुपे. श्रीमधाराज्यक्त भटनात्रेत्रमण नाम, भाहेलास्त्र नामकीकन, धीनामाबीक्न, (शमध्वनि, 'वाष्ट्रेनप्रश्नीक, नवर्षेत्र-मध्याः, श्रीभागात्रत् मध्याः, श्रीवरत्नादम-श्रादत्र **अहेक** উপদেশ্যবেদ নাম বজন প্রশাসী, মহাপ্রাভ ও রার রামানল বৈদ্যবংগণের কণ্ঠালিত তুলদীমালার ভায় অফুক্ষণ করে शतनारमन्त्र अभूक अष्ट । धिका 🗠 • वैश्विहे 🖛 माज ।

নগেন্দ নাগ বস্থ বিশ্বকোৰসম্পাদক মহালয়ের বিশ্বত ভূমিকা

नः। फें:कहे ( हैं । मत्ताका नालाई मुना ।।•, फिं: लि: एड

ক্ষিকভাৱ স্থানিক আলবাই হলে গৌড়ীয় সম্পাদক ছিলান জন্দরানন্দ পর্বিজাবিনেদেশ্রভু প্রেদ্যে বস্কৃতার বিষয় প্রস্থানারে প্রকাশিত। ইহাতে স্ভিত্য শক্ষের ক্ষর্থ এবং ্লীট্যে স্তিত্তের বিষয় স্থাকারে বর্ণিত হইয়াছে। ভিকা ion with attail

### শ্রীবেণীক্তমগুল পরিক্রমান্দর্পণ

নিচারি চারতের যে সকল স্থানে সপরিকর 🛮 🖺 মন্মতাপ্রাভ ন্দ্র ভদন্য প্রকাষ মহাক্রিণ শীল। করিয়া গিয়াছেন, ্ষ্ট ন্য আগু'মক ভেট্ৰালিক পরিচয় ও দেব**নিএঞাদির** शकि। य प्रदे यो कामांगलक क्षांत्रमा निर्देशन देकालि विभाव खिल

### THE HARMONIST OR SHREE SAHANATOSHANI

জিগু ঠাকর ভাতিবিনাদ-প্রতিষ্ঠিত তথা জীব ভাতি-িকান্তসরস্থী গোসামী প্রভুপাদ সম্পাদিত পারমার্থিক माभिक्ष भवा । जकरण केंश्वरकी फामांच करोतिस्म नहर्व 🗐 ভবলকাউন ৮ পেথা ৪ কর্মা আকারে প্রতি ধারে চবি-मार्थात निकत्र-रेवक्यकी महेवा छेलक्कि क्रेटेडर्फन्ता। কাগল, মুদ্রণ-পারিপাটা ও চিঞাদি অভীব চিত্তাকর্বক। এই প্রকার উৎক্রই প্রবিদ্ধ আরু কোন মাদিক প্রাণিতে (मधिएड भाडेरवस सा। वार्षिक डिका **फाक्साक्षणम** ० हें का भाग ।

हैं। यह किनिरमां भे केत-अने । अहे अक्सोब नष्ट রক্ষের তান বাভ করিলে পরেমার্থিক রাজ্যে কিচুতেই অভ্যান বা নাশ্য পর্কিবে না। পরম গুড় দক্ষলিধয়ক । ই-भूल । पा । व क्रमग्रल भी बाह्र तो भागानु ल्याका भित्र क्या आहे । र् ेर्ग हा उत्तरिम-भोक्ष-भाग्नामान भन्नासामा । ५० है। हिल्लिन উপত ভারতেম। মারের ছবিভূগ করি, কথানাব रक्ताति प्राप्ता विद्यास अञ्चलका सरवादाः । विद्योगि अति। ्मानाव स्त्रण साथ (सथा, छेप्त्रहेतानाह--हापूर्य प्रकार 157 7. 3 7 W W 1 3 1

#### Cभगनिनर्छ

শ্রীমনার প্রাথন প্রায়ন প্রায়ন শ্রীল কর্মেরানন প্রাথ বিরুদ্ধি তাল্ডকে আহি স্থানেল্য ভানায় সহালেন্ত্র कविश्वय आजार्क देवसक्ताताय, उकाननी के सारास्थ्यन दलकर १९८५५ — देश, भारत १ टा होंगे अहीर व्यक्ति গুরুর ার পরিচয়াশি-মুখ্যিত চারুথ সাধরণ জিকা ae'e न्य व ा शहरा

#### ভুজন বহু প্র

ভ্রমকণ্টার নিজ্যাক্ষা ; সাক্র ভিভিনিনাদের অস্ৎ ; शास । जिल्ला नारक्षत निरमाण । अध्यानि मा तम् अध्यास ্রুছ ব্রিটে পারিবেন মা। এইটা সংখ্যা ভিকা ৪০ :

#### হরিনাম'চন্তামণি

নমেডোষ্ আলি হরিধান সাকুবের মূলে আমিলাহাপেণ্ লীনাম ম্যেয়া, নামাভাষ, নামপেবাধ প্রভৃতি head াস্থ্রিচারে শুল্ম ক্রিয় ছিল্মের 😇 বিদ্যাওলিব ভালত ১০৮ কমালে সংক্ষিত্ব আৰুমান্ত পৰি টোলানে মাদিল। 医,可注"各种证明的分割者有效性"。 大學和明明語,學學如明

#### 市研了(可不可吃酒

লীয়ার জিলিকের্ক হল্পে স্বতিক। ব্রেছেকে ভাগরস िन्दारी व कतारमाध्यत भाषात्मक व्यवस्थ व्यवस्थानीय , त्र नर्मक र न्यान्तुर । क्षात्तिः क्षात्रः । । अत्रवाद्यः । । एकार्षः कृते करिनाः নন্দ্রত এর প্রেল্ড করে <del>গোলিন্দুর স্থানিত্তি</del> साभ के तरात करता। व्यक्तिका । स्क्र

满者的"原理物"。 (4) 解析 解析 自

#### मात्रभाग चि

ভিপৰটো আপ্রেমগর্পন,

#### श्री छानः।

উন্ন্যুক্ত ভাষ্ট্রব্রাদন্ত গভা গোলা লাল্লন্ আরোচিক क 🖄 र प्रमुख्यां में एक जिल्ला भट्ट भी है है । इस इस इस अर्थ है । お本: / の が が 可で:

#### <u>जी</u> नश्चार शासका

जिम्हिक क्षेत्रकोटिंग के.को बन्नको अन्त यो प्रेपाल "スポッカー イルビヤー 一个铜矿的一个铜矿,对于红水 电影对象 ্ত্ৰ কিলোক সালা মালা ৷

প্রতি খ্রীকণ গোসামীর উপদেশবাণী, ভব্দিপথের অম্বনুদ ও প্রতিক্র বিধয়ে প্রবিচারিত সম্মোদন ভাষ্য, বিশ্বত দিবৃতি, চারভাষ্টের প্রমাণ, সাম্ম প্রাশ্যা ও মহাজন-পুণ্ড ভতুপ্ধেলা গাঁচমমূহ প্রেছেকে ভাকের স্থিত সন্তিৰেশিক ১ইন্টেট। ৩০ সংস্কৃত ভিক্ষা লিক স্থানী।

#### अर्गन्न-सःब

টাল্লাপ দাস বেশ্য মার মনলোধার, জীল স্পেদ ভাবি নিজেকি-চারিত গলামুকাদেশক। - দিক্ষা সাঁহ স্মানা ।

#### প্রেম ভক্তি চিন্দ্রক।

শ্রীল সাক্ষ নব্যেওমের স্থপ্রসিদ্ধ প্রেমভিভিনিন্যক গালের পুতক। ভিকাত শ্লানা মতে।

#### নবড়ী পশ ভক

ब्रीत अंकर अञ्चलिताम बिष्ठ ब्रीम त्यारवासामन নুন্ধিতে ও ইবেন। । পাষ্ট্রিকাধ ছাওছ ভানের। বিশ্বধার্য ৬ । গ্রস্তীপেনের স্পুত নুর্<mark>ধীপশ্চকের প্রশালত। পঞ্জবাদ।</mark> ভিন্ন: • আনা মার।

#### অর্থপঞ্চক

श्चिक (लाकाक्षण) त्रिका । देवका ठा-क्रांटनत आकत ্লুকুক। ভিকাস-খানামতে।

#### সদাচারশ্বতি

📓ল মধ্বত্যান-প্রাীত। বৈষ্টানৰ নিজ্যকর্মানে স্পানারা-বলী, বছাতুবাল স্থিত। তিকা / • মালা মাতে।

#### মণিগঞ্জী

কবিকুনকেশরী জীমরারয়েনাচাব্য রভিত। জীম্বান্ত। प्रस्तात गर्भाकृष्य कोन्नवाना छ भूग ।तकत्ववक्षवार । ताक्क कि 1 500 10 W. A. W. 41

#### (भी तक्क स्काम अ

क्षा तम कांत्र हैं। इसिक एम्ब व्यविष्ठ हैं। इसिक बाद कारतन প্রান্থলা ন বাংগ্র সংগ্রন্থ হয়। (৮৯) দল জালা ।

#### যুব্জমল্লিক। অন্তেন্যভা

শ্রীমধ্যসম্প্রানাম্বর্যান্ত শ্রীমন্যাদিবাক স্বামিক্ত। বঙ্গালরে ামূলনৈ এই প্রাপ্তের প্রেকাশে পারমাণিক সাহি জা-কলতে বর্ত সক্ষরতালয়। ভাষেত্রস্বান্তারা ৬২৫৩ সেক্ট্রান্ডন ভিত্তীয় यक्ता जर्म। भारत याग्य ही गामिता करीण साथी वह शहर সংধাৰণ শৃক্ত ও গোটকক জাফান্তবাৰে কিন্তুপ প্ৰভাৱভাৱে ्रकृष्टितिरवर्गम् भारताम सम्ब भाष्ट्रम् कृष्टित्राहरू । १८४१ । १५० कार्यटक कालिएक का(कार्या)(श्रीच वव्यक्त व्यव । । व्यव्यक्त सुगळ्या । বন্ধান, কেন, ধ্ৰান্ধ, মাৰাগ্ৰাক ও নায়াৰাদিনত 

#### গোৰামী এল রঘুনার ধাস

। ६ ८७ पत द्वील एडिस्सिकाइ स्त्रेय ही दशायामी लार कि लि कि अभिका सके। दर्भनदालक अभूल-अद्भव কমাত্র প্রিশংস আব লাগ গোলামী প্রেছর অবস্থা ড়েড ব শৈক। অতীৰ প্ৰোক্তম ও সরল ভাষায় সলিবিত ্ষণ পাল<sup>†</sup>শত ভাৰতেলাকামী তালৰ বিৱাচিণ কংকটী নালুন দ মধুরত্ম নৰ ও মনগ্ৰিকা ধ্যাপ্ত ৷ ডিকা रानाह में अरती, अरता हि 100 माना शता

আচাৰ্যা-বন্দনা, সভুৰোশ্বামীয় অইক, প্ৰেমভণ্ডিভিকি।, मानाम, मनामिका, श्रीशकारणा, श्रीशकान्यका, মহাপ্রত্ব বন্দনা প্রকৃতি সাবক ও সিম্বভীবনের নিজাপাঠা,

(भोक्षीय-त्यांद्रम

কলিকাভার প্রপ্রদিদ্ধ আলবার্ট হলে গোড়ীর সম্পাদক **क्षे**र्णाप स्वन्दतानन भर्तानातिस्मान शानक वक्षलात विश्व अधकारत शकालिक। हेशाटक त्यों और देवक्कवमण्डामारगत ট<sup>ি</sup>•হান সক্রাকারে গুপিত চইয়াডে। ডিকা 🕪 • মাজ।

ুগাড়ীয় সাহিত্য

श्रीतर्विष्के चार्छ। **डिका १० व्या**गा।

প্রাধিতান-

শ্রীটেডগুম্ব, পোঃ শ্রীমায়াপুর নদীয়া

# বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভক্তিমঠসমূহ

হত্তের মঠ

#### আৰুর মটবাঞ

🕿 हीम सबदीय, छ।कवत छोगाम मात्रालुत, समीता

শ্রমভাবে।গালীর ১৯৫৬ গার ৩০ । গল উত্তর-পরে শ্রীরজগন্তনে আচার্বারত শ্রীচন্ত-त्मथब-फवटन श्रीश्रीदेश्वक मठ विदायमान ।

बहे हार मारवर-शेर्य, भन्निकाभीठ ना माच्छ कळनवनी । कहे महासीटर्व कि.वि-अध्यक्षक नाक्षणाति-(तथाध्यम्ब), शतिष्ठात अधर्मक कोना, नाष्ट्रक, अग्रहात, क्षा आश्राम-देशिनियन-श्रेशा-एक-४ ४।न-५ ७०६४३ व्यमासन - ६ व्यमालना ध्रमः छनाय अध्यन-८भो टाक-आफ का का-शिक्तिक क शावत शाकत शाक्यामात्रक-माठाया-ठकाय छ। कारमज मेणाक বিশ্বৰের পাত্ত নৈতা সেবিত চলভেছেন। এচ মঠবাজে পারমার্থিক দৈনিকপঞ্জ সাত্তত-मच्छाक्षाराः व का कार्यमण्ड क क बाठीन अध्याणि अध्यान कार्यात्र । स्त्रीश-अकाम' यद्यानव রাছটিত ধর্মানেন তাতিবংগর ইংগান-পরিক্রমান্তরান ও অগাণ্ড ভক্তগারী। कीका शाहरमान महामार १२ भव मि ककाम अधिक बहेबा बादक। बक्क --- बुक्क 51 दी শ্রীশার এরচায়তী। সংকারী -- শ্রীশাল বিনোদবিশারী ব্রশ্বতারী, পাত্ত গ্রীপার গোরদাস क्रीहरू बनीत्त्राणाल यत्या।शाधास. द्वीकत्वभाग मान अव्यक्ति वामुल नव्यन्त्रण । তিবভিন্তবানী শ্রীমন্ত্রকি হর্মাণ তীর্থ মতারাজ এবানে হরিকলা কীর্ত্তন করিভেছেন।

#### ( ৩ ) যোগপীঠ এমন্দির

क्षके जान खिल्लाता प्रशिष्ट्यंत प्रवस या ীধশালাপ্তর আবিভাব-ভূমি মলাগোগ-नात । बदारम ट्रांगची' शहा व द्ये विकृ खिकाम क ⊈र्टिशोदनात्राथण अनद £रेटेंटेंटना क शिक्षाकृत्यम विका अर्था क्रमः शिक्ष-**७८७**४ दशका बङ्गाला ४० क .....(कारक-आबादम ८११ जाभी ७ हो। ता वा के कित्रमान माथ । मक्कारी अकि.क.लिन अक्कामी. Beinein अवहाती। द्वीमान नात व्यानmin. (44mm; Shaineam i

#### (8) 회리카-백학의

শ্রীমধ্যতঃ প্রাকৃত ক্রীস্তল-বিলাস সং **बार्गाहणीयात प्रामस्त्री ( क्रार्टन अध्यादनात** शिक्षानम् स गमकत्वत । शता वक्षमान । ama...... छोडानाकाम अव्यवस्था हो। छोष्णमुक 🌞 🏝 (भाक्ष्मभाग वाषाकी।

#### (१) कटेचक-ध्रवन

बाहे कारन क्षेत्रपटिक शक्त करन कार 404: 43Afet 1

#### (৬) কাজীর সম:বি প ট

आहीत साधालक, यामगलकृत (नवीका) **अ**श्रेष्ठक्रभाषाक अक्रीब काळी व प्रमाधा यक्षण--- अक्षाती निश्वत्नावानकाती ।

#### (१) यांमण ख्रमा कृष

**बिट्याक्रम, प्रक्रमश्रक ( मर्गोधा )** अयाज वैविक्ताम श्रीम अस्तिविस्माम्।कृत्वकः मवापि अपर औरगोवनवानव अतर अञ्जीवाधा-#14C#4 C#41 4#HIP

क्ष्म -- किनुस्य काष्मात्र सक्ष्मात्री क्का कर्मा क्या क्या क्या क्या

# (৮ **खिल्माबाय** (भोडोस मर्ठ

यहभगां भर ।

রক্ষক---- শীবগুবর ভারি-শাস্ত্রী এম, তা, 1, এল, সংকারী--- প্রীউদ্বাদাস ভব্তি- ; বক্ষক -- শ্রীপূর্ণ রঞ্জ রক্ষ্যারী । नात्री, व्यक्तिकाम वादकाती लाकृति।

#### (১) औरशात-श्रम्भव-मर्छ

টাপা০:টী, সমুদ্রগড়, ( সমুদ্রান ) 🕮 বাণীলাথের প্রক্রিটিড পৌরগ্রহারত .नगा उक्क — ञीक्किनिकान कालगा

#### 👈 :- श्रीक्रथः गोष्ट्रायः यठ

#1:1918. maist 23 je बक्क क- छैर्द्र हार अक्षात्री, छैकुन (अवह अभागकी।

#### (১.) ঐ্রিমেড্রেমছত্র—

याक्रेनाकि, काल्लाव, मह्मान। 🕮 বাংযার করে সংকৃত বুন্দংবলের স্থান। (১) ভাগেবস্থ আপেন 🛱 - । श्रव क ८०द्य ५ क्षणा- श्रव, समीवा । अभव - भिकास शकावनी व्यव्यात्र- कवा दक्त- जीवनान बक्तारी।

#### ( >७ ) क्रीज्याम् मठ CB. म अफ़ी, त्याचाफ़ी, क्रक्रनशब, मशीबा। ८क -- अभिकृतानम् बस्छाती ।

( 28 ) **अभाग्य ८**गोकोन्न सङ अ•सर नवास्त्र द्वाक्, काका । भूमाबाम व क्षातान-(कक्ष, श्रेषात्न क्षी छक्र-त्मी तक भाषासा-भितिनद्दन दमवा बस्थान । १क - चौराशवहरू बद्धवानी ।

## ( ১৫ ) बिदमाशानकी मर्ड

\*\*\*\* 51411

সোপাগৰীৰ আৰ্থিঞ্জনে ব প্ৰচিট্ন সেবা वक्क--- श्रीशांश्ली: अक्टावी:

# (३) बिटगोषीत्र मठं

२७ मर काणिकामान ठळनकी हैहि, (भाः मानवाकाम, कांनका हा । किलाकान वि. वि. 855¢

ত্রীমরালা গড়র বাচারিত ক্রমিক্তন ওড়িনক্তা-প্রচার্ট্রেক্রেনে গৌছদেশের সক্ষরাগাল मनती क्तिकामात्र श्रीकिविद्यांत्र जागदन श्रीयत्र खाँउक्किक जात्मता बार्ड क्यूक সক্ষাবামে এ এক-ব্যোরাজ-এবিলোদানক জাউ সপাধ্যে নিতা সেবিত চল। স্মোদ্ধীক আচার্যাবর্শের যাবজীর গ্রন্থাবলীর প্রস্তারোজেলে জ্রীময়ে সংগর একটা কুরুতং মুদ্রাত যম্ভাগর সংখ্যালিত ভতরাছেন। পুলিবীর স্বাক্ত 🕮 গোলনাম প্রচারার এর মন্ত্রালয় क्रकेट 'द्रशीक्षेद्र' माखाकिक शब्द कि क्या बिक्के शामिक शक्तिका हेरवाकी कायान নিয়মিকভাবে প্রকাশত ১ইডেচেন। 🚨 মতে পাঠ, সভীপ্তন, স্বভাসন্চত্ত্র-বেল্ল, শ্রীমন্তাগণত, প্রীটেড্জ-চরিভামুখানি-লীলা ও ভর্মান্তের সমাক আলোচনা চর্ম পাকে। মঠরক্ষক—আচাধাত্তিক শ্রীপাল কুর্জবিভারী বিভাক্ষরণ। সভকারী —প্রিক শ্ৰীপাদ অনন্তৰাপ্ৰদেৰ প্ৰবিত্বাভ্ৰণ বি-এ, লীপাদ প্ৰক্ষানক প্ৰবিজ্ঞাবিনোদ বি-এ, खीलाव क्षाप्र विरादी अक्षारी, जीलाव अप्रकाशन बामानिकारी विराद जीलाव अव्यक्षाती आक्त्रमधीर्थ, শ্রশাল নী-চল্লু একচারী, গভিত শ্রীযাদবানক একচারী, ক্রগোপাল কালাদিকারী, একচারী শ্রীকীকনানক, একচারী শ্রীপারিয়োলন, একচারী अर्थिकानम प्रक्रिनाक्षी, अवशात्री औरवरकीमम्बन, शस्त्रिक ओला नर्दासङ्क পরশিষ্ঠানভার ভবিন্দার প্রভৃতি।

#### (১৬) জ্রীগদাই-ব্যা জে হঠ केविकां के श्रमाविकी मुख्या वालिक E1-1

व्योगनाव-दर्गातात्मक निष्टा दनका

#### ১৭ - 🗐 ভাগবভভনালক মঠ

किक्रमिश्च, बाक्करमन्त्रच, दमकिनी सूत्र । ध्यारन विश्वन-(शानाण-शाक्षक्तिना-গিবিশারীর নিভাবেশ বভ্যান। বক্তক वक्राणी और अवासमामको । वक्षाणी भवासक

#### ं 🎞 व्यामनार्याका अभागास्य

तायनीम द्याः रहभान (

'सेठारगता। इक्-बलनामी खोन्दि-TACETA I

#### () अभिकृत्याखेन मह

प्रमोद्दान, गुजी, केंद्रिया। ज्यात द्वीशोव-वित्तामनाभवकोद विका-সেবা বন্ধমান । গক্ষ-ভ্ৰম্বারী শ্রীপর্মান नम विमात्रपू. बक्कारी श्रीमहीशानक।

#### (२०) खैलक-८भोडीय मर्छ

षाणवज्ञाष, ढषांगांत्र (पाः, भवी। क्रश्रीवर्तरवर बनवम्य भगरः होगनाः। रक्-- अवधावी अभिनद्रस्था अभावको। बक्राची औरबिमनिकाती।

#### (३১) बीजक्रियामण वर्ड

উভিয়াবাজার, कहेंक।

जपारम जीक्य-शात्राध-विस्मायक्यन-भीव निकारमधा बखवान। अक्रक-वषाहात्री खीलगरत

#### (२२) श्रीमनाडम-भोषास मह क्ष्मर क्षत्रकात्मभूता, कामा । (भीत-स्थाद्य । त्राह्म-चिकायतः

অথানে গোরদেবা বস্তম:নঃ বুক্তক---खीयानकीनावकी ।

#### . २ ७: डॉ.**इस**टेन्डम ४३

बीनु'गरव्याम कुछ, जीनाम बन्सायम । के देशमा-अल-(याधनकोत (मृत्: i

#### (२८) ञ्रिल्यग्रहाम यहे

लियियावयाः मीकाल्य

এখানে শ্রিফাগনত পারশালা 🐞 बीटबोड-विट्यांच विवासकीय द्वारा वस्त्रामः लो बक्रमाताम-लीश दक्षिका 'शतियातीका बक्रक-लब्बाडी क्रिन्भिश्हानम व दबहाती वीनव्यक्रमानः

#### :२e, ब्रीटेड खगुटशोक्रीय मर्क

पृष्ठवर्ष का, (हजकुका, मानक्रम । हेश मोटेञ्ड-महरूत माचा। क्क क--सोद्रमा-नाव दात. औरक- वानन बन्छ।ती। मीकाम कीचं व्यवस्थिति ।

#### (२७) बानकोडीय मह

कुराक्षतः, बारमध्यः, कवास् । अवस्था क्षीत्भीवनित्नाम-बारमक दलना वर्डमान। र्भ र---- वक्षाता हो जिल्लाम की ।

#### (২৭) আক্ষণাড়া প্রপদ্ধান্ত্রন-মঠ রাশ্বশাদ্ধা, শোধ নাজু, ২০১৮:

बागारम बाह्य क्रमानि लोटगांदरिकच दशका वर्षमान । वक्त--वज्रवाती मीळावकृषः पान, औश्रयात्रमा उपानती।

#### (२৮) विज्ञा शाकीय मह--- कार्यालक

the Con Juliana, Indiana अक्क-बिश्वियामी क्रीमक्रांक मक्क गिष्टि बर्गनाय, श्लीत्रामाद्रम्भाइत्यम्बद

(২৯) গোয়ালপাড়াএপদ্মন্ত্র नक्क--वक्ठाती खोशामगढ्

### গ্ৰামকেলী প্ৰসঙ্গ

। भागमञ्जयानात ७०८म देवनाय, ১७७৮) সভাপতি — সারে দে**অপ্রসাদ** সকাধিকারী Kt.

C. L. L. C. B. E. L. L. D. (Aberdane & St. Andrews) M. A. B. L. etc. etc

সার দেবপ্রাসাদ বাঙ্গালার কারছ-करनत एकी छेष्यन तथा छाहात सामाह পাণ্ডিতা, প্রবল কর্মাণ্ডি, গড়ীর উপন, উৎসাহ ও অমাহিক বাৰতাত সৰ্প্ৰক্ৰ-বিদিত। কি সরকারী কি বেসরকারী **८व कान मरकार्याहे इंडेक मान्न रवब** প্রানাদের কর্মালজির পরিচয় পাইয়া আমরা ভাঁচার একাল ভাগম চটরা बाहे। आयात्मत्र यानमहवानीय विश्व গোরণ ও আনন্দের কথা যে এই বৃদ্ধ বয়দেও গ্রীয়ের মধ্যে নিজ ভ্রথ স্বাচ্ছল্য বিসক্ষন করিয়া আগামী জীয়ামকেণী উৎপৰে তিনি যোগদান ৰবিতে প্ৰস্তুত হট্যাছেন: আমরা মালদংবাদীর পক হইতে তাঁহাকে আন্তৰিক ধ্ৰুবাদ জ্ঞাপন করিতেছি এবং সাগরে স্বাপ্তম স্বরে অভিবাদন করিতেছি।

मात्र त्मनश्रमाम कशिकाका विध-বিভালরের এম-এ, বি-এল উপানি লাভ कात्रन क्या Aberdane & St. Andrews इहेटड L L D देशाबि शान । डाइाइ গুণে মুগ্ধ হইয়া সম্বন্ধ ৰাছাত্মৰ উহিচাকে काकि केळ मचारतद डेनाबि वथा Kt. CIE, CBE श्राकृति श्रामा करतान । fefel Vakeel. Solicitor & Advocate, 814 3200 States League of nationes member वंदेश (कानकार नामम करत्रम । ১৯২६।२७ प्रदेशिए South African Deputaion of Govt. of Indian महकताल बातक कार्या कार्यम । ক্লিকাড; বিশ্ববিদ্যালয়ের গুইবার Vice-Chancellor अक्रान देशांत वर्गमंत्र । किर्णन । डिक विश्वविशासरम Dean, Faculty of Arts & Law 18791 कृतिकाहान विश्वाह Asiatic Society, ≁ রিন**ং** ু Rotary club Vice President eqt Calcutta University Institute 43 President. अनुशास्त्र शिक्कमक्यो তাহার বিফার মুখ চইয়া "অনীরত্ন" खेलावि खामान करतन। काली इंटेएड "বছরত্র" 📽 "বিভাস্থনাকর" উপাধি লাভ करवन । छाका कहेटक विश्वातकाकत्र' ध्वर करतेन, अवर अ श्रव माहिका मिनाराना आधिकात Paddison Committee अवह क्षप्रवाही वर्कणा द्यानी करतेन। विश्वपादक क्षा कतिया मा।

নভাপতি নিৰ্মাচিত হব। বলীয় আইন পরিষদের সভা এবং উহার select Committees সদক্ত ছিলেন। हेर्। ছাড়৷ ১৯২১---২৩ সালে ভারতীয় বাবলা পরিষদের সভা ও ভাহার select committees সদৃষ্ঠ ভিখেন। Council of state রে সদস্য ছিলেন। National council of Education 43 Vicepresident.

কিন্ত এই সমত কাজের মণ্যেও তিনি

সহকারী সম্পাদক অকলে "নময়", "ভারত-ৰানী", "Indian world", "Hindu Patriot" প্রিকার কার্যা চালাইয়াছেন **८वः हिड्यामी, यक्षमधी, यश्रवामी**, मधीवनी, ভারতংশ, প্রুপুশ, মান্দী মুৰ্বাণী, অজনা, প্ৰস্তুক, অমুত্ৰাদাৰ, (बक्नी, हे-लिश्यान, ८४ छेम्यतन, Indian Daily news প্রস্কৃতি পাত্রিকায় সময় সময় অনেক निधंश लिबिशाटणन । मःश्रूल প্রধান (बडा কলিকডো বিশ্ববিভালতের 4 5817.5 Board of Studies in Sanskrit & Sanskrit Language 43 hv9 e President Sanskrat College विराम । । आहंग [तिछात्र । हान विदयस भारतसी । Fix Law college governing Body, Calcutta University 7 President facer: 1 कशिकाको कर्पारत्रभरभव ममञ्जूषा (मर्टन्त्र ८म्चा ५ तिप्रार्ट्डन । fasite Indian Association as Vice President & British Indian Association নদস্থারপে অনেক কার্য্য ক্ৰিলডেন। সিম্ল' ক্লিকাডা এবং পুনায় Cooperative Conference এর member ভিলেন। একস্তীত ছাত্ৰ মহলেও ইহার বিশেষ স্থানাম সভিয়াছে। বত হাসপাছাল, হোমি প্রপাধিক ও काचरका कि किश्माणव शहानाव. विषया ও बाजुद बाद्य वालिका विश्वालय, नक करणका किं विश्ववित्रास्त्र, मिडेबियम, कानी विश्वविद्यालय, ठाका विश्वविद्यालय. कान, मिन्छ नीडि व्यक्तिन, काना দ্মিতি, কাষ্ট্ৰপ্ৰা, সাহিত্য দল্মিলন, Bengal Technical Cotlege Indian Art school, वह श्राश व्यक्तिंग, त्मर्भन বাণিকা প্রতিহান, গাঁডা সমাক, শিক্ষক मिष्यानी, कृतरकता मध्यात्र मिरि, ছডিক বজা বিশিক কমিটা প্রভাতির স্তিত সংখ্রিই। এই সমস্ত কার্য্যের মরে ও বাষ্ট্রীয় সংক্ষেত্রের অধিবেশন আরম্ভ হয়। फिनि कामक्यानि वहें शिथियाछन गया----"हेडिस्तार्ल जिन मान", "खवान भव", "নাইকেল মধুস্থন দত্ত", 'প্যারিটাণ করেন। একটি সময়োচিত লগীত গীত বিভারের পছিত বলিরাছেন বে, এই न्त्री क्रेड कान्तिय" खेनारि मार मिया हेलापि। ১৯২०। रेक मारन प्रकरित

चामता चाना कति माननइनानी केंद्रिक यथारयां ना अश्वान श्रामन कविरयम ध्यः প্রীরামকেশী সংখ্যার স্মিভিকে উপযুক্তরূপ প্রায়তা করিয়া এই বারের ভরামকে লী উৎসব পাফলামণ্ডিত করিবেন।

#### **ट्रिमार्यस चार्**ज्यो

**८**जनाद्वन चार्छत छात्याच ८करन कानाकतिक इहेग्राह्म । धीमही शकावाले চৌবে এবং শ্রীযুক্ত নবীনচল্ল গভ ৭ই মে ভার চৌকে একটি জনসভায় ক্ষেনায়েশ আডেরীর সহিত গ্রেখার ६ वेशा कि त्या । कि शहा (यव क्षर एक व इव मान कविया मध्य कावा तम । अभाग টাকা করিয়া জরিমানা ইইয়াতে : व्यनांगारम कार्राहारमस व्याद्र अध्यान কারাভোগ করিতে ছউবে।

#### কলিকাভায় গ্রেপ্তারের ছিডিক

কলিকাতা সহলে কভিপর প্রেক वाहित इटेंट्ड अञ्चलमा. विद्यालक प्रमा. व्यक्तिः ध्वः द्वादकत व्याप्तरातीत् १७१८ क्तिएडएड—उद्दे क्रांड्सएल পোর্ট পুলিশের গোরেন্দা বিভাগ কলিকাভার विভिन्न भान क्षेट्ड १२ क्रन व्याक्टक ্রোপ্তার করিয়াছে। ধুত ব্যক্তিদের মধ্যে **ीना, कालानी, अनीय ७ त्नाकाशालित** মুগলমান এবং কয়েকজন চিন্দু খাছে।

प्रक दाक्तिरमत मर्था : • कन्टक अलिशत्तत्र महस्ति हेरे हे व के सम्बद्ध পেটে প্রবিশের ডেপ্টা কমিপনার জামিনে काडिया भियारक्रम ।

जर अक्ट किल्पारण भूजिन गए भागवात्र काटक ठीनाणाडा क्ट्रेटक क्रटेकस जीनारक अधात्र करिया हिला होश-निशास्य मण्यावात्र भवात्य काशित्य मुख्य त्म क्या कड़ेचारक I

পুলিশের অভিযোগ এই বে, আগামী-গণ পরত্বর যদ্ধর করিয়া কলিকাতার विटक्शांत्रक स्वा जनः वात्र-नन्न वामानी করিবার এক্ত পুথকভাবে কিখা মিলিড-क्षांत मारी।

#### वक्षम (क्षमा ब्राह्मेश मरमामन

গত ১৬ই মে সন্ধার বথড়া কেশ। অপরায়ে নিকাচিত সভাপতি ত্রীগুত ক্রভাষ্টপ্র বস্ত জাতীর পতাকা উত্তোশন क्षयात्र शक्

प्रत मिरक प्रदेश प्रकार के प्रकार माध्याच कार्टाक किमि कार्कीय शकाकांव वर्ष British Universitys' congress इ.इ. गंकनात्व बुक्काहेवा त्वन कवर जननात्क স্বক্তরণে অনেক কার্য্য করিয়াছেন । প্রাণ্পণে এই প্তাকার সন্মান রক্ষা করিতে বলেন। শ্রীগঙা দেৱীও একটা ক্ষুদ্র হানগুগ্রাহী বস্কুতা मान करत्रन ।

#### जिल्लाम्बर्ग कारिद्यमञ

मक्षा १ हे। य मत्यमत्मन अधिद्वर्णम व्यक्तिस हम। मृत्यम्यन वह त्यांक छेत-ত্বিত ছিলেন। তন্মগ্রে মনেক মহিলা**ও** ছিলেন। সভার প্রারম্ভে বগুড়া মিউ-নিসিপালিটার চেয়ারম্যান নাগরিকদের नक इट्रेट. श्रद्धा मिष्ठित मन्नामक মোল্যী রাভিবউদ্দিন ত্রুদদার ব্রুভার কুদকদের পুঞ্চ হটভে এবং শ্রীমুক্ত সক্ষমদ গ্র চালেণ মিণ্ডিখ **स्टल्**खान পক इंटेटड 🖺 हि व प्रक मान्या खाराम

অভার্থনা স্মিতির সভাগতি 💐বৃত্ ললিতমোহন সাঞাল সমাগত প্রতিনিধি মণ্ডলীকে স্থাগত জানাইছা কণ্ডড়া ट्रांचात बाकटेनलिक कार्यात्राचीत हैकि-হাদ বর্ণনা করেন। ত্রীবার বছকে ! অভার্থনা করিয়া ভিনি বলেন, জীয়ক বল্ল এট বিতীয়বাদ বগুছার আপ্রমন করিবেন। অভঃপর শ্রীগত সংক্রাল বস্তভাষ ছোঁচাৰ প্ৰথম আগমন এবং উদ্ভৱ ৰাজের वज्ञात भगग डिल् (य भगड कार्या क्रिक्का ८६२, काशांत हैदलन कदलन ।

#### সভাপতির রক্ত ডা

অংশের সভাপতি জীয়ত বস্তু বিপুল क्ष्मश्यनित्र मटना क्रेडिया यक्षका व्यक्तिक করেন, তিনি প্রাণমেই ভারতের স্নাদ-নাতিগত এবং ক্ষটিগত ঐক্য সম্বন্ধ আলোচনা করেম ১. ভিনি রাজা রাম-त्मादन तार ६६८ ज भावेश्वः, क्विश्वः व स्मान काल भूगाञ्च याक्रामात केल्डाम बर्गना কলেন। তিনি বলেন, ভাৰভের ভয় नामनात उपने विनिष्ठे बन्ड, धक्नी विनिष्ठ भागना त्रिकाट्य । देवा ८७ श्रामन-शत्रकात्र भारेगारक। तम्बद्ध किंद्र-श्रक्षरमञ्ज की बर्सके वाकाला यशार्थ **क**. ध প্রকাশ করিয়াছে। +

#### वार्वावे ७ क्रांट्ला गटमामानिक

कार्वातीत व्यक्तिनिमध्नी व्यवशा ক্রিয়াডেন যে, ক্রাদীদের অভিবাদ मध्यक वाहीवा धार कार्यापि वस-मञ्ज बकात वाचिएक प्रकाशिक ।.

कार्यान व्यक्तिभिन्धिक्षी विद्रमध বহু একটা কুল্ল স্কল আইমারে ক্লাক্সনৈভিক ্রন্থানীনতা

LAMPIALME ALS वाष्ट्रवाहर প্ৰাভ হাত ১. ate sex . ME ANN ON PLANE ALS 4.48 i



मा बार्याहरू हि W: 3:4 (HA ) नागिक 🙉 📗 नाधानिक दर् ('श्रम्शिक = We भागिक ५ 3151W त्रा व मान्या ।

BINESS MAKE WEN SIETS - MARC COURS CAN MIC WHITE

সম্পাদক— শ্রীত তীক্তনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচস্পতি **७** ४७ ो

ि ७ वे मध्याप

চ্চালৈক্ত্রভাৱন প্রাধান আন্থাপুত ১ই জোই প্রনিবার ১০০৮, ১৩পে মে ১৯৩১

### নানা কথা

### देननिजादन औयु जाकीकी

শ্রীগত গানীলা ১৮ই মে অপরাছে देनिक्शाल द्वीक्षिशास्त्र। िंहिन নৈনিভাল ছইডে কিঞ্চিনিক ৫ মাইল मुद्रवाङी जानुका बारम नाला रनाविन शास मा'त गृहिक व्यवष्टाम क्षिरकर्णम । उदारम प्लीकित्म भइत महत्र मन्क **खा**शास्त्र विभूतकार्य मध्यमा करत्। ভিনি এত্বানে ৫ দিন থাকিবেন ব্যায়া मनक क्षिणाइन।

गवर्षत्र कानशृद्ध चार्ट्य । ১৯८५ त्म व्यवद्वारङ्क कित्रियात्र গ্ৰণরের সহিত পান্ধীর সাক্ষাৎ गश्चवण्डः भारतिम हहेटाः काहान ভবিষাৎ কর্ম প্রণালী সম্বন্ধে সঠিক কিছুই काना योत्र नाहे।

### 🕝 জাত্ৰাই টেলনে ছভাৰ বাৰু

বীৰুত ত্তাগচল বস বওড়া ২ইতে क्रिकाला भरत अहेर तम खाटल माजान ুইটেশনে ছানীয় স্থেক্ষাদৈবক ও উপস্থিত ভত্তমগুলী কর্তৃক মাল্যভূমিত ও সম্বন্ধিত হইলে স্থানীয় রাষ্ট্রীয় স্মিতির স্ভাপতি विष्क नीरम अष्ठ स मंत्र, मन्त्रापक जीवुक পরেশনাথ হোড় এবং নজীয় বিলিফ ক্মিটীর क्षकरो। भीपुरु कित्रशत्म मध्यमित्र পরিচয় দরাইয়া বেন। অভ্যেপর প্রভাষ বাৰু কংডোলের স্বাধীনতা অৰ্জন পছা মোহন সাহা, প্ৰীণ্ডক স্বধীসচক্ষ গুপ্ত এবং স্বঁলৈ সংক্ষিতা উপলেশ বিশে 'বন্দে ত্রীযুক্ত ক্রেরানাথ গঙ্গোলাগ্য এভ্তি माक्त्रम् स्वनित्र मर्गा द्वित इंक्तिया यात्र । क्षज्ञम छणीत सरमा (हेणरम खीतुक कामिनी

# নৈনীতালে শ্রীযুত গান্ধীজী

সার টেগাটের বিরুদ্ধে অভিযোগ

# আত্রাইএ স্থভাষ বাবু

পাবন। জিলা কংগ্রেদ কমিটা

# ভৌতিক কাণ্ড

সামাত্র বাগড়ায় কাটাকাটি

# অদ্ভত আমগাছ

বাণেশ্বর স্কুল ছাত্র স্মিতি

# আদালতে পকেট মার

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

त्गाताय 880

মাজ ১/১০ ভাকটিকেট পাঠাইলেই বুক্পোত্তে পাঠান হয়।

মানেকার গ্রন্থবিভাগ श्रीहरू कर भर, १५३३ श्रीमाया भुन्न, नमीना

উপাস্থত ছিলেন।

টেগাটের বিরুদ্ধে অভিযোগ করার অক্ত চন্দ্রনগরে শশধর আগ্রেগ্যের কমিটা গঠন করিয়াছেন।

পাট্টতে হানা দেওটার মুপ্পরে উক্ত শশার আড়াগা ও গাঁহার পত্নী প্রচাটিটা (मरी, मान जानीत (उनाहीं e बकात প্ৰিশ কথ্যভাৱীর বিভাকে আনেক্ত क्ट्रेट्ड एनच् कतिनात क**छ এ**कति ८ वानपुरा ८४७ ४७ मन्य क्लान कला (मध्यपान भन , कारोदकारके ज्ञानामा दिहादणांच्या किकार मन-१४ कालगा

मत्रचाल माथिन कतिएक शिया का किन া গোলক রীর প্রকে 🗐 যুক্ত ছিতের ওক্ত াব্যানাজ্যি বলেন যে, সার চালান টেনাট ৷ ও অক্সাভোর বৈক্ষয়ে শমন প্রোর্থনা কর'য প্রান প্রেনিডেলী মার্শিস্টেট উল্ভাল্ড करतन । ये भारतस्यत् निकास राहेरक पहे দরবান্ত করিলে বিচারপতি উচ্চলয়,ম্য ও বেশ্ব উচা ভিদ্মিল কলিনা আদেশ Cपन ८व. शहरकारतेत वित्यव कामधान व्यक्षात कत्रात आर्थना आलिम विভाগ क ति हा। कि श्रु भिः बारना दिः বলেন যে, এই আদেশ চাইকোটে ব आर्थिम विভारतत बाहरनव । बरवाति . কাৰেই এ সম্বৰ্ধে কোন নীভিত্তে কাঞ ক্ষবিতে হটবে এবং একটি বেক প্রস্কুন্স क्य वह प्रथाक क्या व्हेशाट ।

বিবান বিচারপতি তেই দরখান্ত তারে করিয়া কৌহলী শ্রীপৃত ব্যানাজিংক কাগল পতা দাখিল করার জন্ত কালেশ **भियाद्ध्य** ।

#### ८५।८तत उभक्र

कामाणभूत भारत कीमन ८५।(सव े छेपार्व भागक व्हेंबारक । अध्यक्ष मक्रव পত ২য়া সেপ্টেম্বর চট্টগ্রাম অনুস্থার চুর কইটেছে। পানীয় যুবক গণ সমন্ত পুঠনের ফেরারী আসামীদিগতে তগ্রভার স্থাতি পাছাবা দিবার স্বস্ত একটা ভিচ্ছেতা

# শ্রীধাম মায়াপরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## (थाना इरेश्राट्स।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে
অতি যত্ত্বের সহিত শিক্ষা প্রদান করিছেছেন।
নিদেশী ছাত্রগণের জন্ম বিনা বাহে সুন্দর বাসহানের
বন্দোবস্তর্গতাতে। খান অতীব সাহাকর।

সবিস্তার স ধাদের স্বস্থা নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্ত লিখুন। সেক্রেভারী, ভাকুর ভাক্তিবিনোদ ইন্টিটিউট্ শ্রীচেত্যমই, শোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া

রুক্দেগরত গইট্রীটে অবস্থিত

# শ্রীভাগবত প্রেস

সুলভে সুন্দর ছাপার জন্ম চিরপ্রাসদ্ধ

এখানে ব্যাক্ষ, মোকর্দ্ধনা এব ইউনিয়নবোর্ডের যাবতীয় ফরম্ ও রুসিন বিক্রেয়ার্থ সর্বদা প্রস্তুত থাকে।

মকঃম্বল ছইডে লিখিলে প্রত্যেক ইউনিয়নবোডের নাম ছাপিয়া দেওলা হয়।

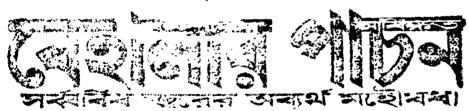
বিশ্বের উপহার, নিমন্ত্রণ-পত্র চেক, দাখিলা, আর্ফি প্রস্কৃতি অতি যড়ের সহিত অতি সহর ছঃশিয়া দেওয়া হয়।

ইংরাজা, বালালা হিন্দা ও সংস্কৃত ভাষায় পুস্তক।দি ছাপিবার স্থবাংক্ষা আছে।

মকঃদলের গ্রাহকগণ নির্ভাবনায় নিম্নঠিকানায় ডাক্ষোণে অভার পাঠাইতে পারেন।

> ম্যানেতার জ্রীভাগবত এেস পো: রঞ্চন্যর, নদান।

# কাৰরাজ শাশভূষণ কবিকপ্ঠাভরণের



ক্ষণেতের জুবগার ক্ষন্ত আং শিশিতে ঘণীড়াত অবস্থার ভোটবোড়লের সমপ্রিমাণ ঐবধ ভাকে পাঠান হয়, হতাছে ঔঘণেত কোনা পরিবভান করা হয় নাই। মূল্য প্রতি শিশিয়াত আনা, পাঁইটা টেল্ড আনা, বোজনা ১০০ আনা।

অফিস ১১নং উল্টাডান্ধা রোড, পোঃ শামবাজার,! কলিকাতা

# यपन यक्त

বৃদ্ধিকার কাম ও বাঞুনিকার, ইল্লিছণ্ডির হাই, কালাবে শুক্রপাও, বরস্কার, সংগ্রেমার, বুক বড় কড়ানি, আনিজা রাজ্তি লক্ষণ সভার নিচ্ছোছ আছে।সাজ্ছা বল, বাই। সেব। বৃদ্ধি-করিকে আবিজ্ঞার ইনিকা। সুলা ৪০ বটি ১, এক টাকা।

ं . १९वर काहिन्य (बाठ, क्लिकाफा । <sup>(</sup>

হাইড্রোসিল

-(1

## কোষরদ্ধি রোগ

ডাঃ তস্ত্ৰ তেন, খোষ বিনা আছে, বাৰজ্জীবনের গ্যারাটি দিয়া বৈডাভিক ত্রশানীকে কোলবৃদ্ধি রোগ আংরোগ। করিয়া গাকেন।

> क्रिकाश— क्रम करेश द्वीरे, बढ्डवाबाब, क्रमकाला ।

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

# দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

প্ৰস্তা দিলে সম্পূৰ্ণ আত্মোগ্য

কোপী দেখাউতে ক্টৰে। অপ্ৰিম পাণের গর্চ (বার্যা এবং আসার)
পাঠাইলে গিয়া রোগী দেখা ৬র অথবা এখানে আসিলে রোগী কেথারা
উবধ দেওরা হয় আন্যোগ্য না কওয়া প্রান্ত পাতিপ্রামক দিতে কটবে না ই
পতীব রোগীদের খ্রচ বহন করিয়া চিকিৎসা কবা হয়। বিস্তারিভ বিশহবের জন্ত এক আনার ভাক টিকেট স্বান্ত তিকানার অনুসন্ধান

জ্ঞীক্ষতীশনন্ত উপীশ, যক্ষা-চিকিৎসক, শোঃ নৈকারী, ৰছিশাল। অৰণা নিয় ঠিকানায় সাক্ষাৎ করিছা বিস্তাহিত আনিতে পায়েন।

শ্রীযুক্ত রামগোপাল দক্ত তম্, তে, ক্লক্ষণর, নধীয়া। শ্রীযুক্ত করিপথ গিংল, ১১৭, বেশিয়াটোলা ট্রীট্ট, লটাখোলা, কাল্যকাল

প্রকাষানি পাত্র। আনার জাতুপুর গভ হয় মাস বাবৎ রাজ বন্ধার ফুপিয়া মুহত্রার কংকাছল, কংলকাতার বিজ্ঞ চিকিৎসকপদ ছারার কীবনের আশা ছার্গ করির শেষ মুক্তের অন্ত অংশকা করিছেভিলেন এই সময় প্রীয়ুভ মি নীশ্বন্ধ উবিল মতাশর মার ১০ দিন চিকিৎসা কারর সম্পূর্ণ আবোগ্য করিয়া কিছাছেন। (সাঃ) শুষ্ঠীন্ত কিশোর রায় চৌধুনী (আসম্বাহ থালিয়া) হব্ ব্লীট্, নিউ বিভিং। করপোয়েশন লাইটিং ভিলাটখেন্ট, কলিকাছা।

# যনোযোহন প্রেস

পূর্ব্য-বাজালায় স্থলতে সকলপ্রকার ছাপার জন্ত বিখ্যাত বৈদ্যুতিক ছেলিলে দিবাঞ্চাত্রে কাক চলিতেছে বিশ্বত জানিতে হইলে নিম্ন ঠিকানায় পঞ্জ লিখুন

> ম্যানেজার—মনোমোহন প্রেস, ৯০শং শহারপুর, ঢাকা।

# মর: মাত্র বাঁচাইবার উপায়

বদিও অভাপি তাক্তম মণা মান্তৰ বাঁচ।ইবার ভোল উবদ অংশিয় চন্দ্র নাই সভা, কথাপি বাঁচারা নাদাবিদ অনির্মিত উপারে অপানিষ্টিত পজি নাই ক্টিয়া জাত্তে মরা নতরা রাল্যাকেন এবং নানা আকার মেন, আম্বেদ গাজুলাকালা, সাহ্বিক চকাপতা, যহমুল্ল, ইংকল্ল, পারদ-সংক্রান্ত পীড়া, অল এবং ত্রীলোক্তিলার মধ্যে মানা বাব্দ, বন্ধা, মৃত্তব্যা, স্পত্তনা, স্বেডকা, স্বেচ ও মক্তরেশ, ভিত্তিরার আক্তি রোগে ভূলিলা জীবনে নিয়াল এইরাছেন, তাঁহার। আমেরিকার অপ্রাথিত ভালার পেটাল সাকেবের আবিদ্ধত ইত্যেকি কুক সলিউসল ব্যবহার কলিয়া বাছিতে পারেন, ভালার শত সকল জ্বান আক্তি বংশক্তে পার্ভরা আ্রোল্) রুইতে পারেন নাক, তাঁহারা জক্বার আই প্রথটি বাব্দার কলিয়া দেশুন। এক নালের বাবহারোপ্রােশ্ব লক শিলি ক্ষম ভাক্যান্তল স্বান্ত হান টাকা মানা।



লোল এতেওঁ— ডাঃ ডি. ডি, হাজরা। ফতেপুর, গার্ডে-বিচ গোট, ক্লিকারা টিকানা স্পষ্ট করিয়া গিবিক্স

क्षांम मारा पुर न्यापा श्राकाण विशेष ६ दशका रहेरछ- छ। दक्षकांच जिल्लाका किल्लाका जन, जन, जन, क्रक मृश्चिक के श्राकाल

# मास्ति नश अनक

গভ ১৪।৫। ২১ ভারিখে দাভিদ্বলিংএন কতিপয় বিশিষ্ট শিক্ষিত সম্ভান্ত ভদ্ৰগোক **এবং উচ্চ**পদস্থ রাজকর্ম্মচারী অগান্ত ভিলার क्रीम आह्मारमय निक्षे हत्रिक्था अवस्पत्र ক্ষক্ত কাগমন করেন এবং সংগ্রা হইতে রাত্তি ৯॥ ঘটিকা পর্যাস্ক অবংশন করেন। অগতে কৰ্ম, জ্ঞান, যোগ প্ৰভৃতি নানা প্ৰকার দর্মার্গের কণা প্রচলিত থাকিলেও জীল প্রস্থাদের নিকট গুদ্ধ ভিপত্মের কথা এব তৎসম্বাদ্ধ লীমন্ মহাপ্রভূপচারিত बीटलव हराम कन्यानिश्चन दक्षांमध्यात कर्या শ্বৰ ক্ৰিয়া ভাগাৰা অভান্ত আনন্দিত হন। कर्षा, क्षान छ खालित महिल ভिक्तिगर्भत । যে বৈশিষ্টা, ভাগ ভাঁচাৰ। ইভংগুরে প্রবণ করিবার সৌভাগা আর কোন্দিন লাভ कट्रम मार्छ। यह घट्टिंग क्याट भीवन নহাপ্র ব্রীকৈড্সবাণী প্রচার গারা প্রাস্ত भाष कीत्वत त्य कि भश्रम डेभकात गापन कतिर शहन, छाडा छोडाता डेफकाई बीकात ক্ষরিতে বাধ্য হন

शक ১३।८।१১ छ।तिरंग गृहेभणातमधी कटेनक भाषती भारत्य माज्यिनः रेगरण हैरेन প্রভাগের আগমন-গাঠা প্রবণ করিয়া অগাই ভিসার আসি । উপস্থিত হন। তিনি বংলন যে, ফাল্ডে জোহান্সএব নিকট শ্রিমার্গীয়মঠ ও ভর্মতা আচাধাপ্রধরের महरकृत कथा अनग कतिमारकृत। छिनि প্রভূপাদের সভিত এক ঘণ্টার অধিক কাল क्ष्योदगाठमा करतम् । शाततः मादध्य थ्यः ; পাণের নিকট নৈতিক ও কম্মনঃ রাজ্যের খতাত ভদ্মতাক্রাফোর কথা ভান্য অভান্ত আহলাদিত হন। প্রীচৈতক্সদেবের ক্রেমধর্মের কথা প্রভূপাদ তাহাকে বুশাই দিলে তিনি ওৎসম্বন্ধ আরও নুধন নুধন তথ্য অবগত হটবার জন্ম আহি জাশন कतिएक भारकम । चुरेभएषं भाज और नावास्त्र পিছুৰের (Fatherhood of Godhead) কথা উল্লেখ আছে, কিন্তু প্রীমন্তাগণতের विচারে সেংক औरवंद्र সহিত ভগবানের যে नास, माल, मना, नारमणा ९ मधुत्र कहे भाउ ध्यकात मध्य व्याह्म धतः जीक्शवात्नव भूजव (Sonhood of Godhead) ব্যৱস্থা যে সমস্ত বিচার আছে, তাখা প্রভূপাদ পাদরী সাহেবকে সুষ্ঠভাবে বুঝাইয়া দিলে তিনি **औरेहण्डकरणरवत ८ शमध्यक्षत्र अन्स्मा गर्यन** । किनि औरेहक्सारगरदा आठातिक समार्थिन धार्षत विठातमभूर त्य काछि উচ্চতর क्या, ইছা খীকার না করিয়া থাকিতে পারেন नार्ड- এक्षां कानारेगाहित्वन।

वाव बर्रातीव ताका मारहर छोडात धारि 🕫 वित्रा कानारेलन । म्ब्याकी विकासित क्रिया क्रिया विकासित है

### শ্রীঞ্জিগুরুলোকালে জয়তঃ

# দৈনিক নদীয়া-প্রকাণ

নতাপাসা বৈক্পবাতাবৰ

বেদাদি সমস্ত সামত-শাজের অকৃতিয় ব্যাখ্যাতা সমগ্র ভারতে একমাত্র যুলভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

क्षाबाब-काशायुर-कर टेकाके क्रान्यार-२००४

জ্ঞীচনৰ দৰ্শনা। ওলাধী তইয়া উপস্থিত ছন। রাজা সাহেব গুরু উচ্চ শিক্ষিত বাজি: তিনি তাহার নানাঞ্জকার সন্দেহ নির্মন क्षण क्षांभ्रभारमञ्ज निकंष नह नव दास्त्रन অবতারণা করিয়া তাহার নীমানো প্রাথনা ববেন। প্রভুপাদ অভি সহস্ত ও সরব ভাষার পাবের গুড় ভাৎপধ্যসমূহ ভাষাকে वुवाह्या (भन ।

রাজা পাছেব অধার্থন হইলেও ভাঁহার विजानद्क्षित लागःमा मा कतिया शाका यात्र না। তিনি যে সমস্ত কথাৰ অবভাৰণা ক্রিচাছিলেন, ভাষাতে মনে হয়, তিনি -বাথেবিকট জীবের প্রারতধ্যসম্বর্ণ ওলাব। প্রসূপান ভাঁচার আহি দেখিয়া জাঁচাকে মাগ্রহের সাহত শ্রীমন্তাগনত হইতে "লক্ষ্ স্তুগাভাগতে, বর্মপুরাকে" লোক। উল্লেখ করিয়া মনেজীননে জীবের চরম্মঙ্গল লাভেব : উপা,স্বরূপ শুক্তি জিলার্ম আরু ভিন্ন অঞ্ উপার নাম, ইহা अञ्चलत नुसाहित सन।

কশ্ব, জান, যোগ প্রভৃতি ধন্দে জীবের। আগাত প্রীন্মান কিছু কিছু মঙ্গ দেখা গোলেও একদাৰ শুক্ত প্রেমণ্ডেমই জীবের নিভানসৰ লাভ হইকে পারে, ইহা রাজা সাহেবের কখন ও জানা ছিল না,—একথা ভিনি খাকার করেন। রাজা সাহেব अइंडः इडं शक्ताका खळूलात्वतः औ्राप নি.স্ত চৈতকুবাণী শ্ৰবণে আকৃষ্ট হইয়। ভবিষ্যতে পুনরায় ভাঁচার খ্রীচরণ দর্শনের नामना छापन करतन। औरेएडक्टमस्यन েপ্রমণশ্বের লৈশিষ্টা ভাহার আনা ছিল না। अ रुभारमत मिक्छे छेशत अब त्रव्य भागाज হইয়া ডিনি যেন এক নুভন রাজোর সংবাদ অবগত হইবেন। মানবজীবনের কঠবাসখনে ইড প্ৰে উচার বে সমত ধারণা জনার বংমুল ছিল এবং জড়জগতের ক্ষতিকতা ০ হড় শিক্ষার মূলে তিনি ধে भग । छान मा ७ व विलेखिलान, त्यहे ममख বৈকালে ভাগলপুরের সন্নিকটক ।লগাে এক্সত পার্চয় প্রাপ্ত হইলেন

# वृद्ध वा (यात्री

গুৰু ধাতু ক্ৰ প্ৰভাৱ কৰিয়া 'যুক্ত'পদ নিপদ চট্যাছে। ভাষার অর্থ কোন এক ধ্রধ স্ভিত অধ্র কোন বস্তুর খিলন না সংযোগাকস্থাকে উদ্দেশ করে

केन्त्राण अकीलाई ग्राह्मान या भिनान-প্রেষ্টি । মনুষ্ মনুষ্যের সহিত, পশু প্রুর স্থিত, প্রজ্যু পক্ষীর স্থিত, প্রশ্ন গ্রামের স্থিত, হিন্দু হিন্দুর স্থিত, ভারতবাদী ভারতবাদীর স্থিত--এইরপে মুক্তা প্রতিষ্ঠি মহাতী মিল্নের প্রয়াম। কিছু জীবের এই প্রথাস সন্বর্থা বার্থ ইইয়া ময়ে। ভাগের বিদ্যার জ্রাঞ্ছি ইওয়ায় সে ঘট্ট স্থালেলে প্রবাস করে, আর একজন প্রথাকিতে প্রতিন। ভাষার ঐ চেষ্টাকে সাথ কবিয়া দেন।

সেই এলাকত পুক্ষের নাম 'কাল'। শ্বলপ্রাণাই কালের ুপ্রভাবে চালিছ द्व । काकान चनप्रोष्ट्रभ श्हेग्राष्ट्र, भकालहे জাগন্ন নুউন আশক্ষ করিতেছে, কিন্তু কোণা হইতে বাহু আসিয়া সমস্ত মেঘকে কোন অজানা দেশে উড়াইয়া লইল গেল. क्टिके खादा स्नानित्व लातिन ना। स्मय-সকল বায়ু কতুক বিচালিত ইইয়াও শেমন বায়ুর বিক্রম দমাকু প্রকারে অবগত ইইতে পারে না, উদ্দেশ মহুয়াগণ ও কালের পরা চালিত হটয়৷ ভাহাত অসাম বিজ্ঞান বিষয় क्षानिएड शास्त्र मा।

জীব্যুণ মেহবশত: নিভাযুক্ত হটবাব চেপ্তা না করিয়া দেহ, গেছ, কলায়, পশু, বিত্ত প্রভৃতি বন্ধর স্বাইত নিজ সংযোগ বাস্থা কৰে, কিন্তু ঐগুলি নিতা নাৰে, কালকন্ত্ৰ विनहें इव विना अझामत क्ष्म सीत्रत শোক করিতে হয়। নিতা বস্তব অনিতা বস্তুতে সংযোগ প্রস্পত বিগ্যাত বস্তুর भिन्न भगखर ।

স্বয়ংভগবান শ্রীক্লফ গাঁডায় 'যুক্ত' শন্দের छोरभगा अहेकाल उलामन कतिलाहन,---ক্তানবিজ্ঞান হুপ্তায়। কুটক্তে বিভিত্তে জিলঃ । युक्त हेंदुन्नाटाट धार्ग मगरना द्वीभाकालनः । যদা বিনিয়তং চিত্তনাম্বানেতিলতে। নিম্পৃহ: সঞ্চলমেভা। যুক্ত ইত্যুচাতে তদ। ॥

त्यांनी क्वांनदिकान श्रादा 'इश्राचा, किः স্বভাবে স্থিত, জিতেক্সিয়, লোই, সৃংপিও, **अफ़र ५ वर्ग मभूमरश**हे, मशहृष्टि व्यर्था९ है সমুদ্রেই জড়পরিণতি, অত্তরে নম্মর-এই-রূপ জ্ঞান্য 🧟 ।

গখন যোগার চিত্ত ভির নিরোধ হয় অর্থাৎ ভিত্তত্তি লগন জড়াবিট্ডা পরি-ভাগে করিখা অপ্রাক্ত বিশেষ সকলে অর্থাৎ আত্মতরে প্রিনিষ্টত হয়, তথন সমত্ত কড়কামশৃত ঐ পুরুষ যোগধৃক্ত বলিয়া

'মৃক্ত গুলুকে 'হোলি' বলে। এই যোগি-গণের মধ্যে তারতমা আছে। তজ্জ প্রীরুশ পুনবায় বলিতেভেন,—

তপ্রিভোচ্চিকো গোণী জানিভোচ্চি মতে। হ্পিক:।

কব্মিভ্যশ্চাধিকে। যোগ ভক্মান্যোগী

শোলিনামণি সক্ষেশা মদগতে নাত্র আন।। শ্রহালান ভঞ্জে গোলাং সংস

> যুক্তকো মত: ৪ ( 3185-84 )

স্কামকৰ্মণত তপদী অপেকা ক্ষ-মোল (শ্রের। সাংখ্য**জনী মপেকা** যোগ ধ্রেয়া সকাম কন্দ্রী অপেক্ষা যোগীই এেটা গোগেশুর ভগকা, জান বা কলা, किकृते लोग नग्र। अङ्कर ८६ अक्ट्रन, दुनि (शंभी इत्र ।

মত প্রকার মোগা আছে, সংযোগকা ভক্তিবোপারটাতা লোগাই প্রেট। বিনি अक्षादान् ४३॥ आभारक ७६न करतन, किन द्वाणिशन भट्या दक्ष । देवस मानव-দিগের মধ্যে সকাম কন্মীকে 'ঘোণী' বলা ধায় না। নিধান কথী, জানী, অষ্টাঙ্গ योगी ५ विकासभाका- देशका योगी। दश्च : द्यांश अक दहे कुठे मद्र। स्थान একটা সোপান্ময় মার্গনিশেষ। সেই মাগ্রুক আশ্রুদ করিলা জীব বন্ধপথারত হন। নিদান কর্মটোগ ঐ গোপানের প্রথম ক্রম। ভাহাতে জ্ঞান ও বৈবালা সংযুক্ত **হট্যা ভিতী**র ক্রমকণ আন্দাণ **হ**য় ভাষাতে পুনরায় উপ্তক্ষিত্রণ আন যুক্ত इट्टेंबा अहेक अंतर कर हरोर अस इस ह আর ভাষাতে নগবংগ্রাভ সংবৃত্ত হৈছে क्षेत्रहारक अन्य क्षेत्र देश। जैनमञ् ক্ষা সমুক্ত এইন যে বুহুই সোপান, ্লাবর ক্ষি ুধারণ। সেই , <mark>যোগকে</mark> াাগ্য, করিতে 🛎 🤏 দীক থ হয়ে। সকলের উল্লেখ করিতে হয়। থাহাদের নিতা কল্যাণ্ট উদ্দেশ, তাহারা বোগই সবলম্বন করেন। কিন্তু প্রতি ক্রমে উন্নত হইয়া ভাষ্তে প্রথমে নিটা লাভ করত শেষে ঐ ক্রম পরিত্যাগ প্রক্রক ভাষার উপবিস্থ জ্ঞান্যমনের জন্ম পূর্বজ্ঞান-নিষ্ঠা ভাগি করিতে হয় ৷ ঘিনি কোন ক্রমে থাবন রহিলেন না, ভাহার যোগ সমাক্ হয় না। অভএব ধেখানে আবিদ পাকেন, সেই জনের নাগসংযুক্ত একটা ঘণ্ডযোশই ভাঁহার প্রভিন্ন। ङ्क्छ কেছ কর্মাযোগী, কেছ জ্ঞানগোগা, কেছ অষ্টাঙ্গবোগী, কেহ বা ভক্তিন্দ্রণী বলিয়। প্রিচিত হন।

অভএব হে পার্থ, যাহার চরম উদেভ কেবল আমাতে ভক্তি করা, তিনি অন্ত তিন প্রকার যোগ্য অপেকা প্রেষ্ঠ। তুলি সই প্রকার যোগা হও।

যাঁহরে। সম্ভিত্তি স্টোপের প্রয়াসী, তাহার। এইরূপে যোগযুক্ত হঠতে পাবেন নাট, স্নতবাং 'অণুক্ত' বলিবা ভাষারা অশাস্ত ও অস্ত্রগাঁ। যথা গাঁতা--

নাজি বুঞ্জিব্যুক্তজ্ঞ ন চাযুক্তজ্ঞ ভাবনা। ন চা ছাব্যতঃ শান্তিবশান্তত কতঃ স্থেন্॥

িনি যোগ্যুক্ত নহেন, তাহার রসভাবনা স্ভব্নয়। প্রধর্ষভাবনা ব্ডেডি জড়-রস হইতে শাস্তি হইতে পাবে না। শাস্ত নাহইলে আ্যানন্দরণ পরম সূথ কিরপে 27 ?

পুনর্কার বলিতেছেন,— ৰুক্তঃ কম্মফলং ভাক্ত্যা শান্তিমাপ্রেভি নৈটকীয়।

অযুক্ত: কামকারেণ ফলে সক্তো

নিব্দাহেত ৷ थुक्रवाक्ति कपाक्तम ज्ञान्त्रपूचक निविकी । अक्षेत्र करत द्वरः শাস্তি অর্থাৎ কর্মনাঞ্চ ব্যাত করেন।

'যুক্তভ্য' শব্দকে আরও পরিক্টট করিবার বাদনার শ্রীভগবান বগিতেছেন,—! भगारिक्षा महना हम मार् निভायुक्त

উপাসতে

আছানা গ বহোগেডারেও মে যুক্ত তথা মতা। ।। নিশুণ শদ সংকারে সমস্ত জীবনকে ভক্তিময় কবিয়া গাহাব: আমাতে মনোনিবেশ করেন, সেইসকল ভক্ত ব্যক্তিই আমার

# ভবিশ্বং চন্তা

मर्ड युक्तकम व्यवीर मक्द्र वह स्वर्थ

( )

ः है। इन ऋतनी (पनी )

्र शास मध्यात्रामक गुरुद्रमधी वाकिश्य বালৰ বিষয়লাভেক্ষ্যুণের ওক্সানীয় ট

তাই সমদাই দেখিতে পাওরা যাখ বে, ভবিশ্বতের প্ররোজন নির্ধাহের জন্ধ ধনাদি विषयकाधिश्व ভाষ্টের পদাকার্সরণে ভবিষ্যতের স্থ্পস্থির জন্ম গৃহ, বিত্ত এবং श्नामित मध्तकारम 'अ मध्यक्षाम भग्नम कीयन ব্যাপিয়া প্রাণশান্ত পরিশ্রম করিয়া থাকেন। বাদ্ধকা বশতঃ দেহচন্দ্ৰ শিথিক, দম্ভ পতিত क्रम्भारकमतास्त्रि स्थम वर्ग भागम करत. স্মুটচ্চ বলিষ্ট শলীর কুল্ড ১ইনা পড়ে, তথাপি তাহাদের ভবিশাতের জন্য সঞ্চার স্পৃথা বিন্দুমাত্র প্রাশমিত হণ ন।।

জ্ঞাবিকালের দিয়ার অন্ধ হইটা অনেকে অধারার জাম্বিগভিড অধ্যা প্রায় প্রায় ধনসম্পত্তি সংগ্ৰহ কবিডে পশ্চাৎপদ হ'ন না। অনিতা স্থবাশাপ্রেপিত তার্চাদের माधानम लोकिक ध्याकाम भागम अमेरिक অভল গ্ৰহৰে চির্দিনের ক্ত লুক্সিভ কইয়া যায়। আজ অমক স্থান ভোগ এতো विख्रालाट्ड ८सभ्भुडली प्राथित मार्डाटक বিদ প্রেমোর কবিশতে, পরশ্ব কে বন্ধু অপর নদ্ধা পঞ্চিত গ্রেষ আত্মাং কাম্মায় বন্ধুর বংক্ষ ভুলিকা নস্টাডেছে, আলাৰ কোশত দিন ব, অমুক্ত দেশের আতুক সক্ষরিৰ অভিচিতি∉ৰ জিলভন মডিনী, জারের ত্রীতিকামনা এর সু-রবাহাগরকারে মুগতি প্রবেত জাবনায়ের বারস্তা করিছে-ছেন, এই একেন্ড বছবিধ বৈবরণ প্রায়ই শুন: আল এলং স্পারের সম্মঞ্জে এর্ডিন ঘটনাবলাৰ অভিন্য নৃত্য ও নৃতে ৷

মাণিক জাতভত সমগ্র অলি প্রমীটা রুপের रमाधिनी पृष्टित भाग करिएक धाननारमः অনিতা স্থংগ্রেডির ডিফুমারকরা সভত ভার্দের গিত্রবিত্রক সভাপন ইউতে নিজিপ্র করিয়া দিয়েছছে। ভাষ ! যে ভলিশ্বং জ্ঞের कामाह एकार। २०५२ सङ्घ ५वा करिया গুহ, হার ও অংগ্রিড্রানির সক্ষণারেকাণ ও ভবিষা অবসন্ধনের জুরাশটোলিত হর্য, তারাকা দাবা, বন্ধু, পকান্তরে, অব্রক্ত পুরুষ অর্থাৎ স্কানক্ষ্মী ; স্তুক্ত, স্তুভা হাংলাদি প্রিয় পরিজনবর্গের কামপ্রবৃত্তি করে৷ ফলাসন্ধি সংকারে কর্মেন : প্রতি ব্রেখাসন্ধি ২শতঃ সমস্ব শক্তি নিংশেষিত কবিয়া ভাগদের প্রভা বিধান করে, ভাষা ভ কলেখায়ুৰ একটী কৃৎকারে নিমেয়ে ধূলিদাং হুইছে পারে।

> ছ। কালের অলজ্যা বিধানে কোনও काशासीक बुक्तव ही मध्यम छारायत निक्र हे इंड दिलाय अध्य कतित्व ; नग्र इ दक्षीं लागि जाणिय मस्थ एकार्याश्यान নিভাম অনিদ। সত্ত্বেও ডাহাদিগকেট ্ষ্যভুৱফিত সংসাৰ প্রিভাগে ক্রিয়া চলিয়া ধারতে ১টনে।

यपि व्यक्ष बंधे मुद्रार्श्व रमतास्मित शरनायाना লইয়া মৃত্যুদ্ত আমে, তথন কি একটা -निरमस्य विवास कतिनान माना इंहेरन १

সাংসারিক ক্ষণিক জীবনের স্তথ অক্রনের নিমিত্র হিতাকাঙ্কী বাজিগণ তো বত বড় হিডোগদেশ গোনাৰ ধরিয়া **পাকেন.** 

সঞ্জের পরামশও দান করেন; কিন্তু উাহারা জীবনের পরবন্তী, সম্পূর্ণ অক্ষাত দেশের রহস্থাবৃত কাল্যাপনের ছক্ত অবিন্ধর মুখশান্তিপ্রাপক নিতা थनाञ्चनकारनव পরামশ দিবেন কি ?

হায়, এই প্রশ্নে ফাগতিক বন্ধবাদ্ধবগণ मकरमङ सोनी हरेगा शर्फन: ७८१ कि উত্তরকালের জক্ত আমাদের কিছুমার ভাৰনাৰ প্রচেপ্তন নাই। প্রতিদিন আমাদের সম্বুথ দিয়া কত কিলোরবর্গ বালক ও নধরকাঞ্জিযুক্ত শিশু, कामनाओं वानिका क (याष्ट्रीयुवर्ड), कड জবাহান্ত বুদ্ধবুলা, কন্ত রাজপুত্র ও ভিথালী কভম্থ ও বিবান, কত অ্ৰুর ও কুছী, কভ যৌবনগৰিতে স্বাস্থ্যসৰল যুৱক মুদ্ৰুন কর্মাত হট্যা আশানের চির পুরাতন পথে চলিত যাইতেছে। চিতামির উচ্ছল শিখা যেন কলে কলে। ভাগতিক নময়তার কণ-ভঙ্গুবতা প্রতিপদিন করিবরৈ ভয়ুই ধক্ सक् कोत्रहा कांग्रहा है डिएड**रह**ा

এত স্থারবাদ্ধিত সাধের দেইওলি এতি নিয়ত ভাষাভূত হইছে দেশিয়া ছ অধিবাদের নিতে,দর প্রিধান্টরা উদেত হর ন'। আমন্য মনে করি, আগের। করনই মবির না। ইউ, অপেক্ষা আশ্র (।জনক আব কৈ ইউচে পারে 👌 সূত্র কথন্নে হাহাব 🏾 निष्य कुश्रानकरान कारामध्यम् । धार्मिकः 'উ''(में') २१८५, 'डाक्) (क्यरे कारन मा I

**टरद**िक तुष्किमञ्जादन्त यदमः । अर्गमदनन्त লাগ্রেই গ্রেড থাকা করবা নালে গ্ कड़क्काफ़ **भारताय जा**नारम्य ८५।न সমতেই ভাগবহ অবছান্তারী মুরুল করং প্ৰায় হাপ্ত হয়, না । তান্ধ িজান্যান अध्यारभाष्ट्र ७ ५ कम्मालात करण सम् ५ माला পিপের্য নগরী অভি অন্ন সময়ের মধ্যে ধ্বংসপ্তবেশ পারণত ও ৮০গ্রাণত হর্ম। मार्ग बर्द क्षांनाव कार ५५ वर्ग्य श्राकेत কৈ প্রেম্ম লগ্রব্যাসগণ চাধ্যের এই অদ্যলিপির কথা ঞানিত গ

অক্সাক্ত দেবদের ক্রাড় সেই দিবসঙ ভোগোঝাও মানবগণ বন্ধবগের সহিত হাজ-পার্হাসাদি করিন্টে করিন্টে সাবারণ ভোজনাগারে পান ভোজন কারভোছণ: व्यक्तिय प्रयोगीर्थशत्वत्र साप्ता नाष्ट्राव्ययम्ब भदिभूनी इंग वदः ४ भग की नक स्राप्तत डेबाम्साम (काशिक्ष व्यटमामाशास्त्र मानानिध क्वोशाकोङ्ग्रक् नापृत्र ६०। भावात (सर्मरी कननी ध्यानपूर्वण नसनभनिमम् व्यामस्त्रत धनस्य क्षा भाग कताहरङ्ख्या, প্রাণয়িনী পত্নী স্বানীর চিত্তবিলোদনের निमिन्छ शृह्मकनरवांशा नाना हाक्रिक्सकांगा করিয়া সময় ক্ষেপন করিতেছিল, বুদ্ধ ফনক निक महानगरनव आश्रां। मः अरस्त कक्र পথে বাহির হইয়াছিল,

যে যাহাব কার্যো নিবৃক্ত, এমন সমরে সহসা কালটেডরনের প্রালন্ত্যে আরম্ভ इहेल (कन ?

ন্তপু পম্পে নগরী নঙে, ক্রন্ড প্রেসিদ্ধ প্রাসিদ্ধ জনগদ, যশোগৌরবমন্তিত দে<del>শ</del>, কাল কণ্ডক কণ্ডভাবে বিনষ্ট হইয়াছে। বিশনাথের বিপুস রাজ্যমে প্রতিক্ষণে কভ ব্ৰহ্মাণ্ড নম্ন চইয়া গাইতেছে, কত নুতন ভাচাৰ ইন্দামালে প্ৰকাশিত হইটেছে। আমনা কুল মান্ব ভাষার কছটুক সন্ধান রাখিতে পারি ?

ভাই নলৈ, নিশ্চিত সরণকে এফদিন অবশুটা বন্ধ কবিতে হইবে, ভবে মাগামুদ্ধ আমিশা সে কথা ভুলিয়া যাই কেন্দু আরু মরগদূত অদূরবর্তী ভবিষ্যান্তের যে বজনার মুক্ত কলিবে, দেই অভ্নকার ভবিষ্যেত্র ফ্রড বিক্সার চিন্তাও 化酰胺剂 制 化凝胶质

# मोर्छिनिः (५%। क्षेत्रीक्षक)

। উন্নোলার্গলাস অনুকালী ভ**িত্রধাক্ত** 电信可能 断,这上

沙泽西西南部 竹田 न्।अन नियम साक र्मक्रान्डल कर्मश्र ६ मर ४

हुम्हें , तहाः मिश्राम (2) 內部 相談相談 帶部。 रिष्ट्री लग । सम् । किस्स ॥ লিনীজান্দ্ৰত্যালৈ আলোচ ভুষাৰ জালি, T " ME APON TENO 1

ध्यांत्र १८७ ८० १५ ७१७५ कुक्तिक स्ट्रा হিমাক্সিং কটিন পাৰাণ ৷৷

আবাদ্ধ নতভগ, THE PERSON STREET ५% व्यथः (श्रीत्यम्यानस् क प्रभारमा कर घांता, सामानगं विश्वाविधाः, रश सुनिष्ठ मीड्स्इन ॥

ছগাৰ গৃহন্ত্ৰ, शितिलका अर्थन उन कार्रवधार्यास क्षेत्र । करकेल देवजाना सम्ब જાલ્લોન *વ્યવસા*લા रमधा भाउरियम जिल्लाहरू ॥

श्वनी नगामग इकत প্ৰিত্ৰ এ সিরিগার ज्ञान ८ जान्य निष्यं मा व्यामक्षा

অপূর্ণা ঘেষাৰে ১৩ নাদ্যে কঠিন প্ৰভ, ্সথা স্বাস্থ্য এবে লভ্য-ইয়।

भिग्रंबर कात शादन **प्रदेशन नाहि सा**रन, গিনিকার তথকাকারণ।

সন্ধান নাহিক লাঃ. (महस्त्रथ मांज होत्र. कुछ्द्र भाग भारत मरकेखिम ॥

শম্বু আঞ্চগত-মাস্ক देनमध्यम् अञ्चामधा ঠাহার সাধনপেত্র ধরা।

देवसम्दवत आञ्चादका **डेलणक एवं डि**ट्स. আন্তঃভাষ থাকে স্বপ্রাসন্ধ।।

# গ্রন্থ পরিচয়

### <u>শ্রীমন্তাগরতম</u>

কৃষ্ণবৈপায়ন বেদব্যাস প্রণীত মূল, শ্রীমন-প্রতিশব্দ, তথা ও বিষ্ণ্যাদিবৃক্ত। প্রতি খনের আদিতে শেই ক্ষের প্রতিপায় ক্পাসার, অধ্যায়ের প্রথমে এ অধ্যায়ের সারসহ ভ্রিকুড ভাৎপর্যাদি বির্ভ। শ্লোকস্টী विषयक्ती, जागायविषयण, लाख छ छानराशीयर छेदम কাগতে উত্তৰ অকরে মুদ্রিত। প্রেপন চইতে ১০ন হথ। প্রান্ত**ুছাপা স্প্রিবে শেষ হট**য়াছে। ভিঞা প্রথম हरेट क्ष यद भगाय २०१७ ; ममभ ४५ ১० ; স্মতা ৪০১।

#### **बिडीरेहडकुह**त्रिडायुड \*

শ্রীশ্রীমন্বজিবিনোদটাকুর-রচিত্ত প্রসূত্রভাবার ভাষ 'অফুডানো শ্রুতি-সুজ্যাদি বহু শার্ত্তামাণ সম্পত্তি ১লছে **প্রকাশিত হইয়াছেন। স্নোকের সাম্মনাথান, এছালুবার ও** প্রত্যেক প্রারের পুরেষ সংক্ষিত্র জাভান্য সংযোগিত। व्यक्तिक बाह्याय-व्यावस्थि क्लामान (२ ००) अ १६ । (१) कि. প্রার, শশু, স্থান, পাত্র প্রস্তৃতির স্বরুলং পূর্চী ও প্রথক বেবৰ িছও সাবনী-সম্বিত এইজপ অভূচপুরং সংগ্রন ইতংগ্রে কুত্রাপি প্রেকাশিত হয় সাই। উত্তর কাণেতে প্রাণিন্যটেনি স্তিত পুল ক্ষেক্তর মুল্পে মুনিত চইয়ানে তাল প্রান ১৫०० श्रेष्ठ गुरुष्त । किया वस्त्रात व. मान ।

#### **জ্রীটেডগ্র**ভাগনত

अप्रकारतत कीवनी, छाडि शांतर मरानत कथामात. निष्टार ন্যেতীয় ভাষা, শক্তপ্তী, প্রারত্তী, বিষয়-জান গ্রাপ-স্থাটী, প্রস্কৃতি বিবিধ বিধয় সম্বলিতে বিরাটে বিভীয় সংগ্রন ভ্ৰা জ্রান্তন ৮ পেলী আকাব। আনিলানা ও মানার किश्रमाम् व्यक्तानिष्ट इवेग्राड्या । क्रांट्स क्रांस टावर्रानाट ष्ट्रहेरछर्डन। अधिम छिका ६, छ।का, अ.ति वीकात किया द्रा

#### **बाटिहरू श्रामकल**

**এই প্রান্থের একপ অভিনব মানর সংখন**গ আব কুতাণি আকর্ষপিত হয় নাই। সংস্কৃত লোকাংশের অব্যান বদায়েবাদ। ভাষ্য, কথাসার, তথা প্রভৃতি সহ খণ্ডে গণ্ড প্রকাশের इहेश्राक्ति। মূল মোটা অক্সপ্তে উপল জেডেন আটলেবী इक्ष्माकात्त्र क्षाला कड्रबाटका सूचा आल हात्या। अमीवा **ध्यकाम ७ व्यक्तिसम आक्**क्यानम १८०० ।। । हेरिका ।

#### শ্রীমন্ত্রগনদগীতা

-- শ্রীবোটীর বৈঞ্বাচাণ্য অপ্রারুত র্গিকচ্ডামণি **৯৩৯বিখনাপ চক্রবঙিঠাকুর গোঝামিরভা সারা**র্থবিধী টাকাসমেতা ও এতীমন্ত জিবিনেদ ঠাকুর-প্রণীত 'রবিক-तक्षन' नामक कावाकावामहिका। व्यवाहरूही, माकृकाङस्य লোক-স্টা,বিংম-স্টা,এছকারের ভাষনী ও অবভরাণকামি বস্কৃতিকাৰিব্যু-সং উৎক্ষ্ট বাংকি তৃতীয় সংক্ষা--- ই সাত अर्'त्राव्य किका २ होको यादा. नागात्रण मध्यत्र -- अ 'हाका भाव

# শ্রীল প্রভূপাদের বক্ততাবলা

ও বিষ্ণুগাদ জীতীমন্ত কিসিন্ধান্ত সর্মতী **दर्शायां महादादणत** साहे यदिशा विभारति कीवाश्वत्रकरलारवाधिनी क्रमा कामा विन्ता होते हैं। वीत व वालेत मुंख-विद्याह---देनभानि-क्षाम् ताद्वभाषात द्वाच्यक्षम्-मण्यातात ্ম**থ্যাচার্য্য-ক্লতা ভাৎপর্য্য-নির্ণর্টীকা** ; শ্রীসদ্বিধনাথ চক্রবস্থী | বৈভ্রবিজ্ঞানাগালের মৌলিক তথ্য---পঞ্চর ৫ ও ভাগেবতের ঠাকুর-ক্লভ সারার্থনশিণী টাকা, বজাকুবাদ, সংস্কৃত অন্যাপ্ত সমন্য গুরু- মহাজ্ঞান-জাবন্দলি শিক্ষক - চিভিল্পেচিলাকে অচিলাজ-নিডারক - ঐখগা ও মধ্যাবদের মেট্লিক গ্রেমণ্যন ---मन्नुन, कास्टिटाच । २ । खारताङ्ग ७८०५ विकास गण्डा

> ১ | প্রথম অপ্র—বৈষ্ণাদশন, শ্রীপর তুর, কাল-भया, खीमभगातिकांत, खेनागंडानगं, लाकतानिका माया · अ वर्ष विष्ठात . कान्यान्य : ६ महत्रान्यः . क्रिटेन्ट्रेन्स्व : ६ ভাষার বিক্ষা, জাপ্রায়ত সহজন্ম ও প্রান্ত স্থান্ত প্রাঞ্জি পি শতি সংখ্যক রয়ে *প্রশোভর*। ভিলা মার । ৮০ খান আনা।

\$ 1 विलीस था ७ ७% ५ (বিজা ৮ জি. মহাৰ স ্লেটভা কোপাত, সাহার কিভার্বি, ভাবে স্বামিল্ল ও ও 🔊 🖺 🖺 মার্মার সামারী প্রাথমার্মী প্রভূপার লিখিত 🕽 মার্মানার, 🖺 েরির-ির-ি ক্রেক্স প্রস্থান্ত বিষয়ে 🔻 ক্রম্বন कींडन, व्यवसारभुकार निवस्तान्द्रनत कीवन, आदर्शन-अरामन महिमा, महा ला कि है है हैतन, है, बलामुहारह सर तथा. कीम ही दूरा राष्ट्रमा नामी, औदिए बारमात प्रभाग, उत्तीवत करा, र ও ক্লাম্যঞ্জিন —মতুদ্ধৰ অপান মধ্বিনাচৰ বজুৰ। বিচাৰত। ক্লাম্যতে যুক্তিত, উৰক্তি বাৰ চোনেৰ একে নাম বৰ্তন। forts, ea 6 4 - 151

> खालम क विकास- प्रति च के अवदार सहीत है किया है। (PB 8141, 214 17 2011)

#### क्रिमहान महीं ज

दर्भ प्रश्न देवकसम्बद्धांच्या दशका आहे. हा हा वा कदम्ब है एक স্থাপ্ত পরি ১ ক্রিট স্থাবলাদ সাক্রেরপ্রাজন কল- । মাজ্য সম্প্রি---শ্রিম্ব প্রানোধানত মন্ত্রি,লভব্ম---ভালে (ভেত গার প্রজন নামক ভাগ্যেক) অল্যন ( ালি ১০টা, তা ভাতি সোহেছের প্রথম ও ভুজাল 🖟 ন বাবেৰ জীবনী ভাতুছি স্হতিভা। ्ड. नार्मन्यवर (१०१४) माखद्रात आसंब F #11

#### প্রধেয়রত্বার্লী

্রানের ভাষ্টার ও ভ্রার প্রথম গ্রন্থ । তির্বর কার্লিটেছ : ১৮৮৫ ন্ত্রি ১৮৮ ট্রাছ মাত্র । क्राला। क्रावहर केंग्रां ६ आक्शलमञ्जान गाँउ है। অতি সহজে বাজ চেন্ড তেখেলমা হইছা হাজেও (৮৬) 100 MINI 4 5

#### किल्पा भाषा भाषा है जा

্ প্রয়োগধান , নাম্রবাদ। । আতি-স্বতার্গির প্রকে উন্নিব-बोटनल (य महन्त्र) संभित्त आहेद, लकात मूर्य भण्यान छ অমুবাদ। ভিজেব ০ আনা

#### **এ**টালবদ্ধী পভাবতরক্স

জী>াকুর ভক্তিবিনোদ লিখিত। স্বধালত পাতাকারে প্রিক্রমার দ্রেগাটি বিষয়ক ; ভিক্ষা is আনা

#### ভাত্তরভাকর ও নবছীপ পরিক্রমা

উল্ল । এং বি ৮ এবটি-সাকুৰ বাচিত। ভাতিৰাম্বাৰৰ চন্ত্রছে পার্ত্রমাত মাজ গৃহীতঃ শ্রীতীব গোস্বামী কি প্রকারে স্থাবদাপলামের পার্যাম্মা করিয়াছিলেন, ভারাই প্রে নিবৃত্। ভিজা ল' সামা



देशिक ऋकि विस्तान में कुछ खोगार । हेर्राट होटेडावरण त भिक्ता अराज - तमः, क्रमणि ७ तम-नदः ७ ५ क कीत--কাছ, আৰম্বাদর বিচার-বৈধী ভবিত, ভাৰতবি ও লেপম ভত্তিদার নামভজন-প্রাণী ও অরস্কার্থীয় স্থানান পরিত্রবাদি প্রাথম বিকার্থান উত্তরেপ করিয়া মুরল ভাগেদ सम्बन्ध शुक्रिकान्त्रमध्यि घट अ ८७ । ५५% म दश्चर ना । २ , वेरेका, व्यान्। ११० वेरका स्रोत्ता

#### গৌড়ায়কণ্ঠতার

টীয়ে প্রীয় কৈন্দ্রবাহনার । অন্তর্মণ কর্ম মরেন্সমালয় শাভ বাদ প্ৰাৰ-পদ্ধৰা হালি সাহত-শ্ৰেপ্যুৱেৰ প্ৰাণ্যালয় াব্যস্থিত প্রথম সাম্ভবনে ও আছে। এই রূপ বৈভাব-বিদ্যার্থ মাব্যম্ব্য **স**হা ক্রাগৈ প্রক্রিত হয় নাই। इंश्रांट्र अक्षात्र मान्यान्य १ - देव प्रवा द्वारेन - विकास सम्म-कार्रेक हा । कार्यक अमेरिक अमेरिक अमेरिक मेरिक --জিলিকে<del>--</del>সংধ্যা**ত ডি--**-ব্যাস্থান আন্মান থান ভূম গান্ধ -- में ताम - श्रासका ७ अमा मारहारी पुरता अपाप স্থান্ত লোকাদি জন্মত উল্লয় একিক বাংকা লোগ AND THURS . . SIGHT AMOUNT FROM A C BIG . ALC. 1

#### क्रिजनदीलयाम-अवतिनी

विकार करिकृति । वर्गात साउर विभाग । प्राप्त । 海縣 医乳乳乳腺 禁止 医胸部 网络二菱目 医红试验证证证 । তির্ভারের তাম কলি নমতের— এর মানবারাপ তর্ভিনমতে নাইছেন ইন্নেট কবিষেদে সংস্কৃত্বর জিনবর্গণ ভাগেত্রস গ্রন্থতি গুল বের ভিজ্ঞান আন মাত্র :

#### জীকরি নামায়ত ব্যাকরণ

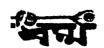
উৰ্ভেশ্ব তে প্ৰাৰ্থ আনুসাদ হিল্প চলত ১ বছিল ভংগতে প্ৰিকুণ্ড সিম্মণ্ড সমূদ্ৰ সময়তা বেণায়ামা ুম্যারে**রেলর যিক্ত** জুম্বণ ও ওচা প্রেভুলে স্বা। ই,মান্তারে সিহায়ুল্ল-প্রেলিভ নৈপ্রদর্শন, সম্প্রভাগ হাল্ডার ক্রান্তার স্থান্ত কর হাল্ডার হাল্ডার হাল্ডার হাল্ডার

#### (नः (एडम्भान

国内が保持した(1877年) প্রভাৱক উল্লেখ্য এই সংখ্যা হয় বাং ই মেড্রা এবল জুং Britistiff Aberta se Gob A Marthon twingen e beimalie bemiden fein berich ্লাস মানে ভিজা । চ আলো

#### **डे**ंक्रिड के करना मूल । अनवी श्राम् इस

दर्भविष्णयम जिम्मकी क्रीमक्षेत्रणालाहार के अञ्चल दार्गक মুদা, প্রানুপাদ জীমদ ভাওান্ড'ও সভয় বা তে, ডামী মহাবাহ How title Resident of · (安) (1) (1) (1) (1) नम्बीभूक्षरकतः हैं, जा दर्ग প্রচাপ্রবাদ ব खरम्ब श्रीधकरातान्त्र अक्ती है अन्तर्भव । आन्नोकिक है। लाभाव क्षेत्रपट्ट । १०० क करणाव चेरकेले १ व धर्मा लकाछ ) किया ६० जाना, धान दशका नी कि शहका स्थाप ः होनः भाज।



শ্বিম্নতির্বিনাদ সাক্র-প্রাণীত। এই একমাত গ্রহ-লতুণ এনে লাভ কবিলে প্রেমার্থিক রাজে: কিছুত্তেই अ.६.) त. वा मृत्युत्र शांकि () ना । अनुष्य श्रुत स्या 'अप्राक्त अहे भग ६ आपश्रमाणी आप द्वांभगाष्ट्र श्वामिक धर भारते ্রপ্রেপনি শক্ষামহেলেরি মহান্তবে । এই । প্রতি िर ब्रोहेशराज्या । जाताल ज्ञानप्रत करो, नेपालान नुप्ति काला विश्वत समृद्धान ना कराय ८०। विवास धन, तिकास काम अन्य अन्य के के कि तिकास का अने सामित के अका २८ डि(का घाटी)

#### ্রেম বিবর্জ

sisting of the N 4 1 %

175 BY

Banker 5th

কোন (ভারের প্রেছ: ৩ সানেক

्टिन्द्र । श्रामकेतः

প্রতিষ্ঠানি স্থাইটে ১৬১

#### ভক্তরহস্য

্জৌঃসাক্র ভজিবিনোপের অনুনা পুরুর। ভিজঃ সানংমাজ। स्य ग्रेकालात् । ग्रह्म र किन्ति भारत्मस भिन्ता । अवयोक्त का एक्स ग्रहास ८कड वृद्धिद्वा अपित्रमा मा । हि होस साम्रत्य रेखका ५०।

#### ছবিনাগতিভাগণি

নামান্ত্রায়া শ্রীল হরিনায় সামুগের মুখে শ্রীমন্মহাপ্রান্ত াম লাক্রের, ন্যাভাগ, ামেলারার रित्तरेथ्त र्केट निर्देश असर करेंट नि गर्जावत

हैं। इ. की द्वान १९१४ विषय । अलग में बदल किये अन

#### े कला। धनमा उन्

क्षेप्रकृष्टिकिविद्याम १८७५ ८ जिए। खाराध्यक छाप्रस-निष्य ह । इस्तिमारायतः नायरकतः अकाषः । व्यक्ति। इसीव উপ্তেশাসরীপুর গালিগভা সামত প্রাথান্ড জানা নুলত্মভানত ভিত্তারাজোর গ<sup>েত</sup> সূত্রের পরে। অন্যনিচুত্তি ার বহরতা আহাত করিবার জাতার পাত্রবের । এছ आया सं ।

#### শরণ।গতি

জিনহজিনবৈদে সাকুর বহিত। ভগ্রবেন **আয়ুন্মপ্**ল, ी अनुष्य स्थानकार नार १६ निमा बडार विकि अनिमा विश्वक गाउनिर्देशका १० जान, भावा

#### 31 317:11

ঐ) ক্র ভত্তিবিদ সংগ্রেণত বিশ্ব ভ্রুত, আরাত্রিক ও প্রাকে-বেশবনারে বি এক মধুর গাঁওসমূহ কেন্দ্রে প্রাণিত। (041 / 0 MIN TIA)

#### **बीन अद्यन दान** ग

বির্তিত রস্প্রাপ্ত ৷ ইন্সভার্কবিল্যান্ সামুল্র**রত্ব অফুবাদ- : সামুল্যাদ্র মধুরতম** তব ও সলালিকা **স্থালিত** ৷ ভিজ্ঞা দৃহ: ভিজাত স্থানা মান।

শ্রীমরাং প্রেট্র শিক্ষা ও শ্রীল রগুনাপ দাস গোন্ধারীর প্রতি নিজপ গোসামীর উপদেশবাণী, ভক্তিপথের মতুদুল ও প্রতিকল বিশয়ে স্থাবিচারিত সম্মোদন ভাগ্য, বিস্তৃত বিবৃতি, চরিতামুক্তের প্রমাণ, সাগ্রয় ব্যাখ্যা ও মহাধন-প্রেণাত সভগ্যেগো গাতমমূহ প্রেণ্ডোক শ্লেফের সহিত্ স্ক্রিপ্রিপ্ত এইমাছে। তয় সংগ্রেপ ভিক্ষা 🕢 • আলা।

#### সাধ্য-ক্র

श्वित्रमाण कान रामकार्माम यमः निका, जीव श्रीकृत कित्रताम-१ विश्व शक्षाध्यतामभ्य । जिन्हा २० आला ।

#### প্রেমভব্তিচব্রিক।

প্রীল সাহন মরোভ্যের স্কলান্দ্র প্রেমভক্তিবিধ্যক #경 약 돌보는 [변약] : 이 위[4] 위[4] .

#### ন্নথী প্ৰশাসক

ন্ত্রিত সাকর ভবি বিকোদ বাজিক 🕮 লা প্রবোধানন্দ ।শ তকের স্থালিত পছাত্রান । বেস্বাভীগালের সংস্থাত ্ আলা মাজ

#### অর্থপঞ্চক

ন্ত্ৰীল লোকাচাণ্য রচিত। বৈশংবতা জানেব মাকব

#### সদাচার মাজ

ब्रोल कल्यानामा ज्याने छ। येत्रकातत्त निष्ठाकष्मानि स्वाहतीताः दला तकास पर मधिया किया / • भागा भागा

#### श्राभिश्र असी

ক্রিকুলকেশ্রী শ্রীনলবোষণাচার্য্য বচিত। শ্রীনলধ্য ५(११) द्व भागान्य कायानवीलः भूग देवकावस्याम् । अनुक्रमानः िक्यान अलि माद्रा

#### दर्भात्रकृदस्थापना

প্রান্তিক কবি প্রীব্যাবিক কেব প্রাণীত জীগোরাবভাষের ওমেলাবলানাবলিত সংস্কৃত হল। ভিক্ষা দৰ স্থানা।

#### যুক্তিমল্লিক। অগতেসীরস্ত )

শ্রীমধ্বসম্প্রায়াস্থাত শ্রীমহাদিরাক সামিরত। বক্ষাকরে মাতুবাৰ এই প্রথের প্রাকাশ গারমার্থিক সাহিত্য-জনতে এই সক্ষেত্রম। জীমন্ত্রপ্র চামা এইডে যোচ্ছার্রন দিন্তীয় মধ্বাচাণা লামে প্যাত শ্রীবানিরাফটীর্থ স্বামী এট গ্রন্তে মাধারণ যুক্তি ও গৌকিক ভাষান্তমারে কিরাপ জন্মসভাবে ভিক্তিবিবেণ্ডি-মত্বাদ নমূহ প্রওন করিয়াছে, ভাছা পাঠ কলিতে কলিতে আৰু গালেরত হইছে হয়। ইহাতে গুলির इति ठाकान, देवन, द्वांक, गीमाश्यक 😉 माग्रातानिम्य छ-লম্ভের প্রধার প্রধার বিয়াতে। ভিজাব-্টাকা মালে।

#### গোসানী শ্রীল রঘুনাথ দাস

তে বিফুপাৰ শ্ৰীণ ভঙিবিদ্ধান্ত সরস্বতী গোসামী প্রভূপাদ-বিনিত ভূমিকা স্থা) গৌরপ্রেষ্ঠ শ্বরূপ-রূপের একমান প্রিয়ান্য শ্রীগ দান গোরামী প্রাভূম অপুরা চরিতামূত ও শিক্ষা মতীব গ্রাফ্স ও সরীল ভাষার মরিবিই বিদিকেজনুকুট্নোলি জীমবিখনাণ চক্রান্ধী ট্রের টক্রবং পরিলিয়ে **লাস্থোখানী প্রা**হ্র বি**র্চিত ক**্কেটী ীৰ্বাদাই ॥• জানা, জাবা এই । ১ স । মাজা।

# চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাচীন নবৰীপের অবস্থিতি, তথ্য, ঐতিহ্ন, শ্রোত ও ঐতিহাসিক প্রমাণসংলিত নহটী বীপের সচিত্র বিবরণ-अष्ठ । त्राष्ट्रिता जगारहच कुमात **जि**श्वक भारतिस् सात्रायन त्राय : म. ११, धीक (गारहात्र), (रामास्कृतन मरहाप्तम क्र्युक সকলিত এবং ৪৭ পানি বিভিন্ন যর্শের অপুর্ব চিত্র 🗷 😸 মানচিজ-সমন্বিত: প্রাচ্যবিত্যামহার্থ রায় সাহের বীযক্ত নগেল নাথ বস্ত বিশ্বকোষ্যালক মহাশ্যের নিশ্বত ভ্যিকা गः । উৎক্ট ( ইং ) মরজো বাদাই এলা ১৮০, ভি: পি: তে २८ छे(क भाव ।

#### गानक-कर्णवाला

अन्त्रसभा, देवकन-वस्त्रा, देवकवनवन, मानाद्वव श्रीफ. শ্রিনাম্প্র শ্রীম্মাগ্রেম্ব কর্ষোত্তরশত নাম, অইতাহর नामकी वन, धीनामनश्री हम, (ध्रमश्रविन, 'वाडेलनश्रीड, लवर्तील-विका, श्रीमाराण्य महिमा, श्रीनरवाष्ट्रम-टा हुत वर्त्रक মাচায্য-বন্দনা, নড়্গোসামীর অধীক, প্রেমভক্তিচন্দ্রিকা, উপদেশ্যাপ্য নামভ্যন-প্রেণালী, মহাপ্রেড ও রায় রামানন্দ र. प्रमा मगानिका, **औषकलाग्**ड, केवल-अतल्बा মহাপ্রানুর বন্দনা প্রাঞ্জি সাধক ও সিক্কীবনের নিভাপাসে, ্রিস্প্রবাদের কণ্ঠাপ্রিভ কুল্মীনাধার স্কার অঞ্জন করে शातन(ए) अश्रेल अह । किया 10'0, बाराई ४० माता।

#### दशो औश्र-दशीवन

কলিকান্তাৰ স্থপ্ৰসিদ্ধ আলবাৰ্ট জলে গৌড়ীয়-সম্পাদক ट्रींशाम युक्तामक शर्राक्षावित्माम-खाम्ख वरूषात विश्व গ্রুকারে প্রাকাশিত। ইতাতে পৌন্দীয় বৈক্ষরণশুলায়ের है कि का कुराकारत श्रीज करेगाट । किका लिक लेका

#### গোড়ীয় সাহিত্য

ক্লিকভার জ্ঞাসিক আলবার্ট হলে গৌটীয় সম্পাদক हिल्लास अन्यतानक अविविधारियामध्यक् खामख वक्रकांत विध्य शशानात्त राकानिए। हेहाएए माहिन्छा-नदमञ्जूष धावः প্রেড়িয়-গাহিতভার বিবয় ক্রকারে পর্বিত হইয়াছে। ভিক্রা ly o গাল কৰে।

#### **बिंदगोडमक्ष्मं भश्चिकमा-प्रभव**

শ্রিগোড়নেশের যে সকল ভানে সপরিকর 🕮 মন্মহাপ্রান 🎻 ट्रेनर अवस्था शहराजी सहास्थानां भौता कतिया विश्वादक्षान ... সেই সৰ আধুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও দেববিগ্রহাদির প্রিচয় সহ যাভায়াভের স্থবিধা নির্দেশ ইত্যাদি বিদয়গুলি সলিবেশিও মাছে। ভিকা। আনা।

#### THE HARMONIST

#### OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীল সাকুর ভার্তিবিনোদ-প্রেভিষ্ঠিত এবং জ্রীল ভারি-নিদ্ধান্ত্ৰনাৰতা গোৰামী প্ৰান্তপাদ সম্পাদিত পার্মাধিক মানিক পতা। একণে ইংরাজী ভাষার অষ্টাবিংশ বর্ষে ভবলক্রাউন ৮ পেঞ্জী ৪ ফর্ম্মা আফারে প্রতি গারে হরি-मारमत विकत-देवक्यमधी महेमा छेनडिक स्टेरक्टकमा। কাগছ, মূদ্ৰ-পারিপাটা ও চিত্রাদি অতীব চিত্তাক্র্যক। এই প্রকার উৎক্ষষ্ট প্রবন্ধ আরু কোন মাসিক প্রাাদিতে टमबिट्ड भारेटवन मा। वार्विक जिल्हा छाक्साक्रमगर 🔍 টাকা মাতা।

#### श्राविषान-

শ্রীচৈতগুদ্ধ, পোঃ শ্রীমাধাপুর মধীরা

# বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভক্তিমঠসমূহ

## बोटिल्ड या मर्ठ

#### আকর মইরাজ

बाकीम सबदील, छाण्यत व्यथाम मात्रालुक, सबीता

क्षेत्रकारवान्त्रीहे कारक शांत्र ०० वष्ट केवन-भूत्म जीववनकार चारावात्रक जीवत-(अवक-कन्दम अधिरेत्रम-मह निवासमान ।

এই স্থান সার্থত-বীর্থ, পর্বিভাপীঠ বা সাম্বত ভজনত্তনী। এই ম্লাভীর্থে 🕮 বি-मात्रायुक्त वार्कन्यावि-त्यवाष्ट्रम्ड, यश्रविष्ठात व्यव्यक्ति कावा, माहेक, व्यवधात, कवा क्षमान-क्षेत्रशिव्यक्ष-मेका-कृत्र-कृष्टा-कृत्रक्ष्य व्यवस्थानन । च व्यवस्थानना ध्वर क्रथाय व्यवस्थान cettatm-nie in al fulcus a nies nieneifga-albiti-be. & Stolles Geim विकारको गाँउक जिल्हा शामिक कराजाकत । अके मध्यारक भावमार्थिक देशनिकश्व माचक-সভাষাদের অংশাল্ড ও কথাচীন প্রস্থানি প্রচার করে 'নদীয়া-প্রকাশ' ব্যালয় প্রাক্তিক ১০খানেন প্রাচিত্রখনর প্রধান-পরিক্রেমাপ্রতান ও অসালিত ভজাগোটাত को खेल अहा त्युर प्रकाम र राज्य मि क काम अक्षेत्र करेवा लाटक । वक्षक -- उम्रहाती শ্রীপাল এবচরিতী। সংকারী-শ্রীপাল বিলোধবিধারী এক্ষরবী, পণ্ডিত শ্রীপাল গৌরদাস প্রিয়ক নদীপোলাল ধন্দেশাপাধার, জীতুবেরাম দান একচাতী তামুল সঞ্জনগণ।

जिल्लियामी क्षिप्रकृष्टि अलीन कीर्य मनातास अवात कतिकना कीर्यन कतिरहाकत।

#### (৩) বোগপীঠ শ্রীমন্দির

क्षत्रे काम जिल्लाहान्मिर्मात क्षत्र या শীমশ্বদাপ্তভুৱ স্মাণিকাৰ-ভূমি মচাযোগ-चेक्के । अभारत क्षेत्रकीशिया व क्षेत्रिक-ब्रिक्शमक अर्गातमात्रायण जनर अटिक्टमा - Battiwing famt (#41 184) Art-चाच्च त्रवा वक्षमान । त्रक्ष क--- (गाक-নাধাৰত লোখামী ভট্টাচাগা আৰু ত্ৰীরমা-बाबा मण्डाकी औरिक्शासम्बद्धकारी, শ্রীরানধান রক্ষতারী। ভীলাধনধান অদি-कार्ते, (बनलना खेकारम्बद्धाः

### (8) 国和河中

শ্ৰীমস্মতা প্ৰভিত্ত ক্ৰীউল-বিলাপ বা क्षरभोष्ट्रवीणात्र शमस्त्री । धनाटन अञ्चिरभाव-श्रिकार्शनम् क शक्कार्यत् त्रवा वस्त्रमान । कक, क्रिलाकुमवाम वावाकी।

#### (१) चटेचळ-चनम

बडे भारत क्षेत्रदेशक शक्त भवन धारर (श्वा वक्ष्मान)

(७) काळोड जमावि ल हे बाहीन भाषाच्या, वामनचुक्य (गर्मोता) **क्रिलोशक्रमाता अक्रीश्रमकाको ।** प्रमासि । क्षक-अक्षात्री क्षेत्रियाम्बर्गारी ।

#### (4) 智利學 盟母軍·李樂

**ब्रिश्माम, यक्षणप्रम ( अमीवा )** अवश्य केविकामाथ जीन अफ़िक्टिनायठाकुरवर्ष मन्नानि व्यवस् क्षीरभोक्त्रमानक व्यवस् क्षेत्रीकाषा-क्षाध्यक दशना नव्यान

क्ष्मर--किन्धर बाकाध अवहाती क्क्षणांचिकी बन, बन, बक्र

#### (৮ अक्षाबाध दशोबीय मर्क ≈ष्ट्रमन[मर• ।

त्रक्त क .... श्रीवष्ठवत्र का के मध्यो स्वय, स्त नि, जन, मश्काती—औडेदानाम कांक-माओ, क्षेत्रकाम वास्काही श्राव्यक्ति ।

(>) औरभोत्र-भक्षामञ्जन्मर्छ টপোঞ্চী, সম্প্রগড়, ( বস্কমান ) टीम वाणी-ात्यव श्राक्तिक त्वोत्रत्वामध-त्यकार क्षाच्या ची कि कि विकास चालम ।

্ ১ - ঞ্জিলংগাড়ীয়-ষঠ माताशक, श्रामा हेडे, लि रक क--- श्रीवृश्याम अध्यक्ता ही. श्रीकृत्यान वह ব্ৰহ্মগৰী।

#### ( ): ) **A**CATHOPASO —

माडेना कि. साम्रात, नक्षमान। 🕮 भागांवकात के कुरु बुम्मानत्मव काम । इक्- जीवह वंगाने उपनारी। ( ১১ ) ভাগবঙ আসম 🗐 भागवस (त्यान, क्रम्मनश्रद्ध, समीवा । कामन - िकास अशावनी व्यक्तात्र-(कवा 

े ५७ । 🕮 🗷 का प्रस्त मार्ड ८ठे। मनाको, जाबाको, अध्यमगढ, समीया । 

( ১৪ ) श्रिमाध्य ८गोखीय मर्ज aont adiama द्वास्, हाका। भुवारकत धाराव-१०छ, जनारम खी एक-्रशोटाच शाक्ष्यानोभेषिगद्वत दमवा वस्रमान । दक्क--- टीवायायस्य स्टब्स्यामी ।

#### ( ১৫ ) औरभागानकी मर्ड कमना श्रेत्र, हाका ।

গোলানজীয় আৰ্থিজনের আচীন সেবা प्रकर-धिकान्द्रश्रीत सम्बद्धाती ।

# (२) बैटगोडी स्र मर्ठ

 भ मः वालिकामात्र ठळावळी ब्रीहे. (लाः वालवाचात्र. कलिकाछ। । क्रिंगिक्सन वि. वि. 855E

क्षिम्बर्ग शबद क्षातिक स्मिन्ध्रम कक्षिमक-क्षात्वात्वात्वात्व शोक्षत्वत्व नकक्षाम নগরী বলিকাড়ার এডভিবিনোর আসনে প্রীমস প্রতিষ্কিত আছেন। এই জ্ঞা-मध्याबादय दी शुक्र-द्यांत्राय-दीविदनामानक क्षीते मुनार्वस निका द्याविक वन । त्यांकीय আচাৰ্যাপর্বের বাবভীর প্রস্তাবলীর প্রপ্রচারোন্দেশে শ্রীমটে দংলপ্র একটা কুরুরং মৃত্রা-ব্যালয় সংখ্যাপিত ভটবাছেন ৷ পুলিবীর শব্দত ব্রীগোলনাম-প্রচারার্থ এট ব্যালয় क्वेरफ '(शोधीय' माद्याकिक गळ. चि क्वजामिले प्राप्तिक गाँउका हेश्याकी श्वासाय নিষ্মিতভাবে প্রকাশত কটভেছেন। প্রীমতে পাঠ, দভীউন, সপ্রভান-চতুইর-বেলাক্স, শ্ৰীমন্ত্ৰাগণত, প্ৰীচৈতল-চল্লিভাষ্টাধি-লীলা ও প্ৰগ্ৰন্থের সমাক আলোচনা হ্রত থাকে। মঠবক্ত — আচাবাজিক শ্রীপার কুমাবিচারী বিমান্ত্রণ। সচকারী — পত্তিভ खीगाम भगवनाग्रस्य প्रतिष्ठाकृत्र वि-व, जीगाम ग्रम्मतानम भवनिष्ठाविद्याप्त वि-व, खीलान शर्मावकात्री अक्षठाती. जीलान क्यांडकातन बामाधिकाती विन्ता, जीलान রক্ষচারী খাক্ষণতীর্ব, ইংলাল নীব্চজ রক্ষচারী, গঞ্জিত আঁযালনান্দ রক্ষচারী, ক্ষপোপাল লাসাধিকারী, রশ্বচারী প্রীকীর্ত্তনান্দ, রক্ষচারী প্রীপায়েইয়োলন, রক্ষচারী প্রীক্ষণনদ্দ ভক্তিশাল্লী, এশ্বচারী প্রীদেবকীনশ্বন, প্রতিষ্ঠ জীপা নর্বান্তক্ষ শরণিভাগরার ভক্তিশাস প্রভৃতি।

> ( ১৬ : शिकाष्ट-८वा: क वर्ड रुविक्ति शमादिनी अका, वाशिष ঞ্জীগদাহ-গৌরাঞ্জের নিভা দেবা ধক্ষ ক — শ্রীপূর্ণ প্রহর বন্ধতারী।

#### ্ৰে শ্ৰীভাগৰভক্ষনামৰ মঠ

किक्निया, वाक्रमवसूद, व्यक्तिमेन्द्र। ध्येत्रातः न्ये क्रक्र-श्रीत्राष्ट्र-शास्त्रस्थिका-গিবিধাবীর নিভাগের। বরুমান। রক্ষ---विक्यामी श्रीक्षणाम्बागकी। विकास विदासक

## (১৮: कामगार्याण) जानवात्रव

श्रीकर्वेष ८७१: नक्काल ।

खी छक्रशाताण-खीश.सस्तिका शिविधाडीत निकारमना। यक्क---वस्तामी खोगाँडfermia i

#### (১৯) जीशुक्रसाखन वर्ष

पर्नेकार, शबी, केलिया । अधारम औरशोव-निरमास्त्रामवकीत जिला-সেবা বস্তমান। রক্ষক-- ভ্রম্বচারী ত্রীপরমান नक विनावष. अष्ठाडी श्रीनदीशनक।

#### (২০) এবজ-গোডীয় মঠ

भागवतनाथ, अभागांत्र (भाः, भदी । ष्मश्रीष्ट्रपट्वत चलवम्त मध्य चौत्रम् हा বক্ষক--- বস্কচারী व्यापतारभवती वागामधी। मरकाही---अभागती अविश्वानिकाती।

#### (३५) जैनक्षिपानम् वर्ष

डेक्सिवायाक, क्रेक बपारम जीवक-द्यायाध-विकासम्बद्ध-জীয় নিভাসেবা বস্তমান वक्षाको जीवरादर

### (२२) श्रीमनाष्ट्रन-(भोषास मठ

अबर सगळा नव भूदा. काली । (गोत-गराष्ट्रण्ड नगावन-निकायन) धर्मात्म (शांत्रश्या वस्त्रभःम । क्षणकः श्रीवानकी गावको ।

(३७) खेक्कदेहरूमा मर्ज वीन भरवरात्र कुछ, जीनाम वृत्सायम । क्षेत्रेशभा-तक-त्याक्रमणीक तम्भा । वक्तक--- श्रीमण किताब अवहारी

### (२८) 🗐 ने सम्बद्धान अर्फ्ट

देनियाबना, मोकाश्वत

এখানে জীভাগবভ পাঠপালা 👁 ब्यारभोड-विटमार्थ विवासक्षीत दसवा वसमाम । वक्तक -- अक्षाती दीन् मिरणामक व अक्षात्वी जीनन्द्रगान ।

#### (२०) ब्येटेक्डम्यटगोष्ट्रीय मठ

कृष्यक्षा, विवक्षा, मामकृष , **इस** শ্রীতৈভগ্র-মটের শাখা। বক্ষক-শ্রীরমা। नाम बाब, क्रिक्न मानम बन्दावी । खीवाय कीथ स्वयंतित ।

#### (२७) न्याभटमोकोस सर्ह

कुक्टकित, बारमध्य, मनाम । अस्टिन क्षीरशोधनिरमाध-बारमब स्मयः नसमानः। इक्क---वक्ठावी जिल्लामनको ।

## (২৭) জাঙ্গণগড়া অপদ্বাভাষ-মঠ

बाष्त्र नाष्ट्र, त्यक्ष माष्ट्र, रावका बनादन वक् कुक्रमृष्टि लीटगावादमत अस वस्त्रान । वक्त--बन्नानी हो शानक्रक-काम, खीबाधातवत अच्छाती।

## (२৮) विज्ञा दशाकीय मठ--कारतालय

26 (49 (Williams, 14年 信報) ; त्रक्क-- विश्विषायी अग्रहाक त्रक्क. शिक्षि मकाकास, क्षीताशात्रमग्रहत्वमस्त्रक (২১) গোরালগাড়ারলরান্ত্র

रक्ष च-- बक्राजी स्रोशशास्त्र

### रेगांनक महीता व्यक्तान

বিলামবাজারে চুরি পড : ० हे त्य त्राजिए । निनायवाकात्र धैश्वे क्रक रगाविन ध्य है, क्रवत रहफ ৰাষ্ট্ৰার মহাশয়ের বাশায় এক চুরি হইয়া िमाटक। (ठाटतता धटत मिम कांग्रियो न व्यादन करिया व्यानक व्याद्याक्रनीय जिनिय প্রাদি বাইয়া গিয়াছে।

## ভৌতিক কাও

निगानदाकात इड्ट खात मध्या এক মাইল দূরবন্তী আলম কানী নামক নামক এক মুগলমান তাহার জীত সমিতি সংগঠিত চইবাচে। প্রীণুক্ত হরিপদ একধানা জনশৃভ विज्ञीत्क गक्ष ठत्राहेरख- े हऊक्वर्डी एवर खीएक शरवल्डल रम ছিল। ক্লিছুক্ষণ পরে পরে ভাহার ভক্র। যথাক্ষমে সভাপতি ও সম্পাদক নিকাচিত न्यामित्न तम विभिन्ना विभिन्ना कृतित्व थात्क । | इन्हेनाद्यः ।। ভখন ভাহার বোধ হয়, যেন করেকটি cলাক ভাহাকে ধরিয়া মার্লিঠ **আ**র্ভু ক্রিয়াছে। ইহাতে ভাহার ভন্রেভাব চলিয়া বায়। কিন্তু তথায় কোন লোক। বেদনায় অত্যম্ভ কাতর হট্যা বাড়ীতে চশিয়া যায়। সেখানে তাহার প্রবল **জর হয়। ঘটনার ১০।১২ দিন পরেই ইঃ**চতে বাং लाकने मात्रा निशास्त्र।

## जड्ड जामगाइ

निनामवाकात्र हरेएड छुट पाईन পুরবর্তী কামস্থ গ্রাম নামক তানে একটা অত্ত আম গাছ আবিষ্ণত হইয়াতে। প্রকশৈ যে, গভ বংসর লোকে আ্র थाहेबा (य काँजि एक निवाक्षिन खाजाएउई । স্বাভাবিক আমগাছ অঙ্গলিত হইলাছে। এক বংশরে গাছের উজভা এক ফুট হইয়াছে কিন্তু আশ্চেধ্যে বিষয় এই যে, এ বংগর এগাছে একটা আম ধরিয়াছে ৷

## भरकंडे कांडा

পুৰে কেবল কলিকান্তা ঢাকা প্রকৃতি বড় বড় সহরেট পকেট কটোর , খবর পাওয়া যাইড; কিছু বর্ডমানে ত্তপুর মফংখণেও উহার অভ্যান পরিল্ফিড इय ना। वाञ्चित्रत् भटकट्ट डोका श्रमा महेवा वाकात्त वाहित हहेरमहे छाहा हुत्रि य्या ।

## जामागट भटक वात्र

গত ১ হ মে বেলা প্রার ১ ঘটকার। मध्य कामाणधूत (फोफ्शांत्री (कार्टि यथम महकूबा हाकिम मिः धर्म, मन्न विहात क्तिएड्डिएनन, दगरे नगर दगरे करक **८० कम न १ क**हेमात्र भूछती **डे**लिख नातृत भाक्त मानिएक ८० भ करते। दम्हे भूमन

উপেজ वार्ष शएक शेएक काशादक विकास চোর চোর বলিয়া চীৎকার করিয়া টাকা সহ মহকুমা ছাকিমকে দেখান। শেই সময় শেই পকেটমার উপের বাবুকে | ঝড়ে'ভূমিসাৎ হইয়াছে शका मात्रिमा भनाईएड ८५ हो कतिरन धक मुगलमान ध्रक कर्डक थ्रक रहा। महकूमा হাকিম ভাহাকে -হা :ত বাদের ভুকুম

## কণেশর সুব ছাত্র সমিভি

গত ১২ই যে ১ জেটি ছাত্রগণের এক आत्म क्राक्षकतिन शुरुष देनहान हाकी शाधात्र मछात्र करण्यत अर्ल दक्षी छाळ

## সামাশু কাগড়ায় কটো গটি

কাতিক ও সভীপ রাজা নবক্ল খ্রীটে বাস করিত छ्हेब्रान्य मान्। এकति (छ्ना। দেখিতে পার না। তখন সে গায়ের সামলে ব্যাপার লইয়া কগড়া বাং । ইথাতে काहिक गांडकांडा भा थाः মতকে আগতে করে। এইটা স্বাংশক প্রেক্তর।

## বিনা টিকিটে ট্রেণে জমণ

কংগ্রেম একছে দেশক নামে পরিভিত্ত नाभक कटेलक नार्युष्ट नार्थ 82 বালক বিনা টিকিটে কলিকাতা ভইতে ভাষমাও হারবার প্রান্ত রেলে এমণ করিবার অভিযোগে বিভায় পুলিশ মন্তি ষ্টেট মিঃ তে, পি, কটুক ৫১ টাকা । বিশ্ববিভাগতের ভাইর চাতেপলার ভা ष्यर्थेनट छ, ष्यान (१९८४ ) । जिन विना अम কবিদেরে দ্ভিত হটয়াছে।

भरतक कतियामा ना निशा निशाद्ध ।

## টাদপুরে মড় ও রষ্টি

গভ ১৮২ মে শক্ষার পরেই টাদপুরে ভীষণ ঘূনিবাত্যা উপাত্ত হয়৷ প্রায়া ८० थाना वाड़ी शांड़श याया ननीएड थांका (लाका थ्यकान, ७ ६ । (साक्।त माचि करण ' कृषिका माता विवादक ।

### गाप। त्रिभूदत्र मिन

गंड ১৮ই यে गकाय मानतिभूति क्षान कड़ क लिमाइडि इम् । उदा एक धन्देवि अधिक काल द्वारी हिल। वह धनवादीत गरबडे कि छ इहेगारछ । এই बड़ अ निगाविद्य कृषित अ मानक का कि **इडेग्राइड**ी

হইনা গিয়াছে। বহু বুক ও ঘরবাড়ী । হইরাছে।

## त्राजनकोटमञ्ज कामभग नर्जाच है

গত ২ • শে মে অমৃতদর কেলে ৪ জ্ন विज्ञावातीन ब्राह्मवर्की अन्यन धर्मचंह करत। প্রকাশ, কভিপয় দিবস পুরের জেশের নিয়ম ভঙ্গ করায় ভাহাদিগকে দাণ্ডাবেড়ী ও निकान वाम ४८७ मधिर ७ एकम षाइटनत ६२ शताभूगात्री षाञ्चित्रक कता क्या । এवे कारमान्य दिवत्क्वे डीवारम्य अभन भयां पछे।

**ডেপ্টা ইন্সংগ্রার কেনারেল** কংগ্রেদ কথাদের মনাত্তায় উক্ত वाभिरतत्र कार्यात क्रेग्राह्म । ८५५हि ইন্দপেরীর উপনিউক্ত অভিযোগ সমূহের তদন্ত কৰিবেন বলিয়া প্ৰতিশ্ৰুতি দিয়া-

### কাপড় কলে ধর্মঘট

ध्यमान किन्दिक जनवाड कताव প্রতিবাদ শ্বরূপ বোধাই নিউ চায়না মিষ নামল কাপেডের ফলে একপাত ভাটিত দশ্মগত করিয়াছে।। অসুপঞ্চিত টাভিনের क्टल नुस्त त्नांक महेशा कांक हानान इंडएडर्ड ।

## नागपुरत्रत मुख्न छ। हेन ह्यारणनात्र

আগ্রমী ২০খে নভেম্ব লাগপুর टक, जरू, भाक्कारण्टनंत्र कार्याकाम त्यस<sup>ी</sup> इड्ट्रा छाकाल (म ১৮০১। १२ मार्टना ाल भर्ता धीन मीच अनकान महेरवन । ध्वर જુમર્મ (માનગ્રાન લાહો દ્રષ્ટેલમ ના ૧ બલનહોં क्राह्म ह्यारमनात्रकाल काः हतिभिः (बोरतत्र नाम डीलांबड वहरण्ड, ।

## ঘর চাপা পড়িয়া স্বৃত্যু

बगुक्तरत्र द्वालारपत्र वाष्ट्राटक धक्यांना चत्र श्वशिया প्रकृत এक जन श्रुक्त, अक जन স্ত্ৰীলোক ও একটি শিক্ত চালা পড়িয়া মারা গিয়াছে। এতথাতীত আরও তিন অনকে চিকিৎসার্থ ইাসপাভালে প্রেরণ क्या इहेग्राट्ड ।

### ভাল। মহকুমা কংগ্রেস কমিটি

গাত ১এই মে বৃহস্পতিশার রাত্রি ৭৪ • गढिकात श्रम श्रीयुक्त कुलिवाती त्यव উকিল মহাশয়ের সভাপতিতে স্থানীর कःर धम अधिम भूटर खाना मनत्रभूत ও नगत्रकामा थानांत्र निकां किए मण्डारमत

এক মিণিভ সভাষ নৃতন বৎসমের ক্লক গড ১৮ই যে খুলনায় প্রেবল ঝড় ও ভালা মহকুমা কংগ্রেদ কমিটি গঠিত

> 🕮 पुंक विकासत्त्र भत्तकात्त, खुवनस्माहम मिता. कुश्रविभात्री त्मन, श्रीगुक्ता विद्यामिनी मामख्या, चिन्छ रेनल्यसम्बद्ध मामख्यु, मीरनमञ्च तथा ८ शेवूबी, धनविश्वती ट्याम. श्रीपृष्ट मण्यानाथ छ्रोहाता, नतः नातारण चहाठाया, देनत्यन्तकः मान्यन्तः, कार्रिकार्ग भगाभाव, यानवाक तम. যতীক্ষনাপ প্রহ, সংস্থাযকুমার পোপ, কার্ন্ডিক5 দা রাম, বিকায়চন্দ্র ব্যানাজিক, यनस्माहन हजनवर्षी श्रमृष्टि वास्तिश्व **छेक क्यिशैत गर्छ। मटना शिंड इहेगाट्य** ।

### পাৰনা জিলা কংগ্ৰেদ কমিটা

পাৰনা কিবা কংগ্ৰেদ কমিটাৰ ৰাৎ-गिविक मानाजग गुका कालामी २४८ण (स नकाल जावजात मारा भावना छ। देन धर्म क्टेट्व ।

कारी विभन्नी --- याश्मिक कार्या-विवत्ती थार्र, ১৯৩১-৩२ मध्यव कार्यक्रिती भिषि भिरंग, मुद्रम तर्भारत्व कार्माकातक নিকাচন ভিলা কংগ্রেদ কমিটার কল मः भारत श्रद्धाविक क गणन मित्रवाविधी मक्दक कारमाध्या हहेरव ।

### মুখোস পরিয়া রাহাজানি

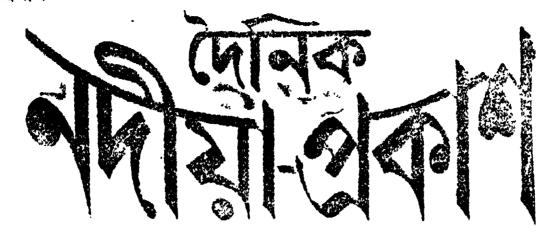
প্रভ > मधार्यंत्र घर ।, नश्त छ वानाती **५ की उम. आध्यत माहित्य और बादाला**नि হুম্মা পিয় ছে। ৮ জাতবার নিকটে রাড: शिया अप्ति दालक याहरकाछन । **कार्**डेनक च छ। मुर्गाम भतिया भाषे देशांड ००१ ८ वाण्यि वर्ग छिक वानाकत निक्षे क्रेट de भवना किनाईया मध्या निवादः । यानाशी ब्राप्त कटेनक मूर्ण वैदिनस वाालातात्क करवककन त्वारक मा क्रिया (७।त्रा नाता आधा ह कात्रशास्त्र । 💆 भाव मृद्ध हाक। हिल्म जनव इतेनाम लादक्र मर्ल अग्रानक व्याउरक्षेत्र छाव (पर्व) FHAT & I

## माखादक आयु ५ (मग ७ छ

গত ১৮ই মে অপরাংক্ 🕮 युष्ट দেম-ওপ্রের কক্তা ওনিবার জন্ত সাজ্রাঞ্জের भागासक्यां भरण परण ध्विक्यार्ड উপস্থিত হয়। অফুজ ও ডাটেল **মা**ঞ্ किना क्राजन कमिष्टित केंग्स्टार्थ एक मना আহত হইয়াছিল। <u>জী</u>ণুড গেনখণ্ড ''ভারতবর্ষ কি চায়'' এই বিণয়ৈ বঞ্জা करतन। ध्यार विभ शंकात लाक मछात्र (यागनान कत्रियाष्ट्रिंग ।

CBIM-নবদ্বীপ

विकाशदार कार প্রাচনারে erie die 7. इंक्टिय गर



मानार्याएकात् 🕯 প্রা হলে দেয়া । वाविक ... मान्यानिक ६. ८ शभागिक ३ ५० भागिक 🛼

HISH व्यक्ति भाषा ।

ভাৰতেও সকতে ভক্তভালাক- নদীক জেলাক বলা মাত গুলগত

মুন্দাদক — শ্রীভাতী ক্রমাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদা ভবাচস্পতি ৬ষ্ঠ পত

ি ৭০শ সংখ্যা

জালৈভস্থমট জীবাম মাহাপুত ১১ই জ্যেই সোমবার ১০০৮, ১৫শে ছে ১৯০১

## শ্রীপ্রাম মাহাপুরে শ্রীল প্রভূপাদ

নিশবৈদ্যৰ রাজ্যভার পাত্ররাক্স চিবি-লাস ওপিঞুপাদ অংগাবরশত্রী শ্রীমন্বজিত শিদান্ত সরস্বাতী গোসামি-মহারাজ গড প্রশ্ব ২০শে ডিসেম্বর শ্লিব্যার সক্ষা ৭ शतिकाय भवत कलिकाचा अहिनोडीहरू हरेटल क्षी-सम-भाषाभास कुल्लावक्य क्रिक्स ভেন। তাহার সংখ জীলানিট্রিলম্প্রক ক e चिटेन्ड्स्मरस्त द्वेष्टि आन्यान्यस्य প্রিত উল্লেখ্য কৃত্তবিহারী বিজ্ঞান্ত ভক্তিশালী ভাগ গড়বন্ধ, উচ্চোট্টি প্রিণ্টিণ ওয়াক্ষ্যের ম্যানেজার পাডিছবর ইপান महानस खन्नाठाती. बीलान मुख्यानस ব্রজ্ঞারী, শ্রিপাদ স্থাচরণ রাধ ভাজি-विक्रश, म्हलाम व्यञ्चलममाम छाउटकाविन क्षापुत्र इक्ष्युन्स् आज्ञान क विश्लोटक ।

निशाममञ् ८६ मरन पर्किट अवत जीलाम অনন্ত ৰাহ্মদেৰ প্রবিচ্ছাভূমন প্রাভূ, প্রভিঙ 🏝 পাদ রাণ্বিধারী প্রশাচারী, এন্থ্র-অয়স্কান্তি সাল্লালপ্রমূপ বিধন্যওলী এবং क्रमञ्ज्ञ ८४मान प्रशिष्ट ज्यापान क्रमशानन ব্ৰশ্নচাৰা ভবিলাগী খনেক স্থানসং **শ্রিশ প্রান্থপাদের শ্রিপাদ**প্রা বন্দন বরেন। ত্রীল প্রভুপানের পাদপত্ম স্পর্ণে ত্রাতি भक्ष द्विनचाचा घटन नगळ टे मारन ट्लीक्टिन, শ্রীধাম মায়াপুরস্থ সোকুর ভিডিবিনোর -其物學

## লর্ডপত্নী ও গান্ধীপত্নী

শ্রীধান মায়া ুরে শ্রীল প্রভুশাদ

## অন্তরী । পান্নালাল

কুকুন্গ: মিউনিসিপ্যালিটা

## (दल्य । य (तल मध्यर्थ

মহাজাভী গোলটোললৈ যাইবেন কি না পেটোল চারর মামলা

পিকেটিংয়ের নিমিত্ত সাত্টী নিয়ম

## ভীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

भोजांक 88%

মাজ ১০০ ডাকটিকেট পাঠাইলেই বুকপোতে পাঠান হয়। মানেভার গ্রন্থাগ

দ্বীটেওওমের, পেটে জীমায়,পুর, ননীগা।

ইন্টিটিউট্ নামক উচ্চ ইংলে ী িছা- করেন্। তিংপর জীমং তার্থ মহারাম কোলাদেব মা ্র তিশ্বিস্থানী জীনহাক লয়ের প্রবাদ শিক্ষক জিনভিন্নামী শীময়ন্তি জীল প্রভূপাদের প্রদেশে স্থান্ধি প্রশার জান্ত ভারত ১ইলোক, জিনভিন্নামী প্রদীপ তীর্ষ মহাসালের নেচুত্তে প্রশাক্ষত মালিকা প্রতিষা দেন ; অভংপর ভাজন্ত ছুকুহৎ । সম্প্রন-দোভে। বর্ষা এ খিলোর 📑 সকলেই সাথাস দভবং তাপনে করিয়া। ম্পুন্ধবের ব্যালন ব্যালন্ত সূত্র আইল সভাসম সভাস্থান বহু আনী ব্যালনাদেকে। क्षाकृत परे हें पर करते । १८६१ । व्या**राज्ञा विश्वास सामाप्**रत गहेना व्याराज्य । कर त्र त्या । वृत्ति । त्याष्ट्रायायायः वैक्षाताः जिल्लाकाः । १००, विक्षाताः विकासकारकारकारकारकारकारकारकारकारकार

स्थाप है। া আলম মহারাল, ভিদ্ভি-\* ...

🚅 🚈 त्र 📹 亡 🖹 महाताङ াল বে ভছ বি তা, জীগুড় ্তৰ দ্ব বি ত. পণ্ডিক শ্রীপাদ প্ৰিক হী,পাদ বিলেন্দ্ৰিকারী নগুমারী, প্রভিত জ্রীলান হতেখন নাসংনিক্ষারী, প্ডিত শ্রীণাদ সমান্থে ডোমামা, প্ডিড ब्री<sup>ला</sup>म आनानिस्माम 'खिक्क्यम, 'फाउनन वाराम क्रफकारि अवधारी एक्टिका कार्यात वात्रज्ञ अक्षात्री मर्गावर्गार व নাম বিশেষ উল্লেখ্যোলা ।

## नाना कथा

কৃষ্ণনগ্র মিউনিসিপ্যালিটী

মদীয়া কেলার প্রাণান জনপদ ক্ষা-নণ্ৰ। এই নণ্ৰটী প্ৰাচীন গোলব্যয शिर्शास छान काछ व त्याएक। विश्व ৰাদ্ধী চুহাপৰ বিশ্ব এই গে, ব্ৰহ্মীন মিউ-কি দিলোলিটা তথাৰ উন্নতি কলে সম্পূৰ্ণ উলানীন । ধ্রি-প্ররিত পুটেন্দপুর প্রেটে পাথকের য়ে ভাষণ **অপ্র**বিধা चेशापन बाल, चान इक्टरनेल बाराड অপর কেইট কল্পান্ন জানয়ন করিছে পারে না। তিরাহীতে বর্মা আবেন্ত এই তে নং চটাডেট অনেক বাডার পাৰে জল জামিতে অংগ্রন্থ হুইয়াছে: সুক্ষানর শ্র ঐ গলে প্রতিত হুইয়া মুশু**কের উং**প্রির

ফল পাইটা কোন কোন রাভার উভয় দিকে অনুগল আগেছে৷ নতেকে উন্নত্তিন क्रदेश भिङ्गेनिशिशानिष्ठेत मुक्ति भूजार প্রস্তুত হয়তেতে, তথন মিউনিলিগাণ-টার रंगक्रभग गुरू ध्वमनास ना कविरण दश

८६ ८४ हाल ज्ञानिस सम्हात सिंह ते-लतीलाउँ। असे धनका, तम एकर महर्गाला वर्षा, करवारा, वश्च, यंत्री ज স্বৰ্গ-িকালন স্বাহাটিত থাকিবে भागा मान्य कि १

## बाधाय गारा भद्र

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## (थाना इहेश्राट्ड।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অতি শত্রের সভিত শিক্ষা প্রদান করিটেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের ক্রয় বিশা ব্যয়ে মুক্তর বাসভানের বদ্দোবস্ত*চ*িহালে। **ভা**ন আতীর সাহ্য**কর**।

স্থিতার স্বাদের জন্ম নিম্নলিখিও ঠিকানা পত্র লিখুন। সেশ্রেটারা, টাকুর ভরিবিনোদ ইন্টিটিডট্ ক্রিচেত্র মস, পোলে ক্রিমায়াপুর, নদীয়া।

## युत्र यु:याग त्वेभी किन आंत्र शाकिरत ना

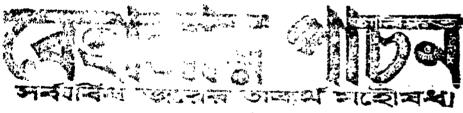
(本一門--

## का उक्र-निश्च छेममान्द्रात

৫০ বাংস্ট্রিক আন্তেদ্ধেস্ব বা স্থান্ত্রিলী শেষ হইছে আর বিলম্ব নাই। এই উৎসৰ শেৰ হইটোহ প্ৰৱৰ্ণ আক্ৰানিত শাক্তি-সঞ্চিদনী ৰটীকা'' পূৰ্বেশ্র নিদ্ধাবিত ১২ চাক। মলোই বিক্যু ইট্রো ৩১শে মে প্রাস্ত উহা ৮০ চাকায় পাওয়া ষ্টেৰে। এই বটীকা এক কথায় বলিতে গেলে নৰ-জীবন দান করিতে সমর্প। ত্রুব্ধ ক্রিলীর কথা উল্লেখে আঞ্জ মনিঅভারে ৮২ টাক। পাঠাইয়া উবার এক কোটা লটন। সহর হতন। বিলম্বে নিরাশ হইবেন। ১লাজুন হইতে ১২ টাকামুলো নিজেম হইবে।

> প্রাাপ্ত হাল ৪ - আতদ্ধ নিগ্রহ ঔষণালয়। र ३ छन् १ वर्ष तरकार देवा । क्षा विकास का

## কবিরাজ শশিভূষণ কবিকপ্তাভরণের



মফলের ও বধার জন্ম ৬ আর শিশতে ঘণাভূত অবস্থার ভোটবোলজের সমপ্রিমাণ अविश कारक शाहाम व्या, हराएक लेगरमर दकान शहितकान करा कर नाहे। भूका व्यक्ति শিশিয়াৰ আনা, পাঁচটায়াৰ্কৰ আনা, বোছৰ চৰ্কৰ আনা।

অফিস- ১১নং উল্টাডাঞা রোড, পোঃ শ্যামবাজার, ना लिका छ।

## (ECEMP + E



**पश्चिमात्र पण क बाजु**रिकात, मेलिकाफिन क्राफ् हरूप क्षाम्याक, वक्ष्मक, वार्वारवाजा, वृक्ष वक् কয়ানি, অনিয়া এড়ফি লক্ষণ নত্ত লিখেব बारकाना क्या । बना, बीबी, स्त्रवा कृषि कतिहरू व्यक्तिक हैनिक। पूना ०० पति ३८ वक है।का।

শনপুহপ**কাভা**তি রাত্র पृत्रवस्थाति द्वारत वास्त्रवस्थात साहा काःगाग ×विका व्यक्तिनमञ्ज करका एका व रखामा ऽ्केका ( 'বলপবিলাসিশী বটিকা" े नामापन करक मरकाशनकि शांदी के दृष्टि करिएक क्षान्त्रका । क्षा ३० वर्षे ३<sub>०</sub> वक् होता। h.a:বৰ লাক্সায়**াকী**, কেপবৰ্ডা ^ ১৭৭বং ছারিসর রোভ, কলিকাতা।

## शरेर्डामन

## कायम्ब्रिक द्वाभ

काः क्ष्म, ब्रम, ब्रम, व्याप विमा पाट्य, वा बच्चीवत्मद्र गावाणि विवा देवछाण्डिक वानानात्व दकावनुष्ट धान बारबाना करिया भगका।

> টিকানা—; , ∴ , De at aba Bb. aweiwis. मानाका ।

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

পশর দিশে সম্পূর্ণ আরোগ্য

त्वात्री अभ्याक्टरक क्हेट्य। काञ्चिम शास्त्रम चत्रक (याख्या खनर काशित ) भाकितिम शिक्षा द्वाशी दल्या क्ष अथवा द्वाराम कामित्म दशकी दल्याका लेवन देशस्त्रता का बादनाशा मा कलवा भवास थानियामक भिटक क्रवेटन मा। প্রীব রোগাঁদের অনুচ বহন ভরিছা তিকিৎসা ক্লাভয়। বিভারিভ িবরবের জঞ্জ তক আনার তাক টিকেট সহ নিম ঠিপালার অস্তুসম্বাদ

∰ाक की न5 क्षा के की ता. यशानिक किस्त्रक, C° t: देन काठी, विव्यास्त्र । अचना भिन्न ठिकानात भाकार कतिथा विख्यातिह सामिटक शाहमसन्। শ্রীযুত সামপোপাল দক্ত এম্, এ, ক্লকনগর, নদীয়া শীবুভ পরিপ্র शिर , ১১৭, व्यानशास्त्रां शिव्, वावेदलांबा, काल काळा ।

একখানি পত্র! অ মার দাড়পুর গত ধ্য মান বাবৎ রাজ বন্ধার ভূগিয়া মুক্তাের চল্চাচিল, কালকাভার বিজ্ঞা চিকিৎস্কপ্র ছোলা कीवरमङ जामा कर्नार कोहता स्मान हरखंड सञ्च अर्थका करिए दिस्सम এই সময় জীয়ত জি শিশ্দল উ।কল মতাশয় মাজ >০ লিন চিকিৎসা कांत्रमः मृत्युण आरतात्राः कांत्रमा विशादकता (माः) श्रीम शेल किरणांच राम कोसुदी ( व्यानमार मालिका ) दश् क्षिष्ट, मिछ विक्टिश विकास नावहिर किमाविद्याले, कविकाला ।

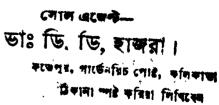
## মনোগোহন প্রেস

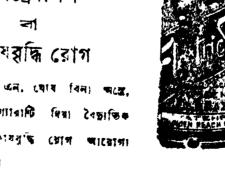
পূর্ব্য-বাজালার অ্লভে সকলপ্রকার ভাপার জন্ম বিখ্যাত বৈদ্যুতিক ছেশিনে দিবারাত কাজ চলিতেছে বিশ্বত আনিতে হইলে নিম ঠিকানায় পত্ত লিখুন

ম্যানেজার—মনোমোহন প্রেস্ ১০নং প্রাবপুর, ঢাকা।

## মরা মারুষ বাঁচাইবার উপার

যদিক আভাদি আকৃত মধা মাজৰ বাচাইবার জোক छेयर चानिक्रक इर नाई मता, छथानि याकाता मानाविष অনিধানত উপারে অংতিনিত শক্তি নই ত্তিয়া লগতে মরা ভচ্চা রাজ্বাকেন এবং নানা প্রাক্তার মেত, প্রামেদ गाकृष्मोक्तमा, चात्र्विक क्रथ्यगका, १६मृख, अध्यक्त, मास्त्र-माळाख शीफ्, अलं खबर खीटलाँक विद्यात सत्या याका यांचक, বন্ধাা, মৃত্তাৎসা, ত্মাত্তকা, খেড ও রক্তগ্রেপর, কিঞ্চারিকা व्यक्षि द्वारण कृषित की गरम मित्राण •हेबारक्स, छानामः व्यादमशिकात अञ्चानम् छाक्तातः व्याहाम नाटकद्वतः व्यादिङ्गक बेटल क्रिक मणिक्षमम नावभाव कविता वाहिएक भारत्रम, ভাষার শভ সকল ক্রমাণ ক্রাভ বংশরেট পাত্রা বাইভেচ্চে रीकाको मध्यक्ष नक्ष्यम स्थापनात क्षेत्रम महत्व পাবেন নাট, ভাষার: একবার এই ঔষণটা বাবহার ক্রিলা दमभुत्र । अक शादमझ नावकादबाणदमान्त्र आक निमि स्वय ভাক্ষাৰূপ শৃত ১৯০ টাকা মাত্ৰ।





## শরণাগতিই তত্তজানলাভের উপায়

প্রালিপাত, পরিপ্রাপ্ন ও সেবা---এই किरिय वृद्धि नहेग्रा कीन धर्मन छक्पनिगानव স্মীপে অভিগমন করেন, তথন ভাছারা সেই জীবকে সেবোম্বণ দেখিয়া উচ্চার निकटे छड कान मध्यक छिल्यमण करतन। ভংকালেই সেনোখুণ ্ঞীব্দদয়ে শুন্ধ অহৈতুকজান প্রকাশিত হট্যা থাকে।

চতুর্মাও রেমা ভগরামের নাভিপলে প্রাকটানস্কর নিজে বস্ত গবেষণা কবিয়াও নিক স্বরূপ কিয়া জীতগবংসরণ অবংশ্ত হইতে পারেন মাই। তৎপরে জীওগ্রানে সম্পূর্ণ শরণাগত হইলে তাহাবল কুলার ভব্দুজান লাভ কবেন। বন্ধার<sup>®</sup>প্রতি এই ভৰজানোপদেশ চতুংগ্লোকতে আমন্ ভাগবতে বৃণিত আছে।

গীতায় অক্ষ্নের প্রতি শীভগৰতণ দেশেও ইহাই শক্ষিত হয়। অঞ্নু ধলিতে (E),---

> কার্পণ্যমোগ্র হস্তাবং প্রক্রামি জাং ধর্মসংমূচচেডাং। यटध्य वः व्यामिक्तिः, केव दिन्स শিষ্যকেইটা শাসি মাণ ছা, কণাম্ন

圖事物---本屬與兩本 中外 1 一本的点 使作。 चेर् १९७ । अधुरुमार्टन ভীষ্ণালেদি ভক্তবৰ্গ ও ভালেদ্যাল क्यां व्योधिक स्थान के स्थान के कि के हैं दे दे विकास অর্জুনের জনরে বৈরুকা উপস্থিত ভইপতে। পুন্ধে তিনি নিজে অনেকরণ বিচাব ববিধা ছিলেন, কিন্তু এখন ধ্যাস্থ্য চিওঃ কোনটা প্রাক্ত কর্তব্য, ভাষা ভিত্র কবিতে পারিতেছেন না। ভার সন্মধে অব্ধিত মথা জীক্ষাকে ঞিজাসা কৰিছেছেন। এখন আর তিনি জ্রীক্রফকে 'স্থা' বলিয়া निक्र भिका गरेट हेल्स कतिश निक्र क **लिया विलया शांशिम भूकत्क 🖺 क्र. (यश्ट्र** শিষ্য, তোমাতে প্রপন্ন, থাকা নিশ্চয়রণে <u> শেষ:, আমাকে ভিন্দেরে শিকা প্রদান</u> কর<sub>া</sub>" এই যে অক্ট্রেব শরণাগাভর অভিনয়, ইছা কেবল মাদৃশ অক্ষঞ্জানদৃশ্ৰ পতিতশ্বস্ত বাজির প্রতি অপার করণার নিদ্দান মাত্র। সাক্ষাৎ আক্রফের সমাপে অবস্থিত হইছাও ধর্মাধর্মীবচারাভাব গরা हेहाहे अपूर्णिक इद्य (य. আরোহজানসূলে **७ इंड**ानगारचन ८५ हो नित्रर्थक ।

## প্রীপ্রীওরুগৌরাকৌ জয়তঃ

## দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

নিভাপারা বৈক্পবাভাবত

বেদাদি সমস্ত সাত্মত-শাত্মের অক্সত্রিম ন্যাখ্যাতা সমগ্র ভারতে একমাত্র মূলভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

প্রাম-মাঝাপুর—১১ই জোষ্ঠ সোমবার—১০৩৮

क्षत्रवाहरू किल्लामार्वत सम्मी (५४)-হৃতিও অন্তুনের কাম পীসাভিন্য কবিয়া-

> ह का शाहर मत्या मत्या अपूर्णाम, महिन्द्रता, कुठारेग । ভিজানগাহ ীপ্রকৃতেঃ পুরুষঞ अक्षाचि अक्षर्यातला प्रतिस्य ।

> > ( :1: 21 01 . . 1

দেবজুতি বৈদ্যাৰ উপদেশে নিজপুত্ৰৰূপে कार्यिक्त स्थायाम कशिकाम्यत्ते, व्यक्षाय ্বিচয় বাভ কৰিনা জাহাকে পাইবুদি না करिया विकास हम् - ८६ ८५व. व्यापनिस् একমাথ শবল, স্থীয় অনুসাত্তনের সালবে-বুলাডেদনের ক্টারস্কার্য : ত্রামি আপেনার কসল্পত্ত তইক্ষ্ম । সক্ষেত্ৰ<sup>ি</sup>ৰ সাহত ত দেৱ মদো আগে নিটাবেচ্চ । আমি পার্কাত-প্ৰশাসৰ বিষয় জাত এইবার ইাছায় সো Set 3 3 মাৰে ন্যস্থাৰ কাৰ্য্যাই জ্ঞান লাভাগ অপেনার শ্রণগৈত বর্গভেছি। ।

## Ts 9

মায়াবন্ধ জীবজনৰ বিপুগায়ৰ আহুত রক্ষর্মি। জডম্ম জাব বিপান্ত। ইত্তিত হট্যা যে আশ্চাং আশ্চাং কান্ত কৰিছেলে, শ্রাহা নিরুপণ করে। যাধ না । একম একম সংখোধন করিতেছেন না। কিন্তু ভাঁহার । তিপুৰ বৰাভূত হইব। এমন ভয়গুৰ ক'ব। কাৰেল যে, ভিনি একটু প্ৰকৃতিত হইয়া ejel ejikan অন্নতথ্য লক্ষিত ও শক্ষিত শরণাগত। "তে জীক্ষ, আমি ভোমার হন। কিন্তু বিপুৰ কি আক্ৰা প্ৰভাব. कि अक्ता अधिने नाक । आतात रथन িনি বিপুথারা উত্তোশত হন, তথন সে সমস্থ অন্তশুপ, লক্ষ্য, শ্য় কোপাদ চলিয়া ধায়, রিপুর ব্লীভূত হট্চা কিনি পুনবায় ভাগ্ধৰ কাষা করিছে উত্ত হল ও কারান

> मम । तिथु कास्मित्र च ५५१७। कामरे ক্ষণান্তর প্রাপ্ত ইয়া 'ফ্রেখ' ও আসাক্তর সাধনভবনের পথে—ভশবানের প্রেম্মনিরে করিতে যাই ? বছজীবজ্পরে রিপুন

অদিকাপ্রাক্ত গোড়া নাম প্রাপ্ত হয়। খ্রীভলপান ল'ভায় বসিণাছেন — शांभएका दिवसान् श्रु मः मञ्जास्य श्रक्षास्य । সঙ্গাংহ কাম, কামাং (क्रांसिक्टिक्सर्टक ।

কোধাধ্বতি সম্মোহ, সংমাহাং প্রতিবিল্লাই।

ক্তিল-পান্ত্রিনালো বুজিনাপাং

লেগ্ছতি "

কোন একটা বিষয় মনে চিস্তা করিছে ক্রিতে জনশা ভারতে আসকি হয়। আদ্ভিক ২২টে কমে, অপ্যে দেই বস্তু প্রিবৃত্ত ইচ্ছা ব্যবস্থী হয়। সেই বস্ত প্রতি কোন বিল ইটাল জোধ আসিগ টুলান্ত হব। ুক্রার হয় ১০ লোহ। মোই হৰ্যতে স্থাত্ৰিন্দ্ৰ, স্থাত্ৰিন্দ্ৰ কৰ্মতে বুৰ্দ্ধিন নাশ ও বৃদ্ধিনাশ হয়তে স্বনাশ উপস্থিত **夏季斯(公元中)** 

ক্ষা ক্ষিত্ত অসভ্ধন মানকেই বৃদ্ধিতে करोटरा । छात माराञ्चल रहेका तिका, दुकि, ধন, মান, কর্গ, মাঞ্চ আদি বাহা কৈছ ক্ষেত্ৰ কৰিবেছে, সে সম্প্ৰী ক্ষিঃ ক্তবা হৈছে শ্ৰম কাৰ্য্যত হয়লে—কাৰ্যক চিত্রপালে হঠতে শুড়েইছে বর্গলে এ সমস্ত ইচ্ছতি ভাগে কৰিছে হয়। ভাহ। মা ভটলে कारभवरण रहेर्ड मुक्त रहेरा यात्र मा।

নতা পুকমের স্ত্রীয় প্রতি চে ক্ষাদক্ষি : এবং স্থাৰ পুৰুষের ইপৰ চে ক্ষামাজ, ভাষাটেই কামেন শক্তি কিছু অধিক नग्दंधी प्रदा यात्र, खादार ६३ सीव किन्न বেশ্যেশ হা । অন্যাসময় ইচ্ছা হচতে মুক্ত চইছে গালিলেও চকা চইছে মুক্ত হু ধুনা যান না। ইবা ব্রতিক মুক্ত ব্রতিক ( লোক প্রম বৈরালা ন্ধান্দ্র ও কেনি সম मा आविता आत हेलार ९ मोर्ड ।

বৃত্ন সৌহাপ্য ক্রম যাহার জীভগবানে রিপুগণের মধ্যে কামর্জ সন্ধ লোচ। অক্তাঞ্চ একটু এজা চইয়াছে ও সাধুসক্ষ পাভ হইলছে, তিনি ব্ৰিগতেন, বিশু জালার জিপুৰ গহিত যুদ্ধ করিছা ভাহাদিগতে গ

ধাইবার প্রেপ প্রম শক্ত। দিনি আরও বুঝিশাছেন যে, বিশু ভাহার অল্পিন ভাবে সমস্ত সম্ভেই ভাঁহার প্রিক্লাচ 🗥 করিছে ও তীহার ভজনের প্রতিক্রল 😥 গ্রহণ করিয়া ভাহাদের আশ্রুষা শক্তি 🕝 🚉 পরিচয় দিতে সাধ্যাস্থসারে চেগ্র' 🕬 🗥 🧸 ভাই ভিনি ভাহাদিগকে অধিকতে সকলা জানিশ সেই সৰ প্রবোভনের 😘 🎫 🦠 আপনাকে দূরে রাথিয়া, যুক্ত 🗥 🦠 🤊 প্ৰাঞ্নীলন ছারা ভাহাদিগ্রে 😌 🐇 कतियात (ह्रेष्ट) कविट्डिट्स । 📜 🛠 🎋 আচরেই দিপুদে বন্ধতে পরিণত কামক ভাষতে সন্দেহ নাই। কিন্তু মালাল 🕬 🕬 শ্রদাল হট*া*ও সাধুসঙ্গ পান নাই 🕬 বলিশ অসাধুসক গ্রহণ কবিয়াছে: 🐃 👈 অনেক সমৰ বিবেচনা অভাবে 🔭 🦠 হন্য উভিনের মধ্যে কেই ইয়ার 🥫 🖓 তত্ত্বকথা শুনিদা কেচ বা গুএকখানি 🕬 শাধ পাঠ করিয়া, কুসঙ্গে পড়িয়া ধাঞ্মিকাভি मधी ना ब्रिमिकास्मिनी इंटेग्ना हिलू छन्न কবিতে অগ্রসর হন। তাঁহারা বলেন,---''জীব জীক্ষেণ্ডর অংশ, মায়বেদ্ধ হইগা অহদারবশত্ট বিপুৰ প্রাঞ্চ দিতেছে যে ব্কিতে পরিষ্ঠে, রিপুর তাহার শুদ্ধ সহে কোন অধিকাৰ নাই, ভাহার আবাং বিপুর ভর কি 🕍 🗈 কথা সত্য বটে, কিছ লোকন্থে শুনিয়া, কি গ্রন্থ দেখিয়া এ জান লাভ কহিলেও বিপুৰ মহিত যুদ্ধ করা যা-না। আজনগকারী রিপুর গ্রীর গ্র প্রবংগ দ্বীত হইনা এ জ্ঞান কোথার ল্ক.ি হয়, তাহাকে খুজিনাও পাজন বায় না স্কুত্রা; এ জ্ঞানের বলে যুদ্ধ কবিং যাওল আত্মবঞ্জন মাত্র । সাধন কবিং কবিকে ব্যম সংগু ও কঞ্চলগালে উরণ আত্মজন কল্যে আহিছে হয়, যথ হার নুক্তিতে গালে যে, **স্থা, পুরুষ, স্থা**ক ভঞ্ম সমস্তই এক ক**ন্তু, যথন জীব**্যালিক গায় সমস্ত ৬গং জীভগানানে অবস্থিত ও শ্রীভগ্রান সমত্র ব্যা**প্ত, ভ্রমই ভা**হা 🔭 গণাভৰ কবিবার শক্তি জন্মে, তথনট ভূপ স্কার্থ নিজ হয়। জীমনহাপ্র- নীয় ব্যিখাছেন,—

> भारत भूक्यमात्री यथन कामिटर । তথ্য প্রোমের তক্ত জনবে প্রাণ্ডের **ং গোবি<del>ন্</del>যুল্পের কল্**র

আমরা শাস্তে দেখিতে প.ই. 'হারারি কামমুদ্ধ হইয়া প্ৰম জগৰতা ভগৰতী ভাগে করিটা নো'ধনীমূকির পশুস্থাবন হটাভিলেন। আৰু আনবা কুন্তেট वीडाइकी**ए कान् राम बनीसान्** श

## देशिक महीशा-ध्यकाण---नात्रमाधिक नक्ष [ ७७वर्ष १० मः मरपा ]

শক্তি, এড বিক্রম, যে রিপু ইচ্ছা করিলে क्षीयत्क जगवात्मत हत्व हहेराज्य हिन्धां লইণা যথেচ্ছাচার করাইতে পারে. খ্রীভগ্-বান গৌৰচক ভাহা দেখাইয়াছেন ৷ তিনি শিক্ষা ও লীলা ছারা যাহা কিছু জীবকে বুঝাইয়াছেন ও দেখাইয়াছেন, তাহাই জীবের গ্রহণায়। তিনি ছোট হরিদাসের শিক্ষাজ্ঞলে বলিয়ছেন,---

> छ वार हे जिय करत निषग्र शहन। দাকপ্রকৃতি হবে মুনেরপি মন।।

ইঞ্চিত গদি প্রলোভনীত বিষয় পায়, ादारक नमन कहा अभाषा इहेग्रा छेटी। এমন কি, কাইনিশ্বিত শ্রীমৃত্তি মুনিরও মন হবণ কলে। ইহাতেই বুঝা যায়, প্রায়ত প্রকৃতির কত মোহিনী শক্তি, তাহা হতভাগা জীবদিগকে আকর্ষণ করিতে কভ শক্তি ধরে

ঞ্জীনমহাপ্রভু সম্যাদ গ্রহণের পর যুগন দক্ষিণ দেশ উদ্ধার করিতে গমন তথ্ন ভক্তবুদের, বিশেষতঃ উম্ভিত্যানন প্রভুর বিশেষ অমুরোগে, ভাষার কোপীনাদি বংন করিবার ও অচেতন অবস্থায় সমূপ্ণাদি করিবার জন্ম ক্রফগ্র নামক জনৈক সরগ ব্রাহ্মণকে সঙ্গে লইলা ধান। মহাপ্রাড় জমণ করিতে **লা**গিলেন এবং क्रकन्नाम ७ वर्णाविधि সেবনাদি করিতে লাগিলেন। এমণ করিতে করিতে মহাপ্রভু মলার দেশে উপস্থিত হইলেন। তত্রস্থ ভট্টথারী সম্যাসীগণ **'স্বুল' কুন্যলাসকে নানাবিধ কুপ্রামর্শ ও** ক্রী দেখাইয়া লোভ জন্মাইয়া তাঁহার বৃদ্ধি নাশ করিল। কামের প্রবল আনেগে কৃষ্ণদাদের বিবেকের বাঁধ ভাঙ্গিয়া গোল। যে মহাপ্রভুর নাম একবার লইলে कामापि तिथु च्या मृत्य मुकाधिक इष्, যুহোকে দর্শন করিলে শভ পাষ্ডীর জনয়-म्ल ८ ध्रमवस्थात झाविष्ठ इत्र, त्मरे महा-প্রভূকে- সাঞ্চাং ভীতগবানকে ভ্যাগ করিয়া কামমুদ্ধ ক্ষণাস ভট্নারিদিগের গ্রে গমন कवित्वन । किन्न दर भन्नव आक्रम व्यक्पिके-ভাবে ভাষার সেবা করিয়াছে, ভাষাকে यनि जिनि डेकात ना करतन, जाहा हहेला ভাঁচার দেবকের। যে হতাল হইবে। তাই প্টিতপাবন গে'রচল ভট্টথারিদিগকে সমুচিত নও দিয়া-

কেলে ধরি' বিপ্র লইড়া করিল গমন।

**এই जीनाबाता मधाअन् (क्यारेलन,** जिल जबस वस नरह। वक्कीय विश्वमुक हहेटल छाड़ात व्यक्तत्रीय किंदूरे शास्त्र না তাই শ্রীল জগদানন্দ ঠাকুর প্রেম-दिराह क्रीयनिकात निमिख विज्ञानीमिनाक ব'লয়তেছন,---'শ্বপ্লেণ্ড' না কর ভাই শ্রীদরশন। ভালী গুড়পু ভাষেত্রত বিশেষ পালনীয়। कादक अवाक के ही स्मिथ्स मा किया

তাহার বিষয় ভাবিবে না। আর গৃহস্থ रितक्षत यमि ९ युक्तरितताता ७ अज्ञिज्ञञ्चलूकन স্বীকার করিয়া ভোগ করিবেন, তাঁহার মন বিষয় হইতে সম্পূর্ণরূপে পুণক্ থাকিবে, ইহাই এই বাকোর তাৎণর্যা।

অতএব ঘাহার শ্রীহগবানের রূপা করিয়া ভীহার সেবানন লাভ ক্রিবার ইন্ডা আছে, তিনি এইসম্ভ বিষয় বিচার করিয়া, বিপু-পরাভবের আশা ত্যাগ করিয়া, বিপুর প্রলোভনীয় বিষয় হুইতে আগন্যকে দুরে রাগিয়া, শুদ্ধভক্তসংক্ষ সাধন ভজন কবিতে। পাকন। खांका कहें एक हैं कि कार्यान करणान है। आवर्यन কবিতে সম্প হট্টেন। আৰু বিলৈ বিপু জয় कतिरत दिया कि छ अभावध भाविता रेमना-সাম্ভ হারাইয়া, জভবিজ্ঞ 🕬 বিপার দাসতে নিযুক্ত সাড়েন, খনগো বাবা বাবাত शिक्षा डेड्राइन धारा बाल बालारेलाङ्ग, किमित मनसञ्जात अञ्चलकारम गमकछ নিজেব নোগ ও অজ্ঞানত। স্বাকার কাবিণা, রিপুর প্রাহাভিনী বিশ্ব ও ক্ষম ভাগে করিবার শক্তি প্রাথনা কণ্ন, ভার, ইইলে ভাঁহার সরগভাঞানে ভারার প্রভিক্রান इस्था 🖺 स्थातान के,राज भिर्तम ६ डेब्राज रुतिस्त्।

## বিধি–নিযেধ

খ্রীপুর্কা অর্দনা দেবা

कर्षकार ७त, भागम तब्बुन ५ , मारमातिक গুহুসুগণ প্রতিন্যত বহুবিধ আন্তচোর পালনে রও।

न्त्रभोट्ड माष्ट्रेडकन् निरमत्, घटनानगाट ব্যশ্রিক বজ্জ নায়, ষঐ' ভ্রিতে বিভা ব্যবহার ষকর্বা। 'काद \*\*\*\*!!

ভাতের ধারা মন্সা দেবার ভোগ দৈল ক্র প্রসাদ গ্রহণে সামাজিকগণের প্রবেষ আকাজনা, কোন্ড তিথিবিশেষে ८वन्न দ্রা বিশেষ ৩ক্টা এট্র আগ্রহ, এই शकात्र मक्तार मुख व

च्यञ्च अवार्ष्ठ छ।त निनास, भारब भारताल ঠাকুরের জন্মধান, কোনও দিন বা বিশ্বে আসঞ্চত হুইলা তোনবা ভোনালের यमभूकृत्वतं अन्ति।रम्द, केंडाकोद वीक्युंगः ভাবে ভাবিত হইলা প্রাক্তকশ্বপরালগণ आक्रमाकाक व्यानक <sup>रि.</sup>थ ५ आनक নিষেধের অন্তক্ষা পাশন করিতেছেন। কিন্ত অচ্য ১চরণে শরণাগত ভক্তমণ্ডলা ঐ প্রকার त्रशाष्ट्रवान्त्र कृष्ठ विधिनित्सरभन्न নহেন। তাহার। তাহাদের শুদ্ধভক্তির অতুকৃষ দেবামর জীবনযাপনের পক্ষে ঐ সমুদয় প্রাকৃত বিদি ও অবিধি পালনের কোনও প্রয়োশনীয়ত। খাকার করেন না।

হরিসেবার যে সমুদর বিষয় অফুকুল ্হয়, ভাহা গ্রহণ করাই তাহাদের বিধি এবং প্রচর স্বর্গস্থথের প্ররোচনাপ্রদ হইলেও ভক্তিগুতিকুল কণ্মসমূহকে উাহারা অবিধি বলিয়াই জানেন।

প্রেমবিবঠবচড়িত। শ্রীপাদ অপদানক পণ্ডিত গোস্বামী মূলবিধিনিষেপসম্বন্ধ | ক হিয়াছেন---

'নিৰ্মাণ কুষ্ণাত্মতি——মূল বিদি ভাই। জীক্ষাবিশ্বতি যাহে, নিয়েগমূল ভাই ॥"

ক্ষোন নিগড়াবদ, আন্তানাবের পদ-লেখী আমবা কি এই অমূল্য উপ্দেশরত্ব শবোধারণে মুর্বান হইব না ৫ কভলিনে क्रमञ्जूष्टि,क्षिष्ठ समक्ष र्याक्ष्मिकः द दहे किश्व मानाजे अन्यक्रम कर्तिया वक्रा करोत् १ য়ে অসাৰ কম্মপ্ৰচেপ্তা আমাদিশকে স্ত্ৰীক্ষ পুদরেবিকের মধুব হটতে স্থামুর ্তি হউতে পুলাকীয়া লাগিকেন্ত্র করে কোন শুভমুকটে আমাণ সেই স্থানাশকর ক্ষাভিয়ানকে জ্বাজ্যি দিছে পাবিব প সাম্ভলাপ্ত শিক্তি সংখ্য পোণ্ড করিছেছেন,--

有着付款的支机 阿斯尔里亚红色 2006

সংগ্রেদিনিয়েনাঃ জন্ত শতনেত্রন কিন্ধা প্র

ब्राहोत्यम मक्ता था १० को वटन-- इशह বিধিঃ আৰু ক্লন্ত উচ্চতে ভূনিল ন। ইতাই নিষেধ। আৰু সমস্ভ বিবি भिष्यमञ्ज बङ छ । अन विकास ।

## ভবিগ্যং-চিন্তা

অগ্নিত মর্শভয়ভাতে ম্নেবের প্রাণে किम्माद्यात क्षेत्र वातात अस्य द्यारिक প্রবাহনত্ত ভক্ত পরম পর্যাত উত্তর্গতিকট कशरकारनारचान जांश्रीशासनकरण वर्धार প্রকাশমান হল (ডেন) বৈক্তির গ্রুপ नाव द्वतवस्य वसूर ার করণা বিচাপত विशिव्यक्त भक्षा अभविजितिष्ठ आस्तित्व भाष्यान कतिया शास्ट्रिटाफ--

''হে অনিতা <del>ভ</del>থাভিলাষাবিরণগও कार, ट्रामालित धंछ। ल्यापनाभात ; देश एक, बार्ट्स व निकानमध्यक्ष नरहः । धरमर<sup>बा</sup>त उ द्राप्तरमञ्जूकीय काम्डा श्रीनक्षम् । स নিত্যবস্তিভূমি ঐজোলোক বুন্দাবনের স্থাত ভুলিয়াছ, তাই ত্রিতাব্রিষ্ঠ ভোষর। ভন্মমরণপ্রাবাহকে সাদরে বরণ করিয়া कक्कतिक रुवेल्डिं। (डामास्मत अक्माद **ट्यातामामामरतत** প্রয়োজন— গ্রমদেবা শ্রীপদার্বিক ভোমাদের অরূপধর্ম শ্রীক্লণ্ড দায়। আর বিরূপের দেবা না করিয়া 'बलाइन्ड बानमधाम कीनुमायदनत गाँवी হও। ভারী কালের জন্স অক্ষয় পরানন্দ লাভে যত্নান হও

অনাগত ভবিষ্যতের ভয়াবহ বিভীবিকা অপ্রারিত করিবার জন্ত আমরা কি দ্যাম্য প্রভার এই আহ্বানেও লাগ্রত হইব না। ভীষণ ভরকাকুল সংসামসমুদ্র হইতে মানাপীড়িত জীনবুন্দকে উদ্ভোলন পুৰ্দক শাশত শাহিত্র নিভ্যানন নিকেতনে আশ্রয়-দানের জন্মই আশ্রমবিতার শ্রীপ্রকৃপাদৃশন্ম অক্সল প্রকারে করুণা বর্ষণ করিতেছেন।

বিপথভাস্ত আমরা করে সেই পরম ফুৰাতিল অমূতনিলয় খ্রীচরণ স্থাতোভাবে -আশ্র করি । যথায় স্তব্দির পরিচয গ্রেদান কবিব গ

''্সই ও জনে। আর পৃথুদ্ধি সংসার है। इ. १५५ र १५० वि इति छ योत्र ॥"

ছী। ছী। গুৰুপাণপথে। নিৰেদিতা হা। নিশ্বপট क्किश्री काराइत प्राप्ता मस्तालका स्निष्ध । ভাগ্যাংগিতাশীল। কাৰণ জীহাৱা ছানেন, --

भग्नद्र 'क', खन्न <del>देश ख</del>्रकल्ल अन द्वकता, ७३० कर्नशासम्। ময়ন্ত্রেপ্রেম নছপ্রতেরিতঃ পুমান ভাগিকি নাজকেং,সূম্পাশ্বহা 🗥 জী প্ৰক বৰপ্ৰয়াশ্ৰিত নিক্ষিক্ষনগৰ আৰও Biteles .

> "गानाकट शिकाः आवाः शतकिक्ष्म्या तर्थ कि छ। । छानरतन सन्।जासः इ.स.नाटेमद *द*क्तदाम ॥ নিঃমাসে নহি বিখাগো কল কলে ভবিবাটি की बेनी के महा दशक्ष करहानारभव (क्युण्य ।"

পরম করলামর ও বিষ্ণুবাদ 🕮 মন্তব্জি निरमान हेकिन भशामत कनामिकसङ्कार आध्यात्वन --

''শ্যোর দলাব কবি' নিছে গ্রে কাল। नाच्चिम् इहन किंद्र परित कक्षान ।

অভত্র মালমোহ ছাড়ি' বুলিমান। নিতাতর রক্তিজি কলন সন্ধান 🗥

### প্রচার- শ্রদঙ্গ

কলিকাত শ্রীগোড়ার মঠেব অক্সন্তম প্রচারক নিসাওখানা জীমন ভজিপ্রকাশ অরণ্য মহারাজ চকিবশ্য ফলার বশিবহাট মহকুনার অঞ্চাত বিভিন্ন ডানে চৈত্র-মহাপ্রভুর আচাকত প্রচারিত বিমল বৈশঃক ধন্মের কথা প্রচার করিতেছেন। তিনি (बङ्गिशामिवामा भक्षम क्रांगरङ जीभाग श्रामनम् मामाभिकाती मरदावरवत्र वाणिए ২ চলে বৈশাথ সোমনার জীটেডজাচরিভায়ত পাঠ করেন। স্বামীপাদ বকুড়া আমনিবাসী খনামধন্ত ডাক্তার ভঞ্চরি বাবুর বাটিতে ২২শে বৈশাপ হইতে আরগু করিয়া ভিন-मियम देवकत्थमा अश्रदक्ष वकुछो ध्यमान ক্রিগছেন

## গ্রন্থ পরিচয়

## 

**व्यामगर्गि क्रफोर**नगात्रन त्यनगात्र-श्रागि भूग, श्रीमन्-े क्ति-क्रूछ मात्रार्णमिनी हिका, मनास्याम, मध्यू धानग्र । ्नहे क्रस्तर् व्यक्तिश्च क्यानात, क्यारायत व्यथ्य के অধ্যায়ের সারসম স্থানিস্থাত ভাৎপর্যাদি বিষ্ণুত। খোকস্থতী 'বিষয়সূচী, অধ্যায়বিষয়ণ, পাত্র ও স্থানস্চীন্ত উত্তম <del>-বাগজে উর্ম অক্ষরে মুদ্রিত। প্রাথম হইতে ১০ম</del> হন্ত ায়ত ছাপা স্প্রিপে শেষ ইয়াছে। ভিকা প্রথম ≥हेर्ड क्रम प्रक प्रशास २०००; म्राम दक ०२.; শ্বহা ৪০১ |

## শ্রী শ্রীটেডগুট রিভামুভ

🤞 🕮 শ্ৰীমন্থজিনিদ্ধান্ত সরস্বতী গোস্বামী প্রচুপার লিখিত 'এমুজান্যে লাভি-মুভানি বহু শাসুপ্রমাণ-স্থলিভ চইরা প্রকাশিত ইইয়াছেল। লোবের সাধ্যন্যথা, বছাল্লাদ্ । ধামের মহিমা, মহাবাদ্ উল্লেখি প্রজ্ঞেক প্রারের পূলে সংখিপু অভিনেয় সংগোজিও। প্রভাক অপান-প্রার্থে কর্যানার দেওয়া আতে। প্রেক. गात, भक्त, खान, भाव ध्यक्तीं व अनुवर ५ ही। व अन्यादित । ব্স্থান্ত জীবনী সম্বিত এইকপ অভূতপুৰ সংখ্যাৰ ইতঃপুৰে কুঞ্জাপি প্রাক্ষানিত হয় নাই। উত্তম কাণতে পারিপ্রটেন্র । নহিত সুধ জেদলে মুগণন মুদ্রিত হুইগাচে ৷ প্রাপ্তবা াৰত প্ৰায় সম্পন্ন। ভিকা বস্তমানে ৫১ মণ্ড ।

## জীচৈত্ৰহান্ত গৰত

গ্রন্থকারে জীবনী, প্রতি পরিছেদের কথানার, বিস্তৃত প্রৌত্তীয় ভাষা, শব্দস্তী, প্যারপ্রতী, বিশহ-তান পাতাদি পূচী, প্রস্তৃতি বিবিধ বিশ্ব নথলিত বিরাট পিতীয় সংখন-इत्रम अवस्ति ५ (पूर्वी व्याकाता व्यक्तिनीया ও मरात कियम्हण क्षकानिए क्षेत्रार्छन्। क्रांस क्रांस क्षानिक इंड**एटइन। अधिम किला (४**, छ।का, अपनि शीमात 13m1 c 1

## <u>ত্রী</u>তৈত বা মঙ্গল

**৫ই রান্তের এরপ অভিনধ শ্রুনর সংখ্যাণ আর কুত্তাপি** প্রকাশিত হয় নাই। সংস্কৃত প্রোকাংশের অধ্য, বক্ষামুবাদ, भाषा, क्यांगात, एका आकृति गई गए १८७ शका निष श्रेत्राह्मका। मूल (माछा व्यक्त उत्तक क्रांडेन कार्षेत्रका इस्थाकारत छाला स्टेगारछ । श्रृहा २॥० छाका । सलीया खकान ७ (भोड़ीएएस आइक गरण अरण अर होका।

## **এমত**গ্ৰহদুগীত।

- शिट्नोड़ीय टेनकवाडाया अध्याद्वछ त्रश्रिकहृड़ायनि শ্ৰীশ্ৰীবিশ্বনাৰ চক্ৰণটিগৈত্ব গোৰামিকতা সাৱাৰ্বদিনা টাভাগবেঁতা ও উত্তমন্ত্রি বিলোগ ঠাকুগ-প্রাণীত প্রসিক-র্জন' নামক ভাষাভাষাসহিতা। অধ্যায়সূচী, মাতৃকাজনে (माक- गर्ठी, निश्तं- श्रुकी, अध्कारतत कीवनी क अवस्त्रनिकाणि 48-काष्ट्रवाविषद-मह उरक्षं वीदाहे कृषीय मरवत्र-- ध हे बाक मः अञ्चलक किका २ होको बाख, मानावन भरकतन-- ।।। है। को गांव

## শ্রীল প্রভূপাদের বক্ততাবলী

ও বিষ্ণুপাদ এএীমছকিসিছাওসর্মতী **भाषामी महातः (कत भारत क्रिका**-निथत क्रिका-निथत क्रिका कौराश्वश्वतालापिनी क्रक-कार्काननलाशिनी कीर्यन्त-रागीत मुर्ख-विश्वकः - निकलि दिक्षाश्व-तक्ष्माणात् (को श्वकमणि---मुल्लामात ম্ব্রাচার্যা-ক্লতা ভাৎপর্য্য-মির্গয়টীকা; শ্রীক্ষরিধনাথ চক্রবন্ধী - বৈভ্রবিজ্ঞানাগণের মৌলিক তথ্য---প্রকর্মক ও ভাগ্-ভের সমস্বয় গুরু-- মহাত্মন জাঁবনচব্রিছ-লিক ক-- চিল্পাংগ্রিয়া ১ প্রতিশন্দ, তথ্য ও বিবৃত্যানিষ্ক । 'প্রতি খন্দের আনিতে অচিনাত্ত-বিচারক - ঐল্পা ও মাধ্যারসের মৌলিক অবেষ্ণার —সম্বন্ধ, অভিনেয় ও প্রয়োজন-ওত্রের ভিন্নাত সম্ভা

> ১। প্রথম অক্ত-বৈশ্বরদর্শন, শ্রী ওকতে । কংল मध्य, श्रीमध्याविकाय, श्रीयायकानती, लाक्षताहिकी हीका ও বর্ণ বিচার, আত্মধর্ম ও মনোধন্ম, টাটেড্রনের ও ভাষার শিক্ষা, অপ্রাক্ত স্থভ্যত ও প্রাকৃত স্থত্যা প্রাকৃতি বিংশতি সংগ্যক রয়ে। *কুণো*ভিড। ভিগা মার দ০ বার আনা।

51 खिटीस **খণ্ড**-- इक्ष ५ (क्ष ५ कि. सहरू 🕮 🕮 মন্ত্রকি বিলোপঠাকুর রচিত - 'অমৃত প্রেরাহভাষা' শেইতা কেলেয়, মানুরে নিত্রবাহ, উদ্ধু সংস্থিদ মায়াবাদ, আলোভ-নিভাবনলবান্ত, বিষ্ট্ৰেল সমু ও জন্ত-कीर्सन, बीवागिष्ठाय है।भवाकिएएर केफन, सर्वाद-लभ, ब्रीक्षांडी तुमकाञ्चर्यकारेकारी, बी.र. करवान करा, ও ক্লাস্কী চন - চাচুদাশ অপ্ৰয় মধুবিমাণ্ড্ৰ বভ किको ६ जक है।का माजा

**अथम ७** विडोम—इंट ४ ७ ०४८६ वर्डड अक्षेत्रका, च क तत्र ४५६ ।

### **基**司监督·研究 81

८ भी ही ब्रास्ट वन्तर निर्माण के प्राप्त । के प्राप्त । विकास চলেক্ত ভাগত জীমহাজাবনেক সাকলেবপাতে ক্ষাত্র সমাত্রত প্রতিত নাম্ব প্রতিবাদন্তত নব্যাপ্রত্যাত ভাবার বিভাত প্রিপেরজন নামক ভাষ্যুক্ত। অধ্যেত क्षति, विश्वकृति, ७ खाँच स्तार्वित खालम ५ छन्।य প্রাদ প্রতী, ভাষাকাবের ছীরেনী এছেকি স্থালিত। **छेरक्ट्रे** सार्टा**र्ड**, साम्प्रत्यतम् । इत्या मन्यदम् । <u>श्र</u>ाप्त South 2 ( 61411

#### প্রেমেরর হানলী

टीमहम्मान विधाप्तर-व्यानाः देवस्त्वनाम, समाप्त ह ্গ্ৰেন্স ভাষ্টাৰ গাড়বাৰ প্ৰথম গ্ৰন্থ টাইকঠ বালিত হ ছাপা। সুবিশ্বর নিকা ও প্রান্তগ্রস্থায়নাদ্রবাধ্যার অভি সৃহতে বাধ্যেরত বেব্দ্রম্য হইয়া পারে । পিলা াত - জানা মাঞ:

#### श्रीनंत्रकोशशामगार । जा

( প্রমাণ্ড । সাক্রবাল। জাভি-স্থভার্যনি প্রতে বীলা ।-ধীপের যে মহিনা কীড়িত আছে, ভাগার মূল সংস্ত ভ অস্থাদ। ভিকাত পানা।

### **জী** ত্রিবরীপভারতর

আঠাকুর ভাজিবিনোদ বিখিত। ভবলিত পার্কেরে। পরিক্রমার হুঙ্বাাদি-বিনয়ক। ভিক্ষা। তথা

## ভাক্তিরত্বাকর ও দর্থীপ পরিক্রমা

ভটতে পরিক্রমাণে নাত্র গৃহীত; আদীৰ গোন্ধামী কি अकारत जीवन्दीलनारमत श्रीताक्या कतिताहित्वन, छाडाहे পত্মে বিবৃত। তিক্ষাত আনা

ন্দ্রীল ভবি বিয়োদ সাকর প্রাইছ। ইহাতে খ্রীটোডভেন र्मिकर् श्रानीको — प्रमाद्ध, क्रमात्रम् कि संज्ञान । नक्ष संभुक्त की न -অভিন্তঃ ডেলাডেন ত্রু-এস্বানন-নির্ণয়---প্রয়োজন তেন্ত্র, কড কাও, লাভ্যাদিৰ বিচাৰ -বৈবী ভক্তি, ভাৰভত্তি জ প্রেমভিভিন্ত নমেভ্রন প্রালী ও অইকালীয় লীঃ প্রিম্যাদি প্রথম শিলাগার উপ্লেটে করিছা সরল ভাষণ भुष्ति । यो के श्रीभानमध् रेशांच ७ (१८७ ) । अध्य म स्वत् भारा (方) (本) (知)ではいからからない。

## গোড়ীয়ক্তগ্ৰ

িলৈটিয় বেশলা দেৱে। অভ্নান বুবছ ম্বিশ্লোলয় কাল্ডি বুলি ভারতে কার্ত লেলি সংগ্রাহ কার্যান্তের প্রালিকে " नियहन्ति छाडा कर्या । अस्तु नाम । छा सह छ । । । ४८ छ छ । देनका -গি ত্রমূপ সংগ্রামণ *আলা কু*ছিল : প্রবাহীশত **ক**য় সাই। ्र एक इन्हें अपन्य सहार सह । इन इन्हें कर - दुवनेतु -- वि ह्यांसामान -अट्टेंच्ड - द्रम्थ - को ख---- छन्त्र स्टेंब्ड - अटि अटिकाट्ड म - কাপ্তিয়া - সাধ্যক্ষি নেৰে ক্সা আছেল ক্সা- ক্ষ্যাৰ カソフ Jacobbe たつは Brack ・館は attite なくも ৰ কালিকে অবং, ছিংৱই বিবা সেকাৰ কলে কালি লেগ । 

## **क्षित्र-कालन्यम-अल्डान्त्री**

यास्तर कारा (र. )। इस १८५५ । राजनाव क्षा-स्टाप মাহপ্রাস সাহারত প্রাণ ধান স্ক্রীল ক্রেছির বর্তা িল্ডলের দম্ভাষ্ট্রমালল ভাষ্ট্রমান্তবালা হবিজ্ঞান্তর ভ উন্নয় জিবিলেক স্বেবের জনবদীল ভারতবন্ধ প্রভৃতি 到限还非的"如底下的 两·明 嗣南 [

#### শ্রীহরি নানামুক্ত গ্যাকরণ

উটোর বার্বিটার প্রেপাদ-বিস্তিতি প্র ও রুদি ক্তাকে নাৰ্কাৰে 🖺স্থাক্তিনিয়াত সৰ্বতী লোকমে মহান্ত্ৰেল বিভাত ভূমিকা ও কটা প্ৰাকৃতি স্হা 可公司行列,全部 法司事 ,行为外 中心 引进的 对抗人 如此, 文文 新春, 新, <u>文</u>字

#### বেনা প্রভাষনার

শ্রীমান মে'লুকাডোব্যে প্রচিত্ত । বেদারেপুর বিভিন্নবৈশ্বনাদ প্রভাবক 🚊 - গ্র-প্রভাবে, আড়োলা প্রবর বেমাও্যালন প্রচেত উপ্রোগ কম্বা এই উসম করিয়াছেম হহাটে বল্লাপ্রতার ও ক্<mark>র</mark>ী(<u>একি স্টেশ্</u>লিজ কলা হইসাহে england few tipe stant

## ঠিটেড দ চক্রামূভ ও নবদ্বীপশভক

্রেসগরস্প ির জীমার প্রেরোগ্রমন স্বস্থ লী প্রার্থ মূত্ত প্ৰত্যাৰ শ্ৰীমন্ ভাতি মিকান্ত সৱস্থতা তেবিয়াই মহা 😥 মুক্তাপিত অসমযুক্ত ব্যাপাণ ও বছাভ্রাম মুহত নাগ্রীগণতকের জীভিতিনিকেশন সঞ্চারক পথ মুবাদ এ শ্রীল সর্হার চক্রবাহী-সাকুর রচিত। ছেতিরভাতর । তথ্যত উন্নয়ংগঞ্জার তথ্য কিন্দ্রণীত স্কৌক্সাট্র लाभक कहें। हेरू व पान के नहीं । बहार के पान लकरळ ) स्थ्या ६० व्याना, व्यान क्रमण नामार जादनस्थान ६ होका संक्रि



ই।মুখ্যজ্ঞান,নার সাকুপ্নরাণীত। এই একন্য লেকে আৰু লগত কৰিলে প্ৰেয়াপিক বাছে। ব প্রান বাস্কেষ্থাকিলে নাং ক্রেম গুর**্**ম বিং সংক্রমণ ও জন্মধানী এর এ'শবার প্রায় কর মলিত সম্প্রতার । ১৮.১৮ সেরওই তেওঁ । র · / (41)

MIN

### **्रभावति नर्स**

2. Truelan

144534

**第17条** 

\* 14.0 2 14.95

ার কার প্রতিষ্ঠানি ক্রাহিত ডাডুপ্র সংখ্যাত জিলা ১৯০০ भ न छा ना सहस्र ।

#### **एड मार्च्या**

জন্মকারীর নিশ্লম্প্রির ভারিব ভারিবার্নারের অনুন্ত ব্রুক্ত (ভিজ্ঞান আনুন্ত আনুন্তার नाम : 'मेशिश भारतात निया २ । अध्यापि म, प्रारा श्राम् কেছ বুঝিতে পশ্বিদেন না। তবলৈ সংহল- চভজা ।০ ।

#### হরিশামচিভামণি

ৰামাভাষ্য শ্ৰীৰ চলিদাৰ ১০৮বেৰ মূলে ভাঁনকভাৱেন দী নামান্ত্রাস্থার নামাভাগে, নামাণেরপে প্রভাতি বিন্তার ্লাভীয় সিভাল ভাৰণ ক্রিয়াভিলেন্ড তেওঁ বিলেগুলিক ল । মাল্লা প্রধ্বে স্থাবিদ্যু ভাষ্যনত গালৈ প্রিন্দ্রিভূতি হ 報 · etelicate stan でいましてはあるのは terr go

#### কল্যাণকন্মভক

স্থীসহাতি বিভাগ সাধুৰ-বাদিত। তামেৰক ভাবৰ-্রান্য ও জানগাহের পাথ্যকর এক।র প্রাথারনায় ডলনেশ্যেষীপুর্ব প্রতিক্রি। মুক্ত*কা বে*ংগ্রাডল ভারে ্যাংকে ও এই ভেজনক্তিখনে গাঁকিসম্কের আবং অন্থানিক্তি मात्रास्त्रा योख कतिसार स्थात । प्रान्द्रतम् । प्रमा ্পৰ্ ভিষ্য /১০ সালা মাত্ৰ

#### मजुर्ग १५७

ভিমেল্ডিবিয়েন সাত্র সভিমের ভারতের আয়ুসল্পত্ত শ হৈছি, ভাষন্ত্ৰপ্ৰত্যা, মাজ বিলাং লাক্ষণ্ড 1.甘花田 谓"百种(C. f e ship) · 两(n) 前(主)

#### গাঁছ বিলা

圖別有可可可以 Comment of the maner, altation श्वास-द्वासनाति 'त एक प्रकृतना ାଷ୍ଟ୍ର ଅପ୍ରେଥ ५८३८० अत्या गाँउ।

### श्रीमध्या यक्त

. १८%। व्याग गाउँ।

ইন্মর্যাপ্র শিশা ও শ্রীণ রব্নাথ দাস গোস্বামীর 🐠 🖹 চল লোক্সমার উপদেশবালা, ভব্তিপণের অফুকুল ও এটিকল বিধনে প্রবিত্তারত মনোদন ভালা, বিস্তৃত বিলুক, চলিত্যুটের প্রমাণ, সাম্ম ব্যাথল ও মহাজন-বেণ্ড সছপ্রাগ গাঁডমমূহ বেণেক লোকের সহিত ম্ভিবেশিত হয়ীয়ালে। তথ সংক্ৰণ ভিচ্চা 🕡 আনা।

#### अर्भन-कर्न

বসস্থা দাস প্রাধান্ত মনঃশিক্ষা, ত্রীল সাকুর 🔍 টাক মাত্র। নোদ-চবিত গ্ৰান্তবাদস্থ। ভিয়াত আনা ৷

### প্রেয়ভক্তিচ ক্রিক।

ারের ন্ধের্মের প্রপানিক প্রেম্ভনিবিষয়ক ্তক ৷ উভগ ্ৰু আনা সাত্ৰ ৷

#### ন্বৰী পশাভক

শ্রীল সাবল ভিন্তি বিজ্ঞান বাচিত শ্রীল জাবোধানন তর্ম্ব 🗠 জের সংখ্যত নবলাগ্রহকের স্তর্ধাল্যত প্রায়র্বান । र्भक्ष क आहे।

### অর্থপঞ্চক

নিকে জোকাদ্যবাদ্যিত। বৈষ্ণাত চাল্যের আবের

### সদাচারশ্বতি

শ্রীক মধ্বতাকে। প্রকিত। বৈশহবর নিত্যক্ষাণি স্লাচারত ী, বঞ্জায় পদ সহি । ভিজাত ভাষামার।

#### মণিমঞ্জরী

াক বিস্কৃত কেপৰা জীমন্ত্ৰাৰ চৰাতাৰী বিচাৰ 🔻 জীমত প্ৰ ংগাল, সংখ্যাত জীবনৰ লাগতে মুখ্য ধেতন্দক্ষনত। সাক্ষ্য ধন - 10 STAL WIE 1

#### दशीतक्षरकानग

्यातीम कृति है।दशाविक दनव खालान है दर्भवाद गटक्ष का नाम में भागी है। भागा असी किया किया कि आधार

## যুক্তিমল্লিক। অণ্ডেমীরভঞ

<sup>প্র</sup>থমধ্যক্রিনায় ছাল্ড ইনিধানিবার স্থানিক্ত। সঞ্চালরে कर्तान एके अरहत धाकास भातमार्थिक मार्काका कर्ताह ি বহু সংক্ষপ্ৰথম 🕆 প্ৰিম্বাধনতে যিয় ২২ তে নোচেশ্বন্তন ছিন্দীত मध्यक्रिका सारम ध्याप आत्रीमसार क्षेत्र दायो लडे हारू नाभावन हो के ५ ८६१) किया जाराश्चिमाद्व किक्रण अस्त्र आदा ভাজিলিবোলি-মংবাদ সমুহ পাওন করিয়াতে, ভাষা পাঠ বারিতে কবিতে আশানীয়ারিত হউতে হয়। ইহাতে পুঞ্জির ্গরে: চাকাল, হৈন, বেকি, মীমাংস্কু ও মায়াধাদিমত-ু সমূতের ওকর গওন রহিষাতে। ভিজন ২, টাকা মাঞা।

## গোন্ধামী শ্রীল রঘুনাথ দাস

(৬ বিদুৰ্গদ আলি ভতি-বিশাধ ধর্মতী পোৰামী প্রাংপাদ লিভিড ভূমিকা সহ ) গৌবল্পেই স্বরূপ-রূপের कमान्द्र विश्वस्य श्रीत नात त्याचामी । व्यक्तः চবিত্তিত ও শিক্ষা অভাব প্রারেশ ও সর্বা ভাষায় সনিবিষ্ট অনিংকে জনুক্টমোলি জীনা ন্ধ্ৰণপ । জন্তী ৴ক্রন বিধাপ প্রিশিধে দানগোধানী আদুর বিরচিত কতকটী ন ব্যাগ্রা উন্নতি বেশেন বারুবের অন্তর্গন নাল্লবাদ মধুনাত্ম তথ্য ও মনংশিকা-স্থালিত। ভিকা ী প্রাধার 🗝 আনা, আবোনাই 🕪 আনা মাত্র।

## চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাচীন নব্দীপের অবস্থিতি, তথা, ঐতিহ্ন, শ্রেব ঐতিহাসিক প্রমাণসবলিত নয়টা দীপের সচিতা বিব এর। রাজনি রাওদাতের কুমার জীস্ক্ত শরদিশুনার त्राय ध्या, ध्य, ध्यांक (मारहांत्र), द्वलाञ्चन्न्य मरहासम् क সফলিত এবং ৪৭ থানি বিভিন্ন বর্ণের অপুর্ব্ধ চিত্র মানচিজ-সমন্তি ; প্রাচ্যবিভামহার্ণব রায় সাহেব 🖨 নগেশ্র নাগ বস্থ বিশ্বকোষসম্পাদক মহাপরের বিভূত ভূচি সহ। উৎক্লপ্ট (ইং ) মরকো বাঁধাই মূল্য ১॥০, ভি: পি:

#### गावक-कछेमाना

अञ्जलमा, देवकाव-वन्त्रमा, देवकावनवा, भारतावाद ह শ্রীনামগর, শ্রীমন্ত্রাপ্রান্তর অটোত্রপত নাম, অষ্টপ্র नामकोर्कन, जीनाममधीर्कन, ८श्रमध्यनि, काछिनसङ्गी নাননীপ-মতিমা, শ্রীমায়াপুর মহিমা, শ্রীনরোত্তম-প্রভুর অ আচাৰ্যা-বন্দনা, ষড়্গোস্বামীর অইক, প্রেমভব্দিচন্ত্রি উপদেশ্যালা, নামভক্ষ-প্রণালী, মহাপ্রাস্থ ও রাম রামা रा ।।।, प्रनः भिका, 🗐 अकलान्छ, 🗐 छन्।-भत्रक মহাপ্রদের বন্দনা প্রকৃতি সারক ও গিছফীবনের নিভাপ ্রিশঃবর্ণণের কণ্ঠান্সিভ তুল্দীমালার মায় অঞ্জেণ ২ ধারন্থোলা অপুর প্রায়। ভিক্ষা কেও, বাদাই ৪০ মাত্র

## গোড়ীয়-গৌরন

কণিকভার হাপ্রসিদ্ধ আলবাট হলে গৌড়ীয়-সম্পা भी पाप अन्तरांतमः भवतिमातिरमान-छामछ वकुणाव वि <u> १११ कारत आकाश्विक । वेदारक (श्रीकीय देवकारमास्त्रामा</u> टेन्डिंग एकाकारत अभिक ध्रेसाए । किका लि॰ भाव।

### গোড়ীয় সাহিত্য

কলিকান্ডাৰ প্ৰপ্ৰাসিদ্ধ আগবাট কলে গোড়ীয় সম্প হীপদে সন্দ্রানন্দ পর্বিছাবিনোদপ্রত প্রাদত বক্তার বি গথানারে প্রকাশিত। ইচাতে সাহি গ্র-শলের অর্থ । োট্টাম পাতিভার বিষয় সামকারে বর্ণিত ধইয়াছে। ভি 100 期前期直1

## শ্রীগোড়মগুল পরিক্রমা-দর্শন

জীপ্রেড্রেপের যে সকল স্তানে সপরিকর জীমন্মহান ংবং তদমুগ পরবন্ধী মহাজনগণ গালা করিয়া গিয়াণে নেই সৰ আধুনিক ভৌগোলিক পুরিচয় ও দেববিগ্রহা পরিচয় সহ যাতায়াতের স্তবিধা নির্দেশ ইভ্যাদি বিষয়ণ যরিবেশিত আছে। ডিকা।• আনা।

## THE HARMONIST OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীল ঠাকুর ভক্তিবিনোদ-প্রতিষ্ঠিত এবং শ্রীল ভা সিদ্ধান্তসরস্বতী গোস্বামী প্রাস্থপাদ-সম্পাদিত পারমার্গ মাদিক পতা। একৰে ইংরাজী ভাষার অঠাবিংল ভবলকাউন ৮ পেন্সী ৪ ফর্মা আকালে প্রতি থারে হ नाम्य विकत-देवकाकी करेगा উপश्रिक स्ट्रेस्टर কাগক্ষ, মূলণ-পারিপাট্য ও চিত্রাদি অতীব চিস্তাকর্ষ এই প্রকার উৎক্রই প্রবন্ধ আরু কোন নাসিক প্রাণি দেখিতে পাইবেৰ না। বাধিক ভিক্ষা ভাকমাগুলসহ টাকা মাত্র।

প্রোক্তিছান-ब्येटिन्डसम्बे, त्याः श्रीमाद्यायस महोद्या

## বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভক্তিমঠসমূহ

## শ্রীতৈত্ত্য মঠ

## আকর মইরাজ

शासीम भवतीन, छाक्यत ज्ञानाम मात्रानत, मनीवा

🕮 সভাবোগলীঠ ভটজে থারে ৩০ গড় উত্তর-পূলে ইন্ডিম্রপত্তনে আচাবারত ঐচিত্র-त्यवत-कश्च क्रिक्रिक्क माठे निवासमात ।

এই স্থান সাক্ষত্র-দীর্থ, পরবিদ্ধাপীঠ বা সাত্ত্ত ভঞ্জনস্তনী। এট মহাতীর্থে প্রীচরি-नोभार्त्रेक वारकद्वालि-त्वतः अमृत्, शतिश्वात अक्षति काता, माहेक, अल्डात, ख्वा ক্লমাণ-উপনিষ্দ-শ্বিতা-পুত্র-গুলান চতুইকের আগারন ও অধ্যাপনা এবং জগায় শ্রীপ্তরু-বৌরাল-লাক্ষাক্ষ কা-গিরিধর ক সাক্ষত সাজ্ঞাদায়িক-কাচার্যা-চত্তুর উচ্চালের উপাত্ত বিপ্রাচের বৃথিত নিজা সেবিত চইতেছেন ৷ এই মঠরাজে পার্মানিক দৈনিকপ্র সাজ্জ-সম্প্রদায়ের আপ্রকাশিত ও করাটীন রাস্থ্যাকি প্রচার হল্লে 'নদীয়া-প্রকাশ' যন্ত্রালয় প্রাক্তিন্ত ভর্মাতেন ে প্রাক্তিবংসর শ্রীশাস-প্রিক্রমান্তরান ও অ্বর্গান্ত ভক্রগান্তিন্ত केखिन व्यक्तांत्रमुर्ग महामार्वारम्यामि क्षामा वश्वीत वहता भारक। रक्तक..... अस्ति। द्यैभाव महश्वित्री। मञ्चाती-- ख्यैभाव বিলোদবিशারী এক্ষচাৰী, গাঞ্জ শ্রীপাল গোরদাস এক্ষচারী ব্যাক্তরণতীর্থ, শ্রীপাদ বীওচজ এক্ষচারী, গাঁওত শ্রীধানগানক এক্ষচারী, প্রীবৃক্ত ননীলোপাল বন্ধ্যোপালার, জীতবেরাম লাগ রক্ষাচারী প্রায়ণ সঞ্জনগণ।

বিদান্তিসামী প্রীমন্ত্রন্তি প্রদীপ ভীর্থ মধারাম এথানে হবিক্থা কীতন করিছেছেন। পর্যাপ্তিয়াগলার ক্রিলাপ ক্রেছেন

## (৩) যোগপীঠ গ্রীমন্দির

क्र छान डिक्राबार्शमध्य क्रवन श ीधमारा शक्त चानिकात-कृति महारयान-भीत्र । क्यार्स शिवसी श्रेश व श्रीतिकृत ियापामक शिर्माकमात्राधन कवर शिरेक्टना e Boffgena fem (मना छवः श्रीनक अध्यद श्रवा वक्षभाम । यक्रक--(गाव-बाबाबत ट्याप्टामी कहे।हारी। त्या बीदमा-নাৰ। সংকাৰী শ্ৰীনিভাগৰ একশাসী, সেৱা। বহুক-শ্ৰীভিভিবিজ্ঞান আ্লম: श्चित्रायमाम अक्रांकी । श्चीमानवमान स्थान-कार्वे (प्रत्मन्द्रा श्रीकारनश्रम् ।

### (8) @PIN-WER

स्थिममाराज्यस्य कीखन-विशास या टीरनोधनीमात्र वामकले । जनारम टीकिरनोब-शिक्षांच्या ७ भक्कद्वम दलका वस्त्राचा 🍍 🗒 (नाकुनवाम वावाली )

#### (१) काट्रेषक-स्टबन

बहे कात्म श्रीबरेंबर शकुर करन पारर श्रदा वसमान।

(७) काकोक ममाबि न हे वाधीन मांबापुत्र, वामनपुक्त (नरीत्रा) **ब**रगोबकुनानाक ,बिर्हायकाश्रीव नमास्य। क्षण---अष्ठाती श्रीविद्भाषांवराती ।

## ( 4 ) খানক ভ্ৰম-ভূঞ

**शि**रभार्क्षमं, प्रमानश्रक ( मनीवा ) बनात्न खैविकूनाम श्रीण ककिनिदमामठाकुरमम मधानि बाधर क्रिरगोक्रमधावत्रं बानर क्रिक्रियाधा-त्रामध्यत्र दशका वर्षमान

क्षर-- एक्टियर प्राचात उपहाती उक्तां क्यों का, वर, वर ।

नका क--- व्यविश्वता के किनाद्वी दम, अ. নি, এল, সংগ্রী—জীউছাদাস ভাক-नैःशी, औष्टकारम अधिकारी अञ्चल ।

## ( २) चैंद्रशीत-श्रमानव-यत्र

डालाट ही, मधुस्त्रक, ( नष्मान ) Ber affireitene erfofte "niggieten-

#### ্ ১ • জ্রীরূপগোড়ায়-মত্র

41.1518. 218151 55 fm বক্ষক— শ্রহণেদাস জন্মারী, প্রীকুললেপর 高新って作り

### ( ১: ) और मापकामहत्व---

भाजेगाकि, काधगर, नहमान। 🗃 গাসবিভার ঠাকুর বুন্দাবনের খান। रक्ष- श्रीकांवरावी उपनाती । 1 > २ । जार्गनक कार्यन 🕮 भागवर (व्यम, क्रमानशत, मनीता ।

वक्र-- क्षेत्रशास अक्षाती। ( >० ) 🗐 এकाञ्चम मर्ठ

टिम्म गर्फो, ट्याशको, कुकानश्च, समेजा । वन व-न्द्री पड्नानम अम्हारी

18 ) **अभाग्य ८गोफोम्र म**र्ड अञ्चर संवाचलूब दशाख्, हा का । भूक्षश्यक कार्त्रत-दन्त्य, अवादम जीखक-दशीशक शाक्षका-शिक्षिभवक दमना बख्याम । क्ष्म- द्वीवायावस्य द्वयवागी।

## ( ১৫ ) बिटमाभानकी मर्ठ क्षणाच्या होन।

(मामामणीय साविकार व काठीन (मया मण्य-विवानत्त्रीत वचहात्री।

## (२) बीटगोडी इ मठ

. ७ मः वाशिकामाप ठक्कवत्री हैकि. (शाः नागवाकात, कांगका का o किमिक्सन नि. नि. 85.e

আমশালা গড়র আচারিত ভানিকল ভাক্তাব্য-গাচারোকেলে গোড়াদেশের দক্ষপ্রধান नगती विनिकाचात्र विकक्तिविरनात्र चामरन व्याप्ति शास्त्र चार्टन । अहे स्टब्स मञ्चादास अल्डान-कांत्राक-जीविरनामानक कोठ मुलामरम निकादमावक बन । शिक्षीत আচাৰ্যাবৰ্গের যাবতীয় প্রায়াবদীর প্রপ্রচারোজেশে শীমতে সংগল্প একটা পুরুতং মুদ্রা-যন্ত্রাপর সংস্থানিত ভইরাছেন। পৃথিবীর সক্ষত্র 🚉গোরনাম প্রচারার্থ এই সম্ভালর क्टेंएड 'লোটার' সাপ্তাতিক পত্ত, জি করমানিষ্ট জাদিক পত্তিকা ইংরাজী ভাষার নিয়মিত ভাবে প্রকাশত কর্মছেছেন। 🛍 মতে পাঠ, দ্রান্তন, দ্প্রস্থান-চত্তর-বেদাস্ক, শ্রীমন্তাগণত, প্রতিচতত্ত-চরিভাম্ভাদি-লীবা ও প্রপ্রায়ের সমাক কালোচনা চল্ল পাকে। মঠএকক—আচাৰ্যাত্ৰিক শ্ৰীপাদ কুকাৰ্বচার্যা বিভাল্বণ। সভভারী –পা্রভ ত্রীপাদ অন্তবাস্থদের পর্যবভাত্বণ বি-এ, ত্রীণার স্বন্ধতানক প্রবিভাবিনোদ বি-এ, खोलान क्षाम्बिकाती अक्षात्री, जीलान क्ष्मश्रद्धावन नामाधिकाती वि-व. जीलान क्षप्रांत्रांन मामानिकाती, अवहाती श्रीकीखनानम, अक्रांती श्रीतातीत्वाहन, उपहाती প্রীরশ্চানক ভ্রত্তিশাস্ত্রী, প্রস্কাররী প্রীদেবকীনকান, প্রতিত প্রীপা মবীলক্ষ

## ১৬ । श्रीगणाहे-८गा । क मर्ज व्विक्षकि श्रमाधिनी मुखा, वाशिव

শ্রীগর্ণটে-গৌরালের নিভা সেব: রক্ত — শ্রীপূর্ণ প্রজ্ঞ একচ। রী।

## ্ৰেণ্ড শ্ৰীকাগৰভজনানৰ মুঠ

किक्निना, वाक्यस्वत्रुत्त, स्मिनीभूत्र। এখানে শীওঞ-গোরাজ-গান্ধবিকা- , গৈৰিশ্যরীর নিভাষেবা বস্তমান। রক্ত— वक्रवामी श्रीक्षवनामभागको । वक्रवाको भवासम

### ১৮, व्यामनारयाका अश्रहास्रव

नामनीम (नाः वस्याम।

भो ওকগোরাল-জীগান্ধবিক গিরিধারীর বিক্তক —এক্ষরারী শ্রীনুসিংকানন্দ ও এক্ষরারী बिटारमता। वक्क--बक्कवामी खोरुति-किरमात्र।

## (>>) जीशुक्रत्यास्त्र वर्ठ

पशेषाय, भृषी, छेक्स्या बभारत डीर्जीत-वित्नाषमाध्यक्तीत निका-স্থাপন - িছাক এখাননী প্রচার-কেন্ত। । দেন বর্মান। রক্ত- এমচারী শ্রীপর্মা-नम विमात्रपुर अवहात्री व्यवमीयानम ।

#### (২০) শ্রীব্রন্ধ-গোড়ীর মঠ

व्याणवंद्रमाथ, अव्याजिति इलाः, शुरी । यश्रीपार्यात्र सम्बन्धः मग्रहः स्त्रीयग्रहः भवशाम । क्क-- अक्षाती ञ्जिनहरमचत्री - क्षत्रामची । त्रवकात्री---अमाना अनिमिनविहाती।

### (१५) विमक्तिशामक वर्ड

केक्त्रिवासात्र, कहेक। ववादम व्यवस-त्योत्ताक-विद्यासम्बन-बीद निकारम्या स्क्रमान। वषठावी जीत्रशस्त्र

## (२२) जीननाडन-शोषाञ्च मर्ठ

पन् स्थास्त्रानम् श्रास्त्री । काली । (भी 4- भराकगुड अभा उन- निकान्धन । दर्शात :गार्थित नह्यान । क्षक---खीवानकीमाथकी ।

#### ,२०। व्यक्तिकटेन्डना वर्ष

लीन मिर्द्याम कुछ, लोगाय बुन्सावन । के के वामा-अव-भावनकोत (म्या

রক্ষক -- শ্রীগণ কিনাপ ব্রস্কারী

## (३8) श्रीशत्रमदःग मठ ेनियावनाः मीसान्त

 अवादन औछ। शतक नात्रमाला ● শ্রীগোর বিমোদ বিলাসমীর সেবা নরমান।

## २० औदेष्ठजनादशीक्षीय मठ

भौगम्हरू ।

দুম্রকু জা, চিরকু জা, মানভূম , ইণা चीटेंड एक-महर्तेक लाला। क्रमाक----- खीवमा-नाथ वात, डीटकः भानक खक्कावी । जीवाम कीर्य उपस्पति।

## (२७) न्यामदशोकोष्ट्र बठ

कुरुःभवि, शास्त्रवत, कनाम । अवादन औरशोदविदनाय-वादयक स्मवा वर्खमान । रकक--वक्षाती जीवननम्बी।

## (२०) खाक्रणाण् अभन्नाख्य-मठ

এক্ষিণপাছা, পোঃ মানু, ধাবছা खशास्त्र वक् वृष्ट्रकृष्टि जीत्योबारकर दस्ता वर्षमान । बक्तक---जननाभी जीव्यान्कक मान, खीकाथात्रमण अञ्चलाती।

## (२৮) विक्रा क्षाणीत वठ-वार्गामव

to con wing, fat femt वक्क-विश्वविषयि श्रीमहिक म्यूप-शिति बंशावाल, औत्राधात्रम्यहत्रम्यक्ष

(২৯) গোয়ালগাড়াত্রপদ্মশ্রের वक्क-अकावी खीवाशास्त्र

## জি টুক্তবোভ মিটিং

গত २०८५ स्म नमीयां ८५।।-त्वारस्त সাব-কমিটী সমূহের এবং সানারণ সভার অধিবেশন इहेग्राहिया। नानां शकात्र । उसे বিভকের পরে অনেক ওলি প্রাগর গুরীত হইয়াছে। এন ঐ প্রভাবগুলি অভি मखन कार्या पतिष्ठ इंटेरलई स्थ ।

## मर्ड भन्नी ও गाम्नी भन्नी

লড় উইলিংদনের পত্নীর সৃষ্টিত মহাত্মা গান্ধীর পত্নী কল্পরীবাঈ গান্ধীর নানাং-করে হইলে লাটগন্ধী প্রথমেই শানীদীন আংশা বিষয় প্রশ্ন করেন; উত্তর 'দ্যমায়া ধেজুর ও জম' এবণ করিয়া সভ্তমা লাটপ্রা, মহামানীর জীবন कर्षक्षण्य क्यान्ति (यमन म्यायान, অপর্নিকে তেমনই ভাষব্হণ ব্লিয়া শ্রীদুক্ত। কপ্তরাবাঈ গার্কীকে গার্কীকীর পুষ্টিকর আহায়েয়ের ব্যবস্থার নিমিত্ত বিশেষ অন্তর্যধ জানান। ইহাতে ভারতবাদিশণ কেমলজন্যা লাউ পদীর মহায়ভবতার लाक्टे डेबाइबा প्राप्त इहरहान मुस्स्ब ভারতের নারাধণ পার্নত-প্রকার বিমিত চিরকালই স্কণতে শার্শস্থান অধিকার করিয়া সংছেন। গ্রান্চ্যান্তঃ নেশ্রের বিল্যান-মাধ্যের তরঙ্গ म्राप्टात शुक्ष कविता अधुना (य गक्न ভারতর্মনী ভারতে কলক আন্মনে স্তেষ্ট, ভাষারা পাল্যভাদেশের উপরি-উक्त मध्या-त्रद्वत উপদেশসীর সংব্যাম গ্রাহণ করিলে ভাল হয় না কি পু

#### পাঞ্চাব সরকারের জুনিবেচনা

नारहारतत २०८० त्यत मः वास्म खाकान, প্রাপ্তার সরকার একটা স্তুদীয় ইস্তাহারে व्यानाहर७८७म (स. असिनका ७ सरवत्। भाग विष्याख्या कशिया शास्त्राच एय णा ७ • श्रेश्व व्यवशांत कृष्टि इंडेग्नर्राष्ट्र स्वकात ভাষ্যপ্তের মধ্যের বিবেচনা করিমাছেন ৮ প্রেটের কেলার অবস্থা স্তর্কার্টার 🕠 হিছে কির্মাণ্ডল করিয়া অস্তুমান অটি শক্ষ টাঞ্চা ভূমিরার স্থা এবং ২৮ লক্ষ্ম ২৫ হারার है। क्ष अक्षा श्रास्त्र महत्त कहा दहेरत, क्षित कता धरेगाट । किंक वेकागाट রাজ্য ও প্রজানধারনা মনুবের বিশ্বত रिवयन (म अमा क्लेयर ६ ।

#### (नदश्रवाहेश्रि (३श्रमः धन

भारत के जातीन देशांकरण विश्वास वर्षेत्र यानि भाजी। भिश्रासम्ब द्रेन्दन्य मिल्ल াগের বেশেঘাটা টেশনে আযার ্বেলংগ্ৰা প্ৰ**লের** নিকট ৪১-্গ্ৰে, ২ দেখাভাৱ স্বাভিত সংগ্ৰহ বহু

্রকভাান লাইনচাত হয়। ঐ দিন চন্দ্র দতকে বেদল অভিলাস অনুনারে निकारन गाफ़ी हनाहन वस हिन। आहेक ताथात निरम्भ रमखता हरेसारह। বছ চেপ্তায় লাইনচ্যত গাড়ী ২ থানি সরান रहेशाय ।

### অন্তরিণ পারলোল

শীৰত পালালাল মিত্ৰ সম্প্ৰতি বিএলী বলীশালা হইতে কয়েকটি সর্চে মুক্তিগাভ ণেদিন সিম্পায় বঙ্গের মহামাজ গভগ্র। করেন। ভিনি বাংকগাল আদালতে প্রদান প্রেসিডেন্সী ম্যাজিস্টের নিক্ট দর্থান্ত করেন যে তালার বাড়ীর বিপরীত দিকস্থ মুচীপাড়া থানায় স্থাচাকে রিপোট West's टम अग्रा अंक्रेक । माञ्चित्रुष्ठे जीवात मत्रवात्त्र "मृतीलाङ्ग পানায় দূর্থভেষারী রিপেটি দিতে পারে" এই মন্তব্য করিয় গ্রথমেটের নিকট প্সেইয়া দিয়াছেন ৷ ট আলেণের মাপ্তে মামল। মূলভুৱী রাখা হর্যাছে ।

## महाशाली दगानटहेविदन याष्ट्रेरनम किमा

ভাৰোপিয়েটেড এপ্ৰসেব ছালৈক প্ৰতি-নিবি হাওন প্যন স্থাক नानीकात অভিনত জানিবার অতা উহেশা মধে সাকাং করিলে 지수(정(도) 소(이라. বস্তমানে ভিনি ঐ বিধয়ে কোন বিস্তুতি अलाम कशिएक अभूगर्थ :

মহাপ্রাজীরে অন্তর্জ মহতে বিহারে আছেন, উচিংদের বিশ্বাস, ১৯০ে জুন যদি যুক্তরাই নিজ্বান ক্ষিটার বৈস্কু দায়ঃ हरा, एत्र, इहरण मुख्यकः प्रश्री औ বৈস্ত্রেক যেগ্রেল্য করিবেন াকিয় বিশ্ব-মূলব্যান সম্ভাৱে মী্মাণসং . इ.हेर्ट्स (१९७७ क्षेत्र साहम् १९९४) हेर् বৈহকে যোগদান করিবার ভন্ত ডি'ন संबद्धा यहार्क लार्सन ।

## ম্যাঞ্চিট্টেট হত্যার জের

भाष २८८५ (स. ८६) भनी भूरत्य । ५६ था। म्हादि देवेष भिः १९९९ के कार्याः सन्तरक कृष्ट ५६ हो युपरक्त अवरक रक्षणा या क-८१७ निक्ति छालन कतिशक्त । निर्मान का कि ती, तामगढन ठ कर हो, भारी सनाप নলী, নিমাইচরণ পাল ও ভারাপদ द्याचा जिल्ला मुख्या । अवत्या अवत्य নাথ চ্যাটাভি, ছেয়া ডাজীবন গোল, ও अक्रीकरनाम ठाकवानीरक भागानीय जनस রি,পার্ড না পাওলা পর্যাত হাজতে রাখাব भिष्यम् (मञ्जूष क्षेत्राटक । विश्वकासन বোস ৫০০ টাকার ভাষীনে মুক্ত আছে। ইচার পদ্ধে সানীও মামলার জুনানী आधार १३१ क्न फार्निय इटस्य १ महीक्ष-নাথ মার্কতি, প্রাণারক্ষার বিপারি, পরিন চেবং--

ফলে একপানি কম্পোজিট গাড়ীও মলকুমার রায়, ফণীভূবণ কুণ্ণুও কিরোদ-

## লোহার ভাণ্ডার আঘাত प्रदे जन दशकात्र

ময়মনসিংহের ২১৫শ মের সংবাদে বুণবার সন্ধার সময় মিঃ ्रमहञ्च खेक'ल नात्म **कटेनक** ८कार्ड रेक्सरप्रदेश यथन ८०१७ व्हेट्ड नाष्ट्रा -প্রেডাবেষন করিভেচিলেন মেট স্ময় পশ্চাৎ मिक बर्गेट्ड डांगांटक ल्लांगा ডাওা হার। আঘাত করা হয়। আঘাতের ফলে তিনি পড়িয়া যান এবং জাতার तिक्रणकात हिनारेशा शहरा क्या केशित আর্নালী উহেংকে রক্ষা করিছে। আগিকে CRS अक्टेर्निट अध्य १४४ । প্লিশ সম্ভ বটি গাম্ম ট্রেণ প্রাণ ক্ষেক্টি वाष्ट्रांट एक्ष में करते। श्रीतन करवेद अन (कारकव अन्यानननी अध्य कतिशास्त्र एर १७३ वस (शाकार एक (आंश्रंत करिकार्ट । अंध वर्षा कर्मक अक्रकारचन अवस्त्र (वर्णायुक्त) व प्रकारम व ल १५ ८० আটক লাখার পর নাধ্রি ভারাক धर्<sup>र</sup> छक्षः ८५ खदा करेशा छिला ।

## পেট্রোল চ্রির মামলা

बाधानाम भा क्षेत्रक करता कारकात ,कार्के व्याप्त रहाकरक डाकाञ्च 'नशरक खाँलन अह करम 'भा ५८०१-१ करन १४ इस करू कड़ि ,बाउत्सादीच वात-कालान प्राधित कालकरमन स ६७ २७५४ । কলিং, গাড়া ধরতে তেল চু'ল করেও। कार्यास्थात्यात् स्टिन भागां भागां वर्षा विकास ক্রর্থালের ৬ মানু ও কাহার স্থী शक्रामात्र(प्रटप्त अत्रा ८९ भागाद्यत ५ - माम (क्स इया। आसीरण स्वतं ५ श्रांशाशासास भाषाम भाष्ट्रगट्ड ।

**क्षांत्र भूग आछ। ७ व्यास ता**ह त्यांभागां । ध्राकावारम्य विकास एक भएम ना'नान कन्द्र कोत्रशास्त्र एथः, खोडान्ना उक्षांच श्रीमध्य योगा। । । । । । । । আল কেন্তন সাক্ষা দিয়াছিল বালয়া আসোমীরা ভাহাদের নিষ্ম মারাপ্ট कतिग्राट्य । डाकारभन्न विकरक गमन काकी etalto i

## পিকেটিংয়ের নিমিন্ত সাঙটি নিয়ুম

श्रीमुक्त गानी अङ २५८ल स्थत हैशः हे छिग्राण विभिन्नी कालफ ७ मान्त **(बाबारन शिक्कीर मध्यक शिविधा-**

"কংগ্রেস্সেবীদের জানা কর্ত্তব্য বে, ভারত সরকার প্রোদেশিক সরকার-সমূহের নিকট হইতে এই মর্মে রিপোট भा**हेट्डस्न ८व, भि**र्किष्टिः मव मगर् শান্তিপূর্ণ হউভেচে না। এই অভিযোগ কভদ্র গভা, ভাষা আমি জানি না। किन्न कर्छभक रयक्रभाष्ट्राटवें विवास मिन्न भर्क शासन करून या ना करून (कन. आभातिशस्य मक्तरशिक्षात्व डेटा लागन कतिएक क्टेरच। व्यामामिशस्क प्रात्त् शाथित व्हेटन (म. व्यामता मञ्जे करमात-ভাবে মত পাখন করিব ততই আ্যাদের नां क ७ मगामा त्रुकि शहित ।"

नम्के मबर्क भाकीकी मारुष्टि निराधन वातका मिर्ट्स्स्म, मणा -

- ( > ) क्षांकाक वा भएत्रांकास्टार दकान ल्यकात करायम अ मा करा।
- (२) दकामधाकात अंत्र मा दक्षाम. অভবাং এক সময় ওকভাবে পাচছতের অধিক পিকেট গ্ৰাকিংশ ন্।।
- । 🛪 । বিদেশা বশ্ব বিক্রেন্ডার। প্রান্তিন ভাতি ভল্প করিলে ক্রাপ্তার করিমান। , काश्रम कर्निय ना।
- ( e ) विश्वभीवन करवातीक िकान न भिद्य ना ।
- ५) अस्य कितिहरू देख्य (बाक्सक । वितिधः शाकरव न ।
- (१) श्रीतकात का विद्वार वस्त्राही ্গাড়ীৰ পথ ৰোধ ক'ন্নান্ত কল্প স্বাস্থ্যম कुरोबा क्षिट्य ना ।

এতংসন্দেকে আৰাতী ৰগিতেজন: -"गोन इकेद अर्था भाग कार्यन (मे. अमेरान नकाम भारकति क तेना । दकाम मान्य मार्थ, ভবে তিনি ভাল: ডাজ্যন দিয়েছ পাৰেন .तः **५८%न छ**पंत विकिती वक्ष निक्रम यक्ष कतिहरू गार्चेशा विश्वाम क्षित्र गाउँ एक कत्रा भरतका विस्तिनी नक्ष निक्रम ४ छेट ६ (# 941 431 'Ster 1"

केलगरहारत महावाकी बल्टिस्ट का :---विदनके काशक मन्नदके द्वभगन्न कथा चन्। इहम, मञ्ज भूत्र(कुछ तम् भूम् छ कर्या व्यागाचा।"

## রাজসাহী ডাকলুটের জের

ाष बुद्राव्याखियांत्र कर्ष्यारतसम् हैरिहे श्रुणिन द्वागरकन त्राप्त उदर आध्यमान क्षाकात नाथक ५डेबन युवकरक महस्रह वर्ष (अञ्चल करता भूषिण महे (मरन धकिए Colcien क्याकार्यम स्टाउ ाना शान करता। तालगाही ए। क मुद्रीत भक्तरक गाँक धार द्वाराता।

47 4 - 10

familicas els

METER ! ate the > লৈতি কলম ২.



मार्गायाहर वि अ अंश (भग्न । यागिक रू याभागिक ८ গ্রেমাসিক ২ ১০ মাসিক ১১ ME HINT 12

MAND OFFICE MAIS (CHAIS CONTO PANC MANO

68 40 ]

শ্রীজতীন্দ্রাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদাস্থবাচম্পতি

**এটিতশামট শ্রীধাম মারাপুর-** ১২ই জোষ্ট মঞ্জাবার ১৭০৮, ২৬শে মে ১৯০১

## নানা কথা

## गुक्रांगाक्ताम क्रमार्थमा

এবংগর মেলায় কর্মুগকের। ক'রোস কল্মীদের কথা অগ্রাঞ্ করিয়া কুরা वतारेक्षां किरणन। मृत्यांत भावता माज ক প্রেশ প্র চইটে জীয়ুক্ত গোপেরুলাগ মুখোপাধায়ের পরিচালনায় পাস্তিপূর্ণ পিকেটিং আরম্ভ করে।

## कःराजनकर्षी (अकात

মুড়াণাছায় বিশ্যাত কংগ্রেস কল্মী প্রীযুক্ত গোপেন্দ্রনাথ মুখোপানায়ে ও অপর পাঁচক্ষন ১০৭ ধারা অভুসারে গ্রেপ্তার হইয়া स्वामित्न मूक्क चार्डन। क्रकान, मूका-গাছার বাংসবিক স্ক্যক্ষা পুতার त्यनाम स्वादनना वसस्टित मिटल जालिस कताय देहाता द्वाथात्र स्ट्रेगाट्स्न ।

## मानश्चित्र मानना

ক্ষান্তার মিউনিবিপ্যালিটার কমিন শনার প্রারুক স্থান প্রক্রার ব্রু মিউনিসি-প্যাশিটীর অপর কমিশনার অন্যাপক २०:६।१३ छात्रित्य मानदानित भागना व्यानहरू कतियाद्यन । अव।न, मिडेनिनि-প্যাল সভাষ প্রাস্ত্র বস্তুর নামে একটা निमाभूगक् ध्राह्माद्व कावा गहेवा दहे (भाकक्षमात्र छेरलेखि ।

## असीया अस्मि। अरखनम

भविता (स्था) अधिका अध्यक्तात्र देशेत्र देखान बात्त्राक्तम - हिन्द्रहरू ।

# গান্ধীজীর নৈনীতাল ত্যাগ

মুড়:গাছায় জুয়াখেলা

## নদীয়া মহিলা সম্বেলন

कारनक्टेर इत मिरक छनी

# কংগ্রেসকর্মী গ্রেপ্তার

গান্ধী আরউইনচুক্তির প্রসঙ্গে

## মথুরায় ডাঃ আলম

ब्योयुक तामनान गामी

(गोताक 88%

মাত্র ১/১০ ভাকটিকেট পাঠাইলেই বুক্সোপ্টে পাঠান হয় মানেকার-গ্রন্থবিভাগ

ब्रिटेडक्टूरक, त्याः ख्रीमात्रायूब, नमीका ।

## বিশেষ দ্রফীব্য

मनदारा ७ शवाशूका छेनलाक ३२ है देकार्क मक्लवादा ८०१न वक ় এখন সাধিবেশুনঃ বীমাই ক্ষমনগরে হইবে। খাকার বুধবাবের নদীয়া প্রকাশ প্রকাশিত হইতে পারিবেন লা।

এই হল্ম কেনী **অস্থায়া স**ভাষনা সমিতি शिष्ट ६१ शाष्ट्र । खीतृका निर्माणनिर्मा গোস সভাচনতা ও ইন্তি বিভাৰাস भूक्यांकिक। जिल्कं इंडेमा(५०) एडं मुख ত্ৰুটা সংধনী শিল্প অদশনীও গোলা

## জ্রায়ুক্ত রামনাস গাজী

১৭ই মে রবিধার সন্ধায় আপ্ত রাম্লাদ্ গাঞ্চা মপুরা জংশনে 'পে:ডিলে মুখুৰার কংগ্রেম কথ্যাগণ সাদরে। তাঁহাকে शहर करतम। उपनष्ट এक चिहर করিয়া ভাঁচাকে কম্লাবেলে পৌচান হয়। জ্বাভীয় প্রদশনী দেখিবা তৈনি পুর অনেন্দিত হইগাছেন। সঞ্চারে পর এक मालकारीन गंधार कारिदर्शन वर्षणा ছিল। ১৮৪ নে শেমবার মধুরা জিলার রাজবন্দীদিগোর এক সভা আছেত হইয়া-ছিল। স্থানীয় কংগ্রেদ কমিটা রাজবন্দী-षिटात एक इंटिन्ट **का**रमाञ्च कतियाः E COTA 1

## মধুরায় রাজনৈভিক সংখ্যসন

গ্ছ ১০ই হইতে ১৭ই মে ভাবিথ পর্যান্ত মধুবা ধহরে রাজনৈতিক সংখ্যান মনুষ্টিত হ্রমাছে। 🗀 ই ্ম ভক্তবার প্রাতে জাতীয় প্রদশনীর ধার উদ্যালন করা হইয়াছিল। বিক্যন কাঞ্জ প্রত্যাদ কংগোন পেতা ভারত জনমত্র পালিওগালের সভাপতিপে মধুরা ভিলা কুষক দাখিলনাৰ এক বিয়াট আ বেশন । इत्रेगांध्य ।

## শ্রীধাম মায়াপরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## খোলা হইয়াছে।

াখিত ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাপ্রদিগকে

ন গাজের সহিত শিক্ষা প্রদান করিভেছেন।

দশী চাপ্রগণের জন্ম বিনা বায়ে সুনদর বাসভানের

দাবত হংখাতে। ভান অতীব আহোকর।

সংবিভারে স বাদের ভয় নিম্বালিখিত ঠিকানা পঞ্জ লিখুন। সোলো-ভালোঁ, ভাকুর ভাক্তিবিলোদ ইন্টিটিউট্ শানেতখনঠ, গোঃ শ্রীমারাপুর, নগায়া।

## স্থবৰ্ণ স্থাহোগ বেশী দিন আৱ পাকিবে না

- (44 41--

## আভদ-নিগ্রহ ঔষধালয়ের

বন বাংসারিক আনকোংশের বা ন্তবর্গ জুবিলী শোদ হঠাত আর বিলম্প নাই।
এই টুংসব দোৰ ১ইলেই ন্তবর্গ আন্তোদিত শন্তব্জিন্ম জিননী বটীকা" পুনেবর
কিন্তাবিত ১২ চাক। মূল্যেই বিক্রয় ১ইবে। ৩১শে মে প্যাস্ত উহা
৮ টাকায় পাওয়৷ ষাইবে। এই বটীকা এক কথায় বলিতে গেলে মব-শোবন দান করিছে সমর্থ। স্তবর্গ জুবিলীর কথা উল্লেখে আছেই মনিজ্ঞারে
৮ টাকা পাঠাইয়া উহার এক কোটা লাউন। সত্বে ১উন। বিলম্পে
কিরাশে ইইবেন। লো জুন ইইতে ১২ টাকা মুলো বিক্রম হইবে।

> প্রা**ভিন্তান : - আভন্ধ নিত্রাহ ঔষণালয়**। ১১৪নং বছবাছার ব্লিন, কলিবাড়া।

## কাবরাজ শশিভূষণ কবিক্ঠাভরণের



মদঃ গলের তুন্ধার জন্ম ও আঃ শিশিতে ঘণীভূত অবস্তার ভোটবোর্বার সমপরিমাণ পুরদ ডাকে পাসনে হয়, হণাতে ঔষ্ণের কোন পরিবর্জন করা হয় নাই। মূল্য শ্রেডি শিশি ॥ আন্যা, পাইট গেও আনা, বোজন ১৫ও আনা।

অফিল-১১নং উল্টাভালা রোড, পোঃ শামবাজার,

## ग्रापन गड़

ক্ষিণায় কর বা বাদ্যাবেলাব, ইন্সিরলাক্ষর হান্দ্রিক্ষালে করণাক্ষ, ববসকার, মাধ্যবেলার, বুক বক্ষালানি, অনিয়া প্রকৃতি করণা শহর বিজ্ঞোধা বাবেলার প্রকৃতি করিছে। বাবেলার করিছে। বার্দ্রিক্ষালার প্রাপ্তার করিছে। বিজ্ঞানিক করিছে। বাক্ষালার বার্দ্রালার করিছে। বাক্ষালার করেছে। বুলা ব জ্ঞোলার স্থানার বাক্ষালার করেছে। বুলা ব জ্ঞোলার করেছে। বুলা ব জ্ঞোলার স্থানার করেছে সংস্থানাক্ষালার করিছে। বুলা বুলার করিছে বিজ্ঞানার করেছ সংস্থানাক্ষালার করিছে। বুলা বুলার করিছে বিজ্ঞানার করেছে সংস্থানার করিছে বিজ্ঞানার করিছে বিজ্ঞানার করেছে বিজ্ঞানার করিছে বিজ্ঞানার করিছে বিজ্ঞানার করেছে বিজ্ঞানার করিছে বিজ্ঞানার করিছে বিজ্ঞানার করেছে বিজ্ঞানার করিছে বিজ্ঞানার বিজ্ঞানার করিছে বিজ্ঞানার বিজ্ঞানার বিজ্ঞানার বিজ্ঞানার বিজ্ঞানার বিজ্ঞানার বিজ্ঞানিক বিজ্ঞানার বিজ

## शरेट्यांनिन

বা

## কোনরদ্ধি রোগ

ভা: এস. এন্. খোৰ বিনা অল্পে, বাসক্ষীননের গ্যাতাটি দিয়া বৈছাভিত প্রশালাতে কোসবৃদ্ধি গোগ আৰোগ্য করিয়া থাকেন

> ত্ৰিকামা---১৮ নং কটন খ্ৰীট, বঙ্গালাস, ভাগভানা।

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

প্ৰৱ দিলে সম্পূৰ্ণ আৱোগ্য

ত্যাগ্রী দেখাইতে করবে। অগ্রিম গাণের পরচ (যাওয়া এবং আশার)
পাঠাইলে গিছা প্রেগী দেখা হয় অথবা এখালে আনিগণ বেগী দেখিলা
ঔষধ দেওলা হয় আবোগা না কওচা পর্যান্ত পারিপ্রামক দিতে হইবে না।
পরীব বোগাদের অবচ বহন করিলা চিকিৎদা কণা হল। বিভাগিভ
িববেশ্র করু এক আনার ভাক চিকেট দহ নিয় ঠিকানার অন্তব্যান

জ্ঞাজিকীশংক্ত উকীল, যথা-চিকিৎসক, োঃ নৈকাঠী, বৰিশাল।
কালঃ কিলানার সাঞ্জাৎ কবিলা বিস্তারিক কানিতে পালেন।
জ্বিত রাম্পোপাল দত্ত তম, তা, কুফনগর, নদীয়া। স্টিয়ক কবিপদ
সিংক, ১১৭, ব্যবিষ্টেলা ইটি, ঘটপোলা, কাকবারা।

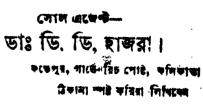
## মনোমোহন প্রেস

পূক্ষ-নালালায় ভলতে সকলপ্রকার হাপার জন্ম বিখ্যাত বৈদ্যোতিক মেশিনে দিবারাত্র কাজা চলিতেছে বিশ্বত ভানিতে হইলে নিম্ন ঠিকানায় পত্র দিখুন

ম্যানেজার—মনোমোহন প্রেস্, ১০নং শহাবপুর, ভাকা।

## মর: মাতুষ বাঁচাইবার উপায়

নদিও অন্তাপি প্রাক্ত মহা মান্তব্ বীচিটেরার কোন উধ্য অংশিয়ত চ্যানির স্বাচ্চিত আজ নই করিরা কার্যের অনির্মাত উপারে অপরিমিত আজ নই করিরা কার্যের মধা তর্মা রাহ্যান্তেন ব্যবং নামা প্রাক্তার মেন্চ, প্রায়ের নাতৃ দালালা, সাহ্যান্ত কুল্মপানা, বন্ধুত্র, প্রয়েয়া, পারন-সংক্রান্ত পীড়া, অল তানং গ্রীল্যেকবিসের মধ্যে বাহা বাশক, বন্ধাা, মুক্তবংশা, স্পত্তা, স্বেত ও রক্তরেদন্ত, কিটিরিয়া প্রান্তান প্রয়োগত ভাজার পেটাল সাহেবের আবিদ্বন্ত আম্যেরিকার প্রয়োগত ভাজার পেটাল সাহেবের আবিদ্বন্ত ইলোক্তিক সলিউসন ব্যবনার করিয়া বাহিতে পারেন, ভালার পত্ত সকল প্রমাণ প্রান্ত ব্যবনার করিয়া লামেন নাই, ভাষারা একবার এই প্রথটি বাবনার করিয়া লেপুদ্র এক মানের ব্যবনারেরেলেপ্রি এক শিলি প্রথ ভাক্যান্ত সভা সচল বার্যান্ত।





## বলপাইওড়ীতে প্রভূপাদ

(জীপাদ বাণাচরণ গোস্বামী ভক্তিশাল্লী কর্ত্তক জলপাই এড়ী হইতে প্রেরিড)

জীতীনিখনৈকবলালস ভার পাত্ররাভ পাবৰ ওঁ বিষ্ণাদ প্রমহ্দ পরিবাঞ্জাচার্য্রেয় 🔊 শীনছনি শিক্ষান্ত সম্পত্তী লোখানী প্রায়ু-भाग गांक २५ एम सांसवात माण्डिका: इंटेएड কলিকাতা ত্রানাড়গুমঠে ফিরিবার পথে व्यवनारी धड़ी महरतात करिला विनिष्टे उन्न · লোকের জিকাছিক ভাতুর্বেরে ভগার ভার-ভরণ করেন। ন্র্তিগ্রহণ করেপ্রস্ कन्नभावे धड़ी देशनाम ८५१ छितामा व । अपछि-वामी क्षेत्रम् एक्टिन्टिक हात्रही महान्त्रकः अञ्चलको किरुन मञ्जून राजि होन खड्-शांपिक अन्तर्शनी करतन ।

जी जिस्ति सम्बद्धा क्रम्य **ST 9** मण्यामक जीलाम ठाडुजहन्त्र नरमगारामगाङ ककिमानक एएयाचा किन्सायी, उकैछाती **अभाग अन्धराख्यास भनतिहास्त्र ति.** এ, ও বন্ধচারী শ্রীপাদ প্রমানন্দ বিভাবত প্রভূতি সকলে প্রভূপাদের অনুগ্রম করিয়া স্থানীয় প্রবাসী বিচাপি কল্যাণকরস্থান ভক্তি-विञ्ज भारतिकात है। जिल्लीसमामभारत छन्दम সাবেস ১ আসনে শু-িজেয় করেন ৷

अधिमानदार मुश्केगदश्य मधनमन शिल প্রার্থাদের শুভাগমনবার্তা ছড়।ইল। পাছে। मर्वाष्ट्रमानम् भारत् रहा सात्र हिम्सा मञ्जून व्यक्ति मीम-११व तिभी १ अहेश। तीन छाइ-পাদের জীচনগান্তিকে ছুটিরা গ্রেম্ ও कीम क्षप्रभारतम धेऽयम प्रमंग कविता আপেনাদিশ্যকৈ প্রকাতিন্ত মনে করেন।

প্রাভুগাদ দার্জিলিং মলে পুনবায क्षाडारिखन कतिरवन, ममय व्यक्ति महीन **मानिया मकरावेटे डे**पिया। श्रद्भात अवन्ति । ষেৰ বিভাৎগতিতে চলিয়া যায়। এমন মন্ত্ৰে ब्योल ध्यापृत्राम ब्लिटणन,—''सत्तन् स्वरम् पातन হওয়া উচিত। বাহুদের প্রা: একটা ান - श्राप्तुनगरभव न्यारगरम जी एक বাহ্যদের প্রাণ্ড টোগোর স্বভারত্বর ও স্বরণাত কটে , 'অনাদি ক্রম্মনে, পড়ি' ভবার্বব करण" भागी मन्त्रुर्ग की छन् करतन । हेर (१७ সমাগত সম্মনমণ্ডলী ভাততি সিনাম বাধা खत्रव कतिवांत्र स्थान भारेकान ।

· व्यप्नाम भूमदाह गया समग्र स्थापित মেলে কলিকাভাতিমূণে গমন করেন। **क्रक्टम्स्टब्स्ट काध्यनित गाल** गाल (तिपत्राना अक्टमत्र'म्डिनटपत्र अक्षत्राट्य हिंग्यो ८५म । শ্রীল ভবিদ্যাদ ঠাকুরের অন্তর্গত স্থাপাদ क्लानिक्रकर अकाती अञ्चत केलिक

## कि की छदम्दर्भी सादयों का सकः

দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

## নিত্যপাঠা বৈক্পবাভাবত

दिशामि मन्त्र मायुक-मारक्षत्र अकृतिय वार्षाका সমগ্র ভারতে একমাত্র ফুলভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

লালা ম-মানাপুর—১১ই জোষ্ট মজলবার—১০৩৮

আগ্রহেট জলপাট গুড়ীবাদিগণ দ্রীল প্রেকু - নেতেলী ধরণের সংসার পরন ধরা পাদের শ্রীচরণ দর্শন লাভ করিয়া দভা আনরাও যেন তাহাদেরই আদর্শে গভিয়া হুটলেন । স্তত্তা: ভাঁহার দেবাচেটা ও খ্রীল - উটিতে পালি, ভাগাদেব ভূমিকাই 'ম্বিনর शहुनात्मय छ।। त्रेकाष्ट्रिकी अकाष्ट्रिक कतिएव भाति, देशके आभातित अख्रतित 'भाभनकानीय ।

## ভক্তরিত্র

মাণ্য মধ্যে দলীয়াপ্রকাশের কলেবরে এক একটা ভাগ্ৰত-চরিত্র স্বব্ধে স কিন্তু व्याद्रमापन्। त्राकानिङ इहेटङ मिथि । व्यान्दक মনে ক্ৰিডে পাৰেন, উক্ল বাজিলত ভারনার চরিত্র পাঠে আমারের কৈ লাভ হতবে, আন ও ইন্তালি পাঠ করিছে যাই ক্ষেত্ৰত নিডকাৰ মাথিকা কথাবট যথন আনিটা প্রাচক, তান আলকা নদীয়া প্রকালে खतु भातमातिक मा । उत्पादक भारताही क्षती १री ।

ক্ষনাংখ্য ভোগপিপাস হত দিধানক থানেবা হুণু জগতের প্রভাক বিভারে সাহত অভুপ্রাণিত। জড়কণ্ডের কথা আমানের নিকট যত প্রির, পারমানিক কলা তর প্রির नतः। निडास मात्यं ना गास्तिन-यापञ्चभाव कर ना शांकिता आन्ता कथनई छड. छ।, र कर् धनाणम् । देव न्याः। कार्यसः । अर्थनाय म প্রবৃত্ত হহত। ন না। অভ্যাগতের প্রত্যেকটা रिका ह्यून आभारत्व क्षेत्र काशनांत्र, द्यून কভ বাতারর—সোকাণের ব**ন্ত**। কিন্তু প্রমাধ কথা। আন্দের ব্যক্তিগত কেনে यार्थ माद्य - अक्स (१,५। (१) देवनाव-গণ আলোচনা করিয়া ভল্ল ভ মান ভাবনে ষ্পত্ স্থপান্ধাননের এন ভ সময়টুকু রুব। (१) व्यानमञ्जू काल्याः पाकनः

গ্ৰন্থ বিহাৰ আধিক ক্লাতে নাটক ন্তেলের মধ্যে ফলিড নায়ক নাতিবার নিগা চবিতক্থাপ্তলি আনাচের বড় ভাল विकायिक--उन्हार्य अञ्चालिक हरेश

নিগৃত অভিবাৰ। কিন্তু বাস্তব্যক্তাকীওন-কারী---নিরম্বর্ক নেস্তব্যতোর প্রচার-কাৰী-নিঃছো: সবি ১বণকারী জীমত্বাগৰত তাদৃশ এটুন্তির অপের করেন না। তজ্জেন্তই দেব্যি নারদের নিছলিখিত প্রোক্ষ্টের অবভারগা.---

स ग्रहिन्दियः सर इरत्यर्थाः। क्रवरशी (बा अववीड कर्विटिश) ভ্ৰায়দং ভাগ্ৰাক মান্দা स राज्य काला कि गाँउ लिककार ॥ ভদ্মাণবিষ্, গাঁ, ভনত্থোলাবো যাত্রন প্রতি লোকসংগ্র তাপি। ন্মাকুনভুক্ত - প্রেক্সিভানি বং শুখান্ত গান্তি গুলিভ সাধ্বং ॥

যে শকা বা এছ পিচিত্র গ্রেকস্কুত इर्देशास १ तर १ (तम् राजित्तर माक्स) कथ्मस कीखन कहा है। ३,०० हमई वाकार ह काक्छीय प्रदेश या गड्ड पर कामिश्टपट রভিত্বাল ব্লিড ১-ন ৫.১ (क्नन). ভাষ্টে সৰ্প্ৰবান মন 7 34 7 बदर कमनीय खाम राजापात निरामः ভাদশ একো বিচরণশাল যাত্রণে অনেশিকত হন না অপাৎ মানস্মত্যাক্রের কোমল-পর বন্বাণী রাজহ্ণসমুহ যেমন কাক-ক্রীড়াস্থল বৈচিত্র জন্মানিপুণ উদ্ভিত্ত গতে কথনও উন্নতিত হয় না, ভেল্লপ ভালন্য শব্দ বিচ্যোত্থরপুর ইইলেও হ্রিকণারসহীন হাকা বা এছকে ওছবোলে পরিত্যাগ কংখন। কিন্তু যে বাকো বং গ্রন্থে ভগবান অন্যান্ত ব অন্ত্রাহনাগর নামসমূহ ব্ৰিড ক্ষাছে, ভাহার প্ৰাত প্ৰােক व्यवस्थातिहरू इंश्वान कारी वाश्विमान লোকেয়ে পাণ বিনাশ করে, এবং সেই ানাম্পমুহ সংসূত্র বক্তা থাকিলে শ্রাব करवन, रक्ट ना धाकिल निष्केट शान

জীস্ত্সমীপে শৌনকাদি ঘট সহজ্ঞ খোতা ভাগাসত কথা প্ৰবন্ধালৈ কলি-প্রশঙ্গ কীওনোশ্বর প্রত্যেক বলিভেছেন,— किमटेन तमलालाटेशतातुरम। यमनवातः । কুদ্রারুগ, নুধানক মহ্রামান্ত্রিক্**তান** ॥

যাধ্যতে রুথা আয়ু: ক্ষয় হয় মাত্র, এরূপ অন্ত অসং আসাণে আবশুক কি ? যেছেত্ भक्टा अवस्थान, जाशास्त्र निक्षे अभव কথায় কোন দল প্রাণান করে না। বীহারা অমৃতত্ব ইচ্ছা করেন, সতা সভাই লাভবান ভটবার মালনা বাঁগাদের **প্রাবল, ভাঁডাদের** নিকট এই শ্নিতা নির্বক বাকোর কোন প্রাণেজনীয়ত। নাই। তবে **বৈদান বস্তু** তাঁহাদের মন্নলপ্রদ, ভাষাই আনাইবার জন্ম ব্যাতেছেন, --

ভংকথাতা মণবাহো যদি বি**ফুকণাঞ্জঃ ৷** অপ্যক্তি পদান্তাজনকরকলিছাং সভাম 🛭

অর্থাৎ হে মহাভাগ হুছ, যদি এই বুভালের (কলিনিগ্রহ আখ্যানের) মৃতিভ **डी:**करमध्य **अ**ध्या छै।इति डीइव्यक्सरमञ् मकत्रमध्यक्षी भादुत्रामाः द्वानक्षभ भः अव থাকে, ত'হা হুইলে বৰ্ণন কৰুন। ভাৎপ্ৰা व्यष्टे त्य, आकाकशा 'अ क्रमाकशांत्र 'बारश বিশেষ ভেদ আছে। বহিন্দ্রীয় সমাজে নিজ নিজ ভোগণার কথা অপারের নিকট অপ্রয়োজনীয়, প্রত্যেকেরই স্বার্থ আপরের অংখ হটাত ভিন্ন ও বিরোধী. সেজ্য কক্ষর ওনিরত <sup>ব</sup>রাঞ্জির প্রয়াস কেবল নিবর্গক ও আয়ুক্তরকর। বিশ্বনায়া-विदा के विषय जीवलय क्रक्ककशाहित इंडेझ নিঃ- :: র ভর্গানের কথাতেই বাস্ত<sup>া</sup>। ভগবান ---নিতা, তাঁঃবি কণা--নিতা এবং ভাঁছার ে ে বিভা: ৬ চন্দুই বিষ্ণুক্তপান্ত্ৰিত হল বের পালা আলাপ অনিতা, আয়ুংল-ক। অথ নির্থক মতে। ভগ্রানের পাৰণয়সেবা আত্মৰ করি, কি সভাগে বাস করেন। সাধুদিরে অংগোচনা ব্যাতীত অস্পূৰ্ণণের প্রেশ্স কোনজমেই শ্রেরভাষ - গভিন্ন আলাপের নিধ্য হইটেড পাঁচর নি।। তহা প্রজন্ধ, আয়ুক্তর করে অসংস্কর-1 中下枢

অভাগৰ বুৰা বাইভেছে-বে, ভগৰৎকথা যেকণ জনৎ পৰিজ্ঞানী, ভাগতভগণের চাটি, কণাও তন্ত্রপ জগংশবৈক্রা। ভক্তর প্রদ্রাগ্রত,দি শাস্থ ময়েলাব্রত মহারাজ ৬৭ . া, মহারাজ ও জনাং, এব, ভরতাদি ভক্তগণের চরিত্র ইটিনে করিনা-ছেল। ভাগৰতগ্ৰহণর দর্হক্ত আক্রেভিনা কলকে সামরা ক্রিডে প্রাপন ্ব, ক্রিজেপ कैसारः अर्जन भक्षण भारतः । त्रास्था ক্ৰিল প্ৰাথতি লাভ ক্ৰেম এয় আমতাও ভাষ্টাদের র্ন্না, 🖓 শস্তুসর্প করেন্ডে গালিকে আপে---বাহা পাঠ কার্যা ওপ্তাবে করেন এবং শ্রোভা পাকিলে ব্যক্তিন করেন। পরম ছতি নাভ কাল্যা বছ ক্রতে পারিব।

## देव निक नवीत्रा-ध्यकाम-भातनाथिक शता ( ७४वर्ष ५) म जर्ब

## কালের গতি

( 🗷 পুকা প্রায়ন্ত্র পারী কেবী ভক্তিশাস্ত্রী ) হুখের সংসার মারে দেখি ছাখনিকেতন। স্থ্যপ্তনের পালে শাস্থিনীন জগেরণ । यक्षत्र मिलन गरिन বিচ্ছেনের তীক্ষরার।

প্রফল কুমুমরাশি

নিমেধেতে হয় রান ॥ ज्यानसर्वाञ्चात मारक

्रभादकत्र वियाम जान । প্ৰণিমা শনীকোলে

कारानिका अस्तरक ह ত্বপান্তি ভালবাস।

ष्याभाष्त्रश्चिताहेल । সরস কোমল বুকে

পড়ে বজ্ঞ নিৰ্মেধিণা। বুঝিতে না পাৰি হায়

কালের রহন্ত কিছু। স্থ্যাধ না প্রিতে

ছংধ আমে পিছ পিছ। কালের করাণ প্রো: 🗈

ভাগি.. গছে । গ্ৰাৰ । শিরায় কালের গাত

কেন সাধ্য খাছে কাৰ ? कामठक सर्वाः

पुरिश्रष्टण निवद्धि । व्यावर्डनचील ध्या

এইতো বিষিত্র বিধি ॥ সে বিধিরে বাদা দিছে

कृत मान थाइक यनि । क्रक्नाम, (६ अम्भ

পান কর নির্ধবি ৮ मदिविधि इत्य वाशा

क्रथात्रवा माध्याद ।

বিধির বিধাত। আসি नुष्टेहिंदर इन्छ भारत ।

বিধি ও অবিধি ব'লে

दरव मारक। किंद्र भाव। বৃহিংৰ অনুত উৎস

इ.का क्षेत्रकाशभग ।

## শুরুকরণ

( এপুরুল প্রকৃষক্ষারী দেওী ভারিকারি।

আমরা আনেকেই জন্মন্তে সংবৃ **छक्त, शास्त्रिक ऐडाानि जालास क'र्डाटर** ছ বুৱার গুরু সময় সময় অভিশয় ধ্যোলুপতা প্রমন্ত্র করিয়া থাকি এবং নিজ নিজ कड़ी है পরিপ্রপের सश्च माना প্রকারে क्षां किन कहिएक नाय करेगा शिक्ष कि । किन्न

ফলে দেখা যায়,—শিব গড়িতে বানর তোব লাভ করি। গুল আসিল, কাপে ফু ব্রহ্মারীগণ্ও স্বরের বিভিন্ন স্থানে আগোর-গড়িনছি, অর্থাং দক্ষা ধ্রন করিতে গিয়া অধ্যেরই আবাহন করিয়া বসি, পুণ্য সঞ্চয় করিতে গিয়া পাপকেই আশ্রয় করিয়া ফেলি, স্বর্গে উঠিতে গিয়া অনস্ত नदाकरे भरिया गारे बनः मम् छक कवित्छ নিরা গোলেডভুগ। **ল**গুকেই 'গুরু'পদে वत्र कतिया सामा मिक्न छ्यात्व मा अयात রাপ্রটা বেশ স্তাম ও প্রেশন্ত করিয়া রাখি: কিন্তু এরক্ষ জমে পড়িলা আবা- 🖯 ব্র্ঞিত ভ্রমার অনুপ্রতী এফটা কার্ণ আছে, দেই কাৰণ্টা পরের মণে কলে প্রভাগ অব্যাহ গ্রেক্টেগতিক প্রধানস্থন 🕒 অভ্যেক্ট আমৰা বছৰিন না ভাগে কা চেত প্রানির, তাতদিল আনার, প্রান্ত কল্পানের । গতে আগ্রসৰ হটতে পরিব না।

বংগ নাবং বিবাহি, ভাই ষ্টামুল্পতির কলিবেন গুলু মুখু বুজুল এমুখে বুসুনে ি ভারতিন 'নিবেক' ব্লিয়া হয় আহাদের তিনিভাই সাধ দিয়া নিজ প্রাণ । ই চ্চেক ंकिष्ठे, वृद्धि धार्क्ष (स्मृत्युक्ति आध्यक्षत াকড়িয়া আনতে, সদস্থ ভাষ্যক বিদ্যা । করিল। কটাত প্রি। দেই বুড়িট। জন্মী-। ড়ের ইটা। চিড্ডেম্ করেজই। প্রের মূপে । কেনেও চ্ছিডেস্বের । প্রতিরূপে সংক্রেন कांग को ए । जिल्ला गाउँ वा नार्के । उक्तर्ग को त्यां नार्काहरू । या त्यां वा वा वा वा অঞ্চিত ১ ডামের কলেট। কয়েও শহুটা স্ট্রিবেন না, বব, নিবা «সঞ্চত্যঞ্জত বাং বোল, অগমি কংকো ওভটেত প্রমানঃ কিছ কাণে হ'ত নিয়া দেখিবাৰ বুলিটুর গাঁমবাকে। অয়নানেনে সংখ্যান ক্রিডে বেচিটেল না ৷ ইতাকেই বলে অজ্ঞান ত্ৰিলে ক্ষিত্ৰিক প্ৰত্ৰ বাজুব সাভাব এই অভানুষ্ট আলেকে মন্ত নিজ সভাটিত दक्षिण्ड करीताम स्थापा । व्यक्तिया ८ए । ।

প্রের ঘটকালি কলেন চরমানার চ নিজের বেলার জুই চরা অন্ধান

—করটো নিতার প্রামা হরলেও আমান দের প্রেফ খুব বড় শিক্ষার ক্ষা, । আমেস। সাভা স্মিতি ত গিলে প্রেণপ্রদেশে ন্থেই পানিষ্যপ্রিতা জ্বেশন কার্যা উদ্যাহ भएकोन रह राज्यसार्थ्य मधा एर्डेड्रा उपमक्षत ब्यरकुतना कविन शन्ति, सामावक हा কোন কাথ্যে প্রভাৱেপ্রভা বিচারণভারে গৰিচৰ দিয়া আকৈ, এমন কৈ কাচো, কলো, ইংডি, কেডি, মাড, শাক জেগকালীন ভ্ৰেতি দশ নিশ দফা য'চাইয়া মাচাইয राक्षांचेत करते बहेते धार्तिक, खतर किन দেব্য অবংশদে গড়ক্ষণ্ড কথাঠ না হইংগ্ Girds कित । क्षेत्रा भूका किकू कम जिल জাত্যাদি এবিকেন্ট সম্ভ করিলা ওবে শুইলা श्राकि, क्षिष्ठ राष्ट्रवे छ। दशत । छ। व्यान्त्रद्यात বিষয় এই যে, মান্বভীতনের কল্যাণ্রিগান্ত পর্মার্থান্ত্রস্থান প্রাণ ন্ত্র নকরস্থুগ ভীতি প্রদ্ধি ভব্যাকে উত্পরের একমাত্র কর্ণধার মিনি, দেই গুরুনিকাচন-বিষয়ে আম্বা একেবারেট আন্ট্রীন ও डिमार्भीन इरेंगा माश्वार्यम डेझकान कतिहा

িন্ত পেয়াল মত গুরু কবিয়া প্রম প্রি-

দিল, বাদ, মিটিয়া গেল সব গোলমাল। শিষ্য গুরু সম্বধে কিছুই জানিবার আবশুকতা বোণ করিলেন না, গুরুশিশ্যকে মৃত্যু इटेंट ऐकात कतिया निकका निकित हुउम প্ৰাক্তিয়েরপ ভগ্রংপাদপ্রগ্রেশ্যক্ষান্তির স্কান দিয়া প্রম প্রাধীন্তাক্স চ্যুম্ ক্র দান করিতে পাবিদেন জিনা, না পারিলে मुजा स्मित्र गहेव भागाः तथा वर्षा अवस ব্ৰপ্ৰামী জেৱাৰ জালা অথবা অক্সৱ भग्छक हत्रपालाल शतम टार्टाकन माड कतित, इंडाएपि क्यांनय मध्ये ज्यांत्न व्हेल না: প্ৰয় এথানে বংসপত্তে গুল আমিন এই পরের মূপে কাল আওবি কু ছলোবলেকেবিলে শিয়ের নিকট ভটতে किन् है। का कामा व करियान का है रामारक को धन्न । ८१: मिन्न धनानान, डिस माणारी देखानि माधा विक विका অনিবং বে সার্যা, যে]কথাটা তাক ্ ইন্সিংত্রপথের অভ্যুক্ত, সেইক্ল সংগ্রহতার खिरियों कि एक संक्रियान भग अस्य ्कोल्ड, पुट्ड िलल्ड्यम । जैन्स्याय अज्ञास -কলালের একে। কেন্দ্র বারীত বিক্রা কিছ ব্রিবেন, গুরাক ভারটে জান্ত উলাস্ক শ্রেষ্ট্রের ক্ষান্ত্র ও সাত্তর সার भूमाध्यक व्यवस्थ द्वारी विद्यालय , ला. क्षीय, एउम्, त ভন্মালপ্রকা, পাণতে ভ ভিজ্ঞা, প্রকার ভারত ভারত ৮ ব শালে পারে চ নির্বাহ্ন নক্ষ্ম প্রাধ্যাস ৮ . '51. 22(5)-. )

> কুপানিক। সম পুল, মধ্যতে। "কাবকঃ। निन्दुः। संश्रेष्ठः भिन्नः, भवर्षत्रः। विन्धावमः । 并附近(明月)(1)年春(中州門(四) 位在付的名字。 (देश कि वि. अव्य ्ता,यव्य गिरुष्या : 15m)

## %। शतुक्र वा खग-श्रम

এন্য মালপুর স্থাটেচক্তমটের শাপ। 🖟 নাপুৰ সে, ধুম মঠেৰ স্বাধিক স্থানৰ উপলক্ষে উচ্চে টার মঠের জাতার্য প্রেবিক পরি বাজকারাক্য বিশ্বভিদামী ভিটেন্ডভিডিটা ল পুৰী গোস্থামী মহাধান্ত কতিওয় ৰজচাত্ৰামহ कालुकरमाञ्चन शहमज्ञानी एवं दशस्य होते। দেহমতার স্থার করিছেছেন। তাঁহার कीरनेत ए। छ। छ इन्हें छित्र छेभन्न इन्हें एए छ। । अब अन्तेन्नरभ महाभाग कान्निया স্বামিনী মহারাজের অন্তেগতো মঠন্ত অস্তান্ত । করিবেন।

বাণী কীর্ত্তন করিতেছেন।

**अभगश्याद्व जोगांक अभग्न-**বোত্তমধামে শুদ্ধ গৌএবিহিত্তফীর্তনের ष्प्रचार पृत्ती कालादर्श नर्सनान युगाहाया ওঁ বিফুপাদ পশমহংস পরিব্রাঞ্কারাগাঁব্যা অটো জ্বাশত শ্রীশ্রীনম্বতি সিদ্ধান্ত সরস্বতী গোস্বাদী মহারাজ জীপুরুবোতুম মঠ সং-স্থাপন পুদাক প্রীমগাহা প্রভুব আচ্চেত্রিত এবং গ্রেডারিড বিমশ ৈন্দ্রন্থারের কথা প্রচারের ব্যবস্থা করিবছেন। ভদ্মণাত প্রচারক্ষরী শ্রীমন্মহাজ্ঞানুৰ প্রচারিত ভাগ্রুভিডিসিদ্ধাহনাণী ' প্রচার করিলা ভ্রমাধনে, সক্ষেন ধ্যাবিপায় क्रमनगरक श्रीराज्यस्थान चाहरे क्षिएंड-্চন। ভাগেদেৰ এই প্ৰকাষ জীবেদয়াৰ সক্ষেত্ৰত আদৰ্শ সৱল প্ৰাণ বাজিমানকেই মুদ্ধ কবিং তেন্তে।

ক্ষিণ্য দিন্স পূ'ল পুলীসহবের অস্পত্ৰিক্টাৰি চুন্তা প্ৰিত শ্ৰীপাদ मक्त्रात काता जीवे, वि, अ, अधिनात्री, িভোগাৰে মতে।দয় কভিলন একান্টীসে≱ भराक्षण प्रमानको को एस छाता लोभधानक क्टेंट के भवासनाइ कि मात्राम नार्ड कतिया সম্প্রবচ উচ্চশিক্ষিত সক্ষম বারির ba काक्ष्य कविमाणिकार भारतेन था,कि ५ व्याष्ट्र श्रीलाम इत्त्रक्षम काराविकातीत्र राजांगार केंग्स्यान मकरणके निरम्य सुद्र হটাব্ভিটোন ৷

পাওত জ্রীপাস যাসংনেক একচাতীকী ফুল্লাস্থ মংখি নালাগায় কবিরাজ ব্যাক্ত গণনাথ দেন্নতোলতের পুরীধানত নব'নাথত ভবনে আহিরিকারন করিয়া-W.74 1

क्षापुष्ट करमाथ (मञ्जू महद्याप्तरश्च क्षेत्रको, २०, यम १८८५८स व व्याक्ताहरू कारमदक्तर হারকান্তন ভারতের প্রধান ম্রিনাছ্যা। উত্ত ব্যালীকী স্কলের উচ্চে শিক্ষিত সক্ষ্ম भुटण आकृत गुरु द्वानवर्गाता ,त गणा প্রান্ত - (বান সংবেশ সক্ষাত্র শুদ্ধ হাতিবাল্ল(জ असीच्ड कांत्रनाष्ट्रम्। भूती महत्त्रत्र शामक अध्योग मामिएक्ट होगु क अध्यमहन পট্নাংক এবং কালকাতা বাগবাজার্থিত হ্যুলামিক ক্ষমিদাৰে আনুক্তি ক্ষমাথনাৰ বস্তু महर्भावनागरसञ्ज्ञा और्काब्रुक्षका। अत्यादस्य विश्वास আণ্ড ও উৎসাহ শ্রুতীর প্রশংসনীর।

## যুদ্রাকর প্রমাদ

গত ৯ই ভৈটে শনিবার ৬৯শ সংখ্যা বালী ক্রীন্তন ক্রিয়া বহু অট্ডেল্ডর নির্মান্ত্রকালের এপ পুরা ১ম ক্রম্ম আইম পংক্তিতে "রহিংলন না" স্থানে ''রহিংলন' ভাঁামুধবিগলিও শুদ্ধভক্তিসিদ্ধান্তবাণী প্রবণে ১৮বে। পঠিকগণ তাঁছাদের নিজ নিজ

## গ্রন্থ পরিচয়

## **শ্রীমন্তাগবত**ম

विनम्बद्धि क्रकदेवभावन (नवनाल-अभिष्ठ भूव, विभन-व्याहार्या-कृष्ठा छार्थया-निर्वयतिकाः क्षेत्रकार्यधनाथ हक्कनश्री ঠাতুম-কৃত সারার্থদেশিনী টীকা, বলাম্বনাদ, সংস্কৃত আশ্য জ সেই ক্ষেত্র প্রতিশাস্ত ক্রামার, স্বামারের প্রথা । -- মুরদ্ধ, গ্রামির ও প্রধান্ত ন তরের নিদ্ধান্ত নম্ভ্রা অধ্যারের সারসহ স্থবিস্থত তাংপর্যাদি বিবৃত। স্থোন্তস্টা বিষয় হচী, অধ্যায় বিষয়ণ, পাত্র ও ভান হচীসত উভ্য স্বাগ্য উত্তম অফরে মৃত্রিত। প্রাথম হইতে ১০ম ৪০ **্পর্যান্ত ছাপা, স্পূর্ণ**রূপে (শ্র ইউয়াছে। ভিক্রা প্রেথন PR# 8 - 1

## **এটিটেডগুচরিডামুড**

करें ब्राफिन । (शास्त्रज माध्यमाशिया, नक्षाध्यम् ६ । शास्त्रम प्रदेश एक, के अधिन, क्रीकर া পুৰে স্টল্প অভিনয় স্থানিভা ৷ গেন, টাম্বার্ন্ত প্রায়ে, পার, ১ - , গালে প্রাকৃতিত জনুহৎ পূচী ও প্রায়কারের বিশ্বত জীবনী নুম্বিত এইরূপ আচুতপুর্র সংস্করণ ইতিহপুরেন কুত্রাপি প্রকাশিত হয় নাই। ভিত্র কাল্ডে প্রলিপার সহিতে সুল আেদ্রে মূলাপে মুদ্রিত হইয়াছে: ১৮ প্র ১৫০০ প্রায় স্পাল । পিক্ষা এউমানে ৫১ মাতে।

#### **শ্রীটেডয়াডাগনড**

ৰাজুকাশের তীবনী, প্রাতি পরিচ্ছেদের কথাদার, বিভাগ পৌট্রায় ভাষা, শক্ষ্টা, গ্লারস্টা, বি গ্লয়ন গায়ানি- বিটা, বিশ্বব্যা, ও আছি প্রোক্ষে প্রথম ক বিষ প্রায় কর ভিগা দে আনা মান। স্টা, প্ৰকৃতি বৈষিধ নিষয় সম্বাগত বিষয়ে বিভাগ সংখ্যা চ্বল ক্রাউন ৮ পেলী আকার। আদিবলৈ ও মনে किन्नभरम काकारियक कर्रवारक । अन्य अन्य अन्य अवस्थ **इट्टिइइन। अधिम क्रिया ६ हेल्या, असि बीरात** . 1841 0, 1

### 高に ちちがれずず

**एके आरब्द अक्रम का** उसन क्षमन मध्यत काल काल कार्या है। व्यक्तित्व क्य माके। मान्युक्त त्याकारत्वत व्यवप्र, तय श्राम. क्षाया, कथागाञ्च, एवा क्षावृति गर था छ ०८७ क्षावानिः क्षेत्रारक्षमाः मूल स्थाठा अकटत उला क्राउन आहेत्याची মুক্ষাকালে চাপা হটয়াচে। সুলা মাণ টাকা। কটান ে আকাশ ও গৌড়ীয়ের প্রাহকগণের প্রেম ১৮০ টাকা।

### শ্ৰীমন্ত্ৰগ্ৰহণ গাঁডা

- अट्योद्धीय देवस्थवाहासः अव्याद्यकः त्रिक्षृष्ट्यार्थः **धिकिवनाथ** ठळाविराज्य भाषाभित्रका भाषाग्रेविकी টাকাসমেতা ও প্রিটিফার্ড কবিনেদ তাকুর-প্রাণীত ধর্মিক-वस्त्रमा भागक काराकावानांदका । काराकारी, माइकाराम (शाक-कृष्ठी, विश्व-कृष्ठी, अष्टकारात्र बीमनी ७ अन्य तर्गकाम ষ্ট্-ক্ষাওব্যবিষয়-সহ উপর্ভ বাগাই ভৃতীয় সংহরণ—এই রাঙ मश्चत्रत्व किष्मा २ है। का का मानाव मश्चत्रन् >॥• क्षाका माज

## শ্রীল প্রভূপাদের নক্ততাবলী

ও নিযুগ্পাদ শুশ্ৰীমন্তকিসিদাখসরম্বতী গোসামী মহারতেমর সেই অবিভাবিধাংবিনী भी भाषामकरशास्त्राप्तिनी तथा-काथा निकास सिनी कोवस नामान শৃষ্ট-বিপ্রাহ—বৈদ্যবিদ্ধান্ত বাম্নার কৌস্কভ্যবি—সম্প্রাদায় বৈচন্দ্রিজানাগানের মৌলিছ তথা –প্রদার ও ভার্ন্তের भगवा अन्य अन्य मान्य कार्य कार्य कार्य के निवास कार्य कि विकास के प्राप्त के আছিলক, তথা ও বিব্ৰত্যাদিযুক্ত। আতি কলের প্রান্ত্রের প্রতিধার নিভাবক ক্রিখন ও মধ্যে ব্রেম্বর মৌলিক গ্রেন্থায়

১। हाराज्य व्यं छ— तिक्तरमान, के पन स्य, काल পর্ম, আমপ্রানিভাব, টাবার্যভানবী, প্রাঞ্চরানিকা নালা ও প্রতিব্যাল আল্লেখ্য ও মনেত্রে, ইট্রেড্ডারের ও ভাষ্টার শিক্ষা, অপ্রার্ভ সহজ্ঞর ভি প্রার্ভ স্থাস্থ **হইতে ৯ম কর্ম পর্যান্ত ২১।৮/০ ; দশম** জন্ম ১২১ ; বিভূতি হিন্দ্রিত হার্ক রয়ে প্রশোষ্টিত। ভিতৰ হার

🌞 🕮 🖫 মন্ত্রিক সিদ্ধার সাম্ভ্রাক ব্যাহামী আনুস্থাদ হিল্পিত 🌡 নাম বিদেন 🖺 চেন্ত্র 🦠 চালেক স্থান ও ক্রান্তর ক্রান্তর ক্রান্তর করে 📑 করি 🦠 করি ক্রান্তর করে 🕳 করি 👚 ১ করি 👚 ১ করি 👚 ১ করি 👚 ১ করি হিল্পিটার করিছেন 'অলুকাটো কাতি-মুল্যোদি বহু শাস্ত্রমাণ-স্থলিত হট্যা বিভিন্ন উবল ১০লি মেহ্লিলতের কীস্তন, প্রতিটন বিভান-আচ্চলে বন্দুতি বহু জান্ম আন-ভ্রমান্দ্র 18 977. Chis#s ত গালেকে জলামার দেওকা আছে। আৰু, িও কালেকিল । ভূচত জড়াধ মধ্য হোপুতিবছ তা নিস্কৃতি। ি রু সংগ্রহ হাতে মুচেত, উচ্চ ইটা চালেলে । লোনালে কালা 1 - 21 J. 14 314; 117;

> अनम् कानहीर-१० श्रम्भ स्कर्ग्य न्वेक्ट्र किला ३० (MY 3141, 314 34) Ment

## শ্রিম গুণান্দ্র গী ভা

्र रेट्रेस देवक्यनामानिक-दर्भवतः आस्त्रीयन कालनः रिद्धाः ্ৰুক্ত ভাষা ও জন্মছ জনিনেৰে সাকুৱেৰতাজেন ষদ বিরে বির্থা বিজ্ঞানতের নামক ভাষাপুরু। লবান্ত গুল কৰা, ভাষকাৰেল জীবনী আহুদি নহান্ত্ৰ উল্লয় ব্যান্ত্র, ব্যাদ্যাক্ষরত (ভূতীয়ে সংক্ষরত প্রায়েয় > 0.75

#### প্রমেয়র ব্লাবলী

াৰ-১ ৮, চলেন চা ইতাৰ প্ৰাথম আছে ৮ - উৎক্ৰষ্ট কালিছে 🖟 📆 ১ - ১ চাকা মাত্ৰ ৮ त्रा । १८८८ जिला । अध्यापनमञ्जूषा मानात्मा ह स्ट्रिक के बाद काड़ (जाकश्य) केट्या शहरू । कि ना

### **ि। अरबी श्री मगाराष्ट्रा**

( त्यान्भ ५ ) र भवाम । क्य ठि-माठामि शहर श्रीमवन র্গুলের যে মাংমা বিভিত্ত আছে, তাহার মূল দংস্ব ও अध्यक्षा (१०४) र व्यक्ति।

#### জ্ঞীনবর্ত্তীপভাব**ভরত্ত**

উল্লেখ্য ক্ৰেনিকাৰ বিশিও। প্ৰশাসত গাঁডাৰালে পরিক্রমণ সম্বর্গান বিষয়ক। ভিক্ষাত সংশাত

## ভত্তিন্তানর ও নবছীপ পরিসমা

নীয়া নমুখনি চঞাৰ্টি-মাকুন নচিছ। প্ৰিলভাগে secio প্রিত্রমাণে মাজ সৃহীত; জীলীব গোখানা ক लाकाल इं. नविभिन्नास्त्र शांत्रक्रमा कतिप्राधित्वन, टाराडे । হতে বিহুত। তিখা লেও আলা



শ্রীল ভক্তিবিনোদ ঠাকুর বাধীত। ইহাতে শ্রীচৈতকের रिकालापाकी-काक, द्वामार : अन- वन ५६क ६ k--মচিস্তা হেরাডেল ভত্ব—ে সামগ্র-প্রের্থনার র, কর্মন কাও, আন্মানের ডিলে- বৈনী ভক্তি, ভাবচার ও ्राय ५: ७५७ - नामक ५ - हामाली । अन्य अभागा दीला-িরিচ্যানি তাগম শিল চে । উপযোগা করিয়া সর্বা ভাগায় ালত আছে। চক্রথ সংকরণ বাংগ

२८ ठाका, जानाम ३५० ठाक मान।

## दशीका तक छे हा स

व्यवस्थितः । १, ५० साझ्य श्रीम**रशांशा** প্রবাদ, দাদারত ব্যব্ধ বিভাগ প্রয়াল্যকা विश्वारिक (श्राक्ट्या अक्षिप्राप्त १९९६) । एडवाल **विश्वत**-ামা — প্রাণ কলা ভা প্রায়োগ- ৩ ছ 16 % (A) ালের উচ্চর এটিক কাগেরে রোক 218 अस 8 कर्डा रामाना किस्सूत के असी मार्थित

## শ্রীল দ্বীপ্রমানগ্রাস্থা গ্রী

ইনিষ্ট্রিটোট সাচৰ সভিত বিনিষ্টান্ত্র—শাস-মানতভাৰ মাত কে জেনা অভ--জীল সরহারত নক্ষী ত্তিবের সমূদ্র হিন্দু পে— হয়েম ন্যার্থ প্রিরমা<del>— ত</del>ৌধন ⊞িয় হ'ও বিলোদ সংগ্রবের বিলব্দীপ **ভাষতর্গ প্রাভৃতি** 

#### শ্রীমহিনামানত ব্যাকরণ

নীকাৰ ব্ৰাহানী প্ৰভাগন-বিষ্ঠিত ক্ষম ও বৃদ্ধি, ত্তে এট্ডল্ড ইন্ডিডির্ডে স্বস্থাই লোক্ষ্য १९११वत् विकृत प्रकार **७ ५% छा** के रूप জ্ঞি গরের প্রস্তুত নগালত বৈশেষদশন, সভাজ ও <sup>†</sup> গ্রান্থানিত হারে স্থাভ । শিক্ষা ২০ টাকা, ছাজারেগ্র

#### (वश्य उडिशात

श्चीमन भारतकाताल अंतर । द्यमारका निर्मिदेशिकामन 如果(有事 进)。(网): 公司管理等 2015 (四) 公司 (《用) 公司司司 (《用) র , বং ধার্ব এই উথম করিয়াহেন*ে এইাজে* এ, লাভ ডা প্রেলি স্পাতিত করা বংলাছে . . i, giovino manii

#### क्षीर्रेष्ठ हार एउसी भूष ७ सर्वी श्रम् ७ स

त्योत्रकाणम् विस्तरी द्वासर क्षात्राधासस्य महस्रवा स्वीपन মুখ, প্রানুদ্রনার প্রান্ধ বিভাগত স্বস্থাতী নগা । টা মুহসুৰাজ राष्ट्रपंतिक कार्यकृतिक बारकार्य ५६ वर ন্ন প্ৰভৱের উট্ডাত্বিলেক হার, 🕝 গুলুষ্ট ভ एकाह बिहार साथान्य अक्कि कि स्थापक के कि के कि लामक करेरा मा। बहुन के को के हैं। १२ धाना নকজে ) ভিক্ষা ৮০ আলে, অভি কল্পা গালত সাক্ষাকরণ ६ है। हा साव ।



कैशिषकितिरभाग रोक्य-अभीछ। अहे ध्वमान अष्ट-ব্যাহর জানি লাভ করিবে পারেমাপিক রা ১৭ কিছু এই भाकान दो २१९८५ ११ किएत • ११ । शतम गुंउ नथा विश्वप्रक र है-काल मत्त्र । सन्तर्भ । अन् र्यापार वालानिक इत्र बाहे । for c গ্রহারত E Y · इ. भी १ भी जा হুবিছাত কারী, কথাসার ইন্যায় গালা বিলোগ সমুদ্ধ করা কর্য বিরাট এছ, माम (स्था, डिस्क्रेड बीलॉक--5'हुन ११क्रवल १८७, ६८ सक्तामान।

#### প্রেয়নিবর্ত্ত

ীমনাং বেডিৰ জাতুৰ্য প্ৰেম শ্ৰীল জগদনেও প্ৰ वित्रांबक । वहें भृष्टाक काकि क्ष रहांका क्लार कहा शहर काविराम और - उत्पानाकाव, सकामना क मामक्र--रित्रफन्यद्रदेवतः स्वरीयाण्या व्याप से व्यक्ति अंतर ্দেশিকে প্রেট্রেন। আনটাকার চুক্ত করেন্ত্র বিশ্লাপ ও । সুরস্বতীপ্রদের মুখ্তে নার্থীপশতকের স্থানিত প্রাছ্রাল । ভাপকাৰাৰ প্ৰিড্ৰাদিনাধ্যিত চাতুৰ সংস্কৃত ভিজা ৯৮% 44 MI-1213

#### 'डड' नर**३ श्र**

জ্ঞানকারীর নিতান্তা; সাত্র ভজিবিনোদের সম্প্র ! পুরুষ। ভিজেচ । স্থানা মারে। बान : निविध भारत्रत्र निराम । अवश्रीन मा त्र त भगान কেছ বুঝিতে গারিবেন না । তুরীস সংকরণ ভিন্য দল।

#### হরিনাম চন্তামণি

नामां जांग श्रीत इतिभाग अ १८०० मूर्ण श्रीमनाशास्त्र : लिमाम-महराष्ट्रा, साथ, टाग, जार । जा छाङ्गीं विषय त ষাৰভীয় বিচাৰ প্ৰবিশ্ব করিয় 🗟 প্রেমিন লে প্রাবে সংক্রিপ সান্য্যন্ত ন্ত্রিপাট্রিভাবে মুলিত চ ই⊈ৰ ভাৰ-বিনেশে হাট্ৰ-ড় • : প্ৰথম সংস্কৃত ভিজা ১০

#### কল্যাপক্ষতক

শিक्ষৈছভিতিবিলোধ সাকুল-বালিছ। এচেডাফ ভগ্ৰদ-বিশ্বানী ও জানা,পের পথিকের একান্ত প্রয়োগনীয় উপদেশাবলীপূর্ণ প্রক্রিয়ন্ত । সামাজ ব্যেপ্রভা নান্ द्रमादकल यह असमन्द्राद्रभाव शेल्डियम्द्रधन भाषा स्थापीकर्णानु ও ভিপ্রায়েষা গাল ক্রিবরৈ প্রবিল্ল প্রিনে भाषतान, जिल्हा ८०० जाना मान्त्र ।

#### শরণাগতি

জীলম্বিলেন ১ ্চা ভাৰে বেল আয়েল্যপ্ৰ tamily, क्रम्मकावाता, तड्डाउमा क्षार्गा ड द्रांक व्यावस् रिकार मेरिक्ट , रिकार रेट आना म के र

#### গীড়াবলী

विभाक्त १९० विभाग १९०५ । एउ एका, आसाजिक वितास दालनातन-दि अक मनुद्रातान पुत्र अकद्व अभिकृतः १७%( / ० शाला मान्।

### **国河东安东东西**和

সিকেন্দ্রশুকুট্রমর্থের জীমন্ত্রিকরার 🐃 । রমগ্রন্থ। উন্মানিকবিদ্ধে বর্তনে বন্ধবনে। (उमा १० जाना घ.च)

দীম্যারতপ্রদূর শিক্ষা ও শ্রীণ রল্পাথ দাস পোস্বামীর প্রাক্তি লাজপ ব্যোস্থামীর উপদেশবাণী, ভক্তিপথের অন্তক্ত ও প্রতিকৃত্য বিধয়ে স্থাবিচারিত সংখ্যাদন ভাগে, বিস্কৃত বৈৰুতি, চরিতাড়াতৰ প্রমান, মাধ্য মাথো ও নহাজন-নত ভালপ্য গাঁলসমূহ প্রেটেড্রফ ক্লোকের স্থিত ে নেরাপ্ত এইটাছে। তয় সংখ্যা ভিক্ষা 🗹 • প্রনা ।

#### 37133-266

ভীরখুনার দাস গোলামীর মনঃশিক্ষা, 🕮 গ ঠাকুর ভিজিবিনোদ-চারত গছাত্বালয়ক। ভিজা ৴• **খানা।** 

#### প্রেমভব্তিচ জিকা

রূল টাকুর নগোরুমের ক্লাসঙ্গ **লোমভ**জিবিষয়ক नारमप्रभूतक। (७१०) काना मान्।

#### ন্দ্রীপশভক

শ্রীল ঠাকুর ভাতি বিলোদ-রাজিত শ্রীশ প্রারোধানন িক। ৴৽ আলা মান।

#### 30 C - 199 45

#### সদাচারশ্বতি

গ্রীল মধ্ব হার্যা-প্রতি । বৈষ্ণবেষ নিজ্ঞাকশানি স্পাহারা-दबी, तक्ष भुतान मध्य । जिका / • भाना भाव।

### मश्चिषकती

कविकृतदक्षात्रं, श्रीमञ्जालाग्रम्। श्रीमञ्जालाः हाराशत शर्मकल ६ दिनलेला ६ मूल देवत्वत्रमणाम् । माञ्चलांक जिला 10 जाना मार्ग

#### ্গীত কু**ৰেগ্যন**য়

कार्योक्त के ते नेपार्य तेन दस्य व्यवाद्य विदेशी । उत्तर र প্রমান্বেল্ড ১৯৮৬ জন জন ১৯৯ ছেল ছেলা।

### गुः अव्हानः। । अवदनोत्रस

ইনিধ্বদন্ত নাহান্ত্রপত বিনেশালিবাল স্বান্ত্রত । বঞ্চালবে সাধানে ৩১ রাখের প্রকাশ পার্মাণিক সাহিত্য-ভগুটে বত। এই সক্ষেত্ৰৰ । স্থীনক্ষৰচাৰ্চাৰ্চ হুইটেছ ধ্যেত্ৰাৰক্ষ কিটাই মধ্ব চোল নামে খাডে জীলানিরাজভীর্য স্বামী এই প্রমে मांभातन एकि ७ दर्शिक स्त्र ग्राह्म तिता कि सभ समता जातन ভক্তিবিবেটে মতলাদ সমুহ স্থান ক্রিয়াছে, ভাষা পায় त ' 'एक तालटक अल्डामाधिक करहरू कत । । हेकाटक गणिनत দ্ববোচাকাক, উল্ল, বোদ্ধ, নীমধেশক ও মানোবল গড় । সমুদ্রের জনসা থাওন রহিলাতে । (ভিজা ২ টাক। মান।

## द्रगाञ्चाभी श्रीत त्रघुमात्र प्राप्त

তেওঁ বিক্রাণ আইন ভক্তিনিদান্তসরস্থাই গোলামী প্রভাল-লিখিত ভূমিকা সহ ) পৌরপ্রেষ্ঠ স্বঞ্চপ-এপের তক্ষাৰ প্ৰিয়ত্ম আনুৰ দাস গোৰামী আনুৱ অপুন্ধ চ্বিভাৰত ও শিক্ষা অভীৰ আছেল ও ধনলা ভাষায় স্থিতির ্টান্তী ঠানুসৰ তথ্য প্ৰিশিষ্টে দাগগোৰামী প্ৰান্ত বিষাধ্য কৰ্মন্ত শাস্ত্রপদ মধুর ম ওব ও মন্ত্রপিদা মহবিত। ভিক বালাই।। আৰু ।, আবাবাই।। । আল। মারে।

প্রাদীন নবৰীপের অবভিতি, তথ্য, ঐতিহ্ন, প্রেডিড এতিহাসিক প্রমাণসম্বলিত নম্মতী বীলের সচিত্র বিবরণ-গ্রাভ বিরা ওদাদের কুমার **উ**সুক্ত শরণিকু স্থীরারণ त्राव एम, ज, व्यक्ति (गार्कात), तारावकुत्रन सरक्षाव अक्कि স্ক্লিড এবং ৪৭ থানি বিভিন্ন বর্ণের অপূর্ব চিলে 🍅 💥 मानिका-ममस्य : आधानिकायकार्यन साम मारह्य

নগের নাথ বস্ত বিখকোশ্যশাদক বছাপ্রের বিভুক্ত ভূবিকা महा फिरकुटे (हेर ) मत्रहका वेश कि मुला 58+, कि: कि: कि: CB २ । छाक भावा।

#### मागक-अश्रेषामा

श्वतंत्रसमा, देवकान-कमानाः, देवकानमञ्जनः शृं**कारणत ग्रिक**ः ीनाम: पे. अभ्यवादाहर अक्षेत्रतमण नाम, क्र**ेशस्य** नाम की उन, श्रीनामनभी कर, दश्यमध्यनि, 'वार्डेशमध्येक, । नवशैल-मिन्मा, श्रीमामाध्य महिमा, श्रीनदश्चातम-ध्यापृत्र व्यक्षेत्र आठामा-नमन्द्रः, मान्द्राप्तर्थात्रः अहेक, ८**श्रमार्डीकाऽक्रिका**, িল্দেশ্যালা নামভক্ন-প্রামী, মঙাপ্রাভু **ও রায় রাম্যান্য** সংগাদ, মনালিকা, জীওকপ্রবৃতি, জীওক-পরত্বারা, মহাপ্রার বঁদনা প্রভৃতি ধারক ও নিম্বনীয়নের নিভাপাঠা, বৈচনবৰ্ণনেৰ কঠালিত তুল্দীমালার রায় অঞ্জন কঠে উলে লোকাচাট্য বচিত। বৈষ্ণবভা-আনের আকর বিশ্বেশণা লপুর্ব প্রদ। ভিক্ত কিছ । বিশ্বিট ॥• মাত্র ।

### গোড়ীয়-গোরৰ

क जिका होते अंदरिष्क आजवारी करण दशी शिव मुल्लामक শ্রীপাদ অন্সবাদক প্রদিয়াবিনেল প্রদায় বাকুজার বিষয় अञ्चलकात अञ्चलका हेराहरू दर्गकोश देवकवनकाताहरूस् हेर्न वह राष्ट्र के तिकारन कार्य व वह नाइक र किला क्रिक मानिक

## গোড়ায় সাহিত্য

কলিকভাবে ভারাবিধ আবিবটো হলে কেটিটার মুল্পাক্ষ ক্রীপাদ স্করাক্ষ প্রবিদ্ধাবিনে দ্রাত্র প্রত বঞ্চার **বিষয়** टा विद्यात अकारियत । वेशाहर मावितानामा असे खबर दर्शकामन्त्रताकेटकास जिल्ला श्रासकारन् दर्शित कद्यादक । क्रिका ler • अपन्त सार ।

## ইনগৌড়ম ওল পরিক্রমান্দর্পণ

च्चिरा हेड्सामन रा सक्त प्राप्त मर्शासकत् **च्चिमण्डश्या** ত্রং ভদন্তর প্রবর্থ মহাজন্ত্রন্ত লাভা করিল প্রিছাত্ত্ব-ा है यन आवित्रक एकोरशासिक পরিচয় ও उपनिविधिकाणिक अविता अह साधासाराहत अनिता किर्देशन राज्यांत विश्वस्थानि ধ্রিং বিশ্ত আছে। ভিজা ভ আন।

## THE HARMONIST

## OR SHREE SAJJANATOSHANI

चीत शक्त डॉक्जिस्सिमामाची स्थित स्वतः **खेल डॉक**-নিকান্ত্ৰসৱৰ্তী গোৰামী ভাতুল্য স্প্ৰাটিক **প্ৰসাধিক** माधिक भाग। । एकटण देश्वाची भागांत बहाबियाँ कहा ভবলকাউন ৮ পেন্টা ৪ ফল্ফা আক্ষেত্র প্রতি গাবে হয়ি-নামের বিভার-বৈক্ষয়গ্রী লচকা উপস্থিত ভইচেছেল। कार्यक, मुलन-शाहिलांका । 6 आणि कांद्रीय जिल्लाका এট প্রকার উৎচুঠ প্রবন্ধ মার কোন মাসিক প্রাটি**তে** দেবিতে পাইবেন লা। বাৰিক ক্ৰিকা ভাক্ষাগুলসক 👟 টাকাপাত।

## াজিন্তান-

শ্রীচৈত ক্রমঃ, পোঃ শ্রীমায়াপুর মনীয়া

# বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভক্তিমঠসমূহ

बोटिंड का यर्र

আকর মটরাজ

क्षाकीन नवशीन, छ।क्यत खीवाय मात्रानुत्र, नवीत्रा

শ্রিষভাবোগণীঠ হচতে প্রায় ৩০ । ধরু উত্তর-পূব্দে শ্রীব্রজপদ্ধনে আচার্গারত শ্রীচন্ত-त्यमत-अन्दान क्रीकिरें। क्रक मठ निवासमान ।

এচ স্থান সাওয়ত্ত-দীর্থ, পরাবস্থাপীঠ বা সাম্বত ভজনত্তনী ৷ এট মহাভীর্থে শ্রীংরি-নানায়ত বাকে লোকি-বেলালসমূত, পরবিভার অন্তর্গত কাবা, নাটক, অলভার, জলা লামান্ত্রপ্রিষ্ট-শ্বীক্ষা-পূত্র-প্রস্থান-চতুর্বের অধ্যয়ন ও অধ্যাপনা এবং ভগার এতান-: লীবাঞ্চ-পান্ধ কা-গিলিন্দৰ ৰ সাক্ষ্য সাম্প্রদায়িক-কাচাবা-চকুচর ভাগাদের উপাত্ত বিরাকের গাঁওজ নিজা দেবিত হয়কোছন। এই মঠরাজে পারমার্থিক জৈনিকপত্র সাক্ষত সম্মোধ্যকে আহাকাশ্যন্ত ও জহাচীন প্রভাগতি প্রচারকটের "নদীয়া-প্রকাশ" ব্রাকর কাক্তিভ ক্ষয়চেন আভ্রবসর জীগাম-প্রিক্রমান্তরাল e অস্থিত ভক্তগারি ভ को छन श्राहरूपुरम अकामार राया शिम का का का का का कारक । वक्क --- अका होती . প্রীপাদ নবছরিতী। সংকাধী— প্রীপাদ বিলোদবিহারী ব্রহ্মচারী, পাঞ্চ শ্রীপার পোরদাস अक्षाति वादित्रणतीर्थ, अभाव नीताल अक्षात्री, भाषिक विश्वविधालक अक्षाति, हिरक वनीरभाषांत प्रत्याःपावधवः व्यवस्थाय यात्र वश्ववि व्यवस्थात् ।

#### ७ त्यामञ्जीक श्रीमन्त्रिक

चह कृति कें, अश्वद्धाः भाषत क्षत्रम वा Bunger wie auf verte-min nertunt-नारे। द्रणान में श्रीकां क द्रिकान toruthe Mentaniation was Mitaent M FRATTIALME TARE HAT PA BOMBA करणह दूरवा दक्षभावः। २० क---(वाहक-भागांकत तमावाभी कति।या वाक छेवभा-माच । महकारी हैंशेंग्स मान्य अकारो, Bulletin another Bentonete Min- ? wifft, inemmi Ehnfanfin :

### ( 8 ) Ma ( 17 . 18 18 A

द्वीभनाका आकृष करियम-विकास या शिक्षोदनीयात्र वाशक्ष्मी । कनारम व्यक्तित्वात-शिकार्यक स्थापिक स्थापिक देखेल । यह स्थाप ame-Bainimia ambibl. Buyn ww. शिर्माक्रममा नावाकी :

## (४) अटेच्छ-क्षत्रन

बड़े काल की बहेदर शक् व अवन कार (मदा वस्यान।

(७) कालीय अव।नि भ हे व्हाठीन माबाणुर, वामनणुक्त (नवीबा: **बिश्मीतक्रमाणाळ बि**र्डाषकाकीत प्रमार्थ। वक्क-अक्राती विविध्नामानकाती ।

#### ( १ ) चर्मण ख्रम क्र

**द्धिरभाज्यम्, जसल्यमः** । समीवः ) बन्धारम अविकासाम जीन काविन्धिरामहाकृत्यन nmfe wat Bentoneren wet Bergiet. BINCUE CPUT 4個利用

रक्षण-- क्रिकेश्वर काकाव उक्षात्री क्क का स्थिती सन, सम, सम ।

## ार **अध्यवसाय** दशोडीय सर्वे

মহম্প্রিংভ (

িব, এল, সংকারী--- খ্রীউদ্ধবদাস ভাক্ত-माती. व्यक्तिकाम बाधकावी व्यक्ति ।

( > ) औद्रशीय-भणावय-वर्ष

ঠাপাত টী, সমুদ্রগড়, ( বছমান ) भिण वाद्येलात्यक कांक्रक्कि स्त्रावतम्बरण ्मता । वक्क--- अक्रिकिश्वास व्यास्त्र ।

## ः ১ • अञ्चल (श्रीकोञ्च-वर

माधानक, अधात्र हते, लि रक्ष म -- क्षेत्र विभाग सम्बद्धाती, क्षेत्र वर्ण पर 344-1-

#### 

थाउँचाकि, शाहनव, वद्यान। 🕮 वात्रावकात हे कि व वस्तावदस्त वास । वक्क-चित्रविकांने दक्षाती। १ >> ) कामनक आप्रम

चिनाशवष्ठ (व्याग, क्रमान्यत, नहीता। कालन विश्वास अकावती व्यक्तान करा तणक--- विषवानक बच्छाती।

: > 0 ) **Que 13**# 25 cb.मशको, त्यावाको, क्रकनश्च, अमेथा । 

( ১৪ ) जीवामा ८गोक्रीय वर्ड २०वर तथावलूक दशास्त्र, जाका । प्रमान्द्रम् आधान-८०छ, क्यारम जी छक्न-.शोशंक शाक्षमानाशिक्षण्डक दशवा वस्त्रमान । तक रू-व्याधायम् अवस्थानी ।

## ( ३० ) कैंद्रभानानकी सर्व

###(9#, 51#) (

रणाणानकीर आधिकार का हीन रमश प्रक्रम--- श्री लापटगांव अवकावी ।

(३) बिदगोडी इ मर्ठ

১७ वर काशिक्षमात एक्रवर्की हैिए. (शाः नाशनाव्यात, कालका हा । क्रिकाम वि. वि. १३३४

শ্রীমবারা গড়র প্রচারিত্ত শ্রনিশ্বল কভিন্দা-প্রচারেরাফেলে গোড়দোলের সঞ্চারার নগরী কলিকাভার শ্রীভজিবিনোগ আসনে শ্রীম্য কাক্তিত আতেল: এই ভক্ত সক্ষাবামে জী এল-বোরাজ-জীবিনেজানক জীট সপ্রের নিকা সোরত হন। গোডীর মাচার্যানর্পের যাবজীয় প্রায়াবলীর ওপ্রচায়োদেশে নীমাচে সংস্থা চকরী ওবৃচং মৃত্যান গঞ্জালয় সংস্থানিত ভটায়তেল। পুলিবীর লক্ষত 🕮গোলনাম কচেবোর এই যন্তালয় চটতে 'গোটীয়' সংখ্যাতিক পত্ৰ, জি জন্তমনিষ্ট মানিক পাত্ৰকা ইংৱাজী ভাষাৰ নিয়মিডজাবে প্রকাশিত চইজেচেন। শীমতে পাস, সন্ধীকন, সংখ্যেন-চাতৃগর-বেলাছে, শ্রীমন্ত্রাগণত, প্রীটেডক-চরিভায় গদি-দীশা ও প্রগান্তের সমাক আলোচনা চত্ত্ পাকে। মুদ্রক্ত-আগোলিক জীপাধ কুম্বিভাগী বিশ্বাভ্যব। সহজাতী-পশ্ভিম প্রীপাদ অনক্ষরাপ্তত্বে পর্বস্থাকৃষ্ণ বি-এ, শীপাদ প্রক্রানন্দ পর্ববস্থাবিলোদ বি-এ, क्षोलाम रामात्रकाती अक्षठाती. जीलाम क्रमाध्वादन नामाधिकाती तिन्छ, जीलाम कदरभाषाम बामाधिकाती. उच्छानी जीकीकमानक, उच्छानी जीपातीस्थानम, वच्छानी ল্লীক্ষণনৰ ভ্ৰজিশালী, এক্ষ্যায়ী ল্লীদেবকীনক্ষম, পঞ্জি ল্লীপা নবীনকৃষ্ণ িনে শিল্পানী নীনমাজ কালীপ ভীর্থ মহারাল তথানে হরিকলা ভীর্তন করিছেছেন। প্রতিজ্ঞানভার ভক্তিশাক আঞ্চি।

## ১৬ - खिनवारे-८नाः च वर्ड

o विकास शनाविमी मुखा, वालिस चौगमारे-(गोबा(# व निष्टा स्मर रफ क - डीश्वं शक उन्नहाती।

## १९ शिकाशतकसभावक मह

फिक्सिया, नाळाणनणुर, असिमीलुक। क्षारत ने श्रव-्यात्राक्र-माक्षाक्रका-'अकिमाडीर निकारमण तकश्रान । उक्क----.राजनः मी सी समनानवामको । सञ्चनः दी समास्त्र

## ১৮ व्यामनात्याका व्यवसाद्यम

वास्त्रीम दलाः वस्त्राम ।

विशासका: वक्क---वक्करात्री खोडाड- केनिक्कणातः FEMTO !

## (১৯) औनुक्रस्याच्य वर्ठ

वर्गकार, मुझी, केरिका। बच्छान हैंद्रशीय-'वरमामभागवणीय जिला-. भना वसमान । अक्क- खर्चडाडी टील्ड्स-नक विमान्य. बच्छात्री खेलबीश्रासक ।

## १ औडम-(गोड़ी र मह

भागतसमाभ, अभागिति (भाः, भूरी । स्वत्राच्यावद्यं स्वत्यत्रं सम्बद्धं स्वीत्रम् 44TH 1 4#4-- 4#big] लेगवरमच्यो व्यमानको महकादो--- : बच्चाठाबी औ'विश्वविष्यक्षी ।

### (२) क्रिमांक्यानम् सर्वे

Bienteimin, woe .

बवारम खेल्य-। गोडाल-विस्नानसम् भीत निष्ठारमक वर्षमान। अषठाश्री जीनवार श

## २२ जामनाजन-भोकान मठ

१८१ जनकातनम्बा, कान्तु । (शीर- मन)क्षण्यः जना क्ल- निकास्ताः এবারে ব্রারেসেরা সরম্ভা **রক্ষক** भीजानकी नालकी

## ३ इ. श्रीकक्षात्रक्रम् ॥३

मीम् भारत्माम कृष्ण, श्रीताम वृत्सातम । के विराध-वकः (भावनकोद (सन्।) गणक --- शिलवार्श क्यांक वस्त्राती

## (३४) अभित्रमहरण गठ

लि!सवादना, जीकाश्रत

এখানে এটাগ্ৰন্ত শাস্ত্ৰালা ৰ लैंदिशांव विद्यान विकासकीच दमनः वक्तवान । लो शक्ताताक खेनाक किना निविधारीतः १क्रक--- उक्ततारी खेन्। ११वानेक व दक्ताती

## .२०: ड्योटेइडसाटगोस्रोत मठ

हम्बद्धाः (हतक्षाः, मानक्षाः देश ±ेंदे∍कत्र-महत्रत्र नामः। क्कक—डीक्सा-नाथ बाह, ह्याटाल-भान- अव्दर्शनी । श्रीदाय Ald where .

### २७) नामःगोजीय वर्त

ेश्रीकृष्ट, वास्त्रवृद्ध, कृषान्। अगरिन क्षीर्रावर्गवानाम-वास्थव स्त्रका क्ष्रयाम । तकक---- अध्यक्ष विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व विश्व विश्व विष्य वि

## .२०। खावनभाषा अभनात्रम-मह

ব্রাহ্মণপাড়া, পোট মাজু, ১,৪৬) काशास्त्र सङ्कृष्टमुद्धिः हारणावस्त्रम् सम्बद्ध वर्षभाम । वक्रकः अवनगा हालानक्रकः माम, औश्रामाद्यम अश्वनादी।

## (२৮) विश्वा (गाउँ प्र गठ-कास्तालस

im jest Biete, fing feint . वक्षक-- 'द्रमाञ्चामी क्षेत्रसांक मक्क् fefe uetaim, Butignebagmpe

## (२२) (शाहानशाक्रक नहास्त्र व्यक-व्यक्तिको बोहासस्म

## গান্ধীন্ত্ৰীর নৈনীভাল ভ্যাগ

আশা করা গিয়াছিল যে, মহায়া গান্ধী বিশেষ দৃত মার্কং গ্রণরের নিকট যে নতন প্রস্তাব প্রেরণ করিয়াছিলেন, ওাচার উপর ভিত্তি করিয়া ক্রমাণ সমস্তা স্থাকে মহাত্মাজী ও প্রণ্রের মলে আরও আলোচনা হইবে। কিন্তু মচাল্লামী বেলা আড়াইটার সময় হঠাৎ নৈনীতাণ ভাগি কণিবার শিল্পান্ত করেন এবং অপরাত্র চারিটার সময় সদলে वारफोनी याजा करतन।

গ্রণ্র সার মালকম হেলীর নিকট হইতে এক পত্র পাওয়ার প্রই মহায়াছী নৈনীভাগ ভাাণের ফিছান্ত করেন। প্রকাশ, পত্রে উল্লিখিত হইয়াছে, শবর্ণমেন্ট মহাত্মালীর প্রস্তাবে দশত ২ইতে অক্ষম, কারণ থাজনা ও রাজণ হাস সম্পর্কে শ্বণমেণ্ট বিশেষভাবে অন্তুসন্ধানের পর ইতঃপূর্কে যোগণা করিয়াছেন এবং ওদমু-সাবে খাজনা ও রাজস্ব আদার ইতিমধ্যেই व्यात्रष्ठ श्हेग्रा शियाटह ।

গুরণরের নিকট হইতে এইরূপ উত্তর পাইয়া মহাস্থাজী অবিলয়ে নৈনীভাল ভইতে যাত্রা করিবার জহা তাহার শ্লিনিধ-প্র ওছাইবার আদেশ করেন: কিন্ত যাত্রার পূর্বে যুক্তপ্রদেশের রুষাণদের উদ্দেশে শংবাদপতে নিম্নলিখিত মধ্যে এক विदृष्टि ध्वनान करत्रन, क्रयकरनत्र रनाइनीग আর্থিক ছরণছা এবং পুরা পাদনাপ্রদানে অনেকের অক্ষতা হেতু কংগ্রেণ এই ব্যাপারের মধ্যে আনিয়া পড়িয়াছেন। कः ध्वान ५९ श्वर्गरमा छेत्र माना हा क्रिन करन আইন অমান্ত আন্দোলন এবং সেই হেডু क्षत्र बाल्लायन् वक्र क्या स्थ्यार्षः তিনি আশা করেন যে, অবিলম্বে থাজনা প্রদান আরম্ভ হইবে। ফভেপুর, এলাহা-वाम, बाबरवरबनी, र्गातकश्व, कानश्व, পালে প্রতাপগড়, আগ্রা, মধুরা ও क्टिंग। कडे भन्छि द्रमात एस जिन ध्यस्य करत्र ८४, ५४मी यहिन्हीन প্রেকারণ টাক্ষে আট আনা ুও দ্বলা স্বত্ব-বিশিত প্রমাগ্য টাকায় চারি সানা व्यानाव निर्देश । उत्त क्षांनीव व्यवकारकारत এই স্বার্র নিশ্মের ব্যক্তিক্রম হইবে।

व्यतः शत महाद्याका तत्त्रम, -- ''कःट धम আপা করেন যে, প্রত্যেক প্রকার মত শীল সৈম্ভব যাহা পারে সমত বামনাই মিটাইয়া দিলে, তবে পুরুষকে সাধারণ নিয়ম অমুদারে কেত্র অমুধায়ী আট আনা বা চারি আনার কম কিছুতেই হতবে লাঃ পাহারা অবিক দিতে সক্ষম. ভাষানের ভাষাত প্রদান করা উচিত, কিন্তু शाबादा हकान करम डेक्ट नित्रमाञ्चराधि ।

বলিয়াই ডিনি আশা করেন।

উপদৃংহারে মহামাজী কুলাণগণকে সভাও অহিংসায় অবিচলিত থাকিবার ব্দস্ত অভুরোধ করেন।

## জামাণপুরে গ্রেপ্তারের ছিড়িক

गंक २०१मं ६४ । श्रीखः कारण । १४ गरण ২৮টা বাড়ী থানাতলান: করা ১য়। त्याकाव माहेरवरीत १८अनिरम् के लीयक অগ্নিশ্বর রাগ উক্তি শ্রীণ্ড খনোশচন্দ্র प्रकल्प, डिकीय छाट्यक्डम खर, चीग्ड गान तहन्त मञ्जूमतात. विश्वनाथ नात्रा इकी. **द्रम**ी८भाष्ट्रन বিশ্বভারী ্যা কার্যপূর্ **ब्योग्ड - ध्वकां मठ स** म अ में ज्ञान का ज्ञान ভালুকৰাৰ, ডাং রম্বীমেধন সাহস এম-বি. সম্পাদক কংগ্রেস কমিটি, গাঃ প্রভাগ স্থ लां अध्ये, छाः भवीक गांव तसः तर्म कर মুখ্যজ্ঞী ও রামনাথ M 2 2 2 বাড়ীনহ ২৮ থানি বাড়ীতে' প্লিশ হংলং निया क्राक्प्कावाशी भुष्याग्रेभुष्टार्थ থানভিন্নাদ করে। সম্প্রতি এমচক্ষার বিভিন্ন অকালে যে ভাকাতি ১ইয়ালে, **७२मप्ला**कं एके सामान्तान क्षेत्रात्र বলিয়া বিশ্ব'স। ভার মণীজনাণ বহুৰ वाफ़ी बहेटक ट्रहरणभाव अग्रहनाम अ রমেনাথ ডে এলরির পুত্র মাধ্য ডে ওলারী প্রভৃতি মূবকদের একথানি প্রাণফটে: পুলিশ লইয়া পিয়াছে। এভহাতীত আর:কোন্কিছু পুলিল नाडे निया প্রকাশ:

छ।: त्रभीत्राध्य माटा ज्ञालक কংগ্রের কমিটা, প্রায়ত কনকেশ্বর ভট্নচার্য্য गहः मल्लामक कारधान क्यि है, कानीन मञ्जूमनात, क्या मड छछ, अभिन ব্যানাঞী, অনিল ওছ বড় স্কার, মাথম তে ও্যারী, অশ্বিনী দে, রণ্জ্য সিংচ, স্থবীর ডৌধুরী, স্থবীর ভালকদার, স্মন্ত্রার कारश्ली ७ छानहच्चाक जनगा १ (अथात क्या ६६४१८७। ध्वकान offera আর ৩০ জনের থৌন করিয়াছিল কিছ তাহাদিগকে, পায় নাত।

## গান্ধী আর্ট্টইনচ্স্তির প্রসম্মে

भाको बाजिङ्गेन हुक्तित कला बन्न े केनियात (Ö)। क्ला गार्का প্রস্তুত সম্পর্কে সালারণের কভতুকু অবিকার থাকিবে তাহা সরকারী ইন্তা-कार्य क्षाकाल क्या बहेग्राट्ड ।

वर्ष आविष्ठेरानव महिल महावा গার্থীর চুক্তির পর চুক্তির ২০ নংস্কৃ मश्रक भवर्गमार्थेत कि कर्मना छाहा जान कारव विरवहना कतिया (मिश्रयोद्यान) (यनन व्यक्ता नवन मार्ग्जीक वा देखांशी

বা তৈয়ারী করার বিধনি এইবুপ :---

२० तः मर्खनी शतीव **लाकातम ८ छात्र सम्छ वल्ल्य कु**ष्टियाधिन। উপকারই করা হইয়াছে। ক্মতন্ত্রাং শেশৰ অঞ্চলে লবৰ পাওয়া যায় সেই সৰ अक्टनन निक्छेवडी अस्ट्रिस ट्याटकसाह ल्यन भः शहं करिया निष्णासन खारवाकरन বা চাৰ ক'বলে পাৰিবে।

श्वर टेड्यावीत - डेटकटक 🖟 ८काम क्रम क्रम साहे । আমে গ্ৰমীৰণ ঘাত বাধিকে পাৰিৰে (৩) গ্রামের বাহিরে একাথাও কের ব্যবসার . डिकारण वायन विकास **कतिर**क भातिरत

भारता यहा। इकाम मान्यवाद्यासित স্কারে, এরপ লবন প্রীন

না। (১) উত্তরণ বিভান ভেন্নেরেই। ्राचारमञ्जाल <u>व्यक्ति व्यक्ति सम्</u>यक्ति **त**करम नवकार्याः कष्मधार्याः यजनसारः प्राक्रियाः निरंदन में। वे। क्षेत्र अकरात १५८४ ल কলিবেন না ৷ . ৫ - যেখানে নিদ্দেৰ वर्ष । सम ११८२ इन्यादकात अध्यत् भीदन्त्र পরিমাণেপ ভবিধা ম'ল! যাটালে ় অন্তিবিক চিম্মানে লবন কৈম্বে বা मरश्रद्धीं इंडर्स (स्वार्त्स अस्ति। स्व অপ্রাবহার কর: হইচেচ্চে ৰু•িখং ৩ 63671

#### कारमहिरतन निरक छनी

প্ত ২১৫শ যে লাগির অভযান ১২৫১ ৪৫ মিনিটের সময় ভারতাম, বিভাগের ভার-প্রাপ্ত সহকরৌ: করেলপ্রর মিঃ এল, টি, (यामान् बाह, भि. ७२ गर्म मक्तिवानिकः) ভিপনে নিট্রিভ জিলেন, নেই স্ময় এংহা ক नका क्रिया उक्षे खना निकिश्व २४, किश्च खली शकान्ये । यहेनात लत মুহুকেই 'পুলিশ ঘটনাওলে উদাধত হয় আকুণ আবেদন জ্ঞাপন ক্রিয়াছেন। কিন্ত আততারী প্রায়ন করে

্ গুলির সম্বন্ধে পুলিল ভদপ্রের ফলে হলেন , গিয়াছে যে মিঃ গোলাপ্তে ভড়া

भिः एशनाल नत्त्रन, विनि कार्छ। প্রেবণ আওয়ান ভ্রিতে পরে এবং ৩৫ तक पूरत का भरतन्त्र दक्षा बलक एम्पिएड পাল; ঐ সময় তিনি কাহার ভাক याः एता वाश्यित अध्याष्ट्रियान, किन्न শুলীর আঘাতের কোন গোল পাওয় यांग्र नार्हे।

श्रुमिर्भन्न निषाम क्षेत्रे दय, मण मिन ना। িত তেওঁ চহতে ত জাতারপথ চইতে পারে দেইদৰ অঞ্জের দরিকটত্ত পুরেষ ই ডাকবাংলো থালি পঞ্জি ছিল .

তাহাদের প্রতি উদার আচরণ করিবেন আমসমূহের অনিন্দীদের লবণ সংগ্রহ প্রথমও ভাষা প্রাদি অবস্থার আছে কি লা আঁট করিয়া দেশিবার অভ কোম

षारत्रागात गुरु शहेका बिर्फ्ल

রাজগানীতে দায়োগার বাড়ীতে পটকা **ছু**ড़िया रूजा कतात ८०डी मण्मट**र्क शांसदाय** व्यक्तियुक्त व्यक्त्यामन मूर्याक्रीत शरक अह সংবেৰ মৃত্যু, গুহুপালৈত প্ৰস্তুৰ পাৰা 🛒 মধ্যে মুরখান্ত করা হয় যে, এই মামলটো রের জল লগ্রা মাজ রকার জন্ম শ্রণ আইনা ও ঘটনার ফটিন প্রশ্ন ঘটত বিধার বংবলার এই প্রয়েপেনের মতেঃ ব্ঝিতে ১৫শেশাশ স্থায় ব্যবস্থা করা হউক, কিছ

## যুক্ত রাষ্ট্রমিরূপণ কমিটীর বৈঠক

গ্ৰণ্মেন্ট ও স্থানীয় নেতুগণ যুক্ত-রাষ্ট্র নিরূপণ ক্ষিটীর স্ভার ছোগ্লান हेश क्रोर के वृत्तिर इंडेटन (१, । मन्मदक महाश्वाकीटक छोहात व्यक्तिमञ् भारत ३ कि के के वा वा नर्मन वाहेगर पहिरक क्षेत्र स्वाहित का कि शिवास के स्वाह के स्वाह स्व করিজেছেন। সভার ঋনিবেশন এক সপ্তাহ পিডাইয়া দিবার কলাও কানীয় রাজনৈতিক ম**রলে আলোচিত হইভেছে।** 

#### मन्त्रात्र छ। व्याणम

सार्याद्वत (गाक**िश्र (तनका**क '- क-'त (माराजान **व्यालाम ≽ल्व्हें ८म** ए। जिल्ला भवताच अवर्षाण कर्यको अध्या क्र-भारचंद्रे केरवार के करशास्त्र क्षेत्रक क्षेत्रक भारत्य का राजनार का लग क्या क्या । विकास ৫টার সময় ডাঃ আলম সমজিব্যাহারে .e.क विकार विद्यालया महत्त्व **व्यक्ति क्षेत्रा-**ভিলা বাজি লাউটার সময় সাক্তনীন সভ্যত ডাং আলম সভাপতির পদ প্রাংশ करतन । हा अस्मि वहरह खाम २४ ष्ट्राचारेत (कांक शक्तांत्र (राजानान कत्रिया-ভিল্: সভাপতির অভিভাষণে হিন্দ-মগ্লমান ঐক্য স্থাপনের স্নিক্ষক্ষ অস্থ্রেপ विक्षा উল্লেখ্যোগ্য। स्थुतात्र द्य मक्ष पुत्रकाना जपनक कर्दश्रदम द्यालमान करवन बाह काशांत्रहार. व्यक्तिमारक कराखारमा शहाकारण धकाबिक व्यवाद अथ किमि

#### WILES WPHICETE

आवाकाम शन्दबंदे हिंदकहे कविताः ाक तान (अक्षा भावभा व्याप्तश्च स्टेवारक। ्मरम्त् क्रहे अर्थ अर्थ अर्थके **विरम ७ व्याट**कव क्रम्म भग्नात बाकान इहेरफरम् मा । व्यदे कार्थ (भरतम् काटम मानिदन समझ विश्वहे বলিবার থাকিত না। কিছ ব্যক্তিগড গাভের জন্ত দরিত পদ্ধীকে এই शास्त्रत्र वावगात किष्टुरण्डे मध्य क्या गात

"শ্ৰীৰাম" টোল— নতদ্বীপ

विकाशामक वाक

्र द्वाक्ष्यादर द्वाक्ष काम ५ व्यक्ति काम ६ व्यक्ति काम ६ वृद्धि द वार



সাভাবোরগার
আগ্রাম থেয়।
বাধিক ক্র্
বাশ্যাবিক ৩,
গ্রেমাসিক ২০০
মাসিক ১,
নগদ
লগত সংখ্যা তে

東西でのな 日本内 古田田・田田市 - 日本一日 (中の) (中の) 1日 とうように からりん

७४ ४७ ] मञ्चामक— शिक्र होत्सनाथ वत्मग्राशाशाश, त्रमान्द्रवाठ म्थान्डि

ि १२ व्या मर था।

**এটেড জন্মনার জীবাদ মাহাপুক** ১৮ই জোই রহস্পতি বার ১০০৮, ২৮শে মে ১৯০১

## নানা কথা লগহরদে যাত্রীসমাগন

গত ১২ই হৈছে স্পংশ যে দশতরং উদ্ধান্তে গদালালার্থ হাজার হাজার ঘারী শ্রিইলোরাজনেবের জাগিজার ভূম শ্রীবান্ধনায়পুরে তবং অপরাধ ভ্জানেব পাই কুলিয়ায় ( বক্তন্ম সহর ন্বাহীপে অন্নান্ধ করিয়াছেন।

त्यारभाषणारक अधिकाण याजीके शुना
शक्यात निभिक्ष भाषाचारन याजेगा शायकन,
व्यक्षियद म्हास्त्र माहे ; किन्छ शृद्ध मान छ
श्रीणात्र रमनात्र माहे ; किन्छ शृद्ध मान छ
श्रीणात्र रमनात्र माहे ; किन्छ शृद्ध मान छ
व्यव्यक्ष सम्बद्ध सम्बद्ध स्थान स्थान छ
विभय क्षेत्र रम, स्थान सम्बद्ध स्थान स्थान छ
विभय क्षेत्र स्थान स्थान छ
विभय स्थान स्थान स्थान छ
विभय स्थान स्थित स्थान स्यान स्थान स

## দশহরায় যাত্রী সমাগম

কুষ্ণনগরে নেশাখোরদের কাও

## কালীগঞ্জ সংবাদ

আশুতোমের সপ্তম-ব বিক স্মৃতিতর্পণ

## কৃষ্ণনগরে পিকেটিং

স্পেনে কারাগার শংক্ষারের চেফা

## মুড়াগাছায় গ্রেপ্তার

পেলামোকোটায় প ওত জহরলাল নেহেরু

## জাতি-সঞ্জ কাউন্সিল

রেঙ্গণে পুলিশের মহিত বিদ্রোহীদের সংঘর্ষ

## বি এস্ সি শিক্ষক চাই

### क्रमानगरत द्वानारचात्रस्य काल

শন্ত সল্পানির বেশা ১০টার পর মন ও গাল নেশিকানে অনেক বাজিকে মন ও গাল কিশিকে কেন্দ্র যায় বেশ্বনা নেলকগন ই তানে আগ্রমন করিয়া অঞ্চন্ত্র বিশ্বকার উল্লেখ্য স্থায় হ্রাম পায়। কিন্দ্র হল একটা নেশাপেরকে স্থেক্তান নেকলের কালের প্রার্থনান্ত উপোধ্য করিতে নেলা শিয়াতের।

## কালিগঞ্জ **সংবাদ** পুরস্কার বিভরণ

পত ২০লে মে কালীগলে পুনকাৰ বিচরং কইন্নাচেত্য এডছপলকে বিশিন্ত ব্যাজনা নিমালত ইন্নাছিলেন তথালে কলের ভ্তপুর ছাত্র প্রিয়ক্ত প্রভাত চল বান্ন নেপুরা বি-এ কাতীয় মাজোলনে ছাত্র স্বাচ্চন কট্টায় সম্বেক্ষ বক্কতা কলেন ব্যাহ্যাহানী ছোৱ মহালয় প্রভাত কলিন্তেন। তালতে সভান বেল একা চার্যাহান উল্ভিত ইইন্যাছিল ব্যাল প্রবালা।

## ভাকাতি

স্ক্রি এক বিক্রপ্ত প্রায়ে এক মুস্ত। মানের ব টাং - ডাক্রণ্ডি ছইনা পিয়াছে । প্রকাশ, এই বালার এলেকায় মধ্যে মধ্যে এবংলি এইলেছে।

## শ্রীধাম মায়াপরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনষ্টিটিউট্" নামে

## ্চ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## খোলা হইয়াছে

অভিনত ও আদ**র্শচরিত্র শি**ঞ্চকরণ ছাত্রদিরকে অতি যাত্রের সহিত শিক্ষা প্রদান করিকেচেন। শিদেশী চাত্রগ**েবর জন্ম বিন।** ব্যথ্যে সুন্দর সাস্থানের বন্দোব্য গ্রহণ**েচ। স্থান অ**তীব সাহাক্র।

স্থিতিরে স্বা**দের জন্ম নিম্নলিখিত ঠি**কানা প্র লিখুন। সেত্রে-ভালী, **সাকুর ভতিশ্বিনো**দে উপ্রিটেড জ উচ্চতথ্যঠ, পোঃ খ্রীমায়াপুর, করিয়ে

রাসাংশগরন্থ হাইট্রীটে অবছিত

## শ্রীভাগবত প্রেস

## সুলভে সুন্দর ছাপার জন্ম চিরপ্রসিদ্ধ

এখানে ব্যাক্ষ, মোক্**দিমা এবং ইউনিয়ন**বোর্টের বাবভাল ফরম ও রাসিদ বিক্রয়ার্থ সর্ববলা প্রস্তুত্ত থাকে।

মফঃখণ ২ইতে **লিখিলে প্রত্যেক ই**উনিয়নবোডের নাম ছাপিয়া দেওয়া হয়।

বিবাহের উপহার, **নিমন্ত্রণ-পত্র চেক.** দাখিলা, আর্ছিল প্রফুতি অভি যায়ের সহিত অভি স**দর ছাপিয়া দেও**য়া হয়।

ইংরাজা, বাঞ্চলা **হিন্দী ও সংক্ষৃত ভা**ষায় পুস্তকাদি ছাপিবার সুব্যবস্থা ভাছে।

শশঃস্থলের প্রাহক্ষণ নির্ভাবনায় নিম্নঠিকানায় ডাল্লোবা অভার পাঠাইতে পারেন।

> ম্যানেকার জ্ঞান্তাগ্রন্থত প্রেল প্রোক্তিক্তর, ন্যান

## কবিরাজ শশিভূষণ কবিক্পাভরণের



মফংশ্বের প্র বধার জন্ত ও আঃ শিশিতে ঘনীভূত অবস্থার ছোটবোণলের সমপ্রিমাণ উষ্প ডাকে পাঠান হয়, ইহাতে উষ্ণেড জোন পরিবস্তন করা কয় নাই। মুল্য প্রতি শিশি ৮০ আনা, পাটেটানে আনা, বোজন ১০/০ আনা।

আফস ১১নং উ**ল্টাডান্সা রো**ড, পোঃ স্থামনালার, ক্লিকাতা

## ग्राप्त मध्य

কটানায় কৰা ও বাকুবিকার, ইজিয়ণজিব প্রাথ অপ্রাংগ জনপাতে, ব্যক্তমণ, নাবাবোরা, মুক্ত কর্ কয় নি, অনিলা এড়াতি লক্তন সময় নিজেষ আন্তোপাত্য : বস, বাবা, মেধা বৃদ্ধি করিছে অতিভাব টানক। নুসা ৪০ বসী ১০ এক টাকা।

শন্ধপুত্ সংক্রাজারি স্থাত?

শব্ধহাবি হোলে ব্যাহারের হারা আরোর্য
শব্ধহাবি হোলে ব্যাহারের হারা আরোর্য
শব্ধহাবি সামিলালৈ ব্যাহার করিছে

ব্যাহারের করিছে ব্যাহার করিছে

হারারের ক্রাক্রারেক্তরী, ক্রেশ্যুক্তরি

## शरेद्धामिन

-

## কোষরদ্ধি রোগ

ভাঃ এস্, এন্, খোম বিনা অস্ত্রে, যাবজ্জীবনের গ্যাহাটি দিয় বৈগুভিক রাপাণাতে কোমবৃত্তি বোগ আরোগা ক্রিয়া থাকেন।

> डिकाना---अभ मर करेन डीहे, वक्ष्याबाह.

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

প্ৰৱ দিৰে সম্পূৰ্ণ আৱোগ্য

া লেখাইতে ইহবে। অগ্নিম পালের পরচ (যাভ্যা এবং আসার)
ত গ্রহা বেগ্রি দেখা হয় অগবা এখানে আসাহলে কেন্দ্রী দেখিরা
লগ্রহা হয় পালোগ্য লা ইওয়ু প্যাপ্ত পালিপ্রাম্ক দিছে ইইনে সাঃ
ত্রিনির প্রচ বহল করিয়া চিকিৎসা করা হয়। বিজ্ঞারিক
বা হচ এক আলার ভাক টিকেট সহ নিম্ন ঠিকানার অনুস্থান

ात में लावता एवंदेश, दश्यानिक विश्वमक, Cott देनकाठी, विक्रमाण ।

प्राचीन विक्रमान प्रवास प्राचीन किल्लामा ।

प्राचीन विक्रमान किल्लामा ।

प्राचीन विक्रमान किल्लामा ।

प्राचीन विक्रमान ।

শ্রেণ পাত্র । আমার জাতুপত্র গত হয় নাস যাবহ রাজ মৃপ্তার
প্রায় হংগতিক, ক'লকা হাব বিজ্ঞ চিকিৎসকস্প ভারার
দিবনের মান াং কাংহ, শন - ব্লেষ্টা মার আন্তেমিনা ক্ষিতিকার
স্থিত কি লিড্ড কিবল মহাপ্র মার ২০ লিন চিকিৎসা

ত মান বিল্লাল বিল্লাল বিল্লাল বিজ্ঞান কিলোর

ত কাং লাব হলেব। বেলাল বিজ্ঞান কর্মানির কর্মানের

## শানবদ্বীপ-পঞ্জিকা

भोड़ान ४४०

মাজ ১৯০ ডাকটিকেট পাঠাইলেই বুকপোতে পাঠান হয়। ম্যানেকাল্ল-প্রন্থবিভাগ

के १६ दशकर, १५१३ की भाषाभाष, समीका ।

## মর মাতুৰ বাঁচাইবার উপায়



লোল এতে<del>ওঁ</del>— ডাঃ ডি. ডি. **হাজরা।** 

ক্তেপুছ, গাংজনবিধ গোই, ক্লিকার্ছা নিকানা আই ক্রিয়া লিখিকে

## रेवनिक सबीजाव्यक्रिम् [ बखन्द १२म गरवजा]

## की की शक्तरणी साहित्री जाराहित

## দৈনিক নদীয়া প্ৰকাশ

নিতাপাঠা বৈক্পবাক্তাবহ

বেদাদি সমস্ত সাহত-শাল্কের অকৃতিম ব্যাখ্যাতা পর্মপ্র ভারতে একমাত্র মূলভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

## শ্রীশাম-কারাপুর—১৮ই জ্যেষ্ঠ প্রহস্পতিবার—১০৬৮

निवश-- "सन्भड ७ পরম্থ" বক্তা-শ্রীপাদ ক্ষমরানক বিভাবিনোদ বি,এ মহাজনগণ লোকবিয়তা চা'ন না, রুদ্ধের প্রীতি উৎপাদনই তা'দের একমাত্র डेरबका । द्याग र'तन द्य कालगत आम्ह्रास्त क्र्षित अष्ट्रकृत सन्।कि ८५८७ ८१न----अभि।-८५त हेस्तिवङ्खिय अञ्चल यान्छीय नादका ক'লে গাকেন, তী'কেই আমরা খুব ভাল **फाक्रमल वर्णि।** कात्र प्रथम अम्टेवक कार्यः করতে আংসন, তখন আমরা তাঁকে आमारमत नक महन क'हत शामिशामांक क

বক্ততার চম্বক

স্থান--- 📆 গৌড়ী ধমটের নারপত নাট্যদন্দির

নিকা করি,--এটা রোগার নিতা সভাব। কাভেট বলগেভিক মতবাদ নিয়ে আমরা প্ৰমাৰ্থ নিৰ্দান করতে পারি না। আমরা কোন সময় পরমার্থ নির্ণনের মোগাতা লাভ করতে পারি ৮--খপন ভগ-तमस्त्रिक्षतिकार देत्रकार खक्तर पारासिक स्टिम क्रिभितार, भतिश्रम ए स्मतात्रीकृत महरू উ.'র অভিনাতে। ক্ষান্তিসন্ধান শিকা: কবি, তথ্য আমলা 'প্রমার্থ' কিনিষ্টা কি, তা' এরের ভারতে প্রপাস্থার ক্ষাত্র তাবিধারে স্তি-

नथम् अभावस्रभवाधिष्यं क्रमणः सिर्ग कामतः भगमानं निर्मेष क्यार्ट यहि, '७५न का' क्षम-धामान-विद्यागिन्धाः कवन्तनाष्ठवः – क्षेत्र दलाका कुछ व्यास्त के देश व देश क्षतिकक्षण हिंदक मात्र भागभाग ना छत्-স হা, ভা' বহিমুখ ক্ষমতে নিবাত হয় না। क्षिकुशभारमारभाषी अभगन ऋत्मीरक्षस A ....

अत्राह्मत व्यक्तिकाती क्षेत्र

"८काणियुक्तमस्या ६४७ जन ३५५% ।"

श्रीभवानक व'ग्रह्म, - निरायुक জ নিতাবন্ধভেদে ছই প্রকার জীব। নিভা-वक्षान द्वार क्रक्रमर अन्य कार्यात छ्रहे इसमिएक । अने क्या एमाक्यानि देकाउरमुख, सिरुष्ट বিভক্তা বালি অচল (বেনন বৃশালি), কুংক সভা। ভাষৰাধ্যা, লগ, কাম বা ভাবাই 'সাবৰ' জীব, আৰু ঘা'লা সচল, মোকের চালিটী অবেবণ্টা ছবি দেখে---ভা'রাই 'ভজম'। ভিষাক ( পদিগণ ), আমানের বহিন্দুর কচির সহিত; মিলেছে ক্ষাল্ডিয় ও স্থাচৰ ভেষে কাল্য তিন আকার। তালে, এওলিকেই পর্যাল্য মনে কবি। क्रमहरद्वेष्ठ भरश यानवकाष्टि व्यञास व्यव भः**षाकः। ८भइ काम-रिशाकः मानविन्दरातः, वकात्र क्षति मध्याक्रनक स्थ, इति धनदेवस्थ**न-মধ্যে মেজ, পুলিন্দ, বৌদ্ধ ও শবর গরিড্যক্ত - দেবোপুথ কচি---প্রকৃত অ্থানভার কচিই নিট্যাণ সম্মাচারী ও অধ্যাচারীভেদে ছুট্ ভব্দিলাম বল্ছেন,—সকাত্যে বয় প্রদৰ্শক আকার, ধর্মাচারিমধ্যে অনেকেট কথানিট, े জন চাট। নিনি থাটি সোণার স্কান্ সেটা এছণ ক্রিন। কেন্ড আস্রা তে क्ष्म वा कामनिके , क्याँके कामनिरक्षेत्र भरवा रे (भरशस्त्र मुन्यकेक सावुनक विनि नाक क्ष्मिय विनि भरका कार्यो, এটা क्रिक्ट আ**ৰক্ষৰ মুক্ত (আছলে ধা'লা কড়বৃদ্ধি হ'ডে** ্ ক'লেছেন, ডিনি যদি বলে দেন,—ইনি প্ৰতিত্তীৰ কল, পোকে অ মানিগকে ভাল মুক্তাংলিগকেই মুক্তা বলা বারা); এরপ- শন্তর, ইইবর জ্ঞীপানপত্ম আরম কর, বল্বে; এই ক্ষয়। কামরা কোন সভাত ভাবের যদি জোটি মুক্তা পাওয়া যায়, ভা'া আছু আমরা যদি এরূপ ব্যুক্তিদশক ভেজার ১ প্রেছিটানে যোগদান কবি---লোকের কাছে

ভুল্ল । ২কন এই ভারতবর্ষে যদি একপ दकारि मुक्त भूकम भारकमा, छ।' ब'रल उत्परमा একজন রুকভক্ত মাত্র পাওল বেতে পারে। এই চল্লাল ক্ষণভক্তের ধারাই প্রমাথিক ধুবা নিলীত হয়।

आमहा। रम्द्र,--- ८७ मारक गार्रक मापु, महाक्रम, , अद्भारत दल्दक्म, , हारीय কথা সভা ন্যা-ভা'র গারা, প্রমাথ निर्मिष्ठ इ'राष्ट्र लारत नाः आद होनि दा **इस्ट ८क्डी क्रमान्टरकार कथा दल्राह्म**न, কেবল তা'র কথাই সভা-- একমাত ঐ একটা ব্যক্তিই প্রমাণ নির্ণয় কর্বান क्रिकाती,-- এकल श्लीकामी कथा व्यामता तिश्राम कवरड शक्ति मां।"

<u>ाही क्षाकृति क्रमभन्न भिन्नाकृतिहाँ क्रमहर्</u>छ আছে। গ্রীশুপুত কেন জনমত গ্রেম মং গ কোন প্রাকৃত সভাকপারকাটের বেরাক কান্তি চাল না ? কামণা মুখে বলৈ, --वराधि साक्षक, 'कञ्च, यथन, दगाधनियागर- त ইণায় উদ্ধাৰত হয়, তপ্ৰ আমৰা সেখান ক্তিত চলে ধাই ু। ভগবান্ স্থানিচ চলচেত্র C5'७नमरकात् करा--- 'तश्रम ८ शामरकात करा --- ভাগবতের ভগা প্রারর সময়েও ত্রি-ভক্ন-বৈক্ষবসেবাবিমুখ জীব কঙ ুটীংপাত ক রেছিল। ত্রীমধাগরতের কথা-ন্যম-াক্ষ আনাদের বৃহিত্যভাব,ক্রি – মস্তভাব

কথায় বিখাস-স্থাপন পুৰুষ্ক প্ৰক্লুন্ত সদ্প্ৰক্লুর শ্রীচরণাশ্রিত হ'তে পারি, তা' হ'লে নিশ্চয়ই প্রম মঞ্ল লাভ করতে প্রের :

আমবা যখন পতা পতা কোন মহাকানের কাছে কোন প্রক্রি সভা গ্রহণ করতে যাব, ভখন আমাদের পিতা, মাতা, ভাই, বন্ধ এমন্কি দেবতারা পর্যাস্থ আমাদের মনো- शेष्ठे भूगांग दांगा असम क बारतम—मानाक्रें উৎপাত আনমূন কব্তে উপত হবেন। এটা আমরা দাধারণকোতেও দেখতে পাই যে, সামার একটা সংকার্য করতে গেলেও অনেকে ভাতে নানাকণ বাধা প্রদান ক'রে থাকে ৷ প্রমাথ অস্তবস্থানে প্রসূত্র হ'লে আমশ আৰও প্ৰচুৱ পৰিমাণে বালপ্ৰাপ্ত হ'ব,ছগতের মহন্ত লোক আৰু দেশ দেশতে দ্রামান হলে। আন্নরে জানেন, প্র-निन अञ्चलामा के देशन किन्छ। এন্দ্র কারেভিলেন। ধলি बर्गालाकरक खन्नालाम खन faar 引起了。于他对"多"(罗斯· 图得多)的一点,杨州均等 ভাষের পতিপদের। স্বারা কিন্তুণ উৎপাডিত হ'মেহিখেন-ভাকুর হরিলাসকে কাজি ম্কেণ্ডিৰ হাবাংকিরণ নিয়েটাত হতে হ'লেছিল। এক শতরম্থ লাভে **ছ**ুব্রন হলে যে কভ বাধানিয় এনে উপলিত হয়, एक्ट कमाथा नुव *च न*ाराह्य । किन्नु अहर ± मानु बहे भगन्न एक इस्टिक्ट दिकार, ৰিণ্যাতন, নিৰলপ্ৰাম, স্পাবিল প্ৰদ্ৰ প্রভৃতি কিছুতেই ভক্ষেপ্করেন।।

व्याभाग ५ सम्हार, विहादस द्वार्को दायाहाहक বড় কাৰে ভুজি, ব্ৰিদুখ শনস্ত্তীর ব্যুদ্ माख्य गाउँ ३४, 🕩 वेस्तर शांत्री माख्यार र বা বিবিধানতা কারে গাকে। এটা কৈছ ্বোক্টক্ষে ধার মাত্র ৷ কের গাঁল নিব্রেক্ট-



কোন গাতিনামা লোককে শুরু কর্তে যাই নিজের - স্কান বুজির জন্ম। কিন্ত বাস্তবিক বৃষ্ণি সভ্যাগ্রহী, তারা প্রকৃত সভ্যাসুসন্ধানে প্রবৃত্ত হ'লে সমগ্র কর্ণকে এক পকে রেখেও মখলম্য ভগবানের ও তদভিরবিগ্রহ সাধুর অসুগ্যন করেন, তারা সম্থ বৃহিশ্ব কগতের কাহারও কণা না ভানে প্রভাত সভাকে অবসমন করে অচল, অট্রল পাকেন। সেই জন্ত ভগবানের: 🗯 মুখনিংক্ত গীতার এই বাণীট। প্রমাথীফুশীলনে সকলেরই মনে রাখতে হরে.---

যা নিশা সর্বাভূতানাং জন্মাং আগতি সংযদী। ব্যাং জাহাতি ভূতানি সা নিশা পঞ্চতো মুনেঃ আমরা য'দ প্রকৃত সভ্যায়স্থিৎসু ইই,

বাস্থবিক প্রেলোক করতে চাই, ভা হলে সর্বল সংঘরীন পক্ষে থাক্ব, ঘুমন্ত লোকের श्रु अवणयम क्रवर मा ।

## ইন্দ্রিয়-নিগ্রহ

( ত্রীযুক্তা প্রায়লকুমারী দেবী ভক্তিশালী )

बामारनत गर्भा बरनरकदृष्टे भावना रयः মটাঙ্গ হোগেত ছাব্ৰ অপবা অন্ত কোনও व्यत्राचीरिक उपारमध्य इष्टेक, डेस्ट्रिक निश्रह করিতে পারিকেই ভিতকাম হইচা ভগ-বানকে লাভ করিতে পারা যাহ; কিছ এই शात्रमाठा या व्यामारमञ्जू कड नड़ पून बात्रमा, ভাষা আমরা একধারও ভাবিয়া দেখি। না। এট যে ইঞ্জিডপ্ৰের বলবতী ইছো, ইহার ফলেট আমৰ: এমন চুৰ্ম্ভ মনুব্যক্ষয় পাইগ্ৰাহ ছবিশার ইঞ্জিশের বারা নিগৃহীত, পদদলিত ও পীডামান হইয়া অনন্ত বিপংসাগরে নিলভিত হইতেছি। এবিবংটা আনরা ক্ষণিকের ভন্ন ও ছিবচিত্তে অন্তথ্যবন ক্ষিয়া দেখি না যে, ইক্তিয়ের **চালক কে ?** স**লটি** हो क्षरवंद हास्क मन : स्मेरे मस्मन देशका अ দ্ভতিশিতি কভটুকু, ঘাহার স্ফেলা 'দাক প্রকৃতি হবে মুনেরপি মন' দেই ছকাল, ১ঞ্জ অসংস্কৃত কামকল্যিত মনোর্ডির সাকালে চ্টে আমরা ইপ্রিয়নিগ্রহ করিছা লা লগবানের প্রসাদ লাভ করিছে। এহ অন্থ্যা চেষ্টা অপুর ভবিষ্যাত দাদন-ব্যক্তির বারে আমাদিশকে অবভিন্নই প্রাণান করিয়া <mark>থাকে। বিখান</mark>্যস্থা স্থাই-কর্ত্ত হামাকে যে উপাদান যে লাব পঠন কৰিয়াছন, ভাঙাতে অভাব কছমাত্ৰ কান্ত্রাই 🕍 এই কেচ্মন, প্রাণ, ইন্সিয়ন ভাবেলৈতাকণা বলেন, দতে আমৰা সকলে এলম ও তার্দ্তিবিদ্ধ সুনারই ঐ লগবানের প্রাদেশ্য স্পর্যার : ভারত্যসম্প্রান্তর স্বাস্থ্য की बनाराध्यक्ती (मदाविधान क्खेत्र), किंध कारताहेकात वराक अधनहीं, कुल्लाका है हों। मुक्त ५ रून हटेगांकि त्यः, भी हिल्ला-खाला क ६ प्रावादकर वृद्धिमध्**वरक्षण्यकार**या है सुक् হ'লেও ডা'র মধ্যে একজন চক্ষজক পাওয়া 🖟 দর্শন পাওয়ার সৌজাগা লাভ 'ক'জে 'ডাঁ'র 🗔 গ্রেডিক্র'পাওয়ার জঙ্গ। আনেক সময় আমত্ 🗀 করিয়া ইজিয়গুলিকে। বিপরীত করিন

विनिष्ठे कतियात विकन ध्यशास हित শক্ষনাশের পথে অগ্রসর ইংগা থাকি। বাস্তবিক ছর্মভ মনুষ্য জনটো কেবলমাত্র ইক্রিনিপ্রাহের জন্ম অথবা জড়বিলাসপ্রমত হইয়া ইল্রিউর্জনের কম্ম লাভ করি নাই. কিছ ছার্মভ হইতেও প্রশ্নম্ভ এই মধুগালয় লাভ কবিয়াছি---স্প্রার্থগতি সর্বলোক-পতি পুরুষোভ্য শ্রীছব্রির পাদপ্রাসেবায় करिकात बाटच्य क्रम्म ध्वर हेक्सियक्षि লাভ করিয়াভি-স্থীকপতি স্থবিকেশেব কানাগ্নিব ইন্ধনকণে নিগোঞ্জিত করিয়া পুই, কত্মঠ ও চরিভার্থ করিবার জন্ম। স্রধী পাঠক গণ ঐ শুমুন,আমানের অক্টেয় রিপু গুলিকে-গুনিবার ইন্সিয়সমূহকে সূতা সূতাই কিরুপে চবিতার্থ করিতে হইবে, ভাষার স্থাস্থান মুচজুর বৈষ্ণবঠাকুর জলদ গড়ীর খনে নিভাকাল কীওন করিয়া মরণগণের যাত্রী मानवश्रास्य निका मिराज्यका,---

কাম কৃষ্ণকৰ্মাৰ্শণে জোগ ভজাৰেষী জনে लांख माधुमस्य दनिकशा। মোহ ইষ্টলাভ বিনে, মদ ক্লফ গুণগানে নিগুক্ত করিব মধাতথা।

অতঃপর কর্নেদির ও জ্ঞানেদ্রিয়েব দার কিরপে শ্রীভগবানের সেবা করিতে **চইবে, তা**হার <del>য়েশর বাবছা দুও হয় য</del>াগ----

मख्यकत श्रोता दें,श्रीत छन देनन दान ानित्या अर्थां इ दिनाम कतित्व, वादकाव धातां इमगोर्मत खनखंडि वक्तमा. धनाय-्रक्षेत्रेन ' अञ्चलत्क दिश्यकारम हिस्स्। প্রদান করিবে, ২% লাগ জীভগ্রালের স্ক্রিধ ুলরিচ্যা করিবে, পদের স্থার ভগবদাম পরিক্রম। ও সেবেংগ্রুপ সংগ্রহার্থ তন্ত্রংগ্রে গ্রন্থান্ত কাল্ডির গ চক্ষু**ৰ হাত্ৰা** জীলেপ্ৰামেৰ ও স্পত্য ভাওলালে পরম মার্থান্য ট্রাবিপ্রত দর্শত তারিল্যার श्रदा जीलाविकान्त्रवार्ताकर्षात् अस्या প্রকাশকৈপ্রান্ত আবেলে ৫

क्षेत्रक के किश्तराम्य गत्य मनु १ जिन्हा था। ক **কংক** বিধানে নীয়া কৰা। প্ৰাণ্ড ভি**লো** इति। अभिकारका है। उक्त उन्न देन्छ्य পর্য স্থান্তকারে আছারে ৬ ভারতান্ত ्रतसम्बन्धः <u>बो</u>सायः भगायत्। <u>११७</u> ६ इति अञ्चल कोश्चम कर्नाहर उत्तर भूत ইংবছকের চরগরজঃ লাল করিবে :

ইন্ত্রিভাষপার্থ কমেজির ধারতা ইন্তিন গুলিকে পরিচালনা করিছে পাশিকেট ইন্দিন বধার্য চরিতার্থতা শাভ করিতে খাবে, গ্ৰনাঃ জীবের সক্ষাল চইকা **পাকে**ঃ **ंित्र मेशालंब हाया मसल्यलंब छाय-%सःः स्मर्गमभान मर्बस्मान**ाठा একনার বুগাচার্ব্য সদগুরু পাদপন্মাঞ্জরেই ीदव माक इंदेश शास्त्र।

## আশা-মরীচিকা

( শ্রীপাদ রাধাচরণ গোষাশী ভক্তিশাম্বী )

মরুক্মিতে সুর্যাকিরণ কলের মত দেখান, পিপাসান্ত মুগগণ জল পানের আশার ছটিল যায়, কিছু যত ছটিয়া ধার के मशा ९ एक प्रवसी क्य, व्यवस्थित मिक হীন ও ভগমনোরথ হইয়া উত্তপ্ত বালুকা-রাশিনে গড়িল প্রাণ ভ্যাগ কৰে। ष्याभरः मञ्जा काकि ५ तुमने आकात जुना আশার হুমন্য়ে ভুলিয়া আন্যায় পুর্বা-কাঞ্চাত লত্তী আশার শিক্তমে শিক্তমে প্রের বাগে প্রাথবিত বটা, তত্ত আলা আমাদিগকে নির্শেষ্যুদ নিজিপু ক্রিয় ক্রীবনের শেষ ১১ ও প্রাক্ত ভুর্কিয়া প্রে।

ব্যাল-কালে গ্ৰন প্ৰস্থাত্ত অধ্যয়ন করিতাম, তথ্য মনে ২ইত, শিখালাস ক্রিয়া অথোপাক্তন ক্রিটে পারিলে বোধ হয় আশা পূর্ণ ১ইরে। ৩২৭রে অর্থে। **পার্জনের সজেদলেই** রূপ্রতী ল্যা পাতে ও মতমুতার মুখ দশ্মে গ্লংখ্য আপ্র পূর্ণ হইবে, অভ্যাপ্ত ুপার্চ ব্যাসে পৌত্র भोगी अपृष्टिया- कविए। नगराम দক্ষ আশা মিটিল ধাইবে। অবভূ আম্দিণের মধ্যে আন্তেই ডালাগড আকাতি ৩ লাভে বঞ্চিত ২ই না বটে, কিন্তু वक्सनीर व्यानात हमा उकाणाहरू तर আক্রিজত বস্তু লাচে আ্বান্ মিট্যা প্রাক্ষালিত ক্তাপ্রে রতাক্তির স্থান আশ্-বঞ্জিনিগানিত হয়। উঠিতেছে।

च्यातक्षानकाम इंडीए७ म्रश्नात जानः मुश्रकृष्टिका मुर्दिम्ही थ्याकः। भःमात्तत অভিন্ন বছাৰ বাবিভেক্তে। *আ*ৰাহীন २०६८ मः मान अ-अहर ना भागित भागत ताका भागम मा, भागात বাৰ্ক্য ন। আলিয়েল সন্তী বৈক্ষ্যণে হছন। यार, किन्नु इंडा कम्पूर ।

বিছুলৈ ভাৰান- নিতা, তলৰ **अनुित कीत कामताल मिटा । ५**५० र winifered house is the effective ক্ষ্যান্ত অনুষ্ঠিকাক ক্ষাত্ৰ ও বা অনুষ্ঠ সকলিবাস্থা মাহার সার্গতি হাত করি ছিবা আয়ো ইছিরে জ্বাচ সম্ভ বিশাস্ত্রতা, জাশা আছা লোকে গোলাব श्रुती, मनाव भनेतिकात श्राम गाउँ जाताः থাহার পাদপ্রাাল্য কবিবে দুক্ষ ভাষা धिनानित स्थाय आर अतिहरू समय महरू. তথায় আশামর জ্বন হতাশ ন ১টয়া প্রিণ্ডির ব্যার অভিবিক্ত প্রভে মানা-

अकात ध्रवक्षमा नाष्ट्रः चामत्रा क्षेत्रकाव्यितस् क्षेत्रक्षामः পল্লে আত্রর করিব, সেই সৃত্তেই ছলনান। হইবার অপুর্বাস্থাণ উপস্থিত হইরাছে।

মেট পরিমাণে আশা মণীচিকার ভটম ও হইতে পারিভেছেন ও পারিকেন।

আম্বা বদ্ধনীর মাজেই পথবিত্রান্ত। কোন নাৰ্গ অনলম্ব করিলে বান্তৰ আলা পূর্ণ হয়, আদ গুরালা পিলাচীকে আলা-পূৰ্বের দেবী মনে কবিলা আশা মনীচিকায় প্ৰতিও হুইতে মা হয়, তাকা এখনও আমা ন্তেশ্যেদ্র দিত্রে উপনীত হয় Britter to the Total Tr

काता. न्यमधात्रवर চাজন ব্যবসাধে প্ৰিক

A. L. C. CAPA CITATE EL SIA. ব্যালাল্য সংযোগ বিভাগের আমেরি সংগ্রাইর हिन्दी रतेलका काकान र का । रक्षा भाष्ट्र कि हर र महा दूध रहता है। प्र श्रीवाम स्रोत १९ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ श्रेष्ठ हार्नुगर जी हरा है जुन कुल्लीक the parties of the property of the second care of a second of কিন্তু ডিলি স্বদৰ্ভ ন্যালা, জাল চালি কলে অবস্থিত আত্তেম্। সংগ্রামান আমাদিলের ভারত এটান্ম্তেনী আলং वनीतिकात कर्तान करण रहा ५ जुल्ला हरा मार्थ विश्वित अने में एक, १८५० ।

अध्यान रहिता भगान र अधिक इन्साक्षिरक शानिसान, गो गान १ .स. १ नुष्प्रम्काताल है किए नहार गर्नेक का 動物は、動物が行うでし、これが、され अनुम-ियामी द्वार रिका कर ए कर्पकर आभाषा अनुस्तितास्तर । राज्यस्य ५ लिश्तास्त्रास्त्रः । ३३३<sup>०</sup> (५००) वर्षाः ५ (निज्ञ

er '- Albe-. Su Fig.

, o to etc. i, e is co. 4.1977.154 क्षांत्रास्त्र अध्यक्ति चार्चेता । महाहिकात करण हरें। 🤊 39 1 5 - 2 35 17 17 15 1 2"

## ्रकृत्वा छ्य- अयम

জ্ঞিবাসনাবাপুর আগতে মনের অক্তম্ नामा भनी विश्वसम्बद्ध भाके मधकान्यानी तारिक भएकारमा द्वेशकात्म का श्रेष्ठ अधिकार মরীচিকাপুর্ণা আশাব দিকে পুর প্রদর্শন করে। পাঠ, কাঁতন ও বক্তাদি ১৯: ১৫৬ ঃ উল্লেখ্য প্ৰাল্ডিৰ আপাৰ কোন হিপেট্টিমট্ড আচাৰবান প্ৰচাৰক ्त पृष्ट्**र्क वर्णन्न <del>७६</del>८७ सम्म**ीनांनी खन्न कतिमा ज्ञानकार और उन्हरू नायातिए का क्षा क मतीष्ठिका आना आंगवा स्ट्रेस्ट खनुरत्र मक्कन वर्षां निराष्ट्र वाकियां त्वहरे भूक्त्यां छव

সরিবা পড়িবে। যিনি যে পরিমাণে শ্রীগুরু- । মঠস্থিত সানুবর্গের সম্ব এবং শ্রীমুখবিগলিত পাদপরাত্র্য করিয়াছেন ও করিবেন, তিনিই 🖰 🕮 ছরিকথা ত্রবণ করিবা আয়ুম্বক্স সাধনে गानाम व क्या क्रकास कर्यसा विकासका খন্নপ লক্ষণ অবগত থাজিয়া সাবহিত বহু সজ্জন ব্যক্তি শীপুৰাৰী মঠে আগমন भूकीक जीविधाइ पर्मन अवर आतासकवर्णात नीमृत्य जीवतिकथा अवन कवित्रां निरमव প্রীত হইয়াছেন। कारमध्ये क्षामा করিয়াছেন যে, শ্রীপুক্ষোত্তমধালে বহু मोनि शक्तिक । विकक्ष दिक्षा धारम कीईत्वत कृतांशि भ्रमानशा मार्छ । भागम्बर গ্রেশ মধ্যে নিয়লিখিত বাঞ্চিগ্রেমান िट्य डेक्स्यांगा.-

> जीवृत्क जात्कमाञ्चलत् नत्का।भाषात जञ् ए वि. जन: स्थानात सीगुक्त देनदान নাল ভট্রাচালা, সিদ্দবকুল মঠের সভাস্থ भटानाम, श्रीवक स्वीतकुमान निष्ट कडेनी. माक्षात चित्रावाहेगाम बाहेरि अम, अहेर, हम, मि. व्यक्तिंश मि व्यवः अक्रमनीय करितर अध्यम नामन त्याप्रस्ति ।

## প্রেরিভ পত্র

( ५% हो। अहेलाल शहेति बुलााधून १ ा पानमा अल "बर्जीया श्रामाण" भाग william where complete neight to this offi 你奶啊~~

क्षांच्या प्राप्तानुस् अन्यीतः चीतिसीनसः नामन्त्रभात्र लाइ हाल केन्द्रिकान भन्नभर १८५५ वाककार्राधावार शासासनगर तह के सम्बद्धा मिक्रा क्ष प्रतेष हैं। इंपायाओं सहाराणक ते अप अ'M s किमावलाको सेल ए कासा भूतः महाताक, श्रीकान निक्रण्य । क स्थित রাণারমণ্ড বন্ধান্ত সহ প্রত্যাপ্ত ব্যাপাল क्षाभारमञ्जूषात् । भारत् छ 🖒 का । क्षार्टन । 电影的转换器 医圆型电影 石 网络红海 中国海南部城市 आज श्रीका प्राप्ता अप कार्यक्रिक अवश्रिक र २२(म ५२%) (वर्षात क्षित्यक्त भारति ५ オッと( 存むさみ )

the transfer of the time of the transfer 不同的时候 网络河 经现代销售 被指的复数形式 사회(영화) 610(의 선상(6) (안()) (주요) 학교병의 1 भवन्तित्वस्थः क्षेत्रं भूते, ट्याष्ट्राकी महावाद Billioner withinger refer to an armite भाकेन्द्राम्हण व्यवसारा दक्षणाच পরিব**টো স্বা**র্থার্য সমস্তর সংগ্রেম **জ**ন্ম ६ ५ छ। अधाक मधाधानुष का बनग्यातः कामाई त्युरसन् । अंद्र पान রাণারস্থ রশ্বচারী প্রান্তন ক্রীন্তন প্রোচন भटमात्र विकासम्बद्ध इंडेल्डिस । काल कर्त ८९ी-ई। म् मह्येत व्यक्तत्त्वभन २१०० स्टबर Bit estim ·耐食研》有 生即實際 医解 一切中 日本



**ब्यायश्रम्भ क्रमध्यभागम (अस्याम अस्याः भूम, व्यायः** मस्याहाया-कृष्टा कार्यानिमर्गाहीका; 🖺 मर्गावयनाय हजावही . रेक्त-क्रक मात्रार्थणनिधि हैका, वश्वाक्षवाध, म ४: वाग्रः छ व्यक्तिमम, एशा क निवस्तानिमुकः। व्यक्ति क्रांक्षत बानिएक শে<sup>র</sup> ক্ষের প্রতিপায় ক্পাসার, অধ্যাহের প্রথমে <u>ই</u> অদা**রের সারসহ অবিভূ**ত তাৎপর্যাদি বির্ত। রোকস্টী বিষয়সূচী, **অধ্যায়নিবর**ণ, পাত্র ও স্থানসূচীয়ত উত্থ কাগলে উত্তম অকরে মুদ্রিত। প্রথম চইতে ১০ম হন स्थाक **काणी न्युर्वकारण रमन करेंबारक**। क्रिका लाग्य 1 .oa it.z"

## क्षां हिल्ला विकास करते हैं।

'মল্লাথ্যে জাতি-প্ৰয়োধি বহু লাপ্নযোগ্যত চইয়া কীৰ্ত্তন, জীলাগেপুছার ইনিমাপ্ততের কীক্ষন, প্রেটিল- ( ... ১৪-১৪১ -সংচনত প্ৰায়, শ্ৰু, স্থান, পাছে জ্ৰেছিল গ্ৰুত্ব কৰী ও গ্ৰুক্টালন रक्ष की वर्गी स्थानिक रहत \$ 1. 19 CM LATTER MARTINE BY ME BAN BY IN हैकाहा भूति । कार हम् भूकार का भूतिराह कहा ear hiter ground in South apparent with a

#### **क**रेक अभासामान क

अञ्चल्दात्त कामनी, क्यांत भारतकराम् संश्रम १, १८५५ को द्वीपा (क्राप्ता) के के के लें , अवस्था ५० हैं ते से समान्य व्यास १ वर्गा से व তা, আছে ছৈ বৈশিষ বেশ্য সম্পালত বিবাচ প্ৰশ্য লোকাৰ প্ तम का हैन ५ (मण्डी भागाम व भागितात क ३० ति 水利性的 经经济禁止的 医黄色性麻醉症 新花科 新花科 经销售债券 **इटल्ट्सिं। अर्था क्रिका व स्थान, स्टान स्थान** many to 1

#### **ब्रिटेड उस महत्त**

**व्यक्ति अर्थन उन्हल व्यक्तिमन स्मार रा ५८% व्यक्ति ए ५%** 松林村 电绝缘的 网络金 网络金 大野 學 5 四点 新华 一 四年 安日 14 。 क्षा, क्षांगाल, स्था काकृति भर ५८५ १८५ अवस्ता वैवारक्रम । भूग स्थापेर व्यवस्त छ ता अन्तिम वास्ति वी अभ्यक्षिपुरस् कर्मन् कडेक्ट्रक १ मृद्धाः स्थान विश्वतः । ० म तकान, के देवते हैं।देवल आहरू करण्याल वाद्या १९०० अन्तर १

## **अवस्थातम् शिका**

- क्रीटबो**कीय देवकमा**लामा कट्याक्ट अधिकपृष्ट्या ्रिक्षीत्रधमान् हत्सन्तिताकृत त्यावाधिकृषा मातार्यत्वि क्षित्रका क केंद्रीमहाकारानाम शक्त-व्यक्षिक किनिक-ब्रम' मामक काषाकागामहिका। काशाहणकी, माङ्काळ्य क्षक-पृष्ठी, विश्व-पृष्ठी, अध्यादश्च की प्रमी ७ व्यवस्थान मि [-अवश्वाविष्णान्य केनकृष्ट वीर्वाह कृषीय मृत्यवा--- विकास एकद्वान क्षिका २५ केलि। मान्त, मानावन अरक्षान--->॥• THE THE

## প্রভূপাদের বক্ততাবলী

ও বিভাগাল এএমছাজিসিছাখসবদ্ধী **८गोषामी महादादणत त्मरे धार्वशा-**निश्वःतिमी भीगाञ्चायकरणारवाभिनी क्रक-कार्धाननमाहिनी कोनज्ञ-नागाद भुक-विश्रष्ट -देवकवितकाश-त्रप्रभागात (कोन्यकाल-मन्स्रामात्र বৈভ্ৰনিজ্ঞানাগ্যনের মেটিকে জগ্য-পঞ্চরাত্ত ও ভাগ্নতের । भगपा ७क - गर्भाका- बीवनहित्र - निकास क - हि किलामहित्राह्य .व्यक्तिश्रा श-रं 16 शिक -- **वेषरा** 'अश्राधुरीतरशत (प्रीतिक "एतमन्त्री --- শগর, মতি য় ও প্রোজন ভবের সিলার সমূল।

১। প্রথম অঞ্জ—বৈদ্যবদর্শন, শ্রী ওঞ্জুর, কলে-পথা, মানপ্রা ভাব, মাবাৰভানতা, পাক্ষরাতিকী দীক্ষ্য क वर विकास, आधारण क श्रामारण, में,हैं। इस्ट्रान्ट क ভাষার লিগা, অভারত সংক্ষত ও আক্রেড সংক্রণ চর্মেট কম করে প্রাপ্ত ২০০০ । স্থান করে ২০০১ । প্রেক্তি কেপতি কপেকে রয়ে প্রপাতি হচ। তিখার নাত । 60 नाम आस्ता .

**উত্তিমন্ত্রিকাপতাকুর রচিত 'অমৃত্তপ্রাক্তালা' শেষ্ঠতা কে গেয়, আল্লার নিশাস্তরি, উচ্চর স্থানিলাচ ও**্লিচারে একতার —ভাগনার — বৈশ্বর — বিশ্বর স্থানিলা — अधियहिक निकास नजनती (नामामी छाएलान विशेष । मामानाम, बिह्नानेन-निकास अवस्थ, १४१८नान नघ । १ अस-अक्शीलक क्षेत्राहरूम । इष्ट्राहरू शृत्रवराष्ट्रा, १४१०ताहरू । शास्त्र मध्या, मध्या, मध्यान, १८५१विक, द्वीक्रशक्षाक्षणाक्रयान । প্রক্রেক প্রায়তের প্রক্রিক **অভিনেধ্ন সাহাজিত।** শিল, আমতী সম্ভ প্রমান্তনী, তে করে গেলার, প্রেটিকস্পর বিভাগ সংগ্রহ প্রভাগ করিব করিবলৈ এক 2 11 2 F# 3(4) 3/3

> Miller to the things

### 🏭 भ भ भ न म नी छ।

才依得的[阿 山林·山西郊南 (高)南) - かられる 1/97 ক টোম্বারি নেন্দ্র রাজ্যুরর রাজ্যুর তাজন for all the green company speaking gifts न्त कार्यतः कीतनी कार्याक श्विक्षितः। ार्ट. क्षेत्रका ( क्षेत्रिक के अंटर ) <u>व</u>ार्टर

#### প্রবেষ্ট্রার বাবলী

त्री/मध्यादेश १ (१२) हे १८० (१) त on highly body and al . \*\* \*\*\*

8415 C V. A Section 1

#### ज्यानदर्भा भिन्ना भगा १ । १ । १३ ।

 प्रश्चित्रमा । तः त्रातः । तः त्रात्म क्ष्मितः without the said within more with a second was a second 14 ) e e 24 i e ' 1

### শ্রীপ্রামন্ত্রীপ ভারতর্ক

क्षि) । कुछ प्रशिक्ष विद्याम । विष्यः । । स्वर्गक्ष । । । विष्य পরি এমার প্রভাগে-বিষয়ক। ভিগ্না। জানা।

#### অক্তিরভাকর ও নবছীপ পরিক্রমা

क्रिक अबर्शन स्थापि-रेक्ट्रिक विकास হটতে পরিক্রমাংশ মাজ প্রীভঃ শ্রীজীব গোখামী কি क्षकारम क्षेत्रवर्षीनशास्त्र अक्षिकमा क्षिमाविष्टात. अहरि প্রে বিব্রস্ত। ভিক্সা । ত' আলা



শ্রীশ ভব্দিবিনোদ ঠাকুর প্রাণীন্ত। ইহাতে 🗷 চৈতভোৱ निकाञ्चणानी-क्रम, क्रमण्डि ६ तम - नद ६ मृक कीव-কাও, মালমাদির বিচার --বৈনী ভঞ্জি, ভাবভঞ্জি ও (आम अस्मिन्ट नाम अभान- धाराकी 🙃 अध्यक्षीय शीधा-পরিচয়াদি প্রথম শিক্ষাপীর উপরেগ্রী করিয়া সরল ভাষায় সমূদয় শুক্তিপ্রমাণসভাবিধিত আছে। চতুর সাম্মর্থ বাধা ा शाका, के तर ... व उनके मार !

## গোড়ীয়কওঁহার

चेक्टर रे हैं। इ. टेन्स्कानर १६४० - अध्यापन अध्याप ा ए दुर्ग स्वार-अक्षत्राकाम माद्र-भारमञ्जूक अभागानका वस्थाव काराज्ञ स्था मास्यान । इन्हरू देवस्था-**১। জ্ঞিন্তীয়া অত্য – ৭%। ও বিশ্বা ভক্তি, ম**প্রদেশ , সভা, ছব নারসম্ভত অন্ত ক্রাভি প্রকাশনত ২য় নাই। 

কালোক আ হায় পালালে কপানাল দেওকা আছে। বেশক, তি লাকণানিন--চডুগল কাচত মণ্ডিনাগোলক গাড়িক্টিটা কুনালাচে মুডিড, উচকর লাচ গোলার ভালে নাম পোলা গ । अब आहर कर्यात राष्ट्रा किन्त र केला सका

### क्षाम-क्षेत्रभाष- इ.षानशी

वैश्यम प्रविश्वत्याम । जात व पर्वा त विश्ववाद्याप्त---माम-ম হতে, লে সভা লে প্রয়োগ বাদ--- জীলা নরজারি চাজকারী रकर्मम १८६ १ कि.स. १ - ोक्स्फ्रीसवर्तम कविक्रमा—है स-ব্রেট্ প্রাধানন ব্রিম্ম ব্রেটি মেনকের মবরীপ্রভ্রমনন প্রায়াচার্ডা জি সংস্থানের জীনব্দীপ ভারতবৃদ্ধ প্রভৃতি প্রাচ্চ কর্ম বা বা বা আলা মান্ত্রির

## শ্রীত্তি লামান্ত স্যাক্ষণ

हाकार एतुमान अनुभाननिर्देश मर १ उन्हर ভংগলে নাবকুল ল উন্নতিজনিকার স্বস্থাই লোকামা মহালাভের বিষ্ঠ ডুলিয়া ও স্থী প্রভৃতি সহা 

#### ८सः (१७७७म् ।

শীমদাম মুল্য । য় ব তা বুংগারেশ্ব বিশিষ্টেশ্ছ পদ-প্রচাৰক জী লগে 🔝 🕟 হাটাবা প্রবন্ধ বেগালিলান প্রচার देशाहरी करनाम एक देखा दिवाहरू हराए क्ष्रायम - ९ शासामि अध्यक्षिक कर्ना वहींगाल ACT BAR FAST 31071

## শ্রীটেড্রেম্চিন্তা থেড ও নবছীপ্রভাব

C नेमलामा किए हैं। खीवर खारवातानम अंदर्श हैं। दर क मुन, खादुलाव क्षेत्रम् एकि निकास महत्र हो ८ एकका सह १० उ সম্পূর্ণদত্ত অবস্থান ব্যাপন ও বলাসবাদ স্থানিত : মবহীপশস্থের উল্লেখ্য সংবাদে সংবারের প**ত্যান্ত**াল ভ एराइ क्षेत्रप्रशास है। उपनी विवन्त्रक्षिण भागीक्य कित कारक कड़ेगारक। अभग क कार के छेरलेश ( २ श्राह **दक्रक ) किया ५० मार्ग, फाट क्वमी वीशके आक्रमाक्ष्म** ३८ शिका बाज ।



নীমংকিবিনার ঠাকুর-প্রণীত। এই একমাত্র গ্রন্থ-সভেব জান লাভ করিলে পারমাথিক রাজ্যে কিছুতেই অজ্ঞান বা সংশয় পাকিবে না। পরম গুড় দ্যালিব্যক এই क्ष मत्रम व अभगलांभी अह अंभगाव आकामिए इस नाहे। िमा वार्त्ताकामि-माध-माध-माध-मिन मध्मणाण । १९ - १५५०७ फाले **। इ**हेश्रास्त्र । जातात स्विप्तंत हारी, वर्णामाव করাল্য থাকা বিশেষ সমুদ্ধ কলা কটিয়াছে। বিয়ার গা ्रतिकात अवन नाम हनका, चेरका निर्मेक्ट-५७० राज्यात क्रिका २ हाका गान।

### ্ৰেম্বনিসৰ্ভ্ৰ

ন্মিনালাপ্রতা অধ্যক্ত পাশ্রদ শ্রীন বর্গেন্দ প্রত্ বির্ভিত এই পুড়কে ছতি জনবোধা ভালে মহাপ্রানুৱ কাতিপুল লীকাসেং বৈন্যবাচাৰ, কাৰণী ও নামভিছন-ভাগালী প্রাকৃতি সালেক देवभागाध्यक्षतः स्वीकारणा োগতে পাইবেন। পাদটাকায় একহ স্তানের বিশ্বদার্থ ও ভ্রতক্তার পরিচয়াদি-মন্দ্রীত চতুর্থ সংস্করণ ভিজ্যান**ে** ধণ মানা মাজ।

#### ভঙ্গনবৃহস্থা

ভজনকারীর নিতাসঙ্গী ; সাত্র ভতিবিনোদের এন্ল্য शानां । भिथित शांदक्त निर्पाति । अञ्चलानि ना १००१ लगान् কেছ ধুঝিতে পারিবেন মান 👂 হীয় স্পর্বন ভিক্রা ॥०।

## হ্যুমামচিন্তামণি

নামানার শ্রীণ দ্বিবাস থাকরের মুগে শ্রীন্তার প্রভ শীলাম-মাক্রাবার, লামাভাষে, লামাপবার প্রভৃতি বিষয়ের মাৰ শীয়াবিচাল শ্ৰণ কৰিয়াভিজেন। 🕫 বি ১৬৪িৱ व्यक्ति भन्नम् अग्राद्व ग्राधिक्ष धाक्षम् । अतिगामिकारतः जिल् । है। स अकितिरमाम शेक्त-ति । असम मध्यतः विकास

## কল্যাণকলভক্ন

क्रियक्षिक्तिराम शक्तिनातिष्ठ। श्राटाक करावल-াবশ্বনী ও জানগণের প্রিকের একাপ্ত গ্রেজিন্স [ भारतभाष्त्रको भूर्व शिक्षिष्ठ । भाषाण पुरस्का छ । । ্লাকেও এই ভজনবাজোর কীতিম্মুহের হলে৷ অনগ্নিসুত্তি ও ভগৰ সেব। নাভ কবিবার ফ্লিনা পাল্যান। সহ সাধ্বৰ, ভিজা / ত সানা মাত্র।

#### শরণাগতি

গ্রীমছন্তিবিলাদ সারত প্রতিত । ভগ্রানে আল্লান্মর্প . विकारि, अभनवात्तरा, भड़ निमा सहरार डि. ४ भिन्न नावमाः विनयक भाउनुष, जिला २० आना व व ।

#### গীভ বেলী

প্রীঠাকুর ভক্তিবিনোদ-প্রেণিও। নিত্য ভগন, আবার্য এক ५ अस्ति-त्यवसामि-वित्यक स्थूद (स्टास्ट टक्टब आंश्रट 'ভজা / । সালা মারা।

#### **अगरश**क्षक श्राप्त

र्रमहरू भएक हैं स्वारण । श्रीमिक्षमाथ । 5 क्रांची रोक्ता-'s": ile अभि म.को



শীম্মাহাজে ব শিক্ষা ও শীম রখুনাথ দাস গোস্বামীর প্রতি শ্রীক্ষণ লোকানীর উপদেশবাণী, ভক্তিপথের ময়ুকল ও প্রতিকৃষ বিনয়ে গুরিভারিত সংযাদন ভাল, বিস্তৃত বিধৃতি, চরিভাষ্তের প্রমাণ, গান্ধ ব্যাথা ও মহাজন-পুণ্ড তচুপ্রোক্স গাঁডমমুহ প্রাটোক শেকের স্<sup>তিক</sup> স্ত্রিবেশিত ১ইচাছেক তম সংক্ষরণ ভিক্ষা ৯০ লানা।

#### अभाग-कर्

ত্রীরগুন্তে নাস গোস্বামীর মন্ত্রনিকা, স্ত্রীল স্কুল সং ভার মার। ভারাবনের তবিত গলালুবার্মসহ। ভিক্ষা /০ সালা।

#### প্রেম ভব্তিচ জ্রিকা

ল্লীল স্কুল নরোখ্যের স্তপ্ততিক প্রেম্ভার বিজ্ঞ ংরের পুত্র । ভিজাত থানা মানে।

### নবর্থী পশ ভক

मोत्र प्रदेश करिनियाम तिष्ठ मोन शासामान স্বস্থাপানের সংস্কৃত নারীগশতকের স্বর্গালত। গছামুবাদ 🗓 ভিক্ষা / ০ সালা মাত্র।

### অর্থপঞ্চক

टींश (बाकाश्या बिष्टा) देवकत्रश-अन्तित चाकत প্রক। ভিকাত মানামাত্র।

### সদাচারশ্বতি

শ্রীল মধ্যাচায়-প্রলীত। বৈক্ষণের নিতাক্ত্ম লে সলা ব্যাস বলী, বঞ্জালে ব্লিছ। ভিক্ষাত্ৰ পৰা মাত্ৰ

#### মণিম ভারী

कतिकन्दर्भाते व्यामनामामान्या वा 🕫 Sec. 1.34. ! करायात वा किया कीत्रवी,को अञ्चल ८० कनमध्य । अ**श्चि**त्र किका कि अल्या मार्थ ।

### दशीतक **दश**ामश

अतिम कृति क्रिंक्शित्मि (सर अंश इ. ट्रांट् नेयम शहरात श्र नामगोन्य विभिन्न मध्यक क्या (चिका ५० व्या)

## मुख्यिम्बिकाः खगदशीव्रक्तः,

শ্রীমস্ব্যাল্ডাদাংগার্থতে শীম্ দিরাক স্বামিত্র ব্যাহারত সাম্বাদ এই প্রাচৰ প্রকাশ পরিমার্থিক সাহিত্য-মণ্ডত परं न क्षेत्रांपम । जीभवाका (b विषे क्वेटक (गाइक्ष) (का 10 होग्र মধ্বচোণ্য নামে গ্যাভ আঁচদিরাপ্তার্থ পামা 🕫 গ্রহে गाभात- गुक्कि ९ कोविक अधिक्रियारिक किकल अन्ति जात ভিজিবিরোধি-মতবাদ সমূহ পঞ্জ ক্রিয়াছে, ভূতে প্রে कतिए कतिए अभिनाधित उद्योग स्था। देशका पृथित दाता जीत्राक. ८६ म. ८५१५, भीषाध्यक । ५ प्राप्टिक किया हु-সমূতের স্থার প্রন বাংখ্যাতে। ভিকান, তাকং মান্।

## গোষামা জাল রঘুনাথ দাস

তেওঁ বিফুপাল স্থীল ভতি সিদ্ধান্ত সরস্বাচী তেরিয়ালী প্রপাদ-বিভিত্ত জুলিকা নত ) বেংকা,প্রটে প্রপ্র-কল্পের কেন্দ্রে প্রিয়ত্ম আদ দান গোরামী পানুর অপুশ্ব চরিতায়ত ও শিক্ষা মাতীব প্রায়েল ও মরল ভাষার সরিবিই এবং পরিশিরে দাসহোত্থামী প্রেডর বির্ভিত কর্তটী ः - ४२ १७ : जीग्रहां केविरनान होतू (बहु अधनान- नाधवान सहुत उस अन ६ मन:निका-मन्निक। किका বাগাই। । অবন, সাবা हि। । । আনা মাত্র।



প্রাচান নগনীপের <sup>শ্বিবার্</sup>ডি, তথ্য, ঐতিহ্ন, প্রোত ও<sub>ু</sub> উতিহাসিক প্রমাণসম্বলিত নম্বটী দীপের সচিতা বিষয়ণ-এছ। রাজনি বাওগাটের কুমার 💐 কুক শরদিশু নায়ায়ণ ताय ध्या, ता, लाख (नारकात), (नगायकृत्व मरकाम्य कर्षक भक्षाणिक छवर ४१ थानि विशिष्ठ नर्तात अभूका हिला 'छ মান্তিএ-সম্বিত: প্রাচ্যবিভামতার্থর রায় সাত্তর 💐 🕸 নগ্ৰেদ্ৰ নাথ দক্ত বিশ্ববেশ্যসম্পাদক মহালয়ের বিশ্বত ভূমিকা 🕻 म् । উरक्ते ( वेर ) भत्रतका वानाहे भूषा अल, कि: नि: Co

## माधक-कश्रेमाला

फक्तमान, रेनम्बन-वन्त्रमा, रंगमन्त्रमा, श्र**मारण**त श्रीक, क्षानाभरतः क्षीमचाकाळात्रत आक्षीक्षतम्**७ माम, प्रहेळक**र नागक वन् जीनामनकायन, इलामस्यनि, वाडेनगमीछ. ন্র্বীপ্রান্মা, উল্লেখ্য মহিমা, শীন্ধোভ্য-জাছ্য অট্টড আগ্রা-বন্দনা, সম্বুলাপামীর মঠক, প্রেমভভিত ভিকঃ, ऐप्यानन्यांना प्राप्तनस्य प्राप्तांनी, यहां श्रेष्ट्र स श्राप्त सामामन सर्वापः भगः निका, ली प्रकल्पाति, ली प्रकल्पाता, यहाला हुत तसमा लाइ ६ माधक ७ मिक्कीनामन मिखालाहा. বৈদ্যবপ্তের কর্তবিদ্য ভূলনীয়াল্যে ভ্যায় অফুক্সল কর্তে रानगरगाना अगुल अर : जिल्हा (लंब, नीमाँहे सब मांक )

## গৌ ছীয়-গৌয়ৰ

কলিকা শত অপ্রাদিও আলবার কলে পৌত্বীয়-সম্পাদক শ্রীপাদ অন্দ্রবানন প্রবিদ্যাবিনোদ-প্রদন্ত বস্তুত্রে বিশ্ব গ্ৰুকাৰে প্ৰকাশিত। ইংগ্ৰেড গোঁট্টায় বৈক্ষবস্**লালাংছ**ৰ ইতিহাস সভাকারে প্রথিত হইবাছে । ভিক্ষা লে। মান্ত।

#### গোড়ীয় সাহিত্য

কলি হ'তেবে ও পদিন্ধ আলবটে তথে পেট্রিছ-সম্পাদক ভীগান *ওদ*লাদক গ্রবিস্থাবিনোদ <del>গ্রান্ প্রায়ত বস্কৃতার বিষয়</del> গ্রাবাবে প্রকাশিত। ইচাতে সাহিত্য-শল্পর **অর্থ** এবং ्राहिन्द्रेश श्रीकिटकात निरम क धकाटत वृधिक क्**टेशटक । स्थिक।** 100 MINI WILL 1

### श्रीरभोड्यक्त अद्भिक्तमा-पर्भन

আলেন্ডেরের যে মুক্ত স্থানে সপ্রিক্ত্র - 🗒 মুক্তর প্রাক্ত त्व अध्यय अववादी मधाक्रमत्व बीवा कविषा विष्राटक्रम. নেট মূদ আধুনিক ভেটিগোলিক পরিচয় ও দেশবিপ্রজালির পরিচয় সহ যা ভাষাতের স্থাবিধা নিকেশ ইভান্দি। বিষয় গুলি নলিবেশিত আছে। ভিকা । আন।।

#### THE HARMONIST

OR SHREE SAJJANATOSHANI

ত্রীল ঠাকুর ভার্কিবিনোদ-প্রতিষ্ঠিত এবং ত্রীল ভার্কি-নিদাস্থনরথভাঁ গোসামী প্রভুপাল সম্পারিত পার্যাধিক मारिक भवा। धकारण केरताची खावात बहाविश्न नार्व ভবলক্রাউন ৮ পেলী ৪ দর্শ্বা আকারে প্রতি **বাবে** করি-নামের বিভার-বৈভারত্তী লটবা উপদ্বিত ভইতেছেন। কাগভ, মৃত্তণ-পারিপাটা ও চিত্রাদি মন্তীয় চিস্তাকর্থক। এই প্রকার উৎকৃষ্ট প্রেবক ভার কোন মাদিক প্রাণিতে পেপিতে পাইবেন না। বাবিক ভিক্ষা **ভাক্ষাগুলস্ফ** 👟 টাকা মাত্র।

## প্রামিস্থান-

औरिष्ठश्यमके त्याः खैमाबाश्वत महोबाः

## শেখবেষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভাজ্যসসমূহ

### আকর মটরাজ

द्यानीय नवदीय, काषणक व्यक्ताय बाबायूब, नवीबा

শ্রীরভাষোলনী চাইতে পার হত পত উত্তর-পুরে শ্রীরম্বশন্তরে আচার্যারর শ্রীচন্দ-त्मध्य-भ्यटम अञ्चितिकक-मह निवाधमान ।

बहें कार भारतकरूरतीर्थ, भवनिकालीह ना भाषक क्रमणकी । अहे प्रकारीर्थ हीर्श्वन ो साधामक शाकित्राणिक(यशाक्रमक, शतिकात का**वर्ग**ठ कावा, साहेक, कावशात, स्रशा काश्यान-देशिक यत-विष्टा-प्रक-क्रमान-ठक्रश्रक स्थापन । ७ स्थापना धवर कथाप 🚉 छ 🚈 .शोटाक-शास्त्र:का-ना-शिक्षित्रमः व भाष्यत्र शास्त्रात्रमः व्यात्रात्री-ठक्कश्च काशास्त्रतः केलासः : विकारक अधिक विका स्मितिक करस्यक्ति । यह प्रदेशिक भावमार्थिक देशिककात मायकnemuttab mierten a mitthe america ereiten ereite ereiten delle ereiten ereiten. ক্রাঞ্জিত ভরষ্টেভন : প্রাজিবংস্ক শ্রীগ্ম-পরিক্রমান্তরাল ও অপ্রিভ ভঞ্গোটিত को खन शहरदम्हल भवाभार वारमवानि किकाल सक्षित वहेंबा वाटका वक्कक---अक्कारी ইলাদ নরহারত্রী। সহতারী- ত্রীলাদ বিনোদািহারী ব্রছচারী, পাওত ইলাদ গোরদাস अक्षाती नाकत्वानीचे. क्रियाम वीतकत अक्षाती, मिक्क विवाधवानक अक्षाती, প্রথক মনীবোলাল বলোলাধারে. প্রকারণার লাস একচারী প্রমুখ সঞ্জনগণ :

हिमा क्षित्रा शे श्रीप्रश्व अभीत कीर्य प्रकार अधारत इतिकता कीर्यन कहिए। ।

## (৩) বোগণীঠ হানন্দির

श्र श्वान क्रिक्सम्राप्तित्यव क्रनमं ना Jumet mes miffeteieffe unteriet-नोप्रे । प्रवादन क्षेत्रकोशिका व क्रेतिक-Carrie Mentoninien ant Mebren · Beinigeme fem grat war Bem-海大樓在 《托奇》有名叫"河 · 李季等——《明节等》) मान पत :शाचामी कहाताया शाक मेंद्रणा-बाब । प्रकारी अनिकालिक अधनामी. क्रिनेम्याम अवडाजी । अमान-भाः, योगa:81, (#144) Abice## 1

## (日) 國祖海-明書書

श्चिमश्चर शक्क की खुन-निकास वा क्षांत्रभोतात बामकृती । जनादम क्रिकारभोव-विकास कि लक्ष कि देवता विकास के वितास के विकास क क्क क--- शिवाशाचाम अवशाती, शिवासुक 🖜 🚁 , 📆 त्माकृतमाम नावाणी ।

#### (৫) অট্ছড-ছবল

बड़े कारन क्रिक्टिक शहर करन करन (भ्या वस्यामा

(क) काळीत्र मन।चि ल हे ळाडीम माबाजुब, बायम गुकुष (शरीया) Acabagereia Bbireiwie प्रावित क्कम--- अक्राही किनिश्मार विवाही।

#### ( 1 ) **'4 | A 4 | G 4 | F 4**

**क्रिशाक्ष्य, प्रस्थायक ( संबोधः )** anten Glemein Ber wife feenfebigen Ruffe mat Mententien mat Milleini. भाषायक दशका वर्षमान

रक्ष-- किम्ब्य काकाक अवहाती क्ष्मणां क्षिपी जन, जन, जन ।

## क्ष्म अध्यक्षाच दर्शकीय मर्ठ यष्ट्रयमिश्च <u>।</u>

ংকক—- শ্রীবন্ধবন্ন ভক্তিলাপ্তী এম, তে, বি, এশ, সংকাষী—ক্ষীভাগাস ভাতি- । বদক — এপুল প্রঞ্জ তার্মচারী। माधी, बैडिकक्रम व्यविकाली व्यक्ति ।

अट्योब-अम्रास्य मठे টাপার্কটী, সমুদ্রপঞ্চ, ( বছমান ) 🏥 न वाधिवारबंद श्रामिक्ट द्योवश्रमानह-

. ১ • अञ्चलकोकोत्र-वठ errinm. muin is, for रक्ष क---- श्रीकृतिशाम अव्यक्तश्री, श्रीकृत्रामधर 375-1091

माक्रिशाकि, काश्रशक, वद्यान।

#### ( ): ) @LATE OF A 5 2 ---

🏥 गामां वकास क्षेत्रक कुलाबस्थल काम । वणक---- चैन्छविडाठी खळनाती। ( ) ३ ) जानवड जानव শ্রী দাগবন্ধ (প্রাণ, ক্লক্সবস্থা, নমীয়া। काशन रिमास अकावणी व्यक्तवर करता वक् ०--- अध्यामक वक्षाता है।

in setted ( oc ) ८६। म राष्ट्री, स्थावाकी, क्रुक्रमश्रह, महीदा । 

( ১৪ ) श्रीमाध्य-८भोकोत्र वर्ड à•नर नवावश्व दशाख्, हाका। पृथ्वनत्वत व्यक्तान-दण्यः वदास्य जीवक-व्योशक भाषामा-भितिषक्ष द्रम्या वस्त्रमानः ०क्क- श्रीवाधायम् सम्बद्धानी ।

( ১৫ ) किटमामामकी वर्ड क्षणाथुव, हाका। लानानकी । अविकार व काडीन त्रवा

मक्क--- अधानरमोप अवहाती।

## (३) बाटगोडी इ मठ

১৬ নং কালিপ্রাসার চক্ষবস্থী ষ্টাই, গ্রেঃ গাগ্রাপ্রার, কলিকা জা। ्रिकारमान वि. वि. अ५७६

শ্ৰীমন্মৰা প্ৰভুৱ প্ৰচাৱিত স্থানিকল ক্ষিক্তব্য-প্ৰচাৰেজেলে গোড্ৰেলেৰ স্থাপ্ৰধান मध्यो कविकाकास अधिकितिराम भागान सेमह श्रीविक सार्धन । जह कक्र-সভ্যারামে আই ওরা-প্রোক্তাল-জীবিলেদ। শল জীউ সপ্রিলে নিতা সেবিত এল ে গোডীর আচার্যাপর্যের যাবভার প্রস্থাবলীর প্রপ্রাংক্তেশ শ্রীমতে দংলপ্প একটা প্রবৃত্ত মুদ্রাল গপ্তালয় সংস্কৃতিত ভচ্ছাডেল। প্রতিধীর স্কৃত 🕮 গৌবনাম প্রচারার এই ব্যালয় उबेटर दिशा होता माखा विकास का कि का बाब बाब के प्राप्तिक शांक का करता छी का बाह नियामकारत शाकाचार बहेटकाका। श्रीमहरू मात्र, मधीकान, मधावान-ठाव्यक्त-उत्तराख, व्याप्तानक, अंदिक्क-एविक्या गामि-लीगा र क्वार्यं नमक कारणाहमा उद्देश প্রক্রে। মহরক্ষক-- আগ্রেষ্ট্রক প্রীপাদ কুমাব্রুরী বিক্ত ভূষ্ণ। সহক্রী--প্রতিষ্ श्रीलाज अमध्याक्षरक शर्दाकास्त्रण रेन-६, लीपान अस्परामन शर्दाकाविद्याम (व-छ. श्रीभाष क्षानावरादी अक्षात्राही, श्रीभाष स्थात्रकादम बामगीतकादी विन्दा श्रीभाष क्षरभाषाण मामादिकादी, अध्वतादी श्रीकामन्त्र, अध्वतादी श्रीमाधीत्वाक्य, अध्वतादी त्रीक्षणभन भक्तियात्री, दश्चभदी औरमदकीमसम, शास्त्र सीम्। मदीनकृष्ण পরণিয়ালকার চকিশাত প্রভৃতি।

## १८७ जीगबाचे-८नाः च मठ अविकास शना विने मका, वालिय

च्छेशभाड-(शांद्राटक्षक शांका छात्र

## ১৭ জীভগেবভঞ্জনলেশ মঠ

किकालिका, नाळालवल्ट, स्वामिनी लूदा CHICA Mar-chierm-nieften. াগ্রিশারীর ভিজাসের বস্তম্যন : এক্সক— यमगत्री बीक्शशनगत्रमा । बच्छादी लहासक

## ১৮ वामनार्याका वानवात्रव

नाक्षतीत दलाः वक्ष्याम ।

"सहारमना। तकक--- बच्चनामी सहिद्यfarme :

## ः **अश्वकर्यादम म**ठ

प्रशेषात, सुबी, क्रिक्शा। श्रेषात्म हीर्द्धा व- विद्यालया मवलीत जिल्हा-.मना वक्षमान । रक्षक — बक्षतारी हो लहुमा । नम विशादक, अभवादी श्रीमहीशानकः

#### (২০) শ্রীব্রন্ধ-গোড়ীর মঠ

भागवद्याप, अभागांत (भार, मुदी । **व्यवद्वाभरत्वत अन्त्रमत अभट्य क्षेत्रभा**तः वक्क--- ≤श्रहःदी WO'2' # 1 व्याप्तरम्पत्री वागामकी। महकाती-অম্চারী জীবেলিনবিছারী।

## (२) जैनकिश्वक वह

Diwaltimie, woo . अधारन जीवल-द्यावाक-विद्यापद्रभण-बीय निकासिया बस्तमान । व्रक्ष---वष्ठाशे ज्ञीनगर्र

### २२ ऑजनाडम-शोदास सर्ह

तमः सम्बद्धाः सम्बद्धाः कान्ये । গোন-প্ৰায়পুত্ৰ সন্ত্ৰ-শিক্ষাপ্তৰ: \* #510A (5055574) 4EN(A) 3FR-लीकार कीरा शक्री

## २०. धेर्**कारेहरूस ४३**

कीन शरक्ताम कुछ, छीताम दुन्तायम । के ब्रेगामा-अम-प्यावनकीर स्मता।

तपान-धिशन किसाब समानती

(३८) अभितृष्यक्रम यह भिभिधात्रणः, मीजालुर

এখানে প্রভাগতত লাসপাল 🗨 ব্যুদ্ধের বিনেদে বিলাসজীক দেবা বক্ষমান এ) ওপগোরাল-ত্রীগান্ধাক্ষিক। গোরগারীত তক্ষক —রক্ষতারী জীনুসিংকানল ও রক্ষণাত্রী क्षीत्रमाष्ट्रमात्र ।

## २० औरेड उन्नदगोष्ट्रीय बठ

দুৰুৱত ডা, চির্তুভা, মাণ্ড্য চল चीटे अन्य सहस्र नामा । रक्तक मोरामा बाव बाब, चिटाम-नामन डक्काडी । खोडाम नीच । माहाराब

## २७) न्यामदशीक्षेत्र मठ

重要指数点,可能用嘴点。 中侧的 ( ) - 电电影电 और भोबा वस्माप-वारमक रमका वस्त्रमान । 京中中一三年 5 日 到日中のかり、

্বৰ, আঞ্চন্ধাকা অনমাত্ম-মই 别"新月时"事"。【四位 · 1草 · 1 江

अधारम सम्भूकमृति ल १ । छारणाट रम्बा 可容別[司] 有地 如一通口不可 医[型]可查班。 भाम, श्रीकामारमा नक्त्राती।

१२৮ विका अगाणीय मठ-कार्यालय

. : inn . winig. feit inni . व्यक्त-किनविषामी अभिक्रों के संस्थ-जिति महावास, जीवान, ब्रमण्ड दणम्बन

(२०) ८गामानभाषाळभजाळव वणक-वणहात्री खोडाशास्त्रक्त

## भार्यम हैनाटम्बेहारवर সভা আহ্বান

ंकरएक मिन ३३ व পুनिरमंत भनत्र ইন্সংগঠার চুবি ডাকাভি নিযারণকল্পে হবিনাগণর গ্রামে আদিয়া এক সভা অচ্যান করেন এবং গ্রামের আত্মরকা স্মিতিকে পুলিশের সহলোগিতা করিতে বংগন। গ্রামবাণী ভাষাতে সম্মন্ত না হইয়া নিজেরাই গ্রামে পাহারাণ ব্যবস্থা कतियार्डम। উक्ष ग्रहाय करेनक हाथी इमम्प्लिक्रीतरक ज्ञानान.—यपि क्लिक्नात ও পুলিশ চুরি ডকেটে নিবাবন করিতে অক্ষ হয়,তবে উহাদের কোনই প্রয়োজন

## युष्णाहास द्यात्रात

প্রকাশ, মুডাগাধার পিকেটিং করার मक्रम डीग्ड त्यारमस प्रयामानाय, প্রধানন রায়, মনোর্থ মুখাড়িল এবং তিন্তন ১০৭ ধারা অনুযায়ী (এপার হইয়াছিলেনঃ ঠালরা ভামিনে মুক্তি-শাভ করিয়াছেন।

क्रक्रमगदत्र शिक्छि

আজ কয়েক্দিন ীবিং কুফুনগুরে আনিতে। यम व गीजांत ८५ कारन करमक्जन বেচ্ছাদেব 🛊 ও বেচ্ছাদেশিক: পিকেটিং করিভেছেন।

ধখের পিক বাদ দিলা শারীরিক ও অর্থ নৈতিক দিক্দিয়া দেখিলেও মদ ও গাজার ভীষণ অপকাবিত। প্রতি মৃহতে पुष्ठे इ**टेट्डा** कि ५ (५८नन ६मन्टे । इडीना (म, ब्रहे मक्न जिला ७ (नना-পোরদের চক্ষু খুলিতেছে নাঃ ভাই ভূই একটাকে স্বেচ্ছাগেশকলের যুক্তকরে প্রার্থনা উপেক্ষা করিতেও বর্ণাল হইতে (एथा यहिराज्य । প्रजन्म प्रिंत्रजनाः শক্তির অভাবে কপের মোডে অগ্নিডে অল্প প্রদান করিয়া ফীবন বিসক্ষন প্রোণ্ডারগতের (मग्र डिटार्सर ८७१ भागवरमञ्जाल एके र्गणात्रातरमञ्जा निर्मातिकात कांगरमत मन भार्थका (काशास १

#### প্রবল বৃষ্টি

শ্রত ২৪কেনে আত্রক্তাল এই সন্টা वाली खान तृष्टि ध्हेगाहि । 581C3 Styller (दश डेलक'त ६०३।ए०

## क्षांडि-मध्य का भेगिन

198. (

्यात्मप्रता वयान द्वात मध्यात्म ध्वकान, জ দিয়ে আভি-সজ্যের কা**উন্সিলের** রশ্য আন্তেশনে কাল্মনীর গরবা**ই সচিব** ৬৭ কটিয়াস কৰা, চোলাগাড়েৰ প্ৰতি-পুনিশ্বিৰ মনোৰাকগুছ হুইটেডডিকা। সু**ছ** 

চরমে উঠিয়াছে—এমন সময় বৃটিশ পররাট্ট সচিষ মি: ছেগুরিসন মাঝ্থানে আসিয়া পড়েন। তিনি কোরের পর্ইত कार्ष्यंभीत भरकहे ताग्र (नन ।

পোল্যাতে স্বান্ধানীর সংখ্যার সম্প্র দায়ের প্রতি যে বাবহার কবা হয়-দেই প্রশ্ন শইয়াই এই বাক্বিভ ভার স্থাষ্ট হয়। ডা: কাটিয়াস এই অভুগতে প্রশুটর **আলো**চনা স্থ<sup>নিতে</sup> রাখিতে বলেন মে, —মাত্র চাব দিন খালে পেল্যেক্ডর পাঠ করিবার সময় হয় নাই।

🕶েনে কারগার সংস্কারের চেষ্টা , ক্রিভেছিলেন।

কারাগারদম্ভের মহিলা ডিরেটার भिरनातिका दक्के धुगः विद्याद्यन, "करण-**দীর জীবনকে সু**দ্ধর করিয়া ভেবে।" পর জার নীল্যতন । বাব স্থান্ধ্যার সিলোরিটা কেণ্ট কারাগার সংস্কারে রভাহতথা উলাসনার কাগ্য পুর উৎসংগ্রা ইইয়া উঠিয়াজেন। এই কলেন। এই সমগ্রিন বল উদ্দেশ্যে তিনি আঁদাহণিয়াৰ ক্লোগার- আভ্রেগেণ স্থল আন এং গুলি দেখিয়া েড়াচতেডেন '

বঠনান বাবভায় আমুল নৌন-প্ৰস্থায বছ সংকারকের উদেশ্র য করিয়া অঞ্চন করিছেছে। (এন ন দিয়াছে। কিন্তু বিনোরিডা কেন্ট এই জাতির স্থ্রে একটা একে স্মজার জন্ম মোটেই ভাও নহেন। করিতে গালেতেন এমন নতে, ভাঁহার প্রভাব - এই – বিস্থিত কয়েনী- আদশকে ক(গ্রে আবন্ত কার গ্রণ আরামপুর্ণ কলে ভাষেদের স্ত্রী বিপাইর। সংগ্র সংস্থা বচক্রিক কালা, অথবা স্বামীর বহিত দেখা করিছে क्ष्म विवर्ध है है কয়েলীগণ ও পারিবে। ভালাদের বন্ধনের সহিত সাকাৎ করিতে আছতভাবের শতন্নী প্রতিভা

প্রিশেধে প্রভাক ভ্রমান পর পর এই মহাপুর্বের প্রার্ कर्यमी मिश्रक अधि मा ततः सम्जनमा অবস্থায় বাহিলে নমণ করিতে দিছে লাকিবে। इडेर्ट । मध्य (प्रत भवा) वर्गा, প্রতে।क করেদী যেন সমাকের একজন প্রয়োজনীয় নালবাচন ও উপ্রিত সকলে ব্যক্তি হটতে পারে

## (अमाध्यादक कि। म পণ্ডিত জহরলাল নেভেক

প্রিত ক্ষর্লাল নেতেশ গত ২৪শে কাং গ্রিক মে প্রার্থত জে Cभी किराटकन त्या अकारक विदायकाटन শ্বভাগ্ন। কণ্ড ১ইস্কেড । সমস্ত রাজ্য তাঁহাকে জয়গৰ্নি ধার: কড়ার্থিত করা: इस । एका इहेट रिक्स हिमिर्डनी কংশনে গ্রন করেন। তথ্যে জনসাধারণ তাহাকে মধোপযুক্তাবে कत्रियाहिष्यन

লার আশুভোষের শ্বভিউৎসব

शक लामगात क्लानाट्स व चिकात সময় বারভাকা বিভিৎয়ে প্রলোকগত স্থার আন্তভোষ মুখোপাল্যায়ের সপ্তম বার্ষিক স্থৃতি উংসৰ স্থান্সাল হট্যা গিয়াছে। এডজুপলকে বহু ছান অধ্যাপক, নিশ্ব-বিশ্বালয়ের সদ্পা ও অনাতা বহু লোক হটগ্রভিবোন वात्र अश्वा সমধেত বিল্ডিংয়ে ভাবে অপ্রেটাণের যে মন্তর भूषि प्रक्रियातक, हार्का भवादर भव भक्त র্হশাকার বিশেটখানি ধেশ করা মধেনা বিভূতি করা হণ্যাভিল। বলকেন হইয়াছে—জার্মেনীর প্রতিনিবিশ্বের উল। পোড়ান কইয়াছিল। স্করেধ নীবেরে त अल्लाम कि घटन श्तुशादियक अ कि"को "केंग्कोत

> भनत्ताकवार यहावता । तारि नवा देवकिक्स्प्र १०१३ जनाव

ভারেতবাসার প্রয়ের বিন্য ক । ः \* •} व

কেন্ট বলেন, ভিনি চান কারগোরের সংছে এমন নরে, হাছা আছে হ সংক্ষার জাহিপ্ত স্বস্তা কর্মির এই এতিদিন পরে আয়ুমরা বেংগা গলব छेरमार ७ वङ्गर श्वमा निष्ट भारतर न

> छेपनच्यात स्व कुलकाछोत्र छ॰ केंद्रिय केंद्रिया तर्श Winkle. मःनीयरमञ् । यरमञ् ५**०** मन を付ける事

क्यामभात कारा । अस डेटांड इंदेल (अस्थित मध्यत मृद्धित भटन गाला य र न्या क्षणि असाम करवन ।

## রেন্ধ পে পুলিশের সঞ্চিত বিজ্ঞোহাদের সভাষ

भारताङ्गाङ्गः **८६ माट्ड** 2414 निरम्बारीयम्य क्रकी सिनित **स्त**ाम **क्सा** कक्षणराज्य । एक किल्लाहार्युः कर्तरक व **अविका** मृद्ध ब्ह्म निर्मित्त व्याग २०० अन বিংগ্ৰহী ভিল, সামরিক প্রতিশ ভাগে-मिन्नादक क्षां अपने कटता । अपनादक **७३वाम** अलिम क्रमम इम्र। विद्यार्थीतमत अका-हत्त्वेत्र मृथ्या कान। यात्र माह, अक्**ते गृह** (प्रक्र প्रक्रिया विवादक। (शर्वकिम**ाक्रिक** श्रुलिन ४० क्म निरमार्गेत जाकी परनत

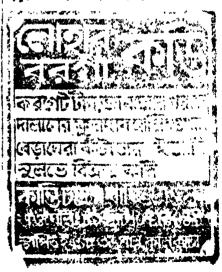
उन्द्र चटनक पृत्र ह्हाक करिए हिएत। क्ष्मण विद्वारिक क्षेत्रच करता **च**न्न गकरण भगासिन करत्र । ৰাজ্যলা সন্নকারের নামে নোটাল

भावना ८कलांत्र भावका आद्यत्र आवु-हरम ७ आल्किमिका नायक इंडेअन পাট্টচাষীর পক্ষে স্থানিটর মি: সভাতরি দন্ত বাঙ্গালা সরকারের চীফ নেজেটারী ও বাললায় ক্লবি বিভাগের চিপেক্টারের नारम दहे मर्स्य दक भागिन निवास्थन त्य. ভারার মকেলগণ বাঙ্গার পাটভাষীদের भएक एके किटियादश मामना मार्यय कतिरयम (य. १ ) शांधिशारभन्न फिनियार স্ম্প্রিক্ত যে গ্ৰণ্ণে গ্রণ্মেণ্ট বাছিয় कर्यम काका केलांत महम्मार्थित महा স্বাধীন কাক্ষরে একে বিল্লাস্ক্রপ, (২) টা রিবেণাট অসাবরানতা স্থকারে, ভাষা काफ़ि, मरबोकिक मात्र आक्षात्र कशा करा. ( ७ देशन करण भारतित्र मात्र नास्निया बालवांत्र भारति।िरान व्याप्त २० (वर्गा) हैं।को कहि केशिशा ।

## ह्र इषा अदिकारत का छ

বেকিছা শ্মতারে দকর চুচুদ্ধ ক্ষোত্র পাড়ার শ্রীয়ত নিক্স বিহার। পালের ২২ বংসর বয়স্থ পূবি জীনান মযুহ্দন শীল প্ৰকৃত্ৰ মে প্ৰাডেড চ প্ৰাঞ্চ আৰু সিং बाहेश बाह्यका करिला १३० । क्षकान ८५, ब्रह्म्पुम्ब भुद्धीत (बन १६) ४ ४ छ। अधर ভাষাৰ মাধ্যক গুলাব হয় বুল ক্ষাফ্ৰণ भाकेषार्थ। '७१५ ७५५० १५ करमात्र बावका क्य किन्न १४(न १४०) केव नाक्री ह

**अविश्व क**िश्वहरू कर्मा उत्तरभ द्रवहरू **७ मान भूरकः म**नुभूतकान उपकरी ६(४) डिश्ति भन्न दक्षान मार्क्कानान अभिरम ्ग कर याम । ५ कता कता । छाधान মুকুলে পর ভাষার মাধ্যের জাকতের বিভিন্ত उक्कामा (5% भाक्षा यात्र ) ८म अब किविएड ब्याबाहाशाटक एवं ५ कृती। श्राक्ताद्व भि कारात लिटाटक टकान शकास मुक्कास क्षिट्ड प्राप्तिर १८५ मा वांग्याई स्थ षाञ्च ६७३१ के निया। (स.क.) मार (स. स.१६) स স্থীবনের কোন মৃথ্য নাই এবং ভাষার भुकृति क्छा (क्य मार्गी भएट :



टेवि-स्वयोग

familicus sis

क्षण्याहरू व्यक्ति केल्ला ५, व्यक्ति कलम ५, व्यक्ति कलम २, कृष्णित सार क्षण्ड सार



मार्गास्थातमा क्रिकास्थात व्यक्तिमारिक क्रिकासिक क्रिका

ভাষতেক লক্ষতে নমল-গ্রহার-নদীয়া জেলার একমাত বুলাশত

७७ ४७ ] मन्त्राप्तक.

मन्यामक -- श्रीकलीसमाथ नरमग्राभाशाश रनमास्वराहन्या

ि १०म मः शा

জালৈভনামৰ জালাম মাৰাপুৰ- ২০ই জ্যাই গুৰুবাৰ ১০০৮, ১৯শে মে ১৯০১

## নানা কথা

## भाषीकोत्र करमकरी अश्र

त्मके रमुमानाण नाकारण र निकड अक नाम महाचा गांधी कर्ताणिक शृदीण कराक्ष्म मिकार प्रत वार्थाल जेरनरण कराक्ष्मि गुन्जीत अल्ल प्रतिवारण । कराज्यत नीष्टित आर्थाभनीय ११ वृद्धारिया किल्ल आल करिकारण ने स्वत्या प्रतिवारण । क व्यक्तिमात नेन कराव्यन करिया प्रतिवारण । क व्यक्तिमात नेन कराव्यन करिया प्रतिवारण । क व्यक्तिमा वार्यन कराव्यन करिया प्रतिवारण । का व्यक्त कर्मिन कराव्यन करिया वार्यन । आन्या भिया क वेद्या क व्यक्ति । व्यक्तिमा वार्यन । का व्यक्ति वार्यन ।

ভিনি আরও তার করিয়াছেন যে,

সিয়ারে আপর শিশার তাতি এয়। এবং

আপ্রভা নিবারণের কথা আছে, দেশবাসী ভাষা কভন্ম মানিলা চিলিভেছেন।
হিন্দু মুসলমান গুটান সকলোঁর সংগানর
ভাইরেম মত নৌধার্দের বাস করা উচিত
এবং ধনীলের পরিজের স্থিত মিলিলা
চলা উচিত।

ভিমি আয়ত তাম করিয়াছে,—
ক্রমান হইবে উত্তেম বৈতিন হৈ পত
ভাকা হইবে বালয়া কোটাপতিলা কি
ভাহামের বাম নিম্নিতি ক্রিয়াইজনল

भीभाष छ। दः सिंधः वरदेशकः नीमाष वार्षानकः क्रेड्शंत कृषिणित मूखम् निकाष्ट्रम् २०१४ दन् माह्यः स्ट्रेट्स् (

# গান্ধীজীর কএকটা প্রশ্ন

ভ'গাকের ওদ'মে তুর্ঘটনা—ভিনন্তন ইংরেজ নিছত <sup>।</sup>

## স্ত্রী হত্যায় ফাঁসী

নারায়ণগঞ্জ পিকেটিংএ ম.ইলানের যোগদান

## পতিতাদের সভ

কংগ্রেন সেকেটারী গ্রেপ্তার

## হেড্মাষ্টারকে প্রহার

সাইবিয়ান মকতে ছুৰ্ঘটনা

## কংগ্রেস কর্মীর কণ্ঠরোধ

मीमाउ आमिन कश्चम

# বি এম্-সি শিক্ষক চাই

শ্রীরধান-মাধাপুরস্থ ঠাকুর জাক্রিবিনাম ইন্টিটিউটের জন্ত একজন বিন্তস্থতি শিক্ষকের রায়োজন। উক্ত শিক্ষকের পদ-এছেপেজুগণ অ-শ অভিজ্ঞভার বিবৰ্গন্ত সক্ষতিয়া ক্ষ টাকা বেশুনে কার্য করিছে পারিবেন লোলা উল্লেখপুর্বার্থ বিবর্গন্ত সক্ষতিয়া ক্ষ টাকা বেশুনে কার্য করিছে পারিবেন ক্ষিত্রিনার সক্ষতিবিনার ইন্টিটিউট, তার্য শ্রীরাধ্যাপুর, মনীরাধ্যাপ্র, মনীরাধ্যাপ্র ক্ষিত্রিনার প্র ক্ষিত্রিক শিক্ষক বিমা অবচায় আলাত ও হাহান্ত্র লাভারিনার

## ভাষাকের গুলামে সুর্ঘটনা ভিনাজন ইংরেখ নিহন্ত

ু লাগেশগানি হউটে নত মাত্র সুন্নতী ক্ষিত্র বিভাগ ভাষাক বাগানে একটা ভাগান গাছে। এই জনত একটি ভাটানায় কালি ক বিভাগ ক্ষিত্র একটি ভাটানায় কালি কালি এই জনত একটি ভাটানায় কালি ভাটানায় ভিনজন ইলাভে নিগভ কা ভাইনন ভালভালাৰ আহত হইন মাছে। মৃত্র বাজিদের নাম—জে: ভিনেত কালিক। বিমানবাজিনা ভূতপুষ কালে , পে. ই. লাগি একং এ, ভেডিগ।

## नात्रात्रभगदक्षः निद्यति , ब मध्यादमः द्यापः , स

ाड लाए भिन्न यावर । तरावश्य । विद्रान विद्रान यावन । छ जिल्ला विद्रान विद्रान

মতিলাপণ নিত্র স্থা করক হলে বিদেশী করে। ও নানিব লো করক হেনি বিদেশী ব্যাহর মান্ত লাল্যাহর করেন নিতালের অহুলোচ ব করেন করেন করেনা করেন

## শ্রেষান ময়াপরে

## "ঠাকু: ভক্তিবিনোদ ইনটিটিউট্" নামে উচ্চিত ইং ব্রেজী বিদ্যালয়

## (थाना इरेड़ाटण।

আছিতঃ ও আদেশভবিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে আদি করেও সহিত শিক্ষা প্রশান করিভেছেন। বিদেশী আত্রগবের ভাষ্য বিদ্যালয়ক ক্রম্পর বাসস্থানের বদ্যোগ্য হর্মিয়াতে । স্থান আত্র আত্যকর।

সনিস্তার সাবাদের জন্ম নিম্নালিখিছ **ঠিকানা পত্র লিখুন।** সোহো-ভালি: ভালুবে ভালিবিলোল ইন্টিটিউট্ উল্লেখ্য লাভিনিয়াপুর, মইটা।

## সুধর্ণ স্থানে বেশী দিন সার থাকিবে ন।

(25- 27-

### काएक-निश्रह ঔषधानद्यत

৫০ বাৎসন্ধিক আন্তন্ধ ৎসা বা হাবন জুনিলী শেন ছ**ইটে আন নিলম** নাই। এই ভ্ৰনের শেন হইলেই হারে আছে।পিড শ**ান্তি-নঞ্জিননী বটীকা''** পূর্বেক

াবত ১ ু চাক। মুলোই বিজয় ইইবে। ৩২শে মে প্রাপ্ত উহা
৮০ চাকায় পাওয়া যাই ব এই বটীকা এক কথায় বলিতে গোলে নবদীনন নাকরি ১ সমর্থ স্বেশ স্বিশীর কথা উল্লেখ আছেই মনিঅভারে
৮০ টাকা পাঠাইয়া উহার এক কোটা লাউন। সহর হছন। বিশাস্থে
নিরাশ ইইবেন। ১লা জুন ইইছে ১২ টাকা মুলো িলং হছবে।

श्चारं छच्चा÷ १- वा उद्ग-निवार ऐपमानग्नः।

২১৪নং বছবাভার ব্রীট, **কলিতাভা**।

## ক.বরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



ম্দ্রপ্রের প্রধার কাল ৬ কাং পি শতে ঘনী**ভূত অবস্থার ডে**টেবো গলের স্মগ্রিমান শুষ্প ভাকে পাঠান হয়, সহালে জানের কোন প্রিবর্তন করা হয় নাই। মুগ্য প্রাতি শিলাগত জানা, প্রিটান্ত তেও জানা, বেশালা চলা চলা।

অহি-স ১১-২ ই জীলোফা রোড, পোঃ শামবাজার, ভালকাভা

## जाक में शास्त्र दे

## शहर्षामन

বা

## কোষরদ্ধি লোগ

্ থাৰ কান্, খোল বন্দ আছে, বাৰজীবনেত্ৰ গ্যাহাটি বিষ, হৈপ্তাচিক কাৰ্যকাকে কোমনুখ্য লোগ আবোগা কবিয়া বিক্ষা।

> हिकाल — अरु कहेन द्वीर, तस्वाकांड, कारकाल ।

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## দৈবপ্রাপ্ত বক্ষার একমাত্র মহেশার

প্ৰৱ দিলে সম্পূৰ্ণ আৱোগ্য

লোগা নেগানতে হতবে। অগ্রিম পাশের খন্ন (যাভয়া এবং আসার)
পাসাইবো গ্রাম রেগ্রী দেখা হয় অথকা বেখানে আসিকে বেগ্রী কেপ্রিয়া
ভ্রত পেত্রা হয় আলোগ্য লা হওয়া পায়প্ত বারিপ্রাসক নিজে হতবে লার বলীর বেগ্রীদের খন্ড কলে করিয়া তিকিবসা করা হয়। বিজ্ঞানিত বিব্রব্যের কল্প এক আলোর ভাক টিকেট সহ নিয় ঠিকানার অনুসন্ধান কর্মনা

উটাকতীশাল র উজীব, যক্ষানাচকিৎসক, গো: বৈকাঠী, বহিলার। অলাচ নিয়া চলাল সচকাৎ কহিছা বিজ্ঞায়িত কানিতে পাছেন।

উল্পুট্র রাম্ব্রোপার ৪৬ বম, জ, ক্লক্ষ্ণকার, নদীয়া। **উল্লিছ** বিংহ, ১১৭, ব্যাব্রাটের টুট্ট, কটিলোকা কলি**লাভা**ন

একখানি পান। ১ মার সাতুপুন গত কলমান বাবৎ রাজ বন্ধার ভূগিয়া মুভপ্রার করবা ল. বালিকারার বিজ্ঞ চিকিৎসক্ষণ ভারার বীলানত আশা কালে জ লাল্য মুহুইবার জন্ত অংশকা করিছেরিলেন এছ সময় প্রিয়ন হয় ২০০০ একিল মরালয় মার ২০ কিন চিকিৎসা কাত্য সম্পূর্ণ আহ্বান বালিকার হিলেন। ১ সং । প্রিয়ন করিছেনার বালিকার ভিন্তা বিধ্যার বালিকার ভারতার বালিকার ভারতার ভারতার বালিকার ভারতার ভারতার করিছেনার বালিকার ভারতার ভারতার করিছেনার ভারতার ভারতার করিছেনার বালিকার ভারতার ভারতার করিছেনার করি

## ভানবদ্বীপ-পঞ্জিকা

त्तीतान 88a

মাত্র ড.কটা দ্বাচা**ইলেই বুক্তপাত্তে পাঠান হয়।** ম্যা**লেভগত্ত- প্রস্থানিভাগ** 

🖺 ्रेष्ठ क्थम**ड, त्याः 🖻**माद्या भूत, समीता ।

## मत माश्य दाँठाईवात छेशात

ানৰ অভাগি আন্তৰ মধা মান্তৰ বাচাইবার জোল ওলা আনিয়াত চলা মাই সভা, ভবাসি বাচারা লাসাবিধ আনিয়ানা উলারে অপ্রিমিক শক্তি মই করিয়া আছে নাল চলার রাচলাচম লবং মানা আকার মেন, আমেচ লাচু দাকলা, পার্বিক প্রকাশতা, বহুনুর, প্রাথম, পার্থন মালার পাছা, কল লবং লীলোকবিলের মানা যাবা বান্ত্র, বহুলে মুন্বহলা, প্রভেকা, থেক ও প্রক্রেণ্ডেই, হিন্তিরিয়া আছাত বেলার ভাগার ভীগলে মিলাল কইয়াজেন, ভাগারা আলাত বেলার ভাগার ভীগলে মিলাল কইয়াজেন, ভাগারা আলাত বেলার ভাগার ভালার পেটাল সাহেবের আবিদ্ধার ইলো ক্রিক সালাউল্লেখ ব্যবহার ক্রিয়া বাহিছে পাছেল, ভাগার অভাল বহুবিধ উন্ধ বান্ত্রাক বিয়া আলোরা কইছে, পারেন নাল, ভাগারা অক্তর্যন্ত ক্রিয়া আলোরা কইছে, পারেন নাল, ভাগারা অক্তর্যন্ত ক্রিয়া ক্রিয়ার ক্রিয়ার ভাগারণ নল সভাল আমান ক্রিয়ার বান্ত্রাক্রিয়ার ক্রিয়ার ক্রিয়ার ভাগারণ নল সভাল আমান ক্রিয়ার আক্রান্ত ক্রিয়া ক্রিয়ার ক্রিয়ার

> লোক। ডাঃ ডি. **ডি, হাজর!।** <sup>ক্তেপুর, বার্কেনীক পোট, কলিকার্ক **ভিতাল পর্কি**কার্যা লিবিবের</sup>



## নামরিক প্রান্ত উদ্ধান প্রান্ত প্রান্তীর মঠে

Superior .

গোষামী অভুগাদ গত শনিবার मरे देशार्छ ६०८म स्म छ। जिल्ला मधीर्छन-त्यांकायात्रात्रः मह्याः श्रीताम वात्राश्रुटतः चका-गर्मन कशिलाहिस्सन--- अमरताम् अठिकनर्ग অবলত আছেন। ডিনি<sup>্ন</sup> গাস মায়াপুরে বিবিধ কাৰ্য্য প্ৰিদৰ্শন ক্ৰবিয়া গভ মল্লব্যন্ত २७.६६ ३० हे देवाई त्रका ३० घडिकात दिल ट्यांशां मन्यस्मानमः । शामकिशानमः उक्कारी वक नर मरहमश्रक मिक्का रगायानी क्रमानगरत ক্রিকাপরত প্রেবে উপস্থিত হন এবং তপায় কিছুক্তৰ অবস্থান করিয়া জীপান মহান্ত্র अक्षाती ७ जीनाम व्यक्त्यमान नाव-क्यांतिम **बद्धान्त्रदक अरक करेबा** दिया। अक्रीत भवत कणिकाछ। क्षिशोड़ीय मर्छ छेन्दिक इन । जिलाम काठागाजिक छाए उरशालाई किलिकाञ्चात्र यांका कविद्याद्वन ।

### शका भुका

शंक २५ (म. ১२) देखांके अञ्चलताल क्षातिक समेरता ५ शकांश्रका डेल्लाक লীবাদ মা বিপ্রের । জলোল পারে । আটে 's कुणियान भारते मराबर किए रजना विकाकिन । मास्थित सर्वीनगढि मार्रेड दक्षण प्रदेशत दक्षेत्रणकामा गाहित्यम कार ११ - समान रिम भतिथा राष्ट्र स्थित । ध्येदन दम्परकात किएड यात्रहे जानाचात क्षेत्राज्यि। ज्ञान कि. ভূতীত শ্রেণীর গাঁটা নিংসংস্থাতে ১ন ২ছ ८म्बिटक । क्षानम कविष्टकिन । रहिर्देश-মান্তব্য জীনগাণের চিত্রে একার গলা-ब्राट्म व क्रम डिस्कर्भ लगः गाउँ। किन्न निर्मित्र अञ्चनकाम क्षित्र प्रिमिट्ड भाउगः शाम त्या अभिकाश्य कालियाँहै अअभिकारन काश्रम्बत प्रक्षित्र किये किये। श्रम्भारमत **इटल क्लिलकटेकक (मग्रंटक्टे घटनटक**त्र व्यक्षिक व्यक्तिक रहेशा यात्र । मोत्रक अवा त्मना **क**तिका आटबालियकर्गालान সভাতীয়ে বছিত্ব নভাগীতালি কি গণা-किना नेतिहासक ? कांबात दक्क रा নিমগৃহসমীশে আভাহ গলায় মান করিলেও और भिवन छोड़ोन ट्यान महिमा ना ट्रानिश দুর্দেশে অইভিড গ্লাফ সান করিছে বাষ অধ্বা বাহার। প্রভাহ গ্লার श्राम कटराम, छोड़ीश गरंथा भर्मा कातक কিছু অধিক পুণ্য সক্ষাণায় অক ভীৰ্য क्षारम अमेन करम्म। छएकामण्ड ভাগবত বৰ্ণনা ক্ষিয়াছেন,---महिनेत्विक्त वर्कामाममामान्यान्य । शाकर विको प्रयोक्षाक्षकारका। याचि कक्टन ह

( wt: >+|v8|45 )

জীপ্রকরণোরাকো জরতঃ

## দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ দিত্যপাঠ্য বৈভূঠবার্তাবহ

## গ্রীলাম-মারাপুর-১০ই জোঠ প্রফ্রার-১০৩৮

অর্থাৎ সন্নিকটে অবস্থানই মন্তাঞীব-গণের অনান্তরে কারণ, ভজ্জস্তই গলা ভটবাদী ব্যক্তিগণ সক্তীথ্তিল্লঠ গলাকে পরিভাগে করিয়া জন্ত ভীগে গমন করিয়া থাকে।

পৌন্ধলিকগণের গলান্তান করিতে
গিলাও পৌন্ধলিকভা-বৃদ্ধি অপনাদিত হয়
না। গলাপুলার দিবস দেখিয়া বিশ্লিত
হটলাম থে, সাকাং চিন্মধ্বারি গলার পূজা
না করিনা সকলে তাঁরে পুতুল রাধিয়া
ভালারই পূজা করিতেছে। এই করিভ
উপাসনা ঘেন বর্তুগানে জীবনদায়ে নক্ষাগত
সালোর হটনা দাভাইরাছে।

শ্রীনশ্রাপ্রত পঞ্চার মহিম্বের্ন কাশলে বলিতেছেন,— মঞ্চৌচ্নিক্ষত সৈরিৎপ্রান্বোদ্যক্তন ভীপেন মৃশ্ধানিকতেন শিব্য শিবোহভূৎ। ( গ্রাহ্যাই )

অথাৎ রক্ষানে প্রজাননার হইছে।
সমূহণান সরিহেল্লন গুজার গ্রিন জগ
মন্তকে ধালণ কবিনাই শিব 'শিল' অথাৎ
মজ্যুম্য নাম ধান্য কবিনাছেন।

ব্যাহার পদিপ্র হইছে গলাব উত্তর, মেই প্রাভু গৌরস্কুম্পরও একদিনও গলার প্রব করিয়া তাহার মহিনা জগতে পাশিন করিয়াছেন,---

প্রেমর করণ তোমার দিবা জল।

লিব সে তোমার তত্ত্ব জানেন সকল র

ভোমার সে গোসাদে 'জীজক্ম' হেন নাম।

ক্ষুর্য কীবের মূথে উথে নাহি আদা ।

ক্ষুর্য কীবের মূথে উথে নাহি আদা ।

ভগালি ভোমার যদি নিকটে বস্য ।

ভগালি ভারার যত ভাগোর মহিলা।

অক্তবের কোটাখন নহে ভার স্মা ।

ক্ষিত্ত ভারিতে সে ভোমার অবভার।

ভোমার স্থান ভূমি বহি নাহি আর ।

( চৈঃ ভাঃ অক্তবলা)

এতাদৃশী শহিমা যাহার, সেই পতিত-পাবনী গলার চিন্নর বারিতে মান করিয়াও বলি কাহারও আত্মভক্ষিনা হর জনানা ক্ষম ভক্তিলাত না তর, তবে ব্বিতে হইবে, ভাষার মূলে কোন পলান আছে। ভার-শ্রভাই ভাষার কারণ, গলাজলে মংক্রমণ বাস করে, কিছু ভারণ্য বলিয়া ভাষারা গলালানেয় কল লাভে ক্ষিকারী হন না।

এক রক্ষনামে অসংখ্য পাপ হবণ কবিলেও যদি নামাপরাধ হয় অর্থাং নামাবলে পাপ বৃত্তি করে, তবে যেমন তাহা আর ফলদায়ক না হইয়া তাহার সংহারের কারণ হয়, ডক্রপ পতিতপাননা গলার এলে পাপবৃদ্ধি লইয়া লান করিলে বিপরীত ফলই লাভ হইবে।

মনেক পাপিও ব্যক্তির ধাওণা যে, গলায় স্থান করিলেই যথন পাপ বিপৌও ধ্যু, তথন আবার পাপ করি না কেন ? ইহাই পাপবুদ্ধি। উদুধ ব্যক্তির পাক্ষ গলাদেশীর ক্লপালাভ ক্লদুরপরাহত।

কের গন্ধায় চিত্রায়বারি-বৃদ্ধি না করিছ।
সামার ভল বৃদ্ধি করিলে লাজে ভারতক নারকী সংজ্ঞা দিয়া পাকে। ভজ্জই জীল রূপ গোস্থামিশাদ উপদেশামূতে বলিহা-ভোন---

গ্ৰান্ত্ৰা, ন থলু বৃদ্ধুনক্ষেন্দকৈ-এ কন্ত্ৰিপ্ৰস্থায়তি নীলগলৈঃ »

কজার মহিমাপেকা বৈধ্যবের মহিমা-ধিকা লাভ কব।

য়ংগালৰ প্ৰথঃ স্থাত মুন্তঃ প্ৰশাবনাঃ।
সহাং প্ৰস্থাপ্ৰসূতা স্বধুক্তিশাহয়, দেবংগ।
( ভাঃ ১)১:১৫ )

শ্রীল ঠাকুর মহাশ্র গাহিয়াছেন,—

১ জার গরুল ইইলো পশ্যাতে পান্ম ।

নশ্রেম পরির কার এই জোমার গুণ ।

অথাং ভগবছকের মৃথিমা বিষ্ণুচরণান্ত গঞা হইতেও অধিক। গলোদকে গাণাদি বিনই হা, প্রীক্তগবছানে পাপনিনই চইছা সোপ্রাপ্তি গর্যান্ত পটে। ভগলানের নামোচ্চারপকারী ভক্ত গলাদিব কলা অপেকা বদ্ধজীবের পক্ষে অধিক উপগোগী। ভগবহকের শ্বরণ করিকেও গুহীবাক্তির গৃহ সন্থ ভন্দি লাভ করে; স্কুডরাং ভাহাদের দর্শন শেশনাদির বে আরও কত মাহাদ্বা, ভাহা বর্ণনাতাত।

পতিভপাবনী গণাও উদৃশ হরিদাসের মজন বাহা করেন। বৈক্ষরপাদপর আশ্রম করিলেই গদার প্রাকৃত মহিম। উপলাঞ্জ করিবার যোগ্যতা লাভ হয়।

### সহ্রদায়-বৈভব পরীক্ষা

গত ৪ঠা কার্ত্তিক (১৩৩৭) তারিথে কলিকাতা শ্রীগোড়ীয় মঠে যে সম্প্রদায় বৈজন-পরীকা ইইয়াছিল, তাহাতে নিম্ন-লিখিত সেবক্ষগণ উত্তীর্ণ ইইয়াছেন, গ্রাহারা সকলেই ২য়া বিক্ষারেগ উঠার ইইয়াছেন।

: ১ম ) আপি বিশ্বম্বিলারী দাস অধিকারীভিজিশালী।

। - । শ্রীপাদ মনীনক্ষ্ণ দাস থাদি কারী বিভালতাৰ ভজিৰালী।

্তৰ বিদ্ভিষ্মী ∰ীমন্চজিদিজান আলম মহারাজ।

( हर्ष) শ্রীপাদ রাগাচরণ স্থাস অপি-কারী (গোস্থানী) ভক্তিশারী।

## বৈফবে জাতিবৃদ্ধি

আটেচ্ছন-খাগ্ৰতে **জীল** ঠাক্র বুননারন শিপিয়াছেন,—

যে সে কৃষ্ণে বৈক্ষবের জন্ম কেনে নয়।
তথাপিত সর্কোন্তম সর্কাশক্রে কয়।
যে পাপিত বৈক্ষবের ক্যান্তবৃদ্ধি করে।
ভাষা জন্ম অধন ধোনিতে ভূবি' মরে॥

এই কথা ওলির ভাৎপথ্য অতি গৃত।
ভাৎপথ্য না ধৃথিয়া আঞ্চলাল লোকে যেরপ
বাবহার করিভেড্নে, ভাহাতে যে বৈশ্বরের
ঘথার্থ সম্মান হয়, ভাহা কোন প্রকারেই
বৃথিতে পারি না। জীরন্দাবনদাস ঠাকুরের
ভাৎপথ্য এই যে, শুক্রৈক্ষর যে কুলেই
উৎপন্ন হউন না কেন, জাহাকে কোন
প্রকারে হীন জান করিবে না। থিন
শুক্রিক্ষর হইগছেন, ভিনি সক্ষশারস্মত
সক্রেট সাজি। খীন্দাবিতে ক্ষরিয়াছেন
বলিগা শুক্রক্ষরকে হীন্দাক্ষ্যা বলিয়া হীন
জ্ঞান করেন, ভিনি পাপিঠ। স্ক্ররাং ভিনি
স্থানকর্যর মধ্য যোনিতে দ্রমণ করেন।

বৈষ্ণন বলিয়া একটা পুথক ছাভি নাই। डाजन, करिय, देवक, मुख वो प्रकास वारम ক্ষুপ্রহণ করিয়। যিনি গুদ্ধভক্তি আল্র করিয়াছেন, ডিনিই বৈঞ্চব, তাঁছার ফাডি-ধর্ম লইয়া ভাছার উচ্চতা নীচতা বিচার করা উচিত নহে। কলিকালে মানসংগ্ ব্যক্তান্ত স্বার্থপর। বৈক্ষরধর্মের ছল করিল। একটা ভাতি সৃষ্টি করিয়াছেন। সেই बाडिट पिनि कविदिन, छौर दिसे देरमान বলিয়া বলা হয়। এরপ বাবহার নিভান্ত यन्। मारमातिक दावकात निकारकत छन्। বৰ্ণধন্ম বা আতিখনা চলিডেছে, ভালাত **প্রমাথধন্মের স্ফের নাই।** প্রমাণশ্র किविभिन्दे वाक्तिनिते। याकात जादश्याबद्ध क्षानक क्षेत्रक अर्थि क्षा का विश्वक एक. তিনিই কেবল পার্মাপিক। ভারাব পারমার্থিক ব্যবহাতি জাভি তা গ্রহশ্ব **८कान काया करत मा।** 

## देशमिक मधीशाधालाम लाजमार्थिक शता [ वर्ड वर्ष १७७म मरपार् ]

देवतानका विशेषा त्यांन कथा हहेरू शांद्र नः । वर्मभन्नभन्तांत्र एव दक्ष देवकव । कतियां यपि कामता यथार्थ ऋविद्यानात महिन्छ । হইবেন, ইগাৰও কোন স্থিরতা নাই। व्यागन अधिकारित है। व्यापन के विकाद-वर्ष বহুতর ক্লাঞ্চার জন্মগ্রহণ করিয়া অন্তরের ক্রায় ব্যবহার করিথা থাকে। আবার **ठे और १७ यवनकृत्म कानक महाभूक्य सम्म** গ্রহণ করিয়া ভদভভিত্র বলে বৈঞ্চব হইয়া-ছেন। বৈষ্ণব আচার্গ্যদিগের কুলেও বছতর অবৈষ্ণব দেখা যায়। আবার নিতান্ত অধার্ম্মিকদিগের বংশেও অনেক বৈষ্ণব উংপদ **হই**গাছেন। স্বভরাং 'বৈষণ্বজাতি' वा 'देनकवां हायावः म' विषया वा अन्यान দেখিতে পাই, তাহাতে বৈষ্ণবধর্ম্মের গৌরব হয় না, বরং অবৈষ্ণবতার স্পর্মা বাড়িয়া যাইতেছে। স্বার্থপরতা ও অযোগাতাই हेशत्र भूण।

হে পাঠকবর্গ, শুদ্ধবৈঞ্চবকে যত আদর क्तिर्यन, उद्गरेवक्ष्यमिश्यत अमारमायामि ना বেশিয়া তাঁহাদের ভক্তির উদ্ধানুসারে যত সন্মান করিবেন, ততই বৈষ্ণবে জাতিবৃদ্ধি দূর হইবে। বৈঞ্চবদশ বাতীত যথন ভব্তি-লাভের অক্স উপায় নাই: যাহাকে তাহাকে বৈষ্ণব বলিয়া সঙ্গ করিলে অথবা অধ্যকুল-জন্মা ওদ্ধবৈষ্ণথকে তাঁহার জাতিদোৰ লক্ষ্য क्तियां व्यनामत्र कतिरम व्यात्र सक्तेत्यन-मक्त्र जाना शांक ना। मक्न कारगहे **নিরপেক ও সরল ছওয়া আবশুক।** যদি ष्याचारक्रमारक स्वयं करत्रमः, करवं रेवकरव লাতিবৃদ্ধি করিবেন না।

## ইন্দ্রিয়ের অন্নভূতি

অক্ষজানস্ক্র আমরা অনেক সময় বিচার করি যে, প্রাক্ত জগতের বিবয়সমূহ যুখন ইক্সিয়জ জ্ঞানের স্বারা বোধগমা হয়, তথ্য প্রীভগবানের নাম, রূপ, গুণ, লীলা প্রভৃতি কেন আমাদের ইন্দ্রিরগ্রাহ হইবে না ? আমরা যে প্রকারে চকুর বারা দুখ বস্তু দর্শন করি, শ্রোত্রযুগলের সাহায্যে শ্রবণ করি বা নাশিকার সহায়ভার খাণের डेननिक कतिया शांकि, उक्तन এই সমুদর ইন্সিয়প্রহত অভিজ্ঞতা দিয়াই অধোক্ষ বিষ্ণুবৈষ্ণবভবের একটা পরিমাপ করিয়া লইন। এই প্রকার মনোধশ্বপর অনেক ব্যক্তি আবার ইহাও বলিয়া থাকেন যে, ''মামুষ্ট যুখন ভগবানের সেরা স্তী, ভখন আমাদের ধারণাশক্তি থার: আমরা ঈশরের উলিতা সম্বন্ধেও চরম সিদ্ধান্তে নিশ্চয়ই উপস্থিত হুইব, মানবৈ যে জ্ঞান ও শক্তি বিভ্যমান আছে, পরমেখনে তাহার অভিবিক্ত হট্যা স্কাদা শতভাগল প্রান্ধর, পনীর কিছুই নাই, অতএব আমরা জীববন, সতাং জ্ঞানমনন্তং এক্ষের বাহা কিছু স্থা, তাহা অনায়াসে আৰাদের জানের षात्रारे जाश्ह रहा"

এ প্রকার অক্ষজ্ঞান্ছই অসদ্বাকা জীকৃষ্ণ কাক চরণে ভয়াব ।

নিধিশ জীবের পরমোপাশুভৰ 🗐 কৃষ্ণ ও কাফ বন্ধ মনোধর্মীর প্রাক্ত ইন্দ্রিয়ের গোচরীভূত হন না। এই ঋড়াপুভূতিযুক্ত रेजियक कात्मत धाता जी जी विकृतिक मनेन করিতে যাইয়া হর্ক্যুদ্ধিপরায়ণ আমাদের কি লাভ হয় ? চিমার শীবিগ্রাহের পরমোজনল পাদপদ্ম শোভা দর্শনের পরিবত্তে চক্ষু "সোনার গৌরাখ", 'মাসীর গোবিন্দ' "কাঠের বলরাম" ইত্যাদি অড়ীয় ভাবে বিভাবিত হইয়া শনৈ: শনৈ: অন্ধ তমের অমঙ্গলরাশিকে আবাহন করে মাও। षायात ५४ हिंख कथन ७ कथन ७ रेन्थर-দর্শনের অভিলাষী হইয়া লোকসমাঞ্জে একটু প্রতিষ্ঠার আসন লাভ করিতে চার। হাগ, বিষয়মদান্ধ অন্ধীভূত জড় নয়নের এমন কি স্থক্ষতির সঞ্য হইয়াছে যে, পরমণাবন, ব্ৰহ্মাশিবাদি-বন্য डी डीरेनकद-५द्रवक्षण সন্দর্শন করিতে পারে ?

"ধন নাহি জন নাহি নাহিক পাডিতা। কে চিনিবে এই সব চৈত্রের ভূতা। বিষয়মদান্ধ সব কিছুই না জানে। विष्णा, धन, कुणगटम देवस्थव ना जिटन ।

---পরম ভাগবত 🕮 লাব্দশবন দাস ঠাকুরের এই ক্লপাবাণী শিরে ধারণ করিয়া অপ্রাক্ত সেবোবুণ জনমুর্ভির সহিত व्यामारमञ्ज औरवयःवशामशत्य উপश्विक इस्त्रा কর্তব্য : কিন্তু আমরা প্রাক্তত জন্মৈমণ্য, শ্রুত, প্রীর মোহিনী মাদকতায় উন্মন্ত হইয়া এই হিতবাক্য সাদরে গ্রহণ করিতেছি না: বঞ্চিত আমরা মনে করি, বৈঞ্চন বুঝি व्यामात्रहे साम्र अन्त्र, मृङ्ग, अत्रा ଓ लाक-মোহাদির কবলীক্ত, তাঁহার৷ বুঝি আমারই মত জাগতিক তুজ লাভ ক্ষতি ও ইক্সিয়-স্থপের ভিথারী।

সংশাসমূহ পুন: পুন: উটেভ:चरत বোষণা করিতেছেন বে, বিষ্ণু ও বৈঞ্চবভাৰ একমাত্র সেবোগুথ ইন্দিয় বা অপ্রাক্তর हेक्टियतह आश् ।

তাই শ্রীচৈতফুচরিতামূতকার শ্রীল কবিরাজ গোন্ধানী কলিযুগপাবনাবভারী ক্রিয়াছেন--

''অপ্রাকৃত বস্তু নহে প্রাকৃত গোচর। বেদ-প্রাণেতে ইহা কছে নিরন্তর ॥"

যে চকু মায়িক রূপের নেশায় মাতাল खुत्रमा बहु। लिका, नली, शक्तां द्रोज, तृहि, বড়ঋতুর বিচিত্র নৃত্যসীলা দর্শনেই বাল্ড, তাহা কথনই পরমদেবতা বিষ্ণুবন্ধর জনক সৌন্দ্র্য্য দর্শন করিতে পার না। মহাজন-

প্রাকৃত শাস্ত্র ৪ মহাজনবাণী শিরে ধারণ ক্লপাদত্ত দিবাদৃষ্টি বা চিদ্দর্শনবলে জড়াতীত दिवकुष्ठे दिष्डदवत श्रम्भणकान गाँछ ३३। আলোচনা করি, ডবে বুঝিতে পারিব যে, সেবোগুণ জীবের চিত্ত যধন প্রাকৃত জগতের সমুদ্য অক্ষ অমুভূতি হইতে নিৰ্মৃক হইয়া অথও, অদিতীয় পরমানন্দসমুদ্রের রুপাবারি ম্পর্নের জন্ম অভ্যন্ত আবেগোছেল হইয়া উঠে, তথনই রূপাময় শ্রীহরি ডদীয় স্বপ্রকাশ স্বরূপের পর্যোপাদেয়তা প্রকাশিত করেন। বত বহু জন্মের ভক্তাপুথী স্কৃতি সঞ্চিত না থাকিলে জীবের এই প্রকার সন্দোচ সৌভাগ্য লাভ হং না।

আরও একটু স্পষ্টভাবে বৃথিতে হইলে এই ভাবে বৃথিব যে,—যে চক্ষু নখর জড়ীয় রূপ পানে উন্মন্ত, তাহা ছাবা অধোকত বিষ্ণুতত্বের দর্শনাশা অদ্রপরাংত। শাস্ত বলিতেছেন--- 'ভিলিফো: পর্মং পদং সদা পঞ্জন্তি স্বর্য়ঃ দিবীর চন্দুরাতভ্য 🖟 অর্থাৎ স্রিগণ অপ্রাক্ত দিবালোকনি হাসিত প্রেমান্ত্রনজুরিত ভক্তিবিলোচনের দারা প্রদেবতা বিষ্ণুর প্রম পদ সভাত সন্দর্শন কবিভেছেন।

ए। कर्ष फरनाजारक नातीकर्छत्र अत ভাল-লগমুক্ত সঙ্গীতলহস্তীরূপ বিধ প্রথণে ও শিশুর অন্ধোচ্চারিত কলভাষণে বা প্রশারনীর व्यनग्र मञ्चामरनद्र मधुराठाग्र व्याक्षे, भार অসমাবিষ্ট শ্রবণেশ্রিয়ে কি প্রকারে ভূবন-মঙ্গল 🕮 হরিকপামৃত প্রাবিষ্ঠ হইং ে যে নাদা আতর, গোলাপ সংকংশনের সৌগন্ধ বা বিহামুলাদির ছগকের চলকে! সাঞ্জিয়াছে, ভাষা কিরুপে ত্রীক্ষণালপিতা ভেলীয় ভুলসীর স্থাদৌরভে দল বা শ্রী অচ্যতপদার্রবিন্দের मकत्रम्हाशक्ष-গ্রহণের যোগ্যতা বাভ করিবে গুণে অসতী জিম্বা ভগবল্লিবেলিড প্রাসান বস্ত বাতীত চতুর্বিধ রসের প্রাণ্ চইণা ব্যিয়াছে, তাহা কি প্রকারে বস্তর সাদ প্রহাত্তর করিবে ৷ যে অক্ ভবসমুদ্ উত্তরণের ८४ ज्वतन और नक्षत्रभारत प्राप्त ভগবান ও ভগবদ্ধকের জ্ঞাপদরস্কংপুত জীবামরেণুতে বিভূষিত না ১টয়া নানাবিধ বিলাসোপকরণ এবং স্থবর্ণরক্তাদির স্পর্নের कष्टरे गांगांत्रिङ, छाउ। किकाल व्याधाकक স্বীক্ষেত্র কুপাসারিধা অভ্রন্তর করিবার रयागा इहेर्द ?

ভক্তিরশামতসিশ্বতে এই সম্বন্ধে একটা षाडि सम्बद्ध श्लाक कारह । मण:--''व्य ठः 🏝क्रम्भनामापि न ७८तमशाक्ष्मिस्ट्रियः। ८मट्यांब्र्ट्थ कि किस्तारमी चन्द्रमय "कृत्र छ।": ॥"

এই লোকটার মর্মার্থ এই যে, খ্রীভগ-বানের নামাদি জড়েল্ডির গোচরীভূত বস্তু নহেন। সেংবাধুৰ অবস্থায় ভদীয় নান, রূপ, গুণ, দীলাদি ভক্তের অপ্রাক্ত ভিচরা, i **हकू, क्रीपि दे**क्टिय जानना इकेट्डिट् প্রকাশমান হয়।

म्दर्भाष्ट्रचात्र थावमनात्र मुद्ध कामता

पारनक नवन पारपालितरकावनरकहे प्रश्नवन्-ভক্তি মনে ক্ষমত ভক্তসজ্ঞান সন্মিত श्रेया **पक्र (गांटक्य उक्टक वृत्रि निरक्**र করিয়া থাকি, কিন্তু ভক্তির কথার্ব সংজ্ঞা সধকে অৰ্চু জ্ঞান জয়িলে বৃধিতে পারিব, উহা কতদ্র আত্মৰঞ্না 😘 পরবঞ্চনাপূর্ণ। ঈশবে পরামুরজিক 'ভজি' নামে করিজ হয়। নারদ পঞ্চরাত বলেন,----সংকাপাধিবিনির্মুক্তং তৎপরত্বেন নির্মাণম 1 क्षतीत्कन अ्वीरकन्दनयनः **क्रिक्काराटक** ॥"

অপ্ৰাক্ত ইন্সিবের বারা ইন্সিয়াবিপজি 🕮 হরির দেবাই ডব্জি। তাদুশী তব্জি ভিপাধিক অর্থাৎ দেহমনোধর্ম্বের ব্যবধান-न्यः, कृष्णरमवार्थ अधिनात्रहोनव धवः নিশাল, অপাৎ জ্ঞানকর্মাদির আবিশভার পরিল নহে। আনাদের প্রভ্যেকরই পাচটা জ্ঞানেক্সিয় ও পাচটা কর্ম্বেক্সির আছে. কিছ ঐ দলেলিয়াগীল একাদল ইন্দ্রিয় মনই সমগ্র ইন্দ্রিরগুরির চালক। মনের নিয়ম-कत्य है श्रिप्रश्राणि त्य योगांत्र कार्या मन्नायन কবিত্তে সভত অন্তির ও করিছু। दिवर/ভिনिবিট মন यपि ऋक्षाप्रभाष्ट्र पृष्ट्यात्र সংলগ্ন পাকে, তবে ভদধীন ফুডাম্বরণেই र क्रियनर्ग ७ जिल्लवश्यायाय निष्**रा** मा **इहे**त्रा भारत ना । मन अभम्तियस आकृष्टे शाका-ফালে যে ইন্সিঃ গুলি ভগব**্তত্বে প্রবেশের** मन्पूर्व अञ्चलपुरु वाटक, दम्हे मक्स है सिम्रहे সেবোমুগ ওছচিত্রের অধীনে সর্বাক্তন জীক্ষ কাফ সেশায় আত্মনিচোগ क निष् জীবের দেহধারবের পরম সাথকতা প্রতি-পাদন কাব : প্রম ভাগ্রভ **অভ্**যীয নহারাক্ষের অপুর্বা দেব জীবনে এই ভস্কটী অতি ভুটুরূপে দেদীপ্যমান রহিয়াছে। িনি সমস্ত ইঞ্ছিছগুলি 🖺 মৃকুন্সমেবের ट्रिनार्थ निर्धाकिक क्रिशिष्टिक्त । यथा,---

म देव समः कृष्णमात्रविष्ट्या-कंडा मि देवकुष्ठे खलाञ्चवर्गस्य । करती रुरतम व्यवसायक्रमाणियु क्षाडिककाबाह्य अन्यक्षान्य ॥ मृक्षशिषाणश्रमभंति मुस्पी তদ্ভতাগাত্রম্পর্শেষ্প্সভ্ষদ্। आनक उरमानमस्त्राबस्मोत्रस् শ্রীমন্ত্রণকা রাসনাং তদ্পিতে ॥ भारतो **इरतः रक्षक्रभागुमर्गरन** लित्ता क्षरी**रकल भग**िवस्था । कामक नाट्य न कू कामकामाधा যথোত্তমং**লোকজনা**ল্ডরা রভিঃ ॥

নিয়লিখিত লোকটি সেবোৰুখ চিমার ইন্দ্রিয়ের দেবার্ডির চরম বিকাশ আপন করে,---

ফুড় তাণ্ডবিনীয়ডিং বিভ**হুডে ভূঞাৰলী** লক্ষ্যে কৰ্ণফোড়কড়খিনী ঘটগতে কৰ্ণা-का त्वा च्या १ क्या व्यापनमानी বিজয়তে সর্বেজিয়ানাং ফুডিরো ভানে জনিতা কিয়**ি**রসূতি: ক্ল**ভি বর্ণবন্ধী** ॥

## গ্রন্থ পরিচয়

## <u>শীমন্তাগৰতম</u>

व्ययमध्यि इक्टरेशामन (वर्गान-अग्रेक पृत्र, श्रीमन-ठाकुत्र-कृष्ठ मात्रार्थभूनिय हीका, वक्षाकृताय, मात्रुष्ठ व्यव । সেই ছব্দের প্রতিশাভ ক্বাসার, অধ্যারের প্রথমে ঐ অধ্যারের সারমহ স্থবিকত ভাৎপর্ব্যাদি বিস্তু। প্লোকস্চী বিবয়স্চী, অধ্যায়বিবরণ, পাত্র ও স্থানস্চীসরু উদ্ভয় কাপজে উত্তম অক্ষরে মুক্তিত। প্রথম হইতে ১০ম ছক नराक काना न्यूर्नकरन राव क्षेत्रारक। किका व्यवम हरेएछ अस क्या गर्गाष्ठ २०।√०; वलस क्या ३२८; PRE 1844

## **बिदेश्क्यम्बर्धावयः**

**এত্রীমন্ত কি বিলোদঠাকুর-রচিত 'অনুতপ্রবাচভারা'** ও এইমছকি দিছাত সহৰতী পোৰামী অভূপাদ-লিখিত 'अञ्चलार्या व्यक्ति-प्रकामि यह भाजवायान-महनिक हहेश व्यक्तांनिक स्वेदारहन । स्त्रांक्त्र मावत्रवाशा, वक्षाञ्चाक्छ প্রত্যেক পরারের পূর্বে সংক্ষিপ্ত অভিগের সংযোজিত। व्याष्ट्राक क्षशांय-व्यात्रस्य क्षांत्रांत्र (म क्या क्षार्षः। ह्याक, পরার, শব্দ, স্থান, পাত্র প্রস্কৃতির স্তব্যুহৎ স্চী ও প্রায়কারের বিশ্বত জীবনী সমৰিত এইজপ অভতপুৰ্ব্ব সংস্করণ ইতঃপুৰ্বে কুতাপি প্রকাশিত হর নাই। উভ্ন কাণজে পারিপাটোর স্থিত পুল কুম্মান মুলাংল মুদ্রিত হইচাছে: গ্রন্থ প্রায় >eoo পृष्ठीय मुल्लम् । किका वर्खमारन e् माज ।

## **ब्रिटेड्डब्डा**शवड

গ্রন্থকারের জীবনী, প্রতি পরিজেদের কথাসার, বিশৃত (भोषीय कारा, मक्ष्रही, मदादरही, विवय-पान-भावाधि-স্কৃতী, প্রস্তৃতি বিবিধ বিষয়-সংগতিত বিরাট বিতীয় সংস্করণ ভবল ক্রাউন ৮ পেলী আহার। আধিনীলা ও মধ্যের क्षिप्रशःभ व्यक्षाणिक इहेबार्डन। क्रांस क्रांस व्यक्षाणिक इंडेट्डिम। अजिम किया ८ हाका, आपि मीनात FOWI ON I

#### **BLEGGRAPH**

এই প্রস্থের এরূপ অভিনব ফুক্সর সংখ্যাপ আর কুরাপি व्यक्तिक इत्र नाहे। शश्युक द्याकारत्मत्र व्यवत, वकास्वान, ভাষা, কৰাসায়, তথ্য প্ৰাভৃতি সহ খণ্ডে বাঙ্গে প্ৰাকাশিত इदेशास्त्र । भून त्यांगा अकरत स्वत्र आस्त्र आर्गेरणकी वृद्याकारम काला इदेवारक। मुना २०० छाका। नवीया खक्ष ७ (गोदीरम्ब खाइकन्ट्यू नटक ३४० ठाका ।

#### জীলভ গবন্দীতা

- अत्गोदीत देवकवाहाया अध्याकृष्ठ त्रनिक्ह्यामनि 🏂 🚵 विश्वमाथ एकमिडिठाकूत व्याचायक्या माहार्थविनी ট্রাক্সমেতা ও প্রীক্রীমন্ত্রকিবিনোগ ঠাকুর-অণীত 'রসিক-यक्षम' नामक कावाकावामहिका। व्यवायक्ती, माक्काकत्म (बाय-प्रती,विश्व-प्रती,अध्कारतत्र शीवनी ७ व्यवस्त्रशिकावि वक्-कार्याचित्रम्-मह छेरकृते वीशाहे कृष्टीम मध्यम्---- धरे त्राक मरक्कारमञ्ज किका २. हाका वाता, माधात्रग मरक्का--->#+ शका माम

## শ্রীন প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

ওঁ বিষ্ণুপাধ এতীসভক্তিসিদ্বান্তসর্বতী গোখানী নহারাজের দেই অবিভা-বিধাংগিনী ৰীবাস্থ্যক্ষপোৰোধিনী কৃষ্ণ-কৃষ্ণি নিম্মদায়িনী ভীৰম-বাশিব मृर्च-विक्रम-दिक्यविश्वास-त्रह्मानात्र (कोक्स्वमनि---मन्त्रानात्र মধ্বাচার্ব্য-ক্লতা তাৎপর্বা-মির্ণরটীকাঃ ত্রীমদ্বিশনাথ চক্রবর্তী বৈভববিজ্ঞানাগারের মৌগিক তথ্য---পঞ্চরাত্ত ও ভাগবভের সমন্ত্র গুল্ল-মহাজন-জীবনচরিত-শিক্ষক-চিন্নিলাসচিন্মাত্র-প্রভিশক, তথা ও বিবৃত্যাদিবৃক্ত। প্রতি ভদের আদিতে অচিলাত-বিচারক-- ঐখণা ও মাধুণারদের মৌলিক গবেষণার ---সম্বন্ধ, অভিশেষ ও প্রব্যোজন-তবের সিদ্ধান্ত-সম্ভ।

> ১। প্রথম খণ্ডে—বৈষ্ণবদর্শন, খ্রী ওরুত্তর, কাল-धर्ष, अमध्याविकार, अवार्यकानवी, भाकवाकिकी बीका ও বর্ণ বিচার, আত্মধর্ম ও মনোগর্ম, প্রীচৈতভাদেব ও ভাষার শিকা, অপ্রাক্ত সম্মার্থ ও প্রাকৃত সম্মার্থ আছুতি বিংশতি সংপ্যক রত্নে স্থশোভিত। ভিক্ষা মাত্র শ্রুতি-পুরাণ-পঞ্চরাতাদি সাহত-শান্তসমূহের প্রমাণাবলী ৮০ বার আনা।

২। বিতীয় খণ্ড--৬ছা ও বিদ্ধা ভক্তি, মহুগোর শ্রেষ্টভা কোথায়, মান্মার নিভারতি, শ্রীণর স্বামিপাদ ও মারাবাদ, খ্রীণোর-নিত্যানন্দপ্রসন্ম, ত্রিগুগের ধর্মা ও রক্ষ-कीर्तन, जीवामभूकांत्र जीमहागदण्य कीर्तन, आसीत-भाष्यत महिमा, महालामाम, औरशायिक, आक्रभाक्षत्रकान পণ, শ্রীমতী বুষভামুনন্দিনী, শ্রীচৈতজের পয়া, গৌরব লগা ও রুঞ্সন্ধীর্ত্তন-চতুর্দশ অপূর্ব্য মধুরিমাপূর্ণ-বস্তুতা-বিভূচিত। क्षिका २ , क्षक है। का भावा।

व्यथम ও विकीय-इट थश्र धकरक महेल किया। ১॥• দেড় টাকা, ডাক পরচ সভন্ন।

## 🗖 মত গ্ৰহ দী ভা

त्योष्ट्रीय-रेन्यानमार्गनिक-रम्यत्र शक्तिमम्त्रमास्य विष्टा-ভূমণকত ভাষা ও জীনছজিবিনোপ ঠাকুরেরপ্রাক্তন বদ-ভাষায় বিশ্বত 'বিবদ্বশ্বন' নামক ভাষাযুক্ত। অগ্যায়-স্চী, বিষয়স্চী, ও প্রতি লোকের প্রথম ও স্তীয় পাদ স্চী, ভাষাকারের জীবনী প্রস্কৃতি সংলিত। উংকৃষ্ট বাঁখাই, রাজসংখ্রণ (তৃতীয় সংখ্রণ) গ্রাছের किया २ हेका।

#### প্রমেয়রত্বাবলী

टीयदर्भार विकास्थन-व्यविष्ट देवस्थनम्बन, मनार्छ छ গোবিন-ভাষাদি পভিষার প্রথম এছ। উৎকৃষ্ট কালিতে ছাপা। স্থবিস্ত টাকা ও আছলবলাছবাদ-সাহায্যে অতি সহছে বাল্কেরও বোধগ্যা হইয়া থাকে। ভিকা । 🗸 • আনা যাত্র ।

#### **ध्रीमवदी भगाममा सामा**

( প্রমাণথণ্ড ) সাম্বাদ। ফাডি-শুড্যাদি এছে জীনব-ৰীপের যে মহিমা কীর্ত্তি আছে, ভাছার মূল সংস্কৃত ও অভুযাণ। ডিখাট জানা।

### <u>এ</u> এনবদী পভাৰতর দ

শ্ৰীঠাকুর ভবিবনাদ শিখিত। স্থানিত গীতাকারে পরিক্রমার প্রইবাাদি-বিষয়ক। ডিকা। আনা।

#### ভাক্তিরভাকর ও নবছীপ পরিক্রেমা

🕮 ল নরহরি চক্রবরি-ঠাকুর-রচিত। ভক্তিরড়াকর হুইডে পরিক্রমাংশ মাত্র গৃহীত; জীজীব গোস্বামী কি अकात्त्र क्रेमवधीनशास्त्र नात्रक्रमा कत्रिवाहित्तम, ভाहाहे পছে বিবৃত। ভিকা। 🗸 • আনা

## প্রতিভন্ম কামৃত

🗬শ ভজিবিনোদ ঠাকুর প্রণিত। ইহাতে শ্রীচৈতয়ের निकाद्यगानी-इक, इक्जनि ६ तम-वद ६ मुक कीन-षठिष्ठा-एक्षाएक-छब्---माधन-निर्वय---श्राक्षन-छब्, वर्षा-कांछ, जालमापित विठात-देवनी एकि, छापछछि ए প্রেমভজিসহ নামতকন-প্রণালী ও অইকালীয় নীলা-পরিচয়াদি প্রথম শিকার্থীর উপযোগা করিয়া সরল ভাষায় সমুদয় যুক্তিপ্রমাণস্চ লিখিত আছে। চতুর্থ সংকরণ বাধা २ , ठाका, भावामा ১५० ठाका माहा।

## পৌজীয়কণ্ঠহার

टीएनो द्वीय-देवकवनएनव अञ्चलन कर्छ श्रांत्रनरमाना বিবয়বিভাগক্রমে সামুখাদ ওাজিত। এইরূপ বৈক্তব-দিদ্ধান্থের দারদমন্তর অন্ত কুরাপি প্রকাশিত হয় নাই। इंशाट खक्रच्य-ভागवच-दिक्कव-त्रोत्र-निट्यानम--व्यदेव छ-क्ष्म- मुख्य- के श्रवस्त्र- की र-व्यक्ति का एक मार्टिक --- अ हिट्रम् -- नावमक कि--- यर्गम्य- - आध्य-१वं -- एक आक् — ध्रीमाम- खायाचम ७ अमान-एइ छलि भूभक् कशास्य স্থ্যুঙং গ্লোকাদি স্থচীস্থ উৎকৃষ্ট এণ্ডিক কাগজে রোঞ্জ ব্লু কালিতে মুদ্রিত, উংক্লুই বাঁগা সোনার ছলে নাম লেখা। श्रष्ट व्याप्र ४०० पृष्टीय मन्तुर्ग किया २. केवा याज ।

## **अवन्यानगाम-अधानली**

শ্রীমদ্ভজিবিনোদ ঠাকুর-রচিত ধামমাহাত্ম-পাম-মাহায়ের সামুখ্য প্রমাণ পঞ-জীল নরছরিচলবঙা ঠাকুরের ধাম-পরিক্রমাংশ-- জীগাম নবরীপ পরিক্রমা--তীথ-বাতা প্রতি--- শ্রীমং প্রবোধানকরত নব্ধীপ্রতক্ম---শ্রমছিকবিনোদ ঠাকুরের শ্রীনবদীপ ভারতরত্ব প্রাকৃতি গ্ৰন্থ একত ভিকা দ॰ আনা মাত্ৰ।

#### এছবিমালামুত ব্যাকরণ

শ্রীকীব গোষানী প্রচুপাদ-বির্ভিত হত্ত ও বৃদ্ধি, उरमा केरिकामा जीमक्किमिकाक मन्यकी भाषाची মহারাজের বিশ্বত ভূমিকা ও স্থানী প্রভৃতি সহ। অপ্রত্যাশিতভাবে হলভ। ভিকা ২, টাকা, ছাত্রণদের भारक अन्य होका माद्या

#### (यशासञ्चलाव

🗃 মদ্রামামুক্তাচার্যা-রচিত। বেদায়ের বিশিষ্টাবৈতবাদ-व्यवादक क्रीजाय-व्यवण्डा बावापा व्यवद रमासमनेन भारतः উপবোগী করণার্থ এই উছম করিয়াছেন। ইহাতে বঙ্গালুবাদ ও স্থানীপতাদি সংযোগিত করা হইয়াছে নাম মাত্ৰ ভিকা। । আনা।

#### ब्रिटिएकार्ट्यायुक्त । सर्वेशिमक

গোরপার্যন ত্রিদন্তী শ্রীমং প্রবোধানন্দ্র সরস্বতী-প্রশীত মূল, প্ৰাভুপান শ্ৰীমন্ ভক্তিসিদ্ধান্ত সরস্বতী গোস্থামী মহাগ্ৰাহ সম্প্রিক অব্যয়্থে ব্যাখ্যা ও বলাগুবাধ স্থানিত। सव्देशिमान्डस्कत जिल्लाकिविद्याम होकुद्रत भशास्त्राम छ তৎসহ শ্রীমনাভাপ্রভার একটা জিবণরভিত অলেটিকক চিত্র क्षाप्त क्षेत्राह्म मूल्ल क काश्रद छेरकहे ( २ थाना এক্ষরে ) ভিক্ষা ৮০ আনা, অভি মুর্মা বাধাই রাহ্মংখ্রগ ः, ठाका माळा



द्यीमपुक्तिनियाम है। जुत-अने ७। अहे उक्सान अप-মাজের প্রথম আছে লাম্যত লালমাথিক রাজ্যে কিছুদেই প্রকাশ । বাংলার বাংকারে নাং। প্রমাসূত্রী বিষয়ক এই ও "বৃহত্তেশ" গ্ৰহ **এ** পৰাস্ত প্ৰাণাশিক **হয়। না**ই। ু, মাধ্যক্তভাক্তিবিক্তসমূলে এই প্ৰাট্ড র ১৮৮৫০-র ১ জ্যাবার ভারিত্রত ব্যান্ত কংগারার ্ল । লেন বিশেষ সমূক কৰা ছইবলেন। বি ভি জলে, ার ১টো নাম লেখা, উৎয়েই বীরাই লাউড়া একটো ा २५ छोका भागा।

## ক্রেয়নি র্ব

ই ম্বার্ডাতা বা অন্তর্ম প্রাটন এবি জগলাল বাড় াজতিত। এই শ্বাসকৈ কলি জালোলা ভালি কার্যানুর 本意雅 新州语 医HB科格尔氏试验检尿 4 তলত আনুতি সদেক देवका अट्टवर ্ৰ ডেড শ্ৰুলেন্দ্ৰ পাৰিটাৰ্কা ভাৰত প্ৰবেশ্য ক্ষরে প্রিলয়াধি-মুখ্যিক চতুর্ব স্থেবর ভিলারেদ ৹ ∤ ভিলার বি আনা মান চ सामा गाँच ।

#### 医阿耳耳亚沙

क्षणभक्षानीह निष्णमध्यो । देशकृत अधिनिद्यारमय अध्या । शुक्रक नाम ; निश्चित्र सारक्षत्र निगताय । । अञ्चिति ना उत्का शक्य ८ वर्ष कुलिएक शहित्यक साम छात्रीय मध्यतः हिल्ला । ।

## হরিনাম চি ভাগণি

मामाधारा श्रीम कतिमान टेइन्टर्स मुद्ध श्रीमग्रहाखान মনাম-মাহাল্যা, নামভান, নামাপরাধ প্রভৃতি বিংরের ার রায় বিচার জাবণ কর্মীবয়াছিলেন। এই বিভাগরালার পাতি সরল প্রারে সংক্রিষ্ট আশ্বয়ত প্রিপাটভালে মৃতিত। দ্রাপ ভারিকবিনার ঠারার রতিত। প্রথম বংগত ভিকা ৮০

## े क्याप्रस्कात्रक

**आध्यप्रक्रिविदर्शन** अवसन्दर्शिकः। लगाप व ७०० াল্ডানী **ও জানপণে**র অধিধের এবছে এ*চান* র**লনেশাবলীপুর্ণ** গুলি**গ্র**য় । মুমোন্ত রেগ্য ভূচি ্লাকেও এই ভক্ষনর(জের বাজিসমূকের হর। অন্নতি প্র **५ ७५वध्यम्या बाठ कतिरात द्वा**रतः राईग्रेस्स । न्ताक्षत्रण, विकास ४०० भागा महत्त्र ।

#### শর্ণগোঁত

अभविक्तिताम श्रात विष्ठ। क्रान्टिन का श्रामन्त्र, तिक्कश्चि, खक्रमणालया, १६ विमा भवदर्शित छ निक्षि न विद्यार াৰবচক গাভিপুণ, ভিজাতত আনা মাত্ৰ।

#### গীতাৰলী

क्रिक्ति, माम-दाणीका मिटा महन, जातुलक्र ত প্রদাদ-বৈত্তনাদি-বিভাতক মধুর গাঁভবমূহ একরে। প্রথিত। िन्द्री / • प्रांग माद्रा

## **শ্রীলম্বর**ক হাজ্রন

िनिक्क अपूर्व हैर मालि श्रीमिष्ट अस्तर है। प्राकृत 🕝 রনপ্রস্থা - শ্রীমন্তর্নিকবিন্যার সাকুরের অস্কুর্নান-্ভিজাতি স্থানা মাত্রা

শ্রমন্তাপ্রভার শিক্ষা ও শ্রীণ রখুনার দাস ব্যোদ্ধানীর ভাতি নিচপ বোস্থামীর উপদেশবালী, ভক্তিপথের অহকুল क्षाङ्कित विभवा श्वविधातिष्ठ भव्यान्त छाण, विश्वस |वनुष्टि, ह|द्राकागृह्यत धाराय, मायह नायहा । व महास्था-প্রণাত তত্তপ্রোগা গাত্মমূহ প্রত্যেক প্রাণের স্থিত ्दिरविभिन्न रहेपारछ। । आ भस्त्रवर्ग छिक्षा । लेब साना ।

#### अर्थल-दर्

উট্নিল্লন্ত দাস জোকামার মন্থিকা, জীল ঠাকুর ভিত্রিবলোদ-চবিত প্রাঞ্বাধ্যক। ভিক্ষা / • জানা।

## প্রেমভক্তিচ জিকা

শ্রীল সৈত্য নলেংখনের স্থানির প্রেমান্ডিরিংঘক গুট্লৰ পুত্ৰ- ভিক্ষাত আলা মাৰা।

### নগ্ৰী পশ্ভক

ভাতি বিধেনদ পণ্ডিও

अक्टाबाल प्रभव भएक

#### অর্থপঞ্চক

ইলি গোকাল্যা ব্লিড। বৈশ্ববভা-আলে আকৰ ভিক্ষা, ১ অলে মার্

### সদাচারস্থতি

শ্রীক মধ্যালয় নথাপতঃ বৈদ্যালয় নিজ্যকথার বির্দেশ গর বহুটা বন্ধান্ত কে সংহত্য ভিকাত শাৰ্থ মান্ত ব

#### মণিমঞ্জী

कविक्यत्वनती व्यवपात्रायनकाम प्रतिष्ठ াল সামি আলাবেনীকা ও মূল বৈক্ষরপ্রমার নাম এই এম 

#### ८भी वक्र देखा एक

ान काल जिल्लानिक दलन खारा है। उन्हानिक हाइनुस ा पान । । अभिने देश । (चित्र । १० आला ।

## म् जिम्बिका ( छपरभोत्रष्ठ )

বীন কা তথ্যত্তাত শ্রীমহাদিরাত স্থান্ত । বন্ধান্ত সায়বনে বেই গানের প্রকাশ পারমার্ণিক দাছিল। জগতে व्यहे भक्त श्राच्य । श्रीमनाम्यामां को इंग्लिट (माञ्चनानक्षम बिन्दी) মধ্য হোট। নামে খ্যাত জীগনিরাজভীর **বাহী** এই <u>প্রে</u> ও পোকিক ভাষান্ত্ৰপালে কিকল ভুক্ৰভাৱে ভতি বিবেশ্যন্থত্বদি সমূহ খ্ডন কলিয়াকৈ, কাহা পাঠ ন বিলে কবিতে আশ্রেমাঝিত হইতে হয়। 🛮 ইহাতে মুক্তির इति जामार्थ, देवन, त्रीक, श्रीमारमक छ शामापाषित्रक-সমূতের রুলক গওন বভিতাতে। ভিকা ২, টাক। মাত্র।

### (भाषामी जील त्र्माथ माम

িও বিকুপান আগ ভক্তিসিয়ান্ত সরস্বতী বোসামী প্রভূপদে গিণিত ভূমিক! মছ ) গৌরণ্রের স্বরূপ-রূপের এবমান প্রেয়তম জ্রীল দাস পোস্বামী প্রেচুর মপুস্ক ্রিডান্ড ও শিক্ষা **মাজীব প্রোজন ও** সর্গ ভাষার স্ত্রিবিট্র এবং পাব নতে দানপোস্বামা প্রভুর বির্চিত কর্মটী সভিবাদ মধুর ৩ম তব ও মনঃশিক্ষা-সংখিত। ভিকা | नेशाह ॥॰ भाना, साना हि । । भाना माना।

## চিত্ৰে নবদ্বীপ

প্রাচীন নববীপের অব্ভিডি, তথা, ঐতিহ, শ্রেডি ও के िकांशिक व्यागानविष्य नहीं। बीटगत महिला विवस्त-शह । बार्कि बाउगारुचे कुमात अनेल नवंतिक नामायन রায় এম, বি, প্রাক্ত (লাফোর), বেলভিত্রণ মহেলির কর্ত্তক সক্ষণিত এবং ৪৭ পানি বিভিন্ন বর্ণের অপুশ্র চিজা: 📽 মানটিন্ধ-সমন্বিত: প্রাচ্যাবিষ্ঠামগার্থন রায় সাহেব 🔊 🔫 নগেঞ নাগ বস্ত বিশ্বকোৰদন্দাদক মহাশ্বের বিশ্বন্ধ ভূমিকা मह। উरफ़्छे ( हेर ) मन्नरका देशांडे मुना आ०, फि: नि: एड २, हैं के श्रोद्ध ।

### সাধক-কণ্ঠমালা

परकारमा, रेनकान-वसानां, रेनकाननान, नानीरनात निर्हा क्षीनगरह है, जीरवाहा शहन चार हो जनक मांग, चहिला हैन म प्रकारिया, श्रीनामग्रहीक्ष्म, **८श्रमग्रही, 'वाडेनगर्मीड.** अवर्थान महिना, शिमात्राभूत विकास **श्रीतरहोत्तम-धानुत कठेक** আলো বলনা, সমূৰ্গাখামীর মাইক, প্রেম্জ্রজিচল্লিকা, डेशस्त्राताती नाम**डचन-धार्गाती, महाधाङ्क € ताव ब्राम्नानम** निर्वाह, धनः निका, अध्यक्ताविक, अध्य-नवन्त्रमा, মহাপ্রার বন্দনা প্রাকৃতি দাধক ও দিছ্কীবনের নিভাগাঠা, বেফারণাণের কঠাত্রিত তুল্দীনালার ভার অভ্যক্ষণ করে शावनत्याना अभूका आहे। किका 100, नामाहे 110 माजा 1

## ८भोजीय-८भोत्रव

कांधकां छात्र स्थानिक मानवार्वे इत्य दशोकीय-मन्नापक ट्रीलाम जनवानक श्रमितमाविद्याम् लामक यक्काम विमा अञ्चलका अकालिक। देशका क्योंकीय देवकायमञ्चलका हे इहान क्षाकारत अलिक बहेशरक । किका लि॰ माला।

## গৌড়ীয় সাহিত্য

কলিকভার মুগ্রাসিক আলদার্ট হলে পোড়ীয়-সম্পাদক গ্রহার তাকাশিত। ইংকে সাহিত্য-লব্দের অর্থ এবং গৌ জীয়-সাভিত্তোর বিষয় স্তুর্কারে বর্ণিত **হইয়াছে। জিন্দা** w । আলা মারা ।

## औरगोष्ट्रम ७०० भतिकामा-पर्मन

শ্রীপৌড়পেশের যে সকল স্থানে সপরিকর শ্রীনম্মছাতাত্ত তবং ভণ্ডণ পরবর্তী মহাজনগণ নীলা করিয়া নিয়া**ছেন**, সেই সৰ আধুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও দেববিএছাদিয় পরিচয় সহ যাতায়াভের ভূবিণা নির্দেশ ইত্যাদি, বিষয়খনী নিরিবেশিত আছে। ভিক্ষাত আনা।

#### THE HARMONIST

OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীণ সাকুর ভবিধনিনোদ-প্রতিষ্টিত এবং জীপ ভবিদ নিদান্তসরপতী গোখামী প্রাচ্পাদ-সম্পাধিত **পার্যাধিক** মাসিক পত্র। একবে ইংরাজী ভাষার অঠাবিংল মুরে ভালকাউন ৮ পেলী ৪ ফর্মা আকারে প্রতি ছারে ছবি-मारगत विकत-रेवकवढी गरेषा छेनक्षिक बहेरतरस्म। কাগক, মূদ্রণ-পারিপাটা ও চিত্রাদি অভীব চিঞ্লাক্ষর । **এট প্রকার উৎক্র**ট প্রাবন্ধ আর কোম নাসিক প্রাক্তিত দেশিতে পাটবেন মা। বাৰ্ণিক ভিক্ষা ভাক্ষা**ওলন্ত** 👟 होका बाज।

### প্রাক্তিতান-

औरेडण्डामठे. त्याः श्रीमाद्याश्रम मनीमा

## বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভক্তিমঠসমূহ

তভ্ৰা মঠ

## আকর মইরাজ

अ हीम सवदीय, छाल्यव श्रीनाम मात्रामुब, सदीवा

শ্রীমভাবে:গাপীর ১২৫৬ খারে ৩০ পর উত্তর-পূর্বে শ্রীরজগত্তনে আচার্গায়ত শ্রীচন্তcontra-mara Bitte mu us fautwatel !

हरे कान महत्य A- शेर्ब, नव्यानक नेति वा मायह क्रमनकती । जर महाहीर्ज चिहान- । मानाभूक वार्कक्षाति-। तमाध्याम्य, शहरिकाश मखर्गत काता, शहरू, धनदात, खब প্রামাণ-ক্রিপান্য্র-প্রাক্তা-ক্র্র-১,४,০ চ্ছুর্যুরেই আগ্রেম 🐰 জ্বাগ্রাপনা তেবং ভর্মায় 🕮 জ্বাল-द्रशीकाक नामा अवन्ति। निमन क भाषक साम्बन्धातिक-माठार ठकात्र केनावा केनाक विकार कर ने के किया दार्शिक वेश्वास्त्र हो । अहे प्रदेशांक भारतानिक देनिक भारतानिक में किया সম্প্রকার্য জারকা শেষ্ঠ ও ৬২:টোন প্রস্থার প্রচারকারে 'নগীয়া-প্রকাশ' বছালয় - क्षाप्रदर्शतः **क्षे**र्याचे प्रतिकालक्ष्याः । ४ अत्रागिक स**क्ष्याक्षित्र** কার্ত্তন প্রচারস্থান মধ মাণে বিধবাদ ভাস্তাল অভানিত ৩০লা লাভে। বক্ষক-এলচারী क्रिमाम सक्रविक्री . मक्कारी - व्यामाम निरम्नाम विकास अक्षाती, भाखक व्यामा : शोवमान क्षाहाती बारवर्गांचे, केलाव बीरहत अष्टाता, शत्क दिशानगानन उत्तराही. अन्निक अन्तिरशालांक तरकरात्वाक प्र. श्रीकटककाम माम अवतिरों। कामृत मुख्यानात ।

बिक्षियामों द्धिः ६ क शर्माण कीर्थ महातास क्यारम कतिकण कीरान कि: ( ) का

্ত্র যোগগাঁঠ ইনেন্দ্র

as चान टीक्रणराणांश्रासन करन ना ্দ্রিম্মালারাজ্ব আনিজাক ভূমি সভাযোগente aute Eineltunt a Alfre-जिल्लामा हिर्मातमासाम्य अवर हैते हना औत्रधाक्राकर निका स्था एकः क्रिलक-माचन्त्र द्वासायी क्ष्माताना करू मेर्द्रमान साथ । प्रकारी द्वितिक सम्म व्यवस्थी, विवासमास अवकारी । विकास समास माधिन midt. (mame: Seinemit!

## (8) 劉神(河-明明年

মান্যাৰাভঃ ভীক্ত-বিশাস বা दीर बोधनीमाब प्रामप्रनी । क्यारन डी क्यांत विकासिक सं क्षिक्षित देशकी वस्त्रील । क्ष 🏎 द्वाराधाम अष्टाही, 🕮 भगु ६ **७७, औ**रमाकुणमान वानाकी :

(८) चाटेचक-कनम

🚜 कारम 🗃 भरेदक शक् । चयन चावर लया वस्थान।

(७) काळोड अवःनि न हे আংচীন মাধাপুর, বামনপুরুর নদীয়া: | क्यूक--- শ্রী ১ চুগানন্দ এছচারী। **के**रलोक्ष्मणानाक क्षेत्रेशकालीय मधाय । कृष्ण म --- अष्ठाती क्षेत्रियामां विकासी ।

#### ( ५ ) चाम्रस खन्म-कृष

क्रिशाक्षम, प्रज्ञानश्च ( नणीवा ) अवादम केविकालाय क्रीण कांख्यतिस्मायकाकृत्यव nuffe wer Mentunning war AMaiui-श्रास्ट्यद्व दलवा वर्ष्ट्रयाम

ब्राह्म -- ७ किस्प्रेम जासाम अम्हाती क्क्षणां क्षित्री चरा, वर, वर ।

## ৮ अध्यक्षकाय दशोहीय सर्वे 484. Free 1

द्रक्तक--- हैं।बहुदद अस्तिल ही द्रम, ख. বি, এল, সংকারী—প্রীউদ্ধান্য ভবিদ-नाही, दैिककम अधकारी अक्षकः

( >) ब्रोटगोन्न-गम् । बन्न-यह

ঠাপাত টা, সমুদ্রগড়, ( বছমান ) An affinicus mir Bo erterinige-

🔾 ১ - 🗐 जनः गोकोय-मठ

का प्रमाण स्थाप रहे, नि रक्ष - चीरांत्मात अवश्री, छेक्तरम्बर **अक्ष**ारी ।

#### ( ): ) **( )**( ) ( ) ( )

यां छेशाहि, काइश्व, व्यक्त्रामा चित्रामश्वतात है।कृत तुन्तातासन श्रास । (১১) ভাগৰত আসন ত্রী গাগবন্ধ প্রেণ, ক্লক্ষণগর, নদীয়া কাপৰ গদিখাৰ গ্ৰন্থ কৰি প্ৰচাৰ-ক্ষেত্ৰ। दण क— श्रेषकांतम अक्रांती :

(३७) 🗐 अन्तरहारू अर्फ्न (छान्य पाष्ट्री, त्याबाष्ट्री, अक्षन्य प्रवासी ।

( ১৪ ) 🕮 मास्य ८गो की स्र मर्ड २-नर भवावणुक दशक, छाना । न्भन्दभद्र क्रांत्र-द**्ञ, ब्या**टन **खीसक-**्शी राष्ट्र शाक्षक्या-शिविग्रदवश्च दमया ब**ख्याम** । रक्ष 🕶 न्येश बावशक समयाती।

> ( ১৫ ) खिरणा नामणी वर्ड क्मवाश्व, हाका।

(नानानकोत्र खारिआरम् खाठीन माना nur-Baircele aupiel

(२) बादगोजीत मठ

১७ मर व शिल्छामान एकवर्ती क्रीडे. (ला: नामवाकांत्र, क्रिकां का । .एशिक्सम वि. वि. ८५५८

क्षेत्रकार्थ शक्य . व्यक्तातिक अभिन्यंत अधिकार्य-शकारवार्यात्म (श्रीकारमान अध्यक्षकार নিগ্ৰী ভলিভাভার শ্ৰীভজিবিলোৰ আসনে শ্ৰীমঠ প্ৰভিত্তিত আছেল। এই ভজ-সঞ্চারেছে জীল্প-পোরাজ-জীবিচনদানক জীউ সপার্থদে নিজা থেবিত তল । পোড়ীয় লাচার্যাবর্ণের বাবভীয় প্রস্থাবদীর ভাতচারোদেশে ত্রীমঠে সংশগ্র বক্টী ভরুতং মুদ্ধান ব্দ্রালয় সংস্থালিত ত্ত্রাছেন। পুলিবীর সক্ষত শ্রীগোলনাম প্রচারার্গ এট ব্স্তালয় ভটতে 'গৌভীয়' সংস্থাতিক গত্ৰ, জি জন্তু আলিষ্টু আদেক পাত্ৰ•া ইংবাজী ভাষার নিংমিতভাবে প্রকাশিত চলচেত্র: শ্রীমতে পাত বভীর্ত্তন, সংগ্রান-চভার-বেছাত্ত, শ্রীমন্ত্রালাপত, প্রতিচাল্ল-চ্ছিত্র মুখ্টিল-ব্রীলা ও ত্রুরাম্বর সমাক আলোচনা ভরত পালে। মইলক্ষ-আচাৰ্যাত্ৰিক শ্ৰীপাল কুৰা ভোৱী বিষ্ণাপুৰণ। সহকারী-প্ৰিক্ শ্রীপাদ অনপ্রবাস্তদের পর্বিশ্বাভ্রার বি-এ, ত্রীপাদ ভলারানক সংবিদ্ধাবিনাের বি-এ, खीलाम शर्मानकादी उक्षणाती, खीलाम मगठकादन मामानिकादी विन्ता, खीलाम क्रवामाल कामाधिकादी. अच्छाठी श्रीकी हमारूक, अच्छाठी श्रीकारीका स्वाहरी প্রীঞ্চলনক ভক্তিপালী, ওক্ষ্যারী প্রীবেশকীনক্ষন, পাওিত প্রীণা নবীনক্ষ্ম প্ৰবিক্ষাণ্যাৰ ভক্তিশাস প্ৰাস্থৃতি :

## (১७ : श्रिमा हे-८गा 'स मठ र विश्वक्ति श्रमाधनी गन्ना, नार्गतन चैशनाई-८भोदाः जय ाल छ। दसवा

दक्त क ... श्रीपुर् शक्त उच्च उन्हों।

## ্ৰে জাভাগৰতভাৰ নৰ মঠ

िंड लिया, बाक्सबलुद, अमिनील्डा धनादा विक-्ताशक-नाक्ष्यका-্দৰা। রক্ষক—আভিক্তিবজ্ঞান আভ্ৰম। বিশ্বেখনীর নিভাগের বর্তমান। রক্ষক— वक्रामी श्रीक्षणानभागची । उन्नहाती पदानकः

## ं) । जानगरियाका अभन्ना अन

वाक्षदीय उत्तर रखकान ।

सिकारम्या । उक्तक---अप्रयाम्। सोवविfermia :

## (১৯) শ্ৰীপুরুষোত্তম মঠ

प्रभंदात, भृती, चेडिया। बबात केलांक-वितासमानवकीह विका-लाया वसमान । उक्तक - तक्षत है। जीवरधा-मन विमानक, अक्षारी जीवने शतक।

#### (২০) ঞ্জিজন্ম-গোণ্ডীয় মঠ

व्यक्तिकार्थः, अवस्ति। इ १९४३, जुरी । अमान्यायायाया वास्त्रमा १ म्हा चीमाना ष्पवद्वाम । १७ ० - ब्रह्महारी विगद्धमचती दामापकी সঙ্গাল্লীaubift Biaffat ereit :

## (२) बैजिक्शानम मर्ठ

Eleginimis, wie ! अवादन क्रिक्क-श्रीहाक-विद्यांक्षक्रमण-জীয় নিভাদেশ বস্তমান। রক্তক-वयमारी जीनंगार

## '२२) जीमनाडन-शोकात्र वर्ड

बन्ध क ("इं(यन पुत्र), काले 🕽 গোল-প্ৰাহপুত সমাভ্য-শিক্ষাভ্য : এখানে গাঁওদেবা ব্রহ্মন। उक्क---श्रीवःतकोतावद्री ।

.२७ डीइक्टेंड्डिश बर्ड स्रोत<sup>ा</sup>रक्षाम कृष. जीधाम वृ**ष्णावन** इ

में केराया-अक-द्याक्रमकोत् द्रावा । इक्क-- क्रीनन्ति । जब्दान्ति

(२८) 🕮 পর মহংস মঠ

ेलिश्यादणा, मीए।पुर এখানে ইভিলেবত পাঠশালা 🖜

ন্দ্ৰীপোঁত বিমোল বিশাসন্দীর সেবা বক্তমান। ত্রী অলগোরাল-ত্রীণ কলিক। গিরিধারীলা বক্ষক — এক্ষানারী ত্রীনাগতোলক ও এক্ষানারী भीनक्षक्रमान :

## २० औदेहजन्यदशोकी न मह

क्षूबर्का, ठिवक्षा, भागक्षा । ोटे० २ छ-स्टेड नामा। स्क **र--धीरमा**-नार हात. डीस्कर शानम बन्नडा**ही। सीहाद** कील अवदावाद .

(२७) व्यानक्षीक्रीच वर्ष

कुक्ष्मिन, साल्यह, क्याम। क्यास कीरणोवविद्याप-बारम्ब स्थाया बक्रमा**म** । रणक--- अम्र हो में असम्बद्धी ।

ংব ব্রাক্ষণপড়ো অপল্লাজন-মই

आविष्णामा, त्याः भाक् अव्यक्तः खनारन बाह्य कुक्युकि और शांकारक क्रांच वर्षमान । वक्तक--अवनाने की अ.व

मान, औराधारमण उक्तराती। (২৮: দিল্লা গোড়ীয় মত-কাৰ্য্যালয়

DE CON LATERAL THE PORT I व्यक्त-विमाद्यको ज्ञित्रक मध्य লিভি মহাতাল, জীবাধাতমণ্ডরণলভ্র

(ショ) と引用するとは、本のは、 व्यक्त-व्यक्तिको कोबाधारवाकन

## लारेनियान मक्रा प्रश्निमा

ब्रश्निरतत्र (क्षक मःवास खेकान, करत्रक्यां भूटते द्यक्त व्यापन्छ, अक्रम श्वी-शूकर, ८५८मध्य ७ वः भरनक छनि বোড়াও উট লইবা মিশরের পাইবিয়ান মক্রড়াম আঘিড়াবে বাহির হইথাছিলেন। মঞ্জুমিতে ভীা বড় আরম্ভ হয়। ফলে **८क** टकाशाम हिना यात्र, छोटात आत द्यान (बीच स्थानना । भिः नि. এ, क्राउन नामक प्रतिक है:(त्र एकमन (नाक नहेग्र) बैकाएनत (बीएक वाहित ६न । छाहात C5 हो। इ दशक है। व्यान दक्षा भाग ।

তিনি যাইয়া দেখিতে পান নক্তমিন্ধ बीलाक दहरनसार अन दशका ७ केर्डन **লাভ পভিনা রভিয়াতে। মরুভূমির মধ্যে** একটা ট্যাকের ভিতর অনেকগুলি অজ উন্মন্ত আরবকে নেগিতে পান: এই ষ্ট্রাকে কুফ্রা মরুছান হইতে অনেক ওলি বেছাইন প্লাইয়া আসিয়া আশ্রয় বাইমা-

ক্ষেত্রারীর ৫ াটের মিঃ ক্রেটন মক অভিযান চালা দ্ব পুটিতে বাহির इस । जिलि " ५ तम अनावादी ८१७ इसरक দেখিতে পান। ত**েবের নিকট তিনি** ভনিতে পান, আব তেনটা দল দিশাহারা कहेशा युत्रिया त्निकृष्टित्याञ् । त्याका अवः **উট** লোকে थाइँगा टक लियाटा। भिष्य এবং ক্রীলোকপণকে শকুনের মুখে ফেলিয়া নথার লোক কেথের উনাও হইমাতে।

মোট কণ্ডলন মারা থিয়াছে ভাষা **এখন ও জানা যায় নাই**ী তেবে লেখ যে मन्द्रक डिक्षांत क्या इटेग्राट्ड छ। शत मःचा ৪ন, প্রোণমিক সংখ্যা ছিল ৪২ ।

## करदाम कच्चों अन 5

ে ভত্তক এবং কটকে আবগারা বেঃবান .**मभूटर कराज्य (अक्टारनदक**्षन रथन শান্তিপূৰ্ণ পিকেটিং চালাইতেভিলেন তথন **७७। त**्राचित्रकारमा विकास कार्या । প্রহার করিয়াছে ব্লিয়া সংবাদ পাওয়া शिवादि । वादमचत्र ८म्था सःध्या কমিটার বেক্রেডারী প্রায়ত গোকুবালন (माहाश्रुष्ठ छक्षज्ज्ञचाद्य चाह्य व्हंशार्डन, প্রকাশ, ভারার হয় হত পাতায় পতাকা **८कात कतिहा का**। इंग निया পा। इंश् (प अम इन्माट्ड ।

## কংগ্রেস কন্মীর কণ্ঠরোগ

करताम कची चातु विश्वयक्षण मुख गढ २०८म द्रम नक्ताकारत भीव्यूनीरक कः-Cधारमञ्ज व्यक्तादकाया भन्नादर्क महाश्रिक শর্চন শোণে বক্ষতা করিতে উত্তত হইলে ভারার উপর গৌষদারী কার্য্যবিধির ১৩৪

शाता अञ्चलादा अहे मार्च त्नाविन काती করা হয় যে, তিনি কানী মহকুমার মঙ্যে কোন বঞ্জা করিতে পারিবেন

## হেড মাষ্টারকে প্রহার

গত ২২শে মে তারিখ নবিনগর হাই সুলের হেড মাঠার বাবু যোগেশচন্দ্র গুপু এম, এ,র উপর একটা কাপুর-গোচিত काळिमगरया ध्यकाम (य शत एकर्वात হালিতে তিনি যথন বেল গাড়ীতে ভ্ৰমণ ক্রিতেভিয়েন সেই সময়ে পাগছিল ছেপনে ক্তিপ্র লোক ভাঁহার ক্ষ্মের'য় প্রেরেশ কবে এবং ভাষাকে প্রভার করে। উচাব ফলে যোগেশ বাৰুর শরীরে কতকভাব ানাথত লাগে। আভিডায়ীগণ প্লায়ন করি-য়াছে। যোগেশ বাৰুকে কুমিল্লাতে চিকিং भाव मञ्ज भाशांस क्रेग्राट्य ।

## क्षी इंडाराय कांगी

গভ ২০শেমে স্বী হত্যার অপর্য अभिगानभेरत करेनक भूगलभारमंत केली । क्रेबा निवाद ।।

এই খেবুকটি পুলেই একবার মার্ড্রাবন में भारत प्राप्त मा अक्षा करेगा किया। मान ভোগের পর ফিরিয়া আদিলা লে লেখে যে ভাছার স্থী অপন কে ব্যক্তিকে নিকঃ করিরাছে। সাঁকে ফিবারণ আভিতে भा श्रातिया । कारन छाष्ट्रारक । अहम करन । দায়র। ছাজের বিচারে ভাঙার ফার্মী 万数 ]

## গুজরাট রাষ্ট্রীয় সমিতি

দদিরে বল্লভ ভোহ প্যাটেল ২৪শে মে প্রাতে আমেদানাদ পৌছিয়া ভালরাট সভাপতিত্ব করেন। বিভিন্ন ছিল। ১ই৫৩ আগ্রভান জন প্রতিনিধি সভায় উপ্তিত বিষয়ণ সমিতিৰ নকপ্ৰিক ইমেতা প্রসেম अंदिकांगात प्रतः मानादक मध्या प्रकृति ভদম সমিতি গঠিত হংমাতে। বিশেষ চলের পত্নী জীলুলা চলপ্রভাচন এবং ভাবে পরীকার গর কয়েকটি পিশরে काब बारबब दियान ६ 🗇 ३३वादण ।

भमात्र रज्ञ छ।ई मङाशिष्ट धार्र विः त्यांत्रांत्रक्षी ७ (१ ७वान ८काठापि गण्णानक | इंडेगांविन। चाया गांत्री मक्रम प्राथित निकां डिफ श्हेशाइन ।

এতাআলোর সহিত সাক্ষাৎ করিবার निमिक्त मनीत यहाँ छाई य त्राभीनी बाजा कदियाएक।

## ধ্বড়ীতে ভূমিকশ্ৰ

গত ২৪শে মে শেষ রাজি ৩-১৫ মিনিটের ন্যয় ধুবাটীতে ভূমিকস্পের প্রবল অ্যাত অনুভূত হয়। ভাগতে লোকজন সম্বস্ত হইলা বিভানা ভাগে कतिया नाहित्व काशियाष्ट्रिण। अह भगा ह ६६० वाच च प्लन इंड्ल ।

## কংগ্রেস সেকেটারী গ্রেপ্তার

२६८म (यय भशवादन लाकान दर, ! চিকলী ক গোল কমিনীয় সেকেটারি পার भरतातक्षम असरा भारक दशकात कलिया क्षिभुक्षात्व व्यवस्था शास्त्रम् हर्षेषाराच्या কালেপকে অভিনাত্যর বংগ প্রের।র কার-2 हेश रहा

## भी उपरान्त मधा

ক ব্ৰেদ্ৰ কথা সংখ্যা হ'বহাৱা তথ্ 苗南河 未到外公司 一出(例) 到,直 例(有其的明()) esta an arresta con escapa est para estacta

रत्त्र करान 100 전환(환기 12110 1612-254, 416Ce. 5 LM .A अक्टरंग क १ व १४ १ १ १ १ १ 기업<sup>4</sup> 및 111 £41 6441 **4**(5)(4 %

#### শিশহরে মহিলা সভা

現るいのででからいでは、本場で、20異点で मालालका जन्म, लदमा ५ था, सुत्रम् ८मन প্রান্তেশিক রাষ্ট্রণ স্মিতির বার্ষিক স্ভাল বিবাহ স্বর্ণ কেন্ট্র এই ১৯৫৯ চন ভাক STATE OF STATE OF STATE OF THE STATE किटनमा अञ्चलारकेत निर्मात कारण निर्माण मान अन्ति वर मार्थ्य है। श्रीमण क নিকাচনে কল্ড বশ্বঃ স্ভাবেশ সল 🕝 বি ল অভ্যৰ্থনা কৰেন। ত্ৰিচালিকাকে ছিল। বহুক্ষণ বাগবিভাগের পর ওলটা । মেটেল কার্মা ইট্রেন প্রামানের প্রেক্তর স্থানের নিশ্বাচন নাক্চ করা ইছয়াচে : বিভৌতে শ্বীয়া যাওয়া ৩য়া আগুলা<sub>নিই</sub> এবং মি: মোরার্ডী, বলবস্ত এ। ন একিলোর বালিক। বিভাল্যে একটি महिव भन्ना इष 💆 व्याप व्यक्तिक्रमान নেতীৰ আদ্ৰ গ্ৰহণ কলেন । কেন্দ্ৰ শংপ্রতি তেও সভা আর কয় লাভ থ্তরা দলায় বিশেষ উৎসাহের স্কার পক इहेट्ड व्याग्ड मध्यिषिपदि माम्बर्क ल्लान कड़ी हरू। ভাহায়া শিল্চন क्रिमात्र गाँबीभिशतक शुक्रदवत्र भारभ ই ভাইবা মাত্তমিয় মুক্তির চেপ্তার আখ্যা-निरमान कतिएक, यसम निर्देश, ठमका

कांग्रिक, ध्वर मञ्चानित्रमञ्जूषा भाषक्षित्र ष्रश रेगनिक धरेटड निका पिटल बरनब। क्षाभात्रा ताकिटक कुशाक्ष्या श्रम कहाम ।

### চাল ভার গুণ বিচার

अधिराय्या भागा काम गायाम समाखन क्टेनल खेळ स्टेमारफ, यशा--- काल का निम, ८४०/हेक, अप निपर्श, मुर्ह, 🐲 ও পিওলাপক এবং কেলের ভিত্তকারক। ভাৰরাং চাল্ডা যে কিবল উপ্সায়ক ভাষা বলা বাউল্লান্ত । ভাষ্ট্রের 💆 🛣 ः ५३ प्राट्स त्य अत्यक्ष ५ लाजा विश्वेषी अक्ट .a. भिष्ठ कम्भ अ व स्टारमात्र आंभक , व्यास भक्टाल (टा "विश्व, कमकात्रक, **नाउदीराः** 

🐍 এক শভিক ভিকিৎগৰ তিনি চাল ্ডার निर्देश कर के वा का का लेखा कि हा वा दाई में की ए ८म.सन्दा व्याज्ञाध क्षास ८४ दिनस्र enten, fein Ein Claffen ben i

#### DIM RIS CATE

e'a' 5''时'新亚町----े केंद्रें के निक दक्षांना र रजको ना सामणकी हुर्न---111.5---

्य रु विविधा स्मातक कतिया अञ्चलन कार 'दनन शत (नक्त क्र**रण् दमसा** १

४१).० आमत्रक श्रीका पुत्र ६स १ थानक काहात कारण Sin काम आ চাণ্ডার ভাষা আল চিনি বা মিঞ্জ २३ दर्जरमञ्जूषे **प्रति** ।

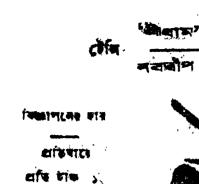
#### **हाल हात्र (बात्रका**

চাগ ভার গুড়া— ノン で共復 15 4 41 8W-/II CAN ८५० जमांति हुन -चाद श्रीक बाल व.छा ---S CBIMI 6.44 444 ২ ভোগা

व्यावक शास्त्र गांड विम ब्राविद्या ठालिका तम वाहित्र कतिएछ एइ। छर्णस सम পরিভাঞ পদার্থ জ্ঞাল সরিধার কৈল **काता काक गत्रम कात्रम जात्रम लाटक** तापिएक इटेट्य । देश दम्बद्ध बार्शस्त्र লচি ও পরিপাক শক্তি **বার্তিত হয**়।

## जवाक हिटन महाश्वात नारी শিৰ্ম

महाचा जानी बनन मन्त्रदर्भ दर वाची लागा क्षिपाद्यम, खादा धात्रजीय म्याक ভিত্রে স্থরাটের লম্মী দিনেযা গৃছে এচারিছ रहेटकिंग। मञ्जनक बर्शर वेस किस व्यम्भन दक्ष कांत्रश मिश्रात्स्म ।





मार्गावाद हात धाः उत्भ (भग्न नाभिक 🛶 71121 7 a a (1) 11 That : No 41 7 m 5. दक्षणका महत्त्र , .

Reg. No C.1544

– শ্রীভাতীন্দ্রনাথ কন্যোপাধ্যায়, কেদান্তবাচম্পতি

জীলৈতশামন জীলাম মাহাণ্ড-১৬ই জোই পনিবার ১০০৮, তাপে মে ১৯০১

## নানা কথা

## वाकी की देवर्ठएक दक्तन या शेरनन

वाद्राटनालीच २०१म हमन मन्यारम छाकाम (य, मान्यमाधिक ममछात (कान भूगोलान না হটবেও যুদ্ বিরাম্যুদ্র সাইস্ফুট महाहामधानककरण छान्तिभागित वय. जावा इन्हेर्य शाक्षीची महरमय शामरहेरिय टेवर्रेटक जैलिटिक इडेनान हैका क्षाकान ক্ষবিষ্টাছন। আয়ুও প্রকাশ যে, ডিনি क्षत्रकार्यस्काल कार्याक्षार्थ (याभागाम मा ক্ষিয়া শুল্পাত্র কার্ডোনের করা বিশ্বত ₩রিংবেন 1

### ব্যানিপ্রস্তা রমণীর আস্থাত্য।

'দেনিয়াটোলা ষ্টাটের ভির্থানী অভার মুক্তা সম্বন্ধে উল্লেখ্য স্বামী বীরেঞ্চনখন **७४ - तो**नात्र निक्षे माका अभावकात বলিলাভেন, বৃত্তার প্রায় দেড় বংসর পুরেষ विक्रमाने महारमशियान चाउनाळ होन এवः <del>ইড়ায়া</del> আমে ডিন মাস পুৰেষ ভালার मिक्कि विक्रिक्ति वाक्रण (प्रभा यात्र ) किनि विमा कामरवह एकाकी विभाव काबिएकन ध्यार नीकात समग्र फिनि दहे बनिया छान ध्यक्षण क मध्यम (य. छिनि यन्ना मझ করিছে পারিভেছেন না এবং স্বাধীর কোন - সাহা ডা: হুরেশচ প্র ব্যানাজীকে পরীক্ষা कारमहे बागिएएएक मा, एखताः पृक्राते ভীছার পলে লেয়, অভঃপর সাক্ষী বলেন - শিষাভিলেন। তঃহার: ডাঃ ন্যানাক্ষীকে বে, ভাষার গারিজ্যবশভঃ ভিলি স্তীয় পরীক্ষা করিয়া বুধবার দিন, সন্ধ্যার সময় কোন আকার অচিকিৎ্যায় বন্দোবস্ত ক্লিকাডা পৌচিছা হে বিবরণ দিয়াছেন ক্ষিতে পারেন নাই। গত ১২ই মে তালাতে প্রকাশ, ওাচার কণ্যদ সম্পূর্ণ ভারিবে অভি আত্মানে তিনি একটি গোল কাণ্যক্ষ। ডা: উকল তাখার রঞ

## বি এম সি শিক্ষক চা

- প্রীধাম-সামাপুরস্ক সাকুল করি বিনোধ ইন্টিটিটের অল একজন বিত্তস দি শিক্ষতের প্রয়োজন। উক্ত লেফালের প্র প্রচণ্ডের্থণ স্ব-স্থ ক্ষতিকার বিবংশন निकारित कम हो का Comed कहा कहिएक भारतिस्था काका के स्राम्यक प्राथमिक होते. ঠাকুর ক্রিপিলের ইন্টিডিউ, , পাঃ শীমারেপুর, নদীবল- দ্বিক নায় এক লিখিলেন। মিক্ষাটিস শিক্ষাক তিনা ঘৰ্শয়ে ছাত্তা ও বাদক্ষ ন গালবেন।

মেকের উপর সুদারস্কায় ও ভূমা মারিচন াশীধার শরীবে পোডার ডির বিদায়ান। টিরাহার স্থানিস্থাত ইউটেটে। নিম্মান তিনি জীহার নিকটে এবটা এচরেও নেব ়ু প্রখাসে কোনকপ করু অভানৰ কলেন নং ভশাগও একপানি চিঠ পাওও যায়। প্রধান উপস্থী। ডাঃ উবলে ও সাহার উল্লেখ্য মার্থ এই থেন তিনি কাল্পনত। মতে কার্বিশ প্রাধানের দাজন পর নাঙ্ করিতেহেদন এবং ভক্কপ্ত কেই সায়ী চাড়া করিছে না পারের গংয়ে গোগ নেখা প্রকাশ ক্রিণ্ডেন, অগ্রানাথের ফলে স্বাহ প্রাপ্তরি ক্রানেট বনল করা হত্তব এक मृजू। पानिशादक । के छन् सम्पोत थने । विभाग किय कन्ना क्रीमादक । শিশু সম্ভান বসমান।

#### णाः गामाच्योत मार्यात छेत्र ह

जाः त. मि. क्रेकीन ७ छ।: अक्रवल्ल করার অভা কলিকাড়া হটতে কুম্লা মালের শক্ষ বিভানা ইইতে উটিছা দেখিতে : পরীক্ষা করিয়া বাঙাবক পতে কোন দূষিত

পান যে কি লাগ হী কংগ্র কংগ্র কংছে। পদার্থ প্রাপ্ত এন নাই। ডাঃ বানি জী ্রজনে আহার করিছে পা'বলেছেন নেকা বাতি ও একটী থালে ১৭৮৬ল দেখিতে । মৃত্তেও কোন দেখে নাই। ুমেকলচেওৰ পান। ইংলার দ্যে বহগাও কোলালিকেব 🖟 বেদনা অনেকটা কম। একাণে পালে পদ্ধ পাশ্যে যাত্রভাচনা মুখার বা লবের 🖟 শোল ও পেটের বয়ের তাকো 🕏 - কভোর করেলিপরের জুরা এই। মত কিয়াছে। এখন আগ্রেল জুনের ছিত্তীয

## नौनाम हेखाहात

্১ •ম গুলাৰ প্রা

२०७ श्रीकाती १५ मार्चि केपार प ডি: রাজা জনীকেশ লাহ্য মো: গোনাড়ী **८मः छुत्रभक्षम म**लिक मि, आह त्यनांनी त्याः कामभावी

থানা হাস্থালি সামাল বেনালী গ্রামে फिक्तीमात्र निः अभीन २४० पहिलात्नत **३৮-६७ मठक क्यों** २२५०७ क्या गुणा उ०र

**डि. हारियही सभी हा, क्स्या**न : F 17:51

দে: পুৰ্বচন্দ্ৰ সম্ভ সদ বাৰ্ণি ভ**ি** ্গ ্রে ব্যক্তাক্রি

থানা লগড়ার সংবীল স্থিতিটা আমে ভাত্ৰণ কাস লোকডা ২০০ ১ ৩ নুমের রখনচর শতুক <del>ও</del>ন্ন । <sub>সাধ</sub>্যতার দের | - 电 = 四 의 의門 24.

২১০ থা জারী ৩১ ডিঃ ক্ষরতর্গা দাসী স্পেন্সালয়ার

দেঃ পাচু মল্লিক দিং সা, গাঁডাগ্রপুর পোঃ বাঞ্চল্ডি

থানা চাপড়ার স্মেত্র গীত্রভবুত গ্রামে রাণ্যস্থাস সিংহ দিং অধীন ১৯০ পতিবানের ১৭-৭৯ শতক জন্মী ওলা ১০

1 59 1 २४० ५९,छ।ती ७४ -F1,4 & 2. . . . (4: 3

লেং হোকারিম মলিক সং বীরুদ্ধের भूत उपाः यात्रा गिका

থানা চাপড়ার সামীল গীভাররনার গ্রামে ২০০ ব্যক্তিগ্রের ৩-৫০ শতক নহী

२)२ भाषाती १ fu: d

(शः विभिन्न (मध मा; शीन्ता**वरुश**ः ८७४: सामांशीय

থানা চা ভার সামীল শীভাষ্যপূত প্রায়ে ২০০ প্রতিষ্ঠানের ৪-১১ শৃত্র ১৯০ >२५०३० समा मूला **८** 

## শ্রীধাম মায়াপরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনষ্টিটিউট্" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## (थाना इरेक्कार्ड।

মান্ত ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে মতি যত্নের সচিত শিক্ষা প্রাদান করিভেছেন। শিদেশী ছাত্রগণের জন্ম বিনা ন্যায়ে স্থানর বাসস্থানের বন্দোবস্ত হইয়াছে। স্থান অতীব স্বাস্থাকর।

সবিস্তার সংবাদের ষয়া নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। সেক্রেভীরী, ভাকুর ভাজিকিবিনোদে ইন্টিটিউট্ শ্রীচৈতক্ষঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

## সুবর্ণ সুযোগ বেশী দিন আর থাকিবে না

- কেন না--

### चा ७ क- निश्र छे यशाल दश्रत

৫০ বাংশরিক আনন্দে ংশব বা স্তবণ জুনিলী শোষ হইতে আর নিলম্ব নাই।
এই উৎসব শোষ হইলেই স্তবন আজোদিত শোক্তি-সঞ্জিবলী বটাকা" পূর্বের
নিজাবিত ১২, টাকা নুলোই বিক্রয় হইবে। ৩১শে মে প্রায়্ত উচা
৮, টাকায় পাওয়া ঘাইবে। এই বটীকা এক কথায় বলিতে গোলে নবদৌবন দান করিতে সমর্থ। স্তবর্ণ গুলিলীর কথা উল্লেখে আজাই মনিজভারে
৮, টাকা পাঠিইয়া উহার এক কোটা লউন। সম্ব হউন। বিলম্বে
নিরাশ হইবেন। ১লাজুন হইতে ১২ টাকা মুল্যে বিক্রেয় হইবে।

প্রাধিতান १-আডक निগ্রহ ঔষণালয়।

২১৪মং বছবাছার খ্রাই, কলি কাড় ! !

## কাবরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



মফংশ্বলের প্রবিধার জন্ত ৬ আং শিশিতে ঘণীভূত অবস্থায় ছোটবোত্রোর সমপরিমাণ উমধ দ্বাকে পাস ন হয়, ইতাতে ঔষধের কোন প্রিণ্ডন করা হয় নাই। সুলা প্রতি শিশিয়ত আনো, পাঁইট ৯০ আনো, বোজল ১০০ আনা।

অফিস–১১নং উল্লোডাঙ্গা রোড, পােঃ শ্যামবাজার,'
কলিকাতা

## ग्रापन मुख्य

্ব-শ্ৰে ছাব্ৰিসৰ ব্ৰেছ, কলিকাডা।

## হাইড্রোসিল বা

\_\_\_\_\_

## কোষরদ্ধি রোগ

ভা: এস, এন্, থোষ বিনা করে, বাবক্ষীবনের গ্যারণিট দিয়া বৈদ্যাভিত আগাণাতে কোববুদ্ধি গোগ আরোগ্য করিয়া বাকেন।

> विकाश— अभ्याद करेस हैति, यहवासात्र, कारकाशाः

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌবধ

প্ৰব্ন দিলে সম্পূৰ্ণ আরোগ্য

নোগী দেখাইতে কইবে। অভিন পাণের পরচ (যাওয়া এবং আবার)
পাঠাইলে গিয়া রোগী দেখা হয় অথবা এপানে আসিলে হোগী দেখিয়া
উষ্ধ দেওয়া হয় আরোগা না হওয়া গগন্ত পাতিপ্রায়ক দিছে কইবে না।
গানীৰ বোগীলের অবচ বহন করিয়া ডিকিৎসা কবা হয়। বিশ্বাবিদ্ধানি কর্মনা

উট্টাল প্রক্রিক উকীল, যজ্ম-চিক্তিমক, গ্রেই নৈকাঠী, বকিশাল। অল্লু নিয়ু সিধান্য স্কোৎ করিয়া বিস্তারিক আনিতে পারেম।

স্থায়ত রামলোপাল দও কম, জ. রুক্তব্যর, নদীয়া। **উদ্ভ করিপ্র** মিংক, ১১৭, লোপ্রচেগের ইন্টি, আট্লোফা, কলিকানা।

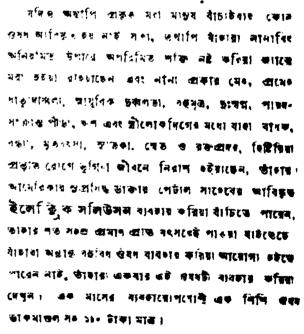
প্রক্রথানি প্রে! অ মার ভারপুর হাত হয় মাস বাবং রাজ যক্ষার ভ্রিয়া মৃতপ্রার চলহাতিল, কালকাজার বিজ চিকিৎসক্ষণ ভারার কীবনের আশা দেবার কবিয়া লেখ মুরাইর জন্ম অংশকা করিছেছিলেন এই সময় স্থিত কি নিশ্চক উবিল মহাশয় মার ১০ দিন চিকিৎসা কবিয়া সম্পূর্ণ আব্যোগ্য করিছা দিহাছেন। (সাঃ) স্থীয়া কিশোর বায় চায়ার্থী (জালেব হাবিছা) হল ইন্ট, নিউ বিভিন্ন। করপোরেশন কালেই ডিপানিখেন্ট, কলিকার।

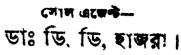
## শ্রীনবদ্বীপ পঞ্জিকা

भोजान ४४०

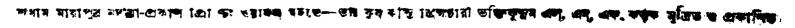
মাত্র ১/১০ ডাকটিকেট পাঠাইলেই বুকপোষ্টে পাঠান হয়
ন্যানেকার- গ্রন্থবিভাগ
ভীটেতখন্ত, পো: শ্রীমায়াপুর, নদীরা।

## মরা মারুব বাঁচাইবার উপায়





দত্তপুর, গার্ভনরিচ পোই, কলিকালা :টকালা স্পাই করিবা নিথিকে



किञ्ची श्रद्धा निर्मा नग्रदः

## দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ নিভ্যপাঠ্য বৈকৃষ্ঠনার্ডাবছ

## শ্রীশাম-মান্বাপুর-১৬ই জ্যৈষ্ঠ শনিবার-১৩০৮

"অমুক গৃছের আমি ভর্তা ও পালরিতা", লামি সমাজের বা দেশের নেতা ও গ্লবিধাতা", "আমি সর্বাপেকা বেশী ্দার","আমি সসাগরা পৃথিবীর অধীশর" তাদি প্রকার দম্ভত্তক কড়াভিমানের ास को दिवसमान यूर्ण खाडूत भारतमार्थ ক্ষিত হয়। এই দুৱাক্তভলি যে পরিমাণ ৰ্ণ বা দভেন্ন ব্যক্ষক, তাহা অপেকা আরও শ্রম্বিক পরিমিত দান্তিকতার ভাব স্বগতে श्रात्रिक बारक ।

অভিমান

ভগবানই সকলের কর্ন্তা ভর্তা, নেতা, বৈধান্তা এবং ভিনিই সর্মান্ত, যথা গীড়া,— াতির্ভর্জা প্রাস্থা সাকী নিবাসঃ শরণং श्रद्धः । विश्वा सम्र मृज्य स्थीन ও स्थानि ব্যাধির ছারা সভত সম্বপ্ত কইবার যোগ্য, সেই সমুদ্ধ কুড় শক্তিশালী জীব বধন अज़िमात्न कीठ इहेमा गरेक्यराभूर्ग ভগবাৰের আসনে আপনাদিগকে অভিনিত্ মনে করেন, সেই প্রকার প্রকাপবক্তাদিগকে কড়াভিমানের সর্কোচ্চ প্রকোঠে উপনীত মনে করিতে হইবে। ভারাদিগের তুলা ভগবং চরণে অধিক্তর অপরাধী কার কেই হইতে ারেন না। এডাদুৰ গ্রিড সোহংবাদিগ্র া, কি কখনও আপনাদিগের ধুঠতা বৃথিতে भातित्वन ना ?

শ্বস্থতংপর ব্যক্তিগণই কড়াভিমানী ও তগৰৎস্থৰ-সাধনেজুবাজিগণ চিদভিমানী। অমুখনিটা চতুর্বিদে, যথা—১) ধর্মা (সর্গান্ত্থ-क्षानक भूगाकांश । भूनक, (२) व्यर्थ-( ঐহিক প্রথের সহায়ক ধনজনাদি অর্জন ও तक्तशातकारभन्न कर्ष ) भूलक, (व) काम-(ইলিগতৰ্শণসাধনকৰ্ম) মূলক • এবং ( 6 ) মোক্ষ (ভ্যাগৰারে শান্তিমুখজনক কর্ম ) মূলক। প্রতিষ্ঠাশালপ বে ছকাসনা, ভাষা কামেরই অন্তর্গত এবং ন্যাধিকরতে সমগ্র अक्रक्तिमानीभिगतक आंत्र कतिग्राष्ट् । वेदात ছ:সাহস এত অধিক গে,ডক্তিপণের পথিক मिर्गत सम्दर्भ कार्तम कतियात वष्ट कटत्र, কিছ ভক্তিদেশীর কুপার ভাঁহারা ইহাকে পুরে নিক্ষেপ করিতে সমর্থ হন। অভএব विनि व्यक्तिंशित महम, किनिरे विशक्तिभानी कक या देवकर, यथा महाकनराका-

"क्नक कामिनी, প্ৰতিষ্ঠা বাখিনী, ছाफ़िबाट्स वादत दनहें छ देवकव ।""

অড়াভিমানী ব্যক্তিগণ প্রভিচাশার বল্যন্তী হইয়া যে প্রেক্সার লাজনা ভোগ ক্ষাডেছেন, ভাহা বর্ণনাতীত, অনেকে আত্মহত্যা পৰ্যন্ত করিতে কৃষ্টিত নহেন। ध्यक्ती मुद्दोश्च वर्गन कतिएकहि, योद्या शार्व ক্ষরিলে *কংক্*প উদিত হুইতে পারে। धाक्या त्कान दर्गरन धाक नामास नास्कित्क करेनक भूनिन कर्पाती गणियरमा विद्यापांड

করেন এবং সেই অপরাধে তদ্দেশীয় প্রধান বিচারপতি কর্তৃক পুলিশ কর্মচারীর গুই টাকা করিমানা হয়। বেজাঘাতপ্রাপ্ত বাজি বিচারে সম্ভট না হওয়ায় পাঞ্জের **জুতাদার৷ আদালতের ভি**ভরেই বিচার-পতিকে সম্ভোৱে প্রহার করেন ও সঙ্গে সঙ্গে পাঁচটা টাকা অরিমানাসরপে এঞ্লাদে নিচারপতি দেশিলেন, व्राचिया ८ मन । পূর্বের অমুপাতে প্রচুত্র ছবিমানা দেওয়া হুইয়াছে। ভ্রিমিত জুতার বারা প্রার কর্ত্তাকে ছাড়িয়া দিলেন। অভ্যপর কি করিয়া ঐ নিদারণ অপমান সহা করা যায় ভাবিতে ভাবিতে হঠাং পকেট হইতে পিতল বহিন করিলেন ও তৎসাহায্য নিজ প্রাথ পরিতাগে করিয়া অপমানজনিত कःश्वित मास्त्रि कविरम्भ । क्षत्रकाः स्मर्थाः যাহতেছে যে, নিয়লিখিত জড়াভিমানবাজক ्राक ७३**में** दर्श दर्श क्ला।

শ্মানে। ভি মুল্মগ্জ মানে সান্ধ্যেন কিম্। প্রভারমানদর্শক কিং গ্রেন কিমার্শ 🗵 कारका धनकिक कि धनगाउने हि सरागाः। উত্তমা সান্মিচ্ছকি মানে; হি মহাতা- পন্ম 🖟

ধন ও মানের যাহার। প্রাথী, ভারাকা ব্দক্তের প্রেডি হিংসা করিতে বাধা। হাড্যা ভাষারা মংসর। একমান চিলভিমানী ভক্তগণ্ট নিশাংসর। ভাষারাই মান ও ধনকে ভুল্পবোধে অস্তুকে ভাষা অকুটোভয়ে निटक ममर्थ, रमरे क्या क्यान अतः क्रीयन গৌৰপুৰুৱ ব্লিয়াছেন,---

"কুণাদপি স্থনীচেন তরোরণি স্বিস্থন।। व्यमानिना मानस्मन कीर्खनीयः नमा द्दिः।"

ভড়াভিমান সংখণ্ড কেছ মান্ব-জীবনের চরম ভূমিকার ইঞ্চিত পর্ণান্ত खाल इहेर**७ जमर्श नरह**। काङाक्रिमान, বিভাতিমান, রূপাভিমান এবং ঐপর্যা-ভিমান ভজিপথের কণ্টক। শ্রীমদ্ গৌর-স্থান্দরের বিভীয়স্বরূপ এবং বিশাসমূরি ঐমন্ নিত্যানন্দ প্ৰাভূ, ডিনি স্বয়ং নিশ্বল ভগৰ্বতম্ব হইয়াও লোকশিকার্থে যে প্রকার অড়া-ভিমানগাহিত্যসূচক লীলার ত্ম ভিনয় করিয়াছিলেন, তাহার কথফিং আভাস व्यवस्य स्ट्रेट्ट्स्, गर्था---

"অভিযান শূল্যভাবে নগরে বেড়ায়। व्यक्तांथ शत्रमानम निजानम त्राप्त ॥ याद्य दगर्थ छारत्र वरण मस्य छून भन्नि। व्यामारत किनिया गर एक त्योत्रहति॥"

অসাধারণ পণ্ডিত ও ভক্তচুড়ামণি শ্রীল প্রবোধানন্দ সরস্বতী তিদণ্ডিপাদ যে কি প্রকাব জড়াভিমানশূন্য ছিলেন, ভাঁহার নিজ রচিত নিম্লিণিত গোকটাই ভদ্মিয়ের गाका निएउएइ.-

''দক্ষে নিধায় তুণকং পদয়োনিপতা ক্লছা কাক্শভ্যমেদ্ধং এবীনি ৷ হে সাধ্বং, স্কল্মের বিহায় দূরাং হৈতক্রচক্রচরণে কুরুভান্ধরাগম্*।*"

দান্তিক ব্যক্তিসকল স্মান্তের কলঃ। অসংচরিত্রভারূপ বিশ্বচিকারীক্স ভাঙা-भिरंशत कड़ेकरे मतन मानवक्रमण्य त्रांशिष्ट হ্যা যাহারা ভাহাদিগের প্রায়সরণে कात्रख इहेर्डर्छन् या ध्रेर्यम, स्महारख তাহারা ভীষণ মহারৌরর নামক নরকে নীতি ও যমকিঙ্করপণ কভুক নিদারুণভাবে দ্ভিত ইট্রেন: আড্রের ''অসংস্কৃ ভাগে এই বৈক্ষরালার ক্ষপ মহাক্ষরণাণের অন্যান্ধ শিবে ধ্বেপপুঞ্জক ভাষ্ট্রিয়ের সঞ্চ কালবিলম্ব না কৰিফ প্রিয়াগ করিছে। হইবে। ইহাই ভকিলবে প্রেরেশর প্রথম স্থাব। পরে 'দিতা, প্রদক্ষামানীয়া-ং খিলে ভবন্তি কংরর্ণরসাধনাঃ কথাঃ" এই পরমকল্যাণ আবাহনকারী সিদ্ধান্ত বাকোব বশব্ভী হইয়া সম্প্রসক্ষা ও তালাদিলের মুগবিংগলিত হেনি ওণগাণা প্রবণ করিতে ক্ৰিটে ভোগ্যোক্ষ্যা অঞ্জ চেঠা সমূহকে নিবাস,করিতে হইবে। স্বচ্ছে যথন क्षत्र बन्ध्या इहेट्स, उदकारण (भई भएक কদরে কদ্বিকারী আইরির দর্শন ও চিদভিমানের বিমল নিভানন্দপ্রদ জোতি অম্বভূত হইবে। "সা কাচা,সা পৰা গড়ি:।" भानव कीदानन हेकारे मान्साक्तकृति। कवित्र দাস নামক জনৈক ভক্ত ব্যাহ্ন, "রাজা রাণানাবড়া। বড়া ধো সুনীরে রাম।" অংথাং রাজাবাধনী কেহই বড় লোক নছে, যিনি জীরামচন্দ্রের সেবায় দেহ মন ও প্রাণ সমর্পণ করিতে সম্থ **क्हेशास्त्र, क्विनाय जिनिहे द**५ ७ সর্বলোকপুজা।

বায়ু একটা স্ক্লজড়তত্ব। সাধারণ তাহাকে কোন গুরু প্লার্থ বলিরা ব্যেন না। পরস্ক ভাহারা ইহাকে जिं हांग्*का भाषा विवास वास्त्र व* পাশ্চাত্য অঙ্গবিক্ষান সেই দ্রান্দি কাটাইবার ক্ষা বলিতেছেন বে, বাযুর গুরুত্ব এত **জনন নিত্যানক প্রা**দ্ধর পদাকদারী ক্ষিক হৈব, বলি উহাকে কংগাম্থভলসংক্র !

७ छेक्रम्थ कान कुरलब छम्द यशिक्षान অবস্থিত, একটী লৌহনিশ্বিত নলের अरुष्टिता इरेट निकास कता गांध, रूर-কালে জামরা দেখিতে পাইব যে, কুপের নিম্নেশস্থিত জলবাশি উহার বভিন্দেশে চলিয়া অসিতেছে। ইহা হইতে প্রতি-পন্ন হইতেছে যে, বাযুর চাপে ভলরাশি খনীভূত ইইয়া অবস্থান করিতে বাধা হয় এবং উহার ভার উঠাইয়া লওয়া হইলো জলরাশি আপন স্বাভাবিক অবস্তান স্থিত হইতে সমর্গতয়। বায়ব[বেরপে তল'কর-ভার সাধারণ মানববৃদ্ধির অগোচর, ভদ্ধপ কড়াভিয়ানজনিত অসং চিন্তার ওক্ষ মাধ্যক বাজি সকল ব্রিতে অকম। জলের আশায় কৃপ খনন করিতে চইলে মৃত্যিকা ও বালুকার ন্ডর ভেদ করা সামাস্থ যথের হারা সন্তুর : কিছু কঠিন প্রস্তারের ন্তর ভেদ করিতে **হ**ইলে "ছেনি" ও ''ভিনামটিট'রপ উত্তম। গ্রেপ্ত প্রেঞ্জন। दाक दिसर ५:शमिल, क्लिक स्थलपारन সমর্থ। বিমল নিত্যানন্দব্যবি পান করিছে যাহার। চাচেন, তাঁহাদিগের নিজ নিজ চিন্ডগুৱাকে ধন্ম করিতে হইবে। ধন্ন কালে মাধুসক্ষরণ"ছেনি"ও ভগ্রংসেবারূপ ''ড়িন্মাইট'' খারা জড়াভিমানরূপ কঠিন প্রেরসদৃশ অনুর্প ও ওয়ভাব বায়ু অসং চিম্বার পরিহার করিতে বইবে।

## 'আনন্দ-গীতি'

( শ্রীয়ক্তা অপর্ণ দেবী )

ক্রিনেতি গজণালায়, মোদের নিম্পুণ। আয়ত্তে আজি, আজতের স্কুটে, যভেক দীন্তন্ত ব প্রাণিপাত আর পরিপ্রাশ্ন দেধার উপায়ন। (আন) ভাবই সাথে, অনবল চিব

वाक्न खान व ভাকেন এবে দদাস নিজাই, আননা ছুটেবে ! অমৃতের 🖻 অমলধারা যাণ যে ব্যেরে 🛭 জিনবি কেরে ভবের জালা, শোক-মৃত্য ভীতি ?

দেখনা চেয়ে অন্ধন্তন, পোলোকের ঐ জ্যোতি গ

ও ল্কমন, দিলেধারা, ঘুরছো কতই হায়। এবার এম, চাও যদি হিত, এম নিতাই শাম।। (खपु) अक्षाभूरत अभ्य ब्रञ्न किन्एङ विक माध আহবে ফেলে সংসারের ঐ মৃটেগিরি সাম ॥ ভূতের বেশার খাটছ কভ,প'বে ভূতের বেশ কর্ছে। ভাষিণ নিবাবাভি বিদেশী আদেশ॥ 'আপন দেশের মধুর গাধা শুন্বি নাকি বে। ওরে পশিক আয় ভবে আয় মড়ের বেগেরে মরণসাগব গাল হ্রুমে কে হবিবে অমত গু (আজ) অমৃতেরি গ্রম অল্প ভেডের অধিকার मूर्ण मदम श्रामीन स्वरम्य देवकाळी शीणा । মৃত্যু যিনি বঙ্বো মোরা নিতা অমরতা।।

## নীলাম ইস্তাহার প্রথম মুন্সেফ আদাসত नीमारमत रिम ५ हे जुन : ৯ 95

( > )

১১১৬ মলিজারী ৩১ मावि ১१०॥० খামাচরণ মজুমদার সাংবছ-

**েলঃ হরেন্দ্র নাথ লাজ। দিং সং** ট পো: নাকানীপাড়া

श्रीरम निमन्द्र एक श्रीमार्डिनिती किर সেরেস্তায় ৪৬ থতিয়ানের -৩৫ শুভক জমি ্ত' মেকেররী জনা মায় পড় রাঘর ৫ থানা মূল্য আঃ ১০১

- २। अभागाम के शास्त्र में माधिक সেরেস্থায় ২১, ৫১, ৬, ৫১, ৪৭ থতিয়ানের ৫.৫৮ শতক কমি ১৩১.০ জমা মূলা षाः २६
- ৩। ঐ থানায় ঐ গ্রামে ঐ মালিক সেরেন্ডার ১৩৭ থতিয়ানের ১-০৯ শভক জমি ১৮০/৫ মোকররী জমা মুলা আঃ ১০১
- 6। ঐ থানায় ঐ গ্রামে ঐ সেরেডায় ১৩৮ থতিয়ানের ৩-৫১ শতক জমি ৯५৫ ख्या मुला जाः २०५
- ে। ঐ থানায় বিলবস্থ লক্ষ্মী মৌকায় ঐ মালিক দেরেন্ডায় ১১ থতিয়ানের ২-০৮ শতক জমি ১১॥০ মূল্য আঃ ১৫-্

(2)

৪১২ মনিজারী ৩১ मार्वि ३००१% বিধু ভূষণ দত্ত সাং দেবগ্রাম

দে: এরফান মোলা সাং ভিকল পো: কালীগঞ

পানা কালীগঞ্জ সামিল ডিসল গ্রামে ডিক্রীপার অধিনে ২১ থতিয়ানের ---শতক জমি ১১ জমা মায় গৃহাদি মুল্য WI: 32.

(:)

৩৯৮ মনিভারী ৩১ मार्चि ३३७०/० রণ্ডিৎ পাল্ডোধুরী সং TE: মকেশগঞ

দে: কেপ্টে স্রদ্ধি সাং ইটনা ८भाः क्षमञ्ज्ञा

থানা কোভয়ালি সামিল ইটনা প্রামে ৭২০।৭২১ থতিয়ানের ৩-৬০ শতক নিদর জমি মাল বাস্থর ৭ থান৷ ইত্যাদি সাজ সর্জাম মূল্য আ: ৩০১

६२६ मनिखादी ७० ंमावि २८८।/३ ডিঃ শেথ করিম বস্থা সাং সমুদ্রগড় तः शाह मख्य भिर गाः **गा**त्सक চড়া বুলাঃ ন্ৰথীপ

राना नवबील अञ्जल भारवज्ञहरू। গ্রামে জ্ঞানের মোহন ভাত্তী নেরেস্তায় াচ কাঠা জমি হাতত জন। নায় ধর हेटा। मि माक गतुष्टाय भूना ०००

(0)

৩৯৭ মনিজারি ৩১ मावि हक्षां ! চিঃ রণতিৎ পালচৌধুরী দিংসাং ম্যেশগ্র

CH: Cगएन्स Cमथ (श्रामि) मारि জ্বাজিরগুর পোঃ রুফ্টনগর

থান: রুণ্নগর অদিন সুবর্ণবিহাব থানা নাকাশীপড়োর সামিল কান্দোয়ে বিলোম ডিক্টালার সরকারে ৭৮০।৭৮১ প্রিমানের ১৮০ শ্রুক ব্রেক্টের জ্মি जला बाह २०८

ে৯ মনিজাবি ৩১ माति ३७७%

ডিঃ ভক্ষাবাম পাশাবী সাং ক্লফনগৰ দে: ফ্ৰিভূষণ লাভা সাণ গোয়াডী পো: ক্লমনগ্র

থানা কোত্যালী অদিন নিজ গোয়াড়ী রামে ভারকনাথ সরকার দিং অধিন ৩৪২ পতিয়ানের -২০ শতক কমি ৭১/০ জমা দেঃ ১০ আনি জংশ মায় পাক। ইমা-রত স্ভেস্তজ্যে ইড্রালি মুল্য আঃ ১০০০

২। ই থান। ই গ্রাফে ঐ সেরেডায় । ৩৪২ প্রতিয়াদের ১-১ শালক ক্ষমি তথ্য প্রায়ে মধান্ত লাগের গৌধুনী জনিস ৮৮৯ জমা মায় পাকা কোসাগৰ দালি সর্ঞাম ু প্তিয়ানের ৩-৫০ শত্ক হৃমি উট্লকী इंडोकि मना खाः ६०

(9)

১৫০ মনিকারী ৩১ লাবী ৩৬১৮ ৬

फि: कुमात्रशांक त्रांकः कवाशांत-শান লি:

দেঃ ভূর্বচেরণ বিভাগ দিং স্থ কুঠিয়া পোঃ কুঠিয়া

পানা কুষ্টিয়ার অধিন বাহাতবথালি গ্রামে ৪৯২ খতিয়ানের-৮ শতক কমি ১০া০ কাষেমী জ্যা মায় পাকা ইমারত इंड्यानि भूना २०००

২। এপানা ই প্রামে ৪২৫ পতি-য়ানের ১৬ শতক জমি ১০. কমা নয়ে প্রিক ইমারেক স্থিক স্বক্সমে মুল্য ২০০১

(5)

১১০৬ মণিজারী ৩১ প্লাবি ১৪৬৪৩

ডি: ভোলারাম, ত্রুত্রংলাল আগর-ওয়ালা গোঃ বেপুরণ্ডগরা

CF: सामाञ्चलाम ८ए। य मः मृद्धिक्रमा (भाः वाद्यांक्यि

থানা চাপড়ার ম্মিল রভিত্যা মৌলায়। का बाह्य हो । स्वत्र का व्यवस्था । ৩৭৭ থড়িয়ানের ৮-৯২ শতক জমি ও कक्षीलाका (मोबाय ५०॥।५०६ ४७॥।१मत ১:३२ मठक कमि २७m/ कम। देशएउ (मः कतिम गाँत श्राचिन । • अः(भत भूगा काः २०.

( 5 )

১১০১ মনিজায়ী ৩১ - দাবি ১৮৯॥/৩ ডি: শাজিৎ মণ্ডল সাং নয়পাড়া

(मः भाष्माम गडन भिः भाः वृद्धि-हमा (भाः वाष्ट्रांविक

থানা চাপড়ার সানিল লক্ষীগাছা ও ्राविक्रम। आद्य कानाहेलाल मिश्ह निर দ্রকারে ৬৩১ ও ১১৬ গ্রিয়ানের মোট ২ মৌজায় ৬-৪৬ শতক জমি ১১//১০ রায়তী মোকরবী জমা দেং ॥৫১০।--- সংশ আ: মূলা আ: ১০০১

১১১৩ মধিকারী ৩ঃ লানি ২৬৫৮৮/৯ । ২০২ মণিকারী ৩১

দেঃ রছুগ মণ্ডল দিং সাং ডোট পুর क्यानन बिन्द्रा (१५) न सम्बन्धि

থানা চাডেব সামিল চোট আলু-প্রক্রব্র ্লিত গ্ৰেম নগ্ৰচন্দ্ৰ প্ৰাৰ চৌধুৰী অধিন ৭০ খতিরানের ৪ ৪৬ শতক আমি উট-विक (काड युवा जा: ४०)

- ২। ঐ থানা লক্ষ্মীগাছা প্রায়ে লাল মোহন পাল অন্তিন এ৭০ প্ৰিচীনেক ৩-০১ শতক জমি ৯, ব্যালী জমা মুগা আ: ৫ -
- ত, বঁলান্দ চোট আক্লিয়া रकार प्रवासी

Box मनिकाति १६ । अहित ७३०० भ

ডিঃ ক্ষতাক সংগ্ৰিণ নানীয় কাৰ্য (मर्ग २००१ वर्ग भवकात *शर्*कन्द्रेस ক্পিকার।

লেঃ প্রসল্লাব সংলা দিং সাং মোহনগুর পোর ঐ নিপ্র

থানা নবভীপের সামিল নবভীপ বাংয়ে দ্যালরাম মহাত্ত অবিন ৩৫ শতক কমি ১৬০ কমা মার গাকা ইমারভালি দাক-স্বঞ্ম মূল্য আ: ৫০০

1. 2.3 Y

৩০০ মণিজাবি ১১ 81 7 9 810 S डि: विश्व इत्तर एक शत (एनआप)

দেঃ মনেকের মানক দিং সাং ব্যর্থ त्थाया तथाः कावारक

পানা কালাণ্ড সংখিল বস্র্পোল্ आम्म नामनिश्वा महत्व जिः अतिहत्व ४३ अधियादनत ३०-११ मध्य अभि द्वापुष হ্মা মূল্য অঃ ৩০.

- ২। ঐ গানা ঐ আমে মেছের আলী মণ্ডলের অভিনে ২৭৮ প্রিয়ানের -৭৬ শতক ঘুমি ১৩০ জনং মুলা ৫.
- थ। ঐ थानप्र म आत्मत्र तामनिकाती क्रप्रक कि: गनकारत ७० थिछग्रेरनत अध्य

ने उक समी ७/७ समा (प: ॥॰ स्रोता सः न भूगा जाः २०५

- । धेथानात्र के शास्त्र के मानिक সেরেস্তার ৬১ **থতিয়ানের -৮**৬ **শতক জ**মি ১ (भाकतती सभा भूना ७० (
- े जे नाम के बादम खन्नाक মলিকের মনিন -e • শতক ক্ষমি ৮ • क्या भूगा आं: २.
- ৬। ঐ থানায় ঐ গ্রামে রাসবিহারী यखन व्यक्ति २३।३ विषय्राध्यक्त ३२ ३२ শতক নিষয় চাকয়ান স্থমি মূল্য মাঃ ১০১

(50)

मावि : • दर **डि: मनाभनाभ एक गां: बांधवा बरवा-**

(नः नन्मटणांशाण शाण मार ७ ६९१६

शाना । कारणियांची अधिन रवनशृक्ष গ্রামে : কাঠা কমি মার পাকা কোঠা-ঘর মুল্যু ৫১্

( 58 )

HIFM SEPTION'S ৪৩৫ মণিক (র্টা ৩১) ित करवनभाष महक्तान नाए अव লং ব্ৰংগছ টো বুল্ল

cm: । ट्यार छात्र भिन्म दुरुष्य प्रश्नास सिंग । भार আড়িয়া পো: মিরপুর

धान्त (भीवामभूत ध्यास्त्रिम औरम न्तिरङ्कारम् । दनन भिर त्यदक्षात्र ५० विधिमहर्मन निर्माण महादेश -- व्यवस्था ५७-५७ 

- २। ते पाना के आदम जे माणिक (स्टब्रुकार का) ध्या (शाकाय **४५ वांक्र्याटमत** ১১ ০- শতক, ভাতিরপুর প্রামে ৮৫ থা ৬খানের ৪-পদ শাভক ও পোলা মৌকার २ ०৮ महिषाहतस्र -३८ लक्ष्य स्थाप्ते ३५-२० भएक अभिन्न क्ल'sol-- **फ**रटम sorb र लाहक क्षेत्र ५५०८० 🗎 शांहे क्षा अन्तर
- ত। ঐ থানায় ঐ গ্রামে ঐ মালিক মধিন ১০২ পতিয়ানের ৬.৮৬ শতক ও নজিপুর গ্রামের ৮০ পতিয়ানে ৩-৫৫ শঃ साउँ ১ • २১ मङक स्रम्भार्म अपन्यान ৯৮১ শতক কমি ১৭/০ রা**চ্**তী **মোকররী** कमा भूगा चाः १८८
- ৪। ঐ থানা নজিপুর মৌজার ঐ মালিক অধিন ৯৫/১৬ থতিয়ানের ১-৩০ শতক ক্ষয়িয় 🕪 . ৩৷--- অংশ '৮৭ শতক ক্ষমি ा ३० समा भूगा छ। ३०५
- े भागम व्यापिका आदम जे মালিক অধিন ৪২৯ খডিঃবির ৩৮৫শঃ শ্বমির ৪৮/১৬/---- সংশে ৪·৫৭ শঃ নিকর क्रीय भूता ज्याः हरूः

া মধ্য ৩০১

- ৬। ঐ থানাম ঐ মৌজার মালিক নছিরমেছা বিবি অধিন ৫২১ থতিয়ানের '७० म: कशित । र । जा जारम '२० महक तांत्र श्री समा भूगा २
- ৭। ঐ থানায় ঐ প্রামে রাখাললাস । পতিরানের ১-০৮ শতক জমি মূলা ৪১ मुर्थाणाधास पिर व्यक्षित २२०.थिकशास्त्रत া ২ শতক জমি।/৪ জমা মূল্য আরি ২১
- ৮। खेशाना के भौजार के मानिक অধিন ২৮০ খতিহানের '১২ শ: অমি '১,১০ क्षमा भुगा २.
- । 'ঐ গানা ঐ মৌক্ষায় মালিক রাধালদাস মুখোপাধ্যার দিং অধিনে ৫০৬ थितिशास्त्र १०५ मेडक क्षत्रि ६८ कमा भूगा २८ क्रिका गत
- ১০০ ট্র থানার ঐ মৌঞার বাড়াগঙ্গা দিরা ফৌকায় রাজা প্রমদা নাথ রায় বাচাতর क्षिति ১०६ वडिडाम्ब १६० महका निकत শ্ম মুখ্য ৪১

( >4 )

৩৯৯ মনিজারী ৩১ मानी काल'

फि: डे. ११ अनाव छहे। हार्य मा: मुख्य পাক্তা

रामः सहारमध्यभार कार्यसम्बद्धाः ८०८५ 雅和研究(表示)

থানা কেতেরা জি সামিল প্রিনাপ আমে হেতের মতরের অধীনে ১৮৮ বহি शास्त्रच २५ मार्डक क्ष्मि ३५० क्षम्। मुक्ता व.

1 240 1

७२० मनिकादी ०० MITA 5'840'0 खि: शिर्णां अवकात शा. भिडा

দেঃ গভাদ গোদ দি দা কালিক্রাভ ८भाः कालीः

श्रामा कालीशास्त्रका । व्यक्तिम <sup>ब</sup>राजिलशास्त्र । দৌজাব আনতাবজ্ঞন মুগোগালাগ দিং তত্তক্ষণার অভিন ৮৫৮) ৮০২ প্রিচানের ष्मधीन २२२ ष्डिहारनय ३-३५ . ल्डक क्रि दश्य क्या भूगा १४.

र। अधानाय अधारम अर्मालक व्यक्ति २२७ थाँउप्रात्य ४-६३ मङ्क अभि भूगा ३४५

( >4 )

२००२ यनिकाती ७२ WIFE 550.2

**ভि: विश्व कृषण अधिकांगा मार** (ववशाय

CH: टबंबमंड मखन बिर गाँ: गांठ-(बरा) (नाः नगाने

थाना काणीभरश्य माथिल हक रशायिल शुत्र औरम कानावेगांग निष्य ताव पिर ক্ষমিন ৫২।১ প্রিয়ানের ১০৩০ স্তক্ समि २०८४ कमा मुना १००

र। बे शामात्र के अध्यक्त माणिक **অ**ধিন ৫২।২।১০+ বভিন্নানের ৪-২৯ খড়ক क्षति मुगा ५

 में बामा के आत्म त्वाहिवहात्री यखन क्रिया २२८ व्यक्तिशास्त्र >-१२ শতক জমি মুকা ৪.

**ो थाना भा**5 रचना भोगांग ७६

e। ओ शानाम नड़ डाम्यत आरम ২২৯ পতিয়ানের ১২১ শতক জমি ১,৬ क्षमा भूगा ६

(36)

১৪২৫ मनिकात्री ७> नावि २६७॥/२ ডিঃ শিবতক্স বিখাস সাং চৌগাছা (म: अमृना विवि मिंश मांः अ लाः ।

পান: রুফাগ্রের সামিল চৌগাছা প্রামের ক্ষতির বিশ্বাদের জনিন ১০৬০ বাণ্ডিফা পে' বাঙ্গালনি এতিয়ানের ১৪৭ শতক কমিন, কম ्रमुक्ता व्याः ३०८

- ২। 🗿 পানা ছবীপুর গামের বলভ্র চেবলালিয়া সেবেভায় ২৮১ প্তিয়ানের २० माउक क्रियम्मा ६.
- के श्राम ८५।५/१६५ अ(स्म) আম্বার্যস বিশ্বাস দিং কলি ন ৫০ খালিয়ালে --১ শতক জ্ঞাতি ও ওমা মুকা স্
- भ । इ. श्राम्य अवश्च मान भागी 如鼠科 (40) 《李朝代山内 (40) 《唐帝 (41)》 있<sup>4</sup>도 4 분 함께 함께 되다고요?
- के अपना द्वीनाकास अभिन के ম্ব্রিক অধিন ১০৫ প্তিয়ানের -২৮ শঙ্ক कांच ५० व समा मना ....
- 📲 এ গুলোম এ প্রায়ে সমগ্র बाक्षा मार्थास स्थापन क्रमान्य हिस्सान्य । वर्षा **网络带 斯拉斯 45 · 斯斯斯斯克 5 · · ·**
- के शानक अं श्रेष भनेतिक के ত্ৰণ্ডক ছবি ১৯০ ৯মা
- ৮। ঐ থানাম ই প্রাম মাতৃল বিশাস দিং অভিন ৪৮ প্তিয়ালের निकारत्वत क लक्ष्य कवि भूषा व

( :: )

५६०५ मे (निकासी) ७५ मादि ३३१॥३ ডি: মতে প্রাণ পঞ্জি নাং রক্ষনগুরু रमः आश्री तथाय मार दर्शाया है । रहाः 香町3月竹有

থানা ইাসপালি সামিল ভাষপুর প্রয়েম বদরীনারায়ণ চেৎলাজিয়া সেরেপ্রায ১৯৪१।১৯৫৪ था**लिशात्मत् ১**১-१৮ महक অমি ১০৮০/১০ রাহতী ক্ষামূল্য ১০০১

- २। खेथानात व मोलाय व मानिक गतकारत ১०৮७।১०৮५ बल्हिशारनंत ७७७७ শতক কমি আও রায়তী কমা মুগা ২৫১
- ा अथानाम अआदम अमानिक मतकारम ১৩৮৮ विश्वास्त्रम ४ ७৯ अङ्क ঞ্জি মুলাহে

( 20) ্১ ৯২৭ সনিকারী ৩১ **ि: भवर्षक मन्त्र मार कराजायश्**त দে: **আ**ৰুৱাস মন্ত্ৰিক দিং সাং

ট্যুনগর পোঃ নাক্শীপাছা পানা নাকানীপাড়ার সামিল অগ্রাপ-পুর প্রামে পুর্ণাচন্দ্র চক্রবর্ত্ত অভিন ৫৫৬ অভিয়ানের ১৯০ শভক জনি ৫ জমা

(25) ১৫৩২ মণিজারী ৩১ দাবি ৩০৭%

ि सगवूल निकास भिर सार वाल- | मुला सा: २०

পানা চাগ্ডার যাগিল কপ্রাডিয়া প্রাথে বলবীনার্যয়ং ৫৮২লালিয় বেন্বেডায় ৬০ ঘটিয়ালের ৪০০০ শংক্ষিক্ষা হ

( ; ; . ३५७८ मुलिकारी ८४ M \* 6" A 3 3 34

শিদ্ধ । মন্ত্ৰীভূতি শিক্ষা সংগ্ৰহণত करवस्ताल क विन भाग गण 1. 13 8 W 18 18 78 TE

ভাকতাল সংখ্যিক ভাজগোটি 九代的 电影性影响 有物 医闭囊 電影可 करात कर कार्यक्रम् १३० कार्यक के एकर के मार्यक्रम her , o! --- अरम्भ स्वतः कारः दः

२। 👌 शासाम हे आदम सम्बद्धाः अक्त Co धुरी Cमाहकाम ४५० अधियादनत

25 }

अन्तर अपने किया और १००१क व्यास सुरहे

सर्वेद ३० अंदर ० ३३३ ६६ के चित्र होते ५० । ि। छत्रात्रम अपन भए एएस(ई) । 100 ্রক্ষাস্করী সাং ঐ লেখাঃ कुम्बर ५ व

शानः द्वादशायानी माभिन (गाम) ना-दर्शाप्त्रमा विभागात्रभक्ष आदम जीनावत ননীর সেবেভায় ১৫৭০ ছবিহানের 🗝 শুসক ক্ষমি : ৬ কমা মায় বিভাগ পাকা वाओं माध्यवणाय श्रेषाति यूना आह व ०० : 35 1

हरू मिल्लानी : ১ e staces pite ্মাঃ কুঠী কথেণী

দেঃ ভারটোদ জোয়াদার দিং সাং িত্য অংশ মুলা ৬ (कामदानह , भाः नार्भी

প্রামে ডিক্রনির্বার মেরেন্ডার ২০০ থতিন প্রতিয়ানের এন শতক এলেবন কমি ষ্টের সভেদ শতক জমি ৮৮৯ কমা বিভেন্ত জ্বাপ মুলা র भूषा आ: २८.

২৩৯ অভিযানের ১০-৪০ শতক জমি তার বাষ্ট্রিইতিবান জ্যা দেঃ র্লচ্চেই sello and, And to-

৩ ৷ এ থানায় হিজ্ঞাবাভিয়া প্রায়ে দাবি ১০০/০০ ডিক্রীদার সরকারে ৪২৬ হতিয়ানের ১০৩১ শতক কমি নেত্ৰ ক্ষা মুখ্য আছি ৪.

> ১১০৯ ম্লিক্ষাৰী ৩১ भारत क्रांश

ि प्रशंकान्त्र मतकात मा॰ गांशलून

CHS (१९८७) शिक्ष प्राप्त मार भटक्षे अञ्चलक ८९१३ चाल्यताका विका

থানা রাধানপ্রের সামিল মাত্র-চন্দ্রপুর शास्त्र जनीसनाथ श्लामारतत् स्रतीन ४२५३ পতিয়ানের ১-২২ শতক হামি ৩, জমা

२। के भार वे शहर ५०० बिंह-্দের বন্দালি মন্ত্র দিং সাই বাপ্ত রাবের ১০ শতক ছমি ১০ কমা মুলা ১৫১ . 🔰 😘

> ১০০০ ম্লিজেশ্বি ৩১ - সংবি ২০৫১, ৬ फि: मीन प्रतिश भागी का एम क्यारनदक (म) अन्तर्ता निति मिर मर्थ है दलाः

शास्त्र तमन्त्रक मन्यिक तुलन्त्रा ही नात्य ননবোধাৰ ভাছটা দিং সেপেন্তায় ১০ব लिहिए रामध्य - अत्र सहक क्षत्रि २०० क्या

- এ পান্তে ই প্রেম অনুসং-কুমাৰ ভাষভা দিং গুৱেল্ডায় ১১০ প্ৰতি
- ০। ঐ থানায় আদিত্যপুর প্রায়ে ভাষাচরণ যেন জনিনে ৫২৯ পভিরানের -৭ শতক জ'ন ১১ বাছতী জনা মুল্য ১০১ ६३ - के शनाय दशायाकी आद्य सन्त-
- ্রাণেশ ভাজনী দিং দেরেস্তায় ১৯ প্রতি-ম্যানের ভানাত্রী শশুক ছবি ১৯ ব্যবস্থী क्रमार्मित् । १. 🕳 व्यन्तन् प्रकारितन्

5152 X1

15。 《风味节 香饭写》 "HYR 开。"

THE MICHELL STATES THE PROPERTY. রাশানগ্র প্রোচ কঞ্চলগ্র

লান্য কেইডয়ালি স্ক্রিল বাধ্যেত্র গ্ৰেম ছবিন্থ মুগোপাধাৰি আন্দ ৮৬---৮৮ প্রিমানের ২২০ শান্তক জ্মি ২ জম, লে: ২০১৬ ভিল্ অংশ মৃশ্য 🐛

- व औ अपनाश के शांटम युग्हा ডিঃ মেনিনীপুর জমিদার কোং লিঃ কিলোব ব্যয় জানি ৬৬০০০১ প্রিয়ানের हक क्षेत्र व्याव क्षमा त्या क्षा
- ত। ঐ লামা ই প্রায় মহারাজা भामा गारमीय शामिल (अभिजानक रिकोनिमानक त्रात वाकालत करिएस हर उ
- छ। खेशका छ। भाग जे सानिक ২। ঐ থানার ঐ প্রামে ঐ সরকারে । অধিন ১২ খতিখানে ১০ শতক জমি र्मिक्ष स्टब्स मृत्या है,

द। के थाना के बारम के मानिक সেরেস্তায় ১১ থতিয়ানের -৪০ শতক জমি 🕴 ক্লফনগর ॥ क्या (मः 🗸 ८५:२ दिन करन मृत्रा

( 46 )

১৩১৬ মনিজারি ৩১ मानि २०२५७७ ডি: কায়েন আলি মন্তল সাং সাধুঘাটা দেঃ থোকা দত্ত পক্ষে উকিল মনিজ নাথ ঘটক মোং গোয়াড়ী পো: রুক্তনগর

থানা চাপড়ার সামিল বাঁশবেড়িয়া গ্রামে রাউতারা শান্তি পো: কালীগঞ্জ বদরীনারায়ণ চেৎশাজিয়া সেরেন্ডার ১৯৮---৩০৩ থতিয়ানের -৫৫ শতক জমি ২।১০ জমা মায় ৮ চালাবর ১ থানা দাঞ্চসরঞ্জাম ইত্যাদি भूगा जाः १०५

( 49 )

দাবী ১১৯৮৩ ৫৬০ থাংজারি ৩০ ডিঃ শৈরিশ চন্দ্র রায় বাহাছর সাং ক্রম্যনগর

দে: বিষমলিক সাং কালীনগর পো: নবৰীপ

নবৰীপ থানায় তেঘরি গ্রামে ডিক্রীদার অধীন ৪০১ থতিয়ানে ২৩০॥১০ জমীর मश्रमच्च समा. मूना २६

(00)

मारी ७८।८ -৫৫৫ খাংলারী ৩٠ ডি: ঐ

(म: त्रिक मका मात्र मिश भार ७ (भाः) ক্রফনগর

ক্রিকানগর থানার ক্রকানগর গ্রামে ডিক্রী-লার অধীন ৫৫৭২ থতিয়ানে .৯ শতক অমী ত स्वमा (मः প ১৩।—অংশ मृना ১৫১

২। ঐ থানা ঐ গ্রামে অমূলা চন্ত্র ভট্টাচার্য্য দেরেস্তায় ৫৪৪৯ খতিয়ানের .৬৩ শতক জমি ৫১ রায়তী জমা মূল্য ১০১ (67)

১৮০৬ থাংজারী ৩০ দাবী ১৩/৯ ডিঃ অপুর্বাক্তক রায় দিং দাং স্ক্রাপুর দে: নেতু মলিক দিং সাং ঘাগুরেডাকা পো: কালীগঞ

কালীগল পানায় এড়েরডালা গ্রামে ডিক্রীদার অধীন ৩১৯ থডিয়ানে .১০শতক জ্মীয় ৮/০ জমা মূল্য আঃ ৫১

( 05 )

২১১৪ খাংজারী ৩০ भानी 8010) **फि: नृ**निःह ठ<del>डा</del> शानकोर्द्री माः চকহাতীশালা

(म: व्यारकानी (मध मिर मार मिए) পো: কালীগঞ

কালীগন্ত থানার মিড়াপ্রামে ডিক্রীদার দিং অধীন ৭৬ থতিয়ানে '৭৫ শতক অমী ভটবন্দি জমা মৃদ্য আ: ৫১

(00)

मारी ३७/० ৬ থাংজারী ৩১ ডিঃ ভারহর্গাদাসী সাং বোগালমারি

দে: বিহারী ঘোষ সাং চৌগাছা পো:

নবন্ধীপ থানায় সরভান্ধা গ্রামে যোগমায়া দাসী দিং অধীন ৪০০।৪০১ থতিয়ানে ৪.৮৬ भः क्यीत ১৫,১१। क्या भूमा व्याः ১৫<u>.</u> (98)

৪৫ থাংকারী ৩১ দাবী ৮৩৯/৬ ডি: নৃসিংহপ্রসাদ সেন দিং সাং মাটীয়ারী দে: মির মহাফেজ আলি দিং সাং

ক্বফনগর থানার রাউভারা গ্রামে ডিক্রী-দার অধীন ২৪১ থতিয়ানে ৪.৬৮শ: জমীর ১১৯৫ জমা মূল্য আঃ ৪০১

৭১ থাংজারী ৩১ मावी २०१८ ७ ডিঃ মন্মথনাথ সরকার দিং সাং গোবিশপুর

দেঃ বাহার সেথ দিং সাং পাচথোলা পো: কাদীগঞ

কালীগঞ্জ থানায় পাঁচথোলা গ্রামে ডিক্রীলার অধীন ১৯৯ পতিয়ানে '৬৮শ: জমী 🔍 জমা মূল্য আ: ১০১

(05)

৮৬ থাংকারী ৩১ দাবী ৫০/১ ডিঃ বণজিৎ পালচৌধুরী সাং মহেশগঞ্জ দে: বিভূতি মোদক সাং মোলাপাড়া পো: জীমায়াপুর

কোতয়ালি পানায় উমিদপুর গ্রামে ভিক্রীদার অধীন ৩১৩ পতিয়ানে ১.৫৪শঃ জমীর ৩৮১৩ জমা মূলা আ: ২০১

(99) मावी 8५०√३ >cc थांश्काती **२**> त्रामद्रवपु वत्साभिशाय मह ডিঃ মাটীয়ারী

(म: क्वांकटकांव विकाशिक्षांव मिः) সাং কামদেবপুর পোঃ মাটারারী

কালীগঞ্জ থানায় কাম্ডদবপুর গ্রামে ডিক্রীনার অধীন ১৪।৭১।৭২ থতিয়ানে ৩.৫৮ नः क्यी ७५०/३ क्या मृना वाः २०८

( 25 )

मारी ६ २५०/५ ১৫৭ খাংজারী ৩১ ডি: মন্মথ পালচৌধুরী সাং আমিল-বাজার

**८मः किन्नु मध्य मिः गाः हा**जिलाया পো: কৃষ্ণনগর

কোডয়ালি থানায় হাতিশালা আমে ভিক্রীদার অধীন ১৭৯ প্তিয়ানে ৪-৪০শঃ ভিক্রীদার অধীন ১৫০—১৬২ প্তিয়ানে क्यों ५०% क्या मृता का: ३०५

( <c )

:৬৭ থাংকারী ৩১ मावी ३०॥८७ फि: मात्राक्त्रक्षन मिर्द्र त्रांत्र मि: मार দে: রইচ উদ্দিন বিখাস দিং সাং

अंत्राक्षांका (शाः कृषानगर

কোতয়ালি থানায় চৌগাছা ইাসাডালা গ্রামে জয়তর্গাদাসীর অধীন ২২৫ পতিয়ানে २-५२ भः कभी भूमा जाः ३०५

(8.)

১৯২ থাড়োরী ৩১ मावी २०॥/३ ডিঃ বণজিং পালচৌধুরী সাং মহেশগঞ দেঃ আলেমান বিবি দিং সাং নৃতন্ঞাম গো: রুশঃনগর

কুফনগর থানায় উমিদপুর গ্রামে ডিক্রীদার অধীন ৭৪৮ থতিয়ানে -৪৭শ: অমী ৮/৩ জমা মূল্য আ: ১০১

(8)

২১৮ থাজোরী ৩১ मारी ७०५० ডিঃ নগেশ্রনাথ চক্রবন্তী দিং সাং

দে: অবনিমোহন চক্রবর্ত্তী সাং ও পো: ঐ

কোডয়ালি থানায় রুঞ্চনগর আমে ডিজীদার অধীন ২৩১/১৪৪৩/১ প্রতিয়ানে ১-১৮ শতক কথা মূল্য আ: ১০১

২। ঐ গান। ঐ গ্রামে ফলিকুষণ সরকার व्यक्षित्म २०७ शिल्यात्मव ->१ वः क्रिम >।-ভাষা মূল্য ৫১

৩। ঐ থানা ঐ গ্রামে ৪৮৮ থতিয়ানের ১) - ব্রহ্মন্তর জমি মুশ্য ৫.

৪। ঐ থান। ঐ গ্রামে হরিনারায়ণ চক্ৰবন্তী এন্ধন্তর অধিন 🕠 কাঠা জমি মায় ভথ কুঠারী সাজ্পবস্থাম ইত্যাদি মূল্য ৫০১ । अ शानाम दारेश्वकृद आदम २०१---১০৯ থতিয়ানের একত্তর ভূমি মূল্য ১০১

( 62 )

২৭৩ থাংকারি ৩১ मानी ६२० ७ ডিঃ জিতেরপ্রসান চট্টোপাধারি সা পুনংস্থলী মুড়াগাছা

দেঃ বেছের সেথ দিং সাং দিংহাটী পো: রুঞ্চনগর

কোভোঘালি থানায় সিংহাটি আমে ডিক্রীদার অধীন ১৩৭ থডিয়ানে ৪-৯৬ জমি ১২/৭ জমা দুলা আঃ ৩৬

(83)

২৭৭ থাংজারি ৩১ भावी २०४।/३ ডিঃ ভারাপদ সরকার সাং গোরাডী ভাণ্ডারকোলা পো: মহৎপুর

কৃষ্ণনগর থানাও আমসিউড়ি গ্রামে ৯-৭৭ শতক জমা ১৬১ জমা মুলা ০০১

৩২০ খাংজারি ৩১ भावी ১১॥७ সবোজ্বজন পালচৌধুরী সাং ডিঃ চকহাতীশালা

(मः निम्नदश्रष्टाविति गाः मीता त्थाः কালীগঞ

কালীগঞ্ল থানার হাজরাপোতা গ্রামে ডিক্রীদার দিং অধীন ২০৫ খতিরানে ১-৯শঃ क्रमी मृना जाः ८

(84)

৩২১ খাংমারি ৩১ मावी ३७।८-ডি: ঐ

সে: ফফির মণ্ডল সাং হালুরাশোডা পোঃ কালীগঞ

কালীগঞ্ল থানার হাজরাপোডা গ্রামে ডिक्रीमांत्र व्यथीन ১৮৮ थेखिवादन ०-२৮ मः জমীর আঃ জমা মূল্য আঃ ১৽১

(84)

मारी ১১८७ ०२२ बारबादी ७३

ডি: ঐ

দে: নিমাইচন্ত্ৰ প্ৰামাণিক সাং সেজ্যা পেটি কালীগঞ

কালীগঞ্চ পানায় সেজুৱা গ্রামে জিঞ্চণা-প্রসাদ পালচৌধুবী অধীন ৩০৫ খতিহানে -१৮म: कभी मुना जाः ६

(89)

৩২৩ পাংজারি ৩১ मारी ३५/५ ডি: ঐ

(मः मानिश्री मांगी माः मिक्श (णाः) কালীগঞ্জ

কালীগঞ্জ পানার সেজ্যা গ্রামে ডিক্রী-দার দিং অধীন ৭২৭ খডিয়ানে ২-৭৪ শতক क्रमीत बालक क्रमा मुना जाः ३००

(87)

০৩৯ খাংজারী ৩১ भावी २०५० **किः कात्मक्षरमाहन काञ्चकी किः मार** 🗐 রামপুর হুগনী

দে: নকড়ি সেথ সাং সমুদ্রগড় পো:

নবৰীপ পানা মাৰেবচর গং গ্রামে ডিক্রীদার অধীন ১৬৬ খডিয়ানে ৬৭২।/-करी २०/১६ करा मृ**ला काः ६०**८

(85)

০৪১ খাংস্কারী ৩১ मावी ३८४८ fs: 3

নে: ক্ৰা ৰেথ বাং ডেকাপাড়া পোঃ भूमाञ्जी वर्षमान

নব্দীপ খানার মান্দেরচর গং প্রামে হরিন্টপ্র চট্টোপাধ্যায় সাং ডিক্রীদার অধীন ৭৭২।৪১৮ থডিয়ানে ५०५००० क्यो २२।/६ व्या मृत्र ६००

> ( e · ) **৩৪ ৯ খাংজা**রি ৩১ मावी ७३।७ ডি: ঐ

(मः अशंक त्यथ मार् मारक्त्र हत्र পোঃ নবৰীপ

নবৰীপ থানায় মহিবপোডায় বছল পছছিচয় ও ব্যক্তর ধোপাদি আমে फिकीमात्र असीन २०५ अफिब्राटन १/३।४० **क्यो ५**०। • क्या मूला **काः ६८**०

#### बछवर्ष १८७म नश्या

( 63 ) (45) **२०७६ बारकाडी** नऽ पावी ३६००० ०४८ भारतादी ७১ ि प्राचा क्वीरक्ण गांधा गांर ७० मर बाधानाचात्र fig: d त्यः मुनी त्रथ दक्षां नार मादवन हव द्रभाः सम्बीन त्यः गाहि विवि शार शाक्षाकी त्याः क्रकमश्रव सवदीन बामार मन्द्रिटाका प्रमुग्धकीत्व **७ वनक**व सब्बीम बानाब गामिशाका आहम िक्कीमात विश्वसभीन (मानामि जाटम कि मोमांव ममीम ७० g अकिशास ১৫/১८) see चित्राटन e-> • मछक खमी sede खमा मूला se सती २००/: ६ समा मुना चा: ६० ( •• ) ( ( 4 × ) > ११० वारणाती ७১ ७३५ च :बाही ७३ षानी : ७८/३ B: द्यामरकम शांतांन मार कुनशांक fe: d त्यः द्याविनीत्याद्यः मृत्याशास्त्राकः मार छ तथाः त्यवकात्रः ८०: केंद्र दमन मार मार्यात हव दलाः सम्बीत কালীগঞ্জ পানার কালীগঞ্জ প্রামে ডিঞ্জীলার অধীন ৭:৭০১ अवदीन बागांव प्रविद्यानांका अवगनवादीका ए नमक्त थित्रात ३१ 8/10 क्रों कभी २००५० मुहा क्या. ००० र्याणांति अप्ता फिलीवाव क्याँन २०२।२२८ पछिवास । ( 95 ) a-२० मद कृषी ७३७/० चमा मूला चाद a. วहरन (म: Wist ox ( 63) फि: दशाई विकासी भवन मार क्रांसिका है। ०৯० बारकाती ०३ बाकी उहरहरू দেঃ হবি দেখ সাং দেওছাত্তমা পোঃ কালীগ্র फि: काशानन महकात निः मार ल्याकामाका পানা কালীগল্পের সামীল সেওড়াছকা জামে গৌরছরি त्यः लातिमनत्त्रका विवि विर मार कूलशांकि त्लाः ची मिर दमहरकाम ३२० विकास २-२८म: वर्गी वस्त्री वस्त्र कामाध्य ग्र मुका माः १००८ कुकनश्र भागात कृषशांकि छात्य फिक्कीमात अधीन १०३ व्हिशास ३३-५७५: कमी २०८० कमा मृणा काः २०८ ( 52 ) 2825 (4: #10) 53 ( 68 ) हि: जे ८०३ भारबारी २५ वायी २२/० प्रि: ছুরমান সেও মাং সেওছাকলা পোঃ কালীগঞ fr: 3 थाना कालीशक करीन वाहेगाका अनुध्य शोदहांद्र थे. दमः । इश्व दिवि भिर शांर मुक्तशांम रणाः कृष्णमश्र कुष्णनगढ পানার কুষ্ण-গढ আমে ডিজীবার ক্ষণীন (সংবস্তার ১১০।৪ ব্রচিমানের ১-৫০ শতক ক্ষমী ১৮৮৮ - ক্ষম बुगा ७ • ि ७२४७ पहिरास ७৮ नः सभी २८ समा मृता साः ८८ र। वे बाना के ब्राह्म के भागिक स्मरक्षाह २०० ( 44 ) परिवास्थत - ७৮ मङ्क क्यी ५०/० क्या मूला २६ 808 पारकारी **१**५ मायी ३७४.३ ा अभागात श्रिक्षां क्षा आहम अ मालिक चारीम क्वांकर नागरडोधुनी मार वटक्नमळ ৫৮ বাংলাচন প্রিরানের ৪-৮ন প্রক জনী ৩৮/১০ জন্য (य: यक विश्वि मार दछरबा (मा: अवधीन AMI be. नवदीन थानाव मामधिका आध्य फिक्रीबाह खरीन 385 ( 95) पश्चित्रास्य २०-०५ मः सभी ७०//७ समा मृत्र सा: ১००० ११ भर (ब:बार्ज वर ( e\$ ) · जि: अम्बद्ध दाव मार काविश्व हर बारकारी ०> 419 9916/A লেঃ । এগাৰচাদ কার দিং সাং কাদিপুর পোঃ ক্রক্ষগঞ্জ क्षिः अबदकुवाबी बागी मार दलाक्षकी शांना कृष्ण्यास्त्रत माथीम कामिलूत साहम कानारमान LNS क्षात्रय (मध गाँ: कुलगाकि CYIS क्षणनगत्र bigimfelle (newite bebieda efectione o ... wind कुकमश्रत बानाव कुलशकि आरम विक्रीतात कारी समी 8: > वावशी समा .मः स॰ काना कान मृत्रा काः > • - २१/०) र विश्वास ७-२६ मछ मधी १-५७ समा मूना २० र। जे थाना जे आहम त्यवीश्रमाम नात्र काहीन े ১०১৫ हा माहि ०১ (41) ampipationo विश्वास्त्र र-४० महत्त्व स्थी ४४० शहरी े हरा बारबाडी ७५ वाकी ०००८० बमा मुगः चाः ६० कि: विक्रमी काल बख मार वालवेदना ( 68 ) त्यः अध्वत्री वार्गे विश् नार काठालत्याका त्याः **১**२२৮ (शःषाती ७১ कि: जुनिश्व ठळ नागरतोषुकी पिर नार ठकवालीनाना दणावताणी पांचा स्थानमध्य आध्य विक्रीमाह व्यक्तीन थ्यः अक्षारुक मञ्जल विश् गार com ल्याः त्रमुगाउनही ८०००)> विश्वास्त का वाहक करी २००० क्या मृत्य २००० भामा माणाणिकात मामीन त्रमा आत्म छिक्केवात ( 4b ) मुक्तकार्य ५२-- ५०० पश्चिमार्ग्य ७५-२६ मखन सभी भूगा २८ ३३ ७७ पारकांत्री क मानी बनार ( 64 ) किः प्रविषय भागरतीयुवी मार मरम्बन्ध **১८०२ (पश्चाती ७**১ त्यः दणमार मर्काश मार देवेना त्याः क्रक्रमश्र कि: शाहरतालाम मान कृती नार क्रकनत्रक दकाकमानी बालर्क देवेमा खाद्य किकीशृक बारीम

=>-->=> पश्चित्रारंग ००->० पर भवी ७३३/७ सदा मृता दः्। इकमवत्र

थांना दशकाणीय मामीन कार्रामरणाउः ब्राह्म बांधान साम मिश्व मिश्व भीन २०१५ थकियात्मव -- । मे कमी माबी २०७० 🕪 ५ व्या गात एड एका मि मुना ८० ् मानी ५६५७७ मानी २ ३ ३ १ औ मावी बरन मर्गंड 711 04c.

५१२ (यः खाती ०५ सानी ६२५।४० िः त्यापान त्मन माः कृक्कनशंक মে: সিভ সেথ দিং নাং ও খোঃ ক্রঞ্মনগর পানা কোত্যালী সামীল ক্ষমনগর রামে ভারকনাথ বলেয়াপাধায় অনীন ৴১॥ কঠে। জনী বাৰ জম মায় পাকা कुठाठी दक्षांभी मुला ३००० ২। ঐপান ঐপাধে ঐ মাণিক সেয়েকায় /০ কঠি करों ७५० कमा साथ घट परका देखानी मुना काः १० ( 59 ) ५८७८ (मः चाडी ७) मानी ४०४४० ण्डिः विशिर 65 श्र वान्स्यापामाश्च मार मास्त्रिभूव দেঃ হলতে মন্তল দিং সাং জিওপ্রাচা পোঃ কুক্সনগর बाना कुक्कनमार बिल्लगाना आय जिल्लीमान मिद्रकाम Bela २ थितास्मित्र २-२० महक सभी ३०४० समा मुना द∙् ২ ৷ পান্য শান্তিপুর বাগানগাভির মধ্যে ৩২/১৫৯৷ ১৫৫'৯৫ ५৮৮ थ' छत्रात्मत ७-६८ मञ्च कमी भूता चाः २००० ( 50 ) । ১৯৫० हमः सावि ०১ 41fa 0001/8 मृक्ती चांक्रवत दश्मान गाः कृषानशद (मः अरमद्रक्षका निर्मिशार अ अनाः कृषामण्ड থানা কোংখাণী স্থানি নালিবগড়া মধ্যে ৩০১০ প'তরানের দ্ব। কাঠা জনা মার পাণা ঘর জানালা আচীর **इंडापि मूना चाः १०**० 1 60 1 Soce LA: Bile or मार्गि ७ १०। िः क्यादवानि गादिः कटणाद्यमन निः कुकानगृत দেঃ গোকুল চন্দ্ৰ বিশ্বাদ দাং প্রাভন কলেজের ছালা (भा: क्षेत्रभाव थाना उनाउत्राणी माभीन त्यात्राची भूटाकन करनरसन् काउ। आध्य चादकनाच वालानानाम माहकाम ३२७३ विकारनव --> व ० व वयो ११० वया मात्र हीत्मह एव वृत्रवा हका। म भूगा व : २०० (90) BUSC FILE **ि उ**ष्णक्रमाथ क्रिकार्या भार पुनी CV: शासन बास्तवस्त्री विश् नार दे व्याह कुकानश्रह थाना 🗢 । इसली माभीन नृश्वभाषा आह्य धुनीवानी নে বী শেরেন্ডার ৪০ কাঠা ক্ষমী ১৫০ ক্ষমা মার বাছুরাখর সাজ פוח זייום भरक्षाच देखा म यूना चार ४०. (95) **३३३३ मिलक्षांकि ७**३ बारी अल्डान ডিঃ শীহণ চল্ল বিশ্বাস সাং লৈব পুর CP: सकिरकुश्व मखन गार के .पाः सामानी पढ़ां माबि ३५६ % व चाना नाकानीभाका शाबील भिवभूव आध्य क्राचानमूत्र বেং ভোলানাথ রাম থিং সাং কাঠালপোড়া পো: ভংকলার ন্যান্ডোর ০০০ বাভয়ানের ২-৬০ প্রক জ্বী क्षार्र व स्था त्यातः । सामः साम मुना २०८

( 99 )

२। अथाना के ज्ञारम के मानिक সেরেন্ডায় ৬২২ থতিয়ানের -০৪ শতক ডিলা পো: নাকানীপাড়া कभी ॥৮ स्रभा ८ एः ॥ । जाना वर्ण मृता २

- ৩। ঐ থানা ঐ মেইজায় ঐ মালিক সেবেস্তায় ৮০০ প্রিরানের ১-৪০ শতক জমী ৩৮ জনা কোনে মানা মংশ মূলা e.
- ৪: ঐপান: ঐ গ্রামে ঐ মালিক নেবেস্তাগ ৩০১ গতিয়ানের ১০-১০ শতক क्षि ३৮ ई खरा ८५: ॥० जाना ज्या मना SI 300
- ৫। ঐ থানা এ গ্রামে ঐ মালিক সেরেস্তার ৬৪০ থতিয়ানের ৩-৪৪ শতক में ७७० क्या (१६ १० वाना वर्ग मृह्या
- ভ। ঐথানা ঐ গ্রাফে রোহ্নীবাল। मामीत अधीन svc शांड्यानन -६ महक ভ্ৰমিণ আনাজমা দেঃ ॥০ অংশ মূল ज्याः २,

### ২য় মুস্মেফ আদালত

(3)

मारी १५०० ৪৮৫ খাংজারি ৩১ 7.0000107

ডিঃ ঈশানচন্দ্র কুণ্ডু গোঃ কাছারী মধুপুর

নে: ইংরাজ তরফদার দা; মধুপুর পোঃ বাদালবি

চাপড়া থানায় মনুপুর গ্রামে ভিত্রী বার करीन ১०२ थिउश्रास ১-१८ मः क्यी स्मा ৬৸৶৸ মৃল্য আ; ১০১

( ? )

৪৬০ থাংজারী ৩১ नादी हमा/ ८७१८५७८

ডি: ঐ

**লঃ ভত্মওল দিং সাং ফুলকল্**মী (भाः वामागिति

চাপড়া থানার মধুপুর গ্রামে ডিক্রীনার অধীন ১৫ অভিয়ানে ১-৭১শঃ জ্বমীৰ নাৰ स्मा मुला थाः ३६५

(5)

৪৫৯ খালোর ২১ দানী ২৭ ১৮০ ১ 2466127

ডিঃ অমিয় পালটোবুৰী সাং মহেশগঞ্চ ८४३ खगमान निर्वि मिः माः प्रक्रिण-পাড়া পো: রুফ্রনগর

হাসথালি থানায় দক্ষিণপাত গ্রামে **जि.कीमाद्रत अ**वीन 8**८**३ थिक्सिटन २०-०८ म्डक समी ७१०/० समा मृता व्याः ५००.

(8)

मार्वी २२४।४ । ट्रांशांडिया **४८७ भाः बात्री ७**० >4.96197

ल विषय हे दुस्या

দে: কানাইলাল সিংহরায় সাং সোনা-

চাপড়া গানায় বৃত্তিহ্দা, তালুকহদা দিং शास फिक्की मात्र व्यक्षीन नगरम्या ७२२। ৩০৬/২৬৭১ থতিয়ানে ১১৪/৪ জনী a solve | क्या मना आहे ७०००

(1) שוילם וליו हदा बाह्याती ७३

বিটকী:শভা

দে: ছামেদ মণ্ডল দিং সাং নলু / পোঃ दाञ्चाम वि

শ্রুড়া থানায় লামেদেরথালী গ্রামে ডিকীলেৰ অধান ২০ ৭০ শতক ভনী ৭১ क्या भूता आहे २००

( 😓 ) 8t) शाकारों ७১ मारी अधार फि: दीरवेकसार या भार तीवसगत

দেঃ গিরিক্তুস্থ বায় দিং **সাং** দীগম্বপুর পো: ক্রাচ্যঞ

क्रमुन्तक पानक मनुबार्गाक जारम ডিক্রীদার অটান ৭০ গতিয়ানে ১৪১৮২ কঠোজনী ১৬ জনামূল আয়ে ৫০১

(4) usa शांदाता ७, मादी २०५७

1855100 ण्डिः में 'रतम्बनाथ त्याम पिः स्माः काहारी बाड़ शहे।

ट्राट दम्दावलकाम विदि किः सार भागता-জান্ধ। গোঃ হাসগানী

হাস্থালি থানয়ে ১৮ নং মৌজায় ডিক্রানার অধান ৮০ থাত্যানে জ্বত। কঠে। क्यों ५२ क्या भूमा व्याः ३०.

( ) नारी ३१५ ३ 8 शर शास्त्राता च. 7842107

ডিঃ নঙে শ্রনাথ মুখোগাধায়ে দিং ধাং वी नवश्य

দেঃ ইমানালি মওল দিং সাং পাভি-পুর পোঃ রাণাগটে

হাসগালি থানার মুহাগাছা গ্রামে ডিক্রীনার অধান ১০০১-১০১৫০ পাত্যানে २५-५७ मा वर्षा वर्षात स्था मूहा ३०००

(2) -- থাকেরী **৩**১ मादी ७४५७७

্ডি: তিরিজনাথ সেন সাংভ্যপুর CV: राम्मान नक्षण जिल्लाह के (श्री:

इ। भवाणि भानाम करभूत आहम जिकी-ডিঃ কালীকুমার মুগোপাধ্যায় সাং বদার অবীন ৮০১৮০২ যতিতানে ২-৫০ শঃ क्रमी भूगा आः ६५

( > ) ---থাংজারী ৩১ দাবি ১৮৬।০/১ CCRC

পোঃ হাস্থামি

হাস্থালি ঘানার পাংরা**ডাঙ্গা প্রা**মে फिकीमांत कि के कि राज्य रक -- विश्व कर े विकास में में का मा में का का ড়িঃ স্থ<sup>নী</sup>সকুমরে বলেয়াপ্রিয়ায় সংং । খাডয়ানে স্থাত্যন হা ৩৪৭১০ জ্বয়া भूगा अह

> 683 PETA SAMO 5 26 3

फिर ६०१५१७ सम्होति स्ट महस्यात

अ अ धामन कर हा अपन जिस्सी 明清 伊 医对阻 医虫 医对对 经分十年 中華 斯勒

--- - \* X 2" 55 21.0 15:

भुक्तिमा दुला, राजा ५

চাল্ডা থকাং বিধ প্রামে ভিত্তী দাব कि कारीन कर का पुरा ले र देश क्षेत्री के ले क्षणा को प्रविता । भाउभतकाम भूता ५

8 54 67 S

िंद्र तरा अर दक्ष काड्य काञ्चाता ८ ।गाजे

(भाः शमभानी

হাস্থালি থানা, শিব্দে ব গামে ৷ ভিক্রালার দি ধ্রু ৮ ব এখাল'ও জনা মুলা আ, ৫০.

858 ----शाःकादाः ः 1 " " " " . 533

िकः समन्तर्भ भागानेतृतः मा सार्भह (म) कश्चत कार्मि मध्य (म २) १मन-চপ্রপুর পো: বওস।

চাপড়া পানায় শিক্ষা গ্রামে ভিত্রাদার। नवनीन ३०० शेर्डास्न ३००२ मा करी oohe 화화 사이 해 선다.

1 54 )

मानी २००% খাংকারী ৩১

षाक्शिका

দেঃ রামপদ পাঁড়ে সাং ময়বহাট পো: বগুলা

হাস্থালি গানায় মদনা প্রামে ডিক্রী-ডিঃ গীরেপ্র নাথ গোল দিং মোঃ আড়ং- পরি অধীন ১০৪--- ১০ থাকিবানে ১৮৬১ শতক ও পশ্চিম হরিণডাঙ্গা গ্রামে ১০০--দেঃ ছদি বিবি দি সাং হরিণডাক্ষা কি পতিয়ানের ২ নণ শতক ও বন্ধকা গ্রামে ৫৪--৫৯ থতিয়ানের ১৬৬ শতক মোট তিন মৌভার ২০৪৪ শতক ভ্রমী

हर । भारकाती १५ सारी १३५० ५ ডিং নিভারিণী দেবী সাংশালীগ্রাম (मः ्राणान तमल शामाना माः के

८ गः कानी श मानाना । इति থাকার শালীরাম ্দ: কল্ম মতল সা বাসিংস্থাপোট ত্যাম ডিজালার স্মধীন ১৯৬ প্রির্ধন १ olion करेरी क करान सामा मुक्ता साह ३०००

. (59)

मायी ३५१० .

ि देवक्रमान निवास मार अस्प्रानुतः (सः सम्हरून अध्या भाः के (५१) arms out y

চাণত থানায় ক্ষয়পুর প্রাম ডিক্রী-লেঃ বাং হেল দে লান মাওল লিং সাং । পাব দি, অবিনে ১৮০ গতি। নেন হাওল শ্রক क्षमा एउनमी समा भूगा काः ३६५

-पाछारी ३३ Pro Serve

ि इर्गालामा सभी मार मानवश्वत (मः यष्टगाँक सक्षम मार कार्रेशका . यः याभागांव

চাণ্ডা থানার পুটিল প্রায়ে ডিক্রীলার ্রার প্রাম্পদ প্রভে বি সং মন্ত্রাক্ত । এন ম ১৫৮ প্রিরাধন ৯৬ শাভার **ক্ষরী মুগ্র** 

> ২। চাপাল পানার ঐ মৌজার ডিঞী-া প্ৰাৰ্থন বিদ্যাল অধীন ১৮০ প্ৰিয়ানে ২০ শইক ক্ষ্মী हैं वेन शे कार्य मुना जाः ६.

का के बामा कांग्रेसका ट्यांकाव প্রভাৱত বিশ্বাস অধীন ৮১ অভিযানে সামহ শতক জমী ও গটিয়া মৌজায় চৰত্ৰ প্ৰতি-आरम्ब २ २ ५ मं इक क्यी २०५/७ **क्या** CF: uo काम। काम भूगा काः क

( 52 )

४०० शास्त्रादी ७३ मावी >>%

**ि : ह्यावामा भागी मार बाधवसूत** (म: कणम मद्यम मिर भार काष्ट्रिंगका (भाः दाकामिक

্ ্রচাপড়া থানার পদী:া জাবে গগনচজ ডিঃ স্তেজনাথ ঘোষ দিং সাং ,বিশ্বাস দিং **স্থীন ৬০ শক্তি**য়া**ংক নত লত ক** स्रो विभाव्यवि गार् समाज्ञा सम्बद्

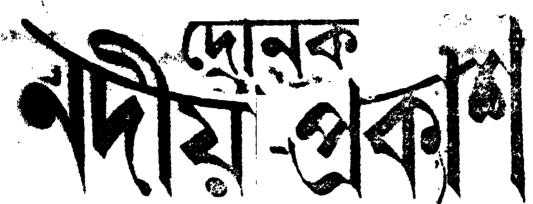
tiges als

fulls east of

title east of

title east

t



শাংকার স্থার বার্থিক স্থান্তর বার্থিক স্থান্ত বার্থিক স্থান স্থান্ত বার্থিক স্থান স্থান্ত বার্থিক স্থান্ত বার্থিক স্থান্ত বার্থিক স্থান্ত বার্থিক স্থান্ত বার্থিক স্থান স্থান স্থান্ত বার্থিক স্থান স্থা

ভাষতেও পৰতে এচল-প্ৰাণ্ড অসাত একমতে মুখাপত

৬৪ খিও ] সম্পাদক— শ্রীত তীক্রনাথ বল্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচস্পত্তি

ि १८ उम मरभाग

5 mg

আটেভস্মার জালাম মারাপ্র-১৮ই জোই সোমবার ১০০৮, ১লা জুন ১৯০১

## নানা কথা

কুষ্ণনগরে মহরুম উৎসব কুষ্ণনগর ৩০।৫১৩১

গত এও দিন বাৰত ক্ষান্ত্র রাজার রাস্তার মনর মের শোভাষাক্রা ও বাঠি শোলা বাড়গীতালি সাংঘাণে নির্দিধে সালার কইয়াছে। গতক্ষা রাজিতে এই উপলক্ষে একটা স্থান্তর শোভা যাক্রা বাহির ক্রাছিল। এই লোভাযাত্রার হার-মনিরম সংখোগে গানও হইয়াছিল।

কৃষ্টিরার গ্রথমেন্টের মূপ প্রানাল গ্রপ্রেন্ট ফুটিয়া মহকুমার অনান ভেড়ামারা ও দৌশতপুর থানার অন্তর্গত গ্রামক্ষ্তের অন্যাধারণের আধিক ক্ষরম্থা নিবারণকল্পে তের হালার টাকা প্রপ্রিয়ার ব্যব্ধা ক্রিরাছেন।

#### নিবিল ভারত হিন্দা সাহিত্য সম্মেলন

গভ বৃহস্পতিবার নিনেট হলে তীবৃত জনমাথবাস রত্বাকরের সভাপতিতে নিবিশ ভারত হিন্দী সংখ্যানের তৃতীয় নিনের অনিবেশন হইরা পিরাছে। তিমুক প্রনাথ্য নাস টেওন, রামণেও চতুবোরী, অভলা প্রদাণ নিংক এবং 'আছিভ কভিলর যাক্তি বক্তৃতা করিয়া হিলেটা।

কাৰবেই শক্তিত গণেশনকর বিভারীর কুরুণতে শোক্ষ প্রকাশ করিরা এবং তাহার স্থতি সক্ষার্থে এক লক্ষ্ চাকা চাধা তুলিবার অভ্ন বেশবানীর

## ক্বফনগরে মহরম উৎসব

নিখিল ভারত হিন্দী সাহিত্য সম্মেলন

# কুষ্ঠিয়ায় গন্র্বমেণ্টের ঋণদান

নোধাখালিতে মিঃ ফজলুগ হকের নক্তৃতা

## কলিক।তায় মহরম

মহিল দের প্রতিনিধিত্বের দাবী

## কঢকে আগ্নকাণ্ড

্বকো বদোগ, বিভিন্ন জেলায় ডাক.তি

## রোমে ফ্যাসিষ্ট আন্দোলন

হুগলী বিশ্বামন্দিরে আর্থিক সাহায্য বন্ধ

## বি এস্ সি শিক্ষক চা

শ্রীধাম-মাচাপুরস্থ ঠাকুর কারুবিনােশ ইন্টিটিউটের জল একজন বি-এম্ বি
ক্রিক্তের ক্রান্তের ট্রান্তের প্র-এইণেজ্বুগণ স্ব অভিন্তান্ত বিবরণস্থ স্ক্রিয়া কল টাকা বেজনে করে করে করিছে পাল্ডেন ভাষা উত্তরগপুরত পোক্রেনিরী, ঠাকুর অভিনিধ্যাল ইন্টিটিউট, পোট্টীয়ায়াপুন, নদীলা'— ঠিক নার গতা নিবিবেন। নিক্ষাভিক শিক্ষক বিনা খন্টায় আবার ও ব স্কুল পার্থেন।

41577

ভাপর প্রতিকে বি সোধ করে মহাস্থা প্রশা প্রশা করিছে হার্থি মহালেছ। যে কাল্য করিছাছেল, ভজ্জাত্ম মহালেছ কাল্য হয়।

কালার রাজা গোজুলটার তীহাব পরলোকগাত ভাতার স্থাতিরসাধে ইতিপুলের ৪০ হাজার টাকালান কাহিছ-হিলেন। তিনি নির্বিভারত তিন্দী প্রেশনের ত্রবেধানে হিলা পুতরু প্রকাশের করান। ত্রীযুত কুমারক্রক, কুমার হারবিধান বৈভান এবং প্রধান্তর হার উল্লাহ্যন আহু মনেন্দি

### ৪ জন বিজোহী নিহন্ত বিজোহী নায়কেয় ঘ<sup>\*</sup>টি আক্রেঞ

ব্ৰকাশ, গত ২৬শে মে সন্ধাৰ
বিলেখা গেতা সামটুকে আজুমণ কৰিব।
খুচ ফল লাভ হুংবাছে। সামরিক পুলিশ
বামটুব গান্তি আজুমণ করে। কলে ভততা
বিলোগীরা পলায়ন করে। কিন্তু ৪৯ন
নিহত ও একজন আহেত অবস্থায় ওখান
পতিও পাকতে দেখা যায়। ৮ জন
বোপ্তার হুহুবাছে। নিহত লাকিলের
মনো হুলন সামটুর দলিব হুলু স্কুল ভিল বন্দুক, ভলাগোলা, দাং ও
অক্তান অস্থান ও লাকেলে। কর্কানি
ভাতিন সন্দ্র নিধ্বত হুহুবাছে। সর্কানি
প্রে কেহ হুঙ্গিত হুয় নাই।

## শ্রীধাম মায়াপরে

"ঠাকুর ভক্তিবনোদ ইনফিটিউট্" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

### খোলা হইয়াছে।

সাভিদ্ধ ও আদেশচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে শান সম্ভের সহিত শিক্ষা প্রদান করিছেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্ম নিনা সংখ্য সুন্দর বাসন্থানের বন্দোবস্ত ইংহাতে। খান অভীব আহ্যকর।

> সবিস্তার সংবাদের জন্ম নম্বলিধিত ঠিকান। পত্র লিথুন। সোক্রেভারী, ভারুত্র ভারিতিবিনোদ ইন্টিটিউট্ শীচেভয়ুমঠ, পোঃ শ্রীমাধাপুর, নদীয়া।

## সুর্ণ সুযোগ বেশী দিন আর থাকিবে না

- (कन ना--

#### चाएड-निश्रह ঔषशालद्युत

৫০ বাংসরিক আনন্দে ৎসব বা স্থবর্গ জুবিলী শোদ হইছে আর বিলম্প নাই।
এই উৎসব শোদ হইলেই স্থবর্গ আছেল গিড শোকি-সঞ্জিবনী বটীকা'' প্রেরর
কিন্ধাধিত ১২ চাক। মূলোই বিজয় হইবে। ৩১শে মে প্যান্ত উহা
৮ চাকায় পাওয়া যাইবে। এই বটীকা এক কথায় বলিতে গেলে নবটৌবন দান করিতে সমর্প। স্থবর্গ জুবিলীর কথা উল্লেখে আছেই মনিসভারে
৮ টাকা পাঠাইয়া উহার এক কোটা লউন। সহর হউন। বিলম্পে
নিরাশ হইবেন। খ্লা জুন হইতে ১২ টাকা মূলো বিজ্ঞেয় হইবে।

श्रीखिक्सक १-काउक निवाद **अग्रशाम**ा।

२ ३ ६ मे १ वर्ग कार्य होते. कशिकां हो ।

## কাবরাজ শশিভূষণ কবিকপ্ঠাভরণের



সক্ষাদ্রভাষ স্থাবদার অন্ত ৬ আঃ শিশেন্তে ঘনীকৃত অবস্থার ছেটাবোধবোর সমপরিষাণ্ ি শুষণ ছাকে পাঠিন চন, ইংগাড়ে শুষ্দের কোন পরিবায়ন করা হয় নাই। মুল। প্রাতি - শিশি ৪০ আমা, প্রিট ৪৮০ আনা, ব্যোজন ১৮০ আনা।

অফিস-১১নং উল্টাডান্স রোড, পোঃ শামবান্সার,

# गपन गणती

বটিভার বার ও বাড়বিভার, ব্যারণকার হাদ, ব্যারণকার ভাদ। বার্থানে ভালাভ, ব্যারভার, সংবাংগালা, বৃত্ত বহু ভালাবি, অবিলা বাড়বি লালাবি আবারার ইনিক। মুদ্য ১০ বহি ১, এক ট্রালা। ব্যারভার ইনিক। মুদ্য ১০ বহি ১, এক ট্রালা। ব্যারভার বিভাগ ভালাবিক আবার্থানির আবার্যালাবিক আবার্

### शरें प्रामिन ज

কোষরদ্ধি রোগ

ভা: এন, এন্, ঘোষ বিনা অংশ, বাক্ষীবনের গ্যাবান্টি দিয়া বৈভাতিত আশানাং কোবসু'ছ জোগ আযোগ। করিয়া থাকেন।

> ঠিকানা— ৯৮ নং কটন ব্রীট, বছবাছার, কালকারা।

## যক্ষায় হতাশ হহবেন না

## দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌবধ

পদর দিশে সম্পূর্ণ আরোগ্য

বোগী দেখালতে চনবে। অগ্নিম ক্লাণেয় দৰ্শ (যাওয়া এবং আলাও)
পাঠাইলো গিছা রোগ্র দেখা হয় অধ্যা এখালে আদিলে বো**লী লোখান**উদ্ধান দেওৱা হয় আবোগ্য লা হওছা প্যাত্ত পাশি**লামক দিতে চইবে লাও**গ্রীব বোগীদের খন্ত বছন করিয়া চিকিৎসা কল হয়। বিশ্বাবিশ্ব
িবংশের কল কল আনায় ভাক টিকেট স্থ শিল্প ঠিকানায় অনুস্থাক

শ্রীক্ষেত্রীশচন্দ্র উকীল, যক্ষা-চিকিৎসক, পো: নৈকা**ঠী, বহিলাল।** অথবং নিয় ঠিকানার সাক্ষাৎ করিয়া বি**ন্তারিত কানিভে পালেন**।

শ্রীষ্ড রামগোপাল দত্ত এম, এ, ক্লফলগর, নদীয়া। **প্রীয়ত ভবিপ্ত** মিং০, ১১৭, বেশব্যাহেগ্লা ইটি, হাউপোলা, কলিকভো।

প্রকিখানি পরে! অ মার আতুশার গতে হয় মান বাবৎ রাজ বন্ধায় ভূগিয়া মৃতপ্রায় চললাচিল, ক'লকাভার বিজ্ঞ চিকিৎসক্সন প্রভাৱ ভীবনের আলা ভাগ করিয়া লেম মৃত্রুপ্তের জন্ত অংশকা ভারতে চিকেনা এই সময় প্রীয়ন্ত কি নীলচক্স উকিল মনাশায় মাত্র ১০ বিজ চিকিৎসা কার্যা সম্প্রতা আন্দোল কার্যা সম্প্রতা আন্দোল কার্যা দেয়াছেম। (সাঃ) প্রীয়ালীক্স কিশোলেম বার নৌযুলী (অ'দান গালিয়া) হগু স্থাট, নিউ বিভিন্ন। ক্ষপ্রেশন লাহটিং ভিলাইনেন্ট, বলকারে।

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরান্দ ৪৪৫

মাত্র ১/১০ ডাকটিকেট পাঠাইলেই বুকপো**ইে পাঠান হয়।** ম্যানেকার**– গ্রন্থবিক্তাগ** 

্রীটেডভগুন্ত, পোঃ শ্রীমারাপুর, নদীরা।

## মরা মানুষ বাঁচাইবার উপার

যদিও অভালি প্রাক্ত মধা মান্তম বীচাইবার জ্যোত্র প্রথম আনিক্ষত হল মার্ট সাচা, তথালি বানায়া নামানির আনিক্ষতি উপারে অগ্রিমিজ শক্তি মই কবিলা আমারে মারা কর্ত্যা রাচ্যাতেন এবং মানা আক্ষার মেন, আমের মারা কর্ত্যা রাচ্যাতেন এবং মানা আক্ষার মেন, আমের শান্তালা, সাম্বিক কর্মণাজা, বহুমুল, বংশাল, পারমণ, সংক্রাক্ত পাঁড়া, আল এবং প্রীলোকসিবের মধ্যে মারা বাবিষ, বহুয়া, মৃত্যামা, স্থাতকা, পোত ও মুক্তপ্রমার, বিশিব্রা আছতি বােরে ভূলিয়া জীবনে মিরাল ক্রীয়াকেন, জীবার আহিছে আমেরিকার প্রপ্রামন্ত ভাজার পেটাল, সাতেবের আহিছে সামেরিকার প্রপ্রামন্ত ভাজার প্রমান ক্রীয়াক্তিছে পারমন, ভালার লাভ সকল প্রমান প্রমান সংক্রাক্ত প্রমান সামের বাহার কর্মন আরম্ভার ক্রীয়ার আহ্যাক্ত প্রমান কর্মন আরম্ভার ক্রীয়ার আহ্যাক্ত ক্রীয়ার আহ্যাক্ত ক্রীয়ার আহ্যাক্ত ক্রিকা প্রমান কর্মন আরম্ভার ক্রীয়ার আহ্যাক্ত ক্রীয়ার সাম্বার্যাক্ত ক্রীয়ার আহ্যাক্ত ক্রীয়ার অহ্যাক্ত ক্রীয়ার আহ্যাক্ত ক্রীয়ার আহ্যাক্ত ক্রীয়ার আহ্যাক্ত ক্রীয়ার ক্রীয়ার অহ্যাক্ত ক্রীয়ার আহ্যাক্ত ক্রীয়ার ক্রীয়ার ক্রীয়ার আহ্যাক্ত ক্রীয়ার ক্রীয়ার



. Color acres...

ডাঃ ডি. ডি. হালরা i

करण्यतः भारक-विह त्यादेः, कृषिक्षेत्रसः उन्हार व्यक्तिकार्वे स्वतिकार

### ভক্তরিত

(8)

ইডংপূর্ণে পঠকগণ শ্রীপাদ মুন্দরানন্দ' শীৰ্ণক একটা প্ৰাবন্ধ পাঠ করিয়া 'গৌডীয়-मण्यामरक'त मर्किश श्रीतहत्र माछ कतित्रा থাকিবেন। এই মহাত্মার পাতিতাপ্রতিভা --- পরবিভার প্রাত্তত অধিকারের পরিচয় অনেকেই পাইয়াছেন-খাছারা তাঁহার গোড়াম গৌরব ও গোড়ীর-সাহিত্য গ্রন্থবয় পাঠ করিয়াছেন অথবা আগবাট হলে व्यक्त काराज वक्षण्डा खन्न कतियास्त्र । কিন্দ অধীকে জানিতে হইলে তাহার সমত ব্দের পরিচয়ও আবশুক। তাই আঞ ভাঁহার সর্ব্যপ্রধান অপটার কিঞ্চিৎ পরিচয় পাঠকগণের নিকট প্রদান করিতে প্রায়াস পাইতেছি। অবশ্র অকল জ্ঞান সংগ লট্যা আগারুত বস্তর বিতার নির্থক ও সম্প্রা হাজাম্পদ; ভগাশি ভিনি আমার চিত্তে উদিত হইনা তৰিবনে বডটুকু অভিজ্ঞতা व्यामात्क निवाद्धन, छाहाँहे शाठकारनेत নিকট পরিবেশনের লোভ সংবরণ করিতে পারিলাম না।

শ্রীপাদ বিভাগভার প্রভু প্রাণীসকলেব সক্রাণান রিপু রূপ, যৌবন, বিষয় প্রভৃতিব প্রবোধনে দৃক্পাত না করিয়া "কটো মুবৈন মগবং" লোকের আদর্শ প্রভিনন্তা মহান্ত্রপ্রকাণপথ্যের আম্বর্ধণে অভিনন্তা মহান্ত্রপ্রকাণপথ্য আম্বর্ধণে অভিনন্তা মহান্ত্রপর সেবার আম্বর্ধিয়োগ করিয়াছেন এবং শ্রীপ্রকাণপথ্য তাহাজে পরবিভাবিনাদপথ্য তাহাজে পরবিভাগিনাদনের সহায়ভাক্ষে তং সহচ্বরূপে নিযুক্ত কর্মধনোবাক্যে সক্রোধ্রে বিভাগভাগ তাতু ক্যাধননোবাক্যে সক্রোধ্রে বৈক্ষরণাতের ভাষরশক্ষণ 'ব্যোড়ীব' প্রের সেবার নিযুক্ত।

বিভাগক'র প্রার্থ অন্দর্যানন্দ প্রান্থর দলিব হস্ত। গভানন বেল্পণ বেলব্যাসের লেখকরশে নিবৃক্ত হইনাছিলেন, তিনি বাতীত নার কের ব্যাসবেবের উক্তির অল্ল-সরণে তারা পত্রত্ব করিছে সমর্থ ছিলেন না, তত্রণ বিভাগভার প্রান্থ ব্যতীত বিভাবিনার প্রান্থর সেবেরিশ্বী জিন্দার অন্থর সেবেরিশ্বী জিন্দার অন্থর বেগবতী প্রিতৈত্ত্ববাশীর অন্থসরণ করিতে কেইই সমর্থ নহেন।

বিভাগভার প্রেড় 'কুণাদণি অনীচ' লোকের ব্রিমান বিপ্রহ। বিনি তাহার দর্শন লাভ করিবার নোভাগ্য শাইরাছেন— তালার প্রীশ্বনিকেত প্রীহরিক্থায়ত প্রবণ-বিবরে শান করিবার প্রয়োগ পাইরাছেন, তিনিই ভাহাতে উপরিক্তিক ব্যক্তার সভাতা উপলব্ধি করিতে পারিবাছেন।

## প্রীপ্রীওকগৌরাঙ্গৌ জয়তঃ

## দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

#### মিডাপাঠ্য বৈকুণ্ঠৰান্ত্ৰাৰত

#### শ্রীলাম-মারাপুর—১৮ই জ্যৈষ্ঠ সোমবার—১৩৩৮

বিভাগস্থার প্রাভূ গুরুবর্গের নিকট বিনীত, সমন্ত্রক এবং সদা-সেবন-তৎপর; মোবার কনিস্তগণের প্রতি পরম স্নেরুনীল। নিজে শ্রীঞ্চলপাদপদ্মের নিকট হইডে স্বাত্ম-মুসল বিষয়ে যাহা কিছু প্রবণ করিঃ। নিজে গুরু ইইয়াছেন, তাহা কনিস্তগণের নিকট স্বক্টে ও স্বাভারে কীর্মন করিয়া ভাগদের ভাবী মুসল বিধানে স্বর্মণা তৎপর ও প্রয়াহাছা।

বৈক্ষবণেবাঞ্জনুত্তি টাহার স্ক্রাপেকা বলবতী। স্বাং চবোরপি সহিষ্ণুতার প্রম আদর্শ প্রদর্শন করিছে তিনি স্ক্রদা অভাস্ত, ইথা যেন ভাহার মজ্জাগত স্বভাব। কিন্তু কোন বৈক্ষবের বিক্ষমান্ত অস্ত্রবিধার কথা ভাহার কর্পগোচন হটলে ভিনি যেন প্রাণ দিয়া ভাহার সেবা করিছে প্রস্তুত হন।

ত্তীহার বালপ্রলভ ক্ষভার এবং সরা সঙ্গতিও সকলকেই মুগ্ধ করিলাভে। তিনি অপর বিশ্বাকে অগ্রাক্ত করিলাভভারার ফন্তম লবনে দূর হুইতে তাহাকে দওবং কারণ পরবিখানেরাকে সন্তাক্তর অলকার-রূপে হারণ করিলাভন এবং তাদুল প্রিয় সেবক বিশ্বাকেরী হও সলভাররূপে বিরাজিত বলিলা ক্রিভারণাদপন্ন গ্রহার এই আদর্শ-সেবকটিকে আলারাদপ্রকার বিশ্বাক্রার উপানিবিমণ্ডিত করিয়া দিলা বৈক্ষর-ক্রগতে জ্যানার মহিনা গ্রেমণা করিয়া দিয়াছেন।

মাদৃশ পতিত ভীব তীহার শ্রীচরণে বহু অপরাধে অপরাণী বলিয়া তাঁহার অপার অন্ত গুণেব এককণ স্পাশ করিয়া সাত্ম-শোধনের প্রয়াস পাইল।

## তৰ্কানুগত্যে দ ৰ্জিলং ভ্ৰমণ

(খ্রীণাদ কিলোরীমোহন ভক্তিবাছৰ বি,এল)

বাহারা পূক পূর্ব জ্মণকারিগণের ভিষালর পকতের প্রমণবৃত্তান্তসমূহ পুতকের মধ্যে পাঠ করিরা কৌতৃহলাণিট হইরা বর্তমান প্রেবদ্ধ পাঠ ক্ষণিতে বাইবেন, উহারা সম্পূর্ণজ্ঞান বঞ্জিত ইইবেন, সম্পেহ নাই। জড়াগজ বাবহারিক জগতের পোক-

সমূহ যেক্ষপ আত্মেল্রিরভোষণ-চেষ্টার ছারা প্রণোদিত হইয়া প্রাক্ত জগতের উপর গ্রাকুথ করিবার বাসনায় পর্যন্তে আরোহণ ব। দাজিলিং ভ্রমণ করিবার জন্ত ব্যস্ত হন, মহাপুরুধগণের আচরণে ভাতার সম্পর্ ব্যাতিক্রম দেখা যায়: কারণ, সাধারণ মানবগণের চেষ্টা কেবলমাত্র নিজেক্সিছ-প্রীতি, কিন্তু সাধু মহাস্তগণের চেষ্টা নিজেলিয়-শ্রীতির পরিবটে অজ্ঞানান্ধ বন্ধলীবের উদ্ধারের জন্ম। মহাপুরুষগণের দেশপ্রমণের উন্দেশ্য ভীময়াগবত অতি স্বল্লাকরে বর্ণন कतिरा विविधार्यक्रम् "भद्दविहन्मः नुगार গুহিণাং দীনচেত্সাম্। নিংলোগ্য ভগ-ব্যাক্তপা কল্পতে কচিং 🗗 — অৰ্থাং হে ভগ-বন্, দানচেতা গুলিবোকলিগের নিত্যমল্ল সাবনের জন্ম মহদ্রাক্রিগণ তাহাদের পুত্ গ্রমন কবিয়া থাকেন, অকু কারণে গ্রমন कर्त्वन नः।

'পৃথিনীতে আছে যত নারাদিপ্রাম।
সালত প্রচাব হইবে মোর নাম।'—
শ্রীকৃষ্ণটৈতভাদেবের এই সনোকাঁট প্রচার
কারী ত্রীশ্রীবেশবৈক্ষরতাকসভার পাররাজ্ব
পরমহসে পরিরাজকাচার্যাবয়া ও বিস্কুপাদ
শ্রীশ্রীবিশ্ববিক্ষরতা গোস্থানী মহারাজ উপার্টিক উদ্দেশ্যের বপর্বর্তী হইবা
নানা দেশ প্রেমণ করিতে করিতে সম্প্রকি
দাজ্জিলিং সহরে উপনীত হইয়াছিলেন।
আচ্থিত্রিক শ্রীপাদ কুজবিহারী বিভাত্বণ
প্রান্ধর অধুনতান্ত্রসারে আমিও ভগার
বাইবার স্কর্মবিপ্রার স্বান্ধর স্বান্ধর স্বান্ধর স্কর্মবিদ্যান

জগতের অধিকাংশ লোকই বণিণার্ত্তি শইরা কাথে৷ প্রণোদিত হয় এবং প্রত্যেক কাৰোৰ মধ্যে লাভ লোকসান খডাইয়া भारक। श्रीकृष्ठ विচাবে शहारक शाकृष्ट লাক আছে, তাহারই অমুদান করে, আর থাহাতে প্রাকৃত লোক্ষান আছে, ভাষা করে না। কিন্তু অংশাক্ষক বা অপ্রাক্ত জ্ঞানসম্পন্ন বান্ধিগণ ঐরূপ গ্রাক্ত সাভ लाकिमात्मत्र ककु ठाउँ मा ६ हेवा व्यक्ताहरू বৃদ্ধিতে প্রমার্থসক্ষে লাওলোকসানের ক্স ধারিত হন। প্রথমোক ব্যক্তিগণের गका निक निक एक्सानत इक्षि विधान অথাৎ নশ্ব বা সাময়িক স্থুপের জন্মই তীহারা লালামিত। পরমার্থ বলিয়া বে किश्व वश्व थाकिएक भारत, देश कांशामत विচারের বিষয় হয় না : क्यबिक्स প্রমার্থের विमान गाय व यकि छोहारमत्र तमह-मरनत

প্রীতিলাভ সম্ভব হয়, তাহাতেও তাহারা পশ্চৎপদ হন না।

শেবোক্ত ব্যক্তিগণের বিচার কিছে অন্ত প্রকার। তাঁহারা নথর বা অনিত্য দেছ-মনের স্থাথের জন্ম লালায়িত হন না। লার্জিলিং শৈলে বসবাস করিয়া কি প্রাকারে শারীরিক উম্নতি বা প্রকৃতির দৃশাবলী দর্শনে চিত্তের প্রেসাদ হইবে, তজ্জ্জ ভাঁছারা বাজ হন না। মাধামুগ্ধ জীবের ক্ষুণ্যভিজ্ঞান থাকে না, তাই ভাহারা মানাদেবীর বিকেপান্মিকা শক্তির ছারা চালিত হট্যা পরমার্থ হ**ইতে** ব**হুদ্**রে নিক্সিপ্ত হয়। ঐতিগবানের প্রকাশবিগ্রহ গুগাচার্য। থিনি, তিনি মায়ার বনীভূত ন'ন। তিনি প্রপঞ্চে অবতীর্শ বইয়া জাবোদ্ধারকার্য্যে ব্যাপুত। তিনি পতিতপাবন, করণানয়। জীব মোহবলে তাঁহার আশ্রয় পরিত্যাগ করিতে চেঠা করিলেও যুগাচার্য্য উদাসীন থাকেন না।

তিনি ভগবদ্বহিধ্প এবং অনিতা অড়-বিষয় রাস প্রামন্ত ভীবকুলকে ভাছাদের মুদুর্মভ পরমার্গ প্রসা অথচ অনিত্য মুদুর্যু-ক্ষমের কথা অরণ করাইরা দিয়া যাহাতে ভারাদের চরম মকল লাভ হয়, ভজ্জু **८म्भ इम्मनीलात अस्मित्र कतिया ध्वरे** অচৈডক বিশ্ব মানবের বারে বারে জীচৈডক বাণী কাঁঠন পুৰ্বক ভাগনিগকে চেভনের রাজে। প্রতিষ্ঠিত করিবার জুল ব্যাক্ষ চুটুরা शांदकम्। वत्रकेशकूत्र काट्याक्रिम्हित्र বশবভী হটয়া প্রদুর হিমাশয় পর্মতে यरशष्ट्रकारत विष्ठतम कतियात अन्य ध्यादान क तिरल ९ भवकः भक्षां कृति छत्रवली काठाया स्य किश निर्फ्टे शक्टि भारतम मा। রোগী কুগগেনে জন্ম লালাফিড হইলেও, ভবরোগ্রন্থ জীবস্থলের উদ্ধারকামী সহৈত্র আচাণ্যদের ভাষাদের নিতামকুলের জন্ত স্থপ্রেরট ব্যবস্থা করিয়া থাকেন এবং ভজ্জ হিমাস্য পথতে আয়োহণ করিছেও কুষ্ঠত হন না।

क्रीमन महाध्य हुन क्षक्रिकात्मन शुक्रारका বর্ণনে বাজালার আদিক্ষি শ্রীক কুনাবন मान ठेक्ति मशामय विनिद्धाक्तिन,--'मकन সংসার মন্ত বাবহার-রসে। 🛊 কপুঞ্চা বিফু कि कार्या नाहि वारम ॥ देशकामिशक সকলোক স্থাৰ বলে। ব্যৰ্থকাল বাহ মাত্ৰ বাবহার-রংস।। ক্রভরামভক্তিশক্ত সকল সংসার। বর্ণনান সময়েও তথু দাজিলিং गहरत रकन, माता भुभिवीम् । এই नाकात **टाडाबांव (मधा बांध नां। अहे अहे ७५-**Cडिटिशकमन्द्रश्ववास्त्रः पूर्ण भाष्किनिध्वत्र স্থপ্ত অধিবাসিশ্ৰ ভীৰ প্ৰাস্থানের ভীমুখে **औरें 5 कर वाली** जनन का वेगा त्यम अक सर-জীবন লাভ করিয়াছেন এবং স্বয়ুর্ভ মুধুন্ত-बीवत्मत व्यवक्र कर्षना ७ क्वान्त्या विश्वत (व প্রমার্থাস্থীলন, ভাহার প্রান্থান করিয়া

নিজদিগকে রভরতার্থ মনে করিভেছেন। হৈত্রতাণীতে উর্**দ্ধ হইয়া তাঁহারা ভারাদে**র ঋতীত জীবন কেবলমাত্র আহার, নিদ্রা, ভন্ন, মৈথুন প্রভৃতি পশুধর্মে ব্যয়িত করার জন্ম অমুশোচনা করিতে আরম্ভ করিয়াছেন। বাহাদেৰ ভক্ত বুলা ওক্তির উদয় হইয়াছে, ভাঁহারাই ভশং ৫ই।। প্রভুপাদের পদান্ধিকে আসিল চর্ম কল্যাণের বার্তা প্রবণ পুর্বক ধক্ত গছেন।

## সৌভাগ্যবান্ শুক্লাম্বর

श्रीपुक्त व्यथर्ग (भरी)

বৰুবিহারী ভীয়শোদানন্দন ধ্থন নব্দীপে 🕽 শ্চী প্রাণ্ধনরূপে উদিত ইইয়া অনপিত-চর কারুণ্যলীলা প্রকাশ করিভেছিলেন, তথন তথান বিষ্ণুভক্তিপরায়ণ ও পরম শাস্তপ্রভাব শুক্লাগর ত্রন্মচারী নামক এক হুরুতি বিপ্রবর বাস করিতেন।

বাবহার-রসমত্ত তাংকালিক নব্যীপ-বাসিগণ ভিক্ষোপঞ্জীবীর দীলোপ্রদর্শনকারী মহাভাগৰত ভক্লাম্বকে চিনিতে পারেন भारे, किंद च्छन्दरम्य जीत्रोत्रञ्चत ठीहात বিমল প্রেমভিজতে তাঁহার নিকট চির

বিষ্যমদান কর্মাঞ্জ আত্তিগণ ভক্ত-ভগণানের এসমুদর বেদগোপা ভব ভানে ন। বলিয়াই ফিতিপাবন বৈক্ষবের মহিমা বুকিতে পারে না। বিধয়িগণ। সবৈষ্ধ্যমন জীভগবানের অভিনকলেবর বৈদ্যবিগ্রহকে দরিত্র এবং ভাহাদেব ছারে অন্তগ্রহপ্রার্থী বলিয়া মনে করে। ভাই, দীনাতিবীন এশ্বচারী শুক্লাপর ভাহাদের অক্ষত দৃষ্টিতে সামাকু একজন ভিক্ক মার।

কুম্প্রেনোরান্ত শুক্লাধর ভিক্ষাব্রুলি করে লইয়। নশ্দীপবাদীর ঘরে ঘরে ভিকা করিতেন, ভিক্ষা করিয়া প্রতিদিন শাহা কিছু পাইডেন, ভাদারা শ্রীক্ষের ভোগ भिया जगवर्शक्छे शहरण कीरन भारत করিতেন। অহনিশ অথিগায়তবান প্রীক্ষেত্র শ্বরণপ্রভাবে তরার অস্ত,করণে দারিদ্রা-অনিত কোন প্রকার ছথোগ্রুতির অনকাশ किंग ना । जुदनमन्त्र क्रमानारम तमन शतिशुर्व, महित्य क्रम्बादनकानिए (श्रमानन्त्रधाता, এই প্রকার অস্তুত অনেলেখিত নূর্বিতে পরিভ্রমণ করিলা ডিনি ভিলাচ্চলে নার-वामीरक कुना कतिएउन। श्काकारम দরিত্র স্থদামা যে প্রাকার ভব্লিগরের ध्विताती हिलान, क्रिकेटकत क्रमाना व দান ভিক্ন শুক্লাম্বর প্রক্ষারীও তক্ষণ বিষ্ণু-ভাকপরাঃণ ছিলেন।

উপশ্রি আছেন এবং অদুরে রুগ্ডপ্রেম-চঞ্চল শুক্লাম্বর ভিস্পার কুলি কৃষ্ণে বাইরা 🕽 দেই স্থান পরম মূলল কুঞ্চন্দ্রন-কোলাগুলে

উাহার বদন হাস্তজোতিতে প্রকৃষ হইয়া উঠিতেছে, কথনও বা জ্ঞীক্ষপ্ৰেমাভিশ্যো লোচনধুগল ভারাক্রান্ত হইয়া পুলকাঞ্র-ধারা বর্ষণ করিতেছে। শুক্লাম্বকে তদ-া বস্থায় দেখিতে পাইল কুপামর জীগৌর-স্থান্তর উহ্নেকে নিকটে আহ্বান করিয়া সদয় বাকো কভিছে অগিলেন--ভক্লামর, त्य दकत्वभाग जं छत्त्रहे मतिम श्रेत्राछ,

ু ভাহা নতে, প্রতিএলেই তুমি আমার অতাস্ত প্রির দীন সেবক। ছাপ্রযুগে যথন আমি অনিত উল্লেখনী দায়কেশক্সপে লীলা করিতেভিলাম, তথমও এই প্রকাব ভিক্কর বেশেট ভূমি আনার আবাধনা কবিতে ছিলে। আমাকে সক্ষে সম্পূৰ্ণ করিল। আমার শর্ণাগ্ত, আপ্রনিবেদিয় স্বব্যুগেই ভিথার্ন'ব ধর্ম আচবণ করিতেছ । ভূমি দ্বিপ্রসভা, কিন্তু ভোগার ভক্তি-লত্ত সামাস্ত্র ভিনিবেই আমাণ ক্রীতি; আমি সম্লাই তোমাৰ আর্তি-প্রদত্ত দ্বোর অভিল্যোন, আর কপনও যদি জবোৰ ভুজ্ঞভানিবন্ধন ভুমি আমাণ্ডে উচাদিতে না চাও, তথায়ি তোমার নিষেপ সংযুক্ত আনি ভালা বৰপুৰতক আহার করি।। পুথে মধন ধারকাপুীতে আমি তেমিৰে ভিজালৰ ভত্যকণ কাড়িশা থাইতেছিলান, ভথন লক্ষ্যদেশী আনেক মংদাসাধনাণও নিবৃত কবিতে না পারিয়া অবশ্যে আনাকে হতে ধৰিতা কান্ত यत्त्रिम्हिरमन् ।

ভক্তবংগল শ্রীমন্মহাপড় গদ্যদ ভাষায় এই কাহিনী ব্লিডে ব্লিডে সহদা শুক্লাম্বর এক গ**ীর ভিকাকুলির মধ্যে** হস্ত প্রেদানপুরিক মৃষ্টিমৃষ্টি রঙ্ল প্রমা-প্রভেদ সভিত চকাণ কবিতে লাগিলেন। চতুদ্ধরবনপতি জ্ঞাগৌরহরি ক্ষুদ্ধনাযুক্ত ভিকাৰ চাইল ভক্ষণ করিতেছেন দেখিয়া প্ৰম স্কৃতি ভুৱাপৰ সভাৱে অধীর হট্যা বলিতে লাগিলেন,—প্রভৌ, এট ভুগুল বহু ক্ষুদকণায় প্রিপূর্ণ, ইঙা আপনার দেবার যোগা নহে, রূপা ক্রিয়া এক্ষণে আপুনি নির্ভ ইউন্। किन्न निरातरंगत किन्न क्षण दहेग ना, পরমানদ্মত সভয় । व्हामग ভত্ত প্রাণ্ধন কি কান্ত হইবার পাত্র ? "মভফের অহ-ক্ষারদত্ত, সহলবাঞ্চলোভিত অনুতোপম ताबरेनरदश्च आणि शह्म कति मां, किश्व टर कछा **च्यायन, ट्यामात क्**रक्रिकाल ক্ষামি বড়ই সজোয়ের স্থিত ভোজন करि"— ६३ विश्वा मक्षेत्रकत्र कीदन्धन বৈষম্ভৱ ঐ তেওুল চিবাইতে লাগি**লেন**।

 শুকুরিরের প্রতি প্রভুর এই কাফ্যা-একদা মহাপ্রাভূ অপুর্ব ভাবাবেশে পরাকালা দেপিয়া অভাক্ত ভক্তগোষ্ঠা আনন্ধ-পরিপূর্ণ চিত্তে রোদন করিতে সাগিলেন।

নৃত্য করিতেছেন, প্রেমানন্দ বলতঃ কখনও পূর্ণ হইয়া সর্ব্ব তীর্থেরও তীর্থরাজরূপে প্রতিভাত হইতে লাগিল।

> महाश्रद्धत এই পরম চমৎকার কারণা। मीमा प्रमात मिन्छ, तृष, यूना हेजापि भक्राण्डे विक्रका स्टेर्जन। (कर (कर् দৈয়ভবে দত্তে ভূণ ধরিয়া প্রভুৱ চরণপঞ্জে নমন্ধার করিতে লাগিলেন, কেহ বা কাকৃতি সহকারে প্রভূপ রাতুল চরণে এই কণা নিবেদন করিতে ল।গিলেন,— "১২ দরাম্ম প্রভা, এই দ'ন দাসকে কথনও চৰণডাড়া ক্ৰিবেন্ন।"

এনিকে মহা সৌভাগালালা অঙ্কান্থর প্রেমানন্দে বাহ্ন হারাইয়া ভূমিতে লুঞ্জি 🖯 **इंडेट्डट्टन । महा-गर्ग ध्यातीक्षणन द्य छ**शन**ः**-প্রশাস লাভের কল্লনাভ করিতে গারেন , না, আজ ভিক্তক শুক্লাম্বরের ভাগো। লাভ হইয়াছে। ७७ सम्हरू ग्रहानन সমুদ্রের প্লাবন আসি চেচ, ভাষার কি আর বাহায় ঃতি সম্ভা

পতিভ্ৰাবন মহাপ্ৰাভু কক্ষণাপূৰ্ব বাণীতে ভাষাকে এখানন কাৰণা বলিতে লাভিবেন, ''একচাণিন, আনি তে৷ স্কাটি তোনার চিত্রে বিচনণ কালিয়া থাকি, জোমার আচারেট আমার আংবি-ক্রি সমাধা, ছয় এবং ভূমি ধথন ভিক্লাসুলি **না**ইণ শ্যাট্নে ব্রিগ্ড হও, তপ্ন আমিও তোমার भटक महस्र हिन्द्रीत 22:3 সময়ে পোরে ক পরিত্যাগ করিয়া আমি त्य जुलिती कामियांक, इद्रांत भूषा जिल्लक्ष ८९१८वादकत मण्यम ८९१४५ छ। विस्तर করা। ভোষার একনিত প্রেমফেনাত ত্ট হট্যা আমি ভোমানে একালিনাদি-বাঞ্চিত, মহামুনিগণেরও অলভা পেমভাজ ভোগান করিলাম। ওখান বার্ডাত অস্থ কোন উাগেই কেহ থানাকে আ ৰ করিতে পারে না, তকমার শুরু এপন ভক্তিই আমার প্রাণ প্রাণ, ইহা নিশ্চর জানিও।"

শুক্রাম্ববিপ্রের প্রতি প্রান্তর এই বর अभिश रेनक्षत्रमञ्जी लिश्रण गर्म ग्रांत्रस्तिन করিতে লাগিলেন। জগ্রুতা রবে আকাশ-বাভাদ মুগরিত হইয়া উঠিব। ইংমা वारशका वाना व बानत्नन कथा बान :कि হঠতে পারে ? চহুদ্র রক্ষাণ্ডের সহিত रेनकुरर्शन मानिक श्रीनिह किना 'एक-বাংস্ক্রা বশভঃ ভিজের স্থিত গুড়ে গুড়ে মাট্যা ভিকা করেন, ঠাহাব ভো কোনই व्यक्ति मार्ट, चार कमगारमती गांकात 5तन-সেবার ক্ষম যুক্তকবে দ্রায়মান, তাঁহার আবার অভাব কি ? তাই ভঞ্গণ দ্যাল প্রীচরির কুপা শ্বরণ করিয়া আনন্দে আত্ম-হারা। দশঞ্জনের গৃহে ভিক্ষা করিবা चक्रांषत्र व्य छ छूत्र, शांस, देवकुर्धनांत्रक গৌরচক্র অভিশয় ঐতি সহকারে তাহা

काष्ट्रिता बाहरनम्, बाहे व्यक्तान्द्रम् कन्नना-गीगात महावताश्रेष्ठा हिन्हा कविता देशकव-গণ ক্রমন্জ্যান কোগায়ভদযুক্তে নিম্ম হইলা পড়িরাছেন।

শুক্লাখন মহাঞানুর মণ্যালা সকার্য निक्ष ७७न दमन गाँहे, किंद्ध एक्टिंग 🗷 ভাষ্টের মহিমা বাড়াইবার অস্ত মহাপ্রস্তু নিম্নে বল প্রাকাশ কবিয়াই শুকুরিবের ভিকার চাউল भारेरलन, শালে অর্জনবিশিতে ज्ञानात्नत भूकाव यह निविभित्यय पृष्ठे इत्र, অনেক শুকাশুজের বিচার ভারতে বর্ত্তমান ! কিন্তু শুদ্ধ হৈত্ব নিকট ছগবানের সকল ্রভিজা মুগাৎ বিধিনিয়ুম্মমুহের বাজিক্সম गक्तिक इंडेश भारक। अक्रायरतत उनुम भक्तभाग है है होता हो जे है है जिस । 💆 हि जिस এ,বিদ্দাৰ ভাজবাৰ শ্ৰীচ্ৰির জেনসম্পত্তির একমাত্র উত্তবাধিকারী। ভিন্ন শুক্লাৰয় भगरात्नेत त्य जीयांत्र माछ कतित्वन, ভাষ্যর মাণায়্য বিধয়-মদান্ধ ব্যক্তিগণ উপলব্ধি করিতে পাবে না। ভাষারা বিছাত ধন, বংশ ও পরিক্ষমাদির যোচে কক इंडेग्रा देवमानक्षाकृत्रतारम्**त्र 'घटनोकिक टाञाव** অংশোকন কলিতে অসমণ হয়। সেই ভয়ত বাগোবতার শ্রীশ বৃদ্ধেন্দাস ঠাকুর

''. नांच' भूथे नित्र अति देव अत्वरत **ना**रम 💰 তাৰ পূজা বিস্তু ক্ষত্ৰ কা বাবে ॥"

<sup>হু</sup> হৈ ভক্তভাগ্ৰহত্তৰ অপর **একস্বানে** প্রভূব ভক্রবেদ্যা বর্ণন্প্রদে**চ স্কুর** মহাশ্য কভিয়াছেন,---

''ভক্ত বাড়াইতে নিক্ষ ঠাকুর দে ক্ষানে। কিনা বলে কিনা করে ভাকের কারণে দ भगष्ठ व्यन्त शङ्क सङ्घ नागि शहा। ভারের কিমর হন আপন ইজ্যুর ।। **छक रहे इक भारत किन्नुहै ना सारन**ा ভাতের সমান নাহি অন্তঃ ভূবনে 🕫

## তড়িব্বার্গ্র

( নিজম সংবাদদাতার ভোরিত )

मास्किमिर, २१८म ১२७১

विविधारी अमहिक्तिर्दरक कात्रकी মহারাজ দাজিলিংএ স্থানীয় হরিসভার वार्तिक डेप्परनामनएक नुरमक्रमातांत्रम् भाव -निक् इतन वह विकास धनीम खिछ नाकास গভীর পাক্তিভাপুর্ব এবং সকলের চিক্কা-कर्षक এकটी वक्तका व्यतान कतियास्ति। वासिकी रमवर्कारवाश्याम मञ्जनभू क्रिक यस भाग लागानाता क्रियारा शास्त्र (व नवंशीय প্ৰান্ত, ভাষা প্ৰমাণ কৰেন

## গ্রন্থ পরিচয়

## শ্ৰীমন্তাগৰতম্

শ্বীমনাহবি রক্ষাবৈশায়ন খেলবাসে প্রাণীত মূল, শ্রীমন্নক্ষাচার্যা-রুভা কাৎপর্যা-নির্গর্যীকা; শ্রীমন্বির্গাল চক্রবর্তী
সাকুর-ক্ষত সারার্থনিশী টকা, বজাত্ত্বাদ, সংস্কৃত অবম ও
প্রতিপ্রাল, তথ্য ও বির্ত্যানিদুরু। প্রতি ছল্পের আনিতে
সেই ছল্পের প্রতিপান্ধ কথাসার, অধ্যাদের প্রথমে ঐ
অধ্যাদ্রের সার্গছ প্রবিষ্ঠত তাৎপর্যাদি নিবৃত। প্রোকস্চী
বিষয়স্কী, অধ্যাদ্রবিররণ, পাত্র ও স্থানস্কীসভ উত্ম
শ্বাস্থা ভাপা প্রবিরেশ দুলিত। প্রথম ইইতে ১০ম হন্দ পর্যান্ত ভাপা প্রবিরেশ শেষ হইরাতে। ভিক্ষা প্রেণম
হইতে ৯ম ভর প্রান্থ ২১৮০ ; দশম হন্ধ ১০ ;
শম্বা নত্ত্বী

### **औ** और हड़क हिन्द्र गुड़

শ্রীমন্ত্রকিবিনোপঠাকুর ব্যক্তি 'নামুজপ্রবাহভানা'

এ প্রীট্রমন্ত্রকিনির্বান্ত সর্ব্বভী গোৰামী প্রভূপান লিখিড
'লক্ষাব্যে ক্রুডি-মুড্যানি বছ শারপ্রেমাণ-সংলিত হটয়া
প্রকাশিত হইবাজেন। সোকের সাব্যব্যাখা, নক্ষাকুনানও
প্রভ্যেক প্রারের পুকো সংক্রিপ্র ক্রুডিংফ সংযোভিড।
প্রভ্যেক ক্র্যাম-প্রার্থন্ত কর্যাম লেওয়া ভাডে। গ্লোক,
প্রার, শক্ষ, স্থান, পাত্র প্রভৃতির অর্ত্থ স্টী ও গ্রহ্ণকারের
বিভ্যুত্ত নীবনী সম্বিভি এইরূপ অভ্যুত্তপুক্ষ সংক্রমন ইভংপ্রের
ক্রুডিভ জীবনী সম্বিভি এইরূপ অভ্যুত্তপুক্ষ সংক্রমন ইভংপ্রের
ক্রুডিভ জীবনী সম্বিভি এইরূপ অভ্যুত্তপুক্ষ সংক্রমন ইভংপ্রের
ক্রুডিভ জ্বা ক্রুডিভ মান্ত্রমান ক্রুডিভ ভ্রুডিভ প্রার্থনিত কর্মানিত হয় নাই। উত্তর্য ক্রিডিভ গ্র্যার
স্থিত স্থান ক্রুডিভ মান্ত্রমান ক্রিডিভ স্থান ক্রিডিভ

#### **এ**টেডছাভাগৰড

গ্রন্থারের জীবনী, প্রতি পরিক্ষেদের কণাসার, বিশ্বত গৌড়ীর ভাষা, শক্ষ্তী, প্রারস্কী, বিষয়-স্থান পাত্রাদি-স্ক্রী, প্রভৃতি বিবিধ বিষয় সম্বাহত বিরাট বিভীয় সংস্করণ ভ্রম জ্যাইন ৮ পেলী আকার। আদিবালা ও মন্ত্রের ক্রিয়াংশ প্রকাশিত চইয়াছেন। জ্যাম জ্যাম প্রকাশিত হইতেছেন। অগ্রিম ভিন্ধা ৫ টাকা, আদি বীণার ভিন্ধা ১ !

#### **औ**रेड ७ मा मन न

এই প্রথের এরপ কভিনব কুলর সংহরণ আর কুরাণি প্রকালিত হয় নাই। সংহত শ্লোকাংশ্যে অবয়. বঙ্গান্তবাদ, ভাষা, ক্লামার, তথা প্রভৃতি সহ বতে বতে প্রকাশিত হইরাছেম। মূল মোটা অক্ষরে ভবল ক্রোভিন লাটণেত্রী সুহলকান্তে ভাপা হটমাছে। মূল্য ২৪০ টাকা। নদীয়া প্রকাল ভ গৌড়ীয়ের গ্রাহকগণের প্রক্ষ ২৪০ টাকা।

#### **अवस्थानमगी** जा

— শীণেত্বীর নৈক্ষরাচার্য কলোকত রণিকচ্ডামণি
্বিধানার চক্ষরতিগৈত্ব গোলামিকতা সারাপননি
ইক্ষিপ্রেতা ও শীন্ধিকজিশিনার ঠাকুর-প্রনিত গোলক
কল্প নামক ভাষাভাষাসহিতা। ক্ষরাক্ষিত্রী, মাতৃকাক্রমে
ক্রোক-প্রতী,বিধন-প্রতী,এইকারের জীবনী ও অবতরণিকাধি
বছ-ক্রাত্রাবিধন-সহ উৎকর্ত বাধাই কৃতীর সংখ্রণ—এই রাজ
সংখ্রণের ভিক্ষা ২, টাকা মান্ত্র, সাধারণ সংখ্রণ—এট
ক্রাকা মান্ত্র

## শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

বৈষ্ণাত বিশ্বপাত বিশ্বিক তি কিন্তু নিশ্বল বিশ্ব বিশ্ব

১। প্রথম খণ্ডে—নৈক্ষরদশন, শ্রীজনতমু, কাল পর্ম, শ্রীমধ্যানিভাব, ভাষারভানবী, পাঞ্চরানিকী দীজা ও বর্গ বিচার, আত্মধর্ম ও মনোগর্মা, উ.টেড্ডেনের ও ভালার শিক্ষা, অপ্রারত সহত্যপম ও প্রারত সহত্যস্থা, প্রস্তৃতি বিংশতি সংখ্যক রয়ে স্থানেভিত। ভিকা মানে ৬০ বার আনা।

\$1 विशिष्ट थेन्ड- उका उदि स्रिक्ट मध्यार ट्राइका काशास काशास निकारित. मात्रावाम, ड्रीटलात-निकाराग्य श्राष्ट्र, विश्वटल मण्ड उत्तक केलिन, द्वीतामणुकाम व्याप्तान्तरात्र केलिन, ड्रीटलीत-सारमत महिमा, मध्येश्वयाम, ड्रीटलातिक, ड्रीटलाइन्डलन भण, ड्रीमका त्रक्षक्षमिनी, ड्रीटेल्डर्नित मण्ड, द्वीतकल्ला १ इक्कम्ब्रीकिन---वृक्षम भण्ड मत्रुदिमाणुर्व जिल्हा, एक हेक्स माद्वा

প্রথম ও দ্রীগে--জুই হাও করতে সংগ্রহ নেডু টাকাং, ডাকে গরত সভগ্ন

#### শ্রীমত গলন্দ্রী চা

পৌ নিচ বৈশ্বনদাশনিক শেষৰ উট্টিছেল্ জনের বিচা সুধারত ভাগে ও জীনছভিত্রিনাদ হাতুরের প্রায়ের বজ-ভালার নিজত 'বিষ্ণুর্জন' নামক ভাষাযুক্ত। আন্তান-বিন্তু ও প্রতি প্রোক্তর ক্রথম ও ভোগ স্থানী, ভাগাকাবের দীবেনী প্রভৃতি স্থালিত। উব্রস্তি বিন্তি, রাজস্থেরণ (ভূতীর সংক্তর-) প্রায়ের ভিজা ২ টাকা

#### প্রমেয়রতাবলী

শীমবলদের বিশ্বাভূগণ-প্রণীত বৈদ্যবদ্ধন, সন্ত ও .গাবিন্দ-ভাগাদি গড়িনার প্রথম এছ। উৎক্ষ কালতে ছাপা। স্থানিত্ত দীকা ও প্রোপ্তনারকান্তবাদ-সাধানো, ছাতি স্থানে বাধ্যকেরও বোধগ্যা ইইনা পাবে। ভিজা কি আনা মাক।

#### शिमगर्वा भगमगार चार

( শ্রমণ গও) সাম্বাদ। শুন্তি স্বভাদি এরে শীনব-দীপের যে মহিমা কীউড আছে, তাহার মূল সংস্কৃত ও কায়বাদ। ভিজাত আনা।

#### এ এনবৰীপভাৰত হ

শ্রীঠাকুর ভতিবিনোদ গিশিত। ফুল্লিত গাত্রারে প্রিক্রমায় এ,ব্যাদি-বিষয়ক। ভিক্ষা। ভানা।

#### ্ ভঃক্ষরত্বাক্ষ ও নংখীপ পঞ্জিমা

শ্রীল নর গোচজবন্তি-গাকুর রচিত। ও জিরারাবর হইতে পরিজ্ঞাংশ কাজ গুকীত; শ্রীনীব গোত্থানী কি প্রকারে দীনবনীপনামের পরিজ্ঞা করিয়াছিলেন, তাংই পছে বিবৃত। ভিজা ৮/০ শানা





শিক্ষা ভিজিনিলাদ ঠাকুর প্রনিত্ত ইংতে শ্রীটোত্তার শিক্ষাপ্রণালা—র্থণ, রক্ষণতি ও রস - নদ্ধ ও মুক্ত শ্রীব - -অচিপ্তা ভেলাভেদ ভল্ল—নাবল-নিগ্রা— প্রয়োজনাত্তর, কর্মা-কাও, মান্যাং ভিজান- দৈনী ভিজা, ভালভক্তি প্রেম ভাজিন্য দল প্রায়ালী ও অভ্যান্য পার্চিয়াদে প্রেম শিলাগার উল্লেখ্য ক্রিয়া সূর্য ভগ্ ম স্মুদ্য স্থিতি প্রয়োগ্য লিখিত আছে । তভুগ মুক্তবণ ল । ১ টাকা, অবে না ১০০ চাকা মান।

#### গৌড়ীয়কর্তহার

ক্রেন্ডের অন্তর্জন করেও ব্রেন্ডেন্ডের গ্রন্থরাত্রা ৮ (১৯৩-শাস্ত্রমুখ্য প্রামাণাবল্য সংস্কারণে ভেল্ফিড । একস্কুল বৈদ্যবদ

নিদাত্ত্ব ব্রেন্সব্য অন্ত কালি প্রকা ।

ইংক্তে প্রক্তির — ভাগ্রভ- ইবান্তর ।

অবৈত রাগ---- তি ——ভা বচ্চ---কার অভিস্তিভেদ্যাংক
-- অবি দেন--সাধ্যাভত্তি —বর্ণস্থ - স্থা মা স্থা-- শুদ্ধ জন্ম জ
-- ইন্যাম — প্রন্থান্তন ও প্রান্তির । পুথক্ স্থাব্যারে

জন্তন কালেন্দ্র স্থান্তির । কালেন্দ্রে ক্রেপ্রার

রাক্তি উল্লেখন স্থান্ত্র ।

রাক্তি উল্লেখন স্থান্তির 
ইংক্রির বি

#### क्षेत्र छ। श्रेशांच-अचानशी

ইন্সদ্ভাজিবিদার সাধ্য বাসি সাম্মান ব্যক্ত নির্মান মান্ত্রির বিশ্ব বিশ্

#### শ্রীহণিনামামুভ ন্যাকরণ

তীজনি নোকানী প্রপাদ-বির্মিত কর ও বৃদ্ধি, তথ্যক উনিক্সপাদ ভীনেছজিনিকাত স্বস্থতী পোস্থানা মহারোদের বিভূত ভূমিকা ও হুটী প্রভৃতি সহ। অপ্রত্যাশতভাবে ক্লাক। ভিকা ২০ টাকা, হাত্রপদার প্রস্থান লাভ টাকা যান।

#### (नवा ख ड खमात

শ্রীমন্তামান্ত্রসাচার। রচিত। বেদাপ্তের বিশিবাইণতনাদ-প্রচারক শ্রীভাগা-প্রবেশ হা আচারাপ্রবির বেদাস্তদশন পারে ব উপথেক্তি করনার্থ এই উজম করিয়াছেন। ইংগ্রে কলামুবাদ ও স্থালিপ্রাদি সংগোজিত করা ইংয়াছে নাম্মান্ত্র ভিক্ষাত ধালা।

#### জ্ঞীটেডভাচজায়ত ও নবৰীপশভক

শোরণাখন নিদ্রভা শ্রীমং প্রবোধানন্দ সরস্থা প্রাণিত
মূল, প্রাঃপান শ্রীমন্ ভিন্তিনিদ্ধান্ত সরস্থানী গোষামী মহাবাদ
মুল্পান্তি অন্ত্রুপে বাংখা। ও বহাসুখান স্থানিত।
নব্দীপশাসকের আছিভিনিবনাদ সার্বরের গজান্ত্রান
ত্রুপ উন্নিল্থাপ্রের কেটা ক্রিনেকাছিভ সালোধিক নিক্ প্রেন্ড ভইরাছে। মূলপ ও কান্ডে উবর্ত্ত (২ কান্ত কেন্ডে) ভিন্তা ৮০ লানা, মাতি হ্রুয়া বানাই সাক্রাংগ্রেন ২ টাকা মাতা।



শীমছজিবিনার গাড়ার প্রবিদ্ধা পর্ট প্রকাশন প্রাপ্তকরের জ্ঞান সাল কলেলে গ্রেম্যাপক রাজ্যে কিছুছেই
জ্ঞান বা সংশা গাকিবে না। প্রম গুড় স্মানিস্থক এই
র পানবা ও স্থাসপোনী প্রব এলিসাও প্রকাশিত হয় নাই।
বিচ হল ক্ষামি শাস্থ মহেলিব মন্ত্রাক্ষেত্র এই প্রভাগত
লিভিত্র হটাছেল। আগের প্রবিদ্ধান ক্রিটিল করি, কর্মাপ্রের
ইন্টাল থাবা বিশেশ সমুদ্ধ করা চহলতে। বিষ্টি প্রথ
লোলার জ্বেল নাম শেখা, উৎকৃত্র বিলাধন ততুল সংস্করণ
ভিক্ষা ২০ টাকা মার্মা।

#### ক্লেম্বিঘণ্ড

শ্রীমন্মহান্ত্রীন অন্তব্য পানল জীল মাধাননক প্রেণ্
বিরাধিত। এই পুড়কে অনি অনুনোধা ভাগার মহাপ্রান্তর
কলিপা লীপাসত বৈকাবটোন, একলিশা ও নামভজনভানালী প্রভৃতি অনুনক বৈকাবতান ভাগার লোগতে পাইবেম। পাদ্যীকাস ছক্ত ছানের বিশ্বাহার প্রথক করের প্রিচ্যাদি-সম্ব্রিভ চতুর্য সাধ্যবন ভিগানেত্র দশ আনা মান্ত্র।

#### ভক্ত নৱহন্ত

ভজনকালীর নিতালকী; গাঁওর ভিভিনিনেদের অনুলা দান; নিশিল শাবের নিগ্যাম। গ্রন্থানি না দেখা প্রতি কেছ বুঝিতে পারিবেন না । ভূতীয় সংকরণ ভিকা ॥ ।

#### হরিনামচিন্তামণি

নামাচার্য্য ব্রীল হরিবাল সাকুরের মুখে ব্রীমন্মহাপ্রাড় জীনাম-মাহান্থা, নামাভাগ, নামাপরাধ প্রান্ততি বিচন্দের সার্থীয় বিচার প্রথণ করিসভিলেন। এই বিদ্যাক্তির জ্ঞাত ধর্মা প্রথবে সংক্রিণ থাক্ষম্য গ্রিপাটিভাবে মৃতি : প্রান্ত ভিজিবিনাদ সাত্র বিভিন্ত। প্রথম সংক্রেণ ভিজ দে

#### কল্যাপক ছতকু

শ্রীমন্থ কিবিনের ঠাকুর রচিত। প্রত্যেক ভণাবদবেশ্বাসী ও জ্ঞানগগের পরিকের একন্তে ও্রেম্য নীয়
ভলনেশ্যনীপূর্ণ কীতিওলে। সামাল্ল লেপাণ, ড়া কানা
লোকেও তে ভল্লনাডেয়ার বিভিন্নতের দারা অনপনিবৃত্তি
ল ভগবিংমেশা কাভ করিবারে প্রবিশা পাইবেন। স্কু
নাশ্বন্য, ভিক্ষা /১০ আশা মার।

#### শরণাগতি

জীমছজিবিনোর সাক্রন্যটিত। ভগবানে আল্লন্মর্পণ, বিজ্ঞান্তি, ভঙ্গনবাব্যান, সঞ্জিন। প্রথানতি ও সিদ্ধি লাখসা-বিষয়ক গীতিপুণি, ভিজা সভ আনা মতে।

#### গী ভাগগী

শ্রীঠাকুর ভিক্তিবিনোদ- গ্রাড। নিবা ভ্রুন, আরাজিক অ প্রসাদ-দেবনাদি-বিন্যক মধুর গাঁওসমূহ একছে এগিত। 'ভক্ষা /• আনা মাজ।

#### **अगहरू** क्या जन्म

দার্শিক্তর্মুকুটমোলি প্রীমহিশ্যনাথ চক্রাবরী ঠাকুর-১০০ বনগ্রহ। শীমহক্তিবিনোদ ঠাকুরের অনুবাদ-১০০ প্রিশা। আনা মাত্র।

# সামিনপৃথ্যু

শ্রীম্মাহাতাণ্য শিক্ষা ও শ্রীম রঘুনাণ দাস গোন্ধারীর তাতি শ্রীকণ গোন্ধার্য উপদেশনাণী, ভক্তিপণের অমুকৃত্য ও প্রতিকৃত্য বিষয়ে স্থানিগারিত সংযাদন ভাগা, বিশ্বত গিরুতি, চরিভায়তের প্রমাণ, সাহায় ব্যাখ্যা ও মহাজন-প্রমাত ভদ্পগোণী গাঁতমমূহ প্রেভাক শ্লোকের সহিদ্ধ্যিবশিত হইয়াছে। তা সংহরণ ভিন্ধা নিং আনা।

#### সাগল-কণ

শীৰগুনাথ লাস গোৰাখীৰ মনংশিক্ষা, শ্ৰীশ সাক্ষ বি টাক মাত । ভক্তিবিনোদ-চ্বিত পজায়ুৰদেস্ক। ভিকা কে মানা ।

#### প্ৰেমণ্ডব্যিক।

শ্রীল সাকুর নরোব্যমর স্থাপ্রসিদ প্রেমান্ড কিবিধয়ক গানের পুড্ক। ভিজাত কানো মাতা।

#### নবদী পশঙক

শ্রীল সাকুর ভিত্তিবিনোদ রচিত জীব প্রেরোধানক স্রস্থাইবিনের সংস্কৃত নব্দীপশতকের স্থালিত প্রান্থবাল। ভিক্তা /• আনং মাঞ্জ।

#### অর্থপঞ্চক

প্রীল লোকাদাধার চিত্র। বৈকাবতা জ্ঞানের আকব পুরুক্ত। ভিফাবে আনামাত্র।

#### সদাচারশ্বতি

শ্রীক মধ্বচোগ্য-ওলিত। বৈশ্ববেশ নিতাকক্ষাদি সদাতারা-বলী, বৃদ্ধপুরাদ স্থিত। ভিজ্ঞান শ্রানা মারা।

#### মণিমঞ্জী

ক বিক্লকেশরী আনিলারায়ণাচাণ্য বড়িছে: আনিলাধ্ব চাথোর সংক্রিপ্ত জীবনলীলা ও মূল বৈক্ষবক্ষমত। স্ভেবক ভিকং । জানা মাত্র।

#### গৌরকুকোদয়

প্রাতীন কবি ক্রীনোবিন্দ দেব প্রবীত জ্রীব্যেরারভাগের প্রমণ্যবিদ্যালিত সংস্কৃত গ্রন্থ। ভিজন দং ক্ষানা।

#### যুক্তিমল্লিক। অণসৌরভ)

শ্রীমধ্যশ্রেদারাস্থাত শ্রীমনাদিরাত স্বামিকত। বন্ধাক্ষরের প্রেকাশ পরেমাণিক সাহিত্য-কগতে এই স্বরপ্রথম। শ্রীমরাধ্বাচার্য্য হউতে মোড়শাশন্তন নিতায় মধ্বাচার্য্য নামে খ্যাত শ্রীনাদিরাজতীর্থ স্বামী এই প্রথম সংখারণ যুক্তি ও লৌকিক জ্ঞারাস্থ্যারে কিরুপ স্থানরভাবে ভিকিবিরোধি-মতবাদ সমৃত প্রথম করিয়াতে, তাহা পাস করিতে করিতে আন্চ্যাপ্রিত হউতে হয়। ইছাতে যুক্তির হারা চাকাক, বৈনন, বৌদ্ধ, মামাংসক ও মারাবাদিমতে-সমৃতের স্থানর গণ্ডন রহিয়াতে। ভিকা ২, টাকা মান্তা।

#### গোষামী শ্রীল রঘুনাথ দাস

(ওঁ বিফুপান জীবা ভক্তিসিদ্ধান্ত সরস্থানী প্রেছুপান-বিভিন্ত ভূমিকা সহ) গৌরপ্রেষ্ঠ স্থারপ-রপের একমাত্র প্রিগতেম জীল দান গোলামী প্রেছুর অপুর্ব্ধ চরিতান্ত ও শিক্ষা স্পতীব প্রাক্তন ও সরস ভাষায় সনিবিষ্ঠ থবং পরিশিষ্টে দানগোলামী প্রেছুর বিরচিত কর্মন্তী সাক্ষরদে মধুস্তম তব ও মন-শিক্ষা-সম্বন্ধিত। ভিক্ষা পাধাই ৪০ আনা, আবানাই ৮০ আনা মাত্র।

# চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাচীন নববীপের অবভিতি, তথা, উতিক, স্লোভ ও

উতিহানিক প্রমাণসখলিত নয়টী দীপের সচিত্র বিষয়ণগ্রন্থ । রাজধি রাওসাহেব কুমার ত্রীপুক্ত শর্মার কর্তৃক
বার এম, এ, প্রাক্ত লোহোর), বেলাগুভূগণ মন্ত দের কর্তৃক
শক্ষণিত এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন বর্ণের অপুক চিত্র প্র
মানচিত্র-শম্বিত; প্রাচ্যবিভামহার্ণব য়ার সাহেব ত্রীবৃক্ত
নগ্রেক নাথ বস্ন বিখকোহসম্পাদক মহাল্যের বিভূত ভূমিকা
সহ । উংক্রি (ইং) মরকো বাগাই মূল্য ১৪০, ভিঃ পিঃ তে
২২ টাক মাত্র।

### माधक-कर्श्वमाना

শুরাবন্দনা, নৈক্ষব-বন্দনা, বৈক্ষবশরণ, পালালের গীত,
নীনামগড়, শ্রীনন্দালেড্র অটোতরশত নাম, অইপ্রেচর
নামকার্থন, শ্রীনামগর্গার্থন, প্রেমধ্বনি, বাউবদ্দীত,
নাবরীপ-মহিনা, শ্রীনামাপর মহিমা, শ্রীনরোজম-প্রদূর অইক
ভাগোনা বন্দনা, সভু গোলামীর অইক, প্রেমভাকিচ ক্রিকা,
উপনেশমালা নামভ্জন-প্রগালী, মহাপ্রেচ্ ও রার রামানন্দ
সংবাদ, মনম্পিকা, শ্রীপ্রক্রপাতি, শ্রীভক-প্রশার্থনা,
মহাপ্রান্থ বন্দনা প্রাক্তি সাধক ও নিক্ষীবনের নিজালার্ডা,
বৈধ্যবগানের কণ্ডাপ্রিড ভুলনীমালার লায় অক্সলণ কর্তে
হারগ্রেগ্রাণ্ড অপুরু গ্রাহ্ণ ভিক্ষা ১০০, বাধাই ৪০ মানা।

### গোড়ীয়-গৌরব

কলিকাভার স্থাসিত্ধ আলবাট হলে পৌড়ীয়-সম্পাদক ভাগেদ স্করানক পরশিদাবিনাদ-প্রেক্ত বস্কৃতার বিষয় গ্রহকাবে প্রকাশিত। উচাতে গৌড়ীয় বৈক্ষবসম্মাদায়ের ইতিংকা স্থাকারে গ্রিত চইয়াতে। ভিক্ষা ক' মাঞ্জ।

#### গোড়ায় সাহিত্য

কলিকভোৰ কলেনিছ আনবাট হলে প্রেক্টীর সম্পাদক
আঁপদে প্রদানন্দ প্রবিছাবিনাদ্রেন্দ্র প্রদান বক্তার বিষয়
গভাকাণে প্রকাশিত। ইহাতে সাহিত্য-শক্ষের অর্থ এবং
ন্যেট্যে-সাহিত্যের বিশ্য স্কেকারে বশিত হইবাছে। ভিকাশ
দিল আন্যান্য ।

#### শ্রীগোড়মণ্ডল পরিক্রমা-দর্শন

শ্রীনোড়দেনের ে স্কল জানে সপরিকর **জীমন্মহাপ্রেন্**ক্রণ ওদন্তগ প্রবন্ধী মহাজ্ঞানপ**ণ শীলা করিয়া গিরাছেন.**মেই স্ব আধুনিক ভোগোলিক পরিচয় ও দেববিধানাদির প্রিচয় মহ মাভারাদের ভ্রবিধা নির্দেশ ইত্যাদি বিষয়ক্তিনি স্বিবিধনিত আছে। ভিক্ষা । আনা।

## THE HARMONIST OR SHREE SAHANATOSHANI

প্রীণ ঠাকুর ভিকিবিনাদ-প্রতিষ্ঠিত এবং জীল ভজিবিদ্যাপ্তস্বপতী বোলামী প্রাভূপাদ সম্পাদিত পরেমার্থিক
মানিক পর। একাণে ইংরাজী ভাষার স্কটাবিংশ বর্দ্ধ
ভবলক্রাউন ৮ পেজী ৪ ফর্জা আকারে প্রতি হারে ইরিনামের বিভর-বৈভয়ন্তী লইরা উপস্থিত হইভেছেন।
কাগজ, মূল্লণ-পারিপাটা ও চিঞাদি অভীব বিভাকর্ষকা
এই প্রকার উংকৃষ্ট প্রবন্ধ আর কোন মানিক প্রাভিত্তে
দেখিতে পাইবেন না। বার্ষিক ভিক্না ভাক্যাপ্রসহ ক্
টাকা যাতা।

#### প্রান্তিভাগ-

**बिटेन्डक्य**र्थः त्याः वीमासायुत्र स्त्रीता

# বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভাক্তিমঠসমূহ

শ্রীতিভন্ম মঠ

আকর মইরাজ

द्धा ठीम नवदील, छाक्यत श्रीकाम मात्रालुत, महीत्रा

এমচাবে।গণীঠ চচকে খারে ৩০ পদ্র উদ্ধঃ-প্রে প্রীবরণভ্রে আচার্বার্ড প্রীচকু-**শেষর-ভগনে ঐ**ঐটিচভঞ্জ মার বিবাজমান।

এট স্থান সাব্যাও-তীর্থ, পরাবিখাপীঠ বা সাম্বত ভজনত্বনী। এট মহাতীর্থে প্রতির ্ সামায়ত যাকিবশালি-বেলালসমূচ, পরবিদ্ধার অঞ্জতি কাবা, নাটক, অলভার, ওখা অমাণ-উপনিষ্দ-স্থাত-প্রজ-প্রজান-চকুট্ডের মধ্যমন ও মধ্যাপনা এবং ভগায় এক-পৌরাল-গান্ধ:অংকা-গিভিধর ও সাত্তত সাপ্রালারিক-আচার্যা-চতুরে উচ্চালের উপাত विजारकत गरिक निका दमनिक करएलएकन । अहे भठेतारक भावसाधिक देवनिकश्व माफ्क-সম্মেদ্ধান্তের আংগ্রাম্পান্ত ও কথাটীন প্রাম্বরাজি প্রচারকল্পে নদীয়া-প্রকাশ্র বস্তালয় ঞ্জিষ্টিভ ইংয়াডেন তিত্তিবংগর শ্রীগাম-প্রিক্রমান্ত্রটান ও অগ্নিত ভক্ষগোটি**।**ত জীর্ত্তন প্রচারমুপে মহামণ্ডেংশব.লি ভালাল অভ্যক্তিত হুইরা পালে। বক্ষক--- এক্ষচারী வ । । সভভারী — ত্রী লাদ বিলোদবিধারী ব্রন্ধচারী, পণ্ডিভ ত্রীপাদ গোরদাস बच्चकाथी बाा+त्रमणीर्थ, ञ्रमाध बीश्वक अच्छकाशी, পঞ্জি ञ्रीयाधवानक अञ्चकाली, 📚 লমীগোপাল বন্দ্যোপাধার, ত্রীক্তেরাম লাগ ব্রহ্মচারী কামুণ সঞ্জ্ঞরগণ

জিদভিখানী জীমন্তাক গ্ৰদীপ তীৰ্থ মতারাজ এখানে হবিকলা ভীর্তন করিতেছেন।

#### (৩) যোগণীত শ্রীমন্দির

এই স্থান শ্রীক্ষরপ্লাধমিল্লের ভবন বা শীৰমাণাপ্ৰাক্তর আনিৰ্জাব-ভূমি মণাযোগ-नीर्ड । जनाम जिल्ली शता व जीतिक-खिशाम श्रीरशोधमात्राध्य अवर श्रीटेक्छना क औरामाक्रका निका दमना समा जीलक-कर्षाव दमवा वक्षमाम । क्रमम---(गाय-माबायत ल्याचामी अञ्चातामा व्यक् अन्तरमा-बाब। मन्याती श्रीनिकानमा अवगामी, 🖴 जागमाम अभाउद्यो । 🕮 भाषनमान प्यान wiff, (#4## @Biete### |

#### (8) 國和河中國

श्रीभणाबास्य केसिन-निवास या **ँदिरतोत्रनो**राज वागक्रमो । जगारम द्वी**जी**रशोत-शिकाशमा क भक्षक (यह (स्व) वक्षमान । 🍅 🕳 🛱 : शाकु नवाम वावाकी ।

#### (१) चटेचड-च्यम

**बर्डे फार्ट्स क्रिक्टिंग्ड क्रूक्ट्र व्यवत क**नर (नव) यक्ष्मान।

(७) काष्ट्रीय भगानि न ह 🏬 बाहीस माधानुह, वामसनुकृद्ध (नवीषा) बिलोबक्रमाणाळ विधायकाची । प्रमाधा ame-ameid Macainianidi

#### (१) चामक च्रथ-कृष

🏚(शास्त्रम, पञ्चलशक ( मनीवा ) अव्यास के विक्राणाम जीन काकि विस्तामकाकृतक muffi war Dentennian wer Balleigi-शास्त्रक त्यवा वर्षमान

क्कर-क किन्द्रश काकात अक्काही ्रक्ष्मणाश्चिमी बन, धम, धम।

#### (৮ अक्षणमाथ दर्शकोत्र मर्ठ यक्रमनिष्ठ**।**

রক্ষ ক----শ্রীষ্ঠবর ক্ষক্রিশাস্ত্রী এম, এ, नि. धन, मध्याती--- चौडेक्शमाम क्रिक-मात्री, क्रिडेक्क्स बावकाडी खक्छ।

(३) औरगोत-अलामन-मर्ठ টাপালটী, সমুদ্রগড়, ( ব**ছ**মান ) 🕮 ল বাণীলাথের প্রক্রিটিড গৌরগ্রাণার-

## ( ) • जीज्ञभदगोष्टीय-वर्ड

माताशक, शबात केने, लि क्ष्मक--- छैक्दिमान अध्यक्षत्री, जैक्नुगरमध्य 34-14

#### ( ): ) @CATHODASG --

माञ्जितिक, व्यामन्त्र वस्त्रात्ता 🗃 গাস্থিতাৰ ঠাকুৰ বৃদ্ধাৰ্থনের স্থান। वणक---- जीवष काती अववाती। (১১) ভাগৰত আসন 🕮 গাগবভ প্রোণ, ক্রফনগর, নদীরা। बक्तक--- ख्रीमहानम बस्तारी।

SE BETFREE ( OC) (छ।मनाष्क्री, त्यावाष्ट्री, क्रथनशव, नतीवा । वक्त कार्या महिलानम असहा हो।

## ( ১৪ ) भ्रमामन-८गोकोन्न मर्ड a.सर अयावण्य care, हाना।

भूमें बर्ग व व्याठात- (कक्षा, जबादम क्षी सक. ८णो भाषा भाषास्था-। श्रीवेषदश्च. (मदा वक्षमान । क्ष्मक--- व्यक्तिश्वायम् अवस्थानी ।

#### ( ১৫ ) औरगाभानकी वर्ड क्षणान्त्र, हाका ।

भागामकी व आनिआहर व व्याकीन स्मया क्षक---श्रीशानांत अवकाती।

### ( ) । जीरशोषीय घर

১৬ নং কালিপ্রাসাদ চক্রবন্তী ট্রীট. পো: বাগবাঞ্চার, কলিকাছা । किंगिरकाम वि. वि. 855e

শ্রীমধাকারাজুর প্রচারিত শুনিদ্ধণ কজিংশ-প্রচারোদ্ধে**শে গোড়রে**শের স**ন্ধ্রধার** নগরী কলিকাভার ত্রীভঞ্জিবিলোর আসনে ত্রীমান প্রতিষ্টি স্বাচেন। এই সঞ্জারামে 🕮 গুরু-লোরাল-শ্রীবিনোদানক জীউ সপার্যদে নিতা সেবিক চল। সেটিটিং আচার্বাবর্গর ধাবভীর প্রভাবলীর প্রপ্রচারোদেশে শ্রীমঠে সংগল্প একটা প্রতৎ মৃত্যাল যক্তাশর সংস্ক।পিত চটরাছেন। পুলিবীর সক্ষত 🕮গৌধনাম-প্রচাতার্থ এট বস্তালয় ভটতে 'গোঁটার' দাখা'তক পত্র, জি করমনিষ্ট নাদিক পত্রিকা ইংরা**লী ভাষা**র নিয়মিত ভাবে প্রকাশত কটভেডেন। প্রীমতে পাঠ, সভীর্তন, সপ্রস্থান-চত্তর-বেছাত্ত, শ্ৰীমন্তাগৰত, শ্ৰীচৈত্ত-চরিভামৃতাদি-লীলা ও তত্তাছের সমাক্ আলোচনা জঁটত পংকে। নঠরক্ক-—আচোর্যাতিকে ত্রীপাদ কুঞ্ববিহারী বিভাত্যণ। সহকারী—প্রিভ শ্রীপাদ অনস্থবাপ্তদেব পর্ববিদ্যাভূষণ বি-এ, শ্রীপাদ প্রকরণনক পর্ববিদ্যাবিনোক বি-এ, खीलाम प्रामावकाती अक्षाती. खीलाम चणक्कावन मामाधिकाती विन्त, खीलाम क्रमां भागा कामाधिकाडी. ब्रम्हाडी जीकी ईनानक, ब्रम्भाजी जीमाजी साहत. ब्रम्हाडी প্রীক্ষণনক ভ্রতিশারী, এছচারী প্রীদেবকীনক্ষন, প্রতিত প্রীপা নবীন্তুক্ষ পরবিস্থানতার ভবিন্দাস প্রকৃতি।

( ১৬ ) श्रिमवादे-द्रभाः क वर्ठ विकेकि शमाविनी मुखा, वालिय 6141 ত্ৰীগৰাই-গোৱাঞ্চের নিত। সেবা बक्क - जिल्ले शक्क बक्कारी।

#### া১৭ এতি গাবভজনামৰ মঠ

**क्रिकेशिश, नाङ्गायमुद्ध, ध्यमिनीभूद्र।** এশানে শী লক-গোনাল-গান্ধাক্ষণা-একবাদী শীভগবানদাশদী। একচারী পরানক

#### १३৮ व्यायमार्याका वाश्वाञ्चय

ते कर्वाम (भार नक्ष्मान ।

विकासिता। ब्रायक—बस्रवामी चौर्वातfermie!

### (>>) श्रीशृक्तरवासम मर्ठ

वर्गकार, शरी, केंद्रिया। बनात श्रीशोब-वित्नामभावकोत निर জাগন ংশিদ্ধান্ত এটাবলী আচার-ক্ষেত্র। বিশ্বনা বত্তমান। একক — একচারী ত্রীপরমান नक विमाद्रष्ठ, अक्षठात्री खैनशीशानक।

### (२०) खैलक-दगोडीय गर्ठ

व्यागतवनाथ, अवांग'त (मा:, मुती । अश्वासायात्रक अन्यम्य अभाष श्रीम्याहाः 打造す सम्बद्धाः । वक्क--- अक्काती ज्ञेनदरभवत्री व्यनामकी সহকারী---अभागती औरविन्तविकाती ।

#### (१) जैनकियानम् वर्द

डेक्सिशायात्र, कडेक। এবানে : একদ-পোৰাল-বিনোচনুমণ-कीर जिल्हास्तर रक्षमान वष्ठाशे जीनरावत

#### (२२) खाननाडन-त्नीहान गर्ड

धमर छशक्छ।यम भूता, कान्ये । (शोउ-अमेक्श्रुक नमास्त-निकासना क्षणात्म (शांक्रत्यव) वर्षमाम । क्षणा श्रीवानकीनावको ।

.२७: डोक्करेडिक **ब**र्ड जीन्।मरव्याम कुछ, जीनाम बुव्यायम । चे चे वाधा-अब-स्यावनकोत स्था। রক্ষক—শ্রীগণ-ভিনাপ ব্রহ্মচারী

## (२८) औशत्रवहरत वर्ड

निधियावनाः मीजानुक

এখানে ইভাগবত পাঠশালা • ब्रीटगांव विद्यान विनामणीय द्रम्या बस्तमान । ত্রী ভক্রগোরাজ-ত্রীর স্কৃত্মিকা গরিধারীর ক্লক-ত্রস্কচারী ত্রীনুসিংচানক ও একচারী न्त्रीनक्षणाम ।

### (२०) ब्रिटेड्डडर्गाणीकोन्न वर्ड

हुम्बकुका, विबक्का, यानकृषा हैश चौदैव्यन-महित्र नाथा। क्लक---चौद्रमाः नाथ बाब, ट्रीरफ-शानक उक्ताबी। ट्रीशाव कोच अववानाम ।

#### (२७) वहामदशीखोड बठ

केनेटकान, वारमचन, क्रम्मान । अपरदन जीरशोबविद्याप-बाटम्बः अवः अस्यामः। वक्क क---- अस्त । वी-स्थित्वन महा ।

## (২৭) আছ্ৰগ্ৰাড়া অগ্ৰাজ্য-নঃ

अभिन्याणाः त्याः मास्, अत्या जनाटन वक्ष जुक्ने हैं जात्शाबारक स्मन वर्षवान । वक्षक---अववानी जीका हरू--मान, श्रीकाशाहमन अक्कार्ता

## (२৮) पिक्वा दगाकीय नठ--- विक्री

Str Con Children, Ind lugit त्रक -- जिम्बियामी श्रीमहाक महाक शिवि वर्गाणाय, जीवाशान प्रविभूत्रक (२३) द्यामाजनाया कन्नास्व

वक्क व----खनक्षत्रको का व्यवस्थान

#### বিভিন্নছানে মহরম উৎসব কলিকাভায়

গত বৃহম্পতিবার রাত্রিতে মহরম উৎসব উপলক্ষে অসংখ্য মিছিল কলি-কিতির রাজপথ পরিভ্রমণ কশিরা গোয়ার বাকু লার রোড স্থিত মৌলালী দরগাতে नमराउ हम। के सानी नाना हिक विधिक व्यात्माट छेशानिक क्रेग्रा के देश-ছিল। বহুলোক এই লোভাযাত্রা দেখিবার ব্দস্থ রাপ্তার ছইগারে হৃত্ হয়। এই উৎসৰ গভ ২৯শে সকাল পথান্ত ছিল। विश्वस्थान क दकान घडेनाई घटडे नाई।

গত ২৯শে মে অপরায় কলিকাভার নানাখান হটতে মিছিল বাতির ভইয়া কারাবালাতে সমবেত হয় ৷ সেই স্থানের **এক পুছরিণীতে** ভালিয়া বিসক্তন দেওয়া হয়। গভকলা অপরাফ্রে মেছুয়াবাদার ও আমহার্ট द्वीटिंद नक्षम अटन छुटे हैं। আথড়ার মধ্যে শান্তিভঙ্গের আশকা হইয়া উठियादिन। किन्न भूगिन उरक्षनार ভণায় উপস্থিত হইয়া তাহা পামাইয়া দেয়। অক্স কোথাও কোন উপদ্বের मःवाम পাওয়া যায় নাই।

ণত ২নশেও ৩-শে মে কলিকাতায় भूगित्यत्र वित्यस्य वावस्य कन्ना २१ वाहिन । পুলিশ আখাদা গুলির প্রতি সম্নিক দৃষ্টি রাখিয়া ছিল।

### নোয়াখালীতে মিঃ ফলসুস হকের 44 31

নোরাথালীর ২৮শে মের সংবাদে প্রকাশ, মেলা বোড এবং মিউনিদি-প্যাণিটির মানপত্তের উভরে মি: এ, কে, ফলপুল হক বস্তুতা প্রস্থাকে বংগন --

\*\*বিগত গোলটোবিল বৈচকের সময় কয়েকজন বুটিশ শ্রেতিনিধি ১৬ জন মোলেম প্রতিনিবির নিকট আদিয়া প্রভাব করেন, 'আপনারা ঘোষণা করুন (व शक्क निकाहन जाया मक्त कहा ना হুহলে আপুনারা ঔপনিবেশিক অধিকার গ্রহণ করিবেস না ।"

অভঃপর মি: হক বৈশেন, তাহার: অর্থাৎ মোলেম প্রাতনিবিগণ এই প্রামণ শইতে মধীকার করেন। কেননা ঠাগর। চাহেন ভারতের স্বাধীনতা- এট স্বাধীনতা **(क** नि मुख्यभाग्न विद्याद्यत चार्थित चर्मक উদ্ধে অবস্থিত।

<sup>১০০</sup> মি: হক ভাহার দেশবাদীকে আখাস **ী দেন যে, যদি** তিনি থিতীয় গোলটোবিল ুৰৈঠকে যান তবে তাহার খদেশের খার্থের পক্ষিই কথা বলিখেন। তিনি তাহার मह्दर्जीविशत्क निरंक्रापत मत्या किया অন্তান্ত সম্প্রনায়ের সহিত বিরোধ করিতে निरम्ब क्रान्।

विश्वाग्याङ्करः। कतिया है। होका मुख्य व कुछ। श्रमान करत्रन আত্মদাৎ করা ও ডজেন যড়বল্ল করার षाकित्यार्थ काठीय बाद्यिवकान शति-यानत थाकाकि श्रीना इ छहाठाया जवः টাইপিট মুরলীমোহন ধর শিয়ালদহের পুलिन माजिएक्वें मिः धम. ८०, नान-গুপুর বিচারে ৪ মাদ করিয়া সভাম কারদেপে দণ্ডিত ১ইয়াছে। আগামীরা **काळात्रत निक्छे इहेटल है।का आला**त्र ক্রিয়া মিখ্যা রসিদ দিয়াছে এবং টাক। প<sup>2</sup>तेनस्तत शांडाय क्रमा (एवं मार्डे।

#### তুষ্কায় শংগ্রেসনেতৃর্ন্দ

বারু রাজেল্প প্রসাদ, অন্যাপক আবিচল বার, পশ্ভিত বিনোদানন্দলী এবং শ্রীগৃত শ্শিভ্ষণ রায় প্রমুধ কংগ্রেস নেভুরুন गए २५८म देवनाथ क्रमकाम ल्याकिमा-ছেন। ফ্রেকার গ্রাউওে স্মধেত জনজা ভাছাদিশকে সাদর সম্বন্ধনা জ্ঞাপন করে। ছিপ্রহরে তাতা । গোদার গান্ধী व्यक्तिकेन पुरिक्षत्र मध्यक्ष अक वर्द्धन्त्र (सन्। वकु श्राध्यमात्र वातु घराङ्गम् ध्यतामः, विश्व - निराह होताह वरदर १ होता है होते हैं न्दान्य मरशा जनना कतिया तर्लन, গ্র ১৯০০ সালের আন্দোলন দেশে একটা নব হুগের হুচন। করিয়াছে। **উक्ट ब्यान्यवानंत्र देविन्छ। ३३७७८६** रेनगा, मध्यम, माञ्च ও निष्ठाः व्याध्यत्र স্থাদীনতা ভিনি স্কল্কে 47.47 व्यक्तरमञ्ज व्यारमाशरम । १४७ (१२४४ ४८९ र्याश्रमान कतिर्देश अञ्चलाय कामान । বঞ্চাৰ উপ্দংহারে বাবু রাজেঞ্জপ্রদাদ शकी वाक्रहेन हुलि, हिन्दु मुझिम। मैका, ভারতের সংখ্যা গরিষ্ঠ ও সংখ্যা লখিষ मुम्बादायंत्र भट्या अवस्थतं महत्याविष्ठा · । शांप - व्यक्ताद्वतः सन्यक्षा विरमम् । বিশ্বতি করেন। অভ্যাপর ভিনি ইহাও বলেন যে, ভাছার মতে দেশের স্থানী-न'ः, बाष्ट्रनाड मुक्रा मांक कांक।

বিদেশীর ব্যাধ্যা বাণিছ্যকে সভাষ্য क तिला एग मिनीय निरस्त **ማ : ቀ**ርፕ ক্তি হয়, বাধু রাজেক্সলেন্দ উপ সভার ভাষাও প্রভাবে बुनाइग्रा वर्णन !

অদ্যাপক আবছলবারি ভাহার বক্তভা প্রেদক্ষে ধগুড়ের স্বাধীনতা আন্দোলনের ইতিহাস বিব্রস্ত করিয়া मृगलमानभिष्टक जाशास्त्र मुखदगीत्र र পুনক্তারের ওয়া হিন্দুবেশ্ব সহিত বোগ विटि ग्रेनिक्**ष अञ्चरशाय का**नांन।

श्रीगुरु माण्ड्यत श्राय मखिल विदनामा নন্ত প্রীযুত্দগিরিপ্রদাধ পাঙ্গে সমবেছ

জাতীয় জায়ুর্বিজ্ঞান পরিষদের । জনতান্ট্রে চরকার হতা কাটতে ও বদর थाकाकि ଓ ठाइ शिट्डेन कातामण । वावनाक क्रिक्ट अस्ट्रांव सामाहेग्रा

### रुगली विकाशिकात আথিক সাহায্য বন্ধ

বর্মান বিভাগের সুল্সমুক্রের ইন্সে-ক্টারের সম্মতিকমে কেলা মাালিটেট মিঃ এল,এদ, লাকিন :১৩১--- ১২ সালের জরু তগলী বিভাষন্দির ও তৎসংলগ্ন लाहेर बन्नी जवर देनल कुरणन आधिक शाहाया वक्ष कतिया भिवात क्रम छन्छो — চু<sup>®</sup>চুড়া মিউনিগিপ্যালিটিকে প্রাম্প मिया कि त्वम । भिष्ठि निम्मा निष्ठि एक আরট শাব্র ভাবিয়া ८म चित्र १८७ स এবং অাথিক সাহায় জিলার পঞ্চেট প্রান্তার এংগ করিয়াছেন। প্রাপ্তটি কোনে বাছমান নিভাগ্যের কমি मनारतत निक्छे ८९५ कता व्हेग्रास्ट । উহোর নিজ্ঞার কল্য ক্সন্যানারণ আপ্রের সহিত অপেজ। করিছেছে।

#### ত্ৰহ্মদেশে ক্ৰমি ঋণ

अक्षरमध्य क्रुग्रंकशनध्य ऋग् भिवास क्छ द्वरभत् वाट्यटि ১० मण भक्ष क्या - क्षे ्ट्याम्टन्त श्वन (घना **২**ইতে কুষক পে অধ্যাত কাণ চাভগ্য বর্তমান গ্রণ্মেন্ট এইছক্ত অয়েও ১০ लक है कि पिट शिव कि विद्यादिक न । कह **ঢাকার ভত্ত শংকর: বার্থিক দশ টান্যর** পরিবর্তে ৯০ টকো করিয়া পুদ লভয়া र्हात ।

## अका विध्वाद 🗣 मिन ८ जनाभ विद्याशीरपत थ। क्रमन বিভিন্ন জেলায় ভাকাতি

প্রকাশ, থারাওয়াডী, ৻৽নজাদা, টুপু ও চনসিন জেলাসমূহে বহু ডাকাতি ্রতেছে। টুরু জেলার একটা চট্টগ্রায়েমর পরিবারে কভাাদক ভাষাতি কর্মাছে-धक्षी (त्रम (रंभन । भाक्रास क्रेगाइम **এবং বনবিভাগের এক বিশ্রামগৃহ** (लाफ़ाइया पियारङ। इन्मिन (क्यात থাওলেট অঞ্লের এক গ্রাম্য মাতকারের ৰাড়ীকে ৩০ জন বিজ্ঞাহী আক্ৰমণ क्रिया छ।एकत त्रिम नहे क्रिया (फ्लि-ষাভে। মৌবিনে পটা ভারতীয় বাড়ী ्लाफाइका (मध्या इहेबार्कः, माम्लागरव ২০ জন উদ্ধি পরা শোক এেপ্রার

### महिलारतत क्षा कि मिर्देश मारी

शिमणात २५८म दमने भःगारम व्यक्तान নিশিল ভারত নারীসজেলনের পুরু 📆 🗸 ेड काम महिला यक्ष्णारहेत किक जानेक করিয়া আপামী রাউ ও টেবিজ কমফাত্রে नक्ष कतिनात छेत्मरश छेहारक माहीर क्षिञ्चितिराज्य मानी त्थम करत्रम । आहे। দনে ভাঙারা বলেন যে, পুরুষস্তী স্থাই (हेनिन कनमास्त्रस्थ मांब छुडेक्टम अं किरणन, डोश्रामन्न मर्सा उक्कमक कि. 🕙 ভারত নারীসমেলনের প্রতিনিধি মার্টের छैशिता मार्वी करतन त्य, ष्यानाभी कमकर् রেন্দে তাহাদের পক হটতে অস্ততঃ ভিন জন প্রতিনিধি শগুরা হউক; কারণ তাহাদের প্রতিষ্ঠান ওয়ু নিখিল ভারতীয় প্রতিষ্ঠান নহে, উলা নিখিল ওলিয়া-প্রতিস্থান।

#### **কটকে অগ্নির লেলিছান ভিত্**

গভ ২৮শে মে অপরায়ক:বো এব व्यधिकारक क्रिक्त लाइ ७० बाना है। ज्योज्य देवेबार्छन्। सामस्य कर्डक कर विद्यकानमा द्वाचा श्राध्यक्ष मुख्य वाष्ट्री अद्र वादत भक्त इनेपाटक बांगवा श्राकाण । व्यक्ति কারণ অছাত।

#### द्वारय कराजिले चारमानुस

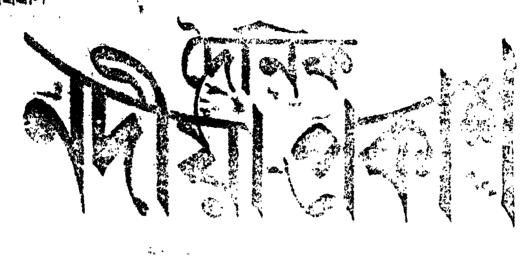
প্রকাশ, ক্যাথলিক গণ্মের বিজ্ঞান ফ্যানিপ্রখণ পোণের বিষয়ে প্রা भारमानन हानाइटरह् । उदात्र क्षेत्र क्षेत्र ७त ३ ६४।त १कन (लाट्लक व्याचाम व्यक् উটালীর বৈক্তথন পাহারা দিক্টেছে अधान अधान अधिकारन भूगिण खोष वभान व्हेंबार्ड, भारतक छान व्यक्तिहार, प्रका कामाना गाठि ଓ हेंद्रक्त बा ভोषिया (५७वा ध्हेब्रास्क्। अञ ছাত দেউ লোয়ানিমের কার্থলিক ঞা शना प्रियाटक जयर ''८णाण निमास साक्षेत्र ববিষা চীংকার করিয়াছে। **ভাছা**র दनवारन करनक खखामि कतिरण भन्न केणिन ভাষাদিগতে ভাড়াইরা বের। এক্টেন भवागावक अनिरमद विकर्ध अस्त्रिमि कत्रिया निर्देश्टरहम ८४, भूगिन अव्यक्तिय क अधि ममर्थन है क ब्रिट एक ।

## যুক্ত রাষ্ট্ররণ কমিটার অধিটিন্নর

গভ ২৯শে মে রাজি এগায়টার 🏲 शिमना **क्रेट**क एटमाभिटक्ट**केट ८७** কলিকান্ডা অফিনে টেলিকোন খে रव भःयाम च्यामिबाटक काबाटक त्याम गश्चरन बाह्रेक्रण निक्रणन क्रिकीब ब (यणम क्षे (गंटकेयरक्ष मर्गः इ**वे**टि छेशात्र भटत मटह ।

শ্রমান" শব্দীপ

প্রাভবাবে প্রাভবাবে প্রাভবাবে প্রাভ কর্মান্তর্গ কৃত্ত কলম ০১০ কৃত্তি কলম ২২ দুক্তির কার দুক্তির কার



**受けるとなる とうない あまる 出世でも一日前にして かつか まかしまる カンゴル** 

महमारमान काम श्रीकार कर नामिक राज्यां मिक २ ५ -भागिक २ -भागिक २ -

৬ষ্ঠ খণ্ড ]

मन्तिक- छै छ छोल् नाथ रहनगाभाशाश् (तमायुगाइक्पानि

विश्वेम स्रमा

প্রাটেলন্ড প্রাথার মার্কার্ড ১১লে জৈন্ট আলস্থার ১০০৮, ১লা তল ১৯৫১

## নান। কথা

### রাণাঘাটে ভাত গ্রেপ্তার

### **इक्केशाय** कालागात सुर्थ स्मत (जन

বাবেপ্রনাপ গোষ নামক মেড্রিক
কাণের ভাইনক ছাত্র বালাগাউ লোকল টেগে বিনা বিশ্বটে সমন করাব সময়
কুমান ভারাক্তিনিকট চিকেট সাতে,
নচেৎ চিকেটেক দাম নিতে হহবে নগো।
কিন্তু বাবেপ্র উলাতে অহাক্তিত হলটে
ভারাক্তি বিষপ্র পানালয়ান করা হল্
ফলে ভত্মগো চউজাম ও অলাভ প্রানের
মানচিত্র প্রকাশ হল্মা প্রেল্ লোকাতে
ভারাক্ত বাড়াও পানভেলাল করা
ভাইনাক্ত বাড়াও পানভেলাল করা
ভাইনাকে।

### আমেরিকা হইডে গান্ধীজাকে ভাষেণ

মহাত্ম। গানী আমেরিকা হহতে ছইথানি ভার পাইঘাডেন একথানি গুরাসিংটন হইডে, অপর থানি ক্যাণি-ফোর্নিয়া হতে। উভয় ভারেই ভাষাকে মুক্ত রাজ্যে বক্তুতা দিয়া জনপের ভঞ্জায়ন্ত্রণ ক্রাহ্র্যাছে।

এই সম্পর্কে ম্যারি লীচ নাম্ক এক বাজি নিজেকে ভারতবাসীদের একজন আজীবন বন্ধু বলিয়া পরিচয় দিয়া বর্ণনা করিষাক্ষকা-

মহাত্মা গান্ধী যদি আগামী গোল
টেবিল বৈঠকের পুর্বো যে কোন এক সূময় যুক্ত, রাজ্যে আগমন, করেন এবং নিউ ইয়ক সহয়ে ৫টি বিনও অবস্থান

## রাণাঘটে ছাত্র গ্রেপ্তার

আমেরিক। হাতে গাংটাজীকে অনিজ্ঞ

## খাদি পরিহিত পাদরী

ভাতে ভাগা নিয়ন্ত্রণে সহিমন মানে ব

## লবল প্রস্তুতের সর্ভ

পানীজীর মতে কংক্রেদে বিরোধ গ্লানিজনক

# বৰ্জন সম্পাৰ্কে স্বভাষ্চন্দ্ৰ

মুসলগান রঘণীর আত্মহতারে চেউ।

# মিশনারী প্রচারক অভিযুক্ত

উ**ৰ্দ্ধদেশে**র বিবিধ বৈজ্ঞানিক তথা

# বি এস্ সি শিক্ষক চাই

শীধান-মাযাপুরশ্ব ঠাকুর ভকিবিনোদ ইনষ্টিটিউটের জন্ম একজন বিত্রসংকি শিক্ষকের প্রয়োজন। উক্ত শিক্ষকের গদ-রাহণেচ্ছুগণ খাল অভিজ্ঞান বিবাহনত সক্ষানিয় ভক্ত টাকা বেজনে ভাগা ভলিতে শারেবেন ভাষা উল্লেখপুরুক 'মের্ক্টারী, ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইন্টিটিউট, শাহ শীলায়াপুর, মদীবা'— ঠিকানায় তে নিবিবেন। নিকাচিত শিক্ষক বিনা গ্রহায় আহার ও বাহন্ত্র গাইবেন।

াছিল ভারামার স্থায় প্রকাশ । বর্ষ ভালার জ্যান্ত্র কাল্যান্ত্র ভাগান্ত্র জ্বা ভাগান্ত্র ভাগান্ত্রন ভাগান্ত

### সাজ্বাজ্ব মতে কংগ্রেস াক্রোম মানিজনক

মধ্যাত্রণ জগন্ধা শহীদা জীপন্ত গাঁও জানুত্র, বাংলা জিলাহান্ত্যন্ত্র ১৮৮

াশী প্রানেশ ক হয়ব কমিরান মৃত্যু বিহার বারবার কারি হতা হয় বারবার মান্ত্র কার্যান মৃত্যু বিহার বারবার কার্যান বারবার মান্ত্র কার্যান বারবার কার্যান বারবার কার্যান কার্যান কার্যান বারবার কার্যান কার্যান বার্যান কার্যান কার্যান কার্যান বারবার কার্যান কর্যান কর

## শ্রীধাম মায়াপরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইন্টিটিউট্" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

(थाना रहेक्राट्ड।

মান্ত ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে মান মাজের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ভাতগণের জন্য বিনা ব্যায়ে স্থানর বাসভানের বান্দোলস্কর্টার ছোন অতীব প্রাত্যকর।

রূপঃনগর্ধ হাইট্রীটে অব্ধিত

## শ্রীভাগবত প্রেস

সুলভে সুন্দর ছাপার জন্ম চিরপ্রাসিদ্ধ

এখানে ন্যাক্ষ, ফোকর্দন্যা এবং ইউনিয়ননোর্ডের যাবভীয় ফরম্ ও বসিদ নিক্রয়ার্থ সর্বাদ্য প্রস্তুত থাকে।

মকঃবল হইতে লিখিলে প্রত্যেক ইউনিয়নবোডের নাম ছাপিয়া দেওগাহয়।

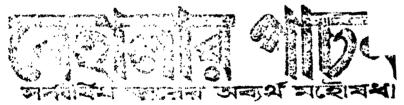
াবধাহের উপহার, নিমন্ত্রণ-পত্ত চেক, দাখিলা, আর্ক্সি প্রাকৃতি ছাতি মঞ্জে সহিত ভাতি সম্বয় ছাপিয়া দেওয়া হয়।

ইংরাজী বাঙালা হিন্দা ও সংস্কৃত ভাষায় পুস্তকাদি ঢাপিবার অব্যুক্ত আতে

মকঃখলের গ্রাহতগণ নির্ভাবনায় নিম্নঠিকানায় ডাত্যোগে অডার পাট্টেডে পারেন।

> ম্যানেসার জ্রীভাগনত এেস পো ক্ষনেগ্র, নদীর

## ক,বরাজ শাশভূষণ কবিকপ্ঠাভরণের



মাদ্রেলের ও নগার জারা ৬ আঃ শিলিজে ঘণীভূতে অবস্থার চোটবোক্তোর সমপ্রিমাণ ক্ষ্যান্ত্রিক প্রোন্ন ৬৪, বতাজে ঔষ্পেষ কোল প্রিক্ষন করা হয় নাই। মুগ্য প্রাভি ক্ষিক্ষাত্র অব্যান্ত্রিক জানা, ব্যাণক ১৮/০ আনা।

ভাষিত্ৰ ১১ৰং উল্টোডাঞা রোড, পোঃ শামবাজার,'
কলিকাতা

# यंप्रव न अर्थ

দটাত য করা বা বায়ুবিকার, ইপ্রিয়ুক্তির হান, বাত্র গৈ প্রস্থাত, ব্যৱস্থান, বাবাংশবা, বুল বন্ধ মন্ত্র বি, পশ্লি বাঞ্চিত লগত সম্বর্গ বিন্দোষ বাবে, বা হয়। বল, বাব্য, বেবা বৃত্তি করিকে অধিতীয় ইবিক। সা ৩০ বন্ধী ১, এক টাকা।

## शहर्षामन

ना

## কোষর্দ্ধি রোগ

ডা: এস. এন, খোষ বিনা আন্তে, বাৰক্ষীবনের গ্যাহাটি দিয়া বৈছাভিত প্রধানাতে কোববৃদ্ধি রোগ আরোকা ক্রিয়া থাকেন।

> विकास---अभ्रम करेम द्वीरे, बढ्वाबाद, काकाखा ।

## হইবেন

## দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

প্ৰবন্ধ দিনে সম্পূৰ্ণ আব্যোগ্য

বোগী দেখাকতে কলনে। অগ্রিম পাণের পরচ (যাওয়া এবং আসার)
পাঠাল গানা ছোগী দেখা হয় অথবা এখানে আসিলে হোগী দেখিয়া
ঔষণ দেওবা হয় আবোগা না হওয়া প্রায় পারিশ্রমিক দিতে করে না।
গানীৰ বোগাদের খারচ বহন করিবা চিকিৎসা করা হয়। কিন্তারিজ
বিবাণের জন্ত এক আনার ভাক দিকেট সহ নিম্ন ঠিকানার অন্তসন্ধান

আঁফিডীশচন্ত্র উকীল, যদ্মা-চিকিৎসক, গোঃ নৈকাঠী, বহিলালু। অগণ: নিমু ঠিকানার সাক্ষাৎ করিচা নিস্তানিত স্বানিতে পায়েল।

উল্লেখ্য রাম্পোগাল দত্ত এম, এ, ক্লক্ষ্যর, মদীয়া। **উল্লেখ** নিংগ, ১১৭, বোণরাটোলো ব্লিট্, লাটগোলা, কালকাতা।

একখানি পত্ত। অ সাব প্রভুপ্ত গছ হয় মাস বাবৎ রাজ যক্ষ্ম ভ্রিয়া মৃতপ্রায় করবাছিল, কলিকাভাব বিজ্ঞ চিকিৎসক্ষণ ছাবছ ভীবনের আশা করাছ করিছা শেষ মুক্তের জন্ম অপেক্ষা করিছেছিলেন তেই সময় প্রিয়াছ কি শিল্ডক উকিল মহালয় মাত্র ২০ দিন চিকিৎসা কাবর সম্পূর্ণ আব্রোগ্য করিয়া দিয়াছেন। (সাঃ) প্রীয়াল কিলোর বায় চৌধুরী (অমিদার লাভিয়া) হল্ খ্রীট্, নিউ বিভিন্ন। কর্গোরেশন লাভিয়ি ডিপ্টিমেন্ট্, কলিকাভা।

# শ্রীনবদ্বীপ পঞ্জিকা

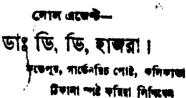
भोड़ाक 880

মাত্র ৯/১০ ডাকটিকেট পাঠাইলেই বুকপোরে পাঠান হয়
ম্যান্সেকার—গ্রন্থাকিকাল

हिट्ट छम्बर, त्याः हीमाया पुत्र, नेपीता

## মর: মানুষ বাঁচাইবার উপায়

যদিও অন্থাণি কাক্ষত মনা মান্ত্ৰ বাঁচাইবাত কোল প্ৰথম আনিক্ত তথ নাই সংলা, কথাণি বাঁভাৱা নানাবিং অনিব্যাত উপায়ে আনহিনিত লক্ষি নাই কৃতিরা ভাগন্তে মরা ওইয়া বাঁভচাতেন এবং নানা প্রকার মেব, ক্সেত্রে মাতৃ বাঁধানা, আম্বিক চকালতা, বঙ্গুত্র, চংখ্ম, পার্মান সংক্রান্ত পীড়া, অল এবং গ্রীপোক্ষিপের্ম্ভারে যাভা বাশক, বঙ্গা, মৃত্রবংসা, স্বভকা, বেন্দ্র ও ইচ্চপ্রান্ত, তিনিয়া ক্রেন্দ্র ক্রিয়া আছিল নিয়াল ওইরাজেন, তাঁভার-আমেরিকার অপ্রাণিত ভাজাত পেটাল সান্তেবের আবিছত ইলে ক্রিকা সালিউসান ব্যবহার করিয়া বাঁচিতে পারেন, ভালার লভ সভজ ক্রেমান ক্রিয়া বাহাল বাহালা ভাইতে পারেন নাই, ভালারা অক্যান এই প্রথমী বাবহার করিয়া দেখুন। এক বানের বাবনারোপ্রোপ্ত আক্ নিশি ক্ষম্ব ভাক্ষান্তন সহ সাভ উল্লাম্যার।





## জিহ্বাবেগ

বিশ্যের প্রতি ইক্সিয়ের গতিকে ইক্সিন-(देश वरण । विषय शिष्ठी-- क्रांभ, भवा, शक, त्रम अतः म्मर्म। विवस्त्रत आहक के क्रिक्र के भी ठाँगे— ठक्क कर्ग, नामिका, बिक्सा धवः चक् ।

निङाक्तभाग जीव निज्ञश्रद्धात्रका কুলিয়া এই প্রপঞ্চে আসিরা পড়ে। এই সংসার বাহাদৃষ্টিতে ভীবের স্থাভোগের चांगात्र घटेटम ८ हेटा वक्षकीरवत सन्त्र-कात्रा-গার মাত্র। অপরাধী ব্যক্তির অপরাধ শেচন্দ্রত্ব যেমন করোগারের সৃষ্টি, সেইরূপ এই সংসার-স্কৃষ্ণবিশ্বত জীবের শান্তিগৃহ।

**हिर्क्ण की**व---हिर्श्या श्रिक्रफब्र छहेश শক্তির পরিণাম। স্তরাং সেই ভটত্বদশ্রে শীবসন্থায় সেবাধন্ম ও ভোগপ্রস্তৃত্তি জনাদি-कान इहेट्ड वर्षमान। (धकारन रमवा-ধর্মের হ্রাস, সেকালে ভোগতার্ডির উদয়। এই ভোগপার্ডির উদ্যে মারার প্রতি **क**ष्टिनिरवल्डे कीरवज्ञ वक्तम । गुन्त ७ यून-(करण वकावणां: अहंगी कावतन। मन, বৃদ্ধি ও অংকারাত্মক স্থান্তাক্ত ভেদ্ ও ক্ষিতাপ্তেকোমক্রোম এই সুলব্যক্ত পঞ্ ভেদ। কুল্লদেইটা বাসনামগ্ৰার বাসনার শরিহান্তির দহার সুলদেহ। বন্ধলীব এই ভোগারাভন দেহবয়ে 'আমি' বুদ্দি করিয়া कर्ड्याडिमारन अङ्विमरतंत्र रहान्छ। मासिया--८ছन, बेश्डे कीर्यय गरमात्र ।

भूगामा मणी हेल्लिए व माना क्रिक्ता---तम मध्याद्य यथ्। विद्यादात्र कामना थाक्षप्रवात करें, किता, क्या: अटक्टम वह-বিধ রসের আখাদন এছণ করি। গৃহীত बाषकरमा देखिएकर्णग्रह्मारम बामारमञ्जलह द्रिक्छ ६ शूहे इम्र। स्वकृत्व किन्ता थानास्तात्र बात्रा (नश्तकात्र कथा जुनिश ইন্দ্রিয়ের স্থলালসার কেবলমাত্র রসাধাননে वाक रम, ज्यनरे विस्तादन। देश विस्तात व्यमस्यक व्यमच्या विश्वात व्यमस्यक व्यवस्था দেহে কত প্রকার রোগের উৎপত্তি হর, **छाश (कांगिशन बोमिश 9 ना बानिएन ग**र्यक वास्किशन (वन वृक्षित्क भारतमः। मःएड किस्ताम बाध्यस्या अहरन रमजल रमरम्य अहि माधिक एव, व्यम्भक विक्यापादम स्मरहत ভৰিপরীত অপুষ্টি বা রোগকলে মৃত্যুও माभिक श्वेटक भारत्र।

विচামেও विक्वादिराञ्च मान इत्या উচ্চত (भश्नात्मत्र मुखावना । विवा मरह। किस्वात्वरण रक्षणमात्र त्व किस्वा अक्सन ठिकिश्नरकत् कवा मरन शरए। অসংৰক্ত হয় এল্লেশ নহে; এই সংখ কোন ধনীয় আছে কুকয়েকটী ত্ৰণ হওয়ায় छेगम ७ छेश्राचम त्वम मुक्ति एव । किस्सान किनि नक्षणात भरीत ब्रेटेश अक्कन स्टिक्टि-বেংগ বিহুলা অব্যান্ত, উন্নয়ের বেংগ উন্নয়ানর সংকর শরণাগত হন। ভবিষাৎ-গুলী ঐ क्ष क्रेनब्रह्मा देखिक्कर्गमाओ वृद्धि । ज विकिश्यक त्या वर्षमान यह करनक विकास क्षेत्रकरण ।

### জীকীওক্ষগৌরাজে জয়তঃ

# দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

## নিতাপাঠা বৈক্পবার্তাবহ

বেদাদি সমস্ত সাম্বত-শাল্পের অকৃত্রিম ব্যাখ্যান্তা প্রমার ভারতে একমার ফুলভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

## জালাম-মারাপুর—১৯শে জ্যিষ্ঠ মঙ্গলবার—১৩**৩৮**

विषया कराइज्य काञ्चलामान छेलाइयुगमुब्दे যথেষ্ট, ভাই শাস্ত্রে বলিগ্রাছেন ---ভিহ্বার লাগিয়া যেই ইতি উতি ধায়। শিলোদরপরায়ণ রুফা নাতি পায় n

किन्दादश ५% गर्नीय । यह हे तम-मःमर्भ পাইবে, ভঙ্ই ইছা অতুপ্ত হইখা রদ-সংগ্রহে বাস্ত হয়। ফিচন: সপত্নীর স্থায় গৃহপতির স্থান্থ লুঠন করে: কামুকের দৃষ্টিতে বহ-পত্নীক মুখী হইলেও ভাহার গুংপের কথা ভুকভোগী বাতীত কেহ বুকিতে পারেনা। डा: १व २ व: ४० (श्राक---

ঞিধৈকভো৯চাত বিকর্ষতি মাবিরুপ্ত। লিলোছফুডির ওদরম্ প্রবলং কুডলিচং 🛊 আগোহরতলপেলদুক ক চ কমাশজ্ঞি-বহুৰাঃ সপত্না ইব গেছপতি, লুনস্তি॥

ক্সিচবাবেগের দাদের অবস্থা অতীব শোচনীয়। রসভোগে প্রমন্ত মংজ বড়িশ-সংলগ্ন আমিবলোভে ধাবিত হইয়া আমিব-ভোক্ষর প্রাক্ষাদনে ব্রিচ হইয়া ষেদ্ধপ লৌহকণ্টকে আবদ্ধ হয়, ভিছবাবেণ্ডের मारमत रमहेक्रल नहा लाख मा इहेश मुद्रा मांड द्या यथा,--

क्रिश्वायाति अमाशिक्षा करना রস্বিমোহিত:। মৃত্যুমিহ্ছতাসন্ধুনিমীনস্ত ৰজিলৈধণা ॥

অপ্রাক্তাম্ভৃতিরহিত প্রাক্ত-বৃদ্ধি-विनिष्ठे द्यार्शाश्रम कनगण्यत्र मीमाःमा मक्ता विवनगान। এই विठास्त्र व्यनाशस्त्र विस्ता-ब्यद्यत यानका दम अध करेनाइक । किन्न जाहा কওদুর কাথাকারী, তাহা স্থা দূরদশী ও व्याधाकक-दमवाधवाविभिष्ठे वास्क्रिशन सार्मन । নিরাহারে অক্সান্ত ইপ্লিমবেগ প্রশমিত হইলেও রদভোগনির্ভি চেষ্টার বাভিরেক क्ष्मन्यप्रामीत क्र' क्यारे बारे, मागातन आद किस्वादश वर्डमान; व्यनाशात

क्तिया नत्नन,—এই उन छनि नर्छमात्न अयम প্রায়োগে নিরামণ হউবে, সন্দেহ নাই। কিছু আমার ভবিষাতের ছবি মনে প্ডিভেছে। কেননা ভবিষ্যতে পুনরায় রণ হইতে পারে। জত এব আপনার গলদেশে অন্তর্গায়েগ্র এই এণ হইতে চির্লিনের মত নিরাময়ের नानका श्रेटिक ।

আবার অস্থ বিচারে স্থির হইয়াছে যে, 🕽 ভিন্নার প্রবৃদ্ধি অনুসারে উহাকে চলিতে **प्रिंग व्यवस्था की**नदीया इठेग्रा व्यापना-অপনিই সংযত হুটবে : কিন্তু ইহা ঠিক বৃদ্ধ वाक्तित्र हेक्तिन-मध्यम्यानतं स्थानः। ८कनमा वृक्त-ব্যক্তির ভোগেঞ্জিয়ের অপটুতাক্রমে ভোগ-ক্রিয়ার ছাস মাত্র ঘটে। উহা বুক বেক্স। তপবিনী' স্থানাম্বগত। ভোগের থাবা ভোগনিবৃত্তি ভোগবাদীর মত। ভাগের ধারা ভোগনিবৃদ্ধি ফল্লভাগীর মত ৷ विषय्वत क्षार्थ वा जार्थ निषय्बद्धन-প্রবৃত্তির ধ্বংস হয় না, জিহ্বা অসংযত রাখিলে কেবল জিহ্বাবেগ নহে, উনর ও উপত্তেব বেগ রূদ্ধি হয়, ইহাও পুর্বেষ বলা व्हेब्राइ ।

শাস্ত্রবেলন যে, যে পর্যাস্থ্য রসনাজয় না করা যায়, সেকাল্য পর্যান্ত অক্স ইক্রিয় किंड इटेल ९ किल्डिक्सिय इ ९मा यात्र नां, किन्द्र प्रमनाकरत्र मरकिन्द्र कत्र कर्ता द्य---

ভাবচ্ছিতেরিয়োন স্থাবিজিতানোরিয়ঃ পুমান ৷ ন জায়েদ্ৰসনং ধাৰ্যজ্ঞাং স্কং ब्रिएक त्रहम् ॥ ( च्हाः ১২।৮।२১ )

অভএৰ এই উভয় সঙ্কটে জীবের কোন পপ এহণ লেম্ব:, অক্সজনাদিগণ তাহার বিচার করিড়াছেন কি ? তাঁহারা ড' ছডি-গুণ লাভে ব্যস্ত। ধৃতি শব্দে কৈ অমুদ্বেগ মৃত্রে বুকার? না ভালা নতে, উপ্তবের প্রস্লে প্ৰান্ধলিভেছেন –

জিহোপছৰ্মা ধুডি: (ভা ১১।১৯।৩৬) আবার এই হমাতীত বিচারে শাম বলিভে-८६न,--- इतीरकरम इतीकामि यमा देवरा পভানিহ। স এব হৈৰ্ঘমাগ্ৰোচি সংসাৰে।

ममरा हे खिराता व्यथिशीच 🗟 🕬 । ভূত্যের কর্ত্তবাই প্রাভূসেধা : প্রাভূসেবা ভূলিয়া ভোগৰুদ্ধিতে দাদের প্রাভূ ১৪মার ব্দক্রই এই গুরুবস্থা। পুনরায় ভোগে ছাড়িয়া धानुरमनाम निष्क घटेल निष्क भारादेव डेमग्र इस । जो म्मून, महाचान्तर अवतीय কিভাবে রসনা আর করিয়াছেন---

'রসনাং তদপিতে' ( ভাগবত ৯।৪।:৯ )

জাগতিক বস্তু সন্ত--- ত্রিগুণমর। আহার্য্য দ্রবাও তিবিধ। তামসিক ও **রাঞ্**সিক থাত অপেকা সাত্তিক থাত প্রেচ হইলেও डिका खल्ममा आत छ । अन्यतिद्विष्ट অন্ন নির্ভণ। ইহা ত্রিগুণাতীত অর্থাৎ অঞাকৃত 'মলিবেদিতত্ব নিগু'ণম্ ॥'

সেবাবুদ্ধিবিশিষ্ট ভীব অহকারমূক। আর বন্ধজীৰ প্ৰাক্তৰ অভস্কারে মন্ত : সেবা-পরারণ জীব মধাপ্রসাদ সেবন করিতা আনাহার ও অভ্যাহারের দাস নহেন, পরত্ত ভাঁহারা জিতেক্সিয় ও ইক্সিয়খারে শুরীকেশের সেধা-্যুক্ত। ইহা একাধারে ইক্সিয়ন্ত্র ও ভগৰৎ-দেবার অপুরু সম্মেলন। ভোগধাদী 👁 क्ष आंगात्र कांग्र हे क्रिश्तरांग्रहत वा क्रिक रेलियध्वः एमतः अकत्रण मात्र न**रहः। छादे** ভক্তরাজ গাহিগ্যছেন--

মহাপ্রসানসেবা করিতে হয়, मकन प्रारंभ करा।

শাস্ত্র পুনরায় বলিগছেন, 🕮ভগ্রাছ-বেদিত অন্ন মহাপ্রাদ, আর উহা জন্মভুক্ত হইলে মহামহা থসাদ। মুভরাং ম**হা**প্রসাদ **७ महामहा**धानाम रमवनहे **कीरवत विद्यारत**न প্রশ্মনের ও ভিহ্বাছারে শ্রীভগবানের দেবার যোগাতা প্রাপ্তির একমাত্র উপরে—

खक्तभागवृत्ति व्यात्रः छक्तभाग्रज्ञा । ভক্তভুক্তশেষ্দ্র-ভিন সাধনের বল 🖟

## 🖣 মন্নিত্যানন্দ প্রভু

্ শ্রীনারায়ণ দাস অধিকারী ভক্তিস্থধাকর ভক্তিশাস্ত্রী এম, এ ৷

(5)

নিতাইচরণে করি অনের প্রাণ্ডি। নিত্যানক্ষ্পণা মাগি ক্রিড়া মিনতি ॥ নিতাইএর করূপার নাহিক অবণি ৷ নিত্যানলকুণা বিনা নাছিক নিচ'ছ **এও#তদ্বের শ্বরণ** নিত্রানন্দ। গৌরাজ্ঞপার জানি নিভাই মহত গ্ निकानसङ्ग्राग टारे रव मर्समिकि। অপ্ৰাকৃত নিতাতৰ হয় উপল্'ৰি গ **अत्योतस्मात्रणम** त्यति **अस्यम्** । শতি নিজাননালিম **ওম্ভূপা**ধন ম গৌরাম্বরুণাথ নিতানিক্সপ্রণ পাই। নিতাই ভলিলে রাথারকলেকা পাই না

বছৰীবে কুপালু নিভাই গুণধাম। নিতাই ভঞ্জিলে সবে লভে পরিতাণ॥ অবমৃত নিতাইরূপা অসম্ভব অভি। गहा ना मानित्य इव अध्यय कुर्वे छि । বন্ধজীব কৃষ্ণকুপা হইতে নঞ্চিত। তপাপি সর্বাথ। নিতাইর রুণাপার।। নিত্যাননকণ ভাই গুঢ় অভিশয়। কার ভাগাহীন তার মর্ম ন।হি লয়। कृष्णनामध्यकातमञ्जूषा निज्ञानम । करभाव ध्वकान जिल्हा भक्तकं ववन्ता । নিত্যনন্দ দেহ উটেচতনা তার প্রাণ। আণের প্রকাশ মাত্র নিভানেনকাম। নিভাই ইইডে গৌর ভেদ কভু নয়। দেহদেহী অভিন্ন শ্রীগোরান্স নিতাই ॥ নিত্যানন্দররূপ শ্রীনামের প্রকাশ। নামের দেবক ত্রীআচাণা ছরিদাস ॥ নাম অবতার-হেতু শ্রীপেরৈভাচাধা। এই ছ'য়ে সাধেন সদ নিতাইর কাষা। অত এব মূলত হ নি ভাগেনদ রায়। শ্রীটেতনা প্রকাশ সরূপ সর্বাধা।

### দার্ভিজ্ঞলিং মেলে সিম্ল। যাত্র।

( শ্রীকিশোর মাহন ভব্তিবান্ধর, বি. এল।

शास्त्र (हेम्टन ना शिया देनशाँग रिया কিখা বালির নৃত্ন পুলের উপর দিনা **भिक्षानम् दहेमन इहेटड मिमल।** यो ६६: काम निम अञ्चव इंडेरम् ७ माज्जिनिः स्मरम **চড়িয়া निম्णा धा**लता (क्शनमिन मञ्जय হইবে না। াত্রীগণের এইরাণ ভ্রম যাহাতে না হয়, ভজান্ত হিতৈষী রেলকর্ণকণণ व्यथम मरभङ कंडेरक (व्यवनभारत) ८५ कारवत ধন্দোবস্ত করিরা রাখিরাছেন। কিশ্ব আমানের এমনিই ছভাগা, যে, আমরা ভাগদের কথা শুনিব না ও তাঞ্চলটা काश करिय मा।

অমেবং প্রত্যেকেই 'অমে' ব্লিয়া একটা আমিছের অভিমান করিয়া থাকি। टम्डे कर्णन वश्वति ८क १ व्यानसम्दर्भ देशिः। व्यक्तांशिक क्षेत्रा जांगता व्यक्त शतिनुकः ৰান্ ক্ষিতি, অব্, তেজঃ, মকং ও বেলম-ন্শ্রিত পঞ্চতাত্মক এট পুল দেহটীকেট 'আমি' বলিয়া ধারণা করি ৷ কড়ারিরিজ কান বিষয় চিন্তা করিবরে গোগাত। भागारम्य हम मा । अहे भूगान्दर माधादाव ওর্রে করেশ ইহাতেই আগ্রুজ ১৯৯ থার দেবাসৌটবের ভক্ত আনিরা বাত্ত है। जाना अकारत हैशास्त्र माओहेश शासि ভালভাবে খা ওয়া দাওয়া, ভাল স্থানে বাস नः इन्द्रात्मकरल गाजारङ देशात उप्रिक्ति বান ১৪, সেই সমস্ত কাষ্ট্রের জন্ম ধাবিত এচ कालात 'भन्नीतमांशः अनुभक्तं-भनम्" ब्हें यश्रमात्महे आमारनत अझ-मनीय भर्ष ६६ । १९८७ ।

অভিজ্ঞতা বৃদ্ধির সঙ্গে সঙ্গে যথন আমরা : এই স্থলদেহেভেই আত্মামুভুডি আবদ্ধ রাথিয়া সমষ্ট পাকিতে পারি না, তথন চিদাভাদকেই 'আমি' ধলিয়া মনে করি। প্রকৃত প্রস্তাবে তথন গলপরীরেট 'আমিছ' বিচার উপস্থিত হয় এবং নানাপ্রকার বাছ ক্রি-ক্রসালাদি ছার। ই ক্রমশ্বীবের উমতি। বিধানই আসাদেৰ অনুশালনীয় ধর্ম বলিয়া বিবেটি ১ হয়।

ট্রকল অবস্থায় ঐ 'আলিছি' বিভার কবিবাৰ চেষ্টা প্ৰবল হটলে হানয় বিশাল करः, अञ्जालकात-इ.ध शालम, काम्तांमीत कुल नहीं (बल हिंशीचानवान, रमश्राक्षणा) ० तकात कड सामभागात, शहरा-চিকিংদালং ৬ গেনাশ্ম প্রভৃতি ভাপন, স্থান্ত সংস্থার করা, গেশের স্বাধীনতা লাভ করা, দেশকে অনীনভা মধে ভাগত कता, मकाक्या वद्याः । स्विधनाताव्यव (१) সেবা, ছড়িক ও বস্থাপ্রপাড়েও বাজি-श्रुत्क माङ्गा करा, मध्मालीट अस বিভৱণ, সামাজিক বিবিধিধান ও সংগতি নিবাক্রণ করা, নীতিপ্রাণ হড়া, কক্ষণরাবের উন্নির্পী ৪ . গানের জনু বিচালাস, বিজ্ঞানালেশনা, কাব্য, रहाकतन, माहिना, घनकात रा मन्म-শাস্তাদির আলেচেনা, জান, টোণ, তপঃ প্রভাত ধারা কক্ষণরাবের ভুমি পুতি বিধান করা প্রভৃতি নানাপ্রকার চিষ্ণব্রোঙ আমাদিগের ধ্রেদশ অধিকার করি। বংস এবং ঐ সমস্ত ক্রিয়াকলাণ তথন আনা-(मन नृष्टि या अक्षात वहेश भए। उहेश আম্বলের ধর্ম বলিতা বিবেচিত হয়।

धारी द्वारा ५ - राष्ट्रभातास्त्र । या श्रामुक्ति १५ अञ्चासकात व्याट मिनाएकारकत तारका ল্টয়া গিল ব্যায়ব আগ্রায়ভূতি প্রদান করিনরে জন্ম শতি ও ওপর্যা সংগ্রি भाष्ट्रकात्रण निः मर्गन कतियः निः ८७न । ভংসাহায়ে আমৰ জানিতে গারি যে. আমাদের এই ভঃটা শ্রীবর অনিতা, পরিবস্তুনশার ও ন্থব। গাঁডা বলিভেছেন,---'অস্থ্যু টাম দেখা নিভাগ্রোকাঃ শরীরিণঃ' अर्थाः निद्या उभनीती (य कोन, डांश्रत (तहमक्रम अस्वितिष्ठ । डात्रेड ८५२। ८५ग. শ্রীবী যে জীব, তিনি নিভা ও অপ্রি : আগ্রার বুঙির গারা ব্যন প্রমায়ার অঞ্চ नखननीता । छाडे এडे वी डालाय पूरा छ लाग्य वा त्रवा द्या छवन छेदात मधायदान, কুল শ্বীৰকে 'আনি' নাবলি ৷ তেৰ্ডিরিকা আনে যখন তালানা হয়, তথন ঐ বৃত্তি ভীবারাকে 'কামিছে' স্থাপন করিলা নাকং এডেন, দলা — নি জারতে ভিয়তে বা নীল আত্মসূতি কথনও লপ্ত বা পুপ্ত হয় কলচিল্লাণ ভূষা ভচিতা বান ভূষা দিনা। বিপ্রয়াভ **অবভারত আহার**তি অঞ্নে নিতঃ শাৰ্ডোছল পুৰাণে ন হয়তে इक्रमात्व भतीरत ॥" "दाना मि ओर्गान ষণা বিহার নবানি গুঞ্জাতি নরোচপ্রাণি। ख्ला महीतानि विश्वत सीर्ना<del>द्वश</del>ानि मन्नाठि नर्वान (पर्शे॥"

कीरवर पूर्ण ७ रुक्त महीत छुटेंगे তাঁচার উপাদি বা অনাশ্ববস্থ। আয়া অবিনাশা, অগরিবর্ত্তনশাল, কিছ দেহ ও भन প্রিবর্জনশীল। মনের ধ্যে প্রস্পর প্রণয় ও বিবাদ-বিসম্বাদ বঠানান। স্বার্থ-সিদিৰ অথাং ইন্দ্রিয় চপ্রের বাঘাত হইলো বিবাদ এবং উগার ব্যাখাত ন। হ'লেট ल्पाया शक्ति मृत्र, धेरी सामादात दार प मन अनिवार्ष : ककेट : इस । जिल्ला, नाला, द्योतम, ুপাঢ় ৭ বাদ্ধকা---প্রত্যেক অনস্থাতেই দেহের পরিবঙ্গ হইতেছে। মনের অবস্থাও क्रिक विका ।। अगिडाकारणय भग, मधारक्षिय মন্ প্রদেশের মন্ রাত্রিকালের মন্, অপ-মুখেৰ অবস্থাৰ মন, জোগ ও জোগ্ৰুত্ব অনস্থাৰ মন প্ৰশাৰ বিভিন্ন ৷ এট স্থা ব কৃষ্ণ উপাদেশ্য কোমি বস্তুকে মাবসুগ करिता देखत किछ आपनेस की गरकडु चक्रल डेलनकि इडेरडर्ड नः। इन

কুন্দু লোহৰ ক্রিচাসাকে যদি আত্মাৰ বৃত্তি कहा के, करका इंडेएला अग्राफ्टी दल्दकता शहल স্টেট গ্ৰন কবিত, কিছু তাকা না ইটায় के के इंग्डमध्रनीय शासना च के न्यक्षाक **あって 立ちたはま いちょうちんゆう** 

रहे हा ध्रुपंथ (५०००) ध्रुप्त अञ्चलक्षेत्र । দক্ষাবিদ্যে। ১৮৩৭ বস্তুত গেডানের মালো চল-ক্ষিত্র প্রের । মন কিছু লাভানী कारवाइमः कात्रमा, भक्तरा (का. उन. वश्वव

ব্যাহা । মন কেবল চতন্দ্ৰ প্ৰত কন্ত ক্ষ্যের কার্ত্রকরক ১৬ন এই ইল্ট্রু বস্তর দৰ্শনে বা এলজুকী বান অসম্বা আহে। অন্যাব ভারপাসন করে না। <u>ন্ত্রীভগ্রান বিভূচেখন বস্তু এবং ভীরামা</u> অনুক্রেভন বস্তুর। বিভুল্পর প্রভাব আনু-বস্তুকে আকর্ষণ কর: এবং অপুরস্তব রাত্তি इंग्रेटिक से १४% रक्षांक मान्ने हत्या धर्याः निष्टुटि। धरते अञ्चलीयम् ता (भनः করা। ইয়া বাতীত জীবাল্লার স্বভাবে অস্ক কোন ব্যাপাৰ নাষ্ঠ ৷ এই ব্যক্তির অপবাংকার-**কলে অথাং প্ৰমাত্মান্তনালনের অভাব** নিবদ্ধন গও অনাত্মবস্ততে আয়ার সৃত্তি িল প্রে চাপিত হুইয়াছে।

ডেডনের বৃত্তি সকলে ক্রিয়ালীল। বিপ্রাপ্ত হট্মাছে বুলিগত হট্বে। ক্রিয়া-বর্ত্তমান থাকে, তবে নিভা বিভূচেখনের প্ৰিবৰ্তে অনিতা অনায়ণস্ততে দাবিত হয়, ্ৰই মান। ভাই বলিভেছিলান যে, দিমগা गाइदात উদ্দেশ্তে दाउड़ा ट्रिमरन मिम्लात गाँकीयक ना ठिकिया यकि निश्रानम्ह 'दहेमदन

मार्ल्जिनिः स्मरन हिंद्रा देन, छाहा हहेल সিম্সা যাতার বাপদেশে ধাবতীর জিবা সম্পাদিত হ্টালেও শর্থাৎ টেসনে বাওয়া, টিকিট কেনা, গাড়ীতে চড়া প্রান্থতি কার্য্যাদি সম্পন্ন করা হইলেও যেমন গস্তবাদ্ধল (भोष्डान क्याना, (भडेक्रण मर्खक्षण (मङ्गेष যানতীয় ক্রিণা চলিতে থাকিলেও উচার ব্রিটী অনাধানমতে অগাং মূল ও পদ केलानिमचक्रीय वालात्य नियुक्त क्वेमा বিপর্যন্ত জন্মার ফলে উহার অসমবারগান इडेट्ड शाकांत्र এतः शतकाषा तस्त्र व्यक्तः শীলন না হওয়ার আমবা আমাবেব গস্তবা-স্থাত্ত ব্ৰহ্মপ্ৰিল্ড প্ৰায় প্ৰয়াৰ্থ প্ৰেম গাল হইতে সঞ্চিত হইতেছি এবং সংসাধ-कृत्य हातु हुन् वाहेत् हुन्हि । तनमक इत्या গ্রেণৰ নিযুক্ত চেকাবেৰ স্থায় প্রমক্ষণাময়

নামের ত্রাবিত জীহাবট প্রাকাশ-বিপ্রার সম্মান মুগ্রালার প্রিলী প্রক্রণার ব্রয়ের अर्गनरमनकाल आरमणानी व्यायता किन्नट अर्थे क्षांचन मा, केहा राष्ट्रके क्याटकरात्र निमन्न ।

#### শ্ৰাপত

शीमुक समीरा शकारमध अल्लामक महालय मधीरा सुर ...

বিণ্ডিসামী জীমখজিবৈভব শাগ্র कटा- (क कार्यक्ष (बन्धान राष्ट्रानरभूत,मास्त्रीत टाफ्. इटायुव, योगाङ्गाटी, नाम्भून हरताम ५६ छ त्म ५६ भनामाना ५ নাজিব সম্মে ই.ময়াগ্রহ পাঠ ও ব্যাখ্যা কবিয়াছেন। ক্লিকালে चन्द्रपात आश्रंत अक्षाम चिद्रिल्ल्यम् 🗸 अपराष्ट्र महम्मूड हराइडे लाहितकान् क्षोप्रकृत्यांत याद्वत्ररहा कृतिहारुम। श्राह, त्रकटण भग्ना**ध्यक्षे, कश्रिहत प्रशा** करा भक्षतात्माधिकान्ति न इत व्यक्तिमा व्यक्ति । क्ष्मिक्षत्रवर्षकान अह जिन भति । त्य तक्षमा-কাণ্য আহেৰ করিল আসিতেছিল, আৰু শেই প্রাধারণ সাধারন্যে প্রকাশিত হওনার मन्त्रशांभ नारकश्भ शंक कोदानंत्र अञ्च অন্তর্শ্রেনা করিয়া ভবিষ্যাতের জন্য সাম্ধান इडेर ५८७म । आभिके, भशतास सामकश्री <u> ज्ञामाद्यात निक्छे श्रश्नात्यंत्र क्या छ</u> কণ্টেগণের ধর্মাধনভিতান কথা এত সর্গা-कारव वृक्षाहेमा मित्रास्थ्य एवं, सकलाई अक বাকো বলিতেছেন, --- এপণাস্ক আমরা এন্ড সরল সভোর কথা আর কাহারও নিকট छनि नाहे।

> विनीक निटरमय ---क्रीनिवामध्य वत्न्यानामाम वास्त्रवश्त्र, श्रेड्डा

## গ্রন্থ পরিচয়

## শ্রীমন্তাগবতম

श्वि क्रकटेपलायम दाववाम छावा ७ मृत्र, द्वीमन-मध्याठारी-कुछ। छार्थरी-सिर्वह्रीका : डीमस्विधनाव bक्रवही সাকুর-রুভ সারার্থদর্শিণী টিকা, বছাছবাদ, সংস্থৃত অন্ধ্যাও व्यक्तिमम, ज्या ७ विद्वहासियुक्त । व्यक्ति करमत आसिएड পেট ক্ষের, প্রতিপায় ক্রাসার, অধ্যায়ের প্রপমে ঐ অধ্যায়ের সারসহ স্থবিশ্বত তাৎপদ্যাদি নিবুত। শ্বোকস্টী नियमण्डी, चन्त्रायनियम्, लाख छ छानल्डाम्ड छेदम কাগজে উত্তম সাক্ষরে মুদ্রিত। প্রথম চহতে ১০ম রুদ্র भगाय काला क्लूबिकरल (लग क्टंबारक। क्लिका व्यथम 'मेडा हरू ।

### শ্রী শ্রীটেডক্সচরিভামুত

জীন্দভিবিনোদঠাকুর রচিত "মন্ত প্রবাহভাল্য" শ্রীমন্থকিনিয়ায় সরপতা গোলামা প্রভলান লোলত मञ्जादमा आणि-पाठामि नद नाम-श्वाम महिल् कहेरा कि लिख व्हेबार्कन । स्मारकत माध्यताथाः, वदाह्रवान छ ट्याक भागारतत भरवर मध्याम काल्टिस्य मध्यापाद है। राष्ट्राक व्यवसाय-व्यापारच्च कर्णामांच रम इक्षा व्यवस्था । (माके) ার, শব্দ, স্থান, পাত্র প্রাস্থাইর স্বরুধন কটা ও প্রচকারের कृष्ट कीवनी सम्भिक्त ८६ कण शहर सुक्त संभ्यतः। इति सुक्त য়ালি জ্বকাশিত হয় নাই। উত্তম কালতে পূর্ণরালাটোল कि **इस .कामरन मुमान्स मु**हिन्छ दहेसारछ । अब आह श्रहात्र शुक्तात्र । किका वक्षमारम ८, महत् ।

#### <u>জীটেডকান্ডাগবন্ত</u>

প্রাপ্তকারের জীবনী, প্রাভি গ'রক্ষেদের কথাসান, নিখত जाम जामा, नामक्ती, भवाबक्ती, विस्व कान भावानि-, প্রস্তুতি বিবিধ বিধয় সম্বাশিত বিরাচ বিভীয় সংগ্রন্থ ক্রাটন ৮ পেলী আকার। আদিলীলা ও মতের en waten surrent wen wen with प्रकार काश्रम किका बर हाका, आंध में नात 41

#### **िंटे ५ जा गमन**

ই প্রাছের এরপ অভিনৰ অন্তর সংগ্রহণ আর কুরাপি শিত হয় নাই। সংস্কৃত শ্লোকাংশের অধ্য, বজাগুবাদ, क्ला होत्र, एका लाक्ष्ठि गर गएछ ०ए७ अवस्थित इस । भूग भारत अकरत अवन तराईन व्याहिताकी भारम काला कडेपारक। मुना २॥• छोका। सनीहा ্ভ পৌতীবের আহকগণের গতে সা- টাকা।

#### শ্রিমন্ত গণলুগীত।

और शोष्ट्रीय देवकवाठाया अध्याक्षय स्थिक्ष्रकृत्यन শ্বনাপ চক্রবট্টিসারর গোস্থামিরতা সার্থিপ্রিণা मधा ७ क्रियाहिक शिरानाम राकुत्र-व्यापित कामक-ात्रक कामाकामामहिता। व्यथाप्रकृती, माक्रकाळाटम ्ही विश्वा-प्रही अक्षकारमञ्जू कीवनी क व्यवस्त्रापकापि वाचित्र-भर छेर्द्रश्चे यानार कृषीय मरक्षत्र-- ए वे ताद ा छिका २, ठाका वाळ, माधाप्रण मध्यप्रण - अतः

## শ্রাল প্রভূপাদের বক্ততাবলা

ও বিস্থাদ শ্ৰীশ্ৰীমন্তবিদ্যান্তসর্মতী **दिशास्त्रा महादादश्यत एक व्यावका विभवः निर्मा** कीनाञ्चात्रकटलाटकाविमी क्रथक कामा विकास प्रिमी क्रांत छ नाये त শুক্ত-বিতাহ - - বেদ্যবাদ্ধান্ত-ব্ৰহ্মালার কোক্সভ্মণি---সম্প্রদায় रेनजनविकानाभारतम भोतिक ज्या-स्थनतात क जासराहत ! সম্প্ৰণ - মহাও ল-জীবনচ্বিত শিক্ষক - - চিছিলাস চিলালে আহিচানে বিচাৰক - ঐশ্বয়া ভ্ৰমাধ্বয়াৰমের মৌলিক গ্ৰেমন্ত্ৰ (প্ৰমাত ক্ষত নামভন্ন প্ৰশংলী ও গ্ৰহকালণ গ্ৰা-—সম্বন্ধ, অভিবেষ ও প্রেয়োজন ভর্গের কিছাও স্মুদ্র।

১ | প্রথম খাড়ে-বৈধানদশন, দ্রাভারতার, কাল-स्या, श्रीमध्याचित्रात, श्रीनार्यकाननी, लाक्ष्वीकिकी मेकिन छ वर्ग विष्ठात, व्याचानमा ६ मध्यानमा, और्टेऽ १०० तन छ ভাষার শিক্ষা, অপ্রাক্ত সহজ্বরা ও প্রাক্তি স্থভ্যুত্র প্রাফ্রতি বিশ্বতি সংঘ্রক রয়ে প্রশোভিত্য ভিত্য মার No SIA WINT !

১। দ্বিন্দীর আছে - ৬৯। ও বৈদ্যা ভড়ি, মহলে ব প্রেম্ভারকালায় আরুর নিধারেকি, স্ত্রীনর জামিলাল ক भागातामः होत्तीतनामस्तरः दात्रमः । त्रान तथा ७ कामः कांका. द्वीनागलकाम द्वापद(अन्तरन की का. महाश्रम शांकशा, शब्द श्रामान, क्षिप्तार्थनान, जिल्लाहा

E.31 15 9. ें । कुर्बात् भगः ९ प्रस्ताकाद्या- - ५५ ५० अल् स अमृतियाम् ५ - न । 541 . 754.

কাল্ড সমূল্য স 4466 े (अफ़ है।कः, इ.क

#### ক্রম ধ্বর্থদর্গী ভা

কৃতি কিত্ৰতা, ভুজেতি সোকের জ্লম ও চুটায প্র পর্ব ভাষ্কারের ছাবনী প্রছতি স্থলিত। (ह), लाकसम्बद्धन ( ब्रुटीम शस्त्रदेश ) आरष्टन 31411

#### প্রমেয়রক্সাবদী

निध्यद्यासन विश्वाच्यन-छात्राच विभवननीन, भना हे छ ্পাবিদ্য ভাগোদি পাড়বার প্রথম এও ৷ উৎস্কৃত্ত কালিতে 🕽 ছালা। স্তবিশ্বত নীকা ও প্রাক্তগ্রহাদ গাওানে আনি সংগ্ৰহ বাল্ডেব্ৰ বোধগ্যা কইয়া পাৰে ৷ ডিকা (৵• আনা ম! র i

#### ভানগৰাপগামমাহাত্য

( এরার্গও ) সামুবাদ। জাভি-কুডাাদি এতে ভীনেব-कीरलंब (१ मोरमा की देख आर्ट्स, अभिनेत्र मुल मन्य ७ छ क्षक्त्रम्। किया ८० काला।

#### শ্রী শ্রীনবদ্বীপ ভাষতর স

শ্রীপার্কর ভা ক্রিবলোম লিখিত। প্রলাশত সাভাকারে शनिक्रमात स्टब्साम विषयक । जिल्ला । ज्ञाना ।

#### ৬ জন্ম কর ও নংখাপ পরিক্রমা

জীল নরহার চক্রণাই-সাকুর রচিত। ওক্তিররাকর হঠতে পরিজমাণে মাত্র গৃহীত; প্রীমীৰ গোখানী কি लाकार में अवद्यालगात्मत लालक्या कविवादितान, डाश्हे প্রে বিবৃত। ডিক্ষা 🗸 • আনা

## । (इंटन्त्रेभ सम्बंद

दील ७ कि निर्मास सकत अने है। हेब्राट और उद्यान विकाशिक्षां विकास के कार्य के कि के के कि के आफिया (अमार अम- ७ व्---भारता-विश्य--- श्रुप्य क्रा-७व. क कर्षः राजगापत वहात्र-देवता एक्कि. स्टब्स्क প্রিচ্যাদি প্রাথম প্রধাপার উপ্রেচ্যা করিনা সূরত ভান ি সমূদ্য স্ক্রিটেমান্সত লিখেত আছে। তত্ত্ব স্থানত ম २८ ७(का. अश्व वा ३५० ई।का माह्य

#### द्योष्टीयुक्छं श्रा

द्यारत है जिल प्राचनता प्रपास । अञ्चल राजनसङ्ख्या नाम ক ৩ ওটি পুৰান-প্ৰাৰ্থন্টি মাৰিছ-প্ৰিন্ত্ৰ প্ৰাণ্যবিদ্য ্বব্যবিভাগিত্য স্থিবলৈ ওঞ্জিত। এইকাণ্ডেন্স্ব-মিজতেরল সার্থমন্ত্র করা করা প্রাণি প্রকর্ণত কর লাভ । कराइत खनाडव - 'चाश्तार -- देनभवत - इन्तान - श्वाराधानम ---MINE - 1818 - 1864 - 184 97 - 184 977 - 1814 - 185, 2173412-4 - আভিবেদন নাবেনভেত্তিন নবৰ স্থান আভাগ্ৰন স্থান ভ্ৰম্ভাল --- শ্বামান প্রবিশ্বন ও প্রমান-ভিত্তালৈ গুলক আনা ব্র 2962 1141m 251gs 電視 126 41.69 (C)4 तु करिन्द्र भू हत्त. कि करे तर ३ दशानात करता भाषा रवना । अप अभि ६ । मुक्त्यमाल्यो (छन्। २८ विकासका ।

#### জ্ঞীন-ছীপণাম-এতানলী

नीकान में के कर्ना निर्मान किया के प्रकार क्षा --- मास-श्रीत अगाप अल्ला है। जनश्चित्रक्रमधी राजा और रेनेसर्वन (स्थित रास्थ्य केरियाभेन १८५५ । १५७८ - १५७८ - जिल्लाम - विश्वास रामस्य प्राप्त का ----------ह । १९ ৮। । ও শীল্পার জাবনোর ১৮কুরের আলের বাদ- সংগ্রা ওক্ত — ইন্মান্ত প্রব্যালনার ও নব্যাপ্রাভ্রম— ভোন্য বিস্তৃত প্রিপ্রজন নামক ভাষেধুজন। আন্তান্ত আনহাত্ত্রি । না হাত্রের উল্লেখ্য ভারতর্থ আত্যত भाग भाग स्थाना साला।

#### শ্রীকরিলামামুছ স্যাসরগ

উল্লেখন প্ৰাথা প্ৰচুপ্ৰেনিবাচ্চ কল ও বুদি, ्य रुनिकुलांत द्वीमधीकेतिकाच सनवेश हवाबाहा ম্হারাবের বিজ্ঞ ভূমিকা ও হাটী প্রভৃতি সহ। अध्यादारी नायकरात क्यांका (स्थाप) २८ छाना, वाकारतेव 明確 200 多种 新山土

#### (नल उड्डमात

ल्लामान वाहर वाहर वाहर । तन रहन विभिन्ने देव का क्षारु (तक ब्रोहिन्द), क्षारुन्त अर्थिक अन्तर क्षारुन अर्थिक फेलरमाना कत्रनाथ उर छेश्रम कर्तिमार्कन । इराहर क्षां कर के एक देने (अहारित अधारिक) केवा वेदेवार क नाम मान रेल्यो ॥० आला ।

#### **डि. १०७० हे छा। यह अन्याभन्त**क

জোরপাষদ বিদ্রু জীমৎ ভাবোবানক সর্বাহী প্রাণীত মূল, প্রভুপাদ জীমদ্ভাকাসমাজ স্বস্থী কোবাৰ ાં મુજબ્યાલ કે ભાજપાદ્ધા તકાંગા છે તેમણિતાને સંઘોગાંગ . बन्धां भन्दरकत है। ला व निर्मास शकुरतन १४ छन । स BOXXX E.ARSTS. IT OFF TWO ONIES WITH THE श्राप्त अहेशारका कृति स्व कालक छैरके हैं ( २ अ.०) दकरत ) किया ५० जानी, जांक ध्रमा नेपिये नाकमायका

होका माळा

#### খাদি পরিহিত পাদরী গান্ধীলার সহিত অবস্থান

সাৰ বি, ভি, পটনা - ক্রিব্রির স্থিত আলোন্স করিবার জন ২৯শে মে परश्वादक नाटकोडी स्वतिमादक्ता।

भूदे (मृतः म्हलन भावती शक्त ারিছিত বেভারেও ফাদার এলউইন কালো গ'বণত কর'

অঙ্গরাট প্রাদেশিক কংগ্রেন কমিটির প্রায় একশত সমগ্র উক্ত কমিটার ইওাশানের স্কল কণা দেখে কলিখা স্থাতি ধার্ষিক সভা সম্প্রেক এহানে : বুঝিয়া পইবেন পৌছিয়াছেন।

#### ভারতের ভাগ্য নিয়¤ণে সাইমন সাহেব

ভারতীয় গোলটেবিগ বৈদকের যুক্ত-রাইকপ কমিটীর সভা ফলিভ ভাগাৰ নিছারন স্থান প্রশংসা প্রক অভিযাদনা। ক্রিয়া সার জন সাহিম্ন গত ২৯০ে যে भक्षाम भ ७८न (वाशक् खार्गालन्य ८क ८ छाज सलोग रखना होने करतन ।

সার হল বলেন চারিলিকের অবস্থা (क) वृद्धित विकास मान्य कराज मकात क्या । अधन का কঠিন এবং অপ্রিয় করেছ

ুহিয়াছে। অনেক বৈতক্ষ্ণক । নামাচাগা আল ভয়াতে হাহার আলোচনার ্ন্ত শাল ইবার সম্ভাবনা রাহ্যাঞে । সংবর্তীয় বিচার জ্লবণ ায় স্থলে আমানের সভিনত শতি নরণ প্রারেষ ব্যক্ত করিতে সামবা ব'ধা; भिन्न अकिनिरमान । ভার**তীয়** (প্রকার্যনের প্রস্ত

লাভ কবিবরে হৃচটে একমান

#### स्थानमृहित्।

াখণী ব্রটেন ভারতবর্ষকে যে এটিএকতি जिल्लाम किया आला किया केनिर्ग आविक ३३-ম্ব্যান্ত ভাষ্টে মন্ত্র করিয়া সেওলা আমানের **७८७७। महाराष्ट्र माम्यान्त जामधा स्ट**ल एडं क्या प्लाठं तुकार्क्या (म est (म, व्यक्ति) বিভাগ করি—বাতি ও শুখলা বদায় রাণিতে এবং পুনরার সুশাসন প্রতিদা করিতে ভারতবানীদিগকে সংখ্যা করা व्यागारमञ्ज ६क ६५ करूता । देनतार छत ८कान कातः, नाहः।

> महिम, भारतार्थ, महिमुख्य, आकार वृह्णात अध्य है दोल काल करिया আমেরা এখন ও ভিরেতের ভিত্ত নিয়পুর করিতে পারি। আরু ভারতের ছ**ং**ছ একান্ত প্রয়োজন ইইয়া প্রিয়াতে।

### পুনরায় সংখ্যাল সম্প্রদায় কমিটির का शिर्मण

ভারতে মদি হিন্দু মুসলমান সমস্তার मम'याम ना इश्व. छटन (शाल्टोहिन्स

देवकेंद्रकव भग्न गमरा भःथा स भाष्यमां श কমিটার সভা পুনরায় আরম্ভ হইতে

#### ল্পণ প্রস্তুতের সর্ত্ত

ানলীর চুভিব লবণ সংক্ষিত সভা

এখানে আমিয়াছেন। ভিনি সপ্ত-, ভারত সরকার 👉 🖭 ধান প্রাকাশ काल वर्षात्रा आश्वीत महिल्ल व्यवस्थान । केतियाद्यून, त्मले गुला, वे सराह्या अली ''ইয়ং ই'ড়িয়া"য় বিবিষ্ঠ ভেন 🛶

> ''আমি আশা করি, কল্ল'; এই भागवर राजपारक व्यादेश मिद्दन। एक्काला गान गाम। অভিক্রম নাকৰে '"

### नर्धक्रम मुम्मदर्क द्वीरास्क স্থ ভাষচন্দ্র শস্থ

লভ ২৭<del>০খানে বাহিছে এক বি</del>য়াট ফার্ডায় আলি প্রত্যাহন বস্তু পর্বত প্রেক সকলে কারিয় বর্ম টা, মার্থাম্য का विकास कर्या अस्तर कर का देश है। ক্ৰিজে ভাৰতে, সংঘাত লগে লালাখন

STE STENDERS WESTER क्षण्यान यहाद रहण दल्लान करण ভ্ৰমণ্ড বন্ধ মাৰ্ম্যান্ত আদিন

অভাগের আন্তর্কুমন্ত্র উন্ छन्छ। त्राहक समाह करिया तर्यन

कुरभाषी शर्तिकात उत्तः कताओं काउटायमन বিজ্ঞান অনুবাধী সংগ্ৰহণক ক্ষাত হেল ! (श्रुट्डाइकडे कर्मन i

ख्रिकाण्डात्व दिवि त्रकारः (१९४१) सावन शर्ट अञ्चलक कराई पांचान कार्यात्र क्रम व्यक्त अधिकार्य क (या करी), अञ्चल गरीन मन्यान भन्य । भात्रष्ट १ग, ७१०। इवेटल अनुभागित दर्भ সর্বালের স্তিত সাল ক ভিন্ন করিছা বাজের নাতি অবস্থান করেন ৷

#### ৪৪ দিনে ক্সাচি মহতে সপ্তন

জন জ্যোবনৰ দক্ষাৰি প্ৰাভন তেটে উচ্চ(জ্ঞান্তে আকাশ প্রশে वाक्षित इस्प्रांधिलन। रिक्त कतांनी रहाए अलगा बड़ेशा माराफ् हांस किटमें সমস্ত পথ অভিক্রাপুশ্বক গভ ১৮৫শ শ্বরূপে বাওনে পৌছিয়াছেন। ছুটার সুমুম্বটা ভিনি বিশাভেই কটোইবেন ৷

#### शानवाप थान विखालग

প্রকাশ, মাইনিং ইঞ্জিনীয়ারিংএর ज्ञासिक्षा कित्रामा मण्याक **८**शोहे গুটেনের থনি সমূছের সেক্রেটারী গান-ব'দের ইড়িয়ান ক্ল অব্ মাইনগের अनुभारतम कतिमार्किन। এই अञ्चलात भागवासित विक्षामाञ्चाच दकाम चार्यत लाश्रम ना विकास तकाल माहिष्मिरक है। लाहेतान कना "(कालबाहेनम् लहें)" अक्षेत्रास्य अस्मायनाय ५३ त्रास्त्य दशा अधिक है। सक्षेत्र क्यांत स्वकान है हैता ना ।

### উर्फरमात विनय देवका निक छथा সংগ্ৰহ

भागकरम् अवस्य अस्यम् । च्याप्रक ( लिकार एक नेवान अभी एक निवास धनमञ्जल है। प्रति अधारतका न निवान সংক্ষিত্র আশ্লেষ্কাক।

设计 满嘴树 国家的 舒适,而怕时能明显来 I from Forth en or forther 21 5(0 0 1-12) 15 to

#### डेलापि अपीत

that the well to be the fire and the state of पराहरियन के अभाग छ परिदेश महिल्ल

#### মিশনারা প্রচারক অভিমুক্ত

প্রাক্ষাল : মিউ.এফিপ্যা লটির আনেলের १४०८५ ८७१० ५ ४४ की धानघाटात अर्थत মালী বৌহাৰ অন্য মাটনিবিধাল কন্তপ্ৰ लंडन भिन्नम्। (माम्हानीत ५१३ % मनार्गित्क অভিনৃত করিয়াছেন।

#### মিদেস এডউইন মণ্টেত

भिलाम क्रष्ठ डेंद्रन मर्ल्डे छ क्रमामि मुक्त উড়োজায়াজে আস্থানাদে গমন कतियोध्यन। किनि मागावकान धारक **७**टतमदार्भे हहेशा भएशा याद्या कश्चिरवन ।

## जारचंबीरा नथकास कदानी

## সামরিক উজোজাহাল 🧳

ট্রান্সের সমর বিভাগের একখানি উড়োমাহাজ গত এক পকের মধ্যে এই विভीधनात कावाणीत मीमात मरना हिरात गामक छात्म अनलत्त्र कतिपाद्य । অব্যব্ধ ক্ষা মাএট পুলিশ আদিয়া काशोजवानि वाष्टिक करता। व्यास्त्राह्यन्त्र বলে যে, ভাছারা পথ দুলিয়া আদি-

## मुनलमान तभगीत छ। फश्कानत (581

নাণ্ডামারি মহকুমান্তিত কালেন श्रुरतत्र मन्त्रितान निर्मत करशकाम महिन्दा নিমেৰ কল্প স্বামী এক শিশু স্থান ডুলিব জত থাল সংগ্রহ করিছে না পারিচা মলাতে মাইল উপৰে উটবাৰ উদ্দেশে । আগ্রহণতা কৰিছে চেটা কৰে। ক্ষিক্ষ প্রাম্পর্যে অপ্যবর্গ সক্ষানি নে রেন িভালতেম গ্রেপ্তান ক্রিয়া মাল্ফামারীরেছ িশান নিখানৰ ্ধাৰ্য্য আহে। ভা**ৰুত্ৰ প্ৰস্তু** আভিনয়

#### मुर्मितीनाम (अमा मद्यासम

প্ৰিদ্ধিৰ চেল চ্ছাৰ্য ব্ৰটোৱা স্থেছতে ব ्राच दुर्भिक्षणात्क्रण । चेस्तारः भवन्त्रेत्र । तवाशीव वैद्वार **गर्धासनाम्यान्य छ द**्वाक् মুকাল ভয়ালে স্বস্থান ১৯ - ১৮০১ টাম্বিক্সেন্ট্রেম স্কালতি অযুদ্ধ বিশিন্ एका जाराज करेना रेप्याक्त पुरुष विकास पास्त्रा काला निमानशास्त्रिक । (नदा ६ ग्रहाज कानीत सम्बद्ध द्रशास्त्रिस tials, when theifphild formules "'वर्षान मा'क्षेत्रम" स्वानित महता हास्त्रिकाः ক্রেন। আগ্রেন্ডাপ্রনার গেন ও জ্ঞান্ত दुसको कराइन्य स्थान, यह । एक अकल्य हुक है लिएमोर्डिक सिंग्स्ट्रा का का का कि है भागन भागांपादित द्रियानस्थान केविया विवास কান্যাল বাম ক**ৰ্ত্ত** মালো ভূখিত হন : স্থবের বিশিষ্ট ভদ্রলোকগণ্ড বইনুৰ গ্রান ১৯৫৪ আবিট নর্নারী ভেগ্যে उपादि भारतिका डाहामियास बाजानीना कार्यका चीर्ड स्वतरक "आकं अत वहनमण्डतंत्र २५८ण (मत्र भानादित मिनाता" ध्येतान कता इस्राप्त वस्तान বেভাগেবক বাজ বাজাইয়া ভাগাদিগকে गर्भ महरतत ध्यान ध्यान ब्राह्म পরিভাষণ করেন। রাভার উভার পার্যের (भाकान धत्र अभातकाल गोकांक कहा. ত্তীগাঢ়িল। এক মাইল লখা ক্লিছিল ययरमध्य प्राप्तिया दशीरक व्यक्तकारन । मर्द्यागरनत अधिरतमन इतेरच वावदः। इहेगाएक । ७०१म स्म स्थारक श्रीमुख्य বিষণপ্রতিভা জাতীয় প্রাকা উদ্বোদন করেন। তিনি শ্কলকে এই প্তাকার মৰ্ব্যালা ৰঞ্চাল সাধিতে करत्रम । ें

विकाशित्व वार all all or



माभार्यात जात আ গ্রাম দেয় नायिक कर भाशाभिक ८ ८ श्रामिक ने ५० মাসিক ১১ क्षित्र मः भा। , a

বছল-প্রচার—শদীরা (জ**লাত একখাত** মুখপত

৬৪ খণ্ড ] 🦸 সুস্পাদক— ব্রীভৃতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বে**দান্তবাচ**স্পতি

ি ৭৭ ভ্ৰম সংখ্যা

এটিত স্মান বাহাপুর- ২০শে জ্যেষ্ঠ বুধ্বার ১০০৮, এরা জুন ১৯০১

## নানা কথা बानाचाद्रहे मुनश्य बढार्गका छ

**डाः अकृत्रकृषात तक्ष् महान्यात क्रिक्** বিধাত কুত্তীবীর পাচক্তি বৃত্তি প্রক্রাঞ बाबनदब एकातात्र व्याचारक मेलेकि बीक्ड হরেন ি অভাস্ত ব্লশালী বলিয়া ভাহার পুনাম ছিল, তিনি আকত হটয়া शिक्षक्षेत्रको अब अवन्तिवाक केविता क्रिका बाम, क्रुंबा ६३८७ जिल्लास्य रामभारतात লটর্যয়িওয়া হর। মেণানে তাংগকে बाह्र अक्र वेशिया (स अक्षा क्या । व्यक्तान (व क्षांत क्ष्ठिकिश्मश्य हिल्ली वानवा हम नहि। क्ल ७ चन्हें त मत्या डीकार युक् क्षा । श्रम्भाग समारतारक केरात मुख्यस शकांत्र (म'अस्ट्रियाधिम। ८६३ मान्न(क **डार्ड म्ट्ड्सनांच द्भा**ष मनान्यस (भोक् অকুমার খেলি ইত হইলাছে। প্রমার u तरमञ्ज काहे धमक्ति नतीक। निग्राध व्यक्त है जिल्ला किया है । जन्म आर्रिष्ट । এই सृभःत इन्डाकार अत्र त्रस्छ क्षेत्रक काना यात्र माहे।"

#### माध्यम थिः भगारहेरमत वस्त्र

- আগ্রতীয় ব্যবস্থাপরিবদের ভূতপুর্কা স্ভাপতি মি: ভি, জে, পাটেল প্রমের একাসভার হুটিশ গবর্ণমেন্টের ভারতীয় নীভিন্ন তীত্ৰ নিন্দাৰাদ কলেন। তিনি बरमन रग, 'निभारी विद्यारम्य भन्न खान्नस धक्रम विवय नीष्ट्रन नीष्टि मात्र क्यान बाब्यक्षित इस नाहे।'

किम किसाना करतम (य. मिश्क निकािक मान्द्रानाक मिनिनन त्य नम्छ नी छ

# লণ্ডনে প্যাটেলের বক্তৃতা

বাঙ্গালোর অনাথ আশ্রমের ছুর্যটনার ব্রের

# (श्राम्हितितः श्राक्षीको

সর্ত্ত পালন করিবার জন্য জহরলালের অনুরোধ

# চিল্কা হ্রদে নৌকাড়বি

স্বৰ্ণ খনিতে ৫২ জন শ্ৰমিকের মৃত্যু

# দিল্লীতে বোমা আবিষ্কার

পুলিশের বিরুদ্ধে অভিযোগ

# গান্ধীআরউইন সর্ভ পালন

রাণাঘাটে নৃশংস হত্যাকাও

# বি এস্-সি শিক্ষক চাই

- প্রীধাম-মাগাপুরত সাকুর ভকিবিলোল উন্টিটিউটের পঞ্চ একজন বি-এন্-। শিক্ষকের প্রায়েশেন। উক্ত শিক্ষকের পদ-প্রকাশেল্পেশ খ-খ অভিকাশের বিশ্ববস্থ স্থান্য ক্ষ টাক্ট তেওনে ক্ষুত্ৰকবিতে পাৰিবেন কাছা উল্লেখপুত্ৰক গুণকেচাতী, विकृत का कि विकास है नहि हिंदि है, त्यार शिमाबा पूर, सबीश'- विकासात गळ गिनियम ।

शिका भरतीय भागम भ यामक म **गाउँदिक ।** 

প্রেচার করিয়া আদিয়াছেন, ডাঙা সমস্তই कि निमञ्जन 🌉 स्थान १ - जिल्ला मृहणात স্হিত বংশে**ল**িয়ে, ভারতব্য ও ড়েটেন স্ক্রিক্রে আসিয়া সভ্তেইয়াছে এবং अभाग अक्यों अर्थ इंड्रेड्ड, केडियो নন্ধুভাবে কিছা শত্রভাবে কাব। কৰি-

#### चागाची त्रालट्डेब्टन गांचीजी

কংগ্রেস মহলে প্রকাশ যে, মহাস্থা শান্ধী লাড় উইলিংডনের নিকট খিথিৱা-ভেন যে, শাতাদান্তিক স্মতা সমাধান ना इटेंट्स **डिमि<sup>ल</sup> (भागदेवे**विश टेन्स्टक যোগদান<sup>্ত্ৰ</sup>রিবেন সেপানে তিনি देवरेटकच कार्या (याश्रमान कविंदिक्स না কেংল যত্ত্যান অবস্থা সম্বন্ধে ভিনি ভপায় বিহুতি করিবেন।

#### **पर्वपनिटङ** ४२ क्रम खामिरकत मुखुर

गर्माक्ते वर्ष थनित्र अक्षाप्टरत आञ्चन লাশার ফলে ২২ জন শ্রমিক সারা গিয়াছে এবং ৫৮ জন আহত কইমাছে। আহত দিশকে হাসপাতালে পাঠান হইয়াছে। শ্নির মন্যে আর গোক নাই, হভাচত गुक्ताकहे थिन हहेंद्र यादिश स्त्रा ५३ सार्च।

शनित्र माना क्रिया दाङ्क अन ान अग হটভেছে। থনিব ভিতর ধইতে বিধাঞ चायु भारित इंडेट ७ (७), छ'रा अर्थन के ब्रिया যাহাতে কেহ বিশ্ব না হয় ডক্ষন্ত একচন চিকিৎসক নোভারেন আছেন। **এখনও** वा छन क्रिएटर्हा

## শ্রীধাম মায়াপরে

"ঠাকর ভালি বিনোদ ইনফিটিউট" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিল্যালয়

### খোলা হইয়াছে।

অভিজ্ঞ ও আদৰ্শচারত্র শিক্ষকাণ ছাত্রদিগকে আতি যতের সঠিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা বাথে সুন্দর বাসহানের **বন্দোবস্ত হই হাছে। স্থান অতীন সাধাকর।** 

স্বিস্তার স্বাদের জন্ম নিম্নলিখিড ঠিকান। পরা লিখুন। সেকেটারা, ঠাকুর ভত্তিবিদাদ ইন্টিটিউট জীচে হত্তমঠ, পোঃ তীমারাপুর, নদীয়া।

## —৫১ বৎসরের প্রতিষ্ঠিত∻—

### উমধালয়ে এন্তত বটীকা

बारा एकश्रेरमा, प्रशास्त्र, .बाहेदारिया, अधीर्, भाजक्र कास्ति क्क दर शिव दर्शात विद्रामध स्टेशिट एश्वा अकाल काररण वर्ष वर्श श्रुष्टक ♦\$का श**्**ष्र ।

#### हें हैं

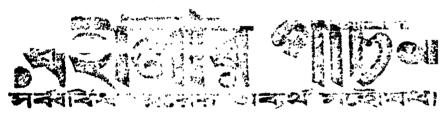
সকল ঋতুতে বাৰ্থাই চলে ও সমান ফল প্ৰেদান করিয়া পাকে। প্রতি (कोष्ठात्र ०२की विकेश भारत ।

#### কেবলমাত্র

कार्डि कोर्ने मून २ वक लेक। इन्छ नाम : ज्याज्यनिकार ৰটীকা'।

अकार जैयानद्र जिल्लाव यह शब निवित्त शहरवन । অাধিয়ান:-আতল্পালিকা উল্পালয় २) अ नद वहनाक्षाद क्षिन, क'शकाका

## কাবরাজ শশিভূবণ কবিকণ্ঠভেরণের



মফংখনের স্কাবধার জন্ত ৬ আং শিশিকে ঘনীভূত অবস্থার ভোটবোপ্রাের সমপ্রিম केरब कारक भारत में हर, हे बार्ड भ्येषरभव स्थान शदिवार्यन कहा, वह नाहै। भूगा श्रार्टिंग **আলি :• আ**না, পাউট কে'• আনা, বোভল ১৯'• আনা ।

অফিস-১১নং উল্টাডাঙ্গা রোড, পোঃ শ্যামবালার. কলিকা চা

# ので第100円の

प्रकाष कर क बाह्यिकात, वेदियनकित हार AR Er Gireffe, retwe, nielcetet, gim is-ক্ষানি, অনিয়া অকৃতি অকণ স্থা নিখেব পাবোক্ত কর। কর, বাধ্য, বেধা বৃদ্ধি করিছে অধিয়ায় ট্ৰিক: যুদ্ধা ৮০ বটা ১, এক টাধা (

"নপুংসকামারি হত" पुरुवक्षकानि दश्च प्राच बाक्र सरकान क्षात्र कार्रजानः करिक्स न्याक्षरान्तव भटकर मुख्या व दक्षान्य ३५ हेक्स् १ "ৰূপৰিলাদিনী বটিকা" বীয়াবারণ করত নতেংগোল স্বাহা ও বুলি করিছে : **प्रदेश भारता ग्रामादशे, (स्थान यक्ती** 

## হাইডোগিল

## কোষরদ্ধি রোগ

**छाः क्रम, क्रम्, (धाव विमा अस्त्र,** यानकीनत्मत्र गाडानि भिन्न टेन्झालिक भागाकोटक (काथवुष्क (ब्राम **व्या**ह्यामा कदिशा भारकन .

£ 31 € 1 € 1

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

#### প্ৰবন্ধ দিলে সম্পূৰ্ণ আরোগ্য

त्वामी (मणाहरू करेटन । अश्चिम भारतम भवन (याख्या करेर **भागात**) পাঠাত ল গিয়া রোগ্র দেখা হয় মথবা এথানে আংলিলে বোগী লেখিবা खेशन (मंद्रका रश्च व्याद्रकाता ना कद्या नथास नानिज्ञामक मिटल क्येटन मा ! গ্রীণ রোগাদের থাতে বছল করিচা চিকিৎদা করা লয় ৷ বিশ্ববিশ্ব িবরবের জঞ্জ তকে আলার ভাক টিকেট দল নিম্ন ঠিকালার অস্থ্যত্তীয

জ্ঞীক্ষেতীপচন্দ্ৰ উকীল, মুশ্বা-চিকিৎসক, োঃ নৈকাঠী, ৰছিশাল। अवः निम्न क्रिकानाम माकार कविया विद्यातिक बानिएक बार्सन्। জ্ঞাত রামগোপাল দত্ত এম, এ, ক্লফনগ্র, নদীয়া 👫 🕮 🔫 🧸 🛣 পদ नित्र, ३:१, त्यावबारलामा क्रीहे. बाहेटबाम: क्रांमकाखा ।

একখানি পতা৷ অ মার ভাতপুর গভ ১ম মাস যাবং রাজ যন্ত্রায় कृष्या मृत्रवात करवादिन, क'नकालात निक विकिथमकश्रम श्रावा জীবনের আশা ভাগে করিয়া শেষ ১৪ুজের জন্ত আপেক্ষা করিছেছিলেন এই সময় স্থায়ত কি শীশচক্ত উকিল মহাশাস মাজ ১০ দিন চিকিৎসা कातक मृम्ण्न व्यादर्शास करिया क्रिया क्रियाहरूम । ( मा: ) ख्रीय नेख किल्लाब काय :চोধুরী ( অংমদার পালিয়া ) কর্ ষ্টাটু, নিউ বিভিন্ন 🛡 রপোরেশন माक्तिः छिपाउँदमन्छे. कमिकादा ।

## শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

### भोड़ाक 880

माज 🗸 । जाकि दिक्छ भार्शि है विकास के । ম্যানেজার-গ্রন্থরিভাগ

चै। ८६ ७ इ. भठ. (भाः चीभारा भव नहीता।

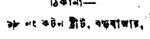
## মরা মারুষ বাঁচাইশার উপায়

यांतत प्राचारित शक्त मता मानुस वैक्तिकेवाक (काक Bun चानिकृत कर मार्के शता, एशालि यांगात्रा मानानिक অনির্মিত উপায়ে অপ্রিমিত শক্তি মই ক্রিয়া জায়তে भन्ना करेंचा बाक्यारकन बावर नाना काकाम तथर व्यातक भाकुरभोक्तमा, प्राधुनिक अर्क्समात्रा, नक्ष्मृत्व, प्रश्यक्ष, प्रश्नक-मरकाख भीकः, अनं अवर श्रीरणा किरिद्रशत भारता याता व्यवकः বন্ধ্যা, মুড বংসা, সুণ্টেকা, খেড ও রক্তরাধর, বিট্টবিক্স व्यक्षांक (बारण कृणिन कीवरन निवास क्षेत्रारक्षम, काकाक ! আমেরিকার কপ্রণিত ভাকার পেটাল সাতেবের আবিদ্বর हैरल क्रिक गणिष्ठमन वानबाद क्षिया वार्किक नार्यक्र कामात्र नक मन्य व्यभान व्यक्ति वदगट्ट भारता बाम्टक्ट वैक्काना अल्लास वस्तिन सेथन वायबाद कान्नता आह्नाता करू भारतम आहे. कालाधः ककतार कह स्वयक्ति नावलाव काला रमपुन । अरू भारमत वानकारबाणरमाण्यु अरू निर्मि **सब**व क्षां क्षां कर अरु अरु हो का माला

COTO OCOS-

## ডাঃ ডি. ডি. হাজরা।

करक प्रा, नारक-विष लाहे, कांककार्य Beiel wit efen Biferen





## टेवक् श्र

বেস্থান ছইতে কুঠাধর্ম বা মানা বিগত ছইলাছে, ভালাকে 'বৈকুঠ' বলে। আঁলগানান প্রকৃতি', কারণ, তাঁলাভে কুঠাধর্মের লেশমান্ত্রও নাই। তিনি অংগ্রাজান চলাল, পরম সভ্যবন্ধ। তিনিই অংগ্রজান চলাভ বলেন, তিনি আভানিক অভিস্তানভিদম্পর। অভিস্তান্তানক ভর্কের খাবা সীমার্ম জ্ঞানখারা মাপিথা লওলা বার না। মান্য-অভিজ্ঞানে বা চিন্তার খাহা অসম্ভব, ভালাভ আজিন বা চিন্তার খাহা অসম্ভব, ভালাভ আজিলাভিদ্যেত স্ক্রব।

সর্বাদকি মান্ অধরক্তানত ন পেই
ক্রমান্ অভিযাণ ক্রিকামে সমদাই হরপ,
ভক্রমেন্ড ক্রমান্ত ক্রমণ,
ভক্রমেন্ড ক্রমান্ত ক্রমান্ত ক্রমান্ত করেন। হ্যা, ভাষার ভেজোন্ম করেন। হ্যা, ভাষার ভেজোন্ম করেন। হ্যা, ভাষার ভেজোন্ম করেন প্রতিক্রমি অর্থাই দ্রগত প্রতিক্রমান করে অবভার কর্মান্ত ক্রমান ক্রমান

ভগবান তাঁদার অভিন্নাশকিপ্রভাবে এই চ্ছুকিদভাবে অবস্থান কাবনাভ আয়-বস্ত্ব। ভগবানের দেই অবিভিন্ন শক্তির নানই পরা শক্তি, এক হট্যাও দেই স্বাভাবিকী শক্তি জান, বল ও ক্রিয়ভেদে বিবিধা। সেই প্রাশক্তি বিচিত্রবিলাম-ময়ী ও বিচিত্র আনক্ষ্মান্ত্রী।

সেই শক্তির অনস্ক প্রভাব পাকিলেও ভীবের নিকট ভিনটী প্রভাবের পরিচ। মাজ আছে। সেই প্রভাবত্তরে নাম চিচ্ছক্তি, জাবশক্তি ও মায়াশক্তি।

উক্ত তিনশকির প্রভাবধারা চিক্তগং.
কৈবক্ষগৎ ও অভ্যান প্রজিপ্ত ইইয়াছে.
প্রত্যেক প্রভাবে সন্ধিনী, সন্থিৎ ও
ক্লাদিনীক্রপা ভিনটী বৃদ্ধি ক্লিয়েক কার্যাক্রপে
চিক্সাক্তির বে সন্ধিনী বৃদ্ধি, ভারার কার্যাক্রপে
চিক্সাক্ত, চিন্তবন্তর উদন্ধ ইট্যাছে।
ক্রক্সাক্রপ, ক্রক্ষনাম, ক্রক্ষগুণ ও ক্রক্ষণাম
সম্পন্তই সন্ধিনীর কার্যা। ব্যা—

চিছেকি পরণশক্তি অন্তর্গ নাম।

ভাহার বৈভৱ অনম্ভ বৈক্রপাদি ধাম।

ত্রী গ্রীগুরুগৌরাজে জয়তঃ

## দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

নিভাপাস্য বৈক্পবার্তাবহ

ন্দেদি সমন্ত সাম্বত-শাল্কের অকৃত্রিম ব্যাখ্যাত্তা সমগ্র ভারতে একমাত্র স্থলন্ড দৈনিক পারমার্থিক পত্র

শ্রীশ্রম-ছা াপুর—২০শে জ্যেষ্ট বুধবার—১৩৩৮

মারাশভিতে যে স্বিনী রুক্তি আছে,
ভাষাৰ কাণ্য —চতুদ্ধৰ লোকময় সম্প্র
ভাষ্ট্রিম, ব্যক্তীবেৰ জ্বাস্ত ও লিঞ্চ প্রীর,
ব্যক্তীবেৰ স্বৰ্ণাবি লোকগতি ও সম্প্র
ভাষ্টেশ্রিয়ানি নিম্মিত হইবাছে।

মায়াশক্তি বহিরক্ষা ক্ষণত করেব।
তাহাব বৈভব অনক্ষ রক্ষাণ্ডের গণ॥
ক্ষতরা: মিল্লগত বা বক্ষতমোত্তপ বা
মাযাব প্রভাব এই রক্ষাণ্ড বা চতুদশভ্বন
মিশোই ক্রিয়ানান, কিন্তু ''প্রেক্তির পাব
প্রবাম নামে ধাম'— চতুকিংশতি ভত্ত
প্রেক্তির উপর 'প্রবামে' নামক যে
হর্মপ্রক্রিত চিদ্ধান সাছে, দেখানে
মান্ত্র প্রথান কিন্দিন্ত্রার্ভ প্রাক্তে

বজাত বা দেবীধাম অভিজ্ঞাকবিয়া বিবন্ধ: মদী। এই বিবন্ধতে ওণ্ডারের স্মোরতা লাজভ হর। হরা প্রাক্তমল-বিধৌতকাবিণী জোতখিনা। ভাগ থাত-জাম কবিয়া জ্ঞানি-তেণৰ আদৰ্শ ব্ৰহ্মালাক অভিক্রম প্রকাক বৈক্ষণাম। স্রভলার সেই স্থান চইটেড এখট বা ভাষার সমান স্বাস্থ কোনও স্থান হইছে পারে না। সেই নৈকুঠলোকে মায়াৰ প্ৰভাৱ-প্ৰকটিভ অবিখা, অস্মিতা, রাশ, ভেষ ও অভিনিবেশ এই भक्षाक्रम এবং মোহ ও **ভয়া**মি থাকিতে পাবে না। উহা প্রক্রতিমান আত্মবিদ্-গণের ব্যান্ত ধাম। সেই স্থানে যথন মার্বর কোনহা প্রচ নাই, তখন কি **टाकाट्ड समा, विश्वान, विकास, सुध्य,** অপক্ষম ও বিশ্বিধাস এই যড়বিকাব-হেডু কালেব নিক্রম লভিড इंदेर ? সেগানে কিরুপেই বা প্রারভন্তগাদির ক্ষাবস্থান সম্ভবে ? সেই স্থান--- শোক. অভয়, অমৃত, নিভা নবনবার্মান চিদ্ বিশাস-বৈচিয়ের উদ্ধাসিত; সেই স্থানে খরটে পুরুষ 'অ:গ্রাঞ্জনম্ব অব্যক্তান শ্রীভগবান তানীর তারপুরৈতবু নিক্ষাপরিকর शायम ७ भागामिशह निका अयमान ।

## ট্রেণে একরাত্রি

( জনৈক প্রক্রাক্ষদর্শী-প্রেরিড

শশংবের রক্তভ্রকৌমুদী-প্লাবনে প্রকৃতিরন্দ্রী হার্ডন্টা; জোহরার তরল আচ্চাদনে মণ্ডিত হইগা চরাচর যেন প্রফুল হুইয়া উঠিগাছে। সমস্ত জগ্ যেন আফ প্রান্দ্র অগ্রহার।

নৈশ নিত্ততা তক্ষ করিশ অতি ক্রতবেগে ঢাকাগামী বাশীক্ষান আপন গন্তব্য
ক্রানভিমুখে চলিয়াছে। টোণে বছ যালীর
সমানেম হউলাছে। লোকাধিকা বশত:
পাকোগগুলিতে যাঞ্জীবর্গের বাজিবাগনের
ক্রপ্ত শহনস্থানের বিশেষ অভাব, ক্রোন
লোকাবে একটু উপবেশনের স্থান সংগ্রহের
ক্রপ্ত সকলেই বাস্ত এবং কেছ কেছ এইনিমিত্ত আবার উপাবই বাজিদের সঙ্গে
তুম্য ক্যাংর হারণাত করিব। তুলিভেছেন;
টোণের অধিকাশে ঘাইটে বই অস্ক্রময়ের
ক্রপ্ত উপবেশন-স্থান নির্ণয়ে বেল একটু
কোলাগ্রুক ক্রেভেন্ন।

আমি শক্টের যে প্রকোঠে বসিয়াছিলাম, ঠিক তারই পরবন্তী প্রকোঠে
ক্রকরাক্তি উচ্চ কঠে আনুক কথা কলিছেছিল, ভানিক গোলমালে ভালার কথাগুলি
ঠিকমত কালে প্রবেশ করে মাই। ভাষার
ভারতাপুর্ব কার্যক বাকানলীর যে ত্র'
ক্রকটা কালে পরেশ করিছেছিল, ভালতেই
ব্রিতি পারিলাম যে, গোকটা আধুনিক
ছারাপন্ন কোনছ 'ফিলনবিশেষর' সেবকপরিচাধারী এবং ক্ষয়া গালে গড়িয়া কোন
সন্ধানর সহিত বিবাদ করিতে গুলাবিশিষ্ট।

অনেক কথাই বুজি নাই, তবে বিশেষ
মনোগোণেৰ সহিত শ্বংগৰ চেটা কৰাতে
এটুক বুজিতে গারিলাম যে, কলহকারী ঐ
লোকটা সমতা অগতের পরম হিতকারী
শ্রীগৌড়ীর মঠের প্রবল বিক্রমণ্টী: ভাগার
বাক্ষের প্রতিছয় শ্রীমঠকে আক্রমণ
কবিতেছিল।

দান্তিক লোকটি জীমঠনেবক কোনও
ব্রহ্মচারীকে নানা কটুক্তি করিয়া অবশেবে
দলিতে লাগিল,—''বড়ই আক্লেপের বিষর
আপনারা গৈরিক বসন পরিধান করিয়া
ব্রহ্মচারী বলিয়া পরিচর দিতেছেন, কিন্তু
এই শ্রেষ্ঠ বেবের কি মূলা, ভাগা জানেন
না। ইগার সম্মান রক্ষা করিতে হয়,
জগতের কড় উপকার করিতে হয়, ভাহার
সম্বন্ধে জান নাই বলিগাই এই অকণ বসন
পরিগানে সাহনী হইগাছেন। বিবেকানন্দ স্থানী কহিয়াছেন,—ইহা 'লাগন ছেস'। সিংছ্
তুলা বিক্রন্দালী কর্গণে পশুরাক্ত সিংহের
তুলা তেক্কীগান না হইলে কেত এই বেশ
গ্রহণের বোগাতা অর্জন করিতে পারেন না।

चात्र ९ चान्हगा এहे एर. शोडीय श्रीहर-ষ্ঠান আজ কোথায় জনদেবার আত্মনিয়োগ করিনেন, না ভাতার প্রিবর্তে শুধু হরিনাম ও হরিক্পা-প্রাগারকেই সার করিংছেন। যাহার৷ আপনার মত পাবমাথিক স্তথ না চাহিলা দেহস্তথ চাহে, কাগতিক ছংথদৈয় চইতে ত্রাণ পাইয়া একটুকু শাস্তিতে জীবন কাটাইতে চাণ, আপনার। তাহাদিগকে ভাহাদের প্রাথিত শান্তি দিবেন না কেন ? লোকের সেবাতে কি ভগরানের তৃষ্টিবিধান হয় না ? তাঁহাবই তো সন্তানগণ জ:খ-পাড়িত হটা কাদিতেছে, তাহাদেব বেদনাব অঞ মুছাইল দিলে তাঁচারই দেবা করা হয়। ধরুন, সেগী চায় পীড়ার একটু ন্বদ, প্লেহ্নিপুণ হাডেব একটু যন্ত্ৰ, নিবন্ধ কুংঠি চাব একট্ৰ পান্ধ ও শানীয়, দরিদ্র हारइ मञ्जानिदावरणत दक्षामा कालए। আশনারা কেন তাহাদের গুলে দূব করিবেন না ? আপনি বলিভেছেন,—শ্রীগৌড়ীয়ন>-সেবকগুৰ আচায়ামুগুড়ো ভগুগুড়ধ্যের আচারবান প্রচারক। আপনি খ্রীনদ্বাগবত আন্তন দেখি--লোকের হুথে দুর কবিতে ची राजवार निरम्ध करियारक्त किसा *दो*या ঘাউক্, যদি তাহা না হয়, ভবে ভাগৰত ছিভিয়া ফেলিয়া দিব। শবছ থে বা**লা**দের প্রাণ কাদে না, ভাহার। আধাব ভালবভ-ধধ্যের বড়াই কবিতে যার, দবিদ্র নারা-करणसः ११ जःभागातमञ् । सुरशतः पुगदर्भः।"

আমি বলিপুর ত্রীবং শাশু হলতে প্রদান হীন হলতেও কি হানি কেন লোকটির ক্রিণ ভীবণ অপরাধমন্ত্রী কথা গুলি আমার পরীবে যেন অসং । কৃতিকা বিদ্ধা করিছে-ছিল ৷ রাদ্ধানী মহোদ্ধা বিশেষ ধীরভান্ত সহিত শান্ত্রযুক্তিপূর্ণ অনেক কণাধারা ঐ নিক্রতম্বনিশ্লম লোকটীকে প্রেক্ত শুড় হ বুঝাইবার প্রেটা কলিয়েছিলেন, কিন্তু কলিবালেন ধর্মাই এই 'দলিকা করেছ ত সাবে লাহিনা, পুটা হুণ্ড ভূলাই ।" হুণার্থ সভালিনী ঐ মিগাসিক্সন্ত বাজিবা প্রীক্তিপ্রদ হুইবে কেন ? সে ক্রানের ভাষার শ্বর সপ্তমে। ভতে। মানাপ্রটভালে।হি বাদনদ্বেণ কিন প্রণাসীকে আক্রমণ করিছে লাগিল। এক্ষেত্রে আর বেশী বাকাবারে ফলোদরের সম্ভাবনা নাই দেখিয়া একচারীকী নিবৃত্ত হওয়াই যুক্তিবৃক্ত মনে করিয়া হইলেন: হা:, মিথার এমনই মোহিনী প্রভাব, তাকোতের এডগুলি বাজির মণ্ডো কেংট কুভক্ৰাদী ঐ লোকটাকে নিরন্ত হইতে প্রাপ্ত বলিল না।

আনি শান্তজানহীন বলিবা এবং আরও অনেকগুলি কাবণ-বশতঃ তথ্য লোকটীর অসদ্বাকোর কোনও উত্তর প্রদান করিতে পারি নাই। অঞ্চলয়ের শভীর প্রথের সচিত এই কথা কয়েকটা বলিবার জনা পাবনবিগ্রহ জী প্রকাশের শরণাগত হইলাম ।

#### সম্পাদকীয় মন্তব্য

প্রের:পথাবলমী অগব্দজানদুপ্ত আন্ত-রিক প্রবৃত্তিবিশিষ্ট ব্যক্তিগণ গৈরিকবন্দ পরিধানের অধিকারী কে, তাহা জানে না বলিয়া গায়ের জোরে মতামত প্রকাশপুরক অচ্যত্রেদকগণকে উপহাস বা অপমান করিতে কুটিত হয় না, তাহারা 'সমনীল। ভল্পতি বৈ' জ্ঞানস্থলারে তাহাদের ভোগা-नरण वेकन ध्वलाकृष्यक वर्षमानन-भूतःगत শাস্ত্রবাণীকেও অগ্রাহ্ম করিতে পশ্চাংপদ नरह, किन्ह जगरहरू क्थनहे माधावानी বা শম্মরকার্ক চালিত হইতে ইচ্চা করেন না। তাঁহারা শাল্লান্ত্যারী বিধিনিবেধ वधावध भागन करत्रन । छित्रयस ट्रांकिक **অপেকা বা মতামতের উপর নিভরতা** নাই। তাঁচারা শান্তকথিত যুগধর্ম 🕮 নাম-সম্বীর্ত্তনের একনিষ্ঠ প্রচারক। কলিযুগ-পাবনাবভারী শ্রীমন্মহাপ্রভু বলিয়াছেন,— হরেনাম হরেনাম হরেনামৈব কেবলম্। কলৌ নাজ্যের নাজ্যের নাজ্যের গতিবক্সপা। জীহরিনাম ব্যতীত আর কোন ধর্মকে যুগ-ধর্ম বলিয়া ঘিনিই চালাইতে চেষ্টা করিবেন, ভাঁহার কোনকপে নিস্তার নাই।

यारणा मयरक नाजन्यान वर्गा---ভতো ওক্ন প্রেসমাতা শিশবে শাস্তচেতসে कावायवामनी मञ्जाम्मीयायुवायवस्टम ॥ कृकीक स्थनार मचार काराम्यक्रमानित्। **ভতঃ কাৰায়ৰসনং কুফাজিন**সম্বিত্য । वक्क कृत्वस्थानां के मध्यः विकाय प्रथम ॥ चार्रायामिकिकाः जिकाः नमर्गा खत्रत

नक्मानाभद्र ब्रुकीर किरहेनांठा प्राप्तित्थी ॥ **छट्टा अक्टरेन नियान कार्यात वागरी** कृषभग्नेः (मधनाः मधार । 🔸

निद्य ।

উঠাইয়া নান অপ্রাব্য বাকে। **শ্রীমটের প্রচার- কশেন** ধৃত-কাষ্থ-বস্ত্র-মে**থলা**জিন্যজ্ঞসূত্র-মেথলাং দঙং শিষামক্রিবিচা তোয়েন ওণঞ্জলি नुन्द्राद् । भानवरका কাষায়বন্ধং সরুফাঞ্চিন্যক্তসূত্রং মেথলাং দণ্ডং ভিক্ষাকর ওমজিন ভিক্ষাঞ্চ গুরুবে নিবেক্স ष्मार्गियाम्बद्धि जुमी, जिस्मेद ॥ (निकान इट्स)

## গরপ্রাহণবং বিষয়স্পর্শ

। শ্রীপাদ অতীন্দিয় ভক্তিগুণাকর) বেদানদ্দীনের অক্ররিম ভাষ্যরূপ শ্রীমদ स् 'वर्डन आशक्ष द्वारक, --म वा हेम्श विश्वमद्भाषमीतः স্ফতাবতারি ন সজ্জেত্হবিন। ভূতেদু শৃষ্ঠিত আত্মযুদ্ধ: ষাড় গিকং ভিছতি মড়্ভণেশ:।

অর্থাং অলৌকিক লীলাময় সেই ভগবান বিষ্ণু এই বিশ্ব সৃষ্টি করেন, পালন करतम এवः ध्वः म करतम । छिमि छ।पी-সকলের মধ্যে স্বঙ্গ অস্তথ্যমিরতে দিব্ভিড্ शांकिया यङ बेस्टियत वित्रवस्कल पून इंडेर.ड গন্ধপ্রাচণ্যং স্পাদ করেন, অগচ সেই সকল কাগ্যে ভাঁহাকে আসক্ত ইইছে হয় না।

ভগবান্ মায়ার অধীগর। স্তভরাং মাধিক ধড়িব্রিণের তিনিই একমাত্র নিগ্রু। ভগবান্ স্বীয় প্রাক্ত নম্বর কটির মধ্যে च्येत्राय-मृतिः शांति व्यवता व्यस्तर्गायाः । রূপে অবভীণ হইলেও মায়াধীশভাহেতু ভিনি মালিক বড়্গুণের বাধা হন না। যে-সকল व्यक्तकीर मधित बादा मुद्र इहेगा मण्मार्टन ত্রিভাগস্থালায় ক্লিষ্ট চইতেছে, সর্ফন্টীবস্থলং ভগবান ভাহাদিগের: মঙ্গ বিধানের জন্ম তালাদেরই জনয়াত্যস্তবে 'অন্তথামি-পরমান্তা-রূপে এবং বহিন্দেশে ইরিমন্সিংহাদি অগনা আচাৰ্য্য বা ভক্ত আকাৰে অবস্থান কৰত ভাহাদিগের অভ্যানাক্ষকার দূর করিবার ৰাক্ত তাহাদিগের বড়্ইন্সিয়কে নান। প্রকারে প্রচাশিত করিয়া থাকেন। নিজ্ঞানন্দপুর ভগবান জী ক্লাণের জন্ম মান্নিকবস্তুর ব্রশ্বচারীর কাষার বস্ত্র পরিধানের শিক্ষ করিয়াও যেরূপ অনাসক্তভাবে অবস্থান करतन, कीवशन अमि कशवरम्यात कक निर्मिश्रकार्य माधिक्यक्षत्र अत्र करत्रन, ए। हा হইলে তাঁহারাও সেই প্রকার অনাসক-ভাবে অবস্থান করিতে সমর্থ চইবেন। ভগনৎশ্রীতির পরিবর্ত্তে নিশ্ স্থাধের অঞ্চ योगाना याधिक विवस्त्रत मन करतन, छोहाता । অনাসকভাবে অবস্থান করিতে অসমর্থ। ভাহারাই মাহার ৰাণা অভিভূত হইরা উত্তরোজ্ব মাধিক বিষয়ে আগক্ত হুইতে থাকেন। ভগবান বেরুগ পরার্পপর অর্ধাৎ कीरवत्र कन्यानकामी, कीवननं अमि नदार्थ-

利费 加州文 网络红色海头 藝家 attile profession of the mile েতিৰ ভাৰ ভাৰাতিলকৈ মাখ্য ७० ६ इति समित्र माहिक विकास कातः হব তাও তৎফলে পুনঃ পুনঃ

'অদুনে একটী পুষ্প প্রাকৃটিত হইনা গদ্ वियोर्ग के इंटड्डिं। यम दक्क मृत १४०८० ঐ পুলেশ্ব গন্ধ অকক্ষাৎ গ্রহণ করত ভূপ পাকেন, ভাষা হইলে ভাষাকে আৰ পুষ্ণাটীকে গ্রহণ কণিবাব জন্ম আলায়িত ब्रहेटक ७ अव्पक्तांटन टानेगापतारम ४७ छ। লাঞ্চিহইতে হয় না। ভংবান্ প্রাকৃত रुष्टित यहना पाकिए। श्राकृष्ट हेल्सियपपरक भौतकन्तारनत रूक गर्भागथ स्टार पतिहासन करनम এবা कीलपन जन्मनः कन्नारगत प्रिट्क অগ্রস্ব হইতেছে দেখিন ভিনি আন্দে আলুভ পাকেন। ইহাই ভগবানের পঞ্চে मृत करोर • १५ शक्यावर मीजात अस्ति। कारणाल योग स्वारास्त्रत आग मृत कही ह शक्त शहन नर दिस्यालन केल कार्या र । अञ्चल व করেন অপাথ ভগবংশ্রীতির স্কন্ধ যাবভীয় ব্যবহার নিশ্বন্ন করিছে প্রেক্ষ্য, ছাং ! ভর্গে ভীহেদিগকৈ আনুব মাকি বিকাষ আন্দেহত क्टोंटि अस्याः। यति औदिता पूत्र कहेंदे ाकशक्तपार विषयान्तरमंत्र चात्त्रम् का कात्रमः এব: अक्षथार्थ । क्षाक्रण विमाशत निकारेख । इन অর্থার ভারতকে ১৬৫১ কা- ৮৬ নার করেন, ভাছা হরীলে ভগবন্ধায়। ভাছাদিশকে জনমশ্ব পাক্রত নম্বর বিধানে আধান্ত কবিতা ভুলিবেন এবং দলে বিভাপের ধারা ভারাদিশকে পুনঃ পুণঃ ছাপ্সাগ্রে নিকেণ্ ক্রিছে থাকিবেন।

উল্লেখ্য বানের অধ্যাধনেক্ষেপে জীবন উৎসৰ্গ করিয়া সদ্গুরুর আজ্ঞান্তবন্তী হইলে পর ধ্থন যেকপ ঘটনাই খটুক না কেন, উহা ভগবানের রূপামূলে সংঘটিত জ্ঞানে পরমানকে মগ্র থাকিতে যিনি ঋণাশ্র হটগা ছেন, তিনি শ্রীমন্তাগবডের "তত্ত্বেছয়কল্পাং" ্লাকের অর্থ সম্পট্রুপে বৃণিয়াছেন। ভিনিষ্ট মুক্তিপদনীতে অভিরে আর্রোচণ ক্ৰিবেন এবং ভাষারই দুর হুইতে গঞ্জ-গ্ৰহণৰৎ বিষয় ম্পশ হইভেছে ব্লিয়া বুঝিতে হইবে।

## শ্রীমরিত্যানন্দ প্রভু

( অধ্যাপক শ্রীপান নারারণ দাস অণিকারী , ভক্তিস্থগাকর ভক্তিশাল্পী এম, এ )

**( \* )** 

নিত্যানন্দ প্রাকু সদা পরম প্রচার। তার দণ্ড শভি' ভরে বতেক পাবও । নিজ্যাননের আচয়ণ ছবিজের অতি। বিদেৰ ভাহার মুগা পাবতীয় অভি ৷

<sup>পরে জীর বেক্ষা**র আতা নিত্যানন্দ ।**</sup> ৰ ৰা সালে প্ৰা**ৰ্থি চইতে সেহ মন্দ** ॥ अ। १९ ६ क्षांत मानि विख्यानम साम् । মাটিক জগোল বু**লি' ফিরে গর্মদার ।** কভিন্নপে বুলে প্রান্ত কেচ মাহে **জানে।** পাষণ্ডায় একমাত্র বন্ধু নিজগুলে॥ पांक्षकीत **ए**टल निकासनी भने **दृश्यी** । পতিজেব বন্ধু নিভাই, আচ নাহি নেথি ॥ निकानिक छत्त्र हैडा रश्चित क्रमञ्जय । তথাণি পাষ্ঠি চ:ঘ তার অক্তর । कितिका निकारेण्य एकर नारि वृत्य । সন্দ শ্বন্থ - ব যার চৈত্রজের কারো। পাষ্ডিদলন নিভাই জানে ভাল মতে। নির্বানন্দ দণ্ড করে পাষ্ট্রী ভাষিতে। পাষ্টা না সেবে ক্লকে নিতাই তাবে লঙে। ८ हे भग्न शक्तारत ज्ञात ग्राहक भागर ५ १ ্তন নিভাই নিন্দে যেই ঋণম ছুক্তন। करणात्वा मञ्जन नाहि नाग्य कराहन : व्या नारत कितम (महे, हिश्म मक्तशानी। অপিনাৰ লোগে ছাথ পাৰছে। আপনি । नि गानना जिस श्रीतिकाछ महत्राणी। नी खक गतिमान लाहे गत्रक छन्छ। हा ভাবি রু সমত করে ধনে মোর প্রতি। পাণডভা খুচি° রঞ্জনে হবে মন্তি॥

### প্রচার - প্রসঙ্গ

া নিজন্ত সংবাদ-সান্তার পত্ন ৷

जी हो नियरिक्धव-वाक्रम छात्र । अकुष्ट्रम প্রচাতক বিপতিস্থানী শ্রীমন্ত্রজিসক্ষর নির্দে मधादाक किनिय अक्षादि-भगविनाशस्त्र भिन्नी र टेंट्ड निक्करमोत्र, इनिषात्र जनर भन्नम-धन ४०मा । तर्वशास व्यान(माताम (व्योह्मा) -**्ष्ट्रमा वाध्यिको भवातास १७७ ००१म (म** ट्यानस्य खानीव "हेस्छित्रान क्रास्त्र'त दमरक्ष हाती পण्डिङ मृत्योभन भाष्ट्रिक महान्यस উरकारण केल कारत 'ब्रोटेडखरमस्तत निका সহকে ইংরেজি ভাষায় একটা জনবগ্রাচী वङ्ग् ठ। व्यानाम कतिबारस्य । व्यानस्मात्रात्र ५७५६ मतकाती छेकिन सात्र ताराधन বদ্বীদং যোশী উক্ত সভার সভাপতির পদ অলম্ভ করি ।ভিলেন।

সভায় সহরের ডেপুটী, ডান্সিল, প্রাকেন সর প্রভৃতি বন্ধ শিক্ষিত এবং সম্ভ্রান্ত ব্যক্তি উপস্থিত ছিলেন এবং তাঁলারা সকলেই শেৰ পৰ্যাপ্ত অভি আগ্ৰেচের সৃহিত वामीकीय अञ्चीत गर्ववशामग्री वकुन्छ। स्वय করিয়াছিলেন। সভার গ্রারক্ষে **(**चर्च अक्षात्री वीदक्षकी चञ्चवक्षक न्नमभूत कर्छ महायम भवारणी कीवन করিরাছিলেন।

## প্রস্থি পার্টর

## व्यापात विश्व

ब्यामार्य क्यादेवनायम (वनवाम धारीक मून, क्यान-মধ্বাচায়া-কড়া ভাৎপর্য্য-নির্ণয়টাকা; ভীমদ্বিশ্বনাথ চক্রবত্তী ठाकुन-क्र मातार्थमिनिया है का, बन्नाप्रवास, मान्य अवग छ মেই ক্ষের প্রতিপায় কথাসার, অধ্যারের প্রথমে <u>ক</u> অধ্যাবের সারসহ শ্ববিশ্বত তাৎপর্যাদি বিবৃত। লোকসূচী বিষয়স্চী, অধামবিবরণ, পাত ও ভানস্চাঁদ্র উত্ম কাগকে উত্তম আকরে মুদ্রিত। প্রেপম চইতে ১-ম হন্ধ প্রায়ে ছাপা স্পূর্ণকপে লেষ হইয়াছে। ভিকা প্রাথম इंहेट्ड क्य किश भराध २०१०; मलम क्स ३०८; P451 8+ 1

### শ্রী শ্রীটেডভার রি রায়ভ

**জীমন্বভিবিনোদ**ঠাকুর স্বচিত (অনুভ্রারভিনাম) ও জীনীমন্তিনিকার সর্বভী গোৰামী প্রদুপান লিখিত 'অকুডায়ো জাতি-কুড়াদি বহু শাস্ত্রমণ্-স্থলিত ১ইয়া व्यक् शिक इटेबार्टन । (बारकत मायग्रमाथाः, नक्राक्षमाहरू প্রত্যেক পরারের পূর্বে সংক্ষিপ্ত অভিয়ের সংযোগিত। প্রার, শুগ্দ, স্থান, পাত্রা প্রাঞ্জুতির স্থানুহৎ স্থানী ও প্রাঞ্কারের বিশ্বত জীবনী সম্বিত এইরপ অভতপ্র সংখ্রণ ইভ:পুঞ্ कुळालि छाकालिए इस मार्ट । केंब्र काल्ट्र लाजिल्ट्रिज স্ঠিত তুল ক্ষেপ্তে মুলাংল মুক্তিত হত্যাতে। এত প্রায ১৫০० शृहाम गुल्लत । किका वर्षमारम स् माछ ।

#### **क्रिटेड जास्त्र ११३ ड**

এডফারের জীবনী, প্রতি পরিক্ষেদের কগাসাব, বিভাত লৌদ্রীয় ভাষা, ব্রুষ্টী, প্রার্থ্টী, বিনয়-স্থান পাঞানি-স্তা, প্রাকৃতি বিবিদ বিষয় সম্বলিত বিরাধ বিভীয় সংক্ষরণ **ध्वम क्रा**क्रेन ५ (लक्ष्मे भाकाता स्थाननीया स महात ক্ষিমণ্ড প্ৰাশিত হুহুৱাছেন। জ্বানে জ্বানিত क्टेटल्टल्या व्यक्तिम किन्ना द हाका, आमि नीमात्र 1041 0 1

#### **डिटेड ए या मन**

এই প্রস্তের এরপ অভিনধ ফুলর সংখ্যাপ আর কুতাপি क्षाकर्रामण वय माहे। भाषा (भाकाराना व्यवस्त वकासूनास, कावा, कथामात्र, एना टाक्छि मह बट्ड बट्ड टाकानिए क्षेत्राक्ष्म । भूग स्योष्टी व्यक्तरत्र करण क्राक्षेत्र व्याष्ट्रिको कुक्षाकारत हाला रहेबारह । भूमा २४० छोका । अमीगः একাশ ও গৌড়ীরের গ্রাহকগণের পলে ১৪০ টাকা।

### শ্রীমন্ত গ্রহণ কীতা

-- शिर्मोदीक देवकवाहाया व्यवाक्रिक त्रिक्र्इकार्याः ইঞ্জিৰখনাৰ চক্ৰবৰ্তিঠাকুর গোম্বামিঞ্চা সারাপ্র্যিণী হাৰদেশতা ও জীতীনহাজাবনোৰ ঠাকুর-প্রাণীত 'ছমিক-वस्तर सामक कायाकायामहिला। व्यवाहरूही, माकृकात्तरम (बाक-कृत्री,विषय-कृत्री,श्रष्टकारत्रत्र कीयनी ६ व्यवस्त्रतिकानि वह-क्षांख्याविषय-मर वेषक्षं वीधारे छ्छीय मध्यत्-- हे ब्राह त्रदश्चार्याम किका २ हाका माळ, मानामन मश्कान--->४० BIP! PIG

### শভুষ 🚉 প্রাপার

 िनसूर्णात आश्रीमहाकाराहासः (मिलायो महातारक्त त्वह अविका विकाश कीबाध्यक (भाष्मिनी क्रमा-कार्का निम्माधिनी कार्य हुन्ताल व মুর্ক-বিতার --বৈকাৰ নিয়ান্ত-লন্ত্রসালার কৌল্প ভম্বি—সম্প্রায় বিকাপার বী — রুসং, রুফশার ও প্রব বন্ধ পুত্র জীয বৈজনবিজ্ঞানাগালের মৌশিক তথ্য--পঞ্চরাত্র ও ভাগ তের। আচিত্তা-চেদানেন ত্র-ন্যাধন-নির্বয়-- প্রায়েশ্রন-তন্ত্র, কথ্য-সমন্ত্র ওক – মহাজন-জীবনচ্রিত-শিক্ষক – চিবিলান্চিয়াত প্রতিশব্দ, তথ্য ও বিরুত্যাদিবুরু। প্রতি হলের আদিতে সিচিয়ান-িচারক - এবদা ও মাধুনারমের মোলিক গবেদলা --- मध्य, अटिट य । अ । अध्याधन उत्पत्त विकास मध्य

> ১। প্রাথম অভ্য-বৈদ্যবদ্ধন, শ্রী ওর তর, কাল-ধন্ম, জীনধ্যাবিভাব, ভাবাৰভানৰী, পাঞ্চাজিকা দীকা वर्ग विकास, स्थापानमा क महलानमा, शिरेन्छलासन क ভাষার নিজা, অপ্রোবভ মহত্বদায় ও প্রাবাধ মাংওমাই, আছেতি বিংশতি সংগ্যক র**েছ জ্লো**তির। ভিকা মাত্র ५० नान वाना।

> ১। বি শীহা অন্তে— হন্দা ও নিদ্ধা ভবিদ, মহলে র ধ্রেষ্টতা কোপায়, আত্মার নিভার্ত্তি, জীনর স্থানিলান ও शांशावान, डिल्लीन-निडारनम अगन्न, जिल्लान मण 😕 🚓 क्षांत्रम, क्षीतामिश्रकाष्ट्र क्षेत्रहालन्द्रभव कार्यन, क्षार्यने দামের মতিমা, মতাপ্রামাদ, জ্রীপোরিক, উল্লেপ্তরাভত-लया. टीमाडी त्राष्ट्राञ्चनमिनी, **डीहर**ाड**ाला**त सरा, एगोनका स क्रकारकी छन -- ५७ मन बालुका बमुतिबालुण न २००० तर #) #(#) I

ल्याम ५ विटाय-७१ यन उक्ता सहत्व CHE 3141, BIM 135 BERT

#### 🚇 य द राजम री डा

राम क्षेत्र-रेवमतनतानी विक-८० खद । श्री द्वीपर त ভাগরত ভারত ও শ্রীমন্ধ্রিরিনাদ সার্থার ভালায় বিভাও "বিবদর্জন" নামক ভাষাযুক্ত কর্ম বিচ্চক্রী, ও প্রতি লোকের প্রথম ও চুটীয় পাদ পূচা, ভাষ্টকাবের শীৰ্মী প্রাভৃতি স্থালিত! উৎক্ট বিদেষ্টি, বাক্সংখ্রণ ( জুলীয় সংখ্রণ ) প্রতের किका २, छ।का।

#### প্রয়েয়রভাবলী

ইন্নেধনদেৰ বিভাত্মণ-শ্ৰণীত বৈশ্বদশন, সভাত ভ ्याविक अधारिक পर्दियांत्र ध्याप्य अहः । उरक्ष का नार्वार ६ ছালা। ছবিন্তত টীকা ও প্রাঞ্জনকল্পনাদ-সংগ্রে অতি সহজে বাগকেরও বোধগমা হইয়া পারে। তিও lor • জালা মাত্র <sup>1</sup>

#### **बीमवदीलदाममाराष्ट्रा**

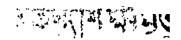
( লামাণগড়। সামুবাদ। প্রুক্তি-স্বত্যাদি প্রয়ে খ্রীনব-दीरावत रह माध्या कीडिंड आएड, काहात मुल माइट स অমুব্রে। ডিকা ১০ আনা।

#### ন্ত্রী প্রমন্ত্রীপভাবতর স

শ্রীসাকর ভক্তিবিনোদ শিখিত। প্রশাধিত গাঁডাকারে প্রিক্রেয়ার জঃবাাদি-বিষয়ক। ভিক্ষা। আন্যা।

#### ভক্তিরহাকর ও নবছীপ পরিক্রেমা

শ্রীল সরহার চক্রবর্ত্তি-ঠাকুর রচিত। ভব্তিবরাকর তিওস্থ শ্রীমধ্বণপ্রান্ত একটা চইতে গারুলমাংশ মাজ গুহীত; শ্রীষ্টীৰ গোস্থানী 🎏 क्षकारम क्षेत्रविषधारमम श्रीमक्षमा क्षिमाहित्यन, छाराहे পত্তে বিবৃত। ভিন্না । ক আন।



শ্রীৰ ভাজি বিনাধ মাকুম-প্রাণীত। ইভাতে শ্রীচৈড্ভোর নাশমানির বিনার -- দৈনী ভক্তি, ভারভক্তি ্রেম জাজিব্র নাম্ভক্ল-প্রবাধী ও অভকালীয় লীলা-পরিচয়লি এনে শিকার্থীর উল্নেখ্যে কবিয়া মরল ভাগ্য সমূলয় যুদ্ধিপ্রামান্নত লি পত আছে। চতুর স্থারণ বানা । २, ७१को, अनि सा ३५० ७ का महा।

### (भोड़ी १ कर्छ शत्र

है। देशों त्रिय दलकान एउस । कार्यकार कार्य भारतसम्बद्ध াল এ ডুডি প্ৰাণ - জালালা দ নালেত শ্ৰেমন্ত্ৰত আমাৰালগা বি হবিভাগ হলে। সাভবাৰ ভাগলত। তথ্যপ বৈষ্ঠাত শিলারের প্রেন্মলয় অন্ত কুরাছি একাশিত হয় নাম। हेश्राह का एक - क्षांत्रक ट्रेगाल ए के बिलानिक---अहे छ। १४१ - मेर्सि---- छ। बङ्गा और अहि छ, १७०० र छन क्षान्यक्षान्य । ज्ञान्यत् यान् क्षान्यः - Line 14 - 全121.5 4 卷 2(1) 1- 217 5(1) 5(1) 第 (1) 第 প্রাক্ত (এ(৩))ল প্রান্ত ভারত প্রিক কাশকে কেত त करिंद्रक क्षांसर, फेर्स्ट्रेस्ट्रिस्ट्रे हाल अंक ४०० शहरक शस्त्राती हैं। व है कि बाँधा

#### শ্রীমন্দ্রীপদাম-র ভাবলী

श्रीभाग करिया निर्देश कर । ११ इस दोशाला १० फासा का मान्या ने मन भारताशाल पांचातिक अपरांत अधार श्रीक अवस्थित क्रमांची হুৰে এবে বাম প্রিক্রিম্নে - টিব্রম ন্রত্যে বিরুষ্ণ - ভার বাছা প্রাত্— শুমার প্রেগেন্ডলড অবদীপশারেল -প্রীয়ন্ত্র ক্রিনেক স্থাকরের জীনবর্তীর ভারতর্গ প্রছেছি शह दक्द किया ५० व्याना बाद्र ।

#### শ্রিকালায়ত স্যাকরণ

ইটোর নোস্থামী প্রচলমে-বিবভিত কর ও বৃদ্ধি, खुकारण केरिकालाम द्वीमहाकिरिकाच जनवही एकाव १ মহারাতের বিভাগ ভূমিকা ও ফুটা প্রান্থীত সহা हालाका बाहाचारत केवांचा एकार व प्राप्ता कार्यकार नव

#### (यक्ष) ख उच्चमात्र

शिमान भारतका जापा अधिक । इत्यादशत विभिन्नादेवक नाम প্রচারক জ্রীনাস্থারে প্রাচ্চার্যা প্রবর্ধ রেমাপ্রমালীর পার্যার हेन्द्रको कन्नको उर्व केश्व किन्साद्रका व्याप बक्रास्थ्याम । अ. अ.जी.श्राह्मीच अ.जी. १० क्या १० १० १० १० মাম মারে ভিগা ৮০ সানা।

#### ই,চৈত্যুচন্ত্ৰায়ত ও নবছাপদভক

োরপার্যদ বিষ্ণাতী শ্রীমৎ প্রারোগানন স্বস্থাই ত ইছ মল, প্রদুপাদ শ্রীমদ ভবি সিদ্ধান্ত সরস্থী কোডারী সংগবাদ मुक्कारीकाल । आह्यामुद्दान वर्गाचार । ए नकाम्या (व. १०१०)च अवदीश्रकारकथः है। इ.चि.चि.चि.चाम अत्याव अध्यक्षत्ताः क्षावाद अक्षेत्राहरू । इत्रास्त काराज केरहरू । मान्य तक्षा ) किश्वा का काला, आहि देवने विशिष्ट आहमावतः. ্ টাকা মাত্র।



्रीभवक्तिनिरमान हेन्त्रपालाधिक। एक टकमान शहर যান্ত্ৰ জান লাভ কবিনে পান্যানিক পাছেব কিছুত্তই कार पर भा भरतम् अहिक्स सह । अवस श्रुप तम्मित्य पर्के-कर राज अञ्चलकारी अप हो समञ्चलका निष्ट कर नामि । उन्हर्भ कर्मा इन्द्रांकि क्षुन्त् का करारा अनुसारक हरू । अस्त अस्त हरू वर्षे । भरमार्टकमा कारात्व स्थलित् । वर्षामान क कर्रा कि । दांबर जिल्लाय सम्भाक के अधिकर्षात्ता । जिलाकि अभि, ्रा पन व्यान जाम एक्सी, छिरद्रहेतील्ड ५५० गाउन 1कथा २ होका शहर ।

#### ভ্ৰেম্-পৰ্ছ

स्थितकाद्य व अध्वक्ष भारत क्रिन कप्रवासन लाउ कार एक दार्ज के देनेक्षना का उन्होंन**ी** से नार्केस्सस ्रेब्राध्यक्त. इ.स. १८ - इ.स. •लागाना **ध्यक्ति क**रनक ্চাপ বিলে পাইবেন । পাদটিকায় একত আনেৰ প্ৰত্নাই ও ্ সরস্থাপাদের সংস্কৃত নব্দীপশতকের শ্রশালতে পঞ্চন্ত্রান । ালবছারৰ প্রিন্য়ালি মধ্যিত চাতুর সাধ্রন ভিলাঞ্চ 'সৰ অন্যেমির।

#### ভক্তমবহণ্য

ভ্রমকারীর নিভাগলী ; হাকুব ভানিবিনেদের অনুস্থ । তথক। ভিকাত - কানা সাজ । স্থান , লেখিল শাস্থের নিয়াস। প্রথানি না দেখা প্রায় এক সুরিতে পারিবেন না। স্থীয় সংগ্রেণ ভিকা ॥०।

#### হরিনাম চিত্তামণি

নামাচাল্য আনি হবিশাস হার্থের মূপে আমিলালপেড় নী স্মান্তাল্য, নামাভান, নামাণালগে বাভাত বিভাগে সংকাশাণ বিচার শ্রম কবিষানিয়েন। তে বিভাগভিত্র কাতি ন্দ্ৰ **প্রাধে স**ংক্ষিত্র আত্মান কাবলাটিভাবে মুটির ত न्हेंब जिल्लिदिनान आकृत-तिष्ठित । असम श्रापात । १०० वर्ग

#### क न्यानिक का

केश्वर क्रिक्शिस अकृत त्रिका । १९१६ के अध्यस-ेशचा १ ७ कोन्स्यार्थन भ<sup>1</sup>प्रदेशन उक्तक अत्यादशीय । রপ্রেশাস্ত্রীপুর ব্রতিভাস্কা সামার ব্রেসা ছা-ফান্ট ্লচেও তে ভল্নৱংখের উতিষ্ঠের হ'বং অন্যান্ডু' হ র ভাষেত্র,বা কাভে কবিধার **ন্ত**র্গ প্রান্থের য সংকরণ, ভিজা ১০ আন্ন মাল।

#### मवरा शिष्ठ

श्रीमञ्जाद (तरहराम (द) हा त्रां) सार १५ (तरहम ऋरदा ५०%) tassing, some some in the form of the falls of the (中国本)(111年97、 11 m) · 4 年 17 日 4 年 1

#### 30 Blo 1

劉才豫帝等等命行,第一八歲十八十八分前,到在了五本 कार्या का प्रवासिति विश्व कार्याच्या प्रवासिका । 199120 AM TISE

#### डी दशक्य करा प्रका

化二十八十四 不同 不直上



ভীসভাগাঞ্র শিকাও উটাব রবুনাথ লাস পোস্থামীর जानि ने अन्य त्यात्र में त जिल्लामनायी, जिल्लिमरणत अञ्चल ও এতিকুক বিষয়ে জবিচারিত মনোদন ভালা, বিশ্বত বিরুতি, চবিভায়তের প্রমাণ, সাধ্য ব্যাথা ও মহাজন প্রবীত ত্রপ্রেণী গীত্যমূচ প্রেণ্ডেক স্লেণ্ডের স্ভিত भविद्यमिक क्षेत्रहरू। एस महस्रमण छिका। 🗸 । सामा।

#### अप्रज-कर्

ইবিস্নাথ দাদ পোস্থারি মন্ত্রিকা, শ্রীল সাকুর ⇔িলেনদ চবিত গ্লামুবাদ্যত। ভিকা৴• আনা।

#### প্রেমভক্তিচন্দ্রিক।

জীল সাকুর নরোধানৰ স্বাধান ত্রেমভাজিবিধরক নব পুডুক 🗸 'ভিগান 🗸 থানো মানে 🕽

#### নণ্ডী পশ ভক

ाकुत किंग्रनीरवामन्त्रिष्ठिक ख्रीम अरवाधानम ভিন্ন / সানা মাত্র।

#### ভার্মপঞ্চক

ब्रीन (एक्फिक्का दिक्का इंग्लिक अहरू

#### সদাচারস্থতি

শ্রীল মধ্যতোগ্য-প্রণীত। বৈক্রবের নিত্যকক্ষণে সদাভারত বল্লে বছয়েবলৈ স্থিত। ভিকাঠে আনোমার।

#### মণিমঞ্জী

ক্রিকুলকেশরী শ্রীমন্ত্রাসন্টোরা রতিক 🔻 শ্রীমন্ত্রস্ব চাৰ্যের সংগ্রিপ্ত জীবনরীলা ও মূল বেক্ষরধ্যমত। স্ক্রেরাদ (उपा) । अपा मा मा ।

#### दशीतक दखापन

প্রাণান কবি জীলোরিনা দেব প্রাণীত জীলোরারভারের । 🚾 শানা মাজ। প্রমাণবেলী-সংব'লভ সংস্থৃত এর ৷ ভিক্ষা দে আলা

#### যুক্তিমল্লিক।: গুণকৌরভ।

আঁমধ্বসন্দানায়কুগত আমধানিরাভ স্বামিকত। সঞ্চালয়ে সাহ্যবাদ এই হাপের প্রকাশ পরেমাণিক ন্যাইভা-এগতে তে সঞ্চল্লেগম। উদ্ধন্মকাচাৰ্য্য কল্ডে লোড্লানগুল থিতীয় মধ্বভোষ্য লামে খ্যাত আঁগদিরভোতীর স্বামী এই একে शांधात कुछ छ द्वीरिक शांशाञ्चरात्त्र किक्रण खुक्तत्रज्ञात्व ভাজিবিবারি মতবাদ বসুচ খাওন কার্য়াতে, ভাষা পাঠ कार्याः कतिहार व्यान्त्रवाशिष्यः इक्टाक्ट्याः । इटाटाङ् युक्तियाः ৰটো তাঞ্চিক, জেল, বোগ, মামধ্যেক ও মায়াবাবিম্বত-, राष्ट्राव्य क्रमात मध्य व्यवद्याद्रिक । विभाग व. हिन्दा साथि ।

#### গে সোমী জীল রম্নার দাস

াঁও বিষ্ণুপদে তাল ভাজিবিদায় ধরস্থ হী গোসামী লাভুল ন-লিভিড ভূমকা মৃহ) গৌরপ্রেষ্ঠ স্বরূপ-রূপের ংগমার পিয়তন শ্রীল দাস গোস্বামী প্রাভুর অবসুরু ্িচংন্ত ও শিক্ষা মাডীৰ প্ৰাঞ্জন ও সরল ভাষায় স্মিষ্টিই াকস্ত্রসূত্রস্থালি উন্নাহণনাপ তাজন্তী সংগ্র- নিবং প্রিশিতে দায়গোল্পী প্রেন্ত বির্চিত করেকটা 🕆 🔗 तर्भाव 🐪 देश्स्य दिन्दिरमान आसुरक्षत्र अस्यवानः । शास्त्रतान मधुत्राष्ट्रम स्वतः 😼 मनः निकानमानिक। 🖝 🕸 🔻 া বালাই।। আনা, আবানাই। 🗸 আনা মাত্র।

## চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাচীন নবরীপের অবস্থিতি, তথা, ঐতিহ্ন, প্রোক্ত ও ঐতিহাসিক প্রমাণসম্বলিত নয়টা খীপের সচিত্র বিষয়ণ-अह। ताश्री ताश्रीत्व कुमांत्र खीतृक नव्यक्तिम् मात्रावन রায় মে. এ, প্রাঞ্জ (লাছোর), বেধাস্তভূদণ মহোগয় কর্ত্ত সক্ষলিত এবং ৪৭ থানি বিভিন্ন বর্ণের অপুরুষ চিত্র ও নানচিত্র-পদবিত ; প্রাচ্যবিভাষতার্থক রায় সাছের 🚨 বৃক্ত নগেন্দ নাথ বহু বিশ্বফোন্সম্পাদক মহাশুরের বিশ্বত ভূমিকা সহ। উৎক্টে (ইং) মরজো বাধাই মূল্য ১॥•, ভিঃ লিঃ ভে २, हैं के गांध ।

### माधक-कश्रमाना

अक्षतम्मना, देवकव-वन्नना, देवकवनवन, गांवादनव श्रीक. जीनाभः पे. जीववाशालान्त कारहेक्त्रकार नाम. व्यष्टेलाह्य नामकाकृत, ज्ञानामनकाकृत, (शमश्वनि, 'वाजनमञ्जीत, नवशैल-महिमा, क्षिमाद्यालत महिमा, **क्षेत्रदशक्म-छा**हत **कहेक** মচিব্যি-বন্দনা, বড্ৰোপ্ৰামীর অইক, প্রেমভক্তিচ ক্রিকা, উপদেশगण। नाग७णन-धाराती, महाधानु । तात्र त्रामानम भारताम, मनः निका, श्री धक्रकार्गाह, श्री धक-नत्रणता, মগাপ্রারন্দনা প্রভৃতি দাংক ও দিছফীবনের নিভাপাঠা, বৈদ্যবগণের কঠালিত ভুলগীমালার গ্রায় অস্থক্ষর করে পারণযোগ্য অপুন গ্রন্থ। ভিজা । । বাধাই ॥ মাতা।

#### গো জীয়-গোরৰ

কলিকভার স্থাসিদ্ধ আলবাট হলে গৌট্টীয়-সম্পাদক चौथान स्कतानक भद्रविद्यान खनड वक्षणात विश्व গ্রন্থ প্রকাশিত। ইচাতে গ্রেড়ীয় বৈঞ্বণক্ষালায়েয় ই ভিনাম স্ক্রাকারে প্রথিত হুইয়াছে। ভিক্ষা 🕪 মাজ।

#### গোড়ীয় সাহিত্য

কলিকভাৱে স্থাপথিত আলবাৰ্ট কৰে ভৌজীয় সম্পাদক শ্রীপাদ ফুন্দরানন্দ পর্বিভাবিনোদপ্রাড় প্রদন্ত বস্কৃতার বিষয় গলাকারে প্রকাশিত। ইতাতে সাহিত্য-শক্ষেত্র অর্থ এবং পৌতীয়-মাহিত্যের বি-য় স্থঞ্জারে বর্ণিত হট্যাছে। ভিকা

#### শ্রীগোড়মণ্ডল পরিক্রমা-দর্পণ

শ্রীগৌড়দেশের যে সকল ভাবে সপ্রিক্তর জীমন্ত্রাক্ত ्नः 'ठमप्रश पनवडी महाज्ञनताल मीला कतिया शिक्षात्क्रम, ্রেট বৰ আধু নক ভৌগোলিক পরিচয় ও দেববিরাছামির পরিচ্য সধ্য যাভাষাতের স্থার । নির্দেশ ইভাগি বিষয় ওলি मनिर्दर्शन कारहा छिका । बाना।

#### THE HARMONIST OR SHREE SAHANATOSHANI

্রীন ১াকুর ভব্জিনিনাদ-প্রতিষ্ঠিত এবং **শ্রীন ভব্জি**-নিদান্তন্ত্রতী গোস্বামী প্রান্থপাদ সম্পাদিত পারমার্থিক মানিক প্রা। তক্ষণে ইংরাজী ভাষার অঠাবিংশ বর্বে ডবলনেটেন ৮ পেছী a কণ্মা আকারে প্রতি **যারে হরি**-नारमञ्ज विकत-रेगकमधी गर्देश छ अधिक अधिक अधिक । काशक, युष्प-भाविभाषा । किलाबि कडीव विशावक्र । এই প্রকার উৎকর প্রায়ত্ব আরু কোন নাগিক প্রভারিতে ८५ थिए७ भाहेरवन मा। निविध किया खायमाखनगढ 🖎 2 1 2 2 B हेकि। माळा।

#### প্রাধিতাল-

**बिटिड्यमर्ट, त्याः ज्यामायायः महोना** 

### बिटि एका मर्र

#### আকর মটবাল

लाहीस सबदीन, काकनत क्षेत्रांम मात्रान्त, समीक्षा

শ্রীমভাবোগলীত ভর্মে করে ০০ । গছ উত্তর-পূরে শ্রীপ্রজনমতে আচার্যারভ শ্রীচন্দ্র-त्मवन-बन्द्स खेडिटेनऋक-मठ निवासमान ।

এই স্থান সাবস্থান বীর্থ, গর্মবিষ্ণানীঠ বা সাম্বাস ভ্রমনত্তবী। এর মহাতীরে বীহরিন न्द्रशाभुक् वाहकत्पाणिकत्वकाणमञ्जूष, अविश्व त अञ्चर्गक काता, नाहेक, अवद्यात, करा श्रामा :- के भार विमान के शान प्रकार के का मिन के के देव के मान के का मान मान का मान का मान का मान का मान का मान .शांबाक-शांक स्व का-शिक्षित क भाषक गान्धानाविक-कातागः ठळ व काकारमव पेणाळ মপ্রাপান্ধর অংথাকাশিক র জ্ঞাতীন প্রজনাতি প্রচারত ক্লো 'নদীয়া- প্রকাশ' নম্ম লায় । প্রীচেড়ঞ্চারিভাযু চারিভাযু চারিভায় চারিভাযু চারিভায় চারিভাযু চারিভাযু চারিভাযু চারিভাযু চারিভাযু চারিভায় চারিভাযু চারিভাযু চারিভায় চারিভাযু চারিভায় চারিভায 数19日間 कर प्र: (EDA - 数1984 4月日 - 動り14-917 (近山) 28日 - お ちがま ちゅいま ভীত্তন প্রচারমূপে মচামংশংশব वि জকাল অভতি চ কলা পাতে। বক্ষক---এজচারী ুল্লীপাদ অভস্কান্তরে প্রবিদ্ধান্তর নীপার বাসাবহারী এজচারী এজচারী এজচারী ইপাল নত্ত বিজ্ঞী, সভভাৱী--- শ্ৰীপাল বিলোগাঁতে বী এক্ষণাৰী, পাশু চ শ্ৰীপাল ক্ষাপ্ত ক্ষাপ্ত লাস্থাতিকাৰী বিভৱ প্ৰীপাল ক্ষাপাল লাস্থিকাৰী, এজনাত্তী क्षेत्रभग अक्षाती. **क्रियमध्याणांन अक्ष**ाती, कक्षा नाटक, कांट्रणण, त्रवाहीत्याटन । প্রশিক্ষার আনুদ্র ক্রেयमार देव क्राह्मण साम्याद्याल साम्याल साम्याद्याल साम्य बायन मह्हजना है

ত্রিদ্ভিত্তানী শ্রীমন্ত্রক্ষিপ্রশ্বীপ শ্রীর্থ সংক্ষাক্ষ ধর্ণানে হরিক্ষা ক্রীক্রন করিছেল। এক্ষাবরী প্রকৃতি ন

#### েত : বেংগণীত শ্রীমন্দিয়

बार काम श्रीकर्महार्थामध्य करण वा ्रिभारा श्रम् व काविकाव-कृषि मशस्यान-रअशामक मिरमोकनासामण अनर मिरेक्टना े नाडी. खेडेक्टकम व्याधनाती आहार । a Beinigeme fem tal en Bere-**७८वर ८गरा रक्यात । तक्क---(०१७-**-मानामत (नायामी कहातामा आकृ व्यक्तान नाथ । शब्काती 🕮 विकासमा अध्याती, श्रीताभावित्साम् क**िन्द्र**यन, श्रीतास्थान उत्तwill : Bringuite wie wiff, enamin i Benedie

### (8) **3419-99**

शिवाना शासक की किन्निक वा **शिरभोत्रमीणात प्रामक्षी। जगारम व्यक्ति**शीत निशानम् ७ एक्टएक (सना वक्यान) 4中中一一遭 如时中至4年 国際行前。

#### ( ८ ) चार्टक-कवन

at gica Buter gre eta att (Ma) 4 % Min 1

क्य च--- श्रेवर्रेकांम्ब बागाविकःवी क्षाद्रभगमाम् स्वास्त्री ।

#### ( ७) कालीक मधायि में हे

ज्ञाधीन मार्चाश्रक, मायमगुकुत (सवीका) Bentamenten Birentet नमार्थ। वक्रम-अध्यक्ताची विविध्याविकाची ।

#### ( 4 ) খানজ্ ভাষা-ভাষ

শ্ৰীক্ষেত্ৰ, স্বস্তুপদাল ( নদীয়া ) aufen Einmein Ber wierferungimenn समानि कार और भोक्यमानक अन्य केली वाया-BINCES CHAI 4

क्षा -- ७ किए वर्ष काकार्य अवहाती क्क करियमी क्षण, जग, वस्

#### ে৮ জ্রীজগরাম দেটার মত ংগোর এক ারী, প্রীনবংগালম বক্ষচাত, वह्य विश्व ।

तकक-- द्वीवध्यत अकिमाओं धम, ज. পাঠ। এখানে **শ্রীগন্ধী এর। ও শ্রী**রিকু- বি, এগ, স০০:বী— শ্রীটক ছোস ভাত-

#### ( ১) औरशाय-श्रमाबय-मठ . ठे। পरिस्ति, अभू अश्वतः ( न**६** जास )

🚉 न वाला-१६ भव का कि छ । जावरास प्रवन .मना । नक्क - और स्वताम अक्राडी, कक् 🚉 अभागत भाग .

#### ১ • श्रीज्ञभटगोष्ठोच-मठ

41.198. #HIS 23. TH om o --- Befeuta saniel. ne off-भागान्यक वक्ष नहीं।

#### ( ): ) 劉に対する事事を選 ---

माउनाक, काम्याव, वहमाना 🗒 भागाव भाव 🕉 कृष्य सम्भावत्मन आस्त्र । वक्र क--- हैंद क्ष वहारी बुक्रवामी, कुक्र मी-भराका

#### (3) STITES WITH

🕮 नाभवत्र । 😂 ।, क्रम्मन्त्रत्, समीधाः । काशव कि बाख अक्षावकीय कहार-क्षा का वक्त- व्यक्तिभागम अवहाडी छ। छ नाही

#### CH RETARIES

(जारिक्स पुर, देशियानी, अमीबा । १११० — 🖺 बङ्गानल अम्हारी । महनारी 🖰 श्ची- विनादक अन्तर्वाती, श्वीक्रमात्रीव नाम्यान्याती े मञ्जनाय भाखा. कक विश्वनाथ

#### ( ১৪ ) श्रीमाश्व द्रशोकांत्र मठ

1 10 18 . Bilb. preibe siec भुवानाम शाहाव : कक्षा क्यार मी छक-दशोशांच शास्त्रमा-शिविगद्दिक दश्या वश्चमान । प्रकर- श्रीवाशायम् तप्रवानी. श्रीनाम

## ) **अ**दगोषीत भठ

. च सः वालिलाभाष तन्त्रनको है। हैं, ल्लाः नाजनाकात्र, कालका हा । Bis CINTH IT. IT. HOLE

द्यीमधार्का र स्वर कार्ताका स्वान्याल अधिनाय- श्राप्तात्मात्म (नायाधारमात मस्र कार्यास अति कलिकाश्रम श्रीकिकितिसाम आगाम श्रीमत श्रीहिक आहिन। खह कक्र-मध्या तथा कि ब्रुव-द्रशांशाच द्रिविट-मार्ग नव अपि मश्वित निका द्रशाव - धन । द्रशांकीय -আচাষ্টাব্যাব্যার যাব কীয় প্রাস্থাবন্ধীর প্রাস্থাচারোকেশে শ্রীমতে সংকর একটা পুরুতং মুদ্র-মন্ত্রালয় সংস্কৃতিক ১০রাডেন। পুথিবীর সক্ষত 🕮 গৌতনান প্রচারার্থ এন মন্ত্রালয় काल '(तो होए' माला'ठक शत, कि क्याबिक्के प्राधिक शहरका है। हाताब शादका भश्रदकक-कार्रामाधिक में लाग कुछानेगाती विकास्तर । अवक दी-लांक्क अक्षाती कावाशाक्त्रवासीसं, **देशा**क नीराटक अक्षाती, जीशाक नकरशाशाम अक्षाती, हे सीकीकेमानक, अक्षाती जीशाबी(बारक, अक्षाती स्रोधरानक पांक्त संकार महास नतीन क्षा भःमः भवनती वि-दश, धीयप्रभम छ। धटका विम् अविष्यप्रद अक्ष वि, बीक्ष्यर हार्

#### ् ১० : औदभाभागको सह

क्यनः भूत्र, ७१क । ্গাপাণকার স্ত্রী :এটের প্রচৌন ন্সবা तक्षक---द्येशाःनामन अक्षान्यो

### ५७ श्रीमधाके जारास मठ

efonter einitent ner, affen fi gien च्चीगमण्ड-८पोद (कार कर) **383** বেক 🕶 - ত্রীপুণ পাজ বঞ্চ (টু. মুম্ম চলাক ব্যস্থাৱী

#### ः १९ 🗐 ७ (शवडक्षर) सम्बद्ध

'एक' गरा, वादाम्बन्युव, धामनी जुरा @416# " \$ \$50- Meim-118 'A 41-গৈতিবাহীর নিজ্যমেশ্য ব্রহ্মেন্। ব্রহ্মক---डकाभी डी क वान मात्रको।

## :১৮ कामल(स्याका अश्रमाञ्चन

aimain chit emun :

न्त्री शकरवाताल ज्ञाना सामाना वातवारी । बिकारधना। अक्-अवनामी खोडाब-146414

#### ं ३३। जीश्रस्यादय मह

पर्शकार, श्रुवी, छिप्तिमा। .मा व वयात । तकक - बक्तानी खेलुब्यः । भाषां अन्तराती गमा विमान्त्रकः, अकारती हामनीया मन हैं। भारतभा अक्षत अञ्चल हैं। इ. यानवानन वक्षाती करू ही नशह

#### 12 · । खीलबा-८गो हो स सर्व

भागवृक्षांच, अक्षान'ह .च':, लुडी । श्रवश्राम । १११क-- त्रश्रकारी **₹1**₩4 में नवट्यवदी व्यथापकी। तरकादी सम्बद्धानम् प्रदेशकः विस्तारं वि- a, श्रेशांत- अमहाती श्रेपेनिविद्यात्री ।

### ८८५ क्षेत्राष्ट्रपानम् बर

9(W8[4]W16, 46# 1 জীর বিশ্বস্থেপ বস্তমান। ক্ষেত্র-अन्नहादी जीनम्हाः जीवायाम अन्ननारी

### '२२' **डीजनाउन**्गोहास बढ

रमः काक्षानमध्यः, कान्द्रः। (特) ·智術實質を 四回(+n-)可称(個別) क्षणा(स ,धाव(भना नह्यास) वक्षक ---भीषामकीनाषकी. श्री क्षानन, उत्तर में!

#### २७. अङ्ग्रहेड्ड अ

लीन मरामाम कुछ, लीपान वुन्तावन । Martin-Maria County (Mart

राम क -- विशव किसाम अक्तार हो

#### (+8) 희어정리속(가 리공 कामबादमा, माञ्चापुत्र

ब्रम्हल छन्। प्राप्त व्यक्तां व ब्रीम्भाव-विद्याप निवासकीत (मनः वस्थायः, वकाक----- अक्षाता वी जीवागरकारेक, व अक्षाता वी न्त्रीनंभक्षणानः ।

#### .२०/ औरेड्डग्रह्मीकान मह

भूगतक् **७**१, 15 तक् **७** । भागकृष **४३**। भाव राष्ट्र, श्रीरकन्यानम श्रमहारी, श्रीवाय की वे अपन्यतिका ।

#### २७। ब्रामदभोष्ट्रांत्र यह

कुक्टक्रिय, प्रात्मिया, कवाल । अवस्थ े ब्रोटचेवर ध्याप-चार्यन । अन्तर अन्यास ह क्षणात्म स्थित्याव-'वत्मामभा-वक्षोव मिला- । वक्ष अ---वक्षणावी वेशक्षणायकाः । सीमगी-

#### (२वः ल्यास्ट्रान्ताः श्रामुद्राध्यानम् ब्रीकानगाडाः , ल इ साक्, कारक

कार्याल अने कृत्रमृति लाटचावादश्व दशका 可審制の | を取る -- すっけい 別(利)の事本。 नाम, सी विषयांच उक्तारी। (२৮: विश्व भागां है गर - अधिकास

अन्नताथरणरवत्र अनवभव सम्बद्ध चौभन्नक। विश्वर भाषी भवन, क्रिकार ज्ञान, "लक्क विक्री । त्रकरू-- बच्चारों चिनी व्यक्त, अकुनदन्त्रव म् वामा व्रथमान्यनम्बन

#### (25) CHITIMPIUS SPETERS तक व-- अवहात्री खोदाबारवाकः

#### द्रिल कर्चाहात्री मृद्रमान

গত ২৮লে ও ২৫লে যে ভারিখে লাল मित हाटि जीयुक्त बाहे वि स्मन वाहि ষ্টার মহাশয়ের সভাপতিত্ব ট. বি. বেলের ভারতীয় কর্মচারী সম্মেশনের দশফাব:খিক অধিবেশন হইয়া পিয়াছে। বউমানে वादमा वाशिदका भन्मात विशे (त्रण छ। বেল্ড যে ভাবে কম্মচারী নর্বাস্ত করিছে-দেন সংখ্যানে ভাছার' প্রভিবাদ জানান क्य अतः आन्नाम इष्ठ (ध यपि प्रकारत স্কিন্ড রেল বিভাগের কার্য। চালান যায় ভাষ। হইলে কর্মচারী বরগান্ত না क्रियोक अध्यक वाय महक्रा क्या यहिएड সংক্ষেত্রন এই বিষয়ে আবেও - গুড়ী জ ক্ষানেক গুলি জন্ত্রী প্রস্থাব Buffe 1

#### দিল্লীতে বোমা আবিছার

लिनि भन्द वाकारत ए स्वामा ফাটরাছিল, ওৎসম্পত্তর পুলিশ লাখেরি ন্দেটেৰ এক ৰণ্ড়ীতে ভল্লনি করিছা <u> ''চিল্ম্ভান বিপারিকান আব্যি''র শনেক</u> -छनि ইডাহার, कडंक्छनि । वारकशानु পুত্তক, किছু সামফার প্তিচার, কিছু লোহার ভার এবং নারিকেলের পোলা পাইয়াছে !

পুলিশ হারকাপ্রসাম নামক এক वाक्तिरक दशक्षात कतियारक । व्यकान ८४, (म के नाफ़ीरक बाकिए।

#### नाबादनांदत्र कामाच काटारम তুর্ঘটনা

ৰাজালোর স্থান অনাপ আলানের শোচনীয় ভর্মটনা সম্পর্কে স্বাস্থ্য-শত্ প্রতিবাদ্ধ কলেন গৈ, উছেরো ওলয় कविशा इंडे शिकारेष्ठ डेलगाँड बरेब एइन त करलक्षान नीकानुन आक्रमरेशक अग्रहे · अ शाह्यक्र इर्विका धिष्ठाह्य। अनाथ আপ্রয়ে হারে কথিরের মুকুর মটে লাই। दक्ता (न १४ कन होतेत्राष्ट्राण व्याद्ध. ভাগদিগকে নাম্ম হাসপ্তিপে ১ইতে भाषिकाः (महाराष्ट्रका । स्थाप वासामन ৭০০ এ ব্রাণীকে কথোলার টীকা লেওছ। সভয়গ্ৰে ৬ বং কোপা হটতে এই কংগৱার ৰীল অন্নেল, কি ভাবে সংক্রানক ব্যাধি ्रमणा भिन्न, एर्डन्म्मार्क अञ्चलकान ५ मि 120 E

मान्यम् गरिना कर्नुलक कागावे छ-С७न (य, ভाরতের নানাখনে, तकालस ও <sup>চনত</sup>ত্ত ভাৰত উৰেন প্ৰকাশ কার্যা ্টলিয়েম আনিয়াছে। ডিনি জানাইডেন ्रुम तम, व्यात काटाव्र ७ दैकोन विश्रम घटि াচ: যে ৭ জন মহিলা মৃত্যুৰে পভিত ৬ ইমাছেন ভারারা সকলেই পুরিয়ান।

#### চিল্কা হুদে নৌকা ভূবি

ेट क्रम राजीमूर्ग এक्शमि ध्योका চিলকা হুদের মধ্যে ভুনিয়া নিয়াছিল। তুইটি নারী এবং চুইটা শিশু মারা

### গঞ্জাম উড়িয়া মহিলা সন্মেলন महिनादमत मदभा महा छेरजाइ

গুত ২০টো তারিখে গুলাম উড়িয়া মহিলা | সংখ্যলনের অনিবেশন শেষ হইয়াছে । সম্মেলনে গ্রহামের স্বর্জ পিকেটি করার ভুলা স্থানীয় মহিলাদের লইয়া স্থেকা-কবরে নিজান্ত (मिनिका (नाफ गर গুৰণ করা হটয়াছে। আগ্রামী প্রী कनफोरतरभा श्राम वहार अवनः अक-न्छ महिना (श्रद्धारमवक भागारमात केंग्र व्यक्तता । कवः ३ हेर एक । अप्रतिक स्थानिका त्रमारणवीत ८०३८७ लक्षाननीत छेडिको রমণীরা শোভাষাকা করিয়া বাহির হন। গঞ্চামে এইরূপ ব্যাপার এই গ্রথম

#### :नाषारम ख्रश्नामध्य

গত ২৮শে মে ভে'র ওাজ টার সময় শ্রীপুত সুভাষ্টপ্র বম্ন বান্দেশে হইতে खुदा है कहेंगा दान दम व्यामिका दशी किया-८७म (हेल्टन वह व)िक डाइ१८४ अञ्चलना

প্রকাশ, বাদ্দৌলীতে মহাগ্রার সহিত এ্রিড বসুর অনেক প্রয়োগনীয় ক্পী व्यारमान्या इड्याट्ड।

#### গালী-আরউইন সর্ত্ত পালন

কিশোরগঞ্জে নাম্প্রদায়িক গো**লবোণের** भरत गृत स्थम ଓ नुष्ठ प्रनाक इन्साहित। এই সম্পর্কে অভিযুক্ত আশ্**মীদিগকে** मायक्षा (मार्थिक क्या श्रेयाटक । Gकत अना शाहित्यटा (म. शाकी-**णातिहरू**न अएलाम भागनार्थ युग मन्नदर्क इकि मामना वर्षा नुरे मन्निक्ट मकन यायना প্রভার্তার করা কইবে।

এরপ একটি মামলা গাক্ষম শীও **८डे८७ क्या इड्याहिल। सामगांडि मान्या** প্রমাণের অভাবে নাকি প্রভ্যাহার করা उचेशहरू ।

### সর্ত্ত পালম করিবার ব্যক্ত পতিত खर्तनार्गत **प्रमुट्डान**

२**८९ (म शक्कि कहत्राण्टक** ক্রিবেক্সামে বিপুল ভাবে সমুদ্ধনা ক্রয় হয়। অভিনদনের **উত্তরে পঞ্জি সুহর**-शांग वरणम त्य. छात्रक्र क किंमी नियम लाइटिक इटेट्या वर्षा उ----**मानदेगकिक.** वर्धनिष्टिक यद्भाः नामाविक पृक्ति।

शानन क्रियाद क्रक क्रमुद्रांध करतन।

#### সমুকারী অণের প্রতিবাদ

নৃতন সরকারী বিদেশী খণের প্রতি-বাদ করি**রা মণারাট্ট** চেম্বার অব কমার্শ वज्ञारहेत्र विकष्ठे त्य भवा निशारकन, ভাহাতে ভাহারা বলিয়াছেন যে বিজাপিত स्टाय शांत चित्रक कहेगाटक - धन: (এहे ঋণ **ভুলিলে টাকা** সহকেই পাওয়া बाहेक ।

বিশিষ্ট্রের অস্বাভাবিক হার বানিয়া **লেওয়াডেই প্রণ্মে**ণ্ট উপ্যুব্দরি শুন क्तिए यांधा हरेएएएन विश्वा (काम्लानी **যানে কার্যে। ভার**তিবর্ষে ঋণ ভূলিলে देशाय एक एक का विकास के लिए एक বিশেষ স্থাবিধা দেভিত্য ভারতের দর্ভার नाष्ट्रे, चारमजिका व फारकार निकंत्रे **ब्हेटछ छ अग म** ५३१ माहेटच लाइत

ডিটির উপদংহারে জাতাদা বলিয়া-**ছেন যে ভা**রভের ঋাথিক স্বাধীনভাই **हेराम अक्यां**क लेलम् ।

### ূ**পুলিখে**র বিরুদ্ধে অভিযোগ

**`ফরিশপুর** জেলার ভরক্রস্পুর গ্রামের আইনদী দেখ তথাকার দাবোগা হাজি-**জুলীম আংমান ও** কণ্ডিপ্র পুলিল করেই-**बण अवः छ**क्षियुद्धाः नागकः कटेनकः भूमलः वास कविषादित्रत करप्रकलन शकादत्रत विकर्ध (कना माक्षिरदेखेन अञ्चलारम ভারতীয় দণ্ডবিদির বিভিন্ন ধাদামুদায়ী **(याक्ष्मा नार्**यत कतिहा (क्षा मार्)क. **८वेछे खब**र गोशाटल মামকারে কৈচার **करत्रम ४४%** छ । विकास करता । किया। **ম্যাজিট্টে**টের নিজেশ অভ্যাসী মাদারী-भूरत्र महत्रा शक्ति वाज्रिया मुश्रक खश्च कतिया अक तिरुपाउँ माथिन करतन, **ब्रिटलार्डे** सुरहे दक्षणा महाज्ञिदहरे सारक्षाणा হাফিজুদীন ,এবং তফিসুলার ছয়খন मक्रातरक व्यानामी 🔑 हे स्कृत व्यानालरङ काकित बडेवात एक गमनकाती कतिसा-

### 🚉যুত্ত সভীন সেনের অভিভাৰণ

कानीटड मुलिशाबाच दक्का साहीस मत्यमानतः महाप्रकारम अपूक्त महोस-নাপ সেন বলেন, দেশের স্থানীনভা অক্ষন করিছে চইলে বয়কট অন্ত আ্মাদিলের ব্যক্তার ক্রিডে হইবে ! গ্ৰণ্যেণ্ট যত শক্তিপালী ও জাহার যত कामान वसूक वोकूक ना (कन व्यक्ते भाष वृति भागता वानदात्र कति छोटा

অত:পর তিনি **প্রভা**কতে সহিত্র সূত্র ইংল ভারাকে এক দিন দেশের নিক্ট মন্ত্ৰৰ অধনত কৰিতে হইবে।

196.3

الميد الإطواءة ومهو

তিনি হিংসামূলক কার্য্যে মিন্দা করেন। ভিনি বলেন, ভিংলামূলক कारना . तमर्थात पुत्र व्यक्तिहे हम- कथान ইট ইটতে পারে না'। পড আকোলন তাহার সাক্ষ্য। ডিলি দেখের মুখকনীণকে মহাত্মার আন্দোলনে যোগদান করিতে भगिक्क काम्रह्माच कटतम । **गहाँका**टक একটা সুবোন দেওয়া সকলেরই কর্জবা।

#### মিশরে বালুর স্তুপ ধ্বসিয়া **১৪ জন সিহত**

লাকেসার অঞ্লে একটি বালুর স্থাপ ধ্বপিয়া পড়ায় ১৪ জন পোক নিহজ হ্টগাড়ে এ কন মন্ত্র বাসুর সংগ্ থনন করিছে করিছে হটাং চাপা প'ড়য়া यात्र अहारामत्र त्रका कतिराष्ठ यादेशा আংওচজন গোকও সেই দশা প্রাশ্ব

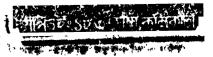
#### আকালে ৮৪ ঘটা জ্ঞান

- ८७ प्रेडराभी विमानगीप --ভয়ান্টার রিধ প্রং জোভান্নিক জোসি विमानरभारत के किरमक करा ना का ভারী তেল বাবহার করিলে কিরূপ क्षक ला - या वात्र कारु। (मचावेत्राटकन । উচ্চারা এই ভেল নাব্যায় করি**লা** একখানি জাইদেশ বিমানশোভে একাদি -क्ररम ५० चन्छे। ७७ मिनिष्ठ साक्रारण कृषिशास्त्रन त्याचे श्रिष्ट काकात्रा स्टा**व** ৬,৬০০ মাইল জ্বৰ ক্ষিয়াছেন।

#### माताच देहेटल जाचान यू नक वर्षिक छ

কাল বাং নামক ছবৈক জালাবকে भूतिन क्षाकाञ्चनाम् अकित्यादम दक्षश्राम क तम हिन. जामीबीटक बाजाक व्हेएड न विश्व कतियां श्रीयोशियारेश कार्श्वाणीतक शार्राहेश देश**खदा स्वेतारक**ी





PARTICIPATE AND

of the s. निकि क्लब ३. र्वाकर गर



माणाद्याद हात व्या अय (प्रय नामिक कर याशायिक वर् जिमाभिक २५० মাসিক ১১ #15(# প্রতি সংখ্যা ,৫

ভাষতের লক্ত বছল-প্রচার–নদীরা জেলার একমাত মুখলত

সম্পাদক—এতিভীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি 40

ি ৭৮ তম সংখ্য

**জালৈতশ্যমট জাধান আরাপুর-২১শে জ্যার্চ রহ**ম্পতিবার ১০০৮, এটা জুন ১৯০১

## নানা কথা

## কোড়েখাটোরে পণ্ডিড অওব্রলাল

प**िक अञ्चलका एसरहरू** ७) र व त्य त्कारक्षारहारस त्थीक्रिसारकम । जामारक यामञ्जनकात्रकात्रकात्रकात्रका वर्षा । (कारप्रका-८ । विकिमिनानि । क्रम्यायात्र, ল্লামিক ও আদি ড্রামিড় উন্নতি বিধারিনী मरकाम भक्त बहेरछ छ।इरक अखिनका প্রা প্রধান করা হয় ৷ ভিনি সকলকে गष्ठ क विरम्भी बरच्य प्राकान दर्जन করিয়া প্রাঞ্গাড়ের জড়া মহত্র ভাগের নিমিত্র প্রাক্তত কইতে বলেন। তাঁলাে • दशीस**राकात ग्राकात्रा** धक्ति ट्रेडाक् উপहांत लागान कहा हर, फिनिं डेक जिनात्रः कारबारमत्र कारक से छाका ৰাষ্ট্ৰ করিবাপ কল্প তাহ। ফিরাইর: দেন।

### জীবৃত সেমগুরের নিকট बहाजाकीत कात्र

পত বোমধার সাতে মহাতা গাড়ী ভারবোলে এবুর জে, তম্ সেনভাগের **লিকট বার্ডলার** গোলমালের বিবর্গটী সালিখে দেওয়ার হয় সমতি সিতে

🐃 खंडन खनामं ता. 🚉 गुरु त्रमस्य 🖜 জেলা কংগ্রেস কমিটি সমূহ বি, লি. দি, বিশ্বাচন ছণিত ও উভয় পক कररवान कविटिक (श्रामक कार्य आहमानम हा गाउँ १७

# কোয়েস্বাটোরে জহরলাল

শ্রীযুত সেনগুপ্তের নিকট মহাত্মাজীর তার

# রেলগাড়ীতে মৃতদেহ

ট্রামের মধ্যে জ্রীর কোলে স্বামীর মৃত্যু

## কংগ্রেসেরকলঙ্কমোচনসভা

৩৫ বাজার টাকার মানহানির দায়ে টাইমদ্ অব ইতিয়া

# ত্রিচীন পল্লীতে দাঙ্গা

মুসোলিনীকে হত্যার চেষ্টা—আততায়ী গুলিদারা নিহত

# বি এস সি শিক্ষক চা

ঞীধান-মাচাপুরত ঠাকুর ভাতি বিলোধ উন্টিটিউটের অল একজন বি-এস-দি শিক্ষতের প্রযোজন। উক্ত শিক্ষতের প্র-প্রত্থেজ্ঞান অ-অ অভিজ্ঞার বিবরণস্ত मुक्का नहा, कक है। का उनकृतन कार्या कर्तिक्षक व्यक्तित्वन कांचा खेल्लाववृत्तक 'आरत्मधानी, निकारिक निक्रक रिमा घटनात्र भागात्र अ बालक्ष म मानेदबस्र

বিষয়সমূহ দালীশে উপ্ভিত

(১) দেশা কংগ্রেম ক্রিটা সম্ভক্ত ্রসিদ্বহি ভাপাইবার ক্ষমতা (১) **ভেলা কংগ্রেদ কমিটির সভাপতিগণকে** বিটাণি অফিসার নিয়ক্ত করা (৩) বাংলার কংগ্রেসের সদক্ষ করার জন্ম নিকাচনের পুর্কে পুরা এক মাস সময় मिएड डकेटर ( H ) चानीस ७ निवासकर-ভাবে নিকাচন হওয়ার আখাদ দিভে इटेरन ।

। व े परणत स्वर्थित क्रमा वि. लि. দি, সি কাইক যে সৰ কংগ্ৰেস কমিটী "বে অটিনী" বলিয়া এফে তয় নাই, শেশুলিকে পুনর্তন করিতে হইবে।

## ট্রামের মধ্যে জীর কোলে স্বামীর इका

গত ববিশার দিন এস্প্রানেড ভহতে শুমবাছার গামী একথানি ট্রামণাডাতে यम क्रम्यायमात्रक मुळ (मधा विदादक I

धक १६ एएएगाक किड्डाबन श्रीद्रश বুকের বাবেধি ভূচিতেভিলেন। বুক পরীকার জন্ম ডিনি মেডিকেল কলেক হাসপাতালে বাইতেভিবেনন সঙ্গে ভারাব লী ভিলেন। সাভায় ভিনি অসুস্থ ইয়া भएइन এवर जीत (कारण भाषा बाधिया শ্বইয়া পড়েন। অকার যাবলৈ। ইংম দেখিয়া বিশ্বিত হয়, বিশ্ব কোন প্ৰকাৰ माहारमात्र भूगमहे जनलाक्षित शुख \$ W |

## ভাষাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## (थाना इहेहारह।

তাভিত্ত ও আদশ্চরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অতি যত্রের স্ঠিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা বাহে সুন্দর বাসহানের বন্দোবস্ত হুইহাছে। স্থান অতীব সাধাকর।

> সবিস্তার সংবাদের জন্ম নিম্নলিখি ১ ঠিকানা পত্র লিখুন। সেকেটারী, ঠাকুর ভতিশিবনোদ ইন্টিটিউট্ শ্রীচেত্রসম্মর, পোঃ শ্রীমারাপুর, নদীয়া।

> > ক্রম্প্রার্থ হাইট্রাটে অব্ধিত

## ভাগবত প্রেস

### স্থলভে স্বন্দর ছপোর জন্ম চিরপ্রসিদ্ধ

अधारन नाम, रमाकर्ममा अवः देखेनियमरनाटर्वत्र सावजीय क्यम अ রসিদ বিক্রেয়ার্থ সর্বাদা প্রস্তুত থাকে।

মকঃখল হইভে লিখিলে প্রত্যেক ইউনিয়নবোডের নাম ছাপিয়া CH GHI ET I

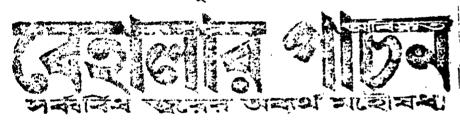
বিবাহের উপহার, নিমন্ত্রণ-পত্র, চেক, দাখিলা, আর্ছি প্রস্তৃতি অতি যতের সহিত অতি সম্বর ছাপিয়া দেওয়া হয়।

ইংরাজা, বালালা, হিন্দা ও সংস্ত ভাষায় পুস্তক।দি ছাপিবার व्यक्ता व्यादिक ।

মকঃখলের প্রাহক্যণ নির্জাবনায় নিশ্বঠিকানায় ভাক্যোগে অভার পাঠাইতে পারেন।

ম্যানেছার- জীভাগবত প্রেস পো: রাম্যনগর,নদীয়া

## কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



ম্ফ:খ্রেক্স ক্র'বদার জন্ত ৬ আঃ শিশিতে ঘনীভূত অবস্থার ছেটিবো-গলের সমপদ্ধি क्षेत्रम क्षारक लाहे स हव, हे बादक क्षेत्रदेश दकाल পदिनक्षण करा वह लाहे। युगा व्यक्ति শিশি ke आसा, প্রিট ১০/০ আলা, বোপল ১০/০ আলা ।

অফিস ১১নং উল্টাডাঞা রোড, পোঃ শামবাজার, ক লকা হা

বট্টকার কর ও বাড়বিকার, বক্তিরলভিত হান, बार्काटन क्रमणाक, प्रवश्याम, मापाटनात, पुन्न गर्फ কয়ানি, থানিয়া অভৃতি লক্ষণ স্থৱ বিংশাৰ भारतात्रा वस । वन, बीबी, त्यथा वृश्वि कतिहरू चाविज्ञीत क्रेंसिक । भूत्या ०० वर्ति ३<sub>५</sub> वाक क्रीका ।

"নপুংসকালারি ছত' न नमक्षकति (व'(म बाकश्राद्वात कावा आह्यांत्र) कदितः पाकमण्यस्य १८६३ प्रसा २ ८कामा ३८ है। छा १ "ব্ৰহ্মৰবিলাসিনী ব**ি**কা" बोश्यास्य करक माणाभन्ति श्राप्ती व मृद्धि करिएक कासारका। यूना २० वति २८ अक डीकी। वाबरेश मान्त्राज्ञभक्तो, त्कन्पयको ৭ ১৭৭বং স্থারিসন রোড, চলিকভো।

## शहेर्छानिन

বা

## কোধরান্ধ রোগ

**छा: હम, હन, (धार्य दिना अरक्ष,** यानव्यीनस्थत भारतानि मिशा देवशास्त्र वागारीट (काववृद्ध (धाम श्रारक्षामा क्रिया बाटकम ।

> विकामा-क्रम मर करेन हीते. वक्षवाकात्र. STORIST !

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## ু দৈব প্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহোয়ধালক

প্রশাস দিলে সম্পূর্ণ আরোগ্য 🔬 🚓

दशकी रमपार एक कहरत । प्रशास गारियम पत्र (पावसा जनर प्रदेशता). लाठीकेल लिका स्कामि स्मया क्या कथवा व्यवस्थ व्यामित्म द्वाक्री व्यक्ति । खेबर दबस्या वस मारकामा मा करूम नमास नातिसामक मिरक वनेद्रय मा । भनी दराश्रीरमत चत्रह यसम अञ्चित्र हिक्टिमा कता एता विकारिक 

জীকি ভীশচন্ত্ৰ উ কীল, যশ্মা-চিকিৎসক, গোঃ নৈকাঠী, ৰবিশাল। व्यवना निम्न विकास माक्षार कविशा विश्वाप्तिक व्यानित्क लाटन । তীবুত রামগোপাল দত্ত এম, এ, কুকুনগর, নদীয়া। তীবুত তবিপ্র शिरक, ३३१, व्यामशास्त्रीमा श्रीष्ट्रे, कालेटबाना, कान काला 🖂

একৰানি প্ৰা: আৰাছ কাডুপুত গত ১২ মান বাৰং রাজ বল্লাত कुशिया मुख्याच व्यवस्थित, क्लिकाखाव विक विविध्यवस्थ कृत्य कीवरमञ्जामा कांश कश्चिम त्मव भूग्राक्ति क्षम कार्यका करिएकिश्मिन धरे भमत श्रीवृक्त किशीमाठक केकिन मनामन माख > सिन fefeent করিয়া সম্পূর্ণ আবোদা করিয়া দিয়াকেন। ( নাঃ ) 🚉 বালি কিলোর कांत्र दहीयूबी ( अभिवाक वार्तिया ) क्यू द्वीहे, निके विकिश । क्यारनारक्रणन नाक्षेत्रिः जिनातियन्ते, क्रिकाचा ।

# ীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরাব্দ ৪৪৫ माऊ 🗸> जाकविदक्षे भागिष्टिलये तुक्रभारहे भागिम संग्र

> মানেজার-প্রচরিভাগ औरंठज्यम्ब, लाः श्रीमात्राश्रुव, महीवा।

(本年 到15年时的

# ডীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

## এত প্রশংসা করেন

-

এখানে যাবতীর চাপার কার্যা---Ce है। a Ce छि:, त्मरमा, क्यम, श्राम, क्यमा। है। दहक, विन ताकृति वजूम, विनाद्रक विभव्यन गळ, कार्फ, निकारक्ष गण्डक बसून,

আর ৩ বং ও ৪ বংগ্রের চাফটোন সুক্ট বসুন, স্কণ্ডাবাই অঞ্জি শীল ছাপ FE. 明45 81418 419 485 41818 明(99) 提明等 !

আপনাও কিছু ছাপাও কাৰ্য। গাভিলে নিয়তীকানায় জানাইকেট বন পাইছেন।

মানেনান-গৌড়ীয় প্রিন্টিৎ ভয়ার্কস २८०)२ मर जाशास मारक्राव (लक्, क्लिकास)।

## 💐ল প্রভূপাদের বক্তৃতাবদী

वायम ७ विकीय ४७

विकारिनेनी कीवाश्वकारणात्वाविनी क्कवाकीत्ववादिनी कीवक्रमावीह मुक्कविक्रक-देवकवनिकास रक्षमानाव रशोकववनि--नवक व्यक्तितव क सारवासनकरका विकासनकर किया करता ३५० माना गाम ।

## সাম বিকী

ক্ষণতের সক্ষণার্থ আবিভূতি নিভাগিজ मर्भाश्चित्रयंग्रंभ कृष्टे (आंगर्स्छ निक्कान 'विविद्धानकी ९ (श्रष्टेशनकी'। (य मक्न. মহাস্থা অপ্তের কোনও নিজনকলে শবস্থানপুসক একাকী ভশ্নে নিযুক্ত भारकम्, केञ्चानः 'ठिविक्यमभी', ज्यात (४-मकन भेटा लाग कामाना एकातान मन्दर्भ পরিজ্ञমণপুত্র জাগতের সর্বাকে একাদির মন্ত্র ক্লাম নহামধ্যে উদ্ভাক কাবতে অভাস পান, উচ্চারা 'গোলা,নন্দী' নামে অভিকিত। বিবিভাগনিকগণের আচারমণ **প্রচার, গোগ্রামন্দিগণের প্রচারম**র আচার।

এডিছে পাক। ব্রহণবাদের মধ্যে ক্ষানেকে ৯৬প্রতিরা-খণ্ডরস্থার লোচে বিবিস্তান-পরে অপ্লক্ষরণে নির্জ্জনবাসেত ছলনা দেখাৰ এক ওচ একটা শিখা সাত্ৰাং করিল। ভালদের দার। স্বীন বুজ্জকীন। কন্। (बाकम्माक ताक कात, भटन कनक কামিনী-প্রতিটাশান কাহম্পর্ন ক্যোগ্রহে आभ करता। अही (भूगित वक्षांकिकरत्व काष्ट्रातक । काशांकित ना मही देशतात अधिशास्य बाक्यास्य अधियुक्त देवेस्ट सम्भः যায়: প্রু কলি ৷ পর তেমির প্রভাব !!

अक्षांत्रहें एक एक गायत माना प मायत । कशिषुर्वायमाय एति । अभिन्ने मान्द्री तक्ष्मत প্রেপকজন্মের নিমিন্ত এই মতে ধণি পদান করিয়াছেন। আধাৰ তিনি নেথাই । তেন- । और बिनाम उर्देश माधकाक छन् आंशिक বুদ্ধির গাড়ী ছউতে উদ্ধার করিয়াই কারে क'न नाः शतक ने भारत मिक्छ उने य कथा, खन, भात्रकतरेविषक्षा ४ मीमापि असन्त कशिष्या शास्त्रम् ।

🕮 গুরুদের নিজে কণ্মন ও গুক বলিয়া অভিযান করেন না। গুলাভিষ্টন গ্ৰিব চ ব্যক্তির সদয়ে কড়প্রতিষ্ঠা চণ্ডালিনী আগন গ্রহণ করিখা ভাগ্যকে নিবন্ধের প্রপে প্রাধা-বিভ করার। বাহারা খ্রীওদদেশের আজাঃ আচার ও প্রচার করেন, বিধ-ভাগে ভাঙা-সিগকে স্পর্ন করিছে গাবে না, ভড়প্রতি**।** ভারাদের নিকট হইছে মনত থেকন দূরে অবস্থান করে। তাই শ্রীটেডসানের জাপ্ বানীকে ভদীন চেভনবাণীতে উপুত্র করাই-বার নিমিত্ত খীঃ শিশাবর্গকে বলিচাছেন -''याद्य (पथ छादत कह क्रक डेन्स्म । ' আমার আক্ষায় শুক্ত কথা তার এই দেশ। ইহাতে না বাধিবে তোমার বিষয়ভারত ॥"

<u>जिल्लेबरेवकवबाकमञ्जूत अक्रकल</u>श्व ভর্মতিবান পরিভাগে করিয়া জীওঁকলেবৈর । ব্যভিচারে নিগুক্ত হন, ভালাদের মধ্যে এক

#### बीडी छल्टलीसाटको सहारू

## (पानक नणश-शन्न

মেতাপান্তা বেৰ্গুৱাভাৰত

र्यमासि मगन्त माचल-माद्यत धक्रीक्रम नाचग्रहा সমধ ভারতে একমাত্র প্রসভ দৈনিক পার্মার্থিক পত্র

রূপাদার । পুর-১১লে জোটু স্থাস্থাভিনার—১০৩৮

আনেশে পারতের সকার অমনেন্দর-দয়ার তেলীর নাজি ব্যতিচাবের নিমিত্ট উজ নিকারেণা উট্টেডজনগা আচাধের স্থিতি বেস্থারণ করে, আরু দ্রুণীত-প্রক্রান্ত পণ্র কলিস্তাছন। উচ্চেপের স্ক্রিবভার, কৌমানু<sup>নিতি</sup> এলা আনোরপানের মুগ্ন এই য অনেক সংজন উংশাদের প্রতি আফুলিক। লক্ষ্য প্রদান ব্যা স্থান্ত ইউবা ভগবংন আপ্রাক্তভোগবোলুপ নামে ত্রাপ্রিন্ত্রের ্প্রথে অলেকলা কার্ডিছেন।

नपृक्षे छः १९५त विषय । এके ८२, घटनक অবন্ধু ব্যক্তি মধোনায়ের মন্তার পথ ०० छात्र कान्छ। भत्तन त्यक्री रगाकित স্কলাশ সাধন্যে রবেশের ভাষ সহাটৌ माक्टिकाकम मानलाग यहे मधामीत ুর্দের ভূবে । যান। ত্রাপের সংগ্রে किं अध्यानिक वृष्ट्रभाग या किंग्न छम् द्वासङ भूष्यम् मा, उंश्रिता किष्ट्र । द्वकशा । साश्री **इन** । तह फिलीब दुष्पति नहीं क्यांगरक शहर কবিংবে নিমিক পুরেষাক কণ্টে সলামীক भवा श्रेषा राक्षारासम् इतिकाशः की खास्त्र समान ভারাদের অকটোবালা কিছু সতাহ করে ৷ कियात दलातकत निकंध करीक शकिना स এলভিড্যনটো, কিছ কণ্টাৰ নিজেৰ \$\$ 1 'S\\$ প্রমাধ্যত চির্ভাবে রশ্ব त्रति, क्षिष्ठे मधामा माधिक नि.स्त अ পাৰের পারে কুঠারাখাত কবা অংশকা मुक्दत्रत निष्टा (इन्इन धारा छीनम धारण कहा छाल महरू कि ह

শুনা যায়, কোন গার্কগীন জন্মবিক্ত मा ७% गांक शामविष्ति वानगाता सीय श्राद्याक्रमाञ्चराही अनम्प्रहाटः व्यममय रहिंगा সম্প্রতি বামকক দাস বাবাদী নাম গারণপুক্ত শুলিয়ায় (বস্তমান সংয় নংগাণে: বাস कतिर छट्ट अर निस्कटक ट्योड़ीश्मटें अ লোক বলিলা পরিচয় প্রাণানপূর্কক নানাস্থান চইতে শ্বীয় ইব্লিমচবিতাণের নিমিত্ত অৰ্থ সংগ্রহ করিতেছে। সাধু সবিধান !

देवशत्वत (वर धात्रणभूक्तक यांचात्रा

্বাদি5।রেক্টজন্মা থ্কিকেড্স্ডজনক প্রেপ্রাশ্ব নাড্ডনাম ভাষাবা কলিমুগের युग्यम्य कीर्यमाशा र्राष्ट्रक हैए कर कतिया অংগ্রুত ধালার অংগের উংকট চেঠা श्राममञ्जू हक भिनत्रणाभी ५४ । दादाकी(तन-পরী ক্ষেকে এই দিউন প্রেণীত অগল্যে হ ভিগত ।

अभिनारिश्वम अभिन्त्रवाहः ধক্ষপ্রপ: এই ভিঃপ্রিকে স্থাতে আনিবার নিমিতে লে যাহাই এচার কথকে ন্ত্রন, তাহাতেই আনেকে প্রথমাত্তায় ভালত ঐ কংগীৰ সমূত 7:515.5 একটা भू एष्ट्र स عادر الا লিতে ১৯% করে। সমাজের চামজায় শবীর বাবেত কলিলেটাকি শম্ভ ক্ষমত ব্যাত্র জ্ঞাপ ভাগাক বন্ধ, প্রানা ন, জালা সাক্ত कोहा,, कर को शांदर हो, दश आशीयक গুরেও সম্বন্ধে অনেরাচন। করিছে দেশ্য মান্য আন্ত্রাপ্ত কিবলা কবি -- স্থা আস্ক नाकि किसाम अञ्चल माधनाय अन्येन

## বাস্তৰ জ্ঞানই বেছা

শ্রীশাদ কিশোনীমোহন ভক্তিবান্ধর বি, এল) तक देवपुर्व । शास्त्रिकाम्पन देवनित्र। মান্ত্ৰিক বস্তু চিবাদন নিজ সঞা বক্ষ কবিতে পালে না বছিয়াই উঠা অবায়ৰ বন্ধ। আর হাল নিতা, ভাষা এই তংশদার যাবঠান বস্ত কাহার ও ধরণে বা পরিবন্ধন হয় না বলিয়াট উপরো প্রারুত বস্ত বা বাশুর বস্তু বলিয়া পরিচিত। অবাস্তর বস্তু গুলি ইন্সিন ছারা গোচরী হৃত হর, কিছ বাস্তবহন্ত্ৰ জড় ইক্সিছের গোচনীভূও হন না. দেওক তাঁহাকে অধােক্ক বস্ত বলা হইফ 1 季功律

বেতিক ও অভুমান্দি ঘণ কান খারা বাস্তব বন্ধর অস্ত্রপদ্ধান আছে; সম্ভবগর নতে ইকিংগ ধারা যে জ্ঞান কর হল, ভাগ বাস্থবিক **জ্ঞান** মহে। উল্লেখ জ্ঞানের ভরত্য অনুসারে বস্তবিধনের জ্ঞানত বিভিন্নমূপে প্রতীয়দান হয়। বহি-कार्याचन क्रान शतिवर्डनमेल ए कालाकाचा, উল্লাহ্মতা ও সময়ের পরিবউনের भक्ष गत्म भनिरहिए इत। रामाकत छान হটতে ধূৰকোর জ্ঞান অনিক, মূলকোর জ্ঞান श्रदेशक (श्रोद्धत ऋ। समिक्ष, ८५) छतः छ। स চলতে সুস্কেৰ জ্ঞান অন্তিক, অনীচিব্যৰ্থখ নুদ্ধ চটতে পতাবৰ্ষান্তৰ বৃদ্ধের জ্ঞান আধিক, শভবর্ষ প্রমায় অপেকা যদি কেই। সংস্কর প্রমায় অপবা ভদপেকা দশসহজ্বর্য প্রমায়্ बांड कतिएड शास्त्रम्, छाङ्। इंडेरब छाङात ব্দান আরও অধিক হয়তে পাবে। একস্ও-নিশিষ্ট মন্ত্রণ্য অপেকা চারিমুগুনিশিষ্ট রঝার ফ্রান আবও অধিক। ્કે ન બ অন্তকাল ধরিয়া বিনি ষত অদিক জ্ঞান সংগ্রহ কবিতে পারিবেন, তাঁহার জ্ঞান বেশ্য পরিমাণে ডাড অধিক হইছে আকিবে এর পুর পুর জান অপেকারত কুছ, भरितास, व्यमम्भूषं ता नामा श्रकारत । व्यक्ति-। ভব দোধযুক্ত নৰিখা প্ৰতিভাত ২ইবে। স্বাচরণে যে জান এইরূপ পরিবভিন্নলৈ, প্ৰিমেন, অসম্পূৰ্ণ ও কালকোতা, ভাগ ক্পন্ত আমাদিগকে নিভা, दर्जन्नीय, 'बर्धाकक राख्य कान् रा अन्तः-জ্ঞানত্ত্ব নিৰ্ণয়ে সামৰ্থ্য প্ৰদান কৰিছে

এটকণ প্রণালী অবলয়ন কৰিয়া যাঁহার৷ অগ্রস্ত হন, জীকারা অধ্যিরাহ-दाने वा व्यवस्थिक नाम कृषिहू । कै,इति ব্যক্তেশ্যক স্থিত জ্ঞান চনতে ব্ৰহ্নত इंटेगां भूननार ब्रह्मान्हें आगर इन्। अहे প্রকার ভান-চেষ্টার উদ্দিষ্ট বস্তুকে লাজন বস্তু ব্যাহাটাত পারে না। বস্তুর অপি ু টান জানা না থাকান অককারগুঠে ২০৮-প্রামারণ পুরুষ বস্তুর অন্তুসকান করিছে दशदग विभागभाषात्रम् इत्रहात मा वराहा ইইড়ে ব্যাপকের দিকে অগ্রসর ১ইলেও থিফলমনোর্থ হইতে হয়।

জ্ঞানমাপতত প্রাক্তন কাংগাক্ষকভানের मचरका विनिर्शास्त्रम ( . जोशो**०**२ ) . े हाक्ष्य >त्रविकाक विद्यालक्षांनिनकृतर साराप्तिकः वृक्षसः। क्यांवका इत्र्राह्म स्थार कार एकः शृक्षक्षार्थाक्ष्राक्षणाम् । अर्थार १३ প্রালো ন নিক্ষা ৷ সাপনার ভক্ত বাতীত অনু বাৰণৰ নিফলিশ্য**ক বিমৃক্ত** বলিয়া ভানিমান কা নৈ, আপনান প্রভি ছব্লি না প্রাক্তার ত্রিকালের বৃদ্ধি ভাষা নছে। ভাষারা শ্যনমাণি অতা**ত কৃত্যু-সাধন ফলে আল**নাৰ

দিংকে জীবমুক্ত বোধ করিলেও সন্ধাশ্রয় (भाष इडे:) श्रांत्यम !

पत्ना अप्याचित् य नामृत्र **ला** ६ ६६म्। दशस्य, निवाद इटेन्ड धूनि भी छात्र मध्य । । । ध्रीहारमन লা ও উলেলে মানা ভেদ আছে। হচোদের ঘারণা, উল্যে একটা অনিভা र्गक्तमा विरम्पत, प्रेका ३ वेटच ८काम आकारत ক্রী পাইলেই <u>ইাহার: 'শম্বা শাই</u>গাঁছ' বলিয়া মনে করেন। কিব উঠিতক प्रमानत विहासन अके छंद्रीया भटना प्रकास েদ নাই, উপেয়ের সন্ধান পাইলেও উপ্তেটী প্ৰিভাক্ত হণ না এবং ঐ উপায হইতে ৮টা পাইবার সবেগুকতা গাকে না। নীচ হয়তে উপৰে উঠিবাৰ ১১ইাৰ নাম অর্থাই জাগুড়িক জান সূত্রত পুত্রক ভাগতিক অভিজ্ঞা ও ইঞ্চিস্পান্ত দ্বরণ উপরের অথাৎ দগেতিক ইর্নিয়াতীত বস্তু ক্ষেত্রিবার প্রেরাদের নাম 'আরেরাহবাদ'। উচারার: বাছের বা অধ্যেকজ বস্তর জ্ঞান লাভত্য নাঃ বাস্ত্ৰ বস্তু অনেক সময ष्यासाकिकशालय नामासामान हाए। काइ-নিক বস্তুলপে গঠিত হুইয়া কাড় নিক জ্ঞান फेंबर कहाईरण ९ छाइ। राष्ट्रव छ्वान इहेर ३ বছ যোজন দূরে অনস্থিত।

८कान ९ वश्चविषयात कान ६६ अकारत সাধিত হুটলেও ইন্দ্রিক জানের ধারা আবোহ্যানাশ্রে 'বান্তন'-সভাবন্ত নিণীভ হইতে পারে না। কিন্তু বাতৰ জান সাকাং সেহ নিতা স্থাবান বস্তু চটাতে নির্গত হট্যা আমাদের পরেরার প্রতিভাত ठड़ेरल (सहे छ्वांस्मित धाना नाक्षत नेश्वेत সভা উপল্লি গঠতে পারে। অন্ধকরে ব্রাজিতে বিশ্বভ্রমাণ্ডের বাবভীয় ইন্দ্রিবঞ্চ-ভানেৰ অভিক্ৰত। ধাৰা চাৰেও ১ইয়া কোটি ্ক্ট্রি অংশেরকর সাহায়ে স্মানশনের (চেন্) কলিলেও নেমন ক্যানশন সভ্ৰপ্ৰ ২৯ না, কিন্তু পুণা হইছে তালোক নিগত ১৪.1 রপন আয়োডের চক্ষরোক্তক প্রতিত হয়, তথ্ন হলা: ৬ কোন বাক না পাকায়, ८४ मिकानकारमत ६(व) स्वापनीम् मञ्ज হ. ডুদ্রপ বাঙ্ব বস্তুৰ জ্ঞান্টি সেই ব্যাক্ষর রক্ত হলতে ক্লপ্রাপ্তক জনভারণ কারতা আমাদিগকে বান্তব বস্তু দর্শন क शहीत्व व्यामादम्य वाख्य वर्षः भनेन मध्य च य तक्क निसम्ब ताक्कत कान काळ इत्र । বংগ্ৰেড নাম অবভাগবাদ, অব**রেহিবাদ বা** সংখ্যাক ব্যবা **পথ** ।

এবেক্স প্রক্রিক্সই একমাত্র বাস্তব বস্ত । ঠাগারহ অনুগ্রহাক্ষে সম্ভব্ন **সম্ভব, বস্তব** রুণ, ৩৭ ও জিপুজোন বাধ্য **হয়। গেখানে** 

অন্ত্রিগরাধ্যের অভাব, সেইখানেই প্রকাশ আপনার পাদপ্রাকে অনাদ্র করায় , অহস্কার আসিয়া ভক্তিপথ হইছে জীবকে অবংশতিক হন অগাই পুন্পা। সংখ্যা দশা। বিচ্যুত কৰে । সেই সমুহেই **জীৱ বাস্ত**ৰ-ু ব্যক্তান্তিহীন হন। বা**ত্তৰ ব্যক্তা**ন্ট ক্ষািব্যুহন্টোৰ হাল্লা এই ত্ৰুটুপাত্ৰৰ ্ **জীবন্মা**র সম্বন্ধজ্ঞান। **আয়ায় পা**রস্পান ক্রমে বাশ্বন জ্ঞান জীবের জ্ঞানিকারে লানা इस। भीतर मिनिशालक है अहे लिका দিশ্ভেন মণ্ 'ভক্যা হাছভিভানাতি বাশন বন্ধান্তি ভ্রত: ৭° **অর্থাৎ** নিজ্ন ্ ভক্তিৰ উদ্ধান্ত জীয় **সঞ্চতোভাবে** বাশ্বৰ রম শীলাবানকে ভানিতে পারেন। রুবের উট্টেকিলসকল ইকিলা**ডীত বাল্যবহ**ত আন প্রাংগ করিছ । অসমধা। এই অক্সই প্রেড্রাক আনাটি প্ৰিচাৰ কৰিয়া **সাধ্য মুখ্**বিশ্লিত ज्ञातरमध्किने नेमान**ी क्या निक** निक স্থানে সংস্থান প্ৰাক্ত প্ৰাক্ত কৰিয়া কাগ मस्मित् का व्यक्तिका क**तिस्म** कुक्ति व (अंत राज को कार्य के **अंत करा गा**ग । कार्टी অসীম ভানভাডারের মালিক হটাও আমাদের আদিওক একা যাবভীয়ে আদে৷-णिक छ।भएक विकास উহাৰ कत्र অকিষ্ঠিংকরও প্রস্তিপাদন ক্রিবার চুরু ्मके राष्ट्रतरञ्जतः एव करिहा त्रीमध्याह्रमः --

্তালৈ প্ৰস্থানপাক নমন্ত এব कीत' स् मन्द्रातिहार इन्हीयनाहाम । ভালে বৈতাং জাভিয়াছাং ভল্লবামনের ভ গে প্রান্দোহজিত জিতে[হলাসি

देखीनामा कारा ।

## স্থিয় শিষা

( ইপাদ মতীপ্রিয় ভক্তি ওণাকর)

कविद्रशत প্রারম্ভে নৈমিধার্থ্য বিষ্ণুংক্ষয়ে শৌনকালি अधिश्व बीअतिरमान मार्डत प्रकारम अहस नवंत्राभी यक बात्र कतियाहित्तन । तकना আভিবোৰে ব্যাস শিষ্য মহাভাগৰত এ৫৩ গ্রোস্থানী ধ্রোনকাদি ঋষিগণের সন্মুরে উপ্ভিত হল। অক্সাং স্মীপে অপুত শ্রীকত গোৰামীকে প্রম আদরের গাওত व्यामस्य উপद्रमय कराइशः दुर्भोयकापि अपन-গণ শোরালাভের উদ্দেশে তাহার নিকট অভি বিন্তিভাবে কএকটা প্রয়ের উভর প্রাপ্তনা করিয়াছিলেন। শোনকাদি স্থাস্থ্য শ্রীস্থত গোধামা প্রভুকে অভিশন্ন বিধ স্বভাবনি শিল্প দৰ্শন কণত বালয়াছিলেন---यानि ८०मितनार ८ आस्त्री कश्वान वाज्ञता नः। व्यत्ना ५ मूनवः क्र भतानत्तिरमा तिष्ठः॥ বেখ বং সৌমা ভংগকং উত্তত্তদগুগ্রহাং। ক্রয়ঃ বিশ্বক্ষ শিষাক্ত গুরবো ওঞ্মপু। ১॥

चर्चार ८६ (भोमा १७। फश्रवान ८१५ नाम बाहा बाद्यन कर मखन ड खनाडीह ধামাবস্থিত জন্মের স্বরূপ বে-শক্ষা অপর মুনি অবগত আছেন, আপনি তাঁহাদিগের রূপ য় সেই ইতিহাস পুরাণাদি সমন্তশাস্তই যথাপ জাত মাছেন কেন ন। খিরসভাব অগাঁৎ গ্রীজিশীল শিবোন নিকটই পুরুনর্গ অভিনিগুট বছজ ৭ বান্ধ কবিবা মাংক্রন।

याग , काम सिंवा श्री. जिल्लामक खनाप्रतात "आहम्म भागमा वर शाक्ति, ११३१ इहेट्स िन निक क्षारम्यना दशन आकृष्य अद्भा क्रम । क्ष्माप्तरत्य । अरु छा । जिल्लाक्र लिएको विद्या लिया । जिन्हा लियाएक जुन-ানা ব আন্মাকিছৰ ধণ্ক ন্থ A. 1: বিষয় নিয়া বে অধ্যান্তৰ স্থ ১৯১৩ 阿洲外交际员 两件一 大切 医肝 电对比 শাবের অভি ক্ষেত্রক অবশার ভরত। प्रात्कन, होता गर्भाष्ट्र संघा गाम ।

প্রধান ওপানাবর স্থানেশ প্রাথন করিতে "新你家、高(b) (\* 位4 次(c) 4 7分6 高) 赤柳田 সম্পাধন মা ৷ কাজেল শংক্রের মিশুত বছলা 与例 隐纹体 化体 电极性图 电电路 इ.स.च निवा गांचर ५८७ (स.) श्वापात्तन तुझ्क "狗"一样狗 不足作性性的 经会交帐权 精 千人名日 निर्माहरू हो हो सम्राह्म । इस १ वर्ग १ वर्ग । अर्ज

 ওঘানকালে বিজে শিক্ষাব সাধ্য পুৰৱা रित्यम । होधान कालन अध्यमसभा कालान ব্লাচে পাল নাম এ, হলাওলা জিত 월라<sup>6</sup> 4 자전 '성상 등 4점 [함께(이션 필) 4 উদ্ধান হুই বন পূৰ্যে যে সকল ভুক্তিলবং গ্ ां क रंकान धारान समा के उर्देशको 귀속 항, 이익경) 전쟁[이주(인(S)하죠의 | 최면(요년 ফল্লাটেৰ আল্লা সাক্ষাৰ প্ৰাট্যালী ভয় ভালারা অজ্ঞাক্রাক্রা কাধ্যর চন্দ্রন্ধ কর্ম ট खन वाला के अने खन कार का का का की त्या भारकम् । ्राक्ष्य कराते खनाम्काल 'स्रक्र भिया १८५ । (काम १४४७) व आकारीस किरमन मा, एकाम छोटाया भारतय निश्न বহল বুধিতে অজন এবং অন্ভিজ্ঞাতে ১ डाधाना निक निक निवालाचिम ना क्रिकारक ভত্তজ্ঞানে অপ্রতিষ্ঠিত করিছে গোলেন না 🖟

ক্ষেত্রদি শাস্ত্রের নিযুত নহস্ত জানিবরে ভক্ত শুদ্ধতঞ্জিয়াসার ভার জনয়ে প্রোগণ ভারার উচিত-এবর প্রদর্শক **事(1)** खकत माहारमा चिहिरत भूमधकत हतनाञ्चय कता जनः उपमध्य भौतिक्षक्षक कात-गरमा वारकान यांना जिनल्ला ममख्या आरम्भ পালনে এত পাকা। এটক্সপভাবে গিনি জীবন যাপন করিতে পাকিবেন, ভিনি ष्मितिता समञ्जूरभारतत क्रथांत भारत्वतः । मध्य রহস্ত স্বাহ্ অবগ্র চইন্তে পারিবেন এবং অক্সের নিকট ভাঙা বাক্স করিয়া ভাগকেও धक्र कतिएक मक्षम बहेरवन ।

লগতে বিবিশ অহুটো কর্ম এবং কুপালাতে বঞ্চিত।

বচ প্রবণবোগা শাম বিভিন্ন বিভাগক্রমে বউমান। অভএব শ্রেক্ষর সাধন মধ্যে याश मुगा अर्थार महकारबाहे विश्वध श्विती-क्षांड रुहेशाल्ड क्षिक्ष शिक्ष खक्रामरवत्र क्षणांवरण নগীনি হট্ডা ভাছার পরিচয় সমাগ্রাপে অবস্ত হটকে পাবেন। স্থিয় স্বভাব শ্রীপত গোলালী সেই সভোৎকট সাগ্রেষ कथा धरणपु धारहम विस्तहमान रमीमकामि খানিন্দ নিশ্বনিধের ক্ষমানের মন্ত্র এবং ভবিচ্যাৰ অপসাধন এজানছ স্বান্ধিগাণের কল্যাণ্যাদ্যমূদ পথ প্রিষ্ঠার করিবার অভিপ্রায় উচ্চার নিকট কভিপর ওল্ল উলালন কবিয়াছিলেন। আসবা ক্লিম ए - रिनम्स में व्हेंगा अंक धकत bतला अंक करके যাদ প্রতিষ্ঠান্তনারে জ্রীন্ডত্রেরাছামি-কালিভ नैक्षा ए नामक व्यवस्थ आहे द्वित हिन्द्र প্রেম্বাত আবোদনা ক্ষরিতে থাকি, সাধা रहें कि अभिनाम महायुक्त श्रेष्ठ अवस्था अवस्था ह 

#### প্রচার - প্রসঙ্গ

( ब्ला १३ ५५) ७ अकाश्विक माश्वादिक भक्त (कार्याक) ५०**४ हेकार ५३**६७ डिस् ७ )

. ८५ १६ मानियान नयं .सम्मा अग्रास्थात्र ही, मी शिवारेशकात्मा अम्लात भावतास 🕏 भिक्क-ात भनभग्रम भविष्ठ ककाठा । 🛍 च ७ किन मानाष्ट्र कर्नकडा अमुष्ठानी अकृत नगर्न क्षणाहरू कृषिनामा हिल्ल स्थलक ८ ভীগিক মহাপ্রেষ ভিন্নে শুঞ্চিঞ্চ ক্ষরেন। ८ !! नय मक्षाप्राणांक अन्यक्षम अकृत्मन ইয়াচন্দ্ৰ দৰ্শনে উপস্থিত হন। পণ্ডিত শ্ৰীপাদ রাধারণ গোস্বামী ইঞ্জিপত্ন ছেন্ডিশারী मधान अनगर म अकितन अविद्वारण मुश्रीक भूक्षांवा भ्यार्थः (अस्। (भाषांच शक्त डिन धकीकाश दिशामारक धननात मधाल मांक्षान (भरम कानक डाविड ब्रीओडेन मठेरीच्युर्व शमन कटतन। शकतन भाष, अंधा ७ वेमामामा मिक मन्तर्भात् इतः भागम भाषिकाभूगं वृक्षकी छ।-সিদ্ধান্ত বাবী অবংগ সমাগত সম্ভানন গুলী পরম প্রীতি লাভ করিয়াছেন।

#### জাগোড়ীয় মটে প্রভূপাদ

र्ख विक्रुभाष भ्रतिमहत्म अविज्ञाक्षक।5।गा व्यत्याध्यत्यक श्रीश्रीमम् विक्रियकात्र भतवती গোখানী প্রান্তুপাদ কভিপর দিবস যাবৎ বাগ্ৰাজারত জীগেট্যি মঠে অবস্থান করিভেছেন। প্রভাই বন্ধ প্রস্কাস সম্ভন ভাগার পাদপ্রাম্ভে সমাগত হট্যা আত্ম-मक्रापत जिल्ला गांध कतिहा १४ इटेट्ट-ছেন। কিন্তু ভালাবালাভ ভালাবত অকল-জ্ঞান সর্বান্ধ ব্যক্তিগণ কগদগুরুর জ্বাচিত

## গ্রন্থ পরিচয়

## **ভ্রীমন্তাগরতম**

শ্ৰীমন্মছৰি ক্ষাবৈপায়ন বেধৰ্যাস প্ৰাণীত মূল, শ্ৰীমন-মধ্বাচাৰ্য্য-কুন্তা ভাৎপথ্য-নিৰ্বয়টীকা; শ্ৰীক্ষ বিশ্বনাপ চক্ৰসন্তী ঠাকুর-ক্লুত সাপ্লাগদৰ্শিক চীকা, বঙ্গাল্ভৰাদ, সংস্কৃত অধ্যয় ও क्षांजनम, छना । विवृद्धानियुक्त । व्यक्ति मध्यम भामित्र নেট করের প্রতিপাত ক্রাসার, অধ্যারের প্রথমে ট্র ঋণ্যায়ের সার্যহ স্থবিস্কৃত তাৎপ্র্যাদি বির্ভ। স্লোকস্চী বিষয়স্থী, অধারবিবরণ, পাত্র ও স্থানস্থাীগছ উত্তম कार्शिक केवम कामरत मुक्तिक। अश्रम क्वेटक ३०म ४% भगान कार्मा व्यक्तिरा त्यम क्षेत्रारक। क्रिका आश्रम इंडराइ लग् चर्न वर्गाच २०।०/०; जनम ३६ ०२०; ''মজা ৪০১ ।

### শ্রী শ্রীটেডগুড় রিভামত

अधिमश्रक्तिविद्यामर्राङ्कत त्रिक 'अधक श्रावाद भ्राप्ता' ও ত্রীতীমছডি নিজাত সরসতী গোষামী প্রভুপান লিখিত 'অফুডানো শ্রুতি-মুড়াদি বহু শার্প্রমাণ-স্থলিত চইয়া शकान्ति इठेशास्त्र । सारकत मात्रस्वाच्या विकार्यवान প্রতে ক প্রারের প্রথম সংক্ষিপ্ত অভিনেয় সংযোগিত। लारण के कार्यान-प्रतिराध क्षांभाव (म व्या कार्य । त्यांक. প্রার, শৃপ্, স্থান, পাত্র প্রস্তৃতির স্থবুছৎ স্ট্রী ও গ্রন্থকারের বিশুত জীবনী সম্থিত এইকপ অভূতপুক্ষ সংখ্যাণ উচ্চংপুক্ষে कुशालि आकात्मिक इस मार्ट । डिक्स काराटक लाजिलाटिन व স্থিত সুব কোন্দ্রে মুলাংশ মুদ্রিত হট্নাতে: গ্রান্থ প্রায় ১৫०० शृहाय मन्त्रमा । जिल्ला वर्षमारन द, माळा ।

#### **জ্ঞীচৈত্তত্যতাগ্ৰহ**

গ্রহুদারের ভীবনী, প্রতি পরিক্ষেদের কথাসার, বিশ্বত त्थोकीय कामा. अक्षुण्ठी, भवात १ ही. विभव-छान भाषाति-স্টা, প্রস্তৃতি বিধিধ বিধয় সম্প্রতি বিরটে বিভীয় সংস্করণ प्रस्त काडिन b (भूकी आकार्स। आमिनीया क नतात किश्वरण आवाणिक इदेशरिष्ट्रम । कारम कारम आकर्णणक क्टेरफ्ट्न। व्यक्तिम किया ब, मिका, वापि वीनात 1871 0, 1

#### **बारेहर सम्मन**

্ট্র এছের এরপ অভিনৰ জনার সংখ্যাপ আরি কুরোপি अकाशिक क्य मार्क । मार्क्षक (आकारम्य व्यवस्य, वक्षाचनान, ভাষা, কণাসায়, ওণা প্রস্তৃতি সহ খণ্ডে গণ্ডে প্রকাশিত চর্যাঙেন। মূল যেটো অক্রে ভবল জোউন আটপেনী इटमाकारत काणा दक्षेत्राटक। भूगा २४० छाका। समीया विकास ७ त्योद्वीतम् आर्क्यत्यम् नत्यः ३४० हासः।

#### **এখন**গ্ৰদ্গীতা

-- শ্রীগোড়ীর বৈক্ষবাচাগ্য অপ্রাক্ষত রসিকচ্ডামণি <u> এক্রিখনাথ চক্রবিটি/কুর গোম্বামিরতা সারার্থবিনির্ণা</u> ট্ট কাসমেতা ও শ্রীশীমম্বজিবিন্যে ঠাকুর-জনীত 'রসিক-্রন্ত্রন' নামক ভাগাভাগাস্থিত।। অধ্যায়সূচী, মাতৃকাক্রনে र्िक्षाक-शृक्षी,विरम-शृक्षी,अश्काद्यत भीषनी ७ व्यवस्त्रतिकामि कि-साध्याविष्य-गृह कि क्रेश्च साथाई कृष्टीत मः क्यूग--- व साक श्चमातम् किका २, क्रांका काळ, नाराम्न नश्कमन->॥• काम गम

## শ্রীল প্রভূপাদের বক্ততাবলা

ওঁ বিষ্ণুপাদ **জ্ঞীনছন্তি**সিদ্ধান্তসরমতী **গোস্থানী মহারাজের দেই** আবিখা বিদ্যাংগিনী कीवायायकरभारवानिमें क्या-कार्क जिल्लावानिमें कोवरा-नांगेत মৃত্ত-বিত্ৰাহ—বৈক্ষাবাদিকাল-মুক্তমালাৰ কোন্ধভমণি—সন্দ্ৰদায় বৈভ্যবিজ্ঞানাগারের নোলিক ভ্রমা-পঞ্চরতে ও ভাগবভের সমন্ত্র ওল- মহাজ্ঞা- জীবনচ বিত্ত- শিক্ষ ক -- চি বিলাস চি ন্যাত্র-অচিমাল-বিচারক- ঐবন্য **ও মাধ্যায়দের** মৌলিক ব্ৰেন্গার ----সম্বন্ধ, অভিদেয় ও **প্রয়োজন-তত্ত্বে** নিভান্ত সমূদ্র।

১ | প্রথম **খণ্ডে—বৈষ্ণপূর্ণ**ন, শ্রী ওরাড্র, কাল-भया. श्रीमध्याविकार. श्रीवार्यकानी, भारत्वाविकी मीका ও বৰ্ণ বিচাৰ, আত্মনৰ 😮 মনোধৰ, জীটেডভালেৰ ও ভাষার শিক্ষা, অধ্যাক্ত সহজ্ঞার্ম ও প্রাকৃত স্থানতা, প্রজ্ঞতি বিংশাত সংগ্র**ক রয়ে স্থলোভিত**। ভিক্ষা মনে ৬ বার আনা।

১। দির ভীতা আৰু তথা ও বিদ্যা ভক্তি, মুগুয়ের (सहका काशास वाचात निकादकि, जीभत क्रामिलाम क भागातामः त्रीहर्भात-निज्ञासमध्यममः जिल्हात भर्ष । अस्तर कीर्जन, ट्रांबाविश्वात खीमशाश्वरधत्र कीर्जन, आर्लात-शास्त्र महिमा, महा श्रमात्र, बिशाविक, क्षेत्रलासुरा स्थान-পথ, শ্রীমতী রুমভায়নন্দিনী, 🗷 চৈতে স্থের করা, পেটবকর পা 🖟 প্রত্যুহ প্রাক্ষানি স্পূর্টার্থ উপরুষ্ঠ এণ্টিক কাগেছে। এরাজ ও ক্লাঞ্সন্ধীর্ত্তন---১৬ুদশ **অপুর্বা মধুরিমাপু**ণ-বঞ্জু-বিভূতির। चिका ६८ दक छ। का माळ ।

প্রথম ও বিভীয়<del>— দুই খণ্ড এক</del>রে গ্রহণ ভিজা স (M'% है।को, एक ५त्तर चाउन्न।

#### **এমভগ্ৰদ**গীতা

(नो श्रीय-ट्रेनशानामानिक-ट्रमणत अधिमननशासन निः ভ্ৰদ্যুক্ত ভাষ্য ও শ্ৰীমন্ত জিবিনোদ চাকুরেরপ্রাঞ্জল বঞ্চ-ভাষায় বিস্তৃত 'বিষ্দ্**রল্পন' নামক ভাষাযুক্ত।** অধ্যায়-পুটা, বিষয়সূচী, ও প্রতি শ্লোকের প্রথম ও টুটীয় 🖯 বাদ পুটা, ভাষাকারের জীবনী প্রস্তৃতি সম্লিত। উংক্ট বাবার, রাজসংখরণ ( তুর্তীয় সংক্রণ ) গ্রন্থের सिका २, छ।का

#### প্রমেয়রত্বাবলী

শ্রীমন্বাদের বিদ্যান্ত্যণ-প্রণীত বৈদ্যান্দ্রন, সক্ষ ও ত্যাবিশ্ব-ভাষ্যাদি পড়িবার প্রথম এছ ে উৎকণ্ট কালিতে 🖟 ছাপা। স্থবিষ্ঠ টীকা ও প্রাঞ্জবক্ষপ্রবাদ-সাহাল্যে অভি সহতে বংশকেরও বেধিগমঃ স্ট্রা পাকে। ভিজ্ঞ ।√• **সানা না**ত :

#### **शिगवदीनशाममादासा**

( প্রমাণপণ্ড ) সাম্বরণ। স্রুতি-স্কুডাদি গ্রন্থে শ্রীলব-দ্বীপের যে মহিনা কীর্ত্তিত আছে, তাহার মুল সংস্কৃত ও অমুবাদ। ডিখা ১' আনা।

#### জী জীলবদী পভাৰতর দ

শ্রীঠাকর ভারিবনোদ নিখিত। কুললিত গাঁচ।কারে পরিক্রমার ডাইব্যাদি-বিষয়ক। ভিক্ষা। মানা।

#### ভজিৰভাকৰ ও নবৰীপ পরিক্রমা

শ্রীদ নরহরি চক্রবটি-ঠাকুর রচিত। ভব্তিরয়াকর ছটতে পরিক্রমাণে মাতা গৃহীতঃ শ্রীভীব গোখামী কি क्षकार्य क्रेमच्यालधारमञ्जलात्रका कत्रिवाहित्सन. डावाहे পছে বিৰুত। ভিক্ষা । প • আৰা

## याग्रह

শ্রীশ ভিক্তিবিনাদ মাকুর-প্রেণীত। ইচাতে শ্রীচৈত্তকের শিক্ষাপ্রাণালী -রফ, রফশক্তি ও রদ- বন্ধ ও মুক্ত জীব--অচি:স্কা-ডেলডেন ভর-সাসন-নির্বর-প্রয়োগন-ভর্ কথ্ন-কাও, আল্মাদির বিচাব—বৈবী ভক্তি, ভাষভঞ্জি ও ८ अभ अकित्र नामक्र न- श्रनाती उ अद्रक्षात हो।।-পৰিচ্যাদি প্ৰাণম শিকাপার উপযোগা করিনা চরখা ভাষার সমুদয় যুক্তি প্রমান্সত লিখিত আছে। চতুর্থ সংহরণ বংবা २ किमी, भागामा अपन सामा माता

#### গোডীয়ক্ত্ৰীয়

हिंदर रे हैं। इं देवमध्यर राज्य । कार्यक्ष । कर्ष्ट्र । हाजर द्यांत्य ক্রতি প্রাদ্-প্রবাত্তাদ সাঞ্চ-শাস্থ্যতের প্রমাণারলা विषयिक्षां करण भाष्ट्रताल छ। फुटा उठकार देवस्थत-সিদ্ধান্তের সার্থ্যক্ষ অতা কুর্নি: প্রকাশিত হয় নহে। ইহাটে প্রকাতর —ভাগবাহ— বৈঞ্চল – পৌর— নিভানিন্দ—-অবৈত- ক্ষা- শক্তি ভেশবভূগ-জীব-অভিব্যভেগভেশ --- व्यक्तिम्मान्स्भात्रः हिन्द्रान्त्रः । व्यक्तिम् । व्यक्तिम् --- শ্রীনাম-- প্রের্থানন ও প্রমাণ-ভন্নভুলি পুলক ক্ষান্যায়ে প্র কালিছে সাধার, উদ্দেশ্য বালা সোলার করে নাম প্রেমার গ্রন্থ প্রায় ৪০০ প্রধায় সম্পর্ণ। ভিক্ষা ২০ টাকা মারে।

#### শ্রীনগদীপণাম-গ্রন্থানগী

ত্রীমলভতি বিনোধ হাতুর রচিত 'গ্রমাহাত্ম-প্রাথ-মাহাত্রের সাল্লাল প্রমান গও---শ্রীণ নরহরিচক্রবারী স্কুলের দাম প্রিঞ্মাণ্য--- নিধ্যম ন্র্রাণ প্রিক্মা---তীগ-যাত্রা ১৯তি—ইন্নিং প্রবোধননকত নববীপশতক্ষ— শ্রীমন্তি বিনেধি সাজুলে শ্রীনব্দীপ ভারতর্গ প্রান্ত্রি গ্রন্থ একর ভিকা দ॰ আনা মাত।

#### এইরিনামায়ত ব্যাপরণ

শ্রীকার ভোষামা প্রান্ধার-বিব্যাহিত হল্প ও বৃত্তি, ভ্রম্বে উবিক্ষণাৰ ইলিছভিশ্বদার স্বস্তা গোস্বামী মতাবাহের বিভান ভাষকা ও পটী প্রান্ত সহ। अल्डार्गिट्डार्ग अल्ला (७००) २८ होका, इंक्रिस्ट्र 明典 20 管理 制造1

#### (761353713

শ্রীমর মাঞ্ড চিবিয়ার চিত। ুবলাজের বিশিষ্ট্র তবংদ-প্রচাষক আভাষা প্রবেশ্য আচায়ে প্রবর বেদাঝদশন পারের উপ্যোশ্ কবল্প এই উন্ধন ক্ৰিয়াছেন। ইংতে বছামুবাৰ ও স্ত্ৰিগ্ৰাদি সংগোজিত কৰা ধ্ৰীনাচে নাম মার ভিজা ॥০ সানা।

#### এটিডভাচজামত ও নবছীপশতক

टर्शनभाषम किमानी जीमर कारमधानम रहमही जनाक মুল, প্রভুপাদ জীমদ্ ভাতিনিকাও সরস্থা প্রাথমী মহাবাহ মৃক্ষান্তি অধ্যয়তে বাখে। ও কলাভবাদ সংক্রিত। भवदीलनपुरकत् ऑक्टिकार्यामा अत्याप अधास्त्राम क एक्ष्म क्षामार्थाल्य उक्ती । ।। १४ ता १० आर्थ कि के कि लामच क्रियारक। मुस्त ए कालक फेरक्के ( र भाग একজে ) ভিক্ষা দৰু আনা, অতি স্থৱস্য বীধাই স্থাক্ষসংখ্যৰ ् होका माळा



শীমন্ত কিবিনাদ ঠাকুর-প্রণিত। এই একমাত গ্রহণ বাসব জ্ঞান লাভ করি ব পারমাথিক রাজে। কিছুতেই কজান বাসংশ্যা থাকিবে না। পরম গুড় ন্যাব্যয়ক ইনক্ষ প্রকাশ ভ ক্ষায়লাশী প্রস্ত এ প্রণান্ত প্রকাশিত হয় নাই। নিশিলগোস্থামি শাস্ত-মতোদনি-মত্নকলে এই প্রসায়ত লি এক কইয়াছেন। আবাস ফ্রিক্ড স্টা, ক্যাসার হয়াদি ধাবা বিশেষ সভুছ কবা হইয়াছে। বিবাই প্রব. নিশাব জলে নাম ঘেষা, উইক্টে বিগেই ডাইন্ট ব্যুক্ত ম্বের্ছ ভিন্না স্ত্রিক মানে।

#### প্রেখনিশ্র

নিমন্থাপ্রত্ব অন্তর্ম পাণন প্রীল কগদানন প্রত্ব বিবচিত। এই পুত্রক সাতি স্থাবোধা ভাষায় মথপ্রেড়র কাত্তণ লীলাসত বৈশ্ববাচার, কেল্ডনা ও নামভ্রন প্রভাগী প্রভৃতি অনেক বৈশ্ববাহারর স্থামাংশা দেখিতে পাইবেন। পাদ্টীকার চর্ল স্থানের বিশ্ববাধ ও অন্তক্তার পরিচয়াদি-সম্বলিত চাহুগ সংকরণ ভিজা। ৮০০ দশ সানা মাত্র।

#### ভঙ্গনরহস্য

ভদনকারীর নিতাস্থী; সারুর ভজিবিনোদের মন্যা ধান; নিথিব শাস্তের নিযাস। গ্রন্থখনি না দেখা প্যাপ্ত কেছ বৃথিতে পারিবেন না । সুটার সংখ্রেণ ভিজা ॥।।

#### হরিনামচিন্তাম্পি

নামাচাধা শীল হরিদাস সাক্রের মুখে শীমনাহাপ্রভ শীনাম-মাহাত্মা, নামাভাস, নামাপরাধ প্রকৃতি বিষয়ের যাব হার বিচার শাবন করিয়াভিনেন। এই বিষয় ওলির আ হ সবল প্রারে সংক্ষিত্র আন্যাহ পরিপাটিভাবে মুলিত। উচ্চ ভিক্তিবিনেধে ঠাকুর রচিত। প্রকৃত্য সংক্রের ভিক্তা দ্ব

#### কল্যাণকম্বতক্ষ

রীমন্ত্রিকিবিনোল সাকুর-বচিত। প্রেটোক ভগবদগ্রাদী ও জানপ্রের প্রিকের একান্ত প্রয়োজনীয়
ভিশ্বেশ্বেলীপূর্ণ গ্রিভিয়ন্ত। সামান্ত লেখাপড়া জানা
কে কেও এই ভলনরভারে কাভিয়ন্তের দ্বাল মন্থানিস্তিভ্
ও ভগবংসেরা ব্যাভ করিবার স্কবিবা প্রাহ্বেম। বছ
ব্যাহ্বা, ভিশ্বাবিদ্যালয়।

#### শরণগেতি

জীমহজিবিনোদ সাক্র-প্রতিত। ভগবানে আয়ুসমর্পন্, । বিজ্ঞাপি, ভগনগাল্যা, মড়্বিনা শর্ণাগতি ও সিদ্ধি শাল্যা। বিবয়ক সাতিপূর্ণ, ভিজা ৴৽ আনা মাজ।

#### গীত বলী

- শ্রীয়াকুর ভিক্তিবিন্নাদ-প্রাভিত্ত নিত্য ভদ্মন, আরাজিক ও অব্যান বেবনানিত্রিবায়ক মধুর গীত্যমূহ একছে এলিত। ভিজ্ঞানিত সান্যাত্র।

#### **ड्यानस्थानम्**

তি কলমুক্টমোলি ইন্নথিখনাপ চক্রবন্ধী ঠাকুর-বিবাহত বিশ্বস্থা। শ্রীমছাজিবিনোদ ঠাকুরের অভ্বাদ-প্র। ভিকাতি আনা মাঞ্

# स्रीमनश्यी

শীনবাহাপ্রান্থ শিক্ষা ও শীন রখুনাথ দাস গোস্থামীর প্রতি শীক্ষ গোস্থামীর উপদেশবাণী, ভক্তিপথের অন্তর্কুণ ও প্রতিক্ষা বিষয়ে স্থবিচারিত সন্মোদন ভাগ্য, বিশ্বত বিরতি, চরিতামুতের প্রমাণ, সংবয় ব্যাখ্যা ও মংগলন-প্রণাভ তত্রপথেগ্য গীতমমূহ প্রত্যেক স্থোকের সহিত্ব স্থিববিশিত ইইয়াছে। ভার সংস্করণ ভিক্ষা ৮/০ আনা।

#### ' সাধন-কণ

উল্লেখনাথ দাস গোস্বাধীর মনঃশিক্ষা, শ্রীল সাকুর ভালিবিনোদ-চারিত পথাছাবাদসহ। ভিজা সংখানা।

#### প্রেমভব্তিচন্ত্রিক।

ক্রীয় সাক্রর নরোভ্যের অপ্রাসন্ধ প্রেমভ্রিনিগ্রক গানের পুত্রক। ভিশা ও মনোমার।

#### নবন্ধী পশত ক

শ্রীত হাকুর ভিজিবিনাদ রাট্ড শ্রীল প্রবোধানন সরস্বতাগদের সংস্কৃত নবদীপশৃতকের মুগাল্ড প্রান্থবাদ। ভিজা ৴৽ স্থানা মাত্র।

শ্রীল শোকাচাণার্চিত। বৈশ্বৰত জানের আকর পুত্রক। ভিকা৴ আনামাত্রে।

#### সদাচারশ্বতি

্রীণ মধ্বতাধা-প্রণীত। বৈশ্ববের নিভাকপ্রাদি স্লাচাবা-বলী, বঙ্গান্তবাদ স্থিত। ভিক্ষা 🗸 আনা মান্ত।

#### মণিম 🛎 রী

কবিকুলকেশবা আমিলবােয়ণাচাগ্য রচিত। আমিলথের। চাল্যের মণ্ডিথ আবনলালা ও মূল বৈক্ষণধ্যমত। সামুবাদ ভিজ্ঞা। আনং মান্ত্র।

#### গৌরকুকে। দর

প্রার্থন করি জাগোবিন দেব প্রাণত জাগোরাবভারের প্রমণোবলা-সংবলিত সংস্কৃত গ্রন্থ। ভিক্ষা ৮০ স্থানা।

#### युक्तिमञ्जित्। ( भगरभोत्रक)

শীমধ্যসম্প্রদায়ান্ত শীমরাদিরাক স্বামিক্ত। বৃদাক্ষরে সাল্লান এই প্রন্থের প্রকাশ পার্মাণিক সাহিত্য-জনতে এই সর্ধাপ্রথম। শীমন্মধ্যালাগ্য হলতে মোড়শাশন্তন বিভীয় মধ্যালাগ্য নামে গ্যাত শীরাদিরাজভীর্থ স্বামী এই প্রস্থে সাধারণ গৃক্তি ও গৌকিক স্থান্ত্রাস্থ্যারে কিরূপ স্থান্তরভাবে ভিকিবিরোধি মতবাদ সমূহ প্রথম করিরাছে, তাহা পাঠ কবিতে করিতে আশ্চন্যান্তিত হইতে হয়। ইংতি বৃক্তির বারা লাকান, ডেন. বৌদ, মামাংসক ও মান্ত্রাণিমতেন সমূহের ওক্তব প্রন রহিষ্যান্ত। ভিজা ২ টাকা মাত্র।

#### গোষামী শ্রীল রঘুনাথ দাস

(ওঁ বিকুপা। ত্রীল ভিডিসিছান্ত সরস্থতী পোশামী প্রান্থপান লিভিড ভূমিকা সহ) গৌরপ্রেট স্বরপ-রূপের একমাত্র প্রিয়তম শ্রীল দাস পোস্থামী প্রভুর অপুর্ব চরিভায়ত ও শিক্ষা অভীব প্রান্ধল ও সরল ভাষান্ত সরিবিঠ থেকা পরিশিতে দাসগোন্থামী প্রাভুর বিষ্ঠিভ ক্রেকটা সাম্বাদ মধুরতম তব ও মনঃশিক্ষা-সম্পাত্ত। ভিকা বাঁগাই॥• খানা, আবাবাই।৮/• খানা মাত্র।

## চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাচীন নববীপের অব্ভিতি, তথা, ঐতিছ, স্লোত ও

ঐতিহাসিক প্রমাণস্থলিত নয়টা দীপের সচিত্র বিবরণগ্রন্থ। রাজবি রাওসাংক্ষর কুমার জীপক্ত লম্বনিন্দ্ নারারণ
রায় এম, এ, প্রাক্ত (লাহোল্ন), বেলাস্তভূবণ মহোল্র কর্তৃক
সঙ্গলিত এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন বর্ণের অপুন্ধ চিত্র ও
দানচিত্র-শমন্তিত; প্রাচ্যবিভামহার্ণব রায় সাক্রেব প্রিশৃক্ত
মগ্রেক্ত নাথ বহা বিশ্বকোশসম্পাদক মহাশ্বের বিশ্বত ভূমিকা
সহ। উৎক্ত (ই ) মরজো বাগ্রি মূল্য সাত, ভিঃ লিঃ তে
২ টাক মাত্র।

#### मागक-कर्शनामा .

ভর্বকনা, বৈশ্বব-বন্ধনা, বৈশ্ববশরণ, দালালের গীত, শ্রীনামগর, শ্রীমন্মলাপ্রকার অগ্রেজনত নাম, অইপ্রদর্ম নামনিজন, শ্রীনামস্কার্জন, প্রেমন্ত্রনি, 'বাউপস্কীত, নববীপ-সহিমা, শ্রীমারাপুর মহিমা, শ্রীমরোভ্র-প্রান্থর অইক আচান্য-বন্ধনা, বড়ুগোস্বামীর অইক, প্রেমভন্তিচ প্রিকা, উপদেশমলো, নামভন্তন-প্রেণার্থী, মহাপ্রেড় ও রার রামানন্দ সংবাদ, মনঃশিকা, শ্রীভরত্রণতি, শ্রীভর-পরশ্রেরা, মহাপ্রভুর বন্ধনা প্রভৃতি সাধক ও সিদ্ধান্তীবনের নিত্যপাঠা, বৈশ্ববর্গণের কঠাপ্রিভ ভূলনীমালার স্থার অমুক্ষণ কঠে ধারণ্যোগ্য অপুন্ধ গ্রন্থ। ভিক্ষা তিও, বাধাই ॥০ মাত্র ।

#### গোড়ীয়-গোরব

কলিকাতার স্থপ্রসিদ্ধ আধানটে হলে গ্রেট্টায়-সম্পাদক
শ্রীপান স্থলরামন্দ পরবিদ্যাবিনাদ-প্রাদত্ত বস্কৃতার বিষয়
গ্রেদকারে প্রকাশিত। ইগতে গ্রেট্টায় বৈক্ষবসম্প্রদানের
ইতিহাস স্থাকারে প্রাণিত হুইয়াতে। ভিজ্ঞান্ত মাত্র।

#### গৌজীয় সাহিত্য

কলিকাতার স্বস্তাসিদ্ধ আলবাট হলে গোড়ীয়-সম্পাদক
শ্রীপাদ স্থানানাল পরবিষ্ণাবিনাদপ্রভু প্রদান্ত বক্তভার বিষয়
প্রভাবারে প্রকাশিত। ইহাতে সাহিত্য-পদ্ধের অর্থ এবং
গোড়ীয়-সাহিত্যের বিষয় স্থাকারে বর্ণিত হইয়াছে। ভিকা
। প্রানা মারা।

#### **औ**रभोष्**मक्ष्म श**त्रिक्षमा-पर्शन

শ্রীগোড়দেশের যে সকল স্থানে সপরিকর শ্রীমন্মহাপ্তাভূত এবং তদন্তগ পরবর্তী মহাজনগণ লাল। করিরা পিরাছেন, সেই সব আধুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও দেববিগ্রহাদির পরিচয় সহ যাভায়াতের স্থবিগা নিকেশ ইভ্যাদি বিবর্গল স্রিবেশিভ আছে। ভিক্ষা । আনা।

#### THE HARMONIST

#### OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীল ঠাকুর ভঞ্জিবিনাদ-প্রভিত্তিত এবং শ্রীল ভঞ্জিবিদ্ধান্তসর্থতী পোশালী প্রভূপাদ সম্পাদিত পারসাধিক
নাসিক পতা। একণে ইংরালী ভাষার অঠাবিংশ বার্দ্ধ
ভবলক্রাউন ৮ পেলী ৪ কর্মা আকারে প্রতি বারে হরিন
নামের বিজর-বৈজ্ঞারী লইরা উপন্ধিত ইউতেন্তের।
কাগজ, মুদ্রণ-পারিপাটা ও চিজাদি অভীব চিজাক্ষ্মধ্যা
এই প্রকার উৎক্রই প্রায়দ্ধ আর কোন মানিক প্রমাদিতে
পেথিতে পাইবেন না। বার্ষিক ভিক্ষা ভাক্ষাভ্যাসহ ও
টাকা মারা।

#### প্রাকিতার -

**बिट्रिक्कम**र्ट, त्थाः श्रीमात्राश्च मनीत्रा

# বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভাক্তমঠসমূহ

### बोरिक द्या प्रत

#### আকর মটরাজ

श होत अवशिष, काक्यत शिवाम मावालुत, सबीवा

ব্রীয়ভংখোগাল্পীর হুচল্লে লায়ে ৫০ । গল্প উত্তর-পূথে শ্রীয়েলপদ্ধনে আচার্যায়ত প্রীচার-त्यथव-अन्दास मिलारेलकण-मठ निवासमान :

को जान मारचन-शेर्ष, पद्मांगकानीठ ना माक्षम एक वन्ती । as यहा ही (र्ज मी कांव-काश्यक बाहकत्रामिक्तामभूक, वर्षावकात कंक्ष्रीक कावा, साहिक, क्रवहर, क्षा অধ্ব - উপ্নির্ম-প্রত:-প্র-প্রতান-চকুর্যের অধ্যতন ও অধ্যতনা এবং সপায় ইভিক- বিভাগর সংখ্যাতি কর্তনামের 🚇 গৌলনাম এচে। হাল এচ নমুগের ्रशादाक्ष-शाक्ष कार्-शिक्षत क भाषा साम्प्रावाधिक-व्याहाया: 6कृत कावाद्यत केशाया विकेट (श्रीक्रीया माखातक लक्षा कि कावाबिक कावाब १व्यहरूम रहिक भिक्षा हम्भिक इस्ट्राइका । अहे भेद्रशटक भावमाणिक देवन्तिकभव भाष्क्र । नियासककाटन अकालिक इस्ट्राइका । अधिरत भारत भारतिक अधिरत भारतिक भारतिक स्वाहित । मध्यमा(का मार्गामक क्ष प्रकाहीन अहताचि अहत्वनद्ध कामीशा-श्रकाम' ग्रहालय : त्यी-श्रातक, औरित्रका-हाविकान्न व क्ष शास्त्र मार्गिका व व्यवस्थान नामक व्यवस्थान व्यवस्थान 🕭 শাল লঙৰ বিজ্ঞী। সভকাৰী--- ত্রীপাল বিলোধা গোলী অক্ষতাৰী, পালাস ভাগাল লগালে গালাগাল লালালিকারী, প্রস্তৃতারী **क्षिक्यत्रम उक्षाति. क्षेत्रमत्त्राणी अक्ष**ाति, एक नाइक, शृंद्रमा, इत्त्रहोट्यावस अतिराष्ट्राणकात्र मध्यमारदेव अत्रातिमा, क्रिक्यकार्याच अक्षाति कार्याच कार्याच अक्षाति कार्याच अक्षाति कार्याच का 

क्षेत्रक्ष कामी श्रीमहास्थिताको को श्री महासास अवात्म कविकार को संग करिएक (ball अवानादी शास्त्र ।

#### ্ত হোগলীত উমন্দির

通道 學[4] 遊遊外数[代]和[期末 物性肝 作 "Annet 21等在 報刊:古行·等和 和新[21] 9-नात । जनारम द्यानकी शता व द्यान्क श्चिमाम श्रीरशोवनावात्म अतर श्रीरेठएना a शिदाबाक्ताकत विका अना स्वा शिवम क्रावत द्रम्या नवमानः। वक्रक---(लाक-अविश्वत त्याचामी अद्वेतिया। लाकु क्रितमा-🚵 बाबाविस्मान किन्द्रवर्गः 🖄 वर्गनपान अञ्चन Rid : Britinuta Wirbeid, cuamiti Beireau :

#### ( 8 ) **Sain-wa**

শ্ৰীমসাকাপ্ৰাজৰ কীজন-বিলাস দা **किरगोडगोगाव बागक्यो । बागारम व्यक्किरगांत** क्षिक्षात्रक क श्रक्षकरवय (अना नक्ष्यान । 

#### ( ८ ) चाटेषठ-चनम

बढ़े कारन क्षेत्रक शक्त क्षम व्यवद क्ष्मदा वस्त्राम ।

क्षक म ... श्री बरेद हामम मागा विकाती. क्रिशाक्रममाम वाषाणी।

#### (७) काष्णीय शमामि न है

आहीत मात्रालय, मामनलुकत (नमीता) **क्रिलोकक्रमानाक अठाएकाकी समार्थ**ा ार्टि वक्षक -- अबहाशी के निराम्धानकाची ।

#### ( 4 ) पांत्रण छुप। कृष

**शिरभाष्ट्य, प्रमण्डश** ( नणीवः ) अपारम खेनिकुनाय क्षिण किसिन्दनायठाकुरवर सवापि क्यर शिरमोक्त्रभावत कवर विशिवामा-आभ्यत (मरा विकास

क्षक--किकृथ्य काक्षांत्र अष्टात्री क्षक--खिरावायहर असवागी, 🖚 शांचिकी वन, धन, वक् ।

## ा 🛩 🕮 अभवाष दशोही स सट

174- THE . ! तक क---- श्रीवडनात का जन्म की ध्या. जा. ाँगे. खब. मधकाशी---- च्रीडेक्कामा मान-नादी, औरकक्ष संस्काती शहाना

#### ( ১) औरगात-श्रामतः यह

টাপালটা, সমুদ্রগত, । বছনান -हीन वालीनात्वर का क्षेत्र सावरामा नत अथ । मान्यां अभिन्तानिक अवशामीत . .मना : नक्क--- व्यारद्वताच तक्कानी, अन Biginten min :

## ১ • शक्तिभागोखाय-मठ

41.1112. muin eg, 14 am 4--- Astania Amoral, nemiel-अभारकाश्य जन्म नार्ते ।

#### 

माजेगावि, बावगव, नद्याना **क्षेत्रामहत्रात ह कृत तुला १००३ आ**ना । 

#### ( )२ ) छात्रवक धारमञ

भि नाभव क रखान, क्रफनमञ्जू, नशीका : काशन निकास अधानकीत व्यक्तत-(कव्या वक्त--- श्रीकृतानम् अवस्तारी कारुनावा

#### Ce reiterië , o.

Ctt र वस्तुत् है। अर्था की, असीका । की विभार अमानाती, श्रीवामाशीत मामानिकारी, श्रीमातमाक कर अमानाती শস্তু াল পাণ্ডা, ভব্দ বিশ্বনাল

### ( ५४ ) श्रीमाध्य ८गोष्ट्रीत यह

अध्याः विषयुत ,क्षास्, हाका । भृक्षनरकत शहाब-:०४, ध्वारन श्री धक- । ्शोबाक शाब्देशा-शिविषदक्रव दमवा वक्षमान । Beite

## () विद्योजीय मठ

to at ulfentere baral Bo. (et: utereimta. Biner et ibification to, to, esse

শ্রীষ্ণার্কা গড়র পাচ:বিশ্ব স্থানিশ্বল কবিনশন্ত-প্রচারেরাদেশে গোড়ারেশের মধ্য ক্রাধান वश्री कनिकाकार शिक्षकिनिरनाम चामरन शिवह श्राव्यक्ति चारकन . बहै करू-भक्या दारम अध्यक्त-दर्शा बाक-श्रीविद्याका नमा की छ जनाबदक निका दम्मिक कम । दम्मिकी माहाबानर्त्तव वानकीव अधाननीव अधानावाद्यात्यात्य छैमात नरमध करूले प्रवृत्य मूहन প্রাক্তিও ভরম্বাভেন প্রাক্তরৎসর শ্রীধাম-পাতক্রমান্তর্গন ব মপাণত মক্রগোচি ১ গ্রেছ । মর্রক্তক-মাচ্যান্ত্রিত প্রাপ্তার কুর্যাবলারী বিভাত্বণ । সরকারী-স্পাত্তর কীন্ত্রন প্রচাত্মণে মতামধ্যেৎসবালি ক্ষক্তাল অভ্টিত তর্তন পাকে। তক্ষক নগালারী প্রীপাল অলক্ষরাপ্রলেব পরবিভাত্মণ বি-৫. প্রীপাল রাশ্বিতারী ক্রছচারী, স্ত্রীপাল क्षकारी काराशाक्त्रमधीय, क्षेत्राम नीत्रक अकारी, क्षेत्राम नन्दर्याणाम अक्षकारी, श्रीकोत्त्रमान, अक्षकारी श्रीपातीस्थानन, उक्षकारी श्रीपानन, मानक लोगाय ननीतकक त मा मानाती वि-अन, अध्यक्षणम अध्यक्षणिम्, अधिनवश्च दक्षादी, अध्यक्षणारिक

> ८गोप्त अक्षतांकी, जैननश्मीनाम अक्षतांकी, न्द्रिक्टश्रात्म सक्षाः

#### : ১৫ / औरभाभागका मठ

क्रमताश्चित्र, हाका । .भाभाभकीर और श्राटक ऋफीन .भवः ANG ---- Elerentue amoist.

#### ১৬ - श्रीगका **के** , भारा**स** सठ

श्रीतकाक श्रम्भारकी मन्त्र, वालिन हिं। छाका है भेशप्राप्त-(भोतास्त्रद कार) (शवः । श्रीकानकोमावको, श्री**पकानम अवदःशी ।** ংক্র শ্রীপুর্গত রশাচারী, মি ভারেল दश्च (ती

#### ১৭ ভাডগেবডজন্মেশ মুহ

कियान्या, नाक्ष्मव्युत, अफिलील्डा 图4184 · 阿斯安--- 河口·罗--- 11名 | 報子|-ैश्विमाधीत किलारिया गर्कशान । तक्रक---बक्तामी 🖺 न्यतासमाधको ।

#### ১৮ कामगार्याष्ठा अश्वाज्य

नायवेशन (माद नक्काल ।

त्रो धक्र(शादाक : व्यक्त क्षिक 'वादमाही। 'सम्बद्धानाः सम्बद्धानाः चित्रहरू 1010391

#### (১৯) গ্রীপুরুষোত্তম মঠ

पर्यकात, पुत्री, हिक्सि। बनात्म द्वारार्थानात्राक्रमात्रवक्षीत् सिष्ठा- । स्थान--- स्थान--- स्थान----.सना वटमार । करूक -- ब्रह्माती श्रीलवमा:- (मामाम बननानी नम विषानक, अक्षाती अमेरिकानक,

बन्नाती, क्ष्क दी-मार ।

## (२ ।) खेळण-८गोडीय मह

व्याणवक्षमायः तवाभिष्यः (माः, मुक्ती । क्षणभाषात्वस्य धनवम् अभटः श्रीमधनः व्यापक्षी व्यापक्षीः मन्यातीः | श्रमकाशम नहिंश: निर्माप नि- a, श्री श्रांप- अवहाती श्री:नेनिमनिशाती ।

#### ... ১) 🚔 म किनानमा घठ 9:88111Wir, ### 1

ANTEN SEGE- . STOLONIEL HINDUN. क्षीत निकारम्या वस्त्रान । कृत्रस्थ-... अवधारी श्रीमशाद श्रीदामपत **अक्ष**पांची

#### २२ जीवनाडन-शोधान वर्ड

कर सर्वाका क्षा मुद्रा, कानी ह ्या प्रथमकथ्ड वर्गा रूप-निकापुत এপানে প্রার্থেক। সক্ষ্ম ন। সক্ষক---

#### २ ७। 🗐 क्रुक्टेड फ्या बठ

जीन्'नेश्र्याम कृष्ण, जीनाम कृष्णायन । अञ्चलका-अव-(याहनकार (मना। तक 🕶 — 🕮 श्रमण क्रियां भा अक्षता वी

### (३४) जिल्लामक्श्म कर

initialant, Albime

अया मिन भारत नामनाता न শ্ৰীগোৰ নিমোধ বিশাদকীৰ মেখা ব্ৰম্ভন क्क क —अव्यक्ताची श्रीमु'मरहार का क उत्रकाबी न्त्रीवन्द्रक्षणामः :

#### २० औरंड उस्टबांडा व

हेम्बर् का, क्विक का, नानक्या, हना जीरें १०४ -मध्य साथा। स्थाप- जीवमा-मान दाव. डीटमन्यानम तम्ह हो, जीदान कीन का घरतन -

#### (२७) नहानःभीष्ठीच वह

कुक्रेर्यंत्रं, सामयः, क्यानः । ६०००न क्री/जीवनिस्मान-वास्त्रमः अवा अवस्तानः مرابع والمجا

#### (24) 面面的特殊 经外期间上第1

ब्राक्षण का ूपाः मास् राजका BALL AF MONEY WICHELMS THAT वस्त्रात्त । क्लाक - ब्रवनाणी खीळालकृष्ट काम, लीववकाशक प्रश्नातिका

(३৮) थिह त्याओप वर्ड —कावराजय a e culture, sinte ann, fait fent i तक ०--- तक नंती श्रीशहक, छोकूशरन वत ञ्जीवासावयग्रह्मभवन

#### (२) (गामनगम्।अनवाध्य प्रम व -- अम्हाजी सहैवाबाह्यावन

#### THE COLUMN THE PROPERTY OF **अ**

वि, लि, ति, निव व्यालामी निकाहन खनः खरमन्त्रार्थं करटश्रमस्भव<sup>र</sup>रमञ् कर्णना নিশ্বারণ করার জল গভ রবিবার দিন नकारत समय शिवका दिखिला (१४वीद भकारमञ्जीरप रमनवक्त भारक एक विजाने জনসভা ঃহইরা গিয়াছে। বহু বক্তা বস্তম্পান বি. পি, সি, সির কল্পকভালের कारगातानिका कविधा खबर 🗐 भूक रमन শ্বপ্রের বিশ্বতিধ বিরুদ্ধে যে সমস্ত বিরুতি वाष्ट्रित , इंडेबार्ट्स जाकात व्यवसी क्रक्टा (भगकेता वेक्केट) करनम ।

#### শ্রীযুক্ত হেমন্তকুমার বস্থ

উত্তর কলিকাভা কংগ্রেস কমিটার সম্পাদক প্রীগৃত হেমগুরুমার বস্তু বঞ্চা প্রসংক্তিই সভার উদ্দেশ্য সম্বন্ধে বিশদ-ভিতিব সিকলকে বুঝ ইয়া দেন: "ভুনি बंदनमें (सं), बेंखमान वि, लि, ति, तिज्ञ क्याक्टारित (व बाइंगी क्या महर् অবিশাচনা করার জন্মহ এই স্ভার আঞ্বানু কুরা ২২ য়াছে। বড়ই ছংখেব বিষয় যে, আদি প্রকাশ সভায় এ সম্ভ विमार्गत, व्यारमाध्या कतिए उद्देशका । किंद्र केटर को कतिया जिलास नार्टे ।

क्रारक्षारात विकास विदल्ला स्थापना क्रियारकन । কলিয়াছেল। তাই দেৱ এই উল্লি মুক্ষের মিপ্যা---কারণ উভোর কংগ্রেসের বিরুদ্ধা-চর্গ মোটেই ক্রিছেছেন না প্রস্থ वर्तमान वि. थि. ति ति किटक मध्टलामन कविटक ८५६। कविटक्डम । 🛮 जेलमञ्जास ৰভা বভ্ৰমান বি, পি. সি. সিন্ন কভক-बङ्गाडा (भग करत्रन ।

#### - 🖲 युक्त का माञ्चन निरमागी

উপত্তিত ছিলেন। সভানেতীয় মন্তরোধে বু উত্তেজনা এখনও নিয়াল করিতেতে। ভিনেত সম্ভাৱ ভাছার বজ্ঞবো বলেন ্য, কিন্দু এই সভায় **কোন দলে**য় প্ৰক ्रवेष: « कारमन नांबे, खिनि cent • । ब्रिगाटन |

जिमि वफ्रे शाबिक बरेबाट्स । जिमि तिमित्र विमेत्र विकास विमेत्र विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास ফেলাই উচিত। ভিনি বলেন যে, বড়ই ক্রিয়া তৃতীয় প্রতক আমাদের কথা কোন বোল নাই। कानाह्यात स्थान (मध्या स्ट्रेल्ट्ड) তাঁহার অনেক কথাই বাধবার ছিল। কিছ তৃতীয় পঞ্চের লোকের সমূপে ভিনি কোন किছ विषय्त भारतम् ना। दकान आह-(७७ ४।८न मका क्षेत्रका व्य मध्यक আলোচনা করাই সমত ছিল:

আন : পর 🚉 ধৃত আংলতে চন্ত্র গাল, গী প্রাপ্ত প্রভাপচন্ত ওল রাম এবং আয়ুং यां हे ज्या का दान का का त्या भाग वाक्षा থার। জনসাধারণকে সম্বর করেন। 🚊 🥸 🕫 সেনগুপু পুৰুবন্তী বকা আয়ুত জানাঞ্চন बिटबार्ग मकाम्बर्धन क्राप्तकी क्षान স্বয়ুজি এবং কোতুঃল পুণ উভব প্রদান क्रिज्ञ

#### मानकानीत माद्या छ। है मन् वन र्दे ( क्या ७०। ७० सम्बद्ध है। का प्राची

" मोद्राह" श्रीतकात मन्श्रामक उत्रः মাজুকা ভালুক কংগ্ৰেম কমিটার সভাপতি িকুরিণ বি.পি. সি. সি কোন ধনী ্উন্ত আনুতলাগ ুণ্ঠ হাচকেটে ৰাজির সম্পত্তি নতে যে, উচার বিক্তে দানগানির গায়ে ভারমন এব তাওয়ার" ্কোন কিছু বলা চলিবে না। বড়ই বিক্তে চইটা মামল। কছু করিয়াডেন। ভঃবের বিষয় যে, বার্মান বি. পি. বি. একটিতে তিনি আমেশাবাদ (গুলার নির কর্মকর্মারা এরপ ভাবে কাছ মানুকা সভ্যাগ্রহ ভহাবলের ধর্চপাটি চালটেয়াছেন •েন, কিছুতেই প্রাক্ত সমুদ্ধে গোলমাল হয়য়তে ব'লয়া প্রকাশ क्षीता, श्रक्तक रमनवामीता छेशाएक श्राप्तन । क्षाय केशाव स्थाय मह अवश्राद वालयः कतिएकं भारतम मा। काम महामक ১०००० जाका नाग रह मा,शल कान्रमान এর এরার পুরের ভিন্নি সক্ষ্যালারগ্রেক এটে। এছন এবং অপর্টিতে নবনগ্রের জাম-গোৰনাধের কারণ অন্তসন্ধান কৰিছে স্থেত্ব এক বকুতার উচ্চেত্র আজনগ ববৈনা কেই কেই ব'ল্ডেছেন বুৰ, ৷ কার্যা ব্লগ্রেন ব'ল্যা প্রকাশ করার 🕮গুড় সেনগুপু ও ভাঁহার সম্পনকারীরা ২০০০ ্টাক স্বানিতে মানলা প্রস্কু

#### जिहीवश्रद्धोटक भाषा 30 WH WIED

মহরমের প্রাদন বিচানপথীর উপক্তে ভেল্ল নামক স্থানে তিলুদের কাৰডো भिष्टिम बाहित कविष्ठ भूननमारनता रा १ বে-জাইনী কার্গের উল্লেখ কলিয়া তাতার ' দেওয়ায় ভিজুনুস্থমানে ৮০৯ বাবে। ফলে ু ১৫ জন লোক জ.হড হয়। ১৪৪ ধারা ন জারি করিখা পাচ জনের অধিক বোক্তে -ীর্মিন্তার শ্রীপুক্ত কানাখন নিয়েও। এক্রিড হওয়া নিথিত করা চ্চমতে।

#### क्रमध्ये भाग दम्भिर्गत द्वीक

গ্ৰং সেমবার ফিনল্যার উপস্থিয়ে ক্ষা<sup>চ্</sup>ট্ডাছেল। ৰাক্ষার কং**রো**সে যে বে শোভিয়েট সাৰ্থেরিলখানা সমস্ত भकार्यालात रुष्टि क्हेंचाटक खाका (मन्द्रा) (लाकसन महेंचा समस्य क्केबार्किन, (मान देहेन्यान द्रम्पा पार्काटक अक्कि

আরও বলেন বে, বিষয়টা ববন এ৯পই তাহার ভূবিবার ছান আবিষার দাড়াইরাছে তথন উবা বিটমাট করিয়া হরিয়াছে। সংবাদপত্তের এক রিপোটে প্রকাশ, আর একটি সাবমেরিনের সঞ্চে ছঃখের বিষয় বে, এরূপ প্রকৃত্ত সভায় সংঘর্ষ হউনার ফলেই এই ছুর্ঘটনা নিকেদের বরোরা বিষয়ের জালোচনা ঘটিরাছে। উক্ত সাবমেরিন খানার 9

#### মুসোলিনাকে হত্যার চেটা আডভায়ী গুলিমারা নিহস্ত

भिर्तात पुरभाविमीति अल्लात अस्य করিবার অভিযোগে সাভিনিয়ার বিপ্লবী भिन्नत्क भुड़ा मत्य भविड क्षेत्राष्ट्रिया २०१९ (म लाक्षात्क **क्ष**ी করিয়া ম বিয়া,এবলা ধর্মাটে ।

#### **उटकरम आरम्मिक त्राञ्जीय ग्रीमिक** जिल्लात ५ भाषा युम्ममान, भाष मःवास

छेरकः आरम्भक नाहीय अभिक्रिन ভয়াকিং কমিটি আগামী কংলোনের अचार्यको अभिनित्त क्षेत्र ४ १५।त नम्य भागीर करेर शक्य के प्रशाहित है। ५०० समञ्ज्ञ नरपुरा ६ ०६८६७ । अच्छापनः प्रसि, ६ भारत केटरेने ।

#### পয়সাগাঁও ডকে।ভিন্ন মনেলা

প্রধানাও চাকটির মান্নার প্রিপ্ অণ্যাম হাত কুলের ছাত্র প্রার নুষ্ট ও MINITED : 010,010 - 01014 THE 1441 1 १ ७ २०१५ । स श लिल उठ समिता। काटाः धात कताद्र विक्या भागाक्षर्य आसामान 4954 51 BUT 103, 1500 ;

গভি এপ্র ডিলেম্বর তালেকো ২৫ জন 는 됐습니. 따라면역성 권리를 위하면 적10 · 등 위기에는 ८क()) भारत्या, मुरम तः महाध्या छत्र 解析 留作 电雷电器 有多数 网络阿拉特 电图 वान् दक्षाम ५ ऋ व्यानां क्रियं वाई। का क्रमेन करता। अवश्वित अलग १७० होका चनः ४० (७४४) ५५:(अत् **वर्गस्य**।त **बहुदा फ्यां ६४। फुलगुः छ भागांगी-**१४८क न(Tक वाष्ट्राञ्च ८१(Cक **डेउन्**रिं MICAL CON BELLENCE લ અફા ३२ कम युग्करक ५५(श्वात कतः इध । भारत डिक ३२ कमा**क भ**ीवल छ।[इस्रा भिधा - यून धुनकरक भाज हालान भिटा किया

#### বেলগাড়ীতে মুভদেহ

शकान गण :- (म (म जानिय है, भारे প্রেল এরের ২৪নং ছাউন ট্রেণে অভিরিক্ত লোক ছইয়াছিল। ভুণ্ডীয় প্রেণীর কামগ্রা-ভাষিতৈ বিশ্বয়াত স্থান ছিব না। সাগান-

चागवद ब्रहेश मीत्रा शिशाटक ।

#### गण्यदममगारी भाषाटएम भतिहत्र

এই পাহাড়ে রাজা ভাগত্তের স্বরীভ একটা ৰছ পুকুর আছে। প্রবাদ 🔄 রালার মাতা তীর্থ স্থানের জন্ত পুত্রক नगाव, गातजीर्थंत सग आनाहेका भूकृत **পূর্ণ করেন, সেই সমন হইতে 6েজ মানের** अगावका खिबिएड के भूकृत्य शास्त्रक कात्मक गांको बहेशा भारक। भारतिका ভিতর বহু ছবাম স্থান আছে এই পুরুরের **ठ**ुणात्त्रं वह काही बीट्यम साइ. मे বালের ফল মাটীতে প্রতিয়া পাকিত। वयमारम एशाय । ५७ क ३ ७ वास मध्यान अकर्णके विश्वपं कारकन । ताके गर्भन ্কাচ - প্রাকৃতি বন বান কলে, প্রেডিখ লাডে চলারা সকলে পালাডের উৎপন্ন ফল ल्यः लक्ष्मक्षम् अस्ति शाक्षाति हम । हास्य िक कश्चिमा भारता स्थीनन तका कट्टा तात क्रें के कि: नेप्टलंब भाग कुड़ाइका ACTURE BIEG CHES A TABLE I BIRTH নৈত্যনাসিংহ : কার্ডালীর সংখ্যা ভূমিতে হাড়<u>ট হাটে এই চাউল বিজ্ঞান ভ</u> आमन में इ छता। छाटियन डिम छात्र। भूटका दिक्का ४ ईटे १८७ । अने **अ**श्लिक्क ड প্রিয় বিশায় ছহার আর প্রাঞ্জ क्षत्रहः आस्मित्क श्रदेश हिंग । जारणित आक्षाप मिट्टे (तारक्षा अरम्ब ४ (**४८न**क्षा अरम খনসংস্। এই ভাত ধানের চারণ পাচিত ভাতের হায়েই হইয়া পারেক, পাক ও অঞ ठाउँ(शह साथ भारकत श्राप, करन कांग्र नेत्रान्त्र ठाफेल कठनाहेश बुहसा बहेसा लाक कारण क्या कराय देश के लाग रहा। क्र नाष्ट्र जारिहारत्य सन्धात्राक्षा वान्छित्तव F1842 মধুপুর 414 भागाना । यह शहकुष्ट इत्याक्र भवन्त्यरणत 'बागमरन'त भूरक पुगलमान वास्याक क किया जालक भगर इहेट वर्ष तक প্রাস্থ চাকাইতগণের মাজ্য। হিল । অভান্ত নিদশন সহস্তানে লুপু সাড়াখনের किल्युनि दमिरिङ आस्त्रा यास्र। इक পাটী বিহারী শাল কার এবং অফ্রান্ত

देखिकत गांछ छ अभारत भूग। कामालश्वत है। कार्यन भगमनभिष्ट मध्दत्र অনীন: দাগ অনুন ৮০ মাইল, আছৰ २०१७ महिंद्यात मुझ्न सद्द । अवस्था महिक इत्रेट्ड द्वर्वशानि (य क्रिके द्वरिक बाउन निवादक कड़े बाउन नाइक विकास भिया विधादक। डिक काकाशी दहेरेक उह तीका ३२।३० माहेन भूकेमिया । "

विकाशिक कार् वांच्यातः erie sie >. चड क्लम का निकि क्लम २. **इंकिन** सान

44E



मागार्याट कांत्र मां श्रम (प्रय বাগিক নং मानाभिक व (अमामिक २५० মাসিক ১ 215112 প্রতি সংখ্যা 🚜

rল-প্রচার—নদীরা কেলার একমাও বু**র্**পত

**এতি স্থিনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি** 

१ १ व उम मरशाप

**জিটেতশ্যমট শ্রীধাম মারাপুর**–১১শে জ্যেষ্ঠ প্রকরার ১০০৮, টে জুন ১৯০১

### নানা কথা

#### वहांचा शांकोत्र कनकारतरक त्यांच দিবার স্থুস্পষ্ট অভিপ্রোর

স্থার চিমনলাগ শতেলবাদ রাউও-**८**টेविंग कन्यादब्र्टणब टाउँ गाकीत्र मदनाखःव नषदक्ष यात्रा वनिवादहन, ७९मन्मर्कि महाञ्चाको चरमनः---

''ভার চিমনলাল শীতলবাদ আমার সহয়ে যাত্য বলিয়াছেন, ভৎসম্পর্কে প্রশ্ন করিয়া আপনি আমাকে বিব্রত করিতে-ছেন। ভিনি বৃদ্ধ এবং বড়লোক, স্থভরাং य(बहे ख्वा व्यवज्ञ मा इहेगाल याहा ইচ্ছা বলিছে পারেনঃ আমার মত ममालाहक ७०० छ। छ। एक किছू र नारव না ওারপর থানি অতীব শুক্তর क्षाचांका हागाहित्यक, जनसम त्कान कथा ध्यक्षाम कांद्रशा एए स्या कामात কৰ্ত্তব্য নহে। তবে কিনা আমে একটা कथा निष्टि भाषि त्य, विद्रामनेकि विभन्न হইতে পারে, বা উহার বিপক্ষে ঘাইতে পালে সামি এমন কিছু করি নাই। व्यथका क्षेत्रका हहतेन आणि ताउँ छ छि विन कनकारतरण यहिंगात अस वार्ड वर्टि, क्षिकं भाषि येणमूत्र वृक्ति, विक्रीयेगिकारण এমন কোন সর্ত নাই যে, কংগ্রেস कांडिक छिविम क्रममाद्यारक द्यान विद्व वाधा। योहा एक जनावन क्यान 🌉 শার্টনা নিঅয়োজন, কারণ সাউও विविधा कर्मणिदारीमा मा त्याना त्मानीयात्र हिमाय किनि त्यान विरममान्याहे आह स्था ध्यमक केर्फ नाहे हैं

महाजानीत मरमाञ्चान आवतक शतिवर्धन

# কন্ফারেন্সে গান্ধীজী

আদালতের নিকট ডিনামাইটের বাক্স আন্ফার

# বস্ফোরকে সেতুস্তম্ভ ধ্বংস

কিশোরগঞ্জে দেশকর্মীদের মামলা

# ঢাকায় পিস্তল চুরি

রাজসাহী জেলা-কংগ্রেসক্মিটীর অধিবেশন

## বামকুষের আপল

এলাহাবাদে মহরদের গোলমাল

# বি এস্ সি শিক্ষক চা

শীধাম-মাধাপুরস্থ ঠাকুর পতি বিলোপ ইনটিটিউটের মত অক্ষমন বি-এম্-রি শিক্ষতের আহোজন। উঠা 'শ্কাকত পদ-গ্রহণেজ্বল স্বাস্থাত কিছাবার বিধ্বত্যুত ব্ প্রিচালে ত্রেরণ করা ইউড়াছে, তাওুৰ সংখা•িয় কাজ টাকা বেশ্য ক্ষা-ক্রিটে পা'ব্রেন হাল উল্লেখপুরক বিস্টে∌টারী, ქ आकृत •िकिविरमाम वस्तिति । . শ: अभाषा পूर, समीव!- ठिकामा प्रेम शिकिरनमा बिकाहिक विक्रक विका घरताम भाषात्र अविवास् में गाहित्यम ।

कहिर्देश महाप्राची गरशग- "उपन विकू **ক্ষরিরাছি শলিয়া জো মনে** গড়ে না,"

রাউও টেবিল ক্নফালেলের অ লো-विकामा साम्बद्धाल महावारी व सम-আর চিম্মলাল ু ব্রলিয়াছেন হে ুগোমি বলি ছাউও টেবিল কনফারেটেন যাইতেই লাক্সিতের আমার সমত সংগতা क्रिका क्षा में कि मा कि मानी दर्श मिक व्यक्ति के त्रेश आभि

কংগ্রেদের দানী উণ্ডিড করিব। আৰী वाष्ठि छ । है। वेश किम्पार्यरका क्षु मनकिकरण বাসিয়া পাৰিব নাড় কাৰে আলোচনায় পূর্বভাবে যোগ দিব।"

शृष्टि इंडेप्रोट्ड, **८इ** क्या क्रिकामा करा क्षिट्रा अक्षाच्याकी क्षणम<del>्मा आ</del>हि अन्। क्षेत्र करा कि भिः वशक्कारे भारतेषु क्रस्तकेषु सुर्व्हत्त्रः

স্থিত সাক্ষাৎ করিয়া প্রতিলাভ কার-মাছি, ভরদা করি সমস্ত বিদয়েরই সভোগ कतक भाषात्मा इक्टन ।"

भावरणीली दा द्यावशादम विकासमिक (काम भक्त अन रहेशाया किया दश करा 'লিমি এই প্রবের উত্তর না দেওয়ার শহত মনে করি, করিল বারদৌলা এক বোরস্থারে সম্বন্ধে এগনও লগতর क्षाकाका हालाइएए।"

## ্ৰবিক্ষোৱক সাধায়ে সেতৃস্তম্ভ

- .. গুড় ল জুন স্কাংশ রেজ্ন চইডে **म्यानगणक व्यक्तिपुरच . ८**१ ८मल 🔾 🛱 🗠 अस्ति योका कतियाधिन, त्मरे क्षेत्री स्थाताब व्यक्त क्षेत्रेनाम পड़िशांक्ष ।

১১৫০১১ মাইবোর সেইতে বেল ছুৰ্টনা হট্যা পিছাছে। হালন ও ভিন্থানি ভূটায়তেগার ব্যাপাড়া কলে প্তিতে হয়। ফালে ছবজা নাত্রী হাতম ्खाङ्गाभिक्टका कियु इत्सः मिनिया करतात करवानि । त्रेण अध्यान राष्ट्र ক্রায় একপ হুঘটনা ঘটিয়াছে। প্রকাশ, এক্র নম্বর সেভু ওড়টা সম্পূর্ণকরে সিধা ভ इहेशाद्ध द्वर दक्कण व्यक्तिमान १४ 🕮 विदेशात्रक अवासि यानहात्र करा हरूए-किता हैश्डल । राष्ट्र हैं के लाहुब ्रे केंकि त्यन करायक पुण्यमा : " मा श्रमात्क । वातरभोतीर । भाकि देकिन क्रिक्कां क्रिकां क्रिकां क्रिकां क्रिकां अभिन्त क्रिकां क्रिकां खाला करता है িছটেড একটি শ্রুণ ,গান্টা অপুসায়িত

## শ্রীধান নায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনষ্টিটিউট্" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

### (थाना इहेब्राट्ड।

কাতি ত আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে আতি অক্টের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যয়ে সুন্দর বাস্থানের বন্দোবস্ত হইহাছে। তান অতীব স্বাস্থাকর।

সবিস্তার স'বাদের ভক্ত নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। সেক্রেভারী, ভাকুর ভা**ভিশ্বিলোদ ইন্টিটি**উট্ খ্রীচৈড্যমঠ, পোঃ খ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

### —৫১ বংদরের প্রতিষ্ঠিত—

#### ভ্ৰমধালয়ে এন্তত বচীকা

জাবা শুক্রভারকা, অপ্রবেষ, কোঠকাঠিক, অ**জীব, ধ্যজন্তক প্রভৃতি** কত বোগাঁও বোগ নিয়ামত হইয়াতে ভাষা **প্রকাশ করিশে বড় বড় প্**তক হইবা পড়ে।

#### ইহা

সকল ঋতুকে বাৰহার চলে ও সমান ফল প্রাধান করিয়া থাকে। প্রতি কোটার ৩২টা বটাকা থাকে।

#### কেবলমাত্র

জাতি কোটাৰ মূলা ১ অক টাকা। ইণার নাম আবেছনিতাই বটীকা'।

অভান্ত ঔষণের ভালিকার শশু পত্র লিখিলেই পাইবেন

আধিয়ান:-আতভনিপ্রহ উল্পালয়

২১৪ নং বছৰালার ট্রিউ, কলিকাত:।

### কাবরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



যক্ষ: সংকর প্রধার জন্ত ৬ আঃ শিশিতে খনীতৃত অবস্থার ভোটবোওলের শিমপদ্ধি ওলৈ ভাকে পাঠান হয়, ইহাতে ঔষধের ভোল পরিবর্তন করা হয় নাই। মৃণ্য প্রতি শিশি ৮০ খনো, গাঁটট ৮০/০ খানা, বোতল ১০/০ খানা।

অফিস<sup>্</sup> ১১নং উন্টাড়ালা রোড, পোঃ শ্যামবাজার, কলিকাতা

## ग्रंपन



বট্টভার থয় ও বাড়ুবিভার, ইজিয়ণজিব প্রায়,
ব্যাহন বাজাত, ব্যাহন, বালাগোরা, বুল বছভয়বি, অনিত্রা প্রভৃতি লক্ষণ পরার বিবিধি
আবোষা হয়। বল, বীর্যা, বেবা বুলি করিছে
শ্ববিভাই ইনিক। বুলা হং বাই ১, এক ইকো।
ক্রেপ্টে স্প্রক্রাম্বান্তিই প্রভ্রান্ত
শ্ববিভাই বিকে। বুলা হং বাই ১, এক ইকো।
ক্রিন্তানিক বাহের বাছপ্রবেশ বাহা আবোরা
ক্রিন্তানিক বিভাইন বিভাইন ক্রিন্তানিক বিভাইন ব্যাহনিক ব্যাহনিক বিভাইন ক্রিন্তানিক বিভাইন ক্রিন্তানিক বিভাইন ক্রিন্তানিক ব্যাহনিক ক্রিন্তানিক বিভাইন ক্রিন্তানিক ক্রিন্তানিক ক্রিন্তানিক বিভাইন ক্রিন্তানিক ক্রিন্তানিক

### शहर्षामिन

বা

### কোষরদ্ধি রোগ

ভাঃ এস্, এন্, খোৰ বিনা অল্পে, যাৰক্ষীবনের গ্যারান্টি দিয়া বৈছাভিক অধাণাতে কোবসুদ্ধি যোগ আংগ্রাগ্য ক্ষিয়া বাফেন।

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## বৈপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহোষধ

প্ৰব্ন দিলে সম্পূৰ্ণ আব্লোগ্য

খোগী দেখাইতে কটবে। অলিম গাঁথের খনত (যাওরা এবং আদার-)
পাঠাইলো গথা রেগী দেখা হয় অধ্যা এখানে আগিলে রেগী দেখিরা উষধ দেওরা হয় আরোগা না হওলা প্যান্ত পারিপ্রমিক দিতে চইকে না । গনীব রোগাঁদের অন্ত বহন করিলা চিকিৎসা করা হয়। বিস্তাবিক্ত বিষয়ণের জন্ত এক আনার ভাক টিকেট সর্গনিম ঠিকানার অন্ত্যধান করন।

জ্ঞীক্ষতীশচন্দ্ৰ উকীল, যক্ষা-চিক্তিয়ক, ো: নৈক্ষী, বৰিশাল। অথবা নিম্ন ঠিকানায় মাঞ্চাৎ করিল বিভাগে আনিভে পারেন।

উয়েত রামগোণাণ দত্ত তম্, ৩, রঞ্জনগর, নদীয়া। তীয়ত তাঁলেজ গিংল, ১১৭, নোণিয়াটোলো উট্, লেউলোলা, কলিকাভা।

একখানি পত্র! অ যার স্তিপুর গভ ৬র মান বাবং রাজ মৃত্যার
ভূগিরা মৃত্তার কর্লাচিল, কালকান্তার বিজ্ঞ চিকিৎসক্ষর ভাগের
ভীবনের আশা ভাগে করিয়া শেস মৃত্তার জন্ত অংশআন করিছেছিলেন
এই সময় শ্রীযুত্ত কিন্দীশচক্র উকিল মহালয় মাত ২০ দিন চিকিৎসা
করিয়া সম্পূর্ণ আবোগা করিয়া দিয়াছেন। (সাঃ) উথে নিক্র কিলোর
কায় চৌধুনী (জামদার সাগিয়া) হগুইটি, নিউ বিজিং। কর্লোবেশন
লাইটিং ডিপাটনেন্ট, কালকান্তা।

## শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

भोजान 88%

माज 🗸> ॰ फाकिटिक हे भार्ति। हैटल हे तूकदभारहे भारति स्म ।

ম্যানেকার-গ্রন্থহিতার গ্রীচেডগুমার, পো: শ্রীমারাপুর, নদীরা।

কেন গ্রাহকগণ

## ;গাড়ীয়

#### এত প্রশংসা করেন

-- 주 1 중에 --

विनाटकत्र निमञ्जन भवा, कार्छ, निवादक्षेश्रीक्षके वलुम,

আর ৩ রং ও ৪ সংযের ভাসটোন একই বলুন, সকল কার্যাই অভি শীল ভাপা ভয়, অপচ ভাপাইবার পর্চ বার্মার অংশকা স্থাত।

व्याननात्र विक्र कार्याः कार्याः शाकित्य निव्यति वानात्र व्यानावेत्ववे वत्र शाहित्वम ।

ষ্যানেকার—সৌড়ীর প্রি**ন্তিং ওহাক্ত**ন্ ২৪০া২ নং মাণার সামকুণার চ্যেত, কণি<u>ছা</u>রা।

## এল প্রভূপাদের বক্তভাবনী

ध्यम ७ विडोन ४०

किना क्षा का अन्य भारत

## নদীয়া প্রকাতশর সেবা

1. " P. E. M. ..

📆 गरी । अकाभ--- य स्थकाभ वस्र, छिनि **काणरण** (क) नरक्षा । दर्गाम अक्की विरुग्ध मित्न देशन सम्म श्रेताहरू, क्यान गाफिन-বিশেষের ছালা সম্পাদিত ভট্না এই পত্র আইশ্লিড ইইডোডন, ওরূপ বিচাব অক্ত कारनाथ । रययन जनवान् क्षेत्रक रकान १ **ক্ষালে কো**নত দেশে আবিভূতি **হ**ইলেও 'डीशंटक कानटका छा निर्हात करा यात्र ना স্মাধনা কোন ন্যক্তিনিলেবের ছাবা তাঁহার 🕶 🛪 स्थार है तास है है भोर छ, छ ९ भूर से छिन চিথেন না,—এক্সপ বিচার ও ভ্রমায়ক, কিন্ত ভীবমঙ্গলাপতি ভাঁচাৰ অসভার; ভদ্ধণ শ্বরং পাকাশ বস্তু জীনগীয়া প্রকাশ ও কোন बास्तिम (फ़र्रोन क्रमाश्रहन क्रहतन नार्डे ক্ষপৰা ছয় বংসৰ পূৰ্ণে মাত্ৰ উটোৰ কৰা **চট্টাতে, ভংপুর্কে ভিলেন না,**্এরপুর ভগবান জীক্ষ বলিয়াছেন, -कालाम में। - क्षण्टम नागीयः (नक्षणः किन्छ। " काम ७ कामनिर्भरय जनगरकिन्छ। साली अहे न्यर्गार अकृतिक हरेशा गति। আবোর জীংগ্রেণ মঞ্চার

জাহাৰ প্ৰকট হট্যা পাৰে : শীনদীয়া প্রকাশও তেন্দ্রণ বেদবাণী---সাক্ষাদ স্থাবান কালপুরার ইচ্ছারোন অন্থ্যুক্ত **कीतशर्मत कामरशीलकामरमत मिथिय है**ं।त প্ৰকাশ।

लाजारमञ्जू क्रमाञ्चान जीवान कल्ल त्वर, ब्रीक्सारक कराया विन्हित विरान । कींद পুরাবাদির প্রকাশ: বেদাভিত্র গেট্টীয় ; গণ তিবের্গ স্ট্রাবাস্ত পাকুন্ অপবা মুক্তি मंत्रीयाक्षणान् । मार्गामुक स्मारनत देह-जाना- देशभाग प्रेयात एडेन, हेना डीनात एका বোধনের কল্প প্রকাশিত হইনা প্রতি নংগ্রার উসময় কণটতা নিরাস করিয়া **শীবেল্ল ঘারে ''জ**ীব **জাগ, জীব জাগ" বিশিল্ল** ৷ অকৈতব - ক্লফপ্রেম প্রদানে ভিনি সভত ভাতরখনে ক্রন্য করিতেছেন।

मध्यक्षरण जिलियक (वस्त्रूर्गशामिक वारू। শিল পাশিষ্ঠ ব্যক্তিগণের বিশাশবোগ্য হয় নৃষ্টে; নমন কি ঐখণাভাব্যতিত নারায়ণ ना व्यक्ता विक्ति मछनात्म व्यक्ति कात्न चाहाम वर्णार्व छारशरी च्यानस्क कारसम्भ क्तिएक समर्थ इसे नाः। त्यरे कक्करे यहः **चश्राम चश्रम् अप्रकारण व्या**विकृष्ट क्षेत्र। ভদভিত্ৰ বেলবাণীৰ ধধাৰ্গ মৰ্ক প্ৰকাশ ও আচার করিবা অঞ্চান ব্যক্তিগণের व्यक्षांत्रान्यम् । अवस्थितं व्यक्ति ।

ं शिक्ष्यवात्मक वश्रव्यक्तात मर्स्टा च्यानवय---केशंब चरेर्क्को । क्याब अवि-क्षेत्रक । किनि कारण कारण पूर्ण पुरश উ**ন্ধৰতীৰ্ণ পুৰ্বাভাৱে এবং ,কৰ্মৰণে - বিশ্বকে চৈ**ত্স আদান করিবার <del>ক্ষম</del> আগমন <sup>†</sup> ঞ্জীৰগণের বিপর্যাক্ত চিত্তবৃদ্ধির সংশোধনের

#### **बि वि अंकर्णोश्चारको जग्न**ः

## দৈনিক নদায়া-প্রকাশ

মতাপাস্য বৈক্তবাকাৰত त्मप्राप्ति भगन्त माष्ट्रक-माध्यात धक्रकिंग न्याप्याका সমগ্র ভারতে একমাত্র রুলভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

জ্ঞালাত্ম-ছাং াপুর-১২লে জ্যোষ্ঠ শুক্রবার-১৩৩৮

क्षकार्गि । दमहें संतीप्राध्यकानके व्यानाव लकाकारत स्टानम्हित छन्। मध्यन देख्यां क्रा সকভৌবের ভাবে থারে গ্রম কবিয়া जोडरामन विश्वतिक मर्द्रमध्यम् यद ক্রিডেভেন !

শ্রীভগ্রান ও কগ্দগ্রক বস্তুত: এক হইবেশ্ব উভিনের রূপার তারভ্যা আছে। श्रीकृष्य त्रकामिन एवं इत्य क्रक्टश्रमश्राम् মায়ামুগ্ধ কীবের ক্লফশ্বভিজ্ঞান নটে। কখনও কুঠা প্রকশে করেন, ভজি সুকাইরা ৰশিলা প্রমক্ত্রণ প্রমেখন কাত প্রকানেই মৃক্তি দিলা পাকেন, কিন্ত কাংগ্ওজর ইচ্ছে: --- শৈক্ষ্যণ मका चार्य প্রয়াসী: আবার ভগ্রানের নিঞ্জি চিতা বা আংশিক সম্বন্ধ লইয়া লোক পরিকৃপ্ত হউক, ইহাও তাঁহার অভিনাষ ভাবে বিভাবিত করিছেও তিনি নারাঞ ; চতুঃষ্টেগুণপূর্ণ জীক্বদকে সন্মোৎকর্ষের সহিত প্রদান করিতে—চরম ও পরম ভাবমাধুণারলে ভুবাইয়া দিন ভীবগণকে ক্লভক্রভার্য করিভেই ভিনি সভত সমুৎহ্বক। ত্মীবের সহিত ভগবানের সাক্ষাৎকার হয় ना वानेना मान्याम्साद्व क्रमा क्रिवात अक्र ডিনি মহাতপ্তক্রণে অবতীর্ণ হইয়া थारकन ।

> क्षिमोप्तानामा क्षेत्रकटेठक बटेठक-করি:বিহুলেন--না চাহিছে প্রেম দিয়া কুলার শ্রীন্দীয়াপ্রকাশ প্রভুর সেবার কনি- , ভাহার কলপ্ত নিতাকল্যাগদায়ক ; আছা

নিমিত্ত দেষ্টা করেন। ভাপরযুগে অবভার্থ ভীবকে ক্লভার্থ করিভে আদিয়াছিলেন। ইনিক্ষ্যস্থা প্রপ্রেনকে উপলক্ষা কবিয়া দেই চৈত্তক্তপা কত্দ্ব ধলিছ, তিনি বাঁত্রেলির্রাণে নিছজান জানাইরাছিলেন েক্ত ব্যুল্যালু, ভাতা তৈওক্সচরণায়ুচ্বগণ কলিগত জীবলণ ভাগার মধার্থ ভাংপদ্য- বিদিত আছেন। মাঁগার ক্লার অগভনীব গ্রহণে অসমর্থ হ ওয়ায় তিনি আবার ভক্ত- 'একদিন ধক্ত হইয়াছে, দেই অহৈতুক রাবে আবিভূতি হট্যা করুণাবশে সক্ষীবে অমনেদাদয়-দরাবভার চৈত্রাদেবকেই স্থাতের স্বভৃতি শ্রী, সমর্পণ করিয়াছিলেন। নিনীতার নিকট বিলাইয়া দিতে আফ জণার গুরু জগতে ভন্মলীলা আবিষ্যার কবিয়াছেন।

> चीनतीश भकान जिरिहास्य तराक स्रीय-असर्ग्य व्याकाम कतिनात अस्यू हे सन्तर्भ शुक्रन ইচ্ছাক্রমে শব্দাকারে প্রকাশিত। বাহারা নদীশপ্রকাশের সেবায় অধিকার পাইগ্রাছেন প্রাণ, অর্থ, বৃদ্ধি বাকা ও কায়সহযোগে নদীয়া প্রকালের সেবায় নিবৃক্ত হইচাছেন, ভীহার; ধরু। 'অমি নদীয়া প্রকাশকে প্রকাশ করিতে পাবি, আমাৰ বিধিত প্রাবদ না क्ष्रीरम भनीभाश्यकाम हिन्दित मा'-----------------বুদ্ধি আনার অক্তর্জানোখ দান্তিকতার প্রবিচায়ক। 'আমি নদীয়া প্রকাশের সাহায়ার্থ কর্গ প্রদান ন। করিলেও নদীরাপ্রকাশ orn ना'--- क्रेमुनी वृद्धि 9 मूर्णडावर डेलाइतव-স্থল। কিন্তু নিদীয়াপ্রাকাশের কিঞ্চিন্মার সেবা গ্রাদান ধারা আমানুকে প্রীপ্তরুদের রুদার্গ ভঙ সাধুগেরী যে স্কল্ বু<del>ল্লক্রেছ</del> দল ক্রিয়াছেন, আমি যদি ভার্লর সেঙা না করিতে পারি, ভাগা ছইলে আমিট নঞ্চিত इडेन'—এই विठात स्टूबर्ण सर्दर¦द्यार'कक् রাখিণা সর্বাস্তবহন্ত নদীণা প্রকাশের সেবরে সচেষ্ট থাকাই আত্মদলের একদাত্র উলায় 🕛 বকণোলক্ষিত অসার গলের অরতারশা নিবিল জগতের যাবতীয় এখন। বাছার ৷ কবিতে পারে, ভাহাদিগকেই **সাধু মনে** একপাৰবিভৃতি মান-লক্ষী হাঁচাৰ ঘৰতি, করে। আরেও 'মুক্তিৰ ভাষান' নিছা তীহার আবাব অস্তান কোণার ? আমার মুয়ে। অভাবলিউ - তিভাপঞ্জরিত - জীবের জীহান কডটুকু অভাব পৃষণ কৰিতে পারে i বিব দংগঠুছৈব তে। ভাহার নিজাসনী। যেমন একদিন নিজ কুজ দেহে জীগ্ৰামচন্তের ভোকাতিমানে মানাদেবীর পাত্তে আৰু त्मवा शांगाणा जाक कतिसाहिन, जाहा विकास कतिसाह, त्महेलिन सहेराजहे बामहसारक स्रुपार्थ नहरू, निरस्त हे भक्षणाय । कहेला कर्याणात्म व्यवस्त स्वेतास्त । नार्य রামচজ্রের রূপাঃই ভাহার ভাগুল অধিকার , শব্দের অর্থ সং অর্থাৎ বাহা পরিবর্তনশীক লাভ-এই বিচালে আমিও জগদ্ধকর নহে। হত্যাং প্রকৃত সজ্জনের বে দল

कात भावता-भक्त इट्टेलिंड, ट्रेश्टे दुर्फ মানের পরিচর !

## "মুক্তিল-আসান"

( শ্রীযুক্তা অপর্ণা দেবী )

প্রায়ই িশীখিনীর নিভন্তা ভাষিয়া যেন পুঞ্জীকত নৈ<del>শ আঁগজান্তের বক্ষ বিদীপ</del> করিনা 'মৃশ্বিল আদান' এট **পদ্দিকভূদিকে** भवनिष्ठ ब्बैश উঠে। 'मुक्रिम' मংসাবে কাহার না আছে ? **ভাই,** '**মুঞ্জিল** অনুসানের' প্রদার্থনৈ স্থারবা**দীরা নিদ্রালভ** পরিহার করিয়া ব্যাকুল জনত্মে প্রেশ-মাহিত্র হট্যা পড়ে, কত না আশা ও :**আঞ্জেতে**র সভিত 'মুদ্ধিস আসানের' নিকট উলম্বিত ছব। কেচ তাখাকে বলে,—"ফ**কির্সাই**ই 🗜 মামার কম্বাটী ভূতগ্রন্ত, তা**'কে এক**টু ময়পুত 'জলপড়া' দি'ন, কৈহ বা পুত্রের ম্বলান্তির জন্ম ঔষণ চাহে, আ**বার কোন** কোন ব্যক্তি 'মৃষ্কিণ আসান' পরিচয়ধরী ফকিরের গুরুপীবসাচেবের সরকার সিল্লী মালত করিয়া ভংপনিবর্ত্তে পদ্ধীর ক্ষুভিকা-পীড়ামুজির, ভ্রাভার চাক্রীর বা বন্ধা করার স্থপার জ্<sup>তি</sup>বার প্রাথনা আনায়। সংস্থানের শুভ আশাপাশে বিভাস্ক-

भारत, भारतन विस्त्रीय अमग्रास्थल क्रमन धारी 'মৃ.খণ সংগানের' আমিত প্রভাব, উহার নানাবিধ বুজককীতে অজ্জাদায়ের প্রাভূত विचाम नृष्टे इ: ।

জল ভাল অধিকান্দ লোকে **আরুত সাধুর**ী সন্ধান বাবে নাবা বহু ভাগাদ্দলে যথাৰ সাধু অর্থাং প্ররুত 'মুক্তিল আসান' জাগত হইলেও লোকে তাঁহার অসীম **যাহাত্মা** বু'কতে পাৰে না। ভোগোন্মত্র সমুব্যস্থাক কেবল কাননা-পরিভৃত্তি চাহে, সেইজভুট ব্যানানীর প্রোৎশাদনের ঔষধ, **রাতৃলের** উন্মৰতা (নরাক::বেব টোট্কা টুট্কী নিজে পারে, অথব দশমুখী রয়োক্ষ বা नक्क रुक्षिपावसः मुद्धाः हेळ्यापि **पिशाः** কণ্ডিকশুর বাক্তি অর্থাদি প্রাদান করিছা 🕴 কণ্টুতু বি দ দূর করিতে পারে ৪ স্মান্ত তিনি যে নিজ্ঞান্তপূর্ব, তবে কাঠবিড়ালা ভির্বদ্নিমূল হইয়ানে ঘেদিন স্থবহাৰেছ

ৰ্মককের প্রবঞ্চনা নছে। প্রারভ সদালয় नव्यक्तर्यक्षःची माधु महाकात्मद्र क्रशांद्र बाता **সংসা**র-ভাপ দুবীভূত হইয়া থাকে। একমান তাঁচাদেব প্রাণাদই বিরুপবিস্থিত জীবরুনাকে অন্তঃ ভ্রংগর 🕶 🕶 व्रष्टकाल अध्यामत्रनाशनाङ इतेरा७ सेस्रात कतिशा निष्ठानसभय जीक्राःहत्कृत भारभप्त-बबुषात्व परिभूनंगकिरिगिष्टे।

এই জন্তই পাস্ব পরমণ্যাল সাধুব মহিমা 🖷 🛊 করিয়া বলিতেছেন, ---

**ैबार्मक मार्मक मक्ताद्य क्य ।** 🕆 শ্বমাত্র সাধুসঙ্গে সক্সিদ্ধি হয় 🗗

ংৰিক্তবুদ্ধিবৈশিষ্ট আনতা মনে করি, খ্যাধির ঔবধ পাইলে কিখা দরিভ্রতার **অবসানে** বুঝি আমাদের ছংখেব ছুগে চইবে। আত্মপুর্বপার স্বরূপ সম্বন্ধে জনেহীনভাই এইক্রপ অনুবদ্ধিতার ফনক। গেলিন আমবা অন্নেদেব অনীম ভংগকেশের **बृण, ऋ**धतदेदम्भाकतः महादामि**ग**ित्र निहा-कात्रापत अन्य भागवाष्ट्राकात्रा भागवहारू माधुजरपत्र बीहनरम नामध ४३न. (मर्हे দিনই সভাসতা 'মুস্কিল অংসানের' রূপা-**ৰংশ ধৰীয়ান হ**ইতে পা<sup>ৰ্</sup>বৰ।

পরমকাক পিক ভগবছার প্রব নিকট ভাগতিক কোনও হেয় স্থাৰ্থ সিদ্ধিব কল্প क्रेशक्रिक मा क्षेत्रा. 'ठीवारमत চत्ररण ८ ॥ छ-লাভপূর্ণ হরিপাদপয় সেবালাভের উপায় ক্ষিজ্ঞানা এবং ধথাৰ আতি সহকারে শর্মাপ ন্ত শ্রীকার কণাই আমাদের একস্তে कर्वता ।

कुक्छक्कान कृषाशायम् इतेषा स्थवर-वक्षकीत्रत चार्य चारत শ্বতিবঞ্চিত পরিভানণ করেন, ইহা টাহাদের অহৈতুকী রুপারই ১খভাব। বহুদেবপ্রেরিত গর্গ मूनिक वन्त्रना कविता नन ক্ষিয়াছিলেন,---

"মহপিচলনা: নুনা: গুহিণাং সীনচেত্ৰাম্। निश्चनम्। कर्गरक्षाक्रथा कन्नाड क्रिस

श्वनदेवकारधम् कोतःक व्यनभेद्वविकत **टकान ७ डिलाम ज्यालन करतन मा, এकमात्र** क्षांद्रास्य अमानवर्गहे कानर्गनवृत्ति हरेगा **अक्रमाहतान भूब इंक्रि मार्ड इर । ज**गतात निर्माणकरिक (१६) व्यवस्थात विषय, मन्दक्रमा ভিন্ন জাবের সংগারশৃত্বল পর্যান্ত কর क्न ना।

"মুহ্ কুপা বিনা, কোন কণ্ডে ভক্তি নয়। 🛊 क छक्ति पूर्व तह, मःमात नरू ऋष 🗗

महन्त्र कान्ध्या ध्रांत्रं मकरणहे অবিগ্ৰু আছেন, তৈতভ্ৰম বিগ্ৰহ সাধুৰ कंनकां मचला आरवह कागावान् कीरवह চিন্তুতি ভাগরিত দর।

व्यष्टकार अक्षादा मसामाणा सन्तर्भ শ্নৈঃ শন্তি অধংপতনের পুতিগন্ধময় পথে শাব্দান হয় এবং সাধনাপের করালমূর্তির

ङक्षिभरनत अधिकात्री इट्टेश क्रिशासन-প্রণালী অবলম্বনে পর্ম প্রয়োলনম্বরূপ ক্ষণচরণ করবৃক্ষে আরোহণ করিল অপুর্ক্ষ মন্ত জীব বিষয়ভোগভূকা 👚 রধযুক্ত প্রেমফল আআদন করিবার বিধয়ীর দেশা খারা বিষয় সংগ্রহে ব্যস্ত হয়। সৌভাগ্য প্রাপ্ত হয়। ব**রু জন্মের স্ত**কৃতি-ফলে যথন জীবের সংসার্যাতনা ক্ষণোব্যুথ হইয়া আদে, তথনই সাধুর করণাধানায়

সাধুসঙ্গের অপার গুণরালি সম্বন্ধে পুরাণরাজ শ্রীমন্তাগরত উচ্চৈ:মরে গাহিয়া-

্রন্থাম লবেনালি ন অর্থং নাপুন্তব্যু। ভগ্ৰংস্থিসভাজ মন্ত্ৰানাং কিম্ভাশিব: n

ভগবৎসন্থিসক্ষাহাত্যো জীবের যে জোল জোগ লাভ হয়, ভাহার স্থিত অনিতা স্বথপূর্ণ অমরাপুরীর হের মোক ফলের কিছু মাত্র তুলনা হর না। কারণ ফচুটে পথাবলম্বী কনগণের কথন্ড পভনাশক্ষা নাট। কিন্তু শাস্ত্রসমূহে বস্তু ক্রড় সাংগ ভগজাপরারণ মোক্ষাজী গোগা ঋষিগণের প্রায়ঃ অধ্যেপতিশালের বছ বত ইতিবৃত্ত क्रिंग्डिका शहरा गांव ।

ভক্তপ্রবন প্রফারে মহাবাজ সংগ্রুপার व्यवित्रीय ७१ वर्गन कत्रिया कांग्राह्मन. यङ्गिन প्रधास मानदशर्भन हिन्दु निषिक्षन কৃষ্ণভক্তনিগের প্রারশ্যত অভিনিক্ত না **२४, डादरकाम डाका मकानियंश**की क्रश-গদক্ষণের স্পর্নাভাগ্য লাভ করিতে পারে না। মহাভাগরত প্রমহংশ ভরত রহুগণ নুশভিকে ভগবং প্রাপ্তির উপায় উপদেশ প্রাসক্তে বলি:।ছেন,---

"রহুগণৈতৎ তপদা ন যাতি न ८५ काश निस्त्रभगम्युरादाः। न व्हन्तमः देनव क्रमाधिश्रदेशा-বিনা মহৎপাদরকোছভিবেকম ॥

वक क्रिनकत क्रवमहामानाचि हहेटड बका भाहेबाब वामना शाकिएन निक्ष्यहे অস্তঃকরণে সর্বাসভাপহারী সাধুব স্থানিতল প্রীচরণপদ্ম আশ্রম করাই একমারে উপায়, নতুবা অপরে কেচট আমাদের অসংখ্য প্রকার 'মুদ্ধিল আসান' করিতে পারিবে সমর্থ হটবে না।

সাধুর চরণাভ্ররে, ভণতাপ বিনশেরে, मर्मानर्थ इत्र मृदीकृछ । হেন লাধুসক আলে, যত্ন কর মহোলালে, कुक्कभरम कुड़ाइरव 6 उ ॥

#### কনক

( ঐপাদ নন্দগোপাল বন্ধচারী )

বিভূচৈভভের দেবক অণুচৈতত্ত জীব ৷ চেতনগর্মে অধিষ্ঠিত ভীব মানাবশ্যোগাতা-হেতু ৰাম্বাক্তবলিত হটগা নিতা চেতনগৰ্মচাত্ৰ-

क्वणक रहेवा जाज्यविनात्मव ध्यावारम रहेवा अस्त्र त्यवाव वक रव, अस्तिमात्सारकार-করে, কার বৈষ্যদের সক্তাসাদে অভ্যক্তল । কামী হইরা জীব বিষয়ভোগে প্রমন্ত হয় এবং বিষয়কে ভোগ করিতে গিয়া বিধয়ের **শেবক হইয়া খার।** এই তাকার বিধ্রমদ-নিবারণহেত

> ক্ষমক কাগভিক যাবভীয় বিষয় সংগ্রাচের মূলে অধিকিত। এই কনকের সাগায়ে ভোগী মানৰ ভাহার নঃনমনোহাতী দুখাবলী দর্শনের স্থযোগ করিয়া লইন্ডে পাবে , বিবিধ বাহুৰত্মসহযোগে স্থমধুর বামাকৡধ্বনি खबरन खबरनखिरात इधि मन्नामरनत स्रामान পাইতে পারে। এই কনকেবই সাহারে। যাবতীয় নৰাবিষ্ণুত উত্তম সৌগন্ধ শালি ধাৰা ভোগাকান্দী ভাষার নাগিকার ভোগানলে ইশ্বন সংগ্রহের স্থাবিধা ক্ষয়িয়া লইভে পারে 1 , এই কন্কের সাহায়ে রুগনার कृञ्जिकामी (वा ी मानन हका, हुग्रा, त्नञ्ज, পেয় চতুৰিবৰ অসপুর সাক্ষান্ত্র পাছৰাবা ভালার রসনাকে হুপু কণিতে সম্ব কয়, আনার স্পর্শস্ত্রখকামী শুস্পট এই ক্যকেবই माभारमा व्यन्मना भूने व्यन्तना श्रीभरञ्चादवञ्च স্থাপে কবিতা অনস্থানকের পণা স্থানি-कारवन द्वारा भाः । स्टब्स् विवयशमञ्ज জীবের সঞ্চল্রান অস্তর্য হটন্তা গড়ে বিষয়- [ সংগ্রাক্র মুলে অধিষ্ঠিত দেই কানক-मर्श्रावद উৎकंधे शाहरों। कीयानद मकन উন্তম, সকল উৎসাহের পর্যবেসান হয়----भनीत्कत अनत्मध्नदात्रा मकाशकात्त्र डांटात्र 🧎

জীবনেশ উজ্জাল মধ্যাকেব বিপুল কর্মা প্রচেটা ব্যভিত হইয়া যায় শুপুনশর শর্ম তীরভাহনায়। ভীবনপাত म अहर व পরিপ্রদেশ ফলে সংগৃহীত হটল যে অবর্থ, ভাচা রকাব জন্ত ভখন আবার নুধন উদ্ভেগ আসিয়া উপস্থিত হয়। সকলা আশক্ষা কথন সম্ভাতকর আসিয়া ভারার यशामक्षय व्यवहरून करत, कीतरमत खंड मार्भित आकार्किक रख यथन रह करहे স্পুটাত হটান, তেখন রক্ষাৰ উদ্বেগ আসিয়া ভাষার সমস্ত আনন্দ নষ্ট করিয়া আবার 'हाकारक' निरामस्थ्य स्थापित (१४)। এবম্প্রকার উরেশের মধ্যে যথন এত সাধের অৰ্থ বাড়িত হুইতে পাকে, তথমও ুআবার कहे। हात्र ! हात्र ! आक्नीनन त्य ≁र्थित्र ঋণ্ড সমস্ত কট্ট কুছে করিয়া ধনীকের সেবার নিযুক্ত থাঞ্চিনা কন্ত না হাঁন কৰ্ম্বের আবাহন করিলাম, সেদ অর্থ আৰু রকিড स्रेण ना!

এই প্রকারে নিরম্ভর বরণা জোগ श्रित्रेष्ठ श्रित्क विष (कान श्रीरवन्न श्रृत-অন্তের অঞ্জি থাকে, ভাষা হটলে সাধ্যক-ফলে বুকিছে পারেন যে, ক্লন্স ভাগার

निर्देश रकारभन्न वस्त्र मरह, मांबरवन्न रकारभन वष । नाशु छचन वरणन---ভোমার কনক. ছোগের ক্লক, क्नटकत्र चाटत (जनक् मानव ।

কামিনীণ কাম. নহে তব ধাম, ভারার মালিক কেবল ধানব ন

অর্থাৎ কনকের দাবা নিজের ভোগের টন্ধন সংগ্ৰহ না কৰিয়া ভাহা **শ্ৰীকৃষ্ণের** সেবার নিবুজ কবিডে হইবে। 🕮রুঞ্ছ একনাত পুদিবীর যাবতীর বস্তুর ভোকা, আমৰা সকলেই ভাঁহার ভোগা। ভাঁছারই 🕮চণণ দেবার কার, মন, অর্থ, বাঞ্চ---সম্ভ নিয়োগ করিতে হটবে, ভাচাণেই मधन्त 🖷 । त्यार हत्रम ध्वरः भन्नम मधन निहिच्छ বভিংক্তি।

### জলপাইওড়ীতে প্রচার

গত ১৭ট মে রণিবাব রিদ্ভিয়ামী শ্রীমন্ত জিবিবেক ভা তেঁ মহাবাজ ও শ্রীপার ভিক্রিসাবল গোলামিগড় ক্ষিণ্য ভঞ্জ-मभक्ति। शहर कन पर छड़ा गर्दन्त पादक মারে যাইয়া অনাণিতভাবে হবিক্সা কারন कात्मा कमान्ड छड़ी महरशत रह रह मञ्ज्ञभावतिक अञ्चलकार्याचन मृत्य अधिकः সিদ্ধান্তবালী প্রবণ করিয়া পরমানক্ষিক **६**हेग्राट्डन ।

প্রচারকরণ অলগাই ওড়ীবারী পৃতপুঞ্জ মিনিষ্টার নবাব মশাবিফ ছাসন বাহাছর শাহেব ও স্থানীয় প্রধান কমিদার মোহাম্মদ সোনাউলা মিঞা পাছেণের নিকট আছ ২॥ ঘণ্ট। কাল আত্মণশ্রের কথা কীঠন করেন। ভাষাতে নবাব বাছাছর ও কমিদার সাহেব এত প্রীত ১ইয়াছেন যে, ''ইছাই বান্তনিক সনাতন গল্পের কথা, একেম্বরাদ, পৌকলিকভারণ বহু আবাধনার কথা हेबाट माहे," हेबा दिवाट दिवान अकात षिमः) (योग करत्रन नार्धः

উদিবস সন্ধ্যার পর হইতে 🕮পাদ কল্যাণকল্পজন ভিজিনত্ব মহাশ্যের ভবংৰ সমবেত বহু নগনারীর নিকট আল ভারতী मधात्राक व्यामश्राप्तरक रहेर ७ सुनिवित्र नाजम-সংবাদে পৃথ্যের ধার আভি গুরাল্প ভাষার ৰত্ব কুৰ্জিপূৰ্ব উদাহৰণ সইযোগে ব্যাখ্যা করেন। পাঠের আদিতে ও অত্তে তথ-**७८**७ व की र्छन हम् ।

প্রচারক বুলের ১৮ই মে পুনরার ছব্দির लिएक पारवाहरभन्न मिन निकासिक बाक्स সবেও প্রোচ্মগরীর একাত্তিক আরহে धात्र ४ इहे भिवग विजय क तर्छ वांशा स्म । ইভঃপুৰে স্থানীয় সা জনীন স্থানীৰাড়ী 🖜 অসাস বহু স্থানে স্থামনী এই বাগবভ भार्त कटलम्। कालारवर्षे त्याकृत्राचेश अवन्तिभागा उत्परशायम विद्या स्टेशांट ।

## গ্রন্থ পরিচয়

### শ্ৰীমন্তাগৰতম

বিষয়ংবি ক্ষেট্রপায়ন বেগব্যাস প্রণীত মূল, শ্রীমন-मधार्षां वी-क्रेडा छारलगा-सिनंबरीका : डीमप्रविद्यां क ठळनळी ঠাকুর-কৃত সারার্থপশিলি টকা, বঙ্গান্তবাদ, সংগত অনুযু ও क्षांत्रियम, छला श्र विश्व हात्रियुक्त । व्यक्ति श्रासन व्यक्तिरह সেই ছব্দের প্রতিপাছ ক্রাণার, অধ্যারের প্রাণ্যে ঐ অধ্যায়ের পার্মহ শুনিস্কৃত তাৎপ্রাাদি িবৃত। স্লোকস্চী বিষয়সূচী, অন্যায়নিবরণ, পাত ও স্থানসূচীন্ত উত্তম কাগতে উত্তম অগবে মুলিত। প্রথম চইতে ১০ম হন প্ৰাক্ত ছাপা• স্থৃতিবে প্ৰেৰ ইইয়াছে। ভিক্ষা প্ৰাপ্তম क्हेंटल प्रम क्स वर्गाष्ट २०१४० ; नवम कक्स ১२ ; 1 ... B IDES

#### শ্রী শ্রীটেডগুচরিভামুত •

🕮 🕮 মন্ত্রভিবিলোপ গাকুরা রচিত্ত 'অমুভঞারাজভাষা' 🗢 🔊 শীমন্তবিদ্ধান সর্বতা গোলামী প্রত্পাদ লিপিড 'बाह्यकारित अधि-प्रशासि वह भाषा आगान-अक्षान हरेगा **बाका**भिष्ठ इटेग्राएम ( (बार्क्त मान्यनाथा, वशास्त्राप 8 আতোৰ প্রাণের পুরের সংক্ষিপ্ত অভিচেয় সংযোগিত। वार्डाक व्यथासः-शांवरष्ट कथामात्र रमस्या कारह । स्याकः পশার, শব্দ, স্থান, পাতা প্রস্তৃতির স্বরুহৎ কটা ও এডকারের विष्ण सीवनी समायक এই क्षेत्र भाष्ट्र अन्य संस्थति है छ। भूरक ্বজাপি প্রকাশিত হয় নাই। উত্থ কংগ্রে পারিপাটোর महिष्ठ पूर्व :प्यक्रस्य भूगाःन भूमित रुदेशस्त्र । अत्र ज्यार acoo महोत मुल्यत । जिल्हा वर्षमाध्य द् माल ।

#### **এ**টেডজভাগৰত

अक्षादात कीवनी, अधि शतिकारणत कथामात्र, विश्वक शोबीय काया, अवश्ठी, भवाबश्ठी, विभय-शाम भावाति-স্থাটী, প্রাঞ্জতি বিবিধ বিষয় সম্বলিত বিরাটে বিভীয় সংক্ষরণ ভবল ভ্রাক্টন ৮ পেনী আকার। আদিললৈ ও মাের क्रिक्षमः व्यक्तिक क्रेग्नाइमा क्राम क्रम व्यक्तिक eইভেছেন। আগ্রম ভিকা <্টাকা, আদি লীবার ( C )

#### **बै**टिक का मजन

্ত্র গ্রন্থের একপ অভিনব স্থশর সংকরণ আর কুত্রাপি व्यक्तिक इत्र माहे । भाक्ष (प्राकारणत व्यव, वक्षापूर्वान, ছায়, কথাসাঁর, তথ্য প্রভৃতি সহ খণ্ডে গঙে প্রকাশিত ছইশাছেন। মূল মোটা আক্ষরে ভবল ক্রাউন আটপেঞী प्रद्याकारत छाना रहेत्रारह । भूना २४० हेकि। अधीया ख्यकाम ७ भीकीरवत्र आव्यगरगत शस्क अ। के का ।

#### <u>এখনত গৰদগীতা</u>

- शिर्वादीय देवकवाहाया अध्याकृष्ठ अभिकृद्धामनि ইঞীৰখনাথ চক্ৰবৰ্তিঠাকুর গোখামিরতা সারাধ্বধিণী ব্লিকাসমেতা ও এত্রিমছাক্রবিনোর ঠাকুর-প্রাণীত 'রগিক-वस्त्र मामक ভाষাভাষাসহিতা। वशाहकती, माङ्काळत (साक-एठी, विश्व-एठी, अध्कारभन कीवनी ६ व्यवस्त्रानिकापि वह-कार्यमान्यम् ने के पहरे वीवारे दृष्टीय मध्यप्र--- ए हे बाक मर्क्यार्ग्य किका २ के कि माख, माधाव मरक्षा--- > ३० शका माज

### শ্রীল প্রভূপাদের বক্ততাবলী

ও বিষ্ণুপাদ এতীমভক্তিসিদ্ধান্তসমূহতী গোস্বামী মহারাজের গেই অবিভা-বিধাংসিনী कीवाणायक ल्लाहाधिनी क्रक-कार्कानमधाविनी कोवस-वाधिय भूर्त-निश्रह---देवस्विश्वात-त्रह्माणात्र द्वीक्षणमि--- मच्छाणात्र र्व =निकामानारतत्र त्योगिक छना-अकतात । काननरण्य সমধ্য ওর--- মহাজন-কীবনচরিত-শিক্ষ ---- চি বিলাসচিত্মাত্র-অচিয়াজ-বিচারক-- উখন্য ওমাধুন্যরসের মৌলিক গ্রেম্বার কেমাকজিনক নামভলন-প্রবালী ও অইকাগীর লীকা 

১। প্রথম অভ্য-বৈক্ষবদর্শন, শ্রী ওরাতর, কাল-भन्न. श्रीमध्या छात. अवार्यकानती, भाषाताविकी मीका क वर्ग विकास, कालाक्ष्म क भएमावना, स्टेटिक अरम क ভাষার শিক্ষা, অংথারত সম্মানত ও প্রারত সংখ্যার প্রস্তৃতি বিংশতি সংগ্যক রয়ে স্থানেতিত। তিখন মাজ ক্রান্ত স্বৃত্তি পুরান্ত্রদে সায়ত-পালসমূহের প্রমানাবলী ৬০ বার আনা।

5 ! **আিতীস্থা অংগু—ওদা** ও বিদ্ধা ভক্তি, মগুলে,ব শ্রেষ্টতা কোথায়, মান্মার নিতাবৃত্তি, উচ্চর স্বামিপাল ও माग्रावाम, श्रीरशीत-भिकासमाध्यमण, विष्टुशत सम्ब ও जन्छ-कीखन, जीवामभूषाय जीमबानदर्शन कीवन, जारतीत-भारमञ्ज महिमा, महाव्यमान, 🕮 গোলিक, 🕮 क्रशास्त्र १ ५ वन পপ, শ্রীমতী ব্যভামনন্দিনী, শ্রীতৈতত্ত্যের দ্যা, পৌরকর-গা e क्रकम**डीक---- । कृष्मण अभूक अधु**तिभाभूग-व कृष्टा- वि इ<sup>र</sup>ग्रङ ভিক্ষা ২, এক টাকা যাত্র।

প্রথম ও বিভীয়-ছেই বাত একরে লটলে ভিন্দা (भढ़ डेंकि), डॉक श्वेड चडा ।

#### 💂 মন্ত গ্ৰহ গী ভা

নোড়ীর-বৈক্ষবদার্শনিক-শেখর শ্রীশ্রীমন্থলনের বিহা खनगढ़फ खांचा ६ अपह किविटनाम शकुरत्वत आक्रम चन्न-ভাষায় বিশ্বত 'বিশ্বর্জন' নামক ভাষায়ক। অধ্যায়-कृती. विकासकी. ६ व्यक्ति स्मारकत व्यक्त ७ जुडीय পাদ স্টী, ভাষাকারের ধাঁবনী প্রভৃতি স্থলিত। केरकहे नीथांके. बाजमाञ्चत्र ( ्रेडीय मान्यत्र ) शास्त्रत क्रिका २, ठाका।

#### **अध्ययका**वनी

श्रीमहत्त्व विकास्त्रग-धार्गेष्ठ विकासना, मन्दर्भ ६, েগাৰিন্দ-ভাষ্যাদি পড়িবার প্রথম গ্রন্থ। উৎকৃষ্ট কালিতে ছালা। অবিশ্বত টীকা ও প্রাঞ্জলবঙ্গায়বাদ-সাহংব্যে অভি সহকে বালকেরও বোধগমা হইয়া থাকে। ভিঞা । 🗸 • আনা মাজ।

#### **এলবদীপধামমাহাত্রা**

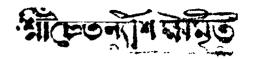
( क्रामान्य छ ) माञ्चनात । व्यक्ति-चुल्यामि श्राष्ट्र व्यीनव-ৰীপের বে মহিমা কীৰ্ত্তি আছে, তাহার মূল দংস্কৃত ও অপ্রাদ। ভিকাত পানা।

#### **এটানবদীপভাবতর** ছ

ইঠাকুর ভব্দিবিনোদ লিখিত। স্থললিত গীডাকারে পরিক্রমার দ্রাইব্যাধি-বিষয়ক। ভিক্ষা। আনা।

#### ভজিবৃদ্ধকর ও মব্বীপ পরিক্রমা

🗬 নর্ছরি চক্রবর্ত্তি-ঠাকুর রচিত। ভব্তির্ভাবর sico পরিক্রমাংশ মাত গৃহীত; **শ্রীতী**ৰ গোখামী কি लकारत क्षेत्रवरीनभारमध् भ'त्रक्रमा क्षित्रहित्तन, ভार्टि পতে বিবৃত্ত। ভিক্ষা । ত'• আনা



वीन ভिक्तिविस्तान ठाकूत-व्यापित। हेहार् ब्रीटेन्फ्रस्थन निकाशानी-कुक, कुक्शिक ए तम-वद र प्रक कीक ... व्यक्तिश-एक्षार्टम-एक्-नागन-निर्गय-एर्सायन-एक् वाग-কাও, আশ্রমাদির বিচার-বেনী ভক্তি, ভারতক্তি 🗢 পরিচ্যাদি প্রাথম শিক্ষাণীর উপ্যোগা করিলা সরল ভাষত সমুদ্য যুক্তিপ্রমান্সঙ লিখিত আছে। চতুগ সংখ্রণ বাং । र होका, आवामा ১५० हाका मात्र।

#### গৌজারকণ্ঠহার

बिरनो ही ह त्यक्त १८५८ । अञ्चलन कर्ष भाजनस्माना ্ৰ্যম্বিভাগে ক্ৰম্ স্থায় বাদ গুল্ফাত। এই ক্ল বৈষ্ণৰ-সিদ্ধান্ত্রের সারব্যাধ্য অভ্যাক্তরাশি প্রকাশিও ইয় নাম। हेटाइफ क्रक्रफ — हाशवफ -- देवका - दशोब -- निरामनन--অহৈত -- ক্ষ্ণ-- শক্তি--- ভগৰনুগ-- ভগৰ-- অচি প্ৰাটেশ --- व्यक्तिम् निष्य--- नाम्यक्ति---- वर्षाया-- व्यक्तिम् -- व्यक्तिम् -- व्यक्तिम् -- व्यक्तिम् --— ইঃনাম – প্রয়েজন ও প্রমান-তত্ত্বভাল পুপক্ অধ্যাধে श्चुत्र (लाकामि श्रृतीम्ह डें:क्रुटे एक्कि काश्रष्ट (पाञ हु कारिएड प्र'एए, फेस्क्रे तील स्मानात अस्य नाम स्मान डाङ क्षांत 8 • ० शृष्ठाय भन्भून । चिका २८ छ।का माजा।

#### জীনবন্ধীপশাম-গ্রন্থ বিলী

टीमा कि दिस्सान है। देव निष्ठ 'भागमा शक्ता-भाग-মাহাত্রোর বাফবাদ প্রমাণ প্র-- শ্রীল মরহরিচ কবছা ঠাকুরের ধাম-পরিক্রমাংশ— শীধাম নব্রীপ পরিক্রমা--ভ:--যাত্রা পছতি—শ্রীমৎ প্রবোধানগরত নব্দ্বীপশতক্ষ-শ্রীমন্ত্রকিবিনোদ ঠাকুরের শ্রীনব্দীপ ভাবতরদ প্রভাত গ্ৰন্থ একতা ভিক্ষা ৮০ আনা মাত্ৰ।

#### এছরিনামায়ত ব্যাকরণ

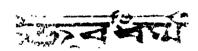
শ্রীকীর গোষামী প্রানুপাদ-বির্ভিত কর ও রাষ্ট্র, ভংগ্ৰে উবিকাপাৰ সীমন্ত্ৰিসিকান্ত সক্ষতী গোৰাম, মহারাকের বিভুত ভূমিকা ও খটী প্রভূতি গর। অপ্রভাশিতভাবে অবভ। ভিকা ২, টাকা, ভার্মানের পকে ১॥• টাকা মাত।

#### (रकास करता द

শ্রীমন্ত্রামান্ত্রভাচায়া-রচিত। বেদান্তের বিশিপটারেওবাদ প্রচারক খ্রীভাষা-প্রণেতা আচাক্য প্রবর বেদাধ্রদশন পার্কের উপযোগী করণার্থ এই উত্তম করিয়াছেন। ইহাতে বক্ষামুবাদ ও স্চীপতাদি সংযোজিত করা হইনাছে নাম মাজ ভিকা॥ । জানা।

#### জ্ৰীচৈতভাচজ্ৰায়ত ও নবছীপদত্তক

নোরপার্যদ তিহাতী শ্রীমৎ প্রবোধানন্দ সরস্বতী প্রার্থ মুল, প্রভুপাদ শ্রীমদ্ ভব্দিনিদান্ত সরস্থতী গোপামা মহাবাদ গম্পাদিত অধ্যম্পে ব্যাশা ও বছাছুবাদ সম্বাদ্ নবৰীপণতক্ষের আভিভিবিনোদ সাকুরের প্রামুবাদ ৬ তৎসহ শ্রীমন্ত্রপ্রান্তর একটা জিলগুরভিত অলেকিক চিত্র लामक इहेगारक। १०० ७ कालक छेरकडे (३ बामा eकरता ) किका he बाला. कि धत्रमा वीशाई त्राक्तमःकत्रप ্ টাকা মাত্র।



कीमहिक्किविरनाम प्राकृत-अर्थाछ। एवे एकमाछ अप-রক্তের জ্ঞান শার কবিলে পারমাণিক রাজ্যে কিছুতেই अञ्चान वा भर्भग्न वाकित्व मा। श्राम श्रुभिषाविश्वक (है-क्रण भवन । क्रमदालामी अह जी भवाब छाकामित इया माहे। বিল প্রধায় শাস্ত্র-মত্যাদ্রি মহুন্দ্রে এই গ্রাছায়ত েলিং হুইবাচেন। আবার প্রস্ত সূচী, কথাসার ला के बाबा विरम्भ मनुष्य क्या श्रष्टहार वित्रिति शह, ्तराव सारव नाम (लया, फेरक्टे वैशाह--) पूर्व गरवत्र ক্রিলা হ ্টাকা মাজ।

#### প্ৰেম্বিবৰ্ত্ত

त्वीयग्रहाद्यपुत व्यक्षत्रत्र भाषम द्यील कश्रामानल द्यापु বিরচিত। এই পুতকে মতি অগ্রোধা ভাষায় মহাপ্রভুর কভিপয় শীলাস্থ বৈঞ্চবাচার, একাদ্শী ও নমিভ্ছন-বৈক্ষৰত্বের স্মীদাংশা लनानी खड़ि **6**0ۥ366 দোদতে পাইবেন। পাদটীকায় ছক্ষ স্থানের বিশ্লার্থ ও ৺ংকভার প্রিচরাদি-সম্বলিত চতুর্প সংক্ষরণ ভিক্ষা ॥৵৽ ४म अभा मध्या

#### ভত্তনরহন্ত

ভক্ষনকারীর নিত্যসন্ধী; ঠাকুখ ভক্তিবিনোদের অমূল্য काम ; निवित्त नांद्रबद्ध नियाम । अञ्चलनि ना दम्या प्रयाद्ध ্দেহ ৰঝিতে পারিবেন না। তৃতীয় সংস্করণ ভিশা।।।।

#### হরিনামচিন্তামণি

नामाहार्गा विन इतिनाम शेक्टवत मृत्य वीमनाश्यान ইনেম-মাহাত্মা, নামাভাগ, নামাপরাধ প্রভৃতি বিধ্যের : াবতীয় বিচার ভবণ করিয়াছিলেন। এই বিষয়ওলির 🛰 🥫 দৰল পথাৱে সংক্ষিপ্ত আশয়সহ পরিপাটিভাবে মুদ্রিত। क्षेत्र म मिक्किरियमान शक्त त्रिक त्रिक । अन्य मध्यत्र किया ५०

#### কল্যাণকৰভক্

শ্রীমন্ত্রিকিবিনোদ ঠাকুর-রচিত। প্রত্যেক ভগবদ-ংগাসী ও জ্ঞানপথের পৃথিকের একান্ত প্রয়োগনীয় ন্দ্ৰদেশ্বেলীপূৰ্ণ গাঁতি গ্ৰহ। স্মান্ত লেখাপড়া জানা ্বাকে ও এই ভেন্সনর ক্ষেত্র গাতিসমূহের হারা অনগ্রিকৃত্তি 4 छश्वःरम्बा माछ कत्रिवात स्रुविता शहरवन। यह সংখ্যাপ, ভিক্ষা /১০ আনা মাত্র।

#### শরণাগতি

শ্রীমন্থজিবিনোর ঠাকুর-রচিত। ভগবানে আত্মসমর্শণ, ्तळाचि, छक्रमनानना, गङ् विश्वा श्रद्धभागिष्टि । मिष्कि-नानमा विभग्नक शिविभून, जिल्ला /- ब्याना माळ ।

#### श्री डावजी

🐉 সাকুর ভত্তিবিনোদ-প্রণীত। নিত্য ভবন, আরাত্রিক 🚜 श्राम-त्यमामि-विशाक मधूत गीठनपूर धकरवा अभिछ। · न्या /• जाना गावा।

#### **শ্রিপত্রকর্ত্র**স

नांशरकसमृक्षायीन अविश्वनाथ छळावडी ठाकुत्र-रव'रा त्रत्वह। क्षेत्रहर्किवित्नां शेक्तव प्रश्वाह-হঃ ভিন্ন । আনা বার ।

প্রতি ঐটকপ গোপ্তামার উল্পেশবালী, ভবিপথের অম্বন্ধ ও প্রতিক্ল বিংয়ে স্বিত্তিত সম্মোদন ভাগ, বিস্তৃত বির্তি, চারভায়তের প্রমাণ, সাম্ম ব্যাথা ও মচাজন প্রভাত ভতপ্রেণা গাঁচমমূর প্রভাক লোকের স্থিত স্থানে শিত ইইয়াছে। তা সংকরণ ভিক্ষা 👉 আনা।

#### अप्रज-कर्

শ্রীরখুনাথ নাস গোখানীর মন:শিকা, >াকুস ভিক্তিবিনোদ-চরিত প্রভাপবাদ্যহ। ভিক্তা / • আনা।

#### প্রেমভজিচ ন্দ্রিক।

ঠাকুর নবোভ্যের স্থানিক জেমভ্রিনিয়াক ভিকা • আনা মাত।

#### মবন্ধী পশন্ত ক

ুল সাকুর ভিক্তিবিনোদ-রচিত শ্রীল প্রবোধানন রেম্বাটাপাদের সংস্কৃত নব্দীপশতকের স্থালিত। প্রাঞ্চবাদ । ভিকা / জানা মাত্র:

#### অর্থপঞ্চক

শ্রীল লোকাচার্যা রচিত। বৈঞ্চনতা জ্ঞানেষ আৰম পুতক। তিকা / • আনা মাতা।

#### সদাচারশ্বতি

শ্রীল মধ্বাচার্য্য-প্রণীত। বৈষ্ণবের নিত্যকশ্মাদি সদাচার। বলী, বজাসুধান দহিত। ভিকা / - আনা মাতা।

#### মণিমভরী

কবিকুগকেশরী জীমনারামণাচাণ্য বচিত / জীমনাধ্য **ठार्ट्यात अर्थिक को बनकीला ७ भूग देवस्वयम्बन्ध । माञ्**चाम ভিক্ষা। আনা মাতা।

#### **टगोत्रकृटका**मन्न

প্রাচীন কবি শ্রীগোবিল দেব প্রাণীত শ্রীগোরায়তারের । 🛷 স্থানা মাত্র। প্রমাণাবলী-সংব্লিভ সংস্কৃত গ্রন্থ। ভিকাধ জানা।

#### যুক্তিমন্ত্রিক। ( অপলোরভ )

ব্দীমধ্বসম্প্রদায়াত্মগত শ্রীমনাদিরাত স্বামিক্ত । বঙ্গাকরে দাস্বাদ এই প্রয়ের প্রকাশ পার্মাণিক দাভিত্য-জগতে এই नक्ष প্রথম। श्रीमनाक्षाठाँग्री इट्टेंट श्रीकृषानक्षन विक्रीव মহবাচার্য্য নামে খ্যাত জ্রীবানিরাজতীর্থ স্বামী এই প্রস্তে শাধারণ গুক্তি ও গৌকিক স্থায়ামুদারে কিরুপ <del>স্থান</del>রভাবে ভক্তিবিবোদি-মতবাদ সমূহ খণ্ডন করিয়াছে, তাহা পাঠ করিতে করিতে আশ্চর্য্যান্তিত হইতে হয়। ইহাতে যুক্তির भाता ठान्याक्, देकन, त्वांष, श्रीमाश्यक । भावावाविमण-**সমুহের হাদর ব ওন রহিয়াছে।** ভিকা ২ টাকা মাজ।

#### গোষামী জীল রঘনাথ দাস

(ওঁ বিফুপাৰ শ্ৰীল ভক্তিসিদান্ত সরস্বতী পোশামী প্রভূপাদ-লিভিড ভূমিকা সহ ) গৌরপ্রেষ্ঠ শ্বরণ-রূপের একমাত্র প্রিয়ত্য শ্রীগ ধাস গোপানী প্রানুর অপুর্ব চরিতায়ত ও শিক্ষা সভীব প্রারণ ও সরণ ভাষার সরিবিট এবং পরিশিক্টে ছাসগোখানী আহুম বিরচিত করেকটা সাম্বাদ মধুরতম হব ও মনঃশিকা-সংগতিত। ভিকা नैक्ति ॥- भागा, भागा कि 📈 भागा भाग ।

## চিত্ৰে নবদীপ

প্রাচীন নববীপের অবভিছি, ছণা, উভিছ, লোভ ভ ছীমনাহাতাত্ত্র শিখা ও জীল রখুনাপ দাস গোস্বামীর । উদ্বিধানিক প্রেমাণসংগিত নয়টা নীলের সভিতা বিবয়ণ গ্রাম্। রাম্বিরা ওগাচেব কুমার শ্রীগ্রু শর্মিক মারায়ণ तथा तथा, त, लाक नारहात), दवनाञ्चक मरणाव कंड्रक সন্ধলিত এবং ৪৭ গানি বিভিন্ন বর্ণের অপুর চিত্র 😁 মানচিত্র-সমান্ত ; প্রাচ্যবিভামফার্ণব রায় সাচেষ 💐বুক নগেন্দ্র নাথ বস্তু বিশ্বকোধসম্পাদক মধাশধ্যের বিশ্বত ভূমিকা नका फिरकेट (कर) महस्का वीतांके भूमा अार, कि: नि: Co" २ , हे कि मान्।

#### मानक-कश्रमाना

व्यक्तिमाना, देनकान-वस्ता, देवकाननात्, श्रामारमात्र श्रीक শ্রীনামংট, শ্রীমধাচাপ্রাপ্ত অধ্যেত্রশত নাম, অষ্টপ্রেচর नामकीर्तन, ध्यानामगढीर्जन, ८श्रमध्यनि, 'बाउनम्बीफ, नवर्षील मेरिमा, श्रीमाप्ताशृत महिमा, श्रीनद्वाखम-श्राह्म बाहेक व्याप्तिया-तन्मनाः वर्ष्ट्राशायार्वतः व्यष्टेकः (अवस्थिति क्रिकाः উপ্দেশ্যালা নামভক্ন-প্রণালী, স্থাপ্রামু ও রাম রাম্মনন भरताम, मनः निका, **औ** ७क-अर्गाङ, **औ ७क-अब्र**क्ता, মগা পাড়র বন্দনা প্রঞ্জি দাবক ও দিছ্কীবনের নিভাপাঠা, বেদ্যবাগণের কঠাপ্রিড ভুল্যীমালার স্তার অনুক্রণ করে ानगरमाशा अभूति डाइ। जिक्का । ले॰, दीवाई ॥॰ माळ।

#### গোড়ীয়-গোরব

কলিকাড়ার স্বগ্রনিত্ব আলবার চলে গৌডীর সম্পাদক द्येभाग अभावानम भवतिमहाविद्याम आयस बरूखात्र विशव গ্ৰহকাৰে প্ৰকাশিত। ইহাতে গোড়ীর বৈক্ষবদভাষাব্য<u>ক</u> ইতিহান প্রাকারে প্রপিত হইয়াছে। ভিকা ⊯ • মান।

#### গোড়ীয় সাহিত্য

কলিকান্তার স্থপ্রসিদ্ধ আলবার্ট হলে গোড়ীর সম্পাদক শ্রীপাদ সুন্দরানন্দ পরবিভাবিনোদপ্রান্থ প্রান্ত বস্কৃতার বিষয় গ্রাকারে প্রকাশিত। ইয়াতে সাহিত্য-শব্দের অর্থ এবং গোড়ীর-সাহিত্যের বিসম স্ত্রকারে বর্ণিত হইরাছে। ভিকা

#### **बिरगोड्यक्षण भत्रिक्यं।-प्रश्**व

প্রীগোড়দেশের যে সকল স্থানে লপরিকর ব্রীন্দর্ভাগ্রের **ंवर उम्मून भववती महाक्रमन्य गीमा कविवा निवाद्यन.** দেই সূব আধুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও দেববি**এছা**দির পরিচয় সৃষ্ বাভায়াতের স্থবিধা নির্দেশ ইন্ডানি বিবর্গানি সরিবেশিত আছে। ভিকা। জানা।

### THE HARMONIST

OR SHREE SAIJANATOSHANI

শ্রীল ঠাকুর ভক্তিবিলোদ-প্রতিষ্ঠিত এবং জ্রীল ভবিতা নিভান্তসর্বতী গোখানী প্রভূপাধ-সম্পাধিত পার্মার্থিত यांत्रिक भेज । अक्रांत्र देश्त्रांकी कारांत्र कडीविश्म वार्व ভবনক্রাউন ৮ পেলী ৪ ফর্ম্মা আকারে প্রতি থারে হরি-नात्मत्र विकत्र-देवकाती गरेता विनिष्ठ वरेटाउट्या काशक, मूलन-लातिलाहा ७ हिजानि वार्डीवः प्रिक्षीकर्यक । **এই প্রকার উৎমুক্ত প্রবন্ধ আর ভেনি মানিক পরাবিতে** रप्रविद्ध भारेरवन मा। बार्विक छिक्ना 'छोक्ब छिन्नर 🔍 हाका माळा।

#### প্রাভিত্তাল-

🖺 হৈডভয়ত পোঃ শ্রীনার্যাপুর মধীরা 🦠 🤇

## বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার

## (२) बीटगोडीय मठ

### ब्रीटेड्ड या यह

#### আকর মটবাজ

द्या कीम नवबील, छ। कवत शिशाम भावालुक, मशीबा

श्रीभकारवाशमीठ करेरक शांत ०० वह छेखन-भृत्य श्रीतक्षणकत्व चाठावीहक श्रीतकः ट्यब्र-१७१८म औ और ५७ छ - मह निवासमान ।

बहें कार भारकर कीर्य, शहरिकालीठ में माक्क कक्कमकती। बढ़े बहाजीर्व बिहरि-साधायुक वाकितपासि-(तकासमयुक, शत्रविश्वात स्वर्गत सावा, नाहेक, समझात, स्वा स्मान-केर्णानयश-त्रेका-क्रस- १ कान-६ केर्रायक स्थापन । स स्थापना स्वतः कवार श्रेकक-(शोशक-शाह संका-शिविधत क गायल शास्त्रवादिक-माठावा-ठक्का केवादात केलान विश्वरुक्त महिक मिका मिकि करफिछन । अर्थ मठेवास्य भावमार्थिक देशनिक्शक माधक-मक्किशादिक मार्थामक क प्रशाहीत अहतारि वाहाइका 'तमीवा-वाकाम' बहालह আছিল টালাচেন প্রতিবংগর ইলাম-পরিক্রমান্তরান ও অপ্রতিভ ভক্তব্যারি ত कीका अकारमूल महामार्श्यामा किया काम सम्बद्ध व्यवसाय । वक्क-अकारमे শ্রীপাল নরভবিজী ে সভভাৱী---শ্রীপাল বিনোদবিভারী ব্রহ্মচাতী, পাত্তিত শ্রীপান পৌরদাস अम्राती कारामाकतम्पीर्व, श्रीमान वीत्रहत्न अम्राती, श्रीमान सम्प्रमामान अम्राती, 🗒 अयुन्यन अक्षाति, श्रीमननश्मिण अक्षाति, कक्षा नातक, विशव, स्वरकीस्थानन 

ত্রিৰভিন্তামী আমন্ত্রিক প্রদীপ তীর্থ মধারাজ এপানে হরিকবা কীর্ত্তন করিভেনে। একচারী প্রভৃতি ।

#### (७) (याचनीठ अभिन्द

as काल अक्रमहाल माख्यत अनल ना अभिकाशका मानिकाय-कृषि महाध्यात नीहे। ज्यात डीमची। शहा क डिविक विद्याप्तक औरशोधनात्राम च वर छाटेकरना 👁 🗒 बाबाक्षरकात शिक्षा दमना कथा 👼 श्रीश्रक-७८७४ दशका वक्काल । वक्क क----(वाक-अध्यक द्याचामी कहेंग्राया व्यक्त अध्यक्तान 🕮 प्रशासिकान कांक पुत्रम, 🗒 वासमाग अधान 💡 🗒 शामान व मान । कारी : अमायनवाम आभिकारी, स्वयमकः **311434** 1

#### (8) **3317-98** श्रीमध्या श्राप्त कीखन-रिनाम वा **अध्योद्देशीयात्र कामक्रमी । जनारन अञ्चित्राहिः** सिकार्शक छ शक्तकरखंड (मना वस्त्रमान। । तिरक्षिक महरूराजात 🕮 — कक्ष

#### ( e ) कार्ट्स 5-स्वम

बड़े हारन के बरेवल शहर करन वारर | (म्या च स्थान ।

मुक्तक--- क्रियटेब अनिका प्राप्तिकाती. कर्णाकुणकाम वावाकी।

#### (७) काळाव मनावि भ.हे

बाडीम याधानुत, बाममनुकृत (मधीया) **ब्रिट्योबङ्ग्यालाक अहायकाबी व प्रति**। क्षण --- अध्यक्षाति किवित्मार्गतकाती ।

#### (4) 唯物學 學問中華語

क्रिश्नाक्षम्, चन्नाश्रम् ( सर्वोशः ) बनाम अविकृतात जीन कांक विस्तानहाकुरतन मधारि अषः किर्मात्रमधानत धानर शिलीहाशा-श्राध्यय मिया प्रचेतान

रक्क-क्षिकृत्य काकार उपहारी क्क का वियो अन्तर अन्तर अन्तर

#### ् 🕒 - शिष्णामाथ (गोकीम मर्ठ भक्षमन्त्रिश्**।**

वक्त क --- चीवड्बर किक्नाडी स्थ. स् नि, जन, मन्याती--- 🗃 देखाम ७ 🐨-नारी. क्रिकेक्क्स व्यवनाती व्यक्ति ।

#### (>) औटभोत्र-शवाबत्र-वर्ड টাপাত:টী, সমুদ্রপড়, ( বস্কমান )

क्किन वाची नार्थक काकिकि स्त्रोक्त शावन बाब । प्रकारी व्यक्तिकामिक अकरायी, : प्रता । तक क- व्यक्तिकाम अक्तारी, कक

> ८ ১ • 🗐 स्वर्धाणीय-मठ महत्रामक, अमान केडे. लि <ाःक--- श्रीविशाम खब्छात्री, महकारी---শ্ৰীদক্ষেপত একচাৰী।

#### ( )) 學(可可能可能這一

गाउँगाक, जालभव, बद्धभान। 🕮 गामाव छात्र हे।कृत बुक्तावत्मव होता। नक्ष- चैन्हविश्वो उपरामी, करू भोगसभाग ।

( )२ ) कार्गवक व्यक्तिन 🕮 काशव छ (व्यान, क्रफनमञ्ज, स्कीवा । काशव - निकास अहायनीत व्यक्तत्र-(कळ यक्त --- व्यक्तिमानम् अवहाती ७।७५।छो

### THE RETURN ( OC.) ८भाविकार्यक, देशकाकी, नदीया ।

क्षण क-- श्री भक्षालय अवहाती । त्रकारी নিঃ বনিংৰ এমচারী, এজপুরোর দাসাধিকারী, ত্রীপুরেশান্তক্তর এমচারী हामखनाव शाला, एक विचनाव

### ( ১৪ ) ख्रीमाध्य-द्रमोकीय मर्ड > नः नवावण्य द्याष , हाका। भृष्यद्वात थाठात-(कक्षा. वचारम खोचक-

(भोडाक नाक्ष्यां-निविधरक्षक स्मया वर्षमान । क्ष्मक--- खेरायायमध्य सम्यामी, विभाग क्षिप्रामन नविद्याधिकार कि. १. श्री अप-

#### ১७ मर कालिक्षामाम ठळावळी है। है. त्याः वात्रवास्त्रात्, कालकाछा । उप्रेणिटकान वि. वि. ८००८

শ্রীমন্মতা গড়র প্রচারিত স্থানিশ্বল ভবিদশ্ব-প্রচারোদেশে গোড়াদলের দক্ষপ্রধার নগরী করিকাভার প্রীভক্তিবিনোর্গ জাসনে প্রীম্য প্রতিষ্ঠিত জাভেন। এচ ওক্ত-সম্বার্থমে জী অক্স-প্রোধাল-জীবিনোলানন্দ জীউ সপার্থদ নিজা সেবিক হল। গোড়ীত আছাৰ্যবৰ্ণের বাবভার গ্রন্থাবদীর ওপ্রচারোদেশে শ্রীমটে সংগ্র একটা ওবৃত্ৎ মুদ্রা-ব্যালয় সংখ্যাপিত ভইষাতেন। পুলিবীয় স্থাত 🕮গোলনাম প্রচারার এই গ্রালয় চইছে 'বোটার' সাপ্তাতিক পত্র, দি ইরম্মান্ত মানিক পত্রিকা চারালী ভাষার सिम्नाश्चिकारय क्षावाणक क्षेत्रकाक्त । चिमारह शाहे, मक्की र्तन, मक्कारा-ठावृहेब- नमाम्न विभवागनक, चौरेठ एक-ठविकाय शक्ति-मीला अ जर्गाएक मनाक बारगाहना ३४६ থাকে। মুহুরক্ত-আচাধাত্রিক শ্রীপাদ কুর্মান্টারী বিভাভ্যণ। সহকরী-পাত্তিভ শ্ৰীপাদ অনম্ভবাপ্তদেব প্ৰবিদ্যাভূষণ বি-এ, প্ৰীপাদ রাস্বিভারী ব্রশ্বচারী, শ্রীপাদ क्याइकावन कामानिकादी वि-व. श्रीनाक क्यापाल कामानिकादी, अक्षात्ती खीकी रुमानक, अवकारी खीलाकी सावन, अवकारी खीमरानक, लांकक खोलाव मर्गानकल भविष्णानकात मध्यमारहेत अन्। हाथ), ज्ञाबदशकानमामार्थिकारी निन्छ, स्रीकरनकराह्यम धकाती वि-श्रम, श्रीमञ्जूष जाधकाविष्, श्रीतिश्वष्टत अत्रान्धी, श्रीतृत्वप्रशादिक

भोत्र बन्नाहो, बैनामीम बन्हाहो, वैष्टिशावन छक ।

#### ( ১৫ ) औरमाभानको वर्ष

कशकाश्व, हाका। গোপাণভীর শ্রীগ্রাহের প্রাচীন সেবং दक्-- अमिनामन उत्ताहाती।

. ১৬ / श्रीगमाचे-८गाताम मठे ङविकाक शामाधिनी मधा, पाणिकां। ডি ডাকা । ধথানে ,গাব্দের ব্যাম ন । একজ---चौभनारे-(भोदारक्षर निष्टा स्मरा क्क क -- चौलूर्ग शक्त अक्राहाती, क्षेत्र करात ব্ৰহ্ম শরী

### ্১৭. জ্রীভাগবড্ডমানক মঠ

किसानिका, वाक्ष्यवश्वत त्यामेनीश्वत। जगान ने वक-(शावाक-शाक्तांकाका-গিতিধাতীর নিভাসেবা ব্রহান। বল --अवनामी श्री वशवानमाम्यो ।

### ১৮. भागगारगाषा जेनवासव

त्राष्ट्रवीय दशाः वश्चमाम ।

শ্রী ওক্রগোরাজ-শ্রীপান্ধ নিকা গারিদা নীত बिराम्या। वक्क-अवनामी 🗃 के दे-Persa 1

#### (১৯) जीशुक्रद्वाख्य गर्र

वर्तकार, भूती, है। स्था। बर्षात्न सीएशोब-बिलाएमा भवकोड निका-.मना वसमात्र । शक्क - उक्षत्र ही श्रीपह्मप मन्त्र विशारक. अक्षारी धानमीयानक. द्येश्ववानन । उष्टाती, ७४ औनशह ।

(२ •) खेळच-८गोडीय मठ वाणवस्त्राच, अवाजांत्र (लाः, लुदी । क्रश्राचावरवत क्रम्यम् मग्रस छिपक्रः 明4世(3) (F1325.-471 विश्वद्रमच्छी वागावकी। नक्काडी-अष्टाती अपितिमानकाती -

#### (६५) अम्मिक्सिनामा ६४ षे 'खश्राताकाद, कडकः

## (n El 19#- . 11 c) # - [7( a 18 32 4 -'बरु(भिनः नस्यात्। 3 mg 32 ..... बक्षा हो जीनमार बोबारण बगलारी

া ২২ - শ্রীসনাজন-প্রোভার মত रने" अश्रक्षीत्रस्थाः, कार्ने ।

्या -भगक्षाक्षण्यः सन्धानन-मिकाकारः । डीबानकोनाबको जीनकानन उक्तानी।

20. 至春春花6萬朝 #2

श्रीम्'गरव्याम् कृषाः श्रीनाम् वृष्णायम् । EL EL CINI-SU-CAIBMOIS LAGIT ८क क-- में नालशा हरा य तकान ही

### ः । । श्रीलंडगङ्भ यह

बस्यान क्षेत्रकात्रक भाजनात्र विश्वार्थन जिल्लाम रेनेका आहे देशना बस्त्रमान वक्तक --- द्रम गुर्श रेंग्ल भरण र अस्तर (वी हरियं चार्य : . स

.-ांबदावनः, भे आपूर

२० औरिक्डस्ट्राकास मह 事明有重 \$P1、"艺术要 \$P2、 《山西海》。 老面! होते - मा-भागत नाथ । वक्तक--- होतिया-बाज वात्र, अध्यानमानम अस्टाची स्रोताम AN W. W. W.

#### २७) गानदशोष्ठात्र मह

李州、郑龙、阿叶明媛。。 由月初 की विश् धुन न-दारमन अन्य अक्रमान । नक्ष - र्वित की शिक्षणन छी. ·作作 新華門司

#### 《第二年题 1世門魚 (B1 14 12 12 1 14 1 आक्रांत्राकाः । त्याः यात् । ह तकः

भन्दिन यम् कुनमूर्ति सार्द्धानात्मन दमना वस्त्रभागी । वन्त्र--अपवासी खीळावस्य-याम, जीत्रवणकाम समाज्ञाती। (२४- भिन्न ८भाकीम मठ — कार्यहालक

बन्द त्याधी,कवन,आकान त्यन, निक्क निक्री । तक -- अक्षारी हो ते : क्ष्म, जोद्रगरण वस क्रीवामात्रभग्रहण्यम् दम

(२२' दर्भा जाणभाषा अभवास्थाय क्कर - उपधाती खीवाबारबाबन

### व्यानामध्य निकृष्टे जिनामाद्य दिव वास कानिकात

গত ২রা জুন দকালে 6 টুলামের व्यानामध्य निक्रेड छ्यार्ड छिनामाइहे আবিকারের বিশ্বয়কর সংবাদ পাওয়া বিশাছে। প্রকাশ যে, গভ ২রা জুন ध्रीम पिनामाई हे मत्मद ही काना-স্থারা মানিকার করিয়াছে। ঐ দিন প্রোতে একটা ক্যানাস্থারা লইয়া যাওয়ার সময় কৃমিলার নিবারণ ঘোষ নামক **এक अन भूवक एक (अश्रांत्र क्या) हे हे था (छ**। প্রকাশ যে, ভাছার জবানবন্দী মত থানা-ওলাদ করিয়া পুলিশ নলাপাড়ায় আরেও ্টা অন্তরণ কানোতার। পাইরাছে। व्यवताद्वः व्यामाणएडत मानारमञ्ज निक्ठे কাছারি পাহাড়ের উপর মারও ৬টা ক।বিংরা পাওয়া গিয়তে। ইছাদের সহিত বৈহ।তিক ভার সং**্রক্ত অবস্থায়** পাওয়া গিয়াছে এবং ঐ ভারের অপর প্রাপ্ত যাদের নীচ দিয়া ৫০ ফিট দুরে ব্দবিশ্বত। ১৫ ইঞ্চি মাটার নাঁচ হইতে ঐ ক্যানাস্থারা ওলি খু"ড়িয়া বাহির করার नगर (बनागाजिटदेते, कि. आहे, जि. क প্লিশ স্থায়িটেডেণ্ট তথায় উপস্থিত ছিলেন। অস্তাগার লুঠনের মামলার ট্রাইবিউভালের কমিশনারগণ পরে ঐ স্থান পরিদর্শন করিয়াছেন।

একপ প্রাকাশ যে, নলাপাড়া গুড়ে २तः जून तकारम अक्षान श्वकरक catat ও অক্তাল দ্রবাসহ প্রেপার করা হইয়াছে। অনেক বাড়ীতে থানাতল্লাসি এবং ঘটনার ঋক তর পরিবৃতির স্ভাবনা ।

### নোৰাইয়ে জাতীয় পভাক। অভিসাদন

গড় ৩ শে মে প্রাত্তে কংগ্রেপের ৰাজীতে ভাতীয় পাতাকা অভিবাদন উংগৰ সম্পন্ন কইয়াতে । প্রান্তান্ত দেবীৰ मत त्रुध्व वहें छै भारत (सांभवान कात्र) জ্ঞান নরিম্যান সভাপতির আসন গুড্ 事でいて明代をおり

### তাক য় শিক্তৰ চুরি ७ जन (श्रेश्वेरेच

হাতিয়ার মৃতেবদ বাবু স্থীখ ৪ক ব্যানাজ্যি ছটি বইনা প্রারিতে অব্ধান ব্যাপার্টি, ভাঙ্গিরা বলিতে অহারোধ কবিতেছেন। তিনি পুলিশকে সংবাদ দেন যে, উ**র্বোর পিতলটা ১০টা** প্রলিম্ছ আত্মপতিত। ই ধুতি মেন গুলের দলের অপকত **ভটয়াছে। প্ৰিশ ঘট**নাজলে প্ৰজ চুইডে ইন্তি প্ৰভাগতত লাহিটো উপ্ৰিত চইয়া **শাৰামান পানা**ভনাস করে। এ পর্যান্ত এই সম্পর্কে ও কলকে। তিবর স্থানাতির নিকেবের দলের কথা ুক্তিশার্গার্ক, মহকুমার সকাভ ভাকাতি क्रमाटक् । क्रिशाटलय विकाहिया (लगा)

मर्था अलन मूर्ती ७ चन्छ रहान वाङ्गीत 5**J** 1

#### পাটনায় খানাভলাস শিক্ষক পুত্র ত্রেপ্তার

গত ৩১শে মে অপরায়ে সি, আই ডি বিভাগের পুলিশ কয়েকজন প্রহরী পুলিশের সাহায়ে কঠরপুরুবের রাম-মোহন সেমিনারীর শিক্ষক বাবু বিনোদ-বিহারী ঘোষের বংশীতে খানাজ্লাস ক্রিয়াছে। বহু অধ্যেশের পর কয়েক-থানি চিঠিপত্র সংগ্রহ করে এবং শিক্ষক মহাশ্যের পুণ জীমান অনিলকুমার বেষি ওরফে রভনকে ভোসার কারিয়া প্রিয়ে লইয়া ধায় ও আটক রাখে। কন্ধরবারে এক রিভলভারদারী স্বক্রের •ত্যাকাও সম্পর্কে এই থানভেলাদ रहेदारक व'मद्या व्यकाल।

### রাজসাহা জেল। কংগ্রোস কমিটীর অগিবেশন

সক্ষতি রাজস্বাহী এলে। কংগ্রেন ক্ষিটার বাতিক সানারত সভার আন্দেশন निष्णतं ६ इर ८७ । अहे अन्तिन्ति सार्यु इ (স্নেড্ডোর ন্স্থাক ক্লের জ্যুক্স, ক্ষ্যুত অভাগতত বহুৱ শ্ৰথক দল সভা ভাগে | क्षित्रा ध्विशा थान । छाउन्हान श्वा 网络沙特 经国际政 열의 호목됩니다다. र भाग २००५ ८ छल ६७

करा कामर ६६८७६ मान.साल छड सरमञ्जू सङ्ग्रह नष्ट भे<sup>8</sup>जुक्षांच क्रकेश ছিল। সভা অ'বেশনের পুরের ভায়র ক্ষিতীণচক্র স্বকার করুক একটা আপেনে धारकार सिक्त शक्त क्षी भित्र सक्षाक ताल (महाद्या कार्श्वास, त्रा) करिं। जीवाक्यांत्र भाषिक 🗧 **₹**(101) व्यक्ति देशक क्षणांत्र क्षेत्र भरत्य एगा क टेश्व एडिए असे भाविष्टीत (गहाँद নীয়ুত মেনভডের ধনোর কক্ষান্য কাষ্য্ কবা মমিহিটেই মুদ্রুগরের প্রকালারী র ভা

म्'अ'त काल गाँतच्यात जातस्य उग्र । গ্রহণ কলেন। তিনি আবেগণ নিশ্ববিধা कला मंडांग खेलिलांड करता, हेडारूव किस स्मिश शांत्र (म, किसि 4174 এক অভানন্তর শক্ত কুইতে উদ্ভান সভান

ক্রিত প্রভাষ্টতে বহুর দলের প্র ইংতে প্রীয়ত করেন নৈতকে সভাপতি **এব: শ্রী**য়ত সুরেদ্রনাথ বন্ধীকে সেকেটারী করিয়া কাষ্যকরী সমিতির সমস্তদের একটি তালিকা দাখিল করা হয়। 🗃 সৃত গোপের মজুমনার ইহাতে উঠিয়া বলেন বে, বিপ্ত আইন অমাপ্ত আন্দেলেনে যালারা নারের মত সংগ্রাম করিয়াছিলেন, ীগরা শিষ্ত সেনভপ্রের দলের লোক, श्रीमिनीटक उरे आदि वाम स्माध्या আমিশাতী পছা এইবে। আতঃপর আহিত রছনী দারাালকে সভাপতি এক বর্তমান সে ে এটাবী मागगर-गाविस মেনকে মেকেটারী করিবার প্রভাব করিনা অপর একটা ত'লিফা দাখিল করা इस, १८वर উहाई श्रीक हता। श्राप्टात्वत भएक २. • द्वार भिष्टक see एका है इडेसा फिला।

### किदमादशद्य (प्रम-कम्बी) (प्रत निकृत्य मामला

किरमात्रीरक्षत्र वह नियम् হাজি ধামাতির গভাগতি ্রীমুক কামাওয়া প্রমান হোধুরী ও স্বং স্থানাত উল্লেখ ংম্প্রকুষার বিশ্বস্ সুধক স্থিন্নীয় জীবৃত নীরেন্দ্র কিংশার মজুমদার, প্রপতি ্ট্রাবর্ডা, শাল্তি রায় এবং ৬০ বংসর বংঘ ক তোগনেতা তীয়ত কাল্ডিগ্ৰাল নেন ওপ্ন মহোলয়গ্ৰ - আসার - হড়ী ট্রেন ভাকাতি মামল্যি স্কেডজ্মে ভ্রেপ্তায় इट्या भागातिक काल इ.**छट (७**(८५)द পর পতা ২৫শে প্রেটেরকে এক ছাড়ার ভাকার জাম লে মু<sup>হ</sup>ঞ্জাত করিয়াছেল।

गमरत्रत है बेद निकास्पत भश्यमा शाक्स भिः शीरतक एमारस्य क्यारम'त्योकसँथा छित्रशीछल । आगार्थाः অনের প্রাথনীয়বারী কিনোরভঞ্জের शुर्शिय खारगती १अल कताब (भवा गांध ्यः, चिश्यत् क विभागाभाष्यः विद्यास्य समय निद्याक्षप्रकार्यक मध्यपनी स्तरन छे भभिष्ठतः दानिकः कप्तिदनदम् दराभनाम क तरका देशना अकावश्राय उप्तिकेल প্রীতি প্রজনী সালাব সভাপতির আনুল ত্রকণপতে হাজভবাস বরান সভাচত বিবেছুন্য হাকিন মুহেদের ইভেদিগকে कामेरन पुक्ति मिन्। स्थापन द्वन। िकरम्बद्धान वितारलक महन्न द्वीपुन देशहरू है ताला ५५।५৮ अने बामायी देशन है जासरन

> डिश्रम् क्रि. म्हार्गीहरू, मुक क्रुक्यांतुन्त हे दि भूरक्ष ्वाह्म अगाम जारमानान त्याध्रमान कृतिया अकारिक्ये स न प्र Cचाय क् प्रदाहरूम प्राप्त है। हाराय देवर देवर न्यागमात्र द्वालात इर्या स्मीयकान शक्त

্ৰানের প্র শেষাণাভাবে মুক্তি লাভ ক বিয়াছেন।

्छ यरहण श्वरतंत्र राष्ट्रक हुन्नि, গালাইল ডাকাতি ও ঘশোদল টেশনে ৰন্দুৰ প্ৰাণ্ডি সংক্ৰান্ত স্থানীয় মোকদ্মৰা গুলিও ময়মনসিংছের দলিণ বিভাপের मञ्जूमा माक्षिरहेटएय द्यार्ट छेठियाहिन। ক্ষেক্তন সাক্ষীর অবানক্ষী গু**রীত ১ইবার পর পুনরায় ভারিথ পড়িয়াছে।** বন্দ্ৰ চুরি অস্পক্ষে মকেশ বাৰুর ৩৪ প্ত ভূপেন গ্রেহার চইরা জামীনে মূক ছিল। সে প্নরায় উপযুক্ত টেন ভাকাতি মামনার প্রেপ্তার হইরা হাত্ত (का। कतिएएक।

#### त्रायकः कत कांनी ३३वे ज्यादे भगाउ प्राच

नीरनम तामक्रक ভिट्यम कमिणित সেকেটারী জীয়ত ছর্গাদাস দাশ গুলু জানাইতেছেন যে, প্রীয়ুত রামঞ্চ বিশ্বাদের ওডভেতেট মিঃ নির্মালচঞ্চ চক্রকার মারফজে জীবারা বাছ্গা रावर्गस्थर के दारक होती थि: ८४, छत्रिके, নেল্যনের নিক্ট হইতে নিম্নলিখিত প্র भाष्ट्रियाटक व

"कालगति मरकल तिभारमञ् भक्क व्हेटल. कांकात शामकारमरणव বিরণ**ক তিন্তিকাউভিয়েল : আশীলের** মন্ত্ৰমতি প্ৰাৰ্থনা করিয়া দর্গান্ত করিবার ত্যা অপিনারা আবগুক কাগ্রুপ্ত এবং টাকাকড়ি গণ্ডনের সলিগিটার মেনাস টি, এন উইল্সন এও কোন্দানীয় নিকট लांक्राहेशात्छन, लाङात लामान दमकाहेशा ২২শে মে ভাবিখে আপনি যে চিমি विभिग्नाटकन, जिल्लाहात्र आखि चीकात्र পানটেতে আমি আধিত চইয়াভি। ১৯০১ मारलात् स्टब्स् क्ष्माहेटशत् मटना व्याननोत्र मरकरमञ्ज लक इंग्रेस्ट शिक्तिः কাউব্দিলে অপ্রিলের ক্রম্ম বিশেষ चन्नगण्डि क्षार्थना कतिसा भत्रवास निक्तस्के माधिल :कविट्ड ६४(स । 🍇 समस्यत क्य केंग्री प्रशिष्ट शांकरव

### अनाहानाटम मङ्ब्रटगत द्वानाट्यान

क्षणाक्षित्रातमञ्जलामा (अन्ता क्रहेरेक (य तित्यार्धे भा क्या विवादक, छाहाटक दम्बा गांव (ग, २।) है। अधीरिकत पर्हें ना बाँकी है मन्द्रक माखित महिक भश्तम छैरा व अशृष्टिण इरेग्राटिश (देशकेश्वाक भागक अर्थ जिल्ली गरेश कर्रेन में मुनस्मारमभ यत्या नेक्ष्मित्रीया वीया भरने ५ सम गिरु होत्र ७ अमें अधिक श्रेकारकन

> · 學問婦子 一分分子 大大连续 如何的

म्बर्कीश

বিজ্ঞাপ্তির কবি প্রতিবাহে প্রতি কবি ১, প্রতি কবি ১, ব্যতি কবি ১,



সাহাজোহ হার

আগ্রাস দেয়

বাবিক ৯

বাগ্যাবিক ৫

গ্রেগানিক ২৮

নাগ্যাক ১

নগ্য

বাগ্যাবিক ১

বাগ্যাবিক ১

বাগ্যাবিক ১

বাগ্যাবিক ১

বাগ্যাবিক ১

বাগ্যাবিক ১

ভাষতেও লক্ষত একল প্রচার—নদীয়া ভোলার একমাত বুখপত

৬৪ খণ্ড ] সম্পাদক—শ্রীভাতীক্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি

্ ৮১তম সংখ্যা

আটেতশ্যমট জালাম মাহাপুর- ২৫শে জ্যৈষ্ঠ সোমবার ১০০৮, ৮ই জুন ১৯০১

### নানা কথা

গোলটেবিল বৈঠক সম্বন্ধে মহাম্মাজী

त्नामर्छितिम देवोदकत जानामी जिन-Cन नंग मधरक महास्त्रा लासी 'हेवर हे छिया' পত্ৰে একটি প্ৰবন্ধে বলিয়াছেন—' আমি **७५ এই कवा मिटल भाति या, व्यामि** यथन निर्मात চুक्टिट आवड करेगाडि. তিগন কংগ্রেসের জুনাম বুকার ভত म स्टान वाहेया त्यांनरहेविन देवहेदक अवः পিটিশ রাজনাতিকগণ এমন কি মি: ठाकिलाक भगान्य कार**ायामत वानी अ**नाहे-वात प्रश्न शहरन गृहिवात काम ध्राप्तिक आहि। आगि कानि, भिः ठास्तिन धावः कीकात मग हेका युर्विम मा त्य, करखान त्अके-तिरक्षेत्रम् अझ नरहः सिः ठाकिन এক জাভার পৃশাপুর-যণণ গ্রেট ব্রিটেনের ক্সাবে মৰ মানিবার কাভ করিবার ক্স সংগ্রাম করিয়াভেগেন, কংগ্রেদ ভারতের ক্তা শুধু ভাগাই চাছেন। পু**ং**গাং শশুনে বৃট্বার ক্তু অনার প্রে কাহারও অনুরোধ উপরোধ আবশুক নাই: সাঁতালায়িক সমভার যদি সমাধান মা হয় তাহা হইলে আমি কি করিব, এ कथा वजूरमत निविष्ठे अन्तिकवात বলিয়াছি। ( সুতরাং সে কেন্দ্রে গোল-टिवन देवर्रक त्याननाम कविएक व्यक्ति आक्रम) (न क्लिट्य यनि नतकात इप्र. नाविष मुल्ला जिलि ताकने धिकरमत নিকট কংগ্রেদের কলা উপঞ্জিত করিবার কলা খামি লগুনে গমন করিব। স্বাণিত চ:ব চর্দ্দশাকর লগর একটি সংগ্রামে भूनताम काल्टिक जास्याम मा कतिया মাহাতে সন্মান্ত্ৰ-কভাবে স্থায়ী শান্তি-

## গোলটেবিলে গান্ধীজী

তুইশত বিদ্রোহীর উপর গুলীবর্ষণ

## গান্ধীজীর পদ দশ্ধ

বি, পি, সি. সির বিরুদ্ধে অভিযোগ

## পার্শেলের মাশুল রৃদ্ধি

প্রভাতফেরীর উপকারীতায় গান্ধী গীর অভিমত

## রন্ধের ভাগ্যে ১৪ লক্ষ টাকা

গ্রীপ্রের প্রকোপে থেতাক মহিলার মুর্চ্ছা

## দুই সেকেণ্ডে খবর সরবরাহ

कार्यांगीत (मङ्गंज काणी होका वाडकरहे घाहे जि

## বি এস্ সি শিক্ষক চা

শ্রীধান-মানাপরত্ব সৈত্ব ভালবিনার ইন্টটিউটের অল একজন বি-এম্-সি
শিক্ষকের প্রয়োজন। উল 'শ্রুবের পদ প্রস্তুগেল্টুগণ স্ব-স্থ অভিজ্ঞার বিবরণস্থ স্পা- ন ক্ষ টাকা বেছনে কাম করিছে পারেবেন ভালা উল্লেমপূর্ণক 'মেক্রেটারী, সাক্ষর অভিগবিনাদ ইন্টিটিউট, নাং জীমায়াপুর, নদীয়া'— ঠিকামায় পল লিখিবেন। নিক্ষাচিত শিক্ষক বিনা প্রচায় মাহার ও বাস্থ্যান পাইবেন।

লাভ সম্ভব হুইডে পারে, ইচাই সামাৎ আন্তরিক ইন্দা।

### शाकीक्षीत्र भारत्रत्र उना स्थ

গাত ৮০। জুন প্রাতে মহাত্ম গাজাব পা পুড়িয়া গিয়াছে। তিনি প্রতি দিনের মতই প্রা । লন্দে বহির্গত হইয়া পেগাল রাতা ধরিয়া যাইতে যাইতে ক্যাল ছাইয়ে পা দেন, উহার মধ্যে একটা জ্লাম ক্যালা ছিল। ফলে ভাষার পা সামাল পুড়িয়া যায়। যাহা হউক ভিনি বহুগুই সাল্লেম ফিবিয়া যান।

### জার্বেণীর প্রায় দেড় শত কোটা টাকানাজেটে,ঘাট্ডি

ইংলণ্ডে রঙনা হওনের কলেক থকিং
পুন্ধে চ্যাঞ্চেলার (বাজস্ব গতিব ৷ ৬০০
বিউনিং এবং তাঁহার মন্ত্রীসভা ভাগেত এব
নৈরাগ্রজনক আর্থিক স্বস্থার অভ্যান্তর দাম্মিক একটা প্রতিকারও বলং গাছ
কিনা ভাহার শেষ চেইন করেন ৷

ভাগারে আগতাকীয় রাজত্ব টি) তিনার কণ্ড যে 'বিশেষ বাষ্টার' প্রাণ্ড করিয়াছেন, ভাগা কাণ্টো পরিশ্র কর ইবে কিনা ভাগা প্রেসিডেন্ট হিল্লেন্ড ছির করিবেন।

বর্ত্তমান বাজেটে মোর গার্ণ-ব পরিমাণ প্রাণ ৬ কোটা পাউও ইংরি স্থিতি কেডারেল থেটি ঘবং শংরভলির রাজ্যের ঘটালৈ ববের নারেটি পাউও বোর করিলে মোর মান্তির পরিমান নাড়ায় ১০ কোটা গাউও, অধীং প্রায় কেকেক্টিভ ল্যুক্টিকা।

## चाराय गायाशुत

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

### (थाना इरेब्राट्ड।

পা এড় ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অতি গল্পের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা বাহে সুন্দর বাসম্থানের বন্দোবস্ত হইহাছে। স্থান অতীব সাহাকর।

> সবিস্তার সংবাদের হল্য নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। সেক্ষেডারী, ভাকুর ভক্তিবিনোদ ইন্ষ্টিটিউট্ জীটেড্ছমন, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

### —৫১ বংসরের প্রতিষ্ঠিত—

ব্রুধালয়ে এন্ত ১ বটীকা

থালা ভালতারলা, স্থাদেয়ে, কোঠকংঠিন্ত, অভাগ, ধ্বজভস প্রভৃতি কভ বোগাঁর রোগ নিরাময় হইচাছে ভাগ প্রকাশ ক্ষিণে বড় বড় পুস্ক ক্ষরা পড়ে।

#### हेडा

সকল প্রতৃত্তে ব্যবহার চলে ও সমান ফল প্রদান করিয়া থাকে। প্রতি কোটায় ৩২টী বটাকা থাকে।

#### কেবলমাত্র

প্রতি কৌটাৰ মূল। ১০ এক টাকা। ইংগর নাম 'আভেক্সনিপ্রছ বটীকা'।

অপ্তান্ত ঔবণের তালিকার ক্ষয় পত্র নিধিনেট পাইবেন আপ্তিস্থান :—ত্যাত্ত ক্ষ নিপ্তান্ত উল্লেখানেস্থা ২১৪ নং বছণালার ট্রিট, ক্ষিকাত: ।

### কাবরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



মফংস্বলের ভবিধার জন্ত ৬ আঃ শিশিতে ঘণীভূত অবস্থায় ছোটবোভ্লের াধ্যপরি শ্রীষ্ণ ছোকে পাঠান হয়, ইতাতে শ্রীষ্ণেয় কোল পরিস্থান করা হয় নাই । সুগ। প্রতি শিশি ৪০ আনং, গাঁওটা ৪০০ আনং, বোহল ১০০ আনং।

অফিস-১১নং উল্টাডান রোড, পোঃ শামবাজার, কলিকাতা

## यपन मध्देती

বটকার কর ও বাড়বিকার, ইলিরপজিব হাব লক্ষাবে জলগাত, ববহুতার, বাবাবেরা, বুল বড়-ভয়বি, অনিলা এছতি লক্ষণ সভর বিজেব ভারোর হয়। বল, বীর্বা, বেবা বুভি ভরিকে 'অনিটার টনিক। মুলা ৩০ বলী ১, এক টাকা। ০০নকপুঞ্জাসক্ষাব্যাক্তি প্রক্রেপ গ্রহণাবি রোগে বাছ্যাবের বারা আরোগ্য

কারে বাস্তসন্দর করে। ব্লাব জোলা ১, টালা।
১৮ একাঞানিওত্বাতিকলী আভিকাশী
নীন্নারৰ করম গডোগদান ছারী ও বৃদ্ধি করিছে
নজাল্যা, খুলা ১০ বলী ১, এক টালা।
আছাবৈছ লাক্ষাক্ষাক্ষাক্ষী, কেম্পাক্ষাক্ষী

বাধ্বৈত্ব নাস্ত্রাস্থাপান্তী, কেল্বজী ১৭৭ন হারিদন রোড, স্বিশ্বাড়া

## হাইড্রোসিল

₹1

### কোষরন্ধি রোগ

ভা অস. এন্. ঘোষ বিনা অজে,
বাৰক্ষীবনের গ্যাধান্টি দিয়া বৈক্লাভিক বাণাগানের কোষবৃদ্ধি রোগ আরোপ) করিয়া থাকেন:

ঠিকালা---

अम्म कर्षेत्र होते, वक्ष्याबाह, व्यवस्थाता।

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

### रिनव शास्त्र यकात এक गांव गरहीयश

প্ৰব্ৰ দিৰে সম্পূৰ্ণ আব্বোগ্য

নোগী দেখাৰতে কৰবে। অগ্রিম পাথের এরচ (যাওয়া এবং আদার) পাঠাহলে গিনা রোগী দেখা বয় অথবা এথানে আসিলে রোগী দেখার। উষদ দেওরা বয় আরোগা লা কওনা প্রথম পাছিপ্রমিক বিজে কটবে লা। গানীব রোগীদের খন্চ বহল করিলা চিকিৎসা করা করা। বিস্তাবিদ বিরন্ধের করু এক আলার ভাক টিকেট স্বাচ নিয় ঠিকানার অক্সমন্ত্রান করুন।

শ্রীকিজীপচক্ত উকীল, যশ্মা-চিকিৎসক, গোঃ নৈকারী, বহিশাল। অপবা নিমু ঠিকানায় সাক্ষাৎ করিচা নিজারিত জানিতে পারেন।

জীপুত রামগোপাণ দত্ত এম, এ, ক্লঞ্চনগর, নদীয়া। জীবুক জারপদ থিকে, ১৯৭, বেশিয়াটোলো খ্লীটু, ভাটপোশা, কালকাছা।

গ্রেক শানি পার । অ মার লাতুপুর গছ চয় মাদ যাবং রাজ যক্ষার ভূগিয়া মুক্তরার কংলাকিল, কংলাকাভার বিজ্ঞা চিকিৎসক্ষণ ভাগার ক্ষার কাবনের আশা ভাগি করিয়া শেষ দুই উর জন্ম অংশক্ষা কাবিছেনি ক্ষিত্র কিছিল মহাশ্র মাতে ১০ দিন চিকিৎসা কাব্যা সম্পূর্ণ আবোগা করিয়া দিয়াকেন। (সাঃ) শ্রীয় নিজ কিলোর হায় চৌধুনী ( জামদাত গালিয়া ) হল্ খ্রীট্, নিউ বিভিন্ন করণারেশন লাহটিং ডিগাইনেট্, কলিকাভা।

## শ্রীনবদ্বীপ পঞ্জিকা

গৌরাব্দ ৪৪৫

बाद ४० जाकिएकहे भागा है व्यवस्था स्व

ম্যানেজার-গ্রন্থবিভাগ শ্রীচৈত্তমঠ, পো: শ্রীমায়াপুর, নদীবা।

(帝可 到五年可日

## গোড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

#### এত প্রশংসা করেন

তথানে যাসভীয় চাপার কার্যা---

ः हाद ८:१७९, स्मार्था, स्वय, स्थाय, क्षामाडी ८६क, निम व्यक्तिके वसून, विनादकत निमञ्जन भवा, कार्छ, निनादक गण्डने वसून,

আর ৩ বং ও ৪ সংখ্যের হাফটোন রকট বলুন, স্কল কার্যাই অতি শীঘ্র ভাপা হয়, অপচ হাপাহবার গ্রচ বাজার অংশকা প্রসায়।

আপনার বিচু ভাপাও কার্যা থাকিলে নিম্নতীকানার আনাইবেই দর পাইবেই। ম্যানেজান— সৌড়ীস্থা প্রিক্তিই ভাষাক্রন্ ২৪০া২ নং মাপার সামসুশার গোচ্চ, ক্লিকাডা।

## শ্রীল প্রভূপাদের বক্তভাবলী

অথম ও বিভীয় খত

ওঁ বিক্ষণাৰ প্ৰীক্ষমন্ত ভিনিদাৰ স্বস্থতী গোস্থামী মহানাক্ষেত্ৰ কৰিছা-বিধাংনিনী জীবাস্মস্বরণোগেনিনী কৃষ্ণকাক্ষণিনালগায়িনী জীবভাগীয় বৃশ্বিধিয়াদ— বৈক্ষনিকাল হন্দ্ৰনাগাৰ ভৌজন্মনি—সন্ধ অভিগেয় ও আলোক্ষকত্বেয় নিভাজনমূল। ভিক্ষা একজে ১৮০ আলা মাজ।

### রিসিক কে १

এই পুলিবীতে প্রত্যেক ও অন্তর্যানাদি ष्मरमध्य कतिया नामाविध कीन कड़रजांगरक 'सम' खान करतन। सम्राख इंक्रिक्ट छात्र मध्यकीरा सम्बद्ध श्वासाहा सर्छ । 🛅 🗃 ऋभः গোস্বামিপাল বস-সংজ্ঞা-নিরুণণে ভক্তি-রসাক্তসিশ্বতে ভানাইয়াছেন,---বাতীতা ভাবনাবত্ব থক্তমংকারভারভ:। कपि भाषाञ्चरण नाहर अभए अ न तरमा

11 33 H

প্রত্যাক কড়জানেভিয় খারা ভোগাত্ত- 🕆 ভৃতিতে যে ভাষনা ভাষকালিক ভাষে উদিত -হয় ভাহাকে অভিন্নয় করিয়া দমৎকারপূর্ণ আভারতি নিবল দেবা গাব। আহাদিত क्षेत्रा <u>डेक्टबाख</u>त डेक्कलका लाक करता

व्यभिकस्त्रभेष्टे ने नाम्य मालिक। वस्त्रभग च्ची,कमाउक्ष प्रमिकाङ्ग्रामित्। 'डांटाब श्रीन-করণের বৃহ্মিক। ুস্তা বৃহ্মিকগর ক্লয়ত বিষয়র্যাকে পাঁচ প্রাকারে আন্ধান করিছে

व्याद्या का होत्र व्याद्याचारुम् क्रमें अपूर्व যুগেশরীবর্গ ও ভদমুগ জনঞ্চঞ্জনী প্রাস্থাত ित्रप्र नष्मभीशन,नक्तरानामामि लिङ्गाङ्क्ष. শ্রীলামসুলামালি সপাগাল, 15 এক, পংকক, तकक, तक्कानि भागतमे द्वर १५१ (४० বিশাণ-বের আভাত নিবপেক হারসেব্রেড भाक्षात्रमुक्--- এই পঞ্জেদে भूग जामकराव त्रमधात्रत्र । नक्षा हिलानरम् । व्यव ४ छ ।

যেসকল সাধন্যিত্ব ৯% এই নিতাপির পার্বনগণের একাস্কভাবে সম্রণতে ইইনা भावभविषात्र तक्षकी, द्वा काममें ब्रह्मा (इस) ঊাহ্যোও রসিক(৵∵ত সমিক।

ब्रहे तुमिक र क्षेत्रहार विभाग कामाना । प শুক্ষজ্ঞ গারা 'ব্যাসক' শব্দে সমাদৃত। শুদ্ कौराबाद रक्छात धारका हमान मा থাকিলে ডিনি কখনই প্রায়ত ভোগময় देवत्रक्करक 'नग' विषया क्षेत्र कराज्य सा ।

চতুবেটি ভক্তাঞ্চের মধ্যে পাচপ্রকাব 🗄 देविष्टि। ब्याटक्ष् । दमहे और अकाश क्कारमय मध्य नामकीखानतर मस्यानेका। सम সৰ্কবিশিষ্ট হট্যা সাধুগণ নামভ্ৰমনে **अध्यमत हरेला**हे स्टारत आदिसीय ह्या তখন তাঁহাল্লা সাধনক্রম অতিক্রেন করিয়া সিদ্ধির পথে ভাব লাভ করেন। এই ভাব খনীভুত হইয়া প্রেম্ভক্তিরলে পর্যাবসিত হ। আতর্মত ব্যক্তিই ভাবের অধিকারী,

#### खी बी अक्ट्राचाटको कश्च ५:

## দনিক নদীয়া-প্রকাশ

নিতাপাঠা বৈক্পবাত্তাবহ

'(सम्पत्ति भवन्य माष्ट्र-भारत्वत्र व्यक्तिम ना।भाषा সমগ্র ভারতে একমাত রুলভ দৈনিক পার্মার্থিক পত্র

#### ଆଧା ଦ୍ୟା:19 ୪--১৫୮୩ ଲୋକ সোমবার--১୦୦৮

ভাগতে নিটার পুকাবস্থায় কোন অনপাদি -🐄 মিকাই 'রস'। 🖰 উচ্চ স্তেজ্জ জন্মে : গরিদৃষ্ঠ হণ ন!। সেই ভারুকগণ স্থায়িভাব প্তিতে সংমগ্রীচতুষ্টােষ্ট্রোব্রােগে বলে। নিমগ্র

> ক্লাল্যবাণ ভারকণণ্ট উন্নতাবস্তার তুস্বিজন্ধনে বাদিকশেথবের সেবাবেস আবিদিন को तर है अभिषे অন্নপ্ৰাক বক্তীৰ ভাব ও রাম্ব উঞ্জ লাভ করিছে অসম্প । প্রাঞ্জানা প্রাক্ষেত্রসাক্ষিক বিচান অবলম্বনে রুল স্ভাপ্তেড়ালভ হটল জন্ধ স্থিত ইন্দ্রিদ্রালন্ত ধন, ইন্সিপ্তাগ্রেক ওজভক্ত সংস্থা আন্তামন কারতো তারারাও রামক 3515 5 th 4014 1

### অংশেক জ-পেৰাই সর্বান্থাবন:শিনী

् क्रियाम अर्गे हिन्दुश क्रीक छन कर ।

অংশক্ষ লক্ষ্ম উত্তা াত্রাল আফার্যদারের তাল্পেনতাের বেশচেরীভূষ আমাদণের ইক্রিয়ন জানেব সংখ্যাক আভিজ্ঞাপুরক সংস্থান করেন न्तियुक्तं आधना देशियुम्धाः। अधनात्वय क्रबंबशहरू कामग्रा माधारण द्वालात মুন্তুগাল্ডার ক, কথা, দ্যাপকামলাভেচ্ছ মোহার কর্মী ও মাক্ষাভেচ্ছ, শুন্ধ-জ্ঞানি-গণ ও স্ব-স্ব জাভা ও প্রতিভাগার। ভগবানের থক্ত জন্ম গাভে অক্ষ। অভিনানভিত্ত ना कि रमक्रण नाहे।रकोमल द्वारन ना, कृत्राह्य-मन्नाद कींच ७ इमहेळाकात यम ६ नाकाशित সংযোগে জড়বৃদ্ধিপ্রহত কুভকানি কৌশল-भारा भागकपापि निकातकाती এই अश्रम-বিচারার সক্রণ ও লীলার পরিচয়লাতে अभय ६४ मा, यमा श्रीमञ्जानस्टन ।।।। ०१ সংগ্রক সোকোজি --

> ন চান্ত কাল্ডিপ্ণেন ধাতু--त्रोत्र क्याः कुमनीय छेठाः । নামানি কথাণি মনোবচোভিঃ সংভয়তো নটা ।।[নিবারা: ॥

এক্ষণে জিজাফ এই যে, যদি আনবা टेक्षिग्रञ्ज्ञ'त्नव माहारम जनवात्मद्र श्रुक्तश ও তাঁহার লীল। সধকে কোন প্রাক্তরে জ্ঞান লাভে সমৰ্থ না তই, ভাতা হইলে উক্ত বিষয়ের পরিচয় লাভের সভাবনা কি মানাদের ভাগো আনে নাই 👂 🔞 প্রসার প্রান্থ উত্তা দিবার জন্ম শ্রীমদভাগরতের নাগাঞ্চ স্থাক হোকে উক্ত ইলাডে,

> म (तम श्राष्ट्रः श्रम्भती- ध्यक्त **७ तस्य विश्व अश्वन्यान,** ; ्माक्ष्माः या मञ्जूषाक्षत्रकाः। ভঙ্গেড্ৰিডংপাদসবোজগ্ৰম 🖟

অগাৎ বিনি নিরস্তা নিস্পাট আয়-কুলোরে মহিন্ত ভগবামের প্রদশন্ত্রগন্ধ এলন করেন, ডিমিট অলৌকিক লালামন কেই ভাবান চক্রপাধির ভয় ও দীলাবংর স্থাণ কণে জানিছে পাবেন।

ভণবানু সকলজিমানু ত্র ৷ স্প-শক্তিমস্তা-হেতু:তিনি অর্পাক্তমান মান্ধ গণের ধারণার যাত। অনন্তর, তাতা ক্রসঞ্জন্ম করিতে সম্পর্কলে পার্গ্র অভ্রুব স ्कर এर्दास्थ मसमज्जिमान स्टार्टक्षते स्टर्धः र बहुँ ब हे हा सम्बद्ध के स्वार्याक लगाइन है। हा द स्करन वट इस, रमहें दांडि द्र इत्रदासद क्रभावतम नणीतम् ध्हेश छारान प्रमान পারচয় ও ভাহার ভুবনমঙ্গলকারী গবিত লীলার রহন্ত অবগত হয়তে প্রিপেন্ ইহাতে আর বিশ্ববের বিষয় কি আছে 🧸 मभुष्टभरधा दभीका कनमध कहे एत करण আবেটি বাক্তি সম্ভবণ দার৷ কৈ জনৈন বজ: করিতে পারে ৪ कथनहें ना। किर्द কাল সম্ভৱণ করিবার দৰ ২০০ পদ অবশ क्रेशा यात्र अतः उएकारम कान नाकिह আর জীবন রক্ষা করি'ত সম্প্রয় না। 🕻 একথানি নৌকা ইঠাৎ তথায় উপস্থিত হই..৷ क्रमभग जारताहीनिगरक केंग्रेगिना का, काश विभू वसूनका के उत्पाक जानिम जिस्तानी. रहेरण बणमध वास्तिनन त्रका भारेएड फिल्डिंड कम डीफिड कांद्रन हिल मा। ভগবানের ছারাই অসম্ভব সম্ভব ধইতে অঞ্চার স্পাদিও প্রারই তাহাদের জীবন

পারে এবা ঘাহার। ভাঁছার পরশাগত হন, ভাঁছাৰ সামাজ সমুদেৰ কা ক্থা, ছাংৱা ভবনদী প্ৰায় পাব এইবাৰ এব ভাঁছাব ভূবন্যোহন আঁদুরির সাক্ষাংকার করিবার ও ভুবন্মখন গীলাব প্রগ্রীর গ্রন্থ অবগ্র ছইবার স্থানের লাভ করিয়া থাকেন। छ**डी**(५')त शीर(न) (य-मक्न टाुक्टि ७५' राह्मत् सत्तृतिह इहेट्ड शहतम् मा, दिखाः ক্ষত্র ও মাণ্ডর দথা। ব্রিভাপ তাহারিচকে মুক্তমূতি, ককটা দেখ ইয়া পাকে।

### মানবের শ্রেষ্ঠতা কোথায় ?

শ্রীয়ক। সংগ্রিকৌ।

প্রিদ্রামান জগতে প্রভাক বস্তুরই প্রথাকনীয়তা দৃষ্ট হয়। অনুষ্ঠ কলা-কৌশলী শ্রীভগবান কোন উদ্দেশ্র বার্ডীঙ অনুথক কিছুই রচনা করেন মাই। স্বস্তী-ेर्दान्या य कि बाक्या छमामकाखन महिक লয়াৰ স্থনপ্ৰালীর সাহ্কতা ঘোষণা করিতেছে, ভাহা চিস্তা করিলে নিম্ময়ানিষ্ট হুইতে হয়। নিবিড় কাননস্থিত অযত্ত্বন্ধিত কুসুম্বাভি, বিউপিসমূহের স্মধুর ফল, খাসল ১৭বর্নার থিও কমনীয়তা, স্বরো-বংবৰ স্বজ্জ সলিল্যালি,--ইহারা সকলেট জাপনাপন সাথকতা সম্পাদন কবিতেতে। এড bu पूर्व १४८त खन, डेक्टब आहेन-গ্ৰাক্ত যে যাহার নিক্তি কল্পাল্ডন करणत प्रथ भागा किन्द्र अभवादमत अपूर्व সম্প প্রাণিগণের মধ্যে একমাত্র মানব-**ভাতিই অপরাপর জীবগণের উপর** গ্রন্<del>ডু</del>ত্ব ক'বতে সমর্থ। এওদারা ইহাই প্রমাণিত ধ্য তে, মতাত প্রাণী অংশেকা মানবের বৃদ্ধির . १९७८ र **४ मुझ** এই গ্রন্থ ও লেষ্টাথের প্ররত্থেষ তাহার। পশুদ্রেণী ক্রাপে শেওতা লাভের বোধ্য কিনা, অনেব, অন্ত ভাহাই আনোচন। কবিব।

**१८ इस् १८ ५ के डिझानिक अञ्चलक**-গানের গ্রেমণাক্ষে প্রথিব এগ্রেগ্রিন क पुण च ८० अभूतर परिनादली आभदा মংশত চহতেছি ভাষ্তে মনে হয় থে. এবিকাশিক "প্ৰস্ভা মান্ত্ৰণ ব্ৰুষ্ট্ৰকালেক মত স্থা-জ্বিবাৰ কাশাতিপাত কবিতে পারিছেন না। জীবিকানির্যাহের জ্ঞু मक्तमाङ छै।शामिताक अधिकार अञ्चन अञ्चन বর্ষের স্থিত সংগ্রামে ব্যাপ্ত থাকতে ২ইত। ভীৰণাকৃতি কুর্ত্বার, অক্টোপাস এমন সময় জণবানের ইক্ষাক্রমে যদি অণর ইত্যাদি ধলভদ্ধর আক্রম এবং 'মাটোডন', 'ডাইন খিবিয়াম' ও 'মামণ' নামক বিরাট-পারে। অতএব প্রতিপন্ন হটতেছে বে, সাধার মিংছ, বাাঘ, ভরুক, গরিকা এবং নই করিত। তংকালে সেই আদিন মন্ত্রণা ্ ও অঞাকভন্ন ভাজকণা বাতীত নিজচোর। পাদপধ্যে প্রণত না**হয়, ভবে সেই গর্কিত সনাতন** নিজ্য ব**ন্ত**। সনাতন কাল-প্ৰেৰ **প্ৰধান উদ্দেশ্ত** ছিল, কিমে এই তাকার আসম্ভনক আ, ৮ ১০ ১ ডকার গাইয়া অপেছারত নিবাল্য বাস কলা যুয়ো অন্তেক্তাসভাত। (ছোৱের সংস্কৃতিকোত প্রিভয়ণ করে, অসদবৃদ্ধিযুক্ত স**ংখ মান্**ৰকাতিৰ সুখাল কৈনো কেন্দ্ৰ কিন্তু বিভাগ কুলাৰ ভালপ নিজেৱই অন্তব্য অপস্থ উন্নতি সাধিত ধ্ইয়া,ভা া টে 🗅 😥 🕏 ভকুল। এক**প্রকার নিক্ষা হ**য়ানতে বলিলেও বন । अट्टाक्टि इत्र मा। किंह विक्लान राजीय যুগেও মানবের সংগ্রামপ্রচে ভিনীতে। নিবা-ক্ষত বা **অভাবের ছাদ** সানিত হই ছে কি ?

**उरकारम (प्रक्राजा-निकार्ध्य स्क्**र পশ্দিগের সহিত যুদ্ধ করিছে চইড়ে, আর এ**কালে মন্ত্র্গান্ত ও স**ভারোগ্রাফ্র্যার সভিত अन्यक्ष्ठ रूप करिए, भानग्यम । शांमाञ्चापन সংগ্র**হ কবিভেছে।** একটু ধীবভাবে চিন্দা করিয়া দেখিলো দেখা ধার যে, দেখা মনেব প্রয়োজন-নিবৃত্তিব যে আফাজন, ভাগ সভাতা-বিভারেও কিছুমার প্রশমিত হয नाई प्रभव क्यान अकारतरे अनारत প্ৰি**পুরণ ঘটি**বে না ৷ ইত্র পশুপক্ষাদিও আহারের অভেনণে ভংগের, নির্লালয়ের भाग ध्वः उभरकाशांतित अनीन । उद्याराध ব**চ যত্ত্ব বাসন্তান নিন্মা**ণ করিছে জানে, সম্ভানাদির প্রতি লেহ-ম্মত: ভাগেদের অস্ত:করণেও আছে। ইতর প্রাণ্ডাং যে সকল, কামনাপুথিৰ জনু ব্যাকুল, জান पुक्त मञ्जूषाका हिए जारमहक लाग्नाहरूत १ एथन প্ৰিক। ভাৰাদেৰ বুদ্ধিবৃদ্ধি ও ইণ্ডিবল সম্পয় প্রচেষ্টা যদি ইত্র বস্ত্রর মত 👢 কর্ব **८५इयाओ निकार्यक्रें ना**िछ जन्म काममा পুৰণেই প্ৰাৰ্গিত হইল, তবে কিলে ভারাদের সকোত্তনাতা প্রতিপদ হইছে গারে গ সংশাখারদাবে ভোগালাপ্রেন্যালিভ ভগবন্ ভক্ষনগম মন্তব্য 'প্ৰাধ্য' বলিয়াই বিবেচিত ছয়। ইতিৰ ভাৰিকুল যে সকল ভেয়েল বাস্ত, অবিধেকী মানব-মনেব কামেও এ প্রাকারে জন্তহোগ ভিন্ন স্মান নিচেই নহ।

মান্ত্রান্ত্র সম্প্রাসমাঞ্জ সক্ষাপ্র ভারতা क उत्तराक्षण विकास अनेम्यानिया द्रभावामसम्बद्धाः भूकात वैक्षम माधार वे ए.५८७ । प्रान्तिस নহল বাপটো ভাগুলিক সাহত হ'বিবলৈ কাৰেছা মানব্যাপৰ সাধ্যে ও পিত হল, ভাগন क्रेमान अलाजा । सन्ना कालनामा , तत्त्व । ततिक्रहा क्षा १ । तिक्षमत्त्रं **सन्**वार्थी त्त्र ५०<u>५ । त</u>्र ५० প্রত্যা (কা এইটে**এটে** ও), কাহমুগ ওলন া শালেরবার্ত্রী আপর এক থকাবে আজ্ঞানত ১০ কিচরত অপাব করণামন হবিষ প্রণ্যাপা स वहार, तर भारत्य । अक्टब्रान्या है ह अ.च.४.४ १८८८ - अ.६५४ - मांबारामी सुम्भूत , इस् इ.८८५, ५८४४ (कड्वान मेड **स्**क्राक जन ভক্ত ল'ে অপরানী হয়। স্যান্ত্রিট অংকের ८ भाग ५ - १ - ११ ३ भीनत्मवाद्यः कृत्यविक्यः । ্জাবারর বেটালবেক বের মহামহিমত্ব হিন্তু মন্তক্ত বুলি প্রীক্ষেত্র ও কৃষ্ণ চন্দ্রের

কংনই উপলব্ধি করিছে পারে না।

গ্রামা শেকপাল যেপ্রকার দলপতি ্রাণী গ্রবের আছেগতো কুপথে চালিত

সর্বাব্যবে যদি গশুলীবনেবই অনুসরণ ভাগৰত বলেন, মাহুদের মধ্যে বীহাৰ। উভ্যাবৃতি শিষ্ট, ভাঁচালাই খ্রীভগরামের , দেবার আয়েনিবেদন করেন ৷ আরে মাহাতা নিকোধ, এটার শ্রীভণকানের প্রিয়াম-শিল্যানৰ পৰিবাট্টি নানা কামনাপণবাশ এইয়া কামদান। দেবভার্কের উপাসন। করে। গে ভুৰ্মতি ব্যক্তিগণ প্ৰয়েশ্বৰেৰ অহৈতুকী দেবা দিয়া আবে কিছেই পার্থনা করেন না, ভাগেৰাই কাষ্মনোবাকো শ্ৰীলাগ্যাণ্যেৰ व्यक्षणर्व करन ५(५० कर्रचा तरु २७ ভালাৰ পৰ লাগেলে স্তত্মিল মান্ব-ফলা লংশ হয়, কিন্তু এই তুল্লভ হবিভক্তমোপযোগী ্দর পাটয়ার বৃদি আমেৰ। গ্রামাপেক্তৰ সুণ্ हेक्ष्यिक्ष्यक्ष्यके राहिभान् शक्ति, हात् ক্রিক্রণে চনম ক্লেন্ত্র আন এইনে ১ অক্সঞ্জা কীবন-সাদেশৰ জন্ত প্ৰণণ্ডিত গদিশ্ৰ, শুদু আহাৰ, নিছা ৭ রুগ। হাজপ্রিকাসাদি ক্রিণা জনুলা সময় কতুন এই কি মানব ङ्गानस्थित जिल्लाका है। तुहर तुहर तुक्क छाँग छ অনেক কলে বীভিয়া পাকে। কথাকারের হাপরও খাসপ্রথাস এইন করে, গালা পশু-ता । बाराव । इंक्तिग्रकामम्। 5विकाशं करत् ।

বিহালোচা শুকবের মতই ভক্তি-হীন ভোগীনান্ত্র্যেবং অ-ইন্সিরভোষণকল্পে <u>এরের পথের মধ্যেদ করিয়া থাকে। পশ্ন</u> প্ৰীৰাভ নান ভান হয়তে প্ৰচুৱা म श्रद्ध करिया अभिगः स्थायकप्रित्रक अण्डि-याहाता ५० तस्त्रिश्य, প্ৰেন কৰে। হালার সার্দেয়বং গুলা জীবন লগন করে, क्षाति व्यान क्षाति (डाक्स करते, मन्मारस्य রেশে পুনঃ পুনঃ ক্লিও ইইবাও রক্তাক জিহন উর্বেশ কাধ্য সংসারাসভিত্ত কটে লাসের र्थाणो ३३ । छाङ्गाता छ(त्रवादी श्वास्त्रव श्चार (करण म मार्टिय भारते देशन) किन्या যাম, কিন্ধ গ্রেডবন্ধর স্থাদ গ্রাংশের त्यारपाचा चाकातन वस मात्र सहात कर्ण क्राक्षरभाव इतिकथा अतिन वो कत्त्र, **७**७। त केन ५४**डी कानाकी** ७३ **ছि**छात **डुना,** कालगण करत, रम क्रिक्स अगर्डी नांदीन ে এটা বেধকে বহুমানেন কাৰের। কৈবিয়া সীয়ে মৃত্রুপা সভানপ্রিক ভারিত্য।

**डीतक-मणि-मानिकाफिणिड मृत्**डेभनि-

ু শিরও ভারবাহীর **ভার রুখা ভার বছন** ক্ষোভা নতে, অভিনন্ত নয়, আনার করে মাত্র), **করযুগল মণিযুক্তা**ভূষিত শ্লালের অন্তলভা হইচা খাছ সংগ্রহার্থ অল্কানে শোভিত হ**ইরাও বনি উ**ভগ্নানের মন্দিৰ মাৰ্ক্তমা না করে, তবে তাহা সূতের হাতের ওলা। যে নংন জীগোবিনের ष्मकाञ्चल (गोक्तगाडांनि मर्पन ना करत, ভালা ময়ুরপুচের চ্ছুদ মড় বাণ্ড্টি ভাতিপাদন কৰে ; কারণ শিশিপুচ্ছেও চক্ষ জ্ঞানধ্যেকেছাসিত। এই ব্নধ্যন স্ক্ৰমভা তইল, তবে ভাব লেখতা কোথায় ? জ্ঞামন । অন্ধিত গাকে, কিছু ভদ্মারা কিছুই দেখা যা : না। বিনি চর**ণযুগলকে ছবিমন্দি**বাভি-মুগ্র চালিত নং করেন বা 🕮ধামপরিক্রমা नः करतन, 'डाँटांत **के ठत्रभवत कानत** ब्रक्कत ' স্থার। উচ্চিত্রির **পরমচমৎকার** গুণরাশি লাবণে যাধার চিত্ত **জবীভূত না হয়,** ভাহার অন্তংকরণ প্রাণা**ণের অংপকাও কা**ঠিক প্রাপ্ত হটগাড়ে বুনিতে **হটবে।** 

ছল হ মন্ত্রণা কীবন শান্ত করিয়া যাহাবা সক্ষেত্রিয় ভারা মঙ্গলমন্ত্র সর্বারাধ্য 🗃 হবির জীচরণ যেনা না করে**ন, ভাঁহা**রা **প্রাপ্তর**ঞ্জ সদৃশ অমৃত্যা স্নযোগ অবহেলাণ নট করিতে ছেন। সংক্রান্তর **সহযোগে হারীকেপে**ব ্ষবাবিধানেই মনেব **জীবনের চরম**্ভেঞ্জ লকশিত হয়। সরীচিমালী প্রতিদিন डेम्बाराज আংবিভ ভ कडेग्रा प्यानान দিবাবস্থান অভানে প্রাক্তান করেন, সংখ সংক্ষ আমাদের আয়ুদ্ধাল কর হইতে থাকে, কিন্ধ আমর। ভাগ চি**ন্তা করি** কি ? 🗐 व्हिन्दित् १ लाजियन स्वत्राय, सम्म-धारम । ९ ভাষিধ্বধী ভীঙ্ৱি ওণ্ডাথা **ভাৰণ কীঠিনে,** যে অভুলনাৰ অভুতপুৰি আনন্দ লাভ হয়, স্থার কোন উপ্রেই তাহা **লভ্ত** হয় না। প্রম্থেদাধন্যোগ**্নান্ত্রন্ম ব্যতীত অপ্র** কোন জ্লোই প্ৰমক্ষ্যাণ্ডাদ হরিচ্ছন কবিবার যোগেতা হয় না ; কিন্তু অতি নাঁচ যোনিমান্ত ইন্ডর প্রাণীসকল, এমন কি বিহার ধমিকটেওলিও কামোণ্ডোগের বিধনসমূহ গোপ্ত হইদেছে ৷ "ক্লফ ভজনের ভবে সংসারেতে আইম্ব সিছে নায়ায় ব্য হয়ে বুল্সন হৈতু॥" কোনও সাধু মহাজন এই ছুট্টী ছন্ত্ৰ সরকা প্রাবে মন্তব্য 🕠 ভাবন ধারণের নিগৃঢ় উদ্দেশ্রটী বিরুত कतिशंकिन। वैक्तिः वृद्धिनासक (काश ना ভ্যাপের পূজা ধারা মান্র পশুধর্ম হইছে 🔻 किश्वालि । त्यां हो केश्वन कतिए भारत না, নিথিল মঙ্গলনিল্য আঁহরির অভযাসূত চরণ:রনিন্দ সেবনেই ভাষাৰ সংকাত্মতা প্রেচিপর কয়।

### সনাত্র

া আঁচদৰ্শন সমাত্ৰ লাস ভাজিশায়ী 🕽

পুর্বেও বলিংছি, আঞ্চ বলিতেছি সেই ্যেন গাহিতে পারি সেই মনাভনের গান।

প্রাচীনও নয়। স্নাতন চিরদেদীপামান, চির বর্ডমান। সমাতনের রাজতে অতীত অথবা ভবিষাতের পরিবর্তনশীলতা নাই। প্রারত কাল অনিতা। প্ররতির সং**ল** সক্ষতিত হয়, আবাৰ সম্প্ৰসাৱিত হয়। भशीक, बद्रमान, क्रिनार श्रीकृष्ठ कारणव প্রিমাণ্ড প্রিস্ট্রশীল। অভিনয়ত অপনা প্রার্ট মত্ব প্রাক্তি কালের রূপস্থের মাত্র। সনাতন - সপ্ৰিব্যন্নীল, স্থাক্ত, প্ৰাক্ত তের স্পর্নারীত।

স্নাত্ন - ইশাস্মেণ, সহাস্ধ্রালয় किन्द्र ८म जैनारी सामवन्ष्रहे मर्ग, ८म अप्यापन মবুরিমা মানবের কল্পনা--- রেণবদের প্রিমা মহিমা নহে। বস্ত্রিহীনতা তুল্য নংই. বাছৰ মুচ্চোর অধিকাৰ। সনাভনে বৈশিটা। चारक, किन्न कर्फरेटिनिहा नाई। मनाजरन বৈচিকা আছে, কিন্তু বিশ্বলৈচিকা নাই। সন্তিন নিভাগীলাকেও। প্রারত কবিব कहाना कानन नरह ।

ু সম্ভিন ক্ষম ইট্যাণ কথনও কথনত कमानाना व्यानिषात कतिश्र भारकमः। किन्र গাট্যস্থারেলার করেল না। সন্তেন নিরে। विकासमान नवनगरमान ।

সামত সমাক শাখতকাল গাভিতেতেন সেই সনাত্রের গাঁতি---বেদুসংক্রিড। এল্প ড-বাণী মানবজীবনের চৰম क्लारिक मन्नान-कार्रिनी ।

সনাত্যনৰ প্ৰকাশ হইয়াছিল সেই প্রোপম প্রভাতে চতুরানন একার কেন্সান্স --- १ दरेभचगमधी टीरनदीन ्रोच्यानीत्र विवासि----भगोकरम्ब क्यू-डा ध्वनक्षान -আর চতুঃসনের জদরসিংহাসনে ৷ চতুরাননের বদনকমলম্ভরভিত সেই সনাত্যের বাচিত अञ्चल रहेराष्ट्रिय मान्त्रीय चित्रनीवान शकन প্রাকটে। ব্যাসদেব-বির্ভিত ভাগবভাষ।সমগ্র সনাত্রের নিডা প্রিটান। घानलाकतः भग्नरस् मन्। छरन्तं भर्धता गर्धे প্রচারিত কলিনাছেন।

হে স্নাতন ! হে নিত্য, স্তা, শাখ্য ৩ কামরা প্রথাত, শ্রণাগত তোমার জীলাদ পয়ে। শ্রনিত। কাশের ছকার প্রভাব বটতে আমাদিগকে রক্ষাকর। অবটাতের জী ১৯স্পতি মুছিয়া দাও----মভিনবের খোঙ খুচিয়া ধাক-ভবিষাতেশ আশামন্ত্রীভিতা অপনো দত ইউক। হে সনাতন ! তোমাৰ নিভাষালবা চরণে আল আমরা আখুব धार्यक्र ।

### बानामाभटन नितरशासम

च्याशामी २२८म टिकार्ड यूत्रसात कि 1म একই বাণা---সন্তনের মহামধিম কাতিনী। জীধান মাণাপুরস্থ জীগাদালনে জীবাদ জীবনকুজে বাণা বীণা ফডদিন জীবিত থাকিবে, পণ্ডিতের তিরো চাব-মহোৎসব অভুটিত

## গ্রন্থ পরিচয়

### শ্ৰীমন্তাগৰতম

শ্ৰীমন্মগৰি ক্লাইৰপায়ন বেদব্যাস-প্ৰণীত মূল, শ্ৰীমন-हाया-कुछ। छा९भगा-निर्वद्गिका: श्रीमक्षवियनांश हत्कत्यी s-ক্ত সারার্থদলিবী টীকা, বঙ্গাছৰাদ, সংস্কৃত অথ্য ও াশক, ভণা ও বিবৃত্যাদিযুক্ত। প্রতি ছকের আদিতে करकत्र প্রতিপায় কথানার, অধ্যায়ের প্রাপনে ঐ ারের সারস্ট সুবিস্থত তাৎপ**য়াদি বিরুত।** শোকস্টা ।সূচী, অণ্যারবিবরণ, পাত ও স্থানস্চীদং উত্তম জে উত্তম কাকরে মুলিত। **প্রোগম হট**তে ১০ম কণ ্য ছাপা শপুৰ্কীপে শেষ হইয়াছে। ভিক্ষা প্ৰথম 5 लम व्यक्त भगाष्ट्र २०१४ कः वसम व्यक्त २२ ; Bo 1

#### बी बेटिन्डसम्बद्धान्य

শ্ৰীপ্ৰীনয় কিবিনোদঠাকুম-মচিত 'অমৃতপ্ৰবাহ ভাগা' ইউমিছ জিনিছাত সর্বতী গোৰামী প্রদূপাদ-লিখিত ভাষ্যে ঞাত-প্ৰভাগি বহু শান্তশ্ৰমাণ-সম্বলিত চইয়া ांभण रहेगारध्य । (शास्क्र माय्यनाथा, वक्षाधनाध्य এক পরারের পুলে সংক্ষি**প্ত অভিনের** সংযোগিত। ाक अभाग-आवर्ष्ण कथानांत्र CF उत्ता आरक्ष । (जाक. , শব্দ, সান, পাত্র প্রস্কৃতির মুবুরুৎ সূচী ও প্রস্কৃতিবর ত জীবনী ধুম্বিত এইরূপ অভ্যতপুর্ব সংস্করণ ইণ্ডাপুরে পি একাশিত হয় নাই। উত্তম কাগ্রেক পারিপাটোর ্ সুল কোনতে মুলাংশ মুক্তিত হইয়াছে: এও প্রায় • शृष्टेश्य गम्भातः । क्षिका वर्ष्ठमाटन **८** माळ ।

#### **बिरेड्डब्रह्मभागवड**

গ্রন্থকারের ফীবনী, প্রতি পরিক্ষেদের কথাদার, বিত্ত ांध कामा, भवन्त्रही, भग्नात्रकृती, विषय-साम भावाति-প্রভতি বিবিধ বিষয় সম্বাদত বিরাট ছিতীয় সংখ্রণ काडेन म (पकी बाकाता बामिनीमा स महात ংশ প্রকাশিত **১**ইয়াছেন। জ্ঞামে জ্ঞান প্রকাশিত ্ছেন। অগ্রিম ভিক্ষা ৫ টাকা, আদি লীগাব 5, 1

#### **ब्रिटिम्ड मा महाम**

হট প্রপ্রের এরপ অভিনব সমার সংখ্রণ আবা করাপি ! िक्छ व्य नार्व । अध्येष्ठ (अस्मार्ट्स्य अवय, वक्षाध्याम, , কথাসার, তথা প্রছাতি সহ পত্তে একে প্রকাশিত एकत। युन (याहे। अफरत्र छवन क्रांडेन आहेरभक्री कारत श्रांशा करेबाटण। मूला २॥० छाका। असीशा াশ ও গৌটায়ের প্রাহ্কগণের পক্ষে ১॥• চাকা।

#### <u>শ্রীমন্থগরদারীতা</u>

—শ্রীগোডীয় বৈক্ষবাচানা অপ্রাক্ত রসিকচ্ডামণি াবিশ্বনাপ চক্রবিভিটারের গোম্বামিক্সা সারাগ্র্যিণী সমেতা ও প্রাইমিল ক্রিনোদ সাক্র-প্রাণীত 'রসিক-ं म्यायक काराक्षासाम्बद्धाः। अधाराष्ट्रमी, माकुकाक्ररम ্ত্তী বিষয়-স্থা-জাছকারের শীগনী ও অবভরণিকাদি ্ত্রাব্ধয়-সহ উৎক্র পাথাই ভূটীর সংগ্রগ--- এই রাজ हिन्दू किया २८ किया भाज, मानावन भारकतन--- अर

## শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

ওঁ বিষ্ণুপাদ এএমডজিসিদাধ্যর্পতী গোখানী সহারাজের দেই অবিজ্ঞা-বিধ্বংসিনী कीन (पायक रशारहा थिनी क्रया-कार्या निम्मल विभी की वस-वानी व শৃষ্ঠ-বিগ্রাহ — বৈষ্ণবনিদ্ধান্ত-রত্তমালার কৌস্তভমণি—সম্প্রদায় र्वे छवितकालाशास्त्र सोविक छवा-नक्षत्राज ९ छोशन्यत्त गन्यस छक्-- महा जन-की वनह जि. - निक क-- हि जिलागृहि ना छ-শ্রচিন্যাত্র-বিচারক- ঐশ্বয় ও মাধুর্যারশের মৌলিক গরেষণার -- मथक, व्यक्तिय ९ शास्त्रका- उत्तर निकाय- मम्

১। প্রথম অভ—বৈক্ষবদর্শন, শ্রী ওরাত্তর, কাল-ধন্ম, শ্রীমধ্বাবিভাব, শ্রীবারভানবী, পাঞ্চরাতিকী দীসা 8 वर्ग विकात, आधाममा '9 मत्नारमा, औरेक्ट महासव क ভাষার শিক্ষা, অপ্রাক্ত সহজ্ঞাত ও প্রাকৃত সহজ্ঞাত প্রাঞ্চি বিংশতি সংখ্যক রছে জুশোভিত। ভিজা মাত্র কাতি-পুতি পু**রাণ-পঞ্চরাজীদি সাত্ত-পারসমূহের প্রমাণা**বল ৮০ বার সালা।

১ I বিতীয় **খণ্ড-- ৩**%। ও বিদ্ধা ভক্তি, ম**স্**যোৱ শেষ্টভা কোথায়, আত্মার নিতারতি, জীগর স্বামিপাদ ও माग्रादान, क्रीत्योत-निज्ञानसञ्जयम, जियुर्गत सम् ७ क्रक-काउँन, कितामल्याय क्रीमधानवत्त्र कीउन, क्रीलीत-ধামের মৃতিমা, মুগা প্রায়াদ, জ্রীলোবিন্দ, জ্রীক্রপামুরাভুজন-প্রথ, শ্রীমতী ব্যভাক্তনন্দিনী, শ্রীচৈওজ্ঞের দয়া, পৌরকরপ্র ও রক্ষমন্ত্রীন্তন--১তুদশ অপুক্র-মধুনিমাপুর্ণ-বভ্ততা বিভূমিত। किका : एक छैका माजा

প্রথম ও ধিতীয়—তই থণ্ড একারে লইকে ভিক্ষা ১৪০ মেড টাকা, ডাক গ্রাচ প্রভন্ন।

#### 🚇 মন্ত্রগবদ্গীতা

গোডীয়-বৈশ্যবদার্শনিক-শেখর শ্রীশ্রীমন্বলনের বিভা-ज्यग्रह जाया **व जी**यष्ट्रक्तिविद्याम राकृततत्वाश्रम वश्र-ভাগায় বিশ্বত 'বিষদর্গ্ধন' নামক ভাষায়ক। অধ্যয়-क्रो. निव्यक्ष्ठी. ७ व्यक्ति स्मास्कत व्यवस ६ ह्वीस পাদ সূচী, ভাষাকাবের কীবনী প্রাভৃতি সম্বলিত। উংক্ট বালাই, বাজসংখ্যার ( ভতীয় সংখ্রন । প্রপ্রের fmen = 5'411

#### প্রমেয়রত্বাবলী

हामभगतान विकालमध-खवाक रेनमध्यमनम, मुन्छ छ ্ণাবিক ভাষাদি পড়িবার প্রথম এছ। উৎকৃষ্ট কালিছে छ। । इतिकृष्ठ हैकि। ও প্রাঞ্চলবন্ধার । । । । । श्रुकि महर्द्ध न महिन्तु ८ (वाद्यामा) व्हेंसा पारक । किया। io • আলা মাজ i

#### জীননত্বীপধামমাহাত্যা

( প্রমাণ্থ ও ) সামুবাদ। ক্রাফি-স্বভাগি এছে শ্রীনব-श्रीराजत (म श्रीरंश केंदिल अम्ब, लाशत मूल माक्षा छ অভবাদ ৷ ভিকাত আনা।

#### **এটানবদীপভাৰতবৃদ্ধ**

শ্রীপানর ভবিধানাদ বিথিত। প্রলবিত গাঁডাকারে প্রিক্রমার দ্ববাদি-বিধাক। ভিকাত আনা।

#### ভাষ্ণেরভাকর ও নব্দীপ পরিক্রমা

শ্রীল এর হরি চাক্রবিটি-সাকুর-রচিত। ভক্তির ছাকর ১৯০ে প্রিম্মাণে যাত গৃহীত: প্রীজীব পোস্বামী কি लकारत है। व्यक्षीलमारमत शातकमा कतिशाहितान, लाशहे গছে বিবৃত। ভিকা। ৮ আনা



**ीन एकि विस्ताम के क्रि**न-व्यनीए । इंकारण और हार्रागन भिकाखगानी-क्ष. क्रक्षशक्ति अ तम-वद १ मक काँव--व्यक्तिश-टाइनाटका-छ।-नाटन-निर्वश-खरावान-छइ, कप-কাও, আভ্ৰমাদিয় বিচার -- বৈনী ভক্তি, ভাষভঞ্জি 🔸 প্রেমভিঞ্চিম্ম নামভন্তন-প্রেরালী ও অইকালীয় হালা পরিচয়াদি প্রথম শিক্ষাপীর উপযোগ্য করিয়া সর্গ্র ভাগেছ সমুদর স্**ক্রিপ্রমাণ্ডমন্ত লিখিত আ**ছে ৷ চতুর্গ সংস্করণ বাক २. डीका, आबाबा ১५० होका माछ।

#### পৌষ্ঠীয়কণ্ঠহার

हैं।देशों **हीत-देवकवशरणत** अक्षयान करेश भारतगरगणा বিষয়বিভাগ**ক্রমে সাম্ম্বাদ ও**পিছে। এইরূপ বৈদ্যান সিদ্ধাণ্ডের **সারসমবন্ধ অন্ত** কুঞালি প্রকালিত হয় নতে। ইহাতে ওকত্ব—ভাগ্ৰত—বৈদ্যব—গৌর –নিভা্নেল— --- अ िर्धय---- भाषत्र कि---- वर्गम्य-- वास्य-भ्यं --- सुक्षत्राक — শ্রীনাম-প্রয়োজন ও প্রমাণ-ভর্তাল পুথক অন্যায়ে প্ৰবৃহৎ মো**ৰুদি স্থচীন্ত উ**ংকুষ্ট প্ৰ**তি**ক কাগ্ৰছে ব্ৰোভ ব্লু কালিতে স্থান্তিত, উৎক্লাই বাঁধা সোনাৰ জলে নাম কেপা। এই প্রায় ৪০০ প্রায় সম্পূর্ণ। ভিজা ২, টাকা মাতে।

#### 🕮 সৰ্বীপ্ৰাম-এছাবলী

दीयम = किविद्याम होकृत तिल्ल (त्रायमाधानु-भाव.-মাহায়ের সাক্ষরণ প্রমাণ প্রভাতীয় নবংলিচকরতা হাকুরের ধাম-পরিক্রমাংশ— শ্রীশাম নব্রীপ পরিক্রমা—ভ ব যাত্রা প্রতি--- ত্রীমং প্রবেশানকরত নব্দীপশতক্ম---শ্রীমুছজিবিনোপ ঠাকরের শ্রীমুবধীপ ভারতর্গ প্রভতি গ্ৰন্থ কৰা ভিকা ৮০ আৰা মাত।

#### এহরিমামায়ত ন্যাকরণ

জীজাঁব গোস্বামী প্রান্তপাদ-বির্ভিত ক্রড ও বৃদ্ধি, ভ্ৰম্ভে উবিফুগাদ শ্ৰীমন্ত্ৰিনিদ্ধান্ত স্বস্থা গোক্তান মহাবাজের বিশ্বত ভ্যিকা ও গটা প্রভৃতি স্থা অপ্রভাশিতভাবে মুগল। ভিকা ২. টাকা, ডারগণের भएक ३०० छोका माता।

#### (वपांच क्रवात

**জীমদ্রমান্ত্রচাচায্য-রচিত।** ব্রল্পত্র বিশি**রট্র**ভ ১৮ প্রচাবক জ্রীভাষ্য-প্রশেষ্ট্র মানুষ্টার এবন এবদান্তদশন প্রশেষ্ উপযোগী कतुनार्थ एडे छिश्रम क निष्टार्थन । इंट्यार বঙ্গাল্পবাদ ও স্কীপাৰ্বাদি সংগোক্তি ছবা হছমাছে নাম মাত্র ভিকা। । আনা।

#### শ্রীচৈতক্সচন্দ্রশায়ত ও নবদ্বীপশতক

শোরপার্যদ ত্রিদত্তী শ্রীমৎ প্রবোধানন সরস্থাই জলত মূল, প্রভূপাদ শ্রীমদ ভক্তিনিদ্ধান্ত সনস্থ টি লোকটো মঞ্চনাৰ স্প্রাদিত অব্যন্ত্র ন্যুক্ত ও বস্ত্রাদ স্থাক্ত নব্দীপশতকের উচ্ছিতিবিংনাদ সাধ্যবিধ প্রাক্রণাদ আ ভংসহ শ্রীমন্ত্রপ্রপ্র একটা নিন্দ্রপঞ্জ সঞ্চৌবর দিন श्राहक अञ्चलका भूमा एक कार्य है देशके १ व वास्त একলে ) ভিক্ষা ৮০ আনা, অভি ওর্ম্য বাঘাই বাজসংগ্রহ ्र हाका माळ।



लीमधांकविद्यान शाकुत-धांग्यः। एक ध्रकमाञ् शक-গত্তৰ জ্বান লাভ কৰিলে পারমার্থিক রাজ্যে কিছুতেই া আন বা সংখ্যা পাক্তিবে না। প্রমাগুট ধ্যাবিষ্যক এইa भागवन ९ अन्यन्तानी अन्न ज' भगान्न क्षकानित द्वा आहे । ালি লাক্ষামি-শাস-মতোলবি-মধনকাল এই এখাস্ত में प्र इहेग्रहाम । आतात श्विष्ठल छही. कथाभात বিৰুপান আৰু বিশেষ সমুদ্ধ কৰা ১২ লাভে। বিরাট গ্রান্ত, ्रातार छात् मात्र (ल्या, धेरक्षे नेमार्डे -- ठकुर्व माद्रवन र्भक्षा २. हित्रियाद्धाः

#### প্রেমনিবর্ত্ত

প্রিমারতাপ্রভাগ অধ্যক্ষ প্রায় প্রায় ক্রালানন্দ প্রেড নিবার্ড এই পুলকে অতি ভাগবোদা ভাষায় মহাপ্রভুৱ कोजलर नीलामक टेनकाराहात, रकालनी ख नामक्रमन াণাল প্রভৃতি অনেক বৈদ্যবভাষের সুমীমাণ্দা ্ল'ব 🕩 পাইবেল। পাদটাকার জন্মত জানের বিশ্লার্থ ও ভাষক জাৰ পৰিচয়াদি-স্থালিত চতুৰ সংস্কৃত ভিকা ॥**১**০ দল প্রাস্ট্রি।

#### ভজনরহস্ত

ভ্জনকারীর নিভাস্জী ; হাকুর ভক্তিবিনোদের সমুশা जान : निवित्त भारत्वव निर्याप्त । अष्टवानि ना प्रका प्रयास् কেই ব্ৰিতে পাৰিবেন না 1 ১ ঠাল সংকৰণ ভিকা ৪০ ৫

#### ছরিনামচিন্তামণি

अभागांता जील धतिलाम आकृतन्त मुल्ल जीमसाधाद्या ह অন্য-ম্চায়া, ন্মভেদে, নামাপর্গে প্রভৃতি বিশয়ের ా 🕮 নিচার প্রবণ করিয়াভিবেন্ । এই বিষয়গুলির জাতি স্বল প্রারে সংক্ষিপ্ আশ্রম্ভ থবিপটিভাবে মুলিভ ন্দ্রীল ভূপকারলেপ ইকুক রতি ও । পঞ্চম সংস্করণ শিক্ষা এন

#### **不可了付你有多办**

্ ্রা ও অনুন্ত্রে প্রিকের রক্তি প্রয়েকনীয় ও দেশ বেলীপুণ্ নীপি এড়া স্মেল প্ৰাণপড়া কান্য ে ১৯৭ এই ভিজনরাজোর গাঁতিসমূহের ধাবং অনগনিবৃতি ৭ দল গ্রেষা গাড় করিবাস প্রতিপ্র প্রেইকেন। স্ক シャルス・。こみから、しょん (物質の) 有物質 🔒

#### नत्रगार्गा ड

डीक्फोर्कार्यम अक्तनिष्ट । छगरास आधारवर्षः, रिकांध्र, ७५ मणागमा, २७ निमा सत्तराशिक ५ मिकि साथमा বিধ্যক গা' গপুণ, ভিক্তা ১০ আনা মাত্র :

#### जी के! नजी

প্রি) কের ভবিধনিলাদ প্রণ <u>:</u> ভঙ্গ, আরাত্রিক श्वतान (व्यवसामि-विधयक मयुव ११ इत्रम् । दक्षा अथिए । १०० । १० आभा मार्च ।

#### **্রীসম্বাকর্মে**য

🌼 আনা মাত্র

শীমনালালেণুর শিকাও শীল রঘুনাপ দাস গোস্বামীর ! প্রতি শ্রীকপ গোস্বামার উপদেশবাণী, ভব্তিপথের অনুকৃষ ও প্রতিকৃশ বিগয়ে পুরিচারিত সম্মোদন ভাগ্য, বিশ্বত বিবৃতি, চরিভাষ্টের প্রমান, সাধ্য ব্যাথ্যা ও মহাজন-প্রণীত ওচ্নতেটো গাঁতমন্ত প্রেছেক শ্লেকের সভিত স্ক্লিবেশিত ১ইগাড়ে। তদ সংস্কৃত্ৰ ভিক্ষা 🗝 আনি ।

#### সাগ্ন-কপ

শ্রীপ্রনাথ লাস পোস্থার মন্থ্রিকা, শ্রীপ সাকর ভক্তিবিনোদ-চবি" পজামুবাদস্য। ভিক্ষা 🗸 আনা।

#### প্রেমভব্তিচব্রিক।

জীল স্কুৰ নরেল্ডমের স্থাপাক প্রেমভার্কারময়ক গানের পুঝক। ভিকা / ০ মানা মার।

#### নগ্রীপশভক

লীল নাকর ভিভিবিদোদ-বটিত লীল প্রবেশিশনন সর্প্তীপ্রের সংস্কৃত নব্দীপ্শতকের প্রকাশত প্রাপ্তবাদ : ভিকা 🧀 খানা মাত্র।

#### ভার্থপঞ্চফ

শ্রীল লোকাচাধ্য রচিত। বৈদ্যবতা জানের মাধ্ব প্রক। ভিছে: ১০ আনামারো ৷

#### সদাচারশ্বতি

🗐 ল মধ্বাচ্যা-প্রণীত। বৈষ্ণবের নিত্রেশ্বাদি দলাচার-বলী, বঞ্জান্তবাদ দঙিত। ভিক্ষা ৴ ভাগো মাত্র।

#### মণিমঞ্জী

কবিকুলকেশরী শীমরারায়ণাচায়া রভিত শ্রীমন্যধর: চাব্যের সংক্ষিপ্ত জাবনলীলা ও মূল বৈক্ষণদক্ষত। সংশ্বনাদ formile state also

#### **अोत्रक् क्याम**ग्र

প্রাচীন কবি শ্রীলোবিন্দ দেব প্রধান শ্রীলোবারভুংরের প্রমাণাবলা-সাবলৈত সাম্বত প্রায় ৷ 'ভিক্ষা ৮০ আমা ৷

#### সুব্রিমন্ত্রিক। ( গুণলে)রভ

আমধ্বনস্পোয়ায়গত আমিরাদিরাক স্বামিরুর প্রাণ্ডার সভিবাদ এত প্রতের প্রেক্শি পরিমাধিক সাভিত্যভাগতে उडे मक्कालागा । श्रीमनाकातां गाँउ छोड़ साम्नामका विकेश মধ্বাচার্যা নামে খ্যাত জ্রীবাদিরাজতীর্থ স্বাহী এই খ্রু দাপারণ মুক্তি ও গোকিক প্রায়াম্রপারে কিরূপ ওলরভাবে ভিক্তিবিরোধি-মত্বাদ সমূহ পঞ্চন করিয়াছে, ভাচা পাঠ করিতে করিতে আশ্চর্য্যান্তিত হইতে হয়।। ইহাতে গুলির ধারা চাব্যাক, জৈন, বৌদ্ধ, মীমাংসক ও মারাকালিমত-**अभूटब्र अन्यत्र भ छन त्रहिग्राट्छ । क्रिका २८ हाका माळ** ।

#### ८गाचामी औल त्रघुनाथ मात्र

(ও বিফুপার জীল ভঞ্জিসিকাস্তসরস্থতী গোলামী প্রভূপান-লিপিত ভূমিকা সহ) গৌরপ্রেষ্ঠ শ্বরূপ-রূপের একমাত্র প্রিয়তম শ্রীল দাস গোলামী প্রভুর অপুর্ব চরিতায়ত ও শিক্ষা অতীব প্রাঞ্জল ও সরল ভাষায় সরিবিষ্ঠ | টাকা মাতে। ংলকেক্সমূক্টমোলি জীমন্বিদানাথ চক্রবস্তী ঠাকুর- এবং পরিশিষ্টে দাসগোখামী প্রান্তুর বিরচিত কএকটী শীমন্তজ্ঞিবিনোদ টাকুরের অন্থবাদ- বিশেষ মধুরতম তব ও মন:শিক্ষা-সন্থদিত। ভিকা ু বাধাই ॥ আনা, আনাধাই। 🗸 আনা মাত্র।

## চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাচীন নবঁ**ষ্ট্রপেন, জুন** ডিডি. তথ্য, ঐতিহ্ন, শ্রোত ও ঐতিহাসিক প্রমাণসম্বলিভ নয়টা খীপের সচিত্র বিবর্জ अधा ताक्षित्रा कार्य होते क्रमात क्रियुक्त भवनित्र नावायन त्राय धम, धा, ध्यांक (याद्यांत्र), द्वतास्त्रक्ष्य मह्माम् कर्क সক্ষলিক এবং ৪৭ থানি বিজ্ঞির বর্ণের অপুরুষ চিত্র 😽 মানচিত্র-গম্বিত ; প্রাচ্যবিত্মামহার্ণব রায় সাহেব 🕮 যুক্ত নগেন্দ নাথ বস্ত বিশ্বকোষ্যম্পাদক মহাশ্যের বিশ্বত ভূমিক নত। উৎক্লি টিং ) মরকো বাঁগাই মুশ্য ১৪০, ভিঃ শিঃ ছে ं २ ्हें कि भारता

#### गाभक-कर्श्वमाला

इक्तम्बा, देवक्त-वस्त्रा, देवक्षवस्त्रा, वानारमञ्जूषिक, শ্রীন'মংটু, শ্রীমশ্রচাপ্রভুর অঠোন্তরশত নাম, অইপ্রহুর নামকীকন, আনামদলীকন, প্রেমধ্বনি, বাউল্যক্ষীত, নবৰীপ-মতিমা, শ্ৰীমায়াপুর মহিলা, শ্ৰীনব্যেন্তম-গ্ৰেভুর অষ্টক মাচাণা বন্দনা, সজ্বোধামীৰ অইক, প্রেমভব্দিচারিকা, উপদেশমালা নামভকন-প্রপালী, মহাপ্রভু ও রার রামানক गरनाम. मनःभिका, **🗒 धतः अन्छि. 🖻 ध**तः-भतम्भता, মহাপ্রান্ধ বন্দমা প্রকৃতি সাধক ও সিম্বন্ধীসনের নিভাপাসা, বৈদ্যবগণেৰ কণ্ঠাশিত তুল্গীমালার স্থায় অন্তক্ষণ কর্তে ात्रणस्याचा अभूका श्रप्तः । अञ्चर ।√०, दैश्याद्ये ॥० साज्यः।

#### গৌড়ীয়-গৌরন

কলিকানার প্রতিষ্ঠি আল্বাট ১লে গৌড়ীয় সম্পাদক ইপাদ ক্ষমণানন পর্বিদ্যাবিদোদ প্রদেষ বঞ্চতার বিনয় গ্রন্থকারে প্রকাশিত। ইন্যান্তে গৌড়ীয় বৈক্ষবসম্প্রদানের ইন্ডিচাস স্বাকাৰে গ্ৰনিষ্ঠ কইয়াছে। ভিক্ৰা 🕪 মাজ।

#### (गोड़ीय माहिन्छ)

কলিকান্তার শুপ্রাসিদ্ধ আলগার হলে পৌট্টীয়-সম্পাদক শ্রীপান অন্দরানন্দ পরবিষ্ঠাবিনোদপ্রাদু প্রাণত বস্তৃতার বিষয় अश्वोकारत क्षकाश्विक । इंशास्त्र माहिका-भरमत व्यर्थ ध्वर পৌড়ীয়-পাতিত্যের বিষয় ক্ষকারে বণিত ভইয়াছে। জিক্ষা দে॰ আনা মাত।

#### শ্রীগোড়মগুল পরিক্রমা-মর্পন

শ্রীগোড়দেশের যে সকল স্থানে সপরিকর শ্রীমন্মচাপ্রভূ এবং তদমুগ পরবাহী মহাল্যনগ্র লীলা করিয়া গিয়াছেন, সেই সৰ আধুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও দেববিগ্রালাদির পরিচয় সহ যাতায়াতের স্থাবিধা নির্দেশ ইত্যাদি। বিষয় গুলি সলিবেশিত আতে। ভিক্ষা। আনা।

#### THE HARMONIST

#### OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীল সাকুর ভব্তিবিনাদ-প্রতিষ্ঠিত এবং শ্রীল ভব্তি-দিশ্বাস্ত্রদরশতী গোখামী প্রতুপাদ-সম্পাদিত পারমার্থিক মাসিক পত্র। একবে ইংরাজী ভাষার অষ্টাবিংশ ষরে ভবলকাউন ৮ পেজী ৪ ফশ্মী আকারে প্রতি বাবে হয়ি নামের বিজয়-বৈজয়ন্ত্রী শইয়া উপস্থিত হটতেভেন কাগ্ৰু, মুদ্ৰণ-পারিপাটা ও চিত্রাদি অতীব চিন্তাকর্মক এই প্রকার উৎক্র প্রবন্ধ আরু কোন মানিক প্রাাহিতে **मिथिएक शहिरवन ना। वाधिक क्रिका फाक्याक्षणम्ह ०.** 

#### প্ৰাৰিছাৰ-

**बिट्रेड्डिंगर्ग, त्याः ख्रिमादाश्वत महोद्रा** 

## বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভাক্তন্যসমূহ

চত্ত্যা মা

#### ্ আকর মইরাজ

श होत त्रवेशीय ७१७ वर अध्याम माशालुक, तलीवा

শ্রীমকারে গলীঃ করাজ লায়ে ৩০। শশু উদ্ধেত-পুনের শ্রীব্রজপার্ভে আচার্যারকু শ্রীচন্দ্র-द्रमुख्य-फन्टल अविक्रिक्षण अप्र निद्राक्षणाम ।

बर्व काम भारत्यक-हीर्य, भवरिकाशीप्र ना माइक क्रमण्याती । अहे प्रधा नीहर्व शिव्हिन माभाष् । वार्षकरशामिनत्यम अप्रमृत्, शत्तिकात कावर्षक काता, नार्वक, धलकात, छुना अवाप-केर्या-तिम-तिम-तिम-तिम-किका १ वाज १ केर्यर विकास का वापालका (Ent अवापालका) ्शोबाक्र-शाक्ष साका-शिव्यात क शाव । शाक्यमाधिक-बाठागा-ठळ हे जावारमच फेलाळ विकारकत र किया 'सका अधिक करदायहरूस । यह महत्वारक लाक्साविक देवसिक्षणक मृद्धक मक्काम्हित्र अभवात्मक व अवार्तीन अप्रतास अठावकात वर्णामा-शक म् महालह शाक्रक्रित वर्षशाद्या অভিবংসর অধ্যম-পরিজ্ঞান্তর্গ ন করণণ্ড কক্ষরোপ্ত।ত कीकुंग शाहारम्(म महास्टर् ६ शर्वा म ककाम महिल्ल कहता नातक । नम्क -- उन्नहारी ইলার নরহার্ত্তী। সহকারী - ইল্যাল বিলোদ্যিতারী ব্রহ্মতারী, পাত্ত ইল্যাল সোরবাস अक्षाती कावा गामकापरीय, श्रीवास कैंडिक विषठाही, श्रीवास संस्टावान अक्षाति, শ্রী কর্মার ব্রহ্মারী, শ্রীমধনপোশার রশ্বরী, এক নবেল্ল, তবিশাল, বেব হীমোচন **型は、日本のよりま** 

किनशिवामी भिन्द्र क्रमानीय भीचे मनावाक स्वाम्य इतिकणा कीर्यन करिएक्टबन । अक्राती श्रक्रीत

#### (७) दश्भगीत क्षेत्रस्थित

at win Businierinima man al विश्वारा शास्त्र व्यक्ति कार्रा कार्या महार्थाश-पर्देश क्यार्स होन्सी शहा व होत्स् क्षित्रमण केट्राहिलावारण अन्य केट्रिक्ट a Bainigema fom (not vor Arm. मानास्य (भाषामी क्यांतामा शक् मेहन्।-माथ : मध्यावी श्रीनिकानिक अवशामी. 🗒 त्रामानित्सम् किन्द्रमन, चीर्नामान अवा-ठाती । अभागनभाग व्यक्तिकाती, त्यानावा Maisass !

#### (8) 의제 가 기가 기가 하다 하

शिक्षमा का शाक्ष को खन- विशास वा शिरबोक्योणाय कामध्यो । क्यारन डाञ्जीत्यात विकासिक के शक्क दक्ष देशका विकास । क्षक र---श्री शका र कुश्रम अवस्तावी ।

#### ( ८ ) कार्रेष ५-% वस

कड़े काल श्रीबरेडक शहर करन धारर क्षमा वर्षभागाः

क्क क--- दी बटेब जानम पामाधि काडी, खिरशाक्रमशाम वावाची।

#### (.७) काष्ट्राव शवाधि भः हे 🕒

अहिँग मार्गाल्यः, नामनलुक्तः (नर्गोदा) **बि**र्जोश्रक्षणानातः बिहासकाकीर प्रशासि। बुक्क -- अक्षहादी कैविरनामांव शही।

#### ('4) **খানন ভূখ** - কুঞ্চ

**अत्याक्षण, यक्षणशक्ष ( मन्)श)** बनारम खेर्विकुणाम जीम ककिनियामहाकृत्वर nuffe wat Dententine wat Ballet-शानंदद रमवा वर्षमान

क्ष्म -- प्रक्रिपृत्र शक्षात्र अध्वत्रात्री क्का दिली बन, जम, जम

### er शिक्शबाथ दर्श होत बठ

unu. the a t

इक्क क--- व्यायक्रवत कांक मांची तम् . . . . . 14. जन, महकारी-- अद्भागमा क्रिक-नाडी, क्षेत्रकार बासवादी अव्यक्त

#### ( २) औरशीत-श्रमाभव मठ

হাপাৰ চী, সমুজগড়, ( বস্কুম্বি ) 🕮 नातिनाः धन शांतिहे । मोशप्रभावत-.मता । त्रक्क - चिरस्त्रधाम अक्राती, अक्र नीश्रामात काम ।

#### : ১ • শ্রীরূপগৌড়ার-মঠ था. । शक्क. शक्ष:श र डे. रेल em 🖛 📆 र्याच्यात अञ्चलको, महकारो —

#### - **あるなるいととと** ( こと )

क्रिम्द्रियंत्र अक्रान्ते ।

भाष्ट्रिया'छ, कालगर, वश्चमान्त्रा 🕮 गामान गत है।कुर बुन्तान(सह आस । < क्र व — अव्यक्त विश्व विषया । च्या #1 - Willer 1

#### (১) ভাগনত আসন

🖺 - १४वज (८४), क्रमानगत, नामीका । ভাগৰ - দিছাল গ্ৰন্থ কৰি লাভাৰ-কেন্ত্ৰ। वक्त म- अकिमानम वस्तारी का स्वाही

#### देव कहाक्वा**डि** ( ७८ )

Cधारिक्षण्य, द्रामणानी, समीका । क्षणक-- 🕮 ५ इसामन अवस्ताती । सहकारी है। इतिर बन्नाती, खेबनाभीत मामारकाती, टे. मञ्चनाथ शासा, अक विश्वनाथ

#### (১৪) শ্রীমাণা বেগাড়ীর মঠ

भ•सर लवावलूद :शांख्, हांका । भूम् १८४४ क्राह्म- ८०%, अथारम खो कर-(जोबाक जासका-जितिमध्यम स्थवा बेखमान । শ্রীপাদ क्ष्मवासम् भवविष्ठाविद्यान वि- ६, अधान-

### (১) জীমেণাডীর মঠ

८७ मः कालिकामाम ठळनकी हैकि. (भा: मामनाव्यात, कालका छ। CEFFICATA IT. IT. HELE

শ্রীষম্মতা এক্টর প্রচি:বিশে স্থানিক্ষণ ভবিদাক্ষ-প্রচারেরাদেশে গোডাদেশের সক্ষ্য প্রধান नगरी कविकालां श्रीकिविद्याल भागान श्रीयह श्रीकृषि सहस्ता वह अक्र-मक्यादारम 🖺 अस-दर्शनाम- 🕮 विद्राप्त मानेक को है मलाबेटन विकार मान करें। 🖂 কাচার্যাপরের বাবজীর প্রস্থাবলীর শুরাচারোকেশে ত্রীমতে সংলগ্ন একটা ওবুলং মৃদ্রা-মন্ত্রাপর সংস্থানিত ততরাছেন। পুলিনীর স্বাত 🗐গৌলনাম প্রচারার এই সম্পুর্ভ क्वेट्ड 'द्योप्तीय' भाश्वाकिक शत्त. कि क्यूब्याबिष्टे याभिक शत्तिका ररदाखी कावाक নিয়মিত ভাবে প্রকাশত চলচেটেন। উল্নয়ে পাঠ, সন্ধার্ত্ত, সপ্রাপ্তা, সপ্রপ্রাতিক করিছাত্ত শ্রীমন্ত্রাগণত, প্রতিভক্ত-চত্তিভাষ্থাদি-লালা ও ভব্তারের সমাক মালোচনা চত্ত্ পাৰে। মঠবছৰ-আচাৰাত্তিক শ্ৰীপাদ কৃষ্ণবিহারী বিষ্ণান্তৰণ। সহকাৰ্গ-প্রিছ श्रीभाव समस्वान्यस्य भवनिकाकृत्य वि- व. लीगाव प्रामृतिकादी उन्दर्शि, श्रीमाव व्यमध्यात्म मामानिकारी वि-व. जीलार क्यालाल मामानिकारी, उन्नहारी वीकी स्थानक, अवार्धी वीपादिश्याक्त, अवार्धि वीमार्थनक, पांतक वापाप गरीनकृष পর বিস্তাপক্ষরে সম্প্রদানটো ভবাচারী, ইম্মক্সপ্রামদানাধিকারী বিন্তু, ইভিব্যস্থানিচন पकारी वि-ध्व, श्रीकष्ठभम लाग्राकाविष्, श्रीविष्ठत दक्ष ाही, श्रीकृतकात्याविक

भारत दक्षाती, दीमनभाराम वक्षाति, चैपहिन्द्रभारत प्रकृत

#### ( ১৫ ) श्रीरभाभागजी वर्ठ

क्रमहाभूत, हाका। গোপাণতীর শ্রীবিপ্রটের প্রাচীন সেবা तक्तक-- ज्ञामनायन वक्ताती ।

: ১७ : अभिमार हे-८भार मार्ट कतिकिक समाधिनी सका, शामित हि उनका ত্রীগদাই-(গারাজের নিত্র দেব: শ্রীকানভীনাপভী শ্রীলঞ্চানন এভবাসী।

বক্ষ 🕶 🗐 পূর্ণ থাজা রক্ষ্য টো ে 😤 মাজগার 2518

### (১৭' জীভাগৰভভ্ৰালক মঠ

फिक्रमिया, बाह्यसम्बन्धः, अधिमञ्जूषा धनारम नी कल-(जाताक-शाक्ताक का-विकितातीय निकारमवा वक्कान । वक्क-तकनामी डो।-अनामशामकी। •

### SE WINDITATION APPENDE

वाक्यवाम दलाः तक्ष्यास ।

नी खक्र भोताण जीशास्त्रिका निविभादीत बिकारमवा। व्यक्त-व्यवस्थि **ब**ाद-1424101

#### क्र रवा खम मर्ड

पर्नाषाय, भूवी, हैं हिंहा। क्यात्व शिर्मोत-चिर्मामभाषयोह निका-.मण वर्षमान । तकक-- संभागती होंगहसा-नम विमाद्य. अभागती जीनमीयानक. শীপরেশক্তের প্রস্থানী <u> છે</u>ં રાષવાનગ बन्नहाही, अक औल्नाहा

#### (२ +) खीखब-८गोडीय वर्ड

वामवस्माध, अक्षामिक स्माः, मुद्दी । व्यवद्वाचार्याच्या व्यवस्था स्थापन NOW | 4 | द**ण ४--- अफ** 513ी ञ्जीनप्रस्थिती व्यनामकी। नहकात्री-अभवाती अविश्वित्वविद्याती।

#### (১) डिमक्तिमानम वर्ड कें फ्रिया राज्याद, कहे क

खरात <u>शिक्षक- शावाक-वित्नावस्त्रमण-</u> क्षीतः (नकासनः उत्तकः उक्षाती आंत्रवादः खोडान्यव उक्षाती

(२२) जीनमाखन-भोषास सर्वे अभर अभाव्याधिमध्याः काली ।

(भार-भगक्षपुत्रः अभात्रम-मिकाक्षतः। এখানে গোহগেবা সম্মান

> १३ ७. औक्करें हे छ छ बढ़ जीन मरध्याम कुछ, जीवाम बुन्धावन ।

के के लागा-उप-स्माननवाद स्मरा। रक्ष- चैत्रन्ग जिलाश बेक्का ही

#### (२८) 🕮 পর মহংস মত किश्विद्यालयाः महिलाल्य

श्वारम अंशात्रक भारतामा • चिरान विस्तान विमानकोट स्वा बस्त्रभास त्म क -- जिल्ला है कि प्रतिकार के ब्रह्म होते हैं। इस्कार के कार कार के किस्सार के किस्सार के किस्सार के किस्सार के किस्सार के किससार के किससार के किससार के किस मी अम्बद्धाः स्था

#### ·२०। औरे**ठड**कारगोषात्र वह

क्रिवेड का, क्रिवेड के . यानक्षा है। डोटिल १४-४८३४ नामः वक्क का अने अमान नाण वास. डीटकनशानक तकाती, जीवास ोल अधारता ।

#### (२७) वहानदशीक्षेत्र वह

কুহুপ্টের, প্রসম্মন, ক্রান্ত ্রাপ্তান लीक्षितिक्षिप-दास्यक क्षत्रक क्षत्रभागः। तकक---अकाश्यो अक्षान्यको. course gaard

#### (२० खालानशाष्ट्रं श्रभन्नाज्य-वर्

अश्विताला. ८९१३ माक्, क.रफा श्रणात्न व ६ कृत्रकृषे जीत्याबादणत दशका वस्यान । दक्षक--अवदात्री लोखान्य

क्षेत्र, क्षेत्रिक्षक अञ्चलको। (২৮: পিল গোড়ার **নত—কাব্যালয়** बन्द भाषीक का, छाइनांब अन्त, निके विक्री ।

तक -- उक्तराही जिपीतकक, क्षीकृतानक श्रीका था दश्य प्रदेश महत्व

(२३) द्यापानशाकाव्यवस्था इक्ट -- उपहाती खीवादारमावन

#### মুইশভ বিজেহীর উপর खनी न्य न

Com, म ल्याम एक गांव विद्यानी भिरमत সাব কেট প্রাণন লাডা ভাঞিয়া ফেলা क्षकार्य, काट्यन ८ मन इक्सन 2881616 লোকন্ত গত ৭রা জুন মেডিয়ের নিকট এক কৈ টক ছিল পা ভারেলর উপ্র বিজ্ঞানিক ত্রাধান আছেল আজ্ঞান করে। ভারাবা ভাগায় হেকটা বন্দুক কাহক দলি বা টিডি, দা কৰং রুমাল পায়। প্রভুষ করিয়ার পাছার দুল নই কলেও বিস্পোটা নেভার सुकृष्ठे এवर देखि (पाष्ट्रा कञ्चपन करत् ।

ট্রা স্বাই গভ ২রা তুন ওলেটগানের मुख्यि शक्टिक ध्वकृष्टि शाम शनिटनहेन कटत हेहारणत मरना एककम दमारा हिता। লামের মোছলকেও প্রেখন কল **多羽** 1

প্ত হরা জুন ওরে উলানের পড়ানতে ১২ জন বিচ্যোহী নিহত হয় এবং একজন व्यादक अ शृत्त देव ।

গ্রহরাজুন পারাওঘাড়ীটে কেদল स्थलिन अटबर्गीशरदम्ब निक्छे छरीत्र १८८५१ दीरक बाक्रमण करता अ अपनी धाना ওয়ালী সহরের ১৬ মাইল উভর পশিম কোৰে অৰ্ভিড। গ্ৰণ্থেট প্ৰেন একজন বিপাছী নিহত বেং ১৯১১ हातिनशांत्र आहड क्या विस्तारी लक्षा व क्रकाहराच्य मरथा। कामा गाव गाउ। পুলিশ একটা বন্দুক এবং প্রিট ওলি হস্তগত করে।

**ट्यिम्सि धुनिम डिल्डि** इन्डियात तक । পাতিষ্ঠ ভিনত্ন বিদ্রোগ নেবাকে প্রেপ্তার করিয়াছে বলিয়া এবন প্রেয়া 1513105 1

#### ভিক্স উদ্রুমের আবেদন

इटकाब (नडा (तडाटन ७ डिफ डिड्म বস্ত্রানে অপ্রভাবতার কাথ্যভিবেশ এন ছ टकः करशरकत संस्थितिका कार्रस्था িনি ভারতের আতীয় নেট্রেল এবং স্থানতাপ্ৰ স্ভাগেষ্টের সভাগণের উদ্বেজ বিষ্টালিভি সংশ্ব এক আংবেরন পর প্রাচার করিবারের ১---শাদেরের মুগত कामनाम कालानाम देशन ४८८७ साहर ८ ন্তক্ষ-নের্প প্রেরণ করা না ১৪ । তারগ্রে সেকপ ব্যবস্থা অবস্থানের নোনার আলে আ প্রাধিশকে স্থিতির অহাবেদি আনত ভেতি ৷ সেহেতু উইলোকা কলো ভারতার विरुद्धात करम इहरत । अह नास्त्र आभ डे 19 डे(स्थ कतिएड भारि १४, 57%) क्तांत्र होत्र देवश्चना हिमी दक्षत्रहात क्ष **উ**টিলে পর অন্তন্ত প্রতিবাদ স্ফল De: [54]

#### প্রভাত ফেরীর উপকাহিতা মহাত্মা গান্ধীর অভিমত

প্রভাত কেরী সম্বন্ধে মহাত্মা গান্ধী লিখিডেডেন যে, যদি স্থপণে চালিও হয় एटन हेअवाताता स्वाकटक संस्टलायम करा যাগ এবং প্রক্রত রা নাতি শিক্ষা দেওয়া যায়। কিন্ত খানানা ছ:খিত এইলাম যে. ट्रकाश नद छेट्टक्यलक आम शां अया हता। আম উজোভাদিনকৈ প্রামশ দিছেছি ्य, थ, प, ज्यालात हा मुद्रीकाना, शामक-बळान १५% है कि स्व (अस बान कवा स्थ এব : দিব একট সময়ে যেন সমগ্র ভারতে জ্ঞানত কেরী বাহির হয়।

#### জার্মাণীর মতি ময় পরামপের জন্ম লওম যাত্রা

রাম্প সচিব ডা: ক্রণেনিং এবং প্ৰাৰ্থ্য চিব ভাও কাটিয়াৰ। প্ৰাণ্ড্ৰ হাওন অভিমুখে যাত্রা করিয়াছেন 🕆 গুটাৰ প্রবীণ মন্ত্রী মোল মাক্রেন্ডান্ডের সভিত ভাবের এব অবাইনভিক সম্ভাট ও যদ্দেশ ঘটিপর-স্থাপ ঋণ প্রিশোচের স্মশা अस्तरात वेर्डरेट्स पर्यालाइन ( क्रेट्स (

পাত কৰা, জন জালে ভাৰকে তেওঁৰ ব্য এক ক্রমন্ত ভ্রমটোক এক ভারতের বৰুপেৰ জ্বন্ধান নৰকাবেৰ কাৰ্টিৱ ভীৰ নিল্ল বৰ্বন এব অলেন হ্য, সভাত

Biet काखालक (कात कका किस्त

### কলিকাও যুত্তীপ্রের প্রকোপ আকলেতে সেহাক মহিলার মুর্জা

একটা মোটেরকালের মামলা সংগ্রুত शिक्षाय ८६ मध्य ५३ थि नाबा वर्देनक १,६ ० १४ মাহল্য গত পুল্পান্ধার জাতিবিক ८ळिल्डिमी मार्गिय १७५ । स्थः ८४, ८४, বিশাদের একধানে সাক্ষা নিতে পিয়া অত্যানক গ্রনের কলে স্থল। সৃষ্টিত +छक्षा लोहप्रायाम । कार्याक्राक्ष खेलात बिटकत भागत व परव केकिएक अबसा (शह) প্রাথমিক গুল্লনা সম্পন্ন করিয়া ভিকিৎসার करा डे(क)८क अभाषा ७१८०। साहाक्षतात् । 4. P 3 9 #244

### পরিত্য ক্র ছোতে আরও তিনটি কেনেন্তারা প্রাণি

कामाद्यारन आयुष्ठ आंत्रनाम प्रदेश এক প্রভো এইটিত গ্রুপ্রসাজ্ন রামিটের भुनिन कि छात्र जनर जिलाहे दकरने क्षाता । अधिनकात कर्ष्यादका यदनत (महक्राटक) विक्रे कार्त (तथा याश्याकारक — 15 मालान व भावेश के।१७५। (५६ इस व्यावक) অভান্ত উক্তন কথাচাৰী তথায় গ্ৰন বিষয় মনোভাৰ আভিৰাজ কাপ্সাছেন

বেরপ কেনেস্তারা পাওয়া গিয়াছিল, उपशक्त परि (काम कार्या भाषा है देशा का वि मार्थ किन या भाषा कार्य कार्या विषय বন্ধণ থারা কেনেস্থারাগুলি কভিত ছিল এবং ভার ছারা একটির স্থিত অস্টির স-শেষ ছিল, প্রকাশ কতিপয় থুৰক ণ বাড়ী ভাজা নিয়াছিল কিছু মাক > भित्रम भटका ए। हात्रा के नाड़ी छार्दिका

অ'বও প্রকাশ মে, যথন ধাড়ীর মেয়েলা ঘর পরিকার করিতেছিল, ভথন মেকেটে ভার দোখ্যা পুন্দদের ए। (क्या कारा (भवाय। उसे घछेना পুলিশে ভ্ৰন্থাৰ ভালাল হয় এবং পুলিশ আণিয়া ১৫ হাত লয়া ভার ও ভিনট কেনেভারা বাতির করে।

#### ৭০ বছসবের বুজের ভাগ্য ভাব্দিতে ১৪ লক্ষ টাকা লাভ

তেভিড্ডান প্রাইসন নামক অনৈক ৭০ বংগরের বৃদ্ধ কণিক ভানির স্থইপে कारमध्यानियारमञ्ज ६ छ। ध्यास ১४ शक **টाका बाज कविगाद्यम् । कार्यद्रा-**নিধান খেড়োট ভালি দৌড়ে প্রথম স্থান অভিকাশ করিয়াছে। এই গ্রেড়াটির আহরিশস্টপে খালফ্রেড কলিস নামক उक्जन व्यक्त थाय भाएउ ६ नक होका প্রিয়াছেন ।

#### ৭ বৎগরের বালকের কৌ ভাগ্য

মৌরীন মিলার নামক ৭ বংগরের একটি বালক ভাশ্বেউইচ মামক মধ্যের আইরিশ ফুইপে প্রায় ১ লক ৩৫ হাজার টাকা পাইয়াছে। এই গোড়াটি ভাবি দৌড়ে তৃতীয় স্থান দখণ করিয়াছে।

दक्षात्क (श्यात कहा इहेश्रह) মেংটের উপন তে পণ্যস্ত নয় জনকে ত সম্পরেক ত্রোপ্তার করা হর্ত্যাছে।

#### বি পি, সি, সির নিরুদ্ধে বিজেছ

শ্রীত যোগেশওক্স ওপ্স ধংশাহরে कार्गाष्ट्र इंदेश काश्यम करत्ना कर्रश्रम धानरः जन्छि छनगञ्जात्र (व्हिन नक्छा করেন ৷ ভেশা ক ভোন ক মন্তির প্রেমি ८६७ ब्री १७ ५ सब्देगात नालोकी मर्फा-প্তির মান্ন এছন করেন। न्यामार्क्षा अञ्च मधानवत्य न कटा कतिहरू आध्यान कात्रण घटनाध्याय त्राक्रनी ७क ચામલા છોલન ચામાચો ભાત બાળ મુમ્યો અને मार्थ्य डाकाटक व्यक्ति। क्रिका

গুপু মহ এয় জাঃ বিজ্ঞান শ্রীপুত সেন ওত্থের বিবৃতির ধ্রুজে বংগন, द्यापा रंगकाञ्च स्थानिक्य कतियास क्रमह অন্মরা এই প্রাভ্যবপথ্ন ক্রিয়াট্টা क्रीनु क (भा कथ वाजनात कः (धन कथी-

করেন এবং মাটি পু'ড়িয়া কাছারীতে মাতে। 🍇 মঙাশন সাণারণভাবে বি. পি, নি, শির কার্যোরর সমাকোচনা করেন, ভাবে উল্লেখ করিয়া বলেন, খিগত নিশালনে বংশাহর অভান্ত কাতিপ্রায় ছটশতে। ভিনি শলেন, বে সব বিশি বিভান লাগ নিকাচনের গটিলী সেঙ্গল ख्य कता निरमात्र सर्व, श्र**रमा स्माहे** েনাঃ এই প্রেশলে ভিনি আইন यग'रश'त कला डिल्लंग कतिया चरणन, ভাষ্যাত্য পথা বার্থ হুইলে **এই উপায়** অবলম্বন করা বাড়ীত উপায় পাকে না গাঁহাদিগকে লইয়া জেলা কংগ্রেগ কমিটি-শম্চ গঠিত হইয়াছে, আমরা সেই সধ в आनात मनकात्रत्र निक्छे आधारणत নিবেদন উপস্থিত করিয়াছি। কংগ্রেদে ভন্মতকে স্বপ্রতিষ্টিত করিতে হইলে हेराडे जंकशाह लगा।

#### भारमध्यत माश्रम विच

গত ৪টা জন এক সন্তক্ষী ইপ্লাহাৰে 'प्रवास (म. ১৯০১ महनत कांशांमी beb कुन इडेटा दलांकिस्य भार्यसम्बद्धत ্রালার অন্ধিক পর্যা**ন্ত প্রদেশ্য করা** -- ৩ই অলি: ২০ ভোলার **অবিক** ১০ ্তাকাৰ অন্তিক-চারি আনো, ৪০ ংশেলর অিক প্রতি ৪০ তোলা বা Biria Ce Cote Gutetena ww biffe व्यानीकारत भारणीरमञ्ज माक्रम महा 2 E 8 1

#### पूरे दगदकरक चनत्र जनवाह

णार्कित त्याष्ट्रा छलित । **त्योष्ट त्यहें त्यव** ভটল অম্নি সে থবর বিচাৎগরিতে পুলিনার স্বাত্ত ভড়াইয়া প্রতিষ্ঠ এট প্ৰৱ ভার্যোগে মালেক্সাক্সিয়া পৌছিতে क्षेट्रेट्रेटक छ. (बाधाइट्स (श्रीक्रिटक कर CHC# 9, क करता (भोकिएक किन त्मरक छ. कारमाहेत्क त्योदित्क आह त्यास्य कनः वि डेरनम अग्रास्त्रस्य दशी किए श्री द्वारक छ

#### भतवाष्ट्रे व्यक्तिशादण दशकात

'''মাফ বানিভান'' নামক পাশী সাপ্তা-কিকের সম্পাদক, মুদ্র,কর ও আকাশক व्याना भूके हिन जीन "न ईग्राम आकर्णासि-द्यान भ्रम्परमण्डे ८कम अवकाश करबन না ?" শাৰ্ষক এক প্ৰাৰম্ব প্ৰকাশিক ক্ষাৰ অভিযোগে পর্বাপ্ত সম্পর্ক অভিজ্ঞাক व्यक्षमारत दशकात्र रहेगारक्षमा व्यक्ताल পুणिन ১१६ तम काशित्व ऋरश्यानि काशक महिया शियांद्रका मुन्नास्यद्रक मन शक्तात है। कात्र आगितन मुक्ति आहे। न



मामाद्याप शंत mf and con सविक 📉 मानामिक ८ (अभागिक > 00 <sup>५</sup> गात्रिक ১८ -1519 প্রতি সংখ্যা 🚜

M-COTS—নদীরা (জলাক একমাত মুল্পত

— শ্রীঅতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদাস্তবাচস্পতি

**४२७म मरशा** 

**এটিচতপ্যমত শ্রীৰাম মারাপুর**– ২৬শে জ্যেষ্ঠ মঞ্জবার ১০০৮, ৯ই জুম ১৯০১

### নানা কথা भाग १८म८ के कात्र एकत्र आजन

কমন্দ সভায় কতকগুলি প্রলের 🛡 बदत भिः दबन वर्णन दय, छिनि उक्रभ मटकायम्मक भःचलः अस्तिहरूक दय गृष्टिल পরা বর্জন সম্পার্কে গামী আকটবন yfæ সাবায়ণ ভাবে পালিত হইতেছে। ভারত গ্ৰশ্মেটের মতে কোগভ কোগভ চুক্তি ७ इंदेशिक्ति वटि, किन्नु उर्धिनरस्त প্রতিকার করা হইয়াছে এবং উন্নতি

ওয়াউল মিলনের ঐক্লেন্ডরে মি: বেন 'अप्रेश क्यांदेश दलन दन, भवरकारण दनाज-**८ष्ठेरिण देवक्रंटकत्र स्विध्यालन व्हेरेट**वं ध्वरः कि कि विवास मारमाष्ट्रमा ६३८व, खाहाख वित्र हेर्देशांट्स । , शंक व्यविद्यम्पानतं व्यथम फारण भूक बार्ड्डक गठेन, ভाরভীয मागरमञ्ज नारिष ध्यः जात्रहत् यार्थत् জন্ত সংশ্লেষণী বাবহার কণা বীর্ত क्रेबाट्य ।

, ওয়ার্ডল মিল্নে জিকাসা করেন বে, करदश्चम कि मुख्यक्षि (वश्यका मध्व 'काव-ক্ষে **থার্থের থা**তিরে বলিয়া শীকার ्रक्षित्रोद्द्यम् । 😗 🛪 💮 🗀

मिः देवन परणन त्य हेवा क्रकेटि जाणाता क्षात्र । जिल्हा कर्ष नामक्रीम ७ महाचा भाकीत बद्धा द्य हु कि अनेतादक, कांबारक मर्गणा नानी कृःध्यक्षतः नक व्हेल्ट्स T TO THE BUILDING

oppolition of the property and become 

## পার্লামেণ্ট ভারত প্রসঙ্গ

वादमीनीरञ विदम्मी वट्य मीन द्यादत

## ভারতে হটিশ শীতি এতার

🕮 যুক্ত ভি, জে, প্যাটেলের পত্র

## প্যাটেলের ভবিষ্যদ্বাণী

वाकालात कर्दशास (गालस्यांग

## বেগার প্রথার তিরোধান

বিবাহ রহস্থ চার বছরের মেয়ের সহিত

পঞ্চাশ বছরের রন্ধ

## শোচনীয় মৃত্যু

## বি এস্ সি শিক্ষক চাং

🌉 খাম-মারাপুরত ঠাকুর ভভিতিনাম ইন্টিটিউটের অল একজন বি-এস্-সি निकटक श्राताकरा केल क्षिका कार्याक श्रात्वाक श्राप्त विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व विष्य व अवेश्वि : केक हैं कि ८०७६म कार्या कतिएक महाबद्दम् कड्वा विकाममून्यक 'रमरक्रवेदी. भीत्रदणांच्या के १ को वर्ष के क्रिकाल किनियाम देन्द्रिविष्ठेत, व्याः श्रीमाध्य पूर्व क्षेत्रीमा' - क्रिकाम्य वाद्य विभियम । 

ব্যা শীলমোহর যুক্ত কলিয়া বাখিববে উদ্দক্তে এই ভালুকের ১২ গালি গ্রামে ণ্রিয়া বেড়াইয়াছেন। একমাস প্র সংস্তৃতি ভাষারা প্রায় ৭০ থানি দোনানে ১ 1 28 के छे कांत्र विद्याली वक्त केलास्यास्त्र -ক্রিয়া কিরিছা আয়িয়াছেন। বংশ উটোটগতে বিশেষ অইবিগর भटन काक कतिरङ इहेशांकियाः एटव ক্ষীদের তৎপর্তার ক্র তেমন কোন অন্যাতিত ব্যাপার সংঘটিত হয় নাই। वार्कोनीत यांच एकथानि एतकारनत यान विषया वस माल्याहत्युक करा इर गाउँ।

#### भारतेत्व छन्य मानी

সার ভিট্লভাই গাডেল আমোরকার कर्रात्राकची निगरक छानाचे ब्राट्छन, 'छातल স্বর্জ ব্যতিরেকে আর কিছুই চাইে না। ভারত তাহার উল্পিড কিনিম না পাইলে জীবন সংগ্রামে প্ররোধ মবতবং কবিবে ত্থন বৃট্টেন ব্ল্যে হইয়া ভারতেব ল'বী भूग कविरम् । दुर्गम उत्र अधिकारक স্মসূত্র প্রতিভ হইগত হইবে ।

#### 🚨 যুক্ত ভি, কে, প্যাটেলের পত্র

ष्टिरामा इ**देएक मधन य:देवान का**नावहिन्छ পুন্ধে ভূতপুৰ সভাপতি গ্যাটেল একগানি প্রে শ্রীণুক্ত বেকট রমণ্ডে বিশ্বসংছে ন खान्छवर्यव मध्यान छाउ। ४ देनदाशास्त्र सक অবস্থা ক্রমণঃ ফটিল চইতে এটিগভর ভারতের অবস্থা নির্ম্বণ क्षिर । आहाम वृद्धि ६ ८को गरमम भन्नकाम इहेरन।

## শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

খোলা হইয়াছে।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে
থাতি যত্নের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন।
বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যয়ে সুন্দর বাসহানের
বন্দোবহু হুইহাছে। ছান অতীব সাহ্যকর।

সবিস্তার সংবাদের হল্য নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। সেক্রেভীরী, ভাকুর ভক্তিবিনোদ ইন্টিটিউট্ লীচে হল্মঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

কুক্দগর্হ হাইট্রীটে অবহিত

## শ্রীভ গবত প্রেস

স্থলভে স্থন্দর ছপোর জন্ম চিরপ্রসিদ্ধ

এখানে ব্যান্ধ, মোকর্দনা এবং ইউনিয়নবোর্ডের বাবতীর করম্ ও রসিদ বিক্রমার্থ সর্ব্বদা প্রস্তুত থাকে।

মকঃখল হইতে লিখিলে প্রত্যেক ইউনিয়নবোডে র নাম ছাপিয়া নেওয়া হয়।

বিবাছের উপহার, নিমন্ত্রণ-পত্র চেক, দাখিলা, আর্ফি প্রস্কৃতি

ইংরাজী, বাজালা, হিন্দী ও সংক্ষৃত ভাষায় পুতকাদি ছালিবার স্থব্যবস্থা আছে।

মকঃম্বলের গ্রাহকগণ নির্ভাবনায় নিম্নঠিকানায় ডাক্যোগে অভার পাঠাইডে পারেম:

ম্যানেস্থার - শ্রীভাগবত প্রেস পো: রক্ষনগর,নগীয়া

কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



মদংখনের জনিধার জন্ত ৬ আঃ শিশিতে ঘণীভূত অবকার ভোটবোত্নের সেমপ্রি প্রথণ ডাকে পাঠান চয়, উচাতে ঔষধের কোন প্রিন্তন কয়: ৩৯ নাই। মৃদ্য প্রতি শিশি ৪০ আনা, প্রিট ৪৮/০ আনা, বোডল ১৮/০ আনা।

অফিস–১১নং উল্টাডালা রোড, পোঃ শামবাজার, কলিকাতা

## गप्न गड़िन

বটিভার: কর ও বাসুনিকার, ইপ্রিয়বজির প্রান্ করাবে করুণাজ, ব্যয়কার, বাবাংগারা, বৃত বড়-কচাই, বানিকা বাসুকি উক্তর্গ সভর নির্বোধ কালোকা হয়। বল, বার্ত্তা, বেধা বৃত্তি করিকে কালোকা ইনিক। বৃদ্যা ৫০ বলী ১, এক টাকা।

### शरेरफ्रामिन

বা

### কোষরদ্ধি রোগ

ডাং এন্, এন্, থোৰ বিনা **অন্তে,** বাসক্ষীবনের গ্যাহাটি বিরা বৈত্যভিত প্রবাদাহত কোমবুদ্ধি গ্রোপ আ**রোগা** ক্রিয়া থাকেন।

> हिकाना---अम्मर करेन द्वीरे, नद्भावात्त्र, कालकाका ।

## যক্ষায় হতাশ বেশ না

### বৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহোযধ 🚁 🚧

পুশর দিলে সম্পূর্ণ আরোগ্য

রোগী কেবাইতে ইটবে। অগ্রিম পারের বরচ (যাওয়া এবং আদার)
কাঠাইলে গিংল রোগী কেবা হয় অধ্বা এবারে আসিবে রুগনী ব্রেবিধা
কীয়ধ দেওয়া হয় আবোলা সা মুক্তরা প্রায় পারিপ্রামিক দিকে কটবে না।
ক্রীৰ বোগাদের বরচ বরন করিয়া চিকিৎসা ক্যা হয়। বিভাগিত
বিবয়বের কল্প এক আনার ভারক টিকেট সহ নিয় ঠিকানার মুদ্রমান
ক্ষান।

জ্ঞীক্ষতীল্চপ্র উকীল, যক্ষ্য-চিকিৎসক, নোঃ নৈক্ষী, ধরিলাল। অথবা নিম ঠিকানার সাক্ষাং করিয়া বিস্তানিত আমিত পারেন।

শ্রীষ্ঠ রামগোপাল দত্ত তথ্য, জ, স্কুঞ্নগর, নদীয়া। শ্রীষ্ঠ ভালপর সিংভ, ১১৭, বেণিরাটোলা স্তিটি, ভাটবোলা, কালভাতা ।

এবিশালি পঞা। আনার লাভুল্ত ১৩০ চন্ত নাস বাবহ রাজ বন্ধর কুলিয়া মুডপ্রার করচাছণ, কলিকভার বিজ্ঞ চিকিৎসক্পণ ভারার জীবনের আশা ভাগ ভুরিয়া শেষ মুহুছের জন্ত অংশজা করিছেছিলেন এই সময় প্রীয়ত কিলীশচন্ত উকিল মুকাশন মারে ১০ দিন চিকিৎসা করিয়া সম্পূর্ণ আবোরা, করিয়া দিয়াকেন। (সাঃ) প্রীয়ত কিলোর বারা ১৮পুর্ণ আবোরা, করিয়া দিয়াকেন। (সাঃ) প্রীয়তীর করলেবেশন লাইটিং ভিলাটনেন, কলিকাছা।

## শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

भौजाय ८४०

बाब 🗸 > । काकिंदिक नार्शिक्त तूक्र नार्देश नार्शिव स्त्र ।

ম্যানেকার-প্রস্থানিকার জীচেডখনত, পো: শ্রীমায়াপুর, নদীবা।

(本年 到下本时时

## গোড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

--কার্ত্তা---

এখানে বাবভীঃ ভাণার কার্যা---

भिष्ठां र्राड्स, दमस्या, क्षम, बाम, क्ष्मियांची ६६क, निम, क्षक्रिक व्यक्ति, विवादक स्थान,

আৰু ০ বং ৩ ৪ কংগ্ৰের কাফটোন ব্লক্ট বসুন, সকল কাব্যক অভি শীন কালা কয়, অবচ কালাইবার বয়ত বাজাৰ অংশকা স্থলক।

व्यानमात विश्व शानात कार्या ना किटन विज्ञतिकाश्चात कामावेदनके एक वावेद्यत हैं मारमधान- क्यांजीका किक्सिक कामावेदन

মানেকার- সৌতীয়া ক্রিন্টিছ ভয়ার্কন্ ব্রতাহ নহ কাল্যার সাক্ষ্পাত হলত, ক্রিকাটা।

## প্ৰভূগাণের বক্তত্বিলী

এখন ৬ বিভীন ৭৬

वित्रकृतात की क्षेत्रम्ककिनिकाक महत्तकी रागायाची संग्राहरम्ब ह्म वित्रकृति। विभारतिनी की गायाय बरणारवासिनी क्ष्मकाक विभागतिकी की विकासीक मुक्तिकिक रेनक्षमिकाक भूगामात रकी क्षेत्रमि—महत्त्व कार्यायमकरस्य निवासम्बद्ध । किको अकरण ३५० कामा शाय ।

### পুরুষোত্রম প্রসঙ্গ

"मद वियाः देवत एक जोनाः तामा शिल्करमञ्जूषाः । भर राषादेक र रापवामाः वाका श्रीश्रामण्या द्वम : ""

**এক্স**ণচন্ত্র নির্ভিত দেববুন্দের একজ্ঞত্তর मञ्जाहे यशिया ए। शत नाम जीभूतरमाञ्चम, তদ্রণ ভার্যাই দীলাকের শ্রীকের সক जित्रश्रंत लाका यशिया (सह स्वादयत माम 'শ্রীপুরুবোত্তন ক্লেকাং' সমস্ত ক্লেক বা তীর্ণস্থানের মধ্যে এই স্থান নির্ভিশয় অগাকত শোভায়ক বলিয়া এই কানকে मभौत्कक वा 'बीत्कक' वरम । कश्रियश-পালনাৰ হালি জীক্ষ-গৈতজ্ঞমহাপ্ৰভুৱ প্ৰেকট-र्गे मात्र क्षांत्र व्यक्तिय एके जीलूक (साद्धमाकारल हे मालाम कहे निका। हेटा **श्रीरशीयञ्चलद अवर कर्मात्र भागगद्रास्त्र** নিতালীলাকণী এবং <del>ভ্রম্ভক্ত</del>গণের পর্ম • <u>উট্টিব্দেবগণের দশন এবং সাব্যুথবিগ্</u>যিত প্রকাশ্বান। উপুরুষোন্তমক্ষেত্র সম্ভোগ্রাদ্রী ल्याक्र छन र जिल्ला भरण न नी ना समि ना ग. हो हो । अज्ञ क्रांक्य (क्राक्श्रीयनोमाक्क्य, व्यथाक्रक িপ্ৰজন্ম রাগেক্সভ ক্ষমান্ত্রেবণকাধীর ভক্ষন স্থান। লোকশিকক শ্রীগোরস্থার জগ-क्बीनरक এই कर्णांडे बाजात अनः ।शहान-मृत्य विस्थान कारन कानाईशास्त्रन । कान-श्राकारन रमङ्गे ब्यावर्ण विकुछ इटेरम भूनवात्र শ্রীখ্রামনেকপ্রভু, র্রাক্ষানকপ্রভু প্রভৃতি আচার্য্যগণের পর বর্ত্তমানমুগে 🕮 কলাভগ আচার্যা ও প্রচারক্ষর ঐশ্রীমন্ধিক্সিন্তার সরস্বতী গোস্বামী প্রভূপাদ শ্রীগৌরস্বন্দর-প্রচারিত ও ভি-ভোত পুনরায় দর্মত প্রবা গ্রিত করিতেছেন। তাই আচাধ্যের অনুগত নিম্পট শুস্ক ভস্তগণের সেবোশ্বথ জিহ্বায় স্থা স্থাতিপাপ্ত শ্রীনামরূপ মৃত্যজীননী स्वधा भान कतिया जीवतिरमवाविकीन कीवना उ শীবসমূহ ও পুনৰ্জীবন লাভ করিভেছে !

পাঠকবর্গ অবগত আছেন থে, 門南 বৎসংবর স্থায় এবাৰ ও <u>जिल्लेश</u>मारुम-मार्केष উৎসবের সাড়া প্রভিষা গিয়াছে। 🕮 हे छन्। 🧪 महिन অক্সতম ট্রারী জীবাদ পরমানন্দ এক্ষচারী প্রভুর আহুগলের উৎসবের কায়্যাদি নিৰ্মাহ হইতেছে। मेंश्राद्वतः निध्य-স্থানে শ্রহরিকথা ওচার এবং শ্রীমঠে প্রভাষ ভাগবত প্রস্থাদি পাই যণারীতি চলিতেছে। বহু ধর্মপিপার সম্ভব প্রভাষ क्रिमर्क व्यानिका नाउकी र्वन अर्थन के विका श्वमानम नाउ क् तिरुद्धन । अश्वनी सम मर्क्ष रमवक्रभनं द्रांकि चरते चरते निवा जीवत क्रिक्कक्रमात्र अक्रमात केंड्यारा, कीर्यका, मार्गम, मार्गिक कीर्ययक्था व्यवप-कीर्जन, नायुष व्यक्तिमारका क्रिकारक

প্রী প্রান্থর বর্ণ কার চঃ

## फिनिक निर्मा- शकान

भ शामात्रा देवकश्वास्त्रावन

নেদাদি সমন্ত সাত্ত-লাজ্যের অক্তিম ন্যাখ্যাতা সমগ্র ভারতে একমাত্র ফুলভ দৈনিক পার্মার্থিক পত্র

লালা ম-মা শপু :-১৮লে লোট মফলবার-১০০৮

মঠেলের ক্রবের 🚶 প্রচাব করিভেছেন। অনাচিত এবং অপ্রভাগেতভাবে এই প্রকার लोगिकांचा मनार्गन कतिले अक्षादान महत्व श्रीमाठे व्यक्ति। श्रीतश्र प्रभी. বীষ্যাবতী শ্রীকবিকাণা প্রবণ করিয়া আত্ম-মঞ্চ সাধনে যতুৰান হইভেডেন

্কণেকনিম হটল স্তুপ্সিম হাইকোটেন ক্ষ লীগুক্ত মন্ত্রনাথ মুখোপাংগার মতোদর খ্রীমঠে খাণমন করিলে জীপুরুষে ছেম মঠো থবিচালক পণ্ডিত জীপাদ প্রমানন্দ ভ্ৰমাননী বিধানত্বপ্ৰভু কাইক অভাৰ্থিত হট্যা সন্তান্তো ভক্তিগুৰ্ণনতে দীনিধন দৰ্শন এবং দওবং প্রণামাদি কবিয়া বৈষ্ণব-বুৰুকে প্রবামান্তর আদনে উপবিষ্ট হন क्षिमक्रे निष्टा अवानिश्रह क्षिणिस्मीवविद्याप माध्य क्षीप्रेव चीपृष्टि यहीत मनाइत । छिमि লীম্টিনশনে হালরে এক অভ্তপুর ভাব অঞ্চল করিশ সাতিশ্য প্রীতির সহিত পুনং পুনঃ বলিতে লাগিলেন যে, ভুবনমোইন শ্রীমূর্তি যেন জীনন্ত এবং জগতকংশ কগতকে দর্শন দান পুরুক জীবের চিত্তকে সীয় শ্রীলাদপয়ে তাকর্মণ করিতেছেন। বাঙ্গিক জীমঠের প্রিগ্রহ সন্দর্শন করিলা ভক্তরুশ সকলেই মুদ্ধ হন। তংপরে তিনি পুর্নোক্ত বিভাবত গোড়ুব শ্রীমূপে মনেক শ্রহরিকণা ভারণ কবিয়া আনন্ড বিশেষ শ্রীতিশাভ करतमा विश्वादक्षश्च छात्रात चीमहाश-ব্ৰেটাক ব্যক্তা বহুগণেৰ আভি মহাভাগৰত एतंरहर टाएड अभूमा উপদেশবাণী की उन করেন। তিনি বিছারত্ব প্রাকৃতীর জীমুগ-বিশ্বিত বীধাবতী ভগবন্ধা লাব্য করিলা নিলের গানন্দ প্রকাশ করেন এবং স্থীয় क्षरान शमन करतनी

वया, जेपना, अठ, जी--- जकन जेपना थाका मरवट छोत्रक मनाथ बांद्र त অমারিকতা, সর্লতা, সজানুসন্ধিৎসা এবং ঁ 🕮 🕶 গবান্ ও ভঙ্গবুলের প্রতি আহুর্জি, বিজ্ঞহাদি দর্শনের বিশ্রেষ্ট ভারভক্তার কথা । ভাষা অভীব অলংগদীয় এবং ধরুবাদার ।

ত্রীণুক্ত মন্মপ ববেৰ একটা বিষয়ে আমহা ভাষার গন্ধীর সদরের প্রিচন পাইলাছি। কিছুদিন পুকো ওাহাব একটা পুত্র সন্থান বিয়োগ হয়, কিন্ত সামতিক শোকাদি উপন্ধিত হইলেও তিনি ও প্রকার তঃগকে भक्रममग्र क्रीडशदोद्भित नहा विभिन्न दिलात কবিবাছেন। ভালার এইপকার চিন্তা-শ্রেত শ্রীমন্ত্রারত প্রতারিত 'তরেস্ফলপার' লোকের মহকুল। মান্ত ছীলুক মন্ত্র ग्राबुदक क्रीलाम लनमामन अन्नात हो। विद्यादङ থাতু কুপ্রসিদ্ধ বত প্রাঠন ন্রীনীকালালনাথ-দেবের শ্রীমন্দির স্থোরের কথা জ্ঞাপন कत्रिरणम्— ७ शात्र या १ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ বাদের অস্ত্রবিধা দুলীক্রণার্থ শ্রন্তই একটা দুমুশালা নিমাণ হওয়ার মাবভকতা প্রকাশ করি-লেন। ত৴ুসণে মাননীয় জীয়ক মন্ত্রপ বাবু ঐকন্ম কোন প্রকালে স্ত্র সম্পান দনের জন্ম যথাগালা চেষ্টা করিতে কত-সঙ্কল্প হন এবং স্কল্পাস্থ্য কৰিৱাভ শ্ৰীযুক্ত গ্রহনাথ সেনগুপ্ত মহোক্তকে ওট কথা কলিকাভাগ প্রভাগমন পূথক ভাঁছাকে সার্ণ করাইল দিবার জকু অনুপ্রেধ করেন। मानगीम जीएक मनाधनावृद अधान्ना मिलका <u> जिल्लाम अर्थ कलन्-रेश</u> कामार्वित প্রোথনা।

ইতোমধ্যে বায় বাহাত্তর জীযুক্ত চণ্ডী-চরণ চট্টোপাধায়ে, হুগলী কলেছের অংচ भक जीपुक सद्यम्हल वस्मा। विश्व दवः कटेनक मजरमनीय लिकिंड मधानी अर्ड्ड वह मञ्जन वाकि जीगार्र आगमनभूकक জীবিতাহ দশন এবং মঠন্ত সার্থগের। সাহত আগাপ করিয়া বিশেষ প্রীত হন।

**बीश्रतस्याख्यमार्कतं व्य**क्तात्रकर्णं महरतत्र বিভিন্নস্থানে জীএছাদি পাঠ ও কীশুন করিয়া ঐটিচভঙ্গবাণী প্রচার করিভেছেন **उरमद्दर्भ शांक्रेक्टर्ग शृंग इ**हें एउहे खर्गछ আছেন। ইতপুরে নামাচার 🚉 ব ঠাকুর र्शासारमय जन्मन्त्री निक्रवकृत गर्ठ क्रमा-

क्रीबन्न १ १९७ व्यक्त हो। निष्या स्थान পঠি ও ব্যাখ্যা কৰেন। স্তোত্ত্রক পঠি-কীওন খালে বিশেষ আনন্দিত হন। এত বৃত্তীত পরিও জীপনে সিদ্ধারণ পাল-চারী ভঙিশান্ত্রীকা জীহনমাথ আলমে শ্রীনদ ভাগবতো ক क (अल् (नगड़ नि मध्याम পার কারন এবং কুটাপ্রাম অভানির উপাধানে পাঠ কবি ৷ বত প্রসাবান সংক্রম टाक्कित डिखारमंग करना।

শুদ্ধ আনেববান্ প্রচারকবর্ণের জীমুথে শ্রীংবিকথা শ্রবণ করিয়া সকলেই অক্সাত-রারতি অঞ্নেদ অপুনি রুয়োগ লাভ করিতেছেন। পুনোক্ত ব্রন্ধচারীর্জী প্রস্তাহ ট্রিটিটেড র বিভাষ্ত হুইটে ইসনাতন-শিক্ষা পাঠ ও ব্যাপা। ক'বতেছেন। খ্রীনঠে (পথরকুঠীর ভিলে। বহু শিক্ষিত শ্রদ্ধা-বান সক্ষমসমকে শুদ্ধভক্তের অভিগতের শুদ্ধ দিহরিক স্থান হোগদান করিলা আগ্র-মহল সাধনে স্কলেবট ব্ৰুগান হওয়া

#### তালালনাথ-প্রদঙ্গ

नमीरा-अकारमत शाठकाण এहे मत्त्राम অবগ্র আছেন (ব. শ্রিপুরুষোভ্রমক্তেরের শ্রীসালালনাথনেবের তিন দিকের তিনটী TELLIFORE TON ON TIMERAGICA ব্রাচ, ্রু'স্ফ ৬ ব্লেন) অস্বাদের জন্ম স্থানাস্থারত কলার সম্প্রতি ঐ তিনটা শুক্ত মন্দিয়ে ভিন্তী ন্ব জীবিগ্রহ প্রতিষ্ঠা করিবার উদ্দেশ্তে গ্রু সপ্তাকের নদীয়া প্রাকাশে चक्रमाभाराक এই डीविशक्तक व्यक्तिस দেবভার গ্রালগুলক স্তক্তি সঞ্চয় করি-বার প্রোণন জ্ঞান করা হইনাছিল। আনর: ভ্ৰিয়া প্রম স্থা হইলাম বে. এই ভিন্টা ভ্রানিগ্রং প্রতিষ্ঠার বায়কার ইভোমধোই তিন্তন দেবক গ্রহণ করিয়া-(छन । ०१) इं।. देदक्षदत्रक्ष्यमादेवकमः क्रमकः ও বিষ্ণুপাদ আত্রীমঙ্গকিসিছান্ত সরশভী গোস্বামী ঠাকুরের জীগানপ্রান্তিত জীবুক স্থীচরণ ভবিংবজন প্রভু 'ইন্রানুদিংছদেব', শ্রীবৃক্ত উশান দাস অধিকারী ভক্তিবিগ্রন্থ আৰু 'শ্ৰীণবাহাৰে' এবং ঢাকা দ্বিসায় বিজ্ঞপুৰ প্ৰথমাৰ অঞ্চতি ইাসাড়া আম-নিবাসিন জীনতা নক্ষণাক্ষক্ষী বার চৌধু-রাণা নামক কোন ভাতমতী মহোন্দ্র তীহার পরলোকগত স্বাম: অপুক্সচন্দ্র রার रहे पूर्वी महानामत्र यु'् प्रकार्य ' धोनामन प्रत' প্রতিষ্ঠার যাবতার নামভার এখনপুরাক जक्तुत्वूषी सङ्घाजि मध्य कतिया मिटाटेयकुके-धामनारमत अधिकार्तिम हहेबारह्म ।

**बहे अगरदरम्यात कार्या जिलाव अवस्थ**-নল একচারী বিভাবত মহাশরের ঐকাভিক গত তিন দিবস শ্রী-সীচৈতজ্ঞচালিতামৃত হইতে । বর ও অসীম উৎসাহ দর্শন করিয়া 🐯 নৈঞ্চবগণ বিশেষ প্রীতি লাভ করিতেছেন। আমৰা মাশা করি, শ্রীপাদ বিভাবত প্রভূর গুরুলোরাখ-দেবর্ণনিপ্তা উত্তবোতর বৃদ্ধিপ্রাপ্ত इंदेश क्रेबर शाव व कर अकाराम वास्तित ख<sup>्या</sup> शत्रवात्र शत्रभ द्वारावा आलोभ कविट्य ।

### পরবিদ্যাপীটেইর ছাত্রগণের ু আছারণ 🖟 বিদাধিকলন ক্বাতত্ত্ব

ভীবাম মায়াপুর ভীটেডভুমুরস্থ অবিজ্ঞান বন্তুমান বংসৰ কলিকভো সংস্কৃত এসো 🚶 সিয়েশনের সাস্থাত প্রাক্ষায় उं होन इङ्गाःश्व.--

#### কাৰ্য : উপাধিপরীক্ষা ) (২য় বিভাগ)

অধ্যাপক জীপাদ পেইবদাস বন্ধধারী नाक खड़ीय डिल्ट्सब्स ।

#### ছবিলামামূভ ব্যাক্রণ ( মধ্য )

(২য় বিভাগে)

- ( > ) चीर्न (अस्तिस (प्रतमका) ( च्छे।5।या
- ( 4 ) 副对军机5四 国图 [

#### ( WID P. (ঃর বিভাগ)

( ১ ) ইয়াবিজয়র্ক্ষ চক্রবার্ত্তী

ত্রীশেষ পুরি পুরি প্রায়ের ( ০ ) ত্রী লাবণ্ডরণ চজবভী, (১ 😕 হর্ডালেকে নাদ, (২) ভাষ্টামন মাইটি ( 의,도(어땠래의 HH I

### বেদান্ত-সেৱান্ত-সমান্ত্ৰিত

( > )

ক্ষা ও জানাদির নির্থকত। প্রতি-প্র,হটবার প্র নিরওকংক বাস্তব সভা उक्सरक क्षांभरण देखाः कराई कछना। বাহা ২০০০ টে প্রিল্ডলান 'নারের সৃষ্টি, কংগ্ৰিত হয়, তিনিই দেই ব্যস্তিসমত পুরুষ্ট্র বজা। সেই বঞ্জা কেবল অঞ্চল্য বার ভারের ভারের বিষয়াভাত इस.साः भारतक धारणपन कोतराइ इहेरत, कार्यन, मास्त्रमध्य छाङ्ग्य निवास इहेर्छ फॅर**लब करेगारह । भार** अरकेत राजक उतर <क मार्चित को 51. खाउँ भाग भाग भाग क চ্যাবাচক সম্বন্ধ বর্ত্তমান ব তিনি শক্ষকেও দ্বিং প্রান করিয়াছেন। প্রতি ও স্থতি शाबने जात्कत अध्य कार्काः व्यक्तिन, नवक स् ध्वाः क्षित्रं क्षत्रत्। करत्नाः

তাঁহার ঈক্ষণে জড়াপ্রকৃতি ব্রশান্ত , প্রাদ্য করিতে সমর্থা ইইয়াছেন। ব্রক্ষে ঈক্ষণক্রিয়া ধ্রমান থাকিশেও তিনি ग छन नदः म. का तन निकलाधि आ बानात्मत প্রয়োগ থাকা। বন্ধ নিগুণ বস্তু। প্রাক্ত গুণপ্রতিভাই জীগার নিজ্ঞপত। এবং অপ্রা-র ০ চিন্নয় পুণমানি তার উচ্চার সঞ্জনতা। মাধানাদী সম্প্রাণ: শুগুরু নেতি' থাকেরে মৃক্ত-হাংখ্যা বুকিডেভ অস্মধ ২৬নাম ভাষাকে স্বৰূপতঃ নিজ্ঞ বলিয়া হলন প্রবিস্থাপীঠেব নিম্নালিখিত ছালগ্র : কলমা কলিখাছেন। প্রাক্ত গুরু নিষেণ্ডেই 'নেতি' শংগৰ প্ৰবৃত্তি।

> শ্রণপ্রদাবনী মায়া বহির্দা একশক্তি, জীব ভটছা বন্ধশক্তি। বন্ধ জীব কামকামী ह एकार स्वाहारक स्थाद ह अनुमन्न स्व दिनश मान करत এटः छ।नित्रत मुक्किकांगी হ ভ্রমান ত্রাইয়কে অপ্রাক্ত চিন্মনগুল সম্বন্ধ বহিছ চিন্মাত্র বলিচা কল্পন। করে।

রক্ষ স্থান অথান প্রাকৃত ওগ্রিশিষ্ট - डेप्डांक्क डेल्प्समा कन्छ। কখনই নিজ্ন্ত্র লাভ ক্রিছে পারিছেন নাঃ সংক্রম শক্তি গ নিগ্রম প্রাথ্য ইটয়া এই গ্রিন্থামান জগ্যবংগে প্রাক্টিত ইইলেও المعتلم هماليا م الماليان ير دروايدا ما বাহ্মণ অধিগান পাকায় জগতকে একেতর अ २.दल, गहरेत सा

अकराधानम लीव व्यवसारत खम्छ জগৎকে ভোগা, স্বতরাং রঞ্জেতর বস্ত্রক্ষণে দশন করিলা থাকেন, কিন্তু সোধান্ত্রপদুদ্ধি সমূদ্ধ হইলে উপনিমৎকলিত 'ভন্ধনাসি': বাকোর যথার্থ ভাবেষ্য বুনিডে পরিভেন অর্থ ভাব ও জগতের স্থিত ব্যক্তর व्यक्तिश्वराष्ट्रमाराष्ट्रमा मध्यमा व्यक्षीय क्षराय ५ कीत একই অব্ধক্তানের অন্তর্ভুক্ত বস্ত বলিয়া ' উপ্লাৰ্ক কামতে পারি**তেন**।

রন্ধ নিওণ হটলেও জ্ঞারত-গুণবিশিষ্ট এবং চিলান্দ্রণা, ইজা বেঁলে ধীকত হইনাডে ৷ সূজাই সকল সম্বা মুলাশ্র ত্রেরপ এবং গতিলাত্রপে পুনঃ পুনঃ ক্ষতিত ১টগাছেন : কিন্ধ প্রস্কৃতি সম্বন্ধে সেরূপ কপিড হয় নাই। একোর উপাসনার জীবের भाजम्किता सक्तप्रिक्ति माछ इतः, किन्द প্রাকৃতি উপাসনার জীৱ কামী হটগা মায়ার । করিবে। ' বেগানে বর্ণাভ্রম ধর্ম নাই, কবলে দুচরূপে কর্ণাগত ছারেন। দুশুমান সেখানে লিকাম কর্মবাসে এবং তৎযাধ্য क्रश्य कालाकाम जान भीन भारक, जास्कत ইন্ডায় ব্ৰহ্ম ১২তে উদ্বাহ হটয়া অকাৰ্য্য

ঘানা নিজে কত্তত্ব মারোপিত করিয়া আমি 'ছইতে দেখা যায়, তাহা ভজকুপাক্তিত করিতেছি বলিলেও অগৎ জালারই বিভঙ্জি, ইহা পারমার্থিক বিচার । <mark>তিনিই ব্যাপকরূপে</mark> সকলে ব্যাশিয়া আছে। এক আপনার আনন্দে আপনাকে বিলাইয়া দিলেও তাঁহার পূর্ণজের হানি হয় না।

### শুক্ত জি-প্রচারের প্রয়োজনীয়তা

( )

( ভক্তিরত্ব শ্রীপাদ রাধাচনণ গোসামী ভকিশারী)

শ্ৰীভগ্ৰান্ গীতায় বলিয়াছেন,— ''যদ। যদা 🏞 দশক্ষ গ্রানিউবতি ভারত। অভাগানমধ্যাত ওদায়ান; স্কাম্চ্য ॥ পরিত্রালায় সাধুনাং বিনাশার চ ত্রুভাষ। ধন্মসংস্থাপনার্থায় সম্ভবামি যুগে যুগে ॥"

আমাৰ অধিভাবেৰ এট মাত্ৰ নিয়ম त्य, व्यामि केष्ठामध । आभात्र देख्या इंडेटनके অানি অবতীৰ্বইটা যথ**ন যথন ধৰ্মের** গ্রানি ও অধ্যের অভ্যুম্থান হয়, তথ্নই আমি স্বেদ্ধাপুকক আবিভূতি হই। আমার ঞ্চাগারনিধাইক বিদিস্কল অনাদি। কিন্ত কালকুমে যথন উপকল বিধি কোন অনিধেক্ষ কাৰণবশতঃ বিভণ হট্যা পড়ে, उभनदे कामामामाज्ञाम अभग अभग इहेग्रा উঠে। সেই পোষ নিবারণ করিতে আমি বাতীত সার কেহে সমর্থ হয় না। অভএব অনি স্বীয় চিচ্ছঞ্জি সহকারে প্রাথকে হটাল নিজেকে প্রাভু ও ভোকা জান করায়। উদিত হটাল এ পশ্ময়ানির নিবৃত্তি করি। এই ভারতভূমিতেই যে আমার উদয দেখিতে পাও, তাহা নহে। আমি দেব-তিযাগ।দি সমস্ত রাজোই অবেশ্রকম্ভ हेळालूकाक डेनग्र इहे। व्यट धर (अक्ट अ অস্থ্যজনগের রাজ্যে উদ্যু হই, না ভাষা মনে করিওনা। সেই সকল শোচা পুরুষগণ যত্তুকু ধর্মকে স্থপন্ন পলিয়া স্বীকার করে, ভাষার খ্রানি হইলেও ভাগাদের মধ্যে শক্তাবেশ অবভার্তপে আমি ভাহাদের হন্দ রকা করি। কিন্ত ভারভভূমিতে নগাশম, দ্যাবংগ সাম্বারক স্বদ্ধা স্তুত্র আচরিত হলবলিনাই এতকেশবাদী আমার গ্রেছামকলের સચ્યુ मः द्राधनक तथार्थ অংমি অনিকভর যত্ন করি। অভএব যুগা-বভাব, অংশাবভাব প্রাচৃতি যত রম্ণীর ক্ষরতার, ভেড। ভারতভ্নিতেট জ্ঞানধোগ ও চরম ফলরূপ ভব্তিথোপ -ছাৰুঞ্জলৈ জাভনিত হয় না। তবে **বে** मान्न करत् । नादशतिक हिमार्द अञ्चात्र 'चलाक्षम्नामस्य किंगर'विमार्य विकार किंगर ष्पाकिषकी यशियाः बानित्व ।

রাজবি গ্রন্থবি প্রাভৃতি আমার যে भक्त एक, डाँगालय मुखाय आणि শক্ত্যাবেশ করত বর্ণাশ্রম ধর্ম সংস্থাপন कति, किञ्च भन्नम छन्छ मानुगरनत मन्नर्गम-লালসোথ গুঃখ হটতে ভালাদের পরিত্রাশের হুকু আমার স্বীয় অবভাবের আন্দ্রকতা। অভএব বুগাবভার হুইয়া আমি সাধুদিগকে তঃখ ২ইতে পরিজাণ করি, ছফুড স্বাবণ क्श्मानिक वध कत्र छिद्धात्र कत्रि जनः শ্রবণকীশুনাদি ভক্তি প্রচার করিয়া জীবের নিতাসগৰা সংস্থাপন করি। আমি যুগে যুগে অবভীৰ্মিই, এই কথাদারা কলি-কালেও আমার অবভার হয় ইছাপ্রীকার ক্রিবে। কলিকালের অবভার কেবল কীর্ত্তনাদি খারা পরম ছর্লড প্রেম সংস্থাপন ক্ষরিবেন, ভাহাতে অঙ্গ ভাৎপথ্য না পাকাদ, সেই অবতার সকাবতারত্রের হইলেও সাধারণের নিকট গোপনীর। আমার পর্ম ভঙ্গণ সভাবত: সেই অবভার कर्क विरमधकरण चाक्र हे इंडरनन, डाहा অস্তীৰ্ হটান ত্মিও তৎসাহচণ্যে দেখিতে পাইবে। কলিভননিভারকারভার কর্ত্তক হুদ্রত জনের ভঙ্গতি দিনাশ বাতীভ ष्यस्त्रतिनासकागः। नाके, हेशके ८मठे सक অবভারের পর্য রহন্ত।

ধর্ম সংস্থাপনকাবী ভক্তাবভারগণই व्याद्याप्रवानी द्रवन्यानीत मः ऋष्या অনেকেট আয়ায়পরস্পর্যাগত প্রৌত वानी-कीर्डनकातीत कोर्डन अवरण डेमानीन থাকিয়া দেহসনোধর্মী कड्या प्रिश्नश्टक उमरजात्र यत्न कतिया रामिशा शांकि, "সভাং ব্রুয়াৎ ব্রিয়ং ব্রুয়াৎ, মা ফ্রেয়াৎ সভা-मिखारम्।" योशाता अञ्चलातः चौध हेन्द्रियत ছাঁচে ঢালা সভ্যকে প্রিয় মনে করেন এক বাস্তব সভাকে অগ্রিয় মনে করিবার ভন্ত শক্ষিত হন না, জীহাবাই সভাকে অপ্রিয় कारनन ।

वक कृषिकार मका (मनाकन) गांश, ভাষার সর্বই অপ্রির। ,বেছেডু স্ভর বিশয়জাত শব্দ, (স্পর্ল, রূপ, রূপ,, গ্রাক্ত জাত) ইন্সিমজোবক কোন প্লাৰ্থ নছে, 🖯 যাহা ভোগ ক্লেনিলে ইন্সিমবর্গ প্রিভূপ্ত, হইবে ৷ এক ক্লখান্ন কলিতে গেলে, আয়ন্তা : वक्रकृषिकान्, संस् भाग ८नाम कविन, भवते : मारा ६ जाचरकन्ति, रहक्ती क्रथशक्तिकः ইসিরআছ "ভাল" এবলিত খ-খ মুচির **चरुक्त प्राज्य स्ट** स्टेटल्ड—दनस्मरन्।-. ধর্ণোথ গল্প বিচার মুইতের প্রবিত্তাণ গাইডে क्ट्रेटन भूक्किक्सानात्रक मानावाब्द्रक শনগাগত হ'কয়া এছোছ আয়োজনীয় 📭 👑

## গ্রন্থ পরিচয়

### <u>৷মন্তাগবভম</u>

- জীমশ্বহৰি ক্লফালৈপায়ন বেদব্যাস-প্ৰণীত মৃশ, শ্ৰীমন-মধ্বচাৰ্যা-কভা ভাৎপৰ্বা-নিৰ্ণয়টাকা; শ্ৰীমদ্বিশ্বনাগ চক্ৰবণ্ডী ঠাকুর-ক্ত সারার্থদশিকী টাকা, বলামুবাদ, সংগ্রত অধ্য ও গেট **ক্রের প্রতিপান্ত ফগা**সার, অধ্যায়ের প্রথমে ঐ অধ্যানের সারসহ স্থবিষ্ণত তাৎপর্যাদি বিস্ত। লোকস্টী বিষয়সূচী, অণ্যায়বিষরণ, পাতা ও স্থানস্টীস্ক উত্তয় কাগজে উত্তম অকরে মুদ্রিত। প্রথম চইতে ১০ম হন্ত প্ৰায়স্ত ছাপা স্পূৰ্ণকাপে শেষ হইবাছে। ভিক্ষা প্ৰথম **চইডে •৯ম <sup>\*</sup> কর পণ্যত ২১।√•; দশম জন ১২**ৢ; 1 ... B 1844

#### **এ এটে ভক্ত চরিতামত**

**অভীমন্ত্রতিবিনোগঠাকুর-রচিত 'অমৃতপ্রেরা**লভাদ্য' ও এই নম্বজিনিকার নরসভী গোধানী প্রদুপাদ-লিপিত 'अञ्चारिया व्याष्ट-चुल्यामि यह भाषाध्ययाग-मध्नित इहेशा अकाभिक श्रेगाह्म । (ज्ञात्कत मानग्रनाथा), तकाश्वनाम e প্রতোক পরারের পুরের সংক্ষিপ্ত অভিনের স্থােছিত। প্রত্যেক অধ্যায়-প্রারম্ভে কথাসার দেওয়া আছে। প্রোক भगात, भभ, थान, भाज धाक्र व्या श्रृत्र १ १ हो ६ शहकारत्व বিশ্বত জীবনী সম্বিত এইরপ অভূতপুর সংধরণ উচ্চপুরে কুজাপি প্রকাশিত হয় নাই। উত্তম কাগ্রেছ পারিপাটোর। পৃষ্ঠিত সুল ক্রেক্সের মূলাংশ মুদ্রিত হইরাছে। এছ প্রায় > ०० • भूडीय गण्या । जिल्हा वर्खगारन e, माज ।

#### **এটেডজভাগৰ**ভ

প্রস্থকারের জীবনী, প্রতি পরিকেদের কথাসার, বিভঙ ণৌড়ীয় ভাষা, শকস্চী, পদারস্থচী, বিষয়-স্থান-পাত্রাদি-সূচী, প্রকৃতি বিবিধ বিষয়-শ্বলিত বিরাট বিভীয় সংকরণ ভবল ক্রাউন ৮ পেফী আকার। আদিলালা ও মনোর किश्माल अवर्षिक इडेब्राइक्स। कार्य कार्य अवर्गानिक इটাছেছেন। অগ্রিম ভিকা ে টাকা, আদি লীবার किका द् ।

#### **बिटिट सामन**

এট প্রান্থের এরপ অভিনব ক্লবর সংখ্যাপ আর কুরাপি खर्काण्ड इस नाहे। भःष्ठ द्वाकाःतमत व्यवद, वकाकृताम, स्थान, क्यामान, एका टाक्ठि मह चए वए अविश्वि ভইরাছেন। মূল মোটা আকরে ভবল ক্রেডিন আটপেজী इक्ष्याकार्त्त हाला इक्ष्यारक । भूना २॥० लेका । समीक्षा व्यक्राम ७ लोक्नीरमम् आस्कशरनम् नरम ।। । हेर्ता ।

#### : श्रीकडशदमश्रीतः

- शिरंगोडीय रेनक्याहायाः व्यासास्य निक्र्णामनि **दिनियमीय एकंवर्डिमक्क रंगाचायिक्छ।** मात्राणनिर्मि विकामांमणी के किक्रीमङ्किनवरमान शक्त वानीक 'निमन-प्रकार नामक क्षानाकावामकिका म क्षानाप्रपृष्ठी, मान्त्रकाजस्य (शाक-क्टी,विषय-क्टी,अष्टकारम्य श्रीवनी ७ अन्तरमानकानि बह्न-काष्ट्रवाविषय-मध् केंद्रहें "मश्यम्य-- ८ हे प्राप्त त्रश्यात्वत् किर्मा द्रे किर्मा व्याद्धः नीमान्त्रेन विश्वत्रेन-- >॥ • क्षका माज

### শ্রীল প্রভূপাদের বক্ততাবলী

ওঁ বিষ্ণুপাদ শ্ৰীশ্ৰীমন্তবিদ্যান্ত্ৰসর্মতী গোখামী মহারাজের দেই অবিভাবিধানিনী कौरांश्वकत्भाषांविमी क्रक-कार्का मन्त्रवाधिमी कोवल-नांभन भूक-विदाध--- विकानशिक्षान्त-तुष्ट्रभावतत् (को अन्त्रभाव-गण्यात्रात्र বৈছৰবিজ্ঞানাগানের মৌধিক তথ্য-প্রপাত্ত ও ভাগবতের সমধ্য প্রা -- মহাজ্ব-ভাবনচারিত-বিক্ষক-- চিদ্বিলাস্চিনাত্তি-প্রতিশক, তথ্য ও বিবৃত্যাদিযুক্ত। প্রতি ছক্ষের আদিতে অচিমাত্র-বিচারক-উপাগ ও মাধুগারসের মৌলিক গবেষণার --- সম্বন্ধ, অভিদেয় ও প্রয়োজন-তরের সিদ্ধার-সম্প্র।

> ১। প্রথম অত্য-বৈদ্যবদর্শন, শ্রী ওরাওছ, কাল-भयं, ध्यायश्विकाव, ध्वार्यकामती, श्रक्तालिकी मीका ও বর্ণ বিচার, আত্মধন্ম ও মনোধর্ম, 🗟 গৈতভাদের ও ভাষার শিক্ষা, অপ্রাক্ত সহক্ষণত্ম ও প্রাকৃত সহত্বর্যা, ৬০ বার আনা।

> ১। দ্বিতীয়া খণ্ড- ১খা ও বিদ্ধা ভক্তি, নয়দোর শ্রেষ্ঠতা কোথায়, আত্মার নিভাবৃত্তি, জীগর আমিপাদ ও बाग्रावात. श्रीकोत-निज्ञानसञ्जल, जिल्लात वर्ष ७ क्रक-कार्त्रन, द्यावानभूकाम श्रीमहाशनत्वत कीर्त्तन, आर्श्वर-शहमत महिमा, महा श्रमान, श्रीत्यातिक, श्रीक्रायाक्षण सन-পথ, ब्लीमडी तुम्छास्मानिमाँ, श्रीराज्यान मग्रा, (शोवकक्षा) जिका ३, एक है का माछ।

প্রথম ও দিন্টোয়—ছই শশু একজে শইলে ভিকা ১॥০ দেও টাকা, ডাক গর্চ শ্বন্ধ ।

#### **এমভগ্ৰনদ**গী ভা

Coil हीय-देवसक्वमानिक-द्रमश्वा श्रीश्रीयम्बन्धाः विका-७भपुक्रक कारा व श्रीमम्बिकितिरमाध ठाकुरतद्वाद्यायम वन-ভাষায় বিশ্বত 'বিষদর্গন' নামক ভাষাধুক। অধ্যাত-স্থানী, বিষয়স্থানী, ভ প্রতি স্লোকের প্রথম ও এতীয় পাদ প্রতী, ভাগাকারের ফীবনী প্রভৃতি স্থলিত। 🗟 ২ কুট্র বালাই, ব্যাকসংখ্রণ ( ফুটীয়ে সংখ্যাণ) এথের क्रिका २ है।का।

#### প্রমেয়রত্বাবলী

टीयन्यरम्य विश्वाकृत्य-अवाक रेनम्यम्यम्, सन्दर्भ छ লোবিক-ভাগ্যাদি পড়িবার প্রথম গ্রন্থ । উৎরুট কাল্লিভে ছাপা। সুবিশ্বর টীকা ও প্রাঞ্জবদাসুবাদ-সাহাব্যে व्यक्ति महत्व वालत्कत्व (वासन्त्रा क्रहेग्रा शास्त्र । जिला [৵৹ জানা মাত্র :

#### **श्रीनवद्यीभशामगादाचा**

( প্রমাণপণ্ড ) সামুবাদ। অতি-মুভার্দি গ্রন্থে খ্রীনব-দ্বীপের যে মহিমা কীঙ্কি জাছে, তাহার মুল সংস্কৃত ও अञ्चाम। डिका ८० आमा।

#### ঞ্জী নীনবন্ধী পভাৰ**তব্য**

শ্রীঠাকুর ভব্তিবিনোদ দিখিত। স্থলদিত গাতাবাবে পরিক্রমান এররাাদি-বিধয়ক। ভিক্ষা। আনা।

#### ভাজিরতাকর ও নব্দীপ পরিক্রমা

শ্রীল সমুচরি চারুণটি-ঠাকুর রচিত। ভব্তির্ভাকর হটতে পরিক্রমণ্ড মাত্র গৃহীত; শ্রীদ্ধীব গোখামী কি लाकीएथ स्थानविष्णारमंत श्रीतालमा कतिवाहित्यम, जाशह পত্তে বিবৃত। ,ভিক্ষা । ক' আনা



শ্রীশ ভতিবিনোদ হাকর প্রবিত। ইংগতে শ্রীকৈপ্রের निका श्रामी-क्ष, क्रमांक ७ वम-नक ६ मुक के न--कि हा-एक्पाएक्प-क**प---गा**भन-निर्णय-- @ह्यां बन-७ ६० तथा-काछ, बाधमापित निष्ठात-रेवधी छक्ति, ভाराएकि क প্রেমভিজিন্ত নামভলন-প্রণালী ও অঠকালীর <sup>ল</sup>িব পরিচয়াদি প্রথম শিক্ষাপীর উপদোগী করিয়া স্রল ভাগ্য সমুদ্ধ মুক্তি প্রমাণ্সত শিখিত আছে। ১তুর্গ সংকরে বংশ र होका. व्यावामा ১५० है।का महि।

#### গোজীয়কণ্ঠহার

टीरनो हीय रेमकवन्यन अक्टकन कर्ष्ट धावनरमाना প্রাকৃতি বিংশতি সংখ্যক রক্ষে অংশাভিত। ভিজা মাত্র এন্ডি গুডি-পুরাক-পঞ্চরাজাদি সাল্ভ-শাস্ত্রসমূহের প্রমানাদশী বিষয়বিভাগান্তমে স্ভেবাদ ওপ্টিত। এইরপ বৈঞ্ব-সিদ্ধান্থের সারসমধ্য অভ্য করাপি প্রকাশিত হয় নাই। ইহাতে গুরুত্ব-ভাগবত-বৈঞ্ব-গৌর-নিভানন--অবৈত-ক্ষা-- শক্তি-ভগবদুস-জীব-অচিস্থাভেদ ভেদ ---- क्रिट्रभग्न---ग्राधनाङ क्रि---वर्गनाई-- खा अब-धर्म -- खक्रमाक — খ্ৰীনাম — প্ৰয়োগন e প্ৰমাণ-তৰ ওলি পুথক অধ্যাধ্য স্তব্যুহ শোকালি কুটানুহ উৎক্লষ্ট এণ্টিক কাগলে বেকে ও ক্লক্ষ্মী র্জন---চতুদ্দশ অপুর্ব মধুরিমাপূর্ণ-বজ্তা-বিভূষিত। ব্ল ক্লিতে মুলত, উংক্লুই বাধা সোদার জলে নাম কেখা। शह आत्र ४०० शृहेश्व मृत्युर्ग । जिका २८ होका माज ।

#### बीमनदी भगाय-असानली

व्याम अञ्चित्रामान हे।कृत-त्रिक निममाशासू-भाम-মাহায়ের হাত বদ প্রমাণ বার-জীব নরহরিচক্তর সাকুরের গাম-প্রিক্রমাংশ---শ্রীধাম নবদীপ পরিক্রমা---স্টাত হাতা প্ৰতি-শ্ৰীমং প্ৰবোধানককত নবৰীপশতক্ষ-শ্রীমহাজিবিনাদ ঠাকুরের **শ্রীমবদীপ ভারতর্গ প্রাভৃ**তি গ্ৰন্থ ভিকাদ আৰা যাত।

#### **জীহ**তিমানামত ব্যাক্ষণ

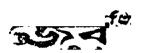
শ্ৰীজীব গোষামী প্ৰভুপাদ-বিশ্বচিত সত ও বৃদ্ধি खरमटक दिविकशाम द्वीमहकिमि**दांस मनव**डी शाक्षामा মহারাজের বিস্তুত ভূমিকা ও ফটী প্রভৃতি সহ: অপ্রয়াশিতভাবে হলত। ডিকা ২, টাকা, ছার্জণের भएक आ॰ छोका बाळा

#### বেদান্তভবসার

শ্রীমানামাঞ্ডাডার্যা রচিত। বেদাত্তের বিশিষ্টাবৈত্রণ-প্রচারক ন্রীভাষ্য-প্রণেট্য আচার্যাপ্রবর বেদান্তদর্শন পারের छेल्याकी कत्नार्थ ८६ डेक्टम कतिमार्डम। इक्स्टर বচাছবাদ ও স্থতীপতাদি সংখোজিত কৰা ভইচাছে भाष माज कियो १० माना ।

#### জীচৈত্যুচন্দ্ৰায়ত ও নবৰীপশতক

भावभाषम किम ही बीयर खारवायानम महत्रकी जागेर মল, প্রত্যাদ জীমদ ভাকিনিভাত স্বস্থতী গোসামী মধ্যরাক সম্প্রামিত অনুয়ম্পে ব্যাধান ও বৃহ্যান্তবাদ সম্বাহ্যাত। নবর্ত্বীপশ্তকের শ্রীভানিবিনেদ ঠাকুরের প্রাস্থবাদ ভ ভৎসহ শ্রীমন্ত্রাপ্রভার ওকটা ভিত্রাঞ্জ আলৌকিক চিত্র लामक मुहेर्राट्या प्रत्य ए कांगक हिन्स्हे ( र अपन একতে ) ভিকা ৮০ আনা, অতি সরমা বাগাই স্থালসংকরণ 🔪 টাকা মাত্র।



নীমছাজি নিন্দান সংক্রম প্রান্ত । তেঁ একমার প্রস্থান করেন লাভ করিবে পারমাথিক রাজ্যে কিচ্ছেই অজ্যান বা সংশ্য গালিবে না। পরম সূত ধ্র্মবিষ্যক তেঁ-কল্যাক্র ও সদ্মালাশী প্রস্ত এ গায়ন্ত প্রকাশিত হয় নাই। নিরিগোল্পামি-শাল্প-মাহাদি-মহান্যকলে এই প্রভান্ত ইতিহা হার্মার ক্রিগ্র স্থান কথানার হার্মান লালা বিশেষ সমূত্র করা হত্যাতে। বিরাটি প্রস্থানার জলো নাম লোগা, উৎক্রম বিশেষ স্থাত্রণ স্থাত্রণ স্থাত্রণ হার্মার জলো নাম লোগা, উৎক্রম বিশেষ স্থাত্রণ স্থাত্রণ ক্রমণ হার্মার

#### (अमनिवर्ड

শ্রীমানাপ্রাক্তির মন্তর্ম পাষ্ট, শ্রীম ফগদানন প্রান্থ বিরাচিত। এই পুডাকে মিতি মুগানাধা ভাষায় মহাপ্রাণার কলিপ্র লীলাস্ট বৈকবাচান, একাদশা ও নামভছন-প্রান্থী প্রেছ্টি অনেক বৈক্ষণভাষের স্থামিশিস্ট দেশ্যতে পাইবেন। পাদটীকায় ছক্ত ছানের বিশ্বার্থ ও লাভকত্তর প্রিভ্যাদি-সম্বাহ্ত চভূপ সংস্করণ ভিকা।।√০ দশ মনোমার।

#### ভ্ৰমরহস্থ

ভত্তনকারীর নিত্যসন্ধী; ঠাকুর ভ্রুক্তিবিলোদের মধ্যা মান; নিথিব শালের নিয্যাস। এছথানি না দেখা প্যায় কেচ বুঝিতে পারিবেন না 1 তৃতীয় সংগ্রান ভিকা ৪০।

#### হরিনামচিন্তামণি

নামাচার্গা জীল হরিদাস ঠাকুবের মুখে জীমমহাজ্রাড় ক্রীনাম-মাহাজ্যা, নামাজাস, নামাপরাধ প্রাকৃতি বিষয়ের স্যাব দীন বিচার জ্বাপ করিচাছিলেন। এই বিষয় গুলির আন এ দরল প্রারে সংক্ষিপ্ত আশ্বয়সহ পরিপাটিভাবে কুদ্রিও। জ্মিল ভাজাবিনোন ঠাকুর-বৃচ্চিত। পঞ্চম সংস্করণ ভিস্পাদ্

#### কল্যাণক ছতক

শ্রীমছ ক্রিবিনেশ্য ঠাকুর-রচিত। প্রত্যেক ভগবন-িগালী ও জ্ঞানপথের প্রথিকের একান্ত প্রয়োজনীয়
ইপলেশাবলীপূর্ণ গীতিগ্রন্থ। সামান্ত ক্রেপাণড়া-জানা
লোকেও এই ভজনরাজ্যের গীতিসমূহের ধারা জ্ঞানপনিবৃত্তি
ও ভগবংসেরা লাভ ক্রিব্রে স্থ্রিটা প্রইবেন। বই
সংহরণ, ভিকা / ১০ জানা মাত।

#### শরণাগতি

শ্রীমঙ্কি বিন্দান সৈত্রর রচিত। তগুলানে আগ্রসমর্পণ, কিন্তব্রি, ভজনবালসা, সভ বিধা শর্ণাগলি ও বিভি লালসা-বিদয়ক শীতিপুর্ণ, ভিজা ৴৽ আন্যামার ।

#### " সীভাগলী

**এই ফুর ভ**ক্তি বিনোদ-প্রেণিত । নিত্য ভক্তন, আরাজিক ও প্রবাদ**-দেবনাদি** ইবিষয়ক মধুর গ্রাহ্যমূহ একতে প্রাপিত। ভিক্তা বিশ্বাদ্য মার।

#### গ্রীলক্তক বাদ্যম

## ক্লীপ্ৰনপ্?0

শীনবাং প্রের নিক্ষা ও শীন ব্যুনাগ দাস পোস্থামীর প্রতি ইংকণ গোস্থামীর উপদেশবাণী, ভক্তিপণের অস্কুল । ও প্রাক্তিক বিষয়ে স্থবিচারেত সম্মোদন ভাগ্য, বিশ্বত । বিবৃতি, চরিতামূতের প্রমাণ, সাধ্য বাংখাং ও মহাজন-প্রণিত ভত্তণ্যোগ গাঁতমমূহ প্রত্যেক লোকের সৃতি হ স্থিবেশিত হইয়াতে। এই সংহরণ ভিন্ধানে সানা।

#### সাগ্ল-কণ

ত্রীবল্নাথ দাস শোক্ষামীর মনংশিক্ষা, জীল ঠাকুর ভারতবিনোদ-চরিভ পজায়বাদস্য। ভিকা / জানা।

#### প্রেম ভক্তিচজিকা

লীল সাকৃৰ নলোভাষর ল্লানিছ ক্রেমভিজিবিধয়ক গানের পুডক। ভিমা - মানা মারে।

#### নণ্ডীপশভক

জীল গ্রাকুর ভিজিবিনেশি বভিত্ত শ্রীল প্রবেশেন্দ সরস্বতীপাদের সংস্কৃত নবদীপশতকের স্থালিত প্রথানার। ভিকা । আনা মাত্র।

#### অর্থপঞ্চক

শ্রীল ব্যোক্টোগ্য রচিত। বৈক্ষণতা-জ্ঞানের অকের পুস্তক। ভিক্ষা / শ্রানা মারে গ

#### **সদাচারশ্ব**তি

জীল মধ্বাচাৰ্যা-প্ৰায়ীত। বৈক্ষাবেৰ নিতাককালি সদাচারা-বুলী, বন্ধানুবাদ স্থিত। ভিক্ষা ৴৽ স্থানা মাত্র।

#### मणिम अही

ক্রিকুলকেশরী শ্রীমন্নারারণগোণা প্রতি । শ্রীমন্মধ্য চার্ণোর সংক্ষিপ্ত জীবনলালা ও মূল বৈক্ষরণক্ষমত। সান্ধ্রণাদ ভিক্ষা। প্রান্ধানা মান্ত।

#### গৌরক্লকে।দয়

প্রতীন কবি এবোবিন্দ দেব প্রণীত প্রীগোরাবতারের প্রমাণাবলা বংবালত সংস্কৃত গ্রন্থ। ভিকাশ দং আনা।

#### যুক্তিমল্লিক। (অগ্রেসীরভ)

শীনধ্বনন্দ্রনাঘান্তগত শীনহানিরাক স্থানিরত। বলাকরে দান্তবদি এট এতেন প্রকাশ পারমানিক দাহিতা-ক্ষপতে এই সক্ষরোপন। শীন্যাধ্বাচার্যা চইতে দোড়শানন্তন বিতীয় মধ্বাচার্যা নামে থ্যাত শীনাদিরাজভীর্থ স্থানী এই প্রয়ে সাধারণ যুক্তি ও গৌকিক ভাষোম্বারে কিরুপ প্রকর্মানে ভিকিবিরোদি মতনাদ সমূত প্রতুন করিয়াতে, তাহা পার্ম করিতে করিতে আন্দর্গান্তিত হটতে হয়। ইহাতে যুক্তির হারা চার্মাক, কৈন, সৌলংগ্রু ইন্তে হা মানাবাদিমতনসমূহের মুক্তর প্রভন বহিয়াতে। ভিজা ২, টাকা মানা।

#### त्गाचानी जील त्रम्माथ मात्र

ধি বিফুপাল শ্রীণ ভিকিসিরান্ত সন্ত্রন্তরী গোন্ধানী প্রভুগাল-লিনিত ভূমিকা সহ ) গৌরপ্রেই প্ররপ-রপের ত্রুক্যাত্র প্রিছেম শ্রীল দাস গোন্ধানী প্রভুর অসপুর্ব চিরিতায়ত ও শিক্ষা অতাব প্রাঞ্জল ও সরল ভাষায় সমিবিই প্রবং পরিশিতে কানগোন্ধানী প্রভুর বির্ভিত কর্মকটী সাম্ভবাদ মধুবত্র ওব ও সন্ধ্যিকা-সম্বলিত। ভিক্রা বীধাই । আনা, আবা নাই । ত আনা মাত্র।

## চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাচীন নবৰীপের অবস্থিতি, ভ্রথা, ঐতিষ্ণ, শ্রেতি ও ঐতিহাসিক প্রমাণসম্বলিত নয়টী দীপের স্চিত্র বিষয়ব-গ্রন্থ। বাছবি রাজ্যাহের কুমার জীগুক্ত শর্মিশু নারায়ণ রাম নম, এ, প্রাক্ত শোহোর), বেলাস্কভ্রণ মহোদয় কর্তৃত্ব স্কলিত এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন বর্ণের অপুক্র চিত্র ও মানচিত্র-সমন্বিত; প্রাচানিস্থামহার্ণব রার সাহেষ নগেন্দ্র নাথ বস্থ বিশ্বকোদসম্পাদক মহান্দ্রের বিশ্বত ভূমিকা সহ। উংগ্রন্থ হৈ:) মল্লো বালাই মুলা ১৪০. ভি: পি: তে ২ টাক মাত্র।

#### माभक-कर्श्वमाला

ভেন্দকনা, নৈদ্ধন-বন্দনা, বৈক্ষনশরণ, দাগালের গীন্ত,
শ্রীনামহার, শ্রীনামহাপ্রের মটোন্তরণত নাম, কাইপ্রেরর
নামনাদিন, শ্রীনামস্থারিন, প্রেমপ্রনি, বাউন্সন্ধীত,
নান্দীদনা, শ্রীনামাপুর মহিমা, শ্রীনারোন্তম-প্রত্ন মইক
আহাল্য নদনা, নাম্ভুলারামীর মাইক, প্রেমভক্তিচ প্রিকা,
ভিগদেশ্যালা নামভ্জন-প্রালী, মহাগ্রাভ ও রায় রামানক্ষ
সংগাদ, মন্দ্রিকা, শ্রীধকপ্রবৃত্তি, শ্রীধরন্দর নিতাপার্যা,
মহাপ্রার সক্ষমা প্রভৃতি দাবক ও দিক্ষীব্যাের নিতাপার্যা,
বিদ্যবংগের কণ্ঠালিত তুলনীমালার কায় মহাক্ষণ কর্তে
নার্যাদেশ্যা সপুর্বা প্রত্ন। ভিক্ষা ন্ত্রণ, বাধাই ॥ মান্তা।

#### গোড়ীয়-গৌরৰ

ক লিকাশান প্রথনিদ্ধ আলবার্ট হলে গৌতীয় সম্পাদক
ইলিন্দ অন্বানন্দ পর্বনিদ্যানিন্দান প্রদন্ত বস্তুতার বিষয়
গ্রহকারে প্রকাশিত। ইংতে গৌড়ীয় বেক্ষবসম্প্রদাধের
ইলিহাস আকারে গ্রনিত হইগতে। ভিকা তি মাত্র।

#### গৌড়ীয় সাহিত্য

কলিকভোৰ ওপ্ৰসিদ্ধ আলবার্ট ছলে গৌড়ীয়-ৰম্পাদক
আলাদ অন্যানন্দ পরবিভাবিনোদপ্রান্ত প্রদান বক্ষতার বিষয়
প্রভাবারে প্রকাশিত। ইহাতে সাহিত্য-শঙ্কের অর্থ এবং
নৌড়ীয়-সাহিত্যের সিময় স্ক্রকারে বর্ণিত হুইয়াছে। কিকা
লিক্ আন্যানার।

#### श्रीदशोष्ट्रयक्षण शक्तिक्रमा-पर्शन

শ্রীগোড়দেশের যে সকল স্থানে সপরিকর শ্রীনন্মহাপ্রাভূ এবং ওনস্থা পরবস্থী মহাজনগণ শীলা করিয়া গিরাছেন, সেই সব আধুনিক ভৌগোশিক পরিচয় ও দেববিগ্রহাধির পরিচয় সহ যাওায়াতের স্থবিগা নির্দেশ ইত্যাদি বিষয়গুলি স্থিবিশ্ব আছে। জিলা। আনা।

#### THE HARMONIST

#### OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীল ঠাকুর ভকিবিনাদ-প্রতিষ্ঠিত এবং শ্রীল ভক্তিবিদ্যান্তগরস্থানী প্রভুপাদ-সম্পাদিত পরেমার্থিক
মানিক পরে। একশে ইংরালী ভাষার অন্তাবিংশ বর্ধে
ভবসক্রাউন ৮ পেলী ৪ কর্মা আকারে প্রতি হারে হরিনামের বিভর-বৈশ্বস্তা শইরা উপন্তিত হইতেছেন।
কানজ, মুক্রণ-পারিপাটা ও চিত্রান্ধি অভীব চিত্তাক্ষরত।
এই প্রকার উৎক্তই প্রবন্ধ আর কোন মানিক প্রানিতে
দেখিতে পাইবেন না। বার্ষিক ভিক্না ভাক্ষাওশর্ম ও
টাকা মাত্র।

#### প্রাবিক্তান-

बैटिक्शमर्थः त्याः बैमात्राश्यः समोत्रा

·更 1 型 對 · 小脚子

## বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভক্তিমঠসমূহ

### শ্রীরেভন্য মঠ

আকর মটবাজ

्रश्र होन सन्दील, काक्यत क्षिमाय मात्रालुह, समीदा

স্ক্রমভাবোগপীর বছতে প্রায় ০০ গল্প উত্তর-পূথে প্রাপ্তথপত্ততে আচ।গারত প্রচন্ত-त्वमूब्र-कृत्रम् अभिदेशकश्च-मठ निद्राणमान ।

এট স্থান স্থান্ত - টোর্ব, পরবিক্ষাপীঠ বা সাম্বত কলত কনী। এই মধাতীর্বে প্রীকরি-अध्याक्षक वाक्रिन्(वसाक्षत्रपूर, अधिकाद अक्षर कावा, माठेक, अवकाद, ज्या প্রমণ্-উপ্নিষ্দ-জ হা-প্র- এখান চভুইছেই অগাধন ও অগাপনা এবং ওপায় এতা-গৌরাল-পান্ধ অনা-পিরিগর ও সামত নাজাদায়িক-আচার্যা-চতু র ভারাদের উপাত্ত विकारकृत निक्क मिका मिनिक हर एउटकन । एवं मेठवाटक भावनार्थक टेमिकभक माधक-স্পাল্ডির অ প্রকাশত ও কথাটান গ্রহ্রাজ প্রচারকল্পে 'নদীলা-প্রকাশ' ব্যাল্ড প্রাক্তিত ভর্মাতেন প্রতিবংসর শ্রীধান-পরিক্রাপ্তর ও অগ্নত ভক্তগান্তিনত ক্রীপ্রান প্রচারস্থান মহামধ্যেশ্যাল কলাল অভত্তিত করে: গাকে। একক---একচারী শ্রীশাল নরক্রিলী। সংকারী--জীশাল বিনোদবিধারী ব্রশ্বচারী, পাঞ্চ শ্রীপাল গোরলাস व्यवहाती कावासारकारणीयं, द्वाराम नीरहतः वयहाता. द्वाराम समामान वयहाती. असम्बद्धान अस्ताती, अभ्यनशाणाण अक्षणांनी, कर्स्स लाइस, व्यापास, द्ववविद्यादन कामन मक्कमभन ।

রিব্রপ্রিশামী জ্রীগছজি প্রাধীপ তীর্থ মতারাজ এবানে চরিক্ত। তীরুন তরিতেকেন।

্ত বোগপীত আমন্দির

व्यव काण ज्युक्त संभाता माज्य अन्त अ अभवना श्राप्तत स्मानिकात-कृषि ग्रटारमान-न्त्र । जनारम हीनमीः मधा व है। विका-**विशामक द्वीरमोक्ष्मात्रास्य कवर हा**हिल्लना क क्रीश्रक्षकाम सिका दमना छन। क्रिमक-考に確保 (内容) 考察科例 | オキロー(か)ウ・ अवास्त्र त्मात्रामी कडेलिया काक क्रीतमा-शास । तक्काकी अभिकाशिक अवदानी. **अक्षावानिकान कव्यिकृत्**न, श्रीकानमान उत्त-ठाकी। **अ**माधनमात्र व्यापकार्की, त्यत्रमचा 過ぎ回り返収!

(8) Delain-man क्षिम्बार्गाक्षक कोर्सन-निवास वा क्षरमोक्षमीमाच कामस्मी । अभारत क्रिकेटमान-

निकालिक क शक्रकत्वत्र दश्या वक्रमान । क्ष र--- श्री शक्ष दियु अम अब्दर्श हो।

(१) कादेशक-क्ष्यम

me aten mer nan mat chai amain i

क्षा क--- के लहेब कामना नामानि का ही, Bentmain niem):

(७) काष्णीय नवाबि भी है

व्यक्तिम साराण्यः याममण्डतः (समीवा) किरश्रीकृत्रांताक किहानकाकी अमावि। ्रक्क- अवस्ति के विस्तारायकाती।

् (१) योगम प्रयय-कृष

विक्रासम्बद्धाः प्रसार्थास ( समीहा ) ः बचात केरिक्रणाम कीन ककिरियामशाकृत्वत murfe mur @coffennius wat al. Ballete. ale(यक देनशः वर्षशामः, ... . ...

क्रमण-क्रिक्स काकाम अवहामी इक्ट्रांकियी वन, वन, वन

• (৮ শ্রিক্সবন্ধাপ বেগারীর মঠ प्रकामिति ।

८२१ क--- ग्रेंचिकतत अख्यिम श्री श्रम, या. 14. जल, मध्यादी--- चिक्कामाम कांब-। भार्ती, ब्रिहेकक्रम अधनारी अस्त्रिका

( > ) और भारा-भन्नामय-मठ

টাপাত টী, সমুদ্রগড়, ( বছমান ) क्रीन नापानात्मर लांकिकिट जातजनानक .স্বা : সক্ষ+ — আ : রেরাস এপ্রচারী, ভক Boutes win :

८ ५ - औक्षभरशोषात्र-वर्ड का : । शक्क, शक्काल कड़े. लि amm-- Bafeete अmbifi, नक्कारी--क्रिमध्यम् वस वस्त्राती ।

( ); ) 國CALA MALA E. E. -nisalis, misae, acujai 🎬 ा। भारत वाल अच्छे व दुवानात्व प्रात्त । १४- - हो। प्रविश्व विश्व विश्व में . कर में कि अधान १

(১২) कांश्यक व्यानम

🖺 - १९२७ (छा:, क्रफ्रागद्र, नशीका । काश्य - निद्धास अक्षायणीय व्यव्याप-व्यव रक्--- अकुणानम उत्राही खावनायी

du resperie

८भारिकालुक, शांभवानी, नवेत्रा । 🕮 क्रांगर अक्षाठी, अवलातीत बागाधिकाती. इ. ज्ञान नाका, कक विद्याप

> (১৪) জীলাধন-বেগাড়ীয় সঠ a•म् संवायण्ड (वाक\_, हाका।

可被我们有"国际"中心中部公司专门等 दशीक्षांकः नामक्या-शिश्चिमहत्रमध्यन्या वक्षमानः। Dette विश्वकामण नविष्यानित्मात वि-व, श्रिवान- (২) 🖥গোডীর মঠ

: ७ मः कानित्यमात ठळनवडी श्रीहे. Ceg: वागवाणात, कांकवा छ। **८४ लिस्कान** नि. नि. 8558

শ্রীমন্মকা পড়র অচারিত স্থানিক্ষণ ভিত্তিশন্ম-প্রচার্টেশেল গোড়ধেলের সক্ষ প্রধান নগরী ফলিকাভার এতভিবিনোর আসানে ত্রীমত প্রাচিত্তি কালেন ৷ এই কঞ্চন সভ্যারামে 🖻 ভক্ত-লোছাল-জিবিলোলানক জীউ সপাধ্যে নিজা সোধিত হন। পোডীর আচাৰাবর্গের বাবভীয় প্রস্থাবলীও প্রস্তারেক্তিল দীমতে সংগল্প একটা প্রতং স্ক্রা-যন্ত্ৰাপর সংস্কাতিত চইরাজেন। পুথিবীর সক্ষত্র 🕮গোবনাম প্রচাবার্থ এন মন্ত্রাপর रहेट्ड '(त्रोक्षीम' माखानिक नक्त, कि कडमामिक्षे माधिक नक्तिका स्थाकी काराव নিয়মিজভাবে প্রকাশিত চটভেছেন। ত্রীমতে পাত, গর্ভারণ, পরাজাল-চতুঃর-বেছাত, শ্রীমস্তাপৰত, প্রীটেডজ-চরিভায়ভালি-লীণা ও ভ্রমান্তের স্মাক্ খালোচনা ভটর পাকে। মটকেক---আচারীকি শ্রীপাদ কুটাবহারী বিভাত্বণ। সহকারী--পাশুক শ্ৰীপাল অন্তৰ্যান্তলেৰ প্ৰবিভাত্তৰ বি-৩. লীপাণ হাস্বিভাষী একচাৰী, শ্ৰীপাল क्षमण्डावन कामानिकांती वि-क. जीनाम कदाशानान कामानिकारी. अञ्चलावी भीकी सनामक, अध्वत्रती भीलाशीरमानन, उद्यागती भीमश्रानक, गाउठ भाषाम नवीनकः लहरिक्षामद्यात मुख्यमध्येत स्वाहाया. बिषयप्रकानमामानिकादी विन्दः, बीक्रवरक्रमाञ्चिम धकाती वि-देश, अध्यम्भ जामरकातिम, वैधितपष्ठद अभागती, व्यक्तिमस्माधिक

একাণারী প্রাক্তি।

श्रीत बन्नारी, बैनारशीम बन्नारी. निर्माद्यभारत करा

> ( ) श्रीद्वा भरतको वर्ष 주의하1학국, 51주1 J

্গাণাদৰীঃ শ্ৰী: গ্ৰন্থের প্রাচীন দেবা वक्क- डीमानवामन अक्काडी ।

५७ : शिवधार्च-८भाराम मर्क क्रिकाक श्रमाधनी मका, वालिक कि कामा चीनवार-(नोद्रा**८**णव विका स्त्रवा ্বক্ষ — শ্রীপূর্ব প্রজ্ঞ প্রস্কৃত বি, ট্রাম্ ভণাল বেজ হৈছে।

(১৭ জীভ গেবভজনানক মঠ हिक्लिश, बाइस्वयुत्र, स्मिनीयुत्र। এণানে - 🚵 ৫৯-গোডাল-গান্ধবিকা-'श्रविधारीक किन्छारम्या वस्त्राम । सम्म ---उक्तामी ही -अवानशामकी।

.১৮, कामशारमाका अश्राक्षक वासरीम ल्याः वस्याम ।

श्री श्रक्षानादाक - क्रिनाव्यक्तिका विशिषात्री : विकासिका। अच--अध्यामी दीर्शक I ATPOP!

১৯: अनुकृत्वासम् मर्व

पर्वकार, पूरी, केल्या । क्षांत्म औरगोब-बित्नामभा पवक्रीत मिका-अना व ब्रमाद । अक्क - बक्क शती चैन ब्रमा-तम विशावक. अवहाती क्रेनकोशंकक. (२०) आकारणाका अभागाखन-मह टीलाइमाइक्य अक्रानी Brivelam अवहारी, इक अधियार ।

(२ +) खैलच-८गोडीय वर्ड वानवस्त्राथ, अवनिष्ठ (वाः, श्रही । #9|#|#(#(4# WA49# 94(# \$4##) स्रवाम । श्रेनवदमच्यो क्रमानको। नरकात्री-अवहादी खींबिलनिवहाती।

(५) जैजिक्सिम्बन मठ STENTHER. . . .

क्षरात्म द्वीशक-लावाच-विद्यासक्रमण-कीर जिल्लामना नक्षाता नक्षाता अध्यक्ताची जीभगर, जीवामगण अध्यक्ताची

.२२ जीअनाजन- शोधान मह असर अश्रक्कारनगुद्र , काली । Coll := मधाक्षण : अना दे - - "मणावन ! क्रमादम क्षात्रात्रात्रात्रा नवामान । क्षमान---

श्रीवानकोतावको श्रीमकातन उक्रामी। २७: अक्सरेडक्स 🛪 जीवामरक्षाम कृष्ण, जानाम वृत्तावन ।

in & cintadus au Balbie (84) i तक्षक -- ज्ञेत्रवर्षा हमान अक्षारी

(২৪) 🖾 পরমহংস মত ेजिधिशास्त्रमाः संपत्राभास

ामानदाल उत्तर हाई भारत चिट्योक विटेनाण विवासकात दर्गेया वक्साम रकक--- बक्कारो दीम्'शरकारक क दक्कारी म्बीगन्द्रकात्म ।

२०) ब्रिटेड्डिश्रारगोष्ठाच मठ

দুম্প্রু জা, 'চরজু জা, মানজুম। জলা नीरिक्छन-महित नाया। क्राक----वीद्या-माप द्वाप, डाटमनशानन अक्ठारी, डोहाम old w. Widel t

(२७) महामाशीकात्र मह

कुक्राक्षितः, सारमञ्जूतः, कुत्रसा । सम्हास क्षीरणांकान्यान प्रत्याचा । वक्क---वक्कार्यो अध्यम्मन्यो । सोनगी-द्यापान अनवानी

প্রাক্ষরপায়া, পোর মাজু, হার্জা

क्रभारम व ५ कुक्तुन्ते आत्मावारणस दशका वस्त्रामः। वर्षकः अञ्चलवानी औद्धावकृषः धाम, जीवस्याच उत्रशामा

(२৮) विश्व दशाकीस मठ'—<del>कार्यामध्य</del> दमर क्षाणी कवन, का कांग दशम, मिक शिक्षो त मुक्तक-अवशानी विशीतकक, खीक्रमरनपृष्ट क्षीबाचा बन्ननह बनन बन

(२०) द्वामानगण्याकावास्य रफ ०--अफ्डादी ब्लीबायादमार

#### ভারতে বুটিশ মীভি প্রচার

ক্ষণ সভায় ক্ষাণ্ডাৰ ক্ষেত্ৰপঞ্জি ভিক্তাসা করেন যে, ভারত প্রথমেণ্ট ভারতীয় শাদন সংস্থাবের বিষয়ে রটিশ প্রথমেন্টের নীভি কি ভাবে জনসাণা-বণের মলো প্রচার করিয়াছেন, ভাঙা का नाईदरन कि १

মি: ভয়েগউড বেন উত্তৰ দেন দে, বোগ টেবিল বৈস্কের উপদংহারে প্রশান মরী রিটিশ গ্রণ্মেন্টের নীভি বির্হ ক্রিয়াডেন এবং উচ্চ ভারতের অনেক ্দেশীয় ভাষায় অভুদিন ও বহুল ভাবে প্রদারিত ভইয়াছে। গোলটোবল বৈঠ-(क्य डेश्यकारतत मुखावणी ध्वा उठीन প্ৰথমেণ্টের পোষ্ণা স্বাক দিয়ে গুটীভ ক্রীয়াছে এবং **অনেক ভারতীয়** স্ক্রো উহা প্রদাশিত হর্ত্যাতে ' বেশানেই উহা দেখান হইগাছে, নেখানেই উগা সমর্থিত १ व्याप्ट

আল উইন্টারটন জিল্লাসা করেন যে **८**हे (धारणा श्रद्धारतत अन्त गवन्यन्ति कि ভাৰতীয় নেতার ঠেশনগুলি বাবহার कद्रिगाडिका १

নি: গ্রারজ্ঞার বেন ংশেন দে, উজ বেগ্যবৃদ্ধবৃদ্ধী অনুবৃদ্ধি করা বেগ্যে যেলেডর অস্তাৰণা খাছে ৷

भि: (अन कात्र क तत्मन (म. निकास গ্রেণ্টের নীতি প্রচাবের জন্ম ডিন্ नसमारे छेलारका 6 छ। कविरन्दर्भ । उद विरक्ष अञ्चल काम कती अक्षा मुल्लात्यं है। वित्वहार कत् इक्ट्रेंब

#### সমুজ বিমানপোত পতন

कारमानीय छेट्न काकाश" 'डि १. । একা বিমান পোতে দক্ষিণ মামেলিকাল याहर ७ किया। स्वाधानवासि शाहेशा करांट ५० महिल पृत्त वाकाल करेंट সমূত্রে পড়িয়া গিলাছে।"--- এই সংবাদ রে সক্ষে প্রেণাবিত হত্যা বায়। क्षित्र का भागाम मन्यूर्व मका नटह ।

জাহাজখানি রওনা ১৪য়ার কিছু বেট কেনে এক ষ্টিম্বের ক্তেম ধেস্তারে জানান যে, ডিনি ভি. ও, একা 👫 भाष्ट्रिक स्विधारक ।

क्टेंग्रा প्रकृति युद्ध व्यास्टरक्ष कृष्टि इत्र , विभिन्नाःश मार्गिट्डे व्याकात व्टेटार्टन । cast জানা যায় যে, শভি. ও, এলাগ ক্ষকলিগকে নাকি সরকালী ইনারং <u>ज्ञान व वाकारन केव्हिट्टर्ड ।</u>

9 शता अञ्चलका का**श काश पूर्व** दिशालात अविकास का मार्थ करेग्राटका। भिराधिकाः हेकः वहेटक्षे कार्यकः छोवाकित्व भवतात विविधिभित्राविजीत किया के किया कि लोग कि , काश्रक्ति भागि कि क् किया के वा व क्या करा। लाका भन्दन महिन्दर । , ale

় পরবন্তী এক সংবাদে প্রকাশ, 'ডি, ও এম' এখনত एकिंग आমেরিকার मिक्ट डिजिया योटेएट है।

#### বর্মায় ভারতীয়গণের বিপদ ন্ডুলাটের নিকট বণিকসভার ভার

ভারতীয় বলিক মন্তা সক্রেব সভাগতি মঃ জামাণ মহক্ষদ বন্ধা হইতে ভালখায়-মণের প্রয়েন সমধ্যে বড়লাট্ বাছাও্রের নিছম্ব গেকেটার'র নিকট নিম্বিথিত ভারতপ্রবণ করিনাডেন : --

'ভারতীয় বণিক ও শ্রমিক সভার দক্ষের কমিটা ক্ষা ১ইতে ভারতীগগুলের প্রধায়ন ১৯জে বিশেষকাপে চিঞ্জিত ছইয়া পড়িয়াছেন। ভারতীয়গণের প্রতি বিভেষ ভাব প্ৰাত िक स्वारत 5'513'81 (SC'475 6'E'14 WES

বাণিকোর ধবংগ হহতেছে। गः वान পত্রের থাবাদ অভাবে কমিটা ক্ষতি ও কলিতে ! व्यक्ताप्रात्तत् । भारत्याः लाबिएएएम भा। ज्यालि होशना ভাষাত্রম ১৯৫৬ লোকের তথার প্রনের হ্রাদ ও প্রাক্তার ভারতার প্রার্থনিগণের ৰক্ষা পাল-যালেৰ ডাব্ৰ গান্না कतियादन एएएक ७,००७ क्षा अन्द । याक অব রেণ ক'বতে প রিং 'ভন। কমি मुख् निकास एम, इ.हे धानपूर्यक स् क विराप्त करण गरश्ये वन्तर । इन्टर्करक এবং এই কমিটা ভারত স্বকারকে বিশেহ-ক্রপে শমুরোর ক'লভেডেন সে, ক্রের। নেন অবিলয়ে বন্ধার বাবদৌ ভারতীয়-शहलुब कीवन छ एक छ तन वि महबर र। वर्ग वर्ग म

#### বেগারা প্রথার ভিন্যোগান

গুৰুরাটের বাল্পিনোপ দ্ববাৰ ভুক্ত त्राका २३८७ (तशास व्यशास १७८सानाम করিবার সঙ্গল করেয়াছেন। 2414 व्यवात आंड्रारम भार काला मार्ट উক্ত রাখ্য হইতে ১টিশ রাজেয় চ্শিয়া ্লিয়াহিল - ভাজের) ২ বার পাল্টিকাল উল্লেখা का का का वार्तित का उना किया माधारत । इस्काली का नावा माधार माधार का नावा वार्तिक वार्तिक माधारत भाष्ट्रीय कार्या अविधिनन प्रान्थियान এই সংবাদ গুপিবীয় সক্ষাত্র চারিত স্থানায়। আৰু শ, নধাৰ পোন ক্রকলের উত্থানির সময় ৰেপান পাটিতে নানা। বিবেছনা করিয়া ভাগানের বাসের ৠ-অসেব ব্যাপার ছইল ুএই যে, ,ছি, । করা হয় । নবাব রু মুলারদের জাত-

#### বিবাহ রহস্য कात बहरतत स्थापन महिल পঞ্চাল বছরের বৃদ্ধ

मात्राथाली, तामभक्ष भागत । এলেका-দীন মাণিকপুর গ্রামের আবছলগণি নামক ক্রাকৈ ব্যক্তি গস্ত তরা জুন ্তলা ম্যাজি- : ট্রেট ইয়ত বি, আর, মেনের এফলামে উক্তাম নিবানী অবেছল আঞ্চিত (৫০ বংগর) এবং আবহুল কালেনের ( ৪৫ বংগর ) বিবাদ্ধ এখা আইনাযুগারী এক অভিযোগ আনয়ন করিয়াছে ।

घটनात्र निरत्ताः लाकान, भाकान অংকিজ এবং আন্ত কাদের সম্পত্তির (मार्ड नार्टापन गुण्डू करे (नामाक करे জনে বিবাহ করে। এক মেয়ের বয়স ৪ কিছাত বংসর এবং জপর মেয়ের বয়স ২ किया । वरमत बहेरत वाक्तिका घटमत लिखा ৰ্বিমান নাই ব্ৰু এই বিবাহে আনা মিঞা भुक्ती (भौदताकिक। এतर भवत्रभाकी भागवा

#### খুলনা ভেলে বন্দীর প্রতিভূর্বার-হারের অভিযোগ

খুলনা কেলা কংগ্রেদ কমিটির সভা-পতি আয়ত নংগক্ষনাথ দেন খুলনার 🕻 এব অপা'রণ্টেডেণ্টের নিকট নিত্র বিনিত্ত মশ্বে একপানি চিঠি লিখিয়াছেন।

''এই অফিসে এই মামে অভিযোগ আলিয়াছে যে, শ্রীযুত নিরূপম মিজ বি, o, क ककाक माधानिसदय गुरु मारमुब न्वरम जातिरथ (अञ्चात कता हर्देशाहिल, আপনার দেশে ভাষাদের প্রতি ছক্যবহার क्या ब्डेट्डर्ड । अकाम, खादामिश्रक একটি করোগেট-লোহ নিশ্বিত চালাঘরে রাখা ১১রাছে। এমন কি দরিণ এীয়ের भूमहत देश खामातावि वस बादक। डेक ए। श्राप्तता श्रंड इन्न (लाटकता द्वांन **मध**्न लरमत क्या अस्ट्रिका सम क्ट्रिक ट्रिमी লোধকে নাকি তথায় মাটক গাখা इक्षेप्राटका व्यातिक श्रीकाल (ग्.

**हाशाधत कात्मक छाल मलकुछ । अक्रमात** উদর অব্ধিত। ঐ পুলি ১৯ছে ছর্ম্ম नार्वत ४ हेद्रा भारक । नव्यरत्नम् मकारभका। इंड मात्र श्रीध भगर्ष इक्षी करतारशर्धेत ) वाश्यात वावक शका देहे युवकामत लएक (य कि टाकान करेकत डोका वालीन मध्यक्षे वृद्धिएड भारतन

**ंटि विहात्र**ीय क्षेत्रिस्त शिक्षा, भन्दा. 🔻 भीवन-गांका लागांत्रीप वरम्। भण করিবার নিমিত্ত আমি धाशनहरू मनिर्धक महस्य प्रानाई-( ( ( ) ( ) ( ) ( )

**''बांशमध्य मिक्के कांगाय जात्र ह** अक्टबाध बाहे . ता, बाहे बिछातांथीय चली-

प्रिनाटक यति ভाजादमञ्ज सञ्चताक्षत्र 🐠 भाषीत यान्यसा थाछ ७ भवास्याणि সর্বরাল চবিতে লা**রেন, তবে আমাতে** 斯神经元的理

#### न कारणीय करद्वादम द्याकदवांच

প্রীয়ত োন উপ্ত সম্মতি এক বিবৃতি প্রকাশ করিয়াছেন ভাষ্টতে প্রকাশ, मश्रामी खडाव कतिशास्त्र हो बाक्साम ग**न्द्र**ाटमत्र मीमारमा वाक्रमात्र क्यांक ৰাবাট হওয়া উচিত-নেই প্ৰস্তাবে শ্রীসূত্র সেনগুল্ল সন্মত হইবাছেন। এই সম্পর্কে ভিনি আচার্য্য প্রাক্সচঞ্চ রায় भीतर त्रामामन हट्डालांबाम 🤋 👼 🕏 য*ী* জনাথ বসুর নাম করিয়া বলিয়**েছ**ন এই ভিন करनत मानिनीटक कहे बालिएबन মাঁমাংসা কইলে ভাল হয়। ভারশর উপদংহারে ভিনি বলেন বিষয়ের ভারত তিসাবে তাঁভারা যে এই দায়িত প্রাহণ করিতে সমার হইবেন ভাহাতে আমায় मस्यक् नार्वे ।

#### त्मांहमीम मुक्रा

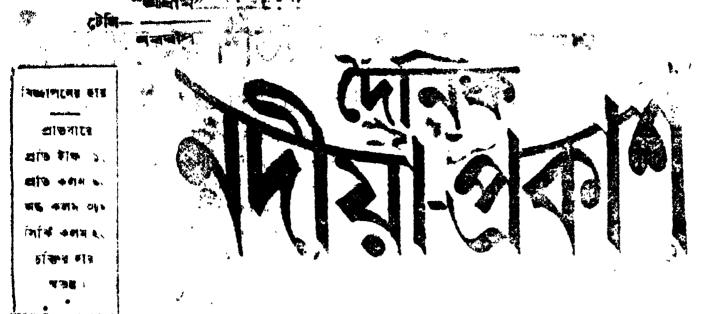
गाँ ७६ कृत भिन्नानम् **८वन ८३ भर**तम् निकटि एक स्थावित क्षत्रीया इत्रेश িয়েতে। সেণ লোধর মিঞা লাখক *ाक्ष*ण्य (याक्ष्य कामा महिशा क्ष्मेख्य काहत क्षानिक हत्यात कार्माक खरकाताः कार्यका क्रांत्रशाख्यां व्यापाध-तिक कना बदेशासिन। दमसाटन दम মার: গিয়াছে। **রেল পুলিদ মেটির धानकरक (अथात कवित्र) विष्ठात्रार्थ** (अञ्चल क्रियार्ड । **अहे जन्मर्स स्थाप्त** ा काह्य इंकेट्टरक **।** 

#### (वाषाट्य वाय-मद्राक ७० जक ठेका वाहिट्य

সমগ্র ব্যায়ের শত করা ৬ তাগ বাঁচাই-नात कन्न द्याश्य माकात द्य चारम्म भिष्ठाट्यन, (ग अञ्चनाद्य विकाशिय ककु-भणीत्यता डिभाग क्रियास क्षिण्डास्थ । পুনায় বাহুহুল ক্ষিটীর অধিবেশন বসিলে এট বিষ্টের **পুটিনাটি ব্যাপায় গুলার** উপ্তিও করা *হইবে*। ৩ **এখনত বে** ५० लब्द है। का भाष्ठिको शक्कित, 🍱 😘 १६४ বায় হাদ করিলে ভাহায় আঞ্চ আছে 🖟 काबिएक अहेरव ना।

#### नहीं प्रचित्राप्त ४ कट्नसम्बद्धाः

**इस्तबन्दरा गड गद्धारह म.ी इस्टिम्स** कटन किन वाकि कमस्य संदर्भ आर्थ द्या श्राकाम छा। या छिम बारमदे व्यापाछ त्याश्चित्र कटने व्यानकाम क्षित्रहरू। **এक क्रम आदितारी पर्देगांत मिन देखांबुट्स** 



সাহায়ের স্থার আরক্ষানের বাবিক ক্র্যান্থানিক ক্র্ ব্যান্থানিক ক্র ব্যান্থানিক ক্র ব্যান্থানিক ক্র ব্যান্থানিক ক্র

**SAND AND SEA-SELS-SELS. (OPENS SAND MALE)** 

খণ্ড ] সম্পাদক—**জ্ঞাজভান্তাখ** বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পত্তি

চিত্ৰ সংখ্যা

জালৈতভাষত জিলাম মাহাপুদ্ৰ–১৭শে জ্যেষ্ট বুলবার ১০০৮, ১০ই জুন ১৯০১

### নানা কথা ভাষিত ৰ ইড় সংখ্যালন

ভাষিত্ব নাইডু প্রাদেশিক গ্রেশনের বিষয় নিকাচনী স্মিতি একটা, সিহাপ্ত জাহব কলিয়া মহাস্থা গাণীর নেতৃত্বের প্রতি সম্পূর্ণ বিশাস কানাইছাছেন এবং কাজেবের কাজানে পৌছিবার কল স্মস্ত ভারতবাদীলিগকে মহাস্থার নেতৃত্বাধীনে স্থিতিত চইগার অন্তরোগ কানান।

আর একটি প্রস্তাবে তিন্দুম্নলন্তনের একতার প্রয়োগনীয়তা ব্রাইয়া সকল কংগ্রেসের লোককেই দৃঢ়চিত্র হট্যা সংগঠন করার কম্ম মন্ত্রেগে করেন।

মহায়া গানী তবং অভাত নেতার
নিকট কৈছে বালী পজিয়া নিজাতে।
ছহায়া গানী ভারগোলা কানাইয়াতেন—
লক্ষেলনের সাফ্যা কানানা কুরি। আমি
ছ্চজাবে বিখান করি, পিলেশীনস্ন বজ্জন
পিকেটিংলের চেয়ে অভবের উপরে বেশা
নিজন করে।

### माती जात्म मानत उत्थार कालन

क्शिकाणां वावितं महिंगी व्यक्ति।

मन भरगरेन कतिवातं कथा शिकिए

तारणंत श्रीपुक्ता स्थाहिनी तनेती, विश्वम व्यक्ति स्वी स्वर व्यक्तिभागी स्वी भभः वया महत्र केदर कितिकालात् केशकरके भागावाम भतिस्था किद्या द्वाप्ति व्यक्ति भागावाम भतिस्था किद्या व्यक्तिका रक्षा वक्तुका निशा महिना बाद्रम्मात्रस्य कार्यमा व्यक्ति निशाहिना बाद्रमात्रस्य कार्यमा व्यक्ति निशाहिना बाद्रमात्रस्य

## তামিল নাইডু সম্মেলন

নারী আন্দোলনের তাৎপর্য্য জ্ঞাপন

## কারাগারে পিতৃশ্রাদ্ধ

মহাজ্বাজীর সকাশে দীমান্ত গান্ধী

## বৰ্দ্ধয়নে সেনগুপ্ত

হরিকিষেণের ফাঁদীর আদেশ

## ডাকঘরে সাংঘাতিক বোমা

উন্মন্ত কাছ:জ-যাত্রীর নির্বিঠারে ছোরা চালনা

## लाङ। नाय। दित पूत्रवञ्चा

প্রতিনিধি সম্বন্ধে পাঞ্জাব হিন্দুসভার প্রতিবাদ

## বি এস্ সি শিক্ষক চা

শীধামন্মাধাপুরস্ক কাকুর ভাকি বিনোধ ইন্টিটিউটোর অন্থ একজন বি-এন্-সি
শিক্ষাক্ষে প্রয়োজন। উক্ত শিক্ষাক্ষের পদ-গ্রহণেক্ষ্যণ স্ব-শ্ব শক্তিজভার বিবরণস্ক
সংস্থান্ত ভক্ত টাকা বেভনে কাক্য করিছে পালিবেন তালা উল্লেখ্যুক্ত লোকেটারী,
কাকুর ভাজিবিনাের ইন্টিটিউট, পোটে ইন্যাধাপুর, নদীলা'--- ঠিক নাম গ্র লিখিবেন।
নিক্ষাতিক শিক্ষক বিমা খরচাল মান্তাল ও বাস্থান পাইবেন।

#### কারাগারে পিতৃত্রাত্র

অসাগার সাক্রমণ মামলার আবানী
নিয়ত অখিকা চক্রপণ্ডীর পিতৃপ্রাদ
সম্প্রতি নিউট্টী কেলে সম্প্রত হটারতে।
ভূলা শিক্ষাটিল গৈ, উচ্চাকে টোহার
কথানের বার্টীর লাদ্ধান্তগুলে যোগ দিবল
অসমতি প্রদান করা হটার। এখন
দানা গিয়াছে যে, তাঁহাকে ৫০০০ টাকার
কামীন দিতে ও অভাত সভে সন্মত এইকে
ভূলা হয়। কলে, তাঁহার জাতা টোহাকে
দল্ড টাকা পাঠাইয়া দেন এক শিক্ষাটা
ক্রেম্টি তিনি শ্রাদ্ধ করেল

#### महाश्राकीत नकाटम शीमान गानी

ভই জুন 'দীমান্ত পার্ক্র'' আবেওল
গাহর থা দক্ষাকালে পেশোহার হটতে
বান্দোলী আসিয়া প্রভিষ্যভিগেন।
স্পার বল্লভভাই ও শ্রীয়ত জন্মর্মে দাস্
রেশনে আসিয়া তাঁহার সম্বন্ধনা করেন।
অত্যাপ্র ইইবিং মেন্টান্তের অবভান
আশ্রেম উপনীত হগেন। আস্কুল পান্ত বা মহাআজীর সভিত একরে অবভান
করেন। উপাদ্যাব সম্পান বচ গ্রাহন
বাস্থা আসিয়া উপ্দ্রায় গোল দান
করেন; ভন্মপ্রে অনেক ম্যাল্মান ও
উপস্থিত হিলেন।

আবছৰ গড়ৰ হ'ব স্থান্যনেৰ উচ্ছ প্ৰ এই বলিয়া প্ৰকাশ যে, তিনি নীমান্তের অবস্থা ৪ গণে কোনো বিলৈব প্ৰাত স্বক্ষারের চঙ্চনিতি প্রযোগ সম্বন্ধে মহামানীক নৃহতি গ্ৰামণ ক্ষিতে আনিয়াদিলেন। সন্ধ্যাকাণে আবহুয় গড়ৰ ও মহাম্বানি সহিত প্রমণে বাহিল ভ্রমানিছিলেন।

## শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

### খোলা হইয়াছে।

অভিজ্ঞ ও আদশ্চরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে
অতি যত্ত্বের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন।
বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যয়ে সুন্দর বাসহানের
বন্দোবস্ত হইয়াছে। স্থান অতিবি আহাকর।

সবিস্তার সংবাদের জন্ম নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। সেক্টোরী, ভাকুর ভক্তিবিনোদে ইন্টিটিউট্ শ্রীচেডন্থমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

#### —৫১ বংশরের প্রাত্তিত—

#### উমধালয়ে এস্তত বটীকা

का अञ्चलकात्रमा, सञ्चलकार, उत्राह्मकाठिल, अस्रोर्ग, श्वयस्त्रक व्यक्ति कुछ द्यानीत द्यान निवासन श्रेशास्त्र काला अकाम कविरण यक् यक शृक्षक क्रेश शरक्षा

#### देश

সক্ষণ স্বাহুতে ব্যবহার চলে ও সমান দল প্রেলান করিয়া থাকে। প্রতি কৌটার তংটী বটীকা থাকে।

#### কেবলমাত্র

প্রতিকোটার মূল। ১ এক টাক:। ইংার নাম 'আভেক্সনিপ্রছ বটাকা।

অঞ্চান্ত ঔষধের তালিকার জন্ত পত্র নিথিনেই পাইনেন আধিস্থান :—আভক্ষনিপ্রাহ উক্সপ্রাচনহা ২১৪ নং বছবাজার ট্রিট, কলিকাড়ং।

## কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



ম্যংখনের স্থাবিধার জন্ত ৬ আঃ শিশিতে ঘনীকৃত অবস্থার ভোটবোওলের গ্রহণতি উব্ধ ডাকে পাঠান হয়, ইতাতে ঔষ্ধের কোন পরিবর্তন করা হয় নাই। মুখা প্রতি শিশি ৮০ আনা, পাইটা।৫০ আনা, বোভল ১৫০ আনা।

অফিস- ১১নং উন্টাডাঙ্গা রোড, পোঃ শ্যামবাজার, ক্ষলিকাতা

## यंप्रच यक्षत्र

বট্টভার কর ও বাজুবিকার, ইক্রিয়ণজির প্রান্থ অস্তাবে অক্সপান, ব্যক্তর, সাধাবোরা, বুক বক্ত লড়াবি, অবিজ্ঞা এক্সডি সক্ষণ প্রথা বিভিন্ন আরোগা চর। খল, বীর্বা, বেধা বৃদ্ধি করিতে অভিজ্ঞার ইবিক। মুল, ৪০ বই ১ এক টাকা।

শনপুৎসকাতানি ছাত"
শনবংশন বাবে বাজ্যবোৰ থানা আবোৰা
শাক বাজ্যপদান কৰে। বুলা ব ভোলা ২, ইাজা ।
শন্ম আক্ৰিকাশি বাজিকাশি
বাংগালেশ কৰত সভোগানিক ছায়ী ও বৃদ্ধি কৰিছে
ভয়ান্দৰ্য ৷ মুলা ১৬ বটা ২, এক টাকা ।

बाबरेश नांचाचानानी, त्मण्यका १ ) १९वर बाहिनम (हांच, चनियांचा । <sup>(१)</sup>

## शरेटफ़ामिन

কোষরদ্ধি রোগ

ড: এস্, এন, খোষ বিনা আছে,
বাস্ফ্রীবনের গ্যারান্তি বিনা বৈদ্যুদ্ধিক প্রাণাগাড়ে কোষবৃদ্ধি গ্লোগ আহ্মোগ্য করিয়া থাকেন।

> ঠিকানা— ১৮ নং কটন শ্রীট, বড়বাজার, ভাগকান্তা।

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## িদৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

প্ৰৱ দিলে প্ৰস্থুৰ্থ আৱোগ্য

বোগী দেখাইতে ছইবে। অগ্রিম পাণের গরচ (যাওয়া এবং আসাক)
পাঠাইলো গিখা রোগী দেখা ইয় অধবা এপানে আসিলে কোগী দেখিরা
উষ্ধ দেওয়া হয় আরোগা না হজ্জী পর্যান্ত পারিশ্রমিক দিছে চইবে না।
গ্রীব রোগীদের খন্ত বহন করিয়া তিকিখনা কলা হয়। বিশ্বাধিক
বিবয়বের কন্ত এক আনার ডাক টিকেট স্থ নিম্ন ঠিকানার অন্ত্র্যক্ষান

শ্রীক্ষতীশচন্দ্র উকীল, যক্ষা-চিকিৎস্ক, গোঃ নৈকাঠী, ববিলাল। অথবা নিম্ন ঠিকানায় সাক্ষাৎ করিয়া বিস্তারিত আমিজে পালেন।

প্রায়ত রামগোপাল দত্ত এম, এ, ক্রফানগর, নদীয়া। প্রীয়ক কারণাল বিংক, ১৯৭, বেশিরাটোলা ষ্ট্রীট্, কাটখোলা, কলিকাভা।

একখালি পত্র! অ মার ল্রাড়পুর গত হয় মান যাবৎ রাজ যত্মান ভূগায়। মৃতপ্রার কংলাছিল, কলিকাভার বিজ্ঞ চিকিৎসক্ষণ কৃথার কীবলের আশা ভাগে করিলা শেষ মৃত্তের অক্স অংশক্ষা, কবিছেরিলন এই সমল শ্রীষ্ক কিন্তীশদ্ভ উকিল মহালয় মাত্র ২০ ধিন চিকিৎসা করিলা মাত্রাই সম্পূর্ণ আহোগা, করিলা নিলাকেন। (সাঃ) শ্রীমনীক কিলোব হায় চৌধুনী ( আম্লাই গালিলা) হগ্রীট, নিউ বিভিন্ন করণোচেলন লাইটিং ডিপাটিমেন্ট, কলিকাভা।

## শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরাব্দ ৪৪৫

মাত্র ১/১০ ডাকটিকেট পাঠাইলেই বুকপোট্টে পাঠান হয়

ম্যানেকার-গ্রন্থবিভাগ শ্রীচৈত্তগ্রুমঠ, পোঃ শ্রিমারাপুর, নদীলা।

(本年 到15年时日

## গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

-কার্বল-

क्याम यावडीह हानात कार्या-

रण्डोत र फिर, रभरमा, कतम, बाम, कमिलाती ८०क, विश्व काकृतिके वसून, विवादक सिमञ्जा भवा, कःफं िवादकत भक्तके वसून,

আরে ও বং ও ৪ বংলের চাফটোন ব্লকট বলুন, স্কল কার্ডি আতি নীম চাপা চর, অপচ. চাপাট্যার গড়চ যালাগ অপেকা পুলত।

आंभारत विक् कामार कार्या भावित्य निम्नतीनानांस कामावेत्यवे वक मार्टद्यम ।

মানেবার- গৌড়ীরা প্রিন্তিৎ ওয়াক্রস্ ২৪০া২ নং খাপার সারমুগার গোড়, ক্লিকাডা।

with the assert had to

## बीन প্রভূপাদের বক্ততাবলী

প্ৰথম ও বিভীয় খণ্ড

উবিক্ষণাৰ প্রীক্রীমন্তজিনিভাত সভ্যতী গোখামী মহারাজের সেই অবিভাগ বিধাংনিশী জীবাস্থান গোখোনিনী ক্রক্তাক্ষণিনালবায়িনী স্মীবভাগীর মৃত্তিপ্রিছ— বৈক্ষবনিভাত স্ক্রণালার ভৌত্ত স্থানি—ন্যক্ত অভিবেদ্ধ প্রভাগেনভাতের নিভাত্তস্থান । ভিজাপাক্ষর ১৮৮ জানা সাজ্য

### নীবাস পণ্ডিত

प्यक्त ( तुभवति : १९ में देखाई क्रमा क्रमंगी प्रियम ) **श्री**याम अस्तिहरून नित्रक-रिक्कि । हिम अभग्रहा शक्त राज्यक भारत । हेडीत मन्द्रक दर्शावराद्याच्यानमीशिकात छेकि और .--" <sup>স</sup>নাস পরিংকা গীমান যং পুরা নারলো वित: " निवास साराभुगत श्रीमग्राज्ञान्त्र स् क्षाकि। न कि महिकारि । भक्तर छेखान । ৰীবাদ পণ্ডিভেব বাদগৃহ। অন্তাপি ভূপায় শীমরাহাপ্রত্ ীনিভাবেক ও স্থীর্ত্নসভ্য जन्द•भक्ष• ७ क्षिताभाग्धानिक-वितिशंड-मक्क निराक्षमांग शक्कित छोड़ोत दृष्टिन च्यीलम कांगांडेश पिट्डएडम । क्रियामगुट्ड কীর্মনত্রীতে মাধনীক্স বর্তমান। স্থীনাসগৃহ **শ্রীমশ্বহা প্রভাব সংকী ঠুন-নাগন্ত**ী।

শ্রীশাস পরিত শ্রীমন্মহা প্রকৃত গার্হস্থা-শীলাভিনয়-কালীন প্রেদান সহাগ ছিলেন। श्रामाहम श्रीलाल क्रेबनुभूतीय निक्र के का-क्षार्थ भीभागितास्य सन्देश्य लाकानिक्त পুর্বক ীণোরজ্ঞার ভাক্ত প্রবর জীবালের खनाम्हे निकृतिमें खेलात्रभम । ब्राक्रमास्काः খর এনবাদি প্রকাশ কলিয়াড়িলেন। জীবাস ভবনেই ভক্ষণ মিলিভ চট্টা শ্রীমন্মগ্র-खाउत 'आंक्टरक-क्रियां मुल्लापन करतन। প্রাচ্চ কর্ত্তক লোকশিকার্থ করিতাচাগোর শচীদেশীর বৈষ্যবাপরাধাভিনয় ক্ষমাপন গীলা প্রদর্শন করিয়া শর্মানাতাকে **८शमगन, जीमरेबड डाङ्ग्स विमक्त**प क्षापर्वन, निजानक छात्र कर्डक दीरााम-পুজা, মহাপ্রকুর শীন্তিত্যানন প্রভূকে बङ्क्ष पृष्टि जापनेन, मधशहननां भी ভাষাবেশ প্রভৃতি দীলা প্রভুর নিতা পাধন ওদ্ধ স্বৰণাপ্ৰণী জীবাস পঞ্জিতের গুৱেই व्यक्षित व्यक्ति।

শ্রীমন্মরাপ্রান্ত শ্রীবাসগুরে এক বৎসর স্বাৰৎ প্ৰতিৱাতে সম্বীষ্ট্ৰ বিশাস করিয়া ছিলেন। বথা 🕮 চৈডক্সচরিভায়তে ('ম। > 9 P TT: )---

গুৰে প্ৰাক্ত শ্ৰীবাদের গৃহে নিশস্তব। রাজে সংকীর্ত্তন কৈল এক সমৎসর।। क्षां किश की क्षेत्र करत भगत कार्यस्य । পাৰতী হাসিতে আইসে না পায় নাবেলে॥

रा जमरत रशोतक्षमध्य खीवारमत व्यक्त बाद इक कविया कीर्डनानन बादायन क्तिएक्त, ख्यन नगत्रवागी ज्यानक वहिर्जूच প্রাক্ষণ বৈক্ষবদিগকে পরিহাস করিবার **অনেক প্রেকার চেটা ক**রিভেন। গোণাল চাপাল নামক কোনও বাচাল क्ष्रीहार्याः नावधकाव्यस्य स्वयीनुकाष् नका ৰলাগত, কৰাৰুল, সম্ভালন ভোগি मध्यारथत गरिष खीवारमत सक बारबन থাৰিছে বাথিয়া গিয়ছিল। প্রাত্যকালে ভাষা দেখিয়া পরিহাসপূর্কক

#### की की खड़ारशोद्धार**को अग्रह**ः

## দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

### নিভাপাস্য নৈকুগুৱান্তাবহ

त्यक्षाकि अभाग्न गाष्ट्रक-म्याद्वात व्यक्तिय नाम्याद्या দমগ্র ভারতে একমাত ফলভ দৈনিক পারমা**র্থিক পত্র** 

श्रीका या प्राप्त १ वर्ष देवा है युवा वा वा २००५

भक्षणदक दिशालन,--- १ तथ १ तथ, जानि निअवाद्य जनानीय भूषा करिया शांकि, हेदार ह जाभाव भा छ-পরিচরের যে মহিমা, তাহা সকলেই জানিতে পারিকে। শিইলোক-সকল ভাগ দেখিতে পাইলা অভান্ত চাৰিত **७डेरलन** এद: श्रष्टि छ।काडेया (मध्ये मश्रापि केमरी ख्वारका पूरा विस्था कराई।। জল-পোন্ধ থাবা স্থান গণিপ্তথ্য করাইলেন। ्रमहे रिक्छनालयारवय करण (हम्फिन मर्टा । ८९(१)(क ५(१)(१) वर्ष व व्यवस्था वर्षेत्र । सार्वाद्य কুর, অনংবত রঞ্দাণা নিগত হৃহতেছে, केंद्रि म सम्बद्धान (सन् का. ८८) है। समक्ष **छ। त्या पा यहणा। नित्रश्चत नद्यीहरू देशे छ** भाकिता। उद्येकण अच्छात एकाधाउँ विभिन्ना থাকিছে পাকিছে একাদন মহাপ্রভাক দেখিতে প্রা অক্তজ্ঞান মহাপ্রভর मिकि आहे। मुल्याक किया कियानि के निम

গ্রান সম্বদ্ধে আমি ,ত,মার মাতুল। ভাগিনা, মুট কুটায়াদিতে হঞ্চাছি ব্যক্তি। শেক সৰ উলাৱিতে ভোৰায় অবভাব । मृक्ति वङ् छःशी, भाति कत्रह উद्धाव ॥ टेन्ड हैं: भ्या ५ वमा ख्यः )

তালা ভূনিয়া মহাপ্রভু মতাল কুম ১ইলা छक्षेत्र शक्तम मङ्कृदित न्द्रमम् ----

আবে পাপি ৮ জছেবি এতারে না উন্ধারিমু। কোটিজন্ম এই মতে কড়োর থাওয়াইমুম 🔊 वास्म कताविभ एवे जनामें भूकन । কোটিজন্ম হবে তোন রৌরবে পতন্য

(देवः हः व्या ३१म )

ভবানীপুজা যে অবৈঞ্বের ক্লভা, তাং। প্রাকু গ্রহণপূর্বাক মান্সকে অন্তব্যে বছবীশ্বর वामत्भागकाती वर्गार वह तमवामवीत উপাসনার পক্ষপাতা প্রারুত বিশ্ববৈষ্ণবক্ত द्वःत्रक विनेषा कान कतिए भिका मिलन। এতভারা বৈক্ষবাপরাধের কি ভীয়ণ পদ্মিণাম, ভাচাও "ডিনি শিথাইলেন। অভাপর মহাপ্রভূ যথন সল্লাস করিয়া কুলিয়াম আফিলেন, ভগন সেই পাপিষ্ঠ श्रुनताम अश्राधास्त्रम भवनानम स्ट्रेल महा- কারণ্যাবভার **डी**। भोत्रश्रमन्त **७।**६१८क

শ্রীবাস পরিতের স্থানে আছে অপবাধ। তথা যাহ তেঁহো যদি কবেন প্রসাদ । তবে তোমার হবে এই পাপ বিমোচন যদি পুন: ঐতে নাতি কৰ আচৰণ ।

ভাৎপৰ্বা এই যে, বৈফ্যবেৰ নিকট অপরাধ হইলে স্বর্গ ভগ্রান ও ক্ষমা ক্রেন না। থাঁহার চরণে অপরানী, সেই নৈঞ্ন-সাক্ষ দথা করিয়া কমা করিলেই নক্ষল, নচেং উপায় নাই।

শ্ৰীৰাস প্ৰিতের আগও তিন প্ৰত্য ছিলেন: ভাঁগলেব নাম--- ন্রী দা প্রিত শ্রীপতি ও দ্রীনিধি। উচ্চারা সকলেই ध्यम् कि. क्रीड्रांक्त शुरुत माम्नामी अग्रस्थ मकरवाडे मार्गाङाहर दशेरिकारण ব্যাপুত থাকিতেন: তাঁহা **बि**यमा ११ প্রভূব দেবা ব্যক্তিভ আর কাচ্যকেও বং **टकान किन्ने का**निएंडन मा। यथा ত্রীচরিতামতে—

সবংশে করেন বারা হৈতফের ফেরা : **८११ त्रष्टक विमा माहि कारम देवती इस्ता** ।

শ্রীবাস পণ্ডিত শ্রীমন্মহান্সেন্তর প্রকটের পুর্বেই ঈশবাজায় জন্মগ্রহণ কবিয়াছিলেন। জীবাস, চন্দ্রশেষর, জগ্দীল, গ্রোপীমাথ, क्षेमान, शक्क ६, यूबार्ती, शक्कानाम खाउडि দক্ষ ভক্ত এক্তিভ হট্যা অবৈত্যালাল-**७दरम कृष्णक्याञ्चमस्य काम्यायम् क**िर्डम । শ্রীবাসাদি চারিল্রাভা রাজিতে উচ্চৈ: সংর ছরিনাম কীশুন করিতেন। তাহা দেখিরা পাষ্ডীগণ প্রীবাদের উদ্দেশে নানারণ নিশাত হইয়া জীবাদকে বলিকেন কটুজি করিত। কেছ কেছ বলিত,--- । এ ব্রাহ্মণে এই গ্রাম হৈতে। খর ভাঙ্গি ঘুচাইয়া ফেলাইমু স্রোভে। এ বামুনে খুচাইলে আমের মঙ্গল। অক্তপা যবনে গ্রামে করিবেক বল।। পারওদের ঐ সকল क्ष्यंहन खरान ভক্তগুল ক্রঞ্চপাসগলে পুঞ्जा । क्रान्सन कतियां जाहारमत मन्ग-

নশনৈ মুক্ত পিল্ল চটালেন । পরে বাহাঞ্জীপ্ত टहेता श्रीयास विकास कतित्त्रम- श्रीडल, ভূমি আয়ার বিষয়ে কি সুবিতৈছ ? মকলেই ব্যাপ্ত সামি বার্গ্রন্ত ইইটাটি, ভগম ভালান ব্ৰদেশন, **'ভোষার** মেষ্ট বাই', আধি ভাষা চাই महा एकि यांग (मिश्र ভোগাৰ শ্নীৰে। 图 代码计 陶瓷图》 इडेल (भाषारव t' निका अभिका दशीनहरू প্রমান্নে আ প্রায়ক আলিখন ক্রিবেন। শ্রীবাদ আনন্দের গৃহিত ব্যাহ্মেন, -- আগ-मोत त्य प्रक्रियांग, हेटा तका, विज्ञमसकाधि मुकलाई नाक्षा कान्य । छालई ५१ल, मकला মিলিয়া একানে কীন্তম কনিব ে পালভাগ যালেই বলুক মা কেম, আন এ(ফ করিব না।

बोतानगरह गथन निजानिक एउ नाम-পুकाकात्म और शेवसुमारतम भूष। कविसा-ভিংলন, তথন ত্রীবাস আলাংধার কার্যা কবিষ্ভিজেন।

च्यामधिकानम् असूत्र डीहराव है। প্রগাত ভক্তি ছিল। নিতানেক প্রভু দ্রীবাস-शुष्ट वारभवातरम विश्व शाकिराज्य। ভিনি জীনামকে 'পি'ভা' এবং জীবাসপদ্বী माणिमीरक 'छन्नी' विषया गर्धायन कवि-তেন। তিনি নিজ গাড়ে অয় গ্রহণ কবিতেন ন। মালিনীনেরা পুত্র গ্রান কবিয়া নিতাইব মুখে ক্ষম ভালান কবিছেন। একদিন ब्री वीमनादा शहर की पासल निकासमानिता পরীক্ষার নিমিত্ত উ্থাবাসকে বাসলেন,—এই নির্ভর ৫ কেনে জাতি, কোন কুল, কিছুই ন ভানি। প্রম উদার ভূমি বলিলাম আমিল আপনার জাতিকুল যদি রক্ষা চার। তবে ঝাট্র এই অবশ্রেরে গুলাও ৷ তথন শ্রীবাস কি উত্তর কবিলেন ? ডিনি বলিলেন,--

ষ্মামারে পরীক্ষ শ্রেছ এ নহে উচিত। দিনেক যে তোমা ভঞে দে আনার প্রাণ নিত্যানক তোর দেহ গো হতে এখাণ। भनिता प्रति। पति सिक्ताम्ब १८८ । স্থাতি প্রাণ ধন বলি মোর নাল করে। ভগাপি মোধাৰ চিত্তে মহিৰ অঞ্জা। महा महा दहायात कहिल वहें करा ह

শ্রীবাসের উত্তর শ্রীষ্টা প্রচার প্রচার नना व्यक्ति वर्षम ८ शामात व्यवहाँ विकास ध्वर ভাছাকে আমাৰ প্ৰম অহু জু বলিও ভান, তথ্য আমি ভোমাকে প্রতির সচিত এই বয় দিতেছি যে, যদি কখনও লক্ষ্মী ও নগৰে नशास किया कतिए दाश इस, छशानि ভোমার ঘরে দারিলা দৃষ্ট হইবে না অবাং সকৈৰবামধী লক্ষীর ভিক্ষা করা বেরুপ অসম্ভব-ভোমার দরিক্রতাও জন্ধপ অসম্ভব। মহাপ্রভুব আত্মপ্রকাশের দিন জীবাস ত্রপু প্রাক্ত ধনে ধনী করিন্নই তিনি छोहात्र शहर गमन कतिरम महाव्यक् छोहात्र ै कास हरेरान ना ; आंत्र दिनासन, द्वायात ধ্ৰাজীয় কিড়াল-কুৰুৱাদির ও আমাতে অচলা তাবে সন্তুট হইনা তাহার পরিবারবর্গ ও **ভঞ্জি লাভ ছইবে। এইরপে** ভাঁচার গুলারত সক্লকেই অপ্রাক্ত প্রেম্পনে ধনী কবিয়া স্বগৃহে গ্ৰমন করিলেন।

সর্গটোভাবে শ্রীমন্মহাপ্রভুর প্রীতি-কামনাই যে শীবাদের মধ্যে একনাত্র লক্ষণতবা, ভাষা **তাহার পু**রের পরলোক-প্রাপ্তিতে বিশেষ বৃথিতে পারা যার সংগ্র মধানাভু ত্রীবাগমন্দিরে সংকীয়ন করিতে থাকিলে 🕮 শঙ্গের পুরের পরকোকপ্রাপ্তি ঘটে। নানীগণের জন্মন ধ্বনি মধানের শ্রুতিলোদর কইলে ভিনি ভংক্ষণাথ গুড়ে কিয়া নাৰীগণকে বলিলেন,—ভোষয়া ভা জান দে, অভুকালে যাঁ'র নাম একবার মাত্র শ্রণ করিলে মতি বড় পাতকীরও বৈক্ঠ-প্রাপ্তি ঘটে, এমন বে মহামহিলায়িত প্রাভু, তিনি আজ সাঞ্চাৎ আমার ঘবে নভা-কীঙ্নে রঙা ভাতরা: এসময়ে যাহার পরলোক-প্রালি হইল, ভাষার কি আর ভাগোব भोगः व्याद्धः? कान कारण रिन এই শিশুর ভাগ্য লাভ করিতে পারি, তবে নিভেকে ক্লভার্থ জ্ঞান করিব।

यमि ८७। महा भारतास्थ सम्बद्धाः अन्यन सम्बद्ध कविराष्ट मां शांत, जिरव कशिक दिवाप **उत्तानम कार्तिक, टाकामारनत जन्मम-उतारन ग**रि প্রভুর নৃত্যপুর ভক্ত হয়, তবে আমি ভংকণাৎ গদার প্রবেশ করিব।

ক,জন্তদের পর মহাপ্র: তাহা পুত্রের পরবোক পারিয়া **ভা**নিটে বিষ্ঠ বুলা-প্রাপ্রির বিষয় ভীহার সময়ে ব্যক্ত না করায় জ্ঞীবাসকে অভনেশ বিলোম । গরে মুর্রা**শুকে নিকটে** অ(নাইছ) ভাগকে জিল্লাস। করিলেন,—'ভাই বালক, ত্রাম প্রীনাদকে পরিত্যাগ করিয়া যাইতেছ (कम १° नामक के**डक आध** इंदेन फेंड्र কালক,... উহার গুড়ে আমার যে কংলিন কিল্পন্ধ ভিল, ভাষা **মতীত ব**ওগার আগনার ষাইভেছি। আদি আপ্নার নিডালাস, অস্বতন্ত্র জীব, অপিনার উজ্বে শহিসে আমার মিজের কিছই কারবাৰ শ'ক নাই।' মুক্ত শিশুর মূথে **उहें श्रीकार राज, सरण । ह**िल्ह প্রিবার্বর্গের 'দ্যাজ্ঞান ছইল। মধাপ্রাভূ শ্রীনামকে বলিলেন,—'ভোষার যে পুর क्रिन, दम हिनवा दग्य । क्रिक मिशानन छ অন্মি ভোষার নিভাপুত্র, আষরা ভোষাকে

भश्रासम् अक्षित काबाद्यम श्रीवास्त्रत মাধ রজবাদাস্থ 🚉 🕶 মা বিলাসবার্জ। ान करिया क्रियासक चालियन मान কবিলাভিগেন।

আৰু একদিন মহাপ্ৰস্ক ভগবন্ধবাবেশে জ্ববাসকে তাৰ পাঠ করিছে বলিলেন। श्रेताम कत्तायादः अञ्चीत अक्तिमश्कादा श्रुठि वस्त्रमा कृतिरम जिल्लोब्रह्मस छ।शाह्र দাদদামী প্রভৃতি স্কল্কেই নিজ্কুণ लामभेन करितान।

महाटाज् मधामध्रश्यत शत मीमाठम হটতে নবদীগে প্রভারতন করিয়া শ্রীবাস-গৃংহ কয়েকদিন অনস্থান করিয়াছিলেন।

শ্রীবাণের প্রতি প্রীতিবশতঃ মহাপ্রত নীবাস্পদ্ধে কাঁড়নখলে নিডা নিজা-বিভাব প্রকট করিভেন। অহাপি সেই লীলা করিলা থাকেন, বাহারা ভাগাবান, টালাদের দুর্বন ঘটিয়া থাকে

শ্রীবাসপরিতং ,নীমি গৌরাক্ষপ্রিয়পার্যনম ষ্ম রূপালবেনাপি গৌনা**লে জায়তে ছতি**৷

### তত্তপানের অধিকারী

প্রাণিপতে, পরিপ্রায় ও সেবা এই তিবিধবৃত্তি লইলা প্ৰদাল কাৰ যথন তক্তদুৰি-গণের নিকট গমন কলেন, তথন জীহার। শেল ভাবকে সেবোৰুগ ভাগনয় কালত निक्छं छक्ष्यामन क्या कांछन क्राना ভংক লেক সেবোলুগ জীবসদয়ে শুদ অহৈছক জ্ঞান সাবুক্তায় প্রকাশিত হুইয়া

পুরের এক। কিঞ্জে ৮৯ গরেরণা করিয়াও নিজ ৬৫ ব। ছেগবংশ্বরণজ্ঞান বাভ করিতে পাবেন নাই, ভাই ভিনি ভাবানের নিকট সক্তোভাবে শ্রণাগত ०रोप्रा च्यानरधार्रा क्षेत्र (अन्। ७ ७ मार्वस्थक अभिवाद ५५ ६०६ क ६३ शक्ति ।

জ্ঞাপ থাম ও ভাগান সাজ্জনকে লক্ষ্য করিল। এই উপদেশ ওলোন করিয়াছেন। अध्यानत वाता हि.स आभाष्यप्रक निका (१.४८७**न (**१. ५४५६५) म अक्षा मुह्यू च्यात्रेड्यु अथतः, नक्षाम्या निष्ठातः क्षेत्रा स्टाह নাঃ তাই ফুজুন ধ্মস্ফুটের অভিন্ন করিলা রুখের নিকট শিকা বহুতে প্রায়ত। अन्धर्म होत्स শ্রণাগত হট্যা र्राष्ट्र शहन,---

''लिका:'ड०ड॰ नाति माः **खा**र धाशक्रम ।"

बका ७ च्यानायक निवासी छटनन दग, ज्ञात कत्रकानी मिहाता ्राक्तिक मश्राय স্থান করাতে তাহার অভিমান উপস্থিত হইতে গরে। অতংব যাগতে 'আমি ক্ষিক্ত্রা', ভতরাং 'আমিও সভয় ভগবান' এইবাল উংকট মদ উপস্থিত না হয়, ভজ্জা তিনি ভগবংক্ষণা যাল্লা করিলা ছিলেন, কারণ ভগবানট যগার্থ স্টি-' कर्दा। बन्धा दक्वम यश्मात्र। व्यक्ति কাচে কুয়ারশ্মি প্রতিফলিত হুইলে ভাছার দারা বস্তুসকল দম হং, কিন্ধ ভগায় कृशाहे (यसन सूरा लटनकात्रन, छासल একাও বিষ্ণুর পজিতে পরিন্যান হইয়া বিশৃস্টিসামর্থ্য লাভ করিয়া পাকেন ।

ভগবানে নিত্য শরণাগতি ও ভগবং-কুপা বাভীভ জীব উৎকট মদের হন্ত হইতে ত্রাণ পাইতে পারে না। শীব যথনই ভগবানের চরণে অনাদর করিয়া উচ্চেত্র শ্ৰণাগতি ভাগে করে, তথন্ট ভাগাৰ 'আমিই ভঙ্গ ভগৰান' এইরূপ ত্রাজি উপস্থিত হয়।

निकिट्णमवास्थित '९ अञ्चत्रका छडे উৎকট মলে পভিত: কাবণ ভাষাদেব নিতা ভগবৎ প্রপৃত্তি নাই। ভাই আদি ওরু ব্রহ্মা ভগবানের নিকট প্রার্থনা করিছে-ছেন, --

ভুগ্রন সর্বাহ ভানামধ্যক্ষেত্র কিলে। কং যি । বেদ হাপ্রতিরুজেন প্রাক্তানেন চিফীয়িড্য :: তপাপি নাগমান্ত নাথ নাগয় নাণিড্য। পরাবরে যথাক্সপে জানীয়াং তে ওক্ষপিণঃ॥

হে ভিগ্ৰন, আপনি সকল প্ৰাণ্ট্ৰট व्यक्षकः, अकर्णत अवश्कनात व्यक्तग्रीव-রূপে অবস্থিত। অভ্রব আগনি স্বীয় অপ্রতিহত প্রকাপভাবে সকলের অভীট্ট व्यनगढ इडेर्ड शास्त्रमः ८इ मान, उशानि व्यामि ७वर्षीय मकार्य योह। योक्ता कति তেছি, আমার সেই প্রার্থনা পূর্ব করুন। ভাষা এই – যেন আমি প্রাক্তরণর্ভিত অপেনার প্রাক্ত ও অপ্রাক্ত উভ রুপ্ট ङानिएड शति।

🕮 अग्राम बन्नात 📭 🗝 न्यापि हिम्सा লার্থনার ফলে উচ্চার প্রবর্ণযোগ্য ৪৮-ছেডু তীগকে চতুংলোকী দার। নিজ্ডভ বর্ণন করিয়াছিলেন। ঐত্রেক্ষার নিকট হটতে দেব্যি নার্দ, ভাঙার নিক্ট হইতে বেদ रहाम--- এইর॰ क्रांच मकरवरे चलायु ♦हेश्री উপরিউক্ত তিবিধ বৃত্তিপ্রভাবে তর্কান লাভ করিংছিলেন। অভএব বুঝা ঘাই-েড্ডে যে, ভগৰৎপ্রাপত্তিই ভগবত্তবজ্ঞানের

### শুক্ত জি-প্রচারের প্রয়েজনীয়তা

( ? )

ভাষরা ধ্বন দেহ মনোগত ভাবে নিছোর হটনা ঠান্ত্রয় পরিপোদণার্থ ইভক্তঃ क्षाभाषान् इसे, छथन काम, त्काम, त्या छ, মোছ, মদ, মাংস্থাদি বিপুর্গ পর্ম মিত্রের নেশে আমাদিবের প্রান্তি চোথ ঠারিয়া; ভাষ্টের পুর্ণাধিকার বিভাল করে এবং মিটের কাম বোধ করাইমা বাস্তব শক্তর कार्यर् महत्राधन कशिएछ पाटक। ध्यमन कि, हेरावा (र कामामिटनंत्र भन्नम भवा, कहे उद्धा आभामगरक क्याकारनम् अञ्चल वृश्यिक त्यां क्रम्य मा एक्य, विक्... महानिश्रीक व्यवकाम कान करत ना। काशत महत्त मुख्यान महित्रहे व्यापारमध्यम् भरव ग्रेमिका महेवा महिएकरह । ७ कतिरयम, मरमह मोरे ।

জান, যোগ, কর্মানিধারা অনাবৃত একমান্ত ওৰভক্তি প্ৰচাৰ ৰাৱাই জীবকুলকে আৰু--যাতের কবল হইতে মুক্ত করিতে পারা यात, अन्न क्यान डिलाट हे महा । महस्त्रीत-মঙ্গলবিধায়ক এই শুদ্ধ ভক্তিপ্ৰচণ্টের ক্ষুই স্বং ভগৰান শ্রীর্ফচন্দ্র সাড়ে চারি-শতবর্ষ পূর্বে শ্রীধাম মালপুরে শ্রীগৌর-ক্ষমরক্ষপে আবিভ্রত दरेशक्रिका । ७९भारत प्रज्ञमः भाक नाकि है श्रीक्रमारिक्टक মৰাপ্ৰভুৱ আচারিত ও প্রচারিত ধর্ম সংরক্ষ-ণাথে নিযুক্ত ছিলেন, যে ক্ষক্ত কতিপর বংসর পরেই আইল, বাটল, কঞ্জাভলা, ्नज़ा, बत्तर्यम्, माँहे, महस्रिया, मगीरक्षी, মাত, ভাতগোসাঞি, অভিনাড়ী, চড়া-দারী, গোরা**খনাগরী জা**ছতি যোমিৎ-अजी अश्वासीयान श्रायम भनावने हु हुईगा সাধুদিগের আক্রমণ করিছে আরম্ভ कतिया। अहे कातरम भूनद्राध ठाकूत खील नहाउम, व्याहाया जीन जीनिवास 😮 श्रेकृत भीग भाग नन थाइ व्यामित और हर्कश्यांत भूनः मःश्राम मा न करतन्।

ভগাক্থিত ধশাদ্বভিন্নের প্রাথমা-নিবন্ধন পুনরার নিবঞ্জন সনাভনধর্ম ওছ क्रिमार्श व्यवसार्शत উर्शांत हेरेसा दक्ष বিধ বাধা উপস্থিত করে। এমন কি. নিব ত্রক্ষক সতে। প্রতিষ্টিত প্রম প্রিত্ত ধন্ম ঐটেডজ্ঞধন্ম, অভিহীন প্রচায় বলিলা বিশ্ববাসীয়ে সম্মধ্য कार्य व्यानः न कतिए७, भूटलाक मध्य शकुत शर्मात দোধাই দিয়া মঠাগ্রাভু ও তমতুগ অনের मोत्राचा कतिएक ध काङाक व्यक्तमण्यामारमम वाक्तिशन मक्तिक नरह ।

সম্প্রতি আমাদিণের সৌজাগ্যাকাশ स्पिनिर्मुक्त इत्राप्त जीन भीवभारमस काछि-क्षित्र ज्ञीजीनियरियधनसाम्बन्धात व्यर्गनस्य भाग जीन महिलानम छिक्किवरनाम आई পুনরাধ মুক্ত করেন। সেই শুদ্ধ ক্ষি-প্রচারসভলের বর্তমান পাত্ররাঞ্চ ওঁ বিষ্ণুপাদ भत्राक्षः म श्रीनचाककाताम् (तथा व्याक्रीक्रान-শত শ্ৰী চিনিলাস শ্ৰীশ্ৰীমন্ত্ৰাক শিক্ষান্ত সৱস্বতী গোপামা ঠাকুর। ইনি সমগ্র মাচা স্বর্ণের প্রিপূর্ণ শক্তিপুর ও শ্রীগৌরক্তবাস্থা 🤰 लाक्षा 🖹 अभगामियां जिल्ला है। व व्यमस्मानवतः। निर्मितः मानभागरवतः मारन বহু বড় ব্যাক্তির অভিমান ও ভজিতীন দীমত। মুচিচা বাইপ্তেছে। ব**হু বহু ক্ষাক** ও 'অপ্ৰতাপ শাহা নীয়মান অৱস্থুতে নিশ্বভিত্ত' **बन्धन विदालानाटणाटक উद्यामिल निवाहक** লাভ করিনা আত্মতন সমূপত্তে প্রবেশ माञ्च को तर्छरञ्ज । अल्डाङ्ग रम्हमस्मायकी कथाडी नवा कतिया क्व बुबादेश मिल्य हिल्लानाभित्त मछारक प्रश्रदे अधिव DEFT WHILE वर्गत्म, बानवारन, व्यत्वाताक व्यामानिगरक । त्यारवास्त्रीयका वर्ष वर्ग विनक्षि व्यविद्याद्य

## গ্রন্থ পরিচয়

### **ত্রীমন্তাগবতম**

क्षिमश्रमिक क्षारेवनावन द्वनवान-ध्वने मृन, श्रीवन-मक्षाहायी-इन्डा छार नर्या-मिनंबरीका : डीमन विवसान हक्कवर्ती ठेक्त-इन्छ नात्रार्थमानिया क्रिका, वक्राप्यवान, मरब्रक अवस स तिहे दरक्षत व्यक्तिभाष्ठ क्लामात्र, व्यभारतम् व्यक्तस वे অধ্যারের সারসহ স্থবিশ্বত ভাৎপা্যাদি বিবৃত। প্লোকস্চী विवयक्ती, अनामविवतन, भाव 9 दानक्तीमह छेदम কাগকে <sup>\*</sup>উত্তৰ অক্ষরে মুক্তিত। প্রাথম হইতে ১০ম স্কন্ধ लगाय द्यांना न्यूर्वकरण (लग इडेग्राइड) क्रिका खन्म रुवेटक क्रम कक्ष नगांक २०१४ : सन्म कक्ष ३२ ; भद्दा ४०५ ।

শীশীময় ভিৰেনাৰঠাকুর-রচিত 'নমুভঞ্ৰাহভাষা' ও এইমছকি নিদাস্থ সর্মতী গোস্থামী প্রভূপান-লিখিত 'মমুভাব্যে প্রতি-মুত্যাধি বহ শাস্ত্রমাণ-সম্বলিত হইরা ध्यकालिक इरेशास्त्रमः (मारकत माध्यवाचा, वक्राक्षवाम ६ প্রতোক পরারের পুরে সংক্ষিপ্ত অভিদের সংখ্যেভিত। टाएडाक काराय-द्यापारक क्लामाय (म अग्र) कार्य । (माक. প্রার, শব্দ, স্থান, পাত্র প্রাকৃতির স্ববৃহৎ ক্ষী ও গ্রন্থকারের বিশ্বত শীৰ্মী সম্বিত এইএপ অভূতপুৰ সংশ্বৰণ উভংপুৰে কুতালি প্রকাশিত হয় নাই। উৎম কাগ্রে পারিপাটোর मश्चि पुरा क्ष्मारत भूगाः भ भूक्ति श्रेष्टेगारहः श्रेष्ठ श्रीय >द०० शृहात मुल्लात । किंका पर्छभारम दर्माणा ।

#### জী চৈত্ৰভাৱা গৰড

প্রস্কারের জীবনী, প্রতি পরিচ্ছেদের কথাসার, বিস্তুত নোড়ীর ভাষা, শক্ষ্টী, পরারস্চী, বিষয়-স্থান-পাঞাদি-সূচী, প্রস্তৃতি বিবিধ বিষয় সম্বাসত বিয়াট বিভীয় সংক্ষরণ ত্রতর ক্রোউন ৮ পেড়ী মাকার। আদিলীলা ও মনোর किश्वभूश्य खाकार्षिक इंदेशास्त्रन। जारम जारम वाकार्यिक इक्टेंट्ट्रह्म ! अधिम किंग्या ६ हाका, आपि मीनात 1941 4 1

#### 高达55到中央町

**এই প্রশ্নের এরপ অভিনৰ ফুলর সংকরণ আরু কু**আপি क्षकानिक रह मार्छ। नाइक ह्याकार्यन व्यवह, व्यवक्षा ভাষা, কৰাসায়, তথা প্ৰভৃতি সহ বাবে যাও প্ৰকাশিত इট্রাছেন। মূল খোটা অফরে ডবল ক্রাউন আটপেনী वृह्स्कारंत्र हांना इहेबाट्ड। मूना २०० छाटा। नेनीया প্রকাশ ও গোড়ীরের প্রাহ্মগণের পক্ষে ১৪**০ টাকা।** 

#### জীমন্তগ্ৰহদীত।

-- औरगोदीय देशकवाहाया चलाक्ष्य वनिकृष्णमान **क्षित्र**विष्याच ठळनदिशेषुत्र शाचामिक्ष्म माम्रार्थविनी হ্রীকাসলেতা ও জীতীমত্তিভাবলোগ ঠাকুম-অপীত 'মুসিক-इक्स नाम्क कावाखाधानिक्छ। अधावकृष्ठी, माकुकाजस ्रताक-एडी,विश्त-एडी,अध्यादत्रत कीयनी क व्यवक्रतिकानि क्षक-काक्ष्याविषय-मह केरके मेथावे एकीम मध्यम--- एवे प्राक मरक्षार्वय किया २ केविन स्वाक, मध्यप्र मरक्षण--->४० **對中1 用課**。

### শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

**७ विकूशाम क्रिक्रीमहर्किनिहाँ।स**मसम्बद्धा **গোস্থানী মহারাজের দেই অবিল্ঞা**-বিধ্বং দিনী कीवाषायक्षरभारवामिनी क्रक-कार्का निमानामिनी कोवस-वानीत মৃত-বিগ্রহ—বৈঞ্চনসিদ্ধান্ত-সমুমালার কৌস্বভ্রমণি---সম্প্রদার বৈভববিক্সানাগারের মৌলিক তথ্য-পঞ্চরাত্র ও ভাগবতের সমশ্বয় গুৰু — নহাজন-ফীবনচ বি হু-শিক্ষ ক — চি বিহাস্চি স্মাত্র-প্রতিশন্ত, তথ্য ও বিবৃত্যানিযুক্ত। প্রতি ক্ষেত্র আনিতে অচিনাতি-বিচারক— ঐখব্য ও মাধুবারদের মৌলিক গ্রেষণার

मश्यक, अखिरभव ७ ध्वारमाक्षण स्टाइत भिकास-ममूत्र ।

১। প্রথম খণ্ড— रिकायमनेन, श्री अञ्चलक, काम-ধন্ম, শ্রীমধ্বাবিভাব, শ্রীবার্যভানবা, পাঞ্চরাতিকা দীকা e वर्ग विष्ठात. आधार्य ७ मस्मार्थम, 🗒 टे ७ छ छ स्तर छ ভাষার শিকা, অপ্রাক্ত সহস্থার ও প্রারত স্থল্যা, Le 212 20121 1

১। দ্বিভীর খণ্ড— эদা ও নিদা ভক্তি, মন্তবোর লেইতা কোথায়, আত্মার নিভাবৃত্তি, জীনর আমিপাদ ও চিহাতে গুক্তম — চাগবত — বৈক্ষৰ – গৌর – নিভ্যানন্দ — भागावाम, बीट्योब-निकासन्म श्राप्त, जिल्ह्यात धर्मा । क्रमा-कार्डन, जीनामश्रवाम जीमहाभरत्यत कीर्यन, जीतीत-भारमत महिमा, मधालाभाव, श्रीरभाविक, श्रीक्रभाष्ट्रग्रहक्त-ल्ल. ट्रीयडी तुष्ठ:स्मिनिसी, औरिष्टर्स्सत प्रशा, (शीतकतःला ৪ রক্ষসন্ধীতিন—চতুদ্দশ অপুন্ধ মধুরিমাপুণ্-বঞ্জা-বিভূষিত। ব্র কালিতে মুণ্লত, উৎকৃষ্ট বানা গোনার কলে নাম লেখ।। ভিকা ১, এক টাকা যাত্র।

প্রথম ও দিতীয়—ছুই খণ্ড একত্রে লইলে ভিক্ষা ১॥• (५% हेक्सि), एकि ५त्र वर्ष ।

#### **अयह शंत्रमंत्री उ**।

লোভীয়-বৈঞ্বদাৰ্শনিক-শেখর ভীটোমন্বলনেব বিছা-क्यानक्ष कामा व स्थापन कितिनाम शकुरतवाश्रम यक-ভাষায় শিক্ত 'বিহদরক্সন' নামক ভাষাযুক্ত। অধ্যায়-क्ठी, विश्वकृती, व श्राप्ति क्षार्यत श्राप्त व इरीय পাদ সূচী, ভাগুকারের জীবনী প্রান্ত দর্ঘত । উৎক্ট বাধাই, রাজসংখ্যাণ ( কৃতীয় সংখ্যাণ) প্রচের छिका २, छेका।

#### প্রমেয়র ভাবলী

टीम:लरमन विकान्तर्ग-खनिक निकारमन्त्र, मन्छ छ গোবিদ্দ ভাষ্যাদি পড়িবার প্রথম গ্রন্থ। উৎক্রপ্ট কালিতে ছাপা। স্থাবিস্ত টাকা ও প্রাঞ্জনকাপ্রবাদ-সাচায্যে खाकि महरू न लटकत्र**७ (वाध्यामा** कडेमा शहरू। किका ।৵• আলো মার ।

#### **बिबनदीश्रामगाराष्ट्रा**

( প্রমাণ্যও ) সাত্রাদ। জ্ঞতি-স্বভাগি গ্রায়ে শ্রীনব-ৰীপের যে মহিমা কীটিত আছে, তাহার মুণ সংস্কৃত ও নাম মঞে ভিকা॥ আনা। অহবাদ। ভিকাত আনা।

#### এ এমবর্গীপভাবতরত্ব

জী াকুর ভকিবিদোদ গিবিত। স্বলিত গাঁতাকারে। পরিক্রমার জঙ্বাাদি-বিষয়ক। ভিক্ষা। আনা।

#### ভক্তিরত্বাকর ও নংখীপ পরিক্রেমা

শ্রীল ময়হার চক্রবন্ধি-ঠাকুর-রচিত। ভক্তির্ত্তাকর চটতে পরিত্র মাংশ মাত্র গৃহীত; প্রীঞ্চীব গোস্বামী কি क्षकार्य स्नित्वदीनशास्त्रक्ष नित्रक्षा क्षित्राहित्वन, काराहे পত্তে বিবৃত। ভিক্ষা । প আনা



শ্রীল ভব্দিবিনোদ ঠাকুর এবাত। ইথাতে শ্রীটেডভের निकालनानी- अक, क्रकनि 9 तम- वह ७ मुक्त कीन-অচিস্তা-ভেদাভেদ-ভন্ত--স্বাল্--ভিল্য---প্রয়োজন-ভন্ত, কল্প-কাও, আএমাদির বিচার বৈতী ভক্তি, ভারতভি ও েপ্রমত কিস্তুত নামভুজন-প্রপ্রেল ও অইক্লোম লীলা-পরিচয়াদি প্রথম শিক্ষাধীর উল্লেখ্য কবিয়া সর্ল ভাষায় সমুদ্যা সুক্তি-প্রমান্ত্রহ লিখিত আছে। চতুপ সংস্কর্ত বাধা २ दोका, वावाक अप हेर्क गान।

#### গোড়ীয়কণ্ঠগ্ৰ

हिटिनो ही इ देवस्था १८५व । अनुकार कर्ष्ट्र भावनरमान्त প্রজ্ঞতি বিংশতি সংখ্যক রছে জলোভিত ৷ ভিজা মাত্র এতি ছভি-পুরাণ-পঞ্চরতাদি সারত-শাস্তম্ভর প্রমাণাবদা বিষয়বিভাগক্রমে সাম্ভবাদ গুণ্ফিত। এইরপ বৈষ্ণব-मिलाएक्टन मात्रमध्य बक्त क्वाणि श्रकाशिक इत्र नाड। -- अ जित्सग्र--- माधनक कि---- वर्श्य -- व्या भय-भया -- अक्षा — শ্রীনাম— প্রয়োজন ও প্রমাণ-ভদ্ধ <sup>ত</sup>ল পূপক অন্যাংশ স্তবুচৰ ছোকালি স্টাম্ট উংকুঠ এণ্টিক কাগৰে স্লোঞ গ্রন্থ ৪০০ পুটার সম্পূর্ণ। ভিকা ২, টাকা মান।

#### এ এন বাপণাম- এছাবলী

क्षिमण क्षितिरमान हेल्दि तिहा 'नाममाका बान-भाम-মাত্তেমার সামুবাদ প্রনাধ থও---- শীল নরহরি চক্রবার্থ হাকুরের সাম-প্রিক্রমাণে — শ্রীগাম নবদ্বীপ পরিক্রমা— টাং याका भक्ति-श्रीयः প্রবোধাননকৃত নব্দীপশতক্ম-শ্রীমছু কিবিনোদ ঠাকুরের শ্রীনবদীপ ভাবতর্ম প্রভূ প্ৰস্থ একজ ভিক্ষা দ০ আনা মাত্ৰ।

#### শ্ৰীৰত্বিনামায়ত ন্যাকরণ

শ্রীফ্রীর গোন্ধামী প্রান্থপাদ-বির্তিত কত্র ও বৃদ্ধি, ভংগতে ওবিফাপান খ্রীমছজিনিদাও সর্বতী গোলান মচারাছের বিশ্বত ভূমিক। ও স্টা প্রভৃতি স্থ। অপ্রত্যাশিতভাবে হল।। ভিকা ২, টাকা, ছাত্রগণের भरक ১४० होका माञ्जा

#### (वका ख डवगात

শ্রীমন্ত্রামান্তর্ভাচাব্য-রচিত। বেদান্তের বিশিষ্টারৈত শাদ-लाहारक श्रीकामा-लार्गका बाहाया अन्य त्यमासम्बन भागः -উপ্যোগ্র কর্নার্থ এই উদ্দ ক্রিয়াছেন, ইংগ্রে तकास्त्रताम 8 श्रुठीशकामि श्रुट्याक्रिक वनः इस्परः

#### শ্রীটেডজাচন্দ্রায়ত ও নগদীপশতক

टर्गत्रमायम जिलाही जीहर आहार नामन अत्रवती व्यक्तिक মুল, প্রভুগার শ্রীমন্ ভবিদ্ধিদাত ধ্বত 🖹 ্শারামী মহারাজ স্প্রাদিত অধ্যন্ত্র ব্যাপনা ও বসায়ালাল স্থালিত -भवदील्याक्टरकत की छ। का विस्तान शेर्य (देत लशास्त्रवाह क एरम्ह क्षिम्प्रहाका व वक्षा विदर्शतक्षित आसीकिक हिन लामख इत्रमादक। इसल ७ कालक खेरकहे ( > था-) একত্রে) ভিকাধ- আনা, অভি হুরম্য বাধাই রাজসংহর্ণ 🔍 টাকা মাত্র।

#### --

आमनगूर्

গাটার জ্ঞান লাভ করিলে পারমার্থিক রাজ্যে কিছুতেই
মাটান বা সংশয় থাকিবে না! পরম গুড় ধ্যু বিষয়ক এইমপ্রারণ ও ক্ষমকাশী প্রস্থ প্রশাস্ত প্রকাশিত হয় নাই।
না লেগোস্থামি-শাস্ত-স্থাদ্ধি-মন্তন্দ্রে এই প্রস্থান্ত
শেশত ভলগতেন। আবোর প্রবিভূত প্রতী, কথানার
ভাগি ধারা বিশেষ নমৃত্ব করা ভলগতে। বিষয়ে প্রস্তু,
নানার জলে নাম নেখা, উৎক্রই বিশেই—-চতুর সংস্করণ
ভক্ষা ২, টাকা মাজ।

#### প্রেমনিবর্ত্ত

শ্রীমন্মহাপ্রান্থর অন্তরঙ্গ পর্যাদ শ্রীল কর্মদানন্দ প্রাণ্ড রচিও। এই পুস্তকে অতি স্পরোধা ভাষায় মহাপ্রাণ্ডর তপ্য শীলাস্থ বৈক্ষবচার, একাদনী ও নামভজন-গালী প্রান্ডতি অনেক বৈক্ষবত্ত্বের শ্রমীমাংসা থেছে গাইবেন। পার্কীকায় চরুছ স্থানের বিশ্বদার্থ ও কেন্দ্রার প্রিচয়াদি-সম্বলিভ চতুর সংস্করণ ভিক্ষা। ৮০ শ্রানা মারা।

#### ভজনরহস্ত

ভন্নকাৰীর নিভাসন্ধী; ঠাকুর শুক্তিবিনোদের অম্লা ; নিখিল শান্ধের নির্যাস। গ্রন্থানি না দেখা প্রায় ব্রাষ্ঠতে পারিবেন না। জুডীয় সংশ্বরণ ক্রিকা। ॥ ।

#### হরিনামচিস্তামণি

নামাচার্যা আলি হরিদাস ঠাকুবের মুপে আমিয়াহাপ্রভা নেমাহাত্মা, নামাভাস, নামাপরাধ প্রভৃতি বিষয়ের । তার বিচার ভাবন করিয়াছিলেন। এই বিষয় ভালির । নরল প্রারে নাক্ষিপ্র আশ্যোহ প্রিণাটিভাবে মুল্রিত। ভাজিবিনোল ঠাকুর-র্তিত। পঞ্চা সংখ্যার ভিক্ষা দ

#### কল্যাণক ছডক

গ্রমন্থ কিবিনোদ সাকুর-রচিত। প্রজ্যেক ভগবদ্নী ও ভানপথের পথিকের একার প্রয়েজনীয়
নাবলীপূর্ণ গাঁতিপ্রত। সামাজ্য কেপণেড়া-ভানা
১৪ এই ভজনরাজ্যের গাঁতিসমূহের ছারা অন্থনির্ভিত
গ্রংদেরা খাভ করিবার স্থবিধা পাহবেন। ম্রা
গ, ভিজা /১০ আনা মারা।

#### শরণাগতি

মৈছকিবিনোল হাওও রচিত। ভগবানে আল্লেমপিন, ঃ, ভলমগাল্যা, বড়বিধা শ্রণগৈতি ও সিদ্ধি গাণ্যা। গীতিপুণ, ভিকাসতি মানা মাজ।

#### श्रीड।ननी

গকুর ভকিবিনোদ-প্রাণীত । নিতা ভজন, আরাত্রিক ন বেবনাদি-বিশয়ক মধুর গাঁতবমূহ একবের প্রপিত।

-- আনা মারে।

#### **ीं अवद्युक्त का**

েক স্থানুক টমেনি জ্ঞান দিখনাথ চক্র কন্তী ঠাকুরন বল প্রস্থা জ্ঞানিক বিলোদ ঠাকুরের অন্তবাদ তিকান • আনা মাত্র।

গতি আঁরপ গোশামীর উপদেশবার্গা, ভব্দিপথের অন্তক্ষ । প্রতিকৃদ বিবয়ে স্থবিচারিত গল্পেদন ভাশ্য, বিস্তুত ববৃতি, চরিতামুতের প্রমাণ, সাধ্য ব্যাধ্যা ও নহালন-থীত ভত্পযোগী গীতমমূহ প্রত্যেক স্লোকের স্তিত নিবেশিত চইয়াছে। তয় সংহরণ ভিক্ষানে আনা।

Agrico sim unimimin

#### সাধন-কণ

ভীরখুনাথ দাস গোভামীর মনঃশিক্ষা, জীল থাকুর হাক্রবিনোদ-চরিত প্রভালবাদসহ। ভিক্ষা / জানা।

#### **প্রেমভব্তি**চন্দ্রিক।

্রীল ঠাকুর নরোভ্যমের জ্ঞানিদ্ধ প্রেমভানিবিষ্যক গনের পুস্তক। ভিদ্ধা /- স্থানা মাঞ্চ

#### **নবদীপশ**ভক

প্রীল ঠাকুর ভিক্তিবিনাদ-রচিত শ্রীল প্রবোধানন স স্বতীপাদের সংস্কৃত নব্দীপশতকের স্থানিত প্রান্তবাদ। বি মা ৴০ স্থানা মাত্র।

#### অর্থপঞ্চক

জীল **গোকাচার্য্য রচিত।** বৈক্ষাতো আন্নের থকের প্রক। ভিকাস**্জান। যাত্র**।

#### সদাচারশ্বতি

্রীল মধ্বাচাধা-প্রেণীত। বৈঞ্চবের নিভাককারি স্থানার: বলী, বলাক্তবাদ সহিতে। ভিকাস- আনা মাত্র।

#### **শণিমভ**রী

কবিকুলকেশরী শ্রীমলারায়ণাচাণ্য রচিত। শ্রীমলাধ্ব।
 চাথেরে সংক্রিপ্ত কীবনলীলা ও মুক্ত বৈক্তবধ্যামত। সালুবাদ
 ভিজ্ঞা। আনা মার।

#### **८गोत्रकृटका** पत्र

প্রাচীন ববি শ্রীগোবিন্দ দেব প্রণাত শ্রীগোরানতারের প্রমাণাবলা-সংবলিত সংস্কৃত গ্রন্থ। ভিন্দা দল আনা।

#### युक्तिमञ्जिष ( खन्द्रशेत्रक )

শীমধ্বদশ্রদায়াস্থাত শীমবাদিরাক স্থামিরত। বজাগরে সাম্বাদ এই প্রবের প্রকাশ পারমাণিক সাহিত্য-জগতে এই পক্রেপেন। শীমবাধ্বাচার্য্য হইছে দোড়শাদক্ষন দিতীয় মধ্বাচার্য্য নামে প্যাত শীবাদিরাজ্যার্থ স্থানী এই প্রথে সাধারণ শুক্তি ও লৌকিক জ্ঞারাস্থারে কিরুপ স্থারজারে ভিক্তিবরোগি-মতবাদ সমূহ খণ্ডন করিয়াছে, তাহা পাঠ করিতে করিতে আশ্বাধানিত হইতে হয়। ইহাতে যুক্তির বারা ঢাকাক, জৈন, বৌদ্ধ, মীমাংসক ও মায়াবাদিমত-সমূহের স্থার প্রভান রহিরাছে। ভিক্তা ২, টাকা মাত্র।

#### (गाषामी जिल त्रयुनाथ मान

(ওঁ বিফুপাদ শ্রীণ ভক্তিসিদান্ত সরস্বতী পোষামী প্রাকৃপাদ-লিণিত ভূমিকা সহ) পৌরপ্রেট স্বরূপ-রূপের একমাত্র প্রিয়ত্তম শ্রীল দাস গোষামী প্রভূর অপূর্ক চল্লিভাগত ও শিক্ষা অতীব প্রাক্তন ও সরল ভাষায় সন্নিবিট এবং পরিশিটে দাসগোষামী প্রভূম বিন্ধচিত ক্রকটী সামুবাং মধ্যতম প্রব ও মনঃশিক্ষা-সম্বলিত। ভিক্ষা বাধাই আনা, আবাধাই। ৮০ আনা মাত্র।

## চেতে প্রদীপ

আচান নববাপের অবিনিতি, তুলা, ইতিকা, লোত ও
ইতিহানিক প্রমাণসংখিতি নহাটা বীপের সচিতে বিধরণত্বেশ রাজবি রাওসাতের কুমণে প্রীপুক্ত পর্মিক্ নারারণ
ত্বেম, এ, প্রাক্ত (লাতেপে), প্রেলিভভূনণ মধ্যেদর কর্ত্তক
কলিত এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন দর্শের অপুকা চিক্তা ও
নিচিত্র-নম্বিভিন্ন প্রাচ্যাবিজ্ঞান্দর্শন বার সাক্ষেব প্রীপ্রকা
াপ্ত নাথ বস্ত বিধ্বেক্যিসম্পাদক মহাশ্রের বিশ্বাভ ভূমিকা
া ৪ উৎরত্ত (ইং ) মনজো বানাত ম্বা ১॥০, জিঃ বিঃ তে
্ টাক মান্তে।

#### मामक-कर्श्वभाता

ভরতকলন, বৈধাব-বলনা, বৈধাবলরণ, পালালের গীত,
নামহার, প্রীমানচাপ্রেণ্ডর অংগ্রেরণত নাম, অইপ্রেরণ
ন্মকীতন, প্রীমানসভার্তন, প্রেমাধনি, 'বাউপালীত,
বিগ-মতিমা, প্রীমানাপর মহিমা, স্তীনরোরম-প্রেণ্ডর অইক
চাধা-বন্দনা, বড়ুগোলামীর অইক, প্রেমান্ডকিচিকিন,
উ দেশমালা নামভলন প্রেণালী, মহাপ্রেণ্ড রায় স্নামানক সংবাদ, মন্দ্রিকা, প্রীজনপ্রেণ্ড, প্রীক্তন-প্রকলা,
মহাপ্রিণ্ডর কর্মানিত কুল্মীমালার ভার অফুক্ষণ কর্মে প্রেণ্ডোর কর্মানিত কুল্মীমালার ভার অফুক্ষণ কর্মে

#### গোড়ীয়-গোরৰ

কলিকাণ্ডার জ্বপ্রতি মালবাট হলে গোড়ীয় সম্পাদক ইল্লিল জনরানন প্রতিদ্যাবিনান প্রদত্ত বস্তুতার বিষয় গ্রহকারে প্রকাশিত। ইলেন্ডে গোড়ীয় বেক্ষবস্থানায়ের ইতিহাস স্কাকারে গ্রহিত হুইলাছে । ভিছ্যা ৮০ মানে।

#### গৌড়ায় সাহিত্য

দ্বিকাভার প্রপ্রসিদ্ধ মালবার্ট হবাে গ্রেট্টায়-সম্পাদক

ক্রী ব ক্রন্সরানন্দ পরবিভাবিনাধ্যেত্বত্বদ্র বক্ষার বিষয়

গালে প্রকাশিত। ইহাতে সাহিত্য-শঙ্কের কর্ব এবং
গৌ য-সাহিত্যের বিষয় প্রেকারে বর্ণিত হইয়াছে। ভিকা

াল গনা যাতা।

#### औरगोप्रमधन পরিক্রমা-দর্শন

াগৌড়বেশের যে সকল স্থানে স্পরিকর বীমন্ত্রাপ্তর্ত্ত্ব দেয়গ পরবন্ধী মহাক্ষণণ গীলা করিয়া নিয়াছেন, সেই ব আধুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও পেববিএহালির পরিয়া সহ রাভারাতের স্থবিধা নিক্ষেপ ইত্যাদি বিষয়গুলি সরিবে শিক্ত আছে। ভিক্ষাত মানা।

#### THE HARMONIST

OR SHREE SAJJANATOSHANI

ই গ ঠাকুর ভিজিবিনোদ-প্রতিষ্ঠিত এবং শ্রীণ ভঞ্জিসিদ্ধা ারপত্নী গোখামী প্রভূপাদ-সম্পাদিত পারমার্থিক
মাগিং পরে। এক্ষণে ইংরাদী ভাষার জ্ঞাবিংশ বর্বে
ভবলা উন ৮ পেনী ৪ ফর্ম্মা আকারে প্রতি ভারে মরিনামের বিজর-বৈভয়নী শইরা উপস্থিত হুইভেছেন।
কাগণ মূল্রণ-পারিপাটা ও চিত্রাদি জ্ঞাতীব চিত্তাফ্রমা।
এই ও গর উৎক্রই প্রবন্ধ আর কোন মানিক প্রাদিশতে
দেবিং পাইবেন না। বাবিক ভিক্ষা ভাক্ষাভ্যান্ত ও
টালা জা।

#### প্রাভিছান-

**बि**टेड्फक्रमंत्रं, त्याः ख्रिमाश्चायुत्र मसीश

## বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার গুদ্ধভক্তিমঠসমূহ

### बोर्टहरूका घर

#### व्याक्त घरेशाङ

अ ठीम नवदीन, काक्यम अधाय भावालुत, नवीता

শ্রীমত্বেশ্রালীর ৯৯ছে পরে ০০ । গছ উত্তর-পূথে শ্রীরারপার্থে আচার্যাবত শ্রীচন্দ্র ट्रमण ब-क १८०१ जी चितिहरू **क क मात्र निवास मा** मा

हते ज्यान भारत्यक-कीर्व, नवविष्ठानीते ना नाष्ठ्रक क्रणनवनी : धर प्रकारी विक्रिन নাম্মুট বংকে ব্যালি-ব্যালালসমূল, প্রসিদ্ধার অনুষ্ঠি করে। নাটক, অলক্ষার, তথা अभाग-देशि यह-में श-एक-क्षान-क्षान-क्षात-क्षात-क्षात- अ अमार्शन विदः अभाग श्रीकर-্রাত্যমন্ত্রাত আন চ পিরিধর জ সাম্বত বাত্রাবারিক-মাচার্যা-চরু র উন্তালের উপাত্ত विश्वाद्वात नरिक क्षित्र द्राणिक करेट्याटका । अब महेबाटक भावमार्थक देशिकक्षा आवक-मच्छाबारक काराका भारत प्रशासीन खड़बाबि खाठावरक व 'समीर:- शक म' गड़ नव প্রান্তমিত চরম্বানের প্রান্তিবংশ্য **শ্রীগাম-পরিক্রে**নাপ্রস্তান ও মরাগ্র ভস্কারোট্র ভ শ্রীপাল নব্রহার্তী। গ্রহারী--- শ্রীপাল বিলোদনিকারী একটারী, পাঞ্জ ই প্রাণ গোরদাস अकारी कारानान समारीयं. श्रेणात्र नीतिक अवधानी. श्रेणाम समारामान अवधानी. প্রী অব্যান্ত ব্যক্তা বি, ত্রীমধনবোপার অভ্যতি, ভক্ত নংক্রে, এবিপদ, রেব তাঁলোহন } व्यक्षि महत्त्वमात् ।

্বদ্ধিপ্রান্ত প্রান্ত ক্রিছেল গলীপ তীর্থ মহারাজ এখানে হবিক্লা ক্রিডেন করিছেছেন।

#### ্ভ ্ৰেগেপীত শ্ৰীৰন্দিৰ

at win Bars(HIC'NCMS 444 41 विभवाता अन्त व्यातिकात-कृति मनावाल-भारत क्यारन द्वानची शहा व द्वीविकृत रत्यक्षण होटचीदवाज्यक्त eat होते हता क व्यातामाकरकाव मिका द्रमता अवा शिलक-ক্ষের নুধ্বা সঞ্জান ৷ কল ক----লোক-মাধ ৰয় গোখামী ভট্টাচাৰা প্ৰাভূ প্ৰীয়দা-हाल । महकारी अभिकाशम अवनामी, Bainfacein किक्यन, Boi-वान अण-Bill : Buldente alesta. (ment) 通与14034 1

#### (8) MAIN-WEN

শ্ৰীম্মতা প্ৰতি কীৰ্ত্তন-শিল্পাস বা द्यारकोतनीवात समयनी । जनारन ट्रांडिशाव शिक्षानिक छ शक्तक स्थान वक्तमान । বেদ গ ---- শ্রী পালা • কুওম প্রশানী।

#### ( ८ ) कार्टप छ- छरान

बाहे करिल क्षेत्रपुर भाकेत कथन व्यवस I INTERE INNE

बक्रक- श्रेष्ट्रालम नामामिकाती. अक्षाक्रममाम वावाकी।

#### (७) काकात समाबि न है

द्याठील मानाणुष, नामनलुक्त (समीहा) **कि**रनोधक्रमानाळ जिहासकाक्षी : प्रमाध ।

#### ( 4 ) 박태막 몇박/ 주문

**ह्येरगा**क्षम, श्रम्भाणशक्ष ( संगीवः ) ब्रव्यास्य केनिक्याम श्रीण कांकांन्याम् अकृत्वत्र मग्रामि लंबर औरमोनममाभव जनर मैं औताया-प्रांग वंत (मेरा वर्षभाग

क्रमावियो जन, जन, जम।

### (৮ श्रीक्षश्राधाय दशोडी स सर्वे

uru-fute i कृष्ण क----- हैं।यहनत कृष्टिन क्षा तथा, जा,

वि. क्रम. मार्काती-- क्रिडेक्-माम क्रकि-माखी, क्षेत्रकाम संस्थारी अस्ति । ( ১ ) ब्रीटशीव-श्रम् (भव सह

हाला**० ही, स**र्भक्ष, ( तक्क्यास ) 🚵म नावीनात्मर नाकिक ।जीवरामानव-(취해 ) 경향· - 최· (취비의 경향() 가장 Bouter Pff 1

্ ১ - এরিপগোর্ডায়-মঠ मा, !शक्ष, भाषात्र हर्डे. 19 रक्षक--- हैं। रिमान अक्षताती, गरकाती --व्यामानावत्र त्रजा । १।

( ১১ ) औदमानसम्बद्धः --भाष्ट्रेणांक, लाज्ञान, नव्यान। 🕮 नामाव शब ठे कृत बुकानास अस्म ।

रण --- में कावरावी अपनामी, करू में निमसामा

(১) ভাগবঙ আসম 🖺 • १९५७ ८ 🗗 १. कमा-शद, वलीका ।

कानव शिकास अष्टानलीत व्यक्ताव-दक्ता दण र--- श्रीद्वर्गानम अन्नहारी ७'७ नाशी

#### CR PETOLES ( OC.)

CHानिमाणुन, देशाचाती, अमीमा । क्षण कर्म देव पर्यानिक अक्षणि । महकारी निका विष्युष्ट अक्षणि स्थानिक वक्तक-तक्षमाती श्रीविरभाषावशांवी । 🖹 विनिध्य अक्षतांवी, श्रीवश्राक्षितांवी, श्रीश्राद्धभाष्ट्रक्र अक्षतांवी में मञ्चनाथ श्राष्ठा, कक विश्वनाथ

( ३४ ) श्रीमाध्य दशीक्षांत्र वर्ड

अ•भर नवावभूत ,शक्त्, छाणा। भुम्बद्दम् अधाव-दिक्क, क्यार्थ औषक-्मीक्षक भाक्षका-धिकिम्द्रक दशना वस्त्रमान । क्ष्म --- क्रिक्ट्य काकाह अवाहाती १४०० -- व्यवायात अववाती, अव्यक्षासम्य नवविद्याविद्याव वि- व, श्री श्राप- (১) 🕮 গোডীয় মঠ

১७ वर काशिक्षमात ठळनळी हीते. (भा: बाबवाबाह, कशिका श : दछेशिकाम 11. 11. 8552

শ্রীমক্ষর গড়র প্রচারিত স্থানিক্র ভক্তিশ্র-প্রচারেন্দেশে গোড়নেশের সকলেন গ্রী ক্রিকাভার প্রীঞ্জিবিনোর আসনে শ্রীমত প্রভিন্নির ক্রেকন। এই ক্রক-সভ্যাবামে ই প্রক্রবর্গাবাল-ইইবিনোদানক জাউ সপ্রের নিজা সেবিত ধন। গোড়ীং काहाशामार्जित शामलीय असामगीत असाहारवारकाण श्रीभारत मरभन्न ककती कबुकर मुक्तः-गञ्चानम् मः वातिष्ठ वर्षवारकतः। अभिनीय नम्ब ब्यारिशीयनाम श्राहावार्व वर्षे गञ्चानव कडेएफ '(क्षोफीय' माला'क्क लाब, कि क्यूब्राबिष्ट्रे मामिक लिखको देखाकी कावाक নিয়মিভজাবে প্রকাশত ভইভেছেন। আমিসে পাঠ গছারিন, সপ্রস্থান-চতুইর-বেলাক, শ্রীমন্ত্রাপ্রক, প্রতিচন্ত্র-চরিভাম্পাদি-লীধা ও প্রগতের সমাক শালোচনা ভতর পাকে। মন্তরক্ত-আচাগাতিক শ্রীপাধ কুম্ববিহারী বিভাত্তবণ। সহকারী-পাজিক जीलाक समस्यान्यक प्रविकास्त्र रिन्य, जीलाक वामविधायी अध्यादी, जीलाक अन्नकात्व मामाधिकाती वि-व. अन्या करामाण मामाधिकाती. उन्नहाती बीकीसनामन, उक्कारी बीलाशी(मार्क, उक्कारी बीमध्यन, गांसक अध्यात मनीमकृष णक्रिष्ठाककार मुख्यामाक्रदेव अनाकार्याः, छाञ्चकाळासम् मःसिकारी नि- ८, छीजनवक्रमाळ्या धकाती वि-द्रव, श्रीकष्ट्रपत्र जायरकातिम्, श्रीतिश्वष्ट्रद दक्तनारी, श्रीप्रकाणातिम

अकाशकी क्षाकृष्टि।

रशीत अक्षताती, दीनगरशीताक अक्षताती. अर्थिकशावन अकः।

#### ( ১৫ ) डिशामानको मर्ज

क्रम्भाभयः, हाकः। (भाषानकोव क्री खादक क्राठीन स्मबा टक्क--- श्रेमाननाथन सक्राठी :

: ১৬ : अभाषे-८भाराम यर्ठ

इविक्रकि श्रष्टाध्यी महा, नामिट हि हाका **डीशमाडे-(शोबाटमव '**नेखा स्था বক্ষ 🗕 ত্রীপূর্ণ পঞ্জ রশ্বন।রী, সীমান্তগাল প্ৰস্কানী

#### (১৭) এডাগ্ৰডজনামৰ মঠ

किक्निया, वाख्यावनुत, (यामगीनुत्र) এখানে 🤌 ওঞ্চ-গোরাজ-গান্ধার কা-গৈবিশারীর নিভাগের বহুমান। রক্ষক---बक्रामी औ न्यनानवामकी।

#### :১৮: चावनाटवाका अनेवाखन

वास्त्रीम द्वार नक्ष्माम ।

मी शक्र मोताक-स्थित। स्विका 'नाविमावी -भिकारमवा । अकक--अववामी हैं। cfarmre I

### (১১) जीश्रक्तरशास्त्रम मर्ठ

क्षेत्रात, भूत्री, हेटिया। बनात औरशाब-विस्मापमानवकोत सिङ्ग-,সবা ব শ্বমান । রঞ্জ - - এখ্রচারী স্ট্রপরমা-वश्रहाती, अक अिनिशाद

(२ • ) औजन-८भोजीय वर्ठ

भागवतवाथ, अभागिति (लाः, लुद्री क्षत्रश्राचरकरवन्न काननात्र अभरतः होभगाका ! **चक्छान । वच्छ--- अव्य**ठाडी **अनिकटभवती वार्यावयोः गरकाती--**अष्यादी औरवेशिमविद्याती ।

#### के फिरानाकाद, कंदेक :

दर्शान डी एक-शाबाक-वित्नामक्रमण-सीत लिकारमयः वस्त्रभातः। प्रकास----उक्कारी जीवनार , खोठामधन उक्कारी

(२२) जीशनाजन-आधार मह

1시1 설5[編] 4귀성(), 本[報] ्डा -- भगक्ष अङ्गास्त्र । सन्धाः स्थान्य ।

এথারে (গার্সের) রজমান বক্ষক— नीवानकोतालको औत्रमानन अक्रमानी ।

: C: 5400000 #3

श्रीमु गरण्याम कुछ, श्री ग्रेस बुल्यायम । से श्रेरामा-ब्रजन्यम्मकोड स्मरा।

रक्षक -- शिश्ववाकित स अक्षत्रावी

#### ः । **श्रीभव्यक्शम् वर्** क्षियानगर, महाभूक

±वारम क्रकात्रवर्क वाह्नवाहा € चित्राव विद्याल विद्यालकोई द्रम्या बहुमान नक क .... देक्षारी हैं। मार्गानक व देक्षारी म्बीलन्स् ३८ व र

#### २०. और्टेड्ड्युटगोडीय वठ

भूभुवक्षा, फेडक् का, भागकृत । हैशा सीरे १०४-४८४० नाथा। यक्तक---सीडमा-नाप वात. हे देवनथानक अकारो, जीवाम end in Afabi

· २ ५) कानःशोष्टीच यठ

केका के ब. बारलबार, कनाल #481 A क्रीत्राचां वर्तन सन्दारम्य 26.9 100 2124 . वक्र ७--- सक्ष । है। क्षेत्रत्य । हो,

### (24 国门附\*\*村(3) 型門間(湖南-湖)

ব্রাহ্ম:লাড়া, গোঃ বাজু, হাংছা व्यक्तारत अञ्चलकार्क और शाबारकार Char नक्षमान । वक्ष--- बक्रवामी खीळाणक्रक-मान, औ जिम्हान उष्णानी।

(२৮: किन्न इंगाड़ीस वठ — कार्यराजक बन्द आधीक वन, खारकांत्र त्यान, निके विद्यो । त्रक -- अक्षाती जिल्लाक , जीकुनरम्बन खोत्राधाक्रमण्डतसम्बन

(२२) द्यामानभाषा अभवात्व तक्क-विष्ठात्री खोशायायन

#### **ভা**ক্ষালে আহম, ভিলা**বোমা**। の Dee 1. さ CEI 201日

अन्दि मार ্ৰ ভাৰত প্ৰেশ্ব

Men 2 - 4 1 ক সমাগ্ৰ হয়: তেই সহায় তুলিক মু**ৰ্গী, ভাছ ব্যক্তি** ''तरमधाणतम्" ''तिनदात्ते" (शिषि') **हिल** । । कतिरयम । প্রত্যাল প্রত্যান উষ্টা প্রতিষ্ঠা সে নীয়ে : में इन लाशम करण ।

ও কি করিছে উক প্রেশ্লী ধালিক এলার হইরাছে। ্তিত অবস্থায় ভূপান পাওঁয়া বায়। ব্যানেল কেল্ডি টি বিলয়ে তেওঁ মাঠাবেশ সভিব 😸 কেল ফুলালেটেডেউ মি: মিঞ্ছ 可以对对为"一"特"有特别 不同情報 )

হন এবং প্রশেষ্টি জ্ঞিনের মধ্যে শ্রীয়া । ভিজার জ্ঞাবেদন করিছেছেন ভুড্রা शाम । अर्थान्य दित चैत्रास एकाम ६ क्रिकामा । डिकास के मी कर्मान ताथा ६ डेक । হিপিত মা থাক্ষ ঐ পানে পা**লেলটি** ८२।त्या ६ए । जारमलीत ,थाला हडेस भाज ८ फीट ६८ होन (जन ३ जान उत्तरारी) जाल স্কলে দেখিলা বিভিন্ন জন লে, উল্লেখ কলিন भारत अक्षेत्र महत्व (१०४ ८०)मा १५ अक्षिया । महिल्ला महाराष्ट्र के सन्दर्भ केल आहे ही একটি আদুদ্ধ প্লিটা হল্বত ছিল কলা দিন ল্যা কাৰ্য্য সংল্প নুন্ত্র পরে, রাণ্ডেক্স) পুরেশের বিশেষ বিভারের । ছইমাটেড, কিন্তু সম্ভ হাট্ড মার্ডেজ। ক্ষমভাবাৰ। এই ব উপনাত ১ইনা ই বিষয়ে । অভ্যাহপুত্র ক কান্ত্র । দল বিশ্ব হিছে \*\*\* 3 3 3 4 1

८५ ११ मा भागरतम् भिरमञ्जूषा विकासम्ब क्षकार त' कानाव क्षत्रियत शाकारणा 👺 মণ্ডর - প্রিস 🔊 ার স্থানি হয়। ঐ পান্তিরতের কলে পুঞ্জিয় কবিখেন। তা স্বল চিত্রি ভারতের ৬০: প্রাপ্ত ভর্লাড়ে ১৫: শ্রীড়া**ল কালীরক্ষ** লাব, ইম্চালি টাশচন্দ্র সংক্রাপেটিয়ায়ে 😎 🖟 স্ক্রন্তিক ভত্যা ভিষাতেন । অপের ১ জনকে এইপোর করে। জ্ঞানী すってな また な されれ となり 毎日の金事 . \* \* \* 1

心学现在生 取代 多 斯斯 केलिराकत ५ ३ ६ व लिख्य सम्बद्ध का भिन्दानी ।

१८७ मध्यिति राज्य १ के भीनगरम द**्रीड़**ा-स्वराहरू में नेक ग्रांस विद्यालय ম্যাতি টোড়েশ আ'লালাটে উপস্থিত কলা 医肝炎 法体门部门指挥 智师院图片 指条件的数型 八十二世帝,忠治 经有时 医甲醛 医侧部侧侧孔

#### ्र विश्वपत्तक **कामीव आद**ल्ल

्रात् । यत् म् ्राट्यत् क्वाटकाटकमञ . १ ४ तर्म अनुसंदन **इ**लिक्टियन 1、1000年1日1日日 | 田田村1覧館 ें १ ८० ८ छाउँ भारती की १३ व्यवस्थानिक स्थापन

गत्रकारतत प्रताहै भित्रक शिविशाहिरलेने । যে সম্রাভি সংবাদণতে প্রেক্য শিশ কার ১০ জান বা প্রার্থিক প্রার্থিক বিশারের বিশারের বিশারিক কাউলিক। হরিকিংশগের চ্ছাদভেল বিরুদ্ধে গে काशीम क्या कड़ेगारिय में आशीश आश क शिया वाइमा जाड़ी। एक श्वाम शहा enter extra ১ ক্ষরের পাশের জিনা ভাষা কাহার ও হার ক্ষেণ্রের भिन्नादक अ<sup>ब</sup> शहर जानान र प्रेक 🖫 एर 🤉 🎍 मध्योष सभा ४४८ल हिल्ला काङ्यदक्रम ছালায় বৰ্ত প্ৰেৰ্ড বিষ্ণাকৰে। উহাতে নিকট উল্লাভন্ত প্ৰাৰ্ভিক্তাৰ আবেলন

স্বস্থান্ত্র উত্তর জ্বলাইলডেন 🕮 ঞী সংবাদ স্তা। তিনি অব্ভ আনটেয়া-अध्याप (आक्र १) दर्भण शहर छात्र शनि - ८६ न १४ अति किरनद्वयः कारीत व्यद्धिन

অতঃপর শ্রীপত অম্বনার উত্ত করাই ্রিকালিকে প্লয়ণ এক গোল ব'রয়া *ভালা* ্পাই মানীৰ অবিধনে ভগায় উপনীত ইয়াছেন যে হবিকিলেনেৰ পিছা তাৰে

> - इति विदेशस्य - १ १ । (अश्व-क्षरा) न-ाव प्रकारणा एक वा 🗕 इन्हेंचे 🕏 १००७ वर्ष fe Bai

#### न्यायायायायाया

बिश मि अस. १५१ में स्वानागादनत 4.0、节间分钟 CTT4 连接3 名机电解槽 ,特别对待 网络李州 网络小人 对抗抗原药剂 ক্রেল এর ধরা ব্রেমিনিক নহা, ছা 'ইক্সাক্ষরি স্ক্রিম ব্যক্তির করিল। হাত্রে, রেই স্কর্ত अर्दन द्वकद्वत अन्द्र। प्राथितः किति

#### यक्षेत्र दस द्वाराष्ट्रश्च

अब द्वर अंशतरहरू होयु र यशास्त्रावित । क्या । अहर १० महिका র্মন্তপ্ত বভ্ননির্ভিনুপে প্রভার হয়ক। প্রেল্ড ব্যাস্থ্য বহুল্ব ব্যক্ষা আছেম্য বিবির বিষাটেন ব্যক্তান ১৯৫৬ (ছান কংগ্ৰেপের বিব্রুয়া পরে স্বাক্ত ইইয়াটে) । প্রকাশন क्षामाक्षेत्रे अभिन्दिक ,गानामान कतियातः च्छे (१) शहे दाहरूमा ।

८४८४ वश्वमारम आविष्ठा स्ट्रिकारधम -্ট্রেন হছটেছ কান্ডরণ ধরিখে। ক্রেশনেই चिष्करन निर्माल शक्काना क्या :  $\zeta \otimes \Phi(s)$ ्रे अभूतिवृक्त मा । (+5° ०°३५° २) ५२% ७५ ।

१८% १४ कृत चक्काल भिक्राला,-भागाति है हिरान नवजरील पर्वाचनाय कृष्टि । शक्त आम'ल करिमारकेश ।

#### জিণ্ডনে জার্মাল মন্ত্রীবয় धूलिन भारत्यात्रा कार्याहरू

গভ ৭ই জুন দাজতা দপ্তনে মি: भाषरभागक, फा: शिक्रीनर एवर भाः कार्षिशीटमस बदश जात्माहना कात्रश्र क्या । व्यारमांहानांत्र गारुष्टि एकान मान् मा গড়ে, ৬ জ্ঞান যথেষ্ট সভক • শ আলগ্ৰন कता अया शहरत विश्वित शहरू भावताल िट्य मुणिल त्याक्षात्यस करता असा उहे इंट्ड भवतादः क्व मक्ताप विः माःकरमानान्छ एषर भिः दश्क्षात्रम एषर মিঃ প্রতিমি অভাগেত্রের স্থিত কার্ত্তা-ণাৰ স্থাটজনক আতিক অলভা স্থাকে कारिकारिका करमम । शक्षा व्यक्तितीयरमय भाष शुनत्रीय व्याटलांडमा व्यात्रश्च ह्या । सनियास । স্থায় যুক্তাবে কেটিসরকারী বির্ভি नाहिन इंट बात क्रभा इस ।

#### भक्तीरमञ्ज श्रीर्थमा मामञ्जूत

ियकी दक्तिशृक्षात **बाजवसी**शन क एक एकि तहे हाकिस कि देवन । ट्यारसन्ता পুলিদের ডি, মার জি নেগুল সর্বস্তুত ধ বিশ্ভ অন্তাভ চইসাচ্ছেম ৷ ২২ সংনি वरेटरस घटना ,कानवानि **हाँदिस गु**व অভিনয়েশন সম্পারে বোগা, কোমধানি বা থাতা বিভেক, জাবার কোন গানি ব) লাগল চেত্ৰ প্ৰস্থা স্থিতিসমূলের স্থাল ্লপ:। টকাইয়, ঠা**লিন এবং বাটাও** বাংনেলের হি,খিত বইও ঐ গুলির মধ্যে कार्या । इत्यानि मात्र वाश्रमा वहे. राकी अनुष्ठे हे वार्था। यात्रमा थरे ভূতপার্বার সংখ্য একপার্যন শাস্ত্রহালীয় ্ৰার প্রায়' অপরখ্যান নছসূত্র ইসলামের 'সন্ধারার'--- কবিভার বই।

#### 计单程管章 你陪你你多

अन्द्र निवस्त्राधि श्रुतिम न्ह्रशीय े এফটা মঙক্তল 🕒 বাসক্ষেদ প্রীক্ষার मफुढें। **अभा**न्त्र र्राप्ताकित्व साधी भागात विवसक्ता। ्य २ भिन माओं दिश सा। कितिया উল্লেখ্য বেল ওয় ভত সূল ভূক লৈ মেলন । অংগেয়া কেবে, ভাছার স্থা নিজকেশন **७**डेग्नाटकः याष्ट्रश्य श्रुविदय मायाम CH कर्रा इन अभर . १५ मिन भटन अर्था भूत क्टर्न ४ म्हल ५१म (कावाकोष्टे नामक ভ্ৰম্ভ তিহেত্তক কোভাষ্ট্ৰ সভক্তের প্রতেশ একটা ভোষ্য়ে **ই** মৃত্রু ভাষিত্র (नगः यागः। भाषा (छानान निक्छ प्रकाशत মধ্যে মৃওটিও বিক্ত অবস্থায় পাক্ষা अण्युं कि प्रदेशक संदर्भा यान्यक्त भरीकाति क्या वाशियाटच (क्र ্রখনও তোপার হয় নাই।

### र्म मारम मंखनी महक्मांत्र संभाजिक **प्रकरम उरक्के (उराह्मम शुक्रा** अनेतारक )

### अधिविशिष मण्डल পাঞ্জাৰ ডিফ্ ে নৰ প্ৰতিবাদ

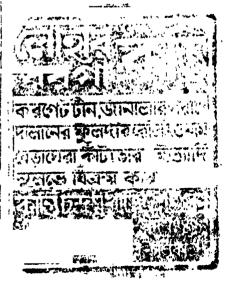
ं ं न, सामा-श्रक्षांव किया रू खिडिनिमि (१४९ ---八 中肾 夕浦 শিশিয়া পঞ্জান ্ক তিশ্ব প্রাকৃষি মা করায় উলার প্রাক্তিবাদ क तिश्वाद्रका अन्तर मिलिया , इन ८४० । शक्तीय, भिक्क व्यवेश मीमारायत ि सुरमत लक्ष इंडेटक रशायारहेनिय देनप्रस्थत जल आश्र ७ ० ४म হিন্দু প্রাভিগিলি প্রাচ্য করিয়া ধেন जिंदी मः भारत कि तिया वा उगा हम 🕻

#### বেল জিয়ামের মূডন ভর

दनल क्रियरम न छन छन्न छन्न । ६ डेशिय লৈদ কাপেথিক নর্মপ্তী আৰু র্ছিল না। পত ২১শে মে ক্যাপ্তিক নরমণ্ডী রাজ্জ শাসন ভাগে করিয়াছে । নব সংখ্যারের **बा**डाक्तींश क्षतान मर्धे दशेकान (तर्कका) भारताहे मित्र क्षेत्रान किमार्सम्म ।

#### উন্মন্ত আহাজ যাত্রীর নিবিবচারে **८७।अ१ ठालाज**

\*\*এলেপ্র কর কর্নাডা" ভাষার व्यक्तिक के श्रीकार मात्र र व्यक्ति वास व्यक्त am श्रीयम भारति मा माधारिक श्रव । जाशादक ছইলন চীন) নাবিক (নংড এবং ২৯ জন আছত অবস্থায় অংগে । ফিলিগাইনেৰ क्षरेतक गाली बनगुराए भारताल बारवारम काशक्यामि कालास्य दलीहिन नात ज्ञानिम भूदन ज्ञार (साविधि क्रार ८कालिका 🕏८२। ८कालिका ऊरिया ८म ভোৱা শইয়া ভাইনে বামে আধাত कतिहाल भारक । । । आधारास्त्र संदेश संदेश स (लाक मा १ वाम अमर >> कम व्यक्ति क्या । आक्षाल्यम्भ भट्या क्रेकें या कार्यात्राका-वामी नाविक ३७ अन होता, १ इन काशानी उद्धा कर कन हीना श्रीरशाक 双打男子 岩密科 倒转形 化对于形态 电标 পভাবে ভটি कहा इडेशर७। डिन क्षात्व ने।जियान काना नाहे ।



শ্রীলাফ ট্রাল— লক্ষ্মণ

-

প্রতিবাবে প্রতি কলি ১ প্রতি কলন ৬ বাহ কলন ৩। বিভিন্ন লার



সাতাষের হার
অভিন্য দেয়
কাষিক ৯
বাথাফিক ৫
তিন্যাসিক ২৮০
মাসিক ১
নগদ

প্রতি সংখ্যা ,৫

WITH COM

ৰ**ে অলগ**-প্ৰচাৰ-শদীয়া ভেলাৰ একমাত মুখপত

খণ্ড ] সম্পাদক—শ্ৰীজতীন্দ্ৰনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি

5-৪তম সংখ্যা

**মিলেডশ্যমট শ্রেমান মাস্থাপুত্ব-**২৮শে জ্যেষ্ঠ স্বহস্পতিবার ১০০৮, ১১ই জুন ১৯০১

### নানা কথা

### वरीयात पुर्किटक मादाया

গত কয়েক্সাস চইতে লোলতপুর পানায় অন্তর্গত প্রাম্পর্ক বিশেব অথ-কট্ট চইরাছে। জেলা বার্চের চেরারম্যান রায় এন, এন, ব্যানাজ্জি বার্চাচর এবং লোকাল বার্চের চেরার মান ত্রীপুত ভারেক্সনাপ সরকার উক্জ গ্রামসকল পরিদর্শন করিয়া, জেলাবোর্ডের জানিন যে সমন্ত রাত্ত: নির্দ্ধিত হউতেছে ভারা মাপিবার কার্ব্যে প্রায় ১০০০ নর্নারীকে নিগুক্ত করিয়া দিয়াছেন। ভারার দৈনিক ভিন আনা হুইতে ছয় আনা প্রায় উপাজ্জন করিতেছে।

### সম্ভৱপপটু যুধকের মৃত্যু

ভারাপদ অনাই নামক এক ২২
বংশরের বৃবক চাপা বদন্ত রোগে গভ
৪ঠা জুন মারা পিরাছে। ক্রীকৃষ্ণ জনাই
নবীয়ার একজন বিখ্যাত সম্তর্গপটু বৃবক
ভিলেন। নবীরার সম্ভরণে তিনি ভিনবার
প্রথম স্থান অধিকার করেন। তিনি
কুজনগর ক্লেকের বি, এ ক্লানের ছাজ
ছিলেন। তিনি একজন বিশিষ্ট কর্ত্তী
ছিলেন এমং গভ আইন অমান্ত আন্দোল্লানে ক্লোবস্থা ক্লিয়াছেন।

## ভাষালপুরে রিৎলভার সারার

কাষালপুরে রিগুলভার মারা স্থতে প্রীযুক্ত অনিল গুৰু এবং প্রোণকুমার বলোগোধায়কে ত্রেপ্তার করা ইইরাছিল। ক্তিপ্র দিবস পুর্বেশ স্নাক্তকর স্যাপারে

## নদীয়ায় দুর্ভিক্ষে সাহায্য

জামালপুরে রিভলভার মারার জের

## সন্তরণপটু যুবকের মৃত্যু

বিদেশী বস্তোর পুনঃ বিদেশে রপ্তানী

## রেলওয়ে দুর্ঘটনা

যাত্রী-দশতির মধ্যে স্বামী গ্রেপ্তার— পত্নীর অসহায় অবস্থা

## মিঃ শাকলাত ওয়ালার পত্র

এক লক্ষেরও অধিক লাল কুতাধারী

## বাঙ্গলার ক্ষষিবিভাগের স্কীম

ব্রক্ষে বিজোহীদের সাড়া.—পুলিশের সঙ্গে সঙ্গর্য

ভাহাদিগকে কেছই সনাক্ত করিতে পারে নাই।

গত ১/১ জুন সদম মহকুষা হাকিমের এললাসে প্নরায় উলিগালিপকে হাজির ভয়া হয়। তালাদের বিক্তে কোন শাক্সীট না থাকায় মামলা মূলজুবী স্বাপা হইয়াছে এবং তাহাদিশকে জামিনে মুক্তি দেক্যা হইয়াছে।

#### এক **লক্ষে**রও অধিক **লাল** কুর্ত্তাগারী

'দীমান্তের গান্ধী' মিং আবছল গ্রুত্ব ভিনি বলেন, লাল কুন্তানাগী আন্দোলন জনপ্রিয় হইগা উঠিগাছে এবং সমগ্র দিমান্ত প্রদেশে প্রদারিত হইগা পড়িয়াছে।

ইংার খেজাগেবক সংখ্যা এক পেশোয়ার জেলাতেই ইভিমণ্যে এক লক্ষের ও উপর হটয়াছে। মিং গ্রুব খান আরও বলেন যে, তিনি মহায়া গাখীর আদেশেই বাদেনী আদিয়াছেন করেবেন প্রথমান্ত ডিনি ভূপালে চুট বিনের জন্ম আদিয়াছিলেন একা নবাব, মৌলানা সৌকৎমালি ডাং আন্সারী ও মৌলানা স্ফি দায়ুদীর সহিত সাফাং করিয়াছিলেন।

### যাত্রী-দম্পতির মধ্যে স্বামী এগ্রপ্তার পত্নার অসহায় অবস্থা

শ্রেকাশ, গত এই জুন রাজে ১ নৈক তৃতীয় শ্রেণার যাত্রী নারাধণগঞ্জ হইছে দৈমনসিংহগামী টোলে ভ্রমণ করিছে-ছিলেন, তিনি তাঁহার গৈন্তব্য স্থান ধলাতে পৌছিলে রেলপ্রয়ে স্থানিশ তাঁহাকে গ্রেপ্তার করে।

ত্রেপ্তাবের কারণ সম্পূর্ণ অপ্তাণ ।
উক্ত ট্রেণ মহিলাদের কাম্রান্তে তারার
রীও ছিলেন। প্রকাশ, তাহাকে ট্রেন
হইতে নামানর জন্ম তিনি পূর্ণেশকে
বলেন। কিন্তু ইত্যাবসরে ট্রেন বেসল
পরিত্যার করিয়া চলিয়া যায় পরদিব্দ স্কাল বেলা সিংহছণনি টেসলবেলপ্তরে পুলিশ তারার হীর ভাব লান।
আহংপর ভাহাকে ধলাতে প্রের্থিন
পুলিশ কেফালতে মাধ্যে অস্থানিত
হন পরে প্রনীয় মহিলা সমিতিব
ভক্তারানে তারা কালতে প্রেইয়া
দেশ্যামার।

## শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

### (थाना इहेब्राट्स ।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অভি যত্নের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্ম বিনা ব্যয়ে সুন্দর বাসছানের বন্দোবন্ত হইয়াছে। ছান অতীব স্বাস্থ্যকর।

সবিস্তার সংবাদের ভক্ত নিম্নলিখিড ঠিকানা পত্ত লিখুন। সেক্টোরী, ভাকুর ভক্তিশ্বিনোদ ইন্ষ্টিভিউট্ শ্রীচৈতক্তমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

### —৫১ বংসরের প্রতিষ্ঠিত—

উৰ্বালয়ে এন্তত বটীকা

বারা শুক্র চারণা, অপুদোষ, কোঠকাঠিয়া, অধীর্ণ, ধর্মভ্র প্রস্তৃতি শুভ রোগীর রোগ নিরাময় হইগাছে ভাষা প্রকাশ করিলে বড় বড় পুত্তক কইনা পড়ে।

#### देश

সকল অতুচে বাংলার চলে ও সমান কল প্রধান করিয়া থাকে। প্রতি কোটার ০২টা কটকা থাকে।

#### কেবলমাত্র

প্রতি কৌটার মূল। ১০ এক টাকা। ইণার নাম 'আডক্সনিপ্রছ বটীকা'।

অপ্তাপ্ত ঔষধ্যে তালিকার অস্ত পত্র লিখিলেই পাইবেন প্রাথিয়ান :—আতক্ষনিপ্রাহ ঔশপালেকা ২১৪ নং বছরাজার ট্রেট, কলিকাড'।

কবিরাজ শশিভূষণ কবিক্ঠাভরণের

# GRANDS

মকংখনের সুবিধার জন্ত ৬ জাঃ শিশিতে ঘনীভূত জবস্থায় ভোটবোডণের াসমপরি উব্ধ ভাকে পাঠান হয়, ইহাতে উব্ধেয় কোন প্রিবর্তন করা হয় নাই। সুগ্য প্রতি শিশিয়ত আনা, পাইট ৮০০ আনা, বোভল ১০০ আনা।।

অফিস- ১১নং উল্টাডাঙ্গা রোড, পোঃ শ্বামবাজার, শ্বলিকাতা

## মদন মঞ্জরী

वहिजाई यह व वासूनिकात, विक्रियलिक हान, स्वक्रार कक्षणाय, व्यवस्था, वाबारमाता, तुम्न वक्ष मक्षानि, व्यव्या सम्बद्धि सम्बन मचत्र निर्देश भारतीया स्वतः यस, वीदा, स्वतं तृष्टि कतिरक व्यक्तिके वेतिक। मृत्या ०० वति २, अक विकाः

শ্লাপুহ লক্ষ্য আলি দ্ৰত্ত ল তুলবন্ধৰ বাহৰ বাহৰবাৰ বালা আংলাগ্য ভ'বল বভিললা তবে। বুলা ব ভোলা ২, ইবল। ও শ্লেক্ষ অপ্ৰতিহলা সিল্পী অভিন্দা<sup>99</sup>
নিবাবাৰণ ভবত প্ৰোগশতি হাবী ব বৃদ্ধি ভ'বতে অভাশ্ৰণ্ড। মূলা ২০ বই ২, এক টাকা। লোভবৈত আল্লাক্ষ্য অভিন্দি। কেশ্ৰেক্স ক ১৭৭না হাবিদ্য বোড, তলিকাতা।

### হাইড়োগিল

বা

### কোষরদ্ধি রোগ

ভাঃ এস্, এন্, খোৰ বিনা অল্পে, বাৰজনীবনের গ্যারাটি দিয়া বৈছাভিক বাৰাপাতে কোষবৃদ্ধি গোগ আহ্বোগ্য করিয়া থাকেন।

ठिकामा--के मर करेम शिरु, रक्ष्याबाद,

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

### দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

প্ৰবন্ধ দিলে সম্পূৰ্ণ আন্তোগ্য

বোগী দেখাইতে হতবে। অপ্রিম পালের পরচ (যাওয়া এবং আসার)
পাঠাইলে গিয়া রোগী দেখা হয় অথবা প্রথানে আসিলে ভৌগী দেখির।
ঔষধ দেওরা হয় আহোগা না হওয়া প্রাপ্ত পারিপ্রমিক নিজে হটবৈ না।
গতীব রোগীলের খন্ত বছন করিয়া চিকিৎসা করা হয়। বিশ্বীবিভ বিবয়ণের কল্প এক আনার ডাক টিকেট সহ নিম্ন ঠিকানার অন্তুসন্ধান

জ্ঞীকভীশচন্দ্র উকীল, যক্ষা-চিকিৎসক, পো: নৈকাঠী, বৰিশাল। অথবা নিম ঠিকানার সাক্ষাৎ করিচা বিস্তারিত জামিতে পারেন। জ্ঞীয়ত রামগোপাল দত্ত তম্, ত, ক্লমগর, নদীয়া। স্থিত ক্রিপদ

शिरक, ১৯৭, व्यविदारहोता शिहे, कार्त्रताना, कानकाछ।

একখানি পত্ত। অমার আতুপুর গত হয় মান বাবং রাজ যক্ষার ভূগিয়া মৃতপ্রার কর্মাচিক, কলিকাভার বিজ্ঞ চিকিৎসক্পন জাণার জীবনের আশা ভাগে করিছা শেষ মৃত্রুছের জন্ত অংশকা করিছেছিলের এই সমর প্রীয়ত কিন্দীশচন্ত উকিল মলাশ্ব মাজ ১০ দিন চিকিৎসা করিয়া দম্পুর্ণ আংগার করিয়া দিয়া দিয়াছেন। "(সাঃ) শ্রীয় কিলোর হার চৌধুরী (অমিদার গানিরা) হগ্রীট্, নিউ বিভিং। করণোধেশন লাইটিং ভিপাট্যেন্ট, কল্লিকাভা।

## শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরাব্দ ৪৪৫

मात ४)० जाकिटकि भागिष्टिलि तूक्रभारहे भागिस स्त ।

ম্যানেকার—গ্রন্থবিভাগ শ্রীচৈত্তমঠ, পো: শ্রীমায়াপুর, নদীরা।

কেন গ্রাহকগণ

## গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

### এত প্রশংসা করেন

-<del>বার</del>ল-

वश्रास याव हो। कार्यात कार्या— भिक्तित ८९ हिर, भ्यामा, काम, काम, कमिशा हो ६० क, विश्व व्यक्तिक बसून, विश्राहक निम्नास स्वास, कार्क निराहक स्वास

আর ০ বং ও ৪ বংরের ভাফটোম সুক্ট বলুন, স্থল ভারাই আতি শীল ভালা ভর, অন্ত ভাগাটবার ব্রুচ বালার অপেকা কুল্ড।

भागनात विकू काणांव कार्या गाकिश्य मित्रठीकामात बामावेटमहे वक्ष गावेटवमः।

মানেকার- গৌড়ীয়া প্রিন্টিং জ্যাক্স্ ' ২৪০াং নং মাণার নার্ক্সার গৈছ, মলিকাটা।

## बीन প্রভূপাদের বক্তভাবনী

এখন ও বিতীয় খণ্ড

उँ वक्षात अञ्चिमम् किमिया महत्वा (गाणामी महाबादका (महे प्रविधान विभारतिभी की वाषाणकरणाद्यापिनी कृष्णकां निकासकाक्षिती की वश्ववानीत मूर्क विद्यास देवक विभाग अपनामात (कोण अवि—गणक किट्या क व्यादा सम्बद्धा निकासमूह । किमा क्षात्र अवन्या अवन्या ।

দেখিতে পাই, সামন মাধ্বাচাল্য-রচিত

### समान्यगाविक देखियात्वर मण्डि जरजान्ध्रकाश्चित्र कृ यम। भूजक श्रावाहिक ग्रविष्प

( > )

रामाश्च-म्हाकात वक नात्रम-निश्च श्रीवान-দেব প্রপুরাণে ব্যান্ড্র---

''जुष्प्रवानिर्वास एवं मञ्जादक विक्रमा महाः। च्यक: करनो जीनगक्ति हवातः मध्यमधिनः ॥ **এরক্ষরসন্ক। বৈ**ক্ষরা: ক্ষিতিপাবনা: । हबासटक करनी छावा। छावकरन

भूक्षांख्याः ॥

नामाञ्चर 🕮: चीडाक मन्तानागः हङ्गां थः। 🗃 বিশ্বস্থানিনং কলো নিষাদিতাং চতুঃসনঃ 🗈

সৎসংখ্ৰণায়বিধীন মন্ত্ৰসমূহ কথনই সিকিপ্রদান না। এই ছেতু স্নাতনগর্ম-রক্ষক পুরুবোড়ন শ্রীবিঞ্র ইক্ষায় শ্রী, এক, ৰাশ্ৰ ও চতুঃসন—এই চারিটি সাম্প্রদায়িক यून इक्रेंग्ड कनिकाल क्वनशावन मांबड व्यानिकारिक देश हिर्देश हिर्देश होते हैं। ्कर्**क डिमिन्ड क्टेस्सन। डीलके** इस्सी क्षीवामाञ्चलामे एक, ५ इन्नेथ अक्षी मध्यलामी एक, জ্ঞান্ত জ্রীবিষ্ণুপার্মীকে এবং সনক-সনাভন म्बन्धन-मन्दक्षात डिजियाचं समितक कर्ण-কালে হ হ সম্প্রদারের প্রবিভক্তরশে अर्थीकान कत्रिश्राहरू।

উপ্যুক্ত শাহরাতা ১ইডে আমরা ভানিতে পারিতেছি যে 'আছিওক লক্ষ্মী, बन्ना, कञ्च जनः ४०:भन--जर्हे धातिकत्नन व्ययमध्यके क्षिकारम स्टम्स्यप्रशिक्षेत्र क्षावित इडेशाइ । क्षिकाल ट्रीिव्यूबार्गे, ঞ্জিৰাক প্ৰিয়ামান্তৰাচাৰ্য ও জীপধাচাৰা ----এই চারিজন 😘 সনাভনধন্মপ্রাব্ধক মূল चार्ताम भूक्षांक जेक्स. ट्राइट्स. **क्षिणकी**रमयो ७ क्रीक्षां--- धर्मे छोतिक्स स्व প্রারম্ভকের সামত মত বিভার করিয়াছেন।

এই সাম্ভ্রদম আরুনিক নংগ, উহা স্টেম প্রাণম হয়তে লগতে প্রচাণিত আছে। একার সভিটি বিভিন্ন করে এই সাত্তধর্ম পুনংপুনঃ জগতে প্রচারিত চইয়া हिन। कांत्रलकारन स्मर्गे (धांक्शक ন্যনাধিক দুপ্ত গ্রহা কলিবুগে বিবিধ ভর্ক-প্ৰেম্ব আবাহন করিয়াছে ৷ একার প্রথম मानग्राह्य है.मानास्त्र इडेटक (सन्वर्शन माष्ट्रभएचाँ व कथा व्यवश्य दन। (४नेश क्ट्रेटक देवबामभूजन व्यथः खाद्यामय निक्रे इक्टें एक प्रमाखन देनकानशर्यंत्र में गां क्रांत्रम । अधारा विजेश मिक्सकरण नाता-स्ति क्रिक क्रिक क्रिक्र कार्याक्रिक क्रिक्र इहेट वाणिरिभागम এই সা देखधार्य व वर्षा শ্রমণ করিয়া কগতে প্রচার করিয়াছিলেন। ব্ৰহ্মায় ভূডীয় ব্যচিক্তমে নারা:৭ হইতে श्चुन् स्टिंग्स व्यक्तिमा गाञ्च क्ट्रान। ভংজালে বায়ু হইছে বিশ্লাসি-সভাগায় व्यथः विष्णानि व्हेटक बर्णामधि जेकालिक **बी बी धक्राशीयादमी करा ७**३

## দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

নিতাপাঠা বৈত্পবাত্তাবত

त्नशामि भवन्त माष्ट्रज-मारकात व्यक्तिय नहामहाजा **対対対 ではてき らずりば ながき** দৈনিক পারমার্থিক পত্র

#### শ্রীক্ষা ঘ-ছা : 1পুর--১৮শে জ্যেষ্ট স্ক্রহস্পতিবার-১৩৩৮

**५ इर्थ अन्यक अत्या आजगाकमर ८ तम्मात्य** সাত্তবন্ধ প্রচারিত হয়, ভংকালে বন্ধা इस्ट्र पार्ताविषयम्, डास्य इसे इ डीस्त পুত্র শহাপদ এবং শহাংদেব পুরা স্বর্ণাভ স্থিতিগ্র শিক্ষা করেন। একার মানস্ক্র bाभूगक्ता. वार्तिकसमा ५ अवश्व क्रमा--- এই **ठ**र्धतकात व्यक्तिस्त म्हापूर्ण क्हे বৰ্ষা माञ्चरमा श्रांतिक वर्धशक्ति। ९,१२२ माम साम्यास्य अस्य स्टब्स्ट अस्य কুমার · কাভিকদংশ্র প্রান্থ হন। সেই भूक्षा तकात वर्ष का व्यक्तका स्था स्था ও তদপ্রক আনকল্পন প্রভাত बेका क्रिक मा ६ छवटबा शांत्रहे रुन । अक्रीत वर्षकर्ताह मकाञ्चलस्य भागान्यसम्भावतः स्तनि উল্লাভ হয়। একার সপুষ পার্ভবাই माताल क्षेट्राज तका. तका क्ष्ट्राज एक, र्गाप्तत्वा, विवयान, मध्य ५ वेकाक् उन्हर्ड এট ধল্মে প্রেবিই ইউয়া প্রাসন্ধি লাভ রয়াকর হইতে উদ্ভৱ ৷ এঞ্চিব আচন বিধনানিসম্প্রদার হংগ্রের ডেড সংক্রার আবাব বায় হহতে এক্ষাৰ তৃত » বাকাদৰো প্ৰাকৃতিত इस । अक्रामण्यामा ५ क्रामण्यामात्र बकात চাকুণকরে জ্ঞানারায়ণ ২২টে রুণা লাভ करवन । अन्यक्षांत तकान नागर्टा प्रथम ক্ষমে স্লানার ও ২২০৩ জেতা-আরস্তে विकाङ्कल्य था = कल्का

পুরাধানে এই চারি সম্প্রদারের নিজ নিজ মতমমূহ শাতবংসন পুরু ায়ান্ত অধিছিত शा.कडा कारण कारण व व माण्डमा िक-रेन ६व ६ नमभारक निकासभूक साम्ब्र्य জীনসমূহকে বিষ্ণুসেবাকণ স্বাত্তব্য नियुक्त कार्तिसार्चन । अस्तरक मस्थानाय-স্ঞীনতা বা উদার গ্রার 4.411.4 আভাব জান করিনা সংগ্রেমির বিরুদ্ধ একটা মত এছবপুংক আনুমাধিগকে क्रमस्त्रमाधिक भरम कविरण इ निवरणक नार्य विधान कतिरम रम्या यात्र हो। छीशात्रा छेपा बुकात मारम क्रकृष्टि काम आपा र मक क्रयीर <u> त्योकनश्चन आश्चाल व्याचन</u>

ধন্মবিবরে অভিন্তত লাভ কবেন। বন্ধার চারিভাপুর্ব সম্প্রদায় বা অপস্ভাদ্যে সৃষ্টি कतिया ध्यानिदार्हन। कनिकारम ७क-পণেরই জানিক্য এব- প্রোতপথের নিভাস্ত অনাদ্র প্রিল্লি-ভ অপসম্প্রদায়ের সৃষ্টি হইয়া জগৃৎ পরিপূর্ণ ट्टॅब्रा शिष्टिमाएछ । সিদ্ধির জন্ম ধাবভীয় মনোধক্ষোপ মত ় সমভাবে সমর্থন করিছে গিয়া প্রপুরাণোক্ত ্সার্থ সম্প্রদায়েচতুওয়ের কোন্ও একটার মত্র ও না হচল পুনক পুনক মত অবলম্বনপু হক সংস্থান্যচতুইয়ের বিরোধী এক একটা কলিও মতবাদ সাষ্ট্ৰ কাৰ্যা-ছেন, ভাগদের মন,কছিতে সেই বিচার-গুলি বহিমুখ জীবের আনেকেই যুক্তিন্ত বালনা গ্রহণ করান পুথক পুথক সম্প্রদায়ের इडेशार्छ। इड्रेज्य सार्व সম্প্রনানপ্রাল্ড "অগস্থানার" নামে অভি-প্সান্তরে হাঁহার। বাহে: আপ্লা-পিশ্যক আ, প্রক্ষা, রাজ ও স্নক— এই চার্নিটী সংসম্প্রদারের যে কোন একটার অভ্যুক্ত বালয়। ১৯৫৮। প্রাণান করিয়া ভ ७७२मध्यमञ्जूनसङ्घ । जुदन् । दिन শ্রীমধ্বাচালা, শ্রীবেঞ্সামী ও উর্নেশ্বাক— প্রচারত প্রোভ্রমার বিরক্ষাচরণ করেন, তাহার।ও অধসম্পানগুণানে পরিবাদ্ত। এইরূপ অসাংগ্রেমিক ইডি,ভের স্থিত সংসংবাদায়িক ইতিবৃত্তেৰ তুল্নামূলক গবেষণাই এই প্রবন্ধের বণিত নিব।।

'স্ব্সক্ষ্ণার' বাস্টে আম্বা শাহার भारत हो, उभा अप अभाग - अर्थ ।।। जि মাত্র স্থান্ত স্থা কান্ত্রিত কিং अध्यक्षित्र । य भाषा । अत्य । । यह भाष क्षप्रत्यक् अनुभागाति व हो एवं व्यक्ति टान्त्य वर्गन कना अभक्षता अहे दश्क्र আগরা কে ল প্রদান গ্রান শ্রপাপ্রদান-ভালির ইটিংগমের দিপাশীন মাল কালা लाबरक्षत्र केष्मिष्ट विषया जिल्लीक शहरक (कड़ी कश्चित्र ।

**পুন্ধোক্ত সৎসম্ভাগ**াচতুষ্ঠবের 🦠 🥫 মতগুলির অসুস্থান ক্লি

मर्सम्भनमः शाह त्य २५वी नामनिक मर्छत বিকরণ শিখিত আছে, ভ্রমধো রামানুক ও পূর্বপ্রজ্ঞানন সংস্থানায়চাড্রটায়ের অক্তর ছইটী। অবশিষ্ট চার্কাক, বৌদ্ধ, আইভ, নকলাশপাশুপভ, শৈব, প্রভাভিজ, রসে-चत, उनुका, मार्था, পাওঞ্জল, স্থাদ, देवटमधिक, भीभादमः अ द्वा**राष्ट्र वा मञ्ज**न দর্শন — এই :৪টা দশনের মতের সহিত मरमञ्जूनाविष्ठाङ्गरस्य मर्छत दकान मध्य নাই। আন খ্রোতণ্যাণলয়ী শুদ্ধ ভগবছক মহারা তেতাতালাম দাস্বাধালী **মহারাজ** নে আউল, বাউল, কভাভভা, নেড়া, দ্ববেশ, সাটি, সহজীলা, স্থীভেকী, স্মান্ত, জাতগোসাঁই, অভিযাড়ী,চুড়াগারী, গৌরাছ-নাগবা-- এট ভেন্টা সম্প্রদায়ের ভেন্ত বিভাগ করিয়া অসংস্থভানে উচাদের স্থ পরিভাগের উপদেশ করিয়াছেন, উত্তারা भक्षण्ये 'कश्मल्यानांश' नार्य मुख्यन-मुबादक প্ৰিচিত। এতৰাতীত প্ৰেপ্ৰাসক্ষাদ. অভয়বিবাদ, অক্ষরাদ, আসামা রাম্ক্রঞ-ৰাদ, আসমে ৰঞ্চৰতাদ, উল্লভিবাদ, ष्टिश्टान-कार्नाम नः ८०४%-ताम**. यट्यमना**म्, কথাবাদ, কিংশারী ভজনবাদ, কেশব-এক্স-বাদ, খুসীবিখাসবাদ, থাঁঙানবাদ, গৌরবাদ, গৌরাঞ্সানাঞ্জিকবার. MINICHATIA!P. अकिनाम. (क्षत्रवामः জি:বদনাদ मनाम्मद्धिविद्धाधियाम. দকিংশ্রটার বামরুক্সভাবদে, দাুর্নিক-नाम. (१८नक्ष बक्राम, स्वाध्याम, सव-্গীবাঞ্চাদ, নববনিক্রাদ নির্কোর্য্য, नितीयत्वाम, देन मस्टिक क्यांहीनवामः स्थाधार्यानन, स्थान्यास्त्रप्रा-বাদ, সুস্বামান্ত্রাদ, ্যাল্ডাদ, বা ছিলারী-বাদ, রাম্ডক্রসঞ্জনাদ, রামফোহন রক্ষাবাদ, र[भः हारनाम, तार्यायक अकववान, क्रथक-नाम, वानाकीताम, तिक्रहस्मस्तराम, नुक्रक वाम, इतिक्षयाम, श्रीतःवानावाम, শাক্তাৰ, শৈববাদ, সৌনবাদ প্রভাত অসংব্য সৎস্প্রাস্থ বিরুদ্ধ মতাবাদ ভারত-বাৰ প্ৰান্তিত আছে ৷

ভাষাল সভারের সংস্থানাতভারতার पूर्ण । । । । । । । । कान्त्राम - डी. व्यक्ताने. टे.,बाबाक्ट \* A) . 9 3. চায়োল ওপ্রতিভ **শঙ্**টিভালাল, বিদ্যালিক बाम, वित्रवेशीयकाम क म देवहाराज्य A1 9819 (3) ्रिस्थर**म**्द अ**स्त्र**क व्यक्तिका के ना पर यसकाम डिप्स क स्वत्रकात्र श्रीत्र अनगर्दश्तक यशीम्खन লাবিচয় পাণ্ড কৰিব। আশা কৰি, ইহাতে স্থায়ত সংগ্রারখন তুইনে র প্রার্থিত সি**ছাত্তের** স্তুতি ব্যার অপ্রসম্প্রদায়**গুলির কোথার** মন্ত্র দান দার, ভাষা স্থান্ত্রপে প্রদলিত



শীমন্ত্রক্তিবিনাদ ঠাকুর-প্রণিত। এই একমাত গ্রন্থ রঙ্গের ভান লাভ করিলে পারমার্থিক রাজাে কিছুভেই অজ্ঞান বা সংশয় থাকিবে না। পরম গৃড় ধ্যাবিষয়ক এই-রূপ দর্শ ও হৃদয়ক্তালী গ্রন্থ প্রণান্ত প্রকাশিত হয় নাই। নিবিল্লোক্তাফি লাক্ত-মহোদধি মন্ত্রক্তে এই গ্রন্থাও ভবিত ইইয়াছেন। আনাের স্থবিস্তত হঠী, কথামার হভাালি দ্বারা বিশেষ মৃদ্ধ করা ইইয়াছে। বিরাট গ্রন্থ, ধ্যানার ক্ষণে নাম লেখা, উৎক্ত বাধাই—চতুর্থ সংক্রমণ ভিকা ২, টাকা মাতা।

#### প্রেমবিবর্ত্ত

শ্রীমন্ত্রাকাপ্রত্বর ক্ষেত্রক পৃথিদ শ্রীক জগদানন প্রভূ বির্মিত। এই পূত্রকে অতি ক্ষরেষ। ভাগায় মহাপ্রত্বর কাতপদ পীলাসহ বৈধ্ববাচার, একাদনা ও নামভজন-প্রণালী প্রভৃতি অনেক বৈক্ষরতারের স্পনিয়াপা পোখতে পাইবেন। পাধতীকায় চুক্ত স্থানের বিশ্ববাধ ও প্রস্কৃত্তার প্রিচয়াদি-নত্বভিত চতুর্থ সংস্করণ ভিকা॥৵৽ দশ শ্রানা যাত্র।

#### ভজনরহস্ত

ভলনকারীর নিতাসকী; সাঁকুর ভিক্তিবিনোদের অমুশ্য দান; নিধিল শাঙ্গের নিধ্যাস। এম্বানি না দেখা প্রয়ন্ত কেহ বুঝিতে পারিবেন না। ছুতীয় সংক্রণ ভিক্তা ॥।।

#### হরিনামচিন্তামণি

নামাচার্য্য শ্রীল হরিদাস ঠাকুরের মুখে শ্রীমন্মহাপ্রাভূ শ্রীনাম-মাহাত্ম্য, নামাভাস, নামাপরাধ প্রাভৃতি বিষয়ের বাসনীয় বিচার প্রবণ করিয়াছিলেন। এই বিষয়গুলির আ ১ সরল পরারে সংক্রিপ্ত আশ্বসহপরিপাটিভাবে মুল্রিত। শ্রীল ভক্তিবিনাদে হাকুর-সুচিত। প্রথম সংস্করণ ভিক্ষা ৮০

#### কল্যাণক্ষতক

শ্রমদ্বজিবিনোদ ঠাকুর-রচিত। প্রত্যেক ভগবদ্গ্রাম্থী ও জ্ঞানপথের পথিকের একান্ত প্রয়োজনীয়
ভপনেশ্বেলীপূর্ণ কাভিএছ। সামান্ত বেখাগড়া জানা
থোকেও এই ভগনরাজ্যের কাতিসমূহের হারা জনধনির্ভি
ও ভগবংসের লাভ ক্রিবার সূবিরা পাইবেন। বহু
ন্ধেরন, ভিক্ত ১৯০ জানা মাত্র।

#### শরণাগতি

শীমছাজিবিনেদ সাক্র-রচিত ৷ ভগবানে আত্মসমপ্র, বৈজ্ঞাপ্তি, ভজনগাল্যা, মঙ্বিবং শর্মাগতি ও সিদ্ধি-লাল্যান বিষয়ক গাঁতিপূর্ব, ভিক্ষা ৴৽ আনা মান্ত্র

#### शी का नहीं

শ্রী গরুর ভবিধাদ-প্রণত। নিতা ভর্নন, আরাজিক শ্রাধাদ-দেবনাদি-বিশয়ক মধুর গাঁতসমূহ একত্রে গণিত। ১৮৪১ কেলান মাত্র।

#### **国河市東本東亚河**

্বাক্সন্ত্রিনালি আমিদিসনাথ চক্রবর্তী ঠাকুর-বির ১৮ ব্যাল্ড আমিছজিবিলাদ ঠাকুরের অন্তবাদ-বহা ভিন্না। আনা মাজ।

## श्रीवनश्री,

শ্রীমন্যহাপ্রের শিক্ষা ও শ্রীণ রগুনাথ দাস গোন্ধামীর প্রতি শ্রীরপ গোন্ধামীর উপদেশবাণী, ভক্তিপথের অন্তক্ত্ব ও প্রতিকৃত্য বিধয়ে থাবিচারিত সম্মোদন জান্য, বিশ্বত বির্তি, চারিত্যেতের প্রায়াণ, সাময় ব্যাখ্যা ও মহাজন-প্রণাত ভত্তপযোগী গাঁতমন্ত প্রত্যেক প্লোকের স্থিত স্থানিবশিত হস্যাতে। তা সংগ্রেগ ভিক্ষা তে আনা।

#### अभाग-का

শ্রীরখ্নাপ দাস পোশ্বামীর মনঃশিক্ষা, শ্রীল ঠাকুর ভবিধবিনোদ-চরিত পথাপ্রবাদসহ। ভিক্ষা ৴ আনা।

#### প্রেম ভব্তি চব্তিক।

শ্রীণ ঠাকুর নরোভ্তমের প্রাণিদ্ধ প্রেমভভিতিবিদয়ক গানের পুস্তক। ভিকাত ভালা মতে।

#### नवहीं शम ७ क

শ্রীণ সার্থ ভিক্তিবিনাদ-র্চিত শ্রীণ প্রবেধানন উপদেশমালা নামভ্রমন-প্রণালী, মহাপ্রভূ ও রার রামানন্দ সরস্বতীপাদের সংস্কৃত নববীপশতকের স্কর্গাত প্রায়ুবদে। স্বিধান, মনাশিক্ষা, শ্রীওর-প্রণতি, শ্রীওর-প্রন্দর্গা, ভিক্ষা ৫ আনা মাত্র। মহাপ্রভূর বন্দনা প্রভৃতি সাধক ও নিম্নতীবনের নিভাগাস।

#### অর্থপঞ্চক

ভীল লোকাচায়ারচিত। বৈক্ষরতা-জ্ঞানের অধ্যর পুরুক। ভিক্ষান্তি সামামাত্র।

#### সদাচারশ্বতি

জ্ঞীল মধ্বচোহা-প্রেণীত। বৈঞ্চবের নিতাকক্ষাদি সদাসার। বলী, বৃদ্ধান্তবাদ সহিত। ভিক্তা ৴৽ আনা মাত্র।

#### মণিমঞ্জী

কবিকুলকেশরা শ্রীমরারারণাচাণ্য রচিত। শ্রীমন্ধরণ চাথ্যের সংক্ষিপ্র জীবনলালা ও মূল বৈক্ষবধন্মনত। সামুনাদ ভিক্ষা। শানা মাজ।

#### গৌরককোদয়

প্রাচীন কবি জীগোবিন্দ দেব প্রাণীত প্রীগোরাবভারের প্রামাণাবলা-সংব্লিত সংস্কৃত গ্রন্থ। ভিন্দা ৮০ আনা ।

#### युक्तिमञ्जिका ( श्रन्द्रभीतक)

শীমধ্বনভাগায় ছবাত শীমনাদিরাল স্বামিকত। বন্ধাকরে সাম্বরাদ এই প্রন্থের প্রকাশ পারমাদিক সাহিত্য-জবতে এই সক্ষপ্রেম। শীমনাধ্বাচার্যা হইতে সোড়লাগজন দিতার মধ্বাচার্যা নামে পাতে শীর্বাদিরাজতীর্থ স্বামী এই প্রাক্তে দাধারণ বৃত্তি ও লৌকিক স্থান্যাস্থ্যারে কিরুপ স্থান্য ভাবে ভক্তিবিরোধি মতবাদ সমূহ প্রপ্তন করিয়াছে, ভাগা পাঠ করিতে স্থানির ক্রিকার প্রভার বিহাতে। ভিকাহত্তিকার স্থানার প্রভার বিহাতে। ভিকাহত্তিকার নারে।

#### द्यात्रामी जीन त्रचुमाथ मान

(ওঁ বিফুগান প্রীল ভকিনিদান্ত শর্মণী বোরামী বোরণাদ-লিনিত ভূমিকা নত) গৌরকোর স্বরূপ-স্কণেক একমাক বিলাভন উটাল লাম লোকামা বাদ্ধর অপুক্ চরিতান্ত ভিনিজন ঘটাল আলাল দার্লাকার বোরং প্রিনিজে লাসনোপ্রামা ব্রেছন বিলাচিত ক্রেকটা মান্তবাদ মর্মজন কন ও মন্যানিপ্রামান্ত। ভিন্দা বীধাই ৮০ আলা, আলা চান্তি আলা মান্ত।

## চিত্ৰে নবদ্বীপ

প্রাচীন নবৰীপের অবচিতি, তপা, ঐতিহ্ন, প্রৌক্ত ও ঐতিহাণিক প্রমাণসম্বলিত নয়টা ধীপের সচিত্র বিষয়প-গ্রন্থ। রাজ্যি রাও্যাতের কুমার শ্রীস্ক শর্পিশু নারায়প রায় এম, এ, প্রাক্ত (লাংহার), বেদাস্তত্বণ মহোদম কর্তৃক সম্মানতিত্র-সম্বিত ; প্রাচ্যাবিভামহার্ণর রায় সাচের শ্রীপুক্ত নগেন্দ্র নাথ বস্থা বিশ্বকোরসম্পাদক মহাশ্রের বিশ্বত ভূমিশা সহ। উৎক্রি (ইং) মরজো বাংগাই মূল্য ১৯০, ভিঃ পিঃ ভে ২ টাক মাত্র।

#### माभक-कर्श्वभागा

ভুলনদনা, নৈক্ষণ-বন্দনা, বৈক্ষবশরণ, দাগালের গীত, প্রীনামন্ট, প্রীন্যালাপ্রত্ব অন্তোলরপত নাম, অইপ্রহয় নামকার্তন, প্রানামধার্তন, প্রেমধ্বনি, 'বাউলস্পীত, নাম্বীপ-মবিমা, প্রীমায়াপুর মহিমা, শ্রীনরোজ্ম-প্রভুর অরক আচাধ্য-বন্দনা, ষড়্গোসামীর অরক, প্রেমভক্তিচ ক্রিকা, উপনেশ্যালা নামভন্ধন-প্রণালী, মহাপ্রভু ও রায় রামানক গ্রণাদ, মনান্দিকা, প্রভুগ্রেগতি, প্রীঞ্জ-প্রশ্নের, মহাপ্রভুগ্র বন্দনা প্রভৃতি সাধক ও নিদ্ধানীবনের নিভাপানে, ব্রিফবর্গণের কর্মালিত তুল্নীমালার স্তান্ত অন্তর্গন কর্মে

#### গোড়ীয়-গৌরব

কণিকাতার হু গ্রান্তি কালাবাট কলে প্রৌড়ীর-স্পাদক ইংগাদ শুন্দরামন্দ পরবিধ্যাবিদ্যাদ-প্রেদত্ত বস্কৃতার বিষয় গ্রন্থকারে প্রকাশিত। উচাতে গৌড়ীর বৈক্ষবদক্ষরাশের ইতিহাস স্ক্রাকারে গ্রন্থিত চইরাছে। ডিক্ষা কি মাজ।

#### গৌড়ীয় সাহিত্য

কলিকভার স্থাসিত্ব আলবাট হলে গৌড়ীয় সম্পাদক শ্রীপাদ স্থারানান্দ পরবিষ্ঠাবিনে দপ্রস্থ প্রদত্ত বঞ্চভার বিষয় গ্রন্থাকাবে প্রকাশিত। ইচাঙে সাহিত্য-শন্দের অর্থ এবং গৌড়ার-সাহিত্যের বিষয় স্প্রকারে গণিত হইরাছে। ভিক্ষা নে আনা মাত্র।

#### **औ**रगोड्म ७ न नितंत्रमा-पर्नन

শ্রীগোড়দেশের যে সকল স্থানে সপরিকর শ্রীনক্সছাপ্রাত্ত এবং ৩৭ছগ পরবন্তী মহাজনগণ লীলা করিয়া গিরাছেন, সেই সব আধুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও দেববিগ্রহাদির পরিচয় সহ যাভাষ্যতের স্থাবিগ নির্দেশ ইড্যানি বিষয়ওলি সরিবেশিত আছে। ভিক্ষা ।• আনা ।

## THE HARMONIST OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রিল সাকুর ভক্তিবিনাদ-প্রতিষ্ঠিত এবং শ্রীল ভক্তিসিদ্ধান্তসরস্থতী গোস্থামী প্রতুপাদ-সম্পাদিত পারমাধিক
মাসিক পএ। এক্ষণে ইংরালী ভাষার অইবিংশ বর্ধে
ভবলক্রাউন ৮ পেলী ৪ কর্মা আফারে প্রতি হারে হরিনামের বিহুর-বৈজ্ঞয়া সইমা উপস্থিত ক্রতেছেন।
কাগল, মুল্ল-পারিপাটা ও চিত্রালি অভাব চিত্তাক্ষক।
এই-প্রকার উৎক্রই প্রস্থক আন কোন মাসিক প্রাণিতে
বেণিতে পাইবেন না। বার্ষিক ক্রিকা ভাক্ষাভ্যসহ ত্

#### প্রাভিস্থান-

**बिटेन्ड्यमंत्रे, त्याः ख्रीमात्रायम महोद्याः .** 

## বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভক্তিমঠসমূহ

চত্ত্রা মুর

#### আকর মইরাজ

श्र हीन नवबीय, छाण्यत्र औषाय मादालुब, नवीबा

क्षिप्रकार्गात्रात्रीतः क्रेट्स काच ०० नष्ट द्वेखक-शृद्ध क्षित्रकाश्वात साहानीवय क्रिक्ट-(अथव-कतान क्षेत्रिहेहरूक-भन्न निवाकशान ।

बर्ड काम मारक र- शेर्व, भवनिष्णाणीहे वा माएक क्षणमक्रमी । जह महाहीदर्व क्रिक्टि माभाग के नारक वर्गाम-त्वमालगाम्ब, लग्नविश्वात असर्वक कावा, माहेक, सल्हात, कथा क्षमान-केशनियत-ती -।-एक- १८४।म-६कुहेर्ड भगावम । ६ भगानमा ध्वर फ्लाव क्रिकेट-्यो शक्त-आय भा का-शिविषक व शायर शाख्यशाविक-माठाया-ठकु व जीकारमध केनाछ विज्ञात्वय ावक विका मिनिक करेफ्स्यम । अवै महेबार्य नावमार्थिक देवनिकन्य मायक-সম্মান্ত্রের অপাকাশত ও প্রথাটীন প্রকর্মি প্রচারতল্পে 'নদীয়া-প্রকাশ' ব্যালয় লাক্ষ্রিত "ব্যাহত্তম প্রাভিব্বসর ক্রিগম-প্রিক্রমান্তর্ভান ও অপাণ্ড ওক্রগোট্টনত कोर्कन श्राह्म प्रकास त्याप विकास कार्या । क्षेत्र कार्या विकास कार्या । क्षेत्र --- अक्राह्म প্রায় সংক্রিজী। সক্তারী-- জ্রীপার বিনোগনিকারী ব্রশ্বচারী, পাঞ্চ প্রীপার গোরবাস बक्काती कावाशाकतगरीर्थ, किलाम गीरक्क बक्काती, किलाम समामाना बक्काती. क्रिक्यक्षम अभागती, श्रीमामातालीन उच्चारी, अक नताक, व्यालन, दावजीत्मावन कायुन मण्डलगण ।

विश्व किया है। शक्ति श्रमीन की व मनाहास अवात कविक्या नी र्सन कवित्क का

. ७ । त्यामनीत क्रेमन्दि

●K Min 聖本의회[리] NC교육 유 4월 회 শ্ৰীমনা গাছৰ আনিভাৰ-ভ্ৰমি মতাযোগ-न्यते । जन्मास्य द्वाराम्योश्यम् स व्यक्तिकः aune Benismulen wat Bebeni ब औश्राधाक्राक्षक निका त्यता छन। क्रीनक-मानाबह दनावामी अहेरिनका छाड़ अन्मान बाब। मध्यारी खैलिकामम अवसानी. Batuffaca:स किन्द्रग. Bothपान उप-**हाती। व्यमाधनमान व्यक्तिकाती, त्यबणका** 3 m14 + 24 1

( R ) @ 419- WEA क्रिया शास्त्र की का-निवास मा श्चीरणोश्चीणात्र शामक्ती । अपादन खेळित्यात्रः निकामक ७ भक्तकात्र स्था वक्षमान । am e --- ची श्राका क्ष्म अवहारी।

(१) काट्रेसफ-क्ट्रबन

बहे द्वारम श्रीबरेंबक श्रमुख करन धारर त्मका बक्रमान ।

वक्षक-- श्रेषदेव डामक पानाविकाती. क्रिशाक्षणमात्र नायाणी ।

(৬) কাজীয় সমায়ি পাট श्राहीस मामान्यः, यामनन्य (सपीपा) **केटलोश्यमानाय अ**केशकाणीय नमावि । कुक -- अबहादी कैविद्याम्बिकारी :

(4) 智術學 變明-臺灣

·**बि**रनाक्षम, चसनगळ ( मणीया ) बनारम कॅविकूनाव खैन ककिविदमावकेक्ट्सब मधानि अवर औरत्रोक्तवाथक अवर अधिवाया-214(44 (54) 4446

प्रकृशियों नग, नग, नग।

. (৮ व्याप्यमधाय ८ नो हो समर्घ ম্ভম্নসিং**ত** ৷

तक्क म --- चैवछवड कक्किमान्ही द्राया. या. वि. धन, मण्यादी--- श्रेडिक भाम क्रिक-माही, क्षेत्रक्रम चार्यकारी अवस्ति

(>) 🕮 दशाब-भणावब-वर्ड টাপালটী, সমুস্তগড়, ( বস্কমান ) 🚉 বাৰী নাথের প্রতিষ্ঠিত পৌরগ্রাণার-.सचा । क्षणक----- विश्वदेशम् अवस्थाती, कक्ष 🗒 लगां भन्न वान

( ) • जिल्लाहर्भाष्ट्रीय-वर्ष बा ाशक, श्राम वहें, जि क्षा क- डीक्टिबान अवकाती, नक्कारी-विमर्कारत उपानि ।

( ): ) Acarement --भाष्ठिगांक, कालगाव, वस्त्राता 🖹 गामान शांद अंकृद कुन्मावलाक काम । मी-सम्राम् ।

( ) २ ) कार्गनक कार्गन 🕮 भाषव ४ (०४) । क्रफ्रेस्प्रत् सहीता । काशव - भिष्ठाक अक्षावनीत व्यक्तत-(कवा त्रकर---- व्यक्तकातम अन्नहाडी एकियाओ

te betales (oc) (गातिकान्त, शानकानी, नमीका । क्ष्म ब---- अध्यान अध्याती । महकाती - এ প্রিং ত প্রস্কারী, প্রীক্ষণগোর দাধানিকারী, তীপরেশাঞ্চন প্রস্কার বি केषस्याव भाषा, क्षक विष्णाव

( ১৪ ) अभाषा-८गोफीय मठ a-मर संवायण्ड द्याक्ष्, हाका ! भूक्तर्वत व्यक्तक-८०अ, कवारव औषक-(ब्रोब्राक्ष नाक्षका-निविधरम्ब म्या वर्कमान । क्ष्म-क्षिकृत्व बाकार अवताती प्रक्रम-खिताबारक अवनाती, विषयानम् भवनिष्ठानिस्मानं निन्त्र, श्रीव्याप-

(२) बाटगोडी अ मठ

১७ मध्यानिकामात ठळनवहीं हैं। है. (भाः वाजनायात, कनिकाना । छिणिएकान वि. वि. ४५५४

শ্রীমরাঙা দভর প্রচারিক শুনিশাল দেকিনশ্ব-প্রচারোলেলে গোড়ারশের নকা প্রধান নগরী কলিকাভার ঐভিভিবিনোদ আসনে শ্রীমা প্রভিক্তি আছেল। এই কক্ত-मक्या बाटम कि बरू-दन्ती बाक-क्रिनिटमामा मन्त्र को है मना बंदम निका दम्भविक करना दना क्री है। আচার্যাবর্গের মাগভীর প্রস্থাবলীর প্রপ্রচারোকেশে জীমটে সংগল একটা ওবৃত্ব মৃদ্রা-বস্ত্রাপর সংস্থাতিত ভর্তাতেল। পুলিবীর সক্তর 🕮 গোলনাম প্রচার্যার এই মন্ত্রালয় क्टेंCo '(गो द्वीय' माखाकिक गळ. चि क्याबाबहे मामिक गळिका हेन्साची कावाब নির্মিতভাবে প্রকাশত ধ্রতেভেন। প্রীমতে পাঠ, নত্তীক্তন, সঞ্চালন-চাত্রবলনেলাক, শ্রীমন্ত্রাগণত, প্রীটেচ্ডু-চারত।মুঙাদি-লীলা ও তথ্যন্তের সমাক খালে।চুনা ভটত থাকে। মঠএকক---আচাৰ্যাত্ৰিক জীপাৰ কুটাব্ছাত্ৰী বিষ্ণাভ্ৰণ। সৰকাৰী---পাঞ্জিভ শ্রীপাদ অনভবাওদের পর্যবন্ধানুষ্ণ বি-এ. শ্রীপাদ রাস্বিভারী ব্লছচারী, শ্রীপাদ क्याक्डावन कामाधिकाती वि-व. जीना क्यालाम कामाधिकाती अक्टाकी जीकोस्त्रासक, अक्षाती जीवाश्वीस्थावन, स्वत्राती जीयवानक, गाँउ ह जावार नरीसकृष শঙ্গিত্বাগভার সম্প্রদার্থর ভবাচার।, अध्यवक्रायमामाधिकाती नि-४, शिक्षत्रकृतिका थकाती वि-अन, व्यावकृषम आध्यकातिम्, व्येतिबञ्चत अस्त हो, व्येत्रवरतातिन

এক গায়ী প্রস্তৃতি।

शोत बन्धाती, जैमनशोताम बन्धाती. Belebetta war :

( ১৫ ) औरशा नामकी सर्व क्यमाश्च, हाका। গোপালকীৰ জীবিহাতের প্রাচীন সেবা उक्क--- चीमामनाधन उक्कारी।

(১৬) জीगमार्डे-८गाराम मर्ठ ছবিভঞ্জিলালাটেনী সভা, বাশিকটি চাকা এখানে গোরসেধা বর্মনেট বক্ষক---শ্ৰীগৰাই-গৌরংসের নিত। দেব वक्त - छिपूर्व शक्र उक्ताती, हीम्फिनाल একগরী

.১৭: श्रेष्ठाशवडक्रमामक वर्ष फिक्किला, बाजामनसूत, त्यमिमीसूत धनारम नी सक-(जोराक्र-जाक्रीसका গিবিশারীর নিভাসের। বক্ষান। বুক্ত--डक्यामी 🗐 नगरामगामनी 📗 (১৮) चामनारगढा अशहास्य

वाक्यवीम दलाः नक्ष्याम ।

औ धक्रामोदाक - खेना क किया दिनादी त बिकारमवा। अक्क--बलवामी खीराव-किरमाव।

(১৯) जीनुक्रस्याख्य वर्ठ

44410, 981, Birmi वयाम शिर्माव-वित्मामभावकीय निहा-.मना वरुमान । त्रक्क- उपान के चौलहमा- ! मम्म विशाहण. अध्वादी अभाषामण. खी हाथ शहा स अक्ताती, कक् खिलेगार ।

(२ •) औखम-८गोडीय यह मागवतमाय, अभाजात (भा:. भूती। भगमाधारमध्य व्यवस्था अभाग जीमनामः 444141 484-2861d विनय्रत्यकी ध्यारको। महस्रायी-अष्ठाही अविनिम्बिराही ।

#### (८) श्रेजिकियानम् गठ में क्रावायात, क्रमें का

avita Eige-, nigie-letaimann. कीत निशासना नक्ष्यान। व्रक्षक----बक्काकी जीनभार स्थीतामनम बक्काकी

(३२) ञ्रिमनाख्य-, गोधान वर्ड उन्दे क्राक्कावन भूता, काली ।

(शा व- नवाक्षत् अ अन्य अन्य मिकाक्षत् । चीकानकोनावको. चीपकानन अववानी।

·२७। डें।कुस्स्ट्रेडख्य **४**३ श्रीमुन्तरश्याम कृत्त, श्रामाध वृत्यावन । 호 환 atri+ 조 # - (독) 한 HW [ 2 LP at 1 वक्तक--- छेशवर्गाक्रनाथ अक्षांकी

१२८) औश्रुवक्श्य वर ेनाभशाबना, माळाण्ड

এখানে ইভাগাড পাঠশালা 🖝 च्चीरगोव-विद्याम विकासकोत स्था बख्याम eक -- अक्तारी क्षेत्रभरका समा क अक्तारी છોન્યક્રમાન ।

.२०। औरेडडशादशोडी इ बठ इम्तर्का, 'ठवर् क', भागक्य। हैं। लीरेतलक-महत्त्व नावा। वक्तक--- जीवमाः नाव द्वार. है. किन्यानम् उत्तराची, जीवाय

ार **अ। नहान इत्रोडोड व**ड 受力化降台、可以可谓3、中可101 1 通知能源 क्षीरभागांतस्य मन्त्रास्यः स्थाः वक्ष्रासाः ४म ०--- ब्रम्भाशी छैन्नम्बन्ही. ्याभाग अञ्चानी

कीय तमायाँ बन्ना ।

(२५) अकिनमाम् अभूमान्यन-सन् ব্রাহ্মণপাত্তা, লেলে মাজু, হাব্ছা

व्यापारन यह कुडवृद्धि जीरशांतारणह रमस् वस्यान । वक्क -अववामी जीवावक्क. माम, जीनव्यवदान अवकारी।

(२৮) पिश्व दशाक्षेत्र वठ--वान्तराजव बन्द क्याची काम, धाकात द्यान, निकासकी । तकर--- वक्तारी जैगीरकक, जीकूगरनवर जी बाधा ब्रयण ठवन वन

(२**३) द्याहालेला**का**ळाले** रक्क-वमहादी श्रीवाशास्त्र



### মি: শাক্সাভওয়ালার প্র

কংগ্রেসেধ লওন শাখার সভাপতি फाः मि वि इकीश मुख्यानक भिः भावनाछ ওয়াশার নিকট হইতে ভালার পদতাগে करार शत्र धक्यानि हिक्ति शान । डेक १५/१८: भिः भाक्याव अभावा विवासक्रम त्य, कन्नाधी कश्टबारम शासी-व्यात्रिकेंग्रेंग्रें অংপেণে সম্পাত হ ওয়ায় কংগ্রেসের স্থান-তার অন্দর্শ মথেই শুল্ল হইয়াতে, এই জন্ম তিনি কংগ্রেমের জ্ঞান শাখার কাষা নিকাহক সমিতি হইতে পদতাতা করিতে-ছেন অন্ত্ৰও জানা গিয়াছে গে. মিঃ শাক-লাতওয়ালা এবং অলাল যাহারা কমিটা ংহতে পদওয়াগ কলিয়াছেন জীহার। ल्यम ३ करा अटम व महमा शाकित्यम कारण है ভাষার প্রভাগের ক্তিয়া ক*্তো*লের সংখ্য विद्राष्ट्रम भन्ने किटल के का करता गा।

## भुविवीत त्रहत्वम (भएक्रील কোম্পানী

"निष्डेरेयक है। हेमरन" প্রকাশ, ওয়ানিংটনে যদি কোন প্রাবশ বাবা উপস্থিত না হয়, তবে আগামা এই মাণের गरभाष्टे क्षानित्र हेगा धांक व्यवस्था स्काल्यांनी ্ব: ক্ভিফেশ্নিয়ার ইয়া গুড় অংকন ক্যেম্পানী এক সঙ্গে মিলিভ হইবে। যদি এই সুই ক্যেম্পানা এক্তিত হয়, তবে खेश भृषियंत्र भर्षा तुङ्ख्य रम्प्यानिहास्यत ব্যাসা চইবে । এই নৃত্ন কেম্পোনীর মোট্রিচ কইনে ২৩3৫,০০০০০ ডলার (একভনারের মুগা প্রায় আড়াই টাক! ,

### बि: इटकन्न इकक्षात्र प्राती

পত ২৫শে মে জাতীয় গ্ৰাণা মুনল-মানদের স্থিত মি: এ. কে. সংগ্রাসকের চাটুবিয়া ভবনে রাজনৈতিক আলোচনা ত্রভাতিক। তিনি সেই সময় সূজ-ালকাচন সম্থন করিয়া একটি বিবৃতি প্রদান করিয়াছিলেন। তিনি ভাগতে ८६ कथ मध्यस्थितिम (ग. गंभादा मु<del>ङ</del>-रैनक्ष्याप्रमारमध्य कर्त्रमाना किल्लीया अधि যাহাত হটন রাজনৈতিক ভাবাগর লভেনা হহার পর 'ছনি মার একটি निर्देख खामान कर्तन । केंद्रिका छ।का खारमञ्जल अब खाका आठ: बिर का किलि ভারতে প্রের মত অক্টাকরে কার্যারেচন द्धनः **हाकान्न का**डीवडानाना मुरक्तान Will Sittle 5014 W. 8 519 6 **∻রিয়াছেন**। গভ শনিবার ড°≄ার व्यक्तिश्रह्णाती भूगणमानगरणस् २० कन স্দজ্যের স্থাফাল্লিড এক বিবরণ প্রকাশিক • ইয়াছে। ভাগতে তাঁহারা মি: কছলুগ াক কে ডাকেশ্ব আসিহা প্রকালা জনসভার

আহবান করিয়াছেন। ভাষারা মিঃ মোণ্ডোর বাড়ীতে ডাকাতি হয়। একজন তিইত, মা; াল বাম নেঠ **সভ্যকাল** হকের ঢাকাল যাভাগত প্রচৰ্হন বিজোরী গোলাল হর্লচে। করিতে প্রস্তুত আছেন।

## বি, পি, সি, সি, ভিৰ্বাচন মধ্য কলিকাভা হইতে নিৰ্নাতিভ NET

নিয়লিখিত বাজিগণকে মন্য কলি-नाष्ट्रा कःरक्षम निकाहनमध्यो ३६८७ वक्षीय आरमिक वाष्ट्रीय गमिरत्यस्य यथायण ভাবে নিক্ষটিত সুদ্রু বলিয়া ঘোষণা क्षा स्ट्रेग्र एक ।

- ১। ঘতীস্থনাথ বিশাস
- २। जुल्लम्माथ धर
- উপেস্থনাণ বস্থ
- ৪। শৈংগ্রহণাপ রায়
- e : ियमान ठक्कवडी
- ভ। প্রবেধেরমার রাম ভৌধুরী ७४ है निकाह नश्च नाकह करा इहेगाट ।

## ज्रद्भा निरक्षाशीरमञ्जू माङ्गा श्रीलटमञ्ज मटक मःचय

कामा विद्रासभीता, खळावाव भिन মালের প্রাডেশ প্রে মাক্রমণ ক'রণ हिला। अभिनात जिल अभवादः शकाता थायुत्र भ मध्यक द्वरान शास्क एक मध्यान পारेका उपारमत श्रुलिन स्थातिर छैट छन्छे একনল সংম্বিক পুলিংগ্ছ বাবেছট माहेल हरायक औ यहान अधना वसा

পরের দিন প্রাভ্রকালে ভারারণ ঐ প্রাম ্যরতে ক্রেন। ফলে বিলেট্টাদের স্থিত একটা সুখন ধন্ন। হুখাতে ১ কন বিদ্যোগী। ষ্ঠেত, ১ জন নৈত্ত ও ১১ জন গ্রেপার रुदेशार्छ। धाता अराही, धाना हेमिन (भना ३६८७ छ।कितिः, यत कामान প্রভাতির সংবাদ পা ওয়া গিয় তে।

गाउँ इके भितः शाता उपाछाता वर्षे प्रकारिक व्यवस्थित । ১০ व्यवस्था होकान সম্পত্তি বৃষ্টিত ১২বাছে এবং ৬২% বাড়া क्ष्मीकृष्ठ श्रद्धार्ष्ट् ।

**र्क्सकानारक कड़क क्षि मण्या (आक** विटाम्राइटिक्स (भागाक श्रीतनाम कतिया 8 अन ध्राम कार्तिस्तत थ छ। देशन कविता दाकात है काच मण्याकि वहसारह अने বড়ো গুলি ভক্ষাভুত করিয়াছে।

শিয়াংশিয়া হৃত্তে ভারতীয়নের ৬টি थटकृत आभा कालासत्त भवन कारित्साटक। भारत्यास वक्षम हीनांत वाड़ीएक प्राकाण्ड ! হর কেন্দ্রাপ্তে সীমাধ্যে মার একটি MARCH & BIATTO BESIES !

alce i

৮ই জুন একটা সরকারী ইস্তাচারে लकान, (लाम ३३ए० भरवाम व्याभियादह থে. াবর্ণমেন্টের ুনাদল ৭০ জন বিলোটাকে আক্ষণ করে, ভাষারা विकाफिक व्या काशादमञ्जा असम क्रमम ६ देशार्फ ८ ९ ४ कर्ती नम्क भूफ इदेशार्फ। भत्रकांत्री स्मानस्थत (कब क्लाइल इब डिस्तक्रेत्रपटक माहाबा कन्निस्यत

## दब्रन एटम पूर्य हेन।

নর্গ ওয়েটার রেলওয়ের প্রাঞ্জে চুৰ্টনার ফলে একজন শুড়স্ ক্লাৰ্ক মৃত্যুমুখে পভিত ও অপর একজন ৪৯-তররতে জথম হইয়াছে। ঘটনার বিবরণে व्यकाल (य, त्वड्यान होत्व छ भ्रमात्र (वर्ग এছ কেরাণার্ম ফাঁড়িণণে আফিদে गाइबात्र कारण छवानि मालगाफी टाहारनत डिश्र विश्व हिला यात्र। मधान दनन পায়ে ওঞ্তর মাধাত পায়; হাসপাতালে यहिंबाब भरन छाक्षांत्र मृद्धा क्या।

## विद्रम्मी वर्षात्र भूमः विद्रम्दम त्रश्रामी

विरामी वक्ष भागतात्र विरामान त्रामी कता मुल्याक त्य क्षेत्र कता बहुबाहिन डांड! जडबारन लाकालांक कत्रा इहेबार्ड . প্রকাশ, এক সপ্তাহের মধ্যেই কিরুপে विद्राली वक्षमभूत त्रश्रानी क्या स्टेट्स उद्धा कम्प्राधात्रण ध्वकाश कता इहेर्य। গত ২৫শেমে সাড়ে পচিল থক টাকা মুল্ধন স্থ বিদেশাবস্ত স্থানী কোম্পানী विशिद्धिक नामक (वाशहित्य एक काम्मानी (तरकड़ी कता बहेब्राटक ।

গভ মাক মাদে মহাত্মা গান্ধী এবং ব্যায়ও অভান্ত কংগ্রোসকর্মাণণ এক विकास कामान कामग्रीकारणन एम. ८व भक्क विस्कृति अञ्चल अस्ति। क्री इहेसारफ विरामी वर्षका केन औ नक्त नक्षते भुनवात्र निर्माल संभानने अन्त এक हि एकान्यानी (भाषा इंडेक)

िर्देश (कार्यानीय कार्यानिकाहक <u> इत्यक्षकश्रद्ध</u> ei [3] CHART 660 :-

भाष दमन क्यामा,---(5याप्रमान , द्राबाद अञ्चलिशिएटड मिः ध्रवेह, लि. ्यामी (हवात्रमादमत काक कतिर्वन ।

फिर्विष्ठेवराग :---भाष स्मान द्वाम ८७ शात्रभास , मिः ४.न्, हे, मिनना ; তন্দ্রনে একটি ভাকাণিতে ডাকাণের। মিঃ রেশ, ভি. সংক্ষাণ্ডভগ্রালা; মিঃ धक्छन (हिन्दूरक मा निश्च कथम कति । एउठ, लि, (माणी ) मि: लालकी माताप्रगर्छी। ८० प्रे कि. एवनमाम ; भि: बि, भारतन ; ल्याविभित्र कटेटच करसक्ति अवास्तिक रूपके कश्चम काई गामाकाई; रसके ाति व्यास्थान वाक कविवात अध विवेत कानिशास्त्र, विवास व्यक्तिन क्षणाणाण महाकार ; 'टनर स्थीमाम, 'मकस्मर प्रस्थत मानाव केणून व्यक्तारक।

( बाह्यता) ८५१ - अ १५१म बनुआहे ।

সম্রতি মিল মালিক সমিতির আছিল शृद्ध फिरत्रक्वेत्राभत्र अक मुख्या एवेद्या শিয়াহে। সভায় মি: শাশদী নারায়ণ-कीरक ट्रियां सम्मान कश्चिमा अकृष्टि कार्याः নিকাহক সমিতি গঠিত ২ইমাতে। মেদাস कञ्जनार नागडारे द्या भवत्रमान बाह्यांत्र

প্রকাশ, বর্তমান মাস শেষ হইষার পুর্বেট কোন্দানীয় কার্য্য পুর্বোদ্ধ্য আরভ চটবে। মাত্র বিবাতী বস্তুই বে রপানী করা চটবে ভাষা নহে ম্বাপানী ও মহাছা ধিদেশা বস্তুত রপ্তামী করা

## বাজগার ক্রবিভিয়েগ্র স্থীম

বাসশার স্কবিশিভাগের এডিস্নাল ডিরেক্টর মি: কে, ম্যাক্লিয়ন এখানে CIFIN, সরকারী ক্র্যি গ্রেমণা পরিষ্ণের যে সভা হইবে ভাহাতে বাজগার কৃষি বিভাগের কিছু নিদিট শ্বাম এবং অস্তাব लामान कतिरतन। क्षयि विভाগ व्यक्तिक शृद्धा दे दे दे विकास के अधिक विकास क्षित्र वाश्रमा ५७ गर्मा छेत्र छहावरम छ। । না,থাকাম উহা কাথো পরিণত করা যাধা হকট আল यात्र त्य व्याञ्चात्वत्र धक्ष उत्रमास क्षित्रा সরকারী কৃষি পরিষদ উপর্ক্ত টাকা মঞ্র করিবেন।

## ভারতে এম. সি. সি'র খেলা **अर्७ छेटे निःष्टमत्र द्याग**मान

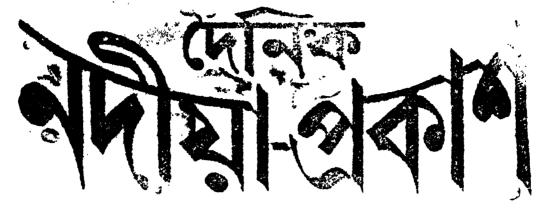
আগামী শান্ত ঋতুতে এম, সি, সি দল ষ্ঠান ভারতে আগ্রম করিবেন ওখন वङ्गार्टेत्र । अकामन (भरमासार्द्धन महिन्ह डाशास्त्र विकास दर्शनवास एक कामक জিনেট খেলার পরিচালন বোজ লজ खेरिका: अगरक निमञ्जन कविदारक्षम<sub>ः</sub> छिनि **धाका आक्रम कांत्रसारस्य । स्टर्स खिमि** भक्त क'रल निश्व थाकित्म बाग्न दर्शनत्वन

मालागी अबरे इटेटफ अवरे माध्याकी मार्क ८ थमात निम्माया अञ्चलादक्र भिन्नीटण दहै माहि (चना इक्ट्य ।

## भावेगाम श्रीकाषिका

পার্টনার অভিশয় গর্ম পঞ্চিয়াছে। এরপ গুরুষ বহুমিল ধাবৎ অমুভুত ১ছ नाई। ५६ मश्रा८३ बाकी सम्मिन हाई-८कार्वे ग्रकान द्वना विभाग नक उक् **लाक काल इंग्रेट्ड ग्रह्मंत्र छाल ५५३ अ ७ १६ फिलोब सरना दिल। करणशा छ** দ্দিগ্ৰীর ধার পাওয়া বাইছেছে। CBIM

किलागरमा याव शांकशास erfe tie >. जिमिक क्याम ३. हाकित कार



मारारगाद कात । শান্তাম দেয় 🤚 ৰাদিন मानागिक द (44) [H+ = 40] মালিক ১. 3151P अधि भाषा। व

বছল-এটার-পদীয়া (কলাক কলমাত মুল্পত

সম্পাদক—জ্রীভাতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্ত্রণচম্পতি प७ ]

िक ए ज्य मश्यान

আটেততশ্যমট জাৰাম মারাপুর ২৯শে জোষ্ট শুক্রবার ১০০৮, ১১ই জুন ১৯০১

## নানা কথা

মণিতবনে ওয়ার্কিং কমিটীর সভা পত ৯ই জুন অপরায়ু ০ টার সময় মনিভবনে ওয়াকিং কমিটার সভা আরঞ্জ হয়। ১৩ কন সমস্ত স্ভার উপস্থিত **किरमन। फात्रस्थ अँडेनात शत्रहे वाक्रमाव** নিকাচন ঘশ্বেক্স কথা উঠে। নিকাচন সম্পর্কে সকল প্রকার ক্রটি অভিযোগ বা প্রভ্যাভিযোগ সম্বন্ধে বিচার করিবার ভার পড়িয়াছে শীয়ক্ত এম, এম, ওনির উপর--ভিনিই তক্ষাত্র মধাত্ব নিস্তুক্ত क्ट्रेमाएक्स । अश्रीय खारिक निक करतार्ग ভ্ষিটার নিকাচন যপারীতি চলিতে लाकिदन। दशीनामा व्यापुर कामाभ व्याकाम उत्तर तारकक्ष व्यामाम गुरुषि উপদ্বিত ছিলেন না।

বিজ্ঞায় কংলেদ বিরোধ বিষয় अ मिनकात व्यानाम कारणाठा विसम हिना। সন্তার প্রারেণ্ডেই তাঞা আরম্ভ ২য়। आकान, चरतामा देवठेटक छ जालनात নেতৃত্বদের সহিত মহায়ালীর প্রধান ष्यारमाठनात्र विषय देशहे छिण।

ওয়াকিং কমিটীর সজা পদার আড়ালে अक्षा रक्षकारे भारते সভাপতির আসম এচণ করেন। অভাত त्य मुझ्या विश्वरम्य कारणायमा प्रदेख ভন্মধো সাক্ষাণারিক সমস্ত , পোলটেবিল रेनक्ष्यास्य स्थाप मर्ख नामनह विस्मा BURNETINE

# ওয়াকিং কমিটীর সভ

ওয়াকিং কমিটার পক্ষ হইতে বিরতি

## চট্টগ্রামে সান্ধ্য আইন

াইত্যার অপরাধে ১ বৎসর কারাদও

## চীনে শ্বেতাঙ্গমহিলা হত্যা

কাণপুরের গুলীতে জেল: ম্যাজিফ্রেটের বিরতি

# মেলব্যাগ লু প্তত

কাণপুরে আবার অগ্নিকাণ্ড

## দস্যু-সর্দার ধৃত

পুরী ও ভুবনেশ্বর সংবাদ

## চটুগ্ৰামে সাক্ষ্য আইন

शक्त करें कृत करेंग्रह अहे मश्रक कारिन क् विं। कता इन्धार्क त्य, . ७ ६६८७ २ ७ গুল্পিং ক্ষিটার সদক্ষণণ বাঠাত বংগর বছক কোন ক্ষ্ম হবক সন্ধা মৌশামা আন্দুৰ্গুভুত্ব বাঁড়া আলম ৭টার পর রাভার লাহির ১ইতে পারিবে 😸 🗃 🕊 👣 🖒 বিষ্টাপ্তা জীমুত নাৰ নিহিত্ব বয়নের চুবক এবং ছাত্রপণ পুজাবচ্জ বস্তু, আমেলিভ ইইরা ভরাকিং লাগদিঘীর গারে, বিভিন্ন উচানে এবং নদীয় **अभिनेत अवस्य क्षेत्र क्षिर्णन । । । शास्त्र क्ष्या बाहेर** जित्रादिन, उत्हात्रा

ওড়োভাড়ি বাড়িতে ফিরিয়া আলে। রাস্তাসমূহ বিন্দুবক দৃত্য হর্ম। পড়ে।

## **हर्छे अपरम (अश्वात**

ফটপাড়া হাটমুলের শিক্ষক ত্রীগুক্ত বিনয় শেনকে গ্রেপ্তার করিয়া চট্টগ্রামে আনা হইয়াছে।

## ওয়ার্কিং কমিনীর পক্ষ হইতে Ast 3

अप्राक्ति क किन्द्र श्रीक उद्देश स्थापक अप्रतामनाम (भीग धतान निध गेलिस मत्य धक वितृत्वि छातास कतिगारहन.--

र क्यांग निकासन निरंति । विश्व জ্ঞাকিং কমিউটে উপ্লেখিং হয়। নিম্নিথিত মধ্যে এক প্রভাব গুলীভ

বঙ্গায় জ্বাদেশিক কণ্ডাৰ ক্ষিট্ৰ লিকাচন সম্পক্তি বাছলংগ বেক্ত ভানায় অবস্থা উপজিত তইমগত ১৯০ বঞ্চা প্রাদেশিক কংগ্রেদ ক'মটির কালেনই সম্প্রেক যেরাগ অভিযোগ ও প্রান্ত্র ক क्षरङ्ख्य छाङ। विद्युत्तन्तः कतिनाः क्षाकिः ቀিমটি উট্তেজ কে, কম, নেন্দ্র ভ শীৰুজ হুভাষ∋জ বহুৰ বভাৰ। শ্ৰহ করতঃ ভাষাদের সক্ষতিভাষে উল্ভে सदारमन ताछ जनीतक एकमाह मनाय नियुक्त क्षिलान। फ्रेंक्ट पर कड़क क्लांबान निक्छे १२ भक्षा (नश्च छ- ५)(०) 🛊 ष्ट्रित किनि एक्टा निरम्हना के नेवा छएमभ्यात्मे केप्ट्रांत वंत्रम । महाछ छापः করিবেন। একণে যে নিকাচন চলিলে 🖫 , মধান্ত নিয়োগের ফলে ভাছা স্থানিত ১৮৮: না, তবে উপযুক্ত কারণ প্রদানত ১২০ মধ্যত নিকাচন ভুলিত রালিতে লাগ্র

**ঐ দিবদ রা**লি সাজে সারটার সময় अग्रांकिः क्यिष्टित था रनमान रन्य क्या প্র দিবস প্রাতে ক্রেয়, সাটটার সম্ম भूमताम् कान्द्रास्य ३६८६ थित इस्

## শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## খোলা হইয়াছে।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে গভি মভ্রের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। লিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যয়ে সুন্দর বাসভানের বন্দোবস্ত হইয়াছে। তান অতীব সাভ্যকর।

> সবিস্তার সংবাদের জন্ত নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। সেক্রেভীরী, ভাকুর ভক্তিবিনোদ ইন শ্রীচেচ্ছমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

## —৫১ বংশরের প্রতিষ্ঠিত**—**

উমধালয়ে প্রস্তুত বটীকা

দারা শুক্রতারণা, অপ্রদেষে, কোর্রকাঠিক, অর্থার, ধ্রজভ্জ প্রভৃতি কত বোলীর রোগ নিরামর ইইয়াছে ভাষা প্রকাশ করিশে বড় বড় প্রক হুইবা পড়ে।

#### देश

সকল ঋতুতে বাৰ্থায় চলে ও স্থান কল প্ৰাণান করিয়া পাকে। প্ৰাতি কোটায় ৩২টী কটিকা পাকে।

#### কেবলমাত্র

প্ৰতি কোটাৰ মূল। ১ ্ এক টাকা। ইণার নাম **'আভজনিপ্ৰহ** বটীকা'।

অরাজ ঔষণের তালিকার জন্ত পত্র লিখিলেই পাইবেন প্রাধিস্থান :—**তমা তক্ষনিপ্রাহ ভিন্মপালের** ২১৪ নং বছবাজার টিট, ক্লিকাড:

## কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



মকংখনের স্থানিগর জন্ম ৬ আঃ শিশিতে ঘনীতৃত অবস্থায় চোটবোঙলের সমণার উষণ ডাকে পাঠান হয়, ইহাতে ঔষণেয় জোন পাবিষ্ঠান করা হয় নাই। ৭০০ প্রতি শিশি ৮০ আনা, প্রিট ১০০ আনা, বোডল ১০০ আনা।

অফিস-১১নং উল্টাডালা রোড, পোঃ শ্যামবাজার, কলিকাতা

# यंद्र में मुख्रती

বটিভার কর ও বাড়বিকার, ইপ্রিয়ণজির প্রান্ধ এপ্রান্থের ভালপাত, ব্যবস্থান, সাধাংগালা, বৃষ্ণ বড়-ভড়ানি, স্মানিকা প্রান্থিত লক্ষণ সম্ভর নির্দ্ধেরি ভারোবা বৃষ্ণ বল, বীর্বা, সেবা বৃদ্ধি করিছে অহিপ্রাই টিবিক। স্বান্ধ্য বন বীন্ধা এক টাকা।

শ্ৰুপুৎ সক্ষাত্মীতি হাত"

ন্নথকাৰি হোগে ৰাছ্যবোগ বায় থাবোগা
ক'হং ৰাছসগন্ধ কৰে। দুলা হ ভোলা ২, টালা গ্ শেক্তমান্ত্ৰিকাজিনী অভিকাশ নাংগালপ কৰত স্বোধনতি হানী ও বৃতি কৰিছে আয়াক্ষ্য। দুলা ২০ বলি ২, এক টাকা। বিংগবৈত ন্যান্ত্ৰাক্তনী, ক্ষেত্ৰাক্তনী ০ ১৭৭বং হানিস্ক ব্যেত্ত, কলিভাতা।

## शरेट्डामिन

21

## কোষরদ্ধি রোগ

ডা: এস, এন, খোৰ বিনা অছে, বাপক্ষীবনের গ্যাবান্টি দিয়া বৈছ্যাতিক ক্রণালাত্তে কোচবৃদ্ধি গ্লোগ আরোগ। ক্রিয়া থাকেন।

> ঠিকানা---১৮ নং কটন ব্লীট, বড়বাজায়, কম্পকাডা :

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## হৈদব্রীপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

প্ৰস্তু দিৰে সম্পূৰ্ণ আন্ত্ৰোগ্য

রোগী টুদেখাইতে হুইবে। অগ্রিম পালের ধরচ (যাওরা এবং আগার) পাঠাইলে গিহা রোগী ধেখা হয় অথবা এখানে আগিলে বোগী ধেখিরা উবধ দেওরা হয় আরোগা না হওয়া পর্যায় পারিশ্রমিক দিতে হটবে না। গরীব রোগীদের ধরচ বহন করিয়া চিকিৎসা করা হয়। বিস্তাবিজ বিবরণের কল্প এক আনার ভাক টিকেট সহ নিম্ন ঠিকানার অন্ধ্যান্ত্রাক্ষন।

শ্রীকি তীশচন্ত উকীল, যক্ষা-চিকিৎসক, গো: নৈকাঠা, বহিশাল। অপনা নিম ঠিকানার সাক্ষাৎ করিয়া বিস্তানিত আনিতে পারেন। শ্রীযুক্ত রামগোপাল লক্ত এম্, এ, কুক্তনগর, মধীরা। শ্রীযুক্ত কান্পদ

शिरक, >>१, द्विशादशामा श्रीहे, कार्द्धामा, कामकाछा ।

প্রকশানি পাত্র । আংমার জাতুপুর গত হয় মান যাবৎ রাজ যক্ষার ভূগিয়া মৃতপ্রার কটলাছিল, কালভাতার বিজ্ঞ চিকিৎসকপণ ভাগার জীবনের আশা ভাগা করিয়া পের মৃত্যুক্তর জলু অংশক্ষা করিছে কৈটোলজে উকিল মহালয় মাত্র ১০ দিন চিকিৎসা করিয়া সম্পূর্ণ আংগালা করিয়া সম্পূর্ণ আংগাল যালিয়া ) হস্ স্কীট্, নিউ বিভিন্ন । ভরগোহেশন লাইটিং ভিপাটগোট, কলিকাতা ।

## শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরাব্দ ৪৪৫

মাত্র ১/১০ ভাকটিকেট পাঠাইলেই বুকপোটে পাঠান হয়।

ম্যানেজার-গ্রন্থবিভাগ প্রীচেডভমঠ, পো: শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

কেন গ্রাহকগণ

# গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

## এত প্রশংসা করেন

--

তথানে যাবভীয় ছাপার কার্বা—

বেটার েডিং, মেমে, ফরম, বাষ, অধিদারী চেক, বিশ আফুডিই বসুন,

আর ০ বং ও ৪ রংবের তায়টোল ক্লছ বসুন, স্কল কার্যার অভি শীল প্রাণ্ড কর, অবচ তাপার্যার বর্চ বালার অপেকা প্রক্রত।

আশনায় বিভু চাপাৎ কাৰ। থাকিলে নির্তীকানার আলাইলেই ব্র পাইব্রেন

ম্যানেনার- গৌড়ীয়া প্রিন্টিং ওরাক্ষ্

## শ্রীল প্রভূপাদের বস্তৃতাবলী এবন ও বিতীয় বক্

ওঁ বিকুশার প্রিপ্তিমন্ত কিনিছাত সময়তী গোখানী ম্বালাবের সেই অনিছা বিধানসিনী জীবাল্বরপোয়েবিনী কৃত্যকাত নিকামারিনী জীবজ্ববাদীর মুর্তবিপ্তর-বৈক্তবনিভাত এয়বালার কৌজভ্বনি-ন্যবন্ধ অভিবের ও প্রয়োলনভয়ের নিভাত্তসমূত্র

किका करता ३५० माना माता।

## भागांग्धाताशिक है जिन्दाकत महिल श्रदमान्ध्रनशिद्यक क्रममान्त्रक থারাবাহিক গবেষণা

( )

## ं ज्ञान स्थान । ज्ञान । ज्ञान ज्ञान य निर्कानकामनिहात

भूग मण्डानाम श्रेपक्षात्वत अञ्चापरमञ कांश्रविहारत मध्यभाग निकारिक्षमिनी मभी, फरभरत गर्छामकनाडी महानिकृद नाज्जिमत्नाकृष्ठ उन्ना, विजीव महाविक् करें एक राम ও अकात मानमश्रत हुन:मरनत भ्य**ान्य नृष्टे इंडेरबाट भूगांतिराशर**गंत काज-विद्यादन-मार्वेद्याभरम अधिवयुक्ताभी, ७९भएत শ্রীনিখাণিতা, তৎগরে শ্রীবামায়ক এবং क्ट्यात चीमधाहार्यात व्याविकाव-कान পরিক্রিক ক্রিয় চয় ।

## আচাৰ্যাগৰের প্রবান্তিত সিদ্ধা ক্স

'ख' - पेरार्थन । अञ्चलका क्यांग्रहारून নিমে টালারের প্রবিধিত সিম্বাজের বিবরণ किथि के करेंग ---

## (১ জীনিকু সামীর প্রচারিত মত

পুরপুর কৃত্যীয় শহাক্ষাতে সাথায় ল্যাকেন্দ্ৰ ক্লেবেশ্বৰ ভট্টামেলিকেন্দ্ৰ প্ৰতে আবি-**७ ७ ची:मवउप्रदे व्यामितिकृषाभिकः** কণতে প্রচারিত হন। পরবভিকালে আরও छडेक्टम लुपक विक्रुवामी विद्यागाद व्याहारी ক্রেও তংগ্রিপত্তি সাভ করায় দেবতগ্রই আনি বিক্ষুত্বামী' নামে বিলাও। ইনি রক্ষ-ক্রাছের যে ভাষা রচন। করিলাছেন, 'ভাষার नाम 'मन्द्रकारक'। देशाटक मनाजन रेनमन्त ষণ্ম প্রতিষ্ঠিত হইয়া বিষ্ণুসেবার উৎকর্ষ भावकिक क्षेत्राह्म।

द्यीविकुषानी भवशकान या व्यक्तिकास न्धातात्र करहम । शत्रविकारण वर्ष अधान विद्वामी निक्रकमञ्जान आहान्निक इंटेटन माक्ष बाह्यशाम अविक्रुवामीत मिकास्टक **्चकादेवळ्याम ज्ञार मानायामिश्टशत विका** मञ्जानक 'दक्तवनाटे/जनान' वा 'विकारेन्छ वाष' विभिन्ना धाला। श्रामान करवन । श्रीतिकृ ক্লামীর শুদ্ধবৈত সিশ্বাহ্মতে বর্ব অংশ ৰীৰ, বস্তৱ শক্তি মাৰা, বস্তৱ কাছা লগৎ: हेशका मक्यारे 'बच्च'नक्याहा, ८क्श्रे बच्च स्हेरक भृषक् नरह।

## जीव-नियदम् श्रीविक्शवाभीत निकास

कीत या वक्षत्र कात्म, अविषयः कार्रासं विक्रमानी उन्नयुक्त स्ट्रेट अभाग मिरकरहन,-"बार्सना माना-सामरमनाए" व्यक्तीर (यम (काशां कीयरक 'जक्र', (काशांव 'क्का' (काथा ७ 'हिन्द्रन', (काथा ७ 'नान',

## क्षा वे। शक्टा विवादको क्रम नः

# लिकिक गर्मीरा श्वाम

## মিতাপাঠা বৈক্ণ 😘 বেঙ

ट्रमश्रीम अवल वा**ष्ट्रक-**माट्रविष्ठे ४ व्र<sup>क</sup>राज वाणितिका সমগ্র ভারতে এক্ট্রার এম ও দৈনিক পার্মার্থিক প্র

## ভালাত্ম-ছাঃ াপুর-১৯শে জ্যাই শুক্ষনার-১৩৩৮

ছীবলত,জাংকংশ যেঃপামধির হণে পবিশ্য অভিক্লাভ স্রিশ্য। বিজ্লিকসমূহ 'ন্তক' বলিয়া 'হেখি' নামে ু জ্গদক্রণ প্রিণামপ্রাপ্তি এই প্রকার । এখ আহিত্য হল। জীবও বৈধা নামে উক্ত স্বীয় ইচ্ছাশ্কিয়েয়েশ ক্লান্ত স্থাবিক্ত হয়। বেজাণ করি ও অরিশ্বেশ উভয়ে প্রিনাম প্রাপ্ত হন। ভগদরণ প্রিণাম দার্ক প্রিচ্ছ টার কে অন্থি বলা ভালেও প্রাপ্তির পু.র, জগদ্ধপ পরিশামপ্রাপ্তির অভিন্তু ১টানেই নেজ্য স্বাচ্যোভাবে সময়ে এবং কগদ্বাপ প্রিয়ামপ্রাপ্তিন প্রে শিতাদি আর্থি বিনয় হয়, তদ্মপ্রকাও ছীব का सा अन्य-प्रदेश मामका श्रेष इंदेरल व के अंदर्ग है 473 330

हें के उद्याहि — "भरेग-

की धन्यक कार्यका मनावना है" জগদ্বিধায় বিখুখন্মীর সি**জাও** 

ম্বার ইবিকুস্থান জবেক বস্তুর কাষে সন্তিন্নক্রিগ্রাই **উথন** भंका र त्या यान मंद्रा ५ (स्टा ७१म कायांकर, ७३ छ (२४ महा ७ ফারী ও প্রা হতু জগতের ভূবকালিক অসম্পানে তাথার যে অবৈত্য-মান্ত মান্ত হততে পাৰে না, ই১) रिट्सिन्स गुर्कित माधारत अभावित कतिया-ছেল। ভাষাৰ একটী যুক্তি এই যে, যদি অস্পানের ভূপা অবস্থান ক্রিন্স কোনে ব্যস্ত্র মবিংমানত: মিদ্ধান্ত কবিতে হয়, ভালা ्रांश काफ़र मुखाल मध्यमान ब्रह्मा करें-ব্যাক্ত নিজকৈ অবিভাৱন कक्न। मु'क्कानिक्र कारत सक्त घडेएि काम विश्रमान शांक নানানাই সুনিকা ভাইতে ঘটানিক উংগ্রন্থি সম্ভব হা, ভাষ্কার স্থানীর জগন্ত্রণ কায়া সংকোশণ ওদ্ধবস্তুতে নিছমান থাকে। ত্রন্ধ মতান প্রবিধান প্রাপ্ত হন, ওখন ভগ্ন ম্পাষ্টক্রপে প্রতীয়মান হয়। পরিবাম নিবিধ; (১) বিকুত পরিনাম বা নিকান, আর (২ জাবিক্ত গরিণাম বা কারণের কাহ্যরূপ পরিজন্দ। পুরুষরূপের পবি-বস্তুনের পর পুরুষ্ক্রপ প্রান্তি অসম্ভব প্রধানের ট্রাস্ক ( 👀 **इहेरन** डेड्रा विकास नारम अভिटिड कर, বেরণ হুত্বের দ্বিত্ব- শান্তি। কিন্তু পরিধাম আধির প্রাকাবে, পবিণাম গ্রামিব সময়ে ও পদিশামপ্রাপ্তিন পরে কোন অকার

্রশ্ব পেই স্থিকেনেলম্বরপেই থাকেন। অভিনয় স্থাংকে সম্বাক্ষে সময়ে সময়ে সময়ে कान अवात दिकाण्डलम ब्याट्टाणिड ेट शास्त्र मा ।

क्लानिमी अमिष्टिशिक्षाता क जिक्किन

*्क्र*नम् इत् । अध्यतस्यक्रणात् । वश्चानीत्वनः । লক্ষণ। অংশী ঈশ্বৰের স্থিত অংশস্ক্রত **एककीरवड ८० . मदारभदक शहर कार्यक्रावक ५** আন্যাক্তনিবস্থা, সেই 😬 জ্ঞান হঠাতে বৈচাতে 🖰 रहेश अ:इत (इत्हार प्राप्त प्रचीत आंधनात्क অংকিলা স্থাবা অংবুত ও সংক্রেপের আকর্ত अक्रभ विशेष छान्दै रक्षकीयान्त्रिमान । जेचत---माग्रीस, अप्त माग्रातम, जेवत स्वकान গ্রানক্ষরণ, ঋবেও অংশার অংশগরে শক্ষণতঃ স্বাধান হইবাও বিভীয়া ভানবেশ-বশতঃ অভান্ত হুংখেব চুমিকামে। অব্ভিত। ষ্টাৰ---নিভামুক্ত, শিনি ুকান ইংগ্ৰ বশুতা আপ্ত হন না ভিনি অপাত গুণবিশিষ্ট, সক্ষয়ত, সক্ষণভিন্ন, সংগ্ৰহ मक्ति । मार्कि (श्रेष्ठ), महक्ष्मभग्राताल সমস্ত কল্যাগগুণনিল্য ও সজিলনন্দ বল্ব ইহাই শ্রুতিৰ প্রতিপাদা রঞ্জনন্ত বলিনা শ্রীবিষ্ণুস্থামী আল্লাগ্রের মত :

## छेशाच्छ छेशानक इ उत्ताममा नयः स जीविक्षुश्रामोत विहात

किनिक्षशभी काम्य काम्यास्य व 有张丹兰 (即至 महिल्लानम निवस स्टटा प्रता वर्षम করিবের মা e in the সামানেত জেলেন, 👑 शाव । कि ने प्राप्त **্মোধাও 'মাধু' বলিতেছেন: এইয়াশ মান্তপাকার**হিত যে পরিধান কর্থাৎ নিজ্ঞান্ত খানাগ বর্তনে এখা তৎকৃত ভাষ্যো,— করিবেন । স্বাহণের পিতার আদেশে

क्करस्र।" 'आ त्या तिक्षत्राभी कर्मेश कारस িবিশ্বৰ প্ৰাংশবন্ধ, জীগেৰ নিভান্ধ, নামেৰ সেবার, মৃক্ এবড়াব্হ ছড়িব নিতার भविष्यतः मुक्तिः क्रिक्कीं जगरास्मितः जिला সভাত, ভটাৰ সমস্ত প্ৰচুতি সিংখি োনের করিয়াছেন।

## ালফ এটিয়-পা**ন্তাল**িয়াক *আ*ৰ্চাছ-প্ৰতি এই সংগ্রেদায়ে প্রতির মধ্যে

अक्ष ॥ अ 4711-17 ইয়াব্য-भरता श्रीमद्दान्तरः 1 5 5 EN 183-প্রবাহেদরেই তারেরাক স্থানিসম্প্রদায়ের का हा या ग्ल श्चितियाश्वतानः विशिष्ट 2 3 5 आक्र कीका ९ श्रा तुकि १०%िष्ठश्य প্রাভূতি স্বাতিনিবল্পন গ্রন্থ প্রণেয়ন করিয়া-ছেন। এই সম্প্রদাণে বিদ্রুসংগাদ প্রথা এবং স্থাবিতার্থেও শিপ্তের স্বেক্ষণ ও উদ্বস্তুর্ণি সারণের বাস্থ। প্রচলিত ছিল ।

## শ্রীবর ভাতার্য্য ও নিসুগ্রামীর भिषाउ (स्म

दर्धभागकारण रिक्षकाणि मण्डलाह । इक अभाग मुख्याः নাকে বিশ্বপ্রামীত ৩ বলিং। প্রচার ঈশ্বনিষ্ট্যে শ্রীনিমুক্তনামীর নিজ্ঞান্ত । কনিবেও আনিমুখ্যানীর প্রারুত সিদ্ধান্তের স্থিত উটোপ প্রাণিত মতের ভাষে ভাষে लाजका महे हर

## রাজবি শ্রীকুলবেখর

পাঁওত জ্রীশদ নদলাগ গ্রহ কাবাতীর বিভাষানর বি. ৭ ভাউলাম্ব 🕽

লক্ষিণায়ে এই চিন্ধ একরগ্রনেশান্ত-ক্ষতিমূলত কে লে টেন লন্ডের ভগবছারি -রঙ্গর ৮৮৫৩ নাম্ এক বাজা ভিলেন। 作品 公司 副间带 বংশের কুস্তিল্ক াল্য ভ্রালেশ কীন্তি ইইটেন। ত্রি প্রক্ষেত্রন্থ সভাত আঁচাবির আরো-ধনা ক'ললে ভগবান সুপ্র হই ৷ ইয়েংর প্রদেশ করেন । প্রাক্তর

## 10 314141

·随 4012年 《神 九五

\*\*\*\*\*\*\* 255° গুকে বুগলেগর করা প্রচন । বেনা প্রব मत्राक्षेत्र कुन्नव्यक्षक् १८ ५१३ स्था माओ अस्य अभिन्द राज्य गिराप एउटन 解實際 医有性 化甲烷二甲甲甲烷 रिकारक १ शांच कर्यो । या या प्रदास सहस्रोत ाम जाम मध्यमन करिलमा खिल शहरम् , कामामका मन्त्राष्ट्र, वक्ष्यांत्रम् ६ ানান্তৰ আগবাৰিল, ১,৩৯৭ বদন ইইতে শিক্ষা নানা প্রকাম বলাব ছিল মুইজেছে যে, কারণের কার্যাল্প পরিতাহণ, মেই শুকা অপি নীপ্রা নিজার এবং এবং ঘৌররাজ্যে প্রতিষ্ঠিত হইয়া প্রীরামের ছার

লাগিলেন এবং ১৬ুবন্ধ সৈঞ্জের সভিত স্বয়ং সক্ষিক্ জা করিলে শত্রুপক্ষীয় রাজ্ঞগ্র 97. নপৰ স্টালেন मग्रमन (श्रक्त)-রক্ষাণ ও ভার্যদর সমৃদ্ধিসম্পাদনে পুত্রের অভিশ্ বাহ্রদানে বিভ্রার্ড সম্ভুষ্টভিত্তে সকল লাজাভান ততু থবি সমর্পণ করিবা ধানপ্রস্থ জীহরির ভাষেশে কার্তিকের পৃথিনীতে ष्यत्रप्रतिनभूतिक कुन्यानश्चरक शक्षत्र,खाँदि প্রেদান করিলেন। ভদীর অমুগ্রহে সম্বক্তি লাভ করিয়া নুগতি পরম গর্মাজ হটলেন। জীতগৰানেৰ ক্লপ, গুণ ও বিভাৱি তাঁহাৰ সমকে প্রকাশিত হণ্যায় তিনি শীঘ্রই মহাবৈরাগ্য লাভ করিলেন। রাজ্য-পালনান্দি কাথ্যে স-মাধিকগণের সহ বাস ভগবদাস ভাঁহার গকে অধিক্তের মধ্যে বাসের তুলা বলিকা প্রান্তীনমান হইতে माजिम ।

ভিনি একজ্ঞকার চিষ্কা কবিয়া দেই-সম্প্রকীয় আত্মীগাদি সকলের সঙ্গ ভাগে পুরুষ রাজ্য এবং সর্বায় বৈদ্যবাধ্যক অপুণ প্রত্যাপ্রাণী कतिष्ठाः এक(स्ट्रहार्य चितारमत नत्त्व शहर कांत्र स्मा क्या শেখৰ নেশ্বটেশ্বৰ সমাপে প্রাথম: করিছে লালিলেন,--"তে হরে ! অংমি ভবলগতে সোপান্সরূপে বর্তমান পাকিয়। ভবদীয় क्षाताल मुख्य यहराकश्रात मस्तर। ऋष्टि স্থানেশ্ পুথক খেন জাবিত থাকি

অনন্ত্র তিনি শুনিলেন—''শ্রীরঞ্জেরে 🎚 যাত্রা বা শ্লন্ডিল্য ভতার্ণভারণের প্রধান উপায়, নিত্যকাল বাস কবিবার কথা কি ?'' তিনি এই প্রকার জীরঞ্চ-মাহাত্র্য লগণে "নগণ প্রাক্ত ভোগবিলাস a अन्तिकृति करिक्किकत, तक्षत्रात्कत् (নভাত্রথপ্রন''--ইত্যাকার চিস্তা সেনাই করিয়া ধারজীবন রহুকোরে বাস করিতে ক্রতস্ক্র হটালন ৷ উংহার রুফ্যান্তা নগর **बर्तर १४:भिड इटेटर ७**५१४४ स्मेन च्चनार्यत । कर्ड्ड इकेंट्र श्रमः आकार्यस निष्ठध्ये अगस्य - इस्तित वासक्षित्रक महीतर्ग मध्ये १ धन विद्यमण्याननार्थ भरमानियम् कलिका । देवस्थ्य-वर्गदक আহ্বানপুৰ্বক উংগ্ৰন নগৈলেন,---'কুল-**ट**म्थतः खड्डातके ही क्षात्रक वर्षाः कविरतन् । উল্লেখ গ্ৰম অনিধাৰ্গ, তিনি ভগাই গ্ৰম ক্রিলে আরু নগরে প্রভাবেত্রন করিবেন ন। তিনি আপনাদিগেরট বাকা বজা ক্তিদেন এবং আপনারাই তাঁহাকে নিরুও कृति। छ समर्थ । अकर्ष एवं दक्ति छ छैलारमञ् ২৪৫ অন্ত বাজাকে নিবৃত্ত ককন।

बर्रोक्टर्नब क्रजानुम नहम वस्त्रीकात ল েড বৈদ্যবোদ্তমগণ আকুলালেখবাকে অভি कि महकारत दक्षयाद्या-भव श्रीनः भनः

অপতাবাৎদলো সমুদ্ধ প্রজা পালন কৰিছে | উট্টারণপরালে দেখিয়া তৎসমক্ষে সহসা ্রাগমন করিলেন। রাজ্যি মহাভাগবত-গণের দর্শন মাত্র ভূমিতে দণ্ডবৎ পতিত ২ইয়া নহাভাক্তর সহিত সহদ্ধনা করিলেন। সেট ভাগবতপ্রিয় নরপতি <del>তারাদিগকে</del> গৃচে শইয়া পিয়া অতাৎকৃষ্ট থান্ত ও উপ হারবেলী দারা তাঁহাদের তুল্ডিসাদন করি-কবিলেন। অতৈত্তক-জন্মময় বেন। তাঁহাদের ভোজনকাল প্রয়ন্ত কুভাঞ্চলিপুটে নিবাহারী থাকিয়া জাঁহাদের পাদোদক ও ভুকাবশেষ মহানহাপ্রদানদারা সংস্কৃত করিয়া সমুদ্য তত্ত্তানের উপদেশ। নিক্ষ ভোচন নিকাই করিলেন। অনুস্কর বিবিধ বস্থাভরণ শক্ষমাল্যাদি হারা বিভূষিত कतिया छाटारमत जीम्शितश्मिक दति কথাম্ভ সত্থভোৱে পান করিতে করিতে নঙ্গৰাজ্য হইতে নিবুত্ত হইণা কিঃদিন অভি-বাহিত কবিলেন এবং সভত ইটবৈদ্দেশ্যের সহবাদে হবিপ্রাব্য থাকিও কালালুসারে व्यक्षांशामान नियुक्त शाकित्वन । ऋदित्यन গংমুখ হটভে বেক্ষেট্যংলের ও ভৎস্থিত স্বামিপুদ্বিণী নামক স্বোব্রের মাহায়া শ্বৰ কবিষ্ণ সহান্ত্ৰ: ক্লানেগৰ লোক-হিতাৰ ''মুকুলমাল,' নামক জোণ রচনা করিলেন। ভাগার প্রতিলোকই বর্মুলা এবং সমগ্র বৈধারজগণের অতি প্রিয় উদ্ভেলগছরত নিলের ১ ছোকল্য পর্ম করিছেছিলেন। আলোকারে পরিভোবের সহিত আস্বামনীর। এলা-

 ) नाड्य ताल शनकाणात्व लामभन्द- । (१९डा: क्युंनावा अक्षमांत्र इत्य नातकः नार्यसभ्य । त्रभाग यागाय्क्षणक्षणकानम्बर्गनाचि तेष्ट्र प्रारंत कार्य अन्य-किर्मा कार्यस्यः ন বস্তনিচয়ে रेनर क(मा १८७)रा गध्यक्ष्या, छराषु । छरायन পুৰ্পকৰ্মান্তরূপন। এডং প্রার্থাং মন বড়ন ১ং धनाकना(स्टात्र) लि ब्रेश्वामार्थाकव्यक्षण्डा নিশ্চনা হ' ক্ৰাস্ত ৷

এবতাকারে অবস্থানকালে সেই বাছর্বির শোকশিকার্থ এইরুণ বুদ্ধি জন্মিল। বেদবেপ্ত পুরুষোত্র দশবপাথ্যত্র পৃথিবীতে অবভরণ করিলে ক্ষাত্র ধরং বামায়ণরূপে নার্যাকিকে উপৰক্ষা করিয়া প্রচারিত হইবেন। অভ্যাব যানজীবন একমাথ মুক্তির উপান সেহ রামায়ণ নিতাকাল প্রবণ কবা বিধেয়। কুল-বেশবর দৃতভক্তির সভিত বামাণে প্রবণপুরক ममुम्ध कामगालन कतिएड माधिएम्। এकमा व्यक्तिगुकाट्ड व्यवस्थायत महिल्ह मध्यारम একাকী ভীরাসচন্দ্র প্রবাধ কইন্ডেডেন প্রবণ कतिया (श्रीभयावदश्रीतमण्डः अम्बिक् इडेश् यकः ९५व, ५४, ध्यक्तानामि अध्वन्नक চত্ৰক দৈক সাধাইল ভনীয় নাহাগাৰ্থ ওনভানাভিনুপে প্রস্তানোখত **গটলেন**। মধ্যিণ ভাঁথাৰ এভাদ্ৰী যাত্ৰার নিশ্চয়তা कानिया विश्ववस्थानमध्यात्त सम्बाधनस्य समर्थः। বৈষ্ণবর্গকে রাজ্যভিদ্রমে প্রেশণ করিলেন। ভাঁচারা প্রয়াণোক্ষত রাফনির সমুখীন হট্যা গলিতে লাগিলেন,—

'চতুদ্শসহস্রাণি রক্ষসাং ভীমকর্মণাম। अकाधिकपृष्ट्राखन जाधातित्व मञ्जात । তেন ধর্মাত্মনৈকেন নিহতানি নূপোত্তম ॥ ७१ पृष्टे । भक्तम्हस्रातः स्वर्धीनाः स्थात्रम् । नक्न अहे। विरामशै क्वांतर श्रतिमधास ॥'

শ্রীবৈধাবগণের সেই বাক্যশন্পে রাম-ভক্ত নৃপক্ষমণি কুল্পেণ্র নিজ ভূষণ্সমূহ অঙ্গ হইতে উন্মোচনপূর্বক তাঁথাদিগকে मलामान कतिरामन । अनञ्ज अनिहास दिवागत-গণকে সঙ্গে লইয়া জনস্থানাভিয়ান হইতে নিবৃত্ত ইইনা অপুনে প্রবেশ করিলেন।

डिनि कपाणि व्यक्तिकत्वत नम्भ प्रभंन ! করিতেন না। এই হেতু ভাঁচার সমগ্র বাজা ক্রীবৈক্ষরমণ হইল। তিনি আননাঞ্চ-পূর্ণ নগনে সকাদেছে পুলক্ষাক্ষিত হই।। নিরস্তর রামায়ণ শ্বংণ কালাভিপাত করি-তেন। পৌরাণিক তাঁখার ভব্লিবগ্রাখা বিদিতে চট্টা ভীবামের প্রভারতান গুলি পরিত্যাগপুর্বকে কেবল উৎকর্যবাঞ্জক व्यभाग्रेखनि পঠि कति एक कित्न । সেই পঠিক কান্যান্তরে ব্যাপ্ত থাকায় নিজপু একে বামায়ণ পঠি কবিতে বাজ্ঞান্ত প্রেবণ করিবেন। পঠিক প্রবর রাজ্যতিপ্রায় অনবগত থাকায় যথাকীতি সমগ্র স্থান পঠি পাঠ করিলেন---

জ্ঞার রা শঃ দীতাঃ বুধঃ থে লেভিলিমিব। এতচ্বৰে বাক্ষি পদাতত ভূজাদের স্থান ছইয়। সকাসমকে বলিতে লাগিলেন-- 'হার । সেই ছরা মা পাপিট বানণ আমাদের ক্লননী যশস্থিনী রামপত্নীকে কি প্রকাবে হরণ ক্ৰিতে পাৰে ? আমি এখনই সভ্ৰণমূলে মহাসমুদ্র উল্লেখন পুক্ষক লক্ষাপুনী ভক্ষীভত ध्वेदः महातरम् श्वः स्मानम् क् वस् कतिहा মাতা সীতাকে ফিলাইয়া আনিব। এই বলিণাই কিপ্রহল্পে ধরুকাণ ও গড়গাদি অস্ত্রশন্ত এহণাত্তে অকাভিমূবে অভিযান কবিলেন। প্রকাও চতুরজ বলও তাঁগার অম্বর্গমন করিতে লাগিল। তাঁহার ভক্তির व्यालिया प्रमास (कहरे है। हारक नितासर সমর্থ ১ইল না। সেই ছাতি দেবচরিনা রাজনিব শ্রীরামভক্তি এতাদুশী গরাকাটা প্রাপ্ত হটনাছিল যে, মহোদাধ অভিক্রম করা তাঁহার পক্তে নিভাস্ত অকিঞ্ছিত্কর মনে হটনভিল। ফেলগণও অর্গেনিয়ানে অবস্থান পুঞ্চ ভাগের অভাদুত চরিত দেখিতে লাগিলেন।

অনন্তর নুপতি জতবেগে মহাসমুদ্রে প্রবেশ করিলে তদমুগানী চতুরক্ষবলও ভাদশভাবে সাগরে প্রবেশ করিল। স্থর্নে, আকাশে এবং পৃথিবীতে সক্ষত্ৰই সমাগভ भन्द । भद्यानव्युत्भन्न भश्म बाबाकान्त्रश्नान উখিত হইল। ভক্তাদীন শ্রীশাম করণ। পর্বশ হইখা লক্ষ্মণ ও স্:ভার কহিছে: তৎসমক্ষে উপস্থিত হইনা বলিতে লাগিলেন-- উদ্ধীত।

''হে সম্বক্ত ভাত কুল্লেখন, আমি বিশ্বমান থাকিতে তোমার এতার্দশ আমের প্রধ্যোত্তন কি ? সামি কুছে: জ্ঞাতিবাদ্ধৰ সহিত্ত রাবণকে হত্যা করিনা দীতার উদ্ধানপূর্বক অধুনা সমাগত চইয়াছি। এই ভোমা**র** জননী সীভাদেবী সমুপে অবলোকন কর।<sup>99</sup> ইহা বলিয়া রখুনাথ জনকননিংনীকে প্রদর্শন করিলেন। কুলদেশরও রাম, লক্ষণ ও সীভাকে খনেত্রে প্রত্যক্ষ করিয়া সম্বট্টচিন্তে पट्टर अवाभाषित अत गरेगरम जीवास्त्र স্থিত তীরভূমি-অভিমূপে আগমন করে-त्वन। **बीतामहत्र मम्**त्रमाम कश्चमान জবে গমন করিতে করিতে ' সর্বজনসমক্ষে গণ্দত সহসা অন্তৰ্ভিত চইলেন। গঞ্জা রাগবের অদর্শনে ছ:০ে মৃতিহ্ন চইলেন এবং ক্ষণকাল পরে দেন কম ছইতে আগ-त्रिक स्टेशा (श्रीनानिकशृत्य नीत्छाकात्रनार्छ। सन्दर्भ काष्ट्रक इंड्रेट्सम् । कम्युन ऋस् মুস্তচিত্তে নিম্নপুরে প্রবেশ করিলেন।

## তারাধনা

( পুর্বাঞ্চালিন্ডের পর ) 🖠

ভূতীয় ক্রেণার জারাধক--বোগারলগী। ইংবাও পূর্বাবারী জ্ঞানীদিবোর কায় জাগতিক স্থপ্তেমি পবিভাগে পৃথ্যক নম, नियम, जानन, लानाधामानि करोति नियम অনজন্তন কবিয়া বিষয় গ্রহণেষ ধ্রপ্রকণ ইশ্রিসকল নিগ্রন্থ করিয়া পরমান্তার উপাসন। করেন। ইহাদের ও চরম কাম্য আবানিনাশ বা নোকত্বগ। এই প্রকার যোগনেবারচ আত্মবিনাশকামী সাদকগণের वाताध्नोत मण्युर्व व्यक्तस्मनीतः।

প্রেক্ত ভিনপ্তাকার কারাণকের প্রত্যেকরই সাধনার মূলে কামন৷ বঠ-মান ৷ তাঁগারা কেইট প্রাকৃত আরাগানস্থ कि, जाश भन्भूर्व शतिकाल नरहन ।

উক্ত তিনপ্রকার মারাধক বাতীত মার একপ্রকার আরাধক আছেন, তাঁহারা निकुष्डक । এই निकुष्डकश्वर काश्रामनाव मरकारकडेडाम मन्त्र्य कांकळ । डालारा काटनन-काजामनानाः मटकाराः निरकाताताः ধনং পরম্।' বিষ্ণুভক্তগণ শুধু নিশাল च्यान १८६१ मारक इ. इ.स. १४८४ कन निमा বুকিয়াছেন। ভাচাদের কোন প্রকার ইভর कामना नाहे। डीकारपत्र मध्य काम क्रककरण সমৰ্শিত হইয়াছে। তাঁৰাদেঁর চিত্তকে আন কোন অস্বাভাবিক প্রেক্তিয়ারারা স্থির করিতে হণ না---তাঁহার সভঃই সংখ্যাকত द्राक्श्यामभाषात मध्यात्म मक्ता निष्का 🕏 🌭 रिभन्न हे शिक्षां अगरक अ निर्ताय क्विशंत ৰুত্ৰ আত্ম কোন পুণক চেটার আবিক্ষক হয় मा, প্রতিনিষ্টেই জাহার। ইলিয়ের ১ বিংতি क्षरीत्वरभव रमगोरक वाद्य । व्यवस्थाकारमः নিহাম অপ্রাক্ত রসরগিক রুক্তর্থতাৎপর্যা-काबी क्रकंककंशन महम्माकंब कांशांसकं धनः डाइंटिनंत्र केनियान उर्देश क्राया क्रीयान

## গ্রন্থ পরিচয়

## শ্রীমন্তাগবতম্

অন্ত্ৰহৰি ক্লকট্ৰপায়ন বেদধ্যাস-প্ৰাণীত মূল, জীমন্-🎮 ব্যাচাৰ্য্য-কৃতা ভাৎপৰ্য্য-নিৰ্ণৱটাকা; শ্ৰীমদ্বিশ্বনাণ চক্ৰবন্তী ঠাকুর-ফুত সারার্থনশিনী টিকা, বলাছবাদ, সংস্কৃত অব্য ও দৈই ক্ষেয়ু প্রতিপাত ক্পাসার, অধ্যায়ের প্রথমে ঐ ঋধায়ের সারসহ স্থবিস্থত তাৎপর্যাদি বিবৃত। প্লোকস্টী বিষয়স্চী, অণ্যায়বিবরণ, পাত্র ও স্থানস্চীগর উত্তয কাগকে উত্তম কক্ষরে মুদ্রিত। প্রথম ক্টতে ১০ম হঞ্চ প্রাপ্ত ছাপী পূর্ণরূপে শেষ হইয়াছে। ভিকা প্রথম हिर्हेC® २म कक अगंग्रेख २०।०/०; मनम कक ১२्; F#3 Ho. 1

## **बिडीटेड्डब्डिइडाइड**

শ্ৰীশীমন্ত্ৰকি বিনোদঠাকুর রচিত শুনুতপ্রবাহভাগ্য ৰ জীতীমন্বজিনিদান সরস্বতী গোস্বামী প্রত্পাদ লিখিত 'অফভাব্যে ক্রাড-স্বভাদি বছ শাল্লশ্রমাণ-সম্বলিত চইয়া लका भिक्त व्हेशास्त्रन । (लारकत श्वत्रवाथा। तलाक्ष्राध s खारकाक श्रमारतात भरक मः किथ किरिश्च मः रशक्षिक । थ्राटकोक काशाव-व्यावरक क्लामात (४ अस) काटक । (शाक. প্রার, শব্দ, স্থান, পাত্র প্রস্তৃতির স্থবতৎ সূচী ও গ্রন্থকাবের বিশ্বত জীবনী-সম্বিত এইলপ অভ্তপুক্ষ সংকরণ উত্তংপ্রে কুআপি প্রকাশিত হয় নাই। উত্তম কাগতে পারিপাটোর দিড় টাকা, ডাক খরচ স্বতর। শৃতিত তুল ক্লেক্তর মূলাংশ মুক্তিত চ্ট্যাতে ৷ এত প্রায় २६० • शहात्र मुल्लात । किका वर्खमारम द्रासा ।

## **এ**টিচডডাডাগবড

প্রস্থকারের ছীঘনী, প্রতি পরিদ্ধেদের ক্পানার, বিস্তন্ত ্ণ্টীর ভাষা, শক্ষতী, প্রারহটী, বিষয়-ছান-পাত্রাদি-প্রচী, প্রস্তৃতি বিবিধ বিষয় সম্বাদত বিরাট পিতীয় সংস্করণ চবল ক্রাউন ৮ পেছী আকার। আদিলীলা ও মধ্যের क्षिप्रसम् क्षकार्तिक बहेशास्त्र । क्राम क्राम क्षकार्तिक रहरक्टछन। अधिम छिका ६ हाका, व्यापि लीगात 1941 E

#### ब्रिटिड ख यक्न

এই প্রস্থের এরপ অভিনব স্থপর সংখ্যাণ আর কুতাপি क्षक्रिक इस आहे। अध्यक्ष (अक्षिक्षाः त्यत्र अस्य, वयाध्यत्यान. ভাষা, क्यांनाव, एवा व्यक्ति ग्रह चटल बटल व्यकामित эটরাছেন। মূল মোটা অফারে ওবল ক্রাউন আটলেকী पुरुषाकारम छान्। इटेम्रास्थ । भूमा २॥० छान्। असीया लाकाम ७ Cमोधीएवस आहरूनात्वस मारक अ। • एकि।।

## **এখন** গ্ৰহণ কৰ্মী ভা

--- শ্রীংগাড়ীয় দৈকলাচায়া অ**প্রাক্ত** রসিকচ্ডার্যাণ 🖎 🗮 বিশ্বনাথ ৮ এ বৃহিঠাবুল, গোখামিরত। সারাপ্রনিণা টাক্ষাসমেতা ও আনীম্বাই কিন্দোদ গ্রাকুর-প্রাণীত গাসিক-वसमा महामक कायाकायाविका । अनुसमक्ती, माङ्काकस মোক-স্ট্রী,বিশ্য-প্রী,এছকাছের ভীগনী ও অবভরণিকাদি 18-का एकी नियमण्याद केंद्रके बाहाई इतीय मध्यप्रण--- **वे बा**क मरक्षकरन्य जिल्ला २८ गिका माळ, माधात्रम भरक्षत्रम-->॥• הוף ודן:

## শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলা

ওঁ বিষ্ণুপাদ 🗒 🗐 মছক্তিসিদ্ধান্তসর্বতী **র্বোম্বানী নহারাজের** দেই অবিছা-বিধ্বংসিনী कीवाषायकारणारवाधिनी क्रक-कार्काननमात्रिनी कोवछ-वार्गव मुख-विधार---देवकविष्काल-त्रव्यानात्र (कोल्राक्रमण--- नन्त्रानात्र বৈভৰবিজ্ঞানাগারের মৌলিক তথ্য-পঞ্চরাত্র ও ভাগবভের नमस्य अक्र--- महाजान-की नमहिल्ल--- कि विवान कि चाल-প্রতিশব্দ, তথা ও বিব্রত্যাদিযুক্ত। প্রতি ছক্ষের আদিতে অচিমাত-বিচারক- ঐবর্ণ্য ও মাধুণ্যরসের মৌলিক গবেষণার ---সম্বন্ধ, অভিদেয় ও প্রয়োজন-তত্ত্বে সিদ্ধান্ত-সমূত।

> ১। প্রথম অন্তে—বৈষ্ণবদশন, শ্রীগুরুতর, কাল-भव. जीमस्ताविकाव. जीवायकानवी, शाक्षवाधिकी मीका ও বর্ণ-বিচার, আত্মধর্ম ও মনোধন্ম, শ্রীচৈতভাগের ও ভাহার শিক্ষা, অপ্রাক্ষত সহজ্ঞধর্ম ও প্রাক্ষত সহজ্ঞান কাছতি বিংশতি সংখ্যক রক্ষে অংশাভিত। ভিক্ষা মাঞ ৮০ বার জানা।

১। তি তীবা আগু-শুদা ও বিদ্ধা ভক্তি, মহুযোৱ শ্রেষ্টতা কোথার, আত্মার নিতার্তি, শ্রীগর স্বামিণাদ ও মায়াবাদ, শ্রীগোর-নিত্যানলপ্রসঙ্গ, ত্রিখণের ধন্ম ও ক্রফ-কীতন, শ্রীব্যাসপুষ্ঠার শ্রীমধাগবণের কাতন, প্রাণ্ডার-ধামের মহিমা, মহাপ্রাদাদ, শ্রীগোবিক, প্রীরূপাতুগভক্ষ-পথ, জ্রীমতী বুধভান্তনন্দিনী, শ্রীতৈতভার দয়া, গৌরককণা ও ক্লাসকীক্তন-চতুদ্ধৰ অপুক্ত মধুরিমাপুর্ণ-বক্তুতা-বিভূষিত। ভিকা ২ এক টাকা মাতা।

প্রথম ও শ্বিতীয়—সূত পণ্ড একজে লইলে ভিকা 💵

## 🖴 মন্ত্রগ্রদ্গীতা

(शोहीय-देवशवमाननिक-Cनथत क्रीडीमन्त्रवात्व विश्वा-ভ্ৰমণুক্ত ভাষা ও ত্ৰীমন্ত জিবিনোগ চাকুরের প্রাঞ্জল বঞ্চ-ভাষায় বিশ্বত 'বিধন্বঞ্জন' নামক ভাষাবৃক্ত। অধ্যায়-স্চী, বিষয়স্চী, ও প্রতি লোকের প্রথম ও ভূতীয় পাদ স্চী, ভাষ্ট্ৰাবের ভাষনী প্রভৃতি স্থানত। উৎক্লষ্ট বাধাই, নাজসংখ্যাণ ( ভূতীয় সংস্কৃত্য গ্রেছর किका २ हेका।

#### প্রযোগরভাবলী

टीमन्दारम्य विद्यानुष्यन-अभीष्ठ देवस्थ्यम्यम्, समास्य ७ ুগাবিক-ভাষাদি পাছবার প্রথম গ্রন্থ। উৎকৃষ্ট কালিতে ছাপা। মুবিশ্বত টীকা ও প্রান্তন্তবাদ-সাহায্যে। অতি সহজে ব'লকেরও বোধগ্য। হহয়। পাকে। ভিকা। 10'e Wiel মাত্ৰ

## ত্ৰীনবৰীপধানমাহাত্ৰ্য

( প্রমাণগণ ) সামুবাদ। স্রুতি-শৃত্যাদি গ্রন্থে জীনব-बी(लम्न (व महिमा कीहिक व्यास्ट, छाहात भून मःकृष्ठ छ অমুবাদ। ভিকাত জানা।

#### **এএ**নবদীপভাৰতরত্ব

শ্রীমাকুর ভবিধনার লিখিত। স্থালিত গাঁভাকারে পরিজ্ঞার দেইবাাদি-বিষয়ক। ভিক্ষা। আনা।

### ভ ক্তিপ্রভাকর ও সংখীপ পরিক্রমা

শ্রীল নর্ভার চক্রাবৃত্তি-ঠাকুর-রচিত। ভক্তিরভাকর 🚁 ইতে পরিস্কমাংশ মাত্র গৃহীত; 🕮 জীব গোস্বামী কি क्षकार्य सिनवधीनधारमत नितक्रमा कत्रित्राहित्समः छाष्टाहे পতে পিৰুও। ভিক্ষাপ পানা



আঁল ভাকিবিনোদ সাক্র-প্রাণীত। ইচাতে শ্রীটেড্রের निकालानी-इस, क्रमकि ७ वन-दे ७ वक कीत -**ष्ट्रिश-८७४।८७४-७३--**माध्य-निर्वय--अध्यावय-७४, कण--কাও, আএমাদির বিচার—বৈবী ভক্তি, ভাবভক্তি 💌 (श्रम ७ किन इ नाम ७ मन- लाप की 9 अह कालीह की ला-পরিচয়াদি প্রথম শিকাধীর উপ্থোগী করিয়া সরল ভাগেয় সমুদয় যুক্তিপ্রমাণ্সহ লিখিও আছে। চতুথ সায়র্থ কাৰা २ ् हें कि 1, भागामा ३५० होका मध्य।

## গৌডীয়কণ্ঠহার

ब्रीटनो हीय-रवशक्तशरसद अञ्चलक **करछ** भारतरमाञा লাতি ক্রতি-প্রাণ-পঞ্চরাত্রেমি সাজ্ভ-পারসমূহের প্রমাণানলা বিষয়বিভাগাঞ্জমে সামুবাদ গুল্ফিড। এইরূপ বৈদ্ধব-সিদ্ধান্তের সার্থ্যথ্য অজ কুতাপি প্রকাশিত হয় নাই। इंशांक अक्र क्र - जाराक - देनम्बन - द्वारेत - निकास्म--व्यदेवर ... क्षा ... वर्ष क्षा ... क्षा व प्रमान-कीत -- व्यक्ति सारक्रम । एक - अहिट्रयु--- भाष्यक्रिक्--- वर्षयक्ष--- खाः स्वाप्यक्र--- खाः — শ্রীনাম — প্রয়োজন ও প্রমাণ-তর্মগুলি পুলক আগাতে প্রবৃত্ত খোকাদি সূচীয়ত উৎকৃত্ত এক্টিক কাগলে ব্রোষ্টা हु काशिएड ब्रोहर्ड, के क्रेट तेशा सामान करन माम (नवा) গ্ৰন্থ প্ৰায় ৪০০ গৃহায় সম্পূৰ্ণ। ভিন্দা ২০ টাকা মাজ।

## জীনগর্তীপদাম-গ্রন্থানসী

ভীমদভভিতিলোগ ঠাতুর রচিত বিমম্ভালা - দাম-মাহায়েরে সাজবাদ প্রমাণ প্র—শ্রীশ নরহরিচক্তবনী হাকুবের ধাম-প্রিক্রমাংখ—ইয়ধাম নব্দীপ প্রিক্রমা—ত যাত্রা পদ্ধতি-শ্রীমৎ প্রধােধাননাক্ষত নব্দীপশভক্ম-প্রীমন্ত্র কিনিনোদ ঠাকুরের প্রীনব্দীপ ভারতর্ম প্রাড়াড গ্ৰন্থ একত্ৰ ভিক্ষা দৰ্গ আনা মাত্ৰ ৷

#### ত্রীহরিনামায়ত ব্যাকরণ

শ্রীকীর শোরামী প্রদৃপাদ-বির্চিত হত্ত ও বৃদ্ধি, ভূৎস্তে ওবিফুণার উন্নিছজিনিছাত সরক্ষী গোলামা মহারাজের বিশ্বত ভূমিকা ও হটা প্রভৃতি সহ। অপ্রত্যাশিতভাবে খুল্ড। ডিকা ২, টাকা, ছাত্রগণের भटक आ॰ होका यादा।

#### (नपाख डक्ना ब

<u>শ্রীমদোমাক কাচাণা-বচিত। বেদাঞ্জের বিশিপ্তারৈভবক্ষ</u> क्षात्रक श्रीकार्य-व्यवस्था आहारा धावत (वहा अन्तर भारः < উপযোগী করণাথ এই উজম করিয়াছেম। ইচাদে বঙ্গান্তবাদ ও স্চীপতাদি সংযোজিত করা ইইয়াছে भाग भाज किका ॥० व्याना ।

#### শ্রীটেডয়াটন্তামুড ও নবছীপশতক

গোরপাষদ তিদ্ভী শ্রীমৎ জবোধানক সরস্বলী প্রণিত মূল, প্রভূপাণ শ্রীমদ্ ভক্তি সিদ্ধান্ত সরস্থতী গোস্থামী মহারাক भव्यां मिल अस्याः १थ वर्गाश्चा । वर्णाश्चाम सर्वावर । নব্দীপশত্কের শ্রীজ্জিবিনোদ সাকুরের প্রায়ুবাদ ৬ ভংসছ উন্নিমাধারণার একটা বিবেশরায়ত আলোকিক চিত্র आमख इडेमार्ट भूतन ६ कानक छ० इडे ( २ था-: ৫৯০ে ) ভিকা ৮০ আনা, অতি হরমা বাদাই রাজসংখ্যুদ ्र हे का माज।



नीमदक्तिनिरमांग प्राकृत-श्रीहर। एवं अवसार अध-ৰাক্তৰ জ্ঞান কাভ করিলে পাৰ্যার্থিক লাভো কিছা ভই अञ्चल वा मुर्भन्न वाकिएव मा। अनुम शुक्ताका विदेशक हैं-কপ সরল ও জনমুম্পালী প্রায় এ' প্রায়ন্ত একংশিল ভয় নি-জন্মাক্সমি-শাক্স-মতোদ্ধি মধ্যস্থা এই এ গাণ্ড किथि । इहसार्डम । आताम छावल करी, करावान হত্যাদি ছারা বিশেষ সমুদ্ধ কলা এইয়ালে। বিনাটি প্রত, ্ধানার জালে নাম লেখা, উচ্চট বাবাই চড়ব্ধ ঘর্ণ

## ভোগনিবার্ড

चित्रका २८ है।का माजा।

শীমলাহাপ্রেড়র অনুর্জ পাষ্ট শী্ল জগদান্দ প্রেড বির্তিভা এই পুস্তকে মতি প্রারোধা ভার্য মতাপ্রভুর क जिला जी बागर देवसन्ता। त. उकामन ७ नामण्डन-্রৈজনবভ্রের ক্রনীযোগ্যা লেগালী প্রস্তৃতি অনেক **ভোষতে পাইবেন। পা**দটাকার ছকঃ স্থানের বিশ্বাধ ও গরুকস্থার পরিচয়াদি-দম্ববিত চতুর্প সংকরণ ভিঞ্চালত দশ স্থানা মাত্র।

#### ভজনরহস্ত

ভ্রুলকারীর নিভাগ্রী; হাকুর ভ্রক্তিবিনোদের অমুলা দান , নিবিল শালের নিয়াস। গ্রহথানি না দেখা প্যাপ্ত কেছ ৰুঝিতে পারিবেন না। গুটার সংস্করণ ভিক্ষা । ।

## হরিনাম চিন্তামণি

নামাচার্গ্য শ্রীণ হরিদাস সাকুরের মুখে শ্রীমনাহাপ্রভু শীন,ম-মাহাত্মা, নামাভাস, নামাপরাধ প্রভৃতি বিধ্যের লার হীয় বিচার আরশ্ করিয়াছিকেন। এই বিভয়গুলির আভি সরল প্রারে সংক্রিপ্র আশ্যাসং প্রিপাটিভাবে মুক্তি। দ্মিল ভ্রন্তিনিলের ঠাকুর-রতির। প্রথম সংগ্রহণ ভির্মা দর

#### কল্যাণকৰভক্ত

শ্রীমন্বলিক্তিবিনাল সাক্র-রচিত। প্রত্যেক ভগবদ- : \*-अभी **७ कामभाष**त अधिदकत धकांख खाद्याकनीय ভেপ্ৰেশাবলীপূৰ্ণ গীতিগ্ৰন্থ। স্মান্ত লেখাণড়া জানা ্লকেও এই ভলমরাজ্যের জীতিলম্ভের ছারা অনপ্নির্ধি जनवश्त्रवा शास्त्र कतिरात्र स्वतिरा शृहितमः। यहः সংস্কৃত্ৰৰ, ভিক্ষা 🗸 ১০ আনা মাত্ৰ।

#### শরণাগতি

क्रिमहिक्तिताम शत्रात्ति । छश्याम आयागमर्थाः াবজ্ঞান্ত, ভজনগাল্যা, যদ্বিধা শর্ণাগ্রতি ও সিদ্ধি-লাল্যা। विवयक विचित्र्य, जिल्हा 🗸 ब्यानः माळ ।

#### श्री डानजी

শ্রীমাকুর ভব্তিবিন্যোদ-প্রথাত : নিডা ভব্তন, আরাত্রিক ५ अत्रात-दत्तवनाधि-विभग्नक समुद्र प्राच्याम् । दक्दक अधिक । \*\*\*\*\* / ・ 報(司) 可(風)

#### **बिगद्दक्त्रक्र**म

75 : তেক্ষাত আনা মা**ন** !



শ্রীমন্ত্রের বিষয় ও শ্রী বসনাপ দাস বের্প্রেরির প্রতি ট্রেপ্র চল মার উন্নেল্যালী, ভাজিপলৈর অভ্যুত্র ও একিকুপ বিদ্যে এব বিজে ন্যোদ্ন ভাগে, বিভাস निर्देशिक एकिए। भारत अभाग नाया ६ महार्कन ত্রিত ভতুপ্রেলী গাঁণমমূহ প্রেটোক লোকের স্থিত সাহিত্রেশিক হয়য়াছে। তথ সংস্করণ দ্বিস্থা 🗹 আনা।

#### अप्रज-क्रब

बीवप्नांश नाम (नाश्वामीत भनः विका, श्रीन अनुव ভা ওবিনোদ-চরিত গভান্তবাদস্য। ভিকা / আন।

#### প্রেমভজিচ প্রিক।

লিল সারার নরোক্ষের শুত্রাস্থ্র প্রেম্ভবিধরক शास्त्रभ्र १५क । "चक्का च श्रामा भावति

## নগৰী পশত ক

मिशा शक्त ভिकितिमाम-त्रिष्ट शिक खात्राक्षणमा সরস্থালি দের সংস্কৃত নব্দীপশতকের স্থলাভ প্রায়রান। ভিকা . • সানা মাত্র

टील (बाकाठाया त्रिक्ट) त्यक्षतका क्रांकत आकर পুত্ৰ। ভিকা - আনামাত।

#### সদাচারস্থতি

শ্রীল মধ্বভাষ্য প্রণীত। বৈঞ্চবের নিত্যকশ্মণি সদাভার। বলী, বঙ্গালুবাদ দৃহিত। ভিক্ষা 🗸 আনা মাএ।

#### মণিম্ভরী

कतिकुलाक नहीं श्रीमधात्रायणां होगा विश्व । श्रीमधानवः 5 रिशांत भर्भक्ष की बनमीमा **७ मृत ८ वक्ष व**र्भक्ष माल । भाष्ट्र वीम जिका। वाना गाँउ।

### **भौतक दका मन्**

প্রাঠান কবি শ্রীগোবিন্দ দেব প্রাণীত শ্রীগোরাবস্তারের প্রমাণাবলী-সংবলিত সংস্কৃত এছ। ভিক্রা ১০ আনা।

#### যুক্তিমল্লিকা (জ্পলেইরভ)

ব্রীন্ধবনক্ষণায়ান্তবাত শ্রীন্দাদিরাক স্থানিক । বঙ্গালবে সাম্রবনে এই অপের প্রকাশ পারমাণিক সাহিত্য-জগতে এই সক্ষপ্রপম। ঐমনাধ্বচোর্যা হইতে গোড়শারস্থন বিতীয় यथाताया नाम था। जीताविताद हीर्थ सारी एहे अस्य সাধারণ যুক্তি ও গৌকিক স্তায়ামুধারে কিকপ স্থানর ভাবে ভজিবিবোদি-মতবাদ সমুহ প্রথম ক্রিয়াছে, ভাষা পাঠ क तिएक कतिएक बान्ध्यमाचिक क्वेटल वस । विवादक मृद्धित श्रात हालाह, देवन, द्यांछ, श्रीमाध्यक छ मास्रावाधियक-বমুহের জুলর পওন রচিয়াছে। ভিকা>্ টাকা মাজে।

## दशायामी जीन त्रम्माय मात्र

(ও বিষ্ণুপাৰ জীল ভকিলিকাল সরস্ভী গোষামী প্রভূপাদ-লিখিত ভূমিকা নহ) শৌরপ্রেষ্ঠ অরূপ-রূপের একমার প্রিয়ন্তম জীল দাস গোপানী প্রাচর অপুন ট্রিলাম্ড ও শিক্ষা অভীব প্রায়েল ও সর্গ ভাষায় সন্ধিবিত্ত র্গনকেক্সমুক্তমোলি শ্রীমন্বিদার চক্রবর্ত্তী সাকুর- ্ এবং গরিলিটে দারগোপামী এরে ব পরচিত করকটা ंदर्कि । उपराष्ट्र । व्योमस्कितिरामा शिक्रप्रेत्र व्यक्ष्यान । भाष्ट्रवान समुद्राष्ट्रम एक स्व मनक्ष्यान मधीन्छ । क्रिका े वैद्याह ॥ जाना, जानातां । 🗸 • जाना भाज ।

## চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাচান ন্বৰীপের অব্ভিডি, তথা, উতিহা, শৌত ও ्रारिक लियानम्यानक अवित् बादभन्न मिछक विवतन-এলে। রাভিটি রাজনাতের কুমার জীপুরু শর্মিশুনারায়ণ तांत्र तम. व. व्याख्य व्याद्यात), दयला सुमृश्य महत्तामृत्र केंद्रक शक्षिक तथा हम थानि विसिन्न वर्णन अभूक हिला रेड मानिजिन्सर्विक : ल्लाहाविक्षामधार्वि द्वार माह्यत शिक्क নগৈৰ মাথ বছা বিশ্বকোনসংখ্যাদক মহাপ্রের বিস্তৃত ভূমিকা शर्छ । छेरकहे (केर ) मत्तरका वालकि मुना आ०, जिस् लि: एड

#### मामक-कश्राला

धवनस्था, देवस्थव-वक्त्या, देवस्थनसत्त्व, सात्राहसत् त्रीः बीगामन्द्रे. बीभगगालान्त व्यव्हाचत्रमण नाम, व्यव्हेला नामकं का. जीनामभन्नी हैन, cशमध्यनि, वाजनन्त्री संवर्भाश-महिमा, कीमाराशित महिमा, बीमाराधिम-छा ५त अहे খাচালা বৰুনা, বড় গোপামীর অইক, প্রেমারভিচ ক্রিব উপদেশমাধ্য নামভজন-প্রেণ্ডা, মহাপ্রভ ও বার স্বামান भग्नामः सन्दर्भिकाः चीत्रकालाम्हः चीत्रक-**भन्**यः মহাজাতুৰ পৰ্ননা প্ৰাঞ্জি সাধক ও নিদ্ধলীবনেয় মিডাপায় दनकरवण्यात न श्रेरीक्षात कुलशीमाणात नाग मधुणान क गोल-१८४१५३ अध्यक्त अङ ি হৈন্য । প ০, প্রথাই ॥০ মার্ড ।

### दशीको सन्दशी वस

क जिल्हा त्रा श्राप्त । अस्ति अस्ति । इस्ति । इस्ति । अस्ति । सुन्ति । कें अप अन्तर्गानक अवस्तिमार्विटनाम अपन्य वकुत्रात्र वि । शहकारत व्यवस्थान । वेशाद्व द्योद्धीय देवकवनण्डानीर ইতিহান প্রাকারে গ্রন্থিত ষ্ট্রাছে। ডিকা 🕪 মাত।

#### গোড়ায় সাহিত্য

কলিকভার ওলেনিদ্ধ আলবাট তথে গোটীয়-সম্পাদ শ্রীপাদ খুন য়ামনদ পর্বাবচাবিনোদপ্রাড় প্রামন্ত বঞ্চাছার বি গ্রহাকারে প্রকর্মিত। ইহাতে সাহিত্য-শঙ্গের কর্ম ও ে ভিলেন্য কিন্তে র বিশয় হ একারে বর্ণিত হইমাছে। ভি (प्र) अस्ति। स्ट्रिस

#### **डी। देशो इम ७ लं शितक या- मर्जन**

শ্রীব্রেড়িলেশের যে সকল স্থানে সপরিকর জ্রীনমালার ্বে ভদমুগ পরব্রী মহাক্ষমগণ ধীলা করিয়া গিয়াছে মেই মূব আধুনিক ভেমগোলিক পরিচয় ৩ দেববিপ্রভা প্রিচয় সহ মাতারাতের ছবিধা নির্দেশ ইন্ডাদি বিষয় খ স্থিপেশিত আছে। ডিক্ষা । আন।।

### THE HARMONIST

## OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীল সাকুর ভবিদ্বিদোদ-প্রতিষ্ঠিত তবং জ্বীশ ভা নিশ্বান্তগরস্বাধী পোষামী প্রানুপাদ নম্পাদিত পারমার্থ मानिक भवा। । एकरण इरवाकी ভाষার अहोतिरम ? ভবলক্রাউন ৮ পেন্দী ৪ কর্মা আকারে প্রতি ছারে ছ माश्यत्र विकाय-देवकाशकी बहेशा केलकिए कहेरण्डक काश्रद्ध, मृत्तन-लातिलाहा ও ठिलामि चर्छीव शिक्षाकर्य **এই প্রকার উ**২ৡর প্রবন্ধ আরু কোন নাসিক প্রাটি দেখিতে পাইবেন না। বাৰ্ষিক ভিক্ষা ভাকমাঞ্চলসহ

## প্রাঞ্জিন্থাশ—

**बिटिड्ड क्यार्थ, त्याः जीमात्राश्चेत्र मगोत्रा** 

## বিখাবৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভাক্তমঠসমূহ

श्रीदेवच्या यह

#### আকর মটরাজ

श्र िय नवहीत, काक्वत श्रीवाम माबाल्य, समीवा

শ্রীসভালেত্রপ্রির হুর্বার হত । মন্তু উত্তর-পুরে জীব্রজগঞ্জনে আচার্যারত জীচন্ত-त्वावय-कनरून केंद्र किटीन अन्यत्र किया समान ।

এই তান গালেম ন-পার্ব পর্বিক্তাপীঠ বা সাম্বত ভক্তনত্ত্বী। এত মহাত্তীর্বে ত্রীহরি-নামাম্ত্বাক্তব্দি-বেলালম্মত, প্রবিস্থার অঞ্জীত কাধা, নাটক, অলম্ভার, ওবা स्रभाग-देशन वन-केश-एक- ४४ ज 5 क्रांप्य अगावन । ६ अगाविमा धनर क्रथाय शिक्षक-ােবালালায় ক্রা-বিবিধ্য ক সাহত সাম্মান্ত্রিক-আচার্যা-চড়ার উল্লেখ উপান্ত বৈরাধের প্রতিভ বিভা সেবিভ ছইতেছেন। এই মঠয়াছে পারমার্থিক দৈশিকপঞ্জ সাত্তভ मच्चभारकत अधिकात्मक त अधारीन अप्रताबि अत्यत्त्व "नवीता-अकाम" यहात्रत প্রাক্তিক এবস্থাতেন - ক্রান্ধিবংসর প্রাধাম-পত্তিক্রান্তর্ভান ও অসাগত ভক্তগোটিএই को क्रम প্রচারমূপে মহামাণে বিশ্ববাদি ভাকাপ অভৃত্তিত বহর। পাকে। রক্ষক--- এক্সচারী শ্রীপাল নরভারত্ত্বী , সহকারী -- শ্রীণাদ বিনোদবিকারী ব্রস্মচারী, পঞ্জিক শ্রীপাদ গৌরদাস उक्काती कायावाकरण्यीन, श्रेणाम नीतक्क अक्काती. श्रेणाम नन्माणाम उक्काती. শ্রীষ্কর্ষমন এক্ষানী, সামদনগোপার এক্ষানী, এক নরেন্দ্র, জবিপদ, রেবভীযোতন 선택이 기를 내기에 !

তিধ্ প্রিয়ার জীনমাক দ্বীপ তীর্থ মহারাজ পোল হলিকলা কীর্ত্তন করিছেছেন।

## ্ত : খোগপাঁত নীমন্দির

द्ध का. हैं;कश्रीशियासीत जनन ता ীম্মালা প্রত্র আতি জাব-ভূমি মধাযোগ-खिकामक मेंद्रशांतनात्राहण अवर मेदिकारना भाशी. श्रीकेककम काथकाती श्रक्ति । श्रीताबाक्रक्षक निका त्मना जना श्रीलक-क्रांचक दमवा मक्कप्रात । वल क----(नाक-নাগাধ্য গোস্থামী ভটাচাব। প্রাভূ জীরমা-**अ**काशावित्स म श्रीक्षण्यन, श्रीकाशमाश अध-कारी। अभाग-भाग व्यक्तिकारी, स्वनवन्त्र i Beretet.

#### ( g ) 副时间·明明系

শ্রীম্যালা প্রস্তুত্ব ক্রীজন-নিকাস সা শ্রীপ্রদীপার রাগত্তশী। এগানে আঞ্জীগোর सिकालिक क भक्करवार भना वस्त्रान। क्क क---- क्रिशामा क्रमा अक्कारी।

( ८ ) छाटेषाऊ-क्रवस

बडे शास श्रीभरेषक्र शक्त करन जारर क्ष्मचा बक्कभागा

क्षक क .... जे बहेब हामन वामाधिकाही, क्षिताक्रममात्र वाचाकी।

## (७) कालीय ममानि न हे

वाधिक माध्यम्यः, गामनथुक्त (समीमा) **किरकोत्रक्रभाभावः क्रिकामकामीव नगामि।** क्षण-अक्षानी क्षेत्रियामध्यकाती ।

#### ( १ ) चर्मण छूप४-कृष

क्रिलंगसम्बद्धः अक्षणश्रक्षः (समीवा ) बन्धम केविक्रुनाच जीन ककिनिटमान्ठे।कृत्वत nuifi ant-Acetonuite att Belitui-214.44 CM91 4021A

क्षण-क्षिक्षण काकाश अवहाती वक्च--- विश्ववादश्च अववाती, क्रम कियी बन, धन, धन ।

## ः ৮ - श्रीकशञ्चाथ दशो हो स्र मठ वक्रमन्त्रिस्य ।

तक क--- च्येषध्यक काकनाळी हम, य. শাঠ। এখানে উচ্চশারী পায়া ও আহিছ- বি, এল, দংকারী-- আটছ-লাদ ভক্তি-

## (১) औरशोब-श्रम (श्रम-सर्वे

ঠাপাত টী, সমুদ্রগছ, ( বছমান ) टीम नागीनात्यन शांठिकि लोबलमाधन-साम । महकारी जैनिकानिक अकरानी, , अता । तकक- और द्वारा अक्राही, कक् Asiatha win :

> ১ • शिक्रभाजी श्री श्र-मठ रा. ।श्रम. श्रमाश हेरे. लि

रक्षक... में इंटियान दक्कादी, महकादी-विभाग्यं पर अक्षः हते ।

( ১১ ) औदमापक्षमञ्ज -

माञ्जिशाक, कालगृब, वद्याना 🕮 गामाव भार ठेक्टिव बुन्मावस्मित ज्ञान । रणक--- डी॰कावशाबी अस्वाती, करू

## (১১) ভাগবড আসম

🕮 শাগ্রক ত্রেগ, কুষ্ণুনগর, নদীরা। कामन श्रीकां अकामनीत व्यक्तात-रक्ष्या রক্ত-জীকুকানৰ ব্রহ্মারী ভাকণারী

## देष महादश्ली ( ७८ )

(शांतिकश्व, शांभवाजी, नमोबा। শ্রী- ধনিংক ব্রশ্বভারী জীতপ্রের দাসাদিকারী 🗄 मञ्चनाव भा छा, 😇 रू विश्वनाथ

## ( 25 ) **श्रिमाश्य ८गोव्होत्र म**र्ड

aoat अवावश्व (ब्रांख्, हाका। भृक्षपटकत व्यव्यत्न-८कत्व, क्रषात्न खीखन-त्वीशक वाक्या-भित्रिष्टक्ष द्यवा वस्यान । विनान क्ष्यकानम नश्रविद्याविदनाव वि- व, विद्यान-

## (३) बारगोडी इ मह

: ७ सः काणिकामात्र ठ क्रविको ब्रीवे. (भा: नामनाव्यातः क्रिकामा । कंशियमान नि. नि. १३५०

শ্রীমনারা রঙ্কর প্রাচারিত ক্রনিশ্রণ ও জিগমা-প্রচারোন্দেশে গোভাগেশের সক্ষাপ্রধান মগরী কলিকাভার জীঞ্জিবিনোদ আগনে প্রীম্য প্রতিষ্কিত আছেল। এই কল-সক্ষাবামে শ্ৰীক্স-পোরাল-শ্ৰীবিনোদানল জাউ সপ্যাহতে নিতা সেবিত হন ৷ গোড়ীর আচার্যাবর্ত্তর বাবভীর প্রস্থাবলীর প্রপ্রচারোন্দেশে ত্রীমটে সংলয় একটা সুবৃহৎ মৃদ্রা-ষম্ভালর সংখ্যাতি ভইরচেল। পুলিবীর সক্ষত্ত 🕮গোলনাম-প্রচারার্গ এই সম্ভালন बबेटफ '(शो'फ्रीइ' मान्याबिक नक, कि क्याबिक प्राप्तिक नकिका बेरवाकी साराह भिष्ठमिक्षकात्त्र काकामिक वर्गकाहरूम । श्रीभारत शात. महीर्श्वम, मक्षणान-ठाउदेव-त्वराख. चीयद्वाग्यक, औटेठएक-ठिश्विष्ठाय शांभ-मोगा ९ ७वश्वर त्रथाक व्यारमाठमा व्हेर থাকে। মঠরক্ষক--আচার্যাত্রিক শ্রীপাদ কুমাবহারী বিশ্বাকৃষ্ণ। সহসারী--পশুস শ্রীপাদ অনপ্রবান্তদের পর্ববিদ্যান্ত্রণ বি-এ. ত্রীপাদ রাস্বিদারী ত্রশ্বচারী, ত্রীণাদ अग्रहादम क्षामाधिकादी वि-क. जीलार कदाशालान कामधिकादी, अन्तरादी প্রীকীস্তনানন্দ, এমচারী শ্রীপারিমোগন, এমচারী প্রীমগননা,পঞ্জিত প্রাণাদ নবীনকৃত लाक्ष्मिक्षात मुख्यमाध्येर क्रवाधार्याः, श्रीव्यवग्रह्मानमामाधिकाती वि- a. श्रीक्षवतक्षनक्रिय পকারী বি-এল, জীমভূপম ভায়কোবিদ, জীবিশস্তর ব্রহ্মারী, জীহুদর্গোবিক

একাণরী প্রস্তৃতি।

বন্ধগায়ী

शीत बच्चाही, द्वीनवशीरात्र बच्चहारी. अपिक्षिणावन कलः।

## ( ১৫ ) औदगाभानको वर्ठ

BURTHE, ETS: ্গাপালকীর জীবিপ্রতের প্রচৌন সেবা

वक्क--- अमामनायम अच्छा हो।

( ১৬ ) श्रीभणाष्ट्र-८भाजाम मठ

इतिकांक श्रमारिनी मना, वानिश्व हिं छाका **क्रिशमारे-(शोदाध्यय मिछ। (मर्था** बक्क — चैशुर्ग शक बक्काती. टीम किशान

### (১৭' জীভাগবভক্ষবানশ মঠ

किस्मित्री, नाक्षासनश्चत, स्मिमिन्द्राः।

এখানে ने वक-(श्रोताक-श्राक्ष कि वा-গিরিণারীর নিভালেষা বর্মান। রক্ষক---खबनामी औ-जनामपामको।

## (১৮: আমলাযোড়া अंग्रहाखन

वाक्ष्यां ८ लाः वद्याम ।

ली सक्तावान-जीना स्विका निविधारी व निकारमना। वभक-अध्यनमा श्रीवितtecess :

#### (১৯) अञ्चलका वर्ष

पर्वातात, शृही, देशिया। बनात क्रिलोब-नित्नाममानवसीत मिला-্সধা বছমান। রক্তক -- রক্ষচারী ভীগরমা-गम विमात्रयः अवकारी श्रीनमीधानकः शैंभरामाञ्चन अक्राही **धियाम वासना** अन्नहाती. इक औनिमाह ।

### (२ -) खैलक-८गोफीय वर्ठ

भागवतनाथ, अवाभिति त्याः, नृती । वनशाब्दाद्वत वनवनत नम्दर छैमयन। सरम्बन्धाः । क्यम---अम्हाती श्रीलक्ष्मच्यो अमामको। महकायो-अभागती औषितिमविषाती ।

### (२) अनिक्यानम् मठ प्रें क्या नामाइ, कड़ेक

क्षरात ब्रीक्ट-शाहाक-शिकामत्रम्य-कीत निकारमधा बस्तमान। प्रकार---अभागती जीनगरन खीरायलम अधारी

(२२) औमनाडन-भोषात्र वर्ड

अनः अज्ञाननभूता, कामा ।

(गाय-नमाध्यक मना ठन-निकादन : এখানে গোর্নের। বর্ষনা বক্ত--

श्रीकातकीमायकी. श्रीभकानन अवदानी । (२७) श्रीकृक्टेन्डिक मठ

जीन्शिर्वाम कृषः, जीनाम बुन्हावन । के के वाया-अब-त्याक्रमको व त्यवा ।

বৃক্ত - ত্রীগণতিনার ব্রহ্মচারী

(२८) 🕮 পর सङ्ग मर्छ रेनियाबना, श्रीकालर

ত্রখানে 🕮ভাগৰত পাঠশালা 🛊 ত্ৰীগোঁত বিনোদ বিলাগন্ধীর সেবা বস্তমান रक्षक--- अक्षात्री द्वीन भरणानक क अक्षात्री म्बेसम्बद्धाः ।

#### २०: औरेहज्जुदगोजी व वहं

भुग्रक् छ।, १५ तक् छ। । भागक्ष । है। चौदेव डक-महरूद मार्था । स्कृत-चौद्रमा-नाथ बाध. हिटक-शानम अब्रहाती, श्रीवाम कोष का सहिता :

#### ः ५ ७। नागमध्योष्ट्रीय यह

केली कि वारमध्य क्याला । क्यारम औंशिवनिस्माप-वास्मव अवः वस्त्रभागः। तक्त -- अवहारी विश्ववनको. जीवनी-্দাপাণ এলবাসী

#### (२०) खामनगाजा अभवाखम-वर्ड ব্রাহ্মণপাতা, প্রেট মাজু, হাবভা

व्यभारत वस्कुक्ष्में हैं होश्मा**राष्ट्र रमक** यस्यान । यक्तव-- अवनामी खोळालकुक-माम, भौ । १४ ताच अव्य ५ छी। (২৮) দিল্ল গোড়ীয় মত—কাৰ্য্যালয় दन्द (भागीक वम, छाकात तमन, निके विश्वी । तकक-- अवाहारी चिपीतहरू, श्रीकृंगामध्य

**ओब्राशकमन्द्रशम्ब** (२>) *(मामान* भाषा अनुसार्धिक व्यक्त---अक्ताती खीवाबादबार क

## জী হড়ার অপরাদে ১ বংসর সঞ্জম টুপ করিয়া থাকে কিন্তু কাশীরামের ইন্দিত এবং তাঁহার আরও ব্যক্তিগত সম্পত্তি

পাঁচপাড়া গ্রাম বালাণড়ের গুলিশ थाना। উक्ष शास्त्रत चित्रतानी जिन्हा নামে এক বাজি ভাষার স্বীকে মারিয়া (कलाय महकाती मान खळ भिः पि. ट्रक পত্ন উদ্ধকে এক বংগরের সভান করে। ग्रांच मिल्लिक कहियार्कन। टाकान (स. । २ ५८ स एक क्यांती देश निक काशानि मानिया व्यवतादः जेवत वार्ति थितिका शामा व शीदक ন্দ্ৰিয়েত্ৰ কা পাইয়া এবং ভাষ্টাৰ পাদ্যান্তি পেশ্ব শাই দেখিয়া ভাগার জীর থোক কৰে এবং এবং ভাগাৰ খনে ভাগাৰ হাঁর সভিত এক অপনিচিত বাভিকে দেখিতে পায়। উদয় উল্পাক্তিয়া करत कदल छुद्दै निरमत घटना एउटान की घाना। পায়। উক্ষণ্ডিভিড বাজি স্থান্টার क । कृति समय स्तिया लाक्

## চীনে খেডাক মহিলা হডা।

अमानक जीन। हरीएक उठ पराय । भरवाम शांख्या: विध्याद्य त्या, (भटन्या ८६) -ইট এবং মিদেস্ বিধার নামা বলী [ मिननात्री महिनाटक दल्हा अल्टर इन करून व्यक्तियाँ व महारा स्वाहतन व्यक्ति सहार -মতের আন্দেশ এবং সূতীয় ্বংভিব 🕝 🕒 त्रमत कालामण्डत आधनम क्वीर एक ।

## কাণপুরে বিল্লবীদিগের ওলী किला महाकिटहेटडेन निवृद्धि

গত ৬৮ জুন বিপ্লবিদিগের প্রিশেব প্রতি গুলী ছোড়া মুম্পকে জিলা মানাজ। ! (विष्ठ **१३** छून जिल्लासह निष्माक निर्देश প্রকাশ করিয়াতে।

ক্ষেক্লন সংক্ষা জনক অং রিচিত বাজি কাণপুরে আগিরাভিন। উক্ ব্যাভিনিধের উপর হা, আন্ত, ডি হালিপ सकत्तत्वार्थः। डिक् भरणदकान्यात भरतः। क्षा भगाउक रा का किया दर किया खर्डि श्रीवारणत निरम्भ मृष्टि हिया

चाई, हिंदनात्क हक दाहित वह সম্বাদ ক চাই, তাহতেক গ্রেপ্তান ফাবিবারে 🖟 व्यारमान (२९४) ३५) फेंक व्याध्यक्षा স্কলেই স্বস্থ জিল ৬ব- মৃত্যুক্তে ক্রিড়া ্ পুলনা । নালাইগ্রের নিক্ত আলাহপুরের माइटएडिका । कि, आहे, कि माकिता | भिन्न बर्गन सूर किनाटक । अब समृद्ध উহাদের অসুসরণ করে। সাবু ছারকা- কিছাকেও গ্রেথার করা ধর নাই। প্রিশ প্রাধার বিংকের বাটির ভিক্ত আসিয়া ু উলম্ভ করিতেছে। বিপ্লবারণ প্রিশকে জিল্লাসা করে তে. উश्रता दक्त काहारम्य अष्ट्रमञ्जू कर्त-८काइ । छेदात एकाता गाम (ग. कामाता । देहाट डेल वालिका हुई वक मिनिए सामीत गापीत मार मध्य हुईगफ ऐका

বুঝিয়া ভাহার। সকলে রিভলবার বাহির দান করিয়াছেন। करत अनः । हारास्त्र भरता अकल्लन नवी গুলি কবে। । ঐ ব্যক্তি পোয় এভ নার क्षिति क तिया किया । एका विश्वतीता महरतत भिरक भनाध्या या।। शि. श्रीहे. वास्तितः । व्यक्तन्थदं व्यक्तसम्ब হাসপংগ্রে বল। উপাদের অবস্থা **ंक है 'ड'म न**, गुरुष्टि महन क्या । 'अभवादा लाकाल- । तथन कात्राका, लालीकान भिष्य अस् ति. अस भागानाक केक কালো সংখ্যে গাকার ফভিয়োগে এপুর केदा स्था। फेस्ता टाहिक निश्नी मिल्या প্রলিশের নিকট পরিভিত বলিয়া মনে ভাতার স্থাকে ভীষণ ভাবে আহিছল। প্রহার ইয়। উক্ত গটনার নিয়ের পুনরায় বিশেষ পাবে সভাব কর এরপে।

### ভাক্ষার ভাকাতি

পারি ইজারার পের পারি ১টার সময় ्त्रलङ्काः, हराधाः एकः हलाहः कार्यान्तः লোক্ষ্ণিৰ মহাশ্যের কান্ত্রী ভাকাত MAGE 1 **西岸, 9时** (64) 新 1997年 মাধ্যাতি কাল্যা চল ট্ৰিণ কইছা Continue representation and transported

## নওফোয়ান চারত সভার গভাপতিকে গ্রেপ্তার

कारकोड ८५ रेन्सारी कामाबिन्स ३**०**५ -ात अस्ता सुन्धान वर्गेट्ड इक्षणाही शहराह्यांना भावत वर्षशहराहा, एक्स् 시간 95 항이기와, 건

করিয়া চ্পিটেডিল । ই সময় পুলিশ 71:71 ্ছটে আলেদন व्याद्यम । । । । । । । । क्विया में भारत खादम करिया डेम्डाटक एश्राप्त करता।

## ्मलगु। श सुर्थिड

অকাশ যে, আন তন অপ্রিটিড পোক

## क बुरमत का भी दबन माम

कानुष्यः अध्यक्षानं समद्याभद्यांशी आकृष्ठि কাশিরাম্বে <u>রোপার করিটে চাটে । চাগপালি হাপন কণার জন্ম কার্</u>জের

## कष्ट्रागर्कात श्रुष्ठ

কাবুলের সংবারপত্তে প্রকাশ থে. ইস্লামীর আবছন কোহিদাম্নী, সাফ-গান রবিন হডের স্চিত যোগ্রান করিয়া উত্তরঞ্চেণে কন্তৃপক্ষরিগকে অন্তির কার্য্যা তুলয়াছিল। সম্প্রতি অক্তাতোর সৈহিত ভাষাকে গ্রেপ্তার করা হউষাচে। গ্রেপ্তারে বা-৷ দেওয়ায় দলের স্পার স্থলভান মহত্রন ওলার আংঘাতে নিংত হইয়াতে।

## ওয়ার্কিং কমিচীর CESS বোষ।ইয়ে নেত সমাগম

मनात वसङ्खारे लाएएन मनगत्त. শ্রীয়ত ভয়রামদাস দৌলওরাম, ভাভাষ্চ প্র বসু, বাৰু রাজেন্দ্রপাল এবং স্থান গেল ৮০ জুন মকক্ষেত্ৰণ এণানে পৌছিয়া-ছেন। ইন্তে - বীমানে ও স্থানীয় কংগ্ৰেন ्न इनुस्त कारकाशिकारक दश्मदम आस्त्रकात कर्तनः पुत्रम् अध्यक्तिः मर्ना (- ५-রলকে মাধ্যভূমিত করা হয়। প্রিত यसग्रमाञ्च मालवा अभर (कांछ) त्रक-हे।श्रां ६ ४ हे क्र क्षां **कारण** अथारन आग्रिकार हरू न

#### কাণপুরে আবার অগ্নিকাণ্ড

থিমহণের পেছনে ডুংরীমহলের এক नटक इसे १८३ । १४ में अंकारण नाज अञ्चलारिक वाई। एक विविधात सिम खाएक आधान भिक्ष कार्यक्षान-१४ ५६(१३) केदा क्षेत्र १६ हा । प्राप्त साम्रा । अल्लाहान माम्रा उठे व्यक्त 14(4) 51(4) **हिल्ला**क रहेशाहिन। কাষ্যকরী স্মিটির একটা । ১ জালরসারক ় এডদক্ষ্যের অভিকাশে বাড়ীর ভিন্দু অধি-বাঠারা বাড়ীমর ছাড়িয়া প্রায়ন করিয়া रिलाडिक। ध्यकान त्य, के वादीनित দৰকা ভাঙ্গিয়া প্ৰবেশ করিয়া কেরোগিন দিয়া ঘৰে আভিন প্ৰাইমা দেওলা হয় किर्दादक व्यक्तिसभाग अवस्था गाउस । सिद्धास आउस नाशिसाहक न नगः । यहा अहस् अवर मगकरमत्र व्यक्तिरम मरनान निरंभ ভাষার। অবিগত্তে অকুত্রলে উপত্তিত হয়। পুলেশও ভথায় আনিয়াছিল। কিল। নেশাস্মিভির স্বেজাদেবকণণ্ড পাওন िव।इएड ग्रंथिहे शोधाय। कलिसार्डन। ,,कर्भके एकस्मारम कांग्र करांत्र शासक আভিন নিভান মন্তবপন্ন হয়: সেইচা ১ । होता आक्षा मण्युर्वतरण निकाणित হয়। শাড়ীর সময় কিনিশপতা পু'ড়ং শিশাহে, তবে মুল্যবাল কিলিং . এ (उमन किছ किल ना। अधिकाश कर ह श्रुक्तिया जित्राद्ध ।

## षमीपाटन श्रकाश मध्यम् আটলন আছত

: পাহাবাদ হউতে ৩. মাটল দুয়ে **७**ः । इ मञ्चनभूष कृष्टित्यतः काष्ट्रवाष्ट्रिया आ श पछ पर स्थान भागत समाप्त क्रमीलाज u श्रापात भटना अवधि अन्यान्य व्हेशा शिक्षाट्ड ।

আটজন লোক ভিছত এবং বহু লোক এংহত হইষ্টে। উভয় প্রেট আস শরে স্ক্রিড ছিল। পুলিল ওক্রেসের (शक्तार । तक श्व घर्षे नाश्रदन शिवा क्रिन

গ্রামটি জনশুতা কইবা পড়িরাছে।

धकाण क्षांम (य क्षरेनक मुनेलगान सभी। भन्न नाकि (गाककन उ वस्क शहना शाकना व्यानाय कतिएक याहेगा क्षकारमञ উপর উৎপীতন করেন। ফলে প্রেকারা <u> जिल्ला याहेल क्रमीमात्त्रत्र वाखीर</u>क का प्रम काशास्त्र (मया कर्मामात्रक প্রকী চালান। প্রাজারা বন্দুকটি ছিনাইল।

६ धारण्यात महारा व्यवस्थित सभी-भारतत त्याक जनाशावारम आहेरी नाम काल्त करशायक ।

## পুরী ও ভূবনেশ্বর সংসাদ

দুৰনোশ্বৰ ভই স্থান

প্রীডে আছ কাল বেশা গরম না হউভে:ও পেটের পাড়। প্রায়ন্ত হয়। কিন্তু ভূবনেশ্বরে যে বিষয়ে ভাল কিন্তু দিনে খুব গ্রম। রাত্রিকাল এবং প্রাত্রকাল্যা এখানে ফারীর মলোরম কিন্তু ছুপুরুরেশার ভাপ গভক্ষা ১১২ ১১५ ५ औ रस्माद्ध । शहारकत जिलाय চালিদকে পাথর গ্রম হছল উর্পের यात्रा दक्षित क्षा

গুরীতে এবার এবকলেবর ভজ্জ খুব क्य क्टाब्ट अह सक लाक स्थानम হর্মে । প্রথমেন্টের স্বাস্থ্যবিভাগ এবং (त्रेश ५८म (११०५)ना भूत्रस व्हर् ७ दर्गनावश्व ना कर्नाण गाबिकारणस विद्वार अञ्चलिता इंडरन । कुष्ट्रका लाख्न व्हरू (मक्कण व्यक्ती) ल रचार्यान अप्राप्त राष्ट्र स्थान भारत्र मारक বছল পরিমানে ঠেক পাইখানা ইওয়া আৰপ্তক। আমন্ত এগিয়ে কঞ্জলকের (का. (5)शंर दम्बिट्ड लाख्या याद्रेटलट्ड ना । भारत भारत छिट्च छट का चमाडेग्रा रा १००० ० ८० भिष्मण भागीत्र भाईए४ १) । ११ - १ मध्यानात क्या जागान । प्रतिकार के निर्मा क्षिति के मा आवश्च क्ष कि के अध्यादन अध्यादन दक्षाना है। अध्यादन स्थापन स्थापन स्थापन (मधा मात ना। अह भकत ये तो गालाकाक मृत्म इवत्यवात् मा ित् ए हिर्देश चरवत्र व वस् वस्य वायस्य ।

ভাষতের পক্ত ধছল-প্রচার-পদীরা জেলার একমাত মুখপ্ত

मागायात्र शह 可[四十八日間 वासिक 🔊 भागामिक द CANIFAR > ho মাসিক ลทห

প্রান্তি সংখ্যা ্র

७ ४७ ो

विकाशित्र सार

STEPIS.

die tie x

404 W WE MAIN OF

निष्टि क्लब २.

र्शक्त भार

448 1

সম্পাদক—শ্রীজভীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি

**560म मश्था**भ

জীলৈতশামন জীলাম মাহাপুর- ৩০শে জ্যেষ্ঠ শনিবার ১০০৮, ১৩ই জুন ১৯০১

## নানা কথা যুক্তরাষ্ট্র কমিটিডে মহাত্মাজীর द्यांगमादनद्र आदलाठना

युक्तवाहेकला क्यिप्रीय व्यक्तियास মহাত্মা গান্ধী বোগদান করিবেন কিনা গুড ১ই জুন ওয়াকিং কমিটীয় সভায় एंड्यू ब्यारलाइमा क्या शिक्क मनम-মোধ্ন মালবঃ মহাল্মাজীর বেগালানের भएक वर्षमा अकाम धार्मध्य मश्चित्र मक ब्रकांक छिनक्हें हैशा विशेष ভাগ নির্ভন্ন করে।

## कामकात्र महासामीत ८२५८क है। টাস স্থানাস্তরের প্রস্তাব

এগাহারাদের নিকট কোন এফ आध्य ध्वकान क्ष्मीनगत ७ ७१०ता मगः वन्यक इकत कविनाव मध्यारम खबर पुन्छ-**क्षरण्डल कृषि । अ** शाल्लामा शिक दुःगानारमा दन्त चार्नचात्र मञ्जन भिः यभित्रदश्यम क्रिन-अप्रचे रहान्य शासीत्म माधाउठः का --পুরে ভাষার ভেড কোয়াটাগ কানাডুরিভ ক্রিবার ক্স ভরে করিয়াছেন।

## শদীয়া সংবাদ কালীগঞ্জ থানা কংগ্রেগ কমিটি

ক্ষী আৰু দত্তি উপত্তি ছিলেন। কুংপ্ৰের ক্মিটার কাষ্যক্ষী সমিতি এঠিত বাহন কুতু উন্ত ক্র মুলোপাধ্যায় বিষাছেন

# শান্তিপুর সমাচার

ক.লীগঞ্জ থানা কংগ্রেস কমিটা

# গোলটেবিলে প্রতিনিধি

যুক্তরাফ্র কমিটীতে মহাস্থাজীর যোগদানের আলোচনা

# বাকিংহামে জার্মাণমন্ত্রী

নি িলবঙ্গ জাতীয়বাদী মুশ্লিম সম্মেলন

# গোবিশ্যালব্যের বক্ত তা

লালকোত্তাধারীদের অহিংশা-নিষ্ঠা

## কলেজ খ্রীটে হত্যাকাণ্ড

কানপুর দাসায় বিলাতে তীব্র সমালোচনা

कानीश्रम भागात भशीम विभिन्न भारत दिल्लामी नामीप अक दशकादानदकत्र বে সকল দাৰা কংগ্ৰেন কমিনি ভিলা ভাছা। ক্লফনগ্ৰ ভেন্নে দেওমীয় স্কুন্তে সভায় <del>সমস্ত শ্লিকি সালাগালাল ও কেন্ত্রেস তেক লোক প্রকাশক প্রান্তরে গুলীত হয়।</del> क मिष्ठी" महार तन् के देशन के भेड़ी विक्रिक विद्याल मुख्याहरेक वादिक शामा करराना **কটিছাছে। এপত্রপশ্**ষে দেবকান্ম ককা কমিনীকুরালা চটগাছেল তবং প্রায় চল্লিশ

জীনুক গোপেক্সনাথ মুখোপা ব্যায় সভা-। ইইয়াছে। নিয়লিখিত ব্যক্তিৰ থানা। পাংব আগন মহন্ত করেন। শোলাম বংগ্রেগ কমিটার কার্যা নিকাছক নিযুক্ত

সভাপতি, প্রীযুক্ত প্রভাতচক্র রায় চৌধুরী ক্ষক্ত ক वि. ध. भीः सम्भात क्रमान वि, ध, प्रमुख रू **जीनूक प्राविक्यम (शाक्षामी वि, धा. निप्त क** সভা হয়, মতার আতি ক্লাল অভিনিত্তি, জুন, প্রভিনিত্তি নিকাচিত হট্যাতিন। সহঃ সভাপতি, জীগুরু চরীসোপাল । দেও নিং আঁছাত বৰ্ণত ও িতিয়া প্রনের বিশিষ্ট টে চালিগলৰ প্রতিনিধি লচ্যা লানা বন্দোপাধ্যায়—সম্পাদন প্রাকৃত বিচল ম্যাকিটে ।

**ন্থ**ণীরকুমার STORY (N. P.

## শান্তিপুর সমাচার ( ডাৰ্টেডো প্ৰাপ্ত )

## **श**िप्र**र्णक**

ভৌশধানরি দীকিবে দ্বাওয়োডেব উত্তরে পত্রগড় দাহা-প্রুবের পুরের তে গোরস্থান আছে, তাহা গোগে ভার্যা গিয়াছে। ইছার নিকট দিয়া মালোক कडेकत इहेगाए। श्राष्ट्राय भएक दह স্থানতী অনিইকর হইয়া পড়িয়াছে। তথাাপ **८क्त मूम्यमान क्हे (शाक्षारान्य मृज्या** পতিত অনেকথানি জমি গোরস্থান ভুক্ত করিতে চাখিতেছেন। খার একদল মুশলমান উক্ত স্থানে গোরহান বাড়াহতে স্বাচ্ছ্যের হালি হইবে বলিয়া ওপানে এগনে-স্থান ৰাজ্যইতে চাহিতেছেন না। স্থানায় ৰাহ্য বিভাগের হেল্প অফিণার মঙে দেঃ উক্ত স্থানে গোনস্থান নিন্দিষ্ঠ চইটোড वाक्ष्महानित मुख्यातमा विविधा २०४) প্রকাশ করিয়াছেল । স্থাভরাণ ছই দলেল मर्गा छेर। महेस - र्गान्यां । हिन्दिर । গত og! क्न महतूमा मार्शक्ष दिन्छ । बार्गावर স্থানীয় বিভানিসিপাল চেয়ারম্যান মংক শ্রের সঙ্গে উক্ত পোলায়েলের মাম্লিসম্ জন্ত পোদ্ধান প্ৰিদ্ৰনে প্ৰন কৰিব **ছিলেন।** বাস্তবিক স্থান্তব্যক্ত ন্যাঞ্চ ইযুক্ত অর্থিন স্ব**কার বি. ৩, পুরের শোভ**ান্ত প্রাণ সংখ্যালাভের

## শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট" নামে

## ডচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

খোলা হইয়াছে।

আভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অতি বত্তর সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা লাহে সুন্দর বাসন্থানের বন্দোবস্থ চইয়ান্তে। ভান অন্তান স্বাধানর।

সবিস্তার সংবাদের জন্ম নিম্নলিখিত ঠিকানা পর লিখুন। সেকেটারী, ঠাকুর ভর্জিবিনোদ ইন্টিটিউট্ শ্রীটেওভামঠ, পোঃ জীমায়াপুর, নদীয়া।

## —৫১ বৎদরের প্রতিষ্ঠিত-

উহ্থালয়ে প্রস্তুত বটীকা

धीको कुक्तकावना, अञ्चलक्ष, उक्षकाठिन, अवीत, खबक्त आकृति কত বে।গাঁর বোগ নিরামর হট্ডাচে ভালা প্রকাশ কাবলে বড় বড় পুস্তক कहेवा भट्या

#### हैडा

সকল প্রতুত্তে বাবছার চলে এ স্থান দল প্রবান করিরা থাকে। প্রতি (कोठेव १२ है। वहीका थारक।

#### (करन्या अ

জাতি কৌটাৰ মূল। ১০ এক টাকা। হথার নাম **'আভাভানিত্রহ** বটীকা'।

অঞ্চান্ত ঔষণের ভালিকার জন্স গত্র লিখিলেই পাইবেন অারিকান:-আতঞ্জনপ্রহ উমধালহ २) ह रहताया छ छ , क' शका छ।

## কাবরাজ শশিভ্যণ কবিকপ্ঠাভরণের



মফংসলের প্রথিপর জন্য ৬ আঃ শিশিতে ঘনীভূত অবস্থার চোটবোদ্লের ব্যমণ্ড্রি खैर्यम फाटक मार्टाम इन, हेबाएक खेरासब क्यान महिन्छन क्या इस नाई। मुना व्यक्ति निमाम ॥ • भाना, शहिंहे ॥/ • भाना, (वाक्त ১०/ • भाना।

অফিস–১১নং উল্টাডাঙ্গা রোড, পোঃ শ্যামবাজার, কলিকাতা

चय च बाकुरिकात, वेलियमधित हान. हारन क्षाम्याच, वश्यक्त, बाबाटवास, तुम वद-কয় নি, অনিসা **এড়ডি লক**ণ সময় নিৰ্দেশ चारतात्रा एत । यम, बीबी, स्था वृद्धि व्यतिहरू श्वविद्योप्त हैनिक। धुना ०० वही 🔍 अक है। मा।

"নপুংসকাছারি ছত" ण्यक्ति **हा** त्य व अध्यक्तित श्राह्म व्याद्यांत्री ক(বরং শক্তিসম্পন্ন করে। বুলা ৭ জোলা ১, টাকা "রুলপবিলাসিশী

বারাধারণ করক মকোবলকি রারী **ও বৃদ্ধি করিছে** ककाल्डराः वृत्रा ३० रहि ३, अव डीकाः বাধবে লাক্সায়ালজী, কেশবজী

॰ ১৭৭নং কারিসন রোভ, কলিকাড! । <sup>(</sup>

# হাইডোসিল

কোষরদ্ধি রোগ

ঙাঃ এস, এন, ঘোষ বিনং আলে, यावब्दीयत्मद्र आधानि मित्रा देवकाणिक व्यनामारक द्याप्त्रुषि द्यान पारबाना कतित्रा पारकतः।

> \$wiai\_ अ भर करेन हीते, रखनाचार, -

## যক্ষায় হতাল হইবেন না

## দৈব প্রাপ্ত যক্ষার একমার্ত্র মহৌষধ

পনর নিমে সম্পূর্ণ আরোগা

বোলা এপথাৰতে হচবে। অভিনে পাথের খরচ (যাওয়া আবং আনার) भाक्षेत्रहेला श्रिया द्वार्थी दस्या क्या व्यवना क्रमारण व्यक्ति दश्यां वा लेक्ष (भड़का रहा कारकाला मा बल्का गरास लाजिलांयक बिट्ड बहरूब मा । भगीन द्वानिर्देश वन्त वहम अधिया विक्रिया कवा कथा निवादिक বিবঃপের জন্ত এক আলার ভাক টিকেট সা লিম ঠিকালার অস্ত্রণভাল

खीकि की नहस्र के कील, बन्धा-िक्टमक, टला: टेमकाकी, वरिमाम । अथवा निम्न टिकानाम भाष्याय कविका विकाशक आसिटक भारतम ।

জীয়ত রামগোপাল দন্ত তম, তে, ক্লকলগর, নদীয়া । 💆 🐞 👣 কাবপুর 🤲 त्रित्र, ३५१, द्विष्यार्काला क्वेंहे, शहरत्या, काकवारा ।

একখানি পতা! অ মার ভাতৃপুর গছ হয় মাণ বাবং রাজ যক্ষার ভূগিয়া সুক্রপায় ক্রণাছল, কাল্ডাড়াড় বিজ্ঞ তিপিৎস্কুপ্ ছালার कीवरमद काणा छ।। व कादका न्यम म्हू छत क्रमा वाराध्या कतिर महिलाम এই সময় জীয়ত ফিলীশচক উকিল মহালয় মাত্র ১০ লিন চিকিৎদা काबक्रा शन्त्रन कारतात्रा कविका निवादकन । (शाः) क्रीय होन्द्र किरणाव काञ्च ८५) ধুনী ( আমদাৰ গালিয়া ) বগুন্ধীট্, নিউ বিভিন্ন । করপোষেশন नाइति डिलाडियन्डे, क्लिकासा ।

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

भोताक 88%

মাত্র ১/১০ ডাকটিকেট পাঠাইলেই বুক্দেণটে পাঠান হয়।

মানেকার-গ্রন্থাগ डीरिट डथमर, (भाः क्रिमाया भूत, नहीशा

কেন প্রাহকগণ

# ড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

## এত প্রশংসা করেন

এগানে যাবঙীর ভাপার কার্যা---

८२ हें।त ८ छिर, त्यामा, कत्य, बाम, क्षिणाठी ८६०, विश व्यक्षिक वनून,

বিবাহেতর নিমন্ত্রণ পত্র, কান্ড, বিবাহের শক্তই বসুন,

আর ৩ বং ও ৪ ছংরের ভাফটোন রক্ট বস্ন, সকল কার্যাই অভি শীম ছাপা হয়, অণ্ড ছাগাহবার গর**চ বাজার অংশকা** প্রশস্ত।

কাপনার বিছু চাপাও কায়। পাকিলে নিয়নীকানায় কানাইকেট ধর পাইবেন।

ম্যানেনার-গৌড়ীয় প্রিন্টিং ওয়াকস २८०१२ वर काशास मात्रकूनात (बाध, क्लिक्छा।

## শ্রীন প্রভূপাদের বক্তৃতাবনী

প্রথম ও বিভীয় খণ্ড

ওঁবিকুলান প্ৰীক্ৰীমন্ডজিলিছাত সম্প্ৰতী গোখামী মহাবাজের সেই অন্তিজ্ঞাত विश्वरतिनी क्रीवाक्षकवरणात्वाविनी क्रककाकां क्ष्मवाक्रिमी क्रीवक्षवानीत मूर्वविक्रायुक्त देवक्षविकाल रक्षवामात कोल स्वति-व्यक्ष व्यक्तित्व क वाद्याक्षमकत्वक विकासमञ्जूत । किन्द्रा अपन्य अपन माना पास ।

## अभाग्यामाम क्रिक्ट गाउँ नरपालानां भटकर कु बनासूनक शाहर्याः । शहरयन्

, ", )

#### श काहारीर क्येजिलाभिदक्षात्र सर

विश्वमार र ५० १४० र ११ भवम रियुट-ভক্তিপ্ৰাল বল্প নাক্ষিত্ৰ প্ৰমা ক্তি মতী ইনিং হ'ল কি আল্লা কৰিয়া कार्डिकी शृतिना 🛫 त मन्नाकारण व्यान्या জীনিমাদিতা ও তে অন্ট্রি হল্প ক্র मनाद्यम प्रक्रिकाश महत्रकाल कर्त्व । है व 'নিশ্বাক' বা 'নিশ্ববিভাবজ', 'আরুণেন', 'निगमानना' ७ 'इ!तशियाधामा' नारमङ বিশিষ্ট। ইতাৰ ব্যাতি বেলায়ভাগোৰ, माम---'(नगास १०१ का कामोतक ।'

आठारा भागिशामिका किला देशहाहै वक भिकास कार्य करवन । है।विश्वितिका **भ**िट्रकडे - १०५० शास्त्रभागास् বুলিয়া স্মীকার কবিনাছেন। জাতির গল ভ শাস্ত্র পার্ব প্রেমাণ ব্রিমা পুর্বি । **। इंग्लिस नातन दर्शकार्य एक इंग्लिश्लि** SARTER FRE WINDIA UTITAM MAIN :1:15 <u>्रक्षेत्रे के न रे संस्कारिका ।</u> हैं। भारत्व निक्षेत्र हराह छात्र रहेश व्यक्तिया बैलियारिका केप्टर शहान करतन । পুৰাণ্টিৰ পঞ্চম বেলছ, বিষ্ণুৰ সাধকভূছ, শক্ষা ও নিষ্টারালা ভগ্রদ্মত জির মতোয়া, अवदर्भवात अमरम के ब. निका अल्लान-शामित माश्राम, ज्यातामित अञ्चीनदालक इ. পর্ম মৃক্তগণের নিত্য ভগবংপবিকরত্ব ও ভগৰানের স্থিত চিৰিলাস-গ্ৰে নিতা বিদাস, ভগবানের আনিভাব ভিবোভাব শক্তিম্বা, বৈধনকৈ নিভাছ ও স্পার্ক্ত, ভগ্রংপ্রসাদের মাহাল্লা পাছতি সিনাম্ব मुहे ६४। वाष्ट्रभारम छाठशिक छोनिश्रास्त्रद বচিত বসিন কভিত দশলোকীতে একপ मिकाष्ट्र जिथित आहरू, - मकन वस्तरे একাথক। বয়বিজ্ঞান্ট নিবিশ বস্তুব যণাৰ্থ ভন্ধ, ইহা জাতি ও শক্তিভে জান। যাব। द्रकाम श्वारम व्यटेश्ड राजा, द्रकाम श्वारम देवल এবং কোন স্থানে উচ নিষ্টবাকা প্রতিষ্ঠিত . -ब्राह्यताः (क्षत्रपादिष्ठ क्षाम भाः साः साः ह ভ্ৰন্থয়বিচারে **অ**থৈত ও থৈত উভৱই সিক ছ প্রদায় বৈভাবৈজনানত তাংশযাক্ষণে জাংশীয

खटेनकतानि, दुष्टिकत अक्षत्रभूकि (अ.टी. ) भव्यक्ष, गरम्भा स्थानान श्रीत ५ मध्य ग्रीप <u> लिंदरमिन्छ वस्य देवनाननी अलग्योजिम्यो ब्राह्मात এश्कार सारधारत अमृहिष्ट क्रहेस</u> वाधिका कीरनत्र मन्त्रा केलामा । जीतन সর্প--- চিকার ছবির প্রানি: ভাব খণু-জ্ঞান্তা। অনুধ্বশতঃ জীব

ख्या क्षा श्व**रहरशोद्धाटको कामा** नह

## দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ নিড্যপাঠ্য বৈকৃষ্ঠবাৰ্তানহ

## া- কালাপু ল্-৩০শে জৈটে শনিবার-১৩৩৮

জাবের বন্ধ, মুক্ত ও বন্ধুক্ত - এই তিন সমাপ্ত হুইয়াছিল, কোন দৈব্যোগে অবস্থা। উপাক্ষরণ, উপাধক্ষণ, রূপা-লব, ভক্তি ও বিবোধিরগ--এই পাচটী তম্ব বিচার না কবিনাই কি রাজসভায় কি অভুশালন লাবা প্রেমলকণা ভক্তির নিভোগ্ন অন্তঃপুরে, কি ভোজনকালে নির্ভরই দ্যুত্যু মাণ্ডিয় চিত্তের সম চইলেও রাজস্মীপে ধাতায়ত করিলা থাকেন অনাং ছায়ারপী বস্তুতে আদৰের সমতা বিভাও নিজের সহস্র প্রয়োজনীয় কার্যা थाकिरलंड जीनजनाव-८७म रमभा यात्र। पूर्व र्म्मानिया रिकाश्वराधारक व्यक्तिय कार्रीहरू সমস্ত এডজগণ এবং বন্ধজীবের লিক ও প্রেত্তালামন্ অভিবাসন্ বডুসিভাসেন স্ক্রাদের অচেতন-ডিড। অন্সভাবে একমাত্র আসন প্রদান প্রভতি সম্দর্য প্রিচ্যা; স্বয়ং নক্ষনিবংদি-বন্দিত স্পৌখবেশ্বৰ শ্ৰীক্ষেয়েই নিৰ্বাচিত কৰেন এবং হ্রিকগ্যে চিত্ উপ্দেল কণ্ডবা; নিষ্কু বাতীত ইতর বিশ্বয় রাখিয়া অন্লমভাবে অংহারতে দেব হা উপাধনার নিনা ও নৰক গতি 🖛ত ্যাপন করেন। জানবা তাহাব বাজোব व्या कर् एक পण भारक नेकिन नाकिमार अने कार ११६ इशीलाभगतनत अर्जन ५ विथा-रुन्। संरक्षनी , १५४) म् २८५ कामाय नाक्रमभौत्र नाक्रमभानियरक । वक्ष भारतम को तर्वन, प्रीया कारण शक मन्यात প্রাচ্যকের প্রক্র বিনি। অন্ত দেবতঃ পুজা, অল ,দলভাব নৈৰেল ভক্ষণ বিশেষ-ए। (व विश्वका अन्याध्या, এकानवा, दााम পুজা পুড়াত রভ গ্রাবিধি প্রেমায় ৷ বিদা-G117 四水(Steff) বক্ষনা । গুচ্ছ বৈকাৰের বিজুনৈবৈভেব থার: বেক্ষরবিধানে শ্রাক্ষ কর্মীয়, তেতি सक्तिविक्तवर्थं भवति आडाति । डीवडनस्वत বিভিন্ন স্থানি এই সম্প্রবাচের আনেক মেঠ ( এরার ক্রাম্য়ে ) স্বার্থের হার সাম্প্রার্থিক বিভ বৈ ৮বং গ নেহাং গ্ৰাম্যা প্ৰাসক।

## রাজ্বি ভ্রীকুলশেখর

अनिकार्याच्या शास्त्रके स्थाप स्टब्स ্রৈকঃব্রক ননোবিধ উত্তর্জ পান্ত, পানীয वश्व व्यवस्थात छाज्ञीक भारत महाहे कतिमा নিবারণ হাবকথায় কাল্যাণন কবিতে माधियम . अक कथान वर्ण गाय, जिमि मकन द्रमानद्रवितः, 'बदन्य क्यान् । भन्नच प्रश्नामधीम कृतिहा कृतिक्रमण्डस्य कियानस्य वार्यातः स्थानमानम् সম্পাদন কাংডে আগিলেন। মনীবৰ্গ প্রায়ন ক্রিডে লাগিলেন যে,— 'নরপতি ্ এই বৈশ্বেশবের সহগাদে পাকেল নিডাম্ভ किकाल के बाह्य रहेराएक । अपकार्ट गर्ग-त्याग-विरम्नाग-त्यांगा। ममुद्रक्ष निमञ्च इदेश देशव कावन পवि-

রক্ষিত হইরাছে। বৈফ্যবরণ কালাকাল ্যুলসাম্প। ও পলাটে হিতকামা, ষাভ≤ব ভারতে কিছু উপদেশ ्राप्त कामाप्तित कधना ।" *१*डेताल १७५ মানীর প্রাক্তিন স্থানো প্রাইনা মাধান্ত বিজ্ঞাপন করিল। কিছ বাল 'বৈষ্ণব-ু পুংলীয় ; বিশ্বট্নবেজ (৬)জন পুণ্ট আমার পাণাবিক' বলিয়া ডুটেদিগুকে निरुष्ठ करिएलम् এवर এर निष्ठ निष्ठ कार्या অবৃহ্ছি চইটে আদেশ ক'রলেন। ভথন काभा धार्यको देरभवनकारणय महिल कीहाल ভেদশাধনে মনোনিবেশ পুৰুক পাণবুদ্ধি ও ভিদারেধণে তংপর হটলেন।

> একদা ভূমিপতি পৌবালিক, সংক্রি, মন্ত্রীবুগ ও পুরোহিতের স্থিত সভান মহাভাগৰভগণেৰ শ্ৰীমুখ হটতে অস্তাক্ষৰ মহের সদর্থ প্রবণ কবিতে করিতে ছিপ্রাইর অতীত কৰিলেন। অনহাৰ স্নানাৰ্থ অভিলায় करिया निकास करेटल याट लीय प्रधान, বাজনুষণ মুক্ত উল্লোচনপুকাক সিংকাসান বাহিল অঞ্পুরে গমন করিবেন। তথ্য बान, टकाकन, विश्वामाधिक धन मुख्यात्रम्यः উদ্ভাক্ত ইইৱা আসর প্রিচারক;ক দে ১৮ সনে বৃক্ষিত ভ্ৰণাবলা আন্যুদ্ধি গুলুবন্ কবিলেন। ভাগার। সভাব অন্ধাণসমূহ না গাইতা বাজাকে নিবেদন কবিলো তৌন মমাতাবৰ্গ ও রক্ষিণ্ণকৈ অফেবিগ্রাম কোণদহকারে নানাবিধ ভং সনা কার্ডেন क्तर विशि**णन:--''क्ष्यन्**ट आश्रांत काह्य,त সমত আগন্যান্য দিলে আনি স্কান্ত্রী ल्यानमः क्षत्र कारम्य कवित्। N. 35 9 देवकन्यवार्गत धान धारतील्य द्रम्यालेना এই বাৰা আনাইলে নুণতি কৰে হস্তাৰ্ণণ বলিলেন--"ছাটেডা, ভোমাদের মগদর্শন

महित्रशन्तक काञ्चाम कविहा विकासन ''পৃথিনীর মাবতীয় পাপনাশি শ্রীহবিশারণে বিৰুৱিত হয়। ত্ৰিনিকাছনিত পাপস্কল বৈশানস্ভতি বারা বিন্তু হয়। মহদিগণ नरनम-- देवक्षनमिन्नात भाभ क्लाम ९ छेलास দুবাকত হয় না। "মাঙ্গুণ ভোমনাধে সাধুনিকা কাংগ্ৰাছ, তজ্জন্ম ভোনাদের দশ্ব বিধান করিতেটি। কিন্তু কামাদিবঞ্জিত বৈশ্ববজ্ঞান আনোপিত চৌষাদি মাজ্জন করিয়া নিঃশক্ষ ভাবে প্রমণ্ড কবিব।" ইহা विषया পুরোভিত, পোৰবর্গ ও সামাজিক-श्वरक व्यक्ति। अश्वरक कल्प्र-सारमा श्रीयव বিষধৰ সূপ স্থাপন ক্ৰিয়া বলিতে লাগি-লোন 🛁 ইটাবৈধ্বগণ ভুকিমুক্তিভেও নিস্পৃত্ত, কল্পি ভথর নভেন। এই স্কাম্পি সভা না হন, তবে এই সূপী আমাকে এইরাণ উঞ্জিপুর্বাক म: बन के क हैं। বিপুত্রদন গ্রেট আনিবিষ্কে স্বহত্তে টাস্ত্রোগন কবিলেন। ভাগ দ্বিদা দেবগণ আকাশ **২**ইছে প্রম বি**ল্লৱে** श्रुष्ण तमन कनिएक मालिएमभ उत्तर कुम्बुख ধ্বনি ছাবঃ (সই) ব্যঞ্জাকে সন্মন্ত কলি**লেন** । ভদমত্র করণাগিছা ইচরামতার রক্ষেম্মঞ্ স্ক্রমণ আগ্রেড ভাততা আলিখনপুর্ক বলিতে লা: লেন - ''তে বৈঞ্বচুড়ামণে চু ভূমি অমি অপেক: অমিব ভক্তকে অধিক-ভর পুরু বিবেচন। করিল গাক। ইহাতে অন্নি অতীৰ সভাৰ লাভ কৰিয়াছি। ওমি ্রকান বব প্রাথন। কর । নুগতি বিনীত-ভাবে অভি সহকাবে জন্ম ববেব অন্য-বশুক্তা জান্তি। কেবল উপেতে এবং ভাষার ভক্তগণে দটা ভক্তি প্রাথমা কবি-লেন। নুগণরের <u>প্রোথনায় স্থট্চি**ত্ত**</u> প্রীকৃষি ভাদশ ধনদানপূথ্যক তৎপুত্রীকে ক্ষাক্ষে যালে। ক্রান্ন। ভ্রেল্বলে मृत्तेत काशनारक <u>धवः</u> सीह व**्षात्क समस्था** ধরবাদ দৈনা নিজনগরী ক্রাপেটিভ, করুণ রয়কে সন্ধালভারে বিভূষিত ও স্ভাম্থা भरमाञ्च ,वीनर १ वर्षाचिति दशभाषि मण्यापाङ কৰাইয়া ত্ৰীব্ৰহ্মনাগকে স্থান ছবিত্যৰ পাৰি-भीकृत कराहे जन। 🖹 🖮 हात ह बाक्य ही व मार्थ्ड (मरान कड़क बांद्रेड क्रेग्र) माना নৌডুক সহ স্থানে প্ররাণ করেলেন। সাচর- न नृश्य अञ्चलम्मात्म नीडाहेड अनेव का अन्यम्भ । स्टिमिन्स्क স্থীকাৰ কবিয়া অভয় প্ৰেন্ন বৰ্ণিয় রুণতিও ভাষাদিয়ের অভিযান সম্পাদন 4 1574 I

অন্তৰ বাজৰি ভাগবান ধাৰিকে মহা গ্রীলাল্যাই **প্রতি সম্পেহ গোষণ** করেন, কেন্দ্র্যী নিজ জন্মক যৌন্যাকো গ্রানি<del>শিক</del> ক'ৰ্য়া কেৰ্বা বৈষ্ণাগেষ্ট্ৰাৰ কাল যাপন পুনক ভগবল্লাৰ জন্ত কবিতে কৰিছে কৰিছে ২০জন ৷ একলা প্ৰীয়ামনব্মী মানেংগ্ৰে বাক্ৰিব্লগেচিত সম্ভা ও উপ-করিব না।" এই প্রকার উক্তিপুরত হারলনে প্রাথকারিগ্রহের সেবাং মনোনবেশ

করিবের। শ্রীরামগোপ।লদেবের মহা-मानार्थ मश्चम कृष्णावनी ऐत्याउन श्वक অর্চকগণ কোনও খাজে অন্তর স্থাপন করিলেন। ভদনস্থর অভিযেক, বৈদিক নুভাগাতবালাদি ল'ত かずがな. মাজনেংসৰ সমৃদ্ধিমান কৰিতোভ্লেন। ইতান্দৰে মধিশে বৈদ্যবদ্ধোৰ একটি খনর্ঘ মৌক্রিক হার অক্তের অলকিছে গ্রহলপদ্দক গোণনে ছাপ্তম কবিশ্লেম ৷ এলিকৈ অস্কার সংযোজন স্মাণ অভ্যক্রণ মহাঘহার মা পাইন রাজ্যিকে নিবেদন ক্রিলেন্। তিনি ক্রোধার এইয়া প্রমাত্য-নগতে শীঘুট হাব্ভয়ারের অঞ্সন্ধান কবিতে অংদেশ কবিলেন। মন্ত্রীবর্গ প্রস্পব পরামশালে বাজসমীতে মিবেদন করিলেন ''টেক্ডবগ্ণ সঞ্জলা অবাবিভিন্ন চইনা ভাগাৰ, অভ্যেপ্র মন্ত্রালয় দি ওলাভান্-श्रीकराइ ३ मक्तरः मुक्कत्रण - क्रान्तराइन । ক্রীরার নাতীত অহা কার্যার ওপ্রান হর্টাত নিত্তি অসমূব। लैंडार्ज्य निर्दात्। आणमात महारकार्ध्य अक्षत ३१, १७ क्षातर् आभतः अक्षतिस्य र ্নবিয়াত নিধুর আছি।"

वादार्य कर्गमलाम्बन काम्छ । 'भगता নিন্দাক্রনক মন্থিবকে,শুবলে অস্থিকু ইনীয়া অভার কোপদৃহকারে বাধাতে আশিংমন -ভাগবান বা ভারজেব নিলা প্রবাদক্র ভুলা হউতে প্রস্তান না ক্রিকে নিব্যগ্যন অবশুভারী। বিশ্বব ক্র ব दनभःदनस निसंक गाङ्गित किन्ताफ्रक्त 3114112 কল্পা, ইচাই শাস্ত্রেণ ক্ষতিমত 1178 अक्तारभक्त १७० ४३१व ७ देवकत्व ७ के.ह. ্ভারতেও অনিকারর রোক্ত তারেরানের তার (পিশ্রাসিশানের রাজনা সামার্থকারমেক্ষেরপ অযুদ্ধৰ নিজা আমি কিন্তুপে সহা কৰিব গ ध्ये (श्रक्षत राजनीरम् स्वस्त) साजन साम भनाक डे।ताङाग्राभावक्राली डीवियन्द्रित भवाक चाहात के रनत अक्षां अधि अधि आ লগণপুৰ,ক মহাধৰ্ণ গ্ৰহণ করিলেন। নন্ধি-গণ ভঃলনে ভাঁংডিছে ব্জলপ্রদেশ আপন্য দিশের অপরাধ রাভ্ন কবি ন হার প্রভাপীন পুনক ক্ষম: প্রাথম: করিছে ব্যক্তিগ্রেন এবং বৈঞ্বণাদের চরনক্ষালে পুনাপুনা সভক্তি सन्दर्शात् छ। न करिएड भएकात्वसः। ব্রক্ষি ভাবেদন্দর ভাগেক। জনগবেষ্টেড লিঞ্জা-মধ্যে স্থান কান্ত্ৰ, নতম, নন পূলক শ্বতন্দের্জ্যভাব দেপুনধ্য নিহিত করি ৷ 可有力學 NOTE(9) 7 55 74 4 ではいいない ীরেকে প্রস্থান করিখেন। X1.45 ন্যোকৰ সেবাধ নির্ভিচিত্তে সম্প্রবাজ্য इनग्राशिवणसात (यो**ङ्कब्रा**श **शान** कोनग्र) म्(निक्रास्थाप्र स्वर्गात मामक छात्र तहन। ছবে। ব্যাক্ষককাষ্য সম্পাদন করিলেন। हाधादन माध्र किनारमण अव, त्रद्रभण संग्रानवाम প্রভূপ মুখ্য ন মূহিব প্রকারণিত আগে।

अवन्त्रकारतः वस्त्रीमा अभाग मामानिक

ভগবৎসেবা করিলা সমুদ্র পুরাভূমি দর্শন ও তাঁহাদের ভ্রেষ্ঠ সেবাসমূহ সম্পাদনপূকাক জ্ঞান রাজ্ঞরি কুর-কানগ্র সমীগ্রেপ প্র**ন্ধানে**শে পোগমন করিলেন এবং তদ্দিপ খ্রীরাজ-গোণালের অদিপারভুসারে সাদরে তথায় বাস কৰিয়া সপ্তবাদীৰংসর পূথিনীতে বছ नीमा अन्त्रभ क हिर्देदकुष्ठेशस्य भड़ा श्राम কবিলেন ৷

## উ চৈত্রাশিক্ষা-প্রবণে অধিকার-নিণ্য

हैं। किला रीमारम अकिताकत वि अस )

এই পোক্ত জগতে অসালা শিক্ষকের অস্থাপ্তকার বিক্ষা প্রচ্ছিত সচ্ছে। ঘাঁহার। সেই সকল শিক্ষাথ শিক্ষিত হন, কীংরি মনে করেন ,ব, ভীমন মধ্যপ্রভূত শিক্ষাণ ভালেশ শিক্ষাণ অস্ত্ৰান্থ ৷ প্ৰস্তুত প্রক্রোর উভাবন শিক্ষার মধ্যে আকাশ প্ডিলে ডেল ব্যুল্ন। জগালের বিভিন্ন िकक्क व्यव विकास के किस महाक पर भागा अवस्त्रम् व (हम्, १९६६) मान्तिक इंस्टिंग्ङ कारम आंगप्रेड ६८ होस्फान्यक राष्ट्रीयस्क निकामा । किन्न निका सह श्राप्त नका न ীবেরজী বীকাণ ইতিরপ্রাক্ষেদ भारता हार्गान्य निकाल्यान्ति अकुम्यः ব্ৰুটেৰ প্ৰভাৱ ভিন্নাট্ৰ প্ৰহণ কলিছে কেট্ৰ প্রাংশ শিক্ষার মান্ম

75.1 ত্রীমন মহাপ্রত জগতিক কোন নাতি नाई र शया-

不可管的 难行

ার স্থান কেনে বৈক্ষা STAR 87 8 9 9 পেটোর কলানু- কামী ভরতা উর্জের স্মিয়িক ম্মাণের করা কোন্ত্রীশক্ষা উল্লেখ্য । পাচারের कर्म्ह 💇 ३. माहे। डिश्वात मान्होस Faters & John

A 'T HE W 10 Est #(3)(24 মুক্ত জানের কাল।

অনুটেড্ড ভাব আমৰা, এম, প্ৰমাণ, क मा कित व निश्रांकल -- व्याप ५३हेग **५ ५०८० वर्ष्ट्री ६६ ग** अधारः ब्राह्माप्टर जिक्का कराह जाताका 4 (bate \$15)(\$ আমাদের ভোগের উপাল্নমধ্য মধ্য করিয়া থাকি। কিন্তু প্রস্তুত প্রস্তুত্ব অপোঞ্চ निग्न ही एक्ट महम्म । कीर्नन काम प कर्यानिता समान अनित युसन्ताल । व्यक्ति । अवत श्रद्धांत्रसर्वोते । कोत स्रक्रांत्रत धानणा-বিশ্বাস অনেকস্তালে উক্ত ইণ্ডিনাগণের माश्रासा यानम ५ मतीत ८६ द्वामपुरुक आश्चारिक्षाञ्चारम निराध प्रेमीप्रक कतात्र। कीत्वत ते मध्य देखिन्नत्वामम् देखिन्न

প্রক্লন্ত ভবে পৌছিতে পারে না

একমাত্র শোভপথই জীবের পক্ষে সফোৎর'ষ্ট উপায়, যদ্বারা জীব ভাহার স্বৰূপ-উপলব্ধি কণিতে সমগ্ৰহাঃ যতদিন প্রেক্ত সুধা ও পদা দেহ ভারস্কাণকে আবরণ করে, সভাচন বিরুপ ধারণা সভা अभाग अभा उसस करता মন সভা-প্ৰভূব শিক্ষা - এই প্ৰকাশ অনাগুৰিকণের करण अञ्चल इ.स.क स्वतः कितियोतः अन्ता গাঁতাং বীভগ্ৰান ভাজ্মকে লক্ষা কবিয়া " ব্যক্তি প্রনিপাতেন প্রবিপ্রভান সেব্যাং" অথাৎ সেই ড্র অবলঙ হইবার জন্ম একমাত প্রাণিণিত বা শাগোগিত, প্রিপ্রশ্ন জ মেবার্রভিব আবেলকাতা বলিয়া যে শিক্ষা চ অভিনৰভেক্ষনক্ষ NIS चित्रिकोतरति । नर्विवनीनाग्र व्यावनि আচাৰ প্ৰচাৰ পৰা সেই শিক্ষাই প্ৰচাৰ करिया कानाकेरणन त्य, तली ७५८० मनवाहण्ड इट्या डाइन भिषा शहन वा कतिहरू क्षित्रभित्रक्तित वस्त अङ अक्षणका क्रीत्रव करियान बाहाने अहाराज्य 58 31 1

্রেডনম্ভীর অলিমিশ্র চিন্স ভারগ্রু । চেত্রের ধরে ক্ষতিদালে। করি করি মাই। যেপানে এই চেত্ৰ বস্থা ছাবা ছাচিদালোচনা <sup>এইল)</sup> পাকে, সেখানে ভীবের স্বর্গপ্র বুনিতে হইবে। ছাত্রব সিকারে জীবেদ নিজ সকলের পরিচ্য আর্রজ্ঞ । জ্ঞার নিজ প্রমেশের পরিচয় ভারণত হুইলে প্রেম্ব শিক্ষা অভ্রধানম করিবার স্রায়েগ হইতে জীব অনোক্ষত বস্তুত্ব শহিন-বিশেষ ভটকাশক। সেই ভটকাশকির প্রভাবে জানের অন্ধিকার চর্চায় তাৎ-কালিক অধিকার আছে বটে, কিছু দেই অন্ধিকাস ৪০৯৷ প্রিহাস ক্রিলেই ভিনি নিজ অধিকারে প্রতিষ্ঠিত চট্টা তাঁচার আলুবুৰি ভক্তিতে অবস্থিত এইছে পাবেন। ৬জনীয় আপোলজ সম্ভ নিতা, এই ভক্তি निकार इतर ज्लामनाती कीत्र या यकाल 'नेरा । देवे घरशकर्ष्य मन्कष् रुप्रयम्बे ভাবস্বৰূপেৰ একমান নিভা কতা। শক্তি-एक केन मां क्रमारमद (महायाध्याक वर्षनाक স্থান অনিকারেনর অধ্বরেকার করেন। স্বায় প্রপ্রান উদিত হয়,পত ভাগের আর इर्रोडि भारक नो । आचन निका इंडेएडंड জাবের সেট স্থানাসাম গ্রীভিক্ষণ চরম কল্যাণ লাভ ঘটে।

ভাবের স্বভাবে যে চিছ্কশ্ম অবস্থিত, Bibl शिंडर शांशीचित्र व्यासाल एक व्यवसा ट्रिट्र मक्द्रविकद्याञ्चक भटनाभटश्रंत जिल्हा कीरनत वास्त्रवश्चाश्चरभन (वाधार्थः मह क्किन गांच । का ने पान कान करना लियान विकास व्यक्ति । इंटरने । नखन्नीत कारक तराज 'शर ' मा । सा ना

পোষ্ঠ তুটাগ্ৰুক্ত হ ওয়াগ্ন আংরোহপন্থাগ্ন জীব | করে, কিন্ধু তাহার ঐ ধারণা আবার কাল-ক্ৰমে শিণিল হইয়া যায়। মুনোধৰ্মের উদরে জীব শ্রোতপথ ছাড়িয়া দিয়া ইপ্রিয়ক জ্ঞানোথ ভৰ্কগণে চালিত হয়। ভৰ্কপণ শীমাবিশিষ্ট ও পরিভিন্ন হওরার উভাবারা পুর্গবৈকুণ্ঠ বস্তুকে আছে করা অসম্ভব ।

> প্রকৃতির অতীত অধোক্ষম সম্ভব ধারণা শৌত প্রমাণ বাতীত অপরাপর ইন্দ্রিরগ্রাস প্রমাণের ছারা সম্ভবপর নছে। শ্রবণেক্রিয় অক্সাস উদ্দিয়গণের সাহায্যে প্রভবিষয়ের সমর্থন করিতে পারে। **প্রবংশ্রির** সেবো-মুগুনা হইলে তাহার প্রবেদ্ধ বিষয়টা প্রাক্ত, কিন্তু সেবোন্থথ অবস্থায় সে অংশক্ষিক বিষয়ের অমুগমন করিতে পারে। যে সংল শৌভপথের আদর নাই, সে স্থলে জাব নিজ নিজ লেয়:পথ বা মজলের পরি-৫ওঁ প্রেয়া বা অমঙ্গাই বরণ করেন। ঐর্লপ লেয়ঃপথে ভাঁছার ভোগের রাচে ্রাবেশ ঘটে। সেধানে বিফলমনোরথ হটলে ভাবার ভ্যাগের পথকেই শ্রেনঃ বলিয়া মনে করেন। আবার ভাগের পথেও ভোগের কুণা নিবৃত্ত না ছইলে সে পথও প্রিত্যাগ করিতে বাধ্য হন। স্কুপ-বোদের মভাব হইতেই চৈত্তভ্রমেবালিমথ জাবের ভড়লগংকে ভোগায়তন্মাত সংন इर, किन्द्र महास्वरमत ''भोकिको दिमिकी বাবি হা জিল্লা জিল্লান্ত মুনে। । । । বিদেশক कृदेन्य मा कार्या। 'अकिबिक्क हो ॥'' বাংকার সারবভা জন্মসম হয় না ।

শ্রীমদ্বাগ্রন্ত লাম্ন শ্রৌতপ্রের প্রাবল ছাউছ ছৰ্গ এবং স্ত্ৰোত প্ৰমাণের ভিত্তি-বিসারকারী। শ্রীমন মহাপ্রভ এই শ্রীমদ ভাগৰভাকেই একমাত্র অমল পুরাণ বলিয়া গ্রহণ করিলাছেন, কারণ একমাত্র ইচাতেই ीनचारमतः सामुशरशतः (त्याच्याः)रेकछ्यः भच्य া বিশিষ্ট হইবাছে। এই শ্রীমন্তাগ্রভের মতে 'স বৈ পুংসাং পরো ধর্মো যতে। ভক্তিবনে। কভে। আহৈত্বাপ্রতিহতা দায়া স্থা-भीभंड।' अर्थार अर्थाकक श्रीक्रस्क संग्राण-महानविध्या के कालिकी शास्त्राविधी निय-८९७७। के कि है भानवगरनत मकरळे ध्या বলিয়া বিবেচিত, কারণ ভদারাই আত্মা मगाक्यकारत यमग्रहा गाउँ करत्। कीरवर्त স্বভাবে আগুপ্রসরতা লাভট জীহার পক্ষে ban भक्षा। उडे (श्रोधवाँगेत काम्य ना ক্রিয়া ধিনি ভক্তাপে চালিভ হন, ভিনি (मह 9 मरनामःयात वरन, क्यम 9 कारणव. কলনও ভ্যালের রাজ্যে প্রবেশ করিয়া নিঃল্লেয়স হটতে বঞ্চিত হন। যেদিন জীব (अधः वा कर्मणाल (अभि अ ज्यान-नामान অক্রপাতা উপলব্ধি করিতে পারিবেন, CHR पिन इन्हें छिमि **और**फ्**राण्या** 

# গ্রন্থ পরিচয়

## শ্রীমন্তাগবতম

**শ্ৰীৰণাৰ্থি কৃষ্ণবৈণায়ন** বেদব্যাস প্ৰণীত মূল, শ্ৰীমন-মধ্বচোষ্য-কৃতা তাৎপ্ৰ্যা-নিৰ্গন্তীকা; শ্ৰীমদ্বিখনাণ চক্ৰবত্তী ঠাকুর-কৃত সারার্থদশিলী টীকা, বঙ্গান্থবাদ, সংস্কৃত অধ্য ও শেই ক্ষের প্রতিপাত কথাসার, অন্যায়ের প্রাণমে ঐ অধ্যায়ের সারসফ স্থবিস্কৃত তাৎপণ্যাদি বিবৃত। লোকস্টো বিষয়সূচী, অন্যায়বিবরণ, পাত্র ও স্থানস্চীগ্র উত্তম কাগতে উত্তম অকলে মুদ্রিত। প্রথম চইতে ১০ম হন भगाष कांशी व्यक्तिरण स्थाप क्हेबारक। क्रिका खालग क्ट्रेंट २म इस श्राप्त २**०**।४० मभग क्या ३२, ; Pag Boy

## 🗎 🖺 চৈত ক্লচরিত। যুক্ত

भ শীম ছক্তিবিলোদঠাকুর স্বভিত্ত । 'অনুভপ্রবাহভাষ্য ও এতীমছজিশিকান্ত সরস্বতী গোসামী প্রভূপান-লিখিত 'অফভাষ্যে ঞাভি-স্থাদি বহু শাস্ত্রমাণ-সংবিত চইয়া আকাশিত ভইয়াছেন ৷ স্লোকের নাম্মনাথা৷, বস্থানুবাদ্ধ প্রত্যেক প্রারের প্রের সংক্ষিত্র অভিনের সংযোগিত। প্রভাক অব্যয় প্রাবিত্ত কথাদার দেওয়া আছে ৷ প্রোক भगात, भक्ष, काम, भारत खार्क हत प्रवृत्त्र करी। ह शहकारतत কি**ছাত জীবনা সম্মিত এই এপ অভতিপুস্ত সংম্বরণ উভিপ্রে** कुळाणि आकाशिक इस मार्थ । किया कार्राक शासिशाहित्र সভিত স্থল অকরে মুলালে মুদ্দিত হইয়াছে ৷ প্রায় প্রায় ১০০০ প্রচায বৃষ্পর । ভিগাবভিমানে ৫, মাজ ।

## **এটিচড্ডমান্তাগ্রন্ত**

এছকারের ফার্বনী, প্রতি পরিচ্চেদের ক্পানার, বিস্তভ (बोडीस ভाষা, नक्ट्ठी, नम्रावर्डी, विषय-सान-नार्वाध-সূচী, প্রস্তৃতি নিষিধ বিষয় সম্বালত বিস্তৃতি থিডীয় সংস্করণ इयस क्राफ्रेन ৮ (पर्की अक्षात्र। आभिनीमा ९ मतात्र किश्वारम आकार्तिक इंडेग्राट्या क्या कराम अवर्गानक इक्टाइट्डिंग। अधिम छिका ६, छ।का, आणि जीकात किया ५ ।

#### क्रिटिक का शहर

এই প্রায়ের এর গাঁঅভিনব প্রশার বাংখার প্রাপি क्षकर्शनाच क्य मारु । भाषा (मार्कार्टनात संदर्श, वहास्त्राप्त, क्षामा, क्यामान, एका खार्ज्ड मह चएछ वटछ धार्कालिङ চহরাছেন। মূল যোটা অক্সরে ভবল জাউন আটপেগী मुहलाकोत्त्र छान्। इष्टेशाट्छ । भूगा २॥० छाका। अमीशा व्यक्षाम ७ कोफीरवन ओहरक गरनत भरका ३॥० ठेकि।।

## **এ।মন্ত**গবন্দুগীতা

- এবেট্টার বৈক্ষবাচান্য অপ্রাক্ত র্নিকচ্ডামণি এঞীবিশ্বনাথ ৬ফেন্টিমাকুর গোডামিঞ্ছা সার্থেব্দিনা क्रिकामध्यक क व्यक्तिमञ्जूक विद्यास हिम्बून-व्यक्तिक वित्रम শ্বস্থান নামক-স্থানাকাশ্যম্থিত। প্রধান্ত চী, মাভ্স্কাক্রমে (आफ-कृष्ठी,विरम-कृष्ठी,अध कारत्रत्र शीवनी क व्यवखत्रिकापि । হ্ল-ছাত্রাবিষ্ক-রাম উদল্লং বাধাই তৃতীয় সংখ্যাগ—এই রাজ ভুটতে পরিএমাংশ মাত সৃহীত; ইাজীব গোস্বামী কি मश्चम्य किका २५ केका माज, मानाधन मश्चमन--- अ। क्षेत्रा माज

## শ্রীন প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

ওঁ বিষ্ণুপাদ 🗒 🗒 মন্তব্জিসিদ্ধান্তসর্থতী গোমানী মহারাজের ধেই অবিজা বিধ্বংসিনী कीवाश्वश्वतायाधिनी क्रमान्याध निकाषिनी कोवश्व-वाणित मुख-विधार---- विकार का अ-त्रव्यामात्र को अन्मिक् निम्निन्नात्र বৈভৰবিজ্ঞানাগাণ্ডের মৌলিক তথ্য--পঞ্চরাত্র ও ভাগণতের শমবর গুরু---মভাজন-জীবনচরিত-শিক্ত ক---চিধিলাসচিন্মাত্র-প্রতিশন্ধ, তথ্য ও বির্ত্যাদিযুক্ত। প্রতি হধের আদিতে অচিয়াত-বিচারক— এখণ্য ওমাধুণ্যরদের মৌলিক গবেদণার প্রেম ভিজিএক ---मक्क, व्यक्तिम् । अध्याक्षक उत्कृतिकाषु-मभूम् ।

> ১। প্রথম অভ্য—বৈক্ষবদশন, শ্রী ওকত ল, কাল-भवा. बीमम्बादिकाव, बीदायकानती, शाक्षशादिकी मीका ও বর্ণ বিচার, আত্মধর্ম ও মনোধন্ম, স্থীতৈভয়দেব ভ ভাষার শিক্ষা, অপ্রাক্ত সহস্করম ও প্রাক্ত সংস্করম আছেতি বিংশতি সংখ্যক রয়ে প্রশোলিত। ভিকা মার ৮০ বার আন।।

<sup>6</sup>कका ३८ ८४ डे!का माजा

প্রথম ও পিটাম-- তুই পণ্ড কেনে প্রটলে ভিজা ১৮০ ्लकु हाका, हाक २वर शहरा।

## 🛢 মন্ত্রগণদগীতা

বেণ্ট্রীয় বৈষ্ণবদাশ নিক-শেষণ জীজীমন । দব বিস্তা ভ্রমণকত ভাষ্টেও আমিছ,ভিতিনোৰ সাকুরেরপ্রাঞ্জণ বন্ধ- যাজা ঃশৈয় • বি দর্জন' নামক ভাষ্যক। অনায়-ও প্রতি সোকেব প্রথম ও চুটীয় মতী, বিদয়ৰ পাদ সুণা, ভাষাকারের ভারনী প্রাঞ্জি সম্লিত। खेरकरे नामके, नाकमान्यनम ( अटीम अभ्यतन ) अरहान famt 0. Binit

#### প্রয়েরতাবলী

हैं, अ. कार्म व विकासम् अभी के विकादनम्बन, शनक छ ्रातिक भाषानी प्रतिवास स्थापन शांष्ठ । चेरकेश कर्गालटक होला। क्ष'-इक जिका ल आक्रिश्नक क्षर भ-भ'रे।रसा অভি সহজে বালকেরও বোধগ্যা হহুয়, গারেন ি ভগা ্রি জা মাজ।

## **बीजनबी भग ममा श्राह्य ग्रा**

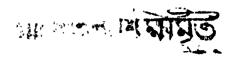
 সাম্প্রাদ। আগ্রি-ছভাগি এতে ভ্রাসব-দ্বীপের মে মাংমা কাঁঠিত আছে, তাহার মুল সংস্কৃত ও হত্রাদ। ভিকাত আলা।

#### জী জীমবন্ধী পভাৰতবৃদ্ধ

শ্রীদাকুর ভক্তিবিনোদ বিথিত। মুলালত গাঙাকারে প্ৰিক্ৰমাৰ দেঃবালি-বিষয়ক। ভিক্না। সানা।

### ছান্ত্রবুতাকর ও নংখীপ পরিক্রমা

শ্রীল নওচার চক্রবৃদ্ধি-সাকুর রচিত। ভবি-রন্ধাকর क्षकारत क्रेमव्हीलगारमञ्जलात्रकमा कत्रियाहित्समः छाहाहे পত্তে বিবৃত্ত। তিলা । । । । । । । । । । ।



আল ভতিত্বিনাদ ঠাকর-প্রণীত। ইহাতে প্রীচৈত্তের निकार पूर्वा-क्रमा, क्रमान, क्रमान, क्रमान-वद्भ **स्राह्म स्रोत**--অতি হা-৫৬৮৫৬৮ - ব---স্তিন-নির্মান-শ্রেমালন-শ্রেম কন্ম-কাও, আশ্মা: বিচাৰ -বৈতী ভক্তি, ভাৰভঞ্জি ও अदार भागी द शहकातीत तीता-পরিচয়াদি প্রাথম : শক্ষাপীর উপদেগ্যে কবিয়া সরল ভাষার সমূদ্য বাজিত্যমাণ্যত লিখিত আছে। চত্ত্র সংকরণ বাধা २. होका, अ(बाधा ५०० हाका माखा

## ো) ভীয়কণ্ঠহার

हैं। द्वार क्षेत्र क्षा क्षा क्षा क्षा क्षा क्षा का का का का क ক্রতি ও তি প্রায়-প্রক্রা হাদি সাথেত শার্মমূহের প্রমাণানলী বিষয়বিভাগাল্য দাজবাদ ও ক্রিভা এইরপ বৈষ্ণব-১। দ্বিন্দ্রীকা হাজ্য- ভুদ্ধা ও বিদ্ধা ভক্তি, মহাগোর । মিদ্ধান্তের সার্গ্যথ্য অন্ত কুরালি প্রকাশিত হয় নাত। ্লেছতা কোথাৰ, সাত্মার নিভার্তি, জানৰ স্বামিগান ও ইচাতে ওক্তম্ম –ভাগৰত– বৈক্ষব-- গৌর - নিত্যানন্দ--मात्राताम, श्रीरार्गत-सिन्द्राग्नमन्त्राग्नम, । सरार त भवा । ९ । तक्का- । अदेव छ - काक - काक - कात्रात्म - कीव - अक्तियार अमाराज्य প্র, ইমিটো রুমন্তানুমান্দনী, শ্রীটোভয়ের প্রা, গোবক্ষণা স্থারতং এইকোনি ক্রটান্ত উৎক্রই এক্টিক কাণ্ডের বেল্লি ও রঞ্চন্দ্রীভন---চতুদাশ সপুসা মধুবিমাপুর বঞ্ভা-বিভূষিত। স্ত্র ক্রিতে স্চিত্, উচ্কুই ব্রে সেনেসে কলে নাম লেখা। 219 2119 8 MP17 २ होका बाद्धा

## बीन-प्रीथन म- अस (नली

শ্রীমলভারিবিনাদ সার্ব রচিত ব্যম্মান্ত্রা—১১১-মাধ্যের সার্থান প্রম্থ পার জীল নর্থরিচকব্নী সার বের সাম প্রিক্রমণেশ → ঐুধাম স্বরাণ প্রিক্রমা—তাও থ্ৰীমং প্ৰবোধানকক্ত নৰ্বীপ্ৰতক্ম---শ্রীমন্ত্রিক্রিনেশ চাক্রের শ্রীনবন্ধীণ ভারতবন্ধ প্রাভূতি 되면 소주의 '문학 ! No '택(e)' 제(조 ·

#### শ্রীহরিনামায়ত ব্যাকরণ

জীকাৰ গোলামী প্রারূপাদ-বির্ভিত প্রনাও বৃদ্ধি, कर्मरक इतिसालाम हीमाइकिन्साय मनवारा लाखाम মহারাজের বিভাত ভ্যিক। ও হটী প্রভৃতি মহা অপ্রথানিত লাবে সুলভ। শুকা ২, টাকা, ছাত্রগা शास्त्र भाव है। मा भारत

#### (नए। ख अखना ज

भिन्नामाध्यक्तकात्राना-तांत्र । त्रामादश्य वि'महेर्देलस्य म-श्रीहात् के क्षेत्र श्री कार्या अस्ति । উপ্যোক্ত कर्नुकार्थ उ.ट. **উल्लंग कविशास्त्र** संस्थार বঙ্গাল্পবাদ ও পত্নীপত্রাদি সংযোগিও করা ইইবাডে ন্ম ম্জে ডিক্ষা ৯০ আনা ৷

## শ্ৰীটেডকুচজামুভ ও নবৰীপশভক

त्यांत्रभाषम दिवाकी वैभर क्षात्रामानम अवश्रात क्षात्रक মুল, প্রাদুপার শ্রীমন্ ভাতিনিদ্ধান্ত সরস্বানী নাগামী মহাপার मुल्ला क्यानुहर । (था) ७ वजानुदान अश्रीकर । নব্দীপশভ্ৰের টিল্ড সংন্তে সাকুরের পছাপ্রবাদ ভ **७९५७ हैं**, अनुस्तर क - ব্যাহত সংলাধিক দিন 'के 'क्षेष्ठ ्र **स**ा∙ १ প্রদন্ত : । तिन्हि बाक्रमध्यप 正章[第二 3. 314



শীমন্তিবিনাৰ সাত্ৰ প্ৰতি হই একমান প্ৰস্কুত্ৰ জ্ঞান লাভ ক্ষিটো পান্যাথিক বাজ্যে কিছুত্ৰই জ্ঞান ৰা সংশ্ৰম থাকিবে না। প্ৰম গুলু দ্যাবিদয়ক এই-কণ্ দ্ৰম প্ৰস্কুত্ৰ শাস্ত্ৰ এই প্ৰায় প্ৰকাশিত হয় নাই । নিকিকে ক্ষামি শাস্ত-মহোলনি মন্ত্ৰকলে এই জ্যাম্ভ ইতিহ প্ৰইণ্ডেন। আকাৰ স্থাবিদ্যাত স্থা, কথাসাৱ হত্যানি হাবা বিশেষ সমূক ক্ষা হইয়াতে। বিবাধি প্ৰথ, নানাৰ হত্যা নাম বেখা, উংক্ট বিবাই—চতুৰ সংশ্বাম ভিলা ২ টিকে। মাত্ৰ

## প্রেম্বিবর্ত্ত

শ্রীমন্ত্রাপ্র অন্তর্গ পরিদ শ্রীন কর্গদানন প্রেদ্ বির্চিত। এই পুরুষে গতি ক্রংগোধা ভাষায় মহাপ্রদ্র ক'লপ্র কীলাস্থ বৈধ্বতারি, একাদশী ও নামভ্রুন-রেগালী প্রস্কৃতি ক্রনেক বৈধ্বতারের ক্রমীমাংসা লেখিতে পাইবেন। পাদতীকার ছক্রচ ক্রমের বিশ্বনার্থ ও প্রস্কৃত্র পরিচ্যাদি-সম্বাতি চতুর্থ সংস্করণ ভিন্ধা। ৮০ দশ গ্রামারে।

#### ভজনরহস্য

ভ্ৰম্মকাণীর নিতাস্থা; ঠাকুর ভিভিবিনোদের অমূলা দান; নিধিল শাঙ্গের নির্যাস। গ্রন্থানি না দেখা প্রাপ্ত কেও ব্রিতে পারিবেন না। সুতীয় সংক্ষরণ ভিক্ষা ॥ ।।

#### হরিনামচিন্তামণি

নান, চার্য্য ঞ্জিল হবিদাস সাক্ররের মূথে শ্রীমন্মহাপ্রান্থ শীনাম-মাহাত্ম্য, নামাভাসে, নামাপরাধ প্রস্তৃতি বিশয়ের ধনতীয় বিচার শ্রবণ করিয়াছিলেন। এই বিশয় গুলির আত সরগ প্রারে সংক্ষিপ্ত আশ্বর্ষণ পরিপাটিভাবে মুদ্রিত। শীল ভিজিবিনোল সাক্রর স্থতিত। প্রক্রম সংস্করণ ভিজা ৮০

#### কল্যাণকৰতক

গ্রীমছ কি বিনোল ঠাকুব-রচিত। প্রত্যেক ভগবদতি গালী ও জানগগের পূথিকের একান্ত প্রত্যেদনীয় দ চলদ্যাবলীপূর্ব গাডিগ্রন্থ। সামান্ত ব্যেপাণ্ডা কান।
তি, কেও এই ভল্লবালোগ গাডিসমুহের ধারা অন্যনিস্তি ভল্লবালোগ কাতি করিবাধ স্থানির পাইবেন। স্থা ব্যাক্রণ, ভিন্তা /০০ আনা মাত্র।

#### শর্ণাগভি

শ্রীমত্তিকবিনোল সার্ধ-র্চিত। ওগরানে সাক্ষ্যমর্পন, ক্রান্ডাপ্তি, ভিজনগোল্যচ্চিত্র প্রতিগতি ও দৈছি লাল্যান বিষয়ক গীতিপুর্ন, ভিজা ৴ে আন মারে।

#### গীভাবলী

জীগকুর ভিক্তিবিনোদ প্রতিত। নিজ্যভন্ন, আরোজিক স্প্রতিত ব্যক্তিবিধিক সরুব গতিসমূহ একটো প্রকিত। সংক্ষা বিদ্যালয় সংক্র

#### 劉河安城布蘭斯和

া ব্যাক্ষ্ত এনে জি স্থানি সাধ্যালি চজে বাজী হাকুর-বিবাহিত বহুপুল জিল্ভ ভিনাবনাদ হাকুরের অন্ধ্যাল-মুহ্ন (৮০) (৮০) বহুল মানুহ



শীনশাগতাত্র শিক্ষা ও শীল রখুনাপ দাস পোশানীর প্রতি শীক্ষপ পোশার্মার উপদেশবাধা, ভক্তিপথের অন্তর্গপ্র প্রতিকৃত্য বিবাহে প্রবিচারিত সন্মোদন ভাষা, বিস্তৃত্য বিবৃতি, চরিতামুতের প্রমাণ, সার্য ব্যাপা। ও মহাজন-প্রণীত তল্পথোলী গাঁপমন্ত প্রত্যেক সোকের সাহত সারিবেশিত হইণাছে। তা সংক্রণ ভিক্ষা ৮০০ জানা।

#### সাগ্ল-কণ

ভীৰেণুনাথ দান গোক্ষমীর মনংশিক্ষা, জীল ঠাকুর ভা⊛িবিনোদ-চরিত প্জালুবদেস্য। ভিকা৴• আনা।

## প্রেমভজিচ জিক।

ঞ্জিল সাকুর নরোক্ষের স্থপাদদ্ধ ত্থেমভ্রিদিগ্যক গানের পুস্তক। ডিগ্লা ও আনা মারে।

#### লবছী গশভক

শ্রীল ঠাকুর ভিকিবিনোদ-রচিত শ্রীল প্রবোধানন সবস্বতীপাদের সংস্থাত নবর্ছাপশতকের স্থাগিত পড়াস্তবাদ। ভিকাসত সানা মাঞ্

## অৰ্থপঞ্চক

কীল লোকাচাগ্য রচিত। বৈধ্বৰতা-জানের আক্ষর পুত্তক। ভিক্ষাত-জানা মাত্র।

## সদাচারশ্বতি

শ্রীল মধ্বাচার্যা-প্রণীত। বৈক্ষবের নিত্রকর্মাণি স্পান্ত্রা বলী, বঙ্গান্তবাদ স্থিত। ভিক্ষা ৴৽ আন্যামাঞ্

## মণিমঞ্জী

ক্ৰিকুলকেশ্বী শ্ৰীমন্ত্ৰাগ্ৰাগ্ৰাগ্ৰাগ্ৰিক । শ্ৰীমন্ত্ৰপ্ৰ চাৰ্য্যেৰ সংক্ষিপ্ত ভাৰমনীলা ও মূল বৈক্ষৰপৰ্মমত। সাম্ভবাদ ভিক্ষা। সামা মান্তা।

#### दशीतक दका मन

প্রাচীন কবি শ্রীগোবিন দেব প্রাণীত শ্রীগোরাবভাবের প্রমাণাবদী-সংবলিত সংস্কৃত গ্রন্থ। ভিকা দং আনং।

## युक्तिमञ्जिका ( भूभरशोत्रक )

শীমধ্বনন্দ্রনায়সগত শীমবাদিরাক স্বামিকত। বঙ্গালরে সালবাদ এই গ্রন্থের প্রকাশ পার্মাধিক সাহিত্য-জগতে এই সর্বপ্রথম। শীমন্দ্রবাচার্য্য হউতে বোড়শানপ্রন বিভায় মধ্বাচার্য্য নামে থ্যাত শীবাদিরাক্ষতীর্থ স্বামী এই গ্রন্থে সাধারণ যুক্তি ও লৌকিক স্বামান্ত্র্যান্ত্রে কিরুপ স্বন্ধরভাবে ভক্তিবিরোধি-মতবাদ সমূহ খণ্ডন করিয়াছে, তাহা পাঠ করিতে করিতে আশ্চন্যাধিত হইতে হয়। ইহাতে যুক্তির হারা চার্ব্যাক, জৈন, ৰৌছ, মীমাংসক ও মায়াবাদিমত-সমূহের স্করে থণ্ডন রহিয়াছে। ভিন্না ্ টাকা মাত্র।

#### (भाषात्री शिन त्रष्माय मात्र

(ওঁ বিশূণার শ্রীণ ভবিদিছাত্ব সরস্বতী গোলামী প্রান্তপাদ-বিনিত ভূমিকা সহ) গৌরপ্রেট স্বরূপ-রূপের একনাত্র প্রিরাত্য জীল দাস গোলামী প্রান্তর স্বপূর্ব চরিতায়ত ও শিক্ষা অতীব প্রাত্তন স্বরূল ভাষায় সমিবিও এবং পরিশিপ্তে দাসগোলামী প্রভার বির্চিত কএকটী নালবদে মধুবতম স্তব ও মন:শিক্ষা-স্থালিত। ভিকা বীধাই॥• আনা, আবাধাই।৮/• আনা মাত্র।

## চিত্ৰে নবদ্বীপ

প্রাচীন নবর্গাণের অবভিতি, তথা, গভিন্ন, শ্রোত ও ঐতিহাসিক প্রমাণস্থালত নয়টী খীলের সচিত্র বিবরণ-গল। রাথ বি রা চলাতের কুমার শ্রীপুরু শর্মিশু নারায়ণ রার বম, ব, প্রায়ু লাভোর), বেলাস্ভভূবণ মছোদর কর্তৃক স্কলিভ এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন বর্ণের অপুরু চিত্র ও মানচিত্র-সম্মিত; প্রাচানিজ্যমহার্থব রায় সাতের শ্রীপ্রক নগেল্ড নাথ বস্ত বিশ্বকোসস্থালক মহাশ্রেম্ব বিশ্বত ভূমিকা সহ। উৎক্রি (ইং) মরজো বাগাই মুশ্য ১৪০, ভিঃ পিঃ তে ২ টাক মাত্র।

## गानक-कर्भवामा

প্রবাদনা, বৈশ্বন-বন্দনা, বৈশ্ববদ্ধন, বালাগের গীত,
শ্রীনামগর্ট, শ্রীনামগরাপুর অরোজরশত নাম, অইপ্রহর
নামকীপ্রন, শ্রীনামগরাপুর, প্রেমধ্বনি, 'বাউলগলীত,
নবলীপ-মতিমা, শ্রীমায়াপুর মাগমা, শ্রীনারোক্তম-প্রভুব অর্থক
সাচায়া বন্দনা, বড়াগোস্থামীপ অইক, প্রেমন্তবিক্তি লিকা,
উপ্রেমনারো নামভ্রন-প্রোলী, মহাপ্রভু ও রার রামানন্দ
সংগাদ, সম্প্রিকা, শ্রীপ্রক্রপতি, শ্রীপ্রকাশবাদ্ধা,
মহাপ্রিকা প্রভুতি সাক্তি ও নিম্নীবনের নিভাগাস্য,
বেক্তব্যাবার কংগ্রিত কুল্নালার ভায় অন্ধ্রমণ করে

## গোড়ায়-গোরৰ

ক লকাতার প্রথা ও সংল্বাট হলে প্রেট্র-সম্পাদক ইচিপান ভালরালন প্রতিদার্থিনেদে প্রদান্ত বক্ষুত্রে বিশ্ব গ্রন্থকারে প্রকাশিত। উগতেত গৌড়ীর বেক্ষবস্থাদায়ের ইতিহাস সম্মাকারে গ্রিভ শইয়াছে । ভিকা কি মারে।

### ্গোড়ীয় সাহিত্য

কলিকাভার স্কলেসিদ ভালবা**ট ছলে গৌড়ীয়-সম্পাদক**শ্রীপান স্কল্যানক প্রবিদ্যাবিনেদিপ্রাদ্ধ প্রদান বক্ষতার বিষয়
প্রধানাবে প্রকাশিত। ইহাতে সাহিত্য-শক্ষের **অর্থ** এবং গৌড়ীয় সাহিত্যের বিষয় স্ত্রকারে বশিত হইরাছে। ভিশ্লা
। কে ভালা মাত্র।

### শ্ৰীগোড়মণ্ডল পরিক্রমা-দ**র্পণ**

শ্রীপ্রেরিকরে বে সকল স্থানে সপরিকর শ্রীমন্মহাপ্রের এবং তদক্ষণ পরবর্তী মহাজনগণ শীলা করিবা পিরাজেন, সেই সব আধুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও দেববিজ্ঞানিব পরিচয় সহ যাতায়াতের স্থবিগ নির্কেশ ইত্যাদি বিষয়প্রশি সলিবেশিত আছে। ভিকা ত আন।

#### THE HARMONIST

## OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীল ঠাকুর ভারি-বিনাদ-প্রতিষ্কিত এবং জ্রীল ভারিবিদ্ধান্তসরশ্বতী পোশারী প্রত্বপদ-সম্পাধিত পারমার্থিক
মানিক পত্র। একংশ ইংরাজী ভারার অটাবিংশ নথে
ভবলক্রাউন ৮ পেন্দী ৪ ফর্মা আকারে প্রতি বারে হরিনামের বিজর-বৈজ্যন্তী লইরা উপস্থিত হউতেছেন।
কাগল, মৃত্রণ-পারিপাট্য ও চিত্রাদি অতীব চিত্তাকর্মক।
এই প্রেকার উৎক্রট প্রেবদ আর কোন মানিক প্রাদিতে
পেথিতে পাইবেন না। বার্ধিক ভিক্ষা ভাক্ষাভলন্যহ ৩
্
টাকা মাত্র।

## প্রাঞ্জিল-

**औ**रेडिक्शमर्थे, त्याः श्रीमाशायुक्त स्त्रीका

## বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভক্তিমঠসমূহ

তেত্তা মস

#### আকর মটরাজ

श्र होन नवदीन, छाक्षक श्रीवाम मावाल्य, नवीया

শ্রীমভংগোগালী সভালে পায় ৩০ গড় উত্তর-পারে শ্রীব্রস্থান্ত আচার্যারভ শ্রীচয়ত (वश्व-अन्दर्भ स्त्री विदेशक मह निवासमान।

इड याम भागवाल- रोपं, नवानक पीरे ना मायक कथनवनी । यह प्रवाही(व चिक्ति-নামায়ত বাবি লোমি-বেলালসমূত, প্রবিভার অন্তর্গত কাবা, নাটত, অল্ডার, ত্রা প্লমাপু-উপা- মন-সাংগ্ৰ- প্রাল-চ্জুইছের অপারন ও অপাপনা এবং জ্পায় ত্রীপ্র- বিষয়ে সংখ্যাপিত চহতাতেন। পুলিবীর সম্মান ত্রীপোলনাম প্রচালনা এই সম্ভালন্ত লৌবাল-গান্ধ জান-গার্পর ও গান্ধ সাক্ষাধারিক-আচাধানচত র উচ্চাদের উপাত্ত विशाहकत परिक अका अनित करहासहान । अहे अकेदारण भावमानिक रेमनिकाल माणक-मच्छासार्धर काशका'मक प्रकारिन अधिताक श्राठातक (स्व 'तसीया-शाक'म' यश्चास्त्र क्षाचिक व्यवस्था शाक्षात्रमत क्षेत्राय-शिक्कमावृक्षान क वर्गाणक क्रकारताष्ठि क ভাতিল প্রচারস্থান মত মংগ্রেশব লি ভকাপ অভৃতিত চচরা লাকে। বক্ষক—একচারী 🚵 পার এবছ বিভাঃ সংকারী 🗕 ত্রীপার বিলোপবিধারী এক্ষরতানী, পাজ্ঞ স্কৃতিয়ার গোরসাস अक्कारी कारानान दर्ीले. हैं, लाम नीतिक दक्षणांकी. हीवाम संस्तानान उक्कारी. আছিল্মন রাজনা 🐧 প্রামান গোপার প্রস্তানী, করে নাজে, কবিপাল, রেশ নীমোকন काश्वेष शक्त्वेनश्रम ।

किनां कुन्न(स) स्थिनक किन भीत कीय महाकाक क्यारित करिकाल वीक्रंग कहिएकाका ।

### . ৩ : যোগপীত ভীম**ন্দি**য়

का छान क्षेत्रसासालांभा खेव कवन मा Manet कामन आहेत कात-काम महास्थान- । শাই। এখানে প্রদেশ্বী পরা ও শীনিষ্ট : বি. এল, সংকারী -- প্রতিদ্ধান্দ্র ভাক-श्चिराम् मीर्गादनाबादम । बनर स्ट्रेरिक्सा । माठी, खिडेकक्रम भाषकाती खाळाळ । 🖷 🗒 ब्रामाञ्चरभाव भिका उपना ऊष. 🗒 पक-\*(We (MA) 483101 45 \* ----(815-अवल कत ्यान्यामी अधिकारी व्यक्त जीवमा-**क्षेत्रामानित्य म एकिन्द्रमण, छैलानमाम अन्तर**् काती । अधिमाननकान आनकाती, कानवा औकाप्रक्षम ।

## ( ৪ ) ত্রীবাস-অক্স

শ্ৰীমস্মতা প্ৰস্তুত কীতান-বিশাস বা हिर्माश्रमीयात वामक्ष्मी । अगरम द्वीकित्मात बिख्यानम् ६ १ कर्षास्य अना वस्त्रमान । 

### ( ा ) कार्ट्रक-स्वत

कहें द्वारंग क्रीभरेग्स शक्त चनन धारर (時間) 医器型(利息

यक्षक--- श्रे बहेब कालक सामानिकादी, क्किनाकृतम्। नावःकी।

## (७) काष्ट्राय शय(वि প है

द्याठीन भावालुब, वामनलुक्य (नवीवा) क्री को बक्क भागात अधिक का की व अधान । amm-ameid Afecutufaeidt:

## (4) 智利研 盟軍中-東部

🗒 (माञ्चम, पदानमञ्ज ( नमीवा ) auta dlamite Be wierleiniginene समापि क्रयर खिलोक्समायम क्रवर खैलिहाया-भाग(यह दमना वर्षमान

444—पश्चिम्प्रम प्राथात वेष्ठाती । क्रक्शिक्षी बन, बन, बन ।

## े 🕒 🗐 🕶 गञ्चाथ दभौ हो स्र सठ

45 4- Blay44 Winn 2) En. E.

## ( a ) @icগta-গ্লাগ্ৰ-মঠ

টাপাণটা, সমুদ্রগড়, বেশ্বমান ) 🏥 वाधानात्वर आहि है उत्तरिवाधन माथ । मक्काती अभिन्यशासम्बद्धवनामी, े मना । तक्का--- व्या-द्वताम बक्कानी, अक्का श्रीनामक माग

> - ১ - শ্রীরূপগোড়ীয়-মঠ सा: 198. शक. श कड़े. लि ०११ -- मार्गातमान चक्राही, सहकारी -影片(有生) 对称 丁丁:

## ( ) : ) 動(和[日野町町画 -

भाष्ठिताक, काधनात, वस्त्राना 🕮 भागाव शांत है केट बुन्धावस्थित साम । ्यक- है। द्वाराश बद्धारी, करू FT-HU(\*) 1

#### (১) ভাগৰত আসম

🗐 नाशव रु 🖄 🕻 क्रम्फर श्राप्त, समीका । अभाग रिकास प्रधानगीर व्यक्तार-एकछ। な事事──選擇中Tn時 問題515] ● (毎時間)

#### ८ १७ । बीवकासम सर्वे

Cपार्तिकाणुव, केश्वयः ो, लमोबा । क्ष्मक----खी प्रभागम अष्टानी । महनारी Anvoire अभागती, जीवनाशांत मामा। काती, क्षिमात्रमाकृत्व अभागती कें मक्षानाथ भारतः, क्षाक्र विधानाथ

## ( 28 ) श्रीमाश्य-द्रशोक्षांत्र वर्ड

a+नः त्यावश्व (ताक्, क्राका) भूमान्यान आधार-(क्ष. व्याद्य औ धन-दशीबाक शास्त्रका-शिविगटक दशवा वसमान । pro-Bainiane amainl. **डी**भाव |श्रम्बहानम् नवनिष्ठः निरमान नि-व, 🗐 शान-

## ( ) बिदगोषीस मह

১७ मः काणिज्ञामात छङ्गको ब्रीहे. (भाः नाप्रवाकात, कलिका हा र्छनिक्सम वि. वि. १५७८

ত্রীম্মার্ক পভর প্রচারিত ক্রমিশ্বল ভিক্তিশম্ম-প্রচারেক্রেশে জৌছলেশের সক্ষ চাধ্য नगरी कतिकाकाष्ठ शिक्षकिरिसाम भागतन श्रीमष्ठ श्राष्ठकित भारतन । एक **कक्र**-मुख्या द्वारम 🏥 कक्-द्रभावाच - ऋतिराजामा अले हे मुनाबाम (अला कि हा एम्प्रान कर । 💍 द्वारही 🤊 का हामानदर्भत नाव होत्र अञ्चलकीत अञ्चलादात्करण व्यापार मन्द्र अवसी अनुसर अनुस ভটতে 'গোঁটীয়' সংস্থাতিক পর, লি উর্মানিষ্ট মাসক পাঞ্জা চংরালী ভাষাত विष्रिक्षकाद्य श्राक्षाम् कर्गाक्षकः। श्रीभागः भाष्ठः भद्राकेनः, भश्रीकनः, भश्रीकनः, भश्रीकनः, भश्रीकनः, भश्रीकनः আম্মার্থাবস, প্রাচেড্র-চার প্রায় বাদি-লালা ও প্রথারের সমাক মালোচনা করত পাকে। মঠনকক---আচাৰ্যাত্ৰিক শ্ৰীপাদ কুখাবহারী বিভাত্বৰ। সহক:রী---পা-শ্রম শ্রীপাদ অন্তর্গান্তদের পরাবস্থান্ত্রণ বি- c. প্রীপাদ বাসবিভারী ব্রহ্মচারী, প্রীপাদ क्रमाध्याव वामाधिकाती वि-त. जीलाव क्रतरभाषाच वामाधिकादी, उच्च6ाती लीकोरमानव, उक्काकी लीलाकोरमावन, उक्काकी लीमध्यनव, पासक लालास बर्गानकक भदिशिकाशकात मध्यमार्द्धेन स्वास्था, ज्ञाच्यकालामार्विकादी विन्तः, ज्ञास्त्रकारसम् भगाती विन्द्रम, श्रीमञ्जूषा काश्रद्धाविष्, श्रीविष्ठुद अकारी, श्रीकारशाविक রক্ষারী প্রভৃতি :

शोध अभाषी, दीनाशीशक अभगाती, Bertagenten man i

## ८ ১৫ । खिरशाशामको मठ

क्रमणाश्व, छाका। গোপাশনীৰ শ্ৰীণপ্ৰান্তৰ ক্ৰাচীন সেবা वक्क--- द्रीमानग्रंग उक्काती ।

## (১৬) জীগৰাই-গোড়াল মঠ

हिंब को के श्रमाहिकी महा, वार्तिव हिंदिता क्रिमभाड-(भोदाध्यक विकास स्मवः ক্ষেত্ৰ-জ্বল প্ৰজ্ঞ প্ৰজ্ঞানী স্মৃতি ল বন্ধ গুৱী

## (১৭ और्श्वाश्वरहण्याम्य प्रदे

क्तिकारका, नाकस्मनभूत, त्यामनीभूतः। এখানে ने धक्त-्जाताज-पाकासका-াগবিশারীক নিভাগেনা বত্তমান : বঞ্চ --जन्मानी जी न्यवानमानको ।

#### (১৮: আৰশ্যযোগ্য প্ৰপদ্মপ্ৰয়

बालवान उनार नह्याल ।

नी अभागाताम सीम कामका 'महिमादी व निकारमा। वक्क-अवनामी खोडाइtecmia:

## (১৯ এ) श्रेक्टरबाख्य मह

पर्वात, गुरी, है (स्या । क्रशासः औरशोक-ानस्मामनाभवक्षोत्र निङ्ग- ः दक्षक—-दक्ष>ात्राः स्वयन्तनस्याः, ः .मवा बक्तमात । वक्तक--- बक्तात्रावी चौलहम:- । भ्यायाग अनवाती मक विमाद्य अवश्वी चैनम्यासम् बक्राहारी, इस द्यानियात्।

## (२ +) खैलक-८गोडीय मर्ज

मागवतनाथ, अमानाम (भारत भरी । व्यवद्याद्याच्या व्यवस्था मध्या चीमणहा Taria ! रक च--- अ**क**ं।दो विगव्यवदेशी व्यवस्थाः मन्यादी-अभागती अभितिशिवनिकाती।

## (८) अगाम्पानम् वर्ष

\$'64111#15. 464: ENTEN BLEED- offerm-latermann. ক্ষীর কিটাসের বস্তমান। রক্ষক----अक्टारी जीशमाः जीरामणम् अक्टारी

### १२२ औननाउन जोका सह

उन्द स्थायहारमण्डाः कान्ते । (भी -- प्राक्ष्य - नवा ३०० मिकाप्त :

£र्षाल (शास्त्रता तक्षण का तक्षकः श्रीकालकोनायको श्री (कानन जनगर्मी)

#### २७: <u>जे</u> क्वाट 68 मा अर

श्रीन मरध्याम कुछ, श्रानाम वृत्सावन । ले क्षेद्र(शा•अय-.भ.कनकोड ्म्या । तक्तक-- श्रेभवत्रियाल अक्तार्यो

#### (६८) शांभवग्रह्म वठ

.-ागवावणः, शांदाशुट

এথানে জীভাগ্ৰছ পাসশালা 🛊 च्यात्राव विद्याम विद्यानकार द्वारा वृद्धान < क क -- अक्तारी मानु भरकालक व उक्कावी क्रीनम्बर्गातः

## २० औरेज्डजुरशोडाय यह

भूपत्कुण, 'हतकुण, यागक्य। **हता** शेरिक्त - साप्ततः व्यापाः । चक्क क---- श्रीवसाः नाथ राष्ट्र, केरफन्यानन अवकादी, श्रीदाय नीयं अपन्यायाः

#### ्रचा नानियोष्ट्रांच यह

事中的特点,可以问题点。中国的 。 电电影器 क्षीरभविद्यां वर्तन मन्त्राध्यम अपने वस्त्रपास

#### (२०, उम्बन्धाः चलवाड्य-वर

可谓"智"句, [4] (1] (1] (1] (1] क्षारान वक्षक्रकराकु आरमाबारकक दस्या वर्षमान । वज्यक--- अवकामी औक्षानकृष्क-

माम, औं अपदान अक्षता है। (२৮) भिन्न ८गाजीय य**ठ — वार्यालय** बन्द भाषी । १०,७। त्रीत स्मान, निके विश्वी । अक्क-- अमार्गानी चीनीवात्रक, खोकूशान्त्र

मो तासाहस्यकत्रवन्त्रव (२०) द्विशामित्रीका व्यवसार्थिय वक्क-अक्टादी श्रीवाशास्त्रवन

উৰ্বে মিঃ বেন বলেন, শউভ বিশিষ্ট भनकारी कवाजाती यथम छेउन निवास बङ्ग তথানে উপ্তৰ ख्या क्रिएक আক্রেমণ করা ১ সঙ্গতে বেশ্ব কবিং द भूष भूर ক্রিনা।"

## नाकिःश्वा आमारम कार्यान यही

প্ত ৮ই জুন হ'ফেনার বাংস্থ স'চব

্রিউনিং এবং বর্ধাই মাত্র ডাং কাটিয়াস বাকিংহাম গ্রোণানে कहक घराहिए स्माः र्ट्यत १५ दाक्ष्यम खागान ग्रामान महीरनत **खार्तम् क्रहे खाणमः। ध**न्नाराष्ट्रीनगरक नभारिकेम अपन कामनास काकेश गाउँमा रजा। ১৫ মিনিট কাল জালাগ হয়। পরে ষ্টাহার। চণ্ট অন্নগ্রেন বেপেনান করেন। ঐ দিবসরাত্রে জাম্মার দুছাবালে কোন Cचारकत्र आस्त्राक्रम क्या । खेबार ध्याम অতিথি মিঃ ম্যাক্ডোনাল জাম্মান, মহাংয় रङ छून रासिन राजः कालन् ।

## ভানপুর দালার রিপেটি বিলাডে ভাল সম্ভোচন।

अक्र अगरतान इ.स. गाः ক্রেপ্তার ক্রিপ্রেয়র বিজে চি গছ জ ভূমি সম্প্রে ১৯ ১৯ কে

FRANCE GLOSS 411 9 616 बि: ८१४८क नेहरीत -**धाकार**लत प्रश्च लिला वटा अहेगार्छ। 4413

ন্দ্ৰনালেশ ভাষারের স্থিত উচ্চালা ভূম্ন করিণ ছেল এবং অধিয়াছেল বে, ইছেরেও भारता क्षेत्रकाथ बहुद्वा अस्ति **८**था छ विलिध्करण । ८४, उके धर्मनात मारिक दरकरात प्रेपानम कबाडावी वर्षा ह सहस याष्ट्रेएड इत्रद्ध एका क्यांग्राहित श्रम याख **डे**छ क्रांत्र भाषित्र ७७ (वनी क्रांति।

নীতির শিপিণানা জ্ঞাপন করিনেতে

## शिक्षि**७ (श**िक्क **भारत**्राज ংক্ত ভা

শোৰপথৰ কে বাইয় সন্মিলনে প্রভিত ব্যাধিক মাল দেবজুলায় বলেন---'ভারত য শাসন করিবার জন্ম প্রেরাস क्या ५ जिल्हा १ जिल्हा विकास विकास । अनुसार । अनुसार । भागम भतिभन (धारिक्षित इंडेएम्डे श्रताकः লাচিদ্র ও কাঁছি মহা কবিবে। জাতির এট পাচশ কোটা অৱলাতাৰ শাসনেই প্রায়ত হরতে মিলিবে। আম্বান্ত মিলাব । বৈহকের প্রতিনিধি সম্পর্কে আলোচনা বা নীর এতি অবিচার কবিব দেশীয় পারাধা ইঞ্চকরিলে স্থানি खोश करमें शक्षात्मर काम शाह (खे १ tक्स किय विकासमान आप । मिनियान मुख्य करी <sub>কেশেস</sub> কোটী কোটা দ্বিদ্ন অবিধার।

্ডিত্যীন্কল্পে পুণ্ভাবে শান্তি ्या 'क्श्यान क'तर प्रेश्राप्त (प्रमा বিভ্যনি গোস্টেলিল বৈচক ৰাথ হয়, ৬েবে কেলে ধেন পুনরায় সভাগ্রেছ शेन छ १ के तरह ५वः ८४ मा ३४ ज সংবাদিতা সঞ্চল করাৰ জন্ম মহা कतिरात्र क्षात्रकः पार्यकत्ता क अञ्चरत्रात्रक ভিনিষ্করের সকলকে জালাল।

माल निर्देश रहरत्।"

## সাজাজ্যবাদনিরোগা সভ্য ब्रिट द्वारीय . भ्रम्भाग

মীর'ট গড়গল নামলা আবিভা এইবার অব্যব্ধিত গ্ৰহ মিচ পেণ্ডি সামাজাবাৰ বিরোধী সাগের কার্যা**-কাঙ্ক** সমিতির সভ্পেতি নিক্ষ্চিত এইয়াছিলেন সম্প্রতি ভিনিউক পদ ভাগ করিয়াছেন— ক'রণ ভিক্র সভা হইছে পণ্ডিক জহর্মাধের नाम वाष्ट्रिया ८म ७३१ ६ इसार्ट, म्रास्थ्य মতে বুটিশ গ্ৰণ্মেটের স্থিত স্থা ক্রণ ভারতীয় ভাতির মহাধ্মিতির প্রেচ মোটেই সঞ্চ হয় নাচ এবং পণ্ডিত মহর্বাব উক্ত মহান্মিভির স**গভ**া व्यकान, कांगानिकारक मार्गिटन অংগামা অন্বেশনে সজ্বপদ ভ্যাগ্পত পেশ ক্ষাব্ৰেন

## কলেক্ষ ষ্ট্রাটের হন্ত্যাকাও

करणक है। एवंत्र का का का मान्या मान्या क ৪ত আসামী আবছতা গাঁওবং আমির মুদ্ধি দল আতিনিধি নির্বাচন করিবেন। মৃত্যু গুটে।

ছেন যে সমস্ত ব্যাপারটি ভারতের শাসন স্মানিট্রেট মিঃ রক্সবার্গের কোটে যে বিন্তি ইইারাছে। মামলা চলিতেছিল, গভ 📜 ার পালাব শুনানী শেষ ছইয়াছে क्छारश्चारम प्राप्ता त्याभक ११ माटक .

## र्त्शान्दिनिद्यात ७ जिलिश নিৰ্বাচন

মিশক চইটো এবং প্রশাসেটের মত প্রটেলের স্থান্তিরে প্ররাষ ওয়াকিং কমিটীর সভাসমে। বাৰ সাধে <del>কংগ্ৰাদ</del> আবে 🗠 । সভ্যকার ভারতবর্ষ সাজে সাভী - কমিটার আর সকল সম্ভায় গতিশ কেটো অভাশনলিধ আমবাদী লোশদান কবেন। বাবু রাজেলপ্রাদ্ ক্ষ্য—তথ্নত প্ৰথক বই মত জংগ, অনুস্তা নিবন্ধন সভায় উপস্থিত হইতে পারেন লাই।

> श्रकान, जेभिनम मकाल ल्यान छिविन 28 1

মৌলান: আৰুল কালাম আজাদ ) व्ह कुन भक्त b-) र मिनिए ते समय ক্রণ্টিয়ার মেলে এখানে পৌছিয়াছেন। প্রিত মদন মোহন মাল্যা সভায় (राधसान कांत्रश किलान।

कारवाजनाम बादा । अमितिः কমিটার সিদ্ধান্ত সম্পরেক পুর বোপনভার বিকিও হইভেডে। **ভবে প্রকাশ দি**রী इंकि द्वार शाल्टिविय देवर्टक कर्द्शास्त्रव যোগদান সক্ষাকেই প্রধানতঃ আলোচনা इत्याद्यः ।

নেতৃগণ যগন বাহির হ্ইয়া আসেন তথম ভারাদিগকে পুর গম্ভ র দেধাইতে-ছিল। ভাষার পর ভাষারা মোটরে করিয়া নিজ নিজ বাসভালে চলিয়া धान ।

অপরাত্র ৪ ঘটিকার সময় পুনরায় अग्राधि कशित अनिद्यमन देश।

## बिश्वित्व काडोर डानामी मूजिम म् (चालन

নিখিলবঙ্গ জাতীয়তা নদী চুলিম সন্মি-শনের দানারণ সম্পাদক চোধুরী মোধাছুন পেমি জন (७१८% : ७१८% ফরিলপুর জেলার জাতিয়তাবাদী মুখিন मरमात्र निक्षे एक विश्वासि भागाहै कारका :---

बागावी अन्दे सून वा भूट्स निधन-বঙ্গ ভাতীয়তাবাদী ধুলিয় স্থিননের श्राधिनिरिषय नाम मानायण मण्यास्टकत निकृष्ठ (लोक्शम आश्रामन। (र न्य **दबलाव काफीबफावाबी मृजिम प्रश**ेगाहे त्महे तय Cक्षमात व्याटवानिक काफीतकावानी आट्य । यथ क्या शास्त्र प्रथमहे

এডলী টেলিগ্রাফ" মন্তব্য করিয়া- ' আমেদের বিজজে প্রান প্রেসিডেলী 🖟 এতিনিধিনের মী ছই টাকা করিয়া 🦸

## र काजी : दशकार याजा

र 'इ: अक्षी ५३ खून भाराङ्ग**कारण** জন ব হলপুলাল মেকেক এবং **থান** ্ 🙉 সভুৱ থানের সহিত গ্রে**থাই যাত্রা** क का (सामाक ध्रमन **स्तार्धेत्र** ভন্য ভায় বস্কুত্ত করিবেন।

## भागरकार्खाभागीरमत्र चहिरमाबिहै।

'পামাডের গান্ধী' আবছল গড়র ৰী। তীহার ভবিষাৎ কর্মপঞ্চা সম্বন্ধে र हान----

"গান্ধীজি যাহা বলেন, আমি ভাছাই করি: আমি দম্পর্ণভাবে তাঁছার অধীন।" মহাস্থাতীর মঙ্গে আলোচনা করার পরে মাত্র তাঁচার ভবিষাৎ কর্মাণ্ডা ডিনাক্লড

লাল কোন্ডানিবিদের কার্যাকলাপ সম্বদ্ধে বলিভে গিয়া ভিনি ভাষাদেশ উপরে সরকারের দমননীতিমুলক ব্যব-হারের কগরে বর্ণনা করিয়া বলেন মে, डभानित नागरकान्डामात्रीस्मत व्यास्मागम भगभा विरागत निकरणे आपृष्ठ हहे**शा**र्छ। 医垂形顶 (外侧部侧 (中侧侧)管 医神经体 वागदकार्छ। तती दश्यक्रास्त्रक भारधन ।

তিনি মার্থ অভিযোগ কণেন যে স্থিসত্তের অবাধ্তা ক্রিটা 'গুলাই থিতমদ্বার' দিগের প্রাত চকাবহার করা 🐬 হইভেছে, ভাষাদিগকে এেপ্তান করা हर्द्राष्ट्रह खरा (काशांत्रे, वाज्ञ खरा দিখান্ততে ভাষাদেশ বিক্লে প্রচার-कार्गा कालात वर्ग छ। छ।

**''भृत वी: नर्शन (य. छेरद्रकनाह** कात्रगम्दवं भारतास्त्रताः भ । ग्राजाव-आकि क्षांडि ७५ कतिश श्रीटिश्मा सहस्र अंद्रेष्ट्र १ से संह ।

**উপসংখারে নীমাছের নেও। বংলন,** 🗕 यक्ति भागता शिद्यारभव गरना भग क्रांव, व्यासारमञ्ज्ञ कृष्टि ६५१न इतः नक्षत्रः शास्त्राम १८८१। एकडा छ एकविष्ट ८७ छातः मध्यक् आभाष्यतः मुक्ति सिक्छ

## পিডায় হল্কে পুজের মৃত্যু

न हेक ज्वानी पूर्व भवनवाक नीव ( आण्डा ) एक्षां एक रेजिय क्षेत्र करेक है कि निमासिर ক্ষতোর ভাতে শক্ষাধ্যকে নিরা শিকারে यान। सिकात हरूए७ मितियात समध ভাতকিতে পিভার হস্তহিত অলীভয়া यमुक हेश्राड खनी वाश्ति वस्या भूत्वम

CFFF-मदावील

1

FREINCHS SIE

<u>enwater</u> श्रीष शिष्ट ५ निकि क्लब ३. ठिक्का गार



माहार्यात हाव আ হ্রাম ধ্রেয় नावित के गायाविक ८ ८ेवगामिक २७० मागिक ১८ नाभाग क्षि मध्यम् , ब

আর্তের পর্নিত বছল গুড়ার—গদীরা জেলার একগাত মুখ্যাত

मणामक— खेळ डीत्मनाथ वरनगणाशाश रवमास्वाहणाडि ७वं १७ ]

ि-१ उम मरशाप

**শ্রীচেতপামট শ্রীলাম** সাহা**পুর- ২২শে জো**ই সোমবার ১০০৮, ১৫ই জুন ১৯০১

## নানা কথা बक्षा भागात छै छ

শৰ্মামার যে কোন বিলেষ আনেশের টান এমিক থাকিতে পালে, আমি এরপ मरन कृतिका ; वाक्रमार्टनम लाग्यान्तर मन्हे আমার নিকট তিয়ে। অসমত টোবন-কালে বাস্থালেশ হটতে আমি অন্প্রেণা লাভ করিয়াছিলান, এছত আমি বংগলার निकंत सन्।" 'डेर इंडिया' भरव स्टेनक याभानी भन्दशासकत्र ममार्ट्याच्यात উख्रंत महाश्वा शासी व क्या शिविताएन। উক্ত পত্রপ্রেক করাচী করণেয়ে ভূপাত মন্দার ভগৎদিং শ্রেভুতির সক্ষকিত व्यक्षायम् व्यागातमा कतिया विवतारकम (य, वांक्या (सर्यत्र (समय सूनक जानगर छ मिर्टिक इंद्रेग्राफ, ए।इरिन्त मेंदर्ज मकाञ्चाकी अध्यक्त आश्चर खबर नहास्पृष्टि क्षामना क्ष्यंन गारा

भारीकी वांगजादकत (य, नशकांशन ওললানের চালে শড়িনা কিংবা পণ্ডিড অধ্যুলালকে পুণা করিবার ক্ষয় তিনি উহা ক্রিয়াছেন, এরপ কথা গতা 1 \$310

क्षीमती तथः डीहास हतित अपूर्णान प्रका, तथः अहिःभात नरधरे न छ। ক্রিয়া হিনি স্বভাবতঃই ঐ প্রাভাব অমু মোদন করেন। উপসংখালে গানীখা প্ৰিক্ত আজিকায় লাভ শত গৃহ দথ यह्मत-वामना किरदा अस दिना अस्तर्भव पुरुष्कात ज्ञामात अजान शास्त्र कि मा आर्द्ध कामि आनि मा, किय भाषि गृश्हूफ इंड्रफ रेर नीडिस्क সুক্ষার দ্বপে প্রত্থ কলিলাভি, ভাগে হতাহতের সংগ্যাও গুণ মানক বালয়। दिविद्या किश्वित । कात्रदेशक अन्य अन्य अस्य इकेटहर्टक में गुरू न नारतन अनिविद्य

# মহাত্মা গান্ধার উজি

দক্ষিণ আফ্রিকায় শত শত গৃহ দগ্ধ

## দীনেশ গুপ্তের প্রাণদণ্ড

"চীনতুইন" জাহাজে অ প্রকাণ্ড

# শান্তিপরে শিক্ষা-বিস্তার

নানাম্বানে প্রাত্মাধিকা-নৈগটাতে ১ জনের মৃত্যু

# হরিকিযেণের ফাঁসির জের

মহাত্রা গায়ীর সহিত দেশদৈবিভাদের সাক্ষাৎ

## ব্রটিশ সাব্যোরিণ জলমগ্ন

আতঃপর গ্রিকী ধলেন, ভগৎসিংয়ের । অনশন্তি ১ জনগরের স্থানীনতা এবন এ ।

ব্রেটাউন, মুন £ः छहेन्स्रोन (प्रशाम खलका शहरतर · : • व न नकाई) वारिमारका नाउन वर्षा खन भवादेवा पद्म कशिया (एका ११६८६)।

विष्याः वहसारे शहारेत्यत्र सृष्टि श्रेतात्व । ৯ জন ইউরোপোলান সম্ভত্তিৰ বিভরণ কাষা দেখিতেঃ ৬০০ন, ভালারা মতি কটে আশ্বরণা করিহাছেন। তাথেদের ও জন कारु७ इहारा न ।

हहेता प्रकारक । प्यवदा त्यन्य खनक्त । विश्रा शकः ।

## নানাভানে গ্রীমানিটা নৈহ।টাতে ১ জলের মুকুর

**১ চুড়া, চক্রনগর, জ্রীরামপুর ও পার্ম-**বর্তী, প্রান্ধমুকে মহান্তব থলম প্রজিলতে ৷ চুচুড়ার *নালাপান হটতে -* মন্দির্থীতে আক্রেড হওয়ার সংবাদ পাওয়া যহিতেতে। নৈহাটাতে গৌরীপুর জুট মিশের মিঃ রে প্ত ১২ট জুন গ্রীমাধিকো মারা গিয়াছেল दशिश @कार ।

### मीरम्य खरस्त्र आगम्ख

গত ৮ই ডিনেধর বেপ্টেম্বাণ্ট কর্ণেল निभग्नत्क र्जात्र अधितार्भ मीतन्त्रभ ওপ্র প্রান্তর দ'ডত ইইলাছিল। আছি-কাউলিংগে ভাষার পক ২ইতে আপীলের छत्र आर्तनम (११५ कता इरुग्राधिन; किष्ठ खिडिकाउँ भग तार आत्मन काञ्चाक्ष क तिया दिशास्त्र ।

## হর্তিক থেলের ফার্মির জের

भारतेत जाजगनकाती द्विन ফাঁদিৰ অভিৰাদে ১:১ ছান ্রেশের্রে আংশিক হরভাগ প্রাত-भए .. इ.स. १ महत्य ३८८ धार्वा फार्चा क्षः ४गा हर मात्र शहिकाहतात कहा क्यांना विक् भि विश्वभारत कालीनामने **भका**ण 🕶 左右 美国海飞车 医外线性胃 停心 电阻电 多类化阿特 कारिशिक भूणिन राहिनीत खारमा न । भेगा व भगरक ११व घरिया (संख्या उन्हादनत् वत्रम् धेक्क् ं त्या, काशामभाष निष्ठात्राचे ठाणाम (4.94) 4 (4.1

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## (थाना इटेशारक।

তাভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত শিক্ষকগণ ছ: তদিগকে আভি মছের সচিত শিক্ষা প্রদান করিতেজেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিদ্যাল্যকে স্থল্যর বাসহানের বন্দোবন্ত ইইয়াছে। ছান গণ্ডার প্রান্ত কর।

সবিস্তার সংবাদের জন্ম নিঞাল থিত ঠিকানা পত্র লিখুন। সেত্রেভিনী, ভাকুর ভাজিন খনোদ ইন্টিভিড্ শ্রীচৈত্যমন, গোঃ শ্রীমায়াপুর, সমীয়া।

## — ৫১ বংসরের প্রতিষ্ঠিত-

উশ্ধালয়ে এক্ত বটীকা

**আৰা ওফাঙায়ল।**, অপ্নান্ধ, কোটকাঠিত, অজান, ধাজভল প্ৰাস্তিত ভঙ্ক বোলীয় বোগ নিরামর হইয়াছে ভাষা প্রকাশ করিলে বড় বড় প্রক ভইবা পাছে।

#### हेडा

সকল অভুতে ধাৰণাৰ চলে ৰ সমান দল প্ৰাৰ্থ করিয়া থাকে। আঠি ভোটাত কটা বটাকা থাকে।

#### কেবলং ত্র

প্রাচিকেটার মূল। ১০ এক টাকোর হতার নাম আন্তর্জনিপ্রাহ বটীকা'।

আৰাজ উষদের ভালিকার জন্ম গত্র শিলিকোই গাসবেন আপ্তিয়ান :—আশ্তিক্ষনিপ্তাই উন্নিল্লাকার ২১৪ মং বছবাজার ট্রিই, কবিকারা ।

## কাবরাজ শশিভূষণ ক্বিক্ঠাভরণের





মকংখণের জবিধার জ্বত ও আঃ শিশিকে খনজ্জ অবভার ছোটবোনলের শ্নমণ্ডি উষ্ণ ভাকে পাঠান হয়, ইহাজে উর্ধেই কোন প্রিক্তন করা হয় নাই। মৃদ্য প্রতি শিশিয়ত আনা, প্রতি ৮০০ আনা, বোদক ১০০ আনা।

অফিল-১১নং উল্টাডান্সা রোড, পোঃ শ্যামবাজার,

# यंप्रव मध्येती

বটকার কর ও থাতুবিকার, ইঞ্জিরপজির এব, এটাবে জ্বলপায়, ব্যবস্থান, নাগাগোরা, বুক বড় দড়াবি, অনিত্রা প্রাকৃতি লক্ষণ সম্ভৱ নির্ফোর আলোলা হয়। বল, বীবী, বেধা বুড়ি করিছে অধিতীয় ইনিকঃ স্বলা ১০ বটা ১, এক টাকা।

প্রকৃতি সাক্ষাত্রা হিছিল পুন্দর্গতি ছোবে বাছ্মানের হারা আরোর কারা বাছসন্দার করে। মুল্য ২ জেলা ১, টাফা । প্রান্ত করিনের জিন্দারী ক্রিক্তিকা? বীর্থ পারন করত সভাবদক্তি হারী ও মুদ্ধি করিছে অফ কং)। মুল্য ১৬ বটা ২, এক টাফা। আফুট্রেছ ন্যান্ত্রান্ত্রান্তর্ভারী, ক্রেন্স্বান্ত্রান্ত্রা

## शहर्षामिन

=

## কোষরদ্ধি ভোগ

ডাঃ এস্, এম, খোষ বিনা অস্তে, বাসজ্জীবনের গ্যান্টি দিয়া বৈচাতিক অলালাক্রে কোষর্ভি রোগ আবোগ্য করিরা থাকেন।

> ठिकाता— २५ सर क्षेत्र श्रीष्ठे, बक्ष्याचात्र, कालकाचा ।

## যক্ষায় হতাশ হহবেন না

## দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষ্ধ

প্ৰস্তু দিলে সম্পূৰ্ণ আব্বোগ্য

বেরী দেখাইছে কাবে। অগ্নিম লাথের গরচ (যাওয়া আরং আনার)
পাঠাইলে শিরা রোগ্র দেখা হয় অথবা এখানে আসিবে বর্ণী দেখি।
উষ্ধ দেওরা হয় আবেগায়া না হওল প্রায় প রিশ্রামক দিতে হুইবে লা।
গরীব রোগাদের খরচ বধন করিয়া চিকিৎসা করা হয়। বিশ্বাহিত্ত
বিব্যবহার কন্ত এক আলার ভাক টিকেট সহ লিম্ন ঠিকালার অস্থান্ত্রনা
কন্তন।

উটালি তীলচন্দ উকীল, যক্ষা-চিকিৎসক, োঃ লৈক্ষী, বাংলাল । অপ্ৰা নিয় হিক্লিয় নাজ্য কার্যা বিশ্ববিদ্ধানিতে গাঙ্গেন

ইনিযুক্ত রামপোশালা দক্ত এম, এ ক্লক্ষলগর, নদীয়া। ইনিযুক্ত করিপাল । বিহৃত, ১.৭, নোণ্যাটোগো ইন্ট্, গাতপোলা, ক'লাকাভা।

ত্রক আনি পাত্র । অ মার হারুপুর গ্রহ হয় মাস যাবৎ রাজ যক্ষার ভূগিল মৃত্যুবে তবাহে করাছেল, কালকারার বিজ্ঞ তিন্তিংশ প্রতিষ্ঠিতিল আবিবনের অংশা জালে তবাহে লাম মৃত্যুবের অঞ্জ আনেক্ষা করিছেলন তেই লগর জীলুও মি লিন্দিল উলিল মহালয় মার ১০ দিন তিকিংসা কর্ণির মুল্পুর মানে গ্রহ করিছেলন কর্ণির মুল্পুর মানে বেলি করিছেলন হয় তেলি লিন্দুর আবিবলিন কর্ণারেশন লাহিটির স্পান্তিমেন্ট, কালকার।।

## শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

भारतान 88%

माज 🗸 > जान विदन है शार्थ (केटल के तुन दला दहे शार्था मा ।

আনেকার- গ্রন্থবিভাগ জীটেত্থময়, পো: শ্রিনায়, পুর, মদীরা।

কেন প্রাহকগণ

# গোড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

## এত প্রশংসা করেন

-কার্ব-

এখানে যাবজীয় চাপার কর্মা---

ट्राणांद ट १७१, ८५१६६, अवस, थाम, कमिया है। ८०क, विक आकृष्णिके कनुन,

विवाद्य निमञ्जन शक्त, क फ विवाद्य शक्ष्य मानुन,

আন্ত ও বং ও ৪ বংগ্রের ভাষাটোল ব্লক্ট বলুন, সকল কার্যাই আভি নীক্ষ কাপা কর, অপত ভাগাববার প্রত বাজাব আ পক্ষা হলভ।

আপনার বিভূ ভাপার কার্যা থাকিবে নিয়নীকানায় জানাইজেট কয় পাইবেল।

মানেকার-সৌভীয় প্রিণিউৎ ওক্তাব্যক্ত । ২৪০/২ নং মাণার সাংকুলার লোভ, কলিকাড়া।

## শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

এখন ও বিভীন খত

র্ত্ত বিক্ষণান প্রীয়ন্ত কিনিছাত সরস্কী গোখামী মহারাজের সেই আবিতা-বিক্ষানিনী জীবাল্পরণোগোনিনী ক্ষমান্ত নিক্ষানিনী জীবলানীর সূত্রিরত-বৈক্ষানিছার চ্পুবালার ভৌত্ত স্থি-নাৰ্ছ অভিবেছ ও আলোলসভাছের নিছাত্তসমূল। ভিক্ষা একলে ১৮০ আনা মাঞ্চ।

-PE fryfus fire ysylle gely नाम विद्यातक विद्यावका स्थान म्लाजि हान लाङ्गातम् वत्वविष्ठे व्यात्वातi Bileğa Belliy Elfentionedalik kily topiop things for the live park file THE OF HOMESON I POST DIE BELL Sinio Fris, referinge ele Fils Have half dy williaffelie Alegio नीत जाजागही का प्रतिहास यो देश (भारताम) क्रिक्टियसायाव हो ।या दानक्षय व व व क

1 BE the one and belle ble Elientett mitte blete bleige i Edaltage gie liefe gir liebid in in in जार्यासन संहित्य रहोत्त कार्या रह hit) kirjas bathabis ki leas रेक्ष्मीकार्थक अधिकार हो। जाने कार्यकार्थकार 经海南经济与黄色 人名英地 美有印度对 拉拉拉斯塔 whilehow all align white is all a seem politice gite 'was the fill thill beliftet! बारमेर्ज संख् के एका आपितीन अन्य दिल Bir billig and appealed abilitalism erreit inial a make siakisisia thing, indially is in street elisation to being this meatle

## 지하는 10, 10년 1년 1년

ه ۱ ا ۱ ا ا ا ا ا ا ا ا ا ا ا ا

Edul - Allehlate Engly - Pilotesbie . Sig to Select ∓ Const. Integelege o so inter-le april el secesa elle italia alle del below to hope booking to make there Leur, regulation of problemage such the gliebige. Sieben geben merritige tollogiete अध्यानिक के स्थापित के अध्यानिक the medic black bulblich kit, 2] this elikier teriter er allejne is istielieret klatete i is va... g missleifte tebie TREETING PLINE THE PRESENTE there are her a property of the state of the second Sleife gele wielen fa ife telbieb Sjelej skilition, bilej alemy keultsjie Riber Brid Birer 12 miec Sie

## PRS13:100:-111211

I rige or his pholoic appl projectly to retail the progress Quellelle richite blibassiff dem Billipiek lesh ising 'Kik rechisebile Buduitalkidelie bing king kindekte For a giple if c fieth ac fictible

हिन अंद्रिको स्थान किने

the proper is seemed in the polyhelpt is proper मीमीसीसि व्यवस्थान । अन्याद्वार त्यापा व्यापाय । सा THE LOCAL S. SELECTED WEIGHT WEIGHT

1 比20年 自国中 全20年 अशिश कोबीसीस (अंड इंडर हर्मी क्यार १ एए ८ ११) . . ivel exists which wire overplie 12 1-12:46 (£2.16 10) (\$1.22 killehilleh 1. Diete, ale Mais, Franklik leak Who we have the their street hipeta arina adineri: illeta encla 中国地 北江宋出南门中村 11、北京西门市北京 电 ह इन्होंस स्थितिहरू होते हैं। bistice with their Charle beite tigaj's katlaite al ale o the bigh

Elet Ele islasteiem la

The 26 Pallellis お同時には、要ないには、一般にある 电电路 医肾髓管 电影 剧烈 地

हादी के उपनिषयी क्षरीमान्त्री राज्य अमेरीका है। मान्या रामची प्रमाण वाराचाच 🕻 💥 काचवी । अर्थकात्री 💰 संदर्धन होने । जर्थनावर whale sames. The Historia 在台上中的新年 经收收的证据 上克尔 电 医心脏性炎 I the best to be the second of the second 1971कोस्स साक्रा हर है।स्रोतिक व के Bearing both Consequity we werether 由物题 自由影点以为 能量 Indiana 企业主 Hebliffs The se theliant him he would be -中部聯聯 医电弧电流 鬼刺,以为这一切形像 र्धाद्वको रहेल् । एका एकार्यको एका । एकार्यक राज्यको कार्यक । The state of the bands the develop 一切鱼鱼 医肠电损器 电影点的 计电影图案 化电影 exists as as an expension of the self sector of the first of the self-Engle 1915 - 1 killer die lieberdy bloth bedieber En billiebet kongrete bischte Realist to the second of the fight of the second of the se weren ar and see they were for the property of the property of the property

Server American American or graduate it had material and the \$ 5 Blate, 17, 15, 4- 54 - 1300 Bettent 90 Pil walls Palities early till white 数据编写16年7 - 电影图片20g - 3 - - Alter De. leterial but level filler buttered gr - a cho thank (thata) (観 かった)た BALIBBOTH I FRANCE BUTTER OF SIMILARE gar horizon a binar the eki, adaget ikisa iakupaten bika Bibbliog beldbield 1.2000 Blis dies entiteles de sontente -क्रमें अस्त्रेत ७४० हिल्ला हिल्ला हिल्ल kie lige Esphie Blah blabib

1 把选等可含图及各名公里 16年底的 1 -tyleik, 1 as s felkinial og liftelet lettelle (1-1811) alle (1-1818) et e-alkiel 25 aminghina i ir ising 8 ship "teles "thete - with a first per feet on a beetile is 'bite 'pie 'hitemens & Thek, Sale 12 - 1 KVBB 12 といぬんとうにんしい名となる ないゆう "無し"過度 "THE HARE "LUBER & THE WARE しんちンーのはん i le le 8 Wil 1416 'DED! 1922 1 sile 并分别是正面坐 化上沟线 为超过度 计复分法 化油油 文化區 医黑皮 化生物的 斯里 一直 医侧侧性 वारकात । येभ भार वेश १०० मेर्स्स केर मार्थका विकास भित्र हेक्ट व मार्थ महाराज्य कहा मा

Ministration. والمراجع والمراجع والمراجع المراجع الم

明治域的 化压力 法证 电过离子 医流毒性 leight than activities alought 一段全年,引起少数 把制厂的一座门的 多面间 -Marie 92.00 100.60 Eblate . 2,00 Balta willes it like by soliced

Male s blede the I blic house

a fam skalige spile of .-

· 102年 12 14年 (1944年 ) 中北 30.15

LE BELLE & LE POR SEL SE

Mile Bullete it. in the of last to

durant con the state that

gi freight ein ibandlette gebeite

・レミン レーム しんか

this kindleter, designing

spanier othersteren write

· 唐朝沙 相说:"一个没有知识要。" 然而不定的

काम बन्धा काम महिला र कही व द्राश्य व

में अंतर सामित्य वार्त हे ने भी भी भिन्ना के

"Intalking and their these black

Sisse Biblish tobio water of apapo.

-केश्वाक प्राप्तिक किएक एक प्राप्ति व्यक्ति विश्वक

shelk eller this biles du

dated and sized fitter a fitter in windlig

Blocks extinizing absolubing

blesse mibile here, or the one

theighter their solid heithe

· Bubliber

事者(ないない) はいとはなる

क्षेत्र शास संक्षेत्र अवक्षेत्रा प्रस्कृत Binne andielette in Elia

1とないいとは 上到1.15 AIS 8至7至 514.15 14·114·1 -piele del 'ala, kad ('alla) 11年 上北河山山下海南海南北南南北海南 "Alaite weise, Red "Mie eine aleite in fi ्तवारीय शह, जारा हाता, तमान्यत्राप्त, stell sigis capitally captured. Bairle & lebits. I silve a section take belief a cik epileben abluk Stein, 19-11- Philip Electe 1/27/2/5-2 طاطون عالم المراج التام ومرة عاعاقه the lightest with the this best 4 Landing the state allowed المناهدة الم प्रतिविद्यालय हुए। १ किल्ला १२१८,१० वस ११२ शिक्षां होते हो हो हो है । है । क निर्मात के होते हैं। इस्ते हैं से निर्मा के विक्रिके विक्रिके देवे शीको सम्बद्ध कर्णा । च elistata des Echapers telle de a rekeepiet balk of in hits -tank gir - 1 the tekenting regarden beite

kells still the still and the same

भागाना रही । वर्षान हिमाना हिमाना स्थापन रहान

5 to 4 10 11 11 11 11 11 11 11 11

公司 かいこう はりっかい 19.12k156 ## 15.0 &"

经证 经过一种的

10 000 - 1

多点体经 (共2)比似的心脏,但阿

द्यीमध्यमञ्चामात्वर सहस्र 'माञ्चरि' अ 'ব্যাস্কুট' নামে ৬: নি বিভাগ আছে। দাস-कृष्टिश्वरक करा । जातात 'छक्कनामनी' क्वर ব্যাসকুটকে আনর ভাষায় 'ডেছোললী' বলে । **এर भन्दानारम कीवाणिताकश्वामी, जीलग्र**न নালটাৰ, জীনৱহাৰত, ব ও আছ ভীৰ গ্ৰাহতি বিশেষ বিখাতি গাঁওতাচায়। ছিলেন। हेक्ष्मा भक्षणहे भागातितक वित्यक्षण পত্রন করিষা থিফুভাত্তর প্রাধান্য জনাত্ত বিশ্ববি করি ছেল। শ্রীমন্মধাচারী জগতে। বৈত্যিকার প্রচারের জন্ম বহুবিধ এম নিমাণ ৬ মঠাদি স্থাপন এবং তথাৰ সেবা-श्रुक्षांति वा उक्ष कतिया विश्वायक्षत । जीवान । রচিত গ্রাহা ম্বাচ ২২ সহজ্র নিদ্ধারিত : হ্বা উল্লেখ্যালের ভাষত্রণ মধ্য-সম্প্রদায়ের িশেষ প্রাস্থ্য প্রথা প্রায়াস-ভার্ত্ত ভারায়ত গ্রন্থ বৈদান্তিক সমাজের মালা বেম শক্তিশালী ও নিখিল প্রতিপঞ্চ-থওনকারী। মালাবাদিসম্প্রদায় এই স্কল্মন-১ ক তলা ব্রায়ত গ্রায়েন্স অভ্যাত্রয় প্রভাবে ক্রিকানাত্রে নিষ্টেছ হইয়া পড়িলছে। উ,ড়পীতে গ্লম্ব অদ্যাল্দি মতী প্রাণক মতে জানিকাবিগ্রাহমমূহ বল্লা ভিষ্কিত থাকিলা এক সম্প্রদায়ের আগোপাগণ ৰ ব্ৰুক প্ৰিত চট্য। আগেদতেছেন। ভগবান है, क्रक्टि अस्तित में। भक्तावात श्राकात ভত্ত ও ভাষ্মশ্প্রনার अक्टराजीकाम सम्मानाम सारम शहरसमानाहस \* Stib's !

## োবা ও রূপা

( এয়কা সপ্ৰা দেবা )

লীলাপুরবেদ্ভন স্বাট্পুরুল শ্রীহবির াম্বা অক্লেক সময় কপট আক্ষেপ সহকারে বাবল গাক,-শব্দার। ডে৷ ভারচেনর ধেবা করিছে কে বিষ্ণবিদ্যাৎ ই かず。 ক ক্রিবার क्टरक चेद्रात कारण श्राम राम कहे. साम्हात्व श्राचि के नग-ব্যেন্ত্র কুপা নাই বাল্যার অনুসরা উন্নত कारम मान कार्य आर्थि आर्थिता में ভবকুপে পতিও পাকিয়া স্পাবের সেবা कदाई आमारमन निविधितः अवन्त নিপুণ লাবে আমতা এই বিশবেরই সেবা क अद : ८कनमा अभारतत १ विक्षा कति-रास भागा साम्बाहर सामाहिताक वहेक्न বৃদ্ধ হমিকাণ অনুষ্ঠিত করিনাছেন।" প্রম করণমের ব্রিলামের জ্বীন রুপা বৈচিত্রার করি। রুখাসেনাম্বতিবঞ্জ.

## অদুফের পরিহাস

( শ্রীযুক্তা প্রাফুলকুমারী দেবী, ভকিশাস্ত্রী ) সেবা-সাধনার আসিচা হেথায় দেখি একি ভয়ন্ধর সেবোৰ দেবা ভূলে গ্ৰেডি হ'লে সম্ভাগসন্ধান্ত্ৰ: চেডনের বাণী গিয়াতি ভ্লিয়া नकाकवह हदान मंगिता के वन-आहरत हरन हि मंदिता घरलाम के कथावे ते । মুজ্ প্রথার উদ্দাম প্রথাতি নাহিক লাক্ষার জিব দ বিষেধ হাবে আজিকে নিঃদ অমানের পুরাগণ িত্ৰত ধন তাজিল ক'বেছি মায়ার পদ লেইন: মোকের আল্সে ভোগের লালনে মন্ত্রভাগোর বঞ্চিনবলে ভন্মীভত করে দিবে কিলো নিমেনে পঞ্চার আংগোকন ? আ শিক্ষপোনি প্রমিনা পেয়েছি রুষ্ণসেব্যর এড ন্য ॥ মা বি মোহিনীরাগেতে মুগ্ধ বল ভূমিকাৰ জীব অন্তেটিক্সন সমূতের পুঞ্জ বলেছি প্রেবঃ অশিবঃ মণ্ণ নিশ্ছ প্ৰিয়া গ্লায় ক্টাবন আকৃতি দি বেডি কেলার জেলাভার কাজেরে ভার্নের নিতারে মানবজনম সংস্কৃ। অক অভিবাদ কর্মবন্ধী। কভিতে গ্রেপুরস্কান ॥

একঞ্চিকা সংশ্লেপ সেবেয়েগ চন্তবৃত্তি ভূমিকান সঞ্জিত আমানিগকে সেবোশুগ গ্রহণ ডিড়া কবিশার মত সৌভাগা করিয়া কলাপে কঞ্জরের হুট্রে ইচাই প্রটায়ম্ন হয় যে, তিনি राजिन्दिक्षा क्षीनमुक्तर्क ক্রাম্বণ , শাক্সালাপূর্ণ নহান্যার কারা-গ্রেছ (প্রারণ কবিখা ভূদীয় অনস্থ অপ্রিদীম ককণ্যত প্রিচয় श्रीपान ক্রিটেডেন: স্থান্য নিভাকাল তাহার মর্বাড্ম থাদপরাখতি ভুলিয়া ক্লেশ পাই, হয়। একোল ইছে: নরে। তিনি স্তত আমাদিশকে কুপা বৰণ করিটেডেন, কিন্ধ জামর: এতই বৃহিত্ব যে, প্রম দ্যাময়েব অধ্যতিত ককণামতধারা অবজ্ঞাতের উপেক্ষা कतिशः मानवीरमुना कामनान छान्छ भुडा मामकछाभूगं विवास श्रामीत्रक मधीवनी-স্ত্রশাশ্রমে আকণ্ঠ পান করিতেছি। বেমন कि इक्षी (अहमय अनुक अन्ती छन्छ সন্থানকে কঠোৰ পান্তি এদনে কৰিয়া গাঁব প্রমে সম্ভানের মহলভনক অবস্থা আনংন कतिया भारकम, काउनत धकमार दक् পরম্পিতা জীভ্যুবান্ত দেই প্রকার অন্নিলের উন্ধেশ অন্তর্জনক সেবা-বিমুণ্ডারাপ ভগ্রিত্ গুল্পেরাত্ত স্মুলে বিন্ত कविशा शकाश निष्ठाननम् छन्छन প্ৰস্থায় বিশ্ব কৰিবৰ ভত্ত এই বোধনাগারের নানাবিধ ক্লেশকর স্পরস্থার मध्य निर्धालक कति । कामना ভাষিবদ্ধে মা কিন্তক প্রভারিত, ভাই কারেণ্যবারিবি প্রমেখরের মহান কল্যা-শেচ্ছাপারণা করিতেনা পারিষা তথীয় আহৈতুক কুপাৰ মধ্যেও দোধ অৱস্থান

अभाग निर्माकारणत यन পরিপুর্ন সেবাসক্ষদ সামই শ্রীভগবানের মুখ্য উল্লেখ্য ।

ভংবংকগারূপ নিঃশ্রেণগাপ্তির এক মাত্র উপার নিধপট দেবার্ডি। অস্বরে বাহিরে ভাষার যথার্থ অকণ্টভা আবশুক। নতুবা ভাষা শুধু মৌহিক 'শুরণাগ্ডি'ব কণ্ট অভিনয়ে প্রাংসিত হয় সাত্র। বলি কাইবিও মিডা মুল্লের প্রয়োগতল কিরণবাশিকে বরণ কনিবার বাসনা খাকে. उत्त मन्द्रश्वात व्यवस्था ५ कालहे। প্রিকার করত নিক্ষণ্ট তীর আহিদ সভিত শ্রীভগরানের পাদগদ-সেনাপ্রাণী হইতে 55(7)

যদি চিত্ততি সভা সভাই চিল্লামিখন স্কৃতি হস্বতিম্ব প্রমেশ্র 🚊 ব্যান্তে ব্রিক্সের केंग्रिक्टर्यात छन् मध्य प्रांता प्राचित्र ত্র, তবে দেব, ন্র, ধক্ষ, রক্ষ, ১৪জ্বা, दमन कि, ५५%म पुनरनंत्र एकाम कीन्ड সেই একান্থ সেৰাপ্ৰাথীৰ প্ৰতিক্ৰাচৰণ करिया अञ्चलाभ क्वेट्ड भारत मा । यक्ष कीरवत देकावार्थ अभरक देविक कामना-াবতাহ ঐত্বপ্ৰচাবাদের কাহতেছেন্---''বাদ কোনও স্তর্গনজীবের প্রায়-ভগকে हतिस्क्रम कतिवान देखा थारक, उत्त তিনি যে কোন বিরুদ্ধ ক্ষরস্থার মধ্যে থাফিলা এমন কি পার্থিক জনের দৃষ্টিতে निजास निःमध्याजारम भरण मधापमान श्रेयाङ इति ध्यम कतिनात्र यामा ८५ शिएड পান না ।"

शंब, जामता निजास शिश्तिरम्या-াবিমুখ বলিচাই সৈবাবৃত্তির একান্ত অভাব বশতঃ করণাগিশ্ব ভগবভার মধ্যেও কুপার **অ**ভাব পরিলক্ষিত করিয়া আভ্য**িনাশের** আবাহম করিতেছি। সক্ষীবন্ধছৎ শ্রীক্লক ভগবাৰমূপ আমাদিগকে ভবমধাকু হইতে केशातका गता 'प्रेरशानम कतिराध निमिन्छ े क्रमीः (४), ७२ - मश्यम, क्षिमाञ्चलामसम्बद्ध অভিন্নএকাশ অরপরপাঞ্জগরর যুগাচাগ্য দেবকে আমাদের নিকট প্রেরণ করিয়া-ভেন। ভদীয় অহৈতৃকী করণা আৰু মায়াকবলিও বঞ্চিত জীবের জন্ত,— অটেভত হাপ্ত বিখে পরিপূর্ণ চৈভতাপুরুষের শ্রেভিনার জন্ম অন্ত মৃত্তি পরিপ্রত কবিনা ত্রজন্মারার স্কুপাবারি বর্ষণ করিতেছে 🛦 ইত্তৰ কোলাইলমন্ত গ্ৰামাত্ৰপকানী আমা-मिग्रदक भत्रम सावशाविताङ है ऋकभावा বিন্দক্ষণা দানের প্রভাগে ভূতনে গোলো-কের প্রেমসন্দেশ বিভরণ করিছেছে। चाहांगारम् दव व्यभटन्तिम् । नग कशिषुश्रशानमान्छाती 🖹 🖺 🖂 राशोवस्त्रमानत প্রমায়ত রুপার লাবন পুন: প্রবাহিত ফারিয়া দিনা বৈক্ষেত্র বিজ্ঞা চুন্দুভিধ্বনিতে সক্ষাকে আধ্বান করিতেছেন।

''উভলিল প্রোমবন্ধা চৌদিকে বেডায়। হু', পুর, বালক, গুবা,সকলই ভুবার দ मञ्जून, ५६०म, १९५, क्र. अक्रीप । প্রেম্বসায় সুবাইল ক্সাডের ক্র্যা

কবিকুলমুকুটমনি শ্রীল কবিবাল ्यायामी छे॰ त्वाक हात्रिकी ছতে औरेह ७क-প্রবাহিত প্রেমবজার সমগ্র জগত নিমাক্তিত হইবার বিবরণ লিপিবছ করিয়াছেন। भागाना चोडेलानन करलत स्थाना विद्यालय द्यारान क्यानाम-नक्षाय बाउ हरेगा. (मोडाशानीन कार्यान चिटिक्ड अकडेनी मात मछ्टे आब जिल्लाचिका मानिक स्ना:उत শাপ্তি অশান্তির বত উদ্ধে চিনার সেবারাক্ষাব প্রমোপাদের ক্লাবিশ্বতার মতিত ১টন। উটাংরির ভক্তন করিতেছেন। কিছু প্রেম শক্রার আহ্নাম তের দুয়ের কথা, কণ্ট রুণাজার্থী আমাদের উহা পার্শ করিবার भोजागाड क्लंब मा। अपूर्व अमू আনবাই বাকত বহিলান। আমবা কি मना मन्त्र कशबद्दभगानाटक्स कर् नगाक्त १ लार उहे कि ही ही हति खत-दिवकन्द्रभगव अम् जामार्थत व्यक्तिम किरिएट्य ? व्यामामित म्यामाब-ছিত অন্তর্তে বি । ত ধাৰতার শৃষ্টিত পরীকা কবিয়া লোপতে ১৯বে, সতা সভাই ভারাতে অধিতীয় ভোকো শ্রীভগবানের শ্রীভিবালা 'মথনা ভংগবিশর্টে বি<mark>ন্দুপরিমাণ ইত</mark>র বাসনার অবকাশ আছে কিনা।

(項和叫:)

## গ্রন্থ পরিচয়

## <u>মিন্ডাগবভম</u>

শ্ৰীমশাহবি ক্লফটৰপায়ন বেদব্যাস-প্ৰণীত মূল, শ্ৰীমন-मस्वाताया-ऋषा खारभया-निर्वयतिका; डीमम्वियनाण ठळावश्री সাকুর-ক্লন্ত সারার্থদিশী টিকা, বলামুবাদ, সংস্কৃত অথয় তৃ প্রতিশন, তথা ও বিধুত্যাদিযুক্ত। প্রতি ফরের আদিছে ণেই ক্ষের প্রতিপায় ক্পাসার, অধ্যায়ের প্রথমে ঐ -ক্ষধ্যায়ের সাহসহ শুবিভৃত ভাৎপণ্যাদি নির্ভ। স্লোকস্টা বিধরস্চী, অধ্যায়বিবরণ, পাত্র ও স্থানস্চীস্ক উভয কাগলে উত্তম অক্ষরে মুদ্রিত। প্রথম হইতে ১০ম ক্ষর পদাক ছাপ। ম্পুর্ণরূপে শেষ ছইয়াছে। ভিকা প্রথম হইতে ৯ম ক্ষিত্ৰ প্ৰায়ন্ত ২১৮৮০; দশ্ম ক্ষা ১২১; अमृद्ध सं ।

শ্রীমন্ব কিবিনোদঠাকুর রচিত 'অমূভপ্রবাহভাষ্য' ও প্রীনীমছভিনিদান্ত সরস্বতী গোস্বামী প্রদুপাদ-লিখিত 'অমুভাব্যে অ'ভ-শ্বাদি বহু শাস্ত্রমাণ-স্থলিত ১ইয়া अकां निष्ठ करेवारकनः । त्सारकत्र माय्यवाचा, नकाकृताम अ क्षरणाक भगादात्र भृत्य मर्शक अकित्वा मृत्याकिए। अर्फाक व्यानाच-अर्थावर्ष्ट क्लामांच (म अर्था व्यारक । दशाक. প্রার, শব্দ, স্থান, পাঞ্জ প্রস্কৃতির স্থবুছৎ স্থটী ও প্রস্কৃতির निकृष्ड कीवनी भगविष्ठ उद्देश्वण अञ्चल्या मध्यत्। हेन्डालुटक কুরাপি প্রকাশিত হয় নাই। উত্তম ক্রেছে পারিপাটোর 'শ'ষ্ট ছুল ভুঅগারে মৃল্যান মৃত্যিত হর্মাছে: প্রার প্রায় Deon श्रेष्ठाय मुल्लात । क्रिका वस्त्रमाटन स् भावत ।

### *ভা*টেডক্সভাগবভ

প্রশ্বকারের জীবনী, প্রতি পরিচ্ছেদের কণাদার, বিভাভ লোডীয় ভাষা, শক্ততী, প্যারপ্তী, বিশ্ব-স্থান পারোদি-পূৰ্চা, প্ৰস্তুতি বিবিধ বিধয় সম্বলিত বিবাচ মিণ্ডীয় সংস্করণ ं हतन क्रांडिन ७ (भर्म) व्याकातः। व्यामिनीमा ও ম**्**रात क्रियम्बन खार्कालिक इस्यार्क्न क्रांत्र क्रांत्र खर्कालिक চহতেছেন। অগ্রিম ভিকা ে টাকা, আদি দীলার SWI C. I

## **औरिष्ठ स** गहन

এই প্রছের এছল অভিনৰ ফুলর সংকরণ আর কুরাপি ळक्का भिष्ठ इस आहे। अश्वेष क्षाकार्त्यत व्यवस, त्राष्ट्रताम, ভাষা, ক্ৰাসায়, তথা প্ৰভৃতি সহ বজে বতে প্ৰকাশিত श्हेबाएक्त। भूग स्थाति। स्थलस्त्र क्रत्य क्राक्रेन व्यावस्थिती युरम्कारत क्षांभा बहेबारक। मृत्या २४० छेकि। अमीवा প্রকাশ ও গৌড়ীরের প্রাক্ষণণের পকে ১॥০ টাকা :

## **ভাষত্বগ্ৰহণীতা**

-- अत्नोद्धीत देवकवाठाया चल्याक्रण तमिक्छ्डायनि ক্রীঞ্জিবিশ্বমাথ চক্রবর্তিঠাকুর গোখামিকতা সারাথব্যনিন টাকানমেতা ও শ্রীপ্রমন্তবিদামে ঠাকুর-প্রণীত 'রসিক-वक्का जामक कामाकामानिक्षा। क्षावक्री, माक्कामान ्याय-पृठी,विश्व-पृठी,खश्चात्तत्र श्रीषती e अन्तत्त्राधिकाणि अब-काणवाविवत-मध छेरक्छे वीवार्ड छुडीत मरस्त्रन--- व काक मरक्ष्मरण्य किका २ होका साळ. मानावन मरक्ष्मण--- अ। क्षमा माज

## শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

ওঁ বিষ্ণুপাদ 🚉 শ্ৰীমন্ত জিসিকাগুসরস্থ চী **(शिक्षामी मध्यत्राद्रक्षत** त्यहे व्यविश्वानिश्वरण्याः कीनाश्वत्रद्वाद्यातिनी कक-कार्काभनाविनी कोवस-वादात মুজ-বিপ্রত---বেক্সবসিদ্ধা ও-রত্মনালাপ কৌল্প ভ্রমণি-- সম্প্রদায় বৈম্ববিক্ষালাগাবের লে'লিক তথ্য--পঞ্চরাত্ত ও ভার্বতের ানধর গুক—মহাত্মন ঔপনচারিত-শিক্ষক—চি ধিলাস্চিন্মাত্র-মচি : বি বিচারক — **ঐখ্যা ও মাধু**যারসের মোলিক গ্রেম্লার -- স্থক্ষ, অভিদেয় ও প্রয়োজন তত্ত্ব নিজ্ঞান্ত সমুদ্র।

১ | প্রাথম **খণ্ড—**বৈক্ষণদর্শন, শ্রী ওরতত্ত্ব, কাল-ার, শ্রীমধ্বাবিভার, শ্রীষার্শভানবী, পাঞ্চরাতিকী দীকা ও বর্ণ বিচার, আত্মধন্ম ও মনোধন্ম, ইটিচাওলুদের ও ভাহার শিকা, অপ্রাক্ত মহ্মণত্ম ও প্রাকৃত মহমণত্ম, প্রস্কৃতি বিংশতি সংখ্যক রয়ে স্থাচিত ५० বার জালা।

লেষ্ঠতা কোথায়, আত্মার নিতার - শ্রীনর আমিলান ও ইতাতে ওচতর —ভাগবভ—বৈক্ষস—লোগু – মিড্যানিক্ — भाषानाम, ब्रीस्थीत-निर्धानकश्चमञ्च, तिरस्थित वचा । क्रमः केषिन, दीवामधुभाग धीमभागबरतत को हन, आस्तीत-ধামের মহিমা, মহাপ্রাধাদ, খ্রীবেশাবিক্ষা, জ্রীকপান্তবাহননা — ব্রীনাম—প্রযোজন ও প্রমাণ-ভক্কভাল পূলক অধ্যাতে প্রথ, শ্রীমতী রুণভাস্থনদিনী, শ্রীটেন্ডভ্যের সম্মা, প্রেটিন্কর গা 🌡 প্রত্যুত্ত প্রেকেটন প্রচীয়ত উচ্ছত প্রক্রিক কাচ্ছতে 😅 ও রক্ষমন্ত্রীন্তন—চাতুদ্ধশ অপুন মধুরিমাপুর্য-বঞ্চতা বিজ্ঞিত। ব্লু কালিতে মুদ্দিত, উৎক্রও বাল গোলার জলে নাম দেখা। ৎক টাকা নাতা।

প্রথম ও মিতার-চুই খণ্ড একতে লইলে ভিজা াত .अष्ट एका, शक गत्र**े यटड**ा

## **এমত**গ্ৰহ্গীতা

(भी और देवसक्वमारम निक-८०१ त मा मो भाग नकाल व विका-इमग्रह जामा क ज्यामहिक्तियान क्षेत्रहात आहल वन-ভাষায় বিশ্বত 'বিশ্বদর্ভন' নামক ভাষাযুক্ত। অন্যায়-সূচী, বিশয়সূচী, ও প্রতি স্লোকের প্রথম ও কুডায পাদ পুঠা, ভাষ্টকাবের ফীবনী প্রস্কৃতি সম্বলিত উৎকট বাগাই, রাজ্যাংখনন ( ভূতীয় সংস্থান) গ্রাছের ( Box 1 ) ( 1 1 1 1

#### **अध्ययत्रवात्रको**

ख्यान्यामन विश्वापृथन-धानीक देवकवननम, मन्नक छ ্গাৰেন ভাগ্যাদ পড়িবার প্রথম গ্রন্থ। উৎক্ত কালিতে। প্রেক ১॥০ টাকা মাজ। চাপা। প্রাণ্ড টীকা ও আছেলবঙ্গান্তবাদ-সাহাযো क्ष्मि भ्रद्धि व अहरूत्व (वाध्यम् इट्सा शाद्य । ज्या । ল' । আলা মাতে।

## **बीमनबीनशामगाश्चा**

( প্রমান্থ ও ) সামুবাদ। জ্রুতি-সুভাাদি এছে শ্রীনব-দ্বীপের যে মহিমা কীণ্ডিত আছে, ভাষার মূল সংস্কৃত ও জমুবাদ। ডিকাত আনা।

#### **এএীনবদ্বীপভাবতর**

শ্রীসাকুর ডাকিবিনোদ শিখিত। স্থলণিত গাতাকারে श्रतिक्रमात्र १८वाभि-विधाकः। डिका। आमा।

### ভক্তিয়ত্বাকর ও নংশীপ পরিক্রমা

শ্রীখা নম্মছরি চক্রবর্ত্তি-ঠাকুর রচিত। ভব্তিরশ্বাকর হয়তে পার্ত্তমাংশ মাত্র গুহাঁত; এট্টাব গোন্ধামী কি क्षकारत श्रीमवर्षीभधास्यत भातक्षमा कतिशाहित्तमः काराहे পতে বিবুড। ভিশাত আন।

## 24 MAIN

ज्यांका .ने.	(# ) to	্ ।তে খ্রীকৈন্দ্রন
fajre.	, Alfre	तक इबुक्त के तु
ध्यात छ (- १५४		- असम्बद्धाः ।
का था । जीर		ः पित्र 'श्राव'श्रीक क
প্রেম হাজন		ঃ মুহক্লোল বাঁকা-
পরিচয়াদি প্রথম শিক্ষার্থীৰ উবলে		কবিয়া মূলুল ভানায় -
সমুদর স্ক্তিশ্রেমানসংগিথিত আছে		চতুপ সংশ্বরণ বাদ্য
२. छाका, बाब	भा ३५० छैक्ति सहस्र	

## গৌদীয়কণ্ঠহার

टीर वे ही स स्वावत व्यव । अनुभाग करके भावनस्थानक ভিজা মতে কতি অতি প্ৰাৰ-গঞ্জালোদি সংঘত-এলসমূহের প্রমাণ্যেলা বৈষয়বিভগেঞ্মে সাম্ভবাদ ওলিচ্ছ। এইরূপ বৈষ্ণুল-**১। দ্বিতীয় অভ**— ভবা ও বিশ্বা ভিডিত, মন্তবেলর বিদ্যান্তের নারগ্যরণ জন্ম কুলালি প্রকাশিত হল নার , ---অভিবেদ্য---শাদনভান্তি---বল-আ--জালান-দ্মান-দ্মানাক প্রায় ৪০০ গ্রীয় সক্ষণ। ভিকা ২০ টাকা মাত্র।

## ଲାଇବହାଁ **ମଧ୍ୟ ସ**- ଅଞ୍ଜା ନତ୍ୟା

শ্রীমদভাজিবিবের্ন ঠাকুর রচিত 'বামমাচাল্প--দংহ-মাহায়ের সাজবাদ প্রমাণ খণ্ড-- এল মরহার চক্রবর্ত ঠাকুরের ধাম-পরিজ্মাণ্শ-- ত্রীধাম নব্দীণ পরিজ্ঞা--- ১)১ যাত্রা পদ্ধতি---শ্রীমং প্রধােধনিনক্ষত নবদীপশতক্ম---শ্রীমন্ত্রজিবিনোর সাক্ষেত্র শ্রীনব্রীণ ভারতরঙ্গ প্রভৃতি প্রস্থ কের ভিক্ষা ৮০ আলা মাত্র।

#### শ্রীহরিনামায়ত ব্যাকরণ

ভীজীৰ গোষানী প্রভূপাদ বিব্ভিত হয় ৬ বৃদ্ধি ভংগতে ওবিকালার জীমছজিনিকার সরস্থা গোস্বামা মহারাছের বিস্তৃত ভূমিকা रहीं क्षकृष्टि महा অপ্রভ্যাশিভভাবে অ্বভ। ভিকা ২, টাকা, চারগণের

#### (वक्षास्ट ड वमा द

শ্রীমন্ত্রামান্তর চিত্র । বেলাকের বিশেষট্রভবাদ-क्षात्रक क्रिकान-क्षानक अक्षित्र अवत्र विभागमा भारत উপযোগী কর-এর্থ এই উপ্তম করিয়াছেন ইংগ্রে বঙ্গামুলাদ ও স্থতীপরাদি সংখোভিত করা হইয়াডে া নাম মাজে ভিজা ৮০ আনা

#### শ্ৰীটেভক্ত চন্দ্ৰামূভ ও নবৰীপদত্তক

গোরপাষদ ত্রিদত্তী উন্ময় প্রবোধানক সবস্বতা ক্রন্ত মুল, প্রভূপাদ দ্রীমদ্ ভটিত্তিকার স্বস্থাত লোভামা মহারাজ সম্প্রাদিত অব্যয়ম্বে ব্যাপ্ত ও বছাপুরাধ সম্বাদিত भवदीलगण्डरकत् विकास रि.स्यान १ क्षाप्ततः स्वयास्याम् ५ China wintan for खरमङ डिक्स नेव्यन्त · 一 電視器 ( 2 21.) श्राप्तक करूँ • "(b ्रमा वीत्रहि क्षाक्रमश्चात्रम लकरात नव १० व्यक्ति ३८ हैं।को बील

## The state of

निध्यक्षकितिस्तान श्री हान-लागेक। असे उक्सीर ५०-কারৰ জ্ঞান লাভ ক'বলে প্রেম্থিক বাজে কৈছ দট व्यालीस का मृश्मित्र भागिक व सात्ता भागि गुजा वा का स्व दर्भ मन्त्र अञ्चलमार्लामी अन् द्वार महत्व । अवश्रीमा अस्य नाही। িন্দিক্য গাল্পামি শাল্প-মতে, দ্বামি মধুনানাল । এই। তাক দ্বিত উভিত ভইয়াভেন। আবেরি স্থাবহাত ৬%, বলাবার हे भागि काला निर्भित्र भड़क कता बडेशाएँ। विवास धः. ्रांताव पर्ध माथ (लगः, छिःक्षे रीतिष्टे--५७व संस्वार किया २ है का माज।

## প্রেমনিবর্ত্ত

লিম্যুলাপ্রাপ্র অভ্যক্ত পান্ধ শ্রীল কর্দানক প্রাধ বিরতিভা এই গুড়কে মতি স্ববেদ্যে ভাগাল মহাপ্রভব क जिल्हा बीक्षाम्क देवस्वत ५। त. उक्तानी ६ मामल्डन-দৈশ্যৰ হতের । স্কর্মান শেল। লেলাই প্রাকৃতি আনক China's शांदेदबन। शांकीकार छक्तव अरमन विश्वार्थ ड ক্রত্ত্বকার পরিচয়াদি-স্থগিত চতুর্থ সংখ্রণ ভিজা ৮৮০ अन काला मान्य ।

#### ভজনরহস্ত

অসমকারীর নিতাস্থী; সাকুর ভব্তিবিনোদের সমূলা भाम: भिभिन भारत्र नियाम। अस्थानि ना (४५) श्या छ কেঃ বুঝিতে পারিবেন না। চুটার সাহরণ ভিলা ৪০।

#### হরিনামচিন্তানণি

নমাতার্য শ্রীণ হরিদাস সাক্রের মূথে শ্রীমভাগুড় জিলাম মাছাত্ম, নামাভাগ, নামাপ্রাধ প্রভৃতি বিলয়েব ম গ্ৰাপ বিচারে প্রকণ করিয়াভিবেন। এই বিসয়ভূতিব জনত সর্ব প্রারে স্থাজিপ্র আশ্রেষ্ট পরিপাটিভাবে মন্ত্রিছ। র সভিত্তিবাদ ইকুর বচিত। পঞ্চম সংখ্রগ ছিকা ৮০

#### কল্যা একগ্ৰহক

শ্রমছ জিলিনের স্থানুর রতিত। প্রত্যেক ভগবদ-্ব কশ্বলীপুণ গতিহার। সংমার জেগাণড়া জান। ্, 😘 ০ 🕫 ভঞ্নরাজ্যের গাডিস্মুছের ছারা: অন্থনির্ত্তি ५ ७४८८ (प्रतः थ्राष्ठ कतियान छविता १ छित्तन। स्क्र স্বল্পার হিলা ১৯৯ আলা মাত্র।

## শরণ।গভি

িক্ষপ্তি, ভক্ষনধালনা, ১৯ (৮না শ্রণান্তি ও নিদ্ধি শালনা। । ক্রিটে ক্রিটে আশ্ভেম্যাধ্যিত হুইটে ইয়। ইতাতে বুক্তির विषयक व्यक्तिभूष, विषयः ४० व्यक्ति २०५०।

### গাঁভ।পলা

क्षारायत्र छल्किवित्माम-अभित्र । भित्र एकम, बार्वाधिक अत्रान द्वाननामि-विभयक भवत गे छन्युर तकद्व शिवास । "并在,人为'何'的'明'有自

#### শ্রীসকল্পকল্প ক্রমন

্তেশনুকটমেলি শ্রীনবিশ্বনাথ চক্রাফী ঠাকুর াল ৬ ধাগর। জীমছ্ভিদিনোদ মাকুনের জন্তবাদ , ১৮১৮ তিও হিন্দাত সাল্যাত্র।

টীমফভাপেড্র শিকা ও শীল বন্নগি দান গোস্বামীয় ্রতি টাক্ত গোঞ্জান উত্তশনাগা, ভজিপণের অফুরল ও প্রতিক্ত বিশ্যে তার্ডারত স্লোদেন জাতা, বিশ্বত िनुष्टिः চবিত্রামূলের অম্পান, সংখ্যা ব্যাপ্তা ও মহাজন-প্রেটার ওপ্রপারটোট বীশ্মনুহ প্রেটাক ক্লোটোর স্থিত স্থিতি কিছে কইয়াতে। তথ্য সংখ্যাৰ ভিজা ।..'• আলা।

#### म्माग्य-क

উল্লেখ্য দায় গোলামার মন্পিকা, জাল সাকুর च्छे क्विनाम-5'वड १३ खेतामग्रह। (७००) /० **जा**ना ।

## ্ৰেগত জচ জিক৷

নীল স্বিৰ ন্ৰাংমৰ স্বপ্ৰায়ত্ব প্ৰেমভন্তিবিষ্ট্ৰ ্যুমের প্তক। (এক: ০ সাধা মার।

## ন্বৰী পশঙক

होत्र शक्त हिनिस्ताम व हे हैं। श्रीम श्रीव भाग সরস্বাপাদের সংস্কৃত নব্দীপশতকের স্বর্ণাল্ড প্রান্তর্ন। ভিকা /০ আনা মাত্র:

#### অর্থপঞ্চক

खील त्याकां प्राप्त किया । देवस्वताथा कारणक आताव পুত্তক। ভিক্ষা / • সানা মাজ।

## **সদাচারশ্বতি**

শ্রীল মধ্বাচাগ্য-প্রবীত। বৈদ্যবৈধ মিতাকর্মাদি সদা নর বলী, বন্ধান্ত্ৰপাদ সভিত। ভিকাসত আলা মাত্র।

#### মণিমঞ্জী

কবিকুলকেশরী শ্রীমনবোষণাচাণ্য বচিত্ত 🔻 শ্রীমন্ত্রমণ 5 रियोज म॰ किथ और महीला । अ मृत (असर भाग र । मासुराम िल्ला १० जाना नांडा

#### दशोतक दशामश

প্রাঠীন কবি জীগোবিদ্য দেব প্রাণীত জীগোরার রাজ্যের প্রমাণাবলা-সাবলিত সংস্থত গ্রন্থ। ভিক্ষা ১০ আনা।

### যুক্তিমল্লিক। অণকোরভ

শ্রীমধ্বসম্প্রদারাম্বরতে শ্রীমধাদিরার স্বামিকত । বঞ্চাকরে সাম্বাদ এই গ্রন্থের প্রকাশ পরেমার্পিক সাহিত্য-জগতে এই সংব্রপ্রথম। আনম্পরাচাদ্য হইতে গোড়শা ভেন বিতীয় मस्त्रांशां भारम शां के कार्यान्त्राक्षकार्य वासी एक शाह া সাধারণ যুক্তি ও গৌকিক স্থায়ান্তবারে কিরূপ স্থান্দরভাবে শ্রীমধ্কিবিনেদে স্তেপ রচিত। ভগ্রানে আল্লেম্প্রি, এভিজিবিরেতি মত্বান সমূহ খণ্ডন করিরাতে, ভাষা প্রে সমুখের হালর গওন রভিয়াছে। ভিকান, টাকা মাতা।

## গোসাসী জীল রযুনাথ দাস

(ওঁ বিকুপ্ত শ্রীশ ভড়িসিফারসরশ্বতী গোশামী অনুপাদ বিচ্ছিত জুফিকা নহ ) গোরপ্রেষ্ঠ স্বস্ত্রাপ-রূপের ্কেন্ড্র 🖯 া 🕏 ়িল পোসামী প্রভুর অপুর্ব িলা, বাধাৰ ১৯৯৭ ক মনুকা ভাষায় সঞ্জিত া প্রস্থানাল প্রার্থ বির্**চিত কংকটা** া । বং । ব ব শিক্ষা-পর্যাত্ত । ভিক্ষা Oi, Min 1

## চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাচীন নবনীপের অবভিতি, তথা, ঐতিহা, শ্লোভ ও এতিতানিক প্রমাণসম্বলিত নয়টা মাপের সচিত্র বিবরণ-এও। রাজনি বাওসাকের কুমার জীনুক্ত শর্দিশুনারায়ণ तात्र तम, ७, थाछ । नार्कात), (तमाञ्चन मरणात्र क्रक সঙ্গলিত তেবং ৪৭ থানি বিভিন্ন বর্ণের **অপুন**র ডিত্র 💩 মান্তি এ-গ্ৰাধিক; প্ৰাচ্যবিজ্ঞামতাৰ্থৰ বাৰ সাংহৰ শ্ৰীণুক নগেন লাগ বস্ত বিশ্বকোলশপাদক মধাশয়ের দিক্ষত ভাষিকা तक। फेंक्क्रे ( रे॰ ) मतत्का नीतिक युवा She. क्रिः लि: एक २ , छंग्क भाव।

## माभक-कश्चामा

अक्तनमनाः, देवस्वन नमनाः, देवस्वनमञ्जन, भागारमञ्जनीज, টালাসংট, শ্রীমদাহাপ্রের অংগ্রেরণত লাম, অইপ্রেছর भागकात्रेन श्रीभागमधीकन, तथामवनि, 'बाउनमधीक, नववील-महिमा, जीमाग्रालत महिमा, जीनद्वादम-लाइव महेके चारती नगम, तफ त्राधामीत गरेक, त्यामकव्कित क्रिका, **উপদেশ্যালা নামভলন-প্রণালী, মহাপ্রাচ্চ রায় রামানন্দ** भरतामः यनश्चिकाः चित्रक्रालानः चित्रमः भनाव्याताः মহাজ্যান্দ বলনা প্লাক্ত সাবক ও সিদ্ধানীৰনের নিভাপায়ে, বৈদ্যবশ্বের কণ্ডাভিড ভুল্মীমাল্যর ক্রায় অঞ্চল্ড কণ্ণে ात्रमरमान्या अञ्चल ताल । कियार १०/०, वेश्वकि ॥० अस्ति ।

## ८भोडोग्र-८भोत्रव

क निकारतान खारा कि भागवार्धि करना दर्शाक्षीय मालाधन लीलाम अम्मतानम भवावमार्शवरनाम-छाप्तद मञ्चलला वि.य अञ्चलका आकान्ति । केवार अधिकार देवस्थवपण्यासारम्य हेर्न्डिम् कताकारन भणित क्रेमाएक। जिल्ला लिंग्साखा

### গোড়ীয় সাহিত্য

क निक ए । त ए श्रमिक बायना है ब्रह्म दर्शा है । मन्त्राहर শ্রীপাদ স্থন্দরনেন্দ পর্বিজাবিনেদে**গ্রা**ড় **প্রদন্ত ন***ক্ষ***ভার বি**ংব গ্রম্বাবে প্রকাশিত। ইচাতে সাহিত্য-শঞ্চের অর্থ এব েগাঁ ইয়-স্তিতে র বিষয় স্ত্রকারে ধর্ণিত হইয়াছে। ভিক্রী in • আনা কান্দ্র।

#### **बि**द्योड्यक्ष शक्किमा-प्रश्रीन

শ্রীব্রেড়িদেশের যে সকল স্থানে সপরিকর শ্রীমন্মহাত द्रवः जनभूश পরব दी মহাজ্ञ নগণ गौला कतिया शिवारिष्ठ সেই সম আধুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও দেখবিপ্রহা প্রিচয় সহ যাভায়াভের স্কবিশ নির্দেশ ইত্যাদি বিষয়ধ স্ত্রিবেশিত আছে। ভিকাণ । কলে।।

## THE HARMONIST

OR SHREE SAHANATOSHANI

শ্রীল ঠাকুর ভবিধনাদ-প্রতিষ্ঠিত এবং 💐 ভবি মিকান্তসমুখ্ তা গোখামী প্রান্পাদ সম্পাদিত পার্মা মাসিক পত্র। একণে ইংরাজী ভাষার অঠাবিংশ फत्रका**फे**न ৮ (नद्री 8 कर्या काकात आफि पादा र मारमत विकत-देवकमधी गहेमा छेनकिक क्रिकेटन्ट कानक, मूलन-लाविलाहे। ও हिजाबि बजीव दिखाकर दह लाकात्र हिरक्रहे लावक आतं (काम मानिक नजा দেশিতে পাইবেন না। বাবিক ডিক্ষা ভাক্ষাগুলসহ छेका माळा।

## श्रीक्षण्य-

ঐতিভক্তমঠ, পোঃ শ্রীদায়াপুর নধীয়া

# বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভাক্তমসসমূহ

## खीरेहरङ्ग मर्ह

আকর মইয়াল

श्र होते कार्योतः, छ। क्यह श्रीवाय माहालुक, महीका

ত্রীমত বেশ্পালীয় তট জে প্রত্যুত্ত গল উত্তর-পূথে জীতত্বপুর্যার আন্তর্গান্তর শীতক্র-(व्यक्तकारक की मिराकाम यह विद्यालयान ।

এই স্থান নাল্যক-শীৰ্থ, লয়বিদ্ধাপীঠ না সাম্বন্ধ অঞ্চলত্ত্বী ে এই মঞাড়ীর্লে প্রিচরিন নাগংশুক বাৰ্ণিপ্ৰি-্ৰেলালস্থুত, পত্নবিভান্ন অনুষ্ঠিত কাৰা, নাউক, অলভাৱ, কথা क्षमाग-केर्गन्मिम-मी. १. १० के के क्षेत्र मिन क्षेत्र क्षेत्र माह्म । 🛊 भाषामाना वागर कराय 🛅 स्कू-লোবাল-গাৰা অপা-শিক্ষিত ও সাম্বত সাম্প্রদায়িক-মাচারা-চতু, মু ভালালের উলাভা ंविक्षरम्य पर्विष्ठ निष्य देशनिक द्रदेशकास्य । **अहे महेबारक पावमानि**क देशनिकश्च शास्त्रक সম্প্রদানের আবাকাশেত ও কথাচীক প্রস্করাজি প্রচার করে 'নদীয়া-প্রকাশ' ব্যালয় আছে ডি ৪ চনরারের এই জিবলম্বর জীবাদ-পরিজেমান্তর্গান ও অপ্রাণ্ড ৬ কুর্গান্তি তে ক্ষিত্র প্রচারস্থান মান্ত্র নাকে বিশ্ববাদি ভাষাল অভানিত ভটনা লাভে। এক ক--- এক চারী শ্ৰীপাল মৰছায়িলী: মনকারী-জীপাল বিলোপবিকারী ভাষাচারী, পাওচ প্রাপাদ লোকেলায় उन्ने कारा ना वरणारीमं, की अने तीत्र के अन्तराही, श्रीमाम नकत्यापाल अन्तराही, ত্রী অভ্যমন একচারী, ত্রীগদনপোপাশ রশভারী, ভক্ত লরেজ, তবিপাদ, ব্রবভারিনাতন MAN PROPERTY !

किस्ते अवामा की देखाशकोल की**र्य मध्यक्त स्था**टन करिकाम नी हैन चरितार

## (७) (यात्रभाष्ठ जीमन्त्रिक्

कर कान देखिशवासामध्य क्रमा मा श्विभवानाक्षक्त आनिकाय-कृषि भगायान-भोत्रे । क्रमार्थ देशभाषी शक्षा व अविकृत feruine Mentaninian Lat Mesem a Bicinigensa fores chas wat Same-मानायह दगःयामी अञ्चातायः आय अध्यान हाथ । मन्त्राती जीविष्टाामम तकनामी, 🕮 व्यामानित्य व श्रीक्रपृष्ठम, 🗒 ब्रोभणाण आण-6ाती । श्रीशामनवान व्यान**णावी, रणगण्या** 1 都医中口油 图

#### (8) 劉河(河-明朝年

हैश्यम् वा शास्त्र की द्वान-निवास वा रीद्रभोदनीयात राम्युनी । जनारम किञ्चेत्रांत-लिखान्य व ध्यक्तद्वत दमना वक्तमान । रक्ष र--- द्वाराका र कुष्ठम अवस्था है।

## ( ८ ) काटेषक-कनम

बर्वे कारम के बरेबर शक्त क्रम वावर क्षा वस्त्रान ।

क्ष्मक--- चैक्षरेय अध्यक्ष सामा विकाशी. . ब्रीट्साक्तवाय श्वाची ।

#### (७) काष्णीय ममाबि भ हे

आहीय माशलंक, बावनलुक्त (मनीका) **शिक्षानाल क्रिक्स को अपने अपनि ।** 

#### ( १ ) पांत्रण प्रपत-कृष

श्रीकारम, प्रज्ञानम ( सबीहा ) 🚜 बुद्धाः वैनिष्ट्रनाष 🎒 । अक्तिविदमाषठाकृत्यः। समाप्ति व्याप विरामेश्यमास्य व्याप विविधाया-दार्द्धत् द्वारा वर्षमानः

क्ष-- किक्षा काणात अवहाती प्रक--कीवाधारत व ववाती, क्क शक्ति वन, बन, बन ।

## न ৮ शिक्यानाश दशी जो समर्ठ चक्स किश्च ।

হক্ষ∙--- <sup>ই</sup>নেডারর ভাকাল প্রী এম, তে, वि, अम. महकाती -- चोजिल माम किन-भाकी, 🗬 फेक्क क्रमा भाषा का की आहा छ।

## ( b ) MICSTE-SINING WA

जिलाहर की, अध्यक्त छ, । अञ्चलका क्रिया ता तथा . भा: क्षां क्रिक , शांवजभावत-শেষা : ব্যাক - আপরের মার্লাচানী, জন্ম अभागांभड भाग .

## . ১ • श्रीक्रभःगोङ्ग्रन्यठ ৰা, গ্ৰেছ, প্ৰয়েগ হট্ট, গ্ৰ

रक्षका विकारमात्र स्थानही, महकारी -শীলেকের বর এক বা 🚺

## ( ১১ । ब्लीः मामसम्बद्धाः –

भाष्ट्रभाष, प्राथ्य । व्यक्ताना क्यानान । द हे केर बेंका मध्ये अलि । ८ण क--- 🖺 । छ बहाती तक गामी, 🕳 🖝

#### ১১১ : ভাগৰভ আগনন

🛍 - १भवक एक्टर . क्रमण हात्र, समीता । काशव - लिखा छ शहायकीत अव्यव-टक्क । 170 m - 三季中川中 22515 - 6円[2]

## (२०) श्रीजकाञ्चल मठ

Cपाविश्वलून, दैशकारी, नमीक्षा । क्षण --- अक्षताकी के विस्ताविकाती । , 🚉 বিনাধ অক্ষাত্রী, প্রীক্ষণগৌত লাগাতিকারী, প্রীপ্রেশাস্তুর্ব প্রজনানী দিশস্কুলাল পালে, ভঙ বিশ্বনাৰ

#### ( >८) श्रीमाश्व ८गोडीस मठ

अञ्चर नवाय्यव ज्याक, हाका। भुष्पं बद्धव श्राचार कार्यास स्त्री सकर दशीक्षण शांधव्या-शिविधारक दशवा वरुभान । क्ष्णबामम् नविष्ठःवित्नाव वि- व, छै शान-

## (२) बारगोडी इ मठ

১७ मः काशिव्यभाव ठळवळी होते. (ला: नाशनाचात्र, कालका हा । क्विंग्सिम वि. वि. 8500

श्रीभणाका मञ्जूद - आकादिक अभियान कि किनय- शाक्षात्वरूप - त्याष्ट्रात्यक मञ्जू आधाव নগরী কলিকাভার শীভজিবিনাের আসেনে শ্রীমা প্রতিষ্ঠিত আছেন। এর কঞ্জ-সক্ষালানে 🖺 এক-বোরাল-ইবিনোদ। নক্ষ জাউ সপ্রেরে নিত, ক্রার্ড কর। সোড়ীর আচাৰাবর্গের বাবস্থীয় প্রস্থাবলীর শুপ্সচারোকেশে শীমানে দংলয় একটা ওব্রু মুদ্রান यञ्जाबा मान्या एक व्यवस्था । जुलियोव मामस अधितारनाम १५ वर्ष वर्ष स्थानव हरें एक 'ব্যক্তির' সালা।'হক পত্র, জি করুম্ম নিষ্টু না'দক পাত্র সা হংক্রাট্র ছাছাছ लिय'मञ्चारत अकरोमञ्चर काराजाकते । श्रीमारत भारत नहीं के . म अवस्थान-५ इत्य-एवस्याः শ্ৰীমন্ত্ৰাগ্ৰন্ত, প্ৰতিভঙ্জ-চল্লিভামু শামি-লালা ও প্ৰথমতের সমাক পালেচনা ভত্ত পাকে: মইরক্ত—আন্চান ত্রেদ প্রীপাদ কুলবিহারী বিশ্ব ভ্রণ : সহকারী—পাতিত প্রীপাদ অন্তর্গান্তদের পরবিভাভ্নগ বি-ত. লীপাদ রায়াবহারী ব্রন্ধারী, প্রীশাদ कशाव्यादय मानामिकाकी विन्दाः जीलाव क्रप्रांताम मानाविकाकी, अक्षाकी डीकी खनानम, अभागती लीलाबी(माध्न, अभागती लीय) नक, पांचक लाम नतीनकफ पदिष्णारुकात संभागार्टर क्यावार्गः । सः अवस्थान्तः सानि वारी

धमाती वि-क्रम, अक्षेत्रभाष कायावावित, किविद्यष्टत तथा वि, विव्यवस्थानिक बकाती अक्रिः

(भात अकादी, दीनवाशीवाम अम्राहा है। मित्री : अम्पान शका:

## ( ১৫ ) औरशाभागकी मह

कमलाभूव, हाका।

,গাপালকী ভাষ্ট্ৰী ভাষ্টেক প্ৰচাল সেবা त्या क -- ज्ञान नामन उक्का हो ।

## ः ১৬ - श्रिनमाचे-८नाराम वर्ष

क्षित्रकार-एशोबाटकच निका प्राचा : रक्ष - श्रीभूर्वशक अक्षतार्थः विश्व करान

### াৰ জীভাগৰভঞ্জনালক মঠ

किकाशिका, नाक्षरमतभाग, द्वारमणी भूत। ante damente menter den शिविधातीत निकासिता वहसान । वक्क ---अकरामी औ न्यताममामधी । .

## १४ सामलार्याका सश्का सम

ब्राक्षवीम ,शाः -%-ाम ।

क्षी कक्टमानाक - हैं। मा मा मिका उत्तिमारी । 'लकारमता। अक्रक-बद्धामी ओक'रformie :

### (>>: श्रीभुक्तरवाद्यम मर्ड

প্রাথাক, পূরী, উচ্ছিয়া।

धर्मास श्रीप्रभीत-"नस्मामना न्वसीट सिना- । भग वहमार । इक्क नामान कि ताला कर्का । नामान द बनानी लक्ष विशाहक. अधवादी अन्त्रीकान अभागती, सक श्रीन्त्राच्या

## '२ । 🗐 उत्तर-८गो छी र मह

भागवहनाथ, अक्षांभाद्य (भाः, भूती । क्षश्रीवामार्थत कर्मना भगाव क्रीम्यारः व्यवस्थात । वक्षक--- अक्षाती द्यीलद्रदम्बरी कामामकी। गर्कात्री-अष्मठाबी औनिशिनविद्याती।

## (.) अत्राह्मपानम् यह

事をおりがた、 幸る中

क्षणाटमः विदेशकः अधिवाक-विद्याप्रकालन कोद स्मार्टिक वस्ताम वस्ताम वस्ताम একচারী জানদান আবোনাদ একচারী

### ३२ अंग्रिम जन-आधार मह अन्द क्षत्राक्कीदनम्दरः, काली ।

· 1977 - 中国军营业 - 并以下中的一种外下银矿工 व्यक्तिक प्रमारिनी सका, गाणिक हि छ। का गाम (शानर का नक्षण । नक्षण .... श्रीकामकोनामकी श्रीतकामन बक्राणी ।

### SON CHARGE SON WA

बीनु भरवताम कुछ, द्वानाम वृत्सातन । 無風の11'-d#- A 50.41c CH411 देशक--- है, प्लान कराज इंड होते

#### <sup>(२8)</sup> डील्डियग्रंग यह

क्षावनाः म श्राप्त

श्चरण <u>वि</u>क्रातिक साह्रम्**रहा**। ● वेश्वान किट्यान नित्त काह (मेरा वस्त्रास रक्षकः- वक्षरानी श्रीन सरवारक व डक्षठात्री । सीक्सिक्ट वा ।

#### ः व अदिष्ठभादशोष्ठात्र बढ

· 是有少明、万名交替。 明明董年、 多时 लेकिः = थ-६(३१ वाप.। वक्षक-—**डोत**भा• ना १ राय. १.८०-तान्त तकठ यो, अंदाम रीत्र अ रावज

#### ं २७। नास्य भोजात्र वह

केर केर, मा नवर, बनाल । क्षारिकार्यक्षात्रेन-प्राटमण अस्तरे वस्त्रमान्। नमान-द्रमा भी शिक्षनमधी.

## (२०) जाकान्याज अन्याज्य मन्या Binger's, cent and becar

和ATCH 有好 更多测点 出门的图案代表数 C种植 १ स्थान । उक्तक--- इक्तामी श्रीकाशकुक-नःम, मोन्द्रनताम अक्षाताः

(२৮) किंश दशा क्षेत्र मठ-- विद्यालक ब त लापांच क एडाकात व्यन, निके विजी । वक्ष-- लक्षणती चौगीवकृष, लोकुनामध्य क्षीयाधात्रभ्यम्बन्धवन

(२>) ८गाग्रामभाषा अभवास्य उक्र-अवहात्री खोडावारवावन

## ২২ জনের প্রাপদগু ২৬ জনের দ্বীপান্তর

প্রকাশ পারাপ্তধাতী বিদ্যোগীদের প্রাপম দফার বিতার স্পেশ্রার ট্রাইনিউ-ট্রাইবিউনেলে रमरम भरेत शियारक। ३२ इन निष्मारीत्य लागर्छ प्रस्कित् कतियाद्यक्रम अवर ३% गरक भाषामुन দক্ষে দক্ষিত কলিয়াতেন। পদ্ধন অন্যাঞ্জি भारेशाहरू, उक्टमाहरू विसादत भागान দেওকা ভিষ্ঠেছ, অব্লিট্ড সন্মাৰ চাক্ষণীট গদিও জলাব নাজেই মৃত্যি মে ওলা ভিত্ত ছিল। অগবাদীদের দলে छरेकन एकि गाउँछ, छिठाना सकालार संसादिकेत निकास १६६ ८५, ए । १६८, सहस्र काधिरमार्था का उपूर्व करें गर ।।

## क भिन्नुदत्तत ८७० । या १ फिट हे हे नवती

ेरेननिष्देष्ट्वतः ८ रहनास्यक्षे स्थापनान् काटधन हैनछन्। । कानध्रतं ८००। মাণ্ড ট্রেট মিঃ জেল জেল সেলেল স্থান কালগালে নিযুক্ত কয়া হ

## "চীনস্ত্রন" জাহাতে অগ্রিকাণ্ড ভারতীয় ও বার্মিল জখন

·倒得有。有当 14章 崇升 也打电池行 सर्भेता सम्बद्धा अस्टा अस्टा भ हेक्क ক্ষেত্ৰসমূদ কোলে কুনির ''টীন চুলন'' নামক काश्रादेशका स्थापन माध्य वाद्या । अत्य

क्रकेमार्ट । एकिनि (Cक क्राम्यार रहा) ্রোরণ কথা হত্য হত। এই জ্বিভিন্ন এর প্রেই বিজ্ঞোত্ত ১৫ট। উল্লেখ্য **অস্থাত। উজ জাহা**জের কথাচ<sup>ার</sup> ফ ্পালের মধ্যে নামিয়; আইভ লোক নি াক ८ छटक बाई १ । चा १२५ । चा ५ ४ छ । १८त অগ্নি শিক্ষাপিত হয়।

## ২৫৫৮টি কার্ড অপজ্ঞ

ফিরোজপুরের বন্দুক এবং লোলা কারদের ব্যবনটো মেস্বেরি চেবার্স ম \*481 ## 1248 (m. 4 + \$500 2016) कर्म के अपूर्ण करेगात्र 10 4160 A 116年188年 生产 种种农农 (国智)于 中土。 タアなれたショ

## नि सन तक का मनाशिक्षे मुक्त प कनगारत्क

বিলিক্ষ বন্ধ জালনাগ্ৰন্থীয় কন-ফারেশের নিকাভিড্রতাগতি লাভাব व्यानमानी कुषादवज्ञ देन्त्रक संस्ट कि निमना कमकारतरञ्जू अधिरतन्त्वज्ञ उर्विय २० অবং ২০০৫ ১ইটে ২৮ ও ২০০শ জুনে চুল মুখ্যজন বে শিশির রাম আজুভিত্ পুরিবাড়িত করা হংমাতে।

## মহাত্মা গান্ধীর সহিত दिम्बदमिविकादमत्र राष्ट्राद

मनि-७४८७ क्षीम हो ८शक्ति (नम क्राटकी-নের মেড়ছে দেশগেবিকাগণ আসিমা মহাত্মার সহিত সাক্ষাৎ করেন। মহাত্মা তাৰ্থাবিকালের কাল্যের পাশ্যা করিয়া जाहामिन्दक कि लाभारत लिक्छिर छक्ति। इंटिएक इंडेटच, खल्भश्रहक **ऐश्टाम** দেন এবং সামদার শব্ভিগুর ও অভিযান ভাবে পিকেটি এলার জন্ম বলেন। মহাত্রা উপাদেশকে "ত্ৰকাগড় ভাৰৰ কলিছ উধু পদর ১ এবে করার ফল মতা মধ্যেন डच° सम∓क्ष (००%) देखा के ड रक लखा । (विना CH विकासिनाटक चिहानी, चर , अराजाहेगा ত্তলৈয়েছ লবং মিজের ক্ষাড়ে গ্রীব . इ.च्. ८८ मा १ म ( ) । भिराप्त घरणस्र **।** 

तरकश्रको १५६० चन्य रच १५५ রাহ্যবন্ধ আলেছন। ভর্গে । ত্রীগুরুত কুমার বস্থাবের । ৬৮৮ ৮৩ ম চা আবের কর্মা

## मुन् कार ५ जा (वात कृशिक न्ने

本のは、 · きり!!:司丁

## बालोशूत (ङक्त ता**जनमोट**श्त 지내시아-크림

ুন্হত এন র ন্বলা পত ১ই ছুন ার ভরতে ১৮৩৬ এটা আংশ্রমণ - इ.इ.स्टब अभिस्ताप अर्ह हैपिक दश्ताकात छैकि। કઠા થઇ વાસ્ત્રાલ ન*ા*લ 可伸 网络香 इ.स. १८७३ । ते छ। १४५ 1 5 mm, this 179 0.5 हेर्नातम दन्स व्यक्तिक व्यक्ति প्रकृति (5)하는 경기(영 무리 광물학(학리 원리 영 মান্ত্ৰন এৰ পুঠাবানিধান দিন স্কাৰাৰ 计断数解 胸腺性

ो। हाला वह बनगदन द्रम्भनान य विद्यान 🖙 , 🕰 कारभव भटन कामा दिशासन्त, प्रनोत्त दममध्य - 'दक्का' अदिकार স্পাদক, রক্নেধর চক্রবড়া শবানীনভার संक्रिक्टफर, एक इ. निर्मिश यक मुर्ते र , शल्ला ५क, छ।; नातापर ताल, छ।। फुलावा **क**(८५) स

भिः भाष्र्य ( यथम ७० वर्भत्र ) दिशेकित्या হামা নিজাপুর ও এক্ষের মধা**নি**ন্দা**্র্যনীতে** 🖟 আমিং(ছেন। ধেংগৈম নামক একজন २७ वरम्यः नग्रद्धः कृतकः 🖝 क्लिकिः 🖼 होए 🗷 भारतका त्यारण खलात ल्ली बिनारहन ! ভিনি চীন, জাপান ও ইউলোপ এইনা পুনরায় জ্রাটে মাইবেন।

## শাভিপুরে শিক্ষা নিস্তার

ভূতপুৰ বিভাগায় সূপ সন্**ইন্সণেন্তা**র शहरेन्द्र नगरन करनकछन्। भारत्नाकाः, रेमन निमालका, मक्ट नाम्नाम्य निका ছেন। এখানে অনেকণ্ডলি পাঠিলালা, নৈশ নিদ্যালয়, মতাৰ আছে। দেশগুলিশ গ্রিটনিনিটোল সাহালের পরিমাণ খাং काक्'टे होका, २ हिन हे।का मौका ग হৈটি সূব পাঠশাবার ম্যোঘঃ ক্যাট্য राध्य राध्य राष्ट्रियामः । लगः कतिराः । -ক্রেন্ড প্রেশালা, শিস্তাটেজন। रेन्स (नम्याग्य स्थापन कार्यराधन, स्थान्य শিক্ষক মহাপ্ৰেল। তাও স্থানে শিক্ষা অন্ত নেই লিকক-ওলি মৰ্হমণেটাৰ বাৰু<mark>র বড়ই 'জ</mark>েল हिट्यान । हैर्टनत उट्या मा विभिन्न २. कुटे छ। का १ ५ । छ। का शहर वा निया नहन মুত্ৰ পাস্বাধী স্থাপন ক্রিয়া বিকা বিভার রূপ কাষ্য দেশইয়াচেন।

দেশে।শকা বিভার থুব ভাল কথা। তাৰণ প্ৰকাশ হয়, সংসাপুৰ সেন্টাল ৷ কিন্তু দেশৰ পানশালার নামাত সাহায় यादङ लिक्क्टक्त ५८० मा ज्यास भाषादयःत মাত্রা সৃদ্ধি কর উচ্ছত নতে কি গু आना कति जानस्टम भिन्नेनिम्सानिनेत्र কভুপক একটু জন দম্বিপাত করেবেন।

## ্ৰাৰ্থ কৰিছেছিলেন, ভাগে প্ৰাথমিক শিক্ষা নিষয়ক মাধিক পঞ

ভূতপুর বিভাগায় মুল সব্ইন্সংগ্রীর মহাশ্য 'প্ৰেণ্ডানক শিক্ষা বিষয়ক'' মানেকপঞ্জ প্রকাশ করিবেন বালয়। क्षानकात छ।ध भक लिसकरत्त भिक्छ ४४८७ था:अय ता तिक 🔍 छ.का क(तमा birt मध्याः कतिगादिया । डेक मामिक প্রভ একশংগ হয় লাহ, টাদাও (क्रिक्ट १८६५ व्य नाइ । द अवद्य সংগ্ৰাঃ ডকোওলি কি হইল ভাষ্ िक (चिक्करमन कानक्षित्र) रमख्या कराया ।

মহাস্থা গাঞ্চীর লণ্ডন হইচে ২০, মুরলস্থন যেন, কালীপদ ভক্ষবভী, আনেরিকায় বস্তাু দিবার সিক্ষাপ্ত বাজানে বিলাট বিধান দোকানে "(एनी (रुवान्द्र" পश्चिमा बनिए:एएन যে, মিঃ গাড়ী জামেরিকান এডক টিং গেণ্ডার িকোম্পানীয় সহিত্ এরপ বলোবস্ত

मारेक्टरम् अधिरीप्रमार्थः - विवाद्या (वे, जिनि मधन इद्रेट भर्यम्बर्भाक् के भक्ति मेरिन्यंत्र मार्गक विक्रुणा विर्यम ध्वर काश असमाहित বোগে আমেরিকার প্রচার করা হইবে। **≥ेंड वार्याम पृथिती जगरें। विश्विण निरायकः मिः गासी स्वितासम्यद्दे** ইংশণ্ড হইত বেডিওবোগে আমেরিকার यकुटा भिरवन ।

## जिणि नावरमविश शतमध

अरे शहे अरे करें कि मध्याम शाख्या ণিয়াছে যে, বুটিশ সাৰ্মেরিণ 'পোনিভন, ब्रिहा नामक उक्ती हीना काहात्मत्र নিকট ভাসিয়া উ.১৪/ছিল, কিন্তু চীনা কাহাজের জাপানী চালক গভীর কুমাদার গতা ব্ৰাক্তান চালানা করায় ভাষাত্তের কৌহাজভাগ সাবদেরিনটির ভিতর गालात्य कृतिया यात्र, कटल मान्टमतिन्छि ंक्ष्म क्रेंग एएकशार निमश्चित है। म (श र कान (साक भारा शिशांतक अवर. ोप क्रम (बांक क्रमंड १,५८५४ एटन স্বিম্যোরণের ভিতর রহিমাতে। ইহা-निगटक উদ্ধার করার এক জাণানা, বিটিশ ও মীকিণ নাহাজসমূহ চেডা क केंद्रबंध्ध। अक्शानि कालाना छाहाब শ্রু মান্তেই লোটা সাব্দেরিণ্ডে সন্দের ভল হচন্ডে জলিরা ফেলিডে अधित प्राणिया का शांक को at १४**६ । 🕱ई** षक्ष ४८ इ.स्टन्ड सायस्मितिरात महिन्द 'বশি' ধাগান চটয়াডে।

শ-বিশ্বটিশ জাহাজ 'মেডগুলে সা টেমরিলের (चार्टन मरणा भारतिक ५ सम रमारकत्र मार्क्ष मन्द्राच छाल्य कात्रप्राट्ट जन् डांदर्जिश्रदक डेक्स कित्रत निवास व्याना कविराट्ड। व्यक्षांश्च (शास्त्रमा एकछ। এकটা কোটা বাগে আছক। পড়িয়াছে छारामिश्दक अञ्चल्छ। देखिन गहिएन ना ।

७ फन (वाक अडु७ आदि कानन त्रया कतिश्राद्धाः स्वत्यति कृतिनान लाग्न बाष्ट्राक भन्छ। नादन खाक्षात्रा एक প্রকার প্রানপূর্ণ মাজ্যদন যোগে সঞ্জিত *হহু*য়ে সনুয়ের উপর জীবন্ধ ক্ষরভার ভাগিনা উরিলতে। অঞ্জে মাহারা রক। शाहसारह, होना काशांटक 'सूत्री' 'डाहा-भिन्न का सब भिन्नारक । अवनक बाहाना भावत्यतिद्वत किञ्ज माद्रक, काशक्तिम् भारतिक हे बीजान गाउँदा कि ना शाका किंद्र गांके।

## আসামে পিকেটিং

त्यांचा कथक आरक्तावा दवाबामाना क ত কেখার এফ**ন্ধন বিশিষ্ট কংগ্রেম কথা** খ্রীয়ক লভিত্মার বড়্যা ঝাপনা िल्टकरिर करात भगेर उठ्न श्रामा **अक्रुगारक** प्रशास्त्रका शाकी-**यात्रहे**न চুক্তির পর ইচাই লিখম রেপ্রার । it, a galant

4日、四日で নহবাপ

FRESTPICAL ELA

প্রতিবারে প্ৰতি ইভি ১. die one . ोशिक कलाम २. STERN FIR T'SE !



WINCOS MANE প্রচাষ—শদীয়া কেলার একমাত মুখপত मा भारताह अन्त वा अग (मय नामिक 📉 यात्राग्रीयक व. CANFLA ZNO মালিক ১১ नगण भ शास्त्र

**ं** ७७ व्य

मन्याहरू - श्रीष्ठ छील्न नाथ वत्नाग्राशाश, द्या ग्रुवाह न्या छ

िक्रिक्टिय गर गा

**জালৈত শামান জীলাম মাধাপুর- ১লা** গোলাতু মঞ্জবার ১০০৮, ১৮ই জুল ১৯০১

## नाना कथा ৰুদ্ধের মুদ্ধে গান্ধীজীর বীর্ত্ত

**রেভারেও** বি এক, এওকল বিশ্ত শুষোর যুদ্ধে মঙায়াঃ গান্ধীর বীৰ্ণাপূর্ণ কার্য্যক্ষী স্থকে যে সব কথা বহিছা-किटलन, ८वकान ८कनारतल भात ख्यांग প্ৰাপ্তয়ে ভাহণয় প্ৰতিযাদ কৰিয়াতেন।

वर्षमान मधारह दम्छ उपनाचम শীক্ষার মিঃ এওর ম এক বড়ার জনেকে শ্বলিরাভিকেন যে, মহান্তা কেনী বয়োব **बुट्य क्टेंगक** आइ.इ. बर्सकटक २,४०५०व নীতে হইতে উদার ক্ষিনা প্রাথ নাল ব भुवार्वेदशतः अक्षांत श्रुत्यकः सः १००० ५ **মুখ্যালের হট**তে অহত অবস্থা এক: पुत्रवादी मिविटन लक्ष्य याहिएक मानगर। श्रिका चार्यदेश पश्चित्रम निवार किर्मान ।

क्ष लागरम "कर्तिपरनाहे" विवाद शहर व **८४. मि:** क्षाप्रकारकात केल लकानेन्द्रामन व्यकारमञ्ज भूटम् काराजा निषक्तराज मरकाम नाहेश, किटमन (म. मिलन का फ़ भाव नाकीशीय जीतव शवत्क कारात व घटन कथन । मार्थिक हिंग ना। किह **ट्याबा ट्यादान गल अस — यिनि ट्या है। या সেবাবাহিনীর পি, এম, ও, ছিলেন---**মিঃ এশুক্তের সমস্ত কপার তা'জানে कत्रिया विभिट्टट्डन ८ए. महाचा शाकी क्ष्मिके करणात्मारण किर्णन भा, कर्दछहे बनाइराम भूटवात्र छैकारतत्र भरण छ।हात्र (कार्त्व मन्त्रक हिल ना।

আকংপ্ৰ তিনি খলিয়াছেন্তা গান্ধী बीब वीवरचर कथा हकते का किनो आहा। में देखेंबन देवलेंब देवेगाँदान नगडर हो होएक ধুয়োর যুদ্ধে গান্ধীজীর বীরত্ব

জেনেভা অমিক সম্মেলনে চাঞ্চল্য

## লৈবারেল শ্রেফি বৈঠক

"সদার ভগংসিং" পুত্তিকার জন্ম খানাতলাস

## মারোলীতে গন্ধীজীর বাণী

বিমলপ্রতিভা দেবীর নিখিলবঙ্গ জাতীয় নারীসজ্ব ভরাগ

# শুনো দুঃসাহসের পারচয়

ফরিদপুরে ছভিক্ষের পূর্ববাভাগ

## ব্রন্ধে বন্দীদের বিদ্রোহ

Cकरन । खांशक मदन्तमाय काकार नित्वन ना ! ভারতীয় মালিবদের অভয়েম প্রতিনিধি मिः ठाँदाठाम जनः माणिक लाणिमिनिध्यत्र প্রামশ্রাতা মি: রামেশ্র প্রামার বগ্রা চলিয়া আনিয়ালেন যে, শ্রমিক সভে দেও

উলেল মনোনয়ন মঞ্র করিয়া সহয়র ভাহাই। প্র তীথারা সার মভার কাফে বোর অহুগ্রহ দেখাইয়তে ন, ভাচতে আম

যে, মি: ট পটিল ভারতীয় নংগ্ল-

अन अकुल हातिक 🤃 জ্ঞানক সংখ্যেন কঠতে এই কৰা বিধায়। বংখন যে, "জিন্ডেনপিয়াখ ক্ষিটী"— একল জ্ঞান্ড ।। বংগলার নার্ भि: हान हेरनत (याताचा निनिश्वनि क्योरमध मर । अना टाहिडिड इडेक, 🐞 চিটিপ্টেন্ট বিভাগে নিষ্ট্র করিয়া। পুর্ব ক্ষরিয়াত্র কাছির মালিক প্রতি । নর্নাপ্সতিক্রামে কর্মেদন করিয়াছেন । ইহাই অন্যার একান্ত কামনা।

িভারত গ্রণ্মেন্ট্র ৫কমারে লক্ষ্ উচিংবেৰ লগদেখা বি⊲রবৃদ্ধি মত কওঁকা সমাপ্র করা । যে সময়ে ভারতের সকল नाकरेगांष्ट्रक तम् कात्रापत् गार्कगांच्य-মূলভা হ প্র भूषाभणभक भगा हिंभद क्रम नाख उद्देश ডিয়য়েচমল য়ে সময় সকল ৩০০০ একিক ভারভবাস রহী ভারতের প্রজ্ স্থার্থ বি.শষ্ট ব্যাহিদের মান্য সংখ্যাগিতা এবং স্বল্ল দ্রের মটোল্মঞ্জে বিধান

অতঃপর ক্রিছেনসিং।শ ক্মিটার রিপে:টখ:নি ୩୫-୬ ଓ୯୪ଓ ପ୍ରସିଷ

ቀለነ ደ**ቀ**/ሚ ሞሚጓነ ነ

## জীযুক্ত। বিষল প্রতিভাগ নিথিল সল काडीस बाबीयज्ञ : राज

বী ৩ বিষ্টাঞ্জি চেন্ট্ৰেম্বাইডেন

মহালয় প্রিকাম দেখিলমে যে, আমি নিবিল বস জাতার নরা ाटच्यत क डेन्सिटलंत्र यहा विश्वाप्तरहा महेगा कि ।

পাতন রীমহাসকোল 📝 বমাটি শাসন क्रिप्राटिन प्राप्त लिश्हर खाछि, टाइ িলেন, কথনত জাল্প বি : পে রাখেন নিধিবুলের পরামাশনাভা রূপে মি: টার্লা- | ক্র্মাটির উল্লেখ্য বালা, এই সভেষ্য উল্লেখ্য সকা আনার পরি বে ু**প্রীভিদা**ভ ক্রিন্স বটে, ফিন্সামি মি: ধীরাটাদ প্রতিবাদ করিয়া ওলেন । সভেষ্য কাউন্সিধ্যে পার্কিত্র পারিব নার্ काञ्चल छेटा अकड़ी श्रान्तिक है। लाहिसान शिक्षा विशिष्टा महान २१। असन शब्दान करान

## শ্রীধাম মায়াপরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট" নামে

## উচ্চ ইংৱেজী বিদ্যালয়

## খোলা হইয়াছে।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অভি াত্রের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগুণের ক্ষেয় বিনা বাহে সুন্দর বাসভানের বন্ধোবন্ত হইসাছে। স্থান অতীব প্রাধাকর।

> সবিস্তার সংবাদের জন্য নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। শেকেটারী, ঠারুর ভক্তিবিনোদ ইন্টিটিউট ভীবেটভাষ্ট্র, প্রোঃ জীমারাপুর, নদীয়া।

## —৫১ বৎদরের প্রতিষ্ঠিত-

উমধালয়ে এন্তত বচীকা

याता ककष्ठात्रणा, यश्चात्राय, .काह्नकाठिंग, अवान. াচক কেইডি ক্ত বে:গাঁর রোগ নিরাময় **হট্যাতে ভালা প্রকাশ ক**রিলে ১৯ বছ পুস্তক करेवा भएक ।

## हेड।

मकत अकुरत वावधात हरत व नमान एम खातान कतिवा थारक । च्या व कोडिए ०२ है। द**ीका बाटक**ा

ক্ৰেল্ড তে

প্রতি কৌটার মূল। ১, এক টাকা। ইবার নাম আভদ্ধনিপ্রছ বটাকা'।

अकाक छेराभद्र खालिकाइ अक भद्र विश्वितक भारतन লাধিয়ান :--আতথ্য নিপ্ৰাহ উপাধানত্ত २५९ मध्यक्ताला, ब्रिके, क'एकाला ।

## কাবরাজ শাশভ্বণ কবিকপ্তাভরণের



মফংখলের প্রবেধার অক্ত ৬ আঃ শিলিতে যনীভূঙ অবস্থার ছেটেবোরলের বিমাণন্ত্রি श्रीमण फारक लाहे।स इब, हेबाइफ केमरनब दकान शब्दिनकुन कवा इब माहे। सूला व्यक्ति मिनि ४० काला, श्रीकृष्टे ॥४० काला, (वास्त्र ५४० वाला।

অফিস-১১নং উল্টাডাঙ্গা নোড, পোঃ শ্যামবাজার, किलिकारा

## CRUMATE TO

ব্যক্তিয়ে কম ক ৰাজুবিকাৰ, ইভিনেদ্ভিক क्षक्षादन क्रमणाच्य, वश्यक्षम, वावाद-वि , दुकः ক্ষমানি, অনিয়ো বাঞ্জি লক্ষণ স্থৰ (নাৰ্চায় भारताना वस । यम, वीदा, दावा पृथ्व कडिटड क्षतिश्चीत्र है, प्रश्नाः पृथ्या वर्त्व वही अ्वतः विकार শ্ৰশুংসকাভাৱি য়াতু<sup>»</sup> भूकपक्षशासि CB'एन याम्ब्याप्टाच कावा का:बीम्।

% : > श. नक्षितामात्र करतः । तृत्रा २ रक्षाताः ५, हे कि ? "ব্ৰমপ্ৰিলাসিনী ব্ৰটিকা" ন্ত্ৰণাপ্তৰ কৰাত কৰে ধশক্তি ছামী ও বৃত্তি কৰিছে बार करा। मूला ३० वर्षे ३, बन होना। तः । अन्याज्ञाज्ञ । क्ष्याज्ञाज्ञा ) १९१८ स्थापित्रव (प्राप्त<u>, क्लिकाए)</u> ।

## शरेट्डानिन

## কোষরন্ধি রোগ

ভা: এস্, এস্, খোষ বিনা খালে, বান্ফীবনের গ্যাথান্টি দিয়া বৈছাভিক কাণালাকে কোষবৃদ্ধি হোগ আয়োগা करिया शाक्त ।

> Bein ... ab at abn Bib, awaimis, # 1471 % NT#

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

পদর দিশে সম্পূর্ণ আরোগ্য

রোগী দেখাচতে চহবে। অগ্রিম পাথের বর্গচ (বাওয়া এবং আমার) भार्तिक विका त्वानी स्थल का व्यवस ख्यादन व्यामित्य दशके स्थिक खेरथ । प्रकार क्या कारकाला मा क्खा नया छ ना विज्ञासक पिटल क्रांच मा । शबीब द्वाभीत्मव चंबह बन्न अविश हिन्दिमा अवा क्या विश्वविक বিবয়বের ক্ষা এক আনার ভাক টিকেট স্চ নিয় টিকানায় অভ্যাত্তান

ख्याक की निरुष्ट के की व. सन्ता-विक्रिक्त (पा: देवकाठी, बिन्स्वा : ' व्यवना सिद्ध हिलासह साकार कारका विद्याप्ति व ब्यानिटक नार्यका

क्षियुक्त द्वामाशालाल मह क्षान्, क. कुक्तमश्रद्ध, समीहा। **स्थित ।** विश्व शिरक, ३५%, व्यक्तिशादिकेरणा श्रीष्ट्रं, बाष्ट्रिलामा, कामकाका ।

একখানি ব্ৰা: আমাৰ আফুপুৰ গভ জয় নাম ধাৰৰ বাল ৰক্ষাৰ ভূগি: মৃতপ্রায় চল্লাভিল, ক'লকালাল বিজ্ঞা foliocymosia ছোলা কীবনের আশা সংগণ করিল শোধ মৃত্তের জন্ত অংশেক্ষা করিছে**ভিলেন** এই ন্যায় জ্বীল্ড জিলীশ্ডক ভীকল মধাশ্র মাক্ত ১০ দিন চিকিৎসা करिया अन्तुर्व चारलायाः कहिना विशासकताः ( शाः ) द्वीय होत्य किर्मात ষায় এটাধুলী ( অংহদার থাবিয়া ) প্রাট্ট, নিউ বিভিন্ন । করণোরেশন नाविति । छ०। e #1211

# শ্রীনবদিশ পঞ্জিকা

গৌরাব্দ ৪৪৫

माज 🗸 > । जाकि दिक्छ भार्त । हेटलाई तुक्द भार है शार्ताम स्म ।

আনেকার-গ্রন্থার ভার हिटिक्ट अवर, Citt क्रियात्रा श्रेष्ठ, सहीता ।

কেন প্রাহকগণ

# ডীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

## এত প্রশংসা করেন

-- 4736-

এখানে হাবভীয় ছাপার কার্যা---

रगावात ( फिर, त्यामा, कवम, बाम, कमिमावी ८६ क, निव काकु खिडे बसुस.

विनाटक विभव्य लखा, कार्ड निर्माहक श्राके वन्त्र

খার ৩ বং ও ৪ হংখের চাফটোন ব্লক্ষ ধলুন, স্কল কাব্যই অতি শীক্ষ তাপা कर, व्यवह कालाक्ष्मान वस्त नायाद व्यवका

व्यानभाव विद्व हाला । कार्या जाकिता भिन्नती गामान व्यामानेत्वते सन् नाहेद्वस्ता ম্যানেকার-সৌড়ীর প্রিণ্টিং ওরাক্ষ্ २८०)२ तर माणाव मा ब्यूबाव दशक, कविकासात

## শ্রীল প্রভূপাদের বক্ততাবলী প্ৰথম ও বিভীয় খণ্ড

**७ विकाशांत व्यक्तिम्बक्तिम्बक् मन्त्रको त्यायामी मन्त्राद्यम् त्यारे अविकार** निकारतिनी कीरायायसरभारवारवातिनी क्रमकाकातिनवार्वासनी कीर्यकारीक वृक्षित्रका देवकदिनकांच रक्षमानाट देशक स्मर्ति--- नवस चाकिरवद च ब्यादा वनकरवद विकासनेतृत्व । fewi meta sue Mini nie i

## **ট্রান্টাগুরুগোরাঞ্চে** জন্মন্

## শ্রীভ ক্তবিনোদ-বিরহে

আছে ওঁ বিষ্ণুপদি নী শ্রীমন্থ জিবিনোদ ঠাকুর মহাশরের বিরুগছিলি। এই দিবস শ্রীপৌরস্থান গে আব একটী কারণা প্রকাশ মৃথি শীল পদাপর প্রিক্ত গোসামী পে অপ্রকটি নাম্যা। ভগবদাশুল গ্রিগুলাপের কোনদিন্ট পাকটোর অনসান হয় না, অপ্রকটি বি অন্ত এবং পোকটোর ছাত আবিত ম্চকলে জান্টি। বেয়া। তবে মাদুল আবিত ম্চকলে কান্টি। বেয়া। তবে মাদুল

বাবহাতিক জনেব বিবাধ ও পার্মানিক জনেব বির্থে আক্রেশ-পাতাল পার্থকর বর্ত্তিনান। বান্থাবিক জনের বির্থেকাশে একটা কোকি হ করা মাজ। ত্রাহেও আক্রিক হা নায়, অধিকাশে কেছেই ডানে বাবহাতিক অপত্য ব কালো লোকিক নি ম কালা হ হাতে ধ পত্র হছা। পাকে। হন্যানা আক্রেশ কালে হাতে মুখারত করিবা কোলেনে কালে আক্রেশ কালে মান আক্রেশ কালেনি হাতে মুখারত করিবা কোলেনে কালে বান্ধানিক করিবা কালেনি কালি কালি কালি বান্ধানিক কলে। বান্ধানিক মান আক্রেশ কালিবা আক্রেশ কালিবা আলিবালিক কলে। বান্ধানিক মান আলিবালিক কলেনে বান্ধানিক কলা, বান্ধা

গণন বিনীত করির তুলেন, প্রধার স্চা প্রাক্তরপাক ও গাওটুক অবস্থিত, ভাগদের অস্করেক অভাগন বাংল ব্যক্তরিত সভা কার্যনি ক্রান প্রবৃত্তি ক্রিক ধরিয়া ক্রোলার কলিয়াভন্তন

ভাই বন্ধ দ্বাং পূব কালবে তাবা ছলিন্দ, এ তোমার ধনে হলে মন্ত ,তামায় ভূলে ১০০ ।

क्षिया दाशानान्त्रत समझ्लकाश ५ . ज.२८७ शां दशः गांग,----

মবে অনিশ কালদুৰে আহিন্তা সালায় হাতে ভবে নিবে কাহান সাহাই গ

**হী পু**ৰ ব্যৱহাণ লাভানে লেখিবে ভালা

महस्त्रकार्यः । सः स्वतिक सर्वाताः । बाह्यस्ति सम्बद्धाः होताः । अत्यात्रः स्वतिक स्वयोगः बाह्यस्ति हो । स्वयोगः सःस्वराताः

বিফুজনের বিরহে বাংশিকট একটা

অভাব মন্মে লগতে সভাত হয়, কিছা চাং

সজ্জোগবালীর দল বুলিবেন লা। সজ্জোগ

সক্লানে উৎপ্রত । বিশ্বমানব নিফুজন
বিরহের প্রণে বুলিবেন না কারণ দর্দী
না হইবে দর্গেশ কণা বুলে কা বিষ্কুলন
সক্লের মহার্ঘতা আনহার্থক ক্রিক্রন
ক্রিরান্ডেন

তুলয়াম গবৈনা ি ন স্বর্গং নাপুনর্ভনম্ ।
ভগবংসজিসজন্ত মন্তানিই কিম্তালির ॥
ভগবংসজী বিক্ নিজন্তনের নিষেধনাত্ত
লক্ষ বারা ভীবের বে জসীম সজল সাধিত
ভ্যু, ভাগার সহিত গর্ম বা বােক্ষেত্ত

## দেনিক নদায়া-প্রকাশ

- :4: -

নিতাপাঠা বৈক্পৰাভাবত

নেদানি সমস্ত্র সাত্তর-শালের হার ব্যাপ্যান্ড। স্থান্থ ভারেন্ডে এক্সম্মান্ত তাল ভ

দৈনিক পারমার্থিক পত্র

লিলা অব্যাহাপুর—১লা আলাড় মললার—১০০৮

ভূলনার সভানে কল ধার না, এপন নবন্দীল মা বাব ভূজ কাশীবাদ বিভান দশ, মানা ম নামে গ্রাভৃতি ) প্রাপ্তির ক্ষম আ

্ৰহ্ম সাহিত্যক স্থানিধিগণ কি যে । সাহলাৰও ক হ'ব বিষয়ণ কলিছে গিয়াছেন, । নিৰ্ভাৱিত সংহাৰত সংমা<mark>ক একটু</mark> ইমিন্ত

 শ্রন্ত্র কি ছল্লি ব্যাহিকণ भारतम् १ ६६ त भिनाकातः छिङ्किमारा ত্তুক্তালে জাবন এবং দিক্ষের ইতিয়েবাল mar wie genit Eriften Gieten -机锅 机压力 机四氯 智慧 群等。 电影运用 的名字 医胸侧侧部结膜 电特别指标点 対記 まっしん しゅう 一句はこむ (大学の事件) 计记录的 计加强对象 不识别 意情的人名 ন্ত্ৰাম্পৰ হা হল। তেম্ব আৰু ভাষ্ট ন্ধৰ ওদ্ধ হ' লে। নে দেৱা বুদ্ধি প্ৰক্ৰে না 🕒 **ある[[6年 が ])を[11]を名 間はご 変 が<sup>6</sup>ずい。** আন্তেত্ৰত (তান্ডিনের সংগ্ৰহে আন্তিত 安蒙(大) 1.15人所有一种有益症的 中部代对称 ,新阳,张 ভাক্তর ব্যাহ্য , তাল কবিলা ভাবের স্থাম 😝 श .भ भः ज १८८१म करनम् । 🛚 ऋभःशब्दाश्यक्षः हो प्रदेश राज्य एउट एकमा अहे. अध्य श्रुकार्य १८ भगार । श्रीत हतम कनाप ল,ড কৰেন্। জন্মবৰ্মকো বা হিতাপ হলতে ব্যালকাপ ভারব আহ করিলেও যাক ভলনবদেশ বা এপমানন্দাসুশীকন না হয়, তাহা হটলে ভাগে আলালানাশংক অন্ব ৰাতীত আন কিছুই নহে। তাল कौरतन भत्रम अक्ताराण महत्र । ८७१८म বা ভাগে নিচা কলাগে নত একমাত্র व्रक्षात्रभगारकरं कीत आकृष्य मध्य बार ध्ये व्यक्तिकाली बहेमा बच्चा ध्यक्त इंडेट क পাত্রেন। ১৮ বং এত বড় অমূল্যান্থি पैक्षित कार्कान्द्रत विक्तन करतन, मा চাহিশেও ধাথারা ভোর করি। একার ছার্মভ নপ্ত যাবে তাবে বিলাইয়া দেন, ভীছায়া যে কত বড় প্রহু:পতঃবাঁ, কত বড় ন্মানু—কত বড় দাঙা—জীবের কত বড় यक्नदिशाका, लाहा निवाद कतिरम इत्त-

জ্ঞার ভাষা গান্ধা হ বং। তার আ অসমের ইত্তরত হইছে এই স্থাসিন ব্যাহির এই ডিম্মি ব্যাস

্রে ক্রিল র্থমেরন ক্রন -পরের - কেন ভ্রাভু ব্যয় টেও লা ক্রেন মাসুসায়

ঠাকৰ ভাস্কিবিয়ালে তেওঁ শক্তি আগ ८ पार्निया जम-४५ 多额性的 电路 网络窗口 计图片包 经指挥 1 किश्रापंत्र, कार्यो । याका, ताला ला क्या कार्यकार র সাপ্রভাগের কর্মটো সংগ্রহণ ই । জ্বা কর विधित भागमा है। भागमा अस्ति किन भारत राज्यस अभिन्य मिल में निर्देश के न তাকোত প্রথম রাজ রাজার ক্ষাতি ও তিত্ত ভাররের <sub>ক</sub> 连脚分付了不断的 有多的医人士职具 侧侧孔 करितः इक्षिमकाक्षेत्रके भूजा सर्वति । ल्की-सरहप्रमान । हिन्दा हुन अपना रखान्न्य The state of the property of the form was a region डेनकनसंस्थल भाग चाँगेल मालिका दलका काताल्या किस्तार राजान राजा राजा লগে ট ভাটি স্বাকণান্ত ব্যস্ত্র বাসেম্বর ಈವರ ಚಿತ್ರಕ ಚಿತ್ देवम अनुसरम 计数型语 刺檀 को भारती अलेदी दार्ग 网络色色 有格特点 斯特特 人名 网络红红斑 人名特 **(時)(7巻) 3.円・(8) 1.2円** Bert gingte Foreign Strand Mare 15 · 517 কশিখ্য আগোলনামের সংগ্রান এটাংক कति।लुदा (क्य अ)६१४ क्रान्स ८३५४ করেন 🚓 ক্ৰিন্তেন ৰ্লিয়া হিৰেজ চাচ্ছৰ সভাৱ তিনিই জগতেত্ব আলোল ভালেই রুপার শত শত শিহাত year Agest ধনে মানে ম্যাজের পি বানার ও প্রত্ত আৰু ধুগাড়াবোৰ পাদগাম বিভুটিত এবং देनसम्बद्धः अर्थ कविता प्रकृष्टित्।

ঠাক্র মহাশ। যে সংগ্রিন্দর সন্ধার অদান ক্যিয়াছেন, ভাগার নিম্ট ক্রেন্ বাগতীর গোভনীয় বস্তু—ইন্সের ইন্ত্র-ব্রন্ধার বন্ধত্ব-কৈব্যাস্থ প্রভু:তকে নাজ সদৃশ জ্ঞান করাইরা পেয়।

ঠাকুর মহাশয় তাঁহার যে অফুনানিধি

লাম করিরা বিংগছেন, কোট্যাংশর গ্রেষ্যংশোল, সাত্ত ও জাতারল জালকাতি লালির ভুলনা কাতি পাবে না। জালেতর লালের ভুলনা কাতি পাবে, নাত, নাতি অভাব, বিংলা, ও মৃত্যু আছে, কিছে টালার লাম — অংশাল, অভাব নিজতি কাবতে পারে না, নিতা নান মূলন অভাবে গ্রেষ্টার কালিকা ভূলে, তালার লাম বাব্দ ভূলি অভাবেশ কালিকারী, থারভার আজালাকার আজালারার। ভাষা

নাজিও নিজন কাকাজান, নান্তীন অভান বেবং নান্তীন ভ্ৰেপৰ নতুন্ত ক্ৰিন্ত কিব ভাৰতন্ত্ৰ ভ ভাৰ গাদিবলৈ প্ৰদান কৰিছা প্ৰাক্ষা তিনি যে কন্যানক ভ্ৰেব ব্যাক্ষানাৰ্ভবন ক'ল নিলাভেন ভালা সোনা কাৰ্যে জীব জালাভ ল অনুভান প্ৰদানৰ অভিনাম লাভ ল ভ ল অনুভান প্ৰদানৰ অভিনাম লাভ ল ভিলামনান্ত্ৰ বুক্তিৰ প্ৰদান ক্ৰিন চেন্তি ন্নাক্ষানেক ভ

구축의 위하면서 July 4. े - १८५२) हार दिल्ला हो ा न विद्याल शतक्रमणा भाग प m 1st 1st 3 EP C PATH GOVERN CO 4 41 1 रेड्रांस हर शहराहा र . 2 57 E 50 1 "我就到我我说,这是 TO 1 # 14 ME 1 11 11 14. L. E. E. 20 能用 \$20 E-1000 两点 化液 概 ইন্ডালেন্সল ক কর ত্তাত করে **ভা**র 1、中心,1877年 1972年 京 1982年 4 第分数 रेश विश्वास कर किला के **अवस्**र

भिराम, ७०० वसुन ३०१८ वर देवान अ१८ छ छा १ सिंद, १८ विश्व वहा छा छ देव है है छाई, १८ विश्व मा देवान है में, जात ए देव कि १ क्या, सिंद मांच तक विश्व कि जाने देखांक सेंद्रांत के विश्व है है देव अभावा के स्वता है। १९ विश्व के भा से जात एकम, भाषाना है। १९ विश्व के हो मान है अदिकास है। १९ विश्व के

ाकुल इंट अ

ार दिख्या, को अप सम्बद्ध

কাচিত নিশ্বিক প্রচিত্রত ক্রিক জ্বানন্ত্রক মুক্ত জ্বান বেজিক

মন্ত্র নাল বিবাদ প্রায় থাদপথান মন্ত্র ১০ না না ঘটিলেও উচ্ছেটেক ভাষার বালা নিয়া নিবজর দেনিত আন্তর বালা ভাষার বালি—আমাদের নেব প্রবাসা, ভাষার বালী—সাকাৎ এদবালী, ভাষার বালী,—হৈডজ্ঞালী, ভাজ-

## देविक मधीयाध्यकाम-भाजमार्थिक भेळा वर्ष ४८ वर्ष ४८ वर्ष ११ वर्ग ]

िल्लाक्ष्यानी । किलियित्नामयायी-कियनर्थन-**क्रवग**हानात्। दि ম জনকারেণী, 1345 নি চাণিত করিয়া এএন:-কৈবৰচক্রিকা विकार कराम । एउट्टा विकार पुर स्टैसि। लाहे नावी भागनाषुधि तक्का कटका ध्वर প্রতির প্রিয়তাকাদন প্রদান করেন। क्षरे जीने मनगञ्जावश्यकानिमी विषया महर्गास । स्वर्षक ठडेश शास्त्रम् । यह नो नित्ताना अक्षिणकातिन । निष्ठ क्थ मा दरोजन देशत पर्याप्त एकह दुरित भा । वा(तः । हाक्केट शरा- तमन**ील** नाकि-গণ নিল্লালের লানস-স্বোব্ধের প্রতি কার্পতান। এতরাং অভক উট্টেব हेरण शांकि चानिकान।" योशांना हैंदात ম্যানের বুধিল না, ভারারা ম্যার পদ গোলক, ক্ষতরাং নিতাক্ট ভল্ া যালাব, ভিলাপেট ঠাকুৰ মহাশ্যেৰ বাণ্ জৈ দেৱা, তিত্ৰস্থিদায়ত, আল্লায়কর ভার-কৰ গ্ৰহি শত শত আছেৰ মধ্য দিয়ে। ১ শান্ত্রার বাবী পাত হট্যাছে, ভাহার তার্ कर डिश्हों के कि गाइन, डिइस्ट्रिक्ट নণচৰণ আক্তনা হইয়া পারেন না।

তাশ্বে প্রা-ভেতিত্রিনালৈ স্কা, ত क्यानिश्वमा प्रसार किंद्रांत सर्व कर. ভাষার প্রকাশ করিতে পরে না, ্রাটি कर्छ का छन् कात्। (अप कात्। हार्त ন।। ওঠোব দলার বাগ। অব্তক্তি পান জগতের ছাবে হাবে ৮কাল-বাদ জানটো নিয়ত প্রিরের জগতের ভারকারত পরাল্গণ নিজ নিজ ১ নের ডু১ ৫০ উপস্থার কার্যা ভার্ন আন্দোলের মধ্যে (১১) বিচা হাটাত লে পাবেশিষ্ঠ হাটবেন। এফার্যক বে-্ উপরি **মধঃ চতু**মণ ভূবা ভ্রমণ<sub>্</sub> ক ও ও বাহার বিশ্বগাত নক্ষান (১৯) া ১ , এ দুখা ুঠি মহামহা-অঞ্চা া এর ১ পদর্শন ক। চিনী । সি এর ৭ক। রিণী। र्ष्टाः नेप्तः कति। स्टलन् --कनाध्यन 医加利尼斯利特点 弥罗 (南部) 古者 (内容) 新花田 (中心) निकासभा करित । भाकारमञ्जू राज आस अस्ति, জ্ঞানধা, জন্ম, দেখা, শোক, ৬০ বিদারণ का है। जिल्लामान ना के तथा लिए गर बाक्रि \* 1514 CAS 1611-01 120, 50 14:59 ভিগেদ পালগবের নেন ড ুননক বেনর कृशाय जान यून पान গ্যাহিকেডে—কোটিকণ্ড

আৰু সমস্বয়ে ভাজিবিলোগ এছে গ বন্দন ক্রিভেছে। আদিও উপ্নেস্তর করে। स्व भिल्लाइस स्टिंग गाउँ ।

১৯৮-২৭ে প্রধান করিতেছি....

नामः नाकारानाम् मकिमानकगामितः। ्रतिन्य क्षित्रकत्। इ. क्षण्डनारद्वात ८७ ३

## বিলহ-বিনে দ

( শীপাদ স্থকরানক পরবিত্যা' নেদ বি.এ) 'विवर'--नियम, क'लात, निवम, অপ্রিন, অত্যবজ্ঞাপক সন্তানি ভাব মার---এইরপ সাভিজ্ঞতামণী কছবির্হধ্বণা যাহার নাম্রাপ, ৩৪৭, ১ বর্বনিট্য-ा रिज्ञ স্বী হারক মুট্রান্দ বিদান ব্যাপারকে মমতার সীন্ধ্ত, উৎসবনর াবেৰ প্রাক্রান সরস মুরিমান প্রেয় ও পারিনাবের পূর্বতার া প্রান্তীত কলাই যাছে, স্বাংরপ ন<sup>্ত</sup> প্রাণ শ্রীপৌর-ন্তনারে প্রকাশবিগ্রহ ুস্ট নদীয়া ১ কাশ टे तिकू पर के बीन । क्त के कि तिस्मा গ্রনাধর্যাদ্রমে তৎপতি হুরগ্রের বিরহ লীম্য 🥫 व्यातिकात करियाहित्यन

ुष्ठाकुम ध्वतिभारमञ्जू कः रामानवस्म र भावत ভিজেভারতিথিতে ই:ছারের বিবহ ভিলের । रेनावक वन्नक्षां अकारमहा मन्नामक स्वर्गाः ह्या सामा प्रमाणका । एक । एमन का नगर क ক্ষেত্র প্রায়ণ্ডিথিতে অংশলী ভ্রায় करिकार काशन करिशायकम्। ५ विकास আত্রান্ত্রিকার জ্বারাজ্বর ১ বেরিনা জাইন ১ প্রেরের সংগ্রেপ্রার্থ 31812 न्द्रां । भटनदृष्ट्या e 3. বৈনে দিশ্যা ভাগার নীর একা কণা অন্তেতি कारवात श्राप्त अस्ति।

একমার প্রেরেটকণা ক্রাটেন ব করা ঠাকুব 🕝 🔻 अञ्चेशानिक, ज्यादाक ভারে চাকটকাণ আবিষ্কের ভিনি ভিত্তিক অধিকতির ত্র্তোকণে হলেইন विवाद विरामान कविता, इ.स.म.। अक्ट ছা - িলোকের মুখ্র আলর্কে আনেরা গ্রেক্ত িজি সমেস্থারবাদ মধ্যে । সংস্থার । জারত -लग, उत्हा ह्य आकारतह नेशिक्त

শুদ্ধজীবাধ্যসকলের ব্যবি ভক্তিকে

इतिकार, तक्षम, तिका आधान आस्टाटका ४ क्रम्बरमदामस दुलोगा, निष्माम चारदान दम ঘণাবং ভ বিচেদ্দাল্য, পাঙ্ট অট্যভ্য-ভিজি, ভারাই নিপ্রাশ্র বা বিরহা এইরূপ বিপ্রাণ্ডে স্বাভাবিক ত্রেণেক্সান্ট ভক্তির 🖯 ীবিনোদন করিয়া থাকে তাই আমবা किरियोगम्ब जामर्थं कशोद्र ह विरहन বিনোদ-ন'ল একপ্ৰিকার একমার প্রাত পাত বিষয়, ভাষা দেখিতে পাই।

আমতা মদলতে গে বলিয়ান্তি, অপ্রিয় विश्वपृद्ध विभि ८७६ । क्रेड्स, सम्बन्ध विस्कृतक विकि नगडोप्न गीमाक्रटल, निवंश विवाधक विभि त्रमः ताकांकात्र (श.) अर्शकाशक

वितर्दक यिनि धक्यां किया कीव्यक्रत्यत সহজ সভাবরূপে, অস্থায়িভাষবিরহকে যিনি স্থায়ি ছাবের অব্ধিরূপে ভাবনার অতীত হাজ্যে অপ্রারত **ওরসম্বোজন** কৃষিকায় প্রদর্শন কলিবাছিলেন, তিনি ভক্তিবিনোদন-কারী— তিনিই *হাকু*র ভ**ভিবিনেদ ।** 

আমাদের শেইদিন্ট সভ্য সভা ঠাকুর ভতি বিভালের বির**হ উৎসবের আরাধ**ন। ্ ১ইবে, বেদিন ভক্তিবিনোদাভিম্বিগ্রাহ লি ল্রী ওরাদেবের সভিত সমচিত্রতি হইয়া অ গ্রেড বিবহুবিনে, শ্ করিতে পারিব---্ৰেদিন আমাদের ভঞ্জিকে কেবল প্ৰেরোক্সান টে ন্তে---ভিত্তিক কামানিক **ভোগোজা**ন देशिक ब्रहेर्य

িপুল্ছ বা অপ্লায়ত বিশ্বত জিনিষ্টী প্রাংমি প্রায়ান্ত প্রজন ও প্রক িপ্রেয়া, স্পের সাত নছে। জেলোবিচার-পুণা ভবির সাভাবিকী শুপ্রতিহতা গো গণি নাই, তাহা শাসনচালিতা। সেলোভজি ভীনালাগণের সেরা প্রয়ন্ত করিতে পারে, র্ষাব্যাদন করিতে পারে না-একমাত্র ্প্রাংশ হক্তিই ক্রফবিনোদনে সমর্থ, এপ্রয়োল ভূমিট তেমি, ঠাকুর ভ**ক্তিবিনোদ** ফেল ্রাংগভিক্তির মুক্ত অবভার ।

ঠাকুর ভাজিবিনোদ জগা - অবভীর্ব চইং।

মিটিচ এক বালী বিভার না গ্রে**লে বভ্যান** ানটালন্ত ভাগতে আক্সন্তিমালাবে **শ্রীটেডভালেবের** কোনও স্থানট পাইতেন ল',—ইহা কিরপ ্ প্রত্যক্ষ অফুভসংগ্রাগ্য সন্তা, ভাছা বলিবার ম্ভিমতী ভাষা ,আনেশে সপরিকর 💐 শুক্ত পাদপদ্মের জলস্ত আনুর্শ ব্যাচীত অক্সম দেখিতে পাইনা। <u>প্রাণময়ত।-- আ্যার</u> অভ্যন্তব্য অধিময় ময়গুলি কংতের লোক বুঝুক আর নাই বুঝুক, ভাহা বিরহ-মহাধ্যের একমাত্র সমিধ্। আমরা বিবহ-পুঞাৰ দিনে সেই সমিধ কিছু আহরণ করিছেছি--বিস্থাবিচা নিজশভিত, কলিরাম জেমডজিত, काष्ट्रामिन त्य अन्यक्ता मत्राम ट्रियंत्रकति, জীবতঃশ মান স্মরি' शाहाहेग दक विक करन ॥ ংহেন সময়ে কলি, সংখ্যাদ অন্তে ছলিং क्रमार्क आक्रापन रे जा। জীবেনে জুকল পেনে, মিছা া জিছাঁচ শবে ভবসাগরেতে ডুবাইল। বিপ্রবস্থ মুরিনান, শ্রীগোরাক ভগবান্ সভোগের পুষ্টির লাগিয়া। প্রচারিল নিজ ওয় অকাশিরা তম সম্ব **亚维 李华** 科技(李 城) 安州 B

भीताम मारमन (यम,

यात्रायाम উপদেশ

গ্রহণ করিয়া কলিরাল।

ক্লফভক্তি ছাড়াইয়া সম্ভোগের দাস হইয়া দেগাইল ছারা শ্রেমসাজ। **কথ**ন বাট্ল রভ. কখন নাগরী মত **ल्या गर्किया क ही एका।** প্রাকৃত-সম্ভাগ কণা, প্রচার্য ধণা তথা, নাগরীর গৌরভভিণবজা॥ कालक्षम इ त्य (कह, आलमा: ह (भीत्रामह क्षांचाम करारण करकाता। ্রত বলে, আমি গুল স্পাদাকে ভঙ্গন কুরু काशिमी कांक्रम कांमि मान ॥ জৌরচার্জ নাশ করি, কলি ভাগাইস ভরি, ः।वसीय ेवस्था हरता । भशीर मकी अभित स्व नहें। छर्डन मका মাণ্ডিল কান্দ্ৰেন ক্জকলে ्र ८क । तरम निष्कृतिशया । इक निकाल्याय प्रिया क भक्षण भन जाभ कवि । রাপারক সেধা ভালিং পি সেকি কাম ভলিং প্রাক্ত তেরার পর বর্ণি দ भृष्टर क्षाफ्र वीन वाद्य । दुर्गावर श्राम विश्वास्टरम নিজ দোগে গড়িব গোলাল। क इंद्र क्षार्ट । ोयह ति । প্রাক্তি নিজ করি বলে ভোৱা হবি মাঙ্গোলাস 🛭 প্ৰেষ্ট্ৰ গ্ৰহী মত । ভাতি জাতি মুক্তি লাভ ভানতে জামার কান্য মাই : লা দোল আছে স্থান্ত তালিলা সম্ভেল্য **স্থা** লাই ২কি চোলা নিডাই a अपन्त्र मर्गाम कारत्व क्रांबिया (कोतकुरा। ন্ৰেত্যপদ অবি. নাধাপুৰে প্ৰিয়া হয়ি वमाधेण कामि निक करा। क्रम श्रममिक मन कार्जनिक्क यथायथ कर्दरकार्यः १ (मन्दर्देश । क्रक डिनिर-गालिस छ. CMHO किम्बर्गः व উপদেশামূত তার কৈল।

**क्षीरको तिमुद्य**ानम् । । । । । जन्न दक्षमा नाव क्रको । अने अन्तर गरन । म, मारत्य (मिथि' १८), जन्म एकिनीय मिछ वाञ्चमित्रकार दर्भन इत्याप অবস্থি অভ্ভান, क . ७ १७३१ डक्का ५ अक्षेत्रन धर् क्या मूर्य : क्रमः इन्डि नुष् धना ्षं भारत श्रामी स्थाप "数据者 發明很 强几乎 安全的 " গ্ৰদ,গ্ৰ ক্ষিন ধৰি পঞ্জিয়া হ ক্লোবিহারি

**উ**शस्मिम् इक्षत्रा -मिल श्रा स्वकाता-절약된 중 후의 C가리 기계 II

ভক ভিবিনেদ প্রভবর ।

श्वासागात्मत श्रथमक्षक एकितिरमान-नांग, क्रण, खन, शनिकत्रमीमात कीश्वन ना अञ्चलको निवङ ऐदमन वा निवर्धनिस्तासन त्याना छेपात्म, हेटा अल्डामनाम्यम इट्टेंट्स সামর। প্রবণ করিয়াছি। কারণ ভঞ্চি-विस्ताप व्यक्त है।हेन्डक्योग की हन-ইটেডজাবিজা বিভারেই একনার আদোল ছিল, নিভাকাল ভাষাতেই জাহার বিনোদ।

**'ভ**তিবিনোদ'-নাম সচিগানক্ষ-প্রেমার পরিচয় করাইয়া দেয়, ভক্তিবিনোদরূপ, জ্বিপের শ্বরণ করাইয়া দেয়, ভক্তিবিনোদ-খরণ মহাপ্রভার থিতীয় খরুপ শ্রীবরূপের শহালের সহিত গৌরশক্তিখদপের নিদেশ क्रिविटनामश्चन मक्रं खनम्मि শ্রীবার্যভানবীর গুণসরণের সহিত রুষ্ণা-कर्वकष् ७ कृत्या अशाकिर्वकष् अपर्गन ভা দিনিনাদপরিকর খ্রীগৌর-কিশোর জাঁটেডজাবাণীর সহিত শুদ্ধ আমায় ও আয়ারামুখ বিষের পরিচয় প্রানান করে। क्षिरेहरूकाराणीकोधनकातीह उक्तितिसाम-পরিকর। শ্রীটেডজবাণীসেবার জেয়ো-বৃদ্ধিযুক্ত ুবিশ্বই ভক্তিবিনোদ পরিকর। चेकिनियानगीमा विश्वमञ्जूषि शीव-ক্রন্তের বিপ্রেলন্তপরিগোধকতার নব-ন্ধার্মান্তা আবিভার করে –বার্কান্বীর विञ्रमञ्ज्ञमानु ीत स्मीन मा व्यक्ते करत। क्किविटनामनाम-ऋभ-७५ १<sup>५</sup>वरत **७ गी**ण। व्यक्ति नष्ट. ज्वज्ञे अख्यत रिमामन-কারী-সক্ষই ক্রান্ত বিপ্রবন্ধ বা বিরহের হিনোদনকারী। প্রভরা বথাথ किंकितिरमात्रशतिकरत्त्र कत्रात्र केंद्रिश्तरमान-विवष्ट ट्रानिकमाकी स्टाप्यम्बम्म । दिश्व क्किनिरमानगतिक १८५ वाधन गा ३ कतिए। 2196.5 পারিলে নিভানি কাংগবমন (तम्, मकुर्। छेरम्रमञ्जू -- भः ५०३--- अगुरुमन् क्ट्रीय कांत्र एकांन्छ मध्य अत्य मध्य खनमाना छलात है। मारे । मोरेड १४ वाली-इस । व्यामना उपन औरेह छन्न भी दमना कविएड ক্ষিত্ত ভৌর্কিশোরসঙ্গ **হুইয়, ভাজি**বিলেল লয়ত চলন ব্যাল কারিছে लाम्नि-निरम्भितिक १ (५५ : ... जामान শের ইহার নিডাছ নিজন্ত গ্রৈ ন্ট নিষর इंडक ।

## बोम छ। कि निद्याप-पर्यक्र

(গৌড়ীয় ৭ম বৰ্ষ ৪৮ সংখ্যা হটতে উদ্বাস্ত)

व्यमस्याकृता छन्। कत् शैन देशकक्षरमयक्ष विश्वास छ। यह । म अोतमाङ्गिका । पूनः किः नानः प्रत्याकाक्वितिस्तामस्मयः॥ >॥ শ্রীমজ্জগন্ধাপ প্রস্কৃতিপ্রয়ো য क्षकायुरका दशीविकत्नातरकन । व्यात्रीत्रकातनामदा करवः किः निङाः ऋष्टो क्रिकिविस्मानसम्बः॥ २॥ **बीमामिकामां मन्त्रामां मन्त्रामां त**-क्रामर्गभाव्यक्तिवर्धने मृद्यी यः । म मागक्रकः फुक्तिभास्ति किः निष्ठाः स्ट्रिक्टिनिस्टिन्सः॥ ७॥ নামাণরাধৈ বুণিডক নামো माहायाकाकः धक्छेर निनाय ।

ৰীৰে দহাপূৰ্ভবিতা স্বতো কিং क्रुष्टामत्वा जिक्किनित्नामरमयः ॥ ८ ॥ গোরভ গুড়প্রকটালয়ভা मर्ला≥मर्ला व्यक्ताहारमण । প্রকাশকো গৌরজনো ভবেৎ কিং क्छारममः **छक्कि**रित्नामस्यः ॥ **४** ॥ নিবক্ত বিয়ানিত ভক্তিগজা-প্রবাহনেদেখ্য ভসকলোক:। ভগীরণো নিত্যপিয়া পদং কিং छतमारो छिकिविद्याप्तत्वः॥ ७॥ नित्यम देशक्यकथा शहाती मार्गामार्गी छक्टेनसन्तामा । नामअङ्गापनं टेड चुट: किः हिट्ड **अट्ड**िलिटिमान्टनरः ॥ १ ॥ প্রয়োজনং সর্রভিধেয়ভজ্জি-সিকালবাণ্য সমনত্র গৌর-কিশোরস্থরসূতো ভবেং কিং लिकाभारः मक्त्रन्त्राभणक চিম্বামণিকাত্র সকৈবপদ্মম। . ।श्रेकाशा टेम्ह्यू शहर । छात्र कि किटाङ भूटाहा । छन्किनिटम 'नटनयः ॥ ৯ ॥ व्यवाद्वपर्द्यक्रिय द्वारेनमञ्जित रामामनार्विष्ठ ५ छक्तरको सः । खाशकर्गीमाभिक (स) ५९३५ किन् দুখ্যং পুরুছা জ্বাবিনোদদেবঃ । 🔻 🔻

## সেবাগ এই ভাঞাবনোৰ বিকেশৰ লাভ শ্ৰীল ঠাকুর ভক্তিবিনে দ

্অবাণক জ্রীপদ নাপুতি দাস অধিকারী এম, এ ভবিত্যধাকর একিশাস্ত্রী /

নিভাগীলাপার ঠাকুব ভ্রিকবিনোদ **শ্রীগৌরস্ক**ণের , ডল্লন, স্থায় প্রভাব মনো-ভীষ্ট স্থাপনের ভক্ত এই দেবীদানে স্থীয় ভ্ৰন্মপুৰ প্ৰাকট্নীল: আহিছাৰ কৰিয়া-,ছাল্ম । শ্রিণেরিকুক্সরের আন ১ জুসম্পা-ममभूक्यक दगीनद लाजे 'भाडायान्त 'महोमम् वरगरतत शुरुष यक्षकात हि, ह मनगम्य ष्यक्रिकोगः शत्र्यम् कति । यश्यम् अग्राम् । ক্রিপাছিলেন। আন্তার্ণোর অপ্রকট উং-म्य त्याक त्यां ए ए ए ए जा विश्व हर् मा। ष्यानात्मान शांक्षेत्र १५ कि.सामाय **७ अब्रेट्टे** अल्<sub>र स्</sub> अञ्चलका नागता वाहा-জীবের জন্মনরবার অনুথের সহিত উহার भावक गांकिक स्टब्स के छेश विभाग हिमारा स्थादका শীলা এন্ উহার প্রেগত বন্ধণ কেবল সেনোশুল চিত্তের প্রতিভাত হইবার যোগা।

আচাবেরর দেবনের বিতাকের ভিরেগ-कारतज्ञ मध्य भक्ष डाहोत शानमार्थिक আভাষ ইহ জগৎ হটাত অপ্সালিত হয়---वक्कण निष्ठां कार्यभण्ड महर । डोहलीय-অন্ধর ও উহোর নিত্যপ্রিদরে স্বর্থ নি**ত্যকাল** বিশ্বমান আছেন। আগ্রহিক

বিষেয় প্রতি অণু পরনাণুর অন্তর্গামিশুতে ! **এগৌরস্থান ইহ জগতেরও স্থাত্ত লীলা-**পরায়ণ হই সপার্যদে নিত্যকাল বিবাজিত द्रशिक्षात्स्य । आकर्षणीया व्याकरेणीयात्रहे বৈশিষ্ট্যমাঞ্জ। ভগবন্ধীলায় প্রাপঞ্জিক আরণ্ড किश्वा आं किक अवशान मारे।

আচালাক আপ্রাক্ত চরিত্র ভগ্রৎকুপার यांशास्त्र के किन विषय हम, छ।हानाहे আচাদের প্রায়র প্রাক্ত ভাবপ্রয়া স্থীয় আত্রগালনা কাম করিতে সমর্থ হন: সাচাগোর ক্রিণা সাচালহীনের ঁ তহ্য ন।। ভানাণ্ডৰ অব্দয়িও প্রাক্ত নৈক্য ও প্রদার সহিত অনপ্রিক্ত ভবে শলীমুখে ভক্ততিবকীকুন সাবহিত **इहे**र शुन्न कनिएल छन्न इर्राज्यस्य तालि হঠন। অপ্রাক্ষণ লোল বাভ করেন। ই.গুরুষ । এই অতি প্রয়োজনীয় সম্পূর্ণ আন্তর্গতের আন্তরের চলিও ধর্ণন নিরপেক্ষভাবে আর্থাবন তথন্য ভাদুপ 👍 জন প্রেম স্থান হয়।

के'कृत कि जिल्लिका । आमि अवद्यात । छिम्रा व्हेटक भानित्त । **দীলা** প্রদশন ক<sup>্</sup>ল ছিলান। পর্মহ স্ট একমাত্র আদর্শ গৃহস্ক 💢 - গৃহস্ক আদর্শ পরমহংস আলেশির 🗇 প্রিমানে আন্তর্ গ্ৰাক্তাৰ কে: নি, প্ৰেচ চুল্ট প্ৰি দেব अक्रड '**व्या**प्त 3151

टेन महत्त কিংলা কৰেৰ ং হগত বাজিবিশোনহেন। তিনি ব্রী-জ্ঞেষ্ঠ ব্ৰ.শ্বৰ ও নহেন। তিনি বৰ্ণীই নহেন। তিনি অস্তাঞ্জ **स्क्रम** । যে অবহুং লৈবৰণ্ডানৰ সামা, ভাগ্ড ভাগতিক না লুলার । জগড়ের কোন সম্বন্ধবিশিষ্ট अधि देशका र नहा ।

য'লেবা ভূতি ' নেদে ঠাকুবকে আদৰ্শ गुरुष्ठ विधान कात्र ने प्राचा गमि केशिक গৃৎস্থান্ত্রমে অবাস্তিত বাসাণ, ক্ষাত্রয় ইউনাদি । सर्वत अञ्चले इ छन्। नक्षप्रिभिष्ठे दास्कि মাত্র কমনং কৰিং নি.ভাদের অনর্থযুক্ত ন্ধ্যন্ত্ৰণত পুৰুত্ত জীবনকে ঠাকুৰ ভজিবিনে দের চারায়ের অনুসরণ বলিয়া विठात करनम, एका अवेटम वेदारे दमा याष्ट्रेटि शादत दय, शक्क अक्रिविटनाटनत চরিধের তপণেক্ষা অধিক এর নিন্দা সম্ভব

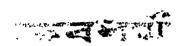
যে কোন অবস্থায়ই জ্লাবানের সেবা সম্ভব। কিন্ধ ভাই ধলিয়া গুহুছ মাত্ৰই ভগবানের সেনক, এরপে নর্চে। উপলব্ধি থাঁহার নাই, তাঁহার কোন আশ্রম বিশেষ সনিকাৰ ছাল ভগ্ৰহদেৱা সম্ভব নহে। 🚉 গুরুরপার বাহার স্বরূপোণলব্দি হইগ্লাছে, কোন জাণ্ডিক বৰ্ণাশ্ৰম আদি ভাষার ভগনংশেবার প্রতিকূল হইতে পাবে

না। বাহিরের পরিচাব কোন মৃল্য নাই। উহার পারমার্থিক মূল্য 🕾 গুরু-क्रभाश्यमख ।

হরিগুরুবৈক্ষবে দৃদ্ধ প্রদানা হইলে এই সমুদ্র কথার প্রকৃত ভাৎপর্য উপল্লি ১ইটে১ পারে না। দশু সংকারে ভতিবিনোদ रीक्टतंत्र : 6तिश्र सिर्फेश क्रिक्टिंग गाउस क्रमभेष्टक बाठुकहा । । । । । कितिरमान ঠাকুরের চরিমান্তুশীলন ভবিনালিটাকুরের অমুগত মনগণের অমুলা সম্পত্তি। খাঁহাবা **ঠাকুনের শিক্ষা সম্পূর্ণরূপে** গছণ এরিছে অনিক্ষ্ক কিংবা অসমর্থ, ভালার: ১ লেকে একভন সাধারণ জন্মনরণশীল । ব্যক্তিবলেন করনা কবিল জীহার প্রস্তুত দণ্ম হইছে বঞ্জিত হুইলেন,ইছাই শান্ধীয়সিক্ষাল । স্কুরেন ক্রমে **অপ্রাক্ত** অন্তর্গতি পাছে অধিকারী প্রক্রত চরিত্র অব**গত হইতে হইলে** সমন্তর্গত হনতে পারেন: ভাষার দলে গ্রেন আগ্রে চরণে ঐকান্তিক আভ্রাপ্রপতি সক্ষেত্র জ্ঞানতরণাশ্রন প্রাপ্তে ঘটিশ। থাকে এবং । **আবঞ্চক। সুকুক্রপ্রের আচা**ক্ষরত জ্ঞান চিক্ল গতে। ভতিত্বিনোদদেবঃ ৮ ৯ ॥ | ঐত্যাল বৰে আৰু প্ৰাপ্ত আৰু অনুসমুক্ত ভিক্তিনাদের অঞ্জনট তাধ্বে 智可が日本間 TO THE PARTY. া সকলেরই নিত্যক্ক্যাণ লাভের সভাবনার

## সাকুর ভা ক্রিনেদ

ভোগের আশার্থাই বে সেবার করতা কে তুমি, আনিলে ওগো অভিনয়ভন ্ প্রাক্তিশিত বঙ্গিগন্ধ জনব্যের বাগা নিবাই .৬-লাভিবারি করিয়া ব্যণ গ দেহ সনোধর্ম যবে ভটরা প্রাথন আত্মধর্মে আবন্ধ করিল সংস্যাতে: *र्मिकारण रे*कवशर्ण्य अस्य महास्थन । कार्याहरण कीवशरन, — क्रिनाम अठारव । নবৰীপে মায়াপুর ছিল গুলু বাহা : পৌরাজ-আলটভূমি, এহে পৌরজন ! গৌরাক্ত ্রথে তুমি প্রাক্রিয়া ভার্। अकृतिভागেया उचा कवित्र शहन পুন: যত গুটুমত করি' বিনাশন, ভক্তিবিনোল তুমি, তোখিলা সংক্ৰ मक्तभाञ्च विहासिया श्रद भागम ह । विवित्ति विषयः विविध भागाः . শান্ত্ৰের নিগুৰু "ব সিরাপ্তস্থত গড়িয়া শুনিয়া লোক ভাজারস গা समित्र कालता किति तिर्धनः, मारमंत्र शक्तमं अरहे अन् दर्वा १८ ! बानाई (ज्ञाक क्रमा: अगरन করিনে পুশ্ভ তুমি জগতে গণ্যত औरव मधा भाग कोड. देवतन एम म मुक्तन कीरवंद क्रम मिटा अन्यत, আচরি প্রচাবি ভাষ রগম্ভি এব क्रीर अध्यक्षिक के कार्य शास्त्र किट्सामिदिशानी क्या है। शक्ति उन ७क्जिरिलाम पार्चे भाग समामा ॥



सीमक् जिनिस्माम् हो बुत्त- शर्वे : । एके धक्रमांक शक्र-রাক্তের ান লাভ কবিবো পান্নদার্গিক রাজ্যে কিভুতেই ऋक्षान वा मर्भग्र शांकित ना। अत्रम पूर्व धर्मितिसम्ब । ই-রূপ সর্ধ ও সদয়পানী প্রায় এ'পারে প্রকাশিত হয় নাই। নিনিখালোমি শাস্ত্র-মতোদ্ধি মন্তন্দ্রে এই প্রভাস্ত केबिक इहेगाएका। आतात हित्युट कही, क्लामात हेकानि बाता नित्मम मन्द्र एता कठेगारक। वितास धान, त्मानांत भरण नाम त्लका, छेश्करे ने। महि-- 5 हुई मध्यत्न ভিজা ২ টকো যাত

#### প্রেমা এর

🕮 মন্ত্র আন্তর্জ পরিদ জীল জগদানন্দ প্রেট্ বিরচিত। এই পুরুকে লাভি পুগবোধা ভাষায় মহাপ্রাপ্ত काष्ट्रिया जीलामर रेनकनाहात. এकामनी ও नामछ्यन-নৈধনহাত্তের স্থমীমাংশা লেণানী প্রভৃতি জনেক CP (भएक शाक्रेरबन । भारतीकांग्र कुलक् क्वारनत विभवाभ ख গ্রন্থকস্থার পরিচয়াদি-সম্বলিত চতুর্থ সংস্করণ ভিকা।।। ৰণ আনা মাত।

#### 医每日的复数

ভ**ছনকারীর নিত্যস্থী ;** ঠাকুর ভিজিবিনোদের অমৃত্য<sup>া</sup> পুস্তক। ভিজা*া*• আনা নার। मान: निश्चित भारक्षत्र निगाम । अञ्चानि ना तम्या प्रयास কেই ৰুঝিতে পারিবেন না। তৃতীয় সংখ্রণ ভিক্ষা ॥•।

## হরিশাম চিন্তামণি

सामाहार्या जीव व्यविकार प्राच्यात पृथ्य जीमनावाळाड् জীনাম-মাছাম্ব্য, নামাভাস, নামাপরাধ প্রাভৃতি বিবয়েব मामधीय विष्ठात सम्भ कतिसाधितम्। এই विषयश्रित অতি স্বল প্রাতে সংক্ষিত্র মান্যম্ভ পরিপাটিভাবে মুদ্রিত। লিল ভক্তিবিনে'দ ঠাকুল রভিত। প্রথম সংখ্রণ ভিক্ষা দ০

### কল্যাণক ছড়ক

त्रीयहिक: ब्रायान केन्द्रित: विकास कार्यान कार्यान: িখালী ও ভানপথের পথিকের একান্ত প্রয়োজনীয় উলাবেশবেলীপুর্ণ বাঁতিগ্রহ। স্থানাভ্য বেশাগড়া কানা বলাকেও এই ভেজনরাচেণার গীতিসমুহের ছারা অনর্থনিকৃতি ও ভগৰংমের। বাভ করিবরৈ স্কৃত্রিয়া পাইবেন। সর্ভ এক্সার, ভিজা />• জালা মার ।

#### मत्रमाश्री

क्षीमध्कितिरमान शास्त्र तिष्ठ । जनतारम व्याप्तमप्ति . विकक्षि, कणनवानगा, रक्तिना शहरावर्गित क विक्रि गानगान ৰিবয়ক গীতিপূৰ্ব, ভিক্ষা /০ জানা মার।

## **गी**खानमा

্তর ভব্তিবিনোদ-গ্রেণীত। নিচ্য ভঙ্গনু, সার্গত্তিক अत्यताब-द्वनमानि-वित्रक मधुत ग्रैष्ठतम् अकृत्य अति। 🕶 আনা মান্।

#### <u>উন্নতন্ত্রকরকের</u>

्रिंगियक सम्बुद्धियां वि औपश्चिमार्थ ठळावसी हाकुन-विद्विष्ठ न १९१४ । अभिग्रहिकविद्याप्त टीकृत्वत्र अञ्चलाय-यह । डि"ो।• चाना बाजा।

ভীমনাহাতে হুর শিক্ষা ও জীন বব্নাথ লাম বেলা**সামী**র প্রতি নীলপ গোস্থামীয় উন্দেশপানী, ভালেবের অমুকুল 'ও প্রতিকূল বিগয়ে ফারিচারিত সন্মোদন আনু, বিস্তৃত विवृত्ति, एशिकाभुद्दात शामान, मासम नामान । अ महाजन-প্রাাদ্রেক শ্রের্কের স্থাত স্থিতিৰ শিক্ত তয় সংস্থার <sup>বি</sup>ল্লানা কি আনা ৷

#### 178727-7461

জীবস্নাপ দাস গোহামাৰ মনংশিক্ষা, শ্ৰীল সাকুর ভতিবিনোদ-চরিত প্রান্তবদের। ভিন্ন 🗸 আনা।

## ক্লেমভজিচহিদ্ধ।

শ্রীল সৈত্র নরেছেলের স্তত্ত ও প্রেমভানিবেশক 네었다는 첫살과 ভিশা • লগোমার

### बन्दी । बाहक

প্রীল সাক্ষা ভিভিন্ন 27711120 সরস্বাধ্যাদের সংস্কৃত নবর্গবাল ১.৫০ भवाक्ष्यान । ভিকা /• আনা মাত্র।

#### द्यार्थ भक्षक

खिन दर्शकांशिया ब्रिस्टिश देवकः 图状形式 解作效

### সদাচারস্থাতি

श्चीन मध्वातांगा अधिक। देवान्यता निरुप्तस्यानि ८ थशी, बक्राक्षताम श्रविद्या जिका ८० आसा भाषा

## মণিয়ঞ্জী

कतिकृत्यदकनदी ज्ञीयन त्राधनाताम त्रिष्ठ ्रा अगुण्यतः सम्बद्धाः हारयात सर्वकृष्ट की बनले हैं। ए भूग द्वकृष्ययाम् । शृक्षु त्र है छिक्ता । जाना मात्र ।

## (भोतक्र स्थापन

व्याठीन कवि द्वीरणानिक स्वतं लागाङ द्वीरणीवायस्यात्रः শ্ৰমাণাৰণী-সংবলিত সংস্কৃত গ্ৰন্থ। ভিকা ५० আনা।

## बुङ्गिश्चका अध्यक्षेत्रके

শ্রীমধ্বসম্প্রদার ক্রান্ত ক্রিন্ত বিভাগের সাম্ভবার এই এডেব প্রেকাপ পার্মাণিক সাহিত্য স্বপতে अब्देश स्थालक । व्याप्त क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र । व्याप्त विक्रीय मश्वाक्ताया नारम था। इ. द्वीनानित, क शर्थ वासी एडे हारक গ্রারণ বৃক্তি ও বৌকিক ভারাম্পনারে কিরাপ স্থানরভাবে किविद्याति-भारताल मध्य भावन कविशाहक, छाठा भाठे कतिएक कतिएक आला गाविक बबेटक इस । हैकाटक सृक्तित्र बाबा ठांकाक्, देश्म, त्वाक, मीमात्मक । भावावाधिककः সমূতের জ্পর পণ্ডল রহিরাতে। ভিকা ২ টাকা মাজ।

#### (भाषाभी औन तप्नाथ मात्र

(ও বিষ্ণুণান শ্রীল ভঙ্গিনিদার সরস্থারী লোখামী প্রাচুপাদ-লিভিভ ভূমিকা সহ ) গৌরপ্রেষ্ঠ স্বরূপ-রূপের একনাত্র প্রিস্তম শ্রীপ দাস গোস্বামী প্রভুৱ অপূর্ব চরিতানত ও শিক্ষা অতীব প্রাঞ্জন ও সরল ভাষার স্ক্রিবিট্ট এবং পরিশিরে দাসগোখামী প্রেদুর বির্চিত কঞ্চটী সাছৰাৰ মধুরতম তবে ও মনিঃশিকা-স্থাণিত। ভিকা विश्वाह ॥ भाना, भाषाबाहि। ४ भाना माळ।

## চিত্রে অবদ্বীপ

জ্ঞাচীন নবৰীপেয় অধনিতি, ভগা, ইতিজ, পৌত ও অতিহাসিক প্রমাণসথখিত নয়টা দাঁপের স্টিক্ত বিষয়ণ-গ্রন্থ। রাজনিরা ওপারের কৃষ্যর শ্রীণুক্ত শরদিক্ষু নারীয়ণ त्राय ध्यः १०, ध्योद्धः (माध्याप्त). त्यतास्वरूपः मद्दापकः क्षुकः সকলিত এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন বর্ণের স্বাপুরু চিত্র ও मानिक्रिज-भगांसरः, लाह्यानिश्रामश्राप्त नात्र नात्रम নগেন্দ নাথ বস্ত বিশ্বকোলেন্সাদক মহাশয়ের নিশ্বতি ভূমিকা गर । छेरवरे ( हर ) मत्रका वालाह भूना ।।।. हिः लिः ८७ ২ টাক লাজ।

## मामक-कर्श्वाला

खनःगम्मरत्, देनफन-बन्दमा, देवकन्त्रन्त्रतः, **भाषारम्ब गीक**, শ্রীনাস্থার, শ্রীম্বাহাপ্রান্ত স্থান্ত সাম, কাইপ্রাহয় नामको हत. श्रीनामहस्रोधन, ८ श्रमखनि, 'श्रीविनम्स्रीठ, নবলীপান ডিমা, ডিমাছাপ্র মহিলা, শ্রীনরোভ্য-প্রেরুর অইক আনিয়া বললে, সভ্যুপাকানীর আইক, প্রেমভক্তিচ ক্লিকা, **छिलानगरतः । भग ५००० । तत्त्राची, प्रशासन् । प्राप्त वामानन** शरताम, प्रमाधनाथा, त्री प्रकाशकार, त्री प्रकाशनामानु মহাজ বিভালন পড়ি যাবের ও বিশ্বনীম্নের মিডা**পাঠা,** रेनमध्यारश्य कर्णाण्ड एकश्रीभाकात साथ व्यक्तक अध्ये সায়াগালেন্দ্ৰ অংশ - তাল। ভিজ্ঞান লেও, বাংনাই ne আৰু ।

## ्यो कल-दुक्षोत्रस

क िक प्राप्त अवर्थ क्षा क्षा का का दुना क्षेत्र मुल्लाम क श्रिमान राजनराज्य भारते कार्रिक्टराप्त लाव व वाकुल्डात विश्व श्रीष्ठकारम श्रीकारिका । इकार ६ ८०११ होत्र देवश्रवमा**ण्यामार**णस् টাভেল্য ক্রাক্যর এপিত চইয়তে । ভিন্ন 🕪 মাজ।

#### গোডায় নংহিত্য

কলিব ভেষে গুণ্যিত আলবার্ট খলে গেইড়ীয় সম্পাদক জ্ঞীপার প্রকরাকর গড়বিভাবিলোর প্রভু প্রদান্ত বন্ধুভার বিষয় श्रमाकारत लकानिक। डेशएड गर्रावका मरभन्न वर्ष धवर েটিছাল সাধিতভার বিশ্ব প্রকারে ববিত ক্রয়াছে। ভিকা 10/0 mini 217.1

## শ্রীগোড়ন গুল পরিক্রমা-দর্শন

গ্রীব্রেড়পেরের যে যক্ষ স্থানে যপরিকর স্থীসমহাপ্রান্ত द्रवः अन्यूरा भवत्यो भवाक्षनगण लोगा कतिया निवास्क्रन. সেই সৰ আধুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও দেববিগ্রহাদির পরিচয় সহ যাভারাতের ভবি ও নিকোশ ইভাবি বিষয়গুলি সরিবেশিত আছে। ভিক্ষা। আনা।

#### THE HARMONIST

### OR SHREE SAJJANATOSHANI

জীল ঠাকুর ভাতি-িনোদ-প্রতিষ্টিত এবং **জীল ভাতি-**সিদাস্ত্রসম্পতী গোষামী প্র:লাদ সম্পাদিত পারমার্থিক भागिक भवा। ७ करन हेरताकी छाराय अहाविश्म वर्ष ভবলক্রাউন ৮ পেলী ৪ ফর্মা আকারে প্রতি বারে হরি-मारमञ्ज विकात-देनकप्रश्री शर्रशा ख्रिशक्ति इनेस्ट्राहन। কাগভ, মুন্ত্রণ-পারিপাটা ও চিত্রাদি অভীব হিলাক্বক। **८हे टाकात छेरलंडे व्यवस मात्र ट्याम मानिक भवाविएड** দেখিতে শাইবেন না। বাৰ্ষিক জিক্ষা ভাকষাপ্ৰলয়হ 🔍 ष्ठीका बाजा।

## প্রোপ্তছান-

এ(চতগুৰুত, পোঃ এমানাপুন নদীনা

## বৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভাক্তমতসমূহ

হৈত্ত্ত্য মঠ

#### ज्याकत रहेशास

श हीन मध्यीन, काक्यम श्रेषाम मामालुम, मनीमा

क्रियमार्थानानीह मन्द्राम न्ताम ०० वस विख्य-पुरम शिवायपाद्य व्यक्तिय श्रीहमून क्षाबद्देशकारम् अविदेशकारमा मह विश्वासमान ।

बहै काल मान्यक-फीर्य, पत्रविकानीते ना मायल कळलळती । कह प्रवासीटर्स क्रिक्त-व्यक्षात्रक, भारक इमाजिक न्यामा अभूक, अप्रतिकात अक्षर्यक भागा, गाउँक, अवसात, क्या श्राम्ब्रेशितवत्त्रेशिववत्त्रेशिवक्रिकार्थः स-ठक्रेश्यक्ष स्वत्राध्यः । ६ स्वत्राम्यः धनरः ऋषास् क्रिस्टन्न उन्हें शक्ष-निष्य स्थान-निर्देशक क शासक मान्यामाधिक-व्यक्तिश-ठकुः स के कारमध के नाक विकार के परिकास का रमिक इन्ट्रेफ्ट हमा। जो महिवाद माइक्शविक देविस्कृत महस्कृत প্রাভিক্তিক কর্ম্বার্থন প্রাক্তিরধনর জীবাস-প্রিক্রেমান্তর্ভান ও অর্থান্ড ভঞ্জারোট্রিন্ড রীপার মঞ্জার্মী। সভকারী--- প্রীণার বিনোগণিতারী ব্রন্ধতারী, গাও দ প্রীপার লোবগাস अव्यक्तको कार्यानाच त्रमानिक, व्यापाक नीत्रक अव्यक्तिने, श्रीमान नमस्मानाम अव्यक्तिने, 🐯 অধ্যমন এমচা ী, তীমধনপোশাল অমভানী, ভক্ত নংকল, তবিপদ, রেব নীমোহন ब्याद्वल महाद्वाराजन ।

खिमां क्षत्रायों क्षिप्रक्षां का प्रमीन कीर्य महादाक व्यात्म हत्यिम। दीर्यम कतिराम्हरू । अस्तादी अस्ति ।

। ৩। বে।পণীত ভীমন্দির at कान शिक्षमतानामध्यत कनम ना শ্রীধন্মতা প্রকৃত আ শিক্তাব-ভূমি মতাবোগ-नेका क्यारन द्यानची गन्ना व द्यानिका खिलांग । शिरुशेकमाबादम अतर शिरेन्यमा a Beinimema fem inal mai Etern-क्टबर दम्या नक्यांन । यक क---(गांक-माबास्य दश्यामी क्यें।।।। श्राक् मानमा-श्राच । अवकारी व्यक्तिकालमा अवकारी, **शिक्षानाविद्व व क्षिक्षक्षन, श्रीनावान अन्त**-छाती । अभागनवान व्यापकाती, (मनवन्द्रा Serende I.

## (८) श्रीनाम-कामन

श्चिममा । शक्ष की खेल-विनाम या शिक्षोदकीकात्र कामकती । क्रमान टीकीएमा व विकासिक के भक्तभरवात । भना नवास । बक्क र--- क्रियमा • कुछम अस्ताती ।

१ व ) कार्टक्क अध्यान

📲 शास जीयरेंबङ शकुर अवन धारर **御明 考察**되다 1

क्षक क--- श्री बरेब मानक माना विकासी, क्रियांक्रमधान नायां की ।

(६) काळीय अभागि ल है

व्यक्तिम भोजान्त, नामन नुकुत (मजीक्षा) | Cultum नून, देशमा , महाना । किलीक्ष्मणानाम क्षेत्रिक के वि प्रमान के के --- अवनाती के विद्यान विवासी।

(4) प्राथम स्पर क्र

वित्राक्षक, प्रस्ताना ( नवीतः ) अवारम केविक्रनाथ क्रिन क किविद्यायक क्रिक चेवारि कर कीरनामनगाम कर कैकिशमा-श्रामस्यक दशका वर्षभाव

क्षेत्राचित्री क्या वय, वय ।

## ( ৮ हैं। अभवाध दनो की व अंड

Last Tree 1

तक त-- हैं।बठवड़ अंकिन की हम. ज. नि. इस. अवकाती--- अ के अपन कार-माथी, अर्डेड्ड्डिंग स्व संकारी आसंहा

## ( D) औरभोत्र-श्रक्षायत सर्वे

है। भारता है। अभूम शास्त्र । विद्यास ) क्रिंग वाणिनात्यद का निक्ति त्यांगद्रमण्यत-.मता । अक्रक - भिरतियास अक्राती, अक् केशनान्त्र भाग र

ে১ • জ্ঞীরূপংগীভীয়-মঠ

41.194 MBIN ES, IM रक्षक -- बैटिस्साम अञ्चलको, ग्रहकारी --觀视有效。因為一行行

(5:) 劉(和) 新田區區 -

भाक्षित्र: ७, काश्रग्रं, नक्ष्मानः 🖺 सामान बार प्रकृत तुन्तानालय शास । रक्षक- के छ वंशने बहराती. अक भी नम्यान १

(১২) ভাগৰত আক্ৰম

🖺 भारत ५ (त्यान, क्रमन्त्रत, समीका । काशव रिकास अञ्चावलीय व्यवस्थलका । वक्त--- अक्रमानक अवहारी काक्रमाओ

५७ । 🗐 এकासन सर्हे

क्षे- भनि अधारी के अपनात्री वामानिकाती. ोमञ्जनाय भाषा, अक विधनाय

## ( ১৪ ) श्रीमास्त्रं ८गीकीम वर्ज

aoat नवाय श्व क्षाक्त, हा का । **भ्यापान क्रा**वाव-(क्राव्याप स्त्री सक्र-देशीयाचे संबंधा-भितिगरम् दनमा वसमान । "क्क च-- च किन्दुष्ट चाकाव अवहादी क्कच-- दीक्तवांवहच अववाती, विभाव क्ष्यक्षेत्रम् श्वतिकानिकाम वि- 4, श्रीकान- (३) ब्लारगोडीं र यह

२७ तः वालिकामा एक नहीं है। एता वालवालाय, कलिकाका । :डेलिक्स्मान 14. fe. 855e

श्रीयुवार्रा शक्क व्यक्तिक कृतिका भारत्यन्य श्राह्मात्वाद्याः प्रशास्त्र । মগরী কলিক। তার আছিভভিবিনোদ আসনে এইবঠ প্রাকৃতিত আবেন। এই স্বস্কৃত भक्या दादम 🖹 छुक्र-दश्रोत्राक्र-च्रीविदभाषा नश्य का है भन्न.दर्श्व लिन्हा दश्वित अम । दश्योत আচাৰ।বর্গের যাবভীর গ্রন্থাবলীর ওপ্সচাল্লোদেশে প্রীমতে সংলগ্ন ৫কটা প্রবৃত্ত মৃদ্ধা-যাল্লাম সংস্কার্থিক চত্ত্বাঞ্চল ৷ পুলিবীর স্থাক জীলোরনাম প্রচারাল এট ব্যালয় হটতে 'গোড়ীয়' সংস্থাতক পত্ৰ, দ্বি ক্ৰম্মনিষ্ট মাসিক পত্ৰিকা চংগ্ৰহী ভাষাৰ सिर्दाशक प्रकाम व कराजाक । श्रीभारत भारत । अहा स्था मा श्रीक । मा श्रीक । । । শ্ৰীমভাগণত, প্ৰতিচন্ত্ৰ-চতিভামতালি-লীলা ও প্ৰথতের সনাক আনুলাচনা ভটত प'रका महतक्रक--कानागान्तिक श्रीनाम कुषाविकाती विकाक्षमा अहकाबी---नाविक প্রীপাদ অন্তর্গতদের পর্ববিভান্তরণ বি-এ, ত্রীপাদ রাস্থিতারী ব্রহ্মচারী, স্থীপাদ अगठकायन मामानिकारी विन्य. श्रीनाम कद्यातानान मामानिकारी, त्रक्रहासी গ্রীকী ক্রমানন্দ, প্রস্কারী গ্রীপারীযোগন, রস্কার্ট গ্রীম্বানন্দ, গান্তর সংপাধ নবীনক্ষ প্রতিষ্ঠানভার সম্প্রাভবৈ ভণ্চার।, উচ্চেত্রপ্রানন্সাবিভারী বি- ০, শ্রীক্রবভারত্ত্ব पकारी वि-अल, श्रीवस्था शाहरकाविम्, व्यक्तिश्रेष्ठत श्रक्त : विक्रवहरताविम

(श्रीत अभावती, जीव ११०) शक अभावती, Bufobulta wa:

## (१८) औरमाश्रामकी मह

কম্বাপুর, চাক।। গোপাশ্দীর জীনিজনের প্রচীন সেবা तक्षक--- अभागतामान अञ्चलाही :

🗤 ১৬ ) श्रीभणाष्टे-८भाष"न गर्छ

इडिकांक श्रमादिनी मना, नानिए हि जाका म्बार्थिक देन देशोदा हे अपन रकके — हीशुर थक अध्य5 ती<sub>र</sub> होस करात রক্ষ্যারী

## (১१ श्रेष्ठागरकक्रमानम् प्रदे

ाक्स्मित्र, बाठसम्बद्धतः इस्मिनीलुद्धाः धारात के सक-(शाताक-शाक्षांक्रका-शिविभागीय निकारमना नह्यान । त्रक्षत्र --डकाःमी श्री-गरामधामधी।

(३৮ जावनारयाका वाशवाक्रम वाक्ष्याम दलार नक्ष्याम ।

खी धक्रशोताम-खीता-किता जिला जिलादीत 1981[711 1 480-38417] @ old- 1 TACMTO !

### (১৯) শ্রীপুরুবোত্তম মঠ

पर्वकार, पुर्वी, के दिशा। अवास खिलार-विस्ताप्त्रभावकीय विक्रा-मिया बेवियाल । व्यक्तक -- अफ्डाबी ह्यानस्या-समा विवारम्यः अन्नहारी खेल्हीशासमः क्षेत्रपाष्ट्रका अक्षाची क्षेत्रचाममा उक्ताती, क्ष्म श्रीनवार ।

(२ •) क्रीअष-८गोषीय मर्छ

व्यागवतमायः, त्रवानिष्यः (वाः, वृत्ती । ण्याम्बद्धद्यद्वत्यः व्यवस्थाः ज्ञान्तः च्या -日本第一選問51前 -विमन्द्रमध्योः काम्यकोः। अष्टाकी वीदिलियविद्याती ।

#### १. ३: अज्ञाक्क भवा भव B'Gafalato, Gea :

अराटन क्षेत्रक-,शादाक-विद्वाहरूक्ष-क्षीत लिकारमचा नक्याम । वक्कक-वक्षाताडी मीनुबार । क्षीतामन्य वक्षाताबी

(३२) धित्रवाष्ट्रव-८शोधात सर्वे उन्हें भगका निम्मूता, काली है

(11 -- 14)\$1) & A-1 & H- (4 #188) 691(A (9115(A4) )44 A ( 744 --डीवानकोनावको जोपकानन उकरात्री ।

20: Bartesan #2 क्षीनुभरव्याम एकः क्षाराम वृद्धावसः। 화효dini-의m-Criseumle Chait

ধ্বশাক --- শ্রিগণগতিনাথ প্রস্কারী

#### (२८) 🕮 भरतमञ्जूष मठ

ेलियां करा मध्यात्र এখানে ইভারণত সামুশালা 🗨 व्यक्षितात विद्याम विकास को व दलका व क्षाप्रक । रक्ष कः — ब्रथाना हो होनु मरकानक व अध्यक्ता**को** क्षीशंभावतः,ज्ञाः,

(२०) औरेज्डबारगोडीय भन्न

पुरावस का (क्षित क . मानक्षम / बेहा सीरेप्रजनसहस्र माना। नक्क-सीन्नमान वान कार्य, हिंदकनशासन सम्बद्धाती, श्रीकार कील अप भारत ।

ा का खाला मान्या है।

POTONO, MICHARO, POTON : MATER औरणवानदसं मन्त्रारमक दमका कवामाना "भ र--- डच्छ दी देश्यवनाकी, जीतमी-रमामान बरनाती

(২৭, রাজনপাড়া প্রপদ্মান্ত্রম-ল अभिनेत्राकाः, र्याः माक्, स्वयः

वाशास्त्र वक कुक्रमार्थे लोहलाबादकत द्वाक वस्त्रमात्। रक्षक--- अवदानी खोडाएकक-काम, जी भारताम अध्यानी।

(२৮) भिन्न ८भाजीय मठ---कश्वराज्ये . बन्द र्वाधिक कार्षिक कार्य कांग्र स्थान, निके किसी ह वक +-- वक्षानी विशेषकृष, व्यक्तिग्राम्य শ্ৰীৰাগ্যেমন্ত্ৰ**ণশ্**ষণ

(२) दंशात्रामनाकात्रानाकेत्रकः नक्य-अकात्री खीडाशरमास्त

## শারে।লিভে মহাতা গাঞ্জীর বাণী

মহাত্মা গান্ধী, খান আবহুল গদুর খান ও জীয়ত বল্লভভাই গাটেটলের স্থিত बरतामा तारपात मारतानी ट्रेमरन ५०हे कृत लाए काला कराक घन्टी कारवंत प्रज नामिण कल्रशी वाले कान विकासायक দিশ্র তাপন করেম। জীমতী মিগুবেন ८५७ डेक नवम जिल्लां अविशे कितियाग्छन ।

মহায়া পানী তথার এক বিরাট चमगञ्जाद्य नञ्जन्त अपान कार्य वर्यान हाः, শ্রীমতী মিথুবেন প্রেটি েবছাইয়ের তক্টি স্থাপিত্ব পাশী পরিবাবের মহিলা। যিনি প্রভার বাবকারক খাহার বিদেশ্য সকের বেশ পার্যান্তন করিতেন। তিনি বে দ্রিভ क्षमभानातरपत्र भरात काक ७ एका मिन्दक শিক্ষিত করিব র নিমিক এবং ভারেদের भञ्जान-मञ्जूष्टि भिकारक राजा है। तह दस्स ও অহাত শিল্প শিল্প চিৰাল শিক্তি নয়ালনে ও ্যাটা খদরে ভূদিত হট্যা এবং রৌপ্রাণের প্রতি জ্লেপ মতে না ক্লিয়া দিবলৈতে হামে তামে ঘুৰিয়া, ८व्हाइ १९८६म. ७ कशा वन व यस भून्त তাহাতে দলিলে তিনি বিশ্বাস করতেন 3184 Edi নিবারণ অঞ্চলদান স্থান্তে পাণ্ট স্প্র मारक्त कारवान अभावता की, 1 - देवन C

বা এই উল্লেখ্য আন্দেশ্যনা অন্ত सह । इंडरन 'स' 2643 ে ৭% জাৰত হিছিল। সহচা CHICK र्म अभाषारनव अञ्चल Alte. - (व ७(१) व्यवस्थात Si(4) मार देख्या के इ.६ धवर वंधनरान्य कास কাৰৈ ভোগে মণ বিজা চ'ললে ৷ ভাইন দিগকে যদি কোনপ্রকার শল্প শিক্ষা .Carsul मा २०. एटच टाराजा महा-भाम প্রাণ করিবে লা। স্তাক:তা, বল্লবয়ন, .ध्रः त्र बातभाग ७ खुन्। (टना **६७)** हि व्यक्तित विद्यार्थि आम सकता व्यवस्त করা যায়, ভাব ভাই রা আনকভার ধনী **६६८१।** डाडाम्स्य निट्यटमञ्ज सङ्ग्रहार भार्ति (ज अन्द 'छार्टा'न गरक (भार माहला'न द भाषात होते के प्रटाड देशरेंगी। यह अक्रोंन **塩をおせ きゅう ロセケラ き草(で(と))** ভারতের নাতলক আমেও এরপ পদ্ধতি -**অস্থ্যত ৬৬**১১ ও ৮৮৮ ইংকি স্বাহেণ্ড্র मान्य ।

শ্রীপুত বল্লভাভাই পার্টের স্কর্পকে <sub>इ</sub>क्तिम टो भिभू,तम ८०क्टिएँड कारणस्य ग्रहसारका <sup>1</sup> - কারতে প্রিক্ষণ অনুরোধ ভানান।

क अञ्चलकिश्टक माण्डिशूर्व शिटकारिश ময়মনসিংহ দিলা কংগ্রেস ক্ষিটার (यक्कारम्बरकता शेका अस्पन (वाकारम শান্তিপূর্ব পিকেটিং জারম্ভ করিয়াছেন। পুলিল একজন কেনামেবককে প্রেপ্তার कतिहा थानाम महेमा यात्र। थानात অফিয়ার কোনরপ অলান্তিকর ঘটনা ঘটে নাই শুনিয়া তৎকাৰং উক্ত খ্রেচ্চাগেবককে ভাজিয়া দিয়াছেন।

### শুল্পে শুঃসাত্রের পরিচয়

श्रेष्ठां बना। एक इति विवासिक कार्यात ১১৩৪০ ফুট উর্দ্ধে লামফাটি নামক পর্বত শিখর হইতে ঋতান্ত ছঃমালদের পরিচ্য দিয়া বিমানগোড় যোগে অবভরণ করিনা-(छन। किनि लड़े छिद्रामाम २१० व्यं বিমানলোভ যোগে গুরিছে প্রিতে নিয় উপতাকায় নামেন তাং ভবা ইটতে একটী প্রামের নিক্ট অবভরণ করেন 🗀 🚓 বিপক্ষনক কার্যো পাতার ১ ঘটা ৮০ মিনিট সময় সাগি, লাভিল

#### खरक क्योर्व तरकाइ

বিচাল্পীন ধনীলগ বিশ্লেটা হুহয়াড়ে ভাষারা পানা ভাকেষ্ণ করিয়া ক্রেক্টি ተሟ**ች 8 এ**ችለም እይ መስካው **ረ**ፅ(ይ) শইয়া নায় ভাষাব এর সমূরে কেন্ আসিয়েই ভাষাৰ পতি ওলী কলিতে 明代理 1 - 医预测型型的 1 电一折时 计对键数据 টেলেও ভা≱বেচ হলা করিছিল। दक्द आकृष्ठ क्ष्राराष्ट्र कि ना जाना श्राय

প্রকাশ বিচার ীন বিজ্ঞোনী ভর্মা 12、水蜡、水油用12件 পর(জুত করিব) ১.টি বলুক কাড্যা লইয়া পারেটের 'দকে ভারনের ২০১৬ चादक महाराष्ट्रांत नाइनीत एक्टा प्रय **्रोटा** हा वार्ट्साइन कार्यानगरक ब्राटक रहेन ६३८७ स्थारन। इत्र छात्राम नुष्ठिताक या शुरुभाव किछ वह गाउँ।

मक्त परनव कन दिछातानीन बनी প্রায়েন করিলাছে। ভারেবের মনে) : (डोफ क्रम श्रुवा छ व्यक्तम श्रीरवाक शहाता नाच (क्ल । क्र.क २€कि वस्क ७ ७ • १ कि दर्जा की का का किस (के )

#### বিজোহীদের আয় ামপণ

CMICAS ५.क श्रेसाल खेकान. '\*\*नम्राभागनाटभात्र शहरू ८वर दक्ष मध्य ३२ कम विद्धारी थात्रा मर्गन कतिषाद्ध । **्वः अव**िते निर्देशानीयात्र छ। ६: रम्ब মুত্ৰান্ত অন্ত্ৰণয়ৰ করিবে বলিয়া আশা করা

एरिस्सिय प्रकास के स्मामा हुई 🖔 श्वारम ७.काटि कतियाटकः छाहारमञ् (मटा आभाग नामा क्षेत्र सहात ब्हेशाय्ह মৌবিন ও থাবার ড কইডেও ডাক তির মৌবিন ও ইনসিন কৈলা 🗱 🐯 ১৬টা

অল বৰ্মী গুত হইয়াছে। কোন সম্পত্তি গুটিত ১৭ নাই। **নেচ বিভাগের একলন** ভারতীয় ওভার দিয়ার হেনজাদার এক ডাকাতি সম্পর্কে শুরুতররূপে আহত হট্যাছেন। তাঁহাকে চিকিৎসার্প হাস-পাতালে প্রেরণ করা ছইয়াছে। খানী হাক পাণ্ট, সাঁট ও টুপী পরিহিত ২ ভ 🤫 क्यी रुक्त महेश दर्गिटन आक चाही ডাকাভি করিয়াছে এবং প্রায় পাঁচ होको सुर्भ कतिहा बहेदा भिद्यादछ । छ। ११ जिनमानदक वन्ती कतिया गहेवा शिवाधिक, কিন্ত পরে ছাড়ির দিয়াছে।

## লিবারেল শ্রমিক বৈঠক

শক ১০ই জুন ১০ নং ডাউনিং ট্রাটে প্রানান গ্রী ভবনে শ্রিকম্মী এবং লিবা-গ্রন্থ ১১ট জুন নিশাবেলাবন স্থানের বিকাশকুনের এক বৈস্ক হটরা নিয়াতে। श्रीय-कत विषयक विश कहेता (य मुक्का উপ স্থ হত্যাহে যাহার ফলে এমিক গ্ৰন্থমেটেম পালন সম্বন্ধে লক্ষা দেখা ्रियाटए---ख(६) निर्नत्त कत्रात्र केंग्रस्टक 1 奉献的 第20

> উভয় গলেশ মতে সামক্ষত আনিবার উদ্দেশ্তে বউমান সপ্তাহের দেশ পর্যান্ত এই अ'लाहनां हिलादनः

## लक्षरम्दम् अमास्टि ভ্রমে গুটভরাত

প্রকাশ হে, প্রোম জেলায় 番ぎ বিদেধী এবং ২ ছন গুপ্তচর দরা গড়ি ¥!7.2 1

(अञ्च नहें क्तिएंट वार्थ (58) क्तिशादिन। हम्। नियं । महताम भा उदा यादा माहे उत्तर देश भव भवा किया (स्थान्स ८०५, काहान काला माथ लाइ। आग्राह्माता आग्राह्म Consist रन इंगिंग क्टेंट केल्ड छाँग अक्टांस्थ भागान भाक्या विवादका भागा अम्हिन्द अस्थादका जक्ति शृह नृद्ध कतिहार्छ द्यः घटेनक वाभवासीतः धार्क ক্রিয়াছে: শিয়াপনে ক্সীগণ চাট্মী: वारी अक्रमानव ५८५व भाषात्र सावास रिक्षा कि त दबर मायुक्त मिम्राटक काराणीय-CVN च८५% श्रामा छ श्रामाण मध ক্রিঃছে এবং 🐠 🛎 ভাষতীয় ক্রভিসেপি क विरंत्र विक्षा काहाल स्ट्रेशरिक्ष ।

पाता क्षांकि, दश्यामा विद्याप्रति व मरबाम भा क्या १ थाएक । भागभू कहा छएक । छहक छित्र भाषाम । भाषा । भित्राहरू ।

দশকন বৰ্মী ককৃত এক ভাৰতবালী ভাকাতেয়া লা বিয়া এবং কোন কোন चाका उहिरा किन । ध्वकन कत्र वानी च्रान रेल्क निता धाना कि कतिरेक বন্দকের গুলীতে আহত হইরাছেন। ছই আসিরাভিদ্। সুঞ্জি সম্পত্তির প্রাঞ্জি-माभिक मृता ७००० । छाकान कम इंडेटन ना। भाष्ठशांकि दश्यात अक्सन देननिय क्षिणांत्र २क्स 13 दश्सकाणांत्र 3क्सन कहे ৪খন ভাকাতের হতে আহত বট্টাতে 4 णिटग्रेमिश्र **ट्या**यात कामा महत्त्व छक्त विद्यार्थी (अथात इत्यार्थ) (इस-कामात्र उक्ती भूग महे इश्वाब सःगाह शिक्षा ।

## "गर्फाम च्याद जिर्" পৃত্তিকার জল খানাভ্রাস

टाकान, जिर्द्रगी शमाध कर्जुक मृत्तिक Co. रम, माह्यान कर्लुक निभिन्न 'शक्तात ভূপংশিং" নামক পুতিকাখানিয় বৌচে ग्लिम स्वाकानारम ठाव ट्याटन अक्छा 智慧 奉司 (4)本代码、《 计图图、对照例的制 वाई। बानाएकाम करता। निमुक्त मान्नारमम वाड़ी ३१८७ करतक मःचा मनीत कीवन, त श्वरवत्र (**ए:कान क्**डेंट्क १५६८त कराक भरका भूशिन 51×100 1

## मानाताभूदत मूजनगानद्वन युक्त विश्वाहन राज्या मन्ध्रम

বাজলার আয়ে ৮ লাখ মুসলমানের দৰ্মাঞ্জাল মৌধ্যানা পাৰ বাদশা মিঞা ও ফরিবপুরের নেতা লাশ্মিকা মুক্ত নির্বাচন ব্যবস্থার শৃষ্ঠ্বল প্রচায় ক্রিটা বিভিন্ন काम शतिज्ञमन कलिएडएक्स । लेकाक्समान-वै-वैत्राधियात व्यटक्षाती (भौणवी आवृत् **ক্রির সভাপাত্তি** गःभार्धाः ५ ८ तथ भूतक्षानात्मच अक मुख्य भागात्त्राचन চেনকানা হইতে সংবাদ আসিংগছে যে, হিছম বিহাছে। সভায় বিপ্তৃত তেওঁটো-গত ১০ই জ্বন রাজে ২০ দান লোক একটি 🏻 িক্যে যুক্ত নিক্রেন ব্যবস্থা - স্মুখিছ

#### **७**१२८७ अम. अम. क्राय

व्यक्ति, ति, वाहे, डि. मुलिस एम. दम, बारबंद अस दक्षांत्र अपूरम्यान क्षिएटरङ उक्षभ क्षामान त्म इहेमाम भूटल छ।इन्हा (न-१भगविष्ठ कक्षि दक्षेत्र,शासान दशहरूर क्टेंनक क्षारमाक्टक स्मित्रिक भागा। एहे भारभन जायम कारण निर्मीच ना किर्क के ८६१८६म (धत्र: ९ क त्रेग्रा छेक छञ्चश्राकृष्ट मखिविति वरमकी शत्र प्रवाद्या अवस्थिति शासामा ଓ फिलि तात विश्वा छ। शहर धक्यांनि कड़िडाकिड ल्यांन स्व। भक्ष काना बाद त्य, खिनि भूनी श्रष्टक करेनक कामुक्ताम स्ट्रांक दाक्षक निर्म

व्याप्तिक वाक व्याप्तिक व्याप्ति व्याप्तिक व्याप्ति व्यापति व्याप्ति व्यापति व्याप्ति व्यापति व्या



मानासाद दान्न
काश्रम मन्न
वासिक क्
साम्मानिक दंभ
वामानिक क्
मानिक क्
मानिक क्
सामानिक द्

ভারতের সম্প্রতি অল্ল-প্রচার-শ্রীয়া জেলার একমাত্র মুখলত

শশ্ব ] সম্পাদ্ক—শ্রীঅতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচস্পতি

৮৯তম দংখ্যা

আচৈতব্যমট টাৰাম মাহাপুষ- ২রা আহাড় বুধবার ১০০৮, ১৭ই জুন ১৯০১

## নানা কথা ব্যাহ্য ও অস্প্রহা

শ্বরাজ গ্রন্থেটের অধীনে বিভিন্ন
ভাতি, সন্তাহার ও ধর্মের অবকা কি
হইবে তৎসম্পর্কে মহাত্মা গান্ধী 'ইরং
ইতিরা' পত্রিকায় লিখিতেছেন বে,
শ্বরাজের রাইব্যবস্থার কোন ধর্মের উপরই
হতকেপ কুরা হইবে না এবং শ্বরাজ
ভাইনে অস্টিতা গীকার করা হইবে না।
কিছ কোন ব্যাস্থা হ'তে নিজের কুপানি
ব্যবহার করিতে পাবলে। আচার বা
ধর্মের নামে কাহাবে ও কোন প্রানান্ত
মেওরা হউবে না।

## ভাকাতৈ পুলিলে গড়াই ডিমজন ভাকাত এেপ্রার

শ্বিকালীর রাজ্যে গানবন নামক স্থানে
প্রিশ একংশ ভাকাতকে পাঁওঘণ্টাকাল
থেরীতে ক'রিয়া রাখার পর তিনজন
নামলালা ভাকাতকে এগ্রের করিয়াতে।
অবলোবের সময় উভর্গণক চইতেই ওলী
ব্যিত হইরাছিল, কিন্তু কেহ হতাতত
হল নাই, প্রনিশ সংবাদ পার বে. কতিপর
ভাকাতির সহিত কড়িত মহা নিহ, নিহার
লিং এবং স্থা সিং বাদক্রের করত সিংএর
বাদকে ক্তারিত আছে। হরনাম নিং
নামক এক হেন্তু ক্ষেইবল, ৪ জন কমেইবল ও স্থানীয় লোকসহ ভাহারিগালে
ভ্রেমান্ত করে।
ভাকাতির ভাকিব ভ্রিমান্ত

## ম্বরাজ ও অস্পৃ শ্যত

ডাকাতে পুলিশে ভীষণ কড়াই.

তিনজন ডাকাত গ্রেপ্তার

# অভিন্যান্সের কবলে

একাশ্ভাবে বিদ্যোহীদের ছিন্নমুগু

# সন্যাসী বেশধারীর কীর্ত্তি

গ্রন্ধীজিকে রোপ্য যসনদ উপহার

## রাজবন্দীদের খাদ্য গ্রহণ

**ब्रिका** क्रीट इंडेक्स महिला मारि

৫০ জনের সন্দিগর্মী

বলে, কিন্তু ভাহার। ভাহাতে কর্ণাত করে নাই।

সিহ ধানখনের সমুক্ত নিংএর

ত আছে। হরনীম সিং

সক্ষর চলিতে থাকে।

কর্মান সিং

সক্ষর চলিতে থাকে।

কর্মান স্থান করে।

ক্রেয়া প্রাণ্ড উড়াইনা ব্রের পার

ক্রেয়া প্রাণ্ড উড়াইনা ব্রের পার

ক্রেয়া প্রাণ্ড উড়াইনা ব্রের পার

ক্রিয়া হার্ট করে।

ক্রিয়া হার্ট করে।

ক্রিয়া হার্টী রাইব্রেলা একটা দোনলা

সিংক আন্ধানপুর ক্রিতে নিকট ছুইটা রাইব্রেলা একটা দোনলা

বশুক এবং কিছু কার্জ্ব লাওয়া নিরাছে। তাহাদিগকে প্লিশের হেফাছতে রাধা হইরাছে।

## প্ৰতিষ্ণী গ্ৰগ্মেণ্ট প্ৰতিষ্ঠা

প্রকাশ গত ১২ই জুন বোৰাইর উপকঠে এক সভাদ বজ্জা প্রসাদ ভাকার শইভি সীভারারারা বলেন বে, যুবকেরা একটি প্রভিষ্ণী গ্রণ্মেন্ট প্রভিষ্ঠা

করিতে চাহে, কিন্তু পান্ধীলী ইছিমণ্টেই প্রতিষ্ণী গ্রণ্মেন্ট প্রতিষ্ঠা
করিয়াছেন। গ্রেই গ্রণ্মেন্টের নাম
কংগ্রেদ রিপাব্লিক। এই রিপারিকের
সভাপতিকে বড়গাটের সহিত সমান
ভাবে কথা সন্ধার অধিকার ও বৃদ্ধা
বোষণার পূর্বে বছলাটকে চরম পদ্ধা
দিবার অধিকার দেওরা হইরাছে। এই
উদ্দেশ্ত স্কল করিতে হইলে আমাদিগকে
গ্রণ্মেন্টের কঠিন প্রাচীরগুলি, অর্থাৎ
দিভিল সার্ভিদ, কাউদিল, আলাভত
লোকাল ব্যর্ভ, কুল এবং ধেতাবধারী
দশকে বর্জন করিতে হইবে।

## অভিন্যালের কবলে

রাজসাহী জজের পেঝারের বাড়ীতে ভাকাতে সম্পর্কে হরিপ্র বাক্চি, ব্যোম-কেশ রায় ও আভানাথ কর্মকারকে অনেক দিন পুকে গ্রেপ্তার করা হইরাছিল। প্রকাশ ১২ই স্কুন ভাহাদের জামীন মঞ্র করা হয় কিয় কারাবারে ভাহাদিগকে সংকৌ আইন জন্মারে প্নরায় গ্রেপ্তার করা হইরাছে।

হরিপদ থাক্চিকে রাজ্যাহী মেল ভাকাতির মামলা সম্পকে গ্রেপ্তার করিয়া দীর্ঘকাল জেলে আটক রাধিবার প্র ছাড়িয়া দেওয়া হয়। শোমকেশ রাষকে রাজ্যাহীতে প্রক্ষেরর বৈতন বুট সম্পকে ঝেপ্তার করিয়া জেলে আটক রাধিবার পর উক্ত ঘটনা সম্পক্তে প্রমাণ জ্ঞাবে ছাড়িয়া দেওয়া হয়। জাভনাল কল্পকার বিগত জাইন জ্মান্ত জাম্জোলনের সময় কারাদতে ছণ্ডিত হইরাছিল।

## শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## (थाना इरेक्काटहा

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অতি যত্নের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যয়ে সুন্দর বাসহাদের বন্দোবস্ত হট্যাছে। ছান অতীব স্বাহ্যকর।

> সবিস্তার সংগাদের জন্ম নিম্নলিখিড ঠিকানা পত্র লিখুন। সেক্রেডারী, ভাকুর ভাজিবিনোদ ইন্ষ্টিডিউট্ জ্বীচেড্যুমঠ, পোঃ শ্রীমারাপুর, নদীয়া।

## —৫১ বৎসরের প্রতিষ্ঠিত—

উম্পালয়ে প্রস্তুত বটীকা

থাবা গুক্রতারণা, অপুণোষ, কোঠকাঠিত, অব্বীণ, ধ্বক্ষতক প্রভৃতি ক্ত বোলীর রোগ নিরামর হইয়াছে ভাণা প্রকাশ করিলে বড় বড় পুস্তক হইবা পড়ে।

## ইহা

সকল ঋজুতে ব্যবহ্⁄িচলে ও স্মান ক্ষ প্রদান করিয়া থাকে। বিভি কৌটায় ০২টী খটীকা থাকে।

#### কেবলমাত্র

প্রতি কৌটার মূল। ১০ এক টাকা। ইংগ্র ন্যুম ক্রাক্র নিপ্রত

অঞ্চন্ত ওঁবণের তালিকার অন্ত পত্র নিথিলেই পাইবেন আধিখন :—আভক্ষনিগ্রাহ উশপ্রালয় ২১৪ নং বছবালার টেট, ফ্লিকাড: ।

কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



সকঃখলের শ্বিধার হন্ত ৬ আঃ শিশিতে ঘণীভূত অবস্থার হেটোনোভলের শিমপরি উবধ ভাকে পঠেনে হয়, ইচাতে ঔষধের কোন পতির্থনে করা হয় নাই। মৃদ্য আছি শিশি ৪০ খানা, প্রিট ৪০০ খানা, বোতক ১০০ আনঃ।

অফিস–১১ৰং উন্টাডান্সা রোড, পোঃ শ্যামবান্সার, কলিকাতা

# अपने गणती

क्रिकेट्स कर्ष के सम्मिक्त स्थापित हैं। क्रिकेट्स क्रिकेट्स स्वर्थकार, वाचारपात, पुत्र वर्ष-क्रिकेट्स क्रिकेट स्थाप वर्षा विर्माण क्रिकेट्स क्रिकेट स्थाप के प्रति क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट स्थाप क्रिकेट क्रिकेट स्थाप के प्रति क्रिकेट क्रिकेट

न्तवप्रशिक्ष त्याद्व वाष्ट्रवाद्वाचे वाद्वा वाद्वाचाः कृतवप्रशिक्ष त्याद्व वाष्ट्रवाद्वाचे वाद्वा वाद्वाचाः कृतव्य वाष्ट्रवाद्वा जिल्लाः व्यक्तिकाः वोत्रीयाद्व व्यव्य त्याद्वाचित्रकाः व्यक्तिकाः व्यक्ताव्य व्यव्याद्वाच्याच्याद्वाचे व्यक्तिकाः व्यव्याद्व व्यव्याद्वाच्याच्याद्वाचे व्यक्तिकाः

## হাইড়োগিল

বা

## কোষর্দ্ধি রোগ

ভা: এস্, এন্, খোষ বিনা প্রে, বানজীবনের গ্যারাটি দিরা ইন্ছাভিক অপাণাতে কোমবৃদ্ধি রোগ আরোরা করিয়া থাকের।

## यका य २० २२(४०

## দৈৰপ্ৰাপ্ত যক্ষার একমাত্ত মহৌষ্ধ

প্ৰস্তু দিলে সম্পূৰ্ণ আৱোগ্য

त्वात्री द्राविद्यक वर्षेट्य क्षेत्र काश्चिम शाह्ममा भग्न (याक्या कार्य कार्याय)
नाठिष्टिंग रेग्या द्रावी द्रावा क्ष्म कार्या कार्याय कार्याय

শ্রীকিতীশচন্ত উকীন, যন্ত্রা-চিকিৎসক, পো: নৈকাঠী, বিলায়। ক্ষেত্রণ নিম ঠিকানায় সাক্ষাৎ ক্ষিয়া বিজ্ঞান্তিক জানিতে পাছেন। শ্রীযুক্ত রামগোপাল দক্ত এম্, এ, ক্লক্ষলয়, নদীয়া। শ্রীযুক্ত করিল্লু সিংহ, ১১৭, বেশিয়াটোলা খ্রীটু, হাটবোলা, ক্ষাক্তা।

প্রকশানি পত্র । আংমার প্রাতুপুর গর ছয় মাগ বাবৎ রাজ বন্ধার ভূগিরা মৃতপ্রার দুইলাভিল, ফলিকাডার বিজ্ঞ চিলিৎসক্পণ ভূগেরা ভীবনের আশা ভাগে করিয়া শেষ মৃত্রপ্রের জন্ত অংশভা করিছেভিলেন এই সময় প্রীবৃত কিউলিচন্ত্র উকিল মধান্দর মাত্র ১০ দিন চিকিৎসা করিয়া সম্পূর্ণ আবোগা করিয়া বিধাকেন। (সাহ) প্রীয় কিলোন হার চৌধুনী (জামদার থালিয়া) হগ্নীট্, নিউ বিভিং। ভ্রাণারেশন লাইটিং ডিপার্টখেন্ট, কলিকাছোন

## শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

भोजा<del>य</del> 88a

সাজ ১/১০ ডাকটিকেট পাঠাইলেই বুক্লোটে পাঠান হয়।

ম্যানেজার-এছবিভাগু এটে এখন, পো: ব্রিয়াপুর, নামি।

(李可 图]西等时间

# গৌড়ীয় প্রি

ওয়ার্কসের

## এত এশংশা করেন

-কারল-

क्ष्यात्म यायकीय कालात्र कारी---

११ छात्र १८ छार, स्थान, कान्य, कान्य, कान्यका हो १६ का स्थान कार्यक कार

भाव ८ १६ ७ ८ १६६०व काक्टीम अक्ट नमून, मुक्त कार्याहे अधि है। क्य, भाव कार्याचे व्यक्त नामाक भारतका समका

चाननात्र विद्व हानाव कार्या वाकिटन निवसिकालक मान्।वेटनवे वक्क शक्तिहरूकः।

湖北海南19—-(

## बीम धाकू भारतत वक्ष्मावनी

क्षामं क्ष विकीत क्

उ रक्षार के जिल्लाक मिद्राक महत्वों द्वाकारी महाहादक द्वारे अधिक रिकारित वो को नेक्षण करनाद्वाहिनी क्रकेन्द्व मन्यादिनी को स्वया है अधिक देवकर्ग निष्ठाक रक्षणां कर को कार्य का करना क्षण मिद्राका का क्षिक क्षण क्षण करना मान

## শ্বনান্তানারিক ইতিব্যক্তর সহিত্ वर्गाक्षण विद्यक्ष प्रमान्त्रक ধারাবাহিক গবেষণ্

(e)

मात्रधारी देवकंवमद्शालमगरनत मद्या বৰ্জা কোন প্ৰকাৰ সাম্প্ৰদাৰিকতা নাই। काबव किपिट्रांत माना ची, तका, क्रांत, गनक -এই চারি তাকার সাম্প্রদায়িক ভেদ বৃদ্ধি প্রেবল হইয়া কলহ স্থান্ট করিগেও সাত্র-আহীর মতে উহার সামলস্য সেণা বার। कांशाजी बरणन, देनकन्मिरणज गर्धा दव ष्ठातिकी मण्डामानगञ्ज ८४म मृहे द्हेरङ्ख्य উহা মূল বস্ততন্ত্রণত ভেদ নহে; উহা কেবল কৈফবভন্তের বিচিত্র ভাবের পরিচয়-माजा। जगवान जीरगोतस्मन करे ठाति স্থাদারের মতকে ক্রোড়ীড়ত করিয়া উহার চরম উন্নতাবস্থা প্রদর্শন করিয়াছেন ব তিনি সমত প্রতিবচনের সন্মান পূর্বক ! (रायन निक इस, छाड़ाई निका पिहाएइन, **काहात्र नाम--'व्यक्तिशाः इमार इम्डब'। এই** সিদ্ধান্তে সর্বমতেরই সামগ্রসা আছে।

## ১৮টী দর্শনের বিচার (১) हार्स्ताक भर्मन

नाकिर कत मरना हाकी कहे रखह । उटे পর্ণদের মতে মাতুর বচকাল জীবিত থাকিবে, তভদিন কেবল দেহ হুথের উপায় চিন্তা করিবে যথা,---

बावक्कीरवद सूधः कारवज्ञनः क्रावः ग्रष्टः निरवर ।

ভন্মীভূডভ দেহভ পুনরাগমনং কৃতঃ।। **ठाकाक्यांट (मह्हे कान्रा, म्हाडितिङ** चाचा गाँह, शङाक यावरे श्राम, चरू-मानांति कामान नाइ। कामिनी गरणान, विभाव। **छैशारणः। प्रया ७००**५ ७ देखम नभन शति सामानि कोता नमुरुषक राथके शहम शुक्रवार्थ। **ब्लाट्स्त्र प्रचारबर्ग किंव जात किंद्र क्रांट्सक्र** बहि। वह मान गतिन एन। वह মন্ত্রারগমিগণ মাকাশকে ভূত বলিয়া খীকার \*C## 711

## (२) (व स्मर्भन

এই দর্শন মাধ্যমিক, যোগাচান, সৌরা-ক্ষিক ও বৈভাষিক—এই চারি শ্রেণীতে विकक्षा मानाशिकविद्यत्र मत्छ-किहुरै बाहे, मरुवरे पूछा। (कान वस्तरे मछा सदर, कांत्रन कंशानकांत मुद्रे तथ कांत्राका-দেশা বাদ লা, ভাতাতাৰভাব বাৰা দেখা বার, অমানহার ভাহার विक्रूरे देनचा बात ना, सुब्धि व्यवशास आह किन्न जिल्लाकि का ना । ज न इस्टाल जनक भारपात्रे पृष्टे वरेक । यानावात्रमहरू वास् केंद्र मोबंदे जमीक, रक्ष्यंत्र क्षिक विकास-सर् बाबार गणा। त्रीवाचित्रमा मान्-

## **बी बी खकरशोद्वादको क**रासः দৈনিক নদীয়া-প্ৰকাশ নিজ্যপাঠ্য বৈকৃষ্ঠনার্দ্রাবহ

## ঐশাঘ-মাংপুর—১র। আবাড় বুল্লার—১০০৮

বস্তুকে মতা ও অনুমানসিদ্ধ বলিয়া পাকেন। বৈভাষিক দিগের মতে--বাছ বন্ধসকল প্রত্যক্ষসিদ্ধ। বৌদ্ধদিগের মতে দেবতা---সুগত, জগৎ কণভদ্ৰ, প্ৰভাগ ও অমু-मान-- এই छ्रेट প্রদাণ এবং ছ: খ, আরতন, সমুদর ও মার্গ--এই চারিতর। মার্গতরই নির্বাণ। চর্ণাসন, কমওলু, মুওন, চীর, পুষাত্র ভোজন, সমূহবিশ্বান ও রক্তাধর-**এট क्राक्री वोद्य**िश्यात यत्र ।

## (৩) আছ্ড দর্শন

व्यार्टरङः पिश्वतः। देशता त्योद्ध-मिरगत क्थिकनाम **খ**डन कत्रियाट्य । योक মতে সকল বস্তুই ক্ষণিক অগাৎ প্রাথমকণে উৎপন্ন ও দিতীনকণে বিনষ্ট হয় এবং আছাও ক্ষণিক ও জ্ঞানসক্ষণ, ক্ষণিক জ্ঞানাতিরিজ স্থিরতর আত্মানাই। আইতেরা এই মত পত্তন করি:।ছেন। আইত্নতে--আয়া **চিরস্থায়ী, জীবের পরিলাণ দেহসদৃশ,** আছিত্তই পরমেশ্বর, তিনি সর্বাঞ্চ ও রাগ-(दर्शाप्तिकृष्ट । काश्यम, काष्ट्र, छन्छ, ব্ৰহ্মচণ্য ও অপরিপ্রছ ---এই প্রেটী মহাব্রচ, ইঞ্র সাধনাতে পরমণদ আপ্রি হয়। षाई अपिरात मार्था ष्यानक म टाक्ट पृष्टे ছয়। আইভদিগের নদো সম্প্রায়-বিশেষের নাম—-জৈন। খেতা**থ**র मिश्र**षद्वरक्टम इंट्रेंगे मध्य**ाग्रहे देकन वांग्या

#### (४) बकु भोष्यशास्त्र उपर्यंश

এই দশনাবলহারা প্রম কাকাণক महाराप्त १ कहे अवसमञ्ज अन् भीवराय क কংখন। জাঁবের অধিপতি বলিয়া পর-भिषत्क পण्यक्ति वना या। देशापत मध्य पूष्टि छ्हे । প্রকার---ছ:খদকলের অভ্যন্ত নিবৃত্তি ও পার্মেশ্র্য প্রাপ্তি। ইহারা বলেন,-- পূর্বপ্রজন্মনে ক্থিত ভগ্রদাস্ত প্রাথিকে মৃক্তি বলা উক্তি মার। মৃক ব্যক্তিকে বদি দাসম্বর্গ অধীনতা-পৃথ্যকে বৰ হইতে হইল, তবে ভাহাকে কিলপে मुक बना बाहेरक भारत १ कड़े मरक कक्-আনই মুভিন সাধন। শাহান্তরে ভত্তজান बुक्तित मानन वनिया कथिक हरेरमक छन्। त्र मुक्तिकक्षान इहेवात महादना नाहे विनश अर्दे भाष्ट्र मूनुकूनरनद्र अक्याय व्यनवसीय। ইহাঁবের মত্তে ভার্যসকল নিত্য এবং नोहरत्वत पर्का तुन्ही।

## ( ৫ ) देनवप्रभी

এই দর্শনের মতে, শিন প্রমেশ্র ও জীবগণ পশু বলিয়া উল্লিখিত হইলাছে। নক্সীশ পাশুপত দশনের মতে পরমেখরের कर्यानि-नितरभक्त कर्ड्ड निषिष्ठ इवेग्राट्ड. ইংরা তাহা স্বীকার ুন। कत्रियां (यनां कि स्पत्रश कर्या कांत्रशंहरू. পরনেশ্বর ভাহাকে ভদমুরূপ ফল প্রবান ·ক্রিভেছেন বলিয়া প্রনেম্বরে কল্মানি-मार्थिक कर्छ। करहा हेशालत ग्राह আমানের স্থায় প্রমেশ্বরের প্রকৃত শ্রীব নাই, পঞ্চাপাত্মক শক্তিই ওঁহোর শ্রীর। মাগ্যাদি ধাবা আপাততঃ ঈশ্বরের ন্রন্দি-বিশিষ্ট গ্রাকৃত শরীর আছে বসিয়া বোধ হইলেও উহাবাওনিক নহে। এই মতে,

তিন প্রাকার—গতি, গভ ও পাশ। পতি পদার্থ ভগ্রান্ শিব, যাহারা শিবছণদ প্রাপ্ত কটগাছেন, তাঁধারা পশু, আব শিবত্ব পদ-গ্রাপ্রিদাননীকারি উপার্যকল পাব।

#### (.৬) প্রচ্যতিজ্ঞাদর্শন

करें भर्तनंद्र मण्ड महत्त्वतः—कानीचत्र. ভিনিই একমাত্র সকল জগতের কারণ। এই মতে মৃত্তিস্কাপ পরাপরাস্থির উপায় একমাত্র প্রভাৱিতা। অক্ত মতের ক্রায় এই गट भूका, शान, का, यांग । यांगानिव অপ্টানের আবশুকত। নাই। প্রত্যভিজ্ঞা धाता भकत मिश्र इटेटड शांता, 'म जात-শ্রোহ্যং'--'দেই ঈশ্রই আমি' এইরূপ ণরমেশবের মহিত জীবামার অভেদ্জানকে প্রভালিক করে। এই মতে জীবাস্থার স্থিত গ্রমায়ার ভেদ নাই। প্রমায়া ষতঃপ্রকাশমান। গুরুনাক্যাধ্রবণ করিয়া সমজ্ঞহাদিরণ ঈশবের ধ্যা আয়তেও আছে—এরণ জ্ঞানের উময় হইলে আ্ড্র প্রেক্তাভিক্ত। জন্মে, ভখন আর কোন श्रात्मिन शास्त्र ना ।

#### · (१) त्रदमचत्रप्रमान

धरे पर्ननारवर्शता अङ्ग्लिकापर्ननारवरी-শের ভার মহেশবকে প্রমেশ্ররপে নিদেশ এবং জীবান্ধা ও পরসারার সভেদ স্বীকার कत्रिया भारकत । हेशाना वरवान-पूत्रकृ বাকিমিগের পক্ষে প্রাথমে দেহের স্থিনতা गण्णानन कत्रिया भटत क्रमणः (यांगांछात्र করিতে করিতে জ্ঞানোষর হইলে মৃক্তিরনের স্মাবিতাৰ হয়। পাক্ষরদের ছারা দেহের বৈব্য নম্পাদন করিয়া জমশ্য বোগাভ্যাদে ! পরতত্ত্ব অগমোর মাহাস্থ্য প্রতিক্লিভ

নিরত ইইতে পারিশে পরমেশ্বর পরিভুট रहेश मसंधान मुक्ति लागन कतिया থাকেন। এই মৃত্তিকে জীবগুলি করে। এই পারদর্শ দানাক্ত ধাতু নহে। মহাদেব পাৰ্ণ তীকে বসিয়াছেন যে, পাৰদ্বৰা আমার স্বরূপ, ইহা আমার প্রত্যেস হইতে উৎপন্ন ২ইয়াছে। পার প্রদান কবে বলিয়া 'পার্ছ' এই নাম হুই গছে। এই পার্দর্স অক্সান্ত রস অপেকা উত্তম বলিধা ইচার নাম রসেশ্বর। ইহাতে রগেন <del>গুণু নিশেষভ্র</del>ণে বণিত আছে বলিয়া এই দর্শনের নাম রদেশবদর্শন ১টয়াছে।

## (৮) खेलूकाप्रभाव

মহর্ষি কণাদ এই দর্শন প্রণয়ন করিয়া-ছেন। ভাঁহার খণর এক নাম উলুক, **এই छन्। এই प्रभाग का नाम ७ के नुकामध्य** करह । अहे नर्भान अक्रांक प्रभानत व्यन्तिः মত বিশেষ নামে একটা পুগৰু পদাৰ্থ স্বীঞ্জার কবা চইয়াছে, এইজন্ত ইহার নাম---रितालीवकप्रति । देश धड्ड प्रतित मार्था একথানি। এই মতে অতান্ত হুঃখনিবৃত্তির নাম মুক্তি। ঐ মৃক্তি আত্মাকাংকার স্বরূপ ভত্তরানগাতীত জন্মে ন:। শ্রাব্দ, মনন ১ নিদিপাসন দারা তর্জান জ্যে। এই দর্শনে গনতে প্রভাক ও অধুমানাতিরিক প্রমাণ নাই ৷ বাহার চৈতক্ত আছে, সে व्याखनमनाहाः व्यापाः—मकन हेल्पिक 😘 नतंहतत करिक्षेष्ठा, आया ना शक्तिक कान हेकिय श्रीताह कान काना हहे जा।

## সেই ও কুসা

: 3)

🏝 श्रीमाम् अकटेवकारवत्र 🔻 🎒 पूर्वविवासिक উপ্দেশ্ববির অনুসরণ করিয়া এবং তাঁহালের অপ্রাক্ত প্রোক্ষণ ভাষরতাতি উছাসিত সেণাজীবনের আশর্শে নিজ স্থাণিত বিষ্থ জীবনগঠনে যভটুকু প্রধান পাইৰ, ঠিক তত্টুকু গরিমাণে ভগবংকুলা প্রহণের (याधा डा प्यथ्येन कतिया शक्त इट्टेंब । "शहा তাম উলো নাহি কৰে। খাঁহা কমে ঠাহা नारि ताय । जित बसनी त्यांना नाहि त्रह একঠান ॥" দিশা ও নাত্রির একত্র অব্ভিতি বেপ্ৰকার অগন্তৰ, ভজ্ঞপ একই আধারে কাম ও কোমের সামগ্রস্ত অসক্ত ব্যালার। भगविनारी हिंछ क्यन इ सर्गाक्थ स्थान इलायापुराष्ट्रक जाशाम कतिएक लास्त्र मा, नक्यकात भग्नाज्यावहीन रनवादाकुम অস্করাশ্বাচেই পর্য বারণ্ডশ্ব স্থারিত हरेश बारक। धन, भूज भूतिकाणिक মোহে আবদ্ধ অবিশুদ্ধ চিত্তদৰ্শনে জিনাৰে

इंडेट्ड शहर विकानअंख (बार्ग मम्देवक- ) यात्रिक क्षिक्रमक देवन वसाणि अहराज পরিরতে আপ্রতমর্থ মুগারভক ক্রপ্রের क्यांडिके बाबाहिक करते। कर्ने, किछा, कपाय-भगवृक्ष केया शलाका देवक्या स्टब्स विकल्प-মা ১৮ লোটা কে কলমত বান্ধৰ জ্ঞান কৰে ? না, যে আহাৰ কাচিত শাস্ত্ৰণা সমাত্ৰ কুণপা লো, ভাগ্যকেই বাজ, জান কৰে ? কিন্ত भाष्ट्रिक वर्षा करणा भी स्था अध्यादन े १४ নিচিত প্ৰান্যনাৰগ্ৰী পালন জড়িছ লোগমুক্ত **ছন, ভাৰ নিশ্চ ট**ানিচলন নিকিংনকানবল অভিন্তাপুর বারস্থার স্ক্র উপ্লব্ধি ৰাগতে গালে। ভাষ্য জনের ই হানক भगत मृत्य वित्रवा "बी खतरहरूत, ऋषा कतन, ক) পৰি হিল আন দেব প্ৰাপ্ত নাই, সংস্চ ক্ষাক্রে ভ্রেম্পিনিশ্র স্বরৈণে भिरतामाने जी छन्न अभवता । यस्तिक अप মাশ্ম নিংমসমূহ শিলোধারণ কবি ৷ জাত্র भक्षमप्रकार १५३७ वर्गे म्। उपीतः প্ৰমান্ত্ৰসভা উপ্তেশ গ্ৰাহী ছাল্ডালী ছারা পান মা কবিল এলত সম গো লাভের भ्रम्ब द्वाराश क्षराव्यात नव दे भरा है। ভথন আনলাপতিত হীয়েও বাংলালে 7. भाग भारत व्यक्ताधा- धर्रे । भ বিধানৰে দলে হইবাৰ জহ বেৰাভূমি । ইতে भटेनः भटेनः शनाःम कां। । আমরা কি একারে সংক্রেন্ড িল श्रीवाहारपराचा वसून है। १६९५ हन প্রত্যার অধিকার হল। মুখে ই ট ±শীৰ্মা কলিয়া জন্ত। যদি সোলার্গভা না ; शास्त्र, खाना क्लाम जामहासादक निका কানের জন্ম ভগবংক্সালারভ বাক্ত थाकिएए इंदेरना

নিষ্ধা ও রূপা সংগ্রিভ িন্নয় खिद्रकारभाव रमना १७४ तहरू छ। या विश् अक बुरुष छहेजे द्वार नाम समाच क्रिया । निक्थि स्था धक्राम्य आदुग्राभीतर् ४७-বিধারী ভ্রমনব্যুক্তে ইন্মাধ্যমণৰ সূত্ৰ ष्याकेरे । दमस्तकत दर्भना स्मृत्यान कर हिन সেধাসহাত্ত নিগুড় সাধকতা। পর্ম कानावाडम (अन्तानशहरून जाहतनाहिह्य दात्त । १<sup>९</sup>५ । कुदे (भवा क्षत्र ) । जनक क्षतात हुत्। धानाकत धप्रत्व क्रिन, डाहाई अतिराज्ञात ठपर असीर, किंद সেই বিভন্ন এটভূতি ব্রেক্ত সহজ্ঞার ञागता कि (5त-क्रिय क्षश्रामन २८६ । দিন্তু ৰঞ্জিত হছব 🕍 প্ৰথম দেবাৰ ভীজ क्षीमा कि कथनरे महिदान महिद्र करते **क्रीशन क्रमोर्व भन-दमनार्वाक छ। १८ १ १९४४** আধিকানামি প্রামনাগিত কালো সননের क्षिर १

# ভোগের আগেই পেশাদ

(শ্রিলাদ কিশোরীগোইন ভব্তিবান্ধর বি,এপ)

সত্ত্য কর্মান তিগুণ্নিগড়েয় षाना श्वारमण जातक दहेता **जना** मि कर्थ-करन कर स्वादित श्रांतुपूर् शाहिए शाहिए লিতাপদ্ধানায় ভাজরাজ্ভ ইটনার কারণ-নিকাশে অঞাহত ক্রিলমুকুট-নৌলি ত্রীল কবিরটে শেবানী প্রান্তু দ্যালছেন,— 'ক্লন্ধ লিখ্যন্য ्शि' दशकाः এই শামে মালা ভারি গলায় বাজিলাল অব্যাহ জাব যে ক্ষেত্র নিভালবি—এই সভা किया । इ.स. १८ कं, तन इक्किन्धिक जात १ अधिको ज्ञान किल्लान-টদৰে আবদ্ধ কৰিছাল্ডন। তে একজ বের ভোগবাসনারূপ মারিক বিত্রাপ পাওয়া ছয়ট

1.51

মানেৰ ধকা উচ্চার প্রে क (इ.१५.१ স্থিত 4171 उ ३०१ श्वर धनराष्ट्रम्थातः । धनर् विद्र , 9 419 B 1 - 3 क्षां स्था भवा ধার । 📜 হল হৈছ ३ करक ११७ इस्र । न्त्राह्म स्थान ---"ব্লাভ " সন্তন্ত "m =1 द्रापु, काञ्च ५ ब्रमान । इस पात्रप 用 帮 这 গুলালৰ ১৯১৪, সমতেন ১৯১৯ ত্রহাত নাহারে শিশুর বন্ধা माञ्चा दो दसरा । ংসা−্ল ং বার সিং। জীবের 11.47 नार्रे । क्षेत्र (स्वादान લવું ત ভাতীলোন হয়, फिंद कान ুদ্ৰ: ঃ ভুক্তিবা ्डि नंद ath Will I

क्षिक वे, ब्राव्हात्वत स्वता व्यक्षे भिक्षण करन, कियु '्रिक' तीबटट की ।त १७१० ह ৰুড়া । বিশ্বা বিশিক্ত গেলে নিজ ১০৮ বাগনা ভাগে কৰিলা নিতা অভূব হ'পত अते नारकाल कियामन्वरकर निक्षण का १। ी प्रष्टु रमाग्रा समान माना कि किया था। ्याका क्षेत्रक । (क्ष्रां ना , काशनायना धारतन (महा (मना उन्हारी) नामा करव প্রাপ্ত হট্টরা বাং । তথন ঐপ্রকার সেবা लाक्रक "Cमना"म्बर्गाः ना इहेंश छंहा ए श्राप्त्रके माणकत मात्र रहेता शिक्ता গেমন শ্রীবিতার ব कति। ठाक्दबन সমূল্য কণ্টতাকে ভত্মীভূত করত কণা ে েনর উল্লেখ্টাত অর্থ স্থী। ঠাকুরের बारकत कक उत्पत्रक दमताकृति आह्वक हे कि एकान मा कति। यनि किरोती

থাকি, তাহা হইলে আমাদের ঠাকুর-সেবা ना श्रेहा शिक्रवत बाजा निरम्यत्मत्र स्मर्गा क्त्रोहेशी मुख्या इंहेन माज। हेहा छात्र वाउँ उ आत किछूरे नरह। এই कार्यात দ্বালা প্রাভূত সেবোগকরণ স্বয়ং আত্মসাৎ किता द्वीयानतात्म व्यनस्य नतक-भरणज পাণে। সংগ্রহ করা ছইয়া পাকে।

ঠাকুনের সেয়োপকংশ সংগ্রহ করিছে গিল পুরেটে আমরা তাহাতে নিজ পুর-ক্রাগণের ভোগের ভক্ত অংশ বসাইনা পাকি। এইরূপ সেবা-চেষ্টার হলে ভগবছকি বা ভগ্ৰংস্থাৰ নাম গন্ধ নাই, আছে ব টোরী रकः।व (म्या-यक्षमा मात्र। তৈ নৌ কবিতে জিল কামাপক ইপোড ফাঁকি দিতে গেলে যেমন নিজেই বিঞ্ছ হ্টটে হয়, সেইরপ নিতাপ্রভু রুঞ্কে में। कि निर्ण िया निर्णायके के कि दा भ्या হটতেতে এবং ওড়াবা নিজেবেই নিতা क्यार्ट्यत अभ तक इंग्रेस याहेर्ड्ड ।

वर्डमानकारण कामारनत '७१४-९रगवात চলনাটী প্রাভু-ভূতাসপ্শ কীর নিয়লিখিভ शक्ती भरतत भरभा: खनम्ब सात भविषात्रे হর্টনাছে। কোন এক ভত্রবাক ভাঁহরে ভুক্তাকে চাতিটি সন্দেশ কিনিতে পাঠাইয়া-হিলেন। কিছুমণ পরে দুভা একটা-माञ्च मरमामा इटल मध्या भनित्यत निक्छे উপস্থিত হুইংল মনিব বিরক্ত হুইয়া ভাষাকে আৰ ভিন্টী সন্দেশের সংবাদ ক্তিভাস: কবিলে ভূতা ইতভেড: কবিয়া বলিতে লাগিল, দেখু- জিনিটা ভালমন্দ প্রীকং না ক্রিয়া ও সাব আপন্রে 🗪 আনিতে পারিনা, তাই প্রীকার আছ একটা খাইয়া দেলিয়াছি। প্রাত্ত জিজ্ঞাস। कतिरमम, - आत छंडी कि श्रेम ? इंडा त्रनिन,—'अपून, डिम नशुत्र कार्याकः ধিতে নাহা; ভাই আনেক মাণা ঘাদাংখ্যা এরণ শ্রাভা অপনোদনের জন্মার একটা সংসদ্ধ পাৰ্য। তিন শন্তুর পুচাইলা পিয়া ছ-টা রাখিঃছিলাম। আপনি আনবি মানব, আমি কি আপদার শক্ত ২ইটেড পারি দ্রাপ্রাধ্যেন, ভূগা বড়ই প্রস্থা মত : মটেং কি আর প্রাকুণ মেনোপকরণ 'সাহাদাং করিছে পারে ? ভাতীয় সন্দেশটীর সংশাদ জিজাসা করিলে ভূতা দ**লিল** — थारण, चापनि यान याहे.। भारकन, वानाव अक्र क दशमाह साथिया तमन, जो दमके व्यक्ति कार्ट थारे । स्भिनताचि । भागनि मेशन, ভাষার প্রাণ্য আমি পাইলে যে আপনি জুদ্ধ হউবেন, ভংসহদ্ধে আমায় কৌন धातुषाई इत साँहै।

वर्षमात्न कृरमन्त्रियर्कायरनारमस्य दगवा टिहात धाकात्रका के तकम दकारभत कारंश কাদার নিক্তেতি তোৰণ বা নিজ পরিবার । পেদারের মতই হট্যা দাড়াইরাছে। এই বর্ণের ভরণপোষণ প্রভৃতি কার্যা করিছে বিশ্বক্রমাণ্ডের যাণ্ডীঃ ক্টর পদার্থকে ভগবিৎ

(मर्ताशकप्रवद्याल क्षेत्र मा क्षित्र विद खेशानिशंदक क्लेबिटमंत्र त्ययात मा वाशिहिता डाहार्टक काकि निया नित्यामें देशील मानाहेनात क्य यामरा नाउ रहेन्द्रीहै। পিরের প্রব্য না বলিয়া লইলে চুরি করা হয়' ---বাল্ড কালের এই গাম জ নীতিশিকাটুকু পায়ন্ত আমরা বিশ্বক হইটা গিরাছি। ভগবছন্ত ভগবান্কে না দিয়া তাহা আছা-সাৎ করিলে চৌধ্যাপরাধে অপরাধী ছইতে হইবে তাহা আমাদের চিস্তার বিষয় হয় না। তাই শ্রীমন্তগ্রদ্দীতা আসাদিগকে সাবধান করিয়া বলিডেছেন—'তৈরানান-প্রাদার্ভেম্যো বের্যা ভূত্র কেনে কেন এব সং । ভগবছজিই জানে সমত বস্তু প্রতণ করিলে আর সেবাপরাণ হয় না বা চৌধাপরাধের ভয় থাকে না ৷

# বক্ততা

शक ७ हे खून, २०१म देशां है सामनात्र বিদ্যালয় প্রীমন্ত্রি বিবেক ভারতী সংগ্রাম কুচবিহারের অভগতি দেওয়ানগঞ্চে হিন্দু-যুগ্সমান-মিসিত একটা সভায় স্নাত্ৰ ধন্ম সহাত্র সক্তৃতা প্রেলন করিয়াছেন। माधानगढः वोकिक, देशीक अ मामांकिक शुक्त राज्यात करेंनका. ८४व. विश्वा প্রভৃতি কলিমল বৃদ্ধি কলে। কিন্তু যে भन्त एमर अभारतातिहाल अधिकाम कतिना নিতা ভীৰাদ্বাদ সভাৰকে বা সহ शका करत, दम धर्म विनाम ज्यासम्म भूगरेक প্রস্পান্তক প্রীভিত্ত বছনে আবদ্ধ করে: त्य धरमा धाभारकत या माधरकत निरकत

ভোগশুহা অথ্যা অথায়সহাল নাই, कार्ट्स दक्यम केटहेत स्मरा, ज्यान केंग्रेटमरक-গণের সেবা। নিভাগপের বজা, প্রোভা -এবং আতা পুষ্ট িরেশ। স্থীবগণের প্রতি সদর ১ইর। ফারিযুগুপারনাঘতারী উটিচেক্স মচাপ্রভু এবং ডলীংগণ্ট এই ধর্ম শিক্ষা দিনার করু আশনি অ,চরণ করিতা শিক্ষা प्रियाक्ति । प्रिकार्कन । **मिन्न आधार्या** मकालहे यादा काणानिक इस, और एकंक-वानी दमहे कातरण घरेर छता विश्व व्यवस्थि ংটাবছেন। খোতুম এমী একারভিত্তে বভুকা ভ্ৰিয়া প্ৰধানশিত হইগছেন ।

# 쓰다!! 기가하

গত এঠা অনু ২১লে জৈট বৃহস্পতি-वात कः निराद्यत्र कार्र्ड प्रश्निमप्रक्र প্রিত এশাদ রাধান্তরণ গোখামী ভক্তি भाकी, मध्यमान्दिकचन्त्राधाना महामन ऋष्य উপ্রচৌকা ভাষ্টো ( বংশ্র ) পরীক্তে श्री विकिमिकास्तामी धानात्त्र अयन स्टब्स् क्रवाय मुखिनिक वह नासिन मसूर्य विदा क्षेत्रं किस्त यक्ष्म विष्कृति। अध्यक्तीतात्पत्र द्वनाव स्मान्य वक्त्या विभाग्यम ।

# গ্রন্থ পরিচয়

# **ভামদ্রাগ্রতম্**

किमग्रहीं क्रकरेवणांत्रन (तक्षवाम-खानेक मुन, जीमन-**মন্ত্ৰাক্তা-ছভা ভাৰপ**ৰ্য্য-নিৰ্বয়টীকা ; শ্ৰীমদৰ্শিবখনাথ চক্তাবজী **डांक्स-इक मात्रार्शनिया क्रिका, 'यमानुवाब, मः प्रक व्यवस्थ लाई परवात व्यक्तिमान कथामात्र, जमाग्रहत लागाम के** শধ্যাত্তর সারসহ স্থবিস্ত ভাৎপর্যাদি বিস্ত। সোকস্চী विषयक्ती. व्यागावितवार. शांक छ कानक्तीमक छेलम **कागरक উद्धम ज्ञालक मालिक हा अपन कहे** (४) ১०म द्रक भागक कालो म्यूर्नकरल त्याव बहेबाटक। किका खालम **ब्बेट्ड क्रम क**र्फ नगांच २०००: प्रमाय दक्ष ३२८: PRE 800 1

# **এ ট্রাটেড ক্রচরিতামত**

শ্ৰীশ্ৰীমন্ত্ৰ জিবিনোগঠাকুর বৃহিত্ত 'কালুড প্ৰবাহ লাস্য' ও এইমায়কি নিদার সর্বতী গোষামী প্রভূপাদ-লিখিত 'क्युकारमा अकि-च्लाभि वह भाष्ट्रभाग-मुद्दित इहेश व्यक्षेत्रिक व्वेदार्टन । क्षार्कत मात्रप्रवाश्या, वन क्रवान अ প্রতে য প্রারের প্রের সংখিপ্ত অভিযান সংযোগিত। क्षरकात होते । शावरक क्षांगांव रमक्या व्याहित । स्थाप প্রায়, শৃদ্ধ, চাম, পাত্র প্রাঞ্ডির চন্ত্রৎ কটী ও প্রারকাশের বিশ্বত জীবনী সুম্বিত এই এল অনুভগ্ন সংখ্রণ উভংগাং **क्यांनि अक्रांनिक इंग्र मार्टे । 'डेंदम कायरक आर्यराम्स्रीय** স্কৃতি পুলা:অব্যাধ মুলাংল মুলিত হট্যাতে। এও প্রায় see- ृक्षेत्र मुल्लात । स्थिका वर्षेमारम e. माछ ।

# **ক্রিটেডয়াডাগবড**

अकारतत कीवती, लाणि शतिरक्षरमत कथानात, रिक्ट त्यो श्रीष कामा, मक्युकी, लग्नात्र १ की, विवत-स्थान भादाधि-সূচী, শুভূতি বিৰিধ বিষয় স্থাণিত বিরাধ বিভীয় সংক্ষর-ভবল ক্রাটন ৮ পেজী আকার। আদিলীলা ও মনোর किश्वरण क्षकां भिष्ठ क्षेत्रारक्षेत्र। क्रांट्स क्षेत्रार्के । इंडेस्ट्रहरून। अधिम किया ६ छाका, आमि मीमात 1841 4 1

# **बिटिहर्स मनग**

এই গ্রন্থের এরপ অভিনৰ হুদার সংস্করণ আর কুরাণি विकासिक वृद्ध नारे । अरङ्ग्राङ (झाक्नांरामंत्र व्यवस, नक्षांश्रनास, कामा, कथामात्र, एवा छाष्ट्रिंश्ह भएक और छ धाका भिक হুইরাছেন। মুদ্র নেটি। অক্সের ভবল জাউন আটলেগী बुक्कृक्तारत छात्रा क्रेग्राट्य । भूता शान क्रेकि । निर्मात প্রকাশ ও গৌড়ীয়ের প্রাহকণণের প্রেশ সা॰ টাকা।

# **শ্রীশের**গবদ্ধীতা

-- अट्योज़िक 'देशमध्याप्राया अव्याक्रण मनिकर्णामधि · क्रेडिकिक्सभाषः इक्कवर्डिटासूच ल्याऋषिक्छ। शाताथवनिये ক্রীক্ষাসংঘাতা ও জ্বীত্রমন্থতিকাবনে বি ক্রাকুর-প্রাণিত 'স্থানিক-क्षेत्रके शासक काराधारामिक को र व्यक्तात्रकती, माङ्क विकास त्माक-शृक्ती,विश्व-शृक्षी,आश्वादात श्रीवनी ६ व्यवस्त्रवाध "बह-काएशाविषय-मध केरणहे बांधाई देखीय मन्द्रत्य--- के ताक DIR PRIS

# শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

ওঁ বিঅপাদ এতিমছকিসিছাওসর্বতী গোস্বামী মহারাজের সেই অবিখা-বিধ্বংসিনী कीराष्ट्रवस्तारवाधिमी क्रथ-कार्काममाविभी कीवछ-वागैत মূর্ত্ত-বিগ্রহ—বৈক্তবসিদ্ধান্ত-বহুমালার কৌল্পভ্রমণি—সম্প্রদার বৈভববিজ্ঞানাগ্যরের মৌলিও তথা-পঞ্চরাত্র ও ভাগবভের সমন্ত্রা ওর---মহাজন-জীবনচরিত-শিক্ষক--চিদিলাসচিন্মাত্র-অভিশন্ধ, তথা ও বিবৃত্যাধিয়ক। প্রতি ক্ষরে আদিতে অচিতাত-বিচারক—উপর্যা ও মাধ্যারদের মৌলিক গবেষণার -- नवस, अस्टिशंत्र 'अ व्यक्ताक्रम-स्टावत्र निकास-ममुख् ।

> ১ ৷ প্রথম **অত্য—**বৈশ্বদশন, শ্রী ওরতের, কাল-र्था, जीमश्राविकांव, श्रीवार्यकानवी, भाषाताविकी में का ও বর্ণ বিচার, আগ্নেদর্ম ও নলোদন্ম, জীটেচভর্মের ও স্থান্তার নিক্ষা, অপ্রাঞ্জ সম্ভাগন্ম ও প্রাঞ্জ সংক্ষান্ত প্রস্কৃতি বিংশতি সংখ্যক রয়ে স্থানোভিত। । চকা মান ५० नान जाना।

১। দ্বিতীশ্র শ্রেড-৬৯: ও নিয়া ড জি, মছনোর লোহত কোলায়, আত্মার বিভারতে, উচর আমিপাদ ও माजानाम, ब्रिइसी :- निजासम्मदासम, जिल्लात सम्म । अ. अ. १० कार्जन, हैं, त्राम् क्षणा क्षण शामा कार्यन, कार्यन, कार्यान-भरतम् बाध्याः, बः देशामा, जीतना निक, जीकासुराज्यन-পথ, আম্মতা প্রভালনা করি, খ্রীটাডানের দ্বা, ৫ জনকরা ও ক্লফ), ষ্ট' গুন---দভন্দৰ অপাপ মধুনিমাপুণ-সঞ্জতা বিভূমিত। रिकास ६६ ४ में दिश्यो भावता

প্রথম ও বিভাগ-- ছই খণ্ড একজে লটলে ভিজা ১৪০ 0-9 6'41, 514 -35 3'52 1

#### শ্রিমখন নেরীভা

रशी होश-देवकादमाणीयक-दम्पन है। हो। भून नद्या विका ভাগনুষ্ঠ ভাষা ও খ্রীনের জাবলোদ চাকুরের প্রাচণ বদ-ভাষায় বিস্তৃত 'বিষ্ণয়ঞ্জন' নামক ভাষাধুক। ভাষায়-দুর্বী, বিন্দুক্তী, ও প্রতি স্লোকের আনম ও তৃতীয় लाम कुछैर 'डायाकारतत भीवनी उर्दाहरीड स्थानाड । উংকট ব্যব্তি, রাজসংখ্যাল ( কুটীয়া সংগ্রন ) প্রস্তের िक्षा २ देखा।

# প্রবেষক ছাবলী

टीविकास्तित विकासिक-विकेट देवकदम्मा, मनाक 8 ্থাবিত সামাতি পড়িবার প্রথম গ্রা উৎক্র কালিছে চাৰ্য্য প্ৰবিশ্বত টাকা ও প্ৰান্তন্তৰপাল্লবাদ-সাকীব্যে অভি সংক্রে বাল্ডেবও বোধগম্য ইইয়া পাকে। ভিকা ।√० %ाला भाषा

#### श्रीमश्रीभर्गागाइ छ।

ে প্রায়াংগ্র ) সাম্বেশ্ব । ক্রি-স্থার্যার আরু বীনব-कीरणत । मध्या कीषित भाष्य, जाहात मुख्याक । MENT OF THE PROPERTY

### উ<sub>ন</sub> জীলবদী প**ভাৰতরত**

জ্মীয়াক্ত ভাজিবিনাপ থিখিত। সুশলিত গাঁও কারে প্রিক্রমার জ্বার্নি বিবরব। ভিকাত মানা।

# ভাক্তরত্বাকর ও নংখীপ পরিক্রমা

এলি গ্রহার চক্রণার্ভি-১। স্বচিত। ভজিপ্রাক্তর इत्रेश्य अभिक्रमाःन बाज पृष्टीयः खेलीव रनावामी कि ल्यकारेत केंक्रवधीलभारमध शांक्रक्रमा कतियादिकान, कांक्रिके পথে বিশৃত। ডিগা।। বানা



শ্ৰীৰ উজিৰিনোদ ঠাকুর-প্রণীত। ইহাতে প্রীচৈভৱের भिका खेगांकी - क्रेफ, क्रेक्शिक 9 तम- वश्र ७ वस सीड-অটি হ্যা-ভেলাভেল-ভিত্ত-নাধন-নিণ্য-প্রয়োলন-ভত্ত, কর্ম-कांछ. आसमापित विभात-देवती एकि. छात्रहिक ए প্রেম্ভিক্সিল নাম্ভ্রন প্রবালী ও অইকালীয় শীলা-পরিচয়াদি প্রথম শিক্ষার্থীর উপবোগী করিয়া সরল ভাবাছ সমুদর বৃক্তিপ্রাণাশসং বিশিও খাছে। চতুর্থ সংকরণ সাধা २ होका, आताम ३०० होका मांजा

# গৌজীয়কণ্ঠহার

हिंदिनी है। य-देवस्थन गटनंत्र अञ्चलक कट्छ धात्र गटमान्तर ক্রতি প্রতি প্রাণ-পঞ্রাঞ্জি সাত্ত-শাস্ত্রসমূহের প্রমাণাবলী वियम्पि जाग करम मास्याम अफिछ। धरेक्रण रेममध्य-সিখ্যের সারসমন্য অন্ত করাপি প্রকাশিত হয় নাই। টং ডি পারণ্ডর - তাগ্রভ- বৈধার-- গৌর- নিভ্যানন্দ--थारवरु-- क्थ-- अब्द-- अवस्य-- शीव -- व्यक्तिशास्त्रभ --- অভিবেদ্ধ -- সাধনভত্তি- --বৰ্ণশ্ৰ- আশ্ৰম-ধৰ্ম -- শুদ্ধশ্ৰাত্ত — ব্রিনাম – প্রয়োজন ও প্রমাণ-ভম্বর্তি পূথক অধ্যায়ে স্থাত্র প্রোকাণি সূত্র্যত উৎক্রাই ওাটিক কার্যকে রোঞ ব্র কালিতে মুক্তিত, উৎক্লী বাবা সোনার হলে নাম লেখা। क्षत्र आग ४०० प्रहाय मुल्युवं। किका २, हाका साम ।

### श्रीननको भगाय-अकानकी

ত্রীগদভাষি বিনোধ ঠাকুর রচিত ধার্মমাহাত্ম-ধার্ম-মাহাত্যার সভাগে প্রমাণ প্র-শ্রীণ নরহরিচক্রবর্তী মুকুরের ধাম প্রিক্রমাণ্শ—<sup>©</sup>খ্যাম নববীপ পরিক্রমা—ভাগ-याजा शक् छ--- कियर व्यवनामानकृष्ठ भववीनमण्डक्य--প্রিমুছ তি বিনোৰ চাকুরের শ্রীনব্দীপ ভারতরক প্রাভূতি গ্রন্থ একতা ভিক্ষা দেও আন্যা নাজ।

### শ্ৰীক্তি দাসায়ত খ্যাকরণ

ইটাৰ শোৰামী প্রাহপাদ বির্চিত হত্ত ও বৃত্তি, ভংগকে ওবিকাপার উট্নছজিগিছাত সরস্বতী গোস্বানা মহারাজের বিভূত ভূমিকা ও স্টী প্রভাত সহ। खलाखार्ग लाखार चारा । चिका २, छाका, बार्जारवन भारत आ॰ हैकि। बाखा

# ८वन ख अंबनात

चीमकामाध्यक्षां । गा-तिष्ट । त्यपार्ट्स विभिक्षेरियकवार्थ-প্রচারক জীভাষ্য প্রণেখ্য অন্তব্যি প্রবর নেলারদর্শন পারের डेल्ट्साली क्यूनार्थ दह छेश्म क्यिप्राधनः इंडाएड वश्राष्ट्रवाम । अ कृतीश्रवामि मश्रवाकि ए क्या क्रवेसारक নাম মাজ ভিকা। । মানা।

# শ্রীচৈত্রভাচন্দ্র মুখ্ত ও নবদ্বীপশতক

त्भीतभाषम विमादी विमाद खारवाना-क मतक्षी अभीक यम, व्यप्ताम औम् ए दिनिकाक महत्रकी द्वारामी मधाताक भुष्टाष्टि **अध्**रपूर्य याथा ७ श्रियान भवनिक। নবদীপশতকের জীভজিবিনেদ গ্রুরের পথাছবাদ ও তৎসহ জীমমাহাপ্রাণুর একটা 🗽 ব্রঞ্জিত আলোকিক চিত্র आबाद इहेबारफ। मुम्प छ काल फेरक्टे ( र चाली একটো ) ভিক্ষা ৮০ আনো, অতি হুরমা বাগাই সাজসংক্ষরণ ১ होका माजा



্জীমছক্তিবিনাদ ঠাকুর প্রতিত। এই এক্ষাত্র গ্রন্থ-্রত্বের জ্ঞান পাস্ত কবিলে গারগারিক রাজ্যে কিছুতেই अल्लान वा मरभव धर्मकरव ना। अप शृष्ट् धर्मविवदक धरे-কণ সরল ও জনমুম্পাদী প্রান্থ এ' পর্যান্ত প্রেকালিত হয়। নাই। নিনিলগোস্বামি-শাস্ত্ৰ-মহোদ্ধি-মন্ত্ৰকলে এই প্ৰছায়ত উখিছ চটয়াছেন। আবায় স্থ্রিস্ক স্টী, ক্পাসার हेकाति भाता विस्मित्र मुख कता इहेब्राटक। विवाउँ अङ, त्मानाच करन नाम लाया. उरकड रीयाहे-- क्रूब मःकतन ष्टिका २, लिका **माळ**।

### **প্রে**মনিবর্ত্ত

শ্রীমনাচাপ্রামুর অস্তরেক পার্যন শ্রীল জগদানন প্রাম বির্চিত। এই পুতকে অতি সুগ্বোধা ভাষায় মহাতাভুর কভিপয় লীবাসত্ বৈঞ্বাচার, একাদণী ও নামভজন-ঞাণাশী প্রস্তৃতি অনেক ্ৰক্ষৰভৱের স্থীমাংগা লেখিতে পাইবেন । পাদটীকার তর্ম স্থানের বিশ্লার্থ ও গ্রান্তকর্ত্তার পরিচয়াদি-সংশিত চতুর্থ সংকরণ ভিক্ষা॥৴• ৰণ খানা মাজ্ৰ ৷

#### **एक** मत्र ५ ७

ভজনকারীর নিজেলটা ; ঠাকুর ভক্তিবিনোদের অমূল্য ৰাম ; নিৰিব পাৰ্যের নিৰ্য্যাম । **গ্রন্থানি** না বেখা প্র্যান্ত -কেহ বুঝিকে পারিবেন না। তৃতীয় সংখ্রণ ভিকা॥•।

#### হরিনাম চিন্তামণি

नामार्घाषा जीन रतिषान शिक्ततत मृत्य जीमनाराक्षत्र জীনাম-মাতাত্ম্য, নামাভাদ, নামাপরাধ প্রভৃতি বিব্যের ষাবাদীর বিচার প্রবণ করিয়াছিলেন। এই বিভাংলির অভি সরস পরারে সংক্ষিপ্ত আশহসহ পরিপাটভাবে মৃত্তিত। শ্রীল ভত্তিবিলোদ ঠাকুর-রটিত। পঞ্চম সংকরণ ভিকা ৮০

### কল্যাপকছভক্

শ্রীমন্থকি বিনোগ ঠাকুর-রচিত। প্রত্যেক ভগবদ-বিশ্বাসী ও জ্ঞানপথের পথিকের একান্ত প্রয়োজনীয় উপাদশাবলীপূর্ণ গীতিগ্রন্থ। সামান্ত কেশাংড়া কলো লোকেও এই ভজনরাজ্যের গীতিসমূহের মারা অনর্থনিচ্ডি क्ष ভগবংসেবা गांछ कत्रियात्र स्वविशा शाहेरवन । वर्ष्ट সংকরণ, ভিকা /> জানা মাত্র।

#### শরণাগতি

🕮মন্ত্রফিবিনোর ঠাওর-রচিত। ভগবানে আগ্রসমর্পণ, বিজ্ঞপ্তি, ভতনবাল্যা, বড়ু বিধা শর্ণাগতি ও দিছি লাল্যা-विवदक ग्रैंडिशूर्ग, जिन्हां ७० भागा माज ।

#### গীভাবলী

🕮 সাকুর ভঞ্চিবিনোধ-প্রণীত। নিত্য ভল্লন, আরাত্রিক ও প্রাসাধ-দেবনাদি-বিষয়ক সধুর গীতসমূচ একত্রে গ্রাপিত। किया / जाना माता।

#### 西河军官中官团军

ागरकत्रमुक् प्रस्मेणि खिमविषमां कळावडी हाकूब-বিরতিত রসগ্রহ। শ্রীমন্তক্তিবিনোদ ঠাকুরের অনুবাদ-भग्नः छिन्।।• जाना बाजा

শ্রীমন্মহাপ্রান্থর শিক্ষা ও শ্রীল রখুনাপ দাস প্রোভাষীর প্রতি শ্রীদ্রপ গোস্বামীর উপদেশবারী, ভক্তিপথের অভুকৃত্ ও প্রতিকৃষ বিষয়ে স্বিচারিত সল্মোদন ভাষ্য, বিশ্বস্ত বিবৃতি, চ্রিভামৃতের প্রমাণ, সাধ্য বাাগাা ও মহাজন-প্রণীত ভতুপ্রোগী গীতমমূচ প্রভাক প্লোকের স্হিষ্ট महिर्दिशिष्ठ व्हेशिर्ष । अस्य मश्यति क्रिका 📈 व्यामा ।

#### গাগ্ল-কণ

জ্ঞীরখুনাথ দাস গোল্ব:মার মন:শিক্ষা, জ্ঞীণ ঠাকুর ভক্তিবিনোদ-চরিত প্রান্তবাদসহ। ভিক্ষা /• আনা।

# প্রেমন্ডব্লিচন্দ্রিকা

শ্রীণ সাকুর নরোভ্যাের স্থানিদ্ধ প্রেমভ্রতিবিবয়ক গানের পুস্তক। ভিকা /- সানা মাতা।

# নবছী পশ ভক

শ্রীল ঠাকুর ভিত্তিবিনোদ-ব্রচিত শ্রীল প্রবোধানন সরস্থতীপানের সংখৃত নব্বীপশতকের সুগলিও প্রামূর্য। िका /• **काना मा**ख ।

#### অর্থপঞ্চক

শ্রীল লোকাচাণ্য রচিত। বৈক্ষবতা-জ্ঞানের আকর পুত্তক। ভিকা / - আনা মাত্র।

### সদাচারশ্বতি

🗐ল মধ্বাংগালপ্রণীত। বৈশ্ববের নিত্যকর্মাদি সদাচারা বলী, বঙ্গানুবাদ এতিত। ভিক্ষা 🗸 আনা মাত্র।

# ग्राग्य अही

কবিকুলকেশরী ভীমনারামণাচার্য্য রচিত। ভীমন্মধ্য। চাৰ্যোৱ সং💯 🔞 জীবনলীলা। ও মূল বৈক্ষণগৰ্মসভ। স্বায়ানার 🕽 জীপার স্কাররানন্য পরবিষ্কাবিনোরআভু প্রবন্ধ বন্ধুতার বিষয় ভিক্ষা। তথা মাত্র।

### (भोत्रकृ स्थापन

প্রাচীন কবি উগোবিন্দ দেব প্রাণীত শ্রীগোরাবভারের প্রমাণাবলী-সংবলিত সংস্কৃত গ্রন্থ। ভিক্ষা ৮ আনা।

# যুক্তিমল্লিকা (ক্ষণদেশীরভ)

শ্রীনধ্বসম্প্রদায়াত্বগত শ্রীনবাদিরাক স্বানিকত। বঙ্গাকরে শাসবাদ এই প্রায়েণ প্রেমার্থিক শাহিত্য-জগতে এই সক্ষপ্ৰথম। শ্ৰীমনাধ্বাচাৰ্য্য ছইতে হোড়েশাৰত্তন বিভীয় মালাচাল্য নানে পাতি জীলদিরামতীর্থ সামী এই এছে সাধারণ যুক্তি ও গৌকিক জায়াছ্সায়ে কিরুপ কুন্দরভাবে ভক্তিবিরোধি-মতবাদ সমূহ খণ্ডন করিয়াছে, ভাহা পাঠ করিতে করিতে আশ্চয্যাথিত হইতে হয়। ইহাতে যুক্তির बाजा ठाकाक्, देवन, द्योद्ध, मामाश्यक 😮 मानावाभिमछ-ষ্মুহের সুন্দর থপ্তন গ্রহিয়াছে। ভিকা ২ টাকা মাতা।

# (भाषानी औल त्रण्याच पान

(ওঁ বিকুপান শ্রীল ভক্তিনিদার সর্পতী গোলামী প্রভূপাদ-লিপিত ভূমিকা বহু) গৌরপ্রেষ্ঠ শ্বরপ-রূপের একমাত্র প্রিরতম জ্রীল দাস পোখামী প্রেচুর অপুর্য চরিতামৃত ও শিক্ষা অতীব প্রোক্ষণ ও সরল ভাষার সন্ধিবিঠ এবং পরিশিষ্টে দাসগোখামী প্রাভূম বিশ্বচিত কএকটা সাহবাদ মধুরতম ওব ও মনঃশিক্ষা-স্থালিত। ভিকা नीयारे ॥• जाना, जानायारे ।🗸• जाना बाज ।

# চত্রে নবর

প্রাচীন দববীপের অবঙ্গিতি, তথা, ঐতিহ, লোভ ও ঐতিহাদিক প্রমাণসংগিত নয়্তী বীপের সচিত্র বিবয়ণ-अंद । प्राणिव ता अगारक्य क्यात्र श्रीगृक्त अविन्यू मावाह्य त्राम ध्यम, था, व्याख्य (गारकांत्र), द्वतासकृत्व बर्रहालंब कश्चक সঞ্চলিত এবং ৪৭ থানি বিভিন্ন বর্ণের অপূর্ণ চিত্র 😘 মানচিত্ৰ-সময়িত; প্ৰোচ্যবিভাষণাৰ্থি বার পাছেব 🗖 ক্ত মগেল নাথ বহু বিশকোবদশাদক মহান্তের বিশ্বত ভূমিকা गर । खेरकडे (हेर ) मत्राका दीशहि मृत्यु >॥•, खिः निः एक २ होक बाजा।

# माधक-कर्श्वमाला

'धकवन्यका, देवकव-वन्यका, देवकवनत्तव, वांगारमञ्ज श्रीक, चीनामरुष्टे, कीमयराधार्त्र ष्टरोखन्नभछ नाम, ष्टर्धारु नामकी र्हम, धीनावनहीर्जन, (श्रयक्षनि, 'बाज्रेशनकीरु, मनवीश-मिश्मा, श्रीमाद्राश्चन महिमा, श्रीमद्राष्ट्रग-धान्त पहेक व्यावार्गा-वन्त्रमा, म्ह्राचामीत कहेक. त्यावस्थितिका. উপদেশনালা নামভঙ্গন-প্রাণালী, মহাপ্রেড় ও রাম রামানক मःवाम. मनःभिका. अश्वकलागृह्यः अश्वक-शब्द्याः মহাপ্রান্ত্র বন্দনা প্রাকৃতি সাধক ও সিঙ্কু দীবনের নিভাপাসা, रेवधः वर्गात्वत्र क्री जिल्ह जूनगीमानात स्नाह क्रमुक्तन करके धात्रगरवाभा मधुन्य छात्र। सिक्या 💅 👡 वैश्वाहे ॥ - माळा ।

# গৌড়ীয়-গৌরব

ক্লিকভার হুপ্রনিদ্ধ আলবাট হলে গোড়ীয়-সম্পাদক শ্রীপাদ স্থানার পরবিদ্যাথিনোদ প্রেমন্ত বস্তুভার বিষয় अञ्चलात अकालिक। इंशास्त्र (भोड़ीय देवकवमन्त्रानारयव ইতিহাস সুগ্রাকারে এপিড চইরছে। ডিকা 🕪 নাত।

### গোড়ীয় সাহিত্য

কলিকাভার প্রথানির আলবাট হলে গোড়ীয়-সম্পাদক ে কোরে প্রকাশিত। ইহাতে সাহিত্য-শক্ষের অর্থ এবং ্রাড়'য়-বাহিত্যের বিবয় পুত্রকারে বর্ণিত হটরাছে। জিকা lo • आंनी बाळ ।

### **এগোড়যওল পরিক্রমা-বর্পন**

জ্রীনোডদেশের যে সকল ভানে সপরিকর জীমনারাপ্রত ध्वर छम्पूरा भववती महासमान मीमा कविशा निवादहर्म. সেই সৰ আধুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও পেববিএছালিয় পরিচয় সহ যাভায়াভের স্থবিশা নির্দেশ ইভ্যাদি বিষয়খনি সরিবেশিত আছে। ভিকা। আনা।

### \*THE HARMONIST

OR SHREE SAJJANATOSHANI

बील शक्त एकि विस्ताद-व्यक्तिक ध्वर बील एकि-निहासम्बद्धी (भाषामी अञ्गल-मन्मापिक नाममार्विक माणिक लखा अकटन देश्लाकी कार्यात्र कही विश्म वर्ष ভবদক্রাউন ৮ পেলী ৪ ফর্মা আকারে প্রতি বাবে ব্রি-नारमञ्ज विकाय-रिकामकी महेना छन्तिक प्रहेरण्डमा कांगम, मूलन-मात्रिभाष्टा । विद्यानि मादीव विद्यामर्थम । **এই टाकार है ९ इंडे टार्स भार टकाम मानिक शकांविए** त्मिशिए गोरेरियम मा । वार्षिक क्रिका **क्राक्याक्रमम्** ७, हाका बाज ।

### क्षां बचान -

विदेशकार्यक त्याः जीयाशायम मरीहर

# ার্থবেক্তব রাজসভার শুন্ধভাক্তিমঠসমূহ

চভক্ত মঠ

মটারাজ

िक्रीक्षेत्र मनदीन, छाण्यह क्रियाम, मादानुद्र, मगोद्राः . . .

(नवर्ष-कन्द्रमं 🕮 शिर्वरंक छ - ये विश्वा क्षामा ।

बहै जान गांक्यक-कीर्य, नहरिक्षाणीर्क वा गांचक कक्रमनशीन को मनकीर्य व्यवस्थि। मार्थायुक्त वार्यम<del>ावि</del>ण्ययाक्रम्युक, भवविष्ठाश स्थार्थक कारा, माहेक, कालाह, कश्र अशाय-केन्द्रिनवंशिक्षा-एक-अक्षाम-एक्टरश्च चनावम । च चनावमा ध्वर क्याप्तः शिक्षण-देवीक्षे नामाव्यक्षे विविधक क अधक माध्यमाविक-व्याहार्या-हकुश्य कामारवस केनाक विकारको निका मिला मिलिक कोटकरका । अहं महेदारक लाह्यार्थिक देशिक लाह मासक मध्यकारचेक व्यक्तांनिक व क्रशांठीम क्षत्रदाकि क्षत्रदान क्षा 'महीपा-क्षकान' व्यक्तान्त অভিটেক ব্রৱারকম বাভিব্নসর জীধাম-পরিক্রম: এটাম ও লগানিত ভক্তরাটিগর **ीर्ज**म क्राइत्यूर्ण महाम्राज्यस्थानि कक्षांत्र अक्षक्रिक रहेता जात्म । उक्तक-विकासी क्रमान अवन्यति । प्रष्टकारी--- क्रियान विस्तानविशादी अवकावी, पश्चित्र व्यापान क्षेत्रकान अवस्थाती कावाबाकत्रवादीर्व, विवास बीक्ष्य अवस्थाती, व्यापास सम्बद्धालान अवस्थाती. क्षेत्रकृतम् अक्षत् के, क्षेत्रकृत्याभागं अक्षत् की, एक नत्त्य, विश्वत, द्वारकीत्माकन 414 FEFF

विविधियामी अभिक्षक्ति श्रेषीय कीर्थ महाताल अवात्म कविक्रमः कीर्श्वन अधिक क्रिक्रका ।

(৩) খোগণীঠ শ্রীমন্দির

कडे जान जिल्लाहा परित्यत कवन या श्रिमण्यकाळाड्य च्याविकाव-कृति महास्याग-Als | कथारम क्रिमक्री शिक्षा क क्रिविकृ-Gunten Denignigian aat Bicomi 🛥 🕮 शब्दक्रक्ष विद्या मिया छना 📾 भय-据記憶器 Cガマ! マカリロ : \*\* ----(の!や・ श्राक्षक द्याचामी क्षेत्राहार्गः व्यक् व्यक्तमा-माथ । अञ्चली विभिन्नामम बन्दारी, **श्री**शांशिक्षाम ७ कि कृत्तन, श्रीशंत्रकात, अष्य-हाती। जैमाननशंत व्यक्तिकाती, व्यक्तन्ता BEINAME!

(8) **Bain-was** 

श्चित्रपाश का की की की म-दिनारम मा **ब्रिलीक्षणीणाम्य वागयनी । जनारम व्यक्तिरभोक्ष** विकासिक के नक्षत्राच्या (नवा वक्यांता ३ १ १ -- कि सहार कुष्य उत्तराही।

( ८ ) काटेचक-क्रवन

बारे शास्त्र क्षेत्रपटेश्व बायुद्ध करन व्यवस्थि मीनव्यास १ व्यक्त वर्क्षाम ।

क्षण - विकादकातमा मानाविकाती, **ब**र्माङ्ग्याम मायाकी ।

্ (৬) কাজীয় সমায়ি পাট ब्याहीय यात्राच्या यात्रमञ्जूषा (मनीया) किरबोमक्कानामः क्रिकामकाकीय नम्हित् ं ब्राम्य--- अवाठा है। किविद्यारियां विवादी ।

(१) मानिक सर्वक संबंध

किर्मात्रम, क्यानम्य ( मनीका ) mitten Glaumit An willerfernitaliteten jante att Buitsmajen met Gangel-सारापक दमका गर्मभाग क प्राप्त किन्द्रश्य काकार सम्हाती

क्किशिविषी येगा येगा येथ

(৮ श्रीक्रशबाध दगोड़ीय मर्ठ धक्रमनेशिश्क **।** 

तक म- विवधनत किनादी धम, स्त्र वि. जन, तककारी--टीडेंबामात्र किन भावी, व्येडेक्जम भाषकाती अञ्चल ।

> ( > ) बिट्गोत्र-गमाणत्र-मर्क টাপাঞ্চী, সমুদ্রগড়, ( বছমান )

🕮 म नाग्रीमारभरः, श्राक्तिक दनोत्रशनापत्र-পেশা। রক্ষণ--- 🕮 বেরাম ব্রহ্মচারী, ভভ अज्ञानश्य मध्य ।

( ১० शिक्रभःभोष्टीय-वर्ठ शाशामा श्राचा के के. भि क्कर- अर्दावमात्र बक्कात्री, महकादी-विवासका वक्षाती।

याजिनाक, काम्रज्ञ, बख्यात। विकासिक काव के कुछ बुख्या न (सम्र काम व क्षा कर्मा का विश्व होते अकराती. अक

( ) २ ) छाशवड व्यानन জীলাগৰত তোগ, ক্লফলসমু, নালীয়া। काश्रव : निकास अंद्रायणीत व्यक्तत्र-(कवा इक्क र--- श्रेक्क भागम अक्षारी का कार्यो

( ५७ ) 🖲 अकासन सर्वे (गाविकाशूर, दामबार्गी, मणीबा । रक्--- अध्नामम अष्ठावी । मह्नादी - क्रिक अन्तर्गत्ती, अपनाशीय नागानिकादी, ইংশস্ত্রনাথ পার্ডা, ডক্স বিশ্বনাথ

( ১৪ ) क्रियाक्य-८गोक्रीय मर्क ३०मर नवावभूद दशक, छाना। गुर्वन्द्वत व्यक्तत्र-दश्क्ष,जनात श्रीक्षक-द्भीशृक्ष् भाष्ट्वा-विविधातक त्या वस्त्राम । शक्क-क्षेत्रा वाच्छक अकवानी,

क्षिणशामकः भव्नविकानिदनात वि- व, वीव्याप-

(২) বীগোড়ীয় মঠ

১৬ নং কালিপ্রামান চক্রবর্তী ব্লীট, পোঃ বাগবাঞ্চার, কলিকাডা। क्षेणियान वि. वि. 8>>€

क्षेत्रका राज्य कातिक क्षेत्रिक क्षेत्रिका किल्ला-श्रतावात्म्य भावता भावता मध्ये क्षेत्र मन्त्री कृतिकाशास क्षेत्रकिवित्नांत जागतन क्षेत्रह अलिक्षिष्ठ जारक्ष्म । अके चक-भक्ताबाद्य श्री-शक्त-दशीबाक-श्रीनिदनायानक की छ मनावंदय निका त्यांवर करा । त्यांकीय काहाताबर्जन मानलीत श्रामनीत मुखाहारताएमा चीमाठ भागत क्रकता अवन्य मुखान वंशांनद्र मरकानिक बरेवारक्रम । शुचिनीव मच्चक 🎒शांवनाम-व्यक्तवार्थ करं वद्यानव क्ट्रेट्ड '(नोड़ीन' भाशांक्क भक्ष, कि क्ट्रबाबिहे मानिक भक्तिक केरवाकी कावाद निवर्गमञ्जात अकामिक कोरणका । विषयि गाउँ, महीकेंगर मध्यक्षान-ठक्टेब-(बहाब, জীমস্তাগ্ৰহ, জ্রীচৈড্ড-চরিভায়ারাদি-দীপা ও তথ্যাছের সমাক আলোচনা কটছ थारक। प्रशेषकक---वाठारा जिल्ल खोलार कुमिविटाती विश्वाकृतन। प्रवकारी--लिक्क श्रीताव अमधवास्त्रव नवविष्ठाकृष्य विन्यः तीनाव ब्राम्बद्धावी ख्राकारी, श्रीनाव अगडबादन मामानिकादी वि-व. श्रीनाम अवद्यानान मामानिकादी, उन्नहादी खोलीखनामक, अधनाडी जीनाविधारम, अधनावी जीवरानक, गांखक जानाव व्यविश्वक পরবিভাগভার সম্প্রদায়বৈ ভবাচারী, জিল্লবজ্ঞানদাস্থিকারী বি-০, জীভবব্দ্ধন্তিত্ব वकाशी वि-वन, अञ्चलपुर्व काम्रकाविष्, अविश्वकत अक्षाती, अञ्चलकावाविक

ব্ৰহ্মগানী আকৃতি।

रगोत्र बन्नठांशी, जीननरगीशक बन्नठाती, ব্ৰীণভিতপাৰন ভক্ত।

( ১৫ ) शिर्मा भागको यह

949194, 5'411 গোপাণজীর খ্রীনিগ্রন্তের আচীন দেয়া 

( ১৬ ) श्रियको है-८भाराज मर्ड इतिककि श्रमाविमी मका, वानिकारि छाका 🕮 गषा 🌣 – (भीदारक व मिका स्मयः क्ष्मच - अपूर्वश्रक अवहाती, श्रीमण्डिनाश ব্ৰহ্ম চাত্ৰী

(১৭. এভাগবভজনানশ মঠ

**किक्स्मिन्, नाञ्चनभूत, (यानेनीभूत्र)** धारात ने अब-श्रीवाक-शाक्ष विकास গিলিগারীর নিভাদেশ বস্তমান। রক্তক-खबनानी की नशनाननाभणी।

(১৮) जामनाद्याणा अभवाक्षत

वाक्यांव (लाः वद्यान ।

औषम्पादाण-जीवाक्तिका विविधादीत निकारमना। बक्क-अध्यामी विश्वि-किट्याव ।

(১১) औश्रक्तरवासम मर्ड

पर्यकार, पुत्री, क्षेत्रिका । धारात औरशोब-विकासभावकोड सिक्त-भ्या **रहमाता तकक — अव**ाती केंगतब:-सम्ब विवाशक. तक्तानी बीनवीदानक, धिमामाध्य बच्छा रे बक्ताती, क्ष विभिन्न ।

(२०) विखय-८गोड़ीय गर्ड व्यामनकाष, अव्यक्तित त्याः, शृश्ली। क्षेत्रकाष्ट्रवाच अन्यन्ध नगदन विश्वकरः भर्दात । प्रमम-स्पाताती विभंडरवरकी वागावकों। नरकादी---विषशक्षे विविश्वविद्याती ।

(२১) श्रेत्रकियानस मठ चें क्षित्राताकार, करूक :

धरात इ. छक--जावाक-विद्यासम्बद्ध জীয় নিভাসেয় বজ্ঞান। সুক্ষ— अष्टाती जीनगरः जीरामध्य अष्टादी

> (२२) जीनमाञ्च- शोबास सर्वे १वर सर्वास्त्र (नमश्रु, कामी । (वो )- भगावनु । अन्य सम-निकायन ।

ध्यास्य (भारत्भव) तसम्म 7 TF 45 ----जीवानकीनायको जीलकानन उत्रशामी ।

(2'0) STARCE (0'2) भीन्तिरव्याम कुथा, आनाव क्यापन र 型型 6141-34-CA: BAWT& CR411 রশক---- শ্রগণগরিনাথ ব্রহ্মচারী

> (२८) **अभिन्यसम्**रम् सङ त्विभियानगाः, माहाणुढ

अषारत 🖹 नागव्य वाञ्चलाला 💩 **ब्रि**श्तीक विद्याप विकास क्षेत्र (स्था वस्त्रप्रास ) वक्र क--- अक्षताती जीन गरशानम न वक्षताती લોન#દળાન :

(२०) औरेड्डक्टरशोकीय मह कृत्युक् का, किंद्रजू का, याजक्ष्म । हैश खोटेल्डक-मद्द्रश नाया। क्कक--धारमा-मान हार. बेटफनगानम अवहारी, औतार

कीय (मनप्रिवा)

(२७) १९ (गटमी छो स सह कॅक्ट्रिय है, बारनेश्वर, कवाल । बेल्य्ट्रक क्षीरशीवविद्याप-सद्भव द्रम्या वस्त्रवासः। तक्त-अभागायी व्यवस्थानकी जीवनी द्यालाम अवस्ती

(২৭) ত্রাক্ত্রণাড়া প্রসন্ধান্ত্রন-মই डाष्ट्रभाषाः द्वार मास्, रःवद्धा

बारारन बस्ट्रक्रांके औरशाशास्त्र 🎮 नक्ष्यान । रक्षक---वननामी खीळानुक्रक-माम, जी खनवाक अध्वतावी।

(२৮) विश्व त्याकीय वड--कावराजक बर १ (शांधिक वम, कांकांब दलत. जिक्के विक्री A वन १ — तमाना है है है है है, और नार्या खोबाधाडमग्रहवनमञ्ज

(२०) द्याप्राम्याकाव्याकार्याक श्रमण-वष्णांशी श्रीशास्त्र

# প্রকাশ্বভাবে বিজ্ঞোহীদের ছিলৰ্ও

হোমরাল পার্টির নেন্ডা নিঃ ছাউপু বড়লাটের নিকট ভীত্র প্রতিবাদ করিয়া এই সংশ্ব এক টেলিগ্রাফ পাঠাইরাছেন त्य, ७ आत्म : ७ सन विद्यार्शीत हित्र मुख ষ্মতি বিভংগ ভাবে স্বয় সানারণের पृष्टिभर्प स्राथा इहेशाए। फिनि एहे কাৰ্দ্যকৈ পাশৰিক এবং বন্ধরোচিত याँगवा निका कतिएएएन।

# त्राक्षवसीटमत्र थामा अश्व

্ৰীযুকা বিমনপ্ৰাছিভা দেবা, ডাঃ চান্ধ ন্যানাজ্যী ও জীযুক্ত সভোষ্ঠেপ্ত ৰিত্ৰ পুনরায় রাজবদ্দীদের সহিত আলী পুৰ সেন্ট্ৰাণ জেলে সাক্ষাং করিমা যে সমস্ত বৈজ্ঞানী অলশন বেড অবলয়ন করিয়াছিল, তাহাদিগ্ধে এক পক कारनाव क्या थाना अध्यः वह मरक দশভ করান যে, তাহারা আশা করেন त्य, नीखरे कॅल्लालन (जामननीरनंत्र) मावी शृजन कता इटरा। व्यान ६ लाग शिशादक (य, व्यानमट छत्र व्यानामी मोदनम **শুপ্তের মা**ঙার অমুরোধে দীমেশ এপ্রও অনশনরত ভঙ্গ করিরাছে। এতংসম্পর্কে 🚭যুক্ত সংখ্যেপ্রতর্জন মিত্র ক্রার প্রাভাষের নিকট দাডিলালংয়ে এক ভার করিলা-ছেন: -- নিছারিত পোরকোর থলচা ও রা ब्राप्टबन्तीता ८४ थान। निस्धाहरमः व्यक्तिती ছিল, ভাচা পুৰুৰৰ বহলে রাথিবেন তেই সাধান এক প্রকালের হার স্বশ্ন-ম্রভারা থাদ। এগণে শব্দ হুচন ছে।

# করিদপুরে ছুর্ভিকের পূর্ম্বাভাগ

সংবাদ আমিতেতে যে, অন্যুষ্টিতে শহের সমূহ ক্ষতি হইয়াছে: প্রায় 🗷 দিন যাবৎ ভাঁবণ গ্রম আমুড়ত হইতেতে। इहिना इडेला समूह विश्वतित सञ्चावना। ছভিয়ের পুরভেগে বংশ্যাই মনে । ब्राडाइड

# পটুয়াটোলা খুনের মমেলা

**बहुमार्ट**, मा दबानत । खाउटडादव हे विमानहत्त्व नरूर ५० १९गत्र वर्गका মাভাকে মানবোৰ করিয়া হভাবিরার সম্প্রে অভিযুক্ত বনিল্পুনার হালগার सावायन शादक दाननाविता (५, ८७)व । गान ব**ন্থ, প্রমন্তানক ছবে,** গোল, ন্বী ভ নেসার অংগেদ অভিযুক্ত হইসাভিল। क्ष्मिदानाम अति।मटड एहे मामनात्र 📆मानी উढ़िया भाषित्हें हैं गुक्स व्याणामीत्कर चापान (ननः खेळ इका শ্বপুর বেলা ধথন নির্দ্ধ গৃহে নিল্লা বাইছে- ছিলেন, এ সময় কে বা কাৰালা ভাৰাকে খাসরোধ করিয়া হড়্যা করিয়া ৭০০০ ठोक। महेगा मिन्द्रा भएए। তদন্ত প্রসঙ্গে বর্তমান আদামীগণকে প্রেপ্তার করিয়া চালান দিয়<sup>ে</sup>।

# নৌকাডুগীতে ভুই তন মহিলায় जिल्ल गमाशि

গত ১১ই জুন রাজিতে ২৫ জন যাত্রী লইয়া একথানি নৌকা রত্বগিরি হইতে বে!মানের দিকে রওনা হইয়াছিল পলে মেওরি বন্দরের নিকট আসিলে তাহা ডুবিয়া শার চয়েলো-গেট পানার পূলিশ এই সংবাদ পাইয়া তৎক্ষণাৎ একখানি লগ্ন ভগায় পাঠাইয়া দেয়। উহা ২৩ জন লোককে উদ্ধার করিতে সং । ক্রিছ চুইজন গীলে:ককে পাঙ্গা যায় ন**া পরে** মৃত্যের ছুইটা সমূদ্রের চেউএ ভীরে निकश्च हम् । इज्लाह धनिएक भौता भार्ता-हेबा (म 9या इहेबाइड

# ভূপা:লর মব্যবের নির্ভি

্চন্ধর অব প্রিন্সেজ-এর চ্যান্সেগার ভূপায়ার ভাষার এক বর্ণনায় প্রাকাশ कत्रिग्रहास ६---

"पुरुवादे गःश्रेम **मन्नादक त्व**नीय মুপজিদের মনোভাব পরিবর্তনের উল্লেখ कतिया करमको विद्वांत वास्ति बहेमारक । মুকুরাই অ১০নর নীতিকে মাধারগভাবে স্মর্থন ক্ষিত্র নুপ্তিদের প্রতিনিধির। ভবিষ্যাতে বিশেষৰ মত প্ৰিবৰ্ত্তন করার। রাপিয়াভিকেন

মনোভাব চেখার এব প্রিপের-এর ঋতু-এই উপন্য (सामन का क क दिए) ফরিদপুর জিলার বিভিন্ন স্থান হউতে। বাজভাবের প্রাথমিক কাণ্য শেশ করিতে ভাগিদ দেওয়ার মত জনগাণারণের মনোভার ক্ষি হওলা উচিত সুভরাং এপ্রায় কি কাঞ্চ করা হইয়াছে, ভাহার প্রাচেশ্চনা করার নিমিত্ত রাজভাদের **अञ्जिभिवर्ग एकः ८५५१८तम् है॥ ७**६ क्रिजिटक बहुमा ८० विक्टिय ग्रांडी इंडेरन । চ্যালেকার বড়বাটের সাইও আবোচনা করার প্রানা শ্রমধায় মন্ত্রীগণ ও অক্সান্ত বিশেষতাদের সহবভিত্যে বিমশ্য অপর उक्जे मे जा इहेरता 🖰 👺 मध्यानयर्की 🗷 সিংহার আলোচনা বাতীত এবনও কোন काक वर्ष भारे। ताकश्चनर्ग हिलातिह কাগ্যনীতির অনুসরণ করিবেন। যে সকল महा ए अवाशिष्ठं बहेबार्ड, छाहा वास्ति-গত নতামত মাজ।"

# রাজসাহী ভাপাতির জের রালসাতী কলেজের ছাত্র এবং স্থানীয় প্রবীন উর্বীল প্রীসূক্ত থারিকা নাপ ভট্টা-

ठीवाटक ३> क्षम स्रोट्ड अटबब (अशास्त्रज्ञ বাড়ীতে ভাকাভিয় অভিবোগে ইবুবৰিছে: ত্যেপ্তার করিয়া রাজবাড়ী আলিয়া আদা-লতে হাজির কর হইরাছিল। ভাহার क्य वांगितिहे नत्रभाष्ठ क्या वर्षाहिन ; কিন্ত ভাষা লামলুর হইয়াতে পুলিদ রিপোর্টে বলা হয় যে লে ফেয়ার ছিল, কিন্তু আদামীপক্ষের উকীল ইছার প্রতিবাদ ফ্রার সাব ইনজেন্টার বলেন যে ব্যাপারটা আক্রান ! এখন আই, বি'র হাতে; অভগ্রব স্ব কথা সঠিক বলিবার ফল সময়। আবস্তুক। তদমুদারে ১৯শে 😥 পর্যান্ত মামণা भूगकृरी আছে। ०,७गांश कर्षकांत्र চরিপদ বাগচী ও ব্যোমংগণ রাম এই <sup>ী</sup>তন জনের জয় জামিনের পরধান্ত করিলে পুলিশ প্রথমে আপত্তি করে, কিন্তু পরে সম্মত কটালে সদর মহকুমা চাকিখ ইহাছের ভামিন মন্ত্র করেন। मनकन व्यागामीत्र मर्सा इञ्चल हे छि-আমিনে মুক্ত হইরাছিল। পর্কেই কেবল একজন আসামী এখনও হামতে पहिना।

# अञ्चल १० कटनवृत्र क्रिक अर्किशिविद्यः याकास

পটেনা হৈইতে 🌣 ই জুন ভারিখের সংবাদে প্রকাশ দম্কা গরদ বাতাদে উত্তাপ প্রায় একরপই আছে। প্রায সকল সময় উত্তাপ ১০০ ডিগ্রীর উপর थाटक: मगत मगर ১১৮ ডিগ্রী পর্যাপ্ত ें डेटर्र ।

পঞ্চাশ জনের ও অধিক লোকের সর্দি গর্পি (ছইয়াছে। মৌহ্রমী বায়ুর চিক্ প্ৰ্যান্ত নাই। শীঘ্ৰই ৌহমী বায়ু জাসি-তেছে এই পূর্বাভাগের উপর নির্জর कतिता ठाडेरकार्टे ध्वक मश्रारहत अन्छ न्दार्ग (काउँ वनाहेवात वावका कतिया-ছিল। কিন্তু পূর্মাভাষের কথা সভা না হওয়ায় বৃষ্টি না হওয়া পর্যান্ত সকাবো Cकार्ड गणाहेवात कारम नियादकन I

# ৰঞ্জিত উকীল হ**ই**তে প্ৰতিশ্ৰেদ্যতি তাহণ

किছ पिन भूर दे डिकींश (मोगनी हे म्या ইলের সভাপভিতে জামুই বার এলোনিয়ে-সনের এক সভায় নিমের প্রস্তাবটা পৃথীত इब :-- "त्य मकन डिकीन शंक चाहेन व्यवास व्यात्मानत्म मिक्क इहेबाट्टन भारेना हारे द्यार्वे दीशायत निक्रे इंटिंड প্রতিশ্রতি ব্রয়ায় আদেশ দিবাছেন। (यार इं हेडर नियानजनक वांधीन जारन या अन्तार्थन क्रिक्तिक स्वर वार्यन महाराग স্থানীনতা ও সুবোগ হরণকারী 🐞 গাড়ী-আর্ট্র সন্ধির পরিগছী সেজভ এই সভা

व्यक्ति कंत्रद्रव्य रत, वाराज विश्वासन्ति त्वमत्वर वार्यमः भूगविद्यप्रमा स्त्रिया वारा क्षक्राशास करतन ।"

# ं विश्वपान क्षित्र क्षत्रमञ्जूष चरगान

. रविनाम ८०१मा अनमबंगापी संबीक्षा উপৰাশ ভাগে করিয়াছেন বলিয়া

# নিরাজগঞ্জে আর্থিক ছুর্ঘতি 📑

गित्राक्ष नत्य चार्थिक एउँछि चुवर्षे स्वर्ध विश्रोद्ध ८६ **भवश पुत्रीकत्ररंगत क्ष**ण कर्जुनक बानगटनत्र बाबका कत्रिशटकत्र । **डिडीके ट्यार्क ८६ डिटमट्स . एरक्स्या** নানাত্বানে ক্ষেত্র স্থাপন করিয়া কাঞ্চ করিতেছে কাম বেল সংস্থাবন্ধন ভাবে

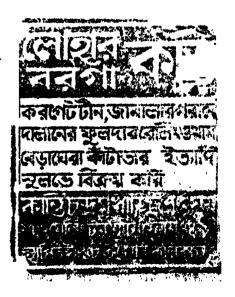
# मध्यामीरवनशामीत की ख

शदक्षत्री नहीत जिल्हा मानात्मत्र निक्छ दक्षि मन्नामी वाक्ति। खाहादक এবং তাহার শিষ্য চক্সপাচাব্যকে পুণিশ শেশুরি করার বাকুড়ার অভাস্ত চাঞ্লোর সৃষ্টি হইয়াছে। প্রকাশ, বসত্তে একটি শিশু মারাগিয়াছিল সেই শিশুর মৃতদেহ বুঁজিয়া তাহাকে স্বাটিয়া থণ্ড গণ্ড করিবা এই সন্নাদীধন নেই মাংস गट्यत महिन्छ खन्दन कतिहास्य अहे अधिरयात्। हे नांकि श्रृणिन छाहानित्रक প্রেপ্তার করিয়াছে।

# गाची बिटक द्योगः मनवर क्रेशक व

গড় ১১ই জুন গলাবাল বরকীওয়ালা गारम जक्षम विश्वा महिला लाकी किटक इरे महलारिक हें। मुल्यात अक्रवानि কার্যকার্য্য থচিত স্থোপ্য'নশ্বিত সম্মন্ত এবং রৌপ্যনির্মিত পাদ্পী<u>র</u> উপহাস भिन्नाटकम ।

गांकीक प्रवृक्तकात नाम-व्यानि अस्य नीशास्त्रत कश्च एहे मम्बद ज्यानिका-ছেন ?"



गारादगढ के ब मा अव रवड यापिक 📐 वानाविक 📢 देविमानिक २०० भागिक 📐 অভি সংখ্যা (১

শদীরা জেলাভ একমাত মুখুশ্

40 ]

-শ্রীষ্ঠতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি

ठि० उमे गर्था

ৰোম আহাপুষ- ৩ৱা আনাড় হহস্পতিবার ১৩০৮, ১৮ই জুম ১৯৩১

# নানা কথা

৫০০ যাত্ৰীয় জীবন বিপদ্ধ

क्षारकाम जिलकृत्व ट्रान्टेटमकाम ६०० ীখানী একটা ছোট চামানে করিবা আনোদ समर्प बाहित हहेर्बाहिन, क्षित्र टाकान रव, ्राहे हैं। वाश्वयामां शहरत महीय **्रवार**मां स्वेट्छ जापूरत सरकत सराज अक्ति मान्छान दरेमा निवारम ।

নেই নেউকিলিবাট সামক চীমারের আগ ८क प्रका नहित्य यनिया घटन दर्ग नाः। ০০০ খত বাতী খলে ভূৰিয়া নারা विशादक । महाक माण्याम बीम क्रेटक यथम श्रेमात्रण कास्त्रावस्त्र करते, स्थन one भक्ष शासी सरक्षत अवदा स्वतिका manife Manifest with winter काहारक केंग्रिक क्योंक हरेगा दिन।

> विध्यादीरक्त अविष गःवय **35 वन निरक्ष निरुद्ध**

्रावान परेट्स अस् ग्रानाम वानान हैंग, अक्षांत असी भूतिन देशरणहेत सुहे TINES PAR ATHER PROPERTY मुलिमनम् १५ ३० मून त्वविद्युक्त THE PROPERTY OF THE PARTY OF TH

Person and a person force are, **阿拉拉克 可以 原产于可 (过多)。** ३८**१ क्र** २०वन आवश्ती चाव्यानुब THE PERSON !

THE PROPERTY OF

# '৫০০ যাত্রীর জীবন বিপন্ন

বিজে:হীদের সহিত সঙ্গর্ধ—১১জন নিহত

# ৫০০০০ টাকা চরি

क्छ नगः भूर खत्र भूगलभान-धर्म अक्र तेष्ठा 🦠

# দীনেশগুপ্তের ফাঁসী স্থাগিত

মদের দোকানে বোমা—-২জন নৈহত ৪জন আগত

# ব্রহ্মসরকারের হস্তাহার

পেডী হত্যার মামলার শুনানী

# কাজীপুরে ভীষণ দু

ইণ্ডিয়া কাউন্সিলে নৃতন সদস্য

्रहेट७ पहिष्करक् । अहे मःवास्त्रम् मधाणा निष्तितर्गत कक नमान्त मनारवत्र छाः द्यारियरमार्ग मान भ्यायमक यात्र माहे-ব্ৰেমী ও কংগ্ৰেগ ক্মিটাতে ভাল কলে। উল্লেখ্যাৰ সভা, ক্তিনি এই মৰ্গে এক केवन नारेबारकती जारता क्रांकान दर, छक्ति ब्रोहरू मुग्नमान स्मेननीत । अहात्र कारी व डेक वर्णक एक्ट्रपत कालाजाता करमहे डिनीइडिक अवश पृष्टे व्हेनारक। वैकामित वर्षा नेपर्क कि यावश वनः .. बाद्याक दिना कृतिरक्षित । दन नव्यकि

শ্বন করা যায়, তজ্জ্জ্জ ডাঃ মোহিণীযোহন ৰাস অনুর ভবিষ্যতে অনামগল বাইতে-

ভীৰণ চুরি नगर ७ व्यनकारत ००००० हैं।का कार्ययानीक मार्थिक " ध्रेक वार्कि "मेर्नेत क नामहाद्य १०००० होन व्याप्तिका है होन হওমান বোমাই একুলিল কিছুদিল বাবছ ছন্মবেশে আনেঞ্জীতে বাস ক্ষিতেছিল। পুলিদ ভাহাকে ১৫০০০, টাকা মুল্যের গ্ৰনাপত্ৰ সহ খুড করিয়াছে।

# পেড়ী হত্যার মামলা ५७ हे जून छात्रिएन अमानी

১৮ই জুন ভারিখ সিঃ লৈডী পুনের मामनात्र क्रमानी केंद्रिय । े शूनिने में विन জ্যোতিতীৰন **খোহ, বিৰেকাক বছ**্ ব্ৰহ্মকিশোৰ চক্ৰবৰ্তী ও অনবেশনাৰ চাটাৰ্জিয় বিক্লভে চাৰ্জনীট বাৰ্ষিক করিবে । পদর বছকুমা হাকিম শহর সেনের ফাইলে এই যামলাটা ছিল। সভাতি ভারেকে চট্টঝামের পার্মতা অঞ্লে রালামাট্রীর সিঁহকুমা হাকিম করিবা পাঠাল **१९८७८** । त्नावाशानिक महकूमा का দিলেজনাগ সেন উহার হলে লাসিফেছেন। নি: ডেক, নি: পেডীর কাণ্যভার প্রহণ করিয়াছিলেন। গত ১২ই সুন ভারিব তিনি মি: ডগ্লাসকে কাৰ্যাভার ব্যাইয়া मिश्राक्त !

# कै बिर्फ कश्ट्यमक की देखकान

व्यक्तान द्व, कश्रवाक्षणुष बालात न्तिन কৰ্মচান্নিৰূপু জীমেৰন্ধী পাৰা কংলোপ पामिरम होमा निवा छैक कुरद्धाः क्रिमीवे সভীপক্ষি 🕮 বৃত ৰয়েজনাৰ ধান এবং, কংত্যের কর্মী প্রিয়নাথ পা তা ও আক্তেম बाहेजिटक दक्षशाम कृतिगरह । व्यवसाय बार्युटकं कार्नीटन बामान दमस्या स्ट्रेसरहरू जनः बाद्ध पात् ७ आक्राक्षेत्र बाब्दक কাশিতে জেমণ করা দ্বীয়াছে 🔝 🧓

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

# ় থোলা হইয়াছে।

অভিতর ও আন্দর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অভি অত্যের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যায়ে সুন্দর বাসন্থানের বন্দোবস্ত হইয়াছে। ছান অভীব স্থান্থ্যকর।

> সবিস্তার সংবাদের জন্ম নিম্নলিখিড ঠিকানা পত্র লিখুন। লেক্টোরী, ভাকুর ভক্তিবিলোদ ইল্টিটিউট্ খ্রীচৈডক্সমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

# —৫১ বং**শরের প্রতি**চিত—

শ্বিশালয়ে প্রস্তুত বৃত্তিকা লাল গুক্তভারণা, শ্বপ্রাণার, লোঠগাঠিত, অলার্গ, ধ্বজ্ঞল প্রভৃতি কন্ত লোগীল ভোগ নিয়ামল হইছাছে ভালা প্রকাশ কলিলে বড় বড় প্রক হুইলা পড়ে।

### ইহা

নক্ষ ৰভুৱে বাৰণার চলে ও সমান কণ প্রদান করিয়া থাকে। প্রতি কৌটায় ৩২টা বটাকা থাকে।

### কেবলমাত্র

প্রতি কৌটাঃ মূলা ১০ এক টাকা। ইণার নাম 'আডকলিঞ্ছ বঁটাকা'।

পঞ্চান্ত ঔবংগর ডালিকার পঞ্চ পত্র নিবিনেই পাইবেন আন্তিহান ঃ—আতক্ষনিগ্রাহ উত্মধাসের

২১৪ নং বছবালার ট্রট, কলিকাডা।

# কাবরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের

# जिल्ला का का मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्थ मार्य

ব্যংখনের প্রবিশার কল্প ৬ আঃ শিলিতে খনীকৃত অবস্থার ভোটবোদনের গাসপদ্ধি উব্ধ ভাকে পাঠান হয়, ইবাতে ঔববের কোন পরিবর্তন করা হয় নাই। সুন্য প্রতি শিলি ৪০ জালা, পাইট ৮৮/০ আনা, বোডন ১৮/০ আনা।

অফিস-১১ৰং উচ্চীডালা রোড, পোঃ শ্বামবাজার, কলিকাতা

# यंप्रव यक्षती

comparison and control of the contro

गुरुवादानि (सार्य दान्धातात काम वार्यामा वर्षाता परिवास काम काम कार्यामा वर्षाता परिवास काम कार्यामा कार्यामा वर्षाता काम कार्याकारिय प्रति व वृत्ति परिवास कार्याचा कार्या कार्याकारिय कार्याच्या वृत्ति परिवास कार्याचा वर्षाता कार्याकारियों, व्याप्तिकारीय कार्याचा वर्षातामा कार्याचा कार्याचार्याच्या

# राहेटफ़ारिन

2

# কোষরদ্ধি রোগ

ন্ধঃ এন্, এন্, খোৰ বিনা অলে, বাৰজীবনের গ্যাবান্টি বিন্ধা বৈহাজিক আন্দাতে কোমবৃদ্ধি প্রোগ আংলাগ্য করিলা থাকেন।

> ঠিকানা---৯৮ বং কটন ট্রীট, বছবাবার, কানকারা।

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

# দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌবর

পশর দিশে সম্পূর্ণ আরোগ্য

বোগী দেখাইতে হলবে। অগ্রিম পাথের গরত (বাওয়া এবং আগার)
পাঠাইলে গিরা লেগা লয় অথবা এখানে আদিলে ভোগী দেখিরা
উবধ দেওরা হয় আবোগা লা হওছা প্রাপ্ত পারিপ্রমিক দিতে হুইছে মা।
গানীব রোগীদের খান্ড বহম করিলা চিকিৎসা করা হয়। বিভারিত
বিবর্গের কন্ত এক আনার ডাক টিকেট সহ নির ঠিকানার অন্তসন্তান

প্রীক্ষিতীশচন্ত উকীল, যক্ষা-চিকিৎসক, পো: নৈকাঠী, বহিলাল (
অথবা নিয় ঠিকানার সাকাৎ কবিয়া বিত্তারিত জানিতে পাছেন (
শ্রীষ্ড রামগোপাল দত্ত তম্, তে, ব্রক্তনগর, নদীরা। শ্রীষ্ড কবিপ্রদ্বিংক, ১১৭, বেণিরাটোলা ইটি, কটিংগালা, কালকভো।

প্রক্রমানি পত্র । অ মার আতুম্পুর গত জয় মান ধাবৎ রাজ বন্ধার ভূগিয়া মৃতপ্রার কল্যানিল, কালকাভার বিজ্ঞ চিকিৎসক্ষণ ভাগিক লিয় শেষ মৃত্যুপ্তর জল্প অংশক্ষা করিছেছিলেন এই সমর প্রীযুক্ত কিফীশচন্ত উবিল মলাশয় মাজ ১০ দিন চিকিৎসা করিয়া সম্পূর্ণ আংগোল করিয়া দিশাক করিয়া সম্পূর্ণ আংগোল করিয়া করিছে। কর্পারেশন লাইটিং ডিগার্ট্রিন করিয়া করিছে। কর্পারেশন লাইটিং ডিগার্ট্রেনট্র কলিকাভা।

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

भोताक 880

মাত্র ১/১০ ভাকটিট্রান্ট পাঠাইলেই বুকপোট্টে পাঠান হয়।

দ্যানেভার-গ্রন্থবিভাগ উচ্চত্ত্মন, পোঃ শ্রমায়াপুর, নদীরা।

কেন প্রাহকগণ

# গৌড়ীয় প্র িং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

-কার্ভা-

এথানে যাবতীয় ভাগার কার্বা---

रशक्तित (रिष्ठर, स्मरण, कृषण, थाम, क्षमिशक्ति दक्षण, दिन खक्षिके वजूम, विनादक समञ्जन नक्क, कार्ज, विवादक मुख्के वजूम,

আর ৩ বং ও ৪ বংলের চাফটোন ব্লক্ট বনুন, সকল কাৰ্যট অভি শীল্প ছাপা চরু অণ্ড চাণাটবার গ্রচ বাজার অপেকা হুলড।

व्यानमात्र विष्ट्र कार्णाः कार्या वाक्टिन व्याठीकामात्र वामावेटमहे एक वाहेटम्ब ।

मारमधार-एगोज़िका शिन्डिश क्यांक्रम् १८०१र मर धानाव मारम्याव रेगम्, क्रिकामा

# बान अपूर्णादनत वस्तुकावनी

শাস্থ্য বিশ্ব ইতির্ভের স্থিতী শাস্থ্য বিশ্ব ইতির্ভের স্থিতী শাস্থ্য বিশ্ব বিশ্ব ক্লিনামূলক শাস্থ্য বিশ্ব হিক গাবেষণা

(%)

(३) व्यक्तभाम-प्रमान (सार्वाप्तमान) 🛶 😘 धाँहै नर्णन् शुर्व छ। महर्षित नाम--- अक्र शाम ু 🎎 থোজন, একত ইবাকে অঞ্চলাদ ও ्र**्रमाञ्चल**र्भन कुरह । हेनोटन काव ७ ७४-्रक्षां कित्युव : (भ निक्षिष्ठ व अवारक केवां व . আৰু ও অর্কশাস-এই ছইটা নাম হটবাছে ু এবং এই দানে অসুমানের বীতি সবিশের 🚧 ব্রিক্সিক্ত পাকার 🕬 মেক আরীকিকী লাম্ব বলাইয়া থাকে। প্রত্যাক, অধুনান, উপমান **६ भक्ट**डाम - छान्। १ अपि शकात । এकदाव মরণ আর একবার জলগ্রহণ এবং পুনরার मज्ञा, १९ क्यानस्था क्या श्राह्म क्या श्राह्म स পার্ডিকে প্রেডাহার করে। মুক্তিনা <sup>শ</sup> **ছা**ভা প্ৰশাস্থ সক্ষাকেই এই গোডাভাৰ-ছাথে 'ছাপিত হইডে হর। অভান্ত প্রথমিবৃত্তি-। ैक्कर्भ में खिल्हक व्यवनार्थ करहा 🕟 🕆 व्यवनार्थ ি সকলের তার্কিনীর ও এক্যেজন । ভীনাস্থান ঁণিত্রিকৈ যে এফজন গ্রমেখ্য আছেন, ত্বিধার অসমান ও জালাগ্রই প্রমাণ। देवेंटलंबिक मध भगार्थ । देनवािक त्याइल " नवार्यसमीत प्रमान भाषका, এই উভয় कर्णनहें अक्षवान्तानी ।

### ( ১० ) अर्: भार्मात

**এই प्रमे** । अर्था कार्य कार्य । । इंदे 'দৰ্শমে মুল প্ৰাক্তি, মহৎ, অহঞ্চার, একা-খুল হার্ম্য, প্রক জন্মতি, প্রক্রমহাভূতি ও शुक्ष दहे नकतिः, मांछ छ। इत मः मा क्षिमध्यम याष्ट्रा हेश्यक मार्थामन করে। প্রায়তির পরিপানে এই চরচির লগং উৎপত্তি হট্য়াছে এবং পুরুব প্রাক্তির भाषात विद्यादि । इदेश, 🐠 अदिश्रक्षाय श्चांबर धार्म क्रिक्ट इस्ट्राइट अस्ति अस्ति अस्ति। कारे मुख्यान् ग्राडः । नश्च मृतः व्यक्तित "<mark>সাক্ষাৎ পরস্প</mark>ধার পরিবাদনিদের। জারাজ-আত চতুৰিংশাভয়ত্ব নাঠাত অন্ত **८काम भगार्थ मार्छ। ७**.५५७ भूकार्यम् <sup>†</sup> বিবেক্ষণ্যাতি প্রাপ্ত তা**া সাহত সং**যুক্ত पारकः। निरंकक्षाां के व्हेटनहें लाइन्छि क्षात्रकि भूक्षभगाःकण, পুরুষর আরুভিগত। এতকে, অনুমান ा **भ मामेर** क्षामान । किन्द्र **धार**नत काठा छ । 🖙 निर्विष्टे अध्यक्षान्य व (माजन

१ ३५) ना उक्ष शक्ष मान्य इहेबारह । हेवा यह तर्नातत पान्छम ।

क्षेत्रमान वावि अहे कर्नाम ब्राह्म क्षान अहे प्रनेत गाय्यत वारमहा ।

क्षेत्रमान व्यवस्था व्यवस्था अहे कर्नाम मान्यत्व हेन्स्य नाम्यत्व ।

वाव्य भाष्यक्षमान्ति इहेबारह । अहे कर्नाम नास्य भारतिहरू ।

द्यारम विवय विवयस्य विविह वाक्ष्य

# क्षेत्री शक्र शोहादभी कहा नः

\*\*\* ----

# দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

# নিতাপাঠা বৈক্পবাতাবগ

বেংগি সমস্ত সাহত-শাল্যের অন্তরিম ন্যাব্যান্তা শীমনা ভারতে একমাত্র মূলভ

# দৈনিক পারমার্থিক পত্র

টালাম-মাৰাগু লেওৱা আৰাত স্তুম্পতি বার-১০০৮

ইহাকে 'যোগশান্ত' শব্দেও নিদেশ করা যাব। কলিল মুনিং লাগ প্রপ্রবিধ প्रधावित्यकि एक श्रीकात करतम, देशा भएड ध्वान्याहितिक धरामध्य काष्ट्रम. <u> बहेर्राज थार धन । त्यभगमार्था---श्राह्यम, ।</u> আর নিবীমর সংখ্যা কলিছের। পাতরণ দৰ্শন চাৰিভাগে বিভাক। তাংগত যেগে ই শক্ষাৰ, যোগের উপায়, স্কাপ ও ভেন, मुशाविभित्रातः, क्षेत्रपत्रतः अक्षत्र, अभाग, উপাসনা ও তংকল প্রাকৃতি অনুশিত হট হৈছে। এই মতে বড় বিশ্বতিত্ব দীয়ে ছ হুইশ্বছে, এতদ্যিত প্ৰাৰ্থনীয়। বছ-বিংশতি-ভন্ধ ঈশ্বর। প্রয়েশ্ব ক্রেনাদি-রহিত, স্বেজ্ঞান্তবালে শ্রীব্রালী, অসীস কুপাৰ নিৰান এবং একাছণ্য নিকাপ সম্বাহ বিরাভিত আড়েন। নোগ দাস:ভাইনেক कामा पाव । विख्यादिन विदर्शन कविया त्याक्षत्रवात भागामाञ्च (गांच करम् । अकाक অভুমান ও আ সভেতে। প্রমাণ বিবিধ। অনিমা লখিমানি আটটা দিখিকে মহা সিকি মলে। সকল ধাজিলই সংসালের धक्रमाञ्च अक्तिअस्त्रभागः । জুংখ্যায় সংসাধিকে হো, প্রাকৃতিপুরুষ-সংযোগকে দেয় চেড, প্রারুভিপুরুষ-সংযোগ निवृद्धिका देकरणाटक स्माप्त करर

# १३२ देलटपाचिकप्रमान

অস্থ্য এই দর্শনের মতে বিশেষণাগ নিতা।
প্রথবের আফাল ও প্রমান গ্রেক্তি এক একটা
সংস্কা নিভালবো এক একটা বিশেষ পদার্থ
প্রাক্তি। যদি বিশেষ পদার্থ না পাকিত,
নিজালবো এক একটা বিশেষ পদার্থ
কালে, ভাষা হইলো কথনই প্রমাণ সকলোর
মান্তার বিশিল্ল কথনই প্রমাণ সকলোর
মান্তার নিশ্বিক প্রাবাইত
আত্তর না। প্রমাণই এই চলনের বিশেষ পদার্থ।
বিশেষ প্রার্থের প্রাধান্ত স্থীকৃত হইলাছে
ক্লিয়াই ইয়া বৈশেষিকদণ্য নামে অভিনিত্ত
হইলাছে। ইয়া বিশ্বিকদণ্য নামে অভিনিত্ত
হইলাছে। ইয়া বিজ্বাধানর আত্তর ।
মান্তার, সহবি ক্লাক এই দ্বন শাগ্রের প্রবেভা।
স্বাধারগড়া উল্কাদ্ননই বৈশৈষিকদশ্য

# (১৩) भीनाः भाषा

এই দর্শনথানিতে বেদের বিদ্যুদক্ত মীনাংশিত হট্যাতে বলিয়া ইতাকে মীমাংগ্ৰ-मर्कान त.ण। इंश महिंच किश्विनीन व्यनिष्ठ বিলি ইহার অবর নাম—কৈনিনীপর্ণন। मनेनाध्याता दरन व्यक्तीकृतम् ध्रदः ই এব ও ঈশর। উঠা নিভা। বেগকে ধানা কাৰেন, ভাঁহাৱাই ব্ৰাহ্মণ। াৰ, গোঁক **কাৰ্ত্ত** বচিত ভাইছে, ग कथन 9 दिरमांक गार केंद्र নিম্য সভাতা থাকিত বা, -- ইত্যানিকাণে বেদের অপৌর্বে । মির্নর করা হইয়ছে। **এই मधीन धीमभागादिक धारा भश्यामध्याक** অধিকাৰণে বিভাজ। গ্রাভাক অধিকারণের रियम, पार्विस्त, शुन्दिस्म, डेंडतश्का ३ নিব্য----এই পাড়ী অন্ন। ইহ তে হৈতৃক ভাষের মত দক্ষ ধৃতিত হইয়া পর্নেখ্যের শ্রীর সীরত ছইয়তে।

# ( ১৪ । दनपाख प्रमान

ইবার হয় রচি ভা--বেদব্যাস। শক্ষাচাষ্য এই যাই সন্বাহন করিয়া হায়াবাদমতে
ইবার ভাশা প্রশাসন করিয়াছেন বলিরা ইবাকে
শক্ষামতাব্যাধিবেশ শাক্ষান্তনভাও বংলান।
শক্ষাচার্য এই দর্শনে কেবলাহৈতবাদ বা
মালবাদ সংস্থাপন করি ছেন। এই
দর্শনের মতে জাব ও প্রব্রহ্ম একই বস্তা।
মানিক উপাধিতে সাবৃত হইয়া গায়প্রায় কাশ
ঘটাকাশ জীবে ভাস্ক হন। জ্ঞান নারা
ভিরোহিত হইলে প্রব্রহ্ম নিতা সাব্যাহ
হয়। প্রব্রহ্ম বিভিন্নতা নাহ। প্রব্রহ্ম
ক্রেল গান্ধী, নিতাশ ন চেতা

মারা প্রান্থত উপানে নেগা। ম্পরিক্ষুণ্দ, প্রতিবিধনাদ, স্টাদ্ধানা প্রান্থতি বৃদ্ধি অবলম্বনে পর্রক্রের নিবিশাশুতা বেদসিদ্ধ বলিয়া কেবলাগৈত।দ্বা প্রমাণ করেন। কামনিক সাকার মূর্ত্তিব উপাসনা করিতে করিতে পরিশেবে অক্তান দ্রীভূত হইলে অগৎ ও জীবোগাধি নিথাদ্ধেশ প্রতিগ্র হয়। অক্তানবিনাশই প্রবিশেশনির করেণ। অক্তানবিনাশই প্রবিশেশনির

শ্রেষ্টি প্রত্যান বর্ণানাম ধর্ম পালনিকরত 
করিছে । ক্রেন্ট্র পোলনিকর বলে নৈরিলার 
উদ্যানর এবং উলি তবৈরাগাল মার্যানেচন ও 
বিশ্বলান) করত পরব্রজ্ঞালাভ করাণ । 
যাগতীর নিশিইতা মার্যার ক্রিন্টানার এবং 
ক্রেন্টানা নিশ্বলা মার্টানের ধারণামত 
ক্রিন্টানা নিশ্বলা ধান, তদীয় ভাষ্টা, 
মহালা বিশ্বলা, ভিল্লা প্রভাল মার্টানিকর 
ক্রেন্টানাম, ভিল্লা প্রভাল মার্টানিকরিত 
ক্রিনাম, ভিল্লা প্রভাল মার্টানিকরিত 
ক্রিনাম, ভিল্লা প্রভাল মার্টানিকরিত 
ক্রিনাম, ভিল্লা ক্রিনাম প্রভাল মার্টানিকরিত 
ক্রিনাম, ভিল্লা ক্রিনাম প্রভাল মার্টানিকরিত 
ক্রিনামনার নিভাল প্রিকৃত কর নাই।

# কলিযুগ

( উল্লেখ পাৰ্চান্ত্ৰির স্কৃতি-প্রধাকর )

কৰি শালের অমি দিবাছ। যে ফালে ক্ষতি শ্বতি পুনানারি-গছার নিবাস ইপঞ্জিত অবাং ভৰ্কণৰা আবস্ত হা, ধংকালিট কলির প্রবৃত্তি। জীনভাবরতে। সংগ্রহ লোকে ভাক হই ছৈছ, -- প্ৰেণাধায়ুৰা সভা क्लार्रियन युट्ट प्रमा । मन्तर लयसमञ्ज्यान नक्षणाणाः कृतात्रहाः । अर्थाः ८० सार्थाः ध्ये कशिष्टात् पा कार्त्व मामतहे आतीषुः, TIPICS WITT I EISTON MANISCE TATES অন্ধ, ভালতে এলভান্ধ, ভালতে আনার বিচলারে, ভাতবাং স্থাক্ষীন এবং উপরস্থ কেলে কি শিকা প্রাপীক্ষিত। **বেহৈত**, ফলিবুল জাত সান্বসংগ্র মধ্যে আনেকে-অল্পুনিশিষ, ভেত্মক ভাগাল শৈশৰ-কানেই স্তুষ্ধে পতিত হয় অগাহ ভন্তনাপ-वाशी वगः आध करेवात शुक्ति केशम ত্যাগ কবিতে বাধা ধলীয়া পাকে। কলি-গুণকাত মান্য দেশ মাগে বাহার৷ <del>বৈশ্বে</del> বৰুদ্ৰশা উচনীত ন, বছৰা অপেকাছত भीषं कीयन यात्र करदन, डाहातां छात्रहे প্রমার্থির অসম । যদি ভারাদিগের মধ্যে কোন কোন ব্যক্তি প্রমার্থ বিষয়ে নিবলস - অবাহ আগত গাৰিতাবে সমৰ্থ ) क्ष्मी छ। अकेटन मिश्लापिक अन्दर केटिना ८११ हो के इन्युक इन्यु निर्वेद्ध मणम । ६२ ना 'अनीद किंक निष्ठत क्रिके हरानु' न धर्र अवद्वता । १८४ - अर्वता चुक्रियलाः গ্ৰেকেন ৷ কোনে কোন নিবল্য গাজি যদি অভুনিবুজ হন, তাহা হই হে পুলপুরা চুক্তা হৈছে te Bister. ध्यायदे जात्वे मानुष्णयास्य ্ত পাকেন।

আয়েই নাবই সারু স্বর্গতেশন কৈ পাকেন।
পুমপুলক না মনত প্রস্তিতিক মদি কোন
কোন নিজন্ম ও অধুনিধাশন মানত প্রকৃত্তী
সাধ্যক্ষণান্তির জন্ম আতা হন, ভাষা
হলনে কলাও নান প্রকার বোগাদি উপজ্ঞর
বনতা সাহুমুগনি, মৃত প্রিজ্ঞ জার্বংক্ষা
শুনিবার ও উদ্ভাজির অনুবাজনের অবকাশ অনাবে প্রেরো সাভে ব্রিক্ত থাকিছে
বাধ্য হন

মাত্রব দেশ ব্যা ঘাইতেছে যে, কলিক(লে শেঃ লাভ কর। মাতীব জলাধা ব্যালার। কাল্য নানাপ্রকার বির উপত্তিত এইল সাংকলক লেগ্রেমাতে বালা কাল্য করিছে পাকে। পুলপুর্ব জনাশিলার গ্রিন্ত করেছিল লা লাশার্যে উপস্থাক্ত করা বির্দ্ধান্ত প্রিন্ত করেছিল ক্ষাণার্যে উপস্থাক্ত প্রাণার্য করিছে বালাগ্রেমা বিপ্রকাশ না লাশার্যে উপস্থাক্ত ও সাধ্যে করা তিনিই ভগবংগ্রেমে বিশ্লের ক্লাণার্যালনকর্মা নিত্রকাশ জালাদনের স্থানার করার ক্রাণ্য করার করার ক্রাণ করার ক্রাণ করার ক্র

জাণেরঃ সংস্কৃতিং ছেন্ত্রাং যদান বিবংশা

ভাতং সাথো বিষ্ঠোত ধনিবিংতি অয়, ভয়ম্।

যা বিংশানা কত মুনাঃ শেকামনানাঃ।

সাসঃ পুন্তাপক্ষা অবু লাগো≽জাদেন।।

কে: বা ভাগতভাজ পুণালোকেভাকএগং।
ভাজকামে ন শুকু দ্লেশঃ ক্লিনলাগ্রুম্।

# পরে প্রাপ্র

। <u>স্রী</u>যুক্তর অপর্যা দেবী ।

মালাকারঃ স্বাং রস্থা এর মাম তেরং প্রয়া।
মাজে ভোও ডিংফলানা, বাং হৈওলনাপ্রয়া।
স্থাতের আছি নিশ্চরণ্ডনক কাল্যান্
ম্যান্ত্রা আলোকার্গ শলে সাভিত্যিত করিয়া

an €.5 इन्ड.(त. मक्न भगाः । । भगारमत নিম্প্রের্নোষ্ট নাম্যালির - পঞ্চার্ড मन्य कार्य के विश्वकारिकारण गुन्ने से करते है বিনি আন দেব ছেগাপ্রাপী স্থপ্ত তের অধবা भराज १५ विकास प्रकारताला महनजा করিছে সমপ্র কালে হিন্দি হ'ত অধিক পরিল মাণে গোগামামা ইয়ান প্রানাক কবিতে পাবেন, উরোকেই দ্রন্দেরা ভঙ্টা ভিত্রন্দক ব্রেব্রেশন জন্মে প্রচা করি । এমন कि, अध्य 50% [**19**-5 ক্ষপ্রক্রিরের व्यानायमा क 100 + 47 (C) **ভড়সাহিত্য** हिजापि देशना करि । चर्मा किति। র্কোর প্রাতি লাদ কলিবাচন অপব। 🍑 🗦 स 🗺 🖛 रण व्यक्ति र १७५० । १० मान मानासिय शक्षाकृति छेज्ञातम करिस्ताहम, काशान्ताहक পালের আমধা পিরোপকারক মতেনে ১৮টেন कृष्टि भ्रष्टे भा । । कार्या १५ काश्रात ५ मर्स्ट कारात अनुस विक्रमध्यस्य (मीनस्या- ५०१ छ। त्रां ५२। दील दक्ति छै छ भागक राजा च महिक भववाय भटना दलके भटना भ । रिजनांगिन हवान शामक हाशातमञ् ্দের তিপ্র অধারান্তি নাকি চিক্তোত .सांक्स २५४ महीज्यानाकरण कन्।सिष्ट्य मानदेशीरम अभूर इ.स. हे ५ मा अना दिन्छ। कहि।

ভেছে । জগতের ভোগোন্সর অধিবাদিগণ প্রত্যেকেই ভিন্ন ভিন্ন কচিবুক ; তাই বাগার খেটা কৃত্যিনাথক, সে সেহটীরই স্কৃতি কার্ত্তন করে।

অন্তর্ভ ব।জি পীড়া ক্লেশনিবাসক বৈল্পকে, वक्ष**ीन दाक्ति वश्रमा**कारका सुधाई दाहि। emi প্রালা বাবেক, ভারিষালাভী T25 -বিক্ষেণ্ডাকে এবং আমিন কাম-প্রশীড়িত दांकि और श्रिक्त दमनीत्म, এই लाकारन--्रा. २०८क स्थीव उपाधान्त्रकृषा **कार्यः एवारकहे** প্ৰথ হিভকাতী যদিয়া সামৰে প্ৰহণ কৰে। কিও ছাত্রের বিষয় এই যে, অবাস্তব রাজ্যের উপকাৰকণণ বিভিন্নপকাৰ প্ৰাণীৰ প্ৰয়ো-करणतिभूतिक ८७१५८४ श्रामाञ्च सम्पूर्व অসমর্থ : যেমন, —কুম্বিগ্রাফারের কোন বংক্তির নিক্ট যদি কে: স্তর্ভানশ্রসম্প্রিত বাজ্যয়ালৈ সহযোগে এবহাগ এটা গাঁভলোগ -কৰে, অধবা ঘট মনোহৰ দুলাবলী কানিয়া : ভাষার ভাষো সন্মধে উপস্থিত করে, ন ওপাণি ভাহাত তিলাকা নিবুতি হতার विन्द्र, ५७ श्रष्ट्रावभः ५१८कः म।। आशाव ব্যালেঞ্জি ব্যক্তিকে ধৰি কোন উপ বিশেষ্ট উত্তম দেশা य (त्य でを作わる 一本にす。 49 अभागा, ६ अर मा । इंडोन भाषा व्यक्ति প্রান্ত কর্মিডাছে যে, ক্রামকা ব্রাহ্মান্ত भाग्य ५ विच्या जात ११ (हे फेलका दक निर्मान করি। ধিনি অন্যারে ঈশ্বিত দ্বা জোগাইটান, ডিনিই উপকারক চ

কোন কোন লাকত বিচারপ্রায়ণ বাজি অভিয়নসংখনর চন্দ্রভাগিরেমণা বী নামহৈলভাগলপান বিশ্ব লগির মধ্য প্রধান না
কবিবার কৌবিকভাবে সোকের সার্ভার
করেছা প্রত পরোলকার সাথে জার্ভার
করিনী রাভার করিছেছেন। মনোধ্রী
জ্ঞান্ত্রণ ক্রান্তর মহাবাহে বিশ্বাকনী
ক্রান্তর কেনিভালে মহাবাহে বিশ্বাকনী
ক্রান্তর কেনিভালে মহাবাহে বিশ্বাকনী
ক্রান্তর কেনিভালে মহাবাহাল করে,
ভিক্কটেভিলানের স্বাভিন্নত বুনি প্রাক্রভার
প্রথমন্ত্র ক্রান্তর স্বাধার ব্রাক্রভার
কর্ত্রন ক্রান্তর ক্রান্তর
কর্ত্রন ক্রান্তর
কর্ত্রন ক্রান্তর
কর্ত্রন ক্রান্তর
কর্ত্রন ক্রান্তর
কর্ত্রন ক্রান্তর
কর্ত্রন ক্রান্তর

শভাবর জুনিয়েও তৈথা মন্তব্যক্ষর হার । ' জন্ম স্থানক করা করিব পরাউপকার ।"

তে বাকে। উল্লোবসুন্দর ভারতবাসী প্রভাককেট ফন্ট ওকৰ কর্মাচরণ ধরে। জীবন সকল কবিতে টপাদল করিবছেন। অভ এব জনপজ্জান্তন জাপন, দ্বিদ্ধ-জাতুর পীড়িতের নিমিত্র মাতুবালম প্রক্রি), বিশ্বা-ধীন জ্ঞান্ত ভাতিকে বিজ্ঞা দান, রসক কুলকে কণ দান ইত্যাদি নিংমার্থ (৫) পরোধ-কারে আন্তনিব্যোগ করাতেট মন্ত্র্যালীবনের চূড়াক্ত সাক্ষা নিথিত।

পারাণ-কারা ভেদ করিয়া অতীন্ত্রির রাজ্যের বার্ষার মধার্থ এইপের গোগাতা নাই। তাই অনাদি হলিনিমুখভাই যে অনম্ভ ক্লেশ-পরিপুর্য পারত অভাবের জনক, ভাগা উপল্क 🎮 ना। अनुस्मानशास्त्रीनिधि জ্রীগে ১৯বি জগজ্জীবের স্থল বা স্থাদেছের অধ্যা ব্রীকরণকেগ্য তাৎকালিক কোন भक्ष है। कार्यस क्या गरमम महि। खाँधात स्रक्षः नानी **७५** इनाष्टेशं दा (धनमश्रमातीत তা:িভারের অথবা বসু:-বিশে**রকে ।।ম**য়িক সংখ্যা দানের মাছ কোন ফুল্ল দারে কথা মানা সাধানী,ভিত্ত হতভাগা জীব্গণ ভলান্ত্রন ডিব্রুম বশতঃ সিংহলিশ্র ইইণ্ मार गास्त्रका प्रमुप्त भारतमस्यव शतावस्यम ক) বা ১৯৬-শেরমায়ত ধাম - খ্রীধ্রেবিন্দের माम, अभूरत्त भाग वहेशा पुढ़ात आयोधना করিভেছে। ভাগাচিগকে ওলামার নিত্য স্বভাগ হরিদায়ে প্রভিত্তি কর,—মৃত্রাাণ ভীববুকের জন্ধকরে শাখত काशतराय मनगमानि द्वीष्ठारेश ए। ७---চিরবু ক্ষিত অস্থবা গ্রাকে শ্রীক্রথগাকী জনের প্রেনায় হধারাঃ লাভ কর" ইবাই ওরীয় ংরোকার বাণীর অন্ত্রিতি উলেক্স। ্রামার্ক্রটিজ জ্বীটোরচক্স ভাগক্সিই বঞ্চিত ভাষের উত্তার।র্যাওলীয় নিজ্যনা শ্রীন্ধিত।। নন্দ প্রভু ও নামচাণা ঠাকুর হরিদাসকে কি প্রকারে পরোশকার করিতে কহিল-ছিলেন, ভাগ বাাদাবভার জীল স্বন্ধানন राप ठेक्ति भटकानत चामुख्यविंगी कामात्र 本'示意 "神!TER TER, ----

''একদিন আচহিতে হৈল হেন মদি।
আতা কৈল নিতানক হরিদাস প্রতি।
অন ভান নিতানক ভান হরিদাস।
স্থান্ত আমাৰ আজা করহ প্রকাশ।
প্রতি সরে ঘরে গিয়া কর এই ভিকা।
বল ক্ষেডিল হল ক্ষা কর ক্রম্থ শিকা।
ইচা বহি আর না বলাবে না বলিবা।
দিন স্বস্থানে অনিব' আমারে কহিবা।

ক্রীমশ্বভাপ্রভাগ আজ্ঞাপালনতংশর, ভগবল্যনাওভীউপুগণরত্বক ক্রক্তে যোক্ষ
বিনিরিভানন্দ প্রভাগ সভিত ক্রিলাস ঠাকুর
প্রতি ঘরে ঘরে যাইরা ক্রিভাগে জীবকে
ক্রাভন্তনার উপনেশ পুনার স্বিপ্রধান
প্রতিভক্ষ কাণ্য সম্পাদন করিতেছেন,
দেখুন—

"आका भाटे छहे कर तृर्ग चरत चरत । नग क्रम, भास क्रम, फकर क्रम्पदा ॥ क्रम लाध, क्रम धन, क्रम मिन्। दहन क्रम जंग कार्ड हरें ध्रेम भन॥"

ভীবের প্রম উপকারী নিজানক প্রাট্ ও ধরিদাস সমগ্র নদীগানাসীর নিকট কি ভিকা চাহিলেন ? ভীষারা কি আধুনিত বৈক্ষবক্তবাভিমানীয় ভার কনককাবিনী

অকজ বিচারকগণের দেহমনোধর্শের আজিলারণ পৃক্রীবিষ্ঠার আবী ইইরাপ কারা ভেদ করিয়া অভীপ্রির রাজ্যের হিলেন ? তাহারা অবং আঁবের ইপাছ
র মধার্থ এইপেন যোগ্যতা নাই। তম্ব হইয়াও দীন পতিক জীবের বিষ্ট বিজ্ঞা
অনাদি ইরিনিম্পতাই যে অনন্ত ক্লেপচাহিলেন—'গল ক্লা তক্ত ক্লা ক্লা ছক্ত
পুর্ব পার্নত অভাবের জনক, তাহা

'ক্ষে গোনাল, ক্ষু গৌনাল লচ গৌনালেয় নাম মে।

দে ভন গোরাল ভলে সেই নোর প্রাণমে ।

ত্রীমতী বার্বভানবীর ভারছাভিত্রপিত ত্রীগোলরকের শ্রীচরণামগভো শ্রীনামচল্লী কা তে ভীবের পদে পর্যপ্রধার্থ
ক্রীন্থতি কল প্রাণ্ডির একমান্ত উপার—
শ্রীনমিন্তগালন, হবিদাস ও তাহাদের অসংখা
অসুগমন্তবী এই অপুন উপসামবাশিই
সক্ষে সুক্ত কঠে খোষণা করিবাছেন।

# নিৰ্য্যাণ

গত ৰদশে জৈচি বৃহস্পতিবার 🚉 🐠 -দুলা দিবস জিলেবিভাছের একটা সেবক ন্দাণ্ডোর ভজন বালি ৮ **ঘটিকার সময়** ত্রাপঞ্চ পরিভাগে কুরিয়াছেন। ভিনি ক্ষণিকাত: জালেন্ট্রামেটে **অক্সউচিত্তে** জীগরি ওক বৈঞ্ব-যেবার **আছানিয়োগ্ করি**-वाहित्यन । क्रिस्टक्या**म्यदा क्रीश्राट्य ८क्स** क्ष में अपने कार्य के हैं कि **महावेश** बहरणन, 'छाटा मानुन 'अकस्यकानी'त **वात्रना**-ভাঁত। তবে তাঁহার এই প্রগঞ্**লরিভ্যাগের** অংশে আমি এই শিকা লাভ করিলান বে. জীকণ কোনু এক **অভানা কলে আমাকেও** ইং অংতের সকল আশা ভর্মা ভ্যাপ করিয়া বাহিতে হইবে। যে তুর্লভ সমগ্রটুকু লাভ কৰিবছি, ভাষার কণ্মাঞ্ভ রখা বাব না করিয়া মৃত্যুর পুদামূহুর্ত পর্যায় বেন व्यक्यटि श्रीसमध्यीताष्ट्रम्या कवित्रा भारतम् সম্বল সংগ্রহ করিছে পারি।

# প্র গর- প্রক

গরিবাজনাগা বিদ্যালয় শ্রীবাদ্ ভিত্তি বিবেক ভারতা মহারাজ গভ এটা জুর দেররানগ্রাবাদী কাচারা শ্রীপাল স্বাবাচয়ণ গোলামী ভক্তিশারী মহোদনের সূত্রে ভঙ্গা-গমন করিয়া গভ এই জুন, ২২লে জ্যান ভ তর্গরানিবল শ্রীমন্ভাগ্যত স্কৃত্তি পুশ্-রাজের উপাধ্যান পাঠ কবিহাছেন।

গোখামী মহোদর শুক্তকাদপথাকিও
গৃহত্ব ভক্ত। প্রিথমদাসগণের আগসমনে
ভাগার বড়ই আনক্ষ হইছাছে। শুক্তিরিকথা
থক্ত প্রতারের ক্ষ তিনি প্রভাহ দুও প্রাম হইতে বহু ব্যক্তিকে নিমরণ ক্ষিয়া
আমিনা বিচিত্র মহাপ্রসাদবিভারণ ক্ষিয়ে

# গ্রন্থ পরিচয়

# শ্ৰীমন্তাগৰতমু

😬 दीमवाद्याः क्रकरेशनावम त्यमगाम-लागान भूमा दीवन-मध्यातीया-क्रका कार्या-निर्वहीका : लीवम विश्वतान तक रही ठाकुत्र-कृष्ट भातार्थनिनिय हैका, वक्षास्त्रवात, मःचूक सन्तर । দেই ছল্পের প্রতিশাস্ত কথাদার, অধ্যারের প্রথমে ঐ খধানের সার্বাহ স্থবিস্থত তাৎপর্যাদি বির্ভ। লোকস্চী विवयम्भी, व्यवाग्रविवत्तव, नाळ ७ शानपृष्ठीम् छत्य কাগকে উদ্ধন আক্ষরে মুদ্রিত। প্রাথম চ্**ইতে ১**০ন হন্ত পর্যান্ত ছাল্লা উপুর্ণক্রপে শেষ হইরাছে। ভিক্ষা প্রথম हरेट अस कर नगांच २०।√०; मनस कक ३२ू; PRE 80. 1

# শ্রী শ্রীটেড ব্যুচ রিভা মুভ

👲 🕮 🖺 মছ জি নি ছাত্ত সরস্বতী পোলামী প্রভণান লি ভিত 'অভুভাব্যে জড়ি-ছুড়ালি বছ শাল্পপ্রমাণ-স্থালিত হট্যা व्यक्तिक इरेग्राइन । (ज्ञात्कन्न भाषत्रवाषा, वज्रावनापत्र প্রত্যেক প্রারের প্রক্রে সংক্ষিপ্র অভিনের সংযোজিত। প্রাছ্যেক অন্যার-প্রার্থে কথাবার দেওয়া আছে ৷ গ্রোক্ প্রচার, শুলা, স্থান, পাত্র প্রাক্তির ভারত্ত স্চী ও এরকারের বিশ্বত জন্মী সমন্তিত এইজপ মড়তপুৰা সংস্করণ উভঃপুরে কুরোপি জেকা শিশু হয় নাই। জিওম কাগজে পারিপাটেটার 🖟 পেড় টাকা, ডাক গরত খণ্ডর। সহিত কৃষ ভূমকরে মুলাংশ মৃদ্রিত হটয়াছে। প্রস্থ প্রার see • शहात्र मुख्या । किया बर्चमारन क् माळा ।

# **এটি ভক্ত কাম্বর**

প্রক্রমারের জীবনী, প্রতি পরিচ্ছেদের ক্লাস্থা, 🗀 গৌড়ীয় ভাষা, শব্দুতী, সমার্হতী, বিধর-হান প্র স্টা, প্রকৃতি বিবিধ বিধয় সম্পাতি বিরাট বিভীয় ন 😁 ভাল ক্রেটিন ৮ পেড়ী আকার। আবিধালা ও মে: किय्नरम् 'क्षकाभिक क्षेत्रारक्षम् । कृत्य कृत्य क्षाकाभिष् **इट्टाइम। अधिम क्रिका ६ हाका, आ**नि मीनात 16 w 1 c 1

### BICE WHEN

এই প্রস্তের এরপ মভিনৰ স্থানর সংখ্যাপ আর ক্রাপি **क्षाकर्शभाव्य केत्र आहे। अश्वयक (अश्वयः) भावतः अवश्वयः, स्वयः। अश्वयः, स्वयः।** श्राया, कथामात्र, एवं। आकृष्टि मह बट्छ बट्छ आकानिए হুইরাছেন। মূল মোটা অকরে ভবল ক্রাউন আটপেনী बुद्धपुराहस काणा करेबाटछ । मूला २॥० छाका । नरीया ख्यकाल क ाोग्रीहरूत आहरू गरनद भरक अन् ठाका ।

# - শ্রীক্ষরপ্রকৃষ্ণীতা

্ৰ প্ৰীৰেণাড়ীয় বৈঞ্চলাভাৰ্য কলোকত সমিকচ্ডামণি " L Mauria ६ क्यांदिराकृत दशायां मक्ता मातार्थवियो क्षिक prengt क क्रीटीयक कितिया अक्रियक अधिक अधिक । क्षान' नास्क जागाकाकानाहिका। व्यवाहरूकी, माक्नाकत्व आंक-क्षेत्री, प्रशा-कृति, अष्टकारश्च कीवनी क कावलवानकाति वक्षा कार वर्ष वर्ष ने किया है कि किया है कि वर्ष कर कर कर कर के वर्ष अर्थकार्टमंत्र किन्दी के कान्या माध्यः मानामन अरक्षान--- आर क्षक) नाज

# শ্রীল প্রভূপাদের বক্তভাবলী

ওঁ বিষ্ণুপাদ এএএমভাক্তিসিভাওসর্ঘটী **दिशायां में महाद्वादकत** ताहे चितिका विश्वास्त्रिमी कीयाश्वश्रद्धारपादपाधिनी अया-कार्कानमाश्रिमी कीय छ वागान म्डं-विश्वर---देवस्थनभिकास्त-ब्रह्माशांत्र क्लेक्टमनि--- नामान रिक्टविकानागारतंत्र भोनिक छ्या-- श्रुक्षत्राज ७ छारावर्डत শ্মপা গুরু -- মহাজন-জীবনচরিত-শিক্ষ -- চিবিলাস্চিনাত-আজিলক, তবা ও বিষ্ণাদিবক। তাতি কলের আদিতে অচিনাত্র-বিচারক—ঐতব্য ও মাধুগারদের মৌলিক গবেষণার —সম্বন্ধ, অভিনেয় ও প্রয়োজন-ডম্বের নিদ্ধান্ত সমূল।

> ১ | প্রাথা খাল্ড-বৈক্ষরদশ্ন, শ্রী ওক্তর, কাল-धर्म, जीमध्याविकाय, देश्यायकाननी, शाक्षतादिकी दीका ও বৰ্ণ বিচার, আত্মধর্ম ও মনোধন্ম, ইটেডজনেব ভ ভাষার শিক্ষা, অন্যান্তত সহজ্ঞাম ও প্রাকৃত সংখ্যার প্রাকৃতি বিংশতি সংখ্যক রক্তে স্থানেভিত। ভিকা মান ৮০ বার আনা।

২। বিভীয় খণ্ড-ডদা ও ি ভক্তি, মহুগোর 🖴 🖺 মঙ্জি বিনোদঠাকুর-রচিত 'মযুতপ্রবাহভাগ্য' শেইতা কোণায়, আত্মার নিত্যকৃতি, আনর স্বামিপাদ ও भारातान, औरशीत-निकान्यनण, दिशासन मर्थ । क्रमा-कैंछिन, दीवारायकांत्र दीमदानतरस्त्र कैंछन, खेरशीत-भारमञ्ज्ञ महिमा, मधालागान, श्रीरागानिन, श्रीक्राभागाक व-**ত ক্লমসত্বী জন—১**৬ জন্ম "মপুন্ম মধুরিমাপুণ-বক্তত-বিভূমিত। किया : जिस है। माज।

व्यथम व स्किन कृद च व दक्षा महत्व किका अ।

### **अमर**ायप्रतीका

त्राष्ट्रीय-देवकावमानिक-दम्बत शक्तिमान्द्रम् विकार क्ष्यमङ्ग्रह छाया । श्रीमङ्गाकिविद्याम काकृद्यत्रशासम वस-क्षांतात्र निष्युष्ठ "नियन्त्रधान" नामक काष्णपुष्क । क्षतर्यः বরী, বিষয়প্টী, ও আছি লোকের প্রথম ও ভাষ্ট পদ কুটা, ভাষ্টকারের জীবনী প্রাঞ্জি সম্বলিত। উংল্লন্ট বাদটি, রাজসংখ্যাণ ( গুড়ীয় সংখ্যাণ প্রায়ের Tom1 2 6'511

#### প্রযোগরতাবলী

শ্রীমন্দ্রদের বিস্থান্ত্রনাত বৈদ্ধান্ত, স্ফাড ও ্ল্যাসন্ভাল্যাসি পড়িবার প্রথম এস্ক । উৎক্ষণ্ট কালিতে। ্লা। স্থানভাত টাকা ও প্রাঞ্চলবন্ধার্থাদ-সাহ্যো। अंकि भटरण व:लर्टव च (वावश्या कईशा भार**क**। किंका । । ক' । আ। । মাত্র।

#### श्रीमनशीभशाममाद्राचा

্ প্রমাণ্যও ) সামুধাদ। আতি-প্রভাগি গ্রান্থে শ্রীনব-দ্বাঁপের যে মহিমা কীরিত আছে, তাহার মুল সংকৃত ও काञ्चाम । किका ८० व्याना।

# **এটানবদীপভাৰতর**

শ্রীয়াকুর ভবিধান দিখিত। হল্পিত গাতাকারে। পরিক্রমার দ্রঃব্যাদি-বিষয়ক । ভিকা। আনা।

# ভজিনুতাকর ও মন্ত্রীপ পরিক্রমা

শ্রীল নরহরি চক্রথতি-ঠাকুর রচিত। ভক্তিরত্বাকর চঠতে পাঁৱত মাংশ মাত্ৰ গুছীত; জীফীৰ পোঁৰামী কি लकारत सम्बदीनगरमा भावकमा कतिशाहित्सम, जात्रहे পছে বিবৃত। ভিকা। ৫ আনা

টীল ভবিবেশে ঠাকুর-প্রেণীত। ইচাতে ট্রীকৈচ্ছের শিক্ষা প্রবাহন - কুষ্ণ, কুষ্ণ ভিত্ত ও বুস--বৃদ্ধ ও মৃক্ত জীব---অং১ সা-১৬- টেড্র-ভর্---সাধন-নির্বাস--শ্রেরোঞ্চন-ভর্ত্ত কদ্ধ-কাতে, আএমাদির বিচার—বৈবী ভক্তি, ভারভতি ও েল্লমভিক্রিক নামভ্যন-প্রপৃত্তী ও অভকানীয় লাক্ত-अभिष्याणि व्यथम निकार्योक जिल्हानी कहिला नहुन काणाव মালের যুক্তিপ্রমাণনত লিখেত আছে। ১৬৬ সংকরণ সংগ্ २. हाका, जावामा ১५० हे।का नाता

# গৌড়ায়কণ্ঠহার

चिटलो श्रीप्र-टेनमध्यणरन्त । अध्यक्षण **कर्छ** शहिन्द्रान्त्र ক্তি স্থাতি পুরান-পঞ্চরায়াদি নাম্বত-শাল্যন্ত্রে প্রমাণাবদ্য াল্যবিভাগক্রমে সামুগার ওক্ষিত। এইক্লপু বৈঞ্জ-দিছাভের সারসময় মন্ত কুঞালি প্রকাশিত হয় নাছ। ইহাতে ওকত্ব—ভাগ্ৰভ—বৈজ্ব— গৌর—বিভ্যানন— মাৰৈত-ক্ষ-শক্তি-ভগবদ্ৰস-জীব-অভিস্থাতেশাত<del>ে</del>শ ---জভিধেয়---পাধনভিক্তি--বর্ণ-জা--জা-সুস-শর্ম -- শুদ্ধপুত্ —শ্ৰীনাম—প্ৰয়োজন ও প্ৰেমান-তৰ ভবি পুণক্ অধ্যাৱে পপ, শ্রীমার্টা বুলভারুন নিনী, শ্রী:াডভোর দয়া, গোরকরুনা স্তুত্ব শ্রোকারিদ স্থানিত উৎকৃত্র এতিক কাগতের বেঞ तु काब्तिक मृश्चिक, छेरब्रहे तीता स्नानात प्रश्न नाम स्नवः। গ্রন্থ প্রায় ৪০০ পূরণ্য সম্পূর্ব। ভিক্ষা ২১ টাকা মাত্র।

# জ্ঞান-র পদাম-গ্রন্থানলী

द्यमण रुक्तिविदर्शन राष्ट्रभ राष्ट्रिक 'बाममारु:यू-भाग-নাহাছ্যোর সাম্বর্গন প্রমান প্রত্ত ত্রীল নাহং বি চর বলী ঠাকুরের ধাম পরিক্রমাণে — ইংধাম নবরীপ পরিক্রমা—ভাগ-याका পक्षा - अभिष् आर्यामानमञ्जूष नवदीनभडकम्-শ্রীমন্ত্রতিবিনোদ ঠাকুরের শ্রীনবদীপ ভারতর্গ প্রাকৃতি প্রায় একর ভিকা ৮০ আনা মাত্র।

### এইরিনামায়ত ব্যাকরণ

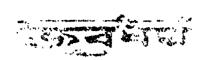
শ্রীফীর গোষামী প্রান্থান-বিরচিত স্থ্র ও ব্রন্ধি, তংগতে উনিকুলাণ জীমছজিনিদার সরস্থী লোস্বামা মহারাভের িড়ত ভূমিকা ও বসী প্রভৃতি সহ। अञ्चलानिक्षांत स्मान । जिन्ना २, हाका, प्राक्रमांत्रे পকে ১৮০ টাকা মাত্র।

# বেদান্তভ্যার

প্রীমন্ত্রমান্ত্র চিষ্টা । বেদ্যান্তর বিশিষ্টাইছালাল-প্রচারক শ্রীভাগ্য-প্রেণেতা আচাধ্য এবর বেদান্তদর্শন পাণের উপযোগী করনার্থ এই উত্তম করিয়াছেন। ইংক্তে वश्रास्थान ७ कठीलालील मध्याजिक कता क्रवाहरू নাম মাতে ভিকা ॥ আনা।

# এটেডভাটজামুভ ও নবধীপদভক

গোরপার্বদ তিমাতী শ্রীমং প্রবোধানন সর্বস্থী প্রাণীত মূল, প্রভূপাদ শ্রীমণ্ ভাজিণিকান্ত সরস্থা গোসামী মহাবাজ मल्लामिक व्यवस्मारम वार्गा ७ वकास्तान भवनिक। মব্দীপশতকের আভিভিতিবিবেলে সাক্রবার পদান্তবাদ ভ তৎসৰ্ শ্ৰীমশ্বাহাপ্ৰভাৱ একটা জিলগুৱাইত আগৌৰিক চিল প্রাপত্ত চটয়াছে। মুদ্রণ ও কাগজ উৎকৃষ্ট (২ খানি। धकरक ) किया be माना, मिक द्वारा वैशाह वाक्षणकार ः होका माळा



শীমন্ত জিবিনার ঠাকুর-প্রণাত। এই বক্ষাত্র এছেরচের জ্ঞান লাভ করিলে পারমার্থিক রাজে। কিছুব্রই
আনন বা সংশ্র থাকিবে না। পরম পুন্ধন্দিয়ক এইরাণ সরল ও ক্রমজন্দী প্রস্থ প্রশাস্ত প্রকাশিক কয় নাই।
নিদিন শোস্তামি-শাস্ত-মর্কাদিবি-মহনা-বল এই প্রধান্ত
উপ্রিভ কইয়াজেন। আবার স্থান্ত ভটা ক্রমান্তর
ইনান্ত ক্রা বিশেষ সমুদ্ধ করা ক্রমান্তে। বিরাটি প্রহ,
শোনার ভবে নাম লেগা, উৎরত বিনাই—চতুর সংকরণ
কিশা ২ টকো মাঞ্জ।

### <u>কেম্বির্</u>

শ্রিষদ্ধাপ্র ক্ষান্তর্থ পার্ষদ শ্রীণ ক্ষাদ্দিন প্রত্ বিরচিত। এই প্রকে ক্ষতি লগুনোধা ভালার মহাওছের ক্ষতিপর লীলাসহ বৈঞ্চবাচার, একারণী ও নংমাভ্ছন-প্রেন্থ প্রভূতি ক্ষতেক বৈঞ্চবাত্তরের স্থামিংলা দেশিখা পাইবেন। পান্টীকায় ত্রুত স্থানের বিশ্পথি ও বিশ্বত প্রত্কশিণ পরিচয়াদি-সক্ষণিত চতুর্থ প্রস্তুবন ভিক্ষা ৮০০ ভিক্ষা

#### ভজনরহত

ভক্তনকারীর দিশ্চাসদী; হাকুর শুক্তিবিনোগের অন্তর দান; নিধিব শান্তের নির্যাস। প্রস্থানি না দেখা এই।ত কেন্দ্র্রিট্ড শান্তিবেন না। তৃতীয় সংস্করণ ভিকা ৪০।

#### ছবিমাম চন্দ্রামণি

ামাচার্য্য খ্রীল গরিদাস ঠাকুরের মুখে শ্রীমরাহাপ্রাচ্ শ্রীমরাকার, নামাভাস, নামপিরাব প্রস্কৃতি বিষয়ের মারলীরে বিচার প্রাবণ করিয়াছিলেন। এই বিষয়ে ওলির ১ সরব প্রাবে সংক্রিপ্ত আশ্রম্ভ পরিগাটিভাবে মুক্তিত। ই.জ এতিবিদ্যাল ঠাকুর-স্কৃতিত। প্রক্রম সংস্করণ ভিক্ষা ৮০

# কল্যাপকছভক

শ্রীনত্তি বিনাদ ঠাকুর-র িত। প্রত্যেক ভগ্যদ-।

ভ জ্ঞানপথের প্রিকের একাত প্রয়োজন্ম।
তালে শ্রেনীপূর্ব গীভিপ্রত। শ্যাভ শেগাংড়া জানা
নে লে ও তেই ভল্পনরাক্যের গীভিসমূহের ছার। অনর্থনিতৃতি
ও ভগ্যবংসেরা লাভ করিবার স্থানি। পাইবেন। যত
স্থাবন্ধ, ভিক্ষা ঠাক জানা মাত্র।

#### শরণাগতি

ী মছবি বিশেষ হারের রচিত। ভগবানে আয়ামের্শ ব জ্ঞালি, ভেগন্যাল্যা, বড়্বিধা শ্রগাগতি ও সিদ্ধি লাল্যা বিশ্যক গাঁটে মুগ, ভিকা ৴০ আনা মণ্ডা।

#### গড়োবলী

শীশাকুর ত্রিধিনোদ-প্রাণিত : নিত্য ভদ্দন, আবাত্রিক ও প্রোলে-দেবনাদি-বিধয়ক মধুর গাঁতগম্ভ ঐকত্রে গ্রপিত। ৬৮৮১ / গোলা মতে।

#### **国产专事中有**进出

্নিকে প্রস্কৃতিমেলি প্রীমন্তিখনাথ চক্রেকটি ঠাকুর-বির্তিত বন্তার। প্রীমন্ত জিবিলৈদি ঠাকুরের অঞ্নাদ- । সহ া বাত খানা মাজা।



শ্রীমঘার প্রের্ড শিক্ষা ও শ্রীণ রখ্নাথ সাম কোকানীর প্রেটি ক্রিন্স গোকার্মার উপদেশবানী, ভবিস্পলের অনুষ্ঠা । প্র প্রেডিক্স বিংয়ে স্থানিচায়িত সামােদন ভাগা, পিনার বিকৃতি, চরিতাযুক্তর প্রমাণ, সাম্ম বাাধার ও মহালিক্ প্রেটিড সম্পাধার প্রত্যুক রােকের স্টিব্ সারিবেশিত ইরাছে। তা সংজ্যাণ ভিক্ষা নিক্ষানা

#### माध्य-यन

গ্রীবণুনাগ দাম গোপান্র মনঃশিকা. শ্রীল সাক্ষ ভিজিবিনোদ-চরিত প্রায়বাদনহ। ভিজা ৴• মানা।

# <u>প্রোমভব্তিচত্রিকা</u>

জীল সৈত্র সরোভ্যার ক্লগ্রনির প্রেমাচ্চিবিষ্যক ( গানেব গুড়ক। ভিজা /• মানা মারে।

### बनदी भगंडक

র ত্তিবিনোধারতি শ্রীণ গোগোধানক | বেছার এই নব্দীপশতকের স্থাগত প্রস্থাক । ভিক্যা

# কার্থপঞ্চক

তীল বোদ চোম্য মচিত। বৈক্ষণতা জানের, শাক্ষণ পুতক। ভিকাস- আনা মাজ।

# **লদাচার**শুডি

্ৰীন মধ্বাচায়ন প্ৰণীত। বৈক্ষবের নিভাক্সানি সদান বলী, বলালুবাদ সঞ্চিত। ভিজা ৴• আনা মাঞ্চ

### মৰিম্পন্তী

কবিত্রকোরী শ্রীমরারাষণাতার্য্য রচিত। শ্রীমরাধ্ব। চাল্যের সংভিগ্ন ভাবনদীলা ও মূল বৈক্তবধর্মনত। সাহ্যাদ ভিকা।• আনা মাই।

#### ८गोतक स्थापत

প্রাঠীন কবি জীগোবিন্দ দেব প্রাণীত উন্ধোরিবভারের প্রমাণাবনী-সংবালত সংস্কৃত গ্রন্থ। ভিক্ষা ৮০ আন্যা

### युक्तिमञ्जिका ( अभटगोत्रक )

শীনধানকাদারান্তগত শীনবাদিরাল স্থানিকত। রঙ্গাহ্ণরে নাছনাদ এই প্রচেষ প্রকাশ পারমাধিক দাভিত্য-ক্ষরতে এই নর্কপ্রথম। প্রিমন্তানাটাই ইটতে ক্রেড্রাণকন বিভার মধ্যানাই নামে ব্যাত শীনাদিরাজতীর্ব স্থামি এই প্রচেষ্ট্রানারণ হ'ল ও লৌকিক ভাষাস্থপারে কিরুপ স্থামন্তাবে ভিলিরোধি নাভ্যাদ সমূহ পশুন করিয়ানে, ভাগা পাঠ করিতে করিতে আশুন্যাধিক ইইডেইয়। ইলাভে বৃক্তির বারো চাহ্লাক, তৈন, বৌদ, মানাংসক ও মাহাবিধিমন্ত-মন্তের স্থান পশুন বাভ্যাতে। ভিলা ২ টাক্লা মানে।

#### (भारतांशी शिन त्रम्माय मार्ग

(ওঁ বিজুপান প্রীণ ও জিনিরা র সর্পাঠী গোলামী কাগছ, মুরাণ প্রক্রণান-লিনিত ভূমিক। সর') গোরপ্রেট পির্ন্ধান-র পের্ন্ধ ক্রমান প্রিপ্রতম প্রীন দাস পোলামী প্রভুর অপূর্ণ দেশিতে পাই। চরিতামত ও শিক্ষা মতীব প্রাঞ্জন ভার্মীর সরিবিষ্ট টাকা বারে। থবং পরিশিব্রে দানগোরানী প্রভুর বিস্তিত কর্মটী সায়বান মন্ত্রতম তাব ও ব্যালিক নিয়ামিত। ভিকা

# চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাচীন ন্বব্রিপের ক্ষাতিতি, তথা, ইতিহা, শৌত ও

নিতিকাসিক কলমাগসংগিত নহানী নীলের সচিতা বিবরণচার, । রাজবি রাজসাচের ক্ষাত্ম প্রীক্ষা পর্মিন্দু নারাহণ
রাজ প্রাত গোডোলার), বেশাগুড্ধণ নারাহণ ক্ষানার প্রাত লগত ৪৭ খানি বিভিন্ন পর্ণের অপূর্ব নিয়া ও
নামচিতা-সম্বিত; প্রাচাধিপ্রমালার্থন রাজ সাচেষ্ঠ প্রিয়া
নগোল মাথ কন্থ বিখকোন্দ্রক্ষানার মালাবার শিশ্বার ভূমিকা
বহু । উৎস্কি (ইং ) মর্লো বিপেট মুলা সাত, ক্ষিঃ পিঃ বি

# मापक-कर्श्वताला

গুণবন্দনা, নৈজগুনবন্দনা, বৈশ্বন্দনিপ্ত, দ্বালালের গীড়েই।লামগুট্টা, ইটাল্ড লোগ্ড আন্তর অব্যোত্রণত নাম, অব্যাহর নামক্টিলন, ইটাল্ড লোগ্ড লাক, অব্যাহর নামক্টিলন, ইটাল্ড লোগ্ড লাকন, ইটাল্ড লোগ্ড লাকন, ইটাল্ড লোগ্ড লাকন, ইটাল্ড লোগ্ড লোগ্

# द्वरी इंडिन्ट्योजन

ক নিকাশ্যের ক্সপ্রাহ্মি আক্রাটি হলে প্রান্তীয় দক্ষাধ্য দিংগাল সমারালক প্রাটিল কিনোল এমান্ত বন্ধভার যে । গ্রেছকারে একাশিত। ইচাতে গোড়ীয় বৈক্ষবগৃত্যদাক্ষে বিষয়ে স্থাকারে গ্রিক ইয়াতে ভিক্রা লিক্সিটি

#### গোড়ীয় সাহিত্য

কণিকাতার শুপ্রনিক আগবাট তলে গোড়ীর-সম্পাদ শ্রীপাদ ক্ষরোনন্দ পরবিমাবিনোধ্রাত্ প্রদান পকৃতার বিদ প্রচাকারে প্রকাশিত। উচাতে সাহিত্য-শংশর ধর্ণ এব গৌড়ার স্থানিত্যের বিধন স্থাকারে পশ্তি কইবাছে। ক্রি

#### श्रीदशोष्ठ्रम थल शक्तिक्रमा-मर्भन

শ্রীনেডিলেশের বে সঞ্জ স্থানে স্পতিকর শ্রীমন্মহাক্ষ তবং তদপুর পরবতী মধাজনগণ লীলা করিব। পিরাচেশ নোই স্ব আধ্নিক ভোগোলিক পরিচয় ও দেখলিপ্রহানি পরিচয় সহ যাভারাতের স্ববিন নির্দেশ ইভ্যাদি বিষয়ত্তী স্বিবেশিত আছে। ভিসা ।• আনা।

# THE HARMONIST OR SHREE SAJJANATOSH**ANI**

শ্রীন সাক্ষ ভিতি নিনান-প্রতিষ্ঠিত এবং ক্রীন ভবি
বিদ্ধান্তগরহতী গোমামা প্রত্থান নন্দানিত নানবানি
মানিক পরা। একণে ইংরালী ভাষার মারাবিংশ ন
ভবনারাউন ৮ পেলী ৪ ফর্মা আকারে প্রতি বারে হা
নামের বিলন্ধ-বৈচ্ছনতী বাইরা উপিছিত হউতেচে
কাবছ, মুন্রাণ-পারিপাটা ও চিন্তাবি মার্টার চিন্তাবদ্দ এই প্রেক্তার উৎকট প্রথম আর কোন মানিক প্রাণি দেবিতে পাইবেন না। ভাষিক ক্রিকা আক্রাভ্যাত্যাহ
টাকা বারা।

গ্ৰাহিখান-

विदेशकार्य, त्याः व्यामानायः मरीका

# বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভাক্তমঠসমূহ

# बैटिन्डिय पर्व

व्याक्त प्रतिशास

आक्रीत सरवीन, धाक्यम श्रीवाम महाशुत्र, सरीम

विवयार्यात्रात्रीतं व्हेरण आप २०० वय् विवय-शृत्तं विवयश्वतः चाहार्यातेषु विहयः-त्यवद्य-कश्रदम की शिटेककक-मठ विद्यालगाम ।

बारे जान मानवक-डीबं, भवविकानीहे वा मांचक कक्षणकारी । बारे महाकीट्बं क्षीरहिन নামাণ্ড ব্যুক্তব্যক্তিবেলাজসমূত, পছবিভাৱ অন্তৰ্গত কাৰা, নাটক, অলভাৱ, তথা स्रमाग-केशनिवर्-तेका-एख-अक्षाय-तक्षेत्रक स्रमातन । ७ स्रमाभना ध्वर एथात्र अक्षक-क्षीत्रोथ-शासःचं +ा-तितिवत ७ माप्छ माध्यमातिक-चाठावा-ठकृश्य के।वाटवत देशाध विज्ञात्वत्र अविक मिक्षा मिक्ष क्षेट्रक्ष्यम । अहे मोशास्त्र भावयार्थिक देशनिक्शस माज्ञक-नच्छनारमञ्जूषाका (मर्क के क्यांकीन क्षण्यांकि व्यक्तांत्र क्षण्यां 'समीवा-व्यक्तम' यहानम কাভিট্রিড চটরাতেন অভিবৎসন্ন ক্রিধান-পরিক্রমান্তর্ভাল ও মগণিত ভত্তংগান্তি । চ कीर्चम व्यक्तांश्वरूप महाज्ञात्। १९ मताचि क्रकाण व्यक्तिक वरेषा वाटण । उत्तर---व्यक्ताती विश्वाय महरूतिको। मन्याही—व्यापाय विद्याप्यविश्वाही व्यवहाही, गांक व्यापाय शोतवाम बच्छात्री कामानाकत्रमधीर्व, दिलाव बीटहता बच्छात्री, दिलाव सम्हणानाम बच्छात्री, क्रिक्रप्रयम अष्टारी, क्रिक्रम्मद्रशालांन अष्टाती, एक मद्राक्ष, वृद्धिन्त, द्रावकीत्मारम व्यक्ति मुख्यमभग ।

जिल्लियामी क्षीमहत्त्रिक्षणीय कीर्थ महाद्वाक अवस्थि हित्रक्षा कीर्श्वन किरिएटक्स ।

· (৩) বোগণীঠ ঐনন্দির

এই স্থান শ্রীক্ষণন্ত্রাপমিলের ভবন বা विमयशास्त्रक चानितान-कृषि महारवाज-भीके। जनात जीनवीजिला र के निकृत व्यिथानम् क्रिशोत्रमात्राक्षण ज्वर क्रिटेक्टमा व विश्ववास्थ्य विश्व त्या प्रवा विश्व-कर्षक (तथा वर्षमान । क्रक----(नाक-मामायम श्रीमामी क्षेत्रांगां वासू श्रीममा-विकाशिविद्यान अधिक्ष्यन, विवासमान समाbial : श्रीमायनयाम व्यक्तिकाती, दश्यल्या Bullende !

(8) क्रियान-क्रम किम्याश आसूत कीसंग-निमान सा बिरगीप्रणीणाप बामप्ती । जगारम खिळीत्रोक-निकासिक क शक्करकत दगरा नक्काम । क्ष्म व---के शका र कू थम तकानी।

( r ) WÈSU-548

ंबरे पारन क्षेत्रारेक शकुर करन करर MAI ABRIM I

Bur w. Buce bine einifemil. **ब**र्माक्ष्ममात्र गयाची ।

(७) कालीय समापि शाहे ब्यामिन माश्त्रम, बावम गुसूत्र (मदीश) क्ष्मीवश्रमानावः **वि**कादकाकीक स्वाधि।

nen-auftil Afeiniefenfilt

( १) मध्यम् स्वयन्त्र

Mentma, 141198 ( 31)41 ) क्षारम जीवकृतार कीन कक्षितिस्मारशकुरमक stalle unt Mententette met Albert. MINISTE CAN THEND

the alabas state with क्षांक्षि वन, वन, वर ।

# (৮ अक्रमबाय दमोड़ी स सर्वे मक्रमनशिश्य <u>।</u>

इक् र---- क्रीवहबत्र कलिनाची दम, ध, वि, क्या, मश्राबी-- क्रिकेश्वाम क्रकि-नाष्ट्री, ब्लिकेक्टम कावकाती व्यक्ति ।

(३) किटलीय-धनावय-वर्ठ টাপাণটো, সমুদ্রগড়, ( বছমান ) 🏭न वानीशास्त्र शक्तिक लोबननावतः माथ । जरुकाती विभिन्नशासन्य तथराती, त्यरा । क्षणक---विद्यत्राम तथ्राही, करू **श्वेत्रवाश्व काम**ः

> ( ) • अञ्चलदशीकोत्र-वर्ड माजानक, अवान कडे, लि वक्क--- खीर्ववरात अवधाती, गरकारी--जैमार्क्सना उपानी।

> ( ३३ ) किंद्रायक्ष्यवहत्त---याकेशाकि, काश्यक, नक्ष्यान। क्रिशामान गांव ठासून इत्यानस्मन काम । मीनवशान ।

> (১१) काश्यक काश्य विशामक (वान, क्रकममूत्र, महीशा। कामन श्रीकास अश्वनीत अध्य-दक्ताः तकक---विक्रमानम बच्छात्री कर्किनावी

( ३७ ) किल्पांचन शह ८वरिक्यम्ब, देशनदानी, अहीता । १क्--- वै बहुवाका बच्छारी। शहकारी े छनिरक संवाहाती, शिक्षमध्योत वामाविकाती, श्रीमध्यमध्यक अव्यव्यक्ती, श्रीमावनामक केन्युनार गांचा, कर निवसाय

( ३४ ) क्रियाक-ट्यांक्रीय सर्व post attack the " blatt व्यक्तिक स्थाप्त-दनक वराहर सी एक ट्योकार कार्याक विकासक द्वारा वर्षमान । प्रकृष-किशासम्बद्ध सम्पानी, Bate rivator references fe-4, Anti-

किंगियाम वि. वि: 855e अभगार्का शक्त वाहातिक स्थानक अक्षिप्रय-शहात्वारणाम शोक्करप्रसंघ नवस्थाता

(२) ब्लिटगोडीत घठ

১७ तः वालिकामान ठक्तवञ्ची हैिहे. (शाः नामधानाह, कलिकाछा ।

मन्त्री व्यविकाकात ख्रीकिकिवित्नांत व्यागत्म स्थिमहे अविक्रिक व्याटक्स । अने व्यक्त गण्यात्रादम क्रिक्स-दश्रोताण-क्रिविट-ाणामण क्रीडे मुनाईदल शिखा रमविक क्रम । दश्रीकीई चाठावीधर्माव वानकीय अञ्चलकीय अञ्चलात्यारकाल व्ययस्थ नवस्थ की अवस्थ मुझान ব্যালর সংস্থানিত ভইরাজেন। পুলিবীর সকাত জ্ঞিগোটনাম প্রচারাধ এট ব্যালয় व्हेर्स 'शोफीय' नाथाविक नक, कि क्टबाबिट यानिक नक्किन वेश्वाकी काबाब নির্মিতভাবে প্রকাশিত চইতেছেন। জীমতে পাঠ, সন্ধীর্ত্তন, স্বাভান-চত্ত্র-বেলাভ, প্রমন্ত্রাপত, প্রাটেড জল-চরিত।মৃতালি-দীলা ও ওত্তগ্রাছের স্নাক অনেলাচনা চটার बारकै। महेत्रकक--बाठामाजिक खोगान कुकानिवादी विकाक्ष्म । महकादी --माजिक खीलाव अमस्याक्ष्यव नवविश्वाकृत्य विनयः लोगाव तामधिकावी अवकाती. खीलाव গ্ৰন্থ ৰাসাধিকাণী বি-এ. শ্ৰীণাৰ ক্ষগোপাণ ৰাসাধিকানী, ব্ৰহ্মচায়ী खीकीर्जनानम्, तकाती सीमा।बीधानन, तकावी खीमधनम्, मांक्षक खीमान स्वीनकृष পর रिश्वानकात्र म व्यामाध्येत छन्। हार्गः।, ज्ञीकद्यकालमः। माधिकाती वि-०, ज्ञीकत्वकालिक्ष बकाती वि-वन, धीमधूनम आवरकारित्, खैरिष्ठत बक्काती, शीक्षरशाविक वक्ताती क्षकृति।

त्शीत बच्चाही, खीन (शिशाम बच्चाहाती, এপতিভগাবন জক।

# ( >৫ ) बिरगाभानकी वर्ड

क्यनाम्ब्र, हाका। 'পোশালভীৰ শ্ৰীণিপ্ৰভেৰ আচীন সেবা 

( ১৬ ) श्रिमकारे-द्वास्य वर्ष रविकासिकामा क्रिमें महा, वालिक हैं हाका শ্ৰীপদাই-গোরাঞ্চের নিড। সেবা ,

वक्क- छीपूर्व शक उष्टाती, दीम किलान ব্ৰগ্ন গ্ৰহী

(১৭) क्रिकाशवक्रमानम मर्ठ किक्कणिया, बाळ्डब्यलुब, व्यक्तिनीलुब।

खबात्व विश्वन-(श्रीताश्र-शास्त्रिश्-भितियात्रीय निकास्थता वसमान्। अक----वक्वामी वी म्मरान्यामको ।

(১৮) जाननार्याका व्यनज्ञासन बाबवान त्याः वक्षत्रतः।

वी धक्रांत्राम-धीन।कतिका निविधादीः निकारमवा। प्रक्रक-त्रक्षवामी खीर्गह-PETIO !

# (>>) अनुकृत्वाख्य वर्ड

atiete, nel, Singit वायात टीक्षां व-वित्नाचमा मनकोत्र मिका-म्बा बहुवान । इक्क — बक्कारी वीनस्था-वन निवातक, अध्वताती खेलतीवानक, वक्षात्री, क्ष श्रीविश्वति ।

(२०) विजय-स्थोड़ीय वर्ड व्यानवन्त्रमायः, अक्षणिति त्याः, पुत्री । क्षत्रप्रस्वत्वत्र व्यवस्थाः सम्बद्धाः MARIA ! 444-44513 विशवद्ववसी वनावकी। नदकाती-बच्छाबी केविनिमंदिराबी।

# (१३) क्रिमालमा गर्ड किंध्यानाबाद, केंद्र ।

वाचारम व्यक्तिक-अन्तर्गमान-विद्यामहरून-भीव लिटास्मा तक्कवासः। अक्करू बन्नाहारी जीवसारः जीवासम्ब बन्नाहारी

(२२) शिनमाजम- शोधात्र वर्ड 8न्द्र कर्माया वस्त्र काली ।

গোর-পদাভপুত্র সনাতন-শিক্ষাভ্র। এখানে গোওদেবা সভ্যান। বক্ত---चीवानकीवावकी जीवकानन अकरात्री ।

(२०) डीक्सरेज्डल मठ खीन् मेरव्यक्त कृष्ण, खानाम वृत्तासम । क्षे के लागा-अव-स्मान्सकोत्र स्मर्गाः

त्रक क — चैश्रगंथिकिनाम दक्कावी

(२८) ख्रांत्रव्यक्शन वर्ड ेर्नामसातमाः मीलाण्ड

এখানে আভাগৰত পাঠশালা 🛊 क्रिट्योत विद्यात विकाश क्षेत्र Cशवा यसमास । रमम--- प्रमहाती होने प्रकानक व सम्रहाती खोनगठनान ।

(२०) और इक्करभोड़ी मर्ड

हेर्नुक का (हत्रक्का) मामक्ष्य । हत्। जीदैवाकक-मरहात्र माथा। अकक-जीवमा-नाथ हाद. व्यक्तिन्यानस अवहादी, व्यक्तिव कीय उपवद्यांतका ।

# (२७) नामदभी छोत्र वर्ड

कुल(क्ष. वं(लव्ह. क्षांग । क्षांट्स जीभोवायताम हादमन तमना वसमाम। तक्र---वक्o'ती व्यवन्त्रकी, जीनमी-त्मानान उपनामी

(२व) खाष्ट्रभाष्ट्रा अन्नहास्त्र-वर्ड

अभिनेताचा. त्याः मास्, मायका बगारन यक कृष्ट्रभृष्टि जीटमाबादमस दमवा वस्यान । वसक---अववानी खोखावसक-बान, जी धारवाक अवाडावी।

(२৮) विद्व शाणीय यठ —कार्यालय बन्द (भागी बन्द,का कांग्र (मन, विके विको । त्रमण-अवारी क्रिगीतक्क, खोक्नाम्बद औषा पात्रमनहश्रनमञ्जन

(२३) रशाहानगाङ्ख्यमहास्य वर्णक-अक्टाबी बोबाबस्य व्य

# बाष्ट्रेबिक यनीटम्ब क्रमनम

**ৰন্দীদের পাভের ক্ষ**্য যে পরচার বরা**ন্**্র আছে, সেই খলচার যতপুর সুলায় থকীয়া ইফলমত খাদ্য এহণ করিতে পারিত। বর্তমান ইনুস্পেস্টার জেনারেল প্রেণিডেম্সী ক্ষেল পরিনর্শন করার পর এই নিয়ম পরিবর্জন করেন। ফলে বন্দীদিগকে গ্রোতে খাওয়া একেবারে বন্ধ করিয়া দিতে হয়। প্রতিবাদে ভাহার। গভ পোষ্বার হইতে অনশন আয়েন্ড করে। ক্তিপয় বন্দী অনশনের ফলে অভীব ছমল হইয়া পড়িয়াছে, ভাহারা শ্বা বনীগণের শরীর ফ্রত ক্ষম হইতেছে :--

- ( > ) भूक्त राम---- (महुश्रायाकात বোমাল মানলায় দণ্ডিত-ওজন ১০৩ 'পাউণ্ড—যক্ষানোগাঁ—লাভিশ্য <u>হর্মণ</u>— व्यवश्रा नक्षांभन ।
- (২) ছবোধ দাশগুও--পটেনা রিভল-ভারের মানলা--- ওজন ১০১ পাউও---েদেনায় কাতর উঠিতে পারে না।
- (৩) মথিকা রায়—কলিকাভা বড়বছ ७ डान्ट्रोमी ८इ:बात वायाव यामणा--ওলন ১০০ পাউও—সুনত্দের পীড়া অভিশয় ছারণ।
- (৪) রগিকণাল দাস --কলিকভো बङ्बरम् मामना--- असन ३०৫ পाउँ छ---পাঞ্রেরেণে ভূগিতেছে, লফণ ভাল দেখা गहिरण्ड ना।
- (৫)ডাঃ ভূপাল বহু—কলিকাতা बढ्दरक्षाः सामना - इक्रम २१ अस्टि ७ -অভিশয় ছর্মল।

# কাজীপুরে ভীষণ ছতিক

পারনা জিলার কাজীপুর থানার বহু বৃহত্ত নর নারা ভীষণ ছতিকের কবলে পড়িয়া ঋনশ্ৰে, অন্থাশনে কাল্যাপন क्रिट्टट्ए। द्याद्यम् इत्राधा ध्यन অবস্থার পৌডিয়াছে যে, ভারীরা ছম্মাতী গাভা এবং চাতের বন্ধপাতি গুলি নামমাজ मृत्ना दिश्वस कतिहास कीवम-धांत्रत्वत ছত দিনিদ দংগছ করিতে পারিতেতে লান কেহ কেছ মলের জন্ত পুত্রকতা भागक विक्रंत्र कति। उत्ता नश्य नश्य হিন্দু সুৰণমান একন্ট নরেও লক আর্থ नाम कशिएएए ।

**८हे क्लार्ड झाकनिशटक माधामा** क विवास निविक का की भूरतन 'नूब मने নেবৰণক্ষ্য' একটি সাহাষ্য সমিতি গঠন ক্ষিয়াছেন এবং ছণ্ডিঞ্চ লীড়িড লোক-मिनाटक यनामा । व्यवतम विक्री माहाया कतिएउएन । गड १३६ कानिय नाम-মার্ বিভাবের কমিশনার চড়িক-পীড়িক অঞ্ল পদ্মিল্লন করিছে। পিরা**হিংশন**।

क्रिनि त्यक्तराज्यतः कार्या गढडे स्वेताः এতকাল পণ্যত্ত নির্ম ছিল বে, ব্লিখনাছাখা করিয়া সভাকে উৎসাবিদ্ধ করিরাছেন।

> উপ'শ্বউক্ত সভ্যের একদল স্বেচ্ছালেবক অর্থসংগ্রহের অস্ত্র কলিকাতা আসিরাছে।

# षद्धत्र दशकादम दगामा ২ জন নিহত ও ৪ জন আছত

গভ ১৫ই জুন সন্ধা ৭॥ यक्षिणात्र স্মর টাদপুর পুরান বাজারে একটি দেখা म्त्रार्थिय द्याकारन धक्षि द्यामा सार्छ, खोडांब करन इहेबन लांक उर्क्नार মৃত্যু বৈ পতিত হয় এবং ৪ জন গুরুতর হরতে উঠিতে পারিতেতে না। নিম্নিশিত । ক্রম হয়। পুলিশ ঘটনাথলে ছুটিয়া বায় एवर (माकारम প्रिम भाशका वर्गाय। তদন্ত চলিতেছে।

# ৰবিয়াতে জনসভা

ঝ্রিণা কংগ্রেন কমিটার উচ্চোগে সম্প্রতি তথায় একটি জনসভা ছইশা িবাছে । खनभा भा त्र १८ व মোপদান করিবার জন্য অন্তরোধ করিয়া कराक्ष्य वड्डा वड्डा कराना

রাজনাড়ীর কংগ্রেসকন্সী গ্রেপ্তার একজন পেশ্বাবকে প্রচার করার অভি रगारण भू लिल शिगुङ ीतकवनग रमस्यत বৌত করিয়াছিল। তিনি পুলিশের নিকট আন্মামর্শণ করেন তাঁথাকে হাকতে वार्षेक त्रार्थ स्ट्रिश्टिम अहे मुक्क कि প্রের আরও চারিছন যুবককে এগ্রার করা হয়।

# 🖺 যুত্ত দীলেশ গুপ্তের 🗱 পি স্থগিত

গুত সোমবার সিম্প্র হত্যকাণ্ডের সম্পর্কে প্রাণ্দরে দণ্ডিত খ্রীসূত দীনেশ **७८श्वर कै**र्गिन इडेटब विद्या मरवान आका-শিত হইমাছিল। খ্রীয়ত ওপ্রের মাতী ভাঁছার প্রাণভিক্ষা করিয়। দর্থান্ত কর:তে वाकामा गवनंदमन्त्रे स्तिम स्तित्र अधिवात चारमन मियारक्रम ।

# ইণ্ডিরা কাউণ্সিলের দূতন সদস্ত

ভারত সচিব, জার গতুগচল্ল চাটাজি (क, नि, धन, षादे अंतः छात ताविकार्कः CF नि (क, नि, भारे, इंटर' इंखिश' कांडे-ভিলের সরক্তপদে নিযুক্ত করিবাছেন। कीहात्रा वधान्तस >20) मारणते >०६ 'शरणत मारमणति मिः ध्यर ३६ई खूनाई इड्डिंड कानी क्रियम । छात छहे जिलाम किमरम है कि, ति, जाहे, शूद महर्तुको बारिक रहेर की बीनानर के है, ध्वर कात्र श्रवार क्षेत्राचं, एक, नि, कार्क, के, यह अन प्रकृष्टिक फिरमान ।

सम्बद्धारका देखायान

ं दमक्रीनर्रभवाचिक अपने दक्षणः एईएक বলীবের পদারন সম্পর্কে নির্নিষ্টিভূমর্ছে क्ष देखान्त बाती कता इदेशाँखें :---क्षक्रवात्रशिमां अनुबाह्यकारण विके अनि विठात्राचीम वृत्तीदक जातीलक स्टेटक गर्देशी আৰু হয়। তাঁহাৰিগের সহিত ভিন্তন পুলিশ গ্রাহরী ছিল। ভাষাবিগকে शासरखन्न किकन गहेवा ८गरन भन धर्पर काता-टारकार्टन बरना यक्त कतियति पूर्वि তশ্মশে বে ভিন চার্ম্মশের হাতক্তি पुॅलिश (यना रहेशहिन 'छाहात्रा कंडक'-क्लि 'मो" महत्ता भूमिटमत टलाकंविंगटेक बाक्रमने करते। करने करतक्षम मे निर्देशन লোক আছত হয়। অত:পর ভাইায়া প্লিশের হামা বন্দুর্ক ইন্তগত ক্রিয়া (मशानरगणविमा<del>रि</del> প্লায়ন কয়ে ৷ পাৰ্শবাৰী করেকটা বাড়ীতে লক্ষ্য-হীন ভাবে श्रनी । इ दिया टाहात्रा भूकपित्क চলিয়া ধায়। একপ **অনুমিত হয়** যে, ভাহারা দিটাং নদী পার ইইয়া সুৎগিন মহকুমার দিকে গিয়াছে। যাহার। পলায়ন করিয়াছে, ভাছাদের মধ্যে ৩৯ লন পুরুষ ও একলন স্নীলোক আছে। ঘটনার দিন রাবেণ ডিমঞ্চন আত্মগমর্পণ करत द्वर ध्ववनिष्ठे मकरणहे द्वना প্ৰণাতক অবস্থায় আছে। ভাষাণের भिक्र श्विरमंत्र २० ही शक्षे यमुके बही বন্দুক এবং অসুমান ৮০০ শত টোটা थाट्ट। यनीभागात्र अगत २७ इन वनी भगायरमञ्ज ८७ डी करतमार्थे ध्वर भगायम করিতে অসমত হওয়ায় পলায়নকারিগণ **खाहारमत्र छहेबनाक खनी करते । जरेनक** भारताथा वन्नीरमत्र <sup>"</sup> श्रदेखेंनरंक " क्ली करतान । करन एकजन निरुष्ठ ७ वर्षेजन व्यक्ति हरा। भूगिन 'नैगावनंकात्री' यन्त्रीरतत्र व्यक्तात्रकः व्यक्तित्रार्टकः विवरः व्यक्ति ব্যাপারের মানিক সকটে উন্ত ইয়া इंटरकरके। चन्नोरमज अधिक विदेशार**र्वेज** त्काम गुलाक मध्ये। शूनिल नाइन हेरेएड क्षक भाग-(क्रम कडकड़े। पूरत व्यवस्थि अवर्र পধ্যরনের সমর ভ্রজন পুলিশের লোক মাজ উপস্থিল ছিল।

# क्षुविद्यान अग्राह्मकारका विकारक

বেহু নামে এক ব্যক্তি ভাৰতি ন नारम उदादक शकांत्र कर्तात किर्माटक क्रियान मामना अप केत्रिलाई " के नीकि जीवन करने क्षेत्रिक हरेबाटर । स्न क्षेत्र क्षेत्र नाकी मिलि

विवासभूत विका स्तिम AL WHAT

HE AN EN CHARGES CHAR-गरंव विभावन्त्र निर्मा निर्मित व्यक्तियं व्यक्ति विशेष्ट । और महत्त्वा ध्योत पर राजांड स्मानवास देवाल क्षेत्रीकिन्। "विश्वाद्याकं अक्षेत्र" रहीने पिकारिएन व्यवस् देवीनकी कारनेक विकेश लड़ी संदूर्णकृतांना बाकुम मकाम पर्किनी क निवर कुलिन असिनाद के जिल्ला के अवेटक, पूर्णमान संयोगिक विकास प्राप्त कतित्व कवर नेका कृतियाँ किएक अपूर्णान **कटेंशम"। "** 

अं भरबंगरंभम् जेडानेडि विरंगमे बाजुर्व 'पार्टिय दिनीमरी' व्याधिकवीके व्याद्यंप তৌৰুৱী। অপরায় ছই ঘটিভার সমূত किट्टिनम जात्रक इस ध्वेद<sup>े</sup> स्राधि निर्देश बार्यान नगांच हिल्ले नाटक ।

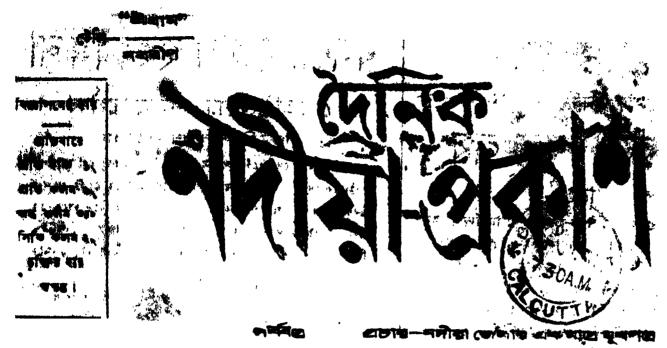
चडार्थना महिल्लि महामि स्मीनही ट्याप्तरमध्यामी दर्शभूषी बरनम त्य, देक त्यम चाळ्डावासीरमञ्जू कारण मा नरक्मी िन ब्राम दरे, मिल निकारकम्बरी मयवा प्राप्त भएक दबर वृति मानीसबीस Colbifatia (मध्या स्त प्रदेश नामनी मूननेमानटनत्रं नटक विद्यायक्टर्य क्रियान-क्या छिनि म्यनवानविशेषक करावाली द्यान विता क्रद्धारमंत्र नक्ति इपि निवरक

मध्यमान विज्ञतिकारम मध्यमीक প্রেম্বাস সর্কলকাভিক্রাবে গৃহীত হয়। স্বাস্থ क्षित्रकारिक स्कृष्टि काश्चीवः वृश्वित्रकारिक गठिक व्हेशास्त्र । स्त्रीमाना मानुष्रकाहिना काकि क्षेत्ररात नकाणकि अन्य द्वारीवनी राजान भाषी युगानक निकारिक AGAICEM 1 X 45.6%

कतिकपुर दक्षणी काळ नदक्षणी का अधीन मिलिस मधा

क्रकिरभूक विका-स्थान शरकार नकः विकेत व्यतिद्यमन क्रेनगरमं गुरू १४३वें. मुक्क मकार्यनाः गमिकित्र क्रम्याः अक्रमिन PARON CONTENTIA MEN THEMEN वान कर स्वापालिक लागम अर् कर्मिन काः क्ट्नक्रमाच वक्ष शास गटनक्टन्य TO THE PRINCE IN A अप -- • पठ शबदन (पद्मारापक क मानानिक कहा हहेगाति किंद्रिया कर्माना निवित्त ट्रनटकर्विक केन्द्र Bei was was the Confession CHARLES THE STATE OF THE STATE APPENDED WHITE WATER - Grie Wester 4 Street Warrant Comment of the Street Comment of the Street 

and the languages arrives.



मा का हमान 'शान পারেদ মেন Wille > यात्राविक ८८ देवगानिक २५० मानिक 🥾 ATIV थिकि मध्यां , ह

**আন্মতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যা**য়, বেদা**ন্তরাচ**ম্পতি

**535व मरबा**भ

মটেতভাষ**ট জিবাদ আভাপুত-** ৪টা আমাড় শুহ্ৰবার ১০০৮, ১৯শে জুন ১৯০১

# नाना कथा

<u>রেল টেশনে দশস্ত ভাকারি</u>

হাজীপুর হইতে সদত্র ডাকাভির সংবাদ ना ड्या निवादक्षा व्यक्तिन, गण ३६३ জুন প্রতি ১টার সময় হাজীপুরের টেশন মাট্রার ধর্ম উহার সহকারী ও রেলের ২ ঋন কুদীর দহিত টেশনে উর্ণস্থিত টেশে ८म्राटाम है कि कुलिन वियोव अर्थ है किन याचि गरेवा वाबेट्डिस्टिनन, छपन जन्मन **ভাৰাভ ভাৰাদিগকে আক্ৰব** করে। त्य भूगो डाकाम वांच गहेश वांडलहिंग, ভাহাদে ভীষণ আখাত করা হয়। ফলে काबात्र केश्व इहेटल याग क्येंग्रें। लिक्स यात्र। अन्यंन डाक्डि म्बना उपनहे कुर्पहिता गत्र । किन्द्र कार्काच्छा भनावन क विनेष पूर्वक रिडेमन बाह्यत छारारक अभिनादकरणनः। अञ्चलक्र केन्स्र सरक माजायकि चात्रक हत। এই फ्रांकालता তৰাৰ গুলী চালায় এবং ,ভাহার ফলে दर्जन माहाम ७ ज़ाहात गरकाती जनम এই অ্যোগে সঙ্গ ডাকাড अगृह्मि श्राम् । ८३ मन माहीम ७ **छा**रात जर्मावीटक नाष्ट्रभाव (बनार्द्राम राज-नाजारम नाजस्त्रमा दमकता हरेबाटह । **अनम मोडो**रत्रत्र व्यवचा नार्वाञ्चिक विनेत्रा व्यक्ति

क्षानकरण्य १० प्रान्धित्राक्षीत्रिक्षकः জাকগানিশানে বিগতি ক্ৰান্ত কৰিবত দক্ষ ·<sup>ক্ষা</sup> ভাষ্ট্ৰায় দ**্ভিত্তা**য় দ ুৰিবাসনাম জনগাস্ত ভাল গোৰালনহন্ত ভা

# রেল ষ্টেশনে সশস্ত্র ডাকাতি

ভূমিকশে ৫০ খানি বাড়ী বিধ্বস্ত

# সর্দারকে জীবন্ত দঞ্চ

পুনায় পণ্ডিত অহরলালের বক্তৃতা

# আলোকস্তম্ভ স্পানে মৃত্যু

কান্দীতে ভীষণ ঝটাকা—৩ জনের মৃত্যু

# শিশু প্রসব

गैंकांत्र किंकारन भास्तिश्र्व शिदकिश

# श्वा

বাসলার কংত্যেসী দক্ষ, হাজত সমস্তায় न्यथरमयत् । ज

कछक्छणा वाफी विस्तर करिशाङ

কাৰ্লৈর সংখাদপত্র ''অমলা" বলিভে-ट्यम, भाषरमध्तत निक्रे द्य चादधवर्गित्र भारक ठारांत्र बच्चे वह वित्रक्ता ....

चाक्रिकां चीन्। सामा

ं विदेशमाः नामक े शादा । साजिका-ः ४ अविभिन्नपश्चिति विभाषे पृष्टि सारक । विभागता । नाजीरमञ्जा । वर्षा रवः नामः वर्षितास्कः । अस् ভূন ভাষা আরও ওকতর আকার ধারণ ষরিয়াছিল। ক্রিপ্ত আফ্রিকানগণ সর্দা-**राम क्षी**रक्षेत्र कृष्ट्रिक निर्देशक श्हेत्रा ষ্ট্র আঙগ লাগাইয়া দেয় এবং সুদায়কে জীবক অবস্থায় পোড়াইয়া নারে 🛴 ৩৩-बिने जात्रक इच्छेंग ब्हेबाटहीं

जादशाक-खळ न्यदर्भ प्रकृत

লামেন কাবরু পিরাণা নাবে ৩৫ বংসর ्यक्ष अक्षान लाक वाषात्र छिट्टीत्रिया **फरक এक** है। देवहां कि कार्रगार कर उन्ह म्मानं कतिवासाय चळान हेहेवी भिष्टिती वाक ও সঙ্গে সঙ্গে মৃত্যুমুখে পতিত হয়। বৃষ্টিক জন্ত বিছাতের তারে পোলমাল ঘটাক नमळ उन्नहे। विद्यारंभूर्ग विदेशाचिम । मुपूर স্থকে করোনারের তদম্ভ হইতেছে।

चडु ७ निए अगर

**गष्ठ ३७३ जून मनिनांव (त्रा) ১**> টाव म्मद्र भागवनी ( स्पिनीश्रत्र ) श्रामनिवानी 🖺 যুক্ত কেদার নাথ সাহার স্ত্রী নির্মিত দশমাসের পর ১টা ছেলে প্রসূব করিয়াছে। ভেলেটার কোমর হইতে যতক বা হাত পা মুখ সমস্ত মাছ্য আকৃতি, কোমর হইতে পা পর্যান্ত ঠিক হাতির ওড়ের স্থ্যায় একটি বন্ধ, কিন্তু ভাহার কোন হলে বাছ বা প্রস্রাবের মার একেবারে নাই । ছেলেটিয় मृत्य किथिए इर स्वका हहेला खेकन करब् নাই। জীবিত আছে, পল্লে জীবিত चाकिरङ भातिरव विनेत्रा गरन इस . ना ।

**एडरनिएक स्वश्वितात्र , अञ्च**ः वस्र रनाक नर्ग नर्ग चानित्छर । 🕶

# 福報(など利引 東)書)司! ग्रवणाश्य महाम् कारमाहना শ্ৰাৰ্থনা

ব্ৰহা ্ব্যবহাপক সভান গণবলেন আধান পরিচালক গ্রথরের নিকট এক্ চিঠি খিবিয়া জানাইয়াছেন বে, অধিক क्षत्रका दयः विविधः कत्र उत्राह्मा रानीयात कात्रेग । अवियस बास्ताहरा ক্রার জন্ত বাবছাপক সভার একটি বিশেষ व्यक्तित्वनदमञ्ज्ञाद्याद्यम् क्षिटक व्यक्तित्व পরা হইয়াছে।

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট" নারে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

# (थाना श्रेशंट्य।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অতি যক্তের সহিত শিক্ষা প্রদান: করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্ম বিনা ব্যয়ে সুন্দর বাস্ভানের বন্দোবস্ত হইয়াছে। ছান অতীব স্নান্থ্যকর।

স্বিস্তার সংবাদের জন্ম নিম্নলিখিড ঠিকানা পত্র লিখুন। সেক্ষেভার্না- ভাকুক্ত ভাক্তিবিলোদ ইন্ট্রিভিডট্ শ্রীচেত্ত্যমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

# —৫১ বংসরের প্রতিষ্ঠিত—

ভিষ্পালয়ে প্রস্তুত ব্রতীকা দান ওফলারণা, অপ্নান্ধ, গোটকাটিন্ত, জনার্গ, ধ্বচ্ছত প্রভৃতি কড রোগীর বোগ নিয়ামর হইলাছে ভালা প্রকাশ করিলে বড় বড় প্রক্ হইনা পড়ে।

### ইহা

সকল অতুতে বাৰভাগ চলে ও সমান ফল প্ৰেদ্যিক ডিচ গাকে। প্ৰাতি কোটার ০২টা বটাকা থাকে।

#### কেবলমাত্র

প্রতি কৌটার মূল। ১ ্ এক টাকা। ইংর নাম **'আগতজ্ঞানিপ্রত** 1'।

অপ্তান্ত ঔবণের তালিকার অন্ত গত্ত শিধিলেই পাইবেন
প্রাথিখান :—আতঞ্চলিপ্রাহ উল্পোলনার
২১৪ নং বছনাঝার ট্রিট, ওলিফাডা।

কাবরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের

# उर्वाय करतं अगुथ सर्वायथ

বক্ষাবালের প্রবার জন্ত ৬ আঃ শিশিতে ঘনীভূত অবস্থার ভোটবোজলেও াগৰপান্ধি উবৰ ভাকে পাঠান বহু, ইঙাভে গুরুগের কোন পরিবর্তন করা বর নাই। সুগা ঐতি শিশি ৪০ আনা, পাঁইট ॥৮০ আনা, ব্যেতগ ১৮০ আনা।

অফিল-১১নং উচ্টাভালা রোড, শোঃ সামনালাত, কলিকাতা

# মদন মঞ্জর

विकास कर्म क वासूरिकाम, वेश्विमाणिक हान्, स्थापित क्रानीम, ववस्था, मानारवाद, क्र वक् क्यापि, क्रानीम, ववस्था, मानारवाद, क्र वक् क्यापामा वस । वस्, वीके, द्वा इकि क्यारक प्रक्रिक क्रानिक । क्या क विके मा अक क्राना ।

प्रविद्यास्त कारण वास्त्र वास

# शरेटफ्रांगिन

কোবয়াল রোগ

ভা: এস্, এন্, খোষ বিনা অন্তে, বাবজাঁবনের গ্যারাটি বিয়া বৈছাভিক প্রণাণাতে কোবসুদ্ধি লোগ আছোগা করিলা থাকেন।

> विकास— केम मेर करेने क्वेड, क्वेडाब्रांड, कालकाया !

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

# क्षित शास शकात अकर्म व मरहोक्स

প্ৰাৰ্থ লিলে সম্পূৰ্ণ আৱোগ্য 💮 🦠

ा अवाधि देवचां हेट क्रिया क्रिया क्षांत्वम व्यव (यावका व्यवस क्षांत्रक ) शांत्र विकास क्षेत्र क्षां क्षां क्षां क्षां क्षांत्र क्षांत्रिक क्षिण क्षांत्र क

জীকিতীশচক উকীল, যন্ত্রা-ডিকিৎসক, পোঃ বৈষাত্রী, ধরিশারী।
ক্ষাধ্য নিম ত্রিকানার সাক্ষাৎ কলিয়া বিশ্বাহিত আমিতে পাছেল।
ক্রীযুত রাম্গোলাল দত এম, এ, ক্রমনগর, নদীরা। ক্রীযুত করিশহ
বিংক, ১১৭, বেলিয়াটোলা ক্রীট, চাউপোলা, ক্রমন্ত্রা

প্রকর্মানি পর্জে। আনার আতৃপুর স্থাত হয় মান বাবধুরাল ফ্রাছ ভূনিয়া মৃতপ্রার ভারাতিল, কালকাডার বিজ্ঞ চিকিৎসক্ষণ ভালর ভীবনের আশা ভাগে করিয়া শেষ মৃত্তের অন্ধ্র অংশেক্ষা করিছেভিলেন এই সমর প্রীযুক্ত কিভীশচন্ত্র ভাকে মণ্ডিয়া মাজ ১০ বিন চিকিৎসা করিয়া সম্পূর্ব আব্যোগ করিয়া দিয়াভেন। (সাঃ) প্রীয় কিশোর বাম চৌধুরী (অনিকাধ থালিয়া) হগ্ স্থাট্, নিউ বিক্তিং। ভ্রপেত্রেশন লাইটিং ভিপাইগেন্ট, কলিকাডা।

# শ্রীনবদীপ পঞ্জিকা

গৌরাব্দ ৪৪৫

माज ८/० जाकिएक । शांकिएल वृक्तभारहे भाकाम सम् ।

ম্যানেকার-প্রছবিতার প্রতৈত্তখনত, পোঃ জীনার(পুর, নদীরা ।

(本平 到这种时间

# গোড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

<u>কার্ব</u>

ব্ৰানে বাৰতীয় ভাপার কার্যা---

रक्षक्रीत ८० क्रिर, स्थाया, क्षत्रम, थाम, अमिषाठी ८०क, विश आकृष्ठिके समूत्र, विवादक्ष जिल्लाम गल, कार्फ, विवादक्ष गक्षके समूत्र,

আৰু ৬ ৩০ ও ৪ গংগেছ চাকটোন ক্লকট বসুন, সকল কাৰ্য্য আভি নীয় প্ৰাণ্য ৩৪, অৰ্ড কাণাটবায় গয়ত বাজাৰ অংশকা জগত।

আপনার বিত্র হাপার কার্ব। বাধিকে নিয়নীকানার কান্সটনেই বন্ধ পাইকে ব নামেনার—ক্যৌতীয়া প্রিক্তিৎ ক্সমান্ত্রসূ

নেবাদ—সোজার ক্রিক্তি ভরাক্তর। ২৪০া২ নং বাগয়ে সাবজুলার বোচ, ক্রিকার।

# শ্বিদ প্রভূপাবের বস্তুতাবনী

ি ভাষম ও বিভীয় শশু ভিনিভাত সমুখনী বোধানী আইবা

विक्तार विक्रियन्त्रिकित्याः महत्यते व्यावासी विकासका हार्षे व्यविकाः विकासिको वीशायायारभारपारिको कृष्णाका नामगायिको व्यविकास व्यविकास — टेक्कविकास भ्यानाह रहोत्र क्यानि—नवस स्वतिकास के व्यापायका हुन्। निकासका व्यविकास । किया वाष्ट्रस्थ २५० व्यापा वास्य ।

মত >লা আরাচ মলসবার বিষয় ও निक्शित की कवित्रनाम अक्र महा-न्द्रबह - तितर-नाम्दर् श्रीभाम-भात्राभुद व्यक्तिकसम्बद्धाः अर्थे स्वयं अतम् अयाग-व्यक्षमः अ विजानक्षित्रं । विकास व जम्हात महन चात्राजिक त्यमा पनारष्ठ की वी शहरशी ब्राज-দীভি পাৰিছে, গাহিতে গোল্যাভিমুখে অঞ্সর :: হইটেন। আফাশ খনগটাড়র मझ मम बार्तिनपंष क्षेट्रेट्ट : कराकृतिन যাবৎ অসহ জীমের ছবিষ্ঠ বস্ত্রায় কাঙর स्टेशं मकरणहे दृष्टित निभिष्ठ छे ५ व छ चाकाका दिथानेता छ। या गर्भ इरे शहर । किंद बास अकि नहीं! वृद्धिनाम, तन्छा-**गण व्यक्ति**क्षा गणभूकत्यत्र नितक्रत्यन्त्राय 明明明 খভিজেছেন। জনে জনে मा की देनवाहिनी व्यटेनच स्दन, जीवाम बर्धन ह জ্ঞীয়োগণীত অভিজন কবিলে বৃষ্টি প্রবল হইল। তথন মনে চইল যে আজ দেবতাগ্ৰ निरमानरमयकगरना व्यक्तिन स्वत्र छन्। শরীকা করিপ্রেছন। কেই কেই ত্রুই छेरिय व्हेरणान कालगरनत जारक चारको वृष्टिक प्रेर-१५१ कितिश है। श्रीमसञ्जानकृष्ट गरेत्रा छीमा। मत्रवजी समी भाग करेवा-মাত্র বিলেদিসের্কগণ পরীকার উপ্তীর্ণ इंदेशन। जाकान धाक्यांत स्मयम् হট্যা গেল। ভক্তবণ ধিওণ উৎসাহে मस्की देन कविट्ड कति छ। यानसञ्चन प्राक्षत শশুৰে উপস্থিত হইনা নিরহবানার 'বে व्यक्ति द्यागसन् कक्ता शहर । दश्न दान কোথা গেলা আচাগা ঠাটুবান' এই সমীত পাহিতে গাহিতে, প্রাইজিবিনের সম্বাধ মন্দির পরিক্রমা এবং গুরুগোলাভচাগে বন্দনা করিবেন ু অভাগর ঠাকুর মহাপ্রেব **नमाधिमनिदय ुच्च क्रिक 🖹 क्रिक्सिस्टास জ্ঞীবিপ্রহ সম্পুত্রে, কর**গোড়ে অবস্তান করিয়ে किकिरिस्ताक्ष्मकम्, कार्रियान्तितः ভঞ্জিবিনেয়ে গঢ়িক আরও ৰীতি গান করিলেন। অভ্যথর তীতিগ্রনের ভোগরাগ ও আরাজিকাদি স্মাণনপুর্বক মহাপ্রেসাদ বিতরণ ও স্থান করিয়া করেন ক্ষিতে ক্ষিতে যোগগীঠ অভিমূপে অগ্ৰসন क्टेंटनेन । छलात टलीटिया सीमनिवन পরিক্রমী ও দংকতিন ক্রতিত কারতে শ্ৰীৰাস অসম ও প্ৰাক্তিৰত ভবৰ পণিক্ৰমা **कतिता औरें छक्तमार्क माधारिक एका**लावित ममत्र जानिश किंशकिए इहेरलन ।

ভিতি বিলোগ্নাক্ষ্ণ ক্ষ্ ইন্তঃপ্রেই নগান্তা আকাৰে আকাৰিত অইনাচে। পাঠকগণের ভৌত্রৰ নিযুদ্ধির জন্ত আস্থোপচার নিয়ে আকাৰিত হইছ গৌদ্বাকৌ জন্মত

# দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

নিভাপাঠা বৈষ্ঠবাৰ্দ্ধাবহ

বেবাদি সমন্ত গাছত-শান্তের অকৃত্রিয় ব্যাব্যাতা স্পমপ্ত ভারতে একমাত্র স্থলভ

দৈনিক পারমার্থিক পত্র

জিলা নালা গাপুর-৪টা আবাড় শুক্রবার-১০৩৮

ওঁ ক্রিপাদ শ্রীশীক ভা**ভি-বিলো**দ ঠাকুদের সপ্তদশ বামিক বিরদ-মগোৎসবে

"অাত্যোপচার"

শ্বর্থমানি ধরে ইউল ভারতে অধর্মানে ধরে বুদ্ধি নানামতে পিত্যা প্রকংশিশা বাশি জিনমতে। ভিটিডভয়াশিকা। কবিলে প্রচার।

আচাৰ প্রচারে আচায় প্রবর
আসংস্থভাগে দৃত্রতথর
লোকের শিক্ষক, লোকহিডকর
ভোনা বিনা কেছ নাতি বেশি আর ॥

দ্বেদ্দেশ কালাগ্র নব জানাইয়ে এন প্রচেদ দিয়া। আনহাতে ১নাও আলারত্তি হয় বানে ভীব সব তেনের রূপায়।

নিহা ত্রি থাব কণ্টত। নাম
আহে তাহে শুরু ইক্তিয়ের কাম।
থাধার উবং হত দেবা বাম
আচারিশে তুমি বিমুখ ধরাধ ॥
নামটিশ্রামধি স্করণ বিচার
নামের মাংনা কান্টিয়া স্বার
জীনাম সাধন ক্রিলে গ্রামার

কলিখুলে সক্ষ সাবনের সার।
নাম নামী কালু ভেল নাই হর
নাম নিত্য পুর্ব, ক্ষণ্ডবসমন্ন
সে নাম এবংগে প্রেম উল্জয়
সাধু শার সব কহে বার বার ॥

্ৰুকিন্ধ সেই নামে নশ অপ্নাধ প্ৰেম কজিলাকে আনি দেয় বাধ আনাইলে তুমি নাখিনা বিবাদ নামুভন্তবিধ ওকে মহাজন।

গৌরধাম তুমি ওকে গৌরজন। করিলে প্রকাশ নিবিত জ্বন গৌরসেবা তথা করি' প্রভারণ মৌরক্ষকশম করিলে সাধন। (প্রভো!) আজ তব পুণা ভিরোভাব দিনে বিরাজিত তুমি জানে ভাতগণে সেই নিতারূপে এই অভাজনে আল্ম-উপচারে চাহে পৃজিবার।

অপরাক্তে পুনরাণ ঠাকুর মহালধের বিরহণীতি কীর্ত্তন করিয়া সন্ধারারিকের পর্ ঐতিতভামঠ ও শ্রীযোগণীঠে পাঠ কীর্ত্তন বক্তৃতা ও মহাপ্রসাদ বিভরগ্রারা স্তানধ-তিপির সম্মান করা হইলাছে। এইরুপ্রে সর্কৃত্ব মাঠেই ঠাকুর্মছাশ্যের বিবহবাদ্য মণারীতি স্থানিত হইলাছে।

অসাম্প্রবান্তিক ইতিরতের স্থিত সংসাম্প্রদারিকের জুগনামূলক ধারাবাহিক গ্রেষণ্

( 9 )

ম জো ভোতারামদান নানাথী ক্ষিত তেনী বিশ্বস্থানাশ্বের মত

का जिन्दान

व्याप्ति हा ें। भाषाधारमाहे लक्षी প্রকারবিশেন ৷ তেতানতে আল্লান্ট্রছনের বহুত্ব স্থায়ত হুইবে প্ৰিমন্ত্ৰাবলন্ত্ৰ বহুত্ব नाष्ट्रः विस्तावनक्त-- अक व्यवतस्य । কিছ ভাউলমতে বিদ্যু বা ভোকার বহুছ एडे व्या श्रीतताक त्रहेश देशान्त्र मान्स । নিজন্বী, পরস্থী, বাববণিতা প্রান্থতি ভেদ बेशालत माथा नाहै। सकलात महिउहे हेहारमंत्र ममध्य। ध्यान कि, धक वास्तित াক্ষতিকে অপরে তুলাইয়া লইয়া গেলে বঁহারা সম্বট্ট হয়। ইংরোম্যোবাদীর কার নিজদিগকে 'কুফ', 'ঈশ্বর' প্রভৃত্তি বিনার করিয়া গাকে। বে'ক ও দাড়ি উভয়ই वर्ग कत्रीव खाला हेशामग्र महारा । आहिन्छ আছে। মুক্তাকার সাংকের উদ্দেশ্তই धक, विताध दक्षक वादशविक, चाछ अव गांधक्याद्वत्रहे छेहा जाला ।

🍀 🍇 ) वा डेननाम 🐇

বাউন সম্প্রদারের মতও মারাণাদেরই । মন্তর্গত। মাউন সম্প্রদরের সহিত উহা- পের আচার ব্যবহারে কিঞিৎ তেল
পাকিলেও আউল, ক্রিড্ডা, বাইল্মন্ড
প্রান্ধ সমজাতীয়। ইহারা জড়সন্ডোগবাদী।
নিজকে রুফ জ্ঞান ক্রিয়া প্রকৃতিকে ভোগ
করা ইহাদের কারা। ইহাদেন মতে ইহন
জগভের স্ত্রীপুরুবেশ্ব মিলনেই রাধারক্তের
লীলা আছুফুত হর। শুক্র-শোণিত-মল-মুব
প্রান্নতি তাকে স্থানিত বস্ত্র তোজন—এই
সম্প্রান্ধর চারিটাদ সাধনপ্রণাগীই সদাচার
বলিনা গণিত। কোগায় কোথারও মুভ
মন্তব্যের মাংসভ্যেজন প্রথাও ইহাদের মধ্যে
দুই হন। এই মত্রী শ্রুবমত ও তোমস
ভ্রমতের সংনিজ্ঞাও উৎপন্ন হইয়াছে।

### (৩) কর্তাভজানাদ

व्याष्ट्रिकित वह मन्त्रामाद्यत क्षान क्षेत्र । ऽठे मञ्चापातः खक्रत्कहे 'क छा' वा 'क्रेच द'वना হর্মাছে এবং ভংসকে আউলে চাদকেও পৌরাফের অবভার বলিরা মাব্যক্ত করা रहेशास्त्र । এই महदामती ककिवरताथी মাগাবাদের অক্তর্ম। এই সম্প্রদায়ে ভঞ্জি অপেক। জ্ঞানের কথাই অধিকভাবে সর্মাদা উচ্চারিত হর। ইহাদের মধ্যে কোন একটা সাতালায়ে ডিবিধ কারকার, তিবিধ মনকেশ ও চারিপ্রকার বাক্কশা পরিভাগি कवारे गावन । छेटातम्य नत्या दकान सत्न डेक्टिटे Cetan दारण आह्य, **अ**भन मरण ভাষা নিজি। কথাভদাদের অনেক জান আছে। হণিণতা, গুৰুষতা প্ৰভৃতি ইছারা মহাবিকি। জ্ঞান করে। জ্ঞানপ্রাবল্য-(६क् देशतः) देवअनमनाधात । कराछात्र বিলোণী। ইহানের মধ্যে কোন একটা আধুনিক শালাম সক্সম্ভাল্য হারভ ष्ट्रेयाका दीटग्रेराज्यन छल्तिक निषद অসম্পূর্ণ বলিয়া সংখ্যাগ্যনায় ও প্রারবিত इडेशाइड ।

# ৪ ৷ নেড়ামতবাৰ

কিন্দান্তী এই বে. ই.বীরতম প্রাকৃষ্ণ অমুণান্তার বাবশন্ত নেড়া ও তেরগন্ত নেড়া ছিলেন। শ্রীনান্তার প্রাকৃত্য প্রত্যুগর্গান্তার প্রত্যুগর্গান্তার প্রত্যুগর্গান্তার প্রত্যুগর্গান্তার করিবার করিবার পরিবর্গান্তার অপবাবহার করিবার একটা বত্তম অসমাভারি-সম্প্রান্তার পরিবর্গান্তার অপবাবহার করিবার একটা বত্তম অসমাভারি-সম্প্রান্তার সংগ্রাহার করিবার করিবার । নেড়ানেড়ীর মনে হিম্বালান বিশ্বম নানা প্রকার অস্থান্তেরী, মংখ্যানি বাবহার চলিয়া আসিত্রেন্ডা ইহারা কোন প্রকার শাস্ত্র বাহার উপনিত্র ভ্রম প্রধানী অনবার গোমানিগ্রের কোন করার ধার মারে না ।

# সাৰ্বজনীন মৈত্ৰী

আক্রকাল দেশ ও সমাজের হিত্রীশারু মনীবিগণ সমগ্র জগতের অধিবাসীবিগকে आइएकत भवत भिन्नी वसान भावक प्रदेवात ৰুষ্ট নগিনা থাকেন। স্বাদীন (१) প্ৰভীচা-ভূমি। এনেক স্থানে এ'নিমিত্ত শান্তি সন্মে-লনের বৈঠক' বসিয়া থাকে। পুণিবীস্থ বিভিন্ন দেশবাসী, ভিন্ন ভাষাভাষী ও সম্পূর্ণ বিপরীত কচিনীতিবিশিষ্ট নানা বিচিত্র ধ্যাবস্থী মানৰ জাতির মধ্যে যাহাতে বিধেষভাব দুরীকত হইনা একভার মৃত্ন মধুর শান্তি দ্বীত্রণ প্রাথাহিত হয়, ভক্ষক্ত মনীয়ি-ব্লের মধ্যে পরপের অনেক 'আলোচনা 'ও च्यात्मालदम्ब कथा नगर नगर छनिएक भा द्या यात्र । শৈতি স্বিল্মী গুলিতে প্রদেকে অনেক কথার অভারণা করিণা थारकन : ८क्श वरणन,---"मामाख्य विधात-এ,দীগণ যাদ গুদ্ধস্পদা পরিভাগে করিয়া নিম্নাধিকত রাম্বো সম্বন্ধ থাকেন, তবে জগতে শান্তি-বন্ধন দঢ় হইতে গারে।' আবার কোন কোন কুটবুল্ম বাজনীতি বিশারদ ক্ৰেন্,---"ভূতপুল মহাসমবের ছার কালা-নলশিখার উজ্জেদ মাধন কাল্যা পুথিবীতে वाशिक कर्र इंडिनिनिडे दशे बाजुनकम खालम कतिरा इहेरन । शासाक माञ्चाक होराउने কানাৰ, গোলা, বারদ, 'সননেবিণ','ভেগ-শিন', বৃহ্হরণদোভ ভাগদি সমর-সংশাস গুলির নিলামন বা মংপান্যন্তা সংস্থিত হতনা কাবেলের : এতপ্রবাঞ্চলতে পাতি-পুর্ব জ্ঞানহাওয়ার প্রতী নুসার নান্তান হইতে পারে ।" কোন (4)、4 国的代数(基础 इनम्भी आहा । कारीला भारत भारत ঐগক্ষ মতব্দের অংগটিজকতে প্রকর্ণন क्रिया वामन उप,-- "मकन जनवारीत মধ্যে প্রাণের মোণ স্থাণিত 'না হর্মলে স্থ্যু युष्पालकाल नहल वा मालगाप्रका माधान क्षान अधन हैति इस्त मा। वर्ग दिवका, भन् परिदान मधाधाल धनिक आमिक সম্পান্ত আব্দিক আভিবান্তা বৈষয় ध्वतः क तन्यधाका मधारसि शृथिनी मोखात বঞ্চ হটাতে নিংগ্রেল অপ্সাধিত করিছে না পারিবে মহবেদের ব আশা নাই। অভুত্র अध्यक्षता भी भवता यान्य कार्यक व्यवस्था । दक ক্ষতিয়েরেশ সাম্য এডাকা ডডাল্লা আপতে हरेट्ट । रिन्तु, इ.टि.म्ब, १४१म, महण्योद्धान ইত্যাদি বহু জাণির বিভিন্ন মাজে লুপ্ত हरेरा भागा-पद्याकानिता समस्य । एकमाञ्र হৃতির দেরা মাজুব আডির মিশ্ন-খাতা चैक्रमाप्त अक्रिमन्तिक **इ**प्डेंट : रह तर ধ্রমত নিরাঞ্জ হইয়া স্থিতিত দুহা-লান্ত্রৰ আর্লা তথ্য হউক বি এট স্বালেশি-'কলা বসম্ভানালাৰ ওকানগৰ স্বাস্থ रमशात दममोभूटन देशकी छ नास्त्रित जेशामना,

করুক। তবেই সমগ্র বিছেববছিং নির্মাপিত ইইতে পারিবেন না। প্রীক্তগ্রহসেবা বিমুখ হইয়া শান্তির স্থশীতল নিঝারিণী প্রবাহিত , ব্যাষ্ট যথন নিজ্ঞা প্রস্তির উদ্বোধন মন্ত্রে হইবে।" আবার ছই চারিটা বৌন সম্বন্ধ উৰ্জ হইলা চেতনমূল সম্বাদ্ধ প্রত্যক্তিটিত নীতিবাদী' অনেক যুক্তির ছারা ভাহাদের সমতের পোষকতা প্রচার করিয়া এইরূপ বলিতেছেন যে,—"অসবর্ণ বিবাছ প্রাণালীকে আদর্শ করিয়া বিশ্বগানবের মধ্যে অবাধ নিবাহনীতি প্রবৃত্তিত হইলেই প্রাকৃত শাক্তি পূর্ণ মিলন সংঘটিত এবং অসংযোগের ছারা অপ্রীতির শস্তাবনা উৎসাদিত হইতে भारत ।

প্রাক্ত ধারণাপর অক্ষন্ত মনীয়া সম্পন্ন হিত্যাধকণণ যতই বিচারপরাল হউন না কেন, তাহারা মনোধর্মী, এবং ভাহাদের दिश्राणिया क्य्रपालाहेबानि लावहरूष्ट्रेष्ट्रयुक्त অস্থির সিদান্ত প্রকৃত পথা নিদ্ধারণে সম্পূর্ণ অক্ষম। মানব জাড়িব শুভকামী ঐ সকল ব্যক্তিগণ অশ্বিহার রুখা অবিধানে ক্ষীত হইগ নিজেরাই ক্ষা সাজিয়াছেন। স্বভরাত তাখানের প্রচারিত ঐ সমুদ্র ভাল কথার কোনও প্রকৃত মূল্য নাই। ভাষার। বে নৈত্রীয়ার ভাত্র বছন স্থাপনের জন্ত যাত্র কণিতে ছেন, ক্রজিম উপান্ত্রস্থনে ভারু क्षान ६ व्यक्तिके सम्बन्धि छ्डात न।। বিখনানারর প্রকার বিরুদ্ধ গৃতিন্তির कार्यम-धादा मास्ति ५ देगदी ४५ गण्याधाराया ॥ मुची कति। उड़रेला, तिष्वा, पन्छ ७ विভिन्न বলাংবলে যাত প্রতিয়ত সম্পূর্ণ,তে নির্বাণ করিতে ইইনো, ভারেৎসেবার স্থান্ত পাধাপতিতির উপর অন-বৈকীর ंगोध নিন্দিত গওল গলাদাব। নতুবা ভাস-পঠিত श्रुष्टिक आगामन गाउँ हैंग कालग्राराना অফ্টী মুখীবাভ্যাত নিমেধে ভূতিম ১৯৪ বেটা कार्या भागकः। जानार सम्बन्धानिक েখেন তথু ইট্টানমহা প্রভুৱ প্রচারিত মাঞ্চনাৰ সন্ত্ৰ আহুগ্ৰেৰ আনুস্তা বাতীত ফেইই আনক্ষিক ভানের ধারা अकुनात भागा विजी वार्ध नजा वा नाजिल्ह লাগ্র শুখার করিলে পারেরেল मा। जन्म छान्यक्रेश काशकरकत त्रता তুমিতে সেবোল্ব চিত্তবন্ধি ঘর্ম শ্রীক্লক্ষ স্কীপ্তানের বিশ্ব ক্ষেত্রনের নিয়ে একমাত্র গার্মরের টালে পোর সেবাস্থিধ হতে স্থিতিভি ১০বে, ওপন্ই বিশ্বমান্ত্রের মধ্যে প্রাকৃত নৈত্রীৰ গুড় উধা সমাগ্রন্থ তহাবে, মতুৰা লে আশা আকাশকুভামের स्वात्र सम्बद्धाः दक्षि ।

মানবের ব্যক্তিগত কুল্ল স্বার্থের পরাক্গতি, বিভিন্ন মুখিনা চিন্তাদারা, প্রভাক প্রণতির দেবা কেন্দ্রে কেন্দ্রীভূত कतिएक मा धार्मिस्म, शत्रमार्थन भूग ध्यक्त-নগভূমি স্বাৰ্গগতি আন্তল্পের স্থান্ত সম্পাদনে নিযুক্ত ও ও ত জ্ঞারগ ছইলে বিবাদ-ধর্মী मानद मन्य कथनई शक्त-मास्थितम्, धनी

হইবে, সকলেই যথন প্রাট্পুরুষ শ্রীগোপিকাপ্রণদী স্থামহন্দরের অপ্রারত रेक्तिइएकारनकाम अनुभी जांव नहेना 'সমষ্টি'বল ২ইবে, তখনই পুথিবীয় আকল জ্ঞান প্রামৃত সমুদর দেখনীক ধ্বংস ১ইবে. পুন্ধে নহে। প্রতি হৃদয়ে যখন রাধামাধ্বের দেবাসাংলার অমধুর ইক্যডান বাখ বাজিয়া উটিনে, তথন এক্ষণাকুলগদ্ধিত ও অস্ক্যাক পাণিয়ার মধানতী আন্তমানকাল প্র বিছেম্বাফ্টি আপনিই নিন্তাণিত হইয়া যাববে, সেইজক্ত আর সভাগতে প্রতিজ্ঞা পত্রে স্বাহ্মর স্বরিতে ইইবে না।

অভি স্বায়ের সহিত থেদিন প্রেম্ময় উচ্চিপ্রংগেরার অমলম্পর্নের 'সেনকস্থার' নোগেশুর গ্রাপিত হটবে. সেদিন ধনিক ভামিকের ভেদ যক্তপ্রসঞ্জ রাজণতাবের স্থিত শুদ্রাভিমানীর মনান্তর আহি দান ও ইণ্ডিয়ানের মহিভ খেতা শের চিরন্তন বিরোধ ইত্যানি সহজেই सभीभारित इहेगा गहित । सम्भग कीत्वत यपि अनदाभएषा व्यशेष शाहरू हेछत्।एष শুভ্ৰতি উপিত **হ**ণ, তবে **स्टा**रक टश्रांटलस्टळ व भद्रमाश्चि अन्यान অবস্তর্গ ক্ৰিবে। তথন কে কাঞ্চ বিধেষাচন্ত্ৰ কারিবে ? কে কাহাকে ভাচ্ছিলাপুর্ন দৃষ্টিভে भिद्रीक्रम कदिरम् मकरनर की छत्र-বানের সেবক স্থাতাপরমোপাক্ত অগ্রথতির ্যব্দেশ্বার আহবণে यद्भगान श्रद्धीय াশপরের ভিতর মংমতার কালানল প্রজ্ঞাণত হইবার আশ্বল চিরতরে ভিরে-

<u>সেই ভাগোক বিভাগিত মঙ্গ</u>া প্রভাতে বৈশু, শুদ্র, আঙ্গাণ, কার্যু, অস্ত্যুক্ত, আফ্রিকান, ইভিয়ান, চীন, কোণ, ভীল, পাঁডেতাল, ফরসিস্, সেমেটিক, রোমাণ, এরিয়ান ইত্যাদি সক্ষে একত্রিত হইয়া শাৰত শান্তিয় মুক্তকণ্ঠে প্রেম .3 भा<del>भाषा प्राथा डिल्हा उद्य</del>मस्त्रत भहा-বদার পীলার মঙ্গলার্ত্তিক গাঁতি গান করিবে। তথন বিভিন্ন অভিমানবাঞ্ক कुष्ट महाडा अध्यक्ति कहेगा आहारकत হাদর ভূমিতে ''গোপীভন্তঃ গদকং শধো-শ্লে দাসাম্পাস" এই সভাতন বাণি— পরমোলাস ভবে নুতা করিতে থাকিছে।

🐔 🕮 क्रथरे एक कृतन व भागतरक दय दश्रास्त्र वक्रम क्रांपक्षे बहेटल क्रिजास्थ्म, खादा ভাগতিক প্রাকৃত কামনা প্রস্তুত, মনো-ধ্যীৰ উপ্ত মন্তিক্ষাত খণ্ড উপান বিশেষ ৯.১ | তাহার শ্রীমুখবিগলিত জীলিকা-टेटक्स जानम ह्यादक्र मान्द्रक हत्त्रम দাভপুৰ বথাৰ্থ শান্তির পরম বার্ড। নিষ্ঠিত

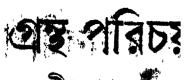
ाणाए । अक्यांक क्रियंत नहीं जन्म থারাই বিশ্বমানবের অধিল কল্যাণ্ডুমুদ প্রাফুটিত ইইতে পারে। **আর্থি জ**গতে বার্থসংখ্রাত থাকিবেই থাকিবে, কিছ বার্থগতি এইরির ঐতিস্পাদন কেটো সর্ব প্রাণীর উদ্দেশ্ত এক হওয়াতে হেই সার্থি বহ্নির অবকাশ নাই। মাধু<sup>ন্</sup>য় **দার্জ্য** চিমার ত্রীবৃদ্ধাবনে অক্তরণা লগিওামি সধীৰ শ্ৰীচরণা-প্রত্যে অগশিত ভুক্সবৈদ্য এফডিক হটরা কেন্ত প্রকর্মান্তর জড় মনোহর সুগন্ধি **कू ज्ञामा**नो অধিত করিছেছেন, কেই পুশাচরণ, কেই বিপ্র চন্দ্ৰ ঘৰ্ষণ, জেহ রাধানাধ্বের কর্ণোৎস্থ বিণানোন্দেল্ডে নীণা বাদন, কেছ' কেছ' গ্ৰহ মন্তন, কেহ বা জীগাধবিকা গিরিবরের ভোগসামগ্রী প্রান্ত করণ—এইকাপ, त्यांभा डाम्यांबी त्व वाहास निर्विष्ट निष्ठा সেবায় নিভাকাল থাব**ৎ গ্রেমাভিনিবিট্ট** রহিলাছেন। তথার দেবীগা**নের মত হৈ**র মনোমালিক ও অ**গ্রীতিধর্শের অবস্থা**ন ভূমিকা নাই ।

অণ্ডেডন জীব খ-পক্ষপ বিশ্বজ হইরা নিত্যকাল হেয় থার্ব দর্শে সংযুক্ত থাকে, हेड्। शत्रम एश्रामिक 🕮 इतित हेच्छा नटहः ম্বন ধর্ম ভিরোজিত হ**ইয়া অগর্মের অভ্য**ু-দ্র হয়, ৭ এনট ভিনি নিজে ভভারস্রণের নিমিত্ত স্বাতীৰ্ণ হন বা কোন্ত প্ৰিম্ভেম অনকে জগৎভীবের উভারার্থে প্রেরণ कत्रिया थारकन ।

শ্রীরাধান্যোনিক্সের পাদপন্ধ-দেবামধু ব্যক্তিত ছন্তাগ্য জীবকুলকে ভাষায় স্বন্ধপথত সেবাধন্দে পুনংপ্রতিষ্ঠিত ও প্রান্থত শক্তি ও মৈনীর মিদ্ধ পরশে সঞ্জীবিত করিবার নিমিত্ত ক্ষণতোও মহাজন মুগাচাৰ্য্যক্ষণে ধর্ধানে ওভাগমন করিয়াছেন। নিও। খদেশের অপ্রারত ভাষিতার অধিটিত হইন। অচ্যতদেবের সেবাধর্মে আন্মনিয়োগ করি-বার অন্থ আল ভুম্বতি শুধীগৰ প্রাবল আগ্রহে তদীর পদাভিকে ছুটীয়া আসিতে-CEH । डीशांता काप **सम्पर्**ष कृता शामात्म যথার্থ সার্গ্রজনীন মিত্র**ভার অক্ষর আমন্দে**র অধিকারী হইছেছেন।

ए देम**ी कामी आजा इतिनी गण,** विक প্রেম্পীযুধের বর্গদাধারার অভিবিক্ত হইতে চাহেন তবে অভিন্ন নিভাই টান আচাই্য-দেবের আচরণাশ্রর বারণ করক তগ্রহান্ত-भएकं व्यापानित्वनन कतनः, व्याननाहा प्रशी হইয়া কেন অসতের আয়াখনা ভূরিবেনু ?

হে সাধৰ, সকলমেৰ বিহায় গুৱাৎ टेडण्डाडकरन युक्कायमान्त्र र



# **ৰীমন্তাগৰতম**

व्यवस्थि क्यारिशासन (तर्वनान-ध्येगी अन् श्रीमन-মধ্বচিথ্য-কভা ভাৎপৰ্যা-নিৰ্বটীকা; শ্ৰীসদ্বিশ্বনাথ চক্ৰবত্তী ঠাকুর-কত সারার্থনশির টিকা, বলাগুলার, সংস্কৃত অহম ও त्नहें करकात्र व्यक्तिभाष क्यांनात्र, व्यशास्त्रत व्यवस्य क्रे অধ্যানের সারগহ হ্রবিভ্ত তাৎপর্যাদি বিহত। লোকস্চী विवयर्गी, अधायविवत्न, शाब ও शानर्गीमः উত্य কাগতে উত্তম অক্ষরে মুদ্রিত। প্রথম হইতে ১০ম স্বরূ প্রাপ্ত ছাপা শপুর্ণরূপে শেষ হইরাছে। ভিকা প্রথম **ष्टेटिंक क्रम अक्त श**र्याङ २०।√०; समाग क्रक ८२८; শ্মপ্র 🏎 🧻

জীলমন্ত কিবিনাদলাকুর রচিত 'পুনুতপ্রান্তলাগ্য' ও টাটামরভিনিদার সর্বতী গোবামী প্রচুপাদ-লিখিত 'অল্লভাব্যে জাতি-কুভ্যাদি বহু শাল্পপ্রমাণ-সম্প্রিত ১ইরা আকাশিত হইরাছেন। সোলের সাম্মব্যাথ্যা, বছাতুরাদও **द्यारकाक भगा**रवत भूरका माक्षित काखिर नग्न मार्या ६ छ। व्याप्टाम व्यक्षाय-व्यक्तिक मधामात (प्रथम व्याप्टा) (मान. প্রার, শব্দ, স্থান, পাত্র প্রস্তৃতির হুরুহুৎ স্কৃতী ও গ্রন্থকারের বিক্ষা ২০ এক টাকা মাত্র। বিশ্বত জীবনী সম্বিত এইরূপ অভূতপুন্দ সংশ্বরণ উভ:পুন্দে কুজালি জাকালিত হয় নাই। উত্তম কাগতে পারিপাটে।র স্থিত তুল ক্ষেক্ত ম্বাংশ মৃত্তিত হট্যাছে। এর প্রায় see- "क्षांच गण्यत । जिल्ला वर्जमान्त र, माता।

# **এ**টেডভাভাগনত

ক্রন্তকারের জীবনী, প্রতি পরিচেছনের ক্লালার, বিভুত্ত भाषीम काया, नक्षण्ठी, श्यातश्री, विवय-शाम-शामान-স্থাটা, প্রভাতি বিবিধ বিষয় সম্বালিত বিরাট বিভীয় করে -ভবল জোটন ৮ পেতী আকার। আদিগীলা ও মতোব किश्वरम् ध्वकामिक इद्यारक्ता ज्ञारम ज्ञारम धाकामिङ इष्ट्राट्टन। यश्चिम किया ८ छ।का, वाति योगात 1621 5

# **國法古法的司司等可**

এই রাম্বের এর কাভিনৰ ফুলর সংকরণ আর কুরাণি व्यक्तानिक इत्र मार्थ। माञ्चल द्वाकारमात्र व्यवत, वकास्त्राप, खारा, क्यांनाम, तथा क्रकुंडि मेर बट्ड बट्ड क्रकांन्ड इहेबारहरू। भूग त्यक्ति व्यक्तत क्वन क्रांडेन व्यक्तिकी मुद्रभाकारत काला इदेशारकः। मूला २४० छोका । असीका व्यक्तान ७ दर्शकीरका आहरूनारमञ्ज्ञ भटक आ॰ छाना ।

# এ মধ্যাবদগী ডা

- बिरशोड़ीय देशकेवाष्ट्रीया चळाइछ व्यक्तिकृष्टीयाः 🕰 📆 বিশ্বনাথ চক্রবৃতিয়ালুখ গোঝামিছতা সারাপ্রতিশী ট্রাক্রেছা ও জীত্রীমন্ত্র কবিনেদ ঠাকুর-প্রণীত 'বলিক-मध्य मामक भाराभाषाम दिला। व्यक्तावल्डी, माजुकाकतम द्याक-रही, विषक-श्रही, खंशकारतात शीवनी ७ व्यवस्तात्वाति वह-सार्वेशायक्य-गर् छेरछ्टं यादार इंडीवं मस्वत्रकात व ताद नश्यक्तान्त्र किया राजा माळ, तालावल मरकवर--->॥• क्षामा माज

# শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

ওঁ বিষ্ণুপাদ এতিমতকিসিদাওসর্থতী বোষাৰী ৰহারাজের নেই অবিছা-বিধাংসিনী कीवाष्यक्ष कार्षावानि क्रक-कार्का नमनाविनी कीवल-वार्वे व নৃত্ত-বিগ্রহ--বৈক্ষবসিদ্ধান্ত-রত্বমালার কৌল্পভমণি--সম্প্রায় र्विष्ठविकानागारतम् स्मीतिक छ्रशा- श्रकतात् । छार्ययस्य गमधन खन-महाक्रव-कीवनहिंश-शिक्रक-हिंबनामहिनान-व्यक्तिमम, छना ७ निवुकानियुक्त । व्यक्ति कदसत व्यक्तिक व्यक्तिमाज-निवातक-क्षेत्रगा ७ माधुगातरमत स्मीतिक गरवरनाव -- गचन, अस्टित्य ७ व्यायासन-७८३त निकास-मगुत्त ।

> ১। প্রথম অভ-বৈক্ষবদর্শন, শ্রী গুরুতত্ত্ব, কাল-শৰ্ম, শ্রীমধ্বাবিভাব, শ্রীবার্যভানবী, পাঞ্চরাত্রিকী দীক্ষা ও वर्ग-विठात. ज्याद्मामा अ मत्नाधर्म. औरहाउद्यासन अ তাহার শিকা, অপ্রায়ত সহত্রশম ও প্রায়ত সহজ্ঞপর্ম, প্রস্তৃতি বিংশতি সংখ্যক রক্তে স্থশোভিত। ভিক্রা মাত্র ব্রাভিত্মতি পুরাণ-প্রস্তাত্তির সালত-শাস্ত্রসমূহের প্রমাণাবলী ৬ বার আলা।

> ১। বিভীতা অভ-ভবা ও পিরা ভক্তি, মহযোর শ্রেছতা কোথায়, আত্মার নিত্যপ্ততি, নীনর প্রনিপাদ ও गामाताम, श्रीरशोत-निष्णानसञ्जयम, जिगुरशत सम्बं ७ क्या-कीर्जन, धीवामभुकाम धीमहागदण्य कीर्जन, खालीव-शास्त्र मध्या, मधाश्रामा, जीत्याविम, श्रीक्रशास्त्र छहन-পণ, জীমতা বুগভাকননি, খ্রীতৈতভার দরা, গৌরকরণা ও ক্রফ্সফীউন—চতুদ্দশ অপুরা-মধুনিমাপূর্ণ-বঞ্জা-বিভূনিত। ব্লু কালিতে মুদ্রিত, উংক্ষণ্ড বিদ্যা সোনার জলে নাম দেখা।

<u>लायम ५ भिजीम-- इरे घड क्या व गरेला जिला १४०</u> দেও টাকা, ডাক ৭রচ খণ্ডর।

#### केबद शंवम शिका

ভূষণক্ষত ভাষ্ট ও শ্রীমন্তাঞ্জিবিনের ১৮ গুরেরতাঞ্জেল বন্ধ-কঠা, বিষয়স্চী, ও প্রতি লোকের প্রথম ও চুতীয় গ্রন্থ একএ ভিকাদ আনা মাত্র। ্দ স্কৃতী, ভাগাকারের ভাবনী প্রভৃতি স্থলিত। ·छेरक्टे वीश्रष्टि, ब्राव्यमश्यवः ( कृष्टीम् मश्यवः ) अर्यस् किया र हेका।

#### ্বেয়রক্সাবজী

ट्रामप्रमासन विश्वास्त्रप-अगील विश्वन्यन्त्र, मन्द्र छ ্রেরিন্দ ভাষ্টাদি পড়িবার প্রথম গ্রন্থ। উৎকঠ কালিতে ৮শের। স্থাবিস্তত বিকা ও প্রাঞ্গবক্ষাপ্রবাদ-সাহাব্যে। অতি মংছে বালকেরও বেধেগমা ইংমা পাকে। ভিকা 10/0 अलि श्री व

#### শ্রীনবছাপণামমাহাত্ম্য

( প্রমাণমণ্ড ) সামুবাদ ৷ অ: তি-মুভাদি গ্রাপ্তে শ্রীনব-ছীপের দে মহিলা কীউত আছে, তাহার মূল সংস্কৃত ও নাম মাত্র ভিন্দা। আনা। অন্তব্য । ভিন্তা ১ • আন।।

# ীনবদী পছাৰতব্দ

ই পুৰুত্ত ভঞ্জিবিনোম শিখিত। স্থালিত সাভাকারে পরিক্রমার জন্ববার্দি-বিষয়ক। ভিক্ষা। আনা।

#### ভ**্তিরভাকর ও** নর্থীপ পরিক্রমা

শ্রীল নত্ত্বরি চক্তবর্ত্তি-ঠাকুর-রচিত। ভক্তিরতাক্ত हरे एक भवित्य भारत गाँव शृहीक ; खिशीव श्रामाणी कि लाकारत सम्बद्धानगरमत शतकमा कतिवाधितान, छाराह পছে বিবৃত। ভিকাপ । শানা



শ্রীণ ভক্তিবিনোদ ঠাকুর-অগ্রিত। ইংগ্রুডে শ্রীচৈতন্তের - विकाशियां मी -- क्रमा क्रमा कि अ त्रम -- वह अ मुक कोव ---অচিস্তা-লেলাকেদ-তত্ত্ব--সাধন-নির্ণয়--প্রয়োখন-তত্ত্ব কাও, আক্রানির বিচার—বৈধী ভক্তি, ভাবভব্তি 🔸 প্রেমভাজনহ নামভ্যন-প্রণালী ও অষ্ট্রবালীয় নীলা-পরিচয়াদি প্রথম শিক্ষার্থীর উপযোগী করিরী সরল ভাষার নমুদ্য প্রজিপ্রমাণসহ লিখিত কাছে। চতুর্থ সংকরণ বানা २, छाका, जानामा ३५० काका माछ।

# গোডীয়কণ্ঠহার

ब्दिलो क्रीय-देवभवनपर्यं अध्यक्ष कर्ष्ट्र वात्रन्याना বিনয়বিভাগ্রাদ্র সাম্ভবাদ ওশ্চিত। এইরপ বৈক্তব-সিদ্ধান্তের সারসমন্ত্র অন্ত কুরাপি একাশিত হয় মাই। ইংগতে জন্তত্ব —ভাগবেত--বৈশ্বব— নেটার-- নিত্যানন্দ--অবৈত-ক্ল-শক্তিভগবল্গ-জীব-অচিম্বাভেশতেশ -- अ िर्धत्र-- नाध्रत्य कि--- वर्षात्र्य-- आश्राम-श्रम -- ७ अश्राम -- ीनाम-- প্রয়োধন ও প্রমাণ-তত্বভলি পুণক অধায়ে মুনুহং মোকানি স্চান্ত উংকৃষ্ট এন্টিক কাগলে ব্রোঞ্চ এছ প্রায় ৪০০ পূর্যায় সম্পূর্ণ। ভিকাব, টাকা মাজ।

# গ্ৰীন্থৰীপদাম-এছাবলী

শ্রীমদভ্রতিবিনোধ ঠাতুর রচিত 'গামমাছাম্য-শাস-भाशास्त्रात भागाम ध्यमात अध-श्रीम भत्रहति ह क्येशी ত্রা দ্বীয়-বৈষ্ণবলপেশীন ক-লেখব । শ্রীশ্রীসন্বলনের বিজ্ঞান 🖟 ১০কুরের দাম-পরি ক্রমাংশ--- শ্রীদাম নবছীপ পরিক্রমা---তাখ-যাত্রা পদ্ধতি-ত্রীমৎ প্রবোধানলয়ত নবদীপশতক্ষ-ভাষায় বিস্তৃত 'বিশ্বদ্রজন' নামক ভাষায়ুক্ত। অধ্যায়- আমন্ত্রিকবিনোদ ঠাকুরের জ্ঞীনব্দীপ ভারতরক্ষ প্রাকৃতি

### এইরিনামায়ত ব্যাকরণ

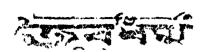
শ্ৰীকীৰ গোৰামী প্ৰভূপাদ-নিৰ্ভাচত হত ও বৃত্তি. তংস্থাে উবিঞ্চলাদ শ্রীমছক্রিসিন্ধান্ত সরবাতী গোস্বামা মহারাক্ষের বিভাগ ভূমিক। ও হুটী প্রস্তৃতি সহ। অপ্রত্যাশিতভাবে হণ্ড। ভিকা ২, টাকা, ছাত্রণণের পক্ষে ১৫০ টাকা মাত্র।

#### বেদান্তভ্যার

প্রীমদানামুজাচাবা-রচিত। ধেশারের বিশিষ্টা**রৈত**বাদ-প্রচারক প্রভাষা-প্রভেতা আচায়াঞ্জর বেদাগুদ্ধন গামের উপযোগা করণার্থ এই উক্তম করিয়াছেন। ইংগতে वक्राञ्चताम ७ विशेषकामि मःभाविष कता श्रदेशास्त्र

#### প্রীচৈতভাচজ্রায়ত ও নবদীপলভক

त्योत्रभाषत जिल्ली व्योगर खारवाशासम् अत्रवाही खागी**छ** মল, প্রত্থাদ জীমদ ভিডিগিছাত সরস্থ ী গোলামী মহারাজ সম্পাদিত অৱয়মূপে ব্যাথঃ। ও বছাহ্বাদ স্থলিত। মব্দীপশতকের তিঃতাতবিলােদ ঠাড়রের প্রায়েশাদ ও ভংগ্ৰ শ্ৰীমন্মহাপ্ৰাহুল একটা অিবণর্ডিত আলৌকিক চিজ ध्यक्ष रहेशाहा समूर ७ कार्यक डेंटकडे ( २ वामा এক্টের ) ভিক্ষা ৮০ জানা, জাতি গুরুষ্য বারাই স্বাঞ্চনংগ্রন্থ > होका बाज ।



धीमप्रक्रिविदमान होकुत्र-अनीछ। अहे अक्साळ शह-রত্নের জ্ঞান শাভ করিলে পারমার্থিক রাজ্যে কিছুতেই अञान वा मः नव शाकित्व ना। शत्रम शृष्ट धर्मा निधाय ८ है-দ্ধপান্তল ও সময়তালী প্রান্ত এ' ধর্মন্ত প্রকাশিত হয়। নাই। निर्भितात्राणि भाषा-भाषानि महमकाल एके अहार डेलिंड #\$प्रांटनमा कावात श्रीवश्च क्ष्टी, क्षामार 🖣 छाति भावा विरम्भ गण्य कवा बर्धारण। विवार धार, *ानित छात्। नाम त्वश्र, छैश्वष्ठे* रोधारे—छार्थ मध्यत्रग ভিকা ২ টাকা মাজ।

# প্রেম্পিবর্ত্ত

প্রিময়হাপ্রের অন্তর্ম পর্বিদ ঐল জগলানন প্রভূ বির্কিট্ড। এই পুশুকে অতি স্থাবোধা ভাষায় মহাপানুর कञ्जिमा नीसामह देवस्थ्याहात, उकामनी अ नामज्ञान-लागी लाइडि वासक বৈঞ্চবভাৱের স্থমীমাণসা ८म थिए७ लाइटनम । लाम होकांग्र इत्तर कारनव विभागार्थ अ লাভক জার পরিচয়াদি-সখণিত চতুর্থ সংকরণ ভিকা ।√• सभ काना साला

#### ভঞ্চনরহস্ত

**७इनकातीत निरामधी ; शकुत छिक्तिरनारमत अभूगा** भानः, निश्चित भारतस्य निर्यामः। अष्टशानि नः स्वयः पर्याप्र -কেছ্ বৃথ্যিতে পারিবেন না। তৃতীয় মংগ্রন ভিক্ষা ॥•।

#### ছরিশানচিত্তান্থি

নামাচার্য্য ত্রীল হলিকান নকুরের মূপে শ্রীমকহাপ্রেড় শীনাম মাহাত্মা, নামাভাগ, নামাপরাধ প্রভৃতি বিধরের ষ্ঠানটীয় নিচার প্রবণ করিয়া পেন। এই বিলয়গুলির ন, 🕏 সরল প্রারে 🎷 ি ও আশ্চন্ত পরিপাটিভাবে মূলিত। জীল ভাজিনিবাদ , ুর ্ডিড। পঞ্চন সংস্করণ ভিচাপ ৮০

#### কল্যাণকমভক্ন

द्योगद्द क्षितिरमान है कित-ति छ। धारणक छ ५ तन-িখালী ও জ্ঞানপপের পথিকের একাস্থ প্রয়োজনীয় উল্লেখ্যবাহিত্ব গাঁতিগ্ৰন্থ। সামান্ত বেধাণড়া জানা ্লকেও এই ভঞ্মরাজ্যের গাঁতিসমূতের শ্বারা অনপ্নিবৃত্তি ও ভগবংদেবা লাভ করিবার স্থবিগা পাইবেন। বঠ शक्षत्व, जिक्ना 🔑 बाना मात्र ।

### শর্গাগতি

প্রায়খনিক বিলেপে তারুল রচিত। ভর্ণবানে আত্মদমর্পন, विकासि, अधनगालमा, मङ्विधा सत्तरार डि ७ मिकि बावधा-বিষয়ক গাঁভিপূর্ণ, ভিজা ৴৽ আনা মাত্র।

#### 311

শ্রীগারুর ভবিধিনেশ এল 🕒 নিত্য ভক্ষন, স্বারাত্রিক ६ लावान-स्थानानि-विध्यक मनु । १ अभूय एकरता खिलाउ । विकार राज्या ।

# **্রীগরত্বক হ**্যেস

तिमालसम्बूरियोणि क्षिमियियाथ छक्तन्त्री श्रेकृत्-বিত্রতিত রবগ্রন্থ। **শ্রীমন্ত তিবিলোদ ঠাকুরের অন্ত**্রাদ-ভিজা। জানা মাত্র।



শ্রীমরহাতাত্র শিক্ষাও শ্রীল রব্নাণ দাস গোখামীর প্রতি শ্রীকণ গোস্বামীয় উপদেশবাণী, ভক্তিপপের অফুকুল ও প্রতিকৃষ বিষয়ে স্থাবিচারিত সম্মোদন ভাষা, বিশ্বত নির্ভি, চরিভায়তের প্রমাণ, সাধ্য ব্যাখ্যা ও মহাজন-প্রতি ভরপবোগী গীতমমূচ প্রত্যেক লোকের স্তিভ মনিবেশিত হয়ৈছে। ৩র সংস্করণ ভিক্ষা 🕢 • আনা।

#### म्बन-कन

এবিখুনাথ দাস গোস্বামীর মন:শিক্ষা, জ্রীল ঠাকুর ভব্তিবিনোদ-চায়ত পণ্ডামুবাদশত। ভিক্ষা /• আনা।

### প্ৰেম্ভ জিচ মিকা

শ্রীশ ঠাকুর নরোত্তমের স্বপ্রাসিদ্ধ 'প্রেমভভিবিষ্য≭ গানের পুস্তক। ভিক্ষা /• আনা মাতা।

#### নবদ্বীপশতক

শ্রীণ ঠাকুর ভিক্তিবিনোদ-রভিত শ্রীণ প্রবোধানক সর্গতীপানের সংস্কৃত নব্দীপশতকের স্কুণলিভ প্রায়বান। ভিকা /• আনা মাত্র।

# ডা**র্থপঞ্**ক

শ্রীল লোকাচার্যা র্ডিড। বৈঞ্চবভা জানের স্মাকর পুত্ৰ । ভিকা /- আনা মাত্ৰ।

### **লদাচারশ্বতি**

শ্রীৰ মধ্বাচাণ্ড প্রনীত। বৈষ্ণবের নিতাকর্মানি সদাধারা-तनी, तकः प्रयोग मध्या । जिया 🗸 व्याना मोद्धाः

### मिश्मकती

ক্রিকুল্ফেশ্রী শ্রীমরারায়ণাচাণ্য রচিত : শ্রীমন্পরা চাৰ্বোর সংক্ষিত ভাৰন্থীয়া ও মূল বৈক্ষবপর্যাত। সাঞ্চল্য ভিজাত সালা মাজ।

#### ्रीत्रकृटकाष्ट्रम

व्यक्तिक कृति तिहरू तिक एकत व्यक्तिक श्रीरशीतावादारात्रत প্রমাণাবনা-সংখ্যাত গায়। ভিকা ৮০ আনা।

# যুক্তিমল্লিকা ( ঋণলোরভ )

- শ্রীনধ্বসম্প্রদায় হৃত শ্রীমধাদিরাত সংমিক্ষত। বলাকরে নাম্বাদ এই প্রন্তের অকাশ পারমার্থিক সাহিত্য-জগতে | अडे नक्दिश्यम । लीमचान्द्राहार्गा इंडेटड (बाक्नान्द्रम दिखीय মধ্বচোৰ্য্য নামে পাতে শ্ৰীবাদিয়াজভীৰ্য স্বামী এই গ্ৰন্থে সাধারণ দৃক্তি ও লৌকিক ন্যায়ামুদারে কিরুপ স্থান্যভাবে ভিক্তিবিরোধি মতবাদ সমূহ খণ্ডম করিয়াছে, ভাষা পাঠ করিতে করিতে আশ্চয়াগরিত হুটতে হয়। ইতাতে যুদ্ধির দারা চাকাকি, লৈন, বৌদ, মীমাংসক ও মারাবাদিনত-मन्दरम स्मात च छन तरियार । विकार होका भाव।

# (भाषांभी औल त्रयुनाथ प्राप्त

(ও বিকুপার শ্রীণ ভড়িনিছার সরস্বতী গোখারী প্রভুপাল-লিনিত ভূমিকা নহ) গৌরপ্রেট স্বরূপ-রূপের চরিক্সানুত্র ও শিক্ষা অতীব গ্রোক্তন ও সমূল ভাষার সমিবিষ্ট এবং পরিশিত্তি দাসলোখানী প্রাকৃষ বিরচিত কএকটা সাম্বাদ মধ্যতম তব ও মনঃশিক্ষা-স্থানিত। ভিক্। বীঘাই ॥০ আনা, আৰাঘাই 🕪 আনা মাজ।

# চিত্রে নবর

প্রাচীন নবধীপের অবস্থিতি, ভরা, ঐতিহ্ন, প্রোভ ও विञ्जाशिक ध्यमानमधीन्छ नद्गी बीत्मत महिल विवत्न-এছ। রাজবি রাওসাঙের কুমার তীবুক শরদিক নারারণ त्राप्त ध्यम, था, ध्यांक (मार्टात), त्रवाकुन्न मर्द्यास कर्कक সক্ষিত এবং ৪৭ খানি নিভিন্ন বর্ণের অপুর্ব চিত্র 😉 মানতিত্র-সমণিত; প্রাচ্যবিত্মান্তার্থর রার সাভের 💐 বুক নগেন্দ্ৰ নাথ বস্থ বিশ্বকোনসম্পাদক মহাশ্যের বিশ্বাদ্র ভূমিকা गर । উৎকট ( हैर ) महात्का वैश्वार्ट मृत्रा ১॥०, किः लिः एक ২ টাক মাত্র।

# माभक-कर्श्वामा

खक्तनामा, रेनकव-नममा. दिक्रवनवर्गः वालास्वत ग्रीक, न्योगामभष्ठे, श्रीमसामाञ्चल्य चरहे।खत्रमञ्जनाम, कहेलाहस नामकीर्छन, अनामगडीर्जन, (अमध्यनि, 'बाउनिम्बीफ, नवरीभ-मध्या, व्यागान्त्र-महिमा, व्यनद्वानम-अध्य भहेक আচাগ্য-বন্দনা, নড্ৰেগাম্বামীর অইক, প্রেমভন্তিভ ক্রিকা, উপদেশমালা মামভঙ্গ-প্রণালী, মহাপ্রাড় ও রাম রামানদ भ वात. मनः निका. 🖲 धक्रदावर्षि, द्वी धक्र-वज्रण्या, महा शहर यक्तमा लाइडि माध्य । भिष्मियानम् निष्ठाणाहाः देसभवगरगत कर्शिक कुनगीयानात सात्र बसुक्रण कर्ड भातरायाना अभून तार । छिका 🕪 . दाशक ॥ अवः ।

# গোড়ীয়-গৌরব

কলিকান্তার কুপ্রনিদ্ধ আলবার্ট হলে গ্রেড়ীয়-সম্পাদক গ্রীপাদ ক্রন্দ্রানন্দ প্রবিদ্যাবিনোদ প্রদত্ত বস্তুতার বিষয় अञ्चलात अञ्चलित । हेशास्त्र (बोधीब देवकायम्बादाब ইতিহাস সূত্ৰাকারে প্ৰপিত ক্ষণাছে। ভিদ্যা 🕪 নাছে।

#### গোডীয় সাহিচ্য

কলিকাভার হুপ্রেসিম্ব জালবাট খবে গৌড়ীয়-সম্পাদক শ্রীপাদ সুন্দরানন্দ পর্বিষ্ঠাবিনোদপ্রান্থ প্রদন্ত বস্তুতার বিষয় এছাকারে প্রকাশিত। ইহাতে সাহিত্য-শনের অর্থ এবং োভীয়-সাহিত্যের বিধয় সুঞ্জারে বর্ণিত হইয়াছে। জিকা In/ वाना माता।

# श्रीदशोष्ट्रमञ्ज পরিক্রমা-प्रश्री

क्रीरवीक्टनरभव रूप मक्न क्रांटम मनविकव **क्रीमक्रवा**खाँ এবং তদত্ব পরবরী মহজেনগণ দীলা করিয়া গিয়াছেন, নেট সৰ আধুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও দেববিগ্রছাদির প্রিচয় সহ বাভায়াভের ছবিশ নির্দেশ ইন্ডাদি বিষয়গুলি সরিবেশিত আছে। ভিকা। আনা।

#### THE HARMONIST

### OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীল সাকুর ভব্তিবিনোদ-প্রতিষ্ঠিত এবং ঞ্রীল জব্দি-নিক্ষান্তগরবাতী গোন্ধানী প্রান্তপাদ-সম্পানিত পারমার্থিক मानिक नवा - व्यक्तरण हैश्त्राची क्षांत्रात्र व्यक्तेविश्म नटबं कामकाछेन ৮ (भन्नी ६ कर्मा जाकारत टाकि बारत वित-नात्मन विकात-रेवकाकी गरेवा छेनकिछ स्टेस्टर्सम । काश्रम, मृत्रन-लाहिलाहै। । हिलानि वासीय हिलाकर्यक । धरे धानात उरक्षे धावक चात्र कान नानिक नवानिहरू 🔞 একসাত্ত প্ৰিয়তস জ্ৰীণ বাস পোখানী প্ৰান্তৰ অপূৰ্ম বিপিতে পাইবেস না। বাৰ্ষিক জিক্ষা ভাকমাঞ্চলসম 🖎 हाका मुख्य ।

व्यक्तिकक्षमर्थः त्याः व्यवसायाः मनोशा

# বি গ্ৰেফব রাজসভার

# ब्रीटिड्या घर

-3410

ं वाहीय मध्यीय, छ। क्षेत्र व्यक्षम योगान्त्र, सबीवा

শ্রীমভাবেদ্যালীত ভব্বত প্রায় ৩০০ দ্বর উত্তর-পূর্বে শ্রীরক্ষপদ্ধনে আচাবারত শ্রীচন্ত-त्यंत्र के करण श्री चिटे हें सन्यठ विश्वासमान ।

बरे काम महिन्दछ-रीये. नवाविकानीके वा मायक कक्षमवनी । अठ महाकीर्स छि।वि-याभाष् क्र वर्तिकर्गावि-द्वतालगम्ब, शहितशात अश्वर्तिक कावा, माहेक, अश्वरात, कथा बामांग-छेणा-यम्-विक्री-पूज- क्रक्र म- ६ क्रेट्टिक व्यवाधन । ও व्यवाधना व्यव व्यवाध अध्यक-क्षीश्राम-शाम स् का-शिक्षित e मायुक माळालाविक-भागाता-ठकुरव केलारब केलाल विजारण नरिक निकारमिक महेरफरकन । वह गठेवारक भाषत्राधिक रेमनिक्सव मायक-নৰ্ম্মনাথের অ প্রকাশিক ও ক্ষরাচীন প্রস্থানি প্রচারকল্পে 'ন্মীয়া-প্রাঞ্জাশ' ব্যালয় লাভিটিত ভ্রমানেদ অভিবংসর ব্রাধান-পরিক্রমান্তরাম ও ক্রপাণিত ভক্তগোট্টিব্র के सिंग अहारबूर्ण महामर्व्यदगवाणि करूनि काल अपनिष्ठ हरेबा बारक। बक्क --- अक्ताबी किलास मनकतिकी। मनकारी- कीलाम निरमामनिकारी अवतारी, लाखक कीलाम लोक्साम उच्छात्री कारामावत्रमधीर, खेलाक नीश्वत उच्छात्री, खेलाव सम्दर्भागान उच्छाती. खिक्रप्रमम बक्कानी, किम्मगर्गाणांग बक्कारी, क्क मरक्ष्य, क्रिलंग, द्वेन हीरमाश्म कामुण अवकातभग ।

জিব্দিলামী শ্রীমন্তব্জি গদীপ ভীর্থ মধায়াল এখানে ছবিকলা ভীওন করিছেছেন।

# (৩) ৰোগণীত জীমন্দির

as win Smeinimiliems wan at विम्याशक्षक व्यातिकार्य-कृषि मशस्याश-नीक्षे अवास्त्र शिल्ली। श्राप्त व शिलिक्-खिश्रम श्रीरशीयमात्राथन अन्द श्रीटेक हना श्रीशक्षक मिका दिया छथा श्रीलक-चंद्रचं दन्या यक्यात । उक्क---(शाक-माबादत रणायामी कहे। हारा अकु जीतमा-बाब । महकाही विभिक्षानम वक्ष्यामी. Butetferin कक्किक्ष, श्रीकामान खन-हाती। अभावनवात व्यविकाती, व्यवस्था B313424 1

#### (8) **@**419-**45**4

शिक्षण वा की संग-निवास था वित्रोत्रनीमात्र शामक्ती । जनादम विविद्योत्र-क्षिक्र)भिष्यं क शक्कार्यक्षेत्रं (शबा वक्कार्यः) 

( ८ ) काटेबर्ड-कवन

बहे कार्म के बरेवक शक्त क्यम ब्यूप क्षाया वर्षभामाः।

www..... Batestam eintferift. किरमास्मामाम गायाकी ।

(७) काळीव अवाबि शाहे . अव्यक्तील मात्रालय, गामनलकुष (संबीधा)

किर्मात्रम्भागायः अध्यक्षमानीत् नवावि ।

:::(<u>.4) प्रशंतिक ख्र</u>ेषक-**ख्रक** 

विश्नाक्ष्य, पञ्चनश्रक ( मनीका ) बाबारकं अविकासाय क्षेत्रं काविन विरमायकाकुरमञ् auffi wat Greippujus unt Balleini-वाबर्धन दमना वर्षमान

रक्र-क्रिक्ष काकाव विकासी क्रमांडियी बग, बग, बर ।

# (৮ अक्षित्रज्ञाच दशो हो व वर्ठ মক্ষনপিংত ৷

दक्त क----- क्रीवक्तत क्रिक्त हो बन, ज. वि. धन, मधकारी--- खें डेड्रभ्याम **७ खि**-भावी. व्येष्टेक्कम भावनाती अक्ति।

(>) किटमान-शमानव-मर्ड

টাপাতাটী, সমুস্রগড়, ( বঙ্কান ) 🕮ण वाणिमां (थव शाकिक दशीवश्रमाध्य-्नवा । अक्षर--- औरद्वताम अक्षात्ती, एक Bringen min :

(১০ জ্রীস্কপর্গোড়ীয়-মঠ बाराशक, बाह्यांग बडे. लि क्ष क--- क्रिकेनिमान अव्यक्ताती. नक्ष्यादी--क्षिमध्यवं यह अध्यानी ।

( >> ) 🕮 भागतानमञ्ज — माक्रेनाकि, काश्रन्त, वक्रमान। व्यागामीवकार है।कुर दुन्तारत्मम काम । उक्क--- अवहविश्वी अष्टवारी, ७७ मोमसम्बंध १

( )१ ) छोत्रेन्द्र जोत्रव 🕮 क्षांत्रव छ (ट्यान, क्षणकात्रज्ञ, सकीका । ভাপৰ •শিছাত এছাৰলীর প্রচার-ক্ষেত্র। 

(३७) अक्षणाम् वर्ष एमधियार्थेन, दानवाती, वदीशा वणक----विभक्षातम अवहारी। त्रकारी वक्क-अधारती किवित्याप्तकिक्को । जी प्रतिरं उपार्शनी, अधारशीत वामाधिकाती, विभावस्थाक्षक अभारती, जीवावसामक क्रिम्बूनाथ भाषा, एक विषयाय

> ( ১৪ ) जियामा-८मोणीय गर्ड bont सवस्वभूष दश्क, छाका । ्रमुक्त्रका व्यवाध-८०४५,वयास्य श्रीचक्र-(भौक्षाम नाम्नमा-निश्चित्रप्रत दनवा वर्षमान । ं प्रकल-विश्वायात्रक अवयानी, क्षिकामण सहिका दिलान वि-4. किथान-

(२) बारगोड़ी स मठ

১७ मर पाणिव्यमान ठक्कवर्ती होते. (भा: वाशवासात, क्रिकाका । उ**डेशिटकां**न में, जि. 8550

विमनाका शख्य व्यक्तांत्रिक चनित्रंग किल्लामा विकास व्यक्ति। মগ্ৰী কলিকাভার প্রীভজিবিলোর আগনে প্রামাস প্রতিষ্ঠিত আছেল। এই জ্ঞা-मध्यादादय क्रिक्ट-द्रशोषाय-विविद्यापानन योडि मनावंत्य निका द्रशानेक रन । त्राबीक আচার্বাবর্শের বাবভীর প্রভাবশীর প্রপ্রচারোজেশে ইমেসে সংগর একটা পুরুতং মুদ্রুত व्यक्तित्र मरकाशिक व्यवहारकम । श्रीविधीय मन्यतः ब्लिश्मादनाम व्यवहारान कर महानव बहेटफ 'र्गाहीय' माखाविक गत् चि स्वयमिक प्राप्त गतिका हरहाकी काराय নিব্যাতভাবে প্রকাশিত কটভেছেন। 🚨 মতে পাঠ, দছীর্ছন, সপ্রভান-চতপ্রভাবস্থান, শ্ৰীমন্তাগণত, প্ৰীতৈভঞ্জ-চল্লিভায়তাদি-শীলা ও তথ্যভের সমাক খালোচনা কর্ত্ত থাকে। মঠগ্ৰুক্ত--আন্তাৰ্গাত্ত্বিক শ্ৰীপাল কুক্তবিভাৱী বিভাজ্বৰ। সভ্কাৰী--প্ৰিক্ত खीलांक समञ्जालाका नविकाकृत्य विन्ता, जीलांक व्यवस्थिती बक्षादी, खीलांक क्षत्रकाश्य कामाधिकांकी विन्या खीनाव क्षत्रामान कामाधिकादी. अञ्चलांकी भीकेविमानक, उक्कारी जीनाशीस्थानन, उक्कारी सीमश्रतक, नाक्क अंगार नवीसकृष गाविष्णा गणाता म न्याना वर्षेत्र क वाहाया, अध्येषश्रका भवा मावि वाही वि- ६, अक वयक महिल धकारी वि-वन, श्रीमञ्जूष क्वायरणारिम्, श्रीविषक्ष बच्चाही, श्रीक्षपद्रशादिम् র**স**ারী প্রস্তৃতি।

रणीत दक्षाची, अनिवार्गावाम अक्षाची, ইপভিতশাবন ভক।

( ५० ) औरभाश्यामणी मर्क कमनाश्व, हाका। लालामको ब्रेशियक ब्राहीन त्रया वक्क-श्रीमानगमन वक्काशी ।

( ১৬ ) अभयारे-८भावाम मर्क रविकास धराविनी मका, वानिसाहि हाका শ্ৰীগদাই-পৌরাজের নিতা সেবা रक म - मैं। पूर्व श्रक अव्यव्यक्ति, स्मिर्गाल

(১৭: औकाशवरूमानम गर्ड किस्मिधा, बार्क्स्प्रमुख, स्मिमिन्सू। खबादन नी शक-श्रीकाम-ग्राह्मिका-গিথিখারীয় নিভাদেষা বস্তমান। বক্ত अक्रवामी औरमवानमामकी। (১৮, जामनारवाका अनद्राध्यम अध्यक्षेत्र दलाः बद्धकात्र ।

क्षी क्षम्रभोत्राम-क्षीत्रः समिका शिविधातीय भिकारनेवा। त्रक्षक----व्यवनाती 🛍 •वि--PETT !

# (১৯) औश्रक्तरवास्त्र मर्ठ

वर्षकात्र, नृष्ठी, क्रेस्ट्रिका । अवास्य औरमोब-विस्ताहशान्तकोत्र मिछा-त्नरा रहमाता। त्रक्क--- अध्वतात्री अनुवान मण विशावक, अवहात्री अम्बीबामक, वक्ताती, एक जीवियात ।

(२-) बीवम-द्योक्षीक्षं वर्डः षाणवत्रमान् अवस्थिति (भारः पृत्ते । चन्द्राचरपरम् चनप्रम् नम्हः श्रीमपारः परदात । १५५-- अध्वाती व्यक्तिमध्यो सामाध्योः महकाम्रो---अच्छाडी अविशिविवारी।

### (১১) क्षेत्रकियानम् मर्छ Biwateimie, made

अप<sup>1</sup>रन ङ्रीक्षक-त्यात्राक-विद्यापत्रधन-ক্ষীর নেডালেও বস্তথান। রক্ষ<del>ত</del>-বন্ধচারী প্রীলদানে স্ক্রীরামণ্ড বন্ধচারী

(२२) जीवनाडन-शोधान वर्ष क्ष्मार क्षम्य व्याप्त निर्मा । (शाब-लगायम्ड नगाउन-निकायमा क्षाचाटम दशाबाटमका वसमान । क्षणक---जीवानकीमावको जीशकामन उपयोगी।

(२७) टीक्सटेव्सक सह भीनागरव्याम क्या. भागाम बुन्यावन । अञ्चलाया-अस-त्माकनकांत्र दम्या । রশক--- 🕮 গণপতি নাধ ব্রহ্মচারী

(२८) ख्रीभग्रमस्था वर्ष विश्विषावनाः मो**ङा**नुव

क्षारन बिठाशवक नाप्रमाला 🖝 🕮 शोब-विटनाम विशामणीत दमया वस्त्रमास a वक्षक--अध्वाती अनुःभश्यानम् @ अध्वाती भोनमाङ्गान ।

(२०) बैटेडक्करभोक्रीय वर्ड पुरुष् का, क्रिक् का, यानक्षा वर्ष माथ कात. छाटकमणाभ्य सक्ताती, श्रीवाय श्रीष (प्रश्नीवरा ।

(२७) नगमदशोकोस सर्व कुक्रकार्यः, प्राप्तवारः, क्याम् । स्वार्धः श्रीरभीवनित्नाष-नारभव रमण वर्षधान । वक्ष कृ--- अक्षाती श्रीष्ट्रवर्णन की. क्षोनमीcrivin avaia)

(২৭) জামণপাড়া জগরাজন-নঠ बाबन्याका. त्याः माक्, शब्दा

अवादम वक्ष्युक्षभूषि औरनाज्ञात्मन दमक वर्षभाम । वक्तक---अवनामी जीव्यानक्तक-बाम, श्रीनत्रवत्राच अच्छानी।

(२৮) विश्व (गाणीत मठ--कार्याणक दबर शाली बनम, जाकात लग, निके विश्वी । वन र-- अक्रावी श्रीतकृष, औरूपंरवर्ष क्षेत्रिया शास्त्रम् नामक

(२৯) ८गा प्राणश्रीका व्यश्नीका व्य , रक्ष---अवशक्ते बीधारायाच्य

# পুনার পণ্ডিড জওহরলালের বন্ধ ভা

পণ্ডিত জওহরলাল নেহেক্স, গভ ১৪ই জুন বোদাই চইতে "পুনা আপিয়া भिश्वाद्वन । देवकारम भिनासी असिएड একটা নিরাট্ সভায় পণ্ডিভন্নী বক্তা দান করেন। সভার সহস্রাধিক নরনারী যোগদান করিয়াছিলেন। পণ্ডিভনী वर्णन, रिवि आमत्रा आमारवत्र महका পৌছিতে পারি নাই, অর্থাৎ স্বরাজ অর্জন করিতে পারি নাই, তথাপি আমরা জগতকে আমাণের শক্তি দেখাইয়া দিরাভি। আবার আমাদিগতে হুদ্ধকেত্রে অবভীৰ্ণ ইইতে হইবে কিনা, ছাহার অবশ্র কোন স্থিরতা নাই, তবে আমা-विशंदक गर्यापडे श्रमिकि छ रमना वाहिनीत জ্ঞার যুদ্ধের জন্ম প্রস্তুত থাকিতে रहेरव ।

र्गाण छिविल देवरेटकत कथा छैदाब क्षित्रो वंका रामन, शाम हिविन देवहंदर्ब অনেক লোককেই পাঠান হইরাছিল কিউ ভাগাদের কাহাকেও ভারতবাসী গণ ভরিতের প্রতিনিধি ছিসাবে প্রেরণ করেন নাই। একণে ভারতবাদীগণ সমগ্র ভারতের প্রতিনিগিবের জন্ত মহায়া বিশাভ পাঠাইতে ছেম 🕆 কংলেদৈর পশ্চাতে মানবের শক্তি ও মহাত্মা গান্ধীর উপরই কংগ্রেদের সাফল্য নির্ভর করে। বিগত বৃদ্ধে মুসলমারটেশর তুরুগ-बारमञ्जू कथा छिहास अतिश्रा निष्कृती বলৈন, গত পুলে প্রায় ৭০,০০০ জন লোক কারাগ্যন করিয়াভিল, ওলাধ্যে >8,••• अनडे किल मुग्लग'न । **नीमाए**खत **ल्लाकरमत्र উ**लंत निष्टाई निश्क महायूट्यत ঝাপ্টা সর্বাপেকা অ্যলবেণে বহিলা গিরাছে; কেননা, অভান্ত প্রদেশের क्रमनात्र वे धालस्यात्रहे धालकानि विनी क्रेपाएक जनः ज जारमरणत रमाकरमत्रहे देनी के हेटलाबा क्रिएक बहेगाए ।

পণ্ডিভঙ্গী বর্জনাশ্রমানোলনের কণা केंद्राथ कतिया वरणन, त्य नमछ वावनाती निक्ति ममस्य एक विस्ता वक्र वक्तरवर अधिका वि अर्ग क्षिमाइन्स, जीशांता कात क्वनहे निष्मि बन्न कामानानी ক্রিবেন না বলিয়া প্রতিশ্রতি প্রাৰ্থ করন। প্তিত্তী সকলকে মন্ত প্র **ब्हेंट** निज़ंड पाक्टिंड नत्ना।

অপর একটি সভার বকুশ লাসকে ने शिक्की मक्नाक विरुद्ध ७ मरेनद। বিশ্বন বিশা সাম্বলিত ভাবে দুচুপ্রে एकामान **रहेरछ पास**्यां करवसा তিনি বলেন, ত্যাগ মাডীত ক্মমই স্বরাজ के किये हरेरेंच मा

टीयू की कर्मना दनरहरू के कर्ड़क मिलिए

নীলোকৰ্ণকৈ চরকা ও থকার গ্রহণ कतिरक व्यक्तिय कत्रामे । म्हार्ट्स পণ্ডিভনী বোখাইরে কিরিয়া যান।

# উরগাঁওয়ে সাম্মনায়িক হালানা

গত ১০ই ছ্ন ভারিখে সাম্প্রদারিক হালামার পর পুনিশু বে স্ক্তামূলক ব্যবস্থা অবল্ধন করিয়াছে ভাছার ফলে ব্দবস্তার পুব উন্নতি ছইন্নছে। গত ১৩ই পর্যান্ত আর কোন গোলমাল হয় নাই। **३८३ क्न त्रवाधेमनल्ये वाकात व्यामा** रहेग्राट्स जरः लाक बबानीजि जन्म-विजन्म করিতেছে। পুলিশের ইনস্পে**ন্ট**র জেনা রেল বাদাগোরে ফিরিরা গিয়াছেন। **(क्या माकिट्सेंग्रे जैवनीं अवस्थान क**विएक-ছেল 1

প্রকাশ যে, ধনিতে আগুন লাগার দক্ষণ অনেক ক্ষেক বেকরে। হইয়া পড়াতে এই পোলমাল উপস্থিত হয়। জানা গিয়াছে (य (शांगमांन चांगाहेवात कश्च ) ब जन গুলিশ ২১ বার গুলী ছুড়িয়াছিল।

প্রলিশ বিভাগ হইতে হাঙ্গামার ওদন্ত করা হইতেছে এবং গত ৩ দিনে ष्यान्यक्र क्यानवनी मध्या वृहेग्राष्ट्र। २।> विस्मत बरगाई जनरक्षत्र कनाकन প্ৰকাশিত হইৰে।

# কান্দাহত ভীৰণ ৰচীকা ৩ জ'নর মৃত্যু

ৰুণবার দিন কান্দীর উপর দিয়া বৈ क्षीयन वार्षेका विश्वा निवादक मिल्रान काल गण मन बरराज्यत्र ।मरता एहे 'कक्षरा (भगः यात्र नारे। ८३ विषिकात करण ५०:-व्यार्शत সমূহ ক্ষতি হইয়াছে। প্রকাশ, বহু বুক উৎপাটিত হইয়াছে এবং বিশেষ করিয়া বহু ৰাড়ীর কলেগেট টানের ছাদ উচিয়া গিলাছে। মোহন্যাগানে একটি প্রকাত অশ্বথ বৃক शृंडश्राम्य एरत्रत्र केन्द्र পড়িয়া থার এবং ফলে তৎকণাই একটি শিশুর মৃত্যু হয়। আরও ৮ वन वित्नम्भारत व्याध्य रहेमा वानीय रामभाकित्य यान भारेसारक। जन्मरश प्रदेश स्थाप के का करेगा एक व्याप अनित हम कर्नत्र अवकाक बाह्याचा

রাপ সুলের মুদলমান ছাতাবাদের করেরগেট টানের ছাদটি করেক শত গ্রহ मृद्ध के किया यात्र ।

्रा मरुद्रवन ६६८७७ । बाटस्थनक मःवान । करत्रन । भागिरक्यः ।

करदेवी कच्चीरक दक्षकांत्र

त्य, डेक्ट रबुक्टारमयक मानव स्थाकारमञ्ज गर्भुर्थ निर्क्षिक कवित्य हिम । शुन्नुभू কোনও অভিযোগে ভাষার্যে এপ্রায় ক্রিরা খানীর পুলিল ধানার লইবা वाहरङक्षिण भर्ष व्याप्त २०० मण्ड (सम्बा-গেবক উক্ত পুলিশদিগকে খেরাও করিয়া १७ कराजम कचीर क छेगालन करान इहेट छ উদার করিয়া শইয়া বার। লক্ষে হইতে এক দল পুলিশ উক্ত প্রামে প্রেরিড स्टेबाएक, गाठ ১- हे कून मण्डविधि ब्याहेरन २२६ थात्रा प्रकृशास्त्र ৮ कन ४७ इहेशास्त्र ।

# রাজসাহীতে ছুড়ীক

टीकान, माजन कार्यमहर्देश करन রাজ্যাহী জিলার আত্রাইর নিক্টবতী বকুৎশা ও অফ্টান্স গ্রামে ছডিক বেধা নিমাছে। ছড়িক পীড়িতবের কট্ট নিবারণ করে স্থানীয় কংগ্রেদ কমিটি রিলিফের কাল ও অর্থ সংগ্রহে প্রায়ন্ত হইরাছেন।

### न १९डालदम्य नहा

শান্তিনিকেডনে জান্তকুঞ্জে রান্ত্রান্ত্র क नवासन्य बारयत मकार सञ्चय वीत कृष (जनात मनत मर्भूमात अञ्चान छहे न्छ সাওভাগ যোড়লের এক সন্মিলনীর ক্ষধি-(वन्न इहेम्रा शिम्राट्ह। म्द्राम्य সাওভালদের অবস্থার উন্নতি বিধার# করেকটা প্রস্তাব গৃহীত হর। कीव्रष्टरमञ् সদর মহকুমার সাওতালদের নানাবিধ অভাব অভিযোগ সহকে ভদত করিণার (本日 কাৰ্য্য করী 761 গঠনের প্রস্তাবত গৃহীত হুইরাছে। ना ७७। गरमञ्जू मर्यमा प्यापनी यज्ञ वावहात कता डेविड मध्यमारन धरे मध्यम् । धक्री প্ৰস্থাৰ গুমীত হয়।

### বাললার কংগ্রেসী হন্দ

वाजगारी ट्यनाव नारहात्र महकूमा কংগ্ৰেদ কমিটির বার্থিক সাধারণ সভার অনিবেশনে ছইটা প্ৰতিৰক্ষী কংগ্ৰেন क्यिष्टित छेडव श्र्रेताट्यः। मञ्जास स्र्हेभक **११७७ ५३ मध्या नाम ध्यक्षाय कडा १३।** क्षणाय रानुरा मण क्ष्मात्रमाथ । शक्यमात्रहरू ব্রেসিডেন্ট নিক্ষাচিত কয়ে, অপর্দগে আম ৫০জন বভাত্যাগ কলিয়া অস্ত একটা क्राध्यम क्षिष्ठि भठेन क्ष्मिन धवा खित्रक व्येन्टन एक्स्वडीरक द्वानिरङ्खें।मसाङ्ग

राज्य नैन्जान चुन्द्रप्रताजः **४ वर्ष वर्षा कटकें "जनके" ज्यानामी शहनक** কাজেনিক কালাৰ <u>কালাৰ কালে কালন নিক্ট গ্ৰহতে আলাৰা ক্রিয়া সাখায়</u> करिटेंदान क्यों दिन दिन्दी हैं क्यों में क्या नार्दशंत्र नार्दशं कार्दशं कार्दशं क्या किलाना है। গঁচাৰ বিজ্ঞাপনি কৰে। তিনি প্ৰায় । বিশৈষ্টিভেজনার ক্ষা হইবাহিট। একান ব্যানি ইতকেশ করিছে জনীয়ত হওয়ার

मार्थाः प्रशिक्ष रहेवा बाव । श्रमक विकारण मार्गा जामाजन आवर्ष टर्मनार्ग है।हेनुकार्ग चारमण विश्वादिरमम् অ্থনেবরাতকে অভান্ন আগামীদের স্বাইড ध्यम्माम प्रापा इहेरत । विश्व श्वामीत्र সরকার ঐ আদেশ তান্তিল্য করিয়া প্রথ+ (प्रवामाक् भागामा शास्त्र भागिक मुश्चित्र) ३७वे क्म स्थानवर्गाका शक परेटक **একখানি एतथान्छ क्या इंटे**वाङ्गि।

व्यानामीनरकम वहातिहास ब्रह्मन ८एरवर रकाम जारम जमान क्रियोट्स्स বলিয়া কথদেব স্বাক্তকে পুথক করিয়া দ্বাৰা व्य नारे। **छाहारक (बरमन पद्धान** वसीरकत निक्र घरेटा पृत्त : अक्ष कृत व्यनेतानी वन्ती क्रेज़ीटल व्यक्तिका वांचा स्टेबाट्यः एटेकट्न भूषक काट्य आविष ক্রিয়া রাখ্যে দক্ষণ আসামীর জীখন इन्तियर रहेशा পढ़ियाटका व्यक्तिक विशे धरेक्रण व्यवशास त्राया बहेटम छाहान महीन **छानियां निष्कृत्य ।** 

गतथाक नामधूत कतिया देवियुद्दरण वरान भागामीत कार्यना मुक्किन्द मृत्युह नारे, क्षिक का विषया रखाइका कविशास Cकान क्षमण। डेस्ट्रास्त्र नाहे।

আসামীপদের ব্যারিতার আছঃপ্র मैदिवृत्नागरक व्यष्टदाथ करवन, व्यागागरक रामित कतिवात कस एका कर्युनकटक माराम विवास अञ्च शहरकार्**ष्ठ आरम्**सन ক্রিবার সময় পর্যান্ত টাইব্যুনেলের কাইচ স্থগিত রাখা হটক।

भागामी २२८७ क्य नगास हैहि-न्।दनरमञ्ज्ञ कार्या क्षिण्ड जाना हरेत्राटह ।

# কলিকাভার বৃদ্ধুয় সংখ্যা 🕟

১৯৩১ मारमञ्ज ध्वे सून रव मश्राव (भव बरेबाट्ड एक्टभ क्लिकास्त्र मुकुत मरबा 迎養新門 :--

धारे गरा रहम याना स्मार्टिक केनक १३४ मध्ये इस्टान्स्वेशिट् । पूर्व प्रदे मश्राटर करे मरबार दिम ८१२ करा ६५५ । भारत बर्श्यदम्य अहे सम्बद्धम् मृत्या प्यत्यका धरेवात्त्रज्ञ मध्या ३५२ अधिक स्टेमार्ड ।

नक्टन करे नथाहरू मध्या बहुए महुनु मृक्ता एव । । १ मार्था कृत्ममान ४० स्रारंगम्, यगक त्यारंग ५३ करनम, देनक्क रेमके १३ ५० करमत्र मुक्ता रहेशारछ। अन्तर अन्तर विवेश भरकां छ देवारण यथांकरम ee क्यार केंक् ष्ट्रां मुद्दा देश।

्रवाहिते स्ट्रेट ०० में मुख्येन जानियाः The state of the s

कृत कृत नामान दशरण ५६० महन्य अ 海動機能・大大田田・田田を新たける

विकाशतिक वाक श्रीक वेर्क १८ श्रीक क्षण्य १८ जिल्ल क्षण्य १८

नारायाद शत
व्याम प्रम वायिक क्र याग्रामिक ६ रेजगानिक २०० भागिक क्र स्थाप स्थाप स्थाप

WITHOUT PARTE SEN COTT-ARISI COMIS CANIES MANIES

৬৪ বত ]

4.25 I

CBfm-

সম্পাদক—শ্রীঅতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি

[৯২তম সংখ্যা

আচৈতব্যমট জীবাস মারাপুর- ৫ই আখাড় পনিবার ১০০৮, ২০শে জুন ১৯০১

# নানা কথা

# পুলিল ও গ্রামবাসীতে সংঘর্ষ

नात्रात्रवाक मह्कुमात्र महावासी থানার প্রশাকানীন চর বাঘ্যার প্রানে একদল পুলিশের সহিত আমবাদীদের श्चर्य घटि, छाठात करण এक्छन आम-ৰাসী নিহত হইয়াছে, এবং ভইমন करगरेन्स अक्रिक्सकरण अध्य इदेशारक । ध्यकान, धक्यन मास्त्रांगा धक्रमण करनहे-यण এवः दर्शकीमात्रम् छ्डेकन मन भातान व्यागामीत्क (श्रश्रीत कतियात कश्रे वे প্রামে প্রন করে। ভাহারা ভালানী নের বাড়ীতে হানা দিলে কছুত্ৰভলি লেকে মাছ মারিবাম টেটা, লাঠী প্রস্তৃতি महेबा छोटामिश्रदक च्याक्रमन करत्र, छोट्राटड क्रहें का करमहैनल क्रहें क्रहें के छाटेंग क्रथम প্লিশ্ অভ:পর শুলী চালায়, ভাষাতে একজন গ্রামবানী নিছত হয় ध्येर कश्चित्र श्रामवामी क्षापम इस्र। প্রামবাসীয়া ভীত হইয়া ছতভেঙ্গ ইইয়া भरक । *এই मुम्मिल*क क्रहेशगरक "दशशांत्र क्या इहेबाटल, क्यि > श्रामान्यामानी-Cपत्र Cकाम नेशान शांख्या गांच गांदे।

নিহত আমিবাসীর বার এবং উডর পদ্পের আঁহত দিগকে নারায়ণণত হাস-পাকারে ক্রানড্রিক ক্রাঃ হর্নাছে। একজন কলেইবলের ক্রাড্রানাকি স্কট-

এই মটনার ব্যস্থাইয়া নারারণগ্রের মহকুমা ম্যাজিটেট, ঢাকার প্রতিশ সাহের এবং একজন ইন্দেউর রটনারতো তিনিরাক্তনা

# পুলিসের সহিত সংঘর্ষ

अवश्रुत शिक्की । अ विदिनी वर्ष्य न

# প্রতারণার অদ্ভুত ফন্দী

গান্ধী-আরউইন সন্ধির শেষ মামলা

# ক্ষকদের দুর্দ্দশা

কাশীতে শ্রীয়ত স্থভাষ্ট্রের জাতীয় পতাকা উত্তোলন

# দারোগার কর্মচ্যুতি

দেশের ভবিষ্যৎ সম্বন্ধে সীমান্ত নেতার বক্তৃতা

# ধর্মত্যাগীকে স্বধর্মে স্থাপন

গাঁভার দোকানে শান্তিপুর্দ পিকেটীং

জর**়রে** পিকেটীৎ ও বিদেশী বর্জন

শাস্ত্র (বঙ্জা) কংক্রের ও ছাত্র সমিতির কর্মিলণের চেইায় একটি লিকেটিং বোর্ড স্থাপিত হইমানে। বোর্জের লন্ডারা হাটে হাট্টে শাঙ্কিপূর্ণ পিকেনিংএর কলো রিদেশী ক্রবেয় বিক্রের একেবাবে রাস শাইবাহেছ্ - । বলাফী লবণবাব্যাধী- দিণেকে এক মানের সময় দেওয়া ছইণাছে

সমিতির সভাগণ বদর ফেব্রী করেন, ইহাতেশ্যামবাসিগণ করে মুগোঁ থাদি ক্রের করিতে পারার ক্রানে ক্রিবের প্রসার ক্রেড-গতিতে হইতেছে।

and the same of

# গান্ধী-আরউইন সান্ধর দেশ মামলা

গভ ছাইন অমাত ছালোলনের সমর
বরিলালে রাধাচরর গুই নামক ছানক
ব্যক্তি প্রচার করির।ছিল বে, কোনও
ব্যক্তি বিদেশী বন্ধ ব্যবহার করিলে >০
টাকা ছারিনানা দিতে হইবে। ভক্তর
কে দ্রাভিন্নগালী সন্ধির ফলে মিং লাউন লাজ
উন্নিম্ন প্রামাং লাউন এস, সি, মানক
ভাহার দণ্ডাক্রা বাতিল করিয়াছেন।

আবেদনকরৌ ইতিমধ্যে সরকারের আদেশ মুক্ত হইয়াছে বলিয়া বিটারপতিবর বংলন যে, ভাগার বিরাহে আর কোনও প্রকার আদেশ প্রদান কর। বাইটে পারে

# क्षकरणत प्रस्ता

১২ই জুন তারিখে কেন্দ্র ধানার অন্তর্গত শিবপুর, অন্তর্গ এবং চ্যা-লার व्याप्त छ्रेगाठ मुगगनाम क्रमक । नवा मानाव মহকুমা হাবিমের সম্মুখে হালির চট্টা আথিক সাংখ্যা আথনা করে। তাগনে ভাষারা স্থানীয়ে ধনী ব্যক্তিদের নিক্ট আর্থনা করে কিন্তু ভাহাতে কোন ফগ্ रत ना। मरकूमा शांकिम खारात्त्र কথা ভানিয়া স্থানীয় তদন্ত করিবাব ও বর্ণানাধ্য সাগ্যয় করিবার প্রতিঞ্জি প্রামান করেন। থাস্মগলের একদল ক্ষক ও মহকুমা হাকিষকে ভানাইলছেন (स, शक्ष्मा मा (त ७३। इ का का का नित्र मान्या का का का नित्र मान्या का नित्य मान्या का नित्र मान्या का नित्य मान्या का नित्र मान्या का नित वारकशाश्व दरेशारह । महलूमा हासिम কর্তুপক্ষকে এই সম্বন্ধে বিশ্ববার প্রতি-শ্রুতি দিয়াছেন।

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

# (थाना रहेशाहर ।

অভিত ও আদর্শন্তরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে
আনি অভিন সহিত শিক্ষা শ্রদান করিতেছেন।
বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যায়ে সুন্দর বাসছানের
বন্দোবস্ত হইয়াছে। ছান অতীব স্বাহ্যকর।

স্বিভার সংখাদের জন্ম নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্ত লিখুন। সেক্রেডীর্না, ভাবুরে ভা**ক্তিবিন্দোদ ইন্ষ্টিডিউট্** শ্রীচেত্যুমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

# —৫১ বংসরের প্রতিষ্ঠিত—

ভ্যাপ্রাপ্তরে প্রস্তাক বিটাকা গাল গুক্ত নার্গা, প্রাণ্ডির, প্রাণ

है है।

স্কৃত ঋতুডে ব্যবহার চলে ও সমান ফল প্রেণান করিয়া থাকে। এতি কৌটার বংটী ধটীকা থাকে।

কেবলমাত্র

অতি কোটাৰ স্থা ১০ এক টাকা। ইণায় নাম 'আভকনিপ্ৰৰ বটীকা'।

শাস্ত্রান্ত উষণের তালিকার শক্ত পথ শিথিলেই পাইবেন
প্রাণিগুলন :--ত্যাত ক্ষানিপ্রাহ উন্মধালেশ্র

১১৪ নং বছণালার ট্রিট্, কলিকারা।

কপ্তাভরণের



নকংখনের তাবধার অভা ৬ আং শিশিতে ঘনীতুত অবস্থার ভোটবোধানের বিষণত্তি উন্ধ ভাষে পাঠান চর, ইচাতে ঔষধের কোন পরিবর্তন করা ভর নাই। স্থা আভি শিশি ৪০ আনা, পাঁচট ৪০ - আনা, বোহুল ১০ - আনা।

ত্যমিন্স - ১১লং উল্টাডালা রোড, পো: শামবাজার, কলিকাতা

# ग्रापन गएनी

বট্টকার বার বা বারুনিকার, ব্রিয়ণজির রান্ কারণে কার্লাক, ব্যস্থান, নাবাংগারা, রুল বছ-করারি, অনিয়া প্রকৃতি কাকণ পরত নির্মেষ আয়োগা হয়। বল, বীর্তা, বেবা রুডি করিছে ক্রিকিটার ইনিক। স্বা ৫০ বটা ১, এক টাকা।

প্রকাশ করে। বাংলার বা

# शरेटक्रांगिन

ব্য

# কোষর্দ্ধি রোগ

ভাঃ এস্, এন্, বোষ বিনা বাছে, যাবজ্ঞীননৈয় গ্যাভাতি বিষা বৈছাতিক আগ্লালতে কোমসুদ্ধি: ভোগ আহোবঃ ক্ষিলা থাকেয়।

> हिंगांश---अन्म पडेन डीडे, बढ़नाबाद, कामगांश ।

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

# দৈব প্রাপ্ত মুক্তার একমাত্র মহোধ্য প্রাক্ত দিলে সম্পূর্ণ আলোক

ट्रांशि दिवार एक विदेश विश्व मार्थिय मार्थिय प्रवृत्त व्यवस्था व्यवस्या व्यवस्था व्

জ্ঞীক ভীশচল উপীল, যক্ষা-চিকিৎসক, ো: নৈকাঠী, বহিলাল।
কথণা নিম ক্রিনামার সাক্ষাৎ কবিয়া বিজ্ঞানত জানিছে পাটেটন।
জ্ঞীবৃত রামগোপাল দক্ত এম, এ, ক্লক্ষণায়, মদীরা। জ্ঞীবৃত ক্রিপ্ল,
বিং০, ১১৭. বৈনিরাটোলা ক্রিট, কাটপোলা, কলিকাজা।

ত্রকিন্দালি পত্তি। অন্যার ত্রাকুন্দুর গচ ভর নাগ বাবৎ রাজ বন্ধরে ভাগিয়া মৃত্রের ভাগাভিল, কলিপাডার বিজ্ঞ চিনিৎস্কপুর ভাগের ভাগিয়া করিয়া শেব মৃত্যুত্তর জন্ত অংশেক। করিছেনিলো তই সময় জীবৃত্ত কিন্দীলচক্ত উদিক মহালয় মাত্র ১০ বিন চিকিৎয়া করিছা মন্দ্র্য আহ্বালালা করিয়া বিধাচেন। (গাঃ) শ্রীক কিলোল করিয়া বিধাচিন। ভাগিয়া শ্রীট্, নিউ বিভিন্ন করলোবেলন ক্রিটে চিলাট্নেন্ট, কলিকাডা।

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরাব্দ ৪৪৫ মাত্র ৯/১০ ভাকটিকেট পাঠাইলেই বুকলোটো পাঠার হয়।

> ম্যানেকার-গ্রন্থবিভাগ ঐচৈত্তখন, পো: শ্রীনারাপুর, নদীনা।

কেন প্রাহক্রণ

# গোড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

---

ध्यात्म याव ठोव काणात्र कार्या--दन्तित ८ छिर, त्यस्मा, क्षण्य, व्याम, क्षिणाबी ८६क, विम आकृष्णिके मनूब,
विश्वादक सिम्माण लक्ष, कार्य, विवादक शक्के मनूब,

सात ० ११ ७ ६ स्ट्रांस काफ्टिम इसके वमून, नकन कार्या सिंह निम्न कार्या कत्र, स्थान कार्याक्यात रोडेट नासाय स्थानका स्थानका

कानभाव किंदू कालां कार्या वाकिटन मित्रही कार्मात कामानेटको वस लागेट्यम ।

্থানেত্বাদ-পৌড়ীয় প্রিণ্টিৎ ক্ষমার্কান্ ২৪০/২ মংক্ষাণার সাধক্ষণার বেছে, ক্ষশিক্ষার। ১

# बान প্রভূপাদের বস্তৃতাবনী

এখন ও বিতীয় খণ্ড

के तकूनात अञ्चित्वकिनिकाक महत्वकी दगावादी महश्मादावक हाई सहिका-विकार्तिनी जीशावादादादिती केककाकीम्मवादिनी जीश्कवानीक हुई विहास— रेकक्षितिकाक स्वतानात दशोक अपिन्न नवक किटवक क अद्दर्शन महत्वकृतिक । किका अवस्था ३५० कामा वास्ता । referrations to the most of া শাসামার প্রায়েশ ক্রিয়ার ৪৫ সাহিত ''লবলাকালাকিকর ভুলনামূলক*:* 

(b) मुक्ताक्षा (का अध्यासमान नाना की · कलिङ २०ठी निक्*र*स्थानाएक्त्र भक्त

### (८) प्रशुप्तमानाम

**এদ স্নাতন গোরামী গ্রাভুর দিরবে**শ, क्षा वार्षि प्रकार योहन'--- धार्ट क्यांग्रिटक व्यवंश्वेम कतिन मर्तरवनीता निक द्वित्र 'সম্প্রদার' গঠন ` ক্রিয়াছে। প্রাক্তসক্ষে **শীসনাতন পোখানী মুসল্মান প্রবেশ** • ইইচা ধান নাই, ভতলং স্নাতন देशकार्यात छ' दलान कवाई नाई, जावातन हिंन्यरचेत्र मध्याक मन्द्रन बनिहा त्कान मख्यमात्र पाकिएक गास्त्र ना। दहै मुख्य-माप्त्र श्रीतिधश्यनात शहलन स्वास्त्री नाहे, हेरा बहा-अञ्चत निकात मन्पूर्व दिवक कथा। ইহারা মুস্লমান দ্র্মাবল্ভিগণের ভায় कंष्टिक '9 व्यवस्थित भागा भातन व्यवस् আলথেন। পরিবান করে ও মৃ সেমানপের मक करना

# (७) जीविनाम

धरे मडारणिशाय नानादिक राजिन मच्चित्रप्रवे मछ। देशता क्षक्र छ। निकिर्भियोगी। हेराडा व्या ८४, नागक। शाह् देशामत भूभवदी धामानात्मक। ইহারা হিন্দুর ভাঙার পালন করিছে বাধা नम्, सूत्रवसानरभव अध्यक्त आधीत दावशीत हिराद्युत्र मद्शा द्यमा यात्र । देशात्रत्र मद्या दिनाशीय व व्यापात अ भगमार्गाम अध्यक्ष পুৰা প্ৰচলিত আছে। ইহানের সহিত मनाक्रम देनकनवरपात कना कि, दकान रिक्नू-थर्षात्र महिक दक्षान शकात्र मध्यः नाहे। वाकेन, मृत्रादन, माहे-- এश्वनि शाय अकहे প্ৰকাৰ।

# (৭ : প্রাকৃত সহজিয়াবাদ

অপ্রাক্ত সহলধর্মের বিক্লত প্রাক্তি ু **দ্বান্ট আন্ত**ল্হন্থপা। ভগৰান্ প্ৰাকৃত ু 'শিতার ঐরণে আরত মাতার গর্ভে কর-্ **এবং করেন, উছিবে পরীর রক্ত**নাংগের शाक्षा, शामिक, काश्रम केवन-कारमत वाटन खोश विक एक, शांशाहेक शृक्षे की निरक्तरण ্বিভ্যানজেয় কেই হইতে গোণিত বহিৰ্ণত ं ऋष, विकासिक-सटेबकाति विकृष्टरवर्त्र स्थोजन ম্প সভ্যবস্থ এবং ভন্নব্যে বিক্লোণিত িউট্টেডি, বিভূপ সাধ বৈকবেরও সাতা-ानिक प्रदेशको नवीत आखि वरहे वर्षार . देवके केक वृक्षांत्र प्राचीन: . देवकर कर्णानः अकात्रत्वन । देवाता भागशा त्यवरमानः

बी बी छक्राशी दाटको करा ठः

# নদায়া-প্রকাশ

# নিতাপাঠা বৈক্ষগ্ৰাভাবহ

বেদাদি সমস্ত গাছড-শাম্বের অক্তিম ন্যাখ্যাতা সমগ্র ভারতে এক মাত্র স্থল ভ

দৈনিক পার্মার্থিক পত্র

শ্রীলাম-কারাপুর—৫ই আহাত শ্রিবার—১০৩৮

ফলবাধা জাভির অন্তর্গত। নন্দ ধশোবা দেবকী-গোপীগণের প্রতি ক্ষেত্র, ক্ষেত্র স্থী বা গোপী মনে করিতা সেই মাটীতা প্রতি নক্ষণোদার আসজি ছিল, শচীমাতা ় क्रशक्कांच निरक्षत विश्वकरतत छात्रि, विश्व শচী জনমালের প্রতি घथन আস্ফ্রি ছিল, তুন আমাদের মাডা পিতা ' ভাষ্যাদির ভাতি প্রস্পার আধাক কেন্ট ভাষাদের বাহ্ন শ্রীরাক वा मा पाक्टित ? 'इस्क यथम नामके किरणम, ''विभागिरायी' 'कम्पका कामी' তথন অনিধানের নধো আপটো কেন পাকিবে নাং বৈশ্যবপুতা ক্টি করিছে इंडेरल रेतकरी को मध्यह कदिल धरमधी ধর্মে আসঞ্জ ২ওয়ার নান –গুরুতাশ্রম ! মঠাপ্র নিত্যানন্দ প্রভুকে জগতে পরবৃত্তি-কালে ঐক্র আসাবাব্দ বিস্তাবের জন্মই ্গেড়াড্রামে বিশ্ব করিবার কন্ত পাঠাইনা-ভিনেম। নৈদ্যবভা--প্রতিগত বা শৌক मैंहि, यद्भावक मेंहि, कीरवाम मार्थे, १६ । शक् । आगाविक १ व्यालायक-लीक-বংশগ্ৰহণ ভাষ্ট শেষা ক্ষ্যান্ত লেপাৰ স্থায় শৌকবংশগতে! শুড়িবাড়া গমন করিলেও অপবা প্রতী-मन्त्रें, देवन, शुरुबार, निक्ती, देनस्वतानवादी शास्त्रिक्षेत्र केलाज ताल मर्गन, करी महाश्रवाम । कश्रवश्रायम श्रवक्षणानीय सम्बर्भ । মংগ্রাদি ভোজন প্রদানাতাতিত, আচানা । ( জ্রীকিলোটানোইন ইজিবান্ধন বি, এল্ সম্ভানগণের মংখাদি ভক্ষণ ও ভক্ষপ মন্ত্রণা-জাত্যুচিত ! নামাপ্ৰাধ, নামাল্যু ও নাম্না दक । महाक्षत्रीम द्वाराष्ट्र खानागाँउत ছাঃ নীচলাভীর পালে অাবিত্র হ**ট**া যায়, শালগাম প্রাক্ত ইট পাটকেলের স্তার শুদ্র স্লেকালি পার্নে চ্নত ইইনা ধায়, তাহা-দিগকে প্রিয় করিতে সম্থ নছে, স্থভরাং भक्षत्रवापि षाता खादात्र (भाष्ट्र) व्यविश्वक । এই প্রকারের স্থানও অসংখ্য বিচার স্মাছে। मादिक्या, इकविश्वता इहेटल कारक यक প্রকার মত বা পদ স্বর ইইনাছে, হইডেছে वा इहेरव. छोड़ा मकनहे ध्याङ्ग्छ महक्षिया-বাদের অন্তর্গত।

# (৮) महाद्वादक्षित्राम

**बाहे मन्यामारात गउ विवस्तारमत्रहे** 

কুকুর শুগালভদা দেহটাকে 'অপ্রাক্ত শরীরকে নাটীয়া বেশভূষায় সাভাইর। ক্লফের নিকট লটগ্ৰ ষ্টেতে চায় এবং এরপে ক্রিমভাকেই ভ্রম বলিয়া কল্লনা করে। এই স্থীড়েকী সম্প্রদাণের কেছ কেং সাজাইবার জন্ম পাঞ্চিত্রিক পুরুষ দেঃ ভাত ভক্ত-শক্ষম্য প্রাত্ত ट्रिन करत्न, क রজন বাংল, পায়ে আগ্তা পৰেন, নাকে নত দেন, দ্বী-লোকের পরিধেশ শাস্ত্রী পরেন, হাতে অনন্ত চুড়া, গৈলে মল প্রভৃতি অলভাৰ প্রিয় পান্দেন এন প্রাক্ত স্ত্রীলোকের হাবভারের অম্বরণ করেন ৷ ইহাদের অদরে পুরুষ ভাব, প্রবাদের, আব বাছিবে গোণীর

# বৈশ্বন সেবা **পর**ে गेপার কেন १

পরমহুণ সংবিতা জীম্বাগ্রত মহায়৷ ভরত ও রাজা বহুণাণের উপাধান প্রসাজ बङ्क ताचा बङ्करानरक উদ्দেশ করিয়া জলৈ খ্যাঞ্তশ্ৰীকৃণ মনগ্ৰিকত ধন্ধ জীবগ্ৰাক এট শিক্ষা দিয়াছেন যে, মহাভাগবভগণের পদরেপুতে আক্সার অভিষেক বাতীত ব্রগ্রচণ্য, গার্হস্থ, থানপ্রস্থ, সম্মাস প্রভৃতি অভিমান অংগা হল, অগ্নি, স্থা প্ৰভৃতি দেবতাদিশের উপাসনা থারা তগবঙ্ক ड्यान इस ना। ८४ गकन महाद्याग्यक-গণের সভার বিষয় বাতা প্রসন্থ নাশন क्राय् श्वास्य की क्रम व्यक्तिरण के विष इश, कीशास्त्र मूर्याम्**वित टगरे शकन क्या** সভত আনর প্রধান এবণ করিতে করিতে मूब्यूगर्वत 🤏 .स्थक वासना विवृद्धीं ५ ६६ वा जन्तान् वास्त्रस्य अन्तर्वक्ति उत्तर्वहः। शोद्भ ।

छक्देवकदवंद्व जीशानगरम व्यथन ना **ब्हेश वा छै। इामित स्मिश् व्हें छ विद्र**ख इर्रेश अक्ष5र्श अङ्गीत हरूताश्वनारी किया অনিতাতুক কল লাভের জল প্রতাপী অক্সাক্স আধিকারিক দেবতাগনে উপা• সনাকারী পঞ্চোপাসকগণ ধর্মার্থ-ক্ষেত্রপ ত্রিবর্গ লাভ ক্রিতে পারেন, কিম্বা নোক-কানী ব্যক্তিগণ মোক লাভ করিতে পাবেন, কিন্তু ভাহাতে ভাঁহাদের চর্ত্রম कन्यांश्वन यम नाम हहेवात मञ्जावना नार्ट। गानराओमानि लग, नशीमि ताका বা মোক লাভের ছারা জীবের নিত্য-गक्रण इम ना। मार्कालोमानि शन लाख কণিরা লিভাপের হস্ত চইতে অব্যাহতি নাই। স্বৰ্গাদি বাজ্য লাভ ক্রিয়াও পুৰ্য ক্ষাে পুনরাণ এই ইইটে হয়; আবার दिछात इटेंट উদ্ধाন सारकत पुल्लिशास कतियां व यनि जशनः स्मता ना क्रकः अमा-नन्तरिनीयन ना हत्र, कोश् ७ व्या ग्रेलियानक्षण অন্থ, জীবেৰ প্রম অকল্যাণ মাত্র। প্রমান-ক্ষেম্যেক বিকার কণতঃ বীধুরে। धतम भूकपार्व क्रका:धामन क्रम सम्बीत **३६८१न, डाँ**डाराहे নিবওকুঃক বাস্তব সতা কীউন হাৰ্বাও চরম সঞ্চল্পার পঞ্ম পুরুষাথের সন্ধান প্রদানকারী প্রীমন্তা-গ্রাত্র ক্ষিত গুড়ার্লচবের পাদপুরুক্ত অভিনিক্ত ২ইবাৰ জন্ম ব্যক্ত হইবেন।

বৈ লবগ্ৰ নিক্লিঞ্চন ও ক্লেড্ডর বিষয় - হইতে নিমুত। 🛎 জালাবান গীতায় বুলিয়া-ভেন যে, বিশা সঙ্গ হুটাতে কাম কামের অত্পতি কোন এইক। প্রপার অবস্থায় চালিত হইল स्थाति मक्ताम चरित्रा থাকে। সঙ্গ ২ইতে আমাদের স্বভাব পঠিত হয় ৷ কামনাই আনাদেশ বন্ধনের কারণ, যাহা হইতে এই ত্রিপাভলোগ। নিকিঞ্স নিবৃত্তত্ব বৈশ্বব্যণ কোন কামনার नगरकी रून नां, कैं। ता गांध हिंछ। याहादा ইন্ডি, মুক্তি, নিদ্ধি, বাছার বশবর্তী, তাঁরা ইবলেই অশান্ত। ভুক্তি, মুক্তি, সিদ্ধি বাস্থা ता.६७ निश्चिम नित्रदेश लाख श्रमाति রক্ষের আগন প্রতিটিত।

कन्यं यो भागात योगना यठकण लेकित, তিওকণ প্ৰাপ্ত ভাষাবিদ্যা ভগৰুং গাসপত্ৰ <sup>ल्ल</sup>िमी पर्कत हिम्म **स्टेट**ड लाउ मा। সংসার কানা অংগত হইলে ইটভগনানের প্রতি ভাগদের বৃদ্ধি নিবিত্ত হট্যত পাকে। त्य, निकिश क्षिश्च निवस्तियम् क्रियान পর্মহংস মহাটাপ্রস্বধের প্র**স্কর্জ <u>ই</u>জির** ভণণ প্ৰান্ত ব্যক্তিগণ বে প্ৰয়ন্ত **না** অভিষ্ঠিত হণ তৎকাশাবধি তা**হালের** মতি ভাগেন্ ্ক্নের পার্গায়ালার করে र. । व्यर्श्व देवसम्बद्धात्त्र भाषाभावा **अकृत्य** তাবে শর্পাগত বা ছওয়া প্রান্ত জগুরালের

প্রতি ভালাদের বৃদ্ধি নিবিষ্ট হয় না এবং ভাছার ফলে নিভামলল লাভ ঘটে না। যথাতি জীম্মাপ্রতে, — নৈধামেতিভাবছক-ক্রমাজিয়: স্পৃশত্যন্থাপগ্রে यक्ष्यः । बशैवमाः धानद्रद्याप्रज्ञितकः निविधनानाः ন বুণীত যাবং।

ब्रिटेह हुए भीजा वर्गकानी श्रील कतिनाम গোপামী প্রায়ুও এই কথার সমর্থন করিলা বহিনেতেন, 'ক্ষভতিত জন্মনল হৰ সাধু-मुक्ता कुरकरत्यम कर्य जिल्हा भूनः मुना অজ্ঞ সহ্হরণা বিনাকোন কথে ভিজি मध् । कुक्कार्काक सूर्य तल्, मश्मान नरह क्या । 'मायुनक', 'मायुनक' भर्ता लाटय क्या । লব মাত্র সংগ্রহ ক কম্মিদির হয়।। একমাত্র সাধ্যক্ষী ভাবের নিত্য কলগণগুদ।

दिकादम्य अक्साङ या उन दाच जिल्लाकत সঙ্গ কলেন। ভগলান ইটবিফুতে থাছার নিধান বেশপ্রবৃত্তি বৃৎধান, ধর জ্ঞান বৈরাগাদি সমস্ত ওণ্ডে সহিত দেবতাবর্গ উ।১)তেই সমাক্রতে অবস্থান করেন। হরি-ভক্তিবিহীন বাজি---মন্ত্রাণ কম্ম-জান-যোগ্রত বা গুড়ালতে আসকে; ভাগেং इतिए७ डीवान ८क्दबा थिक भावे। माना-ধৰোৱাল ভিনি অস্থ্যিক ধারিতঃ ভারতে মহদ্ভণের মভাবন নাহ। বপাহি শ্রীমপ্রাগ্রহত, বিজ্ঞান্তি ভার্তিভান্তা- -किक्ना महेश छ देव एक समामगढ एकाः । इति बाजका कुर्जा भरतक्षा भरमावर्षः । লাপ্তি ধাবতো বৃহিৎ ॥ আইচভর্ডলিভায়তও विविधार्यम, "मार्क्षमता छन्यम देवक्यनदी, व । ; क्षफल्टाङ प्रायम्ब ७५, मकनि गकारव ॥ বৈষ্ণবের এক্ষন্ত উপাস্থা বস্তুই ভগবান ঞীবিষ্টু; ভগবানেৰ সকল ভংট ভাজে সঞ্জিত হই।। পাকে। के किंद्र श्रीमानक লাভ বা কুষ্ণপাদপদ্ম লাভ বাভাত ভীবেৰ আর উৎক্রট বাছনীয় বস্তু যে থাকিতে পারে না, ভালা শ্রীভগণান খাং জীমন্তগণদগী গ্রায় জানাট্যা দিলা ব্লিয়াছেন, 'মন্ত: প্রত্রং मान्य किक्षितीय भगक्षरा । रिक्षानागरी সেই কণ্ডের স্পারের ভারাবের একমাত্র উংহারা ভাত বড শভিনান. অস্থ ইতির সম্মর কাকণা হয় স্থাকে প্রয়ন্ত বিজ্ঞান দিয়ার ক্ষণতা ভীতাদের ষ্ঠাছে। তাই কোন অংগ্রেড কবি বৈক্ষণ-ঠাকুরগুণকে সংস্থাধন ক্টিরা প্রোণ্ডর আবেগভারে গাড়িগ্রেন,- এতে বৈদ্যান-ঠিকুর) কুকা মে ভৌমাল, বাদ নিচে পার, ভোমাৰ শক্তি আছে। আনি ও কালাল कुरा इक विना, शाँह छन भारत भारत ॥

বৈদলগুণ নিত্যকাল হরিকগার প্রালো-চনা করিয়া পালকন এবং উটোরা নিরস্তর रुविटम रा-भवारम ; छाउताः धिरशानिन সভতই ঠাহাদের ছদরে বিশ্রাম করেন। ভিজের জ্বরে রঞ্জের সভত বিল্লাম' হৈ: চ । বৈক্ষরগণ সাইলা সেবাগালায়ে ভগবানের ভিগবান জীহরির রূপ গুণালির কথা এবণ ভিতিতে ক্ষরস্থিত হইলা তিনি ভগবভাষের

याश्वा कर्त्रण दिक्षनगरनत रमवा करतन বা ভাগদের নিভাগক লাভ করেন, ভাঁছা-দেরও নিতামকল অবহুভাবী। ভাঁচারা জীবের জ্বদকে অস্তাভিলাধিতা শুক্ত করিয়া তালাতে চরম কলাগিরপ রুফপ্রেমপ্রদান-কংবী ভক্তিসভা বীজ রোপণ করিয়া থাকেন। কৃষ্ণপ্রেম লাভই জীবের এই ভ্রতাভ মন্ত্রীভবার পর্ম প্রেজন, ধাহা হটতে চরম কলাণ বা নিংশের লাভ ঘটানা থাকে। ভোগে বা ত্যাগে জীবের নিতাকলাণে হয় মা। এই নিতামক্ল বাচের একমাত্র উপার সাধুগঙ্গে হরিকপা শ্রণ ও কীন্তন। ভাই সন্ধ অবভাবের का छ। ती किंद्र न दशक्तमसन अभिताने व र्रेति कृष्ण रमना अस्थ्या रेन्यन रमनात মাণ্ডা কীন্তৰ ক্রিয়ন্তৰ এবং শৈক্ষয সেন্ট ক্লম্ম গোন্তিৰ একনাৰ উপায় বালিদ্ निष्मन करिया नियाप्त्र । 🕮 है छ छ मौनात

ींग तुन्म,तन मांग हेकिन बहानग्र ভীমন্মহাপ্রভুর ঐ উভি নিমের ছইটা ছলে না করিপ্রছন -

ান যোৱা বৈশুভ বৈশ্ববেৰ সেৱা নত । লাগ্রত আদি সর শারে কৈল দর। তেত কোটোকের বুধবা প্রম উপর ।

# ভক্তিপাথই চিত্ত জি **সভব** শ্র

ইবল্যবাৰ্তিত জিলকলাপে যে ধর্ম া, একটো ফল ভাগ এবং

ভাগ সাবককে পুন: পুন: ধন্ম অথ কাম চক্রের আন্তিত করছে। কন্মধুর্যন মুক্ত অধ্যান ঐ শেকাৰ নিৰ্ভেছিমগ্ৰীতির व्यतिश्वक्ट नार्टे। कर्षाक्तरात्रांश भविद्यत কার্যা এক্সান্ ও প্রমান্সালিধ্য কাভ হবিধেব। ক্রেক। খেন ন্রে। জান বা নাহইয়া শুরুষ্টে মগ্ল হইয়া উপ্শুম লাভ যোশপদ্ধতি সম্ভূতা জাভ কারলে ভগবং-শ্রীভিদ স্বাহত বিরোধ কলে 🐗 🔃 যে স্থলে দীপর্দেশ্যর অভাব, সে হ 🦿 দুগ্রবিংইষি মনের এটো আত্মার বিভার'ভরণা ছক্তি ক্রমতে পুলক হই । পড়ে। এই **কার**ণে भुवत्वरम् वर्गाञ्चम । अन्यादामस्य द्यादकान অং**র**ে অব্ভিত হুইটা হর্মের <del>স</del>ুরুতা অধ্যরণের ফলখরণ হরিভাষণ্ট স্থির कन्दिरंग् मिरीवत कर्षिमच्छनात्र व्यथन। কৈত্রব্যুক্ত শেশস্থা ক্রিপ্রিগণ ছরিভোগণ ব্যতীত সংস্থাবৰ্ণ ও আলম্মন্ত্র জন্তভাবে कां5तप करिएड शास्त्रम् मा । अहे कांतरप স্পিকণ একাফুডাবে ধবং, অর্থ, কাম ও মোকবালা শৃক্ত হটবা ভক্তমন্পালক

সহিত বাস করিয়া থাকেন। হুভরাং ও কীর্ত্তন এবং তাঁহার ধ্যান ও পুঞা করা কর্ত্তব্য।

> বে সকল ব্যক্তি অক্সভিলাব শক্ত হইয়া শ্রদার সহিত ভগবান জীহরির কথা শ্রবণ ও শীর্তনাদি করিতে থাকেন, মানিক ভোগপর মৃভ্রুসমূহ কোন ক্রমেই আর তাহাদিগের হদ্যে অবস্থান করিতে পারে না; কাৰণ সাধু প্ৰাকৃতি সম্পন্ন ব্যক্তি গণের হন্ধ এইবি, শব্দপ্রক্ষারূপে ভক্তগনের জ্বায় প্রবেশপুর্দক ভাহাদিগের স্কুদয়স্থ যাবতীয় অমঞ্লরাশিকে বিদুরিত করেন। অত্তরৰ বুঝা ঘটিতেছে যে হরিত্মরণক্ষপ পড়া ইতর চিস্তাকে নিচিছের করিয়া ভোগ বা তাগ্যনী অন্থ বাধনাগ্যুগকে সমুবে ধ্বংস্করে। লদর হইতেই ভোগের বা জাগের বাসনার উদর হর। সেই ভোগ বা ত্যাগপ্রবৃত্তি ভগ্রানের বহিরকা শক্তিকে । অজ্ঞাতদারে অভ্যানন ক্রিভে গিয়াবছ व्यनर्थनाता दिश्व इत्र। व्यक्ष्यामी क्रीकृति শ্ৰণকীকুন দাবা সেবিত হুইলেই জীবের ভোগ বা ভাগালপ মল গ্রহণ করিবার পিপাদা থাকে না।

मक्तकण देवक्षम् शतिष्ठभंतं ६ छोत्रमञ्ज्ञ स्रुतन्-কাঁওন করিতে করিতে অনস্ক অর্থাৎ অন্থ मभूष्र विमहेशां। क्वेटलके भुक्ता द्वम बोक्तिए মানবের অচলা ও বিকেপরহিতা ভক্তির छेल्य इव। अतिरमनाविद्यानी কামনাসভূহ যে পরিমাণে কীপ হয়, সেই পরিমাণে নৈছিকী ভব্তি উত্তরেন্তর বুদ্ধি গ্রোপ্ত হর। おおさとか বক্ষন বাতীত নৈদিকী ভঞ্জির উন্য সম্ভাবনা নাই। ভোগা, ক্ষীবা ফছেবৈরাগা এবং জ্ঞানীর কুসক कान तो जिन्नतरमता । अश्वन्नक्रश्यात मन्नक्रामणे ध्वःमशाश्च इत । বা ফলভোগ জন্মে, তথন আর অভজনকে কুপ্রবৃত্তি মান্ব क्तरप्र द्वान शाश्च इत्र ना।

নৈটিকী ভক্তির উদ্দেশ রুজ্জুমোগুণুকাত य गकन भाव अतः कामानि तिभूगहेक সাধ্যকর জনতে বস্তমান ছিল, ১৭ই সকল ভ্রমব্যারপ ছাস্পে সাধ্যকর মন অভিভূত কৰে অৰ্থাৎ প্ৰমান্ত্ৰে আপ্লুড হৰ। প্ৰাকৃত **घरटा उक्करराखन काम, ८कोस, ८गाउ,** মোহ, মদ, মাংস্থাবিগ্ৰেণ প্ৰাস্থ করে ও मकल प्रमुखन्दक महे करत । এই त्रश्रष्टामान अध्यत बाटा ठामिङ इंग्रेस प्रमुख्य वा ভোগের উদ্দেশে যে সকল কথা অধ্যতিত হয়, তাহা অচকল সম্ভণ স্থাপন করে না । সম্বন্ধণ প্রাবলো কর্যাৎ জীবের নিত্যানিতা निरमक जिम्म इंदेरण तकक भाखानत वृद्धि-শমূহ জীবকে আছেল করিছে পারে না। তখন শুদ্ধ প্ৰনিশাল জীবাছা গুণতি স্বীকার না করিয়া, ছবিদেধাস্থী চিত্তবৃত্তিতে অধৃষ্ঠি হন ৷

बीरिय व्यवस्थित्रिक स्ट्रेश देनिहिंकी

উপদৰি করেন। তথন ভাহার চিড, ভঞ্চি-र्यांग जारम (भाष ७ प्रकारन स्व सहेरक মৃক্ত হট্টা প্রসন্তা লাভ করে। আত্মার আত্মা প্রমাত্মা ভগবানের সাক্ষাৎকার ফলে অর্থাৎ আত্মদশন **হটলেট ভগবভন্ববেডার अहकातक्रश मध्यम विनष्टे एक,** অসম্ভাবনাদিরপ সকল সলেহরকা ছিল হয় এবং অমারক কর্মসমূহ ক্ষরপ্রাপ্ত: হয়। এই কারণেই পণ্ডিতগণ অতি আনন্দ সংকারে ভগবান শ্রীহরির অর্ণাৎ বাহুদেবের সর্বাক্ষণ মন শোধনী সেবা করিয়া বাকেন। মথাঞ্ শ্রীমন্তাগবভের ১।০। ২ লোকে বর্ণিত শ্রীনৌনকাদি শ্বিগণ প্রতি পর্ম ভাগবড ত্রীপাদ হতগোস্বামীর উক্তি:---

''অতো নৈ কৰয়ে। নিস্তাং ভক্তিং **পরময়া মুদা।** বাহ্নদেনে ভগৰতি কুৰ্মস্ত্যাত্মসানিনীৰ্॥"

# क्वांशास्ट्रिट व ই হৈতত্ত্বলীলা

গড় ২৮ৰে জৈছি, ১ই জুন পরিব্রাজ-कार्गा विषयिश्यामी श्रीमञ्जूकिविदयक-ভার ী মহানাজ দেওয়ানগঙ্গে আচাধ্য পবিত উট্নাদ রাধানবদ গে**খানী মহাশ্**যের ভবনে का १६८७ किलेक्ड अस्तरवन्न भीना स्मर्थाह-য়াছেন। এতদেশের লোক এই সৌভাগ্য ্রেপম প্রাইসেন । স্কলেই প্রমার্থারে 🔒 উৎস্থকচিত্তে শাস্ত্রীয় গভীর তথ্যপূর্ণ কণা गङक्ष्ये वृत्तिनास्त्र ।

শ্রীটেডক্সবাণী সর্পন্ম প্রচার হওয়াই খ্রীটেভক্তবেরে পাদপদভভাগণের একমাত্র हेण्डा ७ कामुतिक ८५हा। राहाता व्यक्ति ভোগবিদাদে নিম্ম ভাষারা সকলকেই সেই ভোগে প্রামন্ত করাইবার প্রায়ত্ব করে किन्दु डिमानकत्त्र आंत्रज्ञन्त मामुगव, <u> भिटेट उक्तरमध्याच्य महास्मनग्रन महार्क्षम्य दहस्य</u> সকলকেই সেই সেবায় প্রমন্ত করিবায় প্রয়ন্তবিশিষ্ট ।

मकरणव बाक्षतिक बङ्गातास भन्नितम अ ছায়।চিত্র প্রদর্শনের আয়োলন কর ।

#### 2514-27**3**

जिम्किमानी क्रीयह कि अकांन कहना बहा-রাজ গত ১৩ই জৈটে বুধবার খুলনা জেলার অন্তৰ্গত বিদ্যুপুৰ্নিবাদী বাজ্ঞক সম্ভান, কিশোরীমোৎন সরকার প্রাভৃতি ভারেছোদর-গণের আগ্রহাতিশয়ে তথায় এদিবস 🕮 মদ্-ভাগনত এবং শ্রীটেচডেচরিতার্ভণাঠ করেন। छणा रहेटल गाजा कविया समाच्या मित्रांगी পর্ম ভাগবত জ্রীণাদ রাসমিহারী দালাধি-कातीत क्यान जीमहाभयरक विद्वारति शांठ करवम । वर्शकारकत्र चलशूक नाशा अभरत एक ; मधनी विराम् : औषि विराम ক্ষরিগ্রহেন।

# গ্রন্থ পরিচয়

# **শ্রীমন্তাগবত্ত**ম

শীনসংখ্য ক্লেট্ৰপায়ন বেদব্যাস-প্ৰণীত খল শ্ৰীমন-ঠাকুর-কৃত সারার্থদিশী টীকা, বস্মুস্বাদ, সংস্কৃত অব্য ও तिहें परकत्रं टाजिभाष्ठं क्यांमात्र, व्यशास्त्रत टायस्य व অধ্যারের সারসহ অবিভৃত তাৎপর্যানি বিবৃত। খোকসূচী विषद्रप्रती, व्यक्षायनिवत्रण, भाव । श्रानग्रहीमह উद्यम কাগকে উত্তম অকারে মুদ্রিত। প্রথম চ্ইতে ১০ম স্কর পৰ্যাক্ত ছাপা স্পূৰ্ণরূপে শেষ হইয়াছে। ভিক্ষা প্রথম इ**हेट७ अमें क्या भर्गाष्ठ २०१०'० मध्या** सक्य ১२० শ্বতা ৪•्।

# **এটা**চৈতশুচরিভায়ত

ও বীশীস্থকিশিছাত সর্ঘতী গোষামী প্রভূপাদ-লিখিত 'অমুভাব্যে অভি-মৃত্যাদি বহু শাস্ত্রশাণ-সম্প্রিত চইয়া প্রকাশিত হইয়াছেন। সোকের সাধ্যব্যাথ্যা, বজাতুরাদও প্রত্যেক অশ্যাস-প্রারম্ভে কথানার দেওয়া অপ্রতা প্রোক, পরার, শক্ত কান, পাত্র প্রকৃতির স্কুর্রত সূচী ৬ ১(৪ কারের বিশ্বত জীবনী সম্ধিত এইরূপ অভূতপুর সংখ্যাণ উত্তঃপুরে कुळालि ध्वकां भिष्ट इत्र नार्डे । छेन्य कालक शासिशार्कात সহিত স্থা ফ্রিক্সারে মুলাংল মুদ্রিত হটভাছে। এর প্রায় see- शृष्टीय मुख्यत् । जिल्हा बर्खभारत र, भावा ।

#### **ক্রি**টেডক্সভাগবভ

প্রস্থারের জীবনী, প্রতি পরিছেদের কথাসার, বিস্তৃত Cबोफीय कांगा. अक्फूठी, श्रावश्रही, विश्व-कान-श्रावाधि-স্থাটা, প্রকৃতি বিবিধ বিষয় সম্পালত বিরাট দিওয়ি সংখ্রণ। পাদ স্থাট, ভাতকারের ভাবনা প্রভৃতি সম্বলিত। ভবল ক্রাষ্ট্রন ৮ পেকী আকার। আদিলীলা ও নগের कियम्भ द्वाके भिक्षं इद्यार्ष्ट्य। क्राय्य क्राय्य व्यक्तिक इद्देख्टिन। अधिम किका ६ हाका, आदि शीशात विकाद्।

# শ্রীটেড শু সমস

এই প্রহের এরপ অভিনব স্থার সংখ্যা আর প্রভাগি। ছাংগা। क्ष्यानिष्ट इस नाहे। अरङ्गण क्षायारान्त्र व्यवस, वजाहत्वास. कारा, स्थानात्र, एवा टाक्डि गर थए। चए टाका लिए ছইয়াছেন। মূল মোটা অক্ষরে ডবল জাউন আটপেডী प्रकारकारक क्रांका व्हेंबारक। भूगा २०० केकिं। अमीसा চ**ঞ্চাল, ৬.গৌড়ীয়ের** গ্রাছকগণের পক্ষে ১॥• নাকা।

# াৰ বিভাগ বিশ্ব প্ৰাথম কৰিছে

্রতিশাতীয় বৈঞ্বাচাব্য অপ্রাক্ত রগিকচ্ডামণি ध्विद्रमाथ b क्रविष्टिताकृत (शायाभिकृषा मात्राधनिशी া ব্ৰহাসমেতা ও প্ৰশ্ৰীমন্ততি বিলোধ ঠাকুম-প্ৰণীত 'দুগিৰ-ब्राम्भ मार्गक कार्नाकामार्गहका । व्यवास्त्रकी, माक्काकरम (शाय-क्री,विषद-क्री.क्रक्शात्तत कीननी क व्यनखत्तिकामि वस-साध्याविश्व-मह केंद्रिह वाशाहे पृथीव मःवन्त-- व नाक मुरुवार्शित किका दे है।का माल, मानावन मरक्तन-- ># • क्षका माज

# শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

ওঁ বিকুপান এতীমভজিসিদান্তসর্ঘতী **दर्गाचामी महाद्रादणद्र शह व्य**विद्या-विश्वः त्रिनी कीवाश्वकट्राट्यामिनी क्रक-कार्क्षाननवाशिनी कीवस-वागाव মুর্জ-বিগ্রহ—বৈক্ষবসিদ্ধান্ত-রত্মালার কৌস্তভ্যনি—সম্প্রদায় ৰঞ্জাচাব্য-ক্লভা ভাৎপৰ্বা-নিশ্মটাঞ্চা; শ্ৰীমদ্বিখনাথ ঢক্ৰবন্তী বৈভৰ্ববিজ্ঞানাগানের মৌলিক তথ্য---পঞ্চরাক্ত ও ভাগবতের সমন্ত্র গুরু-মহাজন-জীবনচরিত-শিক্ষক-চিদ্বিলাসচিত্মাত্র-প্রতিশব্দ, তপা ও বিবৃত্যাদিবৃক্ত। প্রতি ক্ষের আদিতে অচিমাত-পিচারক—ঐখন্য ও মাধুর্ণারসের মৌলিক গবেষণার --- সম্বন্ধ, অভিশেষ ও প্রয়োজন-ওবের নিজাম্ব-সমুদ্র।

> ১। প্রথম **শগু—**বৈক্ষবদর্শন, প্রি ওরতত্ব, কাল-धर्ष, डीमध्राविकांव, डीवार्यकान्ती, शाक्षत्राविकी मीका ও বর্ণ-বিচার, আত্মণর্ম ও মনোধর্ম, 🚉 চৈত্যুদের ও তালার শিকা, অপ্রাক্ত সহত্রধর্ম ও প্রাকৃত স্থক্ষর্ম, প্রাভৃতি বিংশতি সংগ্যক রয়ে স্থানো ৮৪ 👚 ५० বার আনা।

১। দ্বিতীয়া অত্ত-ভদা ও পিদা ভঞ্জি, মনুপোর অধীনম্বাঞ্জিবিনোদঠাকুর-রচিত (অমৃতপ্রবাহভাষ্য প্রেষ্ট কোথান, খাল্লার নিত্যবৃত্তি, জীনর সামিপাদ ও নামানাদ, জীগোর-নিত্যানন প্রমঙ্গ, তিমুগের ধর্ম ও ক্রম্ব-कांकन, क्षित्रामध्यात्र श्रीमधाननत्त्र कींकन, खार्मात्र-धारमत महिमा, महाक्षिमाप, औरगानिक, क्रिक्षणाञ्चलम-গুড়োক পরারের পুরের সংক্ষিপ্ত অভিধের সংযোজিত। পণ, শ্রীমানী রুবছ, রুমন্দিনী, শ্রীটেচ হয়ের দ্যা, গৌরকরণা ও রুক্ষদকীতিন--- চতুন্দশ অপুন্ধ মধুরিমাপুর্ণ-বাঞ্ডা-বিভূমিত। ভিন্না এক টাকা মাজ।

> ला म अ भित्रीम-- इंडे अन अकटब नई रन जिल्ला নেড় টাকা, ডাক ধরচ স্বতিগ্র।

# **ঐনভ**গ্নদ্গীভা

(श्रीष्ट्रीय देवकावमानानिक-C-वान श्रीक्रीयम-कारना विद्या-क्रमकृष्ट छात्रा । श्रीमद्दिकितिताम ठाकुराताधावन वध-ভাষায় বিশ্বত 'বিষদরঞ্জন' নামক ভাগ্যবুক্ত। অধ্যায়-স্থাটি, বিষয়সূচী, ও প্রা গোকের প্রথম ও ভূতীয় উংব্র বাদাই, লাজ্যাঞ্চরণ (ভূতীয় সংক্ষরণ) গ্রন্থের किया र हे का।

#### अ(मगुत्र व्याचनी

हिम्मान्यान (वह प्रवन-लाग्रंक देवकवनना, सक्छ छ ্লাবিন ভাষ্যাদি পড়িবার এখন এর। উৎস্ট কালিছে जिका ७ ल्याङ्ग्रवज्ञाञ्चाम-माश्रासा ষতি সহজে পালকেরও বোধগম্য ইইয়া পাকে। ভিকা । ৺• জানা মার।

#### **ब्राजनको भगामगार हा**।

( প্রমাণ্গও ) সামুবাদ। আভি-পুডার্য গ্রাম্থ জীনবন দ্বীলোর যে মহিমা ক্রীভিড আছে, ভাষার 📜 এক্ষত ও অপ্রবাদ। ভিচ্চাত আনা।

# **এএনবরীপভাবতরজ**

পরিক্রমার ছেঃব্যাদি বিগ্রক। ভিক্ষা। আনা।

# ভড়িন্দ্রকর ও লঘ্টাপ পরিক্রমা

প্রীল সমূর্যার চতাবন্ধি-ঠাকুর-রচিত। ভক্তিরন্ধাকর হটতে প্রিজ্ঞাংশ মাত্র গৃহীও; জীলীৰ গোলামী কি প্রকারে প্রিন্ত্রীপ্রামের পরিক্রমা করিয়াছিলেন, ভাছাই প্তে বিবৃত। ভিন্ন। 🗸 • भाना



শ্রীণ ভক্তিবিনোণ ঠাকুর প্রণীত। ইহাতে শ্রীচাচজের निकाञ्चनानी-कृष, क्रक्षणिक ও तम-तद अ भुक्त कीत-অচিন্তা-তেদাভেদ-তাব---সাধন-নির্ণর--ভারোজন-তন্ত্র, কর্ম্ব-কাত, আএমাদির বিচার—বৈনী ভক্তি, ভাবভক্তি ও Cअम डिस्मिट नाम डबन-श्राती अ अहेकातीत मीना-পরিচয়ানি প্রাথম শিকার্থীর উপযোগী করিয়া সরল ভাষার সমুদ্ধ যুক্তিপ্রমাণসহ লিখিত আছে। চতুর্থ সংস্করণ বাধা ২ ্টাকা, আবাধা ১৮০ টাকা মাত।

# গৌড়ীয়কণ্ঠহার

टीटवी ही य देनक नवरान्य व्यक्तिम कर्छ भातनारमाना ভিকা নাত্র জিতি স্বতি পুলাণ-প্রুরাত্রাধি যাত্ত-পারসমূতের প্রমাণাবলী বিষয়বিভাগজনে সাম্বাদ ওিক্তি। এইরূপ বৈঞ্ব-সি ৯ ছের সার্ব্যব্য অন্ত কুত্রাপি প্রকাশিত হয় নাই। ইহাতে ওক্তৰ—ভাগবত—বৈষ্ণব—কোর—নিত্যানন্ধ— অবৈত-কৃষ্ণ- শক্তি-ভগ্নদ্ৰদ-জীব-অচিস্তাভেদাভেদ --- অভিধেয় --- সাধনভ ক্তি---- বর্ণধর্ম --- আশ্রম-ধর্ম -- ও দলোম — टीनाम — धारताजन ७ शानान-एक छान भूभक् व्यक्तारक স্তুত্ত গোৰাদি স্চীন্ত উৎকৃষ্ট এটিক কাগলে ব্ৰেপ্ত ब्रु कालिए। मूफ्तिर, छेरक्रहे वीता स्तानात करन नाम **लाया।** श्रष्ट क्यास ४० • शृष्टास मुख्या (७०३ २ **) हिना मान**ा

# জ্ঞীনবদ্বীপধান-গ্রন্থাবলী

क्षैयल एकिविटनान शेक्स ति छ 'शाममाश्या -- शाम-মাহাত্মের সারনাধ প্রমাণ খণ্ড-- শ্রীল নরহরিচক্রবন্তী হাকুরের এম-পরিক্ষাংশ—ভীগাম নব্দীপ পরিক্রমা—ভীথ-বাৰো পদ্ধতি-টীন্নং প্ৰবোধাননকত নবৰীপশতকম-শ্রীমন্ত্রি বনোদ সাকুরের শ্রীমবরীপ ভারতরক প্রভৃতি গ্রন্থ একর ভিক্ষা ৮০ আলা মারে।

#### শ্রীক্রিনামামত ব্যাকরণ

শ্রীকীর গোস্বামী প্রচুপাদ-বির্ভিত সূত্র ও বৃদ্ধি তৎস্তে ওবিফুলাদ শ্রীনছকিলিদার সরস্থী গোস্বামী মহারাভের বিভ্রত ভূমিকা ও হটা প্রান্ত সহ। অপ্রভাগিতভাবে স্থাভ। ভিকা ২, টাকা, ছাত্রগণের भटक आ॰ है।का मादा

#### (वनाच्य अवत्र । त्र

श्रीयानामुक तिया-विक्ति । त्यमारस्य विभिन्नेरियञ्चाम-প্রচারক খ্রীভাগ্য-প্রদেখ্য আচায়্য প্রবর্তনা স্থলপন পাটের खेल्याकी कत्ननाथ एड खेळम कतिसार्छन। **हेशर**क বঙ্গামুব্দ ও স্চীপ্রাণি সংগোলিত করা হইয়াছে নাম মাজ ভিকা ॥ আনা ।

#### গ্রীটেডযাচন্দ্রামুভ ও নবছীপশভক

নোরপার্যদ তিমতা আমৎ প্রবোদানন, সংঘটা প্রবিত আঁঠাকুর ভক্তিনিনাম নিখিত। স্থালিত কীভাকারে 🖁 মূল, প্রভূপার আমদ্ ভক্তিদিদাঙ সরহ 🖏 গোখামী মহারাজ স্ক্রাদিত অধ্যামুখে া ও বজারবাদ সম্বলিত। নব্দীপশভকের উল্লেখ্য নাম সাকুরের প্রভারতাদ ও তৎসহ শ্রীনবাধাপ্রকার একটি শিবশগ্রন্থিত অল্যোকিক চিত্র लामख इड्रेग्राट्ड। गूटन ७ कालक डेरक्डे (२ बाना একরে ) ভিক্ষা ৮০ আনা, অভি ভরম্য বালাই রাজসংখ্যাপ ्र होका माज।



শ্রীমন্থ কিবিনাদ ঠাকুর-প্রণীত। একমাত গ্রহরব্রের জ্ঞান কাভ করিবে পারমার্থিক রাখ্যে কিছুতেই
ক্ষেত্রন বা সংশ্র থাকিবে না। পরমু গুঢ় গম্মবিষদক এইক্ষপ সরল ও হুদর্শনী প্রয় এ পর্যায় প্রকাশিত হয় নাই।
নিবিলগোস্বামি-শাস-মহোদ্ধি মন্তন্দল প্রই প্রস্থাত
উপিত ইন্ট্রাছেন। আবার প্রস্থিত হুটা, কথাসার
ইন্ট্রাদি ছালা বিশে নাম করা চইয়াছে। বিরাট প্রত্য,
গোনার জলে নাম ন্যাম, উংক্রই বাধাই—চতুর্থ সংকরণ
ভিকা ২ টাকা মাত্র:

#### প্রেখনিবর্ত্ত

প্রীমনহাপ্রত্বন অস্তর্জ পাষদ শ্রীণ জগদানন প্রত্ব বিশ্বচিক্ত। এই প্রকে অভি স্থাবোধ) ভাগায় মহাপ্রত্বি ক্ষতিপর লীলাসহ বৈদ্যবাচার, একালনা ও নানভজন-প্রাণালা প্রকৃতি অনেক বৈক্ষণতারের সমীমানো ক্ষেত্রিক প্রবিদ্যানি-মধ্যাত চতুও সাক্ষরণ ভিক্ষা। ৮০ দশ আনা মাঞ্জঃ

#### ভঙ্গনরহস্য

ভঙ্গনকারীর নিতানন্ধী; ঠারত ভাজবিলোদের অম্স্য দান; নিথিব শারের নিয়াস। এতথানি না দেখা প্যার কেছ বৃথিতে পারিবেন না। তবীয় সংকরণ ভিকা ॥ ।

#### হরিমামচিন্তামণি

নামাচার্যা শ্রীল ইরিপার সাত্রের মুখে শ্রীনন্মহাজ্ঞান্ কীনন্মহাক্সা, নামাভার, নামাপরাধ প্রাকৃতি বিশ্যের হারটার বিচার প্রবণ করিয়াছিলেন। এই বিশয়ওথির অ. এ স্বশ্ব প্রায়ে সংক্ষিপ্র আশ্রমহ পরিপাটভাবে মুদ্রিত। শ্রিপাভজিকিন্যান ঠাতুর-রচিত। পঞ্চন সংক্রম ভিক্ষা ৮০

#### 本可引何本司·罗泽

শ্রীনছ জিবিনোদ ঠাকুর-রচিত। প্রত্যেক ভগবন্-িন্দী ও জানপথের পথিকের একান্ত প্রয়েজনীয় । উপনেশদনীপূর্ণ গাঁতি গ্রন্থ। সামান্ত বেথাপড়া জানা । গোকেও এই ভলনরালোর গাঁতিসনুছের ছারা জনধনিবৃত্তি । ও ভগবংসেবা কাভ করিবার স্তবিদা পাইবেন। বই । সংঘরণ, ভিজা /> জানা মাত্র।

### শরণাগতি

শ্রীমধন্তি নিনোদ ঠাকুর-রচিত। ভণাবানে আত্মদমর্থন, বিজ্ঞপ্তি, ভরন্থালয়া, যড়্নিতা শর্ণাগতি ও সিদ্ধিন্দালনা-বিষয়ক গ্রীতিপুর্ণ, ভিজা ৴৽ আন মাজে।

#### গীভাবলী

শীঠাকুর ভজিবিনোদ-প্রবীত নিত্য ভজন, আরাত্রিক ও প্রাণাদ-বৈশ্বনাদি-বিধাক মধুর গতিগভূচ একত্রে গ্রাণিত। ভিকা /- আনা মাত্র।

#### **अगदश्च**कश्चाम

যানিকেন্দ্রসূত্রীলি জীনখিনার চক্রবন্তী ঠাকুর-বিস্তিত গণপ্রস্থা জীমন্তব্যিকবিনেশ ঠাকুরের প্রস্থবাদ-বহা ডিকা। শানা যাত্র।

# রাখনগ<sup>2</sup>D:

শীমমহাপ্রাক্তর শিক্ষা ও শীল রখুনাপ দাস গোষামীর প্রতি শীরুপ গোষামীর উপদেশবাণী, ভজিপথের অনুকৃষ্ণ ও প্রতিকৃষ বিষয়ে কণিচারিত সম্মোদন ভাগে, বিষ্কৃত বির্তি, চরিভামতের প্রমাণ, সাম্মর ব্যাখ্যা ও মহান্মনপ্রতি ভত্তপ্রোগী গাঁহমম্ব প্রত্যেক লোকের সহিত্য সাহবেশিত হট্যাছে। তা সংহরণ ভিক্ষা বিশ্বানা।

#### সাধন-কণ

শ্রীবগুনার দাস গোস্থামীর মনঃশিক্ষা, শ্রীক ঠাকুর ভ্রিনিবনোধ-চরিত গঞানুব।ধসহ। ডিক্ছা ৴৽ আনা ।

# প্ৰেমভক্তিচন্ত্ৰিক।

শ্রীর সাহর নরোজমের স্থানিত্ব প্রেমভক্তিবিদয়ক গানের পুস্তক। ভিকা৴৹ আন্যামাত্র।

#### মন্ত্রী পশন্ত ক

প্রাক্তর ভিজিবিনোদ-রাচত প্রবেশেনন ।

সরস্বাধীগাদের সংস্থাত নব্দীপশতকের স্থানিত প্রায়বান।

ভিকা ৴ সানা মানে।

#### ভাৰ্থপঞ্চক

শ্রীল লোকাচাধ্য রচিত। বৈঞ্চণতা-জ্ঞানের আকর পুতক। ভিক্ষা ৴• আন্য মাত্র।

### সদ চোরস্থতি

- শ্রীল মধ্বভোষা-প্রানিত। বৈক্ষাবের নিতাকশ্বানি সদাচারা-বলী, বঙ্গাস্থ্রান সভিত। - ভিজ ৮০ খানং মানি।

#### मिश्रक हो।

করিক্লকেশরী শ্রীনালে লালে লোগ রাজিত শ্রীন্মাধন।

চাল্যের সংক্ষিপ করিনল ১০ ও মূল কৈন্দ্রধাধ্যত । সামুবাদ

ভিজা । শ্রানা মাত্র।

### গৌরকু কে দেয়

প্রতীন কবি ইংগোবিদ্দ দেব প্রণীত শ্রীগোরাবভারের । পি পান মাত ।
প্রমাণাবলী-স বিশিত সংস্কৃত গ্রন্থ। ভিকা ৮০ পানা।

### যুক্তিমহ্রিক। (জনজৌরভ)

শ্রীনধ্বসম্প্রদান করে শ্রীনগদিরাক স্বামিকত। বঙ্গাক্ষরে সাহ্যাক প্রতির প্রকাশ প্রারম্যাধিক সাহিত্য-কর্মতে এই সর্ক্রেপন। উন্নামধ্যাচ ও গাদিরাক্রতীর্থ স্বানী এই প্রশ্নে সাধারণ হতি ও গৌকিক ভায়াহ্বসাম্মে কিরুপ স্থান্তরভাবে ভিকিবিরোতি-মত্যাদ সমূহ পঞ্জন করিয়াছে, ভাষা পাঠ করিছে স্বরিটে ক্ষান্ত্যাদ্বিত হইতে হয়। ইহাতে বৃত্তির বারা চাক্ষাক, কৈন, বৌদ্ধ, মীন্নিগক ও মারাবাদিমত-সমূহের স্থানর পঞ্জন রহিয়াছে। ভিলাহ ট্রাকা যাত্র।

#### **८गाचानी जील तप्नाथ** मान

(ওঁ বিকুপাধ শ্রীণ ভবিশিদ্ধাত সর্থতী োরামী প্রাণান-বিনিত ভূমিকা সরু) গৌরপ্রের প্রপ্রপন্ধপের একমার প্রিরতম শ্রিণ দাস গোরামী প্রভুর প্রপূর্ম চরিচায়ত ও শিক্ষা অচাব প্রার্গত সর্গ ভারার সরিবিত্ত এবং পরিশিত্তে দাসপোশানী আহুর বির্ভিত কর্মটী মাছবদে মধ্যতম থব ও মন্দ্রশিক্ষা-ম্থানিত । ভিশা রাধাই ৮০ জানা, আবাবাই ৮/০ জানা মাত্র।

# চ্যিত্ৰ নক্ষীপ

প্রাচীন নববাঁপের অবনিতি, তর্য, উভিছ, প্রোত ও

উভিগানিক প্রবাণন্যতিত নবটা বীপের নচিত্র বিবরণএছ। রাজবি রা ওবাহের কুনার বিবরণ প্রান্ধির রাজনারণ
রায় এম, এ, প্রাক্ত (পাহেরে), বেরারজুবন মধ্যের কুর্মক
সভালত এবং ৪৭ থানি বিভিন্ন বর্ণের অপুর্ব চিত্র ও
মানচিত্র-সময়িত; প্রাচারিভামবার্ণর রাম সাহের বিশ্বক
নগেল নাথ বড় বিখকোরস্পাদক মহাপ্রের বিশ্বক জ্বিক।
সহ। উৎরুই (ইং) মরজো বাগাই, মুন্য ১৪০, বিং পিং তে
২, টাক যাত্র।

# याथक-कर्भवाला

ভারত্বন্দনা, নৈক্ষর-বন্দনা, বৈশ্বন্ধরণ, নালালের গীত,
নিন্দান্ত্র, ন্রীনুষ্ণহাপ্তান্তর অটোভরণত নাম্ন, অইপুর্বর
নামকীর্জন, শ্রীনামগ্রান্তর, প্রেম্বর্জন-প্রভ্রুর অইক মাহান্ত্র-কানা, শ্রীনামগ্রান্তর মহিলা, শ্রীনাজন-প্রভ্রুর অইক মাহান্ত্র-কানা, বড়ংগাবামীর অইক, প্রেমভাজিন-প্রভূত আইক মাহান্ত্র-কানা নামভঙ্গন প্রণালী, মহাপ্রভূত গার রামানন্দ সংবাদ, মনালিকা, প্রভ্রুব্রগতি, শ্রীভ্রুর নিভাগাই।, বৈক্ষরতার কানা প্রভৃতি সাধক ও সিম্মীবনের নিভাগাই।, বৈক্ষরতারে কানাপ্রভূতি সাধক ও সিম্মীবনের নিভাগাই।, বিক্ষরতারোগ্য অপুর্ব গ্রার। ভিক্ষা কিন্তু, বীরাই ৪০ মান্ত্র।

### গোড়ীয়-গোরৰ

কলিকাতার স্তঞ্জিত আলবার্ট হলে গৌড়ীয়-সম্পাদক শ্রীপাদ স্থাদনান পরবিধ্যাধিনাের্ছ-প্রবন্ধ বাক্তায় বিবর গ্রন্থকারে প্রকাশিত। ইহাতে পেড়ীয় বৈক্তবস্থাদানের ইতিহাস প্রাকারে গ্রপিত হইয়াছে । ভিক্ষা ৮/০ সালা।

### গৌড়ীয় সাহিত্য

কলিক তেৰে তথালৈ কাৰবাট হলে গৌড়ীয়-সম্পাদক শ্ৰীপাদ এন গানন গুৱাৰ তানমোদকাত কাৰ্ড বক্তার বিষয় এড়াকারে প্রকাশিত। ইহাতে সাহিত্য-শদ্দের অৰ্থ ক্ষেত্র পৌড়ীয়-সাহিত্যের বিভয় প্রকারে বর্ণিত ব্রীয়াছে। তিন্দা লেও আন মাত্র।

# शिद्गोक्मधन शक्तिक्मा-वर्णन

শ্রীবেণাড়লেশের যে সকল হানে সুপ্রিক্ত জীসজহাতার এবং তদক্রগ পরবর্ত্তী মহাজনগণ শীলা করিলা পিরাছেন. সেই সধ আধুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও কেববিপ্রহাদির পরিচয় সহ যাভায়াতের স্থবিধা নিজেশ ইডাাবি বিবর্তনি দলিবেশিত আছে। ভিক্ষা ।- আনা।

# THE HARMONIST

OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীল হাকুর ভঞ্জিবিনাদ-শ্রতিষ্ঠিত এবং ক্রীল উভিদিছারসর্থতী লোকানী প্রতিপাদ-শব্দাবিত্ত পার্মাবিক
মাসিক পত্র। একাশে ইংরালী ভারার অভিবিধ্ন বর্ণে
ভগলকাউন ৮ পেলা ৪ কালা আকালে প্রান্তি বাবে হরিনামের বিজ্ঞা-বৈক্লমন্ত্রী নইরা উপ্রিক্ত ক্রইডেছেন।
কাপজ, হলাশ-পারিপাটা ও চিত্রাবি অভীব বিজ্ঞান্ত্রক।
এই প্রেকার উৎক্রই প্রান্ত কাল্ল ক্রোল রানিক প্রান্তিতে
পোইবেন না। বাবিক ভিকা ভারারাজকার ক্রিকা মানে।

# 

**बिटिन्डक्य**न्ड, स्थार विवादाश्व, मनीवा

# বিশ্ববেশ্বর রাজসভার শুদ্ধভাক্তমঠসমূহ

# শ্রীচৈত্ত সামা

# माक्क घटेशक

१ १ १ १ १ १ मन्द्रीय सुक्षाच्य स्थापम मात्राभूत संगीता

**秦**धकारधाशकीर, क्षर्काक गाँव कर ्यक्त क्षेत्रक गाँव खाँव व्यात । गाँव जी हास्त्रक व्यात । गाँव जी हास्त्रक व्यात व्यक्तकत्व ही शिर्देशका मह विद्याप्तमान है

· अके कान मान्यह-देशि. पश्चिषाभीहे वा मावक अकनकती। এव प्रवाहीर्स क्रिकी এইমট্রেক মার্ক ধ্বালি-বেক্সাঞ্চন্দ্র পারবিদ্ধার অন্তর্গত কার্য, নাটক, অলক্ষার, তথ্য প্রায়াণ-উপতিষ্ক-ক্রিও চ্ছেত্র- রক্ষ:ম-চ্টুইছের আগায়ন ও অগাপেনা এবং তৃপায় এক-প্রোঞ্জী-গান্ধ ব্যারেগর ক সাক্ষত সাক্ষাদায়িক-মাচার্যা-চতুর উভোলের উপাক্ষ विशाहक ाक्क निका दश्तिक करण्यक्ता। এই মঠয়াতে প্রেমার্থিক দৈলিকপঞ্জ সাজ্জ-শক্ষাণারের অব্যক্ষালক ও কথাচান প্রকর্গনি প্রচারকরে 'নদীরা-প্রক প' বছালত কাহিট্টিড ব্যস্তাহ্দ্ন প্রতিক্রমার শীধাম-পরিক্রেমার্ড্রনে ও অগাণিত ভক্তগান্তি ক জীক্তা প্রচারসূপে মহামণে হেববালি করণক অভৃত্তিত হঠর। পালে। এক্ত -- বক্ষচারী 🖣শাল মার্ক্তরিক্ষা। সংকারী— প্রিণাল বিলোলবিকারী জন্মচারী, পরিভ প্রীপার প্রোরদাস क्षकाती कारावान प्रण तथ, ইঞ্পার वीक्ष्म अकाती, ইংপার নক্ষ্যোপার ওক্ষ্যাती. 🖣 बच्द्रमान अव्यक्त 🕽 , 🏯 भवन शालाल अक्षडारी, अल्ल मारस्य, अस्तिम, दाव भीरमाञ्च कार्यभ अञ्चलकाराण् ।

জিলভিখান ইনিখভিজ গদীপ ভীর্থ মহারাজ পোনে হলিকণ। নীর্মন করিছেছেন। একচালী প্রকৃতি।

# (७) (याजनीठ श्रीमन्दिर

4.

क्रम कान क्षेत्रज्ञानांगालक क्रम ना विम्याशक्षकृत व्यानिकाम क्रिम मेशायान-नीर्ह। दबाल डीनची! शहा व डी निकृ लियान है। जीवनायाम वर्ग होरे न्या a Baturpine fire that ger Bou-**घटणव (**सर्वा वर्तेभावा व्यक्तक---(व्यक्ति-मायमेचेम. त्याचार्यी कहे। हारी। त्याच् कीहा।-माथ । मक्काबी क्षीिनिकालन्य ब्रह्मनात्री, 🍓 श्रामिक्स ए कि कुमन, अव्यानकाम अन्त-क्षांत्री । अभिगान-मान व्यक्तिकार्थी, स्थानमा A 814 9 8 15 1

### (8) 劉神(河-朝曜年

क्रीभगा शास्त्र के खिन-विवास वा **@celle मे**णास प्रामणकी । जगरन खेळीरशोद-क्षिक्षीम्ब क एक करवन दलना महास्थान । अक्रक---- चित्रकारक्षण अक्षात्राही।

### ं ( १ ) फाटेचं छ-खनम

अहे श्रीत श्रीकटेबल शक्त धनम धानर क्षा वर्षमान ।

क्ष च-- श्रे बटेव डामक वामाविकाती. **ब**र्माक्तम्। वाषाची ।

#### (७) काष्ट्रीत नवावि भाषे

काठीम यान्द्रभन्न मध्यभनुद्रम (स्वीता) **बिट्नीक्ष्मणायां अहार काळी व प्रधार ।** वर्षक --- अधाराती किवित्साविकाती ।

### ( १) पानिक श्रीवर कुंक

किरमासमें, पश्चमश्रक (समीका) ब्रुप्राम केविक्नाम जीन क्विनिट्नावहासूरक nutfe der Acetennien wet Maigi-शानद्वत दनवा वर्षवाम

क्षण-- विकृत्य काकात्र व्यक्ताती क्रकां क्रियों बग, बन, बन

# **ं ৮ शिक्शश्चाय दलोडीय वर्ड** मक्रमगणिक ।

त्रक क----- <u>स्थित्रका, करिक्रमाञ्</u>को तम्मः । छः र्गि, ज्या, महकादी--श्रीप्रेष्ठभाम क्रि-माजी. मेरेक्सकम कामकारी अकृति।

# ( ১) औरभोत्र-शमानव मह টাপালটী, সমূদ্রগড়, ( নাইষান )

क्रीण वाकिमाल्यन क्रान्तिहास दुस्तोदेशसम्बद्ध ्रम् था । विषयं क- द्वीश्ट्यताम वश्च हारी, अक अभागत मान ।

ে ১ • শ্রীরপ্রেট্টিয় সঠ 41 198. 4119 25 M रणक--- छै ० रिक्षाय डक्कान्नी, महकारी--क्षेत्रकावत अक्रना है।

# ( ): 1 (a) (a) (b) (c) ( ) albaim, migna, emplat ्रः 🛍 भरभाव भाव है (तुन तुन्धावत्मस श्राम है

# (১) ভাগৰত আগৰ व्यक्तिश्वक (व्यक्तिक क्षेत्रक स्वीत्र । ভাগব । ি ভাস্ক প্রস্তাবলীর প্রচাধ-কেতা।

রক্ত — প্রক্রিকানক বন্ধচারী ভারণারী

(३७) श्रीश्रमात्रम मर्ड ८पाविसपूर, शायबाती, मनोद्या क्षण - - श्री श्रृणासम् अवहाती । सह श्री क्षेत्रवितः वक्तावी, अक्नात्रीह ब्रामाहिकाती, लेल्ड्रनाथ भारत, एक विश्वमान

# (১৪) औमाश्वर्दशीको स्वर्क

andt स्थानश्च थाक, हामा। भूमानद्वात आध्यक्षत्र विक्रांत्र अ, व्यवाद्य अहे व्यक्त-त्यो माथ गावमा-भिविधारमध दनवा वर्षमास् । श्रुष्पदानम् भविष्णाविद्यागं वि- व, श्रीव्याप-

# (२) बिटगोजीय मह

১७ वर वाणिक्षामा ठळनळी है।हे. (शाः नामबाबाद, क्रिका हा । रहेलिस्कान नि. नि. ८३३८

শ্রীষক্ষতা প্রকৃত্ব প্রচারিত প্রনিশ্যল জড়িনগর্ম-প্রচারোজেলে গোড়বেলের পরা প্রধান মগরী ভবিকাভার শ্রীভক্তিবিলোর আগনে শ্রীমত প্রতিষ্ঠিত আছেন। এই ভক্ত-স**ম্বা**ধাৰে জ্ৰিভক-পোৰাজ-জ্ৰীৰিলোলানক জীড় সপাৰ্যতে নিজা সেবিভ তন ৷ সৌভীয় মাচাৰ্ব্যবৰ্ণের ৰাৰভীয় প্ৰভাৰলীর প্ৰপ্ৰচালেলেশে প্ৰিমটে সংলয় একটা ভৰ্তৎ মৃত্যা-যন্ত্রাপর সংভাবিত চটরাছেন। পুলিবীর সক্ষত্র 🕮গৌণনাম প্রচারার এট মন্ত্রাপর क्टेंट्ड 'शोफीब' माश्राविक नात. कि क्टबामिट्टे मामिक नातिका देश्वाकी काषाव নির্মিতভাবে প্রকাশিত চটভেচেন। শ্রীমতে পাঠ, গর্মার্ডন, স্প্রারান-চত্তইচুন্রেচান্ত, শ্রীমন্তাগণত, প্রীতৈ হল-চলিতামু গালি-নীলা ও ছত্ত্বগালের সমাক আলোচনা চটত থাকে। মঠবকক-আচার্বাত্রিক প্রীপাদ কুরুবিহানী বিভাত্ত্বপ। সহভাতী-পাত্তিভ শ্ৰীপাদ অনমবাক্তমৰ প্ৰবিভাত্তৰ বি-এ, লীপাদ বাস্বিভাতী ত্ৰহ্মচাৰী, শ্ৰীপাদ জগভভাষৰ সাসাধিকালী বি-এ. জীলাদ ক্বগোলাল সংসাদিকারী, ব্যক্তারী श्रीकीर्वनामक, बच्चनाडी श्रीकाश्रीत्वाहम, अंबतारी श्रीमहानक, नांक्षण श्रीकार म्वीमझक শএবিভাগভার সম্প্রভাগটরভবারাকা, শ্রীভববভনজিত্ব ধকারী বি-এল, অঞ্জন্তবন ক্লালকোনিদ্, আঁনিবস্তুত বৃদ্ধারী, জীলবরগোবিক

त्यांत्र बन्धभारी, जीननत्यांशक बन्धभारी, শ্ৰীপতিভগাবন কল।

# ( ১৫ ) खैरशानानको वर्ष

कमणाल्य, हाका। (नामानकी अविश्वस्त के काठीन स्मर्गा 明中年--- 通明14年124 温暖の行う1

( ১৬ ) क्षित्रसारे-८त्राचाम मह विकक्षि श्रामाविमी मणा, मानिकारि छ।का

क्षेत्रमाहे-Cगोग्नादम विष्टा (भव: ৰক্ষ দ — শ্ৰীপূৰ্ণ প্ৰশ্ন বন্ধতারী, ইম'ভিগাল डक्ष ाठी

# (১৭) खिकाशवडकमामक मर्क किक्शिक्षा, बाक्स्टरब्लुव, स्वविमील्युक्त

धाषात्म निकल-दशीवाल-शास्त्रिकाः গিবিশগীর নিভাদেশ বর্ত্তান। রক্ত वक्यामी वी न्ययानमामणी।

# (১৮) जावनाद्याका क्षेत्रहास्त्रव माक्यान (लाः स्ट्राम ।

वी धन्दर्गाद्राण-जिलाक्ष किन्द्र जिन्द्रिया ही। बिकारमना । अ**क्क--अक्नामी** खिर्गान क्टिमाश ।

# (১৯) जैनुक्रकाच्य मर्ड

पर्गदार, गुडी, डेव्सिं। .बनात्म औरशोत-विस्तामधानवक्षीत्र सिका-भारत वसमान । ४**०० — उप**ानी क्रीलक्ष्मा-नमा विवाध्यक्त. अच्छाती अनेनवीशानक, द्येपत्रमाष्ट्रका उपानी <u> अ</u>यापनागम उन्नहाती, एक क्षीलियां ।

(२०) ज़िल्ला-८घोडी व वर्ड वानवत्रनाय, ब्रह्मांचांत्र ह्याः, ब्रह्मी । वनवर्षात्वर्थात्व कामस्यक्ष मतरक विक्रमानः PER . MARIAL SMA-BARIS विनातः विनव्यवद्ये व्यवस्थितः नृष्काद्ये--वचगती वितिनिविद्यारी।

# (१) जैनक्तिमानक गर्ड चें:**क्ला**रा**लार, कहेक**।

क्षार्थ के छक- शावाक-शिक्षामञ्जाल-कीतः (नहास्त्रतः वस्त्रभावः) বন্ধচারী প্রতিগাতে প্রীরামণণ বন্ধবারী

# (२२) धिमनाखन-अधित सर्व अन्द स्रशस्त्रानमञ्जा, कामा ।

(शी:-भगष्ठ मनावन-भिकादन। खशास्त्र दर्शातस्म । तत्रमःम । वक्तमः श्रीकारकोतावको. जीनकातर जनगरी।

# (> 4) MADCECT #2 ळीन शरदशाम कृष्ण, जोगाम बुम्हायम ।

अ व्यवसा-अप-(याक्सकोट द्वास রক্ষত—ইংগ্রণক্তিনাথ ব্রহ্মতারী

### (২৪) ঞীপরমহংস মঠ े बियानमाः मालासूत

এবালে ইভিগেইড পাঠপালা 👁 द्भारतिकाम विकामकीत स्मता वसमाम । टक रू — उक्तां वी टीन गरशासक व उक्तांकी म्योगन्यक्रम्।म्

# (२०) औदेहजकदशीकाश मंड

हुन्तकृष्णः, कित्रकृषः, भासस्य । हेश बोटेज्ड ४ - महत्र माथा। वका र — बोदमा-माथ काह, शिंदकनशासम्ब स्वकृतिको, अहेत्राय कीचं सम्बद्धाः

### (२७) न्यासःभोद्योसः सर्व

कृतिस्य व. बारमध्य क्षाम् । क्यारम क्षीत्रांदानाम-बार्यय स्मना मन्त्राला तमक—तम गंत्री क्षेत्रवन्त्रकी, खीननी-গেণাণ এছবাৰী

# (元年) 衛門衛門計算 衛門計劃中海

अभिन्याषाः (याः मास्, शत्राषाः , क्षभारत व प्रजुक्भां है और शांदा सद दिनस वडमाम । वक्ष व--- अववारी खीखावंक्रक-माम, औ । त्रम्भाभ सम्बन्धाना ।

(२৮) विश्व दशाङीत्र कर —काद्यालय e-र शाणीक नन्छा कांत्र (मन, निके किली ) तकर--अवनानी चिनीवस्क, मीस्नारमध्य क्षीबाशास्त्रग्रह बन्नव

(२३) द्याहासभाका समहासम वक्क-अकारी की श्रापारमध्य

# প্রভারণার অন্তত্তকদী काम धग. ज, किलांत्र माराया বিবাহ

গভ ১৬ই জুন ওছভোকেট শ্রীয়ত পশুপতি ভট্টাচায়্য গোয়েন্দা বিভাগের 🖟 C७ शूडी श्रीवय क निर्माश्वत ए व्यवस्थ । इहे মধ্যে এক আবেদন পঞ্জ দৰ্শেলা করিয়া-চেন যে, জনৈক বাজালী পুনক জাগ धम, ७, छिट्यामा ७ मिछित्कन माहि-फिरक्छित अकारमा वहाँ अख्यितकरक প্রতারিত করিয়াছে। সে ভাহারিলের নিকট প্রকাশ করিছাছে, গে একজন ভেত্তী হ' তেওুঁটা। অনুষ্ঠান আন্দেশ বিশ্ব। শিষাতে যে বাজোর যথে ক্ষা**ডা আর শির্পাদত মেন টেশনের ছুডীর ভেনীর** कांक छाड़िया निराह्म ! এই প্রান্থে ্র ওম. এ, পাশ ব্রিয়াও खाकान कविभारह । एके छाट्य जिन्हन অভিভাবককে লে প্রভাৱিত করিয়া ভাগদিগকে ভাগর নিকট মেরে বিবাহ भिटक ताकी कतार्थसपत्र । । । । । । । । । **छाश्**किरणत लांट्डाटकत निक्र कडेट्ड নে বহু টাকা প্রধা ও অলক্ষরে আগায়: क विशादण 🕞

ভেগুটা পুলিব বামিননার এডভেংকে (बेत वर्क्तना अभिक्षा ७३ मण क्य प्रश्ना-ভল্লান করিবাধ ফল্ল জানৈক প্রিস डेंबटच्याक्रेंबटक शाहरतंत्रा दनगा নোমবাৰ সন্ধাৰ ধ্যয় এই স্পাকে क्रावितन त्यादक्त एकिया चार्काटक बाना-ভারাস্ত ২খরা নিয়াছে। এখানে একসন श्रीरम् (कटक १ :अश्रिक कहा ६ हेगार ६ ।

ভোহা ভাড়া মবিনা চটোক্ষী, ভরিমোজন **हा**डिप्रिकी छ धूनीना (भवा नामक मातुङ তিন জনকেও প্রেপ্তান্ত করিয়া অভিবিদ্ **किक ८ अभिएक मी माजिए देखेत अन्या**प्त काञ्चित कत्रा १६वाछिन । जाशामित्रत প্রত্যেককে হাছাল টাকার ক্ষানে क्राहिनेया दक्ष का इन्नेप्रोहन ।

# भैं। जात द्या भारत माखिल्ब পিধেন্টিং

कार्तानी वाइन व्यमान कार्यलेशस्त्रत मध्य ६५% छ 45030313 4 ( 30 কোয় ভালতে ডে ৷ কার্ডান কোডা Cनवक्षान काशीम दीव्याते (शाकीदन ना छ-भिन्ने भिर्दश्येः हालाहेरच्छा । शस्त्रीड ध्यक्तम ग्रंकारी न'लाभा ७ इत्र जन करमहैनगरक जभारन द्याहारसम् कहा क्रमारक । अक्रथ ध्यकान (त, नीय्र क्रवारम अक्री भूमिम कें: हि छात्रम कर : F388

(पनेश जुणेडिय क्याडा (णान भटरात्रभटत्रत्र य त निक् एमरमत कटेनक ৰেণীয় নৃপতি ভারত সর্কারের স্**চিত** 

প্রামণ করিয়া বোধাই সরকার রাজ্যের স্থান্ডাগের নিমিত প্রস্তুত থাকিতে तास्र व करेशा (शांतमान कतियात अनतार्थ किम जावादिशक मनिकंक अव्दान া সম্প্রতি তাহার হস্ত হইতে যাবভীয় ক্ষমতা বিদাশিলা মলেন, ''আসরা গ্রণমেণ্টের काष्ट्रिया ग्रहेगाट्ट्न।

দীর্ঘকাল যাবং রাজ্যের বাহিরে বাস कतिया तारकात यावलीत ताजश्र एकक्रस यरणका नहे कतान मन्य এই हुड़ान्छ वावसा । व्यवध्यम कर्ता ध्रमाहरू। ज्राष्ट्रभावाकच স্তিব মি: টাটেনকে উন্দরাংশার পরি 🕴 \blacksquare बिरुक्त নিকটে পিশুল ও টোটা চালক নিযুক্ত কৰা হইয়াছে।

ভারা অভিক্রম করা হইয়াছে। মনে হয় । ওয়েটাং রুমে আবহুল জলিল ও একিবেণ त्रारकात वर्षमान वरा अरश्चक श्रतिमारण ক্মাইয়া দেওয়া হইবে। রাজে)র বার্ষিক आय २४ लक छ।कः।

# কাণীতে উন্মত প্ৰভাগচল্লের জারীয় পতাক উত্তোপন

প্রীতে ফুলারিক করে এইছন প্রায়েছ क मिला होते हैं के टिल्टन वर्ष केन्न नानी পাহারের স্থারোরের সভিত স্থয় 🕦 কলেন। (राचान ३३८७ छ।**३ ८क (**₩ालाया**ळा** ম্হক রে মণ্টাভিন চবের ভিতর নিয়া क्टम या ६६। इयः (माज्यामादा प्रमाण ट्याटन १५ ५ तस्यान चारक दस्य दहरता **विश्व-**বর্জন দবনের কংগ্রেভাগিকার **প্রথম** কংগ্ৰহণ খ্ৰীড়ে বস্পাৰ লাভীয় প্रका दिखालन वंदनन ।

# भौति खालाहा अस ४९मज **巴里斯斯斯斯斯斯**

चंडतक ८ द्रांत्रेष्ठभा माहिद्देष्ठ মিঃ ১৯,১৯, বিখনে গেখ গড়ার নামক कट्रेनक जानामात अक व न्यत ाक्षम काक्षा-वादनत 'बारमन क्षिप्राटक्ष्म । तम कर्वारक्षनम भारत्वेश्वरक्षां । द्वाकान क्षेत्र भार क्रीतः वात्रप्राधिन। स्मन বৰজন পুৰাজন ূপ্যপা ইহাৰ পুলে

"स्रतात दहन वार्तिश

# G-दमक कां नगार मक्दण

শীমান্ত নেতার বক্ততা

থান আবিচল গড়র থান 🚉 বৃত্ত দেবীৰাৰ গান্ধীর সভিত েলকাৰ ভাসুকের श्राटम अध्य पुरिक्षा द्वारिक्टरक्रम । সভূতাজাৰাৰ কালে ভিনি এনেমানীৰণ शक्तात यस अविक भारतिहरूत साव कर्णात्वसम्बद्ध केलातीय । (तुक्कालक युक्क कांत्ररक शाबिकारण, क्षाण काकारमत कामरना करतन। वाम क्षेत्रीकम इंग्री ७८व अनिमार्ट अनिक्षत

সহিত গড়াই করিতে চাহি না; কিছ यनि आभारतत्र गांची भूतन कत्रा ना इस, ভবে অভিংসা সংগ্রাম পুনরায় আরম্ভ করিতে হইবে।"

ध्यकाल, १६८ वृश्वात कालतारह वाक्रमा কি পরিমান অর্থ বায়িত চ্ট্রাছে ! পুলিশের পোমেনা বিভাগের লোক সঠিক জানা यात्र नाहे, एरव बुक्तिक ै नियानगर अन्तरमणे श्रूनिरमञ्ज महत्वाजि-মাল্য নামক জন্দলের চইজন প্রমিককে গ্রেপ্তার করিয়াছে। আরও প্রকাশ যে, ভাহাদের শরীর ওলাদী করিয়া একটা পিতৃত্ব, পাচটি ভাজা কার্ত্তি ও একথানা ছোরা পাওয়া গিয়াছে। ঐতপের ফল खाशास्त्र निक्रे (कान लाहेराक हिल না। ভাহাদিগকে পুলিশ হাজতে রাথ। **६ देवारकः। जनस** र निराष्ट्रकः।

> खकान, निवासरकार्य छना क्रयप्रेता मन्भटकं भाषाच भूमिन दकारप्रदेश मापी-ः नान, स्त्रामननान ध्वनः दक्तनत्राय नामक ভিন্তন লোককে গ্রেপ্তার করিয়। পুনরার । ছাড়িয়া দেয়। বেলুচিঞানের পুলিশ ভাহাদিগকে পুনরায় গ্রেপার করিয়াচে। এরপ অসুনিভ হয় যে, সীমান্ত আদেশের আইনের ৮৬ এবং ৪০ গারাত্রবায়ী ভাষা-**८मप्र** विष्ठात श्रेट्ट ।

দারোগার কর্মচ্যান্তি পেড্ডাপুরে লাঠি বাঞ্চির জের शाका-व्याक्षकेन इक्तित्र शत्र (११५८)शृतः 🗎 केळ हे:ब्रामा विधानस्य गाठिवाणी क्यात यन्नार्क मारवाना क्रकभृतिक नाकि कर्य-हुइक क्याः इहेबार्ट ।

#### ⇒লিকাডা কর্পোরেশন

ৰুণৰায় দিন কলিকাতা কপোৱেলনের সভায় প্ৰতা ভবের কলের কিল্টার व्याउन वावम २०,३८२ छ।कात्र कार-त्र अक (यमार्ग है, मि. मुनाध्यि ८७ (कारत টেওার এবণ করিয়াছেন। উলা ১৯৩১ সনের ২লা স্থাই হইতে আরম্ভ হইয়া প্রেণিডেন্টের বড়ীতে সংক্রাভি মুসলমান ) २२२२ महलत हम याम भगान प्रात्ती स्टेटन । যে ভালাদের ভাগে হারা মধ্যমা গামা টভারপর ২০১ বংশরের মঞ্চ শমর বৃদ্ধি করা

> . ১৯৩১ जरगत जुलाई घारम प्राप्तरगारक ম্বেশ জানিটারী ইন্টিটিউটের উচ্চত্র क्रात्वाचा किर्मिकाचा कर्णीरत्रमद्भतं भूरक

ডাঃ কে, সি, ভটাচার্যা ও ডাঃ কে. ठजन्त्रीत्क आफिमिशि निवृक्त क्या वर्षेण, তাহারা ছইছনেই বর্তমানে প্রনে षाइन ।

### चांमभूरत जानात जाउड

८हर्गाम प्रश्मात्व स अस महरत भारति चाएकआर १ व श्री इहेबार । परण কর্তৃপক ১৪৪ ধারা জারী করিয়াছেন। মাৰান কোন প্ৰকার খাতাহিত স্যাপায় সংঘটিত না হয়'লে **জন্ত সর্কপ্রেকার** সভর্কতা অবলম্বন করা হইতেছে।

#### गर्पा ज्यानिदास समर्था स्थानम

খদীর প্রাদেশিক হিন্দু সভার সহকারী সম্পাদক প্রকাশ করিয়াছেন — জ্নাম গঞ্জের ননঃশূলুগণ শীল মুসলমান ধর্মাঞ্চশ क दिरन, उसे मध्याम मुल्य दर्ज विशेष লাবেশিক চিন্দু সভা কিশোরগঞ্জ চিন্দু সভার সম্পাদক শ্রীয়ত মদনমোহন का निष्ठाटक ८ शत्रुन कविद्यारक्षण । भागीत প্রনিদ্ধ নমাশুদ নেভাগণের সঞ্চিত ভিনি क्रिक कारन याजा कतिहारहरून। छाका শিক্সাল্যকাটে শুলী পুর্যটনার 🖙র : শিলার শিলু গভাও উংগ্রের করী প্রীণ্ড क्षांत्र अस्तिक स्मामनारक क्षित्र कतिष्ठाटाज्ञ । अध्यक्षात्र केन्युक वार्यका कतिनात डेरफार्क खार्मिक हिन्सू मछ। **डिलगुरु लग्ना व्यवस्थान क**त्रिटल्ट्स्स ।

# ভাকগরে বোমা প্রাপ্তির জের ২ জন প্রসিলের হেপালাভে

ভাষবাজার ভাক্ষমে পালেল এছেব স্থানে একটি সাংঘাতিক বোদা প্রাপ্তি সম্পরেক ব্রুক্ত জীগুড় ফ্রনীড় গ্রুপ প্রাস্থান্ত ও <u>जित्रच टाक्यक्याव (१८क गण मण्यवास्य</u> भूगताय ट्याइन्सानाटनत अधितिक ठीक **८ अगिरडको मा। किर्देष्ठ थी बाहाइस मानिस** উद्योग जार्यामत जामागरङ উপश्विष्ठ क्या

প্ৰিস ভদস্ত অভাপি শেষ না হওয়ায সংলহজ্ঞ গৃত উক্ত ব্যক্তিবয়কে আগামী ২৩শে জুন পর্যায় প্রালিগের হেপাকাতে রাখিবরে আদেশ প্রদন্ত হইয়াছে। প্রশিদ उपन्र छिन्दरस् ।

#### আখাউড়ার মুসলমান সভা

**अकृतभूद्य व्याअधिका कारधाम क्रमितिह** महिनानिर्गत क्रक मछ। इहेशा निवादको ग्रञ्छ काष बहे नड मून्यमाम महिलाब गगाभम कडेवाधिम । त्योगकी आवद्यन भा मक काळींग्रं जारमागरन मेरिनाभिटनई क्षेत्र महस्य बक्का क्षित्रहरूने ।

Makes as STORY FIR



माराद्याद हात শার্জীন দেয় वीविक 📐 वाणीविष ८. दिवशामिक २५० মাসিক ১্ ∶ প্ৰতি সংখ্যা 🦫

68 40 ]

শ্রীঅতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি

১৩তম দংখ্যা

**জালৈভন্মনট শ্রিবাম আহাপুর-** এই আফাড় সোমবার ১০০৮, ২২শে জুন ১৯০১

# নানা কথা नाचीचि ७ मधम देवर्ठक

কংপ্রেদ ওয়ার্কিং কমিটার যে অধি-त्वनन इटेबा निवादह काहात बाह्माहन्स বাহিলে প্রকাল পার নাই। কিন্ত মহাত্মানী তাহার 'ইয়া ইভিয়া' পঞ্জিবার বে কারুর বিথিয়াডেন ভাহাতে ভাহার **क्ट्रिक्ट्र** व्याज्ञात शास्त्रः शिवार्ट्छ ।

মহাত্মালী এই প্রাবমে লিখিয়াছেন त्य, "रिम् भूगविम नमञ्जात यनि नम्।भान ना हम छोड़ा इडेरन वर्खमान आनाए विन বৈঠকের নিকট ছইতে শ্বরাজ প্রোপ্তর सामा करतामाक छानि कतिए इहेर्द अबर राष्ट्रिन गर्गाय मूर्व मञ्जूषात्र निष्ट्रक कारीय गम्लाब गर्माधारन उद्योग ना स्केटखरक एकमिन भगास करतागरक व्यत्नका कतिहा नाकिएक इटेटव ।

ভিনি মলিয়াছেন যে, কংগ্রেস যতদিন অঞ্চান্ত সম্প্রদায়ের নিকট সমভাবে প্রির'না ইইয়া উঠিতেতে তত্তিন ব্দেশের করিয়া থাকা ভাগ। <sup>\*\*</sup> কৃতিম जायर्थिकाँ प्रे परिशे देशात्र क दशा अनाज चानव्य क्या धार्मका, धार्मका क्या किटनेक काल । जिन निविदाद्वन ---भिष्या ज्यामि अयम करत्वाम क्याणित আতাৰ শানিমা লইমাছি, তখন আমি न् विविद्धाः विद्यातं मूर्या नाशम क्तिया क्रणिय अबे देशीमुक्कियेन देवहेटक स्थान-नाम क्या यति व्यामात जाहेगाः विटिष्ठं क्यादाः स्केंगि जीवि ध्येषि प्रशासावाद निरंत्रक That I'm

e / 18,33%

1. sm4.0, 1

# গান্ধীজী ও লণ্ডন বৈঠক

কৃষ্ণনগরে দেশবন্ধু স্মৃতিদিবস পালন

# কৃষ্ণনগরে গ্রেপ্তার

ক্ষকদের চাঞ্চল্য পণ্ডিত জহর শাল নেহের

# সমর-ঋণ

শুর্থাদের সাহায্যে চারটা প্রামে ঘেরাও

# নূতন ষড়যন্ত্র মামলা

স্বামী এবং সন্তান হত্যায় স্ত্রীলোকের ফাঁসী

# বৰ্মা বৈঠক

১৫ মাইল সম্ভরণ প্রতিযোগিতা

# **ক্রকানগরে দেশবক্ষু ভাতি দিবস** । পতাকা উ**ঞ্জীন** করেন। ভাতীয় মুরিন

গত ১৬ই জুন ক্লফনগরে দেশ্বস্থ দিবস যথারীতে পালিত হ সংজে। कुकाराम क्रेट्टाम कमिजिल खेट्याटम ८ कहि । गण्डात असिट्सम्म हम । শেভার্যাতা দেশবন্ধুর এ চ্পানি চিত্র 📽 জাতীয় পভাকাদধ সকরের রাজপ্রথাক 🕶 পরিজ্ঞান করে। স্বামধ্যোলাল ট্রিন হল दिशिको भागत्तशकिमा कार्यकी माजीय माथ क्रीजीविकटक त्वाथात कतिबादि ।

भरभुष द्योत्रको मामञ्जून पारमरमञ मिं १८३ व्यापित विक सम्बद्ध

# कुक्तार्थ दशक्षात्र.

ক্ষণনগার প্লিস্গড় ১৭ই জুন প্রায়ে जिलिन चिन्न मरमञ्जूष्य वर्षिति मत्या क्रकम्यात जुरबरणिक क्रात्वत व्याप मन्त्र

আরও প্রকাশ যে, তাহার বাটাতে থানাতলাসও করা হইয়াছিল, কিছু সন্দেহ-জনক কিছুই পাওয়া খায় নাই। জনরব এইর্নগ যে, ভাষাকে বন্ধীয় মভিন্যাপ অনুসারে গ্রেপ্তার করা হইয়াছে।

# কুষকদের চাঞ্চল্যে পণ্ডিড कर्त्रणांग दलदङ्क

রান্ধবেরিলীতে কৃষক চাঝুলোর স্থচনা দেখা ্যাইতেছে। পণ্ডিত মাতাপ্ৰসাদ মিল ও প্রীয়ত শীতল সাহাই পণ্ডিড জহুরলাল নেহজুর সহিত প্রামশ করিবার कछ जनाश्चारम व्याभियार्छन। "हेराता প্রাদেশিক কংগ্রেদ নেতাদের সাইতও **সাক্ষাে এই গুরুতর অবস্থার** विभाग बालाइना कतिरवन।

পণ্ডিত জহরণাল আগামী সপ্তাছে ब्राइटवर्तिनी প्रविष्यन क्रिक्ट यहित्व। মত:পর প্রাদেশিক কংগ্রেস কমিটী कर्त्वरा निकात्रन कतिरवन । अहे मणारक গঠিত তৰম্ব কমিটীও রায়বেরিলীতে ষাইভেছেন।

### সমর্পণ

পার্লামেন্টের বিপোটে প্রকাশ, গভ २० हे क्न निर्वाष्ठ दश्हेत्रहेन सन वावस धार्षावीत्र निक्षे दहेट७ ১०,०७,०००,००० পাউও পাইয়াছে।

प्राण क भर्गाष्ठ क्रिहेट्टेन**्य विद्यार्ट्स** ৪০০০০,০০০ পাউও এবং আমেরিকাকে मियारक ४५,२६२,००० शांडेखा देवांनी এেরযুটেনকে দিয়াছে ২০০০,০০০ পা**টও** ध्यः भाष्यतिकारक विवाहक ५,३०२,०००

# শ্রীধাম মায়াপুরে "ঠাকুর ভিজ্ঞাননেদ ইনকিউউট" নামে

উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

# (थाना एरेश्राट्डा

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষা গ্রাণ ছাত্রদিগকে
অতি যক্ত্রের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন।
বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যায়ে সুন্দর বাস্থানের
বন্দোবস্ত হইয়াছে। ছান অতীব প্রাছ্যকর।

সবিস্তার সংবাদের হল্য নিম্নলিখিড ঠিকানা পত্র লিখুন। সেক্রেডারী, ভাবুজা ভক্তিশ্বিনোদ ইন্টিটিউট্ শ্রীটেড্ডমঠ, গোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

# —৫১ বংসরের প্রতিষ্ঠিত—

বিষ্ণালনো প্রস্তুত ব্রতিকা ধারা শুক্রভারণা, অপুনোর, পোঠগাঠিয়, আলীর্ণ, আভেন্স প্রভ্ ক্ত বোর্গার বোর্গ নিরাময় হইবাহে ভালা প্রকাশ করিবে বড়ু বড় প্রক ফ্টনা পড়ে।

### ইঙা

नका का । शतकात हान व नमान कन व्यक्तन कतिशा थाटक। व्यक्ति कोहेश्य व्यक्त रोहरा थाटक।

#### কেবলমাত্র

প্রতি কৌটার মূল। ১০ এক টাকা। ইংগর নাম গ্লাভঙ্গনিপ্রত্ বটাকা।

ষ্ণান্ত ঔষণের ডালিকার খন্ত পত্র নিধিকেই শাইনের
আধিখান:—আতি জনিপ্রাছ উন্সংগালেকা
২১৪ নং বছনাধার টিই, স্থানিকারা।

# কবিরাজ শশিভূষণ কবিকপ্ঠাভরণের



নকংখনের প্রবিধার জন্ত ৬ জাঃ শিশিতে ঘনীভূত অবস্থার ছোটবোওলের াসমপরি উষ্ধ ছাকে পাঠান চব, ইভাতে ঔষ্ধের কোন পরিবর্তন করা হয় নাই। মুগ্য শ্রেভি শিশি ৪০ জানা, পাইট ॥৮/০ জানা, বোভগ ১৮/০ জানা।

অফিস-১১নং উল্টাডালা রোড, **পোঃ শামবাজার,** কলিকাতা

# गपन गुक्र

বটিবার কর ও বাসুবিকার, ব্রিরণকিও চান, এরাথে তরুপান্ত, কর্মান, বাধানোরা, বুক ৭৬-করানি, অনিয়া প্রস্থৃতি সক্ষণ এখন বিধ্বোদ প্রারোধা হয়। বল, বীধা, বেবা পুরি করিতে ব্যবিদ্যার ইনিক। সুলা ৪৬ বসিনুন, এক টাকা।

প্রস্থান আছিল আছিল আন্তর্গ পুন্ধখনানি হোবে বাফলবোৰ থালা আবোৰাও করিল বাফিলপাল করে। কুলা ব কোলা ১ টাকা। প্রেক্তানিকালিকালী নাক্তিকালি নাধাবারৰ করক করোবাছি হালা ও বৃত্তি করিছে অভাগোল কালা ১০ বৃত্তি ১, এক টাকা। নাধাবার নাক্তানিকালিটি, ক্ষেত্রকালিটি ১৯৭নং ক্ষাহিদ্য রোড, ক্ষানিকালা।

# হাইড়োসিল

41

# কোষর্দ্ধি রোগ

ডা: এস্, এম্, খোষ বিনা অঞ্জে, বাৰজ্জীবনের গ্যাথাটি বিন্না বৈছাডিক আশালাকে কোমবৃদ্ধি রোগ আরোগ্য ক্ষিয়া থাকেন।

> डिकामा---अर वह कड़न शिंड, वक्कालांड,

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

# দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহেরিয়

প্ৰস্থা বিশে সম্পূৰ্ণ আন্ত্ৰোগ্য

কোগী দেখাইতে হন্দ্ৰ। অপ্ৰিম পাথের গন্ধ (যান্ত্রা এবং আনুত্র)
পাঠাইলে গিন্ধা নেগা দেখা হয় অথবা এখানে আসিখে নেগাই দেখিছা
উবধ দেওলা হয় আহোগ্য লা হওলা পায়ত্র পারিপ্রমিকাদিতে হুইছে না বি
গানীৰ নোগীদের প্রচ বনন করিলা ভিকিৎসা করা হয়। বিশ্বীবিশ্ব
বিব্যবের জন্ত এক আনার ভাক টিকেট স্থানির তিশানার অন্ত্রসন্ত্রীশিক্ষণ

জ্ঞীক তীপ্তজ্ঞ উকীল, যক্ষা-চিকিৎসক, পো: নৈকাঠী, ৰহিদালগ অথবা নিম টিকানার সাক্ষাং করিবা বিস্তায়িত স্থানিতে প্রয়েন । বি জ্ঞীয়ত রামবোপাল লত্ত এম্, এ, রুফানগর, নদীবা। জীয়ত ওরিপদ সিংশ, ১১৭, বেনিয়াটোমা ক্রীটু, ভাউধোলা, কলিকাতা।

প্রকশ্যনি পত্রে! অনার জাতুলার গড় চর মান বাবং রাজ রক্ষার ভূলিয়া মৃত্যোর কর্নাভিল, কালকান্তার বিজ্ঞ চিকিৎসক্পণ ভাগার কীবনের আশা ভাগা করিয়া শেব মুহুটের অন্ত অংশক্ষা করিছেলেন এই সময় প্রীয়ত সিংহীশচন্দ্র উকিল মনালয় মাত্র ১০ দিন চিকিৎসা করিয়া সম্পূর্ণ আবোগা পরিয়া বিধাছেন। (সাঃ) প্রীয়ত কিশোর করিয়া লিগাছেন। (সাঃ) প্রীষ্ট, নিউ বিভিন্ন। করণোরেশন টেটিং ডিপার্টমেন্ট, ভলিকাভা।

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরাব্দ ৪৪৫

माज %> जाकिएकि शांठाहरमहे वूक्टशारहे शांठाम रहे।

ম্যানেজার– গ্রন্থবিভাগ ্ডক্তম্য, গো: শ্রীমায়াপুর, নদীরা।

কেন প্রাহকগণ

# গোড়ীয় প্রি ওয়ার্কসে

এত প্রশংসা করেন

--

এথানে যাবড়ীর ভাপার কার্বা---

रगतित रगतित स्थान, काम, वाम, वामकाती रहक, विन आकृष्णि मनूम, विनारकम निमञ्जन नवा, कार्फ, विनारकम नक्ष मनूम,

আহি ৩ চং ৩ ৪ বংরের হাফটোন স্লক্ষ্ট বসুন, স্ক্ল কাৰ্যই অভি শীয় প্রাপ্ত কয়, অপচ চাপাটবার প্রচ বাজাল অপেকা স্লুগড়ঃ

व्यानभाव विद्व काना । कार्या वाकिटन निवकीकामात्र वानावेटनवे वक्ष नाहेटका ।

নানেবাৰ—গৌড়ীয়া প্রিন্টিং জ্যাব্দ্র্ ২৪০া২ নং বাগার সারহুগার রোচ্চ, ক্রিক্টে।।

# মীল প্রভূগাদের বক্তৃতাবলী

এখন ও বিভীন শত

উ বিজ্ঞাৰ জীপ্তীমন্ত জিণিছাত সহত টা পোতানী মহাভালেন সেই অবিজ্ঞা-ভিজামিনী জীবাত্মতাৰোগাৰোগিনী কৃষ্ণভাক নিশ্ববাহিনী জীবতবাৰীয় সুমুধিপ্তাৰ— ইবক্ৰসিভাত ক্ৰমণাৰ কৌত সমণি—গৰ্ভ অভিবেদ ত প্ৰয়োত্মতান্ত বিভালন্ত্ৰ । ভিজ্ঞা একজে ১২০ আমা যাত্ৰ।

# चनान्धाराष्ट्रिक वैजित्त न न के नदनाच्यनाबिदकत कुननामूनक

# शालावाडिक शतक्षत्।

वर्षाचा द्वाचाताममाम नानाकी क्षिप्र २० ही निक्रमञ्ज्ञातादेश मछ

ः (३) क्यार्थिक ना श्वार्खनाम

🦦 'ৰীছারা কর্মনিপাকমহার্ণন, কর্মকাও भक्षि, क्रकडाष्ट्रित कर्णाउदामीशिका, कति-. तक्षरमङ्क् कशिक्षरकोङ्गक, रमनमास्त्रत क्रष्टा।-र्तत् कामानामान्त्र- शहाशास्त्रः, कमवाकदत्त्र শিৰ্ণদিন্ধ, আয়ণ্ডিড কদস্ব, প্রাচন্চিত্ত-্ আধীপিকা, প্রেডপ্রদীপ, রখুনাপের স্মার্থ-ৰাবস্থাৰি, স্থানন্দনের অটাবিংশভিড্ড আড়তি আর্থিক, নৈতিক বা কর্মজড়শ্বতির বিধানাত্রসারে কর্ত্তব্য নির্দ্ধারণ করেন, তীলানের মতবাদত আর্থিক বা কর্মঞ্জ-আওঁবাদ। আওঁগণ বর্ণাশ্রমণকাণালনের ছলে নিজ্ধকার্থকান ধা আগুলীভিক্রপ্ মোক্ষের সভান করিয়া থাকেন। ভাছাতে বি**ভূগী**তির কোন কার্য্য প**িল্**ঞ্চিত হ্র ना। हैहीता निष्मुत्य 'शतम चडत्रभूक्ष्य' कान मा किया कथीएकत करीन कनागडा **দেবতাবিশেষ আনেন** ; বিফুর নিতাসচ্চিদান্ন স্বন্ধণ স্বীকার করেন না, বিকুষ স্প্রবহারা-वणीरकः विक्षविध्यश्त्रभृहत्क समागृङ्गत भवीन स्थान क्रतनः विक्रुविस्तक छ। १-কালিক বা অপ্লাল নৈদিভিকণৰ্যের অন্তত্ত্ব মনে করেন; বিষ্ণুভতিই একদার উপেয় ও ग्रामा- देश का गठः श्रीकात करतन ना ; **८क्रम्माण गाहि**रवृत निरुक 'श्रेचव-मः सन', 'কক্পেশিয়ন্ত', 'বিফুপ্রীডি' প্রানৃতির স্থ্যা ু **ল্লেক্ণ**,করিগা, কাণ্যতঃ বিভূকে ভোগ ं क्रियात क्रिया कदशन्। অসূ স स्वरकारक हेंदें। इं इंडड क्रेश्च आन किरिया সীভোক 'অবিধিপু নক' বিকুপুঞার আবৰ্ণ व्यमनि कतिहां थारकम्। विद्या अकामना, विका कहेंगे, विका नवसी अञ्चित कप्रशान चार्छत्र स्मापन रम्था नात । हेरीता गुनारक ভাষাদের প্রাপ, অপৌচ প্রাভৃতি মলরাশি ्र अभिक्र वृद्धियांत्र यक्षविध्यय यो आक्रक दर्शाः।-নত্ৰ**পাৰ** পাৰক্ষমানে বিচাৰ কৰেন। তাৰি--পাৰ্পুৰ প্ৰায় <u>ও</u> ৰৈণ্ডবৈ জ্বেদৰ্ভি বভনান। ा अविविध्यक् अवद्या वृद्धारम्य भावना धारे ८४. ্তক্তপ্রস্থার বছত্ত কাঠ, পাগর, নাটি, পিডক, **८म्राहोस** ःकोशएक कम्नावदम् कृतवस्त ः जारमंत्रिकः वहेम्स्य । दिविवास्य त्यहः ×े प्रकारिक विदेशिं। एक्त्रमृति कृतिहाः बाटकन्। चार्च बरन चरानाः व्यानकः वेक्स्सूराज बाव ार्थका निर्देश त्याचे ब्राह्मिक स्थाप বাছ ছটি, অন্তটি বিচাম থাকিলেই ভগৰং-পুৰার অধিকার লাভ হয়। 'ভ্ততি।'

# बी बी खकरशोदाटको क्रिय गृह

# (मानक नजीशा-श्रकान

# নিতাপাঠা বৈকৃথবাতাবঙ

বেদানি সমস্ত সাম্বন্ধ-শাজের অকৃত্রিম ন্যাখ্যাতা সমগ্র ভারতে এক মাত্র মূলভ

# দৈনিক পার্মার্থিক পত্র

# ঞ্জাহ-ছাং।পুর-৭ই আষাড় সোমবার-১৩৩৮

ष्यर्थ ইহার। বাহদেহের ওদ্ধিফেই মনে কলেন। মোট কথা খার্ডগণ কেবস সুল विक डेशिविक दरश्वता व्यालनात्मत्र मधक যোজনা করিয়া কোন অভিদেয় বা সাধন অবল্যন পুলক আর্থিকধর্মতংপর হইয়া (पद्मानम् वा जिल्लानम्बर्ग अञ्चनकानदे कतिया थादकन ।

# (১०) काटिटमा गामीनाम

ইই,দের মতে োসামাত্র ও আচাগিতে, শৌক্রংশগত-- গুরু ও শিশু জীভদাস-তাথার স্থায় শৌক্রবংশতে। ड्रीक्स-হৈতক্ষের অনুগুলীত, রণাণাত আন্ধণ मुखानित दर्दश्य (य-दकान दर्शकत यथन संदर्भ যাত। মত ১টাবে এবং থে যে বিধি ভাপন ক্ৰিবার চেষ্টা ক্টবে, ভাহ। বিনাবিচারে বৈশংবমাছে বই গ্রহণ করা কর্তবা। গোস্বামী সন্তান-মানাৰ্গ, মত্ৰৰ ৰাউল, সহঞ্জিয়া, কণ্ডাভঙা, ত্মাৰ্গু প্ৰাভৃতি বে কোন নত যপন ভিনি অনুসাধণ পুৰুক পালন ক্যিতে चारतम कतिरवन, छादाई ठाइन कतिरङ চটবে, ইচাই বৈ চবতা, অবশিষ্ট যাহা কিছু হপেচ্ছাচারিডা

# (১১) याखिवाङ्गेनाम

উৎকলদেশে জগন্নাগদাস নামক একটা বৈরাগীৰ খার: এই মতের উদগ্রহীছে। দ্মীগৌরাঞ্চের উপনিষ্ট শিক্ষাকে অতিমাজিভ 🤏 শ্রমশুনা করিবার মান্সে এই বাদ স্থাষ্ট व्यातभक इहेमाहिल। এएक व्यक्तिय বাড়িমা যাওয়াম ইহাদের বানটা অভিবাড়ি-বাদ্রণে পরিচিত। ইহারা আপনাদের বিধিবিধান নিরূপণ করিয়া , লইয়াছে। এডয়াভীত কোন কোন ব্যক্তিতে ছবৈতিক चाहदम रमया यात्र । देशांत्रों नित्रांकात्रवासी ।

# (১২) ह्जामाजीवाम

बहे मछी माम्राचारमज्ञे अकात्रविरम्य । हेहाता निकारक करा गरन कतिया कार्यात्र

वाद्धाहराङ थारक । बन्दाहन मकन रश्वह উহাদেব ভোগের উপকরণ। নান্ত্রেপ ব্যভিচারই উহাদের সাধন।

### ( ১৩ ) भोत्रमागत्रीनाम

এই মতবাদিগণ জীগৌরমুন্দরের কল্লিভ নাগরস্তি স্টে করিয়া উঠেরে নাম, গুণ, क्रथ, नीतः, रुष्टि कतिवात आधाम क्रद्रम । देशता इत्थव निष्ठाः-देनायामग्री गीलात्क অনিত্যা মনে করিয়া দেই স্থানে মাধুয়ালীলা স্থাপন করিতে প্রফামী। গৌরনাগরীগণ (भोतञ्चलटरक 'नाभनीगण्याठे', मधामि-শিরোমণিকে 'রাসজীড়ার হ', লোকশিক ক ভক্কে 'কামুক', গুরুপ'ই'কে কামুকী, এজনাগরীভাবে ভাষত সুধিকে 'বিথাদি পরণ্রীরত নাগর', ধিছববকে 'গোণা' ব্যিতা কর্মনা কলেন। জোরনাগরী বলেন, গৌরই যথন ক্লা, তখন শিকুপ্রিয়াও वर्धियां! वानिका ७ विकृश्विवारमनीत পার্থকা এই বে, রানিকা পাবকীগাভিমানী এননাগরীশিরোমণি, আর বিষ্ণুপ্রিয়া चकी गार्किमानी ननी साना गती। बाधिकात আমুণতো গোপনাগরীগণ যেমন ক্রুফের वैश्वित्रवर्णन कतिब्राष्ट्रन, विकृश्विधादक ध्योत-শাগরীশিরোমণি কমনা করিল আমরাও তদ্রণ গৌরাঙ্গের ইক্সিন্তর্পর সাধন গৌরস্কারের নাগ্রনীলাম ও মহাভাবশীনাল গৌলনাগ্রীর বিদক্ত উপছিত হয় ৷ ইইারা কল্লনা-প্রভাবে বিফুলিয়ার 'कांकमा' नामी मधीत ऋषि कटनन । ८छोत-নাগরী ক্লফ ও গৌরে ভেদবুকি করিণা মনে कटेडन, ट्योजिंड होटड यपि वाना नः एए उदा यांग, पिक्रतांक दशीतरक यनि दशालाकरक পরিণত না করা যায়, সল্লাসিশিরোদশি रगीतरक यमि रहनरहोत माकान ना यास, णारा **रहेला (भोतरे (य क्रम**, णारा थमानिक दत्र नी, किया शीरवत भूनेक्नव-खातक नत्यह किशीक्क इत । हेरांवी त्रीत-শীলার ও ক্র্মনীগার পরস্পর বৈশিষ্ট্য पर्नन चंत्रिरङ कुँडिङ इन। शोजनाग**ी** 

वावनात्र किन्या महाश्राष्ट्रम् छेरफरमः शास् পাহিষা থাকেন,---"নদায়ানাগর, রদেয় সাগর, ধুবভীধরন চোর। মো সনে চাতুরী করে ঠারাঠারি থৌবন নহে অঙ্কুর !" ইখারা পৌত্তবিক, গৌরভোগা, ভেদনাদী, লীলা-বিলাসিনী গুর্মপরাধী ও রসভত্তার।

# দ্ৰভক্তন

( এবিকিমচন্দ্র দাসাধিকারী ভক্তিশালী मण्डातात देव इताहाया )

মালবদ্ধ সংসাবে বাহাদের স্থক্ত অল্প. সেই ভাগ্টেম জনগণ ভগবদ্ভলন বিহীন इहेगा हेक्तियर होगरवत सन्द्र काम (काथ লোভ পরায়ণ হওয়ায় অসুর স্বভাব বিশিষ্ট ভাহারা নরাধ্য সলিনা গ্রা

মাৎস্থাপরারণ ধলহভাব প্রহিংস্ক ব্যক্তিগণ ছার্জন। নিজের কোন মাল্ল সাবিত না হইবোঁও অপরকে পাঁড়া দেওয়াই ভাগদের অভাব। আবার অনেক সময় নিজেব কোন গুড় উদেশ্য সিন্ধির জ্ঞা অপরের ভোষামোক কবে, পরে ভাতার বিশাস জনাটলা অবস্র ক্রেমে ভাছার সর্কনাশ কবিণা হিংসাবৃত্তি চরিতার্থ করে। श्कान दाकि विदान इटेल व्यात 9 जरहत । দেই বিভাবলৈ অনেক অসং কাৰ্য্য করিবাব হযোগ লাভ কৰে। যাধু মহাচ্ছের নিক্টও কণ্ট ভক্ত সাঞ্চিয়া ভারাদের উপর দৌরাত্মা করে। ভাহার কণ্যও সভা আঞ্চলকরে নাই, দলাওণ না পাকায় বিংস্ক, অন্তচি, ইব্রিপারায়ণ বাহার। ভাহাদের সঙ্গ করিবে, তাহাদের সমস্ত সদ্পুণ নট হইয়া ঘাইবে এবং অসংকাৰ্যো প্ৰবৃত্তি বুলিতেত আৰু-ঘাটী হইয়া অণো':ভি লাভ করিবে। ভিক্ষন: পরিহত্তরো: বিশ্বরা**লয়ভোচলি স**ন্। মণিনা ভূষিতো সূৰ্বা কিম্পৌ ন ভয়ছয়:॥" मर्गित मञ्चक म्लांबीन मनि शेक्टिन श দেমন সূপ ২ইতে লোকে দুরে অংকান করে, সেইরূপ চর্জন ব্যক্তি বি নে হটলেও তাহার নঙ্গ পরিভ্যাপ করিলা দূরে অনস্থান

যাহাৰা ভগৰংকেলা হইতে দুৱে অবস্থান করে, তাহারা যতই নীতিপরায়ণ হটক না কেন ভাষারা প্রাক্তকার অভক্ত, কুওরাং चमर, हेशामच गच मर्सणा शांतिमा। मक्नाकाळी छग्रम्नस्ट्राद्श बास्ति, विक्की छुद्धन त्यांतिर मधीत मान मरमान-ছাপের নিবর্ত্তক পবিত্র শ্রীহরিগুণ**গাঁথা শ্রবৰ** कीर्डन कविया त्याया गाउ यह व्यक्तित्व ।

ছ:সম্ম তাগি না করিলে সংস্কৃতির না আবার সংসঞ্জ না করিলেও অসংস্কৃ বৰ্জনে স্পৃহা হয় না। "সংসঞ্চ<sup>া</sup>ক্**দিৰ**, मत्या मत्या चामरमाम शाकिक, काँदा किक ভার শিরে চুড়া ধারণ করে এবং বালা ক্রীয়ালার লকটা পরবীলাশাট এইরণ অর্থে নহে। ছবি একজন রো**ন্তর** বোর

P. Michael Coll.

निवातक खेवध भाव क्याहियात करण मध्य মধ্যে কুপৰা খাওয়ান বাদ, ভাহাতে উবধের শ্বোপ আরও বৃদ্ধি পাইয়া রোগীকে বিনাশের भर्य महें शाहेरत । (महेक्क क्व-वाधित মহৌষধপ্রদান্তা শ্রীল কবিরাজ গোস্বামী বলিখাছেন,---

অসং সঙ্গ ভ্যাগ এই বৈঞ্চব আচার। ক্রীদলী এক অসাধু রঞ্চভিক্ত ভার u

### **म**९ मृङ

( শ্রীধুক্তা অপর্ণা দেবী ) (3)

মায়াধ্য জাবগণ স্ব-স্বরূপ বিস্কৃত হই া কাণ্ডারীইন ভরণীর কার ক্রকুল সংগার- विश्वासीय क्षेत्रकार व्याप्त स्थाप একমাত্র কর্মব্য জীহবিদেবায় বৈমৃণ্য বশতঃ অন্ত্রবন্ত্রব পরিচাণ্য নিযুক্ত ইইর। সমস্ত জুংগে নিন্ধিত হইংচিছ। তাহার বিষ্ণ আছাবৃত্তির উপর স্থা-স্কাছনে দেংমনের **ছুইটা আ**বরণ আসিনা উপস্থিত হওগতে চেডনবুজি মুপ্ত লক্ষিত হয়। জনাম বস্তুব **व्यक्तीमन ८६७म की**ध्वत संग्रामकः विकास न মোহনিগড়াব इ জ্ঞানজ कीব उनीत भटक ধর্ম জীভগ্রানের প্রার্থিন সেবন এইটে **চ্যুন্ত হটনা সন্ধন্য বিহুতে অভ্যানের গ**নিভান প্রাদান করিভেছে। ঈশবহিদ্বতা গণ্ডে*জ* শুদ্ধ জার-শ্বরপের মধ্যে যত প্রকার অন্থ मानुष्टकत लार ।कन ; य निज्ञानन नाम চরম্পাধন-বলে জীব্দণ স্বাধিধ আহিলতা- ু নিষ্ঠত ২ইনা পরমলভেপুর্ণ জ্ঞারকলেলম , বিধ ছানাম পরিবভান পুর্ণক আর্থগতি मण्लाम धनी **इटेए**ड शास्त्रन -- अक्तनस्त्राध्ये क्रिस्ट. माधप्राय बरेश्डकी क्रुपान्य श्रीक्रमान **কার্ত্তনে**র অনিকার বাভ করিতে গারেনা।

यमिख क्विक स्थित । गानुमक्षत्र कार, किनीन । হয়, কিন্তু ভদারা প্রথমগ্রের শ্রেরাক্সর की छन्हें इहेबा बाबा श्राप्ताः यो मनन অভিমান-মৃত্ অবিবেকিগণ নিচেত্র স্থাতে নিজাকালের মঞ্চ বঞ্চিতই থাকিলা যাত্র।

সমুদর সংশারেই সাধুবঙ্গের অপার बहिमा की खिछ इते। एक । अनगर्श कृतनत নিত্যোগাসা প্রভাগার্ক উন্নেত্রগরত ইচে:-चरत्र कश्चिराद्य-

"ডভো ছ:সম্মুৎস্কা সংস্থু সর্জেড বৃষ্ণিমান্

জিলা সা ছইগ্ল বরং কুপথোর কল অরপ । সম্ভ এবাজ ডিলাভি মনোবাণিসমৃতি হি:॥'' मत्नाहातिनी भागारनवी, बहुक्रिनी मञ्जा: माक्षिश वक्षकीत्वत्र निक्र वाक्रत्वत्र কায় প্রতিয়দান হ'ন, কিন্তু ব্যুর মৃতি প্রবিগ্রহ কবিয়া ভিনি সকদাই ভোজা-ভিমানী জীগনুদকে বঞ্চনা করিকেছেন। অনাদি বহির্থ 'আমরা পালার্ক্স ধন, दिछ, श्रुवनि लागेरमधे भागातिवीरक "मा-মটা" ব্যাহা স্থলেৰ রুভজ্ঞভাৰ এছেন-ভারে পূজার ক্রমা নিবেছন করি, কিন্তু শ্বভাগ্ন ছবিতদপদী সাধুণ্য স্পর্নাকো জান্হিতেছেন — ঐ বঞ্চন্দ্রী প্রের্ড দর্শেরী अस्त-"भागभीते"। সাধুলবুই জীবের বগার্থ বান্ধব, লাপ্ধ-যুত্তিপূর্ব উপলেশরপ এমিব ছাব। ভাঁহার। ভাকু কাম পীজিত হলতে,ডিডলিছেলন কবিলানেনা। টালারা বলেম- । তেই বিক্রামন্ত্রী আরুচেড্ন, ভুষে ভোষাৰ অংভাংগতিতে চালিত ২৪. তেমির জীবন্রণার ভূমীবাজি গলকু গণের উভান ক্লবে না বাজ্ঞা প্রেরুক গণের প্রগতির ইতি ধান কর্মণ।

> दर्भ ना भाषपूर्वार মুম শুকের উপায়া-याम জন মাধিকা না গাংকা কিন্তপূছার সম্মন্ত্রী আহরপেই কমুব। ঐীন ন্ট কবিবে ?

নিখিল বিষয়বানীর অহিতীয় ভাকা অদিয়া পড়িলছে। তৎশমুবর হইতে মুক্ত ক্লেচকের প্রাতিকান বাতীত যাও প্রকার হইয়া শুনানস্থ। লাভ করিতে ধইলে সমাজে ় অক্সভিদান তোমার মতে প্রবিষ্ঠ ধইন্মাছে, ভংগমুগ্রি টেলোর বড়মান মালিফের া সত্রব ইতা কমেনারূপ সক্ষ-শাসনার অপিল চেটা বিশিষ্ট শ্রীরেক্তর নেই অনুপ্তিচর জ্রীনান। ২৬য়াই ভোষার স্বাহার প্রাপ্তির উপায়। সংক্রীস্তবের অসমেন্ত্র মাধ্যত্মের কথা ট্রাংগদের নিতাভভদ্যালন সদ্বুদ্ধির উদর শিক্ষাষ্টকে "চেভে।দপুৰ মাজনং" খোকে ৷ ইব, ভাগোরায় প্রহাত গণোপুকারক মাধু সুবাক্ত করিগছেন। কিন্তু ভংগ্রুক্ত , ভড়ের চিত্রগৈতে অংখ্য স্থাপন করিয়া ্লিস্যানন সম্পদের অনিকারী হন। মানা হইতে না পানিবো বছড়ীৰ সমাগ্য়াণে রঞ্চ- পিশানীর প্রশোধন তাঁথাৰিগকে নিরও , কুহ্ক মত্য পথ হইতে বিচলিত করিতে অসন্ধা 'রুণ্ডিজি জন্মনুগ' যে অপ্রারুত কতা অধীকার পুরত অনগ্তে অবহাতে, এছা, তাই। সাধুসৰ প্রভাবেই সঞ্চত निक व्यविकात नभवें । व्हेर के दिल अहार कि । "भागाः आमधानाम नीकामः विकास ভবতা अन्कर्तनावनाः कथाः। उत्कावना-আরাগমার পরিবর্থে অড়ের অর্থাং মান্ত্র নার্থবর্গবর্গান মন্ধারতিইজিরক্টেমিক্তি।। এভগণান হাঁয় প্রীমুখে কহিরাছেন, --''নাধুসক ক্রমে আমার হুৎকর্প রসাঃন কথাসমূহ আলোচিউ হয়। সেই ভূবন মকল কথা নিরস্তর প্রবণ দলে অভিসত্তর অপবর্গ পণ হঞ্জ আমাতে প্রথমে শ্রন্ধা, পরে রতি ও অবংশবে থোমভজির উদয় । এলাদী হন তবে কাহারও কর্মনই প্রভারিত

कला कीरवंत्र यथन मः मात्र वृद्धन करः। खुव হয়, তথনই পরাগতি দায়ক সাধুসক্ষ-সৌভাগ্য লাভ হইয়া থাকে। কলিপাবনা-বভারী শ্রীমন্মহাপ্রভু জীবের এই ভাগ্যো-ভাকে নদীপ্রবাহে ইভন্তত: ভাগমান কার্চ পণ্ডের ভটভূমি প্রাপ্তির পহিত তুলনা ক্শক্লক্টবিত জীবগণ ভবমহার্ণবে পতিত হইয়া কাল কর্ত্তক हामिछ इंडेएडएए जारः भुगामस्य कथन छ मित त्यानि वा भक्षण त्यानि, व्यावात भाग-কশ্বফলে কথনও গল্পকী বা দৈত্য-দানবাদি যে,নিতে বিচরণ করিলা, মালাপ ভজন করিভেছেন: কিন্তু ভগবন্ধভেগ সঙ্গ প্রেসাদে জীব আগন দূববছা অবগত হইচা হবিদেবারপ নিভাধ্যের রভিপ্রযুক্ত পঞ্ম भूक्यार्थ टाश्च इंदेश बारकन।

এই কনি কথ্যশারত মূগে অনেক অমাধু বাহিন জাগতিক ধন সম্পাদ ও জড় প্রতিশৈদি লভি করে সাবুর ছচাবেশ প্রচনপুনকে আগ্র-तकना '७ 'पंतरकमा कांग्या उन्हों **इ**हेश থাকে। প্রকৃত সাধু নির্ণয় বন্ধ জীবেশ থকে একান্ত অসম্ভব। পরম ককণাশিক্ चिक्रीवर्सना एक निविष्टने निक्क चन ভাবান হুইয়াও ভগ্রস্তুন্তোর অলৌকিক লীলাভিন্য কাৰভ: ভগ্ডজীবকে এখেড মাধুর পরিচা পাদান করিয়াছেন। যথা—-''शार् भाष्या कडे नड़ कीरवत कानिशा। সাধু ভক্ত রূপে রুক্ত আইল নদীয়া।"

সাধকণণ সাধানস্ত 🖏 ভণালানের কি প্রকার আচার আচরণ কচিবেন, ভাষা জীয়কট গোরদেরররপে নিজে আচরণ ক্ৰিয়া ক্ল্যুগ্ৰীকে ন্ৰান শিক্ষা প্ৰদান করিয়াছেন। সাধুর লক্ষণ বর্ণন প্রাসকে, ! অসংহা গুণাৰ্ণীর মধ্যে ২৬টা গ্রেধান <del>শক্ষণের কথা তিনি উল্লেখ করিয়াছেন।</del> মনোধর্ম পরিচাণিত ভ্রাইজীবগণ ভূডি মুক্তি মিদ্ধিকামা অসদ্যাক্তিবৰ্গকে সাধু মনে করিয়া, ভাষাদের বিষাক্তগলক্ষমে িন্ত্রয় প্রথের থাপিক হয়। ভাহারা ঋড়ি (भानारक में हि इस बिना भाग करत, न्यम भादुरिरभरक विश्व अन्य छ। म বলুমানন কলে এবং প্রাণনাশিনী অধি-विषय्क स्वा अस्य अस्तिमन करता। मुमुक्त <u>क्रामाल २६८म स्माधिक इकेल काशता,</u> প্রিশ্ববারি পরিপুরিত শীভ্য সরোধর এমে ক্ষণস্ত অধিকৃতে নিপ্তিত হইয়। আত্ম-বিনাশ সাধন করে।

मग्रानिमि श्रीकृष्य हिन्द्रशास्त्र श्रीमुन বিগলিত বাণীর সহিত তুলনামূলে সমা-জ্যেচনা করিয়া যদি কেছ ধীরভার সহিত ী সকল সাধুবেধী অসাধুর স্বরূপ চিনিতে हम।" यह नष् बालात क कृतियूनी छक्कित हहेबात जानका शंकिरन मा ;

<sup>শ</sup>রুপানু অরুতজোহ সভা নার 🖟 🖰 निक्षित वृत्रांक मृद्ध छठि क्रक्किन ह गर्काशकातक मास क्रटेकक भारत । জকাম নিরীহ স্থির বিজিত্বড় **ও**ণ 🛭 মিতভূক্ অপ্রমন্ত মান্দ অমানী। शबीत क्यन देशज कवि सक भोनी॥" नर्समराखरा खरी छन्। उन्हरकत छन्दि-

डिक व्यथान खगावजीत मध्या इटेककमत्रव**ण्ड** স্কল লক্ষণ, অবশিষ্ট গুলি ভটস্থ লক্ষণ। दङ्तिभ मन्ख्यात्राधित्र पात्रा व्यवहुङ इहेन्ना ६ যান কাহায়ও অন্তঃক্ষ্যু শ্রণতার অভাব দৃষ্ট হয় তবে তাহাকে অসাধু জানিতা তৎসঙ্গ বৰ্জ্চনে সৃষ্ট সংক্রয় ২ইতে ফ্টবে—নতুবা সানুসজের *প্রাভিন্তরে* व्य गांचा गंभ रहेवा बाहेरत हेटा स्थितिकत ।"

ভগবৎপ্রেমরসময় চিত্র সাধু বৈক্ষরগ্র জীবকে নিতাকস্যাণ পথের বাবী করিয়া দেন,— অজ্ঞানভ্যযুক্ত জীবকে বাছৰ সভা-ত্যোর প্রতি আরম্ভ করেন,—জাধারা যে অস্লা রক্তরাশিব অধীখন হইয়াছেন, ভারকে ঠিক সেইরূপ অনিনম্বর ধনের किंकिया कि किंदिक यह किंदिस शेटकन। ভাই, ভাগায়া প্রোক্ষান্ত কৈওব পরম নিদ্মংস্ব ডিক্রিধ্যের থৈকঃস্থী পাথা राहील कृत्याकिभावत इनमान्यामी कीकन व्यासम्बद्धाः सामुग्य इत्यान्त्रयम् इहेश गकाण मामारस्य मण्डाचात क्रक विकादस्य চাঁৎকাণ করিয়া কহিছেছেন,----

ি অভ্যান তমের নাম করিয়ে কৈভব। ধর্ম কর্থ কাম বাস্থা আগি এই সধ।। ভারনধো মোক বালা কৈভব প্রধান ৷ याका देशरक क्रमाक्ति हम् व्यक्तिमा ॥"

নিশাপের ঘনান্ধকারে সহস্র সহস্র প্রদীপ প্রজ্ঞলিত করিয়াও স্বিভূদেবার মঙ্গস্থি দশন হঃকি ? স্থা দেবের কিরণালোকেই ফলপ কথা দর্শন মন্তবপর হা, ভন্নপ অপ্রাক্ত টিদালোক বিভাসিত সাধুভত্তের অভৈত্তক কলা প্রসাদেই আমন্ত। দর্শনের পরম সৌভাগ্য শান্তকরিতে পারি। ধর্মার্থ-কাম-নোক্ষাভিলাধিগণের কৈত্রপূর্ণ ীবণ স্ক্রণ ভাত হইতে পারি-একমাত্র সাধুর কুণাতেই আমরা ধ্যুত্র ইতর বাগনা भभूत्व উৎসাদনপূর্বক অগ্রাস্থত কামদেবের कागरमदात्र कीदनरक देनरवश्चवकरण क्षान्। করিতে পারি। নিত্যবান্ধন সাধুগণ কি জীবকে মোক্ষ বা নির্বাণরূপ সঞ্চনালের কণা বলিতে পারেন ? নিশিল চেডন-সমাট জীচৈভক্তদেবের চরপ-চারণ পরিপূর্ণ বান্তব তৈতভের একনিট উপাস্থগণ চেতন বহিত ভীৰসুক্ষকে নিডাবন্ধণে উষ্ট क्तिवात कक गाहिएक्ट्स्न--

'উড়িচ্চত জাগ্ৰহাদ নিখেৰত।'

# গ্রন্থ পরিচয়

# শীমন্তাগবতমূ

অবস্থাহাঁৰ ক্ষ্ণবৈপানন বেগন্যান-প্ৰাণীত মূল, প্ৰীমন-यथने हार्वा-क्रष्टा छार नर्वा-निर्वप्रक्रिका; व्ययम् विश्वनाथ हक्त्वर्छी ঠাকুর-রুত সারাধ্বশিক্ত টাকা, বলামুবাদ, সংখ্যত অব্য ও নেট কলের প্রতিপাত করাসার, **অধ্যা**রের প্রথমে ঠ : পথ্যামের সামসহ ভবিস্কৃত তাৎপর্য্যামি নিবৃত্ত। প্লোকস্টা विवयम्ही, अधावविवयम, शांख ७ जानम्हीमह छेत्व কাগতে উত্তম অকরে মৃত্তিছে। প্রথম রুইতে ১০ম ছন্দ পর্যান্ত ছালা লপুর্বরণে লেব হইয়াছে। ডিক্ষা প্রথম रहेक्ड अम कक गर्गाच २०१४ : मनम कक ১२<sub>५ ;</sub> PRO 8-1

# শ্রীপ্রতিভক্ত বিভাষত

🕮 🕮 মন্ত্ৰন্তি বিনোধঠাকুর রচিত 'অনুভগ্রবাহভাগ্য' ও প্রীনীময়ভিনিদায় সরস্থতী গোস্বামী প্রাচুপাদ-লিখিত 'অছভাষ্যে জ্রুতি-কুল্যাদি বহু শালপ্রমাণ-সম্বলিত ভইয়া व्यक्षिण इहेग्राह्म । (लात्कत माध्यवीचा, तक्राव्यापक প্রত্যেক পদারের পর্কে সংক্ষিপ্ত অভিবের সংযোজিত। আডোক অন্যায়-আরিছে কর্থাসার দেওরা আছে ৷ শোক প্রার, শব্দ, স্থান, পাত্র প্রস্তৃতির স্তুত্ত সূচী ও প্রস্তৃত্বের বিশ্বত জীবনা সময়িত এইরপ অভ্তপুর সংহরণ উভঃপুরে कुळालि श्रकालिक इव मारे । केन्रम काश्रक्त शांत्रिलारकात्र विक है। वाक शत्र शत्र शत्र । স্থিত সুল ক্ষেক্ষরে মুলাংল মুক্তিত হইরাছে। এছ প্রায় sees श्रक्षात्र गुल्मात । क्रिका बक्तशादन क्र साळ ।

### **क्रिटेड्ड ग्राफाशवड**

গ্রন্থকারের জীবনী, প্রতি পরিক্ষেদের কথাসার, বিস্তুত জীতীর ভাষা, শবস্তী, প্যারহতী, বিষয়-স্থান পাতারি-সূচা, প্রভৃতি বিবিধ বিধয় সংগ্রিত দিলাট বিভীয় সংকরণ ভবল জ্বাটন ৮ পেলী আকার। পারিবালা ও মধ্যের কিয়দংশ প্রকাশিত হইয়াছেন। ১০৪ জনে প্রকাশিত क्ट्रेट्ट्रह्म। अधिम क्रिका ६ हे का, आनि नीमात 1641 C 1

#### **बिटिन्ड मा महान**

্ৰই গ্ৰন্থের এ৯প অভিনৰ স্থদার সংখ্যাপ আরু কুত্রাপি क्षकाणिक क्ष मारे। भाषक (ब्राकारणत अवत्, वकास्थाध, कारा, क्यांगात, एशा टाक्छि मह चए कर व टाकांनंक हर्देशाह्यतः। भूग द्वाष्टा व्यक्ततः उपन काउन व्याष्ट्रला दृह्वाकात्त्र काला व्हेत्राटक। भूगा २४० छाका। स्थीरा क्षकान % भीषीरम्ब आस्कशत्वत गरक आ॰ हेकि।।

# **এখন্তগৰদ্দী**তা

- शिर्गोदीय देशकवाताया अव्याक्ष्य त्रनिकत्र्यात्री ই জীবখনাথ চক্রবর্তিসকুর পোখামিক্তা সারাথবিনী ট্যকাসমেতা ও প্রীতীমন্তবিধান টাকুর-প্রাণীত 'রণিক-बुबन' मानक काराकाशामिका । जबााबकती, बाक्कालता े झाय-मृदी,विरद-मृदी,अध्यात्त्रत कीयनी ७ व्यवस्त्राधिकाति यह-काष्ट्रयानिया-नह फेरक्ट वागारे पृथीय मध्यप्रम--- हे ताप मरक्याला किया २ केका माल, नावामन नरकपूर--- अ इंका मार्व

# শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

ওঁ বিস্থাপাদ 🕮 🕮 মন্ত কি সিমাধ সর্থতী গৌমানী সহারাজের সেই অবিভা-বিশবংসিনী कीवाश्ववक्रदशांदवाभिनी कृष्य-कार्काननमात्रिमी कीवस्र-वानीत्र मृर्ख-विध्यक्---देक्कवनिद्यात्त-त्रत्रयानात्र (कोल्रफ्यिन-नन्त्रपात्र বৈভববিজ্ঞানাগায়ের মৌলিক উপা---পঞ্চরাত্র ও ভাগণতের गमध्य ७१--- भगाजन-सी गनहति छ-निक क-- हि दिशांत्रहियात-প্রতিপক, তথা ও বিব্রত্যাধিবৃক্ত। প্রতি ছংকর আদিতে অচিন্মাঞ্-বিচারক-- এখার্য ও মাধুব্যরসের মৌলিক গবেষণার -- नवस, अस्टित्य ७ अध्याजन-एएक्स निकाल-ममूल् ।

> 51 **প্রথম খতে**— বৈশ্বন্দর্শন, শ্রী ওক্তর, কাল-धर्म. श्रीमध्याविकांत. अवार्यकानती, भाकताविकी मीका ও বর্ণ-বিচার, আত্মধর্ম ও মনোন্ম, শ্রীটেডকাদের ও তাহার শিকা, অপ্রায়ত সহজ্ঞর ও প্রায়ত সহজ্ঞ প্রাকৃতি বিংশতি সংগ্যক রত্রে স্থানে ভিড। ভিজা সান ৮০ বার আনা।

**১। ব্রিতীয় শশু— ১**খা ও বিদা ভক্তি, মলুবার শ্রেষ্ঠতা কোপায়, আত্মার নিভারতি, আঁবর আমিপান ও मायावाष, डीट्योत-सिकायनस्थायत्र, क्रियटात वस्त्र अ अध-कीर्छन, द्वीवाम्भुकाम दीवश्वापराधन कीर्छन, द्वार पा-भारमत महिमा, मधा श्रमान, ज्ञीरण विमन, ज्ञीकाशास्त्राचकम-পথ, জীমতী মুসভারননিনী, শ্রীতৈতভোৱ দয়া, বের্মারকর ও ক্রমণকাত্তন --চতুদশ অপুনা মধুরিমাপুণ-বঞ্চা-বিভূষেত ভিক্ষা ১, এক টাকা মাত্র।

প্রাথম ও বি - - চই বার একরে বাইলো ভিকা সা

### **अग्रह**ी नहीं डा

(शोड़ोग्र-देवकन्यानिक-८०थत ही ही यम् गरमव निष्ठा-क्ष्मपुक्रक कारा व जीयहिल्सिस्सान शतुरवद्याक्षण वक्र-ভাষায় পিছতে প্ৰিল্লেন নামক ভাষাযুক্ত। অধায়-সূচী, বিংয়স্চী, ও প্রতি লোকের প্রথম ও স্থীয় ভাগুক্রের জীবনী প্রভৃতি নম্বলিত। উৎক্ট বালাই, রাজসংখ্রণ ( তুরীয় সংখ্রণ ) গ্রন্থের धिका २, वंदिया

#### প্রয়েরতাবলী

ইলে:লদের বিস্বাভাগ-প্রণীত বৈদ্যালন, সন্দত্ত ও গোরিক ভাষাদি পজিবার প্রথম গছ। উৎহাই কালিতে ছাপা। সুনিমৃত চীকা ও এাঞ্চবসামুবাদ-দাংবা অভি সহতে বান্দেরতে বেশেগ্যা হট্যা পাকে। ভিশা । ত'• আনা মাত্র।

#### **बीनवधीश**भागगाश्चा

( এমাণগড় ) সামুবাদ। শুভি-খুডাাদি প্রয়ে শ্রীনব-হাঁপের যে মহিমা কীণ্ডিত আছে, তাহার মূল সংস্কৃত ও জায়ুবাদ। ভিকাত জানা।

# **এটা শীনবদী পভাৰত রল**

শ্রীঠাকুর ভড়িবনোদ লিখিত। খুললিত গাঁতাকারে পারক্রমার ভঙ্ব্যাদি-বিষয়ক। ভিক্ষা। আনা।

# ভক্তিরত্বাকর ও নবদীপ পরিক্রমা

প্রীল নরহরি, চক্রবর্তি-ঠাকুর রচিক। ভঞ্জিরদাবর হুইতে পদ্মিলমাংশ মাল গৃহীত; জীলীৰ গোন্ধামী কি लकात्त्र क्रीमवरीलशास्त्र शतिक्रमा कतिशाहित्सन, जाहारे পথে বিবৃত। ডিফা। । । भाना



শ্রীল ভক্তিবিনোদ ঠাকুর প্রণীত। ইহাতে শ্রীচৈতন্ত্রের निकाञ्चनानी-क्रम, क्रमनिक छ त्रन-चन्न ७ मुक कीय-অচিত্য-ভেদভেদ-ভত্ব---শাধন-নির্ণ---প্রয়োলন-ভত্ত, কর্ম-का थ. बालगानित विधात-दिनी छलि, छावछि । প্রেম হস্তিদ্র নামভগদ-প্রাপী ও অইকালীয় লীকা-পণিত্য দি প্রথম শিকাণীর উপ্যোগী করিয়া সরল ভাগার ম্বল পুক্তিপ্রমান্দ্র লিখিত আছে। চতুৰ সংস্করণ বালা २ होका, भाराया ३५० होका नाव।

# গোড়ীয়কণ্ঠহার

क्षीरवी कीय-देवकवर राज अञ्चलन कर्छ मात्रवरमाना ক্রতি ছতি পুরাদ-পঞ্চরতোদি সাহত-পাপ্সস্কের গ্রমাণাবলী विनम्बिजाराज्या माइतान अस्तित । व्यक्तिस्य देवस्थव-সিদ্ধান্তের সার্থনময় মন্ত কুলাপি এক িড হয় নাই। ইং ডে স্থান ভাগানত— বৈক্ষান লের – নিত্যানন্দ— মানৈত-ক্ষা-শ্ভি-ভগবতুস-জীব - অছি ১৯.ভদাতেশ — শ্রীনাম – প্রয়োজন ও প্রমাণ-ভর্মগুলি পুপক্ অধ্যায়ে প্ৰবৃহত খোকাদি প্ৰতায়ত উৎকৃষ্ট এন্টিক কাগতে প্ৰোদ ব্ল কাজিতে ছাতিত, উচ্ছই বানা সোনার কলে নাম শেপা। এর এরে ৪০০ গুরুর সম্পূর্ণ ভিকাব, টাকা মার্ম।

# জীন-ছীপগাম-গ্রহণবলী

दीयम अखिरिद्यान शेक्त त्रिक 'लागगांकाचार-भाभ-মাহাছের স্ভার এমাণ পও-- ত্রীণ সরহলিদক্ষতী ঠাতুরের দাম-পরিভ্নাংশ— শ্রীপাম নব্দীপ পরিভ্রম।—ভীন-याळा अक्षरि--क्रियर शारतामानकक नमधीनमञ्जूष--প্রীমন্ত্রিকবিলোদ ঠাকরের শীনব্দীপ ভারতরঙ্গ অভিত গ্ৰন্থ একতা ভিক্ষা ১০ আনা মাত্র।

### শ্রীহরিমামামূত ব্যাকরণ

শ্ৰীষ্ট্ৰীৰ গোষামী প্ৰভুপাদ-বিৰ্হাচত সূত্ৰ ও ৰুন্তি, তংসকে উৰিকুগাৰ তীমহজিনিকান্ত সরকটা গোশ্বামা মহারাজের বিজ্ঞ ভূমিকা ও থটা প্রভৃতি সহ। অপ্রভাগেতভাবে সুগভ। ডিকা ২, টাকা, ছাত্রগণের शाल आ॰ होका साम्रा

#### বেদান্তভদ্সার

জীম্জামাত্র চার্যা রচিত। বেদাত্তের বিশিষ্ট ছেতবাদ-প্রান্তব্যক্ত শ্রীভাষ্য প্রবেদ। মত গ্রেপর বেদাগ্রদর্শন পাতের উপ্যোগী বস্ত্রণার্থ এই উল্লম করিয়াছে ন ৷ ইখাণে বঙ্গাছুবাদ ও স্থীপত্রাদি সংযোগিত করা হইয়াছে নাম মাত্র ভিজ: ॥০ আনা।

# এটেড জ চন্দ্ৰায়ত ও নবৰীপল ডক

লোরপার্বদ ত্রিদত্তী শ্রীমৎ প্রবেশানন সরস্থতী প্রণীত মূল, গ্রান্থপাদ জীমদ্ ভজিবিদ্ধান্ত সরস্থ গৈ গোসামী মহাস্থান সম্পাদিত অন্তঃ ব্যাখা ও বসাহ্বাদ সম্বাদত। নবধীপশতকের উচ্চিভিবিনেদ ঠাঞুরের পভাস্কবাদ ও তৎসহ শ্রীমনালান্ত্র একটা ত্রিবর্ণরঞ্জিত আলোকিক চিত্র আৰম্ভ হইয়াছে। মুদ্ৰাও কাণজ উৎকৃষ্ট (২ খান) একতো ) ভিকা ৮০ আনা, অভি হরম্য বাগাই সাম্মনংহয়ণ ১ होका बाख।



ভীমন্ত্রজিবিনাদ ঠাকুর-প্রাণিত। এই একমান্ত্র প্রশ্নন্তর জ্ঞান লাভ কবিলে পালমার্থিক রাজাে কিচুত্তেই মন্তান বা সংশন্ন থাকিবে না। পরম গুড় ধর্মবিষয়ক এই-কপ সবল ও হলমুকালী প্রস্থ এ পর্ণান্ত প্রকালিত হয় নাই। মিবিলগােসামি-লাস্ত্র-মহােদবি মন্থনফলে এই প্রশান্ত ভিষিত হইগাছেন। আবান স্তবিস্তৃত স্তানী, কথাসার চঙ্যাদি ধারা বিশেষ সমুদ্ধ করা হইয়াছে। বিরাট প্রথ, সোনার কলে নাম লেখা, উৎক্রই বাধাই—চতুর্থ সংক্ষরণ ভিলা ২, টাকা মান্তা।

# প্রেস্থিবর্ত্ত

শীমনাহাপ্রভাৱ অন্তর্ম গার্যন শীল কগলানন প্রাত্ত বিরাটিত। এই প্রকে অতি স্থাবোধা ভাষার মহাপ্রভাৱ কভিপন লীলাসহ বৈঞ্চবাচার, একাদনী ও নামভ্রম-প্রাণালী প্রভৃতি অনেক বৈক্ষবভরের স্থামাংসা লেখিতে গাইবেন। পান্টীকার হ্রছ স্থানের বিশ্বার্থ ও প্রথম প্রচিরাদি-সম্বণিত চতুর্থ সংক্রমণ ভিন্দা ॥ ১/০ শশ আনা মাতা।

#### ভজনরহস্ত

ভন্নকারীর নিত্যস্থী; ঠাকুর ভক্তিবিনোদের অসুখ্য দান; নিখিণ শালের নিধ্যাস। একধানি না দেখা প্র্যান্ত কেহ বুঝিতে পারিবেন না। ভূতীয় সংশ্বরণ ভিক্ষা ॥•।

# হরিনামচিত্তামণি

নামাচার্য্য শ্রীণ হরিদান ঠাকুরের মুখে শ্রীমনাহাপ্রভূ জালাস-মাহান্মা, নামাভাস, নামাগরাধ প্রাকৃতি বিসম্বের মান গাঁল বিচার শ্রবণ করিয়াছিলেন। এই বিনয় ওলির আন্ত স্বল প্রারে সংক্ষিপ্ত আশ্রস্ক প্রিপাটিভাবে মুদ্রিত। ১৯০ ভাজবিনাদে ঠাকুর-রভিত। প্রথম সংস্করণ ভিকা ৮০

### কল্যাণকল্বভক্

শ্রীমন্বজিবিনোর ঠাকুর-রচিত। প্রভাব ভগবদ্বিশাসী ও জানপথের পথিকের একান্ত প্রয়েশ নিয় উপদেশ্যবনীপূর্ণ গীতিরার। সামান্ত শেষপেড়া থানা ব্যাকেও এই ভক্ষনরাজ্যের উতিসমূহের হারা অনপ্নিতৃত্তি ও ভগবংসেরা গাভ করিবার স্থাবিধা পাইবেন। বহু সংক্রন, ভিক্ষা /:• আনা যাত্র।

### শরণাগতি

শ্রীমন্থ কি পিনোল হার্ড্-রচিত। ভগবানে আত্মন্দণ্, বিজ্ঞান, ভলনগালগণ, বহু বিদা শরণাগতি ও বিদ্ধি-লাল্যা-বিষয়ক শ্রীতিপূর্ণ, ভিজা ৴ে আনা মার্ড।

# গী ভাবলী

শ্রীপ্রক্তা শ্রুতিনিবিনোদ-শ্রেণীক। নিত্য ভলন, সারাত্রিক ভ প্রাধান-বেবনাদি-পিগর্জ মধুর গাঁতবস্থ একতে এথিত। শিকা /• শানা নাত

#### PRESTA

লাগকের মুকুটমোলি প্রীমাধিবনাথ চাফুরিন্তী ঠিকুর বিশ্বতি ও রগগ্রহ । প্রীমান্ত বিনোধ ঠাকুরের প্রস্থাদক্র ভিক্তা ভাষা মাত্র ।



শ্রীনগালাপ্তার শিক্ষা ও প্রীণ রখ্নার নাম কোশ্বাদীর, প্রতি প্রীণপ গোলাদীর উপদেশবাণী, ভঙ্গিপথের অনুদ্রুল ও প্রতিকৃতা বিধরে ভ্রিচারিত সংলাদম ভান্য, বিশ্বত বিকৃতি, চরিতামৃতের প্রমাণ, সাম্বর ব্যাখা। ও মহাজন-প্রতিত ভত্পগোগী গীত্মমৃত প্রত্যেক প্রোক্তের সহিত্য গরিবেশিত তইয়াতে। তা সংযুধুণ ভিক্ষা নি পানা।

# সাধন-কণ

ভীরঘুনাথ দাস গোস্থামীর মনঃশিক্ষা, **ভীন** ঠাকুর ভক্তিবিনোদ-চরিত গভাস্থবাদসক। ভিক্ষা /• স্থানা।

# প্ৰেম্ভ ভিচ শ্ৰিক।

শ্রীণ টাপুর নরোভ্যের স্থাসিদ্ধ প্রেমভাজিবিধাক গানের পুতক। ভিন্ন ৴ আনা মাত্র।

# নবধী পশতক

শ্রীণ ঠারুর ভক্তিবিনেদ দ্বিত শ্রীণ প্রবোধানক সরস্থতীপালের সংস্কৃত ন ন্থীপণ্ডকের প্রধানত প্রায়ধান। ছিক্ষা ৴• খানা মারে।

### ভার্মপঞ্চক

শ্রীল লোকাচায়ারচিত। বৈক্ষবতা-জ্ঞানের আকর পুস্তক। ভিক্ষা /• আনামাত্র।

# সদাচারশ্বতি

শ্রীণ মধ্বাচার্য্য-প্রণীত। বৈক্ষরের নিত্যকর্মাদি স্থাচারা-বলী, বন্ধয়েবাদ সহিত। ভিক্ষা / • খানা মাত্র।

### মণিমভুরী

কবিকুণকেশরী আমনারায়ণাচার্গ্য রচিত। **আমন্তরা** চান্যের সংক্ষিপ্ত জীবন্দীলা ও মূল বৈক্ষবধর্ষমত। সাহ্যান ভিজ্ঞা • আনা মাজ।

# গোরককে।দর

প্রাচীন কবি জীগোবিদ্ধ দেব প্রাণীত শ্রীগোরাস্বভারের প্রামাণাবলা-সংব্যাত সংস্কৃত গ্রন্থ। ভিক্ষা ৮০ স্থানা।

### युक्तिमञ्जिष ( श्वनदमोत्रक )

শীনক্ষণশুদারাত্বণত শীনবাদিরাক স্থানিকত। বলাকরে 
নাজনান এই প্রন্থের প্রকাশ পার্মাণিক স্থাহিত্য-জগতে 
এই সর্বপ্রেপম। শীনন্মধাচার্যা হুইতে ঘোড়শাধন্তন থিতীর 
মধ্যাচার্যা সামে খ্যাত, শীনাদিরাক্ষতীর্থ স্থানী এই প্রস্থে 
সাধারণ হুক্তি ও গৌকিক ভাষাস্থারে কিরুপ স্থান্তভাবে 
ভক্তিবিয়োধি-মহবাদ সমূহ খণ্ডন করিয়াছে, ভাহা পাঠ 
করিতে করিতে আশ্চর্যান্তিত হুইছে হয়। ইহাতে বৃক্তির 
ঘারা চাকারে, কৈন, বৌদ্ধ, মীমাংসক ও মায়াবাদিমতসমূহের স্থার খণ্ডন রহিয়াছে। ভিকা ২, টাকা মালা।

### दगाचामी औन त्रचुनाथ मान

তি বিকুপাদ শ্রীণ ভক্তিনিভান্ত সরস্বতী পোরাইছি প্রতিপাদি-লিখিও ভূমিকা সহ ) গৌরপ্রেট স্বর্গ-রাপের প্রকর্মান্ত বিরেটক শ্রীণ বাস পোসামী প্রহের স্বপূর্ব তিরিভার্টত ও লিকা স্বতীব প্রাক্তম ও সরল ভাষার বার্নিইছি প্রবিশ্ব পরিলিক্তে দানগোসামী প্রভেক বিরেটজ ক্রেকটা সাম্বাদ সম্প্রতম ভ্রম্ভ মন্যলিকা-ন্যব্যিতা ভিজ্ঞা বার্হিন স্বাদ্ধান সম্প্রতম ভ্রম্ভ মন্যলিকা-ন্যব্যিতা ভিজ্ঞা বার্হিন স্বাদ্ধান মন্ত্রতম ভ্রম্ভ মন্যলিকা-ন্যব্যিতা ভিজ্ঞা

# চিত্রে নবন্ত্রীপ

প্রাচীন নবনিশের অবভিতি, তথা, ঐতিহ, শ্রেত ও ঐতিহাগিক প্রান্ধলালক নমনিংলীপের সমিক ্রিনরণ-প্রায় এম. এ, প্রাপ্ত (লাহেছে), মেলাক্রণ নছোর কর্মক সমানিত অরং, ৪৭ মানি, বিভিন্ন বর্ণের প্রশ্ন ক্রিক্র সমানিত্র-সমানিত ও প্রান্ধলালক ক্রাণ্ডের বিশ্বক ক্রিক্র নথের নাথ রড় বিশ্বকোরসম্পাদক ক্রাণ্ডের বিশ্বক ক্রিকা নহাল নাথ রড় বিশ্বকোরসম্পাদক ক্রাণ্ডের বিশ্বক ক্রিকা নহাল নাথ রড় বিশ্বকোরসম্পাদক ক্রাণ্ডের বিশ্বক ক্রিকা নহাল নাথ রড় বিশ্বকোরসম্পাদক ক্রাণ্ডের বিশ্বক ক্রিকা

्र माधक-कर्भमामा 🗼 💥 💥

জ্বনন্দনা বৈশ্বৰ-ৰশ্বনা বৈশ্বন্ধন্ধ, বালাবের প্রতি,
শ্রীনামইট, প্রীণন্দাপ্রের অপ্টোত্তরপত নাম, প্রবাহর
নামকার্তন, শ্রীনামগরীর্ত্তন, প্রেম্বর্দনি, 'বাউলগরীত,
নবরীপ-মতিমা, শ্রীনারাপুর মহিমা, শ্রীনরোক্তম-প্রতুক্ত জিকা,
শ্রান্তন্দনা, বড়ংগালামীর অইক, প্রেমভ্জিত জিকা,
উপদেশমালা, নামভক্তন-প্রাণাশী, মহাপ্রের ও রার রামানন্দ
সংবাদ, মনংশিকা, শ্রীন্তর্প্রতি, শ্রীন্তান্ধনার নিভাগাতা,
বিশ্ববর্গণের কথাপ্রিত পুন্নীন্তার স্তার অভ্রকণ কর্তে
পারণবোগ্য অপুর্প গ্রহ। ভিকা । প্রাণাই ৪০ মান্ত্র।

### গোড়ীয়-গোরৰ

কৰিকভাৱ কথা ছি আগবাৰ্ট হলে পৌড়ীয়-সন্দাদক শ্ৰীপান জন্মরালন প্রতিদ্যাবিলোদ-প্রান্ত বস্তুতার বিনয় গ্রন্থকারে প্রকাশিত। উহাতে পৌড়ীয় বৈক্ষমসম্মাহেয় ইতিহাস ক্রাকারে গ্রনিত চইয়াছে। ডিকা ৮৮০ সালে।

#### া গোড়ীয়া সাহিত্য

কলিকাভার ক্রেসির আলবার্ট হবে গৌড়ীর-সম্পাধক শ্রীপান প্রকারনান্দ প্রবিভাবিনোন্তার প্রেছ বক্ষুভার বিবর গ্রন্থানারে প্রকাশিত। ইহাতে সাহিত্য-শলের অর্থ এবং গৌড়াম-সাহিত্যের বিষয় স্থাকারে বর্ণিত হইরাছে। ভিকা ।৮০ আনা মাত্র।

# **ब्रिट्योक्ट्रक्क शक्तिक्रमा-वर्गन**

শ্রীবেশিত আছে। ভিক্লা। আনা।

# THE HARMONIST OR SHREE SAJJANATOSHANT

প্রিক তাজিবিনাদ-প্রতিষ্ঠিত এবং শ্রীক তাজিবিদার্থন করে।
বিভারসর্বতী গোলামী প্রতুগাদ-সম্পাদিত পালামার্থিক
মানিক পরা। প্রকৃতি ইংরাজী ভাষার প্রচাবিংশ বর্ষে
ভবজালাউন চ গোলা করা প্রাক্তার প্রাক্তি ভাবে বরিমানের বিজন-বৈদ্যালী প্রকৃতি উল্লাদি সামীর ক্রিক্তিছেন।
কাপল, মুক্র-পারিপাটা ও ভিলাদি সামীর বিভাগর্ক।
এই প্রকার উৎস্কর প্রবন্ধ পালা ক্রেটার মানিক প্রাণিতে
বেশিতে পাইবেন নাত্র নামিক জিলা ভারমান্তব্যস্থ ক্রিটার নামাত্র

क्षाक्रिकाम् -बिटक्कमं (नाः बिमानामुह

# শিশবৈশ্বব রাজসভার গুদ্ধভাতিমঠসমূহ

# নীতিত্বা মন

মাকর মইরাজ

ें हो होते अवदीन, कामचत कीशाम मातालूत, समीता

জ্মিষ্টায়ে গশ্যি চৰ্চাক ভাৰ ০০ পদ্ধ উদ্ভৱ-পূৰ্বে প্ৰীৱন্তপদ্ধৰে আচাৰ্যাৱন্ত প্ৰীচ্জ-त्मचन-कन्द्रस की किट्रेल कुछ मे विद्यालयान ।

बहें छान आदर्यत्र-शिर्ध, गर्दानकाशीठ ना माफ्क फक्क क्रमी । यह प्रशाकी के क्रिक मधामुक मान्य-पानि-देवेशक्षमम्ब, भवविश्वास मधामिक कावा, माहेक, काकास, कथा । काहानावर्षित वावशीत अञ्चलातास्म समाप প্রমাণ-উপানিষ্ঠ-প্রতিন্ত্রিক হলান-চতুর্গের মাণারন ও মাণাগনা এবং ভগার আঞ্জন বঞ্জানিত হটলাছেন। পুথিবীর সম্ভানিক আলিবাস-প্রভাগ এই সন্তালর এমবিল্ল-পাত্ম অভা-পিত্তিমৰ বা মানুত সাম্প্রাধিত-আচাবা-চতুত্ব উচ্চালের উপাত্ত কটতে 'গোড়ীয়' সাজ্যাতক পত্র, লি ক্রম্মানির সভিত্ত টারাভী ভারাত मच्चवारमञ्ज्ञां शका । एक व प्रशासीन खाइयाकि शास्त्र के विदेशा-शाकाम् गत्र लग আছিছ প্রাক্তিন এ প্রতিধ্বনর জীগাস-প্রিক্রমাঞ্জান ও অগান্ড ভক্তগোট্টন্ত। এইক্রেক্ত--আচার্যাত্রিক শ্রীপার কুরাব্চারী বিভাল্যণ। সহকারী –পৃত্তিক क्षेत्रचन्नम् सम्बद्धानी, अभिन्नभाषाना तम्बद्धानी, एक नात्स, अर्थनन, त्वनकीरमास्य कार्य मक्तमान ।

ु जिल्लिकारो और प्रक्रिक्शनीय कीय मधादास स्थातन हरिक्य नीर्तन विद्यालका । जसाती श्राप्त है।

· (৩) ৰোগণীত আমন্দির

🚅 थान व्यक्तिमधार्थामध्यव घटन व : श्रीभाषा । अस्य व्यानिकान-कृषि भवर्षाः श-विवादांशक क्रीट्यांत्रमा वाक्ष वर क्रीटेन्डमा े 🛊 श्रिक्षाकृतकात्र निकादमना छवा श्रीनक-### ONE TENN | 35 --- (875-ামাধান্ত লোজানী কৃষ্টাচার। আড় আনমা-'बाब । अन्काकी , खिनिकानिक तकारी, (मना । इक्क----व्यः रहतान अक्कारी, कक्क अक्रामधित्यःम कक्रिकृतन, छीवांभवाग अम-हाती । क्षेत्रायनमात्र व्यतिकाती, व्यतमन्त्रा Beiseau :

(B-) @417-WEA क्रियाका शास्त्र की खेन-विमान वा शिक्षोत्रजीवात कामकृती । जनारन अधिकांत्र-विकाशमा । क्षेष्ठ एवत्र दशना वस्त्रमान । 

( । ) चाटेचक-करम

बहे द्वारम श्रीभटेषक श्रमुक अवन व्यवर क्षा प्रथमान ।

क्षण्य- श्रेयदेवडामण यानाविकाती, **ब**र्भाष्ट्रमधान वादाची ।

ु(क) काक्षोत्र जनावि भ हे · । अवस्थित प्राप्तालयः, व्यवस्थासम् (नशीया) **किट्योडंक्यालाक जिहार काशीय मयापि !** ः अक्षम् — समान्यतिः विविध्यपिकाशे । (4) **WINE WIFE** 

🌯 🐪 📆 देशकाय, चळनगळ ( सरीवा ) ्रवाद्य देविक्रमान क्षेत्र कक्तिनिरमामहाकृत्यक nuife war Mentenerun war Allenti-आब्द्रेश (नेश प्रच्यान

क्षक-क विक्रूपत काकाव वयहाती क्यांक्षी वन, वन, वन

৮ शिक्षशङ्खाय दशीकीय सर्व यक्रमनशिक <u>।</u>

ा क--- देविक्षत्र क्रिक्षणांश्री ब्राम्, जा. नाडी. धेरेकेकम याचवारी लाखांका

(D) शिटगोद-गमाभव-सर्वे টাপালটী, সমুদ্রগত, ( বছমান ) क्षण वालीमात्मक क्षांतिष्ठ क्षांत्रश्रम्भव-क्षेत्रशास्त्र माग् ।

। ১ • बीक्र श्रदशोष्ठी ख- गर्फ बाराशक, श्राप्तात हुते. लि क्ष 🎟 — डीर्क दिशाम खन्नाही, महकारी — चीमार्ख्य व अक्षानी ।

( )) **(** ) ( ) भाक्षिताक, क्षात्रश्चर, क्ष्माना व्येक्षामान राह क्रेक्ट दुव्यानस्म सम्म क्ष्मक--- श्रीवहांब काती बक्रवाती, कर्क मी-स्थाम ।

(১২) कांगवक व्यानन 🕮 नाभव ठ (त्यान, अक्कनभाव, अक्रीका । काशव किलास अकावगीक टाठाव-दक्ता। अंक रू-- विक्रमामक अस्तारी कांक नायी

हेम महाकृति ( ७८ ) ८शाविलागुण, श्रेंग्यानी, सहीहा । - প্রতিষ্ঠ রপ্রতারী, জীপণগৌর লাগানিকারী, - শ্রীপরেলাভুডৰ রপ্রতারী, - শ্রীবালবানক क्रेमञ्चनाथ भारत, कक्ष विश्वनाथ

( ১৪ ) श्रीभाष्य-८घोष्ठीच वर्ड अञ्चर सन्धान पूप द्वाकः, हाणाः। नुर्वश्यक क्षेत्रात-१०४, व्यवास क्षेत्रक-(श्रीक्षक भाकसा-शिक्षित्रक दयदा वर्षमाम । swa-Buluique awain, **वि**शाप विष्यक्षांत्रम् नक्षतिष्ठः तिरतार वि- व, श्री आप- विष्यकारी श्रीविधिविद्याती ।

(২) ত্রীগোডীর মঠ

১৬ मः वाशिक्षमाप एकवन्द्री हैकि. (भाः वाशवाचात्र, कशिकाना । छिनियमान वि. वि. 8558

প্রীমন্ত্রাপড়ার প্রচারিত জুনিখন ওকিশ্র-প্রচারোলেশে গোড়ালেশের গঞ্জ পথান মধুরী খলিকান্তার শ্রীক্ষিবিলোদ আসনে প্রীমঠ প্রতিত্তিত আছেল। এই ভক্ত-मक्यां बादम की श्रक्त-त्रां बाक-व्यविदनामानन की छे मनाबंदम निका त्राविक बन । त्रां श्रीप শ্ৰীমন্ত্ৰাগৰত, শ্ৰীটেচভল্প-চল্লিভামু-গলি-লীলা ও ভৰগ্ৰয়ের স্বাক নালেচেনা চইত্ৰ कोर्क्कनं व्यवस्थानुतन महामद-द्रश्यक्ति कक्षाण क्रकक्षिक व्यक्ता चारक। व्यक्तक-अवक्षात्री श्रीलाव अवस्थानुतन भवविद्यानुतन वि-व. नीलाव वाध तथावी अक्षकाती. श्रीलाव श्रीमान मक्कश्रिकी। मक्कश्री--- श्रीमान विद्यानिकारी, पश्चित श्रीमान श्रीमान । जनक्षाक्य नामानिकारी, विन्त्र, श्रीमान क्षरामान नामानिकारी, ব্রহ্মচারী अवकारी कामावाकत्वपरीया, व्येशाव रीतक व्यकाती. श्रीशाव समावाशा वयकाती. औकीवनामम, तकाती तीशातीत्याका, ववताती तीयाका, विक वाशाव नरीसक्रक गर्हिकांगकात मध्यमाध्देव अनावार्याः, ज्ञेष्यद्यक्षामयामाधिकाती नि-०, क्रीक्रवमक्षमिक्ष यकात्री विन्त्रका, श्रीवरूपम काश्रतकारिय, श्रीत्यक्षद्र ब्रह्म : वी. श्रीवन श्रतारिक

> शोब बष्कारी, वैननश्रीगत्र बन्नारी, এপভিতপাৰম ভাল ।

८५: अधिया भागणी वर्ष जयमान्य म् हाकः। গোপাশলীর জীগিপ্রফের প্রাচীন সেবা भक्क --- विश्वासनायम तक्कारी ।

14) Anere-correr as ত্তি ছক্তি প্ৰজাবিদী সভা, বাণির টি ভাকা এবানে গোরসেবা বসন্ত । বজ্জ--द्येजवाडे-(जोद्रात्वद निष्टा स्मरः विकासकीनाथको, क्षी कामन वक्षतामी । रक्क-कीर्य बच्च उच्छात्री, द्यापिकान ব্ৰহাষী

(১৭: अकाभवक्कमानक मर्द्र किक्रमिश्, नाष्ट्र(वर्णव, द्रममिनी प्रतः) ध्यादन नी पुक्र-(श्रीवाण-गास्त्रिका-গিরিধারীর নিভাবেরা বস্তমান। রক্তক---बणवाणी व्यन्तवास्तानको।

(১৮) ভাষলাবোড়া এপরাশ্রের याध्यवीम द्याः रह्मान ।

खी धरानीबाज-खीनास्विका निविधात्रीत निषारम्या अक्क-त्रवयामी **छै**।विfermie :

(১১) जैनुक्रसासम् गर्छ

पर्वकात, पुत्री, अस्तिमा । बबाम क्रिलोब-विस्मालयाम्बकोब लिङा-ব্যধাৰ ব্যধান। রক্তক--- ব্রশ্বচারী শ্রীপর্যান। Am fariist. Bubial Baginiam. अपहानी, एक खीनियाँ ।

(६-) बीलच-ट्योफीय प्रदे बाजरवनाय, अवस्थिति द्याद, नवी । भगवाष्ट्रवरमञ् व्यवस्था भगदा विश्वस्था अकृत व्यवस्थात । इत्यव-व्यवस्था विषयाचेत्री भागामकी। नवस्थी---

#### (२১) 🖺 ज क्रिका सम्बद्ध हें भिताताण: a, कहेक ।

Matta Bar-ingin-futaten-कीत (लक्षात्य) वक्षमान। तक्क---बष्काणी भोगवार । स्रोतायनव बष्कताबी

(२२) ड्यामसाळस-त्योजास सर्वे अन् अश्रकात्नभूता, काली । (वो ४- यमा अयुक्तः सन्धा सन- विकासना ।

(2 to 20 25 (a.e.) अन्तिरहस्य क्षाः अभाव वृन्तावन । के के नावान्यक द्यान लोक दलवा ।

রক্ষক---জীগণপতিনাৰ এক্ষরতী

(২৪) 🕮পরমহংগ মত रंगाभगावना, श्रीकाशव

∡पारन केठःशब्द भाउनामा **⊕** चित्रोर विस्तार विमानकोड स्मा बस्त्रभागः रशन्य -- अक्ष5ादी श्रीन गरहानक व बक्रहाबी श्रीनम्बर्भागः ।

(२०) औदेहरुष्ट्राक्षीय यह

पृत्रकु था, छित्रकु था. भागकृषः वेश मोटे० 8 क- भट्टा वाता। दक्क क--- मीत्रमा-नाथ काक, ज्ञारकत्यानक अवतःही, जीकाय कीचं अस्याधात्रमा

(२७) ब्राम्डमीक्रीय मह

कुम्राक्तव, बारमध्य, कवाव । अभारत औ(जोबांबरनाम-बार्यक प्राया बख्यान। वक्क-विकाशी विकासना, योगनी-रमाभाग सम्वामी

(२५) खावनगाडा अग्राखय-वर्ष ब्राक्ष्यभाषाः, (भाः माज्, कावषाः

क्षार्त व 🌡 😇 क्ष्मांके 🕮 दशावारण व 🗸 📆 वस्याता वस्रक--अवनामी खोळावक्रक-काम, हो अपवास समाजा की।

(२৮) क्षि अगक्षेत्र मठ--कान्याकक ent (Mille to With Con, fait freit 1 प्रकर-विकास जैपीयक, जीकुम्पान्य <u>श्लीका साथक नहस्त्र नहस्</u>

(२३) द्याप्राममाना सम्बद्धाः वक्क-जवकाती बोक्समध्यक

## **इंडिटाटम क्रथीरहरू काकारका** চারিটি গ্রাম খেরাও

গত ১৮ই জুনের সংবাদে প্রকাশ, **মহ** দুৰ্গা ও সশস্ত্ৰ পুলিম বোঝাই ৫টি মোটরলঞ্ এবং সরকারী স্থামার ১৫ট জুন রাজিতে বোগালনাতি পানার মন্তর্গত 🚉 পুরুষ্টি অভিমূখে মন্ত্রা করে। প্রাসাধ, कर बाहिनी लिशा श्रीलुब, देवाईलुब, धुरन ও কাতুনগোপুর গ্রাম এবং পাহাড়ের निक्रेवडी श्रान्छनि पितिया दणल, ভাহার পর অস্তাগার আক্রমণ মামলার পলাতক আসামীদের সন্ধানে গৃহে গৃহে থানভিন্নাস আরম্ভ হয়। কোন ব্যক্তিকে গেই অঞ্জ হটতে বাহিরে আসিতে দে হয়া ্হর নাই। আর একটি জীমারে ভিলা ম্যাকিট্রেটও সেইখান অভিনুথে যাতা करत्रम । श्रुविममन एवम ७ मटरत स्वितिश आत्म नारे।

বোগাল্যালি থানার অন্তর্গত খ্রীগৃত श्रुर्थमृतिकाम प्रक्रिशात नाम व्यविभिका ্পন্নীক্ষার উত্তীর্ণ এক ছাত্রেকে রাননার নিন श्रुविम ध्याचात क्षिमाद्या গ্রেপ্তারের সময় ভ্রেপ্কু প্রেল জরে -ভুগিতেছিল। পুলিম ১২েকে ছা.ড় করিয়া নদীর ঘাটে কইয়া যায়। সেখনে হইতে আপুর ম্যাণেরিয়া নিবলেনা স্মিতির এক্জন ভাজারের সাহত **क्षाहरक** भइरत ग्रहेश कांगा स्य।

া ১৬ হছতে ২৬ বংসর ব্রনের হিন্দু ভঠিলোকটোর অবস্থা লোচনীয়ে ইইয় में (प्रार्टेश्राट्ड) स्याः (त करा करा 114 मर्म मरप्रदे किलासिक हो । १००० राजन क विष्ठ द्या

## मुख्न यष्यञ्च भ(मण)

**এक क**नत्रव छना गाङ्गेट्डट्ड् रगः, नायह চট্টপ্রনে একটি বিরাট খড়বন্ত মামলা আরেও ६६८व अवर तह यूवक त्वह मामनाम कांक्ड धाकित्यन। छन। श्रिमात्क द्य, द्यान এপ্রভারের স্থীকারোকের ফলেই এইরূপ ব্যাপকভাবে পানাত্যাশ ও ধর পাক্ত RECORE 1

### কাথিতে আনার গ্রেপ্তার

ভগৰ,মপুর থনোর পুলিষ গভ ১৬ই স্থান কাকার, চারছোট কংগ্রেন প্রক্রিন कामा निया कि निवश्य गाहा भारताछिल, मन महिन्दी विवास । मानिना जानावाड শক্তোন্ত কামজ পর্যাপ্ত ভালানা কেলিয়া याय गाइ। धाकान, करर धन व्यक्तिमित **ভाषाऽ**ी (मध्या धिम ।

कल १. १ **क्**लिया अस व्यक्तश्रद्ध कर**ाश्रद्ध वे**श्री व्यविष्ठ धरातार्थं मारुत वाजीएक भगवन कर्षा 🛶 🌉 श्रिकात्र करू का ही व क्रिकार वाजीएक स्थान ভাছারা ভাটাকে ত্রাপার করিয়া হাজে ক্রেলা ক্লেট্রেল ভিক্তি প্রথিমানের বে, ুছিল। . व्हरू क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट विका वामास **व्यक्तिक क्रिक्ट** कार्गः क्रिक्ट क्रिक्ट

MR Course with the company

गरेश गा। धाकान, जानक हरे बद्धान নামে ব্যেপ্তারী পরোরানা ছিল।

গত ১৩ই তারিখে ভীমেমন্ত্রী শাখা কংগ্রেস কমিটীর অদিসে পুলিসের খানা-ভলানের দময় সভাপতি ব্রীণ্ড বরেজ-নাথ দাস ও আভতোষ মাইতি গ্রেপ্তার इन । जानीर मञ्जूमा महाबिएहे हैं 'डीका-দিগকে জামীন দিছে অস্থীকার করিয়া-

## খানী হত্যায় জীলোকের শীনী

অন্টীয়ার বড়াপেট সহরে চার্কন স্তী-लाटकत भागी कहेगा भिगाटक । श्रीटमॉक ছইজন ভাগানের স্বামিগমণ্ডে বিষ্প্রয়োগে इंड्रां क्रिय़'इन ।

ঘটনাৰ নিবরণ এই যে, একজন ধাত্ৰী সীলোক গুটাকৈ বলে 'ভোমারা পুর मद्दर्भ भूषापत हाछ हहेर अन्योक्ति পাইতে পারিবে। ভোমাদের গুরুষ-खिलाक हाता। कतिलाहे (धामारमञ्जूषां) সিদ্ধ হইবে।" জীনোক গুইটি ধাজীয় পরামশাহুপালে নিতেদের স্বামী ওপুত্র ভিলিকে হয়ে। করিতে খারত্ব করে। এই বীভংগ এবং এমাত্রহিক ঘটনা কর্ত্রণকের পোচর হৃহণে ১৯৩১ অংশের ভাস্তরারী মালে ০১টি লীলেকে এেপ্তার হইয়া শিচারাণ জেরিভ হয়।

द्धरे ७) बर्गत भर्गा क्रांक्रजन স্ত্রীনে ক থালান পাইদ:১৯। ক্রেকেলনের ৩০ বংগর প্যান্ত কার্যান্ত হ্রয়াছে ৷ ध्वः क्षड करमत कार्योत एकम इहिमाटक ।

#### क्रमध (भार अत्र मुद्धादम्ह मना क

अक्षरमात जिलद्भारम या काश्राम क्यामध इहेग्राट्ड, 'टार्डित हर्ड करनत नाम পा नग्र গ্রিয়াছে। গার্ণ্টে বন্দরের একটি উচ্চ-স্থানে মৃতদেহ গুলি সারি দেওয়া হইরাছে। 🝐 মৃত ব্যক্তির আদ্ধীয়েলা আগিয়া ভাগ-पिश्रंक भगाक कतिरत, **बहे वावहा** क्देशास्त्र । तानका क्रियार्थ भटि, किन्त । श्रृक्षार्थ । ছবলতে যে, সহত্যে ভাষাদিগকে চিনিবার বিশেষ **আগ্রহ প্রকাশ করিতেছেন।** উপায় লাই।

## রেলুওয়ে কারখানায় সভ্যাগ্রহ

्र अस्तिक ७ भक्ति भावकाष्ट्री (वरा अस्पर भारताचुराष्ट्र अभारत्याचा द्रारा व्यक्तिक धर्माया आंश्रक रहेग्राहिन छारा धन्न छ हिन्दरह। अभिक्ता कात्रनामा अद्वा कृत्रिमाहित वृद्धि, क्रार्क्सकाश्चाका व्यक्ति त्यानमान करत ु माह्य । अवस्था सम्बद्धन किन दम्भा । नकाना

অভিনৃত্তি পূত্ৰ পাখন করিয়াছে ভগু ভাষারাই করিখানায় প্রবেশ করিতে পাইবে। অভিকাংশ শ্রমিক প্রতিশ্রত-পত্রে স্বাক্ষর করিয়া কারখানায় প্রবেশ कतियां हिल, किन्त काशामत मध्य आधित কেছ কেছ পুনরার সভাগ্রহ করিছে আরম্ভ করিয়াড়ে: প্রকাশ, বর্ত্তপক্ষ খির করিয়াডেল এন, শ্রমিকরা যদি মতি পবিবর্ত্তন না করে, ভাষা হইলে ভাছারা কারখানা বন্ধ করিয়া দিবেন।

## गाण्यकात्रिक प्राचात (बार कानीए प्रदेशकात्र करतात्र मख

গ্<sup>ড</sup>়>৮ই জুন বার:৭গীর সেসন **জ**জ পত কালী সাম্প্রদায়িক দাসা সম্পর্কে অভিযুক্ত নটে এবং হরিছরকে দোষী স্বাস্ত ক ্লাম্ ভাহাদের প্রতি ভিন বংসর স্থান কারাদও ও একশত টাফা कतिया व्यर्गन एउन व्यादन मिन्ना दिन । ছরিনানা অন্থামে ভালাদিগকে আরও ভিন মাস করিয়া কারাদণ্ড ভোগ করিতে ২ইবে।

## টাদপুর মহিলা সভা

টালগ্র মাত্মজল স্মিতির উত্তেপ্র বাকলিয়ায় একটি বিরাট্ মহিলা সভার অনিবেশন হয়। ১০ বংগর বয়কা ভীগুকা আনন্দ্রী দেবী সভানেত্রীর আসন পরিগ্রহ করেন। শ্রীদুক্তা বিভাগতী যোধ বর্তমান রাজনীতিক আনোলনের इंडिशन ८४९ देशन लाजि बिक्शिक्टिश्व কটব্য শ্রুজ বর্কুত। কল্পেন। তিনি শ্রেণ্ডমণ্ডলীকে চরকায় স্থা। কাটিয়া বল্ল বন্ধন করিনে অস্থরোগ করেন।

चानीय महिनानिध्यत्र मध्या हत्रकात्र वर्ग व्यवस्थित्या महिमात्त्र हेक्क्ष যামী বাকলিয়া মাতৃমস্ব স্মিতি নামক একটি নৃত্ন মহিলা সমিতি গঠন ক্য়া क्राज्यात कार्या जाव মুভলেহগুলির হাত পা ওতই বিকৃত নিয়োগ করিবরে হাত স্থানীয় মহিলাগণ ;

#### ১৫ মাইল সত্তরণ প্রভিযোগিত।

যথাতি বেনার্য নিধিগ-ভারত ১৫ म देण मध्यम व्यक्तियाणिका इदबाद्य। (वनात्रन प्रदेशन इंडेनियान आर्युत्र जीवृष्ठ वाद्यप्तव हजनकी ७ विनायम मीन वर्ष नाष्ट्रात्रम्यादवन्न मिठान्न महाना यथाक्रारम আগম ও ভিটার স্থান অধিকার করিরা-ছেন। গছব্য স্থানে পৌছিতে প্রীপুত ছ্যাবভার ৪ খণ্টা ১০ মিনিট লাগিলা-

## **क्षाका महीप्र मृद्धिम कनकाटसका**

भागीमी '५७३' ७ ३२ई क्षाहे छाहित्य চাৰ্কার ব্ৰীর মূরিন কমফারেশের অধি-বেশন হইবে ছিন্ন হইনাছে।

নিবিলভারত মুরিম কনফারেলের कार्यानिकारक नविधित भाष गांत महत्रान ইক্বালকে সভাপতির আসমগ্রহণ ক্ষিতে षामञ्जा कन्ना श्रहेबाट्य ।

### वर्षा देवर्डक अ

বর্মা বিজেহের আলোচনা করিবার विशिष्ठ देश के विशिष्ठ कवा হইয়াছে। ভারতীয় ও বৃষ্টিশ সরকাল্পের मरभा **८**ই विषय गहेता छर्क विश्वासम्बद्धाः रेनठेक एवन कंटन मनिटन, खादा क्रिय स्व লাই। খুব সম্ভব সেপ্টেম্বর মাসে ক্**র্**ন त्नाम टक्रेबिन देवकेक, क्रिक त्मेर नमरम **८हे रेवर्टरक्य ७ व्यभिर्यणन इहेरव** ।

### ম্বতানদীবিতে সদপ্ত ভাকাত্মি

গোষাট গানার অস্তঃপাতী ক্রগতান-দীঘিতামে এক সশন্ত ডাক্ডিড কইমাছে বলিয়া দংবাদ পাওয়া পিয়াছে। ভাক্তরা मशास अभागात कार व रामात होका महेशा क जारा विश्वारक । मरवास्य व्यक्तान গত ১৩ই জুন ডাকাতগণ ক্তক্ঞালী चन्नाचा नहेगा উक्त ख:स्मन क्षेत्रकच दुष्ट्रास्त्र वाफीटड नट्ड ध्वर शृट्डक व्यविवासीनिशहक ভয় দেখাইয়া উক্ত টাকা লইয়া সন্ধিয়া পড়ে। পুলিখের কোয়ে ভদস্ক চলিভেছে। ভবে এখনও কোন ডাকাভের সন্ধান পাওয়া যার নাই।

## সিরাজগঞ্জে ভীম্প দ্ভিক क्रममदन युष्ट्रा, बाकात शूक विकास लोन पानी गुरुरान

সিরাজগঙ্গে ছডিন্দের মবস্থা অভ্যস্ত नियात्रण रहेवा छठियाटह । ठात्र नीहिंह थानात कनमाधात्रावत्र कृषिमा दिरमव লোচনীয় হইয়া উঠিয়াছে প্রিশ বিশ हामात्र .गांद्यत्र गुर्द्ह भन्न गाहै। जी शूज भितात गरेवा तकरण अर्मभारक **पारिक** । কোন কোন আমে ইভিনগৈট লোক वाहेटड मा नाहेगा माना शिवक्षह । वा ছেলেকে বিজয় ক্ষিতেয়ে, খ্ৰী ৰাজীয় গুড় পরিভাগে ক নিয়া ত নিয়া। বাইতেছে। aनन अज्ञन शेक्षिमारकः श्रेषु वाविरत्रत 对技術的 医慢性心脏切碎术 化键印度器计 與不管司 প্রাতিবিন্তু, কার্যা, জুনিকর্ত্তর, প্রত্যুত্তর ern Cherce

familykan als distr aft tio ), WE WHE OF ুলিকি কলম ২১ Dim nali



ভাষতের সম্প্রত বছল-প্রচাত্ব---নদীয়া ডেলার একমাত যুগ্পত

मागरयात्र इति व्यक्ति द्वान दवन वासिक 🛌 यामाधिक 🚓 (व्यामिक २५० मानिक 📐 2 717 थांडि मध्या ,a

৬৪ বত ]

मक्नामक--- श्रीकाठी स्मेनाथ वरमग्राभाशाश रवमास्वाहन्मिक

ঠি৪তম সংখ্যা

আটেভখ্যমত জিলাম মাধাপুত ৮ই আমাড় মফলবার ১০০৮, ২৩শে জুন ১৯০১

নানা কথা भाखिशूत्र जःवाष चानि देन्नाम नादेखिशी

भाखिभूत व्याशिहेन्याम माहेटप्रतीय ৰাৎসন্থিক ক্ষয়োৎস্য বেল স্মান্তেরারেয় সহিও অসুন্দার হইছাছে।

## প্রতিকৃতি উল্লোচন

এড ২৪শে জৈটে য়ণিবার অপরাচ্ন en- পটকার সময় শান্তিপুর নিউনিসিপাল क्षार्म भन्नाम गण दक्ष व्यापन मूट्या-পাণ্যার মহাপ্রের স্বতিপূজা ও অভিকৃতি **উটোটন উপললে এক সভার আ**রোজন ্ইরমাছিল। 🕮 ফুক্ত নশিনীমোহন সাম্যাল **এম্ এ, ভাষাভত্তর মহাশ**র সভাপতির আসন এখেণ করিছাছিলেন। বৃষ্টির জন্ম **८७वन लाक नमांगम ६४ मारे।** 

#### बाखां ७ जारमा

া পাবিশুল খাইৰোলা পাড়াল ডাঃ বিশয়লন বাণ্চি সহালায়র বাড়ীয় **च्याला** - व्याकारिक : व्यवका : ८माठनीय। ही क्षाइमाद्रम्म Cका कवारे गारे। वक संस्थाप अयुवादि सामान। प्रोकाय ··व्यारमा दक्षा मादेह....दब्ध स्'द्वदक्ष । \_\_\_\_

The factor of the first

त्भाग द्वितिहार्देश्वकृता । - 🖙 म्राजिक क्रिक्शिक प्रदेशक में स्वाहित कि कहें , आरदेशम कता इहेत्रारह । এই विरंत में मार्थ असून्य महता अकान — পর এইটা বেগলিও কটা কিল বিশ্বমন্ত্রের নাম্বাক্তিরিয়া । ५.५ व्यवस्था पृष्टि अस्याः वृद्धितः । कृतिकीतः श्रावनाती

# শান্তিপুর সংবাদ

भानटो विन देन्द्रेटक ভाরতীয়ের সংখ্যা রি

# মহাত্মা গান্ধীর উপদেশ

নে হাদের সঙ্গে লাটের প্রামর্শ

# 🛰 কনষ্টেবল গ্রেপ্তার

বিষ মিশ্রিত খাজ ভক্ষণে নাগাসন্ন্যাসীর মৃত্যু

# বন্দীদের মুক্তির দাবী

मिन्नी म'रना मत्यनात (नडी-डेरेनिः **ड**न्

# সিধার সর্ত্তে জহরলাল

প্রদান মন্ত্রীর বার্লিন যাজা স্থির

বাঞ্বি । এই সংর্দ্র পুটেয়া ভারতীয় এই সম্পর্কে নাকি ভারত সচিবকে পঞ্ শ্রমিকর্ণপের পক হউতেও প্রতিনিবির লিখিয়াছেন। সংখ্যা বৃত্তি ক্ষিতার সভা ভারত স্চিবের अ क्षणकाष्ट्रभाषाः क्वारिकक्वित्रभव्द गरमा। वृष्ट्रकात वर्षेत्रात्वन । भिः द्यातित अक्षता । व्यक्तित वर्षेत्र व्यक्तिति गर्था। व्यक्ति

অমিকৰলের মুখপত্ত 'ডেলি হেরাড' পার্ত্তিদেটের টেড ইউনিখ্য পকের্ করিরাছেন। 'ডেলি ছেলাজের' বক্তব্য माम्भान ग्राह्म मुख्या इवि इव छवित्रक । धार्ड ता सूर्व्यत द्यानारहितन देवटक अभिक

২টগছিল। অভিযোগ দুর করি**নার এই** সময় উপস্থিত হইয়াছে। প্ররাং শ্রমিক প্রতিনিধির সংখ্যা বৃদ্ধি করাই মিঃ বেনের প্रक भगीहीन।

### महाचा भाषतित छेशरमन

ভূমিকর বিধি অমুবানী ছুকৈবের দর্যণ থাজনা মকুশের জন্ত মহাশ্বা গাখী" সহিত যে কথাবাস্তা हालाहेटखट्डन, ८न्डे मण्लट**र्क** वानक छानुद्रकत मरमहमत् ५वर गर्ग मामक छ।य ভাষরে পরিদশন করার কণা ছিল। মহাত্মার্কীর সময় সংক্রেপের নিমিত্ত ঐ ममस आत्मन अधिनिति कानीय वाकिनान २ - ८ म खून मक्षाकारम महाबा नीत महिए সাক্ষাৎ করেন। মহান্মালী তাহাদিগকে বলিয়াছেন, বাঁহাদের খালনা দিবার ক্ষতা আছে উছোৱা যেন জাবিলাৰে খালনা দিয়া দেন। বভার এলে ভাহা-দের যাবভীয় শহু নই হট্যা গেলেও গ্রামবাদিশণ যেন অর্থ বাঁচাচশার নিমিত্ত প্রবিক্ষনর আশ্র তাহণ না করেন।

প্রতিনিবিগণ মহামারীর মংশে আভিপাশন করিতে প্রতিজ্ঞা করিছে খলেন त्र, यादालित माना दिल जाहाता है ड:-भूत्रिके बाजना विद्या विद्यारक ।

निर्ज्ञापन धक्छ अवश्र (शालन ক্রিভেলে, যে সমস্ত গ্রামবাসীর সম্ব্রে এইরপ স্থেত ব্যগ্রামা গালী রাজ্য কর্তৃপদের বিশ্বত ভার্চাদের নাম क्रानिएक ह शिवस्थन । ध्वताल, महाश्वासी পাশা করেন যে, বোরদাদ **এবং স্থান**ন্দ **ङानूरकत अविश्व अभवाभन्न विद्यानभू**र व्यात्नारव मीभान्ना श्रहेशा शहरव।

THE PROPERTY OF THE PARTY OF

Day 15 1 Buy 15 1 1 1

ME ARENE WAS

ভোগবাদনা রহিত হইলে কেবল চেডন ধর্ম অবস্থান করে। ভাছা হরি-সেবার कारमा ना गार्ल, जाहा इहेटन डेहा मण्णूर्व মিরর্থক। যে কন্ম ধন্মের উদ্দেশে অফুটিত হয় না, যে ধত্মাণকাম বিরাগপর জ্ঞানের উদ্দেশে अगुर्वेट दशमा य रिवाधार्श्व সঞ্জিৎ-নিকাশ ভগবৎ পাদপল্ল সেনায় নিবৃদ্ধ হয় না, তাহাই জড় বা অচিৎ, জীবন রহিত প্রাঞ্চ মার। স্কায়া অচ্যুত হইতে চাত হইনা ভাদুল লৈক্ষা-জ্ঞান কোন অফল আস্থ করে না। গোময় (मज्जन निविद्याला भाषन कटत, मञ्जनिष्ठी মেইরূপ করে না, সেই প্রকার শতিহাবান কর্মনীয়গণের অন্তর্গত নথর কর্ম নিজ আহুবিক বৃত্তির চরিভারতা সম্পাদন কারিলেও ভোগ ভগবন্ধিসুণ চেষ্টা করণায় নিতাম্ভ অকিঞ্চিংকর।

इतिरमता क्यां ना इदि-स्मनम छान নিত্য অপ্ডেপ্পে ব্রহান। নিতা হরি-সেনা ছাড়িনা যে জীব নখর ভোগ প্রবৃদ্ধিতে ধাবিং চন, ভাগার গেই অস্কৃতান কংশাই চন্য মুখ্য সাধ্য করিতে সুমুর্থ ছর না। স্তিদানন বস্তু ক্তিত অসং অচিৎ নিৱানন্দ্ৰময় ত্ৰিগুণভূষিকায় কৰা ও জ্ঞান বৃত্তিহয় জাবকে ঈশদেব।ভিমুখ করার। ঈশবৈম্প্রই জীবের বাবত য় অশুভ আন্যান करत्र । तमर्रे क्रेमटेनमुशा-टाकाम रेनकका -জ্ঞান ভগৰানের উদ্দেশে হরিসেবায় নিবৃক্ত না হও নকাল প্ৰছে ভাষা প্ৰায় পুৰুষাৰ্থ হরিত্রেমা উৎপাদন কবিতে সমধ হয় না।

ভগ্নালৰ নীমা ১১৯৮ ইইছে (ভয়দশী হইল অর্থাং ভণবানের মহিমার কথ। শ্রবণ বা বর্ণনের গুভি দৃষ্টি না রাখিয়া অস্তু যে কোন জাকার ভগবছহিছাঁথ কবিতে ইক্তা কবিলে তথ্য যে নাম ও কণ বভৰাককপে অবিভ হয়, সেগুলি षाता विकित्त व्हेशा वृक्षि साग्नुत्वरण पूर्वाग्र-मान भ कात छा। कथन ७ दक्षांथा ५ छित्र 医抗人氏性外围 网络叶科目

ভব্ৰােত জীলাবংলন বং এবংগ্ ভব্ৰদিভ তর কণার মহানেশ এইবো দে গুলির প্রবণ- এইতে উপলেশ কলিতেছেন ৷ **হয় ৷ জা**ৰ্য জানি ৮ ৷ তেখাতে বিশ্বের জান্ত (चन **क्यां**न करा, टाक्क अध्यक्ताला भागित्व। भागितासाम्बंद वना ५० ६३.१ 'सक्लिक জন্মজন প্রতীতি কৃষ্ণলীলা সারত ১ইন। সন্বাপর ধর্মধ্বঞ্চিন্দ স্ব স্থাপনিদ্ধি য়ে ধ্যাধকানমোক প্রাভৃতি কাননাকে ফলকপে আন.ন করে, ভাষতে চিত্র বিঞ্জিপ্ত হব। ভোগমরী প্রান্তীতি কথন্ট 'भ्रष्यक्रारास्य भारतम् कतिएक समर्थ ६ र सा ।

হইলে ডভ অধিক শোভা পার না, এই ভাল এই মনদ, এই সব এম ॥' এই गांधन ७ क्ष्म এই উভগ্নকালে থ্যথক্ষণ কর্ম, নিদাম হইলেও ভগবানে সমর্পিত না ইইসে ভগৰছহিশ্বৰ ও সৰ-শোগকভাবহীন হেতু কেন শোভা পাইবে ? ভগবন্ধহান্মাবৰ্নোপলক্ষিত ভক্তি হইতে রক্ষজানই যথন নিক্তি, তথন সকাম ও निकाम कमा फेंड्टाई उपराक्षा निक्रहे, ভাষতে আর সন্দেহ কি অর্থাৎ তাহা বলা বাজলা। যথাহি শ্রীমধ্রাগনভের ১ম রব্ধে এম অধ্যার ছালশ প্রোক্তের —

নৈশ্যামণাচ্যুত ভাববজিতং न ८ चा चर ७ ज्ञानगणः नित्रश्ननम् । কুড়ঃ পুনঃ শগদভদুমীশ্বে न हाभिक् कथा ग्रमाका स्वम ॥ অর্থাৎ নক্ষ নিহাম, ভাগাব একাকার

निक्षं छात्र ভात्रशे निक्षण । कामनामम् ক্ষাণীন ব্যাজান উপাধি নিব্ভুক ২ছপেও Abi Deld ভিজিবিশহত হয়লৈ অধিক ৰোভা র। ভংন সাধন ও সিদ্ধকালে তাথক - কাম্যকর্মা তবং অকাম কথা ও লাল ভগবানে সম্পিত না হয়, ভাছা আবার •কি প্রকারে শোভা প্রি অপীং শহা ,য শোহা পার লা ভারা ব্ৰুগ্ৰা, কেন না উহা ব্যিখ্যী ও সম্বন

#### **म**९म्क

লোবকভাব হীন।

न्नापुष्ट । अध्यक्ति स

মহামান্ত বচিত পেষ্ণালো স্থাপাতিত অসদ্ধিনপিতে যে সকল মবা 'ভাল ভাল' কথা আহণ বা কাঁওন্ত্রী বলিধ। আননাদের চন্ধ্য নিনানিত কবিতেছে-*क्टां*बरकारी कीरतन काममात अनुक्र সকল কথাবভন্ন মনে ভাল কথা বলিয়া मत्रम द्रमार्कत द्रभ देश नेपन करिए छर्छ. यथार्थ हिटेन्सी मानुःन् आभानितास्क छाटा হটতে আছাংকা কৰিয়া দক্ষেত্ৰ রাষ্ট্রে - अतिगांनी जानकपूर्व (अभगत्नत क्रिक्ट) কীঠনে জীব নিত্যস্থানন্দ ইউতে বিধিপ্ত | নিতানেশের করণার বাংগ দিল আর কোন ভাল কথা নাই, কোনও দিন ছিল না বা জানের যে থাকিতে পারেনা, এই গুয়াতম সূতা কপা আমরা প্রম দর্গ- সাধুগণের নিকটেই ভগ্রাদিতর বস্তু প্রতীতি মন্থের ৬ চালক বিশেষ ক্রিতেছি। একমার সানুগণ্ট माजात (१५) १ क "উলেপ্তে द्विश् नृष्टि अनुसूत्रम कान्निशहनः মু ৬বা 1975 नाका छोशास्त्र বাবদায়ের জনিষ্ঠ উংশাদক।

ভগ্রস্থাক সাধুগ্র িয় অপ্রাণ্য ভক্তিখান কল্ম যে বুলা, ভাছাতে সম্মেছ, স্বাজ্ঞিগণ কেই দেখালামী, কেই বা মনো-कळान्ड विक्षुचिकिविदीन ो ब्रामी। "देवटळ च्छाच्छ छान वर भरनामर्थ

বাস্তব বাক্যাছসারে ভূঞ্জি মুক্তি সিদ্ধি কামী অভক্ত মনোধৰিগণ অন্থিরতা প্রযুক্ত সভত পরিবর্ত্তনশীল কুমত পোষণকারী। তাহারা ক্ষণভোগ্য বিষয়সমূহের প্রাভূ অর্থাৎ নিঞ্চে-রাই কৃষ্ণ সাঞ্জিশ বিষয় সেবা কৰিতে করিতে অতিরিক্ত ওদরিকের সায়ে ভোগ-প্রাচুধ্যের প্রতিক্রিরাফলে খাস রুদ্ধ হই:। মৃত্যুমূৰে প্ৰিত হয় :- আনার কাধনও বা ফল্কত্যাগীর পদান্ত্র্যরণে প্রতিষ্ঠাসংগ্রহ ইতাদি স্কভোগের কামগ্রশীড়িত ভাহারা মনোধন্মের ছারা তাড়িত হটনা শ্রীক্লফ ভোগা বেবোপকরণসমূহ দারুণ বিরক্তিভবে প্রিভাগে করিয়া অপ্রিণামদলী প্রায়োগ-বেশন এভাবলগীর কায়ে আত্মহননের অমঙ্গল রাশিকে বনণ করে। নিগুণমনী প্রাকৃতি-জাত বিশয়ভোগলিকা আমানের নিকট অসাধুর মধুপুশিত রুহকবাণীই রুচিপ্রদ त्राध इत्र । भण्यानिधान अश्यक्ष्युडेपासीन्छ। বশতঃ অসতে আস্তিট আমাদের বস্তমান 'অক্সান্ত্রক অবস্থা আন্যুন করিলাছে ৷

সাধুলে ভাল নগেওম ঠা র মহালয় অনার সাহ অসংস্কী জীবের জ্ঞানচকু উন্মীণনের জন্ত কীওন করিয়াছেন,—

িন্দ্রবনে যতন করি ধন তেয়ারিজ আপন করম সোগে প্রান ভূবিছু॥ সংসদ ছাড়ি কৈন্তু অসতে বিলাম। उठ कातर्थ काशिक रच कर्मानककाम।"

প্রীপ্রায়েনর মথন শ্রীপাদ বামানন রায়কে জাবের লোভ লোনো সহকে প্রান্ন করিয়াছিলেম, তথন রাণ রামানক উত্তর पित्राष्ट्रियम —'' क्रक इन्डमण विना (आग्रा নাহি কার।" অধুক্রণ সাধুসক প্রভাবে অবিভাতিমির তিবোহিত হয়। সাধুরুণায় আমরা মরণবন্ধ হইতে জাণ পাইলা নিতা न्दननार्यान (भरा-श्रमनाधूर्व अवस् श्रीदन লাভ করিভেগারি সামত শাস্ত্রে সাধু-সঙ্গের প্রভূত মহিমা গাঁত কইয়াছে BUM ইশ্যবোৱ সথকে আমর৷ কুড় বুকিছে ৷ আর কভটুকু স্বভি করিছে পারি: ক্রিনার कवडे तिमृदेवकाततः अमनगर्भाको हुन : व्हेड নিনিক সম্পূৰ্ণ অনোগাতা সমল শইরাই ! डाइक्स अन्तर । क्लान ७ देवभव कवि की छन ক্রিণাছের,---

"ভাহরে ভাই, সাধুসক কর ভাগ ২ইয়া। (छोतानी गम कनम, समन कतिना सम.

मागठे छल्ल (मर भारेगा

ভগবন্ধও সাধুগণের ভ ফিবস-সপদ চিত্তভূনি জীক্ষেত্র নিত্য বিশ্রামক্ষণী; শ্রীভগবানের ভক্তাপেকা প্রিয় আর কেইই নাই। ভক্তের শ্রিক্ত শীর প্রাবদনে कदिराउट्यान---

'' मायत्या सम्बर्ध माध्नार सम्बद्धम् ।

## प्रदम्शिश भानन मिल्ली दगोकाश्रमदर्भ

গড :লা আবাঢ় ১৬ই জুন মঞ্লবার निवम निউमित्री श्रीकीशमंत्र कार्यान्या छ निकुलाम अञ्जीमङ्क्तिविद्याम श्रेक्ट्सब সপ্তদশ বাৰ্ষিক বিশ্বৰ মহামহোৎসহ সমা-রোহের সহিত অসম্পন্ন হইগ্র গিয়াছে। गढ़ांग्र श्रानीत व्यत्नकश्रीण विभिन्ने वाजानी. পাঞ্চাৰী ও হিন্দুস্থানী, কন্ত্ৰগোৰু যোগদান করিরাছিলেন। উৎসব উপ**লক্ষে ঠাকুরের** কগদুগুরুত্ব ও মাহাত্ম্য কীর্ত্তন, চৈডক্ত-ভাগবভ পাঠ ও ন্যাখ্যা এনং অবশেষে कौर्छनमुख्य अवटराज अञ्चलदर्शमस्रागरक महा-প্রাসাদ বিভাগে করা ইটয়াছিল। এভদর্থে প্ৰম ভক্ত শ্ৰীয়ত নশলাল কুঠী ওলালার সেবাপ্রকৃলা বিশেষ উল্লেখযোগ্য এবং বিক্ষারিশিক বাধারমণ চরণ শরণেব অক্লান্ত প্রিশ্রে উৎস্ব স্থ্যাফল্য মঞ্জিত **७३**शकिम ।

### এলাহানাদ জীরপােডীয় মঠে

ध्वनाश्चाम इटेटल श्रीभाम **मरकापन्नातन** একচারী কানাইভেছেন--গভ ১লা আষ্ট मक्रमतात 'छ विक्रुशाम खेळीमहक्रिविद्याम है। करतान निवाह छित्रमव शिक्रमदशी द्वीप्रयटके মগানি ভি ভাষ্ক ডিড ইট্যাছে। উদিবস সন্ধার পর ≣µ≝श्वाधाविरनारक्रिपातक्रीत कात्रहि भगापनार्ख खननभना, को छन । भारे বক্তভাবি হইয়াছিল। নাত্রি আর ১০টার সময় সমাগত লোচুবুন্দকে চতুন্ধিৰ বস সম্বিত মহাপ্রদাদ বিভারণ করা ইইরাছিল। সকলেই ওঁবিষ্ণুপাদ শ্রীল ভ্রিকবিনোদ ঠাকুরের ক্ষম গান করিতে করিতে মহানক্ষে সহাপ্রসাদ সন্মান করিছেছিলেন।

উৎসবের যানতীয় নার ভার 💐 🗷 বারু शर्मिक हजा रहत वहन कति तरहन। তাহার দেবা-৫5টা বাঙবিকই আশংশাই ध्दः द्वास्थ (गाना ।

### व्यागमारकाष्ट्रा अभन्नात्वम गर्छ

বৰ্ডমান জেলাছ আমলাভোড়। চইতে শ্রীযুক্ত বোগেরানারারণ সরকার **সহা**শর লিখিতেছেন—আমলাজোড়া প্ৰশালন মঠে গ্রহাল আবঢ়ি মঙ্গলবার ওঁ নিষ্ণুপাল পঞ্জন-रः म डीमप्रकिनियान ठाक्टमच किर्मान्य डें भगरक अक्डी विश्वक मरहारमस्वत्र व्यक्तान হইগাছিল। সন্ধান্যত্তিকের ুপর 📵পাদ হরিকিলোর প্রাক্ত প্রায় ১॥ **খন্টা ক্রাল্য** ठाकरवत উप त हिंद्रकत्र <sub>व्य</sub>विवश्रः माठ করিনডিলেন, পরে কীঞ্চনাদি ভঞ্জির व्यव व्यवस्थित रहे । । एरशस्त्र न्यान हरे लक युनक, रामक, दुंध - ७ द्वीरमाक्ट्रक्<sub>थ</sub> विक्रिक महा-शामान विख्यान समा हरेनाटक 🖂 🛍 लाग ধতিরাক প্রাসূতি **শ্রীণাদ হরেকুক্ এক্ট্র** मननारक न कानकि नादर ८७८७। मनागणि ।" छेरनारक धवर वरक **छरनगरकारा छन गाह्र इह** 

# গ্রন্থ পরিচয়

## ্ৰীমন্তাগৰত**ম্**

अभिनाशी क्रकरिशामन द्वनगान-धारीक मृत् श्रीमन-সংবাচাৰ্য্য-কৃত্য ভাৎপৰ্য্য-নিৰ্ণৱটীকা; শ্ৰীমদ্বিখনাথ চক্ৰবৰ্ত্তী रेक्ट्रिक-इन्ड नीप्रोर्थमिंगी विका, वकास्त्राम, नःप्रत अध्य छ त्मे परकत अखिलांच क्यानांत्र, च्यारवत अथरम के অধ্যানের সারশহ ছবিক্ত তাৎপর্যাদি বিবৃত। প্লোক সূচী विवयक्ती, अभाविववन, भाव ७ जानक्तीमह छेख्य ৰাগকে উত্তৰ অক্ষে যুক্তি। প্ৰথম হইতে ১০ম হক পর্যাত ছাপা প্রবিরূপে লেব হইয়াছে। ভিক্ষা প্রথম हरेएक अप "स्या भेरी स २०१० ; मनम स्था ३२ ; भ्या ४० ।

শ্ৰীশ্ৰীনম্বজিবিনোদঠাকুম্ব-রচিত 'কাযুভপ্রবাহভাষ্য' ও 💆 🖺 মত্ত ডি নিছাস্ত সর্থতী গোস্বামী প্রভণাদ-লিখিত 'अञ्चलार्या व्यक्ति-यलामि वह भागत्वामान-अपनिक हतेया अव्यक्तिक इहेबार्ड्स । स्मार्ट्स माध्ययाथाः, वक्षाक्ष्यामक थाएक)क नशास्त्रत नरक नरकिश्व काफिरश्य मृत्यम्बिक । প্রত্যেক অস্যার-প্রার্থে কর্থাসার দেওয়া অংছে। থোক প্রার, শব্দ, স্থান, পাত্র প্রাঞ্জির সূত্রৎ সূচী ও প্রস্কারের নিস্কৃত জীবনী শম্বিত এই ক্লপ অভ্ডপুৰা সংস্করণ উত্তঃপুরে কুতালি প্রকাশিত হয় নাই। উত্তম কাণকে পারিপাটে।র महिष्ठ कृष कृष्णभारत मुनारम मुक्तिक क्षेत्रारक । श्रव खाय >eoo शृक्षेत्र मुल्यतः । खिला वखगारम e, बाक ।

## **किटेड्डिशास्त्रा शवस्त्र**

প্রস্কারের জীবনী, প্রতি পরিচ্ছেদের কপাদার, বিস্তৃত <u>भौषीय कामा, भक्किनी, भवात्रकों, विषय-सान भाजापि-</u> স্টা, প্রস্তুতি বিবিধ বিধয়-সৃত্তীত বিরাট বিতীয় সংকরণ ভবল জ্বাউন ৮ পেন্ধী আকার। আদিশীলা ও মলোর कियमध्य व्यक्तांभिक इहेबारक्य। अस्य अस्य व्यकांभिक ६९८७८६म । अधिम किका ६ ठाका, आणि जीवात 1881 5 1

#### **基心をを担めます**

এই প্রয়ের এরণ অভিনৰ মুদ্দর সংখ্রণ আর কুরাপি क्षकाणिक स्व नास् । माञ्चल (माकारत्मत व्यवत वकाक्षतात. काया, क्यांगाय, क्या क्षञ्जि भर् भरक ४८७ व्यकारिक श्रेत्राह्मन । युग् (यात्री प्राक्षत्त्र करण आफिन आफेलार्डी श्रक्षणाकारक कांगा अक्षणारकः। भूषा २४० छात्राः वासीता क्ष्मानं कं दर्शकीदश्च आस्म्रगद्वत्र व्यक्ष आ॰ ठेकि।

### **ভাৰতগ্ৰহণ্ট**

ইঞ্লিৰ্মাণ চক্ৰবহিঠাকুর গোখামিকতা সারাণব্দিণী क्रेम्यायका के क्रिकेंबिकिकिकिक श्रीकर क्रिके-प्रसम् भागक कारीकारामुहिता। अशास्त्रही, माक्कालस्य (माक-प्रे), विश्व-प्रही, काइकारत्रत्र कीवनी क व्यवस्त्राविकालि त्र-काष्ट्रवाविषक-मर केंपकड़े वीमाई एकीय माध्यम-- एके साथ भरवज्ञात्वम किका २ किका माख, मानामन भरकमन----># • काम तका

## শ্রীল প্রভূপাদের বক্তভাবলী

ওঁ বিষ্ণুপাদ প্রীপ্রীমতভিগিতাখসরঘতী বেগাখামী মহারাজের সেই অবিখা-বিধ্বংসিনী कीवाश्वयत्रत्यादवाधिमी क्रथ-कार्कानमभाविमी कोबस्त-वावात मूर्क-विकर---देवकविशकास-त्रक्रमानात्र दिनेस्वस्मिण-मन्द्रानाय বৈভববিজ্ঞানাগারের মৌলিক তথ্য-পঞ্চরাত্ত ও ভাগবছের नमवत् धक्---महाञ्चन-कीवनहत्ति छ- निक् क---- हि विवामहिना छ-অভিনৰ, তথ্য ও বিষ্ঠ্যাদিয়ক। প্ৰতি ক্ষের আদিতে অচিমাত-বিচারক-- এখাগ্য ও মাধুণারদের মৌলিক গ্রেষণার ---সম্বন্ধ, অভিদেয় ও প্রয়োজন-তবের নিদ্ধান্ত-সমুদ্

> ১। প্রথম অন্ত—বৈক্ষণদশন, শ্রী ওক্তব, কাল-मर्थ. श्रीमध्वानिकाय. श्रीवार्यकार्योः भाषाताचिकी बीका ও বর্ণ-বিচার, আত্মধন্ম ও মনোধন্ম, জীটেডকুদের ও ভাষার শিক্ষা, অপ্রাকৃত সহজ্বদান ও প্রাকৃত সংক্রদান প্রাক্তি বিংশতি সংখ্যক রঙ্গে স্থানাভিত। ভিজা মান্ত বিভিন্ন প্রাধ-প্রধানাভি সাহত-পারসমূহের প্রাধারকা দ• বার আনা।

> ২। বিতীয়া **শশু— ৬খা** ও বিদ্ধা ভবিদ, মছাৰোৱ <u>এেইতা কোখার, আত্মার নিভার্ত্তি, উট্নর স্থামিপাদ ও</u> मामावाम, द्वीरभोत-निकानिकक्षणम, जिम्हात मुखं क क्रमा-कीर्छन, धीवामिश्रकात्र धीमधानदर्शन कीरुन, धारतीत-শামের মতিমা, মহা প্রসাদ, জ্রীগোরিক, জ্রীরপামুগুভছ্ম-भग, **बीमडी दुमकाञ्चनिनी, बीटिन्डरग्रंत प्रश**, रहारेवककत्। ও কুঞ্চমন্ত্রীউন—চভূপনা অপুকা মধুবিমাপুর্ণ বন্ধতা-বিভূদিত। বিভূদিত। বিভূদিত মণ্ডিত, উংক্লাই বাধা গোনার জলো নাম শেষা। विकार ६ एक है।का माना।

প্রথম ও বিভীয়—ছাই খণ্ড একত্রে লইলে ভিজা দেড় টাকা, ডাক গরচ খড়র।

### 🚉 মন্ত গ্ৰদ গীতা

८शोफ़ीय-देवकामानिक-८सथत ओक्रांमत्रतास्य विशा-ভবণুক্ত ভাষা ও আমন্ত্রভিবিনোদ চাকুরের প্রাঞ্জ বঙ্গ-ভাষার বিশ্বত 'বির্দর্জন' নামক ভাষারক। অন্যায়-পুটা, বিষয়পুটা, ও প্রতি লোকের প্রশম ও ভঙীয় পাদ হুটা, ভাষাকারের জীবনা প্রস্তৃতি সম্বলিত। উৎকট বাগাই, প্রাক্ষ্যংগরণ (ডুডীয় সংখ্রণ) ভাষ্টের क्रिका २, हैकि।।

#### এথেয়রত্বাবলী

डीमदलाम विकान्धन-अनी विकाममान, मना छ ব্যোবিনা ভাষাদি পড়িবার প্রথম এছ। উৎক্রপ্ট কালিতে ছাপা। প্ৰিপ্ত টীকা ও প্ৰাঞ্জনবদাহ্বাদ-সাংখ্যা অতি স্ক্ষে বাণকেরও বোধগ্যা ক্রয়া পাকে। ভিকা 19' - जाल मात्र ।

#### গ্ৰীনগৰীপধামমাহাত্ত্য

( প্রমাণ্থ ও ) সামুবাদ। আতি-স্ভাাদি গ্রায়ে শ্রীন্ব-খীপের যে মাইমা কীতিত আছে, তাহার মুল সংস্কৃত ও अञ्चाम । किया ८ माना।

#### গ্ৰীপ্ৰান্তৰ প্ৰধানত কল

শ্ৰী হাকুর ভজিবিনোদ বিভিত। প্রদাণত গাঁডাকারে। প্রিক্রমার প্রহ্ব্যাদি-বিষয়ক। ভিক্ষান আলা।

#### ভান্তিরভাকর ও মধ্যীপ পরিক্রমা

প্রীল নগুচরি চক্রবর্ত্তি-ঠাকুর-রচিত। ভক্তিরত্বাকর হটতে পরিজ্ঞাংশ মাত গৃহীভ; শ্রীজীব গোখামী কি প্রকারে তীনব্দীপ্রামের পারক্রমাণ করিয়াছিলেন, ভাচ্চি প্রে বিবৃত। ভিক্নাত আনা

শ্রীণ ভক্তিবিনোদ ঠাকুর-প্রণীত : ইহাতে শ্রীতৈভগের निकाञ्चनानी-क्रथः, क्रकनिक अत्रा-तक अभूक भीव-অচিস্থা-ভেদাভেদ-ভত্ব--সাধন-নির্ণয়---প্রয়োগন-ভস্ত, কল্ম-কাও, আলমাদির বিচার –বৈবী ভক্তি, ভারভঞ্জি ও **८था ७ किम ।** नाम ७४ न-थानां । उ अहेकालीय माना-পরিচয়াদি প্রথম শিক্ষাপীর উপযোগা করিয়া সরল ভাষার ममूलय युक्तिव्यमान्तर कि येड बार्ष्ट्र। हकुन मुख्यन नाना र हाका. वार्यामा ३५० हाका मान।

## গোড়ীয়কণ্ঠগ্ৰ

हिटलो क्षीत-देवभनवादस्य अञ्चलक कर्छ भातसदासास বিনয়বিভাগক্রমে সাম্বরাদ গুলিফত। এইরূপ বৈদ্ধন-শিদ্ধান্তের সারস্মধ্য অস্ত কুরালি প্রকাশিত হয় নাহ। इंशांट खरा छ - छ। श्वर - देशाव - दशीत - निष्ठा नन-মবৈত- ক্ষা --পঞ্জি-ভগবদ্য-জীব--অচিস্তাভেদাভেদ ---অভিবেয়---সংধণভতি--বর্ণার্থ - আগ্রম-দর্ম -- শুভুলাছ — খ্রীনাম - প্রায়েশন ও ওমোণ-ভব্বস্তলি পুথক অব্যাথে स्रपुरुर (द्वाराणि कुर्रामुक केरकुंड दक्षिक कांग्राक Calm शक्ष आग्र ५०० शुक्षात्र मण्युन । जिल्ला २८ केंक्ना माखा ।

### बीजरबीलमाब-श्रम्भावली

শ্রীমদাভভিত্তিলোক ঠাকুর রচিতে গ্রাম্মান্ত্রত্ব-পাম-याकारणाव मुख्याम ध्यमण थल-- श्रीय भत्रवृति एकवादी মাকুরের ধাম-পরিক্মাংশ-- শ্রীলাম ববর্ষীপ পরিক্মা-তাখ-যাত্র পদ্ধতি-ভীমৎ প্রশোধানকত নবদীপশতকম-শ্রীমছাজিপিনোদ ভাকরের শ্রীন্ববীপ ভাকতরল প্রাভাতি গ্রন্থ একর <sup>শ্</sup>ভক্ষা ৮০ আনা মার্ড।

#### শ্রীহত্তিনামায়ত ব্যাকরণ

শ্রীদ্ধীৰ গোধামী প্রভুপাদ-বিরতিত হত ও বুদ্ধি তংগ্ৰে উবিফুপাদ শ্ৰীমছজিনিদ্ধান্ত সৱস্থতী গোন্ধানা মহারাছের বিশ্বত ভূমিকা ও হটা প্রাকৃতি সহ। অপ্রত্যাণিডভাবে অগভ। ভিকা ২ টাকা, ছাত্রগণের প্ৰক্ষ ১॥• টাকা মাত।

#### বেদান্ত ভর্মার

শ্রীমপ্রামান্তপ্রাচার্য্য-রচিত। বেদান্তের বিশিটারৈতবন প্রাচারক জ্রীভাষা প্রবেদ্য মাচায়াপ্রবর বেধারদর্শন পাথেব **উপযোগী করণার্থ এই উত্থম করিয়াছেল। ই**হারে: বন্ধান্তবাদ ও প্রতীপঞ্জি সংবোজিত করা হইরাছে নাম মাত্র ভিজা 10 আনা।

#### উটেডভাচজায়ত ও নবৰীপশতক

পৌরপার্যদ তিমাজী আমৎ প্রবোধানক সরস্বতা প্রবাজ মূল, প্রভূপাদ জ্রীমন্ ভ্রতিসিধান্ত সরস্থতী গোসামী মহারাজ मुल्लाक्षिक व्यवसमूद्य वाद्या ७ नशास्त्राम महिल्ला নব্দীপশ্ভকের প্রীভিজিবিনোদ ঠাকুরের পদামুবাদ ভ ত্তৎসহ শ্রীমন্মহাপ্রাভুর তকটা তিনন্দর্ভিত আলোকিক চিত্র व्यक्ष इहेब्राट्ड। मूल्ल ७ कालक छेरहहे ( २ थाला ভেষ্টে ) ভিক্ষা ৮০ আনং, অভি হুরুমা বাধাই রাজসংখ্যাণ ्र होका भाव।



শীমছজিবিনাদ সাক্র-প্রনীত। এই কেমার গছ-বছর জান লাভ করিলে পরেমাথিক বাছো কিছুত্তই মজান বা সংশ্রম থাকিবে না। পর্ম গুচু ধশ্ববিধয়ক এই-কপ্রবা ও লদ্মশাশী প্রস্থ প্রপাস্ত প্রকাশিত হয় নাই। নিশিকলোকামি-শাল্ল-মহোদধি-মন্থনকলে নাই প্রথামূত উভিত চইসাছেন। জাবার স্ববিদ্ধক স্থতী, কথাসার উভাত চইসাছেন। জাবার স্ববিদ্ধক স্থতী, কথাসার ইত্যাদি দারা বিশেষ সমৃদ্ধ কবা চইয়াছে। বিবাট গ্রন্থ, গোনার জলে নাম লেখা, উৎক্রই বাঁগাই-- চতুর্থ সংস্করণ জিলা ২ টাকা যাক্র।

### প্রেমনিবর্ত্ত

শ্রীমন্মহাপ্রান্তর অন্তরন্ধ পার্ষদ প্রীল জগদানক প্রেণ্ বিরচিত। এই পুত্তকে অতি স্থানোধা ভাষায় মহাপ্রান্তর কতিগা লীকাষ্ট বৈষ্ণবাচার, একানগা প্র নামভহন-প্রোলী প্রস্তৃতি জনেক বৈঞ্চবতারের স্থামাংগা দেখিতে পাইবেন। পাদতীকায় তর্রহ স্থানের বিশ্বদার্থ ও প্রভক্তার পরিচয়াদি-সম্বাহ্ণত চতুর্থ সংস্করণ ভিকা॥৵৽ ধশ স্থানা মাত্র।

#### ভক্তনর হয়া

ভজনকারীর নিতাস্কী; ঠাকুর ভব্ধিবিনোদের অম্ন্য ধান; নিখিল শান্তের নিয়াস। গ্রন্থানি না দেখা গ্যাপ্ত কেহু বুৰিতে পারিষেন না। তৃতীয় সংস্করণ ভিকা। ৮০।

#### হরিনামচিন্তামণি

ন্মাচার্য্য আন হরিনাস ঠাকুরের মুপে জ্রীমনহাপ্রেড় লীনাম-মাহাক্স, নামান্ডাস, নামাপরাধ প্রাকৃতি বিগমের। বাবতীয় বিচার শ্রুপ করিয়াছিলেন। এই বিগমগুলির । মাতি সলল পরারে সংক্ষিপ্ত আশরসহ পরিপাটিভাবে মুলিত। নিচ্চ ভক্তিবিনোদ ঠাকুর-রচিত। প্রক্ষম সংধ্রণ ভিক্ষা ৮০

#### কল্যাণকল্বভক্

শ্রীমছ কিবিনোর সাক্র-রচিত। প্রত্যেক ভগবন্-াখানী ও জ্ঞানপথের পথিকের একান্ত প্রয়েছনীয় উপরেশাবলীপূর্ণ গীতিগ্রন্থ। সামান্ত বোধাগড়া জানা াগাকেও এই ভছনরাজ্যের গাঁতিসমূহের ছারা জ্ঞানগনিস্তি ব ভগবংসেবা লাভ করিবার স্থাবিদা পাইবেন। মান্ত সংক্রেরণ, ভিক্ষা /১০ জ্ঞানা মাজ।

#### **मत्र**भागां डि

শ্রীমন্ব ক্রিনোল ঠাকুর-রচিত। ভগবানে আল্লসমর্পণ, বিক্রাপ্তি, ভগনবাশ্যা, বড়্বিদা শরণাগতি ও দিদ্ধি বাল্যা। বিষয়ক গাঁতিপুণ, ভিজা ৴৽ আনা মাত্র।

#### भी डाननी

শ্রীসাঁকুরা ভিজিবিনোদ-প্রাণীত ! নিতা ভজন, আরাত্রিক ৰ প্রবান-শেবনাদি-বিশ্বক মধুর গাঁতসমূহ একত্রে গ্রাধিত। ভিজা /• সাঁনা মাত্র।

#### **अगम्बक्शक्र**म

র্থনিকে প্রমৃত্তমোধি জীমছিখনাথ চ্জাবন্তী ঠাকুরু-বির্ভিত রস্প্রায়। জীমছজিবিনোগ ঠাকুরের অলুবাদ্-সহ। ভিজাতি আনা মাজ।

# গ্ৰাপ্ৰনপ্ৰ?।)

শীমনাহাপ্রাহ্ব শিক্ষা ও শীল রখ্নাপ দাস গোস্থামীর প্রতি দীকণ শোস্থামীর উপদেশপাণী, ভবিশেবের অন্তর্গ ও প্রতিবৃশ বিনয়ে স্বিচারিত সম্মোদন ভালা, বিস্কৃত বিবৃতি, চরিতামুক্ত প্রমাণ, সাধ্য ব্যাথা। ও মহাক্ষন-প্রণীত ভত্তপ্যোণী গীত্যমূহ প্রত্যেক শোকের সৃষ্ঠিত স্মিবেশিত ১ইমাছে। তথ সংস্করণ ভিক্ষা ৮/০ আনা।

#### 7110-40

খ্রীব্দুনাথ দাস গোস্থামীর মনঃশিক্ষা, শ্রীল ঠাকুর ভক্তিবিনোদ-চরিত প্রাক্ষনাদস্য। ভিকা /• স্থানা।

## প্ৰেম ভব্তিচ জ্ৰিক।

গ্রীল সাকুৰ নৰোভ্যেৰ স্থানিক প্রেমন্ত্রিকাক বানের প্রক। ভিজ্ঞা কান্যাত্র।

#### ল**ন্দ্রীপশভ**ক

শ্রীল সাকুর ভিতিবিনোদ-র চিত শ্রীল প্রধোধানন সরস্থতীপাদের সংস্কৃত নবদীপশতকের স্থললিত পদ্মান্তবাদ । ভিকা / শ্রানা মাথ

#### অর্থপঞ্চক

শ্রীল লোকচিথ্য রচিত। বৈক্ষবতা-জ্ঞানের আকর পুত্রক। ভিকাস - আনা মাত্র।

### সদাচারস্বতি

্জীল মধ্বাচাগা প্রণিত। বৈক্ষবের নিতাক্র্মাদি সদাচার। বলী, বজাত্বাদ স্থিত। ভিক্ষা ৴৽ সানা মাত্র।

#### মণিমভুৱী

কবিকুলকেশরী জীমরারায়ণাচার্যা রচিত। জীমনাধ্বা চার্যোর সংক্রিপ্ত কীবনবীলা ও মূল বৈঞ্চবদক্ষমত। সামুধান ভিক্ষা। আনা মাজ।

#### दशोतक स्कालक

প্রাচীন কবি প্রীগোবিদ্দ দেব প্রাণীত প্রীগোরাবভারের প্রমাণাবদী-সংবলিত সংস্কৃত গ্রন্থ। ভিকাশ- আনা।

## युक्तिमद्विका ( भ्रभरत्रोत्रक )

শীমধ্বসম্প্রদায়ান্তগত শীমবাদিরাক স্বামিকত। বঙ্গাগরে সান্তবার এই প্রস্তের প্রকাশ পার্মাণিক সাহিত্য-জগতে এই সর্বপ্রথম। শীমবাধ্বাচার্য্য হউতে ব্যাদ্ধাণগুল দিন্তীয় মধ্বাচার্য্য লামে খ্যাত শীবাদিরাক্রতীও স্বামী এই প্রস্তে সাধারণ যুক্তি ও গৌকিক প্রায়াম্বারে কিরুপ স্থলরভাবে ভক্তিবিরোধি-মতবাদ সমূহ প্রথম করিয়াছে, তাংগ পাঠ করিছে করিতে আশ্চন্যান্তিত হইতে হয়। ইহাতে যুক্তির দারা চাকাক্, জৈন, বৌদ্ধ, মীমাংসক ও মান্তাবাদিমত-সমূহের শ্বন্ধর প্রথম বহিয়াছে। তিকা ২ টাকা মাত্র।

### (गाचामी जीन त्रम्माय मान

(ওঁ বিশ্বপাৰ শ্রীন ভজিনিকার সরস্থী গোষামী প্রভুগান-বিভিত ভূমিকা সহ) গৌরপ্রের স্বরূপ-রূপের একমাত্র প্রিয়তন শ্রীন নাস গোষামী প্রভুর অপূর্ক চরিতামূত ও নিক্ষা অভাব প্রারূপ ও সম্মূল ভাষার সরিবিট এবং পরিনিধে নাসগোষামী প্রভুর বিহুচিত ক্রেকটা সাল্লোদ মধুরতম স্বৰু ও মনঃনিক্ষা-স্বালিত। ভিকা বীধাই॥• আনা, আবাধাই।•• আনা মাত্র।

# চিত্ৰে নবদ্বীপ

প্রাচীন নবৰীপের অবিভিত্ত তথা, ঐতিক্ প্রোত ও ঐতিহাসিক প্রমাণসংগতি নহটী গাঁপের সচিত্র বিবরণ-গ্রন্থ । রাজবি রাজসাহেব কুমার ক্রীকুল্ল শর্মার্থ নারারণ রায় থম. এ, প্রাজ (লাহোর). বেলাক্স্তুরণ ম্লোল্য কর্ম্বক সঞ্জলিত এবং ৪৭ থানি বিভিন্ন বর্ণের অপূর্ব চিত্র ও মানচিত্র-সমন্তিত; প্রাচাবিভামহার্থব রায় সাহেব ক্রীকুল্ল নগেক্র নাথ বহু বিশ্বকোনসম্পাদক মুহাশ্বের বিশ্বক ভূমিকা সহ। উংক্ট (ইং) মরকো বাগাই মৃল্য ১৪০, ভি: পি: ক্রে

## मागक-कर्भवाला

গুরুবন্দনা, বৈশ্বব-বন্দনা, বৈশ্ববন্দন্ন, গালালের শ্রীজ, শ্রীনামন্ট্র, শ্রীনামনাজ্যর অব্রেক্তরশাত নাম, আইপ্রের্থর নামকার্তন, শ্রীনামনাজ্যর, প্রেমাধনি, 'বাউলালাভি, নাবনাল-মতিয়া, শ্রীমারাপের মতিয়া, শ্রীনারাজ্য-প্রেণ্ডর অব্রক্ত আচালা-বন্দরা, বভ্রোখার্মীর অব্রক, প্রেমাভাজ্যত জিকা, উপ্রেশনালা নামভ্রম-প্রোখার্মীর অব্রক, প্রেমাভাজ্যত জিকা, উপ্রেশনালা নামভ্রম-প্রাথলী, মহাপ্রাভৃত্ র রার রামানক্ষ সংবাদ, মনানিজা, শ্রীপ্রক্রপ্রাভিত প্রাথলিত স্বাধার্মীর আয়া অভ্যান্তন কর্মারালার ক্রায় অভ্যান্তন কর্মেরালার ক্রায় অভ্যান্তন কর্মেরালার ক্রায় অভ্যান্তন কর্মেরালার আয়া অভ্যান্তন কর্মারালার আয়া অভ্যান্তন কর্মেরালার প্রায় অভ্যান্তন কর্মেরালার ভারা অভ্যান্তন কর্মেরালার প্রায় অভ্যান্তন কর্মেরালার প্রায় বার্মান্তন কর্মান্তন প্রায় বার্মান্তন কর্মান্তন প্রায় বার্মান্তন কর্মান্তন বার্মান্তন বার্মান্তন কর্মান্তন বার্মান্তন বার্মান বার্মান বার্মান্তন বার্মান বার্মান বার্মান বার্মান বার্মান বার্মান্তন বার্মান বার্মান বার্মান্তন বার্মান্তন বার্মান বার্

### গোড়ায়-গোরৰ

ক্ৰিকান্তার হাজি কাল্যাট হলে গৌড়ীর-সম্পাদক শীপাদ হুলরানন্দ প্রনিধ্যাবিনাদ প্রান্ত সক্তার বিধর গ্রন্থকারে প্রকাশিত। ইনাতে গৌড়ীর বৈক্ষমন্ত্রনাথের ইডিহাস স্কাকারে প্রশিত হইনাতে। ডিকা ৮০ মাত্র।

#### গোড়ার সাহিত্য

কলিকভার প্রপ্নাসিত্ব মাধ্যাই হলে গৌড়ীর-সম্পাদক
প্রীপাদ স্থানান্দ পরবিদ্ধাবিনাদেশ্রত্ব প্রদান বক্তার বিষয়
গ্রহাকারে প্রকাশিত। ইহাতে সাহিত্য-শক্ষের অর্থ এবং
গৌড়ীর-সাহিত্যের বিষয় স্বেকারে বর্ণিত হইরাছে ব'ভিকা
। ৮০ কান। মার।

## **क्षारशोड़म ७न शतिकमा-मर्गन**

শ্রীগোড়দেশের যে সকল ছানে সপরিকর শ্রীমন্মহাপ্তান্থ তবং তদম্থগ পরবত্তী মহাজনগণ লীলা করিবা গিরাছেন. সেই সব আধুনিক ভৌগোলিক পরিচ্ছ ও কেববিগ্রহালির পরিচর সহ যাতায়াতের হ্রবিধা নির্দেশ ইত্যাদি বিষয়গুলি সরিবেশিত আছে। ভিকা । আনা।

#### THE HARMONIST

#### OR SHREE SAJJANATOSHANI

শীল সাক্র ভজিবিনোগ-প্রতিষ্ঠিত এবং শীল ভজিবিদ্যান্ত্রস্বতী গোষানী প্রভূপান-সম্পানিত পার্মার্থিক
নাসিক পত্র। একংশ ইংরাজী ভাষার অইনিংশ ধ্রে
ভবলক্রাউন ৮ পেলী ৪ কর্মা আক্রান্তে প্রতি বারে হরিনামের বিজর-বৈজয়ন্তী লইরা উপস্থিত হইতেছেন
কার্য্য, মুন্রণ-পারিপাটা ও চিত্রাবি অভীব চিত্তাক্র্যক
এই প্রবার উৎকৃত্ত প্রবার আর ক্রোন মানিক প্রাজিতে
দেখিতে পাইবেন না। বার্থিক ভিক্ষা ভাকনাত্রস্বহ ক্রিটার্যাত্র।

#### প্ৰাভিতাৰ-

**बिट्डियमंड, लाः जिमात्राशृह महोद्या** 

# খুৰৈফৰ রাজসভ

## श्रीदिष्टग्रा मठ

আৰুৰ মইবাজ

श्र हीत तथबीन, कार्क्षेत्र व्याधानमा, तलीवा विश्वकारमाननीर कर्ने के लाव के अब केर्पक-मृत्ये श्रीक्रक्रमान्य व्याहार्यावष्ठ श्रीहरू-स्वयत-कृति विश्वित क्रिकेटिक क्रिकेटिक क्रिकेटिक स्वाहार्याव श्रीहरू-

कि का मा कर ने कि ने विश्वनिकानी मा भावन कक मवली। वर मन ने दर्व कि जिल्ला मा भावन ने कि ने मन ने दर्व कि जिल्ला मा भावन ने कि ने मन ने मन ने कि मन ने कि ने मन ने मन ने मन ने कि ने मन ने कि ने मन ने मन ने मन ने कि ने मन ने कि ने मन ने कि ने मन ने कि ने मन ने मन ने कि ने मन ने मन ने कि ने मन ने मन

्रिक्षा च वार्षाः चित्रक्षा क श्रामी ण कीर्थ मधाराक्षा «चारम इतिकशः कीर्छन करिएकर छन्।

CHEN HERMYS !

#### (-৪:) শ্রীবাস-ভারত

क्षित्रम् । श्रीष्ट्रं व्याप्टित-निवास ता व्याद्योशसीलाच सामक्ष्यो । धामादन व्याप्टितात व्याद्यासम्बद्धः ७ शक्यद्याः दशना वर्षमान ।

#### ं (८) आदेशक स्वास

कार्य के किया के कार्य कार्य की माथि ने । हो . कार्याक माथि की हैं

(७) काकोड मनावि न है

आहित माम्यक वायन गुक्त (भरीमा) किलोकक्षणानाक किला का का विशेष का कार्यकार का कार्यकारी किलिटमाना विशेष कर्त की का कार्यकार कार्यकार का

Mentung, penentu ( mil) et )

maile ann Dentungerten der Millerte

tauten gen ungenen.

क्ष्म - किस्मार काकान स्वतानी। क्षम्यक्षियो का. वर. वर

## ্চ জ্ঞিজগল্প গোটার মত ন্বন্ধনিংগ।

नक्षक-- व्यवधनत अकिलाको क्या. क. ति, कल, त्रक्तारी--व्योष्ठिकामाम अकि-नाथी. व्योष्ठकक्षम थायारी खास्त्रा ।

> (১) জীলোগর-গদানর-মঠ ঠাগাত টা, সমুদ্রগদ্ধ বস্তুমান)

型क वार्त १८४० साम्छे आंब्रामानव अता । अक्रक--- ध्राटक्टाम् अक्राडी, करू श्रीभागवास्त्र ।

( ১০ প্রিক্সাংগ্রাক্তার-মঠ নাগ্রাক্ত, প্রয়াগ হট, পি বলক্ত--- ইংগ্রিনান একচারী, সহকারী — বিক্রের্ড এক্তারী।

(১২) ভাগবৈত আপুসন

শ্বিপাৰত প্ৰোণ, কাদনগন্ধ, নদীয়া।
ভাগবিত্ৰিকাৰ এলাগলীৰ প্ৰচাৰ-কেন্তা।
বিকাশ-শ্বিকাশনৰ প্ৰভাগী ভাগবিত্ৰী

(३०) अधिकालन अठ ट्यानिकाल, हामबारी, अहाता। इकक— अध्यारक अव्हानी। महनारी अध्यारक अध्यारक अव्हानी। महनारी अध्यारक अध्यारक अव्हानी।

(১৪) श्रिमास्त (गोक्नीस मठ )

- अन्तर स्थावन्त , व्हाइ., हाना।

नृत्वद्रस्य श्रुहाव-द्रवस , व्याद्य श्रीसकद्रिश्च नाकसा-भित्वस्यक दुरुदा दक्षमान

क्षुक-श्रुहावक्षुह जनवागी, श्रीमार

# শুৰভক্তিমঠসমূহ

(२) बारगोड़ीत मठ

১৬ মং কালিপ্ৰাসাদ চক্ৰবন্ধী ক্ৰীট, পো: বাগৰাপ্ৰায়, কলিকান্ধা। টেলিকোন বি. বি. ৪১১৫

শ্রমন্ত্রা নতুর প্রচারিক শ্রমন্ত্রণ ভক্তিগ্রান্থ চালোকেলে গোভালেলের সক্ষরণার মন্ত্রী ভিলিকাভার প্রকৃতিকিবিনাল আসনে শ্রম্য প্রতিষ্ঠিত আছেল। এই কর্ত্রুত্বনার শ্রম্যানিক শ্রমন্ত্রা প্রতিষ্ঠানিক শ্রমন্ত্রা প্রতিষ্ঠানিক শ্রমন্ত্রা শ্রমানিক শ্রমন্ত্রা শ্রমানিক শ্রমানিক শ্রমন্ত্রা শ্রমানিক শ্

ধকারী বি-এল, জ্ঞান্ত্রণম স্থায়কোনিদ্ধ শ্রীনিম্বন্তর প্রক্ষণারী, শ্রীন্ধরব্যানিক্র জন্মানী প্রকৃষ্ণি।

গোর রক্ষারী, শ্রীনবগোরাক রক্ষ্যানী, শ্রীপতিভাগারন কন্দ্র।

## (১৫) শ্রীমোপারকী মঠ

ক্ষলপ্রের, চাকা। গোপাশ্কীর জ্রীণিজনের প্রচৌন সেবা রক্ষক—জ্রীলাশ্যান জন্মচারী।

4 5 ७ ज्ञिनाम छि-८ नाम क्रिक वर्ष क्षित्र कि श्राम क्षित्र क्षत्र क्षत्र क्षत्र क्षित

(59. खिलागनडकनासम्म वर्ड राज्यांनिका, नाल्यांनिका, कालेनालूबा जनाम विकास कालावाम-नाम्बाक्तिका-

গিছিগাতীক নিজাদেশ ক্ষমান। রক্ত্-রজবাসী ভী-প্রান্দাস্থী। (১৮: আমলাঘোড়া জ্বপদ্ধান্ত্র

শ্রী ওক্রোরাল-জীগান্ধনিকা গাঁরণারী নিভাসেশা। ধক্ষ--জলপাসী জীগাঁর-কিলোর।

श्रास्त्रीम दशाह नक्ष्यांन ।

#### (১৯) প্রীপুরুষোত্তন গঠ

সর্বাধন, পুনী, উচিয়া।
ক্রানে শ্রীনেরি-বিনোদমাণবানীর নিকাপ্রানা বৰ্মান। রক্তক — রক্ষানারী শ্রীনরীধানক,
ক্রিপরেশান্ত ডক ব্রহ্মানী জীবানবানক,
ব্রহ্মানী, ডক্ক শ্রীনিমান।

(२ -) विक्रम-द्रणीकी स मठ बागवननाथ, ज्योतित देगीर, गृती । बंगेसीयर्श्वत बागवंगी गर्यदा विमयाना प्राकृत बन्दीस । वक्क-व्यक्ताती विग्रहस्वाती विग्रहिक्ती । ज्येकाती-

#### (১১) **শ্রীসভিদানক মঠ** উচ্চোবাজান, কটক।

क्षणाटन ड्री. १८२० - शादाण-विद्यासहस्रण-भीत (न. १८) - १८ १८ १८ । द्रश्यक----उत्तराती जीवनार छोटा मध्य उत्तराती

(২২) জ্রীসন।ত্তন-গ্রান্থ আঠ গ্রাং স্বগ্রাংগ্রাং, কালী । গোঃ-প্রাক্তিক স্বাহন-শিক্ষাস্থল।

গোন-পদায়পুত্র সন্তিন-শিক্ষার্থন। তথ্যন পোরসেরা সম্মন্ত্র কর্মনা একর্মী।

.২ ৩) উৎক্ষেতিভঞ্জ সভ জীলু'সংগ্ৰাস কুল, প্ৰাণ্ডন বুল্ধাবন। শুক্ত জীলাখনে ভ্ৰম-কোণ্ডনলীয় সেবু। চ রক্ষক---- শুক্তগণপ্রিনাপ ব্যক্তগারী

(48) **শ্রীপর্যক্ষে মঠ** নিমিবারণ, সীভাগ্র

ক্রমানে ইচ্ছার্বত 'পারশালা ।
ইচ্ছার্বত 'পারশালা ।
ইচ্ছার্বত শিল্পান্তালনা র ব্রহ্মানী
শ্রীন্দ্রলালা ।

(२०: ऑदेन्डस्टर्गोकाम मह

দুম্বকু জা, 'চার্কুজা, মানজ্ম। ইকা এটি চক্তা-নাট্র শাগে। বাসক-শাল্মান নাগ বাহ, 'চানগানেনা একচ হা, জীরাম ভার দেখারিও।

(२७) नामाध्येष्ठीस सर्व कृत्राक्ष व. भारमध्ये (१०भोगः। अश्वत्य श्रीभार्गन्यम् मन्यास्थ्यः स्मा वस्त्रसम्। तक्षक—अक्षात्र की विश्वसम्बद्धी, श्रीवनी-भाषाम् अभवानी

(২৭) ভাষ্ণপাড়া প্রপন্নাজন-নঃ ্রাদ্যপাড়া, পো: মাছ, গবিদ্যা

वनाटन यह कुनम् है टारमानाहन दनका वहमागः वक्ष क्रमागः वक्ष क्रमागः वक्ष क्रमागः विद्यानाहरू वक्षागः विद्यानाहरू वक्षागः विद्यानाहरू विद्या

(२) द्यात्रामणाकृत्याम्बर्धाः वक्य-वक्तार्थे विश्वविद्या

#### নেতাদের সজে লাটের পরামর্শ

গত ১৯শে জুন অপরায় ২ ঘটিকার অধ্যের লাটের সহিত স্থানীয় নেলেগদের दक भवामने देवहेक विभिन्ना हिन ।

भिज्ञात परमा त्य, कीराक्षा विद्याद्वत व्यवमान घडे।हेशांत छेऽफर्ट्स हे बार्डित মহিত সাকাৎ করিতে অনিয়াডেন। ইহারা অটিকে জানটেয়াছেন দে নকল শামিক্ডান শুম্মার ক<sup>েই</sup> নিয়েচিক ছাত্র ছাৰ প্ৰকাশ করিছেছেন। করিল সংস্থা भीषगण्य ६३वात्र २७(१२) । अहे ८०७ ইইারা সরকারের সহিত সংখ্যালিতো ক্ষিতে উপ্ত হইরাব্দেন।

मार्ड वाक्षकत व्याप्त त्य एवडारमञ বক্তব্য কি ভাষে এবা করিবার ভাষ ভিনি উল্লাব ইটাগতে ন । তেবে ডিনি বিশিয়াছেন যে : এন হাবৰ গি ক্ষাতারী मिटभन गाँठिक बनाइन का द तेया নেভালের কথার সমন্টভন দিছে পানি दबम मा। जिल्ला व्यक्ति के निश्चादक्रम যে নেভাবের উপদেশ বিলেম্ভারে বিচার कतियां (एक) इहरत ।

गाउँ शांभ म आधार घणा वाली षारमाठमा इडेशरङ । भारताठमात्र व्यक्तम क्षा धहे (म कि উलाय अनुवायन कृतिहा विकार कांग्रज डेलन्स ६४। ८ छाता **অবশু** ৰুবিয়ালেন যে, বিদ্রোহ এমন ভাবে ধমপ্তে ১৪ল উত্তি নহে, যাংগতে । ৰিলেছোৱা মনে করিছে পাবে লে ভাঃ র। क्षानां छ। क त्रात्राहरः । 🕶 ब्रिट्यन न शिया (य. ८वाधया 🗢 तिहार्टक -**टगरे द**र्मातन दगलादान मनः भूत करेशात. ভবে তাঁহারা বলিচাছেন যে খেবেশার वर्षान (य करहकक्रम भन्मारत्रत्र गाम विरक्षण । वालिन माधा कतिराम । করিতে হইবে। ওন্টাত অরে স্কল िट्याशीरक क्या क्या ३ व व व्या **(चामना क**तिराष्ट कहान । अहे (चामना ছালা যাণভাঁছ অগুলানের প্রমা ক্রিডে इंड्रेज । एड् ग्रंजिंग । १९४ शेर हो कारका । कर्मा इश्याटक माज किंद्र तथ्रा । श्री प्र €কান মীম বা⇒র লাই।

देनहर्देक ८-ए आ कालंड विभिन्नादक्त **८व आक्रास्ट** ७ करण माज्यसम्बद्धाः আৰক্ষকতা এবং বিদ্যোগ্ধ। যদি আজু भवनी करत, कारा स्ट्रांस च वालानिश्क कर्माराता वाक्षा कविट्ड इडेट्रा বিজ্ঞাহীদিপকে কৃষি কাৰ্য্যে নিয়াভিত পরিমাণ স্কারের বাড়াইতে হইবে 🕯

ु नाहे नामध्य व्यक्तालत के शक्ता क्षाकाव िश्विष् ग्रेडणदण्ये । देशदेदक

আরও কমেক্টি বিষ্টের আলোচনা বঙ্গে যোহর।ছিত করিবা দিয়াছিলেন। কয়া হয়। গড় ভিদ বংশরের মধ্যে হওয়ার পর বৈচকের কণ্য। শেষ হয়।

## मित्र मध्ये करतनाम

>>८भ स्न गङ्गाकात्व श्वरमाख्य দাস পার্যে ওকটি মৃত্যায় প্রভিত জহর-প্রারত্তে ডিনি মানা দেশ ভ্রমণ করিয়া যে **অভিচন্ত। অর্জন করিয়**তেচন ভাহার वर्गना करतन । िन वरनन स्य निर्मित्रे कारणत शहराई शहराक्रम नहम केश्वात এলাচাবাদ প্রত্যা তিন করিতে হটল।

<u>भागरणेशिय रेतर्राकत कर्श छेट्ट</u>ार করিয়া পণ্ডিভলী বলেন যে 15/41 মহাস্মার্ভার উপর নিভর করিয়া স্থাচেন। 🦠 মহামালী একটে সমগ্র কাতির প্রতি-

एक एएए अब इन करनत कर्म मान कर्मा উল্লেখ কৰিয়া ভিনি বলেন হয 27767 জন্মণা মেডিনের জন্ম তিনি গ্রামার एए है। क विद्वास

প্রিভূগী ধ্রাও বংলন যে ভালেকে মতেতে পুৰুৰণ্য আইন ভাষ্ক্ৰ আন্দেশ্যন চালাইবার জন্ম অঞ্বোদ কলেত্তম, বিশ্ব ডিনি বলেন শে, ডিন মঃ স্থাতীর यास्त्र शाल्म करितन ७ मुखित मुख পালন করিলা চারিবেন।

## প্রোপান মন্ত্রীর ।। ধিন যাত্রা আহর 🖐 সদেহ করা হইছেছে

্ব ভাকার ক্র क । स्वतः ্ধরকার ক্ষম - ভাত্তার কাটিয়াস ইংলডের ভোগান মন্ত্রী িলঃ মালেশ্যানাল্য এবং প্ররাথী স্টিব মিঃ फ़त्रप्रक वालिस घटवात **कस** িমগ্র" করিয়াকেন िन्द्रपुर ३२ क्या ভাষা ভাল হয় নাই এবং ক্ষা হারও , হইব'তে। বা গাম . ৭ই জুল'ই মি: বিশ্বত হটলে ভাল হইতে। নেতর। মাকেলোনাক এবং মি: ভেন্ডালগুন্

## 'ভগৎবিং' পুস্ত শর মানলা कानाभिष्य अधियस नामान

अमाश्रीदारमत (मधन इक्र 'खन्दिम्स' পুত্ত নামগার আধানী কে, এন, ধারাক । व जिल्लानायाय, तटक शक्त अपने खुन कामीदन 明明的 如果治療心上

## दमसमी भूरत विदयने मञ्ज

· মেনিনীপুরের বন্ধ ব্যবসায়ীরা **প্রায়** ৬ মান পুত্র ভাষাদের মজুক্ত বিদেশী বয়গুলি कारशहम्य द्याकिभिद्रशत्र द्वाता चल्त्रास्टाद्य ै করাই জ্রেষ্ট উপায়। স্থত্রাং কৃষি, গাণের ুলাইট বাগাইটা রাখিয়াচিলেন। কিন্তু ध्ययातरकार भगान्न के मकत नीहेरहेन বুরে: ক'তেনের মোহর দেওয়া হয় নাই।

वर्डगान समिनीभूत विमनी वर्षात्र विक्रम ए दनवादा नाहे।

### Cमनीय वाष्ट्राय खेलावडा

কর্পুরভগার মহারাজা রবি সজ্ঞের জন্ত লাল নেলক বাকুন্ডা ক'ব্যাছেন। বজুন্ডার । তাঁহার রাজ্যের প্রফাদিবের বছুণ প'র-মাণে ছমির পালানা মকুন করিয়াছেন। নে ট থাতনা মকুবের পরিমাণ এক লুফ हाता। कारम कारम एक माकावा दिवालया ছটবে। সামাজ কমির মালিকরা পালনা ल्यमारनत मात्र ६३८७ व्यचाङ्खि भाडेता ক্তঞ্জা প্রধাশ ক্রিডেছে। পঞ্চাবের (मनीम त'रकात मरमा मन्द्रशायम कहे तारणा প্রসাধিথের দাবী সহাক্তমতি ও উদারভাবে ানবেচনা করা হইয়াছে।

## বিষ মিশ্রিত খাদ্য ভক্ষণে नाथा भन्नाभीत भुकुर

কিয়দিন্য পুৰে ঢাকায় কভিপয় নাগা সল্লাদী আগমন করেন। কণুটোলা আপড়ায় স্থানীয় ওকজন বাসিন্দা উচ্চো-দিশকে ভূরিভোগনে আপ্যায়িত করেন। डेडार 'च्यांकन भटत्रे डीकाता मकलाहे পীড়িত হইবা পড়েন গুইজনের এধিয়াটির কলেরায় ¥3; হটয়াছে। বিন মিলিড খাল ভগণের ফলে উছিদের মৃত্যু হইগতে ৰুগিয়া

## রায়নেরিলিতে ১৮৪ গারা व्यवस्थात्र अस्य

রায়ণেরিভি ভিশায় ১৪৪ দারার অংদেশ হারীর হন্ত কংগ্রেসের কাজে প্रভিডে। ङ्किक পাত্যা आंभारियत्र त्य शक्त छेनास कावणका कता हरेटहरू, जाराट धारातात मनकहे करेश केंद्रियार्टि । धरेश्राम् व्यनकात्र क्रम् करत्वान कन्नीरमत मन्द्रम छहेक्रण छात्रम অনরৰ রাউথাতে যে. ১৪৪ ধারার আংদেশ ष्याद्य कता इस्ट्रम । ध्यकाम द्र विन्द्रम প্রিত জহর্মাণ নের্ডর প্রামণ লওয়: কইলেছে। তিনি আগামী সপ্তাহে श्रापद क्रिंश आजिटनम । एक्कि खन्छ ক্ষিটীও অন্তোরে তদন্ত করিয়েন।

## भिन्नी महिला निवासदम (सामी **अवे** जिश्क्रम

় ১৮ই জুন অপরাজে দিলীয় প্রালেশিক মহিলা পরিলে লেডা উই লংডনের ক্ল এক প্রীভিগ্রিখনের ব্যবস্থা করিয়া FECTA! म विमारमं भक इंट्रेड कविनगटनम् काकारम क । उट-छेग एक नाड मश्राद्य संद्राधाता क्योता के मुक्क निवासिक्छात महिक आक्रार्थमा आन्त किर्माद । महिला निवासिक निवा

मिना भतिवा कि कांक कतिबार्छक अवेश गाम। श्रिक श्रेनकार्यात सम्बद्धात्र कि क्या कर्छना, ভारा ७ प्रेरास्ट प्रेक्षय कर्यन रहेशा दिन ।

উত্তরে শেখী উইলিডেন বলেন--- । ই विजा है (मर्भव कविमार मन्द्र भूत वहरू কিছুই বলিবার উপায় নাই। গ্**রণ্মেন্টে**য় উপর বে দারিত্ব ক্রছিয়াছে, ভাষা যভই তালার নিজের ক্ষমে পড়িবে, ভতই তাঁকা क नमानात्रात्र किछन महत्या का मंडी প্রবাহনীয় হ'বে। ভবিষাতে ভারত त्र ज्ञूष ७ भास्ति गाफ क्षित्र विश्वा আমরা সকলেই আশা করি, ডাছা সম্বৰ করিবার অক্স ভারতের নারী নমাগ্রেক মহত্তর দান করিতে হইবে 📗

## क क्रिकेटन दशकात्र পিন্তগ চুরির জের

বিদায় প্রাপ্ত মূনদেক 🕮 তে সভীপচন্দ্র नटन्त्रालान्याद्यत्र यानक्षत्र स्टेटक ध्येक কলের পিডলস্ছ একটি টিনের বাস্ত্র অপ চরণ সম্পরে ওয়ারি পুলিস পানাম কনটো यन भारमम खजन मिर युष्ट क्ट्रेब्राट्ड । পুলিগ ভদত চলিভেছে !

## কানপুরে সবস্ত ভাকাতি

कामश्रद्धत्र यह गण गोकारमञ्ज छक কালুকোটীয় প্রাসিত্ব বস্তা বিজেকা রাম ভরদা লক্ষীনারায়ণ নামক লোকানের কেশিয়ার একদশ স্পাল क्षीएड निक्छ इहेबाएक। जाकांद्रश ত্যভাকে হত্যা করিয়া টাকার শনীয়। লইরা চলিয়া গিয়াছে। **ভাষাছেয়া** ग्रंथा। ७ क्रम 'एन I

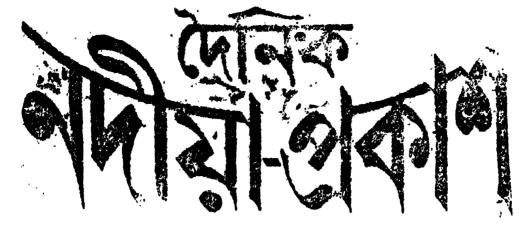
घटेगात निवद्यान ध्राकान सामि । ०० ঘটকার সময় ও যাক্তি পিক্লপ লইয়া त्याकारम खारान करम sat रकनिवारमम राज इष्टेट काकाम थनिया क्रिमाबेबा मग्र । के नगरत घरत जात दक्ष किन ना । ভিনি সাহাধ্যের অস্ত চীৎকার করিছে थाएकन ও ডाकाइएमत अञ्चनत्र क्रिएक शास्त्रम क्षामाच्या डाक्ट्र अनी करत । श्वणीत करण व मिनिटिय मरवार्के তালায় মৃত্যু ঘটে। আতত বীলৈর এবনৰ दकान गकान भा दर्श देश नोई 🗥 🧀 🛬

## कायक महकारकत बंदर महिला है जाय कंजिंगियं कविद्यम्म

नियमा ५ हेटल मन्बारम-अक्सेन मान्यम fanca affa newicon Genew co कामिती निरमान केला व्हेश्यक कार्यक करित्वलम् कानामी एम्स्न क्षेत्री काम



INDINING ALA वांत्रवारव निष्य क्रांस ३, ूर्हा स्भिन्न जो इ



माग्याद स्थ मा दान ८५% वाभिक क याचायिक ८ (अयांगिक २५० गानिक ১ गगण প্ৰতি সংখ্যা ,৫

ভাষতেও প্ৰবিত বছল-এচাও—নদীয়া জেলার একমাত মুখ্পত

সম্পাদক জীততীন্দ্ৰনাথ ৰন্দ্যোপাধ্যায়, বেদাস্তবাচম্পতি TOP ]

কিন্তুত্ব দংখ্যা

**এটিত ক্রমত প্রাম মাহাণ্ড** ১ই আশাভ বুধবার ১০০৮, ১৮শে জুন ১৯০১

## নানা কথা

#### कुरानगाल द्वार्थात

ক্লক্ষণার বাগেম সমিতির শ্রীমান মন্মণনাপ প্রামাণিক গভ ১৭ই জুন পুলিশ কর্ত্ত নিজগুতে স্টয়াছেন। বাটাও থানাজলান কর। स्देशां क्षि क्य कि हु भाष्या यात्र नाहे। গ্রেপ্তারের করেণ এপনও জালা নায माहे,शृत्स भूगिम बात ७ छ्हेवात ७१३:८क (अञ्चात कतिया छाड़िया नियाछिन।

## বিলাভী দ্ৰব্য বৰ্জ্জপ **टीम् ड उनागर्टादम्य डेव्हि**

**'**ভারত বতনিন পুণ খরান লাভ না কলে; ভঙ্গিন প্ৰায় পুৰ্ণেখ্যম विवाधी यक्ष्म चात्सावन हिंदिङ থাকিবে।" জাতিসংখ্যে সভাগ ভারতীয় মালিকগণের অভিনেধি ত্রীয়ত ওয়াগটাদ হীনাটাল উক্ত মধ্যে এক বিস্থৃতি প্রদান करतम ! पै विस्मिता भीमकशत्यत गहिल भाषाक्षत्रे थाकान मर्शाम हालाहेरपट्टन, विष्यो भागक भित्रम् स्थलवागीत्र छेशत বেপুরোম্বা অভ্যানার করিতেছে, কিন্ত ভগাপি ভারতের সঙ্গল লগ হয় নাই। ষ্ঠানি প্ৰায়ন্ত স্বাধীনতা স্ক্রিত-না হয়, তড়দিন ভারত বিলাতী জবা বঞ্জন अधिरव । 💢 💮 👵

ক্ষনগরে গ্রেপ্তার

दिलाठी दर्छत्व शियुक उतालहाँ, त्मत डेक्टि পাঁচশত বাড়ী ভম্মীভূত

মিঃ বলডুইনের হাহুতাশ—ভারত সম্বন্ধে

णाटन हुन।

# বিমান্যান ভূপতিত

নর্হত্যার হহিত সশস্ত্র ডাকাতি

# বঙ্গে অডিন্যান্সের প্রকোপ

স্বরাজগঠন সমিতিতে নেতৃবর্গ

# ১ দিনে ১৮টি ডাকাতি

কাজের ফলে আর এক হাজার গোল ভূতপুর প্রধান মধ্য মি: বলচুইন বৃদ্ধিরা जुड़ड़ीन इट्रेग्नाएड এवर अकस्पन भक्त इन्हा মারা ভিয়েলা ভাগে পারত হইয়াছে।

িঃ লগড়ইলের হাছতাশ धानर जनदन बादमाठमा

রয়টারের এক সংবাদে প্রকাশ গভ नातृत आय्यत्र देखनूत् भृतीद्व अधि । अन्द स्व मान्यानात्र वस्त । अन्दन

চেন, আজ ভারটের সমকটে আনানের প্রায় পাচণত বাড়ী মাডককে অধিক পালোড়িত করিয়াছে। যদি ভারতের দম্ভা স্মাধান করিছে না পারি, ত হা হইলে সমগ বিটিশ সামালা भवःग ६हेरन। लाही जान वार्टीहि ব্যাপেক্ষা শ্রুতগভিতে পরিবর্তনের দিকে অগ্রার হইভেছে। এট পরিবর্তনকে आंत्र मार्थास्या त्रांशा हाला मा। उत्त

িণেন্টেম্বরের গোলটেবিল বৈঠকে অর্থ-ীতিক সংস্কল,রটিশ ব্যণিকোরে সংস্কৃত্য, অন্যেন ও শুমালার সংবাদন **ও দা**র স্বালেদের স্রক্র<u>— এই ড়ারি **প্রেকার**</u> ্বং 🖖 নুখন ক্ষুণ্ডি ইইবে 🕨 ভারতের সমত, শইল, আলোচনা করিত এখনও ইংলণ্ডের স্পাণেকা মস্তিক বিশিষ্ট (न(कालत आखाइन)

## বিমান যাম ভূপভিত

িন্দীর সেন্টান কেলের সম্থে গত ১१**टे क्**न क्लि कल्लाइन कान छाछ কর্ত্তক পরিচালিত একগানা এরে,প্লেন ভগার পড়িয়া যায়।

घष्टेनात्र निष्ड् निनत्रश ध्वकाम, रिक् কলেডের ৪৭ মার্ষিক , শ্রণীর ছাত্র বন্ধার সিং বিমান-চালন'র বি শ্রেণীর লংগণৈন পাইয়াছিলেন। তি'ন তাহার বিমান পরিচালনা দেখিবার জ্ঞা উহার বাবে-ক্ষান বস্তুকে বিষয়েশ কলেন। কিংকিল বেশ নিবিয়ে কাটে, কিন্তু হঠাৰ ব হাতার ক্ষিট উপর -ইডে এরোমে টি পৃণি। নীচে পড়ে। বিমানচারক জখন **रन नारे, विमान खद्ध का**डियाड श्रदेशास्त्र ।

**২২ হাজার টাকা** অ শহত **ডেপুটিম্যাজিট্টেটের বা**টিচে চুরি

গভ চলৰ ব্ৰাচিতে প্ৰায় চেল্টা मानिदर्वेषे निष्कृति नक्त खगास्त्र वाजित्व वक्ति इति श्रेषी विदाह । यान अनुष है।का 'अ जनकारत टारेंत्र ३२ होसीत है।का जनसङ स्टेशास्।

পাঁচশত বাড়ী উপীত্ত । 📜 🎉 , ब्रिट्म (क्षणी (क्षणात वार्जु व वार्य प्रवा

# শ্রীধান মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## (थाना इरेग्राट्ट।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অতি শক্তের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যক্তে স্থলের বাসহানের বন্দোবস্ত হইস্টিট । স্থান অতীব স্বাধ্যক্ষর।

সবিস্তার সাংক্রির জন্ম নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। সেব্রেন্ডিগ্ন জন্মির জন্তিনিনাদে ইন্টিটিউট্ জ্বীচেত্র সেঃ জ্বীমায়াপুর, নদীয়া।

## —৫১ বংসরের প্রতিষ্ঠিত—

শৈশালেনে প্রস্তান বঁটাব্র। খাল ওজারার।, প্রবেষ, কেন্তিনাটির, মন্দার, সালভঙ্গ প্রস্তৃতি কর রোগীর বোগ নিরাময় ইট্যান্ডে ভাগা প্রকাশ কারণে বড় বড় পুস্তক কর্তিন প্রচেন্

#### हें हैं।

সকল খড়ুছে ব্যবহার চলে ও সমান ফল প্রেরান করিয়া প্রেক। আচে কৌটায় ৩২টী বটীকা থাকে।

#### কেবলমাত্র

প্রতি কৌটার মূল্য ১০ এক টাকা। ইনার নাম 'আনভক্ষনিপ্রত্ বটীকা'।

অংশ্লে উপদের তানেকার অভ্য পত্র নিবি নট পাইবেন আথিয়ান:—আত ক্ষমিপ্রাছ ক্রিম্প্রাক্তম্ম ২১৪ নং বহুণালার ট্রিই, ক'ল্কাডার

## কাবরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



মফংখণের ও বধার জন্ত ৬ আঃ শিশিতে ঘনীভূত অবস্থার ছোটবোভ্লের ব্যামণ্ডি ঔষণ ছাকে পাঠান হয়, ইহাতে ঔষধেয় কোন পরিবর্তন করা হয় নাই। সুণা আছি শিশিয়ত আনা, পাঁইটানেত আনা, বোভল ১০০ আনা।

ভাফিস-১১নং উল্টাডালা রোড, পোঃ শামবাজার, কলিকাতা

# यफर्ने मध्ने

বাইক। দু থার ও বাড়ুবিকার, ইন্সি: ব্রাঞ্চর ছান্ত্র আছে হে ভাল্পান্ত, বহরত্রতা, বাবাহেরা, বুল বড় কড়ানি, অনিজ্ঞ প্রকৃতি লক্ষণ সভা নির্দেশ আয়োগা হয়। বলা, বীর্বা, বেখা বৃদ্ধি করিকে অভিনীয় ইবিক। সুন্ধা ৪০ বঁটা ১, এক টাক)।

প্ৰকাশ কৰিব বাৰ কৰি

## হাইডোসিল বা

## কোবর্দ্ধি রোগ

ভাঃ এস্, এন্, খোৰ বিলা অন্তে,
বাৰজীবনের গ্যাথাটি দিয়া বৈত্যভিত্ত
প্রণাগাতে কোবসুদ্ধি চোগ আংগ্রাগ্য
ক্রিয়া থাকেন।

ठिकामा---अभ नर कहेंसे डीहें, वक्ष्याबाह, कातकाला।

# যক্ষায় হতাশ হুইবেন না

## দৈব প্রাপ্ত বক্ষার একমাত্র মহৌষ্

প্রশার নিবে স্পূর্ণ আরোগ্য

দোৱী বেখাইতে তপনে। অন্তিম প্রথেছ খনত (খাওনা এনং আলার)
পাঠাইলে গিনা মোদী দেখা হয় অথবা এখানে আসিলে বেগদী বৈশিলা
উষ্ধ দৈওলা হয় আন্তোপা লা ভঙ্জা পথান্ত পাতিশ্রমিক দিতে কটবৈ লা।
গানীৰ বোগীবের খনত বছন ভত্তিলা চিকিৎসা করা করা। কিন্তাবিভ বিষয়েশের কন্ত এক আনায় ভাক টিকেট সহ নিম্ন ঠিকান্যর অঞ্জনভান

শ্রীকি ভীলচন্দ্র উকীল, যত্মা-চিকিৎসক, পো: নৈকারী, দৰিশ্বল। অথবা নিয় ঠিকানার সাক্ষাৎ করিয়া বিস্তারিত কানিতে পালেয়। শ্রীষ্ত রামগোপাল দত্ত এম্, এ, ক্লক্ষমগর, নধীয়া। শ্রীষ্ঠ করিপদ

िर्देश, ३५%, वर्शनवाद्यां शिष्टे, काष्ट्रेरशानः, कानकाछा ।

প্রকশালি পত্র । আমার প্রাতুশুর গত হর মান যাবৎ রাজ বন্ধার ভূগিয়া নৃতপ্রার করবাহিল, কালকাভার বিজ্ঞা চিকিৎসক্ষণ ভাগের ভীবনের আলা ভাগে করিবা শোম মুহুতের অন্ত অংশকা ভালিকেভিংলন এই সময় শীবুত লিক্টিশ্যক উলিল মহালয় মারা ১০ জিন চিকিৎসা কার্য্য সংগ্র্থ আলোগ্য করিয়া কিছেন। (সাঃ) শীঘ্টার কিশোর বার চৌধুনী (ভানিদরে পারিরা) হল্প দ্বীট্, নিউ বিভিন্ন অরুগোরেশন বিটিং ভিবাটিনেট, কলিকাছা।

# শ্রীনবদীপ-পঞ্জিকা

भोजान 88%

माल %> जाक किदक है भारत है दिला वूक दिला दे भारत है ।

ম্যানেকার-প্রন্থবিভাগ শ্রীটে গেম্য, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীরা।

(帝司 副百部公司

# গোড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

-कार्चल-

এখানে যাবকীয় ভাগার কার্যা---

भिष्ठोत ८ १७१, स्थरमा, अवसं, आम, अमिष्ठो ८६७, विश् आकृतिहे वसूम, विभाटक सिमञ्जन भूख, काऊ विभादक मण्डले वसून,

আর ও ছং ও ৪ ছংছের ভাফটোন ব্লক্ট বসুন, সকল ভাইটে অভি নীয় ভাপা তর্, অপচ চাপাটবার গওচ বাজার অপেকা প্রভাত।

व्याननात्र विहू शानाव कार्या थाकित्व नित्रत्ती कामात्र व्यामाहरणहे वस वाहरवम

बारमबान-क्योक्रीहा शिक्टिर ख्याचन रहतार मह बानात मार्क्तार दशक बानपाता

## श्रेन अंजूगारनत वकुछावनी

व्यथम ७ । मुकात प्र

कं कितान अधिमहर्गिकि मान नवकी श्रापामी महावारकत शहे व्यक्ति। विभारितती को श्राप्त व्यवस्थानिक क्ष्मकाक निर्माणिक विभावनिक वृत्तिश्वस्थानिक वृत्तिश्वस्थानिक वृत्तिश्वस्थानिक देवकत्तिकास रष्ट्र श्राहोत (को ज्ञाप्त क्ष्मकाक निर्माणिक व्यक्तिक विभावनिक्रम । किनो व्यक्ति प्रेमक व्यक्ति मान

#### खी बी अक्टमानाटको करा छ।

## व्यमान्ध्रमाप्तिक वेजित्रावर मण्डि সৎসাম্প্রায়িকের ভূগনামূলক शांत्रावादिक के शांत्रवर्ग।

(35)

## ष्ट्राची अंगरण अंगरणा अंगरकातारमञ् मार्था कर्मक छी-दशी शक्यामा कि कवान

हेशालत मण्डे-कृष्णमामकी धंन, त्शोत-প্রচার ও জাবে দল--এই তিন্টী উপেলা। িগৌলাদকে অবভাব থাকার कतिरगरे मामाशिक Z 97 हेर्द्धानत मरशा योष्ट्रेल. गर्डाण्या, कंशांच्या, जाह, मत्रदनन, स्वत्रीताम, भागातानी প্রভৃতি হইতে রক্ষা কৰিবা সামাজিক করিশার প্রাকাশ। বিধি নাট। ইুচার। भक्षके हमोबानक अवद्यान वीवान सीवान करतम । उत्त हेटाटात व्यत्मरक निक्राक क्षित्रारमञ्ज क्षत्रांत्र नानारण क्षिक इस सा । मगारक्षम कड कतान्त्र हेळ् इडल विद्वान वाक्ष्यं द्यायामा हिलाही (म न्ह्र) यक्टिक भारत । ८७११७४ । धाउटाक आर्जीक श्री मार्च मात्र छ।

#### BIFICH (BIFIE)

अहे शतक - सही, भांकर धर, गम, में डलारीम माना आगारवर धारक कन्तांका गरन कोताः। ভাহাদের পূজা করিবল ইউফল লাভ ১৭, এক্সপ বিচার আমা সরগ্রিখাবিত্র বিশ্বাস कर्षेत्रम् । 'बार के क्षरण व्यापा स्मर्रेडार के শ্বভন্ন ঈশ্বলভ্রম প্রামারেশভান্তান প্রচারিত आबादन छ।वाद्भव আচান ব স কলেই বিনি:শেশ विदाक (विवास) কিন্তু শিষ্যাগণ পোত্রলিকভার উপাধনা वाक्रीड धना উक्र डिशा कर्ति: ह आरह. नः । कड़ीन निज्ञकान निचनमन अवस्तातीन निज्ञाक आमारमन धारामियान मारामा 'छक विष्ठक कतिश भारकम्।

#### MIFFERS

বৈশ্ব সম্প্রবারের মধ্যে এই মত প্রচ-লিভ। অহ্থাৰ माभावर-।ज পুঞা, ভাছারা সংখ্যার ২৪টা। এতন হাত আবও करतकत्री व्यक्तितात देशाता भवान करतन । াছই মতে জীবছিংসা নিয়িত্ব। পুষ্পাদি ষারা ইহারা কোন একটা অর্হৎকে পূঞা कत्रियां शांदकना शादानमान গ্রন্থ হ कट्यक्रि वर्गभूष्टित शुका हेट्रापत गर्या প্রচলিত আছে।

## **GIE PAIR**

ভাৰে নিগম-লিশিভ বিধানের কাঠা-বিধি বিশ্বকভাবে গিথিত আছে। শিব

# (मिनिक नमोश-প्रकाभ

নিতাপাস্য বৈক্পবাদ্ভাবত

र्नशांत्रि ममञ्ज माञ्चल-भारत्यत्र व्यक्तिय नहासहात्रा 网络斯特尼西 多种利因 及阿马

## দৈনিক পার্মার্থিক পত্র

জীলাম-সাধাপুর-১ই আলাড় বুধবার-:৩৩৮

বিজ্ঞানের কথা শিধিত আছে, উথা সাহত। করত স্বমত প্রচার করেন। ত্র। যেগানে আন্তান জড়ায়ার্গত, মেধানেই বেলব্ছিছ হ মত। म कितान অবস্থান কৰিয়া ভান্তিকধাদ বহু বিশ্বতি याच करतः । एः प्रिकः,रन्त **(神)**可 द्रकान मध्यभारा कानन्त्रभ महणान ९ প্রকাশন সাধনের প্রক্রিল সংক্রে। কা 🙃 কৈক সংখন, উচৰতী সংখন, কুমারী কাথন প নানা নাকাল আরুভতাদের দেবা ভিল िक भण्या (३) देन्या योत । तीलामि व्यक्तित ক্রেল ভিন্ন ভিন্ন বিভাল আছে। শক্তিই 'মানারাগি নিবাকার মানা' বছ চলিলী সিজে, নানাপ্রকার যোগভাত সিবিও क्षांत्रिक अने नाक कात्रात्र, क्षता गाल । इंडेज ধাতকে অংকংগ, উৎকট বাধি বিমেচিন প্রাকৃতি নামা আগতিক ফল তাল্লিকগণের नशक्त क्षार्कार का

#### ক্রিবেরবাদ

ঋক, বছঃ ও থাম - এই তিন বেদে याश पिलाग ह कहे। एक अनः जनसूर्व द्यानिह উপাক্ত। এট সকল শান্তে পাণ্ডিতা পাকি-্লেই ধন্দ্ৰ সংগ্ৰিত হয়। ইচা ছাড়া অক ্ব্যবহাৰ বেদ্পুলোদিত না হওগায় ভাষার মাধন হটতে বিশ্ভ থাকিবা ধর্ম রক্ষিত হইলে ধন্ম সাধিত হয়।

#### मग्रामण मुर्खिविदनां भवाम

अहे माञ्चलाम्ह चारणोन्नास्त्रतः प्रणीन-माञ्चापि व्यक्ताकृत । भग्रीमाञ्च छ यावश्विक সমাজের অনাদর ধর্মাক। পুরাণ ও তন্ত্রাদিং শাত্র অধ্যামূলক। বেদ্যিহিত ক্রিয়াই ধর্মবাজন। ভাগবায় মহ রাভীত অক্তাক্ত স্বভ্যামি শাস্ত্র-বিধান বেদবিহিত নছে। ্ত্রক্ষেত্র আকার নাই, বর্ণধর্মের আবৈশ্রকভা

বক্তা, পাকাতী শ্রোজী। যে তথে আছি- দয়ানক পাঞ্চাবে ক্রিয়া শহেববাদ ভাগে

#### प्रार्मिक करा प्र

এই মতে, বেদ, ক্রমালা, সভ্দশনে পাণ্ডিতা পাকিলেই দশ্ম কর্তস্থত ৩০ ৷ ম্যাদি শাল্প, প্রকাদি পুরাণ ও যামলাদি তলোপদিই বাৰহারসকল অধ্যের অহ। আকাৰ প্ৰভৃতি দ্বীকার কৰা অৱশ্ব।

### **भर्या** छान्याप्त

এই মতে—দানবহুণের গত গ্রকার পশ্ব-गाना भण्या ६ व्याप्रश हिराब ६३ए७ ११८न. अहर ना कताई समा। भागानम् नीतिहे হুহা আধুকণ্টণর বিশ্বাস। বলাকবণ্, রেগ্রান্ত একমাত্র প্রমদ্ম। তাগ্রাক্তিক সম্ভান্ত খীকার কবা চুনীচিব প্রিচা, কারণ छन्दिकारा (नशः याय । अक्श भग्ने छ छ-স্ব স্বার্থ হইতে উংগর। দওনাতি রক্ষা মাবভীয় করি । ক(ব্ৰঃই ধার্মান্ত ।

## मग्दशीया स्टाप

শ্রীগৌরাকে কুপুনা চইরা করক ওবি ব্যক্তি নিজ নিজ ক্ষতি অনুসাৰে অহৈত্বী বৰ্ণনায় প্ৰথিতে প্ৰথ ভতিবিনাশ কামনায় আলোলালের স্টার্গ **छिलाम्बरक विखाय क**तियात मामरम धार्यास स्वन कांग्र गार्था होत्य । অভ্নান অনাংক্তক এবং অনাবভাকীয় ধন্ম গোরাজের পুনংপুনং অবভার কামনা করেন। বদ্ধমান, হুগলী, কলিকাভা, নব-, পাৰনা, জীহট আছতি নানাভানে विভिন্न नवश्योतात्रमाल वह नवश्योतारमञ প্রাকট করাইয়া ভদীয় উপাসনায় বাস্ত बारकन। এই रिम रिम नवाशीशकमन একে অপরের সহিত খীব খাপ না থাকিলে সহায়ভৃতি করেন না। যে কোন প্রকারে সাধিকভাবসকল দেহে প্রকাশিত করিতে , বাচরম মহযের কেতুকেন বলিব 🔊 ভালা भाजित्म सर्व मिष्क एव । हेर्राता देवसम्बर्गतन । श्राम कीर्जनापि नाधन करतन। किह किह বা বেদান্ত সাংখ্যাদি দার্শনিক পাড়িতো

বিকারে বিক্রত থাকিয়া ত্রুস ভগমগু ভার (मथान क्षतः एक र कर का शक्तिंत स्थानाव मानुनारम अधिकिष्ठ दशेश ध्यवस्ता गांकि । वात উष्म्रहण अष्टे मध्यमहाय श्रादन करवन ।

## নৌভাগ্য কি १

( डी।किलानीएमध्य हिल्यासन् नि धन )

ব্যবহাবিক জনতে আম্বা আমাদের শোগালেই শুখ ভূথের নিয়ামক বলিধা ধাৰণ কৰিয়া পা'ক অৰ্থাই উক্ত প্ৰকাৰ स्थ प्रशास कन जापाड़े त्यम मन्त्री माग्री, ক্ষামানের উলচে যেন কোন দারিছ নাই। 'ভাগাং ফল্ডি স্থার ন গ্রিচ, ন্চ পৌজনম' --- এই ব্রথিৰ অন্তল্পৰ ক্রিয়া আমেরা ভাগা-কেই স্থণত থের হত: কন্তা হিলাত। বলিয়া मरम् कति । भा । कर्राग्य ७५०२ मिवभूश यहा জাব আমৰা, আনাদেশ বল্প ভূমিকাণ অগ্নিতঃ बर्गेता है कि अञ्चलन अनिहास कर कर एक मनन করিনা প্যক্রি। मन ७० वल महारे अस्तर অভাবে আধাজিক জ্ঞান আৰু এন করিলা বিপ্রাহের পুঞা, বানের স্থান, প্রক্ষেব চিন্মার টিক্র বিভান্ত অপ্রাক্ত ভূমিকার নিচার বা জাবের তটক অবভার বিশার শ্রবণ করিবার स्वयांश व्यामास्त्र कः माः । जारे व्यामता मत्म कवि ६४. कामाधनः मिटकतः दकाम অংরাধু না পাকিলেও আসবা আমাদের রণায়ক উপাধানাবলে কগতে ভাবি আছে না হইবে, গাহাব কোনটাই ইচ্চাব বিরাদ্ধে স্থালান্যান্তার স্থাবাধ ख्यकः व ना तत्न ক্ষাপত খুৰ্যমান इडेर इहि ।

> छाडे मामन गर्भाग ता किएएन स्वाद ধান্মিক নামধাৰা প্ৰাধ্বজাৰ সধ্যে অনেক : এই প্ৰশ্ন উঠিছ আৰু হয়, ৮০০টি কি গ ं खन्नेरेनकत्रशर्भात् हार्ष आन्यान्डः धरि श्रम ও দেবার্ডির ফবে এই আরের স্কু मीमार्गात डेलक्कि व्हेटच शहरा । सम्खक-গুলপুরে শুর্গাগতি ব জভাব ইইলে আংশরা ट्रेट ट्राप्ट्रंस द्वार क्रिक्ट १३१७ অগম হই। ইঃতৈক্চরিত্রেতে অপ্রেক্ত ক্ষাৰৰ শ্ৰীৰ কৰিবাৰ পোলাই

सभिक्त एकान भाषा एकक शत। मनीत जिल्हा कारता ग्रामात करलपुर है। সস্কলে, রুঞ্চে রুভি উপজাল खाता भरवा वर्ष ।क (काल ६ ।राज না, আৰ কিছু ?

া ভাগাক্রমে বথন কালাবভ সালাব ক্রাণ-মুধ হয়, তথম ডিনি সাংসক্ষে প্রায় হন। कामाई दिन भर्माद्रभरतय काल्य शहर शहर, कर्य সাধ্যকের আবজাকতা কি এবং সাব্যসতকই ধনি কেবগণাত্র আঃ ঘটনা হয় এবং ভালাই ধদি জীবের একমাত্র শঙ্গলামসল প্রদাতা হয়, তবে জীবেয় নিজ চেটাপ্রবৃত্তি শুভ নাই। অবৈতবাদ বেলোক মত নহে। মথ থাকেন। আবার কেহবা অইসাহিক হিবাধায়। অতএব ইয়ার ছলিয়াত এক प्रकृ जनाहिक्षा (मिथा इंटेरव এवः जन्म मार्गात्रवामना इक्तन इंटेरज अहम । अपन । জীবতধ্বের মূলের প্রতি দৃষ্টি করা আবশ্বক। উহা অত্যন্ত হুখলে হয়, তথন সংসারক্ষয়ে স্বভাব ধর্মন গঠিত ২য়, তথন সে সময়ের কর্মকন্তা কেবল ঈশ্বর বাড়ীত আর কেহ न(इन । जीत चत्रिए तस्त्र, वि: हिए औद्रारकत অবংশ: দে কারণ জীবের চিল্পারের গঠনেই স্বাতম্যধর্ম অনুস্থাত। অতএন গঠনকার্ড্যমন্ত্র গঠনের সহিভই বহিল। গঠনের পর ভীব যে সমন্ত কার্যা করিতে থাকিবে, ভাষাতে আদিকভার আর সম্বন্ধ থাকে না।

এইরপ স্বাভন্না বা স্বতঃ করুত্বনন্ম-বিশিষ্ট জীব হয় ভগ্ৰচনুথ না হয় ভগ্ৰছ হিমুণ উইবে। সেই কাষাই জীবের প্রথম कार्या व्यवीद इत्र भिडाकाम उन्हरस्य নাহয় নিতাকাল ভোগের সপুর। এই कार्या कीरवत मुंशा कड़ व वर्धभाग। किह সেই কাধ্যসমধে ভাষার ফলল্ম-ক্রিগ্রে **ঈশ্বরের অন্তদক্ষ কভূত। সালভিনিবেশের** পর অর্থাৎ অনাদি ভাবদ্বিমুগতালাতের পর জীব যে কাঘটা করিতে থালিবেন, ভাষাতে ভাঁষার মূল কাট্ড সদকে 🕬 ই পাৰে। প্ৰাকৃতি দেই কাষ্যেৰ সংগ্ৰহ ক্ষেত্রন বশিষা উহাতে উংলাশ 'গৌণকত্ত্র - ध्वर कवानाम निषक्ष क्षेत्रका अङ्गक काहुः । বর্ত্তমান। শ্বতঃ কর্ত্তরণয়ন্ত্রণ জীব মার্চান ভিনিবেশ করিলেও উরোব মুগ করের ব। স্বাতরাধর্ম কথনই লোগ হল না। অবিচা প্রেবেশের পর শ্রীব যত কন্ম করিতে গাকেন, সে-পকল কলোত্ব হইলেই ভাগা নামে অভিহিত হয়। জীবের ভাগা গীবের কথা-ফলান্ত্র্যারে বিচারিত ফলবিংশন।

আপিক ও পারমার্থিক ভেনে কর্ম্মকর ছুই প্রকার। আগিক করে আগিক বা ভাগতিক ভাগ্যোপর এবং পরেমার্থিক কর্মে পারমাথিক বা নিতাক্সাণে সম্বন্ধে উপেশু শ্ৰীপা যে সম্ভ কথা সত হয়, তাংগা-ताह आर्थिक। अतमार्थरक मका कतिया स স্কল কল্ম ক্লড ২ণ, সে সমূদ্য গান্সাথিক. यपी.-- मानुरस्तः, नश्यदीमः । ७ । जश्यदरम्याः **अकृष्टि।** उत्तरभागनम् यनित्य दीतिन ভাজিবাশনারূপে এক প্রকার সংস্কার উৎপন্ন कतियां भारक । एम माना करना भूते হইয়া জীবের সৌভাগা বা পর্যাত নাম माध करता। इंशके की त्रा ए जुलाशी-মুক্তি: ইহা বাতীত আন ছই প্রকার कारशाङ्क कथा शास्त्रको योग वया दलादशास्त्री ও মোকোমুগী। প্রমার্থ রাজ্যে ভক্ত, গুগী স্তর্কতিই জাবেশ একমাত বাছনীয় বস্ত্র এবং ভাঙাই জীবের সৌভাগা বলিগা বিবেচিত। ভক্তগণ ভোগোমুলী বা মোকোলুণী হাঞ্ছির कक नामाधिक इन मा।

সেই ভজ্যাগুলী হার ভিন কলে জীবের

জীব—ক্লুক্ষের ভটন্থা শক্তিবিংশধ। ভাবের স্বরূপধর্ম ক্লুভক্তির উদ্বোধক সৌভাগ্য-সংস্কার অধিকতর পু**ষ্টিসহকারে জীবের** জদয়ে শ্রদ্ধা উৎপাদন করে। সেই শ্রদ্ধার ফলে জীব সাধুগলজেমে সংসার হইতে উপাৰ লাভ করেন এবং রুফে রভি উৎপন্ন उद्देश छै। शत रामिषि नाड घटि । এই तम সৌভাগোর ক্রম অমল পুরাণ শ্রীমন্তাগনতে দেব্যি শ্রীনাবদের চরিজ স্থান্ধে বলিত হই:।ছে। দেন্দি নারদ তাঁহার মৌভাগোর বর্ণন করিয়া শ্রীস ব্যাসদেশকে বলিভেছেন, - एक नाम । श्रुश करम आमि (कान দাস<sup>\*</sup>পুত্র ভিলাম। আমার মাতা কতক-क्षि (देशवार्तः चिक्तिसारीति (स्ताः। नियुक्त ছিলেন। 명바기 **ठा दुर्का (स्लोशनारक** একস্তানে বাস করিছে ইচ্ছক ১ইলে আমি ব্যাক ২ইলোও ভাষ্টেলৰ সেৱাৰ নিৰ্ভ ছিলাম। দেই ভাবেডদিগের উভিষ্ঠ একবাৰ ভঞ্জাফলে আমার সমস্ত কল্মণ দ্ৰ ইইড়ভিল। সেই কাংগেকে আম্ব বিশ্বতিতে ব্যেখন-ড্রাম শ্রা হ্রিল। रिक्या व শ্ৰিটে প্ৰিন্দ্ৰবা त्या एक अहर के लेख हैं राज करेंग ।

গরান সিক্ষেত্রটাতেছে যে, জীবের ন্ত গলের জয় তির কলো ভাঁবের সেটভাজেন डिल्झ र । जेकर स्टाइन्सफर मानुभटक आता दश । अन्य ,रहे अन्ति करन ७ छन्, क्रक्र श्राम् महो। क्रि ड कार्मा त भत क्रकार्ता र फिला क्रम, इय क्रीन्ट्र क्राल्यान्त्र জা গনে শ্ৰহা লাগিত হয়, এই জন্মই राष्ट्रभाक सकत कन्नार्थन भून 😘 🐃 🖺 🖺 ১১ চনত রিতাম্ভকার नुना: माधुमक भक्षनाञ्च भान्यक भक्तिकि द्वा क्रमा, ८७।मात ६६. यति दश्य अक्रतात । মাধানক ছটতে ক্ষণ ভারে কনেন গার॥'

অভ্যান ভাগা বলিতে কেবল্যাত অন্ধ গটনা বনিজা আমাদেব যে ভান্ত ধাৰণা ছিল कार। भग्रम विनष्ट रुसेल । इस्टाइस मीरन तसे মুখা কর্ত্ব ব্রুলান। প্রকারাখ্যে ভাগা জীবের নিয়ামক বলিবা প্রেডীত হইগোও ভীবেই স্বয়<sup>্</sup> স্বাভিন্ন সন্মান্ত্ৰে ভীতোৱা নিজ চালের প্রাক্ত কতারপে বর্ষান। মূলে জীব ইচ্ছামত উচ্চার নিজ ভাগোর श्रुवेन अधितिवर्छनाणि कतिर्देश समर्थ ।

## প্রভারণা

( डीविक्रमहत्त्र मामाधिकात्री क्रिक्रमाञ्जी, भस्यकाः देवभगात्रायाः)

মনের থেয়াল, সাম্ভিক উত্তেজনার वेष्ण वा शास्त्रत क्षण एषित क्षण ता क्षण- পুর হইবার কোন সম্ভাবনা নাই। নিত্য मजनाकांको निः (अग्रन्थांशौ निया उक्तनिष्ठ গুরুর পাদপরে সমাকু প্রকারে অভিগমন ক্রিয়া প্রশিপাত ও পরিপ্রাপ্ন সহকারে टमवा कतितन, किन्छ आधि श्रक्त-दमवा वान দিয়া সর্বাস্থ কৃষ্ণপাদপায়ে সমর্পণের নাম করিয়া কামারকে ইস্পাত ফাঁকি দেওয়ার সায় প্রতারণা করিয়া বঞ্চিত হইয়াছি. পাথীর মত মুখে বলি --

মানস দেহ গেছ থো কিছু মোর। অর্পিনু তুয়া পদে নক্কিশোর॥ मन्नाम विभाग कीनान मतान । मांग्र सम श्रिका कृता । श्रिक व्यवस्थ ॥

কাষ্যতঃ আমার ষ্পাস্কাস্থ নিজ ইন্দ্রিয় তর্পণের বা আত্মীয় স্বন্ধনের ভোগের জন্ম मक्दश्यदञ्ज तका कत्रिया शांकि এवः वाग-করি। রুফ্ডসেরার কিছু মাত্রও ব্যয় করিতে কুণ্ঠাবোধ করি: বরং ভগবান আমার ঐ मकन तका करून, हेश आर्थना कति। (करु আমার সম্পত্তিতে কটাক করিলে রক্ষের্ই স্ব বলিয়া প্রতারণা করায় গুরুপাদপশ্লের রূপা হইতে বাধ্যত হইয়াছি।

আমার ভোগের আকাজনা প্রানল থাকাং অর্থ সংগ্রাহের জন্ত কত কট্ট না স্বীকার করিং৷ থাকি, সঞ্জিত অর্থ নত হইলে বড়া ছঃবিত ২ট। কৃষ্ণদেবা হটল না বলি:। ছাও হয় না। ভোগ করিছে পারিলাম না বলিয়া শোক, ইহাই আমার ভজনপথের ষনগঁ, ভাগা বুধিয়াও বুঝি না। অবিভা জনিত অজ্ঞান অন্ধকারে আচ্ছন্ন থাকার স্বস্থ লোক মোচ, জরা, মৃত্যু, কুণা,তুকা—বড়ু যি मनवार्थे डेटवर पिट्डरफ । मृत्य वर्षि, ठडुकार्ग ठांडे ना. किन्ह **व्यर्कानना**र ∌त আশা আমার অভিমক্তাগত হইয়া সম্ভৱ প্রদেশকে সম্পূর্ণ আরুত করিয়া রাখিণাছে। মৃপে অনেক শাধীয় শ্লোক আওড়াইলেই ব। কি হটবে। আমার কণ্টভা বশত: সন্ওকর সিদ্ধান্তবাণা পারের নিগুড় রহজ किन्द्रं अम्द्रा भातना इंग्रेट्स् मा । जिक्क खान मध्य कविया धक्रपारनतः भागनाधीरन পাকা না পাকা নিজের ইচ্ছার্যনি ইওয়েয় উ।।গুরুর পাদপয়ে গুণার হৃততে পারিলান ना, काजभागातिका नतन वाध्यान नां, স্থামনাপ্রভাগন। হওয়ার মায়াকবলিত त्रिमाम, भारती धक्यमाञ्चय करियात কালে আত্মসমর্পণ ক্ষিনার সমর প্রভারণা করিলান, আত্মার কল্যাণলাভ কির্দেশ मञ्जब इंदेर ६ भारत १

এগন ও তঃসম্ব পরিক্যাগ করিয়া সংসক করিবার উন্ক্র। জাগে মাই, সভোরতে कृष्टि कविक भा। व्यवन ७ व्यवस्य ४७३ यानमं शांड क्रि। माध्यात्या गङ আলিত অতি আলিয়ী উপছিত হয় ৷ বৈতন্ত্ৰ ক্ষা হ**ই**লছে ৷ " সংগ্ৰহ প্ৰদালয়ের অভিনয়,তাহাতে অজ্ঞান নত্তকার 'এমতাবস্থার মন্ত্র লাভির আমি আশা কি 🎾 🖰 🐃 🐃

थाणात्रना कतात्र माम व्यवसात श्रापन बहेना ভক্তিপথ হইডে বিচ্যুত ক্ষিপ্লাছে। 'ঠাকুর বৈঞ্চবগণ क्षि अहे निर्वत्तन (मा वड़ व्यथम छत्राठात । গামাল সংখার নিধি ভাছে ভুবাইল বিধি কেশে ধরি মোরে কর পার ॥' 'ভৱদা আমার कहें माख नाथ তুমিত করণামগ্র। তব দ্যাপাত নাই মোর সম व्यवश्च पूर्वादव सम्म

## সুমেধতিথি পালনোৎসব

णांत्राम दशीशांत्रशाखाः-अश्वाखाः

শ্রীগোড়ীগমঠ রক্ষক व्यात्राधातिक শ্রীণাদ : অবিহারা বিভাত্যণ, ভব্দিশারী गरहानरवत कृषारम्हन গত )मा जाबह মক্ষণবার গোয়ালগড়া ইপ্রেপমাশ্রমে "ও निकृताम भी जीमहकिवित्नाम ठीकृतात्र मुख्यम বাসিক বিশ্বহ মহোৎসৰ" বাসরে আক্ষয়ন্তুটো नगत म्लेखन मण्य दहिर्गेष्ठ इंग्रेगा-ভিল, কিন্তু মঙ্গলধারে বৃষ্টি ছঙগার मक्रम नगर পति जगर्ग दोश अत्या। भावामिन इहि हरा। आधारमञ् जीनामनदीखन, ठाक्रतत व्यक्तींक कीवन काहिनी कीछन ७ विक्रिय মহাপ্রসাদ বিভয়ণমূখে উৎসব অঞ্জিভ হইনছে। চযোগ হইলেও আশাস্তীত লোক প্রমানন্দে মছোৎগবে বোগদান করিয়াছিলেন

### कठक जीमकिमानक मर्ट

বিগত .৬ই জুন মখল বাদরে কটক 🚉 मध्यत्रानम् भरते महीक्तमूर्य 🗐 वैवव् ङ्किनित्नाम ठाकूतात्र नितश मटहारमन अगमाहिल इहताहा। डेमाकीक्टनम मथना-भश्त व्यक्तित श्राम-श्रम सूर्वांतक इहेगा উঠি ।ছিল। সদ্ধা আগ্রাত্তিকের পর আগ্রার স্থীতন আরম্ভ হয়। তাকুর মহাল্থের খ-বচিত পদাবলী স্থাসভখনে গাঁও চন ও চরিভায়ত কীত্তিত হর। পরিশেদে मभागक कक्षात्रम विविध मश् धमारमत मधान করেন। মহোৎসবে বহুসংখ্যক শিक्षिত **७ मद्रास्य** राकि स्थानमान करिहाहित्यन ।

## বৃন্দাৰ্থ প্ৰীকৃষ্ণচৈত্ৰগুমঠে

श्रीधामः कृत्सावदन्तः मः,यादम् क्राकानः, শ্রীপাদ গণপতি বন্ধচারী প্রভুষ স্বোক্টেষ্টার शंक ३वा चात्राह क्रिक्कटेंडरक बटरेन क विकृशाः अञ्जीनहर्जनविद्रमात्र वाकुरवन ভিরোভাব উৎসব প্রচালকণে সম্পন্ন रहेशास्त्र । এङ्क्ष्णगत्म शांत्र व महीस्तानि ध्वरः गर्भागेक ड क्लूनिय विविध प्रशासिमान

# গ্রন্থ পরিচয়

## নীমন্ত্রাগরতম

व्यामसहित क्रमेंग्रेस नामन दानवान-धानिक मृत, धीमन-मध्योठाया-क्रणं छोरनया-निर्वतिका: अवस्वित्रनाथ ठळवळी ठोक्त-क्रच नातार्थर्शनीय होका, वकाक्ष्याव, मःक्रच अवग्र छ অভিলয়, তগা ও বিব্নত্যাদিবুক। প্রতি ক্ষেত্র আদিতে নৈই মধ্যের প্রতিপাম কথাদার, অণ্যারের প্রথমে ঐ অধ্যারের সারসহ স্থবিস্থত তাৎপণ্যাদি নিবৃত। লোকস্চী বিষয়সূচী, অধ্যানবিষরণ, পাত্র ও ভানসূচীসভ উত্তম কাগজে উত্তম অকরে মুদ্রিত। প্রথম ছইতে ১০ম ছল भरी छ छाना व्यक्तिरम रमस इहेसारछ । किका छान्य हेहेरङ अम क्या भगाव २०१० ; प्रमम सम् ३२८ ; アス四 日の、1

## এ এটে তথ্য চরিতামূত

**শ্রীশীমন্তরি বিনোদঠাকুর র**চিত 'অমৃতপ্রবারভাগ্য' ও জীতীয়ন্ত কি নিজাত সরস্থতী পোসামী প্রভূপাদ-লিখিত 'অমুভাবের জ্রুতি-স্বত্যাদি বহু শাস্ত্রমাণ-সম্প্রত চ্ট্রা व्यक्तांनिक स्हेदारक्त । (झारकत गावस्ताना), तकाक्षतांत 9 **প্রত্যেক প্রান্থের পূকে সংশ্বিপ্ত অভিনের সংযোগিত।** অত্যেক কণ্যার-প্রারম্ভে কর্থাসার দেওয়া আছে ৷ শ্লোক, পরায়, শব্, স্থান, পাত্র প্রেক্তির মুবুরৎ স্থাী ও প্রস্কারের বিশ্বত শীবনী সম্বিত এইরূপ অভূতপূক্ষ সংখ্যাণ ইতঃপূক্ষে कुछालि क्षकानिक इत्र भारे । उक्ष कागद्य लाजिलाएं।त निक्क पून द्वेषकरत्र भूगारम मूक्तिल इटेग्रास्कः। श्रव लाग्र प्रद०+ शृंहात्र मुल्लात । किला वर्षमादन दर्माळा ।

এড়ফারের জীবনী, প্রতি পরিক্ষেদের কথাদার, বিভঙ ৰোটার ভাষা, শক্তী, প্রারহতী, বিষয়-স্থান-পাঞাদি-পুচী, প্ৰাকৃতি বিবিধ বিষয় সম্বলিত বিবাট বিভীয় সংস্করণ ভবল ক্রাউন ৮ পেলী আকার। আদিলীলা ও মনোর কিয়ধংশ প্রাকাশিত হইয়াছেন। ক্রমে ক্রমে প্রাকাশিত हर्ट्यहरूमा अधिम किका ६ हाका, आपि शीलात 個鄉 气

#### **बिटेड एक सम्म**

दहे व्यक्ष्य दक्षण अभिनय युक्त मध्यत्रण आत कृदाणि i क्यक्रोलिक इस मादे । अरङ्ग्छ (म्राकारत्मत्र व्यवस, वक्राधनाप्त. धावा, क्यांनाक, एवा व्यक्ति मह बद्ध बद्ध व्यक्ति व হট্যাছেন। মূল মোটা মাকরে ভবল জাউন আটলেন वृश्काकात्म काला व्हेबाटक। यूना २॥०, हाका। अभीया 💖 व्यक्तम ७ टंगोकीरवन्न आव्यक्तरणत्र भटक ३॥० ए।का ।

#### এখন গৰাৰীতা

M. 18 18 19

- প্রিমার ত্রিক বাচার্য্য অপ্রাক্ত রসিক চ্ডামণি क्रिक्रियमार्थे हळ्यडिठाक्त लाचामित्रका माताश्याती हिकामदास्था । किञ्चिमङाक्ष्मीयदमान क्राकृत-व्यविक 'त्रशिक-त्रक्षन' नीम के क्षिणियांगरिका । अशोबक्री, माक्काळत्य (माक-रही, विश्व-रही, अपनारम्य कीवनी क व्यवश्रानकावि वह-क्षार्थवर्रायवद्र-जेह कैरकहे. दीशहे एकीव मश्चेत्रन-वेट हे ताल मश्यम्बर्गम किया व क्रांका यांछ, मावामन मंत्रमन--- आ The state of the s क्षामा माय

## শ্রীল প্রভূপাদের বক্তভাবলী

**७ विकृशाम अधिमहक्तिमहाध**मत्रम्ही গোষামী মহারাজের সেই অবিধা-বিধাংসিনী कीवाश्वश्वत्र (शार्षिनी क्रक-कार्का नमनाविनी कोवस-वानीव মৃত-বিগ্রহ—বৈশ্ববসিদ্ধান্ত-রত্মালার কৌন্তমণি—সম্প্রদার বৈভববিজ্ঞানাগারের মৌশিক তথ্য-প্রকরাত্ত ও ভাগবভের गमस्य ७३ -- महास्मन-कीवनह त्रिक- विकास क-- हि विकास हिमान्त-অচিক্সাত্র-বিচারক--ঐশ্বন্য ও মাধুর্যারদের মৌলিক গবেরণার 

১। প্রথম খণ্ড—বৈষ্ণবদর্শন, শ্রী গুরুতার, কাল-ধর্ম, জীমধ্বাবিভাব, জীবার্যভানবী, পাঞ্চাত্রিকী দীখা ও বর্ণ-বিচার, আত্মধন্ম ও মদোধন্ম, ইটেডভারের ও ভাতার শিক্ষা, অপ্রাকৃত সহক্ষম ও প্রাকৃত সহজ্ঞার প্রস্কৃতি বিংশটি সংখ্যক রছে শ্বেশোভিত। ভিজা মাঞ ৮০ বার আলা।

১। দ্বিভীয় খণ্ড- ৬%। ও বিদ্ধা ভঞ্জি, মহুদোর শেষ্টভা কোথায়, আত্মার নিভারতি, শ্রীনর স্বামিপাদ ও मामानाम, डिल्लीत-निल्डाननल्लभक, जियदशब स्थ । अभा-कोलन, शिवामिशकाम शिमधान्यत्व कोलन, आल्लोन-भारमत महिमा, महात्रामा, श्रीत्यानिस, श्रीक्षणाञ्चलन-পথ, द्वामाची दुशकाक्षेत्रांक्ती, ब्रोटेन बरस्य करा. ट्योनक क्या ও ক্লেম্ফ্রী ভ্রা---চডেল্ল অপুন্ধ মধুনিম।পুর্ণ-বক্তান্তা বিভাগিত ভিজা: এক ট্রোমার।

लायम । विश्वीत- कडे थ ७ ककर व सहरत जिला ।।।। দেও টাকা, ডাক ৭র5 শ্বন্ধ ।

#### **উমন্ত**গ্ৰহণীতা

त्यो दीक्षारेतकत्वमानशिक-दर्भात 🗐 🖺 अनवन्द्रमन विश्वा ভ্রণক্ত ভাষা ও জীমস্তা জবিনোদ হাকুরের প্রাঞ্জল বন্ধ-ভাষায় বিশ্বত 'বিষদ্রঞ্জন' নামক ভাষাযুক। অশায়-क्रिं। विश्वकृती, 'त अधि स्मारकत स्राप्त । अधि । श्राप्त किया १० जाना माता। প্রাণ পূর্বী, ভাষাকারের জীবনী প্রভৃতি সংগণিত। উৎক্ট বলেই রাঞ্সংকরণ ( এতীয় সংকরণ ) প্রতির 101 21

#### প্রমেয়রতাবলী

ইমেরজাদের বিভাভ্যাল-প্রেণীত বৈষ্ণবদশন, সন্মত ৪ ्वानिक कामापि পভिनात जालम अस्। उरक्रहे काबिटङ ছালা। প্রনিস্থ টাকা ও প্রাঞ্চনবন্ধর্মাদ-সাংল্য অভি সংক্রে বালকেরও বোধগম্য হইয়া থাকে। ভিক্ষা o काली आका

#### শ্ৰীনব্দীপদামমাহাত্ম্য

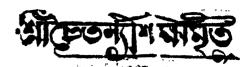
( প্রমাণখন্ত ) সাম্বরাদ। প্রাতি-স্বত্যাদি এতে জীনব-बीट्या टा महिमा कैंडिक आहि, जाशात मूब महस्रक छ अञ्चाम । (७७१ ८ • व्याना।

#### <u>শ্রীমবদীপভাবতর স</u>

শ্রীমাকুর ভক্তিবিনোদ বিশিষ্ঠ। প্রদলিত গাঁতাকারে পরিক্রমার ডঃব্যাদি-বিষয়ক। ভিক্ষা। আনা।

### ভাজন্মতাকর ও মংখীপ পরিক্রমা

শ্রাল নরচরি চক্রবর্ত্তি-সার্ভুগ্ন-মতিকা<sup>া</sup> ভক্তিরস্কাকর **হটতে প্রিজমাংশ দালৈ গৃহীত**; **জীলীৰ গোখানী কি** क्षेत्रात क्षेत्रमधीलभारमत्र मिक्किम किता किता किता कार दे निया निवृत्त । किया थि व्यामार भरता ।



लीग छक्तिविंदामें हैं। क्रेन लोगे । हार **ब्रि**टेन एर अर শিশাপ্রণালী-কৃষ্ণ, কৃষ্ণশঞ্জি ও রস-বন্ধ ও মক্র কীব--অচিন্ত্য-ভেন:ভেন-ভার---সাধন-মির্ণর--প্রয়োপ্সন-ভার, কল্প-কাত, আশ্মাদির বিচার—বৈণী ভক্তি, ভাৰততি ও ८अम छिक्तिर नाम छक्रन-अनानी **७ अहेकानीत नीमा**-পরিচয়াদি প্রথম শিকাণীত উপযোগা করিয়া সরল ভালায় সমুদর যুক্তি-প্রমাণসূচ্ লিখিত আছে। ১৩ গ্রংস্করণ বাধা २. টाका, ष्याताधा ১५० টाका माज।

## গোড়ীয়কগ্ৰার

ट्रीट्रा है। इ. देवकवयरन्त्र अञ्चलन कर्ष्ठ शांतनरमाना প্তি-স্বৃতি পুরাণ-পঞ্চরা হাদি সাম্ভ-শাসসমূহের প্রমাণাবলী বিষয়বিভাগ্রনমে সামুবাদ শুকিত। এইরূপ বৈক্ষৰ-দিখারের সার্গন্ধ্য অভ কুরাপি প্রকাশিত হয় নাই। हेराट धक्र ७६ - ७। भवड- देवस्थव- (भोत- निर्ह्णानम----व्यक्तिमग-नामनङक्कि-वर्गमयं--व्यक्ति-वर्ग-वर्ग--- ज्ञीनाय-- श्रासाक्ष्म । अभाग- चक् प्रति पुषक अधारिक প্রভং শোকাদি প্রচীয়ত উংক্রত এটিক কাগলে রোম রু কালিতে মুলিত, উংক্ট বাবা সেনার লগে নাম লেখা। গ্রন্থ প্রায় ৪০০ প্রায় সম্পূর্ণ। ভিনা ২, টাকা মাতা।

#### जीवरहीशनाय-अष्टानली

द्यीभागकि विद्यान शेष्ट्रत ति छ 'वाममाशका/--शम-भारतात्वात् मार्क्याम व्यवस्थ भय- द्यान भवद्वि प्रक्रिया হাকুরের বাম-প্রিক্রমাংশ—-মুবাম নব্ধীপ পরিক্রমা—ভীব যাত্রা প্রত্তি-প্রীমৎ প্রবোধাননক্ষত নবধীপশভক্ষ-শ্রীমরা কবিনোদ ঠাকুরের শ্রীনবধীপ ভারতরক প্রভঙ্গি

#### শ্রীহরিনামায়ত শ্যাকরণ

শ্ৰীকীৰ গোৰামী প্ৰাধুপাদ-বিবচিত হ'ব ও বৃত্তি, ভংগদে ওবিষ্ণুপাদ জীমছকিনিদ্ধার সরস্বতী গোস্বামী মহারাজের বিভুক্ত ভূমিকা ও কটী প্রাভৃতি সহ। অপ্রত্যাশিতভাবে মুগজ। ভিকা ২ টাকা, ছাত্রগণের পকে ২॥০ টাকা যাত্র।

#### বেদান্তভন্ত সার

শ্রীমলামামুকাচায়্য-রচিত। বেলাছের বিশিগবৈত্বপ প্রচারক শ্রীভাষ্য প্রণেডা ম'চ্ব্যে প্রবর বেশয়েদশন পায়ের উল্যোগ্য করণার্থ এই উল্লম করিয়াটেন। ইহাতে বঙ্গালুনাদ ও স্চীপতাদি সংযোজিত করা ইইয়াতে নাম মাত্র ভিকা ॥• খানা।

### এটেডভাচন্দ্রামূত ও নবদীপশতক

গোরপার্যদ ভিদত্তী শ্রীমৎ প্রবোধানন সরবাতী-প্রণীত মূল, প্রভূপাদ জ্ঞীমদ ভক্তিসিদ্ধান্ত সরস্ব ই গোসামী মহারাজ সুস্পানিত অব্যুদ্ধে ব্যাকাণ ও বপাছবাদ সংলিত। নব্দীপ্ৰতক্ষের প্রীভক্তিবিনোদ ঠাকুরের পদ্মাসুবাদ ভ ভৎসহ শ্রীমশ্বহাপ্রাধুর একটা ত্রিবর্ণরঞ্জিত আলৌকিক চিত্ত व्याप्त इहेशास्त्र। भूमन व कानक छरक्छे ( २ बाना একজে ) ভিক্ষা ৮০ আনা, অভি হুরমা বাধাই রাজসংখ্রণ 🔀 होका माज।

# रक्रवर्भर्ग

শীমগুজিবিনাদ ঠাকুর-প্রণীত। এই একমাত গ্রন্থ রাথের জ্ঞান লাভ করিলে পারমাথিক রাজে। কিছুতেই মঙ্গান বা সংশগ্ন থাকিবে না। পরম পূচ্ শন্ধবিষয়ক এই কণ দর্গা ও ক্লয়শানী গ্রন্থ প্রশাস্ত প্রেকাশিত হয় নাই। নিশিলপ্রেমি শাস্ত্র-মতোদ্ধি মন্ত্রন্থল এই একাশুই উভিত্র চইয়াচেন। আবার প্রবিশ্বত স্থতী, কথানার ইত্যানি ধারা বিশেষ সমুদ্ধ করা ইইয়াতে। বিরাট গ্রথ, বোনার জলে নাম শেখা, উৎক্রই বাবাই —চতুর্থ শংগ্রেগ ভিকা ২ টাকা নাতা।

### প্রেম্বিবর্ত্ত

ন্ত্রীমনালপ্রের শহরত পার্যন ন্ত্রীপ কগদানক প্রের্ বিরচিত: এই প্রকে মতি স্কাবোধ্য ভাষায় মলপ্রের কভিগর প্রীধান্ত বৈক্রাচারে, একাদণী ও নামভ্নন-গোগানী প্রভৃতি জনেক বৈক্রতব্যের স্থামাংসা দেখিতে পাইবেন। পাদ্যীকার ত্রত স্থানের বিশ্বার্থ ও প্রস্করার পরিচয়াদি-সম্বলিভ চভুগ সংস্করণ ভিসা। ৮০ দশ আনা মারা।

#### ভঙ্গনরহস্থা

জ্জনকারীর নিভাগজী; ঠাকুর ভক্তিবিনোদের সম্কা দান; নিখিল শাক্তের নিধ্যাস। প্রস্থানি না দেখা প্রাপ্ত কেহ্ বুক্তিত পারিবেন না। ভূতীর সংখ্যাও ভিজা ॥০।

#### হরিনাম চন্তামণি

্মাত্রি। আঁশ হরিধান ঠাকুরের মুখে আঁমন্তাঞ্ছ আনাম-মাহাল্য, নামাভান, নামাপরাধ প্রেক্টি বিব্যার নামভান বিচার প্রবণ করিয়াছিলেন। এই বিশ্যুগুলির আত্রস্বল প্রারে সংক্রিপ্ত আশ্রুদহ্পরিপাটিভাবে মুদ্রিত। আন্ত ভিজিবিনাদ ঠাকুর-রচিত। প্রক্রম সংক্রম ভিজা ৮০

#### কল্যাণকল্পভক্ল

শ্রীমহজিবিনোদ ঠাকুর-রচিত। প্রত্যেক ভগবন্শিল্পী ও জ্ঞানপথের প্রিকের একান্ত প্রয়োজনীয়
ভিশ্নশাবর্ণীপূর্ব গাঁতিপ্রস্থা। সামাল্ল লেপাপড়া ছানা
াগকেও এই ভল্পনাজোর গাঁতিসমূহের ছারা অনপনিস্তি।
ভ ভগবংসেরা লাভ করিবার স্ক্রিণা পাইবেন। স্ক্রা

#### শরণাগতি

শ্রীমন্ত্র কিবিনেদে গৈওল-রচিত। ভগবানে আয়সমর্পন, থেক্সপ্তি, ভলনগানেশা, শৃড়্বিশা শ্রণাগতি ও সিদ্ধি লাল্যা। বিষয়ক গাঁডিপুর্ণ, ভিকা ৴৽ আনা মারে।

#### গীত বেলী

জীঠাকুর ভক্তিবিনোদ-প্রণীত ' নিতা ভলন, আরোজিক ও প্রবাদ-বেবনাদি-বিধাক মধুর গীতবমূহ একজে এপিত। ভিকা ৴ আনা মাজ।

#### ঞীসময়কছাক্রম

নশিকে স্থাস্কু উমৌলি ভীনছিখনাথ চক্রবর্তী ঠাকুর-বিন্তিভ বনগ্রন্থ। শীমন্তভিবিনোদ ঠাকুরের অন্তবাদ-সহা তিকা। শামা মাজ।



ক্রীমনাহাপ্রেট্র শিক্ষা ও শ্রীন রঘ্নাপ দাস গোশ্বামীর প্রতি ভারুপ গোশ্বামীর উপদেশবাণী, ভক্তিপথের অন্তর্ক ও প্রতিকৃশ বিনয়ে স্থবিচারিত সম্যোধন ভাশা, বিশ্বত বিবৃতি, চরিভান্তরে প্রমাণ, সাম্ম ব্যাগণ ও মহাজন-প্রণীত ভদ্পযোগী গাঁতমমূহ প্রত্যেক শ্লোকের মৃতিক স্থিবিশিত ইইয়াছে। তম সংক্রেণ ভিজা নিশ্ মানা।

#### माभग-कन

শ্রীবঘ্নাথ দাস গোস্বামীর মনঃশিক্ষা, শ্রীল ঠাকুব ভক্তিবিনোদ-চরিত পদ্ধান্তবাদসহ। ভিজাত স্থানা।

#### প্রেমভক্তি চলিক।

জ্ঞীল সৈকৃৰ নলোক্ষের স্থানিদ্ধ প্রেমাণ্ডিনিষ্যক পানের প্রকা ভিকা /• মানা মাত্র।

### নবদী পশত ক

শ্রীল সাকুর ভিক্তিবিনোদ-রচিত শ্রীল প্রারোধানক সরস্বতীপাদের সংস্কৃত নব্দীপশতকের স্থলালত প্রচারক। ভিকাস • সানা মারে।

#### অর্থপঞ্চক

শ্রীল লোকাচাণ্য রচিত। বৈক্ষরতা-জ্ঞানের আকর পুরক। ভিকাস- আন্য মার।

### সদাচারশ্বতি

জীল মধ্বচাৰ্যা-প্ৰেণীত। বৈশ্বদের নিত্যকন্মানি স্বৰচারা-ব্ৰী, বৃদ্ধান্ত্ৰাদ্যুখিত। ভিক্ষা ৴৽ আনা মাঞ্জ।

#### মণিমঞ্জী

ক্ষিকৃত্যকেশ্বী শ্রীমরনোগ্রণাগ্রিস্থিত। শ্রীমর্থক। চাল্যের সংক্ষিপ্ত ভীবনগাঁলা ও মূল বেঞ্চন্ধর্মত। সাম্পূর্ণদ ভিজা।• স্থানা মাত্র।

#### ८भोतक स्मापन

প্রাটিন কবি শ্রীগোরিক দেব প্রবাত শ্রীগোরাবভারের প্রমানাবর্গী-সংব্রজিত কংগুত এছ। ভিজা ৮০ জানা।

### युक्तिमहिन। (अन्दर्भातक)

শীমধ্বনম্প্রদায়ান্তগত শীমধাদিরাক স্থামিকত। বসাক্ষরে নাজনান এই ওাজের প্রকাশ পারমাণিক সাহিত্য-জগতে এই সক্ষপ্রেথম। শীমদাধ্বাচাণ্য হইতে নাজ্যানগুল দ্বিতার মধ্বাচাণ্য নামে থ্যাত শীবাদিরাজতীর স্থামী এই প্রস্কে নাগারের কৃত্তি ও গৌকিক ভারাস্থানে কিরুপ স্থামন্তাবে তিকিবিরোনি-নাতবাদ সমূহ প্রন ক্রিয়াতে, তাহা পাঠ কবিতে করিতে আশ্চণ্যান্তিত হইতে হয়। ইহাতে বৃক্তির নারা চাকাক, কৈন, বৌদ্ধ, মামাংশক ও মায়াবাদিমত-সমূহের স্থার প্রন রহিয়াতে। ভিকাহ্ টাকা যাত্র।

### त्गाचामी जीन त्रयुनाथ मान

(ওঁ বিষ্ণুগান জীল ভবিনিয়ার সরস্থতী গোদামী প্রকুশাদ-লিখিত ভূমিকা সহ) গৌরপ্রের্চ স্বরূপ-রূপের একনাত্র প্রিয়তম জীল লাগ গোসামী প্রভুর অপূর্বা চরিতায়ত ও শিক্ষা অতীব প্রায়েশ ও সম্বান্ধ ভাষার সরিবিত্ত এবং পরিশিত্তে লাসগোষামী প্রভুর বির্চিত কএকটা সাম্ব্রাদ নধুরতম তব ও মনঃশিক্ষা-স্থালিত। ভিক্ষা বাধাই ৪০ আনা, আবাবাই ১৮০ আনা মাত্র।

# চিত্রে নবদ্বাপ

প্রাচীন নবর্ধীপের অবিধিতি, তথা, ঐতিত, শ্রেতি ও

ঐতিহাসিক প্রমাণসংশিত নয়টা দ্বীপের সচিত্র বিবরণগ্রাহ্ব। রাজ্যির প্রসাহেব কুমার শ্রীনুক্ত শর্মিক্ নারাম্যন
রাম এম. এ, প্রান্ত লোহোর), বেদাস্তভ্যণ মহোদয় কত্তক
সঙ্গণিত এবং ৪৭ থানি বিভিন্ন বর্ণের অপুকা চিত্র ও

মানচিত্র-সমন্তিত; প্রাচ্যানিভামহাণব রাম সাহেব প্রীশৃক্ত
নগেন্দ্র নাথ নগ্র বিখকোরসম্পাদক মহাশ্যের নিজ্মত ভূমিকা
সহ। উৎক্রই (ইং ) নরকো বানাই ম্ল্যু ১॥০, ভি: পি: তে
২, টাক মানে।

### माभक-कर्श्वभाना

প্রকারনার, নৈক্ষাব-বালনার, নৈক্ষাবশারণ, দাশালীর গীত,
জীনামনত, শ্রীনামন্ত্রাভার অর্থেজরশত নাম, অইপ্রেছর
নামকার্থন, শ্রীনামন্ত্রালি, প্রেমধ্বনি, 'বাউল্নালীত,
নাবলিকা, শ্রীনামাপুর মাইলা, শ্রীনারাভ্রন-প্রভুত্র অইক জালোর বালনার সভ্রোক্ষানীর অইক, ক্রোমন্ড ক্রিকা,
উল্লেখনালা নামভ্রনন প্রেলিলি, মহাপ্রভুত্র রার রামানন্দ স্পর্কের নার্থিকা, শ্রীনার্থকার স্বিকাশসারনার নিজ্ঞান্তর, নিকাশব্রের অপুন রাজ পুরুত্রি স্থানিক ভারিত্র নির্বাহিত্র করে করে দ্বিকাশব্রের প্রক্রিত পুরুত্রিকালার স্কার অস্ক্রের করে দ্বিকাশব্রের অপুন রাজ বিশ্বরার স্বাহ্র অস্ক্রের করে দ্বিকাশব্রের প্রক্রির স্থানিকার স্বাহ্র অস্ক্রের করে দ্বিকাশ্রের স্থানিকার স্বাহ্র অস্ক্রের করে দ্বিকাশ্রের স্থানিকার স্বাহ্র অস্ক্রের করে দ্বিকাশ্রের স্থানিকাশ্রের স্থানিকার স্থানি

### গোটায়-গোরৰ

ক বিকাশের প্রানিক আরাষ্টে কলে পেটাইন সম্পাদক শ্রীপান বানবানন্দ প্রতিদ্যাবিদ্যাদ প্রান্ত বঞ্চার বিষয় রাজকারে প্রকাশিত। উহাতে প্রান্তীয় বৈশ্ববন্দ্রশায়ের উতিহাস ক্যাকারে রাখিত হইয়াতে। ভিজ্ঞা কি মালে।

#### গোড়ার সাহিত্য

কলিকছের ওজানিত্ব মাধ্যাই কলে গোড়ীয়-সম্পাদক
শীপাদ স্থাননাদ পরনিজাবিনাদেপ্রাণ্ড প্রদান বঞ্চালর বিষয়
গঙালারে প্রানাশিত। ইহাতে সাহিত্য-শব্দের অপ এবং
গোড়ায়-সাহিত্যের বিগয় স্থকারে বর্ণিত চইয়াছে। ডিফার্যান্ড আনা মান্ত।

### **डि**।।८११ छुम छुल शतिक्रमा-सर्भन

শ্রীগোড়দেশের যে সকল স্থানে সপরিকর শ্রীমন্মহাপ্রক্ এবং তদশুগ পরবর্তী মহাজ্ঞাগণ লালা করিগা গিয়াছেন, সেই সব আধুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও লেববিগ্রহালির পরিচয় সহ মা হায়াভের স্থানিগা নিজেশ ইত্যালি বিষয়ওলি স্বরিধেশিত আছে। ভিক্ষা । আনা ।

#### THE HARMONIST

### OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীল সাক্র ভিজিনিনাদ-প্রতিটিভ থবং জ্রীল ভাজিসিদ্ধান্তগরণতী গোখামী প্রতুপাদ সম্পাদিত পার্মার্থিক
মাসিক পতা। এক্ষণে ইংরাল্লী ভাষার অটাবিংশ বর্ধে
ভবলক্রাউন ৮ পেলী ৪ ফর্মা আকারে প্রতি ছারে হরিনামের নিজর-বৈজয়ন্তী গাইয়া উপরিত হইভেছেন।
কাগজ, মূল্রণ-পারিপাট্য ও চিজ্রাদি অভীব সিভাক্ষক।
এই প্রকার উৎক্রই প্রবর্ধ আর কোন মাসিক প্রাদিতে
পেথিতে পাইবেন না। বার্ধিক জিক্ষা ভাক্ষাগুলস্ক এ
টাকা মান্ত।

#### প্ৰাভিছান-

**बिटिक्क्यम्हे, त्याः जिमासायुव महीसा** 

# বিশ্ববৈষ্ণব বাজসভার গুন্ধভাক্ত্যসমূহ

श्रीहित्यम घर

#### আক্ষর মটরাক

क होत सब्दीन, साक्ष्यत व्यक्षाय माधानत, मनीवा

্ প্রীমন্ত্রবাদীর কর্মে প্লার ৩০০ গছ উদ্ভব-পূথে শ্রীরজপত্তমে আন্তর্গাবকু শ্রীনমূর-**ल्याब-कारण को प्री**टिनका नाम किया कारण

এট স্থান পা প্ৰাত-কৰি, পৰা ব্যালীর পা সাম্বত ক্ষত-ক্ষণী। এট মধাতীরে ইচিকি-নঃমান্ত্র যাতি ধ্বাবি-বেরাজসমূত, পরবিভার অঞ্চতি কাবা, নাটক, অলভার, করা, अञ्चल-छन्। यह-में का-प्रक्र-काव: स-१कुद्रेशक समारम । ও समानित्री धार काम्य औक्षर-दंशीक्षक-भाषा वा का-शिक्षिक, व भाषक मान्त्रसाधिक-भा । गी-५ कु म है। हाइएक हें सान्त्र विकारकत भावक अक्षा क्षितिक कहेर कार्यन । खड मठतार प्राथमार्थक देवशिक भाग आध्य-मक्कान्द्रका का शाकामक क अशावित । बाहताकि लाहात कर्या कार्नेगा-शाकाम' सहास्त्र alibas seniera distant Anta-efectivitetia e anien agenicie ঌীক্ত্রন\_প্রতীঃব্যুপে মহামানে(ৎপরাধি ভাকাল অনুষ্ঠিত হতর। লাকে। বক্তক—যুদ্ধচারী 🕽 পার মধ্বরিত্রী। সভকারী--- 🕮 পাদ বিলোদ বিচারী ভশ্মতারী, পান্ত উল্লেখ গোরদাস उक्काशी कारावामावामावे. केलाम नीविक उक्काशी, श्रीणाम वन्मरणामा उक्काशी, **क्षेत्रपार्यम् अक्ष**तानी, क्षेत्रपारमाणान अवाडकी, कक्षा नदश्क, व्यवश्वत, द्वार होद्यास्य AND STEED STOP !

क्षिप्रक्रियाओं श्रीमञ्चकि शतील कोथे भवाताक बचारन हरिकना कीकन किताबाहर । अकरारी शक्ति।

(৩) খোনপাঁত আনশিক

वह द्वांत शिक्ताताम् भाषात कतम ल विभवाना का का कियान-कान भनाद्याश-लिकाम्ह हीरभोतमाबारण अधर है,रें-च्या रे लाखी, और में कराम वाराणी आसात । चित्रशाक्ताक्षर लिका त्रवा तल संभिक्ष-WEWS (2) 4 8 3 14 1 2 2 4 - (2) 3 -मध्यासम् द्रशास्त्राभी क्षेत्रानार्गः अन् द्वैद्वरमा-बार्थ । अक्कारी खिलिक्षानम अभगानी, Bathtfaca ए एक्टिक्ट्यन, श्रीतंत्रमान अल-कारी। व्यक्तिशासामा चापमारी, त्यानमध्या श्चित्रावयश्चम ।

(৪) শ্রীবাস-হামন श्रीभवाका अञ्चल को खन-िलान 🗥 श्रीकोडमीमात्र कामकती । कनारम के बिल्मान निष्टास्था ७ भक्त घरवा । तक्ष्मान ।

( ८ ) चाटेषक-छनम

**३५० — मे** अभा•कुश्र अवऽाने ।

बड़े कारम की बरेबक गाकृत करम धार CHE: 484[11]

क्षक मान्य के बारेब कामन माना मिकाली करणांक्रमणांग नामाधी।

(७) काक्या मधार्थि १ है आंक्षीन यांबालत, यामन राज्य (संबोध) **बिट्डीक्ट्रजाशास जिहार का जीव प्रधानि ।** क्षक--- अवहाती कैविद्यापविश्वो ।

( १ ) कांश्रम स्वय-कृष

क्किट्रम्स्यान्यः (स्थानश्रकः (स्थीया ) क्यारण कृषिकृताम जैम ककिनिटमायक्रेक्टर mille men Mentwerren was Mante ---

AND WINDS HOLD HAVE ----

## 🕩 🎒 अभवाय づ 🖼 अठ 784- Files 1

राक्त करूर की बंधन की करा थी नाम, जा, भेड़े। अधान भेगली क्या क टे.न्कि ़ेनि, उन, मन्तर ो-- में काम काल-

> ( ৯। ज्यानात्र-ग्रहावत-म्र है। ११ है। जन्मभूष, र रुप्रसान र च्याण नाजिनात्त्रत शानिक्षेत्र अधवत्रमामन-्म रा । चक्रकः ह्यार रत्त्राम् डक्करारी, was Staffeton Mid 1

🕠 🗢 🎒 त्रश्टशोकुरेया-गठ ৰা, 1918, সহা গ হট, পি रक्षक-- हारासांग अव्यानी, महकारी-जीमात्काचन अचनानी ।

( ১১ । औः मामसम्बद्धाः — भाष्ट्रिया थ. माध्यात, फ्रामा व्यापामार गाम के कृष वृत्तावदसंस कास । रक्षक--- सैंबह विश्वति अस्त्रामी, क्षक

(১) ভাগৰত আসন च्यी नागव क एक्षा , क्षमान शत, नामी था । काशव कि काश्व श्रष्टावकी व व्यक्तात-(कळा धण ०-- श्रीकृषानम अञ्चलाही साक्ष्माव

८५०) जीवकात्रम मर्ह दर्शानिमाणून, देशन्यः है, नमोत्रा । भक्त- अभ्यानम् अभ्याने । महना 🖺 किन्दि अम्हाती, श्रीवर्गात माना निकारी, टाम्सनाम भाषा, ७० विषयाप

( ১৪ ) औमाध्य दगोकीय मर्ड a.सर स्थाव शृत दशाख्, हा का । भृष्यस्त्रतः व्यक्तव-८०खः, वदारम जीखाः त्शीकाक शासका-भितिगत्वम दश्या वस्त्रमाम warmen mafau:farmin fa- a. 🙈 #14

(३) बींदगोडी इ घठ

be मः वालिकामा ठळवळी क्रीहे. (ला: मानवालाव, क्रिकाका । किंगिरकाम नि. नि. १५५०

প্রীমশানা রাজ্য প্রচারিত স্থানিশাল ভবিদার্শ্ব-প্রচারোক্রেশে গোডালেশের সক্ষপ্রধার মগানী ক্লিকাভার আহি কিবিনোর আগানে প্রীমুঠ প্রতিষ্ঠিত আটেন। এট কর্তুত সক্ষাপ্তৰে প্রীপ্তর-গোয়াল-প্রীবনোদানক জীউ সপ্তের নিতা গোধিত ভ্যা প্রীক্তীয় काम्यानात्रीय या ग्रहीत श्रष्टायणीत श्रश्नाद्यात्रात्यात्र हियाह मध्यत् व वर्ती क्रेक्ट अक्टी-मञ्जालय मरकाशिक वर्षताहरूम । अभियोज सम्बद्ध 🕮(भारताम 225:वास এक मर्जासक क्वेटि 'श्रीकीय' अध्यादिक शक्त कि क्वामिश्व अभिक शक्तिक शक्ति कार्याक নিয়মিজভাবে প্রকাশেত কচভেচেন। 🕮 মতে পাঠ, সন্ধাসন, সঞ্জান-চড্যস্ত্র-বেলার শ্ৰীনস্কালনক, প্ৰীটিডভজ-চাৰিতামুৰালি-লীবা ও ক্ষুপ্ৰাহের স্নাক ক্ষানোচনা এটছ পাকে। মত্রনক্ত-আচাধাত্তিক স্ত্রীপাল কুমবেহারী বিখাভ্যক। সহতারী-পাত্তিক श्रीभाग अस्थानाज्यमा भवनिकाङ्गा ति-छ. लीभाग वामानवादी बक्कादी, खेलाल कराइकारण कामानिकारी वि-ध. खीमान करामानाम कामानिकारी, उक्षाठावी श्रीकीवर्गनन, उक्षाति श्रीमाधीसम्बद्धः उक्षाति श्रीयश्यम, गुक्क ज्ञानाम वर्गमञ्जू পত্র জিলেকার সম্প্রধানতের ভবাস্থা। আই অব জেশের স্বাস্থানি কারী বি- ৩, জীলি বশক্ষণ জিল্ प्रमानो विन्यास श्री पञ्चलम् श्रीष्टकारिक्, व्यक्तिचञ्चत्र बच्चा ही, श्रीक्रकारिक

े दर्शन अन्त हो। चैननाशीय अन्नातानी, A) ( 28" (A P 4)

### ( ১৫ ) औरभाभाजकी भई

◆別町) でき、11年 · 1 লোপাস্কীর স্থীটা আছের প্রচেটি ন এসবা क्रक---- 🖭 भाः नामान सम्बद्धाती

ে১৬ : জীগদাই-লেগ্ড 🖝 হাই pfeel muntten not aifne & sin Magg: +-- + + + 2 er m रक्षक - ∰श्रुर्व राख ≾क्षराहरे, देखें छः। "

্১৭ জ্রীভাগ্যভজনানন্দ হঠ १०कति । ना ५८४८ । त. दमापनी भूता। এশানে শীক্ষ-গোলেজ-গাজন্দিকা-গিরিধারীর ভিজাবেশ ব্রুমান। রক্ষ डकरामी की न्यानमार हो। ্ঠি আমলাব্যেক। প্রশাস্থাস

नाष्ट्रवीत (मार क्यांसा লী শুরুপোরাছ - শ্রীল, মাঝি কা গোবিধারী

भिशास्त्रता। दक्षक--- बद्धवामी **बि**धाद-1415141

#### (১৯: শ্ৰীপুৰুবোত্তৰ মঠ

वशकात, भूती, छेडिया। बाधारम हिंद्योद-निरमाध्याधनकीत मिक .मना वद्यमार । त्रक्षक - खब्दान ही हीलद्रमा-भव विषादण, अक्षात्री मीनसामानक, ट्यां भारतमाञ्च अव अवाही, द्वीयावनाम अवहाडी, क्ल खीलगाह ।

(२०) खेळांच-८गोडीत वड चाणवंत्रमान, अविश्विति (भार, भूती । क्रमांबर्दरवस्त्र क्रमंत्रत्र अवदश्च जीमन -444--- SEP14 विश्वदेशस्त्री बागावकी। अक्काही-वष्काशे व्यविभित्रविद्याशे ।

#### (६) श्रेमध्यितम्बद्धस्य \$ ( WX ( 1 | W ) .. . . . . . . . . . .

SHEET TRAIN 775 ব্ৰহ্মচাতী ভালিল। জীৱামণৰ ব্ৰহ্মবাৰী

देश होताल का नामान मह उन् अंद्रिश्चन्युद्धः काली है CET -- मानाक पुंच - जना केन-माना प्रकार COTTON OFFICE TO THE HE COMMENT श्रीकानकीयावको श्रीप्रकातन अकरात्री ।

.२७. 🍇 इयह दें 5 के जी बाह श्रीनृ'भरण्यान कुछ, स्वाताय वुस्तायन । क्षेत्रे वामा-अभ-द्भावनकाद (मृत्रा) রক্ত -- শ্রীগণ্য তিলাল প্রস্থারী

(२८) औषतगद्दन वर्ड ेर्नाभावता अप्यान्त

এখানে ইফিল্পান্ড পাঠদালা 🐠 व्यापार निर्मात विमानकात सम्बाध का सम्बाध । तक 🕶 --- वर्षाणी हो हो । ११० । १ स्व 🗷 व 🗷 📆 हा 🕯 શ્રીસ**લ્લામ**ાના

(२०. औरिक अवादशीका सर्व पृष्ठित छ। (हित्**क छ),** भागक्य। **है**श लेक्किल्ला-भट्यत नागः। वक्क--श्रीद्रश वाष दाव, शिटकनणानम अव्यक्तादी, अरेवा कीत अधादमा

(२७) अगम्भाजीय वर्ड perma, nichta, mein ; auft त्रीध्यावाध्यसंस्तरक स्था । **स्था**स वर्ष--वर्षाः वे अवस्थान्याः । जीनगी inimin sout

(方句) 强[超 xxxxx ( ) ( ) ( ) ( ) ( )

अर्थिक व्यन्त्री, दशाः मा**क्, अ**व्यक् खनारल वड के अभाके ओं (भावादल वे दिना वद्यमान । क्यक---व्यवनारी खेळीनक यात्र, खीनदर्यवाच अञ्चनावी। INTERPRETATION AS --- PLANE ent entill eraiet eig ena, fatt fent प्रमाण-विमानि क्षेत्रीत्रक्ष, ब्रीकुन्तिव औं भारत देखें हैं जनमञ्जू

(२३) देशाहानमाङ्गा अनुष्टेशसङ प्रकल--- अमहाको खीवाब्द्रशास्त्र

## দিল্লীতে অগ্রিকাও চাঁদনীচকে দে।কান ভস্মীভূত

গত ১৯শে জুন রাচিতে টাদনীচনের त्रह्मान यहा १ मात्रतानात त्राकारन का छन শালিল হ'ল ইলার পারেটি নেটোল बाहर । ि विश्वविद्यांच भागांत जिल्हा इंड ভব্যবভাষ্ট্রত লোকনেটি অন্ত ঘটারে भाग भाग १ कार्य भ्रिया यात्र । व्रहेनस হিন্দু ব্ৰসায়ীল দোকানও আ শিক **ভাবে** প্রভিন্ন যায়। আওন লাতিয়াতে क्रेंग्रिश्च सम्बद्ध : ১०छे (स. मट्स) किथा जिलाहिल्छ 更新打造者 1

ব্যাহের কোন কভি হয় নাই।

## জমিদারী কোর্ট-অব ওয়ার্ডসে

ঢাকা তথা ভাগার্গার্গী আন্তেম্ব বিছে। हानिसंधनन । टाज्यन्यस

र्रावस विकासिक ना रहेलाव रेफ्फन्स ও মিদারীর শান্নভারে কোটে অব-ভ্রাংক निकड़े बर्भन की दात प्रांत है काम उकड़ा आरिपालन हमेल्ल्स् । उक्र रहत €ि छ उत्तर का क्यांका वारण साल विकास के भिन्ति है। অনেক দিন পুরা ১২টে১ ুক্টি তার अक्षांक्रमाक (महाराष्ट्रा को प्राप्ता कार्या ছাড়া কেটে অব ওয়ালের বীন্তরের ভিষিণার জীনুত র দেলচন্দ বস্তু এবং ক্ষাত্রিকপুরের কালি আলাউদিন অং শ্বৰ ৰা বাহাছের ও চৌৰুবী মেঘভাড দিন অভ্যেমের ও মিলারের শাসন পরিসাধনার ভার নিয়াতে ৷ সম্প্রতি এক সংবাদ পাওয়া থিগছে বে' মুড়াপড়ের ब्याप्त क नहीं नाज कर पर महोत्रान प्राप्त एक नव-**ठळ र**स्नालागाच खास्डि ग मनात-গণ্ড টাখাদের জমিদাবির শাসন ভার কোট অব ভয়াজেৰ ভাষেত লেওবার ভাষ अवर्धमण्डित । ५४% । के केव्रभण्डिक विराध ∠ভেনী ছামিদ লালালের থাজনা আলাল मुक्त एक एक रिलाम क्रिमालिक कक्षेत्राहरू शुन मध्य एक ए व्याप्त विकास सम ५००। অংকন্যা আন্দর্ভের ব্যালারে একটে অস জা শভাষান টিলিকে এই জাজার কলে গা द्भारतात प्रदेश क्षित्रात्रपर क्षिक्षेत्र । 338 th 1 1 1 7 7 1 1 1

#### निम्मान (भागदाम देवहंक

· अविशिव प्रदेशनो । किल्पु ४ कार्य स्वता স্মিভির স্থাত अ है। ३ भ्रद्धांत्र क्रिक क्षम या, या निटकरन्त्र महा फारलाहरा करात्र । **मध्यकि छ्या**ला - स **ক্রিল কিলাবার্দ্র। ক্রম, ভাষেতে অনহার** द्वादल भारतका वहाँशाह, आत्मापना বৈদ্য স্থালৈ চলে ; উভয় পঞ্জের **এ**ছনীয় वानक। रिवा व त्रिवात ८०६। हम ।

উলাপকের মুখানকনৰ ভাবে বাহাতে। তিনি পারি সহরে বাস করিবেন। मीन'रता दव त्य व्यक्त लेहिए। छाः খাপারীর উৎর ভার দিতে সন্মত SETTEM!

(काम (नाम मिकान्त दिन इस नाहे। वाधारी कवा भगान बाटलांहना मुनक्ती ব্রেণা হয়। পর দিন ডাঃ আফারীর সভান্যাৰ্থ নানা প্ৰকার •প্ৰস্তাব করা क्टेंटन नविका आना कता यात्र ।

মর্কাদের মূলবানান সংখ্যানের ওয়ার্কিং বনিব্ৰী অধিকাংশ সমস্ত ১৯শে জুন আনিতা পৌটি হাছেন। জাজারা নিজেপের

#### বুটেনের সর্বজ্যের বিমান

প্রকাশ ব্রেদি ছেকান যে স্মায় ! বিমানে এদি শিও চইবে, ভিনালে একথানা : ত্র ইবিন নিশিষ বিষয়ন থাকিবে। ্টেগ ৮ট ব্ৰিটি**ল মহাত্**সকলেও লংভ ल्यान। हे अन्तर्भन १७०० कि अवस्थि ्चरपटा ४० १ त जिल्ला मार

## कट जिल्लात अन (माम নিফাতে অৰ্ণ প্ৰেরণ

মত্ততি অভি নাম চে মমত বৈদেশিক অনুপ্রিশার করিবার প্রেরাঞ্চন ভারা বুশাল ক্লিবলৈ ছাল বৈশাছে স্থাবেকটো মুক্ষেত্র থণ ১৯বিখ হ'বহার আন্তর্গর क्षा शामित कालिकानचा भाषाचा छही छ करभारतः । १२ के.पार्टी नवस्ति नागकः যোগালৈ স্থানভঃ লাছে ভাগের करकरा एक अल्लाक्सारका **इंड**ाटा । र्वतात है। राज्यक श्रम्भ न श्रम्**ण न**्द्रा स्टब्स् অপর মূরতে এই এছেবে মূনথন কবিয়া

## द्यापा नायस्य सभि िकाव १ है। जि.च नांद्रमार भावज

医压制 化化制固铁合物 电存储性存储 解析法 तापाः) व व्यक्तिकः तत्त्वतः वियविभक्तिकः दिवाक कविषादि एश्रम एट स विकि क्यांस्थात ८भाग्ने कारकाम सामक कारम मर्यानगरिका প্রায় স্থিত স্থা ক্রিটেট্ডন। এই भारत दिन एकथानि खन्तत अहिशिक। ভিশ্বান করিয়া ছেন। পারীতে একটি शक' । थिएए हें ता धार काम कतितात क्क शक्तिक व्याद्धाः सहातानी विवास লে সম্ভ ককে কল কলেন ভাত<sup>,</sup> কৈতল नारिकाल अञ्च (काउँ (काउँ सप्रका)

অভিকাংশ নদত এইরূপ অভিমত নির্দিত হর্টয়াছে। বাটাথানি বিক্রম প্রকাশ করেন যে, মিশ্র নির্মাচন সম্পর্কে। করিবার কথা কটছেছে। মহারাণা ছির

## वन्ती क्षत्र मुख्यत्र भावी

গত ১৯শে জুন অপরাছে গেজেটারী-(सर्वे क्यान जीवक वि, व्यक्तानम मानाक গ্রণরের সহিত যাকাং করেন। ভিনি গুড়িবাদা বন্দীদের কণা তুলিয়া ভাছাদের মুক্তি দিতে বলেন। যে সকল প্রামা कश्वभाती अवकारित कविषाद्ध का पर्वा-নিগকে কণ্মচ্যুত বা সাম্মিক ভাবে অবাব ति भ्या क्रेग्राटक, खाकारमञ्जू क्**रांख खि**नि বলিয়াতেন।

গ্ৰণীয় বিষয় ওলিয় সন্ধান বিধেচনা ' করিবার প্রভিঞ্জি দিয়াছেন।

#### বঙ্গে অভিফালোর প্রকোপ

গণিং গাড় ১৮ই ছুন প্রাণ্ডে জ্রীয়ত ल्लान व्याक नश्रीय अफिलाका अञ्चल ব ুল লব - বিশহেছ । আইন জমান্ত १२)का 🕫 १ पन 😘 १८३**३ हिस्ततः व्य**लत्तरस म् ७ मान् जन्म कातानरङ मांछ० 1 5 3 1 . D (5.4) 1

#### वित्रभारण

গত ১৯৫শ জুন জ্ঞায়ত নির্মাণ রায়কে ংধ্যে বাটাতে বঙ্গীয় অভিভাগে অঞ্চলতে গ্রেপ্রের করা হং য়াডে। তাভার বাটাতে र्याम शाहार क्या ब्ह्याडिक, क्या भटनब-ভানক কিছু পাত্রা গিয়াছে বলিয়া ভানা यास नाडी।

মালগালা ডাকাডী সম্পাকে একবার .ভ ২বংগ ভিনি মুক্তি পান, পরে ভারতেক বলীয় অভিনয়াকা অকুসারে তেন্তার কর। জন গারণে রাগ্রকাণে বর্মান প্রেন্ড

अंश भुक्त श्रेश दिलन ।

## অন্তঃ স্থাঠন সমিভিত্তে দে ভুনর্থ

ভন্মত অনিকার এবং স্থরাল গান মিটের অংগ্রামী ২৪শে ও ২৫লে জুল ित्र अन्तर्भाष्ट्राम (य माठा ४३८१ ।।।८७ ८४ अभागक शिवास कथा ८वन

### উ, একাশ, মাজালের সভ্যনুদ্ধি

१ म, ब्राकारशानान व्याहराविशा, স্থাতে (রের ক্সাঃ ভ্রাপন্কারণ, ফ্লিকাভার श्राभवनाच नामाभागाना दन িহাতের আগত সামধ্যাল তথার গমন কবিবেন্দ। ভা**হাল্লা সকলেই ডাঃ পট্ট**ী সী ৯,বা নয়ার অভিশি হইবেন। ভিনিও ই সভার একখন সংখ।

সশস্ত্র ভাকাতি ও নরহত্যা একশানি দরকারী ইভাহারে অকাশ কোনালপ আপোষ সম্ভব নছে। ভবে । করিয়াছেন মহারাণী মিলারতক লইরা বৈ, নাইজঙলেবিন জেল হইতে যে সকল कारामी भनागन कत्रियाहिन छगार्था ७ बन । वां भड़ियारछ । अकृष्ठि > मना बुह त्यां जि: वन्यक व वां ह्या शिवाद्य । **आनि**-মাই ভ থাবের অণিবাসীয়া গ**ড**্ঠিচই জুন ভারিখে উহাদিগকে ধরিরাজে । ণশতিক আনামাদিশের মধ্যে ৮ জন > मरण निक्राण बहेबा चल्छ द वां-लिखा-हिन। केंक > वांकि ध्वे + बारम অক্তম। এখনও পর্যান্ত ৩১ জন মাসামী স্বঞ্চলে বিচরণ করিতেছে।

### ১ দিলে ২৮টি তাকাভি

राक्षातात अभाग गण ३२१म ७ १०८म জুৰত দিলে ১৮টী ভাকাণ্ডি এইয়াছে বলিয়া সংবাদ পাওয়া দিয়েছে। এই সকল ভাকাতি সমগ্র লোকদিণের ছারা অত্নতিত শহর্যাতে। ইহারা মনেক সম্পত্তি नश्भ क तिराध्य ।

धालात(६८६ एक्टिया ३ कम ब्राम-नागीएक इन्हां करिए एक । आईबरियाई व ভিনায় হটি ভাষ ি ইয়াছে। ভাষাত্রা अंग्रेटिन के अधिकार है। के जहाँ देखाँ र

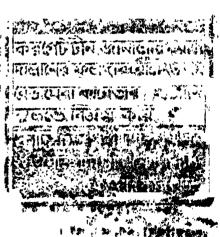
অব ১টি গানে গামবাদীরা ভাষাত लिशास्त्र भारती कर समान करता. छ। हार छ > मण अकार रेस्ड काराटक । शिक्सन • विक १८१८ - व भ्रष्टेश्त एप्रिस**रछ** ।

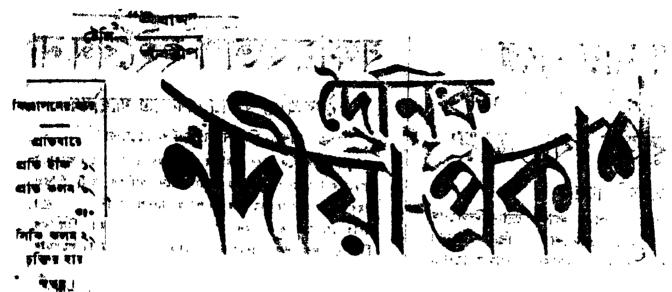
বৈপ্লামনাহৰালে গাড়: জঞ্চৰে গভ ১৬ই জুন ভারিপে বিজেগীদের ২ জন চর रहा भ इशह्य ।

क्रमधानात ८कि एनी वन्त्र भाउमा

ম প্ত'ব' চর কুবালে প্রেবাশ গভ ১৬ই

े ६१८६ । ८म मुक्कण काम्मर्टक **च्यन्टक**ाव क्षांत्राच यत्र महरू (सड़े भ्रमभ अक्ष क्ट्रेंटि - हि फाकार्डि मानीक अप दकान कार भाग मार्चान शाल्या व य नांचे ।





गारा द्वाद नेहान व्या आम (मग्न भागाधिक ८. विभामिक २५० মানিক 🏂 প্ৰতি সংখ্যা 🦽

[৯৬তম সংখ্যা

শ্ৰীষ্ণভান্তাৰ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি

**দ্যাপুত্ত- ১০ই আ**লাড় *হ*হস্পতিবার ১০০৮, ২৫শে জুন ১৯০১

## নানা কথা

### --- विद्वीरङ क्षरत्रमामणी

পভিত वर्षाताचा द्वार्थक वश्या स्न व्याटक वनाश्यक क्षेत्रक विज्ञीत्क । जानिवा **श्रीकृष्टिकारक्रम । क्षामीत्र क्रश्टाम क्**मिडीत त्मकृषांनीय वेडेक्सिश दशम ८६ मध्य वास्ताः क्षाराक नागर प्रवासना स्टान। निक्किनी द्वार्याद्व का क्षांत्र वर्ग, वर्ग व्याणात्रीत्र वाशिह्रक शमन कटतन। निज्ञी करत्वरमस निर्वाहम मध्याख विभए। প্রিডজীই একমাত্র দালিশ নিয়ক ছইয়াছেন। ঐ সম্পর্কেই ডিনি নিলী আশিয়াছেন।

## वर्षा-विद्वारीय जापामर्थन

**ट्यारमम राज्या कृतिन्याम जामस्यादश** कामाहेटल्ड्म, महाक्षकारमत (पानगृत् गर्ड बाह्यभारत ৮० बन विष्टाही देखा-মধ্যেই অাশুসুমূর্ণ ক্রিয়াছে। প্রত্যহ আয়ও অনেকে এইভাবে প্রাত্মগুণ THE REAL PROPERTY.

हाभागात अकरन आति , क्रद्राक्ति कामहास्त्र महिला है। अकित अपन बाह्येचा कांबाकरवन कार्या वांश द्वा आववातीया धुक्कताक जावक कतियो -विमान---वे न्यक्ति शहर शाहिया यात्रा

चात्र पहिली वार्यः वार्यानीक्षे ः व्यक्तम काकाष्ट्रकः विवयक्तिक्षां क्षेत्रकृ भ्यात्र विकास क्रिक्क क्षेत्र क्षात्र का वाहरी विकास क्षात्र का वाहरी विकास का वाहरी का वाहरी का वाहरी का वाहर विकास का वाहरी का का वाहरी क 

# দিল্লীতে জহরলালজী

বর্মা-বিদ্রোহীদের আত্মসমর্পণ

# পিকেটিংএ পক্ষপাতিত্ব

মহাত্মাভীর নিকট পঞ্জাব হিন্দুসভার ভার

# বজাঘাতে ৪টা গৰুৰ মৃত্

দীনেশগুপ্তের প্রাপদণ্ড রহিতের দাবী

# মান্ত্রাজ্ঞে প্রবল বন্যা

মুসলমানদের সাম্প্রদায়িক স্মৃষ্ণ্যু

# সাম্পদায়িক সংঘূষ

সতীক্রনাথ সেনের বারিশাল প্রবেশে বাধা

িনাছে যে, পটা স্থানে চরবুতরা আগুন मांगारेया नियाट्य।

## পিকেটিংএ পঞ্চপাতিছ

कामभूत वायमाविश्व अञ्चलकाश त्राम कृतियाँ शास्त्रम द्रा, चर्मभावज बाबनाबीत्वत्र द्वाकाटन कः त्वान अवार्किः

मान्ने रेखेमाना करेटे जे भेरपान भारता क्यिजित निर्देश व्यवसानी भिटकिए कहा रय मर्। ृष त्रन्तुक म्युद्रम् कताह ভক্ত কাণপুর কংগ্রেস কমিটা প্রাদেশিকী ক্ষ্যাস ক্ষিটার কার্যানিকাইক স্মিতিকে আহ্বান ক্ষরিয়াছেন। প্রকাশ্য সহাথ্য नाको ःस्त्रांगाके हः स्वयंगवाव र स्वयंग्रदा পৌছিবেন।

## মহাত্মার নিকট পাঞ্চান হিচ্ছু সভার ভার

পাঞ্ব হিন্মভার কার্যানির্বাহক সমিতির এক সভার মহা**থাজীত** কাজৰ-রোধ করিয়া এই মর্ম্বে এক প্রেক্তাব পৃঠীত হয় যে, মহাদ্মালী যেন এই कारमर नव मः श्रां-महिष्ठं मुक्कारमञ्जूषार **भारत** বিরোধী ভ্রমন কোন বিষয়ে সুমুক্তমানজের चलका प्रच ना धन्। प्रान्यानस्व নিক্ট আয়ুণ্মূৰ্ণ করিবার পূর্বে তিনি यन मःथ।। नचिष्ठं मच्चानादयत्र न्वज्रुवृत्सन गहिल बारनाहुना करतन।

### বজ্ঞাঘাতে ৪টা গরুর মৃত্যু

গত ৩২শে ফৈটে অপরাত্র ওটার गमप्र भात्रामध्यत देखेत शुक्त गम्न ननीत ধারে চালাচলে টিনের গোমাল ময়ে একটি বৃদ্ধণাত হয় ফলে ৪টি ভান্ধ সারা গিরাছে।

## गाणामात्रिक गरवर्ग

ত্রিচিনাপরী হইতে এক সংবাহে প্রকৃষি তথার কালরি নামক সম্প্রদায়ের <u> (ताक ७-अञ्चल्टर - मह्मु - ८क्टें। - क</u>ीवन -भारवर्ष प्रदेशक्षिकार्यका अक्रेनक्षण ब्रिकिना ভানুকৈ ছুঠাপল দীনক ল্লাম । কালাৰয়ঃ मानि, द्वांदिए हे लिट्युंसे काना दक्तानाम नीमक जन्मक मध्यमारमञ्जू दशानमारमञ् क्रियेत (यू मुक्त न नीमां जिल बाबा बाबिया । हिंग, काशतहे करत वहे तरम्की ्याभिनोट्यं। श्राप्त श्रेक छक्त रहाक वर्षय बहेबाट्य दशिया क्षाना । एकारेबी बब्बरमुक्क অবস্থা সংশ্লোভক 😥 👙 👵 🤫

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনঞ্চিউট্" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## (थाना इहेब्राट्ड।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে
অতি অত্তের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন।
বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যয়ে সুন্দর বাসন্থানের
বন্দোবন্ত হইয়াছে। তান অতীব স্বাস্থাকর।

সবিস্তার সংবাদের জন্ত নিম্নলিখিড ঠিকানা পত্র লিখুন। সেক্রেডারী, ভাকুর ভাস্তিবিন্দোদ ইন্টিডিউট্-শ্রীচেত্যমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

## —৫১ বংসরের প্রাভাষত—

ভিৰ্মালয়ে প্ৰস্তুত বতীকা বাং শুক্ৰচাৰণা, খপ্পদোৰ, কোঠনাঠিল, অধীৰ্ণ, ধ্বলচল অভ্ডি কড বোষীৰ বোগ নিৰামৰ হইখাছে ভাগা প্ৰকাশ কৰিলে বড় বড় প্তক হইগা পড়ে।

#### देश

সকল ঋতুতে বাৰদায় চলে ও সমান ফল প্রদান করিয়া থাকে। প্রতি কোটায় ০২টা বটাকা থাকে।

#### কেবলমাত্র

গুতি কৌটার মূল্য ১০ এক টাকা। ইংরি নাম 'জাতগ্রনিপ্রছ ব্রটীকা'।

জন্তান্ত ঔষণের তালিকার জন্ত পত্র নিধিনেই পাইবেন আপ্রিয়ান :—আত⇒নিপ্রাই ঔশধান্তসভ্র

২১৪ নং বহুবাজার ট্রিট, ক্লিক্ডি!।

## কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের

# ASCIENT OF THE

নকংখনের ভ্ৰিষার জন্ত ৬ আঃ শিশিতে ঘনীভূত অবস্থার ভোটবোড়লের শিমপদ্ধি উবধ ডাকে পাঠান লয়, উলাতে ঔষধের কোন পরিবর্তন করা হয় নাই। সুলা আজি শিলি ॥ আনা, পাইট ॥ আনা, বোডল ১০ শিলা।

অফিস—১১নং উল্টাডালা রোড, পোঃ শামবালার, কলিকাতা

# ग्रज्न गुक्रती

विकार वर्ष क बार्जु क्वांत के जावाकित हाने, बार्जिय क्वांत्राको क्वांत्रक, बावास्थान, युक वक् कर्मा, ब्यांत्रक क्यांकि क्यांत्र व्यव विस्थान अनुसार कर । व्यांत्र स्थान वृक्ति व्यव्हित्त व्यव्हित्त । व्यांत्र कर विष्णु कर विष्णु अन्तर क्यांत्र ।

स्थाने क्षेत्र कार्याका वि स्थान स्थान विकास महिल्ला कार्या कार्या कार्यान स्थान विकास महिल्ला कार्या क्षेत्र कार्या स्थान कार्याका कार्याका कार्या कार्याका कार्याक

্য নাৰ্ক্ষাক্তপঞ্জী, কেল্পন্সকী ক ১৭১বং নাজিব বোচ, চলিবাৰা।

## হাইড্রোসিল

বা

## কোষরদ্ধি রোগ

ভা: গুন্, গুনু, খোন বিনা আছে, বাৰজীবনের গ্যারাটি জিলা বৈভাতিক প্রণাদাতে কোনসুদ্ধি জোর আংলারা করিলা বাকেন।

> दिकाता---क्रम वर क्षम द्वीहे, क्ष्म्याबाह, क्षमकाचा ।

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## रेन्द्र शास्त्र विकाल मदर्गिक

পনুর দিলে সমূর্ণ আরোগ্য

কোপী বেশার্ক ডি ছবংব। ক্ষান্তিন সাথেছ খনচ (বাওয়া এবং আন্তর্গন) পাঠাইলে গিয়া হোগী বেশা চয় অথবা এবংলৈ আসিলে, ভোগী বেশিবা উবন বেওলা চয় আহ্মানা না কল্পন পরিলা পারিপ্রমিক সিতে চুইবে না । প্রমীণ যোগীপের খনচ বহন করিয়া চিকিৎসা করা হল। বিজ্ঞানিত কিবলার অস্থানার অস্থ

खीकिकीनहळ के कीन, बन्ना-किक्श्त्रक, त्याः देवकाडी, बिल्मान । व्यथना निष्ठ क्रिकानाव नाकार कृषिण विकाशिक क्षातिस्क मास्त्रम ।

শ্রীবৃত রামগোপাল লক্ত এম, এ, ক্লকনগর, মদীরা। শ্রীবৃত ওরিপর সিংল, ১১৭, বেশিরাটোলা ক্রীট, চাউপোলা, ক্লিকাকা।

প্রক্রমানি পান্ত। আমার প্রাতৃপুর গঠ হব মার বাবৎ রাজ বৃদ্ধার ক্রিয়া মৃতপ্রার কর্বাচিল, কলিকাডার বিজ্ঞ চিকিৎসক্র ভাগর জীবনের আলা ভাগে করিয়া শেব মৃত্তরের জন্ধ অংশক্ষা করিছেলিন এই সময় প্রীবৃত সিতীপ্রচন্দ্র উবিল মুল্পর মান্ত ২০ বিন চিকিৎসা করিয়া সম্পূর্ণ আবোদ্ধান করিয়া বিষাচেল। (সাঃ) প্রীবৃত্তী কিলোর বাব চৌধুনী (জমিন্তর বাবিয়া) হর্মাট্ট, নিউ বিভিন্ন করণোৱেশন বিটিং ডিপ্টিমেন্ট, করিকাডাঃ

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

भोत्राक 880

बाज 🗸> । जाकिटक । भागिविदल वृक्तभाद भागिन स्त ।

ম্যানেজার-প্রস্থাবিভাগ এটেড্ডমঠ, গোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

(李平 到15年时日

# গৌড়ীয় প্রতিং ওয় কসে

এত প্রশংসা করেন

-<del>-</del>

্ৰবানে বাৰ্ডীঃ ছাপার কার্যা---

ट्रिकेट ट्रिक्ट, स्थान, क्षत्र, क्षत्र, क्षत्रिक्ष शिक्ष, निम व्यक्तिके वर्गून,

মার ০ হং ও ৪ হংছের কাফটোন রুকট কলুন, সকল ভারতি আজি বিশ্ব প্রয়ো কর, অবচ কলিটবার বর্ষত কামার অপেকা স্থানত।

व्यानमात्र विद्व वाणांव कार्य। वाक्टिन मित्रतीकामात्र वामावेदवर पक्ष वावेदवर प्र

बारमधात-दर्गा द्वीसा दिनिकेट खेला क्या क्या कर्म । १६०१ मर बागात मानस्मात द्वार, क्या क्या होने

## শ্রীল প্রস্থুশাৰের বক্তৃতাবলী

ब्यय ७ विक्रीय एक

क्षिण्या अभिन्त्र विकास क्षेत्र । विकास विकास क्षेत्र विकास विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र क्षेत्र विकास क्षेत्र क्षेत

## अवयोग्स्थानं विता ा विचित्रहान समित्र जरमान्द्रका सिटका क्रम्बाग्रहक ধারাবাছিক গবেষণ্

41.

अन्ति कन्त

**এই সম্প্রদান সংক্রিয়াদলেরই অন্তর্গত।** ইহারা বিভাপতি, চ্ঞীদাস, রূপগোস্বামী, अग्रस्य (श्राकृष्ठि नशक्षमत्य तनिय छात्र गत्न ক্ষরে এবং উচ্চাদের গৃহিত নয়ক্ষন প্রকৃতিকে आश्रक कहाना कतिहा ध्वापर्नकारन श्र-श्र माध्य श्रद्ध नम् । क्षेत्र मण्डामार्थेत त्माक षाधनात्क दिनक मदन करता भारबाक तिभिनित्यथ भागन कता हेशासत माज • सिनिक। केवाजा देवकावनिशास्य देवन, उन्क, বঙ্গির্থ প্রাভৃতি সংজ্ঞার ভূষিত করে।

### মিরাকারবাদ

 মতে—ঈশ্ব আছেন, তাঁহার দল আছে, কিন্তু তাঁচার চিমায় নিতাবিপ্রত, বিশিষ্টভা শক্তি নাই। ঈশরের স্কডাতীত क्षिणित बार्ड नर्छे. किन्न व्यनस्मिकिनरम কো কামরাজ্যতোত চিন্মা নিভাবিপ্রত পাকিতে পারে না। জীব যদিও ভারা क्रेट्ड हेरलब्र ভলাগি লিভাগেরজপ कश्रीति क्रमार्थितिम श्रीकटन्त्रे भवा व्यक्त **হট**া পড়িবে। নিরাকারণক্তি গাডীত সাকার অভ্যাবিপরীক শক্তি ভাষার হটতে

### मित्री**यं**तनाक

পবোপকার, পিছুমাছু-পূজা ও প্রাচীন পরার অস্ক্রিণা হইবা পাকিলে কার্যরও অপেকার্তিভ হইবা তাহা হইতে নিব্ভ क्टेनात CBहाहे थया । स्थामानान (58) ना শর্মামারে কোম প্রকাশ নিদির অভিপ্রায় क्षाकांत्र कता कार्य । हेश्राटमत महर्गा ८कश কেং মৃত ঈশর চল্ল বিভাগাগরের মতকে शर्च गरम करवन ।

#### देशिकिकिकद्दश्य का नाम

श्रमान्त्री (तात्र विकायरणत कक श्रमा-(मरी, वनस मिनाजापत कक्र में उना, भूकिन নিবারণের কন্ত সভাপীর প্রভৃতি নানা कात्रत्व देनिम:७क त्मनकात उपन रहा असारमञ् १५८ ७ इ. सका वही. मर्भात्र कथा मनगा শ্রেক্ত নানা দেশতার উপাসকগণ এই বাদ च्यक्रमापन करता।

#### **क्षां** हो मशक

धारे बाक---काम कड़ेक, मन कड़ेक, কিছ বিচার না করিয়া যাহা কিছ আমীন, ভাষাই পালন করিলে ধর্ম र्गाणिक देवी। नृष्ठने वादा किन्नु जान बाना वाष्ट्रम मा त्यन. व्यातीमका काश नारमका चोत्रं क्षेत्र । देशायत्र मटक कामकारम মান্তবৃদ্ধি কমিলা পিয়া প্রাচীনভার প্রতি बीक्सक व्हेरकरक

## बीबीकक्टमांचाटमा कराउ:

# দোনক নদায়া-প্রকাশ

## নিতাপাঠ্য বৈক্পবাৰাবহ

त्यापि नमल नाष्ठ-मारश्चत्र खक्रकिम न्यापाडा সমগ্র ভারতে একমাত্র মূলভ

## দৈনিক পারমার্থিক পত্র

Lang of the department of the contraction of the co

## শ্রীলাম-মাহাপুর-১০ই আলাড় স্ক্রস্পতিহার-১০০৮

#### বলাহাড়ীবাদ

বলার া নদীয়া জেলার মেহেরপুরের মল্লিক বাড়ীতে পদচাত হইয়া সর্যাসীর বেশে আপনাকৈ রামের অবভার বলিয়া প্রাচার করে। জগতের জ্রষ্টা মানবের হাড় পাষ্ট করিয়াছেন বণিয়া হাড়ীবংশে তাহার ক্ষাক্য। পুরুষ ও উদাসীন উভয় कात निग्रंके देशास्त्रतं मत्मा कारक्। वन नारमञ्ज देमवनकि किन। এই मरन সকল কাতি এবেশ করিতে পারে।

### ভাগণভনিক্লছবাদ

এই মতে জীমন্তাগবত-সহাপুরাণের অন্তর্গত এবং ব্যাসদেবর্রচিত নহে, দেবী ভাগের চই পুরাণ। हैशापत गाउ জ্ঞীময়াগবভ শাস্ত্রকে অশাস্ত্র প্রতিগন্ধ করিতে পারিবেই চরম প্রাপ্তি অবশ্র म्बा इहेर्य ।

#### বোগৰাৰ

মুল শতিরের প্রভাকসমূহ গম্নির্নাদি দাব: আছে করিবার প্র ক্রমণরীরকে चेठाधेया *वार्म्सः*ः বাসনারাজা হৃহতে ঈশ্বর গ্রন্থিন অপবা অর্ক্ত কোন উপাঙ্গে মুল হক্ষ নিবিধ আবস্তা হইতে উল্লুক্ত হটা। সমাপি লাভ করাই প্রচেম্কেন। সম্পিলৰ অবস্থান আনন্দ থাকিলেও চিদ্বিচিত্রভাব সম্ভাবনা নাই।

#### बार्डा ह्या ीवान

এই মতে রাত্রিকালে ভিক্রা করা 🖥 পথের অঙ্গবিশেষ: দিবাভিকা নিষিদ্ধ हेश्रापत मध्या 'अयाठिक क्रिकांच निर्वि मन 🤏 धाँमभिना आह्य । भागाधनाजान क्ष्मिनक जना वहन करत गाउ। हेश्रा আপনাদিগকে বৈক্ষব নলিয়া পাকে ৷ তিন স্থানের অধিক চতুর্ব স্থানে ইছারা ভিকা करत मा।

### ज्ञांबन्द्र स्वाम

क्की क्कामरमतः क्यामः राक्ति विव इडेका सामनहास नामक क्षक नेप्रक्रिय विनायकात टाकिका कतिया गर्यमगद्त क्यम ना द्येन, काहात ल्यालाक आखि निर्माणा दक्षे अहम कर्यने ना ।

শক্রবাদ প্রচার করে। সমস্ত মত্তে একমত করিবার প্রয়াসট ইহাদের ধন্ম। কোন আচারের অধীনে বিং ইহাদের অভিপ্রেভ নঙে। এই দতে क्षीया ७ मान्निका पृथ्वीत । সক্ষাভূগ উ সমকান, আপনাকে তুগজ্ঞান ও পরস্পরের প্রীতিবন্ধনকেট ইহাবা ধর্মাক বলিয়া বিশাস করে। কালী, রুম্ম, গড়, খোদা প্রভৃতি मञ्जाहे दक ।

#### श्रामानम मकत्रनाम

ইহারা রামারুক সম্প্রলায়ের অন্তর্গত বলিয়া আগ্রগরিচয় প্রদান করেন । রাম-দীতাৰ উপাদনা কবিলেও বস্তুত: ইহাবা অবৈত্রদানী, বিশিষ্ট্রেডবাল স্থীকার করেন না। এই সম্প্রশয় হউতেই কবির প্রদাস প্রভৃতি কয়েকটা বিভিন্ন সম্প্রদায় স্বষ্ট হইয়াছে। রামান্দরণ বিষ্ণুর উপাদক **হুইলেও অফাভিলাধিত:শূকা ভ্**জির কোন खिलारमध्य स्थाध करतम मा। **दे**हाता আপনাদিগকে রামাৎ দলিয়া গাকেন এবং জ্ঞান্ধণসংজ্ঞায় ভূবিত হন। ইংগদের তিলক ন্ধানাপ্তস্থীর ভির্নকের সদুপ।

#### জপ কবায়

এই মতে জ্গুৱানেব নিভা চিদ্বিশেষ-সমূহ রূপক মাত্র। রূপক্রাদী প্রাকৃতপক্ষে निकारणभवाषी। त्य किंधू हिंछ छान, मम ६ हे অমুসক। কৃষণীশা ভোগভিষ্ণওলীরই चर्नन भाव, खेलिशामिक घर्षेना नाहै।

#### বাৰাজীবাদ

এই মতে গৃহভাগী বৈঞ্চৰ বাৰ্ড,ভ আর প্রচলিত আছে ৷ ইথাদের সহিত গাঃক- কেহই শ্রীক্লখন্টেতক্তের সাধক স্ট্রার যোগ্য নহেন। গৃহত্যাগ করিশেই শ্রীরুঞ্চৈতক্তের প্রেমভক্তি করতলগত চইবে এবং গৃহত্যাগী কামগৰুধীন কোম গৃগ্ভাগী বাবাৰীতে <sup>1</sup> क्ष्यर त्य त्कान शांभ वा कशहें हा चाहतग

অবশান্তানী ৷ কাহারও কাহারও ২০১ প্রকৃষ্টিদানন কণ্ডবা। এই সাধনক্রমে মন্তানাদিখারা সনাক উৎপন্ন হউবে--ইঙা অভিনেপত নতে।

#### বুজরুগ বাদ

हैहारमत मह जेहे रग, मानुभारबद्ध অগৌকিক শক্তি আছে। ধাঠার যে পরিমাণে অলৌকিক শক্তি, ধার্মিকগনের মধ্যে তিনি তভরুর অনুসর ৷ বুজরনীট পমা : ভদ্যারা, মান্য যাহা করিতে পারে না, ভাহা সংপত্ন কৰিবাৰ শক্তি আভ করা याम । व्यञ्चक (सार्थः এই সম্প্রদারের মধ্যে প্রবেশ করিয়াছেন।

#### **इ**तिनश्मवाम

ছয় গোস্বামীর অক্সতম শ্রীগোপাল-ভটের শিয়া হরিবংশ এই বাদের স্থাপচিতা। ইইাদের উপাত্ত জারানারক এব সকলেই স্বকাল্পালী। ভ্রিবংশকে ইইানা ভ্রিবংশ গ্রাডের অবভার বলেন। ইটারা োরেলায় বলিয়া খ্যাত।

#### इतिदश्यानाप

ইচার: মুক্তিবানী। ওক্র স্থলদেহই প্রমেখরের মৃতি। সমদা জনিমান করাই ইহাদের স্পেন। জনম্পো ভারা নামসংখ্যা গ্রহণের বাবস্থা ইঃজের মধ্যে **নাই। নারায়ণ** ঠাকুরের উজেশে সন্থান ভূমিট হইলে তুল্দী মৃত্ক। সভানের গায়ে লেপন করে। তুল্মীতলার বাভাস ও মিষ্ট দ্রবাদি হরির अर्थ विश्व देशांतर काराणुका मर्याया हत ।

#### मां छन्। प

এই মতে শক্তিই জগতের মূলা প্রাকৃতি। িনি চেত্ন-গ্ৰী। শক্তি হইতে শক্তিমান্ সমূতের উদয় হয় এবং শক্তিতেই নিঃশক্তিক इटेग्ना मस्किमका सन्त्म इया। बेई। एत्र भएड শক্তিমানের শক্তি নঃ, শক্তির শক্তিমান। ভীব—শক্তিপ্রাপত, ডাব্রুফ্ জীবিভ**কাল** প্রান্ত শক্তিকে মাচুদংখাধনে পূজা করা আবিল্লক। শক্তির মাতৃত্ব সিদ্ধি হইলে পালমুক্ত চট্ল সদাশিব প্ৰাপ্ত ইওয়া যাইতে পারে। সেইকালে মাছত ধ্বংস হুইয়া জাবই শক্তিব পতিৰে বাবিত হন। বামাচাৰ, প্র্যাহার, বীরাচাবদেকে শক্তি विनिधा हत्य निर्मित्नवरे शाला।

#### देनवनाम

এই মতে, রুদ্র সকল : থেবত: "মাংপকা (मर्ड : त्मरक्क क्षेत्रके काम : अन्यर्कत्वत উৎপঞ্জি স্থিতির পবে কালেই দেবসমূহের मात्र इत् । कीय अश्कर्मानामा अंस्वनाटक বৈশ্ববের আচাধাসম্মান লাভ ঘটবে । বিশুদ্ধ সক্ষম হয় । চতুক্ত বছপালন, বিভূতি-লেপন প্রভৃতি কতকগুলি আচার ইহাদের পাকুক কৰিছে পাকুক, আইচভক্ষেয় নাৰে মধ্যে প্ৰচলিত আছে। অনেক শৈৰ বিষ্ণু গৃহ ভালে কুরার অক্সই ভাঁহার শ্রেষ্ঠ ও শিবকে একই জ্ঞান করেন। শিবের সাৰুতা ও ভক্তি হইয়াছে আনিতে হইবে নিখাস ২ইতে উত্ত মারিক বিছু আছি चामशहान्हे कारण निनीम इन । निरमा

### (मोत्रवाम

हेशामत मठ এই य. खुगा इहेल প্রাণীমাত্রেরই জীবন। সম্ভ জগৎ স্থোর কিরণে আলোকিত। ধ্যাই সনিতাও ভর্দের। সকল দেবতা তাঁহারই উপাসনা করেন। এই মতে ভূষ্য সাধকের চক্ষে উष्टि सा इहेटन (अंधन कड़ता नःश्:। भोत्रशामीतम् अध्यक्ति अक्षम इहेशा সুযোর দিকে দৃষ্টির্বিত করত সাধনা करवन ।

## সিজবকু শমটের মোহান্ত মহারাজ

কলিযুণপারনাবভারী ভগরান জ্রীগৌর-স্থান্দলের আচরিত ও প্রচারিত বিমল প্রোম-ধর্মের কলা জগতের সন্দত্ত প্রচার করিবার फिल्म्ड डी.विश्वतिकातरांक्रमका कार्याक्रवसंत বিভিন্নতানে শুরুভজিপ্রচাবকেল্যমন প্রতি-क्रिक कित्यां क्रिन। ই,পুক্ষেত্রস্গুয়ে শ্রীপাম মানাপুর নবরী পশ্র আকব মহবাজ জীচৈত্রমাঠের অভত্য পাথা ত্রীপুরামান खनश्रे वहरू क्रीवर्गास्त्र सम्बर्गान কত্তক ক্ষেক্র বংসর হাবং শুভুক্তির কথা জগতে প্রচারিত হর্মান অসংখা বাজি হরি গুরুবৈষ∙বদেবার আবুনিবেশ্য কবিয়া মুর্ভ মন্তব্যস্থানার প্রায়ন্ত সার্থানাত। সম্পা-দনের সৌভাগ্য লাভ কবিয়াছেন ও কবিঙে ছেন। এপুর-সোভ্যকে ছিত দিয়া কল মঠের মহাত্ত মহাতাজ নীযুক্ত বল্ডভ্রাস मार्गाम । এই अन्ययक्षत अध्यक्तरमाख्य-माठत অন্তর্ভিলাদ-জান্কশানিখ্কা ভ্রমণ্ডিব বিশেষভাবে প্রচারের সভারতা ও সহাস্ত ভতি অদৰ্শনপু ১ক নানাভাবে সাহাল্য করিয়া মঠধারিগণের আদর্শস্থল ১ইয়াচেন। ওচ্ছক द्यीतिष्ठतिकत्रवाक्षम् सत् । भारताक्षश्चनन । १ সেবক শুদ্ধভাৱসাগাল ভাঁচাকে এপের ধরুবাদ জ্ঞাপন করিতেভেন আশা কবি, আঁমনাগা প্রভা তাঁথাকে শুদ্ধ হকি আগোৰ ও ওচিত্রে উত্তলেত্র উৎসাহ প্রাণান করান এবং ডিনিও শুদ্ধান্তভাগতের व्यानम रहन करिएड शक्ता।

## ত্রংখরা পিণা ভগবৎকরণা

(.)

ব্রসাণ্ডের প্রভাক ব্যক্তিই স্থাপান্তির প্রাণী: পর্বকৃটারবাদী নিত্য হিকোপ্রকীবী হইতে আরম্ভ করিল স্থরন্য সৌলেপরি ক্সমান্ত্রামান ন্যানায়িত কোট-পতি, বাল, বৃদ্ধ, যুৱা, নারী **সকলেই** ভাহে इब-रुष्ट्र होकुरसत कामनतिइखि। किन्न ৯ড০ গতে ভোগ প্রার্থনার **আশার্ত্তরপ পূর্ণতা** ना = इस मा। ध' म्मार्ट दक्ष मन्त्र्र স্থা নতে, এমন কি, সামরা যাহা-

मिशंदक थन, बन, विख्यम्लंदमत्र शाहर्रा বিভূষিত দেখি, অশেষ অফুসন্ধান করিলে দেখা যায় যে, ভাছাদেরও একটা না একটা माक्न धःरथत कात्रण वर्खभाग तहिहारह. যেজক ধন বিস্তাদিও ভাহাদের সম্পর্ণ প্রীতি উৎপাদন করিতে পারিতেছে না। ভোগ-কামপীড়িত প্রত্যেক জীবনেই একটা নিদারণ হাহাকার ও অত্থির দীর্ঘখাস দেখিতে পাওয়া যায়; মাধাকবলিভ অনেক মৃঢ় বাজি প্রাথিত হোগভাপ্তিতে নিরাশ হইলে করণাময় জীভণবানের প্রতি অয়থা দোষারোপ করিয়া নরকপথের প্রিক হর। তাহার। বলে,--"ভ্রোন যখন আমাদিগকে এখানে পাঠাইয়াছেন, তথন তিনি সম্পূৰ্ণ জ্পবিধান কৰিবেন না কেন গ নানাবিধ ছ থ দিলা ভিনি কি নিচরভারই পরিচয় প্রদান করিতেছেন না ৫"

ভক্ষানিত হউডেছে; বন্ধজীনের একমার ! মুহাং শ্রীভগবান যে কাগাবও অস্পলেব বিধান কৰেন না, উপনিউজ শ্রেণীৰ ব্যক্তি গণের ব্যক্তির জ্ঞানের নিভাস্ট ভাল্র।

যদি প্রারভিজ্ঞান্ত ব্রুরিধ অভাবেশ ঠণ কৰ্গোড বিজ্ঞান না থাকিত, যদি ড়াথের অভিন্ন লুপ হঠাত, তবে কি কেচ পরমদনাল জীকাদের অনুত্রবী জীমাম অবেধ কবিত্ত না উভগ্রানৰ প্রসংসা মেনাথে আলাগিত ছইড্প দ্বানিধি 🎒 र्रात्त कर कवना हम, जीतनुन्सक सीधः। প্রায়িকে আক্ষণ করিবার জন্ম তিনি মানা খভাব ৬ ১৯বিধার সাঠ করিল। द्याविद्यादस्य ।

পাওবজন্না প্রেন্ড্জিমতী কুরীদেবী ভববেন্ধীর ভব্কীউনে প্রায়ণ হল্ডান্না। শ্রীর জের নিকট নি . ১ ছ.খল(ভেব আক।জ্ঞা। ব্যক্ত করি,ছিলেনা কেন না, শোক ছাথের পরেশ সকাল। ভগ্নত পণে চিড ধার্বিত। হুটবার স্থাবন।। ক্টাপেনীর আচ্বিত कन्यासम्बर्धानिक। यनिकासन। अध्य कति, ভবে ভাগেৰ মধ্যেও দহাক ছবির ক্লাশীমেৰ মঞ্চলপ্রেরাছ দর্শন করি ৷ প্রোণে নিমন, শাক্তি পাইব ৷ এমনই ভীষণ ভাত্তিতে আনসা আচ্চন হটগ্রছি যে, 🕮 ভগ্রানের দ্যাপ কলা একবার চিন্তা কবিবার প্রান্ত অব काम ना हेक्का इन मा। कन्त का करीया বলদের মত সংগার-খানিতে নিল্ড পুরিভেছি, একটু বিরক্তি গণ্যন্থ নাই। भश्र, भक्ती, कींग्रे, भड़क उत्र, वडा, शहरा হইতে আরম্ভ করিয়া সকলের প্রচ্ছ শীব মানব প্রয়ন্ত প্রভাবের প্রতিই শ্রীভগ্রহ-করণার অস্তু নাই। তিনি সকলকেই क्रमा कनिएड 77571 আমরা যুগন অনিভা স্পারে দেখগনোধর্ম-চালিত হইয়া অনিতা বৰুবাৰ্যবাদি ও মাজা পিন্তা প্রাক্তা ইত্যালি পরিষ্কার্থের

মোহাশক্তিবশতঃ ওগবৎ-চরণকমল বিশ্বত হই, নিজ নিভাখদেশ ও নিভা স্বরূপের ধর্ম পরিত্যাগ করি, তথনই দয়াসিদ্ধ 🗒 ক্ল মৃত্যুদূতের করাল স্পর্শের ভিতর দিয়া তাঁহার কর্মণাধারা আমাদের ভাগো জ্যেরণ করেন। জড়ীয় রূপের অভিমান যখন আমাদিগকে গ্রাস করিতে উন্নত হয়. তথন তাঁরই কুণা--বস্তু, কণ্ডু, দক্র ইত্যাদি পাঁড়ার মুক্তি ধরিয়া আমাদিগকে সকানাশ इटेट्ड तका करन । अन्यक्ती धरनत गर्स्ट শ্বাত হুইয়া যখন নিতা অবিনশ্ব ধন ক্ষা-ভক্তির প্রতি আমাদের বিরাগ জন্মে তপন দত্য ভক্ষর আসিয়া পেট ভক্ষ ধনের অন্বিত। কানাইয়া দেয়। কিছ হায় অজন্ম প্রকারের করণা প্রাপ্ত চুইয়াও সেই প্রেম্ময় শ্রী>রির চরণে কল্যাণ-দায়িনী শুদ্ধা ভক্তির সঞ্চাব হয় না। যদি ক্র'বজগ্র আয়কত বিপাকফলে কেশ- । তার ক্রণ। বিস্তৃতিপ্রদায়ক পুরের বন্ধন-পাশ ২ইতে মুক্ত করে, ভবে কি আমরা জ্ঞারত শ্লেইবসগাসক নন্দ যুশোনতীর অক্সিতো বাংস্কা প্রের একমাত বিষয় শ্রীটোপালের সেবার প্রাণ্ড ইংসর্গ কবি ১ িগাতম স্থার বির্চেট্রিভবিবেক হইল কি উপ্তেশ ম্থার্গের আপ্র-বিগ্রহ রচ্ছের জীলাম ভাগম বল্লদায়ালিৰ মিক্সটে কুলা পাথী अञ्चल निविध्यम्यातस्यतः िमग <u>ज</u>ीकर्मान প্রদেশবো চিত্রবিক্তি ইই ৫ একটার পর আর একটা করিণা জাগতিক ভাগের ভাগেমন, ইছা বেন অপার করণাগয়ের कलाह्नकाडे वाक करन: किंद्र व्यानना ভাগ বুলি না, যদি বুলি মে, ভবে 'বিসাা হম্মগুজামি হ'রয়ে ভদ্ধন ধনৈ:"--এই

## স্থমেধতিথি পালনেংসব

🖊 माखाङ (भोड़ोद्रम८र्घ

মাদ্রাজ হইতে বিদ্ধিতামী জ্ঞীপাদ বন মহারাজ তার করিয়াছেন যে, মাদ্রাজ গৌতীয় মঠে ঠাক্য ভতিবিনোদ বিবহ हिनदम समञ्ज किन नश्त भक्षी खन, न**ङ्**छ। मुख्य राक्ट अञ्चितिस्मास्यतं काया । अञ्चलत দানের আলোচনা, শরণাগতি কীন্তন ও মহাপ্রসাদ বিভরণ প্রভৃতি 33900 ६हेद्रार्छ। ङङ्गिनिस्मिम ठेर्नुरत्त कथा শ্রবণ করিনা বহু ১লুবোক ও ভদ্রমতিলা काक्षष्ठ इंदेशार्डन এ५: ५६ वाकि भत्रवाधि . কী হনে যোগদান করিয়াছিলেন।

## श्रीभुक्षसायम मर्ड

জ্ঞীনাম পুরুষোত্তমক্ষেত্রত্ব জ্ঞীপুরুষোত্তম मठ इरेट्ड निकार गःनाममाठात कारत : क्षेत्र्भामीत । ध्यकाण- श्रीक्शदरक्षशांवरण ठाक्य महाणद्यत्र

সপ্তদশ বার্ষিক বিরহ মহোৎস্ব মহাস্মা-রোহে অসম্পন্ন হইয়াছে ৷ সকল বৈক্ষব সম্প্রদায় হইতে শত শত সাধু এবং বহ ভদ্ৰলোক ও ভদ্ৰমহিলা উৎসবে যোগদান করিয়াছিলেন। প্রাত্ত:কালে নগর সং-কীর্তন হটয়াছিল। অপরাত্তে সমাগত বছ বাভিন্ন সন্মান গোন্ধামী শ্রীপাদ অপ্রা-কড ভক্তিসারত প্রভু ঠাকুর ভিভিনিনোতের র্ফাবনী ও শিক্ষার বিষয় বস্তুতা করেন। স্নাগত জনগণকে ও শত শত দ্বিদ্রকে বিচিৎ মহাপ্রদাদে পরিতপ্ত করা হইয়া-ছিল। গ্রিদাওখামী শ্রীপাদ ভক্তিশ্রীরপ পুরী মহাবাঞ্চর আত্মগতো ব্রহ্মচারিগণের প্রাণপাত পরিশ্রমফলে উৎসব সাফলামতিত হট্যাছে। শ্রীাদ প্রমানন বন্ধচারী বিহারত্ব প্রভাব ঐকান্তিক যত্র ও প্রবাসসা मक्राक्षाचार क्षान्यमा ।

## श्रीयाश्वदगोर्जीश यहर्ठ

ঢাকা হটতে যুত বিরাজ্যোহন দে ভক্তিভূষণ মহাশ্য তাবের আবা কানাইবা-एकन त्य. छाका ज्ञीमास्त्रक्षीन महीत शक्ति शक्ति ভাজিবিবেদদৰ ভিলোভাৰ মহোৎসৰ মধা-मगारगाठ लग्लाब क्रेगाइ। लोसीवा मन्यापक क्षीयाम सम्बद्धानमः शहरिकाविद्याम নি, এ মংখ্যের বত সম্ভান্ত শিক্ষিত ভদ্রবোক ও ভদ্রমাগ্রার সম্মাথ চিত্তাকর্মক বন্ধতা প্রাপান কবেন। মঠগৃহ ও শ্রীবিঞাহ অভি স্থান বাবে সম্ভিত্ত হট ।ভিল এবং সমাগভ সকলকেট মহাপ্রসাদ বিভরণ করা ,হয়। উৎসবে জ্ঞানপাত পরিশ্রমের কর শ্রমে১-সেবকংগে সক্তোভাবে ধরবালাই i

#### क्षां अभिज्ञा अभिज्ञा अध्य

ইচুগোডীয় মঠেব অক্তম শাখা প্রিপ্রালম মতে শুদ্ধভাক্তি প্রচারের মুগ পুরুষ নিভাবীশা প্রধিষ্ট 👶 বিষ্ণুগাদ 🕮 🗐 শ क्रिकिनिरमान ठेकि जात मध्यम् । वार्षिक वित्रक घट्टारमन चच्च दुरमत उत्थाति कृतिकृत्या স্ত্রসম্পন্ন হরণ।ভিন্ন। ব্রাক্ষাপাড়া আমের সমস্ত লোক এবং চতুম্পাশ্বকী বিভিন্ন आभ इंग्रेंग्ड नष्ट इप्रामांक खहे मध्येषम्य নোগদান করিবছিলেন। মঠের কত্তপক্ষণ সমাগত সকলকেই বিচিত্রতাপুর্ণ জীমহা-প্রাাদ সংকীতনমুখে বিভরণ করিয়াছেন। मकरणहें की बीश्वरशीतांत्रत स्वत्थानि । নিভালীলাপ্রবিষ্ট উবিষ্ণুপাদ প্রীশীমন্তব্দি-নিনোদ ঠাকুরের জ্ঞাধ্বনি করিতে করিতে শ্রীমহাপ্রসাদ সন্মান করিছাছিলেন।

आधानभाषा युवकिष्टभन्न मध्या श्रीमान् काताणम कोधूती, श्रीमान विश्वनाथ कोधूती, কিলোবীমোহন চৌধুরী প্রাকৃতির সেবাচেটা

# প্রস্থার চয়

## **শ্রীমন্তাগবতম**

व्यायमार्थि क्रकटेवशावन (वहवाम-ध्येगीक मून, श्रीयन-मस्ताहाया-क्रष्ठा छाष्ट्रभवा-निर्नयहीका, बीममृतियनाथ हक्कवर्री ठाकुत-क्रक मात्रार्थमिनी दिका, वनायुवाम, मरक्रक व्यवस छ সেই ক্ষেয় প্রাঞ্জিপাত কথাসার, অধ্যারের প্রথমে ঐ অধ্যারের দারসহ হৃবিভূত তাৎপর্যাদি বিবৃত। লোকস্টা विषयक्री, अभागविवत्रंग, भाव ও श्रामक्रीमह छेन्द्रम কাগকে উত্তম অক্ষরে মুদ্রিত। প্রথম হইতে ১০ম হঞ প্ৰাপ্ত ছাপা স্পৃধিরণে শেব ইইয়াছে। ভিকা প্রথম हर्रेट अम् इक भगास २०१४०; तमम एक १२८; 1 .08 IEFS

## **बिक्रीटिएडा** हिन्साबर

**শ্রীমন্থতি**বিনোদঠাকুর রচিত 'অনুভগ্রিবাচভাষা' ও জীত্রীমন্তকিনিদান্ত সরপতী গোলামী প্রভূপাদ-লিখিত 'অম্বভাষ্যে ক্রভি-মুত্যাদি বহু শাস্তপ্রমাণ-সম্মলিত হইয়া अकानिक श्हेगारकतः । (मारकत गांवप्रतााचा, तकाश्रतामक প্রত্যেক পরারের পুরে সংক্ষিপ্ত অভিনেয় সংযোজিত। প্রান্থের কথার দেওয়া মাছে। শ্লোক প্রার, শন্ম, স্থান, পাত্র প্রস্তৃতির প্রবৃহৎ সূচী ও এ৬কংবের নিপুত ধাঁবনী সময়িত এইরপ অভুপ্রের সংহরণ ইতংপ্রে कुदांशि ध्वकांशिष्ट वय मार्च । किंद्रम काश्राक शाहिशाहिल । (५% छ।का, छ।क १वट श्राहर । প্রিত কুল বৈজ্ঞানের মুলাংল মুদ্রিত চইয়াছে। প্রায় >१०० शृहीय मुल्लाम । किला दल्यात्म ६, माळ ।

#### **बिटेड्डाडा शरह**

এছকারের জীবনী, প্রতি পরিফেদের কথাসার, বিস্তৃত ব্যেটিয়া ভাষা, শক্ত্তী, প্রারহটী, বিষয়-স্থান পারাদি-সূচী, জ্ঞুতি বিৰিণ বিষয়-সম্বাদিত বিরাট দিতীয় সংকরণ ভবল ক্রাউন ৮ পেলী আকার। আদিবালা ও নাের किश्वप्रम क्षत्रामिक बहेबार्डन। अस्य कार्य कार्या হুইতেছেন। অগ্রিম ভিকা ১ টাকা, আদি নীবার 1841 5

### **औदिए सम्माम्बर**

এই এছের এরণ অভিনব মুন্দর সংকরণ আর কুরাপি क्षकाशिक क्य महि । शह्यक (माकार्शन अवग्र, तकाष्ट्रनाम, क्षात्रा, क्यांमात्र, एवा श्रकृष्टि मह चएउ ६ए७ श्राक्षा eইয়াছেন। মূল মোটা আক্সে ভবল জাউন আটংগ**া** इटमाक्यात छाला इटेबाट्य । भूका २॥० छोका । अभीवा প্রকাশ ও গৌদ্ধীয়ের গ্রাহকগণের পকে ১॥• টাকা।

## **শ্রীমত্ত**গবন্দীতা

-- **শ্রিলোড়ীর** : বৈঞ্বাচার্য অপ্রাক্ত রণিকচুড়ামণি **এই বিশ্বদাৰ চক্রবন্ধিরাকুর** গোস্বামিকতা সারাথব্যিণী विकासरम्था **क कियाविक वि**रसास हेर्सूब-व्यंपेष्ठ 'द्रमिक-মঞ্জন' নামক ভাষাভাষাসহিতা। অধ্যারস্কটী, মাতৃকাজনে (माक-श्रुटी,विश्य-श्रुटी, अध्कात्त्र कीयनी क व्यवस्त्रविकापि वह-काष्ट्रवाविषय-महःकित्यहे वीवाह पृष्टीय मध्यत्न--- ५ हे ताज क्षका माज

## শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

उँ विकाश खिलीमंडिकिमिडासम्बद्धी **टिगामानी नहानारकत तिहै** अविका-विकाशिनी कीवाश्वश्वतादाधिनी क्य-कार्का निम्मतात्रिनी कीव्य-वार्वात মৃত-বিগ্ৰহ---বৈক্ষৰসিদ্ধান্ত-বৃদ্ধালার কৌশ্বভ্ৰমণি---সম্প্ৰদায় বৈভববিজ্ঞানাগারের মৌলিক তথ্য-প্রকরাত ও ভাগবতের ममयम् धर-महास्त-छीवनहत्रिछ-निकक-हिविनाम्हिनाज-প্রতিশন্ধ, তথ্য ও বিষ্ণত্যাদিযুক্ত। প্রতি কলের আদিতে অচিলাত-বিচারক—ঐপর্য্য ও মাধ্বারণের মোলিক গ্রেষণার, 

> ১ | প্রাথম অক্ত-বৈক্ষবদর্শন, শ্রী গুরুত্ব, কাল-धम, अभवाविकांव, अवावकानवी, भाकताबिकी मीका ও বর্ণ বিচার, আত্মণর্ম ও মনোধর্ম, জীচৈত্তক্তদের ও ভাষার শিক্ষা, অপ্রারত সহজ্ঞপত্ম ও প্রারত স্থত্পত্ম প্রস্কৃতি বিংশতি সংগ্যক রব্ধে স্থলোভিত। ভিকা মাঞ ५० বার আনা।

> ১। ত্রিভীক্স অংগ্র-ভঙ্গা ও বিদ্ধা ভক্তি, নমুনোর লেইতা কোথায়, আত্মার নিতার্ত্তি, শ্রীধর স্বামিপান ও माग्रानाम, जीत्नीत-निष्णानन्त्वामम, जिएएश्व धर्म । कका-কীর্ত্তন, শ্রীব্যাসপুদার শ্রীমন্থাগবডের কাত্তন, শ্রীগোর-भारमत महिमा, मधाक्ष्याप, बीर्शाविस, बीक्रलाकश्वन-প্রপ, জীমতী বুগভাম্বনন্দিনী, 🚉 চৈত্তের দহা, প্রোরকরণা जिला ६, এक টाका गाउँ।

अथम अ विद्यास—अहे अ अ अकर्त नहें अ

#### 🚨 ম % গ্ৰহণ গীতা

(शा श्रीक देवसवनामां शक-( अत अ के ब्री मानवन कर विका ভ্ষণকৃত ভাষ্য ও শ্রীমন্ত্র কিবিনোদ চাকুরের প্রাঞ্জ বন্ধ-ভাষায় বিশ্বত 'বিষয়ক্তম' নামক ভাষায়ক। অধ্যান-প্রচী, বিসম্পূর্টী, ও প্রতি প্লোকের প্রথম ও ত্তীয পাদ সূচী, ভাষাকারের ফীবনী গ্রেক্তি স্থলিত। উংগ্রহ বাবেই, রাজসংক্ষরণ (ভূতীয় সংক্ষরণ) এছের किका २, हेका।

#### **ट्यायाय प्राप्त**

রোরিক-ভাষাাদ পভ্রার প্রথম গ্রন্থ। উৎকট কালিতে । প্রক ভাগা। ভাবস্ত টাকা ও প্রাঞ্জলবন্ধায়বাদ-সাধ্যাে অতি সহতে বালকেরও বোধগ্যা হহ্যা পাকে। ভিকা । ত । আনা মাত ।

#### **बिमनबी भवायमा क्राया**

ে প্রমাণপঞ্জ ) সাম্বাদ । আতি-স্বত্যাদি গ্রাহে জীনব-দ্বীপের যে মহিমা কীপ্তিত আছে, ভালার মূল সংস্কৃত ও अपूर्वाम । किका ८ • व्याना।

#### **জীজিবদীপভাবতরত্ব**

🗃 হাকুর ভব্জিবিনোদ গিখিত। স্থালিত গাঁডাকারে 🖟 পরিক্রমার এইব্যাদি-বিধাক। ভিকা। আনা।

## ভক্তিরত্বাকর ও নববীপ পরিক্রমা

শ্রীল নরহরি চক্রবর্ত্তি-ঠাকুর-রচিও। ভক্তিরত্বাকর হচতে পরিক্রমাংশ মাত্র গৃহীত; এজীব গোস্বামী কি প্রকারে ইনব্রীপণামের পরিক্রমা করিয়াছিলেন, ভাষ্ট পথে বিবৃত। ভিক্ষা 🗸 • আনা



শ্রীল ভক্তিবিনোদ ঠাকুর-প্রণীত। ইহাতে শ্রীচৈত্তার निकाशामी--इक, इक्निक ७ वन--नद ६ मुक्त कीव-অচিস্তা-ভেদাভেদ-ভস্ব--সাধন-নিৰ্ণয়---প্ৰয়োগ্ধন্-ভস্ক, কন্ম-কাও, আশ্রমাদির বিচার--বৈদী ভক্তি, ভাবভক্তি ভ প্রেমভিন্সিত নামভলন-প্রণালী ও অষ্টকালীয় লাঁলা-পরিচয়াদি প্রথম শিক্ষার্থীর উপ্যোগী করিয়া সরল ভাগায় সমুদ্র সুক্তিপ্রমাণসূহ লিখিত আছে। চতুর্থ সংস্করণ বাদ্য २ होका, व्यानाथा २५० हाका मात्र।

## গৌড়ীয়কণ্ঠহার

किटनी द्वीध-देवभननगरणत व्यक्तकन करहे भातनरमाना ক্রতি প্রতি প্রাণ-পঞ্রাজাদি সাহত-শাস্ত্রসমূহের প্রমাণাবলী निमग्रीन वाशाकरम माध्याम खिक्का । धहेकल देवसन्-শিদ্ধান্তের স্বেশ্যম্থ অন্ত কুরাপি প্রকাশিত হয় নাহ। ইহাতে গুক্তৰু—ভাগ্বত— বৈশ্বৰ— গৌর— নিত্যান্দ্ৰ— মতৈত—রক্ষ— শক্তি—ভগবন্তস—জীব —অচিস্তাভেদাভেদ -- অভিধেয়--- শ্বাধনভ জি---ব্ৰণ্ণস্থ-- আশ্রম-ধর্ম -- শুদ্ধশ্রাদ্ধ -- भिनाम - आशाकम ७ आमार-एक्छनि पुणक् स्थार्ध প্রবৃহ্ধ শোকাদি প্রতীয়ত উৎক্রপ্ত ক্রেটিক কাগ্রেল প্রোভ ও রুষ্ণান্ধী ত্রন -- ৮ছুদাশ অপুনা মধুরিমাপুণ-বঞ্জানি উদ্ভিত। বি কালিতে মুদ্রিত, উৎক্র বানা পোনাব হলে নাম লেখা। গ্রন্থ প্রায় ৪০০ প্রায় সম্পূর্ণ। ভিকা ২, টাকা মারে।

#### জীনবদীপদাম-এম্বাবলী

শ্রীমলভত্তিবিনাদ ঠারুব রচিত বিম্মাগ্রাক্ত-গ্রম-भाकारचार पास तम अयोग थ छ- बीम नत्र ति उक्त यूरो হাকুরের ধাম-পরিকুমাংশ<del>— ব্রি</del>বাম নব্দীপ পরিক্রমা—ভ্রে याजा १५ - भिगर खारामानस्कृष्ठ नवदीनमञ्जूष প্রীমুখ্রিবিনার টাকুরের শ্রীনব্দীপ ভারতর্থ প্রাকৃতি গ্ৰন্থ কৰে ভিকা ৮০ থানা মাত্ৰ।

#### জীহরিনামামত ব্যাকরণ

ত্ৰীজীৰ গোস্বামী প্ৰাঃপদ বিৰ্ণিত কৰে ও বৃত্তি, তৎসংখ উবিকুলাদ শ্রীমন্থকিসিদার সরম্বর্তী গোস্বামা মহারাকের বিস্তুত ভূমিক ও স্থা প্রভূতি সহ। শ্রীমধ্বদের বিস্পান্থ্যন-প্রণীত বৈদ্ধবদশন, সক্ষত ও অপ্রত্যাশিতভাবে জ্বন্ত। ভিকা ২০ টাকা, ছাতান্দের টাকা মাত।

#### বেদান্তভ্রমার

শ্রীমন্ত্রমান্তর চার্যা-রচিত। বেদাত্তের বিশিপ্তারৈভবত্ত প্রচারক জীভায় প্রণেডা মাচাগাপ্রবর বেদাস্কলন পালের উপযোগী করণাথ এই উজন করিয়াছেন। ইলং: वश्रास्त्रवाम । अ क्रिनिश्वामि मः माश्रिक कता शहेसार নাম মাত্র ভিক্ষা ॥ । খানা।

### ট্রাটেডজাচন্দ্রায়ত ও নবদীপশতক

গোরপাষদ ত্রিদঙ্গী শ্রীমৎ প্রবোধানন সরস্বতী এবিড মূল, প্রভূপাদ এমদ্ ভতি বিদান্ত সরস্বতী গোরামী মহারাজ সম্পাদিত অব্যস্থে ব্যাপ্যা ও বঙ্গাল্ডবাদ সংখ্যিত। নবছীপশন্তকের জীভন্তিবিনোদ ঠাকুরের পচামুবাদ ৬ ভৎসহ শ্রীমন্মহাপ্রভুর একটা ত্রিবণয়ঞ্চিত অলৌকিক চিত্র आवक क्रेग्राटका मूलन ७ कालक फेट्यूडे (२ थाना একলে ) ডিক্ষা ৮০ আনা, অভি মুর্গা বাধাই রাজসংকর: > होका माज।

## क्रश्नुविद्या

শ্রীমহক্তিবিনাদ ঠাকুর-প্রণীত। এই তাক্ষাত গ্রন্থ সংক্রব জ্ঞান লাভ করিলে পারমাণিক 'রাজ্যে কিছুতেই মজান বা সংশয় থাকিবে না। পরম গৃঢ় দক্ষবিষয়ক এই-ক্ষণ সবল ও ক্রম্মশালী গ্রন্থ প্রথাস্থ প্রকাশিত হয় নাই। নিলিখনোবামি শাস্ত্র-মহোদধি-মন্থলকে এই প্রভাম্ভ উথিত হ্রমান্তেন। জাবার স্থবিস্থৃত স্কুটী, ক্র্যাসার ইত্যাদি দারা বিশেষ সমৃদ্ধ করা হইমান্তে। বিরাট গ্রন্থ, গোনাব জলে নাম লেখা, উহত্তই বাধাই—চতুর্থ সংকরণ ভিক্তা ২ টাকা মাজ।

#### প্রেমনিবর্ত্ত

শ্রীমন্মহাপ্রান্থন অন্তরঙ্গ পার্যন শ্রীল ছগদানন প্রান্থ বির্চিত। এই পৃস্তকে অতি স্থাবোধা ভাষায় মহাপ্রান্থর কতিপয় ধীলাসছ বৈঞ্চবাচার, একাদশী ও নামভ্জন-প্রশালী প্রান্থতি অনেক বৈঞ্চাত্তকের স্থামীমাংসা দেখিতে পাইবেন। পাদটীকায় চরুহ স্থানের বিশালার্থ ও প্রস্তুকরের পরিচয়াদি-সম্বান্থত চতুর্গ সংস্করণ ভিক্ষা। ৮০ দশ সানা নাত্র।

#### ভজনরহস্ত

ভক্ষনকারীর নিভাগলা; ঠাকুর ভক্তিবিনোদের অমূল্য লান: নিথিল শালের নিগাসে। গ্রন্থানি না দেখা পর্যান্ত কেহ বৃদ্ধিতে পারিবেন না। তৃতীয় সংক্ষরণ ভিক্ষা ॥ ।

#### হরিনাম চিন্তামণি

নামাচার্য্য শ্রীশ হরিদাস ঠাকুরের মুপে শ্রীমন্মহাপ্রভু শ্রীনাম-মাহান্ম্য, নামাভাস, নামাপরাধ প্রস্তৃতি বিষয়ের মাবভীয় বিচার শ্রবণ করিয়াছিখেন। এই বিষয়গুলির আতি স্বাচ প্রারে মংকিপ্র আশ্রম্ভ পরিপাটভাবে মুদ্রিভা শ্রাহা ভক্তিবিনাদ ঠাকুর-রচিত। পঞ্চম সংকরণ ভিক্ষা ৮০

### কল্যাণকছতক্ল

শ্রীমন্ত কিবিনোদ ঠাকুর-রচিত। প্রত্যেক ভ্রবন্া-সাসী ও জানপথের পথিকের একান্ত প্রয়োজনীয়
উপলেশাবলীপূর্ণ গাঁতিগ্রন্থ। সামান্ত বোধাপড়া-জানা
কাকেও এই ভল্লনরাজ্যের গাঁতিসমূতের বারা অনর্থনির্থি
৭ ভশবংসেরা লাভ করিবার স্থাবিধা পাইবেন। বহ
শেরবা, ভিকা />০ আনা নাত্র।

#### শরণাগতি

ভাষত্তিবিনাদ ঠাকুর-রচিত। তগবানে আত্মমর্পণ, বিজ্ঞাপি, ত্রনলাল্যা, বড়্বিয়া শ্রণাগতি ও বিদ্ধি-লাল্যা-বিধ্যক গতিপুণ, তিকা ৴৽ আনা মাত্র।

#### গীভাবলী

শ্রীঠাকুর ভ্রি-বিনোদ-প্রেণীত । নিজ্ঞা ভ্রমন, মারাত্রিক ও প্রবাদ-বৈবনাদি-বিশয়ক মধুর গাতসমূহ একরে ত্রালিত। ভিক্রা ৴৽ মানা মাত্র।

### **ভাগৰদ্ধক**দ্ধক্ষ

বনিকে অনুভূটনোলি **ত্রীনমিনাণ** চক্রেবর সার্থনাদ বিবাচত বস্থাত। **ত্রীনম্বটিকেবিনাদ ঠাকুরের সার্থনাদ** বহু ভিজাতি **সানা মাত্র**।



শ্রীমন্ত্রান্তর শিক্ষা ও শ্রীন রঘ্নাগ দাস গোলামীর প্রতি শ্রীরূপ গোলামীর উপদেশবাদী, ভক্ষিপথের অন্তুক্ত ও প্রতিকৃশ বিষয়ে স্থবিচারিত সন্মোদন ভাষা, বিভ্তুত বিবৃতি, চরিতামৃতের প্রমাণ, সাঘ্য ব্যাখ্যা ও মহাক্ষন-প্রণীত তত্তপ্রোগী গীতমন্ত প্রভোক লোকের সহিত্ত সরিবেশিত ইয়াছে। ৩য় সংহরণ ভিক্ষা ৮/০ মানা।

#### माध्य-वर्ष

তীব্যুনাপ দাস পোষাধীর মনঃশিক্ষা, তীল সাকুর ভকিবিনোদ-চরিত পঞ্চাসুবাদসং। পিক্ষা ৴ পানা।

### প্রেম্ভক্তিচ জ্রিকা

্রীল ঠাকুর নরোস্তমের স্থ্রাসিদ্ধ প্রেমভ্রিকবিষয়ক গানের পুস্তক। ভিক্ষা ৴• সানা মাত্র।

#### মবদ্বী পশত ক

প্রীল ঠাকুর ভক্তিবিনোদ-রচিত এটাল প্রবোধানন্দ সর্বতীপাদের সংস্কৃত-নবদীপশতকের রুল্লিড প্রান্থবাদ। ভিকা /• আনা মাত্র।

#### অর্থপঞ্চক

ঞ্জিল লোকাচার্য্য রচিত। বৈক্ষণতঃ জানের আকের পুস্তক্। ভিকাস • কানা মাজ।

### সদাচারস্থতি

শ্রীল মধ্বাচার্যা-প্রণীত। বৈঞ্চবের নিত্যকর্মাদি সদাচার। বলী, ক্লান্থবাদ সহিতে। ভিকা ৴৽ আনা মাত্র।

#### মণিমঞ্জী

কবিকুলকেশরী আমিরারারণাচাণ্য রচিত। আমিরাধ্ব। চাণ্যের সংক্ষিপ্ত ভীবনলীলা ও মূল বৈক্ষবধর্মমত। সাম্প্রণাদ ভিক্ষা। সানা মাত্র।

#### **८भीतक दक्शमत**

প্রার্টান কবি ইংগোবিন্দ দেব প্রাণীত শ্রীগোনাবভারের প্রমাণাবলা-সংগলিত সংস্কৃত গ্রন্থ। ভিক্সা ৮০ স্থানা।

### युक्तिमझिका ( श्रेश्रदमोत्रह )

শ্রীমধান প্রায়ন্ত শ্রীমবাদিরার স্বামিক্ত। বলাকরে নাছবার এই প্রবৃত্তর প্রকাশ পারমাধিক সাহিত্য-জগতে এই সর্বপ্রথম। শ্রীমনাধ্বাচার্য্য হুইতে বোড়লাগতন বিতীয় মধ্বাচার্য্য নামে খ্যাত শ্রীনাধিরাকতীর্থ স্বারী এই প্রস্থে সাধারণ বৃক্তি ও লৌকিক স্থানাক্রসারে কিরূপ স্থারভাবে ভিকিবিরোধি-মতবাদ সমূহ খণ্ডন করিয়াছে, ভাষা পাঠ করিতে করিতে জাত্য্যাধিত হুইতে হয়। ইহাতে যুক্তির বারা চাকাক্, কৈন, বৌদ্ধ, মীমাংসক, ও মায়াবাধিমত্তন সমূহের স্থান ধ্রুক রহিয়াছে। ভিকা ২ টাকা মাল।

#### 🦈 গোখানী 🕮ল রমুনাথ দাস

(ও বিষ্ণুণাণ শ্রীণ ভজিনিদার সরস্থাী গোষামী প্রভুণান-লিখিত ভূমিকা সহ) গৌরপ্রের স্বরূপ-রূপের একমাত্র প্রিরভ্য শ্রীণ দাস গোষামী প্রভুৱ অপুর চরিতান্ত ও শিক্ষা অতীব প্রার্থণ ও সর্যা ভাষার সরিবিট প্রবং পরিশিটে দাসগোষামী প্রভুৱ বির্তিত কথক্টা সম্বোদ মধুরত্ম স্বর্ধ ও মন্দ্রশিক্ষা-স্থালিত। ভিক্সা

Water Bridge Comment

## চিত্রে দবল্লা

প্রাচীন নবনীপের ক্ষ্রিভি, ভ্রথা, ঐতিহ্ন প্রোভ ও ঐতিহাসিক প্রমাণসহলিত নহটী বীপের সচিত্র বিবরণ-গ্রন্থ। রাজনি রাওসাকেই কুমার উর্কুক শ্রনিজ্ নায়ারণ রার এম, এ, প্রাক্ত (পাহোর), 'বেশাস্তত্বব মহোদর কর্তৃক স্কলিত এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন বর্ণের অপুর্ব চিত্রা ও মানচিত্র-সমন্তিত; প্রাচ্যাবিশ্বামহার্ণন রাম সাহেব প্রিক্ত নগের নাগ বহু বিশ্বকোসসম্পাদক মহাস্তের বিশ্বত ভূমিকা সহা উৎস্ত (ইং) মন্তো বাগাই ম্লা ১৪০, ভিঃ পিঃ তে ২ টাক মাত্র

#### मागक-कर्भभागा

গুণাসদলা, দৈক্ষব-বন্দনা, বৈক্ষবভ্রণ, বালালের রীত, শ্রীনামগুরী, শ্রীমারাপার অন্তান্তর আন্তান্তর, আইব্রেরর নামকার্ত্রন, শ্রীনামগুরীন্তর, প্রেমধ্বনি, 'বাউলগুলীত, নামকার্ত্রন, শ্রীনারাপার মহিলা, শ্রীনরোজ্য-প্রকৃত্র আইক্ আচাগা-কলনা, নতু গোলামীর অইক, প্রেমধ্বক্তির শ্রিকা, উপদেশমালা, নামভন্তন-প্রালী, মহাপ্রাত্ত গ্রার রামানুজ্ল গংবাদ, মনাপিকা, শ্রীগুনুত্রগতি, শ্রীগুনুত্র নিতাপার্যা, মহাপ্রাত্তর নজনা প্রকৃতি সাধক ও গিঙ্গুমীবনের নিতাপার্যা, বৈক্ষবগণের ক্রপ্তাপ্রিত ভূলশীমালার স্থায় অমুক্তন কঠে গার্লগোণ্য অপুন গ্রাহ। ভিক্ষা প্রাত্ত, বাগাই॥ মাত্র।

### গোড়ীয়-গৌরব

কলিকাথার স্থানিত্ব সাল্বাট হলে পৌড়ীয় সম্পাদক শ্রীপাদ স্থানন্দ প্রবিদ্যাবিনাদ-প্রদন্ত বক্তার বিশ্ব গ্রন্থকারে প্রকাশিত। ইছাতে গৌড়ীয় বৈক্ষবস্থাদাবের ইতিহাস স্থাকারে প্রণিত হইয়াছে। ভিক্ষা ৮/০ মাত্র।

#### গোড়ীয় সাহিত্য

কলিকাতার শুপ্রাসিগ্ধ আক্রবার্ট চলে গোড়ীয় সম্পাদন শ্রীপাদ শ্রুক্রানন্দ পর্যবিভাবিনোদপ্রাভূ প্রাদন্ত বক্ষতার বিষয় গ্রাফারের প্রকাশিত। ইতাজে সাধিত্য-শবেদ্ধ ক্ষর্থ এবং পৌড়ীয় সাহিত্যের বিনয় স্থাকারে বণিত হইয়াছে। ডিক্ষ নি/• আনা মাত্র।

#### এগোড়মওল পরিক্রমা-মর্পণ

শ্রীণোড়নেশের বে সকর হানে সপরিকর প্রীনসহাক্ষা এবং তদত্বল পরবরী মহাজনগণ দীলা করিয়া পিয়াছেন সেই সব আধুনিক ভৌগোরিক পরিচয় ও দেববিগ্রহাদি পরিচয় সহ যাভায়াছের স্থবিগা নির্দেশ ইভাাদি বিষয়গুটি সন্নিবেশিত আছে। ভিক্লা !• আনা।

#### THE HARMONIST

## OR SHREE SAJJANATOSHANI

শীল ঠাকুর ছাজি-বিনোধ-থাতিট্টত এবং প্রীণ ভাজি
সিহাজসর্থতী গোপানী প্রভূপ্ত শশালিত পারমার্থিং
নাসিক পরা। একণে ইংরালী ভাষার অটাবিংশ বা
ভবলক্রাউন ৮ পেলী ৪ কর্মা আকারে প্রতি বারে হরি
নামের বিজয়-বৈজ্ঞস্থী গইনা উপরিভ ক্রীভেছেন
কালত, মুন্তণ-পারিপাটা ও চিন্তানি অভীব- ক্রিছেক্রিক
এই প্রেলার উৎস্কৃত প্রেবর্ক আর জোল ক্রানিক প্রামিণে
দেখিতে পাইবেন না। বাবিক ভিক্ষা ভাক্ষাভাল্যর ও
টাকা মারা।

## -शांडिशान-

**बिटाएकका त्याः विमानायुक्त महीना 🚙** 

# রাজসভার শুদ্ধভাক্তমতসমূহ

## ब्रीटिडिया यह

আকর মটরাজ

100 अ हीम मन्द्रीत, काक्ष्यत खीर्माम मात्रालय, सर्वोत्रा

अध्यक्षात्वानगीर हरेटक आह ०० वह वेखन-गृत्त शिवलगवदन व्यक्तिवान वेठस-ल्बन- इन्टम जी किट्रे क्य-मठ निवाणमाम ।

्रवह वान मानवह-दीय, पहरिकालीठ या माधक कक्षणकर्ती । এই महाठीटर्व छिन्छि-जाभागक बादक वर्गावि-द्रवराष्ट्रमूह, शहरिकात अवर्गेष्ठ कार्या, माहेक, जानकात, छवा अञ्चल-केनि-वन-मे अ-म्ब-अक्षान-कक्षेत्रक धनावम । अ धनालिमा धवर कवाव श्रीकर-লোৱাল-পাছ আক্ গা-বিভিন্ন ও সামত সাজাবানিত-মাচাৰ্যা-চতুঃ য় ভাচাৰের উপাত 🎠 विकार का अधिक विकार अधिक वहर काइमा । अबे मठेवारक भावमार्थिक रेवनिक भाव नायक-নৃষ্ণাবাহন্ত্র আহ্যকাশক ও জলাচীন গ্রন্থবালি প্রচারকলো 'নলীয়া-প্রকাশ' বঙালয় क्षांक्रिक sautton अधिवरम्ड श्रेषाय-পश्चिमाञ्चान e सर्गान्छ कञ्चरगाहिन्छ क्रीक्रम आहारम् महामार्श्यभवाणि कलाल अवस्थि वरेशा बाट्य । ११४०-अंकहात्री এপাল মন্ত্রভিত্ত। সচকারী--- প্রশাদ বিনোধবিধারী রশ্বচারী, পশ্বিক শ্রীপাদ গোরদাস अक्काती, काकाशाकतप्रीच, विशास नीत्रकता अक्काती, विशास नमामामा अक्काती. अध्ययम् सम अध्यक्षात्री, क्रिम्बम लिलान अध्यक्षात्री, कक्र महत्रस, विश्वन, द्ववर्तीत्मावन **बायुन मध्यान प्रता ।** 

क्षित्र প্রথমি উল্লেখনীপ তীর্ব সহায়াল এবানে ছবিক্রণ। ভীউন ক্রিভেছেন।

(२) बैटगोड़ी अभव

১৬ मर कालिकामात्र हक्तवस्त्री हैहि. (भाः वामवासाय, कलिकाका । किंगिकान नि. नि. १३३८

শ্রীমন্ত্রকা গ্রন্থর প্রচায়িত স্থানিকাল ভবিদান্ত-প্রচারেকেশে গৌভবেশের সঞ্চপ্রধান নপ্রী খলিকান্তার প্রীকৃষ্টিবিনোর আসনে প্রীমান প্রতিষ্ঠিত আছেন। এই সক্ত-সঞ্বাবাষে প্রীভাল-পৌরাল-শ্রীবিলোলানশ জীউ সপার্থদে নিজ্ঞা সেবিভ চন । গোঁডীর काहार्यास्त्रीय मानलीय श्रष्टामानीय श्रष्टात्यात्मात्म विमात मानव अवही अनुकर मुझा-যদ্রালর সংখ্যানিত ভটরাতেন। পৃথিধীর সক্ষত্র 🗟 পৌরনাম প্রচারার্থ এট বস্তালয় क्ट्रेंटि '(शोधीय' माखाकिक शक् कि क्यूमिक्ट मानिक शक्तिका हेश्वामी काबाह निव्यक्षिण्णादव क्राम्बाच करेटल्टकन। श्रीमहरू शाहे, श्रद्धांसन, श्रद्धांसन-एक्टंब-द्वारास, चैपदान्यक, चौटेह इस-हति छायू रामि-नोना ७ क्वाइड नमाक् चारताहरा करेव वारक। यहत्रकक-काश्रीमात्रिक खीलाक कुकानकात्री निकाल्यन। मनकात्री--निवालक श्रीनाम अमस्यानाम नविश्राकृत्य वि-व. तीनाम शानविनाती अग्रधाती. श्रीनाम अनुष्ठात्म शामाधिकाती বি-এ. শ্রীশার করগোপাল বাসাদিকাতী, এক্সচারী खीकीसमामन, अवशादी खीलाादीत्यावम, अवतादी खीयवामन, पश्चित्र खीलाह वर्गावहरू পরবিভাগভার সভ্যদাধ্রৈ ভবাচারী, জীমব্যজানদাস্থার কারী বি-এ, প্রীভাগবদ্ধন্তিব षकादी विन्त्रका, व्यावस्थान कामरकानिम, व्योतिबंधन बच्चानी, व्योहरत्राविक

এখাগারী কাছতি।

(७) दमांगभीत श्रेमिक

Commence of the second

🚜 चान श्रीकंशहायांमध्यत चनन म विश्वका शक्त व्यानिकात-कृषि महास्त्रात-नीर्ड । अभारत श्रीमधी विद्या व श्रीतिक-**ब्रिश्निक श्रीट्योशमात्रायनः ४वर श्रीटे**ड्यमा 🛪 🕮 श्री का स्था अश्री अश्री निक चटेच्य दर्गेवा वक्षमाम । सम्म क----देणाक-मांबाबक देशांबामी क्षेत्रिकांचा टाक व्यवसान मान । महकाती विभिन्नामण अवनामी. किश्रावाविध्मात क्रांकिक्वेन, क्रिशंभवाति जनbiff i Bifanain min will, conmet विकार नवंषे ।

(8) **国**对阿斯斯 श्रिभवाशासक कीवा-निमान वा दिशीवनीमात कामस्मी । अभारत किविश्मीत विकासक के गुक्डिएक दनका नक्ष्मान। क्ष --- ही शका न्यू अम वश्वनाती।

(८) चार्टपण-चयन

ab wien Butes aren man unge MIN WENTH !

umm-Batasiger minife eift, Mediffindia stategij

ं (क) काषोप महानि माने ः wish यावालक, वाममञ्जूष (नवीका)

दिनीवस्त्रांकाकः जिठावकाकीय नवादि। ammingenit Macutalagial

(क) योगम द्यान-प्रक

क्षित्राक्षण, यस्त्रभक ( मेनोर्स ) व्यास्त्र वृतिकृताम क्रीम कालिनिस्मामकाकृत्यन murfe mate Mentyneren met Milletel-MUNICA श्रीमा वर्षमान

्रिक्ष कित्रवर्ष काकाश संबद्धाती , अक्ष - विश्ववरत्न कवनानी, BARREN चण, जन, चण ।

....

### 🕪 🕮 अध्याष्ट्रा वर्षे ।

senatare i

क्रक---- द्वीवक्रवत क्रिक्ताकी श्रम, था, बि, जन, मञ्जाही--- चिक्रिकाशम अकि-माञ्ची, व्यक्किकम भाषकाची शक्कि।

( > ) औटभोत्र-गभावत्र-वर्ड টাপা•াটী, সমুক্তগড়, ( বছমান ) 🚍ল খাণী মাৰের প্রতিষ্ঠিত পৌরগদাণক ्मना । तक्तक---धिश्यवाय उपातानी, कक क्षिणभाग भाग ।

( ५ • अन्निश्राप्ताकोत्र-मठ ereine. arin is. fe धकक---- क्रीके दिवान अवतात्री, गर्काधी---विमर्क्षत्व अक्रवादी ।

( ) १ अधिरमामकमम्ब मार्केशाकि, क्षांत्रश्चन, वस्त्रमाम। 🎘 गार्गाव कार देशक व व्यापत्म प्राम १ मीश्यक्षाण ।

( )२ ) कार्यक कानम 🖺 भाषर ७ (त्यान, समागतात्र), महोशा । भावन श्रीकास अहावनीत सहात्र-रक्षा रक्त-विकास व्यवति शक्ताती

(74) Billallie ag (वाक्षिण्य, शैक्षानी; मनीशा। क्लक--- क्रिक्शानम् अमहाक्षेत्रः मुह्रकारी 🗐 - कृतिर्व अप्रतिही. औष्मारशीव वायाविकाती. श्रीमकान मा का, एक विषमाय

ं ( 🔀 ) क्रियाम ८गोफीन मर्ड के मेर संयावश्य (शाक्ष्र, हा का 'न्युक्तिक खाराव-८क्षा,कवाटन स्रोधक-रशीक्षक शांबंदा-चिकिनरक रमदा मसमान निषा क्षिकानक व्यक्तिवानिस्मान वि- वे, की जीव

(शीव जनाती, अन-शीदान जनाती). শ্ৰীপতিতথ্যবন জক।

( ১৫ ) औरभाभागको वर्ड क्रमान्य, हाका। পোশাশৰীৰ জীবিপ্ৰচেৰ প্ৰাচীন সেবা वक्क--- चिवाननामन बच्छावी ।

(১৬) क्षिपवार-दनायाम मर्व इतिश्रक्ति श्रवादिनी महा, वाणिवः हि हाका ट्यानपारे-(नोबाध्यक भिन्न दनवा बक्क-- अनुन शक अक्टाबी. अविक्शान **এদ**গানী

(১৭) खिकाभवककमानक मर्फ किक्किशिश, बाक्यस्थ्यम् , स्विमिश्रेषुत्र । धनारम नी क्य-शोकाश्च-नाश्चवित्रना-গিৰিধানীৰ নিভাবেষা ৰস্কমান। ব্ৰহ্মক जनगणी की व्यवसमामणी। (১৮) जावनाद्वाका अनुशास्त्रव ब्रामचीय दलाः वस्यात ।

क्षी **बर्माताल -धीना क्षिका निविधाती** । जिकारगना । प्रवास-अध्यक्ता औरवि-WETTE !

(১৯) श्रीभूक्रवास्त्रं वर्ड

वर्षकात्र, गुक्ती, कैव्हिका र क्यारम श्रीरशोश-विस्तार मध्यक्षीत निका-श्रिया वर्षमान । यक्क-लक्ष्राती श्रीनव्या-मन्य विशावक, अध्यक्षारी श्रीमणीवामण, कीशरमणकृष्य अभवादी. औरावशम्य अष्टाकी, कक श्रीमंत्राह ।

(२ -) क्रीज़ष-८गोफीय वर्ड वानवज्ञाय, उपनिश्व (भाः, श्रुवी । क्षमहायाम्य क्षम्यम्य मध्य श्रीवर्षेण अपन ' व्यवधारा १ १४४--अपनाती कॅमहरमयती धामारको। वष्ठाको जैनिनिननिराही।

#### (८) अजिक्सानम वर्ष केंच्यातासात. कहेंक।

चर्षाः श्री क्रम-रशायाल-विट्याम्बद्धनः कीत (लफारनव) वसमाम। त्रक्रक्------अष्टाही जीवनार्य खेलावनम अध्यानी

(२२) डीनमाजन-शीषां वर्ड अनः प्रशासनातन भूदा, कानी । (शात-भवाक्ष्मुक मनाक्रम-निवासका ध्यांत्व (शांद्रशिया यक्यांचा यक्क---जीवानकीमांगकी. जीभकामम उक्तामी ।

(२७) जैक्सरेडफ्स वर्ड खीनुन्तरक्ताम क्य. खीनाय वृत्तावत । विश्वेगधा-अब-स्थाप्तकोष्ट स्था।

রক্ষক--- প্রসাণভিনাপ এগুড়ারী (३৪) 💐 अनुसम्हरण सर्वे

নৈমিষাধণা, স্যাভাপুত এখানে প্রকাগরত পাঠশালা 🖝 औरभोत-विद्याम विमानकोत दमवा मक्साम । क्कक--अधारती जीन्त्रिकामम व अधारती नोबस्बनान ।

(২৫) জীটেডজ্ঞালীয় মঠ

पुत्रकृष्णः, वित्रकृष्णः, यागकृषः है। क्षीरिक्**ल-महत्रत्र माथा। अक्षक---क्षीत्रमा**-माव काथ. क्रिक्स्नियानक अवहाकी, खीक्षाम Bie cunufaut :

(२७) न्यामध्योक्षेत्र मह कुक्ररक्ष क्<sup>र्</sup>यात्त्रवृद्धः क्याले । क्यार्स औरओवविस्मान-वार्यक् दमना बक्तमान । वस्र रू--- अक्षताओं जीक्षरणनशी. भोननी-CHIMIN BYATHT

(२०) व्याचनपाठा व्यवधाव्यय-यह

अभिनुपाषाः (पाः भाक्, स्वका बागारम व 🛊 👺 ध्रमृष्टि और गोमारभन्न दगवा शाम, जीवहरताच अच्छाडी।

(२৮) थिझ ८गाकीस वड --काव्यालक बन्द र्वाणी । वस्तुष्ठाकांत्र राम, निके विज्ञो । वक्-वक्षांत्री श्रीवद्यक, व्यान्तरपद खीषाथात्रमग्डवनमञ्

(२>) ट्याप्रामयाक्राव्यवद्वात्र्यव रमम---वयहात्री बीशवादमस्य

## দীদেশ গুরের প্রাণ ও রহিতেখ পাখী বিরাট্ সভা ও শোভাষাত্রা

ণত রবিবার দক্ষিণ ক্লিকাডায় **मीराम** 'खरश्रत कांनी अकृत्यत मार्वी জানাইনার জন্ম এক বিরাট মিছিল বাঙির হইয়াচিল ৷ ুমিছিলে বছ মঙিলা **७ एवक त्या**शमान कत्रिशाकि**रन**न ।

মিছিলটা প্রথমে হাজরা পার্ক ইটতে আরম্ভ হয়। মিছিলের সহিত তীমুক্তা विम्लश्रिष्ठिष्ठ। ८५वी, त्माहिनो ८५वी, **ध्यञान**की रमनी, कथना रहीदूती, प्रतना (मरी, ख्रीला (मरी), बीवूड विकादिशात्री मात्र, इनामात्र ७०%, सूबीत (याव, कित्र) লাস, কুমুদ ভট্টাচাযা, কালীচরণ জানা প্রভৃতি হিলেন। নানাপ্রকার লেখা সন্ধাত বহু নিশান পুরক ও মহিলাদিলের राष्ट्र हिन। अस्तक अंतर अमेरनम् ध्र मीर्चशीव इडेक", ''तामतक वियान मौर्घभीवि रंडेक", "जात ठोरे", आङ्बि লেগা ছিল। মিছিলটা বধন হালর। রোড পার ২ইল কলীঘাট সেচুর निक्টवर्खी इम्र ७४न रिनक्स शूनिन খোড়দোরার মিছিলের দক্ষে সংস্কৃতিত হ থাকে। মিছিলটা আলীপুর স্টোল জেলের সমুপ দিয়া চ'লয়া ঘাইবার ধমণ পুলিশের ডেপুটা কমিশনার লাশ বাংছির वि, धन, वानाक्षी हरतत ८,८५३ मञ्जूरथ पञाप्रयान हिस्सना गमिछ পুৰিৰ মিডিখের সঙ্গেদেখা গ্রিয়াছে কিছ **কোন** শোলযোগ হয় নাই। মি<sup>ন্</sup>ছলটী পরে হালর৷ রোড, ল্যান্সভাটন রোড, অশ্বিদ রোড সুরিয়া পেড়িবোজারে স্থাসিরা উপাত্ত হয়। মিছিলে বাহারা যোগদান করিয়াছিলেন ভাহারা সকল म्यद्रहे ''नीरन 'छश्रकी छत्र" स्त्रि করিয়াছিল।

### বিরাট্ সভার অধিংশেন

(भाषानाबारत ८काउँ विश्वाद्य मञात्र P. 3. 3. \* હૈં!ન পিতা 🕮 যুত বাহম্বিহারী দাস শভাপ্তিয় আনন গ্রহণ করেন। উন্নিড্রা বিম্প গুটিভা দেবা একটি ওল্পিনা ভাষায় (का नोराम छात्रत कार्या मन्त इंडरन 'का ভावा सक्षारक' दिनान् धारा देखाईया দেন। তিনি জাউিদ্ বাক্ল্যারের রায় क्हेरक अधिकात (अध्युक्त,क शास्त्रा मुख्य कन रहा। भागाम् जारु माना मक्दवत्र कात्रन प्राप्तनाः করেব ।

## क्ष रहम्ब श्रीष धन 医肾期 医胃胃

थ्यकात्र के त्रिमोर्टिम् द्य. विकिन्न द्वाददेतं कारण दय नात्रकम दासीम समीवादन्तन असीन

जार्थिक जनसात शिक्षितात करत जारम-দ্বিকার গরণমৈশ্র এক বরুসরের জন্ত সমৃত্য রাষ্ট্রের নিক্ট হইতে আগের অর্থ আদ্বিটি । করা স্থলিত ব্লাখিতে পারেন।

मतकाती छारव नेथा इहेबार्ड, व्याप्य-রিকার কংগ্রেস জীছার প্রভাব অভ্নের্যন করিবে—৫ই ভরনায় মিঃ ছভার উণারিউক্ত প্রস্তাব করিয়াছেন। জীছার প্রস্তাবের मन पर (य, ) ना खूनाहे हहें एउ (व वर्णत व्यातच महत्व एमहे वरमहत्तत भए । व्यारम রিকা অপর গ্রণ্মেটের নিকট হইতে चार्यत क्रेज़ का कान वर्ष शहन कतित मा, অক্সান্ত গ্র্ণানেটেও অপরের নিকট হইতে গাণের অর্থ আদায় করিতে পারিবেন না। পাণপ্ৰায় প্ৰব্যেন্ট গুলি যাহাটে বিভিমান আথিক ছরবছা অভিক্রম ক্রিয়া পুনরায় ঐখগালালী হইছে প্'রেন, ভজ্ঞই মানেরিকা এই প্রাপ্তাব করিয়াছেন। সমল ঋণ, ফভিপুন ইভ্যাদি আন্তর্জাভিক **শেষ সম্প্রই এই প্রেম্থবের অন্তর্গত করা** क्टेग़ार्ड। एरवं वाकि विस्थयत निक्षे হইতে বিভিন্ন গ্ৰণ্মেণ্ট যে অৰ্থ ৰূপ করিয়াছেন, ভারা এই প্রস্তাবের মটো প্ৰস্থিবে না ৷

दानी मध्यीन।केटमद नार्बिक উৎসব গভ ১৯শে खून कानीएड महामगीरदारह অ'বিব মহাবালি অস্ট্রীমাউলের বাবিক

উৎসৰ হটক। পিয়াছে। সন্ধ্যায় সহরের বিভিন্নপান বইতে প্রায় ৫০০ শত মহিলা मभाष्यस्य चार्षे स्थारवाच क्या । जात्रशत স্ত্রীলোক এবং পুরুষের একটি মিলিভ মিছিল বালির হয়। নিনিটে সহবের বড় বড়ারাভা জমণ করিলা গাটনাংগ ময়ৰানে সমৰেত হয় : অভ.পর সেখানে পণ্ডিত মদনংমাধন মালব্যের পঞ্জীর সভানেত্রীয়ে এক বেরাট জনসভার অনি-বেশন হয়। এই সভায় জীগৃত শিৰপ্ৰদাপ গুণ্ড, 🗃 তে স্বৰুপান্ন হোৱাপৰ স্কটাচায়া, ডাঃ ভিত্রেক্তমাথ লাভিড়', পণ্ডিত (पाविन माथता. जीमडी व्यवस्था रशवी প্রামুপু ব্যক্তিগণ উপস্থিত ছিলেন। সভায় ব্রুপাণ্ড মহারাণী কন্দ্রীবঃঈরের বীর্ত্তের প্রতি প্রক্রঞ্জি ভাপন করেন এবং নারীদিপ্রে উ্চার আদুশ অস্থলরণ ক্রিতে উৎুদ্ধ করেন। অনিক রাজে

### বোরসালের জনী সমসা

গত २२**८५ जून आ जिएंड-व्या**र्**ड महारह**न দেশাইন বোর্মানের কাঁট্রেমকবিগণের সভিত দউল্পুর জাম প্রিম্পন করেন। প্রেসিডেন্ট ছিভার এই খোগণা তথার গত ২ বৎসর বাবৰ ক্রেক্সবদের

कमा वारकशांश कतियः मीनारम विजन्म en meite dieffe ce neigh क्रिवारी क्रम धर्क मेंकान कारबाकन कता रहेशाहित। छेन्छ क्रमीन्द्रभन्तव्य অস্বাবর সম্পত্তিও ছাটক করা হুইরাছে।

শ্রীগৃত মহাদেব দ্বেশাই বৃক্তাপ্রদ্রে স্থানীয় অনুষ্ঠা জ্মীদারগণকে তাহাদের समीयमा उपयुक्त वाद्या कन कमीमात्त्रव সঙ্গে মিলিয়া মিলিয়া ড্রোগ করিভে অমুরোধ কুরেন। তিনি সাবধান বাণী উচ্চারণ করিয়া ইচাও বলেন, বাজেলাপ্ত क्मीत अतिकात्र गण यनि के मुमक क्मी চাৰ করিতে চেটা পায় ভাষা হইলে ্ভাহাদের যেন বাধা দেওয়া না হয়।

🕮 হৃত দেশটে আর বলেন যে এটু স্কল ভনীদারদের অভ মজুরের কাল করিতে কেই বাব্য নুহে। ু

माजारम क्षेत्रल बन्ता

মাজাঞ্জ সাউপ মারাঠা রেলের কোট্টর ও পামেশহালি শাখার বৈয়েকেরী व छ छ। द्वाफ दहेन्द्रनव मत्मा ५५ . माहेदन ৫১ নম্মানেডুর পাটাল্যম্প বস্তালোভে ভাগিয়া শিরাছে। ফলে হণগেট ও गास्त्रकालेब मर्था ६० ७ ०० नवत्र **्रोत क्र वर क्रार्भिंग ७ क्रियंत्र गर्धा ४३** ও ৫৬ নম্বর ট্রেন রেলপ্রের সংস্থার না হওয়া পর্যান্ত আটক প্রাক্রিব।

## मडीखा माथ (मरमद्र यत्रियान क्षारकटम कामा

भाष्टिनः (जन ३३८७ मृक्तिनारखन পর হইতেই আয়ুক্ত শৃতীক্ষমাথ গেন প্রত্যাহ বরিশাল জেলার তাঁহার বন্ধ বান্ধব. नहकंकी ७ आधाःत प्रश्नत्तित निक्रे हरेट অসংখ্য চিঠি পত্র পাইতেছেন। ইহারা স্কণেই কুলিকাড়ায়, আসিয়া একবার শ্রাহার সহিত সাক্ষাৎ করিতে একাস্ক উংস্ক কিন্তু লানা কান্তে ভাষা প্ৰব बदेश क्रिएक मा। ८३ अनुष्र श्रीतृष्ठ সেন সরকারের নিকট হইতে **বরিলালে** একনাশ প্ৰশৃত্বান ক্ৰিব্যুদ্ধ অনুম্ভি চাহিয়াভিয়েন। ফিন্ধ কি কারণে তাহা कार्मा जोषा नाडे---(नाम एष अक माज क्षांक है छारा छान बार्यन - डीस्टिक CH अपूर्कि (१७३१) हम मारे !

## म् ग्रह्मां सदस्यः जान्यावानिकः The Assertion of Mary 1991 and the law

शंख २५**८मः स्ट्रानः गमश्रदश्च ः सूमरायश्चारतश** नान्यसम्बद्धाः मञ्चा अध्यक्षः व्याटनाहनात्र (कान् सीम्बाग्नातः व्यात्ताः दशकाः त्यात्र ना । । ्रिक्काः ज्ञादिवस्य «स्वयादस्यः दश्चीस्यः स्वरणः मीकक्षमाक जाना व्यापात क्षत्र- विद्यारका

भूषक समाज्ञ यूक जिक्कांकन नेक्ट्रेनेड युर्ज़ि और क्या त्यामा विष्कृति (व, पृथक निकाहरनम् प्रवर्कन्त এই মেড বাজ করিয়াছেন বে, লাজীয়ভা-বাদী মুস্লমানগণ যদি ভিন **বিংগদে**শ मध्य निसीहम धाराव गणक देन क्टर्न काराया कारायत महिक क्रमा थाकार्थ देवेंद्रेरक नमरबंख १३८७ मास्रि बार्टन । किस टोकोम, जाउँ।बर्छ।बाँदी मुनमानगर्न वह व्यक्षादन दक्त नेपाइक वाजि इन गारे।

टाकान, कुनारनंत्र नवाव नुब्रादिक उड़्य परनत गरिक भुशक् खार्य मार्क्स् করিনাছেন এবং সমাজ ও দেশের মন্দর্টী केटल फेर्डिश मनटक छाबाटमत्र मेर्ट्टिशन क्रिश क्रियार्थ कर्क जार्यम्य कानार्रशास्त्रम् 🕽

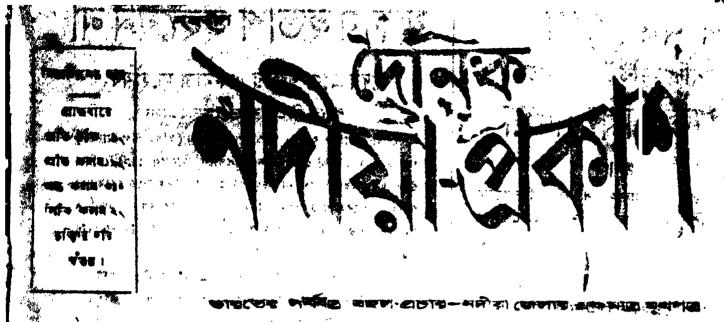
करे जात दशायन कतिगात समुद्र মৌলানা দৌকৎ আলীর দল পর্যাণী चारेनाइनाम बरेगन, उत्मच ध्यम चौर একটা পদড়া প্রস্তুত করা বাহা অপর দলের দাবী মিটাইডে পারে। তী খ্যুড়া ঐ দিৰ্গ বিকাশ পাচটার ভুপালের नवादिक हाटक दल क्यांत कथा इब दिवर উरा ७९कनार याः चानगातीत्र वटनत নিকট তাহাদের ,বিবেচনার ক্র পাঠান हहेरद जेडेकन दिन हम ।

**योगाना योक्छकाति प्रशिवादस्य**  (व, व्यामादवत दीमाश्याच व्याचा क्रक्कारक मुख रव नारे (कनना वामि निक्कि ज्ञानि ८२, प्रशास्त्रक नवारवत्र वशुक्रुपुत्र व्यायका व्यादगादक मकन नेवृद्ध व्यवनुष्त कब्रिएक , ७४० न महासम्भाग मन महास করিতে পারিব আমি বন্দ্রকেই এ কাখানু দিতে পারি যে, আমি এয়ং পাম্য বল্পণ কালেগ্ৰেড্ৰ জ্ঞাপুৰ ৰায়কুল हरेश हि, दक्तना वायका क्यांनि मुगुनगारन मुगणसादन विद्यान वर्ष-भगक जात्रहरू त गरिष विकास । आमि हेहा । निन्छ कानि ता, जाः व्यानमात्रीक विष्योक्तित ज्ञ दकान Cb होहे नाकि ब्राब्टिन ना ; ভান্তার আন্দারীর উপর আমার স্পূর্ণ कांका करिङ्

चार्यकी स व्यापनीय महिलाम

in 1995 - 🗗 🛊

व्याशामी २৮८म ७ २०८म व्हेमें विद्याप्ति चार्यमीत क्षातिभिक निविन्दिन क्षापन পৰিবেশন ক্টবেল নিঃ নারীয়ক নিগাই সভাপচিত্র লাসন এছণ করিবের 🛵 🙌 🕏 नुष्परकारक चाडार्यमा कविद्या अद्विष्टः वर्षे-TICE I COMMENCE AND PROPER MIT Cकान क्षाम्या कृत नाहे, साह्याहे अपन्यात of the section section in constituting अभिकास द्राराष्ट्रान स्विताक स्वात



माह्यद्वाद द्वार, WI SH CHE राषाविके ८, देशमधीनक ३५० मानिक न्हेर **टांकिं गरब**ज्ञात्य

राजाहरू - अञ्चलकाथ वरमग्राभाशाग्र, द्वाराख्याक्रमाञ्चल 🚁 🔊 🖼 मरशाः

জীলৈকলামন জীলাম মারাপুর ১১ই আখাড় গুক্রবার ১০০৮, ২৬শে জুল ১৯৩১

নানা কথা

ল্লী ও পুত্র হত্যার চেষ্টা

গ্রিটি ইংশে ভুন অধিক রাতিতে अकुबुगनम महलात एक हार्कटनार्व मकात হয়। করিম বরা নাল্ড কেল ভরকারী িবিক্রেতা নাকি তাহার ৫ বংসর বনক भूख ७ छाहात जीटक हुती मारत व्यवस्थात वार वाज्यक्षान व्यक्तित्वः ८६६१ कृत्य । **हाक्ष्यात कत्नु अ**खित्तनीता नक्तन जे प्रध्न कांशिया अग्रुटन्छ इय ५वः % निमटक भरवान दलका भूणिम ३ वा किएकई भागाम णहेश यात्र। बालक्षि প्रथिमरभाई मात्रा যায়। রহিষ্বকা ও তাহার্ফী হার-পাভালে চিকিৎনিত হইভেছে। রহিনটে अधित देशकांत्र का निवार है।

बिह्न कार्ति बीव मरलहस्तक गाउँ: विधि विभिन्न अकास मध रहेमा नाकि धरे कार्या कश्चिमाटक ।.

এখনও গাড়ীলীকে ত্রেপ্তার করা ERCACE MISSAPP

মুক্তপূৰীলী দলের ভাষতীয় কমিটার क्र**ाम्यान्तिः मेक्षान्तिः अक्षः जान्यवेतः** , म<sub>ि</sub>क्षप्राद्धन्यः **ः एवं एक्काक्ट**एवं एवं मधीश्वात कानि व्यक्टिस्ट कार्यक्रमान्त्रका ---कार्याच्या अन्य है । सदस्य भवाषक किंग्य महामार्थ कावकीय क्षेत्र वात्राक्ष साम अवस्था कावक वहेटन विभाग थित छेना कावक क्रक - कावाहेटक क् man & gracktent attil !

-व्यक्तिक स्वित्त्र स्वामान अवरक दा वानाक्षेत्रकारिक किलिन किलिन वर्कम अवस्थित कार्यान ক্ষিপাপাৰ ক্ষিত্ৰা বলি চছেন 👺 আছুৰ্জ্ব 🚜 এই ক্ষুক্তাকাশ ক্ষিত্ৰচ্ছন যে সাধারণ भे अक्राह्मिक्किर्द्ववस्त्राक्षिक्षां स्थापन । स्थापन । साहन आहा पत्र किरवार अवाद गारेप्य

# স্ত্রী এবং পুল্রহত্যার চেষ্টা

এ নও গান্ধ লাকে গ্রেপ্তার করা

শ্ৰুটেড় হৈছ না কেন গু

# টামচাপায় সোঁনক আহত

বিহার উড়িব্যা ব্যবস্থাপক সভার কাৰ্য্যগদ্ধতি নিৰ্দেশ

# ামঃ হু ভারের ঘোষণা

অভিকাশ বন্দিগণ স্থানাম্ভ রত

# ত্রিশ মণ স্বদেশী মদ প্রাপ্তি

নৃতন লাভিয়ার ষড়যন্ত্র মামলা

# ভারতের ভাবির

रहेब्राहरू।

<del>देशके दक्षित्राक् विश्वदस्य दयः य</del>ू विकास किया है। जिस्से किया है। जिस्से किया है। जिस्से किया के किया के अपने के किया के अपने किया है। अपने किया के Martin de garantes de ser de la martin de la companya de la compan

পুশাবত্ব বিশয়ে বুটেনকে ক্ৰিঞ দিছে र्देरेष । भिश्व का जिला, नाम छान्द्रान হোর ও লার্ড বারেড এই :-সভার : জ্বাদো-ক্ষমাৰ বোগধান করিয়াছিলেন। ....

गर्छ नराष्ट्र नाकि थे मुखाद विनदा-िलन स जपन शासीबीस दशशांत्र করা হইতেকে মার্টি কেন এবং তাহাকে

मानागर७ विहासार्थ हासिय क्या क्षेटिंटेक না কেন ? যি: চাৰ্চিণ দভাতে গভ व्यात्रडेरेनक भग्नः। ५ ८५न ।

ট্রাবচাপার নৈলিক আহক্তঃ

বোধাই ব্যাটালিয়ান বাহিনীয় 🤏 बन रेगनिक २०१म क्ला गकारम अभ्यत्त-क्रारण ७ वर इटेग्नाएए । मःवास्य । अक्राय, ध्यक्षमा रेम निक कर्षवा मुल्लामन, करिया বিরিচেছিল, এমন সময় একখানি ট্রমেগাড়ী হঠাৎ **ভাহাদের** দলের উপর আসিয়া পড়ে। আহত সৈনিক বিগকে হাবপাভালে জেরণ করা হইরাছে 🔉

## বিহার উড়িব্যা ব্যবস্থাপক সভা কাথ্যপদ্ধতি নিৰ্দেশ

चागामी ३२८म मागहे जातिस विश्व ও উড়িব্যা ব্যবস্থাপক সভার পরণ্ডী অণিবেশন আরম্ভ হইবে ে প্রথম তিন দিনে খে-গরকারী ঐস্তাবগুলির আলোচনা इंदेर । 🤫 ' भी २६८म'छ २८८म माग्रहे আটিল ওপ্রতির সম্মীয় সরকারী প্রভাব चारमाहराज वक निर्मिष्ठ हिराहि । २७८७ ७ : १९७ - जांगहे (वन्त्रक्रात्री বিল্পাল আলোচনা হ্টবে বলিলা খিল-नजा व्हेबाट्यः। 🕡

्र पार्षिताको वेश्वित्रभ चीनास्त्रिङ ।

**ीनुक देणुक्**नन स्टब्स्, सनी । मूर्याणाधांब, বেৰীষ্টিৰ হৈছিল। সেৰকুমার ঘোৰ, कंगरक्षमंत्र वस्तु, दिन्ताम विद्यारी का जिलाके, क्ष्मम् असः १ कर्ष करम्बद्धम् अधिकाषा बनीटन श्रष्ठ २ : ६ : इस नकाति विक्रियान । वरे**टक**्राकात (अवन कहा वरेबार्ट्स 📜 🧖

## শ্রীধাম মায়াপুরে শ্যাকুর ভাকিবিনোদ ইনফিটেউট্" নামে উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

খোলা ইইয়াছে।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অতি বঙ্গের পর্যাহত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী শ্রাত্রগণের জন্য বিনা ব্যায়ে সুন্দর বাসন্থানের বন্দো সম্ভবইহাছে। ছান অতীব প্রান্থ্যকর।

সবিস্তার সংবাদের ভয় নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র সিথুন। সেক্টোরী, ভাকুর ভব্তিবিলোদ ইন্টিটিউট্ শ্রীটেডফার্য্য, গোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

## —৫১ বংসরের প্রতিষ্ঠিত—

ক্রিন্থালন্তে প্রস্তুত ব্রতিকা খাবা অক্তারলা, অপুনোষ, কোঠকাঠিয়, অপীর্ণ, ধ্বন্তন প্রস্তৃতি ক্ত বোগীর বোগ নিরামর হইগাছে ভাগা প্রকাশ করিলে বড় বড় পুড়ক ইইরা পড়ে।

हेंडा

শব্দল অতুত্তে ব্যবহার চলে ও সমান কল প্রেণান করিয়া থাকে। আতি কোটায়-০২টা বটাকা থাকে।

#### কেবলমাত্র

ব্যতি কৌটাৰ সুলা ১্ এক টাকা। ইংগর নাম 'আমাভক্লিপ্রছ

ষ্ণভান্ত ঔবধের তালিকার স্বস্ত পত্র নিবিংশেই পাইবেন প্রাধিদান :—আতঞ্চলিগ্রাহ ঔশধালাত্র

২১৪ নং বছবালার ট্রিট, ক্লিকাতা।

## কবিরাজ শশিভূবণ কবিকণ্ঠাভরণের



্ষ্য হৈ কোন কৰি বিধান আৰু ও আঃ শিলিতে ঘনীকৃত অবস্থান চে।টবোভলের াসমপরি উষধ ভাকে প্রচান চর, ইতাতে উষণেধ কোন পরিবিধন করা হয় নাই। সুগ্য আছি শিলিরও আনা, পাইট ৪০/৬ আনা, বোডল ১০/৬ আনা।

অফিস–১১নং উল্টাডালা রোড, পোঃ স্থামবাজা কলিকাতা

মঞ

प्रक्रिकाम वर्ष च बाहुनियात, रेलिश्रमित हार, बाह्यारक कुर्वनाक, वक्तवस्त, वापारपाता, तुष पक् कक्षानि, व्यन्तिका श्राकृति सकत मचन निर्देशव बाह्यामा एवं रे बस, पीर्वा, स्वयं तुष्टि व्यवस्त

## शहरफ़ानिन

ব্য

## কোষরদ্ধি রোগ

्काः क्रम्, क्रम्, स्वाव विमा बद्धः, वाक्कीवरमञ्ज शाकाणि विज्ञ देश्काणिक अनामास्य स्मायवृद्धि स्त्रोत बारवान। कृतिवा नास्कृतः

> डिकामा— अम्मर कडेम डीड, वक्काबार, कामकाका ।

# যুক্ষায় হতাশ হইবেন না

भटहीं येथ 🤲

প্ৰায় লিলে সম্পূৰ্ণ আবোগ্য

বোগী বেখাটতে ভববে। অগ্রিয় পাণের বন্ধত (বাওয়া জান জানার ই পাঠাইলে গিয়া রেগী রেখা হ'র অথবা এবানে আসিলে প্রেমী রেখিরা উবন বেওয়া হয় আরোগ্য না হওয়া পর্যায় পারিপ্রমিক নিজে চইবে না হ গরীব রোগীশের ব্যৱহ বহন করিয়া তিকিৎলা করা হয়। বিজ্ঞানিক বিবহনের কল্প এক আনার ভাক টিকেট সহ নিয় ঠিকানার অলুসন্ধান কর্মন।

खील भीनहस्र केकीन, रक्षा-हिक्कित्तन, ८०१: रेमकाही, यहिलाने । कावना निम्न हिकानस्य माकार कविका विख्याविक सामिरक भारत्रम् ।

শ্রীযুক্ত রামগোপাল দক্ত এমৃ, ৩, ক্লক্ষনগর, নদীয়া। শ্রীযুক্ত ভরিপ্র সিংল, ১১৭, নেশিয়াটোলা ক্রীট্, লাউপোলা, ফলিকাজা।

একখানি পাত্র । অ মার প্রাতুল্পুর গাঁও ভর মান বাধিং ইঞ্জ বন্ধার। ভূপির। মৃতপ্রায় ববলাঙাল, কালকাজার বিজ্ঞা চিকিৎসকসক জান্ধার পান্ধার কিবলের আলা ভাগে করিয়া শেষ মৃত্তের জন্ধ আলোকা করিছেভিলেন এই সময় প্রীয়ন্ত কিবলাল উলিল মলালয় মাত্র ১০ বিন চিকিৎসা করিয়া সম্পূর্ণ আহোগ্য করিয়া বিভাগেন। (সাঃ) প্রীয়ন্ত কিলোকা ভার চৌধুলী (অমিয়ান মালিয়া) চগ্ দ্বীট্ন, নিউ বিভিন্ন। কর্মণায়েশন বিভিন্ন চল্টিমেন্ট, কলিকাডা।

# শ্রীনবদ্বীপ পঞ্জিকা

গৌরাব্দ ৪৪৫ নাত্র ১/১০ ভাকটিকেট পাঠাইলেই বুক্পোট্টে পাঠাম হয়।

> জ্যা**শেকার-এছবিভাগ** উটি চড্যান, পোঃ **শ্রীমারাপুর, নদী**রা।

COP EISTSIN

# গৌড়ীয় প্র ংওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

---

क्षरात्म यावडीह कालान कार्यः---

লেটার ে ডিং, মেখো, ক্ষম, থাম, ভমিদাখী চেক, বিল আছাতিই বলুত, বিশালের নিমন্ত্রণ পত্ত, কার্ড, বিবাহের পঞ্চই বলুত,

चाम ८ वर ७ ३ १९१६म अफरिंगम अफरे यजून, नक्त कार्याक कि नीसंश्राक्षा इस, चन्छ कोर्नावेगाने भेन्नत वाचाय चरतका खन्छ ।

व्यानमाह किहू काशाब कार्या शान्त्रिय मिन्नती कामान कामानेश्वते वस शामेशक हरू

## এন প্রভূপাদের বক্তাবদী

আৰম্ভ বিভীয় শুক্ত স্পান্ত ক্ষেত্ৰ ক্ষ্মি স্থান

क राष्ट्रभार कियान कियान मानको रागामानी महाशासक स्वीत कियानिक विकास कियानिक स्वीतिक कियानिक स्वीतिक स्वीतिक स् विकासिकी की मानक स्वातिक स्वीतिक स्वातिक स्वीतिक स्वातिक स्वात

## শ্বশ্বার্থ-মির্স

ननाकन देवनिक बर्जन अखनारम किन अकात नारवत कथा भाषानमूह कार्तपात गाँन पतिश्र भारकन्। भूभ किन्छी-चात्रक, दागिंड ६ कर्त्नार्शामक गहरा द्यान भवन्त्रम् देववमा धामनम करत । कन-বালী ভাষাতত কলের নগর কর্ত্যণ छाश्कामिक कन हारगर जानार द नकन किया अकृषान कतिया बाटकन, छागरे कर्षभएभन्न विचित्र 'अनिग्रानि'।

আনপথেয় পণিকগণ ছইটা প্রাণান সরণী অণুল্মনপূর্বক তাহাকে রাজপুর বলিয়া অভিহিত করেন। একটা—অড়-নির্কিশ্মেতাৎপর্যাপর, অপর্টী—চিন্মাত্র-निर्कित्नवकार भवाभत । कर्य ७ कान, धरे ছই প্রকার অভিযানের ধারা তৎপ্রাপ্য দল বাতীত তৃতীন প্রকার পণফেই 'किकिमार्ने' बरम । 'अहे भरभ रकान वाकि--বিশেৰের নশ্বর ভাংকালিক প্রভীতিক্ষনিত क्याकाका नाहे विना जिल्लाभव याजिमन जानवार्यनीडिंड ना इवंद्रा महिना-नक कश्रम्भक्षत्रहे अक्शांत स्वांकरभत । জ্ভরাং প্রাণকে তিন্টী প্রশাস্ত পথ ভিন্ন ভিন্ন নিকে গমন করিয়াছে। ভঞ্জিপপ ভগবানের দেবাভাৎপর্যাপর হ ওয়ার ভগ্রহ-क्रींक्टि कक्षणात्वत व्यक्ताक्रमकाण क्रांक्वाक হর। কর্মকলের পথ ন্যর্থপ্রে অবস্থিত <del>হইরা কর্মকর্তাকে প্রবহুণে ভোগ করার</del>। ক্ষানের পথ ক্ষয়ংখের ভারতম্য হটভে ७ नवत क्लामारस्त्र फेल्ब्स इंग्टेंट भूगक् क्यारेश निर्देशिक्षाटकरे क्लकरण क्याना करम । मत्रण कायाम बाहारक कृति वरण, উহুটি কর্মের ফল এবং বাহাকে মৃক্তি बरन, डेशरे कात्नत कन।

এই ছই শ্রেণীর পণিক খ-খ অপখার্থের বশ্বতী হইলা বে সকল কণ। তাহাদের নিক্ষ নিক্ষ ক্ষণপ্রান্তির উদ্দেশে বলিয়া शास्त्रत. फाहारे क्षीकाल ७ छानकाल। कें छटवंत्रहे निक निक क्या धार्थना वाक्रीक উদায়ভার লেশমাত্র নাই। ভোগ ও ভাগে উভন্নকেই অবিবেচনার পথবনে চালিত क्रियां निक छर्थक। ७ छ:च श्रीकारत्रकात **"বিলীয় পাড**ু" দেধাইনা ভগবৎদেবা व्हेटक शक्क करत ।

আগদে ভারতানভাগে কুকলীর বছা হইছে সংক্ৰীয় বন্ধ বিপয়ীত দিকে অবহিত। ভূজানীয় মার্গ হইতে পূর্ণ कानीय निर्कर उदाहरकात्मक १५ही निगतीक पिरंक कर्राष्ट्रक । छात्र विज्ञा के हरे गर र्युक् व स्वक् बीरगदात निकामक्रम विदान क्षित्क ना गाँतिया নিজ নিজ স্বার্জনিজ সম্বাদ্ধ প্রতিষ্ঠিত **4 113 1** 

## विकेशकार्शकारम् अस्ट :

নিতাপাঠ্য বৈৰুপ্তবাৰ্ত্তাবৰ दिवाणि मध्य माष्ट्र-मारस्त्र सक्वित नााचाछ। দম্প্র ভারতে একমাত্র সূল্ভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

টালাম-ছাং।পুর—১১ই আলাড় শুক্রবার—১৩৩৮

এই সম্প্রদায়ৰাকের বিধিবিধান ভগব- অভক্ত কন্মী ও জ্ঞানীর সহিত ভক্তের স্ক্রিকর বিধিবিধান ভূটতে যে যে বিবরে সাম্য প্রভাস করিয়া অভকের বিধিবিধান পার্থকা স্থাপন করিয়াছে, তারা কর্মকাণ্ড সেবাপরায়ণ চনগণের ক্ষে চাপাইবার চেটা ও জ্ঞানকাণ্ডের পণিকগরের রুচিনিক্ত। हैंगता खेल्टतके छक्टिश्रभत मानत करतन নাবা তাহাতে দৃহ লক্ষা স্থাপন করেন না। তক্ষর তাঁচাদের নিজ নিজ মহা-জনগণ ভক্তিপণে অপ্রসর চইনার বাসনা পরিজ্ঞাগ করিলা নিজ নিজ উদ্দেশ্য সাধ্যের ভক্ত যে সকল বিধিবিধান করনা করেন, তাহা ভঞ্জিপথের পথিকের হুযোগ প্রদান করিতে সমর্থ হয় না।

क्की अञ्चानी चूकि अ मूजित कनकः करण श्राञ्जिक व्हेश तूङ्क ও म्यूकात त्य কচি পোষণ করেন, ভাষা কথনট ভক্তি-পথের মহকুল নহে। ২ ফাক্স ভব্তিশাস্ত্র वर्णन.

"लोकिकी देविकी वालि या क्रिया

कियर अपन । হরিদেবান্তকুলৈব বা কাষ্যা ভক্তিনিচ্ছতা

अवक क्यों ७ अवक छानी क्या মিল ভক্তি বা জানমিলা ভক্তির পধ্যস্ত व्यक्तित करतन मा। छीवाता छीशामत উদ্দেশ্রের বিপরীত ধর্মেই ভক্তির অমুঠান সমূহ অবস্থিত, ইগাই জানেন এবং সাধারণ षक मानदम वक्ना कतिवात विश्वारत · क्क्र ७ कान"(श: बाद्रा छक्ति गाठ हरू---**এই ऋ**ण विश्वा भवजंडे क्रियांत यक करतन । क्ष्मकृष्टे छिक्तिश्रास श्रमनेशिय सम्बन्ध दिविक ও লৌকিক অহতানকারিসণকে হরিদেবার কিছ তথ্যসিদি লাভ করিয়া মৃক্ত হন। অন্তৰ্গ করিবার অভ সর্ক্রা অবস্থিত <sup>ট</sup>কোটা কোটা সিদ্ধ মুক্তগণের মধ্যে কোন क्रिश शास्त्र ।

क्जीब द्रमाष्ट्रभवन वा क्रांनीत द्रमाञ्च शमानत मार्था फकिविहीन मध्य छात-সমূহ অবস্থান করে। কন্সী ও জানী প্রোগবছায় পরস্পারের সহিত মিত্রতা ' करतन। "कर्णात्र

क्रिक क्राप्तित गांक"-- এই क्या विद्या ক্রিগণের সহিত বিবাদ করেন না। কিছ विवनमान क्यों ও कानी जगवन्त्रक्तं <sup>'</sup>সঙিত অনুর্থক বিবাদ করিবার বাসনাম

করেন, কিন্ধ রুখ্যভক্ত পরম নিপুণ ও চতুর বলিয়া অপস্বার্থপর কন্মী ও জ্ঞানীয় বৃত্জা-মুমুকার আদর না করিয়া ভজনেচছার প্রয়েজনীতভা তাঁহাদিগকেও উপদেশ করিয়া

क्यों ও क्यांनीत मार्मनिक विठात श्व-श्व অপরার্থপর অন্ধকৃপে পাতিত করিয়া চৈব-ধর্ম্মে জাড়া উপস্থিত করায়। চেডনের चर्चात : मक्षमा ८ ए ति निष्ठा मः तक्रम करत. তাহা অচিংপ্রতীতির সম্ভরালে অবস্থান-কালে কল্মী ও জার্ন উহা বুঝিতে পারেন না। কথ্যী ও জানীর সংখ্যা অত্যধিক, কিছ ভগবদ্ভক্তের সংখ্যা অভাগ্ন। সঙ্গাল্ল-ু(ত্রীপাদ কিশোরীমোহন ভক্তিবাদ্ধর বি-এল) চুড়ামণি শ্রীনম্বংগবত ( ৬/১৪/০-৫ ) বলেন— রিজোভিঃ সমসংখ্যাতাঃ পাপিবৈরিহ জন্তবঃ : टिवार ८५ ... ाण (अ.स. देव मञ्जूष्टानसः खाटा मुम्करण्डवाः टक्कटेनव । মুম্কুণাং সহজেষু কশ্চিমুচ্যেত সিধাতি॥ मुकानांगि पिकानाः नावात्रगणवात्रयः।

হুমুর্ক প্রাক্তায়া কোটাখণি নহাসূনে 🖓 रामुक्याटक (यक्षण मःथा। कडा शांत्र ना জীবদিগকেও ভজাপ সংখ্যা করা যায় না, ভীগানের মধ্যে কেছ কেছ নিতামজ্ল व्यव्यवन करतन। द्यं मकन त्नांक (अग्रः अत्ययन करतन. जनात्वा टक्ट ट्रक्ट मूमुकू। সহজ সহজ মুমুকু লোকের মধ্যে কেহ

**কোন আশান্তারা নারায্ণভক্ত হন।** 

অভএব নারাগণভক্ত সূত্রভি।

🔊 শীস্তা ( ৭।০ ও ১৯ ) বলেন— "মন্তব্যাণাং সহস্রেষ্ কল্ডিন্যভতি সিদ্ধয়ে। যতভাষপি সিঞ্চানাং কল্ডিয়াং বেক্তি ভয়ত: ॥ <sup>†</sup> व्यमः श्रीटनत्र मत्था कन्नाहिए क्वर मस्या रम। महत्व महत्व महरा मत्या (कह (कह কল্যাণসিধির জন্ম বত্ন করে। সহত্র সহত্র আমার ভগবংশক্ষণকে ভ্রতঃ অবগত হয়। "बद्दनाः क्यानामत्स कानसन् माः धारकर्छ। बाद्भानतः महागिष्ठि न महाबा स्ट्रह्डः।"

জীব অনেক জন্ম সাধন করিতে করিতে সংস্কৃ-প্রেক্তানে আমার বরুপ জ্ঞান লাভ ক্রিয়া আমার শরণাগত হয়, পরে আমাকে লাভ করে। তথন সে "ধানতীর বস্তুই বাহুদেব-সগদ্ধসূক্ত," অভএব সমস্তুই বাস্থদেননয়-এইরূপ উপলব্ধি করে। তাদৃশ মহারা অভ্যন্ত গুর্ভ।

তদম্পরণে শ্রীচৈতক্সচরিতামৃত ( মধা, ३३म भः ३८८-३१४) वर्तान्--''তात मरभा 'क्षायत', 'कक्षम' छहे (कप । अवस्य विवाद अल-ख्लाउत विस्तान ॥ তার মধ্যে মহুখ্য জাতি অতি অৱতর । তার মধ্যে ক্লেক্, পুলিন্দ, বৌদ্ধ, শবর। বেদনির মধ্যে অক্ষেক বেদ মূরে মানে। द्वमनिविद्ध भाभ करत्र, धर्म नाहि भर्ग ॥ ধর্মচারী মধো বছত ক্রমনিষ্ঠ। কোটি-কশ্মনিত মধ্যে এক 'জ্ঞানী' শ্ৰেও ॥ কোটি জানী মধ্যে হয় একজন মুক। (किं मुक मरशा धर्मक **धक क्र**णकका।

অতএব সংখ্যা-গরিষ্ঠতা বা সংখ্যা-লখিওত। অনুসারেই যে মতক কর্মী-ক্সানী ६ च्यवम् इत्कत् यथाक्रत्म **उ**९क्**र्य** वा অপকৰ্ম জ্ঞান করিতে ২ইবে, তাহা **শ্ৰতি ও** अञ्चल मामाज ଓ भशासन वालन ना ।

## অভাৰ যার না কেন গু

সমস্ত পুলিবী অনুসন্ধান করিলেও এমন मारूष प्रकाश পाउधा याङ्ग्य ना, यांशांत्र কোন প্রকার জভাব নাই। মানুষ মাত্রেই একটা না একট। জভাবের দাস। 🖝 কোন বস্তুর ভার ভার কোন না পাকেন । সংসক্ষের অভাবক্ষরিয়া ভীত কোন চিদরাজোর কথা চিন্তা করিবার काशामन सरवाश स्थ ना । काशामन धान-ণার সধ্তেই অভাব বিশ্বসাম। অভাব নাই বা পাকিতে পারে না. এমন কোন বান্তব চিদ্যাঞ্চোর ধারণা ভাঁছারা করিভে भारतम में।। पीहात मुखानामि नाहे, छिनि जनजादन, याशाज धन नाहे. जिनि धरनज অভাবে যাঁহার বিষ্ণা নাই, তিনি বিস্থার अज्ञात, यै। होत क्रथ नाहे, छिनि क्रांभत অভাবে, বাঁছার ঐখব্য নাই, তিনি ঐখন্যের षक्षात मनाहे काळत । 🗽

দেখিতে পাওয়া নায়, মাসুদের অভাব পুরণ হইতেছে, অথচ তাঁহার ত্র:খ নিবৃত্তি হইতেছে না। বাহার একশত মুদ্রা আছে, फिनि गर्स मूर्णात कक, रोशंत्र गर्स गुजा আছে, তিনি লক্ষ মুদ্রার জন্ত, বাহার লক্ষ निवंतियांत्र मर्था त्क्र (क्रम खाधारक खर्थार मूजा चार्ट, डिनि ताकरवंत, वारात ताकप আছে, তিনি ধর্ণের আবিপত্যলাভের কল

যিনি অর্গাবিপ, ভিনি আনার এক্ষার পদবী। গরাক্ষয় করিতে চাহি। কিন্তু ভূরবের-থাকিলেও আনাৰ নিতা নবনবায়মান ক্ৰিডেছে নুখন নুখন অভাব যতেই লাগ প্ৰথমে মানবের অভাব: তাড়াইখা ব্যতিটে থাকে, মান্ত্রম ভত্ত**ট অশেষবিধ তাথাদিগকে শান্তি প্রাদান ক**রিবার জন্ম ভাষের রাজ্যে নাত ইইবা ভত্তৎপুরণের। আমাদের প্রগত্ন। ফলে কোন্দিন আছাবও ছত তাপজ্জের ছলো জজারীভূত হইতে, দুবীভূত ইইতেছে না এবং অশান্তিও থাকে। এইরপভাবে মাসুষ শখন অশেষ ; গুচিতেছে না। বোজের মিদান ধরিয়া ছ-প্রাণ্যে নিল্ছিল্ড হ', ওপন ভাহার ধ্বদ্যে (চ্কিংসা না করার জন্ম এই বিস্ময় ফল এই প্রশ্ন উঠে, 'অভ্যন যায় না কেন্? । উৎশন হইতেছে।

এই জড়জগঠের খনিতা সংগ্রাণ্যা একাৰ জ্বাৰ ও অচুবিধাৰ মূপে নিকেপ্ করিণা হিতাপোনলে দগ্রী খুত করত শোধন পূর্মক ক্রমেণ্ড্রপ করি ৷ দেও টো কাশকরী महाभाषात कारा। छात्र सम्बद्धाः सि ५८-শানের বহিরক। শাকু মহাম্বার কাণ্ कलात्मत गृह भवता है भए हिं। कि सिंह मा পারিবেন, ভার্দিন তিনি জ্ঞান্স্ণা अधित इडेशा अ.जग्ना.स स्मागः द्वाल কেরিতে পাকিবেন এবং নিজ অনুথকে विकास विद्या शांकरवन् ।

ुद्धे अवकातालात मानुस स्टिम्स ধাবের জিলাও েববের জরা। এই আছে। Cमन अंश्वासित क्स महा अवश्व আশার, এথা বাবিষ্ণ, আগুনে পুড়িং ट्यो श्रीस्था । समित्र समित्र सामित्र আম্বিক সংক্রেণ্ডুই না প্রকা: জারব ু জ कतिनदस्य १८४१हें। अनुदेशे कुछित। सीम । ८४१७) चन्। स्वाद्ध रितमम क भिरात হ'হাতে, নিধ স্কজনিত স্পুত' জল্মে, তথ্য ते अभ इंडरेड काम, काम्युरासक असार ।

-	
٠.	

हों क्षेत्रक कारमा अस्ति । स्टालिक अस्ति व्यासता शृश्चिती हटाउ दह धाइदित क्रिक अहि। आधार त्रः पार्काव मा**, ५७%क श**क्तित मा, यहः माती भाकित्य मा, वातिका शाकित् मः, । अञ्चा मक्तमासह वाच अदेश शाक । शदानामण शांकत्व मा छेउम्मि बन्ताम । গার সামরা সামানের ইন্দির্ভ জান-

বাভের জন্ত অভার অঞ্চল করিয়া থাকেন। বিষয় আমরা এই সকল অভাবের মূল অঞ্⇒ মান্তবের আভাব গর পরণ হইতে সকানের হস্ত কোন দিন বাও ইই না। প্রথমে গুটের অন্ধবার দ্ণীভূত করিয়া অভার ক্ট ট্ট্রা তাইর ক্ষেশ অধিকার | পশ্চাৎ গৃহকে আলোকিত করিবার ৮েটার

আমরা যে এই ভননোগে কই পাই বিষ্ঠের জন্ম হাছদিন আমাদের আস্তিক ১৩ছি, ইছাব স্ট্রেপ আছেন। আমবা প্রকিবে, ভিড্টিন একটা না একটা অভাবের । সেই সবৈছের অভ্যন্তনে করি না। ইচ্ছিগ্র হত হইতে অবাণ্চতি পাইব না। এই বান আমাদেব ভাবে ওালিও চইল। তাঁহাওই প্রবিশ্রমনীল জড়ভগৎ মহামানে রাজা। অভিনতাকাশ বিশ্রহ মণে স্বৈদ্য জীক্রী ওক मामुक्त स्थानमनिम्न भीरात मार्ग्यालस्तन **सक्** स्वयंदक लंडी ए. एक लाठे(होत) प्राटकन। ইতা একটা কাশাপাৰ বিশেষ। নানা, আমলা ভাগার জন্ম লাগারিত না হতুলেও ্তিনি কিন্তু আনানের ছাথ দুর্বকরণে নিশ্চে থাকেন না। ইংগ্র করণা স্ববি আপ্রধানে আমানের উত্ত বাধত ৷ আমান্ भरेन्छ 🗓 छो, अक्टरम्प्य स्टिन्द्रम् अन्य হইবা আন্তেদর ভোভাতিমনে ব্রিচ্বে কণিলে বৰিচ नि 🚉 आवतः आवादनन স্বভাবে প্রভিনিত না কওলার দরণ, যাব্টীয় অভাবেৰ হার: আজান্ত হইচাহি, আমাদেৰ স্থানে হোকুষ নহৈ, মাল লাহাভাব न्यमान । च्योद्रायन्त निकालास्य आया-(महाराष्ट्रांत तो अक्तर्भ भवा । এई भारत-ভাবের ব্যতিক্রম ঘটাহবার মধ্যে আম্র अरे महादिव द्वारकः - ११६ में मानुपूर् .च । छेतियान अ**ञ** ऐलाए स्थित्रिक নাং একটা অভবে হাড়াইতে না ভাডাইতেই আলার শত শত সভাব আনা थितिया दक्षित्रहास्त्र ।

> মহাজন বলেন- তপৰ্যাগ 'বিষয়েৰ সভাব হয় মার। আলা ; বেই কথা করাও বাতে হয় ख्य केर प<sup>र्व</sup> केरताम गथन । कालाहिन्दक हेश्रत्मत भाषा (रुप्यान, उधन जाभन) টালার জলা হটতে ব্রিণ্ড র্বচ। কেন্ন্ ियदः त व भारत व्यामानिद्यंत कत्रयक्ष पृष्ट हर्ना <sup>ক্র</sup>েও গাকে। কিন্তু শথন তিনি আলা-लिएएक अचारवत मरना एकरवान, स्मिष्ठ उँगात राजिताको ऋषा रिमार्ड इहेरत । কালণ এইকণ অভাবে নিজেদিও ইইৱা व्याभितः मध्यक्तं ब्रायक्षम् । इकेश्व स्थारः টা ক্টনা | বাভ করি এনং নীম্মই আমানের ভৈতকোদ্য भारतक (६८) कि**ड क्रेस**ग्रेटचेट्यंत्र थात्। व्यागता সমন্ত ইাচার পাদগ্র হউতে দুরে, নিক্ষিপ্ত ्ट्या ७५'ता भागाम्य बचात्तत निवृद्धि

फ्टर एवं निकानाचाई **भी**त्वत्र सुभारतस् পরিচয় ৷ ৬গবানের নিভাসেবার প্রতিষ্ঠিত,

দেখা গেল যে, আমাদের নিতা স্বভাবে যেখানে বর্তমান, মেগানেই অভাবের ভাওব-নতা ৪ তাহার আগুস্থিক শোক, মোহ ৪ ভ্যানি বিখমান। কিন্তু শোক, মোহ ও ভয়াগর ই ক্রফগাদগয়ের আর্থিত জনগণের টপর মাধার বা মাধাপাত ভ অভাবের কোন অণিকার নাই। তাই মহাত্রন বলিয়াছেন, क्षा रुपासन, मान र्षं व्यक्तात।

धैश कृष्ण, छोश नाहि मानात अधिकात॥

## বার্থ ক'নি

( ত্রীয়কা জানা দেনা ) কীতি রাখিতে বিমুখ কে ভবে, काक्ष राजः भगाई हो।। वर्गणात्र भानव विभागाण्यत কীতি সক্তম ভূলিতে হায়॥ ान्डि:बात वृतक, ७ झिलिशस्त , ৈতা। সমাধি শিবির গাল। इनि कर मछ यास (त्रश्मी कांभन गर्भत ताकन दाश ॥ ष्ट्राप्ति ष्टापन मनाभिन्छ्यन, स्थत-न**्**छि ४८त्रक ताङः, नीदतन गनदर उन्हरित ॥ নোচ অজনে রাজিন নাম,

ताक भीगव काम हमा। িবাদের গাঁভি গাঁভে নিদারশ প্রতি প্রবে ভাষ জালার ভাষা ঘৰে ) কালভৈত্তত নাতে অট কালি, দিকে বিকে উড়ে পা, দ ভট।

नुडा श्रांत्र म नांकांग निमान क्ताना ताक हान की विष्ठा । त्व । इ छनीन प्रतः - नेवारनः

हिन कतिनांने भिनि केशा कान । **জ**ড়ের কীজি না নাগিলা ভাই, ब्रीक्रम हत्त्व कत्त्वा मति॥

<u>(ज्युरान्युरान्त्र (क्युंडल) श्रीकार्य</u> कार्रा द्वारा अर्मनी ন্ত্ৰপা-বিশ্ব তাৰ শুভ পানিক্ৰছা প্রশিতে নারে ক'লের হাসি

## সাত্ত বিধানে আদ্ধ

বিজ্ঞানের অভিজ্ঞা গাল। ইতালিগাকে হইলে তাহার বহিরদ। শক্তি মায়ার আর<sup>া</sup> নগরউটারীর সাব, এসিট্যান্ট সাংখ্যন শীগুত ( ১৯৩১ ) सक्रमनाज भागामो (बनासर्गङ

ক্ষীবের প্রতি কোন অধিকার থাকে না। এনিবাস পানিপ্রাহি মহালয় তাঁহার পর-প্রাকৃতি পামে কোন অভাব লোক্তি প্রিক্তি বিক্তি কুরীরী দেবীর नारे, रम्शात् मकनरे भूत् तक, रमशात् भाषात् भव्यक्नाम् विधारमात्म् वकामभार বরং অভারেরই অভাব বর্তমান। একণে পুঞ্জাতিক বিধানমতে প্রান্ধোপশুক্ষেপ্তীধাম मात्राभूतक काकत भठताक केटेठ क्रमाठ প্রতিষ্ঠিত না হওবা প্রাপ্ত অ নাবের হস্ত বৈষ বৃত্তোজনের ব্যবস্থা করিণ্ডিকেন। इटेंट्ड मू क हरेतात व्यक्तिश महास्थित अन महिला कि कि विश्वास के अप इंडेनाइ तर, সেচনের ছায় নিক্ষণ। বিমপে নেক্যা ধকা, আকে যদি বৈক্ষু আদে মাত্ আর ভোকন এবং গপুষমান জল পান করেন, ভাহা হইলে দেই অন মেরতুলা ও দেই অসু সাগ্রস্**না**ন छह । य आश्वन विश्वाद्धिक देवस्ववटक मूर्च कान कतिया द्यमक्किमिशक मास ध्यमान কৰে, সেই-আন্ধ রাক্ষ্য হয়, অৰ্থাৎ ভাৱা রাজ্যে ভোক্তন করে। নিথিলাচা গাশিবোমণি শ্ৰীমবৈত প্ৰাভূত ঠাকুর ছবিদাসুকে পিছ-लाक निवदम (कालन कताहैतात कारन ৰলিয়া ছবেন,-

🕶 🌞 ুড়মিনাকরিহ্ভয়। শেই আচরিব যাহা শাস্ত্র হয়॥ कुनि थोहेट्य हम दकाति-आक्षरहासन । এত বলি? আছ পাত্র করিল অর্পণ। গাণিগাহি মধোলা গওমান ধুগা-চাণোর অন্তকশ্পিত, মুড্রাণ তৎকুপায় শান্তের নিগুড় ভাংগণ্য অবগত আছেন বলিয়া বৈষ্ণালেওন ছালা প্রলোক্যান্ত পঞ্জীর প্রের্ড নকল বিধান করিলেন। এত্রপুলকে लीवामवा निष्तेष मनश्र देनकृतत्व विजिवला भूर्व महाक्षमाम महाहनमूष मणान कृतिया পরম পরিত্রপ্রি লাভ করিরাছেন।

## 1941 HAR MCP সুমেধতিথি পালন

গ্ৰু ১বা আনাঢ়, ১২৩৮ চিক্লিয়া बी मान्य मानाम माठे मिलीय होतून चिक বিৰোদেৱ অপ্ৰকট মহামহোংসৰ মহা মা-নোভের মহিত সম্পন্ন হট্যাছে। উৎপর उपारक ममक निवम क्षीमान की हैंस अनर नीम ठेक्ति महानदात भगानती की दिङ र्डेशिक्त । ज्यानताङ्क तर् त्याक मना । इ इंटरम होलाम रमाकनाच अक्राश्तीको अक्रत वहानाः । बीतनी अतः अध्यात्र मान मक्तक मद्रम् भागाय तङ्ग्रांबाता मन्द्रमम् म् मान र्ट कर महासदात श्री शाम्यत्त्र सारुष्टे स्विश ष्ट्रिंगन्।, श्राय प्रकृष्ठे। त्यूकात भत केम व को बन इडेश हिला। शर्गमृत्भून-नियामी हीयुक् कत्रकाक माडे नामक मनिक अक्षातान् ताकित आप्रकृतम्। श्रीत १०० त्नाकटक जीमहाक्षत्राम मान कता इहेतांकित উৎসব উপ্লক্ষে श्रीभाग छश्रवामुहाम जल-वामी धनः जीपुक रेनक्क्रेनाण मान्यिकाता ...গত ৮ই সামার (১৩৩৮) ২ লে জনু । মবেশ্য মন্ত্রান্ত প্রিশ্রসমূল্যরে সমস্ত কার্যা স্কারকরে সক্ষার করিংছেন।

व्ययक्षि कुस्टेब्शावन द्वनगाम-श्रामक भूग, श्रीमन-ৰধ্বচাৰ্যা-কড়া ভাৎপৰ্য্য-নিৰ্ব্যটীকা, জীমদ্বিশ্বনাপ চক্ৰবাড়ী े ठोकूब-इन्छ भारतार्थकानिया कीका, बन्नामुबान, मःप्रष्ट व्यवस छ প্রতিশব্য তথা ও বিব্ত্যাদিযুক্ত। প্রতি কলের আদিতে ংশেই ক্ষেত্র প্রতিপাম্ব ক্থাসার, অধ্যায়ের প্রথমে ট অধ্যায়ের সারমহ স্থানিক্ত ভাৎপর্যাদি থিকুত। শোকস্চী रिनग्रक्ती, अमाप्तिविनत्रण, शांख ও शांनक्षीमक क्रिया কাগতের উত্তম অক্ষরে মুলিতে ৮ প্রথম ১ইতে ১০ম ক্ষ্যা পর্যায়ে: ছাপা ব্যুপরিপে শেষ হইয়াতে। ভিক্ষা প্রথম ·**बक्टि**क क्रम अस्त शराहक २०१०/०; सम्म क्रम ऽर**्**; | 一〇名 理原性

## **এটিটিভগুচরিভামুভ**

ত্রীনীমন্ত্রকিবিনোদসাকর রচিত 'অমৃতপ্রবাহভাগা' ও এত্রীমন্ত্রজিনিকান্ত সরস্বতী গোস্বামী প্রান্পান লিখিত 'अञ्चारम अचि-कृषापि वरु भाजस्थाप-मधील' इहेश क्षकानिक इदेशास्त्र । (सार्कत मास्यवाशा, वक्राञ्चनान्छ প্রত্যেক প্রারের পুরের সংক্রিপ্ত অভিব্রে সংযোভিত। खाट्डाक का ग्रंब-खात्रद्ध क्षांग्रांत (म क्या खाट्डा । त्याक প্যার, শুক্ত, স্থান, পাত্র প্রাকৃতির হার্ত্ত সূচী ও এপুক্ষারের নিত্ত দীৰ্নী সম্বিত এইএপ অভ্তপুত্ৰ সংখ্রণ উভাপুত্ৰে कुलानि धाकालिक कर नार्क । केंद्रम कानाइक अधित्वलाइहात । (अक् मिका, माक रत्र) शहर । সহিত তুল ব্রুক্ত মুনাংশ মৃত্রিও ১টরাছে। প্রত্ প্রায় Sees श्रेष्ट्राय गुल्लाल्ला । जिल्ला प्रदेशांटन कर भारत ।

#### **এটেড মাজাগবভ**

গ্রন্থকারের জীবনী, প্রতি পরিজেদের কণাদার, বিশৃত ्नोद्धीय 'क्षागु, सबक्षेत्र', लग्नात्रक्षी, विवय-क्षान शाळासि সূচী, প্রাঞ্চতি বিবিধ বিক্যা-সম্বাদ্ধতি বিরাট ধিভীয় সংখ্যা-দ্রবল ক্রান্তন ৮ পেতী আকার। আদিবারা ও মটোর কিয়দংশ' শুক্ষান্তি, মইবাছেন। জনো জনে প্রকাশত हरेटाइका अधिम फिका ६ हाका, आहि लीगात FIGHT C. 1

#### **国际区域的制度**

दह अर्थन द्राल अञ्चित राजन मध्यत्र भाव कुना। क्षका निष् इस भावे । शहस्र (शाकारामत्र अवर, राष्ट्राधनात, कागा, क्यामात, क्यां व्यक्ति मह यटे कर । लका नक ्डेब्राह्मन । वृत स्थाउँ। शक्ता जिन्न जा**उ**न आएए। ्रद्रमाकारत क्षान्। करेमारछ । मूना २॥ • छाका । • नी? ्र व्यकाम । दर्शाकीत्मत्र आहरुगटनत भटक :॥० हाका ।

#### <u>শ্রীমন্ত্রাবদ্গীতা</u>

<u>এ ইংগারীর বৈঞ্চলাচায়া অংশারত বাদকচ্ছারণি</u> **अधिविषम्भः ठक्कवर्षित्रागुत्र दशायामिक्रका** भात्राव्यविधि ি টাকাসমেতা ও জিল্লীমন্ত্রজিবিবেল ঠারুর-প্রণীত পানক-वेसमें अध्यक जागाजाभागविका। असाध्यक्ती, माङ्गाजाय লোক-প্টী,বিষয়-প্টী,গ্ৰহকারের তীগনী ও অন্তর্গাণলাদ वष्ट्-छ।एवग्रववत्र-मृदं केष्णु वेदावेद उष्टीय मास्वत्--- वे ताल. मुरक्तरामि किर्मा २ २ . हामा भाव, मावामिक मरवज्ञा ।। क्षमा माज

## শীল প্রভূপাদের বক্ততাবলী **७ विकशास अधिवह किछाध**मस्त्री

**टगाचामी महाद्वादणत** एनडे अविका-विश्वःशिमी **জীবাস্থ্যকপোষোধিনী ক্লন্ধ-কাফ**্ৰানন্দ্ৰায়িনী কীবস্থ-বাৰীর নূর্ত্ত-বিপ্রাক্ত-বিক্তার-রক্তমালার কৈছি ভ্রমণি---সম্প্রাদার रिक्विविक्वींमां गारित्र देशोनिक स्था-निक्त स्वाधित से साधित है সমৰ্য গুক্ত— মহাজ্ঞন-জীবনচ্বিত-শিক্ষক—চিৰিলাস্চিন্মাত্ৰ-किंगोज-निष्ठातक- विचरा ७ माधुगातरमञ्ज स्मीलिक भरवश्यात ---শবদ্ধ অভিধেয় ও প্ররোজন তাদের শিক্ষান্ত সমূদ্র

১। প্রথম শশু—বৈদ্যবদর্শন, শ্রী ওর ওয়, কাল-भग्न, जीवश्वाविकीय, जीवायकान्ती, भाक्षताविकी मीका ও বর্ণ-বিচার, আল্লেখন ও মনোগন্ম, জ্রীটেডভালের ও চাহার শিক্ষা, অপ্রাক্ত সহজ্ঞর ও প্রাকৃত সংক্ষর প্রস্কৃতি বিংশতি সংখ্যক রুদ্ধে স্থানাতিত। ভিজা মাত

51 লেইতা কেথায়, আছোর নিভারতি, উন্ধর অন্যোপাদ ও भाषां तान, औरशोत-जिल्हाानम्बद्धमण, जिल्हात ४५ ६ तत्तः काइन, जीनामभुषाय ध्यमदान्यस्तत कीवन, औरनीव-रे পথ, ब्लीमफी दुग्छ।सुनक्तिमें, **भिरे**ठ स्टब्स्ट करा, 🕜 लिक्न स्ट ওক্ষাপদীত্তন---চভুত্বৰ অপুৰু মধুরিমাপুণ-বড় ১:-বিচুণিত िको ५, उके हैं(क) **माळ**।

প্রথম ও বিভার-- ১ই থক্ত একত্রে লগতে ভিজা ১৭০

#### ী মন্ত গ্ৰহণ গীত।

रशी होत्र देवसन्तमार्गान कन्द्रनाथत ही, हैं। अलवलका विकास ভূগণ্তত ভাষা ও শ্রীমহাজবিনাদ ঠাকুরের গ্রাহ্ণ বন্ধ-ভাষায় বিশ্বত 'বিৰদ্রখন' নামক ভাষায়ক। অধ্যায়-দটা, বিষয়ক্তী, ও প্রতি লোকের প্রথম ও জ্রীয় ভাষাকারের জীবনী প্রাস্কৃতি সম্বলিত। फेर्ट्र वाल्डि, ताक्रमस्कत्रण (कृष्टीम मस्कर्म) अध्यत क्षिण : प्रावधा

#### প্রমেয়রত্বাবলী

क्षेत्रपालहरून विश्वास्त्रालयन-अभिष्ठ देवकायन सम् भूगाङ छ ্রাপ্রন্য ভাষ্ণাদি পড়িবার প্রথম প্রহ। উৎক্রপ্ত কালিতে ছালা। কবিশুভ টীকা ও প্রাঞ্জবর্শায়বাদ-সাহায়েঃ क्षांत स्टाक व लोकताल (वास्त्रमा इट्टेमा शहर । कि io • আগে মাত ।

#### **ओमन्दीनशामगादाया**

্রেমন্থও) সাম্বাদ। জা<sup>ন্</sup>চ-মুত্যারি গ্রায়ে শ্রীনব-द्वीरंभव त्य भागा कीहिल आहा. छाहात भूग मण्यल छ काश्रमाम । किका ८० व्याचा।

### খ্রীশ্রীনংখীপভাবতরজ

শ্রীয়াকুর ড কিবিনোদ লিখিত। স্থানিত গাভাকারে প্রিজ্মার ছঃবাদি-বিষয়ক। ভিক্ষা। পানা।

#### ভজিবল্লাকর ও নধ্বীপ পরিক্রমা

লাল নরহার চক্রবৃত্তি-সাকুর-রচিত। ভক্তির্যাকর ছয়তে প্রিক্রমাণে মোজ্গরারীকার জীক্ষার গোকামী কি क्षकार्य द्वीववर्गानभाष्म् भावतम् क्षित्रमिहत्समः छाराहे. প্রেরিপ্রত ৮. বিজ্ঞা কি ক্ষেত্রিক দে ্ ক্র

लीन उकि विस्मान शकत-अभित । देशाए जीतेहरूव শিকাপ্রাণালী—ক্লফ. ক্লফান্ডি ও রদ—বদ্ধ ও মৃক্ত জীব-विकित्रा-एकमार्डम-छक्-नाथम-मिर्गत्र-हार्याक्रम-छक्. व का'छ. जानमामित निहात-देवनी खिल्ड झावलि त्थाम अक्रिम्हे साम छल्म - धाराजी प्रकार नीय सीन পরিচয়াদি প্রথম শিক্ষাপার উপযোগী করিছা সরল ভাষা সমূলয় যুক্তিপ্রমাণসহ শিথিত আছে। চন্তর্প সংকরণ বান ২ টাকা, আবাধা ১০০ টাকা মাত্র।

## বেণীড়ীয়কণ্ঠছার

উটেনৌ দীয়া বেনঃবাহনের অঞ্চলন কতে ধারণদোপ্ত গ্রাভ হাতি প্রাণ্-লঞ্জান্তাদি সাত্ত-শার্মমাহের প্রমাণাবলী বিষয়বিভাগ্তাহম সাপ্রবাদ ভাগ্তাত। এইরূপ বৈষ্ণাব-হা হাত- ভুৱা ও বিদ্ধা ভ্রিন, মন্তুরের বাদ্ধান্তের সার্থমন্ত্র অন্ত ক্রাণি প্রকাশিত হয় নাই। हेशांड अक्र उच - काश्व - देवक्व - द्योब - निकानम-অবৈত - ক্ষ - প্রি--ভগবন্ত্র - জীব- অচিম্বাভেদ -- व्यक्तिमा-भागमार्किक-- वर्षवया- व्यक्तिमान ামের মতিলা, মহাপ্রমাদ, ত্রীবোলিন, প্রীক্রপ্রধান্তল্প- । -- জীনাম - প্রবোদন ও প্রেমানতম্বাধী পুথকু অধ্যাসে স্তুত্ত খ্রেকাদি প্রত্যুক্ত উংকর এক্টিক কাগজে ব্রোঞ तु कालिएक अन्ति , केंद्रके बीचा स्थानात करण नाम रणध ভিনাৰ, টাৰ্য মাত্ৰ। Ber yets m

#### श्रीनश्रदीशभाग-अस्तानही

মাহাখ্যোর সাক্ষরার অনুষ্ঠা বঞ্জ-শ্রীণ নরহরিচক্ষরত হারুরের গাম্-পরি ক্মাংশ — শীংগাসু এর্থীপ্ পরিক্রমা—তীং যাত্রা পদ্ধতি-- ক্রীমং প্রবোধানন্দর্ভ নবধীপশতক্ষ্-শ্রীমুখ ভিবিনোদ তাকুরের শ্রীমব্দীপ ভাবতরক প্রাঞ্চ ু গ্রন্থ কেন্দ্র ভিক্ষা ৮০ হ'লা সাত্র।

#### এইরিনামায়ত ব্যাকরণ

শ্ৰীকীৰ গেছৰানী আছুপাদ-বিয়চিত ছত্ত ও বুভি, তৎসলে ওঁনিকুণাদ ইনিছাজিনিকার সরস্থতী গোস্বামী মহারাজের বিশ্বত ভূমিবা ও ঘটী প্রভৃতি সহ। बलाहा[माडकारन क्यांक। किया २ है। का, झालभरनव পদে ১৮০ টাকা মাত্র।

#### বেলাপ্ত ভ্রমার

नीमन्त्रभाष्ट्रकाठीया-विष्ट । द्वसारक्षतं विश्विदेवछव म প্রচারক জীভাষ্য-শ্রেষ্টা, মান্নেরি রবর বেশাস্ত্রশন পারে উপ্তের্গা কর্বার্থ এই উভ্য ক্রেয়াছেন ইঞ্ছে বঙ্গানুবান ও স্ঠীপভাদি, সংবোজিত করা ইইয়াছে नाम माज जिला ॥० वाना।

## শ্রীটেওক্সচজ্ঞায়ত ও নব্দীপশতক

পোরপাবদ ত্রিদতী শ্রীমং তাব্রেলন্দ সরস্বতী-প্রাণীত मन, अञ्चलिम जीमम ७ छि निकाश मतत्र में भाषामी मशताब मुक्तांकिछ े अध्याप्ताय वार्था । उ नश्रीक्षका नेशिक। মব্দীপশতকের জীভান্ডবিনাদ সাকুরের প্রাপ্তবাদ ভ তৎসহ শ্রীমন্মধারাত্রর ধক্টা জ্বিশরঞ্জ অলোকিক চিত্র क्षाक इंद्रेगार्छ। भूकन छ कानक छेरकडे ( र सामा करक ) ভिक्रा ue आभा, अधि स्त्रमा वीधाई ताकमस्यप्रव > है।का माज।



শীমছন্তিবিনাদ ঠাক্র-প্রাথিত। এই এক্সাত্র গ্রুছরান্তর জ্ঞান বাভ করিলে পারমার্থিক রাজ্যে কিছুতেই
ক্ষজান বা সংশয় পাকিবে না। পরম গৃঢ় ধর্মবিষয়ক এইরূপ সরল ও ক্ষমতাশী গ্রান্থ এ'পর্যন্ত প্রেকাশিত হয় নাই।
নিশিলগোত্থামি-শাস্ত্র-মহোদধি-মন্থনফলে এই গ্রান্থায়ত
উথিত চইয়াছেন। আবার স্কবিশ্বত স্টী, কথাসার
ইত্যাদি নারা বিশেষ সমৃদ্ধ করা হইয়াছে। রিয়াট গ্রন্থ,
সোনার জলে নাম লেখা, উৎকৃত্র বাধাই—চতুর্থ সংকরণ
ভিকা ২, টাকা মাত্র।

#### প্রেমনিবর্ত্ত

শ্রীমন্মহাপ্রভুর অন্তরঙ্গ পার্বদ শ্রীল ফগদানন প্রভু বির্চিত। এই পুডকে অতি স্থাবোধ্য ভাগার মহাপ্রভুর ফতিপর লীলাসহ বৈঞ্চবাচার, একাদলী ও নামভজন-প্রাণালী প্রভৃতি অনেক বৈঞ্চবভন্থের স্থামীমাংসা দেখিতে পাইবেন। পাদটীকার ছরহ স্থানের বিশদার্থ ও প্রস্তৃকর্তার পরিচরাদি-সম্বলিত চতুর্থ সংক্রমণ ভিক্ষা ॥৮০ দশ আনা মাত্র।

#### ভত্তনরহস্ত

ভঙ্গনকারীর নিত্যসন্ধী; ঠাকুর ভক্তিবিনোদের অম্ব্য দান; নিথিশ শাল্পের নির্যাস। প্রদ্বথানি না দেগা পর্যান্ত কেহ বৃক্তিতে পারিবেন না। ভূতীর সংক্রণ ভিক্ষা ॥।

#### হরিনামচিতামণি

নামাদাধ্য শ্রীণ হরিদাস ঠাকুরের সুথে শ্রীমন্মহাপ্রাতৃ শ্রীনাম-মাহাদ্যা, নামাভাস, নামাপরাধ প্রাভৃতি বিষয়ের আব তীয় বিচার শ্রবণ করিয়াছিলেন। এই বিষয়গুলির শাতি সরল পরারে সংক্ষিপ্ত শ্রাশরসহ পরিপাটিভাবে মুক্রিত। শ্রীণ ভক্তিবিনাধ ঠাকুর-রচিত। পঞ্চম সংশ্বরণ ভিক্ষা ৮০

### কল্যাপকরভক্র

শ্রীমছজিবিনোদ ঠাকুর-রচিত। প্রত্যেক ভগবদ্-বিবাসী ও জ্ঞানপথের পথিকের একান্ত প্রেয়েকনীয় উপদেশাবলীপূর্ণ নীতিএছ। সামান্ত দেখাপড়া-ভানা লোকেও এই ভজনরাজ্যের গাতিসমূহের ছারা অনর্থনিবৃত্তি ৭ ভগবংসেবা লাভ করিবার স্থবিধা পাইবেন। মন্ত্র সংক্ষরণ, ভিকা /১০ আনা মাত্র।

#### শরণাগতি

জীমছজিবিনোদ ঠাকর-রচিত। তগবানে আশ্বসমর্পণ, বিজ্ঞান্তি, তলনলালসা, বড়্বিধা শরণাগতি ও সিদ্ধি-লালসা-বিশয়ক শীতিপূর্ণ, তিকা ৴৽ আনা মাত্র।

#### **মি**ভাবলী

শ্রীঠাকুর ভিকিবিনোদ-প্রেণীত ! নিত্য ভক্ন, আরাত্রিক ও প্রাণাদ-দেবনাধি-বিবরক মধুর গাঁতসমূহ একত্রে প্রথিত। ভিকা /• মানা মাত্র।

#### - विगरवं स्वक्रम

গণিকে সমুকুটবোলি শ্রীনার্থিনার্থ চলৈব্রী ঠাকুর-বিব চিত বিস্থার। শ্রীমন্ত্রিনার ঠাকুরের সম্বাদ-সহ। ভিগা (• স্থানা মাত্র।

# जीवनश्री:

শীষ্মহাপ্রেট্র শিক্ষা ও শীশ রযুনাও বাস ধ্যাশ্যার প্রতি শীশ্রপ গোশ্যামীর উপদেশ্রাণী, ভক্তিপথের অ্যুক্ষ ও প্রতিকৃত বিহরে স্বিচারিস রক্ষেদন ভাষা, বিশ্বত বিবৃতি, চরিতামতের প্রমাণ, সাম্বর ব্যাখ্যা ও নুহালন্-প্রণীত ভত্তপ্রোগী গীড়মমূহ প্রত্যেক সোহেন্দ্র সহিত স্থিবিশিত হইরাছে। ৩২ সংশ্বরণ ভিক্ষা ১০০ আনা।

#### माधन-कव्

জীবখুনাথ দাস পোজানীর মনঃশিক্ষা, শ্রীণ ঠাকুর ভজিবিনোদ-চরিত পভাসুবাদসহ। ভিকা /• মানা।

## প্রেমভক্তিচন্দ্রিক।

শ্রীশ সাক্র নরোন্তমের স্থাসিত্ব প্রেম্ছজিবিষয়ক গানের পুত্তক। ভিকা /• ছানা মাত্র।

#### নবদীপশভক

ক্রীণ ঠাকুর ভক্তিবিনোদ-রচিত শ্রীণ প্রবোধানদ সরস্বতীপাদের সংস্কৃত নবদীপশতকের স্থললিত পদ্মাসুবাদ। ভিকা /• স্থানা মাত্র।

### অর্থপঞ্চ

শ্রীল লোকাচাগ্য-রচিত। বৈক্ষবতা-জ্ঞানের আকর প্রক। ভিক্ষা / - আনা মাত্র।

#### **সদাচারশ্বতি**

শ্রীন মধ্বাচার্যা-প্রণীত। বৈক্ষবের নিত্যকর্মাদি সদাচারা-বলী, বদাসুবাদ সহিত। ভিক্ষা / - স্থানা মাত্র।

### মণিম্পরী

কবিকুলকেশরী শ্রীমরারারণাচার্যা রচিত। শ্রীমল্পর। চার্যাের সংক্ষিপ্ত জীবনলীলা ও মূল বৈক্ষবধর্মত। সাহ্যাদ ভিকা। জানা মাত্র।

#### **८भोतक (कामन**

প্রাচীন কবি খ্রীগোবিন দেব প্রাণীত শ্রীগোরাবভারের প্রমাণাবনী-সংবলিত সংস্কৃত গ্রন্থ। ভিক্ষা দ॰ আনা।

## বুজিনত্রিক। ( भगरतीत्रक )

শীমধ্যসম্প্রদারাত্বগত শীমরাদিরাক স্বামিক্ত। বলাকরে সাম্বাদ এই গ্রন্থের প্রকাশ পারমাধিক সাহিত্য-জগতে এই সক্ষপ্রথম। শীমস্থ্যাচার্য্য হইতে বোড়শাগন্তন বিতার মধ্যাচার্য্য নামে গ্যাত শীবাদিরাজতীর্থ স্বামী এই গ্রন্থে সাধারণ বৃক্তি ও গৌকিক জারাম্বারে কিরপ স্থান্তর্ভাবে ভক্তিবিরোধি-মতবাদ সমূহ গণ্ডন করিবাছে, তাহা পাঠ করিতে করিতে আশ্চন্যাবিত হইতে হয়। ইহাতে বৃক্তির বারা চার্কাক, জৈন, বৌহ্ব, মীমাংসক ও মারাবাদিমভ-সমূহের স্থান্তর গণ্ডন রহিয়াছে। ভিকা ২, টাকা মাত্র।

### (गाचानी क्षेत्र त्रम्माथ गाम

(ওঁ বিক্লাণ শ্রীণ ভক্তিসিভাত সর্থতী পোলামী প্রভূপান-লিখিত ভূমিকা সহ) গৌরপ্রেট স্বন্ধপ-রূপের একমাত্র প্রিয়তন শ্রীণ লাস গোস্থামী প্রভূম অপূর্ক চরিতাসত ও শিক্ষা অভীব প্রাঞ্জণ ও সরল ভারার সমিবিট প্রবং পরিলিটে সাসপোলামী প্রভূম বির্চিত ক্রেট্টা সাম্রবাধ মধুর্তম শ্রম ও বনংশিক্ষা-স্থালিত। ভিকা বাঁগাই॥• আনা, আবাধাই।৮• আনা বাত্র।

# চিত্ৰে নবন্ধাপ

প্রাচীন নৰ্বীপের অব্ধিতি, ভ্রা, ঐতিহ, প্রোত ও ঐতিহাসিক প্রমাণসংগিত নর্টী বীপের সচিত্র বিবরণ-গ্রহ। রাজবি রাওসাঙের কুমার প্রস্কুত পর্যাক্ত্রণ নরোরণ লার এম. এ, প্রাক্ত (লাহোর), বেলাগুড়রণ মহলারর কর্ত্বক স্কলিত এবং ৪৭ খানি নিভিন্ন বর্ণের অসুর্থ চিত্র ও মানচিত্র-সমন্তিত; প্রাচাবিভামহার্ণিব রার সাহের প্রীকৃত্বক নগেক্ত নাথ বস্ত বিশ্বকোবসম্পাদক মহালহের বিভ্ত ভূমিকা সহ। উৎস্কৃত্ত (ইং) মরজো বাধাই বৃল্য ১৪০, জিং পিঃ তে ২ টাক মাত্র।

## नाथक-कर्भवाला

শুরুবন্দনা, নৈক্ষব-যদ্দনা, বৈক্ষবগরণ, গানাগের সীত,
প্রীনামগট, প্রীমরাগারের অরোজনণত নাম, অইপ্রাহর
নামকীর্তান, শ্রীমারাগার মহিমা, প্রামান্তর অইক
নাচাগা-বন্দনা, গড়গোখামীর অইক, প্রেমডজিচিপ্রিকা,
উপ্রেমডজিচিপ্রিকা,
উপ্রেমডজিচিপ্রিকা,
উপ্রেমডজিচিপ্রিকা,
বিগ্রেমডার বন্দনা প্রাম্ভিকা,
বিক্ষবগণের কর্মানিত ভুলপ্রীমালার স্কার অনুক্রণ কর্মে
গারণ্যোগ্য অপুর্য গ্রন্থ। ভিক্ষা ।০০, বাধাই ৪০ মাত্র।

### গোড়ীয়-গৌরব

কলিকাতার হুপ্রসিদ্ধ আলবাট হলে গৌড়ীর সম্পাদক শীপাদ স্থলবানক পরনিদ্যাবিনোদ প্রদন্ত বক্তার বিষয় গ্রন্থকারে প্রকাশিত। ইলাতে গৌড়ীর বৈক্ষবস্থানাবের ইতিহাস স্কাকারে প্রণিত হুইয়াছে। ভিকা ৮/০ মাতা।

#### গোড়ায় সাহিত্য

কণিকাতার প্রপ্রাসিক মালবার্ট হলে গৌড়ীর-সম্পাদক শ্রীপাদ প্রন্ধানন্দ পরবিভাবিনোদপ্রাভ প্রান্ত বক্কভার বিষয় গ্রহাকারে প্রকাশিত। ইহাতে সাহিত্য-শঙ্গের কর্ব এবং গৌড়ীর-সাহিত্যের বিষয় প্রকারে বর্ণিত হইয়াছে। ভিক্ষা ৮০ মানা মাত্র।

### श्रीदशीक्ष्मक्षम् श्रीतक्षमा-पर्यन

শ্রীথোড়দেশের বে সকল স্থানে সৃদ্ধিকর শ্রীমন্তর্গুত্রত্ব এবং তদম্বন পরবারী মধান্তনপদ লীলা করিরা নিরাছেন, সেই সব আধুনিক ভোগোলিক পরিচর ও বেববিপ্রহানির পরিচর সহ বাড়ারাতের স্থাবিশ নির্দেশ ইন্ডানি বিষয়খনী সরিবেশিক আছে। ভিক্ষা। আনা।

## THE HARMONIST

OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীণ ঠাকুর ভক্তিবিনাদ-প্রতিষ্ঠিত এবং জ্রীণ ভক্তিশিষ্যৱসরপতী গোষামী প্রতৃপাদ-সম্পাদিত পার্মবার্থিক
মানিক পত্র। একংশ ইংরালী ভাষার অইবিংশ বর্ষে
ভবদক্রাউন ৮ পেলী ৪ কর্মা আকারে প্রতি থারে হরিনামের বিজয়-বৈজয়তী গইরা উন্মিত হইতেভেন।
কালজ, মূল্রণ-পারিপাট্য ও চিত্রাধি অজীব চিত্রাভর্মক।
এই প্রকার উৎস্কই প্রথম আর কোন আনিক প্রানিতে
গেবিতে পাইবেন না। বাবিক ভিক্তা ভারুরাওকার্য ও
টাকা যাত্র।

शाब्दान-

## ব্যুর রাজসভার শুদ্ধভাজমতসমূহ

## कोटिएका घर

MAN OF COME OF THE PROPERTY AND ADDRESS. दा हीत संबंधित, सामधेत शिवाय मात्रान्त, न्तीता

भिमेशारवाभवीत करण शाब एक वेष केषक-मृत्य खेळवमाबद्य वाहाराव्य खेडक-(Med-water Beltows Ho fraimmin

देवें कार्र मानवर- रोबं, नवविषालीते वा मायक कवनवती । अवे प्रवासीत क्रिक्त-अक्षांत्रक वालि-त्याक्षि-त्यक्षक भक्ष भक्ष अवर्ष कावा, माठेक, कावात, छवा क्षमान-विभाग्वित-शिका-एक- अवंति-ठकुंदेरक व्यवातमः । स्व व्यवानमा अवः क्रवात शिक्षक--श्रीबाक्क शृक्ष क का-शिविधव क शायक शायाताविक-व्याठावी-ठकुँ व कांशादनव केशाय विकार में कि मिका तमिक के रिफाएक । बहे महे बार्क माई मार्चिक देविक नक नाचक-नकार्यात्मक व श्रेकाामक व कथाठीन अवदाकि कार्राव केत्रीया-श्रकाम वक्षामा আভিত্তিত ভ্ৰমান্তেন আভিৰ্থসৰ শ্ৰীশাম-প্ৰিক্ষেত্ৰাস্ত্ৰান ও অসাপত ভক্তগোটিগ্ৰ की बान व्याहार मुद्रम महामद्दर्श प्रवास कराम अप्रक्रिक करवा लिएको । उक्तक -- अबहारी श्चिमांब प्रकाशिका । সভক। हो -- জ্বিদাৰ বিশেষ বিধাৰী অক্ষণতী, পাঁও চ জ্বিপাৰ লোহৰাস अविकासी कामाना वामणीर्व. किनाम बीप्रकृत अवकाती, किनाम समारणांनान अवकाती. क्रिकेश्वयम अक्षांती, क्रिक्यंत्राणांत अक्षांती, करू नत्वछ, क्षांत्रांत, दव कीत्यावम @ 4 7 PM A 19 1

किस जिल्लामां श्रीमद्यांक शहील कीर्य मंगाशक व्याद्य किन किन किताल का । अक्षाना की अपन

(২০ :) বোলেপীত শ্ৰীমন্দিয় :

का बान क्रिक्रमहाशासात करन या শ্রীমুখ্রণা প্রভার আানিভার-ভূমি মঞ্চারণ-लंका द्वारम क्षेत्रक्षी शता स क्षेत्रिक-विश्वामक **मेट**शोकमात्राक्षण अवर श्रीटेव्समा a Bल्याप्रकार गिका त्यता उपि चित्रण-कर्षात (मरा अक्शाम । प्रकर---(शाक-आबाबक रमाणामी कडीकार्गः टाक क्रिया-बाब १ , मुक्काती अधिकालक व्यवपाती, श्रीकाष्ट्रवितान क किन्नुवन, श्रीराभवान उप-काती। अगायनमान व्यक्तिकाती, त्यनमन्द्रा Beiseau i

#### (8) **Bain-ma**

क्रिम्बर्ग शकुष कीर्डन-निर्मात गा **िरनोप्रमीमाण मामक्रमी । अमारम क्रिक्किरनोप्त**-विकारमा च नककाषत ताना वन्मान । ाला क्षेत्र क---- क्षेत्र का अवार्ग के वा अवार्ग हो।

(१) चटेचक-क्ष्मम

अहे बाद्य क्रियरिक शक्ष करम अवर क्षाया यक्षणाम ।

क्षण क--- के बदेव कामण ूपागामिकाती. क्रियाक्रमसान गांपाची ।

(७) काष्ट्रांच मनावि न हे बाहीस मुखासक, नामन पुरुष (सथीया) Mentempionu अकारका की व प्राचित्र क्षक -- समहाकी के विद्यालाय गढ़ी।

· (4) WING BAL-ER

क्रिकाक्ष्य, प्रसम्बद्ध (सरीया ) 🤈 कार्यक केविक्शाय क्रिया कांकिविद्यायशासुरक्षक amer wer Mentennien une Schnief-THE CHAI STAIN

क्षा करियुष्य काकात अवनाती 47. 44 47 1

#### (৮ जीवंगबाब भौडी व मर्ठ भक्तमग्रिति ।

वक्रक--- व्यवक्रमध क्रिक्माकी दम, ज. बि. जन, "नक्कारी--- अडिय काम किल-मान्ती, क्षेत्रक्रकम् वाधनादी श्रहाह

(৯) क्रीट्रशाब-शमाणव मठ টাপা• ডী, সমুস্রগছ, ( বছনান ) क्रिश वाण्नी-गरभर शा किछ द्यावश्रपात्त्व-.नगा वर्षक--- व्याः रवेतः भ अक्ष**ाः ।** ७७ । श्रीत्रभाषत् भाषा । ११ मा. १

( ) • अन्त्रभदशोखीय-मठ मा अध्य अध्य कडे. जि रक्य--- क्रिंश्टिशान बक्काडी. महकारी--द्यागरकाचन जन्मका नी ।

( ); ) 圖(和TF)即用電面-" माञ्जान, लाबजुर, नहमानः Dalletente. S'ina tentales ula 1 क्रमक--- विक्विश्वानी अन्यामी, क्रम् मीगम्याम ।

()>) ভাগবভ আগ্রম 🕮 - । शव ६ एटा ६ कक- शत्र, अमीता । काश्वर शिक्षां अक्षांत्रणीय व्यक्तात-रक्तवा वक्त --- श्रिकामक उच्छाडी छांचनाथी

( 20 ) अधिकाम्रम मह Cuifamege, द्वानवारी, नवीशा । •म •--- 🕮 बङ्गानम अवधानी । महनारी B क्रांट बक्काती, खेलम्हणीव बामाविकाती, अम्बन्धान नाका, कक विचनांच

( ১৪.) श्रीवाल दगोणीत गर्ड क्रेन्सर नवायमुब द्याक, डाका । भूम स्टब्स क्राइ-८० छ, ब्यादन खो धन-दशीकांक भाक्त्यां-शिक्षिपटक्क दमया वक्षमाम । विषयाम्य नरविष्ठःविदनात वि- व, श्री शाव-

(२) बैदगोफ़ीय मठ

: ७ मर वानिव्यमान ठळवळी है। है. (ला: नानवाश्रीत, कनिका हा । छिनिध्यान वि. वि. ८५५६ -

श्रीक्षणा राज्य कार्राविक कृतियान क्षतिक्य-कार्रावास्त्राम श्रीकार्यान मध्य श्राम मगरी कृतिकाश्चात्र क्रिकिकिकिकिकाम व्यागतम क्रिया प्रतिक्रिक कार्रकम । अहे करून मञ्चा ofta श्रिकक-दर्शाशाक-श्रिविद्यामानक क्रीके मनावेदन निका दर्शावक बन । दर्शाकीन चाहार्वान्दर्भंद बावसीत श्राप्तानीत अञ्चलाद्वादम्य चैत्राद्व नरम्ब तकते अवृत्य प्रमान মন্ত্রাপর সংস্থানিত ভটডাছেন। পুৰিবীর শব্দত জ্রীগোলনাম প্রচাবার এট মন্ত্রালয় क्ट्रेंटि '(शो कीय' भाषाविक गता. कि क्याबाहे मानिक गतिका दश्याकी कावाह सिश्चिक्षकार्य त्याकात्मक वर्गकाक्षम । अधिमहत्र मात्रः मधीर्कनः मधाकाम-एक्षत्रक-रमहासः चैमहाश्वल. औरंठ क्य-ठविलाम् वायि-नीना ६ एवश्राहत मनाक भारताहना बहेन थात्कः। भरदक्रक---वार्रागाञ्चिक ज्ञोगाव कृषाक्राक्री विष्णाकृष्यः। अवकाती---लाज्यक শ্রীপাল অন্তর্ভান্তরের পরবিজ্ঞাভূষণ বি-এ, জীপার গ্লামবিধারী ব্রহ্মচারী, শ্রীপার क्रमञ्चाल मामानिकारी विन्ता. लीला क्रमालाल क्रमानिकारी, ब्रह्महारी श्रीकीसनामक, अकारती श्रीमाश्रीत्याक्त, अकाशी श्रीमश्रामक, मांसक श्रामान नहीनकृष गविष्णिकाशकात मक्ताबादिव अवावायाः, अभवयक्षामामाधिकावी वि- ॥, श्रीक्र सम्बद्धानामा यकाती विन्छन, अभिञ्चलम अध्यक्षाविष्, अनिष्ठत द्रावानी, श्रीक्षावानाविष

रशीय अक्षाची, शैमनरशीताल अक्षाची. **ब्रोग**क्रिकशानस करा :

( ১৫ ) ट्यारगाशामणी मठ क्रमहालुक, हाका। (भाषानकोड क्री<sup>1</sup>ाअः व क्राठीन स्वर वक्क--- जिलाभनामन अक्रताही ।

( ५७ ) श्रीनवार्डे-८ना एक वर्ड क्रिक्कि रामाधिनी मक:, वालिक कि काका

श्रीश्वताहे-(शोबादक विका स्था देश 🕶 🗕 च्येषुर्व शक्त अञ्चल हो 🚊 🛎 म किरान এক গাটী

(১৭: শ্রীভাগবতজনানন্দ মঠ क्तिंगांगा, बाइस्वत्रक, स्मतिनी श्रुत्त। वाशास्त्र ने कुक-(भीवाक-भाक्षाक्रिका-शिदियारीत निकास्त्रता वक्षमान । बुक्रण---खब्दामी औ-अवानवागको। (১৮) जामनार्याका अनेहा अम बाक्षवीय (मा: नक्ष्मान ।

শ্রী শ্রক্তপোরাজ-শ্রীপান্ধব্যিকা লিবিলারীর मिठाइन्।। अक्-अवनामी श्रीविकformte i

### (১৯) ञीशुक्रस्याख्य वर्ड

यर्गकार, युत्री, केन्द्रिया । बनात शिक्षोब-विद्याप्रमानवश्रीय जिल्हा-:म ग यहमार I तकक - अक्षतानी श्रीलद्दमा-तम विष्याश्वत उत्तराही क्षेत्रकाश्वतम, श्चिमात्रमाञ्चम अवहाी बच्छाती. ७क खीलबार ।

(२ • ) ब्रीखमा-८गोफीय गठ व्यागश्वनाथ, अव्यक्तियं द्वार, शृती । चन्नावाबर्थर चन्नाव नमाव चित्रवाहः षक्षात । क्यक--- उपहारी व्यापक्रमायकी । त्रकादो-अभवादी और्शनिनिश्ही।

#### (६५) श्रेजिक्किश्वम गर्ड Piwale, wie, wêwe

ध्यश्टन अधिक-१४१ ३१० - विटनासमुद्रण-জীর নিভাসেশ ক্রমান। বুক্তক-अष्टानी जीवपाद स्वीदायण स्वानानी

(२२) खीनमाञ्च-जीकार सर्वे उत्तर सर्गाम्हानन गुद्राः, कान्ते । (भी उन्यमाक्ष्यक्षः जना सन-विकासन् ।

क्यों (व (वार्व्धान) महस्र स्व म्यान जीवानकीतावकी. जीवकातत उक्तारी ।

ः ७। ञेक्स्टेड्डम बर जीनु नरक्षाम क्य. ज्ञानाम वृष्णाकन । क के वाधा-क्रब-(याक्नकाक दम्बा। क्रम -- वेशवर्गाकनाथ अक्रावी

> (२८) अभिरायधारम सङ रेनांबदावमाः नेप्छात्रुव

এবানে উভাগ্ৰত পাঠপালা 🗨 🚉 भोड-विस्थाण (बनागक) ब्रह्मा व क्रमास । om # --- बच्चाताही चीनु शरकानक क अच्च**ठाडी**या Missann I

(১৫) খ্রীটেচজ্যুগোডার মত

पुष्तक् का, 15वक् खा, भानक्षम । केवा नीरेव कर-महत्र मारा। क्यक---मोक्सा-मान हाय, है।इक्नमानम अवहाती, जीहाफ कील अभावता ।

(२७) गामध्योजीय वर्ड 

श्रीरभागम्बास-शास्त्रक स्मना वक्रमान। तक १--- इंबरायी ब्रेक्टबन बढ़ी. जीवनी-शालाल अन्धानी

(३,५) खास्रभाषा अन्तासन-वड अक्षिणाका, त्याः मासू, शरका

के भारत य ६ कु अमृष्टि और जानारक हा दनक वरुवाम । १०००---वक्षामी खोळापंक्रकः काम, औरबस्ताल अष्टाकीत (২৮) দিল্ল খোড়ীয় মঠ----बन्द काणी : वन, कांकाब दास, निक्क के हैं। वक्र-- अक्षाती श्रीवद्यक, जीकूनेंद्यवस **जीवा वाद्यान्य धन्यक्र** 

্(২৯) গোৱালপাড়া অপদাঞ্জয वक्क---अक्तारी जीवादशस्त

জেনিডেণ্ট ছভারের খোবণা

ভারত স্বকারের স্কান্ত্র সভিব बागारत्वम भाव बाक्क चुरात अर्थ व्यक्तित ভাষিত সম্পর্কে প্রেটিটেট ছুভারের (बावना खेलनाटक विकार एकन,-- धेरी त्यांस्या विस्मदत्ताल धर एत्र्य । सहायुद्धतः অবস্থানর পর হটতে এটক্র টেট্র **শে**ল্যা আরু হর নাই। - আমেরিঞা স্হায়্য ক্রিবার অন্তস্থারণ অন্তা विभिन्ने इहेगा छेनानीन थाकियात्र हेव्हा সংয়েও এট মোখনা ধারা প্রমান করিয়া-Cचन क्रश्र वस्त्राटन क्रायक्ति वर गर-. (याश्वित) विद्यारकाल कामना करत धवः প্রত্যেক ক্ষতিগত গৈনুকি আছুজাতিক अब क्य खेलात निर्ज्य करता । धरे मश्रक चाल्लक्षामा न करा गहल, किंद्र भाविश मुक्तक्षाः हेत ८०१६,८७ के वह ममञ्चा भगा-शास्त्रज्ञ प्रस्कृत अक्षांक मार्क मार्गा কাজি এবং ডিনি ভাষায় শতির উপযুক্ত कार्या कतिशास्त्रम । जिनि भूष ध्यमनेन করিয়াছেন। তথ্য সমগ্র সংতের উচিত ্লতা স্কলারে নৃত্য আকারে তালার মহাঠ্ছ। করা।

বোদ্ধায়ে নাধিকদিগের পিলে টিং

জাতীয় নাগিক সমিতির নোক ,

হটিশ ইতিয়ান হাঁম নেতিগেশন কোম্পানীর

ক্ষিয়ে পিকেটিং ক্রিতে আক্কন্ত কার্যনা

ছিল। নাবিকনিগের অভিযোগ এই যে,

উক্ত কোম্পানী বাহিরের লোকনিগকে

কর্মে ভাই ক্রিয়া গাকে।

#### इक्केग्राटम कावात ख्वान

গত ২ংশে জুন সকালে এই জিলার গোমেন্দাপুলিশ অনেকগুলি বড়েঁতে থানাতলান করিয়াছে: ওলানের ফলে भूतित नाकि मुख्य क्षीपुर्व भएउत्र वाधि হটতে ৬টি ধালি কাত্রম ও চট্নাম অন্ত্রনির বুর্তনের মান্যারে ২ জন আসামীর करते। खाध इंद्राइत। क्यांचार् एक wa (5 3 M ) 1 शुकान के (कारक প্রোয়ার করিয়া এইটা গিলাছে। স্বার ७ कमटक श्रीनिम महम्बद्धारम (अश्रीत ক্রিয়া কে'ভোগালাতে ধ্রুয়া থিয়াছিল। श्रुष्ठ कारण कुनाड ना क किश्रिक বাজারের একটি বালী হইতে কভকওপি কার্ত্তক পাওয়া বিহাতিখা। পুলিম ঐ স্থান হইতে এক বাডিকে গ্রেপ্তার क तियादिश

কেন্দ্রপারাতে "ত্রস্তর্জনান" দিবস গত রবিবারে গেশোলারে "রে গগেশ-" দিনি স্ট্রিলিত হটবাছে। কংগ্রেন কমিনী ভারত্তারত গ্রা শোভানারা বাহিয়-

করিয়াছিলেন। স্ক্যাকালে সাহীবাংগ এক মজা বসিরাছিল। সীমান্ত প্রদেশ পাদানের ক্রপ্ত বে সমস্ত বিশেষ আইন প্রচলিত অংছে তাহা উটাইনা লইবার নিমিত্র ঐ সভার একটি প্রস্তাব পাশ হইরাছে।

## পারাত্র ধর্মটে অবসানপ্রায় প্রিয়্ড গিরির আখাসবাদী

পারশ্ব ধেলওরে কারখানার বার খোলা ছইনাছে। প্রায় ৫ শত জানিক কার্য্য করিতেছে। গকালে বণারীতি কারণানাব খারে বহু জানিক আসিয়া সমবেত হারাহিল। কিন্তু ভোহাদিগকে বিনা হাসামার ভাটাইনা দেওরা ইটাটছে।

মান্তাভ ও মাউণ মাবাটা রেলওয়ে সভাপতি শুষ্ত চি, চি, গিরি উক্ রেশ-ওয়ের একেন্টের নিবটে এই মর্কে এক ভার করি ।ছেন যে, ভিনি যেন সকল मुक्तिक्राक्षेत्रं कारण यात्रमान कतिर्व 🤈 দেন। 🖹 ত থিরি আবও ে, নিনি প্রমিক-· क छेलारबन निरंदाक्ता हुँ <u>छ</u>े ह ান্তার এদিঞ্জিত অন্তর্গাদে পালেন্ট আলোমী কলা শ্লিকলিগতক কাষ্টে प्रमास कांस्ट्र अक्षमीच मिटनम दिशिया িব করিপাছেন। তবে অবতা ভারা-प्रिन्धक प्रकातिक कार्या कतिए**ड ३ टेरन** । ্রহ স্কল মুর্ব ১৭ট জনের পুরু প্রীষ্ট প্রব্য ভিল্প ত্রেণ্ট ভদন্ত বরে এনিক-দিশ্যে উপর নোটাশ ছাবি করিবরে জ্ঞ त्यक्ियं हिंग इक्षिनिशास्त्रत छेलत आलन निगट्य ।

## নাগপুরে ভাষণ ঘূর্ণীনাত্ত্য। ৫০ খনোবাড়া ভূমিবাৎ

নাগপুর হটতে ২০ মাধ্য দুর্বার্তী পেরি নামক প্রামে ছীব্য খুনারাতা। হট্যা গ্রিটে । ফলে গ্রায় ৫০ খান। বাড়ী ভূমিবাং হট্যাতে।

সার সি, পি, রাম ঘানী আয়ার আইন সদল্যেয় পদ নিযুক্ত

ভারত স্রক্রির এক ইতাহারে প্রকাশ সার বি, এল, মিন্ত লীগ অব নেশনের ভারতীয় স্বস্থাবনের নেতার্নপে ভেনেভার ঘাইতেছেন। স্বভর্ম উট্টোর স্থলে সার সি, পি, রামস্বামী আরার ভারত সরকারের অহারী লাইন স্বাস্থ্যলৈ কার্যা করিনেন। আগামী আগাই মানের প্রথম স্থাতে সার মিল উট্টোকে কার্যাভার जाताजत जानी बाडे पर्वन

নহীশ্র ব্যবস্থাক বজার ২০ জন দেশরকারী নগত বজ্লাই ও কংবেদ ওয়ার্কিং কমিটার নিকটে এক আবেরন পত্র প্রেরণ করিয়াছেন। আবেরনে তীবারা বলিয়াছেন বে, সামত রাজ্যের প্রকাব বর্ণের যে বৈঠকে ভারতের ভাবী রাই গঠন সভালে আলোচনা করা হইবে, সেই বৈঠকে উপযুক্তরূপ আসন নিদিট থাকা ভারতক।

## ताविशास विकास साम सामग्री

রাণিবলে আবার বিদেশী কাণড়
আমদানী হটতেছে। বোছাইতে বে প্রকার বিদেশী কাণড় বিদেশে রপ্তানী করিবার অস্ত এক কোম্পানী গাঁওড চইয়াছে, সেই প্রকার রাণীগঞ্জে বিদেশী কাণড় আমদানী করিবার অস্ত তহিপরীত এক ফার্ম্ম গাঁঠত হইয়াছে।

### विरक्षी बक्ष शीन

তমপুক সহরে প্রায় সকল বন্ধরাব-নাট কংগ্রেন ক্ষীপের সাহাবের বিদেশী বন্ধ গাহট বাবিরা দীল করিয়া রাখিতে ড্নেন। ইতিমধ্যে ৪।৫ জন দোকানদার বাতীত সকলেই নাল করিয়া ফোলিয়াছেন। বাহালের শীল করিছে এখনও বাকি আছে, তাংগরাও নাজই শীল করিয়া ফোলিনে আশা করা বাইতেছে।

#### कः८ धरम भूमनभागरमञ्ज द्यांभनाम

মহিবাদল থানার রামবাপ প্রামে শতকর। ৬০।৭০ জন মুগলনানের বাস। কংগ্রেসের উভোগে একটা পল্লী কংগ্রেস স্থাপিত হটরাছে, হিন্দু ও মুগলনান নাননে নেই পল্লী সমিভিত্র সভাপন প্রহণ করিবাছেন এবং ক্বন্ত বিবাল্বে স্থ্রপাত হইপে,তাহা নিজেরা মিটাইয়া লইতে বীকৃত হইমাছেন।

#### जिन वन यम छा छि

গত রবিবার ২.ছালে সমর জোড়া সাকো অঞ্চলের ভ্রন্থেরে বালাকরী কেনের একটা বাড়াতে পুলিশ খান্তরাস করেয়া জিশ মণ দেশী মদ ও লদ ভৈরারীর ক ১৫ পল জিনিবপত্র হস্তগত করিয়াছে। এই সম্পর্কে ছইলন লোককে ক্রেম্বার করিয়া অভিব্রিক্ত চীক ক্রেম্বার ব্যাকিস্টেটের এললাসে হাজিয় করা হয়। তিলা গত ২২শে জন ব্যাকিটেট ভারাবিচার করেয়া গিয়াহে। মালিটেট ভারাবিচার প্রত্যেকর ৭০ টাকা জারিক

মালা করিবাছেন এ করিবানার ছাকা অনাবারে জাহারিবের প্রত্যাস্থাকর এই নাস করিবা সপ্রথ করিবাক্ত ভোগ করিছে হইবে:

## नुष्य नाट्यात यक्षात मान्त

একভার মুদ্দগোপাল বোটাল श्विदेशक वावशास्त्रक वर्दा अकित्यान आनवन कतियाहित्सन् क উপর নির্ভন্ন করিয়া অভিযুক্ত ইট আসামীর পক হইতে ২২শে ছুন বিশেষ ष्मानागरें उक्तानि मत्रधात्र मानिन इहेग्राट्। উश्टाट वना इहेन् হাজতবাস সম্পর্কে এপ্রভারদের হাইটে रा जारमन मित्रार्शन तारे निर्मा नहीं। काक कता इब माइ शनिया श्रुनिटमत्र लिय সমানভাবে বর্তমান রহিধাছে 📋 🛡 👺 मत्रशास्त्र काल्यांच क्या मरकारी (क्या कार्यक दल्द्रमत राजकारमञ्जू निकि कक्टबारण क्लिन आईन अमूह खन क्तिएएएम ध्रयः भाषात्रक व्यवसामना क्तिटड्राइन । जन्महात्रकात्र धान्ये का दक्ता पानाश्चतिक मना श्रष्टक धरेर जुदकाती (क्ष्म व्याक्ति कार्य हर्र वेश्वास्त्रिक कता क्रक्रिका एइ वाक्षा कार्यक्ष क धिवान मृत्यं (यम ज अक्काव्यक्तः, भन्नीकाः कता ना क्षा । व्यामामा स्वर्धकी सामग्री উপর বোটাশ লারি করা হ**ইটাট**ে ইরলৈ कृत वृत्तवादात्र कृतानी व ८५। 🕟 🐰

## জেলে কার্য্য করিতে অসমতি' আসামী দণ্ডিত

কোগভেশী কারাগারে অব্দিত বৃশী ইরালাল হালোয়াই কাথা করিছে অন্ত্রাক প্রকাশ করিবার অভিযোগ কলিকাডার চীফ প্রেসিডে ল মার্লিট্রেই অনারেবল মিটার অনাল বিংহের আনালাটে অভিযুক্ত হইয়াছিল। আসামী অপরাধ ব্যক্তির করার মার্লিট্রেট পত মলাবাটের তাহাকে হ মার্শ স্থাম করিবালতে প্রিড করিবাছেল।

क्वांन राजाया , गामना

বন্ধবাৰীর ক্লবাণ বাস্থানির ক্লবজ্ব ক্লমণ: ভীবণ হুট্যা পড়িতেছে। প্রা লিনত প্রেপ্তাহের সংখ্যা হৃদ্ধি পাইতেছে, প্রেবং অন্যান ১ শত ৫০ জন ক্লমণ জ শ্রামক প্রথম ভাজতে বহিলাছে। জিলা কংপ্রেস ভারতির সম্পাদক শ্রীতে ভাল ক্লোভালালী ভাগাবিধি আইনোর

विकाशिक्ष वाव श्रीक्षाध



मागरयात्र हात् ! অগ্রিম দেয় বাধিক ৯১ भागानिक वर् देशमामिक २५: মাসিক ১১ ลาห প্রতি সংখ্যা .৫

医甲甲氏亚磺甲甲甲甲烷 (医胃水 计分型区 地名地区

मन्भाषक—श्रीकाठीत्मनाथ वत्नाभाधाय, त्वनास्ववाहम्भाडि

ঠি৮তম সংখ্যা

আঁটেতশাঘট আঁশাম মাহাপুর- ১১২ আবাড় শনিবার ১০০৮, ২৭শে জুন ১৯০১

## নানা কথা িতে ভীষণ ডাক।ভি

৬৯ বত ী

গভ ২০শে জুন মলল্বার রাতি ्रमाञ्चरा विक् महे पविष्यंत्र मगग्र उत्पन्न शत्तत ্যুত্রভূজীয় সুনী পাশুবেরিয়ার মহলদ নিৰ্কানীয় বাটাতে জীপৰ ভাৰাতি ভুইচা ্ঘটনায় বিবরণে প্রকাশ, .২০৷২৫ জন চুর্স্ত অলপত্তে সন্দিতে হণ্যা জ্বাল সম্প্রে সম্প্রদ নিকারীর বাটালে ্র্রীন্ত্র দের। মহমদ নিকারী এীমাদিকের किमिक बंदात मत्रका उत्रक ताथिया निमा ८ दिन । कारायकान क्रम ७ उपन्था ্রুফ্রের উপর বাশ চাপ দেয়। ক্ষ্ণিত হইয়া উঠিলে কয়েকজন শির মন্তকে 😘 শরীরের অভাত প্রেকাশ, ১৬রন ्रिशृह्मेरना द्यारनम कत्रियाधिका। colleta ি.মুকের ভলদেশ ছাৰ্ছিয়া ৪া৫ শক্ত টাকার অপহাৰাদি कंद्रिया निवादक् । मध्याम भारेया क्रमन्नश्रत्तत প্রায়ের পুর্ণিলস্বাহের রাজি ।। ঘটকার श्रिक प्रदेशकारण क्रिमिक क्रम जार त्राणि প্রীয় সমস্তার ছই ফোশ দুরে **ब्रिक्शकारमञ्जू निक्रतेवडी कार्य ४** 

্রাধান্ত্র পালক বিষ্ণার্থক বিবৃত্তি প্রচান ভার ওলাকী কমিটা প্রীত্ত এম. এগ,

वरमत कर्ध्यात प्रतिकाहन महक्रांस 🗬 🕸 যোগপুৰ্ব ভার ও চিঠিপুত্ৰ এখনও

# ঘূণী ত ভীষণ ডাকাতি

প্রধান মন্ত্রীর বার্লিন বাতঃ স্থির

# লক্ষীপুরে ভীষণ নরহত্যা

সরকারের কার্পুণ্যে রাজবন্দীর অনশন ধর্মঘট

# সাৰ্জেণ্ট নিহত

নিছিল ভারত কংগ্রেস সম্পাদকের বিরতি

# চোর ধরিলে পুরস্কার

দিলীতে দীমান্ত-গান্ধীর বক্ততা

# গোলটেবিলে ল্যাঙ্কাসায়ার

বোষাইয়ে সৰ্দার বলভভাই

া**ভারিত কংরোম মম্পাদরেকর** কংরোদের সভাপদিব নিকট প্রোরিত ্তাঁহাদের যে কোন অভিযোগ **গা**কিলে ভাহা ভারত কংবেলে ক্রিটার বিবাদের স্কল বি-মের নিপাতি ক্রিবার নিকট প্রেরণ করেন। বজের সমত কংগ্রেদ কমিটা এবং সংশ্লিষ্ট বিশ্বরণ করিবে কোন ফললাভ হইবে ন। बाहिक रमञ्ज अञ्चलाध कता योक एक एवं,

ভট্তেছে। বঙ্গের নিঝাচন সংক্রান্ত বেন তাঁগারা একেবারেই জ্রীদৃত ম্যানির

নিধিশ ভারত কংগ্রেস কমিটার জ্যানের উপর মর্পন করিয়াছেন। খতর ং সভাপতি বা কমিটার কার্যালয়ে নেইগুলি

## চোর ধরিলে পুরস্কার

वक्षम् । वामारमत (পार्रमहिन **(जनारतम व्यक्तात कतिग्रारङ्ग रम (काग्य्य** লোক কৰিকাভা কেনারেল পোর অফিনের े भारमंग महिंद विकाश ध्हेरण ५३ जुल्ल हा ১৮০ নং পাশেল ১১ই জুন ভারিখে চুরি ু ১ইমাছিল, নেই চুরি যুহোর। করিয়াছিল ভাষাদের সংবাদ প্রদান করিছে পারিলে ভাষাকে ১ শুভ ৫০ টাকা পুরস্কান দেওয়া ं इंदेरन ।

## কংগ্ৰেসকল্মী অভিযুক্ত

পাটনা, मनत्र মহকুমা ছাকিম এটায়ুছ ब्रावक्यानाम् । १९ ७० व्यव ्याप्ट्र मामता भागकं करतन। তাহাদিগকে জামানে মুভি দিয়াছেন। অভিযোগের বিবরণে প্রকংশ, নিতার লগৎনারায়ণ লালের পত্নী ও গণ্ড কংগ্রেনকশ্মিগণ বিহারের অন্তগত কচ সারীতে এক নিষিদ্ধ ধনসভাগ বভুতা প্রদান করেন। নিধেনাত্মক আদেশ সমান্ত হেতু পুর্বোঞ্জ মহিলা ও অপর 👯 🙃 वा छ दक दशवात कता इश । खाश्र र २०० **्माक छाहानिशत्क मुख्य क**विटल (उहे) করিয়া বিফল মলোর্থ হয় ৷ তংগরে **জনতা থানা ঘিরে**য়া কেলিয়া লোট্র নিকেপ করিছে থাকে। ফলে পুলিন স্থপারিন্টেপ্তেন্ট ও কতিপর কনটেবল আহত হয় এবং পূর্কোক্ত ব্যক্তির বিভল-ভার কোর পূক্তে কাড়িয়া গওয়া হয়। এক শত লেক পুলিনে গ্রেপ্তার ২য়, वाकी २४ जन ७२(३१ भन्न मृक्तिमाध

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনষ্টিটিউট" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## (थाना इरेज़ाट्ड।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অতি যত্ত্বের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যয়ে সুন্দর বাসভানের বন্দোবন্ত হইহাছে। স্থান অতীব আভাকর।

> সবিস্তার সংবাদের জন্ম নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। সেক্রেডারী, ভাকুর ভক্তিবিনোদ ইন্টিভিড্ শ্রীচেত্যুমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, মদীয়া।

## —৫১ বৎসরের প্রতিষ্ঠিত—

্ৰিপ্ৰালেয়ে প্ৰস্তুত ব্ৰতীকা গণ শুক্ৰহারণা, স্থানেষ, কোঠনাঠিন, অত্মীণ, ধ্বভঙ্গ প্ৰভৃতি কভ বোগাঁব বোগ নিরামন হটগতে ভাগ প্ৰকাশ কাণণে বড় বড় প্ৰক হটনা পড়ে।

#### हेड्रा

স্কল পাতৃতে বাৰখায় চলে ও সমান ফল প্ৰাণান করিয়া থাকে। প্ৰতি কোটার ৩২টী বটীকা থাকে।

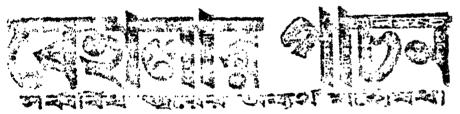
#### কেবলমাত্র

গুলি কৌটাৰ মূল। ১্ এক টাকান ইংলা নাম '**আভিন্ধনিগ্ৰহ** বটীকা'।

অভাত ঔষণের তালিকার মন্ত পত্র নিথিলেই পাইবেন প্রাপ্তিয়ান :—আতহ্বনিগ্রাহ ঔপ্রশাসেত্র

२) । वर बहुबाकाद व्रिवे, क्षाकाहः ।

## কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



মফংখলের ক্বিধার জন্ম ৬ আঃ শিশিতে ঘনীভূত অবভার ভোটবোঞ্জের বিম্পরি শুস্থ ভাকে পাঠনে হয়, টলাভে ঔষ্ণের জোন প্রিস্থন করা হয় নাই। মৃস। প্রাভি শিশি॥• আনা, পাইট ॥৮/• আনা, বোজেল ১৮/• আনা।

অফিস-১১নং <del>ডিল্টাডাঙ্গা</del> রোড, পোঃ শ্যামবাজার, কলিকাতা

# ग्रापन मध्नती

বটকার বর এ বাসুদিকার, ইলিরণ্ডির হান, প্রচাবে জকণাত, ব্যবহার, সাবাধেরা, বুল বড়-লড়ার, অনিলা এড়াত বঁজণ সমর নির্মোধ লাংলালা হয়। বল, বার্বা, কেবা বৃত্তি করিছে অধিতীয় ইনিক। বৃদ্যা ৪০ বটা ১, এক টাকা।

শ্ৰুপুত সক্ষাজ্ঞানি প্ৰতিশ প্ৰস্থান হৈছে পাঞ্জনোৰ থাৱা আবোৰা আছে। পজিললাঃ কৰে। মুনা ব জোলা ১, টাফা : শ্ৰুপ্ৰতাশিক্ষা আজিক্ষা? ১,০০০ৰ কৰত সভোগপতি হাটা ও বৃত্তি কৰিছে অত কৰা। মুনা ১০ বটা ১, এক টাফা। বিভিন্নত নাক্ষাজ্ঞপত্নী, ক্ষেত্ৰভাৱা।

## शहेदप्राणिन

বা

## কোষরদ্ধি রোগ

ভাঃ এস, এন্, খোষ বিনা অংশ্র, বাবজনীবনের গ্যারান্টি বিশ্বা বৈছাতিক আপাণাতে কোমবৃত্তি রোগ আরোগ্য করিয়া থাকেন।

> ठिकाना---अभ्रम करेन क्रेडि, वस्रवासात्र, कामकाखाः !

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

পদর দিলে সম্পূর্ণ আরোগ্য

কোলা দেখাইতে ভইবে। অগ্রিম পালের পরচ (যাওরা এবং আসার)
পাঠাইলে লিয়া রোগাঁ দেখা হয় অথবা এখানে আসিলে ভোটা দেখিল।
উষদ দেওরা হয় আবোগা না হওয়া পর্যান্ত পারিস্রামক দিতে ভইবে না।
গানীব রোগীদের বাবে বহন করিয়া চিকিৎশা কবা হয়। শিক্তাবিক
বিবংপের কয়া এক আনার ভাক চিকেট সহ নিয় ঠিকানার অনুসন্ধান

শ্রীক্ষিকীশচন্দ্র উকীল, যক্ষা-চিকিৎসক, পো: নৈকাঠী, বহিশাল। অথবা নিম্ন ঠিকানায় সাক্ষাৎ করিয়া বিস্তারিত স্থানিতে পারেন। শ্রীষ্ত রামগোপাল মত এম্, এ, ক্ষুদ্রগর, নদীয়া। শ্রীষ্ঠ হরিণা

फिरण, ১১৭, unfegichten शिक्षे, कावेदणांना, कानकाछ।

প্রক্ষানি পত্ত। আনার লাভুপুর গড় হয় নাগ বাবৎ রাজ গঞ্জার ভূগিন নুভ প্রার করাছিল, কলিকাডার বিজ্ঞা চিকিৎসক্সক ভাগার কীবনের আশা ভাগে করিয় শেষ মৃত্তের আন্ত অংশক্ষা করিছেলিবলের এই সময় প্রায়ভ কিলিছেল উকিল মলালয় মাত্র ১০ বিন চিকিৎসা করিয় সম্পূর্ণ আবোগা ভরিমা বিধাকেন। (সাঃ) বীমানীক্র কিশোর বাম চৌধুনী (আন্দার গালিরা) হগ্নীটু, নিউ বিক্রিং। করণোবেশন টেটিং ডিপাইনেট, ভ্রিকাশ্যা

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

भोजान 88%

মাত্র ১/১০ ভাকটিকেট পাঠ।ইলেই বুক্পোটে পাঠান হয়।

ন্যানে**কার-গ্রন্থিক**ভাগ ই:চেড্ডমুম, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

কেন প্রাহকগণ

# গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কমের

এত প্রশংসা করেন

-কার্বল-

ত্রপানে যাবভীর ভাগার কার্যা---

८॰ ड्रोब ८॰ फ्रिः, स्माम, कश्म, चाम, कमिनाबी ८६क, विन आकृष्डिक सन्म,

বিশাৰের নিমন্ত্রণ পত্র, কাউ, নিবাছের প**ছট বলুন,** 

আয় ৩ হং ও ৪ হংরের কাফটোন সুক্**ট বল্ন, স্কল কার্য্ট অভি নীয় দ্বাণা** ধয়, অপ**৪ চাণাট্যার ধয়**চ বাজার অংশকা প্রস্থ ।

भागनात विक् काणात कारी। थाक्टिन मित्रतीकानांत्र कालावेटलवे नव शावेटका ।

माधनकाव-श्रीकृति द्विन्तिर ख्यास्कृत् । १ १ १ वर्गा सामा सावकृतीय दशक, क्रिकाका।

## শ্ৰীল প্ৰভূপাদের বক্তৃতাৰদী

लयम ७ विकीत पक

উবিক্ষুণাৰ প্ৰীপ্ৰীমন্ত কিনিছাত সৰপতী পোৰামী মহাবাধের সেই আহিছা-বিধাননি জীবাপাপরণোধেনী কৃষ্ণভাষ্ণ নিশাবাদিনী জীবভাবনির কৃষ্টবিপ্রাহ— বৈক্ষবনিভাত প্রেমানার ভৌত তমনি—স্বত্ব অভিযেত্ব ও প্রায়েশভাষ্টের নিভাত্যসমূল। ভিক্ষা এত্যে ১৮০ জানা মাজ।

## অসাত্রধারিক ইভিবৃত্তের সহিত नरनात्रानात्रिदकत्र कुलनागूलक ধারাবাহিক গবেষণা

(30)

मध्यक्षामामञ्जूष्टेरमम निषाट्यम সহিত অপঃ শুসায়-সমূহের

मक्टल्प (कावात ?

ष्यागता এই প্রবন্ধের সর্বপ্রেপদেই সাঞ্জিক প্রাণৰট কের অক্ততম প্রীপদ্মপুরাণোক্ত जन्म-मात्रम-निया श्रीनाामामध्येत वाका छन्नात করিয়া কলিহত জীবের পর্ম শ্রেয়োলাভের क्क ख्रुवान श्रीतिकृत हेव्हात त्य औ अभ-ক্স-সনক---এই চারিটা সাম্প্রদারিক মূল **২ইতে কলিকালে** সৎসম্প্রদায়গত্তীয় প্রাবৃত্তিত क्षेत्राह्य अवः श्रीताशक्ष्यः अभवात्राया, **बिविकृषामी व बिनिषार्क-- এই** हातिसन मून कार्तिया त्य यशक्तिम शूरकीक मून চারিক্স প্রাব্ধের সাত্ত মত ধরাণামে বিস্তার করিনছেন,ভাহা প্রদর্শন করিয়ছি। এবং এই সাজত ধন্ম যে সৃষ্টিব প্রাবস্থ क्टेंट क्रगाड क्रांगिंड क्रांहि, डेंग त्य च्यापूर्निक शर्म नत्र, लाश व विस्ति मुहारखन्न माशास्त्र अमिन इहेग्रास्त्र ।

একটা সম্প্রনামের মতের সহিত অক্ত একটা সম্প্রদানের মতের কো বা ভেদ क्षामर्पन कांतरल इट्टेंग यांग रम्हे छुट्टी সম্প্রদারের মতে বা সিধান্তসমূহ পুপক্ পুথক্ कार्य वर्गन कता इस, छाहा इहरण निामहे স্থাপ্য ছুইটার প্রস্পারের মধ্যে কোন दकान करन मरखत जेका वा ८५१ कारह, ভাছা সহজেহ বোধগন্য হয়৷ এই হেতু व्यामारमञ्ज कारमाठा 'मरमच्चनात्र' ५ 'कल अध्यम्। म अहे कुहेनि अध्यानात्मत्र मत्मा दक्षांचात्र भन्नभ्यत्त्रत जेका च्याः ध्वरः ক্ষেণার কি কারণে পরপর মতভেদ **ভাষ্মিন্তে, ভাষা প্রাদর্শন করিতে গিয়া ब्याबका क्रकलिएक गरमध्यमात-ठउहेरमञ् क्र**क् व्यनक्षतिक व्यक्तांक वावर्की व्यनम्बामारप्रव ইভিবৃত্ধ পুণক ভাবে আলোচনা क्षिश्र है।

এক্সণভাবে সদস্ৎ-শ্রেমীবিভাগে উভয় সম্প্রানারের ইতিবৃদ্ধ ভিম ভিম ভাবে **আলোচিত হওয়া**য় আমলা প্রথমত: দেখিতে **लाहे. अ०मण्डालाय-५ छहेटावा श्रीवायाङ्**ङ. এমধ্বাচাধ্য, এবিভূখানী ও জীনিধার্ক --**এই मुन फा**ठागा ठावि स्नम श्थासम्बद्ध विभिक्षी-বৈভবাদ, ওছবৈভবাদ, ওছবৈভবাদ ও ১-তা-বৈভবাদ, এই মত চত্তইন প্রচার করিলেও তাহানের প্রত্যেক্য সিদ্ধান্ত ভবিন্দৃশব— পরশ্রের:মতের মধ্যে বৈঞ্চানিক একটুকু আলোচনা কবিতে গিয়া আমরা এই नार्थका पृष्टे स्ट्रेरक् वस्र विकार अकालतर मफ--- अकः। ठातिका काठाशर গ্রমাণ্শিরোম্শিরপে শ্রীকার

क्षी की अक्टरशोद्धाटको कराउ:

# দৌনক নদীয়া-প্রকাশ

নিতাপাঠা বৈক্পবার্তাবহ বেষাদি সমস্ত সাছত-শাল্লের অকুত্রিয় ন্যাৰ্যাতা সমগ্র ভারতে একমাত্র ফুলভ

দৈনিক পারমার্থিক পত্র

জালা ন-ছা<u>ং পুর-১১ই আফাড় শনিবার-১</u>০০৮

ভাষ্য রচনা করিয়াছেন ; ভাষাতে প্রতির প্রেভিপান্ত বিষয় সংস্কাভিধের প্রেয়োজনা ত্মরূপে নির্দারিত হইয়া ভগবান ত্রীবিফুই त्य मध्य, निकुष्टिक-योजनेटे त्य व्यक्तित्व এবং বিষ্ণুপ্রীতি উৎপাদনট যে একমাত্র প্রয়েজনীর বন্ধ, তাহা স্টুরূপে প্রমাণিত একমাত্র বিষ্ণুই গরাৎ-পরভন্ন, সর্কোশরেশর, সক্ষারণের কারণ 'क्रश्तान'-लक नाठा. ভিনি मक्तिमानलम्ब-উাহার বিভিন্নাল বিপ্ৰাত, জীবসকল ও মিতাদাস, বিষ্ণুসেবা বাত ত ভীবের আন্তান্তিক সঙ্গলের অফু কোন উপায় नाहे मक अनुष्ठाबंध क्रोप्ट्य निक्-रमनाहे दक्तां वृद्धा, केंदित मात्रकाणिक, সামত্রিক ও সাক্ষমনীন ধর্ম একমার বিষ্ণু শেবা ; ভগবান্, ভগবদ্ধাম, ভব্দি, শ্ৰীনাম. জীবিপ্রাহ, মহাপ্রাসাদ, জীব -- এই সমন্তই নিতা চিদ্ৰণত ইত্যাদি ভকিসিকাভমূলক বিষয়ে আচাঘ্যচতুইরের মধ্যে কোন মতবৈধ নাই, একমাগ্র আথাংশার উপ-CH-13 ठानिস-धारायत शिकारक राष्ट्रकरण ক্ৰিহত জীব এই পরিস্কৃট আছে। চারিসম্প্রণারের যে কোন একটা সম্প্রণার-ভুক্ত হইলা ভত্তৎসম্প্রান্তর মূল আচাণা-গণের আচরিত ও প্রচারিত পদ্ধা অন্তুসরুণ করিলেট স্বন্ধণাবস্থা লাভ করত মনুষ্ জীবনের প্রকৃত সার্থকতা সম্পাদনে সমর্থ হইবেন। এই ভন্তই চারিসম্প্রদারকে শাল্পে 'সাৰত সম্প্ৰদান সংসম্প্ৰদান' প্ৰভৃতি নামে সংক্ষিত করিখা ইছার যে কোন একটি সম্প্রদায়ভূক বাতির তৎসম্প্রদায়স্থ गद्धक्राल 'निकिना ७' এवং চাन्नि मन्ध्रनात्त्रज्ञ বহিচ্চিত যে কোন অসাম্প্রদায়িক ব্যক্তির সম্পাদার্থিকীন মন্ধ কথনও সিদ্ধিপ্তম হইবে আভিক্তিবিনোদস্মাণ্ডিথি नां, कागाविशास्त्र ।

পক্ষাক্ষ্যে, ক্লমাম্প্রদায়িক মতসমূহের প্রবংশর সন্মপ্রথমে ১৪টি দার্শনিক সভের সংক্রিপ্ত বিববণসমূহ লক্ষা করি। ভাষাতে আৰম্ম বেখিতে পাইভেছি, চাৰ্কাক দৰ্শনে

করত প্রত্যেকেই শ্রুতির এক একটা 'ভগবান' বলিয়া কোন বস্তুই স্বাক্ত হয় নাই, বেদও অসীকৃত হটগাছে, দেহাত্ম-বুদ্ধিনিশিষ্ট হইনা কেনল দৈহিক স্থ-(क्रांटिशत Cbहार है हारामत अक्सा क सर्या -রূপে নির্দিষ্ট। ভক্তির নামগন্ধও ভাহাতে নাই! বৌরদর্শনেও আমরা উপায়া. উপাসক ও উপাসনার নিভাতের কথা দুরে থাকুক, ভগবানের অন্তিম্ব স্থীকৃত হইয়াছে বলিয়াও কোন প্রনাণ পাইতেছি ना. त्रमञ्जीक्ष ध्य नाष्ट्र, प्रक्षाष्ट्र, मुक्र । धरेकक श्रापुतारण महारमन माह्यानारक 'প্রচ্ছন্ননৌদ্ধনাদ' শব্দে গছণ করিতে গিয়া বৌদ্ধবাদকেও নিন্দা কবি গ্রছেন। বেদ্ধ বিধি না মানার মহাপ্রান্ত ট্রাটেড ক্রছেব ' বৌদ্ধগণকে 'নাভিক' নামে অভিহ্তি করিয়া বৌষ্বাদের অসংসাম্প্রায়িকতা জ্ঞাপন করিয়াছেন। আইতদশনেও ভগবান্ বিষ্ণুর কোন কণাই নাই, বেদও অস্থীকু ত হই।ছে। জৈনদি।খন আহতকেই ইহারা পর্মেশ্বর বলে। নকুলীশপাশুপত দর্শন ও শৈবদর্শনের মত প্রায় একর্প। ছই দর্শনের মতেই শিবকে স্বতন্ত্র পরমেশ্বব বলিয়া স্থীকার করা হইয়াছে। ইছা বেদপুৰাণাদি লাশ্ববিগহিত মত। শান্ত ব্যিগছেন,--থিনি প্রমেশ্বর নারায়ণের সহিত ব্ৰহ্ম৷ কন্তাদি দেবভাকে সমজ্ঞান করেন, তিনি নিশ্চয়ই পাষতী। "একগা ঈশ্বর রুক্ষ, আর সব ভূতা।'' শিব—পরমে-খরের বিভিন্নাংশ তত্ত্ব-পরমেখরের প্রিথ-তম সেবক, ইহাই সাত্ৰতশাস্ত্ৰ সংক্ষনাথু-মোদিত মত। এই উভর দর্শনে এই সম্ভ ভক্তিবিষয়ক কোন উপদেশ नाहे ।

( জিদভিষামী জীমদ্ভক্তিজীয়ণ পুণী মহারাজ লিখিড)

ভগবছক্তি স্বহাট্টা অর্থাৎ ভগবছক্তির রাজ্যে পৌছিতে হইলে বে পথটা আলয় **ক্রিতে হয়, ভাহার নাম ভ**ক্তিপ**ব**় সেই পথটা আশ্রয় করিবার পূর্বে সাধকের নানা

প্রকার বিদ্র উপস্থিত হয়। আমরা শৈশবে ও যৌগনে জড়ম্বৰে প্ৰমন্ত হট্য। নানাপ্রকার ভক্তিবিরোধী সভ্যাদেব বশব্ভী হইয়া পড়ি, ডক্ষম নিজ কর্মানোয়ে দেহ । ও मन ७ छन अञ्चित्र १ हरेशा भए । ८कत्य ভাহাই নহে, औ, পুত, পিতা, মাতা প্রভৃতি चन्नांशा प्रसाशन । नानां शकारत्र वाधा (प्रशः তাহা ছাড়া সংসর ব্যক্তিগণ, নানাবিম উৎপাদনে প্রভাস পার, এমন কি দেবতাগণও দনে কবেন যে, ''এই ব্যক্তি ভক্তিবলৈ আমাদের পদগুলি অধিকার করিনা লইবে, সূতরাং স্পাঞ্জি ভিক্তি-পদটা যাহাতে লাভ করিতে না পারে, তঙ্ক देशटक नाना श्रकारत शहा स्वरक्ष गाउँक ।

#### বিশ্ব বিশালোর উপায়

🖺 ল কবিরাক গোস্বামী প্রতু বলিয়াছেন---

"৩৫ বৈক্ষর ভগ্রান ভিনের প্রব্ন॥ ভিনের স্থারণে হয় বিমা বিনাশন। **অনাগ্রে হয় নিজ বারিত গুবণ ॥** 

ভক্তিপথটা আল্লঃ করিছে অপ্রসর হইয়া নানাপ্রকার বিঘ উপস্থিত হইলেও বিদ্ন বিনাশের জন্ম সঙ্গু বারস্থারও অভাব नारे। (कवनगाळ श्रुक, देवस्थ्य, रूपवादनज्ञ পাদপদ্ম-স্বানপপ্রভাবেই সর্লব্যেকার বিম্নের বিনাশ হট্যা থাকে। ভক্তবণ কি শহনে, ফি ভোজনে, অহনিশ সরণ কীয়ন করিলেও भाष्ट्रण विभूष कनशंवाक माना श्रकारव आवन, कीश्वन, श्वत्यापित छ।यात्र मान करतन, উচোরা মধ্যে মধ্যে মাড্ডেসবালির অঞ্জান করিয়া জীবকুগকে আহ্বান পূপক ভব-रतारात खेरम ६ १ शायकण व्यक्तिमाम এবং শ্রীমহাপ্রদাদ বিভবণ কবেন। এই প্রকারে দাধুমুখবি । বিঙ জীহরিনাম আবণ ক্রিয়া ও ৬ জপ্রদত্ত শ্রীমহাপ্রসাদ সেবন করিয়া বহির্থ জীবকুলেরও ভজ্যু হুক্তি লাভ হয়, ভাহার ফলে সাধুসঙ্গ লাভের জন্ম অধিকতন কচি বদ্ধিত হয়। যদিও আদরের সহিত যে কোন তিখিতে যে কোন সমবে সাবুদ্দ করিলেই ফল ল্ভ হয়, ভাগা ধ্রলৈও কভকগুলি তিথির বিশেন মাছাত্রা আছে। তারাকে মাধ্ব তিথি বলে

### মাপবভিথি মাহাড্রা

खिल एकि विस्ताल केविन भटालव গাহিলাছেন, "মাধ্ব'ডপি, ভজিজননী, ষভ্ৰমে পালন করি।" বিশু ও বৈঞ্নের আবিভান-ভিরোভাব-ভিন্নি, শ্রীংরিবাসর প্রাভৃতি ভিপিগুলি মাণবভিপি। ভাষা ষ্ড পূপক পালন করিলে ক্ষর্থাৎ উক্ত ভিথিতে অসংসদ সক্ষতোভাবে বৰ্জন कतिया अवन कीर्डन, इतिश्वतरेवकरदत्र গাদপত্ম শ্বরণাদি করিলে সর্বাঞ্চলার বিমের বিনাশ হইয়া ভগবছজি লাভ হয়।

## হৈতন্যবাধীর কুলা

বিশ্ববৈষ্ণবুরাজ্যভাব পার্যাঞ্চপ্রবর ওঁবিশ্বপাদ এই এবির জিসিধান্ত সর**স্থ**ী গোস্বামী সহয়েকে জনৈক্লের উদ্ধারের জন্ম ভারতের বিভিন্ন স্থানে মঠাদি সংস্থাপন ক্রিণড়েন এনং ভদত্তগ জনগুণকে শক্তি-🔺 স্থার করি। সক্তেই - ક્રીપ્રકો હવાવી প্রাচারের বাবস্থা এবং শ্রদ্ধবোন ব্যক্তিগণকে মঠাদিকে কাস কলাইলা সাধুমঞ্চে প্রবণ-ক্তিন্তিন প্রয়োগ দান ক্তিয়াছেন। সমস্ত মঠানিতেই কীওন্যজ্ঞের বাসা সাধ্ধতিথির काताधनः इरेतं थाटक এटा भभाषक्रभ ভীমহাপ্রাসাগত বিভিন্তি হয়।

## ঞীভক্তিদিলোর-সারণতিথিমাহাত্ম্য :

ा अगिरि ३७डे ज्याहे मध्यानि তিনিটা আমাদের প্রম বর্ণীয় ভিপি ছিল। ত্রী ভিডিটো ছী ভাষ্ট জিলিলেক আবল ভিপি। नी ज

उदेशांकण : दिरमाम है। युरवन

26

উক্ত ভিমিতে ঠকবেৰ জনাৰগাঁৱ কুণে তিক । স্থাবদাদি করেন। की हुन লোক জীহাদের সভনগণের বিবহতি।থকে বর্গোকগত স্বজনের স্বান্ত্র করিয়। শোক ভংগে অভিন্ত হইটা পাকে, মান মোহে का एक रहेश शहर, किन्द्र हो अक्टेन्स्टरन ভিলেভার-মিথব, নৈম্বের গুণাবলীর, देवसः तन्त्रं काप्रवास्त्रात् व्यवस्थान काम् ॥ स्ट । क्षीतक्षेत्रवेदवक्ष्यं अभिन्या ज्ञानाकः, ज्ञान्त ७ অমৃত ৷ স্থাত্যাং উল্লেটবন্দ্রের বির্থ-ভিথিতে ঠালেকের পালপদা স্মারণ করিলো র্টাপর চিত্তকর্ণির অক্সাভিল্যে, করা, कार्नाम आहरू मन अमसारम विपृतिक ২০০ চিত্তদৰ্শী নিমাল হয়, তথ্য নিমাল অন্তঃকাণে জাব প্রেইরূপে সেণাগোদ প্রাপ্ত হল, পান্তবিবাদ থাকে লা, স্মারারত রুলের উপরে চিত্তের উন্মন্ততা বিধান করে ত্রের শুল্ডা লাভ করিয়া মাধুরাগৌরবে নিবতুর ভব্তিতে বিমোদ লাভ ঘটে।

উট্টভিজি শিলোদনিরখমছোৎসবটি স্তষ্ঠ ५८५ अनुम्लानन कतिनात क्रम औष <u>शास्त्रभारतत्र वार्यसम्बद्धियस्य त्राज्ञमञ्ज</u>त মহাত্র স্পাদক ও গোড়ীয় সঞ্জপতি শ্রীপাদ অতুমণ্ড বনেদ্যাপাধায় ভব্তিসারক গোষানী ছতিশালী প্রভু মহোংসবের कर्धकितम शुरुरदे कलिकाका है। छोड़ी। মঠ হটতে এবং শ্রীগৈতসমতের অফুডেম ট্রাষ্ট্র শ্রীপাদ পরমানক প্রস্কার্য নিজাবত্ব প্রেড় স্ত্রীভবনেশ্বর হইতে আগ্নন করিল-ভিবেন। মতে। ংসর দিবস অরুপোদ কাংল श्रीभुक्ताहम भठे इहेरड धक्री मर्ड हम महाम्बक्शव শোভাষাঝা বাহিন হয়। শ্রীপাদ ভিক্সিবিক গোস্থামী প্রাংর আয়ুগভ্যে

ই ল হরিলাস ঠাকুনের সমাধি-মন্দিরে গভ্য বাদ দিয়া — ভাঁছাদের পাদরকে মন্তক উপস্থিত হন, ডক্তগণ সমাধিমনির পরিক্রমা ও বন্দনা করিয়া হরিনাম দর্ম ওন করিতে করিতে শ্রীল গদাধর পণ্ডিত গোম্বামীর পুজিত শ্রীটোটাগোপীনাথের শ্রীমন্দিরে উপজিত হট্যা কিছুক্রণ হরিকীর্থন করেন। ীগোপানাপের সেবকগণ গোস্বামী প্রভর **अगःम्हल भारताशीनात्थत जामानी माना** গরাই। দিলেন। তথা হইতে ভক্তগণ ষ্ট্রীঃবিনাম সম্বীন্তন করিতে কবিতে নগবের कियमः । ५ तिएत्या कतिम ज्ञीश्वकरमञ्जय मर्फ अञ्चागकम कनिर्वाम । भरत मर्रेटमवक-श्र विक्रिप्त रमदाकार्या नियुक्त ब्रहेरमन । অপণাত্র প্রায় ৫ ঘটকার সমন জীপান ভক্তিসারত্ব গোস্থামী প্রভূব ইচ্ছক্রেশে ভজ্ঞগণ হরিনাম সংকীন্তন কবিতে করিতে ত্রীম্মহাপ্রত্ব বিজ্ববিশ্রহটা ভজিকুটা कर्ना । কটতে পাণ্ডকৃটিছে আন্নান শ্রীবিগ্রহটি ও ওরবর্গের জীমুর্ডিগুলি দিরা উক্ত ভিপির অবেধিনা কবেন, পুস্পালো বিভ্নিত হইষাছিলেন। স্যাগত ভ্রেমতোদনগণ ও মহিলাবগ জালিপ্রের ভুবন্মোচন মৃতি দশন কবিষ্য প্না চইংল্য **७२९८त है। धतरका दिता स्थान का** । कड़ेला। *स्टब्स् १*०क

হরেক্স্য দ্রে অধিবারে মহাশ্য ওণ্টক, শর্ণাণ্ডির গান । "আগুট্রারা" কীওন কণেন, তৎপরে ঐ্রাচ্চ ভব্তিসাব্দ প্রেয়ামী প্রেডু আনের মনী ভাগ্য সাড়ে সাত ঘটিকা श्राप्त है, भ्रष्ट्रहियों, स्मार होक्य व व व्याप्तिक खगाः भी को यम कतिया ८ धाउतासत हिस काकम् करतन। शर्व अधि तर्धि ३२ ঘটিকা গ্ৰাপু সম্পত্ত শত শত সজন, काताराबुक्तिनि ।, भूग, हाभा, ति लिय गठित रेनकनदुन्त अञ्चलिक विजेश क्रीमश्राक्षमाम ति इत्रव क्ता इत्। आवाम अत्योगी अहर স্থবারত। ও অনুস্থ <sup>কারিল</sup>ন ভর <u>রে</u>ং क्रिशाम अनुसार वर প্রভূব কাগ্যকশগভায় মটোব্যর স্থানসাম্ভিড চইসাছে। প্রিড জ্ঞাপদ সিদ্ধান্ত বহাচারী ভাতপারী প্রভ এবং श्रीताम शामनाजन है। १ म नहीं । जन्म প্রান্ততি রক্ষতারিগণ্ড অক্লাপ্ত প্রিশ্রম কবিরাছিলেন। সেকেও অফিসার শ্রীশৃক্ত বজ্ঞাহন পটনায়ক, নিজ্ঞান মঠের মহাস্থ মহালাজ, হলুমান খুটালা আড়ডি সজনগণ मरहारमरन स्यारभाग ଓ शरीरतकशामि কবিনাছিংখন। ভঙ্গন্ম হাঁহোৱা ধন্তব।পার্হ।

## শ্ৰীমূত সুদৰ্শন বাবুর সেবার দ্ব

श्री हरातान काशकी द्वार के कारतात करा অর্চানি গ্রহমণে জগতে অবতীর্ণ হন। তিনি ফডজের যোগ গ্রহণ করেন না, শুদ্ধ ভগবন্ধকের দেবাতেই ভিনি প্রীক্ত অক্রোদর কার্যন ক্রিতে প্রিতে নামার্টার। হন্। তাই আমরা যদি ভগবছকের আর্থ-

अधिविक न। कतिया श्रीविधारकत त्यवा করিবার অভিনয় করি, ভবে সে সেবা তগ-বানের পাদপ্রে পৌছার না-- "আমি কুণীন, আমি পণ্ডিত যা আমি ধনী—বহু অর্থ বাং৷ করিয়া বিবিধ উপচার ছারা যথন পুঞা করিবার আয়োজন করিয়াছি, তথন নিশ্চ ই ভিনি আমার প্রদত্ত নৈবেম্বাদি গ্রহণ করি-বেন" অহস্বাগনিমূচ চিত্তে এই প্রকার বিচার অবলম্বনপুর্ধক আমতা যভই সেবার ঠটি দেখাইতে চেষ্টা করি না কেন, তাগ কেবল বাহাডিখনেই প্রাবসিত হয় মাত্র। আবার নিজেকে শুদ্র অভিমান কবিয়া অস কোন আকাণ্যবোগ্য আকাণ্যবাক বেতন দিয়া ভাষাব দারা শ্রীবিগ্রাহের দেবা করাইবার চেষ্টা করিলেও শ্রীবিগ্রহসের। হইবে না, কারণ ভাড়াটিয়ার দারা সেবা হণ না। ভাড়াটিয়া ব্রাহ্মণকবণণ ভী।বিতাহ **८** भवा ना कतिया कनत्कत्र ८ भवा कतिया शास्त्रम् । ज्ञांशास्त्र शाला वक्ष कविया দিলেই কণ্টভা প্রকাশিত হইয়া পড়ে। যদি ভাডাটি 1 সেলককে বলা যায়,---''আমাৰ এখন অর্থান্তার ১ইয়াছে আর বেওন দিতে পাৰিক না: ভবে আমি বেভন না দিলে : ভোমার নিভা ফোবং ভগবানের দেশা

যপানীতি কর। শেষ্ট ভাড়াটিল ওদতেই বলিবে, ভোমাৰ ঠাকৰ-দেবার ব্যবস্থা ওমি कत आणि हिल्लाम-हिका मा भादे ज সেবা কলিতে পাবিব না। এতভারা স্প**ই**ই বুবণ যায়, সে ব্যক্তি কাছার সেবা কভিছে-ছিল। এই ছনিশার প্রায় সক্ষরই ত্রীনিগ্রহ **टमदान छट्टा उट्टे अकात उक्छी नक्षमात** কাগ্য চলিভেছে অথাৎ দেবাব পরিবটে সেবাপরাধ হইতেছে। ভগতের অধিকাংশ त्वाकडे श्रष्टिविकात्वाट्ड शा हा मिन्ना (पर. ভাহাদিগকে সভা কণা নলিতে গেলে ভাষা ভনে না—বুঝিবার চেটাও করে না, বরং ভিতে বিপরীত ঘটাইতে উদাত হয र्वाक्षित्र हुन्य ५ क्यांकरक्षमा कताहै कविष्ट ফীবের বৃদ্ধি। ভূবে কোনকোন ফাগাবান বাজি সংসঙ্গ পাইলৈ সাধ্যমে নিছক সভা-কথা দ্রবণ কবিয়া ভাঙা বনিতে পাবেন এবং বঞ্চকণণের ক্ষপটভায় না ভূলিয়া সভা প্রতে। চলিবার জন্ম উৎসাহবিশিষ্ট হন।

পুরীনিবাদী ভতপূর্ব জেলা মাজি-८हें गाञ्चता जीवृक्त तातु खूलनीन मान महानग्र বিশেষ মৌভাগাক্রমে একটা বিচার অবল্যন कृतिहार्कन, छोडा विस्मय अम्भः गार्क । বৃদ্ধিমন্তার প্রিচায়ক। শ্রীমশাহা প্রভিন্ন অভিশয় প্রিংস্থান বিপ্রালম্বকেছে আলবর নাথের নিকটণভী ব্রঙ্গাগিরি নামক স্থানে टै। हात अक्ति विकृत्मतात वावचा चाट्छ। সেবাটী ভাড়াটীয়ার থারাই সম্পাদিজ্ভইলা স্থাগিতেছে। ভাগ্যক্ষে তিনি খ্রীগৈতত্ত্ব-

সরস্বতীর অভুকম্পিড কাহারও মুধে প্রীচৈতক্ষবাণী প্রবণ করিয়া ইছা বৃথিতে পারিয়াছেন যে, "ভাডাটীয়ার বারা সেবা---সেবাপরাধ মাত্র।" এই **জ**না তিনি দেবদৈবার ভার যোগ্যপাত্তে অর্পণ করিবার সম্বর করিয়াছেন।

## **তুঃখরূপিশী ভগবৎকরুণা**

( 2 )

অভাভিবাষী ঐশ্বামদমন্ত জীবগণ নিতা সম্পৎপূর্ণ শ্রীরাধাগোনিজের পাদপত্ম বিশ্বত ক্ট্রা থাকিতেই ভালবাসে। ভাহারা ধনে কনে, গৃহে পিত্রে উন্মন্ত হইয়া অভিতৃত্ ভোগপ্রাপ্তিকেই ভগবৎকর্মণা মনে করিয়া জনে নিণতিত। কিন্তু স্বীভ**ক্ত গহাজন** গাহিগছেন,---

की है क्रमा इंडे ग्ला कुश मान । বহিন্দুথ ব্যক্ষভন্মে নাহি আশ ॥ মার্বি রাগ্রি যে। ইক্ষা ভোষারা। নিভালাগ প্রতি তুয়া অধি**কারা** ম मत्रशात्र ७ क कार्यन, खेर्ति यथन তাঁগার গুভি বে বাশস্থা কলিভেছেন, ভাষা

তাঁথাক্ট কোমল করণ কল্যাণ হল্পের দান। ভাট তিনি ভাগনতীয় বাণী শিরোধানণ পুদক একান্ত বিশ্বাসনম 6েছে.—

''ভাতে হাট ক'লাং স্থানীকামাণো ভুঞান এবা যুক্ত হৈ বিপাক্ষ। অঙ্গালু ছিলিদনরমান্ত জীবেত যো মুক্তিপদে স দায়ভাক্।"।

—এই গাঁতি গাহিতে গাহিতে ছঃখ-বিপদকে বৈকৃষ্ঠনাতীর পাথনিবাসকটের স্থান कान करतन। इःथ डीश्रमिनाक स्थर्न করিতে সম্পূর্ণ শক্তিমীন হট্টরা পড়ে। কবে অ্যাব্য নিজক্ত ছটেন্বরাশি ভোগ ক্ষরিতে ক্রিডে উমিদ্বাগ্রতের **উপদেশের অভূসরণে সমুদয় বাকা, মন ও** ८०२ वृद्धित स्वत् अमेरकरमञ्जूष अस्य अस्माक চরণাব্রিন্দে প্রতি বিধান ক্রিব ? ক্রে ভীবনের প্রত্যেক কর্মপ্রেটার জীছরিব কুণাবন্দনশাতি মন্ত্ৰত হইল উঠিবে 📍 👅 ৪ বেদনার বস্ত্রাননি তথন আর ভীতি উৎপাদন कतिरछ भातिरत मा, मर्मारकत कक्षनाम्छ-गरती (नारकत क्रम निवामक नताइ) कतिद्य । नद्धकत्रादक खर्यन दमनाधानुत 5814 I रमनाबिदक्डन नामना ধোদ भत्राभाष्य वाष्ट्रव क्षावारमञ्ज व्यामक मन्त বিত হাজের অপুন ছাতি তথ্য অন্ত कःरमान व्यक्त कात अन्यक्तात्व श्राविष्ठे करेवा গোলোকপতির অনম্ব क्रभार 411 বিখোগিত করিবে।

**শ**ক छाब स्रदब मण्णाम विभाग ( কবে ) প্রভার মহিমা গাহিব। সেবাধ্যিত নিয়াশ/পীড়িড क्रप्रत कार्टनांक कार्नित ॥

गाताण चंत्रम गाता विस्थान সারা প্রভাত সন্ধ্যা বেসা ।

শ্ৰন্ধা-শিশ্ব-শিক্ত কুলুমে करन माञ्चाहेव सञ्जूषाना अ

# গ্রন্থ পরিচয়

শীমবাহবি ক্লাবৈপায়ন বেলব্যাস-প্রাণীত মূল, শীমন-মধ্বাচাৰ্যা-কড়া ভাৎপৰ্যা-নিৰ্ব্যটিকা: শ্ৰীমদ্বিখনাথ চক্ৰবৰ্ত্তী ঠাছদ-ক্লভ দারার্থদশিক দিকা, বলাফুবাদ, সংস্কৃত অনুয় ও দেই ক্ষের প্রতিপাম ক্থাযার, **অ**ণ্যায়ের প্রথমে ঐ অধ্যারের সারসহ শ্বিশৃত তাৎপর্যাদি নির্ভ। প্লোকস্চী विवत्रकृती, व्यभावनिवत्रन, शाब ७ वानकृतीम् छेद्रम কাপজে উত্তম ঋকরে মুদ্রিত। প্রথম হইতে ১০ম স্কণ্ পণাত ছাপা স্পূৰ্ণরূপে শেব হইয়াছে। ভিক্ষা প্রাথম रुष्टिकु कैस कक विशेष्ठ २०१०'०; स्वास कक ०००; PNS 80 1

## **এটি টিড প্রার্থিত**

শ্রীইমছন্টিবিনোদসাকুর রচিত 'অনুভপ্রবাহভাগা' ও প্রীশ্রীমন্ত্রকিনিক্ষান্ত সর্বতী গোলামী প্রাচুলার লিখিত 'অফুভাষ্যে জুভি-মুণ্ডাদি বহু শান্তপ্রমাণ-স্থলিও ১ইয়া क्षकां भिष्ठ व्हेशार्कन । स्थारकत्र मात्रयना (थ)! व्यक्तिस्त । প্রতোক প্রারের পুরে সংক্ষিপ্ত অভিনেয় সংযোজিত। थारहाक का गांव-थाविरश्च क्लांशांत CH हवा जारह । Chife, প্রার, শাস, স্থান, পাত্র প্রাঞ্চর ১বুলং পদী ও প্রস্কারের । ভিক্ষা ২, এক টাকা মাত্র। रिकुछ कीवनी ममसिक उहेकल अङ्ग्रेशन मध्यतः हेरःलुक कुकालि आकाश्विष्ठ वय माहे। छेठ्य काश्रक शासिलातित । (सप् छोका, एक श्रम व्याप्त ষ্ঠিত সুধা ক্ষেফারে মুধ্যাশ মুদ্রিত হইরাতে। এর প্রায় >४०० शहाय गुल्या । जिल्ला वस्त्रमारन कर मार्ख ।

### জ্ঞীতৈভয়ভাগৰভ

अबकारतम कीवनी, अञ्च शतिराक्रापत कथामान, विञ्चल নেট্রীয় ভাষা, শক্ত্রী, প্রার্থ্যী, বিষয় স্থান পাত্রাদি-হুটা, প্রছড়ি বিবিদ বিষয় সংক্রিত বিরটে বিভাগ সংকরণ धनम क्रांडिन **৮ (शङी चाकात्र। चा**पिमीना ९ मटात्र কিয়নংশ প্রাকাশিত ক্ষ্যাচেল। জেমে জেমে প্রকাশিত চততেছেন। অতিম চিকা ে টাকা, আদি দীবার 1800 C 1

#### শ্রীটেড কা মালস

এই এন্তের একপ অভিনব স্থবর সংকরণ আর কুঞাপি ध्यक्तां बाह इस बाह । अध्यक्ष (अभिकारमात्र व्यवस नक्षाधनान, खामा, कथामात, तथा आकृष्टि मह चटल ॰ टल लाका विल ভইবাছেল। মূল মোটা অঞ্জে ভবল ক্রাউন মাটপেলী इंटम्ह्राट्स छात्रा इदेशाट७। भूगा २॥० छोद्या - मीमा প্রকাশ ও গৌছীয়ের আহকগণের পক্ষে ১॥০ টাকা।

#### ্ **ঞ্জিছ**গ্ৰদ্গীতা

- अटलोड़ीय देवकवाहाया अध्याक्ष्ण त्रनिकहुड़ार्यान **ই.জবিখনাথ চক্রণটিসামুর গোখানিরভা** সারাথবিংগী টাকাসমেতা ও প্রীক্রীমন্তজিবিনোদ সাবুর-প্রণাত ভাসিক- | क्रकां मामक ভाषाध्यानामहिला । अवायक्ती, माइकातरम (लाक-क्रो,विश्व-क्रो,खश्कात्वत कीवनी ६ क्ष्यं दर्भावकां भ বচ্চ-ভাতে বাব্যস্থান সহ উৎকৃতি বাধাই ভূতীয় সংক্ষণ--- এই সাজ अश्क्यान्य किका २ है कि गांध, मारावन मरध्यन-->॥• क्षका माज

## শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

ও বিষ্ণুপাদ এতীমডভিসিভাওসরঘতী (गोचामी महाबाद्यक तर विकानिकारिका कीवाज्यकाटभाटवाधिनी क्रक-कार्काननमात्रिनी कोवल-वाधाव শুর্ত-বিগ্রহ---বৈশ্ববসিদ্ধান্ত-রত্ত্বয়ালার কৌলভ্রমণি--সম্প্রদার বৈভৰ্ষিজ্ঞানাগারের মৌলিক তথা-পঞ্চরাত্র ও ভাগ্যতের नमम्म धल-महास्मा-सीरमहिष्ठ-निक्षक-हिष्कांमहित्रात-প্রজিশন্ত, তপা ও বিবৃত্যালিয়ক। প্রতি ক্ষের আদিতে অচিমাত্ত-বিচারক-ঐশব্য ও মাধুর্যরমের মৌলিক গবেষণার ~সম্বন্ধ, অভিনেয় ও প্রেরোক্তন-ওবের সিক্ষান্ত-স্মান।

> ১। প্রথম খণ্ড—বৈষ্ণবদর্শন, শ্রী ওরাওর, কাল-ধর্ম, শ্রীমধ্বাবিভাব, শ্রীবার্বভানবী, পাঞ্চরাতিকী দীক্ষা v9 वर्ग विठात, काषाभर्य v8 मत्नामय, श्रीटेडल्लामव e ভাষার শিক্ষা, অপ্রাকৃত স্থক্ষণত্ম ও প্রাকৃত স্থল্য প্রাক্তি বিংশতি সংখ্যক রছে অংশাভিত। ভিজা মাত্র জাতি-দ্বতি পুরাণ-প্রধান্তাদি সাহত-শাসসমূহের প্রমাণাবলী ৮০ বার আনা।

১। বিভীয় খণ্ড-- গদা ও বিদ্যাভিতি, মন্ত্রোর ্ঞাচতা কোথায়, মাত্মার নিত্যবৃদ্ধি, জীদর স্বামিণান ও भागानाम, क्रीरशीत-निज्ञानमञ्जयक, विदुर्शत एक 🥺 क्रक-कैछिन, जीतामश्रकाय धीमदाशदरतत कैछिन, छारशीत-ধানের মহিমা, মহাপ্রসাদ, জ্রীবোরিক, প্রীক্রপান্তক্র-लल, जीअही वरकाकुनिकती, ब्रीटेन्डरखंड क्यां, ट्रांटेनकरना

लाभम व विश्वीय-कृष्टे च छ यक्त व नहीं न किया । प

#### 📲 মন্ত্রগবদগীতা

ব্যে হীর-বৈক্ষবদাশনিক-শেষর জাতি,মন্বলনের বিছা कृषनकूळ ভाषा **७ अध्यक्ष**कितिरनाम शाकुत्तदशाक्षण तक्ष-ভাষায় বিশ্বত 'বিগ্লুরঞ্জন' নামক ভাষ্যুক্ত। অধ্যায়-ও প্রতি সোকের প্রথম ও কতা, বিভাগ্যট পাদ স্ঠা, ভাষাকারের কীবনী প্রাস্থ স্থাল্ড। উংরপ্ত ীানাই, রাজসংকরণ ( চুতীয় সংকরণ ) এছের कि २ हैं:411

#### প্রথেয়রতাবলী

द्वीमरक्षास्त्र विश्वाद्यम्-स्र्वीष्ट (तपन्त्रम्यम् सम्ह छ .পারিন্দ-ভাষ্যাদি পড়িবার প্রথম এছ। 🗦 উংকর কঞ্চিতে ছালা। স্থানম্বত টীকা ও আন্তর্গনমান্ধাদ-সাংধ্যা काछ महरङ वाशरकत्रक (नाध्धम) इच्या पारक। छिन्ध

#### **बीबनदीशनामगाशका**

( প্রমান্থ ও ) সাম্বাদ। এটি - মুডারার গ্রামে শ্রীনব-ভাপের যে মহিমা কীণ্টিত আছে, তাংগার মূল সংগ্রত ও অসুৰাধ। ভিকাত আলা।

#### **এটা নিবদ্বী পতাবভরত্ব**

শ্ৰীঠাকুর ভঙিবিনোদ লিখিত। খুলালত গাতাকারে পরিক্রমায় দ্রহ্ব্যাদি-বিষয়ক। ভিন্দা। আনা।

### ভাজিরত্নাকর ও নগ্রীপ পরিক্রমা

জীল নরছার চক্রবন্ধি-চারুর রচিত। ভজিবদাকর চুট্তে প্রিক্রমাণে মাত্র গৃহীত; জীলীব গোখামী কি लकात क्रैमवधालधारमत लासकमा क्रमिशक्तिम, छाराहे P.(১ বিবৃত্ত। ভিক্ষা । প • আন)



শ্ৰীৰ ভবিমাৰ ঠাকুর-প্ৰণীত। ইহাতে প্ৰীচেত্ৰেৰ भिकालगानी-इस, इसमिक अत्रा-तक अमक कीत-অচিন্তা-ভেদাভেদ-তন্ত্ৰ---সাধন-নিৰ্ণয়---প্ৰয়োগন-ভদ্ধ, কন্দ্ৰ-का छ. आध्रमापित विहान-देवनी छक्ति, छावछि । (अमङ खिनर भागक्तन-अनानी **७ बहेरानी** होता-পরিচয়াদি প্রাণম শিকাণীর উপবোগী করিয়া সরল ভাষায় সমুদয় গুক্তিপ্রমাণসহ লিখিত আছে। চ্ছুর্থ সংস্করণ বাদা २ , होकां, श्रावाधा ১०० हाका महिला

### গৌজীয়কণ্ঠহার

द्यारशो क्रीय-देवकाव पर्यंत व्यक्षक्त कर्छ भावनरमाना বিষয়বিভাগ শ্রমে সাম্বার ও ক্ষিত। এইরূপ বৈঞ্ব-সিদ্ধান্তের সারসমন্ত্র অভ্য কুরালি প্রকাশিত হয় নাই। ইহাতে গুৰুত্ব—ভাগ্ৰত- বৈক্ষৰ—পৌর –নিত্যানক— অনৈত-রুফ-শক্তি-ভগবদ্রন-জীব - অচিস্কাতেদাতেদ --- व्यक्तिस्य--- भाषनञ्जि-- वर्गभयं -- श्राभग-भयं -- खन्नाम —জীনাম—প্রয়োমন ও প্রমাণ তার হলি পুথক্ অধ্যায়ে ম্বৰুৎ লোকাদি স্চীমত উংকৃঠ এণ্টিক কাগতে ব্ৰেঞ্জ ও ক্রম্পন্ধীস্তন---চতুন্দল অপুন্ধ মধুবিমাপুণ-বড়তা-বিভূচিত। ব্ল কালিতে মুদ্রিত, উচ্ছই বালে মোনার এলে নাম লেখা। ্রান্ত প্রায় ৪০০ পূরায় সম্পূর্ণ। ভিজন ২, টাকা মাজ।

### **बान** नहीं श्राम- अस्ति नहीं

লীমলভজিবিনোৰ ঠাকুর-রচিত 'বাম্মাহাম্যা-পাম-মাহায়ে।র সামুবাদ জমাণ গও--- शैल । নরহরি চক্লধারী ঠাকুরের ধাম-প্রিক্তমাংশ---জীনাম নব্দীপ প্রিক্তমা---জীপ-বাতা প্রতি-দ্বীমং প্রবোধানক্ত নবদীপশতক্ষ---শ্রীমন্ত্রকিবিনোদ ঠাকুরের শ্রীমব্বীপ ভারতরঙ্গ প্রভৃতি গ্রন্থ একর ভিকা ৮০ আলা মাত্র।

#### এইরিনামায়ত ব্যাকরণ

জীলীৰ গোন্ধামী প্ৰভূপাদ-নিব্যাচিত হ'ল ও বৃত্তি, ভংগ্ৰে ওবিকুলাদ জীমন্তজিশিকাম সরম্বতী গোস্বামা মহারাজের বিস্তুভূমিকা ও হচা প্রভৃতি সং। অপ্রোশিতভাবে স্থাও। ভিকা ২, টাকা, ছাত্রগণের পকে সাত টাকা মাত্র।

#### বেদা ভত জনার

**अभ्यामाभ्रक्षानाया-त्राञ्छ । त्रागारस्त्र विशिक्षेटियल्यान-**প্রচারক জীভাষা-প্রবেশ্চা মাচাগা প্রবর বেদাঞ্চলন পাত্র चेल्लाओं क्यूनार्थ एहे डेक्टम क्यित्रारक्त हैकार বঙ্গাসুবাদ ও স্তীপতাদি সংযোজিত করা হইয়াছে नाम भाज किला ॥० कामा।

#### ঞ্জিতেভাচজামুভ ও নবছীপশঙক

লোরপার্যন ডিনেন্ডা আমৎ জবোধানন সরস্বতী-প্রণীত মূল, প্রতুপাদ জীমদ ভক্তিসিদ্ধান্ত সরহ নী োহোমী মহারাজ সম্পাদিত অহমমূপে ব্যাথ্য ও বলায়বাদ সম্বাদিত। মধ্বীপশতকের প্রীভিভিনিমোদ ফাকুরের পভাস্থবাদ ভ তৎসহ শ্রীমন্মহাপ্রানুর একটা ক্রিবের্লিড আমৌকিক চিন্দ क्षाप्त कडेगारा १ अन् ७ काल्क फेरकडे (२ धन्न একতো ) ভিক্ষা ৮০ কালা, অতি প্রধ্যা বাধাই স্বাজসংকরণ 🔍 हाका गाज।

## €0.

শীমধ্জিবিনাদ ঠাকুর-প্রণীত। এই একমাজ গ্রন্থ-রয়ের জ্ঞান লাভ করিলে পারমার্থিক রাজে। কিছুভেই অজ্ঞান বা সংশয় থাকিবে না। পরম গৃঢ় ধন্মবিষয়ক এই-কপ সরল ও হৃদরশালী গ্রন্থ প্রথাস্ত প্রকাশিত হয় নাই। নিগিলগোল্বামি-শাল্প-মহোদধি-মন্থনকলে এই গ্রন্থাত উত্থিত হইলাছেন। আবার প্রবিশ্বত স্থানী, কণাসার ইত্যাদি গারা বিশেষ সমৃদ্ধ করা হইয়াছে। বিরাট গ্রন্থ, সোনার স্পলে নাম লেখা, উৎকৃষ্ট বাঁধাই—চতুর্থ সংস্করণ ভিস্থা ২ টাকা মাজ।

## প্রেমবিবর্ত্ত

শ্রীমন্থাপ্রেট্র অন্তর্ম পর্যাদ শ্রীল জগদানন প্রেট্ বিরচিত। এই পৃত্তকে অতি অ্থবোধা ভাষার মহাপ্রাদ্র কভিপর লীলাস্থ বৈশ্ববাচার, একাদশা ও নামভালন-প্রেণালী প্রান্থতি অনেক বৈশ্ববভাষের স্থামীমাংসা দেখিতে পাইবেন। পাদটীকার ছুরুহ স্থানের বিশদর্থি ও প্রান্থকর্তার পরিচ্যাদি-সম্বাহ্ণিত চতুর্থ সংস্করণ ভিক্ষা ॥ ৮০ দশ আনা মাত্র।

#### ভজনরহস্ত

ভক্তনকারীর নিতাসদী; ঠাকুর ভক্তিবিনোদের অন্ন্য দান; নিবিশ শাদ্ধের নির্যাস। গ্রন্থানি না দেগা পর্যাস্ত কেহ্ বৃদ্ধিতে পারিবেন না। ভূতীয় সংস্করণ ভিক্ষা ॥•।

#### হরিনামচিন্তামণি

ামাচার্য আল হরিধাস ঠাকুরের মুপে আমন্ত্রাপ্রভু শ্রীনাম-মাহাত্মা, নামাভাস, নামাপরাধ প্রভৃতি বিসয়ের যানভীয় বিচার শ্রবণ করিয়াছিলেন। এই বিসয় গুণির আতি সরল পশ্লারে সংক্ষিপ্ত মালয়সহ পরিপাটিভাবে মুদ্রিত। শ্রিল ভক্তিবিনাধ ঠাকুর-রচিত। পক্ষম সংস্করণ ভিক্ষা ৮০

### কল্যাপকল্বভক্ল

শ্রমদ্বজিবিনোদ ঠাকুর-রচিত। প্রত্যেক ভগবদ্্রানানী ও জ্ঞানপথের পথিকের একান্ত প্রয়োজনীয়
ভগনেশাবলীপূর্ণ সীতিগ্রন্থ। সামান্ত দেখাগড়া-জানা
্রাকেও এই ভজনরাজ্যের গীতিসমূহের বারা অনর্থনিবৃত্তি
ও ভগবংদেবা লাভ করিবার স্ক্রিণা পাইবেন। বহ
সংস্করণ, ভিক্ষা /১০ আনা মাত্র।

#### শরণাগতি

শ্রীমন্থ কিবিনোল ঠাওর-রচিত। ভগবানে আত্মসমর্পণ, বিজ্ঞান্তি, ভজনবালসা, সভ্বিধা শর্ণাগতি ও সিদ্ধি লালসা-বিনয়ক গীতিপূর্ণ, ভিকা ৴৽ আনা মাত্র।

### গীতাবলী

শীঠাকুর ভাজিবিনোদ-প্রণাও। নিতা ভলন, আরাত্তিক প প্রবাদ-বেবনাদি-বিধয়ক মধুর গাঁডবন্ত একত্তে এলিত। ভিকা /• আনা যাত্র।

#### **अगडवक्दक**व

সিকেন্দ্রক্টমোলি শ্রীমন্তিবনাথ চক্রবন্তী ঠাকুর-ারচিত বসগ্রহ। শ্রীমন্ত্রকিবিনোদ ঠাকুরের অনুবাদ-মুধ্য তিক্ষা। আনা মাত্র।

## श्रीवनश्री;

শ্রীনন্তাপ্তাল নিকা ও শ্রীন রখুনাথ দাস গোস্বামীর প্রতি শ্রীরূপ গোস্বামীর উপদেশবাণী, ভক্তিপথের অফুকুল ও প্রতিকৃল বিধয়ে স্থবিচারিত সন্মোদন ভালা, বিস্তৃত বিবৃতি, চরিতামূতের প্রমাণ, সাম্বর ব্যাথ্যা ও মহাজন-প্রণীত তছপ্যোগী গাঁতমমূহ প্রত্যেক স্লোকের সভিত্ব সরিবেশিত হইরাছে। তয় সংহরণ ভিক্ষানে জানা।

#### नावज-कन

ভীরঘুনাথ দাস গোস্থামীর মনঃশিক্ষা, ভীল ঠাকুর ভঞ্জিবিনোদ-চরিত প্রজাস্বাদস্য। ভিক্ষা ৴৽ মানা।

### প্রেম ছব্জি চব্জিক।

শ্রীল সাকুর নরোন্তমের জ্প্রদিদ্ধ প্রেমভকিবিনয়ক গানের পুক্তক। ভিকা৴• আনা মাত্র।

#### নবদী পশভক

শ্রীণ ঠাকুর ওজিবিনোদ-রচিত শ্রীণ প্রেরোধানন্দ সরস্বতীপাদের সংস্কৃত নবছীপশতকের স্থালিত প্রায়বদে। ভিকা /• স্থানা মাঞ্জ।

## অর্থপঞ্চক

শ্রীল লোকাচার্যারচিত। বৈক্ষবতা জ্ঞানের আকর পুস্তক। ভিক্ষা /• আনা মাত্র।

### **সদাচারশ্বতি**

শ্রীল মধ্বাচাগ্য-প্রণীত। বৈশ্ববের নিত্যকর্ত্মাদি সদাচারা-বলী, বন্ধানুবাদ সহিত। ভিক্ষা ৴• আনা মাত্র।

### মণিমঞ্জী

ক্বিকুলকে শরী শ্রীমরারায়ণাচার্যা রচিত। শ্রীমন্মধ্য। চার্যোর সংক্ষিপ্ত কীবনলালা ও মূল বৈক্ষবধর্ত্তমত। সাম্থ্যাদ ভিক্ষা। অন্যা মাত্র।

#### (भोत्रकृ (कामम

প্রাচীন কবি শ্রীগোবিন্দ দেব প্রণীত শ্রীগোরাবভারের প্রমাণাবলী-সংবলিত সংস্কৃত গ্রন্থ। ডিক্ষা ৮০ আনা

## युक्तिमञ्जिष ( भगदनीत्रक )

শীমধ্বসম্প্রদায়ান্তগত শীমনাদিরাক স্থামিকত। বলাকরে সাম্প্রবাদ এই প্রন্থের প্রকাশ পারমাধিক সাহিত্য-জগতে এই সক্ষপ্রেগম। শীমনাধ্বাচার্য্য কইতে গোড়লাগন্তন বিতীয় মধ্বাচার্য্য নামে খ্যাত শীবাদিরাজতীর্থ স্থামী এই প্রশ্নে দাধারণ বৃক্তি ও লৌকিক স্থায়াম্পারে কিরপ স্থান্দরভাবে ভক্তিবিয়োধি-মতবাদ সমূহ খণ্ডন করিয়াছে, তাহা পাঠ করিতে করিতে আশ্চর্ণ্যান্তিত হইতে হয়। ইহাতে যুক্তির বারা চাকাক্, জৈন, বৌদ্ধ, মীমাংসক ও মায়াবাদিমত-সমূহের স্থান খণ্ডন রহিয়াছে। ভিকা ২ টাকা মাত্র।

### ८भाषामी 🕮 म त्रम्माथ पात्र

(ওঁ বিকুপাদ জীগ ভক্তিসিদ্ধান্ত সরস্বতী গোন্থামী প্রেরুপাদ-লিখিত ভূমিকা সহ) গৌরপ্রের স্থারপ-রপের একমাত্র প্রিরতম জীল দাস গোন্থামী প্রভ্র জপুর্বা চরিভাস্ত ও শিক্ষা অতীব প্রাক্ষণ ও সমল ভাষার সমিবিট এবং পরিশিটে দাসগোন্থামী প্রভন্ন বিম্নচিভ ক্রেকটা সাম্ভবাদ মধুরভন্ন ভব ও মনঃশিক্ষা-সম্বাভিত। ভিকা বীগাই॥• জানা, জাবাধাই।৮/• জানা মাত্র।

## চিত্রে নবদ্বাপ

প্রাচীন নবৰীপের অবস্থিতি, তথা, ঐতিহ্ন, শ্রেতি ও ঐতিহানিক প্রামাণসংগিত নয়টী বীপের সচিত্র বিবরণ-গ্রন্থ। রাজধিরা ওসাহেব কুমার জীবুক্ত লরাদিলু নারারণ রার এম. এ, প্রাক্ত লোহোর), বেলাস্কর্তুবল মহোরত্ব কর্তৃক সম্মানতিত্র-সম্বিত ; প্রাচাধিক্তামহার্থন রার সাহেব শ্রীকৃত্ব নগেক্ত নাথ বস্তু বিশ্বকোক্সলাদক মহাল্যের বিভ্তু ভূমিকা সহ। উৎক্রট (ইং) মরজো বাধাই মূল্য ১৪০, ভিঃ পিঃ ডে ২০ টাক মাত্র।

## সাগক-কণ্ঠবালা

শুরুবন্দনা, নৈক্ষব-বন্দনা, বৈশ্ববন্দরণ, গালালের গীড়, শ্রীনামগর, শ্রীমধালাপ্রের অটোত্তরণত নাম, অইপ্রহর নামকার্তন, শ্রীনামগরীর্তন, প্রেমধ্বনি, 'বাউগগলীড়, নব্দনিপ-মতিমা; শ্রীমারাপুর মতিমা, শ্রীনরোভ্যম-প্রেত্তর অইক আচাধ্য-বন্দনা, বড়ুগোত্তামীর অইক প্রেমভন্তিক জিকা, উপদেশমালা নামভন্তন-প্রেণালী, মহাপ্রেত্ন ও রার রামানন্দ সংবাদ, ননংশিক্ষা, শ্রী গুরুপ্রণতি, শ্রীগুরু-পরম্পারা, মহাপ্রত্বর বন্দনা প্রস্কৃতিক প্রান্ধক ও বিশ্বজীবনের নিভাপারে, বৈশ্ববর্গালের কণ্ঠাপ্রিত ভুলসীমালার স্থায় অন্ত্র্পণ কণ্ঠে ধারণযোগ্য অপুক্র প্রর। ভিক্ষা প্রত্ব, বাধাই ॥ মাত্র।

## গোড়ীয়-গোরব

ক লিকানোর প্রাণিদ্ধ আলবার্ট হলে পৌড়ীর সম্পাদক
ক্রীপাদ ওন্দরানন্দ পরবিধ্যাবিনাদ-শ্রেদন্ত বক্তার বিধর
গ্রন্থকারে প্রকাশিত। ইংনতে গৌড়ীর বৈশ্ববশ্রস্থাধের
ইতিহাস প্রকারে গ্রনিত হইয়াছে। জিকা ৮০ নারে।

#### গোড়ায় সাহিত্য

কলিকাভার হুপ্রসিদ্ধ আলবার্ট হলে গৌড়ীয়-সম্পাদক শ্রীপাদ হুন্দরানদ্দ পর্যবিদ্ধাবিনাদপ্রাভূ প্রদান্ত বক্ষভার বিষয় গ্রহাকারে প্রকাশিত। ইহাতে সাহিত্য-শন্দের অর্থ এবং গৌড়ীয়-সাহিত্যের বিষয় স্থাকারে ধর্ণিত হইয়াছে। ভিক্ষা । ৮০ কানা মাতা।

### শ্রীগোড়মণ্ডল পরিক্রমা-দর্শন

শ্রীগোড়দেশের বে সকল স্থানে সপরিকর **জীময়হাপ্রত্** বেবং তদমূল পরবন্ধী মহাজনগণ দাঁলা করিবা গিয়াছেন, সেই সব আধুনিক ভোগোলিক পরিচয় ও দেববিগ্রহাদির পরিচয় সহ বাভারাতের স্থবিগা নির্দেশ ইত্যাদি বিষয়গুলি দ্রিবেশিত আছে। ভিক্ষা । আনা ।

#### THE HARMONIST

OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীল ঠাকুর ভক্তিবিনোদ-প্রতিষ্ঠিত এবং ঞ্রীল ভক্তিবিদ্ধান্তগরন্থতী গোলামী প্রভূপাদ-সম্পাদিত পারমার্থিক
মানিক পত্র। একংশ ইংগ্রালী ভাষার অন্তাবিংশ বর্ষে
ভবলক্রাউন ৮ পেলী ৪ ফর্লা আকারে প্রতি হারে হরিমানের বিজয়-বৈজয়ন্তী দইয়া উপছিত হইতেছেন।
কাগজ, মুন্তদ-পারিপাটা ও চিজাদি অভীব চিজাদর্শক।
এই প্রকার উৎক্রই প্রথম আর কোন মানিক প্রাদিতে
দেখিতে পাইবেন না। বার্থিক ভিকা ভাক্ষয়ত্বসমূহ ক্
টাকা মাত্র।

#### প্ৰাভিছান-

औरेक्डक्यंत्रेः त्याः ज्यामानात्रः नवीमा

## বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভাক্তমঠসমূহ

শ্রীতিভন্ম মঠ আক্ৰম মটবাজ

ता हीन सबदील, फांक्यत श्रीशाम भाषालुत, ननीता

শ্রীমালাখে। গৃথীয় কটাছে গ্রায় ৩০ গছ উত্তর-পূথে শ্রীব্রজপত্রতে আচার্যারত শ্রীচন্দ্র-(मभव-कन्द्रम औदिहरूक्क-मठ निवासमान।

बहे जान मार्क्क-वीर्थ, मधनिक भीते ना माक्क ककावती । ab प्रवानीत शिव्हिन माभाष्य नारिक नामि-त्रमान्यमञ्द, शतिकात व्यक्ति कारा, माठेक, धनवात, स्था श्रमाण-केन्- वन-केन्- मूक्- 2 हान- 5 क्रेट्रिक मनावन द मना लनः कतः क्राय श्रीकत-্লাবাঞ্চলাক্ত আই কা-বিভিন্ন ও নাজত সাম্মান্তিক-আচামান্চত্ত্র উচ্চাদের উপাত্ত विश्वरूक्त मार्कक मिका स्मिनिक वर्गराज्यम । कर्ष महेवारक भावमार्थिक रेमसिकमक मायक-मक्समध्यक का अकारण के के कार्तिय कार्यक्रिक नाताव करण 'नमीसा- वाकाण' ग्रहानक লাক্টিভ ভইন্তাকেল প্রাক্তিবংসর প্রীধাম-পবিক্রমান্ত্রাল ও অপ্রিত ভক্তেগান্তি ত ভীক্তন প্রচাহমুশে মঞামধ্যেশ্যর দি ভক্তাল মছাউড চচ্চা পাকে। একক--- ব্রহ্মচারী শ্রীলার ১৯০ বিজী : সভকারী - শ্রীলার বিলোমবিধারী ব্রহ্মচারী, পাঞ্জ শ্রীলার গোরনাস একচারী কাবাব্যাবরণতীর্ব, জীপার বীংটন্ত এছচারী, জীপার নলগোপাল একচারী. শ্রী অভ্যন্তমন প্রস্কার বি, শ্রীমদলগোণার অক্ষাতী, কক নরেল, তবিপদ, বেব হীমোতন श्रामुल महस्त्रभाग ।

िक्षण किया श्रीमद्राक्त असील कीर्य मधाराक व्याप्त करिका की केन करिएक हा ।

## ্ত : যোগলীত আমন্দির

क्र काम श्रीकरातार्गात्वत अनम ना Buneteime mifebia-bin ueitein-भेंद्रे। क्यारम डॉलक्सी श्रम व क्रिन्स्टिन Bulle Bienfanigien unt Biebieni 🦇 🗒 बाबाक्रतकत भिका स्था हुन। जीलक-कृत्वात (श्व) नक्षभान । वेक क---(नाक-प्राचाबद अभावायी कहे। हारा शक् मित्रभा-**क्षेत्रामाबिद्याम एक्टिस्यम, श्रीजनाम अष्य- । श्रीजनामड मा**ग्रा हाती। ज्ञीमांगनाथांग व्यक्तिकादी, दश्याच्या 無ちまるる場 !

## (৪) এবাল-অজন

ध्रम्मका शक्त कोका-निवास या विमास्थयत बक्कराती शिरमोत्रमीमात्र प्रामक्ती । जनारन अञ्चिरणांत विकाशिक के लक्क स्थात देशना न स्थान । aus a .... শ্ৰী পা ধা • জু ৬ম প্ৰশ্বচাৰী |

( e ) कार्ट्य ड-क्ट्रब

**बड़े कारन क्रिक्ट्रिक शहर करन जनर** त्रवा वक्षमान ।

इक्क -- अधिदकामम मामानिकादी. क्रिशाक्रममाम वावाणी।

(७) काकात अवाधि न हे

वाधीन माधालत, नामनलुक्त (मणीता) क्रिलोबङ्गानाक अहारकाचीव ममाथि। वक्रम -- बक्रहाशी क्रैविद्यानांव काती।

(4) **प्राप्तम प्रपर-पृक्ष** 

📆 । त्राक्तमः, पञ्चनगंत्र ( मणीवः) ) अवादम उतिकृतात जीन काकिनियमात्रहाकृदद्व मधानि वादः क्रिलोक्समायः वादर केव्यवामा-व्याग्रहेर देवा वर्षमान aus-किक्यम काकात अवताती

कुक्त विषी बन, बन, बक्त

## ৮ शिक्रामाथ दगोडीस मर्छ वहमन्ति ।

तक क--- है। बंधनंत्र क्रिक्स की द्रम, ज्र रि. खन, अञ्चारी--शिरेक साम अकि-माश्री, मेरिककाम सम्मादी अस्ति।

> ( > ) और शोब-श्रमाभव मह Sinte है। अयुक्त पड़, ( महायान )

क्रम नातीला: धर शांकिकिंट :आवटामाधव-साथ । मक्का में विभिन्नामन अधनामी, [:मना । त्रक्रक - व्योध्यत्रवाम त्रक्रकाती, एक

> ্ ১ • শ্রীরূপগোড়ার-মত का । शक्क, श्रामा १ व डे. मि रफ्षक -- - श्रीकरिकाम अञ्चलादी, भवकारी

(): औटमानसम्बद्ध -धाउँगाक, बाद्यग्रद, नद्द्रभागः। 🖺 नामित्र है है कर वस्तावत्वत जान । रमक-माइविश्वे युवागी, धक

(১১) ভাগৰছ আসম

🕮 শাগৰ জ প্রোণ, ক্লম্পাসর, নদীরা। ভাগৰ : শি**ভাস্ত** গ্ৰন্থাপনীৰ প্ৰচান-কেত্ৰ। 

CH RETARES (OC) ्राधिकपुर, देशका ी, नहींका ०४ - में ४० गानम बक्राती । महनावी श्चित्वनिश्व अक्षानी, जीवनश्मीत्र मामाधिकाती, श्रेष्ठाव भाषा, एक विषयाध

> ( ১৪ ) श्रीमाध्य दशीकीय मर्ड aoसर सवावण्य (वास्त्र), हा का 1 भूमायाम क्राव-त्वस्य वयात्व स्रोधकः

देशीकाक जाकका-शिविष्टक स्था वक्षमान । क्ष्मक्ष्यंक्ष नद्रविद्याविद्यान वि-व, श्रीश्राव- (১) শ্রীমোডীর মঠ

b मर वाशिक्षामात binनकी है। छै. (शा: नानवाकात, कशिकाका i किलिएकाम वि. वि. ४५: ६

শ্রীমবারা পড়র প্রচারিত শুনিক্তপ ভঞ্জিন্তা-প্রচারোদেশে গোড়াদেশের সক্ষপ্রধান भगती क्लिकाकाय श्रीकिकिनिस्मान सामरम स्थाप शाक्ष्रिक सार्कतः विदे সক্ষারামে জী এক-ব্রারাজ-জীবিনোলানক জীট সপাধ্যে নিজা যোল হল। ব্রাতীয় আচার্যাবর্ণের সার্ক্রীর প্রস্থাবনীর প্রপ্রচারোজেশ্ল ইমিসে সংলগ্ন একটা পুরুতং গ্রন্তা-মন্ত্রাণর সংখ্যানিত তইরাছেন। পুলিবীর সক্ষত্ত 🚉গোধনাম প্রচারার্থ এত ন্ত্রালয় व्हेट्ड '(शाक्षीय' अल्या'व्य भवा, कि क्याबाह्य यामिक भक्तिका हत्याकी काराव নিয়মিতভাবে প্রকাশেত চরতেচেন। শ্রীমতে পাত, সন্ধার্মন, সপ্রস্থান-চভুগুর-বেলাস্ক, শ্রীমন্ত্রাগণত, প্রতিভিত্ত-চত্তিভাষ্ গাদি-লীলা ও কর্ত্তাপ্তের সমাক আলোচনা ভতত প'কে। মঠবক্ষক--আভাষ্ণাত্র জ্ঞাপাল কুলাবভারী বিস্নাভ্যব। সহকারী --পাত্তিক শ্রীপাদ অন্তর্গান্তদের পর্ববিদ্বাভ্নণ বি-ত, লীপাধ রাস্থিতারী ব্রহ্মচারী, প্রীপাদ क्षणकारण मामाधिकाती वि-ध. जीलाम करणालाम मामाधिकादी, बच्चठादी लीकीस्त्रानक, उभागती लीलातीस्माञ्स, उभागती लीमण्याक, गांकक लालाव वर्गसङ्ख्य প্রশিক্ষাপ্রধার সম্প্রদানত্বৈ ভবাচার।, ইম্মর্মজ্যান্দ,সাবি দর্গে বি-১, ইম্ভববন্ধন জিল भकाती वि-दश, की अञ्चलम आध्यकातिम, की विश्वधात अक्षाति, की gentenfam

ত্রদারী প্রস্কৃতি।

গোর একার্বার প্রীনবর্গোলক একচারী, निष् हिलानम कका

## (১৫) औरगाभावकी मठ

कमनाश्रुत, हाका। গোপাশকীঃ শ্রী: গ্রন্থের প্রাচীন সেবা रक्क--- श्रीमाममामन अव्यत्।दी ।

( ১৬ - श्रीभना हे-८भागक मर्छ व्यक्तिक रामारिकी मुका, वालिय हि हाका च्यानाह-८भोदारक्षत सिता स्मतः रक्षक -- होश्रेश शक्क बक्कारी, हैं। माजिल्लाक

(১৭) श्रीकाशनक्षमामण मर्क

किस्तिका, वाश्वस्तिन्त्र, असिनील्यः। श्रिशास नी श्रक-(शांर क्र-शाक्त विका-গিরিধারীর নিভাদেশ বরুত্বন। রক্ত ---वक्रामी औ-शनावश्रमणी।

## (১৮, আমলাবোডা প্রপদ্মশ্রম

ब्राव्यवेश (१११: नक्षमान ।

नी खकरशोताक नीशक विकास का विश्वादी व विकारमा। क्रम -- अव्यवस्था की शहर-क्टब्स्स ।

#### (১৯) শ্রীপুরুষোত্তম মঠ

वर्गकात, पुत्री, উডिक्सा @गात्म चैंक्षणोत-विस्मापमानवश्रीक सिन्।-.भग वस्त्रात्। तकक - बक्दारी जीलत्रमा-मन विषाःकष्ट. अक्षाठी द्यीनमीधानण, শ্রীপরেশামুদ্রর ব্রহ্মচারী শ্রীযাদরামন্দ अवहाती, कक जीनमार ।

(२०) खीलक-८गोफीय मर्ड वागवतनाथ, उक्कशिश्व (भाः, भूशी। व्यवश्वद्यद्वत्व व्यवस्थाः नगरः नीमनाकः श्रीनब्रह्मचत्री व्यनावयो। नवकात्री---अभागती जीविश्विविद्याती ।

## 🕠 🗢 🖹 म विष्ठ ५ र जन्म 💵 अ

T'bartitrie, dom: खनारम है। एक- शादान-विकासक्रमन-

জীর লেগ্রের ক্ষমান। বৃক্তক ভ্ৰম্বচারী জাসদার আবাসাগদ ভ্রম্বনারী

(२२ व्यागन एक न औषाच मई कार कराक्यानलभूदा, काली ।

्या वन्यमायाण्ड अन्य स्थापना । क्यों म (चारिस्प्रात) वक्या स वक्या त्रीकामकोगावको । ही कामन अवस्त्री ।

(4つ) 単本部での再列 43 श्रीन निरम्भाग कृत्र, श्रीपाम वृत्सादन । के बैं लाग-बच-त्याकनलीह दमवा ।

वक्षक --- शिनगुप्तिनाथ ज्ञवाहारी

### (३८) औश्वत्रगण्य वठ तिमयावना, मालाभूव

এখানে 🗒 ৬/গ্ৰান্ত পাঠশালা 🖝 ইটাগাঁশ বিদেশ বিশ্বস্থীর সেবা বস্থান। रक क —द्वक्त जा ही होन् मिर्डाचन व दक्का वी क्षीवनकाः। सः।

#### . (२०) औदेहङमुदभोष्ठात्र बठ

भेगेयके का '! !ध्यक का ' सामलेख । कशा बीटे ७ ७ - भटा द नाया। वक्त क--- छीदमान नाव बाब, डिटकनशानम बन्नावी, जीवाम कीलंदमः घोत्रतः।

#### (२७) गामध्योद्धोद्ध मठ

कुर्राष्ट्रियः, वाल्यवः, क्यालः। अश्रात्व औरभावन्यसम्बद्धाः अवः बद्धाःसः तकक--- अक्षात्राती द्वीक्षणनकी. जीननी-भागाम अस्याओ

## (২৭) আক্ষণপাড়া প্রপদ্মান্তম-মঠ ब्राक्ष्यपाद्धाः त्याः बाक्, कावद्धा

ध्यमारन यस्क्रिक्यांचे औरशाबारक्षेत्र दशका वस्त्रभाग । वक्षक-- अववामी श्रीव्यानकृष-থাস, জীবরগরাজ জন্মভারী। (२৮) पिश्व भाषाम् मठ —काबहालक ent (गाणी सबस, छा काश त्यान, निके शिक्षो । वक्क--- अक्तारी चैनीवक्क, ओक्नाप्त्य

জীয়াধারমণ্ডরণশন্তণ (२৯) ट्याप्रामणाका सम्बद्धाः वक्क--- वक्कारी बोधायास्य

## দৈনিক মণীয়া প্ৰকাশ

## প্রেণান মন্ত্রীর বার্লিন-যাত্রা ছির

সার্মাণ সচিব ডাক্রার জ্রানিং এবং ডাক্রার কাটিয়াস্ देशाएखत जातान मधी मिः महाक्रामान्छ द्वर अन्नताहे স্চিপ্ত মিং তেলভারন্মকে প্রালিন সভিপ্তে জন্ম নিমন্ত্রণ করিয়াতেন। নিম্পু। প্রণ করা হর্টয়াছে। আগামী ১৭ই ছুলাই মিঃ ম্যাক্ডোনাশু এবং মিঃ চেন্ড,ব্যন আলিন शकां क प्रत्ना

### বৰ্মা বৈঠক

বল্মা বিদেশ্যের আন্ধাচনা কলিবার জল একটা विभिन्ने रेनरेक वनिवास कथा इन्नेशटण। छात्रशिस व नृष्टिन नत्रकारतत्र भरता एके जिल्हा क्रिका एक-जिल्हा के अहाहि. देवहरू ध्वयन करन निप्तन, छ। इ। दिन इश नाई। युव मुख्य (मुल्डेश्व भारम गुथन (शाल (छेनिल मुनिर्म, फ्रिंक (सहे । म्मरा ६ हे रेत्र हिन्दु अभिवास करेर्य।

#### সরকারের কার্পণো রাজবদ্দীর তান্দান গর্মঘট

**त्यक्षण अधिन रमात्र नेनी** वैदेशक भारत्यांच प्रशासामात्रक कुरुप्तिगरक आधिक कथा इदेशाएक। जाहाता किर्देश क ভাষার পরিশারবর্গের ाम (करान ४) ५ **मार्गिक 8•् 'अल्डा नदाक नदा ३३४७८७ । तह माग**न्स **छोका**त्र कीकात काम महालाग कटें (१८७ ना <u>ংট বি য়ে</u> ক্তপ্ৰেল মনোযোগ অংকণৰ করিব। তিনি ভাতা বুনির क्क कारवन्त्र कतिहारकृत । क्रिकात अ(दिनद्रन (कान कन् না হওরার, প্রকাশ, গ্রামাই জুনাইটরে আনশন স্কার্ট করিয়াছেন। অনশনের কালে ভিত্ত মুখ্যাপাল্যায়ের শরাব অভ্যন্ত দৰ্শল হইয়া প্ৰভয়তে

## দিল্লাভে সামতে গান্ধীর বজ্ঞা

গত ২০শে ছুন প্রতে জনগুর এর্ডিপ্রপে ধান্তের शाकी मिली अस्ति। C ((/अद्याद्यास) । सकतात समय कर्त्रणाल र्गरेत्र राधिक डिम उक क्रमेशांचा वस्त्रा कर्त्रन ।

প্রিত জাইরস্পে ১,ইজ ১,ত ১২,শ জুন ভুগ্নিয় কংগ্রেরের পোণ্টোগ এবং সভ্যাথান ক ১০০ বিশেষ বাস্ত ছিলেন। উপাচত ভিনি কংগ্রেমকল্লা এক কিনেন করিয়া ম'হল'লের বিত্রাই ভাল পাঠ করিছেছেন।

## (भाग किंदिल अज्ञामानासासास

भाष्ट्र २ ठाम । क्षेत्र । भारतमञ्जादन । हानस्य । खरमन्तिरहम्मरन्ति ঞ্জীলারের এক স্থান ১৮ নং চুজন নলেন, ম্থনের **प्यार**्गी (१९) (१९) वर्ष १६ । ५४१ (१९) । । (१६) ४५७ वर्ष वर्ष १३वर्षा दमत अधिनिधि भाक

करत इंड्रान ने हैं कम বলেন ভ বড়েশ্ব সাহত একালেন त भावका थुन क शत्रा लिखाएक , क छन्न दिलने, सकर कार्य

- ए कार्ड्डन ब्राह्म नहान । \* 8.37 9 9 3 首を (4本 八) 121 7 11/18 11本の 本 3 2 14 15 7. 2. . . .

## ১०१ बाग्राम (बल्धारमत्कत अन्तर्मक्र

ভলব করেন। ভিলা কংগ্রোদের সম্পাদকের সহিত পরামশ বক্স ওরজে **উলভাছলি। সহিম বক্স** নাকি একজন পাকা করিয়া তাঁথারা আত্মণক সমর্থন করিবার সঙ্গল্প করেন। চোর ছিল এবং ৪ **খৎসন্ম পূর্বের একত্বানে চুরি করিবান্ন** किन्द्र (भारत मनतुमा गांकि द्विष्ठे भागान्त व्यक्तांत व्यक्तांत एकाभिशास कार्या भिग्राहक्त ।

### সার্জেণ্ট নিহত

गार्ट्फ है (सक्त एएएम इत्शुस्त्र त्रिक्छ शूनिम ইনপেটার িলেন। ইনি ভানৈক রিকার পুলিসের স্থিতিও তাহার মামলা চলিতেছে পুলিণ উহার বৈমাজেয গুলাডে আছত ২টয়া হাসপাতালে মৃত্যুৰে পণ্ডিত ইইয়া-ভেন। ইত্যার উদ্দেশ্য এখনও জানা সায় নাই।

### श्वज्ञाति करमरस्य ह। क्षेत्रा

প্রতিবাদ করতঃ প্রভাব গ্রহণ করিয়াটেন করিণ ভারের এক গ্রামণ স্ভা হয় ৷ কার্য্য সাধার সামকে অসমালন্য করিয়াছে। ভারের अभागतक केंग्यान काला भन्नतम भूगताय वित्वहमा कतिएक विधार १७म । अधिरास्त्र मक्ष शाक्षीकि व अविम जारान-লাবের নিকট কোরত হুইয়াছে 🖟

## আরামনা গভীমণ ডাকাতি

মারামণানের মতঃপাতী হরিভালপুর প্রামের ইয়িছ खाता । अर द्यारमत वाकारत कीत्र एक्ति कहता विद्यारक । गणनात निम शुरुषामी विवाह जैलहाक डाहात शिक्षवात नार्विष्ठ िहार्छित्सम्। के मिन माजि ३३ भजिकात भगरत आप ७ कम लाक त्मडग्राम छेनकश्चिम राष्ट्रीत छिन्दत द्यातम करता ध्वः द्याश्चा छ। छ। भिया भवजा छ। अस्या স্থানির বাড়ুর ভাষে ভোর ও গোরগ্ধন গে খনে শুয়ন করিয়া-ल एवर ५८४ अस्तम करता। अकाम, २ कम लाक माकि োর ও গোবদ্ধদের পুকের উপর চাপিয়া ব্যিয়া ্ভাজ্যদের মুখ চাপিচা চরে । বাকা লোকেরণ ইত্যবসন্ধে কাছের বারাভ সিংগ্রহনা কোম্পানীর কার্মি ও নগ্র চাকে, হস্তগত করিতে পাকে। স্থান ছেরা এই কাষ্য শেষ कितिया (मार्कान) से के शिक्षा प्राप्त अंतर क्रिनेत वानुत पूर्वादक था क्या कर्त

অভংগর ওকে,ভরা গুট্টিত মুধ্যাদি ধাইয়া প্রায়েন করে : भुक्केष्ठ क्रार्ट्स अञ्जन्मन उपन्य निकार्षत्व केर लाहे। ভাকতের। ন্যা ক প্রালেপট্র পরিষ্কার। ঠা, ছুরা ও বৈজ্ঞাতিক इन्ट्राल कहता चार्निताछिक। "उँकता अक्रमान (काक्रम छ छ চার্কিন নরিনার তৈথা কোলয়া পিয়াছে। পুর্বিশের समय १ १ ६ ६ ६ ६ ६ १

## मक्बी शूरत शीयन नत्रहरू।

ব্যস্ত ১৯৫৭ জুন বেখ্য ১১ ঘটাকার সময়ে পশ্চিম কর্মীন পুর গ্রাহের কোছিবকা নামক গমৈক অবিদী আছারাতে 'বঙান্য বসিয়া পান চিবাইতেছিল, এমন সম্যে বাহির इटेट १७५। दिएति भीक निया दकान ४४% मध्या दिया क এক সাথ প্রাপ্ত বিশ্বপ্রবের মধস্তম। ম্যাপ্ত হৈটি ক্যাজন। ওচোকে ওঠা ক্রিয়া হা রয়াছে। তথাতি বঙ্গ ওপনই। কংগ্রেন প্রেফারেন করে কাম্বিনির ১০৭ মার্চ আনুসংয়ের স্কুত্রুত্বে প্রিভিত হয় ৷ মৃত্ত স্যাক্তির পিডার নাম রহিম

স্ময়ে নিহত হয়।

মৃত ব্যক্তির খণ্ডর লক্ষীপুর থানায় পরদিন এফাছার করে। একাছ'রে দে ব্লিরাছে বে, মৃত ব্যক্তির সহিত ভাষার গৈমারের প্রভাবের স্থিত মামলা চলিভেঙিল। के जारमत कामित्र वस भाष्ठे बताती नामक बात्र एक वाकित লাত। মুম্বক **আলিকে গ্রেপ্তার করিয়া হাজতে রাধিয়াছে**।

## त्याचारेक नक्षात्र वज्ञ क्छारे

স্পার বল্লভভাই প্যাটেল শ্রীপুত ক্ষররাম ধাসা দৌলভ-গুলরাট কলেছের অধাক ১০ জন ছাত্রকে আইন রাম এট মণিবেন প্রাটেল সহ ২৪শে ছুন সকলে হুর'ট অমারু আন্দোলনে দোপদান করিবার জন্ম ভট্টি করিতে। প্রাসেঞ্জরে বোশ্বাই আসিছা পৌছিয়াছেন। সেন্ট্র-ল অধীকার করাও তীবৰ চাঞ্চলের কৃষ্টি হইয়াছে। তাজেবৰ '.C.শনে স্থানীয় কংগ্রেস্-নেতৃত্বল ভাঙাদিগকে িপুল প্রান্তিলীর বিকট উপদেশ অংথিনা করিয়াছেন। ইতেয়ালা ্রম্প্রনা করেন। সন্ধার বল্লভাই ও তাঁহার দশত নেতৃবর্গ কংগতের ছাত্রগণ কলেছ। গুলের সন্মুখে এক সভার ধেত্তহাও রোডস্থিত শিবরাম ভবনে বগ্রাস ক্ষরিতেছেন। আন্বেশন করিয়াছেন এবং অন্যক্ষের কার্য্যের ভীত্র- ভেগায় সন্দার ও স্থানীয় করেশ কল্মীদিনের মন্যে বৈকাল

## **চটুগ্রামে বাজী ছুড়া**য় বিশ্ব

২৬শে জুন বুধবারের অভিনিক্ত ক্লিক্তা গৈলেটে अकान, ठप्रेश स्पत्र किया गापिरहेर्देत यातना, ठप्रेश्वास ব্রজীর লোহা বা অক্স প্রকার বার্মী ছোড়া সাধারণের শ্বির্গার ভত দায়ী কর্বাদের কাছে বাবা **এ**নপু इरेट्ट शास्त्र। आत, ११० २२८म खिला आसीना वे 283 मन्त्रात **आस्मिन कार्ता क**तिशा क्लाराणामाणी, शक्रदेश्य ও দুৰ্বণ জরিং থানার এলাকার মধ্যে বোমা ও মহা.রা প্রকার বার্লী ছুড়া নিষিদ্ধ করিয়াছিলেন।

दागीय गतकारतंत्र भातन , छहेशास्य स्य व्यक्षांतत क्रम (क्रमा मार्रिट देवे डेक शकात आध्या (यम. (म अवश এখনও ব্রমান এবং বোমা ও মহাত্র প্রকার বাজী ছুড়া লোকের জাবন ও নিধিয়তার পক্ষে বিয় বর্ষণ চলতে

त्म उद्य क्लोकमाती कार्यावितित ১৪৪ (७) नातात क्षमात्रात्त व्यक्तिल कारमन (मध्या ग्राकेटकर (य. केल चार्मि २२८म झून इंदेरिंड वात्तव २ मान कार्य यादर शाकिता ।

### अन्माभरकत्र श्रीक ख्लाम

াবক' পত্রিকার সম্পাদক পণ্ডিত রামক্লভ শক্ষা পত >৪:শ জুন আদালতে আক্সামৰ্পণ করেন। সাধাকে e • • · · होका उपभोटन मुख्डि (Meal इस्कार्ट्स । ১२६७ मात्राक्ष्यानी শ্রেপ্রার প্রোরালা বলে পুল্ল জান্ত্র মূল্যক্রের পূত एक्षानं कतिवार्कः।

## ए।कात्र मुख्य छ। देश-ए।द्रमानात्र

श्राकान द्या, हाका कड़ेनिकात्र[महीत मुख्य अविग्रहा स-लानात छाः छवलिङ, ज, लिक्स्य आगामी ७६ खूनाह कातिर्थ कार्याभाव अध्य कृतिरासः। अक्रिंग व्याभावी ३७८० छातिर्ध छाकाश व्याध्यश कतिर्वतः।

विकाशास्त्र साम शांखवादर वाष शेंक ३. शिक्ति क्लाब ३,



मागायात हात অভিমে দেয় वाधिक क याभाषिक ८ द्वाभागिक २०० মাসিক ১. প্রক্রি সংখ্যা ,৫

বছল-প্রচাক- নদীরা ভোলার একমাত মুখাপ্ত

**७४ ५०** ]

-শ্রীজতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদাস্তবাচস্পত্তি

৯৯তম সংখ্যা

জীলৈতশ্যমত জীৰাম মাহাপুর- ১৪ই আহাড় সোমবার ১০০৮, ১৯শে জুন ১৯০১

## नाना कथा লাহোরে ভীবণ অগ্নিকাণ্ড

ए॰ शकात छाकात किनिय एक

গত ২৫টো জুন মধ্যাক্তকালে লাডেরি ইলেকটুক সাপ্লাই কোম্পানীর গুলামে ত্তিন শীলিরা যাওলার আছি ৫০ হাছার 🍍 क्षेत्रकात्र मञ्जलि वद्य करेत्रा त्रियाटकः। खमास ত্বের বাছিরে বাগানে ক্তিপর মজুর কাল করিভেছিল। ভাহারা খরের ভিতর इहेटल प्य वाहित इहेटल्ड्स मिथा ही २ कांत्र कतियां डिट्रं। मन्याम शां-या প্রাকশ তথ্মই আনিহা পড়ে। কিছ करणत बाहारन क्षाणमानः बाद्यविमा हहेरा थात्क। त्काम्मानीत मक्स त्म कहे धहे कार्या त्यानमान कत्त्र। अभि > चन्छात्र मर्ता चात्रज्ञानीत्न चानी छ हत्र। खनारमञ् ममञ्ज अवाहे देगमिश्रत कता दिन।

## শাগপুরে তেল শ্রমিক সঞ वंषनाटित निकटि कात्र

্ৰ এক সভার বসিয়া ভুকারাম প্রাণর বারা বন্ধলাটের নিকটে নিম্নলিখিত তার জোরণ कंत्रिवादकंत ।

'ধর্মঘটকারীরা উপস্থিত থাকা সংগ্রেও কারখানার ওভারশিয়ার অমর সিং শিব নিগের যারা প্রাণণ পূরণ করিতেছে। बर्च वर्ड काती विशयक वांव विवास केटफटका क्षिणिमान देशिनियात्र क्ष्म पर कार्यात अक्षान स्ट्रेटिंड। अवदा महिजनक। जार्गनि जञ्जह शुक्रक कारीम जार्व उनस कवितात भारतन मिडेन ७ लागारेनत्र क्रकिर्यान पूत्र कत्रम।"

## লাহোরে ভীষণ অগ্নিকাণ্ড

নাগপুর রেল-শ্রমিক সঙ্ঘ— ২ড়লাটের নিকটে তার

## গাড়ীর সহিত বাস সজ্যর্ষ

শ্রীমতি ইম্পুমতীর বড়লাটের সহিত সাক্ষাৎ

**এই ভারের এক নকল জি, আই, পি** রেলওয়ের এজেণ্টের নিকট প্রেরণ করা **इहेग्राट्ड** ।

গাড়ীর দহিত বাস সহবয

গত মঙ্গলবাম রাত্রিকালে চৌরদী রোভে একথানি মোটর বাগের দহিত अक्थाना ठिका गाड़ीन मण्यासंत्र करण ষোড়াটা মৃত্যুথে পতিত ও গাড়োয়ান আহত হট্মাছে। বাস চালককে এোপ্তার कदा इडेश्राट्ड ।

## कि, बाह, नि, त्रनश्यात आमक्ता श्रीमकी हेन्सूमशीत नकुलाटित महिछ 710te

চট্টগ্রাম অস্তামার আক্রমণ মামলার আসামী খ্ৰমতী ইন্মতী দেবী নিখিলবঙ্গ ছাত্র সমিভির সহযোগী সম্পাদক 🕮 ৃত স্থানীর ঘোষের স্হিত বৃহম্পতিধার দিন দিল্লী এক্সপ্রেদে দিল্লী যাত্রা করিয়াছেন। অস্ত্রাগার আজমণ মামণার আসামীদের পক্ষ সম্পনের বিষয় পণ্ডিত জহরলাল तिहतेत महिल बार्लाहमा कताहै छाहात निश्ची व्याजात डिटक्का वामामीश्री अवकारशम बारव डिअयुक्त यावशाबाकीरनत् बांब्रा नक्तमपर्धन क्याहेवात क्रक (य नावी

क त्रियारक्रमः ভাগ রাজপ্রতিনিধিকে জানাইবার হন্ত তিনি সিম্লাতেও गाहेरनम विश्वशा अकाम ।

दब्रमगाड़ी बाबा ८गा मक हे हर्विकृत

পৃত বুশবার শেষরাজি ৪-১৫ মিনিটের সময় একখানি ডাউন মণ্ণগাড়ী ছাতনা ও ব।কুড়া ঠেশনৰয়ের মধ্যবন্তী একটা শুম্বী অভিক্রম করিভেছিল। এমন সময় টেনপানি একথানি গরুর গাড়ীর উপরে আদিয়া পড়ে। গাড়ীখানি ওখনই চুর্ব विष्ट्रव रहेरा योगः। किन्छ वलम इहेरी পলাইয়। আত্মৰঞ্চ করে।

গাড়োরান ওক্তরক্রপে আহত হয় এবং তাহার দলী তথনই নিহত হয়। গাড়োয়ানকে বাৰুড়া হাসপান্তাল অভি-मूर्प र श्रेष्ट्रण करा हरू। किन्द्र প्रथिमरधा ভাহার মৃত্যু ঘটে।

## ্ৰাপানি রোগে ''জোণপুজী''

গোবরভাষা ইছাপুর ২৪ পরগণার কবিরাজ জীকাণ্ডভোষ ধ্রম্ভরী চাকার প্রাসিদ্ধ প্রায়ন্ত পাসন পত্তে লিখিতেছেন, ইপৈনি বোণের মত কষ্টকর বোণ আর

নাট। যথন **হাপে**র টান হয় ভথন **যেন** প্রাণ বাহির হইতে গণকে ৷ রোগা**ন্ত**যামী ওলপত ভগবান দিয়াটেন। ''জোণ পুলী" হাপানী : রোগে মহোগণ ৷

Ce! व शृब्दीरक वाकालाध इस करा. যল মুনি বাদওকণ্য বংগ। ইচা মার্চে व्यत्नक किमामा थाएक। हेडात गांड এक হাত পগাস্ত উচ্চ হয়। এই গাছের দাদা কুদ্র কৃদ্র ফুল সরস্বতী পুরুরি বাবস্থত

এই গাছের শিক্**ড় দিকি** তোলা लंडेग्रा कल भिन्ना छेडम कविना धुटेमा আড়াইটা গোল মরিচ সহ ঘাটিয়া প্রতি বল্লিবার প্রাতে স্নান করিয়া খাইডে হয়। এইরপ ছয়টী রবিবারে খাইলে ইাপানি রোগ নিশ্চয়ই ভাল হটবে i

৬ রবিবারে ৬ দিন মাত্র ধাইতে **७३(व। भाग महे टाक्**कि हाका सन्। भिष्टे भूषाप्र यष्ट शास्त्रम शाहरवन १ ভাষাকাদি মাদক PT ८अ वन অকেবারে নিহিছ। বোগ সারিয়া গেলে ৩৪ মাদ পৰে মাদ্ধ দ্ৰব্য খাইন্ডে পাৰেন। ना शहेया पाकिएक भाविएक द्वीन स्मः व्याक्रमर्गत (कान ७४ भः काः । 🚓 মুষ্টিযোগটী বিশেষরূপে পর<sup>্জিত</sup> 🔻

**८हे** ट्रिंग भूम्लीत भागद तम दाभ ফোটা দর্প দর শোলকে পান করাইলে বিষদর মূপের হার: দ্রংষ্ট বোগা নিবিবাদে कीयन गांछ करत्र। (त.श काकान श्हेश পঢ়িলে কোন রকমে রক্তের স্থিত মিশাইতে পারিলে রোগী জানকান্ড कशिद्व।

## শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## থোলা হইয়াছে।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে আত যত্ত্বের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা বাহে সুন্দর বাসন্থানের বন্দোবস্ত ১২২াছে। স্থান অতীব স্থান্থাকর।

সবিস্তার সংখাদের জন্ম নিম্নলিখিও ঠিকানা পত্র লিখুন। সেখ্যেন্টারী, ভাকুর ভক্তিবিলোদ ইন্টিটিউট্ শ্রীটেড্ডমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

## —৫১ বৎসরের প্রতিষ্ঠিত<del>—</del>

উৰ্থালয়ে এন্তত বঢ়ীকা

हारो एक हाइना, यश्चामास, क्लांड काठिङ, अबीन, स्वस्ताहक व्यक्षित क्ष ८९ मिन दर्शन सिन्नामन बहेगाइक हाना श्राकाण करिएन गढ़ वर्छ श्राह्म बहेश भएछ ।

### रेहा

সকল অতুছে ব্যবহার চলে ও সমান কল প্রদান করিয়া থাকে। সিভি কৌটার ০২টা বটীকা থাকে।

#### কেবলমাত্র

আভি কৌটাং মূল। ১০ এক টাঞ:। ইনার নাম **ভগভন্ধনিগ্রহ** বটীকা'।

আক্রান্ত ঔবণের ভালিকার জন্ত পত্র বিথি নাই পাইবেন প্রাপ্তিস্থান :—আতিক্সনিপ্রেই উন্স্থানেকা ২১৬ নং বছণাজার টিউ, কলিকান্তা।

## কাবরাজ শশিভ্যণ কবিকণ্ঠাভরণের



মকংশকের সু বধার জড় ৬ আঃ শিশিতে বনীভূত অবস্থায় ভোটবোতপের সমপদ্নি উসধ দ্বাকে পাঠান হয়, ইতাতে ঔষণের কোন পরিণক্তন করা ধর নাই। মুগা প্রতি শিশিতে আনা, পাঁইটাকি জানা, বোড়ল ১০০ আনা।

অফিস-১১নং উল্টাডালা রোড, পোঃ শ্বামবাজার, কলিকাতা

## মদর্শ মঞ্জরী

ব্যার বার বার্তিবিজ্ঞার, বিজ্ঞারপালিক প্রাপ্ত কার্যারে ক্সমণায়ে, ব্যব্ধান, বার্থানোরা, বুক বক্তু কর্যানি, অনিলা অক্তি লক্ষণ প্রথম নির্মেষ বার্যানালিক । বিজ্ঞানীয়া, নেবা বৃদ্ধি ক্রিকে বার্যানালিক । বৃদ্ধা ৩০ বঁটা ১, এক চাকা।

प्रतिकृष्ण प्रतिका स्थापित स्थाप्ति ।

पृत्यवर्शित (वादन वाद्येसस्यन क्षक्ष न्यारत्यत्र)

प्रतिक्ष स्थापित स्थाप्ति स्थाप्ति स्थाप्ति ।

प्रतिक्ष स्थापित स्थाप्ति स्थापित स्

## হাইড়োগিল

বা

## কোষরদ্ধি রোগ

ডাঃ এস্, এন্, ঘোষ বিনা অঞ্জে, বানজ্জীবনের গ্যারান্টি নিরা বৈছাতিক প্রধানাতে কোবস্থি ধোপ আয়োগ্য ক্রিয়া বাকেন।

> ठिकामा---अर कंडम डीड, वस्त्रवाकात्र, कामकाखाः।

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## रेनव शास यकात जक्याज गढरीयथ

প্ৰায় লিমে সম্পূৰ্ণ আরোগ্য

বোলী কেথাইতে ভইবে। অগ্রিম নিজৈয় খন্ত (যাওয়া এবং আগার)
পাঠাইলে লিয়া রোণী কেথা হয় অথবা এলানে আদিলে বৈন্ধী দেখিবা
উষণ দেওয়া হয় আবোলা না হত্ত্বা প্যান্ত পারিপ্রমিক দিতে হত্তবে না।
গানীৰ বোণীদের খান্ড বহন করিয়া চিকিৎসা করা হয়। বিশ্বাধিক
বিবরণের হন্ত এক আনায়ে ভাক টিকেট সহ নিয় ঠিকানার অন্তন্ধাস

শ্রীক্ষতীশচন্দ্র উকীল, যক্ষা-চিকিৎসক, পোঃ নৈকারী, বৰিশাল। কথাঃ নির ঠিকানায় গাকাৎ করিল বিভাগেত আনিতে পাছেন।

তীষ্ড সংগ্রেশপাল লড়ে ওম্, ৩, কেঞ্চনগর, নমীয়া। আযুক্ত ত্রিপাল হিংল, ১১৭, বেণিয়াটোপা ইটি, তাউপোলা, কালকান্তা।

প্রক্রমানি পঞ্জি। আ মান স্নাতুপনুত্র গাভ হবা মান নামৰ নাম বান্ধ নাম ব্যান্ধ ভূগিয়া মৃতপ্রার করণাত করি প্রাক্তিন করি কর্মান করিবলৈ করিবলিবলৈ। কর্মানিক বানিনার করিবলিবলৈ। কর্মানিক বিলিনার বার্তিক জিলাটিনেন্ট, করিবলিবলিবলা।

## শ্রীনবদ্বীপ পঞ্জিকা

भोजांकं 880

माज %>० जाकिएक मार्शिहेटल हे तुक्र मार्थ मार्शिम हम ।

ম্যা**লেফান্ত- প্রন্থ**রিভাগ শ্রিচেত্রভ্যমত, পো: শ্রীমায়াপুর, নদীরা।

কেন প্রাহকগণ

## গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

-কার্বল--

**क्यां**ल याव होत बालाब कार्यः—

গোটার েডিং, মেমো, ফরম, খাম, কমিলারী ভেক, বিল প্রাক্তিট বসুন,

विवादक्य विभव्यन श्रवा, काछ, विवादक्र श्रव्यक्ष नमूस,

আন্ন ০ বং ও ৪ বংগ্রের কাফটোন ব্লকট বলুন, সকল কার্য্য অভি শীয় ভাপা তর, অপচ কাণ্যকার গরত বাজার অংশকা জলত।

भागनात किছू काणाव कार्या वाकिटन निव्यतिकामात्र कामावेटनवे वक्ष नारेटवन ।

ম্যানেলান—স্টোড়ীয় প্রিন্টিং ওয়াক্সন্ ২৪৩২ নং লাগার সাংক্পার গেছ, কলিলার।

## শ্রীল প্রভূপাদের বস্তৃতাবদী ধ্রম ও বিভীয় মঞ

विका जरू का अने वाना गाव।

## क्षेत्रिक्षक्र क्षेत्र দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ क्रमान्ध्रनाविक देखियाख्य महिल নিভ্যপাঠ্য বৈকুণ্ঠনাৰ্ডাবহ

## नरगास्त्रकाशिदकत जूनमामूलक থারাবাহিক গবেষণ্

( 38 )

थेशिकिका पर्नात भिवाक कामीच्या छ সকলের কারণরূপে নির্ণয় করত জীবাত্মার দৰিত প্রমায়ার কোন ভেদ নাই, ছিরীক্ত ছইয়াছে। স্থতবাং উহা বেদবিরক্ষ ও সংসক্ষাদায়নহি ভূতি মত। রুসেখরদশ্নে প্রভানিজ্ঞাদর্শনের स्थात्र गटन्यस्य करे পর্মেশ্ররণে নির্দারিত করিয়া জীবাঁহা ও প্রমাত্মার অভেদ কলনা করা হটগ্রীছে, নেদও স্বীকৃত হয় নাই। পারদ-त्रामत बाता रमस्यत द्विया जाभन्भुकःक পরমেশ্ব শিবকে সম্বন্ধ করত জীবদুক্তি লাভ ইহাদের প্রভালনীয় বিষয়। স্কুতরাং প্রমাণিত হটতেছে, উপনিউক্ত কোন सर्वाद्यताहे मध्यान्द्रभारिक व्याहानागरतत्र উপদিষ্ট আত্মধর্মের সহিত কোন সম্বন্ধ নাই।

ওতাহীত ভারতের প্রসিদ্ধ আর্ড ছधी प्रणांन आहि—गाशास्त्र मधास ७०।वान **শ্রীগৌরহন্দর শ্রীমূপে বলি রছেন, —"ভাতে** ছत प्रतीन देश्यक काव नाहि कानि । सश्चन द्वरे करत सिर भड़ा मानि।" कातन (> म्मरना मर्नदन कलिणामि निर्ते। बद भार्थाकात প্রকৃত বেদার্থ পরিত্যাগ পুদক প্রকৃতিকে ক্ষরণ বলিয়া নিদেশ ক'লয়াছেন, (২) পাতজ্ঞলদৰ্শনে প্ৰস্থলি প্ৰভৃতি রাজ-যোগী তাঁহাদের যোগশাস্ত্রাক্ত কল্পনাময় উশ্বরকে স্বন্ধণ্ডর বলিনা স্থাপ্ত কলিনা-(छन, (၁-৪) क्यांन छ देनस्मिकन्नमंति <u> शोठम ७ कंगामानि स्रोतशत भ्रतमाश्रकहे</u> विश्वकातम विलिशेएछन, (e, मीमारमामनीन टेक मिछानि भीभारमकश्य द्वारम् अ काए-शर्धा व्य किन, खाश छात्र कतिहा स्वेत्रतक কম্মের অঙ্গ করিয়া ফেলিগছেন, (৬) मक्त्रमर्नेदन मक्त्रार्गा त्वराष्ट्र छक्तभी विठांत व्यवनम्न शृक्षक भाषायान शानन कतिबाह्मन, ভाষতে जेबतत्रत्र - विश्वर, তদীয় ধাম, জীনাম, মহাপ্রসাদ, ভক্তি, আড়তি চিদ্বস্তসকল মাগ্রিক বা অনিতা-বস্তরূপে নিদ্ধারিত এবং ত্রিপুটি বিনাশ করিয়া চেত্ৰের বৃত্তিরাহিতাই প্রয়োগনীয় বস্তা চপে चित्रीक्षण स्टेगारहा এट मकन मछनाम-প্রায়ণ আচার্য্যগণ বেদসিত্ব বয়ং ভগবানকে পরিত্যাগ করিয়া তাঁহাদের থওভাবে এক একটা মত স্থাপন করি।ছেন। ইহাদের কাহারও মতেই পর্ম কারণ ঈশ্ব ( तिक्टक ) शास्त्रा यात्र ना काशीर दक्रहे मार्क्सचरत्रपत्र मर्कामात्रभकात्रभ विकृत्य मार्मिन मा, अपेष्ठ भन्नमण्ड भक्षमभूक्षक निक

জিলাম-ছারাপুর—১৪ই আব্দাড় লোমবার—১৩৩৮

নিজ মতবাদ স্থাপন করিতে প্রয়াস করিয়াছেন।

**এই ममछ म**ङनानीटक नका कति।हि অমল পুনাণ আমন্তাগণত বলিগাছেন,— व्यादान दनम छमिमः न महास्रानाक्यः দেবা। বিমোহিভমতির্বত মায়ন্নলম। অয়াং জড়ীরভমতিমধুপুশিতায়াং বৈভানিকে মহতি কর্মণি যুজামান:॥

আমরা এখন পুর্কোক্ত আউল বাউল তেরটা বিশ্ব-সম্প্রদায়ের মত বা সিদ্ধান্ত ১**খনেও** যদি নিরপেকভাবে একটুকু মনোযোগের সহিত আলোচনা করি, তাহা হইলে সেইগুলিরও প্র**ভোকটিই যে** সং-मस्त्रनारत्रच भएउन महिन्छ मन्पूर्व चित्र, छाड्। মনাগ্রেই বুকিতে পারিব। প্রক বিস্তার-। উরে এই সমস্ত মতের পুনরালোচনা করিতে আনরা কান্ত হহলাম। তবে ইহাদের সম্বন্ধে আমালেব মোটামুটি জ্ঞান্তব্য বিষয় এই যে, देशका প্রভোকেই ভাগদের মতটি মহাপ্রভুর প্রচারিত মত ব্রিয়া দাবী করিলেও আর-তপক্ষে ইহারা সম্পূর্ণ বিরুদ্ধমতের অপ্লীক্ৰকারী। • এ সকল মতের সহিত অধ্যভাবে শ্রীনমধাপ্রভূপতারিত সক্ষর-গৈদ্ধান্ত-সন্মণির কোন সম্বন্ধ নাই। শিক্ষার অভাব, কুরুচি, অপ্রাথ, অস্দ্ভিপ্রায়, क्षांत्रेचा, व्यादाकमा ९ महन्त्रिया क्ष्टेएक डेशातडेक द्राप्तभंजी विक्र में डेपिड ২ইয়াছে। ঐ সকল মতবাদিগণের সকলেই মনোধংমার বারা পরিচালিত হইনা আন্ত্র-করাণক। সংসিদ্ধান্তবিং প্রোভণ্ডী সন্ গুরুর অনুসরণে আখ্রান্থ্রদান করিবার পরিবরে অন্নকরণ-প্রণালীর পক্ষপাতী হইলে एवं करण करण, डाशाबर निम्मन्यक्रल উপরিউক্ত ভেরটী বা তদমূরণ অন্তান্ত विक मन्द्रामादयत छेरणीय स्ट्रैयाट्स ।

भूत्यहे डेक इहे १८६ (य, मरमध्यमात्र-চতুইয় আত্মণত্মে প্রতিভিত। প্রবন্ধের শেষভাগে যে কভিপন্ন সম্প্রদায়ের ইভিবৃত্ত আমরা দেখিতে পাইতেছি, তাহাদের কোনটাতেই আক্সাদের্যর উপদেশ নাই— সেই সমতের কোন মতবাদই পারমার্থিক ধ্যের অন্তর্গত নহে, সকলগুলিই নৈমিত্তিক দেহমনের ধর্ম দারা পরিচালিত। স্থতরাং সকলটাই অপসম্প্রদাত্তক। আত্মধর্ম অসুশীবনের অভাবে কগতে এরপ কড

আমরা ব্রহ্মমাধ্বগোড়ীয় সম্প্রদায়ের পরিচয় প্রদানমুগে ভগবান **औ**रशोत्रसम्बद्धत প্রচারিত মচিস্থাভেদাভেদনিদ্ধান্তের একটুকু আলোচনা করিয়া প্রবন্ধ শেষ করিব।

## সার্থ ক

( শ্রীযুক্তা অপর্ণা দেবা )

অনেক প্রাস্থন কোটে কাননের বৃকে. বর্বে গন্ধে স্থান্ছন্দে মনোমোহকরী। কেহ ভোলে ভোগ আংশ লালসা কৌতুকে, Cकर वा ठम्रन करत श्रीकवारत इति ॥ প্রকৃষ্ণ কুষ্ণম প্রোয় নবনী কোমল. হাসিতেছে ধরাবকে কত নগ নারী। कारभरत वतिन (यहे, छोत किदा फन १

গোবিস্পের অর্থা রচে, পক্ত উচ্চারি॥ শ্যামপাদপলে গেই লভিল সেবন। শেশমাণ-শ্ৰণ হেন, স্থিক জাবন ॥

## সভাবের পথে

( শ্রীপাদ অতুগানন্দ ব্রহারী )

মাস্থ্য স্থাপণ একটা না একটা অভাবে কিন্ত বান্তবিক ভাহার কিলের অভাব, দে নিজে ঠিক ব্রিতে পারিতেছে না; সে আশা করিতেছে, বর্ত্তমানে সে যে অবস্থায় আছে, সে যদি মারও ফিছু অধিক উগাজনক্ষম হইও, ভাছা হইলে বোধ হৰ ভাহাৰ অভাৰ কিছু নিটিতে পারিত। সে আশারুর্বাণ উপাক্ষন করিতে লাগিল কটে, কিন্তু ভাহার আশা ও অভাব নিটিল না, পুনের তাহার যে অভাব া, পরে ভাষার অভাব ও আশা ওওটা বাড়িয়া গেল। এইশ্বগ সে ষ্ড দিন দিন উপাঞ্চন রুক্তি করিছে সানিল, ততই তাহার অভাব ও আশা উত্রোভর বাড়িতে লাগিল।

कीर्ग कृष्टी द्रवाभी महित्र अलग अद्वागिका-বাদী ধনবান সকলেই যেন কি এক অভাবে অভাবাধিত হইয়া আশার কুহকে ঘূরিলা বেড়াইভেছে। তাহারা একবারও বৃদ্যিভেছে ना, जाशास्त्र व्यक्तित दकाशाय ? वक्तिन না জীব নিজের স্বভাবে পৌছে, তত-দিন অভাব মিটিভে পারে না। জলের স্বভাব বেমন ভর্গতা এবং ভাহা चन्नवणः निव्रगामी, क्यन् ७ क्यन् ७ अण्-ৰে অপসম্প্ৰদানের সৃষ্টি ংইগছে, হইতেছে বিক্ত ঠাওা বা গরম সাগিয়া বিক্তভাব <mark>ওঁ হইবে, ভাহার ইয়ন্তা ন ই। উপসংহারে ধারণ করিলেও (অভিরিক্ত ঠাণ্ডার অক্ত</mark>

বরফ হইয়। গায়, আশার কথনও অভিরিক্ত গরম লাগিল বাপাকারে পরিণত হয়) উহা তাহার বিরূপের শন্ম। যথন দে বিরূপ ছইতে স্বৰূপে পৌছিবে, তখন সে বভাবতঃ নিমগামী এবং তরল।

জীৰ বতদিন না গুরুবৈঞ্বের পাদপদ্ম নিদপটে পৌছিতে পারে, ততদিন আরার খাভানিক গতি লে কোণায়, তাংগ দে বুনিতে পারে না। পান যে মুহুর্তে গুরু-পাদপলে নিম্পটভাবে আশা এছণ করে, তথন যে বান্তবিক স্ব-মভাবে প্রভিত্তিত ছইছে গাবে। তথন তাগার ভালার যে কোথান, ভাষা ব্যাতে পারে।

নদীব গতি বেমন সভাবতঃ সাগরের দিকে, জীবের স্বাভাবিক গতিও ভদ্রপ ভগবানের দিকে। বস্তমানে আমাদের সেই প্রভাব ভঃসঞ্জল বাবধানে আভাবে পরিণ্ড रहेशाइ। उञ्चल्ये मानुमक व्यक्तिकः। ততো ভংগপদুংকলা সংস্ক সংগ্রেভ বুংকলান। সস্থ এবাজ ছিল্টে মনোবাবেস্প্রতি ভিঃ॥

ব্ৰন্ধিনান বাজি জ্ঞানত পাত্ৰালপুকাক সারুসক কবিবেন। বেভেডু সাধু বাজিগ্র উপদেশবারা তাথার চিত্র ক্লেশ নই করেন। বলি কোন বাজি কামনাস্তে অগাৎ অভাবের দারা প্রাণীড়িত হট্যা ভগ্রান জাকুজের শ্রণ্ণের ২ন, ভুগ্রান টাধার কামনা দুব করিয়া বিজের চরণা-মুভ দানে ভাষা বংগার ইভর কামনা নত করিলা জেন। আনবা সাধু এবং শাস্ত্র পার। জানিতে পারে রে, এব মহারাজ বিমাতার কটু ৷বেন ছ্রাপত হইলা রাজ্য-লাভেচছার নাচান ট সাগ্রমত প্রপ্রাশ-লোচন হরির স্কানে বহিগত চহয়।ছেলেন। মাত্র পাচ বংসরের ব্যক্তক এককো বনে বনে ইছিবের সারাধনার প্রের ইইণ্ডিলেন, ভগবান তাহার কঠোর আল্লানায় সম্ভ হইটা বর প্রার্থনা কাবতে ব্যিলে এব ক্রিলেন,—

> श्वामा ज्ञिती ज्ञिम हिर्डाक्ट्र भार आखेबान (निवयुना :: क्रजन ह काठः विशिधभाग भिवातकः

স্বামিন কুতাবোলাল বৰ, ন বাচে ॥ আমি সামাজ জানাভিলাধা হইয়া ভোমার ওপতায় নিয়ক হরণাহ্বান, কিন্তু म्पियम्नोक्त ७२ ८ धामारक आ ४ ६३ वा जागि কত্কতার্থ হইগাম, আমি সামার কান অবেশণ করিতে করিতে দি গ্র চিত্রামান এরপ্র इहेनाम् ।

অভএব আনি আন নৰ যক্তা করি না। ভগবান পূর্ব বন্ধ, তাহাকে লাভ कतित्व के देव अ शापा आत कि हुई शास्क না। আত্মার স্বাভাবিক অবস্থায় কথাং খভাবে প্রতিষ্ঠিত হইতে পারিলে আর সভাব থাকিতে পারে না।

## (पवित्र वरीक्षा आकृत्य

## নীলাম ইন্ডাহার

## (মাকাম কুক্লেগর প্রথম মুক্ষেফ আদালভ

ীলামের দিন ৮ই জুলাই ১৯৩১

5)

৭ শংকারী ৩, माती ४२५/७ ডিঃ স্থবেক্সনাথ বিখাস সাং বাডাদি तिः कांनीलम आहार्गा मार् विकारे छ-পুর পো: দৌলভপুর

দৌলতপুর থানায় ঐ গ্রামে যোগীক্র কুমাৰ ভৌমিক অধীন ৩৪৮ গতিয়ানে ১২-৪৯ শং জমী নিম্বর জ্বসা দেঃ ৫০ জংশ মুলা আঃ ৫০১

- ২। ঐ থানায় শীতলাই চড়ীপুর গ্রামে আপ্রক্রোর মধ্যোগ্রমাণ অধীন .৩৩ শতিহানে ৯-৫০ শঃ নী নিকর জনা দেং । আনা অংশ মূল্য আঃ ১০১
- ৩। ঐ পানায় ঐ গ্রামে স্করেন্ড্রমাইন আচাৰ্যা দিং অনীন ১৫৩ পতি ানে ৪-৯৫ শতক অমী নিক্তর জমা দেয় ৷ ৷ আনা অংশ মুল্য আ: ১০১
- ৪। ঐ থানায় ঐ গ্রামে বোগীন্দ্র কুমার ভৌমিক দিং অধীন ১৬২ পতিয়ানে '৫৮ শতক ভ্ৰমী নিহুৱ জনা দেও।" আন। क्यः मुला काः (.
- ে। ঐ পানায় শীতসাই চতীপুৰ গ্রামে ঐ মালিক অধীন ১৬০ পভিয়ানের ১০৪৯ শতক নিদ্ধর ভনী দেঃ ৷০ আনা আংশ भुशा चाः द
- 🖜। ঐ থানায় ঐ গ্রামে ঐ মালিক সেরেস্তার ২৪৮ থতিয়ানের ১৭২ শভক নিকর ক্ষমী দেং ৮/০ আন্। অংশ মূল্য ৫১
- ৭। ঐপানার ই গ্রামে ঐ নাশিক সেরেন্ডায় ২০২ থভি ানের ৮৬০ শতক নিষর অসী দেং ৫০ আনা অংশ নুবা ১০১
- ৮। ঐ থানার ঐ গ্রামে ঐ মালিক অধীন ২৯৮ ধতিয়ানের -৩০ শতক শুনী (मः ४ जाना जर्म युना जाः २८

लाती नगांड ১৩১ থাংস্থারী ৩১ ডিঃ ভয়তুর্গ দাসী সং বোয়াল্যারা দেঃ গৌরহার যেয়ে সাং শক্ষরপুর (भाः श्रीमात्राश्वत

কোত্যালা থানাল নাদিলা বনগ্ৰাম প্রামে ডিক্রীদার অধান ১০১ পাত্রানে জান্বরপুর পোঃ ক্রকনগব ৮৯ শতক জনী ৫৭১০ জনা মুলা আ: ৫১

२५६ था:काती ०, मावी २११४ ५ ि भरतम नाथ भागतीबुती निः भाः

टमः कुल मङ्गात पिः माः सम्बर्त **८१४**ः <sup>१</sup> 3.7501 Q

কোতরালী থানায় সেনপুর গ্রামে **जिक्कीमात अभीन ১৫৯ शिक्काल २७'१৯ मः** क्रभी धराल' • क्रमा मृत्रा काः ७०५

২৭৬ গংক্তারী ৩১ मावी 28615 ডি: রাজকুমারী প্রফুলন্দিনী মো: ্েসপ্কর

r: শচীক্রনাথ ঘোষ দিং সাং শক্ষর-পুর গোঃ শ্রীমালপুর

নবধীপ থানাত শঙ্করপুর গ্রামে ডিক্রীদার অদীন ১৫০০০ শঃ জনী ৫৮৮৮৬ জনা মলা আঃ ১০০১

(a)

मादी २७। ७ ্হেড্র থাজোরী ৩১ ডিঃ সংগ্ৰেভঃজন সিংহ দিং সাং কাঠালগোড়া

দেঃ জানকী স্থাৰ দিং সা ঠাসা-ডাফা খোঃ ক্লয়নগ্ৰ

কোত্যালী থানায় সেঁগাছা ইংসাডাঙ্গা গ্রামে ডিক্রীদার দিং অধীন ১১৫ - পতিলানে - গোলাড়ী পোঃ ক্রঞ্চনগ্র २'०५ भः कभी भूगा औः :००

२। अभागाम अञापम फिजीमात দিং স্থান ১১৬ খডিয়ানে ৩০ শং জনী ্চাচ্জন: মূলা আ: c

. ४५० रहकाती ३३ सर्वे पः अक्त उ छि॰ अध्यानगिनी उपनी भिः माः প্রপূর্য ট্রী

(मः मिन्धिक्छे नृत्स्तालाधात्र माः ফরিদপুর পোঃ মাটীরারী

কার্নাগঞ্জ পানার চরব্যলিয়াভাঙ্গা প্রানে ডিক্রীপার অবান ২০১-১০ ও ১৭-- ৯ পতিনানে ৩০০৭ পতক জনা ৫০০ জনা অনী ে জনা মূল্য আঃ ১৫১ মক্য অং ২০০

(9)

১৪৯৯ থাজোরা ১১

ভিঃ অমিয় পালচৌধুনী সাং মহেশগঞ্জ ca: विश्व भक्षनात मार काशामशानि পোঃ ক্লফন্পর

কোতললী থানার জালালখালী গ্রামে ডিক্রীদার অনীন ১৭২ থতিগ্রনে ১৯৪৴০ खरी भूगा जाः २०.

( 5 )

১৫০ থা জারী ১১ मानी ३५/३ ডিঃ রণ্ডিং পালচৌধুরী সাং মহেশগঞ্জ (नः स्मर्थे स्मर्थ स्मर्थाः माः

কোত্যালী থানার স্থবর্ণবিহার প্রামে িডিক্রাধার অবীন ৫৯১ **থচিয়ানে** ২:৪২ শঃ · इसी बृगा आ; ১००

১৫৪৭ থাংজারী ৩১ 🕝 附着 590011/0 **फि: ग**िण्डासारन मञ्जनतात तिः और বেতাই

**एकः अविश्व अध्यक्ष वर्ष्णाशायाः** শাং তেলিনীপাড়া পো: গ্রীনামপুর হুগলী

তেহট্ট थानात চिनशानि कक्रदेशाहि ও माख्ता आम जिल्लोमात व्यक्षीन ১১। २।२ খতিগানের ৩৭৬॥• পত্তনী জ্বসা মৃদ্যু ৫০০১

( >0 ) ১৫৬১ থাংগ্রারী ৩১ मावी २०६॥८०

ডি: শ্রীশচন্দ্র পালচৌধুরী সাং

(म: क्खणक्क मिलक সাং भुवृतिका পো: নেলপুকুর

কোভশালি পানায় ধুবুলিয়া প্রামে ডিক্রীদার অধীন ২৬৫ খতিয়ানে ৫-২• শতক জমী ওটবনিদ জোত অংশ भूका वाः वत्

( 22 )

১৫৭৩ গা,স্পারী ৩১ मानी २२५०/७ **ডि:** शटकश्रती कोतुतानी मार कतिमभूत (मः माङ भृत्याभाषात्र मिर मार त्याः ।

নবন্ধীপ থানায় নবনীপ গ্রামে নক্ষলাল চৌধুরী অধীন ৫ (ক) খতিনানে ২০ শুভক জনী ১৮৬ জনা পাকা ইনারতাদি সহ মুলা 316 :000

( >< )

১৫৭৪ খাজোৱী ৩১ HIST DONG ডিঃ সতীশ চন্দ্র চটোপাধার সাং গোন্ডী

(म: नक्तांगी मानी मार करेल्का পো: ক্রমনগর

কোতগালি থানার কইপুরুর গ্রামে **डिक्रामात अदान-১**०० श्रांडग्रात २-२५ मः

नारी ১১२,३ ं ८५ ह भार ाठी ०३ ডি: শ্রংকুমারী দাসী মো: গোগাড়ী (फ: अधिनी भात (णात कि आ) नम्भर (भाः इक्त्नभन्

কুক্রগর পানার নলগহ আমে ডিক্রীদার অধীন ৪৪৬ থতিয়ানে ৪৮০ শুভক জনী ३८।/० अमः भूमः व्याः २०५

( 38 )

১ ५० ५ शा.काली ५১ मानी ३१११॥४७ ডিঃ গোপাশচন্ত্র গলোপাধার সা শান্তিপুর

(नः क्रवर्शाभाषी माः ক্রভানগর कांश्रीम् भाषाः (भाः क्रमान्यम्

ক্ষমনগন্ত ধানার:ক্রমনগর কাঠালপোডা : প্রামে রাখালদাস সিংহ দিং অধীন ৫৩০৩১ খতিয়ানে :৮১ শতক জনী ২০০০ - জমা মার পাকা ইনাগ্রভ সহ মুল্য আঃ ৫০০১

( >4 )

১৯৪৮ থাংখারী ৩১ सावी ३६३०॥० **जिः स्मिमिन्दः क्रिमात रकार रमाः** व्यामञ्जी

দেঃ হরেজকুমার সরকার দিং সাং क्नांवाफ़ी लाः नामुत्रह्ना

দামুরহুদা থানার রামন্গর এামে ডিক্রীদার অধীন ৬৪ খডিয়ানে ৩৮৯ শং करी ১२५० क्या मूना चाः ८०

- २। धी शानात्र थे आत्म के व्यनीन ১২৭ খণ্ডিয়ানে ৩ ৩২ শঃ জমী ১২৮/০ জমা মুলা আ: ৪৫১
- ৩। ঐ থানার ঐ গ্রামে ঐ স্বধীন ২৯৬ পতিয়ানে ১'২৮ শতক অমী ৪১/• জমা মূল্য সাঃ ২০১
- ৪। ঐ থানায় ঐ গ্রামে ঐ অধীন ২৯৭। ৩০৭। ৩১১-৩১৩ পড়িয়ানে ৮-৩৯ শঃ गौ २००/७ खगा भूना आ: :००**्**
- ে। ঐপানায় ঐ গ্রামে ঐ অশীন २३५ थाउद्यादनत ४ ७० माउक स्थी ३१६० • জ্যা মূল্য আঃ ৮০১
- ৬৷ ঐ থানায় ঐ গ্রামে ঐ স্বাধীন २১৪ थडिशास्त्र ১-४० महक सभी अक्ष स्था युगा आ: २०५
- ৭। ঐপানায় ঐ প্রামে ঐ শধীন ১৭৩ প্তিয়ানের ২৭৯ শুভক জামী ৮৮৮ ন स्था भूगा ००
- छ भानात वे श्राटम २७० विष्-গ্রানের ৬২৭ শতক জনী ১৮৮/ন ক্ষমা भूगा २०५
- ৯। ঐ থানায় ঐ গ্রামে ২০৯ শতি-ল্লের ২০৯০ শতক অমী ১৮০ অমুর্ भूगा व्यक्ष २०.
- ১০। ঐ থানার ঐ গ্রামে ২৭৬ খতি-हाट्यन २५ मठक क्यों २॥० होका क्या : भुगा भिक्षि कर
- ১১। ঐ গানাম ঐ গ্রামে ২১২ খতি-शास्त्र ১:२১ मेडक क्यों 8०/३ क्या युवा वाः ३२.
- De 1 अ आत्म अ अधीम : bb पकि. आदन्त ७२ वक । क्यों २४०७ क्या ५वा ३४८
- ২০। ঐ প্রামে ঐ অধীন ১১ খতি-शांत्वत -२৮ मठक क्षि ५०/७ समा मृग्र
- ১৪। ঐ প্রাণে ঐ অধীন ৩০৯ প্রতিগ্রের ৯৭ শতক **অসী ৫॥৯ জ**্মা ष्यकार्म मूला व्याः ১००

১৫। ঐ আনে ঐ अशीन ०>٠---०১० পতিলানের ৮-৫৯ শতক ক্রমি ২০৪০/৩ क्रभा अक्षारम भूगा ८०५

১৬। এতালে উ স্বীৰ ৮/১/• অমি অলাশর পুক্রিণী মার আকর আওলাড हेंड्यामि भूगा ১००५

১१। वे शास के मधीन .कमर००---২০৭ খড়িচানের গিরিবাদা দেবী নাদীর ১৯-২৯ শতক নিম্বর, ব্রহ্মস্তর প্রামি: পূল্য > + + 1

## रिमानक महीना खेकान

**>৮। जै शांसाक जे जारम जे व्य**शीन ১২১--- ১২ **১। ५ ७ ४ छित्रारेनस् ७ ৯८ म**ङक स्मि ३३।/७ समा नामिन समी नह मूना वाः दंग्

১२। के ब्राह्म के **अरीम** १८।२३० খডিবীনের' ৫-৬• " শুউক "জমি জলাশর भूकतिनी नह मूना ५०००

२०। वी योनाम्न क्ष्मारणसभूत ज्ञारम २०७ ১৫, ५ मृत्रा जाः ১००५

( >6)

১৮৯১ থাংজারী ৩১ मारी ১৫२।/७ ডিঃ দিডিকণ্ঠ বন্দ্যোপাধ্যার সাং क जिल्ला त.

(मः • औंत्रकान व्याणि त्रथ मिः माः হরিণডাঙ্গা পো: কালীগঞ

কালীগঞ্জ থানায় ব্রজনাথপুর ও ফরিদ-भूत आरम फिक्तीमात्र अधीन अ। ১०৫ थित्रात्न ७ bb म: सभी २८।/२॥ :समा भूना जाः ००

(39)

১৬৯২ থাংজারী ৩১ मावी ६०/२ ডি: ঐ (म: ঐ

काणीगळ थानात उक्रनांश्रभूत ७ कतिन-পুর গ্রামে ডিক্রীদার অধীন ১৩৬।৪২ थित्रात्म 8-1२ महक सभी १/.१॥ सभा मूना चाः २८५

( >> )

১৭৭৭ খাং জারী ৩১ मारी ५००॥/५ डि: दाक्क्मादी, टाक्कनिनी मानी त्याः त्रमशुक्त तमः शर्ममञ्ज त्याय मिः मा: भकतपूत cei: श्रीमात्राभूत

नवबील थानाव नकतलूत्र आरम फिजी-দার অধীন ৪০ থতিয়ানে '৩০-৮৪ শতক क्रमी २२৮॥८० समा भूना व्याः २८०

( \$\$ )

২৭৭৮ থাংকানী ৩১ मावी २ 8 ५ २ ডি: নিতাকালীদেবী সাং মেহেরপুর দে: বিনয়কুমার রা। দিং সাং মহেশগ**ল** त्थाः बद्दमश्र

ক্রফন্মর থান্যি রাউভার। আমে ডिक्रीमात व्यथीन ean थिलग्रास्न ১-७१ **मः** क्यों शल्क समा सुना जा: ३८,

( 2.0 )

১৭৭৯ খাংলারি ৩১ मारी हरें ডি: ঐ

(नः ज

কৃষ্ণনগর থানার রাউভারা এামে फिक्रीभाग अधीम ७१३) थिकासन २,२० भक्तक कभी ५५/२ कमा मृता ह्याः २६८

(. 22.)

১१४० था:बाति २३ ू मानी **१६३७/३** . ড়ি: এ

CH: D

ক্ষুনগর থানায় রাউতারা গ্রামে ডিক্রী-দার অধীন ১৫০।১৫২-১৬০ পতিয়ানে 64-२७ मः सभी ১०८।/৯ समा मृता ১०००

( 22 )

১৮২০ খাংমারী ৩১ দাবী ১৪৭০৮০/৬ ডিঃ বৈছনাথ পাল সাং যগপুর (मः ध्यमभङ्ग्य भागतोषुती मिः त्याः গোগাড়ী পো: ক্লফনগর

ত্রিহট থানায় বেতাই জিতপুর গং গ্রামে ডিক্রীদার অধীন ৫৫৭।৬৪।২২২। ১১।১৬৭।२৯৯।२।৯৪৯ পতিয়ানে ১৩०० টাকার পত্নী জমা মূল্য আ: ৫০০০

( 20)

১৮৪১ খ'ংজারি ৩১ मानी ४५॥७ ডিঃ রাধাগোবিন্দ সেন সাং নাটানারী ८मः ठाकरामा मानी मार कुर्द्वतिया পো: কালীগঞ্জ

कामीशक्ष शामाप्त कर्रविहा आत्म फिज्री-দার অধীন ১০৯ থতিয়ানে ৮০ শঃ এমী ५ क्या मुला भाः २०.

( 28 )

১৮৪২ থাংজারী ৩১ দাবী ৮ গাএত फि: जे ८मः जे

কালীগঞ্জ পানাহ কঠবিহা আমে ডিক্রী मात व्यवीन ১০৮ शिल्याम १-१२ मः सनी २०७ कमा मूला आः ००

( 22 )

১৮৪০ পাং জারী ৩১ দাবী ৯৩৮৬

দেঃ ভূপতি কম্মকার সাং কুঠুবিয়া পো: কালীগঞ্জ

কালীগঞ্জ থানার কুঠরি ব প্রামে ডিঞ্জী-দার অধীন ১০৪।, পভিয়ানে ১-১৮ শতক জনী ভাল জনা মূলা জা: ১০১

२। खेशानाम खे आत्म जिक्रीमान অধীন ১০৪।২ থতিয়ানে -০৭ শতক ভণী ১/० क्षमा भूगा जाः ८५

৩। ঐ থানায় ঐ গ্রামে ঐ সেরেন্ডায় ১০৫ খতিয়ানের ১৮ শতক জনি ২॥০ জনা मूणा १

৪। ঐ থানায় বানিনাগপুর গ্রামে ডিক্রীদার অধীন ৬২ থতিবানের -৮০ শতক क्षि शार्य क्या मूला ১००

( 25)

मावि ०२।/३ ১৮৬৯ খাংজারি ৩১ ডি: পূর্ণচন্দ্র চক্রবন্তী সাং জগলাপপুর CH: (इम्) अभागि (मध मार क्यानश्त পো: নাকানীপাড়া

নাকানীপাড়া থানার হুগুলাথপুর প্রামে ডিকীখার অধীন ২৭২ থতি নান ১-৮১ শঃ क्रमी sho' क्रमा मूना आ: २०८

(29)

১৬২৫ খাংজারি ০১ দাবি ৪৭৮০/৯ **डि: छुनीमाम मतकात मिः माः ताथान** 

(म: रेननवाना नामी माः बक्षांगभाष्। পো: ক্লানগর

কোত্যালি থানায় আহ্মণপাড়া আমে फिक्मीमात्र अधीन ১२৮ थिछिशास्त ७-५२ শতক ক্ষমী ৮১২॥ জমা মূল্য আনঃ ৫০১ ( 24 )

১৪২৯ মনিজারি ৩১ मावि २४ ।।/ ३ ডিঃ গুৰ্গাপদ মোদক সাং গোলাড়ী

Cप: भंत<5 के कु शां: क्यानशंत्र हैं। प সড়ক পো: রুফনগর

থানা কোভয়ালি সামিল রুঞ্চনগর টাদুসভক গ্রামে নগেন্দ্রনাথ চক্রবর্ত্তী সেরে-ন্ডায় ২৩৩ গতিগানের -১২ শতক ভাষি ৩০৫ জনা মায় পাকা ইমারত সহ মূল্য

২। ঐ থানার ঐ প্রামে ঐ পর-কারে ২৩৪ প্রিয়ানের -৬ শতক জমি ২০১০ জনা মায় ইটের প্রচিরে ও পাইখানা সহ মূল্য আ: ২০১

1 22 1

১৪২৮.ম্নিজারি ৩১ मावि ১२२॥८७ जि: विक्रमक्रक तम् मिर् मार कतिमधूत দে: ছোৰান মণ্ডল লাং করিমপুর পোঃ ক্ষ-নগর

পানা কে'ভৱাসি সামিল দেনপুর আমে পরেশনাথ পাল চৌধুরী অধিন ৫৯৭।১৯৮। ১০২০ শতক জমি ২৭।১৮ জনা মুলা ১০০১ 10041684164512516561606186664 ह्य ८ कला ३५२। १२२। १५५१ कला १५८। १६८ য়ানের ৩৬৷১৷৩০ জমি ১৪৴৫ জনা মূল্য ৫০.

১৬৮৮ মনিজারি ৩১ দাবি ৫৬৩৮৬ ডি: অয়লামোহন সাহা দিং সাং সিরাজ-

(ए: जुननहक्त नत्रांक किः ताः तिहाक গঞ্চ পোঃ ঐ পাবনা

থানা নবদীলের সংমিল নবদ্বীপ গ্রামে নন্দলাল চৌধুরী দিং সেরেন্ডায় ৩৩২২ খতি-থানের ১ শতক নিকর ব্রহ্মন্তর জমি মায় দালান টিনের ঘর পারথানা ইত্যাদি সহ भूषा ८०

২। ঐ থানার ঐ গ্রামে ভারাবিলাস চট্টোপাধ্যায় দিং সেরেস্তায় ৩০৪১ থতি-য়ানের ২ শতক কমি॥ • আনা ধমা মায় পাকা কুঠানী সাজ সরজাম ইত্যাদি भूगा २० 、

( 0)

১৭**৯२ मनिकान्नि ७১ । सा**न्नि ১०५।०∕७ ডি: বিধৃভূষণ চৌধুরী সাং স্বরূপুগঞ ८मः यकीसरमाध्य क्यक्मात्र मिर जार गापिगाष्ट्रा (भाः, नवबीभ

व्याप्य वनदीनातायम एहरनाभिया मिर प्राद्ध ন্তার ১৬৩--- ১৬৬/১৬৮--- ১৭৩ পতিয়ানের ১৯৩০-৮১ শতক অমি ৩৫৮০ অমা মূল্য

( .52

১৫৩১ মনিজারি ৩১ मावि अशार् १ ডিঃ শ্রীপতি সরকার সাং মীড়া तः श्रतक थाष्ट्रहे निः माः शानिकपून

পো: কালীগঞ্জ থানা কালিগঞ্জ সামিল গোবিন্দপুর **धारम दामविश्वती मञ्ज ।किः स्मरतस्या**य ২৪১ থতিয়ানের ৬-৮৪ শতক জমি ৯৯/ •

জনা মূল্য ৩০১

( 35 )

১৬৩৮ দেঃজারি ৩১ मानि ६०५॥/० ডিঃ পূৰ্ণচক্ত দক্ত সাং নব্**নী**প **(मः तिमक्नाम त्याम माः (भाः मन्द्रान** থানা নব্দীপ নিজনব্দীপ প্রানে দও-

পাণিতলা পাড়া রোডের মধো ু ব কাঠা জমি २. कमा कश्वम छद्रोहार्या स्मरतकात मिर्छ हरा मुला २८००

( 38 )

১৮০৬ দেংস্থারি ৩১ मार्वि २ १२ गु ডিঃ হেমছকুমারী দাদী সংং লেপুল-

দেঃ ভারাপদ মঙল সাং চুণারী পোঃ হাসধালি

থান। ই। দথালি সামিল চুণারী প্রামে ধীরেজনাথ খোদ দিং অধিন ২৪৪ বভিষ্টনৰ

( 30 )

३६१७ (तःकाति २) मावि २८०५ • ডি: বুকাবন লাস বৈরাগ্য সাং নব্ধীপ দে: সেক্রেটারী অন টেট ফর ইণ্ডিয়ান इन् काङेनिन

থানা কোভয়ালী সামিল স্থবর্ণবিহার গ্রামে যতীস্ত্রনাথ বিশ্বাস অধিনে ১৩১৩ বং ৯ ৫৪ শতক জমী ৪৬I১০ জমা মুলা ০০০০

( 05)

১৮৭০ দেঃস্থারি ৩১ দাবি ৯২২৮%-ডিঃ রাধাগোবিন্দ সেন দিং সাং মাটাগ্রাকী দেঃ ভণ্ডুস ঘোষ দিং সাং বাহাছরপুর পোঃ <u>কু</u>ঞ্চনগ্

থানা কোতয়ালি সামিল বাহাছরপুত্র গ্রামে রণজিৎ পালচৌধুরী অধীন ৩৯৪---৩৯৯ ও ৫০১।৪•২ থতিয়ানের ৩১-৫২ 🖛: 장[최 국용NJ) 이 경제 (약: 1/5) = 전·제 भूना जाः ১००५

( 99 )

১৮१२ (मःस्वाति ७) मार्वि । ७२९ie/১४ ডি: ঐ

cu: मरकारमय प्याय मिश मार क्ट्रेसिया পো: কালীগঞ্

शाना कानीशक नामिन क्ट्रेविया भोकात থানা নৰ্বীপের সামিল গালিগাছা ডিক্রীদার দিং আঘন ১১৬ খতিগানের

## दिवसिय महीया अञान

১৬ ৮৪ শতক জমি ৫৪৯/ জমা মূল্য ১০০১ ২। **ঐ থানা**য় বাণীনাথপুর গ্রামে ডিক্রীদার অধিনে ৬৮/১ থতিয়ানের ১-৫০ শতক জমি ৪৮/১৫ জম্ মূলা ২৫১

## ২য় মুকোফ আপাপত (3)

৫০৮ থাংজারী ৩১ দাবী ৮৯৮০

'ডঃ অম্ল'বালা হালদার সাং বালিডালা (सः (त। किनी निर्वि पिर मार को निपर) ্ৰাঃ বাঞ্চালবি

চাপড়া পানায় কল্যাণ্দহ গ্রামে ডিক্রী-লার লিং অধীন ১৮৭ গতিয়ানে ৩ ১৮ শঃ क्रमीत ১२॥०'० कमा भूगा व्याः ७०० ( > )

७०४ शहकारी ७३ मार्ची छ ।। रु

াডঃ সরোজরম্বন সিংহ দিং সাং কঠিল-োগে

নেঃ ভববেওয়া দিং সাং সোনপুকুরিয় পাঃ বাঙ্গাল্বি

চাপড়া থানার দোনপুকুরিয়া প্রামে পা: বাঙ্গালবি प्रिक्रोनात क्यों स ১৬৩ थां **छग्नारन ५-**३५ सः क्या मुला आः ३०.

( 5 )

্রচত থাংজারী ৩১ भावी .७५८३

0-2

डि: क्र

(नः उखगान मत्रना

প্র পোঃ বাঙ্গাঙ্গবি

চাপড়া থানায় বাজিবপুর গ্রামে ডিক্রী- বিলালবি দাৰ অনীন ১৬৪ খতিয়ানে ৫-১৬ শুভক হ্মা মুলা আ: ১০১

(8)

*ः • ३ शः छात्री ७*১ मार्ची ३२२०/०

2465

্ৰ ডিঃ ঈশানচক্ত কুণ্ডু সাং মধুপুর (मः कांद्रमान मखन मिः नाः ঐ পाः

ব্যস্থারারী

ः १५%। शामात्र मधुभूत आदम छिक्तीमात्र । শ্ৰান ২১ প্ৰিয়ানে ৯৫৯ শঃ জ্বমী २४५/३८५ इ.स. मुना व्यक्ति ३६८

৪৯২ থাংকারী ৩১ भानी 4840 क

ভিঃ 🎍

লে: মতিম**ওল সাং মধুপুর পো**: নাঙ্গালাক

**ठा**नका थानाग मधून्त श्राटम किजीवात याम ১२२ चित्रारम २ १६ भः ....ं ज्या मृता चाः ১६

( % ) ৪৯১ খাংজারী ৩১ मायी ३४८०. 3985

ডি: ঐ

(सः পाँ म अन माः मधुभूत (भाः বাঙ্গাণঝি

চাপড়া ধানায় মধুপুর গ্রামে ডিক্রী-দার অধীন ৮৭ থতিয়ানে ->• শতক জমী आर भ्वा जाः र.

(9)

৪৯০ খাংমারী ৩১ मानी ३०८१४ ०

fb: 3

(मः क्लांत्रमान मध्य भिः माः मधूशूत (भाः वाकालिक

চাপড়া ধানায় মধুপ্ৰ গ্ৰামে ডিক্ৰী দার অনীন ২৯ খডিয়ানে ৭ ০০ শতক । कभी २२, **>> कभा भूना भाः २**८-्

**६৮**१ **थाःस्रा**ती **७**১ मानी эः ५०

>909

िः ज

(नः त्यद्भत तमथ कष्ट्रल मार मधुभुत

চাপড়া থানায় মধুপুর আমে ডিক্রীদার অধীন ১২৮ থতিয়ানে :১-৩২ শতক 😻মী ८१८ ३१। ज्या भूला या ३००

( % ) ८৮৮ शासाती ०১ मावी नगरे

29 Cb

ডি: 💆

(नः इष्टि स्थि निः भाः मधुभुत्र त्थाः

চাপড়া থানায় মধুপুর গ্রামে ডিঞ্রীদার জ্মনীন ৮১ থডিয়ানে ৪-১৬ শ: জ্মী ১৫५/১৫ कमा मृत्रा चाः २८.

(30)

৪৮৯ থাংচারী ৩১ भानी १८।/०

400

ডি: ঐ

(भः सम्मक्ति मञ्ज नाः समुभूत (भाः নাঙ্গাল[ঝ

চাপড়া পানাম মধুপুর গ্রামে ডিক্রী দার অধীন ১১৮ খতিয়ানে ৬-২৩ শঃ জমী २०॥ ५ मा मृना जाः २ ८ ५

शानी २०॥३ ৪৮৬ খাংজারী ৩১

3939

ডি: ঐ

দে: নিবিল সেৰ সাং মধুপুর পোঃ বাঙ্গালবি

ঢাপড়া থানার মধ্পুর গ্রাঘে ডিক্রী দার অনীন ৮৩ থতিয়ানে ৫৭ শতক ক্ষমী विदा প্ৰতি ১। • নিরিধ জনা মূল্য আঃ ১০ । শতক জনী উটবন্দি জনা মূল্য আঃ ৩০ ।

( >2 ) e • > शास्त्राती ७> मावी ३७२५८७

>009

**(v**: সভীশচন্দ্র পালচৌধুরী সাং নাট্ৰহ

দেঃ যেত্রে বিখাস দিং সাং মহা খোলা পোঃ বাঙ্গালঝি

চাপড়া থানায় মহাখোলা গ্রামে ডি লীদার অধীন ৮. থাডিয়ানে ৪-৬৬শতক सभी अवेदनि (काक भूगा चाः २६-( 20 )

৪০৫ খাংজারী ৩১ দাবী ৩৭৯॥১৩

ডি: ঐ

লেঃ বোমজান মণ্ডল দিং লাং মহা।। (थाना (भाः नामानिव

চাপড়া থানায় মহাথোকা আমে ডিক্রীদরে অনীন ১৯২।২০ থতিয়ানে | ১৪-२ मध्य कर्मा **উট्रेशन्स क्रमा** मूला ৫०.

( )8 २०३ थार्डावी ३३ 付着 シャルタ

२६५

छि: ब्रे

দেং তেজারালি মেথ সাং হর্নগ্র (भाः (माना उमा

নাকাশপাড়া থানায় িলকুমারী গ্রামে শতক জমা উটবন্দি জমা মুলা আ: ৫.

( 30 )

৪৫৩ বাংজারী ৩১ भावी २१०७

ডি: ঐ

(नः पंडू रगथ नाः भग्नगाना (भाः বাসালাক

**ठा**পड़ा थानांग्र भग्नमाना आत्म फिक्रोनांत | অনীন ৬৮৪ ধতিয়ানে ১-১৩ শঃ জমী भूषा माः ३०५

( 2.2 )

मावी धरा/र ४८२ थाः काती ०३

3008

प्तिः क

(नः नीष्ट्र त्मथ निः गाः नश्चमाना পো: বাঙ্গালবি

চাপড়া থানায় পদ্মমালা গ্রামে ডিক্রী-মার অধীন ৬১০।৬৭৫।৭৭৮ খতিয়ানে ৩-৫৯ **नठक क्यो ১১ ১० क्या मृत्र काः २०**० ( 39 )

৪০৮ গাংলারী ৩১ वावी >७०५० ডি: ঐ

নালাভুলা বিখাস দিং সাং श्रोटपाना पाः वाजानिक

চাপড়া থানার হাটখোলা গ্রামে ডিক্রীয়ার স্থান ২১২ খডিয়ানে ৭-৯১

\* (\*n+ )." ८०१ चारवात्री ७३ 🗸 साबी ११५० -

(म: शकुत त्मथ निर मार कांग्रें(थाना (भाः वाक्रानिक्र. 

চাগড়া থানায় হাটখোলা আমে ডিক্রীদার অধিন ১৩০।৪৪৫ খডিয়ানে ৩-৭৩ শতক জমী ১২৮৮/ - জমা মূল্য ২০১ ( 29 )

०२२ थाःष्ठात्री ७১ शाबी ८५।/० ড়ি: এ

(म: याङ्गा किन्न माइ द्यार्का পোং বাঙ্গালবি

চাপড়া থানায় গোংড়া গ্রামে **ডिक्री**लाङ व्यथीन २৮८।२৮६ विकास ৪-৯৪ শতক জমী ১১১৮০ জমা মূলা ২০ 🕻

( 20 ) ৪৮ । थाः वाही ०) मानी उशा/व

ডি: ঐ (भ: व्यासित ८ होरम्स मत्रमात भिः

मार लिक्फ़ा ८लाः वाकालकाः চাপড়া থানার শিক্ত। গ্রামে ডিক্রী পার অনীন '৭২ **খ**তিয়ানে ২-৭১ শতক

क्यो ॥ • ज्या भूगा आः ८ ्

मानी ७००/• ८१२ भारकात्री ७३

ডি: ঐ

**८**नः ककित्रहान ८भथ मिर मार निक्का পো: বাঙ্গালবি

চাপড়া থানার শিক্তা গ্রামে ডিক্রী-मात्र व्यमान के पश्चित्रास्य २-२व भः अभी 8॥८० समा मृगा साः ১३.

( 44 )

८१८ बारबादी ८১ षाची ४२२८७

ডি: ঐ

(मः इत्रमान शक्तांत्रिक माः निक्छा ণোঃ বালালবি

চাপড়া থানায় শিক্ডা প্রামে ডিক্রী-**मात्र क्योन ১०१ बिकास्य २১.७७ मा** अभी ७०॥८७० समा मूला जाः ५००५

৪৭০ থাংলাকী ৩১ सावी ३६२।/३ ডিঃ ঐ

त्यः मनित्रमि विषाम मार निक्का পো: বাঙ্গাগবিং

চাপড়া থানার শিক্ডা প্রামে ডিক্রী **मात्र क्योन २६७ बल्पियांटन ७-७৮ मल्क** जमी ১২॥४)४ जमा मुणा जाः ०६८

(48)

मारी १५,० ८६४ बाःबाही ०३ ডি: ঐ

द्वः सारम्य मत्रवाद्य विर मार निक्षा পোঃ বাসালবি

চাপড়া থানায় শিক্ষা প্রানে ডিক্রী शांत्र जरीन ३६३ च क्रियोटन २-५७ म्छक् भवी ८५/६ अया मूला भार ३००

ডি: ঠ

त्मः मनित्रमि विश्वाम शाश्यमिककं टिमाः বাদাসঝি

চাপড़ा शामात निव**ष्ट्रसभूत आरम छिकी** नात अभीन शाया अभी अवनिम समा मुना আ: ৭

( 25)

२०५१ ८षः माती ७० मावि ১৮১।/७ फि: कुझगान भाग मि: गा: नफ-মুড়াগাছ

(मः शामिनशाक्षाविति मिः माः क्रे (भाः द्राप्तभागि

থানা ইনেপালিব সামিল বড়মুড়াগাছ। গ্রামে রামনাথ ঘোষ সেবেঞ্চায় ৬৮৪ খণ্ডি-য়ানের ১৮/১।৶২ জমি ১৩/১/১৪৭ জমা

CH: Ne --- अ.म मुगा १०.

( २ १

১১৯० (मःहाति ७১ मानि २ १ २ १ । फि: **यो**शिक्ष नाथ नरन्गाशांगात्र गाः

নেঃ পিজিম্মানি নিশাম দিং মাং খুগরাগাছি পোঃ মাঝান্যা

भाना है। मेथाणि मानिय वश्रद्धी आध्य ৫৮২ অভিয়ানের ৪০-৫৯ শতক পিবোভর कमि मूगा ८०

( 35 )

১৯৪৫ দেংজারি.৩১ मावि ६२११० म ডিঃ পাতি কুৰালা দাসী সাং মথবাপুৰ 🔐 : 🖙 भाज च्यारिंग गत्त्रथा निए मार 🗈 লো: নামালবি

থানা চাপড়ার সামিল মধুয়াপুত্র প্রচেম শিক্ষারামণ বোদ দিং সেরেস্তান ১৭২ পতি ম্বেশ্ব ২১ ১৮ ০ জমি ৮০ জমা মাগ্র न्गडवाजीयह मुना २००५

( 6 6 )

\$ 5¢ ----श्रिकादि ७० मार्नी ५०५ ० 20F2107

ডিঃ মধ্যেক্রগোপাল গালুগী সাং **ধ্যত্রাড়িয়া** 

(मः ध्यमान दमश्र किः माः कालका द्राह्माई) त्थाः क्रमञ्ज्ञातः লে: বাঙ্গালঝি

থানা চাপড়ার সামিল আলফা গ্রামে ্রকবিহারী খোষ অধীন ২৭০ থভিয়ানের २ এकत सभी Cनः --- अ: व दा॰ समा अमा की: २०५

२। जे भागांत्र जे आत्म के प्रशीम ২৭৭ গতিয়ানে -৩২ শক্তক জনী ৫১ জনা Cut to कामा काःम माध नाड़ी चत्र कामि भूगा कांड ३०५

🏩 े अभाग वे वारम नकतन्त्र मानिर्देश मिर् स्थीन 🔸 २ थियामा ২'৪০ শতক জমী মূল্য আ: ২০১

मानी ५०। ८३

ডিঃ কান্ত বিবি সাং গোনিন্দপুর

দে: মতলেব মণ্ডল সাং ভামনগর পো: রুঞ্গঞ

থানা কৃষ্ণাঞ্জেণ সামীল শুমিনগর মধ্যে এমছান বিখাস দিং সেবেভার '০৪ শতক জনী ॥৩ জনা মায় পড়ুগাখন ২ খান সাজ মুলা ২৫১ मदक्कांच देखामि गुना जाः २६८

(9:)

669 -----মণিজারী ৩১ দাবী ১৬১৮৯

ডিঃ মঙেক্রানাগ ঘোষ সাং বড় মুড়া গ্রাছা

দে: কেত্ৰনাথ ঘোষ দি, সাং ঐ পোঃ হাসথালা

থানা হাণবাসী সামীল বড়মুড়াগাছা প্রাক্রে বিছাংশভা দেবীর সেবেন্ডাঃ ৬৭৮ বিশ্বাস দিং সেরেন্ডাই ১৩০৮—১০১০ এতি-ঘতি নেল-৫৮ শতক জনী ৯% টাকার প্রনী ৯ম: মার কার্থানা বাটাস্ফ দে: আনা অংশ মূল্য আঃ ২৩১

२। जे धानांत्र के आहम इस्तक्तनांध বায় দিং সেলেভাষ ১২৯২১১৯৩ খণ্ডিললেল ১-৫৫ শতক ক্রমী ২/শ রায়তা ক্রমা সেং no अल्ल-भूगा आहे २०.

्य। अ शीनाः के ब्राप्त ५५५--५.६ विकासन के प्रश्न निकत नावताक इस्ति द्वार १० का स श्वार २०५

B: बे भागात वे खादम ७०১---७०० ৬৬৬ - ৬৪৫ প্তিয়ানের ২৭৭৫ শতক নিদ্র লাগরাক জমি দে: 10

– ---- মাণিকালী ৩, मानि क्रम

ভি: বাজেজনাণ মজ্মদাব মো: ভবানি 🥫 পুণ ক্লিকাতা

দে: হিমাংশুভ্ৰণ সমাদাৰ মোং রাধাবান্ধার কলিকাতা

থানা চাপড়ার সামিল শুটিয়া গ্রামে 🛊 যোগেশচন্দ্র ব্রহ্ম অগীন ১১৬১ গভিয়ানের এ৮ ৯৯শঃ নিক্ষর রক্ষরে জমি দেঃ ।০ অংশ भूगा १०.

(00)

🗕 স্পিজ্ঞানী ৩১ দাবী ১১ ৮৩ | 1026 ্ডিঃ অমূল্যকৃক্ষার ঘোষাল দিং সাং

ভাত্ৰা

লে: রহিলারাত্রন বিবি দিং সাং আড়সিউড়ি গ্যো: রুম্মনগর

থানা হাঁদথালির সামিল ডফরপোতা खारम यमत्रीनायाम एक नामिका मिर अधीरन ৯০৩--৯৩৫।৯৩৮।৯৪০।৯৪২ অভিনারের ২৩ ৩০ শতক জনি ৩৫५৭ জনা দে: 🛷:৩৷ 🗕 व्याप मूना २४.

২। ঐ থানায় ঐ গ্রামে রাজা ক্ষীকেশ লাহা সেবেস্তায় ৫০৭—৫১০।৫১२। ৫:৪া৫১৬া৫:৬া১ প্তিয়ানের ২৭-৩২ শতক কমি ২৪॥৩ কমা জে: ১.৩। – মংশ

৩। ঐ থানার ই গ্র'নে ঐ মালিক সেরেস্থার ৯০১।৯০২ খ্ডিগ্রের ৭-৫ শতক ভথি ৭১ - জন। দেঃ ১ - ১। — অংশ মূল্য

৪। ঐ থানার ঐ আমে হ্রেক্সনাথ व्यम्मार्थायाम् भिः दम्दत्यान ১०৮৮।: ०५५ থতিয়ানের ৬ ৬১ শতক জান ৮ জন। cr: १८११ - 'ब्र्स म्ना .o.

৫। ঐ পানার ঐ গ্রামে প্রিয়নাগ সানেব ৮-৮৬ শতাল জমি 👊 জনা দেঃ of on — जान मना जा: ३००

৬। ঐ থানায় ঐ গ্রামে জ্যিকেল লাহা দিং সেপেশ্রান ৪৯০ খাডিয়ানের .-৪১ শস্তক 🚶 জনি ৪৮/১১ পে: ১/১৩। – "অংশ মূলা ৫১

-মপিজারী ৩১ मारी : ၁०५/४

**डिः १तिभम भड़ाई किः मार मनुमाधा**ड़ा **.मः मागवास विवि मिर्भारका शाका** পোঃ বাঙ্গাস্থি

থানা চাপড়ার সামীল দক্ষিণ্রাঞ্চিয়ার-। भाश भारम सम्पत्तकः शामालीपूरी अनीस চি প্তিননেৰ ২১৫ শতক জন। ন ৭ড়ুয়াবৰ ইতাৰি সহ মূল্য আ: ৫০১ ( 44)

२२६ थाःकाहि ७५ मारी २२॥० 

দে: আছারালি মণ্ডল দিং সাং ভীমপুর পোঃ বাজালবি

থানা ইাস্থালি সামিল দফরণোতা গ্রামে ডিক্রীলার দিং অদীনে ৪১৮ থতি-য়ানের ১৫-৮৪ শতক জমি ৩১/৫ ফানা भूगा ८ • ्

( 25 )

६२८ चाःकान्नि ७১ सवी १०७। । পাওয়া হগলী

দ্যে: কানাইলাল সিংহরায় সাং সোণা-**डाक्ना (भाः नाकाशाला**डा

নদীয়া কালেন্টরীর এলেকার পিরপুর ৪২৩।৬ নং [ভৌজী :জ পিরপুর মধ্যে ও मामृत्रहर्मा भागात हमालाङ्गा, लियलुत्र, निव्हम्म-পুৰ ও চাপড়া থামার ফুলবাড়ী, কাদাঘটো মতেশপুর গং গ্রামে জলকর বিলপ্তকানি ও গাস্থীর গানার পাডারপুর আমের ,৫৮ সংশে ডিক্রীদার স্বধীন ১৪৬৮১১০ ও ৩৯৮/ সেস্ পত্নী জনা মূল্য ৫০০

( 99 )

२६ विक्यानि १५ मानि ১६६।० डिः वृत्रि-१६<del>क्ष</del> शांबरकोषुती पिर स्मार গোলছী

**লে: উদাচরণ সিং**ছ মোং গোচাড়ী পো: ক্ষুণ্যগ্র

নদায়া কালেষ্ট্রীর ২৮৬৬ নং ভৌজীভুক দেউলিয়া, লগ্নীগাছা, পাথুরী ও বৃভিছ্দা গ্রামে ডিক্রীলাই অধীন ২০।৭৯৯।২৫৮।৫৮৯ থতিয়ানের ১০০৮/৮ থাজনা ও ২৭/৯ সেন্ প্रको क्या ब्या काः a•्

১৮৯৮ খাজারি ৩০ माति ८५५/७

দেঃ বনমানি প্ৰায়ই সাং ভীমপুৰ গ বাঙ্গালঝি

ু হওয়ায় এবং थाना व ताग उत्पन्न भागकाका নকটে শিলাপাত হওয়ায় শতক জ গ্রামে ১০\_ ्र<sub>45</sub>ल '**क्ट्रे**बा वाता २ मिन পারাপার করিতে হইয়াছে।

**५:१८ था.** 

ডি: মন্ত্রণ cu: तार्थे**व वाशितक पूरि** নাটনা পোঃ মহৎপুর্থ ভ্রেপ্তার

থানা চাপড়ার যামিল ১৭টাতে চুরি ১৯০০ খাজিবালের্ডিজ পাটক 🗦 🖼ৰু-নিক্র ছমি মুলা 🐍

## वाञ्चालाश काञ्चक ८ष्टे भ छर्गरत्रत्र

উদ্ভৱ ব্যেপ্ত : कांग **(कांग व्यक्त** द অৱকঃ উ**িহ্নি চুইয়াছে, সেই সম্প**কে বাঙ্গালার গভেগর গত সপ্তাহে রাজসাহী বিভাগের কমিশনার বংপুর জেলা বোডেব চেন্রমান রাঃ বাহাত্র শর্জ্য ৮ ১.৬-পাধারি ও জিলা ইঞ্জিনীয়াবের সাকত .चारमाञ्चा करत्व। ७ भगस्य यथास्याधाः ভাবে যে भक्त भारायातात्रः। यदा श्रेताद्रः, **সে বিষয়ও আ**লোচিত হয় !

বিপয় অঞ্চের সংহায়ের জন্ম গভর্ম **ডিঃ মহাবুধা খাতুনবিবি দিং লাং | সংপ্রতি ৮ শত টাকা দান করিয়াছেন।** 

## বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভিজ্মিসমূহ

## শ্রী চৈত্রতা মঠ

#### আকর মটরাজ

श्र हीन नवधी , काक्षत श्रीभात्र भागानुस, नमीता

শ্রীমভাবোগপাঁর ভততে খার ৩০ গড় উত্তর-পূপে শ্রীবল্পমনে আচার্বরে শ্রীচঞ্জ-(मथब-कवान ओजीरेडकण-मठ निवासमान।

এই স্থান স্বাধ্যক্ত-খীর, পর্ববিদ্ধাপীর বা সাম্বাস ভক্তনস্থলী ে এই মহাজীর্লে নীঙরি-माम्याम वाकित्वालि-(वलाक्यम्य, वर्शविषात अखर्तत कावा, लावेक, समझात, क्षा श्रमान-देशनियम-मेहिन-प्रज- 2 अन- 5 कृष्टे ध्रेष व्यवायन 🔞 व्यवायन खर फ्लाय व्यवहरू (शोराक्ष-शाक्ष सका-शिविषद e शाक्ष शाक्ष्यपाविक-व्यक्तिया-ह्यू. व केल्याद देशक বিগ্রাহের প্রতিভ নিভা সেপিত হংতেছেল। এই মঠবাজে পাৰ্মাধিক দৈনিক্পত্র সাম্বভ मक्काभारपत का का निक s प्रशांतीन शहताकि शताव रहा 'नहींगा-शकाम' यहानह প্রতিবংসর প্রীধাম-পার্ক্তমান্তরান ও অগাপত ভক্তগোঞ্জিন্ত প্রাভিষ্ঠিত কর্ত্যাকেন कीर्त्वन প্রচারমূপে মহামংশেৎগর পি ভক্তার অভঞ্জি হু হুহুর পাকে। বক্ষক---রক্ষচারী শ্রীপাদ নরওরিজী। সভকটো— শ্রীপাদ বিনোদবিধারী এখানাবী, পাওছ ইছিপাদ গোরদাস उन्नाडी कावाबावबन्दीय, जीवाम नीतिक अन्नाडी, जीवाम अन्यानाम उन्नाती. 🕮 অঘ্ৰমন একচানী, অনুস্বনগোপাৰ একচানী, ৬৫ সংক্রে, ক্রিব্ল, রেব্জীগোচন । প্রামৃণ স্থান্নগণ !

ক্রিদ্ভিস্থানী প্রীন্তর্ভিত্রদীশ কীর্থ মহারাজ তথালে ব্রিক্সা কীর্ত্তন করিছেছেল। এক্ষারী প্রস্তৃতি

### (৩) যোগপীত আমন্দির

এট স্থান জীতগরাপমিলের ভবন বা বীমলাংশ প্রভাৱ কাণিভার-ভূমি মংবায়েল-<sup>क्य</sup>ा अशास श्री श्री श्री प्र क्षारतीत्रभाषात्रम् ६४९ होहै । स्ना १८८० चारझात. जिल्हा (अना इल. **व्या**लकः । 3 --- (\*1) P-. . 3 , Bisalfu: G (मः कुकुमान मनलात सिः माः विवासी. 414 3T-

हा भागांत्र तांकियशत आर अन्या मान करीन ১५६ श्रिशासन জমী মূল্য আ: ১০্ াপ-ক্ষেত্র

পুর পোঃ বাঙ্গাক্ষি

६६ की खेल-निवास वा २ • ३ था: एवं बागक्ष्मी । खनात्म देव्यिशांद-, शाक्तिक छ भक्त अरख्ये च्याना वस्त्राना वक्त क---- 🚉 शहा + क्रुप्त अक्षात्री ।

#### ( ¢ ) (0) (43-44)

बहे कारन चौं भटेंदक शक्त क्षत्र वादर :Bat 45Mid 1

रक्षक- श्री धरव कालम आमाधि काही. **अ**र्गाक्तमाम गाव की ।

#### (७) काळांड मधार्थि श हे

चाहीम माशपुर, नामगपुरुत (महीता) **क्षानाहरूनानाळ जीहानक'बी३** प्रमान । वकक--अक्टाती द्येतिस्मान'नश्रदीः

### · 4 ) 약(의짜 절벽#·주영

चौरशाक्ष्म, अक्रमश्रक्ष ( सहीय: ) बागान श्रीतकृताम श्रीन कविनितामहाकृत्वन ममानि कवर द्वीरगोत्रमभाषक कवर द्वीद्वीश्वासा-BINGE ING! SENIA

इक्क-- ७ किकू क्षम जाकात अक्षताती अक्क-- व्यवसम्बद्ध अवनामी. क्ष काश्विमी बन, धम, बस ।

## ्र अधिकाबाय दशोडीय मह

यश्यन भिद्द ।

नक्षक--- हावधनप्र क्रांकनाको द्रश्च. ख वि. अम. मककादी-शिष्ठं क्यामाम कि-माही, में हरका व सकादी आहार ।

## ( ১) डिप्ट्रशोब-शमानक मर्र

টাপালটা, সমূলগড়, ( সম্মান ) ইংগ বাণীলাপের প্রাঞ্জিত পৌরগদাণর-(मना । तक्षक- ट्रेंब्ट्रिशम डक्का हारो, करू E 15 4 1 4 5 4 14 1

্র এ জীরপ্রোভার-মঠ 41:198, 21819 33. M वक्षक- डीडिनाम अक्षाती, भडकारी-🕮 मर्स्वयम अव्यक्ता वी ।

## ( ): । श्रीत्यापञ्चयहज्ञ—

माञ्जाक, बाह्यत, वद्यमान। প্রাধার করে জাকুর বৃন্ধারনের স্থান। १भ- मान्यांवराही अख्याती, कळ

#### (১) ) ভাগবন্ধ আগমন

🚉 भाषत्र ५ 😂 🗸 क्रम्बर्गाञ्च, असीवा । कः वय र विश्वास अक्षावतीय व्यक्ताय-(कळा रक्ष -- श्रेक्रभारम अस्तारी काक्यात्री

#### ER RETPRIE (OC)

Cगानिकक्त, दामवानी, स्वीका । क्षण्य--- वी पड़गामम तक्कारी । महश्री খ্রী- রুসিংত প্রশাসারী, শ্রীলপ্রেরির দাসারিক। টী, शैलञ्चनाथ शास्त्रा, अक विश्वनाथ

#### ( 58 ) खीमाश्य दगीकीम वर्ड

अन्बर वर्तावश्व आकृ, श्राका । भृक्ष रक्षत्र अंत्रत-दक्षा, बचारम स्त्री करू-दशीशक गाइन्हा-निर्देश दशक दशका बद्धकान । क्ष्मबागम नवनिश्वः वित्नाम विन व, ने श्राप- ( ३ ) खीटगोडी स मठ

२७ जर का विक्राम एक वस्त्री है। है. त्यां: मानवाचांत्र. कविकांका । छिलिएकाल वि. वि. ७५५०

श्रीभगाना अकर श्रामिक लामिका किकिनक श्रामिक श्रामिक श्रामिक मान श्रामिक নগ্ৰী ক্ৰিকাভাৰ শ্ৰীক্ষিণবন্দে আসনে শ্ৰীমঠ প্ৰতিষ্কীত আছেন। এই পক্ৰ शक्या वादम में कक्-द्रशीताल-में निरमातामक की के मनाबंदक निका द्रमविक क्रम । द्रशीकीर काहार्यान्दर्वत या प्रतीय शहानमीत ए शहारवादमान श्रीयर्क नश्मव अवही एवं वर मुक्ता-বস্ত্রালয় সংস্থানিত তর্ত্তাভেন। পালবীয় শব্দক 🕮গৌরনাম প্রচারার এই বস্তালয় কটডে 'গোডীর' সংস্থাতিক পত্ত, লি **ক্রমানিস্তু মা**সিক পত্তিকা ইংরাজী কাষার नियाभिक छाटन आकामिक व्हेटकरहना । क्रियति शात्र, महीक्रम, महावान-क्रक्टेबन्दम्यास, শ্রীমন্তাগবজ, প্রীটেডজ-চরিভামুখাদি-লীলা ও ভত্তপ্রের সমাক কালোচনা করত থাকে। মন্তরক্ষ --- আচার্যাত্রিক জ্রীপাদ কুম্ববিধারী বিষ্কাঞ্বব। সভকারী-ক্ষপত্তিক শ্রীপাদ অলক্ষরান্তরের পরবিভাত্তরণ বি-এ, ব্রীপাদ সাস্বিভারী ব্রশ্বচারী, শ্রীণাদ क्रमाठकातम कामाधिकाती विन्ता श्रीलाम क्रमाधिकाती, अक्षाठाती चौकीर्जनामक, बक्षाराती चौला बीस्थाक्त. अवहाबी खीयरामक, गांखक खालाह बबीसक्क भविष्याग्रहाद मध्यवाद्वेत अन्।वर्गाः, व्याच्यव्यव्यान्।माधिकाती वि- a. व्याचनव्यव्या भणाती वि- on, कियश्रम श्राप्रकारिक, अविवास austol. Bereteiten

रगीत अधारी, जीनन्त्रीताम अध्वहाती, श्रीपश्चित्रभागम प्रायः ।

## ( ১৫ ) औरशाभानकी मर्फ

क्रमणा श्रुत हाका। त्यायायको र जी। न्याद्य व ज्याठी न दमवा वक्क-- डीवरभनामन खब्दाती ।

( ১৬ : श्रीभमारे-८भाराम मर्ठ रुविश्वक श्रामाधनी मुखान्यानिश्व हि । हाका डीनमार-शोदादमव निष्ठा दमवा বক্ষ - ত্রীপূর্ণ প্রজ্ঞ রক্ষচারী, ত্রীমণ্ড লাল ব্ৰহ্মগ্ৰহী

## (১৭' श्रेष्ठाशवडकमामन मर्ह

किक्रांगरा, वाक्रम्बन्ततः, द्रमस्त्रीन्त । ध्यभारम नी कक-त्रांशक-भाषां के का গিরিধারীর নিভাদেশা বস্তমান। বুল্ক-डक्यामी श्रीक्शवासमामसी।

### (১৮, व्यामनाट्याफ) अनुसाक्ष्य

नाकरीम द्याः वद्यातः ।

क्षी अक्टरनावाक - में श स्वतिक का 'नश्विमाबीते जिणारमना । वक्तक-अक्षनामी श्रीक्रक 1014341

## (১৯) औश्वनस्याखन मर्ह

अर्थकार, भूती, के: ध्या । बयात चौर्शाद-विकास मार्थियकीय मिका-:मना नक्षाल । क्षण - ख्रम्थ ने क्रिन्ड्या-नम विभावण, बच्छाती श्रेमणीशमण, हीलरव्याक्षकत अव्यक्ताती. हीयापनानम अव्यक्तारी, कक औनिमांहै।

(२ ·) खेलम-८गोडीय वर्ड भागतक्ष्माथ, अभागिक द्रभार, जुडी। कर्माव्याव्याच्या व्यवस्था भगति हो स्थान 4m b -- Ameiel WATIA ! क्षेत्रस्थिती वाग्रामकी। সভকার্য্য-अभागाती क्षितिशिमनिकाकी।

#### (८) श्रेमकियानम् अह \$ Walliate, 464 (

अवादन शिक्षक- जाराब-विद्यासम्बद्धान-कीय निकासना वस्त्रमान। युक्कक-अमहार्ती जीनबाद खीवायलय उन्नहारी

(२२) अभगाषम-भोषां क्रंड अन्द क्षत्रकात्म मुद्राः, काला ।

(भोप-गमाक्ष्मुक मनाक्षम-भिगामका) অবানে গোরদেব। বস্তমন। वक्क---श्रीकामकीमावकी. श्रीशकामम अक्रमानी ।

(००) ध्रिक्सटेड्स स३ -

जीनः भरण्याम कृषाः जीनाम कृषात्रमः। A Saint-Bu-Culvadia cani तक्क-- क्षेत्रवणिकवाम अक्रवादी

(६৪) अभित्रमहरम मठ

रंगीयवावना, मीजायुक এখানে শ্রীকাগ্রম্ভ পরিবালা ক व्यादिकार विद्यासकार देश विद्यास 幸幸 ---- 3年51引 劉田·HCBI ne a amaid

#### (२० औदेहरुक्यदशीकी व वर्ड

खीमच्छनाम ।

事項司費 母1、15日要 母1、 41日學年 。 卷41 मीरे००व-मरहत नामा। वक्क--मीश्रमा-माथ वात्र, डीटकनशानम अवधानी, जीवाय कीय सम्बद्धिः।

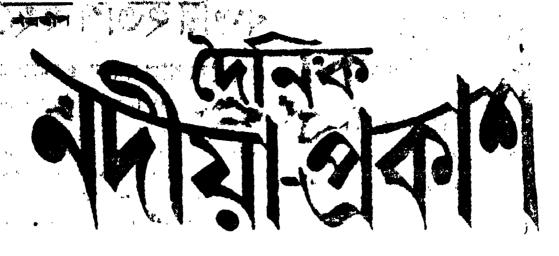
(२७) यामदगोडीय मह 李中C年4、可1(446、中910) : ##16# क्रीटर्भा वा नदस्य माना व्यवस्था । त्रकर--- अवस्याती विश्वमण्यकी . सीसमीतः (भाषाम खळवार्गी

### (24) 國門等中門[第1 國門管理第4-第2 ब्राज्यनभाषाः (भाः मास्ः सम्बद्धाः

क्षार्व वर्ष कृष्ण्यि खार्शावारक द्रावा नक्षमान । क्ष्मम-अधनानी श्रीकानुस्थ-माय, जी नश्रमश्राच अक्षताशी। (६৮) विश्व द्याक्षीत वठ--कार्यहासक a e द्रापी करम, का का क दणम, कि के क्रिकी । प्रकर-अकारों श्रीनेवक्क, खोळ्नालंपन क्रीका ना क्षत्रन इंतन प्रथ

(६७) द्याहामगाका अग्रहाख्य पुण क - अवाहानी की स्मारताकर

व्यान्द्रम संग श्रीक्षादर



माराट्यार सात বাঞান দেয় বাধিক 🔊 भागाधिक ८ देवमानिक २५० মাসিক ১১ गगम প্ৰতি সংখ্যা 🕻

ভাষতের লব্দতি বছল-এটার-নদীয়া কেলার একমাত মুখপ্ত

৬ন্ত খণ্ড ]

সম্পাদক—শ্রীভাতীন্ত্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি

300 छम मरथा

**ন্ত্রিতভাষার জীবাম মারাপুক: ১৫ই আমাড় মন্তলবার ১০০৮, ৩০শে জুন ১৯৬১** 

## नाना कथा

रक्षाचाटक त्यांनमान

कृष्टियांच शंख २७८म सून (रामा ० গতিকা হইতে ৭ **ঘটিকা পৰ্যক্ত** ৪ ঘণ্টা वाानी कृष्त वृष्त इहेशा निशास्त । वृष्टि व সঙ্গে বস্ত্ৰপাত ও অবিশ্লাম বিহাৎসূরণ হুইগছিল। সংবাদ পাওয়া গিয়াছে <sup>थ</sup>ेंगजिक्छेष्ट क्रिजिल्स खाटमत खटनामण वरीया , अक विवासिको सूर्यमान वाणिकाः বঞ্জাঘাতে আপ হারাইয়াছে। স্থারও कामा भित्राटक नार्चनकी टेकनभूत आटवत একটি মুরলমান যুবকও গত ২৬লে জুন ৰ্জ্ঞাঘাতে মারা গিরাছে।

## ছাছদের ঐতি ভাতবর चानात्रीत उनदम्न

গত শুক্রবার সন্ধ্যার ভাঃ বিধানচল্ল সাংগ্রে গুহে বদীয় প্রাদেশিক ছাত্র সভার কলিকাভা শাখাসমূহের এবং কলিকাভা क्ष हाजगङ्गत्र अकिनिधिगन अपूछ क्तिय मान **धवः धूछ अविमा**ण छो। " **टार्ट्यात नित्रहानेमात्र छ। अम, आन्यात्रीत**्र সহিক সাক্ষাৎ করেন।

धुटमत्र निर्देशिय कार्युनारस**्ट्रियं क्**रियेक-িলোম বিক্তা প্ৰক্ৰাই আপাশালীকৈ ছাত্ৰৰিপকে অকুনিৰ্মক বন্ধতি তাহাৰ বক্তব্যে উপ-जिन्हों को प्रतिकार के एक हुन्दि । काक के किएक ने अंदर्शक करना व १ कर्न के किए के किए के किए के किए के किए के

40 the second of THE WHEN SHE WIRE

## ৰজ্ঞাঘাতে প্ৰাণনাশ

ছাত্রদের প্রতি ডাঃ আন্সাহীর উপদেশ

## পথিকের সর্বাস্থ লুগ্তন

গান্ধী-**স্লারউইন চুক্তিতে** লর্ড উইলিংডনের

## বক্তৃতা

## রেলপথ আটক

শ্বেতাকের বাটতে চুরি—খানাতলাস ও এেপ্তার

## দেশামদ রাখায় বিপদ

জাতীয় মুশ্লিম কনফারেন্সে প্রতিণিধি রন্দ

## মদের দোকানে পিকেটিং

ভারত সরকারের অর্থ সাময়

আপোৰকৈ ভীনী সংজ্ঞান বিহুতি কাল বৈলেমি বর্তমান শ্রমভা এবং ছালেগেয় বলিয়া বনে করিছে হইবে, সংগ্রাম যে हर्कका अवस्थाः अवस्थाः विकास स्था । (काम प्रहृत्त व्यात्रक स्वेश्क शास्त्र। ছাঃ আশালী ছাত্রদিগকে অংগোধের সূর্ত্ত । যথমই আবশুক হইবে তথসই আপনা-व्यक्तिमानमा क्रियुक वरनमा हिनाटक कार्याटकरक क्रियुक्ति इहेटल र्देश्य, व क्या लाख्य रहेन। हेरावनात गर्रम्य वार्थकाता हिन्द्र हिन्द्र निवास कर्मा वार्थक क्रमा —हरा विवास

## পথিকের সর্কাম্ব লুন্ঠন

ত্তিপুন্ কিলার শ্রীযুক্ত সভীশচন্ত্র পাল নামক ক্ষমৈক গোক সংপ্রতি চট্টগ্রাম-ঢাকা ট্রাক রোড দিয়া ধাইতেছিলেন। ভिनि क्षिप्त अधानत रहेल जकारा লোক তাঁহাকে আক্রমণ করে ও তাঁহার ्रसिक्छ याद्या किङ्क व्हिन नमञ्ज नहेना नित्रप्ता পড়ে। ভাহারা দংখ্যায় ৫৬ জন ছিল। ডাকাডগণ চলিয়া গেলে ভিনি একপ্রকার व्यक्कान व्यवस्थात त्रहेकारन शक्षित्र। शारकन ।

তারণর ভানৈক ছুভার মিলীয় সাহাযো 🕏 অভিকৃলো তিনি সহরে ভীছার কাতার निव हे यान।

## **दिश्माभर्थ का छैक**

চটুপ্রানে প্রভুৱ বারিপাত হওয়ায় এবং क्षांग्रां ८ तंत्रव दान वरवत्र ' कानकाका টেশনের নিকটে শিলাপাত হওয়ায় **८त्रज्ञलल काठल 'इट्रेग्रा यात्र।** २ मिन প্রান্ত যাত্রী পারাপার করিতে হইয়াছে।

## খেভালের বাটীতে চুরি খানাভছান ও তেওার

আলিগুরে খেতালগণের বাটাতে চুরি সম্পক্ষে পুলিন গত গুক্তবার প্রাতে শিব-ঠাকুর সেন ও আপার চীৎপুর রোভে ২টি वाजीत्व थानाएझाम कतिबाद्ध ।

প্রকাশ, উক্ত থানাতলানের ফলে ০ क्रम भिन्नमा क्षेत्र इहेग्राट्ड । ' छाइ। मि : दक পুলিদের হেপাজাতে রাঝা হইরাছে।

## दिनी वह क्षांचा विशेष

ख्यान **(श्रिंगएक्नी मानिद्धे** हे थर माहे नामी करेनका ठीना जीला करन क्ष्मक है।का क्षियांना क्षियांकाः कावियानात छ।क। बनावादत छ।हाटक ছুই মার্স কারাদও ভোগ করিতে হইবে। 🐯 জীলোকটীর অপরাধ ভাহার বাড়ী খানাওল্লাস করিবা আত্মানিক বিশ হালার টাকার দেশী মদ আবিভূত 更多和亿度!

## শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## (थाना इडेंक्रांट्स)

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষ্ণগণ ছাত্রদিগকৈ অভি যত্ত্বের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যয়ে সুন্দর বাসন্থানের বন্দোবন্ত হইয়াছে। ভান অভীব স্থান্থাকর।

সবিস্তার সংবাদের ভস্ত নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্ত লিখুন। সেক্টোরী, ভাকুর ভক্তিবিলোদ ইন্ষ্টিভিউট্ শ্রীচৈতস্থাঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

## —৫১ বংসরের প্রতিষ্ঠি<del>ত</del>—

উৰ্থালয়ে এন্তত বঢ়ীকা

भार कुक नावना, प्रश्नाम, रणांह काठिंछ, अभीन, श्रम्भ का व्यक्षि कुछ व्यक्ति रक्षांत्र निवासव करेशास्त्र काना व्यकान कविरण यक मूक्षक करेवा भएक ।

## ইহা

সকল খড়তে ব্যবভার চলে ও স্মান ফল প্রেদান করির: থাকে। প্রতি ভৌটার ৩২টা বটাকা থাকে।

#### কেবলমাত্র

্ঞ্জি কৌটাৰ মূল। ১১ এক টাকা। ইণার নাম **'আভিক্লিগ্রছ** ুব**টাকা'**।

ব্দেশ্য ওবংগরু ভালিকার বস্তু পত্র নিধিনেই পাইকেন আধিয়ান :—আত⇔নিপ্রাই ঔস্থালেক

২১৪ নং বছবাছার ট্রিট, কলিকাজা।

## কবিরাজ শশিভূষণ কবিকগাভরণের



নকংখনের প্রধার জন্ত ৬ আঃ শিশিতে ঘনীভূত অবস্থার জোটবোড়লের াসমপরি উন্ধ ভাকে পাঠনে হয়, টলাড়ে ঔবণের কোল পরিবর্তন করা কয় নাই: সুলা একিডি শিশি॥• আনা, পাইট ৯০/• আনা, বোভল ১০/• আনা।

অফিস- ১১নং উল্টাডান্সা রোড, পোঃ শ্যামবাজান্ত, কলিকাতা

## यंपन यक्षत

क्रिकाश वर्ष के बीकुरिकात, रेजिडनकिये हान, अक्षेत्रेर क्रिक्नोंके विदेशका, वाचारपाता, पूर्व वर्क क्रिक्नी क्रिक्निया अक्षित, वाचन नषत निर्देशक चारवाया वर्ष । यस, वीदी, दबंध प्रक्रिकीय क्रिक्निया व्यक्तिक । जुना के विक्रिक्नी क्रिक्निक ।

প্ৰকৃতি সক্ষাক্ষরী বিশ্ব স্থান বাবাসা কুলভানি হোলে বাছনাবোৰ বাবা বাবাসা ভাষা বাছনাবা কৰৈ। দুলা থ কোনা দুৰ্ভিত। প্ৰকৃতি কালিকামিনা বাজিকামিন ভাষাবাদৰ কৰক ক্ষাব্যক্তি স্থায় ও মুক্তি ক্ষিত্তে অভ্যান্তব্য । ক্ষা ২০ বঁটি ৮, এক টাকা। বাজবৈত আন্ধ্রাক্ষাক্ষ্যী, ক্ষেত্ৰক্ষ্যক্তি

° ১৭৭না ছারিদন রোভ, ফলিফাডা। <sup>(</sup>

शरेद्धामिन

**=**1

## कार्यसम्बद्धारा

ভাঃ এস্, এন্, খোব বিনা করে, বান্দ্রীবনের ন্যাথাতি বিয়া বৈদ্ধাভিত আপাণাতে কোমবৃদ্ধি গোপ আহ্যাণ্য করিয়া থাকে।

## যক্ষায় হতাশ

न

रेने शास्त्र माना ... मटहाँ स्थ श्रीक निटन मी सूर्य व्यादताना

पाठा हेट्स निशा क्षा निष्य क्षा प्रति पाठा का प्राप्त का प्रति । पाठा का प्राप्त का प्रति । पाठा है जो का प्रति । पाठा है जो का प्रति । पाठा का प्रति । पाठा है जो का प्रति । पाठा । प

শ্রীকি তীলচন্দ্র উকীল, বন্ধা-ভিক্তিবলক, পো: নৈখাঁঠী, বন্ধিশাল। ক্ষাণা নিম্ন ঠিকানায় সাক্ষাৎ করিকা বিস্তান্ত্রিত আমিইছ পাত্রেন : শ্রীষ্ঠি রামগোলাল নত এটা, এ, ইন্টিনগন, মনীয়া। শ্রীষ্ঠ করিপন্ধ করিল। শ্রীষ্ঠ করিপন্ধ করিল।

প্রক্রিকার পরে। আনার ক্রাডুপুর গছাতর মান বাবং রাজ মঞ্চর ভ্রিয়া মৃতপ্রার ব্যৱহাতিল, ভালকাতার বিজ্ঞা চিকিইনকপণ ভাগর ভারর আলা ভাগে করিয়া পের মৃত্রুক্তর জন্ত অপেক্ষা ভারিতিবিদ্যা করিয়া সম্পূর্ণ আবোগা করিয়া জিয়াছেন। (সাঃ) ক্রিয়াই কিশোর হার চৌধুরী (ভামিয়ার গালিয়া) কর্মীট, নিউ শিক্ষিয়া, ভরণোরেশন টেটং ডিপার্টনেন্ট, করিকায়া।

## भिन

## পঞ্জিকা

গৌরাব্দ ৪৪৫ মাত্র ১০ ডাকটিকেট পাঠাইলেই বুকলোটে পাঠান হয়।

আন্দেশতা — এছ বিকার ঐচৈতভ্যত, পো: শ্রীবায়াপুর, নদীরা ৮

# (गोष्टीय शिक्ट अयाक्ट

এত প্রশংসা করেন

ক্ষানে বাৰতীয় জাপায় কৰি৷— লেটার টেডিং, মেমো, ক্ষম, বাধ, ক্ষিমানী চেক, বিক ক্ষমুক্তিই সক্ষ, বিশাহের মিমত্রণ পত্ত, কার্ড, বিবাহের প্রত্ন ক্রমুন,

भार १ ११ १ ६ १९६१ माम्स्टीन ज्ञानके वसूत्र, मुक्त कार्कके वित्र जान क्य, अन्तरकारके वस्त्रके वास्त्रक सामान सार्वका

्रमाननात किन्नु क्षाना कार्य। त्राक्टिश लिक्की नान्द्रत क्षानावेदनके क्षा क्षानेद्रयम ।

याह्यकार-क्षिण्यानिकारिकार अस्तिकार विकास

## প্रभारनत बक्तानती

া এখন ও বিভীত নত 🛶

औरशीत कुछ चाक करमक वरमत शूर्य ই ম্মুটালৈট্র গুড়ের প্রাক্তি থমিত कर्रिशा कि जीतः जनमा छात्र अन्त-कार्या मान्त्र हते माठे। हे छ ।न माठित अंग्रोकरमत মালিক এটনি ন'গান লেননিশাসী পরলোক-श्रुष्ठ जिनकरी नमी मश्रामत, श्रीपुक अधिनी वाद, औश्रादेश जन्मानम नात् श्राप्तिक व्यासायके विषे भारतके अनम कतिवात नागणात বছনু করিয়াছেন ও করিতেছেন। নিগতি वामी जीवह सिविजान गर विस्तिम महाताक नक भतिक्षम कतिया जीयक ताक्क्मात कु अभूव क जिन्हा महाकारनत निकंड बहेट छ ভিজ্ঞা দ্বাধা এই কুতের প্রনকার্য নিকাহ করিয়াছেন এবং এগনও ঐ কণ্ড নিশ্মিত চইতে বহু অর্থন্যথের আনশুক্ত। আছে। के कारचा अवस्थानाव हो। क तामानिरमान ভবিভ্রব মহাশরও প্রচর পরিমাণে পরিশ্রম স্বীকার ও নানাভানে সাহায় বাভ করিয়া ক্তের পুৰাৰত্বার করু গাত ৮।১০ বংগর কাল যাবং গছ কলিতেকেন। ক একথাৰ ধাৰৎ श्रीमान बढेरत एस नामक এक प्रवर्गनामक মুবক ভাগ্র জেরিতাত বলিনা পরিচয় দি ন প্রলোকনত উক্ত তিনকড়ি নন্দী মহাপ্রের चार्तिक भूगाकी वित निर्माण मान्यन अवृत् बहेबारक् । अबे खुनर्गनिन्द् यूनरकत निर्शत धारे (प. पाशां सं क्षणकाठतेथीय काडित अग अहम करतम मा. छै।शासत धाना शतम काशन्छ ननीमदान्यात क्षेत्र भद्मश्राधनत नामा उर्लाम्ड बडेक ।

कामता विश् --- मनी भशनतात गर-कार्सात कार्याद सम्तातकरण इन्छ छेन्छ আংশিক দানের ফলে অসুত্রপ্রতিপ্রাহিণণের त्महे भूक विनी इहेटल समाधशानत नामा छेद- i পানন করাইতে পারে না। স্থার্ভের বিচার ধরিতে গেলেও যখন কোন অর্থ দেবসূত্তির

বা দেবতার কাষাসম্পানক নিকেক্রিয়ত্বাপ্তর ব্বক্ত উহা প্রহণ করেন না। প্রতরাং গৌর श्रामकरण औरगोतकूर उत्र रव नीयअश्य, ভাষতে কোনৰূপ পাতিভার সভাবনা नाहे। এक्क बार्मात्मद भव्रम खत्र-(भन के বিশ্বপাদ 🗗 ীপৌরকিশোর দাস প্রাকৃত্র मनुकारम् अधिमक विषय शताह आगोत-त्नता कृतियात क्यस्का क्षणान कृतिशास्त्र ! वक्षम वास्त्रम्कीविमण्यमात्र य-य উपत्रभूत्रगानि श्राबहात्रिकः गाँगनिकीद्दत्र अञ्च अस भान ক্ষেন, জালাতে ভতাওছির বিচার নিহিত चाद्ध नरहे, क्यि नहरनाक्शक क्किकान् नकी बहानका अवस विकृत्यवाकृषी कहा ্ৰুৰে আৰম্ভ কৰে পৰিত জনানৱটি কেবন विकृतिहर्गी, सन्गरनंत्र नार्यारमं सक

## क्षिकिक्षकरशीदारको करान्

## দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

## মিতাপাঠা বৈক্পবাহাৰত

বেদাদি সমস্ত সাত্ত-লাজ্যের অকৃত্রিম ব্যাব্যাতা সমগ্র ভারতে একমাত ফলভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

রালাত নাং পর - ১৫ই আবাত মঙ্গলবার -- ১০০৮

হইরাছে, এরপ বলিতে যা প্রা পর্ক দর্শন - স্তুকার স্বয়ং ব্যাসদেব । এই ভাষ্যের নাম প্রকাশ করে না। ভবে ইহাও শাস্ত্র ও স্দাচারসম্মত বিধি যে, িষ্ণুবৈঞ্চবেশ বিদ্বেষ েইমিলে উক্ত গুৰুক কণ্ডক প্ৰদন্ত সকল দ্ৰাট কোন সজন বা ভ্ৰন্তৰ অম্পুত্ৰৰ নিবৰ ন প্ৰাৰ কৰিবেন না।

অস্ত্রে, বিক উতিবৃদ্ধের স্থিত সৎসাম্প্রধায়িকের তপনামূলক ধারাবাহিক গবেষণ্

( "শ্রীন" লিপিড)

(50)

जन भारत-भोड़ीय मन्ध्रमाय छ অভিয়াতে গাতে । তাৰ

অভিন-বল্লেজননন কলিবুগ-পাবনা-বঙাৰী প্ৰিমনাহাপ্ৰভূপ কগতে ক্ষবতরণের কারণ অনুসদান কণিতে গিলা আমরা ছানিতে পাবে যে, তিনি অঞ্বেদিকভাবে জীবের নিভা গ্রেট্নন নামপ্রেমরপ ধ্রধর্ম क.छात्र धन् भूषाङ्गारत खर्मन निर्माण नग कि -- (१ मत्मारके दे देखन तम जन्दरक निक्षे लाग्छ इत, छत्रम के व्यर्ग (प्रवाहि क्यम । भाग करतम नाहे, छाहा चन्न আগাদন ও বৈতরণেশ জন্ত অবভীর্ণ হহয়া-ছিলেন। সংসংপ্রকায় চতুরবের **অক্ত**ম ত্রন্ধ মাদ্র-সম্প্রদায়ের কেবলাবৈতপীড়া বা মায়াবাদ অভি শাইভাবে নিরায়ত দেখিয়া জাবের মগলের জন্ম তিনি উক্ত সম্প্রধার খাকরে পুরুক চারি সংস্প্রদায়ের দার্শনিক वारमञ्ज हिएनमध्यक्रटल व्यक्तिसारसमार स्वान জগতে প্রচার করিখাছেন। তাঁহার অহুগত अल्लामा बनगमात्व 'अम्-मांध्र-रगोषीय-लच्यताच' नाटम भौतिष्ठि । गरंगच्यताब-ठकूडेस्थत भूग काठायां ठातिकत्वतः व्य**ाहार** বেরণ এক্ষত্ত হইতে নিজ নিজ সাজা-माधिक अर्क अकड़ी कांधा तहन। कतिबादहन, **এই अन-मांश्व-शोड़ीय मध्याराश्वेत अन्त-**স্ত্রের একটা অকৃত্রিম ভাষা আছে, প্রয়োজন হওগার অস্ত কএকটা বাকাকে

মাম, ভাগ স্থাবৰিণিক যুৰকের পাণ্ডিতা '--- শ্রীমন্তাগবত। এতদাতীত এই সম্প্রদায়ের আরও একটা প্রসিদ্ধ ভাগা আছে। গুপন গৰভাৱ গাদিতে রামাত্রক সম্প্রসায়ের বৈঞ্চন-अन अहिंश रेनक्त-मध्यानातत এই अकृतिन ভাষা শ্রীমন্তাগরতকে অন্তীকার পুরুক रभोक्रीररेनकानभगरक मध्यमधानारवन निर्वृति বলিলা প্রমাণিত কবিয়া শ্রীবৃন্ধাবনের শ্রীগোনিশভীটর সেবানিকার হইতে তাঁহান দিংকে চিরভবে থাবিজ করিতে চেষ্টা করিয়াভিলেন, তখন গেড়িল-বেনাস্থাচায়া खीमनतनामन निशासन थानु डीटगानिक नीत আদেশে সাত দিনের মণোই ব্রহ্মতাব্রর 'গোবিশভাষা' নামক একটা প্ৰম চমৎকার ভাষ্য প্রাণ্ডন করিয়া গ্রেড়ীয় বৈক্ষর-সম্প্রদায়ের বিজয়-পত্রকা উদ্দীন কণ্ড যে শ্রীগোনিক্ষজীর সেবার সম্পূর্ণ অধিকারী ভাষা প্রমাণত কারভাছিলেন।

ভগবান খ্রীচৈতকানের ঠাহার প্রচারিত -অভিযাতেলভেদ সিন্ধান্তের কথা খ্রীচৈত্ত চবিতামূত মধা ৬৪ পরিজেনে সাধা ভৌম শিক্ষার কভিন করিয়াছেন ৷ তাঁহার শ্রীমুখের সেই মহাবাক) গুলির তাৎপ্যা ওঁকারই প্রাণ্য व्यक्त কুকের গূর নাম, বেদের আদিবীঞ এবং স্বব্রেদ্য, শস্ক্রন। প্রা+ন্ত্র স্বতি-করা) ⊹ অনু এই প্রকারে প্রণব সংধিত বস্তুত প্রাণ্যই (न्यत्रीक **ৰহাৰাকা** এবং বেদের অক্সংশ সমস্ত*ই* व्यारमनिक वाकाविरन्य। माहावामवहिन्छां 🕽 শঙ্কাভাষাস্থামা প্রেণবের মহাবাকাভাকে क तथा 'अहः उक्तांग,' 'প্রজান: এজ,' ভর্মাগ,' 'একমেবা-विकीषम्-- अहे हातिकी खामिनक द्वम-ষাক্যকে মহাবাক্য ব্লিয়া প্রতিপন্ন বেশবীক প্ৰেণৰ শুদ্ধ ছক্তি-ক্রিলাছেন। প্রায়ক বলিয়া ঐ মডের সাজ্যান করার कारात अग्रमनेकाती अव-नात्रम-निया अव- व्यायाका स्तिता दक्ष्यमादेवज्याम आठाव

করিয়াছেন। ভারাব মতে মাগ্রিস জ্ঞীবের সভা মালানভিত। বজের জীববত। মারার আশ্রেমার, শ্রেনিকাণ বা মাণ विरक्षण कीरवत मुक्- धरे मकत कथा श्रीक्षंत्र इटेब्राइ । टेटाइड १८५८कत र्माश्क कारतर रा अब मनम, डांश सुकार ह कता बहेबाडित (तरमत मकाम विहास ইহাতে নাই। এ অসুই জীমধ্বাদায়। পানী কোন কোন শতিবকা অবলম্বনপূর্বক खाइग्रह इ হৈছবাৰ স্থাপ ক্ৰিয়াট্ৰন বেদের সালান্ধ বিচার নং পাকায় সন্ধাংগ্র প্রকৃতিত চইল না। ইন্মন লামাজ্জ। विभिन्नेदिष्ठनारमः स्वक्रकारमन প্রয়ন্ত্র প্রদর্শন করেন নাই। থৈতা-देवच्यासी देशमधिशांतिका दानी १ स्टेक्स কতকটা অসম্পূৰ্ণতা প্ৰচাৱ কৰিয়াছেন ৷ শ্ৰীমদ বিশ্বস্থানীও ভলীং প্ৰকাশিত শুলা-ৰৈত মতে একটু অন্পংতা লাগিয়া গেলেন। মহাপ্র প্রেমশ্যের নিভাঙা স্থাপনাকেল্ডে অভিভূতেলাভেদ ধানা সময়জানের সম্পূর্ণ শুদ্ধতা শিক্ষা দিয়া জগতকে বিভক্তৰাপ श्रम्भवात इडेट्ड हेक्व कतिहास्त्रम । মহাপ্রকেন, একনার প্রাণ্ডী মহা-ৰাকা, ভালতে হে অণ্. ভালা উপনিৰং-প্রবিক্তে ভাষ্ট্রনামান আছে। উপনিদং যালা শিকা দেন, ভালা ব্যাস্থ্যের সম্পূর্ণ चार्यातिक। नागर्यात लाग-मेनहा-প্রত। ব্যাস্ত্রের প্রথমে 'জনাক্ষক य है. " आहे सुर ब लानवाभ प्रताह महा वानवा क्रेल्सिट इहेबारक। "ब्राटा वा हेमानि একমার জ্ঞারত্ত্ত্তর অভ্যক্তমগণ্ট ভ্তানি কারতে" এই বেগমধ্যেও ভাহাই শিকা দেওয়া ২ইলাছে। ভাগবতেও সেই । এপ ক্রতিপন্ন হই । তে। 'পরিণাম্বাদে अस्विकानी इहेगा भट्डन,-- ध्रे आनका कतिशा मकतवासी तिरहितान छाशन करतन। वश्वतः अक्षाप्तवः मक्रम (नास्तवः भूनः। প্রিণাম্বানই সংশাস্ত্রণমত বিভন্ন সভাত হ। গ্রমেখ্যের শক্তির নিতাতা না মানিবে প্রিণামবালে প্রমেশবের বিবন্ত বিকাবাদি মহাদোষ হয়, কিন্ন প্ৰবন্ধেৰ নিতা খালাবিকা গ্রাশ্তি মানিক আৰ সে शत द्वास शहक मा। महिन्त द्य दिक्ति वालात, छाश इहेटड्रे विश्व इहेनाइड. ট্রাই সভা। এক বিকারী নহেন। বন্ধ-শক্তির বিকারের ফল--এই কড়কণ্ড ও জৈবজগ্ৰ। মহাপ্ৰাভূ বে 'মনি ১ইজে প্ৰা-প্রস্ব হট-18 মণি ক্ষবিকত গাকে **এই উদাহ**নণ विश्वाह्नन, हैश: हरे म्लहे প্ৰভীত হয় যে. ১৯ শ জিট সমন্ত সৃষ্টি করিবাছে, অথঃ রুঞ্চ ভাষ্যতে বিকারী হন না। সমন্তই শক্তিপরিধাম। চিচ্ছক্তির श्रृवी अस्तिवारम--- रेनद्श्रीमि धाम, नाम. ऋण, গুণ, ন'লা ও অনুপরিণামে চিংকণ ভীৰ-সমূহ। মায়াশকির পরিণামে সমস্ত

অভ্রতাৎ ও জীবের সিদ্ধ ও সুলাদেহ। বেদান্তস্ত্রে ও উপনিগদে এই পরিণামবাদ नर्भाव भारता गाँध। मन्द्रवः व्यवसात, আকাশ, তেও, বায়ু, সলিল ও পৃণ্টী---এই সকলের ক্রমপরিণাম-বিফাশই---পরিণামনার। কেবল-অকৈতনাদের পোষণ করিতে করিতে চরমে কিছুই হয় নাই. কেবল অবিভাক্তিত ভীব ও জগ্ -এ**রণ প্রতী**তি **২ইতে পা**কে। क्राम काम किरकार अ পরিপাসবাদে **জড়জগৎ হইরাছে সত্য। সৃষ্টি কলিত** নয়, ভবে কুংখুজায় ইহা আশাৰ লয় **হুইতে পারে বলি**রা **অগৎকে নম্বর বলা** ধার। চিমা:ক্ষমণ পরমেশ্বর সৃষ্টি কাবর জগতে অমুপ্রবিষ্ট পাকিয়াও স্বরং স্বতমু পূর্বশক্তিপরিসেবিত খেচছান্য রুমান্ত্রে निका भुगम्बरण वित्रक करतम । ग्रहाता अह অপূর্ব তত্তকে জানিতে পাবেন, ভাগাবাই ক্ষের অপার ঐখ্যা ও মাধুনা 'আসাদন कतिएक मगर्थ। हेर.हे इस ७ कीरनत প্রকৃত সম্প ন্থৰ জগতেৰ সহিত জীবের অনিতা পাশ্বসময় মার। যুক্ত-বৈরাগ্যই জাবের ও জড়ের পরস্পার সদধ্য জনিত স্থাব<u>ংবিকাণ্য।</u> এই প্রকরে নিভানেভা-সম্পর্কি যে প্রান্ত না ক্রেয়, বে পর্যান্ত বন্ধজীবের উচিত ক্রিয়ার উদয় कृत जा ।

এই দিশ্ধান্তগতে, ক্লেন্ডর সহিত জীবের ভেদ ও অভেন এবং ক্লঞের সভিত ভগতের ভেদ ও অভেদ যুগ্পৎ সভা বলিয়া প্রতিষ্ঠিত ইইয়াছে। স্পান নান্ব বৃদ্ধিতে ইহার দানজত হন না ব্যিয়া এই নিতা **ट्याट्याट्याक 'अठिशा' विषया छिलि** করা ইইনছে। অচিন্তা ইংলেও বৃত্তি दा एकं हेशाएँ जनस्हाय नहा। जाहिला-শক্তি ভগণানের পক্ষে ইহা যুক্তিয়ক্তহ বটে। সেই শক্তিতে ঘ্রা থাগা স্থাপিত ६देशाट्य, छाठा व्याभात्मत भारक क्रुशंभक তত্ত্ব। অভিস্যাভাবে তকবেছেন। কবিতে ্রাতীন পাণ্ডভগণ নিষেধ করাণ্ডেন, ব্যুক্ত অচিস্থাবিদয়ে তক কথনই প্রমানরূপে গ্রেস্তার করে না; একপ। বাহারা ত্ৰপ্ৰাশান, ভাষাদের চফ্যাব আর সুমা 7:5 I

## বস্ত বিচারে জ্বীদের তাবস্থান

(জ্ঞীপাদ কিশোবীমোচন ভাক্তিলা ব বি, এক) 'বস্' গাতু হইতে 'বস্তু' শক 'নুস্পর হইগ্রছে। অভ্রে যাহার অভিৰ বা প্রতীতি আছে, তাহাই 'বস্তু' নামে অভি-हिए। त्या छुटै अकात---नायन ७ व्यवायन। ব্যস্তব বস্তুর নিভা অস্তিত্ব আছে, ভালা

বস্তুর নিভাগ নাই, ভাষার অভিন্ন কেবল 'অখ্যন্ধ, বন্ধচারী, গৃহস্থ, বানপ্রস্থ, সন্ন্যাসী, প্রতিতি হয়। প্রতি সকলম্বলে স্তা। পশু, পশ্লী, ক্রীট, প্রভল,ধনী, নির্ধান, রাঞ্চা, অনেকত্রে ভাষা বঞ্চনানর। বেদ 🗐 ভগ-বানকেই একমাত ৰাস্ত্ৰ বস্তু বলিয়া নিৰ্ণয় প্রকার শার্জন মধ্যে প্রধান তিন শক্তি ও মায়াশার্জন ওটারা ও মায়াশার্জকেও ''শক্তিশক্তিমতোরভেদ," উভিতে 'বাঙৰ' 🚶 व्यादाः अनान कि शास्त्रन ।

<u>ज</u>्ञीमद्वारको श्रेष ज्ञीचन्त বলিণা-ছেন, - ভূমি শুণোনলো বাগঃ থং মনো বুলিবেৰ ছ। অধ্যাৰ ইত্যাংগ ন্ম ভিলা প্রান্ত্রর্বাণ স্থাবে, মিত্রুছা, প্রকৃতি, निकि स्म शताम्। काराङ् शः गहानाटमः गरसमः প্রিটেড জগ্রে। অসীর জার জারার পরা ना तमा आक्री शर्मिका । त्यहे आव নিত্য, শুক্ত এব, মন্ত্রা। অংমি ক্লেছা मग ९ मा १ १ १ १ १ में १ प्राप्त के प्राप्त है। व বিভিন্ন ও অধ্ব বালল কেও চিন্নয় জ স্কের্দেমবেশিষ্ট। আন্যান্ত সংহত ভ্রন্ত क्षेत्रीय अकार स्थाप्त ६ क्षेप्राप्त भाकाम ভালাব প্রেক্তান প্রব অভান্ত পুন্। এই ক্ষার-১০০ মেই জান আলাৰ লাপ্তালিক Sta 31 1-41 शह आहा अपनिवासिक বনিচাছেন,—'মালাদ,শ মালানশ ঈশ্বরে W11 1 127 1

(१० ६ १४४ एक सकरल व्यवस्थान । स ভিনে নিত্রকাল ভীতগ্রানের স্থিত বৈকুপ্তে বাস কৰেন। কিন্তু নাদ ভিনি ভাষাৰ ক্ষম বেজ্ঞানএছের জাবন্যবহার করেন এবং ভাষার নিত্যকম আভগবানের নিত্য সেবা भाषिका मार्यत भात एवं निष्मरे '(जाका' বৃদ্ধি করিটে থাকেন ও 🚊 ভার্থবানের গিওগ্যা গালার প্রতি নিরীক্ষণ করেন, ত্থন্য তাহাকে নৈবা নামা আঞ্চন করিলা ফেলে। ভাই মহাজন আমানিগকে সাবেগন করিবার জন্ম বলিগাছেন, 'ক্লঞ্পহিত্ম্প २ छ। ८ छ। अ वाक्षा करन । विकास भाषा ভাবে জ্বা" ডিয়া দরে॥"

প্রথমতঃ মন, বৃদ্ধি ও অভ্যারে আ্ক একটা কথা ভাবতে গহাকে শিক কৈ এয়া বা বাসনাময় দেহ বল: হয়, ভাগি ভাব প্রাপ্ত হয় ৷ তংশরে কিতাপ**তভ্**ষোমানু-(दामित्राक अक्षी कृष चानतेशर के अएसस् গেই ক্লা অবিল্লাক আৰক্ষিত করিয়া থাকে। **ভা**ৰ ভোগের **আশার**্ঞত্ত হুই , क्षकांत (मध् धातन कृतिक क्षेत्र महिक জগতে ইভারত: গারিত বৃষ্টাক **খালে**। कान এই वृत्ताप्रका 'आधि' वृद्धिः कतिया

কোনকালে প্ৰিবৰ্ডনশীল ব্যু না। অবাস্ত্ৰ ব্যুথন ভাগকে আন্ধান, ক্ষত্ৰিয়, বৈশু শুলু, নঙে। দোষচ টুট্র-বৃক্ত ইন্দিচজজ্ঞানের ! প্রজা, পণ্ডিত, মুর্থ, মানী, দরিন্দ্র, কাঞ্চাল প্রতিষ্ঠি সক্ষত্বে সভাত নহেত, অধিকয় প্রভৃতি মনে করে, তপন ভাহার জড়ীয় ষার উদিত হয়।

ভারপর করা ও বিকলাগ্রক মনের কবিবাছেন এন, সেই ভগবানের অসংখ্য শ্বিম্ঞীব্যপন্মনে করে যে, এই কায়া কণিলে আমরে ভূপ ভুনিধা ইটনে এবং যথা, স্বরূপশাক্তি, ভটপোশক্তি বা জীবশক্তি, বিজ্ঞার কার্যা না করিলে আমার অশান্তি व्यक्षतिभा इंडेरव এবং তৎসমাধানক:ঘ নানাবিধ উপান্ন উদ্বাসন করিতে থাকে ও বিচাৰ করিছে পাকে, ভখনহ ভাগাৰ বুদ্ধিৰ ক্রিয়া চাগতে পাকে। এইরাপে কুন্স শ্রীরের কাণ্য চলিতে থাকিলে ভীব বাহু স্থ্যদেহকে চালিত করি। নানপ্রেকার ्पञ्चन ना कार्फ्डियक्लिन क्य मकाना মতিক্ষের ভালকা, রসু গ্রু, শক ও পে শের ৭ শচাৎ পশচাৎ ধাবিত হয়। মায়াগ্রস্ত ভীবেৰ হৰ সে ভাৰ উদয় ।'

> কিন্ত ছউগোদ্ধীৰ ৰূমে নাগে, এই জগংমাতিক বা খানতা, এখানে নিতারখ শ্লিন কোন জিলেন নাই। স্থাবের প্রাইটিড ব্যিণা গাতা কিছু আছে, ভাষা ও ক্ষণিক अ भवकार के निवासन आसिया (मा) । ব্ৰজ্ঞাৰ এই নিশ্ৰনন্ধকেই মডিছের অবস্থা, निष्टानिक्छ। स्न भती हिकाब अनुस्य प्रकास মুগের কার ধাবিও হা। মনীচিকায় জলপানের আশায় মূপ যেমন প্রায়ুক্ত কল্লা পরিশেষে ব্যক্তি হয় এবং জ্বানাগত ভূটিতে ছুটিতে ভূষণ মিটিবার পুরেরই মরাভাষতে প্রাণ হারার, দেইকণ এই মার্কি সংসাব-মকতে বিষয়-পিশাসায় পিশাসাওঁ জীব বিষয় পিথাসা নিসুত্তির ছক্ত এবং তৎ-প্রাপ্তিতে অথসাতের জন্ম ক্রমানত দৌডিতে (मो(५८७ के इभाव कतिर्गत मनाक खाछ इम् वर्षार जुनम ना शासन जुल कहेनात পুরেহ ভাষ্টক ইংস্কার পরিভাগে করিছে

> ্ট মায়িক জগুং জীনের নিতা বাসস্থান নতে বলিব ভাষার নিভাঃখির বস্তম্ভ এজগতে নাই। ভগবানের ভিন শবির মধো জীব ভটস্ব। শক্তি, শুত্রণং জীবও বাহের এর। ভাই মাত্রিক রাজ্যের ধারভার অবাস্থ্য বস্তু ৷ প্রোপ্তিতে বাডবজীবের 🐤প্রি वा माधि गांव हः ना। कांत अरे अगरक थानाभी इहेशा निरास्त मास्तित अक्ष अस्निन (62) কারবেও ভাগ পাগার ভাগো লাভ इम्र भा। कौन भाषारक ८५१५ कतिए७ গ্রিয়া ভাগার দাসত করিছে বাধা হ। এবং माधाराम् कि. ध्यामाधारम कार्यक व्हेरी जाना जुक, जान्द्रशिक ५ माधितिक-রূপ কিন্তাপানলে দ্বীভূত হইতে থাকে। ''মারার নডর হুঞা চির্দিন বুলে। কৈছু !

রাজা, কভু প্রভা, কভু বিপ্রে শুক্তা কভু स्थी, कर प्रःशी, कर्नु **कींठ कूल**। क्यू স্বৰ্গে, কভু মৰ্ভ্যে, নুরু**কে ধা কভু**। কভু দেব, কভু দৈত্য, কভু **দাস প্রাভু** ॥"

বস্ত বিচারে ভীবের **অবস্থান সমঙ** শ্রীগীতা অসম্বলে বলিয়াছেন,—'নৈনং **ছिन्मरिः मन्नागि (नगः महिंड भावकः। न** टेव्न दक्षणहरूमांट्या न त्यापश्चि भाक्षणः॥ कारफ्रक्षां श्रमारसंह महास्थर लाग वन है। নিত্য: সর্বগত: স্থাপুর্ব**েলাছর: শ্নাতন:** ॥

অভ্রব দেখা যাইভেছে বে, জীবের মুণ ও কৃত্ম দেহ ছুইটাই আনিত্য 😉 পরি-বস্তুননাল, এ কারণে উছারা অবাস্তব বস্তুর মদোই গণ্য। কিন্তু জীবান্ধা যিনি, ভিনি উত্তটী মূল ও সন্দ্র শরীরের অতীত নিতা. সনাতন বস্তু; অত্তাস্থীৰ একটা বাস্তৰ বস্তু। মারে সংখে জীবের নিভা ধর্ম বিরুতি প্রাপ্ত হট্যা নিরূপপ্রাপ্ত হয়। তৎ-কালে জীব মায়িক অবান্তৰ বস্তুতে আহ্বা-ভিনান কায়তে করিতে উহাই ভাহার স্থানের মত প্রাঠীতি **হটতে গালে। বাছ**-প্রতীতে জীব অবাস্তব অনিতা বস্থ বলিয়া প্রতীগ্রান হইবেও জ্রাপে ভারা নিতা সনতেন এওব বস্তু বাঠাত আরু কিছুই নছে।

## 🎒 🎒 अगग्राथ . भो भी समर्ह ভাজিবিশোদবিরহোৎসব

क्षेत्र कार्यापारशी है। य मध्ये अभि अक्रि-বিনোরতাকুরের বিরহমধানহেশ্ৎসর দিবদ रिकारण ६ট। इंट्रेंटिज ताजि ১२। प्रशास '୭୯/୬୫ ଓମ୍ବର' ଓଲ**୍ଟାମ୍ୟର** ଅଧ<mark>୍ୟ ଅଟେ ବିଲୋକ</mark> ঠাকুরের চরিত্র সম্বন্ধে আলোচনা হইগাছে। স্থ্যায় আনদ জুম্চান দাসাধিকারী প্রাভূ মধুর ধরে ভীটিডভিডিবিনোদ ঠাকুরের বিরহগীতি কীর্তন করিয়া উপস্থিত স্থক্ত ও সক্ষনবঙ্গীকে মুদ্ধ করিলছিলেন। রাজি 🗝 है। ६२८७ ३३६। लगान 🛎 लाम संस्थानाम यभिकाती द्विताकृष्य महामध्य 🕮 🕮 छोडा छ -निरमाप्रीकृत्व व्याभोक्तिक देवक्वविद्या छ ঠাকুবের শিক্ষা সথকে অভি প্রাঞ্জন ভাষায় কীর্ত্তন করেন। তারপর সকলেই 🕮 'রিনাম ৰ্কান্তনমূপে শ্ৰীমহাপ্ৰস্থান সন্ধান করিরাছেন।

## শ্রীপ।টবাটির সেবা চার ( राष्ट्रानी ३२६ स्थानाइ ५ ००७ )

দারণ গোপাথোর অস্থতম 🔊 স্বাহেশ পণ্ডিত সংখ্যাদেশ্য শ্রীপাট সম্প্রতি চার্মকেশ অন্তৰ্গত কাঠালপুলি পল্লীতে অধিষ্ঠিভ আছেন। শ্রীগোড়ীর বৈষ্ণবগণের ঐক।-श्चिक देखामध्य ये जिलाहेनाहीय नकन শেবা ভার শ্রীগৌড়ীর মঠ প্রহণ করিতেছেন। ভঙ্গলকৈ আগামী ধ্রবিদার ১৩ই আয়াত, > २ हे भूजरमार्डमें शीत्रक्रवानमा जिल्ह न्त्रीभाष्ट्रवाणि व्यारिक्ष मध्यापन निर्माहीयम् छत क खंडान मन्नामन कैतिद्वम ।

## গ্রন্থ পরিচয়

## শ্রীমন্তাগবতম

শ্ৰীনশাংধি ক্ষাবৈপায়ন বেদব্যাস-প্ৰণীত মূল, শ্ৰীমন-মধ্বাচাযা-কভা ভাৎপর্য্য-নির্ণয়টাকা: এমদ্বিশ্বনাথ চক্রবল্লী ठाकुत-क्रज नातार्थनिया क्रिका, वकास्याप, मश्यक अध्य । প্রতিশন, ভগাও বিনুভাবিযুক্ত। প্রতি করের আদিতে দেই **ক্ষের প্রতিপাভ ক্থা**সার, **অধ্যারের প্রথমে** ঐ অধ্যাদ্রের সারসহ ক্লবিষ্ঠ ভাৎপগাদি বিষ্ঠ। লোকস্চী বিষয়স্তী, অন্যানবিবরণ, পাতে ও স্থানস্চীস্ত উভ্ন কাগতে উত্তম অক্ষরে মুদ্রিত। প্রথম হইতে ১০ম হুদ भगान हामा म्पूर्वकरम (भग क्हेन्नाइह । किका खावम **इडें ८८ केम इस भगांध २०।√०; मणम ६स ००**०; म्यद्य ४०५ ।

## **এই**চৈতত্ত্বচরিত্তামূত

শ্ৰীশ্ৰীমম্বলিবনোদঠাকুর-রচিত "'অমৃতপ্ৰবাহভাগা' ও ত্রীত্রীমন্তাভ সিদ্ধান্ত সর্বতী গোবামী প্রচলাদ লিখিত 'অফুডাষ্যে জাত-মুড্যাদি বছ শাল্পমাণ-১্থলিত হট্যা क्षकार्थिक इंदेशार्थित । (अ:(क्य भाष्यवाधाः, वक्षाक्षताम्ह প্রত্যেক প্রানের পুকো সংক্ষিপ্ত অভিনেয় সংযোগিত। आर्ड क अाह-शाहर क्यांगात (म क्हा आर्ट । (माक. পমার, শন্দ, খান, পাত্র প্রেক্টার মুর্হৎ সূচী ও এচকারের বিস্তুত জীবনী-সম্বিত এইপ্লপ অভূতপুৰা সংস্করণ ইভঃপুরে कुकाणि छाकानिक देश भाष्ट्र। फेंद्रभ काश्रद्ध भाविभारतेल পাছত তুল ক্লেকরে মুলাংশ মুক্রিত গ্রয়াড়ে। এর প্রায় aco प्राप्त गुल्लाम । किका वर्षमात्व द् भावा ।

#### **এটেডপ্রভাগবঙ**

এডকাবের জাবনী, প্রতি পরিচেদ্রের কথাসার, বিস্তৃত গোড়ায় ভাষা, শক্তচী, প্রারহটা, বিষয়-সাল পাঞাদ-क्षा, अकार विविध विषय मधीनाछ विद्रात । इन्होंस मध्यत क्रवन क्राप्टन म् (मझी भाकाता आमिनीना छ मध्यात कियमस्य व्यक्तांया व्यक्तांया व्यक्तांया इस्टिक्स आंध्रम किया द है कि, व्यक्ति मोनात 164161

#### を できる かいます

এই অভের এক্স মাভনৰ রূপর সংধরণ আর কুর্রাণ ध्यक्तांनाच द्या नार्रे । भेरवेच ध्याकार्यान व्यवस्त विषास्त्राम, ছায়, কথাসার, তথ্য প্রস্থৃতি সহ খণ্ডে খণ্ডে প্রকাশিত হত্যাছেন। সূত্র যোটা অক্ষরে ওবল জ্ঞাতন আচপেনী पुरुषाकारम रूपमा रहेशारक। भूगा रश- छाका। नेपानी व्यकाम ७ (भोकीरमत्र आहरूगाणंत्र भाष्य ३३० छाका।

### শ্ৰীৰত্বাধদগীতা

-- শ্রীগোড়ীয় বৈক্ষবাচায়া অপ্রাঞ্চত রসিকচ্ডামাণ উ.ঐবিশ্বনাথ চক্রবটিটাকুর গোস্বামক্তা সারাহব্যিণা টাকায়নেতা ও আইমিয়াজাকানাম ঠাকুর-প্রণাত 'রান্ক-ब्रह्मन आयम छायाकायामाय्या अयाप्रस्ती, माक्काकारम (शाक-एकी, विश्व-१की, अध्यात्त्रत्र कीयनी ६ व्यवस्त्रापका। म वक्-कार्ट्याविष्य-अस् खरक्षः वाधाद प्रदीय भःकत्र- ५ ह बाह्य म्हद्द्वरावत् किका २ ् गाँका आख, नाराञ्चन अःक्षून--- :॥ ६ क्षाका बाज

## শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলা

ও বিষ্ণুপাদ জীতীমভাক্তিসিভাওসর্ঘতী **८गाचामी महाद्वारकत** तमहे कविका-विकारिमी कौवाषायक (भारवाधिनी क्रक-कार्का भन्नभाशिनी कोवस-वाणित मृख-निश्रह—देवभविभाउ-त्रप्रमानात्र (कोश्वडमणि—मन्त्रामा বৈভ্ববিজ্ঞানাগারের মৌলিক তথ্য--পঞ্চরাত্র ও ভাগবতের প্ৰথম গুৰু--- মহাজ্ঞান কীৰ নচাৱি ত- শিশু ক --- চি ছিলাসচিয়া জ-অচিনাতি-বিচারক— ঐশ্বয় ও মাধ্যাপ্রধের মৌলিক গরেষণার --- সম্বন্ধ, অভিদেয় ও প্রয়োজন ভ্রেব নিজাপ্ত-সমূদ।

১। প্রথম অও—বৈদ্যালন, ইংগ্রেছ করে। क्ष्म, जीम्क्यानिकार, जीवार्गकानती, পाक्षताविकी मोक्षा ও বৰ বিচার, আয়োলা ও মলোংআ, ইটেচত্রদের ও ভাষার শিক্ষা, অপ্রাক্তি বহুদ্ধর ও প্রাকৃত মুহুদ্ধরু, he বার আ(•।)।

5 1 चिट्टी सा स्थल- कका 9 विका खिला अस्टाल শেষতা কেথায়, পাছার নিভারতি, জীগর স্থানিগাল ও भाषाचाल, ट्रीट्रशीत-चित्रामन श्राम, दिग्रहात क्या 🤏 क्रम-कीखन, दीवागभुकाम दीमधान्तर्वत कीवन, आर्योन-भारमत महिमा, महाश्रामा, हे एएदिन, द्वीतपानुबन्धन পপ, खीबडी तुमल जनस्ति, बीटे ७८०व भगा. ट्यांतकक्षा ও রক্ষণনীরন—৮৬ুদ্ধ অপুন্য মধুরিমাপুর্ব-নভূও-লিভূইত। বু কাংগতে সুদ্রিত, উংরও বীনে সোনর কলে নাম শেষ। ভিক্ষা 🔍 এক টকো মাত্র ৷

প্রেপম ও িতীয়—তহ থও একরে লইলে ডিজা সা CMB छाका, भाक शत्र अख्या

#### **ভ্রমন্ত গবদগ্রী**ভা

গ্রোডীয়-বৈফ্রধাশ নিক-শেখর জ্রী শ্রীমন জানের বিজ্ঞা कुरवक्ष भाषा । भाषां कावरनाम राक्रावराधन वस-ভাষায় বিশ্বত 'বিষদ্বঞ্জন' নামক ভাষাধুকা। অন্যায়-স্চী, বিষয়স্চী, ও প্রতি শ্লোকের প্রথম ও ভতীয় পাদ স্চী, ভাশ্যকারের ভীবনী প্রভৃতি নম্বাণ্ড। উৎক্ত বাধাই, রজিসংখ্রণ ( জুর্ডীয় সংখ্রন ) প্রচের अका २, छ।का।

#### প্রয়েরতাবলী

ट्याम्बन्दर्भन विश्वपृत्त्वर्भन-८, १७ देवस्वप्रस्था, अनस्ड छ ्रशाविक लागापि शिख्वात जानम अर । उरक्र-कानिटल छाला। खांतपुर निका छ आञ्चलवभाग्ननाम-महारमा আভি স্থালে বাল্লেরড বোধ্যমা হর্ষা পাকে। ভিজা o'• आभा भाषा

## শ্ৰীনগৰাপগামমাহাত্ম্য

( প্রমাণ্থ ও ) সামুবাদ । তাত-প্রচাগি এছে স্থানব-बीटलत तम महिमा काष्ट्रिक आह्न, ভाशांत यल मरब्रुट छ অমুবাদ। ভিকাত গানা।

#### এ এলবদীপভাৰতর ক

শ্রীসাক্ষ ভাজিবিনোদ লিখিত। মুললিত গাভাকারে পরিক্রমার সংহব্যাদি-বিষয়ক। ভিক্না। আনা।

#### ভজিবভাকর ও নব্দাপ পরিক্রমা

শ্রীল নরহরি চক্রবর্টি-ঠাকর রচিত। ভব্তিরভাকর হটতে পরিক্রমাংশ মাত্র গৃহীত: শ্রীক্রীব গোন্ধামী কি लाकारत क्रिनवदीनधारमत नित्रक्रमा कतिवाधिकान. ভाराहे পথে বিরুত। ভিক্ষা। ৮ আনা



द्यील छक्तिविताम शक्त-अभितः हो उत्तरसहैशत অচিস্ত্য-ভেদাতেদ-তত্ত্ব—সাগন গিণ্য—গ্রেয়েখন-ডল্ব, কথ্য-का छ . बाधवासित्र विशास-देववी छिक्कि छावछि ४ **्रामङ्कित्रक नामङ्ग्रन-अन्तर्गी ७ घ**ढेकानाम काला-পরিচয়াদি প্রথম শিকাপার উপ্যোগ করিয়া সরল ভাষায় সমুদ্র মৃত্তিপ্রমাণ্যত থিথিত আতে। চতুর্থ সংস্করণ বান। र, छैका, आवाक्षा ३५० छ।कः महा

### গোডীয়কগুহার

हैं। को क्रीय त्यक्तवर्धन्त अक्षण करा माजगरमाना প্রাস্থৃতি বিংশতি সংখ্যক রয়ে। স্থুংগভিত। ভিজা মাত্র এণতি খৃতি-পুৰাণ-পঞ্চরাঞাদি সাম্বত-শাল্পসমূহের প্রমাণাবলা विभव्यविश्वात्रकारम् भाष्ट्रवात् १६/५०७। उहेक्कल देवस्व-সিক্ষাধ্যের সার্থমধ্য অভা কুরালি প্রকাশিত হয় নাত। केशाए खन्नाच्य-७।श्वाचा-दियान---(भोत--विद्रानिक--অধৈত-ক্ষা-শক্তি-ভগবন্দ্ৰস -- জীব --জচিপ্তাভেগতেপ -- व्य = १४म--- नामम् ७ जि---- वन्य-- वा स्म- श्वा -- अक्षा - भीनाम- लासामा क लामान-उपकर्ण भना अवादि स्तुहर क्षाकर्षम एहीम्ह फेरक्टे एक्टिक कालक द्यार প্রায় ৪০০ পুরায় সম্পুর্ণ। ভিকাবন্ টাকা মাজ।

### জ্ঞান-ছাপদাম-এছাবলী

জীমসভিতিবিলোধ সংখ্যা রচিত বিম্মাহাত্মা— ম মাহায়ের সাম্বাদ প্রমাণ বাত-এল নরহরিচালবাত সাক্রের গাম-পরিক্মাণে — নিচাম নব্দীপ পরিক্রমা—ভা যাত্রা পছতে— ইন্নাং প্রোধাননকত নবদীপশভক্ষ— উময় জিবিনোদ চাকুরের আনব্ধীপ ভাবতর্প প্রভাগ প্রাম্ব কেন্দ্র ভিক্ষা দে আলা মাত্র।

### শ্রীহরিনাসায়ত স্যাকরণ

শ্রীকীর গোস্বামী অভুপাদ-বির্চিত কর ও রুদ্রি ভংসলে ওবিফুলান শ্রীমন্ত্রজিমিদ্ধান্ত সরস্বতী গোস্বাম মহারাদ্রের বিশ্বত ভূমিকা ও হটী প্রভৃতি গ্র ब्बल्डामिक्नाद स्थान। किया २, हाका, हाबनात পক্ষে সাত টাকা যাতা।

#### বেদান্ত ভ্ৰমার

শ্রীমন্ত্রামান্তর্গাচার্য্য-রচিত। বেদাঙ্গের বিশিটাবৈত্রাদ্ ल्याहारक के लाखा-ल्यालक बाहत्या भवत रामाख्यांने पार्टन डल्ट्यान्ति क्युनार्थ ए.६ উष्टम क्यियार्थन, इंश्रेर রম্বানুষ্ট ও প্রতীপ্রাদি সংব্যোগিত করা ইইয়াছে ন্ম মাত্র ভিজা ৮০ জানা ।

#### দ্রীচৈতভাচন্দ্রায়ত ও নগরীপশডক

শৌরপার্যদ তিম জী শ্রীমৎ প্রবেদ্যাননা সর্থতী প্রেণীয মূল, প্রভূপাদ জীমদ্ ভব্তিসিদ্ধান্ত স্বস্থ নি গোসামী মহার্য मुल्ला क्रिक क्रमगुर्थ नावन ६ वशास्त्राम मधीनक নব্দীপুশতকের উচ্ছিতিবিনেদ সক্রের প্রান্থবাদ তুৎসহ প্রীমুদ্রচাপ্রাপুর একনি ত্রিবণসঞ্জিত আপোঁকিক চিত্র প্রায়ন্ত হটবাচে। মুন্তাও কাগজ উৎক্রপ্ত (২ ঘান তেত্রে ) ভিক্ষা ৮০ আলা, অতি এরম্য বাদাই রাজসংখ্য ু ১ ্টাকা মালা

## **ंडायम्य**

লীমন্বজিবিনোদ সাকর-প্রবীত। এই একমাত প্রথ-দলা কান লাভ করিলে পানমার্থিক রাজ্যে কিছুতেই 💌 ন বাসংশয় থাকিবে না। প্রম গুচু ধ্যাবিষয়ক এই-' িল্ডোকামি-শান্ত-মড়োদধি-মছনফৰে এই গ্ৰন্থান্ত িভিত্ত চইয়াটেল। সাবার স্থাবিস্থ স্থান, কথাসার ार्मि काला नित्यम समुद्र कता इत्याद्य । वित्राष्टे अह, ে नान छाल नाम दलया, छेरकडे नाताबे-- ठ छूप मध्यत ि ११ २८ होका माल।

### প্ৰেম্বিবৰ্ত্ত

बीगराहां भारत जायतम भारत भीत मानानम धार বির'চত ৷ এই পুস্তকে মতি স্করণোধ্য ভাষার মহাপ্রেড়র क डिल्स की शामक देवकवाडांत्र, एकाइना ७ नामड्यन-বৈক্ষৰতক্ষের স্থীমাংগা পনী প্রভৃতি মনেক 🕟 ্রের পাইবেন। পাদটীকায় ফুরুত স্থানের বিশ্বার্থ ও ৴কর্মার পরিচয়াদি-সম্বলিত চতুর্থ সংস্করণ ভিকা। ॥৶• দল কানা মাজ।

#### ভজনরহস্থ

ভ্রজনকারীর নিভাগদী; ঠাকুর ভঞ্জিবিনোদের অথুবা हान ; निधिश गारशत नियाम । अध्यानि ना मिश प्रयास ্কত বুঝিতে পারিবেন না। তৃতীয় সংশ্বরণ ভিক্ষা ॥•।

#### ছরিনামচিন্তামণি

নামাচার্য্য শ্রীল হবিদাদ ঠাকুরের মুখে শ্রীমন্মহাপ্রান্থ শীলাম-মারাল্যা, নামাভাগ, নামাপরাধ প্রান্ধৃতি বিধয়ের সংস্থায় বিচার শ্রবণ করিয়াছিলেন। এই বিষয় গুলির অ । দু সুবল প্রয়ারে সংক্ষিপ্ত আশ্যুস্থ পরিপাটিভাবে মুদ্রিত। স্থান ভবিদ্বিনাদ সাকুর-রচিত। প্রথম সংস্করণ ভিকা he

### কল্যাণকল্পতক

প্রীমদ্ভিবিনোদ ঠাকুর-রচিত। প্রত্যেক ভগবদ্-িখাদী ও জ্ঞানপণের পণিকের একান্ত প্রয়োজনীয় উপদেশাবলীপুণ গীভিগ্ৰন্থ। নামায় বেশাপড়া-কানা ্লাকেও এই ভক্নরাক্ষের গাঁডিসমূহের হারা অন্ধ্নির্তি व जनवर्षां वाज कत्रियात स्वतिश পाইरवन। वर्ष সুংস্করণ, ভিক্ষা /১০ স্থানা মাত্র।

#### শরণাগভি

क्षिमहक्तिवित्नाम शेक्त-त्रहिछ। ख्रशवात्म **व्याग्रममर्ग**न, বিজ্ঞপ্তি, ভগনশাল্যা, যড় বিধা শরণাগতি ও দিছি-লাল্যা-निषयक वीडिপूर्व, जिल्ला 🗸 जाना माळ ।

#### भी डाननी

শ্রীসাকুর ভক্তিবিনেদ-প্রবিত। নিত্য ভঙ্গন, আরাত্রিক ৰ প্ৰবাদ-দেবনাদি-বিষয়ক মধুর গাঁতপমূহ একতে এণিত। र्वेष्ठका / • भाना शिख ।

## **अनवस्त्रका**म्

ात्रित्वल्यमुक्षिमीन व्यामित्रीमाथ ठळावसी ठाक्स-বিবচিত রগগ্রন্থ। শ্রীমন্তজিবিনোপ ঠাকুরের অসুবাদ-বছ। ভিকা। আনা মাত।

জীমমাধাপ্রভার শিক্ষা ও শ্রীলু রপুনাপ, দুমস্, গ্রোস্থামীর প্রতি আরুণ গোম্বামীর উপুদেশবারী, ভ্রিপুপের অমুকুল ও প্রতিকৃপ বিষয়ে স্থবিচারিত সম্মোদন ভাষা, বিশ্বত বিরুতি, চরিতামুতের প্রমাণ, সাম্মার, ব্যাপ্যা ও মহাজন-खानी । जन्मपानी नीटम्पूर खाराक (शास्कत महिक সন্নিৰ্বেশিত ভটনাছে। তন সংস্কৃত্তৰণ ভিক্ষানিৰ্ভানা।

### সাদন-কণ

্রীবগুনাপ দাস পোস্বামীর মন্ত্রিকা, খ্রীল সাকুর ভ ভিবিনোদ-চারত গ্রান্তবাদ্সহ। - ভিক্রা

### প্রেমভক্তিচজ্রিক।

শ্রীল ঠাকুর নারেভাষের স্তর্প্রসিদ্ধ প্রেমভব্জিবিসয়ক। গানের পুত্তক। ভিক্ষা 🗸 আনা মাজ।

### নবহীপশতক

শ্রীল সাকুর ভিত্তিবিনোল-বভিত্ত জীল ভাবে।ধানন সরস্থাপাদের সংস্কৃত নবদীপশতকের সল্পাতি প্রায়েখান। সংবাদ, সম্প্রান্ধ্য, 🗐 ওক্তাপাতি, 🗒 জ্ঞান-প্রান্ধ্রা, ভিকা 🗸 সানা মার।

#### ভার্থপঞ্চক

জ্ঞীল লোকাচাণ্য রচিত। বৈঞ্চবতা-জ্ঞানের আকর পুত্তক। ভিকা/- মানামাত।

## সমাচারস্থতি

শ্রীল মধ্বচার্যা-প্রণীত। নৈক্ষবের নিত্যকর্মাদি স্পাতারা-বলী, বঙ্গান্ত বাদ স্থিত। ভিকা /- আনা মাত।

#### মণিমঞ্জী

কবিকুলকেশরী শ্রীমরারায়ণাচার্গ্য স্কৃতিত। শ্রীমন্মপ্র চাৰ্যোর সংক্ষিপ কীবনলীলা ও মূল বৈক্ষরধর্মানত। সাঞ্বাদ डिका। बाना माह।

## গৌরকুকোদয়

প্রাচীন কবি শ্রীগোরিল দেব প্রণীত শ্রীগোরবেতারের প্রমাণাবলী-সংবলিত সংস্কৃত গ্রন্থ। ভিক্রা ৮০ আনং।

### যুক্তিমল্লিক। ( অপসৌরস্ত )

ব্দীনধ্বসম্প্রদায়াত্বগত শ্রীনবাদিরার স্বানিরত। বঙ্গাকরে দাসুবাৰ এট গ্রন্থের প্রকাশ পারমার্দিক দাভিতা-জগতে अहे नकाळालम । व्यामनाकाणांगा ब्हेट त्याक्ष्णांतका विकीश মধ্বাচাৰ্যা নামে খ্যাত শ্ৰীবাৰিরাঞ্জীর্থ স্বামী এই রাছে সাধারণ বৃক্তি ও গৌকিক ভায়াভ্রসারে কিরূপ স্থকরভাবে ভঞ্জিবিরোধি-মতবাদ সমূত পঞ্জন করিয়াছে, ভাতা পাঠ बाबा ठाव्याक्. टेकन, ट्वीक, भीमांश्यक 😵 मात्रावाधिमण्ड-नम्टरत चन्नत चलन तर्वतारः। जिल्ला २ होका माछ।

## (गाषामी औल त्रयूनाथ मान

(উ বিফুপাদ শ্রীল ভক্তিসিদার সরক্তী গোস্বামী অভূপাদ-লিখিত ভূমিকা সহ) গৌরতগ্রেষ্ঠ শ্বরূপ-রূপের अक्षाक जिल्लम कील बान , दशाचामी जारूत जानूक চরিতাস্ত ও শিকা জড়ীর প্রাঞ্জন ও সরল, ভাষায় সন্নিবিট্র এবং পরিপিটে দাসগোরামী প্রাক্তর, বিরচিত ক্রেকটা गाञ्चाम स्यूत्राच्य . उद् ६ मनु: नि्का-ग्रहाने । छिका नीयारे 10 जाना, जादाशह 🛹 जाना बादा।

প্রাচীন নবৰীপের অবভিতি, ত্থা, ঐতিহ, দ্রেতি ও ঐতিহাসিক প্রার্থীসভাগিত নয়টা বাপের সচিত্র নিবরণ-अष्ट । अष्ट्रिजा अगृह्य कूमात्र श्रीपुक भन्न लिल् नातामन द्वाय ध्या, ११, ध्याक्ष (गाद्यात), द्वमाञ्चलग मद्यापय कर्द्धक সঞ্চলিত এবং ৪৭ প্রনি বিভিন্ন দুর্গের অপুনা চিত্র ও मानिक-गर्यायः ; श्राष्ट्राविश्वाम्हृतिव त्राप्त नाद्रव ्यीत्रक स्टबंक नाथ वस्त्रुविष्टकारमञ्जाहक महागरात विष्टु स्मिक। गर । উংকট ( ইং ) মরজো বাবাই মূল্য ১৪০, ভি: পি: তে

## ु, माभक-कर्श्रमाना

अवन्यका, देवकन-वन्त्रमा, देवकनमञ्जूत, प्राणीदकत शिल, শ্রীনামগুর, শ্রীমরাগালানর অট্টোভরণত নাম, অষ্ট্রপ্রহর नागकी छन. श्रीनामनदी छन, त्थामवनि, 'वाष्ट्रिननद्वीक, नववील-महिमा, जीमासालूत महिमा, श्रीमहत्ताक्रम-लाइस कार्रक षाहार्गाः नन्तनाः, नस्ट्राधामीव बहेकः दक्षमञ्जलकाः उभामका नामककम-लागनी, महालाकृ क तात तामानक भरी शास्त वन्त्रमा शिक्ष अगान । त्रिक्ष कीवानत मिटालागा. বৈঞ্চৰণণের কথাশিত তুক্সীমালায় স্থায় অফুক্ল কর্ঠে शंतरप्राचा अपृत अप्त । जिल्हा । विका । वे ताल है ॥ वाज ।

## ॅ(गोफ़ोग्न-८भोत्रव

কশিকজিল ভাগে জি জালবাট খলে গৌড়ীৰ সম্পাদক श्रीभाम प्रकारतानम भवित्नावित्नाम-धामक बक्र्ष्टाय विश्व প্রায়কানে প্রকালিত। ইহাতে গ্রোড়ীয় বৈক্ষবসম্প্রধায়ের ইবিধায় করাকারে এপিত হইবাছে। ভিকানে । মাজ।

## (गोड़ोग्र माहिन्तु

কলিকাডার মুপ্রেনিক মালবাট খলে গোড়ীয় সম্পাদক শ্রীপার স্থান্তর্নান্দ পর্রবিদ্বাবিদ্যোলপ্রভূ প্রদান্ত বন্ধুতার বিষয় প্রথারে প্রকাশিত। ইহাতে সাহিত্য-শক্ষেম মর্থ এবং ्योकीय-मार्किएकात्र विषय् श्वकारत विषय क्षेत्रारक । क्षिका । শুল সালা মার।

## ্রীগোড়মওল পরিক্রমা-দর্পণ

শ্রীগোড়দেশের যে সক্ষ্য স্থানে সপরিকর প্রীমন্মহাপ্রভ उत्तर उम्झ्य भवत्वे नशक्तन्य भीमा कत्रिया निवाद्धन. সেই সৰ আধুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও দেববিতাহালিয় পরিচয় সহ যাতায়াতের স্থাবিধা নির্দেশ ইত্যাদি বিষয়গুলি স্ত্রিবেশিত আছে। ভিকাত আনা।

### THE HARMONIST

#### OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীল ঠাকুর ভব্তিনিনোদ-প্রতিষ্ঠিত এবং 🕮ল ভব্তি-করিতে করিতে আশ্চর্য্যায়িত হইতে হয়। ইহাতে বৃভিন্ন বিদ্ধান্তগর্মতী গোখামী প্রভূপাদ-সম্পাধিত প্রেমার্থিক মানিক পত । একাণে ইংরাজী ভাষার অঠাভিংশ বর্ষে ভবলক্রাউন ৮ প্রেমী ৪ কর্মা , আকারে প্রতি বারে হরি-नारमत्र विकत-देवकप्रकी महेशा केशहिष्ठ इंडेरफ्टइम । कानक, मुलंग-नाप्तिनांछ। ७ डिजांबि बडीव डिखाक्वक। धारे टाकान उरक्ट धारक चान कान मानिक भवाबिएड प्रिचित्र शहरवन मा। वार्विक क्रिका खाक्या खान्य क् ष्ठाका माळ।

## প্রাভিতাশ-

**बिटिएकक्रमठे. त्याः ज्यामायाया महीका** 

## A 14 94

THE NAME OF THE

काडीमःसम्बोधः व्यक्तम् विभागं मानास्थाः समीताः

े क्रियमाध्याक्षेत्रीत्र महेराकः गाव कः वृष्ट केन्द्रकन्त्राहसः सीतृत्र ग्याहन चाहनवाडण सीहरून त्मथव-कनदम मिलिटेक्टक-मठ विद्यालम्।

धके क्षांन आस्त्रक के के के अधिक ने साम के का नाम के का नाम के का नाम के किए हैं। माक्ष्यम् । वात ० वर्गाकि-(महाकाम्म, प्राक्षिकाम, समात । मान । वाकि । अगस्ति । एवा व्यवान-क्रिमा-वत-विका-एकन्य कान-क्रकुंबेक्क क्रवावन ६ सम्मानना धारा क्रमां व्यक्ति পোৰাজ-লাজিঞ্জ কাৰ্থনিধিনৰ 'ৰু পালুক্ত লাম্মুলাৰিক্-মানাৰী-নতু ব ঠাতাদেও কলাড় विश्राह्म । १०% मामा प्रमानिक एन एकाकास । बाहे सकेवाटस पानमार्थिक देशनिक पदा माधान मच्छामार्थक का श्राकाल क संक्षाकीत अवस्थाति । अक्षाति करुता "लेगीशाल्याकःम" यक्षःगव প্রতিবংসর জীগামগুরিক্স্মায়তান্ত ও অগাণত ওকংগান্তি ।ত কীজন প্রচারস্থার মহামতেইৎপর।ছি,ভকাজ অঞ্জীক এইয়া লাকে-। বক্ষক-- ব্রস্কাচারী শ্রীপার এরচারজী: সংকারী--শ্রীপার বিলোপ্ত ক্রিণারী ব্রন্ধরারী, পাশুত ইংপার গোরদাস बक्राठाकी कायानशक्त कारी वे. शिलाह की का बक्राठाकी, शिलाम समामाल बक्राठी . আন্দ্রমন এঞ্চা ী, আদ্ধনপোপাল অফচারী, গৃল্প নরেল্ল, হরিপদ, রেব তীনোংন **創設性 引機をおり申**す

তিপাঞ্জিমানী আনমুক্তি প্রদীপ ভীর্ষ মধানাক এখানে হবিক্ষা ক্রিনে করিছেছেল। একানারী প্রাকৃতি।

### তে যোগপীত শ্ৰীমন্দির

at 81- 型田利斯門山(四京 WAR A) নীম্যাং প্রকৃত আনিভাব-ভূমি ম্বাব্যেপ-भेरे । ज्यारन श्रीमची शा क श्रीनिक र्रव्यक्षेत्रक श्रीर्थक्यामाध्य aut 🚉 b एना 🖛 म्बित्रशास्त्रस्थाः, निका दशना कथा 🕮 शक-ちで生化 くりの 名名おいり まゆ キーー(の)やー माधायक दमायामी, क्षेत्रातामा नास क्रियमान माथा महकाठी क्रिक्शिम बन्नगंती, 🕮 हामाहित्व व किक्ट्रियत, 🕮 वानवाम स्वाप-कारीन जीमाबनम्य स्थित वादी, दश्याला Bett +3% !

#### (8) **এবাস-জন্ম**

अभिग्राभा अकृत के विना-निवास ्र क्षेत्रकोश्राम वागक्ष्मी । क्यारन व्यक्तिमाव-विकालन क श्रम श्राचात द्राता वसमान । क्ष --- व्ये शका - कु कम अस्तिही ।

## ( e ) WCTT-WTH

बड़े कारन क्षेत्रक शक्त क्षत बारर (中)罗斯斯·伊斯特

.सम्म फ---- 🕮 बरेब शासकः वामाबि मात्री, अक्षाक्रममाम नावाची ।

( 电 ) 明明 明明 [ 南 內 ]

बाधीम मानाभन, नामसम्बद्ध (समीना) ाकिश्वामक्तरणाकः किर्मानकामीतः समार्थाः ।

· (京)·明明明·明明·夏卿 (8

किर्गाक्षण चन्नामका (अकीहा है। deren Giftgerin Ber wie fentempene. ente mut Bertenung aus Mallett. NINCHA CHAN MENIN

क्षण-कविष्या वाकात संबद्धती कुछ कृष्टियी चन्, चन्, अक् ।

## (४ अन्यामाधः दशोहीत मठं प्रम्मनार्भित्**छ** ।

दक्क क--- डीवश्वद अंकिषाक्षी हम, ज. वि, धन, तककारी--- शिक्ष वाम अकि-मात्री. विवेकक्रम भाषकारी अवृत्ति।

(क) खीटगात्र-भगासत्र-मठ ঠাপাঞ্জী, সম্ভ্রম্ম, ( বহুমান )

क्रिया वाली बाटबट ला शक्ति (शोधन्नमात्रक ्रत्या । त्रण्यक---विद्यताम् अव्यक्तारी, अञ्च क्रिनामद मान ।

🗘 - 🎒 त्रभर गोष्ट्रोत्रः यह 41:198. 21111 EB for em ..... : : चिक्र विकास अव्याजी. सक्काडी --केमार्क्स के केमार्ग हो। इस्तिहरू

( )> ) **( )** ( ) ( ) uidnife, minne, auniai 🗎 ामिन वात्र ठाक्त तुन्तानस्वत्र वात्र । उक्क - विकाय शही बक्र नामी, कक् Poweller 1

(১२) कांभवक कांग्रह 🏥 नाभवक (त्याः, क्रमा भार, नवीशा । क्षित्रकृतिहास अवावनीत व्यात्रक्ता 

te arread ( of). . (शानिमाधुर, शामाली, महोता। मुक्क--- श्री भकुगानम अमहारी । सर्वारी ा वक्क -- वक्करही कैविद्याणविश्वती । श्री प्रतिश्व वक्काती, श्रीवनाती कांगिरिकाती, 🧓 ্ট্ৰীপ্ৰসূত্ৰাৰ পান্ধা, জক বিশ্বনাৰ

> ः ई अहः) क्रियाध्य-८योणीय वर्ड ् ु कुल्मर् लवात्युव स्माक्, हा का। क्षेत्र्यस्यक व्यवाप-दन्य, वयादन खीकन-**्राह्मि** माक्ष्या-निविधात्वय स्था बख्यास । क्षापानक अध्यानी, विनाव विषयानम् नवस्कि।स्टिनार वि- व, श्री आन-

: भू सर कानिकामात इक्ष्यको शिवे. (शृह नाधनाकांत्र, कनिकाला । छिणिदकान ११, वि. ४५.४

(२) बादगोडी इ यह

শ্রীমন্মকা গভূর প্রচারিত শুনিশাল ভক্তিশন্ত-প্রচারোজেলে গোড়ারেলের নক্ষপ্রধান स्मारी कृतिकारात्व मिक्किनिराम् कामरन स्थाप्त श्रीकृष्ठि कारहत । अहे क्यू-সক্ষাবাদ্যে 🖺 গুরু-ব্যোরাজ-শ্রীবিনোদানক জীউ সপার্যদে নিক। সোরত চন । সোডীর ক্ষাচার্যানর্পের বাণভীর প্রস্তানক্ষীর প্রপ্রচারেরাধেশে শ্রীমতে দংলছ একটা কর্বৎ মৃদ্রা-ব্দ্ধালয় স্ংখাতিত ভইছাছেল। পুলিবীর সক্ষতি 🕮 গৌৰনাম প্রচারার এই সমালয় ভট্তে 'গোডীয়' সালা'চক পত্ত, জি ছরমনিষ্ট মাসিক পত্তিকা বংরাজী ভাষাত নিয়মিভজাবে প্রকাশের চচতেত্বেন। প্রীমতে পাঠ, সম্বীর্ত্তন, স্প্রপ্রধান-চত্ত্রন-বেলাক, হ্মীনস্থাগণত, প্রীটেডজ-চরিতামুণাদি-লীলা ও ত্রগ্রন্থের সমাক্ আলোচনা চল্ড পুৰে। মঠএকক—আচামাত্ৰিক শ্ৰীপাদ কুমাবভাত্ৰী বিভাতৃষ্ণ। সভকাত্ৰী—পণ্ডিক শ্রীপাদ অন্তর্গতকের পর্বভিচ্ছেন্ত্রণ বি-এ. শ্রীণাদ বাস্থিতারী জন্মচারী, শ্রীণাদ क्रश्रावन कामानिकाती विन्त्र, जीनाम क्रत्रशालाल कामानिकाती, अक्षठावी श्रीकी खनानम, अभागी श्रीमाशियान्त, अभागी श्रीमागनम, पश्चित श्रीमागन नवीनकृष পর শিপ্তাশক্ষার সম্প্রদান হৈব ভবাচার।, আমহায়ক্র'নম সাধিকারী বি- ৫, আভিব্যক্তন্তিন্ ধকারী বি-এশ, জীমতুপম জায়কোনিধ্, জীনিশ্বস্তর ব্রহ্মানী, জীৱনমুগোধিক

त्शीय अमारावी, जीननत्थीराम अम्बद्धाती, ক্ৰীণভিতপাৰৰ জ্ঞা

## ( ১৫ ) औरभाश्वरणकी सर्वे

क्यम् (श्रुव्ह, हाकाः) (मानानकोट क्याराज्यक माठीन स्मरा 4 TE 1818 -- Bulletter Butter

( ১৬ ) श्रीना है-८नाग्राम वर्ष व्यक्तिक शक्षाविमी मका, वालिस हिं हाका

क्षेत्रमाड-द्योत्राध्यतः निष्ठ। दमरः बकक — क्रीपूर्व शक बक्राती, टीय कशान বন্ধচারী

(১৭ জীভাগবভক্ষনালক মঠ

'किक्कशिथा, नाक्ष्यानभुद्र, स्मामेनीभुद्र। खभारम में धक-(श्रीशक-शास्त्रोत्स का-शिविषधीव विकासिया गैसमान। ब्रक्ककः बक्रामी जि-श्रवासमामकी।

(১৮) जामनारवाका अनवास्त्रव

वास्त्रीय द्याः नक्ष्मान ।

औ धम्पाताम जीनाक्षण न नार्वधाकीन बिटारमना। धक्क---अक्सामी क्रिक्ट formre i

#### (>>) जीशुक्रदशस्त्र गर्ड

Title, 941. Bismi बयास खीरणोव-विस्तायमाववक्षीत्र मि छा-अन्य प्रकार । यक्क-लक्षात्र क्रिन्स्या-जम विशासक. अव्यवश्री खेनकोशनक. धिनदश्माक्षत्रव अक्षतांत्री धीनामवासन बच्छाची, एक ख्रीनिवार ।

ं(२ -) विश्वाच-टमरेकी व सर्व ं ब्यानंबरमाथ, अवस्थितं दशाः, जुती । ः । अन्यक्षरभरतरम् असन्यस्य समस्यः स्रीमश्रद्धाः क्रिके विश्वपश्चात । वश्चल-वश्चाताही <sup>क्रि</sup>नप्रत्यको व्यागानको । सङ्ख्याहो-स वणहाती अविनित्रतिशाही ।

### (-2) जैनकिशासमा वर्ड र्डे!क्वाराकाद, क**छक**ा

এখানে 🖻 ६ळ-त्शाताक-विस्नावस्थान-জীর নিভাদের বস্তমান। রক্ষক-उष्कारी जीनगर, जोरामणम उक्तारी

(२२) अभगाजन-भोषात सर्व वनर कराव्याचन श्वा, कानी, । (मोज-नमाम्रज्ञ नगर्ग-निमायन्। दशास्त्र :शांद्र(महा वह्नयः व वक्ककः---श्रीकासकीमाधकी. श्रीपकासन अक्षामी ।

<sup>(२ ©)</sup> वैक्क्टेन्डक स्ट जीनुःगरक्षाम कृत्व, जीनाम वृत्वावन । के के वाधा-खक-(माहलकोद (मवा। গ্ৰহ্ম ক---- শ্ৰীগণাতিলাৰ ব্ৰহ্মচ়ংৱী

(२8) श्रीशत्मस्य मूर्व

देशीयवावना, माङ्ग्रह এখানে ইভাগৰত পাঠশালা 👁 चिर्धात-विस्तान विमामकोत्र स्वता वयशन ०क्क --- अक्षा के विनु भरदानम व उच्छावी 'श्रीनव्यक्रमा**व**्

(२०) ब्रिटेड इक्टशोकी स्र सर्व

प्रमृतकु छ।, ।ठतकु छ।, मानकृय। हे। बाँदे १ एक मध्यतः वाषा । वक्त क--- ब्योद्याः नाण द्राव. ड्रीट्रन्यान**ण अव**हात्री, श्रीवाय े की वें अपने का विकास

(२७) नामदशीकोस मह

कुक्रेक्सिके, ब्राम्बयः, क्यामः । अधारम শ্রীপোর্বাবনোর-রামের (सर्वः वक्ष्यानः। क्ष क----अक्ठाती धिक्रमणनथा, खीननी-भाषांग अववानी

(२०) जाक्रशाहा अभागास्त्र-वर्ड बाक्षणमाधाः (लाः मास्, सावका

ज्यमादन वस् कृष्णी औरश्राष्ट्रका द्वारा रक्ष्यानः रक्षक---त्रवराती खीळावकुकein, Mitarene ampiate (२५) विक्र द्याकोत् वर न्यान्यानस ब नर द्रभाष्ट्रिक कम,कांकांत्र त्यम, विके विक्री ह त्रकण-अक्षाति क्रियीवहरू, अक्षितिवन्त **टीमा या क्यम के अनन्त्र**म

(f) Calaiwalkichika वयन-वयमात्री बोशायसम्बद

## গ।কী আরউইন চুক্তিতে বর্ত উইলিংডমের বক্তা

नर्फ छेहे निः छन २१८न सून साजित्छ চেম্দক্ষেতি ক্লাবের ভোগ-সভার বস্তৃতার পাদ্ধী আরউইন চুক্তির কথা উল্লেখ করিয়া বলিয়াছেন যে, আমি এই চুক্তির সম্পূর্ ণের ভার প্রাহণ করিয়াছি। আমি প্রাদেশিক গ্রণ্ড সমুছের স্থায়তায় চুক্তির সর্ভ যথেতে পালিত হয় ভাহার ছাত্র অকপট ভাবে (চই)। করিব। আমি আনন্দের সভিত বলি েছি যে. আমার বেশ বিশাস আছে যে, মহাত্মা গান্ধীও চুক্তির শর্ভ পালম ক'রবার ঋগু অকপট ষ্ঠাতিকায় পোষণ করিতেছেন।

দ্ধবে স্থানি দেখিতেছি যে, কেছ কেছ विवृष्टि हात। अकान कतिगारहम द्यः, उहे সন্ধি যুদ্ধ-বির্ভিব চুক্তিমাত্র এবং এতভারা আবার আন্দোলন চাল্টেবার মন্ত্র প্রস্তুত হুইবার অব্যর পাওয়া নিয়াছে। চুজির স্তু পালন করিতে হইলে এই ভাব পোষণ অসমত নহে।

আমাম শান্তির প্রেয়াসী। ১%ন বিরতির স্থির পক্ষপাতী নহি এবং আমি অঞ্চ রোধ করিভেছি যে, সকলেই যেন ভারেতের মঙ্গে জনমে পোবণ করত: চুঞ্জি পালনে নির্ভু হয়েন। আমার एक विश्वाम (व. जामका भाखिए**छ थाकिसा**हें | ভারতের আথিক ও রাজনৈতিক মগল গড়িয়া ডুলিতে পাবিন।

আমি ভারণের সকল অবিবাসীর निक्छ এই अञ्चलांत कानाईट हि (१, ) তাহারা সাধারণ অধিবাসীই হউন বা সরকারী কম্মভাতী কউন, ভাষারা যেন व्यागारक विकिथण महायाहा करत्न।

আম্ত্রিয়ে দক্ষ দেশবাদী বিশতে বুরিয়াভেন্ আমি তাঁহালিপকে অমুরোণ করিছেন্ধি বে ভাষারা যেন ভারতের সমস্থাকে সামাজের সমস্তা বলিয়া ধরিয়া ল্যান এক এই সমস্থাকে বেন ভাহারা मक्तांतरम्यात जारमाहा विषय विषया गरम m) #(44) 1

অভংগর লাও উল্লিংডন বলেন যে, [ ভারত নিশ্চনই ব্টেনের সঞ্চিত সংক ছেদুন ক্রিবে না এবা ভারতের ভাবা चामन-रञ्जूष्रित मामारकात প्रकारतन পরিচালিত হউবে।

## কংক্রেম কুর্মীর উপর আবার

व्यवस्त्र स्त्र ना श क्षेत्र के कार्य कार्य के बिश्व हरू है कि है अपने वार्त वार्त विना इन्द्रार, कार्य वाहराज उ Marine Marine Marine Marie

জন্য নোটাশ জারী করা হইরাছে। এই মুশ্লমান নারীয়া পর্বাণ ভাগঞ্চ তিনন্দন কথীর প্রভ্যেকের প্রতি এক वरमञ्ज मृक्षम् कातानर एउत वावका रहेगा-ছিল। ভারপর গান্ধী-আরউইন চুক্তির ফলে নির্দ্ধারিত সময় উত্তীর্ণ হটবার পুরেই । এই সভায় উপস্থিত ছিলেন। ভাঁহারা কারামৃত্র হইয়াছেন।

## জাতীয় মুগ্লিম কৰ্ফাৱেন্সে কুমিল্লার প্রতিমিধিরক

(योगडी आभन्नाक डेक्टिन आस्म চৌধুরী, মৌগভী হাবির রহমান চৌধুরী মিষ্টার আবছল মাদিদ, মৌলভী •গৈয়দ আবৈত্র মজিল মিটার আলি আমেদ cbiegi, মি ात निताक्षेत्रिक आरम्भ, बिहात अप्तक्त অংকাগ ও মহম্মদ আল-ভয়ার্যট্লা ফরিদপুরে নিপিলবঙ্গ ভাতীয়তাবাদী গুলিম কন্ফারেকে যোগ-দানের নিমিত্ত গভ ববিধার রাজে কুমিলা

## মদের নোকানে পিৰে ভিৎ >२ कम (चव्हा:अनक casta

मरभन्न द्रमानगरम लिएककोर कतिनात्र ममग्र नाष्ट्रा शाष्ट्रामा ६ अनाष्ट्रि छैः लागतन অভিযোগে জুইদধো প্রেয় ২২ কন ক্ষেত্রা-দেবককে ভোগ্যায় ক'রয়া বিচায়ার্থ প্রথম শ্রেণীৰ ম্যাদিটেট মিথাৰ প্রিচার্টের ८६क'रिन डिल'छड कता हता। आताबितन অভিযোগ অস্থীকার করিয়া বলে, ভাঙারা শাভিপূর্ব ভাবে কার্য্য করিয়াতে। আলামী ্ই জুল ই প্রায় নামলার ওনানী হুপিত

## বহরমপুরে অভাবের সূচলা

मकः खन बहार ७ (य गक्त भ॰वान भा छश्रा যাইছেছে ভাচাতে প্রকাশ বহু স্থানে অর্থক্রেশ দেখা দিয়াভো। কিছুদিন প্রায়ে যে বারিপাত হটয়া সিয়াঙে ভাষাতে শ'শু शांटकत मन्द्र भट्टे हरका यहिंदात्र निट्सम मखावना पद्धे ८०० (प्रभवानात्र ८०) ষারও বাড়িয়া উঠতেছে।

## মহাস্থাজীর বোধাই ভ্যাগ

शंख २%हम क्षेत्र देवकारन माभवादश মচাল্মাজী এক বিশাল নারীসভায় বস্তুতা गुक भुडारिक सार्क्य गरमक गमरव महिलाता त्य व्यक्तसमीव कारमात्र अञ्चल्तां कतिशाहित्सम्, महाश्राणी (मर्डे कार्यात উद्धाल कंत्रिया **महिलामिर**गत 'खंदकीर्ज्ञम करत्त्व। यहाष्ट्राची महिनामिशहक **लिक्कीर** ठालादेस्ड अभूरताम द्वारा व्या শক্তির প্রচার করিতে উপদেশ দেন। 🧎 🏸 া মহাস্থা হুংপ প্রকাশ করিয়া বুলেন যে

A SERVICE

बाहिर्द्रा भागिक विद्रमन्त्रे। कि ष्यत्मरकरे लिएकिया नियार्ह्य ।

गर्भातनी 'अ विश्वा नताकिनी बाह्य

সকালে মহাত্মানী ভালইয়ার খার বাড়ীতে বাইয়া ভাহার সহিত সাক্ষাৎ<sup>্র</sup>

অভয়ত সম্প্রদায়ের করেকজম প্রতিনিধি বালুর নেডুতে মহাত্মাজীয় স্কালে আইদে। ইহারা মিশ্র নির্মাচন সম্পর্কে মহাত্মাজীর অভিযত জানিবার জন্ম আনিয়াভিলেন। মহাত্মা পান্ধী, সন্দায় বন্নভাভাই পেটেল ও ত্রীবৃত্ত নৌলভরাম क वतां म नाम टमक्टगाटन ट्वाबनान অভিমূপে হারে করিয়াছেন। ম**হাত্মারী** পথিমশ্যে বুলস্ত্রে অবভরণ করিবেন। ভণা হইতে তিনি বোরসাদ গ**মন ফরিবেন**। সন্দার বল্লভভাই বার্দ্দৌলীতে য**াইবেন** 

## यहिलाटमत्र जानभाती दशकादम পিকে টিং

খুলনা কংগ্ৰেষ কমিটা মহিশাগণ-ষারা গাঁকা ও মদের দোকানে শান্তিপূর্ণ পিকেটিং করাইতেভেন। মহিলাগ্য সুক্ত-করে ফ্রেডাদিগকে গাঁজা ও মদ জেলানা ক্রিতে **অমু**রোধ ক্রিভেচেন। ফ**লে** मन ७ वीकात विक्रम करमक कमिया रिश्वाट्ड ।

## রায়বেরিলী জেলে ১১ জন বন্দী ক্রোথিড

गरवाम भागवा गिवाटक त्य. बाबटबित्रणी কেলে ২ জন বন্দী নিহত হট্যাছে কেলের সদাত একটা শভের ওলাম হঠাৎ পদ্ধিরা যাওয়ার ১১ জন বনী চাপা পড়িয়া যায়। ্রেল কর্ত্বক ও লেলের অক্তান্ত বন্দীয়া পথে রামনেদ্বেলিতে গিরাছেন। বয়বনকীর উক্ত বন্দীদিগকে পরে উঙায় করে ১১ 🏻 कन तम्मीत्र मश्रा २ करनद्र आविद्याग , इहेगा अफ़िर्एट्स् । घडियाटक ।

### ভারত সরকারে অর্থ সাঞ্জয়

প্রেসিডেন্ট ভ্রারের যুক্ত-ঋণ আদাম २ ८७० - ० प्रनिक्ता ध्वर व्यानामी वर्ष **७,७:,००० वर्गम्या गाँजेव स्टॅबारक्**। भृतिमान हिंग >, ७१,६>,००० चर्ममुला । में विनिधा व्यक्तिसक व्यक्ताहरून । किस्माक्ष्मारक अवस्थित । इति । एक द्वाल । विक्रिकः अञ अवस्थामाण्यात गमुद्दे । द्वारि वेश्यल दूव-वर्ग वीवर्ग वृति ।

क्षक े अञ्चलाटका ट्राइ स्ट्रिक्स क, क्या । यर्गमूला। यह वार्थ ৰাৎস্ক্লিক হয় মাস অস্তৱ ছই কিন্তীতে विट्ड क्या युक्त-भाग कामाम कृतिक **अधिरि**ंश्मा सूनाहे हहेट कार्याक्त्री **্টাৰ প্ৰথম** মান্মাসিক কিন্তী বাবদ প্ৰদেশ 8,>৮,००० वर्षमुखा बार≅ष्ठे शाकिशा वाहेरन ।

) केंद्र के अपने के अपने के किए के कि ज्ञकारतम युक्क-कन चालाम यात्रम खाला **মর্বের প**রিমাণ বাৎস্ত্রিক **আছু**য়ানিক २,२৮,७०० वर्षमृद्धा। উপরিউক্ত সর্ভান্তমারী वकाव्यस्य ५,१२,००० छ . ६१,००० वर्ग्युक्षा ব্দাদায় স্থপিত থাকিটৰ।

## ७ किटम ভারভবর্ষা । য়াভ

প্রকাশ কাপ্রেন নেভিলে ট্রাক ও চ্যাপলিন ডিকার্শ নেপিয়ার বাই প্লেনে ৬ দিনে ভারত্বর্থ ঘাতারাত করিবাল क्क क्षमित्नव मत्भाष्टे याचा कसिंद्यन। धारे विमादनरे छीराता शक १८८म स्न পোল্যাও যাভায়াত করেন। সে উপলক্ষে ভাঁছারা ১৪॥ ঘণ্টায় ২ হাঞার মাইল व्यक्तिक्य करतन।

## बुक्तश्रदम्य कृषित पूर्वका

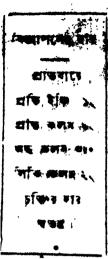
ভারতীয় বণিক সমিতি সমবারের সভাপতি মি: জামাণ মহম্মণ রাজপ্রতি-নিনিয় নিকট এক ভার প্রেরণ করিয়া যুক্ত আদেশের ক্লমককৃলের ভ্রমন্থার অভি তীহার দৃষ্টি আকর্ষণ করিয়াকেন। ভিনি টাফার মূলা ১৮ পেশ না রাখিবরে অস্ত व्यष्टद्वाभ कानाहिवाटकन ।

ছৰ্মনা গ্ৰন্থ আনে পড়িড জইরলাল পণ্ডিত ভহরণাণ নেহর বরাবন্দীর ক্লুবফদের ভ্রুবস্থা দিন দিন ভীষণ্ডর

## भाकी । महिल जारमाहर्मा

গভ ২৬শে জুন সন্ধ্যাকালে বোধাইছের ভারত সরকারের রাজ্য বিভাবের বিদেশীব্য বার্নারিখণ মহাত্ম প্রাথীর এক ইভাহারে প্রকাশ, যুটশ সন্নকান্ত সহিত সাক্ষাং করিয়া ভাষাকে ব্যবসালের ক্ষরতা জ্ঞাপন করেন। প্রকাশ; বিদেশী খুণিত রাধার প্রভাবে সময়ত ইওয়ার বিজ্ঞানী কোম্পানী আবেদানাৰ বইতে ভারত সরকারের বাজেটে বর্তমান বর্বে তিউন্ "সম্পর্কে পরীতি কর্মকৎপরতার **व्यक्तिल भौक्षा : बाह्यस्ट मा वि**न्ता महाश्वाणीय विकष्ठ अधिद्यान-मृत्रियादक्ता । ्र भूक ,००८न मार्क पृष्ठ चरेनक त्याचे सम्बद्धानी करे न्यत्रक्षक सम्बद्धान करित

建新日本 中非印象品加尔克 are attended to the com-





সলিবের হার ं व्याज्य दशक -11 TO D भाशांतिक द **ंडा**गः(सक २५० মাসিক ১১ · =1717 প্ৰতি সংখ্যা ,৫

জায়তের কার্মিত কার্জ-হাচার-নদীয়া জেলার একমতে মুখপত

48 49 ]

मणाम्क- विञ्जितिष वत्नाभाशाश, त्वनास्वताहण्याह

SOST TRY

**টোতিত্যত্ত জিলাম মাহাপুক** ১৬ই আমাতৃ বুধবার ১০০৮, ১লা জুলাই ১৯**৩**১

## नाना कथा

मस्टम भिः भग्राटिएमत्र नक्ष्म् जा ण अरम कर्षिकीय काकीय म**रमन** मरक-লনে মিঃ স্তি, কে, প্যাটেল স্থাপতির আদ্ৰ প্ৰহণ করিয়াভিলেন। ভিলি ভাষায় ৰক্তাৰ বলেন, ভারতে বে অবস্থার স্টি হইয়াছে, ভাষাতে ব্রিটিশের निक्रें इंदेर्ड मण्युर्वेद्धल मुक्ति इन्हास्त्र করিরা ভারতীরদিগের হাতে না দিলে मरकारमञ्जू शृष्टि इंदेर जा।" यिः न्यारिवन वर्णन दय, महाचा नामी न खरनत द्यान ८ छेविन जरमानात्व यनि द्यांगमान कर्त्रन ৰবং পূৰ্ণ উপনিবেশিক শাশনভাৱ ইচনা कतिशा ब्राइट्ड ममर्थ हन, ७४'णि ভाরত- । वर्षा अधिक किया ति भागमञ्ज (महिन्द्र विकास क्या करण महाचा शासीत

द्राम क्षेत्रिष्ट इवेदन ना । भारिक यात्र® बरणन, "±हे रमट्यूत মুক্তবীল নেভাগণ চেঠা করিভেছেন त्य, जामना युंशास्त्र करद्यातम् लक वर्षेत्र কতকওলি রকাম্পক ব্যবস্থা এইণ .. कति—५६ मानका स्थात्रास्त्र वार्थत करुटे ब्रुक, किथा आहे ब्रुक। देशहे यून भवन्द्राहरू अस्तिवृद्धि क्षेत्रा भारकः, करव शाकी बाबडेरेन हिंदू बनकर एक देकता श्रम्भ क्रियं भाग किहूरे भरह जावर उहे ्य यद्यक्ष माथिक जिक्किन्त्र करमञ्जू निर्मात्र

TEPE 1977 第175 लाल्डेबर मार्ट्यंत त्याम् दहित्त्वा ्रतृतसूत्रम् यूपि प्राक्तिम्, युग्नम्, प्रद्र्व पाष्ट्राम मार्थः बुद्देर्य-त्यांबुद्दः विविद्यमञ्जः वर्शाका क्रिकृतिहरूक क्रम त्राप्तर्करण अवस्त्र क्रम्य तान बन्त्राप्तक विवेद क्रमनाम प्राप्त स्थानिक क्षांत्रप्टरक दिविंग गृथादकात्र महिल

## লণ্ডনে প্যাচেলের বক্তৃ তা

কংত্রেদ ওয়াকিং কমিটর অধিবেশন

## নৃশংস হত্যাকাণ্ড

वर्षेणात वहीत थारिन कि हिंगू नियानी

## ব্রহ্মাবদ্রোহের অবস্থা

মহাত্মার দানী রক্ষার প্রতিশ্রুতি

# শ্রেচর দুর্ঘটনা

থানায় বৌমা বিস্ফোরণে দারোগা খুন

সম্প্রিত রাথিবার সমন্ত আশা ও আবোচ । আবোমী এই জুলাই অণরাহু তিন ঘটিকার छित्रमिदमत् क्रमा निमक्षिम ए**५७३**। ।

## ্লণ্ডনে আরে ভূগেজনাথ মিত্র

**छ। त्रद्धक्र**ास्त्रसिगुङ्गः क्षार्वः क्षार्यनात् कात्र जूरलक्षनाथ मिला २०८५। कृत मध्यरन পৌছিদাক্তেন 🖟 ছ নু -হয়া স্কুলাই ভাবিখে হাই ক্মিশনারের কার্যাভার প্রছণ করি-বেন। ভেপ্ট হাই কমিশনার ভিক্টোরিয়া

- **PM**--ূৰংলেগ ওয়ার্কিং কমিটার क्षा भिद्रवन्त्रम्

লনিপ্রিল্ন জারুজ মারীল সমিভির্ সাগা-ब्राम कुन्न स्टेंट मानाहेट्टर्म द्य, সময় বোপ্টেডে ওয়াকিং ক্মিটর আগ্রামী अभिरामन इस्रेन

## थानात्र (नामा वित्यकात्रत माटरामा चुन

গত ২৮শে জু मगर भाषेना भीत्रवस्त्र थानात उलाकाशीन अणाहात्र किहू किहू हिनाउएए। मर्बकान्

कक्रमन मारब्रामा जिल्ल हरेब्राट्ड दक्र क्ष्मज्ञ दर्षकरमध्यम् अत्र छत्र स्थान व्हेशास्त्र । ८इफकान्डेनगर्क व्यानाकृतिक चानम्म कता इटेनाएइ, लाहात चर्चश नक्षणक्षण । वहिल्ल वहिल्ला को नलाक । काल कालहे किलिहिट् । टेंबेंबेरिंग क्या इडेग्राट्डा हेराएस नाम

হাজারিলাল তবং হরজনুশ্রেটোরে: হাজারিলাল দিল্লীর যড়যন্ত্র থামকার এক-তন ফেরারী আগামী।

## া ব্ৰহ্ম-বিজোহের অংশ্বা

· \* \* (4 -

🚉 २५८म कुन ज़ाहित्य ता शश्राक र नय হইয়াছে, ঐ স**প্তটি** বিদ্যালয় লোকে প্রা সম্বন্ধে নিম্নোক্ত সরকারী বিবরণ প্রকাশিত क्रेशारक :- व्यवसा अक्ष्मनः উद्वस्ति भरण অগ্রস্ব হইভেছে। পারাওয়াড়ী ভেলায় sটা ডাকাত **দলের বিনাশ** সামন করা ष्टेगार्ड्। हेर्न्**मिन**्द्रबनाई उक्ती भगरक विमन्ने क्या इहेबाएए। जे एक ए मरनत নেভা ও ভাছার ছইজন সংকারীকে मात्रिश टक्का स्ट्रेग्नाट्। .टहनकापर् জেলায়ত একটা বড় ডুকেডি দল ধরা পড়িয়াছে। ঐ গলের নেডাকে আহত व्यवस्थात कर्ता विश्वादक्षी (जामे कि कि ३० **जन का बा**र्स्स के बिराहर. আরও অনেকে খুব দছৰ শীঘ্ট পু)খান্মপন क ज़िंदन । - भिट्यिकैमिटमाः 😼 ट्यामाना (क्षणात्र फारकार्कित गरेबा। जिस्ते जिस देखि পাইডেভে ভারতীয়দের উপর স্কুশ্যবাধীও খুৰ কৰিয়া ভিয়াহৈ 🖂 কেয়ুগুলুল লেগন ७ क्ष्मि द्राणांत्र छ।व्छीरावत्र हर्वा

रहेमध्य कार्यस्य महार्थन्त मतिमाधिरमान । विश्व परकेत • हे ८ तमा निरुक्तात्र करण विस्तृ लक्केरप्र माता विव् द≤ ; अक्कम माम्बिक भूतिन के उक्कन अकार स्वाप व्याद् छ हेश्यादक क विरक्षां की एवं वर्ष हेल्छ न मध्या वर्गन व कामी यात माहै, कार्द्रिम् भवश कर्ण का कि

## শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনষ্টিটিউট্" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## (थाना श्रेशाट्ड।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অতি যছের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যয়ে সুন্দর বাসহাশের বন্দোবস্ত হইয়াছে। ছান অতীব সাহাকর।

> সবিস্তার সংবাদের ভক্ত নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্ত লিখুন। সেক্রেভীরী, ভাকুর ভক্তিবিলোদ ইন্টিটিউট্ শ্রীচেড্যমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

## — ৫১ বৎসরের প্রতিষ্ঠিত—

ক্ষিপ্রালারে প্রস্তুত বতীকা ধারা ওক্ষারণা, স্থানেষ, কোঠনাঠিয়, অত্মীর্ণ, ধ্রমভঙ্গ প্রস্তৃতি কড বোগাঁব বোগ নিরামর হইয়াছে ভাগা প্রকাশ কাংগে বড় প্রক হইনা পড়ে।

#### रेडा

সকল অনুতে বানগার চলে ও সমান ফল প্রেণান করিয়া থাকে। প্রাক্তি কোটার এংটী বটীকা থাকে।

#### কেবলমাত্র

আচিকৌটাৰ মূল। ১ ্থক টাকা। ইণার নাম 'আগভেকনিপ্রাহ

শঞ্জ ঔষধের ডালিকার জন্ত পত্র লিখিলেই পাইবেন
প্রাপ্তিস্থান :—ত্যাত শুলিপ্রাস্থ উদ্পর্থালেক্স

১১৪ নং বহুণালার ট্রিট, কলিকাড!।

কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের

# विश्वति किति

মকংখনের প্রথার জন্ত ৬ আঃ শিশিতে ঘনীভূত অবস্থায় ভোটবোজনের শেমপরি ঔষধ ভাকে পাঠাম হয়, ইতাতে ঔষণের কোন পরিবর্তন করা হয় নাই। মৃগ্য প্রতি শিশি ৪০ আনা, পাঁইট ৮০/০ আনা, বোডল ১০/০ আনা।

অফিস-১১নং উঠাডালা রোড, পোঃ শামবাজার, কলিকাতা

## ग्रंपन में अंक्री

বটিতার করা ও বাকুবিভার, ইলিডপজির প্রাণ্ড করোতে কর্মপানে, ব্যব্যান, লাবাংগারা, মুক বড়-করাকি, বর্ষিয়া রাজুতি অকণ পদত বিভিন্ত বাংগারা হয়। কর্ম, বীর্বা, বেখা মুভি করিছে বাহিনীর ইনিক। ক্ষুয়া ৪০ বুলি ১, রক্ত টাকা।

প্রস্থান ক্রিক্র বিষ্ণান্ত প্রতিপ্র প্রবাহানি বাবে বাহুবাবার বারা বারোবা ভারর বিভাগন করে। গুলা ২ কোনা ১ টাজা । প্রেক্তর্জানিক্রিক্তিশ্লী আন্তিক্তা?" বীহাবারা করত মতাবন্তি তারী ও বৃত্তি করিছে অভ্যানের হুলা ১২ বল ১, বক টালা । বাহুবৈত আক্রিক্রোক্রাক্তিনী, ক্রেক্তর্জানিক্র

## शहेदफ़ानिन

বা

## কোষরদ্ধি রোগ

ভা: এস্, এন্, খোষ বিনা ব্যস্তে, বাৰকীবনের গ্যারাটি দিয়া বৈছাভিত প্রশাসতে কোমযুদ্ধি ক্লেক্ট্রেন্ট্রেন্ট্রেন্ট্রি

> क्रियामा---अर कर करेन होएँ, बक्र्याबार, व्यानवादा ।

## ষক্ষায় হাত্ৰিক না

## দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহোধ্য প্রশাসনিক সম্পূর্ণ আন্মোগ্য

শ্রেণী দেখাইতে চইবে। অগ্রিম পাথেক প্রচ (বাওয়া এবং আসার)
পাঠাইলে গিয়া রোগী থেখা হয় অথবা এগানে আসিলে ভোগী খেখিব।
উবধ দেওবা হয় আবোগা লা ভঙ্গা পরাত্ত পারিশ্রমিক দিতে চইবে না।
পানীব মোণীদের থবত বহন করিয়া চিকিৎনা করা হয়। বিস্তারিক
বিষয়ণের কন্ত এক আনার ডাক টিকেট সত নিয় ঠিকানার অক্সম্বর্ধন

জ্ঞীকভীশচন্ত্র উকীল, যক্ষা-চিকিৎসক, পোঃ নৈকাঠী, বছিশাক। । । অধনা নিম্ন ঠিকানার সাক্ষাৎ করিছা বিস্তারিক কানিকে পাছেন।

श्रीवृक्त श्रामत्त्राणांन वक्त धम्, धा, क्रम्बमत्रात्त, महीशा । श्रीवृक्त व्यक्ति

প্রকর্মনি প্র । ক্রুল্ অ মার অভিন্তু কর চাত চর মান বাবৎ রাজ বন্ধার জুগিরা মুক্তরার কটবাচিল, কালকাত্রার বিজ্ঞ চিলিৎসক্ষণ ভাগার কীবনের আশা ভাগা করিয়া শেব মৃষ্টুটের জন্ত জাকেলা কবিভেচিলেন এই সময় প্রীবৃত্ত কি শীলচন্ত উলিল মলান্ত্র মাত্র ২০ লিন চিলিৎসা কভিরা সম্পূর্ণ আবোগা করিয়া লিগাছেল। (সাঃ) প্রীবৃত্তী কিন্দান পালির।) হগু ইটি, নিউ বিভিন্ন। করণোরেশন বিভিন্ন চিলাইনেন্ট, কলিকাতা।

## শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরাক ৪৪৫ নাত্র ১০ ভাকটিকেট পাঠাইলেই বুকপোটে পাঠান হয়।

> ম্যানেজার-**গ্রন্থ**বিভাগ ঐচিত্যুম্ম, প্যে: শ্রিমারাপুর, নদীরা।

(本山 图)至中旬日

## গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

---

क्यांक यायकीय कामात कारा---

গেটার থেতিং, বেলের, ক্ষর, বাব, কমিন।রী চেক, বিল প্রাকৃতিই বলুম, বিলাকের নিমার পঞ্জ, কার্ড, বিবাহের পঞ্চই বলুম,

আর ও লং ও ৪ বংরের কাফটোন রক্ট বলুন, সকল কার্য্য অভি নীয় ছালা কর, অবচ কাণাক্ষার বয়চ বাজার অপেকা কুলত।

व्याननाम विश्व बान्सक कार्या वाक्टिन निवासकानाम बामावेटनवे वस नावेटवन ।

मात्मबार-लोजिस शिन्डिर जनावन् २६०।२ मर बालात मारकुनात (बाब, क्लिकाका।

## **তি একুগালের বন্তাভাবনী** ব্যবস্থা বিভীয় বন্ধ

e applies

## ত্রী প্রত্যুক্ত গোরাজে জয়তঃ

## CAM-ETAMEN

· A Tach

ं कर्णावहाद जिल्लामिक से व পাৰ্বদ ভাদশ প্ৰসাপ্তব্যস্ত অক্সতন্ত্ৰীল নহেল লেভিডের খ্রীপটে সম্প্রতি চাকদতের - **অন্তর্গত** কাঁগালপুলি পরীতে অনিটিড व्यारखन्। जीएरोक्षीय रेनकवरात्वत केका-खिकी हेम्बाकतम अ श्रीनाविवावित जकन त्मवाकात कित्तीकींत मठ आह्न कनित्नम । ভচুপৰকে গভ কৰিবাৰ তই আৰাচ ( ১৩৯৮) গৌরজগোদশী তিথিতে শ্রীপাট বার্টী-প্রবেশ্-মহোৎসলের দিন গার্ঘ চইনা-ছিল। প্রাণ্ডেই কলিকাতা হইতে বিদ্ধি-ুখানী জীমদ্ভি কিবিবেক ভারতী মহারাঞ্ভ **क्रीमम् ७ कि शकान अन्या मधानाक जनः** निर्माम मार्गीचेत्र चिटिहरू यह हहेरक क्षिम ভক্তিপ্রদীণ শীর্ম মহারাজ ৪ প্রীমন্ত ক্রি-निकान चा अम भशतांक नगरम निकिट छाटन উপস্থিত হন। নিশিষ্ট দিবস প্রাত্তকালে **ख्या**नन विजाते मार्क छन वाकिनी, विजिल्ल বৰ্ণের পতাকা, আমাসোটা পাঞ্ছি সইয়া চাক্ষণ টেশনে উপস্থিত হন এবং मकी उन-रतारल देश्यम मुध्तिक कानग्र তোমেন। বেশ: ১ ঘটকার সময় গৌড়া:-मक्तागरेक्कमः वक्षक स्तिकृत्यम भागमञ्ज জীনছক্রিনিছান্ত্রনবস্থতী গোরামা প্রভূপানের কলিকাতা হইতে আগসনের কথা ভিল। মৌশ মাটেফবলে আনিলা পৌছিলে ভক্ত-गण भागमानिकाम हिटल जी श्री छत्राशी नाक গান্ধবিকা গিরিধারী শ জনধ্বনিধারা আকাল 🕆 বাডাস মুগরিত করিল তাগিলেন। প্রাভ পাদ প্লাটফরমে অসভরণ করিবাম্ঞ ইনং তার্থ মহাবাদ প্রভূপাদের সলদেশে স্থাতি পুশাসাস এরাইয়া দিলেন এবং : केर्राइंड ज्ञङ्कुल मकरमहे माहेएक युना-हार्यात शम्बार्छ निम्छिछ बहेर्लन।

कक्षारमञ्ज अकाकिकी देशाजन है,व অভুপাদ বিবিধ কাঞ্ফাযাপচিত নানাবিধ বস্থালয়ায়ে বিনাওত শিবিকার আয়োহণ করিলে ভতগণ কতিমঠা मश्राभूक्यरक चग्रह,काम वश्म कतिता जीवाहे বাদীতে উপস্থিত হন।

व्यञ्चाम निषिष्ठे द्वारम छेलस्थि इहेगा সমাধি মন্দির পরিজ্ঞা ও পণ্ডবৎ প্রাণাম कतिता मुक्ताहर ভাষার অভুসরণ করিকেন। অঞ্চলর ভিনি প্রাণাটনাটা স্তত कि अर्पन की बचनायं, कि जी जाना कृत्य कियारगोर्यकिकामम 🗄 विकारहत् मण्डस भिष्यक विनाम विकास मा अन्यान का साम किया विकास अञ्चनद्रतः मध्यत् व्यानाम कतिरागम्।

উদাদ গোপাল। চভাষাতে নৃত্য করে প্রিষ্ট গোপালচুক্র রায় ভক্তিরত্ব, প্রীপাদ ८शाप-माटकायान ।"--धरे विटेडक्यवृतिका-

# দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

নিতাপাঠা হৈক্ওবাভাৰত বেদালি সমস্ত সাত্ত-শাজ্যের অকৃত্রিম ব্যাশ্যাতা শ্বায় ভারতে একমাত্র ফুলভ দৈনিক পারমার্থিক পত্র

লিখা -শা ।পুর-১৬ই আসাড় বুধবার-১২৬৮

মৃত্যেক বাণী প্রেম্বিবশ চিত্রে অভিন্দ ভাবে ব্যাখ্যা করেন। , ভংগরে আচাযা-তিক 🗃 গদ কুঞ্জবিহানী বিভাত্মণ আতুৰ हेकि हेक्स कियान व्यवस्था अस्त अविश्वा-ভূষণ প্রাভূ 'ভাষ ভকাষ্ট চরণ যোগু ভাষান ष्ट्रकृत" री[छी डै|श्वत यष्ट्रांत स्मान ट्याक्रमध्मीत्य मूक् करनन।

অভ্যাপর , বিপাল্সংক্ষিন স্থ্যোগে ভোগারতি সমাবা হইলে ভক্তাণ বিচিত্র মদ্বিস্থ সকলে কৰেন। ভংগৰে পুনরায় কঁরুৰ চেলিতে পাকে। বেল। প্রায় সাচ্ছে ভিন শটিকার স্মান সপার্চে নীল প্রভাগে কলিকাতা অভিমূথে শুভ विक्रवे क्षिर्यन्।

সামী শ্রীগাদ অবলা মহাবাক উপস্থিত। বিপুল জনতাৰ মধ্যে ' তেকতর' সম্বন্ধে একটা নাভেদার্য: কঞ্চল প্রদান করেন। ভংশরে 'এদভিশানা জীনদ ভক্তিপ্রদাপ তীৰ্থ মহার জা জীনামত হ স্থানী জালামটী कावार कार्यन करते वक्का करवन । ७९णाल जिमार्डियामी: डीअम् छिकिरित्यक ভারতী মহারাম কথী, জানী, যোগী ও ভক্তের ভারতমাধিধ⊹ক একটা বক্ততা দারা ভাষার ধগাগ ভাংগণী সকলকে व्यारेश मिलाएक ।

, উক্ত সংগ্রেপস্থিত, বহু দাক্তির, মধ্যে निश्वविश्वक, वाक्षिपुरवत्त नाम উल्लब-सामा<del>ः क्</del>रिकाला<sub>ः</sub> चौरतीकीः गर्ठ इहेट्ड আগত আচাণাতিক তাৰ দ কুঞ্ৰিহারী বিষ্টানুষ্ণ, শীপাদ, সুনত্তবাত্তদেব পরবিষ্ঠা-ভূষণ, ঞ্জীযুক্ত নিশিকান্ত সাগালৈ এম, था. कियुधाकत किनावी, जीवाम-राष्ट्रत् দাসাধিকারী এম, এ বি এল ভক্তিশাস্ত্রী, अञ्चलम स्वाधिकारिका जीवान नदीनक्रमः निका-অভাশর অভুশাদ পর্যাহদ পরিত এঞের সভার ভতিশারী সম্প্রদানবৈভবাচাত্য, नेबोठतप दीत चिकित्त, जीमाम मात्राभूत

**你不要?** 

হটতে সমাগত বিদ্যাপ্তিমানী শ্রীনদ ভক্তি-প্রদীপ তার্থ মহারাক, শ্রীদদ ভব্তিবিজ্ঞান আশ্রম মধারাজ্ঞামুখ ঠাকুর ভক্তিবিমোদ ইনষ্টি উটের শিক্ষ কণ্ণ **ठाकशरकत** রাইস মিলের প্রোপ্রাইটর ত্রীযুক্ত জিতের माथ मुर्थाणासाय, बीयुक्त छ्वानहत्त्व सुर्था-ক্ললিত কঠে গান, করিয়া উপস্থিত পাণাায় (স্কারগাছি), উল্লুত রামজীবন রার (টাছড়িনা), এন্ত বাইচরণ ভট্ন চাবা ( नांद्यन ठाकपर काष्ट्रांती ), चित्रुड শলি চমোহন গোলামী ( যণ্ডা আছগ্লাণ পাজিতেৰ পাট ), ভীগুত অবিনাশচল - পাল (कै। हे। जन्न ), डें। क्रिक्कनान हट्डी भागाव (যশবা), ইটাত সভুলাগদ দত্ত (কাটাল-পুলি ), উন্তুত প্লীন্থ রাম । কবিরাজ ठाकनर ), खेब्ड निगतन <u>ठ</u>स हाहोशांशांग শারার প্রীণ ৫ ঘটকার সময় ত্রিদ্তি- । (মুগিটা ) জীগত তথাচরণ মুখোপাগায় (কটোলপুলি), আন্ত তাৰাপদ ভটাচাৰ্য্য (काष्ठानभूनि), जीयुक श्रेष्ठनातायम ६८६)-পাধ্যার ( রাণাঘাট), শ্রীযুত ভূজেন্দ্রনাগ মালক ( জামদার লানাঘটে ), জীয়ত কুমুদ-ভূষণ মলিক (রাণাঘাট) হত্যাদি ৷

## পৈশ্ব পীড়া

প্লকভাব মংস্ব জন্গণ সংস্থিত নানাপ্রকারে নিন্দিত ও অবদস্ত হট্যাও পার অসং ভাব পরিবর্জনের জক্ত যতু কবেন না। তাঁগারা লোক প্রতারণাকরে নানাপ্রকার চরভিসন্ধি ও চক্রান্ত-ক্রেগ্র षात्रनामिशतक निशृक्त करतन ।

এই শ্রেণীর লোকের লোকের চ্যে पुणि दम अक्षा' इतित या गार्थि 'काकाबि' বলে—তাহার অভাব নাই। দুরা**ভত্ত**ল বলা যাইতে পারে—যেমন, লৈশুকুপীড়াপ্র ভ একটা রোগা খীণ্ন রোগ্যাতনায় প্রশীড়িক হইয়া পরলোকগত ভোলানার চন্দ্রের Travels of a Hindu নামক পুঞ্জের নিপত্তিত হইয়াছে বলিয়া বৰ্ণনাট লইয়া মাথা ঘানাইতেছেন।

এট উদ্ভিকে প্রমাণ বলিয়া পরিয়া পরবর্তি সময়ের অনুসন্ধানের ফল স্বীকার করার : তাবশুকতা নাই !- এইরপ निकास्टरक निःमानाह 'त्यमान' विनात-ভেন! ধকু বিচার শক্তি!! ছরভিস্কি আন কাছাকে বলে ?

গাঁটিয় উনবিংশ শতাব্দীর মধাতাগে ভ্রমণ্ডারীর কথার পূর্বে 'প্রাচীন নদীয়া ক্ষান্নগবের সমতটে ছিল'-এই উজিতে 'পূধ' শক্ষের অর্থে মহাপ্রভুর সময়ে ছিল,—এইরপ নির্দেশ তিনি কোণায় পাইলেন্ পু মহাপ্রভুর পরবর্ত্তি সময়ের ও লেখকেৰ উভিন্দালের ব্যবধান প্রায় ২৫০ বৎসব। স্কুত্রাং এই ২৫০ বৎসরের কোন সমলে গলার গতি বর্তমান সহর নবদীপের পশ্চিমে ছিল, উহা বে পুটার বোড়ণ শতাব্দীর শেষভাগে অবস্থিত ছিল-**ब्रहेक्षा** निर्फण क्**त्रिट्टाइ, स्नाना या**ग्र।

'পূপ' শব্দের অর্থ যে ধোড়শ শভাশীয় শেষভাগ--এই কথা নিঃ*শদে*হভাবে কিরণে ভির হইব ও তাহা কোনু স্থারে দিক হইল, আমরা <del>আমিতে চাই। এইর</del>প অপুস যুক্তিন**ডিত সন্**ভিন্**তি বুকিবার** ्यांक वक्रामरम माडे--- এक्रथ ब्रहेल काम-कात्नत चार्या क्ट्रेंट मुद्दे इस ना कि ?

্র মাব একটা গৈশুকুপীড়িভ **রোগী** नाम,-- शिवाम माध्यपुरतत निकंछ 'वहता' গ্রাম নটি। কিন্তু আমারাপুরের ৮।১০ মাইলের মধ্যেই 'ব্যারা নামক একটা গ্রাম এখনও অবস্থিত আছে। ব্যারা নামক গ্রহার ধারাবিশেষ শ্রেষাম মান্ত্রা-পুরের নিকট দি । ই যে প্রবাহিত ছিল, ইহা হ্রওয়ের সাহেবের ১৭৬৫ খুটাজের মানচিত্র এনাপ করিভেছে। বয়রা প্রাম হইজেই বারা প্রগণার হটা ছে। এ বররা প্রমেটা রাণাঘটে ও শানিপুরের মনা**ব্রিছানে** মাছিত।

र्यमादन रायास्त्र यात्राश्रुव' मान भा अग्रा यश्रित, द्राथात्मके श्रीतिक्त क्षावाम क्रेट्र. একপায় অধিক দ্ি न्ध्र, शह मा। आह म्हिलाम्बर ८ स्थितामा निवाक्षित्वव কৰৰ থাজিৰে, এক্সণ যুক্তিও অভিনৰ গ্ৰেৰণাত দুধান্ত ও ফল্যৰেশেৰ 🖭

রনিম কর্ণ Chemical gold ) বিশ্বাৰ ২১পংক্তিতে শ্রীনহা প্রভুৱ জনস্থান গ্রন্থাগড়ে স্থানে যে ক্রমটা আছে, তাহা ১৩৫ বংশ্ব

পুর্মের একটা কবর মাত্র এবং উহা मोनाना निवाक्तिन्त करत नरह जर বর্জমান জিলার সীমান্তপ্রদেশে অবস্থিত কিন্তু প্রাচীন বদ্দমান জেলার সামান্তে বর্তমান বামনপুক্রের যে কবরটা আছে, উং! ৪০০ বংসরের অনিক প্রাচীন। **উक्ट** को गांना ८ शहरून माह रेग . म-इ सकात সংশিষ্ট বাকি, তাহার সমাধি ১৫০ বংসরের স্থাপিত সমাধি নহে। বিশেষতঃ প্রাচীন শ্রীগাম মাচাপুর বা বর্তমান বামন-পুকুর আনে অধিহিত সমাধিস্থান হটতে বন্ধ-মান জেলার চর কাংশালীর সীয়ানা কএক গভের মধ্যেই অবৃহত্ত-একণা লৈভকু-পীড়িত দশের জনৈক বাণীসেবকের কাগজে প্রকাশিত হওয়া সম্বেও ছর্ভি-শন্ধিমূলে কেন পুনঃ পুনঃ সেই কথা চাণা দিবার চেটা করা চইনাছে ও হইতেছে ? এই মনৈধ চেষ্টা যে ছবভিস্কিম্লে ছাত্ ভবিষয়ে সন্দেহ মাত্র নাই।

রাণাঘটে শন্তিপুর নরশ্বীপঘাট লাইট রেল ও্যের এপানে একটি ট্লেশনের কথাও প্রত্যেক নদীয়াবাসীর জানা আছে। তর্ত্ত-मिक्रम्राण वश्रवा आम ९ वश्रवा १,३१९।।त কয়েকটি স্থান হুগলী জেলার মধ্যে আসিয়। পদিয়াছে বলিয়াই একটি ভ্রামক র্যক-भन्ने क्या कि भाग भाग पता विश्व के कि । भन्ने कि स्वाप्त कि स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स व्हेट्ड व्हेट मा।

এইরূপ ভ্রান্তিবশেষ পর্বোক্ষাত মাধ্য म्ब नागक এक राक्ति कैं। 5 डाभाड़ात निक्छे কুলিয়া নামক এক গ্রামকে 'ন্রন্থীপক্'নবা' নামে নামকাণ কবিলা ভগায়ী এক মেখা বসাইনছে। তাহার প্রিচিত এক পিশুন ব্যক্তি ব্যুৱাপ্রগণার ভূমির সহিত উক্ত স্থানটাকে এক করিতা সেখানে নবদীপ বদাইবার অসং শিপাসা পোণণ কবিভেছে, এইরপ ছরভিদনি নিভাস্ত মুণ্য ও আদৌ ভদুমানবোচিত নছে।

ক্ষুড়িম নেটেলেৰ কাৰ্যান্য যে প্ৰামে আছে, সেই জাম হইছে টাবামমাণাপুৰ मन्त्र्व पुणक् । 🛮 🕮 जान कार्नपुत्र दः तानलात ভাবে অধ্যিত জ্লোন। সার উচ্চিন্ন কান্টাৰ সাভেত্ৰৰ "I am told" স্ক গুলির প্রথোগ ও তাহার বিচাধায়ুসারে কুলিগু নৰ্মীণের নিক্ষেশ পান্ততিকে বেরূপ গুলোণ বলিয়া ভাপন কবিবাৰ ওব্ভিদ্যি মূলে চেষ্টা হইতেছে, ভাষাও লৈওকালীড়িত वाकित त्राशितःभव ।

এমন কি, কএক বংগর পুর্যেত কাল্না মহদুমার অধীনত এই সমাধি হইতে কএক भव्य प्रतिकी सामित्र तास्त्रस्य शामस्त्राहात

অন্তর্গতরূপে আদায় হইঃা বন্ধনানের সাব্ মুক্ত করিবার অক্ত আগরেতধর্মের প্রচারের হইলে ছুরভিসন্ধিমূলে লোকপ্রভারণা সক্রভোভাবে অপরাধী। করিবার আরও স্থযোগ হইবে।

থসমভাব ব্যক্তিগণ লোকের চোথে ধূলি দিতে গিয়া লোকের অক্ততাব স্থযোগ লইয়া যে মিণাা কথা প্রচার কবে, তালাে • মংগরতা অন্তৰ্নিহিত আছে, বুঞা যায়। কণ্টভাৰারা লোককে বুঝাইবার চেষ্টা করিলে যে অস্পল প্রস্ত হয়, তাহা মরণশীল জীবগণ চিস্তা না করিলে ভাছাদের পাপে গুরুদ্ধি হয়। সেরূপ পাপ করিবার खकु द्विष्टभक्ति अञ्चन इस ना।

বুলাবনকে 'ফ্লিনাবাদ' করাইবাব গুপার্ভি যদি কএকটা হিন্দ্নামধারী বাভি র कांशिया पारक, लाभ करें न जीवाममाराश्वन शरतोष्ठि ज्ञागांभ कशिङ भक्त बाता अह्यात-বিপ্যায়-সাধ্যের চেঠা ত্রভিস্কি পোষণ কবিতে পারে। ইছোদের সঞ্জুত ভাষার প্রতি অনুধার আছে, তাঁহারা সংস্কৃত ভাষাকে তলভিসন্ধিমলে গণৌষ্টি ভাষাৰ শ্বক্ষণে পতিপাদন করিবার দৌরায়্য कर्तम् म ।

ৈ ভ্রমণীড়িত থস জনগণ ব্রিয়াও ব্রে না থে, পলভা ধৰা পড়িলে লোকে ভাগ-भिश्रादक शृतकार काम अक्षान मृष्टित ७ ८मरत्र मा । প্রভাগ করাই স্তারিগ্রিংস্কর दक्षा इ शया।

আলেক্ছাতাৰ পো ্বলেন--আমরা বিশিষ্ট একমাত্র সাধাবস্ত ৷ মনে করি, আগাদের পূপ পূকা উদ্ধতন भुक्षवंशय किছ्व वृश्वितः शात्वन नार्वे, স্কুতরা: আমরাও এই নীতি আখ্র কবিয়া ভাবিকালের গৈশুক্রপীড়িত জনগণের निक्छे निरमान विशिध श्राहिणक इहेत्। প্রাক্ত প্রস্তাবে মুড়িনিশ্রির দর এক নকে, শিক্ষিত ও অশিক্ষিতের সর এক তেতালে প্রিমিত হইতে পারে । । তর্ভিষ্দি ও । ভাগতে শাস্ত্র-দাস্যরসের আশ্রেরে প্রবোদ। লোকহিটভদণা সমজাতীয় নহে।

যাহাদের প্রভাহ তিন অবস্থা, সেই ননোধমী ছাজিবিলোধী জনগণ ভকের নারায়ণ অংগক। আরও অপুন ১টা নিকট পূজা আকাজ্ঞা কৰেন। ভক্ত शहामिशक भूका ना कविया व्यक्तिय मान-দানের অভিনয় করিলা অপসারিত করেন। ভাগেড সৰ্ভ না ভগলে অসম্ভ গৈওকা-ভীবিসম্প্রভাব নিজ নিজ ক্লডিছ প্রদর্শনে নিজেদেশই অসক্ষণ সাধন করেন। স্কুডরাং এই সকল ব্যক্তিকে পৈওৱাপীড়া হইতে

ট্রেজারী কাল্নাতেই জমা হইত। ২০।২৫ মাবশুকতা আছে; কেননা, নেই থাকেড বংগর পরে এই সকল কথা লোক বিশ্বত ু সংক্রিয়া-সম্প্রদার ভগবদ্ভক্তেম চরণে

> অসাম্প্রদায়িক ইভিবৃত্তের সহিত সৎসাক্ষ্যদায়িকের জুগুনামূলক ধারাবাহিক গবেষণা

> > ( ''শ্ৰীন"-লিখিত) ( >0 )

ভগবান শ্রীগৌরস্তন্দর স্বাং কোন এছ লেখেন নাই। তাঁচার পাষ্ণরুক্ তাঁচার আজ্ঞাক্রমে অনেকগুলি এছ রচনা করিয়া-ছেন। মহাপ্রভু কয় জীবগণকে সম্মানে 'শিকাইক' নামক আটটী প্লোক দিনছেন, ভাহাই ভক্তগণের কণ্ঠমণিহার। ভাহাতে তাঁচার শিকা সমস্তই আছে। ভক্তগণ সেই গুঢ়ভার বিচার করিণা দশমূল রচনা कतिसार्फ्न। ८गरे मन्युर्ण मधक, व्यक्तिसस, প্রস্থোক্তন বিচারে সাধ্যসাধন হয়েরূপে কপিত আছে ৷ দশমুলের প্রথমটা প্রমাণ্ডৰ ও শেব নয়টী প্রেমের তত্ত্ব। সমঞ্চি শ্লোকের मात **এই--- ७**अभाराम्यता शास्त्र (नमराका*ই* আয়ায়। বেদ ও তদস্পত শ্রীময়াগ্রতাদি স্থতিশাস্থ, তথা ভদম্বগত প্রতাকাদি প্রমাণ্ট ·প্রমাণ। সেই প্রমাণ হারা স্থির হয় যে, হরিই প্রম ভব, তিনি স্কাশক্তিসম্পন্ন, তিনি অখিলরসাম্তদির মুক্ত ও বছ---**घुठे आकात कात देशांत तिक्रियां म : वय-**

कीत माग्राशक, मुक्कीत माग्रामुक ; 6मिटिइ

সমস্ত বিশ্বই ভীহরির অচিষ্ঠাভেদাভেদ-

প্রকাশ, ভঙিই একনাত্র সাধন এবং ক্লক-

कलियुगलानमान'श नै श्रीभनाश शहर সিশ্বান্তে কোন প্রকার অসংসাম্প্রদায়িকতা বা সন্ধীৰ্ণ সম্প্ৰদায়িকতা থাকা দুৱের কথা, উটার অপেকা জীবের আছার পরিপূর্ণ উনার নিকাশের কথা পুর্বের আর জগতে বৈক্ষৰাচাগাচ-ইট্টয় যে প্ৰকংশিত হয় নাই ছক্তিগর্শের কথ। উপদেশ করিয়াছেন, धामक देवकुर्छन जीनात्रा व उपापनात कवाहे পরিকৃট আছে। বৈসুর্গ্বের উদ্ধানে গোলোক तुन्तानरन ५० है। यशाक्ष्य भूर्वश्वनानी व्यक्ति अगुक वर्शाद मकामाक्रमदकाति লীসাকলোণবারিধি, অতুসাপ্রেমশোন্ডা-विभिष्ठे त्यार्थम एम, जिस्रगणानमाक्यी मुत्रमी-গাঁতগানকারী ও অসমোদ্ধ সৌন্দাশালী क्रिक वेषधागपुरी, कीकामापुरी, त्रप्मापुरी ও ঞ্জীবিগ্রহমাধুরী---এই চকুদিশ পরম চমৎ-কার অসাধারণ গুণের বারা পরিশোভিত

থাকিয়া বৈহুঠ অপেকা আয়ও অভিব্লিক ष्पाकृष्टिन तरमञ्जूषा व्यक्त करूनरन्त्र बाता निजानयनवात्रमान शादव दनिष्ण इहेटलट्टन । ্ঐবর্ণা অপেকা মাধুর্বোর চমৎকারিভা অত্যধিক ও অত্যন্ত উপাদের। ঐশব্যগত নিভামুক্ত জীবগণ বৈছুঠে পরব্যোমপজির পার্যদ, মাধুর্যাগন্ত নিভাগুক্ত জীবগণ त्भारताक पुन्नाननमारशत्र शार्वन । **धामग्रहा** -প্রভুর নিভান্ত অন্তর্ম ভক্ত শ্রীরূপ গোদামী आडू चीरशोतरतित स्वतात गरनरा**फ्टडम** छ।व রাধাকুও সেবাকেই পরম পরাক্ষার্চা সেবা-क्राप्त উপদেশ मिक्षास्त्र । देश क्रीनिश्चर्यात्र সম্প্রণারস্থ বৈহুংবের বা গৌরভজিনীন মধুর র্মাভিত ভক্তথণেরও সম্পূর্ণ হঞেরিও

ভক্তনবিবেকী পুক্ষের সর্বঞ্জেষ্ঠ স্থান তাদর্শন করিতে গিয়া খ্রীল ক্লাগোখানীপ্রভ রলিতেছেন,—পরব্যোমধানস্থ বৈকুঠ অস্ত ाम व्यटणका अर्वादश्रह । देवकुछे व्यटशका ভগনানের অসা নিবন্ধন মাধুরমণ্ডলের শ্রেটভা। রুক্ষের রাস্থ্রী বুক্ষাবন মথুবা 'অংপক। প্রের। স্বজ্ঞা বিহারস্থলী গোর্জন तुन्त, यन व्यटणका ८ छङ्। क्रम्यत्यामामुद्धत পুৰ্তিম প্লাবনক্ষেত্ৰ নশিয়া গোৰম্বন অপেকা রাগাকুও শ্রেষ্ঠ। 'অভত্রব কোন স্থবিচক্ষণ সম্ভক্ত গোৰন্ধন গিরিডটে প্রকাশমান ট্রাগাকুওদেবা বক্ষিত হইয়া অভ **टमनाब मटनानिद्यम कविद्यम ?** 

আবার ভলনকারীর সকলেছছ প্রতি-পাদন করিতে গিয়া বলিতেছেন,---সঞ্চ-প্রকার ক্রমী ধ্ইতে চিদ্মুসন্ধানকারী জ্ঞানী রুষ্টের প্রিয়। স্বাধারার জ্বালান্সধ্যে প্রেমনিট ভক্ত শ্রীক্রফের প্রিয়। সামগ্রকার প্রেমভক্ত মধ্যে একগোপীগণ শ্রীয়ানের অভিশন্ন প্রিল । সক্ষণোপীমধ্যে শ্রীরাধিক। অভ্যন্ত প্রিয়। যেরূপ রাধিকা প্রির, শেইরূপ তনীয় কুণ্ডও **শ্রী**রুক্ষের **অ**ভাস্ত প্রিয় । প্রভরাং বাঁহার পরম স্ক্রুভি ভাকে. িনি অবঞা জীলাধাকুণ্ডে বাস করত क्रीक्ररकत क्रहेकांग एक्रम कतिर्वम्।

শ্রীণ বিশ্বনাথ চক্রবর্তী ঠাকুর নগাণা একটা লোকে শ্রীমন্মধা গ্রন্থর মতের সার डेशरमणी विभिन्न कति हिम, खादा .o∂.--

আরাধ্যো ভগশান্ অকেশতনরভ্জাম वृन्धाननः

त्रमा काहिछभाममा अक्ष्यमूनर्भन या কলিতা।

শ্রীমন্ত্রাগবতং প্রমাণমশৃলং প্রেমা পুমর্থো মহান

**अ**टेड एक महा शास्त्राम किमिन एक निर्देश नः भद्रः ॥

## গ্রন্থ পরিচয়

## **ৰামন্তাগৰতম**

**জিনত্ত্তি ক্লেট্ডপান্ন** বেদব্যাস-প্রণীত মূল, শ্রীমন-মধ্ব চেব্যি-ক্লড়া ভাৎপৰ্য্য-লিপ্রচীকা, শ্রীমদ্বিদ্বনাথ চক্রবলী ঠাকুর-ক্লড সাল্লার্থপশিক টাকা, ব্লাফ্রান, সংস্কৃত অনুয় ও म्हे **परक्षत्र अधिनाध कथानात्र, भागारात्र अ**ध्या के অধ্যাবের সারসহ হবিভুত তাৎপর্যাদি বিবৃত। প্লোকস্চী विषयक्री. अशाविववत्, भाज ও जानक्रीत्र छेउम কাগ**কে উত্তম অকলে মুজিড**। প্রথম হইতে ১০ম ক্ষক প্ৰায়ত **ছাপ। শূৰ্ণক্ৰপে শেব হ**ইয়াছে। ভিক্ষা প্ৰথম ছইতে ৯**ব, কর পর্ব্যন্ত ২**১৮/০; লশম ওর ১২<sub>০;</sub> " P-8 E-4"

## **बिटिम्स्यम्**तिकाश्य

**অবিষয়কিবিনোগঠাভুম-ম**চিত '**মগু**তপ্ৰবাহভাষ্য এইমন্তভিবিদ্ধান্ত সরবতী গোলামী প্রভূপাদ লিখিত 'অমুভাব্যে শ্রুভি-মৃত্যাদি বহু শার্মপ্রমাণ-সম্প্রিভ ইইয়া : আকাশিত হইয়াছেন। সোকের সাগ্রব্যাখ্যা, বঙ্গাঞ্বাদ্ভ প্রত্যে**ক পর্যারের পূর্বে সংক্ষিত্ত অ**ভিনের সংযোগিত। প্রভাক অধ্যায়-প্রারম্ভ কর্ণাসার দেওয়া আছে । শ্লোক, भश्रत, भन्न, शाम, भाष व्यक्तित श्रुव्य १८१ व अध्कारतत বিস্তৃত শীৰনী-সম্বিত এইরূপ অভূতপুরু সংহরণ ইতঃপুরে क्षांति खकानिक दश नाहै। छे क्ष्म काशरक लाजिलारकात সাহিত পুল **প্রথমভারে মুলাংল মুদ্রিত হইরাছে ৷ এ**র প্রার ১৫০ • श्रेष्ठात्र मुल्लाम । खिला वर्खभारत द. आख ।

#### **এ**টেডজভাগবভ

ताक्षकारमञ्जू कीवनी. व्यक्ति श्रांतित्वत्तात्र कथामात्र, विश्वत গৌড়ার ভাষা, শক্ষ্টী, পরারপ্রটা, বিধয়-স্থান পাঞাদি-স্তা, প্রাকৃতি বিবিধ বিধয়-সম্বাদত বিরাচ বিভাগ সংকরণ क्ष्यल **काउँन ৮ लाको भाका**त्र। आधिगाया ७ मर्नात क्रियरम आकारिक सर्वार्थन। क्रांस क्रांस भ्रद्रा**्ट्य। मध्यम किया ८**, छाका, आपि नीनात किया का

#### **बिटेडफ क गम्म**

এই এখের এগ্নপ অভিনৰ শুক্তর সংখ্যাপ আর কুত্রাপি व्यक्षांन्य स्त्र नार्दे । मरष्ठ (श्राकार्टनंत्र व्यवस, वेशाध्यास, काया. कवाभाव, एवा अकृषि मर वर्ण भरत शकालक হুধ্যাছেন। **মূল মোটা অক্ষরে ভবল** ক্রাভন আচপেনী दुरभाकारत काला रहेबारक । भूला २॥० छेकि । असीवा अकान ७ भोदीरमम आर्मभरनत नरक अल् ।

## **এখনত গবদ গাঁত**।

-- किरनोजीत देवकताहाचा अध्याक्ष्य अभिकृष्णमनि **शिक्षिविष्माय ठावकिराक्ष दशायामिक्छ।** भादासन्धित होकाग्रह्मका क केंद्रियहांकावस्त्रास हाकुन-व्यवाद 'साग्य-वक्षम' भाषक काषाकाषामंदिका। व्यवाधक्ती, बाक्काकत्व (काक-मूठी,विश्व-मूठी,अध्कारक्ष भीवनी ६ व्यवस्त्रांप्कांप ab-ভাতব্যাৰ্থর-স্থ<sup>্</sup>তংক্ত বাধাই ইতীয় সংখ্রণ--- এই রাদ চইতে পরিজ্ঞাংশ মাত্র গৃহীত: প্রিজীব গোস্থামী কি अरुक्कात्म्य किका २ डाका वास, माधावन अरक्का- आ कामा माज

## শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

ওঁ বিষ্ণুপাদ শ্ৰীশ্ৰীমন্তজিসিদ্ধান্তসর্বভী **८गोचांची महाबारकत तरहे व्यविका**-विश्वः शिमी कीवाश्वश्वत्र (भारती क्षक-कार्क जनकाचिनी कोवय-वावाव मुर्ज-विश्वह--- (तक्कविमहाख-त्रह्मानाव (को खक्रमण-- नष्ट्रमात्र বৈভববিজ্ঞানাগারের মৌশিক তথা—পঞ্চরাত্র ও ভাগণতের गमध्य अक्र--- महाजन-कीवनहिं छ-- निक क-- हि दिनागृहि माज-প্রতিশব্দ, তথ্য ও বির্ভ্যাদিযুক্ত। প্রতি ক্ষের আদিতে অচিমাত-বিচারক-এমর্থ্য ও মাধুর্যারসের মৌলিক গবেষণার —সম্ম, অভিগের ও প্রয়োজন-ওছের নিদ্ধান্ত-সম্দ্র।

> > । **প্রথম খণ্ড—**বৈদ্যবদ্শন, শ্রী ওর তত্ত্ব কাল-ध्यां, श्रीभ्याविकात, श्रीवार्यकानती, भाकताकिकी नीका ও বর্ণ বিতার, আত্মধর্ম ও মনেংকা, ইংটেওজনের ও ভালার শিকা, অপ্রাকৃত সংক্ষম ও প্রাকৃত স্থক্ষ প্রভৃতি বিংশতি সংখ্যক রত্ত্বে স্থগোভিত। ভিলা মারে ৮০ বার জালা।

১। বিশ্বীত্র খণ্ডে— ৬%। ৬ বিদ্ধা ভক্তি, মঞ্চলের শেষ্টভা কোথায়, আত্মার নিভাবৃত্তি, উচ্চর স্বামিপান ও माधानाम, श्रीरशीत-शिष्ट्यासम्बद्धभन्न, निश्दशत् धया । कुन्छ-कौकन, श्रीनामशृक्षात्र श्रीनदानवरण्य कौकन, अर्द्योत-शास्त्र महिमा, मधाञ्चनात, औरगाविन, अञ्चल्लासुन्। सम পপ, জীমতা বুষভাম্বননিনী, জীচৈতভের দ্যা, পৌরকরণা ও রুফ্সন্ধীন্তন—চতুদাৰ অপুকা মধুরিমাপুন-সক্তানিভূচিত। বু কালিতে মুক্তি, উৎক্ট বানা গোনার প্রে নাম শেখা। जिका ६ ८क है। का बाज ।

প্রথম ও বিতীয়—ছই খণ্ড একত্রে লইলে ভিকা পেড় টাকা, ভাক গর5 স্বভন্ন।

### **&মন্তর্গন্দ্রীভা**

(विशेष-देनकानामिनक-दनवा श्रीश्रीमप्रमदनात्म विश्वा-ज्ञानकृष्ठ ज्ञाता । अध्यक्षिकितिरनाम ठाकुरतत्र शाक्षण तक-ভাষায় বিশ্বত 'বিগদর্ভান' নামক ভাষাণ্ড। অসায়-শ্চী, বিষয়স্চী, ও প্রতি লোকের প্রথম ও ভতীয় পাদ স্ঠ', ভাষাকারের জীবনী প্রভৃতি সম্লিত। উৎক্ট বাণাই, রাজসংখ্রণ (ভূতীয় সংখ্রণ) এছের किका २ है। ना

#### প্রমেয়রতাবলী

टीमधनाम्य विश्वाष्ट्रमण-धार्गाः रेनसःयमणन, मनस्य ९ গোরিনা-ভারাদি পাঁডবার প্রথম গ্রন্থ উৎক্ষ কালিতে চাপা। প্রবিশ্বত টীকা ও প্রায়ণনকারবাদ সাহাবে। অভি সহজে বালকেরও বোধগমা হইয়া গাবে। ভিকা 10/ • अला माजा

### श्रीनवदी भग ममास्त्रा

( প্রমাণথ ও ) সামুবাদ। আতি-শুভাাদি এতে ত্রীনব-बीलात एम महिमा कीडिल कारफ, लाशात मूम मरकुल छ অফুব্দ। ডিকা ১ • আনা।

#### **জীজবদ্ধীপভাৰতরক্স**

भित्रक्षभात्र सहिवामि-विकास । ভिका । • भाना ।

### ভজিবৃদ্ধাকর ও মধ্যাপ পরিক্রমা

শ্রীল নরহরি চক্রবর্তি-ঠাকুর রচিত। ভক্তিরদ্বাকর श्रकारत केनवर्गेनधारमत नात्रक्रमा कतिशावित्नन. छोटांचे প্রে বিবৃত। ডিক্সার্প • স্থানা

শ্রীপ ভব্তিবিনোর ঠাকুর-প্রণীত। শ্রীভৈত্তেইহাতে भिकाधानी-इस, इसमिक ९ तम-वद ४ मूक कीत-षात्रिः।-(अमारअम-जन्न-नागन-निर्मा-अस्माधन-जन्न, कन्न-কাও, সাধ্যাদির বিচার—বৈবী ভক্তি, ভাবভক্তি ও **्रामक्रिक्स ग्रामक्रम-ल्यामी ७ प्रदेशनी**य गागा-পরিচয়াদি প্রথম শিকাপার উপনোগা করিয়া সরল ভাগায় সমুদ্ধ যুক্তি প্রমাণ্যত লিখিও আছে। চতুর্থ সংস্করণ বাব। २ , छोका, व्यावाधा ३५० है।का माञ्र।

## গোডীয়কণ্ঠহার

ट्याँटनो प्रीय-देवकार शहरात अञ्चल कर्छ धारा-देवाल লাভি-মতি পুরাণ-প্রদানানি সাম্ভ-শারসমূহের প্রমাণাবলা विषयविज्ञात्रकारम माञ्चताल छन्ति । धर्माल देवस्व-मिकारस्त्र मात्रममस्य अस कुवालि खकालिक स्य नार। ইহাতে স্তব্ধ ভন্ত ভাগৰত—বৈশ্বৰ—গৌৰ—নিত্যানন— অবৈত্ত- ক্লাড-শব্রি-ভগবন্তুদ - জীব - অচি স্তাভেদাতেখ --- শ্রীনাম-- প্রয়োধন ও প্রমাণ-তম্বর্জনি পুণক **অ**দ্যাদে মুনুহাং শ্লোকাদি স্টাগ্ৰু উংক্লুই এক্টিক কাগজে ব্যোঞ এছ প্রায় ৪০০ গুঠার সম্পূর্ব। ভিকা ২ টাকা মাজ।

## बीमरबीलगाम-अश्वानली

শ্রীমদভিতিবিলোপ ঠাতুর রচিত 'নামমাহাত্ম—ধাথ-মাত্রারে স্মের্ণ প্রমাণ ধণ্ড--- শ্রীল নরহরি চক্রবর্ণ ঠাকুরের ধাম-পরিক্রমাংশ---- শ্রীধাম নবদীপ পরিক্রমা--- তাদ-বাত্রা পদ্ধতি-শ্রীমৎ প্রবোধানককত নবদীপশতক্ষ-শ্রীমন্ত্রকিবিনোদ টাকুরের শ্রীনবদীপ ভাবভর্প প্রাভাত গ্ৰন্থ একতা ভিক্ষা ৮০ আনা মাতা।

## জীহরিনামায়ত ব্যাকরণ

শ্ৰীকীৰ গোষামী প্ৰতুপাদ-বিৰ্চিত হত ও বৃদ্ধি ভংসকে ওবিফুপাদ শ্রীমছক্তিসিদ্ধান্ত সরম্বতী গোস্বামা মহারাকের বিস্থৃত ভূমিকা ও হটী প্রস্তৃতি সহ। অপ্রত্যাশিতভাবে স্থলত। ভিকা ২ টাকা, ছাত্রগণের भट्ट आ॰ होका गाळ।

#### (वलाखडाकार्त्र

শ্রীমন্ত্রামান্ত্রলাচার্যা-রচিত। বেদাঞ্জের বিশিষ্টাবৈতবাদ-প্রচারক খ্রীভাগ্য-প্রধেতা আচাগ্য প্রবস্ত বেদান্তদর্শন পাতের উপযোগী कर्यनार्थ एड উ%म कांत्रशास्त्रमा बंदाएँ বল্লামুবাদ ও প্রতীপতাদি সংযোগিত করা ইইয়াছে নাম মাত ভিজা ॥ আলা।

#### শ্ৰীটেডয়াচন্দ্ৰায়ত ও নবৰীপলতক

গৌরপার্যদ তিদত্তী শ্রীমৎ প্রবোধানক সমুস্থী এগাড শীষ্টাকুর ভক্তিবিনোদ লিখিত। অললিত গাতাকারে। মূল, প্রভূপার শীমন্ ভক্তিসিদাস্থ সরস্থা গোখামা মধারাজ সম্পাদিত অধ্যমুখে ব্যাধ্যা ও বসাহ্বাদ সহলিত। नवदीन्यक्त्र क्षेत्रिकिविद्याम ठोक्द्रत महास्रवाम ५ তৎসহ শ্রীমন্মহাপ্রভুর একটা লিবণরঞ্জিত অলৌবিক চিঞ त्यावक कहेबारक। रेक्ष ७ कालक छरकड़ ( र बाजा একলে ) ভিকা ৮০ আনা, অতি ভ্রম্য বাঁশাই রাম্বসংখ্রণ ः होका माज।



टीयपाक्तिविद्याम शिक्त-खर्गाङ। एक एकम्।काशक-বাংব জ্ঞান লাভ কবিলে পারমার্থিক রাজ্যে কিছুগ্রে আভান বা সংশ্র গাকিনে না ৮ প্রম গুড় ধর্ম বিগেক এই: करा मनवा ६ अभगलामी अन्न वो शर्माञ्च आकासिक वया आहे । ংমতিজনে।স্বামি-শাস্থ-মত্থাদ্ধি-মন্তন্ধতো, এই ওলিতি উপিত চইনাচেন। আবার স্থানপ্ত। স্চী, কর্থানার बन्तरि भारा तित्नय मुक्ष करा ठडेब्राटण । निताने शह. रतामाल जारा मात्र द्राया, खेरहर देलिके-- उड्डूप भाष्यक क्षिणा २५ हैं का माजा

## প্রেমনিবর্ত্ত

শ্রীমনাচাপ্রান্থ অন্তর্ম পার্যন শ্রীন, কর্মনানন প্রান্ ৰিয়তে ৷ এই পুত্ৰক অতি ভাগোধা ভাগায ্মহাতাল काल्लक नामार देवभवातात. उत्तरको । व समावक्रमः বৈদ্যবভাষের অমীমাণে কেবলা প্রস্তুতি অনেক ্র ৩০৬ পাইবেন। পাদলীকায় ভারত হ'ব াগুকান্ত্রে প্রিচয়ানি-সম্ববিচ্ছ চতুথ from: म्य द्याना श्वा

#### ভজনরহস্ত

জন্মকারীর নিতান্দী; হাকুর ভাতিবিনোদের মন্টা প্রক। ভিকা*ন*- সানা মাত্র। থিব শালের নিয়াম। পানে না দেবা প্যার ্ক বৃঝিতে পারিবেন না। ছাউটে সংখ্র ভিজা ৮০।

#### হরিনামচিন্ত।মণি

ামাচাদ্য জীল হরিদাস সাকুরের মূপে জীমনাইপ্রেড় শীলাম-মাহাম্যা, নামাভাস, নামাপেরাধ প্রাভৃতি বিদরেব ুল্পুট্ৰ বিচার শ্ৰেণ করিছা∫ছবেন। এই বিবয়গুণীর না । সর্গ প্রারে স্পুঞ্জু আশ্বয়ঃ প্রিপটিভাবে যুদিত। স্থা ভারতিনাম সাকুল-লগতে ্লেপকন সংস্করণ ভিজা দৰ

#### **李明**月日本國惠孫

श्रीमङ्क्षितिसाम हेक्ट्रिन किछ। आकार छश्तम-ি গ্রা ও জনেপ্রের প্রসিকের একাস্ক প্রয়োজনীয় ফুল্টেশপলীপুৰ কীভিগ্ৰয়। সমাত শেখাগড়া ভাষা লগ্রহ ও এই ভিজনরায়েল্য গাতিসন্থের বরেং অনপ্নির্তি দ ভ-বেংমেরা লাভ করিবীর স্তবিধা প্রেনেন। ৪ছ ু ্ৰান্তরত, ভিক্ষা /১০ আনা মার।

### শরণাগতি

জীন ছজিবিনোৰ,ঠাঃ র-র্বচিত। ভগণানে আয়ুস্মপ্ন, িজ্বি, ভঙ্নলাল্যা, সভ্বিধা শ্রণাথতি ও বিভি লাল্যা-त्रवधक धी उल्लं, सिभा 🔑 व्यक्त बाद्ध ।

#### গীভাবলী

**প্রিঠাকুর ভিডিবিনিদ**্যালত । নিজ্য ভগন, সারাত্রিক क द्यानाष्ट्र-दमवन्ति-विभवक भवत १। ०० प्र एक एकराव अभिन । ্রত্যাপুর আনামার। . . . .

#### इसक्स मध्य

विभव्यक्षप्रकृतिद्योगि व्यथित्रमाथ ठक्कतदी हातुत्तः किला । जाता माछ ।



শ্ৰীম্মতালৈ তুব শিক্ষা ও শ্ৰীল রম্মাণ দাস পোসামীর अधि शिवल त्याचार्याव जेनत्यमानानी, अकिनत्यत्र अक्रमन ও প্রতিক্ল বিদয়ে জ্বিচারিত মরোদন ভাষা, বিস্তৃত বিবৃতি, চরিতামুতের প্রমাণ, সারয় ব্যাথ্যা ও মহাজন-এনীত ভতুপ্ৰে'নী শীশুসমূহ প্ৰেক্ষেক লোকের স্থিত ময়িবেশিত হইষাডে। তা সংগ্ৰণ জিলা। 🗸 আনা।

#### সাগ্র-পার

ভীবস্নাথ দাস গোস্বামনৰ মনঃশিক্ষা, শীল সাকুর ভ জিবিনোদ-চরিত প্রান্তবাদ্যক। ভিক্ষা 🗸 আনা ।

### প্রেমভজিচত্ত্রিক।

লীল ঠাকুৰ নলেভ্যের স্তপ্রসিদ্ধ প্রেমভ্তিনিয়াক থানের পুড়ক। ভিকা 🕫 প্রানাম্বে।

#### নবর্বা পশ ভক

শীল সাকুৰ ভব্তিবিনোদ-ৰচিত শ্রীল প্রাবেশ্যানন ্বিশ্লাপ ও 🖁 স্বস্থ টালানের সম্মুত নবলীপশ্চকের স্বাহীত প্রায়নার ভিক্ষা 🗸 শ্ৰমানা মাত্ৰা

#### অর্থপঞ্চক

द्भित (कांक्रां5ग्रा र<sup>1</sup>ेख देवकार श्रे कारनव आकरा

#### সদাচারশ্বতি

প্রীল মধ্বাচায়্-প্রণীত। বৈশ্ববের নিজাককালি স্বাচারা नजी, तकाश्चरात मार्टा जिल्हा 🗸 व्याना मार्टा

#### মণিমঞ্জী

ক্রিকুলকেশরী শ্রীমন্নারায়নাচাধ্য রচিত। শ্রীম্যাপর हारवात मंगिक्ष पाव ेना अभूग (मक्कारक्षणाः) माध्य संस ভিজাত জালা মাত্রত

### दर्शात्रकृ दका प्रम

প্রাচীন কবি আগোবেন দেব প্রবাত জীগোরাবাহারের প্রমাণবেদা-দাবলিত সংয়ত এর। ভিক্ষা ৮০ থানা।

## यूङिगद्विक। ( भगदमोत्रह )

আমধ্বনপ্রদায়খনত শ্রীমবাদিবাদ স্বামিকত। বস্বাসরে সন্থিবাৰ এই প্ৰথেম প্ৰকাশ পার্মাণিক স্যাহিত্য-ছণ্ডে के मक्त अथम । व्यामनाका काम करेंद्र द्वाक्षां मुख्य विकास মন্বচোষ্য নামে পাতি জালানিরাজাতীর স্বামী এই সামে माधातन युक्ति छ द्वीकिक आग्राञ्चनारत किक्रश क्षणबन्धातन ভিজিপিরোপি মতবার সমূহ পাওন করিয়াছে, ভাষা পাঠ कतिएक कतिएक बाल्पवाधिक ध्वेटक स्य। । जजाएक युक्तित्र ছারা চাকাক, জেন, লোছ, মীমাংসক ও মায়াবাদিমত-मनुरुष्ट राज्य व धन विध्यार्छ । जिल्हा २, छाका माळा।

### (भाषायी जील त्रघुनाथ मात्र

(ও বিঞ্পাদ আগ ভক্তিসিদায় সরস্থা গোসামী প্রভুপান-বিভিত্ত ভূমিকা মহ ) গৌরপ্রেই স্কল-ক্রপের একমাত্র প্রিয়তম শ্রীণ দাগ গোস্বামী প্রেট্র অপুক চ্বিভাৰত ও শিক্ষা অভাব প্রাঞ্জন ও সরল ভাষার স্ত্রিবিঠ এবং পরিশিষ্টে দাদগোত্বামী প্রভুদ্ধ বিরচিত কর্তকটা ে : রসপ্রত: , শ্রীমন্ত্রতিবিনোদ ঠাকুপের অন্তব্ধে- , সাম্ভবাদ মধুরতম স্তব 😘 মনঃশিকা-সম্বাত । ভিক্স नौधारे ॥• व्याना, व्यावाधारे ।d• व्याना माज

## চিত্ৰে সৱাৰাপ

প্ৰাচীন নবৰীপেয় অবিছিতি তথা, ঐতিহ্ন শ্ৰোত ও ঐতিহাসিক প্রমাণসংগতি নয়্তী গীপের সচিতা বিষয়ণ-शप्त । बाधिय वा लगारक व क्यांत किन्छ भद्र विक् ना बावन तात ध्य, ध, खाक (नाटमेंति : देवेशोर्डक्रेंन बेटनामध कड्क স্ফলিত এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন বৰ্ণের অপুর টিজ ৬ নগেল্ড নাথ বস্ত বিশ্বকোগ্য-পাদক মহাপ্রেল্ড নিম্বত ভূমিক गर । উৎक्रंडे ( हर ) यहात्का रीक्षंचे प्रमा अं। . किः निः ए २ होक माज।

## माधक-कर्शनामा

अञ्चलना, रेनकव-वन्त्रमा. रेनकवनंत्रम्, कोल्स्टलव वीख क्रीमामब्दे, क्रियांबाखान्त खेरशेष्यमण्ड बाम कहिला नामकीकन, ध्येनामगढीकन, तथाभरमि, 'खाडिनमकी'ड भवदील-महिमा, व्यमोन्नालुकं महिमं, 🕮 नातालय-लाइत करेर चार्रायक्रवसम्बद्धाः वक्ष्यायायीत् बहेक. (क्षप्रकृष्टिन क्ष উপ্দেশ্মালা, নামভজন-প্রণালী, মধ্যপ্রভূ ও রার রামান সংবাদ, মনঃশিক্ষা, 🗐 গুরুত্রগৃতি, 🗇 গুরু-পরচ্জর মহাপ্রভুর বন্ধম, প্রাকৃতি সাধক ও বিশ্বভীবনের মিভাপাস ৰৈণ্ডবগণের কণ্ঠান্ত্রিজ জুলদীম্লোর ক্যায় অমুগণ ক पण्यपरवाना **चण्य अह।** क्रिका (लंब, दीधीहे ॥ व भारत ।

### গৌষ্টীয়-খৌরন

কলিকাভার শ্বাসিদ্ধালবার্ট্ ২লে, নৌড়ীয় সম্পাদ শ্রীপাদ অন্দর্যানক পরবিদ্যাবিনেচ প্রকল্প বস্তুতার বিং এম্বর প্রকাশিত। ইম্বান্তে প্রেড্রির বৈক্ষরগল্পাদায়ে টাতেশস সাকারে এপিত চট্যাড়ে। ডিক্টা প • মাত।

#### গৌড়ীয় সাহিষ্য

कलिकण्डात स्थानिक भागवार्त करना रनोकीय-जन्नाम শ্রীপাদ সম্প্রানন্দ পরবিষ্ণাবিদ্যোদপ্তাই গ্রাদন্ত বস্কৃতার বিং গ্রান্থাকারে প্রকাশিত। ইহাতে সাহিত্য-প্রেম্ম অর্থ ও ব্যোড়াম-সাভিত্তার বিষয় স্থাকারে ববিত হইয়াছে। ভিং াল জানা মাতা।

### **শ্রিপৌড়মওল** পরিক্রমা-দর্পন

ब्रीटर्शाइटल्टनत ट्रं नकन काटन भनतिकत्र ब्रीमग्रहाङ এবং ভদক্ষণ পরবতী মহাজনগণ নীলা করিলা গিয়াছে নেট সৰ আছু নিক ভৌৰোলিক পরিচয় ও দেববিগ্রহা; প্রিচয় সত্র বাভায়াডের শ্ববিধা নিদেল ইভাদি বিষয়ও महिर्तिक बार्छ। किया । यामा।

#### THE HARMONIST

OR SHREE SAJJANATOSHANI

শীল ঠাকুর ভাকিবিনোদ-প্রেচিট্রত এবং শ্রীল ভা বিদ্ধার্থবর্থতী গোঝামী প্রান্থপাদ-সম্পাদিত পারমাণ मानिक शत्। अकरण देशाची खाराय अहाविश्म ভবলক্রাউন ৮ লৈমী ৪ কর্মা আকারে প্রতি বারে হ माध्यत विकात-देवका**डी ग**र्देश छेश्डिक रहेएएछ काशम, मूलग-भाषिभाषा छ ठिजामि अछीव जिसाक्य এট প্রকার উৎকট প্রাৰম্ব আত্ম কোন, মাসিক প্রাণি দেখিতে পাইবেন না। বাৰিক-কিকা ভাক্ষাওল্যহ हाका मान।

প্রাভিছান-

औरेठफक्षमठे, त्याः ख्रीयाशाश्वत नवीशा

## বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার

## ক্তিমঠসমূহ (২) 📤 শোডীর মত

## बीटिडेंग मर्ज

#### আকর মইরাজ

श हीत त्रवीत, डाक्यम द्येनाम भाषालुम, तनीमा

শ্রীমভাবোৰাপীর ভবপে পাছ ৩০ । গছ উদ্ধাৰ-পূব্দে শ্রীব্রজপদ্ধনে আচার্যায়ত্ব শ্রীচন্দ্র-(मध्य-धनस्य क्रिकेशक मात्र निश्चाकमान ।

वह काम मारुवार-भोगं, नवनिकालीह ना माक्क खकनवनी । यह प्रवासिक किर्दिन माभागुक वार् कश्रामि-(तक क्षमभूक, शत्रविश्वाद श्रास्त्रक कावा, अन्तिक श्रामात, प्रशा बामान-केन-किन-मिका-प्रक-४ शाम-एक्टेस्ट समाप्त । ब समामाना धान कलाए शिक्त-.शीदाक्ष-शाक्ष वा १।-शिविषव" व शाक्षक शास्त्रवाशिक-माहारी-6क व कांकारतव देशास 'बश्राहक नंदक अका (मृश्विक व्हेट्सहरून । बर्व प्रदेशास्त्र शास्त्रानिक देशीतकलक मायुक्त. मक्काबाद्दर के शकानिक के के शक्तिन अंडदाकि क्षातिकहरू 'अमीमा-क्षेकान' यह वर् প্রাক্তিত ব্যস্তাহ্রেন প্রাক্তিব্যার জীগাম-পরিক্রেমাপ্রতান ও অগাপিত ওঞ্জাগেতি তে कीक्षेत्र প্রচারখুপ মভামাংশহপব:দি জক্ষাল অভ্যক্তি ভতরা পারে । বক্ষক---বুল্লচারী 🛢 পার লহত রিছী। সভ ভাষী — তীপার বিলোগবিধারী এক্ষাটী, পাণ্ড ৮ প্রপান গোরদাস उक्काशी कामासावज्यातीर्थ, शिलाम नीतिक अवकाती, शिलाम समामानाम उक्काती, क्षेत्रकारमान अक्षाता है से समार्शालांग अकारी है, के अन्तर के, करियम, रतन की मारून ক্সামুগ স্ক্রেগণ (

किनशिक्षामा भागहाक शहीन शीर्ष महाहास । পানে হরিকণা করিন করিলেছন।

## : ৩ - যোগপীত জীমন্দির

बह शान जोकश्रद्धानामाज्ञत करन ना विभवारा शक्त कार्निकान-कृषि महास्थान-लेके। त्यास्य जिल्लीशिका त जिल्लि fæune किट्नोटमांबाक्षण कवर क्रीटेन्डमा a Batelatus fami (net mer Bem-मानावत (नावामी कहें। नावा व्यक्त की त्रमा-बाब । प्रकारी श्रीनिकानिक अक्याती, Baintfecare एकिस्थन, Batuein उक-हाती । जिल्लामान व्यक्तिकारी, (मनव्या क्षेत्रावस्थाय ।

## (8) **A**17-97 भिभग्नवा राष्ट्रव कीक्रम-निवास स शिक्षीक्षणीयात वामक्षणी । ध्रवाटम व्यक्तित्वात-निकारभक्ष व शक्रकरचत दशका वक्षमान ।

( ० ) स्रदेशस-स्रवस

रक्ष ०---- 🕮 शका ० कु कम अव्यक्ताकी ।

क्षे कात्म क्षेत्रदेश शक्ष क्षम धानर (54) 454(4)

क्षक-- क्षेत्रकातमः यागाणिकाती. **अ**रशास्त्रकामात्र नावाची ।

(७) काळोड जमापि भ हे बाहीय माधालक, बाममलुक्क (सबीक्षा) । (शानिक्षणून, केश्यवानी, नवीक्षा बिरनोक्कनाभाव जिहासकाकी स्पाधि। क्षण्य-व्यवस्थानी विकित्सम्बद्धिकारी

(4) **খানক প্ৰথ**-ভূঞ

किरमाक्षक, यस्त्रभक्ष ( अनीयः )ः क्षत्रम कैविकुतार क्रीम किविविद्याप्ताकृत्यः auffe dur Beel entres mot Million शांत्रव द्रम्या वर्षयाम

क्ष्म -- किसूब्र काकाव अवकाती वक्ष- क्षीशायहरू अवनाती. क्रकाशियों बन, बग, बम ।

## 🕩 🕮अशबाथ दशोडी ह मठे

यस्य विश्व ।

गण क--- शेंब्रह्म का केन स्रो दस. ज. वि. द्वतः मण्यादी--- चाउषामा चिक-नाथी, क्रिकेकम स्वयंगती शङ्खा ।

(১) 🕮 ८४। छ- श्रमा भवः अञ

\$!भाकाकी, समुक्रमाक, ( नह्यांस ) ইল বাণানাথের প্রান্তিত গোরগদানর-क्षेत्रनामत मान ।

: ১০ শ্রীরূপগোড়ীয়-মঠ ना. 1918, श्राभ कडे पे em a- Befcein अक्ताबी, महकारी-

( ): ) 圖(**河) #39 # 5**面 --माञ्जाहि, काम्रगत, वहुमान। 角 नामान । व ठ क्व व वेना वर्भव आग । तक्ष म--- ही न्यांवटा तो अञ्चरात्री, कश्च

(১২) ভাগৰভ আসম 🗐 লাগৰ স ভোল, ক্ষণ-গর, লমীয়া : ভাপন • নিশ্বাস্ত্র প্রস্থানগাঁব প্রচায়-কেন্দ্র। व्यक्त- श्रीकृष्णानम अस्तारी काकणाही

( >0 ) THE REFE 🕮 विकार अमहाती, औष পংগার দাসাদিকারী, প্রীপরেশাত এব এমচারী, প্রীধারবারক अमस्तान भाषा, जक विषमान

( ১৪ ) औषाध्य-८गोफीय मर्ड >•सर सवावशृह दशकः, हा का । भुवाबद्यक्ष अक्षत्र-८०छ, क्यादम औषकcoff बाक शाकका-शिविभएक दमया वस्त्रमाम । क्षिताम् नविकारिताम वि- व. श्री-श्राम- ১७ मः याणिकामात ठळावची क्रीते. रुपात मानवाचात. कांलका का । **: छेलिस्काम वि. वि. ह**े. ट

শ্রীমবারা গড়র **প্রচারিত প্রকিশ্বন ত্রিকশ্ব-**প্রচারেচ্ছেলে রোভনেশের সক্ষ প্রণাম নগ্ৰী কলিকাজায় **শ্ৰীক্ৰিবিনোয় আগ**নে শ্ৰীমন প্ৰভিত্তি নাছেল। এত *ধৰা*-সম্বাতায়ে ত্ৰী এক-বোৰাল-**অবিনোলানৰ জী**ট সপাৰ্বলে নিজ গোলন চল ৷ গোড়াল काठिशिश्वरतिक सावजीव अकावजीव अधारिकारकार सीमात्र मानव बकते अवकर शक्त-ষয়ালয় সংখ্যাতিক ভটয়াছেন। পৃথিবীয় বজত জ্রীগোরনাম প্রচারার্থ বুট মন্ত্রালয় इंडेंट्ड 'र्ला हीय' नाश्चाहिक नक, कि क्याबिट्टे म निक नहिका हरताकी काराव নিয়মিতভাবে প্রকাশত ভইতেতেন। এমতে পাঠ, নতাকন, সংপ্রভান-চভত্র-বেলাক, শ্রীমন্ত্রাগণক, প্রতিভাষ-চরিভান করিছা করিছা ও ভরগতের সভাক মালোচনা ভরষ পাঙ্কে। মঠবক্ত-আচাৰাত্মিক খ্রীপার কুরাবভারী বিভাত্বন। সহতারী-পার্ম শ্ৰীপাদ অন্যবাস্থদের প্রবি**ষ্ঠাড়য়ণ বি-এ, জীপাদ** ধানাবভারী ব্রহ্মচারী, শ্রীণাদ अभिकारिक जामानिकाची विन्ता. खीलाव अवस्थालाल वामानिकादी, ब्रह्महानी श्रीकोस्त्रनामक, अञ्चलाती श्री**नाशीरवाण्यः स्वता**से श्रीमश्रामक,नाक्षक श्रानाम वर्गामकूक প্রতিক্সাল্ভরে স্প্রদান্ত্র ভ্রা**চার।, জীলবরক্সানদ**্সাধি গারী বিভ্রু শীভ্রব্ধনা**ত্**দ धकाती 'वे-धन, श्रीषञ्चनम साम्राक्षाविष्, श्रीतिषञ्चत अञ्चली, श्रीक्षत्र सार्विक

এক বলী প্রস্তৃতি।

शोत अमार्गां, श्रीनाशीवाण अमहाती. ञ्जीपन्छित्तान अकः।

## ( ১৫ ) शिक्षाभावणी वर्ड

क्रमणाश्रद्ध, ठाका । গোপাশভীর শ্রী: :এডের প্রাচীন সেবা वक्तक--- श्रीमामनाभम अक्ताबी ।

(১৬) শ্ৰীগদাই-গোলাক মঠ कृष्टिका अध्यादिनी मात्रा, वालिका है जाका भ्येगनग्रं-(भोताध्यत निष्ठा (भव: वक्त -- डीश्रवं सक्त बक्राहाही, डीम किलान ব্ৰহ্ম চারী

## ্১৭ এডাগবড্ডনান্দ হঠ किल्लिया, नाञ्चानमुद्ध, द्यामभीभूत्र।

खगारन चित्रक-(शांताक-शाक्क किका-গি বিধারীর লিডাদেশা বস্তমান। ব্রহ্ণক----डकराशी 🕮 -शराममाभकी ।

## (১৮: व्यामनारयाष्ट्रा अश्वाख्य

वाक्षवीन दलाः व्यामा

औ धक्र रंगाताण- क्रीन क्रांबिका ग्लेबिना की ब बिटारम्या । क्ष्म - ब्रह्मनामी क्रीकार्व-क्टनाव ।

#### (১৯) जीशृक्तरशासम मर्ठ

वर्गकाव, श्रुती, क्रीकृत्ता, । बशास चौर्शाव-शिस्तामधानवधीत विका-्रमत्। वक्षमान् । तक्षक --- बक्षात्रा वी जीवस्थान अमा निवाद्यपुर अमहादी ख्रीमदीशामण, उष्णहाती, कक धीनियात ।

(२०) खेखन-दगोडीय मह षाणवत्रमाथ, अषावात्र (११३, भूती । क्रमान्द्रपट्चम क्रम्यम् मम्द्रम क्रियकः 424141 444--- 2MEIR अनव्यापती लगामको। मनकाती-अभागती अविशिव्यविद्याती ।

#### (४) अभिक्रियानम् अञ \$:W4[4]#]c. 404 1

ATICA Eliga- miaim-lateningun. कीव निकारम्या वस्थानः वस्य---व्यक्ताती जीनगरः जीवामनम अन्नानाती

(२२) ख्रिममाख्य-, शोधात्र वड धनर क्षणका । नन्त्रः, कानी ।

(वीध-व्याह्म नगडन-र्मकाइन । अर्थात्म (भारतिया तद्या,सः। रक्षक ---**डोबानकोगावकी**, जोपकानन उक्तानी ।

(२७) ञैक्कदेहडकु बर्ड **जीवृत्तिरः भाग कृत्रः,** ज्ञीनाम बुन्हायम । **अकेशन-उप-द्याक्नका**द दम्या ह वक्का के कार्य में किया है। यह रहते

### (२८) खेशब्रमस्य मठ देवशिक्षाक्षणाः माखाण्य

এপানে জীভাগণত লাঠশালা 🔹 🖣 शोब-बिदनाम विद्यानकोत दन्त्रा व स्थान । 4mm--- 3mbiel Barnesinm a carial ज्ञोनमञ्जान ।

#### (३४) औदेहफकादशीकाइ वर्ड

事項發表 白!。 \*5等等 白!。 当日安日 : 季白! चोटे०७७-मध्येत नामा । नक्क--- मोदमा-मान बाब. फ्रीटकन्यानम उत्तराती, जीवाम श्रीव दशवस्तिका ।

#### (२७) नहामद्वीकोष यह

कुमर्रक्ष व वादम्यह क्यान । क्यार्य क्रीरमोबाबस्याम-बार्यस दुशका क्रमान । सम्म क्या है। यो श्री श्री क्षेत्र के विकास के व दमानाम खबरानी

### (२५) जाणनगढ़ा अन्याखन-मठे प्राथाननायाः, ८७१: मास्, ०।५६।

बनादन वक्ष्मुकभूषि छोत्भाबारणव रमस व्यवास । ३००-- ३० रामी ओखानकर-वान, शोनक्षरतान समार्थकीर

(२৮) विक्र श्लाकीय यह---कार्याणय द न्त त्यां विश्व वस्तु वस्तु होता । इक्ट -- वया शहर विशेष क्रिक, जीक्ट वरण वस मो**शक्षप**्रवण्यक

(२) द्वाप्रामभाका अभवाक्षय त्रक्क--- अक्टारी खी श्रावारमादम

## কুমিলায় আর্থিক ছর্কশা

কুমিরা । বাবে বিভিন্ন স্থান ছইতে যে সকল সংবাদ, পাওয়া। হাতেতে, ভাগতে জন্য হাইতেতে যে ঐ ভিন্নায় আৰু তিব আবি ছাইডি ছবংডা উল্পিড ইইয়াছে। া কাইজি দিলের মনো বিশেষ জন্ত প্রথমেন্ট অর্থ মণ্ডুল ক্যিণাটোন কিনা, ভাগা জালা যথে নাত। ক্রমি খালের জন্ম পর্বেশ্যেশি মেন্টের নিকট অনেক দর্পান্ত আলিলেওে। স্থান্যনামণা ও অল্লান্ড জিলান্য যদিও খুলই সধা কিন্তু জন-সাঁশিবি জীবন্যান্য নিকাতেল অভি সামান্ত উল্কেশ্য ভলিও সংগ্রহ ক্রিডে পারিভেডে না। অল্লিক স্থানিত আন্তর্ভ ইইয়াও লোকে এন পাইডিডে না। মন্ত্র খুলই সভা কিন্তু মন্ত্রাক ক্যাভাবে উল্লোগ্য প্রতিভ্রেছ।

মন্ত্রণীর ভারলেকের অবস্থান খুবই খারণে। ধরী ও দরিক সমলাবে কই পাইলেডেন। চুরি ভাকাতি ইদ্ধি পাইতেডে। ফৌজনারী ও দেওয়ানী অনেশত এক এক ব প্রিয়েক বইরাজে।

অনেকস্থানে গোকে একবেদা অভার করিবেছে। আনেদে জনাথারে গাকিলেছে। বিধা বেদি অপবা অন্য কোন প্রতিষ্ঠান ক প্রায়ত গুড়ানের সংযোগ্য কোন প্রকার কাষ্য অরম্ভ করেন নাই।

## ৰ ালনায় ৭ জন খুৰক শেপ্তান্ত

বাস্থান গোলেন্দা প্লিশ গাস ২০শে জুন কংলেন্ড ৭ জন বাসালী মূলককে স্থোপাৰ করে। প্রাকৃশি, ই মমাস ভাষারা ৰাগ্নাপাড়াতে একটা চাউবের কলে ভাকাতি করিতে যাত্রা করিয়াতিক।

২০শে জুন তারিথে তাহাদিনকে কালনার মধ্রমা ম্যাজিটেটের নিকট হাজির করা হয়। তথ্য ভাগার নাকি এই মধ্যে অকারেছি প্রদান করিব হৈ যে, পাধারা করিয়াটে। তাহারা ইহাল বলিহাছে করেছি ডাকাত করিয়াটে। তাহারা ইহাল বলিহাছে বাল্যা প্রকাশ বে, ডাকাহির দ্বাল ভাহারা ৭ হাদার টাকা সংগ্রহ বাল। ই টা তে ভাহারা একটি মে ট্রগাড়ী এন করিয়াছিল এবং ডাকাছি করিনার মন্ত ই মে ট্রগাড়ী বারহার করিছা।

ধ্বক্ষের মত্যে ও জনকে হত তে র,পা হট্যাতে। এই লকের স্পাধ্বের প্রান্থ আগ্ডেল নাক্ষি চল্পন্ন বিরোধ তথা হল্পার ক্ষান্থ কি

## (नां) जातना मामना

পরিত্র প্রাপ্ত লাস্থ্য নামক এক ব্যাকির নিক্ষেণান্ত্র বা পরিত্র প্রাপ্ত থার ও করিছেছে ন্তর্মপ্র করিছেন করে। টাকারে লোট নিজের ও করিছেছে ন্তর্মপ্র করিছেন কেন্দ্র প্রাথমিন আল, দি শালক ইলাপেন্টর করিছেন কেন্দ্র ১৯০০ স্টেটর হৈতকোঁ জুলার প্রেরিখে মানিক এলা পানার এলাকার ১০ ২০- নিংকিছরকাশ দ্ব বেন্দ্র পরিত্রের বাজীতে লানা দিরা গার্ম রক্ষ্মিন্তু রক্ত করে। পানা গ্রাম করিয়া প্রাণ গৃহ একর পাম ব্রীক্রেক্স্করতে অনেক রক্ষ ভিলিম্পার উপ্লেশ করে। পরিক্রাক্সকাশা ম্যে গাে বি নির জিন্দ্র ১০, টাকালি ক্রিটি জিলাক নির্দ্ধিক ভিলাভ পরিবে। আর ও অভিযোগি এই যে, পানা গ্রিবেশ স্মান প্রিভোবের নাতা জারপ্রিক্রিক্সাক্ষ্মিন ক্রিটিলিক ভিলাভ প্রত্রের

দিয়া পণাইবার চেটা করিয়াছিল। কিন্তু পুলিশচ্ছু দেখিয়া সে গলাইতে পারে নাই। পরিতোমও পণাইবার 65টা ক'রমাছিল কিন্তু পুলিশ ভাষাকে দরিয়া ফেলে।

২৪ পর্বণায় দায়বা আদালতে এই মামলার বিচার হয়। জ্বীশন স্বদা্থতিক্সে আদা্মীদিশকে নিদ্দোধ স্বাভ করেন।

ভাতিরিক্ত দাসবা জাল মিঃ কো, এম, মজুমদার জুরীদের স্থিত একমত হলতে না পাছিলা মাম্পাটি হাইকোটে জ্যোবা ব্রোন্

বিচারপ্রি মলিক প্রপ্রাটার্যন উভয় প্রেক্তর কথা শুনিয়া প্রিভোগকে ৪ বংশর সভায় এবং অরপুণ্ডক ১৮ মান্ত্র কার্যালভে বভিত করিগছেন।

## মেটির ছুর্ঘটনা

পত ১১ই আনত বেলা ১১ট র স্নণ হা ওড়া রাম্যানপুরে এক ভীলন মেটোর ছখটনা হইনা নিয়াছে। ঐ নিন
ছইটি লাখক যথন রাম্যান্থার ঘটি হইছে গ্রামান
ক্রিণাটা রাজিটিল, তথন একটি মেটিললার হা ৬৬। মলদা
করেল মরিবাটো মোড় ফিরিবার কালো ভাগানের প্রীকানকেই সাংখানিক হবল লগে। দেখলা ভাগানের প্রীকানকেই সাংখানিক হবল লগে। দেখলা পাসাম হয়।
ঘানী বেলোকেল মত্যে বছ (ছেলেটা মারা যালা। লোটটী
ক্রাও গ্রামানপ্রাণ লাভে ছোলার অবস্থা বছই আলক্ষা
লাক। তাভ্যা মানা কালের একটি দারোয়ানের প্রাণ

#### िक्रेलिडेन कार्यालदा माना ब्हान

ভিন্থ বিশ্ব ভ্ৰতনৰ ত রাজ গুল স্থানিম বির প্রথ নেতৃত্ব ত ট ৰউন পালে একটা অন্তরেশ পাল একোতি ত করাল হ'লে জুন প্রতে ত টু বউন কাগ্যলয়ে সানাজ্যাব হয় এবং ই প্রের প্রায় ত সংগ্রাকপি প্রথিষ হওলত করে।

## কাঁঠান সনারে জীতন দান

সংগ্রহি প্রইক্লাড় ১০০০ ১০ মথ্যে বল সংকাদ গা, এল গিলালে যে ডাই-ক লোক এক কাঠাল চোলাল মধ্যান করিছে নিয়া কুড লার আয়োতে লাবা নিয়াছে। প্রকাশ, মেড লোকটার তেকটা কাইখে চুরি বা প্যান্ত বে সেই ইন্সাল নিম্নেত করের অভ্যান্তর কবিতে করিছে প্রেক্তা তেনের ব্যান্তর প্রান্তর্গর বে ভারান্ত করা হিছা এটাকে বলে বলগানিটা গুলিবের বে ভারান্ত করা ১৯০০ ১৯০০ বে একড় জন্ত ১৯লা বলে আমি বাঁটালোর নাম ও জানিস্কাল নিডেডি। ভার গর তাহাবিজের মান্ত্রেক্তা রাগ্রহণ রাগ্রহণ বিজের

কার্থার নেই কারারা চোর ভাষাকে ভাষার ঘরে বরাইয়া কারোগের নামন্থ্য করিবরে অজুহাতে বাহির, ছইরা গায়। বিছু বা পর যে পিছন নিক হহতে আনিয়া দেই পোনেটাকে কুছু লাঁ দিয়া এমন এক আমাত করে যে সেই আ্রাণ্ডেই ভাইরে মন্তক দেই এইট্ছ বিভিন্ন ইইয়া মুলা। এই শশাণে ভারায় ইইট্ছড়ে ।

## নৃশংস হত্যাকাণ্ড

সংপ্রতি গল্পে নগরে এক নৃশংস ঘটনা ঘটারাছে।
রহিয়নয় আমক এক ভরকারী বিক্রেডা ম ারাত্রে ছুরিকা
ভারা ভাহার পঞ্চলশ্ বড়ীয় প্রজানার আলীকে ন্সাংঘাতিক
ভাবে আহজ করিয়া ভংপরে ভাহার জীকে ও আহছ করে
এবং সর্কালেদে ছুরিকা ভাহার নিকের বুকে বসাইয়া দেয়।
প্রজান নংবাদ পা হাং রহিমকে প্রেপ্ত ম্ব করে এবং ভাহার
আহত প্র ও জীকে হকরভগঞ্জ হাসপাভাকে পাঠাইয়া
দেয়। বালকটি পণিমত্যে মৃত্যুমুধে পভিত হয়। ঘতনুর
কানা নিয়াতে ভাহাতে বোগ হয় জীরে চরিত্রে স্কিহান
হংয়া রহিম ঐ কাণ্য করিয়াছে।

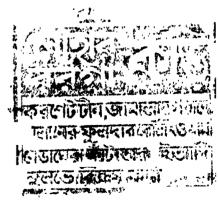
## মহাক্সার অনুসত শ্রেণীর • দানী রকার প্রতিশ্রেতি

অভ্যাত সম্প্রদায়ের ১৮ জন প্রতিনিধি ২৬শে জ্বন সন্ধাকালে মহান্ত গানীর মহিত সাক্ষাৎ করিয়া ভৌছাদের অভিযোগ সম্বনিত একথানি আবৈদন পত্র প্রদান করে ধ্বং ধাড়ওয়ার, নানিক, বোখাই প্রস্তৃতি ভালে ভাছাদের গুইতি প্রভাব মৃত্তের কথা গোলে টেলিল বৈস্কেব অধি-বেলনকালে প্রতিকে প্রনণ বর্ণিকে অন্তরাধ করে। বাবভাপক সভাওলিতে ভাষাদের হৈ ভা স্বতম আদন রাধিবারও দাবী করা হয়। উক্ত আবেদন পত্রে ভাছাদের সামাধিক ও শিক্ষার উন্নতি বিশ্বনের নিমিন্ত ধ্নী বাজিধিশকে প্রবোচিত করিবার জন্ম উন্নত্ন বাক্রিত প্রভাব প্রিত্ত অভ্বেধ করা হল্পাতে।

আবেদনের উভ্রে মহাত্মাণী বংগন, তিনি নিজেই একজন কাডুদার। দেশের মতিগতি অস্থরত সম্প্রদায়ের অস্থকারে পরিষ্টিত হইটেডতে এবং কার্গ্রেস ভাষানের মুক্তির মান্ত বিশেষ টেইট করিচ্ছে। মহাত্মালী ভাষাদের নিজেদের মধ্যে অইনকা দুল করিছে বংলন। পোল টেবিল বৈচকে ভাষাদের, অব্ধার আগতি কল্পে তিনি ম্পাসাদা টেইট করিবেন গ্লিয়া প্রতিশাধি দেন।

## বর্নীয়ানে

বজীত প্রাক্তেশিক ভিন্দু সমিপ্রানি বজার প্রাক্তেশিক ভিন্দু প্রিণনীর সঙ্গানিক জানবে শন নের জন্ম শ্রীয়ত সভীজন্ধের্মন্ত্র বছরমথের বিন্দৃরতা হইছে সভাপতিপদে মনোনীত প্রমুদ্ধেন্দ্র আবাদী ১৮ই ক ১৯বে কুলাই ভারিবে বুড়ুমানে এই সাম্মানীর ক্রিবেশন কর্তা



| Tag | 1-1



trespectation श्रीकृष्ट ale sie >/ नाक क्लाम ३. इंकिंग्ड गार 7'58 1



मागायाद हात र्मा श्रम दिवस বাশিক 🗻 वाशाधिक ८ क्रिमामिक २५० गामिक 🔍 2517 প্রতি সংখ্যা ,৫

ভাষতের শর্কাত অঞ্স-প্রচার—শদীরা জেলার একমান্ত মুখাপ্ত

সন্দাদক— শ্রীভাতীক্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচস্পতি COPE BU 502म मध्या

জীলৈক্তসামান জীলাম মাহাপুর ১৭ই আহাড় গ্রহম্পতিবার ১০০৮, ১রা জুলাই ১৯০১

## নানা কথা

1x

## অনশ্নের তীর জালা श्रीटनाटकर का ग्रह्मा

নোয়াথালি সেনবাগ পানাব ওলাক: बीम दर्भम ध्वकि आंच इहेर हास्थन দেজু আত্মহত্যার সংবাদ পাওয়া গিয়াছে। ख्याच **लाएकत किस्स छ**ायिक एशा ट उनिक्छ ब्हेबाइए। ध्ययान, प्रतियोध থানার অফুগ্র ব্দস্পুর এমেনিবানা সিক্লার মিয়ার পত্নী ছরভাত্ গত ২০শে জ্বল তারিখে ভাঙাদের কৃটাবের মধ্যে डेपकरन आधारता कति।(७ । हुन। ক্লালোকটির স্বামী একছানা ক্লাণ, নিজ आदम काया कृषिहित्य मा शासिया क्यारमञ् कार्या कतिया व्यर्थ (शांकान शांनरम त्य ক্রিপুরা হিলাম প্রম্ করে। জার **भव्य-८**भाररभव क्रम अर्थापि ८ श्वत् করিতে না পারয়ে, তংগার সী ভিন দিন অন্তাধ্যে পালে ৷ জমাগত অন্প্রের क्ला मह कदिएक मा लाहिया हाउँ टालिसी व्यायाकका क विद्यादि ।

## कुक्भगटन महिना अधिमनान का भिद्रशाम

७०८म सून च्याय त्य शकन गरिया ম্ভিণা স্পিল্নীয় অথম অবিবেশনের অভার্থনা সমিভির मका (अमेरिक स्ट्रेशन, जानातम दक्षी প্রধানী, বরা স্থানী বৃহস্পতিবার প্রকাশ ভারতবর্তে এতান্তিন ক সংভাগিত বৃতীণ अद्वास सम्बद्ध । ...

## ত্রীলে কের আত্মহত্য

রুফ গরে মহিলাসন্মিলনীর অধিবেশন

## উদার্নোতক দলে দলাদাল

আমেরিকায় নির্বাসিত ভারতথানী

## মেদিনীপুরে জমিদার নিহত

বারশালে ভীষণ ডাকাতি—২২০০ টাকা লইয়া প্রস্থান

## জন সাহ্মনের পদত্যাগ

মারাট বড়বন্ত আসামীর মুক্তি

## বুলসরে মহাত্রা গান্ধীজী

माजात विशिक्षा के र---

( > ) काशी अलागना भागिक भरेन, (२) मध्यभगेष भिन स्ति कता. ७) निविधा

## আমেরিকায় মিকাসিভ ভাৰত্বাসী

আনে বৰুৱি প্ৰিটা ক'জেনেৰ স্কা স্থানীর স্বান্ধরেগাপাগ উট্টেন্ছলে, সভ্গেতি আর্ত গৈলেরনার গোধকে ্ : এনগমেন্ট -এচ বার ও পুর্বের মন্তই

অস্বীক্ত হয়গ্রেন নিম্বকে নিজামিত এবং মহত্রা পারার वश्च विशा वर्गा कतिगाटक ।

্যুক্ত হোষ্য ১৪° বৰ্ণায় পালে ভারতবধ পরিদান কবিল বাদ নৈতিক কারণে আমেরিকার যুভারাজ্যে আল্লয় র্ণীশ রাচনুত তাঁহাকে बाहेग, शिकान कामार्कमार्डन ্যে, উক্ষার অভীত কাখ্যাবলীর কথা অরণ ক্রিয়া ভারত গ্ৰণ্মেণ্ট তাঁহাকে, ছাড়পত্ৰ দিতে স্থাত नरहरा बीवुक रियाय व वास्तरहरू ८४,

র ড নৈতিক কন্দীনের মুক্তিন্ত গ্রেড অবিষ্টন চুক্তির উপর ভিত্তি করিয়েই তিনি ৬ চপতের জন্ত আবেরন করিয়া-

## এश हारता थांड बड़ा बिरक्श

গ্ৰাহ ২০লে জুন্যখন দিল্লীতে মামগাৰ अनाना . 5 विष्ठिकित. त्मर्वे मध्य सनीव हित মন্ত্র হটতে এক ব্যক্তি--সেণ্ট্রীকেন কলেনের শিতীয় বাহিক প্রেণীর ছাত্র নলবছ (সং এঞ্জার কৈগাসপ্তিকে লগ্য কলিয়া পাছ**ৰা নিক্ষেপ ক**ৰে। তেপ্ৰভাষ ত্থন বাকীর কাঠগড়ার ছিল। সংহ হটক জুতা ভাষাকে লাগে নাই। পুলিস ছাএটিকে গ্রেপ্তার করিয়াছে।

## মেদিনীপুরে জমিদার নিহত

মনোল পাওয়া বিয়াতে গভ ২৭লে জন রাবে মেদিনীপুর জেলার জনৈক জমিদাল ব্যেক্ত্রকণ **পাল ও তাহার** অফ্রেটি ন-ন গ্রন্থ গাড়ী চড়িয়া উচ্চার, প্রীক্তির ১৮ িভৰ্ন অভিমূহে আত্ৰমৰ ইটাত্ছিলেন, -মুন্দুম্য কেবা কাহারা উহোব পাটা আক্রমণ ক্রিয়া উচ্চাকে ও ভাচার আর্থ্বীগকে হত্যে করিয়া কেনে। 🔑 🤭 1 চালক অভি কটে প্রাণ বাচাইটে ১৯৪ इद्देश्टिह। शृष्ट कशिएात ५ फीर्राय ভ্ৰান্তগুৰাৰ এই সহত্তেই ধেৰা সময় বাস করিতেন এবং কংনার কখনও চাম্যারেল দেশের বড়েটিত বেড়াইটে যাইটেন।

र्कालक वार्याच्यात निमित्र माना ভাগ প্ৰত্যেৰে লইয়া আদা হ**ইয়াছে।** 

## শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

## উष्ठं ইংরেজী বিদ্যালয়

## খোলা হইয়াছে।

অভিজ্ঞ ও আদর্শনবিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে
কাতি মজের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যয়ে সুন্দর বাসন্থানের বন্দোবস্ত হট্যাছে। খান অতীব সান্থাকর।

সবিস্তার সংবাদের ভয় নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্ত লিখুন। সেক্রেভিটারী, ভাকুর ভক্তিবিনোদ ইস্টিভিড্ড্ শ্রীচেড্যমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

## —৫১ বংদরের প্রতিষ্ঠিত<u>—</u>

ক্ৰিপ্ৰালহো প্ৰস্তুত ব্টীকা দাণ শুক্ৰমারণা, স্বপ্ৰদাষ, কোঠনাঠিত, স্বৰীৰ্ণ, ধ্ৰম্ভন প্ৰভৃতি কত বোগাৰ বোগ নিরাময় হইচাছে ভালা প্ৰকাশ ক্ষিণে বড় বড় পুতক হঠণ পড়ে।

### रेड्रा

সকল গুড়ুছে বাৰহার চলে ও সমান ফল প্রদান করিয়া **থাকে।** প্রতি ক্রিটার ৩২টা বটাকা থাকে।

#### কেবলমাত্র

প্রতিকোটার মূল। ১০ এক টাকা। ইংর নাম **'আছেনিএই** বটীকা'।

অগ্রাথ ঔধধের তালিকার করু পত্র লিখিলেই পাটবেন

আধিছান:-ত্যাতক্ষনিপ্ৰাই উন্নালয়

২১৪ নং বছৰাছার ট্রিট, কলিকান্ডা::

## কাবরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



মকংখনের স্থাবধার জন্ত ৬ আঃ শিশিতে ঘনীকৃত অবস্থার ছোটবোড়লের াসমপরি উবধ ডাকে পাঠান হব, ইহাডে ঔষধের কোন পরিবর্তন করা হয় নাই। মুণ। প্রতি শিশি। শুআনা, পাইটা। পি আনা, বোডল ১০/০ আনা।

অফিস-১১নং উল্টাডালা রোড, পোঃ স্থামবাজার, কলিকাতা

## यपने यक

ব্যক্তিকান্ত কৰা ক বাজুনিকান্ত, ইল্লিড্ৰপজিত প্ৰান্ধ কালাকে অঞ্চলীত, বৰ্তকান, দাবাংগানা, বুক বন্ধ-কালান, অনিয়া কাছতি অক্ষণ সভা নিৰ্দেশ আনোৰা হয়। বলা, বীৰ্বা, মেথা বুকি কালিক অভিনীয় ইনিক। হলা ৪০ বলা ১, এক টাকা।

শুন্ত ক্রি প্রতিশ পুন্তবাৰি হোগে বাজনােগ বাজা আনােগা ভাষা অভিসন্তা বহে। দুলা ২ ভালা ২ টাভা ? শানুস্তালাবিলাে জিন্দী ব্যক্তিকা<sup>77</sup> বীবালায়ণ করত সভাবনভি বাজী ও বুলি বাজিত অভান্তবাঃ দুলা ২০ বটা ২ বন্ধ টালা। আহুবৈত আন্তিনান্তাভালী, ক্ষেণ্ণবাজী ০ ২৭৭মং হাজিসৰ বাভি, ক্লিকাভা।

## शरेष्णानिन

কা কোবর্দ্ধি রোগ

ভাঃ এস্, এন্, খোন বিনা অল্কে, বাৰক্ষীৰবের গাায়টি দিয়া বৈহাভিক প্রশাসাতে কোবসুদ্ধি গোগ আয়োগা

कविता शास्त्र ।

क्रियांना---अर कडेन होडे, वस्त्रासात्र,

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

পনর দিলে সম্পূর্ণ আরোগ্য

বোগী দেখাইতে করণে। অগ্রিম পাথের গণাচ (যাওয়া এনং আসার क्रे পাঠাইখো গিথা রোগ্রী দেখা হয় অথবা এখানে আসিলে গোগী দেখিরা ঔষণ দেওয়া হয় আবোগা না হওয়া শগাস্ত পারিস্রামিক দিতে হইবে না। গরীব রোগীদের খন্ত বহন করিয়া চিকিৎসা করা হয়। বিভাবিত নির্দ্রের ক্ষন্ত এক আনার ভাক টিকেট সহ নিয় ঠিকানার অস্থ্যমান

শ্রীশনজ্ঞ উক্তাল, যক্ষা-চিকিৎসক, োঃ নৈক্ষী, ব্যালাল। অপুনা নিয় ঠেকানায় সাক্ষাৎ ক্রিণা বিস্তানিত জালিকে পাদেল।

শ্রীষ্ড রামগোপাল দত্ত এম্, ৩, ক্লক্ষলগর, নদীয়া। শ্রীষ্ঠ হারগল' সিংক, ১১৭, বেশিরত্যালা ট্রাট, হাটকোলা, ক্লাকানা।

প্রকর্মানি পঞ্জ। অ মার প্রাকৃত্যুর গত চন্দ্র মান মানবং বাল মান্ত্রার কুলিয়া মৃতপ্রার বহরাচিত, কালকাভার বিজ্ঞা চিকিৎসকপণ জাগাল জীবনের আশা দ্যাগ করিয়া শেষ মৃত্রুক্তের লক্ত আপেন্দ্র। কাবতেওনিলেন এই সমর প্রীয়ত কিন্দীশন্তর উক্তিশ মহালয় মাত্র ২০ দিন চিকিৎসা করিয়া সম্পূর্ণ আবোল, করিয়া দিনাছেল। (সাঃ) প্রিয়তীক্ত কিলোর ভার চোধুনী (জানদার প্রালিয়া) হল দ্রীট্, নিউ বিভিন্ন। করণোরেশনা চাইং ডিপার্ট্রেন্ট, কলি কাছা।

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

भोजान 880

মাত্র ১/১০ ভাকটিকেট পাঠাইলেই বুকপোটে পাঠাম হয়।

ম্যানেকার- গ্রন্থলিভাগ শ্রীটেডখ্যমত, পো: শ্রীমায়াপুর, নদীগা।

اوجوال حم

## গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

-কার্ড-

खगाल यावडीत हागांत कार्या--

रण्डात र छिर, त्यस्या, कतम, बाम, कमिनाती तहक, निन काकुण्डिके समूब, विनादकत सिमञ्जन भवा, कार्फ, निनादकत भन्नते समूब,

আর ৩ বং ও ৪ হংখের কাফটোন রক্ট বলুন, সকল কার্যাই অভি নীয় চাপা কর, অপচ চাপাট্যার প্রচ বাজার অপেক্ষা মুল্ড।

व्याननात्र किह्न कार्यात कार्य। थाकिटन निम्नठीकानात्र कानावेटीवे वस नावेट्यम ।

মানেকার—গ্নৌড়ীয় প্রিন্টিৎ ওয়ার্কস্ ২৪৩া২ নং মাণার সাবকুণার বেছে, মলিকান্তা।

## শ্রীল প্রভূপানের বক্তৃতাবনী প্রথম ও বিভীয় খুক

ওঁ বিষ্ণুণাৰ ঐ প্রীনন্ত জিনিছাত সময়তী গোসামী মহারাজের সেই অবিজ্ঞা বিধাংসিনী জীবাস্থানগোষে।বিনী কৃষ্ণসাক্ষ্যকালায়িনী জীবতবানীর মৃত্তবিপ্রত্— বৈক্ষবস্থিতিত সম্পানার ভৌত্ত সম্পি—সম্ম অভিধেন ও প্রধাননভাতের স্থিতিত্বসমূহ। ভিক্ষা একজে ১৮০ আমা মাজ।

## ্ শিষ্টাচার

একারন পদ্ধতি অনুস্থন করিয়া স্টির लाककारण इश्मकां एवं भन्नभूगामग्री ভুমিতে বিচরণ ক্রিয়াছিলেন, উহাই পরবর্ত্তিকালে পুরুপশ্চিম সাগরবারি দৌত व्यानमुज-विमान्त श्रापम ভারতবর্ষ। এই ভারতভ্মিতে সর্বতী ও দ্যবতী নগীধ্যের অভাস্থরে ব্রহ্মাণর্স্ত অণস্থিত। किक वर्षमान बक्कावर्र्यत व्यक्तिमानिभरभव्र মধ্যে হংসঞ্জাভিব আচার ব্যবহার স-পূর্ব ক্রেপ পালিত হয় না। ভার্যবীয় মূলসং-किनान तम्बक त्याचारातके स्थाति अतिहस क्षित्रराष्ट्रम, ले क्षित्र व्यक्तिको निर्देशनत निकार बका एउन विशेष अधिकान अधन १ व्यक्तिक बार्छ। क्रेड बचायरखन िकी। প্রতিনি আধ্যাবস্তবাসিগণকে দশবণ ভন্য অভ রামচক্রের ও অজা জানকীদেরার रमताग्र नियुक्त कवि. (ছिल्मन । अरे अक्ष' वरसंत निक्रि जनकृष्णत छ।न ध्रशनंत्र नहभाम । अभारम ममाजन धरणाव वणांक है। खेळाल्यात्वजन्य **कर महात्रारखन** धन्य ।-(學) 1

যাঙাৰা সনাভন ক্ৰান্ত্ৰ ধৰ্ম যাজন करान, फेलवारी आत्न त्य, खिंखगण ব্যতীত অপৰ অভক সম্প্ৰদায় যপেক্ষাদাৰী कर्षी ५ देह इक साजवनशी ८व्यो ६५०१८ वर्षे ভাকিক মাত্র। জ্ঞতিনিয়েনী ব্যক্তিগণ অন্ত প্রতিপ্রাবলম্ব অনগ্রের প্রতিকৃষ্ণ-চারী নাজিলগৃত ভাকিক বা অণিষ্ট। भै। हातारमत हैलामक आयात्रिकामी भकावर जन्मतर्थन वाहात मानाभिक क्यांत्र कें(क्)फिन्यक 'ख्यान' नक्षा आशान 79 | হ্য ।

भारक कृषिएक कानकी नाइपत । उक्रम প্রেপা জেন্ডা বুগ ক্টাডেই লাবতবর্গে অক্ষয় ভাবে প্রচারিত আছে। এই সাকে চানিটিত यूत्रमध्यतीत व्यक्तनिया (मा ८४ मानुत क्रमिएक अन्धिः इहेशारक, उन्हें अश ভূমি' নামে প্রদিদ্ধি লাভ করি।ছে। পারমাণিক বিচাবের পুর্বতা বা অগ্রভাব সীমা যেখানে পরিনিউত ভাব লাভ ক্রিছিছে, সেই মাগুরম্ভল লাকেড-মওলেরই উন্নত নিচারে অভানত।

ও জানকীনাথের সেখনকারী উভয় সম্প্র- বাব বে বিপুর চেষ্টা করেন,--এই উভয় দারই 'শিষ্ট'নামে আখ্যাত। একাবর্ত্ত- প্রকার বিচারই শিষ্টাচারবহিভ্তি বলিয়া ্লাদিগণের কর্মনিপুণ্যে শিষ্টাচার বা শ্রীনিধবৈষ্ণবরাজ্যভার প্রচারকবর শ্রীজীব मनाष्ठांत्र व्यागायर्कतं व्यानाया । व्याजा-नामक व्यासम्बद्ध स्रृष्टा गांड कृद्ध सर्गद् । व्यानात कतिवाह्न। হংগঞ।তির মৃশ্য উচ্ছেপ্তের বে কিছু বিকার

## **बी शिश्वकरशोद्धारको क**श छः

141 -

## দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

## নিতাপাস্য বৈক্পৰাতাৰহ दिशासि समस माइड-माटश्रत कक्किय नामगाडा সময় ভারতে একনাত ফুল্ড দৈনিক পারমার্থিক পত্র

শ্রন্থান মাশাপুর-১৭ই আমাত রহ্পাতিবার -১০০৮

উৎপন্ন হটতে আরম্ভ ২ই ভিল, ভাগ ক্রুকবিলা শিষ্টাটার প্রবাহন পুশক প্রান্ত প্রজন-কথা অন্নসরণ লক্ষাজ্ঞ প্রাক্ষানের ধায়াই বিটোম একাবেকে কবিদা উঠিকের মলোভানের হালা ভারচান্ত্র স্থাপিত হইয়াছিল।

11 ছাকী বলিয়। কল্পনিপুণ বাঞ্চলা ইত্যালিতা মান্ত্ৰী নাই— একবাও ম लाउन ६६ . ७८ हैं से। ষ[ সমত। ार्ड डाल्ड इडाल श्रास्थारिक **क**राट्ड नक्ता कि कि छैद क्षित्र । को द क्षेत्रिया, एकोर्ड ক একা মাপ্রতি হয় কথা দিলাতা এতে পরিবত।

এক্ষনতভ যাতিন্দ নহাদার্থী ঋণি करमंत्र हेन्स् देख्या अभिन्ति अकार्याकान

हिन्द्र तक्यान अवाद्यार स्थानित व सूत्र श्री प्रा अक्षिको अधिकासम् अधिकालमा কার্যার অবস্থ অংগ্রেন।

मान्द्रगाद्यंतः (माहेशिन्त सम्वर्ग सन्दक्षमः कृति, । भामा १९ - ८४) हेव निगामितिगरन्त्र । क्यांन क्षण ८ ५५ (हैसा- )

আছও ঘনদৃষ্টি অনিনেচক সম্প্রদায় है। ध्योतस्य करक दशकामत क्येनक धनि-বাদী প্রচারকভানে, 🕮 প্রশারনাত্রক শ্রীমাধাসপ্রদার : জ বিপ্রাথ-জ্ঞানে যে সাম্প্র মায়িকতা আবোপ কবিনা থাকেন এনং তৎ প্রতিক্ষে অসাচীন সম্প্রদায় শ্রীগৌর-প্রীরাধাখানের ক্ষনকারী ও শ্রীকানকা স্থলারকে শ্রীনাধাসাধান বহিতু ত করাই-গোশানী আচার্ণাপাদ প্রকনগণের স্থাপারার

শ্রীদাস গোস্বামী প্রভূতা শ্রীনেত্যানক बीर्ज शामभावण मन्त्रनाइ व छ एसारिका 🗐 ५० पत्रमहरूप (P2) 3 77 6A ५(१८) ६) है। द्रम छश्तम ५छ(नत् अत्राकात) - । 3:14 F --- 80 B अन्यक्तरहरू । मागक " शहां मधान

কিলাশ কা শুদ্ধ বৈশ্ববৰণ হীর। ভার্মন ।

এই শিহাদাৰ লক্ষ্যন কলিতা অশিক্ষিত্ৰ ব্রীন্ধাবেদ্রর আইশ্রেম্ ব্রত্ত হত বত 😁 🤚 নম্মান, মীনান্ট গ্রন্থত গ্রন্থতা আদিশীকে শোলি ও জা বলা কো মেটে শিলাভি মত প্রচাল করিখারেন, মারায় পুলোরার था किंछ अर्थन्य छेशि ति । ६ ८५१०० बाक कर कर्रामानिएक अवस्थित का कारम परिणान প্রাচ্চ কবিবার বাস্থা ক্রেন, উচ্চ বিধান্ত্রিপদ্ধ ৩ নাই ব

ভত্তিতিকার আর্থের আন র--- প্রত ন্ত্রীব্যবিধারবাজসাল। ন্ত্রীবাসন্কর্মান, শিস্তার স্থায়ে পুরাম। ইফা কেংখনান ইটিউটি গ্রিকান ব্রিমান। আনাব ক্ষালার-প্রদেশস ম্পুরম্পরে ক্ষেত্রের বিধন্তি এবিদ্যাতিক সত্ম বহিত এই চন্ত্রে সক্ষাত প্রভেত ইংট্রেছ। ক্ষণ্ড বিভাগ্নে যে লা চাইত ধৰিসা পাকেন।

> ও প্রেটিডবিচার প্রবল কার্যা, যদি ক্রক্ট্রক, চরিয়ের উন্নীত ক্রিব্রে উপ্নিত্র স্থান विवृध्यमवाश्रद्धांगर्भम् जतः, काममात् हन्छः, হইতে প্ৰিত্ৰাণ লাভ কৰেন ভাৱা ২ইলেই ুনী ডিগ্ৰাই তাং শিক্ষা প্ৰত গল্প হা ভাগাদের অশাস্থ চিত্র জাগাভিক কক্ষনৈপুলা। কাংবাবে বিকেশ চসংগ্রাণ ইইলাছিল। পরিধার করিতে সমর্থ হইরে। তথ্যত্ব বস্তুবার বিষ্টা মন্সভোলাবে প্রধ্যেক্ষার, ভাষারা ধীর, লাক্স, শিল্পাচারবস্থ «ইলা বেদ । প্রসংগতিলো এবং উপস্থিত **ছারবুন্দের** বিহিত আচাবোর আসনে প্রতিষ্ঠিত হইবেন, । অটা ক্ষণগ্রাতির চইগ্রছিল। ७९भूटर्ब नहरू।

## ঠাকুর ভব্দিবি নাদ ইন্ষ্টিটিউট প্রিদর্শনের মন্তব্য

পুৰীর ভূৰপুর ভেবা-ম্যাজিংইট जाग्रतार्थाणत जीत् । भरमारमाञ्च तरा महास्त्र জীধান নাগপুলক ঠাকুর ভতি বিবেদ हेनहिडिडेंड फेंक टेर्नको निकाल। १९१-দুশ্বস্থাক গাতা মন্তব্য প্রকাশ কবিলাছেন, চাহ। নিয়ে প্রকাশিত হরল,---

Visited the Thakar Bhakti-Institute to-day. It appears to be an Educational Listitution conducted on right lines as, unlike most other schools, the ed wation imparted here is not of a parely secular nature, divorced from religion, Its main object is to give the audents a good grounding in religion, and morals. The authorities in charge of the Institution are all highly religious men and eminently fit to be the teach is of youth.

To-day in the school I had the good fortune to hear an e trainely into extine and instructive discourse on the important and highly appropriate subject of "Brah na harya" which must be edifying to the stude its who who present.

I come the pract that this Institutem which is efficiently managed by highly qualified teachers may have a useful and prosperous career

Sd. Maya nobah Roy Kai Bahadur U. Magadiate (Retired)

षासुनाम--- या शान्त । श्रीतानाम-গ্রাঞ্চিত্র । বিজ্ঞান্ত এল বিস্পোল্য বশ্ব পঞ্জান শিক্ষা স্থাতিক ও নৈতিক শালিক এম প্ৰতিত ৷ উক্তেখেশিকা প্ৰচত কল, এই বিসালয়ে এসকল বিদি তাংকালিক মাধা। বিজ্ঞা কোন ধ্যানবজ্জিত আধান লা কিন্ত প্রকার্তিক স্কৃতি ঐ সঞ্জ বিভিন্ত সংস্থাতক শৈক্ষানার সেওছা হল না ৷ াৰনকালী সামাজিকখনকে শিষ্টান্ত্ৰ ইয়ার প্ৰকৃষ্ট উলেগ্ৰ গৈছাখিনিং ক এক হুদু প্রতিষ্ঠিনা ব্যাস আনুষ্ঠানে । এক নাত্র হৈ হাত আতিষ্ঠিত ব 🕬 া ব্যন্তব লৈখা এখান করা।

বিহাসয়েৰ ক্রুকোণ সকলেই প্ৰম বছ শাশায় অণ্ডিছে শ্বনিছল অ অ গ্ৰহা ৷ ধ্যাতিক এণ যুগক্ষিণকে ধ্যা ও নিতিক

অল এক্ষামে সধ্যে একটা নিব্ভিশ্য

এ বিভাগহটী অভিশয় স্থাক ও ওব-আহী শিক্ষকরন্দের যারা ধ্যার্থক্সপে পদ্ধি-

## देवनिक मवीशाध्यकाय-भातमार्थिक भेख [ वर्ष वर्ष ५०५ स मश्वा]

লালিত ইইতেছে দেখিয়া আমি অত্যন্ত আনন্দিত ইইলাম। এই বিভালযের স্বাহনি উন্নতি এই মহলই আমার একান্ত প্রাথনীয়।

Z1: -

২০:১:১১ ( শ্রমন্থোধন রায়, রায়বাধাছর (শ্রমধ্যপ্রাপ্র ডিট্টিক্ট মণ্ডিট্টেট

অধ্যক্তিদায়িক উতিবৃত্তি সহিত সংসাক্ষিধায়িকের জুগনামূলক

## धादावाभिक भावग्रा

( 'জীন' লিখিত )

1 21 1

ভ্যান্থ ইন্টা হত্যান করিক এরণ মানুরার রাজন্মন নালি ভালন গেইছার-বৈক্ষর স্থানের প্রার্ভ করিছাছে দেহেছা ধানকেই স্থানার কি প্রায় মানুর্যার মহিত ইন্টারিকালবান স্থানন স্থান কলে ইন্টারিকালবান স্থানন স্থান কলে ইন্টারিকালবান স্থানন স্থান গার্ভক মনে কানে। করাত লগানে ভিনি আহিয়া মান ন্রেন, আন্নেন্ট্রির স্থিক্তর ভাভ ব স্থানে প্রিকাশনক্ষ । ভালিকাল্য কিছেন ক্রিন্ট্র হ্রান স্থান্ত্র ভাভ ব স্থানে প্রিকাশনক্ষ । ভালিকাল্য কিছেন ক্রিন্ট্র হ্রান

ভাবে কল কাল বিভন্ন-

अश्रद्ध कोलको, श्रद्ध ४०३ त्रको। ०५१८२ লাকত। এমশঃ পুশীনকটিতভারপ্রাপ্ত পুষ্পার প্রাক্তান্ত । রহল র সময়ে জী লাগ বচেটা চাইচালাকী,সমত ভগ্রদ্ভান, মালা-বৈক্ষান, ভিজিমান্ত ও প্রেম কেন্ত্র অস্ত্রুর करन ही न्यान असान असे श्री श्री अध्याकाभित भगरत कालका आकार दस्या । त्रविता, श कावत कार्य কালকল্ডলি বিব তি ইইটে আরম্ভ করির ইন্দ্রন্থার আন্তাম্পার্থন সম্ভান প্রশান काहर प्रथम हुन्य । है। बचा श्राह्म । वे जिल्हा ক্রমে প্রা-পুশা সংখ্য নিক'ডত ১ইর কণাজ্ঞান ৬ ৮ সা সকাৰ প্ৰায় ইম্পা. (भोजक शतक राज्यक व्यक्तिम । श्रीप्रमुख-ন্তাভু বৈষ্ণব্দক্ষের গেবন ভিড়েলভাব যে নাম-প্রেম, ভার্ট কাজিবের প্রের প্রকাশ सर्विकार्यका । श्रीमान मधीयन हा अवम ভাস্তাৰ ধন, ভাষা কি আর কেই প্রকাশ ক্রার্যাভিয়ের গ যদিও শাল্পে ছিল, তথা পি ভারেরবিভগত হা এটা আহা! শ্রীময়তা-लाक्ष हेन्स कहेनान। भूटन ८ शमसमा**लाहा** কৈ এর পভাবে কথনও বিভারত ভ্রমান ( 37 ?"

উছলি প্রেমবঙ্গা চৌদিকে বেড়ায়।
প্রী, বৃদ্ধ, বালক, ধ্বা সকলই ডুবায়॥
( চৈঃ চরিতামূত )

এইজনাই শ্রীল রূপগোস্বামী **প্রভু** বলিগাছেন,—

শ্বনপিতিচনী চিবাৎ করণারাবভীর্গ কলো সমপ্রিকৃষ্ণ এক্ষেত্রসাগ্ স্বাচ্চিত্রিয়ম্। ২০জ প্রটক্তনার্ডাতিকদন্ত্যনী ভিতঃ সাগ স্বাধ্বনারে ক্ষুব্র বা শ্রীনক্ষাং।

ক্রিন্ত্রপ-স্নত্ন প্রভূষণ এই **জন্ট** কর্মেড়ে প্রথম করিছে ক্রিডে ব্রিগ্র-ভিব্রেন্

নামে মহাবদানাম রফ্টেগ্রম্প্রদাগ তে। কথায় রক্টিভনানাকে জৌরভিয়ে ন্যার।

এবেন মধাবদান্যবিধ্য ভগরান্ জ্রীগৌরজন্মবের রপানকটাকসম্পদে সম্পতিশালী
নাটরভাতগেলর মধ্যেছা বন্ধন করিছে বিদ্যা নিবে শাঘনপ্রের জ্রিল জানোধানন্দ্রবস্থতী গোধান্যবিধ্যাভিদ্যান

কৈবল্য নবকা তে ভিদশপুরাকাশ প্রপানতে

ছক্তেছিকক্ষল্যপ উনী পোষ্টেক ইয়েছে।

ि गुर्ग छ शक्त विश्व स्टब्स्ट स्टब्स्

ত মহার্ভাক

বহা কাকন্যবাট্যত বৈভাগৰতাং তঃ গোরমের স্থেমঃ ॥

কান্ডিক তার স্থানত প্রিভারন প্রক অন্তর্গালিকােম্বরি, প্রেল্কল্ডক, ক্রিপ্রভারতিত শ্রীক্ষণীচ্ছক্দেশের

সহকারে এনশা আগ্রিত হততেতেন। স্থাতিত হত্য সহস্তভ্য বিপ্রিত হত্য স্থাতিত এই স্কৃত্যান্ত আগ্রেম কলিকা, পরে এই ট্রাকিলিডভাবে নিল্লাভারের প্রম প্রেম কলিকার কলিকার হার জিলাল বিভাগের কলিকার কলিকার

নতথ নিশা ছে-ক পদ্রেনিগভা গাই ১ ককেশতমেলক এনীয়ে। ১০ মানক সক্ষমেন বিশ্বাম স্বাদ্ গৌনন্দ্যক্ষরতাে ক্রাভাস্কাগ্য ॥

## "मांशी कात्र"

( डोग्डा अवर्ग (१८))

সংবাদপত্তির স্তন্তে আনবা প্রায়ই বন্ধনক ট্র মন্ত্রান্তা আমারিগকে স্বশ্লাধন দাগা চোবের কুর্কীর্দ্তি জানিতে পারি এবং করিবার হল এই নানিক বন্ধাওকারাগারে লোকসুথেও সক্ষদা ভাহাদের নিছন্তি আন্ত্রি শ্রীমণ আল্ল দ্বারা পূর্ব শান্তিসমূহ অভাবের কৌতুহলক্ষনক কাহিনী শুনিতে প্রদান করিতে পাকেন। সক্ষশক্তিমান পাই। একলে দাগা চোরা শক্ষটার একটু প্রধান্তর ইন্সিভফ্রমেই ভাগার বহিরজা ব্যালি পাইতে পাইতে নাহারা পিরিপক্তা করিছা লাকে করে অগ্রহ যাহারা প্রিপক্তা আ্রহন। পুন: পুন: ক্লেশভোগে বহিন্দ্রােশিত না হইলা সক্ষা চৌগাকক্ষেই শ্র্পভান্তই জ্লন্ত্রন্তি পরিশোধিত হইলা

লিপ্ত থাকে, তাহালিগকেই 'দাগী চোর' বলা হয়।

কোন কোন দাগী চোর সমস্ত জীবনের মধ্যে অসংগ্যবার সরকার বাহাছরের আরামদায়ক "বিশ্রামাগারে" বিশ্রামন্থ উপভোগ করিয়াও পুনরায় স্থবিধা পাইকেট অপহরণ-কৃতির পরিচয় দেয়। জনসমার্কে এফক বছ মানিজনক কথা শুনিরাও ভাহার কিঞ্জিয়াত সভলা বা ভংগেব উদয় হয় না।

জীভগবানের পালপ্রদেশাহীন আমরা আপনাদিগকে জনাতিপালন্পর ও মাধু পথাংলধী মনে কার, যদি কেছ আমা-দিগাক উপ্রিটক শেশীর প্রাচাড়ক कति । 'माभी दुधात' अध्यक्त मान करतन. उत्त কেমন্ত ? কোণে অধীর হইয়। তং ক্ষণাৎ হয়ত আমতা মানহানিব মোকজুমা উপস্থিত কবিব। গক্ষসমূর্যন্ক(নী ট্রাক্সের মান্দ্ৰতে উত্ত অস্থাবন্কা বভাৱে অপসত कोरतार केन्द्रे 'किन्नि' स्विति। किन्न िर्मित सुरुक्ष च पुरस्क्ष मुख्य वार्टेश यनि অংমবা বউমান বিরুগান্<u>যার প্রতি লক্ষ্য</u> কবি, ভবে দেখিতে গাইব, আমধাও পাকা ए लिए हाल सिंब भार निष्ठही स्टि. सामान দায়ী চোৰেৰ স্ফিত আন দেব নিল্লাখ্ৰ भागका भारो । हेशल (स्थानकार्य भागक সমাকের উপ্রেগেস্থারী ইইটে কিছু কিছু অগত্তৰণ করিন। মিজে লেগ্ড কৰে, জাৰ নৈতিক প্রিচালেক্টা আন্তাপ্রম খ্বাট পুরুষ, সূর্ব সেবা মানবের জ্বপ্রার্থত ইন্ট্রিয় ভোষণালে বস্তুত্তিকে স্থ-স্থাপে আয়ুসাং করিয়া नि:इन्हें 🗒 अध गाडिशाडि कामाध्यक्त मामाध्य उद्याग शतम भुका कर्पदश्चित मित्रामन नगश्चिक অধিকার কবিবার চেপ্তা কণিতেতি। ক্রওয় পুরতেন দাস যদি প্রাভুর সম্পর্যত অধিকার कतिल बरम, इरव अधिमान अङ्गारमत প্রতিব্যুতি চল্ডাব্যান কংবন না কি ? নিভাষের। প্রভূপ সেনা বিশ্বত ইইয়া ছীবণ ত্ৰা বিচশতঃ আমধা ধ্ৰম আৰু বজ্ঞ বিভ धनित धन्तात्रात कृतिहरू गार्डे, यश्र ভগতামধাৰ গৰিবটো তড়েনিবেশবার इक्ष्मिनेश अनुदि तशन्त्री वहेला हैत्यू.-लैंद्रिशानित्सन निष्ठ व्यवहरून कतिता मार्गत পুরা করিবাপ ভাষানশান মগন মাতাশ তুট্যা পাচ, ভগন্ট ক্লাবিশ্বত জীবের त्रक्रम्क ही गहांग्या आगिक्शिक स्टब्स्सम कतिरात वज्ञ धर्वे मानिक वश्वाधकातावारत আন্তাভীয়ণ আগ্ন দারা পূর্ণ শাস্তিসমূহ প্রদান করিছে পাকেন। সঞ্চলব্রিমান वर्ष्ट्रिय श्रीरात नक्षमकश्रीकारण निवासिक অভেন। পুন: পুন: ক্লেশ্ভোগে বহি-

আত্মহৰ্দণ। সথকে অভিজ্ঞান লব্ধ হয়, ইহাই তাঁহার তাপ ক্রেলানের ভাবপর্য। সন্ত, রজঃ ও তালাযুক্তা তিখেন্দ্রী এক্তির ভোডাভিদাদী বৰ্মনীৰ আমরা সংসার-কাগায় আসিল উচ্চান্ত নানা প্রকার ভূষিকার চৌনালীলক যোগতে জমণ করিয়া অবর্ণনীয় माज्या भारेट हिः বাসনানগৃত্বভুগ্রের লেলিহান অধিশিখার নিগন্তর দশ্ধ হইতেছি. ক্ৰিবয়ণিষ্ঠাগতের পুতিগদ্ধতুক্ত বিবাক্ত বালে নিশাপ রোগ হইয়া আসিতেছে: अञ्च कामनामान्यी भूनः भूनः भूमाचार्डत দারা আনাদিসকে অভিনাদত করিতেছে; তথাপি দাগী চোৱা আমাদের চৈতজ্যেদ্ব হয় কিণ হায়, লক্ষ লক্ষ বার মাতক্কিতে প্ৰসম্পায় প্ৰতিধাতনা ছোগা কয়িয়াও ভাবত চৌহাম্পুহা পরিস্তাার করিতে शांतिरहर्षि ना । अनेनीत शर्छ वामकारण স্থ্য নাসে কেন্দ্ৰ কেন্দ্ৰ ছবিপাদপ্ৰ বিমুধ-জীবের স্কৃতিবংশ আত্মকত অগ্রাধের শ্বন্ধ হয়, তথন দে জত জাক্তিশ্ৰের শহিত হলিভয়নের জয়ত দ্রপ্রতিক হইরা লোদন কলিতে থাকে, শ্রীষ্ণাবানের সেবা-পরিত্যাণ কবিয়াই যে এই প্রকার ক্সমুন स्ट्राह्म एक एकान किन्नमधी इन्नेग्रह, এড়ক কতেই না আংগেপ করিয়া আত্ম-সম্প্রের উপার িস্তাক্ষের। কিন্তু অমিত क कर्मालनी महत्र्वकित द्रमन्त्रे मान्द्रश প্রভাব, পুমিট ইইখার সঙ্গে সঙ্গে কথা-লানে প্রিচ জীবের সেই বিশুরবৃদ্ধি কোন বৈশ্বতির অভেশ শুহার লুপ্ত হইয়। যায়। আনার সেই ভগবংসেশোগচারে লোগুণ দৃষ্টে ৷ সাধার ক্বতম দাধের প্রভূবিত্তের व्यक्ति कोम्पवृद्धिः। बाग्र, 'नानी द्वात्र'। ত্ৰি যে সতত চঞ্চল, অভচি কড়ানন্দ-লাদের লোভে অবদ ইট্যা ভিরন্তনন-শুঝাগণাশ প্রধান পরিয়াছে। নির্বাহিন নিড্যান্দ ধনের এক কণিকাও ভোষার সভা হইবে না। ডেনোর এ বৃদ্ধি কি প্ররাণারীয়া অবস্থাই শ্বাবণ করাইরা দি ভয়ে भा १ मधामक नाकित ऐकि--भानम প্রান্থির ভাশান্ত নাকি সে স্থরাবেথীর भारत करत । दा कड़ इश्वकामना श्रामिक হইলা নিতাবদ্ধ আমবা ক্ষুদ্রেলা পদার্থের আৰু সাঞ্চিয়া বসিয়াহি, তাঞা যে মৰ্বাচিকাৰ भक्तके ह्यानामग्रा भागादस्य ते प्रधानकत्त ভগৰবিশ্বত 'দাগী চোৱেম্ব' কি এত শাস্তি পাইনাও শিক্ষা হইবে না ৷ সে আর কড়দিন এ ভবকারাগৃহে শৃত্যলিত থাকিবে ? ভগবছকে সাধুমহাকনগণের শীচরণে শরণা-शङ्क्षेश करन काकुतालत मुश्कि अनिएड •माः। दावि ह्यासम्। देशम् <sub>स</sub>्थान् । दावि स्व दक्रम्,

ष्मनाथः काकदा त्वेंके कारण ॥'

## গ্রন্থ পরিচয়

## **ৰামন্তাগৰতম**

জীমনাহৰি ক্ষাবৈপায়ন বেদয্যাস-প্ৰণীত মূল, শ্ৰীমন-मस्ताराया-क्रष्टा कार्श्या-सिर्वरिका। द्वीयम्बियनाथ हळत्रही राकुत्र-क्रख नातार्थनिनी जिका, वक्राष्ट्रवान, मश्कृष्ठ व्यवत भ অতিশন্দ, তগা ও বিশ্বজাদিয়ক। প্রতি ফলের আদিতে त्महे बद्धत প্রতিপায় কথানার, অধ্যাবের প্রথমে ট্র অধ্যান্তের সার্রপই ভবিশ্বুত তাৎপর্য্যাদি শিবুত। স্নোকক্টা विषयक्ती, व्यथाप्रविवत्रण, शाब, ७ कानक्रीमक छेउम কাগকে উত্তম অক্তরে মুক্তিত। প্রাথম চইতে ১০ম ক্তম প্রয়ক্ত ছাপা স্পূর্ণক্রপে শেষ হইয়াছে। ভিক্ষা প্রথম हरेटड क्या क्या भगाच राजि ; सन्य क्या ३० ; \*\*\* B . 1

## এ এটেডভড্ড রিভায়ত

জীলীসম্ব কিবিনোদসাকর রচিত প্রমূতপ্রসাহভাল্য ও এত্রীমছডি নিধাত সর্থতী গোখামী প্রভূপাদ গোগত <mark>ব্যস্থভানের ক্রতি-শ্বত্যাদি বহু শাস</mark>ংগ্রমণে-সম্ভিত ¢ইয়া প্রকাশিত চইয়াছেন। স্নোকের দাব্যব্যাপ্যা, ব্লাগুবান s ্ত্রতাক প্রারের পুরের সংক্ষিপ্ত অভিনের সংলেছ্ডিভ। आष्ट्राक व्य गांव-आतरक कथाशांत (म इता व्यारक । (धाक. . প্রার, শব্দ, স্থান, পারে প্রস্কৃতির স্বরুষ্ঠ্য প্রচী ও এওকারের বিশ্বত জীবনী সমাধত এচকপ অভতপুরা সংখ্যাণ ইভঃপুরে কুজাপি প্রকাশিত হয় নহে। উত্থ কাগ্রেল গারিলাটোর সাইত পুল কেপরে মুলাংল মুদ্রিত হুইয়াছে: এর প্রায় acoo शृहात मुल्लात । किया वसमादन द्वास ।

### **ভাটেডভাড**াগবঙ

প্রমুক্তারের জীবনী, প্রতি পারক্ষেদের ক্থাসার, বিস্তৃত প্রেট্রে ভাষা, শক্ষ্তী, প্রার্থটা, বিষয়-ভান পাঞাদিন হতী, বিভ্রতী, ও প্রতি লোকের প্রথম ও এটার প্ৰত্য, প্ৰাকৃতি ৰিবিধ বিধয় সন্থালত বিসাচে বিভায় সংগ্ৰহণ পাদ र्वण क्रांडेन ৮ (भन्नी साकाता स्थापनीमा स मधात िकताकृत्व क्षाकृष्टिक क्षत्रमुद्रिकत्। काटम क्षाद्रम क्षाद्रम् ैक्टिन। व्याचार किका **६ एका, आ**वि मानात 1041 4

#### बीटेड खेशा भारत

এই প্রাপ্তের এরপ আভনব প্রশার সংবরণ আর কুতাপি প্রক্রান্ত হয় নাই। সংখত শ্লোকাংশের অবন, বসাপ্রনাদ, ভাষা, क्यामात, ७वा आकृष्टि मह चटल चटल आकार्तः इशादकता मुख द्याधा अकरत क्यां क्यांकेन आहित्यकी इंद्रमाकार्त हाला हदबारह । भूका २॥० छाका । असीवा প্রকাশ ও গৌদীদের আহকগণের পঞ্চ আত টাকা।

#### <u>শ্রীসন্থ</u>গবদগ্রীত।

-- शिर्तादीय देवकवाडाया व्यव्याङ्ख क्रिक्ट्रियाः शिविष्माय एक विदेशकृत एना या मिक्स मात्राभवित्। कामामणी के व्यक्तिके कि विस्तान है हिन व्यक्ति का निक-असे स्वास्त्र कार्याकामानाहका। अधारिका, साक्रकाकटम शाक-पूठी, विश्व-पूठी, शहकातात कीवनी e व्यवध्यानसाम ह-सारकाविका-मह खेरकह वीधाह है होता मृत्यत्र -- उह ताक !श्यारणार (एक) र. हाका माज, मानावण मेरकाण--- эн-का माज

## শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

ও বিষ্ণুপান জীজীমছজিসিছাওসরঘতী **रिगाचायी महादारअद** टमडे व्यविधा-विश्वः मिनी कीनाषायक्रत्रांद्वाधिनी क्रक-कार्थ्वानमभाविनी कोवख-नानीत মুঠ-বিগ্রহ—বৈক্তব্যিদ্ধান্ত-রত্তমালার কৌন্তভ্মণি—সম্প্রদান্ত বৈভববিজ্ঞানাগারের মৌলিক তথা—পঞ্চরাত্র ও ভাগবভের শমব্য গুক-- মহাজন-ভীবনচ্বিত-শিক্ষক --চিবিলাস্চিমাত্ত-. अठिवाछ-िछात्रक---धेवशः अभाषुगावस्यतः (योलिक भ्रवस्नुष्ते — স্বন্ধ, অভিদেয় ও প্রয়োজন ওত্ত্বে সিন্ধান্ত-সমূদ্র।

১। প্রথম অভ-বৈক্ষরদর্শ, প্রীও চত্ত্ব, কাল-भयं, बीमध्नानिकान, बीनार्यकामनी, भाकतादिकी मीका 9 दर्ग-विधात, व्याध्यम्य ७ महार्था, औरिष्ट्रकृत्मन । ভাহার শিকা, অপ্রায়ত সহক্ষর ও প্রাক্ত সহত্যয়, প্রাস্থাতি বিশোতি সংখ্যক রয়ে সুশোভিত। ভিজা মারে ৮০ সাধ আলা।

১। বিভার খণ্ড--ভদা ও দিয়া ভক্তি, ম্চুলের পোষ্টা কেপেয়, অন্তাপ নিতাপতি, তাঁদর স্থামিলাল ভ भागाताम, केंद्रिकीत-जिल्ह्यान-स्थातक, विश्वदर्शत सम्बद्ध कुन्नुव-कारून, दिलाभगुकाय दीमानगरत्वत कीरून, आर्जीन- । পামের মহিমা, মতাপ্রামাদ, আলোলিল, প্রীর্গান্তর্ভত্ম-लाया, जीवाको हराका स्वरानिकोई, श्रीहेऽ खटकार महार, ८०० तक वना इ. इ. क्षेत्रक — क्ष्युक्त अध्यक्त अध्यक्ति अध्यक्ति । इ. क्ष्युक्त इ. क्ष्युक्त अध्यक्ति । इ. क्ष्युक्त अध्यक्ति । इ. क्ष्युक्त अध्यक्ति । इ. क्ष्युक्त अध्यक्ति । इ. क्ष्युक्ति । इ. क्ष्युक्त しゅかしい 水本 ライポーンドルー

প্রাথম ও বিভিন্ন — চুল প্রও একারে ধ্ ্ৰান্থ ডাকো, ডাকে এলচ কাভাল (

### 💂 মন্ত্রগ্রদর্গী ভা

(१) होस-देनस्थ्यमाना नक-दन्यतः शिक्षायत्रम्य । वश्य-ङ्ग्पाक्ष । जाम । ज्यानहां कि निर्माण शक्र रतत्वाक्षण । तम-ভাগায় বিভ্ত 'বিধ্বরঞ্জন' নাম্ক ভাষাব্রণ। আবার-, ভাষাকারের জীবনী প্রাঞ্জি স্মলিত। াই, বাজনংখনত ( ভুতীয় সংক্ষরণ ) গ্রান্থের E < 18 fem 2, 5(4)1

#### প্রয়েরত্বাবলী

टीव्यक्करम् र विश्वापुरः - व्यक्ति देवस्थनमर्गनः सन्मक्ति छ তথাবিন ভাষণান থাড়বার প্রথম গ্রন্থ , উৎকট কালিতে ছালা। কবিওও টাকা ও প্রাঞ্জলবন্ধবাদ-সাহালো काकि मुश्रक राष्ट्रसम्बद्ध (साध्याम) धरेका पार्टका छिला [v • अभि] भेजि

#### **क्षीमनहीं भगवया वर्षा**

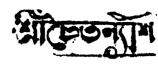
্ প্ৰমাণৰ ও ) সাপ্ৰধাৰ। । আতি-স্বাধানাদ এতে শ্ৰীনৰ-দীদের যে মহিনা কীন্তিত আছে, ভাষার মূল সংস্কৃত ও অমুবাদ। ভিজাত আনা।

### শ্ৰীন্ত্ৰীপভাৰতর্ক

শ্রীসাকর ভক্তিবিনােদ লিখিত। মুলাগত গাঁওাকাবে श्विक्रमात्र कश्वामि विषयक । किना। भाना।

## ভব্তিরভাকর ও মবদীপ পরিক্রেমা

প্রীল নরহার চক্রবন্তি-ঠাকুর-রচিত। ভত্তির্দাকর হটতে পরিজ্ঞাংশ নাত্র গৃহীউ; **শ্রিকীৰ** গোস্বামী কি त्यकार्त्त की नवधीलनारमत शात्रकमा कतियाहिएननः छोडाहे পতে ধিবৃত। ভিকা। ০'• আমা



🗐 ভব্লিবিনোদ ঠাকব প্রণীত। স্ত্রীট্রভ্রেট্রগতে विकालगानी--वक्त, कक्षणिक क तुन- वह इसक कीव--षातिका-एनगर्छम-७६---माग्न-मिग्न-**लर**ग्राधन-**७**६. कर्ष-কাও, আত্মাদির বিচার—বৈনী ভক্তি, ভারভাতি ও C. श्रम ७ किन्स व भाग छ कर अपन के विकास की ना-পরিচ্যাদি প্রথম শিক্ষাণীর উপ্যেশি কবিয়া সর্বা ভাষায় সমুদ্র মৃত্তিপ্রমান্সত বিথিও আছে। চতুল সংস্করণ বাধা २. छाका. आवास ১५० छाका माछ।

## গে জীয়কণ্ঠহার

উচিন্টে টীয়-বেশ্চনগণের অভ্যক্ত করে ধারণগোলা শতি বুলি প্রাস-পঞ্জার রালি সাথেছ-শার্মমূলের প্রমাণাললী विष्यति चन्त्रास्य मारावास क्षाकृतः। एवेश्वर विकात-সিদ্ধারের সার্থমন্য অত কুরাপি প্রকাশিও হয় নাই। ইচাতে প্রসত্ত্ব —ভাগব ৩— বৈষ্ণব — গৌর — নিংগানন্দ— कर्रेक्ष्य- त्राव-महिल- ५५'८ हम- १५'। - व्यक्ति खार उमार उम -- অভিনেদ্য----সংগ্রন্থ-- বর্ণাথ্য-- আল্লোন-প্রা- শুদ্ধান্ত্র — প্রায় — এট্রাজন ও প্রোধ-ভত্ত্তলি পুর্ণক অধ্যায়ে क्षाकर दशकाणि दर्जनर हिस्तहे अधिक कालदश द्वाक প্রাপ্ত প্রেল্ড ১০০ প্রায়ে সম্পূর্ণ । ভিজন ২০ টাকা মার্ড । 🔠

## खीलप्रष्ठे भाग-श**ण**ानती

क्षीमान र किरियान । शेरकत त्रिष्ठ प्रामाणिक प्रामान प्रामान মাত্রার স্প্রার প্রমাণ খণ্ড- শ্রীল এবং রিচকরত্ব াকরের ধাম প্রিন্মধেশ—ইনাম ন্বহাপ হবিভ্রমা—৮০০ গাত্রা প্রতি—্রিমং প্রবেশনপর্ভ নববীপশ্ভক্ম— শ্রীমছজিবিনোদ চারুরের আনব্রীপ্রভাবতর্গ আভ গ্রন্থ কেব ভিন্দা দুল মানা মাত্র

## শীহরিলামামত ব্যাকরণ

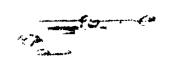
হীছার োষামী প্রভুণাদ-বির্ভিত ছত্র ও বুড়ি, ख्यम्ब केविकुलान देश्यप्रकिनिकाय मनवडी (भाषामा মহার্থেছর বিস্তৃত ভূমিকা ও হটী প্রভৃতি মহা অপ্রভাগেশভভাগে হলভ। ভিন্না ২, ১নের, হারালনের প্রে ১৪০ টাকা মাত্র।

#### (वर्गा ख अक्षमां स

च्यां भारता के के राज्या विकास के विकास है अने त्राप्त । (त्राप्त क्षा विकास है अने त्राप्त । व्यक्तित्वक व्यक्तिमान्याच्याच्या काठाला द्वारा (तमा क्षाना प्राप्ता) स উপযোগা कत्नाथ এह উত্তৰ कात्रशहासन हेटका नक्षाकृताम । ८ कोशानामि मन्द्रगामिष्ट क्या द्रवेशहरू नाम मार जिला ४० भागा।

#### শ্রীটেচভয়াচন্দ্রায়ত ও নবদ্বীপশতক

োরপার্যদ তিদ্ভী শ্রীমং প্রবোধানন সর্থনী এপিত युग, अञ्चलाम क्रिमम क्रिकिशिकां । गहर हो उत्पालाका प्रशासन স্ক্রাদ্র অধ্যান্থে ব্যাক্ষা ও বহাতুরার সংগ্রাভা নব্দীপশতকের জীভিজিনিলেন সভারের প্রায়েবাল ভ एएमइ क्षिममाद्यालाच्या एकप्री जिल्लाहिए अस्ति। कर् क्षाप्तक इंदेशारक । कुमल ७ , कालक क्रिकेंड ( २ माजा दक्रता । किका ५० थाना, स्मृष्टि केवमा वीभाई साक्रमान्यत । ः होका माजा



ভীমদ্বজিবিনোদ সাব্র-প্রণাত। তই একমতে গ্রন্থ-বায়ৰ জ্ঞান লাভ করিলে পারমাথিক রাজো কিছুতেই अक्षांस वा मर्बर शांकित्व सा। शत्रुम शुप्त स्थित्यक ए.हे-রূপ সর্ধা ও জন্মশাশী গ্রন্থ এ প্রান্ত প্রকাশিত হয়। নাই। নিধিলপোস্থামি-পাল-মডোদপি-মন্থনললে এই এপাড়াড किलाह इंडेशाइन। आवात श्रविद्युष्ट सूत्री, क्यामात बंबा कि बाबा निरमध ममुक कथा क्षेत्रारक। तिनाव अन. (मानाव करण भाग (लवा, छेरक्षे देशाई -5जूबे भावत-जिलार, होक: मार्गा

#### প্রেখানিবর্ত্ত

अभिनाशाक्षकता अञ्चलक लावंश क्रील क्लामानक व्यक् বিবাহিত তেই প্ৰক্ৰে অভি প্ৰবোধা ভাগায় নলপোল ক্ষতিপয় লীলাসত গৈক্ষপাত্রি, একাদশ ও নামভজন-दिवश्वन इंटडल इन्होंभागमा প্রশালী প্রভাও অনেক দেখিতে প্তবেম। প্রতিক্ষে ওরত স্থানের বিশ্বপ্তি ও স্বস্থতীগালের স্প্তে মন্ত্রিপশ্তকের স্থাতিও প্রান্তন্ত্র। এঞ্জন্তার প্রিচয়াদি-স্থাগিত চাচুর্থ সংস্করণ ভিন্তা। **४० अ**(न) २७८।

#### ভজনবচস্ত

क्षकाकारीत निकासकी ; शेकुर छक्तिस्मासन । ला माम : निश्चित गाइकत निकाम । अक्यानि ना एन व কেছ ৰ্ফিটেছ প্ৰবিবেদ না दीय मध्यतः १७५५

#### হরিনামচিন্তামণি

নামানাগ্য খ্রীন হরিদান ঠাকুলের মূথে শ্রীমন্ত প্রে জীনমে-মাছাত্ম্য, নামাভাগ, নামাপরাধ প্রাকৃতি বি-তের গালখীর বিচার, প্রধান করিয়াছিলেন। এই বিগ্যাভাগিব অং ১ সরল প্রাবে স্থানিপু আশ্রেম্ছ পরিপাটিভাবে মুলিন্ট ही। इकितिरमान शक्त विका शक्त

#### কল্যাণকল্বনুক

প্রীমন্ত্রিক বিদেশে সার্ব-র্ভিত। প্রতিক ভিগ্রদ-ी-मामी e कामशाशत शांभाकत दकान खालाङ नेस क्लारकारिका श्रीकृत विश्वास । सामान स्वयानका काला ল্প্রান্ত এটা ভ্রমনর জোল প্রতিস্মূতের স্বারা স্থানপ্নির্ভি ० ज्यानः स्वता लाज कतिवात स्वविधा शाहित्य। ११ সংক্ষণ, ভিকা 🗸 । সানা মাত্র।

### শরণাগতি

শ্রীময় ক্রিবিনোদ হার্প্ত-র্ভিত। তথ্যমে আ্যান্মর্পন, বৈজ্বি, ভদন্লাল্যা, মঙ্বিধা শ্রণাগতি ও মিদ্ধি ল্লেয়া विभगक भी अपूर्व, जिल्हा / • आना मा ६।

### **शि** डावली

শ্রীঠাকুর ভব্দিবিনে ৮-প্রবিত। নিজা ভ্রুমন, আরাত্রিক ও প্রবাদ-শেবনাদি-বিভাক মধুন গাঁতগমূহ একত্রে প্রপিত। १५७१ ८० भागा माज ।

## **बीनववनका**क्रम

विशायक अभूके हैं स्थानि । श्रीम विश्वनाथ । इक्त वहीं श्रे कृत-বিবাটিত রসপ্রায়। ব্রীমছতি বিনোল ঠাকুরের অঞ্চলাদ-বহ তিক্ষা। আনা মাত।



শ্রীমনাহপ্রেণ্র শিক্ষাও শ্রীল রঘুনাণ দাস গোস্বামীর প্রতি জীরপ গোসামীর উপদেশবাণা, ভারুপথের অম্বর্ ও প্রতিকৃণ বিবয়ে গ্রাবচারিত সম্মোদন ভাগ্য, বিশ্বত বিবৃতি, চরিতায়তের ওয়েশে, সামম ব্যাখ্যা ও মহাজন-গুণীত ততপ্রামী গীতমমূহ প্রত্যেক লোকের স্থিত স্ত্রিবেশিত ১ইয়াছে। ৩য় সংস্করণ ভিজা 😿 শালা

#### ं गाम्ब-कन

শ্রীবৰ্মাণ দান পোস্বামান মনংশিক্ষা, শ্রীণ হারুর । अक्षित्रमाम-कालाह अक्षाग्रनामगढा । विकास ४० व्यामा ।

### প্রেমভক্তিচ জিকা

জ্রীল সালে নলোক্ষের স্বাহাদি প্রেমছ ডিবিলয়ক शुरुनत्र १९४। १७४६ - १ वस्ति स्थि।

#### बर्घोशम् ५ क

ভिका रे बाना माव।

#### অর্থপঞ্চক

टील (लाक्षिमा ब्रांक्ष । ) देवकाना-भारत आक्र भुष्टक । विकास भाषा भाषा ।

### সদচোরস্থতি

<u>किल प्रश्वाह था। अभित्त दिवस्टतत निर्धाकष्पास भना जेतः</u> नली. तक कराम मुख्डिं। डिका ८० वाला माहा

## মণিমঞ্জী

कतिक्वरक्षती श्रीमवात्रातानानाम विच <u>स्थापना भर</u>ा ভাগোৰ সংক্ৰিপ্ত জীৰন্তাৰা ভাতুৰ বেয়ালব্দামত। স্বায়া বৃদ 'ভুলায়**। আলোমার**।

### दशीतक दश्वालय

ार्जन कवि है। त्यारिक एक्ट खना है। है। त्योवाच राहत्य বিথা-মাৰ্লিট মাওট ১৯ ৷ কিন্তু ৮০ আনা ৷

### যুক্তিমল্লিক। ( গুণসৌরভ )

জীনপ্ৰসম্প্ৰনায়াভূগত শ্ৰীমন্তিরাম স্বানিক্ত। বন্ধাপারে মার্ল্ডল এই প্রন্থের প্রকাশ পরেমানিক সাভিত্য-জন্তত एड अक्ट क्षाप्य । क्रीयवाश्वराधार्या कडाइ स्माक्ष्यां राज्येष মধ্য চাল্য নামে আতে এবাৰিরাজতীপ স্বামা এই এতে शादातः गुण्डि । भौकिक छात्राञ्चमादा किक्रम छन्द्रकारक ভিত্তিবিধ্যান মতবাদ সমূহ পঞ্চ করিয়াছে, তাহা পাস কবিতে করিতে আশ্চয়ানিত হহতে হয়। ইহতে যুক্তর शता ठालाक, देशन, त्वाक, भागात्मक । भागातामिमछ-সমূহের ওপর পঞ্জন রহিয়াছে। ভিজাম টাকা মান।

#### (भोषाभी औल तग्नाथ माम

(ও বিকুপাদ ত্রীণ ভাজিবিদান্ত ধর্মতী গোম্বামী প্রভূপদি-লিখিত ' ভূমিকা নহ ) গৌরপ্রেট স্বরূপ-রূপের একনাত প্রিয়তিই শীল দাস গোখানী প্রায়য় য়পুরু চরিতানত ও শিক্ষা জাতীৰ প্রাঞ্জণ ও সরল ভাষায় স্মিবিঃ এবং পরিশিটে দার্নগোমানী প্রায়র বিরচিত কর্তকটা সামুবাদ মধুরতম তথে ও মনঃশিকা-স্থলিত। ভিকা বাঁগাই॥ আনা, খাবাগাই। 🗸 আনা মাত্র।

## চিত্ৰে নবদ্বাপ

প্রাচীন নববাপের অবস্থিতি, তথা, ঐতিহ, ল্লোভ ও ঐতিহাসিক প্রমাণসম্বলিত নম্বটী দীপের সচিত্র বিবয়ণ-अष्ठ। ताजिथि ता छगारण्य कृषात चौगुक भविष्ण नावात्रण রায় এম. এ, প্রাক্ত লোকোর), বেগাগুড়বণ মছোদয় কণ্ডক সম্ভলিত এবং ৪৭ থানি বিভিন্ন বর্ণের অপুথ্য চিত্রে ও মানচিত্র-গমরিত: প্রাচ্যবিভাষতার্থি রায় সাহেব জীযুক্ত নগেঞ নাথ বস্ত বিশ্বকোসসম্পাদক মহাশয়ের বিস্তৃত ভূমিকা সহ। উৎকর (ইং ) মরজো বানাট মুশ্য ১৪০, ভিঃ পিঃ তে २, छाक भाव।

## माभक-कर्भगाना

'अन्यस्मा, रेन्यव-राममा, रेन्यव्यान्त्रा, भागारमा ग्रीष्ट, শ্রীনাম্চট্ট, শ্রীমনাহাপ্রান্থর অঠেশন্তর্গত নাম, অইপ্রাহর नामको छन, श्रीनामध्यीकन, (श्रीमध्यमि, 'वाजिशमधीक, नवर्शभागिका, विभागाधन मिक्रमा, श्रीनात्राखमनळाइन खडेक चाउत्ता नर्नेन, यहत्तायांत्रीन चर्क, उल्लाबक्तिः आका. প্রতিক্র ভিভিত্তিন্দে রাজ্ত স্থান প্রতেখিন্দে , উপদেশমধ্যে নামভ্রম প্রবাদী, মহাপ্রভু ও রায় স্বামানন্দ शंकात, बन्धंनिया, बियक्श्वाह, बियक-भन्नाता, मध्यात्त वर्गा अष्ट्रियात्क अधिकशीवसान विकासामा, বৈক্ষরগণের ক্সানিত ভূবনী**মালার ক্যায় অন্ত**ক্ষণ 💛 शास्त्र १४ अञ्चल अस्त । रिस्का (लेन, नेशाहे ॥ व माज ।

#### গোডীয়-গোরৰ

कशिकाताच अधिकि व्याचन है अस्य देशों वीस सम्लासक अंभिभाग रान्यवानन अर्था भागविद्याम आगन्न बक्नांशत विभव टाइकारत व्यक्तिक। बेटाटड ट्यांड्रीय देवाववन्य्यनाद्यव राधिकात राजात अलिक व्यवस्थ । विकास के बादा

#### গৌড়ার দাহিত্য

কলিকাভার ওপাসিদ্ধ আলবার্ট কলে গোড়ায়-সম্পাদক শ্রীপাদ স্থনরামন পরবিভাবিনেদ্রান্ত জাদর বকুতার বিষয় গ্রহার প্রকলিত। ইহাতে স্থিতি চা-প্রের অর্থ এবং दर्भा ऐ अन्तर्भा हर हो जा ति तथ ए अकारत दर्भित अध्याद्य । जिल्हा iv · সালা মার।

## শ্রীগেট্য প্রক্রমা-দর্পণ

श्चीरशोष्ट्रां एत तथ राय सक्त जारम मुश्रीकृत श्रीमनार्थ া এবং তদশ্বর পরবারী মহাক্ষমণাণ লীলা করিয়া বিয়াছেন, 🛊 (२.३ भव आधु: ०० ८ छोटनालिक श्रीत्रध्य छ (५ नविडाङ्गाणिक) পরিচয় স্থায়াতায়াটের প্রবিধা নির্দেশ ইভ্যাদি বিষয়গুলি সন্ধিৰেশিত আছে। ভিন্তা । আনা ।

#### THE HARMONIST

#### OR SHREE SAHANATOSHANI

बील शंकत जिलानिताम-शांतिष्ठेक ध्वर खेल जिल-মিদ্ধাস্থ্যরম্বতী গোষামী প্রভুপাদ-সম্পাদিত পার্মার্থিক মাণিক পর। একণে ইংরাজী ভাষার জ্ঞাবিংশ বর্ষে ডবলকাউন ৮ পেফী ৪ কর্মা আকারে প্রতি থারে হরি-नारमज विकत-रेवकथ्यी महेबा छेन्डिछ स्ट्रेट्टछन কাগজ, মুদ্রণ-পারিপাটা ও ডিত্রাদি মতীব চিস্তাক্ষক ध्रके श्रकात छेरहरे श्रवक भाव (कान मानिक भजाबिए ८५विएड भारेरवंत ना। वादिक क्रिका फाक्साक्षणपर 🔍 हाका माज।

#### श्रीबिचान -

**बिटिन्डग्र**न्ठ, त्थाः द्यामाराया नमोबा

TO THE PART TO YES A TO STATE OF THE PART OF THE PART

## বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভাক্তমঠসমূহ

## শ্রীতৈত্ত্যা মঠ

#### আকর মটরাজ

श्र हीम अवदील, खाक्यत क्रियाम मात्रालुत, समीता

জীয়ভাষোগালীয় ভব্তি লায় ৩০ সম্ব উদ্ধান-প্রে জীরজপত্তমে আচার্যায়ত জীচন্ত-(मध्य-कन्द्रन क्रिक्टिकक-मठ विदासमान ।

এট স্থান সাধ্যক্ত- বীর্থ, পরবিষ্ঠাপীত বা সাত্ত ভজনত্বলী । এট মচা নীর্বে ত্রীকরি-माभाग वारक वार्ति - (नवासमध्व, वार्तिकात सक्षाति कावा, नाएक, सवदात, स्था क्षमान-देशी- वह-मै 51-एक- 18 म- 6 केट्रिय मार्थन पु मार्गालना धार कराय के .গারাজ-গান্ধ মার্কা-পিলিবর জ নাছত সাম্প্রদায়িক-আচার্না-চড়-র ভারাদের উপাত্ত 'मश्रद्ध । (क्ष मिका दानिक वरेटलट्डन । वह मश्रदात्र भारमाथिक देवनिक्यक मायल मच्छामारक्ष क सकामक क प्रशामित अवदानिक श्रामान कार्यान वानाव প্রাক্তিত করবারেন আভবংসর স্থান্ম-প্রিক্রমান্তরান র করাণ্ড ভক্তরোটিন্ত ভীরেন প্রচারমুগে মধামণে ধেবালি ভাজাল অভ্যতি ভালা পারে। বক্ষাক---রক্ষচারী শ্ৰীপাল এতচব্ৰিক্সী। সঞ্জালী-- শ্ৰীপাদ বিলোদনিধারী ব্রহ্মতারী, পণ্ডিক শ্রীপাদ পোরদাস सक्ताती कायावारकप्रवादीर्थ, अलाम नीत्रक अवताही, अलाम मन्मालालाल अव्यक्ताही, कि अधन्यन अक्षाता है। श्रीक्षणन शालान अक्षाती, करू नरतक, धारलन, द्वनकी स्थाबन 선기가 가해하시키 (

াঁরগাংগুপামা আনম্বন্ধি প্রদীপ ভীর্থ সভারাক্ষ কর্ষানে ছতিকপঃ কীপ্তন কবিছেছেল। একচারী তাভতি ।

## তে। যোগগাঁঠ ঐমন্দির

DE BIN BERRETARES BAN 41 ীম্মাণ পভূর আবিভাব-ভূমি মুগ্রেল্স-लोरे । उत्पादन जीनकी शिका । मेरिक 'आश्चान शिर्मोननामाध्य ध्वर शिरेत स्था a Beinigema fant ent ger Biem-মাপাছর পোখানী কট্টচোবা আৰু ইটরসা-नाथ। मर्कावी अनिकालिक अक्रामी. शिवासाबित्स का क स्थान श्रीवासमाथ अक-करती । श्रीमाननमांश आणि शाही, (मनवापा I DEFRIGE

### (8) **এ**বাস-জন্ম

্ প্রথমতা প্রান্তর ভীক্তল-বিশাস বা শ্লিগৌরশীশাস বাসস্থলী। এলানে ঐতীংগার-रक्षांच्या के श्रमकृत्यंत्र (मना नक्षमान र इक् ०--- श्री शाना • के वन बक्ताती ।

#### ( ८ ) चार्ट्सफ-कवन

वाहे कारन क्षेत्रदेशक शासून अवन वादर CPI 232184

इक् क- श्रेषादेव अध्या प्रधानिकाती, किर्माक्ष्ममाम नामाकी ।

#### (७) काळोड मधावि भ.हे

चाडीन यानापुत्र, नामनपुत्रत् (मदीवा) (श)श्रृष्णाताक क्रिडेश्य काश्री : समासि । त्रक्षक --- अक्राती कैनियाविश्वादी ।

### (4) WINW WWW-72

क्षित्राक्ष्य, प्रक्रभवत ( सर्वेश र ।१८म खेर्विक्रमाय श्रेम ककिनिश्माकशक्राक्रप्र मानि क्या क्रिजीक्समायक क्या क्रिक्रीमाथा-।वटबंद दमना वर्षमान

**२५०-- ७ किन्नु एवं कार्यात अवकारी १०५०-- व्यो**शायक्रक अववागी, शक्षिणी बन, बन, बन ।

## ं ৮ शिक्षश्रामा श ८ नो हो स अर्फ

মহম্নসিংক (

उक्त क---- द्वीर्यक्रवत का केलान्यों क्रम, क्र र्वि, ज्ञान, महकारी--- 🖺 देखान 🗷 😘--नाशी. अप्रिकासम् वाधकाती आकृष्टि ।

## ( > ) खीदगात-भगागत-वर्ष টাপাঙাটী, সমুদ্রগভ্য, ( বস্কমান )

ইং বাণীলাথের প্রাশিষ্ঠিত গোরগদাশন হ কিবক্তি প্রদাধিলী সভা, বালির টি ভাকা ्मना । त्रक्षक--- व्यादित्रताम् अक्षात्री, कक्ष Plainthe win .

## · ১ • ओक्र**न**्गोसीय-वर्ड बारामझ, शबाम हडे, शि ८क क- - तीक दिलाम उक्काती, महकाती--ही। भारत्व प्रत विकास है।

## ( ১: ) और मामकामहात --याक्षणाह, काश्रम्ब, न्यूमाय। 🕮 ामित राद ठाकु व बुन्धावत्मव क्राम ।

रण - में न्हरिकाती बक्रवाती. ७क मीनमधाम १

## ( ) २ ) कार्यन कार्यन ची -ागव ७ (त्या", क्रक्र-मद्द, नशीका।

কাপৰ ংশিছাল গ্ৰন্থাৰণীৰ প্ৰচাৰ-ক্ষেত্ৰ। वक्त-- व्यक्तिकानम अक्षाती क्रांक्नाडी

## in retere (oc) (शामिल्युन, कामबानी, नशीया ।

- ছিলাৰ ব্ৰহ্ম কৰিব। প্ৰীপ্ৰপাৰীৰ দাৰ্থিক। ক্ৰীপ্ৰেশাস্থাৰ ব্ৰহ্ম চালী প্ৰীয়াদ্বামক भ्रीमञ्जूनाथ भाषा, जरू विश्वनाथ

## (:১৪) श्रीमाथ्य-८गोणीय मर्ड

>•मर अवावलूब (ब्राष्ट्र, हाका। भूषांबद्धक क्रांब-(क्षां, क्षांदिक खोषक-रनोशक भाष्या-भितिनद्वत दनमा वसमान । व्यवानम् नविकाविदनाव वि-व, अवाप-

## ( ) 🗟 होत्राजी इ यह

उक्त सामित्यमात ठळावयी हैति, (m: नाजवाकात, कशिकाका । क्षियामान नि. ta. B...

💂মন্ত্রহা পড়র । প্রচারিত স্থানিত্তর ভক্তিগড়-প্রচারের দেবে পোড়ানেলের সম্ম প্রয়ান মধুরী কলিকাভায় শ্রীক্ষিবিনোদ আসনে শ্রীম্য প্রাক্তি কলেচনা এই ভক্ত मक्याबाटम के क्य-त्यांबाक-के विद्यालाभक को छे मल संक्षा के छ। वात । त्याचीर আচার্থপের বাবভীর প্রস্থাবলীর প্রপ্রাক্ষেত্র প্রাক্ষ্ম প্রাক্ষ্ম এমটা প্রকাশ ব্রালয় সংখ্যাতিক কট্যাচেন। পুলিবীর স্থাত খ্রীলোলনার প্রচারার এল ব্রাক্ত इंडेट्ड 'शोधीय' माखारिक मध, जि. क्याबिक्टे माधक माळका संदासी काराव মির্মিডভাবে প্রাকাশ্র কর্তেছেন। শ্রীমতে পাত্র মর্মারন, সংগ্রণ চার্গ্রন বর্ণছ 🗬 মত্তাগৰত, প্রতি ১৯৮-চার ভাষু হাদি-শীলা ও • বহাত্তের স্নাক কালেচনা ৬০০ পাকে। মঠরক্ষক---আচামাজিক শ্রীপাদ কৃষ্ণবিহারী বিভান্ত্রণ : সহক বী---প্রিক শ্রীপার অন্তর্গাঞ্জের পর্যক্ষান্ত্রণ বি-৫, লীপার প্রার্থবর্গারী ব্রহণানী, শ্রীপার **क्रमञ्जाल कामाधिकाठी वि-ध. जीलाक क्रवर्ट्यालाल कामाधिकादी, एक्रहाती** শ্রীকীর্তনানন, ওক্ষতারী শ্রীপারোমে। একচারী শ্রীম বনন, পরিত .. 47-1-5% भक्षरिकाणकाव माल्यवादिय अवाहाया. श्रीक्रवश्रकानमः मानिकारी निकार Sect Spir वकाती वि-धन, क्षेत्रकृषम काश्रकाविष, क्षेत्रिष्ठत सम्बद्ध र 36511 10F

গৌর বন্ধারী, শ্রীন্রগৌলস বন্ধারী, **এণভিড**গাগন কক।

## ( ১৫ ) औरगाभानको मठ

SENT PE. ETOIL (मानामकी: श्रीतिश्राहत स्वाठीन स्वता 

## ( ১৬ ) ञ्जिमभाष्टे-८नगराम मर्ज

**এগৰাট-**পৌরাজের 'নভা দেবা বক্ক--- ব্রীপূর্ণ প্রঞ্জ ব্রহ্ম চারী, ইমা ভাষাল ব্ৰহ্মচাৰী

## (১৭) জ্রীভাগবভজনানক মঠ

किक्का वाद्यस्थल्यः (यामगील्यः) व्यवस्य ने क्रक-(शांताक-शाक्ष व्यका-গিৰিখানীৰ নিজ্ঞাদেশ বস্তুমান ৷ বৃক্ত ----अध्यामी 🕮 भगवासभागनी ।

## (১৮) चावनारशाषा अशहास्त्र

श्रामदीन (णाः वद्याम ।

**क्षीकरशोपाक-श्रीशाक्षणिक।** शिविधादीत निष्ठारम्या । अक्च-- ब्रह्मयामी छै। दि- । 1 # [#3#]

### (>>) शिश्वकरवासम गर्व

वर्त्राप्त, जुती, केविया। बबात्म क्रांब-वित्नामभा नवक्रीत निका-লেবা ব্যৱসান। ক্ষক -- প্রস্কারী জীপর্মা-मण विशास्त्र, अधनाती जीमगीधानण, उष्राधी, ७३ जैनियार ।

### (२०) खीलच-८गोकीय मंड

व्यानक्षमाय, अवशिक्ष (भाः, भूते । क्रमशाबादमारमञ्जू क्रमाना अभारत क्रिमाना बक्क---अक्टावी विवयस्थिते व्यवस्थी। नश्यात्री---वकारी विविधारिकारी ।

## (২১) শ্রস্তিদর্শক মুস

\$ (6) 1 1 9 c. 45 2 1

maica Eine- attacetecetabrie-कीक बिकामा नकताना नककः उक्ता की जीशनार को दायान अभागती

(२२) जीमनाजब ्योधास सर्ह

उन्द कशकायन्त्रं कार्ये । ६भी ३- भगाष्ट्रभू । सन्तर राजनात्र प्रशासन

ENTER OFFICER STATE OF STATE श्रीकानकीनावली ही कानन उत्तर्भी।

## (২৩) ইংক্সফেব্রু মঠ

ञ्जीनु'मरक्षाश कुछ, हो पास वृत्का रूप । 遊園的村上西班上海中的中部 人特別主

রক্ষক— শ্রীগণ্ডিলাথ প্রস্নতারী

#### (२८) 🕮 श्रुवनश्त यह

ेनाभयावना, ताकाभूक

এখানে <u>ইচি-গ্রহ লাম্</u>পাল্য ৰ बिर्मार विस्ताम विमानकोह रमना सम्भान क्क 🖛 - वक्षातां वी वीम् भरणान्स ५ दक्षतां वी मोनमकाता :

#### (२०) औदेडखग्रदशोसास मठ

भूत्रकृष्णः, कित्रकृषः । यान्यमः । ४०। मीटिक्ट अ-स्ट्रात नाथा। काक---- सीव्याः नात्र दात्र, डीरफल्यानक अकडारी, जीवाम कीव अधानना

#### (२७) न्यानद्योखांच मञ

क्षेर्कित, भारतभाव, कराल -837CR শ্রীগোর্থবনোদ-রামেক সেবং ক্রলান্ত m) ..... शामान उपवानी

#### (२०) खाकमभाषा अभवाडाम-मा

आक्रिन्ताको, त्याः साङ्, कावका क्रभारत यह हु क्रमु है आर्था बार्ट्स क्रम दशका नक्षमान । क्य- क- वजनामी शोखानक्र**क**-भाग, औत्रवदान अक्र सर्वा।

(२৮: प्रि**स**्भाष्ट्रीय मठ---कार्यग्रामक ह नर (शापी धतन,का कात जन, निके विको । त्रकर-अवतारी जैतीत्रक, जीकृतरम्बद

(२>) ८नामाननाषाअन**साधा**य

और वा वा वयन क्रमण्य

दक्क-अक्तारी खी कारारमास्य

## ব্যবিশালে ভীন্ন ডাকাতি

২২০০, টাকা লইয়া প্ৰশাৰ

वादन १ ५ मात्र क्याको हम काशी-গছ বন্ধা এইবৰ একটি ভাষণ ডাক্ষাভির সংবাদ পাওলৈ গিয়াচে । পাত রবিশারে প্রভার রাজিকে ক্তিপ্র ব্যক্তি স্বাহার অপ্রশন্ত বাইলা সা-্র স্সা হপর বাব ্য हिन्द निर्ध्यातम् भाषात् नाष्ट्रितः अतिम करत वाष्ट्रंत (भाक्तिशाक नव उन्धार्थाः, একরি। নাকে অথ বারী কবিলে ডাছাত-मिनाएक नामा क्षा, मधान के का कहि अभावती মন্দ্রের টোক্রেন ক্রিয়াটো ভাক্তে म्ल (भाकारम प्राहेषा १५) छ ४००५ छ। दे । दे छ 57 7.1

বলীতে জালিখিত কল এক এক কোনো সিন্দুক 物<sup>®</sup>的な1 C花 (別数1、報がお ままった。 きょうだべか A BOOK OF THE WARRENCE A PRES. প্রাধান করে। ক্ষাত্র ও সংগ্রার रक्षांच मर्गच भावाम ग्राह्म ।

छेम।बरेगडिक प्रदेश प्रवानित ভিলার**ে**ভিক্সার । ২০০ সংগ্রেটিক। প্ৰকাৰৰ আৰক্ষা বেশা প্ৰকাৰতে 📗 সাব

A 198 S BR BRIGHT TO THE WAY शहक (७५ वेषा) '६४ ८ १ एकी १४०' ८ करम्बद्धाः सहित्तः राजन्द्यः स्क्रितः दूषाः वृक्तः सर्व का अनुशास किर्देश क्षेत्रण का शास्त्रण न । Barret fee and a cheta Think to teletal ( · · £ . 4 43 . 4. 营收证据的现在 化水宁 布达布 河町 有9位 मध्य द्वार के नहलंबर ।

भारत अल माध्यासम्बद्धान । भारतीय साहित ८-त ए १४ ५६ अ६ ४ व तर । १४ वर ५ अर्थि>अनुन खन सर्देर<sup>्</sup>टक भेले श्रीहरूस । ক'ব্যাড়েন। হানু পুরে উক্ত দলের

#### বুলানে, মহবো গাম্মী

4 344 4 5 5 काबु र १००० जन बाहरीया पाडा किन्द्रिक (60.

গোরেশার থাও গের অভিযোগ

अपनाम द्वारसम्भ ना गर्भ करा जीता । যাত্রে প্রভেষ্ট্রনাধ্যক জাতু দাখিত কলিতে লা পালে, সেক্স ভার্টাধনকে প্রতিনিগ্র করিবার নিগিত কারোর यक्षप्र मामनाम बामाये लक ६३८७ (म भारतमभ कर्ता ठहेश, दिला. २५८म सूत्र

হয় যে, স্থানীয় প্ৰৰ্থমেণ্ট ছাইকোটের ক্ষমস্থাই উপারনৈভিক দল হইতে िष्मिन अञ्चर्गात एक्रम वस्मित्य क्रिया তেন যে, কোন পুলিশ অদিযার পা লোবেনা পুলিশের রাজগাজীব নিকট মতিবার উপায় নাই। বভ্যান কেলে প্রবাদ্ধালী মদনগোপালের অভিযোগ ग्छ। इर. ७।६। स्ट्रेल वृक्षित्र स्ट्रेल एए दकान श्रीतम् अधना द्रशस्त्रका कथाऽ।ती কেল নিয়ম ভঙ্গের অপরা। কবিষ্টেন। বেশন আদেশ্যত অপবাদ কৰায় বাণা দিছে পাৰে না ওতরাং আলালত কোন রাম लिएक १५८५ मा ।

ট্রাই ট্রেন্স বলেন নে, আন্ট্রী লে ্ষ্য সভিষ্টেও কৰিয়াছে, উল্লেখিক <mark>ক্রগণিনর মন্ত্রে প্**তিভ ভহরলাল**</mark> इतेपुर एमण्ड क दिनात करा । जार २,१९६० । 1234 GAS +126

ार पश्चिम के अवस्थितमान "तर देव के **दरवा**रण আগোল করিবার ইছে: প্রকাশ কর্ম many fit item gift many of

## মারাট সভুগ স্থা মালার ख्याञ्चा ५.**१**

🕆 करमह आसीटम मुख्यि

कार ५८%, के निम, भाके एक निकारित होते । कि लिहारिक প্রথম প্রাচ কামের প্রাচেত্রক সম্ভন্ত विस्कृतकोत्तको किर्देश स्टेट्स । विकास ান, ভাষিকে মুজ পাকা-কালে <sup>কা</sup>ৰোলা कामास्य देशके विकास कार्या अस्ति । (वर्षाकरनाः বঙ্গা-প্রদান কিয়া স্বাদ পরে লৈখিতে

#### ভার জন সাইমনের পদত্যাগ

(तर ज ना ।

प्रमाण (सामान के क्रियातदेश) क्रमण (समान कासवादक्रम, क्रारूक াবের রেটা <sup>কি</sup>টাল হিচ্যা ভাষেরে "বর্গার্থ ভিক স্কটের" ८-म । ालाम द्रशाहर दम १७५६तम । १८, १ कथा छन्नामक ४४वादक् । अके शहरत भारतक क्षेत्रांत देखा ७ के भटवाक भारत्या (अंश মন্ম এই যে, থেলার মাঠ ধনুষ্কে মুক্তন कत्रमान ४२८'७ (अ६)ई (मळ्यो ७७४ द्वार ६६ विनय्वीत केनल ८५ व ८४७ व জত্ই গ্রণ্লেটের আবার প্রনের কথা, উরিয়াতে।

> किश्व प्रके भिएक छेमात्रहेंमें किला भएनहें निगम छाजन जन्म भिन्नाद्य । , जन्म स्थन मार्थ्यन उपाय के विद्युत प्रक्रिक्ति । प्रक्रिक्त मा । **प्रवादक क**रण मध्याय मम भम खान कतियादः म 🖟 छिनि 🖼 🐠

> कतिबारक्रम । क्वेडिनिजेनाम श्रेटल बेंगा मिन् क्रियारबत निक्छ एक भाग निया পদত্যাগ করিয়াডেন এবং ব**লিয়াছেন যে** चन छहे नग व्यापका 'उपात्र**ेन छिक नगरे** অব্যান্নার নিয়ত্য করে নামিয়া পিয়াছেন। উংহারা ভয়ে ভরে শ্রমিক বলের প্রসাবিত ভূমিকর করিয়াডেন।

> > चिनातरेन किया मरणात **अलग्न मन्छ मिः** अप्टर्नेड लाजिन छेलाब्रहेनिक शिट्नाब পাল বিমানী বিদল হততে প্ৰস্তাপ করিয়া-(१४) । असुर्गः प्रांतिः **करम्बक्त भूम्**ख ्टरशास्त्रत हु । छ शक्ष .त : **कतिराम ।**

াড় ১ বেং জুন অপরাস্থা ৪ ঘটিকার সময় পাড়ত ও ভৱগা**ল নেফের রায়** বেবলৈ হইতে দজেই আসিয়া পৌছেন। त्तक इर्परम्य र्य नियं काण कंकरल स्थानिक ব্লুল প্রায় রাকে কে বিরাট্ লোভারালে ু মুহকারে পড়িং ছাকে বিপুল ভারে 1.83 to 6.63 5.

প্রিভাগ মিল্লানীয়া পার্কে ক্রমান দিবের কে িব্ভে, জনসভায় ভক্তা মীব ও ১৬০% মামলপুর ৩০ মিলের (ক্রেন) । তিনি এলেন, আর্জন অমান্ত র যে ছয় জন য়ৢড়ি পাইয়াছেন, : আন্দোর্য কেবল লে ভারভকেট বিচাধ্ত रामन भगर- দেশাই রাপি বালিন। বিবিশতে কাহে। নতে, বিদেশকেও ने भग छ खारमञ्जूषात्राम গণ এখন ভাবতেব দিবে সাগ্রহে চাহিয়া ভাছার ডাই। ভিনাবে এইটি এবং থেগ<sub>ে ।</sub> আবেচা । ওছোৱা ধ্যম **আর ভারতবা**নী ভাকে ৪০০০ হাজাল উদকা হিসাবে তথ্য ি । নের ভাব লাবের হার বারকার করে না ।

भ ५७६। नरणन, आधि कानि क्रवक-লিং কে এই নাজে আ জা করা। ২ইডাঙে বিন্যুক্ত নানা প্রকারে **ভয় দেখান চই**তেটে ববং ভার্কনারগণকে সভক কলিয়া দেওয়া ६०८८८७ । इरकासन **८७८५५ शका अवस्था** কারবে কিছা সরকরেপক্ষ আবলশ্বন করিবে ভাগ তালবারে প্রির করিয়া ফেলা ডি'১':। যাল ভাহার। সরকার পক্ষত े हा हुन कार्याहरू के छहा। करता, व्हार्थ हरू हो अकत अस्मित एवं सरदर्शनम् व्यक्ति । इत्र १५८ मन्त्रकः व्यन्तः अस्ति। ा तराता अधिका गार्ववात कछ अक्षड १६८७ ६६८४ कामरा छालमां । द्वीकर्तिक नारम प्राथ्यस्य नितर्फ व्यानीक विक्रि অভয়েতেশর ছবাৰ্যান্ত করিছে ১ইবে 

> क्षरांपिणाक डेक्स क्षिया পण्डिडी 'জারও বংশন যে, স্বাদীনভার প্র कुछमादीन नरह, छेहा छ:१-छम्भा छ নিন্যা • নের পথ । দীর্ঘদিন ধরিয়া ভাছায়া निया। अनुः ८ छ। दश व्यक्ता छ। इस व्यक्ता व्यक्ति । · ং সাজ্ও ভা**হারা প্র্যা**তে পড়িয়া : व्यक्षकः अञ्चारतः कृषानिद्यात्रः अधिकात्रः

স্পেশ্লে ট্রাটবিউনাল তাথা অগ্রহা দলের 'চিফ হটগ' ভার **আর্চ**ব্যান্ড ও স্বাদীনতার জন্তই সংগ্রাম,কারণ দেশের জনসম্ভিত্ন সংখ্যা তাহাদের সংখ্যাই व्यक्तिक ।

> পত্তিভূতী বলেন, যখন স্থােগ উপ-স্থিত হইয়াছে তথ্য ক্ল্যাণেরা এ স্থ্যোগের **স্থাব্দার ক**রিবে।

> সভা ভঙ্গ হইবার পর পণ্ডিভঞী মোটরযোগে বড়বাকাভি !शমন করেন। প্ৰিমধ্যে ভিনি চিন্হাটে কিছক্ষণ ष्यरभक्षा कतिया क्रमाय ऋषानमिर्गत्र ८क वितारे अनगञ्चाय करमक भिनिएपेत्र प्रश्च বক্তা করেন।

#### अनारागादम पालका आधार

প্ৰকাশ, এশহোষাৰ ফেলায় খাজনা व्यामात्र भवत्य ८४ मम्ब्यात् रुष्टि ०३ हा हिल. ভাষার প্রান্থ উর্ভি সাভি হইয়াডে। একমার মহানপুর বাণীত স্কারত পাকলা আদায়ের কাল চলিতেতে বলিয়া প্রাকাশ।

## টি, ডিন অফিলে ভলাগী

图件14、 西州飞艇。 引取领外 日 क्षकरमध्यतः पाण्डिसभ्देशभी मन्त्रका । छेर गु ভূপি,বাৰ নিমিত্ত একটি আচনস্কা পথ अवास भूष्यका २०६५ छन हिं तहन अधिरन धानाभाषी क्षेत्र शिराहरू। भाष्ट २४१म हात हेन हेन का रामन बाह बार्सन সংগ্ৰহণ্ডল প্ৰেক্ষণিত হয় জাব, গ্ৰহণ্ডেট \*\*८ '८करठ'' 'डेका च'ट्रकाथ कवितास 'बारमण हिला । हिला आहरणनगर समाबिक पर्कताचा १ दि (प्रदेश) श्रीकार सहैता भिन्नाटि नांबकः अकान।

#### ७७ अम निर्देश होता का बार सर्भन

८०१८भव विश्वित काक्षण ६६८७ क्षाकारित भाषाम लाज्या विकास । প্রাকাপ যে, প্রোমে আয়ার ৬৮ ব িচেন্ত্র আত্মনাম্পন করিলাছে। একট चनरत् जन्न लाकान (य. वातावणां) (अभात अपने इक्षेत्र के से क्षा 'छे पुरा भारतम मिश्रप्त अक्जी शास्त्र करक्षांत्र हमाक ''मा' ५'ता करेंबक (माक '9 'शाः व পুঞ্জে নিহত ক্রিয়াছেন। পাত ২০০েশ জুন রা'একালে করকছলি লোক অচ্-अगात क्रकड़ी दलाफ भएन बाब बार्ड अख्य • ध्याप्ता का ना तमग कावर शास्त्रवद्यात गामिक्स, भगान क कारतिहें जुड़े करता। काकारकता धनिया ८५८म भन इक्षी कार्क्क भाउस

अञ्जंख टाकाम (ग, भिग्रा-(भ) इंहेर्ड ন্দ্রায় আধাতে আছত একটি ধানাত विद्यारीटक एक्क में एक बार्यक स्थान । उत्त काला रंगता . २ % म क्या व्यक्तरम ८५ श्रीनाध्यक्षांच्या विकासिक के के का श्रीवास । 华丽明佛,《山林 心性报》(中門不有斯門、 পাওয়া যায় নাই ৷ 

in a spring to the second of t

विकाशस्त्रम वास প্ৰতিবাবে वाष राष्ट्र ५ বাভ কলৰ ১ बद क्लाम ०१० নিভি ক্লম ২ **इंक्टिन बान** 

448



मारायाद स्व শা গ্রাম দেয় वाशिक 🔊 याशानिक द देवगामिक २५० मानिक 📐 गर्भ প্রতি সংখ্যা ৫

ভাষতের পর্নতি বছল-প্রচার-শদীরা জেলার একমাত মুখপত

সম্পাদক—জীঅতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি ৬৪ বত ী ্রিত ৩য় সংখ্যা

এটিচভকাষঠ শ্রীধাম মায়াপুর—১৮ই আবাঢ় শুক্রবার, ১৩৩৮, ওরা জুলাই ১৯৩১

## नाना कथा

## कुक्षमग्रस द्यामात्र मामना

সম্রতি ক্রফনগর মহকুমা ম্যাজিট্রেটের **এফলালে ক্ষমণর বো**মার মামলার कात्र अक मका क्षेत्रांनी हरेग्रा निवाह ।

ৰীরেজ কুমার ব্যানাক্ষ্মী প্রায়ুখ কয়েক-জন লোক এই সম্পর্কে অভিযুক্ত হই-য়াছে। গত ২৬শে জুন পুলিপ স্পারি ন্টেণ্ডেন্ট ও ছেপুটা প্লিণ স্থপারিন্টেণ্ডেন্ট **প্রেড্**ডি ১**৫ জন সাক্ষীর সাক্ষা** এছণ कता बहेबार्ड । अहे मामनात्र विवादत्रत मभग्न वाहित्रत्र कान । नाकसम्बद्ध स्थाना नर्छत्र क्षिप्रत गाहेर्ड (५ ७वा इय ना। সর্বতে পুলিসের কড়া পালায়ার বাদছা

## মহাত্মা গান্ধীর পত্মী ও রাজেন্ত 图列10年表 两种有

গত ২৯শে জুন রাত্তিতে কংগ্রেদের কার্যাকরী সমিভির সদস্ত বাবুরাজের প্রসাদ মহাস্থা গান্ধীর পত্নীর নমভিব্যাহারে রাস আম পাঁরিদপন করিতে গ্রিছাছিলেন। **এই স্ভূতি**, এক জনসভার বাবহা হইবাছিল। বাবু রাজেজ প্রসাদ সেই সভার বৃদ্ধতা ক্রেন ভিনি বৃদ্ধতা প্রসংগ वलन, गठ नामास्त्रीन चाहन स्रमास व्यक्तिमार्गम् नमन् खब्दगार्टन कृषक मुख्यमात्र विरम्यकार्य चार्य छा। कतिया-ছিল। ভারণুর <sub>হ</sub>তিনি এই য়শ্পরে জার करवकि कथा विषया । विहोद्यंत ज्ञ मौवा-त्रन धारे जारमागरमत्र भगत कि जारन काल कतियाधिन छोटा विश्वष्ठ करमा।

## ক্বফনগরে বোমার মামলা

মহাত্ম গান্ধীর পত্নী ও রাজেন্দ্রপ্রশাদের সফর

## ল্যান্ধাসায়ারে মহাত্মাজী

ছুরিমারা সম্পর্কে কংগ্রেস কম্মী ধুত

## আপ্ন দৌহিত্ৰী হত্যা

কুষ্ঠিয়ায় শ্রীযুক্তা বিমলপ্রতিভা দেৱী চাঁদপুর ষ্টেশনে টোটা

গ্রীয়ত সতীন সেন প্রাদেশিক হিন্দু সম্মেলনের সভাপতি

## বন্দুক চুরির জের

न्याकामात्रादत्र मर् प्राणी

ভবিষাৎ বাণিকা সম্বন্ধে আলোচনার নিষিত্ত মহাস্থাফীকে ন্যাসাগারে নিনন্ত্রণ করা ছইলে মহাত্মালী কি করিবেন সেই কাৰী কোলিয়া মাখিলা আমি অবখাই বাহাতে সংঘটিত হয় সেইমত প্ৰভাৰ

**एथात्र वाहेव**ा **८णशास्त्र** याहेया ७णाकांत्र ভারতের শহিত প্যাশাধারের প্রধান প্রধান ব্যক্তিগণকে কংগ্রেসের অবস্থা, সব খুলিয়া জানাইব। বিদেশী বস বহিষার সম্পর্কে কংগ্রেসের নীতি শইয়া যে ভীষণ ভূল ধারণার সৃষ্টি হইয়াছে সম্পরে প্রায় করিলে মহিম্মিটী বলেন, ভাহা বিদুরীত করিবার চেষ্টা পাইব। यनि भोगि मधन भगास गारेष्ठ नक्ष्म हरें कराधारनते व्यवेश नदस्त विकेशकोव स्त्री ध्यसः आमि यनि नाकि।भाषात शतिनर्गटन्त्रः निकटन, भूक्तारम् हेशः विकथिता सहैतन জন্ম নিষ্ট্রিত ইই তাছা ছইটো অপরাপর ভারত এবং ইংগও উচ্চয় দেশের মগন

উপস্থিত করিতে আমি কোনরূপ ক্ষমু-বিধার আশকা করি না।

## ছুরি মার। স**ম্পর্কে** কংগ্রেস কন্মী ধুত

বাধরগঞ্জ থানার অন্তর্গত সংক্রেব্গঞ্জ কংগ্রেদ কমিটার কম্মী শ্রীগৃত অমিয়রস্থা বস্থকে ভারতীয় দশুবিদির ৩০৪ ধারা অমুসারে ত্রোপ্তার করা হইয়াছে। প্রকাশ, কলসকাঠীর ছুরি মারা সম্পর্কে তাঁহাকে প্রেপার করা হয়। তাঁহাকে বরিশালে न्द्रेयः आभा श्ट्रेगाए ।

## আপন দৌহিত্রী হত্যা াবিকৃত মন্তিছ রুছের কাণ্ড

লাছোর ভালিন নামুক স্থানের কোন প্রাচীন অধিবাসী ভাহার সাত বংসর ষয়ভা পৌহিত্রী হভ্যা করে। প্লিসের প্রান্থের উপ্তারে গুদ্ধ বলে—'আমি ভারংকে হত্তা করিয়াছি, কারণ, ঈ্থর আমাকে छाहारे कविवाद भारतम निश्चाहित्तन ।

মড়কের ফলে ,মূব ক্ষটা প্রের যুত্ত হইলে বৃদ্ধ ভাহার ক্যার বারীতে যায धक महिशासिक मिखिएकत दिक्का अवदाय धरे काइ कतिया वस्त ।

## প্রাদেশিক হিন্দু সম্মেলন শ্ৰীমূত সভীন সেন সভাপতি

প্রিনা হিন্দু সভার এক অধিবেশনে 🚨 ৰুত সভীঞ্জনাথ সেন আগামী বাজালা ল্লাদেশিক চিন্ধু স্থিলনের ৰশ্বমান অবিবেশনের গভাপতি নিকাচিত ছইয়া-(罗哥子) 15 4 2 -

# শ্রীধান নায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## (थाना श्रेशारक।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অতি যত্নের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যায়ে সুস্পর বাসহানের বন্দোবস্ত হইয়াছে। স্থান অতীব সাহাকর।

> সবিস্তার সংবাদের অন্ধা নিম্বালিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। সেত্রেভারী, ভারুর ভক্তিবিন্দোদ ইন্ষ্টিভিউট্ শ্রীচেডগুমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

## —৫১ বংসরের প্রতিষ্ঠিত—

উম্ধাসয়ে এস্তত বটীকা

ছালে শুক্র চারণা, অপ্রলোষ, কোঠকাঠিজ, আজীর্ণ, ধ্রজন্তক প্রস্তৃতি কভ লোগাঁও বোগ নিরাম্য হইথাছে ভালা প্রকাশ করিশে বড় বড় পুত্রক কইনা পড়ে।

#### ইহা

সকল অকুতে ব্যবহার চলে ও সমান কল প্রালান করিরা থাকে। প্রতি কৌটার ৩২টা বটাকা থাকে।

#### কেবলমাত্র

প্রতি কোটার মূল্য ১০ এক টাকা। ই**ার নাম 'আভকলিএহ** বটীকা'।

অলান্ত ঔষধের ভালিকার জন্ম পত্র নিধিনেই পাইবেন প্রাপ্তিয়ান :—আক্র**ক্ষনিপ্তাই উক্ষপ্রালা**র

২১৪ নং বহুবাজার ট্রিট, ক্লিকাডা।

## কবিরাজ শশিভূষণ কবিক**গ্রান্ডরণের**



বদংখলের প্রবিধার জন্ত ৬ আঃ লিলিতে ঘনীভূত অবস্থায় ছোটবোজলের াসমপরি উষ্ণ ভাকে পাঠান হয়, ইংগাডে ঔষধের কোন পরিবর্তন করা হয় নাই। মূল্য আছি বিশি ৪০ আনা, পাইট ৪০/০ আনা, বোভল ১০/০ আনা।

অফিস—১১নং উচ্টাডালা রোড, **পোঃ শ্বাম**বালার, কলিকাতা

## गंपन मध्ये

रहेका प्रवा व बाकूनिकान, रेखिनिक्कित होन, स्थारन करूनाक, स्वस्थ्य, वाबारनाता, तुरु वक् कहादि, व्यत्या अकृषि स्थान नवत निर्दात बारवाता का। यह, रोदी, त्यदी पृष्टि करिएक व्यक्तिक हेविक। युना ०० यहि २, अक होका।

প্রস্থাৎ লক্ষাআনি ছাত্র প্রবাদার বাবাবার বাবাবার বাবাবার বাবার বাবাবার বাবার বাবার

## शरेट्डानिन

21

## কোষরদ্ধি রোগ

ডাঃ এস্, এম্, খোৰ বিনা অল্পে, ধাৰজীবনের গ্যারাটি বিরা বৈছাতিক প্রশালাতে কোবস্থুছি জোপ আরোগ্য করিরা থাকেন।

> ঠিকামা---১৮ নং কটন ঠ্রীট, বড়বাজার, ভাগদাভা।

## হইবেন না

## দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষ্ধ

#### প্ৰব্য দিনে সম্পূৰ্ণ আরোগ্য

রোগী দেখাইতে ছটবে। অগ্রিম গাখের খরচ (যাওরা এবং আদার) পাঠাইলে গিলা রোগী দেখা হয় জলবা এখানে আদিলে গোগী দেখিলা উষধ দেওরা হয় আরোগা না হওয়া পর্যান্ত পারিশ্রমিক দিতে হটবে না। গরীব রোগীদের খরচ বহন করিলা চিকিৎসা করা হয়। দিন্তারিভ বিবরণের জন্ত এক আনার ভাক টিকেট সহ নিমু ঠিকানার অস্তুসন্ধান

জ্ঞীক্ষিতীশচল্ল উঞ্চীল, যক্ষা-চিকিৎসঞ্জ, পো: নৈকাঠী, বরিশাল। "
অথবা নিয় ঠিকানায় দাক্ষাৎ করিয়া বিস্তারিত জানিতে পালেন।

ত্রীয়ত রামগোলাল দত্ত অম্, অ, ক্লফনগর, নধীয়া। আয়ুত করিপল মিংক, ১১৭, বেলিয়াটোলা জীট্, ছাটলোলা, কলিকাতা।

একখানি পত্ত। সমার প্রাকৃত্যুর গভ ছয় মান যাবং রাজ বন্ধার ভূগিয়া মৃতপ্রার কর্বরাছিল, কালকাভার বিজ্ঞ চিকিৎসক্ষণ ভাগার জীবনের আলা ভাগা করিয় লেয় মৃত্যুত্তর জন্ত অলেকা। ক্রিডেভিলেন এই সময় শ্রীযুদ্ধ কি শীলচন্দ্র দ্রিকিল মহালয় নাত্র ১০ ধিন চিকিৎসা করিয়া সম্পূর্ণ আরোগা করিয়া দিয়াছেন। (সাঃ) শ্রীমহীক্র কিলোর হার চৌধুরী (জমিদার পারিয়া) হগুইন্ট, নিউ বিলিন্টঃ। কর্বপারেশন টেটিং ডিলা টমেন্ট, ক্রিকাডা।

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

भोजाक 88a

माज %> जाकिएक है भाशिक वृक्तभारहे भाशिम इस ।

আনেকার-গ্রন্থরিভাগ শ্রীচেড্ডমন, পো: শ্রীমায়াপুর, নদীরা।

(本书 图15年9日

## গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

-কার্বল-

এখানে ঘাবভীয় ছাপার কার্যা---

পেটার পেডিং, মেলো, ফরম, খাম, অমিদারী চেক, বিল প্রাকৃতিই বলুম,

विवादक निमञ्जन भवा, कार्ड, विवादक भक्त वसून,

কার ৩ রং ও ৪ রংরের হাফটোন ব্লক্ট বসুন, সকল কার্যাই অভি নীম ছালা হর, মণ্ড ছালাটবার গর্চ বাজার অংশকা সুগল।

भागनात किहू कार्यात कार्य। था किटन निष्ठती कामात्र कानावेटनवे वस शावेटवन ।

ম্যানেশার—গৌড়ীয় প্রিণ্টিৎ ওয়ার্কস্ ২৪৩২ নং শাগার সাবস্থুণার গোড, শণিশাতা।

## बान अञ्गादनत बङ्गावनी

প্ৰথম ও বিভীয় খঙ

উবিস্পাদ শ্রীশ্রীনদ্ভকিনিদান সরস্থা গোহামী মহারাজের সেই অবিভা বিধ্বংলিলী জীবাস্থানগোষোধিলী ক্ষকাক নিশাধারিলী জীবন্ধবালীর মৃত্তবিপ্রহ— বৈক্বনিদ্বান্ত বন্ধবালার কৌত্তরমণি—স্বদ্ধ জুভিবের ও প্রবোধনভন্মের নিদ্বান্তন্ম্য । ভিন্দা একজে ১৮০ আনা মাজ।

### গৌরবিরোধীর কপটতা · · ('5)

आमार्वित সংবাদ-দাভার মূথে জানিলাম त्व. करेनक डिट्ड द्वतान छाटे माथिया ইস্লাসনের সাহায়ে ধুয়মার্গের পথিক ভিনি এখন সার লুকাইয়া থাকিতে না পারিয়া নিক্ষত্ত্বপ প্রকাশ করিয়াছেন।

আজকাল ধর্মবজিগণ লোকের চক্ষে ধুলি দিবার জন্ম গায়ে ছাই মাথেন, বৈরাগোর ভান দেখান, হাতিপা কোর্ডাইয়া **(मर्मन, कार्यकार (मर्थाकेश) भणाग्र** शर्फन। কেই ট্রা কেবলাছৈতবেদান্তের সহিত আমাব मर्थक नाष्टे विभिन्न (कवणाटेष अवास्त्रत व्यभक्रहो(नाः क व्यानस करित्रा 'देनभान-देवमाश्चिकज्ञन्त' नाटम श्रान्डिको भः श्रष्ट् करत्रन् ।

**এই मकल ८७का**द्वतालगर्पत मश्चिष्ठ **८वोड़ीगमळित ८काम मधक मार्ट ।** ८वोडीव-मठ कार्निन,--म कंटे देवताचा कारण हाई মালিলে---- পোননে লিখা স গ্রহ্ করিলে---আমি ইন্থাসন পান কারতে পাবি, এই বাহাছবীক্ষপ আধ্যেত্তিবিৰ নম্ভুত্ৰ উল্গীৰণ . করিকেও ভাহাদের কড়ভোগ থামিয়া थाप्र ना ।

**এই मिथानितिशय भरन भरन भान-**धावना क्विताव खननाय मान्नस्कन (प्रभाई८७ গিল পুর্বের গোপনে গোপনে গৌড়ীনমঠের নিকা করিতেন : ভাহারাই এখন চাক চোল বাজাইয়া ভিডেবেরাশগিতির আড়ালে সে এর বাজাইতে আরম্ভ করিখাছেন।

বাৰহার-জগতে লোকে যেরূপ ওকালভির থারা প্রায় করিয়া যে কোন পক্ষ সমর্থন क्यांत श्रुविधारक आपनं विवश कात्म. ভাহার অম্বদরণে ধর্মজগতেও ওদাপ ঐ चावहात-लागाँगा हामाहेवात ८५%। किक्रिन भूत्म ध्रुभाग् मा मध्यमात्रम मत्मा त्मभा গিমাছিল। কিন্তু খরপাগলাগণ বাহিত্র ভিজে বেরাল সাজিও প্রচারতাত্তব हांगाहेवात क्य कतिरम् । अहारामत आरहा-য়ারী ওকালতি চলি হরিডজনচতুর লোকেরা সহজেই ধরিয়া কেলিতে পারেন।

मक्टांबात क्यांत्रत त्यांकृष ना कतिया, क्रकार्थ व्यथ्मिक हो ना इहेगा, यनि माश्रानामाध्य कं शहेला कतिया जामता टकर निकाहेटकत विद्याधी मनदशकी वार्षा कति. छाहा बहेला जामानिशक (कहरे एकक বলিবে না। শিক্ষাইকের বিরোধ করিতে कतिएक क्रिलोशनिरवान, कथाकुक विठात-बिरहाध, कीर्खनविष्त्रांथ, देवकवृद्यमाञ्चविद्रांध

<u>ন্ত্রীগুরুগৌরাসৌ জয়ত</u>ঃ

:#: -

## দৈনিক নদীয়া-প্রকাশ

### নিতাপাঠা বৈক্পবাভাবত

নেয়াদি সমস্ত সাত্ত-সাজ্যের অকৃত্রিম ব্যাখ্যাত। সমগ্র ভারতে একমাত ফলত দৈনিক পারমার্থিক পত্র

#### শ্রীশ্রম-মার্পুর-১৮ই আলাড় ওজবার-১০৩৮

শীচমিশালা অবিবেচনার হঙ্গে পড়ি, ভাগা , বিমুগ ফটবেই রুফটবমুগাপ্রভাবে ভোগী বা হউলে চিত্র জির কবার। বদলে ইন্দ্রসেনের 🖟 স্মবৈধ ভাগো হইয়া পড়িবেন । শারাই দল রাঝ কণিয়া ফেলি। কিন্তু এই मन तुंक कतियां मन कि ?

সাধাক্ত আখ্যা কৰিয় কৃথিয় কল্প-ভ্যাব্যের প্রাক্ষ্টেট ব্যক্তির দেখাইতে থিতা कामारमत एम इटिकाला छ घटि, जानान অক্ষণতা দেখাইবার জক্ট কলিকাভার लोडीहमर्छत एक स्थीप लेडियाम ।

काभारतत शहर छक्रान्य अक्तिन र्याय्यान বাভিচার রভ ভাগোক্ষণকে শিক্ষা দিবার জন্ম পর্মহাস্থেণ ছাভিগা লাভিপারে পেছে! কাপড় কোঁচাইটা পরিলাছলেন। যশো-ছাৰৰ প্ৰফিদ্ধ থাকোনভীবী প্ৰলোকণত রায় সাধিকাচন্দ্র মত ব্যাহাট্য একটিন ভাগকে ফেঞ্চ কটি দাছি লাগিয়া ভল্ম-कातीत (वर्ष एम्थियां इर्णन ।

এইসকল কে'লগ স্তাত্ত্ব ভঙ্গনবিজ্ঞ শ্বনগণই বুঝিতে পারেন। তাই প্রচুন বিক্তম বিভারসকল ''নাচার ব্রহাণ্ড'' কলি কাভা রাজ্যানীয়ে তাঁহারই একজন 'যেনক' নামে পরিচিত ব্যক্তি শেঠের ঠাকুধবাড়ী, লালাবাৰৰ ঠাকুলবাড়ী প্ৰাস্তিৰ অমুক্রণ প্রিভ্যাগ করিবা কীর্ত্তনাথ্যভক্তির মন্দির স্থাপন পুরুক আচাগানাটামন্দিরে সভা যুগের ধানিগণের বিরুত আম্বকরণিক | ভিজে বেরালগণের সঞ্চিত কাগমনোবাকো পুণক হটয়া ''অনাসক্তক্ত বিষ্টান্'' ও ''প্রাপঞ্চিকতয়া বৃদ্ধা'' লোকের ব্যাপ্যা করিতেছেন।

স্কুডরাং ভাই পাঠকগণ, সাবধান !! বেরালগণের নির্জনভঞ্চনপদ্ধতি ৰা ভাৎকালিক অনিতা Social Service holderগণের পরোপকার নীতির প্রলোচনে প্রাপুদ্ধ হইয়া গৌড়ীয়মঠের প্রচার প্রণালীর

अञ्चि कार्या नियुक्त इष्टेशा एति छिरक्षश्रम्भात विमुध इष्टेरान ना। छेशाउ

#### পরোপকার

পাওত মুখ, স্থা, রন্ধ, ধালক , ধুবা, ধনী नित्न निहित्साम अक्ट कीवरकः एगालारकत भाषगात्रतिष्ठ अञ्चित्साचा প্রদানের জন্মই প্রিভূপাব্নারভাবা শ্রীশ্টী-নকন গৌৰহণি জগতে প্ৰকটলীলা আবি-ষ্কার করিয়াছিলেন।

অক্তাক্ত ভগবদবাহালে যে প্ৰম গোপা (अग्रम्भाव हा द्वार कश्वड हे हें सुद्ध हम নাট, দেট অন্পিডের প্রেমভডিফল रिश्वाहितात निभिष्ठहे— हमोत क्रियक्रानत ला है। बीटेन्ड इस्सीन व्याकार --''নাঠ ভাঠা পোম ফল দেও' মারে ভারে।"

প্রেন্ডক্তিধীন বহিত্ব জীবের প্রতি अलग केईगा ঐটেডভারে প্রমানরকলতক বিন্যুপ্রের এপ্রন্যকর বিভরণ করিয়া নিঃ-्रमध्य श्रम भरताभकादग्रह अमरमाहः माठाचाः প্রকাশিত করিয়াছেন। কবিকুলমুক্ট-*दोनि केवियाम क्वांपानीं आहे खे*टे>ठक মানাক্রের মতাদুত দানের কথা এইরূপে বৰ্ণন ক্ৰিপ্ৰাচেন---

শ্লাকিল যে এপ্রথমকল অমৃত মধুর। বিলাব চৈত্রস্থালী, নাহি লয় মূল এ ত্রিকগতে যত আছে ধনরভুমণি। এক ফলের মুলা করি হাহা নাহি গণি ৪ মাগে বা না মাগে কেছ, পাত্র ধা অপার। हेकात विधान साथ कात्म, भिव भाय ॥ अश्रीम अश्रीम कृति' (मरम ५३ फिरम । দরিদ্র কড়ায়ে খার মালাকান হাসে॥"

নামপ্রেম প্রচাব একাকী ক্ষমস্তব (मिथिशा निर्मागम जीमनाशा প्राप्त अक्नमारक আহ্বান করিয়া অ্যাচিডভাবে প্রেম্ভক্তি সুধা বিভবৰ করিতে আদেশ করিয়াছেন।

বে স্থকতি ভাগাবস্তুগণ শ্রীনৈতকুগণের পদাল্লয়ে বঞ্চিত-জগতে এই সংগাৎকঃ । জনক মনে করিতে বিধা বোধ করেন নাই।

নিধি প্রচার করিতেছেন, তাঁহারাই শ্রেষ্ঠ विज्ञाधक, छाटा नाहे ---

এতাৰজ্জনাসাফলাং দেছিলামিছদেছিল। व्यारिवतरेगिविद्या दाला ८५ग जान्तवर भगः। म এই ভাগবতী বাণাৰ প্ৰমেক্তলা নিজ

कीत्रामत होता ह्या छत्राहम कतिरहाहम।

হে জ্ঞানবান বিচারকরন্দ, জীবজগতেব বহুম্থিপ্রিল অভাবদান্ত্রীৰ স্ম্পূর্ণ প্রে জানিয়া, ভাগার चार्कानमूर्वि प्रमारम्य अधिवर्षि क्रमान्द्रण-भरताक-रिया ७ कर इ.स অসভাবদীর মুলোটেড্রে বতী হটন। অনভ তংগ-দৈল বেদনাভবা লব জগতে অমত লালেব সম্ভাবনা কোপোণ গ তাত ইটোডভুডবণাও-<u> इत्रहाल का का न का मन्त्रमाभ देवक्र श्रीराध्यत</u> মাহী হটবার জঞ্পরম পিতাব বিলোহী সন্থানকে সভাভ মধুৰ ঋণে আহব।ন করিয়া গ্ৰহেণ্ডেন্...

क्क क्रमा, क्रश्न क्रमा, बार क्रमा नहां। ক্ষুষ্ণ মতে।, ক্লাঞ্চিতি।, ক্লাঞ্চন প্রতি।। क्रामन्त्र मामान कत् ६/६ धनाधना की (तन्द्र) कृषकाम माद शक्त माता। জগতের পিতে। রুণ্ড দে না ভঞে বাব । भिष्ठामाठी शाहकात अ**धा अ**वा हाण ।

উজ্জন গেম্বদ ভাগেবের মালিক আঁল সক্ত-ক্রণ-সন্তন্তাম্থ গোস্থানী-বংগর ভিরোধানের গরে ভার্যিভারত ত্রীল बरताद्य शेक्षा मधान्य. होल होन्तिका-छारा छाङ्, टेकित छीन श्रामानम, तिधनाध हज्ञत्य हो। इ. वरणान्य १८%। हमानुष्य देशकार-तम देवेति छन्न प्रति । व्याप्ति (त्रिक्ष्या विश्वय विषय नामर ध्यम ध्वतात जीजा-भात। मकीव কাথিয়াছিলেন। তথ 'বে টাখাদেব প্রণক প্রিভাগের কভক্দির্য পর হছতেই व्याप्रेण, वाष्ट्रेण, अधिराष्ट्रकी, स्मिन्सिक्, कक्षां इक्षा, रागेननागती, इंगानि इस्तिय-তৰ্পণপৰ পাকেত সহজিনমতাৰশ্বী সৰ্ম্ম-ধুর্মাদ্রের ভাত্তব নৃত্যে, সভ্যধ্যের— एक रतिकी ईमन्त्री भटता । कार-धटकर থন্য প্রভা সাম্প্রিক ভাবে লুপ্ত হইয়। পাড়্যাছিল। তংকালে সামাজিক মান্ত্ৰ-থণ প্রমূদ্যনিধি জীগৌননিভানিকের নৈভবিত প্রসংশ্রহ প্রেমপ্রনারণ ল দারেপ প্রোণকারের স্বরূপ বিশ্বত হট্যা ধ্যারজী সাংক্রিক কুলের অপস্থাপত্র নিক্রডকভিব কদ্যাতাকেই শুদ্ধভক্তি বাস্থা ব্যয়ন্ত্ৰ তেত্রের হয়। অস্ত্রেরসমান কর্মিত भावतान्यकहे भावताकर्षभमा दो परा भावत করিছে গাকে। ৩% বৈলব গলের নামে অপ্রধ্যের করাল মুঠি,কই পুজা করিছে থাকে। অধৈতব;খণতিমানিগণ প্ৰাস্ত বিশুদ্ধ বৈষদ্যতাৰ অপৰাপপুথ্ৰক অভস্কি মাগাংলধী আৰু বহুনক্ষন ভট্টাচাণ্যের ভাতগভ্য-প্রে দীক্ষিত হওয়াকেই গৌরব-

#### देशनिक महीशाध्यकाम-शात्रमार्श्विक शत्व [ वर्ष वर्ष ১०७: म मरबाा ]

অভাবে প্রায় তিন্পত ব্যকাল গৌড়ীয়গগন, দিলেন। ঘোর ভণ্যার্ড ছিল। কেবল এই 🖰 চারিটী বিবিক্তাননী মহাপুরুষ নিজ নিজ ধন্মে বহিত্বওজনগণের প্রাবল অনাস্থ্য দর্শন ক'ন্যা তীনারা ভংকালে অমাচিতভাবে নাম-প্রেম প্রচারকাণো বিরত ছিলেন। লোড়ীয় ঐতিহাসিকণণ সেই ছকালাপুট অউতে কালকে "গৌড়ীয়ের অঞ্জারযুগ্ন" আধ্যা প্রদান করিয়াছেন। প্রাক্ত সহচিতা, অমুরতুলা লম্পটগণ যথন নিজেরা কৃষ-ভোগ্য সমুদ্র পদার্থের প্রাভু माजिला, मनग द्यारकात मानव न्छेनशुकाक ष्यश्रुष्ठि-१८६६ निरम्भण कतिर्द्धार्थन-पथन, লোকবঞ্চক ভণ্ড দলেব, প্রতিষ্ঠা সংগ্রহাগ, প্রাক্ত দেহে মপ্রার'ড বিকার প্রারন্দিন বিক্লান্ত চেণাই বৈঞ্বত। বিকাশের চরম পরিন্তি বলিয়া লোকস্মাজে স্থান পাইতেছিল, তথ্ন জীংজগতের মুদ্ভাষ न्यांशिष्ट इहेस। ८००ेन्ट्यां काक्न्य-विधाह <u>আইম্ছজিবিলেদ ঠাকুর মহালা লোনকে</u> অবতরণ করিলেন। সেই জীর-১৯রবর আন্ত জ্যাদ্বাদীকে আনাব দেই কল-্-বভার উট্টাগোর্ডনিভ্যানদের অসাম দাব वार्का धनारेकान । शतकः भन्नाति नताः ধানম জানকুলোর ঘোর জদশা দশনে জন্দন করিল উঠিল। ভাই, তিনে নিথিশ গেছামি শাস্ত্র মন্তরপূধ্যক প্রেমান্ধ্যান্ধ্যা পরি-পুরিত গ্রন্থাজি একাশ কবিয়া বছভাবের নিকট গোলোকের অমল মধুধরে। প্রকাশিত করিয়া বিকোন। আধাক্ষিক জনেচাবিত বিশ্বসাপার ভাটায় বিষয়ে উন্মন্ত ছিল, কাণ্ট, হেগেল, চাসাক, জৈমিনী ইত্যাদি দেশা বিদেশী নাডিক দৰ্শন শালে বৃহপতি লাভ করাকেই তথাক্থিত নবা সমাজ মনেবর্জাবনের শ্রেট আভ বলিয়া বিবেচনা করিতেন। ভংকালে পাশ্চাতা শিকার নবীনাগোকপাতে অনেক শিক্ষি চম্মন্থ বাক্ষি भारात रेरकराजनभरभत्त कराग्रात ने अवका নশ্ভ ইউরোপীনান ধর্মটের আবাদন্য বিযুক্ত হট্চা আচলিত সমাজ্যক ভাগে কবিতেভিবেন ৮ পাশ্চভিত মনীমিগণের যাকা বৰণ করিয়া তপাক্ষিত শিক্ষিত সম্প্রদান বাজন সভাবস্ত বেলকে কুমকের গান ব্যাতে প্ৰাপু কুছা ব্যাপু ক্ষেন নাই। किन्द विश्वभागान्त रिश्वभा**न्**द्वत সত্ত্বে প্রোপকারক-লেও প্রাপ্ত ভিড-বিনোদপ্রান্থ এক প্রম্ম বাওব লোকিত অভিনৰ রাজ্যের খানোদ্রাটন कतिया शिल्यम । भागवतिवाक भीववृत्स्त कारण इरकर्वत्रमात्रनी देवस्त्रक्षी औरेहाजक-বাপান চেতন-একার প্রানিপ্ত করাইছা ভাষা-

এই প্রকারে বান্তবধর্মপ্রচারক-ভাররের দিগকে নিতা অমরতার ভাগী, করিয়া সৃতত বিষয়ে টানে, এই দাভানিরোমণি রূপাঞ্চগ মহাজনের করণার পারতনোর সহিত আধুনিক থণ্ড উপকারকগণ ভাষাদেব সাধনভক্তন কবিয়া থিয়াছেন, শুরভজ্জি- 🖟 উপকারের পরিমাণ তৌল করিতে পারি-পেন কি ? কলগ চিত্ত ঠাকুৰ ভক্তিবিনোদ জাতৃৰ মহালানের কথা সমসাম্ভি**ক জী**ৰ-সাধারণ ভত ভুট্ন**রূপে বৃ**ঝিতে সুমর্থ হয় নাই; অনেকে তাঁহাকে ভগু একজন ভজিসিদায়-নিপুণ গ্রাছকার বলিয়াই জানিত: নিধণট ক্ষম দেবাবুদ্ধিৰ অভাবে ভদীয় ভীচরণকমধ্যের অপুন্য দ্যার স্বরুপটী অন্যক বঞ্চিত্র জীবের নিকট লুকায়িত রচিয়া সিচাছিল। পরাশক্তিতেই ঘাহার ভাগদিগকে মতি জাওগতিতে অমঙ্গলের : চিত্তের গিনোদন, গৌবরুফের আভীইপুরক সেই শ্রীল ভক্তিবিনেম ঠাকুর শহাশধের অংশের করুণার বাহাদত মহান্র্ভিনন इ.स. ८४(३,४)माडा श्चित्रकेर बन्धान कर क[बाक्तीरतत हैक रिमाय 🖹 भः निश्विक স্মাণ্ডণে প্রচার করিবার নিমিত্ত ব্রুলান যুশাদ্যোব্য কর্নাসাগ্র ই.জামদ্ ভ্রিকিণিকান্ত সবস্থাতী গোখাণী মহাবাজ প্ৰিবাতে শ্বহাণামৰ কলি, গাড়ৰ ৷

> র্ণকালা রে ধন্ম ক্ষণ ंद्र । র্য্যশা ্ িন্ ভাষা নৃষ্টে প্রবন্ধন ১

ান্ত । পাৰ হাৰাখ্য সম্পানন করিল তেরি-কক-গ্রাক জাল আচ্চাল্টের আন্ত कारण्यस्य भारतत्व सम् विश्वसः कीरतत्व कारत भारत देन इक्षर ४.८मत् । अनुता কারতেছেন। এরেক্সন্দের অথিল মফল-ু নৈকণ্ড-মহিমা, ইচনামের অপুকা ক্যাঞ্লাসীয়া শুদ্ধটৈ ভক্ষাবস্থতী ভিন্ন আর (क की छन क तरक लारत ? ध्य · काशार!--ধকাতিগক ভাষাদের জীবন—শাহাবা সধ্য-খাঅ'নবেদন করিবা ভলায় কোটাচঞ্-ভুশতির পাদপন্তে সাম্ববিজয় কবিয়াছেন। कट्य हिन्द्रशिष्ट् । व्यानता । कश्रहार्शिश्यदत्त्व অভয়চরণে অগ্রেনিবেধন করিল পরমার্থ भागत व्यक्तिकारी क्वेन ?

## জ্রী জ্রাগুরু বৈফবচরবে বিজ প্রি

( ট্রাগজা অপর্ণা দেবী )

ষ্ঠু হাতু কথাসিদ্ধ, व्यवस्थ स्टानन नेष् उँ इ (भन भर्गत मान्त । কুলাপদ পর্নের, भीनकनन्त्र छ, কু। বিনে গতি নাহি আর ।

कारत रमङ् अर्थेन्स्म, नियम नियम-निदयः जुड़ाईएड ना स्मिथ डिभात ।

মোহময় আকর্ষণে, রাথ পঁত রাজা পদছায়॥ ভূলিছ তোমার নাম, অ্থিল অমৃতধাম, विच्छ इंडेब्र् विक स्टाम নিজ কড়া ভূলি' হায়, ধাইডেছি অনপ্রায় অভিমান বিরূপের বেষে অনিত্য অসত দেহ, তাহে মানি নিতা গৃহ, মনকেই 'আহাা' বলি' মানি। মাংস, মেদ মজ্জাযুতা, দারা ক্রিপ্ত স্তা, আন্মীয়তা ভাতে দুঢ় জানি কি হবে উপায় মম, ঘনায় মরণ তমঃ

তাঃ নাহি কৈছু পার ভেলা॥ ধামবাসী জনগণ, কর ক্লপা বিভরণ, জোমরাত হও রূপাময়। नाम मन माध्र (चांत्र. বন্ধপাশ > সোরের नाम हुस्था सन्द्रीनक्क्ष्यम् ॥

तमान देशन व्यायु दवला ।

ত্র' অভ্যাচরণ পদ্ম, নিচেল্লবস্লাতা স্থ

### যথার্থ সত্য

( খ্রাচার্য্য জ্রীনন্ধিনচন্দ্র ভক্তিশার্রা )

দেহাড়িমান-বশ্ভঃ ওচলিবলেব "আমি" ও 'আমার' এই রান্টেন্যনা হয়, এই জড়া সংস্থাবে আমার শক্ত, মির, বন্ধু, হস্কা, পালনকড়া, নিন্দক, হিংসক প্রাভৃতি দুই देश । १४ ८४८६ त केक फिल्मिन, उन्हें ६४८६त | नान इंडेरम मन्हें नहें कर ।

ভগবান বিশৃষ্ট সক্ষভৃতের আন্মা ও অভিতীন। বন তীবের স্থায় তাহার 'আমি' 'আমার' ইডাকোর অভিযান নাই : का इत्य के का स दक्षा या ८०क्षा एक बढ़े नाहे, ह ত্রে যে ভি'ন অস্তর্গণের দও বিধান ক্ষরেন, সে কেবল ভাছাদের কিছের

বেষ বলভঃ, ভার বলভঃ—- এই প্রথমবিদ জিন্তা ধারা পরাগতি শাভ হয়তে পারে।

८६ (भीर)न कामनमञ्हः, कः,म "छभ्रमाजः, শিশুপাণ প্রচৃতি নুপতিগণ শক্ত বিশতঃ পারবগণ জেহবশতঃ, নাবদানি শ্ববিগণ ভক্তি বশৃতঃ তীহাকে প্রাপ্ত ইয়াছেন কিন্তু নাস্তিক ८२५ ताका ७३ शक्षतिम हिन्हात मरमा ८काम উপায় ছাত্রা জীক্রেকর চিন্তা করেন নাই, মতবা ভাহার মোকগতি হঃ নাই, শভএব त त्यान डेपाछड ७डेक, डीवरण मत्ना নিবেশ কবিবে।

य अकल गृहामक नाकि देखि। छनिक क्रिक किर्देश शास्त्र नाहे जावर विगः मञ्दूर व्यामक इदेश मः मात्रक्ष नाष्ट्रत क्षक

সতত চেটা করিয়া কেবল কট পায় এবং বার বার ছ:থভোগ করিয়াও যদি নিজের বুদ্ধিলারা বা অপর কোন বুদ্ধিমানের পরামর্শে ভগনান শ্রীক্তকের অভয়পাদপল্নে मत्नानित्वण ना करत्र, छाडा इडेरन जम:-যত ইন্দ্রিয়গুলি দারা পরিচালিত হট্যা থোর অন্ধতামিত্র নরকে পতিত হয়।

আবার যাহারা বিষয়াসক কামিগণকে গুরুরতে বরণ করিয়া কাম্যকর্ম ফল-ভোগরূপ নানাপিদ পুশিত বেদবাদে ভুষ্ট হট্যা কর্ম্মকাণ্ডে লিগু হয়, তাধারা অশ্ব-চালিত অন্ধন্যজ্ঞির ক্লান, একমাত্র স্বার্থ-গতি যে বিষ্ণু, তাঁহার সন্ধান না পাইগ্রা প্রারুত পথ ভুলিয়া সংসারগর্টে পতিত

'অনর্থক্রপ সংসার নিবৃত্তির জক্ম জগ-বানেৰ পাদপলে বুদ্ধি নিবিষ্ট ছভয়া অবিভাক। নিধিঞ্ন বিধয় নিস্তু প্রম-इर्भ देव भवनग्द्यत अन्तर्य द्य अधास अ সকল ইক্রিয়তপ্ণরত বাজি অভিবিক্ত লা হয়, তংকালাবদি ভাষাদের মণ্ডি ভগবান্টক কমেৰ পাৰপথা স্পৰ করে না অম্পাৎ ভাষাতা মহুং বা বৈক্তব্যবের প্রভুলি বৰণ না কর। গধান্ত ভগবানের প্রতি शंकारतंत्र जुन्नि निन्तिष्ठ क्षामा।

মংক্রিনাণ্ডের গন্ধা অন্তস্তব্ধ করে। ं मक्तावद करूना। शब्दान भश्राक विना-চেন,—সকলের আদি এবং অনম্বরণানী अभिकादणप्रकण (मङ्गे क्वित्राम भतिपृष्ठे হটলে ভজগণের কি আর কিছু অপোপ্য

ধন্মার্থ কাম ইভি গোৎভিহিতদ্বিবর্গ न्नेकाडी नवन्यो विविधा ह दाखा । भरतः उराग्डमिथाः निशमकः मखाः चा द्वार्भनः यक्षकाः भव्रभष्ट भूर्मः

( 31: 11512 %)

भया, व्यर्थ, काम---श्रियर्ग दिश्या व्यक्ति-হক্তি পূর্দক, কামবশতঃ, সেহবশতঃ, হিছে। তর্মধ্যে আব্যবিস্থা, কমাবিস্থা, ভৰ্ক, দওনাতি এবং ক্কবি প্ৰাকৃতি বিবিৰ জানিকা এই সমস্কট বৈজ্ঞা বিধর নেদের প্রতিপান্ত, স্থাতরাং ইহাদিগাশে আনি নথর বলিনা মনে করি। পশুভারে, পরমপুরুষ জানিফুটে যে আত্মসমপুণ উহাকেট আনি খণার্থ সভ্য বলিয়া মনে

> चग्रः छलयान् कृष्णः, कृष्णः मध्यास्त्र । পর্য ঈশ্বব রুগ সর্বাশাস্ত্রে ক:।।। मान अंड ख्याः (मोड त्यम व्ययायन । कृष्णत उक्रम दिनां भव विज्यम् ॥

## গ্রন্থ পরিচয়

## **ত্রীমন্তাগরতম্**

**আ**মরা• যি ক্ল**ে**বিপায়ন বেদব্যাস-প্রাণীত মূল, শ্রীমন্-ঠাকুর-কৃত সারার্থদশিক টাকা, বসাম্বাদ, সংস্কৃত অধ্যা ও **নেই অদ্বের প্রতিপাত্ত কথাসার, অ**শ্যায়ের প্রাণ্ডের অধ্যারের সারসহ হবিস্থৃত ভাৎপর্যাদি বির্ভ। লোকস্টী বিষয়স্চী, অধ্যায়বিবরণ, পুরি ও স্থানস্টাগ্র উভ্য কাগকে উত্তম অগণের মুদ্রিত। প্রেথম হইতে ১০ম স্বর্ধ পর্যান্ত ছাপা ম্পূর্ণরূপে শেষ ইইরাছে। ডিফা প্রেণ্ম इहेट्ड ॢ २५ स्था प्रशास २०१४ ; स्थाप यक ১०८ : PRS 80. 1

### **এটা**টেডগুচরিভাযুত

ও এতিমন্ত ভিনিত্ত সরশ্বতী গোস্বামী প্রত্পাদ শিলিত মালাবাদ, তিনের-নিত্যানন প্রস্কু, তিনুলের ধন্ম ও ক্ষা-'অভভাষ্যে এতি-মুভাদি বহু শাস্ত্রমাণ-স্থলিত হট্যা ক্ষিত্র, উরোসপুজায় স্মিন্তান্তরে ক্রিন, স্থান্তন, সভাষ্য-সংগ্র-ভালনাতিক-বর্ণধ্য-আল্লান্থ্য-ভালনাক্র অকেপিত হইগাছেল। সোণের সাহয়ব্যাখ্যা, বজান্ত্রালত । সামের মতিমা, মহাপ্রসাদ, ত্রীগোরিক, জ্রিপ্রয়েগভালন-প্রাজ্যেক প্রারের পুরের সংক্ষিপ্ত অভিনেয় সংযোগিত। িপণ, জীমতা রুগভায়ননিনী, জীইনজন্মের সন্ম কৌনকলনা জাকেব ভোকাদি স্টান্ত উৎকর্ম এ**ন্টি**ক কাগতে বেজে আত্যেক অারি-আবিছে কথাসার দেওয়া আছে। খোক, ও রক্ষণক্ষীধন-চতুদশ অপুন মধুরিমাপুত-বঞ্তা বিভূগতে। ব্লুকালতে মুনিত, উৎস্ঠ বাবা গোনার জলে নাম লেখা। প্রার, শাপ, স্থান, পাত্র প্রেম্বাচর অনুক্র পূচী ও গ্রন্থকাবের বিভাগে ১, এক টাকা মাত্র। বিস্তুত জীবনী-সম্প্রিত এই রূপ অভূতপুদ্ধ সংশ্বরণ উত্তংপুধে। বাগম ও বিভীয়—ছুই বাও একংনে লইজে ভিজন ১৮০ কুজাপি প্রকাশিত হয় নাই। উত্তম কাণ্ডে পারিপাটেটার । দেও ঢাকা, ডাক গুরুচ স্তুর। স্কৃতি হুল বুজাকবে মুলানে মুদ্রিত চর্যাতে : এত প্রার : ১৫০० शृहाय मुख्य । किका वर्षमारन द् माछ ।

#### <u>এটেডজ্ঞান। গ্রহ</u>

লম্কাবের জীবনী, প্রতি পরিছেদের কথাসার, বিস্তৃত েণ্ডায় ভাষা, শক্তটা, প্যার্থ্টা, বিষয়-স্থান-পাঞাদি-প্তা, প্রভৃতি বিবিধ বিষয় সম্বালত বিরাট ছিতীয় সংক্ষরণ खन्न क्राउन म लिका भाकाता भाषामा <del>।</del> महाज কিঃদংশ প্রকাশিত ছহয়াছেন। ক্রমে ক্রমে প্রকাশিত <sup>বি</sup> कर्ष्ट्राच्या अधिम किया ब्राह्म, आदि लीलात 1841 5

#### **এটি চত ব্যামকল**

दहे अर्द्धत दक्षण व्यक्तिन कुमत मन्द्रत्य व्यक्ति कु अर्थि क्षकार्तिस इस नाह । अर्थेष्ठ (शाकार्तनत व्यवस, वक्षाक्षरांत, ভাষ্য, কথাসার, তথ্য প্রাভৃতি সহ খণ্ডে প্রে প্রাণ্ড হংগ্রাছেন্। মুল মোটা অকরে ডবল ক্রাউন আচপেনী इक्षाकारत काला क्रेगाटक। भूका २०० छ।का। नेनात অ্কাশু ও গৌড়ীয়ের আহকগণের পথে সাং টাকা।

#### দ্রীমন্তগবদগীতা

— শ্রীব্যাতীর বৈষ্ণবাচার্য্য অপ্রাঞ্চ রণিকচ্ডামণি 🚊 🛍 বিশ্বমাপ চক্রবৃত্তিসকুর গোলামিরতা সারাথব্যিণী क्षित्रात्यता ७ ब्रीटीमप्रकितिमात मानुष्र-व्यागात व्याग्य-সম্ভাশ নাম্ক ভাষাভাষাসহিতা। অধ্যাদস্টী, মাভুকার যে ্ষাক-পুটা,বিষয়-পুটা,গ্রন্থকারের জীবনী ও অবভরণিকা।দ वष-कः[एवावियम-मर्क केरक्रह वीशाह ५ए। माध्यम--- एहे जान अरक्षत्रात्त्र चिका २ केन्सि माख, मार्यात्रण अरक्षत्र--- >॥ • क्षाका माज

### ল প্রভূপাদের বক্ততাবলী

ওঁ বিষ্ণুপাদ শ্ৰীশ্ৰীমন্ততিসিদ্ধান্তসৱন্তী গোস্বামী মহারাজের দেই অধিঞা-বিধাং স্মি कीवाश्वयत्रत्यादशामिनी क्रया-काम्यानिनामिनी कीवश्व-नावात মৃত-বিগ্রহ—বৈক্ষবসিদ্ধাপ্ত-রহুমালার কৌস্পভ্রমণি— সম্প্রদায় মধ্বাচার্যা-ক্লভা ভাৎপর্যা-নির্ণয়টীকা; শ্রীমদবিশ্বনাথ চক্রবন্তী বৈভবনিজ্ঞানাগারের মৌলিক তথা--পক্ষরাক্ত ও ভাগনতের শ্মলয় গুক— মহাজ্ন-জীবনচ্বিত-শিক্ষ ক —চি ধিলাস্চিন্মাত্র-অভিশন্ধ, তথ্য ও বিপ্ত্যাদিয়ক। প্রতি ক্ষের আদিতে অচিনাল-বিচারক-- এখর্য্য ও মাধ্যারণের মৌলিক গ্রেশণার 

> ১। প্রথম থও—বৈদ্যানদর্শন, খ্রী ওক্তর, কাল-भया, भागमाविकाव, द्वीवार्यक्रासदी, अध्यवादिकी नेका ও বর্ণ-বিচার, আত্মধ্য ও মনোন্যা, ইটেডেলদের ও ভাষার শিক্ষা, অপ্রাক্ষত সহজ্পত্ম ও প্রারেত সহজ্বস্থা প্রান্থভি বিংশতি সংখ্যক রত্নে প্রেল্ডেড। ভিজা মত্ত্ব ক্রিডি স্থাতি স্থাতি প্রাণ-পঞ্চবাত্রাদি সাহত-প্রসম্ভের প্রমাণ্যবদী ৮০ বরে আল।

১ | বিভাগ **অভ**-ভদা ও বিদ্যাভতি, মনুষোৱ জীজীময়জিবিনোদ্যাকুর রচিত 'অমুজপ্রবাহভাষ্য' লেইডা কোথায়, আল্লার নিতার্ভি, জীবর স্বামিলাদ ও

#### 🚉 महर्गरम्श्री हा

८भी श्रीय-देवसानना निक्क- (अथान अक्षिक्ष मनदारमात्र विका-कुमपक्र काम व व्यानम् किरियान शक्यात्र शक्या वन-ভাষায় বিশ্বত 'বিষদর্জন' নামক ভাষায়ক। অধ্যয়-कड़ी, विकासकारी, তাতি লোকের প্রথম ও ভুতীয পাদ হটা, ভাষ্ট্ৰানের স্থাবনা গুড়তি স্থালত। फिरक्ट वास्त्रहें, ताक्ष्माध्यत्न ( कुंडीक संस्कृतन् । ठाउन्त e 51411

#### প্রমেয়রভাবলী

লোবিন্দ-ভাগ্যাদি পাড়বার ভাগম গ্রন্থ টাংরত কালিতে eth)। श्रीतपुर केका अ ध्याक्रननमास्यामभाषास्य অভি স্বল্প বাণ্কেরত বোধগম্য বহুনা প্রক্রে। ভিক্রা

#### শ্ৰীনবদ্বীপধামমাহায়্য

( প্রমান্থও। মান্তবাদ। আত-শৃত্যাদি একে জীনক। খালের যে মান্মা কারিত আছে, ভাষার মূল সংস্কৃত ও আয়ু মাত্র ভিজো ৮০ সানা। अञ्चलका क्रियाट • अलिए।

#### **এ** এনবধাপভাৰতর

শ্রীসারুর ভব্জিবিনোদ বিভিত। প্রবলিত গাঁভকোরে পরিক্রনার এ৪ব্যাদি-নিষয়ক। ভিকাত আনা।

#### ভক্তিরতাকর ও মন্ত্রীপ পরিক্রমা

ত্রীল নরহার চঞ্চবটি-ঠাকুর র'টও। ভারুরাকর চ্চতে পরিন্মাংশ মাত্র গৃহীত; শ্রীজীব গোম্বামী কি প্রকারে জীনব্দাঁথদানের পরিক্রমা করিয়াছিলেন, ভাষাই পঙ্গে বিবৃত। ভিক্ষানত আনা

শ্রী ভক্তিবিনোদ ঠাকুন-প্রণীত: শ্রীহৈত্ত্রেইলেড শিক্ষাপ্রাণালী--- রক্ষ, ক্লফশক্তিও রস---বন্ধ ও মুক্ত ছীব---অ[৪ স্তা-ভেদাভেদ-ভক্ষ-সাধন-নির্ণয়-প্রয়োজন ভক্ত কল্প কাও, আশুমাদির বিচার—বৈধী ভক্তি, ভাবভব্তি 🛊 প্রেমভিভিন্ত লমভ্যন-প্রালী ও অংকালীয় লীলা পরিচয়াদি প্রথম শিক্ষাপরি উপ্রেশ্য করিয়া সরল ভাষায় সমূলয় সুক্রিপ্রমাণ্যত লিখিত আছে। চত্ত্র সংকরণ কারা २, होको, वार्राक्ष ३७० होका मछ ।

#### গৌড়ীয়কণ্ঠছার

कीरपोरीय-रेनमञ्जपदण्य अञ्चलन कर्ष्ट भारतगरराजा বিধ্যবিভাগভ্রমে সাকুরাল ওদিন্ত। এইরূপ বৈদ্যব-বিদ্যান্তের সারেন্মখয় অন্ত কুরাপি প্রকাশিত হয় লাই। ইহাতে প্রকাত্র—ভাগবত-- বৈষ্ণব — গৌর -- নিত্যানন্দ--ं অধৈত-কৃষ্ণ-শক্তি-ভগবদুদ-ভীব-মতিস্তাভেদাভেদ -- শ্রিনাম – প্রাঞ্জন ও প্রমাণ-১৯৩৭ পুপক্ মধ্যতে গ্রন্থ প্রায় ৪০০ পুরায় সম্পূর্ণ ভিকাব ২ টাকা মাত্র।

#### क्रीन दी श्राम- शकानली

আমদভতিবিলোৰ হাত্ৰৱ বচি প্ৰম্মাধ্যম্ম-নাম-মাহাত্মোৰ সাঞ্চাৰ প্ৰমাণ থও- আগ নৱহাৰচক্ৰবৰী 21কুনের পায়-পারিক্মারশ--- আগেম নবরীপ পরির্মান্ত যাত্র প্রতি—ইনিং প্রবোধানক্ষত নব্দীপ্রতক্র— শ্রীমণ্ডিবিনোদ সাকুরের শ্রীনবদীপ ভারতবন্ধ প্রাঞ্ডি গ্রন্থ একরে ভিক্ষা ৮০ আনা মাত্রন

#### জীহদিনামায়ত ব্যাকরণ

শ্রীভীব শোষানী প্রাপাদ-বির্টিত বুর ও বৃতি, ওংসলে উবিফুলার জীমছান্তাসিকাত সর্মতী গোসামা মহারাজের বিভূত ভূমিকা ও হটা প্রভূতি সহ। আম্ম্বলদের বিস্বান্ত্রন-আলাভ বৈক্ষর্ণনা, সন্ত ও অঞ্চাাশিতভাবে স্বভ। ভিকা ২০ টাকা, ছাল্লগণের श्रदक No होका माजा।

#### বেদান্ত ভব্দার

শ্রীমস্রামান্ত্রভাচার। রাচাচ। বেদায়ের বিশিটাবৈত্রাদ প্রচারক জীভাগ প্রবেডা মার্চাগ্য প্রবর বেদাঞ্জলন পাতের **डेल**्याले कवनाथ एक করিয়াতে ন ব্লানুবাদ ও ব্রীণাঞালি সংগোজিত করা বইঘটে

#### এটে ভক্ত চন্দ্ৰায়ত ও নবছীপশভক

পোৰপাৰ্যৰ ত্ৰিৰজী শ্ৰীমৎ প্ৰবেশ্যনক সৱস্থা প্ৰণ্ড मुन्द खड्लाम बिभम् ७किनिकाप्र गत्य है। १९१४ मी महाताम স্ক্রাণ্ডিত অধ্যয়তে ব্যাহন ও নহাত্তবাস স্ক্রিতি -मन्द्रीपन्य रकत शिक्ष्यित्याम शहरत्व ध्राधनाम स তৎসহ শ্ৰীমন্ত্ৰালয়ৰ একটা জিললেঞ্জিত জলোধিৰ চিন लामक अहेशारिक। अस्त्र प्राप्ति छेरकहे । २ भागः कटल ) क्लिका ५० व्यक्ति, अपि इत्या नेविष्टे ताप्रमध्यतः ्र ठीका भाव



चौप्रधिक्वितिरमाम शिकुत-श्रीति। उर्वे दक्यान श्रय-বল্লের জ্ঞান লাভ করিলে পারমাথিক বাজো কিছাতেই कर्तान वा भरभग्र शांकिटव ना। शतम शृंह गर्फानियवक *ध्वे-*क्षण मत्रवा ९ अमग्रलाँकी श्रम जी भगान्त क्षण कार्य है। নিলিগোস্বামি-শাস্ত্ৰ মহোদ্ধি-মন্ত্ৰক গ্ৰহ প্ৰথাস্ত উপিত ১ইয়াছেন। সাধার স্থানত্ত সূদী, কথাসার रेक्षाफि क्षांता तिर्भव गमुक कवा क्षेत्राटक । विवाधे अग. ्भागात खाल नाम राजधा, छेश्केष्ठे वै(शह--- ५ वर्ष मध्यतः क्लिंग २, तीका माध्या

#### প্রেম্বির্ব্ত

প্রীমনাহাপ্রের অনুর্ধ পার্মণ শ্রীল জগদানক প্রেড্ বিশ্বচিত। এই পুতুকে অতি জগ্রেধা ভারায় মহাপ্রাণ্র किन्तिया जीक्षाप्रह देवस्थवाठाव, उकाननी छ सामस्क्रम-প্রশাধী প্রভৃতি অনেক ेलकव ७८ इत । स्रोभाष्या ্লেখিতে প্রিবেন। প্রাণীকায় চক্ত ভানের বিশ্বাপ ও । স্বস্থ গ্রীপানের সংস্কৃত নব্যীপশতকেব প্রণলিভ প্রান্তবলি প্রান্তকান্ত্রণা প্রিচ্যাদি-সম্বান্তিত চতুর্থ সংস্করণ ভিকা ॥১ स्न व्याना गांव।

#### ভজনরহস্ত

ভলনকারীর নিভাগলী; ঠাকুর ভজিবেনোদের অন্ধা। পুতক। ভি দশন: নিশিল শালেব নিয়াম। গ্রহণানি না বেধা প্যাত কেত বৃদ্ধিতে পারিবেন না। ইউায় সংস্করণ ভিজা ॥०।

#### হরিমামচিত্তামণি

गामाहारा भीत अतिमान हाकुरतत भ्रथ भीगमाशाका ह ট্রানাম-মাহাত্ম্য, নামাভাদ, নামাপরাধ প্রভৃতি বিদ্যের যাবতীয় বিচার ভাবণ করিয়াছিলেন। এই বিলয়াওলির আতি স্বল প্রারে সংক্ষিপ্র আশ্রম্ভ প্রিপাটিভাবে মুক্তি। দ্রীল ভাঞ্জিবিলোদ ঠাকুর রটিত। প্রথম সংকরণ ভিক্ষা ৭০

#### कम्यानकष्ठक

শ্রীমরক্রিবিবোদ তাকুর-রচিত। প্রত্যেক ভগবদ-িখানী ও জানপথের পথিকের একার প্রয়েক্তনায় कुल्यमावनीश्रवं कीहिश्य। मामान व्यवश्यक काना ্লাকেও এই ভক্ষরাকোর গাতিসমূহের হার৷ অন্প্নিচুতি ৭ ভগবংসেরা লাভ করিবার শুবিদা পাইনেম। ৪৪ সংখ্যা। ভিকা /১০ খানা মাত্র।

#### শরণাগতি

শ্ৰীমন্বক্ষিবিনোৰ ঠাবুর-রচিত। ভগবানে আয়ুসমপণ বিজপ্তি, ভলমবাৰ্যা, বড়্বিধা শ্রণাথতি ও দিদ্ধি বাৰ্যা विषयक गाँउपूर्व, जिक्का 🗸 बाना गाउ।

#### शी जाननी

খ্রীঠাকুর ভিজিনিনোদ-প্রাণীত। নিত্য ভক্তন, স্বারাত্রিক ভিক্ষা / । আমা মাত্র।

#### **अगरश**क्षक्रम

पनिरमञ्जूष्कियोनि श्रीमनिष्नां छक्तनही रेक्ति-বিস্তৃতিত সুব**রত। শ্রীমন্তৃতি বিনোদ ঠাকুরের অ**লুবাল-महः विकाश सामा शास।

শীনমহাপ্রার শিক্ষাও শীল রল্নাপ দাস গোসামীর প্রতি শ্রীকণ লোস্বামীর উপদেশবালা, ভক্তিপথের অন্তর্কন ও প্রতিকৃষ বিষয়ে প্রবিচারিত মন্মোদন ভাষা, বিস্তৃত বিবৃতি, চরিতামূতের প্রমাণ, সাহল ব্যাখান ও মহাজন-প্রণাত ভতগ্যোগা শাত্মমূহ প্রত্যেক লোকের স্থিত স্ত্রিনেশিত ক্ট্যাড়ে। তম সংস্করণ ডিক্ষা।🗸 আনা।

#### সাধল-কণ

শ্রীবসুনার দাস গোজায়ার মন্ট্রেম্মা, শ্রীল ঠাকুর ভক্তিবিলোদ-চবিত প্রাম্ববাদন্ত। ভিক্তা / ত মানা I

#### প্রেমভব্তিচ ন্রিক।

শ্রীল ঠাকুর নরেডিয়ের প্রপাদন্ধ প্রেমভিজিবিষয়ক 'নেব পুডক । ভিজা, আনা মাজ।

#### बनहीं भगक क

बील शक्त किंदिरमाम-ब्रह्मिक बील ब्रह्माधानम জিকা, • মানা মার i

#### অর্থপঞ্চক

ভীল লোকাড়ার্যারভিত। বৈক্ষরতা-জানের আকর কান: খ"র।

#### সদাচারশ্বতি

শ্রীল মধ্বাচার্যা-প্রাণীত। বৈশ্ববের নিত্যকর্মাণি স্বাচারা-বলী, বলাজুবাদ সহিছে। ভিকা 🗸 আনা মাত।

#### মণিমঞ্জী

कविक्नाहरूनहो श्रीमधात्रास्नाधार्गात्र ति । श्रीमस्रम्य চাৰ্যোৰ সংক্ষিপ্ত জীবনলীলং ও মূল বৈক্ষৰণ্যমন্ত। স্ক্ষেৰাদ ভিক্তাত আনা মাৰ ৷

#### दगोत्रक स्थानग

প্রার্চান কবি নীলোবিন্দ দেব প্রাণীত শ্রীগোরাবভারের थ्रायागारकी-मार्याक मध्यक अह। क्रिक्रा ५० व्यामा।

#### যুক্তিমল্লিক। (অণ্ডোর্ড)

. শ্রীনধ্বদান্তরভাগ শ্রীমনাদিরার সামিতে। বঙ্গাক্ষরে সায়বাস এই প্রবের প্রকাশ পার্মাণিক সাহিত্য-জগতে এই সর্বপ্রথম। শ্রিমরাপাচোর্য্য হুইতে সোক্ষারগুন দিন্তীয় भक्ता हाया भारत शांक श्रीवाभिताक होर्व सानी उहे जाए া সংগারক সৃষ্টি ও লৌকিক প্রায়ামুদারে কিরূপ স্থান্যভাবে ভক্তিবিরোধি-মতবাদ লমুখ পঞ্জন করিয়াছে, ভাষা পাঠ कतिए कतिएवं बाक्तग्रासिक बबेट्ड ब्यू। वैवाटक गृधिन वाता छाकाक, टेकन, त्योब, भीमाध्यक ७ मामावाधिमछ-मनुष्टित सन्तत भ धन तरिशाष्ट्र । (७७०) २, हाका माछ ।

#### (गायामी औल त्रम्नाथ मान

(ও বিফুপার্ণ শ্রীল ভবিক্সিদ্ধার্থসরস্বতী গোলামী প্রাতৃপাদ-লিখিত ভূমিকা নহ) গৌরপ্রেষ্ট স্বরূপ-ক্লের একমাত্র প্রিয়তম শ্রীণ দাস গোত্থামী প্রভুৱ মপুর চরিতামৃত ও শিক্ষা অতাব প্রাঞ্জন ও সরণ ভাষার সরিবিট এবং পরিশিষ্টে দাসগোস্থামী প্রাভুর বিরচিত করেকটা সাম্বাদ মধুরতম তথ ও মনংশিকা-সংলিত। ভিকা বাণাই ॥• আনা, আবাণাই 📈 আনা মাত্র।

## চিত্রে নবদাপ

আচীন নব্ৰীপের অব্ভিতি, তথা, ঐতিহা, শ্ৰোত ও এতিহাসিক প্রমাণসম্পতিত নয়টা শীপের সচিত্র বিবরণ-গ্রন্থ। রাজ্যিরাওসাতের কুমার শ্রীগৃক্ত শর্মিশু নারায়ণ রায় এম, এ, প্রাঞ্জ (লাভোর), বেলাস্তভ্যণ মহোদয় কর্ত্তক সম্বাসত এবং ৪৭ থানি বিভিন্ন বর্ণের অপুর্ব চিত্র ও मानिहिज-ममसिङ; ध्वाहातिश्वामशार्य नात्र मारहव নগেজ নাগ বস্ত বিশ্বকোষদম্পাদক মহাশ্রের বিশ্বত ভূমিকা नश् । छेरक्रहे ( हेर ) यहत्का नैश्तिह भूगा >॥०. स्थि: लि: एष्ट २ । छाक भाव।

#### साभक-कश्रमाना

अक्षतकता, रेनकव-नकता, रेमकवनत्रव, मानारमञ्जलीक, শ্রীনামঃটু, শ্রীমনালাপ্রান্তর কর্মেন্তরশত নাম, ক্ষইপ্রাহর भागकार्मन, ज्ञीनामनकाञ्चन, ८ श्रमन्त्रनि, 'वाडेनमकीक, নবনীপ-স্থিমা, শ্রীমালাপুর মহিমা, শ্রীনশ্রোজম-প্রান্থর অষ্টক মাচায়্য-বলনাং গড়ুগোরামীর অষ্টক, প্রেমভাজিচ ক্রিকা, ি উপদেশমালা, নামভত্ন-প্রেণালী, মহাপ্রভু ও রায় রামানক मन्त्रापः, मन्द्राभकां, श्रीवनन्द्रविद्यः श्रीवनन्त्रताः, মহাপ্রার বন্দনা প্রভৃতি দাবক ও দিছ্কীবনের নিভাপাসং रेनफलनग्दर्भ कर्णालंड ज्यांगीयालांत स्राप्त कक्षणम् कट्ट পরিপ্রোপ্তা অপুর্ব: তাও। ভিক্রা po o. ব্রাবৃত্তি no মাতে।

#### গোড়ীয়-গৌরব

কলিকাছাৰ স্বপ্ৰাইন্ধ আৰুবাট হলে গ্ৰোডীয় সম্পাদক किलाम छन्दर्शनम शहित्रभावित्याम छाम्छ वकुण्डात विश्व গুরুকারে প্রকাশিত। উল্লেখ্য গোড়ীয় বৈক্ষান্যপ্রদায়ের ইতিহাস ভারাকারে গুলিত চইয়াছে। ভিকা । ক মাত্র।

#### গোড়ায় সাহিত্য

কলিকাভার প্রপ্রাসন্ধ আশবটে হলে গ্রেট্টীয় সম্পাদক बीलाम रामतामन भवनिकाचित्मानलाड् लामक व्यक्तात विस्त शश्कारत अकालिए। हेशाए माश्चिम्भरभद्र वर्ष खरः পৌড়ীয়-দাহিত্যের বিশয় ক্রকারে বণিত হুইয়াছে। ভিষ্ণা lov - আনা মাত্র।

#### श्रीद्योड्यक्त श्रीतक्रमा-सर्गन

শ্রীগোড়দেশের যে সকল স্থানে সপরিকল্প শ্রীমনাহাপ্রাভু এবং তদত্ত্ব পরবন্ধী মহাজ্মবাৰ লীলা করিয়া বিশ্বাছেন, মেট সৰ আধুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও দেববিগ্রহাদির পরিচয় সহ বাতায়াতের স্থবিধা নির্দেশ ইত্যাদি বিষয়গুলি भविदिनिक चार्छ। किका 10 **चा**ना।

## THE HARMONIST

OR SHREE SAJJANATOS

শ্রীল সাবুর ভার্কিনিনাম-প্রতিষ্ঠিত এই শ্রীকা ভারি-সিভান্তসর্বতী গোদামী প্রাকৃপাদ সম্পাদিত পারুমার্থিক मानिक लखा जिला देश्वीकी छात्रांत्र कहाविः न वटवं ভবলকাউন ৮ পেঞ্জী ৪ ফর্মা আকারে প্রতি গাবে চরি-নামের বিজ্ঞা-বৈজ্ঞানী শইয়া উপজ্ঞি চইতেছেন। কাগজ, মূন্রণ-পারিপাটা ও চিত্তাদি মতীব চিত্তাকর্বক। ाई ध्रकात है रक्ट ध्रवक बात दकान भागिक भवाबिएड দেখিতে পাইবেন না। বাৰ্ষিক ভিক্ষা ভাক্ষাগুলস্থ 🔍 हाका याळ।

#### প্রাঞ্জিন্থান-

**बिरिड्डमर्ट, (भाः क्रियादाशुद्ध महीद्या** 

## বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভক্তিমঠসমূহ

### श्रीदेवज्या मर्र

#### আকর মইরাজ

m ही अ अवदीय, काक्यत खिशाय बादालुव, अलीवा

শ্রীমভাষোগালীয় ভাগতে প্রায় ৩০ । বস্তু উত্তর-পূর্বে প্রীত্রজ্পত্রমে আচারীয়ন্ত প্রীচন্ত্র-**ष्मिश्व-कन<u>त्त</u>्र औ** विदेशकण यह निदाक्षमान ।

এট স্থান সার্থান-ভীর্থ, পরবিদ্ধাপীঠ বা সাত্ত ভজনত্বনী। এট মহাজীর্থে 🖫 হরি-कामामुक वारक क्लानि-(नशाक्षममूठ, अविश्वाद व्यक्ति कावा, नाहेक, व्यक्ताव, क्या श्चाप-क्रिप्त-मा हा-एक- १४।म-६ क्रेट्ड अमारम 🔸 अमार्गमा व्यव क्रम्पा 💂 अस-গোৱাল-গান্ধ বা ০া-গিহিগর ব সাম্বত সাম্প্রদায়িক-মাচার্যা-চতুত্ব উচ্চাদের উপাত্ত সম্প্রদান্তের অধ্যক্ষাপত ও ওপ্রচৌন গ্রন্থরাজি প্রচারকরে 'নদীয়া-প্রকাশ' ব্যালয় প্রতিষ্ঠিত চৰ্মাতেন প্রতিবংসর শ্রীগাম-প্রিক্রমান্তরান ও অসাণ্ড ভজানেট্রেন कीर्का अतारमान महामाध्येष्याताल ककाम अवस्थित वर्षता वात्र । वक्तन-अवतारी 💂 পার মহত বিজ্ঞী। সতকারী-ত্রীপাদ বিলোধবিধারী ব্রহ্মচারী, পাঞ্ডিস 🕮 পাদ গোরদাস उक्कारी कायानाकप्रणार्थ, अलाह नीक्क उक्कारी, अलाह ननाशालान उक्कारी. **क्रिक्र**क्षम् अक्षतारी, द्वीपारमार्थान अक्षतारी, अक्ष नाइस, व्यवना, स्ववकीरमास्न काश्रम मक्तिनभग ।

ভিষ্তিব্যাম জীলছাজ প্রদীপ ভীর্থ মধ্যরাজ এখানে ছবিক্লা কীর্ত্তন স্বিভেছেন। ব্রহ্মণারী প্রাকৃতি ।

(৩) ঘোগপীত শ্রীমন্দির

कर चान श्रीकश्राभाषाम्य करन या ব্রীমন্মকাঞান্তর আবিজ্ঞাব-ভূমি মতাযোগ-र्श्ये । तथात्म श्रेमश्रीशाश व श्रीवक-जिल्लामक डिस्नोदमाद्वाक्त अनर डिस्टिन्डमा 🛊 🛢 बाबाकुरकात निष्ठा द्रमता छन। 💆 शक-ঙাৰে সেবা বঠমান। বহুক---লোক-अध्यादत रमायामी क्रष्टावाम। व्यक्त व्यवसा-माथ। प्रकारी श्रीनिकालिया विकरानी, **अक्षा**शांतिस्ताम क्रिक्किश्वन, श्रीवांत्रमान अध-**हाती । क्षीमाननसात व्यक्तिकाती, स्मित्रमा**त्रा क्षेत्रावन्त्रम् ।

(8) **최저기카-영화**리

এই প্রাথান ক্রিন-বিশাস বা **ब्यानामान कामक्रमी । ज्ञारन ब्रिक्की**श्चात-शिक्षाक्ष्मक क भक्षकरकत दभग वस्त्रभान । 

(৫) আহৈছ-ভবন

बाहे चारम श्रीचरेष्ठ श्राकृत अवन धावर (क्या वक्याम ।

बक्क -- श्रेष्ट्रहामम मानाधिकाडी. श्रीरभाष्ट्रममान वादाकी।

(७) काळाज जमाबि भ.हे

बाहीन यादालत. यागनलकत (मधीर्था) **किर्लोबस्थालाक अ**हासकाक्षीत भ्याति। युक्क-अकाशी शैविद्यामाय वाही।

( 4 ) খানন্দ ভূখন-কুঞ্চ

श्रीत्राक्षम, पश्चमश्च ( समीता ) व्यवस्य अविकृताम जैन अस्तिविद्यामठाकृत्वम मधानि बनः औरगोप्रमहायय धारर मैळीवाया-शाध्यत दनवा वर्षमान

इक्-क किन्द्र काकात व्यक्ताती प्रक्रम-खेतावादत वस्ताती, क्रिक्टिकी बण, बग, बन ।

(৮ अक्रमहाथ दर्गा होत्र वर्ड यष्ट्रभगित्र ।

वक्तक--- चीवहतत खिल्लाजी अम. अ. र्वि, क्रम, महकारी--श्रेष्ठिकामाम क्रक-नाशी, विकेककम आंधनाठी शक्कि।

(>) बिटगोत्र-गमागत्र मर्ड

টাপাণটী, সমুদ্রগড়, ( বছমান ) 🗐 म नागी नात्वव दानिष्ठिक दशोवश्रमायव-। ्भवा । वक्क -- चैश्ह्यवाम अक्कारी, चक्क **क्रिश्मित्र काम** ।

(১ • अक्रुप्रशोषीय-वर्ष शाकाशम, अमान ठेडे. नि वक्त क--- 🕮 विवास अक्षाती, सहकाती--শ্রীপর্বেশ্বর ব্রহ্মচারী।

( ১১ ) औद्यापक्रमहत्त्र --माछेगा कि, बात्रगत, वद्यमान।

न्त्रीतामविकाष केक्चि वृत्तावस्त्र श्राम । त्रण क--- 🗒 वद्धविगती उष्णवामी, 🛛 🖘 नीनवयान ।

()२) खागवड आमन 🕮 গাগবন্ত প্রোদ, ক্রমানগার, নদীয়া। কাগৰ ংশিছাৰ এচাবলীর প্রচার-কেত্র।

देव वहाक्ष्य 🏖 ( ७६) (भावित्वनूर, शंगवानी, समीदा ।

শ্ৰী ব্ৰদিংত ব্ৰহ্মচারী, শ্ৰীকপ্রের দানাণিকারী, শ্ৰীপরেশামুক্তর প্রশাচারী, শ্রীবাদবানকা শ্রীশন্ত নাথ পাণ্ডা, ডক্ত বিশ্বনাথ

( 58 ) श्रीभाष्य-८गोफोस मर्ड

>•नर भवावशूष द्वाष्ठ्, हाणा। मृक्षराय काठाव-द्यक्त,जवादन खोचक-(शीवाक शाक्तवा-शिविश्यक त्रवा वक्तवान । क्ष्मदामम शहरिकादित्मात वि- व, श्रीकाव- (३) बीटगोडी इ मठ

১७ मर कालिक्षमाम ठळवळी हैठि. (भा: नानवाक्षात, कलिकाछा । छिनिय्मान वि. वि. 8:. 2

শ্রীমন্মচা গভর প্রচারিত স্থানিশাল ভাতিশম্ম-প্রচারে ছালাল গোডাদেশের সমাপ্রধান मगरी कनिकालाय श्रीकिकिनितान भागाम श्रीमठ श्रामित भारतम । बार्ट कर्छ-সভ্যারামে জ্রী এক-প্রোক্তার জীবিনোদানক জীউ সপার্যদে নিত। সেবিত তন। সোডীয় আচার্যাবর্ণের যাণভীর প্রস্থাবলীর প্রপ্রচারেকেশে শীমটে সংগল একটা ওরুগং মৃদ্রা-বস্ত্রাক্তর সংস্থানিত চইরাছেন। পুলিবীর সক্ষত্র 🕮গোরনাম-প্রচারার্থ এচ সন্তালর क्ट्रेंट्ड '(जीक्षीय़' माश्राध्क नवा, कि क्ड्रमांसहे मामिक नविका हेरदाकी कावार निष्यिक छ। दि त्यकामिक व्हेरक क्रिया 🎒 मार्क मार्क, महीकेन, महासान-१ क्रिया-१ क्रिया-१ विषयात्रक. औरेठकुन-6विकास्त्राधि-नीना व क्यशास्त्र मधाक चारनाहना क्रेड থাকে। মঠরক্ষক--আচার্যাতিক শ্রীপাদ কুমাবিচারী বিশ্বান্ত্রণ। সচকারী--পশ্রিম खीलाप अम्बनाष्ट्राप्त प्रविश्वाकृत्त वि-व. लीलाप काम विवादी अक्षाती, जीलाप अनुष्ठात्र वात्राधिकाती विन्धाः लीलाम अवस्थालान वात्राधिकाती, ब्रक्षकाती भीकीर्जनातक, उक्कार्ती जीलावीर्याक्त, उक्कार्ती जीवशासक, गांकक जालाह नर्गातकक नकरिकालकात मध्यमां धरेर कराहाया, 🕮 वद्यकारम गाधिकाही वि-०. 🖺 करवस्त छिन यकाती वि-वन, जीमञ्जाम साम्रत्कातिम्, जीविष्यस्य अक्षानी, मीक्षत्रताविक

ा शोब बन्नाश्वी, जैननश्रीवाण बन्नाश्वी, 💂 প্রিভিগ্ন বি ভারত ।

( ১৫ ) 🕮 दशाभागको सर्वे

क्यमाभूत, हासा। পোপালজীর শ্রীনিগ্রন্থের প্রাচীন দেবা **বন্ধ--- শ্রি**দাগ্রামন প্রস্করারী।

( ১७ ) श्रीभणाहे-८भादान मर्फ **इडिकक्टिश्रामा क्रिक्र में अलाह का का क्रिक्र क्रिक्र का अलाह क्रिक्र करा** 🕮 भवा है-८ भी द्वारक व वक्क - विशूर्व श्रक अक्षाती, दीम केशान बन्ध हारी

(১৭: এভাগবডজনামশ মঠ **हिक्रणिया, वाञ्चलनश्चत, त्यावनीश्चत्र**। धारान न क्षेत्र-(श्रीताक-श्राक्ष कि का-সিবিধারীর নিভাগেনা বস্তমান। রক্তক---खबरामी औनगरान्यामको ।

(১৮) चामनार्याषा अभन्नासम

साक्षतीय ट्लाः वक्षत्रात्र ।

**डी एक्ट्रांबाक-टीना स्थिका निविधा है।** विष्ठारम्या । वक्क--- उप्रयामी चीवान-किट्याव !

(১১) 🗐 शुक्रस्याख्य मठे

पर्नेकार, शबी, केल्या। वाशास अश्रीक-विस्ताम्यानवकीत निला-' সেশা বস্তমান। মুক্তক — তল্পচারী জীপরমা-दक्षक---- श्री व कृतानम अध्वतायी । अवतायो । सम्म विवासपूर, अध्वतासी श्रीमिनासण, बच्छारी, एक जीनिश्रार ।

> (२०) जिल्ला-८गोफीय मर्ठ वायक्षप्रमाथ, क्ष्मभिति (भाः, भूती । अनुकृष्टिक अस्यम् नम्ह अभ्यक् वर्षात् । दक्क-- उक्कारी अन्यदम्बद्धी अगावकी। जरकाश्री---वष्ठाडी अविनिनविद्यात्री ।

(५) अग्रिकामनक ग्रह के:क्याय:अाद, कडक ।

धाषात द्यांधक- शाबाक-वित्नामव्यय-শীর বিভাগেণ ব্যয়ান। সুক্ষক--ব্রহ্মটারী শ্রীগণার প্রতিযোগণ ব্রহ্মচারী

(२२) खीमनाछन-जोधान मर्ड अनेर क्षशं**क्ष**ानन भूता. काली ह

(भो ३-भमाक्ष्युक सना उस-१५का छन । 475----श्रीकानकीलावकी, श्रीतकामम अकराती।

(२७) डोक्साहिएस मठ ज्ञीनुःभरक्षात्र कुळ, ज्ञाताः वुक्तात्रम । 🖺 🖺 वामा-खल-(भाषतकोत्र (मना। वक्क-- अभवनां हनाथ उक्कारो

(२८) अभित्रमध्रम मह

रेनियादमः, माङाभुव

এখানে 🖺 ভালবস্ত লামলালা 🧸 क्रीरगोव विस्तान विवाशकोत स्थान वस्थान क्रक--- ब्रक्तावी चीम भरहानम व रक्तावी भ्रीनमध्याम ।

(२०) औदेहकसुदगोस्राप्त यठ

कृत्तक्षा, किंद्रकृषा, यामकृत्य । हैंग শ্রীটেড জাল্পারের পার্বার বাক্ষাক — শ্রীরমান नाप क्षाइ, ड्रांट्सन्यानम अवाहादी, श्रीदाप कीर्थ अपन्यस्थित ।

(२७) न्यामरभोष्टीय कर

कुक्राक्षक, प्रात्यव, कराम । धना १८० श्रीरशाबनियाम-बारमव अवश कराता । तकर---वक्राठाओं व्याधननाओं, ⊒ોનનો-(मामान अववामी

(২৭) জাক্ষণপাড়া প্রপদ্মান্ত্র-মঠ গ্রাক্রপাড়া, পোঃ মাজু, হাবছা

क्रवादन यस क्रम्भान्ते ज्ञोदनाशास्त्रय दमना वक्षमान। वक्ष--- उत्तवामी ओळावक्रक-माम, श्रीनवनशक अव्यानही।

(२৮) विश्व दशाफीय मठ---कार्याजन व नर द्वाली कवन, छांकांच दणम, निके मिली ! व्रक्रम-अक्षाती जैतीवक्षण, जॉक्नरम्बन भी सामायानहरू वमारा

(२३) द्यापानगाका अनवाधाव उपक-अवहाती बीवाशास्त्रास्त्र

#### মহাত্মাজীর প্রতিবাদ আৰন্ধ ভাগুকে কোক

व्यानम डान्टकर गांगा आरम ट्यांक हिनार १ एक । अबे शास्त्र बाकनात है। का । মকুবের জন্ম মহাত্মাজী ইডঃপূর্বের তাঁছার বিবরণের মণো ধরিয়াছিলেন। মামলাত- : টাকা বার হইয়া পিরাছে। দার এক দল পুলিশ লইয়া শনিবার উক্ত গ্রামে গুমন করেন এবং ৪টি মহিষ ও অভাল জিনিষ পতা প্রকাদের বাকী থাঞ্লার জন্ম ক্লোক করেন। কেছ যাহাতে ক্রোক করা জিনিয়পতা ক্রয় না করে, মে জন্ম থানক ভালুক কংগ্রোধর সম্পাদক আবেদন বাহির করিয়াছেন।

এই কোকে ভারে প্রতিবাদ করিয়া -महाद्या शाकी कारमञ्जेद्रक निविद्यार्थन। मश्राकी विकार्षिन- धेर क्लांक्य वाबन्धा पित्री हिक एक क्वा ३हेटए है।

ঘাইবার প্রভাব করিয়াছেন।

#### हैं। मभुत द्रिमदन द्रोहें। श्रीखि

मनितात প্রাতে টাদপুর বেল থেশনে श्रुलिम २ हि श्राटकरहे । २० ही क त्रिया २० ही টোটা পাইয়াছে। নোয়াখালী শাথার নম্ব ডাউন টেনে একটা ছাহীর শ্রেণীর कामताम (ठाँछ। एका পांख्या शिष्टार्छ । টোটাম সরকারী "শরের পলা"র চিজ আছে। টেন্টা ভোর ৪টার সময় চালপুর আদিয়া পৌছে। টেপারার প্রচরী-किश्यक (यक्षण (है।है। स्वयं वयः এ টোটাওলা মেট রুক্মেরট বলিয়া প্রকাশ। এখনও কেই গ্রেপ্তার ই ওয়াব म॰वान भाउमा याम नारे। भूनिम उपस किर्यान। हिन्दिरहरू ।

#### অর্থকটে যুবকের আত্মহত্যা

অমপুরুর প্রেরে অ্ীন আমপুরুরের অনিবাদী হবক সুশীলকুমার দুরু সুম্পুতি নাইষ্ট্রীক ভ্রিড সেবন করিয়া আত্মহত্যা क विशाहक ।

ভদস্কালে পুলিস মৃত ব্যক্তির স্থামার পকেটে এট মৰ্ম্মে লিখিত একপানি পত্ৰ आप्त क्य दश, दम दकाग अवसाधनी । আফিলে স্মান্ত বেতনে কর্ম করিছে। ভাষার খ্রান্ডা কোনও কর্মা সংগ্রাণ করিতে পারে নাই: উক্ত সামার আমে পরিবার অভিপালনে অসমর্থ চট্যা ওপরিবারত वाक्कियर्गत कहे भश् क्षाएड मा शासिया स व्याद्मश्रास्य संबोध्य । पृष्टतन्त्री भर्तीकात क्क भवनान**्क्रांशास्त्र** (अतः कता হইয়াছে। পুলিশ তদম চলিতেতে।

### চটুগ্ৰামে পিটুলি পুলিস

. हिंदुशास किनाद मध्या बर्ली आध्य পিটুলি পুলিস্ ক্ষিয়াছিল। মে নোটিপেয়

বলে এই পুলিস বসিয়াছিল ঐ নোটিশ গত ২নশে জুন শেষ হইয়া গিয়াছে। কিন্ত সরকার কর্ত্তক আরও । মাস কাল পুলিস । बद्दाम थाकिरव विमन्ना नारिम कात्रि इहे-য়াছে। গভ ২ মানে এই বাবদে ১৫ হাজার

#### লোকনাথ বলের মূর্চ্ছ।

চট্টগ্রাম অন্ত্রাণার লুঠনের মামলার অফুড্ম আসামী লোকনাণ বল ২৯শে ল্পুন একজন দাক্ষীকে জেরা করিবার दात्व इर्राए भूष्टिए इहेश পांड्या गायम । বেলা ৩টার সময় এই ঘটনা বটে। প্রাথমিক চিকিংসার পর ভাষাকে কেলে স্থানান্তরিত করা হইয়াছে। প্রকাশ, রজের চাপ বশতঃ ঐরূপ মৃজ্য হইয়াছে।

#### কৃষ্টিয়ায় জীযুক্তা বিমলপ্রতিভা

কুষ্টিয়ার ঘন্ডাব্দ্রনাথ স্বতি পাঠাখারের উল্ভোবে यही सनारशत यस वाधिकी छप-লকে মনোনীত সভানেত্রী তীযুক্তা বিমল প্রতিভাদেবী কুটিয়ায় আসিলে স্থানীয় বচ ভদ্ৰলোক ও মহিলা তাঁচাকে অসম্বন্ধিত

গত ২৭শে জুন ভারিবে এযুকা বিমল্ঞারিত। পর্যোকগ্ত শিবকালী भडरात हुए। डेलगरफ এक मध्या चकुछ। कतिग्राधिदयन। शिवकानी श्रामीय करदश्य , কমিটীর মুজ্জাদক ছিলেন। শিবকালী গত বংশর ৭৮শে জুন তারিখে ক্লফনগর জেলে মা'লেরিয়া করে মারা পিয়া-।

#### প্রাকা অভিবাদন উৎসব

গত ২৮শে জুন প্রাণ্কেলে পাবনায় পতাকা অভিবাদন উৎসৰ গণারীতি সম্পন্ন হই হাছে। কাতীয় স্বেছানেবক বাহিনী ভানীয় বাায়াম সমিতির সভাগণ ও ওেমাই প্রের প্রি মন্দিরের সমস্তবন কাপ্তেন অমূল্যপ্রাদাদ মিত্র আই, এন, এদ এর নেতৃত্বাদীনে টাউমহল প্রাঞ্গণে স্মানেত হন ৷ জাতীয় গলাত গাঁত হইবার পর জিলা কংগ্রেস কমিনীয় সম্ভাপতি শ্রীশৃত জানেপ্রনারারণ মতুষদার পতাকা উত্যোলন করেন। नीजनाहेटधत क्रिमात 🗐 युङ र्यारशक्तनाच देशज समस्मानस्यात्री **क्किए मर्गिय ज्ञानाधारी यक्ष्मा धारान** করেন। তদনসূর স্বেক্তাদেশকগণ সামরিক প্রপার পতাকা অভিবাদন করে। স্বেদ্ধা-८भवकतम कुठको उत्तर्भ छ छात्रभीन करत ।

काजीव रेमक्रनी क्रिमीय खाय वर्ष कन ८क्शकराम भिष्यामाञ्च कविया भारतर्भि-ভার তাশংসাপত প্রাপ্ত ইইয়াটেন।

### ডাক-বিমানে পোষ্টকার্ড

क्षात्रक शतकाद्वात अक वेखाशांत अकान আগাৰী ১৫ই জুলাই হইতে ভারত হইতে যুক্তরাক্ষ্যে বিমানপোতে পোষ্টকার্ক্ত প্রবর্ত্তন করিবার অধিকার প্রদত্ত হটবে। ঐ **लाबिय ६६७७ विमान (लाहेक:ई दफ़ वफ़्** फाकपूरत विकीष बहेरव एहे खकात কার্ডের মূল্য চারি আনা বা ৮ থানির भारक्षे २ हाका ।

#### ८० जा वश्व व्याभारत मिल्ड

শিউহার থানার উত্ত রাধামোহন अ व्यथन प्रमान दर्शिक नाती (हेका वक्त जारन्त्रामान मन्त्रादक वमश्रुक्तक किनिय পত্র কাড়িয়া নেওয়ায় ও পাঞ্চা করিবার व्यक्तार्थ व्यक्तिक रहेशाहरणम् । मञ्ज्ञि **८मर्थ (भाक्षभाव विषाद ८०४ इट्या** পিয়াটে। প্রায় ৪ মাস প্রায় এই মোক-ক্ষমা চলিভেছে এবং সমস্ত আসামীগণ্ট मिंडिक वर्धमार्क्त। छावारमञ्जूष केम्प्र व मांग मल्या कार्तामछ ध्वर ६० छेड़का জরিমনো, অনাদায়ে অরিও চ সপ্তাই স্থান कात्रामर ७ महिल दहेशार्थन ।

#### कार्जनारम होज दशकात

রাজসাহী কলেভের ভৃতপুথা ছাত্র ত্রীযুক্ত স্থারিরজন্ম লাখিড়ীকে গত ২৭ৰে व्याखःकारम क्योकनात्री मःस्थानन ब्याहरन এেপ্তার করা হইয়াছে। একবার এক অধ্যাপকের বেডন চুরি সম্পর্কে এবং অন্তব্যের দেওয়ানী আদাশতের ক্ষাচারী বামন সাহার বাড়ীতে ডাকাভির সম্পর্কে ভাহাকে পুদের আরও ছইবার গ্রেপ্তার कता इहेब्राफिश। श्राथम मामनार टिनि মুক্তি পাইয়াছিলেন, বিভায় মামলায় তাচাকে আমানে থালাগ দেওয়া হইয়া-

### मार्किन विमान-शिकात्री मिरम कु अनिकर्णत (ठ है।

माक्य निमानहाती छहेन धनः হেরন্ড গাট ১০ দিনে ভূ-প্রেদ্ফিণের ८४ हो अहिट्हाइन । इंदेशि इंडिश्स् অংকক পথ অভিক্রেম করিয়াছেন। ২৮লে জুন প্রাতে বিমানচারিবয় থাকারোভক্ষে षाशमन करान । अहे शान इहेर्ड २० শত মাইল অতিক্রম করিয়া, নোম আলু-कम यहिन्द्र क्या याजा क्याराहर्न। ট্র স্থান হইতে ভাগারা এড্যণ্টন, আগ-बाङा क्रीक्ताक ध्यर अहादेखा बहेगा मिष्ठियार्क (भौकिरवस्।

## বন্দুক চুরীর জের

সাম ডেপ্টা কলেটর প্রীযুক্ত বিভেন্ত-नाथ त्रारात ८क्डी वशुक हती मन्नरक इक जागायी द्यामां क माम खरा, मनाइकान খোষ ও দেবেজনাথ দাস নামক ৩টি যুবকের পক্ষ হইডে মোক্তার 🗃 যুভ ठिखारत्र रुद्धांभागात्र टापिन दक्षिणारमञ्ज সদর মহকুমা হাকিমের একলাসে কামিনের আবেদন করেন। বাদী**শর্ক আ**গজি করার প্রেমাংক ও নক্ষ্মালের জামীদের षार्यमभ याञाध कत्रा रहा। शङ २१८ भ कुन प्रतिकात काशियत प्रत्थाक आक করিয়া ভাহাকে ৫০০, জামিনে মুক্তি मियात्र जारमण इहेशारक ।

### व्यामनामीदमञ्ज निकृद्ध मामना हें। स क्षत्रादम कामार्थ

স্ভাতি কুমুমূনি ও কালিয়াগ**ঞ্** থানার প্রতি পুলিদের বিশেষ সৃষ্টি পড়িয়াতে। आविक दर्ने छ ट छ आंध-वानिश्व ८५ किमाती छा खटाबाटन व्यवहर्य र्डशंत (शामध्यादशंत केश्व क्षेत्राटक । তপায় ফৌরন সী বিনির ৩-৭ ও ১৪৪ वातात वहण शतियारन वारवान कता **ইইডেছে। ভামিন অ**যোগ্য গ্রেপ্তারী भटमायांनात नटन ट्याकमिनटक ट्योकमात्री वारागरंड व्यक्तिमुक्त क्या इहेर्डर्ड । गतकात्री कार्या गतकात्री कर्चाठाश्रीविशटक वांवा मिल्यात किस्वार्ग मिल কতক গুলি খোকেকে ভারতীয় পশুবিশিষ ১৮৬ ধারামুযায়ী গ্রেপ্তার করিয়া চালান (पक्षा इक्षेत्राटक वाकी छै। का कामाट्यत ৰম্ভ পুৰিশ প্ৰাণ্ডাহিত ক্ষীবন্যান্তা निकारहाभरगात्री अन्त्रापि टक्काक कतिनात সময় আসানীগণ বাধাপ্রদাস করে ৷

#### বোখায়ে প্রভাত খেরী আটক

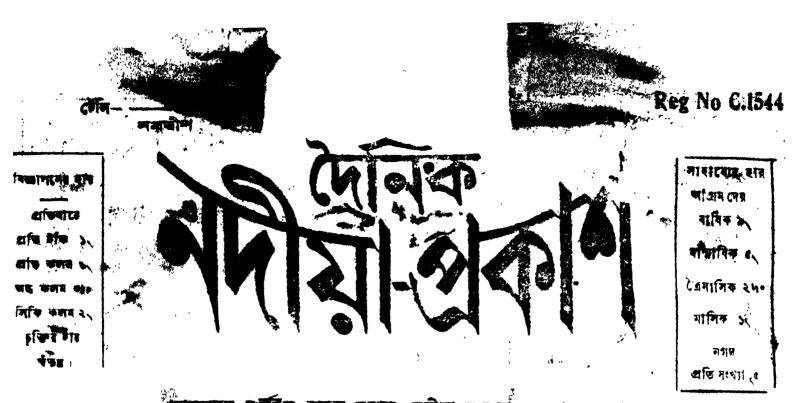
গত ২৮শে স্থুল পুলিশ একলন প্রস্থাত-ফেরীর গভিরোধ করিয়াছিল। পুশেষ देशांग्रिका सक्ते (लाकायाका वर्णका কারবার অভ্নতি পত্র দেখিতে চাহে। লশ্চচ ८फ ब्रीवन नाइरम्म दम्बाइरङ भारत नाड् বলিয়া ভাষ্ট্দিগকে ১ ঘন্টাকাল পানাঃ व्याप्टिक कब्रिया बाचा बरेगाहिल।

বোৰাই আনেশিক কংগ্ৰেস কৰিছিল চ বির করিতেছেন যে, এইছপ**ি ব্যাপা**য় 📆 यनि बाबात घटि छाटा इटेल नेछानिक कता बहेटम । के मियेन नक्ताकांन कर एड चाष्ट्रिय देशकार्टन निर्देशिः करत्वाम कमिणिय पात्रा तरे काया नाम Birth married DING ENI 4

¢,

4.16

1780



বছল-প্রচার-নদীয়া জেলার্ড একমাতে মুখপত

বও 🌃 সম্পাদক— এতিভালনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি

[308र्थ मरशार्

শ্রীকৈডক্তমার্ক শ্রীধাম মারাপুর-১৯ই ভাষাত শনিবার, ১৩৩৮, ৪ঠা জুলাই ১৯৩১

### নানা কথা

### বিদ্রোহী ও পুলিসে মুক

প্রয়াসিংটনভিত প্লিশের দারোগা সংবাদ পান শূে বিলোচীগণ পাডায়ুং इहेट्स के व्यक्ति अन्तित्य छहेजै समीत मः योगञ्चल व्यक्तिः लाहाए एक घन জলতে আত্মগোপন করিয়া রহিয়াছে भृशित्मन्न कारकत्रा २३८म **क्**न देनकारम উপরিউঞ্জ পাহাড়ে যাইয়া উপস্থিত হয়। আফুমানিক ৪০ জন বিজ্ঞোহী দারোগাকে फ्ली कतिएड थाटक। छाशास्त्र महत्र वन्त्रक, मा छ वनी हिथा। विस्तादिशी পুলিদের হারা আক্রান্ত হইয়া পলায়ন করে। তাহারা ৪টি মৃতদেহ, ৭টি তাজা কার্ডা, লা, প্রাকৃতি পশ্চাতে ফেলিয়া ; লিয়া গিরাছিল। বনে গড়ে অন্ধকারের াঞ্চ পলীয়মনে বিজোহীদের আর কোন रकान পार्या गांग्र नाहे।

#### विद्वाहीदमत्र आचा नमर्शन

· ৮০ জন বিদেদ্টী গত ৩-শে জুন का मिन कब्रियाटि ।

<sup>া.</sup>..জী জেলার থেনেজ নানক স্থানে বলেগ পুলিশ কভিপয় বিশিষ্ট বিদ্রোহীকে

২৯শে জুন স্থাকালে গ্রেপ্তার ুণছে। ভাষাদের নিকট পিতল ও ाश्र बाजानि भाषत्रा निग्नादछ । विदल्लाह 🕠 🏭 দৈ ভাকাভির সংখ্যা বৃদ্ধি পাই-RE I

### निर्देशाशी कर्क्क आम मूर्थन

निक्कारिशन मन्त्रीभिक्षा मा ७ स्थानीय ণৰুদেৰ্ব্ধ বারা প্রান্তত বন্দুকে সন্ধিত हैश बंद्रीय है मिंड किनात वात थानि आय

# বিদ্রোহী ও পুলিশে যুদ্ধ

আদালতের মধ্যে ম্যাজিষ্টেটকে আক্রমণ

# হোসিয়ারপুরে ভীষণদাঙ্গা

বোমা প্রস্তুভকারক বালক দণ্ডিত

## পাদ্রীর বিরুদ্ধে অভিযোগ

আকাশযানে ২৫ হাজার মাইল ভ্রমণ

## বঙ্গীয় বাস সিণ্ডিকেট

ভারতীয় রক্ষণশীল দলের সভা

## ভীষণ মোটর দুর্ঘটনা

সরকারী বিমান ব্যাপারে ভারত

আক্রমণকরে। তাহারা প্রাম্য দলপতি । দিগকে তাহাদের সাহস্কিতার জঞ গণের গৃহে চুকিয়া ভাছাদের জিনিব পজ কার্যের অভিনন্দ জানাইশচেন। न्छेभा छ कतियाद । अत्रकाती मनिनामि नहें क्रिया भिषाष्ट्र । त्थारमञ्ज धक्यानि পেশ্বভাগের কমিশনার প্রামবাদী- বন্দীদিগের বিরুদ্ধে রাজার বিপক্ষে যুদ্ধ

#### বিজোহীদের মুজি

<sup>শুর</sup>্মতীয় থারাবভী বিদ্রোহ মামণার औरम धामवानिशंग छाहांनिशत्क वांगां विष्ठातकाती वित्नम आनान्छ कर्ड्क প্রদান করে। তাহারা তীর ধয়ক দিয়া ছত্তিশ জন বিদ্রোগীকে মৃক্তি দেওয়া निজ্ञোছীদের আক্রমণ বার্থ করিয়া দেয় । কংয়াছে ৷ ইজেপুরের :আরও টেকি পাচকন বিজোচী আহত হইয়াছে। জনকে মুক্তি দেওয়া হইয়াছিল। অণ্র

কবিবাৰ অপনাংগ অভিযোগ আনয়ন করা উক্ত ব্লিগণ কিমণাদী পুলিসকাড়ী আজমণ কবিয়াছিল। ইচাৰেৰ याला क्रमेकानत तिकास नत्रभागात व्यक्ति-বোগও আনয়ন করা হইবে।

### व्यानात्रदञ्ज मध्या मार्गाक्रद्रहेटदक আ ক্রেম্ব

প্রেরট মারার অভিযোগে একচন পশ্চিমা আসামীকে গ্রেপ্তার করিয়া, বিচা-तार्थ श्रक्तिया स्थापानटक हाकित क्या व्या মামণার ভ্রমানী আরম্ভ হইলে দে বিচার-काती माञ्चित्रेष्ठेटक लका कतिया ६ यप्ति গ্রন্থণ্ড নিফেপ করিলে আদাল্তে বিষম চাঞ্চলার কৃষ্টি হয়। শ্রীপ্ত শৈলকুমার চট্টোপাণায়ে নামক এককন বিশিষ্ট উকিল ম্যাজিট্টেটকে বক্ষা কবিবার চেলা করায়, একটা প্রস্তরণও উচ্চার মতকে পণ্ডিত হয়, ফলে তিনি ওজভ্ন-কপে আছত হইয়াছেল। মানব্রালে সূব ইন্স্তের পরে ম্যাছিট্রেটের রাজ্য অগ্রণর হন আসামা তাহাকেও:কিল ও भाग भारत ।

#### মুক্ত। প্রস্তুতের সরঞ্জাম হন্তগত

গত ২নশে জুন প্রাতঃকালে রাখনারী **श्रामित महरत्रत्र (यमक्राभाष्ट्रा अक्ष**रभाव होता ज **দেবেজকুমার কর্মকার নাম** ভাক সঙ্গতিপদ্ন বাজির গুং

জালমূলা আন্তাভেৰ ভেত্ত আৰম্ভকীয় क्षक्षांन महस्राभ महस्रा । ग्राट्स, करर भीपुङ कुमातरक conधात क्ता इ**हे**शास्त्र

#### मिनिक अमीमा-अका

# শ্রীধাম মারাপুরে

## "গারুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটেউট" নামে উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

### (थाना इरेड़ाट्ड।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকর্গণ ছাত্রদিগকে অভি যত্ত্বের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা বাহে সুন্দর বাসফানের বন্দোবস্ত চইয়াছে। ছান অতীব প্রাহ্যকর।

সবিস্তার সংলাদের ভয় নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। সেক্রেভীরী, ভাকুর ভাক্তিবিলোদ ইন্টিটিডট্ খ্রীচেত্তখ্যঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

### —৫১ বৎসরের প্রতিষ্ঠিত—

ভিন্**ধালতো প্রভাত বতিকা** <sup>হানা</sup> ভজভারণা, বপ্লদেশ, লোচগাঠল, অলাণ, ফলভল প্রভৃতি

পান উঞ্জারণা, স্বাদ্যে, কোট্ডাস্থা, অন্ধান, ধ্বজভল প্রভাব কাভ বোগান বেগ্য নিরাময় হইয়াছে ভাষা প্রকাশ কার্তের বড় বড় গুড়ক ইইবা গড়ে।

#### 831

য়কল করুতে বাবহার চলে ও সমান ক্ল প্রান্থ করিয়া থাকে। প্রাক্তি কোটার ৩২টা বটাকা থাকে।

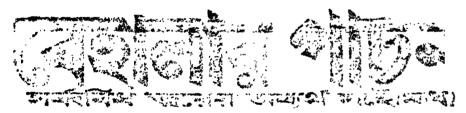
#### (कनम्याज

অতি কোঁচার মূল। ১০ এক টাকা। হলার নাম **'আগভন্ধনিপ্রহ** বটাকা'।

অস্তান উবণের তালিকার জন্ম পঞ্জ নিধিনেই পাইবেন প্রাপ্তিস্থান :—আভিচ্চনিপ্তাই উক্ষান্তান্ত্র

⇒১৪ নং বছণালাগ **ট্রট, ক**লিকাভ ।

## কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



মক্ষাবালের প্রথিপর জন্ত ৬ আং শিশিতে ঘনীপৃত অবভার ভোটবোদলের সিম্পরি ঐস্থ ভাকে পাঠান হয়, ইলাভে ঔষ্ধের কোন পরিবর্তন করা হয় নাই। মূল্য প্রতি শিশি ៖• আনা, পাঁইট ৮০/• আনা, বোভল ১০/• আনা।

অফিস–১১নং উক্টাডাঙ্গা রোড, পোঃ শ্যামবাজার, কলিকাতা

## ग्पन गुड़िती

বটিবাদ কর ও বারুবিকার, ইজিয়বজির হান, বার্তাহের জালবাত, ব্যভাল, মানাবোলা, বুক বড়-করানি, আনিয়া প্রভাল লক্তন বিক্রোধ আহোনা হয়। বল, বীন্না, নেখা বুড়ি করিকে আহিন্তার ইনিক। মুলা ৪০ বটা ১., এক টাকা।

শ্ৰুপত্ত ভাৰত আহি দ্ৰাত?

গুৰুৰখাৰি বেংগে বাছৰাবাৰ বাহা আবোনা
কৰিবা প্ৰিনাশাৰ কৰে। মূলা ব কোনা মং টাখা।

১-স্মান্য ভাৰত নকোনদাক বাবা ও বৃদ্ধি কৰিবে

অভ্যান্তৰ আহ্বা ১০ বটা ম্বাৰ কাৰা।
বাহাবৈত আন্তান্ত্ৰী আন্তানি

4 ১१९वर क्षावित्रव द्वाक, क्लिकाका । <sup>क</sup>

शरेष्णिन

-

### কোষরদ্ধি রোগ

ডাঃ এস্, এন্, ঘোষ বিনা ক্রিন্তে, যাশক্ষীবনের গ্যারান্টি দিয়া বৈপ্তাতিক প্রণাশাকে কোসকৃতি রোগ আরোগ্য ক্রিয়া থাকেন।

## यकाश

## হহবেন না

## দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহে বিধ

#### প্ৰবন্ধ কিৰে সম্পূৰ্ণ আব্যোগ্য

বোগী দেখাই ছে চহবে। অগ্রিম পাথের খন্নচ (যাওয়া এবং আসার)
পাঠাইলো গিয়া রোগী দেখা চমু অথবা এখানে আসিলে বোগী দেখিয়া
ঔষধ দেওৱা হয় আরোগ্য না হওয়া প্যাস্ত পারিক্সমিক দিছে চইবে না।
গানীব রোগীদের খন্চ বহন করিয়া চিকিৎসা করা হয়। বিভারিভ
বিকরণের জন্ত এক আনার ডাক টিকেট স্ক নিয় ঠিকানার অন্তস্কান
করন।

প্রাক্তি জীপচক্ষ উকীল, যক্ষা-চিকিৎসক, পোঃ নৈকাঠী, বিধিশাল।
অথবা নিয় ঠিকানার দাক্ষাৎ ক্ষবিয়া বিভাগিত আনিভে পারেন।

শীয়ত রামগোপাল দত এম, এ, কঞ্চনগর, নদীরা। প্রীয়ত হবিশ্ব

প্রক্রমানি পঞ্জ। অমার স্থাপুন গত হয় মান বাবৎ রাজ যাত্রায় ভূগিয়া ভূগপ্রা কর্তার করাছিল, কালকাভার বিজ্ঞা চিকিৎসক্ষণ ভাগর কীবনের আশা ভাগে করিয়া শেষ মৃত্যুক্তর জন্ত অপেক্ষা করিছেলেন এই সময় শীস্ক কিলীশচক্র উকিল মহালয় মাত্র ২০ দিন চিকিৎসা করিয় সম্পূর্ণ আরোগ্য করিয়া দিয়াছেল। (সাঃ) শীমতীয়া কিশোর বায় চৌধুতী (জান্দার সালিয়া, হগু ষ্টাট্, নিউ বিভিন্ন। করপোরেশন টিউং ভি । ট্রেন্ট্, কলিকাভা।

## শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরাক ৪৪৫

माज 🗸 > जाकि दिक्छे भाषा है लिये वृक्तभार है भाषा हन

ম্যানেজার-গ্রন্থনিভাগ শ্রিচেওখমঠ, পো: শ্রীমায়াপুর, নদীরা।

কেন গ্রাহকগণ

## গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

–কারণ–

এখানে যাবতীয় ছাগার কার্যা---

दर्ग छोत्र ८ १ छिर, ८भ८मा, क्षत्रम, श्राम, क्षत्रिमात्री ८५क, विन व्यक्तिके वनून, विनादक्त निमञ्जन राज, कार्ड, विनादक्त शक्तरे वनून,

আৰ ৩ ৪ং ও ৪ বংগ্ৰের কাফটোন ব্লক্ট বলুন, সকল কার্যার অভি শীঘ্র কর্ম অপচ ভাগাটবার গরচ বাজার অপেকা পুলঙ।

আপনার বিছু ভাপার কার্যা থাকিংশ নিম্নতীকানায় জানাইলেই দম্ব পাইবৈন মানেজান—সৌড়ীকা প্রিক্তিৎ ওক্সাব্দিন্ ২৪গা২ নং আপার সারকুগার বোচ, ক্লিকাড়া

## শ্রীল প্রভূগাদের বক্তৃতাবলী

এখন ও বিভীয় খঙ

উবিজ্ঞান আ প্রিন্তান করি নিজার সর্বস্তা ব্যোগামী মহারাজের সেই আ
বিধ্বংসিনী জীবার্ত্তরপাধেনিক ক্রক্ষাঞ্চাক্তিনিক বিধ্বংসিনী জীবার্ত্তরপানির মুক্তবিপ্রত বৈক্ষাসিজার ব্যবসায় কোন্ত কমনি—নম্বর্ত্ত অভিবেদ্ধ ও প্রয়োগন্ত ব্যেশ্বর্ত্তর সিজ্জান্ত স্থানিক বিদ্ধান্ত বিদ্ধান বিদ্ধান্ত বিদ্ধান্ত



ষষ্ঠবৰ্ষ 👌 ১৭ পুরুষোন্তম রেগীরান্দ ৪৪৫, ১৯শে আখাঢ় বঙ্গান্দ ১৩৩৮, ৪ জুলাই 🗟ং ১৯৩১ শনিবার 🚶

## গৌরণিরোধীর কপটতা

ছাইমাণা ভিজে বেরালের স্থাক্ট ''কম্মেলিয়াণি স বম্য য আছে মন্সা স্থারন্'' লোকের অবভারণা। বিষয়ী লোক-ভুলির विषय्भिभामा छाङ्गहेवात अन्त मणात्यांना বিষয়ঞ্চণের ভান করিলা মহাভাগবছের শে চেষ্টা লক্ষিত কয়, ভাগাই জীমন্তাগ্ৰহত विभिन्द वार्ष्ट्र।

**এগৌড়ীযমঠ-- এনম্ব!গবভের প্রণারক। ब्रीमञ्चा**धाराख्य श्रापम रेत्रेक--- वनविकाश्वरम. দিতীয় বৈঠক —শুকরতলে, তৃতীয় বৈঠক — देनियांत्रालाः हर्ष्य देवर्ठक-- जीवायमावाभूतत ও পঞ্চম বৈঠক—কলিকাভার ট্রীগ্রেড়ীয়-মঠে বসিভেছে। ইহা পাচমেশালী সন্মিলনী नटर. भत्रख ঐশান্তিকী হরিদেবার অপ্রাক্ত স্থান

বিষয়ভোগের কপট চেটার বারা ম'নব-গুলের যে ধর্মাথকাম-মোকাদি চতুকার্য লাভের বাসনা হয়, ভাদুশ অকিঞ্চিংকর ভাংকালিক অনিত্য Social service বা ছাইমাথা জাগীর পোবাকের খারা ভগবানের मया भाउमा यात्र ना ।

त्मवा क्त्रिल्डे केंद्रव महा इया अदेवकारवत्र কুভার্কিকতা পোষণ কলিলে বৈঞ্চবের প্রাভূ আনাইতেছেন এবং চতুর্কাবাসনাদি সমস্তই ছওয়ার চেটা হয়। উহাই অনজলের যে পাণিব অক্ধারণাতেই অভ্যয়ত, তাহা जाक्त्र।

যে সকল বাজি বিবভবাৰবিলয়নে কন্মী, জ্ঞানা ও মিছান্ডা, জন পোণাকে শাশ্রাণারিকতার। এদাশ্রাণারিক সঞ্চর। নিভূণ উপাধনাৰ নামে ভোগ লা ভাগে বাছা করেন, গৌড়ীয়মঠ তাঁথাদের অধিক প্রশ্ সা করিতে পারেন না।

ত্রীল পার রামানন্দ, ত্রীরণগোস্বামী প্রাকু প্রভৃতি মহাজনগণ থেকণ বাফাভাফরে নিষ্ণ টতা প্রদর্শন কবিলা প্রমণ্ডা প্রমেন মবের ভাগরতী কথা জগতে বিস্তার ক্রিনাচেন, কথী ভোশিক্স, জানী ভাগি-কুল বা মথেক্ডাড়াবী ইন্দিয়পরায়ণগণ স্ব-স্ব হৈবলিকী বাসনা বা মোক্ষবাসনার বলে ভোগী বা ভাগীর সজ্জায় যে সকল ক্রিয়া-কলাশধারা বিগত ৫০ বংশর কাল বাঞ্চালা-দেশে অবতার সাজিয়া গুরুণিরি চালাইয়া-ছেন, তাহাতে গোপনে তাঁহাদের প্রাক্তর ও অপ্রজন্ম ভোগের অনলবেদী নির্দ্ধিত হুইয়াছে। ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ও পর্মহংস বাবাজা মহারাজ ঐ গুলির অকশাণাতা লোকের চোথে আঙ্গুল দিয়া দেখাইয়া দিয়াছেন।

कांबारमबंदे अमहान अ अमरतन निरंता-ভ্ৰমণ করিয়া গৌড়ীংমঠ Exoteric চেষ্টা-विभिन्ने ककाकाती क्रमशत्मत ककारशदा अ জীবে দলা করাই প্রয়োজন। বৈঞ্চবের Esoteric চালাক চতুর জনগণের দাবার চাল ধরাইয়া দিয়া হবিসেবার কর্তবাতা দেখাইতেছেন

করিবার ছত সাক্ষিঞার আগ্রাণানীর বা ুভোগ্রনী কপটতার হুগ ভেদ করিলা সেই व्यविभव्यत (ज्ञा त्यवादनन दश्री विद्यासिमी চেষ্টা বা দক্ষিণের গোকের ভাৎকালিক শ্বনিতা Social service এর চেঞ্চা গৌড়ীয়-মঠের প্রচার-প্রবাসীর অত্ক্রা নহে। ভবে প্রতিকৃত্তাকি কিনিষ, ইছ। দেখাইবার कक्र कर्मदाम् बील्गीतस्यम्तः प्रेशांक्याटक मान। বলে বলীনান করিনা গেণ্ডীয়নঠের সচিত সম্বংক্ষেত্র আহ্বনে করিলছেন। স্থানরং চিত্ময় বৈশ কাছার অধিক, ভাগে দেখাইয়া জ্ঞীগৌরস্থন্দর এইবার পুলিনৈর দক্ষত্র অর্থাৎ মানবজাতির সকলেব নিকটই নুনেধিক 'থবতরণ করিবেন। তখন কলিকালে "নামকণে ক্লফ অবতার"—এই কপাব সার্থকতা হটবে,—"কলে:লাধনিধে রাজন" প্লোকের ভাবপ্রধা হার্যসম হইবে।

পৌড়ীগমঠের প্রচারপ্রণাদীরে জগতের काहात ९ निन्मावाम नाहे नरहे, किन्न मर्ने-विद्यांशी वाक्तिशागद (हुनेश्वास्थ्य अभवश्रक्तित क्षिक्ता (त्रहा भावा । এह षाञ्कामध्यनाह करव लोड़ीयमाठेत बारत छेलनांछ बहेगा, শ্ৰীশ্ৰীভগৰানেৰ চরণে অবস্তুত্তিত হইয়া গুদ্ধ-ভক্তির সৌন্দর্শ্য দেখিতে পারিবেন ?

जाङ्गातम् विष्ठ्यंगत्कतः भूर्यनिगत्क Catsii LP 931 সন্ধীৰ বিচার-তৃণ কবে গৌড়ীগমটের প্রচাগা পরম সভাের প্রবল চতুর্থ বা তদুর মানের বস্তব ক্ষমসূত্তি ত্রোতের নিকট ভাগিয়া ঘাইবে ? সেইদিন আ্থাগাদের কড়েক্সিলেব গোচবীভূত হয कि डेशक्षिक इहेशाइ-- (यनिन श्रीकृष-মঠের বিজ্ঞাপতাকা নিয়গা ভক্তির অপ-় এই শব্দীকেও অক্সাক্ত জড় শব্দেরই স্থায় ব্যবহারকারী অনগণের কপট চেষ্টাসমূহ একটী মভিধানিক শব্দ বলিয়া মনে করি।

শেই গ্রেট্টান্সটের বিব্রোধ আচরণ উৎস্থানিত করিবে ও করে ভারাদেও ভূগে হরিনামের থানা ব্যাইবে ? অদৈব-বর্ণাশ্রম প্রভাত বিচার প্রবল করিয়া মে-সকল ভক্তিবিবোধ-৫১টা দেখান হয়, ভাহা সভাগুল হইতে অন্যাপি ভক্তিমঠের রেণ্ড স্পূৰ্ণ করিছে সমর্থ হয় নাই। সোভাগ্যের বিষয়, আঞ্চলেই ভূবন গ্ৰন বেণু জ্বদ্বাদী अनियामनिधनाओं मक्टम्हें भाईवान স্থােগ গাইতেছেন।

## ভোগময় দৰ্শনে ভগবানের অধিপ্রান নাই

(শ্রীশাদ কিলোগীমোহন ভব্লিবান্ধব, বি.এখ)

ভড়জগতের অবিবাদী আমনা ভঙ ব্রুপতের ধারতীয় বস্তু লটগ্রাই আমালের সম্পর্ক ৷ যেরূপ পারিপার্শ্বিক অবস্থায় বালা-কাল হইতে আমরা লালিত, পালিত ও নদিত ধ্বতৈতি বা হইলছি, ভাষাতে জড বিষয়ের শ্বণ, অধ্যরন, চিন্তন প্রভৃতি চিন্তালোতের হস্ত হইতে মুক্ত চইবাব উপায় দেখিতে পাওয়া যায় না। জঙা গ্রীভ কোন অপ্রাক্ত রাজ্যের আব্রিছ প্রকিতে পারে, ভাষা আমানের স্বপ্নালীত বলিয়া মনে হয়। ভূতীয় মানের পশ্ব বাতীত না: ভাই নড়শবে অভিত আমরা কৃষ্ণ

কিন্ত শ্ৰীকৃষ্ণ আমাদের এরণ অক্ষ ধারণার অন্তর্গত বস্তু 'নহেন।

যে কোন খন্ত বিষয়ে অভিজ্ঞান লাভ ক্রিছে, হইলে, তাহার নাম, রূপ, গুণ ও क्रिशेष्ट अक्रमाक महाता। উद्यापन बानाह ব্যার নির্থক্তা দ্রীভূত হইয়া সাথঁকতা প্রতিপাদিত হয়। অভ্যাতের বন্ধ ममुस्ट्र नाम, क्रभ, खन ७ जिन्हा-সমূহ অনিতা, নশ্বর ও পরস্পর ভিন্ন। উহাদের পরস্পরের মধ্যে মারিক বাবধান বর্ত্তমান। জগতের কোন একটা বস্তুকে यनि वज्ञा गांव, जांहा हहेटन जाहात कन.। গুণ ও জিয়া কিছু সেই সাক্ষাৎ বস্তুটী नद्ध। द्यमन 'अक्षत्र' विश्वित एपि काशत अ নাম ধরা যায়, তাহা ছইলে এই নামটী হইতে ঐ ব্যক্তির শ্বরূপ ও উহাব ব্যক্তিয় পুণকু। অক্ষয় এই নামনী উচ্চারণ করিলে ঐ ব্যক্তির ব্যক্তিছ বা ক্লগ, গুণ, ক্রিয়াদি উপল্কি বা উপজ্যোগ করিতে পারা যাদ না।

কিছ 'কৃষ্ণ' এই নামচীতে কৃষ্ণস্থরূপ বা সাক্ষাৎ কৃষ্ণনিগ্রাহর কোনই কেন নাই। ঋড়কগতের নাম ও অপ্রাক্ত রুঞ্চ-নামের এই খানে ভেদ। 'কৃষ্ণ' এই নামটীর কান্তনের ঘারা ( নামাপরাধ বা নামাভাস বজন পুর্বাক সभाक कींग्रस्त बाता ) माकार इक-স্বরূপটী—কুষ্ণের চিদ্বিলাসময় বিগ্রহটী উপলব্ধ হয়। প্রাক্ত বস্তুর নামের খারা কিন্ধ ঐরপ হয় ন।। স্করাং কৃষ্ণই এক মাত্র পরম অর্থ অর্থাৎ নিতা রূপ, রস, গন্ধ স্পূৰ্ল, শুৰুষ্ট্ৰজ নিভা বাস্তব বস্তু। তিনি ভাচমনের ছারা চিন্তনীয় বিষয় নাত্টয়া কেবল মাত্র চিমায় আত্মার চিত্তনীয় ব্যাপার অর্থাৎ তিনি আত্মার চিলিজিয়-গ্ৰাহ্য বাহুৰ বস্তু ৷

আমাদের **ভড়ে**রিয়সমূহ মারানিবিত। গ্রেছারা মাপিল লওয়া যায়, ভারবেই নাম মারা। যাহা আমাদের ইন্দ্রিয়ের মতীত বস্তু, ভাহাকে আমরা মাপিয়া লইতে পারি না! একিফ মায়ার অধীবদ। মারাপ্রদত্ত ইক্সিয়ের ঘারা মায়ার অধীখরকে মাপিয়া লওয়া যায় না। তাই শ্রীক্ষকে অংশাক্ষণ বস্তু বলা হইবা পাকে। আদে।-ক্ষ বা অপ্রাক্ত বন্ধ প্রাকৃত ইন্সিংর পোটবাড়ত হন ন!। ভাহা হইলে শাস্ত্রে (य क्षेत्रं (वेक्सियत ) बाता अधीरकरमत সেবার উল্লেখ দেখিতে পাওয়া যার, ভারা कि खेकात १ ८६ व्यक्तित्व बादा कवीटकदनत সেবাৰ কলা উল্লেখ আছে, ভালা এই বিতীয়াভিনিবেশযুক্ত হাক্তিগালের দারা नार । वेखेनान काटन दन हे निरावत शादा. যে চকু, কৰ্ণ, নাসা, জিহ্বা ও ২০কেন ছারঃ কাদা, কল, মাটা, গাছ, পাথর, স্ত্রী, পুত্র, পুরুষ, শত্রু, সিজ্ঞ, বাড়ী, ধনশৌলভাদি

ভোগ করিতেছি, সেই ইঞ্রিসমূহের षाता नरह। छाहा ছाড़ा सरीरकत पाता क्षीरकटनेत्र मिवात कथारे मात्र विवान-ছেন। 'সেবা' কথাটা সেবা বস্তু একক সম্বন্ধ জীবান্ধার ধারাই সন্তব ৷ কারণ উভয়েই সমঞ্চাতীণ চিনায় বন্ধ। সমঞ্চাতীয় त्रक्ष**ंना हरेला (मेना मक्क्यनंत्र इ**न्ना। জগতের বস্ত এই চকুকে আকর্ষণ করে, জগতের রূপে চকু মুগ্ধ হয়, কিন্ধ 🗒 কৃষ্ণ মুক্ত অৰ্থাৎ ছুল ও হন্দ্ৰ উপাধিষয়বাহত আত্মার বা জীবের অপ্রাক্ত চক্ষর অর্থাৎ অপ্রাক্ত দেবাভিশাবী অক্ষির গোচরী-ভূত হইয়া থাকেন।

🕮 ক্লম্ম পরত্ত বস্তা। 🚅 মন্তাগ্রত द्रविश्राष्ट्रिन, এरङ ह्यालक्षाः भूरमः क्रकश्च खगरान् च:म्। " श्री इश्वरक आंश्मिक आर्य ধারণা করিলে তাঁহার ধারণা প্রভু ছইবে না অপাকত জগতে যাবত য নাম, রূপ, গুণ, লীলা দেই ক্ষণবন্ধরই । তাঁহারই হেয় বিকৃত প্রতিফলন যাগা কিছু আমরা এই! <del>ভ</del>গতে দেখিতে পাই। শ্রীরুঞ্চৈড্সদেব আমাদিগকে দেই সমগ্র ক্লফবস্থাটী প্রাণান করিবাধ জন্ম আদিরাভিবেন। অপ্রারুভ নামে, কলে, গুণে ও ক্রিয়াকে যে আনন্দ वर्खमान, छाशह मिलानम्। किन्द छेशत নিক্ত প্রতিফলন এই স্কর্যতে যে আনন্দ অফুড়ত হং, ভাগতে কেয়তা, অব্যতা, প্ৰিক্ষিতা ও প্রিমেয়তা প্রভৃতি ধর্ম বর্তুমান। ঐ সকল ব্যাপার কালের মধ্যে कारमः, कार्यात कारमत मरभाडे हिनाम याम । বুদ্ধিশান ব্যক্তিগণ উরূপ ন্যুর বস্তুতে আবৃত্ न: । ইহজগতের আনন্দ্রোভ लकांडेवा याय. टकनना, डेडा मीमातिभित्रे ই ক্রিয়সমূহের ছার। গৃহীত হয়।

কিফ'শক খারা কেহ কোন একটা ঐতিহাসিক পুরুষের চিত্র সময়ে অন্ধিত করিতে পারেন, কিখা কোন কবির কল্পনা-প্রসূত একটা নায়ক বলিয়া কয়না করিতে পাবেন, কেছ বা ট্রাছ'কে জনৈক ব্যাধের বাণদারা বিশ্ব হইবার যোগ্য সামার নর বিশেষ বলিয়া মনে করিতে পারেম, কিন্তু ঐ সমন্ত বিচার অক্ষলবাদী মনোধ্যিগণের অপরাণমণী চেষ্টা মাত্র। প্রীচৈতকাদেব, यिनि चार क्रमा क्रमा जीव्यक कार्नाका गर বিশ্ব কৈলা গল কথাৎ লীকুক্তকে জানাইয়া দিবার ভক্ত অবভীপ হইলাছিলেন, তিনি শ্রীকৃষ্ণসম্বন্ধে নশিয়াছেন এবং শ্রীব্রন্ধ-भरकिका बढेरछ । दमलावैशास्त्रम्,—''सेन्द्रः भवमः कृषाः मिक्तमानम् विश्वाः। व्यनानि ज्ञान्तिर्गातिकः मक्षणात्रवकात्रवम् । இकृषः मक्किमानम विश्वह, छिनि कामाधीन व्यम् অচিৎ ভশ্ব নহেন। ভিনি নিতা পরাৎপর তত্ত্ব ও নিতা সদ্বস্তা, কাল ভাঁহার অধীন। ভাঁহার আদিতে আর কেই নাই। তিনি

गाविन , '(गा' कार्थ भूषियी, हेलिय. 'বিভা, গাভী প্রভৃতি। 'অই সকলের মূল निम्बन्द। बिनि, जिमिरे द्वांविक, किनि সকল কারণের কারণ। তিনি পরিপূর্ণ সভ্য ও চেডনময় বঁশ্ব, ভিনি নিভানেশ-বিশিষ্ট। <sup>'</sup>সং' বলিতে একমাত্র <del>ভাঁ</del>হাকেই व्योत, निर्णामान वानमपत्र वश्वर न् ।

**क्रिक अद्य रख जर**े अगत्मार्थ कर । তিনি শীবের মাপিয়া লইবার "বস্ত নভেন। भाविक वश्व भारताहे भाशिया महेवाब (संश्रा। বাঁহাকে মাপিয়া লভয়া বায় না, সেই নায়াপুরবানী যত অধ্য় ওছই জীবের অসমাক্ প্রভীভিতে বন্ধ, আংশিক শুভীতিতে প্রমান্ধা এবং পূর্ণ প্রতীভিতে বৈষ্ঠ বা ঐতগবান্। মাণিয়া ল 9য়া ধর্ম যেথানে বর্তীমান, দেখানে भिरा रखेत अध्नीकरनत क्लान क्ला नाहे, ঐরপ ধর্ম ভোগনাত্রে পধ্যবসিত। সেটা জীবের পর্য ধন্ম নহে। যদি কেই আছোর স্থাসমভা চাহেন এবং ভগবৎশ্বরূপের উপলব্বিক্রমে ভগবংসারিধা লাভ করিয়া ভগবানের নিতাদেবার নিতানেশ শাভের ! फिलिमी हरेएड रेक्स करतन, खारा श्रेटल শ্রীমন্তাগনভের 'স বৈ পুংসাং পরো ধর্মো যতে। ভব্তিরধোক্তরে। অহৈতুকাপ্রতি : ইতা বলায়া স্বলেসীদতি। " এই উপদেশা-। মুবারী ভাঁচাকে অধাক্ষ ভগবানের সেবা করিতে ১ইবে।

জগতে হাজার হাজার মনীধি হাজার হাজার দর্শের কথা বলিয়াছেন, কিন্তু **एक्टि** एकि भागना तक्क लग कवि, तब्बूट मर्भ सम कति, व्याधिमानिक मटक रा অকরকে 'রুঞ্চ' বলিয়া দূল করি, ভাছা হটলে আমর। নিশ্চয়ই বঞ্চিত হইব। আন্ধ-ধক্ষের কথায় ভোগবাস্থামূলক ধারণা নাই। বুদ্ধিনান জনগণ হাজার হাজার লোকানদার-निटात महनावात्री जहना आकृष्टे ना बहुता বাপ্তবদত্যের উপাধক হইয়া বাস্তব ভগবানে প্রেপন্ন হন। কারণ তাঁহারা জানেন যে, এক নাএ শরণাগত জনেরই নিকট সেই খয়-আকাশিত বস্ত ৰূপাপুৰ্মক কৃতি প্ৰাপ্ত হইলা थार्कन ।

আমাদের ইন্দ্রিগতপূণ করি গর বোগাতা क्रशनकार मार्छ। जैननत्क भागना हे सिग्न-গ্রাহ্ম বস্তুক্রপে দর্শন করিছে চাই। ভগবান আমাদের ইক্রিঃগ্রাঞ্চ বস্তু হইলেই তিনি ভোগের বস্তু হইলা পড়েন। কিন্তু তিনিই धक्यात (मना वस्तु, कांत्र ममुनव शराशह তাঁহার ভোগের উপকরণ মাত্র। যেখানে **च्छात्र, त्रथान ऋक नाहे। छाहे डी। म**न-ভাগবত ও তৎতৰপ্ৰচাৱকারী স্কীস্রীরোর-पर्नात कशरात्मत व्यविशेष **नारे**।

## बी बी ७ इन्टेन स्व व ह तर्

( )

( 电神理学 ) लांत्र कि कर्मना कृति, क बीटबन्न टक्टल शति, াদিবে স্থান অভাতুৰে কড়ু? व्यात वर्ष भाषत्र करव, अन्नद्भारकः वित्रचित्रचित्र **'উদার্ব্যবিশ্রছ নিত্য ক্রেন্ডু** ॥' **গৌর-কার্ম্মার্টি**-রত कत्र गरव क्रमा विरमाकन्। ছেদি' মন কর্ম লাশ . कत जन्दत्रपुनाम পতিত কানিছে গতিহীন।। চির অন্ধ মম আঁথি ক্ট তাই নাহি দেখি শ্রীধামের শোষ্টা অ প্রাকৃত। 🦠 গোড়ভূমি চিম্বানণি विमानक त्रक्रथनि লতাগুল্ম চিদ্বিভাসিত॥ চিনায় শ্রীকুওকল দের জীবে ভক্তিমল গদা গাহে বিপ্রবস্তু-গাঁতি। পশু পকী মধুকরে গৌরস্বতি গান করে ৰোর তাহে মারিক প্রভীতি ॥

## 🗐 একায়নমঠে নলকূপ

ঢাকা জেলার বিক্রমপুর পরগণার ইাদাড়া আমনিবাদিনী পরমা ভবিষতী का मध्यादमाहिमी त्राव कोवृत्ताची मस्हा-দল তদীয় স্বামী পরলোকগত সব্জজ तामक्रमात्र ताव छोभूती स्वमिनात सटहानदश्य ক্তিরকার্থ শ্রীধামমারাপুণ নব্দীপস্থ আকর মঠরাক জীটেডভরমঠেব অক্সভন শাধা হংসক্ষেত্ৰস্থ 🖺 একায়ন মঠে একটা নলভূপ স্থাপনের যাবভীয় ব্যয়ভার বহন করিরাছেন।

बन्धान मस्यमानारणका ८ छ। विरम्बंडः बारमत এक है। नाम 'बीयन'। कमानाम कर्स्य बौयनमान । मान व्यत्यक्ष क्तिएक भारतन, व्यत्नत्करे श्रकतिथी धननामि बाता केळत भाषात्राणत दमवार्थ कन्नलाद्यस यावष्टा कतिएक পারেন: किन्द्र 🕮 श्री छक्टेवक्षरवत्र स्ववार्थ य मान, डोश मामाना मान माज नरह, ভাগতেই দানের প্রশ্রুত সার্থকভা। ইতর দানের ফলে একটু পুণামাত্র সঞ্চয় হয়, তাগ ভোগাতে ক্ষ হইয়া যায়। কিন্তু निकृरेनकरवत्र रमनार्थ (य मान, छाहा अक्य ও অবায়।

बीयुक्त (होयुक्ताया महापत्रा वह सहजी সেবাফলে পরলোকগত স্বামীর এবং তৎসঙ্গে मक्ष निरमञ्ज ४ रायहे मन्नम विधान कविरमन । चाना कति, छाराब जेक्रभ विकृटेवक्कवरमया স্তব্দর বলিড়াছেন যে, ভোগময় জ্ঞানে বা: উদ্ভৱোক্তর বন্ধিত চইদা শ্লনানা - স্কলের আদর্শস্থানীর হইবে।

## গ্রন্থ পরিচয়

## <u>ৰীমন্তাগৰতম্</u>

ा विवस्तर्भव क्रम्मदेवभागमा (यवन्ताम-धानिक मृत्र, बीवन-া বৰ্ষাচাৰ্যা-মুখ্যা ভাৎপৰ্বা-নিৰ্ণমূটীকা ; শ্ৰীমন্বিখনাৰ চক্ৰবৰ্তী িঠাকুর-কৃত<sup>্</sup> সামার্থনশিনী <sup>১</sup>টাকা, বঙ্গামুবান, সংস্কৃত অন্তর ও ेरनहे चटकत टाजिनाच क्यानात, व्यथारतत टाबरम के অধ্যানের শারনই ছবিভ্ড তাৎপর্ব্যাদি বিবৃত। স্নোকস্টী विवत्र एठी, व्यवादिवत्रन, शांक ও शांन एठी गर देखा কাগলে উত্তম অকরে বুক্তিত। প্রথম হইতে ১০ম ছল পৰ্যাক ছাপা লগুৰ্গক্ষণে শেষ ছইৱাছে। ভিকা প্ৰথম हरेट७ अमे वह भगेंद २०।√०; मनम कह ३२०; म्मल हर्।

### **बिक्रिटेन्डक्रिकायुक**

**অভীমন্ত**ভিবিনোদঠাকুর-রচিত 'ব্যুতপ্রবাহভাষা' ও জীতীমন্ত কি নিজাত সরস্বতী গোস্বামী প্রভূপান-লিখিত 'অমুভাষো শ্রুতি-মৃত্যাদি বহু শার্ত্তমাণ-সংগিত হইয়া প্রকাশিত হইয়াছেন। স্নোকের সাধ্যব্যাথ্যা, বলাপুবাদও প্রত্যেক প্রারের পূর্বে সংক্ষিপ্ত অভিনের সংযোজিত। প্রত্যেক অণ্যার-প্রারম্ভে কর্ণাশার দেওয়া আছে! লোক, প্রার, শব্দ, স্থান, পাত্র প্রস্কৃতির স্থানুচৎ স্থচী ও গ্রন্থকারের বিভ্ত জীবনী সম্বিত এইরূপ অভূতপুর্ক সংখ্রণ ইত:পুর্কে কুআপি প্রকাশিত হয় নাই। উত্তম কাগ্যে পারিপাটোর সহিত পুল প্রথমকরে মুলাংশ মুঞ্জিত হইবাছে। এছ প্রায় >eoo পृक्षेत्र मुल्लाम् । किन्ता वर्खमार e, माधा ।

#### DEFINERS.

এছকারের জীবনী, প্রতি পরিছেদের কথাসার, বিশ্বত প্রেটার ভাষ্য, শক্তটা, পরারহটা, বিষয়-স্থান-পাত্রাদি-সূচা, প্ৰস্তৃতি বিবিধ বিষয়-সম্বাশিত বিষাট বিতীয় সংস্করণ ভবল ক্রাউন ৮ পেকী আকার। আদিলীলা ও মণ্যের কিয়দংশ প্রকাশিত ছইরাছেন। ক্রমে ক্রমে প্রকাশিত হটতেছেন। অগ্রিম ভিক্ষা ৫ টাকা, আদি লীগার स्थिता व् ।

#### **া ঐ**টেডভামখল

এই গ্রন্থের এরপ অভিনব শ্রন্থর সংকরণ আর কুরাপি खाक्राणिए इस माई। সংখ্रত লোকাংশের **अ**वस्, वक्राञ्चनाभ, क्षांगा, क्षांगान, एवा श्रक्षि गर चर्छ चर श्रक्ष इदेवारह्म। भूग स्माठी अकत्त्र एवन कार्डन आहेरनकी वृह्णाकात्त्र क्रांशा हहेबाट्ड । भूना २४० छाका। अर्गाया প্রকাশ ও গৌড়ীয়ের গ্রাহকগণের পকে ১৪০ টাকা।

#### ্র**্রিসভ**গবদগীতা

— **শ্রীগৌ**য় বৈক্ষবাচায্য অপ্রাক্ত রণিকচুড়ামণি শ্ৰীবিশ্বনাথ চক্রবর্তিসকুর গোস্বামিক্তা সারাথব্যিণী টাকাসমেতা ও অভীনম্বজিবনোদ ঠাকুর-প্রণাত 'রগিক-वर्धम' नामक जानाजावागरिजा। व्यथायप्रकी, माङ्काळत्य (माक-एटी, विवय-एटी, अहकारत्वत कीवनी e अवलत्विकाम वक-काएवाविषय-मध् छेरकृत वैश्वाहे कृषीय मध्यव--- ८ हे ब्राह्म अध्यद्भवात किया २, ठाका माज, भाषात्र भश्यत्र -- >॥ । कामा माज

## শ্রীল প্রভুগালের বক্তভাবদী

ও বিকুপান এত্রীসভাক্তিসভান্তসর্বতী त्गाचामी महात्रादणत तह विश्वानिकारिकी बीवाचाचकरनारवाधिनी क्रक-काकानिका कीवस-वालाव मूर्ज-निध्यह----देक्शवनिकास-ब्रह्ममानाद कोस्टम्श-मण्डानाद বৈভববিজ্ঞানাগারের মৌলিক তথ্য-পঞ্চরাত্র ও ভাগবতের गमवय खक--- महाकान-कीवनहित्रज-निक्तक -हिविनागृहिया ज-্থাজিশক্ষ, জ্বা-জ বিমুত্যানিষ্ক্ত। আতি ক্ষের আনিতে অচিবাত-বিচারক--জ্বাহা ও মাধুর্বারদের মৌলিক গবেষণার —সম্বন্ধ, অভিনেয় ও প্ররোজন-তত্ত্বের সিদ্ধান্ত-সমূদ।

> **১। প্রথম অগু—বৈষ্ণবদ্শন, ঐ**গুরুতন্ব, কাল-धर्म, अमध्वाविष्ठांव, वैवार्यञानवी, भाक्ताविकी मीका ও বর্ণ-বিচার, আত্মধর্ম ও মনোধর্ম, 🚉 চৈতভাবের ও ভাষার শিকা, অপ্রায়ত সহলধন্ম ও প্রায়ত সহক্ষার্ম, প্রভৃতি বিংশতি সংখ্যক রয়ে স্থাপাতিত। ভিক্রা মাত্র ৬০ বার আনা।

২। **ত্রিভীয়া খণ্ড--ভদা** ও বিদ্ধা ভক্তি, মনুষোর শ্রেষ্ঠতা কোথার, আত্মার নিতাবৃত্তি, ত্রীগর স্বামিশান ও মায়াবাদ, জ্রীগোর-নিড্যানন্দপ্রসঙ্গ, ত্রিগুগের ধর্ম ও ক্লঞ্চ-कीखन, जीनगामशृकाय जीमहाशनएउत्र कीखन, जाशित-গামের মহিমা, মহাপ্রাগাদ, জ্রীগোবিন্দ, জ্রীরূপাতুগভজন-পণ, শ্রীমতী বৃষভাত্মনন্দিনী, শ্রীচৈতঞ্জের দয়া, গৌরকরুলা ও ক্রফস্কীর্ত্তন—চতুদ্দ অপুর মধুরিমাপুর্ব-বক্তৃতা-বিভূষিত। স্ত্রুকালৈতে মুদ্রিত, উৎকৃষ্ট বাধা সোলার জলে নাম লেখা। ভিক্ষা ১, এক টাকা মাত্র।

প্রথম ও দিতীয়-তই খণ্ড একত্রে নইলে ভিকা ১৪০ পেড় টাকা, ভাক বর্চ শ্বন্তয়।

#### **এমত**গ্ৰদগীতা

গৌড়ীয়-বৈঞ্বদার্শনিক-শেপর জীলীমদ্বলদের বিস্তা-ভ্ৰণক্লত ভাষা ও আমন্ত্র কিবিনোণ ঠাকুরেরপ্রাপ্তশা বল-ভাষায় নিশ্বত 'বিষদ্রঞ্জন' নামক ভাখাধুক। অধ্যায়-স্চী, বিশয়স্চী, ও প্রতি লোকের প্রথম ও ভতীয় পাদ স্চী, ভাষ্যকারের জীবনী প্রস্কৃতি সম্লিত। উৎঞ্চ বাধাই, রাজসংখ্রণ (তৃতীয় সংস্করণ) গ্রন্থের किका २ हेका।

#### প্রধেয়রত্বাবলী

टीमपन्दात विश्वाकृतन-ध्येती उ दिश्ववन मेंन, मन्नर्छ छ গোবিন্দ-ভাষাদি পড়িবার প্রথম গ্রন্থ। উৎকৃষ্ট কালিতে ছাপা। স্থবিশ্বত টাকা ও গ্রাপ্সবন্ধার্থবাদ-সাহায্যে অভি,সহছে বাল্কেরও বোধগ্ম। হইয়া থাকে। ভিক্ষা । ৮০ আনা মাত্র।

#### **बिनवरी भगवमा माराया**

( প্রমাণথ ও ) সামূবাদ। ত্রুভি-শ্বতাাদি গ্রছে স্থীনব-ধীপের যে মহিনা কীর্ত্তি আছে, তাহার মুল সংস্কৃত ও অমুবাদ। ভিকাত আনা।

#### **এটানবদীপভাৰতবৃদ্ধ**

নীঠাকুর ভক্তিবিনোদ শিথিত। স্থললিত গাঁতাকারে পরিক্রমায় এ৪ব্যাদি-বিষয়ক। ভিক্ষা। পানা।

#### ভজিরত্বাকর ও সবদীপ পরিক্রমা

শ্রীণ নরহরি চক্রবর্ত্তি-ঠাকুর-রচিত। ভক্তিরত্বাকর চ্টডে পরিক্রমাংশ মাত্র গৃহীত; জীদীব গোখামী কি প্রকারে এনবধীপণামের পরিক্রমা করিয়াছিলেন, ভাতাই পছে বিবৃত। ভিক্ষাত পানা



ত্রী ভক্তিবিনোদ ঠাকুর-প্রণীড। শ্রীচেভভেইকাতে শিক্ষাপ্রোণালী—ক্বফ, কৃষ্ণশৃষ্ঠি ও রস—বন্ধ ও মুক্ত জীব— কাও, গাল্রমাদির বিচার—বৈদী ভক্তি, ভাবততি ও প্রেমভাজিনত নামভক্ষ-প্রণালী ও অইকালীয় লীলা-পরিচয়াদি প্রথম শিক্ষার্থীর উপদেশী করিয়া সরুল ভাষার সমুদর যুক্তিপ্রমাণ্সহ লিখিত ছাতে। চতুর্থ সংস্করণ বাধা २ , डोकां, ष्यातामा ১५० हाका मात्र।

#### গোড়ীয়কণ্ঠছার

बीरनो हो य-देनक्ष्य प्रत्य क्रम्यक कर्ष्ट भावनस्माना শ্রুভি-পুরাণ-পঞ্চরাতাদি সাম্ভভ-শাস্ত্রসমূহের প্রমাণাবলী विभव्यविकाशकारम माञ्चाम खिष्कृत। ८३व्राण देवकान-সিদ্ধান্তের সার্থমন্ত্র অন্ত কুত্রাশি প্রকাশিত হয় নাই। हेशांट अक्टब-सागवज-रेनकन-र्भात-निज्ञानक-व्यदेव छ- क्रक -- भ कि- ७ गर्म - कीर - व्यक्ति सारक मारक म -- अञ्चित्रय- माधन अक्त-- वर्ग प्राची -- अक्र माक -- ज्ञीनाम-- आराजन ७ आमान-एक छनि शुनक व्यस्तारम স্থুবুহুৎ ছোকাদি স্টীন্য উংক্ষু এণ্টিক কাগৰে বোজ গ্রন্থ প্রায় ৪০০ প্রহায় সম্পূর্। ভিকা ২, টাকা মাত।

#### এনবর্ষাপণাম-এম্বাবলী

শ্রীমদভজিবিনোদ ঠাকুব রচিত 'গামমাং। স্থান-মাহাত্ম্যের সামুবাদ প্রমাণ বঙ্জ-জীল নরহরিচক্রতা ঠাকরের ধান-পরি কুমাংশ--শ্রীধাম নব্দীপ পরিক্রমা-ভাগ-যাত্রা পদ্ধতি-শ্রীমৎ প্রবেশানন্ত্রত মব্দীপশতকম--শ্রীমন্ত্রতিবিনোদ ঠাকুরের শ্রীনবনীপ ভাবতর্দ প্রভৃতি গ্রন্থ একর ভিক্ষা দ০ আনা মাত্র।

#### **এ**ছরিনামায়ত ব্যাকরণ

শ্রীনীব গোস্বামী প্রান্থপাদ-বির্হিণ্ড হত ও বৃদ্ধি, তংগদৈ ওঁবিফুপাদ শ্রীমন্থকি সিদ্ধান্ত স্বস্থতী গোস্বামী মহারাজের বিশ্বত ভূমিকা ও স্বচী প্রাকৃতি সহ। অপ্রত্যাশিতভাবে স্থলভ। ভিকা ২, টাকা, ছাত্রণণের भटक २॥० ठाका माळा

#### বেদান্তভ্যার

শ্রীমদামামুক্তাচাব্য-রচিত। বেদাক্তেব বিশিপ্তবৈতবাদ-প্রচার ক শ্রীভাষা-প্রণেতা আচার্য্যপ্রবর বেদাপ্রদর্শন পাঠের উপযোগী করণার্থ এই উভ্তম করিয়াছেন। ইছাতে বল্লামুবাদ ও ক্টীপতাদি সংযোজিত করা হইনত্ত নাম মাত্র ভিক্ষা ॥০ ফানা।

#### শ্রীচৈওক্সচন্ত্রামূভ ও নবর্ষীপশভক

त्नीत्रभावन किमाधी **सीमर छार**नाशानन अवस्ती क्रांगक মূল, প্রাভূপাদ শ্রীমদ্ ভাজিদিকান্ত সরপাতী পোরানা মহারাত সম্পাদিত অব্যয়তে ব্যাথায় ও বহাত্তবল সম্বলিত। নব্দীপশতকের জীভক্তিবিনাদ ঠাকুবের প্রায়বাদ ভ ভংসহ জীমমাহাপ্রভুর একটা ভিন্তরাঞ্চত অলোধিক চিভ आमक इहेब्राटक। मूलक अन्तर्क छेदक्के ( र शहर একতে ) ভিক্লা ৮০ আনা, অভি হুর্মা বাধাই রাজসংখরণ > होका माव।



শ্রীমন্ত্রিলিনোল ঠাকুর-প্রণীত। এই একমাত্র গ্রন্থ-ৰছের জ্ঞান লাভ কবিলে প্রেমার্থিক বাজ্যে কিছুত্তই ৰভান বা সংশয় গাকিবে না। প্ৰম গুঢ় শ্মবিধয়ক এ ক্লসরল ও সদয়শাশী প্রস্ত এ'প্রাস্থ প্রকাশিত হয় নাই। নি প্লনেশ্বাম-শাস্ত্র-মহোদারি-মন্তনাললে ই এপায়ত উভিতে হইয়াছেন। আবিলি ধ্বিভাত হা ), কগ্সের हेक्यानि श्रातः विश्वत महत्र कता हहेग छ। विताह आर. ्लामात छट्य माम त्यथा, डिस्क्ट्रे दी हि— हेड्रथ मध्यवन क्षिका २, होक। माजा

#### প্রেমনিবর্ত্ত

শ্রীমনাহাপ্রদুর অন্তর্জ গার্মন শ্রীল ফগ্রামনন প্রাদ বিরটিত। এই পুতকে অতি জগবোধা ভাগায় মহাপ্রত্র কভিপ্র লীলাম্ছ বৈদ্বাচাৰ, একাদশ ও নামভজন-रेनकर टरवंद अभीभारता প্রাণালী প্রান্থতি অনেক দেখিতে পাইবেন ৷ পাদটীকায় চক্ষত স্থানের বিশ্বার্থ ও প্রস্তৃকর্ত্তার পরিচয়াদি-সম্বলিত চতুর্গ সংকরণ ভিক্ষা॥৵∙ দশ আনা মাত্র।

#### कल्बरह ज

ভছনকারীর নিতাসলী; ঠাকুর ভক্তিবিনোবের অধুলা | পুত্তক। ভিকা> • জানা মান। क्षतः , निश्विक कार्यस्य निरोग्ना । अस्थानि ना स्वया शराय কেই ৰুঝিতে পারিবেন না। ফুডীয় সংস্করণ ভিকা ॥०।

#### হরিনামচিন্তামণি

নামাচার্য্য শ্রীল হরিলাস ঠাকুরের মুখে শ্রীমরাহাপ্রেড় শীনাম-মাছাম্মা, নামাভাস, নামাপরাধ প্রাঞ্চি বিগ্রের ষাবাতীয় বিচার প্রবণ কবিয়াছিলেন। এই বিষয়গুলির আটি সরল পরারে সংক্ষিপ্ত গোলয়সহ পরিপাটিভাবে মুলিত। জীল ভব্তিবিনাদ ঠাকুর-রচিত। প্রথম সংস্করণ ভিক্রা ৮০

#### কল্যাণকৰ্তক

শ্রীমন্ত্রক্তিবিনোদ ঠাকুর-রচিত। প্রত্যেক ভগবদ-িবাদী ও জানপথের প্রিকের একান্ত প্রয়োজনীয় উপৰেশাবলীপুৰ্ণ নীতিগ্ৰন্থ। সামান্ত লেখাপড়া-কানা শোকেও এই ভছনরাজ্যের গাঁতিসমূহের হারা অনর্থনিসৃত্তি ও ভগৰংসেবা লাভ করিবার স্থবিধা পাইবেন। ষষ্ঠ अक्षत्रव, विका /> • काना माळा ।

#### শরণাগতি

चित्रवृक्तिविद्याप शक्त-तिष्ठ। क्रश्नात्म व्याद्यममर्थन, निक्कति, कन्नमण्यमा, मक् निधा भन्नगागिक ও मिकि-मानगा-विषयक गाँडिपूर्व, किका ८० व्यांना माख ।

#### श्रेष्ठावनी

👼 हो कृत एक विरमाम-धानी छ । निष्ठा क्रमम, भाराजिक ন্ত প্রদান-দেবলানি-বিশয়ক মধুর গীতসমূহ একতে প্রাণিত। किया / बावा बादा

#### A TENTON

त्रजित्कश्चर्क्कद्वरभोणि क्षिप्रविधनाथ ठळवळी ठीकुत्र-विकृतिक प्रमाण । श्रीवादिकविद्याम ठीकृत्वप्र प्रकृतान । नदः जिन्हाः जाना शवाः

শ্রীমনাচাপ্রভুর শিক্ষা ও শ্রীল রগুনাণ দাস গোস্বামীর প্রতি একগ গোস্বামীর উপদেশবাণা, ভক্তিপথের অমুকৃত ও প্রতিকূল বিশয়ে স্থাবিচারিত সম্মোদন ভাষ্য, বিস্তৃত বির্ভি, চরিভাষ্তের প্রমাণ, সাধ্য বাাগা ও মহাগন-প্রণীত ততুপ্যোগী গীতমমূহ প্রত্যেক স্লোকের সহিঙ স্থিবেশিত ইইয়াছে। তথ সংঘরণ ভিন্ন। 🗸 । আনা।

#### अर्मश-कर्

ত্রীরগুনাথ দাস গোস্বামীর মন:শিক্ষা, ত্রীল ঠাকুর ভক্তিনিনোদ-চরিত গঞ্চামুনাদস্য। ভিক্ষা / • আনা ।

#### প্রেমভক্তিচন্দ্রিক।

ত্রীল গ্রাক্র নরোভ্যনের ওপাদিদ্ধ প্রেমভি কিবিধয়ক গ্রের পুত্র। ভিজা ... সানা মার।

#### মবর্দ্ধী পশভক

শ্রীল গ্রন্থর ভক্তিবিনোদ রচিতে শ্রীণ প্রবোধানন সর্প্রতীপাদের সংস্কৃত মুখ্যীপুশতেকের প্রলালিত প্রতামুবাদ । ভিক্ষা / ত আলা মার।

#### অর্থপঞ্চক

শ্রীল লোকাচাটা বচিত। বৈকাৰতা জানের আকর

#### সদাচারস্থতি

প্রীল মধ্বাচার্যা-প্রথিত। বৈফাবের নিভাকথালি সদাচারা-বলী, বছাত্রবাদ সহিত। ভিকা / তথানা মাত্র।

#### মণিমখরী

ক্রিকুলকেশরী শ্রীমরারায়ণাচাশ্য রচিত। শ্রীময়াধ্য **5ार्जात मर्शक्य कीवमणील। ९ मूल देवस्थ्यस्य छ। मास्यतार** ভিজা।• আনা মাজ।

#### दशोतक स्थापन

প্রাচীন কবি শ্রীগোবিন দেব প্রাণীত শ্রীগোরাবভারের প্রমাণাবলা-সংবলিত সংস্কৃত হছে। ডিক্ষা ৮০ আন।।

#### যুক্তিসল্লিক। ( শ্বণলৌরভ )

শ্রীমধ্বসম্প্রদায়ায়গত শ্রীমবাদিরাত স্বামিকত। বঙ্গাকরে সাম্বাদ এই গ্রন্থের প্রকাশ পার্মাণিক সাহিত্য-ছগতে এই সক্ষপ্রথম। জীমনাধ্বাচার্যা চইতে গোড়লাগন্তন দ্বিতীয় मध्यात्राया नारम भाग जीतानिज्ञाक ठीर्थ सामी दहें शह माधातन एकि ९ भोकिक आग्रासमाद्र किवान समात्राहाद ভক্তিবিরোধি-মতবাদ সমুহ পাওন করিয়াছে, তাছা পাঠ করিতে করিতে আশ্চয়াধিত হইতে হয়। ইহাতে যুক্তির बाबा हाव्याक, देशन, त्योक, भीमाध्यक ख माधावाविमछ-সমুহের অন্তর বওন রহিয়াছে। ভিকা ২ টাকা মাত্র।

#### গোখানী শ্রীল রঘুনার দাস

(ও বিফুলান শ্রীল ভড়িনিদার সরস্বতী গোখামী প্রভূপাদ-লিখিত ভূমিকা সহ ) গৌরপ্রেষ্ঠ স্বরূপ-রূপের একমাত্র প্রিয়তম শ্রীল দাদ গোস্বামী প্রভূর অপুর্ব চরিতামূত ও শিক্ষা অতীব প্রাঞ্চল ও সরল ভাষার সরিবিষ্ট धवर পরিশিষ্টে দাসগোখামী আরুর বিরচিত কর্জকটা সামুষ্ণ মধুরতম তব ও মন: শিকা-সংশিত। ভিকা पीबारे ॥० जाना, जावाशारे ।४० जाना याळ ।

## চত্ৰে নবদাপ

প্রাচীন নবরীপের অবস্থিতি, তথ্য, উতিহু, প্রোত ও ইতিহাসিক প্রমাণসম্বলিত নম্বটী শীপের সচিত্র বিবরণ-গ্রন্থ : রাজবিরা ওদাহেব কুমার জীয়ুক্ত শরণিশু নারারণ वाय क्या, क, लाख (नारहात), द्वनासकृषण मरहानम सक्कर স্মালিত এবং ৪৭ থানি বিভিন্ন বর্ণের্ড আপুর্ব চিত্র ও মানচিএ-সমানত: প্রাচ্যবিশ্বামহার্ণন রাম সাহেব 💐 বক নগেন্ত নাথ বজু নিশ্বকোষসম্পাদক মহাশ্যের বিভ্নত ভূমিকা मश । উरक्ष ( हेर ) मतत्का वीताई मुना sue, खिः शिः एड २ , छाक भादा।

#### माधक-कर्भवाना

खब्दक्ता, देवस्व-वक्ता, देवस्वभाषा, नागारमञ्जूषिक, শীনাম্চট, শ্রীমন্মহাপ্রাভুর অক্টোব্রমত নাম, অষ্টপ্রাচর নামক জন, ত্রীনামদকীর্ত্তন, প্রেমশ্বনি, 'ঘাউন্সদীত, নব্যাপ-মহিমা, ত্রীমায়াপুর-মহিমা, জ্রীনরোত্তম-প্রভুর অইক আচাৰ্যা-বৰ্ণনা, মড়ুগোপামীৰ অপ্তক, প্ৰেমভজ্চি ক্ৰিকা, উপদেশমালার নামভকন-প্রণালী, মহাপ্রাভু ও রায় রামানন मःवाप, मनः शिका, जी धक्र धार्गा. जी धक्र-भन्ना. মহাপ্রান্তর বন্দনা প্রাক্তি সাধক ও শিক্ষমীবনের নিভাপানে, रियम्बन-१८५त कर्शानिष्ठ जुलमीमालात स्राय व्यक्षणा कर्ड ধারণগোগা অপুন প্রজ। ভিকা। 🗸 বাধাই ॥ মাতা।

#### গোড়ীয়-গোরব

কলিকাতার মুপ্রতিক আলবাট হলে গোডীয় সম্পাদক শ্রীপাদ স্তনরানন পরবিদ্যাবিদেশ-প্রদত্ত বস্তৃতার বিষয় अभकाता अकाशिण्ड। देशाट्ड शोड़ीय विक्रवम्यानारयस ইণিকাপ পতাকাৰে প্ৰপিত ক্টয়াছে। ভিক্ষা 🗸 মাত্ৰ।

#### গোড়ীয় সাহিত্য

क्लिकालात अध्यानिक बामवाहे बला श्लोफीय-अन्लामक শ্রীপাদ স্থনারানন পরবিদ্যাবিনোধঞ্জ প্রদত্ত বঞ্চতার বিষয় গ্রন্থারে প্রকাশিত। ইহাতে সাহিত্য-শন্দের অর্থ এবং গোড়ীয়-সাহিত্যের বিধয় ক্ষেকারে ধণিত হইমাছে। ভিক্ষা । ৵• আনা মাতা।

#### शिदगोड्यथन পরিক্রমা-पর্পণ

শ্রীগৌড়দেশের যে সকল দ্বানে সপরিকর শ্রীমন্মহাপ্রান্ত **এবং क्षमभूश পরবঙী মহাজনগণ লীলা করিয়া পিয়াছেন.** সেই সব আধুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও দেববিগ্রাহাদির পরিচয় সহ যাভায়াতের স্থবিগা নির্কেশ ইত্যাদি বিশরগুলি प्रतिदर्शन कार्ष्ट । जिल्ला । जामा ।

#### THE HARMONIST OR SHREE SAHANATOSHANI

শ্রীল ঠাকুর ভক্তিবিনোদ-প্রতিমিত এবং শ্রীণ ভক্তি-দিছাস্ত্রসরস্থাতী গোস্থামী প্রভূপাদ-সম্পাদিত পার্মার্থিক मानिक शक् । कक्त है दाकी खावाब बहाविश्म वर्ष ডবলক্রাউন ৮ পেলী ৪ ফর্লা আকারে প্রতি বারে হরি-मात्यत विकात-विकाशी गहेवा अनिविक बहेरण्डा । কাগজ, মুদ্রণ-পারিপাটা ও চিত্রাদি অতীব চিত্তাকর্মক। এই প্রকার উৎকৃষ্ট প্রবন্ধ আর কোন মাসিক প্রাদিতে দেখিতে পাইবেন না। বার্বিক ভিক্ষা ভাকমাঞ্চলম ও টাকা মাত্ৰ।

#### প্রাভিন্থান-

শ্রীচৈতগুম্ব, পোঃ শ্রীমাল্লাপুর নদীল্লা

## বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভক্তিমঠসমূহ

### क्रीटिङ्ग घर्र

#### আকর মঠরাজ

श्र हीते संबंधिन, छाक्यत श्रीवाम मात्रालुत, संबीता

শ্রীমভাগোরালী) হুস্কে লাখ ৩০ পর উদ্ধর-পূরে শ্রীবরুপহ্রে আচার্যারত শ্রীচন্দ্র-त्मक - कन्द्रभ क्षेत्रिक के प्रश्न निवास मान ।

মামামুক নাকিব্যালি-্বেল্লেসমূচ, পরবিভার মন্ত্রীত কাবা, নাটক, মালভাব, কল িমাচ্যি,বর্গর বাবজীর প্রচারোজেলে শ্রীন্সে সংলয় একটা ওবতৎ মন্ত্র প্রামাণ-ট্রগনিষদ-পাঁছা-পুত্র- ৯প্রাম-চ্জুইছের অধ্যতন ও অধ্যাপন; এবং ক্রায় শ্রীপ্রক- । যন্ত্রাগর সংস্কার্গতেন। পুলিবীর সক্ষত শ্রীপ্রকান প্রচালার স্থাপন ्मी क्र-भाक मं का-शिरिमत के शाक्षण शाक्षामध्यक आहारा-6फुश्य के। शास्त्र है भाषा । वह के '(शि. शि. शासावक भक्र कि क्रकालिये साधिक भक्तिक शिक्षक है। साधिक शिक्षक के। বিজ্ঞাহতর লাহক মেকা দেবিত হলতেকেন। এই মদ্রালে পারমার্থিক দৈনিকপত সাত্ত্রত বিল্লাভ ভাবে প্রকাশিত ছইতেতেন। 💆 মতে পার, লছাজন, স্প্রভান-চাত্ত্রভানত প্রালায়ের আলোকাংশক ও জলাচীন প্রারমাজ প্রচারকজ্ঞে 'নালীয়া-প্রকাল' মহাকার ইনিম্নাবিক, প্রাট্ডিক্স-চবিভায়ুতালি-লীয়া ও ক্ষরান্তের সমাক স্মালোচনা কর্ত্ত **ীর্ত্তন প্রচারমূ**রে মহাম্বে**ংগ্রাল ভারাল লহারিত হবল পাছে। এক জ**—নক্ষ্যালী প্রীপান অনস্থতালার প্রাতিস্থালার প্রাতিস্থাল রাম্বেহারী এক্ষ্যালী, প্রীপান 🚉 লাল মত্ত ছিল্পী। সতকাষী--- জ্রীপাল বিমোলবিধারী অভ্যানী, পাঞ্জ জ্রীপাল গোরদাস কলওছারণ লাসাণিকারী বি-এ. প্রীপাল কলগোল লাসাণিকারী, ত্রঞ্চারী 🚵 অভন্যন এজচানী, ত্রীমধনগোপার অধ্যানী, ভক্ত নতেক্র, ভবিপদ, বেশহীমোহন / প্রতিপ্রাণকার সম্প্রাণ বৈত্রতার্থা, ত্রীমধ্যক্র নদাস্থানিকারী বি-এ, ত্রীভাববধ্যক্রিয়ের প্রামুখ সক্ষ্মসূপ ।

জিল ভিন্তা সামার্থ কি সাদীপ শীর্থ মধারাজ এপানে এবিকার করিব করিবেছেন। এক্টারী প্রকৃতি।

(৩) যোগণীত আমন্দির वह कान जीवश्वासामाम्बद क्रनम या विश्वमाशकाकृत आणिकान-कृषि महारवाण-भोते। ध्यान डामची। मदा व डानिकः ति, धम, भववादी-डाउँक-माम कांक-क्षित्रामक डोटगांकमात्रायण अवर डीटेन्डमा क औरामाकृष्णक निका अन्य कवा जीलक-फर्याय दशवा नक्षमान ! चळ क----(वाक- ! মাপাশ্বর বেশাস্থামী ভট্টাচার। প্রাপু উইরমান बाब । अठकावी खैनिकानिक अञ्चात्री, **क्रीका पानित्याम एक्सिक्स**न, ट्योबायमाम अणा-

#### ( g ) 副时间-咖啡用

अकारकवाम ।

हाती । श्रीमानवाम आनकाती, स्थानवा

🏥 भगावा शास्त्रक को सिन-विकास वा किरनोक्ष्मीमात कामकती । जगारन किंकीत्शाव-शिक्षाम्य ७ शक्षा हर्द्यत (मदा नक्ष्माना । विविधाः प्रधानिकार्याः अभविषि

( e ) कार्ट्य छ-छन्म

बाहे जात की बरेबक शक्त अपन धारर (मना वदमान।

मुक्त क--- श्री घटेब कातन्त्र मामाधिकाती. किर्माक्ष्ममान वावाची ।

#### (७) काष्णीत नमः वि भ हे

ळाडीय यात्राभूत, नामयभूकृत (गर्माता) **बिश्रीशङ्गणाला बिहाएकाची व प्रशांश** ।

#### (१) प्रांतम प्रपा-कृष

**क्षिरशाक्तम, पदारशाक्ष ( नमीदा )** अक्षरम खेविकुणान क्रिण किस्तिविध्नामठाकृत्यव मधानि जयर खैरणोक्रमानक जनर खैलीवाधा-शामत्यव दम्या वर्षमान

क्कर-के किकुक्ष काकात अवकाती तक्कर-कीशवायहरू अववागी, 99 वास्त्रिकी अन, अम, अम ।

## 🕩 জीक्षश्रद्धां व दशो हो है यह

ध्रम्भ मिस्त्र । उक्तक-- हैंरेमध्यर फ़िलाकी बम, ख.

( a) बाटगोत्र-गम्। शत्र-मर्ज

भावी, श्रीष्ठकक्रम भाषणावी अञ्चाह

চাপাঞ্জী, সমুস্তপ্ত, ( এছমান ) श्रीम गार्गभारबंद शांक्षित्र जोत्रगमानत-्रम्या । जन्म-द्वीश्राद्यकाम् जन्नहारी, सक द्यानामद नाम :

> ্ ১ - জ্রীদ্ধপথোজীয়-মঠ बा:1शक्ष, क्राम्राश कडे, मि

दक्तक- डिवारमान अक्काती, महकारी-श्रीभारतियेश अक्रार्थे।

( \$\$ ) 圖(**21**年35年6 --

माञ्जाहित कांश्राव, व्यापान। व्यक्ताभावकात अक्ट वृक्तावत्वव श्राम । १क- दिश्वावश्ये उपवानी, फक

(১১) ভাগবভ আসন

ची नागवर (ध्या, क्रमानग्र, नमीता। ভাগব • শিষ্কান্ত এলাবলীর প্রচার-ক্ষেত্র। বক্ষক— শ্রীকুণানন্দ এমচারী ভারুপারী

( >७ ) 🗐 এका सुन सर्व

(शाविकानू व, देशमधानी, अमोदा । ৰক্ষক—শ্ৰীমত্বানন্দ এখনোবী ৷ সহকাবী ৾ वक्क-- अक्षारात्री कैवित्नामविवाती। - শ্রীনতনিংভ এমচারী, শ্রীক্পত্যার দাসাধিকারী, শীপ্রেশাস্থভর ব্রহ্মচারী, শ্রীবাদবানন্দ शैमखुनाय शाखा, कक विश्वनाय

#### (১৪) श्रीमाध्य ८गोडीय मर्ठ

a अद्देश ने वा व भूव दशके, ठाका। गुक्रवरम्ब व्यक्तन-रमञ्जूष्यवादन खी धन-दशीक्षाक शाक्षका-शिक्षित्रदशक दशवा वक्षमान । **डी**भार श्चिम्ब्रासम् नवविद्याविदनान वि- व, 🖺 श्चान- (३) बाटगोडी इ घठ

ুঙ নং কালিপ্রাসাদ চলবন্ত্রী ষ্টাট, পোঃ বাগৰাঞ্চাব, কলিকা লা।

दर्वाक रक्षान रत. र्त. हर : e

শীমবাহা গভুর প্রচারিত স্থানক্ষক ভবিষয়-প্রচালেকেকে গোড়বেলের সক্ষপ্রধান महारी कृतिकालांक श्रीकृतिस्मित स्थापतम श्रीभारः श्रीकृति सात्वता अहे क्यूक এট স্থান সালম্বর-শীপ, পর্নিশ্বাপীঠ বা সাম্বন ভজনক্ষী। এই মহাশীর্পে শ্রীংরি- 🌡 সভ্যারামে 🕮 গুরু-পোরাজ-শ্রীবিনেদানন্দ জাট সপাধ্যে নেতা গোল্ড নে । গোড়ীর স্থাতিটিত ভর্মাছেল। প্রাক্তিবংসর শ্রীধাম-পরিক্রায়ন্ত্রইলে ও অপাণ্ড ভঞ্জাগেষ্টিয়ত। গাকে। মঠনক্তক-আচাগাতিক শ্রীপাল কৃষ্ণাবহারী বিদ্যাদ্যণ। সংক্রারী-প্রতিষ্ঠ ব্ৰশ্বচারী কাৰাবাৰেরণতীর্থ, জীপান বীচ্চপ্র ব্রশ্বচারী, জীপান নন্দ্রবালাল ব্রহ্মচারী, জীকীজনানন, ব্রহ্মচারী শ্রীপারীয়েকন, ব্রহ্মচারী শ্রীপারীয়েকন, ব্রহ্মচারী শ্রীপারীয়েকন, ব্রহ্মচারী শ্রীপারীয়েকন घकारी नि-द्रव, श्रीबञ्चलम लाग्रतकातिव, श्रीनिचक्रक द्रक्षा गृही, श्रीक्षवद्यातिक

्गांत बक्कार्वा, जैसन्त्रभोदात्र बक्काराही. Ant Spetted was

#### ( ১৫ : डिंग्ट्यानानकी मर्ठ

क्रमणाश्चर, हाका । (गाभागकोर मे।।: बारू ब न्याधीन स्मवा 

देव कालाक जिल्लाक मुद् केडिल कि श्रमाधिनी मुखा, वाशिव छि जाका শ্ৰীগৰাই-শ্ৰেরজের নিতা সেবা রক্ষক – শ্রীপূর্ণ প্রক্রা ব্যাহ (রী. শ্রীমা ভাগাল বজ্ঞাবী

(১৭ এ। ভাগানভক্ষনালক মঠ किक्रीनिधा, बाखामनभूद, त्यांमनीभूद्र।

ध्यादि ने कुक-्तादाक-नाक्षांकका-शिविधारीय निकाश्यवा व ह्यान । नक्क--अवनामी ही - अनाममामध्ये ।

#### . १४) कामगारियाका आश्वास्त्र

वाष्ट्रवीम दशाः वश्वभान ।

त्री छक्षणाताक-**टी**श सन्यका विदिधादीत निकारमणा। **तकक--- अ**जनामी शिशंब-' termia i

#### (১৯) औश्रुक्त साख्य मठे

पर्वकात, शुरी, छैं (क्या । बनाम श्रीत्यां व-विद्याप्रभाषवक्षीत मिला-भिता व क्यांक। तक क- अक्षांकी खेलत्रयाः । (शार्थान अवतानी सन्त विवाशकः, बक्काशी है।सन्नीशासनः, उक्ताती, रूक जीनियांट ।

(२ • ) खेळक-८गोडीय मर्ठ

षाणवत्रनाथ, अवाशात्र (लाइ, लवी । वावकाता । तक क ---- वक्षाहाती व्यानबारमच्यी व्यामको। नवकात्री-उष्णादी औरिनिविद्याती ।

### CE PERTODICE (C.)

5 'ENTA WIS. 464 1 क्रमाह्य <u>क्र</u>ाकुक- क्षात्राक-रिकालक्रमण-

জীব নিজংগের সম্মানঃ ব্যক্ত बन्नहाडी भीतनार.. श्लीतामध्य बन्नहाबी

#### (२२) श्रीमन।जन-शोषाच वर्ष

वनः प्रशिक्षः सम्द्राः, कानी ह र्गा -- भगक्ष्म अन्यक्त-सिकाक्ष्म । গুণালে গোরদের। ব্যন্ত ন। **বৃক্তক----**

बीबानकी नवजी श्री अन्तर बहराती। ३८ अङ्ग्रेक्टर अर

श्रीन गर्द्याम कृष्य, श्रीनाम बुक्तावन । B Etter-de .. H'enere (natt

STEEL STREET STREET

#### ·२८। ञ्रिल्यूमक्श्म **मठ**

ेल्यियावणाः, माङ्गान

এখানে জীভাগণত পাঠশালা 🐟 च्चित्योत-विद्याप विद्यार-चेंड दुम्बा वद्यम्य । ८क्ष क---अक्षातारी क्षेत्र महत्राचन व वसहाती स्थानस्थान ।

#### (२*६) औदे* हर शहर शोखोन सर्ह

हेबूलकुष्ठा, फिलकुष्ठा, भासकुभ । हेब्रा শ্রীতৈভিন্ন-২সের শাখা। বন্ধক---শ্রীরমান नाव बास. डेंटकम्मानम अम्रहादी, जीवाय कीय ध्याधांत्रज्ञा

#### (२७) न्यामदशीष्ठीय मठ

औरभौदानस्माप-दास्यव स्था क्रियान । देशक---अबिठात्री श्रीक्षमण्याद्याः

#### (২৭) ভাক্ষণপাড়া প্রপদ্মান্তান-মঠ

রান্ধাণাড়া, পোঃ মাতু, হাবড়া

कार्रात वर्ष कुरुवृद्धि छोरशाबारकत दशका वक्तमान । १११ म--- बलवारी श्रीकावक्रक-काम, और यनग्राक अवाराजी।

১৮ দিল গোড়ীয় মঠ—কা**ৰ্যালত** क्रमाश्राम्यवत् क्रम्यम् सम्बद्ध द्वीमग्रहः विकास । विकास क्रमाण्या कर्णा क्रमान द्वास विकास । तक ०--- अक्वारी चौतीयकृष, जीकृगरम्बन

> (२३: ८गा प्राम्भाका व्यवसाया वक्क-ज्याहात्री खोदाबार मास्त

श्रीता गात्रभग हरू गण क

### পাদ্রীয় বিরুদ্ধে অভিযে:গ আসামীর প্রতি সমন

ধ্যান গিং নাম্ক ভানৈক বাজি ভারতীয় দশুবিধির ৫০০ ধারারুদারে ছাপরার আরু, ভি. এম.ইউ, বিশনের পাটা মিটার জি, জে ব্লক্ ও এডভোকেট নিটার রামচঞা সিংহের বিফালে সদর মহকুমা ম্যাজিরেটের এজলাসে অভিযোগ ক রিয়াছেন। অভিযোগের निवत्रता व्यकाम, वामी भवा व्यक्तात्रक्त ও তাহার পত্নী মিস্তার রকের অনানে বালিকা বিভালয়ে শিক্ষয়িত্রীর কাষা করিতেন। গত ১লা জুন ভারিখে मिहात क्रक विना कात्रण वानी ও छाशात পদ্ধীকে পদ্ধাত করেন। বানী ও ভাছার প্রী বাকী বেতন ও ক্ষতিপুরণ আগায়ের জন্ম তাহাদের উকীল নমজুর আলির দার। মিঠার ব্রকের প্রতি নেটোশ জারি करतन। दानी चानु । बानाहेशास्त्रम् (म. ग्रंड ১৮६ कुन भिद्यांत ब्राह्म श्रंभ स्ट्रांड | কল শ্রীয়তে সামচ্দুর সিংহ ভারার উকিলকে ভানান, বাদী ও ভাগেৰ পত্নীর কাৰ্য্য অতীৰ অবোধা ও অস্তোধন নক ত্রণ ভাষাদের শৈপিলা, অন্তেল্পে জ্ঞ মিশনের কাব্যোর কাতি চইতেছে। এইরপুভাষা ব্যবহার করায় সাধারণের निक्छं वाभी १०३ छाल्लिश्र इहेरार्थन । ভারতীয় দ্ওবিধির ৫০০ ধ্রিছিশারে বিচাবার্থ হাজির হইবার জন্ম এডভেংকে-টের প্রতি সমন কারী করা ইইয়াছে।

#### ছভারের প্রভাবে পার্লামেন্ট মিঃ ম্যাকডোনাক্তের আনন্দ

বুটিশ সংখাজের অধিকৃত সকল বাদ্যই প্রেসিডেণ্ট ভভারের প্রস্তাব মানিয়া महेग्राफिन। २०८५ जुन भिः भार्क्छा-जान्यु शांभ (रमण्डे मञाय दहे क्या ध्यकान করিয়াছেন। দুটাত্ত হরণ তিনি বলিশ। एक त्या. कामाण, बार्डेशिय, भिष्ठे अलाख, সাউপ আড়িকা ও ভারত মিঃ ছভারের अक्षित भागिया शहरा विविदाद्या दय, करिश्वस्य होका छाडाना वक्ष साथ। বিষয়ে যে সকল ৰেশ কাশ্বাণীর নিকট क्रिका शहरतन डांश्वा यनि आमाग्र এক বংসরের ১৩৮ প্রিড রাথেন ভাতা কটলে কানাডা প্রেচ্ডি দেশসমূচ ভারতে খুবই স্মত আহিছন। সমত খাণু স্মকে ट्यां इट्डेट्नब निक्डे त्य माहित्र के मासिक भवत्क वृद्धम (भ **डिलाज्ञ ।** (प्रथाहेशाट्यम ভক্তজ বটেনের অধীনস্থ প্রাকাসমূহ আফ্রিকা শুখতি দেন নাই।

### হে সিহারপুরে ভীম্ব হাক্ষামা

### ২ জন আছঙ ও ২৯ জন গুড

সংপ্রতি হোদিয়ারপুর গ্রামে এক ভীষণ হাজামা কইয়া গিয়াছে। মার্চে গ্র চরাইবার ফল্পাকে এই দলে ব্যক্ত বিভাগে হয়। ভারপর এক হালামার फ 🛭 इस । (भेड़े मध्य अक्रमण अला महारू লক্ষা করিয়া শুলী ছোড়ে। ফলে গৃইজন লোক আতত ১ইরাছে। এই সম্পর্কে ১৯ কি করিয়া বোমা তৈয়ারী করিতে শিখিল। জনকে গ্রেপ্তার করা হইয়াছে।

#### আকাশ যানে ২৫ ছাজার মাইল

গুলিবী প্ৰাটক্ষয় মেস্থা পোৱাও भागि विश्वनिद्धारण मध्य आभिश शृक्षेत्र-

थाद'त्रभ हहेरल २० ६'मात माहेबा भण २५ १ की १ १६ मि स्टिस समय मुख्य संस्थारक । देवमानिकता १ घकी विद्यास कतिवान लग रक्षातनगरू कोच्युरंश शुन्दाक प्रा ক বিষ:ছেন।

#### ভীষণ মে।টির দুর্ঘটনা ১ জন লোক ২৬ ও ১ জন আ২৩

প্ৰতি ভেলেনৰ এক ভাষন । টেব क्षण्या दशक विद्यादक । अस्या ८ काम া বাং রের বাংগক কছে ও মারে একতেন ১৪ বৰনটোৱা বাগিক আছত হট্যাছে 🛊

#### करत्वाम मन्त्रापक द्वारात

বোড়ুবের জিল্প ম্যাভিট্রেটের প্রেয়ান্ন-বলে প্রানেশিক কাছেল কমিটার সাবারণ সম্পাৰক, ডিলক বিভাগ্যের আগভ এম টি, ধ্যাধিকারীকে গত ২৯৫শ জুন वर्षात्र । ना गराव मा वा वा वा अन्य । ना वा অস্থ্যাবে ৫০ থার করা ১১গ্রাচে । তাঁওাকে 'रुबन्ड िहारनब कर दम्बरल ग्रह्मा ना स्या হয়। প্রাক্তে, ভিনি দ্রেতুশ কনফারেণে। মে ৰাজ্যতা করিয়াছিলেন, জেভার নেত 713417

#### বোমা প্রস্তুকারক বালক অপর্বধার দণ্ড

চট্টগ্রাম কিউলিটাপ্যাল বিশ্ববিদ্যালয়ের প্রবে শক্ষা প্রেশর ছাত্র নারায়ণ প্রমেদ CB(सर्वी ( ac नक्त्र नाम ) निरम्तितक পদার্থ আইনের ৪ 'গ' ধারা ভার্যাবে व्यक्तिक कर्मारिकाः व्यक्तिक भागना জন জীয়েত এম, বস্থ ভালার প্রতিত वर्गत (वात्रहे) । विश्वालय नाम कतिनात मार्भन भिद्यार्थन । विठातक परना ह्य. চট্টপ্রামের বউষাল আছার জন্ম এবং র-৪জ্ঞ। তবে মুমর-ঝণ স্থক্ষে দ্বিগণ বাগকট বোনা তৈয়ারী করিতে জানে विनिया, जाजारक छा फिन्ना दम अथा वाहेटल भारत मा ।

অপরাণ স্বীকার করে। জভ আসামীর পিতাকে ফিজাসা করেন যে, পুরের ভভিন্যৎ সাচরণ সম্বন্ধে ভিনি দায়ী পাৰিতে পারিবেন কিনা, পিতা ভাছাতে স্থাত হইলে, জল উপবিউঞ্জ প্রকার व्यारम्भ अमान करत्रन।

শ্রকাশ, ভোগুরের পর চৌধুরী যে ক্ষীকারোজি প্রদান করে, ভাষাতে সে कारा वर्षना कत्रियाछिल ।

#### थापि अपनिमे अरबायम

অশিমি ২৬শে জলাই হইতে ১লা মাণার প্যান্ত নিধিল ভারত কাটুনা স্থিতির বিহাব শাখার উস্থোগে পাটনায় ট अकृषि आदिनिक शामि सामनेशीत खालकात ! इटेर्टर । अभिशास एक मृत्क मिल्लान । लाएमिक महिला भगिष्टित अभिः বেশদের ও আয়োচ মের ৫৮৪। করা হই-CECE । के ध्यारमारम महिलारमञ्ज कक्षि कामाकती अधिक्षाम कालामत छ। फाला মকিলা সভা আহ্বানের উদ্যোগ চলিতেতে। পরিক্ষিত মাইলা প্রেডিছানের ছারা কেবল যে নামী ভাতির অবভা উন্ত হইবে ভাষ্টা নতে সাপ্রণ ভাবে জার্থীয় ক'ৰ্যাও প্ৰাসাৱ লাভ করিবে।

#### সরকারী বিমান ব্যাপারে ভারত

বুটিশ সাদ্রাচ্ছ্যের বিমান বিভাগে ভারত ধরকার যে আফ্রকলা করিছেছেন ভাষা নিভাম্ব শেচনীয়। পাল্যিটের महाग घटेनक मन्छ कहे अन उपाधन करतम । श्रारक्षत डेन्डरत थि: अरहक डेम्प रतम ব্যেন যে, ভারত স্রকার বর্তমান অবস্থায় শুলু বৈ সামরিক বিমান ব্যাপারে অর্থ বায় করিবেন। আর মেটুকু পরিহাব করা একান্ত অসম্ভব, শুধু সেটুকুটেই ভাৰত স্বকার অর্থান করিবেন। তবে बार्डमारन हर्देन ध्येष्ट क्लांहिट्ड रम्, নিমান যা ধ্যাত চলিতেতে ভাষা অব্যাহত থাবিবে ৷ জবে মিঃ বেন ৰপিয়ালেন যে, আত্তাতিক বিমান ব্যাপাৰে ভারতের নে দাণিত আতে সে সম্বন্ধে ডিনি পরে क्षाराष्ट्री है 'काईरतन ।

#### ভারতীয় বৃক্ণশীল দলের সভা সার জন সাইমনের বক্তা

সার জন সাইমন পার্গামেণ্ট সভায় ভারতীয় রক্ষণশীল কমিটার সভায় এক অপ্রকাপ্ত ইফুডা করিয়াছেন। তিনি রা ব্রিদিনি সমস্তা সম্বন্ধে ব ফুডা করিয়াছেন প্রা, ভবে ভাহাতে স্মালোচনার কোন ্ আভাস পাওয়া ধার নাই। অভ:পর

২৯০ে জুন চৌধুরী কলের নিকট সভার সাধারণ বিষ্যের আলোচনা হয়। রাই বিধি ঘটিত সমস্থার প্রতি এই স্ভা বেশ অমুকৃল ভাব পোষণ করেন বলিয়া (वाथ का एक एक ।

#### ভাক্তার আনগারীর স্বর্ডনা

গত २৮८म जून भक्ताकारम अचिका भग्रमादन कतिमधुत जिला करताम कमिने, মহিলা রাষ্ট্রীয় সভ্য, ফিলা যুবক সমিতি, বখীয় প্রাদেশিক ছাত্র সমিতি ও নিধিল বঙ্গ ছাত্র সমিভি, ডাক্টার এম, ৫. আন্দারীকে অভিনন্দনপত্র প্রদান করেন। সহবের বিশিষ্ট সম্রাপ্ত ব।জিগণ সভাষ উপস্থিত ছিলেন

৬ জার আলারী গত ২৮মে জন রাজে ঢাকা মেলে কলিকাছাভিমুৰে যাতা করিয়াছেন। তাহার যাত্রার পুরে ম্বতীয়ভাবতী নৃল্লিম স্বেচ্ছাদেৰকৰাছিনী সাম্বিক প্রথায় তীহাকে অভিবাদন

#### ৰজীয় বাস সিভিকেট

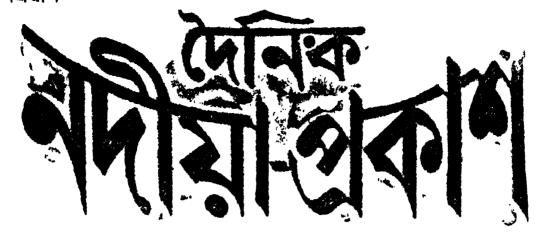
গ্ৰাভ ২৮ শে জুন অপৰাচ ওটাৰ সময় বলীয় বাম মিডিকেটের একটি সাগারণ মভার অিনেশন হয়। ঐ সভায় নিয়-শিখিত ব্যক্তিগণ ১৯০১ – ৩২ পুটান্তেম অস্থ আগামী বাবিক সাগারণ সভার অভিবেশন পর্যান্ত সিভিকেটের কর্মাচারী ও শাধারণ সমত নিশ্বংচিত ছইয়াছেন ---পভাপতি-মিটার জ. এইচ. সি. মাইন. সংকারী সভাগতি—<u>শী</u>যু**ত আ**র, পি. মুণোপাধ্যায়, মিঠার তে, ডব্লিউ রস, সম্পাদক-মিষ্টার আর, এন, সিল্লা কে গাভাক মিনার বি, সি, নায়ক, মামলার পৰামশনতা উচ্চত কে, বি, চক্লবন্তী, কন্সাল্টিং ইঞ্নীয়ার মিটার আরে. (क, कडेरका भारासन भाग क्रीनुड हमन নিং গিল ই মুখ বজিন্ধার সিণ, 🕮 হত नातायण गिः, मिश्रात डि. डि. श्राता, प्रह পি, টি. রায়, জীগুড তম, তম, বস্ত, মিণার क. क. छ शंग. जीएक महद्यक्त शिः. मिट्टान **达河、C阳攀港市;** 

#### वक्षवाभारत वर्व निमि दकारसम প্রাপ্তি

বড়বাকার থানার পুলিস সংযাদংটা প্রোপ্ত হট্ট্যা গভ স্বাধিবারে বছবালার ই भाभात करीन ताय दशरम करेवनकारन ध्याप्त পরিমাণে কোকেলী সাথিবার অভিযোগে वगरमञ्ज পाए ७८क ८ शक्षांत्र कतिया छ । থানাডল্ল দের ফলে পুলিস একটা কাঠের नारबाब बना इकेटक बढ मिनि कारकम भारेषाट्य ।

**এলাছ** CBIM-मत्रवी श

familycas sis शांचवारः ALL MAIN OF निक कन्य १, हिन्द्र गार



मागार्याह काह वर्ग श्रम (मश्र বাগিক 🍇 भागामिक वर् ेत्रभातिक २५० মাসিক ১১ 2510 श्राणि मध्या , द

ভারতের পর্নতি বছল-প্রচার–শদীরা জেলার একমাত মুখপত

সম্পাদক— ঐতিভাগে বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি ७ ४७ ]

500म मरशा

শ্রিটেড লাম্স শ্রীগাম মায়াপুর--২১শে আষাঢ় সোমবার, ১৩০৮, ৬ই জুলাই ১৯৩১

### নানা কথা মদীয়া জিলা ছাত্র সন্মিলন

वर्षभाभ भएन्त त्यर भ्राट० अभीका কিলাছাল স্থিলনের অধিবেশন হটবে **উक्त मिल्लाम गाक्ताम छ छ अधिनात** श काविकेक भन्ना कारतबर्गनत स्टर्शालगु ব্যবস্থা করিবার নিমিত্র গত ৩০শে স্থান কৃষ্টিয়া ভারসুন্দেশ এক সভায় ঐগ্র নিশীপরস্থন আচাধ্যকে সভাপতি ও ইন্তুত धीरतसमाण लाम धन्न जनः जीगुरु धारत ज নাথ জৌমিককে যুক্ত সম্পাদক নির্মাতিত ক্রিয়া একটি অস্থায়ী অভার্থনা স্মিতি शहेन कता श्हेगाएक ।

আরও জানা গিয়াছে, নদীমাধুবক সন্মিলনের অধিবেশনও এক সময়ে আরম্ভ इहेर्न ।

### মিঃ ভি, ভি, গিরির বিয়াট্ সভায় বক্তা

ভারতীয় রেলওয়ের শ্রমিক সজেনর <u>৫গুলিডেণ্ট মি: গিরি গভ বুগ্নার রাজে</u> चिक्रानुरत 🖾 क्षिम चक्रानुत मानात कागा ানব্যাহক কমিটীর সভ্যাদের সহিত সাক্ষাং ারেন ; পর্যন্তী দিবস তিনি প্রোয় ১৫ **रञ्जातमञ्जय अभिकामत गञ्जात वर्**छ। করেন। বিভূতা অগলে ডিনি এই রলিয়া क्र**्रह्मण ए**ट्य ' ट्रनाटिएंब निक्या कटबन ट्य. ্রিভাহারা সালিশী বোর্ড গঠনে অস্বীরত 🌋 ইয়াছেন। তিনি স্লোভ্বৰ্ণকে বলেন, ात्रक अर्थन्दमर हेत् , दहहोत्र व्यानाक्षी ७३ া**টি তারিখে তাহার <sup>ছ</sup>ও** রেল ভরে লীভের মধ্যে কবাবার্ডা বলার বন্দোবত क्टेशारकं। अहे टेनरेटकत्र कल मन्दन

## নদীয়া জিলা ছাত্ৰসন্মিলন

মিঃ, ভি, ভি, গিরির িরাট সভায় বক্তত।

## ইন্স্পেক্টর নিহত

রিভলভার দেখাইয়। সরকারী অর্থ লুপ্তন

## বেতলের মধ্যে বোমা

মূতন হাই ক্ষিণ্নার স্থার ভূপেন্দ্রাথ

## মাতৃহত্যার অভিযোগ

দীনেশগুপ্তের প্রাণভিক্ষায় হালিডে গরের্ক জনসভা

## পিতাকর্ত্তক পুত্রহত্যা

ভাকাত ও গুলিশে সংঘৰ্ষ

ভিনি বড় আশাধিত নতেন। উল্প্রেটরে উট্নিয়ার গভার নিম্নিবিত ভাব এপরণ ভিনি জেলঙ্গে कथौषिशक वाशन, আবভাফ হুইলৈ নিজন্ত উপায় অবলগণ क्षिएक स्ट्रेस ।

### हेम्टन्नकेत निरुष्ठ

গোমেন্স বিভাগের ডেপ্টি ইনল্পেট্র জেনারেল অব পুলিসের নিক্ট বিহার 4 विशाद्य :--

সপারিষদ গভণর শীয়ত রামনারায়ণ भिः मामक भव हैभ्एलक्केरवत पृक्षा मःवान পাইয়া গভীর শোক প্রকাশ করিভেছেন। স্বয়ং ভাগার আত্মীয়নর্গের নিকট ভাঁচার সমবেদনা জ্ঞাপন করিবার জন্ম তিনি ! আপনাকে অন্তরোগ করিতেছেন ওাহার

বিষয়ে যে, হেড্কনেইবল বীরেজনাথ মেন উভার তর্তর আঘাত হইতে আরোগ্যশাভ করিবেন। আপনি স্কল পুলিস কল্মচারীর নিকট তাহার নীরচের প্রেশংশা জাগন করিবেন।

#### রিভঙ্গভার দেপাইয়া সরকারী कर्य सुर्धन

অংশাম বেঙ্গণ বেগণণে গোৰীপুর-মণমন্দিকে জংগনের নিকট আবার একটা ভীবৰ টেৰ ডাকাভি হুইয়া শিয়াছে। অস্থায়ানে সানা পিয়াচে, দেওয়ানী आमाग्रास्त (शाकजन श्रेश्तशर्थ (म.स्यानी অ'দাগতের কথ্মচারবৈধের মাহিনা্না भिवात करा ১৯৯५ होका कश्यक स्थाना-সরক রী অর্থ লব্য়ে যাইতেছিলেন। ট্রেন পৌরীপুর হইতে ছাড়িলে ৩ জন লোক চলস্থ টেনে উঠে। ভাছাদের ২ জনের নিকট রিভলভার ও একছনের নিকট ছোবা ছিল। ভাছারা রিভ্নভার (मथ्यिम है)का छलि भार्ते। करत । व्ययनह সমত টাকা ভাষাদের দিয়া দেওয়া হয় दवः ए।शना ९ (हेन इदेर भागगा भवारेमा याम । *(वाकश्ची दोन ३३*८५ নানিয়া যাওয়ার পুরের যানীলিভাক সাবিধান ক্রিয়া দেয়া যে, ভালাব করে **८हे विषय नहेशा ८५८% मः** करत ।

#### স্থভাষৰবির মালাবার গমন

প্রীয়ত জ্বলাগ্ড বস্তু কুন্চাগ্রে 👂 ভরোদে মুখ মাখাখনে সভাপতিক করিয়া আমিল জুলতে মানের মার্কামাঝি কেরেলে ष्यागित्वस विशिष्ट क्रमा यहिएउट्हे। जिनि ল্রোর স্থাহ্কাল মালানারে থাকিতে

## শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## (थाना इहेश्राट्ड।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অতি যত্তের সাহত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা বাথে সুন্দর বাস্থানের বন্দোবস্তহইয়াছে। খান আতার আত্যকর।

সবিস্তার সংবাদের জন্ম নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। শেকেডারী, ভাকুর ভাকিবিনোদ ইন্টিটিডিট শ্রীটেডেম্মট, পোঃ শ্রীমারাপুর, নদীয়া

### —৫১ বংসরের প্রাতটিত**—**

উম্পালয়ে প্রস্তুত বটাকা

ছাণা শুক্তারকা, স্বপ্রদেষে, কোইকাঠিক, অন্সীণ, ধ্বসভল প্রভৃতি কিন্তু কোলীৰ কোগ নিরাময় হইছাছে ভাগ প্রকাশ কাবলৈ বড়বড় গুডাক কইবা পড়ে।

#### ইহা

সকল ঋচুতে যাবহার চলে ও সমান ক্ষ্য প্রাণান করিছা থাকে। প্রতি কৌটায় তথটী বটাকা থাকে।

#### কেবলমাত্র

গুড়ি কৌটাৰ মূল। ১০ এক টাক:। ইগার নাম 'আগ্রেল্লাঞ্জনিপ্রজ্ বটীকা'।

অক্তান্ত উবণের তালিকার ক্ষত্ত পত্র কিপিলেই পাইবেন

অাধিখান:-আতঞ্চনিত্রাই উমধালয়

২১৪ নং বছণাকার খ্রী, কলিকাভা:

## কবিরাজ শশিভূষণ কবিকপ্ঠাভরণের



মফ:বলের প্রবিধার জন্ত ৬ আ: শিশিতে ঘনীভূত অবস্থার ছোটবোচ্ডের াসমপরি ঔষণ ভাকে পাঠান হয়, ইতাতে ঔষধের কোন পরিবাহন কর। হয় নাই: মূলা প্রতি শিশিও আনা, প্রিট ৮০/০ আনা, বোভন ১০/০ আনা।

অফিস-১১নং উল্টার্ডান্সা রোড, পোঃ শামবালায়, কলিকাতা

## মদল মঞ্জরী

বটকার কর্ম ও বার্ত্তিকার, ইলিরস্থিত হান্ধ্র করাবে করুলাঞ্জ, বর্ষধ্যন, বাধাবোরা, বুক বক্ কন্তানি, আনিরাশ্রাকৃতি লক্ষণ সভব নির্বোধ আবোর বহু। বল, বীবী, বেগা রুভি করিতে অভিনিত নিক। স্বাভি-বিটিছ, এক টাকা।

পুন্তব্যাক্তাকাতি হাত"
পুন্তব্যানি বাংগ বাক্তব্যােগ থারা আংগােগা
ভারা বাক্তিসন্ম করে। মুলা ২ ডােলা মুটাকা!
প্রেমেপ্রিসাে সিন্দী অভিকাশ বার্থবারণ বর্ত সভােগদভি হারী ও বৃত্তি করিছে
অভ্যান্তর্যা মুলা ১৬ বটি মু এক টাকা।
বাত্তবৈত্ত আন্মান্ত্রপজ্যী, কেম্প্রভাগী
ক্র ১৭৭বং ভারিসন্রাভ্য ভালিকাভা।

## হাইড়োগিল

বা

### কোষরদ্ধি রোগ

काः ध्रम्, ध्रम्, त्याय विना व्यत्य, दावक्षीवत्मव गाावानि निया देवक्राक्रक दानानारक दकाववृद्धि द्वाम व्याद्वामा क्षिया थास्क्रम ।

ठिकामा— ३৮'सः क्षेम'द्वीते, **पद्धपादाः,** कानकाताः।

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## रिनव शास्त्र राष्ट्रीत अक्षां यदही तथ

#### প্ৰস্থা দিলে সম্পূৰ্ণ আস্থোগ্য

দেখাইছে হইবে। অগ্রিম শাষের খনচ (বাওয়া এবং আসার)
শাঠাইলে গিন্ধা রোগী লেখা হয় অথবা অখানে আনিলে বেগী দেখিল উষধ দেওরা হয় আছোগা না হওলা শ্বান্ত পারিশ্রমিক দিতে হউবে না। গারীব রোগীদের খনচ বহন করিলা চিকিৎসা করা হর। বিভারিত বিষয়ণের কক্স এক আনার ভাক টিকেট সহ নিমু ঠিকানার অন্তুসদ্ধান

শ্রীক্ষেত্রীশচন্দ্র উকীপ, যশ্মা-চিকিৎসক, পো: নৈকাঠী, বনিশ্বলা। অব ৷ নিয় ঠিকানায় সাক্ষাৎ করিল বিস্তায়িত লানিতে পায়েন। শ্রীষ্ঠ রামগোল্যা দত্ত তম, এ, ক্ষকনগর, নদীয়া। শ্রীষ্ঠ করিপদ

शिरक, ১৯৭, व्यविदादिन्ता क्षेष्ठि, व्यविद्याना, क्रांबिका । स्थित

এক থানি পত্র। আমার প্রাকৃত্যুর গঠ চয় মাস বাবং রাজ যজাও ভূগিয়া মুক্তাের ত্ররাহিল, কালকা চার বিজ্ঞা চিলিৎস্কপ্র ভাগের ভীবনের আশা ভাগে করিয় শেষ দ্বান্তর জন্ত অংশক্ষা করিছেভিলন এই সমর শ্রীস্ক জিলীশগুল উকিল মহাশন্ত মার ১০ দিন চিকিৎসা করিয় সম্প্র আরোগ। করিয় দিয়াছেল। (সাঃ) শ্রীয়ণীল কিশোল হায় চৌধুনী (আমদার গালিয়া) হয়্ য়ায়্ট্, নিউ বিভিং। করণোরেশন টেটা ভিলা ট্যেন্ট, কলিকাভা।

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

भोजान 88%

माज ८)० जाकि दिक वे भागि देखा वृक्तभारहे भागम स्त्र।

ম্যানে**ভার-প্রন্থ**বিভাগ শ্রিটেডখমত, পো: শ্রীমায়াপুর, নদীরা।

কেন গ্রাহকগণ

# গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসেং

এত প্রশংসা করেন

-কার্যল-

এপানে যাবতীয় ছাপায় কাৰ্যা-

रण्डात र फिर, स्माप, कम्म, कमिशाती ८६क, विन व्यक्षिहे वनूम, विवादक्त निमञ्जग शक्त, कार्छ, विवादक्त शक्करे वनूम,

আর ০ এং ও ৪ বংগ্রের ভাষটোন রকট বলুন, স্কল কার্যাই আভি নীয় ছাণ্
ভর, অগত হাণাটবার গরত বাজার অপেক্ষা ভুলত।

भागभाव विष्टु काभाव कार्य। धाक्णिम निव्रतीकामात्र भागावेदमहे पत्र भावेदनसः।

ম্যানেকার—গৌড়ীন্ত প্রিভিৎ ওক্তাক্তর্ ং৪৩২ নং আপার সার্ভুলার নোর, কণিকালা।

## শ্রীন প্রভূগাদের বক্তৃতাবদী

এখন ও ছিত্তীয় হঞ

ওঁ বিশূপাৰ প্ৰীক্ৰীমন্ত কি গৈছাৰ সময় চী গোলামী মহাবাজের নেই ক্ষান্তিল বিমান্তিন জীবালালালগৈছোবিনী ক্ষাক্ষাক্ষণামিনী জীবন্ধবালীয় সূত্ৰিবিধান— বৈক্ষণালাক ক্ষণালাল কৌছ কম্বিনাল ক্ষান্তিবাস ও প্ৰয়োজন ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষ

किया जरूक अन् यात्रा शक ।



बर्छरकं ∤ २० श्रुक्रस्याख्य दंशीताच्य ४८৫. ২১শে আষাঢ় বঙ্গাব্দ ১৩৩৮, ৬ জুলাই 🕏ং ১৯৩১ সোমবার 🕴 ১০৫ডয় সংখ্যা

## বিষয়-বাসনা

ষ্ঠ দিন যাইতেছে, বিষয়-বাসনা জানে বাড়িটাই চলিয়াছে। ভাবিতাহিলাম, বংগা-বুদ্ধির সংক্র সক্ষেত্রভার ক্রিয়া-শক্তি শিখিল হইছা আসিবে, শোকে ভাগে রোগে বস্থান ভাবে বিপদে জ্বানার হয়র। मःभाजमाणात यन बात्रुत् पहित्य भावत, তত্তই বিষয়বৈরাগ্য আসিয়াজন্য অনিকার করিছা বসিবে। কিন্তু হায়, তাগা হইল कि १ छ:य छाल छ' गट्पछेडे भाडेशांछ. হ্রবের আশাস দিখিদিগ্রানবহিত হইরা ইতন্তত: যত ছুটাছুটা করিয়াছি, নায়া-পিশাচীর কবলগত হইয়া নিরাশারে গভার অন্ধকারে ভত বেশা নিমন্তিরত হুইরা কেবল 🎖 সহয় লাজনা— অযুত উপেক্ষা কেমন করিয়া অব্যক্ত যন্ত্রণাই উপভোগ করিচাছি।

ছ: (बन्न क्या काशरक विनव १ व्यामात দরদের দরদী হইরা আমার প্রতি একটুগানি —কার্যাত: না হউক—মৌথিক সহায় গৃতি প্রকাশ করিয়া হৃদয়ের ভার কথাকং লগু कतिया निर्देत, असन क्लाम क्लरप्रत विटेक्सी वस् ভ' আৰু পৰ্যান্ত চোথে পড়িল না। তবু यथन याहारक मिथिएक शाहे, जाहायहे निकछ ছুটিয়া গিয়া হাদরের গুরুভার উন্মুক্ত করিয়া दमणाहेतात यथामाधा ध्याम कति: त्नरव मत्न इत्र, आभात वाधात कथा छींग ठिकमङ बना इहेन ना ; जात बाहारक विनवाभ. (भ ९ কিছু বুঝিল না। এমনি করিখা দিনের পর দিনগুলি আমাকে বাস করিতে করিতে চলিয়া याहेरज्ञाङ्, व्यामात इत्रतश्चात कान स्थाना धारान कान्या किरारकन नियान প্রতিকার হয় নাই, বরং যে অবস্থায় ছিলান. ফেলিবার অবসর দেয়। যেই একটু তাহা হইতে আরও অধিক তুর্দলায় নিপতিত বল লাভ করি, অমনি স্থাধর দোহে আজু-इरेबाहि। उथानि आमात विभवनामना, विश्वत इरेबा भूक्यक इः १४त क्यांकन

इस माडे।

কেন ?--বিশ্ব আমাকে এমন কি স্থপ বা প্রথের আশা প্রদান করে, ঘাহার জন্য এছ ছবে-ছদশার মধ্যেও বিষয়কথা, বিষয়-চিন্তা ভাগ করিছে পাবিভেত্তি না ৫ হা— ন্তথ দেশ ৰহ কি । ঘন জলদাৰুত জমানিশাৰ প্রাপাঢ় অক্সকারের মধ্যে দামিনীবিকারেশব নায় কিলা 'তাত্ৰ দৈকতে বাবিবিজ সম' কাণকের তবে একটু আবেগার মালে: একটু মর্নাচিকার রস, একটু প্রতিবিধিত স্থানে আৰা দিয়া যাত্ৰৈ কি ! এনই স্তথের আশার নেশা আমাকে এমনই পাই ৷ ব্যিয়াছে যে, এই মানারাজ্যের শত শাসন --যে মহিয়া চলিয়াছি, ভাষা আমি অনেক मभग (हेवहे शाहे मा।

আমার এই ছবৰস্থাৰ কথা খুব গভীর ভাবে চিন্তা করিছে করিছে মনে হয়, আমি থেন ঠিক এই নিরানন্দ রাভোব त्लाक नहे, तिरमध किছू अनगर---विरमध কোন অপরাদের ফলে কোন অভানা অনাদি কাল হটতে কোন অচিন্তা শক্তি মান কত্তক এই ছম্পার ছঃখদাগরে নিকিপ্ত क्षेत्राक्ति। अहे धःशमकार्गत पृति ७ ডুবিতে যথন নিতাস্কই হাঁপাইটা উঠি, যুদ্দ একান্ত কাভর হুইয়া 'লাহি লাহি' বলিয়া চীৎকার করিতে থাকি, ওথন কে যেন একট্ৰ আলো—একটু আলা—একটু

বিষয় আসক্তি লেশমান্ত্র প্রাস প্রাপ্ত প্রায়ই ভূলিনা যাই। এই ফ্লার্যে আনাব कीन होत्रवर्धन भरत दहेन अधार्थिक कुछकर्पत छात्र विश्वशासी भूग नहेश यग -भाष) क्यार ८ चांश कांबरक अनुष इत्र। দেখিতে দেখিতে এই স্তথের দিন্তুলি পুনবায় কোন অভন্যবলে সহস্যাপ্তভিতি হইণা যাণ, আবোৰ পুৰেৰে মত ছ.খ-মহাসাগতে নিমাজ্য হট।

> ত্রপন্ত ফি অবিখাস করিব--ভণ্বান নাই 🔈 আমাৰ পশ্চাতে সন্মুখে পাৰ্যে উদ্ধে এক সমতশুকুৰ দৃষ্টি সধাকণ নিবন্ধ আছে। একট অভুধবেন কৰিলে যাহা সহছেই উপস্থিতিয়া, আজ তারা কোন সাংগ্রে, কোন যুক্তিবলৈ অসীকার করিব ? স্কুতরাং ভগ্নানু যে সভা সভাই আছেন এবং তীথার , ইইচা ভেলিনিয়াসা চবিতার্থ করিবার স্থিত আনার যে একটা বিশেষ রক্ষ चित्रिष्ठे अवस आह्रि, उरशत्क मत्सद कर्त নার হেড় কি আছে ঃ তাই স্বভারতই প্রাপ্ত উদয় হয়, আমি কে? কোথা হইতে আসিগ্রচি ? এত জ্থেরাশি আমাকে আনার একান্ত অনিচ্ছা সংস্কৃত ভোগ ক্ৰিতে ইইতেছে কেন্তু ভগবানের সাহত : আমার কি সম্বর ? কল্পনানেত্রে বা নান্সী-নেলে তাঁহার আজিও উপলব্ধি বা অনুমান ব্যতীত তাঁহাকে এই সহজ্ঞ নেত্রে প্রতাক করিতে পাবিভেছিনা কেন্ এই প্রাল গুলির স্চত্ত্ব পাইবার অস্থামার: বাণিত অন্তর অতিমাত্রাম ব্যাকুল হইবাছে। উপস্থিত হুইলে কাবাক 🐧 ঠাকুরাণী প্রসন্ধ

> অনেক মঠ মনির, আখড়া আশ্রম— অনেক বন জঙ্গল, পুটির গুছা---নানা দেশ, কৃষ্ণদেবায় পুনর্ধিকার জন্মিবে। তথনই নানাস্থান পরিভ্রমণ করিয়া অবশেষে প্রাকৃত মুখ, অনাবিল মানন্দের অধিকারী মহাসৌ হাগাবলে এক অভিমন্তা মহাপুরুষের হইতে পারিব। क्षणात यह मव कात्वत मञ्जूत भाहेशाहि।

একণে বুঝিতে পারিয়াছি-স্মানি চরাচব নিথিল বিশের একগণ্ডে অধীখন সর্বাচয়-স্তথ সেফান্য স্বাট্ভগবান জীককেব নিএংগেলক দাদাজনাস মার, কোন এক গ্রম অস্ত মুহু ও আমার মনেব গোপন কোণে অনের নিভাপ্রভার নিভানন্দ্রয় পেনাচেপ্তার পরিবর্তে ক্রঞ্জোলা ব**ভতেই** ভোগবুলি জনা লাভ করিয়াছিল, মঙ্গলময় অভগানী গেই মুহাতুই ভাছা জানিতে পালিয়া আমাকে স্কৃতির কালের জন্ম গ্রপ্তাকত বৈহুঠবাজ্যের বিস্তৃত প্রতিফলন ट्रिय मधन कुर्शतकात् क बने माधिक अधारक নিকাসিত করিয়াছেন। ভদবৰি এই কামনা-বাসনামৰ ভোগবাঞ্জোব অভিথি ্জর মালার লাখি পাইলা মুরিয়া বেড়াই-তেছি। এই বিশ্ব একাও আমার নিতা वामक्ती ना, जानात क्षीपनात एक्स्प्रभा শিক্ষারতন কারাগৃহ নাত্র। ত্রীক্ষের ছায়াশক্তিম্বর্নিণী কালাক্রী ঠাকুরাণী অমাৰ স্বাভধাধনে হস্তকেপ না করিয়া আমার মন বুঝিয়া আমার রোগের যথোপযুক্ত ঔষধ প্রয়োগ করিতেছেন। ঠাহার চিকিৎসাধীনে থাকিলা আমার ব্যানির উপশম হইলে—লোকে তাপে ক্ষজারিত হইয়া 'আর নাবে বাণ' বলিয়া বিষয়-ভোগবাসনায় কাষ্মনে বাকের নির্বেদ স্ট্যা ছুটা প্রদান করিবেন। তথ**ন আমার** 

এমনই একদিন বৈসুপ্তের ছার্পাল

ভগ্বংগাধন জ্ঞান্তিজ্ঞার অজতম মহা- | অনেক সময় শাস্ত্রবাক্যের দোহাই দিয়া বজ্ঞ সক্ষল মাংস ভক্ষণের আয়োজন ছাড়া তপা রাবণ ভপোবলে বদী হইয়া বৈক্ঠ লক্ষী সীভাদেশীর প্রতি ভোগবৃদ্ধি পোষণ করিয়াছিল। অহুগামী তাহার সন্মুপে মায়াদীতা উপস্থাণিত করিয়া ভাহার অপরাধের প্রায়শ্চিত্তস্করণ ভাষাকে সনংশে ধ্বংস পূর্বংক সমূচিত দওদান্দীল। বিস্তার করিয়া লোকশিকা বিধান করিয়াছিলেন। আজ রাবণের কুটা সংক্ষণ আমার কায় ভোগণিপান্ত জনগণের নয়নসমক্ষে প্রাকৃত रिवक्श्वेनखन भनिवर्ष না যিক **317** বির্ফেশান। রাবণ সীতাভোগের ছক্ষা আকাজ্ঞা সত্ত্বেও নলফুশরের অভিশাপভয়ে যেমন ভাহার ভোগপিপাশা চবিভার্থ করিজে সক্ষম হয় নাই, আজ খানিও এই বিশ্ব-র**ন্ধাতে জন্মা ছোগ্রিপাস** লইয়া মর-মরীচিকার পশ্চাতে ভাষামাণ অভিশপ্তের স্থায় অবস্থাগ্রন্ত—ভোগ করিতেও পারি-ভেছি না, পিপাসাবও নির্ভি ইইতেছে নাঃ আন্তেউপায় কি হইবে ? কমানীৰ মহাভাগ্ৰত প্রমহংস বৈক্ষবগ্ৰের কুপায় জয়বিজয় ভিন কলেই নিয়ুতি পাইয়া-ছিলেন, বৈক্ষবকুপালেশগীন নি গ্রাবন্ধ আমার পক্ষে লক্ষ লক্ষ ছবোও উদারের আশা দেখিতেছি না। এখন ও কি আদার বোণের ভিষ্প, আহাব অপর্তেশ্ব যথে।-প্যুক্ত শাল্ডি প্রেদ্য হয় নাই? জানি না, আরও কতদিনে আনার চিতের প্রধান ताधि कर्-ममवृक्ति कर्णगड इटेश रक्षार्थ রঞ্চেবক্তিনান এবং চব্চর যাবভীয় ংস্তুতে ক্লেডোগা বুদ্ধি উদিত হটবে। জানিনা আমাৰ ভায় বৈক্ৰমেবাবিমুখ ভীবের ভাগো আরও কডদিনে রূপা পার।-नात्र महेदछ देनकन । ठोकुटत्रव निकल्फ इन्सा ব্যাভ হইবে গ

## উল্টা বুঝিলি রাম

শাস্ব বলিয়াছেন, ''ধর্ম্মন্ত ভন্মং নিৰ্ভিত্ ওহায়াং সহাজনো নেন গভ: স পছ," व्यर्भार भरवात । इत्र व्यक्तिना । छञ्च नश्र, আত্রের মহাজনগণের পপট প্রারুত পথ। অনপ্তু ও জড়াহস্কারপ্রমন্ত আমরা क्षक छ। नम्भ उठेवा मास्यत गमार्थ नवार्थ উপস্থানি কবিং ১ চিন্দা অনেক সময় বিপদ-গ্রান্ত হইয়া পাকি ৷ প্রাকৃত জ্ঞান পরি-চ্ছিম ও সীমাবিশিষ্ট। বিভাগজ্ঞ শাস্ত্রকার গণের সমাধিলক জনগরিমার সভিত তুলনাৰ গ্ৰোকৃত জ্ঞান মতি ভুন্ছ এবং চেন, কিন্তু তথাপি আনালিগের তমনই চন্ত্রি বে, আমবা এক্লপ প্রাক্তে আনের অভিমান | কোপা ? बहेश छाद्राता भारतत खेलामणाबादक পরিনাপ করিবার চেষ্টার উতাদিগকে নিজ

থাকি ৷ আমাদের এরপ :বুদ্ধির দোৰে আমরা শিব গড়িতে বাঁদর গড়িয়া বসি।

সাধু মহাজনগণের সমাভাব বশত: द्वियांत्र व्यवकाम इम्र ना (य, मम्कक-পাদপল্মে প্রনিপাত, পবিপ্রশ্ন ও সেবাবৃত্তি-मङ धार्व इंडेब्रा स्मरतानुष ना इ १ ब्रा भगास সাম্বতশালের গুহা তথ্বগুলি জীবের হান্তরে क्षिक्राल एवं मां। अक्टम्मी विहादत्र প্রাবল্যমেতু সামঞ্জ করিতে না পারায় শাস্ত্রনাক্যে অনিখাস উপস্থিত হইনা জীবের সর্বনাশ ঘটিতে থাকে। সেনোৰুখ না হওয়া অবস্থায় শাস্ত্রের গুলারী আমার নিকের মনোধ্যের চল্মায় দেখিতে গিয়া নিজেই অনক্ষ বরণ কবিয়া থাকি। নায়া ব্রাবন্ধার ভোগই আমাদের একমাত্র পার্দী-ভূত বস্তু হওয়ায় থাঁহার। আমাদিদেশব সেই ভোগানলে ইফন যোগাইবার বাবভাগত্র দিতে পাবেন, ভাঁছাদিগের কথা আমাদের বড় রাজিপ্রদান হিতকর বলিয়া মমে হন।

মাজ্ভশাস্কার্যণ আমালিগের নিভা সূথ ও মিড়ো মকংগেৰ জন্ম শাস্তে ব্যবস্থা কবিয়া নাথিয়াভেন। কিন্তু পাধের প্রাক্ত প্রহা অর্থ উপল্পি কনিবার জন্ম আমিনা মহাজন বা সদ্ভকশ্লিশ্যা আছার এইণ কবিব না, কাবণ ভাহাতে আমাদের যে कारश्चिम ट्डार्स्स कथा गरित। इन्हें ইন্টিয়ত্রির উদ্দেশ্যে শাস্ত্রারস্থার কর্মথ না বিরুভ অর্থ গ্রহণ করিষা তুপ বা মঙ্গলের প্রিবজ্যে লগে বা অনক্ষ্মই বৰণ কবিতে থাকিব। আর শান্ত্বেব কোস দিয়া বলিছে। भाकित हा, सायतांनी माना कतिया उटर्यत চেষ্টার দিবারাতি পাধার মত পরিল্লম ক্রিয়া শেনে স্লখের পরিবর্ণ্ডে ছাখই প্রাপ্ত डेनाम—'এ क्या भिया लाग, ४ इत्नरका বাজে যোৱা মাধা বহা, লেকেন ঘোড়া (মরে পর 55 লিফা।

गामुन े नक्षशीतित साधानन अनुष्टिहे চইতেছে—স্বগতে আসিয়াভি, ভোগ করিব, बर्षा नृष्टित । शक्तभाषा ९ किए हेटा ताडी ह क्रमा कथा कि इंडे माडे। वाटांत्र, मिना, ভাষ ও উভিয়ন্তপ্ৰিচেটা লাইছাট ৰশ্বভাব, সংসাব। এ জগতে ভোগেরই আধিপতা। ইঞ্জিয়ভর্পণের পোনকতাই করিরাছেন। ঐ এক কথা—ভোগ। ভবে বাঁহারা একটু বিপ্রস্তিরেষা ভূতানাং নির্ভিন্ত সহাকলা' ভাঁহারা ভোগ্টাকে এমনভাবে নিহমিত करतन, गहारङ तिना पिन हालान योग। अञ्चानरहरो - गर्थम् नकानकाम् ভোগেরই দিকে, তথন ভাহাতে কোন রকমে একটু হ্বাভাস পাইলে আর বার

এইরূপ ভারস্থায়ও ভাগনত চইতে প্লোক উद्याद कदिया बिन:छ किन्द्र त्वांध कवि ना নিজ ভোগেজিনের উপনোগাঁ করিবার জন্ত । যে, বিবাহটা ইক্সিডপ্র ভাড়া আর কি প্

'কি **? নোৰণানের** বা**বছা হন থা**ওয়ার দেওয়া ছাড়া আম কি? ওমব ব্যবস্থা পাল্লেই আছে। বেদের গুরুর্থি আমরা আমাদের মনোধর্মের চশমার দেখিতে যাইয়া নিজের সক্ষনাশ আন্ধন क्तिक्छि। दिर्ग यथन यटक राज्यस्य क्या चारह, उथम चात चि ? भ७मारग ভোজন কর। বিবাহের আদেশ ধ্থন আছে, তপন বিচারশুনা হইয়া যথন তথন স্থবিধা পাইলেই পাশবিক ইজিনপ্রবৃত্তি চরিতার্থ কর। **সোমপানের ব্যবস্থা যথম** আছে, তথন হ্রাপানে মত্ত ছও। কিন্তু दबल्के बनिहार्ट्स, 'मा कि:छार गन्धा-ভূতানি" বেচদর 🕩 আদেশ ভাগিয়া গেল। আর বেশ গথন ঐ সব বাবস্থার বেশ ব্যাপ্যা কবিয়া দিছেছেন তগন ইন্দ্রিগতপঁণে क्होरिक क्यानिया व्यक्त मास्त्रिश রহিলামা হায়! श्रायः। भाषाटमनीत्र খিন মহাদানী শক্তি। এমনি ভাবে আছের ক্রিয়া বাবিলাছেন ।

সক্রেদ্যার শ্রীমন্ত্রাগণত মাদৃশ মোতাম মাধামুগ্ন জীবের মোহ নাশপুর্বেক ব্যাসা ८६न,--"दलादक दाद[शुश्रिषमञ्जरत्रत] निटाप्त करना मंहि एक कामना । रावद्रिकि েছযু বিবাহৰজন্মরাগ্রহৈবাক নির্ভিতিটা।।" অর্থাং জগতে প্রাস্ক, আমিনভক্ষ ও মুৰাশান আভুতি সকল প্ৰাণীএই নিতা অর্থাং ভত্তৎবিষয়ে প্রাণীদিবের স্বাভাবিকী প্রার্থি আছে। উদার হল আর বেদ পুথকু করিয়া হকুম দেন নাই। শালের त्य विधि (एस) योग्र, छाञात अकत्राप প্রভাবন্যে নাই। তবে ভবিষয়ে বিবাহ, বজ ও ভারাপ্রচাদির যে বালকা ইইনাছে অৰ্গাং বিবাহিতা গ্ৰীন্ত সঞ্চ, মঞ্জীয় আমিষের ভক্ষণ এবং গছে স্থাপান অভূতির নিয়ম कता हरेगाए, के जनन निश्च कीरवत সাভাগিকী প্রবৃত্তি নির্ত্ত করিবার অক্ট निकाबिक कानिएक कडेरब । त्यामन 'निवृद्ध' हेर्फक्टिंग किंक हेन्द्री कतिया नहेश আমরা বলিভেছি খে, বেদ আমাদিগের বৈশ জুবিশা করিয়া নিয়াছেন অর্থাৎ নেতে কা অবুদ্ধি ঘাষ্ঠাৰ আছে, ভাষার মুখেই। বেদের 🗟 'নিবৃত্তিবিষ্টা' এবং সঞ্চলংছিতায় वृक्षिमान, छोडांना उत्कर्त वृक्षिम ५८वन । এই वस्तत्र 'निवृद्धित्र मधामना--धारे ভুট উপসংহার হইতে আমাদিণের ৰুঝা উচিত যে, শান্ত আমাদিশকে নিবৃত্তি भार्णतंहे छेशापन मिराटाइन

> শ্রীমন্তাগবত ধলেন, মান্নদের যাহা পুর প্রিয় বস্তু, ভাছাতে আসম্ভিট সকল ছংথের मृत, त्य व्यक्तिकन राक्ति हेका बृत्यन, ভিনিই রখী। সাধিক, রাজসিক 😮 ভাষসিক ভেনে পাছ ভিনপ্রকার। পরিত্র, হিতকর, সহজে পাওয়া যায় এমন আহারই

সাবিক আহায়, যাহাতে ইন্সিছের বেশ তৃত্তি হয়, তাহাই রাজসিক আহার, আর च ७ि, चेंडेगांक्क चाहात्र-खामितिक। क्शवादम निरविष्ठ कामांनी वसके निर्वाण । ভগবানে ড আরু মাছ মাংস নিবেদন করা यात्र ना, कविर्णक किनि कांद्रा टाइन करतन ना। जै नमक जना चरमधा वा ठाकुन সেবার অধোগ্য। মান্ত্র বর্থন কোন কামনা বিভিন্ন অন্ত ঠাকুরের পূজা করে, ভখন রক্ষ আছি জমো ওণের আশ্রেরে করিয়া शांका जेवन भूवा मादिक नरह, निश्वान ७ नरहरे । काटकरे जेक्कन निरमन कतिरम व উচ্চ ভগৰানের আসাদ হয় না ৮ ঐ সব शाहेरण तरका छन जरमा छन वाफ़िरक शाकिरव মায়ার শংসাহত আমরা আরও অধিকতর ভাবে বন্ধনদশা প্রাথ ইইতে থাকিব। যাঁহারা এক্সপ বন্ধন হইতে अवाहित शहिनात अध्नायी, छोहाता निर्श्व श्रिमानी किनिय शाहरतन। आयत्रा নির্কোধ, ভাই এই সমস্ত বিচার না জানিটা কেবল স্ব-স্থ ইন্দ্রিরভৃত্তির প্ররোচনার ঐ সমস্ত অসংকাশে। প্রবৃত্ত হই॥ থাকি।

## শ্রী শ্রী গুরু বৈষ্ণবচরণে বিজ্ঞপ্তি

(0)

करत वा कड़ीय छान, इतन मन मक्सीन, অপ্রাকৃত হইবে দর্শন। শ্রীমারাপুরের স্থতি, হায় মোর বিশ্বভি, অশিসিবে তেঁই দংশে মন ॥ ८७ँटे मग किस्ताबारत, नामश्रुक्ति नाहि चूरत फर्ति नटः देवकनवन्तनः। ধামরূপ, গুণ, লীলা, চিত্তে কতু না স্পর্শিলা পানাণে 🖛 ফোটে পুসাগণ 🏱 প্রভুন্ন নৈনেদ্য ভলে भृष्टियारक भरत परत वर्गकात हिन्द्रम क्रमण । অপূর্ণ কুগমান্তার কড়াতীত খণ তার क्रकपृत्रि कांगांत (क्रवण न চর্ম্মচন্দে কেরি ভার প্রাক্ত বৈত্বপ্রায় নকে ভাষা আছিত সম্পদ। कमिकीरव प्रशा कति अना निधि भौत्रक्ति भागताल वालाक डिकिंड म व्यक्त्रज्य मध्य विश्वा, ণাদের চিন্মর জিন্মা উপলব্ধি কড়ীয় বিশ্ব। হায়, হায়, কি ফুৰ্মণ্ডি অমৃত ক্তাঞ্জিয়া ছতি निवर्ण विवय-जानव॥ क्रमन कतिन मात्र, स्थाना मा देशस मन, হে পত্তিত জনের আশ্রয়। বিষম ক্সতি ছেদি' পলে ফ্লপাডোম বীথি' ছংগীজনে বাখ বাম ছার॥ कति' वशा सीनवीरम, व्यक्तिय खेलूम्सावरम , निवास्टिम गांभू कम शक । यमबङी रेक्षी माया ছাড়াইরা প্রস্থার।

स्थममा कतिम (पश्म ॥

## গ্রন্থ পরিচয়

## **শ্রীমন্তাগবতম্**

किम्प्रदिव क्रम्भेदिशायम (वहवाग-व्यमिक मृत, व्यम-মধ্যাচাৰ্য-মতা তাৰপৰ্য্য-নিৰ্বয়টাকা: শ্ৰীমদ্বিত্ৰনাণ চক্ৰবস্ত্ৰী हाकुन-इन्छ नातार्थननिति क्रिका, वनाक्ष्यान, मःइन्छ अवस छ নেই হবের প্রভিশান্ত কর্যাসার, অধ্যারের প্রথমে ঐ অধ্যাদের সার্গহ স্থবিস্থৃত তাৎপর্যাদি বিস্তু। গ্রোকস্চী বিষয়স্কাৰী, অধ্যায়বিবরণ, পাত্র ও স্থানস্চীসর উদ্ভয় কাগজে উত্তম অক্ষরে মুক্তিত। প্রথম হইতে ১০ম ক্ষত **পথ্যস্ত হাপা স্পূর্ণরূপে** শেষ ছইয়াছে। ভিক্ষা প্রথম হইতে ৯মু হল পৰ্যায় ২১৮/∙; দশম কল ১২৻; म्यदा में ।

### **এ এটেডকাচরিভায়ত**

শ্রীত্রীমন্ধলিবিলোদঠাকুর-রচিত 'ক্ষ্ডপ্রবাহভাগ্য ও জীতীমছজি দিছাৰ সরস্ভী গোসামী প্রভূপাদ লিখিত 'बञ्चारवा क्षांच-वृद्धानि वह गाञ्चक्षाग-मयनिष्ठ ६हेग्रा टाका निए स्ट्रेगार्छन । (झाटकन्न मास्यवााया), प्रमास्वाम छ প্রত্যেক পরারের পুরে সংক্ষিপ্ত অভিগের সংযোগিত। প্রভ্যেক অধ্যায়-প্রােরস্তে কথাসার দেওয়া আছেব খ্যোক, প্রার, শব্দ, স্থান, পাত্র প্রস্তৃতির স্থবহৎ স্চী ও প্রস্কারের বিষ্ঠ জীবনী-সম্বিত এইরূপ অভূতপুরু সংখ্রণ ইত:পুরু कुर्वाणि व्यक्तिक व्य माहे। केंद्रम कागरक शांत्रिशारहोत्र सिक होता, काक श्रेत्रह च्रुड्स। সহিত ভুল ব্লুক্তারে মুলালে মুদ্রিত হইয়াছে। এও প্রায় >eoo शृष्टीय मुल्लाम । जिल्हा वर्खगारम e, माछ ।

#### **জি**হৈতকুতাগৰত

গ্রন্থকারের জীবনী, প্রতি পরিক্ষেদের কলাসার, নিস্কৃত পৌড়ীর ভাষা, শব্দক্টী, প্রায়হটী, বিষয়-স্থান-পাত্রাদি-कृती. क्षाकृष्टि विविध विधन-मश्लिख विद्राप्ति विखीय माध्यम छवन काउँन ৮ (अभी धाकात्र। धानिनीना । भरतात्र কিয়দংশ প্রকাশিত হইয়াছেন। ক্রমে ক্রমে প্রকাশিত हरेएछहन। अधिम किका ् होका, आभि नीनात्र किंगा व् ।

#### **बिटिन्ड का मजन**

এই গ্রন্থের এরপ অভিনব স্থন্তর সংস্করণ আর কুর্তাপি श्रक्षणिक इस नाहे। मः इक झाकारणात अस्य, रक्षाक्राण, ভাষা, ক্থাসার, তথ্য প্রস্তৃতি গছ থণ্ডে বণ্ডে প্রকাশিত হইরাছেন। মূল মোটা অক্ষরে ডবল ক্রাউন আটপেদী बुद्रसाकारत हाला श्रेतारह। मूना २॥ । ठीका। अमीता প্রকাশ ও গৌড়ীরের গ্রাহকগণের পক্ষে ১॥• টাকা।

#### <del>এতাত</del>গ্ৰহণীত।

— আগেডীর বৈক্ষবাচাব্য অপ্যাক্ত র্গিকচ্ডামণি 🖺 🗟 বিশ্বনাথ চক্রবিটিঠাকুর গোস্বামিক্সভা সারাথব্যিনী ট্রকাসমেতা ও ঐতীমন্তবিনাদ ঠাকুর-প্রণীত 'রসিক-র্থন' নামক ভাষাভাষাদহিতা। অধ্যায়প্রচী, মাতৃকাজন্ম त्माय-शृही,विषय-शृही,अध्कारतत श्रीपनी ७ व्यवखत्रिकामि ব্রচ-ছাত্র্যবিষয়-সহ উৎকুঠ বাগাই তৃতীয় সংকরণ—এই রাজ চুইতে পরিক্রমাংশ মাত্র গৃহীত; শ্রীজীব গোস্বামী কি तरस्त्रालंत्र किका २, छाका माळ, त्राशात्रण तरकत्रण-- अ। ৱাকা মাজ

## শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

ও বিষ্ণুপাদ শ্ৰীশ্ৰীসভক্তিসভান্তসর্পতী গোখামী মহারাজের দেই অবিজা-বিধ্বংসিনী कीवास्त्रकरभाषांविनी क्रक-कार्काननमात्रिनी कोवस-नार्वाव म्छ-विवार---देवकविष्ठान्त-त्रक्रमानात्र दकोन्त अम्भ-निव्यक्षात्र বৈভবনিজ্ঞানাগারের মৌলিক তথ্য---পঞ্চরাত্র ও ভাগবতের শ্ৰষ্ম গুৰু-মহাজন-জীবনচব্লিত-শিক্ষক--চিবিলাসচিমাত্ত-আভিশন্দ, তথা ও বিবৃত্যাদিবৃক্ত। প্রতি ছলের আদিতে অচিন্মাত্র-বিচারক—ঐখ্যা ও মাধুগ্রনের মৌলিক গবেষণার --- সম্বন্ধ, অভিষেত্র ও প্রয়োজন-তারের নিধাস্থ-সমূদ্।

> ১। প্রথম খণ্ড-বৈষ্ণবদর্শন, প্রীপ্রবাড্য, কাল-भग, जीमस्याविज्ञांव, जीवार्यज्ञानवी, शाक्षत्राजिकी मीका ও বর্ণ-বিচার, আত্মধর্ম ও মনোধন্ম, ইটিচেত্রাদেব ও তাহার শিক্ষা, অপ্রাক্তে সহ্রধর্ম ও প্রাকৃত সংক্ষম, প্রাকৃতি বিংশতি সংগ্যক রছে সুশোভিত। ভিকা মাত্র ৮০ বার আনা।

২। **দ্বিতীয় খণ্ড-ওদা** ও বিদ্ধা ভ্ৰিচ, মহুয়ের শ্রেষ্ঠতা কোথার, আত্মার নিত্যবৃত্তি, শ্রীণর স্বামিপান ও माग्रावान, जीरशीत-निष्णानन्त्रभुष्ट, जियरशत धर्म 😗 क्रथ-कार्छन, जीवामभूषात्र जीमहाशवास्त्र कीर्सन, जीवान ধামের মহিমা, মহাপ্রাসাদ, প্রীগোরিন্দ, শ্রীক্রপালুরভক্তন-পপ, জীমতী বুমভামুনন্দিনী, শ্রীচৈতভারে দ্যা, গৌরকরণা ও ক্লফসন্ধীর্তন—চতুদ্দশ অপুন্ধ মধুরিমাপুর্ণ-বক্তান্ত। বিভূমিত। বিক্রমিতে মুদ্দিত, উৎক্রপ্ত বাধা সোনার দলে নাম শেখা। ভিক্ষা ১, এক টাকা মাত্র।

প্রেপম ও ধিতীয়—ছই বন্ত একজে লইলে ভিক্রা ১॥০

#### **এমভগ্ৰদ্**গীড়া

ट्योड़ीय-देवस्वनार्गिक-८०थत श्रीश्रीयन्वल्य विका-ভূমণক্লত ভাষা ও শ্রীমন্ত কিবিনোদ ঠাকুরেরপ্রাঞ্জন বন্ধ-ভাষার বিশ্বত 'বিষদ্রঞ্জন' নামক ভাষাণুক্ত। অণ্যায়-স্চী, বিষয়স্চী, ও প্রতি লোকের প্রথম ও ভূতীয় পাদ সূচী, ভাষ্যকারের জীবনী প্রভৃতি স্থলিত। উৎক্ট বাঁধাই, রাজসংখ্রণ (ভুতীর সংখ্রণ) গ্রন্থের क्रिका २, होका।

#### প্রয়েরত্বাবলী

टीमदलराव विश्वालुएन-ख्यांड विकासमान, मनाई ६ গোবিত্র-ভাষাদি পড়িবার প্রাথম গ্রন্থ। উৎক্ষম কালিতে প্রক্রে ১৮০ টাকা মাত্র। ছাপা। স্বিভত টাকা ও প্রারণবন্ধার্বাদ-দার্ন্যে অতি সহকে বালকেরও বোধগম্য হইয়া পাকে। ভিকা । ত' আনা মাত।

#### **জীনবদ্বীপধামমাহাত্য্য**

( ख्रमानथ छ ) माञ्चवाम । अण्डि-युख्यामि श्रद्ध श्रीनव-শীপের যে মহিমা কীরিছ আছে, তাহার মুল দংখ্যত ও। নাম মাত্র ভিকা।। আনা। অমুবাদ। ভিকা ১ • আনা।

#### **এটি**নবছীপস্থাৰ্ভর

জীঠাকুর ভজিবিনোধ শিথিত। স্থলনিত গীতাকারে भवित्रमात्र एकेवानि-विषयक। खिका। धाना।

#### ভজিরত্বাকর ও নব্দীপ পরিক্রমা

প্রীল নরহরি চক্রবর্ত্তি-ঠাকুর রচিত। ভক্তির্দাকর প্রকারে শ্রীনব্দীপ্রামের পরিক্রমা করিয়াছিলেন, ভাহাই পত্মে বিবুড। ভিক্ষা। প • জানা





ত্রী ভব্তিবিনোদ ঠাকুর-প্রণীত। ত্রীচৈত্রভূইছাতে निकाक्षणानी-त्रक, क्रकमंकि ७ तत-वद ९ मुख कीत-অিস্ত্য-ভেদাভেদ-ভত্ত—শাধন-নিৰ্ণয়—প্ৰয়োল্পন-ভত্ত্ব, কৰ্ত্ত্ব-कांच, जासमाधित विहात-दिवी छक्ति, छावछक्ति छ পরিচ্যাদি প্রাথম শিকার্থীর উপযোগী করিয়া সরল ভাষার সমুদয় যুক্তিপ্রমাণ্যত লিখিত আছে। চতুর্থ সংস্করণ বাধা २ ् ठोका, व्यावामा ১५० ठोका माछ।

#### গোড়ীয়কণ্ঠহার

क्टिर्श क्रीय-रेनकवन्यत्वत्र अञ्चलन कर्छ श्रांत्रनरगांगाः ক্রতি-ছতি-পুরাণ-পঞ্চরাত্রাদি দাখত-শাস্ত্রসমূহের **প্রমাণাবলী** বিষয়বিভাগক্রমে সাভবাদ ওবিষয়ে। এইরূপ বৈষ্ণব-সিদ্যান্ত্র সারসমন্ত্র অন্ত কুরাপি প্রকাশিত হর নাই। हेडाएक खक्टब-खागवल-देवस्थव-एगोत-निष्णानम-অধৈত-ক্ষ-শক্তি-ভগবদুদ-জীব-অচিক্তাভেদাভেদ --- সভিদেয়--- সাধনভ ক্রি--- বর্ণগর্ম-- আশ্রন-ধর্ম -- **ভঙ্কাত** -- িনাম-প্রয়োদন ও প্রমাণ-তর্ভলি পৃথকু অধ্যারে মুবুরুৎ প্রোকাদি সূচীসহ উংকৃষ্ট এন্টিক কাগলে ব্রোপ গ্রহ প্রায় ৪০০ পৃষ্ঠায় সম্পূর্ণ। ভিক্ষা ২ ্টাকা মাজ।

#### শ্ৰীনবদ্বীপদাম-এম্বাদলী

শ্রীমদভ্জিবিনোর ঠাকুর-রচিত ধামমাহাম্ম-ধাম-নাহাত্ম্যের সামুবাদ প্রমাণ খণ্ড-জ্রীল নরহরি চক্রবর্তী ঠাকুরের ধাম-পরিক্রমাংশ--- শীধাম নব্দীপ পরিক্রমা--ভীথ-ए। जा अवि - बीगर প্রবোধানলকৃত **নবরীপশভবদ**-श्रीनद्दकिविद्याम शेक्द्रात श्रीनवधीन ভाराजम अपूर्ण এছ একত্র ভিক্ষা ৮০ আদা মাতা।

#### শ্রীহরিনামায়ত ব্যাকরণ

শ্রীর গোসামী প্রভুগাদ-বির্চিত হত্র ও বৃত্তি, তংগ্ৰে উবিফুপাৰ শ্ৰীমত্তিসিদ্ধান্ত সরক্ষী পোছামী মহারাজেব বিশুত ভূমিকা ও হটী প্রাকৃতি সহ। অপ্রভ্যাশিতভাবে পুল্ছ। ভিক্লা ২ টাকা, ছাত্রপণের

#### বেদান্তভ্ৰমার

শ্রীমদ্রামামুক্তাচাধা-রচিত। বেগান্তের বিশিষ্টাবৈভবাদ-প্রচারক শ্রীভাষ্য-প্রণেতা আচার্য্যপ্রণর বেদান্তদশন পাঠের जिलायां कर्तार्थ यह ज्या करियारकन। इंश्रांट বঙ্গালুবাদ ও স্তীপত্রাদি সংখোজিত করা হইয়াছে

#### শ্ৰীচৈতভাচজায়ত ও নবৰীপশতক

গোরপার্যদ ত্রিমণ্ডী আমণ প্রবোধানন সরপ্রতী-প্রণীত মুল, প্রাভূপাদ জীমদ ভক্তি সিমান্ত সরস্থতী গোরামী মহারাম সম্পূদিত অন্তমুধে ব্যাগা ও বছাপ্রবাদ সম্বনিত। নব্দীপশতকের উচ্ভিভিবিনোদ ঠাকুরের প্রাথ্থাদ ও তৎসহ শ্রীমন্মহাপ্রভুর একটা আবণর্ত্তিত অলোকিক চিক প্রমন্ত হইয়াছে। মুদ্র ও কাগক উৎকৃত্ত (২ থানা ৫কলে ) ভিক্ষা ৮০ আনা, অভি হুরন্য বাধাই রাজসংকরণ > होका गांव।



শীমছজিবিনেদি সাকর-প্রবিত। এই একমাত্র গ্রন্থ-রত্নের জ্ঞান লাভ ক্রিণে প্রেমাথিক রাজ্যে কিচুকেল আৰ্জ্ঞান বাসংশ্য থাকিবে না। প্রম গুড় দক্ষবিদ্যক এই-রূপ সর্গ ও সন্মশাশা এর এ' প্রায় আকাশিত হয় নাই। নিধিলগোপামি শাল্প-মলোদ্ধি-মন্থনতাল এই গ্রহান্ত উचिछ इडेशाटनम्। जातात छतियुक्त रूडी, क्लामात हेलापि हाता वित्यय ममुक जना कहेत्राट्ड । वितारे अह. स्मानाथ खाल नाम अथा. छेरकुठे वेश्ताहे—उकुष मःवतः। क्तिभार् होका माज।

#### প্রেম্বিবর্ত্ত

শ্রীমন্মহাপ্রান্থর অন্তর্ম পার্যদ শ্রীল জরাদানন প্রার্ বির্চিত। এই পুতকে অতি স্বগ্রোধ্য ভাগার মহাপ্রার क्षित्रम लीलाग्रह तिकात्राहात, এकाल्नी अ नामछ्यन-खनानी खङ्गि कानर বৈশ্ববতক্ষের স্থানীমাণ্যা গ্রন্থকার পরিচয়ানি-সম্বনিত চাতুর্থ সংধ্রণ ভিন্য।।।। मन वाना माज।

#### ভঙ্গরহস্য

ভদ্মকারীর মিতাস্কী; ঠাকুব ভক্তিবিনোদের সম্ল্য লান; নিখিল শাঙ্গের নিগ্যাস। এছখানি না দেখা প্যাও दक्ष बुक्षिट्ड भातिरवन ना । इंडीय मध्यत्र जिया ॥०।

#### হরিনামচিন্তামণি

নামার্টার্য্য শ্রীল হরিদাস ঠাকুরের মূথে শ্রীমলাহাঞা-ত্রীনাম-মাহাত্ম্য, নামাভাদ, নামাপরাধ প্রান্থতি বিনয়ের যাবতীর বিচার ভাবণ করিয়'ছিলেন। এই বিশয়গুলির ঋতি সরল প্রারে সংকিপ্ত আশ্রম্গ্ পার্পাটিভাবে মৃতিত। **ত্রীল ভব্তি**বিলোদ ঠাকুর-রচিত। পঞ্চম সংধ্রণ ভিক্ষা ৮০

#### কল্যাণকল্পভক্ল

প্রীমন্থকিবিনোদ ঠাকুর-রভিত। প্রত্যেক ভগবদ-বিশ্বাসী ও জ্ঞানপথের পথিকের একাম্ব প্রয়োজনীয় উপদেশাবলীপূর্ণ গাঁতিগ্রন্থ। সামার লেখাপড়া জানা ্লাকেও এই ভল্পনরাজ্যের গাঁতিসমূহের বারা অন্থানর্থি ৭ ভগৰংসেবা লাভ করিবার স্থবিধা পাইবেম ি ষ্ঠ र धत्रण, जिका / १० वाना नात ।

#### শরণাগতি

শ্রীমন্থ জিবিনোদ গারুর-রচিত। ভগবানে আত্মনার্পণ, िक्रिथि, जन्मनान्मा, मङ्दिया भत्रवाष्टि ७ विद्धि-नान्माः াগন্ধক গা<sup>ল</sup>তপুৰ্ব, ভিক্ষা ৴০ আনা মাজ।

#### গীভাবদী

জীঠাকুর ভাজিবিলোন-প্রাণ্ডিত 'নিত্য ভঙ্গন, আরাত্রিক ে প্রবাদ-বেবনাদি-বিষ্ণুক মধুর গাভ্যমূহ একতে এপিভ। কা / । জানা মাত্র।

#### **बीनइग्र**कश्चमध

রসিকে প্রস্কৃতিমোলি প্রীমধিখনাথ চক্রবাড়ী ঠাকুর-ির্চিত রসগ্রত। আঁমছব্রিবিনোদ ঠাকুরের অমুবাদ-্ৰ। ভিকা। আনা মাতা।

শ্রীময়ং প্রেলুর শিকা ও শ্রীল র্থনাপ দলে পোস্থামীর গুতি শ্রীকল গোস্বামীর উপদেশনাণী, ভক্তিপথের অন্তক্ত্র ও প্রতিকৃষ বিষয়ে স্থানি চারিত সল্মোদন ভারে, বিস্কৃত বিবৃতি, চ্রিভাষ্টের প্রমান, সাগ্য ব্যাথায় ও মহাজন-প্রেণীত ভুরুণ্যোগী গাট্মমূস প্রেট্যেক সোকের সাক্ষ সান্নবেশিত হটয়াচে। তথ্য সংস্করণ ভিস্পান/• স্থানা।

#### मामग-कन

শ্রীরপ্রাণ নাম গোস্বামার মনঃশিক্ষা, শ্রীল স্বান্ধ ভক্তিবিলোদ-চারত প্রায়ব্দিন্ত। ভিক্তা / আন। ।

#### প্রেমভক্তিচন্দ্রিক।

শ্রীণ ঠাকুৰ নবোওমের স্কুপ্রণিদ্ধ প্রেম ভব্তিবিষয়ক প্রনের প্রক্র। ভিকাত আন্ট্রার

#### ন্বদাপশভক

শ্রীন সাক্র ভতি বিনাদ-রচিত খ্রীন প্রবোধানক সরস্ব ত্রীপালের সংস্কৃত নবনীপশতকের স্তর্গালত। পঞ্চায়বার । ভিকা: • খানা মাত্র!

#### অর্থপঞ্চক

व्याम (माकावांगा त्रिक। देनक -ভানের অক্স পুত্তক। ভিকা /• আনা মাত্র।

#### সদাচারশ্বতি

জীল মধ্বাচাৰ্য্য-প্রেণী হ। বৈফাবের নি হাককাদি স্পাচারা-বলী, বছাত্রবাদ সহিত। ভিকা / • সানা মাত্র।

#### মণিম@রী

কবিকুলকেশ্রী শ্রীমরারায়ণাচাণা রচিত: শ্রীমনাধ্র চার্যোর সংক্ষিপ্ত ফীবনলালা ও মূল বৈক্ষবদ্যামত। স্থান্তবাদ ভিক্ষা। আনা মাজ।

#### दगोत्रकृ दशामग

প্রাচীন কবি শ্রীগোরিন দেব প্রণীত উল্পোরাবভারের প্রমাণারলী-সংব্দিত সংস্কৃত এছ। ভিন্দ। ৮০ আনা।

### य्क्तिमङ्गिका ( स्वश्रातिक)

ত্রীমধ্বসক্রপায়স্থিগত ত্রীমবাদিরাত স্বামিকত। বজাফরে শাস্ত্রবাদ এট গ্রন্থের প্রকাশ পার্মাণিক দাছিত্য-জগতে এই দক্ষপ্রথম ৷ শ্রীমন্ত্রধাচার্যা কইতে মেড়েশারক্তন বিভীর মধ্ব'চাৰ্য্য নামে পাতে আবাদিরাজতীর্থ স্বামী এই এস্কে সাধারণ যুক্তি ও পৌকিক ভায়াছদারে কিরুপ প্রশারভাবে ওিজিবিরোধি-মতবাদ সমুহ পঞ্ন করিয়াছে, তাহা পাঠ করিতে করিতে আশ্চণ্যান্থিত চইতে হয়। ইহাতে যুক্তির বিদ্ধান্ত্রসূতী গোস্থামী প্রভূপাদ-সম্পাদিত পারমার্থিক बाजा हार्काक, देवन, दोक, नीमाःमक 'अ माग्रावानिमछ-সমূহের জ্বর খণ্ডন রহিয়াছে। ভিক্ষা ২, টাক। মাতা।

#### (गाचामी क्षेत्र त्रयमाथ मात्र

(ও বিকুপাণ জীল ভক্তিদিদার দরশতী গোসামী প্রভূপান-বিশিত ভূমিকা সহ ) গৌরপ্রেষ্ঠ স্বরূপ-রূপের একমাত্র প্রিয়তম জীল দাস গোস্বামী প্রান্তর অপুর্ব্ধ চরিতায়ত ও শিক্ষা অতীব প্রাঞ্জন ও সরল ভাষার সন্নিবিষ্ট এবং পরিশিষ্টে দাসগোস্বামী প্রানুর বির্চিত ক্একটা সাম্বাদ মধুরতম তব ও মন:শিকা-সম্পাত। ভিকা |नांगाहे ॥• जाना, जावागाहे । ४० जाना माळ।

## চিত্রে নবদ্বাপ

প্রাচীন নবধাপের অবভিতি, তথা, ঐতিহ্ন, প্রোত ও ঐতিহাসিক প্রমাণসংলিত নম্নতী দ্বীপের সচিত্র বিবরণ-গ্রন্থ। রাজনি রাওসাঙ্ঘে কুমার শ্রীস্তুত শর্মিক নারায়ণ ताथ ध्य, ना, ध्याका (मारकात्र), त्यमाञ्चलम् मरहामग्र कर्तक স্থালিত এবং ৪৭ গানি বিভিন্ন বর্ণের অপুনা চিজ ও মালতি এ সম্ভিত্ন প্রাচ্যবিভামকার্থন রায় সাহেব নগের নাগ বস্ত বিধকোফাম্পাদক মহাশ্রের বিস্কৃত ভূমিকা সল। উৎকটি (ইং) মরকো বিধাট খুলা সাল, ভি: পি: তে २ हें के भाषा

#### मानक-कर्श्वभावा

क्रक्षतम्मा, देवस्था-वस्पना, देवस्थानवा, प्राणादवात ग्रीड. শ্রীনামংট্র, শ্রীমলালাপ্রাধুর অস্টোবরণত নাম, অইপ্রাহর नामकार्छन, ध्वीनामगढीर्छन, (श्रमध्वनि, 'वाष्ट्रनमधीरु, भवषील-भक्तिमा, श्रीभागाशल महिमा, श्रीमदतासम-आहत वाहेक মাচাণ্য-বন্দনা, যদুৰোধানীৰ আইক, প্ৰেমভব্তিভিকা, উপদেশমালা, নামভ সন-প্রনালী, মগপ্রের ও রায় রামানন্দ गःवाम, सनः शिका, बी अवालावाह, बी खक-अवालावा. मठा अध्व तमना अङ्घ मानक व निष्ठाविक्या निष्ठाभाष्ट्रा. বৈদ্যবগণেৰ কণ্ঠাশ্ৰিভ কুল্মীমালার ভায় ঋষুক্ষণ কণ্ঠে ধারণখোপ্য অপুর এর। ভিক্ষা । বিষয়ে । বার্টে ॥ মাত্র।

#### ্গৌডীয়-গোরৰ

ক্লিকাভার প্রপ্রসিদ্ধ আলবার্ট হলে গ্রোডীয় সম্পাদক শ্রীপাদ কুনরানন পর্রনিদাবিনোদ-প্রদত্ত বস্তুতার বিষয় গ্রন্থকারে প্রকাশিত। ইবাতে গোডীয় বৈক্ষবসম্প্রদায়ের ইতিহান জনাকারে গপিত ধ্রমতে। ভিক্ষা 🕪 মাছে।

#### গোড়ীয় সাহিত্য ঁ

কলিকাভার প্রপ্রাস্থ আশবার্ট হলে গৌড়ীয়-সম্পাদক শ্রীপাদ অনুবানন পরবিভাবিনোদশ্রম্ভ প্রদত্ত বঞ্চার বিষয় এখাকারে প্রকাশিত। ইংসতে সাহিত্য-শব্দের অর্থ এবং বোড়াম-পাহিত্যের বিষয় স্থ একারে ধণিত হুইয়াছে। ডিঞা । ক । শালা মাজ।

#### श्रीद्रभाष्ट्रमधन পরিক্রমা-দর্পণ

শ্রীগোড়নেশের যে সকল স্থানে সপরিকর শ্রীমন্মহাপ্রভ এবং তদয়গ পরবঙী মহাজনগণ শীলা করিয়া গিয়াছেন, সেই সৰ আধুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও দেববিঞ্চাদিয় পরিচয় সহ যা ভাষাতের স্থাবিধা নির্দেশ ইন্ড্যাদি বিষয়গুলি পরিবেশিত আছে। ভিকা।• আনা।

#### THE HARMONIST

#### OR SHREE SAJJANATOSHANI

মাল সাকুর ভবিধনিলোদ-প্রতিষ্ঠিত এবং জীল ভবিদ-मानिक भव । अकरण देश्त्राकी छायात्र कहाविश्म वर्ष ভবলক্রাউন ৮ পেলী ৪ ফর্মা আকারে প্রতি বারে হরি-নামের বিজ্ञ-বৈজয়তী বইয়া উপস্থিত ভ্রতেছেন। কাগল, মূত্রণ-পারিপাটা ও 6ি আদি অতীব চিতাকর্মক। এই প্রকার উৎক্রই প্রবন্ধ আর কোন নাগিক পঞাদিতে प्रिविट शाहेर्दन ना। वार्षिक क्रिका काक्साक्रमह 🖎 টাকা মাতা।

#### প্রাভিছান-

**बैटिन्ड स्मर्थः, त्याः बीमाद्या भूते समीद्रा** 

## বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভক্তিমঠসমূহ

### শ্রীটেতভা মঠ

#### আকর মইরাজ

अन्त्रीय सर्वोत्त, काळ्यक श्रीभाग मात्रालुत, सरीता

শ্রীমভাষ্টের ক্রান্ত ক্রার্থেত। বস্তু উত্তর-পূর্বে শ্রীব্রজপঞ্জন আন্তর্যারত প্রচন্দ্র-्राम्बन-कन्द्रम् क्रिक्किक्क-मठ निवासमाग ।

এই জ্ঞান সাংখ্যত-তীর্থ, পরবিভাপীঠ বা সাতত ভজনত্তনী ৷ এই মচাতীর্ণে শ্রীচরি-अध्यक्ति वाक्षिक्षांवि-त्यवास्त्रम्य, अप्रविष्ठात अस्ति कावा, मार्टक, अनदात, कथा ব্রপারাল-গালা-র্লাকা-বিবিধন 🐞 মাছত সাম্প্রদায়িক-মাচার্যা-চতুরে তালাদের উপাত্ত विकारकत गरिक जिला मिविक करफाइन । यह मठेताच्य भारमार्थिक देवनिक्यक शाकक-মক্তাৰায়ের অধ্যান্ত ও ক্তপ্রাচীন গ্রন্থরালি প্রচারকরে 'নদীয়া-প্রাকাশ' গ্রালয় আছিটিক ক্রিয়াতেন । প্রাভিবৎসর জীধান-পরিজ্ঞান্তর্তান ও অগণিত ভক্তগোষ্টি।ত .कोर्छन व्यक्त<u>श्रस्त</u>रच महाम**्ा**दमयानि ककाण व्यक्ति ३ व्हेन्नः नाटक । त्रक्रक-----व्यक्षणायी क्रियाम अक्रम विक्री : अक्रमाबीक-खीमाम विस्ताम विश्वा विश्वावी विश्ववादी, मुख्य जीमाम द्यायमाम अक्काही कादावाकप्रवादीयं, खिलाम बीहर्मक विकारती, खिलाम ननरवालान उक्काही. क्षेत्रधम्यम बन्तावी, श्रीमणनश्यामान अन्तर्राही, एक नत्रस्य, द्विनान, दावकीत्यादन **द्धार्थन मध्यम्यम् ।** 

ত্রিক জিলামী জীগছ জিলাপ তীর্থ মহারাজ এখানে চরিকথা কীর্ত্তন করিছেছেল।

#### (৩) ব্যোগণীঠ জীমলিয়

📭 द्वान व्यापनाशासाम्य ७ वन वा শ্বীমগাৰাজ্য আনিভাষ-ভূমি মহাযোগ स्रोहे। द्यारम खिलकी श्रेषा ६ ट्रिविक श्चिमाग्र शिर्माक्षमात्राधन कवर क्रोटेड**ल**मा व शिक्षामुद्रका क्रिका त्मवा छवा अनक-রাধ্যমার গোত্থামী ভট্টাচার। প্রাভু শ্রীরণা-साथ। गठकाती व्यैतिकामित अवसाती, **अ**वागावित्याम् प्रक्रिक्यन, श्रीवायमाग वन-हाती। श्रीमाननमात्र व्यक्तिकात्री, स्मनवन्त्रा Beigeau !

#### (8) **এবাল-ভাল**ন

প্রীম্মারারাভ্য কীতা-বিশাস বা किरनीयनीनाय बागदनी । जनादन व्यक्तिरशीव-बिक्राभिक क शकाकत्वत त्यदा वस्मान । ं अक्रम्--- अधियारक्षम बक्रावी।

#### (re ) **withu-with**

वारे शास व्यापिक शक्त अवन वारः अन्या यहमान ।

मुक्त क- जिमेटेब छामम बाना विकाशी, विशाकुणवाम सुवाबी।

#### (७) काषोड ममानि न ह

व्याष्ट्रीय भाषायुक्त, वाममयुक्त (महोबा) 🛍 शोशक्रमाभाव 🕮 है। एका बीय समासि । क्रम म--- अभाक्षाभी श्रीविदनांवविद्यो।

#### (१) प्रशिष प्रपर-छक्र

**बिश्यास्त्र, पत्रश्रम्म ( सकीश)** क्षाप्त केविक्शान केशःकिकिविकामशिक्षाव बसहरि क्या क्रियो प्रमाधक क्या क्रिक्रोया-धार्या द्वारा वर्षमास

स्क्र-किस्ट्रम काकाइ अवहादी स्क्र-- शिवावावहर अवनाती, प्रकृषिषी वन, वन, वन ।

### (৮ औक्षत्रवाथ दशोडी व मर्ठ

**भरभगगिर•।** 

इक्क क--- डी.बडवड कांक्रमाळी स्म. प्ट. वि. श्रेण, मनकादी--- 🖺 डेकामाम ७६-लाखी. व्यक्तिकाम वाधनाती व्यक्ति।

### ( > ) औरगोत्र-गनाभवा-यठ

টাপাঞ্চী, সমুদ্রগড়, ( বন্ধমান ) শ্রীণ বাণানাথের প্রক্রিটিত পোর্গ্রাধ্য-भिना। तक्क---विश्वताम उक्कारी, करू क्रिश्रामित साम ।

- () क्षिक्रभश्योखीय-सर्व माराज्य, काबाब हेडे, नि क्षण --- शिक्तिमान अव्यक्ति , गरकादी --द्यानामा अक्षानी।
- ( ১১ ) औदयामकामहत्त --মাউগাচ, লাল্লের, বছ্যান। 🕮 গাসাবভার ঠাকুখ বুন্দাননের স্থান। রক্ষক-জীবছবিধারী ব্রস্থানী, ভক্ত भीनसभाग ।

## (১২) ভাগৰত আসন

🕮 শাগবত প্রোগ, ক্ষমনগর, নদীয়া। ভাপৰ • দিছাত গ্ৰন্থাৰলীৰ প্ৰচাৱ-ক্ষেত্ৰ। বক্ষ ক--- শ্রীকুণ্ডানক ব্রস্কচারী ভাকশাস্ত্রী

#### र्ष महाकृति (७१)

(पानिमाणूक, देशमानी, गमीया। चीनविश्व अन्नाती, जीवनेत्रोब बाम्धिकारी, चीनतमाञ्चन अन्नाती डीमञ्जाब भाषा, कक विष्णाब

#### ( ১৪ ) खिमाचा-दशोकील मठ

. ५०मा भवाय शुच आह., हाका। ्रानुक्ष रद्भव व्यवस्त्र । दन्स्य व्यवस्ति को अपन-इम्बोत्रक शासका-भिविधात्रत्र द्वारा वस्त्रमान । |श्रमकानम नविष्ठावित्नान वि- व, निःवान-

## (३) बीटगोडी इ मठ

১৯ নং কালিপ্রামাদ চক্রবরী হাতি, পোঃ বাগবাঞ্চার, কলিকা ভা । दर्शियामा वि. वि. १५० ०

শ্রীমরালা গড়র প্রচারিত স্থানিত্র ভবিভাগ ভবিভাগ-প্রচারোক্রেশে গোড়ারেলের সম্বর্গান मशरी कांगकाकाश श्रीकिकिविरमाम व्यापत श्रीमार श्रीमार श्रीमार कांग्रिक कारधन । अहे कक-मुख्या वादम के बद्ध-त्या वाक्य-किया मानम को है अथ याम विकार प्राप्त हुन । त्या प्राप्त আচার্যাবর্গের যাবভীর প্রভাবেশীর প্রপ্রচারেক্রেশেশে ইমিরে সংলগ্ধ একটা কর্তৎ মৃদ্রা-যন্ত্ৰাণয় সংস্থাতিত হঠভাছেন। পুলিবীয় সংব্ৰ জ্ৰীগোঁত যে প্ৰচাৱাৰ এট ব্ৰহ্মাণয় হটজে 'লোটার' সাল্পাতিক পত, জি অব্যানিস্ক ম দিক পতিতা হংরাজী ভাষাত नियमिक कार्त आकाम e कहेरलाकन । श्रीमाठ शांठ, गर्द्धासन, गलाकान-bाकटब-्रवास. শ্রীমন্ত্রাগবত, প্রতিভক্ত-চরিত্যমুখ্রি-লীলা ও ভবগতের সমাক আলোচনা তইয় পাকে। মসরক্ষক-কাচার্যাতিক দ্রীপাদ কৃষ্ণবিহারী বিগ্রাভ্রমণ। সহকারী-প্রতিভ लीपान अलक्षताश्वासन भवविष्याकृत्रन वि-व. लीपान तामनिकावी खन्नाती, लीपान अर्थाक्ष मार्थातकाती वि-द. श्रीमात क्यामाल मार्थातकाती. अन्तरावी खीकी समानक, अध्वताती खीलात्री सावन, अध्वताती खीमवानक, विक सीलान नदीनकृष्ट नद्रविश्वागकांद्र मन्त्रानांद्रदेव अवाहाया, श्रीव्यव्याकातमागादिकांद्री विन्य, श्रीकृतवस्त्रम्भिक्रम धकाती वि-द्रम, श्रीष्रकृषम लाग्नत्कारिम, श्रीविष्ट्रत्र तकाती, श्रीप्रमुद्रशानिम

ব্ৰহ্মণারী প্রভৃণি।

शोत बमार्ची, वैनन्शीनक बमान्वी, चैपविष्ठणात्म क्रक ।

#### ( ५० ) खेरगाभागको सर्ह

क्रममाभूत, 61411 (गाणामकोद ज्ञानकाद व ज्याठीन स्मव क्यक--- व्यामाप्यामम बन्नाठावी।

(১৬ / জ্রীগদাই-ব্যাহাল মঠ bamm mulliget Het, affny 6 gem विश्वभाष्ट-(भोद्राध्यक केट। स्वर्ग কেন্দ্ৰ আপুৰ প্ৰজ্ঞ একচারী, ইন চলাল 336 :161

#### ্ৰে শ্ৰীভাগৰভজনানৰ মঠ

क्रिकालका, नाञ्चलनमूत, ध्यामनीभूत्र। ध्यार्स न्ये खक-(श्रीवाञ्च-भाक्तांस्व ना-গিবিধারীৰ নিভাপেৰা ব্তমান ৷ রুফ্র---बक्रामी औ नगरानगरकी ।

## (১৮) व्यायभार्याषा व्यथनात्र्यम

वाष्ट्रवीय द्वार वक्ष्याम ।

ल्ली खक्र शादाक - ल्लीशाक्त किया विश्वादी व विचारमका। अक्षक—अक्षवामी **बी**ारformia i

#### (>>) शिश्वक्रदशाख्य मर्ठ

मर्गकार, भूती, छाउना। बाबारन औरगोत-विस्तापनाधवकीर विका-

দেবা বস্তমান । একক -- একাচারী জ্রীপর্মান नम विकाशक, अध्यक्तारी चीनसीधानक, टीयामना नक उष्णाही, ७क खीलगाह ।

### (२०) 🎒 खन्म-८गो की स मठ

कानवस्ताय, अक्षांगांत्र रणःः, सूदी । स्वार्वादारा सन्दर्भ सम्बद्ध क्रियान ,माव्यक्षात्र । सम्म क---- अक्षात्रो विश्वत्यवती व्यथायको। अव्याही--अष्महादी जीविश्विविद्यारी ।

#### ८. ५ छित्रक्रियासम्बद्धाः सर्वे 考(医群門四18, 464)

अष'८० देव छक-्जावाध-विद्वाध्ययन জীয় ভিত্তিক। বস্তুমান। ব্রহ্মক---अभाउदि की लागार में मेदामरल अभाउदि।

.२२ - ट्यागमालम--जोजाय मठ १०१ अर्थाक्षात्रभूता, काली 1 (भा उ- भगक्ष १) मना बन-निकादन । £थारिन ्यार्टात्। अद्यन्। द्रक्रक---

#### बीकानकोन पत्नी श्रीभक्षानम अक्दामी । ०० 🚉 🗢 व्यक्त स्थापित स्थाप

श्रीतृ'गरणाम कुछ, श्रीपाम वृद्धावन । = # 411-34-(4) ENETS (941 t तक्षक-नियान है। विश्व देशकारी

### (२८) ओश्रद्रमस्त्र गठ

प्लांप्यात्रका, मीटाभुद्र

এখানে ইভোগ্ৰম্ভ পাঠশালা 👁 ব্ৰীপোৰ বিনাদ বিলানজীয় সেবা ৰ স্থান : करू क ---- शक्त उपनी श्रीम निरुधानक ख खक्ताबी M'amorial

#### ং২৫ - শ্রীচৈত্রস্তাপোড়ীয় ষঠ

**५५%त् छा, १०४५ छ:, भानस्म** । **३०।** सीटें ००४-२६३४ साथा। वक्तक--सीत्रमा-ना र राम, दिक्नशानक अबहारी, खीबाम कोष अवस्वत्रा

#### (२७) वहान्द्रभोडीय मठ

केशर्भियः पार्तियदः क्याल्। जन्यन क्षीरभावस्थान-अध्यक द्याना वस्त्राम्। तक क----- वक्षाता हो। हो खल्लान हो। न्योगमी-

#### (२५ जाक्षण्याम् अभवाज्यम-वर्ष ভাষাপাতা, পে': নাজু, হবেছা

खा ।रिन यक्ष प्रकान वे ट्रार्थी वार**कत दमया** বস্তুসান। বহুক--এরবাসী প্রীঞাপঞ্জ-मान, हो धाराय उक्ताची।

(२৮- १५६६ ८गा की स**म्य — कार्यराज्य** बन्द , शाली ७ वन, छा काद दलन, निके विक्री ह १११०-अक्षात्री चौतीहरूक, खोक्नात्मस क्षीया भा वस्त्रक्ष वनम् वन

(२२: ८शाशानगामा वनशावा व्यक्-अभावी खोवायसम्ब

নামক একজন ুধানটোনটোন গোপার করিয়াছে। এই বাভিনার বালারের মণ্ড দিয়া ঘটোড়িছে। ওমন সময়ে পুলিম ভাষার কিষ্টে মনি বেশ্বন প্রিয়াছে। এই প্রেট্টের মান্ত দ্বা বোমা স্থিক বিল্যা সেই লোক চালোপ চ করিষা দেখা শিয়াতে। গ্রেন্ড বর্ষ সংগ্র একপ্রকার র্ধন্যণের চুগ্র ও ডিনামটেটা বহিয়াছে।

#### (नाषाचे काजन मरमानन

भव्यक्रिक्ष तार्थ का विशाला एति । কল্পনা স্থপে বিন্যুচনার নিমিত্ব ত্রাছার রামান্য খেলন ওক বিশেষ কমিটি নেচাল, কৰিয়াভিশেন। ১৩ জে ইন্ট উজ বামিটীর্প্রমে ম. জেশনবলে ( প্রকাশ, প্রতিক্ষণ মহারাজের হার পরিক্ষনার विकहताली महहे लागा उन उक्काफ পাতিয়ালাৰ মহাবাহা ও তদীয় লোন মধা বাজীত কেধন ছইছন কেন্দ্ৰ বুলভি শাহিরাগার মাদের সমর্পক। প্ৰিম্দেৰ স্থানি ক্ষিটী পূল: আ অসমান্ত বিভিন্ন মনোটা বিধ্যের আজি ৮ (৮৮) গ এক মানুধ্য বিশ্বনিধান্ত্যব এক-जना दशन कालकाद्यन ।

## कालिएड शास्त्र कल्प्रका

कर्णका विभागानव **लान्मरक माध्य मा**र ভটরা পিয়াতে ব্যাহাণ পদ শ্লিকার কালি ই ইটা ক'লে সালিলোরে বলোর মধুন ব কাত্রান প্রথম রটিয়াছিল। এই মার্ডেস কলিক তে য় জল স্থার লাব্দের (১১) সূত্র কইলা পড়িলড়িটোনা আগতার স্থাতে ফারিটের প্রেটে উক্ত বিদয় ক্রানোটনা ক সংব্যানীর কারব্য কিছারনের ছড়া এক 中军之 美国的人类的 经货产价格的 医梦生 人名地特 বহু পিশিত্ত মণ্ডিলা ও ভিত্ত বেক উপাছৰ ভিজেল ৷ উট্টেল যিম্ম্রতিভা দেবা ヨピオル 相名を合ければみし

वे १५१ क्षेत्रावची काश्चन वद्यानाम সঞ্জা, নিবী ভূতির সভ্তমত প্রায়ে সভান **रत्न** के लिए जा गांधा से देखरात घंडानी प्रदुत्त **স্থান্য ২উ**ক । তে বংগ্রে ভারেও সভারেওর 有不管 图1918年,1997年初期16 代本14 এও **প্ৰেস্থা ক**ৰিছে তেন্ত্ৰ 17、自1781 电影牌 电轮件 知时后 氡 नग्रात्रका मार्थे ६ जाह २७१०। तट

ার্ডা নিন্ধাপ্রতিখা দেও रीकात त्रकृत्स्य कारास, ८५८मत यादाकीय भागातर । (६)विशेक एकि । भगावाक करण । बारत जनगुरागरास्ति मराप्त जककान श्रीक्रम নিচাল গ্রেষ আন্তেও মতাবল ছন্ত্র

বোভলের মধ্যে বোমা আবিকার চেটা করা উচিত। এইরপ ভাবে কার্য্য ব্যায় ক্রিলার ১৮-৪ তরা জুলাই ব্টুক । পরিচাশন করা উচিত বাহাতে বুঝিতে লারা যাইবে এমতা দেশ ইহার পশ্চাতে इक्शिट६।" मीटनटमन कोवन **छिक्**रा স্বরে মতা, ছলিনীপুণ এবং ভাই, কাজিস সান্দেশত যে কালাৰে কোটোর করে। স্করে কেনিড ইয়াস পোণ্ড **র কিছের** দান্ত টালিত করার নিমিত্ত সভালেত্রী ্ অসুবৈশি জাপন কাৰেন।

> ट्यां के भोरनम ७८७३ के लिंत स्थारम-্ৰেল ভ্ৰান্তৰ,দ কলিফ ভ্ৰং ঐ বিষয়ে সরকারকে পুন্টিবেচনা কবিবার মন্তবেধে । জ্ঞাপন করিন। সভাগে এছোর গুলীত 毛毛引作

#### তাকাত ওপুলিশে সংঘৰ্ষ ৪ জন আহত

শাস বুংলাভিবার শিট্রাপ্রতি ১৬ ্ডিই'বিষম্প ব জন্মলয়েস অলহানাপ বলেৱা-शानाच नामक इटेनक ८ लोड़ वाकाश । ভাষাত্র প্রকল্প ও প্রাক্তে আছেও करितात वर १९६० क्यांकाक इंडना डिस्सन । छिक धारभाव विकास पर सा एक स्म ্লকাৰে স্টেল গাঙাৰ অভিনেধ আনহা कत्त बर्केश विकासिक्षणम् ।

ী মধ্য এক শুনিৰ । জন বি.এ.: (সেব ছাফেকে চ্ছোব্যর জাছেচেন) 《集集》 李明 《 集集》 · 李明 · 李明 · 李明 · 李明 · 李明 · দীলেশ গুরুত্বের প্রাণাভিকার ( জেলা এছন আন্দর্গরেশছিলেন) े हीश्रान होन्द्र हरण हिला कर्राट है जानानान স<sup>্</sup>লে *লে* একমান প্ৰা किथिए निर्मातक इ.स.) व लिहा कि ম শ্ব

> ব ম্যার প্রগরের জন্ত্রের মৃতিত মৰ কাণ আন্মানীৰ প্ৰতি পাশলা-ाल तक क'नवान नानक क(तरार्डन)

### পিডা কর্বি পুল্রত্যা

প্রাণ্ড প্রিবার প্রান্থিতে কোনালিয়া ক্ষেক্ত লকটি ভাষে সলস্থ পুলিশ এবং 一定"净钢铁",这样,明代特别 ् कारणाम्य अधिक 9 121 C3191 1

এবাল কোন ধনী স্বাভিত্ত নাটাতে বাতি ভ্রুবে ব্যিলা আয়ুভ সিম্লা- i ८/८/त गुर्थाभा ग्राम्य ८२३८च ५कसम् সংস্থা প্ৰিম মেইথানে পিয়া লুকটেয়া থাকে। বার্থি প্রায় भा• টার সময় তট োকাক ৬৮ রা হাতে করিয়া বাড়ীয় 'নক আসিতে দেপা যায়। পুলিস · धारत्व हातिनिक **धरेरक का**क्रमण কর্মচার্মণ, ২ জন পুলিশ এক ভাকাত- দলের একজন গুরুতরভাবে আহত হয়। তাহাদের টুটুডা ইন:মবারা হাসপাতালে क्षान (न अप्रा क्वेग्राटक ।

ডাকাভদের ভিন জনকেই গ্রেপ্তার করিয়া পুলিদের হেফাজতে রাথা र्देशाय् ।

#### মাতৃহভ্যার অভিযোগ

ব্যারিখাটের অভুর্যত কামার্খটোব धेमाकापुत्रा मध्य नामक दक वर्गक भाइ-হত্যার অপরাধে আ<mark>লিগুরের অতিরিঞ</mark> দামরা দল মিটার এচ, কে, আক্লীর এজধানে মভিযুক্ত হয়। পত বৃহস্পতিন नारत, अभागात अक नका अनानी इरेग्रा বিয়াচে ।

অভিযোগের বিষয়দ প্রকাশ, গুঞ্জ অসেববিশার বিক্রম শইষা মাভাগুরে विद्या । इस । व्यक्तान ग्रंड २८६न काञ्चनकी ভাগের মাভার নিজেওবছার আমানী (市会自) 斯特 的复数 (阿里语) 斯维尔德

লাধার মাত। জন্সান প্ৰে অংসামা প্ৰথকে 4年71 何[安] ড়ানিটে প্ৰিটেচ ব্যাল্লিয়ে ইইটা প্ৰিচেয় বঙ্গে 3.0.4

माजाधा करते । ८५१माला इदेट अधि-ः । १त व्हरण दक्षिणः अविद्रभनी-শ্ব ঘটনাস্থগে উপস্থিত ধর্মীয় ভাষার মংশ্রে অন্ধ্রদ্ধা দেখ বাহিব করে বিভ ইমপুরের ভাষার ধ্রাণবায় বৃহিষ্ট ∌€द्र| यृश्य ।

অংথামা প্রফের উকিল বলেন শার্থিক নয়ত টা নিবল্ল আমেমো মান্বারে ধ্যয় 🛭 উপাঁতত হৃহতে সম্পূর্ণ অসম্পূর্ণ।

ভজ বাহাছৰ এক পদকলে আসামীকে । িকিংসবের অধীনে রাথিতে আদেশ कदिर। भागणा क्षािंड बाद्यन ।

#### বা প্রহাতে কংগ্রেস সভায় मारी गाजी

গ্ৰত ৩০ৰে জুন স্বায়কালে বাবেৰভাট কণ্ডেরের সাবারণ অধিবেশন বেগলিয়েরের প ও ৬ইচা যায়। ছইটা প্রতিরন্ধী দলের পদ হটাতে ছুইজন সম্পানক পদ প্রোপী-জলে প্রায়েশন ধন। সভায় ভাবালে শান্তিবাকী ও পোনবাদি নিমেপ হইতে लाटक ७,५६ घाटणटा महा 'हा **अश** शता । বংগেরহাট কাগেপ্ন্তন্ নানক আর ত্ৰকটা কংগ্ৰেন কমিটা গঠিত হইস্নাতে।

#### শুত্ৰ হাই কমিশ্ৰার मात ङ्ग्लामाध

সার স্থেপস্থনাথ নিত্র ভারতের ভাই-क मिलनारदात अन अहरनव मगद्र (कानक्रण केरभयामि इत्र नाहे। लाए छिनि यथन ভার গ্রহণ করেন তথ্ন ইভিয়ান

হাউদের প্রধান প্রধান কর্মচারীবিগকে তাহার সন্থিত পরিচিত করাইয়া দেওয়া থ্য। সার অভুলচক্র চট্টোপাণ্যায় ভাঁছাকে ভার প্রদান করিয়া এডিনবরা বিশ্ববিস্থা-नरवत व्यनाताती दन, धर्न, कि डेभावि लहेवात कश किन्छ याजा करतन।

### **८नाषारे कत्रप्रारतमम**

গত হরা জুলাই কর্পোরেশন সভার ৩টা মানবী প্রান্থার উত্থাপিত হয়। একটা व्यक्तांत वना इस त्य व्यभिक्ष वाकिनिशक অভিনন্দন প্রদান করিতে হটলে ডিম চতুর্থান্দ সভার ভোট আবশুক হটবে। অপর একটি প্রান্তাবে ১০ টাকা ভাড়ার পৰিবৰ্ত্তে ৫ ট্ৰাকা ভাড়া খালা ভোটাপি-कांत्र भिनी छ इन्होंत कथा वना इत्। ভূতীয় প্ৰভাবে ১৯৪৯ পালে বোছাই ীন প্রে কেশ্পানী যেন মিউনিসিপালিটা কর্তৃক জীত হইতে পারে ভাহার **উ**পর নিগর জন্ম একটি কমিটা নিংগাগের কপা বলা হয়। সকল প্রস্তাবই পরিতাক इडेस्ट्राइट

### পুলিশের বিরুদ্ধে হড্যার অভিযোগ

অমৃত্সর জিলার ধুণীপ সিং চৌধ্যা-প্রারে 'পভিষ্ক হইলে পর উহার অপরাধ মনজের ভার ডিটেক্টিভ বিভাগের অভিৱিক্ত স্পেগ্ৰাল সাব-ইনস্পেষ্টারের উপৰ অপিত হয়। উ**ত্ত সা**ৰ-ইন**েল্**টার এবং কনষ্টেবল প্রভাপ সিং, "ছতুম নিং এবং বাংচাৰ আসামী দ্বীপ সিংকে হত্যা করার সন্দেহে গুত হটয়ণছে।

### मर्भिःगाम्य अखिरयशक

( সায়ত শাসন পহিকা হইতে উদ্ধৃত )

বয়াবাল আসিষাছে এ ঋতুতে সর্পের প্রাকোপ ক্রমি পায় এবং কেছ কেছ স্প দশ্যে নীবন ভ্যাগ কলেন। ভাই পুরু তইতে সানধান ছত্যা উচিত। শেত कत्रतीत्र निक्क भारत्। मर्शक्ष बादक मा। मर्पा म नग कतिए। ए०का नाः का का मिल (পও কল্সী) গাছের পভার রুস্ কিঞ্চিৎ ভালুতে দিবে এবং এক ছু:ম আন্দার রস সেবন করাইলে 🐉 🖑 মরিতে পারে মা। "আক-দ শাতের ভালেতে ছুরিদারা আঘাত করিলে কা পাভার বোটা ছিড়িলে ছয়ের মত ধে माना तम वाधित क्य जाहात व्यक्त (जाना পরিমাণ সর্পদিষ্ট রোগোকে খাওরাইলে **५९ यण्डी मञ्चर भ त्रमांग महे ऋाटन क्याटब**र्म कताहैया निष्ड शांतिरम स्य स्थान वियमत সর্পের বিদ অপসারিত হটয়া দঠ বাজি মৃত্যুমুধ হইতে রকা পাইবে। নোণীর উপর প্রীক্ষার পর ইতা স্থিয় क्**टेश**'एए। स्मिथारी धक्कवास **टे**टा পরীকা করিয়া দেখুন।

विकाशस्त्र श्र MEDITA श्रांक क्रांक ३८ निक कनवर् **इंक्टिन श**ह



मागरबाद हाउ অভিনয় দেয় वानिक 📐 माशामिक द रेजगामिक २५० মাসিক ১১ নগ্ৰ প্রতি সংখ্যা ,৫

ারতের স্কৃতি বছল-প্রচার-পদীরা জেলার একমাত মুখপ্ত

সম্পাদক—শ্রীঅতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পত্তি

শ্রীটেডক্সমর্চ শ্রীশাম মায়াপুর--২২শে আষাঢ় মললধার, ১৩১৮, ৭ই জুলাই ১৯৩১

### নানা কথা

### অনাহারে মৃত্যু মতিহারী জিলায় ছুর্ভিক

মতিহারী থানায় ০৫ খানায়ত অধিক आदम निमान्तिम काला क्रिक (मन) मिश्राह्म आलीय श्राहातन व्यवस क्षीयन इहेबान्डिजिंबरिक्। त्नानाकी नामक श्वारम एक्फम (माक क्रमांशीय मान) িয়েতে। আর একজন শোক মরণোমুগ

ভিগা কংগ্রেস কমিটির ১০ই জুনের সভায় গোকজনের ছঞ্দশ্রি সম্বন্ধে ওল্ড ক্ষরিবার ক্ষন্ত বিপিন বাসু প্রভৃশিকে महेबा एक्टि क्शिटि श्रेम क्ला हव। ভাগার পর বিপিন বাবু ও অফান্স বাভির। বিপন্ন প্রামগুলিতে গমন করেন। বিপিন यान, किया गाकिएरें ७ फिना त्रार्कत ८५ शासमारमञ्ज महिल गांकार करतन। বেটি চেয়ারম্যান ভিশা ইঞ্লিনীয়ারেব সহিত প্রামশ করিয়া মতিহারী রাস গাড়োয়ান রাস্তাটির সংস্কার কার্য্য আরম্ভ করিতে স্থাত হইয়াছেন। অভঃগর অনেক শ্রমিক উট্ট পণের কাজে নিযুক্ত **हरेग्राए** । •

### मीरमण ও রামকৃষ্ণ সম্বদ্ধ गण्णां एकत्र विवृद्धि

শীদেশ রাম্ক্রফ রকা সমিতির সম্পাদক শীঘুত মুগাদাস গুপ্ত নিয়লিখিত বিহুতি প্রকাশ করিয়াছেন,—

**'এযুত দীনেশ ভণ্ডের লাডা শ্রীযুত** ब्यां जिम खरा हैंग क्नारे खाए:कारन কারাগালে তাঁহার সহিত সাক্ষাৎ করিয়া-

## অনাহারে যুত্য

দীনেশ ও রামরুফ সম্বন্ধে সম্পাদকের নির্ভি

## সংগ্রামে ৫ জনের

বিচারাধীন আসামীর প্রায়োপবেশনে— সাতজন প্রেপ্তার

# ৭ শত লোক অভিযুক্ত

পিতা পুত্র বিবাদে ২ জন নিহত ১ জন আহত

## পীড়ায় আত্মহত্যার চেষ্টা

মহাত্মাজীর সহিত বণিকদের প্রামর্শ

## थूलनारा शागतकी पल गठन

পিনখানায় ভীষণ অগ্নিকাও ৪ লক্ষ টাকার ক্ষতি

দেখিয়াছেন। রামক্ষকে পুথক প্রায়ত খানান্তরিত করায় ছেলকভুণপের কাগ্যে मीरनम विस्था अमङ्कि **का**कान करत्रन । এডদিন গ্রাফ্ট দীনেশ এবং রামকৃফকে श्राम्भात मः लग्न कुर्वाएक व्यावक कतिया রাখা হইগাডিল। তাহারা একে অন্তকে না দেখিতে পারিলেও উভয়ে উভয়ের কথা ভনিতে পাইতেন। তীযুত দানেশ ছিলেন। তিনি নীনেশকে প্রফুল্লচিত তথা ও ত্রীবৃত রামকৃষ্ণ বিখাদ বর্তমানে

**अक्षक्रभाष्य निष्क्रन काराम ७ ८लाग क**हिटा (छन। त्य यात्राल करमकतिन धीश्रोत्रा পুণিবীতে शांकितन, तम कायकतिन কেন যে উভয়ে কথাবাতা বলিতে সক্ষম क्टेटनम मा, बेकांत्र किंद्र कातल पुत्रा यात না। এই বিচেদ উভয় বালকের গঞ্চে ছবিবসহ শান্তি বিশেষ।

অধিশন্ত জালিতে পারা নিয়াছে, এখনও দীনেশের ফার্নীর তারিখ নিদিই-

तरण दिन इस गाई मञ्चारतेत्र भिक्ते नग ভিশাকরিয়া যে আবেদন করা ইইয়াছে. ভারার শেষ মিছাত না রভয়া প্রায়ে ফাঁগাঁব দিন ভগিতে রাখিবার ভত্তও স্থানীয় স্বর্যর কোনরপ্রিটেশ লেন गाई।

#### পিতা পুরে বিবাদে ২ জন নিহত ৯ জন আহত

ভীকাশ যে, নাচিয়ার কোলির নিকটন্ত কোন প্রায়ে এক ভানে কল্পের ফালে , ছইছন নিংশত এবং ১ কন আছত **ইইয়াছে। প্রকাশ প্র ১০ টাক। বা**গ করার শিকার সভিত নিবাদ বাদে। প্রতিবেশীগণ ভাষাদের শাস্ত করিবার D'हे। करत. किन्नु एनिएड कल इस मा। কল্ফ জন্মনঃ দক্ষেণ পরিণ্ড হ্য এক পক্ষে ৭ জন তবং অপর পঞ্চে ৪ জন ছিল। দ:জার ফলেডুটকন নিহত ও আৰ সকলে আছত ইইয়াছে। পুলিন দ্রুত ঘটনাহলে উপনীত হলৈ ৯ চনকে গ্রেপ্তার করে।

## বেকার পীড়ায় আত্মহত্যার চেই।

ক্মলাদাপর নিবাসী জ্রীনক্ত অভ্যাত্র च्छ्रे। हामा एम, ज भाषकान हान १८ कान अवश्रां हिताम। अकाम, ५ कारीमणाव জালা মহা করিলে সা পর্ণরা, এলাশ জুন ভারিখে ভিনি গ্রেব সাহালে পদ। कार्किया ८५८५० हैं जिल्ल स्थान ने नरभन्न মাজ দিন এখনে পুমে লালার বিবাচ eট্যাডে ১ কুমিটা ইাস্পাভাগে ভাগার अनक्ष भवति।

## শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

### খোলা হইয়াছে

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অতি যক্ত্রের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্ম বিনা ব্যায়ে সুন্দর খাসন্থানের বন্দোবস্ত হইয়াছে। স্থান অতীব সাহ্যকর।

সবিস্তার সাধাদের জন্ম নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। সেক্ষেত্রীয়াঁ, ভাকুল্ল ভাজিবিনোদ ইন্টিটিউট্ জ্রীচত্তমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, মদীয়া।

### —৫১ বৎদরের প্রতিষ্ঠিত—

উশ্বধালয়ে এন্তাত বটীকা

হার শুক্রারকা, স্থাদ্যে, কেট্ডাইল, অর্থার, ক্রাণ্ডাইভ ক্ত বোগার বোগ নির্মেষ হর্ষাছে ভাষা প্রকাশ ক্রিণে বড় বড় গুড়ক ক্রাগ্রেড়া

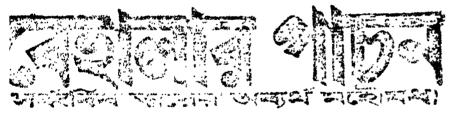
#### हेडा

শক্ষ ঋতুতে ব্যবহার চলে ও সমান ফল প্রেশান করিছা থাকে। আহি কৌটার ৩২টী স্টীকা থাকে।

#### (क्रक्राज

গ্রেছি কোটার দুল। ১০ এক টাকা। ইথার নাম 'আছেক্সনিগ্রহ বটীকা'।

## কবিরাজ শশিভূষণ কবিক্ঠাভরণের



মফাস্থলের স্থাবিধার জন্ত ৬ আঃ শিশিতে ঘনীভূতে অবজার ছোটবোতলের বিষদেরি ঊষণ ভাকে পাঠান চয়, ইতান্তে ঔষণের কোন পরিবাধন কয়: হয় নাই: মূল্য প্রতি শিশি॥• আনা, পাঁইট ॥৬/• আনা, বোতল ১৬/• আনা।।

অফিস-১১নং উল্টাডাঙ্গা রোড, পোঃ শ্বামবাজার, কলিকাতা

## ग्रापन मध्य

বট্টকার থরা ও বাড়ুবিক.২, ইঞ্জিরপজির হাদ, কলোবে ভ্রমণ্যত, বহুহার, হাবাবোরা, বুক বছু-কলাবি, অনিত্রা প্রভৃতি লক্ষণ পথত নির্দেশ অব্যাহার হয়। বল, বীর্ষ্য, বেধা রৃত্তি করিতে অবিভাগ ট্রিক। মূল্য ৪০ বলি ১, এক টাকা।

শনপুহসকাজারি প্রত?
গুনবছারি রোগে বাছরারোগ ধারা আরোগ।
করিয়া গাঁচসম্পর করে। হুলা ব জোনা ১, টাকা :
শেলুজপরিকোসিন্দী ব্যক্তিকা?
বীধাবারণ করত সধ্যোগপতি ছারী ও গুডি করিছে
অভ্যান্তর। কুলা ১৬ বনি ১, এক টাকা।
রাহ্যবৈত আল্লান্তরাক্তিনী, ক্রেম্পরজী
ত ১৭৭বং ভারিসক রোভ, ক্রিকাভা।

## হাইড়োসিল

বা

### কোষরদ্ধি রোগ

ডাঃ এস, এন্, ঘোষ বিনা অস্ত্রে, বাবজ্জীবনের গ্যারান্টি দিয়া বৈভাতিক প্রাণাগতে কোষবৃদ্ধি রোগ আরোগ্য কবিয়া থাকেন।

> ঠিকানা— ৯৮ নং কটন ঠীট, বড়বাজার, কালকাডা।

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌযধ

#### পদর দিলে সম্পূর্ণ আরোগা

কোলী দেখাইছে চইবে। অগ্নিম পাপেছ পরচ (যাওয়া এবং আসার)
পাঠাইলে গিল্লা কোলা দেখা হয় অথবা এখানে আসিবে বোলী দেখিলা
উষধ দেওলা হল আলোগা না হওগাঁ গ্যান্ত পারিশ্রমিক দিতে চইবে না।
গানীব বোলীদের খারচ বছন করিলা চিকিৎসা করা হল। বিশ্বানিক
বিবরণের কথা এক আনার ডাক টিকেট সহ নিম্ন ঠিকানায় অপ্নদ্ধান

স্ক্রিকভীশচন্দ্র উকীল, যক্ষ্ম-চিকিৎসক, শোঃ নৈকাঠী, বারশাল। অথ্য নিয় ঠিকানায় শাক্ষাৎ করিয়া বিস্তারিত লানিতে পারেন।

শ্রীপুত রামগোপাল দত্ত তম, ত, ক্লফনগর, নদীর। শ্রীপুত হারণাদ, বিংও, ১১৭, বোলবাটোলো ক্লাট, হাটপোলা, কালকাজা।

প্রক্রমানি পত্র । সমার লাড়পুর গঠ চন্দ্র মান মানং রাজ মধ্যার স্থানে স্করার করণাচিক, কলিকাজার বিজ্ঞ চিকিৎসক্ষণ ভাগার জীবনের আশা ভাগা কারো শেষ মুহুতের অন্ত অপেকা করিছেছিলন এই সময় জীবৃত্ত জি নীশচন্দ্র উকিল মহাশম মার্ল ১০ দিন চিকিৎসা করিয়া সম্পূর্ণ আবোগা করিচা দিহাছেন। (সাং) জীমতীক্র কিশোর রাম তীমুরী (আমনাং খানিরা) হল জাই, নিজাবভিন। করণোরশন টিটি চিপা উমেন্ট, কলিকাজা।

## শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

भोतान ४८०

মাত্র ১১০ ডাকটিকেট পাঠ।ইলেই বুকপোটে পাঠান হয়।

ন্যানেকার-গ্রন্থবিভাগ শ্রীচেত্যমন, পো: শ্রীমায়াপুর, নদীরা।

কেন গ্রাহকগণ

## গোড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

-কার্ব-

এখানে যাব শীর ছাপার কার্যা---

কেটার পেছিং, মেমো, ফবম, খান, কমিদারী 65 ক. বিল আছুভিই বলুন,

विवाद्य सिमञ्जन भाग, कांड, विवाद्यंत भश्रहे वसून,

আর ও হং ও ৪ রংগের হাফটোন ব্লুক্ট বলুন, সকল কাষ্ট্র অভিনীত ছাপ্। হর, অপ্ত ছাপ্টেবার প্রচ বাজার অপেকা তুল্ভ।

আপনার কিছু ছাপার কার্য। ধাকিংশ নিষ্ঠা কানায় জানাইলেই দর পাইবেন।

ম্যানেধাৰ-ভোট্টীয় প্ৰিণ্টিং ওয়াৰ্কস্ ২৪০০ নং থাপার সারকুলার তোড, কলিকান্তা।

## ল প্রভুপাদের বক্তৃতাবদী

প্রথম ও বিভীয় খঙ

ওঁবিজ্পান প্রীশ্রীমন্ত্রিশিকার সরস্থতী গোস্থামী মহারাজের সেই অবিজ্ঞা বিধ্বংশিনী জীথাত্মকপোধেথিনী কৃষ্ণকার্জানন্দায়িনী জীবর্ত্তবাদীর মুর্জবিপ্রাহ— বৈক্তবিদ্যান্ত বজুথালার ভৌক্তব্যশি—শহর অভিধের ও প্রবাহ্মনভান্তের শিক্ষার্জসমূল । ভিক্ষা একজে ১৮০ জ্ঞানা মার্ক্তবি



ৰন্তবৰ'

২১ পুরুষোত্তম গৌরান্দ ৪৪৫, ১২লে আষাঢ় বঙ্গান্দ ১৩৩৮, ৭ জুলাই ইং ১৯৩১ মঙ্গলবার

১০৬৬ম সংখ্যা

## বক্ততার চুম্বক

[8]

স্থান-- ইত্যাড়ীয় মঠের সাবস্থান নাটামন্দির বিষয়--- 'জনমত ও পরমার্থ' বক্তা---ত্রীগাদ স্বন্ধরানন্দ পর্বিভাবিনোদ

FA 6

অগ্যের সন্ত লোক বল্ছেন,— माधना ও माधा भूषक भूषक । स्यमन ব্ৰহ্মে লীন হওল-উপেন, ধ্যান-ধারণা---উপায়। আমি রাছস্থরত কর্ত্তি--স্বর্গাদি লাভের জন্ম, স্বর্গে উপস্থিত হলে व्यात गुळाणि थाक्न मा-- डेरभग ८५८म ८५८म व्यात উপात तरेग ना-किष बीटेडलना-**टमरनत धर्मा आ**भना कि रमध्रक शाहे ? এটিতনাদের বলেন,—সাধন যা', সিদ্ধিও ভা'ই—উপার ও উপেয় এক। মূক অবস্থায় ভক্তিটা পরিপক-ভাবে প্রগতি হ'বে, বছাবস্থায় অপকাবস্থায় থাকবে, এ কথা জনমত স্বীকার করবেন না। स्वन्मक वनत्वन,--- এখানে थেটে या अरा বেল, পরজগতে পেন্সন ভোগ কর্ব। কিন্তু প্রমাথ্রাজ্যে পেন্সন ভোগ করা যার না। এই জগতের দাসত ও পর-क्षशास्त्र माम्ब शक नत्ह। ८म्हे कशास्त्र নিত্যদাস্যকে উৰ্দ্ধ কর্বার জন্যই এখানে সাধন। কাজেই এথানে জনমতের সঙ্গে পরমার্থিগণের পার্থক্য।

জনমত বলনেন.—বর্ত্তমানকালে ছ: ৭ मात्रिमानि कछ अञ्चित्शा तरहरू, रमकारन কত স্থবিধা ছিল, এখন তা নাই, স্থতরাং এখন পূর্বের স্থায় পরমার্থাফুশীলন হতে পারেনা। অনুমতের এই ধারণা ভূগ; আনুক্ল ক'রে নিলেন। এখন ড' আমরা কর,

कर्षात्रमः, नक्षात्रस्थातः स्वीदनतः 🐪 निक रा নৈমিত্তিক্ষণম বিভিন্ন প্রেকার থাকলেও মৃত্যবহার আগ্রার সার্ক্তকালিক পদ্ম পুরের যেমন, বছমানে ও ভেলান, অন্তাভাবিধাতে

(大学新生艺 মোটবগাড়ী, বেলগাড়ী, এবেলেন ভিন্ন না, এখন এই সৰ প্ৰস্তুত হলেছে ; এই প্ৰিকে ভগ্রংসেণ্ণ উপকল্প কারে নিতে হলে, ভাই ব'লে আন্মার ধর্ম ছেড়ে দিছে ধরে না। আন্তাদের তে জিনিয় কাছে, সর छनि।कडे ज्यानभूगान्यतः अध्यान क'र्य नित्य निदा मक्षत्यत छेमग इतन। धाना আত্মকেক, ভাষা "খোল-টোলঞ্লো ভেলে। যতই নানা অস্ত্ৰিণা অভাবের কথা সানাবে, ८कटन मा ७-- यहे। कात ८कटन मा ५ --এই भन नन्ति।

আমরা জানি, মখনু পলাদীৰ যুক্ত হয়েছিল, তথ্ন বালালা দেশের গৌডায়-त्निशाहाया चीन बनाएक निश्चान्य छाड् সেখানে বেদান্ত লিখ ছিলেন: কিন্তু ভিনি भगाभीत्र गुष्कत कथा किछ्डे गिर्यन নাই। কেবল শেষে গিথেছেন,--এগন প্রামীর গুজেব সমত। আমৰা মহাপ্রভুর সময় দেখতে প্রি--- শ্রীটেডন্যভাগ্রত, 🖦 হৈতনাচরিতামূত যথন আলোগনা করি. তথন দেখতে পাই,---বায়গাৰ ঘানগায় নুপতিগণ খুল পেডেছিলেন, রাজার রাজাণ মহা বিবাদ ঘটেছিল। তথন মহাপ্রভু ॐळ्ल्याग्मर इतिनामकींश्वरत नियुक्त छित्नन — জীবের থারে থারে নামপ্রেম বিভরণ কর্ছিলেন। যথন মুসগমান কাজী কীর্তনের থোল ডেকে দিলেন, ওখন মহাপ্রভু কি ক'রেছিলেন ?--সমন্ত প্রেভিক্স বিষয়কে

সেহকুপ এতাদেরি দেপতে পাই ন'। মহাপ্রতু গ্রন্মপুরায় শিরেছিলেন, তথ্ন विधिक्षित्रण (मध्यान भागधाराक भारम विक्रम কর্বার বাট্যার। ক'বেভিল। মধাপড় স্মত টোতে ভেষে পেলেন না ডিনি বলেন नाइ.--" प्रथम भन्ने किन्छ। मन एक एवं एन इस गांचिक-- द्रशम ए.हे मन नाह-- द्रशम आन ধ্বিভ্রমট্রজন দলবে ন, । মহাপ্রত্ জর্ম অটলভাবে সমভ প্রতিক্রভাবকে, গণকুল ক'রে নিক্তিলেন—বিষদক্ষ সূর্পকে সম্থ উৎপাটিত ক'লে অরকুস ক'রে নিতে হবে।

> এই এপ ভাবে জনমত যথন আনাদিশকে তখন আমরা থাব। অচল, অটলভাবে ভগ্রছভন কব্ছেন, ওাদের পদাধ্সবণ ক'রে চলব। ভন্সমষ্টি প্রমাণান্তলীলনে ৮৮ট আমাদিগকে বাধা প্রদান করতে উভাত হবে ততই আমাদের মায়া আরও উচ্চলিত গভিতে দেই অভয়, অমৃত, অংশাক পাদণার আশ্রর গ্রহণ করবে। স্ফৌ পুরুষ হরিন্ডক্রৈঞ্চলসেনাবিমুখ জীবগণ্ডেক, बिक्षित इंडमक्सरक উक्किन्द्रात ८७८क

উত্তিষ্ঠত জাগ্রত প্রাপাবরান নিবোধত। ক্ষুবজ্ঞ ধারা নিশিতা ছবভায়া फूर्गर **भभग्रः क**नत्या वर्गास ॥

--হে জীবগণ, নানাবিধ বিষয়চিস্তা হতে নির্ম হও, অন্থ প্রিত্যাগ্পুর্শক অস্তরূপে উস্ক হ'ও, সহৰাজির নিকট হতে রূপা লাভ ক'রে ভগবানকে জানবার कन महाहे कर। কুরের ধারের কায় সংসার অভীব ভীকু অর্থাৎ বহু ছঃখ ছুরভারা ভাগাৎ ভগ্রহাজান বাঠত সংঘাৰ উঠাৰ্ছভয় অসম্ভৰ। निराध्तिश्व (महे अ,श्वातिनव्यक अ**म्राटक** অতি বাহ প্রাণা ব'লে কাঁৱন কলেন অর্থাৎ সদওজনলপ্রায়ে স্বাত্তে ভারদমুশীলন বডে'ত স্মারতাংখন আবে উলাণ নাই।

অ্যান্ত একপ নৃক্ প্ক্ৰের— অভিম্ঞা মহাজ্নেৰ উপাদেশ শ্ৰুৰণ ক্ৰুৰ, তাৰ পদায়-স্বৰ কৰ্চ। আন্ধাৰ নিকট যে সংঘদীর জাগ চককাল নিশা পলে প্রেটীরমান হচ্ছে, সেধান হাত সংঘটি ক্লান্ ভূমি জনমতে ষুক হইওন'। ব্যন্ত্র থ(মরা শতক্র) हर अने वा डांशीतक श्वांक वल् ५ - वर् লোক যাকে মান্তে তাকে আমরা মান্ত--ষ্ট লোক ঘাকে দম্ম বশুবে, ভাই ওনব । কিছ বাত্ৰপ্তা জান্তে হলে জন্মতের ্লান কণা না ভানে প্রাকৃত মহাভূনের কথা धनां करना। भएगात औठक धन क्या। াইজনু আমরা ভল্লত বৈক্রপ্দারুসর্ব কব্ব--- শ্রীটেডেলের পদান্তুসরণ করে। শাস্ত্ৰ ল'লছেন,--ভক্তিতে নরমানেরট অ'ধকার আছে: কিন্তু ভক্তির আনরণ পুল্ভে হবে। এই আবরণটা হচ্ছে---পরমার্থবাকোর পথে ইহা বিবাট আবরণ-বিরাট মোহ, ঘা ছারা আমরা প্রমার্থের সন্ধান পাছি না। কিন্তু জাগতিক এই জনমত্রূপ ভারিপপের আবরণকে--- প্রতিক্লকে অগ্রকুল কর্বার वावका कवर्ष्ट्रन, -- होर्डि इक्टरमय । "म्रकीर्डन-लावहाक ओक्रकरें इंडना।" वह भाकी कन বলে ?-- "বছভিমিলিত্বা খৎ काशादक ভঃদব नःकीखनम्।" वह ব্যক্তি মিলে যে কীর্ত্তন, তার নাম সংকীর্ত্তন, বছজন বাস্তবসভ্যের কথা জানেন না, কিছ

ভাই ব'লে তাহাদিগকে উণেকা করলেও চল্বে না, ভাদের সভ্যপথে আন্তে হবে। কোন মহাজন আচরণ ক'রে যথন পরমার্থ শিকা দিবেন, তথন আমরা সকলে তাঁর অহুণ্যন করব, তথন আমাদের আত্মসংগ জিজাগার উদয় হবে, তথন আমরা স্বাস্থ অধিকারার্থানী সত্য উপলব্ধি করতে সমর্থ हर। उथन,--আনে একা ভতঃ সাধুসম্বোহণ ভ্ৰুনকিয়া।

ততোহনৰ্পনিবৃত্তিঃ ভাৎ ততো নিঠা

কচিততঃ॥ অগাসক্তিশ্বতো ভাবশুভঃ প্রেমাভাদঞ্চি। সাধকানামায়: প্রেয়: প্রাত্তভাবে ভবেৎ ক্রমঃ : ---এইরূপ ক্রমপ্রায় প্রমোচ্চপ্দ লাভ করতে পার্ব।

### ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনষ্টিটিউটে গোস্বামী ভব্তিনারস

গত ১৯শে আগাড় ৪ জ্লাই শনিবার দিবস ঠাকুর ভব্জিবিনোদ ইনন্টিউট্টে একটা ज्यात्नांत्रमानमञ्जात ( Debating society ) 'হাস্তা ও অথ' সময়ে আলোচনা ইউন-ছিল। এতদ্বলকে ইংবিধবৈঞ্চববাজসভাব अम्लापक खीलान करा र प्रक्रियान গোষামী প্রভু •Del ating societyৰ সেক্টোরা জীগুত মণীজনাথ গুরু মহাশানের বিশেষ আহ্বানে ঠাকর ভত্তিবিনেদ ১ন্টিটিউট প্রাক্ষণের অধিবেশনে গোলেন ক্ষরেন। সভারে উপাস্থাত জা ত্রগালের সংল স্বস্থ যোগ্যভাঞ্চালে যথেষ্ঠ লাল্যভাল হটবার প্র জিন্ডিভিফ শ্রীভিভিভ্রের ুদ্ধীতী ঠাকুণ-ছজিনিয়েল। ইন্টিটিইটের উপন্যাত্ত । সেকারণ জীনে নতামক্ষ্যেত্ত্ব পানি সভাচ। আমান ভাগেরত পাঠ প্রম্পি জীর্থ মহাবাঞ্জ ও বিশ্ববৈশ্বস্থ সহার। নমক ফল। যে মম্মি গোসং, আঁদী প্রাভৃতি । পুন কা উদর ভেবংগর হন্ধা বাজে হই। সম্পাদক শ্রীপাদ অপ্রাকৃত ওক্তিসালদ বিলিত সেবল ব্যাস্থরণ। মুর্ফান্ত পান বিশ্বনের চল কবিয়া ধর্ম লাই, উলেঞ্চ ঐ গোপানী জাঃর আদেশ ও অভিলামের-স্থার একটা সঞ্জন্ত। প্রাদ্ধে ক্রিলে পর । ব্লহাবের ভ্রম হাতে, মুক্ত ভারগণের কার্যন বা আন্মেক এন হার্যের। নিয়ন नीयम अकिमानक (बाकामी लाउ क

### मुझरीमा शा जी ही উপযোগিত।

सन्तर । शांदर्भ वरमः घट हर वी क्षेत्रकः अध्यक्षे **व्यक्षितः स**्वत्र अवस्थितः साम <u>सामग्र</u>कः हो হার গানীর সহিত, বং গা মজনকে গোলংকের স্থিত, ভক্তাল াগী অক্তিদম্পন্ন জীবগ্ৰাকে তথ্যপান

বহিঃপ্রজাচালিত ও প্রাক্ত ব**ন্ধকে অভি- জ্রীন্যাগর্কের** সেবাতেই জ্রীভগবানের নিবিষ্ট আমরা প্রাকৃত গাভী ও তাহার প্রাকৃত ছগ্নের সন্ধানই রাখিয়া থাকি। তদভিরিক্ত অপ্রারত হগ্ধ যে গীভায়ত বা ভাগবতামুত, ভাহার আন্ধানন করা দুকে থাকুক, সন্ধান পাটলার জন্ম স্থযোগ কোন দিন মাদৃশ মারামুগ্ধ বছজীবের ভাগ্যে ঘটিবে কি না সন্দেহ। আমরা গান্তী গালন বা গাফীব মেবা করিয়া থাকি, গাভীর হথের জন্ম নহে। গাভাহইতে ড়গ্ধ আদার করিণ নিজেক্রিঃইত্তির জয় আন্দেব পানীদেবার অভিনঃ। গাভী ালেকে ভুট গ্রামানে হয়, তথন আমরাও ভাহাব সেবা ছাডিয়া [ िटी । अधिएमन अतुम्बन मुम्बक द्वेक्न ।

ইমিমন্ত্রাগবত-শাস্ত্র বেদকলভারের প্রাপক मनभा भुवसार्थन हेपारवज्ञप ा ८८५२ कहतुक, शक्ति कन ४० ट दण । ८कतम मक्ताहालका ८लव 的经验,公司每十八年 ক্ষপন্ত বহুম্নে, অভানৰ সকলে ঠে। কাৰে বঠম্নি জাছে, দেখিতে পাজনীয়াল है क्रिस्टार राज्य (स्ता क्रम) क्रम्बरा। इक्षा । इस वाटी ट्रायरिक्रवना मार्ग्य आहे. अक्री াগ প্রাক্তন্ত প্রকাশক প্রান্তন, का प्रस्क अधिक अधिक अधिकार C+104 ান কবেল, শ্রীলাম্যানর আবেরে ্ত্যান ক্রিয়-\* 12 } क कि विभाग ্দ্ৰ কোন 医电路电路 2177 15 f \$ 1 311 24 किः। श्रीभाग् ।।। शतकाताकाका W4 : 13 1777 (8

7:1 ाप्त (के। 11.355

देउड्डाक्टोब्स्ट रास्य द्वीत हुक्सरम भाग हेक्क्न दिकान व्यथित ना द्वार ७४न छेक। छाड़िक মানের বলিগ্রাচন ব্যস্তরতে ভাগবত বিধা শগতে কর্ম সংযোগ আছে, সেই বিক্রোপনিবদে৷ গ্রে জ্রেন্ প্রায়ন্ত্রণ অনুভ্রেন্ত মুই, মেনুল দাস জারে বিশ্বেষ প্রবৃত্ত হই এবং শোচ্নটোর নিক্ট ক্রি, বিশ্ব ভাগনভে। বার ভেদ ক্রে, ভাব गाता वैक्शनास्त्रन হৈছ প্রথভাগবড়ের তেন দুর্গন করেন, নকনন্দন প্রাক্তনকে প্রাক্তার স্থিতি, কম্বন ( জারাকা নিজেব সভানাশ আন্তর্ম । প্রবিধেশদের এই শ্রীমধ্যগর্ভ বর্গনের लात्रास्य भक्ष कात्राक अन्य कीर्यन लाईह াবার স্থিত এক পুরুষে গ্রীভারেল অমুডের ভিতাক্ষারা সাগোৎ ভগরস্কল্প জীনস্থাগরতের

সেবা পর্যাবসিত। ইতর বাসনা পরিত্যাগ পূৰ্ব্যক ভদ্ধ চিতে শ্ৰদ্ধাপূৰ্ব্যক প্ৰাণ্ড কীৰ্ন্তনামি ভত্ত ৷সুদ্বারা ভাগবডের সেবানা করিয়া ভাগবতের ধারা নিজেক্সির তোশণের চেষ্টা করিলে অর্থাৎ নিজের সেবা করাইলা णरेवांत cbbi कतित्य भागात्मत्र नत्रक-याजात भगहे ज्ञानक स्टेटन ।

ভগবৎসেবা উপেকা করিনা অন্ধৃদ্ধি-বহিশ্বপ্রভার ফলে ভোগবাছা চরিতাথ করিবরে আশার মামাবভাবস্থায় এই ক্রিতাপ্রিপ্ত সংস্থারে আসিধা মামরা অনেক প্রকার স্থাপের স্বপ্ন দেখিতে थाकि। 'अरनकरनारकत नाक्षा अरनक প্রকার', ভাই এই জ্বের স্বপ্নগুলিও অনেক প্রকাশ হট্যা থাকে। কিন্তু অনুসন্ধান করিলে দেখা যায় যে, এই সব স্থান-স্বপ্নের মধ্যে কন্ত কামিনী প্রেটা স্থাত-রূপ ভিনটা সাধাৰণ মূল বল্প বিভাগন। ক্রীমধানসভেব ভাৰণ কীতুন বৈহিশ্বৰ বছলীবছৰ যাহাই কিছু কর্মন না র পো ঐ ভিন্টার একটা না একটা ্বস্থ কাছবেও কাংব্যও,চনরে স্থান গার্জে ুদ্ধাংখ্য। ব্ৰথানে ইকাকেন্দ্ৰ-কামিনী LANCE OFFICE ALL AND ALL OF STREET OF THE ST

> অভিনয় কেবল কটেশ মাৰ্চ বান ও ভাগেটের সোলার নামে ি কেব কেবা ক্যাইয়া

আম্বাভাগ্রত প্রিন্ত কবি, जाग्रुकण अभागमध अस्तर रिकार करियु विकाशकाल कात, प्रेरमधा—कमक-कारिमी প্রধান শিক্ষক বিদ্যাপ্রয়া জীলন ভক্তি- । ইংসংস্কের ই, সোক্ষেট এই জনত জালবত । কাস্ত্রের ক্রান্তর করিলা স্থা সংগ্র াব্যন্ত ভাগ্যন্ত ক্লিয়াছেন। কেবজা। উদৰ ভাগ্ৰা আমানেৰ ভাগ্ৰভ গঠে া প্রেপ্ত জনকরে গ্রাম ইহা প্রাক্তা ত্রুবেল হতিবতপ্র বা ভোগ। বাদ িষয় সম্বন্ধে একটী নাভিদ হা কছন। ক্ষাৰ্থকে। অংশবিকাশেক ভাষা মৃত্যু প্ৰকাশ । ভাগবভাগাস কাইন আংশক্ষা অক্সকাশ্যে 🕻 ্বেন। উভিয়েরট ব্যক্তা জুনশং প্রকাশিত - গণ ইতাকে উপেকা কবেন না, গলভ ভিলিক্তৰ গণ বা প্রতিষ্ঠা পাওবা ধনি, জনত কাল ব্যাপ্য, ইচাৰ মেৰাই কাৰতে | তবে আমগ্ৰ প্ৰবিত-পঠি কাইন ছাড়িয়া े वि । अग्र कार म महनारमात्र छानान कति । ন্ত্রনভাগরত সংখ্যার ভারসভ্য । । ভাগরভাগাঠ কীতানর বিনিম্প্রাধান কেছ ्य धंधवक्रक विमनामध्ये विषक्ष वाश्रिम কাবতেছিলান, আমার বিনিম্যল্ম অর্থ ক্ষেষ্ট্টা ধারয়ায় তথন মনে করি যে, ভয়তীন গাভার মত ভগিবভও আর ভব দেয়না, অভন্ন ইন্দি,তপ্ৰের জন্ম অস্থ চেষ্টা করা আবগ্রক।

ष्याभारतत काशनक्षाठिकीर्दन वसून, িও ভুলন। করিলছেন। কেবলমার 🖯 छঠুভাবে সেবা করিছে আনেশ বিলাছেন। 🕯 নামকীউন বলুন, মহলান বলুন, মন্দির

স্থাপন পূর্বক শ্রীবিগ্রাহ দর্শন করানই বনুন, ভাগণত ধর্মের বন্ধুকাই রমুন, বা ছরিকথা कीर्छन्दे क्यून, मक्स्मबर्दे ब्र्स्म के वक ক লিসহচর ক্ষমকামিনী-প্রতিষ্ঠা-সংগ্রহের আশাই বৰবজী। এ তিন্টা বন্ধ সন্ধাইয়া দিলে আমাদের কণ্ট অভিনয় প্রাকাশ হইয়া পড়ে। এ সকল অভিনয় কিন্তু रतिरानां नरह। "यस प्राणिय प्राणीरा न भ एंडाः म रेव यशिक्।" प्राचीप स्य वाकि अवस्तित्र मिक्टे श्रेट्ड निवशित ভোগ প্রার্থনা করে, সে তাঁহার ভক্ত নহে, সে বাবসাধার মার ।

ক্ষাং ক্ষম হইয়াও যিদি নিজা ভজন निका कितान सना अरे किनियुट्श क्रिक्न-চৈতনা নাম ধাবণ **করিয়া অ**বতীর্ণ **হই**রা-ছিলেন, তিনি কিন্তা জীহার পানদগণ অথবা পুৰুগুণৰ কোন মুক্তাজনই ভাগৰভণাঠ-কীমেনিৰ ছালা কিলা ইনিম্ম কীন্তনের ছারা কিলা শ্রীবিগ্রহ তাদশন দাবা স্ব স্থ ইন্সিম-ভোষণ উদ্দেশ্যে সংগাপাক্ষনকপ দ্বণিত कारगात (का.स. पित लालत (पन नाहे। राशक्षा जेकल कार्का अही व्हेर्जन, खैाहांस মৃত্যু কোৰ ও মেৰ্নীয়ে অঞাক্তি অমৃত্রুস हरीटक फित रक्षिक ब्हेटनम् ।

#### প্রয়াগ ধাম

ত্রীর মধ্যে সন্তল্পতি দেখি ভীর্থরাঞ্জ শোহিছে গ্রহালবাম এমব ভগতে। ঘণাৰ সামিল একা আগনার কাঞ্চ पुष्ट करिं। यटक्षचरत भूषिं निमिर्छ। क्षिक्तारम् कार्याक्षेत्रं माठा भरणम कहिल भत्र छत्न त्यहे गळकत्त. ८६२ ८म मानना-छमि हेक्सिया दम्म 'দশাখ্যমংঘাট'' বিভিন্ন কুডবো।। ইঞ্রি নিমাশে বিদ্যা ইনিয়ে ওপরে না লভে মঞ্জ জীব কছে পিতামহ : কিছ যেই বুদ্ধিমান আত্মসমর্পণে अनीटक दर्शान<del>म</del> दमस्य अदय अदयस বিগয়েতে রাগ খেষ নাহি রহে তার हर्ष्ट्र भाग सम्भव्य याच भाषाधात ॥ বুদানন রসকোলবারা নিস্তারিতে द्राधाकक जक्राच्या चारशीराष्ट्र इति, क्रणाञ्चनः निक्र क्षरण प्रथमिन पति। নিজ শক্তি সঞ্চারিক আগন ভাবেতে কুন্দত্ত্ব, ভক্তি হয়, রসত্ত্ব প্রতি ; দ্দিত-স্বরূপে, প্রিয় স্বরূপে আপনে শিখাটনা যেখা ভাগবভের সিদ্ধান্ত দ্বিল গ্রেণি অধুক্তের ধূছনে স্থান্তাদিল ভক্তিরস্মিত্র একবিস্ট্ প্রাভূর বিভায় কণে ভোগের সংসাবে র্নচল যে প্রোন্ডক্তি রসামূত সিদ্ধ, फुबिरन मकरण ८६६ ८०६मशामीनारत হুইল হুচনা ভার ;—প্রয়াগ গামেতে भना, भना त्मरे डीवतांत्र व्यवनीत्छ ।

## গ্রন্থ পরিচয়

## শ্রীমন্তাগবতম

আমমাহৰি ক্লাইৰপায়ন বেদব্যাস-প্ৰণীত মূল, প্ৰীমন-মধ্বাচাগ্য-কুভা ভাৎপৰ্য্য-নিৰ্ণয়টীকা; শ্ৰীমদবিশ্বনাণ চক্ৰবৰ্ত্তী होकुब-क्रज मात्रार्थमिनी हैका, वमालवाम, मरपूछ व्यस छ সেই ক্ষেত্র প্রভিপায় ক্থাসার, অধ্যায়ের প্রথমে ঐ অণ্যান্তের সারসহ স্থবিস্থত তাৎপণ্যাদি বিবৃত। ছোক স্চী বিষয়স্চী, অধ্যায়বিষরণ, পাত্র ও স্থানস্তীস্থ উদ্ভয় कांगरक छेदम अकरत मूक्तिछ। खालम ट्रेट उ॰म दक भगाउँ छाना म्ल्र्नित्न (भव बहेग्राष्ट्र) जिका लालम हरेट्ड ° २४ वक शराष्ट्र २४ ०० ; समय दक ४२ ; ममझ १० 1

#### **টিচভগুচরিভামুভ**

ও শ্রীশীমন্ত কিনিদ্ধার সরপতী গোরামী প্রচলান লিখিত অফুডায়ে ফডি-খুলাদি বহু শাস্থামাণ-স্থাপত ইইয়া প্রকাশিত হট্যাছেন। স্নোকের সাধ্যন্যাথা, বছাত্রবাদও পথার, শন্দ, স্থান, পাত্রে আস্কৃতির স্থারত হতী ও প্রথক রের। ভিক্ষা ১০ এক টাকা যাতে। বিশ্বত জীবনী সম্খিত এইরূপ অস্তপুর সংধরণ ইতংপুরে ; कृद्धांत अवश्व हा अही। डिक्स काल्य ला ब्रिस्टिस স্থিত তুল ক্রিজরে মুলাংশ মুল্লিত নইয়াডে ৷ এড প্রায় ১৫০० शहास मुल्लात । जिल्हा वर्डभाव क्यांक I

#### **জিটেড ক্যন্ত**াগৰত

প্রস্কারের জীবনী, প্রতি পরিক্রেদের কথাসার, বিস্তৃত भिष्टीम क्षाना, भक्कणी, भग्नात्रकी, निवय-क्षान-भानाति-সুচী, প্রস্কৃতি বিবিধ বিষয়-সম্বলিত বিরাট বিভীয় সংকরণ ভবৰ ক্রাটন ৮ পেলী আকার। আদিলীলা ও মঙোর कियारम् धाकामिण क्षेत्रार्धम्। क्षाय क्षाय अवानिक হ#তেছেন। অপ্রিম ভিশা 🔾 টাকা, আদি শীলার 1841 5 1

#### **बारिट जगान म**

্- এই প্রভের এক্লপ অভিনৰ ফ্লের সংখ্যাপ আর কুঞাপি क्षाकर्गामाख इम्र बाह । अन्यूष (म्राक्तारतात व्यवम, व्याधनाम, ভাষা, কথাসার, ওথা প্রাভূতি সহ খণ্ডে এতে প্রকাংশত হইয়াছেন। মূল মোটা অব্ধান ওবল জাউন আচপেনা बुरमाकारत हाला रहेशार७। भूजा २॥० छाका। नान्या প্রকাশ ও গৌড়ীরের আহকগণের পকে ১॥० টাকা।

#### শ্রীমন্ত্রগ্রদগীতা

-- औरशोदीत देवकवाष्ठाया अध्यातक त्रशिकह्कामनि **উ.টাবিখনাথ** চক্রবর্তিঠাকুর গোস্বামিরতা সারাগ্রনিগা টাকাস্মেতা ও প্রীক্র্যমন্ত্রাক্তবিনাদ স্যকুর-প্রণাত বাসক-व्याप मामक भाषाभाषायामां हुए। अवाधिक ही, माक्रका मध्य (शाक-कृती,विक्य-कृती,धाष्ट्रकाद्धत कोवनी ६ व्यवखर्तावकाति বছ-জাতবাবিষয়-সহ উৎক্রই সাংগ্রহ ভূতায় সংখ্যাণ--তই রাধ ১ইতে পরিক্রমাংশ মাঞ গৃহীত; এজীব গোস্বামী কি 'मश्यवाणय किका २ होका माल, मानायन मः क्रान- ।।। काम काव

## শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

ও বিষ্ণুপাদ এএীমছকিনিছাখসর্ঘতী গোখামী মহারাজের গেই অবিজাবিধ্বংসিনী कीवास्वकत्भारवाभिनी क्रथ-कार्काननमामिनी कीवख-नागुद मुख- निवार--- निभविभक्ताय-त्रह्मालात् (को युष्ठम्नि-- मुख्यमात्र रिवस्त्रविकानागारवव मोलिक छ्ला- भगवाल स सांग्रेटरव সমন্ত্র ওক-- মহাজ্ব-জীবনচারিত-শিক্ষ ক-- চি দ্বিলাসচিন্মাত্র-অভিশন্ধ, তথা ও বিরভ্যাদিয়ক। প্রতি ছলের আদিতে অচিনাত-বিচারক-এখণ্য ও মাধুণ্যরদের মৌলিক গ্রেগণার –শবন্ধ, অভিদেয় ও প্রয়োজন ভবের দিছাও-সমুদ্র।

> ১ | প্রাথম খণ্ড— নৈক্ষরদর্শন, শ্রী ওকতের, কাল-मर्च, जीयम्बानिकाय, जैनामंत्रानयी, भाकताविकी नीयन ও বর্ণ-বিচার, আত্মধ্য ও মনোধর্ম, ইটেডভুম্বের ও ভাতার শিক্ষা, অঞারত সহজ্বদা ও প্রারত সহজ্বদা প্রস্থতি বি ৮০ বার আনা।

১। দ্বিতীয় খণ্ড- ওদা ও বিদ্ধা ভক্তি, মহুদের **শ্রীশীমন্ত্রিনাদ**শাকুর রচিত 'অনুভঞ্জাহ্নায়' লেইতা কে'গাম, সান্ধার নিশ্যরতি, শ্রীনর স্বামিপাদ ও भागा ताल, जीरतीत-निष्णानन श्रमण, धियरतत सम । ३ जन्छ-केष्ट्रिन, शिवामिल्याय श्रीमधानतत्त्व केष्ट्रिन, श्रीति-शास्त्र महिमा, महा श्रयाम, झिट्यानिन, खिल्यासूराङ्कन-প্রত্যেক প্রারের পুরের সংক্ষিত্র অভিনেয় সংযোগিত। পথ, জীমতী রমভান্তনানিনী, শ্রীটোতভার দলা, গোবককণা অভ্যেক অধ্যান-প্রারম্ভে কথাদার দেওয়া আছে। শ্রোক, ' ও ক্লফলীতন--চতুদশ অপুন মধারমাপুণ-বঞ্জা-বিচুমিত।

> अथम व विष्टीय-ष्ट गण धकरण घटेटल चिया। ১।० দেড় টাকা, ডাক এরচ প্রায় ।

#### **এলভগ্রদ্রীভা**

टर्ना होश-देवमध्यमार्गनिक-दर्भभव श्रीकार गुन्दादनव विकान ভুষণুরুত ভাষা ও জীমছভি বিনেদে ঠার বের প্রাঞ্জ বল-ভাষার নিপ্তত 'বিজ্নুরজন' নামক ভাগ্নাইচ। স্বার্থ্ন প্রী: বিগ্রাণী, ও আচি স্লোকের আগম ও চুতীয় পদে কুটা, ভাষ্ট্ৰাবেৰ জীবনী প্ৰাছতি স্থানত। Begg तेर है. शहराध्वतः ( इंडीय १ क्रांट ) अट्रा

#### প্রয়েরতারদী

ब्रीयद्रशास्त्र विश्वाप्रता-ध्येषी छ देवसन्वस्त्रम् साह छ।

ছাপা। ভারত্ত টাকা ও প্রাঞ্চাবসালবাদ মতি সুহজে সামকেরও বোধগমা হইছা পাকে। ভিগা । ০/০ আনা মার।

#### बीननदी भगगगगर जा

( জ্যাণ্যত ) সামুবাদ। তাতি-মুভ্যাদি গ্রন্থে শ্রীন ব-দীবোর যে মহিমা কার্ডিড আছে, ডাহার মুগ সংস্থা 9 অমুব্দ। ভিগাত আনা।

#### ন্ত্রী নার্থী পভারতর ক

শ্রীসাকুর ভাকিবিনোদ গিখিত। প্রহাণত গভাকারে পরিক্রমার দুইবালে বিশয়ক। ভিক্ষাত মানা।

#### ভব্তিরত্বাকর ও নংখাণ পরিক্রমা

শ্রীল নরংরি চজবটি ঠাকুর রচিত। ভঙ্জিরক্সাকর প্রস্কারে জীনব্দীণধানের পরিত্রমা করিয়াছিলেন, ভাহাই প্রে বিবৃত। ভিক্ষা । ক' আনা

## ा १७ना मा सम्बद्ध

শ্রী ভব্দিবিনোদ ঠাকুর-প্রণীত। শ্রীচৈত্তভেইহাতে · । खनानी-क्स, क्रमांकि ७ तम-वद ७ मृक भीव-অচিন্ত্য-ভেদাভেদ-তত্ত্ব--সাধন-নির্ণয়--প্রয়োজন-তন্ত্ব, কর্ম-বাও, আশ্রমাদির বিচার—বৈদী ভক্তি, ভাবভক্তি ও প্রেমভক্তিগত নামভদ্ম-প্রণাণী ও অইকালীয় নীনা-পরিচয়াদি প্রথম শিকার্থীর উপযোগী করিয়া সরল ভাষার সমুদয় গুক্তিপ্রমাণসহ লিখিত আছে। চতুর্থ সংস্করণ বাদা २ दे होका. व्यावामा ১५० हाका माछ।

#### ায়কগছার

क्रीरानी श्रीय-टेदमानगराह्य **अञ्चल कर्छ शत्रगरमाना** সংখ্যক রয়ে স্থংশাভিত। ভিকা মতে কৈতি ছতি-পুরাণ-পঞ্চরাজাদি সাম্বত-শাসসমূহের **প্রমাণাবিদী** বিধ্যবিভাগক্ষে স্থায় ওদিনত। এইরপ বৈষ্ণব-সিদ্ধান্তের সাৰদ্ধবর অন্ত কুত্রাপি প্রকাশিত হর নাই। ইহাতে গুক্তৰ—ভাগ্ৰত—বৈক্ষৰ—গৌর—নিভ্যানক— चोबर-क्षा-अक्ति-कृश्वम्म-कीय-विश्वारक्षारक्ष - - অভিদেদ-- সংধ্নত জি---বৰ্ণশ্ৰ-- আ**ভ্ৰ-ধৰ্ম -- ভৰ্জাৰ** — শ্রীনান—প্রয়োজন e প্রামাণ্-ভরগুলি পৃথ**ক্ অণ্যায়ে** স্তুত্ত খোকাদি ব্ৰীন্ধ উৎকৃত্ত এটিক কাগতে বোক রু কালিতে মূলিত, উংক্ষট বাগা সোনার **কলে নাম লেখা।** প্ৰায় ১০০ পৃষ্ঠায় সম্পূৰ্ণ। ভিক্ষা ২**্টাকা মাত্ৰ।** 

#### श्रीनवहीं भगम-अधावनी

শ্রীমদভ্রিবিনোর ঠাকুর রচিত ধামমাহাত্ম-গ্রাম-মাধ্যাপ্রার সামুবাদ প্রমাণ খণ্ড--- শ্রীশ নরচরি চক্ষবত্তী ঠাকুরের গাম-পরি ক্রমাংশ— শ্রীধাম নব্দীপ পরিক্রমা—ভীঘ-राजा भवि - द्यार अर्गानामक्र गर्वीशमंडकम-প্রীমণ্ডিলিনোদ সাকুরের শ্রীমণ্ডীপ ভারতরঙ্গ প্রভৃতি গ্ৰহ একর ভিক। দ০ সালা মারা। 🕝

#### শ্রীহরিনাগামুভ ন্যাকরণ

ইটোৰ গোমানী প্রাণুপার-বির্ভিত হয় ও রুতি, ভংগলে ওবিষ্ণাদ জীমভুক্তি দিছাৰ সরস্থা গোৰামী মহারাকের বিশ্বত ভূমিকা ও ফটী প্রভৃতি ন্ধ। হাপ্রচালিভভাবে স্থাত। ভিন্না ২০ টাকা, ছাত্রগণের প্ৰে সাত টাকা মাজা।

#### বেদান্তভন্নগার

ক্রীন্ডমেণ্ডুকাডাব্য-রচিত। নেদাভের বিশিউট্টিছেবাদ-অভিনিত্ত ইতিয়া-প্রবেশ্য অভিনিত্ত প্রবর্গ বেশ গুদশীন পাণ্ডের উল্লেখ্য করণার্থ এই উচ্চম করিচাচেন: ইংচ্চ বন্ধায়াল ও ক্রীপরাদি সংযোগিত করা ইইনটেড্ नाम माद्र जिल्हा ॥० व्यामा ।

#### জ্ঞীতৈভয়তভ্ৰামুভ ও নগদীপশভক

নোৰ গাৰ্মৰ জিম্ব জীমৰ জাৰোল ক চৰক হী প্ৰতীত भूल, क्षापृथान जीमन् क्रिलीमकाक स्वयंत उत्तरासी महाताज সুক্র্যাল্ড অন্সমূতে সাবে । ৬ বং গ্রাল সম্বলিত। মব্দীপ্শাহকের জীকাভাননের তার ব পছাছবার ও खरमह क्षेत्रमहादान्त । यही जिल्लाहर आक्षीम क हिन्द अप्तिक करेंगाए। भूषण क करण क डेंप्क्रके ( र याम) একরে। ভিক্তা ৮০ সালা, আত হরমা বাবাই প্রাস্থাকার ा काम त्राची



विषय्धिकिविद्यान श्रीकृत् अने छ। यह यक्षाज अप-রত্বের জ্ঞান লাভ করিলে পারমাথিক রাজ্যে কিছুতেই অজ্ঞান বা সংশয় থাকিবে না। পরম গুড় ধর্মবিষয়ক এই-क्रम गत्रम ७ हरप्राणनी अह व्यं भगान व्यक्तानिक दत्र नाहे। निविधारगाचामि-भाज-भटशामि-भवनकाल दहे अलाउड উখিত হইরাছেন। আবার প্রাবস্থত প্রী, কথাদার ইভা'দি ছারা বিশেষ সমূদ্ধ করা কইয়াছে। বিলাট এথ, **मिनात करन नाम लिया. উरक्छे वीवाहे—इकुर्य मस्कत्र**ी किका २ होका गांव।

#### প্রেম্বিবর্ত্ত

ख्येग्यहालापुत व्यष्टतम शामन डीम कशनानम लापु বির্চিত। এই পুরুকে মতি অগবোধা ভাষায় মহাপ্রভূর ক্তিপর লীলামত বৈঞ্বাচার, একাদশা ও নামভজন-देवकवाड्डबत अगीमाःमा প্রণাদী প্রস্তৃতি অনেক গ্রন্থকরার পরিচয়াদি-সম্প্রিত চতুর্থ সংগ্রণ ভিক্ষা।।। দশ আনা মাত্র।

#### **BB2359**

ভল্পকারীর নিভাগনী; ঠাকুব ভক্তিবিলোদের অম্বা शान: निश्चित भारतात नियाम । अध्यानि ना जिया भराय কেহ বৃথিতে পারিবেন না। তৃতীয় দংশ্বরণ ভিক্ষ: ॥।।

#### হরিনামচিন্তামণি

নামাচার্য্য শ্রীল হরিদাস সাকুরের মুপে শ্রীম্বাহাপ্রাভ শ্রীনাম-মাহাত্মা, নামাভাদা, নাম'পরাধ প্রভৃতি বিশ্যের যাবভীয় বিচার ভ্রবণ করিয়াভিবেন। এই বিষয় গুলির অতি সরল পয়ারে মংকিও আশ্যানঃ পরিপাটভাবে মুদ্রিত। 🕮ল ভাকিবিনোদ ঠাকুর রুচি হ। । প্রথম সংগ্রের ভিকা ৮০

#### কল্যাণকল্বভক্ত

श्चीमपूर्ण्ङिनिरमान ठाकुत-ति छ। ध्वाराक छश्यन्-বিশ্বাদী ও জ্ঞানপথের প্রিকের একান্ত প্রয়োজনীয় উপদেশাৰলীপূৰ্ণ গাডিএছ। সামাত লেখাপড়া হ দেব নোকেও এই ভজনরাজাের গাতিসমূহের স্বারা অনর্থনিপ্তি ও ভগবংলের। লাভ করিবরে প্রবিত্র পাইবেল। বছ भ्यत्वत् जिल्हा /: • श्राना बाद ।

#### শরণাগতি

শ্রীমহতি বিনোর ১(৫র-রচিত। ভগরানে আয়ুসমর্পর, বিশ্রুপ্তি, ভমনগালনা, বছুবিদা শরণাগতি ও গিদ্ধি লালনা-विधाक गीडिल्ड, जिया / जाना भाव।

#### भी जाननी

खिशकुत्र ভिकितिरनाम- श्रेने छ । भिष्ठा अबस, बाह्याब्रिक अत्याम - दिश्वनामि - विश्वक अपूर्य १३ : सम्बद्ध अभिष्ठ । ভিদ। / । আনা মাত্র।

#### **बिगहस्करा**श्च

রসিকেন্দ্রমূত্রালি শ্রীমন্বিশ্বনাথ চক্রবর্তী হাকুর-বিশ্বতি সপ্রাপ্ত আমন্ত্রিকিনিলোপ ঠাকুরের অস্থবাদ-नरः जिक्ताः वाना बादः।

প্রতি শ্রীরূপ গোস্বামীর উপদেশবাণী, ভল্লিপণের অফুকল ও প্রতিকৃদ বিষয়ে স্থাবটারিত সংখ্যাদন ভাষ্য, বিশ্বত বিবৃতি, চরিভাগুতের প্রমান, সায়য় ব্যাথ্যা ও মহাজন প্রণীত ভর্ণধোণা গাংমমুহ প্রত্যেক স্লোকের স্থিত স্ত্রিবেশিত হইয়াছে। তা সংক্রণ ভিকা:√• আনা।

#### माभग-कन

শ্রীরঘুনাথ দান পোৰামার মন:শিক্ষা, শ্রীল সাকুর ভব্তিবিনোল-চারত প্রথায়বাদস্থ। ভিকা /• আনা ।

#### প্রেমন্তব্যিত বিদ্যুক।

শ্রীল ঠাকর নরোওমেন স্বপ্রাধন প্রেমভিভিবিশয়ক গানের প্রক্র । ভিকা / সানা মার।

#### নবদীপশভক

শ্রীষা ঠাকুর ভঞ্জিলিলোদ রচিত শ্রীষা প্রাবেধানন্দ **দেখিতে পাইবেন। পাদটাকা**য় ছাত্রত স্থানের বিশ্বধার্থ ও বিশ্বস্থানীপাদের সংস্কৃত নব্দীপশতকের স্থানিত প্রচালবার। किका / जाना मान।

#### অর্থপঞ্চক

खीन दगकार्राया विष्या । देवकवार्य छाट्मत खाकत পুত্ৰ। ভিজাত আনা মাত্ৰ।

#### **সদাচারস্থা**ভি

শ্রীল মধ্যতিগাতপ্রণাত। বৈদ্ধবের নিত্রকর্মাদ স্পাচ্যতা नणा, क्षाच्यात प्रविच्या (च्या १० व्यामा माञ्जा

#### মশিমঞ্জী

ক্বিকুলকেশরী শ্রীমন্নারার্ণাচাধ্য বচিত্র। শ্রীমন্মধ্য চাৰ্য্যের সংক্ষিপ্ত হ'বেনবাঁলো ও মূল বৈক্ষণপক্ষমত - স্বাভুৰাদ ভিজাত। আনা মাত্র।

#### গৌরক ফোদর

व्यक्तिंग कृति श्रीरंगातिक स्वतं अधाउ श्रीरंभीवावडास्त्रत প্রমাণারণা-সংব্রিত সংস্কৃত গ্রন্থ। ভিক্ষা দ আনা।

#### युक्तिमहिका ( खन्दानीत्र छ )

শ্রামধ্যমান্ত্রার প্রত্যাধার কর্মান ক্রামান ক্রামান ক্রামান ক্রামান ক্রামান ক্রামান ক্রামান ক্রামান ক্রামান ক্রাম সাল্লবাদ এই প্রায়ের প্রকাশ পরিমাণিক সাহিত্য-ছত্তে এই স্বংপ্রথম। জীন্মাপ্রাচার্যা কইতে সোদ্ধানস্তন বিভায় মধ্বাচায়া নামে খ্যাত খ্রীবাদিরাছাতীর্থ স্বামী এই ডাঙে সংখ্যের যুক্তি ও গৌকিক ভারাভ্রনারে কিরূপ ফুলরভাবে ভজিতিবিরোদি-মতবাদ সমুখ খণ্ডন ক্রিয়াছে, তাহা পাঠ করিতে করিতে আশ্চণ্যাবিত হইতে হয়। ইহাতে যুক্তির दाला ठात्वाक, देवन, त्योक, मीमाश्यक छ मात्रावानिकछ-সমুখের হৃদ্র পণ্ডন রচিয়াছে। ভিক্ষা 🧸 টাকা মাজ।

#### (भाषामी क्षेत्र तघुनाथ मात्र

(ওঁ বিষ্ণুপাদ শ্রীল ভঞ্চিদিছান্ত সর্বভী গোস্বামী প্রভূপাদ-লিখিত ভূমিকা সর ) গৌরপ্রের শ্বরূপ-রূপের একমাত্র প্রিয়তম জ্ঞীল দাস গোত্থানী প্রেক্স অংগুরু চরিতাসত ও শিকা অভাব প্রাক্ষণ ও সরল ভাষার সন্নিবিষ্ট এবং পরিশিত্তে দাসগোখানী প্রাচৃত্র বির্ভিত কএকটা সাম্বাদ মধুরতম তবে ও মন:শিক্ষা-সহলিও। ভিকা বাধাই ॥০ আনা, আবাধাই 🕪 আনা মাত্র

## চিত্রে নবদ্বাপ

প্রাচীন নবরীপের অবভিতি, তথা, ঐতিহা, শ্রোভ ও 🖺 মন্মহাপ্রেদ্র শিক্ষা ও শ্রীণ রলুনাণ দাস গোল্বামার | ঐতিহাসিক প্রেমাণসংশিত নয়টী বীপের সচিত্র বিবরণ-এত। রাজ্বিরাওনাহেব কুমার জীগৃক্ত শর্পিশু নারায়ণ রায় এম, এ, প্রাক্ত (লাকোর), বেলাগুড়বন মকোদর কর্ত্তক সঙ্গলিত এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন বর্ণের অপুন্ধ চিত্র 💩 मानिक-मध्यकः आहारिकामहार्गत त्राप्त माह्य अवस्थ মণোজ মাপ বস্ত বিখকোগসম্পাদক মহাশ্যের বিশ্বত ভূমিকা সহ। উৎক্ট ( ইং ) মরকো বাবাই মূল্য ১৪০, ভি: পি: তে २ , छाक माळा।

### माधक-कर्श्वमाना

अक्षान्या, देवकव-बन्धना, देवकवन्त्रव, भारास्त्रह श्रीड. শ্রীনামতট্র, শ্রীমন্মধাপ্রান্তর অংগান্তরশত নাম, আইপ্রেছয় नामकी वंग. की नामनकी वंग, (श्रमध्यनि, 'वाडेननकीड. नन्भील-महिमा, श्रीमांशालुत महिमा, श्रीनुद्धालम-लामुत बहैक व्याप्तारी-नजना, 'एए रशायामीत व्यष्टक, रक्षप्रकृतिक हैं. डिपटन नमाणा, नामक कन-लागाणी, महालाइ व ताव वामानन गरनात. समानिका, श्री क्या श्रातिक, श्री ख्या-शत्रालाता. মহাপ্রানুর বন্দনা গ্রাক্ত সাগত ও নিদ্ধতীবনের নিভাপান। বৈন্যবংশের কণ্ঠানিত ভুল্মীমালার ক্রায় অভুক্ষণ করে ধারণযোগা অপুর গ্রন্থ। ভিক্ষা কি , বাধাই ॥ মাত ।

#### গোড়ীয়-গোরৰ

কলিকাভার স্বপ্রনিদ্ধ আগবার্ট হলে পৌড়ীয় সম্পাদক शैभार क्रमतासम भविष्याविष्माप्रताप दक्षणात विश्व গ্রন্থকারে গ্রেকাশিত। ইংগতে গ্রেটিয় বৈঞ্চলসম্প্রদায়ের হতিহাৰ সূত্ৰাকারে প্রবিত হট্যাতে । ভিকা । । শাক।

#### গোড়ীয় সাহিত্য

কলিকাভার প্রপ্রেমিত্ব আগবাট হলে গোড়ীয়-সম্পাদক ত্রীপাদ স্থলবানন্দ পর বিভাবিনোদপ্রত্ন প্রদন্ত বক্তার বিষয় গ্রাহাকারে প্রকাশিত। ইতাতে স্থাতিত্য-প্রের অর্থ এবং গৌড়াঁয়-সাহিত্যের বিষয় স্থঞকারে বর্ণিত হইরাছে। জিক্ষা la/• জানা মাজ।

#### শ্রীগোড়মগুল পরিক্রমা-দর্পণ

শ্রীগোড়দেশের যে সকল স্থানে সপরিকর জীমন্মহাপ্রাভূ द्यः जम्बर्ध भवतश्री महास्थानन सीमा कवित्रा निवादस्य, **माइ गव धानुनिक ट्रिंटगाणिक পরিচয় ও দেববিগ্রহাদির** পরিচয় সহ যাতায়াতের স্থবিধা নির্দেশ ইত্যাদি বিধয়গুলি সরিবেশিত আছে। ভিক্ষা। আনা।

#### THE HARMONIST

#### OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীন ঠাকুর ভব্তিবিনোদ-প্রতিষ্ঠিত এবং শ্রীল ভব্তি-निकाञ्चनत्रवर्धी (शावामी व्यष्ट्रभाष-मन्भाषिक भावमार्थिक मानिक श्वा । अकृत्व हेश्त्राकी जागांत्र प्रहोतिः न तर्व ভবলক্রাউন ৮ পেঞ্জী ৪ ফর্ম্মা আকারে প্রতি খাছে হরি-मास्यत्र विकत-दिकशसी गरेशा छेपहिक क्हेरल्ड्न। काशक, मूजन-शांत्रिशांछा ও চিত্রানি অভীব চিত্তাক্ষক। ध्रके ध्यकात्र छेरक्षे ध्यवक स्वाप्त दकान मानिक भवाबिएउ (अविष्ठ शहिर्यन ना। वार्षिक किका फाक्साक्षणपर 🔍 ठाका माळ।

#### প্রাঞ্জিন-

**बिटिन्ड गर्माः, त्याः ज्ञिमाद्याश्वतः मर्गोताः** 

## বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভাক্তমঠুসমূহ

চত্ত্যা মঠ

#### আকর মটস্বাজ

ल हीन नवदील, खाक्यत श्रीमा मात्रालुत, नशीता

শ্রীসভাযোগপীর ভচতে কার ৩০০ গড় উত্তর-পুরে শ্রীপ্রজপত্তরে আচারীরত্ব শ্রীচন্দ্র-📳 🕶 थव-कनरम 🕮 🕮 🗷 है। इ.स. मात्र विदासमान ।

এট তান সাবস্থান ভীর্য, পরবিভাগাঁঠ বা সাম্বত ভঞ্জনম্বলী। এট মধ্যতীর্পে 🗒 ছরি-माधायुक नारकरणामि-त्नमः समयुक, शर्जातश्चात अस्तर्भक काता. नाष्ट्रक, अनद्यात, स्वा প্রামাণ-উপা- মদ-গ্রান-পূত্র-প্রাম্ব-চভুগ্রের জ্বারেন ত অব্যাপনা এবং ভুগায় ইনিএফু-গৌরাল-গাল অং মা-গিরিধর ুক সাজ গ্লাম্প্রদায়ক-আচার্যা-চতুর ভালাদের উপাতা বিপ্রবের পাছত 'নতা মেবিভ ক্লভেটেন। এই মঠবালে পার্মাণিক দৈনিকপত্র লাভত-मक्क्यमार्थत कालकार्त्वक क अव्यक्तिन अध्यक्ति व्यक्तितकरह्म 'क्मीया-अकल्प' नश्चालह লাক্ষ্রিট চল্লাচেন আহিবংসর জীগান-প্রিক্রিনাকুটান ও অগণ্ড ভক্রগ্যেষ্টিণ্ড 👸 लाम मन्द्रशिक्ती । मृहकाती- 🕮 लाम विस्तामितिकाती अभागती, शांखक श्रालान (शावन, म खक्काती कावामाकतप्रीयं, जीनाम बीरक्क अक्षात्री, जीनाम अन्तर्गानाम अक्षात्री, 🕮 अध्यक्षम जन्नाहाँ है, अपनिद्यार्था विश्व विश्व निरुक्त । हिल्ला, द्वित्र ही । আমুগ সঞ্জনগণ ।

জিদভিসামী শ্রীমন্তবিক প্রদীপ ভীর্থ মহারাজ এপানে হরিকথা কীর্ত্তন করিছেছেন

#### (৩) যোগপাঁঠ 🖺 মন্দির

we min Dwigteinen min win al अभवाशकान्त काविकात-न्य महाद्यान-भोत्र । द्यारम द्यानमी शिक्षा व शिविष्ठः वि, द्या, महकारी-शिविष्ठ भाग छिन्न-ব্রিছার্মর প্রত্যারনারাংগ এবং আঠিছন। লাগ্রী, ঐনিক্রান্তম আধ্বরারী প্রস্তাক। ন্দ্ৰ প্ৰীৰ্থাণাক্সফোৰ লিক্ষ্য দেৱা ভগ, স্থীপঞ্জ- ' कटबढ़ दगरा रहणाता वक्रम-(वाक-. माबाबह (बाक्षामी क्यें।।। व्यक्तिमान । মাপা। সহকারী উলিভানিক এপনাধী, সেনা। রক্ষক -- উল্লেখন এলচারী, ভক क्रियामानिताम क्षत्रिकृत्यन, क्रीतम्माम अभ-हाती। Ebशावनशांत आंध्रकाती, (श्रवलकः I WEFDIGE

#### (8) 최각기 - 학투부

चीमनाशास्त्रक कोखन-निवास ना शिरनोबनीमात्र सामक्रनी । जगारन के शिक्षात्रीत-निकासम्बद्ध अधिकार्याः स्थान वर्षेभान । व्यक्त-- द्वा बाका हक्षण यमाराष्ट्री।

#### (e) WICTS-54A

बहे हात बीमदेवन शक्र कवन बतर (मना वक्षमान।

क्षण क--- श्रीष्ठदेव जानन मामापिकाती, विशाक्रममाम वावाकी।

#### (७) काष्ट्रीत जमानि श ह

व्याठीन भावालुब, यामनलुक्द (गरीया) 🗖 त्री ब क्रमां भाव 🏝 है। एका क्री व प्रभाव ।

#### (9) WINW WWW. PB

बैरगाज्य, यज्ञलग्रह ( समीहा ) **च्यात्म ওविकृषाम श्रीम ७ छि-निल्लामठाकद्वव** ममानि कवर खिरमोवनमाधक कवर खेळीवाधा-धार्थात्व दन्या यक्षमान

क्ष्म कार्किकी बन, जन, जन।

## ্চে আভিগ্ৰাথ গৌটাৰ মঠ

तक क--- में। यक्षतत अकिमात्री हम, ज.

### ( > ) औटशोब-श्रेषाभवः स्र

ঠাপাঞ্চী, সমুদ্রগছ, 🖯 বছমান 🕽 শ্রীশ বাণীনাথের প্রাক্তিত পোরগদানত-**ाजनात्रक कात्र** ।

## ্ ১০ শ্রীরূপগোড়ায়-মঠ

ना ांश्व, अवाश हर्ड, पि क्षक - अविकास अक्षार्थी, सरकारी --न्त्रीभारतिषश्च अक्षार्गानी ।

### ( ); ) 劉(河)(西)山區道一

भाष्ट्रिया ७, स्वाह्य व. व्ह्रमान । লী গাগাৰতার ঠাকুর বুন্দাবলের স্থান। रण -- व्याद्धांबहाती बच्चामी. एक भी नम्हास ।

#### (১১) ভাগৰত আসন

জ্ঞী লাপাৰ চ লেপ্ৰাণ, ক্লম্মন গার, নদীরা। কাগব ংশিদ্ধার এপাবলীর প্রচার-খেতা। রক্ষক— শ্রীক্ষণানক একচারী ভারুশারী

#### ( ५० । श्रीशकाग्रन २४

(पानिकपूर, शमयारी, नमें। हा वक्क-अक्षात्रो विवित्सामावकायो । 🖹 व्यक्तिक अक्षात्रोते, श्रीकामानिकादी, श्रीमानकादी, श्रीमानकादी, श्रीमानकास শ্রীলম্ভনাথ পাতা, ডক বিখনাথ

#### (১৪) श्रीमाध्य दशीकृषि मर्ठ

aoat नवावश्व ध्वाक्, छाका। लुक्द गरम द व्यक्त व न्यान स्थापन सी करून cशीक्षण शास्त्रका-शिक्षिणदक्क दगवा वरुमान । शिख्र प्रकर-किक्यम खालात अवहाती वक्--- श्रीनावानता अवनारी, श्रीनाव श्चिमशासक পরবিভাবিনোদ বি-এ, প্রীপ্রাণ- বিজ্ঞারী জীবিপিনবিছারী :

## (३) बाँदगोडीय मठ

🌣 नः काणिव्यामान ठळवकी द्वीते. (लाः वानवाक्षात्र, कनिकाला । उठीकारमान रि. ति. हर्दे ब

শ্রীমন্মতা প্রভাৱ প্রাণারিত শুলিকাল ভাজিগত্ম-প্রচারের চেন্টেল প্রোভিনেলের সক্ষ প্রধান मग्री कृतिकालात्र क्षेत्रिकालात्र क्षाप्ति कामार क्षाप्ति वार्क कार्या । बार्ड कक्क সভযারামে 🖺 গুরু-গোরাল-শ্রীবিনেদানক জাউ সপ্পেদ নিতা কোবত জন। গোড়ীয় আচাণি।বর্তের বাবভীর প্রভাবলীর প্রপ্রচারোপেরে প্রিমাস সংগপ্ন একটা ওর্বন মৃত্যু-মন্ত্রালয় সংস্কাতিত তইডাচেন। প্রতিবীর স্বর্জ স্ক্রীলোবনাম প্রচার্থ এত মন্ত্রালয় हरूटक '(श्रीज़ीय' माखाहरू भक्त, मि क्यूमिले मान्तक श्रीदका हरताची कामाह नियमिक ७१८४ अवशाम के इटाउटका । व्यापाठ १९७, यक्षावन, अधारान-ठाउटका क. লীমগ্রালার, প্রতিত্র-চরিতামু বাদি-লীলা ও প্রথম্বের সমাক মালোচনা চচয় গাকে। মসরক্ষ -- আচাব্যতি দ স্থাপ দ কুলাবিহালী বিভাল্বণ। সহকারী--পাত্তত कोन्छन व्यक्तारमृत्य मकामत्वारमवामि कवाक व्यक्तिक वश्या थातक। उक्षक--अक्षणांकी । श्रीभाग व्यवस्थानकामत भद्रातकानुमन वि-द्र, श्रीभाग ज्ञागांवकादी अक्षणांकी, श्रीभाग अग्रह्मात्रम मामामिकादी विनदा, अभिनाम सद्दाशालाम मामादिकादी, अञ्चलादी প্রীকীর্ত্তনানন্দ, রন্ধ্রতারী প্রীপাহিনিমানন, এন্ধরারী প্রীম্যানন্দ, পঞ্জিত প্রীপাদ নবীনকুন্দ श्वतिकाशकात्र मान्त्रानाप्रदेव अव्यक्तिमान, ज्ञास्त्रकात्रानामान्त्र कार्या वि-०. क्रिअन्वसानकान यकाती वि-दल, बीध्यप्रभा छात्रदर्शावन, बीदियस्ट बजाजादी, बीक्षत्रदर्शाविक বন্ধবারী প্রস্কৃতি।

্লোর বন্ধ রো, ইনিবংগালম এলচানী,

#### ( ১৫ ; और्शाशांत्रको मठ

क्रीलिकाशस्त्रक क्राउतः ।

कश्लाल्य, हाका । ्माभागकीर ह्या काटब काठीन जनत दक्षक—ञ्चेन!न्त्रायन डकाठाडी

## ( ১৬ - जीशहारि-दशस्य अर्थ

etomie mattent weit uffeie 5 gim-द्यानभार-(नाद्यास्त्रद 'ल न दस्त ाषा के — ≛ीपुर शक्त रक्तार ही, हो शाकराज्ञ

#### (১৭ এ) তাগ্ৰতজন্মিক এঠ

ไปที่เป็นได้ เป็นใหล่หลาย เมาะเก็บเล่า ख्यात्म च अक- शादाक-शाक्षाकान्। भिविधारीह निजासका बस्मान । इक्त-दक्षाणी दी न्याननामधी।

### (১৮. অবিশাবেড়ো প্রপন্না প্রম

नाक्षतीय दलार नक्काम ।

भी एक्सावाक न्यान क विकास नारता होत (atesta t

#### (১৯) बीश्वरूरवाद्यम मर्ठ

अर्थकार, श्रदी, छैप्देश ।

व्यथाल ऋष्ट्रीय-'वरलाप्रभाषवचीत विकार লেবা ব্রহ্মার । বক্ষক নার্ম্বচারী স্রীপ रक्ष क— क्षेत्र जुलामध्य अक्षाता हो। महकारी | सम्म विषात्र प्रुप्त अक्षाती अनिमीशासक, अवाहाती, कक्ष वीक्षाहा

#### (२०) बीजधा-दशोडीय मर्ज

আলবরনাথ, ভ্রন্ধাগার প্রোঃ, পুরী 🖡 व्यवद्यापदम्बद व्यवस्था मध्य हो । भन्यान । वक्तक-- तक्ताताती **ञ्चिभव्रस्थको अ**न्ताबको। नश्काको---

#### (LL) BIFFORTHIN NA \$14311181c. 464 .

क्षणात है। अर्थः जाराध-वित्नावत्राण-शीत निकासिक बळाला नक्क---अभागती सीमभार सोहानमम समन्त्री

#### .२२, **बागनाडन**्गीकाच मठ

उन्दे क्षांक (रलभूत), कानी है (\*17 - \*14)学行者 另外(200- 1997)

क्षार्थक क्षार्ट्यक प्रतास के विकास का विकास का का का का का कि का कि का कि का कि का होकालक । १४ को । हो । का तन दक्त हो ।

#### **この 三、季切で5の明 33**

बीनु नरभ्याम १७. तो १४ तुन्यावस । टा हो वाचा-अज-त्राक्रमञ्जात दशवा । ्य म- द्वीशनगारनाथ लक्षणादी

## (२४) 🗐 প्रस्टरम अठ

लोधशादणः, मीडाभुद्र

এখানে 🕮 छ । १४७ । भारता 👁 द्धीरशाद-निद्यान विशानकोव दशवा वस्त्रात : रण क -- इक्षार वी द्वास मरबासक व दक्षाता ही Mindry mid 1

#### २०: औदेन्डनारभोजीय यठ

**५म्तक् छा, कितक्खः, भागक्**भः **है।** लीर १५७-भरतेत सारा। उक्क-शिवमा-नाम दाय. शिटकनमानम उन्नठादी, श्रीदाय MICHIPINE NICH

#### २७। नागिर्भाषाम मह

कुल्लिक, शास्त्रवर, कशाल । अशास क्षी भारतिसम्बद्धाः । अत्र व्यवस्थाः रण क— वश्वहाठी डी छन्दनस्यी. ः।।धाव खबनाती

#### ্২৭ ব্রাক্ষ্যপাড়া প্রপদ্মান্ত্র-মা

引端性の多いでは、いる。新の例

अव्हारत सम्भूष कारणांदा(अद दलका तक्षमा । उक्तक-- अवतानी खोळानक्ष-नाम, और जिल्लाम बक्रान्थी।

#### ্১৮ ডিল্ল ুগাড়ীর মঠ—কাষ্যালয় उ र ्रामा भवन छ। काब व्यान, निष्ठ विल्ली ।

उक्तक-अवाहादी चौत्रेद्रक्ष, जोकुम्भवन श्री दामा क्रमगढर गणवण

(२० ८शामानशाकाकामाञ्च उक्त - अक्त हात्री खो दावाद मार्क

#### मुर्कत्र मामनाम १३ जन আসামীর কারাদ্র

ঢাকার অভিবিক্ত দায়রা ক্ষম্ম মিঃ বেঞ্জামিন ওরা জুলাই রোভিত্পর গুঠের মানলাব রাম দিয়াছেন। তই মাম্লা छाकात भए शास्त्रनारिक मानात कर। মামলাৰ ছানীৰ মুন্থমানদের ১২৮ জন আসামী শ্রেণাড়ক ছিল। অভিযোগ -- মড়লয় ও ডাকাভির। প্রিয়ন বোজের প্রেসিডেণ্ট ছক্ম অংলি প্রমুখ ৭১ জন আসামী লবংসর ১ইতে ১ মান্প্রায় नगररात कल कांत्रान ( ध म छिन अहेगार्ष्ट्र । ধ্বক্তি বালক ভামীনে আনিক ইইবাছে: জামীন—ছুট বংগ্ৰ শাস্তভাবে পাকিবার। ! মামলার বিদর্শে প্রকাশ, শভ ২৭কে মে ডাকায় যথন দ'ল্ল চ্লিছেডিল, ভুগন महत् इहेर्ड ल्युह व श्हेंश प्रतिकी ব্যেহিভপুরে লোক পাসনে হয় ৷ স্থানীয় যুলিয়ন বেংচের :েপ্রসিচেন্ট 🔟 মম্ভান ক্ষুদ্ধন প্রস্থার একটি চক্রণত করে। ফলে রোছিভগুরের বাজারের এচ গানা লোক্ষি ও ১৯১ প্রে হার্ডা প্রাঞ্জ फ २० निटमन मर्का खाद्य ७ मक्क है।क।त সম্পত্তি লুট্টিত হয় বুলিশ ১৬৭ জনকে চাল্যে নেয় ৷ ভাছার প্রাংজে জন भागता (भागभ करा। विजात मन्त्र कानि-বার করা আদালাত भगःकत छिड হুটায়।ছিল। ভাহালিগকে সংঘণ রাখিবাব कड़ा गुमक करमहेदवा द्वांधन दहा रुह्या हिला।

### পার লামেন্টে প্রহরীদের সহিত जनजाम्बर भनजाभनिङ

পত ২বা ছবাই অগরাকে পাবলামেট মহাসভায় বিশ্বভাষা দেখা দেয়। চর্মপ্তা व्यायिक परवात सम्रष्ट भिः मान्यात्वाकार्यस्क ষাদপেও করার প্রভাবের পক্ষে ৩:৫ ও বিশ্বক মার ১৮ জেটে ১৬শায় শ্রীষ্ঠাকে সভাগ্রন ভাগে কাল্যা মার্থত वनः इग्र. किन्द्र हिन लोशास्त्र वन्त्रीयःत বংরম। বেগ্লুমোগ ভাষণা এত বাভিনা াণ বে, বঙা সভার অনিবেশন ২০ মিনিত কাল স্থানিত রাখিটেত বাল্য হল। উভালালার আতা কলিবার স্থায় মিঃ মাকেবেডিপেকৈ সমর্থন করিছে भारकम्। २०१६७ त छ। भारतीयाः (21) म। (करवा धार्य के विवय के किशा विवास करा कानिहें इंडेग्रा काशित्य, हिन्न भन्छ। दमस महिन्द्र क्षेत्रादमस स्वद्रास्महित नानिया । অভ্যপর স্থীকার নিঃ মাকে-বোভাণকে ৫ দিন সামপেশু করার : বড় দোকান ছিল; ছইটি ক্লকই সম্পূর্ণ প্রিবাদে এই অনিবেশন শেষ ন্য হওয়া ভাবে বিন্ধ হটয়াছে थराष्ट्र मुम्हात क्छ नामह्यक क्राना

এই ব্যবহারের জন্ম ভিনি শাঞ্জির পরিমাণ রূদ্ধি করেন।

#### ৭ শত লোক অভিযুক্ত

শ্ৰুপ্ৰদেশে যে ছামিছনা সংক্ৰাষ্ট্ৰ গও.৭াগ আয়ুপ্রকাশ করিণাছে, মেই भ्रम्भट्राः एकोकमादी विनित् ३०१ वाता अव्यक्ति श्रीष भाउ भाउ (शाक्रक व्यक्तिकता व्हेत्राट्य । जाविकत्र বলা হইয়াছে ভাছার। যদি ভাছাদিলের নিক্ট প্রাথ্য সমস্ত থাকনা আলায় করে ও ১০ নথে এক জেডিকালি কিথিয়া দেয় য়ে ভাছার) কথনও স্রকারেন বিক্তে কোন প্রকার সালেলাগনে গোগদান क (शहर कि) एनंधा वेद्याल (द.वालिनाक काबाहरित असाम कहा ३३८५। व्याप्टक ত্র লক্ষে প্রতিকৃতিতে নাম গই ক'বন অব্যাচ্তি লাভ ক্রিণ্ডে। এখনও দর <sub>কৈ</sub>ক্ষেক্ত চলিচেত্তে স∞প্রতি সংক্রী জিলা কণ্ডাস কমিটার মণ্ড স্বামী ट्रीटम कराधन कथी राष्ट्रिक नेपोडान s জলিদাৰ মি. ঠাকুর নালা মিং প্রভৃতিকেও ভূমি চন্দ্র সংক্রাপ্ত द्वार्यक्षत्र मान्यद्वा एक । अभावो विकित् । ५०५ श्वा व्यथ्नाति । श्वाति क्षा इंदेशक ।

#### খুলনায় গ্রামরক্ষীদল গঠন

গত ২৯.শ জুন ভারিণ মানাবিশ य भाषा (त तक क तक्षात छित्करक्ष किला भार्षिकदेवेद्रेत अक्षराद्य श्रमत वाभग्न (४) ५ সমূতের মাভগেতিশান, লারোগাণান প্রিন্ केनरक्षात्रकः, श्रीतन स्थानिरकेर ७के ও মংকুষা হাবিবেল এক মিলিভ गर्यकाम ३३ गर्रह । दश्यक्तभन मुक्तार्रि का अध्यात करवन एवं, जीवादनक महत्वा শাস্ত্রাহান কাষ্ট্র করা হয় নাই! अनरभारम हेटा दित कता दश्च (स. अछ्डः প্রেকে মুণিয়নে একটি করিল গ্রাম-तर्भातन १२न कतिए७ इटेस्स ।

### পিনপানায় ভীষণ অগ্রিকাঞ श अक होकात काछ

বেজ্প হইতে এক সংগাদে প্রকাশ, মে, গ্রহ ২বা জ্গাই প্রাচে পিল্পান। वाकारतत (कान अतिशास्त्र (पाकारन আজন লাগিয়া প্রায় ৪ গক টাকরে क है । इस्ति । असे जीमन अधिकार छत्त কারণ কি ভাষা জানা যায় নাই একটা अमिकात प्रवेषि द्वाक बार्वक श्री नम्

### মুরোপীয় হও্যার বড়যন্ত্র কভক্তুলি বালক গ্ৰন্ত

**9**%.

মুরোপীয়দিগের হত্যার যড়যন্ত্র ও বোমা প্রস্তুতের জন্ম রাসায়নিক জব্য এবং অন্তশন্ত্র সংগ্রহ করার অভিযোগে কভাষ্ণলি বালককে গ্রেপ্তার করা এইয়াডে। কোলাপুরে ৩টা বালক গ্রেপ্রার डहेग्राट्ड, इंडारन्त निक्छ नाकि निन দেওয়ার যন্ত্রণাতি পাওযা গিয়াছে । ইহা-सिन्दक सामराज ताथा श्रेगाराज ।

পুনারের আর্ভ আনাইলাস এবং ८ श्वांत ६ हेमाइ । योगा खारम्ब करम র'টকেল ও বন্দুক পাওয়া বিধাতে বলিয়া। গিয়াছে। প্রাক্ষে। মৃত বালকলিবের ব্যস ১৩ ও ३५ दरमस्त्र मस्ता।

### মহাত্মাজীর সহিত ব্যাকগণের পরামর্শ

(ম) অহালাল সারাভাই, (এ) কস্তব ভাই শাণ্ডাই প্রভেতি হা মেদ্রোদ স্থানেরী সভার কভিপ্র স্বক্ত হলা জ্লার ব্যারস্ট্রন काभिराद्या धरा निज्यों तक क्षा स्थटक মহাত্রামান স্থিত প্রায়ণ ক্রিচাছেন। এইরণ অনুমান হইতেছে যে, এই সকল বণিবের মহেঃ মাঙ্রিরে"চ্র হটাংতি। **অংশু এই মত্বিরে**ণে মুগ নীতি অবলম্বনে নতে। ইংগ ক্ষেক্টা সামাত সামাল ব্যাপার ১ইছে উছত এইচাচে। এই বিধ্রেপ অভিয়ে বিদ্রিত ङ्केरन ।

সম্বার ব্য়ন্তভাই পেটেল বোরসাদে व्यानिशाट्डम । हैनि ०३। इलाई गातापिन মহাত্মাধীর নিক্ট স্মৰ্থান করিয়া-ভিবেন: ভৎপরে বোরসাম অভিমুখে याकः कतियाद्यम् ।

### জহরলালকীর সহিত সরকারের

#### পাজনা সমস্তার আপোয

शहरवितिशित कराधन कथी (मत छेपत কামাবিনির ১৪৭ ধারার যে নোটাশ হটায়া'ছল, একাশ,—পাণ্ডত **६६तलाय ८०८६४ ७ शतीय सतकारतत** ম্যোগে কথাবাজী চলিছেছিল, ভাশার কলে যে শকল প্র**ভাষিত** হইয়াছে। কেবল একটা তহলীখের ১৭৪ সারার নোটাশ প্রভালত করিয়া, ক:েএগ कथीरमञ्ज छेभन व्यानात्र कार्यानिनित ১০৭ গুলুরি সমন জারী করা হইলাছে। ৬৩ জনের প্রেডি নাকি উরূপ সমর্ম জারী हर्वेष:एक ।

ध्यकांन, ध्लाहावात्वत्र किना गाहि-ষ্ট্রেট পণ্ডিত জহলগালের নিকট বন্ধভাবে धक भव निश्रिम विर्लेश वरतम लाकारन পিকেটীং স্থগিত রাখিতে বলেন। কিছ অহ্রণালজী তাহাতে অস্বীকার করিয়া ध्वाहारात भाषित्रनं अर शिक्कीः हिलक्टिइ।

### नः आदम भार करमह मुकुर

গুড়ী হইতে এক সংবাদে প্রকাশ গভ अज्ञाशत अनेकारणत निक्रवेश दर्भन आया व नाकित्र मुख्याह प्रिचिए भाष्या

भः नारम श्राकाम, कान को खमाती মামলার ২টা বিরোধী দলের মধ্যে मः आध्य करन डेक व वाकित लान . चिन्छे ब्हेग्राटा । উश्वात छडी एकोळवात्री আদাশত হইতে ফিবিয়া আসিবার কালে प्रशिव्यक्त भारतमाति करत्।

**८क राज्या भगा काठी व्यक्त**हार আরি ১ বাঞ্জি মৃত অবস্থায় পড়িয়া আছে এবং ভাগার পাগড়ী কিছু দুরে পভিয়া সাজে দেখা যায় কংর ব্যক্তিকে গুলী করা टडेगरङ। এই नालिस्क हामनाखारन गुभागकात्व अस्ता कत्रा करेपाट्या

ভীয়ত লক্ষ্মীনারামণ রাও নামক त्वनातीत म्हेंसक डेकीन धनीट आहर ংইয়া পড়িয়াছিলেন বেলা গি**লীভ**া ইহার অধিক বিবরণ তেখনও পাওয়া যায় गाई ।

### বিচারাধীন আসামীর था(ग्राभरनमध्य माडक्य द्वाक्षात्र

ইতঃপুর্ফো প্রামবাজার পোষ্টাফিনে পার্শেরে কাউন্টারের উপর যে ব্রোমা পা ওয়া থিয়াছে দেই সম্পর্কে যোট সাত कान (माक्टक (ब्रायाम क्या इंहेप्रायक्षा. ভাহাদিশের সকলের প্রভি জেল হার্মান্ডের नाबदा कहेगारह । अड धरी खुनाहे खारा-निर्धात करना क्षेत्रक्षण **मान्यश** छ প্রেড়প্রকুষার দে ২:মকু মাজ গুইছন আসামীকে ভোড়াবাগীনের অভিরিক্ত **6िक दश्रमिएक भी म किरहैर हैत अ जनारम** शंक्रिय क्या ब्हेम्सिक्ता चार्कः स्थल আসামী প্রায়োগবেশন করিয়াছে। বলিয়া আর তাহাদিগকে আদালতে উপস্থিত ৰরা ভয় নাই।

मानिट्रें जानामी ३१हे सूनाहै পর্যান্ত স্কল আসামীর প্রতিই হাজত-वारमञ्ज वादश्चा कत्रिशास्त्र ।

Bielle, COSM -

Reg No C.1544

PROPERT FIR

क्षां क्षेत्राहर Y'SE :



मावारसाह काल क्षां द्वारा ८२ ग्र वाशिक छर् भागा निक द 1.541 THE 240 गाभिक ১०

ভারতের শব্দতি বছল প্রামাধ-নদীয়া কেলার হলসাত মুর্পত

मन्धामक—श्रीश्रदीक्त्रवाथ वरकागियाश, रतमानुवाइलाजि ৬গ্র খণ্ড ] 509 छम मरभा

শ্রীটেডভাষ্ঠ আধাম মায়াপুর-২৩শে আয়াচ় বুলের, ১৩ ৮. ৮ই জুলাই ১৯৩১

## নানা কথা

#### একত্রে ভিমটী মরহভ্যা

স্থা ও গুরুট বিশ্বে হতারে অভিযোগে कटेनक सा क्रिंक असा खुनाई आखार रा निक्रिक्षे शाम इहेट्ड सप्सन्ति र त क्ट्रेग्राटः । इन्हात्र कात्रः अधन 🛭 मानिहरू भाक्षीमाश्र गार्थ ।

#### দি র নিকট দীনেশের শেস পত

া বলবাণ হটতে উদ্ধৃত )

লীনেশ ভাগের মাবে। ও লাভা কাল-কাত্যে আদিয়া ববিব, **ঃ প্রাতে আ**লিপুর মেন্ট্রাল ভেলে দানেশের সঞ্জি সাক্ষাৎ করেন। ভাহারা ভাগতে বেশ এডুল

কাহাদিগকে গোমবার **প্রাতে** দীনেশ গুণ্ডের সভিত সাক্ষাৎ করিবার মঞ कासुरताम कता ६०ता ६० वादः कानाईमा (म अहा व्हेशाटक (यु<sub>र्व</sub>्यामनादात मार्कार-কারহ দীনেশের সুথিত তাঁহাদের শেষ भाकारकात्र 🚉

নী়্ গুল্পু গত ৩রা জুলাই আলিপুর দেউলে জেল চইতে ভাষার দিদির িনিকট নিম্লিণিত ডিঠি গিখিয়াছেন—

আজ পর পেলাম।

ভগবানের আশীধ যারা পায় অশেষ हृःथ द्यारि एरिन्तरे क्लारन। চুংখের মালা গলায় গরবার সৌভাগা ও 🌉 জিকত জনের হয় জানি না কিন্তু ধার হয় ভার জীবন গর্ম সাথকভার পরিপূর্ণ (य स्टार्ज ।

## একত্রে তিন্টা নরহত্যা

ভগিণীর নিকট দীনেশের শেষ পত্র

## জেলে প্রাগ্রেশন

পাঁচগঙ্গার তোলা সোনাই রোপা গ্লত

तना८७ गुण्डल्

পাঞ্জাল সংগ্রালযু সম্প্রদায়ের সংখ্যানন

# মেকিমুদ্রা চালানর শাস্তি

বিদেশী · স্তের দে।কানে পিকেটীং

## যিখ্যা টিকিট ব্যবহারে দণ্ড

ভশবান্ থাকে আপন কাজের জ্ Com (नन, छानौ क्रिय भन्नम भव विक्र (मन मुर्ट है नहिंदा, करतन कारक शृह्यत ভিথারী - বিজ কাডাগ। তিনি যাকে भितिरश (भन्त ।

দে মালা কি সহজ ?

र्वेट**रका** माणा मग्न ८५१, ७ ८४

ভোষার তরবারি।

इति ५,५ हान्ड

Mir.

ज ८३ ८७। मात उन्तरा के ।

ত ভীৰনে ধ্ৰ পাওমা বড় কথা হ'লেই বরণ করেন, মরণ-ম্পোতারই প্রায় নার, কিছ হঃখ পাওয়া ভার ১৭য়েও িবড়। স্থাভোগ কলতে পারে সকলেই, স্মিলিলে বলানা এল্টকে আনাম কিছ বেজায় ছালেৰ বোঝা বইতে পারে ্ট্টাণ কতল কতিবার জাবিনা করিয়া

শতির উৎদ ভিনি।

সাকে তিনি ভাবে কাছেলৰ ল'ব ভানন নে ভার বধন করেবে শতিও সংক कार्राक्ष राज्य करहत , সাধেকি ভারি সেনে সেভিন্তার এক মূর এও স্কা করে পু

যাব প্রাণ আছে পেচতব ক্রণার জন্ম হার আগ্রে শংসা क्रमण होत मध्य (यात धार \* (7) ভিৰ্ণাল্ড পালেড 👫 🎷 এ মিধা। বাচেল

ার আহলান গাঁহ,

স্থাট আবিও মাজে, লিখেচা, তে

4 - WE C

ोम १ । इस्ट हर्द

আমার দেব রেগ্যে জালাছি --

#### आभाग असम गाउत

थान भागामन क नात्रामत अक হুইতে রাজিতা হ'ন' দ্ব 'ন্তাট ন্টাম্থে दर्भविधास द तित कता व्हेंग्राफ द्यः 難:夏津 部门 印 印刷 测闭机体 西铁 হিষ্যা প্ৰাক্তিক প্ৰাক্তিক প্ৰাক্তি वह का कार्यान्य

## শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

### খোলা হইয়াছে।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অতি যভের সহিত শিক্ষা প্রদান করিহেছেন। বিদেশী ছাত্রগুৰের জন্য বিনা বাহে স্থন্যর বাসস্থানের বন্দোবস্ত হইয়াছে। স্থান অতীব স্বাস্থাকর।

> সবিস্তার সংগাদের জন্ম নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। সেকেটারী, ভাকুর ভত্তিবিনাদ ইন্টিটিউট্ জীতে একমস, পোঃ জীমায়াপুর, নদীয়া।

### —৫১ বৎসরের প্রতিষ্ঠিত—

উমধালয়ে এন্তত বঢ়ীকা চাবা শুক্রভারণা, সপ্রালয়, কেটিকাঠিল, অস্ত্রীণ, ধ্বপ্রভঙ্গ প্রস্তৃতি কত লোগাঁর লোগ নিরামধ হটচাতে ভাগা প্রকাশ করিলে বড় বড় গুল্কক र होता शहर ।

#### रेंड।

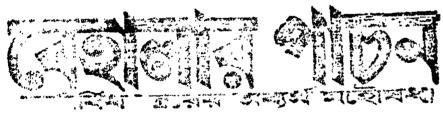
সক্ষ্য প্রত্যুক্ত ব্যবহার চলে ও স্থান ফল প্রবান করিবা থাকে: প্রতি (कोडेंग्र ३२डी बडीका शास्त्र ।

#### কেবলমাত্র

ক্রতি কৌটার মূল। ১<sub>২ ।</sub>এক টাকা। ইলার নাম 'আচ**ন্ধনিগ্রহ** বটীকা।

काराय अवस्पद्र जिल्लिकांद्र क्षण भव किया गई भाईस्वन লাগিলা :-আভঞ্নিতাই উন্থালিই २५६ मर वह श्रष्टांद्र क्षित्रे, क्षिकाटा ।

## কবিরাজ শশিভ্যণ কবিকপ্ঠাভরণের



মকংখলের শ্ববিধার কান্ত ৬ আঃ শিশিতে ঘণীভূত অবতার চোটবো গলের প্রমণ্রি উন্ধ ডাকে পাঠান হয়, ইহাতে উহণেৎ কোন প্রিক্তন করা হয় নাই। মুগ্য প্রতি বিশ্ব : । আনে , পাটেট রার/ । আনা, বোরল ১র/। আনা।

অফিস-১১নং উল্ভান্তাঞা রোড, পোঃ শামবাকার, লং লৈকাকা

বটকায় কর ও বাস্তুবিকার, ইল্লিছপ্রচর প্রাণ্ काराय अक्नीक, वार्क्षक, वार्याया, वृष्य वस् কড়ানি অনিলা **গড়ভি লক**ণ সভা নিশ্বে कारवाता वत । चन, बीवी, स्वया बांच कविराह श्चविकीय हैमिक। पुत्रा ४० वृद्धि ३८ अ.क.हेम्स

यन्। पूरमकाषाति ए छ" পুরুষদ্ধনি তে বে বাছলযোগ করা আবোগ ofas: पश्चिमणाङ्ग करङ। युक्ता व रकामा ३, ४१४० : "রমণবিলালিনী বটিকা" বীৰ)গামণ করক সভোলনকি ছারী ও বৃদ্ধি করিছে साक्षात्क्रका । सून्या ३० वही ३८ अन हाता । রহান্ত লাক্সাক্সপজী, কেলবজী 🗝 ১৭৭নং **ভারিসন রোড**, কলিকারো। <sup>1</sup>

## হাইডোসিল

## কোষর্দ্ধি রোগ

काः दम, दम्, धाम विना कास्त्र, मानक्रीतरमञ्ज आजानि मित्रा देवशास्त्रक शल्कातः दकाववृद्धि (व्रात्र सादवात्र) क्षा भारकत ।

> ঠিকালা--эь सर क**ंग डी**ंग, बख्वाणांत्र, #19#131 l

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

#### প্ৰব্য দিশে সম্পূৰ্ণ আরোগ্য

বোণী দেখাইতে এটবে। অতিম পাথের পরচ (যাওয়া ওবং খাদার) भार्राहेट्य शिक्षा दशकी दशका क्या व्यवसा अवादन व्यामितम दशकी दशका 'छेपथ-(म 6वा क्य **भारताशा मा क्यम नगरत ना**विद्यमिक मिटक कारव ना । গ্ৰীৰ বোলীদের খঞ্চ ধহন করিলা ভিকিৎসা করা হয়। বিভাবিত িৰমণের অঞ্চ অবিনার ডাক টিকেট সভ নিম ঠিকানার অভ্নত্তান **3** 3 3 2 1

প্র্যাপত তীপচন্দ্র উকীৰ, যক্ষা-চিকিৎসক, পো: নৈকাঠা, বাংলাল। অখণা নিম ঠিকানার সাক্ষাৎ করিয়া বিস্তারিত কানিতে পারেন। প্রীযুত রামশোপাল দত্ত এম্, ৩, ক্লফনগর, মধীয়া। ইঃযুত ভবিপদ शिरण, २२५, ८वर्षिशाटवेरणा क्षेष्ठि, शविद्याणा, कालकाका ।

একখানি পত্র! অ মার জাতুপুর গত হয় মাস বাবং রাজ যুদ্ধার ভূগিয়া মৃত্পায় ভাষাচিত, কালকাভার বিজ্ঞ চিতিৎসক্পূল ভাগার ভীবনের আশা ভাগ করিলা শেষ মৃত্যুক্তর জল্প অংশকা করিছেছিলেন এই সময় খ্রীযুক্ত কি শীশচন্দ্র উকিল মতালয় মাত্র ১০ লিন ! কিংসা করির সম্পূর্ণ আরেগ্য করিয়া পিয়াছেল। (সাঃ) জীয় নীক্স কিশোর बारा ८) ধুনী ( অানধাৰ খালিয়া ) হুগু দ্বীট্, নিউ বিভিন্ন - করপেচেরশন कि है: कि या है। अन्ते, कविकास्य ।

## শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

भोताक 88%

মাত্র ১/১০ ভাকটিকেট পাঠাইলেই বুকপোটে পাঠান কয়

মানেজার-গ্রন্থবিভাগ ब्धिटेल्डक्ययर, त्याः श्रीभादाश्वतः समीवा।

কেন প্রাহকগল

এত প্রশংসা করেন

-<del>-</del>

তথানে যাবতীয় ভাপার কার্যা---दशकात र फिर, दश्यमा, कनम, चाम, कमिमाबी ८६ क, निम खाक्किक वसुम, विशाहक निम्ञान भव, कार्फ, विवाहक शक्क वसून.

আর ৩ বং ও ৪ সংযোর ভাফটোন ক্লকট বলুন, সকল ভাগ্যট অভি শীল্ল ডা॰ হর, অপ্র চাগাইবার গরচ বাছার অপেক্ষা ফুল্ছ।

व्यापन्ति विष्ट्र कार्यात कार्या थाकिटन मिम्नठी कार्यात व्यानाहरणहे एव भारेरवस । মানেলা•–গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়াৰ্কস

४८०।२ मर भागात मावकृतात Colb. कृतिकाछ।।

### শ্রীল প্রভূপাদের বক্তভবিদী এখন ও বিভীয় খণ্ড

उनिकृतात अभिनत्रकिनिकाच महत्रकी लागामी महाहाटचत्र लाहे व्यविष्ठः विश्वः विनी जीवाञ्च प्रकार विश्व है कि कार्या कि विश्व विष्य विश्व विश्य देवक्षत्रिक्षास्त बक्षतानात दलोस स्मान-नवक व्यक्तिक व व्यक्तिक विकासमञ्ज्ञ ।

ভিক্ষা একলে ১৮০ আনা মাল।



यक्तं स

২২ পুরুষোত্তম গৌরাক্ষ ৪৪৫, ২৩নে আবাঢ় নঙ্গাক্ষ ১৩৩৮, ৮ জুলাই ইং ১৯৩১ বুলনার

১০৭তম সংখ্যা

## আগিত্বের ধারণা

'মাওয়' বালতে জনেকে জনেক রক্ষ वृत्यम । ८०० मध्यस्य प्रवासक्टकर भाष्ट्रम বালেন, কেচ বা মান্তবোর কল্পানেত মনকেই 'सक्षिम' र'वाना भटन करत्व । काशा । अर्ड ক্ষানেই এক স্থুলানেই ইউডে আগর স্থানেই গ্ৰনাগ্ৰন কৰে; অনেকেই সেই সুন্ধান্তনীৰ भःताम अध्यम्। ८क्ट सा छहे हुन-रुषारमञ्ज्ञा कामिकातारक के 'मासूब' विभाग कारनेन । ज्या महित्यत्र प्रभागम, शक्ता क्रमाम्यः विकासित क्रमाम्यः । अत्राम्यः भव সুলাদের প্রক্ষার ভিন্ন ক্ষানেরও माना शकात । विश्व अपे ८४६४४ गाँधत. (महे चचाधिकातीत शतिहत ना स्नानहा **८क्रमण वर्दमान (मरहत्रहे भतिहत्त्र करनरक्रे** পরিচিত্ত কইকে চান।

महीदत्त्व भयां **७ मत्नव भया**— किंव किंव। আবার, দেহ ও মনের মাণিকের বা মাপ্রবের দক্ষ-ভাতা হটতে পুথক। জ ভির धर्म, बरमारकं, लात्निक धम्म व्यक्ति के छत्त्वराचात्र महिक का प्रभाषात्र ममबग्र व्यार्थना জগতে বিষম জন্মণ উপস্থিত করাব। যাহারা बाहिरतत कथा महेता निरमत भतिहत पिट्ड बाख, ভाशासत्र महिङ वर्गशर्मात्र निधातरसम व्याद्ध ।

ष्यद्धांकरसम् ८मनाभयां है---- भद्रमध्य । याहात्रा प्राथाकक-टमराविकड, डाहामिशस्क्हे 📒 লোকে 'আধক্ষিক' বলে। দেহারামি সম্প্রদায় आधाकिक विठात अत्रभूत रहेगा अधाकक-সেবাগ নিভানঞ্চিত। বহিজ্ঞাণ বাতীত ভাঁহারা আর কিছুই বুঝিতে পারেন না।

ক্ষাত্ৰ জগতের পরিচঃল(ভাডাঃচান্য পকে मेखन्ति कर मा । किल्लिड अंटनीक्रम मानरसन বশ্বস্তী হয়ীলা ভাগালো যে মামা সা, ভাহার স্থিত প্ৰম্থি লাব্ৰুৰ বিব্ৰুত্তৰ আনুত্ৰ ।

প্রথাকর্মী প্রভাক্তান বাভার গনা কেনি প্রকাশ প্রমাণের ব্যোভগতে ইছে করেন না ৷ অনিবৈ, ভালাদিকে কাবা-किक निर्देशक छोड़ात्त्र अवका कता दर विणिया कै। बात: अधिमान कारम । है। शहा আপনানি কে 'আন্যাক্ষক' ব্যবিষ্ঠা প্রতিষ্ঠিত কাশ্যা গৌরবা'র১ হন। কিন্তু অপরে ৰাথাৰিণকে 'আল্লাফিক' বলিয়ে ভণন্থ শাব্ধমণে আড়ুতি ব্জমনেন ক্ৰিবাৰ <sup>তত বৰণ "হাধাজিক" নামে আভিহিত</sup> ে তক প্রানিকুণ ববি এই মনে কবেন।

च्चानक्षण १ वतः भारत्मभणः कारमम ८२. ্রাধর পরতার্ম--- অধ্যেক্তের সেবা। াাাক্ষিকগণ টেই অনোক্ষা-বস্তুকেই অতের ইতিহাসে আবদ্ধ রাখিব ভাষ্মপুরাণ, ভাষসভন প্রাভৃতির শেশকগণের আফুগতা কৰিতে গিয়া আশাক্ষিক বিচাৰ বাতীত অনা কোন কথায় তাবির ফইতে ইচচা करतम ना। नकास्त्रामा अपन তাড়িত হইয়া জীবগণ আধাক্ষিকতা 'অব**লম্বনপুমিক অধ্যেকঞ্চ-**সেবা বিমুখ হন। **ज्यन (तम, कांग, भाग-- मगरश्रत भर**गार्ट ভাহাদের পরতবালোচনা আবদ্ধ टमक्रण बारगाहना डीकारमत हे सिराडर्गन ৰাহীত অনা কোন প্ৰকান প্ৰীতি দাধন করিতে সমর্থ হয় না। ইক্সিয়তোধণাপী ছঙায় ইব্রিকজান তাহাদিগকে রোজন-তাঁহারা অভিবৃত্তিজ্ঞগতের সংবাদ রাথেন না ভাষস-বিচারবমূহে প্রমন্ত করাইলা আমদ্- সিদ্ধ নহে। এ'বিষয়ে ভূবি ভূবি ভূবি

কিরুপ স্বরূপ, আন না বৃথিয়া বছাছমো । ক্লিফের স্বায় ভূখ ও শোক জীবনেকের আবোচা বিন্যু হয়। রাজ্য ভাষ্য শাস্ত্র রক্ষানন্দ অপ্রকাশ হওরে জীবের ভাষ্য সাম্ভলাপ্তের ভুষা মনে করিয়া ভাষারা শোককে স্বপ্তভাবে অলুভ করিয়া আনন্দা-মধোক্ষত্ব-স্বাহকর স্থান্ত ক্লান্ন ক্রিডে কাবে প্রকাশিত ক্রিয়া গাবেকন ে অভএব আর্ভ হন। ইতিহাস ও রূপক বিচাব। শাসে জীপে গড়গদ ও একোর অরপড়া 'ক্ষেক ব্যবহা উল্লেখিকে বিপ্রথানি ন্দেব বিধান্তেওু সহটা জ্যালয়র'পদ্ধানা । कताहरा एट (५) क्रय हमाधान इट्रेट हित-া এর জনা অনংগ্রাভিত করে।

কম্মকান্ডনিপুণভাত ধন্ম-অগ-কানিকার্ডা व् कृष्ट् व्यथन। कानका उनिभून नाय मान्नकामा 更更到 (公称《明代本 (對《明明、题[日本]本] মুমুকু অধ্যোক্ষরভার সেব। বা ধারণা করিছে 'अगभय । कथा का उरेमभूगा अवता छ।। का छ। কুশলতা কথনও ভারাদিগকে খানছনিব স্বরূপ বুঝিতে দেব নী। যাহাদেশ নানাসক ठाक्षमा विश्वकारक साञ्च, डाहारनय स्कान অবকাৰে শুদ্ধভক্তির ফুণ্মপথে চলিবাৰ ক্ষতা নাই। অধেক্ষের দেবকং ৭৯ ভজিপথের প্রথিক, কন্তরা; উচ্চাদের ক্রিয়ায়ুদা চঞ্চামনা জনগণের অধিকাণের **শন্তভূতি নহে। 'মানুধ' নামে** প্ৰিচ্যা দিং। नानाक्षकात मह्याति व्यक्ति शाकाय व्यक्तिस আমরা দেখিয়া থাকি, কিন্ধ প্রকৃত মান্য ভগবন্তুজন পরিভাগেন। করিয়া ভক্তিগথেরই प्रविक शास्त्रन ।

### েদ স্তাসিকান্ত সমাস্থাত ( )

১। জীব আনন্দমগু হুইডে পারে না. ভীব বিকারী বলিরা ভাহার আনন্দময়ত্ব আপ্রা স্কু হইতে স্কুতর, তাহা হইতে ভাগ্যত বুঝিতে দের না। বিভন্ধ সংক্ষে ছতিপ্রমাণ বর্তমান। ভন্মছে: দিত এমি

अपनत मध्ड मामा अधामके कौशामित । উल्ल आतिल हा तिखान कतिहा शाट्•, किह

ব্যালৰ কথন জনভাৰ হুইছে পাৰে না। জার অভিনৰ অনীন, লক্ষা ধার্ণতীত গ জাবেৰ মাৰ্মিক হইৰণে সম্ভাৰনা থাকিলেও हार। माञ्चन नसम्माः अत्राख्यान हात्राम

গ্রাস্থ্য স্কুর্ণের मुख्यारका। क्षेत्र डा.भाग (भगामरूल्यान জাসিয় আনন্দ উপত্রোগ করেন মাত্র।

২। উচ্যাবস্থ জীব প্রস্থাপ্রাচ্য इक्री ७ शास्त्र भा, कान अभागमापि व्यवस्था রঞ্জের স্থিতি স্থাপ্ত হইলে স্মুদ্র-স্থিতিত ন্ত্ৰীয় ক্ষায় প্ৰাকৃত নাম রূপ ខ្សាត្តទៅក្រា ទ ভাহার শ্রুতিসিদ্ধ বাস্তব সাম্প্রে লোগ হয় না। শাস্ত্রে জীব ব রক্ষেণ ভারতভার কলিত হয় নাই। সাগ্র কণা কপন্ত মৃতিমান বৃহদ্যিৰ স্থাকক रहेर भारत मा। अधिकना अधिकन पाना অবেত হইনা পাকে, কিন্তু প্রজ্ঞানিত বুরুদ্ধি श्वका विश्व मन्न कोवाड अगर्य इंडेग्रा शहक । মায়াগীন ও মা গোল ছাবে ও ব্ৰঞ্জে ছাত্ৰপতঃ ष्ट्राट प्रदेश प्राप्त ना । शीव (महे **आनम** -মণ এক ১ইতে খানন লাভ করিয়া কডার্থ इन, हेट। देवदिनीत छेशनियाम कथिक कहे । ए यां या अपन स्थाप আন্তিভ হন, সেই অগ্ডানক্ষ্য ভ্ৰের সহিত জীবেন তুসনা করিতে উদ্মন্ত বাজীত স্থার কে গ্রেয়াগী হইবে ১ 🥬

কনকের

ভেদোরেথ হেতৃ সেই প্রমায়া শীব হুইতে ভিন্ত । যিনি আদিতামওলে বাস করিলেও আদিতোর স্টিক্টা, সেই স্বায়ন্ত্র্যামী এলমায়পুর্ব শীবের মন আপ প্রভাতকে শাক্তপ্রভাবে প্রিচালিও করিল থাকেন। অত্ঞব ভিনি শী ১ইতে সক্ষেতাভাবে ভিন্ত।

৩। সমস্ত বস্তুই 'আকশি হইছে উংপত্তি লাভ করিয়াছে এবং পবিণামে আকাশেই লয় পাইবে। সেই আকাশ জাবার একা হইডে উত্তত এবং প্রালয়ে दक्ष कात्रगावष्टाय भीन इहेश शास्त्र। এই করেণে উপনিষ্ধ প্রভৃতি শাস্পক্ষ শ্বধণজিমান প্রয়ন্ত্রকেই জগতের এক-ম্ব্র কারণকংগ নিদেশ করিলছেন। তিনি সকল বস্থা কারণ বলিয়া তাঁচাকে कहा ६३ शहर প্রোপ-শক্ষে অজকটি বৃত্তিতে প্রাণ-শব্দে যায়্বিকার বুড়াইলেও শবেন मुक्कल्य शहतुः हर इ 'প্রাণ' শ্রের গ্রেপ্রক্ষকেই ব্রাং । বিশ্ব ভ্রন্ধাণ্ড--ব্রান্ধের একপাদ বিভাগে। বৈক্ত. **रमारमाक, मन्द्रीय-भागापुत काञ्चीट विभाग** ধ্যসমূচ বিপ্ল বিভৃতির অভারতে প্রতিষ্ঠিত বলিয়া ছোলিয়ে শান্ত প্রতি চরা-**५ तथा । भर्यभाकरे नका कारा।** 

৪ । গাংলী বক্ষের সাদ্ধা ভাবে নিশিষ্ট হওষায় এবং গাংশতামালে বাকে চিন্তার্পণের উপদেশ থাকার গ্যামী একোর ति इति, हेटा खालिए व व्हेटलाइ । शा की ত্রক্রণে অণ্ডীণ হইলেও তিনি একেল शास्त्राथरम् असम् करात उक्तकः। भारती নামনামীর অভেদ্য হেতু একোরই নিভ বলিতা কৰিতে ভইবে। অমেবা মাধাৰ কৰলে কণলৈত হটয়। বিতীণাভিনিবেশ বশতং ঘটপটাৰি বস্তমুখ্ এক হঠতে শ্তৰ আহিছ্যাল ধাল্যা মনে করি, সাধুওঞ কুপার ঋণিত। তিরোহিত হইলে বস্তুমাত্রে ব্রমান্ত্রা পার্ন্তি গাইবে, ভগন রক্ষেত্র বস্ত্র-अध्यक्षक अन्य सर्वे स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र के त्रश्च तित्रा वृत्तिरङ शानां शाई८५। शाध्री সাধক্ষে ভগত ও রক্ষের অভিন্তাভেল-**७।३।१५**त **८चम-मध**क तुश्किया অবয়ৰ স্থাপনপূত্ৰক সচিচ্চান্সময় অপ্ৰাক্তি গুণাগুণবিশিষ্ট নিও গ এক্সকেই নিদেশ করত তাঁহাতেই চিন্তার্পাণের উপদেশ করেন।

### ক্রুকের ভারে মাধ্রের সেবা

( > )

ক্রন্তির সোণালী নেলা কে না ভাজ-বাসে তকর কনক্তিবল সম্পাতে ভোত্ত ক. া অন্তবদেশ হাজ্যেক্র বহুল ১৯ : আনন্দের সময়-চিল্লোল বহুলে ক্ষানে। মোহিনী অংশা ভোগার্ম্ব

মনের গারে উকি দিয়া কতই সুগমন্ত্রীর রাগিনী আলাপ করে। কামনাযাহকরীর মোহন করশর্ল বেন সহসা অতীত হঃথবেদনার অমানিশা অপসারিত করিয়া নবারুণরাসদীপ্র কলাণী উবার শুভ আগমনী ঘোশণা করিতে থাকে। কাকনই শুদু কনক নহে; কনকের ব্যাপক অর্থে গন, বিভ, রাজা, সম্পদ্ধ, ইত্যাদি প্রকাশ করে।

লালসাণিষ্ট মান্ব এই

অকিবলী শক্তিতে এতই মুগ্ধ যে, ইহার

লোভে প্রায়ই হিভাহিতজ্ঞান লুপ্ত ইয়া এতথিষয়ে ইতিহাসে বহুচিত্র অকিত রহিলছে। ধনাদক্তি মন্ত্রণ্যকে হিংল্ল গণ্ডর অপেকাও মুণা, অসভা বকার ভাতির অপেকা হীন এবং নিদ্যভায় ন্যভোজী রাক্ষর্কা স্বভাব প্রদান করে। জ্ঞান-श्रिमाध मकारमधे क्वेशां ७ काक्षमशास्त्रित উন্মাদনায় এনেন কোনও অসাধ্য বা ভয়া वर कथ नारे, गार्श मानव ना कविशास्त्र । কন্তের এগ্রীপু করে ১৬জান হর্ট্যা মানুষ গুংস্থালীর শাহিপুর্ণ, আকাল্লিড বিশান্ত্রজ্রণ সূপের সংসারে এশ ছির काणाधि भगारेश (मग, मार्भरी भाषी श्रीत श्रीति-বন্ধন উপেক। করিনা অণ্ডী বারবনিভাব পদে আত্মসমর্পুণ করে. বাদকাঞ্জ জনকের বিমল্পেরেডের প্রতিদানে টাঁচাকে অন্নকার কারাককে নিরাসিত করিনা ८५/गंश्रीप काश्रामत जानामना करतः। স্বৰ্ণাকবিটিনী ভাৰতভূমি অতুল সম্পংশাহিনী বাদাই না অভিডেমুগে কাছ শঙবার বোলী দস্তাগ্ৰের শামকল্বিত হতে নিপীড়িত হটগাছে। অনুৰ্যপ্ৰাণ কনক ভড়ালহে আহ্ববুদ্ধিকারী মারাদাসগণের ভোগ বাসনার স্থান্ডেঃ উপকরণ। হবিদান্তবিশ্বত टांशीक्त करङ्खिराङ**र्पगरकडे कॅ**रिस्स একমান্ত কতা ধৰিব। ভালে। क । । প্রপীড়িত ইঞ্চিয়সমূহের তেপি সম্পাদনেই ভালাদের সমূল্য চেষ্টা ; ভাই কাঞ্চন সংগ্রহে স্কলেরট অসম। উৎস্থ ল্পিড হয়। আত্মবিশ্বত মাণাদাসগণ কড়ভোগ এবং ট্র ছডভোগেবই কপান্তবিত পবিবর্ত্তন ফরতাগে—সময় চাত্যান্দ্রী মাণ্ডেনীর এবস্থিধ প্রবঞ্চনার বছনাননেই অনাদিকাল যাবং অভ্যক্ত। বন্ধজীবের যথন একমাত্র <u>ट्याका जीमाध्यत अतामक्कीय निवत्धीं</u> নিজে ভোগ করিবার অসৎ কামনা উদিত হয়, তথন্ট সে কনকাদি যাবভীয় হরি-(मर्वाभकत्रवारक काचार्छामरनत दशक्राम वर्गम करहा। সেবা বস্তুর উপর ব্যন্ ভোক্তপুৰবাছিমান জন্ম, তথন ভোগ-यामनानरमतः २५नर अत ভার্য ভানপের व्यक्तिकार्थ (२२) (१३)

## বৈষ্ণকের দ্য়া

( আচার্য্য শ্রীপাদ রাধাচরণ গোস্বামী ভক্তিশারী ভক্তিরত্ব )

আমরা ইছসংসারে যত প্রকার দয়া **८मिटिक भारे, क्यार्या दिकादित मधात** दिशिक्षा आह्य। देवकद्वत मना अभीम উহা সীমানদ্ধ বা দেশকালপাত্তে আনদ महरू। देवकव काजिवनीमिकात्मस बाहु छान আপানরে দয় বিররণ করিল দয়ার भगानित প्राकाश अम्मेन करतन्। এক্ষাণ্ডে যে কোন ভাগাবান ব্যক্তি বৈঞ্চবের দলার লেশ মাত্র উপক্রিক করিছে পাবেন, তিনি ভদিতৰ কণ্ডসূব মাগমিশিত দ্ধার कर्क डिनमाक ९ नांनाप्तिंड नत्कन । देनकाद्यत দয়রে মহিমা অন্তর্ত করা অভিশয় ভুরাহ राक्षित ্রকমার বৈষ্ণবের দণ ভিন্ন বৈদ্যবের দয়ার গুরুত্ব অঞ্চল্ডির নিষয় হয় না। ভাহার প্রমাণ আমরা ইতিহাসে ও বস্তুমান লোকচবিতে গণেইই পাইয়া থাকি।

श्रीम इतिहास है कित एथन स्थाननास्क কাতৃক কারাগারে নিকিপ্ত হন, তথন काराज्यस्तत्र अन्यामा करम्प्रभारत्व माता অভাগিত হটায় অশোধান করিলা বাল্যা ছিলেন, "থাক ভোষৰা এখন অছেহ ट्रांबन ! " क्रांकिशन चीन इतिमामहाकृतिन रतिष्ठित को किया निष्ठत तारका सब्दे क्वेराड না পরিধা মনে মনে বড় ভথে পইনা ছিলেন। তথন খাং হবিদান একেব কথা कतिया नृष्याहेला भिटलम ८ए, "अथम ८७।भव। কালাগাৰে থাকিয়া জ্লালিভিসেশন অন্নয়ে কাশ্যে মনোনিবেশ করিছে পারিছেছ ম।। ব্যানে আবন্ধ না গাকিলো এতিদিনে আরও त्र अभाग क्या क्तिम है योजन क्रिन्ति যোগতে। আত হটত। এখন , যমন আহি: জ স্বভার শাস্ত হর্ষা বিপদে বিপদভঙ্গ মধুওদনের কথা শ্ববণ কল, এই প্রাকার किउन्ने दिश्म करभूषशांगारम् त श्रातं ५ शांक, हेशहे आगान जानीकारतय छ। २०११।।

আ্যাদিগের যে বছরে আডাদিক আদক্তি হয় এগাং যে বছর মাংকিটাকে ভগবদ্বিছতি উপস্থিত হয়, পরম করণাময় ভগবান সেই বস্তুটা আমাদিগের ভোগের সীমা অভিক্রাস্ত করিয়া ভ্যনতে রাপেন; ভদভীইসাধক বৈক্ষবগণ শ্রীভগবংকার্যোর অন্তমাদন করিয়া বলিয়া 'পাকেন,—"রুক্ষ রূপাময়, তার জীবের অভ্যাসক্রির বস্তুর অভাব ঘটাইয়া ভারার শ্রীপাদপদ্মন্ত্রির সাহায় করিয়াছেন।" বাকাটী জাগতিক বিচারে অভিশয় অপ্রিয় হইলেও অভি সভা কপা, কিন্তু দৈবী মায়া আমাদিগকে উহা একেবারেই বুঝিবার অনকাশ দেয় না।

আমাদের বিবেচনায় ইহা কি প্রকার বিচার ? এত ভালবাসার স্থী, পুত্র, বন্ধু, বিয়োগ ঘটিল, এত প্রাণ্টালা পরিশ্রদের

অৰ্থ কৰা হইল, এত কঠাজিত প্ৰতিঠা থর্ক হইল, ভবুও ঘাঁহায়া বলেন, "মঞ্চলের बना व्हेग्रास्ट, वेहा क्रस्कव कुला।" अमन কৃষ্ণ আমরা চাই না, এমন কৃষ্ণভক্তেব কথাও আমরাও সানি না। যাঁছারা পর-ছ:খে ছ:খী, স্থথে স্থণী নছেন, ডিনি আবার কি প্রকার ভগবান, আর তাঁহারাই বা কি প্রকার ভগবন্তক ? যে অভক আমাদের স্থীপুত্রবিয়োগের সমর, বিপদ আপদের সময় আমাদেরই শ্যাপার্থে উপবিষ্ট থাকিলা আমাদের সূরে ক্লর মিশাটয়া রোদন করেন না, ভাছাদের খানার দহার পরিচয় কোথায় ৮ এই প্রকার দশট আমরা চিরকাল চাই, নেজনা এফেন অকিঞ্চিৎকর দয়ার লালসা হইতে নিক্ষতি লাভ ঘটতেছে না

অন্যর। অব্যক্তমান্তর ভরিগা আমাদের
মনোমত দরা তিকা করিতে থাকিলেও
এবং প্রার্থনাতীত দরার ভরপুর হইলেও
আমাদিগের আতান্তিক ছাপের কিছুমাত্র
লাঘর হইবে না। কারণ, এসংসারে 'স্থণ'
বলিতে বাওব কোন বস্তই নাই, যাতা
সংসারিগণ অগরের ছাপ্রেচাচনে বার করিণা
যথাও দরার প্রিচ্ছ দিতে পারেন গু আমরা
প্রত্যেক বাকিই—ছোট, বড়, ধনী, নির্দান
রাজা, পণ্ডিত, মুর্থ, কুলীন, কুলাইন,
সকলেই অভাবগ্রন্ত ছাথী, দরার ভিগারী।
সভবাং 'দর্ম' বলিতে কোন বাস্তর বস্তু
সাংসারিকগণের নিকট থাকিতে গারে না।

ইচ অগতে ছই চারিটা সম্বেদনার डेमांदत्रन मिल्न वटि ध्ववः छाडा लाठे কবিদান্ত ভনিহা অনেকেরই চুই দারি ফোটা নেত্ৰণাপা নিগতিও হয় বটে, কিছ এট প্রকাব সামন্ত্রিক চিত্তবিক্ষেপের উত্তপ্ত নয়ননীরে এদবের মলিনভা বিদৌত হয় না উহা করিও ৬ থের সামরিক বিভাম মাত্র, পর্ভবেক্তিগভা নছে, কিন্তু মাগ্র ওল্ট গাল্ট এপীঠ ওপীঠ কারসাঞ্জি মান। আমরা সায়ার প্রায়েচনাকে। দর্গা বলিয়া গ্রহণ করিতে যতই প্রধাবিত হই না কেন, বাশ্তৰ দলা ভাষা হইতে বহুদুরে অবস্থিত। আসরা বাস্তব দয়া লাভে বঞ্চিত থাকিয়া ক্ষমমরণাদি সংক্রেশে क्रिंडे इंटेरडिছ। এই मक्न क्रिन निक्रा-করণার্থ অমন্দোদরা দয়ার মুর্ত বিতাহ প্রী ওরুদের মন্ত্যধামে বৈষ্ণবরূপে অবতীর্ণ হন। তাঁহার জীবে দয়া বিভরণ বাজীভ ছিতীয় কাৰ্যা নাই। তিনি শাগতিক বাবতীয় দয়ার আবরণযুক্ত নিষ্ঠরতা অপনোদন করিয়া অমন্দোদয়-দয়া বিভরণ করিয়া পাকেন। আমরা যদি তাহার প্রত্যেকটা কাৰ্য্যই আমাদের কল্যাণাৰ্থ বলিয়া গ্ৰহণ করিতে পারিতাম, ভবেই বুঝিভাম বে, "दिक्षाद्वत महाहे" वाक्रव मन्ना ।

## গ্রন্থ পরিচয়

### **শ্রীমন্তাগবতম**

শ্ৰীমন্মহৰি ক্ষাবৈপানন বেদব্যাস-প্ৰাণীত মূল, শ্ৰীমন-মধ্বাচাৰ্য্য-ক্লডা ভাৎপৰ্য্য-নিৰ্ণয়টীকা; শ্ৰীমদবিশ্বনাথ চক্ৰবন্ত্ৰী ठेक्ट्रिक मात्रार्थनिया हिला, बनाष्ट्रवान, भःक्रल कानव छ সেই ক্ষের প্রতিপায় কথাসার, অণ্যায়ের প্রণমে ঐ অধ্যায়ের সার্গছ ছবিক্ত তাৎপর্যাদি নির্ভ। শোক সূচী বিষয়স্চী, অন্যায়বিবরণ, পাত ও স্থানস্চীসহ উভ্য কাগকে উত্তম অকরে মুদ্রিত। প্রথম হইতে ১০ম কর भगास हामा न्यूर्वकरम त्नम बहेग्रारह । जिल्ला खानम बहेर® तम अप भगाष २०।०/०; समम ४६ ३२०; I Joh Bra

#### **अधिरुख्युर्ग विश्वास्य "**

জীমন্তজিন ক্রিক্টাকুর-রচিত 'ক্রডপ্রবাহভাগা' ও শ্রীঞ্রমন্ত নিয়ান্ত সর্পতী গোরামী প্রভূপাদ গোলিত 'অফুড্রেয় জাতি-কুড়াদি বহু শালুজামাণ-স্থালিত হট্যা द्धार्यात्म क्षेत्राष्ट्रम । (झारकत्र मात्रत्राच्याचा। वश्वास्त्राम व গুতে।ক প্রারের পুরের সংক্ষিপ্ত অভিনেয় সংযোগিত। क्यापाक कागाव-कावास क्यामाव (म ear का का हि । त्साक, : গ্যার, শব্দ, স্থান, পাত্র প্রাকৃতির সূত্রণ প্রচী ও এগকারের বিস্তুত জীবনী সমস্ত্রিত এই রূপ আতৃতপুরু সংগ্রুণ ইতঃপুরে কুজালি প্রকাশিত হয় নাই। উভ্য কাগতে গারিপাটোর পৃতিত তুল কুজকরে মূলাংশ মুদ্রিত হইরাছে। এব প্রায় ১৫०० श्रृंहाय मुल्लाम् । किया वर्त्तमारन द, माळ ।

#### **এটেড ক্রডাগবড**

গ্রন্থকারের জীবনী, প্রতি পরিচ্ছেদের কথাদার, বিশ্বত ट्यों द्वीय कामा, मक्ट्डी, भग्नाबट्डी, विवय-छान भावापि সূচা, প্রভৃতি বিবিধ বিষয়-স্থাপিত বিরাট থিতীয় সংখ্যাপ ভবল ক্রাউন ৮ পেলী আকার। আদেশীশা ও মনোর কিমদংশ আশাশিত হইয়াছেন। জমে জমে প্রকাশিত হততেছেন। অগ্রিম ভিকা ে টাকা, আদি দীলার 1641 5, 1

#### **क्रिटेड क सम्म**

এই গ্রন্থের এরপ অভিনব হৃদ্র সংস্করণ আর কুত্রাপি व्यक्तिक वय नाहे। मध्यक श्राकारमञ्जूषम, वक्राञ्चाम, ভাষা, কৰাসায়, তথা প্ৰভৃতি সহ খণ্ডে ২ণ্ডে প্ৰকাশত হইয়াছেন। মূল মোটা অক্ষরে ডবল ক্রাউন আটপেলী বুহণাকারে ছাপা হইয়াছে। মূল্য ২॥• টাকা। নদীয়া প্রকাশ ও গৌড়ীবের গ্রাহকগণের শক্ষে ১॥॰ টাকা।

#### **এখন**গৰদগীতা

- শ্রীণৌড়ীর বৈশ্ববাচার্যা অপ্রাক্ত র্গিকচূড়ামণি **এই বিশ্বনাথ চক্রবিটিটাকুর গোখামিরতা সারা**থবনির্ণা টাৰাস্থেতা ও জীজীমন্তজিবিনে। প্ৰতিকৃত্ত প্ৰতিক রঞ্জন' নামক ভাষাভাষাকহিতা। অধ্যায়স্চী, মাতৃকাজমে (प्राय-प्रती,विश्व-प्रती,अष्कारतत्र कीवनी ६ व्यव्यत्तिकापि বছ-জাতব্যবিষয়-সহ উৎস্তু বাধাই ভৃতীয় সংখ্রণ---এই রাড मरसम्बद्धालम् जिल्हा २५ होत्ना माज, माधावः मरदम्य-- अ: हाका माज

## শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

ও বিক্ষপাদ এএমছকিসিছাখসর্ঘতী গোমানী মহারাজের দেই অবিজ্ঞা-বিধ্বংসিনী कीवाश्वयक्रालाशिमी क्रक-कार्कानममाग्रिमी कोवश्व-वार्गात्र भृक-विद्यार — देवभविमक्षा श्व-त्रक्षमानात (को क्षक्रमणि— मन्द्रामात्र रेवज्यविक्यामागारवय रमोशिक छ्या-- शकताब ७ छाग्यरख्य সমব্য গুরু---মহাজন-জীবনচরিত শিপ ক চি বিলাস্চিমারি-আতিশন্ধ, তথ্য ও বির্ভ্যাদিয়ক। আতি হলের আদিতে অচিয়াত্র-বিচারক—ঐর্য্য ও মাধুস্যরদের মৌলিক গবেষণার --- সথস্ক, অভিনেয় ও প্রয়োজন-তত্ত্বে নিজাপ্ত-সমূদ্র।

> ১। প্রথম অশু—বৈক্ষবদর্শন, নী ওরতার, কাল-ধর্ম, শ্রীমধ্বানিস্তাব, শ্রীবার্যভানবা, পাঞ্চরাতিকী দীক্ষা ও বর্ণ-বিচার, আয়াধ্যা ও মনোধ্যা, ইটিচভল্পের ও क्षांचात निका, व्यक्षाकृष्ठ महस्रमण ও व्याकृष्ठ मञ्जूनणे. প্রস্কৃতি বিংশতি সংখ্যক রয়ে স্থানোভিত। তিকা মাজ ৮০ বার স্থানা।

5। বিত্রীর অজ-ভদা ও বিদ্ধা ভবিদ, মন্ত্রের শ্রেষ্ট্র কোথায়, মারার নিভাবতি, শ্রীণর স্থামিপাদ ও মায়াবাদ, আঁগোর-নিত্যানক প্রসৃত্ধ, ভ্রিয়ণের ধর্ম ও ক্রফ-कीर्त्तन, श्रीत्रामिश्रकात्र श्रीमधाशनत्त्रत कीर्त्तन, श्रीत्रातन গামের মহিমা, মহাপ্রাদ, জ্রীগোবিক, জ্রীরপাত্বগভ্রন-পণ, জীমতী বুষভামুনন্দিনী, জীচৈ চল্লের দ্যা:, গৌবকরণা ও রুক্সকীতন--চতুদ্দশ অপুকা মধুরিমাপুণ-বঞ্জা-বিভূণিত। বু কালিতে মুদ্দিত, উত্তর্গণা সোনার জলে নাম শেখা। ভিকা ১, এক টাকা মাজ।

প্রেপম ও বিভীয়—ছই খণ্ড একতে শইলে ভিক্ষা ১৭০ দেছ টাকা, ডাক ৭৪৮ শ্বভন্ত।

#### **এমভগবদ্গীতা**

ভাগায় বিভাভ 'বিরদর্জন' নামক ভাষ্ণুক্ত। অব্যয়-প্রতি হোকের প্রথম 52.8 कृती, विशेषकती, शाम कर्ती, ভाषाकारतत कीवनी आकृति रहिन्छ। উংক্র বাল্ট, রাজসংখ্যন ( ছতীয় সংস্করণ ) এতের छिका २ हेरका।

#### **अध्यात्रज्ञानमी**

टीमक्लाप्त विद्यान्यन-ध्येनी उ देवकवनने म, मनक ९ গোনিস-ভাষাদি পড়িবার প্রথম এন্ধ ৷ উৎক্র কালিভে ছাপা। স্থবিত্ত টাকা ও গ্রেলবন্ধায়বাদ-দাহাদ্যে অভি সংক্ষে বাধকেরও বোধগমা হইয়া থাকে। ভিক্ষা ।৵• আনা মাত্র।

#### **बानवी भगमगर गाउ**

( প্রমাণ্থ ও ) সামুধাদ। স্রুতি-শুত্যাদি গ্রন্থে শ্রীনব-দ্বীপের যে মহিমা কীরিত আছে, লাকার মূল সংস্কৃত ও অনুবাদ। ভিকাত আনা।

#### <u>শ্রীশবদীপভাবতর স</u>

শ্রীঠাকুর ভজিবিনোদ শিধিত। স্বালত গাঁতাকারে পরিক্রমার স্তইব্যাদি-বিধয়ক। ভিক্ষা। আনা।

#### ভজিবতাকর ও নবছীপ পরিক্রমা

শ্রীল নরহরি চক্রবর্ত্তি-ঠাকুর-রচিত! ভক্তিরদ্বাকর হুইতে পরিক্রমাংশ মাত্র গৃহীত; জীজীব গোস্বামী কি প্রকারে শ্রমব্দীপধানের পরিজনা করিবাছিলেন, ভাহাই পত্তে বিবৃত। ভিক্ষা 🔊 আনা



শ্রী ভক্তিবিনোদ ঠাকুর-প্রণীত। শ্রীচৈতভোইধাতে भिणा खाना की - कुछ , कुछ मिक अ तम- नक अ मुक की व-ष्यित हो । एउम एउम ए ६ -- मांभम-भिन्य - **अर्थामन एव, कच**-का छ. जासगामित विहात-देवती छिक्ति, छावछि स (अम ङ किम) मागा-अम-अनानी 9 बहेकानीय नीना-পরিচয়াদি প্রথম শিক্ষার্থীর উপনেত্রী করিয়া সরল ভাষার সমুদ্র যুক্তিপ্রমাণ্যত লিখিত মাছে। চতুর্গ সংকরণ বাধা २, होको, कानाम ১५० हेकि मुख्

#### গৌড়ীয়কণ্ঠহার

क्रीहरी है य रेनम्बन्धरवंत अध्यक्त कर्ष धावनरगांगा ক্রতি প্রতি প্রাণ-পঞ্রাতাদি সাহত-শাসসমূহের প্রমাণাবলী বিষয়বিভাগায়মে সামুবাদ ওশ্চিত। এইরাপ বৈঞ্ব-সিদ্ধান্তের সারসমধ্য অভা কুরাপি প্রকাশিত হয় নাই। ইভাতে প্রকৃত্ত —ভাগবত—বৈক্ষর—গৌর—নিত্যানন্দ— অকৈত - ক্ষ্য-শক্তি-ভগবদুগ-ভীব - অচি স্থাভেদাভেদ ---জ[৬৻৸৸--সাসনভিজি---স্বাশ্ম--জাশ্রম-ধর্ম -- শুদ্ধশাদ — शिनाम — প্রয়োজন ও প্রমাণ-তর্মুগণ পুণক্ **অধ্যারে** প্রবৃহ২ শ্রোকাদি স্থতীসত উংক্রপ্ত এ**ন্টি**ক কাগ**লে বোজ** প্রস্ত প্রায় ৪০০ পৃষ্টায় সম্পূর্ণ। ভিক্ষা ২০ টাকা মাতা।

#### শ্ৰীনগৰীপ্ৰাম-গ্ৰন্থাৰানলী

লীমসভ্জিবিনেৰ হাবুৰ রচিত 'বামমাহাত্ম—শাম-মাধ্যেয়ার সাঞ্চাদ প্রমাণ থও --জীল নরহরিচক্রবর্ত্তী भोड़ीय-বৈক্ষবদার্শনিক-শেশর স্থী শীমন্বলনের বিজ্ঞা- । চাকুবের গাম-পরিক্রমাংশ-- এগাম নবর্গাপ পরিক্রমা--তীথ-ভূমণুক্ত ভাষা ও শ্রীমন্ত্র ক্রিনোদ হাকুবেরপ্রাল্প বন্ধ যাত্রা পদ্ধতি—ইনিং প্রবোধানশক্ত নব্দীপশতক্ষ্— শ্রমছ কিবিনেশ সক্রেব শ্রীনবর্নীণ ভারতরঙ্গ প্রভৃতি গ্রন্থ একত্র ভিকা দ আনা মাত্র।

#### শ্রীকরিনামামত ব্যাকরণ

শ্রীক্রীর শোলামী প্রভুপান-বির্নিত ক্র ও রুন্তি, ভংগতে ওবিফুল্দ উন্নছ্তি নিজার সরস্থতী পোস্বামী মহারাহের বিভূত ভূমিকা ও খটা প্রভৃতি সহ। অপ্রভ্যানিভভাবে ফুল্ল। ভিকা ২, টাকা, ছাত্রণবের পক্তে ১॥০ টাকা মাজ।

#### বেদান্তভ্রমার

শ্রীমলামামুকাচায়া-রচিত। বেধাস্থের বিশিষ্টাবৈত্রপাদ-প্রচারক স্থাভায় প্রণেতা আচার্যাপ্রাবর বেদাস্কদর্শন পার্চের উপযোগা করণাথ এই উভন করিয়াছেন। ইহাতে বঙ্গামুবাদ ও কুটাপত্রাদি সংযোজিত করা হইয়াছে নাম মাত্ৰ ভিকা॥• আনা।

#### ঞ্চিত্ৰচন্দ্ৰায়ত ও নবছীপশতক

পৌরপার্ষদ ভিদ্ভী ভীমং প্রবোধানল স্বস্থতী-প্রণীত মুল, প্রভূপাদ এমদ্ ভবিংশিদ্ধাও গরস্বতা গোসামী মহারাজ সম্পাধিত অন্বয়াগে ব্যাখন ও বসায়বাদ সম্বলিত। নবদীপশভ্ৰের উভিডেগ্রন্যেদ সাকুরের প্রায়ুবাদ ও ভৎসহ শ্রীমন্মরাপ্রানর একটা ভিনগরঞ্জিত অলোকিক চিত্র প্রাম্ভ চইয়াছে। মুদ্র ও কাগজ উৎক্রট (২ থানা একবে ) ভিক্ষা ৮০ আনা, অভি হ্রম্য বাধাই রাজসংখ্রপ ১ , টাকা মাত্র।



ক্রীমন্ত্রক্তিবিনার সাকুর-প্রেণ্ডি। এই একমান গ্রন্থ রারের জ্ঞান লাভ করিলে পরেমাথিক বানো কিছুতেই ক্ষান্তর্যাক পাকিবে না। পরমাপ্ত ক্ষানিব্যক এই-রুপাসরল ও স্বর্গনানী এই এপিয়াও প্রকাশিত হয় নাই। নিবিল্যাবাধ্যমি-শাল্প-মহোর্হি মহন্ত্রল প্রেট গ্রেছিত উলিভ ইইমাছেন। আবার প্রবিশ্বত প্রেট, ক্যাম্যাব ইডাালি ছারা বিশেষ সমুদ্ধ ক্রাইলেম্ট চাতুল মান্তর্যা লিক। নোনার কলে নাম লেগা, উংক্লাই বিশেষ চাতুল স্বান্তি

#### প্রেমনিবর্ত্ত

আমনহাপ্রেছর অন্তরঙ্গ পার্যর জীল জগলানন প্রাপ্ন বিরচিত। এই পুত্রকে অতি জগলোগা ভাষার মহাপ্রদ্ব কভিপর জীলাস্থ বৈঞ্চবাচার, একদেশা ও নমেডগল প্রথালী প্রস্কৃতি অনেক বৈন্দ্রভারের স্থামিথে দেখিতে পাইবেন। পাদ্টীকার ভর্ম স্থামের বিশ্বাম ও গ্রন্থকর্ত্তার পরিচয়াদি-সম্বলিভ চতুগ সংস্করণ ভিগা । ৮০ দশ কানা মাত্র।

#### क्षच्चर हुन

ভ্রমকাবীর নিতাস্থা; ঠাকুর ভক্তিবিনেদের অমুণ্য মনে; নিখিগ শালের নিধ্যাস। এথবানি নং দেখা প্যাপ্ত কেহু বৃদ্ধিতে পারিকেন না। তৃতীয় সংক্রম ভিক্ষা ৭০।

#### হরিনামচিত্তামণি

নামাচাধ্য শ্রীণ গরিদাদ ঠাকুরের মুখে শ্রীমন্মগান্তাড় জীনাম-মাধান্তা, নামাভাগ, নামাগেরাগ প্রকৃতি বিধ্যার বাবভীয় বিচার শ্রবণ করিয়াছিলেন। এই বিধ্যাওগির অভি সর্বা প্রারে সংক্ষিপ্ত মাশ্রম্থ পরিপাটিভাবে চুলিত। শ্রীণ ভিকিনিনাদ ঠাকুর-র্মিভ। প্রশাম সংগ্রব ভিমান্ত।

#### কল্যাপক্ষতক্ষ

শ্রীনমন্তি বিনোদ সংগ্রানর চিত। প্রত্যেক ভগবদবিশ্বাসী ও জানপালে প্রিকের একান্ত প্রয়োজনীয়
ভাবদোবলীপুর্য চল্ড। সামান্ত বেধাপড়া জানা
কোকেও এই ভল্জ গাতিসমূহের ছালা মন্থনির ছি
ও ভগবংসের। ০ কার্যার স্কালির পাইবেন। বছ
বিশ্বাস্থা, ভিশ্বাস্থান মাত্র।

#### শরণাগত্তি

জীমছজিবিনোদ ঠাকুর-রচিত। তগবানে খার্নমর্পন, বিজ্ঞানি, ভত্ননালনা, বজুবিধা শরণাগতি ও নিজি-লালনা বিষয়ক স্থাতিপুন, ভিকা ৴০ আনা মাজ।

#### भी अनिनी

শ্রীঠাকুর ভারিকবিনোদ-প্রাণীত নিত্য ভজন, আরাত্রিক ও প্রাণাদ-দেবনাধি-বিষয়ক মধুর গাঁতসমূহ এক্তরে গ্রপিত। ভিক্ষা ৴ আনা মাজ।

#### শ্ৰীসময়কল্পত্ৰস

রধিকে প্রকৃটনোলি শ্রীমছিখনাথ চক্রথতী ঠাকুর-বির্চিত রগগ্রধ। শ্রীমছক্রিবিনোদ ঠাকুরের অন্ত্রাদ-বহা ভিক্তা(• আনা নাত্র।

## श्रीमेनश्री;

শ্রীমন্মহাপ্রান্ধর শিক্ষা ও শ্রীপারগুনাথ দাস গোন্ধারীর প্রতি শ্রীকাপ গোন্ধারীর উপদেশনারী, ভক্তিপথের অফুকুল ও প্রতিকৃশ বিধয়ে হাবিচারিত সন্মোদন ভাষা, বিশ্বত বিরুতি, চারতামূতের প্রমাণ, সাম্বর ব্যাখ্যা ও মহাজন-প্রবিত হতগালোগা গাত্ত প্রত্যেক স্নোকের সহিত স্থিবেশিত হইয়াছে। এয় সংগ্রগ ভিন্ধা ১৮ জানা।

#### সাগন-কণ

শীরঘ্নাপ লাম গোসামীর মনংশিকা, শ্রীল সাকুব ভিজিবিনোদ-চরিত পঞ্চুব্দিস্থ। ভিজা ৴৽ শ্রানা ।

#### প্রেমভব্দিচ ব্রিকা

শ্রীণ সাকুর নরোওমের স্কর্পাদির প্রেম্ভরিপিব্যক পানের পুত্তক। ভিন্নাত আনা মত্ত্বে।

#### নবছীপশভক

শ্রীল স্কার ভিজিনিনোদ-রচিত শ্রীণ প্রবোধানন্দ সরস্বতীপাদের সংস্থাত নব্দীপশতকের স্থালিত প্রাম্বাদ। ডিকাস্ত মানা মাহ

#### অর্থপঞ্চক

প্রীল শোক্চাণার্ডিও। বৈক্ষরতাঝানের মাক্র পুরক্। ভিক্ষা, • খানামাত্র।

#### সদাচারস্বতি

্শীল মধ্বভোষ্য-প্রণীভ। বৈদ্যবের নিভাকক্ষাদি গুলাচার। বলী, বঙ্গান্তবলে সহিত্য । ভিক্ষা ৴ি আনা যাত্র।

#### মণিমঞ্জী

ক্ৰিকুলকেশরী শ্রীনন্ধার্যপাচাণা বভিত। শ্রীনন্ধ্র চাংগ্রেষ ক্ষিক্ষ কীবন্ধীলা ও মূল বৈক্ষবধ্যামত। সাঞ্চবদ ভিক্ষা। সানা মার।

#### (भोत्रकृ (स्थानत्र

প্রাচীন কবি জীগোবিদ দেব প্রাণ্ট শীগোরাবভারের প্রমাণাবনী-সংবলিত সংগ্রত হয়। ভিকা দ স্থানা।

#### युक्तिमञ्जिक। श्रमदेशीयक)

শ্রীমধ্বদশ্রপায়গত শ্রীমবাদিরাক স্বামিকত। বদাপরে বাহ্বদান এই প্রন্থের প্রকাশ পারমাধিক দাহিতা-হাগতে এই সর্প্রথম। শ্রীমন্ত্রপানায় হঠতে গোড়শাগন্তন বিভীয় মধ্বাচার্য্য নামে থ্যাত শ্রীবাদিরাকতীর্থ স্বামী এই প্রন্থে বাধারণ যুক্তি ও গৌকিক স্থায়াহ্রপারে কিরূপ স্থানরভাবে ভাকবিরোধি-মত্রবাধ সন্ত প্রতন করিয়াতে, তাহা পাঠ করিতে করিতে আশ্রুণ্যাবিত হইতে হয়। ইহাতে যুক্তির ধারা চার্কাক, কৈন, বৌদ্ধ, মীমাংশক ও নারাবাদিমত-সমুহের স্থানর প্রনার প্রতন রহিয়াতে। ভিকা ২, টাকা মারে।

#### (गायामी क्षेत्र त्र्यनाथ मात्र

(ওঁ বিকুপান জ্রীল ভ্রকিসিদ্ধান্ত সরস্বতী গোন্থামাঁ প্রভুপান-লিখিত ভূমিকা সহ) গৌরপ্রেট স্বরপ-রপের একমান প্রির্ভম জ্রীল দাস পোন্ধামী প্রভুর অপুর্ব চরিতামত ও শিক্ষা স্কতীব প্রাঞ্জল ও সরল ভাষার সন্নিবিষ্ট এবং পরিশিষ্টে দাসগোন্ধামী প্রভুর বির্ভিভ কএকটা সামুবাদ মধুর্ভম স্তব ও মনঃশিক্ষা-স্বলিভ। ক্রিকা বাধাই॥• স্থানা, স্বাধাই।৮/• স্থানা মান্ত।

## চিত্রে নবদাপ

প্রাচীন নবদীপের অবস্থিতি, তথা, ঐতিহা, শ্রোত ও ঐতিহাসিক প্রমাণসংগিত নহটী খীপের সচিত্র বিবরণ-গ্রায় এম. এ. প্রাক্ত (গাহোম). বেলাক্তর্যণ-মভোদর কর্তৃত্ব সক্ষিত এবং ১৭ থানি বিভিন্ন বর্ণের অপূর্থ চিত্র ও মানচিত্র-সমন্তিত; প্রাচ্যবিদ্যামহার্ণব দ্বায় সাফেব জীয়ক্ত নগেক্ত নাথ বস্তু বিশ্বকোষসম্পাদক মহাল্ছের বিশ্বত ভূমিকা সহ। উৎক্রই (ইং) মরজো বিগাই খ্ল্য ১॥•. ভিং পিঃ তে ২ টাক মাত্র।

#### माधक-कर्श्वभागा

শুক্রবন্দনা, দৈক্ষর-বন্দনা, বৈদ্যবশর্প, দার্গাদের গীত,
শীন্মহন্ত, শীন্মহাপ্রাপ্ত অন্টোত্তরশত নান, অইপ্রহর
নান গিওন, শীন্মহার্গান্তন, প্রোমধানি, 'বাউলাগাতি,
নাব্বাপ-মহিনাং শীন্মারাপুর মহিমা, শীন্ধোত্তম-প্রহুক
আচান্য-বন্দনা, মড়ুগোআমীর অইক, প্রেমস্তান্তিহিকা,
উপ্রেমস্থানি, মড়ুগোআমীর অইক, প্রেমস্তান্তিহিকা,
উপ্রেমস্থানি, নামভন্তন-প্রবাহী, মহাপ্রান্ত ও রার নামানন্দ
সংসাদ, মন্যন্দিকা, শীন্ধকপ্রশতি, শীন্তভীবনের নিভাপান্তা,
নহাপ্রান্ত ক্রান্তি সাধক ও সিন্ধভীবনের নিভাপান্তা,
বৈদ্যবিধ্যান্ত অপুন্ধ প্রহুণ ভিক্ষা ক্রিক, ব্যাহ্রীন মার ।

#### গোড়ীয়-গৌরন

ক্লিকাতার প্রপ্রনিদ্ধ আলবাট হলে পৌন্তীয় সম্পাদক শ্রীপাদ প্রন্ধরামন্দ পরনিধাবিনোদ-প্রাদ্ধ অক্ষাতার বিষয় এনকাবে প্রাক্তিত। ইতাতে গৌড়ীয় বৈক্ষবসম্প্রদাবের ইতিহাস সাংক্রারে গ্রামিত ইইয়াছে। ভিক্সা ৮/০ মাঞ্জা

#### গোড়ীয় সাহিত্য

কৰিকভাৱ স্কল্লসিদ্ধ আলবাট কৰে গোড়ীয় সম্পাদক শ্রীপাদ স্কল্পরানন্দ প্রবিদ্ধবিদ্ধান্তরভূ প্রদত্ত বস্তুভার বিষয় প্রভাবারে প্রকাশিত। ইচান্তে সাচিত্য-পঞ্চের অর্থ এবং গোড়ীয়-সাহিত্যের বিষয় স্ত্রকারে ব্যক্তি হইরাছে। জিকা ৮০ মানা মাত্র।

#### শ্রিগৌড়ন ওল পরিক্রমা-দর্পণ

শ্রীগোড়দেশের যে সকল স্থানে সপরিকর জীমরাহাপ্তাড় এবং তদমুগ পরবাতী মহাজনগণ লীলা করিয়া গিছাছেন, সেই সব আধুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও দেববিপ্রহাদির পরিচয় সহ্যাভায়াতের স্থানা নির্দেশ ইত্যাদি বিষয়গুলি সরিবেশিত আছে। ভিকা। জানা।

#### THE HARMONIST

#### OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীল ঠাকুর ভক্তিবিনাদ-প্রতিষ্ঠিত এবং জ্রীল ভক্তিবিদ্ধান্তসর্থতা গোষামী প্রানুপাদ-সম্পাদিত পারমার্থিক
মাসিক পত্র। এক্ষণে ইংরাজী ভাষায় অটাবিংশ বর্ধে
ভবলকাউন ৮ পেজী ও কর্মা আকারে প্রতি থারে হরিনামের বিজর-বৈজয়ন্তী লইমা উপস্থিত হইতেছেন।
কাগল, মূল্রণ-পারিপাটা ও চিত্রাদি অভীব চিত্তাকর্মন।
এই প্রকার উৎপ্রতি প্রবন্ধ আর কোন মাসিক প্রাদিতে
দেখিতে পাইবেন না। বার্ষিক ভিক্ষা ভাক্ষাগ্রকারহ এ
টাকা মাত্র।

#### প্রাভিন্থান-

**बिटिक्समर्थः त्याः जीमात्रायुव नगोन्ना** 

## বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভক্তিমঠসমূহ

### क्षीटेहरूना पर्य

আৰুৰ মটবাল

🛫 ठीम मक्षील, छाण्यक जीनाय माबालव, मजीवा

জীয়ভাষোগালীঃ ভাঁভে প্রায় ৫০ খন উত্তর-পুরে শ্রীরফপত্তরে আচাগার্ড প্রীচন্দ (मन्द-फनरम श्रीजिटिक#-मर्ड विद्यासमास ।

এট স্থান সাত্ত্বত-ভীৰ, প্রবিষ্ঠাপীঠ বা সাম্বত ভজনত্তনী ৷ এট মহা টার্লে শীহরি-माभाषा व १० द्रशासि-(वहालभाष, श्राप्तिकाश अक्षति कावा, माहेक, सक्षतात, स्था প্রাধান্ত্রপতি খদ-গাঁডা-পুত্র-প্রস্থান-চতুর্বের অধ্যরন ও অধ্যাপনা এবং সংগ্রা প্রীক্তরু-লোৱাল-আৰু হা কা-গিছিম্ব এর সাম্বত সাম্প্রদায়িক-আচার্যা-চতুরে উ।চাদের উপাত্ত বিপ্রতের স্থিত ভিক্তা সেবিত চইত্যেছেল। এই মঠবাজে পার্মার্থিক দৈনিকপত্র সাত্ত্ত प्रकार एक का का निक के के क्षांत्रीन की की विकास के का की साम के लिए के कि का का कि का कि का कि का कि का कि का লাভ্টিত এলয়াডেম ব্রাভিবংগর শ্রীশাম-পরিক্রমান্তর্ভান ও মগাণত ভঞ্জানিটেগত ভাত্তন প্রচারেমুগে মহামানেবিগবাদি ভাতাল অভান্তি হটর। পাকে। বক্ষক--প্রজ্ঞচারী শ্রীলার এরচরিত্রী। সঙ্কারী--শ্রীলাল বিনোগবিশারী ভ্রন্মচারী, পণ্ডিস শ্রীলাদ গোরদাস अक्षात्री काश्राकत्रमधीर्व, श्रीभाव कोहर्देश अवतात्री, श्रीभाव समामाना अक्षतात्री. 🛍 अध्यक्षम अध्यक्तारी, 🛍 ध्यम গোপাশ অভ্যতাতী, ভঙ্ক নংক্তের, ভবিপদ, রেবভীমোচন काम्य मक्कनगर ।

ক্রিব্ভিশ্বামী প্রীমন্ত্রক্তি প্রদীপ ভীর্থ মহারাজ এখানে হরিকণা কীর্ত্তন করিভেছেন। প্রস্কারী প্রভৃতি।

্ত : যোগপীঠ ঐমন্দির

बाई श्वान ट्याकशदालाभामात कवन वा শীখরালা মড়র আনিজাব-ভূমি মলাযোগ-भोता कवाल आवसी शहा व अतिक-क्षिकामक प्रदर्शावसायायण कर बारिज्यस · डीवाशकामा विका अना छन। खिलक-कारणा द्रापा वरुमान । व्याप--(गाप-मानासन दमायामी कहें। छान जीवमा-शाबा महकाती अभिकाशमा बंबवागी, **श**्चित्रामारिकान किक्क्षण, श्रीचानमाग अण-हरती । अभागनाम व्यक्तिकारी, (प्रवण्या े कारकवान ।

#### (৪) 🗐পাল-ভালন

शिश्याका श्राप्त को खन-विनाम या शिक्षीकात कामक्ष्मी । अवादन व्यक्तिताति शिकामिक के शक्कार्यात दाता वसमान। बुक्र - अध्यक्ष हरू क्षम अस्ति थी।

#### (१) चारेषण-करम

करे जात्म श्रीभदेश्व श्रवन करन करन (अम) वक्षमाम ।

इक्ष क- श्री बहेब डाअम पात्राधिकाती. क्षित्भाक्षणमाम् वावाको ।

#### (७) काळोड अवाधि शः ह

व्याधीन मात्राभुत्र, नामनभुक्त (नर्गोवा) किर्मात्रक्रणामाक किरासकाकी व नमामि। तकक--वक्ताति शैविदनामविकाती।

#### (१) प्रांत्रक सूप्र-कृक्ष

প্রীগোড়াম, স্বরূপগঞ্জ ( নদীয়া ) এগালে তাঁণকুপাৰ জীল ভত্তিবিলোদঠাকুরেঃ ं ममानि धवर खीरगी बगमा पत्र खबर छेखी गांधा-ें भागत्वत्र दशका बक्रभान

क्षण -- किन्द्रम खाकात बन्नाती क्रम -- श्रीवायायक बन्नामी, क्रक काश्विकी चन, धन, धक ।

### (৮ शिक्षशभाष दगोडीय मर्ठ

यश्यनिंग्रह । व्रक्ष क--- में ब्रह्मदव के किना खो लग, ज. ति. क्या. महकाती- ही देखतमाम अकि-नाषी. वीडेक्जम व्याधकाडी প্রভাত।

### ( > ) श्रीदशीव-शवाशव अर्ठ

টাপাঞ্চী, সমুক্রগড়, ( বছনান ) 🕮 न नाची मां (भव आ क्षिक आंध्रण मा वन-्मवा । अक्रक-- भारत्रताम अक्राती, कल **क्रिशनागत काम**ा

(১ • खीक्रभःशोषीत्र-मर्ठ णादाशक, श्राप्तात रहे. लि श्रीध्यवंत्र उक्ताश्री।

( ८८ ) जीटमास्यक्रमञ्ज – भाक्षिणांक, व्याह्मण्य, वश्चमाना 🕮 গালাবভার ঠাকুর বুন্দাননের স্থান वक्क--- भिक्षिकारी उपनागी, अक

#### (১২) ভাগবন্ত আসম

🕮 ভাগবস প্রেণ, কুমানগর, নদীয়া : ভাগৰভগিছান্ত এমাবলীর প্রচার-কেত্র। व्यक्त-श्रिकानक अधारी कांक्नाडी

#### (८७) 🗐 এकामन मर्ठ

ट्यांत्रिक्षण्यः शिवधानी, अमेत्रा वक्क--- अध्वानम उक्कारी। महनाी 🗒 कितिर बक्कारी, सीवनाशीन मागारिकारी, सीनायकन अकारी द्रीमञ्चनाथ भाखा, ७० विष्णाध

### (১৪) औषाध्व दशीक्षोत्र मर्ठ

aone सवायश्य (ताक्ष्), ठाका । **भूक्ष राज्य अ**व्यवस्थातम् क्री संक्षः (शीवाक श्राक्तका-शिविषद्वत दश्या वस्त्रभागः 3 MIR विमाशनम नश्रविष्ठाविदनाम वि- श, मि थान-

### (३) बारगोजीय मठ

5% वर काणित्यमात ६ केनकी हैं।हे. (et: नामवाश्वाह, क्रिकाफा । contenta ta, fa. Bose

শ্রীমনাতা লড়র প্রচারিত ক্রনিত্মক ও জিপত্ম-প্রচারোত্মেশে গোড়ারেশের সক্ষপ্রধার নগরী ফলিকাভার জীভতিবিলের স্থাপনে জীমত প্রতিষ্ঠিত আছেল। এই আছেল সম্বাবাতে জ্রীকর-গোরাছ-জীবিনোদানক জীউ প্রপাশনে নিজা সেবিত কন। প্রোজীর बाहाशान्तिक यान्छीत अञ्चाननीक अञ्चहारकारण द्यारात्र प्रशास करती अनुहर अञ्चान ব্যুল্লয় সংস্থানিত চইহাছেন। পুলিবীর শব্দা 🕮 পৌৰনাম প্রচারাল এচ বসুলেয় हरेएड '(शो होय' श-शाहक भवा, कि क्यामिट मानिक श्वाहक। हेरताकी कायाह नियाम अकारत व्याकाम अकेटफाइका! अभारत मात्रे, महोसा, माव्यक्षास-४ फाइका-रामास, শ্রীমধাগ্রক, প্রাটিচভ্স-চরিভায়ভাবি-লীলা ও তেওঁপ্রতের সমাক মানোচনা চচ্চ পাছে। মঠবক্ত -- আচ্পোত্তিক প্রীপাদ কৃষ্ণাত্তিরী বিক্তাভ্রণ। সভভারী --পঞ্জি श्रीलाम अमञ्चनाञ्चास्य अवविद्याल्यन वि- ह. जीलाम जामविकाती उन्नाती, श्रीलाम अभागकातम मामाधिकाती वि-a. श्रीलाम कवाणालाम मामाविकाती. अक्षाती শ্ৰীকীর্তনানক, ব্রহ্মগারী শ্রীপাারীযোগন, ব্রহ্মগারী শ্রীমগানক,পঞ্জিত শ্রীপার নবীমকুত भविष्णा ग्रहाव मृत्यामा धरेत छ व। हार्या, च्री व्यवस्थ विन गामिकारी विन थ. च्री छ वतक मिक्क वकाती वि-धन, श्री बक्राम साम्राज्यातम्, श्रीतियस्त वक्षाताती, श्रीक्षप्रवास्त्रिक

া গোর প্রস্থারী, শীনবগোরাক প্রস্কারী, **শ্রীণ ভিত্তপাবন কর**।

#### ( ১৫ ) श्रीरभा भागकी मर्छ

BN9144. 61411 (शामानकीर डी। । बारू व द्याठीन स्मरा बक्क-- अभागनामन उक्षाता है।

( ১৬ ) श्रीनषाष्ट्र-८नाराच गर्ठ र्विकांक शमाधिनी महा, यानिकार्षि छाका चीशवार-(श्रोदारक व

क्षक - मिल्न श्रद्ध अष्ठाती, स्म ठलान ব্ৰহ্ম প্ৰা

্১৭, খ্রীভাগবভজনানন্দ মঠ চিক্লালিয়া, বাহ্দেবপুর, মেদিনীপুর।

এখানে লী গুক-ুগার্ছ-গান্ধ কা-গিবিশারীর নিভাদেশা শক্ষান। বৃদ্ধ-तकवामी श्री-शवासवामयोता

### (১৮) আমলাযোডা প্রপন্ন প্রম

वाष्यवीत (लाः नक्ष्याम ।

শ্রী ভক্ষোরাঞ্জ-শ্রীলাক্ষবিক পাপ্রিলারীর নভাষেণা। র**ক্ষক--**-ব্রস্থাসী জ্রীগ্রিন facmie i

#### (১৯) শ্রীপুরুষোত্তম মঠ

यर्गकात, लुती, छेडिया। बाशास्त्र औरशोब-विस्तामभावनकोई सिङ्ग-সেবা বৰমাল। রক্ষক - একচারী জীগ্রমান सन्त विभारवष्ट्र, अक्षाहाडी डीन्सीक्षास्त्र. ट्रीयामवानम बक्राती, उक दीनिमार ।

#### (२ •) खीखन-८गोडीय मठ

भागवतनाथ, उकांश व भार, लुवी। कश्रीवाद्यत कन्यभन समार हो। यह 型の型は 470 0 -- 275 5 1 8 1 🗒 नदरभवती व्यागनको। महकादी — बक्कारी जीविश्वविद्यारी ।

#### (४): श्रेनकियानस मठ छे:'@शताखाद, कठका

এখানে ত্রীপ্তর-পোতাগ-বিনোধর্মণ-কীর লিভাসেবা বস্তুমান। সুক্ষক— अकारती नीजनारत स्वीदायणम अकारावी

(२२) खीननाडन-। गोधा इ बठ

कार संश्रक्तात्रम्या, कान्ते । (शा -- भनाक्षभुक मना इ--- मिकाञ्च ।

धर्थाः न ,शांद्रम्या यद्यस्य । तुक्कक---बीजाबकीवाधजी. जीवकावव अकरानी ।

#### ०० अङ्ग्रहेड्ड्य वर

लीन भरत्माम कुछ, लाभाय वृत्सामन । Litatel-Ma-(Alenmie Chatt arram Engleicht auf ar arange

#### (२८) अभिन्यमस्यम् मर्छ

देविधयावनाः, मीकाशव

এখানে এডাগ্ৰভ পাঠশালা 👁 খীলোর বিনোধ বিলাগজীর সেবা বাস্থান। ं 🧇 -- प्रकारी हैं। नागरणानम 📽 रक्षताती न्त्री नान्त्रकः।। न ।

.२०/ औरेड्डमटगोडीय गर्छ फुम्बर्क् छा<sub>न</sub> कित्रकृ**छ।, मानकृ**म । हैश स्रोटे- छन्न-महत्रन **भाषा। वकक---**स्रोद्रधाः नाथ द्राष्ट्र, शादकनथानक अब्रहाती, श्रीदाय नीन अभाषात्रमा

#### . ३७। नामःभोष्ठीय वर्त

केशेटक वे. भारतचार, क्यांन । क्यांटन भौध्यवानस्मानचारम्य स्थ्या वस्त्रमानः तक क--- बनाठावी निश्चनमञ्जी. उधायाय उपयागी

#### (২৭) আক্ষণাড়া প্রপন্নাভ্রন-মঠ

ব্রাহ্মণপান্ধা, পোঃ াড়, হাবড়া खन)' । ८८ ५% मृद्धि चौरशी**दारणत स्मरा** ্ ় ় --- এন বাসী শ্রীপ্রাপক্তক-कार्य, को न्यक ताल अभागाओं।

३৮ किस द्वाड़ीय मठ-कार्यराज्य व १, जानी - तम, छा लात श्रम. निष्के विक्री । रक्ष र--- अक्षारी और्वादक्ष, औक्ष्मान्यद की तामाद्रभग ५ तगम् तग

(२०: ८गा शत्राम्या व्याप्त व्याप्त व्यक्त-अक्षाती जीवाधारमानन

#### भाकान मः भावपू मध्यकात्र मध्यानाच्या প्रशान

"यमि कर्राता , दशनक कीश्व कायार यात्रात भारतरवन करत्र धन्त् छात्रहात क्षांतरार राट) एत काह्याशावाताला भारत সংগ্রেণ য়কড় বিচেরে । ক্রান্ত ভারণোর ना पादक अन्य खाराक अजिञ्जाकि क्षा इति इति इति एक एक विकासिका ভারতের এক কলা করিবে ব্লিচে ও একখানে মেকা এপুটা চলাকেতে (पायमा केटा कर, कश्च ख्यानक शास्त्राभाष्ट्र (5%) क्रांत्रभाष्ट्रेश करिया (कार्यानाधारन সংগ্রহণা সমস্থার মমাবান হর্তির পারে 🖺 📑 ৮৩খা জোসিয়েন্দী 🗀 ও এই৮ - কে দেখ

क्षपु अस्थानक्ष अञ्चलक (किन्द्र, किन्द्र, इन्द्रिक्त उद्योग अपभाग गुल्ला कर्तान्द्र छत युधान । साध्यवारचन । आक्रांश्टा । साधित । नान्छ। इक्षेत्राएछ । সভাপতি সভান সভাতৰ মেত্ৰ সিংধ ক্রার অভিভাষ্ট উলার্ডির মর্লাই एकान कातन ।

অভঃপর তিনি স্বাপ্রদায়িকভার कीं द जिल्हा को बहु दरम्म १६, भारता । गक রাছের হারীন কোনার সংখ্যান্য সম্প্রায় স্থানীনভাবে কাজ করিছে লাগ্রবে না।

माजारामत शहाराहि किः १क. ६८. রলিরাম (পুটান কিচাব অভিনাসনে, सकाद्वाः शाक्षी ८५/कर्छितिका देवात्रक एवारा । দান ক্রিটে স্থাত ক্ষেত্র রাখ্যা অনেন এক শি করিল বলেন লে. শক্ষ্যে চুক্তিতে সম্প্রেস্থিক নালেতে भिक्षात्क मध्योः इत्यात क्या एगार्ट्स সম্ভাৰ্য নাম । কার্ন ম্লেলাগ্রক প্রেন 新年 11年1日 南1895 山市 (APM) 4 75本 (新97日) भन्द्रवाद्या विकास ५० का करता । এমন্দ্রকে তিনি বছ সাম্প্রদায়িক নাদার ্রাসক্ষ নিচেত केट्सथ करनम ।

সাধ্রণার প্রায় ২০০ জন তাভিম্মি दिस्तामः तामः भरताक्रमाथः । ७ ४ वर्षः । ७ ४५ क মন্দ্র প্রবা ভারে মুক্তে ও জ্বোত ও সংক্রমনে (सार्गाना कवित्रार्गित स

#### (कनन सरवर्गा धन्ध निक्य

िन नारक्षेत्रपुर्वेत स्वरूपन्ति ज्ञान विराह्णकारणम् खक स्थाप अहे। शाक्ष अका अधारत <u>५०१ - १</u>०४, कर्प ४४०,५% । কলিয়েছেনে যে, আৰ্চাৰ কলৈ লে। সংকল ੵ তেল মে কলিলে একক ছে ভাৰত কিন্তু চা তিকাত বলি আ সহিচা खित्र अपने दुक्का अपने राज्य राज्य के ते । (तम भारत हार १८५ १८५ अङ्ग्रहक दृष्टाचार कर कर क

#### **इहेशाय** दश्रदेश आस्त्रास्त्रदश्रदम्बन

<mark>भासक्ष्य, ञ्रात्रिका रामस् उत्तर तान ५५</mark>५ ध क्षम्य भागत्म राज्यसात्र करा ४६८।८७. এবংবাদ পাচক্ষণ সংগত অগ্রেন ভারতিবার ধর্মবের চড়্যাম বেল ৬৩৩বন ও ধনান্ত্র কে भाकदेश जाका। इन्हेंगार्ड में दर्द है सहलाम लाकत (क्षमहरू, १,४) ह हिन्दम हादर है (क्षोत्रा काद क्षम ५

। তাহার। অনশন এত এহণ করিয়াছে , বিদেশী নজের দেশকানে পিকেটিং গত ৩রা জুগাই ১ইতে নাকি ভাহাদিগকে বণপুৰ্বক থা ওয়ান হইটেছে।

#### মেকী মুজায় নয়মাস কালাভত

ম্ভাশ্ব ধেন্ত্রন নামক জাইনার লোক ৪ঠা ভূমেই সংগ্রাপাঞ্জাবের। মংগালি 🏿 এতে লাবের স্মাভনুক্ত ইর্জা নিয়া। এবচারের

#### मिथा। हिंदक है नानकादत प्रश्

ষ্ঠিজ বিশ্ব কংকে এতিবে ভাষিত্র त्रावक्षक रक्ताम एवग्रहाग हिंदक के भ्रम्भा हे, दि. १,४१ इटल्ल ५७ । **व्या**ल ८ है, संस्थानमा ১৩ছে উভাগুৰ **গ্ৰম** কৰিছেটালো

医凯特雷特性 解 经工艺分享 "解。""我告诉,这一点某人 इस्ति है। जि.में काफ़ी इन इस १ कि सिक साम गरित हो ५ २८ - ५१को अध्यक्ति धर अवश्राप्त ५० भिना निमानशाला द्वारास्त ध्राप्तम श्राम्बा स्राप्तिकारः भाग

### खाक कमात्र (साधा निएक है। ন্য ডেনের নাম প্রকাশ প্রায়

उनश्राहित्र, विकादी हो अधिराज

1.20 2 Merch

24 76 60

MARKER A TEN

#### দ্বিণ ভারতের হাজার ভেলা চোরাই ভোগা গ্রহ

राम ना वर्षक करिनाराको कारांच दापसान C- #1 | 817 43

THE COURT

इड्सा८७ ।

 क्रिंग प्रत्य ०० अस द्वाकारनिक कारमर्गम कोन्द्रश्यम मा। दक्षाका প্রতিক্রতি থকে স্বাক্তর কবিয়াছে।

#### পুদরিণীতে বালিকার মৃতদেহ

लकामा, नामुनारमञ्जामी ज्ञान कराउस अक्यामंत्रील २७ कमाधन मीटन्स छ। সংস্তৃ সহয়, চৌত্রীৰ মুছদেহ ভাহাৰ গুঠ সাল্লাটাজ । পুলাবিপার্ট স্থেল্ড নাক 🕴 ম্প্রার আন্তর নামক এক আব্ভরে পাত্র বিয়োগে। উল্পান ১ইছাছে। ১ইছাটের বিচারপ্তি িস্থর এইতে অধিক ৫৫৫ CP उत्तावाद वासाल अब्रोड ।

> স্থান উলাপত কর্মা প্রাবিদ্যা কর্মে মাক্রেন বংশির বংলে। লিখেন লংগে গ্রাফাং করিণ। 🖟 মূরদেরের শংগক্তি হারন আন্তর্মের 🎈 ्रमण्या परम्या अस्य अस्य द्वाराम्य सम्बद्धाः स्टब्स् को स्व अञ्चल क्षेत्राहरू वोष्ट्रा वर्षान् । ্বের করে। প্রকাশ বন্ধায় নাম নামক , ভক্রেবরাজকে বিচারধীন বন্ধীকলে र द्रहर देकरा ठ कार कार अंग्रहाल । के देशका ্রাভিবেশার ভাষার গাবের্ধ ধেবি স্থিত ভিক্ত কাই কথা হাইকোটে এই ব্লিয়া **আবেয়াম** শানভা থাকার ভালাকে মালত্যশান করেন যে, কেলা কাইপক ট্রাইবিউ-বেশন্ত বাক্ষণিত প্রতি নার একপার এই রাজ্য । নারবেশ অপারিশ অপ্রাঠে করিয়াছেন । ानव १००४।(८) । ५ भिन्द्य कात्र उत्पन्ध

**टकारमधा**ऐत सहरतत निस्मी राजत (माका-(मभूतक शिक्किंडिः कशिक्टाइन) या ।भारतिता भारत न्छन करिया निष्मीवन्न ট্রের প্রায় সমস্ত কগগুলি ক'ভৌনের 🌣 इन बाह्छ नाक्तित कावदा मक्कीलक्षा

### क्षकरमञ्जारकत्र ब्यारवमम श्रहीक

সিকাজাবাদ হইতে পরবভী সংবাদে

প্রকাশ যে, পাচ শত মুদ্লমান ঢোল

বাজাইতে বাজাইতে যে গ্রামে দালা

বাধিয়াছিল গেই প্রামে মাইয়া উপস্থিত

হয়। আতঃপর শতাবিক দোকানে ও

वाङ्गीतक च्या धन (संख्या इस व भाषाय ००

জন হিন্তিন জন মুসল্মান আহত হয়।

ত জন দালাকারীকে গ্রেপ্তার করা

ध्देश(६)।

विष्ठातांतीन वन्नोकत्य गुर्वेष्ठ इड्यास क्रम एक देश देश है। व्याप्त का किया-ेष्टरण । ताका काकेटकार्व कर्कक - गुक्रीफ দ্বি ভাইড এক ক্ষিণ টালে এই **মন্ত** क्ष काल कतिशर्भकारम् वासामीरक ८५ रन সংসাদ এও হাং বুলিন ভাবিধ্যে যুক্ত বিচালাগীন শ্লীক্ষে রাপার জন্ম আদেশ ा अस्ति समारा क्रेडिंकिडकारमञ्ज स्थारस्थ । েন্ডের পর ও নহজে আবশ্রক আনেশ এ.দ'ল জ্মা বিচারপ্তিম্ব ট্রাইবিউম্বাল্ডে यादम्य भगद्धन ।

प्रेंग्ड निक्रमाया है के श्रमात्रक स्थापिक করা কয়। প্রিত মূলাদেইটি মার্থি গ্রিফাগে 🍐 ক রিয়াছি লেন যে, কেলা কাতুপকের প্রক্র ৰণা উভিত, কিন্তু আসামী-প্ৰেন্ত্ৰ

#### সিকাজ্যাবাদ দক্ষেরে সভ্য সংবাদ

डाउरत के नका कानावका ३७न दयः शिकास्तः । 网络大体 海 畅 经销售费 计键记制 网络红色 尽 গ্রু মুখারান হিমার প্রজারারের নিকট 🧍

् राष्ट्रणः जामाञ्चलाम दर्गातः शतः राष्ट्रायाः तन्त्रादकः काद्वादमञ्जलका खारः आमिन्दकः नारतः। ६० श्वासार्थात्रः । व न सुनवासान ভাতত ভল্লাভিল I জাণলেপ ক্ষেক্সালি : ্তের বংখ্যে যু রের ও কওকওলি সংচাুইলাতে বর্গাকে কংরোদ সভাজেনিভুক্ত ्रा पुरिया (अ. १८) हम । एक २० अस हिन्सू व्यवस्थि । श्रीकृषि, **व्यवस्थान व्यास्त**ि জুৰা প্ৰাপ্তি মুস্পকে বিজন ১৮০০ চি চিল চিল চিল কোছে । প্ৰকাশ, তেওঁ ও কি মুখুখনাৰ আধিক ইইমাছিল আহিছে <sup>ই</sup>খন শেষ **ইওৱাৰণি জিলায় মুস্লমান**গণ ত্যান দেৱ নাল্ড কাহারও গুড়া খটে কংগ্রেগে যোগ দিবার জন্য পুরেষ কথন ও নাত অপ্র কোন দেক্সস্থানে কোন তত আঞ্জনত উৎসাহ প্রকাশ করে ্নিট্টেয় নাচ। কোন নারী বা বালক <sup>1</sup> নাট। দিলার **তরুণ কংগ্রেমকর্মীরা** নালিকার অঞ্চেল্ফার রিবা হওকেপ মতোপাতে কংগ্রেসের करत महि। हालामा नहसारम कताबाद । ठालाहिएटएइम।

#### गुगलमान गुनकरम् गरदारमारह क्राधारमञ्ज क्षात्राज्य कार्या

্যৌগভা হাকে মদিত উদ্দিন, স্নাঞ্চ-গ্রের স্তাহ্রে লকথানে ইস্তাহরে স্থান জেলা কংগ্রেস কমিটার সম্পাদক कें है निव्यक्तिस्थ देशन । अ सक महालिख ্লাও অভারচন্দ্র লাভেড়া বাগমাল ফাব্র প্রচার করা কল্মান কাল্য গালার **অভগত শাকোয়া নামক ভানে** এক জনবতল সভায় লোকদিগকে অদেশ , এব।লে বাবহার **ফ্**রিডে **অমুরোণ** र ५ ६ १८५ तम्। इतेशास्त्र ८८. होका - भागानेशा मूक्त **मस्त्रम् । अपूर्ण गानिकी** म्लान के बार्ग क्यांकेश एमन व्यवः काक्ष्यः দিওকে কংগ্ৰেমে যোগ দিজে বলেন। CIPINA 141

ভাষার ভাষার ভাষার



WITH COM SHEET ON

नागरगाह श्रेत व्यक्तिम् वासिक्तः भाषायिक ८ विगामिक २५० भाषिकः भाषिकः भाषिकः भाषिकः

স্মাত মুখপত

৬৯ খণ্ড ] সম্পাদক—শ্রীজভীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি [১০৮তম সংখ্যা

শ্রীটেডরামর্ম শ্রীগাম মায়াপুর-২৪শে আবাড় বৃহস্পতিবার, ১৩.৮, ৯ই কুলাই ১৯৩১

### নানা কথা কালেইর ও গাদ্ধীলী

. গত ৫ই জুলাই মণাছে মহাত্মা গান্ধী কালেটদেন সহিত উচ্চার ভাক বাংশোদ প্রায় এক ঘণ্টাকাল কথা বার্ডা কচেন!

প্রকাশ, উভ্যের মধ্যে যে সকল বিশয়ে
মতভেদ ছিল, সে সকল সমস্ভার সব
ভালিবই সমাধান ভইনাছে। যে সকল
প্রাচা বকেয়া খান্ডনা দিতে অসমর্প
নহাম্বালী কইবার ছাহাদের তকটা
ভালিকা প্রস্তুত করিবেন। বস্তুমান
বৎস্বের খাত্না সহস্তে কালেটর এক
ভালিকা অনুস্থায় যেকপ প্রবাবনা করিনাভেন, বর্তুমানটির সম্বন্ধেও সেরপ করিছে
ভালের কোন অনুস্বিধা হইবে খলিয়া
ভিনি মনে করেন না।

বোদ্ধসাদ ভালুকের গানা ও ষণ্ডেশর প্রাস্থৃতি সকল গ্রাম হইতে থাজনা আদায় ইইছেছে। শেষোক্ত গ্রাম হুইটাকে মহাত্মানী থাজনা হ'তে বেহাই দিজে বলিয়াছেন। কালেক্টর এই বিশ্ব বিশেচনা করিবার প্রতিশতি দিয়াছেন।

বোরদাদে প্রায় ৪০ হাজার টাকা থাজনা আদার হইতে বাকী। ইহার মধ্যে বাকী থাজনাও আছে। মহায়াডী দিল্লী চুক্তির সর্ভ্ত পালনের যে চেটা ক্রিভেছেন, কালেক্টর ভাষাতে স্ক্রট।

নাদ গ্রামে যে মাতাদার আইন অমান্ত আন্দোশনে পদত্যাগ করিয়াছিলেন, সরকার তাহাকে প্নণিয়োগ না করিবার আন্দেশ দিয়াছেন। তাহাকে প্নরায় নিযুক্ত করিলে বালেয়াশু মনীর ক্রেডা

## কালেক্টর ও গান্ধীজী

ভারতবাসীদের প্রতি অত্যাচার

## বোসাইয়ে ভীষণ দাঙ্গা

সৈনিক পুত্রের সমাধিস্থান পরিদর্শন

## ৬৭ ঘণ্টা ১৮ মিনিট সন্তরণ

মৈমনিশিকে স্ত্রী ও সন্তান হত্যা

## হাথোয়া ডাকাতির মামলা

সংগ্রামের জন্ম শস্তুত হইতে আহ্বান

# মৈমনসিংহে ট্রেণ ডাকাতি

মাদ্রাজে লোমহয়ণ হত্যাকাও

ধরণাগণ বিপর হইবে বলিয়া আশ্রান করে। অনাল প্রাথম প্রাতন স্থার পিনিকেট পুননিসূক্ত করা হইরাছে। ইহাপিগকে স্বানী ভাবে নিমোগের আখাস পিলেও মহায়ানী নাকি এই বিশ্রে বোদাই সরকারের সহিত আবার প্রারহার ক্রিতে ইচ্ছা ক্রেন। গ্রাম্বানী-লের বিরুদ্ধে যে স্কল নামলা ছিল, সে

কাণ্যের অভিযোগও প্রানীয় সরকারী কন্মচারীরা শাকিপুর্ণ অবহাওয়া সৃষ্টির প্রভাগত করিয়াছেন।

#### कात्रक्रनागीरमत व्यक्ति क्रक्ताहात

সিয়াংপিয়া এবং 'পিয়াপোন হইতে ভারতবাদীনের ধড়ের গাদা জালাইয়া লেওয়ার শবর মাদিয়াছে। থিগেটমিওতে প্রায় ৫০ জন বিদ্রোষ্ঠী বন্দুকে স্বজ্ঞিত হইয়া আলান্যি এর নলিলে একখান প্রথমর ২২ খানা বাড়ী রুঠন করে। থরা জুলাই ৮৭ জন বিজ্ঞোহী প্রোমে আজ্মমর্থন করিয়াছে। হেনজানা, প্রোম, পেশু এবং পারাবাড়ী হইছে এখনও ভাকাতির খবর আসিছেছে।

#### হাপোয়া ভাকাভির মামলা

ছাপেনার লালো কালের একলাদে হাথোয়া ডাকাভির মামলার নায় লেওয়া হটমাছে। ১৫ জন আসামীর মধ্যে ছট জনকে ঘালাধ দেওয়া ইইয়াছে। অধ্যর মকলকে ৫ হটতে ৭ বংসর করিয়া ধ্রম্ম করান্তে লভিত করা ইইয়াছে।

#### বোষাইয়ে ভীষণ দাল।

বোগাই সহরের কামানীপুরা নামক रक्षीर ५ एकमन हिन्दू २ एकमन मुगलगारन भाष्ट्रासिक भाषात्र करना एक काम किन् মারা গিয়াছে এবং ৪ কম লোক আছত ছইয়াছে। পত ৫ই জুলাই কণ্ডিপয় दिन्दू ७ मूनकमान (शरका ग्राह्यत भारत) মভান্তর ঘটে ও দাশ্র স্থাবনা দেবা দিয়াছিল। **6581**4 বহ थामारबा (मध्या क्या । मिन्द भरे खूकाई त्राजिष्ड ५३५८म ्डिम ७ (वाज्यभत সাহায়ে। দক্ষা করেও করে। পাশার ছোৱাও চলিতে থাকে। পুলিস উপদ্ৰুত कारन हे≠म लिया फिलिएकट्ड । व**ंग्र**मस्न का है। करिनक भाष्ट्र ।

## ম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

### (शाला इट्रेश्टि ।

অভিজ্ঞ ও আদশ্ভৱিত্র শিক্ষকগণ ছাতদিনকৈ জাতি সভ্জের সাংগ্রত শিক্ষা প্রদান করিছেছেন। বিদেশী ভাতগ্রের জন্য বিদ্যালয় সুন্দর নাস্থানের বন্দোরস্থ চইস্তাতে। থান আভাব সাধাকর।

### —৫১ বংসরের প্রতিষ্ঠিত—

ভাষালয়ে প্রস্তুত বটাকা গ্রা ক্লণনো, সংগ্রা, ক্রেন্ট্রা, ক্রেন্ড, স্বাদ্ধ প্রস্তুতি

হারে ক্ষাক্রানে, স্তুল্পয়, ক্রেকাঠল, ক্রেনি, বিশিস্থ সভ্যার ক্ষাক্রানির প্রার্থ নিরাম্য হর্টারেড ভাষা প্রাক্রে ক্রিয়ে বড় । ১৯৮ ক্যাব্যালয়ের

#### देश

য়ঞ্জ প্রভুতে ব্যাহার চলে এস্থান ্য প্রদান ব্রিয়া থাকে। এরিছ কোটায় এইটা বটাকা পাকে।

#### কেবলম(ত্র

জতি বৌটাৰ মূল। ১. হক টাকাং হণার নাম আচক্ষনিগ্রহ কটাকা

ষ্টাই ওংগ্রেড ডিলিকার কল গ্র কিথিকেই গ্রেরন স্থানিস্থান :—আভিঞ্জনিতাই উপাধ্যালিকা ১১ ১০ বর্গাধার প্রিট, কাল্যার

### কাবঃ।জ শশিভূবণ কবিক্প্তাভরণের





ম্বংখ্যার তার্নার রাজ ৬ আছে শৈশিতে ঘনীতৃত অবস্থার ছোটবোর্কার ব্যাস্থার উন্পত্তকে প্রেটান হয়, হতাতে ওয়ানে কোনা গতিবাধনা করা হয় নাই। সুগ্র প্রতি কিন্দিত কার্না, গাইট hare আন্না, বোগেল ১০/০ সানা।

অফিস-১১নং উল্টাডান্সা লোড, পোঃ শ্যামনাজার, কলিকাতা

## THE HOLD

বটকার বস্ত্র ক বাগুনিকার, নিরেরপতির হান্ত্র কলাবে কলপাত, বন্তমন, লাগপোনা, বুল গল-কছানি, কনিলা অভুকি লাকণ লগুর নির্দেশ আহোপা কর ৷ বল, বাবা, নেগা পুলি করিছে ক্ষিত্রিত ইনিক। মুলা ০০ বটা ১. এক টাকা। নিন্দ্রপুত্র সন্ত্রাক্ষান্তির স্থাতি স্প্রক্ষান্ত্রিপ্রত্বাপ্রক্ষান্ত্রিপর্বন্ত্রিপ্রক্ষান্ত্রিপ্রক্ষান্ত্রিপ্রক্ষান্ত্রিপ্রক্ষান্ত্রিপ্রক্ষান্ত্রিপ্রক্ষান্ত্রিপ্রক্ষান্ত্রিপ্রক্ষান্ত্রিপ্রক্ষান্ত্রিপ্রক্ষান্ত্রিপ্রক্ষান্ত্রিপ্রক্ষান্ত্রিপ্রক্ষান্ত্রিপ্রক্ষান্ত্রিপর্বিপ্রক্ষান্ত্রিপ্রক্ষান্ত্রিপ্রক্ষান্ত্রিপ্রক্ষান্তিপ্রক্ষান্ত্রিপ্রক্ষান্ত্রিপ্রক্ষান্ত্রিপ্রক্ষান্ত্রিপ্রক্ষান্ত্রিপ্রক্ষান্ত্রিপ্রক্ষান্ত্রিপ্রক্ষান্ত্রিপ্রক্ষান্ত্রিপ্রক্ষান্ত্রিপ্রক্ষান্ত্রিপ্রক্ষান্ত্রিপ্রক্ষান্ত্রিপ্রক্ষান্ত্রিপ্রক্ষান্ত্রিপ্রক্ষান

শ্লেছাতানিলালিলা নাটিক।" হাৰ্যায়ণ কৰত সভোগৰত ছাৱা ও বুছি কৰিছে ভৱাক্য। হুলা ২০ বটা ২, এক টাকা। ভোকৰৈছ লাক্যাব্যপাক্ষী, ক্ষেত্ৰ নাক্ষাব্যপাক্ষী। • ১৭৭নং কাৰিসন রোভ, ত্রিকাতা। '

## হাইড্যোগিল

7

## কোষর্দ্ধি রোগ

ভা: এস, এম. দোষ বিমা অংশ,
সা দীব, এর স্থারাটি পিয়া বৈভাতিক
প্রাণাণে কোষবৃদ্ধি রোগ আরোগ্য ক্রিয়া থাকেন।

> ঠিকামা— ১৮ নং কটন খ্রীট, বড়বাজার, কালকাড়া।

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

### দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

#### প্ৰৱ'দিলে সংপূৰ্ণ আৱোগ্য

কোলা দেশাৰ তে কছৰে। অভিনয় গাইপেয় গ্ৰহণ যোভয়া এবং আদাৰ)
পাঠাইজে লিয়া স্থোলী দেশা কর অথবা এখানে আদিলে তেন্দ্রী দেখিলা
উষ্ণ নেভল হয় আবোগা না কন্তন প্রাণাশ পাতিশ্রমিক দিছে ক্রানে মা।
স্থীব বোগালের অব্ভ ক্রান্ত্রে ভাক তিকেট সহ নিয় ঠি গানার অক্সান্ধান
ক্রান

্ট্রাল শীশতক উলাল, সন্ধান্তিকিৎসক, চোর নৈকাসী, বরিশাল। ভানত তিনা সংগ্রাম সাধার কার্যা বিস্তারত স্থানিত্র পাছেল।

अत्य नागटणाध्यक्त नक क्षण, का अस्थनगढ, नमीका । आयुष्ठ व्हित्यास १८६६ १ : १८ १८ १८ १८ १९ १६ १९ १८ १९ १८ १९ १८ १८ १८ १८

প্রকার জিল করে। অন্য আনুক্র বাজ হয় সান নাবৰ বাজ যথা ব ইবিন ব্ৰপ্ত ব্ৰহাল লৈ কলিকার বিক্ত তিবিক্সকপ্ত কর্ণার বিনার সামা কলি কলি মান্ত্রিক জল অংশক্ষা কাল্ডেনিকেল এই সাহে প্রিয়ত বিলিন্দিন কলিক মধান্ত হন নিন চিকিৎসা কাল্য সাল বিধান কলিকা কলিকা নিয়ত। মানুক্ত কিলোক না বিলিন্দ্র কাল্যের আনুক্তি কিল্তিল কর্ণোরেশন না ব্রানি

## ভালবদ্বীপ-পঞ্জিকা

कोझान्व ४४७

মার ৮১০ ছাকটিকেট পাঠাইলেই বুকলোত্তে পাঠান হয়

ন্যানেকার-ছান্তনিভাগ ইচেড্ডমেন, পোঃ ইময়েপুর, নদীরা।

কেন গ্রাহকারার

# গোড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসে

ত্রত প্রশংসা করেন

-কার্ডা-

এখানে যাবলীয় ছাপার কাষা --

दर होत दर्ग छर, अरमा, काम, बाग, कमिलावी दहक, विश त्याकृतिके वसून,

বিবাহের নিমন্তব পান, কাড়ে, বিবাহের পদ্মই বলুন,

জ্ঞার ও এং ও ৪ ২ংটার হাফটোন ব্রক্ট ধলুন, স্কল কার্যাই ছেতি নীয়ে ছোকা: হর, জাপচ চাধারবার গ্রচ বাজার স্থাগোলা প্রক্ষা।

कापनात विकू अधात कारा पाकिटन निष्ठीकानाय बानावेटगढे वक् पाडेटबन ।

ম্যানেজাব- ল্যো ড়াতা প্রিন্টিৎ ওত্থাক্তন্ ১৮৩২ নং মাণার সাংকুলার নেড, ক্ষিতাতা।

## শ্রীল প্রভুগাণের বক্তৃতাবলী

প্রথম ও বিভীয় খঙ

ওঁ বিষ্ণাদ জী এই দিও জিলি হাত স্বস্তী গোখানী মহাবাদের সেই আবিষ্ণা বিধ্বংলিলী জীবাম্মত্র পোরোধিলী ক্ষকাঞ্চলিক্ষরায়লী জীবভবাশীর মৃত্তবিত্তাহ— বৈক্ষবসিদ্ধান্ত বন্ধনাধার কৌজ ভ্যবিক্রন্দ্র অভিবেদ্ধ ও আলোকনভবের শিদ্ধান্তসমূদ্ধ।

किका करता अने कामा भावा।



य छेत्र स

২৩ পুরুষোত্তম গোরাজ ৪৪৫, ১৪গে আয়াঢ় বঙ্গাল ১৩৩৮, ৯ জু বাই ইং ১৯৩১ বুঞ্চপ তিবার

10V 57 7 411

### e লো ব আৰৱতো কলঙ্কারেয়াগরি

ভানবন্ধ-ধান প্রচারিণা মহা আছ ७৮ वरमत भटाव स्थापित क्षेमाञ्च। अहे মভা বঙ্গনেশের বছ শিক্ষিত সন্নান্ত নিরণেক वर्ष क्रशन्त भारा शक्ति। अधिवास श्रान्ती में वा विश्व के श्र में श्री भी भी ने वा बाद है। वा विष्य किस्तिसम्बद्धत छैनाद्वत अन् नद्वाछ भवित्रम् कावश्रद्धन । कावद्धाः जन ।

विद्रम्मान काइड खाँच एकत 9 शांच কুল চেষ্টাবলিপ্ত জনগণের আভার নাই। अस्त्र देनक्श्रेकश्ट <u>व</u> विकाम कारक छ व्यक्तिमण कविनाव 'भारवाशा क्रमशरनात शता-অপ্রভান । সংগ্রের প্রত্তা क्रि.नेपरभा --काप्रहा-परभन्न यात्रवान एसक প্রেম মাচ্যাল, নিক্স নিজ কুপ্র আন্তিমার **4**(3)

🗃 ([म 215(तिनी) म डा --- मानातन म डा, 🗆 कात सङ्ग्यकाना कुर्शकन्त्रत को ७ ।प्र ব্যক্তি সেই সাধান্য সভার সভাগণের প্রতি ন্যক্তিনত ক্রায় প্রানাদিত ব্র্যা যে মংসরভার ভাওব নৃত্য করে, ভালা নিতান্ত হুগুরু।

শ্রীধাম প্রচারিণী সভার বিশিষ্ট কতক-অন সভোর প্রতি ব্যক্তিনতভাবে ঈর্য। ও মৎসরতা চালিত হুইলা হুগ্র হস্থিয় व्याताहर केल मजान हेलिशमणाठकगरनत অম্বিদিত নহে। তথাপি ছগ্লির মৃত

্রের' নাম টেশ বিষ্ণার এব ভালিক । একস্থান এব লৈ তারেজ্পরতার তারিক 🖟 বিশ্বর, টেকেরের 🔒 জেন, ভাজিক † বিশ্বেষ ্পাধ্যবিটার ৮৩ক এটারক বার্ড্যের মাল্লক। স্থলন্দত্তির স্পর্যাদক ঘরতের নিকট মহিন্দ্র প্রচারক্রা ভারতে নুভ্য করি।

कडकश्रीत । जाएकत रहिक्रा ३ क्रेया छ মংঘৰত চাৰ্থামত। কলিবাৰ এক ছানক अभिक्तामा एशाकिशिय क्या १८१५ (५मा)। কাৰী মহোদৰ উক্ত মোৰাৰ ব্যবীত অঞ্জ লোক ছলিব ছাবা পালেডিড ভইয়া अस्ता है। इस इस इस की मार्च है। হটল শীংধাৰপ্ৰচাৰিনী সুন্ধ স্থিত গ্ৰুক নেও লুনাগ্ৰহাৰ স্থাণ স্থিপাছে ব প্ৰদেশ প্ৰকাৰ প্ৰস্থানে বিৰোধ কৰিয়া- কথা, মিন্য কথা, মুক্তামিজনক অন্তৰ্গত ভি:সন |

ক্ষরিতে সিয়া স্থাদশ্বিত হার্যাল্যের ও বজা দ বাদী বিকালের সমগ্র নান্ত্রাত্র বিভারে **উश्राह्मत आहर्तकान अक्रमताम हेनारी धन** একটা অবরবর্গ ধূবক উঠিন পড়িয়া লানি চেত্র। ভাষাতে ভাষার প্রকৃতি कराव पतिज्ञा भाइन धाव सार

সাধারণ বিভাগের সম্পাদক মহাশ্বের চিলাইবার বাপদেশে ভক নহেন । রুছাভ্তন নিকট সম্প্রতি ডিনি সম্পূর্ণ অশিহাণার না কবিলে তক্তিবলক জীবগণের এই প্রকার মোকার কান্তিচক্স রাতি, চুমুন্নার কানন - অসলন করিনা বিক্রমন্তিধ-জনোচিত ক্র্তিট ঘটিল প্রকেন ভারণো লাভ আন চলতান্ত করিনা বিক্রমন্তিধ-জনোচিত ক্র্তিট ঘটিল প্রকেন ভারণো লাভ

েনা বাতা পুরা, চিন্নাকিকাস চলাতেন। 'চিন্নালেনা কিন্তু কাৰ্তি কাৰ্তি কাৰ্তি কৰে। ম্বাল্য, স্বাল্টি লাক জ্ঞানিক চেক্ষব্ৰী, এ প্ৰকাৰ স্থাকন্ত্ৰীন কবিয়া গঞ্জ কোন্তা প্ৰক্ৰিয়া উল্লেখ্য উল্লেখ্য কলিক, হার মা, তাল্পানার বাই,র কারা,য় - বেগকের - মারিছের পাতে ঠিক আচের, ্ এইরণ কল্পিত ডিল্পাণে তকে সহস্র ফোছন িরের্বানিনিন্দ্রাকার অনুসতি দল্প এর্ন। ত্রেণ্ডের হসে । সত্ত জ্লেক বিকিং- এর্লের্গের ভবেশনের করেন। Mille প্র ব্যান্ত্রেরের স্থান প্রিন্ত্রের্থটো ও সাক্র জন্মেরে ৮ ইউন্জেল এই বর্ণটান তক্ষা লোক্ষ প্রতিষ্ সম্প্রতি প্রব্যার্থনের সমস্তা ভটনক এরগের কি কান্ডক চুক্ত গীল্ডক, নাচ্চার্যার সাধি সাব ব্যবহারজীয়ে, 'মা গাঁড় : বাজত' ও 'গাঁচে । আছাব্র গড়বির্ব লগ ঐ চইর মাহেম্মন । আর্থানক 'ক নকবালে অন্তিত

এল টেট হংলেও অবৈধ নাবে, অংশেনেই भहात कि पूर्व वहां व मौज व वहां होता है। কপন ও বা প্রায়ে প্রত্যাবহালিক ক্রম ইনাক উদ্ধৃত আন্তর্গাল কণ্টালত হুলীতেয়ে, কণ্ড ই বাম্প্রারিখণ হার বিচার ও वाकिएक धार बेगार क्या भागा अल्हाः শিষ্টান্তবিক্ত ডেপ্তাকে কায়েয় গবিগ্র এটিত এটা ভাষ্ট আংগ্রাণ্ডল अभग चन्छ । दादश्वकोतिः स्थव (5%) व क्रिकेत বাহির হইতেছে তার, অদুসাহিত্যানের কভিগয় ভঙ্গুৰ চালকের দাব সম্পিত **১টাডেছে। কি ভাল্ড**য়া ।

শ্রীধান পচারিনীসভা এই প্রকরে স্থায়কাবিশ্বদের চক্রাপ্ত বা লোকবিংনদ-শুনা যায়, জ্ঞীবাম প্রারিণী সভাব করে কবিংকে জনভিতকৰ কাটা বলিগা

মানে না আছেনি ব্যাহ্মা, এই ভাষাবিং, বুগারে পা হুছ, না অলব্জান বোটো বাগে, বাগে লাবিন বিভিন্ন বিভাবিধ বাগিন্তালন

1917、大学·凯·大学的文件 新新市 精布体 ইচার প্রতিতি জিল বংশর প্রস্কার এরকো দে জানির সেইল কলি মারে পুষ্ট लाच के गाड़ाक, वृक्ष गाप्रमा । द्वी**तस्मत** িছ ইচপদের জন্ত কি এটা প্রথমিত কবিয়া इश्चार एक भाकी नाहरीत महिमा क्रम्यक्रम केटल्डरवन का १

### ঠাকুর ভক্তিনিদে ইন্ট্টিটটে গোসামী ভক্তিসারক

के बेलियरेन भनाना अम्हर्गन मुख्यातक শ্রীপদ অভ্যাচন্দ্র বান্ধাপোনায় ভক্তিসালক ्राप्यामें अधिकात्री स्ट औन्त्र मध्यत् क् 刘重于 医阿尔伯氏病的 第二個問題等 叶八十二年 ক্ৰিয়। ধাহা মুখ্য প্ৰণণ কৰি ছেনে, ভাষ্টা নাম সংস্থানে প্রাণাশ শ করিল্লা----

Being recited by the revered Head Master ellis Holiness Swarp Bhillo Poddip Pitthe Michana, I accorded today the coste enses or the teachers of their Thakur Bhakti Vinode Institute

### देवनिक मनीशाक्षकाण---भातवार्थिक भक्ष [ वर्ष वर्ष ५०० दश्च महब्दा ]

I had occasion to address the assembly composed of teachers and the taught regarding the main aims and object of the Institution.

I was present on the opening day and had the good fortune to listen to the inaugural speech of His Divine Grace, the President of the Institution and this is the and time I visited in its infant stage when I was pleased to observe the good demeanour of the teachers which is a living example for the students to follow and to find that they had by this short time been able to impress on the minds of the young learners the fundamental ethical and theistic principles on which it is based.

It is justly named after that great Prophets Thakur Bhakti-Vinode who appeared in this world in 1838 and was visible up to 1914. His whole life was devoted to weed out the field of devotion sadly adulterated by the Pseudo-Vaishnabs in the middle of the 19th century. He also established before the world the ideal life of a true devotee of the Supreme Lord. It is He who located the Holy Birth-Site of Sree Chaitanya Mahaprabhu at Sree Mayapur and it was His heart's desire that such education be spread all over the world from this centre like the old university of Nabadwip-the then Oxford of Bengal.

On the 21st April last while His Excellency, the Governor of Bengal was pleased to grant me an interview, I spoke to His Excellency about this Institution being started to impart true of tcation to young boys on the basis of religion and morals to prevent them from going a stray. The Houble Minister of Educa tion, Khaza Nizamiddin M. A., Bar at-Law, was also delighted to listen to the short of this Academy and expressed his sympathy for such a unique mobile

in fine, I ferrently invoke the blessings of His Divine Grade for the success and welfare of this Institution.

S.i Mayapar | Sd. A. C. Bar erjec 4th July 1931 | Preside a Editorial | Board "Gaudiya", খাদী ভজিজাদীপ ভীগ মহালাভ কর্তৃক আহুত হইঃ৷ অন্ত আমি ঠাকুর ভক্তিবিয়োর ইন্টিডিউটের শিক্ষকরনের স্থল পরিচালনা-সহজে যে সভা হয়, সেই সভার খেগেলান করি এবং তাঁটার অন্তরোধে শিক্ষক এবং ছাত্রসমণরিবেটিত সভার ইন্টিটিউসনের গুংগান উদ্দেশ্য সম্বাদ্ধ আমার কিছু বলিবাছ স্থাগ হই ।ছিল।

কুলের উবোধন দিবলে আমি উপস্থিত ছিলাম এবং পুরুগাদ প্রেসিডেট মহোলম-প্ৰদান্ত প্ৰথম আনুষ্ঠানিক বন্ধেরা প্রাবণ করিবার আমার সৌভাগ্য হইরাছিল। অভ আমার এই কল পরিদর্শনের ভিতীয় দিবস। আমি শিককর্নের আদর্শ চরিত্র এবং বার্কার দশ্মে অতীর এছট চইলাম। ভাষাদের চরিত্র বাত্রিকট ছাত্রং পের कैंद्र यात्रमेवक्षत्। आवुड यात्रास्त्र বিষয় এই থে, জীহাৰ৷ এই অভান্তক,ল मरशहें अहे कुरगत मृत केरा 🗢 🧢 😘 জীবববিখাল সভাৰা কোন্যানতি ভাতবুৰেব চিত্তে লেখা গ্ৰন্ত করিছে সম্প্রতীয়াছেন।

আচামাপ্রব শ্রীলঠাকর ভাকিবিলেদ মতে।প্রের নামান্ত্রসাবে এই ক্রোর স্থাপন किका करें होंगे स्टब्स करते । बार देव देक জংতে আবিভতি ইইয়া ১৯ ন গুলুকাপ্যান্ত প্রকট ভিতেন। উম্বিশে শহাদীর মণ্ডা গ্রে বিদ্ধবৈদ্ধবগণ কাই ল ভাজিলাঞা দূৰিত এবং कार्विक इंडेरन रम्हे काउँका गृह समुरम উংপটিত কলিবাৰ জল বিনি ঠাগার সম্ভ তংগনিহু এবিপা, শুক্জাননিষ্ঠ ভাগবাদী, জীবন নিজে কবি,।ছিলেন। ভিনি ছ

করি।ভিলেন। ডিনি এগান না।প্রে। অ(নিউ)বহুলীৰ बिंदेऽहरा २**०**१थ , स প্রকাশক। হুহাই উচোর আনুর্বিক ইক্স্ ভিল যে, ভাষেকালিক শিকাকেল-বাদানাৰ कबरकार्ड नगरीरात छा। बहेका निया অগ্রেক সালার্জ প্রার্থিত হয়ক

कार भवर्गत भाषाकृत यथन आनारक । ভাষার সাহত সাকাম করিবার স্থরোগ नि छिटान, दमने भग। अभि छ।औरक গ্ৰামক কথে 8 41621 প্রতিষ্ঠিত এবং কেনেসমতি বালক্ষিতকে রকা করত শিশাপ্রদানকাণী এই মুখ্য প্রাভিষ্টানের কোন ব্রহ হয় নার্য ছোলিগণ হুছে कथा विभिन्निक्षिमाम ।

श्वः । नद्याभ्येतिन दम् ब, नात-वर्षे न भारताम ७ कई निकाधिनातन छेल्ल्य হটা অভিনা আন্দিক हरेशाहित्यम् छ । ५३ जार नीय मन्छ । ८०त প্রতি সহায়ত্তি একাশ করিরাছিলেন।

कासूनोम-भूकाभाव क्षांत व्यक्त वह स्वतिक्रिकेन्द्रस्त सुक्ता ध्वर मक्न প্রার্থনা করিনা

> याः तः नि शामान्य श्रीमा क्षा प्र ভবিন্দাস্ত্রী 8-9 OS প্রেনিডেন্ট, এডিটোরিরাপ रबाक् 'रगोक्रीक'

#### कण्टक खाटन भाषत्वत (गरा $(\dot{z})$

বাহারা উপাত্ত, উপাসক ও উপাসনায় निভাइ चीकात करतन ना. त्यहे बालवामी মুমুঞ্গণ রক্ষাতের সমুদর দ্রবাই মানিক ও অসং নোধে কনকাদি ভাগেক্স কণ্টভাযুক্ত। ভালার ফরদেষ্টা প্রদর্শনমূথে নিকিশেবর্ম্ধ-সায়জ্য প্রাপ্তির অভিলাষ্টা হইর সুনা কড়া-মন্দেদ্র প্রাণী হন। স্বর্ণ সোপ্যাদি পাতৃস্পার্শে কোন কোন ভাগীবরের (?) হন্ত নাকি স্বভারতই বক্রাকার ধারণ করে কেহ वा 'दाई होका दमहे माति' - दहेबल कल ক্রেন, অভ্এব ডিনিই স্কল্ডেড আদর্শ, ङेडाकात दङ्दिन कह्नडाश (एक्रोट কুনাটা মায়াহত জীবগণের জান উৎপাদন কবিভাত। জগ্ৰ সংসাধে কন্কাশা ভাগী বলিয়া পরিচিত হওবার যে অচতুর বাসনা, ভাষাও যে জড়ভোগেছারই অস্থ প্রকার শোষাকপরিহিত সক্ষা, স্থল ভোগি-সমাঞ্জ ভাষা ভানে না ব্লিয়াই অভক ভাগোকে এজার অর্থা নিবেদন করে। ধ্যা কিয়মী ভোগলুক কন্মী এণা সাতান্তিক উভয়েই মনোধনী: অতিং পঞ্জের অঞ্চ-भागन काता चारताकक व्यवस्थातिकात्म পাবজ্ঞ ১০না বাব না। আংগ্রিম হরি खक्देनभावनाक्षानिष्युत छक्त छक्त छिन्न हैं ताना-ब्राप्तकाश्यान्त कियात शैक्तिप्रदेशास्त्र विभू में स्राको भगी भाद ८क्ट्टे खनगठ नर्टन । ভাই প্রাকৃত জনতের কাম্চিক্তমণিস্কৃত্র ভোগ্পাপ কনকের সাধান্যে ক্রাণাক্ত ক্লা-शार २०१५ अधित असिएय एकतः । किञ्चामतित एमयारमान्यसमामरनत **सन्ना,**---भरतन म पन्धारत र भारता व्यक्तिकी म अभगा-মধ্যোতিরহ অংগ্রেড কামদেবের কাম প্ৰতিৱ কথা ভোগী বা ভ্যাগী ক্ষমমাক श्वत्वः कनिष्टं भारतम् मा ।

इन्द्रकामना-५क्षम मानारम्यस्यो-भूषा-নিত কথী ভানেন,—'অৰ্থ না থাকিলে ভোগ ধাতির অন্তর্গ লৌকিক পর্যাচরণের মাননীয় শিকাবিভাগের মন্ত্রী সাঙেব নিনিভই কনক সংগ্রহতে প্রয়োজনীয় মুখ্য कर्ण विशासित करता। आक्रड कनशर्मता खारकाक कार्या नारकत **हिन्ना, जमन** कि স্থাদ আসলে বহু খালে বন্ধিত ক্ষাক্ষ लाखित भ्रष्टायमा ना पाकित्य कैशिता जुपा क्षकी भगक्षभ । करान मा। कार भूगा श्वित्भारत व्यानि है। कार्यातमत सिक्छे क्षणणाटकेख्न इटेश किश्वात श्रणीयायत स

পুছরাদি ভীবে গমন ভবেন পভিনত चका वर्गनाम कार्याव मानियो जन रेजानि वर्षान क्षिति शांद्रकाः करिएका के नकन भूगा नकरतत विविध कर्नात विरम्य जीवक्रम । जायतः क्रकारक काणिकारवरीयः शुक्रांत्र : आक्रवंत्र कतिया (पर्वी श्रमाष् (?) मण्ड बार्माचित्र बांबा क्रेमब्र-गर्भाष कशिकाकनगन्दक क्लांबन क्लांहरन দেবী ভক্ত ও সামাজিক বলিয়া খ্যাকি হয়. অভন্তৰ ভাৰতেও ক্ষতিনধের ধনের জ্বান্ত व्यवाजनीतका परिवादक ह

বাহত: টাইটিগাকে ভাষ সকলে ইপ্ৰিক্ত দেখা বাহু, পঞ্চোপাল কলপের অভ্যত্তন বিকু-আরাধক বিদ্ধ বৈশ্বৰ সক্ষারও উপর্যক্ত कर्षिश्रावत्रहे ममल्लाह्यक्त । छाहांद्राक নানা ইতর কামনাপ্রশোলিত হইয়াই বিষ্ণু-বিতাহ সমীপে জোগরাগাদি জালানের অভিনয় করেন। 'কনকের ছারা মাণবেল **শেবা' এই অপূর্ক বাকাটীর মর্শ্ব গ্রহণে** তাহারাও অসমর্থ। ক্রফৈকশরণতাপুর্ব অকিক্স সেবাবৃত্তি নিজ বৈক্ষয়ের মধ্যে নাই। 'থদি পুত্রটী বিশ্ববিদ্বালনের 'বি এ' ोडकी शांध, त्येषा मत्यामानि निवा **शंकृत्व**य নৈবেল অলভ করিব" ভারাদেরও এই প্রকার কামকলুবিজ চিত্তবৃত্তি সৃষ্ট হয়। অর্থাদি ব্যার করিয়া ঐ প্রাকার বিষ্ণুপুঞ্জনও कछित्रद्रकानत्नवरे नामास्त्र माजा।

हर्डम्भ जनां छ गर विकृष्ठे **७ शांलाक**-পুরের একমাত্র চিক্সর নিত্যপতি জীলাবা-भागत्यत्र शामश्रद्धायात्र अवः इक्तामश्रद्धात्र ননোহ ভীষ্ট কৈছবোঁ যে ক্ষমক ব্যক্তিত en, ভাষা প্রাকৃত **গুণসন্থানিত স্থাপ** নৈছে। वर्ग नामक छड़ शाकुविध्यन खाङ्कि रक्ष-**জীবের প্রধান ভোগসভাকে হইনা ভাষাকে** ो नतरकत्र निरंक ठालिक करता: कांत्र रह कनकगाहारमा इतिरमनात सामाजा इत. রাশির অমল বার্ত্ত। দিকে দিকে বিখোবিত করিলা ধরাবাদীর নিতাদকল বিধান করে. त्म कनक माध्यमध्यीय तक्ष हिलामशिकक माकार विद्यामित चन्न ।

#### প্রচার-প্রসঙ্গ

শ্রীধাম মা পুর প্রীচৈতভ্রমতের অভ্তম भाषा विश्वी श्लीकृत्रमध्येत छाठात्रक विमिधि-প্রাণী প্রীমদ্ভাক্তসকাপ গিরি মহারাজ হিন্দু-হানের বিভিন্নতানে ঞীগবাহাঞ্চর প্রচারিত छक्र गनाउन धर्मात कथा हैस्ताबी, बाजाना ও হিন্দী প্রাকৃতি বিভিন্ন ভাষায় প্রচার कतिरक्राह्म । जिनि बागरमाता, रेमनिजाम, রাণীথেত প্রভৃতি স্থানে প্রচার করিয়া সম্রতি সিম্মাতে কবছান করিতেছেন।

## গ্রন্থ পরিচয়

### াগৰভ্য

: ব্রীমান্ত্রী সুক্ষারেলারম বেলব্যাল-প্রাণীত মূল, শ্রীমন अवस्ताताका-क्रेटी कादश्या-निर्मातिका : क्रेमनविसमान ठळावली केक्न-कुछ नावार्यभनिन केका, वकाक्रवाम, माइक अवस छ अकिनय, धना व विवृष्णांनिक्क । अधि करकत्र चाहित्व रमरे बरबात बार्किनाय क्यांनात, व्यक्तारमत्र अवस्य के व्यवस्थात मात्रमह छविष्ठात लारभरीति निवृत्त । स्ताकमूठी विवास्त्री, अन्याविवास, शांक ७ वानस्तीमक छेउम काशरक केन्द्रम काकरत इजिल्डा क्षापम हहेरल ১०म दक्ष পৰ্যায় ছাপা স্প্রিলে শেষ হইয়াছে। ডিকা প্রাপম स्ट्रेटक अप क्या भगात २०१० ; मनम क्या ३०८ ; PRE 800 1

#### **अधिक का विश्व करा विश्व क**

অতীমন্ত্রিক নোগঠাকুর রচিত 'অন্তপ্রবাহভাষ্য' 🖷 🔊 📆 মন্ত কি নিজাৰ সম্প্ৰতী পোৰামী প্ৰভুপাদ লিখিত 'अञ्चारा अफि-युक्यामि वह भाजवामान-मश्लक हहेगा व्यक्षिक श्रेबार्ट्स । व्यास्क्त गावस्याचा, वक्षास्याप ७ প্রত্যেক পরারের পূর্বে সংক্ষিপ্ত অভিদের সংযোজিত। व्याष्ट्राक काशाब-व्यावास्त्र कवानांत्र (संबद्या कारह । शांक, পরার, শব্দ, ছান, পাঞ প্রস্কৃতির হারুহৎ ফটা ও এছকারের ্ধিকত জীবনী সম্বিত এলএপ অভূতপুক্ষ সংস্করণ ইতঃপূক্ষে कुलानि व्यक्तिक इह नाई। केंद्रम कागरक भारतिभारहोत महिष्ठ भूग क्ष्मणस्त्र भूगाःम मुख्यिक इटेशास्त्र । अस् क्षांय Deo- शृहात गुल्यत । किया वर्षमारम र भावा।

#### **এ**টেডভভাগবড

এছকানের জীবনী, প্রতি পরিক্ষেদের কণাসার, বিস্তৃত গৌড়ীয় ভাষা, শক্তী, পশারহতী, বিষয়-ছান পাত্রাদি-স্চী, শ্ৰন্থতি বিবিধ বিধয় স্থাদিত বিপ্লাট বিভীয় সংস্করণ ভবল ফ্রাউন ৮ পেলা আকার। আদিশালা ও মণ্যের। कियमश्य व्यक्तांमक क्षेत्रपट्म। ब्यत्य ब्यत्य व्यक्तिक \* इद्देश्करहमा अधिम किका ६ हाका, जानि शीगात Towns on 1

#### **এটেচডভগলল**

এই প্রস্থের একপ অভিমৰ স্থার সংবরণ আর কুতাপি क्षामाण दश्च मादे। मध्यण क्षामारत्मत्र व्यवत, वकास्थान, ভাষা, কৰাসায়, তথা প্ৰাকৃতি সহ খণ্ডে খণ্ডে প্ৰকাশিত হইয়াছের। মুল যোটা অকরে ভর্ন ক্রাউন অটেপের अवस्तासारम काणा व्हेमारक । भूगा २॥० छाका । अनीया व्यकान ७ द्रशोद्धीरमम् आह्यभारतम् नरक २०० छ।का ।

#### জ্ঞানত গৰন গাঁডা

- अट्नोदीत देवस्वाहाया अध्याक्षण त्रीवक्षार्था **এতিবিখনাথ চক্রবর্তিচারির গোলামিরতা সারাগব**িণা हीक्षान्ध्रम्का क अञ्चित्रडांक विद्यात राक्त्र-ध्रांगेक वित्र-प्रकार मात्रक क्षेत्राकावामधिका । व्यवाग्रस्की, शक्काकस त्याक-वृत्ती,विश्य-वृत्ती,अधिकाद्भय कीपनी स व्यवस्थानकाम मह-क्षेत्रकाविवस-मह केरकृत वीवाई दृष्टीय माध्यम--- परे मार ক্লাকা মাজ

### শ্রীন প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

ও বিষ্ণুপাদ শ্ৰীশ্ৰীমন্তবিদ্যালয়সর্মতী গোলামী মহার জের দেই অবিখা বিধবং নিনী कौराष्ट्रकर्ताद्वाभिनी क्रक-कार्क मिनलाबिनी कीरछ-वारीत भृक्ष-निर्वाद--देवकवि,काख-ब्रह्मशाच (को खडमनि--मच्याराय বৈভববিজ্ঞানাগারের মৌশিক তথ্য-প্রশ্বাত ও ভাগণতের সমধ্য গুরু-মহাজ্ম-জীবনচরিত-শিক্ষক-চিধিলাসচিশাত-व्यक्तिकाला निष्ठात्रक -- केथगा अभाष्यातरभत स्थालिक भरतग्यात्र –শ্ৰদ্ধ, অভিনেয় ও প্রয়োজন ভবের নিদ্ধান্ত সমূল।

১ | প্রথম অভ্য-বৈষ্ণবদ্ধন, শ্রীভেক্তম্ব, কলে-थर्फ, औमस्यानिकांच, धावार्यकाननी, भाषात्राजिकी मीका ও বর্ণ বিচার, জাত্ম-র্মা ও মনোচর্মা, উটেচভল্পের ও ভাতার শিক্ষা, অপ্রাক্তত সহজ্ঞার ও প্রাকৃত সহজ্ঞার্ম. ৮০ বার আলা।

২। বিতীয় **খণ্ড—৩**দা ও বিদ্ধা ভক্তি, মনুষোর লেইতা কোথায়, আত্মার নিভারতি, জীগর আমিপাদ ও भाषाताल, जीटशांत-निर्धानन शमक, जिल्लात भवा । अ कमा-कीर्छन, धीनगामभूकाय धीमदान-रत्तत्र कीर्छन, धारशीत-भारमञ्ज महिमा, महालागाम, जीरगानिक, जीक्राप्तराज्यक्र-পথ, শ্রীমতী বুষভামুননিনী, শ্রীচৈতক্রের ময়া, পৌরক্রণা ও ক্লফসঙ্কীৰ্ত্তন---চকুদ্দশ অপূৰ্ব্য মধুরিমাপূৰ্ণ-ৰক্ষণে-বিভূদিত। ভিকা>্ এক টাকা মাত।

প্রথম ও বিত্যায়—ছই খণ্ড একরে লইলে ভিকা ১॥• দেড় টাকা, ভাক ৎরচ সতপ্র

#### 🖺 মন্ত্রণবদ্গী ভা

(शो हो ग्र-देवमन्द्रमार्गिनक-दम्भवा हो कि ग्रम : ल (मेर दिशा-ভূষণ্ঠত ভাষা ও শ্রীমন্তকিবিনোর ঠাকুরেরপ্রাঞ্জণ বস-ভাষায় বিভূত 'বিখ্যুৱস্থান' নামক ভাষাব্ৰজন অভায়ে-স্চী, বিষয়স্থী, ও প্রতি লোকের অথম ও 🕬ীয় পদে স্টা, ভায়ুকারের জীবনী প্রস্তুতি সম্পতি। फिरकटे केलाहे. ब्राज्यस्थता (ज्हीर मन्द्रता) खाल्टत अका २ हे का।

#### প্রযোগরত্বাবলী

শ্ৰীমন্বলদের বিপ্লাভূদণ-প্ৰেণীত বৈধ্যবদশন, সনত ও .গাবিন্দ ভাষ্যাদি পড়িবার প্রথম গ্রন্থ। 🖰 উৎকর্ত কাশিলে ছাপা। স্বিত্ত নীকা ও গ্রাক্সবস্থারবাদ-সাধ্যো क्षणि महत्व वालत्कत्व त्वाधनमा हहेगा शातक। एका । o' । আলো মাত্র

#### গ্রীন্দরী প্রাম্মাহার্

( প্রমাণখণ্ড ) সামুবাদ। আভি-শুড়াাদি গ্রন্থে শ্রীনব-দ্বীপের যে মহিমা ক্রীষ্টিত আছে, ভাষার মূল সংস্কৃত ও कष्रवास । चिका ८० काना।

#### <u>জ্ঞীনবর্ছাপভাবতরক্ষ</u>

শ্রীমাকুর ভাতি বিলোগ লিখিত। ত্লালিত গাভাকারে পরিজমার দেইব্যাদি-বিশরক। ভিক্ষা। আনা।

#### ভব্তিরভাকর ও সংখাপ পরিক্রেনা

শ্রীশ নরংবি চক্রবন্তি-ঠাকুর বচিত। ভঙিবদ্ধাকর ছটতে পরিরমাণে মাত গৃচীত; জীলীব গোসামী কি अकारत अभवनीनभारमत नात्रक मा कतिशाहित्सम, छाहारे পত্যে বিবৃত। ভিক্ষা 🗝 আনা

্রী ভক্তিবিনোদ ঠাকুব-প্রণীত : শ্রীচৈতভেট্ডাতে निकाशानी-कृतः, इक्मनिक अत्र-वक अमुक कीव-व्यक्ति था-८७४।८७४-७ व-नाभग-निर्णय-खाराक्रिय-एक्, कर्य-का छ. आस्मानित विधात-दिनी छलि, छावछि छ প্রেমভক্তিস্থ ন্মভ্রন-প্রণালী ও অইকালীয় দীলা-পরিচয়াদি প্রেথম শিক্ষাপীর উপযোগী করিয়া সর্বস ভাষার সমুদ্র যুক্তিপ্রমাণ্সহ লিখিত আছে। চতুর্থ সংহরণ বাণা २, देवा, व्यावामा ১५० देका माज।

#### গৌডীয়কগ্ৰার

हिट्नी दीश देवकदरारनत ककुकन कर्छ धातनस्यानाः প্রাকৃতি বিংশতি সংপ্যক রয়ে স্থাোভিত। ভিক্ষা মাত্র প্রতি স্থৃতি পুরাণ-গঞ্চরাত্রাদি সাক্ষত-শাস্ত্রস্থার প্রমাণাবলী বিষয়বিভাগাল্যে সাজুবাদ ওবিজ্ঞ। এই রূপ বৈক্ষব-সিক্তের সার্থ্য ময় কুরাশি প্রকাশিত হয় নাই। ইহাতে স্বৰ-ভৰ-ভাগৰত— বৈক্ষৰ – গৌ**র—নিত্যানন্দ—** অবৈত্ত-ক্লা-শক্তি-ভগবন্তস-ভীব-প্ৰচিন্তাভেশাভেশ — অভিধেয়—সাধনভত্তি—বর্ণশ্রমি—আশ্রম-ধর্ম — ভঙ্কশ্রান্ধ — भीनाम — প্রয়োজন ও প্রমাণ-ভরগুলি পূপক্ **সং**গ্রায়ে স্তবৃহৎ শ্লোকাদি স্টীসন্ত উংকৃষ্ট এ**টিক কালালে ব্ৰোঞ্চ** রু কালিতে মুদ্রিত, উংক্ট বাঁধা দোনার **কলে নাম লেখা।** গ্রন্থ প্রায় ৪০০ পূহার সম্পূর্। ভিক্ষা ২ ্টাকা মাজ।

#### श्रीमध्यी भगम-अषावणी

শ্রীমদ্ভভিবিনোদ ঠাকুর রচিত বোমমাহাত্ম—ধাম-মাহায়্যের সাহার্যাদ প্রমাণ খণ্ড--- তীল নরহরি চঞ্চবতী ঠাকুরের ধান-পরিক্রমাংশ—শ্রীধাম নব্**রীপ পরিক্রমা—তী**থ-বাত্রা পদ্ধতি—শ্রীমৎ প্রবোশানন্দক্ত নব্দীপশ্তকম্— শ্ৰীমন্থজিলিলোপ সাক্ষের শ্ৰীমন্ধীপ ভাৰতৱক প্ৰাভূতি গ্রন্থ একত্র ভিক্ষা ৮০ আনা সাত্র।

#### শ্রীহরিলাগায়ত ব্যাকরণ

জ্রীত্রত শোশানী প্রত্পাদ-বির্চিত থ্র ও বৃত্তি, তংসতে ও;ৰফুণাদ জীমছজিনিকাল সরবভী শোৰামী মহারাজের বিভৃত ভূমিকা **ও হ**টা **প্রভৃতি মহ।** অপ্রত্যাশিতভাবে স্থবভ। ভিকা ২ টাকা, ছাত্রগণের लटक Jue होका माळ।

#### (बहाख खगांत्र

শ্রীমন্ত্রামাস্কুলার্চার বিভার বিশিষ্টারে ত্রাদ-असातक की ±। ॥-अर्गणा म:स्या श्रवत त्वमाखननेन शास्त्रत উপযোগী করণার্থ এই উথ্ম করিয়াছেন। চহাতে বদাশুনাদ ও স্চাপতাদি সংখোজিত করা হইনাতে ল্ম মাত্র ভিক্ষা। ত সামা।

#### **डि. टेड अहसाम् ७ ७ मनची भग** छक

গৌরণাইদ জিদতী আমিং প্রদোনামন সরস্বতী প্রশীক মূল, আছুপাৰ জীমৰ ভক্তিমিকাত সরস্থতী আহমী মহারাজ भूर्वाक्षिक कार्यशहरण नार्यः ६ नश्क्ष्ताम श्रद्धशिक। ম্ব্যাপশ্ভকের উচ্ছিড়িলিনেক তাতুরের প্রাক্তবাদ 😻 ভংগ্র শ্রীময়ধারা র বাই ডিগ্রাছত অনোকিক চিত্র আদ্ভ হটলাডে। ২৯৭৬ কাগজ উৎকট ( ২ থানা একতো ) ভিক্ষা ৮০ আৰু , ছাতি সুৱন্য বাংকি স্বাঞ্চন্ত্রণ ्र है।का माज।



🚇मधुक्तिर्विदर्भात श्रीकृत-अधीष्ठ । अहे अक्साल अध-শ্বফ্লের জ্ঞান চাভ করিলে পারমার্থিক রাজ্যে কিছুতেই আজ্ঞান বা নংশয় থাকিবে না। পরম গুড় ধর্ম নিধয়ক এই-ক্রণ সরল ও সদরকাশী গ্রন্থ প্রায় প্রকাশিত হয় নাই। নিবিলগোপালি-শাল-মহোদধি-মন্তনকলে এই এনাড্ত উবিত হইরাছেন। আবার স্থাবিস্ত সূচী, কণাদার। डेखानि बाता वित्नत मगुक्र कता बडेसाट्ड। वितावे अह, एमानात जारा नाम (गथा, छेरक्टे वाहाई-- 5 कृषे मध्यता ভিকা ২, টাকা মাতা।

#### <u>প্রেখনিবর্ত্ত</u>

विभगागा अनुत अनुत्र शार्षण दीन क्रशानिन अनु বির্চিত। এই পুতকে অতি অ্গবোধা ভাষার মহাপ্রভুর क्छिभन्न नीनामङ देवश्वनाहात्र, «कामना ও नामज्ङन-বৈঞ্চৰতত্ত্বের স্থামাংগা প্রণানী প্রভৃতি অনেক **८म्बिट्ड शहिर्दमः शाम्रीकाम्र इक्षह द्वारमत् निम्मार्थ ९** প্রায়কর্ত্তার পরিচয়।দি-সম্বাহত চতুর্থ সংকরণ ভিসা।।৵• सन माना माता।

#### ভজনরহস্ত

ওলনকারীর নিতাসলী; ঠাকুর ভক্তিবিনোদের অম্বা পুতক। ভিকা / • আনা মাত্র। शाम ; निश्रिण नारक्षत निर्याग । अञ्चलनि ना तन्य भगान কেছ ৰুঝিতে পারিবেন না। তৃতীয় সংখরণ ভিকা ॥।।

#### ছরিনামচিন্তামণি

नामाहार्गः और हतिमाग राक्तत्त्व मूर्य औमन्त्रहार्शः বীনাম-মাহাত্ম্য, নামাভাদ, নানাপরাধ প্রাভৃতি বিদয়ের 'যায়ভীয় বিচার প্রবণ করিয়াছিলেন। এই বিষয়গুলির অতি সরল পদ্ধারে সংক্ষিপ্ত আশবসহ পরিপাটিভাবে মৃদ্রিত। 🗃 ভিক্তিনিলোদ ঠাকুর-রচিত। পঞ্চম সংখ্রণ ভিকা ५०

#### কল্যাণকলভক্

শ্রীমন্ত্র কিবিনোদ ঠাকুর রচিত। প্রত্যেক ভগবন্-বিখাদী ও জানপণের পণিকের একান্ত প্রয়োজনীয় উপদেশাৰণীপূৰ্ণ নীতি গ্ৰন্থ। সামান্ত লেখাপড়া-জানা रवारक छ এই खब्बनतारकात शिष्ठिमभूरहत बाता व्यनर्थनियुद्धि '६ छ पर रामा बाछ कतियात स्विता शहरवन । यह गश्यत्तग, किका /: • भागा याज ।

#### শরণাগতি

**ब्रीमधकिकित्याम श्रेष्ट्र त त्रिष्ठ । क्ष्यवादन आयुग्रमर्थन,** বিক্ষপ্তি, ভক্নবাল্যা, বড়্বিদা শ্রণাণতি ও বিদ্ধি বাল্যা-विनयक गैडिपूर्व, छिका /॰ जाना माछ।

#### गी जावनी

এঠাকুর ভঙ্গিবিনোধ-প্রবীত : নিতা ভঙ্গন, সারাত্রিক প্রবাদ-দেবনাদি-বিব্যক নধুব গাঁভগমুক একতে প্রভিত। डिका / जाना बाज ।

#### PARTA MODE

ছবিকেক্সমুকুটমোলি জীমবিখনাৰ চক্রণভী ঠাকুগ্ন-विविधि तमश्रह । श्रीमङ्किविद्याद श्रेक्टबंड बहुनाव-न्द। विकाश जाना बाज ।



শ্রীমধাহাপ্রভুর শিক্ষা ও শ্রীক রখুনাপ দাস গোভামীর প্রতি জীরণ গোসামীর উপদেশবাণী, ভভিশবের অভুকৃদ ও প্রতিকৃণ বিষয়ে স্বিচারিত সম্মোদন ভাষা, বিশ্বত বিবৃতি, চারভামুতের প্রমাণ, সাধ্য স্বাখ্যা 'ও মহাজন-প্রণীত ভতগণোগী গাঁডমমূহ প্রভাক শ্লোকের স্থিত ग्रितिभिक्त इडेसार्छ। ७ मध्यत्र किन्ना ४ व्याना ।

#### 3148-40 et

শীর্থনাথ দাস গোঝামীর মন:শিক্ষা, শ্রীণ ঠাকুর ভিভিবিনোদ-চরিত পদ্মামুবাদসহ। ভিকা / • স্থানা।

#### প্রেমভব্দিচব্রিকা

শ্রীশ ঠাকুর নরোত্তমের স্থাপ্রদিম প্রেমভিজিবিয়াক গানের পুস্তক। ভিক্ষা / • স্থানা মাত্র।

#### মবদীপশভক

শ্রীল ঠাকুর ভব্তিবিলোদ-রচিত শ্রীল প্রবোধানন্দ সরস্বতীপাদের সংস্কৃত নব্দীপশুতকের স্থানিত পঞ্চায়বদে। ভিকা / • আনা মাত্র।

#### অর্থপঞ্চক

ত্রীল লোকাচার্যা রচিত। বৈক্ষণতা-জ্ঞানের আৰুর

#### সদাচারশ্বতি

শ্রীল মধ্বচার্য্য-প্রণিত। বৈষ্ণবের নিত্যকর্মাদি সদাচারা-বলী, বহাসুবাদ দহিত। ভিকা/• আনা মাত্র।

#### মণিমঞ্জী

কবিকুলকেশরী শ্রীমন্ত্রারণাচার্যা রচিত। শ্রীমন্ত্রাধ্বা চাৰ্য্যের সংক্ষিপ্ত জীবনলীলা ও মূল বৈশ্ববদ্মমত। সামুবান ভিকা। আনা মাত্র।

#### ८गोत्रकृ दशानम

প্রাচীন কবি শ্রীগোনিন্দ দেব প্রণীত শ্রীগোরাবভারের প্রমাণাবলী-সংবলিত সংস্কৃত এছ। ভিক্ষা ৮০ আনা।

#### যুক্তিমল্লিক। (জ্বলেরভ)

শ্রীমধ্বদশ্রদায়পুত্র শ্রীমবাদিরাত স্বামিরত। বজাকরে সাহবাৰ এই এখের প্রকাশ পারমাধিক দাহিভা-লগতে **ंहे नर्क्याथम । जीमनाभ्यातार्गा इहेटल त्माफ्रभावक्रम विकीय** মধ্বাচাণ্য নামে প্যাত শ্ৰীণাদিরাফতীর্থ স্বামী এই প্রস্তে দাধারণ বৃক্তি ও লৌকিক স্থায়ামূদারে কিরুপ স্থন্দরভাবে ভিক্তিবিয়োধি-মতবাদ সমূহ খণ্ডন করিয়াছে, ভাষা পাঠ করিতে করিতে আশ্চণ্যাবিত হইতে হয়। ইহাতে যুক্তির वाता চাर्काक, टेबन, त्योक, मीमाश्यक ७ मागावानिमछ-সমুদের জ্বর ৰণ্ডন বহিয়াছে। ভিকাং টাকা মাতে।

#### गायामी जीन त्रम्माथ मात्र

(ওঁ বিফুপাণ শ্রীণ ভক্তিবিদায় সর্বতী গোৰামী আভূপাদ-লিপিড ভূমিকা সহ ) গৌরপ্রের্চ শ্বরূপ-রূপের এক্ষাত্র প্রিরত্ব শ্রীণ দাস গোস্থানী প্রত্র অপুর্য চরিতামুক্ত ও শিক্ষা অভীৰ প্রাঞ্জন ও সরল ভাষার সন্তিষিত্র এবং পরিশিতে দাসগোখানী আত্র বিরচিত করেকটা সামুবাৰ মধুরক্তম ক্ষব ও মনঃশিক্ষা-স্থালিত। ভিকা वांगारे ॥ भागा, भागांगारे । ४ भागा भागा ।



প্রাচীন নববাঁপের অব্ভিডি. তথা, ঐতিহ, প্রোভ্ত ঐতিহানিক প্রমাণসম্বাধিত নয়্তী पीट्रंगत সচিত বিষয়ণ-এছ। বাতবি রাওলাচেব কুমার 👼 ক শরদিকু নারারণ तात्र त्म. ज. शास्त्र (गारहात्र). द्यवाखक्रवन मह्दावत्र कर्यक সম্বাহত এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন বর্ষের, অপুর্ব চিত্র ও মানচিত্ৰ-গম্মিত; প্ৰাচ্যবিভামহাৰ্থৰ বাছ সাহেৰ জীবুক নগেকু নাথ বস্থ বিশকোনসম্পাদক মহাশ্যের বিশ্বত ভ্রিকা সহ। উংক্ট (ইং) মরতো ব্যাই মূল্য ১৪০, ভিঃ পিঃ তে ২ ্টাক মাতা।

#### गाभक-कर्शमात्रा

**धक्तवस्त्रा, रेनकव-बस्त्रा. टेवकव्यव्यव. श्रांण्डरस्य श्रीष्ठ.** . শ্রীনামগট্ট, শ্রীমক্ষাপ্রভুর করেঁছিরশত নাম,' ক্ষুপ্রছের नामकी छन, जीनामनकी ईन, ८ श्रमध्यनि, 'वाजनमनीक, नवशील-मिना, अभावाल्य महिमा, अन्यावम-धाइत काहेक व्याहामा-नमना, यकुरभावामीत बहेक. (श्रमककिहिका. **উপদেশমালা, নামভক্তন-প্রণালী, মহা প্রাভু ও রায় রাম্যানদ্** गरनाम, मनः निका, 🗒 एक शर्माक, 💆 धक-भवन्नवा, মহাপ্রায়ের বন্দনা প্রাকৃতি সাক্ষিত প্রিক্ষীবনের নিভাপানে, বৈদ্যবগণের কণ্ঠাশ্রিত ভুগ্নীমালার জার অভুক্ষণ করে शांतग्रमाशा वार्य शांष । किका 10/0, दीधाई 80 मांता ।

#### (गोष्टीग्र-(गोत्रन

কণিকাতার হাপ্রমিদ্ধ মালবার্ট হলে গৌড়ীর সম্পাদক श्रीभाष समाजानम भवित्रशावित्नाष-लाम् व सम्बाद विवय গ্রহকারে প্রকাশিক। ইহাতে গৌড়ীর বৈঞ্চৰসম্প্রদায়ের ইতিহান সুত্রাকারে প্রশিত হইরাছে। ডিকা 🕪 • মাত্র।

#### গোড়ীয় সাহিত্য

কলিকাভার প্রপ্রাসিত্ব স্থালবাট হলে বেট্টীয়-সম্পাদক শ্রীপাদ স্বনরানন্দ পরবিস্থাবিনোদপ্রাভূ প্রদন্ত বস্কুভার বিষয় श्राकारत श्रकाभिक । इंहाटक माहिका-भरमञ्ज वर्ष ध्वतः পৌড়ীয়-সাহিত্যের বিষয় সূত্রকারে বর্ণিত চইয়াছে। ভিকা l৵• আনা মাতা <u>।</u>

#### **बि**रगोष्ठमक्षम शिक्कमा-प्रमेन

**ब्रो**दशोफ्रान्टनत दर गकन शास्त्र गणतिकत ब्रीमशहाध्यसः द्वर उपकृत भववती महाजनगण जीवा कविया निवादक्त. সেই সৰ আধুনিক ভৌগোলিক প্রিচয় ও দেববিগ্রহাদিয় পরিচয় সহ যাভারাভের স্থাবিধা নির্দেশ ইন্ড্যামি বিষয়গুলি স্ত্রিবেশিত আছে। ডিক্ষা । বানা।

### THE HARMONIST

OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীল ঠাকুর ভক্তিবিনোদ-প্রতিষ্ঠিত এবং শ্রীল ভক্তি-निद्धात्रमञ्जयको भाषामी धारूनाम-मन्नाषिक भारमार्थिक मानिक भव। अकरन देश्यामी खावात बढ़ाविश्म बर्द **ভবন্দাউন ৮ পেনী ৪ ফর্মা আকারে প্রতি খারে হরি-**नारमञ्ज विकास-देशकाची महेश केनिकिक बहेर्लाहरूम। काशक, बूखन-शाविशाण । किवाबि वाजीव जिलाक्षक । এই অকার উৎকৃষ্ট অবদ স্বায় কোন মাসিক প্রাাধিতে দেখিতে পাইবেদ লা। বাবিক জিক্ষা ভাকৰাঞ্চন্ত 👟 हाका माज।

**ब्रिटेंड्ड एवर्ड, त्याः व्यामानुब महोबा** 

## বৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভক্তিমঠসমূহ

্তেকা ম্য

#### আকর মটকাজ

श कीम संबंधीन, फाक्कक ध्रिमाम मात्रानुत, संबीतः

আমালাবোগনীঃ চ০৫৬ গান্তে ৩০ গল্প উত্তৱ-পূৰ্বে ত্ৰীব্ৰছপৰ্যৰ আচাৰ্যাৱত ত্ৰীচন্ত্ৰ-त्यथानम नदम, की दिरिक्क क्षान्यत निवास मान ।

बर्च प्रातं शायणक-दीर्थ, शतायणात्रीठे वा माष्ट्र एक्यनक्रमी। এই মहाहीर्य हींश्रीत-নামাসুত্ত বাকে ব্যালি-ব্ৰলাজসমূত, প্রাণ্ডায় অন্তর্গত কারা, নাটক, অল্ডায়, তথা প্রাধান-উপান্ধন-প্রা-শ্রা-শ্রা-১৬।ল-৮৬/৫৮৮ ক্ষারেল ও ক্ষারাপ্রা এবং ভগায় শ্রীক্ষক-এরাবাল-গান্ধ কাতা-পির্বর্গ ক সাম্বত সাক্ষ্রদায়িক-মাচামা-চতু র ভাতাদের উপাত বিপ্রতের সভিক্ত লেজা নেবিক হলতেছেন। এই মহবাজে পাৰমার্থিক দৈনিকপঞ্জ সাত্তক. नच्छाङ्गरिषकः मध्यकः। मञ्च ६ स्थ्यातीन श्राष्ट्रताचि थातात्र कर्षाः 'सनीधानकाकः। म' युद्ध। यात्र প্রতিবংসর শ্রীগাম-পরিক্রেমাপ্রচান ও অসাণ্ড হস্তংগান্তি হ Profits sections কীর্ত্তন প্রচাৎমুগে মহামতে হিণবালি ভকাল অঞ্জিত কচরা থাকে। একক---একচারী শ্ৰীপাৰ লব্দবিলী। সৰকাণী--গ্ৰীপাদ বিলোদবিধানী অন্ধ্ৰচাৰী, পাঞ্চ শ্ৰীপাদ গোৱদান बक्काती कायाकाकत्रवाधीर्य, श्रीनाम बीटहल बक्काती, জীপাদ নন্দর্গোপাল অক্ষ্রারী, এ এখনমন ব্রহ্মচানী, ত্রীমধনগোণাল ব্রহ্মচানী, ভক্ত লয়েক্স, হরিপদ, রেবভীনোচন MEN RECESO !

তিৰভিত্ৰামী শ্ৰীমন্তব্জি প্ৰদীপ ভীৰ্ত্ব মহাবাজ এখানে হলিকণা কীৰ্ত্তন করিছেচেন।

#### (৩) যোগণীত শ্রীমন্দিয়

कर प्रान व्यक्तिश्राभाषां अत्रान वा শীমবাৰা প্ৰাভূৱ আবিভাগ-ভূমি মহাযোগ-बारे। जनात श्रेमची शहा व शिरिक-विश्वधानक शिर्माद्रमाद्रायम अवर शिरेक्टना 🖷 🕮 वाबाङ्गध्यक विका स्मना नवा श्रीलक-कट्यं CHAI पंक्राता क्रक क---(काक-माबाबक का बाभी कड़ेकारा छाड़ शिवान-बाब। प्रकारी श्रीनिकामन तकनात्री, वितायातिस्मान एकिन्द्रयम्, चीवानमात्र अधा-हाती। श्रीमाधनधाम व्यक्तिकाती, व्यन्तवा I FEFRIGE

#### (৪) শ্রীবাস-অজন

শ্রীম্যাগা প্রাকৃত্তি ক্রিকান বা बिरगोतनीमात्र बागञ्जनी । जगादन ट्यांजीत्यात-विकासिक व शक्राध्यात (भवा वर्षमान । क्षण +---- श्री शका श्रृष्ट्रभ समाठाती ।

#### ( ८ ) चाटेचक-धरम

बारे प्राप्त क्षीपरेष्ठ शक्त अवन कार (四周) 祖海第16) [

इक्क क--- व्यापटिय जानक वागाविकाती, किम्बाममान वावाकी।

#### (७) काळीड अव।वि भ हे

व्याकीय साधानुत्र, यायमनुक्त (महोता) कर्मात्रक्रमानाव जीवाकाची व्यापित nmm-mampial Macminianal :

#### (१) प्रांतम प्रमा-कृष

मिट्गामम, पश्चमार्थी (अश्वा) कारात विविष्णाम जीन चकितिरमास्याकुरस्य nute ante Steffennien unt Schiffel-THEFTE CHYLATERS

क्षक-विक्रियन काकार अवहाती BOTHER OF ALL AND A

#### (৮ अध्यात्राथ दशोकी स सर्व भक्षमणिश्व ।

तकक----- डीविश्वतत कांक्रम की जम, जा, र्वि, ज्ल, महकाही--मिष्टेश्वासाम काळ-मादी, क्षेत्रक्रम अधगती अङ्का।

#### ( D) श्रीटगांत-श्रम महत्त्रक

টাগাঞ্চী, সম্মুগড়, ( বন্ধ্যান ) শ্রীল বাণীনাজের প্রাক্তিত জৌরগদানর-्नना। अक्रक--- च्याः स्त्रदाय अक्षात्राते, अक् व्यक्तान्य साम ।

#### ८ ३ - श्रीजनदशीकाय-यह नाताशक, श्राम कडे, उन रणक— चैंकिलाम अध्यक्षत्रो, महकादी-वीक्षा अभागती।

#### ( ): ) बी(माम्क्यव्यव्य – माडेशांक, बाद्रश्रद, दक्ष्माता 🕮 गामाव श्राच अत्कृत तुल्मावस्म व्राम् । इक्क---धैनक्विश्रो अष्टवानी, अक्ट मी-स्थान ।

#### (১) ভাগবন্ত আসন

শ্রী লাগবভ প্রোণ, ক্রকলগর, নদীয়া। ক্ষাপ্ৰকৃষিকাৰ এছাবণীর প্রচার-কেন্দ্র। वण ०--- श्रीकृष्णांगमः अन्नाती । अन्याती

### ( >0 ) 🗐 একারণ মঠ

(गाविकाणुव, देशियाः), अशोध বক্ষক—এ মতুশানন একচারী। সহকারী শ্রী ক্রিংচ অন্ধচারী, প্রীক্ষণগোর লাসানিক টা. ইলিংলশ: ৪৬ব প্রস্তারী, ইল্বেংদবালক। শ্ৰীপজুনাৰ পাঞ্জা, ভক্ত বিশ্বনাৰ

( ১৪ ) श्रीमाध्य-दशोष्ट्रीय मठ a-नर नवावलूब आख्, हाना। मुक्तंबरण व वाहाश-द्वित , क्यान जी करू-दशीकाम नामना-गिविध्दवत्र दनवा वस्त्रमाम । क्षक -- श्रीका वाचलक अम्बानी, waten alem: ficale fe-a, Butte-

### (३) ब्यारगीजीव मह

১% सः वाशित्यभाव চক্রণত্তী হীট, পো: বাগবাঞ্চার, ঞ্লিকাভা। .छींभरकान १४. १४. १५.१

শ্রীমন্মতা দত্তর আচোরিত শুনিশাল ভবিদশা-প্রচারোজেলে গোড়াদেশের সঞ্জাধান মগরী কলিকাভার **উল্লেকিনিনো**দ আগনে ইয়ে**চ খাত্তি স্বাক্তি** মাতেন। এ**র ভক্ত** সক্ষা ামে 🏝 এক-পোরাক্ষ-শ্রীবিধেনাদানক ক্ষান্ত সপ্রাথনে নিজ্য মেনির হন। পৌত্তীয় আচার্যালারীর বাবভীর প্রস্থাবলীর প্রপ্রচারোজেলে শীনতে সংকর ৫কটা প্রত্য স্থান পথালয় সংস্কৃতিত চচগ্রাহেন। পুরিতীর লক্ষত 🚉 গ্রাহনাম প্রচারার এক মন্ত্রালয় হটতে 'লোডীয়' নাপ্তাহিক পঞ্জ **ই ইত্যানিক প্রতি** হানিক প্রতিকা ইংরা**জী ভাষার** নিধামত ভাবে প্রকাশেত ভবতেতেন। স্থামতে পাত, দহীপ্র, দ প্রতান-চত্ত্র-বেলায়, প্রাগণত, প্রাটেচ এজ-চরিতামুখাদি-লাগা ও তর্গান্তের সনাক খালোচনা ভরম পাকে। মঠএকক---আচাসাত্রিক ত্রাপাল কুঞ্চিতাতী বিশ্বত্রণ সহকাতী---পাক্তর श्रीभाव धनवराश्चामत भदावशास्त्रमा हिन्दः श्रीभाव दागावराजी उद्धानी, श्रीमाव बशक्कांचन मामाविकाती वि-व. लीमान कर्यामान मामामिकाठी, बन्नाठांची প্রীকীর্তনানন্দ, রশ্বচারী প্রীশারিবোতন, রশ্বচারী প্রীম্যানন্দ, শতিও প্রাপাদ নবীনকৃষ্ণ পরবিস্থানকার সম্প্রদানটেব ভবাচার।, আমহম্যানদ সংবিদারী বি-এ, ঐভববদ্ধনচিত্র ধকারী বি-এল, ইম্মুপ্ন ভাষকোনিত্, ইম্বিশ্বস্তর প্রস্কৃত্যারিক প্রশানারী হাভলি

श्रीत अभागती, श्रीमनश्रीताम अभागी. 🚉 पश्चिपातम् कला।

### ( ১৫ ) औरशाशांवको चठ

क्ष्रकाश्य, ५१का। ्याभावकोह स्थान आहोन ज्या दक्क—श्रीमान्त्रायम दक्षात्राही ।

(१७) अभिनासे एकार क महे अविकास अमारिको सका, नाशिष 🗒 👵 का

ব্যাক – ইটিগুণ পজা ব্যালারী, ইন্ম চ লো এমান্ত্রী

### ্ৰে প্ৰীভাগৰভজনানন্দ মুঠ

किक्षांगरा, वाक्रास्त्रपुत्र, द्यामनीप्रश धारात की भक्र-(भावाध-गास्त्राका-গিতিশানীর নিভাগেশ বভ্যান। রক্ত — दक्रामी की-श्रामनाग्रदी।

#### (১৮) व्यामनारमाक्। जनबाज्यस तास्रदेश द्याः वस्त्रात ।

भी करणादाल - श्रीश क्रान्तिका 'शानशकीत मिकारम्या । अक्क-अवयामी ओलाह-TO CHIA!

#### ()व) औनुक्रसाख्य मर्व

प्रशंकात, शृती, किंत्र्या ।

वाशास चेंद्रशीव-विस्माननागवकोत लिना-দেশা বর্ষাত। রক্ষক -- এক্সার্যা ত্রীপর্যান भन्म विषाः ४ फू. अक्तारी मान्सीधानमः अभवादी, कक ली/विवाद ।

#### (२ -) खेखक-८शोकीय मर्ज

व्यागनतमाय, अव्यागिः इ (माः, मृती । क्रमहाच्टापटवस् क्रम्यमस् मभट्य हो। यह। भवशाम । वक्त-अवधाती विनद्रमस्त्री विगामको । नक्कात्री --वक्षाती औरिशिमिशिषाती।

#### (.) Maribbrram na Billidiationia, möd :

अवादन क्षेत्रकात्माचावनविद्यामक्रमा लिकाटमरा वस्यान । अभावादी श्रीकनार श्रीकामला संभावानी

#### (२२) और जाउन , शोजास मह 90年 经转缴150 设建、中国 1

CMI - Ma. Wij & Hall Ba-feinimen : क्षात्म , भारतः वः वस्त्रः सः। वसक----क्षीपनाद-दशोदारकत (संका १५३) शोधानको । एकी शोधानान अक्रमानी ।

> ३ के े अध्यात जाता वात चीत्र भरानाम कृष्ण, ला ।। भ नुस्थायम ।

다 봤 ( 1 이 - 경영 - . 및 : 6 이렇 ] 수 [ 주시] | ध्य ०-- अत्रवन रिनाच अस्रावी

#### (२८) अभिन्तमदः भ स्ठ लिधियावमा, माञाण्य

द्धाराम क्षेत्रण काष्ट्र**ाका** वैद्यानीय निष्टमाम निवासकीय दमका वक्षशास । रक्षण --- अवश्री व्यम्भिरहानम । अध्यक्षांशी रीयन्स्य वसाम्य १

#### २०, बादेह म्यारशोका स मह

हरतक्*रा, छतक्ष*ः, मानकृषः। **हरा** र्वाटे । १४ न मध्येत साथ।। यक्त मान्यान नात्र वात. डिस्मन्यान्य अवठावी, खीदाव ः क्षेत्रं अवस्थित्।

#### (२७) न्याग्रदशीष्ठाश वड

केशरक्षक, वस्तिक्षव, क्याल । हमस्त क्रीरभावाबलाब-दास्थव अतः वस्रयासः। ्याणाण अवनानी

#### (२०) ल्याकः भावा लाभयाज्यन-सर अभिनेगान्त्रः, त्याः याण्, रावणा

कराटन वर्ष क्रमाडि आद्याबाटकम दमस बस्मान । दक्क--- बन्ननामी खो**ळानक्क**-राम, औ अपवाज अञ्चलको ।

२४: शिक्ष दशाफीत मठ---का**न्यालय** a it cणाशी कराम, क्रांकांत्र दणम, मिके विक्री । तमक---वस्राती श्रीतक्षक, श्रीकृत्रावद्य खों दा था रस्य प्रत्य नामक्रम

#### (२०) ८गा जान नाडा जनहास्त्र इक् क् -- ब्रम्ह शहा सहित्र स्थापन

#### ৩৭ ঘটা ১৮ মিনিট সধরণ

গভ ০রা স্থূলাই ভাকবার প্রাতে ৬টা ২১ মিনিটের সময় শ্রীযুক্ত স্থভাষ্চন্ত্র বস্থ 🗃 মান প্রাক্তরত্বার খোষকে কণ্ওয়ালিস কেলোরের হেল্লয় পুকরিণীতে সৈন্তরণ कतिए आरम्भ अमान करत्न। (भर्दे দিন হইতে দমগ্র ফোয়ারটি দিবা রাজি স্ক্রিট সহত্র সহত্র নর্নারী প্রফল কুমারের সম্ভরণ পরিদর্শন করিয়াছিলেন।

বিশৈষ্ড: বৈকালে এত লোক সমাগ্ৰ হইত যে, আর প্রবেশের স্থান পাওয়া যাইত না।

১৯০১ সালে জন্মগ্রহণ করিয়া বালা-কালে কেশব একাডমীতে বিদ্যাশিকা করেন। ৪ বৎসর বয়:ক্রমকালে পিছ-চারা চন।

১৯২১ সাল হটতে তিনি প্রতি-বোগিতায় যোগ দিয়া, ১০০ গছ ২০০ পদ, ৪৪ - , ৮৮ - , এক মাইল, ১০ মাইল, **३५ महिल, २२ महिल खरा २५ महिल** সম্ভরণ করিয়া বহু পুরস্কার লাভ করিয়া-(इन। ১৯২৮ माल विश्वार जिल्लो तिश সম্ভরণ বিভাগের শিক্ষকভার কার্য্যে मियुक्त रहेब्राहित्नन । ১৯२৯ मात्न २४ ঘণ্টার ২৭৮ বার হেল্মা এপার ওপার इहेग्राहित्यन। ১৯:० मात्य ७२ घन्टा ২ মিনিট সময় সম্ভরণ করিরাভিলেন। ১৯৩১ সালে ৬৭ धन्छ। ১৮ মিনিট সম্ভরণ করিয়া গত শনিবার রাজ ১২টা ৪৫ রিনিট সময় খুমে কাতর চইয়া জলে ভূবিষার উপক্রম হয়, এবং সমন্ত শরীর सफ्टाधाध रम ८वः कठिन घरगान्धाः হইয়া অচেতনাবস্থা হইবার লক্ষণ দেখিয়া खाहाटक खन हहें ए जुलिया नक्या वस

রাত্রে পাছে নিরাভিত্ত হইয়া কলে ভূবিয়া বায় সে ক্জা ব্ৰাক্তে ৩,৪ ধন ক্রিয়া गक्तश गर्फ बाकिएड इटेस, मर्गा मर्गा বন্দুক, কামান পটকা প্রভু'তর ছোর শক্ क तियो निजा छन কলের গান, রেডিও গান প্রভৃতির ख्रावश क्या इहेश हिला।

#### মৈমনসিংহ টেগ ভাকাতি

'গোরীপুর টো ডাকাভি সম্পর্কে আরও বিশ্বত দংবাদ পাৎয়া গিয়াছে। ঘটনার বিষয়ণে প্রকাশ, ডেনের আলী, দৈনিক পুজের সম।ধি স্থান পরিদর্শন मरमिश्त एख ध्यार मनाख्म रव गामक তিনজন পিওন কীখলগঞ্জের মুন্দেক ও ख्लाकांत चालालाटका क्लांबात्रीहरूका বেতনের টাকা নিয়া ঈশব্যাল ষাইতে धिन। फारारतज्ञ निक्छ यशाक्रटम द किया व कारता, २०३० क्विंग ध्राय २०८ हेका ३३ माना हिल।

প্রিভ্যাগ করিলে ৪খন ব্রক উপ্রিটি भि अन्दार निक्षे हाका हाट् । युवकरमञ् হতে রিভগভার ছিল। এক প্রম রিজ্ঞ ভার হতে দরজার নিকট দাড়াইরা পাছারা দেয় ও অপ্রাপর বাতীগণকে নড়িভে নিষেধ করে। মেসেরখানী ও मत्नाइश्र छाङ्गारमञ्ज छै। त्मा भिन्ना रमञ्ज गगाउन हाका मिट व्यक्तिकात्र करता। অভ:পর ব্রকশণ চলস্কটোন হটতে নামিয়া श्रमाग्रन करत्। त्रात्थ त्रात्थ माजिनन विशक्तिक निकंत धरिष्ठा छ। एन. किसं উহাতে কোনই ফল इस ना । **अन्**तराह्म টেণ পৌছিলে পুলিশের ছনৈক এদিটাও সাব ইনস্পেক্টার ঘটনার তদম্ভ আরিপ্ত

क्ष्रां हैश निरमय উह्निसंगांशां যে, বিভুকাল পূৰ্বেও অভুন্নপ এক ১ট্ৰণ ভাকাভির সময় গাড়ীর শিক্ষা ধরিয়া हिनात (कावडे क्य वर्त नहि।

**उड़े डाकाल्टिड डबाटन यर्गडे** ठाकालात रहि इहेबाट्ड। डाकास्ट्रतंत्र এপ্ৰ্যান্ত কোনই সন্ধান পাওয়া যায় नाई।

#### माजारक द्यामहर्म क इंड्राका ७

उड़ो बहेटड मरवाम পाउग्रा शिग्राट्ड त्य. छन्टे। १८७४ निक्छेवडी दकानाक्खामा आरम भीक्षि गुन ब्हेब्राट्ड ।

প্রকাশ বে. ছইটি বিরোধীদল ভটী । দতে দভিত চন। व्यान वट ४६८७ (कोजनातो (याकभ्या করিয়া ফিরিভেছিল। পথে ভাগাদের मानाभाति इय-कत्न, नीठकत्नत्र दुष्ट्रा घरते। रमधारन एके छवतना घरते (भर्थ रन अक्षम (माक भगका है। व्यवस्था জনত পাণ্ডী ওদ, অপর ক ব্যক্তি এবং ৰন্দুকেয় গুণাতে আহত ভাতীয় वास्टिक वास्या गाय। व्याहरू लाक्षिक হাসপ্তালে খানাস্তারিত করা হয়। করিতে হর্মাছে। বেখানেই তাহার মৃত্যু ঘটে। ইহা ভিন আরও ঘুটজন লোক মারা গিয়াছে।

> शक्तीनात्रावन ताक मारंग अरेनक উকালকে একটি গুলীর আঘাতে আছত অবস্থায় পাওয়া যায়। অত্যন্ত বিবরণ ध्यन छ পा उन्ना योग गाहै।

इंकेटब्राशीय महानुष्कत्र मभग्न ८ए मुक्ल নিব্রো দৈনিক মারা গিয়াভিল, ভালা-भिश्यक अगम ७ हेश्मर छत्र नाना शास्त्र নমানিত্ব করা হইয়াছে। এই সমন্ত সমাধিতান পরিদর্শনের অভিপ্রাথে ৪-क्रम निद्धा भरिना भातिम जानिहा-(इत्। अय ) र जनएक मध्य (व्यत्न

अध्या छोष्टम द्वित दर्गातीशूत दरेगम क्या स्टेमास्स्ता , छशात खाहातिशदक. अक्षेत्र नेवां विद्याला निवन विनव खुटवाने (म क्या हरेरव । जना हरेरज नातित कितिया वागिया এই त्रमञ्ज निरक्षा वर्षिना-युक्रतकत भगारकक कतिरवन । भगावित्य देशभिगदक अकार्थमा कता ब्हेद्य।

#### देशमगजिश्दर ল্লী ও সন্থান হত্যা

देगमनगिংह्या मिक्एवडी आप स्ट्रेट्ड একটি গোককে গ্রেপ্তার করিয়া আনা চ্ট্যাছে। এই গোক্টা ভাচার স্ত্রী ও **ब्रहे**ं ग्रेडान्टक इंड्रा क्रियाट्ड विश्वा অভিবৃক্ত হইয়াছে। অপরাধের কারণ এখন পर्गाष्ट कामा यात्र नाहे।

#### খানছাটিকর বিজ্ঞাপন পুর্তাদের ভের

শ্রীগৃত ক্ররেশচন্ত্র দও নমিক জানৈক েপ্রদের মালি≠ তার্রে প্রেস ছইডে কতিক ওলি বিজ্ঞাপন মন্ত্ৰিত করিয়া-ছিলেন। উক্ত বিজ্ঞাপনে সিরাকগঞ্জে करत्वाम कची क्षीपुछ वीत्रक्तमाण ब्राह्मत নামে যানহানিকর বিষয় মুদ্রিত হটয়া-ছিল সিরাজগঞ্জ নিউনিসিপ্যালিটার বিগভ নিকাচন সময়ে উক্ত বিজ্ঞাপন সমূহ প্রচারিত হয় শ্রীযুত দত্ত ম্যাভিট্রেটের व्यामागटके दारे व्यापतार्थ २ मठ है। काम অর্থর জনাদায়ে ৪ মাস বিনাশম কারা

এই দণ্ডাদেশের নিক্লমে পাৰ্নায় (क्या ७ नायती अम ज्ञायुक (क, गि इरक्रम चामागट जानीन रहेशाहिन। जन षाशीन नामञ्ज के जिला म खारमण दहान अधिकार्षकः।

#### উত্তর সাম রাজ্যে প্রক্ষণিজেছ

উত্তর সাম স্লাজ্যে বিজেছিলের উপথিতির কথা যে সভ্য মাসিওয় श्रेभातिर ने एक के वर्ष के विष्यु के दिन वर्ष कर वा इहेसारध्य । काइंड इंडरक প্রমাণিত হট্যাছে যে. পিন-ৰ নাম**ক** স্থানে ভিনশত ব্যোকের একটা সভা হয়, **এहेम्द लाक्ष्मत्र मिक्छ ध्यात्र धक्मफ** বন্দুক ছিল। সভায় গ্ৰণ্মেণ্টের বিক্লছে বস্তাহর।

भाव ख्यात अक्री मध्यांत अकार्य একদল বিজোচী দি-ব নামক স্থানে একটা পুৰিশদবের উপদ্র ঋণী চালায় ৷ गर्नरमन्द्रे नटकम अक्सन स्माक चार्छ इब, विद्वादीत्मय शक्य वात्म रहारक एर् प्राटका जानाम जात्म त्रकृति म व्यक्तिक विद्यारी व्याचानयर्गन् क विश्रादक ।

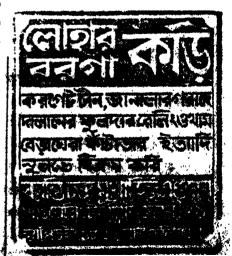
ट्रावादे सना नाटकाक विटारी स्टेट्ड क शामात (कामात क व्यक्षिक भविषान कामाई क्षमा काशिका-ছিল। ভেলিকুগন, ওলাছর এবং অভান্ত श्रादम कारा थना शिक्षा निवादक ।

#### गरकारमञ्जू क्रम क्रम्य स्टेट्ड जास्याम अल्ला

र्गाज वह कुणाहे बाटल द्वाबमादन कक कनगढार प्रकृष्णाधानस्य करण्यान् प्रशासितः क्षिणीय प्रतक्ष वार्व बार्कक खनाव विनिश्रीरक्षेत्र "अर्ड वृक्ष-विश्वकि वर्ति शाबी শান্তিতে পরিণত না ইয় ততে কাহা कःध्यानम दर्काम दर्कश्च क्रिकेटक क्रिकेट A1 1"

অতঃপর ডিনি বলেন "কংগ্রের স্থিত স্থান প্রথম ক্রিবার জন্ম ভাহার বণাসাধা চেষ্টা করিভেছে একং ভবিষ্যতেও দেইস্লপ করিতে পার্কিব। শাঠির আঘাতে মাধা ভালা ভিলা কারার ছ হওরা কংগ্রেস কন্দীদের প্রেক थानमार्थायक नरक। किंद्र अक्तिरक अहे मयक, व्यक्त विषय शानच-- ५३ छहेताल मर्गा अकृति वाहिया शहेबात अम्म क्वल হইবে ভখন ভাছাদের সন্ত্রে আর षक्र भए। वाकित्व मा। भवर्गस्थके Cकांत्र कतिया एक वांशाहेया यभि ভোগেন ভবে দেশবাসীকে বেজক **अक्ष**ण शक्तिष्ठ बहेटव । , ष्यानामी मश्काम পরবর্ত্তী সংগ্রাম অপেক্ষা আরও জীবণ बहेद्य ।

অতঃপর বজা চল্পারণে-নহাস্থা গান্ধীর কার্য্যাবলী বর্ণনা করেন ধাবং दर्शन (व. ८७ मध्दर किमि रव कांक कवित्रा ছিলেন ভাষা করেক ব্রসংগ্র মধ্যে পূর্ণ ফলএবং হইলেও চা-করার প্রাঞ্জত প্রস্তাবে চন্দারণ পরিভ্যাগ করিয়া-ছिन । ट्राइसन चत्राटकत नश्काख ७ আপাত দৃষ্টিতে সাক্ষ্যমবিক না হইতে পারে, কিন্তু অবিলয়ে যে স্বয়াজ প্ৰতিষ্ঠিত হইবে লে বিধাৰে সংক্ষা মণ্ড।



টোল— <u>শ্রমান্ত্র</u> শর্মান

প্রাক্তবাবের প্রাক্ত প্রাক্তবাবের প্রাক্ত কলি ১, প্রাক্ত কলম ৩, ব্যক্তবাব কলম ২, চারিশ্য কার



সাহাবোর হার
ভাবিম দের
বাবিক ৯
বান্মাবিক ৫
বৈনাসিক ২৬
মাসিক ১
নগদ
প্রতি সংখ্যা ,৫

পৰ্কতি বছল-এচায়-শদীরা জেলার একমাত যুখপত

৬ষ্ঠ খণ্ড ] সম্পায়ক—শ্রীঅতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি [১০৯তম সংখ্যা

**এটেডভাষঠ এবান মারাপুর—২৫শে আবাঢ় শুক্রবার, ১৩৩৮, ১০ই খুলাই ১৯৩**১

### নানা কথা

### चानीभूत दण्टन घोटनटमत कांनी

গত ৭ই জুলাই প্রভূবে ৪টার সময়
আলিপুর সেন্টাল জেলে কর্ণেল সিম্সনের
হত্যা মামলার প্রাণদত্তে দণ্ডিত দীনেশক্রে ক্রেল ক্রিনী ক্রেন পিরাছে।
উচ্চার মৃতদেহের অস্তোটি ক্রাপ্রালণের
মধ্যেই হিন্দু প্রাণান্ত্রারে অস্তিত হট্যাতে।

দীনেশচক্র ঢাকা কিলার টলীবাড়ী থানার বশোলং গামের শ্রীপুত সভীশচক্র শুপ্তের ভূতীর পুত্র। তার্ছার বয়স ২০ বংসর হইরাছিল। গত জ্লাই মাণে ভিনি ঢাকা কলেজের বি, এ চতুর্থ বাবিক শ্রেনিতো পড়িবার সময় পড়াশুনা ভ্যাগ ক্রেম।

ভাষার পর শত ৮ট ভিনেশর বালাগার কারা বিভাগের ইন্শোটর জেনারেল ক্রেট্রানট ফর্গেল এন, জি, সিনসনের ক্রডার অব্যবহিত পরেই তাহাকে কলি কাভার রাইটাস বিশ্চিথে গ্রেপ্তার করা হয়। গুলীর আখাতে গলবেশে আহত হওয়ার কলে তাহাকে অক্তান অবহার মেডিক্যাল কলেকের হাসপাভালে গাঠান হয়। স্থাপভালের চিকিৎসার আরোগ্য-লাডের পর ভাষাকে প্রাক্তি

कानीय विवन नयरवय नरवंत्र (यांटक व न्यांटानक व्यक्तिक पानका (यां यांत्र । व्यक्तिम् क्ष्यांनीय्य क्ष्यांकारत नमक व्यक्ति क्षयां नारकि स्वाचारत क्या व्य । व वर्णयां क्ष्यांट्य कानीय नरवांत्र विद्याद-विद्यक नवर्षय संबंधि प्रकृतिक नरकांत्र, व वृक्ष्यांचार, करनक जीते, क्ष्यांचार,

## আলিপুরে দীনেশের ফাঁসী

ব্রহ্মবিচ্ছেদ-বিরোধী নেতা, বড়লাটের সহিত সাক্ষাৎ

## জনসভায় পণ্ডিত জহরলাল

পাবনায় সভীশচন্দ্র দাসগুপ্ত

## শিউড়ী জেলে অনশন

.বোদাই মিলে ধর্মঘট—

২৫ হাজার আমিকের কর্মত্যাগ

## দেশীয় রাজ্যে সত্যাগ্রহ

ভাকাতের সঙ্গে রদ্ধের লড়াই

## করাচীতে বিস্ফোরণ

ভবানীপুর ও সহরের অস্তান্ত অঞ্চের বোকান পাট বন্ধ হইয়া যার। জন-নাবান্ধণ শাস্তিপূর্ণ হরতাল করেন।

ঠিক সংবাদ জানিবার জন্ম কারা-গারের বারে প্রাভঃকালেই বিরাট জন-স্মাবেশ হর, কিছ পুলিস ভাহাদের বিভান্তি করে। এডদুর সভর্কভা ক্ষম্ভান্ত করা হইরাছিল বে, প্রাভে ন্দানিপুর রোডের দিকে ফ্রীয় ও বাস চলিডে দেওরা হয় নাই।

সোষবার দিন প্রাতঃকালে দীনেশ-চল্লের পিজা বাতা বখন আলিপুর সেন্ট্রাল জেলে তাহার সহিত লাকাৎ করেন, তথন দীনেশ তাহার মান্সিক থৈয় অভ্ন রাধিরাছিলেন। সেই বিদায় দৃত বড়ই দর্শবন, মুখা অননী আসর পুত্রবিচ্ছেদ- সন্তাবনায় অবিপ্রান্ত ভাবে অপ্রশাত
করিতেছিলেন এবং পুত্র শাস্ত,সংঘত ভাবে
মাতাকে সান্ধনা দিবার রুগাচেটা করিতেছিল। দীনেশচন্ত্রের পিতা তাঁহাকে জিজ্ঞাসা
করেন, তাঁহার কোন কথা বলিবার আছে
কি না। দীনেশচন্ত্র তাহাতে বলেন,
তিনি সম্পূর্ণ সন্তটিচিত্তেই তাঁহার সৃষ্টিকর্মান নিকট ঘাইতেছেন। তাঁহার
এই একটিমাত্র বাসনা অপূর্ণ রহিয়া ঘাইল
যে, তিনি তাঁহার মৃত্যুর পূর্কে মাতৃত্যিকে
সম্পূর্ণ স্থানীন দেখিয়া ঘাইতে পারিলেন না

#### ত্রশ্বিক্ছেদ-বিরোধী নেডা বড়সাটের সহিত সাক্ষাৎ

ব্ৰহ্ম দেশীয় শ্বরাজ গলেব পরিচাশক মি: আর ওয়াডি ইউ, পিউ এবং জি, সি, বি এর সভাপতি মিঃ ইউ, সিউ গতে শুক্র-বার কলিকাভার আগমন করিয়া কারমাই কেল কলেজ হাসপাতালে ভিকু উত্তমের সঙ্গে সাক্ষাৎ করেন ও বড়লাটের সহিত অলোপ সম্পর্কে তাঁহার সহিত আলোচনা करत्रन । ध्वकाम, देशांत्रा देशांन दिवन रेवर्राक विष्ट्रम वित्राधी मन इहेटल উপযুক্ত সংখ্যায় প্রতিনিধি প্রেরণ কর বজলাটকে অন্থরোধ করেন। ইহারা व्यथरम बन्नन व्यक्तिमित्र कथा दलन. পরে ৪ব্দন প্রভিনিধি প্রেরিড হইলেই স্ত্রেষ্ট ২ইবেন বলিয়া মত প্রকাশ কয়েন वक्ष्मा छ अ विषय छ भनश्रकात्व वित्वहना **স্থানি**বন বলিয়। প্রতিশ্রতি দিরাছেন । সমাগত নেতৃহয় ভিকু উত্তমকে তাঁহালেয় সঙ্গে একদেশ বাইতে অহুরোধ করেন কিছ অত্নহতার জন্ম তিনি অস্থরোধে সক্ষত হন নাই। গত রবিবার প্রাতে মি: পিউ ध्यर भिः निष्ठे चरमरण यांका कविवादस्य।

## শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনষ্টিটিউট" **নামে** 

## উচ্চ ইংরেজী।

### ংখালা হ**ই**রা**ছে**।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্ৰদিপকে অতি যত্নের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা বাহৈ সুস্দর বাসভাদের বন্দোবস্ত হইহাল্লে। স্থান অতীব পাহাকর।

সবিজ্ঞার সংখ্যদের জন্য নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। শেকেটারী, ভাকুর ভ্রিবনোদ ইন্টিটিউট্ শ্রীচেত্রতমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

### —৫১ বংশরের প্রতিষ্ঠিত—

উম্থাসয়ে এন্ত চ বঢ়াকা ছাল গুক্তভারণা, স্বপ্রালাষ, কোষ্টকাটিক, অভার্ণ, প্রকৃতক প্রভৃতি কভ বোপীর রোগ নিরামর ১টলতে ভাল প্রকাশ করিবে বড় বড় পুরুক स्ट्रेश भएए।

#### हैडा

गक्त भाइएक वात्रवात हरण । स्थान कृत व्यत्न कृतिया थाएक । व्यक्ति (कोडाय ०२ जी वजीका बाटक।

#### কেন্দ্ৰা ক্ৰ

প্রতি কৌটাং মূল। ১ বক টাকা। ইংার নাম 'আভেক্ষনিপ্রছ বটীকা'।

অভাত উর্থের তালিকার মত পর লিখিলেট পাট্রেন আধিয়ান:-আভঞ্নিগ্রহ উবাধালয়

२ ५ ३ सर वहनायान क्षेत्र, कशिकाका ।

### কাবরাজ শশিভূষণ কবিকপ্ঠাভরণের



মকঃখনের প্রবিধার অস্ত ৬ আঃ শিশিতে ঘনীভূত অবস্থার ছোটবোভলের বিমপরি सेवथ फाटक शांठान वय, वेबाटक लेवटथव दकान शविवर्कन कथा वय माहे। मृत्रा व्यक्ति निनि ॥• धाना, शेहिंहे ॥४• घाना, (वाष्ट्रण ১४• धाना।

অফিস-১১নং উল্টাডাঙ্গা রোড, পোঃ শ্বামবাজার, কলিকাতা

हफ, नक्ष्यन, बाराटवाडा, पुरू वर् ক্ডানি, অনিলা এড়ডি লকণ প্ৰয় নিৰ্দ্ধেৰ প্রায়োগ্য হয়। হস, বীর্থ্য, মেধা বৃদ্ধি করিছে व्यक्तिय हैनिक। सुना कर बी ५ वक हाका।

"নপুংসকাৰারি ঘত" पुरुषप्रशिव स्थारन माझ्यारहात कावा च्यारवाता करिया व्यक्तिकास करता प्रमा क ट्रेकामा अन्हाका । শ্বৰণবিলালিনী ৰটিকা" নীৰ্যানানৰ কমত সভোগৰতি হানী ও বৃত্তি কৰিছে मकाल्या । स्था ३० वर्षे ३, वक केया । प्राथित जाकाकार्जाकी, त्कानका 🕶 ১৭৭নং হাছিনৰ বোড, ফলিকাডা। (

### शरेटामन

### কোষরাদ্ধ রোগ

ডা: এস্, এম্, যোষ বিমা অল্পে, या बब्दी वरमञ्जू ना ब्राह्मि किया देवका कि রাণালতে কোববুদ্ধি রোগ আহোগা क्षित्र बार्यम् ।

> Dela ... ०৮ सर क्षेत्र शिक् स्थानांवाक, TOPIGI!

## যক্ষা হতাশ হইবেন না

## शनस बिटन कानुन चाटबाना

(प्राची द्रम्पारेटल. इंटरप क्या माना माना प्राची प्रश्न (बाधका कार भागाक) लार्रा हेटन निया दस्कि देवथा वंत्र अवसी कार्यदेन चानिरण दस्ति दनविश्व खेरन दशका क्षेत्र आविक्षण मा मधका नवीस नाविक्षणिक निर्देश करेद्र मा । गबीर मानीरकत संबंध यहन संविधा विकिश्ता सवा क्या है विक्रीविस नियम्पान मण अम जानात जान हित्यहे तह निम्न हिनानाम जाल्याकान 

জীনি সীশচন্ত্র উকীল, যক্ষা-চিকিৎসক, পোঃ নৈকারী, ব্রিলাল । অথবা নিয় ঠিকানার সাক্ষাৎ করিয়া বিভারিত আমিতে পারেন্

ত্রিযুত রামগোপাল দত ওপ্, ও, উঞ্চলগর, নদীয়া। ত্রীযুক্ত ছরিলং शिरक, ১১৭, व्यानिश्रादिशेशा श्रीहे, कांग्रेटशाला, क निकासा ।

একখানি পত্ৰ ৷ অ মাৰ নাতৃপুত্ৰ গত হয় মান বাবৎ হাল বন্ধান্ত ভূগিয়া মৃতপ্রায় ভইরাচিল, কলিকাভার বিজ্ঞ চিকিৎসক্পৰ ভাগায় की बरन इ आमा छ। रंग कि तिहा स्थव मृहुर्खित कक करनका किरकें कि स्मेन এই সময় শ্ৰীসৃত ফিডীশচজ উকিল মণালয় মাতা ১০ দিন চিকিৎস্ করির: সম্পূর্ণ আহোগ্য করিলা লিয়াছেন। (সাঃ) **জীব্তীক্স কিলোর** कांत्र टारेयूरी ( অমিদাত গালিয়া ) কগ্ ঠাটু, নিউ বিক্তিং। ক্ষত্ৰেশন किष्टिः किला है। वर्षे. कशिकाचा i

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

**भारताम 88**%

মাত্র ১/১০ ভাকটিকেট পাঠাইলেই বুকপোটে পাঠান হয়।

ম্যানেজার-গ্রন্থবিভাগ জীচৈততথ্যমত, পোঃ জীমারাপুর, নদীয়া।

(本年 国际中旬日

এত প্রশংসা করেন

--কার্ত্রপ--- ্

অপানে খাবতীয় চাপান্ন ভাগা---

enbla co छिर, स्थामा, कतम, साम, समिमाती ८० क, विन खाक्ति वन्त

विगारक मिमजन नज, कार्ड, निवारक नक वन्त्र,

जात 🗢 तर 🤏 ८ करामत्र कामारितान प्रकृषे वसून, नकत कांधीर कि केन कांगा क्य, व्यन्त कानावेबाय श्रव वाकाय व्यन्ता स्थाक।

লাগনায় বিছু চাপাৰ কাৰ্য। থাকিলে নিয়ঠী দানায় আমাইটোই দয় পাইবেন 🔞

যানেবা - লৌড়ীয় প্রিন্টিং ভারাক্স 480ार मर कालात मात्रकुनात (शक्त, कविकासा)

## লৈ প্ৰভূপাৰের বক্তভাৰলী

व्यथम क विकीय वर्ष

ॐ विकृतार अञ्चित्र किनिकाक मनवकी दमावादी बेलाबादिक स्मेद आदिका<sub>ई</sub> विभारतिमी जीरापायमात्नात्वाविमी क्रिकाल निमानी जीरक्नतिम मुख्यिक्यार-देवक्यनिकास अपनामात्र द्योस क्योन-नयस मान्द्रिय में बारमासम्बद्धित निर्मासम्बद्धाः

किया करता अन्यानी पान ।



यकेनस्

२८ श्रुक्र:बास्त्रम ८गोत्राच ४८१, २०८म व्यायाष्ट्र वकाच ১००৮, ১० जूनां हे हे: ১৯৩১ শুক্র গার

১००डम मःच्या

### ठे। १ व जिल्लाविद्याप रेम्डि हे ३८६ বক্ততা

বিষয়—সাস্থ্য ও অর্থ

পত ১৯শে আবাঢ় ৪ঠা জুবাই শনিবার অপরাছ ২ ঘটকার শ্রীধান মারাপুর ঠাক্র क्टिनिर्मात हमडिडिडिड डिक है: दिस विशागदः जिम् शिक्षि श्री के कि कृत्पर दशोही 🚵 🗒 खक्टलो ताण-वन्मनान खत्र 🖻 खक् नामनव ও 🕮 মন্ভব্তিবিলোদ ঠাকুরের পাদপন্ম-क्रभाव चाका ७ व्यर्थ विवदत हा ट्योडवानी की र्वन कतिशक्तिन, जारा नित्र अकानि उ इहेग,---

অক্সকার সভায় আলোচ্য বিষয় সহকে ভিছু বশ্বার ঘোণাতা আমার নাই। क्टर जिल्डिशायांभी क्रीमम्ब्रिक अमील छीर्थ यहाताक जनः नियदेनकनताकमकार সম্পাদক্ষর শ্রীপাদ ভব্তিসারক গোখামী প্রাভূ প্রভৃতি শুরুণর্গের আদেশ ময়কে शांत्रण क'रत, ब्लिकक्रनामनवक्रमा मध्य निरव किंदू वन्तात (ठहा कत्रन ।

'আছা ও মর্থ'সক্ষে আমার পূর্ববন্তী ব্দুগণ বা' ব'ল্লেন, জাগতিক বিচারে ভা খুনই ঠিক অর্থাৎ অগতে থাক্তে হ'লে ৰাষ্য ও অৰ্থ হু'রেরই আবস্থকতা আছে। व्योगिष्ठिक द्याराधनीक्ष्मात मत्य भएन वे श्रुरे वियरतम् बामा त्य ब्यान ७ कि इ व्यक्ति ेवियरप्रदें 'कामि किष्ट रम्राफ हेका कति।

धोगमञः चाचा-मद्दक्त धाक्क वर्ष नि, छोरे बीमा पत्रकाता। 'वाशा' कथांग 'वन्द्राचे जामना मदम कनि ८५, दल्टरन चांचा चर्चार राम भ्रम-छन्द्रकार्य कीविछ

থাকা। কিন্তু বান্তবিক ক'রে আমরা কি দৈহিক স্বাস্থ্য লাভ ক'রে নিত্যকাল বেঁচে থাক্তে পারি অথবা যভনিন বাঁচৰ, ভঙ্গিন বেশ সভ্সাবে অবস্থান কৰ্তে পাৰি ? **छा भाति ना, कात्रण "मतीत्रः नाा**िनन्मित्रम्" এ শরীরটী ব্যানির আগার। আমাদের বহানস্থাৰ ফলে মায়াদেবীর প্রদন্ত ব্রিভাপ বন্নণাৰ অক্তম আধ্যান্ত্রিক তাপ আমৰা टिशेश कब्रुष्ठ वाधा व्यशेष यडमिन वैद्यत আধাাত্মিক ভাপের যন্ত্রণা দৈহিক রোগ 🛭 ও भानगिक (भाकामि (कांग ना क'रत भावत না। ভাছাড়াএ দেহ নিতা এক ভাবে शांक मा। बाह्रभएड एमरहत चलाव इपन অবস্থা বৰ্তমান—"কায়তে, অন্তি, বৰ্ণতে, পরিণমতে, অপকীয়তে, ন্খাতীতি বড়-कांग विकासः" क्यांश--- (मटश्त क्या इत. ক্ষরে সঙ্গে সজে বুদ্রুদের ছান বিনাশ প্রাপ্ত হয় না, কিছু ক্লগতে কিছুকাল এর অক্টিম পাকে, আনার ইহা এক ভাবে अवश्रीन करत ना, जन्म जन्म दुन्नि ८वः একটা একটা পরিণামপ্রাপ্ত হয় অর্থাৎ **শিশু (भटक वांगक, टेकट्यांत, खोनन,** প্রোঢ়, বার্দ্ধকা প্রভৃতিতে পরিণ্ডি লাভ करता ७९ लाइ 'अलक्ष्य'. (यगन क्रम छोरव विकि इ'रहिल, (गडेक्सभ खारवह भक्ति প্রান্থতির হ্রাস হতে থাকে, পরিশেষে নিনাশ প্রাপ্ত হয়, তথন হাজার হাজার এমন কি ছনিয়ার ধাবতীয় ঐশব্যের বিনি-

অত্সকান করি না। বড় বড় পণ্ডিছও সাম্যের কান্ধাল, কিন্ত 'স্বাস্থা'-শব্দের ' বুংপত্তিগত অর্থ টা তলিয়ে বুঝ্বার চেষ্টা करतन ना । अष्ट् + श्रार्थ का क'रत बाह्या-भन নিষ্পন্ন হ্ণেছে। স্বস্তের ভাব**কে 'স্বাস্থা'** বলে। 'অ' অধাৎ অংহা, ভ অর্থাৎ অণ্ডিতি। আত্মার স্থিত ২তে পারলেই অক্রি লাভ করা যায়। বাহারা শাক্সঞ, আত্মারাম, তাঁহারই স্বাস্থান।

দিতীয়ত:, 'অৰ্থ' শব্দে কি বুঝার? ু চামরা অর্থ বিস্লোই 'টাকা' বুঝি কিন্তু শাস্ত্রে ব'লেছেন---

সন্বেত্মকরা ভূমি ধানানি পশবস্থিয়: 🗓 অর্থপ্র কার্য্যাগিড়াং অর্থ ইতাভিধীয়তে॥

সাহবাত্রাকরাভ্নি, ধান্য, (গৃহপালিত) পশু গাঁ (পুরাদি মাত্রীরস্ক্রন) প্রভৃতিও অর্থের কাষাযোগী ব'লে এ সমতকেই व्यर्थ दा ८१८.।अभीव वस्त्र वरण। य वस्त्र व्याभाष्ट्रत वार्थीमिकत महादक, छाहाई অর্থের বিচারে অৰ্থ | জাগতিক যথেষ্ট প্রভাক্তন আছে, সংসাধী লোকের নানা:প্রকার বায়নিকাছের অর্থের দরকার। তক্ষ্য অনেক ক্লেশও স্বীকার করতে হয়। কিন্তু অথের প্রাক্ত সমাবহার ভাতে হর না। টাকা-क्षि भत्र क' त्व ८ भट्ड एन्ट्र यनि मद्देन গেলাম, তবে আর তাতে অর্থের কি

হ। না। সেই ৰঙ্গ 'খাৰা' কথাটী দেহেয় 'অৰ্থ---অনিভা, তা থাকে না, বহু ক্লেণ কিছু অগ্নিনাহে, কিছু অক্স গোকে, জন্য প্রবোগ করা বায় না। তবে ভাষার স্থীকার ক'বে প্রাণ্ঢালা পরিশ্রমের ফলে কতকটা রাজা প্রহণ করায় ভিনি একে-

চোর-ডাকণতে নিয়ে যেতে পারে, আগুণ লেগে পুড়ে ছাই হয়ে বেতে পারে কিছা অক্সাং ভূনিক প হয়ে সর্ব নিজ আধার-সহ পৃথিনীর ভত্স গর্ভে প্রেসেশ কর্তে পারে। কিন্তু পরমার্থ কেউ কেড়ে নিতে পারে না। তাহা নিভা, ভার একটুকু সঞ্চ কর্তে পারলেও অনস্তকাল ধরে তা অক্ষা, অব্যানভাবে অবস্থান করে, किष्ठा छ ने हा ।। कात्रण चन्न और्ति এর বক্ষক। জাগতিক অর্ম খনচ করতো ফুরিয়ে যার, জার প্রদার্থ বস্তই থরচ कंद्रन न। दकन, जन्महें चुक्ति द्रश्रद्ध श्रांदक ।

জাগতিক অর্গে পঞ্চাশ প্রকার অনুর্থ আছে। ত্রিনভিভিকুর চরিত্র আলোচনা क्रत्र कामजा धविष्य यर्गहे सान गाक করিতে পারি।

পৃধ্বকালে অবস্থীনগরীতে একজন थनाण आक्रम ছिल्मन, जिनि वानिकामि शाना किছू धन मक्त्र करतहिरानन, किन्द জ্ঞাতি বা অভিথিগণের অর্থের হারা কোন क्रण दनवा क्यां पूरवय क्था, भिहेवारका क তাদের সংকার করতেন না। একজ তার গৃহে কেই শভায়াত কর্ত না, তিনি একাই *য*ক্ষের স্থায় ধন আগলে বদে थाद्रञ्ज । এই तक्रम धर्मार्थकामविद्योग সেই আন্দেশের রুপণতার ভরু পঞ্চভানী দেবতারা পর্যান্ত কুল হরে উঠে**ছিলেন ।** কণ্ডনা কমের অনাদর করার পুণাত্রট जर्भ प्रदेशकात--- এक सांगांखिक वर्ष, रिमर्ट अस्तित वर्ष मका व नहे इस्य राजा। ময়েঞ্ল এদেছের স্বাস্থারকা করতে সমর্থ আর এক প্রমার্থ। জাগতিক বা গৌকিক কচক জ্ঞাতিগণ, কিছু দত্যতম্বাদিতে, আফটা গাচ আর্থ আছে, আমরা বে বিষয়ের 'বে অর্থ সংগ্রহ করলাম, তা একমূত্রেও বাবে নিংখ হয়ে পড়লের। তখন সেই

ধনহীন ব্রাহ্মণের পরম হুংখ ও নৈরাগুফলে নিৰ্বেদ উপস্থিত হঞ্চায় ভিনি বল্তে লাগলেন,—আমি এতদিন ধরার্থকামানি **दर्शन किष्क्रहे माधन ना क'रत दूशा फा**र्यत व्यक्त व्यक्तिम् कत्यामः। किन्द्र स्टन व्यव **८भगाम हो। कर्मरा ८णाटकत्र धनगणावि** প্রায়ই হুণের নিমিক্ত হয় না, তাংহর रेर्ट्यांट्य द्यांच अष्ट्टांच ध्वर नव्रामाहक नव्क नाम र्दा थाटक। द्यमन भामान् मांज कुई शतम तंशवादनदश्च क्रश नहें क'रत **क्ति, (क्रमनि धनलाटक) यणवीति**रशत्र श यण ध्वर अक्नमात्नत अक्न विन्धे क्रय यात्र। व्यर्थ मन्त्रेमारे कहेमारक, जात्र माधन छ বৰ্দনে আয়াস, রক্ষণে চিন্তা, ব্যয় ও উপ-**(कार्य)** जान जनः मार्ग जम रु'रत शास्त्र। चांत्र कोर्याः, स्थिता, मिलाः, मञ्ज, काम, জোধ, বিশ্বর, মন্তভা, ভেদ, শক্রভা, **স্পাবস্থাস, স্পাদ্ধা, জী, দুতে ও ম**ছ এই **शक्षम्भ क्राकांत्र क्रमर्थ क्र**र्वत्र भर्धाः আছে, হুভয়াং শ্লেষ্কানী ব্যক্তি দূর হ'তে এই জনর্গরূপ অর্থকে পরিভ্যাগ कदर्यन । श्रानद कना लाइएक वरा हैं। পুত্র, পিতা, বাহ্নব সকলের সঙ্গেই অপ্রীতি হর এবং অভিপ্রিয় লোকও শক্ত হরে উঠে। ধন থাক্তে যে বান্তি দেবতা, ঋৰি, পিতৃ, ভূত, জ্ঞাতি, বন্ধু এবং আত্মাকে বিভাগ क'रत ना भिरत्र शकविक व्यवस्थन करत्, **८म व्यस्थिति १३। এककाम वार्य** অর্থচিন্তার প্রমত হ'লে আমার অর্থ, বয়স, বল সবই পেল, এগন বৃদ্ধকালে আমি কি করি? বিধান্ ব্যক্তিও অর্থের চিস্তার নানা ক্লেপ ভোগ করে। অভএব-न्नः स्य क्यवाः खडेः मक्टमवयता हतिः। বেন নীজো দশামেতাং নিকেদশ্যাক্সনো প্লবঃ ॥ ত্রিসেবা করাই যে শুদ্ধ জীবস্বন্ধপের একসাত্র व्यर्थाद निक्ताः व्याक मर्काप्तरमञ्ज श्रीवित আমার গুতি সম্ভ হয়েছেন, দেহেতু আমার সংসার উত্তরণের উপায়সকণ এই নিধেদ উপস্থিত হ'রেছে, এটা প্রীভগবংকুগা বাতীত আর কিছুই না।

এইরণে ঐ রাজ্মণ অন্থক্র অর্থের পরিণাম দর্শন ক'রে কা মনোবাক্যে 🕮 ভগবংপাৰ পদ্মদেশার আভানিয়োগ কারে हिट्यम । ( ক্রন্ধ: )

### क्रांटकाय खोटन भाषत्वद (नव (0)

হরিভ জগা নিশিল খিনয়সমূচের হারা गरमाभरतभात 🕮 इटबंग्त 'ऋकिमशक्काठि कारनन বলিনাই তাঁহারা জীবনুক্ত। এক্সংক্রের অকৃত্ৰিম ভাত্য জীলাছাগৰত উত্তম ভাত্তের गरिमा की छन अमान कहिराक्रहन,-किहा स्टामादक कर्यन। अस्ता तिसा। निनिनाचनान्यसङ् कीनन्छः म छेहारछ॥" इक्मावर्क निक्कपृक एकङ्कानीम वाङ्गीङ

(कश्रे कनकानि, विवदब्र क्यार्थ मनावरीय क्या नावित क्या थातक, व्यागानात्मत्र शत्रमार्थ क्रांक, क्यांक क्यांक क्यांक कारनन ना। ८ वे क्यारे रशोबनावितरार्थ জীল রূপণোত্বাদী প্রাত্ত শ্রাণ্ডিক্তরা न्का। वित्रविक्षित्यातः। तृत्कृषिः शर्वित कारिया देवसांबार कहा कथारक ॥" ---- शहे স্লোদের অবতারণা ছাতা কলত্যাগ চেটার নিরথকতা বাক্ত করিরাছেন। ঋট্রৈতুক দঃমির গো**স্বামিকরের সি্ছান্ত্**মর্শ্ব আশ্ব**ক** স্তবিস্থত করিলা ভ্রান্ত জগদ্বাসীর হিত-गायनकरम कवनार्ज किन क्रमाहार्य। 🗃 🚉 न **প্ৰাৰূপাদ অতি সহজ ভাষাঃ অগ্ৰান্ধ**ক ছারে পারিবেদ,—'∰ছরিদেবার বাহা অনুস্কুল। 'বিষয়' ধলিয়া ভ্যাংগ হয় भेशतिदान**ात जास्**कृताकाती বিষয়সমূহ জাপঞ্চিকনোধে <del>যৰ্জ</del>ন করা ধে **भवकत्नत जान्दि उर्शामन कतिहा । स**ङ् প্রতিয়া সংগ্রহেরই ক্বাসনা, তারা জীল আচাৰ্যদেবের পাদপদাপরাগলন ভাগ্যবান্ শন ভিন্ন ভোগী বা ভাগীকুল বৃথিতে পারে না। "ভোগার কনক, ছোগের জনক, কনকের খাবে সেবছ মাধব। আসক্রি इञ्चि, नषक महिक, विष्यमभूद मकनहें মাধব ॥" প্রাকৃত মনোধন্দীসক্ষেত্র প্রচারিত অসতোৰ তনিআকৃত ব্ৰনিকা ভেদ কৰিয়া উপরিউক্ত পরম বাস্তব সনাতন বাণী-হর্ষের অৰণ ৰাভা ভূলোকে গোগোকের স্পাৎ-শোভা বিভরণ করিভেছে। মহাবদাস গৌরপ্রেট আচার্যাবরের কল্পানিগলিত জীমুপৰাণী, ভুক্তি মুক্তি-পিশাচীর মনোহর রূপন্থ কীবনুন্দকে মায়াগর্ভ হইতে উদ্ধার করিল পরম দেবা অপ্রাক্ত কাম দেবের কামভর্শন-চেষ্টার নিষ্ক্ত করিভেছে। নিথিল জগতের ধাবতীয় বস্তু দারা নিরন্তর कुछा, छाडाडे त्य भर्नदात्त भत्रमार्थ (भन्न, এই चालोकिक महाभाग द्याधारहेकहर ভাগবতগর্মের অঞ্চন আচারণান প্রচারক ष्मार्गियात्मय विश्व दक ब्रानाइटल পातिक? क्षनार्थत तुरुक-विश्रमि कर्म दि द्यादशत চরম লক্ষ্য ভোগবজী স্বৰ্ম বা নোক্ষের বিপুল প্রলোচন ত্যাপ করিয়া আত্মাবাম মৃনি-शर्भत**ः यम**चा क्रक्मभागभग्रदमया-८मोत्रहरू স্থরভিত পরমার্পের অভুগদন্তারে স্থগোভিত इंडेटफ शांदत. डेटा विमि नांचन मुद्रोटखद्र षाता मुख कर्छ की ईन कतिरक्राह्म, उनहे প্রমোলার মহাপুরুবেৰ অপূর্ব কর্পালোক আমাদের ভাৰকাৰ চিন্তগুহাতে উদ্ভাদিত ठ डेन । क्रकीय भागभाष्यशामिक अकश्यक्त **শ্রীচরণেই আমরা কনকের ব্যাশহার সম্বন্ধে** স্থশিকা পাইতে পারিব, ক্সাভের অক্তর নহে

ৰালয়ুগে ধান অসম্ভব (ज्ञीभान किरमात्रीरमाञ्च अकिगासर वि.क्षण) कामारकत्र कारवात्कत्रहे धातना-धानहे (अर्थ नापन; कांत्रण छेशारकृष्टे अरूकृ

श्रीरण। जागांत्रत क्रिक्तृष्टि वज्ये वज्ये कता वक्षे प्रक्रितः चान्त्रद्वम् विकानः वाद्व प्राप्त हक्क किन्नद्वितक मनन क्तिए व्हेरन विकास योग वाताहै विकिश्व চিম্বকে প্রজ্ঞান্ত করা ব্যতীক লভ জ্বপার मारि । प्राप्तकाय धारमरे स्मार्क गांगन । **वर्ष**णान কাল--ফলি অৰ্থাৎ বিধান বা অন্তেজ यूग । असम त्लोकनरश्त्र महिनाई कर्कः পবেরই **অধিক আগর। তাই এতে**য়**ঞ্চ** কথাতেই আমনা বৃতি তৃর্কের আবাহন क्तिया थाकि। कमियूरगः धान व्यवस्थत' এই কথাটী সহজে আমন্ত্ৰা গ্ৰাধঃক্ষরণ করিতে প্রস্তুত হ**ই মা, যুক্তিকরে না**রা ইহার শীমাংসার আবাংন করিতে থাকি

সাম্বত শাস্ত্র বিশ্ব বলিতেছেন যে, क्लिकाट्य शास्त्र भग क्रक इंडेग्रोट्ड। লোকের ভিত্তবৃত্তি দদ দাই বিক্লিপ্ত ক্রভেরাং এখন বিষ্ণুর ধ্যান করিতে গিনা ইক্সিয়তর্পণ-পর বিবয়ে আমরা অভ্যন্ত হওগের ধানেব आत्रक्ष विवयमे भाषात्मत भारमत दशावती-क्ष यत्र रहेगा भएए। काटकर काटमाक्षक ধানের সম্ভাবন। অতি অর। ধান-द्यागानी चातस कतिवात भूत्महे चामात्मत বিচার করা নাবপ্রক বে, কে ধ্যান করিতে-टिन, काशंत्र भाग कतिएउएम **अवर ८** रहे धानिहे वा कि ? व्यामन्ना मत्नाधनी कीत, মৰোধৰ্মই আমাদের প্রবেশ। আমাদের मन गथन निवतकात्या शतिकास हरेता शत्क, তখন ভাহাকে সামশ্লিক বিশ্রাম স্থিবার যে চেটা বা আয়েন্দ্রিনিতিনামা, তারাই मत्नावको मन्द्राभाषात 'गाम' निवा क्रिक । যেশানে ধ্যাতা ও ধ্যেকে নিভান্থ নাই, সেপানে ধ্যানটিও অনিভা উপায়বিশেষ, উঠা শিত্রা উপের মছে। এরপে সাম্বিক नचंत्र भागनात्र। (कान लाक हत्र ना ।

ধ্যানধারণাদি দারা চিছের পরিশ্রাস্ত कारतत्र कशिक माध्य चित्र । क्यूहर्राईहे ठकरायकार मन धानीत्क नानाश्रकात निषयगोत्रदेत मध कतात्र। (धान बलान হিরতা রাখিতে না দিয়া খ্যাল প্রাক্তি-महर्र्ड न्छन न्छन त्मात्र तथ आहम व्यट्स 😮 প্রতন ধ্যের বস্তব্দে ভাসিমা দের। ধ্যানী নিজের মনের উপন্ন আবিপভ্য বিস্তান कविटक मा भाषाम स्त कान्द्रिक भारत मा त्य, ৰঞ্জ দনের পালায় পড়িয়া দে জোৰায় চলিরা পিরাছে। মনকে বলীকৃত করিছে: गिवा, मानव धाकु गाबिएक निक्षा, कानी महनत वस वा नाम इसेश न्नरक । श्रीमहन्त्र भगनत्क्वे :८नं (भगन् धनित्र) मद्रम् भूदत्र जनर निगमक्तिकै काराम ' ८ए। क्रिकेश महिला । वालाम निक्रिया। काषानकरात्रक राजीकि कानिका हैशहिक वीक्रांका । वत्र। गानधात्रणाणि भारताव्यास्त्र ८०डे। व

बार्त-राजपानि बाबाद किंग विश्व श्रेता मुनापान् नमस् महे क्या नामा द्व पार्टन शास्त्र विकास शाहे, क्राहेकर क्रिक्टिक निरमात्र कता वा क्रिय अन किरकेन एककृत क्षेत्र अस्तिक स्वेटक भारत ना ।

> शाज्य बाबा संवित्र दवन वा जाक्या द्वांव रहेता व जानातम द्वन कर्वार मानभिक कांकणा क्षेत्र वह वह । जारताक्षात्रीः भागी जनिक क्षणगामाक कीत्रः सूत्र मुक्तवकात नामा का कवियान क्या क्रिके क्यादिनी क्रानक्तरन जनवांनी अनर वानकृत्व स्तेता भट्डन । व्यविका-न्याका काविकान निक टिटेश क्यमानाक मार्गन क्यार गम्ब क्न ना। अक्षकांत्र सातिएक निव छोड़ाव क्रामनन कतिनाक द्वारीत छात्र छन्ननान्त्रक नर्गन कतिनात छेक्कन क्रिडी धक्नारत निक्रम হইল। পাকে। **ভাষার ভ্**ষরাশিকে পুন: প্ন: আঘাত করিবা তণুল পাইবার আশার वृशां क्रिय चीकात्र करहन मोख। क्रिक वृत्स स्तिकै. स्नि यमन धकाथारत छेनाम এবং উপের উভয়ই, খ্যান কিন্ধ সেক্ষণ নহে। গান অধিকারী ও অনধিকারী निर्धात करत, छाँदे शान**े नकण व्यवस्था**त **अक्टबंद शक्क महार रहे गा।**

(बाद यह नांखरमञ्जा यस स्वता व्यावक्रक, शास्त्र बाक्ष्य निकाश्या शाका व्यावश्रक धावः शानक्रिशं निष्नविद्या তৈলগারার ভার ক্ষমেডিংক্রণত বিশিষ্ট ₹'\$41 আবস্ক্রক। शान स्व ना। वर्षभागकारण विकिश চিৰত্বভিতে ক্লিক্জৰপূৰ্ণ ক্ৰৱে গ্ৰেছ थ्य नर्वना विश्वक्षण भविष्ठेम क्षिक्**ष्टा**। গে সকল বিবৰ আমনা আড়েজিৰ ছালা দেধি, ভাতাই জামরা ধান করি। कामारवस करफ्रिय अ:स् निमाधनिष्टे **জানাদের গ্যে**৪ ব**ন্ধ** হয়, নিজ্ঞ মা**ন্ধ**য जारवाक्य वस व्यामादम्य बाद्यम त्याहरी-क्क रन न।। ानकायुर्ध वांखव ा अकाव्य थामित (भारती पूछ क्षेत्रजन, किन्द्र संस्थान বিশাৰণুগে শৃতা ক্ষনেকটা ভিৰোহিত वरेशांटर, क्लां मत्यात मान्यश्रामी क्लिप्रात्र विकिश्विदिक्षत्र शाक् सार्वा-चत्री रत्र नाः विभिन्धं मध्यतं स्रोता वाङ्ग्रह त्यात्र व्यक्त थान हरेका शाहा आका কৰ্মনাৰ্দের পথিকস্তুত্তে বে নক্ষা বিষয় थान कति, काहा शास कविद्रश जामादकत कवदावृधिरै विभिन्ना वार्षेत्व । कृष्णिकाल णामात्रम दर्शभागाम निर्मान, विक्रम व्यविषय हिटबंद व्यवस्थितस्य भाव विकास मकारना मार्चे । एकाश्रदे जैसहाधारक

were antiqued land consists assess

# গ্রন্থ পরিচয়

### में भरा भव जम

विभागांचि इम्परेशमास्त्र (संस्थान-टानिक मूल, श्रीसन-व्यवाद्यां के कार्या कार्या निर्माणका , व्यवस्थित विवस्तान हत्त्व रही ठाकून-क्रक नाजार्थतिकि कीका, बनाक्रवान, मश्क्रक अवग्र छ নেই ব্যক্তর প্রতিশাভ ক্যানার, অধ্যারের প্রগমে ঐ লন্যানের নার্মান স্থবিভূত তাৎপর্যাদি বির্ভ। লোকস্চী বিৰয়ত্তী, অধ্যারবিবরণ, পাত্র ও ছানত্তীস্ত উত্তম णान**रक केवन अ**कंदत नृत्तिक । व्यथम हरेरण >-म क्क

क्रांनी म्पूर्नेग्रंटन त्मव इदेशाएए। किका व्यवस हरेंदिक केमर्न कक गर्गास २०१४० ; समय कक ३२ ; PAS 80 1

### **बिधेर एक ह**ित्र जा मुख

**জ্ঞীনছাক্ত**ি নোগঠাকুম-মচিত 'পনুক্তপ্রবাহতান্য' 👂 🗬 শ্রীমর্জি শিশ্বাক্ত সরস্থতী পোশামী প্রভূপাদ-লিখিত অকুসাবো ক্ষতি-মুভ্যানি বহু শান্তপ্রমাণ স্থলিত হুইয়া प्रकृतिक स्टेबार्ट्स । द्वार्यक गांवहवाचा, वनाश्चाप মত্তোক পরারের পুর্কে সংক্ষিপ্ত অভিধের সংযোগিত। वास्त्रक अधाव-व्यादास कथामात्र द्व स्था जारह । त्याक, विक, भक्त, श्राम, भाव आकृष्टित्र स्युरेश स्टी ७ अहमारत्व ৰ্ভুক্ত কীৰ্মী নুম্মিত এইকুপ অভূতপুৰ্য সংখ্যুণ ইভ:পুৰ্যে ह्वांण व्यक्तांनिक स्व गारे। केंद्रम कागरक भाविभारहे।व हिन्छ पुण क्ष्यान्य भूगाःम भूक्षिक हरेतारह । श्रद्ध श्राह प्रशेष गण्यतः । क्षिकां वर्षमादन ८, माळ ।

#### **क्रिक्ट करा भगक**

अहकारतम बीवनी, थाछि गतिराक्रामत क्यामात, विच्छ भोकीय कावा, मक्किही, नवाब रही, विवद-श्रम-नावाधिन ্ট্ৰী, প্ৰস্কৃতি বিবিধ বিষয় স্থানিত বিষ্কৃতি বিভীয় সংখ্যুণ विश क्रांक्रेम ৮ (भनी व्याकात्र। व्याविणीया ও মংগ্র क्षेत्रभ व्यक्तांभछ इंदेशाध्य। व्यन्य क्राय व्यकांभिक देश्फेरह्म। अधिम किका ६ हाका, चानि मौगाव Red # 1

#### क्रिटेड फ्रिया महान

এই প্রায়ে এরণ ক্ষিন্ধ মুক্তর সংখ্যাপ আর ফুতাপি प्रकृतिक दह बादे। शाक्ष द्वासारानंत्र व्यवस्तानंत्र, हाया, क्यानाव, क्या टाक्कि तर भएक भएक टाकानिक ইবারেন।, রুল রোটা অক্সরে করণ ক্রাউন আটপেনী हिमाकारमः स्थाना दक्षेत्रादम् । तूना २१० होना । नदीवा प्रकृतः क दलोक्षीरवा अस्त्रि ग्राय गरक अ। के कि।।

### প্ৰতি প্ৰ**ীল্ডগ্ৰহ্মিড**া

किमीकी देवकवाठाया चलाइक त्रशिक्ष्णावित ক্রিবিদাশ চক্রবৃত্তিভাষ পোরাশিক্তা সারাধবনিব क्षाम्यक्षेत्र क विद्यान्यक्षित्र विभागतिक अभिक-क्षेत्रं मार्थकं कावाकोवामधिका । क्षेत्रोवं क्षेत्रं, मोकुकाकात हाक-एकी विश्वन-एकी अधून रहत की बनी के व्यवदेशीय गिर (ब्राह्मकाष्ट्रियक्तम् क्रिक्ट ब्रानादे क्रिका मध्यवन—यदे शाव innicin form) a biet nin, nining neung-op. THE RESERVE OF THE PROPERTY OF

### अकृतारमञ्जू वकुछावनो

ওঁ বিষ্ণুপায় ঐশ্ৰীমন্তবিদসিদাখসর্ঘতী বোষামী মহারাজের সেই অবিভাবিধ্বংসিনী कीवाश्वश्वकट्याट्याधिनी क्रक-कार्क्यामन्यात्रिनी कीवस्र-वागीत न्ध-विवाद---विकवित्रकाल-तक्त्रमःनाक् कोक्षभ्मिश-अन्त्रमात বৈভববিক্সানাগারের মৌলিক তথ্য-প্রদাত ও ভাগবতের সম্বয় গুরু-মহাজন-জীবনচব্লিড-শিক্ষ ক-চি দিলাসচিন্মাত্ত-**অভিনৰ্ক, অখ্য ও বিযুক্তাবিবৃক্ত । আতি কলের আদিতে অ**চিমাত্র-বিচারক— ঐখন্য ও মাধুনারসের মৌলিক গবেষণার —সম্বন্ধ, অভিশেষ ও প্রারোজন-তত্ত্বে নিজাস্ত-সমূত্র।

> ১ ৷ প্রথম **খণ্ড**—বৈক্ষবদর্শন, শ্রী ওঞ্জব, কাল-वर्ष, क्रिमध्वाविकाय, व्यवार्यकानवी, भाक्षत्राक्रिकी मीक्षा वर्ग विठात्र, व्याचानक ७ गत्नानक, औरेठ छ्छारमय ७ তাহার শিক্ষা, অপ্রাক্ত নহম্মধর্ম ও প্রাকৃত সহজ্ধর্ম. আছুতি বিংশতি সংখ্যক রত্ত্বে স্থলোভিত। ভিক্লা মাত্র ৮০ বার আনা।

**২। দ্বিতীয়া ঋণ্ড-তদা** ও বিদ্ধা ভক্তি, মছুযোর শ্রেষ্ঠতা কোথার, আত্মার নিতাবৃত্তি, শ্রীণর স্বামিপাদ ও मात्रावाल, औरशोत-निकाननक्षमक, जियुरशत धर्म । क्रक-কীর্তন, শ্রীব্যাসপূজায় শ্রীমন্তাগণডের কীর্ত্তন, শ্রাগোর-शास्त्र महिमा, महाव्यमाप, औलाविन, अन्न लाङ्गपाडकन-পপ, শ্রীমতী বৃষভাম্বনন্দিনী, শ্রীচৈততের পরা, গৌরকরণা ও রুক্তসমীর্ত্তন—চতুর্দণ অপুর্ক মধুরিমাপূর্ণ-বস্কৃতা-বিভূদিত। किका २ , अक ठाका माजा।

প্ৰথম ও বিতীয়-ছই থক একতে লইলে ভিকা ১॥• দেড় টাকা, ভাক ৭রচ খতন্ত্র।

#### **এমভগবদগীতা**

(गोफ़ीय-देवकवमार्णियक-८भवत अभिमन्वमालव विद्या-ভূষণক্লত ভাষ্য ও ত্রীমধ্যকিবিনোগ ঠাকুরেরপ্রান্ধল বল-क्षांग तिकृष्ठ 'विवर्तक्षत' नामक कामान्क। काशाय-স্চী, বিষয়স্চী, ও প্রতি স্লোক্ষের প্রথম ও তুড়ীর পাদ স্টী, ভাষ্টকারের শীবনী প্রভৃতি স্থলিত। উৎক্ট বালাই, মাজসংখ্যাণ (তৃতীয় সংখ্যাণ) এছেয় क्रिका २, ऐका।

#### **अध्यात्रज्ञावली**

व्याग्रह्मात विश्वाकृत्त-व्यागिक देवसवस्त्रीन, मन्दर्क क **८**शाविन्य-खाशांति পिष्ठितात्र व्यथम अहः ष्ठे०कृष्टे कानिएउँ ছাপা। স্থানত টাকা ও প্রাল্পনাত্রাদ-সাহায্যে অভি সহলে বালকেরও বোধগমা হইয়া থাকে। ভিকা । ত' আনা মাত।

#### **बिनवदी भशाममा हाया**

( প্রমাণখণ্ড ) সামুবার। স্লাভি-স্বভ্যারি গ্রন্থে জীনখ-দীপের যে মহিমা কীরিত আছে, তাহার মৃশ্ সংখ্যত ও আনুবাধ। ভিকা ১ আনা।

#### **এএ**নবদীপদাবতর্

বীঠাখুর অভিবিলোধ বিথিত। স্থবলিত গীতাকারে **अधिकाश को बार्शिय विश्वक । किया । आगा।** 

#### ভঞ্জিত্বাপর ও নববীশ পরিক্রমা

শ্রীণ সরহরি চক্রবর্তি-ঠাকুর রচিত। ভক্তিরস্থাকর হুইতে পরিজ্ঞাংশ মাত্র গৃহীত; জীলীব গোডারী কি अकारत क्रिमवदीनगारमत नामक्रमा क्रिमाव्याम, फाश्हे পছে বিবৃত। জিক্ষা । ক জানা

## 'ग्रीटिन्जन्तान सम्बद्ध

🕮 ভকিবিনোদ ঠাকুর-প্রাণীত। ত্রীচৈতক্তেইহাতে শিক্ষাপ্রণালী—ক্বফ, ক্কমণজি ও রস—বন্ধ ও মুক্ত জীব— অচিস্তা-ভেদাভেদ-ভন্ধ--সাধন-নির্ণয়--**প্রয়োজন-ভন্ধ, কর্ম-**কাণ্ড, আল্লমাদির বিচার—বৈধী ভক্তি, ভারভক্তি ভ প্রেমভতিস্থ নামভলন-প্রণালী ও অইকালীয় লীলা-পরিচয়াদি প্রথম শিক্ষাণীর উপযোগী করিয়া সমুল ভাষার সমূদর যুক্তিপ্রামাণসহ বিধিত আছে। চ**ডুর্থ সংকরণ বাবা** ২ , টাকা, আবাধা ১৮০ টাকা মাত্র।

#### গৌড়ীয়কণ্ঠহার

শ্রীগৌডীয়-বৈষ্ণবগণের অমুক্ষণ কর্ছে ধারণবোগ্য শ্রুতি স্বৃত্তি-পুরাণ-পঞ্চরাত্রাদি-সাম্বত্ত-শাস্ত্রসমূহের **প্রমাণাবলী** বিষয়বিভাগক্রমে সামুবাদ ভব্দিত। **এইরপ বৈক্**র-সিদ্ধান্তের সারসমধর অস্ত কুলাপি প্রকাশিত হয় নাই। ইহাতে গুৰুতৰ—ভাগবত—বৈক্ষব—গৌ<del>র—নিজ্যানক—</del> चरेष७—इस—मिक--७ शवज्ञम् — जीव — चि हा **एवर एकर** --- चक्रिरश्य--- माधनख**कि--- चर्नान-- चान-- एक्रांक** — শ্রীনাম — প্রয়োজন ও প্রমাণ-ভত্ব ওলি পৃণক্ অধ্যারে স্থ্যুহৎ স্লোকাদি স্টীসহ উৎকৃষ্ট এণ্টিক কাগতে জেজি রু কালিতে মুদ্রিত, উৎকৃষ্ট বাধা সোনার কলে নাম লেখা। গ্ৰন্থ প্ৰায় ৪০০ প্ৰায় সম্পূৰ্ণ। জিকা ২০ টাকা মানা।

#### **बिनन्दी भगाय-धारायनी**

শ্রীমণভ্তিবিনোণ ঠাকুর রচিত 'ধামমাহাত্ম--ধাম-মাহাব্যোর সামুণাদ আমাণ বাত-ত্রীল নরহরিচক্রবর্তী টাকুরের গাম-পরি কমাংশ---স্মিণাম নববীপ পরিক্রমাঞ-তীথ-ঘাত্ৰা পছতি—শ্ৰীমং প্ৰবোধানস্কৃত নবৰীপশতক্ষ্— **अभइक्टिविस्नात टाक्राब अभवित खानकतम अञ्चि** গ্রন্থ থেকতা ভিক্ষা ৮০ আনা মাজ।

#### **এ**ছরিনামাত্রত ব্যাকরণ

শ্রীভীব গোস্বানী প্রাভূপাদ-বির্চিত হজ 🔏 বৃত্তি, তংসংখ ওবিকুপাদ এমছক্তিসিদাত সময়তী গোখানী মহারাকের বিকৃত ভূমিকা ও স্থচী আভৃতি সহ। অপ্রভ্যানিভভাবে হুলভ। ভিক্ষা ২ টাকা, ছাত্রশালের भएक ३॥० होका माख।

#### বেদান্তভ্যসার

শ্রীমন্তামাত্রলাচার্য্য-রচিত। বেদান্তের বিশিষ্টাইবতবাদ-প্রচারক শ্রী চায়-প্রণেডা আচার্যাপ্রবর বেদাম্বদর্শন পাঠের **উপযোগী क्**त्रगार्थ **এই উश्चम क्षित्राध्या। ই**হাঙে বঙ্গালুৰাৰ ৩ স্চীপতাদি সংযোগিত কৰা ছইয়াছে নাম মাত্ৰ ভিক্ষা ॥• স্মানা ।

#### এটেডজাচন্দ্রামূভ ও নববীপশতক

भोत्रभावंत किमानी क्रिया धारवाशासन मत्रवानी धारीए মূল, প্রভূপার জীমূর ভবিজ্ঞান্ত সরস্বতী গোসামী মহারাজ সম্পাদিত অব্যমুখে ব্যাখ্যা ও বলামুবাদ সম্বলিত। নবদীপশতকের শুভিজিবিনোগ ঠাকুরের প্রায়ুবাদ ও তৎসহ জীমমাহাতাভুর একটা তিবর্ণরঞ্জিত আলোকিক চিত্র প্রেছত ছইয়াছে। মৃত্রণ ও কাশক উৎক্রই (২ খামা এক্ষে.) ভিজা ৮০ খানা, খড়ি হুর্মা বীষ্**টি স্নাক্ষণং**ছস্প ১ होका माळ।

## 'अची

শ শীমন্ত কিবিনোল ঠাকুর-প্রেণীত। এই একমাত গ্রন্থরন্থের জ্ঞান লাভ করিলে পারমার্থিক রাজ্যে কিছুতেই
শজ্ঞান বা সংশর থাকিবে না। পরম গুলু গর্মাবিষয়ক এইরূপ সরল ও হলরপানী প্রন্থ এ প্র্যান্ত প্রেকাশিত হল নাই।
নিবিলগোহামি-লাল-মহোদধি-মন্তন্দলে এই গ্রন্থাত
উথিত হইরাছেন। আবার স্থবিস্থাত স্থান, কথাসার
ইত্যাদি দারা বিশেষ সমৃদ্ধ করা হইরাছে। বিরাট গ্রন্থ,
শোনার জলে নাম লেখা, উৎকৃষ্ট বাধাই—চাতুর্থ সংকরণ
ভিক্ষা ২ টাকা মাতা।

#### প্রেমবিবর্ত্ত

জীমনহাপ্রভার অন্তর্ম পার্যদ শ্রীল ফাল্টানন্দ প্রাভূ বিষ্ণচিত। এই প্রকে মতি শ্বগবোধ্য ভাষায় মহাপ্রভূর ফতিপয় লীলাসহ বৈষ্ণবাচার, একাদশী ও নামভ্যনন্দ্রশালী প্রভূতি অনেক বৈষ্ণবতদ্বের স্থামীযাংসা দেখিতে পাইবেন। পানটীকায় ছুরুহ স্থানের বিশ্লাপ ও প্রস্থকভার পরিচয়াদি-সহলিত চতুর্থ সংস্করণ ভিগ্না। ৮০ দশ্ আনা মাত্র।

#### ভজনরহস্ত

ভঙ্গনকারীর নিত্যসঙ্গী; ঠাকুর ভক্তিবিনোদের সম্প্র দান; নিথিগ শালের নির্যাস। গ্রহখানি না দেখা পর্যান্ত কেছ বুঝিতে পারিবেন না। তৃতীয় সংক্রণ ভিক্ষা ॥• ।

#### হরিলামচিন্তামণি

নামাচার্য্য খ্রীল হরিলাস ঠাকুরের মুপে খ্রীমন্মহাপ্রাত্ শ্রীমান-মাহাত্ম্য, নামাভাস, নামাপরাধ প্রস্কৃতি বিষয়ের বাষতীয় বিচায় শ্রুষণ করিয়াছিলেন। এই বিষয় গুলির শ্রুতি সরল পরারে সংক্ষিপ্ত আশিয়সহ পরিপাটিভাবে মুদ্রিত। শ্রীল ভক্তিবিনোদ ঠাকুর-রচিত। পঞ্চম সংস্করণ ভিক্ষা ৮০

#### কল্যাপকল্পতক্ষ

শ্রীমন্ত কিবিনোদ ঠাকুর-রচিত। প্রত্যেক ভগবদ্-বিশ্বাসী ও জ্ঞানপণের পথিকের একাস্ত প্রেরোজনীর উপদেশবিদীপূর্ণ দীতিগ্রন্থ। সামাক্ত দেখাপড়া জানা লোকেও এই জ্ঞানরাজ্যের দীতিসমূহের ঘারা অনর্থনির্বতি ও ভগবংসেবা লাভ করিবার স্কৃষিণা পাইনেন। ব্রু গংক্রণ, ভিকা /> শানা মাত্র।

#### শরণাগতি

শ্রীমন্ত কিবিনোদ ঠাকুর-রচিত। তগবানে আত্মমর্শণ, বিজ্ঞাপ্তি, ভল্পনালদা, বড়্বিধা শরণাগতি ও দিছি লালদা বিষয়ক গাঁতিপূর্ণ, ভিকা ৴৽ আনা মাত্র।

#### গীভাবলী

শ্রীঠাকুর ভকিবিনোদ-প্রণীত। নিত্য ভজন, আরাত্রিক ও প্রানাদ-দেবদাদি-বিষয়ক নধুর গীতসমূহ একত্রে গ্রাধিত। ভিকা /• আনা মাত্র।

#### **এ**সৰম্পর্জেগ

রসিকেরমুক্টমৌল শ্রীমন্ত্রিকার চক্রবরী ঠাকুর-বির্চিত রসগ্রহ। শ্রীমন্ত্রিকিবিনোদ ঠাকুরের অন্তবাদ-বহু। ভিক্ষা।• স্থানা মাত্র।

## ज्ञाननभूशः

শ্রীমন্মহাপ্রভার শিক্ষা ও শ্রীণ রঘ্নাথ দান গোলামীর প্রতি শ্রীরপ গোলামীর উপদেশবাণী, ভক্তিপথের অফুক্ল ও প্রতিকৃল বিধায়ে স্বিচারিত সল্যোদন ভাষ্য, বিশ্বত বিবৃতি, চরিতামতের প্রমাণ, সাম্বর ব্যাথ্যা ও মহাক্ষন-প্রণীত ভদ্পবোগী গীত্মমূহ প্রত্যেক লোকের সহিত সরিবেশিত হইয়াছে। ৩য় সংক্রপ ভিক্ষা 🗸 আনা।

#### সাগল-কণ

ত্রীরখুনাথ দাস গোস্থামীর মনঃশিকা, জ্রীল ঠাকুর ভক্তিবিনোদ-চরিত পঞ্জাহ্বাদসহ। ভিকা / • আনা।

#### প্রেমভব্দিচন্দ্রিক।

শ্রীণ ঠাকুর নরোক্তমের স্বপ্রদিশ্ব প্রেমন্ড ক্রিবিশয়ক গানের পুস্তক। ভিকা /• আনা মত্তে।

#### নব**দীপশ**ভক

শ্রীল ঠাকুর ভতি-বিনোদ-রচিত শ্রীল প্রবোধানন্দ সরস্বতীপাদের সংস্কৃত নবদীপশতকের ফুল্লিত পদ্মান্ত্রাদ। ভিক্ষা /• সানা মাত্র।

#### অর্থপঞ্চক

শ্রীল লোকাচার্য্য রচিত। বৈক্ষণতা-জ্ঞানের আকর পুস্তক। ভিকা / - আনা মাত্র।

#### **সদাচারস্থতি**

শ্রীল মধ্বাচার্গা-প্রণীত। বৈক্ষবের নিত্যকর্মাদি সদাচারা-বলী, বজাত্মবাদ সহিত। ভিক্ষা / ম্যানা মাত্র।

#### মণিম্পরী

কবিকুলকেশরী জীমরারায়ণাচার্যা রচিত। জীমরাধ্বা চার্যোর সংক্রিপ্ত জীবনলীলা ও মূল বৈষ্ণবধর্মমত। সামুবাদ ভিকা। আনা মাত্র।

#### গৌরকুকোলয়

প্রাচীন কবি শ্রীগোবিন্দ দেব প্রাণীত শ্রীগোরাকভারের প্রমাণাবনী-সংবলিত সংস্কৃত এছ। ভিক্ষা ৮০ আনা।

#### যুক্তিমল্লিক। ( গুণলৌরভ )

শীমধ্বসন্তালায়াত্বগত শীমবাদিরাল স্থামিকত। বলাক্ষরে সাহ্বাল এই গ্রন্থের প্রকাশ পারমার্থিক সাহিত্য-জগতে এই সর্বপ্রথম। শীমন্মধ্বাচার্য্য হইতে বোড়শাগন্তন বিতীয় মধ্বাচার্য্য নামে খ্যাত শীবাদিরাজতীর্থ স্থামী এই প্রছে সাধারণ যুক্তিও গৌকিক স্থারাত্মসারে কিরূপ স্থলরভাবে ভকিবিরোধি-মতবাল সমূহ খণ্ডন করিবাছে, তাহা পাঠ করিতে করিতে আন্চর্ণ্যাবিত হইতে হয়। ইহাতে বুক্তির ঘারা চার্কাক্, জৈন, বৌদ্ধ, মীমাংসক ও মান্নাবাদিমত-সমূহের স্থলর থণ্ডন রহিয়াছে। ভিকা ২, টাকা মাত্র।

#### **८गाचामी जिल त्रच्याथ पात्र**

(ওঁ নিকুপান শ্রীণ ভক্তিনিয়ার সরস্বতী গোস্বামী প্রান্থপান-নিথিত ভূমিকা সহ) গৌরপ্রের স্বর্গ-মণের একমাত্র প্রিরতম শ্রীণ দাস গোস্বামী প্রান্তর স্বপূর্ব চরিতায়ত ও শিক্ষা স্বাতীর প্রাঞ্জন ও সরল ভাষার সমিবিই এবং পরিশিত্রে দাসগোস্বামী প্রান্তর বিরচিত ক্রুক্টা সাহ্যবাদ মধ্রতম তব ও মনঃশিক্ষা-সম্বলিত। ভিক্ষা বাধাই ॥- আমা, স্বাধাধাই । প শ্রানা মাত্র।

## চিত্ৰে নবদাপ

প্রাচীন নববীপের অবভিতি, তথা, উতিহা, প্রেক্তি ও ঐতিহাসিক প্রামাণস্থসিত নয়টী বীপের সচিত্র বিষয়ণ-গ্রন্থ । রাজ্যি রা ওসাহের কুমার জীবুক শম্মনিক্ত্ নারামণ রাম এম. এ, প্রাফ্র (লাহেলি), বেলাজ্জ্বণ মহেন্দর কর্ম্ক্র স্থানতিত্র ওবং ৪৭ থানি বিভিন্ন বর্ণের অপূর্ণ চিত্র ও মানচিত্র-সমন্তিত; প্রাচ্যবিভামহার্ণর রাম সাহের জীবুক্ত নগেল্ড নাথ বহু বিশ্বকোষসম্পাদক মহাশ্রের বিশ্বক ভূমিকা সহ। উৎক্রট (ইং) মরজো বাধাই মৃদ্যু ১৪৭, ভিঃ পিঃ কে ২ টাক মাত্র।

#### मायक-कर्भमाना

ওক্তবন্দনা, নৈক্ষব-বন্দনা, বৈক্ষবশরণ, বালালের দীড়,
শীনামহট্ট, শীনাসভাতিন, প্রেমধ্বনি, 'বাউলস্কীড়,
নামকীর্ত্তন, শীনাসপ্রতিন, প্রেমধ্বনি, 'বাউলস্কীড়,
নববীপ-মহিমা, শীমারাপ্র মহিমা, শীনরোজ্ঞ-প্রভুর অইফ
আচার্য্য-বন্দনা, বড়ংগাবামীর অইক, প্রেমভাজিন শ্রিকা,
উপলেশমালা নামভজন-প্রণালী, মহাপ্রভু ও রার রামানন্দ
সংবাদ, মনাশিক্ষা, শীগুরুপ্রতি, শীগুরুপ্রস্কানার্য্য,
মহাপ্রভুর বন্দনা প্রভৃতি সাধক ও সিভ্নতীবনের নিভাপাত্তা
বৈক্ষবগণের কঠাশ্রিত ভুক্সীমালার ভাষ অক্সক্ষণ কর্মে
ধারণসোগ্য অপুন্য প্রস্ক। ভিজ্ঞা নেশ্ব, বিধাই ৪০ মান্ত্র।

#### গোড়ীয়-গৌরব

কলিকাভার স্থাসিত্ব শাঁলবার্ট হলে পৌড়ীয় সম্পাদৰ শ্রীপাদ স্থাননানৰ পরবিদ্যাবিনাদ প্রদান বাক্তার বিষ গ্রন্থকারে প্রকাশিত। ইচাতে গৌড়ীয় বৈক্ষবস্থানায়ে। ইতিহাস স্থাকারে গ্রন্থিত হইয়াছে। ডিকা ৮/০ মাজঃ

#### গোড়ীয় সাহিত্য

কলিকাতার শ্বপ্রসিদ্ধ শালবার্ট হলেন গোড়ীয়-সম্পাদঃ
শ্রীপাদ হালরানন্দ পর বিভাবিনোদপ্রাত্ব প্রদন্ত বন্ধৃতার বিষ
প্রসাকারে প্রকাশিত। ইচাতে সাহিত্য-শন্দের অর্থ এব গোড়ীয়-সাহিত্যের বিষয় স্তাকারে বর্ণিত ক্টরাছে। ভিন্দ । শালা মাত্র।

#### **औ**टगोड़म ७**न भत्रिक्या-प्रर्मन**

শ্রীগোড়দেশের যে সকল স্থানে সপরিকর শ্রীনমান্থারে এবং তদম্থল পরবন্ধী মহাজনগণ লীলা করিবা বিশ্বাহ্রেদ সেই সব আধুনিক ভৌগোলিক পরিচর ও ক্লেম্বিশ্রহাদি পরিচর সহ যাতারাতের স্থাবিধা নির্দেশ ইত্যাদি বিশ্বমর্থা সমিবেশিত আছে। ভিজ্ঞা । আমা ।

#### THE HARMONIST

OR SHREE SAJJANATOSHANI

প্রীল ঠাকুর ভক্তিবিলোক-প্রতিষ্ঠিত এবং জীল ভবি
সিদ্ধান্তসর্বতী গোভাষী প্রভূপাক সম্পাধিত পার্ন্ধাবি
মাসিক পত্র। একণে ইংয়ালী ভাষার অইবিংশ ব
ভবলকাউন ৮ পেলী ৪ কর্মা আকারে প্রতি গায়ে হা
নামের বিভর-বৈভরতী লইনা উপন্থিত ইইভেছেন্
কালল, মুল্ল-পারিপাটা ও চিজাবি অভীব হিভারবন
এই প্রকার উৎক্তই প্রথম আর কোন মানিক প্রভাগি।
দেখিকে পাইবেন না। বার্ষিক ভিক্সা ভাক্ষাগুলন্ত
টাকা মানা।

#### প্রাভিতাশ-

**बिटाण्डम**ें, त्याः ख्रियात्रायुक्त सरीका

## বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভাক্তমচসমূহ

শ্রীচৈত্ত্য মঠ

আকর মটবাত

का ही स सवबी ६ का कवत श्रीवाम मात्रा शृत, सतीवा

**এ**মনাথোপার্থীয় চচতে কার ৩০। গল্প উত্তর-পূথ্যে জীবলপথ্যে আচার্যারত <u>নীচ</u>ন্ত-त्यवन-कारम की ब्रीहेल्ड क. मठ विद्यालमान ।

এই স্থান সাংখ্যত-দীর্ঘ, গরবিভাপীঠ বা নাত্ত ভলাওলী। এই মচাত্রীর্বে শ্রিক্তি-माधायुष्क बार्क्षभावि-त्ववाधाय्युक, शत्रविष्ठात कासर्व 5 कावा, वाहेक, स्रवाहत, कथा अमाश्च-केन ियमें-श्री ११-एक- १/४।म-६० १८६३ अश्वास । ६ अश्वासमा अवर फलाय अध्यक-জৌরাম্বনাম্বার্ম কা-বিচিধ্বন ও নামত সাম্প্রদায়িক-মাটার্যা-চত্ত্র উচ্চাদের উপাত विश्वदृष्टम् मुक्कि मिक्का दम्रतिक स्टट्फ्ट्रक्रम् । अवे मठेवाद्य लाग्यार्थिक देशस्य लाग्या ्र**नकान्यास्तरप्रकृष्ण काकालिक व स्वक्षांठीन अध्यासि काठावरुक 'नवीधा-क्षकाल' यक्षान्य** অভিট্রত ভটরাতেন অভিবংশর শ্রীশাম-পরিক্রমান্তরাম ও অগণিত ভজাগান্তিবভ कीका काराव्याम महामर्श्याचारि ककाम व्यक्ति करेंद्रा बाटक । वक्त --- ब्रम्मान वे 🖥 লাছ মহর্ডারকী। সরকায়ী— 🕮 শাল বিনোধবিধারী ব্রহ্মচারী, পণ্ডিড 🖹 শাল গোরলায় क्षकाही कावाबाकमण्डीर्व, व्यालाव बीकेटक क्षकाही, व्यालाव नन्दर्गातां क्षकाही. -क्रियम्बरम समहाती, व्यवस्थानान सम्बद्धाती, करू नरस्क, रुविनम, दश्वकीरमानन

खिब खियामी खिमहक्ति शरीन छोर्थ महाशास ध्यात हतिकशा शेर्छन अतिएहता। এক্ষারী এঞ্চি।

(৩) যোগণীঠ এমন্দির

\*\*

👊 है सान व्यक्तिश्राम्मिरव्यत करन वा মীমশালাক্তাকা জানিভাব-ভূমি মহাবোগ-श्विकांत्रण क्रिटकोक्षमायायून अवर क्रिटेक्फमा a Bettigems निका त्रथा कथा किनक-कट्या दम्या वर्डमाम । प्रमण---(मारू-साधायह लायामी कहातांत का कित्रभा-साथ । जन्माती द्यैतिकामिक वक्षमाती. विश्वाश्वासिक्षण किकृष्यं, विश्वासिक्षण अनnia i Enterein Minwift, ceremi arsecta 🚳

(8) 劉明1河-町野井 ্ত্ৰীমন্ত্ৰণ প্ৰভাৱন-বিলাস বা करमोत्रनीमात्र सामक्ती । जनारन व्यक्तीरमात्र-क्रिक्रामण क शक्कारणा तथा वसमान। 

(१) व्यटेषड-क्रनम

बारे शास क्रियारेयक शासूत्र क्षेत्र व्याप क्ष्मा वस्याम ।

क्कक--- श्रेष्ट्रेक कामक मानाविकाती. क्रिशाक्षणवान वावाची।

(७) काळीस ममःधि भ हे आहीम याबाधक, बामनथुकुत्र (मरीवा) क्रिक्रोहक्षणालाम क्रिक्रेक्सकाकीय नगावि।

्राम्य — अवहादी मिविध्माप्रविवासी।

(4) 电铁带电影电子 **बिटमाजनः व्यक्तम् (मगोप्राः)** क्षितीय क्षेत्रिकृताच क्षेत्र क क्षितिकाग्वराकृत्व व MARIE MER MERSTER GER AMBERTI-आधारम् । त्यमा महामान 7.

Control of the second

क्षांच-प्रक्रिकृत जाकाह स्पताही 44, 47, AT

#### (৮ अक्षणबाब दभोडी व मर्ठ มขมอโทย เ

রক্ষক---শ্রীয়ওবর ভাজিলাস্ত্রী এম, ৩.৫ শীঠ। এবানে শীলন্ধীরিয়া ও শীবিষ্ণু- বি, এন, সংকারী-প্রীউদ্ধান্য ভক্তি-नाही, क्रिकेकम अधिकाती अञ्चल ।

> ( > ) ब्रीटगोत-ग्रम् । यह चर्च ঠাপাণটো, সমুস্রগছ, ( বছমান )

শ্রীশ বাণীলাথের প্রতিষ্ঠিত :গারগনাবর-्मना । उक्क--- धिरद्वत्राम अच्छ ५१री, सक् 🚉 अभागम साम ।

(১ • खीक्रभःगोडोग्र-मठ बा:ाश्रक्ष, लाग्न:श बडि. लि रक्ष क--- श्री किलान अष्टात्री, गरकारी --न्याग्यक्षत्र अक्षात्र ।

( ১১ ) 🕮 स्माप्तक महत्व -माउनाक, कार्यात, नक्यान। 🗃 गांभाव शांव क्रं कृत बुक्तात सब साम । मीनसराम १

(১২) ভাগবভ আ্মন 🕮 क्षांत्रवाष्ठ (त्यान, क्राक्रमणत, संबोधा । ভাগৰ ত্ৰণিছাৰ এছাৰলীৰ প্ৰচাৰ-ক্ষেত্ৰ ( क्षण - जीकृषांतम वस्ताती क्षणाही

CH RETTEL (OC) Cगानिकपूर, कामचारी, समीका। क्ष्य -- जी अकृताभग उच्च होती । महवारी 🔊 विश्व अक्षाती, औषग्रश्रीतवामानिकाती, श्रीमञ्चनाथ शास्त्रा, एक विश्वनाथ

(১৪) श्रीमाश्य दशोड़ी ह मर्ड अकार अवायभूव दशक्, हा का। श्राम्बर्धान काहाम-दश्याः क्यादन खीखन-दंशीक्षाण शाक्षणा-भिक्तिभटकड दगवा वक्रमान । **A**erin umaine valemileteir fe-a, Dait( )

ষ্ঠ

১७ मर कालिव्यमान ठक्कमकी होते. (१९१: नाजवास्तात, कलिका हा । उड़ेशिएकशन ति. ति. 855e

শ্রীমকার্যালন্তর প্রচারিত স্থানিকার ভবিত্রণত-প্রচারোল্যের বেলিনেশের সক্ষরাধান মগ্রী কলিকাভার শ্রীভলিবিলোদ আসনে শ্রীম্য প্রাক্তিত আছেন। এট ভাইত সক্ষা াঘে জী জ্ব-লোৱাল-জীবিনেলানৰ ভীউ সপ্থেলে নিডা গোবত চল । প্রতিটার আন্তাৰ্যনেৰ্বের ব্যবস্থীর প্রস্তাবলীর প্রপ্রচারোজেলে ইন্নিটে সংগ্র একটা উবুচৎ মুপ্রনি মন্ত্রাণর সংস্কাণিত চহলচেছন। পুথিবীর সক্ষতে 🗐গোলনাম প্রভারের এছ বস্তাসর ংজ্ঞ 'লোটার' সাপ্তাত্তক পত্র, জি তত্ত্বালিটা মানিক পালেলা করেলী ভাষার सिर्धातिक स्वारत क्षाक (मिक करेटसाकता) - 🖺 बारत १५७, मधी हैन, मक्षाप्राम-४ करावन्द्रसम्बद्धः শ্ৰীন্তাৰ্যত, প্ৰতিচাৰ্ভাৰ্য্য প্ৰতিভাৰ প্ৰতিভাৰ সমাঞ্জালোচনা ভটৰ পাতে। মঠাক --- আচার্যাতি ও দ্রীপাল কুলাবেলারী বিস্তাত্বণ। সহকারী--প্রতিত্ত श्रीभाव यमस्यास्तव शर्वानक्षाङ्ग्य वि- ब. श्रीभाव दार्गानकाती अक्षाती. खीलाव क्रमञ्चात्र मामाधिकाती नि-ज. जीनाम क्ष्यामाल मामादिकाती, जन्मतारी ची को सनामन, अवकाती जीना। तीरवाकन, अवकाती जीवणनन, पश्चिक जीनाह नवीनकृष শর্প জাল জার সম্প্রদান বৈ ভব।চার।, ইজ অব্যক্ত নদ:সাধি কারী বি- ০, জীভ বসন্ধারিছদ धकारी वि- कन, जी अञ्चलभा साम्रत्कातिम्, जीविश्वस्त बन्दानी, जीवन बत्ताविन

शोह अफार्टी, शैननशोशक अक्राधि, निर्वाटकभारत करा

#### (১৫) श्रीरशाभानको वर्ड

4301:MA, E[41] (मालाम् को द क्यां रक्षात्र क्यां होन दम्बा नक्ष- निमा नामन सकताती।

१८७ श्रीभवाचे-त्यार मार्ठ करिकांक अमारिकी शका, वालिक हि छाका क्रिअक्षरम-८भीत (# व मिला अस्ता) বক্ষ - আপুৰ্গল প্ৰস্তারী, ইম্ভলাল বন্ধ (১)

### (১৭ শ্রীভাগবভজনানম মঠ

क्रिकेल्पा, नाव्यमनसून, ्याक्रीसूत्र। ध्यारन में च ४-, तार अ-ताक विकास शिविनारीर निकारमञ्जन सम्बद्धाः तुक्तक ----अक्रामी ही -अनामभाग्यं ।

১৮, यामनारमाजा अशबाद्यम ब्राक्षवीम दलाः नह्याः ।

क्षी अवस्थाताक क्षेत्र का कि दिया होत मिकारमना। त्रकक--अवनामी खोजादformia i

#### (১৯) औश्रक्तरवासम मर्ठ

पर्वकात, शही, क्रिका।

बागारम औरशोव-रिकासका प्रस्कृति सिका-বেশা বসমান । রক্ষ -- একচারী শ্রীপরমা-सम्म विभादण, अक्षाठी श्रीनमीशसम्, শ্ৰীপনেশাস্থৰ অন্তানী उन्नहाती, क्क आल्याह ।

(२०) खीळण-८गोडी स मर्ठ व्यानवस्माय, बच्चभिन्न (भार, भूती। अन्तर्भाष्ट्रपदवय अम्बन्ध मन्द्रह श्रीमग्रहा क्रवस्था वक्रक-- अवहाती अभवदयवती व्यमामको। अभवादी व्यक्तिनिविद्यात्री ।

#### (८১) क्षेत्राध्यक्षानम् मठ कें फ्रिश्ताकात, कडका

- अश्राद्य - व्याक्षक- । शानाध-विद्यासक्रयण-নিভাবেশ শস্ত্রনা রক্ত— अभागती जीवमादः खीतामणम अभागती

(२२) खीमनाखन-जोज्ञ बर्ज : उत्तर क्षत्राक्ष्यानम्ता, काशी । (शांड-शताक्षत्रः नगरूम-निकाक्षत्रः) . कार्याः । मा.स.स १ वर्षाः वर्षाः । वर्षाः बौजानकोलावदी, औल्स्मान अवन मी ।

> ्ऽ ८। ≝ें। दुरु देते हैं **५ ५ आ** दुरु खीनु भरःभाग कुछ, सानाय वृत्सावस ।

#### ধক্ষক—শ্রীগণ্ডিনাথ প্রস্কারী 太郎 RSBSBP(道 (RL)

देविधासातकः, मोजानव

द्रपादन बीडायां ज मात्रेनाला 🔸 चित्रीत निस्ताम विवास क्षेत्र दमवा क्रमास । क्क रू--- उक्क हाती झीन भरशासम । अधिक होती श्रीमसङ्गाम ।

(२०) औरेज्डसारभोडीय मह कृपुत्रकृष्ण, किरोकुष, भानस्था। हेश লীতৈ ভঞ্জনহরে পাখা। বক্ষক—শ্রীরমান नाम काष. क्रीरणनगानम अक्राकी, जीवाम कीथं अपन्यविकाः

#### (२७) न्यामदशोकोञ्च वर्ड

क्रिशंद्रभव, बारलच्च, क्याम । अस्त्र श्रीशोवविद्याप-वादमक दमनः वस्त्रभागः प्रकर--- उत्तरादी स्विधननम्बी, स्रोननी-(मानान अववानी

(২৭) ত্রাক্ষণপাড়া প্রপন্নাজন-লঠ

ব্রাজ-প: ড., ১পাঃ মাজু, হাবড়া वाशास्त्र यह कुक्तां के क्षीरशक्षित दशका বর্তমান। বক্তক-—ব্রহ্মণাসী শ্রী**প্রাণ্ডক**। क्षत्र, ऋो अत्र ।⊌ अक्ष सरी।

(२৮) विश्व दशाक्षा मठ — व्याजान द तर रामानी क बन्द का अमार दशन, निष्के विक्री । तक + - अक्राति चैतितकक, अक्रिश्यक खीशानावयनऽच्नल्यन

(२७) ८म्।भागलाम् अ**लक्षाः अव** 有新在一面相2/3] 写[时间的相位

#### জনসভায় পণ্ডিত জহরণাল

বোছাইরে ওয়ার্কিং কমিটার যে সভা হইবে, ভাহাতে যোগদান করিতে যাইবার পুর্বে কোন গ্রামের এক জনসভায় বক্তাকালে পণ্ডিত ভাষরগাল নেহর वर्णन- करन आ शास्त्र आवात युक्त आत्रञ्ज করিতে হইবে, কবে শান্তি প্রতিষ্ঠিত হইবে, ভাহার কোনই স্থিরতা নাই। তিনি ইভিমণ্যে কৃষ্ক দিগকে তাত্রণের সংগঠন শক্তিবৃদ্ধি করিছে পণ্ডিভন্নী আরু ৭ বলেন যে, অত্যাচারের সম্মাণে জনস্থারণ যে নিভীক হইতে শিবিরাছে, গড আন্দোলন্ট ভারার প্রমাণ এবং গ্রণ্মেণ্ট বিগ্রভ হইয়া শান্তির কথাবার্তা কহিবার জন্ত আপোধ বানস্থা করিয়াছেন। তিনি প্রেকাদের অভি-স इक्टेबाब डेलानमा निशा बरनाम त्य. अताङ বা 'পঞ্চায়তীরাজ' প্রাক্তিত চইলে। ভাছাদের ও অভাব দূর করা হটবে।

#### ভাকাতের সঙ্গে রজের গড়।ই

ডিব্ৰুগড় হইতে ৭ মাইল দুৱবড়ী নাগাখুলি নামক স্থানের জনৈক মাড় বারী 'দোকানদারের বাড়ীতে ডাকাতি হট্রার উপজেন হটরাছিল ঘটনার দিন স্ধ্যরাজিতে ৭৪ ম ্নাক দাও শাঠি শইয়া ঐ বাড়ীতে প্রনেশ করে কিন্তু অনীভিপর বুদ্ধ বৃহস্থানী ভাষাদিগকে বাধা লিভে তেরী করেন ভবা ভেরা ভাষাকে কয়েক "বার দা'র কোপ মারে তৃদ্ধের ব্রীয়দী কন্তাও আদিয়া পিডাকে সংহালা করে সেও লালৈ আহিতে ওরতররতা কথ্য হয় ঘটনার দিন রাতিতে একলন অভিগি আসিয়া ঐ বড়ীতে আশ্রয় লট্যাভিল সেট শ্যক্তিও ডাঞাতদের সহিত ধ্বওাধ্বস্থি कतिवात्र (हुई। कतिरम छुद्रपृष्ट्रदा ए। इति बार्क ९ करहा क्यारित शाह छ एक भा मारत পরিশেষে ভাকাতরা ভীত ১ইয়া কিছু না लहेगाहे साहित आत्राह्य कतिम लगामन 4 CH 1

#### वश्रमा (क्रमा कः द्वारम द्रशामायान

গত ৫ই জুগাই ীয়ুত নমেশ্যস্থ গস্তুর সভা নেইছে বভড়া কংলোস কমিটীর বাৎস্গ্লিছ ভার অধিবেশন হুইয়া বি**রাছে।** সভাপদে, প্রবেশের জন্ম हिक्छे खर्था क्षांच्या कता व्वशाविता ইল সত্ত্বেও আপ্রথান্ত্রিক পাচশত বাজে লোক কংগ্ৰেস সভাষ যোগদান কলিয়া-ভিল। কলিকাতা হইতে এই উপল্জে ভাক্তার রাশ**ভপ্ত ए**शास शमन করিব।-ছিলেন খাটী কংগ্ৰান মভাগৰ খাতীত বাহারা স্ভায় বোগধান করিয়াছিল 'टाहोदनम छेदमच हिम मुखान कार्गः १७

ভোটে উহা বাহিল হইয়া যায় এবং মধ্যে সভা শেষ হয়।

#### শিউড়ী জেলে অনশন

চট্টগ্রাম অস্ত্রাপার পুগুন মামলার বন্দমানে চিকিৎদার জন্ম শিউড়ী জেলে अठी, द्यला ३२का छ देनकादल अठे।य শ্বরূপ তিনি প্রায়োপবেশন আরম্ভ করিয়া 💠

करफत खांबरण तरमध्युर्नसाम सामाण , পৌডিয়াডে কলিয়া ১৯ল কছুণ্ডে র স্কেচ হওরায় এই পুডায়েপ্রাক্স উল্লামেন : सारका रहेशाएं विधास काना विश्वार :

অহিকা বাৰু যজা লেণে অয়পাগু স্বাচ্ছ্যে দিনের পর দিন জায়োপদেশনের | ফলে মারাত্মক ভাবে ছক্ষ্ হট্টা পঢ়িয়া-

থারাপ থালা দেওয়াব ও চিঠি পত্র কলিকাতার গোণেলাদের তদারকের ফর্ল ভাঁহার নিকট পৌছার না বলিয়া প্রতি-বাৰস্কল অহিকাৰাৰ আয় এক মান পুर्ति धकन्दिभत कन्ना । धारवाभरवणन कतिश्राष्ट्रिका कि खु कान कन इग्र

#### ८पनीश दार्रका महाग्रह

ভারতীয় রাজ্য ও সভ্যাথটো শীর্ষক व्यवस्क महाचा शारी क्षीवभ" शत्क লিখিয়াছেন, সরকার ও কংগ্রেসের মধ্যে মে আপোৰ হুহয়াছে; ভারতীয় রাজ। শংকে ভাগ প্রযোগ্য নতে। ভারতীয় त्रारका कार्यन क्यांश कार्यन्त्राचन होलाम হয় নাই। ইছো করিলেও সরকার বর্তমান আপোষের মূর্যে ভারতীয় রাজ্য-छ्लिक वाशा करिएक शाहिएक ना। कारभारमञ्जू मर्स्ड समीग्र जाक। श्रीमञ् व्यक्ताता ७ भागकश्र (करहे वाश्र मन, কাছাকেও উহার নীভিতে বাণ্য ক্লা যাইবে না ৷ প্রকারা সভ্যাগ্রহ চালাইডে ও আইন অমাত্র করিতে পারেন। কিন্ত डाहोता यनि व्यवभा छाट्य महाश्रह क्षिया छै। शासत निक क्य कर्पन. छाइ। व्हंटण अतांज निंगश्चिष्ठ इहेट्य ।

ৰহাত্মাতী ।প্ৰকাশ করিয়াচ্চন যে. ভারতীয় রাজ্যের প্রজারা যদি স্মাণাততঃ मुब्दे पारकन ध्वर काहात्र। शर्रेन कार्याः

করা। এই উদ্দেশ্তে ভাহারা এক স্থগিত মনোধোগ দেন, ভাহা হইলে উদ্দেশুটা সের ২১টি বন্দুক ও আছাত জালাকত প্রতাব উপত্যপিত করে। প্রতিপক্ষের সহজেই সিদ্ধ হইবে। বৃটিশ ভারত ধবন হত্তপত হটদাছে। স্বরাজ লাভ করিবে. তখন ভারতীয় বৈদুচি বাহিনী জেনজালা জিলার ইয়েজ সভার উদ্দেশ্য সিদ্ধ হইলে তুমুল অয়ধ্বনির রাজ্যের অনেক সমস্ভার সমাধান আপনা-षापनिहे ध्हेदा गाँद्रत ।

#### করাচীতে বিজ্যোরণ

शिक ज़नदेवत है बार्फ मि: ७, कुछात বিচারাীন আসামী অধিকা বার দিনি উ হার জী ও বছু সেন্টাল হোটেলের ম্যানেদারের স্থিত শানবার রাজিতে আছেন। গত ২৮শে জুন ১ইডে গ্ৰালে ভিক্লোরিয়া রোচে বেড়াইতেডিলেন। এমন সময় পশ্চাৎদিক হটতে এক ব্যক্তি নৈনিক এই তিনবার করিচা তাঁছার সাহ**েকলে আসিৱা কি** একটা জিনিষ পাত্রবন্ধ তল্লাস করা হয় বলিয়া প্রতি ।। বিভাগের উপর নিক্ষেপ করে। কিনিখটা খব শব্দ করিয়া ফাটিয়া বায়। তাঁহাদের মধ্যে কেছ অভেও হয় নাই। কিছু জীহারা আমেরার ও অপরাপর অস তাঁহার : ধান্ধা সামল্যইয়া উচিবার পুলে সাইকেন্য-हाती व्यक्षशिक हम । किलिसही शहका निकारा महस इग्रा निहक्का तथा निकार क भन्भारतन अभिराध मध्य पर्छ। রাস্তার অপর পাবে যুলিয়ন ক্যাক স্থাব। ্লাবের দাটা সংস্রাতিই নিশ্মিত হটয়াছে। क्रान्ति रेम्**कल्प्य डे**नकातःर्थ।

#### तादा है भिटल मर्द्र घंडे ३० होकाञ आधिरकत्र कर्षाकार्य

Cवाषाडेरवत खावारभागाय मिथ्यव २४ श्वात्र अभिक (यञ्ज तृक्ति शावी करतः शत छाद्यात्रा काक कतिएक व्यवह करत 9 शिल छाछिया वारिता छलिया गाता। स्थान क्टे कुलाई के भिन **एटक्या**रत दक्ष रहेदा क्:या

#### পেড়ী হড়াার মামসা

स्मिनीश्रात्र मानिरहे निः एपछीत হত্যার মামলার দিন গত ২রা জুলাই ছোভি:জীবন তারিখে ধাষা ছিল। त्यांत्र, व्यवद्वसमाध **कट्डिं!शा**∗ाश्चा র্মেশ্বর চক্রণ্ডী ও বিবেকানন বযু-এই ৪ জন আসামীকে ঐদিন বিচারক ८७ भूति मास्टिट्डेर्डेन जानानटक नमग्र প্রার্থনা করিয়া বংগন যে, প্রশিষ এখনও তদপ্ত শেষ করিতে পারে নাই।

चागामी अन्हें कृगारे भगेख दरे मामना পুনরার মুগতুবী রহিল।

#### (त्रम् ८० विद्यारी मिर्फ

ज्रात्मात्र विद्यारम् य विष्कृष गःवाम পাওয়া শিরাছে তাহাতে প্রকাশ গভ भनिषादम विद्यादीविरशम गरिक भाग श्रात्का मध्याती एकोरमध (व मध्याम रुवेषा शिवाद्य जाराज ३६ - धम विद्यादीष मह्या वे - अम मिह्क बहेबाह्य । विद्धादी-

्रिभारमञ्ज । भारेण **উद्धात अवस्थि विद्धारि ८** एवं एक जिल्ला का अपने का जिल्ला विद्यारीया दल्की कामाद्यत माहाद्या Cवाका वर्षन कतिएक नाटक।

বেণুচি বাহিনীয় আর একটা দ্ব गञ्जीत कक्षरणत मत्था विद्याहीरमञ्ज आस ) हि भगरक चालामन करता **८३५८नत्र** > बन विद्यारीय खडि **एसमेरे खरी** বর্যণ করা হয়।

खेळ खेडचं मरशारम विद्या**री पर**न যে কডকত হতাহত হইয়াছে ভাইা ভাইা याय नाहे. एटव गतकात्रभटक टक्ट् इकाइफ हर गाउँ।

পারাবভি ভিশার সশর বিজ্ঞানীয়া व्यनकातानि नुप्रे कतियादक अक काटन शुक्क मेंड ५क वाजिन्दक पश्चिमा कहेगा विदादक । উচাৰা পরে পিতাকে হত্যা করিয়াছে. কিন্ত ভাষার প্রত্রক ছাড়িলা দিয়াছে।

ইনসিন ভিলাম সশস্ত্র ভাকতিয়া ২টি शादम ए'का डिक तिशाद । अकेंग्रे कादम खाराता शृब्दामि**े एक रुखा कतियाद्य ।** 

শ্রেশনে গাড় সাপুতির আরিও ২০৯ জন िरक्षकी अञ्चन मर्गन कतिहारक।

ত্র কর ভাতবন্ধ ও হাজামা অক্সের कमिनमात गछ एवं खूरावि (शाम सामा করিয়াছেন। ৩ই সকালে ভেনি **খাই**-(यहेमारे व भेटएक।

#### भावमात्र गढीमध्य गाम ७४

গানী বালিকা বিদ্যালয়ের বাৎস্ত্রিক সভার নিঝাচিত সভাপতি শ্রীঘৃত সতীশ-एक मामच्या वहे क्यारे खाट**ए उत्तरप ८ डार शरम भावमात्र ध्वाभमन कविरम भन्न** তাহাকে বিশেষ ভাবে অভার্থনা, করা

কংগ্ৰেদ কাৰ্য্যালয় প্ৰাঞ্জে জিলা কংগ্রেদ ক্ষিটা এবং পাবনা নারীসভ্যাত্রছ क्रिणि डे.पूर्ण शामक्षरक व्यक्तिमाम প্রদান করেন। অভিনন্দনপত্ত •খদহে मृज्ञिक किंग ध्यः मकात्र वह समन्याभ्य हरेबाछिन।

শ্রীগত দাস্থপ্ত উত্তর অভিনশ্নের উত্তর যুক্তভাবে প্রধান করেম এবং সভাস্থ गक्रमारक हमका ७ अवन बायहान क्रिक्ट অভুরোধ করিয়া বলেন চয়কা ও খান্দা ভিন্ন খনাল লাভ অসম্ভব। আন্সজতের তিনি কংগ্ৰেস কমিটাছ বৰ্জমান লোচনীয় चानचात्र केंद्राय कश्चित्रा नकन कश्चित्रदेक प्रातिभूक क्याप कक्ष गक्षरक व्यष्ट्रपरि करतम। किनि देशक दरमन ८४, **८क्यम मध्य (मध्यम किवित केव्य** क्षामारतम् वर्षमाम मध्याम करवेक वर्षक ALEE I

FRANCHS WIT MINAICE -

6

माधारपात शह क्षीं अभ (भग्न गामिक क माधारिक १ ( ब्रशः मिक २ ५० भाभिक ५, 7151W क्षांक मध्या , त

ভাষতেও পর্নতি বছল-প্রচাধ—নদীয়া কেলার একমাত মুখপত

্রি১০তম শংখ্যা সম্পাদক— শ্রীতভীন্দ্রনাথ বলেন্যাপাধ্যায়, বেদান্তরাচম্পতি

ভাঁচৈতভাষঠ ঞীগাম মায়াপুর—২৬খো আষাচ শনিবায়, ১৩-৮, ১১ই জুলাই ১৯৩১

### .... া নানা কথা

বৰ্মা সমস্ত:র মহাস্থাতী

ৰশ্বাৰ শালভীয়দেৰ প্ৰতিনিধি মণ্ডশীর **टिव्**क क्षत्र, क्षत्रः हान्त्रे, व्यम्ब, रम्पाना मारक्षांत ७ एक न्यात, कि जूनन-বাহারা কার্শ্বাদ্ন যুদ্ধমান ক্ষরতা সম্পর্কে 'महत्वकि 'माकवाकिनिकि महिक मान्सार क्षित्रविक्त, क्षेत्रका १७ १३ वराया गाधीय गामकन्द्रस् चारेका छोडाच मुस्कि माकार करान । छ। हात्रा वाल्या वर्कमान ं आवश्रा, वित्मश्रष्टः छात्रण्यसं इंदेए वार्तात्र किरेक्ट्र मध्याक बालात मण्डर बारगांवना **\*\*\*\*\*** }

### भूभावता बारतरम् अति जनवाराः नुवडी काविकात

ु अवात नानियम् वाराष्ट्रह नामक मान्यादारास ध्यमन विचारि ग्रहार याकि व कामनीत्रगारम् व्यामारमम् मरगः পুলিস ৯টি অপল্ডা ব্ৰভীয় সহান न्दिशास्त्र । श्वतीतात्र मत्या ৮ जन मून्त्रमान ध्रमा ध्रम कन विन्तु। धरे मीश्राम अवश्रदन शतकाराद्यत अनः क्षेत्रभाष्ट्रभाव सद्भा पुत्रभाव द्यांच छ ज्यांच्याच्य ब्राक्षां इंद्रेशाया । धई पूर्वशिवश्य निह मानर प्रीवना नानमा राहेटछ-

श्रंतीय कविशास्त्र । यदि गामन क्षिक्षानंत्र विवादियं दुन्य होक्टलाई क्षूनादिटन्टेचन्हे धकान श्रीनन नहेंक

## ় বৰ্ষা সমস্যায় মহাত্মাজী

নশবের হারেমে ৯টা অপদ্ধতা যুবতী আবিষ্কার

## ডাকাত ও পুলিশে লড়াই

্বড় লা*ে*র **ক্থায় আ**পত্তি

## মহিলা সভায় মালব্যজী

মহাত্মাজী কর্তৃক বোর্ড স্থাপনের প্রস্তাব

## বোম্বাই যুব সঞ্জ

वारमनावाम जनमंखात मः नवाकी

## ন্তসত্ত পালনে গান্ধীজ

डाकाड ७ शूनिदन नष्

ল:হোর লাংখিয়ানা নামক স্থানে फाकार उ भूगिमाम मर्गा मफारे स्टेबा शिवादक जनर दमके मरश्रास्त्र मदभा छे छव क्रमान, श्रीतन र क्रम बाबीएक नक्षक छनी वानादेशाहिन। धानान, একৰণ ভাৰত উক্ত আমে হানা দিছে ब्लाइब्रह्म वर्ष मित्री। विदिश्हरक अभिन्ना व्याचान एउपूरी प्राणिन क्षांत्र वान अर्थः दय शादन काकाकन्य विकासिकारिया, कार चित्रिया स्थापन ।

প্রায় ৪ ঘণ্টা ধরিষা উভয় পকের গুলী-বৰ্ষণ চলিয়াছিল।

न्द्रिक्षं क्रंण क्यात नामक अक्षन काकारण शहर । यह विश्व क्रांकाल এবং ১৫টি ভাকাতী সম্পর্টেক পুরিস ভাষার থোঁল করিতেছিল। ভাষার সন্ধিগণ কয়েকটি ফুনলা বন্দুক 😘 ১৮টা ननायम् करम् ।

#### र् आहेरत कथात्र कार्शिक

পাধ্বামেণ্ট মহাসভার রক্ষণশীল দলের স্মক্ত সিঃ প্র্যাকেল এই মর্শ্বের এক প্রাক্তা-বের নোটীশ দিয়াছেল যে, রাজপ্রতিনিধি শর্ড উইলিংডনের ২৮শে জুনের ব**র্ত্তা** নিদ্নীয়। মিঃ জ্যাকেন এইরপ যুক্তি প্রদর্শন করিয়াছেন যে, অবিক্ষে শাসন সংখারের ব্যবস্থায় ভারত ইরকালের **অনেক** কাম ধনিয়া ঘাইবে বৃদ্ধিয়া ভিনি আলা कर्तन, वर्ष डेड्निः छत्तत्र धरेक्रण कथांत्र গয়তা ও পরালবের ভাব ক্চিড হর। ए।।एड ভाরত সরকারের কর্ছ निक्तंत्र

#### माभित्रर्छ भागम गांकीकी

महाबारकीय सारक्रकीती क्षेत्रक महास्कर দেশাইরের নিকট পাণীলী লা**প্রন** কোলার আসিবেন, এই প্রায় করা হইলো ভিনি বংগন যে, 🐗 কিছুই স্থির করা হয় লাই। তিনি আয়াও বংশন বে, किङ्क्षीत शूर्र्स किनि मिन् मूलिसन লেক্টারের নিকট ভাহার বাক্টাতে একটু थाकियात लान हरेरव किना, धरेक्छ भव भिद्धिमिद्दिन्। **८७म्डिक् मा**त्र । किन्नेहे दिन्न कना इस महि। महाजा वारी ৰড় পাটের নিষ্ট শাস্তি সুর্তি সম্পূর্ণ মূপে भाषिक इदेश्करके लिक्सा, काशा विहास ক্ষিকার এক সালিনী নোর্ডের আর্থনী ক্রিকা∙শেষ খোষণা প্রেরণ ক্রিয়াছেন— बहे क्रम ता मृत्यान तरियाहिल, मिः लिनाई ভাহা অর্থকার করেন। কিন্ত ভিনি देश गेंद्रगत त्य, यहाचा भाकीः भा**चि गर्छ** অব্যবহৃত কার্ড কেনিয়া নামিলা সংক্রান্ত সকল ব্যাপারই ওরার্কিং ক্ষমিটার নিকট উপস্থালিত ক্ষিমা ইয়ার বিচার Subsect in Section 1 .

## শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনটিটিউট্" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

### (थाना इहेश्राट्य।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে
অতি গড়ের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন।
বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যয়ে সুন্দর বাসহাদের
বন্দোবন্ত হইহাছে। ছান অতীব সাহাকর।

সবিস্তার সংবাদের হন্য নিম্নলিখিড ঠিকানা পত্ত লিখুন। সেভ্যেক্টারী, ভাকুর ভঙি-বিনোদ ইন্টিটিউট্ গ্রীচেত্যমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

### —৫১ বৎসরের প্রাতা

ভিন্নপালেরে প্রস্তুত অতিকা। হাণা ভক্তবারণা, স্থানেষ, কোটণাটিয়, অধীণ, ধ্বজ্জ প্রস্তৃতি কত বোগীর বোগ নিয়াময় হট্যাঙে ভাগা প্রকাশ কাংগে বড় বড় প্রক হট্যাপড়ে।

#### ইহা

স্কৃত অনুভাৱ বাৰণার চলে ও সমান ফল প্রেণান করিরা থাকে। প্রতি কৌটায় ০২টী বটাকা থাকে।

#### কেবলমাত্র

আহি কোটার মূল। ১০ এক টাকা। ইণার নাম 'আছেকলিপ্রত্ বটীকা'।

অপ্তাপ্ত ঔবণের তালিকাও ছক্ত পত্র 'নধি.নই পাইবেন আধিয়ান :—আতঞ্চলিপ্তাই উম্মধালয়

২১৪ নং বছৰাজার ট্রিট, কলেকাডা।

### কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



সকংখলের প্রাবধার জন্ত ৬ আং শিশিতে ঘনীভূত অবস্থার ভোটবোডলেও বিষণর উষধ ভাকে পিঠান ১৮, উভাতে ঔষধের কোন পরিবর্তন করা হয় নাই। সুগ্য আভি শিশিলি আন্যা, প্রিটান্তি অব্যা, বোডল ১০/৬ আনা।

অফিস-১১নং উন্টাডান্সা রোড, পোঃ শ্বামবান্ধার,

## मंपन मंख्री

विकास क्य क बाकूरिकात, देखिश्रमकित होन, ब्यार क्रम्माक, वश्रस्कर, श्रादास्थात, पूक रक् क्यारि, व्यक्ति अकृष्टि सक्य मध्य निर्देश व्यक्तिशास्त्र । वस्तु, वीदी, स्वयं दृष्टि कडिटक व्यक्तिक हेरिक। मुना १० वहि २, अक होका।

প্রকাশন কালে বাহুলারের হাল কারের প্রকাশন কালে বাহুলার বাহা কারের কালা বাহুলার করে। মুলার বাহালার মুক্তার প্রকাশ করিকা জিলালী কান্তিকা? বার্থারার করত সভাগবন্তি হারী ব রহি করিছে অভ্যান্তর গ' হলা ১০ বি ১, এক টাকা। বাহারীক ক্ষান্ত্রাম্যান্তনী, ক্ষোন্তনার ক্ষান্তনার বাহারীকার ক্ষান্তনার বাহারীকার ক্ষান্তনার।

### হাইড়োগিল

বা

### কোষরদ্ধি রোগ

ভা: এস্, অন্, খোৰ বিনা অলে, বাবজাবনের গ্যাহাটি দিরা বৈছাতিত প্রাণাণাতে কোতবৃদ্ধি ভোগ আবোগা ক্রিয়া থাকেন।

डिकाना--- ""
>> मर क्षेत्र डीड, क्ष्याबाड,
कालकावा।

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

### দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহোবধ প্রশার দিলে সম্পূর্ণ আরোগ্য

রোপী বেখাইতে কইবে। ক্ষত্রিম পাবেম গ্রহ (বারমা এবং আসার)
পাঠাইলে গিয়া রোপী দেখা বহু কথবা এবালে আসিলৈ বৈগদী দেখিব।
উবধ দেওবা বহু আহোগা না বঙ্গা পথান্ত পারিপ্রমিক দিতে কটবে না।
গ্রীব রোগীদের খনচ বহুন ক্ষিয়া চিকিৎসা ক্ষা কর। বিভাবিদ্ধ
বিষয়ণের ক্ষা এক আনার ভাক টিকেট স্ব নিম্ন ঠিকানার অন্তসন্ধান

শ্রীকি শীলচন্দ্র উকীল, যক্ষা-চিকিৎসক, পো: নৈকারী, বিশোল। অথবা নিম ঠিকানার সালগৎ করিলা বিক্তায়িত লানিতে পায়েন। শ্রীবৃত রামগোপাল দত্ত এম্, এ, ক্লকলয়, নদীয়া। শ্রীবৃত করিপ্স

शिर्क, ১১৭, विभिन्नार्द्याला श्रीहे, कार्वेदबाला, क्रांत्रकाछा ।

একখানি পত্ত ! অমার ত্রাভুপুর গত হয় মান বাবং বাজ যত্ত্বার ভূগিয়া মৃতপ্রার কটাছিল, কলিকাতার বিজ্ঞ চিকিংসকপর তাগার জীবনের আশা ভাগে করিছা শেব মৃহুক্তের জঞ্জ অপেক্ষা ভরিতেভিলেন এই সময় ত্রীবৃত কিন্দীশনত উলিল মধাশন মাত্র ২০ বিন চিকিংসা করিছা সম্পূর্ণ আলোগা করিছা বিভালেন। (সাঃ) ত্রীয়তীক্র কিশোর বার চৌধুনী (ক্রমিনার গালিরা) কর্মীট, নিউ বিভিন্ন। করণোগেশন টেটা ডিশা টমেন্ট, কলিকাতা।

## শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরাব্দ ৪৪৫

মাত্র ৯/১০ ভাকটিকেট পাঠাইলেই বুক্পোটে পাঠান হয়।

ম্যা**লেজার—গ্রন্থ**বিভাগ শ্রীচৈডয়ম**ঃ, পোঃ শ্রী**মায়াপুর, নদীগা।

(本年 图1至中旬日

# গোড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

–কারণ–

এখানে যাবভীয় ছাপার স্বাধ্য---

रग्छेत्र ८०छिर, स्मरमा, सन्त्रम, स्माम, कमिनाशी हरूक, विन आकृष्णिके वनून,

विवादक निमञ्जन भवा, कार्ड, विवादक **भक्षके वसूने,** 

আৰ ৩ বং ও ৪ বংগ্ৰের হাফটোন ব্লক্ট বলুন, স্কল কাৰ্ট অভি শীল্ল ছালা কয়, অৰ্চ কাণ্টবার ব্লুচ বালার অংশকা প্রকৃত।

वानगांत विद्व कानांव कार्या पाक्टिन निवास कामांत्र कामावेटनरे कव नावेट्या

যানেখায়—ক্ষোক্তীক প্রিণিটিৎ গুলাক্তস্ হত্ততাহ সং বাগায় সাংখুগায় বোড, ফলিকাড়াঃ

### শ্রীল প্রভূপাদের বস্তুত্তাবলী প্রবন্ধ দিবীয় বঙ

उ रेक्नार क्रिक्रिश्च क्रिक्रिश्च मध्यक्षे हुबाबाही महाराष्ट्र राहे स्थिति। विकारिनी सीशवायतालारवाविनी क्रुक्काक क्रिक्सिकी सीन्वंतिनी स्थितिकार रेक्करनिकास अञ्चर्ताताह ८०)स व्यक्ति सम्बद्ध स्थितिक क्रिक्सिक क्रिक्सिक

\* ( TO 1 4 TO 34 SHE AND 1



मछेयम्

२৫ श्रुक्रद्वाखम ८भोत्रास ८८४, २७८न व्यायाष्ट्र वक्षास ১७७৮, ১১ व्यू गां हे हे: ১৯৩১ मनिवात

১১० जम मः धाः।

### ठाष्ट्रत कक्तिविद्याम देव्डिविक्ट বক্ততা

বিষয়—স্বাস্থ্য ও অর্থ ( পূর্বাঞ্চাশিত ১০৯ডম সংখ্যার পর )

পাঁচ বৎসরের বালক প্রহলাদ উ'ার महनाडीविरात्र निक्षे त्व खेशामन विद्य-ছिल्न, त्महे क्लान्त्रीन निकार्विमाद्यतहे লোনা গরকার। তা'হলে তারাও প্রহলাদের चामर्प कीयन गठेन कत्र्रां भात्रायन । जर्भ-স্বৰে জীৱ বাণী এই (জা: ৭/৮/১০ )---কোহৰৰ হকাং বিস্তলেৎ প্ৰাণেভ্যোহপি য ঈশ্চিত:।

यः व्यीवाष्ट्राञ्चलिः त्यार्केषकाः

সেবকো বণিক্॥

যে অৰ্থ প্ৰাণাণেকাও অভীইতর, সেই শার্মের তৃষ্ণা কোন্ অঞ্চিতজ্ঞির ব্যক্তি ভাগা কৃষ্টে সমর্থ হয়। ভরুর, সেবক व्यवर दिशक्-देशना निरम् अधिका আণ্ডে বিপন্ন ক'রেও অর্থোপার্জনের क्षक वस करत ।

পুনরাম বল্ছেন,---মান্তঃ কলতাং পশবঃ স্থভাদরো शृंदा बदी क्षत्राकावकृष्टाः। गटकंश्यकामां क्षाञ्चनायुक्त 🕝 पूर्विक मर्काष्ट्र क्षित्र, व्यार हमाः॥ ্ৰেৰ্ড, ভাৰ্ম, গৰাদি পভ, পুতাদি, ् शृष्, वृति, वर्षी, धनाशांत, क्रेचरा, व्यर् ्षात् धरः बाइएवत शत्रमात्—नमण्डे माम्राक्ष कारकपुत्र । चाउँदार के नका प्रार আতী বন্ধ মাছবের কি জিবেদার্থ করতে शहर है जित्नाका का'त सर्व महत्त्वकर

(**阿内斯**) (1) (1) (1) (a) (g) (e) (a) (a at ye e e e

সেইজকুই প্রহলাদ অসুর্বালকগণকে ব'লেছিলেন,---

কৌমার সাচরেৎ প্রাজ্ঞা ধর্মান্ ভাগবভানিহ।

**इह**क्ट याञ्चर अना जनभाक्षरमर्थमम् ॥

वृक्षिमान् वाकि मस्या कना नाम क'त्त স্থপার্থ অক্স প্রয়াস পরিত্যাগ ক'রে কৌমার বয়নেই ভাগবভগর্মের কর্বেন। কারণ, সংগারে মহব্যসম অভি ছর্মন, তাতে আবার অনিতা; অর্থদ অর্থাং ক্ষণভাষী হলেও তার ধারা অর্থ লাভ করতে পারা যার। কি 'অর্থ' 🏾 सङ्ख्**को**तस्त्र हत्म ७ शत्रम व्यक्तीकन क्रम প্রেম, এই অর্থ সাধনের अकृष्ट মারুবজন্ম।

পূর্বেই বলেছি যে, অর্থ ছই প্রকার অব্ধ ও পরমার্থ। বারা পরমার্থ সাধন । সাগনের কন্য চেটা করেন। করেন, তাঁদের আর মর্থ সাধন করতে হয়ন। পর্মার্থের মধ্যে অর্থটাও ন্নরেছে। পরমার্থ--পরম অর্থ অর্থাং যেমন টাকা, আর অর্থ-একটা পয়সা। জবস্থ টাকা ও পর্যার পরিমাণ অন্ত্রণাতে কেবল পরমার্থের শ্রেষ্ঠতা, ভা ভদপেকা অনেক ওণে---অনম্ভ च्यमः चारण भन्नमार्थ च्यर्थन ८५८४ वर्ष। ভবে জাগতিক ভাব প্রবণ আমরা জাগতিক দুটান্ত না হ'লে গ্রহণ করতে পারি না ব'লে Blका-भवनात उनार्त्रण ८५७३। ८५७। পরমার্থ লাভ হলে যে তার অর্থ টাও পাওয়া হয়ে যায়, তার অগত দৃষ্টাত লব মহারাজ। ডিনি ধ্বন শ্রীহ্রির আরাধনা ক'রে ভগবৎ-পালপথ ধর্মন পেলেন, তথন ভগবান্ अवरक वन्न हाहेत्क वन्तान । अन्य जान छेषात्र कि श्रम्भन,--

স্থানাভিলাষী তপদি স্থিতোহুঃং षाः शाखवान् (प्रवम्भी ऋ छ सन्। काठः विविधन्नशि मिनात्रक्रम् আমিন্ কুভাগোঁছিল বরং ন যাচে॥

ঞ্ব বল্লেন,---মানি স্থানাভিলাধী হয়ে আগনার আরাধনায় নিযুক্ত ছিলান, বড় বড় ম্নিগণ এবং দেবভাগণেব নিকটেও যে আপনি গুঢ়ভাবে অবস্থান করেন, আমি সেই আপনাকেই লাভ করেছি, স্বতরাং কুভার্প হয়েছি। সামাকু কাচ অবেৰণ করতে গিগে দিবা রত্ন (অপাক্ষত চিন্তামণি ক্ষাপনাকে পেডেছি, আব কিছুই আমার অপ্রার্থনা নাই। যার। বুনিমান, ভারোও এই জনকে অমুগরণ ক'রে গাকেন অগাৎ সামান্ত অর্থের কাজাল না হলে প্রযার্থ

আমরা বতটা অংথর জনা পরিশ্রম. করি, আমাদের চলভি মহুবাজনোর মহা-মূল্য সময় বায় করি, তভটা অর্থচেরায় व्यामारमञ्जू कि अरगञ्चन १ वर्षी । अ शत मानीत मरधा ८ इत এই या, ष्यनी या कपिन वीहरत, जनस्याधी निक्र शामाक्वानरनत कना চেটানা ক'রে দার। জীবন 'অর্' 'অর্থ' করে কেবল অনর্থ ই বৃদ্ধি করে; কিন্তু পর-মাথীর বৃদ্ধি হচ্ছে---

যাবতা ভাৎ স্বনির্কাহ স্বীকুর্যান্তাবদর্থবিৎ। আধিক্যে ন্নেতারাঞ্চাবতে পরমার্থত: ॥

छात्रा निस्थालक प्रमहत्रकात अन्त (व-্টুকু অর্থের দরকার হর, ততটুকু অর্থ সংগ্রহ ক'রে অবশিষ্ট সময় পরমার্থলাভে যদ্ধ করেন, ভোগীর ছার অধিক সংগ্রহে যায় ক্রতে গিরে ছর্জ সময়ের অপব্যবহারও করেন না, আর মুখুকুর জায় সব ছেড়ে

ष्ट्रद्भ निरंत्र क्षकित्व अभावन मा, **डीवा पूक**-

ভার্থের হারা আমর। তুইপ্রকার বস্তু সাধন কর্তে পারি। এক হচ্ছে—অনর্থ, আর একটা-শরমার্থ, অর্থ বর্থন আমাদের निषट्डार्टश नियुक्त कति, ख्यनरं छ।' धनश বুদ্ধি করে, কিন্তু সেই অর্থ ক্লফেক্সিয়জেয়ণে নিবুক্ত কর্ণে ভা'র ছারাই পরমার্থ লাভ 

তোনার কনক ভোগের জনক क्मदक्त बादत दगवक भाषव ।

व्यर्थ निरंग्न कनवर्षम्य। क'रत्र व्यामका ভগবানের কোন একটা বস্তুর জভাব মিটিয়ে দিতে পারি না। তার ড কোন বস্তরই অভাব নাই, জি'ন বে নিজ্ঞান্ডপূর্ণ. তবে আমরা তার শেষা কঙ্গে ভিনি ভা'র বিনিমরে তাঁকেই বিশিয়ে দেন। ক্ষি ভার মধ্যে একটা কথ। আছে। ধনীদের দান্তিকভার সহিত লক্ষ্য লক্ষ্যার দ্বার ভগবংসেবাভিনয়েও ভগবানের কিছুমাত্র প্রীতি বিধান কর্তে পারে না । কিছু দীনের ভক্তিমাধান একটা ক্পদ্দক, কেবল একটা ৰুণদ্দক কেন, অভিভূচ্ছ বস্ত্ৰ একগণ্ডুব ৰূপ আর একটা তুলগী মঞ্জরী ধারাও জগধানকে व्यक्षिन क'रत्र जान्एक शारत ।

দীচাক "পত্ৰং পুন্দ, ফসং তোংহ" সোক্ত अश्रुव सार्वाहा।

শিবাৰভার আনাগ্য শব্দর **ভার মোহ-**मुलारतत मर्या अर्पत व्यन्ध्य वर्ग ক'বেছেন এবং স্বর্থের **অনিভাতা চিতা** क'रत ग्रहीं भाश्मन कत्ररहरे **উপদে** निध्यक्त । बला---

অৰ্থনস্থ ভাৰণ নিভাং নাতি ততঃ জ্বলৈশং সভাম্। **भूखा**मणि **यनंशकाः** कीडिः मक्रोक्या विक्डिश श्रीकिः ॥ केलर विषय मञ्जा किएक পরিবর চিডাং নখন বিজে। কণ্মিহ সজ্ঞনসম্ভিরেক। क्विक क्रबार्गव क्वरण (जोका H

अर्थएक निष्ठा 'अनर्थकर' र'लाहे हिंछो কর, ভাতে বাস্তবিক স্থাপের পেশ্যাত্রও नाहे। द्वैधनवान्तिरभन्न भूख (भरक् छन्न चाट्स, मर्सवर এই ध्यकात त्रीं (१०१६७ পা ওয়া যায়।

मर्समा मत्नामत्या एकारखर ( व्यवग्र-জ্ঞান প্রীক্ষরের ) চিন্তা কর, আর কণ-ভঙ্গুর অর্থের চিস্তা পরিত্যাগ কর। এই সংগালে কণকাল মাত্র সাধুসক ভবসাগর-পারের টুনৌকাম্বরূপ হ'য়ে থাকে অংগং **८कवण माध्मश्रक्षक (लहें: এहे फूल्ना व खनक्रमि** উতীৰ্শ হওৱা ধার; কিন্তু অথের বারার क्षिष्ट्र गांच रत्र ना ।

শঙ্কাচাৰ্যা আবাৰ বল্লেন,— ষাবৰিস্ভোপাৰ্ক্ষনশক্ত-ভাবরিঞ্পরিবার-রক্তঃ। **जनभू** 5 कत्रप्रा कर्कत्रामध्य বার্ত্তাং ক্ষেত্রি। ন পুদ্ধতি গেছে॥ ধতদিন প্ৰায় মাত্ৰ বিভোপাৰ্জনে সমর্থ হয়, ততদিন ভার নিচ্চ পরিবারবর্গ ভাকে ভালবাদে, তার পরে যথন বান্ধকো শেহ কর্মারিত হয়, তখন আর কেউ বড় একটা কণাও কিজাদা করে না।

হুভরাং উপসংহারে আমার বক্তব্য এই বে, স্বাস্থ্য ও অর্থ এই সুইটা বদি আত্মার সেধাঃ নিষ্ক হয় ভাহলেই মসল, নতুবা বুঝা দেহের খোষণ ক'রে পুগাল कुक्रानंत्र शास्त्रात्र त्यांशांक क'त्र (म क्यां स्य

এভংপ্রসঙ্গে জীল দাসগোম্বামী ওভুর **এह (इंक्सि याला**हना कड़ा कहेगा,---काकानः (ठिविकानीश्रीर शतः कानप्डानवः । : काहित्र । किमर्थः क्छ वा दश्टलार्फशः भूकाठि भागतः॥

জ্ঞান বারা বিধেতিচিত্ত বাজি আবাকে জান্তে পারণে বগন সমগ্রই সাভ করতে পারেন, ভণন ত।' না ক'রে পামরগণ 🏻 कि াক্ষাসংগ্ৰহ বা কেবল দেংপুটিয় ভাত ঘট

### "পোষাকী নারদ" ( শ্লীক'-লিখিড )

वर्षनमूत्रक व्यावादम्य अहै वीम्ला नीत्य বহু পুরাতন একটা গল বার বার ননের कारन छैकि मिरक्राइ। सम्बद्ध अहे ह्या है। গর আসার মত অগস কারো কারো, স্মির্ট সৰুল জাধাড়ের দীর্ঘ-বেলার একটু অংশ

भारत : **बार्विका विवाद धार्म दीनाम कि विक्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र** काक्रवान তথন সৰ দেশে সমাদর পাইত। ইংগাৎসব, সাসিয়াছিল, সে সেইটার পাইবাই করিবা विवार, উপনয়न देवेकानिएक बनीया याजात जिलान केन्द्रकान कविरक्षांक । अनव नवय দল ৰাড়ীতে আন্দির। আমোদের ব্যবস্থা বঠাৎ করণের একটা ছোট হেলে করের

ষ্ট্রিকের। বিশেষ বৃদ্ধিকু ব্যক্তি। মুলিক না, আমি মুপুরবেলা তালের মন্ত্রে গিছে বাড়ীর বৃদ্ধ বিশ্বা সহাপদের গলাঞান্তি দেখেছি, পোবাক গুলে, ইতিকা কীণা রেজে হইলে উপৰ্ক চারি পুত্র বিশেষ ঘট। আবার তামা**কও থা**।।" সরল ছেলেটীর করিয়া দানসাগর **আড় করিলেন।** ভূরি কথা **জনিয়া চারিদিকে মানি**র একটা তরগ ভোজনে তথ্য হইরা স্থাজের ব্রাহ্মণেরা স্রোত বহিয়া সেল। ছোটু হেলে, কালেই 'গারু সাধু' বাদে মলিকদের ভূমনী 'সেও বাগস্তত; আবার হেচাটি বলিতে প্রশংসা করিতে লাগিলেন। কিন্তু প্রামন্থ ছেলেরা ভধু আহারে তৃপ্ত নয়, ভাহারা স্থানর গান ফেলে, অমন বাণা বালানো ছেড়ে ष्यारमान-ध्रारमादनव वावष्टांत क्षेत्र ८ वन ধরিল। ছেলেধের আগ্রহে ৯ দেশে নাম করিবার ক্ষন্ত কত্ত্পক ১৯৩৭-কার দিনের প্রাসিদ্ধ থাতার দগকে আনাইলেন, চুক্তি হটল ভিন রাত্রির অভিনয়ে ৩০০, টাকা ও একথানি কাশ্মীরী শাল। উৎসাহী ছেলের দলে আনন্দের রোল পড়িল, সকলেই যাত্রার সাঞ্জ দেখিতে বাস্ত। একটু বড় ছেলেরা দশাননের দশ মূত, বিশ হাত কিরূপে ইইল, তার গবেষণা করে। তার চেয়ে ছোটর দল হরুমানের লেজ ও নিদ্বকের পাকা দাড়ি কি করিয়া হইল, চোথ ভাগর করিয়া তাই ভাবে। কেউ রাণীমার করির সাজ, কেউ বা রাজামশাদের বাবরি চুলের তারিফ করে, কোন ছোট ছেলে বিশ্বয়ে শুদ্ধ হইয়া 'সং' গুলির হাব ভাব দেখে। 'অভিনয় দেখার চেয়ে 'সা**অ**' দেখিতেই তা'দের বেশী লোভ। গ্রামের বৃহদের মুখে আবার পোষাকের চেয়ে অভিনঙেরই বেশা প্রশংসা। সম**ত**টা দিন তাহারাও রাত্রি আলমনের আকুল অপেকার

উৎসবের দিন শীঘট ফুরার; অনেক পুরস্থার লইয়া 'ঘোষেদের দল' আম হইতে চলিয়া গিয়াছে। আবাল-বৃদ্ধ-বনিতা সকলের মুপেই ঐ যাত্রার' কথা। তখন পৌৰমান কনকনে শীভের পুয়াসাঘেরা সন্ধাবেলার *দ্ভদের বৈঠক*থানা-গৃহ পদ্ধীর বৃদ্ধদের হাসি-গলে বেশ জমিয়া উঠিয়াছে। কেছ বা র্যাপার গায়ে, কেহবা শাল অড়াইরা গরের নেশায় মস্ভল। নানা কথার মধ্যে খোব-দলের অদ্বুত ক্লডিছের কথা উঠিগ।

**क्ष्म प्रशिलन—"अहें वारे वन,** আমার কিন্তু নারদকে সব চেরে মনে ধরেছে। কি গানই বে ক'রেছিল, বেন च्यावृष्टि, कारन स्थन स्थारन ब्रह्म स्थिन **িক্ষাতে ক্যতে ভাবে গদ্গাৰ হ'লে বে**ং

অধিকার করিলা কিকিৎ প্রীতিদায়ক বইতে কেঁলেছিল, তা' কি দেখনি ? নামদের কম ? বাড়ীয় বড়, ছোট, আভানী নৰ वरेगान । दन जातनकतित्वत्र कथा, धारनकार्व वर्शकात्र दन सहस्त्रव विभा वर्षकतित्व स्था থিমেটার বায়ছেদের ভবেছিলান, এটানিনে ভা' সভিট বেটে इफ़ाइफ़ि हिन ना। तफ़ तफ़ वाजात नगर विक र दिहि ।" विकास वाराज देवी जान ় কোণ হইতে 'কচিললা'ন বলিয়া উঠিল—" কনকপুর একটা ক্রিল আম। আন্দের ও কোঠামশান, নাবদ তর্ট বীণা বাজান লাগিল---''বলুন না কোঠাৰশায়, কামন নারদ আবার ইতানাক থাচ্ছিল কেন ?" **ट्रिल** इंडिंग के क्रिक्ट क्रिक्ट, তিনি বলিলেন, ''ওরে বোকা ছেলে, ওকি সভিকোরের সেই নারদ নাকি,যে मनमभारे उभवाद्यत खन भाग कर्मा ? **હલ याजात परणत ''(लागाकी नाटण.''** यथन मञकात, ज्ञान (मध्य व्यामदत व्याप्त ।"

ক্রমে গারি বেশা হইর। উঠিল রিক্সীরব-সুগরিত নীরব আনাপথ দিলা বে ধাহার খরে ফিরিয়া গেস। যভক্ষ পথ্যয় ঐ ছেলেটীর উপর নিজাদেশীর স্থপাপরশ সঞ্চারত না হইয়ছিল, সে ভাবিতেছিল, তাইত ''সে যে পোৰাকা নারদ।" এখন গরের কণা ছাড়িয়া আমাদের শারিপার্থিক व्यादिहरनेत किছू मकार्शत कथा योगित ।

এই স্থলা স্ফলা,বাংলার পরস হাওয়ার खरन, रमनवानीत छाव्यहै(१) जान वक्हे সরস ?; ইহাতে আর সংশাই বা কি? কেননা, সুলের সাক্ষে সক্ষিত ভাগবতপাঠক গোন্ধানী (?) মহোদয়ের নাগর ছাঁলের দিব্য বেশভূবা, ভালের दुन्माविभिन्छक्ष नवीन वर्गानंत्र অপ্রাক্ত রূপমাধুরীই কণে কণে স্বরণ করাইয়া দের। ভাই দেশি,—শলীর (कान ७ शृष्टत यथन वृत्तावनष्ट्रमा (?) ভাগ্যের উদর হয়, অর্থাৎ অভিন বৃন্দাবন-রসলেখর (৫) গৌসাইটাদের ওভ পদার্শণে যথন গৃহবাসীর আনন্দের আর পরিসীমা থাকে না-তথন চারিদিকে একটা কোলাইল পড়িরা যার। সকলেরই মুখে ভানি--''এফি যে সে বন্ধ, প্ৰান্থ ৰে সাক্ষাৎ **অবৈদ্য**-বংখ্য, শান্তিপুরে জড়ুর নিবাসু, কি ভাসবড वााचा, दान वह बंदक, बहरनक कि विज्ञा ভাই, রাধারাশীরই মিঠে বুলি !" এ'-त्गाचांचीवर**बन्न** প্রকার পতিউপাৰৰ

(१) वास्कारकार वा कि

রক্ষের পাত্রগুলি, প্রজন্মে ভরি ভরিষ্টার্থ जारांच ज्यारमनीत्रक कार्यं स्टेस्ट संदर्भ त्कन प्रकारनात्र श्रीवृत्तात्रात्र नगान BIFRI WINCE THE WHITE MENTER!"-गाँगित काकी मुख्य करें, द्यांचारिक द्यांन पानीत त्यांने स्पत्नी पपर पानून नाशिक जानिगरिंग, कहा विकास अस्तिकीय,---"तारु अवनवार कि सुत्र अस्तिहाँ हैं। कि विरा ८व रणांच चुरह मधाय मध मुख्य प्रदेश सुरह the in the second statement cated. আনিত না কিছু, তাই কলভাই বনিয়া-क्ति। कम्पानीत त्याकि क्रियाको वीपित **উद्धत्र निरहिन, — "अवस्था क टान्स, हमन-**करणत मिरिम कि कॉन्ट्रेंग छोडे ? दिनाक्षा वाफ़ी-वाफ़ी ना विभूक्त दर 'कीदर, पश्री' হয় নাঃ গোলাই ঠাকুরের পেরসীক আর 'চরাষের্ড' না বিল্লে মা বলেছেন আ্রার নাকি। ক্লপণ ব'লে বিক্রেও হয়। পোশাই মহেদেয়ের চর্ণামুভের মহাত্ম্য সথকে আমাদের হরত একটু চকু কুটিল; এশন দেখা যাক, শাক্ষাৎ আচাৰ্যসম্ভাবের (?) 'দশমকর" আগবড আব্যাহারণে পরিও ष्यक्ष:कद्रण भ**ाम स्मिना**  ्

## অনবসর-উৎসব

**গত ३८ जूक्त्याच्य २ ५१५ व्याचाक् यानियां व** লাতে ত্ৰীপুদৰ্শেভদলেজন্ব উপুদৰ্শেশ্যন ये हरेट की केगचवा अनुपा विका-विकास क्षेत्रकेष कर्कनान करा व्यवस्था वह व्यवस् मध्डिताबहारम् 'सन्त्रमय' केनलरण विक्रिक বিপ্ৰাণস্থ কেন্দ্ৰ প্ৰীন্দালাগৰালে ক্ষম বিকাশ

আলালনাথের সেবকগণ এবং ভথাকার বহু ডক জীমন্তবাপ্তালুকে লইবার আছ পূর্বাছেই শ্রীপুরুবোদ্ধন মঠে উপস্থিত হইছা অপেকা করিছেছিলেন। জীপরিষ্টেজ নিব্দ **८वना कार ३३ महिनाय गमर क्षेत्रसहा**-वाह्य विकश्विकाः नगतः अभागानग्रीकाः শৌছিয়াছেন। তথার গত শনিবার হরতে विवनव्यवस्था अन्दरात महामहासन् र्टेरफर्ए। अफ्रननरक केंद्रिस 🗯 बाह्या-मरशरमवानि विविध प्रमुखन स्ट्रेरक्ट्य ।

## बीम अपूर्शाः

खैरिकूमान महाबरान भविद्यासकाहारी-वर्ग अञ्चन्रकामिकाक नवस्की देशायांनी महात्राच गण कुम्बान विकेटन जानीहै के पुणरि छात्रित्व टीनुमर्गक्तवास्त्रका क्रक-विका परिवादको। शक्ति विनाम प्रमुख-बाखरण्य नवाविकाचुम्य, कीनाव पद्मिक चिनामच त्याचायी धार व्यवस्ति सामान चनुगमन कविनास्त्रम् ।

## विष्ठ भारत्य

### ৰামন্ত্ৰাগৰতম্

क्षित्रकारि क्ष्मुदेवागान स्थानाक स्थान पुरा, श्रीवन প্রতিটাকা-মুখ্যা জাবপর্য্য-লিপ্রিচীকা : ক্রীক্তবিকার চল্লেক্টা जीकृत क्रिक व्यक्ति विक्री स्वाधिकार, अस्त्रक व्यक्त क CAR THE CHECKEN THEFTH, THERE CHECK & व्यवस्थान मानुबर चुलिएक ब्राह्म विकृष विकृष । (हान पूरी विवस्त्रकी, अवाविवस्त्रन, नाळ ७ कामक्कीतल केळम कांगरक केवन काकाश क्षेत्रक । तावन स्टेरफ ১०म वस नकाष संबंध न्यूर्वकटन दणव वरेमाद्य । किन्दा व्यवम मुद्रेरक अस सक महास ५०५/० । समा क्या ३०८ :-PART BOTH

#### A Acresolating

ক্ষীনভাৰ্জা নোৰ্চাভুন-মুচিত 'লস্তপ্ৰবাহভাষা' ভ জীনীমভক্তি দিরাভ সরস্বতী গোস্বামী প্রভূপান-লিবিভ বিশ্বভাষে অভি-স্থাদি বহু শাল্পমাণ-সংগিত হট্না क्षकालिक स्टेबार्ट्स । झारकत्र नाववयाचा, वकाञ्चालक ত্রভাক পরায়ের পূর্বে সংকিপ্ত অভিধের সংযোজিত। व्यक्तिक वनात-व्यावस्य क्यानात त्रक्ता भारह । त्राक, नवाब, भन, दाम, भाव धार्ष्णित प्रवृत्र २ठी ও এছফারের 😦 বিভুক্ত জীৰনী সমষ্টিত এইঙ্কপ অভূতপূক্ষ সংস্করণ ইভঃপূর্কে कुवालि व्यक्तिक रंग नार्ट । किय काश्रक नातिनाटिंग्न गरिक पूर्व क्ष्मरत्र मृगारम मृजिक स्टेशारकः अब श्रात >eo+ गुडेात मुल्लात । किक्का वर्षमादन e, भावा ।

#### **ब्रिटेन्ड्डा**नरण

🛮 📺 क्यारमात्र की कार्ने, व्यक्ति अन्तिरक्रमात्र क्यामात्र, निष्ण কৌঞ্জীক ভাষা, শক্ষাকী, প্রায়খনী, বিষয়-ছান-পাঞাদি-क्यो, अकृष्टि विविध रिया-नवनिष्ठ विश्वीय विश्वीय मध्यान ্রভবল ক্রাউন ৮ পেনী আকার। আনিনীলা ও মধ্যের ক্ষিম্বাদ্য আক্ষাণ্ডি এইয়াছেন। জনে ক্ষমে প্রকাশিত क्षा कार्य कार्य कार्य कार्य मानि गीगात FOW A

**बहै ताल्य वक्रम माण्यिय क्षमप्र मः प्रमा**ण मात्र कृषाणि व्यक्षाणिक क्ष मार्ट । मंदबंक क्षाणारामक व्यवन, वणाक्रवाम, खाया, क्यामात्र, क्या वाकृष्टि तर बटक बटक व्यक्तिक ब्हेंबर्डिम । यून त्याम जन्मदा धरण काछन जाम्रेशकी ब्रह्माकारम होना व्हेनारक । मृगा २॥ । अमा। अमीमा व्यक्तीम् ७ दर्शिहितत्र व्यास्थनदश्त नत्म अह- ठाका ।

### **्रीवडगरहत्ते**छ।

- अट्रांका देवकवास्त्रका अध्याक्षक मनिक्रुणमनि ক্ষিত্ৰিকাৰ ১০জবটিচাসুৰ বেগাৰামিছত। সারাব্যমিণী উন্তিপ্তাৰ্থনা ও জীতিবভাজিবিকোৰ ঠাজুৰ-প্ৰাণীত 'বলিক-कार्य सामक काराकाम्य विकार व्यवस्थिते, बाङ्गाजस्य क्षाय-प्रही,विषद-प्रही,अवस्थातव बीयनी ७ व्यवस्थानिकारि . इ.स. १८ वर्ग वर्ग वर्ग वर्ग के वर्ग के के अपने के का अरक्त ने निर्माण के साम Mental Torbia, Biet aim, Metter -menge-one शिक्ष माण

### শীল প্রস্থূপানের বক্তভাবলী

ও বিষ্ণুগাল জীতীনভাতি নিভাতসর্ঘতী द्रणाचीमा महाबादणक त्रहे व्यविद्या विकाशिया जीवरचयक्र देशहराविनी क्रमान्याक शिवना कीयस-वानित স্ত্র-বিপ্রম্-ব্রেম্বনিদ্ধান্ত-মন্ত্রমালাম কৌতত্তমণি--স্থ্রানার देवच्यविकामानारम् अभिकं चना-अक्षात व वानवरका প্ৰথমী ক--- নহাজন-জীবনচ ব্ৰিড-শিক্ষক---ভি বিলামটি সাত্ৰ-ক্ষিত্ৰপত্ত, কৰা আ বিৰুদ্ধানবিৰুদ্ধা । আড়ি কলেল আহিছে অচিত্ৰাত-বিভাৱত-একের ও লাগুব্যরসের বৌলিক প্ৰেষ্ণার -- अवक, अकिरका ७ बारवाकन-छर्दन निकाल-नव्छ ।

> ১। প্রথম **থতি -- কৈ**দবদর্শন, প্রীতক্তম, কাল-पर्य, क्रिक्शिक्ति, श्रीवर्षिणानी, शाक्याकिकी श्रीका **७ वर्ग-विकात, ज्ञांचार्य ७ वटनांग्य, ब्रिटेक्टक्टराव ७** তাহার শিক্ষা, অপ্রাক্ত সুহত্তধর্ম ও প্রাকৃত সহজধর্ম, ৬০ বার আনা।

**১। জিতীয়া শণ্ড—ভবা ও বিদ্বা ভক্তি, মহুযো**র শ্রেষ্ঠতা কোথার, আত্মার নিভাবৃত্তি, শ্রীগর স্বামিণাদ ও मात्रायाम, जीरगींब-निष्णानमध्यमम, विश्रागत्र धर्म । इक-कीर्जन, वीवानमृशास विमहानवाहत कीर्जन, व्यामीय-शास्त्र महिमा, महाद्यानान, औरगायिक, अक्र शाक्ष्मण्डकम-পথ, এমতী বৃষভাত্মনশিনী, জীচৈতভের দলা, গৌরকরণা ও কুক্সজীর্তন চতুর্দশ অপূর্ত্ত-মধুরিষাপূর্ণ-বক্তৃতা-বিভূষিত। বু কালিতে মুদ্রিত, উৎক্রই বাধা সোনার জলে নাম শেখা। किका ১, अंक ठाका माख।

প্রথম ও দিতীয়---ছুই খণ্ড একজে দুইলে ভিক্ষা ১॥• দেড় টাকা, ডাক খরচ খতর।

#### **क्रिक्श श्रीय के किया**

(नीप्रीय-देवकवनार्गनिक-एनवत्र अञ्चीमनवनादव विद्या-ভূষণকুত ভাষ্য ও ত্রীমভক্তিবিনোদ ঠাকুরেরপ্রাঞ্জল বদ-क्षांत्रांत्र विकृष्ठ 'विवन्त्रक्षन' नामक क्षांत्रावृक्षः। व्यशाद-স্চী, বিষয়স্চী, ও প্রতি লোকের প্রথম ও তৃতীর পাদ স্চী, ভাষাকারের জীবনী প্রভৃতি দ্বলিত। উৎকৃষ্ট বাধাই, রাজসংকরণ (ভূতীর সংকরণ) প্রথের किका २ होका।

#### প্রবেদ্যরত্বাবলী

द्यिमहमात्रव विश्वासूयग-धानीष विकायमर्गन, मन्नर्छ छ লোবিজ-ভারাজি পড়িবার প্রথম প্রস্থ। উৎরুষ্ট কালিতে হাপা। হবিহুত টীকা ও প্রাঞ্জনকান্তবাদ-সাহাব্যে অভি সহজে ৰালকেরও বোধগন্য হইরা থাকে! ডিকা । - আনা মাত।

#### **अनवहो भवा मना श्वा**र

( প্রমাণয়ত্ত ) সামুবার। প্রতি-মুত্যারি প্রহে স্থীনব-বীপের বে মহিমা কীর্ত্তি আছে, তাহার মূল সংস্কৃত ও अञ्चाप। किका ८० माना।

#### <u>जिल्लाम</u>न विकास करें

এঠাকুর ভজিবিনোধ নিধিত। স্থলনিত স্থিতাকারে পরিক্রমার জ্ঞইব্যাদি-বিষয়ক। ভিক্লা। আমা।

#### ভজিনন্ধাকর ও রবদীশ পরিক্রমা

ক্রিল সমূহত্তি চলেবর্তি-ঠানুম-মচিত। তবিদয়াবের इंदेरक शक्तिसमारम मास प्रदेश : स्वितीय उपस्यामी कि একারে এসদরীগণানের গরিক্ষা করিয়াছিলেন, ভাহাই গতে বিব্ৰস্ত। ভিন্দা। ৮/০ আন

## श्रीकुलन्ति सम्

ত্রী ভক্তিবিনোদ ঠাকুর-প্রণীত। ত্রীচেডভেইছাতে শিক্ষাপ্রশালী—কৃষ্ণ, স্বর্জপতি ও সা--বম্ব ও মুক্ত জীব--জচিন্তা-ভেদাভেদ-ভন্ম--শাসন-নিৰ্ণন--**অন্নো**জন-ভন্ম **ভৰ্ম-**काथ, जासमानित्र विठात्र-देववी काल, कारकाक क (स्यम क्रिक्स नामक मन-स्थानी अ पहिलानी माना-পরিচয়াদি প্রথম শিক্ষার্থীর উপধােশী করিয়া সমস ভাষার **मम्बद्ध युक्तिकामानमर निधिक चाएर । ठकुर्व महत्रमा कांगा** २ केंका. जावाश >०० केंका माख।

#### গোড়ীরকণ্ঠহার

শ্রীগৌড়ীর-বৈফাবগণের অফুক্ষণ কঠে ধারণবোগ্য প্রভৃতি বিংশতি সংখ্যক রক্ষে অংশাভিত। ভিক্ষা মাত্র প্রতি-পুরাণ-প্<del>করাজানি-সাছত-শালসমূহের প্রমাণাবনী</del> विगतिकानकारम माञ्चल थक्कि। श्रदेक्श हेनकप-সিদাভের সারসমন্তর অন্ত কুরাশি প্রকাশিত হয় মাই। हेराट ७३-०५-७। ११७७-- देवक्च-- (गोत-निकानक-जोरक क्या मिक छगरजगुर्की र न्यातिकारकमारकम -- जिल्ला निक्ति-- वर्ग निक्ति-- वर्ग निक्ति-- वर्ग निक्ति -- वर्ग -- শ্ৰীনাম-তাহোজন ও গ্ৰেমাণ-ভত্বপ্তলি পৃথকু জ্ঞান্তৰ স্ত্রহৎ লোকাদি স্টাসহ উৎকৃষ্ট এতিক কাগলে ভোল গ্ৰন্থ প্ৰায় ৪০০ পূঠার সম্পূর্ণ। ডিকা ২১ টাকা মাত।

#### अव्यवीनधान-अधानमी

শ্রীমণ্ডকিবিনোগ ঠাকুর-মচিত ধারমাহান্ত্য-বার-মাহান্ম্যের সাহবাদ প্রশাশ পঞ্জ-জীল নরহরি চক্রবর্তী ঠাকুরের বাম-পরিক্রমাংশ--- শ্রীধাম নববীপ পরিক্রমা--তীব-वाजा नक्ष जिम् श्रीमा श्रीमान क्षेत्र नवदीनमञ्जू अभडकिविदमात ठाक्रका श्रीमवरीय खारकाम धाक्छि এর একর ভিকা ৮০ আনা মার।

#### শ্ৰিক্তিনামায়ত ব্যাক্ষণ

শ্ৰীকীৰ গোন্ধানী জাকুণাদ-বিরচিত হতা ও বৃত্তি, তৎসতে ওবিফুপাদ প্রীমতক্তিসিভাত সরক্তী গোত্থামী মহারাজের বিভূত ভূমিকা ও হটা প্রভূতি সহ! অপ্রভ্যাশিভভাবে অ্বভ। ভিকা ২ টাকা, ছাত্রগণের श्रक ३४० छोका माज।

#### CANTE SENTA

প্রীমন্ত্রামাত্মকাচার্য্য-ক্রচিত। ক্লোভের বিশিষ্টাবৈভ্যাস-প্রচারক শ্রীভাষা-প্রশেষা আছার্ব্যপ্রবন্ধ বেদান্তদর্শন পাঠের উপবোগী করণার্থ এই উত্তম করিয়াছেন। ইহাতে বঙ্গাল্লবাদ ও স্চীপত্রাদি সংবোশিত করা হইরাছে নাম মাত্ৰ ভিকা। । আনা।

#### এচৈভক্তচন্তামূত ও নবৰীপশতক

গোরপার্যদ ত্রিদত্তী শ্রীমৎ প্রবোধানন্দ সরস্বতী-প্রণীত মূল, প্রভূপাদ এমদ্ ভক্তিসিভাত সর্বতী গোবামী মহারাজ স্পাদিত অৱষ্মুৰে ব্যাখা। ও বলাছবাদ স্থলিত। নব্দীপশতকের প্রীভজিবিনোদ ঠাকুরের পভাত্তবাদ ও ভংসহ আমন্তবাপ্তমুগ্ধ একটা তিবৰ্ণনজিত অলোকিক চিজ আৰত হইরাছে। মূদ্রণ ও কাগল উৎকৃষ্ট (২ ধানা একলে ) ভিকা ৮০ আনা, অভি হুরম্য বাঁধাই রাজসংখ্যপ > होका संख।



শা বিষয় কিবিনাদ ঠাকুর-প্রণীত। এই একমাত্র গ্রন্থমন্ত্রের ক্রান্স লাভ করিলে পারমার্থিক রাজ্যে কিছুতেই
আক্রান বা সংশ্র থাকিবে না। পরম গুড় গর্মবিষয়ক এইমাল সরল ও হৃদ্যুপশী গ্রন্থ প্রথার প্রকাশিত হয় নাই।
নিবিলগোত্মামি-শাস্ত্র-মতোদধি-মন্থনকলে এই গ্রন্থায়ত
উথিত হইয়াছেন। আবার প্রবিশ্বত স্তা, কথাসার
ইত্যাদি বারা বিশেব সমুদ্ধ করা চইয়াছে। বিরাট গ্রন্থ,
সোনার জলে নাম লেখা, উৎক্লাই বাধাই—চতুর্থ সংকরণ
ভিক্লা ২ টাকা মাত্র।

#### **ত্থেমবিবর্জ**

শ্রীমন্ত্র প্রত্তরক পার্বদ শ্রীল ক্ষণদানন্দ প্রত্ বিরচিত। এই পুস্তকে অতি অধবোধ্য ভাষার মহাপ্রভ্র ক্ষতিপর লীলাসহ বৈক্ষবাচার, একাননী ও নাম্ভজন-প্রাণালী প্রাকৃতি অনেক বৈক্ষবভবের স্থামাংসা দেখিতে পাইবেল। পাদটীকার চরহ স্থানের বিশ্লার্থ ও প্রাত্কর্তার পরিচয়াদি-স্থালিত চতুর্থ সংস্করণ ভিক্ষা ॥৵৽ হশ আনা মাত্র।

#### ভজনরহস্ত

ভল্পনকারীর নিতাসলী; ঠাকুর ভক্তিবিনোদের অমূল্য দান; নিধিল শারের নির্গাস। গ্রন্থানি না দেশ পর্যান্ত কেছ বুঝিতে পারিবেন না। তৃতীয় সংস্করণ ভিকা ॥ ।

#### হরিনামচিভামণি

নামাচার্য্য শ্রীণ হরিদাস ঠাকুরের মুখে শ্রীনন্মহাপ্রভূ শ্রীনাম-মাহাদ্যা, নামাভাস, নামাপরাধ প্রাকৃতি বিশ্বরর বাবভার বিচার শ্রবণ করিরাছিলেন। এই বিশ্বরগুলির শ্রতি সরল পরারে সংক্ষিপ্ত আশ্রসহ পরিপাটিভাবে মুক্তিত। শ্রীণ ভক্তিবিনোদ ঠাকুর-রচিত। পঞ্চম সংকরণ ভিক্ষা ৮০

#### - কল্যাপকৰভক্ল

শ্রীমন্ত্রন্তিবিনাদ ঠাকুর-রচিত। প্রত্যেক ভগবদ্-বিখাসী ও জ্ঞানপথের পথিকের একান্ত প্রযোজনীয় উপদেশাবলীপূর্ণ গীতিগ্রন্থ। সামান্ত লেখাপড়া-জানা লোকেও এই ভন্ধনরাজ্যের গীতিসমূহের ধারা অনর্থনিস্তি ও ভগবংসেবা লাভ করিবার স্থবিধা পাইবেন। বর্চ সংক্রণ, ভিক্ষা /> জানা মাত্র-।

#### শরণাগতি

ক্রীমন্ত কিবিনোল ঠাকুর-রচিত। ভগবানে আত্মসমর্পণ, বিক্লান্তি, ভলনলালনা, ষড়্বিধা শরণাগতি ও নিদ্ধি-লালনা-বিবয়ক গাঁতিপূর্ণ, তিকা ৴৽ আনা মাত্র।

#### **গীভাবলী**

বীঠাকুর ভঞ্চিবিনোদ-প্রণীত। নিত্য ভছন, আরাত্রিক ও প্রেশাদ-দেবনাদি-বিষয়ক মধ্র গাঁডসমূহ একত্রে গ্রাপিত। ভিকা /- আনা মাল।

#### **ीनकश्चनश**क्तम

রসিকেজয়কুটমৌলি ঞীমধিবনাথ চক্রবভী ঠাকুর-বিরচিত সমগ্রহ। শ্রীমহজিবিনোদ ঠাকুরের অসুবাদ-সহ। ভিফা।• সানা মাজ।



শ্রীমন্মহাপ্রাক্তর শিক্ষা ও শ্রীন রখুনাণ নাস গোস্থামীর প্রাভি শ্রীরূপ গোস্থামীর উপবেশবাণী, ভব্তিপথের অফুকূল ও প্রাভিক্ন বিষয়ে স্থবিচারিত সন্মোদন ভাষ্য, বিশ্বত বিবৃতি, চরিতামতের প্রমাণ, সাধ্য ব্যাখ্যা ও মহাজন-প্রণীভ তত্বপবোগী গীত্মমূল প্রভাক লোকের সহিত্ত সরিবেশিত হইয়াছে। তা সংক্রণ ভিক্ষা ৮০ জানা।

#### লাগল-কণ

শীর্ঘুনাথ দাস গোলামীর মনঃশিকা, শীল ঠাকুর ভক্তিবিনোদ-চরিত পছাত্যবাদসহ। ভিকা ৴৽ আনা ।

#### প্রেমভক্তিচন্ত্রিক।

শ্রীশ ঠাকুর নরোন্তমের স্থপ্রসিদ্ধ থ্রেমডজিবিষয়ক গানের পুস্তক। ভিকা ১০ আনা মাত্র।

#### **নবদীপশভক**

শ্রীল ঠাকুর ভঞ্জিবিনোদ-রচিত শ্রীণ প্রবোধানন্দ সরস্বতীপাদের সংস্কৃত নবধীপশতকের স্থালিত প্রভাসুবাদ। ভিক্ষা ৴৽ আনা মাত্র।

#### অর্থপঞ্চক

শ্রীল লোকাচার্য্য রচিত। বৈষ্ণবতা-জ্ঞানের আকর পুস্তক। ভিক্ষা ৴৽ আনা মাত্র।

#### সদাচারশ্বতি

শ্রীণ মধ্বাচার্য্য-প্রণীত। বৈঞ্বের নিত্যকর্মাদি সদাচারা-বনী, বদাস্থবাদ সহিত। ভিক্ষা /• স্থানা মাত্র।

#### মণিমভরী

কবিকুলকেশরী শ্রীমরারায়ণাচার্য্য রচিত। শ্রীমক্ষধা চার্য্যের সংক্ষিপ্ত শ্রীবনলীলা ও মূল বৈঞ্বধর্ত্মত। সামুধাদ ভিক্ষা। আনা মাত্র।

#### ८गोत्रकृ रकामग्र

প্রাচীন কবি শ্রীগোধিন দেব প্রণাত শ্রীগোরাবভারের প্রমাণাবলী-সংবলিত সংস্কৃত এছ। ভিক্ষা ৮০ জানা।

#### युक्तिमद्भिका ( श्वभदतीव्रक )

শ্রীমধ্বসম্পানারাস্থগত শ্রীমনানিরার স্বামিকত। বলাকরে সাস্থান এই গ্রন্থের প্রকাশ পারমাথিক সাহিত্য-জগতে এই সর্বপ্রেথম। শ্রীমন্মধাচার্য্য হুইতে ধোড়শাধন্তন বিভীয় মধ্বাচার্য্য নামে থ্যাত শ্রীনানিরাজতীর্থ স্বামী এই গ্রন্থে সাধারণ যুক্তি ও গৌকিক স্থায়াস্থপারে কিরুপ স্থলরভাবে ভজিবিরোধি-মতবাদ সমূহ খণ্ডন করিয়াছে, তাহা পাঠ করিতে করিতে আশ্চর্য্যাথিত হুইতে হয়। ইুহাতে যুক্তির ধারা চার্মাক, জৈন, বৌদ্ধ, মীমাংসক ও মায়াবাদিমত-সমূহের স্থলর খণ্ডন বহিয়াছে। ভিকা ২ টাকা মাত্র।

#### (गाचामी जीन त्रम्माय मान

(ওঁ বিক্পান ত্রীল ভক্তিনিভাত সর্থতী গোষামী প্রান্থপান-লিখিত ভূমিকা সহ) গৌরপ্রের্চ স্বরূপ-রূপের একমান্ত বির্যালয় ত্রীল দাঁল গোষামী প্রভূর অপূর্ব চরিতামূত ও শিক্ষা অভীব প্রান্ধল ও সর্থা ভাষার সরিবিঠ এবং পরিশিক্তে দানগোষামী প্রভূর বির্চিত ক্রকটা সাম্বাদ মধ্রতম তব ও মন:শিক্ষা-স্বালিত। ভিকা বাগাই॥• মানা, সাবাগাই।৮/• স্থানা মান্ত।

প্রাচীন নববীপের অরবিক্সি, রুখা, অভিন্ন, প্রেক্তি ও ঐতিহাসিক প্রমাণসংগিত নরটা বীপের সচিত্র বিধারণ-গ্রহ । রাজ্যি রাওগাঁহের কুমার জীবুর্ক পর্যবিশ্ নারারণ রার এম. এ, প্রাক্ত (গাঁহেরি), বেলাক্ত্রণ সহর্যের কর্ত্তিক স্কলিত এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন বর্ণের অপূর্ব চিত্র ও মানচিত্র-সম্বিত; প্রাচ্যবিভামহার্শন রার সাহের জীবুরু নগেল নাথ বহু বিধ্বেলাবসম্পাদক মহাশ্রের বিভূত ভূমিকা সহ । উৎকৃষ্ট (ইং) মরজো বাধাই মূল্য ১৪০, ভিঃ লিঃ তে ২ টাক মাত্র।

#### নাৰকু-কঠনালা

ওক্ষবন্দনা, নৈক্ষব-বন্দনা, বৈক্ষবন্দ্ৰণ, বাণালের বীত,
প্রীনামহন্ত্র, প্রিমন্তাপ্রভুর অটোজরশত নাম, অইপ্রভুর
নামকীর্ত্তন, প্রীনামসভীর্ত্তন, প্রেমঞ্চনি, 'বাইশসভীন্ত,
নবহীপ-মহিমা, প্রীনারাপুর মহিমা, প্রীনার্ভিন প্রায় আইক
আচার্য্য-বন্দনা, বড়ংগাখামীর অইক প্রেমভন্তিভারিকা,
উপলেশমালা, নামভক্ষন-প্রশালী, মহাপ্রভু ও রার রামামক্ষ
সংবাদ, মনঃশিক্ষা, প্রী-ভক্তপ্রভি, প্রীভক্ষ-পরন্দারা,
মহাপ্রভুর বন্দনা প্রভৃতি সাধক ও নিজ্জীবনের নিজ্ঞাপাঠা,
বৈক্ষবগণের কঠাপ্রিত ভুলদীমালার ভার অভুক্ষণ কঠে
গারণযোগ্য অপুর্য গ্রহ। ভিক্ষা ৮০'০, বাধাই ৪০ মাত্র ৪

#### ८गोफ़ीय-८गोत्रय

কলিকাতার স্থপ্রানিদ্ধ মালবার্ট হলে গোড়ীয়-সম্পাদক শ্রীপান স্থলরানন্দ পরবিধ্যাবিনোন-গ্রেমন্ত বক্ষুতার বিষয় গ্রাহ্নকারে প্রকাশিত। ইহাতে গোড়ীয় বৈক্ষবস্থাবায়ের ইতিহাস স্থাকারে প্রবিত হইরাছে। তিক্ষা ৮০ মাজ।

#### গোড়ীয় সাহিত্য

কলিকাতার স্থপ্রসিদ্ধ আগবার্ট হলে গৌড়ীয়-সম্পাদক শ্রীপাদ স্থলরানন্দ পরবিষ্ঠাবিনাদক্ষত প্রদেশ্ভ বক্ষুতায় বিবয় গ্রাহাকারে প্রকাশিত। ইগাতে সাহিত্য-শব্দেয় অর্থ প্রবং গৌড়ীয়-সাহিত্যের বিবয় স্থাকারে বর্ণিত হইয়াছে। ক্রিকা । ক্রিকা মাজ।

#### শ্রীবেগাড়সওল পরিক্রমা-মর্পণ

শ্রীগেড়দেশের বে সকল স্থানে সপরিকর জীবস্থানার বেবং তগতা পরবন্ধী সহাজনগণ দীলা করিবা বিশ্বাছেন, সেই সব আধুনিক ভৌগোলিক পরিচর ও বেববিঞ্জানির পরিচর সহ যাতারাতের ক্রবিধা নির্দেশ ইত্যাদি বিশ্বভানি সরিবেশিত আছে। ভিকা । আনা ।

## THE HARMONIST OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীল ঠাকুর ভলিবিনোদ-প্রতিষ্ঠিত এবং ব্রীল ভাজিসিভান্তসরপ্রতী গোপ্তামী প্রভূপাদ-সম্পাদিত পার্নাধিক
মাসিক পত্র। একপে ইংরালী ভাষার অটাবিংশ বর্বে
ভবলক্রাউন ৮ পেলী ৪ কর্মা আকারে প্রতি হারে হরিন
নামের বিজন-বৈজ্ঞানী লইরা উপস্থিত হুইজেছেন।
কাগজ, নৃত্রগ-পারিপাটা ও চিত্রাদি অভীন ভিজ্ঞাক্রক।
এই প্রকার উৎকট প্রবদ্ধ আর কোন মাসিক প্রাক্তিতে
দেখিতে পাইবেন না। বার্ষিক ভিজ্ঞা ভাক্যান্তর্গন্ত ব্যু

#### व्याब्याम-

**जिटेन्डक्य, त्याः जियाताश्व महीहा** 

### শুদ্ধভাজ্যসমূহ বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার

### শ্রীতৈত্ত্ব্য মঠ

আকর মটবাজ

वा होत सबदील, काक्ष्म क्षीमांय मात्राल्य, नशीमा

🌉য়ভাবোগপীর ভবলে পার ৩০ । মন্ত উত্তর-পূর্বে 🚉রঞ্গন্তনে আচার্যারড 🕮চন্দ্র-**त्मध्य-क्र**न्थ क्रिक्टिक्टक-मठ निवासमान ।

बहे चान माहबाठ-सीध, गर्जानकाणीर्क वा माचाठ क्यानकती । अव महाजीर्द शिक्ति-बाभागुक वाकितगावि-(नवाक्षणभूव, शक्तिकात क्षक्रमें के कावा, सावेक, कावात, क्षा अक्षान-केन्। वह-के हा-कुक- द.व: म- 5 केहेरबढ़ समाधम क समाममा खार समाध के বৌশ্বাস-গান্ধ মা-গিরিবর ও সায়ত সাজালাধ্ব-মাচাবা-চতুরে তাতালের দিপাত विकारका महिक मिका त्मनिक करेएकाका । आहे मठेवारक भावमार्थिक देशनिक मध्य मावक-व्यवसारमञ्जू व्यवसायक क अधानीन आहताचि आतात्रभाव 'अहीया-आकाम' व्यवस्थ অভিটিত ভটমাতেম প্রাভিবৎসয় প্রথম-পতিক্রমায়ন্তান ও অগণিত ভক্তগাটিগত कीर्कन व्यक्ताम्प्रस्य महामार्क्शरम्यानि कमान व्यक्तिक नरेवा भाष्य । वस्तर---अक्षतावी बैनाव मक्त्रिक्षी। সম্পাধী---শ্ৰিণাৰ বিনোগবিধারী ব্রহ্মচারী, পঞ্চিত শ্রীপার গৌরদাস अव्यक्तिकी कावाबाक्यमधीर्थ, किलान बीड्रहस अव्यक्तिकी, किलान सम्मर्गाणांग अव्यक्तिकी, अध्ययनम् अध्यक्ताती, अभनमरणाणांन अफ्डाडी, अक नरवस्त, व्हिलन, द्वविधावन कार्य मध्यामान ।

सिक्ष क्षित्रामी क्षिमहक्ति श्रवीण कीर्य मनावाक क्षात्म कृतिकता कीर्यन कृतिएहरकत । अञ्चलकी श्रव्हि ।

(৩) বোগণীঠ শ্রীদলির

শীমসভাপ্তাকুর আনির্জাব-কৃষি মভাবোগ-

नैक्षा अवादन श्रेमचीतिया व शैविकृ-

खिलांत्रक शिरमीयमात्रावन अवर क्रिटेडफमा

• खेलाबाइएकड निका त्मरा छवा खेलेक-

करबंद रामा वक्षमान । क्ष्मक---(माक-

माबादक जावामी कहे।। वाक खेत्रभा-

बाब । मन्यापी खिविकामम सम्यामी,

विश्वायांविरमाय एकिकृत्व, श्रीवायमान अच-

हाती । अभावनवात कांत्रकाती, व्यवन्ता

(8) **@বাস-অ**জ্ঞ

किर्त्तात्रगीनात त्रामक्ती । धनाटन किकिरनांत

विश्वासम्म क नक्ष्याच्या त्रवा वक्ष्यान

क्षान----विश्ववाश्यम् सन समहात्री ।

(१) चाटेचळ-छनम

वह जारन क्षेत्रादेश शक्त करन व्यवर

क्ष्मक .... श्रेष्ट्रेयकामण यात्राधिकात्री.

बाठीय बाधानुष, बाबननुसूत्र (नवीया)

् (७) काकीय ममावि भः है

Getreau :

त्मका वक्ष्याम ।

**ब**रनाक्रमकाम समायी।

बारे मान क्षीमनबार्गास्थात करन या

व्यक्त--- श्रीवक्ष्य अकिमान्त्री क्षम, क् वि. धन, मरणाती---- छेडिकामाम कवि--नाजी, और हेक्क्रम वा'स्नाही क्रक्रि ।

(>) औदगास-भणावत्र वर्ड টাপাঞ্চী, সমুজগড়, ( বছমান )

क्षीश्वामत साम : ্ ১ - জীত্বপ্রবাদীর-মঠ बाताशक, अवाभ कड़े. शि

( ১১ ) औध्यापक्षमञ्ज --भाष्ट्रिनाष, काश्रम्ब, नक्ष्मान। 🕮 গাসবিভার ঠাকুর বুশাবনের ভান।

: ১१) कार्यर बानम <sup>चित्र</sup>कात्रवरू (टान, कृष्णवन्नत, संगोधा ।

( ५७ ) 🚇 अभाग्रस मर्छ (शाविष्युव, देशवानी, अमीमा। - श्रीनश्रक अक्षाताती, अक्षणत्योत वामाधिकाती, शैनकुनाथ शाक्षा, कक विषमाय

( ১৪ ) श्रिमाम्ब-८गोक्रीम मर्ठ अन्तर नवावश्व (वाकः, काका। भृष्यग्रह्म क्षाठाम-रक्षाः,वाषारम् स्रोपकः (भोशक भाषामा-भितिषद्यस दुनेया यखमान । क्षित्रं विकासिका विकासिक विका (२) बादगोडी त्र मठ

১৬ मः कारिकामाम ठळानको श्रीहे. त्याः मात्रवाचातः कविकासः। :डेलिक्स्न नि. नि. ४५:४

শ্রীমবাকা পড়ার প্রচারিত ভানিত্রল ভাক্তিশত-প্রচারোকেশে গোডাদেশের স**ক্ষরবার** মগ্রী ক্ষিতাভায় প্রতিকিবিনার আগনে প্রীমন প্রতিষ্ঠিত আছেন: এই মঞ্জ शक्या श्राप्त के करू-द्रश्री बाक्य-व्या विद्यामानक की छ मणा बर्स निका दर्शिक करे। श्राकी कां विशेषा नर्शित वा नाली है अहा नर्शीत अधावितात्वारक एक दिशास मान्य करणी प्रवृत्तर मुझान বস্তান্ত্ৰ সংস্কৃতিক ভট্ডাছেন। পুলিবীর সক্ষত 🚉গোলনম প্রচারার এচ মন্ত্রাকর हडेटल '(तो होंच' मार्थाहरू गत्र, जि. अनुवासिक्षे भागिक गाँकका व्हासी कावाह निव्यक्तिकाकारत श्राकात्म ह क्वेरकाहम । हिमार अत्य त्र महीका, मश्राकान क्वेडकारवहास, औपहान्त्रक, औरेठक्र-ठिविकायुरावि-नीमा क क्षत्राह्यत मः।क बादनाह्ना क्रकेस পাকে। মঠরক্ত--আচাধাত্রিক প্রীপাল কুলবিভারী বিভাত্রণ। সংক্রী--পঞ্জিত चीनाम असक्षवाञ्चलक भवविष्ठाकृतन विनदः तीनाम वामविकादी अध्यक्षत्री, खीनाम अन्न कामाधिकांत्री दिन्छ. जीनाव बद्दशानान वामाधिकाती. अवनात्री जी की संगामक, तकाति जीगाति।याक्म. तकाती जीमग्रामक, मध्यित जीगाह म्योमक्क পর रिश्वां गणात्र म स्थानां प्रदेश करा हाथे। अध्यक्ष का मानिकारी विन्ता के का विश्वास का विश्वास का विश्वास का धकात्री वि-वन, अध्यक्षणम आत्रास्थानिम्, अविषश्चत वस्त्राही, श्रीवपश्चनामिक

(৮ 🕮 व्यवसाय दशोडी स्र मठ **पश्यमशिश्य ।** 

क्रिय वार्षेत्रात्वत श्रीकृष्टिक क्रीव्यमानवन ्मथा। प्रकार-विष्ट्रप्रमाम अभावाती, कक

क्षाच--- अक्रिकाम अध्याती. गहकारी--अभवाकाकृत कोलंग-विभाग या जिनत्वव उक्तारी।

ंभ १--- चैन्द्रावश्वी उपवागी. 🌼 🕾 मीनमधार १

ভাগৰত নিভাগ এখাৰলীয় প্ৰচায়-ভেতা। रमन---श्रिकानम अवहारी काकनावी

**ा**गाम

(शीय बन्नार्थी, बैनन्त्रशीक्षण बन्नहाती, 🕮 পতিত গাবন 🕶 🖝 ।

( ১৫ ) औरभाभागकी वर्ष

क्रमशः शृत, हाका । र्गाणाण्यीय और अस्त्र आहीन स्वरा क्ष्म - स्थापनामन अक्षाती ।

( ১৬ ) श्रीनभाषे-८नाः "म मर्ड ब्रिक्टिश्वामारिनी मका, वाशिव हि हाका শ্ৰীগৰাই-গোৱাংশৰ নিকা সেবঃ वक= - श्रीपूर्व शक अव्यक्ताती, श्रीम किसान ব্ৰহাণী

(১৭: श्रीकाशवड्यमामक मर्ज क्रिकेलिका, वाक्स्प्रवश्चा, (यपिनीश्च) खगात विश्वक-(शाक्षाक-गास्त्रिका-গিহিলাতীৰ নিভাগেণা বস্তমান। ব্ৰহ্মক---अववामी औ व्यवनामणी। (১৮) जावनारवाका अनवाद्यव वाक्षरीय त्याः वश्वमान ।

औ अक्टानोताल-क्रिनाक्किका । ग्रिसिनाकी व निकारमना। यक्क--- बक्रवामी 🕮 sfa-[PC"]# |

(১৯) जिनुसरवाचन शर्ठ

वर्गवार, गुरो, डेक्सिं। बबाह्य औरबोब-विद्यावधाववधीय निका-त्रवा वस्त्रवाल । क्षणक—खण्डाको **ञ्री**णवया-नम विशावण. तथाती श्रीमशीशानण. **बिशासका अक्षाती. विवादवामक** अवहाती, क्या अविवाद ।

(२०) कीलच-८गोकीय वर्ड षामयत्रमाष, अवस्थिति द्रभाद, नृत्री । क्रमश्चारकात्रक व्यवस्था सम्बद्ध क्रियका सर्थातः । वस्य---अम्हाती विगत्रस्थको वागावणी। महकात्री---अष्णहादी किविशिवविद्यासी।

(२५) जैशक्तिकानम् वर्ष केष्ट्रायाचार, कडेका

द्यारन टेर एक-.शादाक-विद्यासक्रमने कीव निकासना वसमान। वसक--farame unusethe symple forame

(२२) धानमाच्य-त्योषात्र बढ इसर क्षात्रकातमध्या, वानी । (वाप-सराक्ष्यु 🔊 अना अन-निकासम १ उधारम (शारितना विक्यामा वक्क---ह्योबानकीनावको, होपकामन उक्तामी ।

्राहरू का जीक्यरेड खळा बढ ञ्जीन पेरम्मान कृषाः ज्ञानाम बुन्यायन । के कि वाशान्त्रक-त्याहनकोड स्मरी। क्ष्मच--- श्रीनगाहिनाच अक्षाती

> (२৪) 🕮 शत्रवहरण वर्ड विधियानगा, मीकाणुक

এখানে 🖣কাপ্তত পাঠপালা चौरशोद-विद्याम विशामणीय दमवा व समास » वक्क --- अक्ष नही श्रीमुनिश्वानम । अक्षहाशी अभिन्द्रभाग ।

(२०) औरेज्डक्टगोकीय वर्ड

**पृत्रकुका, १८४० था, यानकृष**। **देश** चीरेऽ७#-म:उत्र नाना। व**क्क--खी**बश-माथ बाह, बैटकनशानम अवहारी, खीशक कीच स्परपदिशा

(२७) न्यामक्षीकोन्न मठ कुक्राक्ष्व, पारमप्त, क्याम । अपारम औरशोबविस्माय-बारमव स्मया वस्त्रमाम । क्षण्य---अष्ठाही श्रीस्थ्यंतकी, श्रीनमी-स्माना बचनानी

(२०) खासनगामा अनमास्रय-वर्ड आष्मभाषाः त्याः मास् साम्

जनात वक्षक्रभृष्ठि जीत्रावात्मव स्मय वर्षभाग । वशक---अववामी खीळाणक्रक-साम, जीनव्यकाल अवाजनी। (২৮) বিশ্ব গোড়ীয় মত-স্বাহাজৰ e - १ (शाली क वन, खाकाक दणन, निके विकी । वृक्त-अक्तांकी विशेषक्त, अक्तिक्षान्यक क्षी वा वा अमन 5 इनम्बन

(२३) शामानभाषा इक्-इ-अवहादी की

मुक्क अधारी केविटमार्गिकारी। (4) **4144 441-28** क्षिताक्षण, पश्चमश्च ( मनीहा ) mein diamein Be wie fentebietes mulfa wie Deninnuren war Barini-

किर्मार्क्षभागाय किरायकाचीय मधाय।

SHICKS CHAI VENIA क्षक-किन्द्रम् काकार अवहारी अवन-विश्वासक वन्नानी,

Signed and the second of the second

क्षणाविषी का वर्ष का

#### কংগ্রেসকর্দ্ধিগণের সফর

ভবনগরের পুলিশ জোগুারী পরোয়ানা ना गहेंगे, करबक्षि कः ध्यान व्यक्ति एसान করিয়া ক্তিপয় কংগ্রেসক্ত্রীকে গ্রেপ্তার করে। ফলে গত ২০শে জুন মহকুমা কংলেদের কার্যানিক্তক সমিভিন্ন এক व्यक्तियम् अत्र । इश्त निकाश्याशी কাথি কংগ্রেদ কমিটার সম্পাদক জীয়ত ঈবরচপ্র মাল, স্থানীয় আদে লভের উকীল শ্রেযুত আওতোষ সিংহ ও শ্রীযুত সভা-वक्षन दननदक मरण गरेश कः ध्यानत कार्या ও সম্রতি পুলিস অনাচারের তবস্ত করিবার উদ্দেশ্তে ভবনগরে গমন করিয়া मय्य अक्ष्म পরিদশন করেন। গোপী-নাথপুর, চরহাট, ভাঁমেখরাঁ, ভেরীবাদার, इंडनपुत्र ७ महत्रमभ्दत स्मृष्टि कनमलात्र व्यक्षिरवण्यत् यस् महिना त्यानमान करवन । বস্থুপণ পুলিদের কংগ্রেগ আফস ভঙ্গের নিকা বিনা পরোয়ানায় কংগ্রেন অফিন ধানাভরাস ও কংগ্রেসকর্মা গ্রেপ্তারের मिना दवर अधिक तकनी काख धारान ह শ্রীয়ত বলরাম সাহকে থানার হাজতে মান্নপিঠ করার ভীত্র প্রতিবাদ করেন। ভাছারা সমবেড লোভুমওদীর নিকট विन्हकारव शासी वात्रकेरन চু জির यहात्र । करत्रम ध्वयः मक्नाटक व्यक्तिमा থাকিয়া বিশ্বস্তভাবে কংগ্রেসের আদেশ পালন করিতে অন্থরোধ করেন।

#### (बाषाचे यून मध्य

**८हे कुनारं जनतारक (वापारे यूव** मुख्यत वाश्विक व्यक्तियम् विशेष नशीमान সভাপতি ও মিঠার মেছের আদি সহকারী সভাপতি নিকাচিত হইয়াছেন।

বাৰিক বিবর্ণীতে একাশ, ১ হাজার > भक्र मन्द्रकार बार्या ६ भक्र कन म ार्धा ह कतियो धवर करट्यम बुटणकिरनेत्र मन्नाधकरू। कांत्रका २० व्यन कांत्रावद्रन कांद्रन ।

সরকার সাময়িক মীমাংসায় সর্ত গুলি প্রতিপালন না করার পুনরার সভাগ্রেহ ७ कत्र वरकात्र आत्मामन आत्रष्ठ कत्रिवात्र জভ বলীম আদেশিক কংগ্রেস কমিটীর অহুরোধ করিয়া একটা প্রভাব গৃহীত ब्हेबारक ।

चार्यकानाव क्रमण्डाय मालनाकी भहे चुणारे मकात अम अभगकार वंक्रकाकारम गाँउ मनगरमास्य मागवः वर्तान-"वर्गन चन्नाम नाहेष" छश्नहे **(क्वम भूर्ग माञ्चि व्यक्तिक इटेरम ।** यहि कामारवार वादी शुक्रव कर्या ना वस, छोटा हरेल आवात सामाराम युक्क समिनाम প্ৰায় উপস্থিত হইতে পালে।"

পঞ্জি মালব্য আয়ও বলেন বে, फैरिका ध्वि ८गामाक्रीयम देवक्रंक इद्वेदक

भारेटक ठारहम, **जाहा ब्हेर**स कीशायत डाहाटक मुगर्थन कतिएक हेरेट धरा হৃত্ববির্তির সময় গঠনমূলক কার্য্য করিয়া তাহার বাহবল বৃদ্ধি করিতে হইবে। গ্রথমেণ্ট বলি ভাছাদের দাবী পুরণ करत्रम, जानहें ; मकुवा काहारपत्र भावति থা-না ব্যার অ নোলন আরম্ভ করিতে ছইবে। হিন্দু ও মুস্পমানকে একডা স্থাপন করিতে ব**লিয়া মালবাঞী** বলেন যে দাবী স্থিলিভভাবে না করা হই.ল ভারাদের কথার কেহ কর্ণণাভ করিবে স্বজনবাছিত স্থায়ী একতা चाकात्र शर्थ (य त्र वांधा चार्छ, সেগুলি তিনি সকলকে দুর করিতে বংলন। তথ্য প্রাজের জন্ম ভাছাদের त्य नावी, जाहा व्याः कता मख्य श्हेदव

পণ্ডিত মালবাের মতে পুথক্ নিকাচন वावका व्यवस्थि धन मक्न द्रशान्त्राध्या কারণ। যুদ্ধবিরভির সময় অংগস ভারে ৰ্মিয়া থাকৈতে তিনি স্কল্ফে নিংল্ল কবেন এবং ভাছাদেশ খাদি প্রাভৃতিয় व्याहात कार्या हानाहरण बरणन । कातन, युक्त यनि व्यावास व्यवस्थित विदेश किर्ण, তাহা হইলে ভাষারা যুদ্ধের পলে অধিকতর উপবোগী হইয়া থাকিডে পারিবেন।

**छेननःश्रंद्र याणवाकी वटनन**---"আপনা**ৰেয়াৰাছা হ উব্য, ভা**ছা করিয়া যান ভা**হা হইলেই খাদশ মা**সের মধ্যে : আপনার। স্বরাজ অর্জন.করিবেন।"

্ট্রায়ুত **রাজেলপ্রসাম ও** সভার উণ্ডিত ছিলের। ভিনিত একটি সংক্ষিপ্ত বক্তত। करतन ।

### ८ छेशार हैं विकृत्य मामना

কলিকাভার ভূডপূর্ব পুলিশ কমিশনার সার চাল্য টেগাটের বিরুদ্ধে চন্দ্রনগর হাসামা স্পার্কে 🗃 যুক্ত শশাল আচীয়া ও তাহার পদ্ধীর পক্ষ হটতে মামলা আময়মের অক্সতি চাহিয়া দরগান্ত কর! হটয়াছিল। গতকলা প্রধান বিচার-পতি এবং বিচারপতি পিরার্যন উক্ত चार्यनन चवारा कंत्रियारहम । इंडि-शृद्ध बाब । किनवाब हारे क्लंक আলোচ্য মামলাম বিচারের আবেদন व्यक्षाहा रहेत्राहिन ।

গত হয় সেপ্টেম্বর রাত্রিকালে চষ্ট-গ্রাম অন্তাগার পুঠন মামলার কভিপ্র दक्तांत्री जामानी द्वाशास्त्रत উत्मर्क मात्र চাল্ল টেগাট কভিণয় বুটিল সম্ভি-ব্যাহানে এবত শশী আচাৰ্য্যের যাড়ী द्यमा क्षिमाहित्यम । अ ममत्म द्याला-

মহাত্মা গানীর সাহাব্যে সার বস্ত কিছু ওলী চলিয়াছিল এবং একজন গুবক হত ७ करत्रकान चार्क एर्ड्डाइन । चारनम्न काञ्चित्रात्व भक्षे स्टेट्ड यथा वस, हनान-নগর ছাজামা সম্পার্ক তীযুত লশগর षाजार्यात्र शक बहेटड वाहा बाक्ट कता र्रेग्राक् मिर् एपा भवत्क कारावर কিছু আপত্তি করিবার নাই। যাবভাঁর यहेना ची नात्र कथा इट्टन ७ त्या कथमान कुनानी भष्टक षाइंटनत निरंत्र क्षण्डः **५६ (माक्कमात्र विठात्र ६६७७ लाज्य** 

#### ট্রেড যুনিয়ল মিলন সমিভিয় क्ष (श्रद्धम्म

বিভিন্ন টেড যুানয়ন থাল তেগোগড ইক্য সংস্থাপন সন্দক্ষে আভ্যতগুলার कारमाठना काञ्चयात क्रम जानामी ३.वे ७ ्रहे कुषाहे दाबाहे क्रिक युनियन मिलन কমিটার আন্বেশন হহবে। প্তিত ভাহরশাল নেহের উচ্চ কমিটার সভা १६८७ मण्ड स्ट्रेश्टर्म। डिन डेक भागत्वभटन त्यालमान् कतित्वन ।

#### কংচে চেনর প্রতি রোষ

ভাতীয় পথকা উদ্বোধন সৰকে জিলা মাজিট্রেট ৰাখাগোর বিটি কংগ্রেপ क्रिक्रित्र छेल्ड एक क्ट्रांत्र आरम्भ का त করিয়,ছেন। সম্প্রান্ত মিউনিসিশা।লতার कमिननात्रभव ५.कछि विषयकत पार्रधन व्यक्ति क्षिप्राध्यम । याषाटमात्र निहि कः द्यान कांभवी धर्मायुक्ति नशीम निमन्दि **७.४५।।न, वाजै निषान क्षिएः।छन।** মিত্রনিসিপালিটা এই কমিটার উপর এক कारमण काञ्चिक विद्या कामाहेबारक व त्य, जे वाजि त्यम खाक्यि। दक्तमा क्या।

#### মহিলা সভায় বালব্যজী

গুলরাট প্রান্তিক সন্দিলনে সম্ভাগতিক ক্রিবার জন্ত পণ্ডিত মদনমোচন माणगः जारमनावान जानिमारहन। शङ ৫০ জুলাই অপরাক্তে ডিনি এক মহিলা সভায় বস্তুভাকালে]আইন অমান্ত আলো-गटनम् भगम् अमन्नाजि महिगारमन् कार्यम् विटन्द व्यन्ता कत्रिया वर्णन, जाननारमञ् অন্ত:কয়ণে একমাত্র অভিলাষ রাখিতে হইবে – সে অভিগাদ ভাষতবৰ্ষকে স্বাধীন

তিনি মহিলাদের বিদেশী বর্জন করিতে खबरयदानी अहन क्षिटक खबर क्षीरमञ् **जिक्नां विट्य छैनदम्म त्मन ।** 

সরকারী কোল আক্রান্ত मानिक क्टेटक मध्यान चानिवादक द्व. मध्यादमा अववि दशके दशक विद्यार्थी। निरम्य प्राप्ता काळाचा वर्षेत्राविक वर्ष देवे कुगारे वाविकारण करें दशीक बाह्याक इदेशदिया। २ अम निमादी निद्धा दश्रेताटक ७ २ जन चार्क स्रेताटक ।

चात दक्षि मरवादम क्ष्माम ३८ कर्म नेनोडक रिट्याहीटक कटहरूपानि खादम ब्लिखात्र कता इवेदारक ।

### লাভীয়পড়াক।র লাগন্ধি

वाकारणात्र नदस्त्र ध्वयः छाहातः निक्रके 8ठा कून रहेट : ७ मानकारण्य मळ कार्याह পতাকা উভোলন ও আহপন নিৰ্দিশ্ব ক্ষিত্ৰা यिना माबिट्डेड भूनिन बाह्सब्ह्नाद्व ध्य मारान व्यक्तांत्र कतित्रः (६न ।

**গত ६६ जून महाकी नावक अक बाह्य** निरयनाका व्यक्तास्य क्षिया व्यक्तिय संस्ट्रका উত্তোশন করিয়াছিশ বাল্যা ভার্যক CHRIS WHI ECHICE I

गाया जीव गाया अरे विश्वा माह्या-চনা ক্রিবার থক্ক জীবুত ভাগ্রম এবং त्रायक्षा **व्याद्यक्षात्र .Cबाह्यक्षे स्रा**क्षा क विद्याद्य ।

#### মহাস্থালী কর্ত্তক বোর্ড স্থাপলের अखान

**८क्वा न ७०६की मुख्याद टामान** खत्रा कर कमिणित भाषामी वा स्टब्स्ट्र्स मश्यामी अविविधामाना दक्क पाल्यम् व्यक्षात्र कविरयम्। मश्चित्र मर्ख बाद्यारख यभावन कार्य व्यक्तिमानिक स्म व्यक्त त्वार्क ভাষা নিয়ন্ত্রণ করিবেন। নিঞ্ছি কালের मत्भा विष त्याक साथिक मा स्थ, कार्स व्हाण महत्याकी त्याम दहियम देवहंटक त्यागमान कतिरचन ना। क्रिनि म्ह गाउँक एरे निश्म भव शि स्था आमाहित (वन।

#### मदकादी केकिश्रदक करी। केकारमञ्जूष की निक्ष

क्याही मर्यायसच्य क्रकान द्रवं भड त्यामयात्र वाचिटक मन्त्रवाही विकिश सिः त्यत्र मस्चानत्यः <u>८</u>च चा काहरेका चली क्तिप्रोहिन। एवम जिलि निका महिर्देश ছিলেন। তিহার জী ভনীর আবাতে निइठ स्टेबाटइन ।

भाष्ट्रमा Gवामा विद्यासक्षक 🤛 👸

भावेना बानाम मध्यकि दर दनामा विष्णात्रण वर्षेत्राटक, काकाल मध्यादव राजातीमांग व्यवः जनत वाकि व्यक्तित रत । विरक्षातर्गत करन द्वार्थातीयां क्षण्यातरन जारक रता रानगाकाम रेरेटक बाजान ना क्यांचे गा बाहादक राकीयुव टक्टम ट्यावन क्या विकास राजनाजारन अवहाबकारन खोदाँ नाव रहेट बाबाब की प्रवाद निर्देश WIN SERICE !

অভিনাতে
আভিনাতে
আভি কলি ১
আভ কলম ৩০
আভ কলম ৩০
লিভি কলম ২
চ্জিত বাহ

 $\mathcal{F}_{\mathcal{F}}$ 



সাহাবোর হার
শাঞ্জম দের
বাদ্ধিক ৯
বাদ্ধাবিক ৫
বিজ্ঞাসিক ২৬
মাসিক ১
মাসিক ১
মগদ
প্রতি সংখ্যা ৫

ভাষতের শর্মাত বছল-প্রচাক-শদীয়া জেলার একমাত যুখপত

40 T

**সম্পাদর— এতি ভালেনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি** 

[১১১তম সংখ্যা

**এটিচভক্তম**ঠ শ্রীৰাম মারাপুর—২৮শে আবাঢ় সোমবার, ১৩০৮, ১৩ই জুলাই ১৯৩১

### নানা কথা

ক্ষাৰ্যম গ্ৰেলায় বাৰণা ৫০ জনের লাক্য গ্রহণ

शक करे कुनाहि कुकानमा नवत बहकूमा शांकिरमंत्र दिनगारिन कुकानमा दिनामात मान्नाम जास तक बका कमानी बहेगा निवारक किलानि नमकात शक देन जन गांकीत नाका तांका तका स्कित्यका कार्नाहि काकिनायम मरना दक्त-दक्त छोतारम नीवारकन किश्मा शहरकारणेत भागमा विष्ठारक यांन्यक बांकिस्त स्क सार्विद्वेष्ठरक बरनान, जांनानीकिरणंत विवारक व्यक्तिक भाक्ति क्या याहरक नेतिक द्वार मित्रमिक भाकिनामा वाहरक नेतिक द्वार मान्निक भाकिनामा किलान क्यान-वाही जांक त्राविद्वेष्ठ जांनानीगरंगत वर्णना किकारक मानिक करमन।

বীরেজকুমার বন্দোপাধ্যার নামক কর্মক আসাদী পূর্বে কলিকাভার প্রেলি-ভেলী ক্যাবিট্রেটের নিকট বে থীকা-থোকি ক্যাবিটেক, এথানেও ভাষার প্রকৃতি ক্যাবিটে, স্থন কিছুই খলে নাই।

वानावी जासक्रम बनम प्राचन क नगर कृताव बुरवानाचाव निकावित्रक विज्ञनदाव वटम जाक विद्वालय करन (स्वन वैद्वाल

नित्र द्यादारतान कतियारता ।

क्षेत्रका ज्यादावी ः क्षेत्र क्ष्मावे नदावः
व्यक्तिका ज्यादावी ः क्षेत्र क्ष्मावे नदावः
व्यक्तिका व्यक्तिक कादियात ज्यादमन दयन।
व्यक्तिका ज्यादाका क्ष्मावे व्यक्तिक व्यक्तिका व्यक्तिका

## ক্বফনগরে বোমার মামলা

विद्याशीत्मत हाउँनी ও इर्ग रेम्स मन कर्ड्क मक्ष

## য়ায় হরতাল

নীতি পরিবর্ত্তন সম্বন্ধে মহাত্মজীর নিকট প্রশ্ন

## রামক্রফ বিশ্বাসের আপীল

চট্টগ্রাম জেলে আবার প্রায়োপবেশন

## জাতীয় পতাকা সমস্যা

বড়লাটের নিকট অভিনন্দন

## আত্মহত্যার চেষ্টা

মহাত্মাজীর বেশ সমস্থা

जानामीरमत्र विकरण अफिरयांग शठेन कत्रा स्ट्रेरव अवर मानी पांख्या रगरण, छाहारमत्र जयांमनमी अहन कत्रा स्ट्रेरव ।

> কুন্তিহা সংবাদ ট্রেণ ডাকাডির চেপ্টার জের

क्षात्रधानि बानात प्रकृतिक वहरवहण आरम्ब व्यविवानी नवदवक्षमान मूणी, विक्रियान पूणी अवद समीत्यादन कव নামক ভিনটা যুৰককৈ গত ধোমবার রাত্রিতে কুমারখালি রেগ টেগনে ভাকা-ভীর চেটা সম্পর্কে ৮ই প্রাণ্ডে, গ্রেপ্তার করা ক্টবাছে।

মই জ্লাই প্রারণালের টোণে বৃত আরিলের ৩৯৫ ও ১২০-বি ধারামতে ব্যজিবের কুরিরার আনির। হাডডে রাখা আরিয়ন্ত হইয়াছে। আগামীরের মধ্যে হইয়াছে। তারাবের হাতে হাতকড়া নাকি কেলন এঞ্চার রূপে দণ্ডারমাল এবং কোমরে দড়ি বাধা ছিল। হইয়াছে।

### কুষ্টিয়ায় হয়ভাল

নীনেশ শুপ্তের ফাঁসীর সংবাদ গ্রেপ্তিন মাত্র নই জুলাই কুটিয়ায় চরভাল পালন করা হইয়াছে। বিছালয়গুলি বন্ধ ছিল। অপরাত্রে একটি শোভাবাত্রা বাহির হয় গু একটী জনসভার ক্ষাবিশেন হয়।

#### ब्रामकृष्य नियादनत वाणीम

চালকুরে পুলিয় ইনদেশন্তীর তান্তির,
মুশোপাণাগ্রহক হতা। করিবরে অপরাধে
রামক্র বিশাস মৃত্যুদতে দণ্ডিত হইরাছিল।

রামক্ষকে নাকি কেলে আবার নেলের মধ্যে আবদ রাণা হইয়াছে। মৃত দীনেশচন্দ্র যে সেলের মধ্যে আবদ থাকিত এই নেলটি ভাইনিই সংগধা গত ১০ই নাকি রামক্তেশ্ব গাাগেরিয়া অর হউলাছিল। ভাবে সম্প্রতি গে বেশ ভাল ও প্রান্থান্ত লাছে।

রামরকের পক্ষেত্র কাউলিলে বে অংপীন করা হইয়াছিল ১১ই জ্লাই উ লাপীনের ওনানী আরম্ভ হয়।

#### শালদা জাকাতীর মাদণা

পাণানা ভাকানীয় মামনার বিচার
আগমী ২০শে ফুলাই তারিবে আয়ন্ত হইবে। শেশশাল উইবানালে এই মামলার নিউলৈ হইবে। এই মামলার ১০ জন আগায়ী ভারতীয় লগুবিধি আইনের ৩৯৫ ও ১২০-বি ধারামতে অভিযুক্ত হইয়াছে। আদামীলের মধ্যে মাফি কেল্পনা এপ্রভার রূপে দণ্ডারমান ইটাছে।

# শ্রীধান নায়াপুরে

'ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

## एक रेश्दाकी विमानश

### (थाना इहेज़ाटक।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ হাতদিগকে
অতি যত্নের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন।
বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যয়ে সুন্দর বাসহাশের
বন্দোবন্ত হইহাছে। স্থান অতীব স্থান্থাকর।

সবিস্তার সংখাদের ভন্ম নিম্নলিখিড ঠিকানা পত্ত লিখুন। সেক্রেডারী, ভাকুর ভাক্তিবিলোদ ইন্ট্রিডিউট্ শ্রীচেডগুমঠ, পোঃ শ্রীমারাপুর, নদীয়া।

#### —৫১ বংশরের প্রাতাষ্ঠত—

উন্ধালতো প্রস্তাত বৃতীকা হারা গুরুষারনা, স্পানেষ, কোট্ডাটিডা, অফীর্ন, ধ্রজ্জ প্রস্তৃতি কন্ত রোগীর বোগ নিরাময় হইয়াতে ভাষা প্রকাশ কারণে বড় বড় পুস্তক হইয়া পড়ে।

#### देश .

সকল অনুতে বাংলার চলে এ সমান কল প্রালান করিয়া থাকে। প্রতি কৌটার ০২টা বটাকা থাকে।

#### কেবলমাত্র

প্ৰতি কৌটাৰ মূল। ১০ এক টাকা। ইণার নাম '**আড্জানিপ্ৰত** বঁটাকা'।

অপ্তাক্ত ঔষণের ভালিকার অক্স পত্র লিথিণেই পাইবেনু

লাবিহান:-আতঞ্নিপ্রহ উল্লালয

২১৪ নং বছৰাজার 🖫 ট, কলিকাভা।

### কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



মুক্ত আৰোর প্রবিধার ওয় ৬ আঃ শিশিতে ঘণীভূত অবস্থার ছোটবোড়লের াসমপরি উষ্ধ ছাকে পাঠান হয়, ইংলাড়ে উষ্পের কোন পরিবর্তন করা হয় নাই। মূল্য আজি শিশি ॥• আনা, পাইটানে আনা, বোড়ল ১০/• আনা।

অফিস-১১নং উল্টাডালা রোড, পোঃ শামবাজার, কলিকাতা

## मंपन मध्रती

विकास वर्ष क श्राकृतिकात, विकास कि हान, स्थानिक वर्षणीक वर्षण्य, याबारशता, त्र वर्ष-क्यानि, क्षान्ताः स्वकृति स्वकृत सकत निर्देश बारसाक व्याः वर्षः वीता, स्वया दृष्टि स्वत्र स्व

## হাইড়োগিল

### কোষর্ম্ধি রোগ

ডাঃ এস্, এন্, খোব বিনা অস্ত্রে, বাৰক্ষীবনের গ্যারাটি বিষা বৈছাতিক আনানাতে কোমবৃদ্ধি রোগ আহ্যাগ্য করিয়া থাকেন।

> डिकाम!---क्रम मर क्षेत्र द्वीहे, रहवाबाह, कालकाका !

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

### ज्क्योज यदशेवश

### পানর দিলে লাপুণ্ আজোগ্য

दिश्य क्षणावेदण वर्षात्र । जिल्ला गाह्यक जेनक (यांक्या जनर जातांक) गाठावेदन विभा क्षणाये क्षणाये क्षणाये जातांक जातिक विभाव क्षणाये क्षणाये निष्ठ क्षणाये क्षणाये निष्ठ क्षणाये क्षणा

किकि कीमहस्र के कीन, रक्षा-दिक्षित्रक, त्याः देवकाठी, विव्यानाः ।
कावन निम्न किकानाय माकार कविश्व विश्वाविश्व कानिद्ध वंद्रम्म ।
क्षित्र कामत्यायां विश्व दम्, धा, क्ष्ममन्म, महीमा । विश्व विश्वविद्यानाः ।
कित्र ३२१, व्यविद्यादिनां केहि, काम्रेशमा, क्ष्मिकावाः।

প্রকর্মানি পজ। অ মার বাঙ্গুর গত হর মাগ বাবং ভাজ বৃদ্ধান্ত ভূগিয়া মৃতপ্রায় ভইরাহিল, কলিবাঙার বিজ্ঞ চিকিৎসকলৰ ভাবার জীবনের আশা ভাগে করিছা শেব মৃত্তের অন্ধ্র জাত জাপেকা করিছেইলন এই সময় প্রীয়ত কিন্দ্রীশচন্ত্র উক্তি মধানার মাজ ১০ বিক্তিরিক্ত্রের করিছা সম্পূর্ণ আরোগ্য করিছা বিধানেল। (সাঃ) প্রীয়ত কিলোর করিছা বিধানেল। করিছা বিভিন্ন কর্মানার করিছা বিধানি করিছা করিছা বিভিন্ন কর্মানার বিভিন্ন করিছার বিভিন্ন করিছারেশন করিছা ভিনা টমেন্ট, করিকাছা।

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরাব্দ ৪৪৫

ৰাজ ১/১০ ভাকতিকেট পাঠাইলেই বুক্লোঙে পাঠান হয়।

ম্যানেজার-প্রস্তবিজ্ঞান শ্রীচেডখনত, পোঃ শ্রীমারাপুর, নদীনা :

কেন গ্রাহকগণ

# গৌড়ীয় প্রিণিটং

এত প্রশংসা করেন

---

बाधान यावजीत कानात कार्या---

रगरीत ८०डिर, त्मरमा, कतम, बाम, कमिनाती तहक, निम खाक्षित समून। विवादक निमञ्जन नात, कार्ड, विवादक नकते बमून.

আর ০ বং ও ৪ বংবের হাফটোন ক্লকট বসুন, সক্ষম কার্যাই ক্লকি নীয় স্থাপা হর, অপচ ছাপাটবার পরচ বাজার অপেকা পুলছ।

चाननात्र किहू कानाव कार्यः चाकिटन निवंदी कानाव बानावेदनके वच नावेद्रकृत है।

मारतकाक-क्षिणिक क्षिणिक प्रकारकार । २००१ तर सामात मानसूनात स्टब्स समिनाकार

## बिन প্রভূপাদের বক্তাবদী

এবস ও বিজীয় শুরু

वे विक्रम्बाह्य क्षेत्रिम्बाकिनिकास मनवनी त्रासासी संबोद्धात्रक विकारमिनी क्षेत्राचाचक्रतगांदवाकिनी क्रकशाक्षां प्रमाणाविकी क्षेत्रवाक्षणीक देवकप्रनिकास अक्षमाना इ. देवोद्धात्रकानि—नवद्धाः विद्यक्षणा

ष्टिका जरूरत: ১৮० जामा नाम ।



२७ श्रेक्रारवात्त्रम ८गोत्राच ८८०, २२८न च्यायाप्न वन्नाच ১७०৮, ১२ पू नार्डे देर ১৯৩১ সোমবার

### ঐকান্তিকতা

গক্ষ পুরাণ মুক্তকর্তে একারনবিচারের **সর্কাজেটভার স্থান সর্কো**পরি দিগছেন। গরুড় পুরাণ বলেন—মানবন্ধাতির মধ্যে अव्यक्तरे गर्नात्वर्ध, गरीय गतिक्ति नव-विकारम क्य कम्भ प्राप्त प्राप्त मन्त्र हारव भूर्व बच्चत्र दगव्यन्तर्थ 'खव्यक्र' नारम अति চিক্ত। এমণ সংখ্য রক্ষত্র মপেক। বজাতু-শীগনপর বাজিকের শ্রেটতা আছে। সহস্র अवक बार्डानिक राक्षिक वर्तका (नगर-विर अक्षविरम्बन्नहिष्ठ-विष्ठात्र नतः देवशक्षिक ८ आहे, ८ माछि द्वराखिवर प्रारम्भा सनस जैष्वामण्यम् स्त्राध्ययः कक्षमण ८ अक्षेत्रणः। ভাষুণ শহল জন্ধ অপেক্ষা মধুর-রসালিত অবিজ্ঞ ক্ষেৰণাড়জিয় বাসী ঐকান্তিক 事事を事 (出き )

ৰয়াবন্ধ-বিচাম ব্যক্তিগড মাটির পরি-চাংক। জনোগুণচালিক বিভার বিশুদ **'मरश्वत्र व्यानत्र करत्रम् मा । वरणा अन**हानिक क्षमभन च च-मन्ताक्षाक्षात्रस्य प्रकल्याकात्रस्य गरिक गक्-सर्वक शर्मका ध्वात करतन । ন্ধা-সৰ-**ওণে**ল সহিত সম্ভানকে সৰ্কডো-ভাবে সমজেপীত জামিলৈ বে বিষয় কল-লাভ बर्फ, काशास समयविनायक कुछ जानता क्षांकि शरमगरमर्दे स्मिथिएक शारी ।

यक्षण्डी काष्ट्रवस्त्र अधिकारण अधन करतन. এ কথা দাবিয়া কাৰ অভিন্ন ব্যক্তি অভেয় का नश्रमाध्य किशाबिद्यान, उपन काश्रारक व्यानिक विरक्ष क्षेत्राहितः। भवरमारकत কথা ইনিট্ৰ বিহা—গভাবোকের কথার অঞ क्रीकृतिहरू कामरकार्या व्यक्ति कविषात कक्षे ह्यानिकवरण कीर्वरत्य निवद कतिसहिरणनः। कार वाकारता केवान मानना सारा-प्राप्त

সম্পোধকে পাপ হইতে মৃক্ত করিবার জন্ত বিধি-বিধান হইতে পার্থকা লাভুকরিতেছে জানিরা ফেরিসিগণ করুণছদর মরিন্মতন্ত্রকে ष्मर्भय यश्रमा मित्रा तथ कतिश्राष्ट्रिणन ।

**এলন্দ্রণাদ্রনিকাচার্যা अ**विक्रुपामी সম্প্রদারের পঞ্চিমন্ত সাম্বত বিচারে যে কালে জিদও গ্রহণ করিয়াছিলেন, তৎকালে তীহার অরিকুগ বিভিন্ন পণের পথিক र प्रवास कें। रात कार कश्नटक कार्यस सम्बन्ध বিশক্তিভ করিয়ছিলেন। রঞ্জনোগুণের ▶হিত সম্ব শ্বণের সমপ্রাঃ বিচার অপবা ভাষিপতি দেবগণের মধ্যে व्याधारकत्र कथा यशांत्र टमहे च त्रार्ध 🕮 जन्म न । जन्म निकास का जन्म । जन्म ৰাদশ্বৰ্কাল অজ্ঞাতভাবে নিদাসিত হইতে হই:ছিল। ঐভিহের পঠকগণ এ সকল क्षा स्कृष्टार बार्नन ।

ঞীবিশ্বস্তরদেব বেকালে স্বীয় আচরণ-याता अधिकक्षमगण्य मानारेएउहिएनम त्य, পুরুবোক্তম ভন্ম নিঃশক্তিক বিচারে আংশিক प्तर्णन माज, रक्षरण काः(भिक् भाज नरह, ইহা অংশের বছর্তির মধ্যে অন্যতম একটিমান রভিত্চক ধারণামান, বভ্তধারণা **२३८७ १५५। कमाना श्री**शोद्रश्चमत मायक श्रम्भाष व्हेटक---

"पार्कविषा छ त्याविषाः क्रमीयामध्यास्त्रह्यः गः। ंन म ऋग्यरका **८०कि** ८कव्मर

माधिकः मुडः ॥" --- वहें अथा कातत मतिएक शिवा

্করিঃছিলেন, ত্রন সুসারক্ষিত পরিভাগে করাই মানবের প্রভোজনীর বিবর। বাতীত রপরসগরাদির লোভে লুর জীব স্থলর একদিন পড়ুয়া আচ্চ দান্তিকগণের বার। হাস্তাম্পদ হওয়ার যে অসহিষ্ণুভা ধর্ম জ্ঞাদৰ্শন করেন, তাগতে শ্রীধাম নবৰীপ মারাপুরগাসা व्यत्तकत्र वीष्ट्रताशकावन হন এবং আক্রমণের ও পাত্র হইয়াহিলেন। ভগবানু বা ভদীয় ভঙ্গণের প্রতি নিকা নিবেৰ বা আজ্ঞ্যণকারিগণের অসচ্চেটা কথনও সঞ্কর। উচিত নহে। জীরণপ্রভূ ভক্ষনাই চতু:ষষ্টি ভক্তাব্দ বৰ্ণন প্ৰাসংক · #[: : • | 98|8 • )---

> "নিন্দাং ভগৰত: শৃথন্ ডংপরত জনত বা । ज्ञा नारेपिक यः स्मार्गि याजायः

প্রকাক্ত: ॥"

এই আহ্ন বামাণ উদ্ভ ক্রিডে সিয়া ভদৰণখনে ভক্তিয় প্ৰাবেশ-বান্ধে উহাই **भव्रम व्यातासन विषय "इक-७३क विरवर-**বিনিশাখসহিষ্ণভা'' বাক্ষেদ্র অবভারণা করি।ছেন।

चश्चिकनगण वर्णन,--- क्रिक्करे अक्सांब বিষয়, বাধাক্ষক মিলিড তম্ ঞ্রীগোরত্মকারই একমাত্র বিষয়। বিষয়বিদের বে ক্লকেজর कान, देश क्रभ-त्रभ-शक-भक्त-भार्मित विचात्र আৰক্ষ। এই সকল কপ্ৰসাদি বিধ্যের ८मवाकार्षाः कशविष्युश्रीकोरवंग्रीककः व्यकृषि ্জানেজিয়পঞ্ক ও খন, এই ছয়টা করণ নিৰুক্ত থাকে অৰ্থাৎ ৰজ চকু: প্ৰভৃতি कृत्कत्र व्यक्तिम् राष्ट्रतम् (गर्वा क्रांत्र) कृत्क व्यव दक्षणाड्यः विनशासत्र—किर ও ধবিত। 'বেছলে জীরুকের দেবা, লেছলে করার বিবর-ভোগপিপাসা নাই।

ভদীয় দেৱন বৰ্ণনে ভগবদ্ধিয়ুৰ জনসভ ় বেজ্লে বিবঃভোগ-পিপাসা, সেভগে 🕮 🛪 🕫 এই कथात्र अठातक नीनाविनक्रकाती औरगोत्रः काम क्रियोति यक्ष् विभूत मान । यहान একাত্তিক ভজন, সেহলে কাউব্যুখে রূপ-त्रमापित्र ट्यांगिलिलामा थारक ना ।

> প্রহলাদ স্বীর বিষ্টা পিতাকে বলিয়া-हिल्लन,--गशाम शुरुष्टे धकराय बह, অধীং সংসঃরড়োগ বাজত বাহার৷ আর কিছু বুবে না, ভাহাপের ইক্রিয় বৃভিওবি ক্তবেণ্ডর খণ্ডিত অভিন্যস্তার এপরসাদিতে নিধৃক্ত হটয়া অভিজিত্রাজ্যে প্রমণ করিবার व्यवग ८५ हो करता। जान्या इःमक् शति-বৰ্জন না করিলা ছঃসককে বছমানন করিছে कतिएक क्षभारमवात्र देवमुक्ता लाक करत । किंद सरीएकान्य रमयनहे ममध हे किश्रात्मक একদাত্র নিভারতি।

> বাহারা ঐক্তিকভাবে ক্লাঞ্চল ভজন করে না, অব্যবসায়াত্মিকা বৃদ্ধি ভাগাদি-शतक वाश्वितारत मिबुक्त करत । देव १:७, **शास्त्राह्म वाश्विष्ठांत्र विश**ा दकान कथा नाहे. (बरह्कु जेनकम शम-ेकांसिक ভলনাবেলার অভত্তি বা বালিকাছিক-গণ দানা একারে ভগবংগেণার ভিরহিত क्रेश कुछ कुछ नचत्र आठम् विषद्ध साझ्डे इत्र। जेकाविक चक डांगाकत अवेकन চাঞ্লোব আদর কবেন না! বিজীবাভি-নিবেশই কাগতিক উ'ডির কারণ। সভ্যের নির্মারণের অভাবত্তে ভাবের আছি বা विवर्षहे अप, लाक छ त्यांच छेरभावन चारधाकक सम्भाषनपुर्न् जनाव বলেই স্থীবের শোক, বোহ 'ও ভর মণ-সারিত হয়।

अत्नक ममद्र **सकार्ट्य अ**भिन्नाति । বিমুপ জনগণ ভেদ-জগতে অবস্থান করিখা ारेंच क्रकामगदकत्र (मरा না করিয়া ইতর কার্য্যে খ-খ চেষ্টা দেবাইয়া थाटक। उच्छन्न डांशांस्त्र टकान सक्तन रव ना। याश्रता कृषा ७ कृषा छ जन निवा করে, আজনণ করে বা জাষাত করে, তালদিংকে ক্ষভভের সহিত বা ক্লকের সহিত সমজ্ঞান করিয়া যে উদায়ভার ছলনা, তালা ঐকাত্তিক ভক্তগণ আগন্ত করেন না। উহা ব্যভিচার বলিয়া काशता चंक्य विठात कार्यवस्त कुर्रत्रम्। তौराता , तर्लन रकः, अमरिक्ष्णा-वृद्धिन यति ঐরপ ভগবান্ ও ভদীর ভবের এতি আক্রমণস্থাল প্রধানা যায়, তাহা হটলে ভোগে প্রেমত্ত হইবার সময় সহিষ্ট্রা আসিনা উপস্থিত হইলে ভক্তি-বিচুতি বা মরণ অনিবাধা।

1

## "গোষাকী নারদ"

('শ্ৰীফা'-লিখিড)

( 🔻 )

গুভু মহার্ঘ ব্যাসাসনে উপবেশনপূর্কক ব্যাখ্যা করিভেছেন; ভক্ত প্রোচুমণ্ডলী ভক্তিপুতভাবে বিভোর হইয়া সাক্ষাৎ इंग्फरकरे रान प्रथिएडएइन चात कि? গোঁসাই প্রাভূর 'প্রভূশরীরে' রজাভিন ত্রীক্ষরৈভাচার্ব্যের ক্ষবিকৃত রক্তধারা ( ? । প্রবহ্মান কিনা, তাই রুদ্রের মতই তাঁর কাল্টপানের যোগ্যত।! আর শামগ্র শুনিগছি প্রভূপদক্ষলভূধা পানে সে যোগ্যভা নাকি প্রেমরসরসিক (?) শ্রোভূগণের সদরে ভড়িদ্ গভিতে সঞ্জিত হইয়া পাকে! মহাভাবস্ত্রপিণী-গোবিন্দানন্দিনী বার্বভানবীর অপ্রাক্তত বিপ্রলম্ভ দশার এক একটা খেদোক্তির নর্মা বিনাস হটতেছে, আর কি প্রেম আখাদনের (?) ঘটা! এখন সকলেই খেন এক একটি গোপীদেহ (?) गांच कतिग्राष्ट्रमः। यक, कम्म, भूगकामि यहेमादिक विकासित লাপন আসিবাছে! নগনের গলাধারা ( 🤊 ) मर्पाटकी हो हजान, बाद श्रज्यत्तत हत्रन-স্পর্শের নিমিক্ত বিক্ষতীবীরের প্রগণখনের অপেশাও তৃষ্ণ 'চ্ড়াহড়ি' চকুতে নেপিয়াও এমন নরাধম কেই বা আছে, ८४ 'आलाक' मर्भन इब नाहे विनातः **এইরপ রস আখাদন ও উদ্দশু নর্ত্তন কীর্ত্তনের** মধ্য দিরা 'মহাভাবের' পাঠ ত গেব **হইল।** এপন শ্রোভূগণের বিদায় দণ্ডরজের পালা ! म्भ जनभ्यनी 'श्रप्त' क्षभः अन-नीनायन পানে পরম পরিপূর্ণ হইরাছেন; হইবেন না द्रम्य ? त्माका कथा। जाकार टाइनरम ?

দেখিতে ব্যাসাসনের- ক্রান্ত্র স্থাসিত ব্রত ব্রহরণত্তিকালের াজ্মনাত্র আবাত পাত্রে প্রাক্তি পু পাইতি হইল। অপ্নান্ত প্রেম নতে। খামখনুতি ইঞ্জিন বল কিন্তু এনেছেন, গাঠ প্রান্ত গুলি ঐ প্রকার কট্টাল অভিনয় দেখাইরা **अनारमम् — क छ किङ्क** भिर्देश दमती क्यारको — তা আনার লোড়া কণাল-একটা টাকী भारं। त्तरभ मध्तर कर्म्म किना, छोहे. विकी क्षत्र में कार्षिनीत कामपटखात हैर्फन कै। प्रक्रि। प्रसिधि विनिधान- श्रीष्ट्र ७ जानक টাকাকড়ি পোলম, ভাব এক চাল কর্ছ, কেন ? এত টাঁকা দিক্লেতিনি কি কর্বেন ? এই বাকো বুদ্ধ টি, উৎসাদেব ভো,বেশী, ক'রেই, দিতে হ'বৈ। প্রের मध्याद्रां तिने ड क्योगिएम हि वैदियं में के ज़िन ওনারা ফে গোঁসাই প্রাভু, জাননা, 💠 র যে **'পারে টাক্ট'।** টাকা দিনে কড় কাঞ্চ, এবার ছেলেটির বিয়ে দে'ভেন, বউন্ব গয়না গড়াতেও তে। হাজার পাডেক বাগ্বে। তা আমার ভাগো নাই ! হরি বোল হরি टरांग।

এখন আনর। বাদ্লা সাবের পেট পোষাকী নারদের" গঞ্টার এপটা মান পাইলাম। আমাদেব প্রভূত্তত গণার দলের নারদের মতই প্রাকী চিন্ম র ্রেময়ধা আধাননের (मोडांगा ও अभग्रदक প্রহণের বোগাড়া দিবার ক্ষমতা ত বিন্দারও নাই:; পর্ত্ত এই - গোস্বামী নামধারী আচাণ্ডি ব্রুবগণ ব্রুগতে প্রাণনাশিনী বিষের প্রোভ প্রবাহিত করিভেছেন। ভাগবতের মর্মার্থ ইহারা কথিন্ কালেও জানেন না। নিজেরই অনুত্রপ শিষ্যসমাজে ইংাদের অবাণ প্রতিপত্তি, কলির মৃতিনান চরতক্ষপ ইছার। সংকাতন আসনে উপবিষ্ট হইগ্রাকি যে কণজ্জাল আনয়ন করিতেছেন, তাহা কি চকুমান্গণ দেখিয়াও দেখিবেন না? অমল ভক্তি ধর্ম অপহরণকারী দক্ষাতুলা এই বকুল ভাগৰতপাঠক আচাগ্যস্থান, প্রাভূবর-দিগের অস্থ্যমনে প্রমার্থ ত দূরের কথা, নৈভিক চরিত্রের পণ্যস্ত অবনতি কোন কোন স্থান দৃষ্ট হয়। ইহারা--- "গদভ मुधान छुना नियागन नद्या। दक्र २८न আমি রথুনাগ ভাব গিয়া।" প্রীচৈতক্সভাগবত গ**ন্ধ দেশময় ছড়াইয়া পড়িতেছে।** গ্রন্থে কবিকুলপেথর বৃন্ধাবনদাস ঠাকুর ক্তিগছেন—"দে বা কেনে,ভাগৰত শড়ে বা পড়ায়। ভক্তির প্রভাব নাহি যাহার किर्दात्र। नाट्यत् नः कानि मर्प व्यथानना করে। গদিভের প্রায় গেন শাস্ত্র বহি' মরে। এট মত শাস্ত্র বহে অর্থ নাহি জানে। অশম সভায় অৰ্থ অধন বাধানে॥" অঞ लाक्त्रा अपूग्रान्तान्त्र कृष्टिम प्रक्षांत्र हेश्या क्रम्क-कृष्यिनी-अधिकीरनामून हरेश

शृद्धा विक्रिक्का भारती अविक वृक्षांत्र कांउत वृद्धित अधिनवृद्धा । उसी हिस्सिकत विकालिकी क्षाक एककान्त राम विभाग- काकार्याः अध् १ ८६३ मेटमायुक्तिमानाः वीवार्षः वीवार्षः वीवार्षः लाएकत निक्छ इड्रॅंक व्यर्थापि। गरंजर करतान । इकविवारः कांगवेक्टरके नगः वर्ण रवागांक करतन । नेत्रीकिंश वंशतिकर्ष काशवक जनारेना प्रवर्षेत्रव केंद्र गक्त मुंद्राः स्ट्या शब्दन । किस्नावशानिकार्याः नहेशाहितने ? शेंश जेक नेमाज ट्वामेंत कराता जीतन्त्री वार्मी वी जिल्हा करिया মান্বমনীয়া লা অকল জানের শক্ষা করে ? कृषि किः बाबानं स्ट्रिक्क्ष्मविका टडन ক্রিয়া সভ্যের অমলবন্দি পাইবৈ ? জ্বপাপুই ভোষার ভাষাকিক কালের মুক্টনীন

## শ্রীদৈতকা চরিতামুতের ত্রিবিধ পাঠক

( ভক্তিরত্ব শ্রীশাদ রাধাচরণগোশামী किनाश्री मच्चमात्र-देव ब्यां हाथा )

🖺 ৈচন্তক্ষচরিভামুভের পাঠকগণকে সাধা-রণতঃ তিন ভাগে বিভক্ত করা ঘটতে পারে। এক শ্রেণীর পাঠুক কৌতুহগাক্রান্ত হটয়া গ্রন্থলোচনায় প্রবৃত্ত হন; কারণ, এছপানি কি প্রকার? তাহার ভাষা किक्श १ ज्ञाना ७ जारवर गमादन बाह्य কিনা ? প্রেকৃতি জানিবার জন্ম মনেকের কে'তৃহল ক্ষমে এবং সেই ভাবেই পাঠে निशृक्त १न।

আর এক শ্রেণীর ব্যক্তি শীয় অসকল লাকের অভ বড় ব্যস্ত হইয়া, দেহমনোখ যুক্তির অন্তক্স প্রমাণাহরণে যন্ত্রনীল থাকিয়া হন। ইদানীং জগতের পাঠে প্রবৃত্ত সক্ষতি তথাক্ষিত অম্বল্পাস্থ পাঠক 'ও শ্রোতার প্রাজ্**র্জা**ব দে**বা ঘটতেছে**। টিলারা শ্রীপ্রছে ঘাহাই পাঠ করুৰ না কেন, ভালাদের পূর্বাগলাধঃকত আউল, বাউল, गक्षियावारमञ्ज वमञ्चरमञ्ज छम्भारतञ्ज भृष्ठि-

ভূতীৰ প্ৰেণীৰ পঠিক আত্মকল্যাপ-नारकत উरमरक रेशर्ग 😵 व्यक्तित्वन সহকারে অধ্যরনে বন্ধনীল থাকিবা সভান্ত-শীলনের অন্ত পাঠের বর্ণার্থ কল লাভ করেন। এই ভিন প্রকার পঠিকের मध्य देवांत्रा केखम निक्रम । वैद्यानित्रत्र भार्क जाजभग्र-नक्ष्माक्ष्म ध्याम नार्दे। त्मिथिया कीरणत त्थिमिकनिरतामिन कान भारते व्यवस्य स्टेशिय व्यवस्थि सार्थिन मे।

क्ति शांत, क्रिक्स मा, बहेब्राल क्षिति क्रिया विका क्रिया । क्रिक खेरा नतः क्राखारमार **व्या**क्तिकक्षान চরিভাষ্ত এছটিকে "বিভাগাঠা ভারিচা वत्रण करतन , व्यामिकार करना मुक ও পরিনাদীশা উচ্চতবাদিতাতিভিত । বিশ্ববিদ্যা कारण मध्यमभ मार्ग्सः अस्तिक स्वेतानामीए७ प वर्षः वर्षः जैनकारमः निवकः वर्षान

> প্রথম্বেক কোতৃহতী পাইকস্পী পাঠ ক্ষাতে ক্ষাতে হয় বিভাগ শ্রেক্ট্রালীতক-विदेशक कांश चार्चमार्थी चंचवनीतिनाञ्च নতুবা ভাতীৰ শ্ৰেণীক শাৰ্মকাৰীৰকাৰী निर्मेश्वरणा व्यक्तिक निर्मेश व्यक्ति জ্ঞীতিভাইনিত-ইগা-বানী **अभूशियां निष्** व्याचानन कतिनात अस्तिमि नीन नाहे, कींशता খীয় জান্ত গারণায়, ুশ্রীমাদের ভাড়নার বঞ্চনেচ্ছাবশে ইপ্রিয়**প্তনানের অ**পটুতার নিত্য (সনাতন) পূর্ব শুদ্ধ ও নিয়পেক্ষ সভা প্রহণে অকম।

सम, कमान, विश्वविका । कन्ननाशास्त्र रमायठ जूहेरव द करण हहै । मुक्ति मात्र <del>করিতে হইলে শ্রোউপথাত্রসরণ অবস্তই</del>--কণ্ডবা। অংশ্ৰেড বা **ভৰ্ণণ কৰ**নই ভাগদিগকে প্রাক্ত সভো উপনীত হইছে দিনে না। সেই নিমিত্ত আগতিক বিভা সরল লইনা শ্রীচৈতক্ষচরিত।মৃত এছ অধারন করিবার ধুইতা বা প্রশাস্ভতা প্রদর্শন করা ইচিত নহে। নৈগণিক পাৰিজো <mark>যথেষ্ট</mark> পার্গত চ্টাবেও শুদ্ধান্তের আমুগত্যে <u> প্রাঠেত করি ভাষ্যত পাঠে প্রেক্তর ইইলেই</u> ञाषाकनामि नामिक इहेबा शाटक ।

## তুমি ও আমি

**जूनि महा हिनात केक्ट्रित** । চেতনের সম্পূর্ণ আকর।। আমি তণ কিরণের কণ। তব স্বোতি আমার ধীবন ॥ **पू**भि रान **ज्यक्ष जनग**। **भून मन्डिशन महायम ॥** चन् चामि विकृतिक्यात्र। চেডনতা ভোষার দল্পায়।। মাগ্ৰীণ ভূমি ভগবান্† नौनामग्र शूक्य क्रांशन **॥** षामि मीन 'ठाँक शक्त'। यात्रांवनदर्यात्रा पासूक्त ॥ বন্ধী তুনি ওহে বিশ্বলিকা। যত্র আমি তব পাদার্শিত।॥ নিরতুপ ইচ্ছাদর ভূমি। দোর ইন্ছা তব অস্থ্যানী। নিতা সেবা প্রাভু ভূমি খম। আৰি তব নিভা দাস্থিন। **ज्यस्त्री ७८६ क्रमार्कम्** । ্ ( ছুনি ) অগতের একান্ত নর্না

## গ্রন্থ পরিচয়

## बिमस्यागवस्य

व्यवपार्थाः प्रकटिनियाच्याः दवक्षानिः दानीतः मूर्वः, द्विभन्नः मध्ये हि । मेरे-क्ष्णे कार्यक्षिने क्ष्मित्र में मात्र विश्वभी कार्यक्षे हाकुम-क्रक गामिषिंगिणि क्रिका, बजाक्रवाम, शरक्रक खेवम खं ,शिक्षे क्टबंब व्यक्तिनाक क्योगायु, कंगारवत व्यक्तिय हो অধ্যান্ত্রীর সাম্বর্ধ অবিশ্বিত ভাৎপর্বাণিকি নিয়ত। লোকসূচী वियवस्त्री, अक्षांत्रवियत्रन, भाज ७ कानस्त्रीनेर केत्रम काशरक **डेझर्व ज**नस्त्री मृश्चिष्ठ । क्षेत्रम व्हेट्ड ১०म दक्ष প্ৰয়ত ভাগা লাপ্তিট্গ শৈষ হইটাছে। ভিকা আগম কটাছে এয় কম পাণ্ডিল ক্টাৰ্জত; দুশাৰ ক্ষ**ল ১**০১ ; 778 Bec 1

ই এমহাক নোৰটাকুর-মচিত 'অনুভঞ্জনাহভাষ্য' ও 🏙 শীমহক্ষিদিয়াত সম্মতা গোপামী প্রচুপাদ-দিখিত 'অক্সান্যে জাতি-প্তাদি বছ শালকামাণ-স্থলিত হইয়া वाकाणिक स्वैदारक्त । स्तारकत्र भाषत्रवाचा, वलाज्यामध তাভোক পদাবের পূকে সংক্ষিপ্ত অভিনের সংযোজিত। व्यक्तिक स्वभाव-व्यावस्य क्यामात त्य स्वा सारह । त्याक, न्यात्र, भक्त, काम, भाग काक्छित स्वृह्द रुठी । ब्रह्कारत्रत निष्ण कीवनी नम्बिए एडेक्स स्पृष्टभूक मः इत्र । इतः भूटस 🚰 কার্মাপি অক্যাশিত হয় নুহে। 🕏 ৩ম করেছে গর্গের গ্রের मात्रक चून क्ष्मारत मुनारन भूतिक स्टेबार्क। श्रष्ट आह >eee पृष्ठात्र गुल्मातः । किका वर्षमारम e् माजः।

#### Sit Down 1144

अक्षारतम कीवनी, अणि नतिरक्षमत्र क्यानात्र, विक्ष গৌদীর ভাষা, একপ্রটী, পরাক্ষ্মটী, বিষয়-ছান-পাঞান-প্রচা, প্রাকৃতি বিভিন্ন বিশ্ব-স্থালিত বিশ্বাই বিভীয় সংখ্যাৰ ভবল জ্বাউন ৮ পেনী আকায়। আনিগালা ও মনোর किश्वरण ध्रांशांनक स्रेशाधना जत्र कर्य ध्रानांनक इं**राक्ट्रबंग: अधिम किया ८ होना, जा**नि मीगात 1001 4

#### **बिटिइ एक्ट मनन**

ध्ये अर्थ्य ध्वन व्यक्तिन युग्नेत्र मः क्यून व्यक्ति व्यक्ति ट्यक्तिक दश्च मार्ट । भाष्य (श्राकारमञ्जाकत, नकापूर्वाप, धारा, क्यामात, ध्या श्राकृष्टि गर या या या श्रामानिक ६देशास्त्र । भून (भाष्ट्री अभाव स्वतन कार्डेम बाहेरनसी वृद्धाक्षात्र माना एड्याटम्। भूमा २४० छोका। नमीवा व्यक्षित क दर्शकीरमम् आहम नरमम नरक अन् काका ।

### ঞ্জী লক্ষ্য নমুগ্রীতা

-- औरशोकींत्र देवस्थाहाया चळाइच त्रनिक्ह्याया अञ्चितिष्यमाथ ठळवठिठीक्त भाषाविक्षण मान्नाविवित्र টাকাসবৈতা ভ জীতীনইভিবিনোর ঠাকুর-প্রশিষ্ঠ ব্যানিক-इक्का भाषक कार्याकामानिका । अवात्रपती, वाक्काकारम (माक-एडी) मेरियम-क्षी, बादकारतंत्र कीयमा क व्यवक्रियमार्थ वह-क्षाक्रमानवह-नह करकड दीराव कृषीय गरवपूर---- ८३ माल नरक्षमान्त्र किया के क्रिके मात्र, नावामन नरक्षम- अ भेग बाह्य है है है है है है है है है San San

## बीन अञ्चारमङ बकुछावनी

ও বিকুলাদ এতীসভাঁত সিভাওসর্থতী **टगाचामा महाबादणत** एगरे चित्रशानिकारिकारिका बीवाश्वनंतरभारतामिनी ५४०-कार्काननमाज्ञिनी कोवन्द्र-वाग्रज्ञ মুৰ্ক্ত-বিপ্ৰাচ---বৈক্ষণা আন্ত-প্ৰভুমালায় কৌশ্বভম্নি--সম্প্ৰায় বৈউৰ্বিজ্ঞানাগ্ৰের টোলিক ভগ্য-প্ৰরাজ ও ভাগণতের শমপ্রয় গুরু--- মহাজ্ঞান-জাবনচরিত-শিক্ষক-- ভিবিশাস্তি সাত্র-'আভিশক' ভুলা 🗣 বিষ্ট্যাবিষ্টা । প্রতি কলেম' আলিতে অচিমাত-বিচারক — ঐখণ্য ভ মাধুণ্যরণের মোলিক গ্রেষণার — नवक, व्यक्तित ७ श्राराधन ७ एकत्र i काश्व-भद्रत ।

> ১। প্রথম অপ্ত—বৈষ্ণবাদন, প্রথমতত কাল-शर्च, व्यामध्याविकाय, श्रीमधिकामेरी, भाकताविकी मीका ध वर्ग विष्ठात, चांचानचा छ मस्मारची, छोटे उन्होस्तव ह ভাহার শিক্ষা, অংশাকৃত সম্প্রাকৃত সম্প্রাকৃত সম্প্রাকৃত ৮০ বার জানা।

**১। আিতীতা অধ্যক্ত এজন ও বিদ্ধা** ভাজি, মন্ত্রবোর লেছতা কোথায়, আয়োর নিভাবুদ্ধি, জীগর কানিল্ল ভ मामावाम, जीरशीत-निष्ठातन्म अगम, जिल्हात १५ छ कुछ-कीर्डन, श्रीवामभूषात्र श्रीमहाशन्यत्व कीरून अध्योत-मारमञ्ज्ञ महिमा, मश्कामान, औरशाविक, कीद्राशसूत्रक्रम-পপ, শ্রীমতী বৃষস্তঃমুদ্দিনী, শ্রীটেডক্রের দলা, গৌরকরণা ও ক্লাস্কীউন--চতুর্কশ অপুর মধুবিমাপুর্ণ-বঞ্চা-বিভূমিত। ভিকা ১, এক টাকা মাত।

ध्यथम व विश्वीत-कृष्टे व्यक्ष ध्वक्रती १६१व विश्वा अस 

#### क्रे अक्षांत्रकरी जी

(ारिशेय-देवमध्यभार्गनिक-दम्बद्धः क्रिक्रेमम्बन्धान्य विश्वा-खरणक्र कारा अ **व्यामह**क्तिविद्यान होक्द्रब्राक्षाल यस-ভাষার বিশ্বক 'বিবদ্রজন' নামক ভাষাধুকা। অধ্যার-স্চী, বিষয়স্চী, ও প্রতি লোকের প্রথম ও তৃতীয় পাদ স্চী, ভাষ্মকারের কীবনী প্রভৃতি স্থলিত। উৎক্ট বাগাই, রাজসংখ্যাণ (ভূতীয় সংখ্যাণ) গ্রাছের किका २, ठाका।

#### **व्यक्तियम् यात्रम्या**

শ্রীমধ্বদের বিভাভূষণ-প্রেণীত বৈক্ষবদর্শন, সমর্ভ ও পোৰিক-ভাষ্যাদি পঢ়িবার প্রথম গ্রন্থ। উৎকৃষ্ট কালিতে ছাপা। স্থবিভত টীকা ও আঞ্সবশায়বাদ-সাহায্যে অভি সহতে বাশকেরও বোধগম্য হইয়া থাকে। ভিকা । 🗸 • जाना माळ ।

#### **अन्यवीश्वाममाराष्ट्रा**

( टामान्य ) मास्नाम । अपि-मुख्याम् अदः जीनव-बीराम त महिमा शैडिफ आरष्ट, छाहात मून माइक छ ष्णप्रवास । किका J. पाना ।

#### ्रेडीसर्वे **भकार**करूप

জীঠাকুম অক্টিবিনোধ বিবিত। অবস্থিত গাঁডাকারে পরিজ্ঞানার এইব্যাদি-বিষয়ক। ভিকা । আনা ।

#### ভাজিরভাকর ও নধ্বীপ পরিক্রেমা 🕟

জীল মন্ত্ৰীৰ চতাৰ্তি-চাকুর মাটিত। ভাউপদাকর इक्ट्रेक निक्रमारेण वाक गृहीं हैं किया रंगायां कि क्षणांत केनवंदीनशास्त्रचं नायक्षणाः वीत्रवाहिएनेन, छार्रहि পুড়ে বিহুত। তিকা। ৮০ বানা

## গাঙ্গেতৰুবাশ বনমূত

আ ভক্তিবিনোদ ঠাকুয়-প্রণীত। এচৈতঞ্জেইহাতে निकाद्यगानी-इक, इक्निक ७ त्रन-यद ७ मुक कींव-व्यक्तिका-उपारक्ष-उप-नाधन-निर्णय-अद्योधन-उपार कर्य-का छ. बाध्यमाणिक विकास-देवशी छक्ति, छावछक्ति 😻 প্রেমভিক্রিক নামভঙ্গন-প্রণালী ও অটকানীর লীলা-পরিচয়াদি প্রথম শিক্ষাধীর উপবোগী করিয়া সরল ভাষার সমূদর বৃক্তিপ্রমাণসহ লিখিত আছে। চতুর্প সংহরণ হারা २, ठाका, व्यावाधा ১५० ठाका मार्ज ।

#### গোডীয়কণ্ঠৰাছ

बीरभो ही य-रेवक्षनगरमञ्ज अञ्चल कर्छ शांत्रमधां गा আন্তৃত্তি বিংশতি সংখ্যক রক্তে স্থ্রেলভিত। ভিক্ষা মাত্র প্রাণ্ড-পুরাণ-পঞ্চরাত্রাবি সাঘত-শালসমূহের প্রমাণাবলী বিবয়বিভাগক্রমে সাছবাদ ভশ্চিত। এইরপ বৈক্ব-দিদ্বান্তের সার্থমবর অক্ত কুরাশি প্রকাশিত হয় নাইটি इंशास्त्र ७१ छन् - छात्रवर - देक्व - द्यात्र - निर्धातन-অবৈত -ক্ষ -- শক্তি-ভগৰত্ৰস-জীব-জচিভাডেশাভেশ -- व्यक्ति (११-- माधमक कि-- वर्गर्य -- व्यक्ति- वर्ग्य -- व्यक्ति---- শ্ৰীনাম-- প্ৰেয়েন্সন ও প্ৰমাণ-ভৰগুলি পৃথক্ অগাঙ্গে সুবৃহৎ প্লোকাদি স্টাস্থ উৎকৃষ্ট এন্টিক কাগৰো বোৰা রু কালিতে মুদ্রিত, উংক্লই বাধা সোনার জলে নাম লেখা। अप जात्र 800 श्रेशित गण्यून । जिल्ला २८ केला माज ।

#### क्रिवरबीशवाय-अष्टावणी

শ্রীমনভক্তিবিনোর ঠাকুর রচিত 'ধানমাহাত্ম-ধান-माहारमात्र माम्बार ध्यमान बख-जीन मत्रहति हक्रवर्डी চাকুরের ধাম শ্রিক্রমাংশ-শ্রীণাম নববীপ পরিক্রমা-শ্রীপ-বাত্রা প্রতি-তীবৎ প্রবোগানলঞ্চ নববীপশতকম্-শ্ৰীমন্ত বিনোদ ঠাতুরের শ্ৰীনবদীপ ভাৰতরদ প্রাকৃতি এছ একতা ভিক্ৰা ৮০ আনৈ মাজ।

### **এ**इत्रिमामा**ये**७ रहाकत्र

উভীৰ গোৰামী প্ৰভূপাদ-বিরচিত হল ও বৃত্তি, ভংগদৈ ওবিভূপাদ প্ৰীৰভক্তিসিভাত সরস্থতী গোডামী মহারাজের বিভাগ ভূমিকা ও খুচী প্রাভৃতি সহ ! অপ্রভাগিভভাবে খুলভা ডিকা ২, টাকা, ছাত্রগণের भटक अ॰ ठाका बाळ।

#### (वशासेंखणगांव

প্রীম্ভামামুকাচার্য্য-রচিত। বেলাব্রের বিশিষ্টাবৈতবাদ-প্রচারক জীভাষা-প্রণেডা আচার্যাপ্রবর বেদাস্তদর্শন পাঠের উপথোগী করণার্ঘ এই উত্তৰ কলিবাছেন। ইহাতে নাম থাত ভিষ্ণা Ho আমা।

#### শ্ৰীটেডডাচম্মান্ত ও সৰ্বীপশতক

(भोत्रणायंथ विषक्षी श्रीमर खारवाशानम मत्रवर्णी-खनीष मृत, बारूनाम क्षेत्रम् एकिनिकास नत्रपर्धा (शाचामी महाताक সম্পাদিত অধিরমূধে ব্যাধা। ও বলাছবাদ সংগীত। নব্দীপশতকের শ্রীভক্তিবিনোদ ঠাকুরের পভাস্বাদ ও ভংসহ জীমমুহাপ্রভূর একটা ত্রিবণরব্বিত আলৌকিক চিত্র প্রবৃদ্ধ হট্যাছে। মূলণও কাগল উৎকট (২ খানা একলো ) ভিক্ষা ৮০ আনা, অভি ক্ষম্য বঁথাই স্থাকসংক্ষপ >् ठाका माळ।

#### 15-12

🔧 🗖মন্তক্তিবিনোদ ঠাকুর-প্রণীত। এই একমাত গ্রন্থ-রত্নের জ্ঞান পাভ করিলে পারমার্থিক রাজ্যে কিছুতেই অজ্ঞান বা সংশয় থাকিবে না। প্রম গুঢ় ধর্মবিষয়ক এই-ক্লপ সরল ও জনমুশ্রণী গ্রন্থ এ'পণ্যন্ত প্রকাশিত হয় নাই। নিবিলগোত্মাম-শাস্ত্র-মভাদ্ধি-মছনকলে এই এখায়ত উথিত হইয়াছেন। আধার প্রবিশ্বত স্চী, কথাসার हैं आफि चाता विस्थित मुद्दक कता अहेगारह । विता है अह, শোনার জলে নাম লেখা, উৎকৃষ্ট বাঁধাই-চতুৰ সংকরণ किंका २ होका माज।

#### **প্রেম**বিবর্ত্ত

ব্রীমুম্বর্ছাপ্রান্থ অন্তর্ম পর্যাদ শ্রীল কগদানন্দ প্রান্থ বির্চিত। এই পুস্তকে অতি স্থাবোধা ভাষার মহাপ্রভুর क्जिना नीनागर देवकवाठात्र, धकामनी अ नामक्रमन-বৈক্ষবতক্রের স্থীমাংদা প্রণাদী প্রস্তৃতি অনেক **टाबिट शाहेटवन । शामग्रीकांच एक ए एटान्य विभाग व** আছ্কর্তার পরিচয়াদি-সম্বলিত চতুর্থ সংকরণ ভিকা॥√• দশ খানা মাত।

#### ভক্তৰহয়

ভল্পনকারীর নিতাসন্ধী; ঠাকুর ভতিবিনোদের অমূল্য লান: নিখিল শালের নির্যাস। গ্রন্থানি না দেখা প্যাঞ্জ কেহ ৰুঝিতে পারিবেন মা। ভূতায় সংস্করণ ভিক্ষা ॥•।

#### হরিনামচিন্তামণি

নামাচাণ্য শ্রীণ হরিদাস ঠাকুরের মূপে শ্রীনমহাতাড় 🛍নাম-মাহাত্মা, নামাভাস, নামাপরাধ প্রাঞ্জি বিসংগর স্বাবতীয় বিচার শ্রবণ করিয়াছিলেন। এই বিষয় গুলিয় ব্দতি সূর্ব পরারে সংক্ষিপ্ত আশর্মহ পরিপাটিভাবে মুন্তিত। 📵 ল ভব্তিবিনোল ঠাকুর-রচিত। পঞ্ম সংবরণ ভিক্ষা ५०

#### কল্যাণকল্বভক্ল

क्रीमहक्तिविरनाम ठोक्त तिहा थाटाक छगवम्-বিশাসী ও কানপথের পথিকের একান্ত প্রয়োগনীয় । উপৰেশাৰলীপূৰ্ণ গীতি এছ। সামায় লেখাণড়া-ফানা লোকেও এই ভলনরাজ্যের গাঁতিসম্ধের বারা অনর্থনিবৃত্তি ७ छगबरत्यवा माछ कत्रिवात स्विविध शाहरतन। यहं গংকরণ, ভিকা /> আনা মাত্র।

#### শরণাগতি

🗬মন্ত্রকিবিনোর ঠাকুর-রচিত। তগবানে আত্মসমর্পণ. বিজ্ঞান্তি, ভদ্দন্দাল্যা, বড় বিধা শর্পাগতি ও সিদ্ধি-লাল্যা-विषयक शिष्टिपूर्व, जिक्ता ८० थाना माज।

#### **দী**ভাবলী

বীঠাকুর ভক্তিবিনোগ-প্রণীত। নিতা ভদন, সারাত্রিক ७ धारान-रमबनानि-विश्वक मधुन्न गीलतम्ह धकरव धनिल। किका / बाबा बाज।

#### **बिगडबक्बक्र**म

त्रनित्व अनुकृष्टियोगि जीमविष्याचे ठळावखी ठीकुत्र-বির্চিত রসগ্রহ: শ্রীমড্ডিবিনোর ঠাকুরের অভ্যাদ সহ। ভিঙা। জানা বাজ।

শ্রীমস্মহাপ্রভুর শিক্ষা ও শ্রীণ রখুনাথ দাস গোখামীর প্রতি শীরূপ গোসামীর উপদেশবাণী, ভঞ্জিপথের অমুকৃত ও প্রতিকৃল বিষয়ে স্থবিচারিত সন্মোদন ভাষ্য, বিস্তৃত বিবৃতি, চরিভাষ্ডের প্রমাণ, সাবর ব্যাথাা ও মহাজন-প্রণীত ভছপবোগী গীতমমূহ প্রভ্যেক লোকের সহিত সন্নিবেশিত হইরাছে। ৩য় সংশ্বরণ ভিক্ষা 🗸 আনা।

#### লাধন-কণ

জীরখুনাথ দাস গোশামীর মন:শিক্ষা, জীল ঠাকুর ভিক্তিবিনোদ-চরিত পভাতুবাদসহ। জিকা / • আনা।

#### প্ৰেৰম্ভ জিচ জিক।

প্রীল ঠাকুর নরোভ্যের স্থপ্রসিদ্ধ প্রেমভলিবিষয়ক গানের পুস্তক। ভিকা /- আনা মাতা।

#### মবদীপশঙ্ক

সরস্বতীপাধের সংস্কৃত নবদীপশতকের সুগলিত প্রাম্বাদ। ভিক্ষা /• স্থানা মাত্র।

#### অৰ্থক্ষ

**ीन लाकावांग प्रविद्ध । देवकवजा-स्नादन स्नावन** পুত্তক। ভিক্ষা /• জানা যাত্র।

#### সদাচারস্থতি

শ্রীণ মধ্বাচার্ণ্য-প্রণীত। বৈক্ষবের নিত্যকর্মাদি সদাচারা-वनी, वश्राञ्चवार महिछ। किका 🗸 चाना माज।

#### मिम्भारी

कविकुन स्वाती अभवात्रात्र नाति । अभवास्य। চার্য্যের সংক্রিপ্ত জীবনদীলা ও মুশ বৈক্ষবধর্ত্মত। সাভুখাদ किका। ज्ञाना माज।

#### (भोतक क्लामन

প্রাচীন কবি প্রীগোবিন্দ দেব প্রাণীত প্রীগোরাবভারের প্রমাণাবদী-সংব্রিত সংস্কৃত এছ। ভিকা ५- আনা

#### যুক্তিমল্লিকঃ ( ঋণলৌয়ত )

সাহবাদ এই গ্রন্থের প্রকাশ পারমাধিক শাহিত্য-ছগতে अन्यक्षात्र । व्यवस्थात्र । व्यवस्थात्य । व्यवस्यस्य । व्यवस्यस्य । व्यवस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस मध्यानार्या नारम चाणि जीवानिबानिक वीर्थ वासी कहे आर সাধারণ বৃক্তি ও শৌকিক স্থানাছদানে ক্রিয়ণ স্থলরভাবে ভবিতবিরোধি-মতবাদ সুমুহ বওন করিবাছে, ভাহা পাঠ করিতে করিতে আশ্চর্যাধিত হইতে হয়। ইহাতে বৃক্তির बाजा ठाव्याक, देवन, दशेष, बीबाश्यक ७ बाजावावियक-मभूरस्य युक्तत्र पश्चन बरिवारम् । किक्स २८ होका मात्।

#### (भाषानी जिल सम्माय मान

( व निक्नार कैन एकिनियाय नवक्ती (शायांवी প্রভূপান-লিখিত ভূমিকা সহ ) পৌনুরোর স্বরূপ-রূপের এक गांव विश्व विष्य विश्व विष्य विष्य विश्व विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य व চরিতায়ত ও শিক্ষা অতীব প্রাঞ্জ ও সমুগ ভাষার সরিবিট ध्यः निविन्दि मान्याचामी ब्यन्त विवृष्टिक कथक्री সাহবাদ নধুনতম তব ও বনংশিকা-স্থলিছে ৷ জিলা वाबाहे 📭 जाना, जावाधारे 🕪 जाना बाद्ध 📒 💢

## চিত্রে নবদ্বাপ

প্রাচীন নববীপের অবভিডি, তথা, ঐতিভু, স্লোভ ও 🛴 উতিহাসিক প্রমাণস্থলিত নয়্তী বীণের সচিত্র বিবরণ-अष्। बाकवि का अभारत्य सुमात्र क्रियुक्त अवस्थित नांत्रावर् बाब द्या. त. त्यांक (मार्थाव), द्यशासकृत्त बर्दालव कर्क् महानिष्ठ तावर अर्थानि विकिस वर्णन अपूर्व किया थ মানচিত্ৰ-দম্বিত; প্ৰাচ্যবিভাষ্থাৰ সাম সাহেৰ ক্ৰিক নব্যের নাগ বস্থ বিশ্বকোষসম্পাদক মহাপ্রের বিশ্বক ভূমিকা गर । উৎकृष्टे ( रेर ) मन्नरका वैशिष्टि भूगा आ॰, किश निःुटेक ২ ্টাক মাজ।

#### गारक-कर्श्वमाना

'धक्रवसना, रेनकव-वसना, रेवकवन्द्रव, शांशांशाय श्रेष्ठ, **बिनामर है, जिनकाशकानुत भारते। उन्नम् नाम, भारेकाम्य ।** नामकीर्जन, जीनामगदीर्जन, (श्रयश्वनि, 'वाज्यमणीरु, नवरीन-मिना, धीमात्रान्य महिमा. जीनत्त्राखम-धीमुत्र व्यक्त লাচাৰ্যা-বন্দনা, বড়ুগোখাৰীর অঠক, প্ৰেমভভিচ ক্ৰিকা, প্রীল ঠাকুর ভজিবিনোদ-রচিত ত্রীল প্রবোধানক উপধেশমালা, নামভজন-প্রাণালী, মহাপ্রান্থ ও রার রামানক गरवाम, मनामिका, 角 धक्तवाग्डि, 💂 धक-भक्तभाता, महाक्षाद्व वस्ता क्षक्ति गांगक व गिद्रकीवानत निकामाठी. বৈক্ষবগণের কঠান্রিত তুলগীমালার ভার অভুক্ষণ কঠে धात्रगराभा अभूकं श्रष्ट । जिला ।√ •, वीधारे ॥• माता।

#### গৌজীয়-গৌরব

কলিকাভার শুপ্রসিদ্ধ আলবার্ট হলে গৌড়ীয় সম্পাদক **जै**नाम चुमत्रांत्रम नव्यविष्ठाविद्यान-ध्यव वस्तुः विश्व अक्रकाद्य व्यकानिक। इंशास्त्र क्लेक्ट्रेय देक्क्ट्रम्थ्यमारम्य ইতিহাস প্রাকারে এপিত ধ্রমাছে। ভিকা । । মাঞা

#### গোড়ীর সাহিত্য

কলিকাভার হুঞানিত আলবার্ট হলে পৌডীর-সম্পাদক শ্ৰীপাদ ভুন্দরানন্দ পরবিভাবিনোদঞার আদত বঞ্চতার বিষয় अश्वकात्र व्यकानिक। देशाक गाहिका-मान्त्र वर्ष अवः লোড়ীয়-পাহিড্যের বিষয় স্ত্রকারে বর্ণিত হইয়াছে 🛊 জিকা 🕪 নানা মাজ।

#### **औ**टशोक्रमक्त शतिक्रमा-प्रजान

**क्रि**रनोफ्रपुरनद रव गरून शास्त्र मनशिक्त क्रियस्थाओं ह ध्वर छन्द्रश भवनकी महाख्यालन गौना कविका निवादस्त. প্রীমধ্বসম্প্রদানাত্মগত শ্রীমবাদিরাক স্বামিকত। বকাফরে 🖟 দেই সব আধুনিক ভৌগোলিক পরিচর ও বেধবিপ্রকাৰিয় পরিচয় সহ বাভায়াতের স্থবিধা নির্দেশ ইন্ড্যাদি বিশয়গুলি महित्यनिक चारक्। किका। जाना।

#### THE HARMONIST

#### OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীল ঠাকুর ভঞ্জিবিলোগ-গ্রেভিটিড এবং শ্রীণ ভঞ্জি-निहासनवरी भाषांनी अञ्चलन-मन्माविक भाषांनिक मानिक नवा। धाकरन देशांकी छावात कहाँ विश्वा बार्ट ভবলক্রাউন ৮ পেলী ৪ কর্মা আকালে প্রতি বালে হরি-मारमञ्ज विकत-देशकान्द्री गरेशा जेनकिक क्षेत्रकारमा काशक, मूल्य-शाविशांका के किलाबि कडीब जिलाकक्का 👡 धरे टाकात केरकडे टावक कात रकाम शामिक श्रामाविद्य त्विष्क शाहेरक मा । वाविक विका खाक्य क्रम् ष्ट्राका माळा

#### প্রাভিত্মাল-

**बिटेन्डक्य**के (भार

# বৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভাক্তমচসমূহ

আক্ষম মটকাল क्रिकाम मन्द्रीत, क्रामचत्र क्रीवांव माचानुत्र, महीता

वित्रवादि। सन्ति वर्षे वर्षे कर्षे ००० वष्ट् केवन-शृद्धं क्षित्रवश्वदम चाहार्वाष्ट्रं क्षेत्रकः व्यक्त-सब्दम अधिराज्य-संत विद्रासमीतः

बहै चान महिन्दि-डीव, महिन्दिन रा माच्छ छवनवृती। बहे बहाडीटर्व क्रिक्टि-मानाकृष पाक्षणावि-त्यवाक्षणभूव, भवविष्ठाव कवर्षक कावा, नावेक, कावात, कवा अवनि-वेशनिवर्-वेका-एव-क्यान-ठकुटेरवर व्यवस्थ । व व्यवस्थान वर व्यवस्थ श्रीक्षेत्र-नाक्षक्ति-।-निविषक क नाक्षक नाक्षणाविक-काठावा-ठकुटम केश्मारमक कैनाक विकारक गरिक निका त्मविक स्टेटफरकम । अहे मठेबारक नावमार्थिक देशनिकन्य मायक-नव्यवस्तिक व अकानिक व च्याठीन अस्तावि अधातकाव 'नवीका-अकान' वहानत अधिक्रिक व्हेन्नारक्ष्म । अधिवरमञ् व्यापान-महिक्कमानुक्रीम च व्यम्भिक क्रकरमाहिन्छ क्षेत्रं व्यव्यक्षम् वर्षाम् वर्षाम् वर्षाम् वर्षाम् वर्षाम् वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः विश्वानं मश्रविती। महकारी--विशाव विद्यावविवादी अवहाती, गणिक विशाव त्योत्रवाम बंबाठाडी कावाशांकप्रवर्धीय, श्रीवाह वीप्रवस्त तकाती, श्रीवाह सकतावात तकातावी, विषयाय संघाती, विषयतमानाम संपाताती, एक नाइस, इतिनव, दावकीत्यादन व्यक्ष नेष्णमण्य ।

অিবভিত্তামী আগভজি এদীপ ভীর্ব মধায়াল এবানে হয়িকবা কীর্তন করিভেছেন

(৩) বেংগপীঠ এখনিয় बरे पान बीक्नावाचनित्सव करम वा বীষমাৰাঞ্জন্ম আৰিকাৰ-ভূমি মহাযোগ-रीक्षा अवादन कीमचीजिल्ला । की विकृत विकास किरमोधनात्रांत्र जना किर्देश्यमा काशिशास्त्रका निषा (मुपा क्या श्रीतक-करेंच्ये दन्ना नक्ष्मान । प्रक्रक---दनाक-मानावेव रशायांनी कडेरांगा व्यक्त शिवना-बाव । नंदणाडी विनिष्ठामम् वस्त्राती, Mutalia wie pan, Balunin am-डाकी । **व्य**क्षाध्यक्षक चानिकाकी, दशक्रका

(8) विशान-प्रका विभागांद्रांद्राका पीर्वन-विभाग या विशेषकीयात्र प्रामपूर्वी । क्यारम विविध्योक विकासिक के नक्कारवार दनवा वर्षमान। वक्त-क्षाक्रक्रिय चल्हारी।

('e') telemina

बंदे शादन विचंदेवक अकृत करने खदर त्नका चर्चमान ।

क्ष्य--- अधिराकानन वानाविकाती, किनाक्रममाम बादावी।

. ६७) कालीय मुनाबि शाहे बार्कीमः योषानुबद्धः सम्बन्धस्य (सबीह्या) विक्रीक्षणाणाय विकासमाधीय नवस्ति।

A STATE OF THE PARTY OF THE PAR

विद्यासकः चन्नामाः ( नवीता १ वणाम क्रिकेगाने क्रिम क्रिकिश्यामीम्हरून ngife de Acutenties art Affiret शास्त्रम् द्वारा मुख्याम

gen einen umin meint gene-Geinten aurin, कारिकी बन, बन, बन

(৮ जिल्लाबाच भोकीय गर्ठ मण्यमणिश्य ।

वि, धन, मक्काती---- क्रिक्टवर्गाम **क**क्कि-मात्री, व्यक्तिकांम व्यक्ति।

(>) किटगोत्र-गमाधत्र-वर्ठ हालाकाही, नमुख्यमक, ( वर्षमान )

ෛ गाविनात्वत शक्तिक लोत्रगमात्र-त्रवा । वक्क--- खिश्दब्राम अक्कारी, चक विश्वागत नाम ।

. ) श्रीक्रम श्रीकीय-वर्ष राजाशक, आवाल क्षेत्र, लि क्ष्म म--- श्रीव क्षिमान तकावी, नक्षावी--व्यवस्थित अधवाती।

( >> ) श्रीदशावकाग्रहकः— माङ्गताक, कात्रगत, नहमान। विवासिव कांच श्री कृत कुलायत्मत कांच । व्रक्त-- व्यवस्थिकाती अस्यागी. 🍅 🐨 ।

(১২) ভাগৰত ভাগেত 🕮 व्याप्तव छ । (द्यान, क्रुक्तमेश्रव, सर्वोत्ता । कामवर्षनिकाक क्षष्ट्रावनीत व्यक्तात्र-तकता इक्क-- व्यक्तिमानक वक्तारी कविनावी

(30) Marian as. दमस्यान्यः शामानी, वर्षाताः। क्ष्यक्त के वाक्रमा संबंध क्षात्र क्षात्र होते । व्यक्ष्य वि ं व्यक्तकार्थाः किविध्याविध्यक्तिः विक्रितिश्य सम्बद्धाः विक्रितिश्य सम्बद्धाः विक्रितिश्याक्तिः कैमकुकायः लाखाः, क्र क विष्मायः -

('58') किंगावर दर्शाकीय वर्ड ं बंब्सर संबादन्त (श्राकः, हाका। पुर्वे स्वापं व्यक्तिक दर्गका विद्यारम् सी व्यक्त टगी मेच नाक्षां-निर्विधरंक द्वांचा क्षणांच । 2914 विषयानय महिलावित्यान वि-व, श्रेबान- (२) बैटगोफीय मर्त्र

pe मर चानित्रमान ठळवची श्रेष्टे. त्याः वात्रवाचात्र, क्रमिचाछ। । हिंगिरकांन वि. वि. 8552

শ্রীসন্মতা গড়ায় : প্রচারিড জনির্মাণ ভক্তিদর্শ-প্রচারোচ্চেশে গৌডনের্দের গর্বাঞ্জার্বা নগরী কলিকাভার আভিকিবিলোর আসনে প্রীয়ঠ প্রান্তিটিত আছেন। এই ছাত্রত मध्यांशास जिस्ता-त्योशक-जिनिधानामक की छे मेथार्वत्व निका स्मितिक क्य । ध्यीकीश्र चाठावाग्रत्वत वावक्षीत्र अञ्चावनीतं कश्चकारत्वात्मत्म जैमात्र नरमञ्ज अक्षी क्यूनर मुख्य रक्षांगद्र मंश्वांगिष्ठ क्वेद्राट्यम । भृषिनीत मस्त्व बित्गोबनाम-खात्रावां बक्ट स्त्रीमर्थ-बहेटफ '(नोफ़ीब' नाखाहिक नवा, कि बत्रमसिष्टे मानिक 'नकिका हेश्ताकी कार्यात निष्ठिष्ठकारत आकाणिक व्हेटफाइन । क्षेत्ररहे गार्ह, महीक्ष्य, महाकान-छक्टेब-द्रवर्षार्थ, **এখন্তাগবভ, প্রীটেচভক্ত-চন্নিভাত্বভাবি-লীলা ও ওত্তগ্রের সমাক্ আলোচনা চটার** থাকে। বঠরকক-জাচারাত্রিক জীলাদ কুমবিহারী বিভাকৃষ্ণ। সংকারী-লাভিত जीनार चनस्वात्रस्य नदविष्ठाकृत्र दि-व. तीनार द्वानविरादी सक्ताही. श्रीनार वनक्रवादन बामाधिकांती विन्ता. जीनाव वदामानान वामानिकांती, जवकांकी खीकीर्जनामम, बच्छाती खीगात्रीत्याहन, बच्चाती खीमगनम, गण्डिक खीलाए नवीनक्क नतिशानकात मन्धनांत्रदेव कवाठांचा, क्रिक्यवयकानकामाधिकाती वि-०, क्रिक्यवक्रमस्क्रिय

वकाती विन्धान, क्षेत्रकृतम साम्रकाविष्, क्षेत्रिषस्त अक्षात्री, श्रीत्रवस्त्राविक বন্ধগায়ী প্রস্তৃতি

रशीत बच्छांती, अनवत्रीकान बच्छाती, 🖣পভিতপাৰন ভক্ত।

( ३৫ ) 🕮 त्या भागकी वर्ड

क्यमा भूत्र, हा का। रंगानानकोड जीनिश्चरक बाहीन स्ववा वक्क-- श्रीमामनायम अक्टाकी।

( ১৬ ) श्रीभणाहे-दंशाहास मर्छ क्तिकिक श्रमाविमी मना, वालिकां है हाका व्योगवाइ-रगोवास्त्रव निष्ठा स्थ्या रक्क-जीपूर्वश्रक अक्षात्री, दीव्यक्तिश्र বদ্ধারী

(১৭) अधानवत्रक्रमामक गर्छ िक्रणिया, वाक्ष्यवश्वत, स्मिनीश्वत। ध्यासः 🔊 स्थ-त्रीवात्र-गावस्थिन। গিরিধারীর নিভাগেধা বস্কুমান। রক্ষক— वक्रामी वीक्मवानवामणी। (১৮) আমলাবৈছে৷ এপদ্মাশ্রম

वाधवीय द्याः वद्यास ।

जी कम्पाताब-जिनाक्तिका निविधातीत मिछारमेश। प्रकर-व्यवामी छिन्ति-(FCMIN 1

ঁ (১৯) এপুরুবোত্তন মঠ

🌞 . ं पर्वेषात्र, श्रदी, छेक्डिं। . बंबारम खेरणोव-विस्तालभागवकोत्र निका-अंवा वसमावा अक्क-अक्टाबी खेलब्रमा-नेन विशावण, अषठांत्री खेनवीशानण, द्विशासक्षम अवनात्री, द्विशास्त्रामक वंग्रामी, चक्र क्रिनियां।

(१२०) केलच-ट्यांडीय वर्ड व्यक्तिक तथानिक लाई, शृही । क्षणकाषाच्या क्षणवंत्रक मनदर क्षणका 4161 वक्षाता वक्क--वक्षाती विभारमध्वी वागावती। नरकाष्ट्री---अवश्री कितिननिवादी।

(६३) अमिकिश्तेन वर्ड Biggirimin, DBB !

अवादन - क्रीक्क-:श्रोताक-विस्मामस्थन--জীর নিভাসেবা বস্তমান। সক্ষ<del>্</del> वक्ताही जीनगढ़ जीवामणह वक्ताही

(२२) खीननाडन-द्वाचान वर्ड क्तर प्रशास्त्र । सम्बद्धाः कालाः ।

Cशोद-रामाध्यम् नामाध्य-लिकास्या । क्षांत्र क्षांत्रस्य वर्षांत्र क्षा डीषानकोताथबी. जीनकातन उनदानीं।

(२७) ञैक्करेड्डब्र वर्ड जीवृशिक्ताम कृष. जीवाम वृष्णवेस । "व के के बाबा-अब-स्थाइनकोड स्वया রক্ত — শ্রীগণতিনাধ এমচারী .

(२८) ञेलतमस्य मठ देनियश्वनाः, मोळाल्ब

এখানে উভাগনত পঠিশালা 🖝 विद्यां । निरम्भ विद्यान विद्यान विद्यान । १कक---अवहारी हैरेनु मेरगानक क उक्काबी खीनअङ्गान ।

(२०) औरेडडम्ब्रदशीकी व वर्ड र पृत्रपूषा, (हरक्षेत्र, यानस्म। देश जीटे०७७-मध्येत नानः। न<del>णक-- जी</del>त्रमाः नाव शात्र. टॅंबरक-लानक अब्दछात्री, खीडाम

ं(२७) न्हानदशीकोन्न वर्ड

कीर्य (मगम्बिश

कुक्र (क्यां) व्यक्ति चर्चा । विश्वास और गों विस्तान-वादमं मात्रा गरामान । वर्षकारी क्रियम्भयो, HART-द्याराम वयराही

(২ন) আঙ্গণগাড়া প্রগল্পান্তর-মুর अभिग्नाका. त्याः माळ्, श्वकः

वाशास्त्र वक्ष्मभावें लारभावारक्षेत्र देवेंबा वर्षमान । वक्षक--- बचनामी जीवानक्रक-बान, जीनजनशब अवानकी। (२৮) भि**ष्ठ** (भारतीय सङ्क्रमाना ब नर दमाणी ७ वन जा कर्त दलस, निके विक्रो । वक्--अम्वाबी चौतिकक, अंकून्त्वव **जी वा वा देश गठ प्रमण व**ष

(२०) द्यापानभाषाळ्याळ्य क्षण-अष्ठावी बीश्वयह शहन 🦟

#### পাঞ্চাৰ সংখ্যা**ৰমু সম্প্ৰ**ৰায় সম্প্ৰেলনেয় প্ৰা<mark>ন্তাৰ</mark>

শ্বনি কংগ্রেণ এখনও তাঁকার কার্য্যধারার পরিবর্তন করে এবং ভারতের
জ্বিণাং রাট্রে যদি জাতীগভাবাদের সহিত
সাম্প্রদায়িকভাবাদের কোনও আপোষ
না থাকে এবং প্রত্যেক ভারতবাসীই
ভারতের অভ্য কাণ্য করিবে বলিয়া
ধোষণা করা হয়, শুধু তথনক সংখ্যাশপু
সম্প্রদায় সমস্তার সমাধান কইতে পারে।"

৪ঠা জুলাই স্ধ্যায় পাঞ্চাবের সংখ্যাশল্প সংখ্যার স্মৃতের ( হিন্দু, শিথ,
শুঠান) সংখ্যাবনের অভ্যথনা সমিতির
সভাপতি সন্ধার বাহাছর মেত্র সিংহ
তাহার অভিভাষণে উপারউজ মন্ত্রাট
প্রকাশ করেন।

অতঃপর তিনি সাপ্রাণায়িকতার তীত্র নিদ্দা করিয়া বলেন যে, সাম্প্রাণায়িক রাজের অনীন কোনও সংপ্যাণায় সম্প্রদায় স্বানীনভাবে কাঞ্চ করিতে পারিবে না।

সংক্ষানের সভাপতি মিঃ কে, এল, রিল্লাম (পৃষ্ঠান) জাহার অভিভাগণে, মহাত্মা গান্ধী গোলটোবল নৈঠকে যোগ দান কবিতে সন্মত হারাভেন বলিয়া আনন্দ প্রকাশ করিয়া বলেন যে, লক্ষ্ণে চুক্তিতে সাম্প্রদারিক নীভিতে নিকাচক মন্তলী, হন্তয়ার কণা মোটেই সক্ষত হয় নাই। কারণ সাম্প্রদারিকতাবাদ সহ সংস্কার কার্য্যে এক সম্প্রদারিক তাবাদ সহ সংস্কার কার্য্যে এক সম্প্রদারিক জাপর সম্প্রদারের বিরুক্তে চালিত করে। এসম্পর্কে তিনি বহু সাম্প্রদায়িক দালার উল্লেখ করেন।

সংখ্যান প্রায় ২৫০ জন প্রতিনিধি ছিলেন। রাজা নগেব্রুনাথ, ভাই প্রমা-নন্দ এবং ডাঃ মুঞ্জে প্রভৃতিও সংখ্যানে যোগধান করিয়াছিদেন।

#### কেবল আদেশী লবণ নিক্রেয়

দিনালপুরের খাদেনী লবণ বিজেতাগণ এক স্ভার এই সংশ্র এক প্রভাব গ্রহণ করিয়াছেন সে, অভঃপর তাঁহারা খাদেনী ভিন্ন আর কোনপ্রকার লবণ বিজেয় করি-বেন না। ভাষাদের এই প্রভাবতী ঢোল সহরতে ঘোষণা করা হয়।

हेशाब (कटल श्राट्यां श्राट्यां में देशां श्राट्यां देशां वां श्राट्यां विद्यां ते के ज्ञान श्राट्यां क्षेत्र क्षेत्र मान मान्य श्राट्यां के भाष्य स्वार्य देशां क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र हेशां हि, व मृत्यां श्राट्यां श्राट्यां क्षेत्र क्ष्यां हेशां हि, ज्ञां क्ष्यां श्राट्यां स्वयं क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां हेशां हि मध्यां क्ष्यां क्ष्य তাহার। অনশন এত এই করিয়াছে বিজেন বিজের সোকালে পিতেটিং পত ০রা ছ্লাই হইতে নাকি ভাহাবিগকে একটা হলে ০০ অন স্বেচ্ছাদেবক বলপুনক গাওয়ান হইতেছে। কোনোটার সহরের বিদেশী বংলর

#### (यकी मुखान मन्नाम कातान्छ

মলবর হোসেন নামক অনৈক লোক কলেক ইটি মার্কেটে একটা মেকা টাকা ও একথানি মেকা আধুলী চালাইতে টেটা কার্যাছিল বলিয়া জোড়াবাগানে চতুর্থ প্রেসিডেকী মিঃ এইচ কে দের একলাসে অভিযুক্ত হট্যাছিল। বিচারে ভাহার প্রতি নয়মাস সম্রম কারাদত্তের ব্যবস্থা হট্যাছে।

#### মিথ্যা টিকেট ব্যবহারে দণ্ড

সভাচরণ অনিকারী নামক এক ব্যক্তি বিগত ২ংশে এপ্রিল ভারিথে বাবহুত একথানা রেলপ্তয়ে টিকেট লইয়াই, বি, বেলপ্তয়ের ৪৩ আপে ফ্রেণে দমদমা হইতে ইচ্ছাপুর গমন করিতেতিল; অনশেবে গুড় ছপ্তয়ায় শিয়ালদহের অনারারী মাাজিট্রেট মিঃ কোলার এজনলারে বিচারার্থ আদিতে হয়। বিচারক আসামীর প্রতি ২০ টাকা অর্থদন্তের অস্ত্রপায় ১০ দিন বিনাশ্রম কারাবাসের আন্তেশ প্রদান করিয়াত্তেন।

#### ত্রন্ধে ক্ষমার যোগ্য বিজে।হী ব্যক্তিদের নাম প্রকাশপ্রায়

প্রোম জিলার এ পর্যান্ত ৬ শত বিজ্ঞোহী আত্মামর্পন করিয়াছে।

#### দক্ষিণ ভারতে ৫ হাসার ভোলা চোরাই রোণ্য মুভ

প্তিচেরী সরকারী কাইম বিভাগের কল্মচারীরা হ হাজার ভোলা চোরাই নৌপ্য ধরিয়া কেলিয়াছে। প্রকাশ, এই রৌপ্য নাকি পণ্ডিচেরা ছইতে গোপনে আনীত ইইয়াছিল। গত হরা জুলাই রাতিতে উক্ত কল্ফচারীরা ভেরীধুপ্রম ডিলুপুরম ও ওলারুরে এই সকল রৌপ্য পাইয়াছে। এত অনিক পরিমাণ চোরাই "রৌপ্য আরু কথনও ধরা পড়ে নাই। বিবেশী ব্যান্তর লোকালে পিকেটিং

কেটা হলে ০০ অন বেছান্ত্রক
কোনেখাটুর সহরের বিদেশী বংলর
লোকানসমূতে পিকেটিং করিভেছেন ।
ব্যবসাধীরা আর নৃতন কুল্লিয়া বিদেশীব্য
আমদানি করিভেছেন না। কোরাখা
টুরের প্রোয় সমস্ত কলগুলি কংগ্রেসের
প্রতিশ্রতি প্রের স্থান্তর ব্যান্তর ।

#### পুষরিণীতে বালিকার মৃতদেহ

প্রকাশ, রংপ্র:দেওয়ানী জাদালতের
নকলনবীশ মৃত জনার্দান দাদের ভয়
বৎসর বয়স্থা পৌত্রীর মৃতদেহ ভাহার
গৃহ স্থিকটস্থ পুষ্ণরিণীতে সন্দেহজনক
অবস্থায় পাওয়া গিয়াছে। উঞ্চ স্থান
সহর হইতে অধিক দুরে নহে এবং
কোতোয়ালী থানার অন্তর্গত।

সংবাদ পাইয়া পুলিস অবিলক্ষে ঘটনাস্থলে উপস্থিত হইয়া পুদ্দিণী হইতে মৃতদেহ
বাহির করে। বিশেষভাবে পরীক্ষা করিয়া
মৃতদেহের কয়েকটি স্থানে অংঘাতের চিত্র
দেখা যায় এবং অসছদেশ্যে এই শোচনীয়
কাণ্ড অফুটিন্ড হইয়াছে বলিয়া সন্দেহ
করা হয়। পুলিশ মৃতদেহটি মার্ক পরীক্ষার্থ
প্রেরণ করে। প্রকাশ ধনপ্রমানস নামক
পরলোকগভ জনার্দন দাসের অবৈনক
প্রতিবেশীর তাহার পরিবারবর্গের সহিত
শক্রতা থাকায় তাহাকে সন্দেহবশতঃ
গ্রেপ্তার করিয়া পুলিসের হেপাজতে রাথা
হইয়াছে। এ বিষয়ে আরও তদন্ত
চলিতেতে।

#### সিক।জ্ঞাবাদ দালার সভ্য সংবাদ

পাল্লাব সরকার একথানি ইস্তাহার প্রচার করিয়া জানাইয়াছেন যে, সিকান্দ্রা-বাদের সাম্প্রদায়িক ুগল্পনা সম্বন্ধে যে সংবাদ প্রচার করা হইয়াছে ভাষা সভা মূলভান লিখার মুঞ্জাবাদের নিকট সিকান্দ্রাবাদ অংস্থিত।

ইন্ডাহারে বলা হইনাছে যে, টাকা
লইনা বাদাহ্যাদ হইবার পর হালামা
বাদে। এই হালামায় ৪ জন মুসলমান
আহত হইনাছিল। অতংপর কয়েকথানি
বাড়ীতে লুঠ হর ও কতকগুলি বাড়ী
শোড়াইনা দেওয়া হর এবং ২০ জন হিন্দু
৫ জন মুসলমান আহত হইনাছিল আহত
ব্যতিদের মশ্যে কাহারও হলু। ঘটে
নাই অথবা কোন গের্মছানের কোন
অনিই হর নাই। কোন নারী থা বালক
বালিকার অংক দালাকার না হতকেপ
করে নাই। হালামা বর্তনানে জ্রায়ত্ত
হর্মাহে।

निकालायां व्यस्त गाववती क्रियां व्यस्ता व्यस्ता एवं, लांड गंध क्रमानांस द्वारा वालां दिन वालां

### ७ कटमनद्रारणंत्र जारवसम गृहीक

12 m

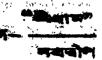
বিচায়ানি বদীর্মণে গৃহীত হুজার

ক্ষাল ওকদেবরাজ বে আবেদন করিরাছিলেন ভাষা ছাইকোট কর্তৃক গৃহীত
ছইয়াছে। ছাইকোটের বিচারপত্তি
ছিটিন ভাইত এবং জাটিন টাপে এই মন্ত্র
প্রকাশ করিয়াছেন যে, আসামীকে জেলেল
বিচারাধীন ক্ষীরূপে রাখার জল্প আছে।
ছদত্তের গর এ স্থকে আবশুক আছে।
ছদত্তের গর এ স্থকে আবশুক আদেশ
প্রদান জন্ম বিচারপতিষয় টাইবিউল্লালকে
আদেশ দিরাছেন।

টাই পিউন্যাল ইতঃপুর্বে ত্রপারিশ করিয়াছিলেন বে, খেল কর্ত্পকের পর্ফে শুকদেবরাদকে বিচারাধীন বন্দীরূপে রাথা উচিত, কিন্তু আসামী-প্রেশ্ব কাউন্দিল হাইকোটে এই বলিয়া আবেদ্দ করেন বে, জেল কর্ত্পক্ত ট্রাইবিউন্ ন্যালের ত্রপারিশ অগ্রাহ্ম করিয়াছেন।

## ম্সলমান মুবকদের মঙোৎসাহে কংগ্রেগের প্রচার-কার্য্য

ट्योगकी शांक गिंग के बिग, क्रांक-শাহী জেলা কংগ্রেদ কমিটার সম্পাদক শ্রীণুত শচীম্রনাথ সেন ও সহ সভাপতি আযুত গুড়াসচক্র লাহিতী বাগনার। থানার অন্তর্গত শাকোরা নামক স্থানে এक अनव्हन मधात्र काकमिनंदक चामनी জব্যাদি ব্যবহার করিতে অমুদ্রোগ জানাইয়া বস্তুতা করেন। প্রীযুক্ত লাহিড়া अक्नरक कर्द्धरमञ्जू नका अवर आपन्दिक স্পাষ্ট করিয়া **বুঝাইয়া দেন এবং ভা**হা-দিগকে কংগ্ৰেসে বোগ দিতে বলেন ইহাতে বহু লোক কংগ্রেস সভ্যশ্রেণীভূক रहेग्राष्ट्र। टाकाम, व्यनस्ट्यान व्याटका-লন শেব হওয়াবধি জিলার মুমুল্যানগণ कःशाम रवाण मिनान समा भूर्य क्रथन ७ ৫ত **ভাতাহ ও উৎসাহ প্রকাশ** করে নাই। বিভার ভরণ কংরেরকথীরা मुद्दा॰ माट्ट क्र ब्लिल्ड (明天)四年(1) **काशिहरण्डल ।** 



MIN WHAT ्रकृष्टिक सार



BIRICAIR ETR MICH CHR mit = m याशायिक ८. देशभागिक रुप মাগিক 📐 Mir # व्यक्ति मश्या ,द

তেও পাৰ্কার বছল-প্রচাত-শদীয়া জেলার একমাত মুন্পাত

সম্পায়ক—শ্রীঅতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদাস্তবাচম্পতি 40

[১০৮তম সংখ্যা

**এটেডক্সমঠ এবাম মারাপুর---২৪মে আবাড় বৃহস্পতিবার, ১৩১৮, ১ই সুলাই ১৯৩১** 

## নানা কথা

कारनकेत ७ वाकीको

🏋 🖫 बळ 🗚 खूनाहे यशादक महाचा गांकी কালেট্ডেম সহিত জাৰায় ভাক বাংলোর আৰু এক বউকোৰ কথা বাৰ্ডা WCEN!

आक्राम, উভরের মধ্যে যে সকল বিবরে ম্ভূটের ছিল, সে স্কল সম্ভার স্ব क्षित्रहे नवीशाम श्रेषाट्य । एव नवन ক্ষা কৰে। খাজনা বিতে অসমৰ্থ बर्गामानी बरेगात्र कारारमा करा ভাগিকা প্রস্তুত করিনেন। বর্তমান ৰ্থস্থের থাজনা স্থকে কালেউর এক क्षानिका अञ्चलको ८वक्रम ख्रुगावको कविया-द्वार्थ, वर्षायानीका नवरक क रनक्रण कविटल ভীক্ষে কোন অত্যাত্তী হইবে বলিয়া किमि मर्ग करतन ना ।

্রোদ্রসার ভালুকের গাঁমা ও বতেখর ক্ষিত্রতি সক্ষা প্রাম হইতে থাজনা আদায় क्षेत्रहरू । (भूरवाक आम इरेजिएक अक्षाका संभवा स्टब्स दासारे मिटक ्र कारणकेत्र धारे विवय विद्याना क्षियोत्र व्यक्तिकाछि निवादस्य।

ু বোষনাৰে, প্ৰাৰ ৪০ হাজাৰ টাকা **ैं आर्थिय स्वटिंग वाकी।** देशव व्यक्त वाकी बाजमां बारह । महावाकी वर्ष नागरमञ्ज त्व त्वहा

CECEN, WICHON WICH TES! द माञ्चल कार्य कर्मा नवकान विश्वित्रीकृत्वन, श्रमित्याच मा क्षितात । छोड़ाटक क्रमण

## কালেক্টর ও গান্ধীজী

ভারতবাসীদের প্রতি অভ্যাচার

## বোস্বাইয়ে ভীষণ দাঙ্গা

বৈদনিক পুত্রের সমাধিস্থান পরিদর্শন

## ৬৭ ঘণ্টা ১৮ মিনিট সন্তরণ

মৈমনসিংকে স্ত্রী ও সম্ভান হত্যা

## হাথোয়া ডাকাতির মামলা

সংগ্রামের জন্ম প্রস্তুত হইতে আহ্বান

# যেমনসিংহে ট্রেণ ডাকাতি

মাদ্রাজে লোমহর্যণ হত্যাকাও

ধর্লাণ্ণ বিপন্ন হইবে বলিয়া আশকা করে। অভাভ **এামে প্রাত**ন স্থার मिनादके भूमिनुक क्या स्टेग्स्स ইকাদ্রিগকে স্বায়ীভাবে নিয়োগের জাখাস विरम्भ ग्रहामाणी नाकि एवे विश्वत বৈশ্বৈই সরকারের সহিত আবার পত্ত ভান্নভবাসীদের অভি ভান্সচার ৰাৰহার করিতে ইন্ছা কলেন। আনবাদী-বিশ্বস্থার থব এমন 'কি, হিলোম্বক কেওরার ব্রুজনাবিয়াছে। পিয়েটনিওতে

কার্য্যের অভিযোগও হানীয় সরকারী কর্মচারীকা লাভিপূর্ণ অবহাওয়া ক্টির প্রত্যাহ্বত করিয়াছেন।

মিয়াংপিয়া এবং 'পিয়াপোন হইতে হৈছু বিহতে যে সকল মামলা ছিল, সে ভারতরাধীকার থড়ের গালা আলাইয়া व्याप्त ४ - अन विद्यारी वन्त्रक मन्त्रिक হইয়া আলানমিওয় দক্ষিণে একথান প্রাদের ২২ খালা বাড়ী সুঠল করে। **्त्रा खुनाहे ৮१ यान विद्यारी द्यारम** আয়োসমর্গণ করিয়াছে। Centu, ८५'कः paat धात्रावाकी श्रेटक এপনও ভাকাতির **ববর মানিভেছে।** 🕆

#### श्राटबांका डाकाडिक बाबना

कांभतात मांध्या कटजत अजगारम হাপোয়া ড:কাভির মামলার রায় দেওরা **६६शांट्डा ३४ जन जांगांगित घटना** छंडे कर्नाटक थानांभ (म.६म्रा स्हेमार्छ। कानत गक्रमात्म e इष्ट्रेटिंड १ वदम्य क्यां मध्य काताबर ७ विष्ठ क्या रहेबाटर ।

#### বোদাইয়ে ভীৰণ দালা

বোখাই সহরের কামাটীপুরা নামক পল্লীতে একদল চিন্দু ও একদল মুসলমানে माध्यमानिक मानाव करण व्यक् । जेन हिन्तु মারা গিয়াছে এবং ৪ জন লোক আহত হুইয়াছে। গত 4ই ছুলাই কভিগয় क्ष्मि 😘 भूमणमाम त्यरंगःग्रादेवम मध्या মভান্তর ঘটে ও দাখার সভাবনা দেশা শিয়াছিল। মুক্ত চেষ্টায় ব্যাণায় थामाध्या (मध्या एवं। किस ५३ कूमारे সাজিতে চুইদলে , চিল ও বোডলের श्राक्षारया अःका जानस करता। सन्तिवि ছোরাও চলিতে থাকে। পুলিস উপক্রত **ष्टाटन हेर्न भिग्ना किजिएक्टर्स । यद्यमादन** कर्या करान भाषा

## শ্রীধান নায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট" নামে

## ডচ্চ ইংরেড

### (थाना इटेशाइड ।

অভিতর ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে আতি মত্তের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্ম বিনা ব্যয়ে সুস্র বাসম্বানের বন্দোবস্ত হইহাছে। খান অতীব স্বাম্বাকর।

সনিতার সানাদের ভয় নিম্ননিধিত ঠিকানা পত লিখুন। সেক্টোলী, ভাকুর ভাজিনিনোদ ইন্টিটিডট্ জ্রীটেড্যুমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

### —৫১ বৎসরের প্রতিষ্ঠিত—

উমধাসয়ে এন্তত বটীকা

धारी काक कातना, खाशासाय. त्वाहेकाठिल, जालीन, श्वल एक व्यक्ति कष्ट देशभीव त्यांग नितासत्त क्षेत्राटक काना व्यकान कार्रण वक्त वह श्रुक्त कहेना नरका

#### ইহা

সকল ঋতুভে বাণচার চলে ও সমান ফল প্রদান করিরা থাকে। প্রতি কোটার ৩২টা বটাকা থাকে।

#### কেবলমাত্র

ঞাতি কোটার মূপ। ১০ এক টাকা। ইংার নাম 'আব্ভক্তনিপ্রছ ষ্টীকা'।

অঞাজ ঔনণের তালিকার অঞ্চ পত্র লিখি.লই পাইবেন

আধিয়ান:-আতঞ্চনিগ্রহ উল্পালয়

২১৪ নং বছণালার খ্রিট, কলিকাভা।

### কবিরাজ শশিভূষণ কবিকপ্ঠাভরণের



মকঃযাগের স্থাবধার অস্ত ৬ আঃ শিশিতে ঘনীভূত অবস্থার ছোটবোভলের াসমপরি উবধ ভাকে পাঠান হয়, ইহাতে ঔবণের কোন পরিসর্তন করা হয় নাই। মূল্য প্রতি শিশি॥• আনা, পাইট ॥৮/• আনা, বোভল ১৮/• আনা।

অফিস–১১নং উল্টাডাঙ্গা রোড, পোঃ শ্যামবাজার, কলিকাতা

## াদন মঞ্জরী

টোকার কর ক বাতুনিকার, ইপ্রিয়ণজির প্রান্ধর্মের ক্ষালাক, বহুবুজন, বাধানোরা, বুক বছুলার, আন্তান্ধর কার্যের প্রান্ধর কার্যের বছি কার্যের বছি কার্যের বছি কার্যের বছি কার্যের বছিলার কার্যার কার

শ্বেশু স্কাজারি ছাত"
ক্রের্বি লাগে ব্যক্তরের বারা আরোগ্য
চরির পরিসালর করে। মুল্য ব ভোল্য ম্ টাকা ব শ্বের্বাকাশিকাশিকাশি আন্তিব্যাণ বিশ্বার্বি করত সভোগণতি হারী ও রুভি করিছে বভালের। কুল্য ১০ বল ম্ এক টাকা । ক্রেন্ত্রাব্যান্ত্রভাতনী, ক্রেম্পন্যক্রী ক্রেন্ত্রাব্রান্ত্রভাতনী, ক্রেম্পন্যক্রী

### হাইড়োসিল

~

### কোষয়দ্ধি রোগ

ডা: এস্, এন্, খোষ বিনা অন্তে, বাৰক্ষীবনের গ্যারাটি বিয়া বৈছাভিত্ প্রণানাতে কোবস্থ রোগ আরোগ্য করিল থাকেন।

> ঠিকানা— ১৮ নং কটন ঠীট, বড়বাজার, কালকাডা।

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## দৈবপ্রাপ্ত মকার একমাত্র মহেবিশ্ব

প্ৰৱশিংল সম্পূৰ্ণ আছোগা

ताजी त्यपार है करेंद्र । अधिक्रिक्षण पश्च (बाक्या व्यव प्राणित)
गाठारेल जिला द्राजी देवले के व्यवचा व्यवस्य प्राणित कामिता द्राजी देवले के व्यवस्य प्राणित प्राणित द्राजी देवले के व्यवस्य प्राणित प्राणित कामिता के विद्या कि वि

শ্রীকি তীশচন্ত্র উকীল, সন্ধা-চিকিৎসক, পোঃ নৈকাঠী, বিশ্বিদ্ধান।
অথবা নিম ঠিকানার সাক্ষাৎ করিয়া বিস্তারিত পানিতে পাছেন।
উন্ত্রত রামবোপাল দক্ত এম্, ঞ, ক্রক্ষনগর, নদীয়া। শ্রীযুক্ত করিণ্য

शिरण, >>4, द्वित्याटिंगी हीहे, शांद्रियांगा, मानाका।

প্রক্রমানি পরে। অ মার প্রাতৃত্যুর গত হয় মান ঘাবৎ রাজ মৃত্যুর ভূগিয়া মৃতপ্রার হচরাছিল, কলিকাভার বিজ্ঞ চিকিৎসক্ষণ ভাগার জীবনের আশা ভাগা করিয় শেব মৃত্তের গুল্প অপেকা ক্ষরিছেভিলেন ৫ই সমর শ্রীসূত কি শীশচন্দ্র উকিল মংশের মার ১০ দিন চিকিৎসা করিয়া সম্পূর্ণ আবেগার করিয়া দিয়াছেল। (সাই) শুর্ষভীক্র কিলোন রায় চৌধুরী (জাসদার খালিয়া) ১গুরীট, নিউ বিল্ডিং। ক্রপোরেশন

## শ্রীনবদ্ব পঞ্জিকা

भाज ४० जाकिटक मार्गाहरल है कुकरमारहे मार्गन हम ।

ম্যানেকার-গ্রন্থবিভাগ শ্রীচৈতগুমত, পোঃ শ্রীমায়।পুর, নদীরা।

কেন প্রাহকগণ

## গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

-<del>-</del>

এখানে যাবতীর ছাপার কার্যা— গেটার গেডিং, মেমো, করম, খান, জমিল।রী চেক, বিশ আফুডিই বলুন, বিনাহের নিমন্ত্রণ পত্ত, কার্ড, বিবাহের পদ্ধই বলুন,

আর ৩ রং ও ৪ রংগের হাফটোন ব্লকট বলুন, স্কল কার্যট লাভি শীঘ চাগ ভর, অপচ চাপাট্যার গ্রচ বাজায় অপেকা ফুল্ড।

भागभात विष्टू छात्राव कार्या थाकिटन निप्तती नानात सानाहरणहे स्थ शाहेटवस ।

ন্যানেদার—সৌড়ীয় প্রিণ্টিৎ ওয়ার্কন্ ২৪৩া২ নং দাপার শাবকুণার হোড, দলিকার।

## শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

এখন ও বিভীয় খঞ

उत्तिक्षणांत व्यक्तिभाष विश्वकितिष्ठाच प्रत्रको त्याचामी महाताहक्य त्यहे आविष्ठा विश्वहित्ती कोशायाकृत्याहिती कुक्काकीन्यमाप्रिती कोश्वकालीय युक्तिक्षाहित् देक्कानिकांच त्यामागाः द्वांच क्षति—मश्रक व्यक्तिसम् क व्यामाग्रक्तिकारम् विकासनम्बद्धाः विश्वाचनम्बद्धाः विश्वचित्रम्



ৰন্ত শৰ

२७ श्रुक्तरवाखम (भोतास ८८४, २८४म व्यावाए नक्षास ১৩৩৮, ৯ व्यू ११वे वेर ১৯৩১ वृश्स्म डिनाज

### **₹তেম্য আবার**লে কলঙ্কারেয়াগরি

শ্রীনবনীপ-ধাম-প্রচারিণী সভা আম ৩৮ বৎসর পূর্মে স্থাপিত হইরাছে। এই সভা বঙ্গদেশের বন্ধ শিক্ষিত সম্ভান্ত নিরণেক वाक्तिभरनम् बाता शक्ति। श्रीवाम श्रानिनी मण मर्द्धालय गरेवा आहीन नत्रात वित्रुध **७ विश्व । यसमञ्**रदत केशातत कन यरशह পরিশ্রম করিরাভেন ও করিতেত্তন।

বিবদমান সগতে প্রতিপক্ষের ও প্রতি कृत क्रिडेविनिष्ठे क्रमश्रालय क्रमान माहे। · ध**क्क देनकुष्ट्रभार**ङ्ग নিত্যসত্যকে ও काज्यम् कतिवात कार्यामा सम्मार्गत भता-श्रावका मा । जरशिष्टात्मत का उक्ता क नगरबत-काग्ठा-भरबत वाकिशन सम् भर्ष ना हिना निष निष कृभव कारिकात करत ।

🕮 । म প্রচারিণী সভা--- সাধারণ সভা, আর বড়বন্ধকারী কুচক্রিনলের কভিপয় ব্যক্তি সেই সাধারণ সভার সভাগণের প্রতি ন্যক্তিগত ঈর্বার প্রণোদিত হইরা বৈ মংসরভারে ভাওব মৃত্য করে, ভাহা নিভান্ত কৰন্ত।

প্রীধাম প্রচারিণী সভার বিশিষ্ট কতক-অন সভ্যের প্রতি ব্যক্তিগতভাবে মুর্বা ও মৎসরভা-চালিত হইরা ছরভিস্থির व्यायास्य केक मजात इंडिस्ग्राशंक्रकारगत অবিষ্ঠিত নহে। ভবারি হর বির মৃত श्याकात काविञ्च ताहि, हे हुए। व करम-

িভক্তিবিনেষী কুভী পুরুষ, পিয়সফিকাল দিরাছেন। 'চিনে নন্দী।' নামক প্রায়েব সোদাইটীর ভূতক প্রচারক নীরভূমের মঞ্লিক মহাপয়, সারটিঞার জনৈক ভেকধারী, ঐ প্রকার জাকামি করিয়া পত্র শেখায় বাবাঠাকুরের সম্ভান পরিচয়াকাঙ্কী ও मुख्यां छ शहरा डेन्यरायत (स्डा डरेन्क ব্যবহারজাবী, 'না পড়িনা পণ্ডিড' ও 'গাঁরে মানে না আপনি মোড়ল', বহু ভাগাবিৎ, म तिनास भन्नत् अभि खेटेनक निवसका अञ्चि কতকগুলি লোকের ব্যক্তিগত ঈর্বা ও মংগরভা চরিতার্থতা করিবার জন্ম জনৈক প্রাসিদ্ধনামা লোকপ্রিয় কক্ষপণের ভূমাণি কারী মহোদঃ উক্ত মোভাব বাতীত অক্রাক্ত লোক গুলির ধারা প্রারোচিত হুইয়া এবং পাটোখার ভূতাগণের স্বারা উত্তেজিত ত্ইল শীধান প্রচারিণী সভাব সহিত গত পঞ্চদশ বৰ্ণকাল প্ৰবলভাবে বিরোধ করিয়া-ছিলেন।

निहोत्तिविक्रक (छहाटक कार्या शतिनड ক্রিতে গিয়া খদেশ(>) ত্রিগণের ও ব্রহ্মা ও বাসী ত্রিকালের সমগ্র মানবজাতির বিরুদ্ধে উহাদের আর্ফেনের অঞ্সরণে ইদানীস্থন একটা অনরবর্ণ যুবক উঠিয়া পড়িয়া কালিছে। ভাষতে ভাগর প্রকৃতি স্থতার পরিচঃ পাওয়া যায় না।

उना यात्र, बीशाम शतातिनी महात সাধারণ বিভাগের সম্পাদক মহাশটোর নিকট সম্প্রতি তিনি সম্পূর্ণ অশিষ্টাচার

উপার সাহিত্যিক। শৈন্তিচারগ্রায়ণ ভবৈক। একগানি পত্র বিশিয়া নিজম্মাণের পরিচ। अक्ष्मभककु १८ व अण्णामक धावरवत निक्रे কলিকাভার মা গোলামীর বাড়ীর কভিগম লেপকের মডিকের পাচ ঠিক আছে, 'গোলামি'নামধারীর অঞ্গত দল, কল্পা, ভাগে গৌড়ীয় হাস লভাবে অনেক চিকিং-भक्षत भारताहा ! वस इंडेल्स्ड । এই রোগা কি গৈওভার্যার প্রীভিত, না चा छात्रिक सङ्जिल्ज तगरे ही उठेना भाषमधा-द्वादश शिष्टिंड, मा अन्न क्याम द्वादश द्वाती. ভাহার নিদান সংগ্রীত হওয়া আনবঞ্জ।

> ইছার গভিনিবি জট বংগর পুর্যাকার এলবাট হলেব অবৈধ নবীয়া আলোচনী मधात किन्नु भूभ ६३(७ मिक ६३(७(६)। ক্ৰমণ্ড বা প্ৰাম্যবাঠাবহাদির অক ইসাব উদ্ধৃত অশিষ্ঠানের কণুণিত ইইতেছে, কণনও বা নানাপ্রকার স্থাব্য অশিষ্ঠাচাবের কণা, মিণাা কণা, স্থাকামিলনক অক্সভান स्थामधाति वेगडात निकास प व्यक्तिशृष्टभारत श्रेषात कथा माना आकारत পল্লবিত হট্যা তাহা অবংগরামশদাহা क्रकाञ्च वानहातकीनिधरनत क्रिक्ष कृष्टिन বাহির হইতেছে এবং জড়সাহিত্য পানির কতিপর ভূতপুর্ব চালকের গারা সম্ভিত इहेरछरह । कि का "हगा !

প্রীদামপ্রচারিণীসভা এই প্রকার नफुमञ्जकात्रिभरणत्र ठकान्त्र वा व्याकविर्यय-কর কার্যকে জনহিত্তকর কার্য্য বলিয়া **5ांगा** हेनात वाभरासम् यस नरहन । क्रमध्यम ना कतित्व क्रोफ्निकाक क्रीनगरमत शह शकाद আবর্ণন, করিয়া বিক্তমভিক-জনোচিত হুর্গতিই কটির পাকে। তাংলা বিছে

तिरवग, देवमध्यम विषय, अधिना विश्वयं कतित्व शिवा अन्य अभागि विश्वित्रकत मध्मा शहातस्राप कार्य मुका कतिश णां(कत्। श्रीभागाञ्जातिक्षेत्रभाव मकाभग बङ्गेश्वल कर्णाक्षक विश्वादिक अस्त्र द्यांसन् पृत्तं वाष्ट्रिया चपवय्यम्या क्यान्तः । Milton-जत वर्गेत्म त्यस्य भारतय कवा भाषता यात्र. Ell 1/2 3/5 আনুঠানিক কিবাকলাপে বেক্সপ স্থািত भारतत किंव भा अंश संय, **दमक्रम भाभावशाम**-काराय नाम । नाम भागा करतम ना । उत्तरकन के तनका नती। मधान विकास ट्याक्तिरकाकात्त्रा ८५%। क्विकारण श्रृष्टि माड कतिएड:४. तुना धात मा । दभीबञ्चनक কি ইহাদের জন্ম জা,বঙা জাপমিত করিয়া हेशिनारक निरक्तितारगात । **महिमा समतक**म कताहरतम् भा १

### ठे। कृत चिकिशिदनाम देन् है हैं डिइट গোস্থামী ভব্তিসারজ

में। विविधितकत्त्राक्रमकात শ্রীপাদ অভ্যাচন্দ্র বন্দোগাণায় ওকিসারজ त्यायामा अकिनाकी आह क्रीमांग मान्नापुनक र्राकृत किलिनिरमाम हैमहिटिडेडे अतिमर्गम कतियां शहा मखना शानान कति । एड्न, ভাষা নিমে সাম্বাদ প্রকাশত হর্ম,---

Being invited by the revered Head Master-His Holiness. Swami Bhakti Pradip Tirtha Maharaj I attended today the confinence of the teachers of the# Thakur Bhakti Vinode Institute and as requested by His Moliners

ad occasion to address the imbly composed of thers and the taught regarding main aims and object of the titution.

I was present on the opening and had the good fortune to an to the inaugural speech of Divine Grace, the President he Institution and this is the I time I visited in its infant ge when I was pleased to erve the good demeanour of teachers which is a

imple for the students to foland to find that they had by short time been able to imis on the minds of the young mers the fundamental ethical I theistic principles on which it ased.

It is justly named after that at Prophets Thakur Bhaktinode who appeared in this 4d in 1838 and was visible up 1014. His whole life was devoto weed out the field of devosadly adulterated by the udo-Vaishnabs in the middle the 19th century. He also iblished before the world the d life of a true devotee of the reme Lord. It is He who ted the Holy Birth-Site of : Chaitanya Mahaprabhu at

Mayapur and it was His rt's desire that such education pread all over the world from centre like the old university Nabadwip-the then Oxford kangal.

On the 21st April last while Excellency, the Governor of gal was pleased to grant me nterview, I spoke to His Exnev about this Institution g started to impart true eduon to young Loys on the of religion and morals to ent them from going astray. Houble Minister of Educa

Khaza Nizamuddin M. A., at-Law, was also delighted isten to the object of this domy and expressed his withy for such a unique noble

n fine, I ferrently invoke the ings of His Divine Grace for success and welfare of this tution.

ayapur | Sd/A, C. Bauerjee ly 1931 Proside it, Editorial Board "Gaudiya",

व्यक्रभाम-श्रमभाष अधिवात विकास शानी कविकारीय हीने महासास कर्षक আত্তৰ কইনা অন্ত আমি ঠাকুৰ ভালিবিলোদ हेम्ब्रिकिউ हित भिक्षकद्भाव द्वारा गतिहासमा-শম্বে যে শ্ৰা হয়, সেই সভার ব্যোগছান क्षि कादर डीवान बाग्नातास निकास करत ছাত্রসকারিবেটিভ সভার ইন্টিডিসর্নের তাধান উদ্দেশ্ত সম্বাদ্ধ আমার কিন্তু বলিবার श्रद्धांश इकेशिका।

কুলের উলোধন দিবলৈ আদি উপস্থিত ছিলাম এবং পুৰুষণাম প্রেসিডেন্ট মস্তোলম্ব-প্রাপত প্রাথম আমুষ্ঠানিক কডেডা জ্ববণ করিবার আমার সৌভাগ্য হইয়াভিল। অভ সামার এই স্থল পরিদর্শনের কিন্টীয় দিবস। আমি শিককর্মের আদর্শ চরিত্র এবং ব্যবশার দশ্মে অতীব সম্ভ ভইগান। তাঁহাদের চরিত্র বাত্রিকট ছাত্রগণের র্জনিত আদশবিরূপ। আরও আনকের নিষয় এট নে, জাঁধানা ুএট অভালক স मर्ताहे अहे भूरलत भूग केरा छ। मीछि जायर ঈশ্রবিখাস সম্বাদ্ধ কোনগ্রতি ছাত্রন্দের চিত্তে বেথাপাত করিতে সমর্থ হইয়াছেন।

আচাদ্যপ্রবৰ শ্রীগঠাকুর ভাক্তবিনোদ মহোদয়ের নামাস্থ্যারে এই স্কুলের স্থাপন ঠিকই হইলছে। তিনি ১৮০৮ খ্রাট্রান্সে ইচ অগতে আবিভূতি হেলা ১৯ ৪ খুই হ্বপ্ৰান্ত প্রাকট ছিলেন। ঊনবিংশ শতাসীৰ মধ্যতাগে বিশ্ববৈশ্বনগণ কর্ম ভক্তিনাক্ষা দূমিত এবং কটেকিও হইলে সেই কটকসমূহ সমূসে উৎপাটিত করিবার জকু তিনি তাঁচার সমস্ত জীবন নিযুক্ত করি ।ছিলেন। তিনি জগৎ সম্পে ভাবদ্বকের আদা জাবন স্থাপন করিবছিলেন। তিনি এখান মালপুরে ह्यारे ५ ७ छ। मही थ . त আনির্ভাবস্থলীন প্রকাশক। ইংটি তাঁখার আমারিক ইচ্চা ছিল যে, তাৎকালিক শিকাকেল—বাঞালার অল্লেড ন্ব্ৰীপেৰ স্থায় এইরণ শিকা অগতের সংএই প্রচারিত ২উক :

গা ২১শে এপ্রিল ভারিথে সঞ্জর বাসাগার গণর্গর বাহাত্র যথন আনাকে তাঁহার সহিত সাক্ষাৎ করিবার স্থয়োগ नि विश्वान, भारे मा। आमि छ। श्रीक শংগ ও নীতির ल्यामञ्चलाम প্রতিষ্ঠিত এবং কোমলম্ভি বালক্দিগকে বিণথ গমন ইইতে রক্ষা করত প্রকৃত 🖁 শিক্ষাপ্রদানকারী এই মহুং প্রতিষ্ঠানের কণা বলিয়াছিলাম

মাননীয় শিকাবিভাগের মন্ত্রী সাহেব भाषा निकामडेकिन धन् ध, यात-धर्-न मरशाम ६ छ मिलामनिएत्ता উत्प्रेष्ठ হইল অভিশয় আন্নিত इडेशाछित्यम जार्र कहे चहिन्दीय महस्रोतन्त्र প্রতি মহাত্ত্তি প্রকাশ করিয়াছিলেন।

क्ष क्षेत्रकेकारम् । त्राम्मा करः मणम আৰ্থনা কৰি ট पाः च. नि सामानि **अ**मानशृत কভিনারী ट्रानिटकरें, जोक नावकान ্ৰোক কৌৰ্ট্যপ क्रिटका बाटक भागरवंत्र (गवा

( 🖁 ) বাহারা উপাত্ত, উপাস্ক ও উপাসনার निতाप वीकांत करतन ना, रनहें बांतवाणी गुम्भूशं अकारकत मम्मत्र स्राहे मातिक छ অস্থ বোধে কনকাদি ভাগ্যেক্স কণ্টভাযুক্ত ৷ উলোর ক্ষুড়েষ্ট। প্রদর্শনমূত্রে নির্বিশেষত্রক্ষ-সাৰুদ্ধা প্ৰাপির অভিযায়ী হইন সুৰা কড়া-নন্দেরই প্রাথী হন। স্বর্ণ রৌপ্যাদি খাতুস্পর্দে কোন কোন ভ্যাগীববের (০) হস্ত নাকি শ্বভাবতই বক্রাকার ধারণ করে কেহ বা 'বেই টাকা দেই মাটী'— এইরূপ অপ করেন, অতএব ভিনিই সর্কল্রেট আদর্শ, हें आकात বহুবিধ कबारांश ८५ होत কুনাট্য নায়াহত জীবগণের ভ্রম উৎপাদন কবিতেছে। জগৎ সংসারে কনকাশা ভাগী বলিয়া গরিচিত হওগার যে স্কচতুর বাসনা, ভাহাও যে জড়ভোগেছোরই অভ প্রাকার পোষাকপরিহিত সজ্জা, সুস ভোগি-স্থাঞ্জ তাহা জানে না বলিয়াই অভক্ত ভ্যাগীকে শ্রন্ধার অর্থ্য নিবেদন করে। ধ্যাপ্ৰামী ভোগলৰ কৰ্মী এবং আতান্তিক ত্রংথনিবুভিলিকা, শুক্জাননিষ্ঠ ত্যাগবাদী, উভয়েই মনোধার্মী: অচিৎ ধর্মের অক্ত-শীলন খারা অধোকজ অবঃসেবাবিজ্ঞানে পারজাত হওয়াব্যে না। আন্তরিন হরি खन्न-देनसभ्यमाक्षानिभूग इक्ष इक्ष जिन्न दीनामा-মদন্দোহনের চিমায় ইক্রিয়তোষণের অপুর্ম স্থকৌশলটা আর কেহই অবগত নহেন। তাই প্রাকৃত জগতের কামচিক মণিম্বরূপ ভোগপ্রাপ্ত কনকের সাহায্যে অধ্যেকজ ক্ষণ-हिन्दार्गान्त (मवारम)न्द्रामाधरनन कथा,-ধনের সাত্রহাবের ছার। অভিতীয় ঐশ্বা-নার্থাবিত্রাহ অপ্রাক্ত কামদেবের কাম-পুথির কথা ভোগী বা ত্যাগী জনমমাজ ধারণা করিতে পারেন না।

क्षकानना-हकन नानात्मवामवी-भूका-নিঠ কথী কানেন,—'অর্থ না থাকিলে কোন বহু হয় না।' ভোগিগণ জড় **ভোগ গ্রাণ্ডির অমুকুল লৌকিক ধর্মাচরণের** निभिष्टे कनक भः श्राष्ट्रक ्यात्राक्षनीय मूथा-কম্ম বলিয়া মনে করেন। প্রাকৃত জনগণের প্রভোক কাথ্যে লাভের চিস্তা, এমন কি স্থান আসলে বহু গুণে বন্ধিত কর্মফল शाखित महावना ना शाकित्य काहाता दुशा धक्ति नम्स्कुन करान मा। कार भूनाः श्विरम्पर जामि क्रीक्श्वारमत निक्हे मननारक्ष्य रहेग कैर्यात शनागंशत स muniff Blot nun wein, eifene चका चर्चनाम कार्नाहरू महिली तक ইতাদি অইবান করিন থাকেন : অইচানের के गरम जूना नकरबंद विभिन्न बार्नब नित्त्र नीरक्षण । जायर व्यक्तर कालिकारस्वीतः जुलातः जानवतः कतिहा रश्यी अगाव (१) जरक बारगाविक बाका क्रिया-तर्वेद क्षित्रोक्नाव्यान्त्य (काळ्न क्यारेत (नरी छक के मानाकिक बनिया प्रांकित हत. चकका वास्तवक महिन्द्रपृष्ट प्रत्य क्रेम्ड 

্বাহত: অহাদিসকে জ্বন্ত সভাত ইপীজত (मर्था गांत्र, गांकाशाम क्वार्य क्रम् विक्-আরাধক বিদ্ধ বৈকৰ ক্ষুত্রারও উপর্যক্ত কর্মিগণেরই সমপ্রয়াঞ্জ। তাহারাঞ নানা ইতর কামনাপ্রণোদিত হইয়াই বিশ্ব-বিতাহ সমীপে ভোগরাগাদি প্রদানের অভিনয় করেন। 'কনকের ছারা মাধ্রের দেবা' এই অপুরু বাক্য**টার মর্গ গ্রহণে** उष्टाता अनमर्थ। इरिक्षक्षेत्रन्छानुर्व ष्मिक्न रम्याङ्खि दिस देवक्यद्वम मध्य নাই। 'যদি পুত্রটী বিশ্ববিদ্যালয়ের 'বি এ' जिक्की शाब, পৌড़ा मरम्मभानि निक्री ठीकुरब्रव নৈবেভ এ.ভত ক্রিব" ভাহাদেরও এই প্ৰকার কামকলুবিত চিত্তবৃত্তি ন্ত হয়। অর্থাদি ব্যন্ত করিরা ঐ প্রাকার বিষ্ণুপুষ্কনও কড়েক্সিগতোগণেরই নামান্তর সাতা।

চতুৰ্দশ ব্ৰহ্মাণ্ড সহ বৈকুঠ ও গোলোক। প্ররের একমাত্র চিম্মন্ন নিভ্যপতি জীলাধা-गांगटवत्र शांग भन्नदमनात्र ध्यपः सम्बन्धाननदेनेत्र ননোহভীষ্ট কৈছবোঁ যে কনক ব্যক্তিত হয়, তাহা প্রাক্ত **গুণসম্বলিত স্থবর্ণ ই**নহে। স্বৰ্ণ নামক অড় খাভুবিশেষ প্ৰাঞ্চ বন্ধ-জীবের প্রধান ভোগলভারক ছইয়া ভাভাকে नतरकत्र मिरक biिक करतः कार्य (व কনক্ষাহাল্যে ছরিসেবার বোগ্যভা হয়. সর্বভোজা শু মন্থলারের পরমাশ্র্যা করণা-तालित क्यांन वार्का मिटक मिटक विट्यांविक করিলা ধরাবালীর নিত্যসক্ষ বিধান করে, সে কনক মাধ্বসম্বনীয় বস্তু চিস্তামশিরও সাক্ষাৎ চিস্তামণি স্বন্ধপ।

#### প্রচার-প্রসঙ্গ

প্রাধান না পুর ব্রীকৈতভ্রমঠের অভ্তম भाशा मिली ओड़ांशमर्द्रत व्यवातक विषयि-খানী শ্রীমদ্ভাজন্মধার গিরি মহারাজ হিন্দু-স্থানের বিভিন্নস্থানে শ্রীণমহাপ্রভুর প্রচারিত তক সনাতন ধর্মের কথা ইংরেজী, বাঞ্চালা ও হিন্দী প্ৰকৃতি বিভিন্ন ভাষাৰ প্ৰচাৰ क्तिरक्राहन । किसि आंगरशाता, देननिकान, রাণীখেত প্রভৃতি স্থানে প্রচার করিয়া স্প্রতি সিম্বাতে ক্ষরতান করিতেছেন।

## গ্রন্থ পরিচয়

े**जि**नकर्ति क्रकटेरणासन स्वरमान-टापैक मृत, टीसन्-क्याहीती-क्या कार्यना-निर्वहीका ; श्रेमम्बियनाम हत्क्वली वाक्ष का बाजार्थनिक के का, बलाइवाप, माइक अवह क अखिनन, क्या क विक्रुशिवक । क्षक्रि क्रकत चानिएक र्ति वृद्धक अधिनाच कथानाम, व्यभारतम अधार के <del>অধ্যান্ত্রে গাঁহসৰ হ'বিভূত ভাৎপর্বানি</del> বির্ভ। লোকস্চী विवतर्की, अक्षांत्रविवत्नन, शांख ও वानर्कीमक छेत्रम काशरक केसम अकरत इजिला। धारम हहेटल ১०म दक প্ৰয়ন্ত জালা স্পূৰ্ণজনে শেব হইয়াছে। ভিক্ষা প্ৰথম व्यष्टिक और कम भगाव २५४० ; मनम कम ५२ ; ア製御 おか、1

#### 🗎 🖺 চৈতত চরিতামত

অত্যানভাক নোগঠাকুর রচিত 'অন্ভঞ্জবাহভাষ্য' ও ক্রীক্রমন্তক্তি নিশ্বাস্থ সর্বতী গোখামী প্রভূপাদ লিখিত 'अञ्चादा क्षाकि-प्रशामि वह भाजक्षमान-अध्मिक हहेगा व्यक्तिक स्टेबार्ट्स । द्यारकत्र गांचम्याथा, वक्रास्वामध প্রত্যেক পরারের পূর্বে সংক্ষিপ্ত অভিগের সংযোগিত। প্রত্যেক অধ্যার-প্রারম্ভে কথাসার দেওরা আছে। শ্লোক, পরার, শব্দ, স্থান, পাতে প্রস্তৃতির স্থবহুৎ স্কৃতী ও এছকারের । ভিক্ষা ২০ এক টাকা মাতে। বিষ্ঠ জীবনী সমন্বিত এই৯প অভূতপুক্ষ সংখ্রণ ইড:প্রে কুরাপি অকাশিত হয় নাই। উত্তম কাগজে পারিপাটোর সহিত পুল ঃআকরে মূলাংশ মুদ্রিত হইয়াছে। এছ প্রায় ১৫०+ श्रेष्ठात गण्यत । किया वक्षमारम e, माख ।

#### **জীটেডকুভাগবত**

গ্রন্থভারের জীবনী, প্রতি পরিচ্ছেদের ক্থাসার, বিস্তৃত গোটার ভাষা, শক্ষ্মী, প্রারহ্টী, বিষয়-স্থান পাতাদি-স্চী, প্ৰস্থৃতি বিবিধ বিষয় সৰ্গিত বিরাট বিভীয় সংখ্যাণ ভবল ক্রাউন ৮ পেলী আকার। আদিশীলা ও মনোর क्रिस्था व्यक्तांभक क्षेत्राह्म। क्षरम क्षरम व्यक्तिभक् े ब्हेटक्टइन। आंध्रम किया ८ हाका, जानि नीगात 柳柳山

#### এটেচডরা মলল

এই প্রছের একণ অভিনৰ স্থায় সংকরণ আর কুতাপি क्षकाष्ट्रिक स्थ नार्ट। भश्यक (आकारणात व्यवस, वकाकवान, ভাষা, কথাসায়, তথ্য প্রভৃতি সহ থতে ২তে প্রকাশত এইয়াছের। মূল মোটা অকরে ডবল ক্রাউন আটপেলী अक्षाकारम काला क्षेत्रारक । भूला २॥० हाका। समात्रा প্রাকৃতি ও ব্যক্তিয়ের গ্রাহকগণের পক্ষে ১৮০ টাকা।

#### **জিমত গৰ্ভগীত**

- প্রশোদীর বৈক্ষাভাষ্য অপ্রাঞ্চত রাধকচ্ডামণি ক্ষাৰিশ্নাৰ চক্ৰণটিটাইৰ গোৰামিরতা সালাগ্ৰনিগ क्षित्रहरूका ७ किवामककिविदमामे ठाकुन-व्यवेष 'अगिय- । वस्त्री मानक क्षांकाकामाहिका । व्यथानक्री, माक्काजस्य क्षाक-एडी, विवय एडिंड विक्तारात्र कीवनी ६ व्यवस्थानकारि अहं काष्ट्रवाविश्वानम् केन्द्रके दार्थाहे इन्द्रीय नरक्ष्यन—दि शा मृश्कृत्वार्णक किया न के किया माल, नावात्रण नश्कृत्व->#+ **3141 110** 

### প্রভূপাদের বন্ধতাবলী

ও বিফুপার শ্রীমন্তভিনিত্বাধসরমভী भाषामी महाबादणा लाहे परिका विकासिकी कीवाश्वत्र क्षणारवासिनी इक-कार्क निम्मवासिनी कीवस वाधित मुर्ज-विश्रह--देवकवि बाब-त्रप्रशामात्र दकोष्टक्षम् ।- अलामाय देव स्वविकामानारतम् द्यानिक छना-नक्षमा अ । छान्। तरम्म गमयभ छक --- महाका - कीय महिन्छ- निक क -- हि दिला गृहि साधा-অচিমানে বিচারক— ঐখ্যা ও মাধুনানমের মৌলিক গ্রেমণান্ত্র -- गयक, व्यक्टित्मच ७ लाखाकन एएवर काल भगम

১। প্রাথম অক্ত—বৈক্ষণ্যপান, শ্রী ভক্তপ্প, কাল-थर्फ, क्षेत्रश्वानिकांब, क्षेत्रार्वकान्त्री, शाक्षश्राविका मीका **७ वर्ग विठात. आश्राम्य ७ मताध्यां. डे.टे**ह७असम ७ তাহার শিক্ষা, অপ্রান্ধত সহজ্ঞপর্ম ও প্রান্ধত সহজ্ঞার্ম, প্রাস্থৃতি বিংশতি সংখ্যক বছে প্রশোভিত। ভিক্ষা মাত্র be বাব আলো।

**১। তিতীয় শুগু--তথা** ও নিধা ভঞ্জি, মন্ত্ৰেয়ার শ্রেছতা কোথায়, আত্মার নিভাবৃত্তি, জীবর স্থামিপাদ ও भाशानाम, श्रीरशीय-निक्तानमञ्जानम, जिल्लाय ध्या 🧐 क्रथः-कीर्खन, श्रीनामभूषाय श्रीमदालन्द्रत कीरुन, भ्रात्तीत-ধামের মহিমা, মধাপ্রাদাদ, জীগোবিন্দ, জীগুপান্তগভঞ্জ-পথ, ब्लीमणी वृग्णासनिमनी, औरहाक्टलात प्रशा, दशीतकतन्त्र ও ক্লফস্কীর্ত্তন—চতুদ্ধল অপুন মধুনিমাপুর্ণ-বঞ্চতা-বিভূষিত। বু কালিতে মুদ্রিত, উৎক্র বাধা লোনার কলে নাম লেখা।

প্রেপ্য ও দিউয়ে— হুই খণ্ড কেনে গইলে ভিক্ষা ১॥• দেড় টাকা, ভাক ২রচ খণ্ডপ্র।

#### 💂 মন্তর্গনদগী ভা

रशोकीय-देवसव्यक्तानिक-दश्यम अधिशामन वारमन विका कृष्णक्र काया छ जीमक्ष किविरनाम शेक्टतन आधन वन-ভাষায় বিশ্বত 'বিশ্বদর্শন' নামক ভাগ্যক ৷ অসায়-স্চী, বিষয়স্চী, ও তাতি স্নোকের অপম ও চ্তীয় भाग कृती. ভাগ্রকারের জীবনী প্রছতি ন্যাল্ড। উৎক্ট বান্টি, রাজসংখ্যাণ (ভূড়োয় সংখ্যাণ) এপের ভিকা ২, টাকা।

#### প্রযোরতাবদী

शायिक छामापि পाँछगात थाणम शह । उँदक्र काशिए ছাপা। হুবিশ্বত টীকা ও প্রান্ধণবদায়বাদ-সাহাগ্যে अखि महा६ वालाकक्षेत्र (नामग्रमा हर्देका शास्त्र । প । আনা মাতে।

#### बीमनदी भग मगा स्था

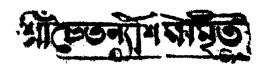
( প্রমাণ্থ ও ) সামুবাদ। জাতি-প্রত্যাদি এতে স্থানব-দ্বীপের যে মহিমা কাঁটিত আছে, ভাষার মুল সংগ্রভ ও षष्ट्राप्त। जिला ८ • षाना।

#### শ্রীনবদীপভাগতরক

শ্রীসাকুর ভব্তিবিনোদ থিখিত। স্থালিত গাঁডাকারে পরিক্রমার স্তঃবালি-বিশরক। ভিক্ষা। আনা।

#### ক্ষেরভাষর ও মংখাপ পরিক্রমা

ব্রীল নরহার চক্রবন্তি-ঠাকুর রচিত। ভিডিমন্তাকর হইতে পরিজমাংশ মাত্র গুটাও; ইচিটাব গোস্বামী কি व्यकारत क्रिनवधीनशास्त्र नात्रक्षमा कृतिशाहित्तन, छाटाहे পছে বিবৃত। ভিক্ন। 🗸 🍑 माना



🕮 क कि विस्ताम ठीकुम-धारीक । 🗐 हिल्हा सहस्र हरा छ। निकाद्यगांगी-कृष, इक्नांकि व त्रग-वष व मृष्ट कीय-আচি ছা-ভেদাভেদ-ভাষ---নাধন-নিৰ্ণদ্ধ--প্ৰয়োগন-ভাষ, কৰা काछ. आल्लामित विष्ठात-देशी ककि, कामकि छ ্ৰেমভজিসঃ নামভজন-প্ৰাণী ও আইকানীয় শীলা শ্রিচয়াদি প্রথম শিক্ষাপীর উপ্যোগী করিবা স্থাল ভাষার श्रमात युक्तिकामान्त्रक निर्मित चार्छ । उक्क नाचना चाना २ , होका, जानामा ১५० हाका माता

#### গৌড়ীয়কণ্ঠহার

टिंदिनो होस-देवसन्दर्भदारभन्न व्यष्टकण कर्छ शत्रनदर्भाग ঞ্ছি-পুরি-পুরাণ-প্রথমাঞাদি সাক্ত-পাস্তসমূহের ক্রমাণাবদী नियम् निकार कार्य नाष्ट्र वाष्ट्र विकार । बहेसन देवकद-শিদ্ধান্তের সার্গমধ্ব অঞ্চ কুরাণি প্রকাশিক হর সাই। हेड्राट खत्र एक — छात्रवरु — देवस्थ्य – द्योग्न — निकानक — चारेकक---क्रमाः --मिक्--कश्वसम् --क्षीय -- किसारक्रमारक्रम --- व्यक्तिस्या--- माध्यक्ति--- वर्गार्थ-- व्यक्तिमान — ভাঁনাম — প্রয়োজন ও প্রাথা-ভারগুলি পুণক আধ্যায়ে মুবৃহৎ মোকাদি সূচীগৃহ উংকৃষ্ট এ**টিক কালকে বেলি** এड शास a • • भूक्षेत्र मन्मूर्य । ज्ञिका २ होका माळ ।

#### क्रियाची भगव-अक्रावणी

শ্রীমদ্ভভিতিবিলাদ ঠাকুর রচিত 'বামসাহাত্ম-লাম-মাতাম্মোর মায়-াপ প্রমাণ প্র-জীপ সরহরি চঞ্চর্যজী চাক্রের ধান-পরিক্রমাংশ--- শ্রীপাম নব্দীপ পরিক্রমা---তীপ্ত गाजा नक्षण--- श्रीभर अरगामानक्षक सम्मीनमण्डकम्---শ্রীমন্ত্রিকবিলাদ সাক্ষের শ্রীনবরীপ ভারতরণ প্রস্থাই এছ একল ভিকা দৰ আনা সাতা।

#### প্রিকাগায়ত ব্যাক্রণ

উটোৰ গোন্ধানী অভুপাদ-বিরচিত স্থ ও বৃত্তি, ওংসংখ্য ওলিফুলাদ জ্ঞামছক্রিসিদান্ত দরস্বতী পোস্বাধী মহারাজের বিভৃত ভূমিকা **ও হ**টা **প্রাকৃতি সহ**। শ্রীমধ্লদের বিহাভূগণ-প্রণীত বৈদ্যাদশন, সন্দত্ত ও অপ্রভ্যাশিসভাগে অলভ। ভিকা ২ টাকা, ছাল্লগণে भटक आ॰ निका माळ।

#### (यहा खडवगांत्र

≛µमञ्चामाञ्चलांठाँधा-त्रांठ छ । दननाटश्चत्र निमिठोदेवण्यास-लामात्रक की हा शानलात्मका कामात्रात्रात्मात्र दनमाञ्चलनेन भारदेव केनानी कतनार्थ एट क्रिय किसियाहरून। हेटार्य ব্লগণ্ডবাদ ও ফুটাপজাদি সংগোলিও করা হইয়াছে নাম মাত্র ভিজা ॥০ আমা।

#### উটেডভাডজামুত ও নগদীপশভক

গোরগায়দ ত্রিদতী আমং প্রবোদানল সরস্বতী প্রশীষ भूगः, व्याप्तभाव स्थापत् किमिकाय भवत्र हो त्यापामी महावाद সুক্রাধিত অব্যাহ্রণ স্থাত চ বহাপ্রবাদ **সম্বাধিত** নব্দীপ্রতক্ষের জিড়েরিবিনেদে হাস্তবার প্র**ভারদান স্থ** ভংগছ প্রীমন্ত্রণপ্রানুর একটা ত্রিগণরাছত আসৌকিক চিয় व्यवस्य इंडेबार्ट्य । मृह्ण ७ कालक छरक्छे ( व शाम একাতে ) ভিক্ষা ৮০ জালা, জড়ি ওর্যা বাগাই স্বাক্ষ্যক্ষেয় ्र छाना माज।

#### ভাভাৰ নিকট চিঠি

राहेर जनाती, भाराध्य

ক্ষেত্ৰ ভাইটা,

**८व**न्हें, कृषि धामलक हिक्रि निश्चित्क বলিয়াত বিস্থ নিথিবার স্থায়েশ করিয়া উঠিতে श्रीतन-मन्ना करेडा वार्कित।

যাবার বেলায় ভোমাকে আর কি ভাষু এইটুকু বলিয়া আফ ভোষাকে আনীকাদ করিভেছি, ভুলি নিংস্থার্থপর হও, গরের চঃখে ভোমার क्षरा कक्षरात्र मन्तर्गिकगीवाता खनाहिए

অংশি আৰু তোমাদের ছাড়িয়া সাইতেছি বশিষা ছঃপ করিওনা, ভাই। 'পুষা মাইতেছিলেন। সুগ সুগ ধরিয়া এই যা ওয়া-আগেটে বিশ্বকে স্থাব করিয়া রাথিয়াছে, তার বুকের ভিনি কংগ্রেদ্রভালন তুম, ১৯ টুরিং প্রাণ-স্পান্ত পামিতে দেশ নাই। স্থাব উপ্তের ব্যিমান লাখন লাখা প্রান্থীয়া কিছু থিদিবার নাই। প্রাথার অংশেষ , ছাওবিল্পুলি ফাডিয়া ন তার চলিয়া ভালবাদা ও আশীর জানিবে।

ट्डामात "नीरमन कः"

#### বৌদির নিকঠ চিট

a->@ (Afeib, 41410)

cally.

এইমাত্র ভোষার 5িহিপানা পঞ্চিমা আমার জীবন-কাহিনী কানাইবার রামাণ इडेल मा। किहे या कामाहेव यशाला। আমার গ্র কথাই তে৷ পৌমানের বুকে চিরকাল আঁক। থাকিবে। ত্রুভ কালির অ'চড় কি ভাছাকে আরও উদ্দেশ কবিয়া ভুলিতে পারিবে পূ আমার যত অপরাধ ক্ষম। করিবে—এছনোর মত বিদয়ে। ভালবাদা ও প্রাণাম কানিবে।

(四)和13---127生出(9)

#### भीटनम **अटअन कें**। शीटक मानाष्ट्राटन প্রতিবাদ

मीरमन खरलुत भौतित अভियान এवः ডাহার মৃত্যুতে শোক প্রকাশ। করিয়। ক্রিচা, মেদিনীপ্র, ভেলকালী, ধুবড়ী, मिमाञ्चलत, ङामानलूत, लुत निया, स्मराति ( বস্তুমনে 🔒 সাম্ভ: (হাওড়ায়) বাববিধী -বর্তমান, উন্পাসপর প্রেড়াত ভাবে সভা, भिष्टिम '9 क्लाउन्हा बहरा (७ ।

#### গান্ধীলীর প্রতি ভারতবাদীর পরামর্শ

हेब्र: इंडिया शिक्षकाय शाकीकी अक স্থাকরযুক্ত প্রবংশ কোন আমেরিকা ভারাদী ভারতবাদীর দীর্ঘপত্রের কংক ভলি অংশ উদ্ধৃত করিয়াছেন। উহাতে উভ ভারতবাসী গান্ধীপীকে আমেরিশাগ ২টেডে লিসের করিয়াছেল, কারণ-'আমেরিকার অধিবাদিগণ ছলার এবং ্দেল্ট ব্যাহীত আর কিছুই ভাগ বুঝে না। দ্যানাদের কর্তীয় আবশুক্তার রস্ত

া সহামুত্তি আজনের চেটা না করিয়া আপুনি যদি আমেরিকায় আমেন, ভাচা হইলে ফল হয় ভ সম্পূর্ণ বিপরীত হইতে

#### भगाक्षिर्ष्ट्रे छेत्र कर्छनात्रिक

गाह प्रदे कुनाई अकृषि छैदायायांगा २६क घाँरगारक। में स्मन खरश्य भैनती সুশ্লাকে মৃত্য ও ৰোভাষাত্রা খুইৰে বলিয়া कर्मकञ्चन कण्डानकन्त्री यथन श्राप्तिन বিভারণ করিতে দিলেন, সেই সময় রাজ-ু সুহার জিলা মান্তি টেট বিভাগতে কেমি-শ্লাবের স্থিত মোডবে ক্রিয়া মেই ভান

शास्त्रण निर्धातः इटेटर प्रियश राज ।

#### तत जन डाकाड शह

নেগলে ভরাইয়ের ব্রথকের টীফ অফিসার কড়ক এর ভন থাকারে রভ **५इंग्राहर । ५इ अन्या निम्न स्राह्म** द्धनः निष्ठित्र प्रान्तियः (त. ५२% जनान्) **६हेगा** शिवार्षः, एरश्लास्त्रहा গ্রেপ্তার।

#### কংগ্রেস অফিসে ভল্লাস

নেত্রকোণ্ড কার্গ্রস সাক্ষ্য ও কার্য্যস কমিটার স্পানকের গুড়ে গানাভল্যে করিষ্টেড এবং কংগ্রেম্ অফিনের স্টেন ্ৰাপ্থ(না ল্টয়া (প্রাতে) বিস্তাত বিবরণ পারেল মায় কাই ।

#### পাটনা বোমার জের

৪ ২৮৫শ জুন এর্রিপের গ্রেনার বে त्त्राभा विष्णात्रं बद्या शिशाद्य, स्मद मुल्कुटका क्षुविद्वता एमक दूसम इंदेश भिगाटक। उटन दशास अनु नि.काट পদ্যথের প্রাফ্রের বিশোটের অপ্রেক্তা **316**1

खड़े भगदात (अप चार्टल खड़े) गांगलांत इनामी डेब्रिय उदेशन महानना सन्। ग्रहाडा

মারও প্রকাশ, প্রজিগ নাকি কম্বরবাগ काक्ष्य प्रतिकृतिक एके द्वामात न्याभाद्य धकेते। मध्यत् आतिकात कतिएड भातिगाछ কন্ধবার্যে এক জন যুবক পিন্তলের গুলীতে প্রাণ হারাহয়ছিল এবং ঐ ব্যাপার ध्यम 8 तक्छ शदन चाहु व वादि ।

#### আবগারী আইনে দশু

রাজ সিং নেপানী এবং অমর সিং নেগালী গত ৰুণাার কেনেল সাউণ রোডের এক বাড়ীতে মদ প্রস্তুত করার কালে গ্রেপার হয়। গ্রুকলা শিয়াল मरव्य भूभिम माजित्द्वेष्ठे आविताशी चाहरतत् ४५ (क. भातात्र उठाविशयक দোষী সাব্যস্ত করিয়া উহাদের প্রতিত ম্যুস লখ্য কার্দেও বিধান কবিয়াছেন।

#### भागनादम करदशम मछा

ধানবাদ কংগ্রেস কমিটার উত্থাবে धानवाम हे डिन्टर्स इक छन-गुरुष्त धीर (वसम इंडेसाफिया। राक्षप्रात जी।क क्रमध्कमा साथ के मुख्या गरूका करतन। ্রিনানবাদ কংগ্রেম্ কমিটা ও কয়জা অভিয ভারতীয় কথাচানী স্মিডির সভাপতি द्धीपुष्ठ (क. उन, (मनक्षत्र मकार्शावत कारिन शहन करियां हिट्सन ।

প্রীয়ত রাষ নিস্মত ভাবে কাতীয় সংগ্রাম এবং দেলের বভ্রান অবস্থা मक्रक बङ्गाच्य करनसम् किंग्स युवक-१० ८क क्राडीस मर्अपम ८मामनान अन्तक ও।তার আনেলালন স্মধ্য করিছে অভ্যাত कर्मन महाभाष अभूत (मन्ध्येष मुक्ताप्र नक्षा कालना

चेत्र कमन्त्रक दश धानदान ए রবিয়ার ভারেও করেকটি বঞুতে করেয়া (801)

#### মুড্ন গ্ৰহ

পুলিব্ৰী ভইবেছ ১৮ কেন্টোৰত শ্ৰম্ম महिल पुरंत इ.क.चे स्ट्रा धीर चार्रिक्ट **७**इग (७ वर्णिश किर्याटिं। भागभा<del>ग</del>ित 'कार्स्या' सामक भःनाम भिद्रहरूम । ভারকামওলের দক্ষিণ দিকে অণ্ডিভ द्धरं अञ्चित्र नाम ১১ श्रामात महिला।

#### শিশদের প্রতি বড়গাট

निश्रमण्यानारमत । शिक्षांनिष्ठिम छनी । ४५-লাটের নিকট যে সকল অভাব-অভিযোগ জ্ঞাপন করেন, ভত্তরে বড়বাট আখাস भिया तत्वन त्य. विश्वित मध्याञ्च मध्यभाव **७ कांगामत आर्थित छाकि ग**्राट्ड अनिरायक्ता कता कता हम, दमक्का किनि अक्य क्षकात ८०३। कतिराम। मधनात अभ इटेटड शामरहेतिय रेनहरक শিগদের অভিনিক্ত প্রতিনিধি এইণের त्य व्यञ्जाव कत्रा इहेशात्क, खादा खिनि क्षात्रज-मृतिवृदक कानाइटनम । व्याहम- जिल्लादक रूला कवित्र। निवादक । क्रीका वावशास्त्र यपि दकाम निश्च विस्था বিচক্ষণতা অর্জন করিয়া পাকেন, ভাষা इटेट्न डाइस्मित्र हाइस्कार्टित करणत नाम निरम्भा क्या भवरम दिर्वहना कता काहारक ध्वावीस क्या हम नाहै। हर्देश

উপশংহারে বড়লাট বলেন - আমায় পুড় বিখাস বর্তমানকালে পরকার বিজ্ঞানী मानी, व्याखिकमी मार्थ, बाका ध्वर करिय-তার যে ঘনমেঘ রাজনৈতিক আকাদকে আন্ডের করিয়া রাখিয়াছে, ভাষা কাটিয়া বিয়া আবার নীল, নিশাল আঞ্চাল আলু-প্রকাশ ক'রবে। প্রশারে**ছ বোহাণড়া** क्ष्या महत्याभीकाहे दक्ष्यण दहें कुद्याना पुत्र করিছে পারে: নির্মাণ আকাশ আবার ८५ था मिटच--- बागात अहे विश्वामत्क কাৰ্য্যে পরিণার করিছে বিদ্ধা আমি আগনাদের সাহায়ের উপর নির্ভন্ন করিব ध्याः शांधि ७ मपृष्कित यूग किवाहेश আনিভে চেটা করিব।

#### म ७८न वष्ट्र छात्र कार्याक्रदम भाषीकी

गिः शाकीरक वरुषा विवास सम कमन अरसम्भ काम देखिन भीत (य নিময়ণ করিয়াছেন, ভিনি ভাষা প্রচণ ক নিয়াছেল। **লীগের পক্ষ হুইছে লভ্**ষ अ मार्टिक होरतित सामाश्वादम बि: शाकीत বঞ্চার আয়োজন **হটতেছে। গারীতী** -:!:: ८क आनावेशाटक त्य. **मध्ये शह**रन िली 'केश्यारमस निमञ्जन स्रक्षा क सिर्देश । কিন্ত ভারতব্যে মালোধ মীমাংসা স্থরে (नक्षण (भागरमांच दमचा बाइटल्ट्रह. ভাষ্টে ভাষার বঙ্গন বাংলা নাও 1 551 P 6 5 8 2

### কংগ্রেসকর্মীগণের ছডিলাভ

নোভোগ কংগ্ৰেদ কমিটার সম্পাদক শ্রমূত নিক্পম মিত্র, পুলন। জিলা ছাত্র-সমিতির যুক্ত সম্পাদক শ্রীযুক্ত অপদীশচন্ত্র খোল ও অভাতা ১৩ জনকৈ কম্ভা ভাকতিরি দম্পর্কে গত ১৩ই ছুন প্রেপ্তার कता है था। मःवाम भावमा शिमारह. পুলিদ তাহাদের বিকারে কোন অভি-গোল উপাছত করিতে না পারার্ট ভাগাদিগকে গভ ৬**ই জুলাই ভান্নিখে** विना भट्ड मुक्ति ८५ अमा स्हेमाट्ड ।

### নিজিত ব্যক্তিকে হয়া।

**৬ই জুগাই ভাত্মিথে মার্কিনালার** প্রাণিনিনি অনিবাসী প্রাহ্লাদচক্র দাস বিজিত অবস্থায় তাঁথার খরে নিছত হইরাছেন। व्यक्तान (क ना कांदाता वजीव प्राविद्ध घटत हिक्या दकान, जदब्रम, नाशद्यः কৃতি ভাষার কোমরে বাবা ছিব বলিয়া ত্ৰব্ৰগণ ভাষ্য লইছে পাৰে নাই। श्रीवारमत एवस हिनाक्ष्य, किस अवस्थ শ্রীবাম' টোল—-ক্রমীপ

শ্রভিনারে থার প্রভিনারে প্রভিনার ১১ প্রভিন্ন ১১ প্রভিন্ন ১১ প্রভিন্ন ১১

**इंकिस श**र

TOE



শাণাবোর হার
ভাগ্রিম দেয়
বাধিক ৯
বাগ্রামিক ৫
বিজ্ঞানিক ২০
নাগ্রিমানিক ১
নগদ
প্রতি সংখ্যা ৫

ভাষতের পর্নতি বছল-এচার-শদীরা জেলার একমাত মুখপত

७ विष

শশাদক—শ্রীত্মতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি

[১১৩তম দংখ্যা

প্রিটৈডলামীর শ্রীধাম মায়াপুর-তেওশে আবাঢ় বুনবার, ১৩০৮, ১৫ই ভুলাই ১৯৩১

### নানা কথা

### भाषीबीत मिक्ट वक्ष्माट्टेन टिठि

মহাত্মা গান্ধী গত ১১ই জ্লাই রাজে
বড়লাটের নিকট হইতে এক চিঠি
প্রাইলাছেন। চিটিবানি বোমাই গবর্ণ
নেওঁর মাল্লমত মহাত্মা পানীর হাতে
লেগুলা হটুলাছে ১২ই জ্লাই সকাল বেলার
গুলাকিং কমিটার সভা আরম্ভ হইলে
চিঠিবানি সম্বন্ধে আলোচনা হয়।
প্রাকাল, সলস্তাল বড়লাটের উত্তরে সম্বই
হইরাছেন।

মহান্দ্রা গান্ধী ১১ই রাত্রে স্থরাট বাত্রা করিবাছেন। স্থরাট হইতে ভিনি সিমলার বাত্রা করিবেন এবং বড়লাটের সহিত সাক্ষাৎ করিবা সমস্ত বিষয় সহক্ষে আলো চনা করিবেন।

শুরার্ফিং কমিটা যে বড়লাটের চিঠিতে সন্ধঃ ক্রনছেন তাহার একটা ম্পষ্ট প্রমাণ পা ওয়া পিয়াছে।

#### नायं किमीत तिर्लाई

সাক্ষারিক সমস্তার সমাধান সম্পর্কে সাথ কমিটা প্রস্তাবের যে থমড়া পেল করিরাছেন ওরাকিং কমিটা সে বিশরে আর ও আল্যোচনা করিরাছেন। অভঃপর ওরাকিং কমিটর সভা ১১ই জ্লাই সন্ধ্যারই শেষ হয়।

#### গাদ্দীলীর লওন গমন নিশ্চিত

প্রকাপ, মহাত্মা গানীর গণ্ডন যাওয়া সকলে এখন আর কোন সংশন্ন নাই। গানীকীয় গণ্ডন যাত্রায় ঠিক পুর্কে— আর্থন মানের প্রথম সপ্তাহে সম্ভবতঃ

## নবদ্বাপে সভ

গান্ধীন্দীর নিকট বড়লাটের চিঠি

## অর্থের বদলে জীবননাশ

চীন ও জাপানে যুদ্ধের সম্ভাবনা

## অনশ্নে আত্মহত্যা

তিন হাজার তোলা রূপা অপহতণ

## বড়লাটের সফর

কংগ্রেদ মন্মীদের প্রতি মহাত্মা গান্ধী

## দিল্লী ষড়যন্ত্রের মামলা

কান্দিয়া প্রামে ভীষণ দাঙ্গা

নিখিল ভারত কংগ্রেস কমিটির অধিবেশন হটবে।

### ১৫ই তারিখ সিমলা গমন বড়লাটের সহিত আলোচনা

বড়গটের গৃহিত আলোচনা করিবার জন্ত মহাস্থা গান্ধী ১৫ জুলাই সিমলায় গমন করিবেন।

#### কংগ্রেস কল্মীদের প্রতি মহাদ্মা গান্ধী

ভারতের বিভিন্ন প্রেশে সরকারী কর্মচারিপণ গান্ধী-আরউ ন সন্ধি মন্ত ভিল্প করিছেছেন—এইরপ অভিযোগ করিয়া বহু কংগ্রেস নেতা এবং ক্রমী মহাত্মা গান্ধীর নিকট চিঠি বি বজেছেন। মহাত্মালী এই সব প্রের অংশবিশেষ উদ্ধৃত করিয়া ৯ই জুলাই ভারিপের

শ্টাং ইণ্ডিয়া" পত্রিকায় এক প্রাবস্ক বিশিয়াচেন। উহাতে তিনি বলি-তেচেন:—

"বহু স্থান হইতে অভিযোগ আসিতেতে যে, স্থানীয় কর্মাচারিগণ দিলীর চুক্তি
ভঙ্গ করিয়া গণ্ডবিপণ্ড করিতেছেন এবং
সমস্ত দেখিলা ভাষিলা মনে হইডেছে, গেন
গ্রন্থিকি কংগ্রেসের সহিত সুদ্ধে অবকীর্ণ
হইয়াছেন। সেইজন্ত প্রায় প্রত্যাক কংগ্রেস কর্মীকেই তাহার। সন্দেহের
চোগে দেখিভেচেন। আমি এই স্ব চিপ্তি অনেক দিন চাপা দিয়া রাখিয়াছিলাম এই আশায় যে, স্থানীয় গণ্ণমেন্টের নিক্ট ঐ স্ব অভিযোগ স্থানে
দর্থাত ক্রিলে তাহারা উহার প্রতিকার
করিবেন। কিন্তু আমার আশা ভঙ্গ
হইয়াছে।

আতঃপর মনাআছি যুক্ত-প্রেদেশের ফ্লভানপুর ও মথুরা, পাঞ্চাবের অমৃত্যর, আহালা, কুধিয়ানা এবং রোটাকের কয়েকগানি চিঠি উদ্ধৃত করিলা বাঙ্গণার মন্তর্গত কাণি কংগ্রেব ক্মিটার একধানি ভার উদ্ধৃত করিলাছেন।

উক্ত তারের তারিথ ২০শে ছুন। চিঠিতে বলা হইয়াছে—

'কাথির সরকারী কর্মচারিগণ সভির মর্ভ ভঙ্গ করিতেছেন এবং লাভিগ্র গঠন মূলক নিয়ত কংগ্রেস করিলাংকে প্রেপ্তার কবিলেছেন। স্থানীয় বেশ্যেশ্ট কংগ্রেস সালিশীবেদ্ধেন সাক্ষণে দ্বিত ইয়া পড়িতেছেন। তাহাবা এই সমস্ত গ্রেপ্তার হারা সন্ধি নই করিবান চেইা করিতেছেন। বড়গাটকে ভার করা হুইয়াছে।

## শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনষ্টিটিউট্" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

### (थाना इटेग्नाट्ड।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অতি ষরের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যয়ে সুন্দর বাসন্থানের বন্দোবস হইয়াছে। ছান অতীব স্বাস্থাকর।

সবিস্তার সংবাদের হন্য নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। সেভেচটাল্লী, সাকুর ভাজিবিনোদ ইন্টিডিউট্ জীটেচ্ছমঠ, পোঃ জীমায়াপুর, নদীয়া।

### —৫১ বৎসরের প্রতিষ্ঠিত—

উম্ধালয়ে প্রস্তুত বটীকা

হাবা শুক্রাবলা, অপ্লোষ, কোইকাঠিত, অক্সার্থ, ধ্রমভঙ্গ প্রভৃতি কভ বোলার রোগ নিয়াময় হইমাছে ভাষা প্রকাশ করিলে বড় বড় ১ওক ২ইবা পড়ে।

#### ইহা

সকল ঋতুছে বাব খার চলে ও সমান ফল প্রেলান করিছা থাকে। আছে কৌটায় ৩২টী বটীকা থাকে।

#### (क्वनमाज

জাতি কৌটাৰ মূল। ১১ এক টাকা। ইথার নাম 'আডক্সনিপ্রত্

অক্সান্ত ঔষণের তালিকার অস্ত পত্র লিখিলেই পাইবেন

আগিয়ান:-আতক্ষনিগ্ৰহ উমধালয়

২১৪ নং বছৰাপাত টেট, কলিকাডা :

### কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



মকংখলের প্রণার জন্ম ৬ আং লিশিতে ঘনীভূত অবস্থায় ছোটবোড়লের বিষমপ্রি উষ্ণ ভাষে পাঠ'ন হয়, ইহাতে উষ্ণের কোন পরিবর্তন করা হয় নাই। মূল্য প্রতি বিশিয়ত আনা, পাঁইটালে আনা, বোড্ল ১০০ আনা।

তাফিস–১১নং উল্টাডান্সা রোড, পোঃ শামবাজার, কলিকাতা

## মদন মঞ্জরী

विकास पथ व बांकृतिकात, वेश्वितनकित होत्, ब्रह्मात् करुगांच, प्रश्यम, प्रावादगांत, पूर्व वक् क्यांति व्यक्ति अकृति सक्त मध्य निर्देश बारसाया दश वस, वीदी, त्या पृष्ठ कृतित्व व्यक्तित हेनिक। युग्न वन प्रत्य वक्त होत्रा

প্রতিষ্ঠ ইবিক। মুনা চন বল মু বন লগা।

শ্রেকাপু জনকাজারি স্থাত স
প্রথমণার বাবে বাজনানের বাবা বাবেরির।
ব্রেকাপারিকাসিনী ব্রক্তিকাসি

বার্বারণ করত নতাবনকি বাবি বৃদ্ধি করিছে
ব্যান্থা। বুলা ২০ বল মু এক টাকা।
বার্বারণ কর্তিকাসিকারী, ক্রেক্ত্রান্তারী
ক ১৭৭না ক্রিকাব রোড, ক্রিকাডা।

### शहर्षामिन

বা

### কোষর্দ্ধি রোগ

ডাঃ এস্, এন্, খোৰ বিনা অন্তে, বাৰজ্জীবনের গ্যাথাটি দিয়া বৈছাতিক বাৰালাতে কোষবৃদ্ধি গ্লোগ আহোগা কৰিয়া থাকেন।

क्रमामा-

अभ्यास्त्र केन्द्र होते, वद्यवास्त्रक्ष, स्टब्स्काम्बर्ग ।

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

### দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

#### প্ৰস্ত্ৰ দিলে সম্পূৰ্ণ আত্তোগ্য

রোগী দেখাইতে ভ্রবে। অগ্রিম পাথের খরচ (যাওয়া এবং আদার)
পাঠাইলে গিরা রোগ্র দেখা হয় অপবা এখালে আদিলে বেশলী দেখির।
উষ্ণ দেওরা হয় আব্রোগ্য না হওয়া পর্যান্ত পারিপ্রমিক দিতে হইবে না।
গ্রীৰ রোগাদের খ্রচ বহুন করিবা চিকিৎদা করা হয়। বিস্তারিভ
বিষয়ণের অস্ত এক আনার ভাক টিকেট দ্রু ঠিকানার অস্তুসন্ধান

জ্ঞাকৈ ভীশচন্ত্ৰ উকীল, যক্ষা-চিকিৎসক, শো: নৈকাঠী, বহিশাল। অথবা নিমু ঠিকানায় সাক্ষাৎ কৰিখা বিভাগ্নিভ আনিভে পায়েন।

শ্রীযুত রামগোপাল দত্ত এম, এ, রক্ষনগর, নদীয়া। **শ্রীযুক্ত ৹বিপদ** সিংহ, ১১৭, বেশিয়ালোলা স্ত্রীট্, হাটকোলা, কলিকাতা।

জক্ষানি পজে! অ মার প্রজুপুর গভ ছয় মাস বাবৎ ছাজ যক্ষার ভুগিয়: মুভপ্রার ছটরাছিল, কলিকাডার বিজ্ঞ চিকিৎসক্সণ ভাগার জীবনের আলা ভাগা করিয় শেষ মুহুছের জ্ঞা অবস্থা করিছেছিলেন এই সময় প্রীয়ভ কি ভীশচন্দ্র উকিল মহাশর মাত ২০ দিন চিকিৎসা করিয়: সম্পূর্ণ আরোগা করিয় গিছাছেন। (সাঃ) প্রীয় প্রিলার বায় চৌধুনী (জামদার পালিয়া) হগুলীট্, নিউ বিলিং। করপোরেশন টেটং চিলা ট্রেণ্ট, কলিকভাষা।

## শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

भोताक 88%

মাত্র ১/১০ ডাকটিকেট পাঠাইলেই বুকলোতে পাঠান হয়।

মালেকার-গ্রন্থরিভাগ শ্রীটেডখমন, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

কেন প্রাহকগণ

## গোড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংস। করেন

---

এখানে যাব চীয় ভাপার কার্য্য---

दन्छात ट॰डिश, त्यत्मा, फतम, चाम, कमिमःती ८६ क, निम व्यक्तिके वसून,

विशादन निमञ्जन भवा, कार्छ, निवादन भक्त बन्न,

আর ৩ লং ও ৪ লংখের হাফটোন ব্লকট বলুন, সকল ভার্যট অভি দীয় ছাপ: হয়, অপত চাপাটবার পরত বাজার অংশকা ফুল্ছ।

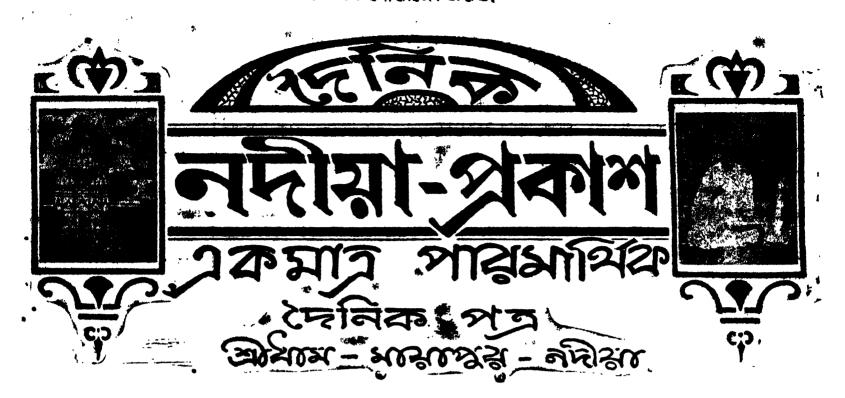
আপনার বিছু ভাগার কাষা থাকিলে নিয়ঠাকামার জানাইলেই দ্ব পাইবেন।

ম্যানেলার—গৌড়ীর প্রিণ্টিং ওঁরাক্স্ ২৪০া২ মং লাপার সাংকুলার নেড, ক্লিকান্তা।

### ব্রীল প্রভূপ।দের বক্ততাবলী প্রথম ও বিজীয় বঙ্

ন্ত্ৰিক্ষণাৰ প্ৰীপ্ৰীমন্তবিদ্যিত্ব সর্বভী গোৰামী মহারাজের সেই অবিশা বিশ্বংগিনী জীগান্ত্ৰলগোড়ে দিনী কুফকাঞ্চানদাবামিনী জীবভাগীয় মুর্জবিপ্তাহ— বৈশ্বসিদ্ধান্ত প্রথাগার ভৌশ্বন্ধনি —গলত অভিবেহ ও প্রবেশ্বন্ধনত শ্বের নিদ্ধান্ত্রনমূল।
কিন্দা একতে ১৮০ আনা মাত্র।

শ্রধান নায়াপুর নদায়া-প্রকাশ থোঁ তিং ভয়ার্কণ হইছে—কৃষ্ণকান্তি বিশাচারা ভক্তিকুসুন এল, এন, এক, কর্তৃক মুদ্রিত ও প্রকাশিত



ৰঠবৰ'

২৯ পুরুষোত্তম গৌরাস্থ ৪৪৫, ৩০লে আষাঢ় বছান্দ ১৩৩৮, ১৫ জুলাই ইং ১৯৩১ লুলবার

১১७७घ मश्या

## পুরীধানে শ্রীল প্রভূপাদ

( ত্রিদ্ভিসামী প্রীমদ্ভক্তিবিবেক ভারতী মহারাজ প্রেরিড)

গত ৮ই বৈশাখ হইতে পুনী জীপুরু কোত্তম মঠে মাসত্রগ্রাপী মহামহেংংস্ব कानस ब्रेशास्त्र। निमयकार्या वास कम পণ্ডক জীবের একমাত্র বিষয় শীরুণ্টকীর্ভনে ध्याः अक्रमिलाञ्चभगत्क कृष्णकाकि राजाप्र नितस्त्रत नियुक्त जागियात सक्ष्ये क्रमाकी विजेनक कीतम्, बीक्टफात्र निक्रकम ध्तमालांगा जीग श्रमुभारमत क्रेम्नी केरनमधान भारताकन। গত তিন মাদ কাল গাবং ভালাতের বিভিন্ন (मन इहेएड वह मोधानावस सम वहे ময়াগ্রহণে বন্ধাতিশক হুইতেছেন :

শ্রীণ গ্রন্থপাদ নিজের অর্গতম্পনের ছারা শ্রীপুরবোভ্যে ইপৌরবিহিত কীত थाठांत्र कतिवाहे निक्तिक नटहन, अधः नक्षण-শিশর দুর্জন্মনিক, কলপাইগুড়ি প্রভৃতি স্থানে ভঙাবিজয় করিয়া নিম প্রাণনাথেয় সেবা প্রচান্ন করিভেছিলেন। কিন্তু জীপুদ বেত্তিন মঠবাৰী ভক্তগণ ও স্থানীয় প্ৰকাশ मब्बनमध्नीत क्षांच व्यक्तित वित्नव व्यवस्थातम् वान्यस्थानस्य अभिनेताः नारंपन्न भीगारमारम अमछ एरेना गङ २००५ जावाह हरे ज्नारे प्रमाप ज्नी व्यवस्थान পর্যারাধ্য প্রভূপাদ পুরীধামে ধারা কল্পেন। "কলিকাতা জিলোকীয়নটেয় মঠাণ্যকপ্রাসুখ 'पष्ट' च्या अयर महत्रमानी नान्त्रमञ्ज महत्रपठी गकन राष्ण्य ८३गान औरावरे व्यक्तकन क्तिशक्तिन । - अन्य अपूर्णात्मत्र श्रीहति-কীর্দ্ধনের বিয়াম নাই। গাড়ীতে বসিয়াই, জ্ঞানে জনে শ্রোভার সংখ্যা বৃদ্ধি পাইতে লাগিল। জীগ প্রাত্থানও তলগত চিত্তে ক্ষাৰ্ভন করিতেছেন। এমন সময় ট্রেণ চাড়িবায় শেষ ফটা পড়িগ। সঙ্গে সঞ্চে সকলেৰ মধ্যে একটু চাঞ্চা প্ৰকাশ পাইখা কেন না, অনভিবিশ্বেই অপাণিব সঙ্গ ছাডিয়া গোলোকের কীন্তন প্রবণ भंदर विकास स्ट्रेस्ट स्ट्रेस । अकटनरे দতাং প্রশাস করিতেছেন, এমনুসময় গাড়ী इद्यापिक्षा क्रिक्षा

भत्रम मगान आइभाग भाष्ट्रीय मनकात ভিতৰ দিশা ভক্তগণকে দৰ্শন দিতে। লাগি-লেন। গাড়া চলিতেছে, স্বতরাং , অলকণ গরে ভারতাণ দুরে পড়িলেন।

গাড়ী জভনেগে চলিতে কাবস্ত করিল। াণ প্রভূপাদ তথ্য আমালিকার সংখ্যা-নান কারতেছেন। লোকশিক্ষক লোক গাবন প্রভূপাদ শ্রীৎরির বিচার্ডম জন इट्टेश ५ मर्गानाम शब्द बाशक (प्रशासी-জাণনি আচবি ধর্ম জীবেলে শিখায়। व्यालटन मा टेकटन धर्मा निशान ना घारा ॥

-- এট প্রাভূ-আচরণের অমুসরণ এবং সঙ্গে সঙ্গে শ্রীচৈওক্স-আমেশ--र्षंत्र कृषः रतः कृषः कृषः कृषः हुन् रतः रात । हरत त्राम हरत तीम त्राम द्राम हरत हरत ॥ মহা) প্রভু কঙে কহিলাম এই মহামন্ত। ইহা ৰূপ গিয়া সবে করিয়া নির্দ্ধন্ধ ॥ ইহা হইতে সক্ষরিদ্ধি হইবে স্বার। সর্কাক্ষণ বল ইথে বিধি নাহি আর। —পাশনে ত্রীচৈতনামনোষ্টীট প্রচারেরই व्यामनं स्मर्थाहेरमन् ।

मरवामाम पूर्व इं**रेज** प्रतिभूषिक **ন্দলকে ঞ্চি**রিনেবার **উপদেশ দিডেছেন। বিজয়কা**রী প্রভূপাদ রাতি ১২ **ব**টকা পর্যান্ত

ভবকুপে দিলেক ভারিলা ৷

निक्षांसरी जागारक कारत जारूकः शिमृत्य भरगगावना शिक्तिकथा सामवात । भोजाध हाताहेगाम। अहे ७५८ कालक **সময় চলিয়া গোল। অভি প্রাক্রা**নে প্রাক্রণাদ উঠিৰা শক্তি চভাবে - তাঁভাকে পণ্ডনং প্ৰানাম ' ক্ষিলাম। দেখিলাম, জিনি গ্রীনালিকায় কবিশ্ল সহরের বছ লোক অ'নিত্রা জীহাঞ্জে विभागन-"वर्षे। वाक्षितार्षः । भाक्षे क्रेकः छ अध्यात ध्रवातम् अकाम क्रिलान । चानिन, प्रका चुनुन।" प्रका चुनियांत गरम गरम स्टब्स साहरून कहनर इस অধ্যাপক জীবুক্ত নিশিকায় সাহদল এম,এ. क्टिनाची, क्रकिक्रभाकत महत्त्रमय ज्यानिश প্রস্থাদকে প্রশাম করিলেন। ফটক **क्रिमिक्त मार्केड (मनक्सा**ल्य छ **মেৰাক্ষাণ্যের সংবাদাদি লটভে লই**ভে পাড়ী ছাড়িশ, শঙ্গে সঙ্গে আফে দর বাবুও माथिया कारणन ।

২৪শে আষাঢ়, ৯ই জুলাই বুরুপাভিবার की : « मिनिटिंग मगव भूगी ८डेमरन गाड़ी ভক্তগণ ভারধোগে পরনারাধা 🞒 অভুগাদের পুণীতে শুভাগমংনয় সংখাদ পাইয়া পূর্বাফুই 🕮পাদ পরমানন ব্রহ্মারী বিভারত-কাম্ধ কজগণ টেশনে উপস্থিত ছিলেন। গাড়ী **টেসনে থানিবার** সচে স্পেই সকলেই দিগ্দিগত কল্পিত করিবা

मामृत अवस्थात প্রিক্রপা পূর্বক উটিগ্র উন্স প্রভুপানের জান বোলগা স্বরিলেন। বহু লীলাবিজ্ঞমের কথা কীউন করিয়া িন্তিগাদগণ শ্রিস প্রভুপাদকে পূজা ছিলেন। কিন্তু আনি ভাগাধীন। কেনন: ;— থারলেন। বানপ্রস্তু, গৃহস্থ ও ব্রহ্মচারিগণ देन्दी मांग नगाएकात्र, बमाइका दम्हे एक एक । महिल्ल मण्डवर खनारम होत्योत्रत्योत्रस्त्र ু পুঞা করিলেন।

স্থাসভিত্ত মোটবঘানে শ্রীল প্রভূপাদকে कविराणन । भागम भागम धाङ्गातम डिक्रीहेम खीलुक्यमाङ्ग मध्ये भागम कविराणन. সঙ্গের ভারুগণ্ড প্রাভূগাদের অভুসরণ कतिराम । ज्ञीन अञ्चलन मानित इनेएड बार्मिन भाषात्त्र औरशोरात्र ଓ आबार्धा-আমাকে ডাফিলেন। আমি ব্যক্তভাবে যিনোদ মাধ্বজ্লীউকে বন্দনা ক্রিপেন। প্রার্থাদ পণে অক্তর আসন পরিপ্রহ জ্ঞীনাম প্রচণ কবিতেছেন। একটু হাসিয়া স্বব্য ও ন্য করিবেন এবং প্রাভ্রপাদের

> रेन कारम अवगावासा खीम शाह्नभार ্বাভিঃ কইলেন। প্রাথমে ঠাকুর হরিদাসেব ममान मन्मिद्ध गावेश महिल्ल मध्य প্রধান কর্মিয়া যোভহতে সমাধি পরিক্রমা করিলেন। জ্ঞানগণ্ড ভাষ্ট্রারণ করি লেন। ভাবভাবাকোল প্রাভ্রণাদ কড ভাবে কত কি ভাবিদেন, জাহা আমরা না ब्बिरण ७ **डॉब्राय वहन्य ७८० व्या**नक स्टाउ প্রাঞ্চালিত হট্টল।

ভৎপত্নে পাণবৰুনতে আমিল কোৰায় পাঠকীর্ত্রন হয়, জোনু কোন্যতে কোন্ কোন ভক্ত অবস্থান কাৰন, সন্ধান শইগা আসন প্রিপ্রাহ করিয়া সমুদ্রের দিকে ভাকাইরা একটা লোক পড়িতে লাগিলেন। সমৃদ্র দর্শনে यमुनाविकासलीला-দর্শন**কারী ब्रिटेन्ड्स्ट्राल्य डेक्स्ट्रिट्स्ट्राक । अस्** भाम ভাববিভোর **ছই**না ব্যাখ্যা **क**विल्ड আরম্ভ করিতেছেন, এমন সময় সিদ্ধবকুল

गठित महास महाताक कीवन उद्य पान বৈষ্ণবাচাণ্য প্রভূপাদকে ঘথাযোগ্য সন্মান প্রদর্শন করিলে প্রভুপাদ স্মানন ছাড়িয়া দাড়াইয়া ভাহাকে অভার্থনা করিলেন এবং পুণক উচ্চাসনে বিভে বলিলেন। কিন্ধ বৈষ্ণবাচাধ্যের সম্মানজ্ঞাভা মহাস্ক মহারাজ সেই আসনে না বসিরা ভূমিতেই **উপবেশন করিলেন।** ক্বঞ্চকাঞ্চ দেবা-বিজ্ঞানপ্রদাতা প্রভুপাদও ভূমিতে উপবিষ্ট

মহান্ত মহারাজ নানাদেবাকাগো বাড থাকায় প্রাতে প্রভূপাদের অভাপনার ভঙ্গ ষ্টেশনে যহিতে না পারার কল্প তঃথ প্রকাশ করিলেন। প্রভূপাছও তাঁহাকে আগত করিয়া ভীহরিকথা আরম্ভ করিলেন। প্রায় দেড় ঘটাকাল হরিকণা কীন্তন হইলে স্কারাত্রিকের স্ময় উপস্থিত দেশিয়া মহান্ত মহার।জ অনিজ্ঞাসথে এবং এ:থিতচিত্তে 'আগামী কলা পুনরায় আসিব', रिनिया विनाय नहेरनन ।

### রাজ্যি-ছুহিতা

দিনাকপুরের রাজ্যি রাও্যাঙ্গে কুমার ত্রীয়ক্ত শর্মিশুনাবাহণ বায় বেদান্তভ্ষণ এম, এ, লোক্ত মধ্যেমর শুদ্ধভিকি প্রচারে ঋাসুরিকতা, বদাসতা ও দেবোংশাহিতাব ভারের পাঠকগণ অবগত আছেন। রাক্ষি বাহাত্যের অন্তর্মনে ভদীয় সংযাল্য প্রমা ভ্রক্তিমতী ভূহিতাও ক্লিযুগপাবনা-বভারী ভগবান শ্রীগৌরস্কলরের আচরিত ও প্রচারিত বিমল প্রেমধক্ষের কণা প্রবণ এনং শুক্রন্থক্তি প্রচারে যেরূপ উৎসাহ প্রদর্শন করিয়াছেন ও করিতেছেন, ভাষাও বাস্ত-दिक ७५'ए७ **कामनंद्रा**नीय । ताक्रिंस शास्त्र নংখাদরের প্রমা ভক্তিমতা কলা লীগোডীয়-३.३१कडे दक्षमानकात्व द्वीनग्रहाथच ६ ত্রসম্বর্গ রোক্ষামিবর্গের প্রান্থবিত শুদ্ধ ভক্তি-পুনঃপ্রচাবের একমান জীবস্থ প্রতিষ্ঠানকংশ উপলব্ধি করিল কিছুসিম পুরের উচ্চিয়ায়াগবভ ১০ম রন্ধ প্রচারের করু আরুক্রা করিয়া-ছেন। আমলা ভ্ৰিল বিশেষ আনন্দিত ছইলাম যে, উক্ত ভক্তিপ্ৰাণ্ মহোদণা বর্ত্তমানে কন্থানোক-কভের। ও শানীরিক অস্কৃত্বতা-নিবঋন রোগশয্যক্ত পাধিত: পাকার স্থাং প্রীপৌড়ীয় মঠে আগমন করিবরে এক। সূত্ৰ ইচ্ছাসত্ত্বেও আসিতে অসমগ্ৰহর। **Elcolishuazतकक व्यक्त निक्रे** डी छक-জৌরাজসেবার্থ ২৫০, টাকা আদান করিয়া-্রেন। ভগবছক পিতার আদর্শের অনুসরণ কারেণা ভক্তিমতী ছহিতা জগতে চর্লচা কিছ আন ব্লেমি প্রাক্ত মহোদয় ও ভদীয় কছাৰ মধ্যে একপ দুটান্ডেরও আদশ দশন

করিয়া আমাদের আনন্দের দীমা নাই। 📚 জগবান্ ভক্তবৎদল রজনাথক প্রকৃতি-গোস্থামী মহা**শা** আসিলেন। তিনি সংখের বিষয় এই বে, কুমার বাহাছর হঞ্জিজন ও প্রকৃতিক্সনের স্কুম্বর না করিনা একছ-ভয়ের পার্থকা হৃদ্ধখন করিতে পারিয়া-ছেন। ভগবান ক্রীগোরস্করের পাদপ্রে व्यामात्मत्र आयना--- अत्म सद्वाननसङ्ख পিতার আদর্শে অহুপ্রাণিডা, যে: এতমা ভক্তিমতী ছহিতার চিত্তবৃদ্ধি এনপ্রভাবে গুরুগোরাখ-সেবার উত্তরোত্তর দক্ষিত হউক।

### च्छा चि रत्न

( প্রতিভ শ্রীশাদ মন্দলাল কাব্যভীগ বিহাদাণর বি. এ, ভক্তিশারী )

( 2 )

চিত্তহ্রণে স্থপ। অভএব ব্ৰহ্মচানী ও বভিদিগকে যোৱিমাতিৰ স্ব-ুল্কন হটটেও গেতাৰ মতক হটটেড উপ্লেশ দান कतिहारधन । এই नियस শ্রীমরালাপ্রভার ভোটে ছবিলাস-বঞ্চনসালা প্রতেরেকরই স্থান করা আনতাক। 🗲 🙃 15% विद्यम् विश्वम् । जनरम्यात काल्के भूत বচনাবলীকে বথাৰ্থ মনে কবিয়া ভাষাকে উদ্যানপালনে নিযুক্ত কবিলেন। ভদব্ধ দেবদেবা কাবেরীতে নিডা তিস গমান ক্রিয়া, উদ্পুত্র ও ত্লদীমানিকা দাবা স্ক্লিত ইট্যা বিপ্রপাদ্ধরে বিকাশবন্দন সম্পাদন পুথক ভাহাব নিয়াবিত দেবায নিবভ থাকিল। বিপ্রাও মাধুকরর্ভিতে প্রাপু গাড়াদি খ্রীবিফুকে- সমর্পণ কবিয়া निरकत (जाकनारासम् (प्रतानवीरक (जाकन कराष्ट्राच्या । এই প্रकार मधुम्ध भूष्प, उन्नी প্রাভৃতি সুক্ষের মূলখনন, সোলবালবন্ধন, জন্মেন্ন প্রভাত প্রিচ্যায় নিবস্থর ব্যাপ্ত থাকিলা, প্রচণ্ড বায়ু, বর্যা, শীভ, আক্রপ महन भू पंक (प्रवर्गनी) मर्का छोशवर्ष्णन पात्र। অগ্রভার শেলভুলা বাকা অরণ কবিতে করিতে কিয়ংকাল যাপন করিতে লাগিল।

এইপ্রকারে প্রাণ মধ্যাস অভিক্রম হইতে চলিল, দেবদেশী নিজাভীইসিকির কোন প্রকার বক্ষণ দেখিতে না পাইলা অভান্ত চিস্তাগন্ত ভটল এবং রক্ষেশ-সমীপে অভীব কাকৃতিস্তকারে সুপাইম্বারপুর্ণ প্রেতিজ্ঞার বিখয়ে জাপনাকে ধিকৃত করিতে লাগিল। দেউ বিপ্রাধির কঠোর বৈরাগ্য, ভারুশদ্ধণ-लावपावडी कामिनीत मर्नान शतायुवडा, বতেবহাদিপী চবেও কিজাগাভাব, আরাম-দেবানিদেশে বিবৃত্তি, এমন কি, বনবুক্ষ।দির তুল্য মেহণুক্ততার অঞ্যোগপুর্মক জীরঙ্গে-चरतत भत्रवागक। व्हेश भूनः भूनः প্রতিজ্ঞার সাফল্য প্রার্থনা করিতে লাগিল। জনের শিক্ষাদানার্থ তাহার প্রার্থনা অদী-कांत्र कतिरमन।

क्षमा वर्षाताविकारम यक्षान्त्रवारहत्र সহিত ভীষণ বারিপাত হইতে লাগিল। পুন: পুন: বিছাৎ দুরণ ও অশ্নিসম্পাতে বহিংস্থিতা দেবদেশী জীবনজীতা হইলা পর্ণশালাক্ষণিত বিঞানারায়ণের ধানদেশে উপস্থিত হুইল। রক্ষেশপ্রাসানে ভূমীয় চিত্রে দেবদেবীর প্রতি করণার অবির্জাব হ ওরায় তিনি তাহাকে কুটীরাভাস্তরে ष्याञ्चन अहम कविर्ण जेलामम मिलान। সেই বার্মাবীও স্ত্রোগ পাইয়া মধুৰ বাক্য প্রোগ ও পাদসন্বাহনাদি কাগ্যে বিপ্রকে নন্ধঃ আত্মসাং করিতে माजिन । ্মশঃ অগ্নির নিকটত স্বতের স্থান সেই স্থীচনিত্র দেইগণেরও ছভ্টের, মহাছ্যা , ভারণ। মুর টার সমীপে যৌরনাক্ষ্য বিঞা-कथा कि १ देवांकश्रह विविधायाक्षण उपयोग । भागार एक फिन्न स्वी इंड व्हेंग द्वार के स्टर সালুগ্র সম্পূর্ণরূপে কাম্প্রাণ্য হইয়। নানাবিধ জীচা কৰিতে লাগিল। এডাদ্শ্রবৈবাংগ-বান, আজন্ম লচবত সেই বিশ্বশারী যোগিদ রূপ। বৈদ্যবী মাধ। অভিক্রম क्रक्रकाया इडेश (मर्डे (काकिक्रनांसियो কমাল দেনলৈ ক্লামেম ক্লোকে এক(ন্তু বুলী ভঙ্ ত্র ভাতার পাণ্ডাঃগ रकार्य (प्रदर्भती काशमारक शास्त्रकार कुर्देशी विरश्हना कारण शुरू व्याणमन পুলক নিনিধ বসন ভ্ৰণথাৰা সীও অঞ্চ-लावणा विश्विष्ठ कतियः मानर्गदम दलाटरालः क्तुवन्रह (महे भसन्द्रमा कान्द्रन्य क्रिक्र-মাধ্য বিপ্রমারায়ণের সংখ্য অর্ডকাড়ায় त्र शक्तिल विश्व क्रांग मनावन्त्रन, ्रमराज्ञताचि अधवालिकाच निकार करीया टम्हे लिलाहीत कराल आधाममनेल करिएकन. সেই বিপ্র বারবনিভাগ্তে স্কল। সেই বেখ্যাভোগে নিরত থাকিন ছচিরনিটা রক্ষেশ্সেরা একবারেই পরিভাগে করিলেন।

### গ্রীকৃষ্ণসংকী র্তুন

( ইয়ুক্র। স্বণ্ণা দেবী )

(3)

<sup>এ</sup>বড্ডিমিলিডা মংকীঠনং भक्षीक्षेत्रम् ।"—সाधूमश्राक्षत्रश्य कृषः मः कीक्षत्र শব্দের এইরপ ব্যাখ্যা করিয়াছেন। শ্ৰীনানসঙ্গী ঠন ব্যতাত ক লিক অধারত मन्दर्भ कीरतत्र शरक निष्ठा निःर अग्रम धन অপর কোনও সাধন নাই। সমীর্ত্তনপিতা শ্রীগোরস্থন্দর সনাতন উপাসনার এই পরম স্থকৌশলটি জানাইবার জন্ম কলিযুগকে ধক্তাহিধক করিয়া প্রপঞ্চে শুভ প্রাকটসীলা তুবিস্তার করিয়াছিলেন। সত্য, তেতা, হাপর ও কলি—এই চতুর্গের অভিধেয়

একু নহে; সভাবুগে ধানি, অেভাবুগে বজ, দাপরে বিশ্বপরিচ্যা ও কলিতে হরিকীর্তন गरणाञ्चनिभिष्ठे চत्रमण्या। हात्रिग्राव धरे চতৃৰ্বিধ নিভাক্তা ভতদ্ৰ্গোচিত ভাবে ক্লফভোষণের উপযোগী।

পরসহংসকুলোপাক জীমদ্বাগবত বলেন,---'ক্তে ধক্যায়তো নিষ্ণু বেভারাং বহুতো পবিচ্যায়াং मदेशः। चांभदन ভদ্মবিকী ওনাং॥"

ওদ্ধ সক্ষপে অবস্থিত হট্ছা, দশবিধ-নামাণরাধ বর্জনপূর্বক সাধুসঙ্গে নিরম্ভর र्शतकी छन्हे स्वकृतन कनिकैत्तन 'क्रकट्यमा' লাভের একমাত্র উপায়। নায়াইড ফলি-कोत्यत ध्रान, यक, व्यक्तनानि माभरनव मन्तूर्ग মহাৰদান্ত শিবোমণি प्रने न 🚉 ক্ষাট্ড ভকু মহাপ্রত্ব এই নামপ্রেম-সহামণি বিভ্ৰণ দাবা স্থা অবভারে অদত প্রম গোণ্য নিধিপ্রাদানকানী বালগা পরিকীন্তিত হুইরাছেন। শ্রীচৈতক্ষাবভারে শ্রীহরি নিঞ্ছে স্বভক্তি সুখনার প্রাদাতা।

অধকাজিত কলির মান্ব মনো-প্তু∞বাংগ: অসং 6ি**ভা,** অসতা কর্ব অন্তাদিপকে পুর্বভাবে গ্রাস করিপছে। নিৰূপ দশ্মজাস্ক আমরা দানি করিতে প্রবৃত্ত eইলে বাস্তব সভাবস্তর ধানের পরিবটে বুঁ, পুর, ফলোব ও বিধন সম্পত্তিরই খ্যান কারব, মান্ডেগীর বছবিধ চিন্তচমৎকারিণী লীলা আমাদের নিকট ধ্যে-বিতাহরূপে প্রভিভাব ১ইবে। আবার বিবাদশী**ল** এই কলিযুগে তেতাযুগীয় মানবের মত বছবিধ যজ্ঞসভাবের ধারা কটুরূপে বক্সজিলা কবিবার সামগা, স্থাগা ও আগু: কাছার ও माहे, ऋधताः यद्धविधि-शामात्म गरकाचत **জী**বের क्री निमुख्य ভৃষ্টি সাপন সাগাতীত। হাপর্যুগে অহুটিত বিশ্ব-প্রভিন্যাও এইকালের বংকীবের পক্ষে অসম্ভব ৷ কারণ, ভাহাতে স্থান, কাল, পাত্র ও নৈবেছাদির শুদ্ধাশুদ্ধির প্রতি বিশেষ সভক দৃষ্টি ও অফল্মবিচারের অভাবগুকতা রহিয়াছে। কলির মহব্য मञ्जान—च्हायु: '३ हक्तम ; मःमात्र-निर्कशस्त्र ভাড়নায় সকলো বাভিবাস্ত, তাহার জীবনের অৱ সময়ের মধ্যে শৌচাশৌচ ও কালা-কালের বিশুদ্ধতা গকা করিয়া পরিচ্যা-সাধনে নিঃলেগ্স লাভ অগুরণরাইত। ভক্তর প্রমদয়ানিধি অভিনত্তৰেশতনয় নব্ৰীপ-পুরন্দর ত্রীগৌরছরি কলিকব্লিড সর্কাপেকা সহক ছ:স্থ জীবের পক্ষে ও অুগাগা ভূষ্ণকীর্ত্তন-বিধিটা প্রবর্ত্তন ক্ষরিয়া নিখিল কপতেরঐ মহত্বপকার সাধন कतिशास्त्रम

## গ্রন্থ পরিচয়

### **ভীমদ্রাগবত**ম

व्याप्तार्वि क्रकटेवलायन त्वरताम अवीष्ट भूग है यन-मश्राहाग्र-कृष्टा छार्श्या-निर्वयहीका : श्रीमश्रवित्रनाथ हज्जनही ठेक्ट्रिक मात्रार्थमनिया किया, वशास्त्रवाह, भः ४७ अस्य ६ **নেই খদ্ধের প্রতিপাম্ব কণাশার, অণ্যা**য়ের প্রথমে ঐ অধ্যা**রের সারসহ হুবিস্থৃত তাৎপ**র্যাদি নিরত। প্লোকস্চী বিষয়স্চী, অধ্যারবিবরণ, পাঁত্র ও স্থানস্চীসহ উত্তম काशरक छेडम व्यक्तरत मुक्तिछ। व्यवम इहेट्ड ১०म द्रक প্ৰান্ত ছাপো শূৰ্ণকাপে শেষ হইয়াছে। ভিজা প্ৰাথম हरें एक क्या क्या विशेष राज्य । स्थाप क्या राज्य राज् PR# 80 1

#### 🕮 🖺 চেত্রত বিভারত।

**ীত্রীমন্ত্রিকা নোদ্যাকুর রচিত 'অম্ভন্মবাহভাষা'** 🛊 🕮 🕏 মছকি নিদ্ধাল সরস্থতা গোস্বামী প্রতৃপাদ লিখিত 'অফুডান্যে শ্রুতি-খুড়াদি বহ শাল্পথ্যাণ স্থলিত হ্ইয়া অকাশিত ইইরাছেন। লোকের সাধ্যব্যাখ্যা, বজাগুরাদ ও প্রভাক পরারের পুরে সংক্ষিপ্ত অভিদেয় সংযোগিত। প্রত্যেক অধ্যায়-প্রারম্ভে কথাসার দেওয়া অংছে। স্থাক প্রার, শব্দ, স্থান, পাত্র প্রেছাতের স্বরুত্ব সূচী ও গ্রন্থকারের । বিশ্বত জীবনী সময়িত এই এপ অভ্যতপুকা সংখ্রণ উতঃপুকে कृष्णाणि ध्यकाशिष्ट इस नाहे। फेंडम कानाइन लाजिलाएं। त স্থিত সুল কুমাজনে মুলালে মুনিত ইইয়াছে: এই প্রায় ১৫০০ প্রায় সম্পন্ন । ভিকা বছনালে ৫, মাত্র I

#### <u>ট্রীটেডহাভাগবঙ</u>

গ্রন্থকারের ভাষনী, প্রতি পারক্ষেদের ক্থাসার, বিস্তৃত **्रोडीय कारा. अक्टरी.** श्रात की, विषय-कान धार्याप-সূচা, প্রস্তৃতি বিবিধ বিষয়-স্থালত বিশ্বাট খিতায় সংকরণ ভবল ক্রাউন ৮ পেজী আকার। আদিলালা ও মণ্ডের कियाराम व्यक्तांशक कहतारक्षा करम करम वाकांशक इडेट्ड्या अधिम जिला ६ होका, आमि मौनाव किया ५ ।

#### **ब्रिटेड एक मनन**

এই এলের একং, অভিনব স্থলর সংখ্রণ আর কুরাপি প্রাকাশিত হয় নাই। সংখ্যত লোকাংশের অব্যয়, বঙ্গায়বাদ, ভাষা, কথাসার, তথা প্রস্তৃতি সহ খণ্ডে গণ্ডে প্রকাশিত হইরাছেন। মূল মোটা অক্ষরে ডবল ক্রাউন আটপেড়া वृद्याकारत हाला इदेवारछ । भूगा २॥- ठीका । असीवा ख्यान ७ (वीष्टीरम्य आवस्त्रात्त त्राक्ष अ। • हेकि।

#### শ্রীমন্তগবদুগাড়।

-- প্রাভীর বৈঞ্চবাচার্য্য অপ্রাকৃত র্গিকচুড়ামণি ইটিবিখনাপ চক্রবৃত্তিগৈত্ব গোখামিকতা সারাধব্যিণী ট্রাসমেতা ও প্রীটামন্ত্রিকবিনোগ ঠাকুর-প্রণীত 'রসিক-বুলন' নামক ভাষাভাষাগহিতা। অধ্যায়স্চী, মাতৃকাক্রমে ।লাক-স্চী,বিধর-স্চী,গ্রছকারের জীবনী ও অবভরণিকাদি अश्यद्वर्णक किका २ केका माळ. गामात्रण अश्यद्रण-->॥• होका माज

### শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

ও বিষ্ণুপাদ এডিমছক্তিমিছাপ্রসূত্রভূতী গৌখামী মহারাজের দেই অবিভাবিধ্বংস্নি कीनाश्चलक (भारतीभनी क्रक-कार्काननमाग्रिमी कीवस्व-वागित भू छै- विद्धार --- (वशःवशिक्षाश्च-त्रक्षभाषाक (कोल्डिस वि-- मुक्कामास বেভববিজ্ঞানাগণবেধ নৌশিক তথা--পঞ্চধাত্ত ও ভাগবঢ়ের শ্ৰপ্ৰ প্ৰপ্ৰ-মছ: জন-১ ব্ৰচ্চিত্ৰ-শিক্ষক-- চি বিধাস চিলাল-আজিশন, তথ্য ও বিবৃত্যাদিয়ক। প্রতি ক্ষের আদিতে অচিলাখ-বিচারক-এখনা ও মাধুলারদের মৌলিক গ্রেধণার --- শবর, অভিদেয় ও প্রয়োজন তরের সিদ্ধান্ত সম্ভা

> ১। প্রথম অগু—বৈষ্ণবদর্শন, শ্রী ওঞ্চর, কাল-थम, जीमध्यानिकांव, द्वीनार्वकानवी, शाक्षत्राविकी मीका ও বর্ণ-বিচার, আত্মান্ম ও মনোন্মা, ইটিচভর্তান ও ভাহার শিক্ষা, অপ্রাক্ষত সহক্ষম ও প্রাকৃত সংজ্ঞা প্রা**জ**ি বিংশতি সংগ্রাক রয়ে *জ্*ণোভিত। ভিকা স ৮০ বার স্থানা।

১। দ্বিভীশ্র অভ্য- ভদা ও বিদ্ধা ভক্তি, মঠা ন e্রেট্ডা কোণার, আত্মার নিশাবৃদ্ধি, জীলব স্থামিলাল ও मामानाम, बीरणीत-निकानन अगुरू, डिगुरणत सम्ब ६ ३ %-কীর্তন, শ্রীব্যাদপুদায় শ্রীমন্থাগ্রতের কীর্তন, প্রত্থিব-धारमंत्र महिमा, मधा श्राम, श्रीत्यातिम, श्रीक्रशामुश्राच्यान-थम, क्रीमडी ११७१४०किमी, **और**5एटलब महा, ट्योतकक्षा ८ इक्षमदी हम--- ४५ मन वाशना सम्तिमाशून-वकुछ: निस्ट्रिक। এক ট কা মাতা।

প্রথম ও বিভায়— ভই খণ্ড একরে লইলে ভিজা ১৭০ (PB 5141, 514 435 ማሪደተ

#### ই মত্ত্বাবদগীতা

(भो डीय-टेनकवमर्गनिक-८मध्त किक्रीमन्द्रमय दिखा-इम्लक्षण ভाषा । श्रीमहकितिरनाम शकुरत्रत् श्राक्षण तक-ভাষার বিশ্বত 'বিস্পর্জন' নামক ভাষাযুক্ত। অন্যায়-ত্তী, বিষ্ফ্ৰতী, ও প্ৰতি সোৰের প্ৰথম ও চুটীয়া গ্ৰন্থ একল ভিকা ৮০ মানা মাত্ৰ। পাদ জড়ী, ভাষুকারের ভীবনী প্রস্তুতি স্থলিত। উংক্ট ব্লেট, বাজসংগ্রণ ( চুট্যি সংগ্রণ ) এতেব किका २, हैं।का।

#### প্রয়েরতাবলী

खीमधनाम्य विष्याकृषण-अनीष देवसन्त्रमानम्, स्टब्स् গোবিনা-ভাষ্যাদি প্তিবার প্রথম গ্রন্থ টংক্ট কালিতে ছাপা। প্রণিখন টীকা ও প্রাঞ্চলবন্ধারুবাদ সাহাল্যে অতি সহতে বাল্কেরও বোধগ্মা হইয়া থাকে। ভিকা া৵৽ আলা মাত্র :

#### **জীনবর্দীপধামমাহাত্তা**

্ল্যাণ্থও) সামুবাদ। জারি-খুডাদি গ্রছে খ্রীনব-দ্বীপের যে ম্বিমা কীটিত আচে, ভালার মূল সংস্কৃত ও অনুবাধ। ভিলাত' আনা।

#### গ্রীপ্রানবদাপভাবতরক

পরিক্রমার ৫%ব্যাদি-বিষয়ক। ভিক্ষা। আনা।

#### ভজিরতাকর ও মবছীপ পরিক্রমা

শ্রীপ নরহরি চজবর্ত্তি-ঠাকুর-রচিত। ভত্তিরস্থাকর হইতে পরিক্রমাংশ মাত্র গৃহীত; এজীব গোস্বামী কি প্রকারে শ্রীনব্দীপণামের পরিক্রমা করিয়াছিলেন, ভাচাই পছে বিবৃত। ভিক্ষা। 🗸 ন্থানা



ত্রী ভিক্তিবিনোগ ঠাকুর-প্রণীত। ক্রীচৈতভেটহাতে भिकाञ्चनानी-द्रक, क्रक्रमंकि ७ तम-दक्ष ७ मृक स्रोत-মড়িখা ডেগডেগডের—সাধন-মির্ণর—প্রয়োলন-ডত্ত্ব, কর্মন का थ. ा नगामित निहात -- रेननी छक्ति, छावछि छ ্ৰেমভ্জিন্থ নামভ্জন-প্ৰণালী ও অইকালীয় লীলা-পরিচয়াদি প্রথম শিকাণীর উপবোগী করিয়া সর্ব ভাষায় সমুদ্র যুক্তি প্রমাণসভ লিখিত খাছে। চতুর্গ সংস্করণ বাধা २, টांका, व्यावाधा ১५० টाका यात्र।

#### গৌড়ী কণ্ঠহার

डीएशी हीत देवश्रदशरलत अञ्चल कर्छ धांत्रगरमाना লাভি স্থাতি পুরাণ-পদরাতাদি সাজত-শাল্পান্টের প্রমাণাবলী বিনয়বিভাগ্কমে শানুবাদ গুলিচ্ছ। এইশ্লপ বৈধাৰ-ি,ক'ছের সার্গমন্ত্র অন্ত কুঞালি প্রকাশিত হয় নাই। ইচাতে শুক্তর —ভাগবত— বৈশ্বৰ- পৌর—নিত্যা<del>নৰ—</del> —অভিবেদ সাধ্যভক্তি—ব্গংশ্ব আশ্রম-দর্শ — ভঙ্কশার্ক - श्रीनाम- প্রায়েকন ও প্রমাণ-ভর্গুলি পুথক অধ্যায়ে স্থ্যতৎ গোৰাদি ক্টাস্থ উৎক্লই এ**ন্টিক কাগলে ব্ৰোগ্ন** র কালিতে মুদিত, উংক্ট বাধা সোনার কলে নাম লেখা। গ্ৰন্থ প্ৰায় ৪০০ পৃষ্ঠায় সম্পূৰ্ণ। ভিক্ষা ২০ টাকা মাত্ৰ।

#### श्रीमनदीनमाम-असाननी

द्धीयन कि दिर्मान रे देन ति कि 'भागमाहाका-धाम-মাহাত্যার সাভাবদ প্রমাণ খত-জীল নরহরিচক্রবর্ত্তী হাকুরের ধাম পরিক্রমাংশ—ই⊪ধাম নবদীপ পরিক্রমা—তীপ-যাত্রা পদ্ধতি-শীনং প্রবোধানকঞ্চ নবদীপশতকম-শ্রীমুখ্ জিবিনোদ সাকুরের শ্রীনব্দীপ ভাগভর্গ প্রাভূতি

#### শ্রীছরিনামায়ত ব্যাকরণ

ভীজাব শোষামী প্রায়ুপাদ-বির্চিত সূত্র ও বৃত্তি, ভ্ৰস্তে ভাৰফুল্দ শ্ৰীমছ্তিসিদ্ধান্ত সরস্থতী গোস্বামী মহারাজের বিভত ভূমিকা ও স্টা প্রভৃতি সহ। অজভাবিতভাবে খ্লাল। ভিকা ২ টাকা, ছাত্রগণের भटक आ॰ होका माजा

#### (वमास डक्नांत

ক্রীল্যান আভেছাচার্য। বচিতে। বেদাজের বিশিষ্টাবৈতবাদ-। প্রচারক ইভাষ্য প্রাণেতা মাচাষ্যপ্রবর বেদাখনবন পারের कुलायांकी क्युनार्थ यह छेख्य क्यियाहिन। देशात বঙ্গালুবাদ ও প্রচীপত্রাদি সংযোগিত করা ইইয়াছে নাম মাত্র ভিক্তা। ত আনা।

#### ঞ্জিটেডকাচজ্রামূভ ও নববীপশভক

পোরপারদ জিল্ডী শ্রীমং প্রবেশেনক সরস্থাী-প্রণীত শ্রীঠাকুর ভক্তিবিনোদ শিখিত। স্কলিত গাতাকারে । মূল, প্রভুলাদ শ্রীমন্ ভক্তিসিদ্ধান্ত সবস্বতা গোলামী মহারাজ সন্ত্রাধিত অধ্যয়েশে বাথেও ও কোন্ধাদ সম্বলিত। মন্দ্রীপশতকের উচ্চিতি বনেদি সাকুরের প্রান্থবাদ ভ ত্ত্বসূচ শ্রীনমালাপ্রভূব একটা ত্রিবণরঞ্চিত আলোকিক চিত্র প্রায়ত হরষাচে। মুলাও কাগত উৎকট (২ থানা ভক্তে ) ভিকা ৮০ সানা, অভি হুরমা বাগাই সাজসংকরণ ्र् हाका भाव।

## · विकित

আমছাকৈবিনাদ সৈক্র-প্রেন্ড। এই একমান প্রস্থস্থানে কান লাভ কবিলে প্রেমাথিক রাম্যে কিছুত্থই
অন্তান বা সংশ্রম বাকিবে না। প্রম গুড় গম্ম বিষয়ক এইকপ্রার ও সদয়পানী প্রস্থ এ প্রাপ্ত প্রকাশিক হয় নাই।
নিনিলগোস্থানি শাস্ত-মতোদানি মন্তন্দলে এই প্রথাপ্ত
ইপিত হুইগানে আন ক্রিন্ড ক্রিন্ড ক্রিন্ড
সম্ভ ক্রা হুইয়াডে। বিবার প্রথ,
সোনার ভালে নাম লেখা, উংক্রাই ব্রেন্ড—চতুল সংস্করণ
ভিস্থা ২ ট্কো মান।

#### প্রেম্বির্ন্ত

শ্রীস্থারণপ্রত্বর শ্বস্তবিক্ষ পর্যাব শ্রীর কণাদানক প্রেছ্ বিস্চিত। এই পৃথ্যকে অতি স্থাপবোধা কাগার মহাপ্রাহর কাহিপার লীলাসত বৈক্ষরাচার, থেকাদনী ও নামাভক্ষন-প্রেনার্গী প্রাকৃতি জনেক বৈক্ষরাভ্যারের স্থান্যালাগ দেপিতে পাইনোনা পান্যীকার চর্কার স্থানের বিশ্ববাধা ও প্রান্তকার্ত্তরে পরিচার্দি-সম্বাভিত চতুপ সংক্ষরণ ভিকা।।১০০ দশ মাসা মারা।

#### क्षण वर्ष करा

ভত্তনকাৰীর নিতাস্থী; সাকর ওজিনিনেদের সম্বা মনে; নিখিন শাংশের নিধ্যাদ। গ্রহণানি না দেখা প্যাস্থ কেছু বুদ্ধিতে পারিনেন না। ভূতীয় সংধ্রন ভিক্ষা ॥ ।।

#### কলিলাল চন্তালণি

নামতিথি। বীল হ'লেৰ সৈকৈরের বুণে শ্রীমবাচাপ্রভূ শ্রীনাম মাহেছা, নামাভাষ, সামাপরাধ প্রাস্কৃতি বিষয়ের যাবতীয় বিচার ভাবর করিয়াভিবেন। এই বিষয়গুলির অভি সবল প্রারে সংক্ষিপ আশায়স্ত পরিপাটিভাবে মুদ্রিত। শ্রীল ভঞ্জিবিনের ঠাকুন-রুডিত। প্রথম সংগ্রের ভিজা ৮০

#### **非利丁阿布里马萨**

শ্রীমধন্তিনিনা গৈকুর-স্চিত। প্রত্যৈক ভগনকবিশ্বানী ও ভাষপানের প্রিক্ষের একার প্রবাধননীয়
উপরেশানলীপা ল'ন গ্রান্ত। সামান্ত কেবাপাঞ্চা ভাষা
লোকেও এই ভাল কেবা গাঁতিসম্ভের ছারা অন্বর্গনিবৃত্তি
ও ভগবংসের। লাভ করিবার স্থাবিকা পাইবেন। মন্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্রা, ভিজা /১০ আদা মাত্র।

#### শরণাগতি

শ্রীমন্ত্রকিবিনোদ সাবুর রিচিত ত্রগবানে আত্মসমপণ, বিশ্বাধি, ভজনগালসা, বড়্দিরা শরণাপতি ও নিক্ষি-লালসা-বিষয়ক গাঁতিপুর্ণ, ভিজা ২০ জানা মাত্রে।

#### भेडानली

ীঠাকুর ভজিবিনোদ-প্রণীত নিতা ভজন, আরাত্রিক জ প্রদান-পেবনাদি-বিধ্যক মধুর গাঁতসমূহ একত্রে গ্রাণিত। ভিজা /• আমা মাত্র।

রণিকৈপ্রশৃক্টনোলি প্রিমার্থনাথ চক্রবন্ধী ঠাকুর-বিরতিত সম্প্রদ: শুমার্কিবিনোদ ঠাকুরের অস্থ্রাদ-মং। ভিকা। আনা মাত্র।

## जीवनश्री:

শ্রীমন্ত্র প্রক্রিয়া ও ক্রীন রঘ্নাপ দাস পোস্থানীর প্রতি শ্রীকণ গোস্থানার উপদেশবালী, ভাউপপের অফুকুল ও প্রতিকৃশ বিদয়ে শ্রবিগারিত সংখ্যাদন ভাষ্য, বিশ্বত বিরতি, চরিভায়তের প্রমাণ, সাধ্য ব্যাখ্যা ও মহাজ্ঞাপ্রেলিত ভঙ্গবেল্যো শীভ্যমুহ প্রত্যেক ক্রোকের স্তিভ্রারবেশিত হুইয়াছে। এর সংকরণ ভিন্যাকে জানা।

#### माध्य-क्र

ভীরখুমাণ দাস গোভামীর মনঃশিকা, জীল সাকুর । ভজিবিদোদ-চরিত পঞ্চাল্পনাদসহ। ভিকা ৴• আনা

#### প্রেমগুরিক জিলা

্রীণ ঠাকুব নরোওমের স্থানিদ্ধ প্রেমভিজিবিধরক বানের পুস্তক। ভিজা৴• স্থানা মারে।

#### নবছী পশত ক

শ্রীল সাক্ষর ভিক্তিবিনোদ-রাটিত শ্রীল প্রবোধানন । সরস্বতীলাদের সংস্থাত নব্দীপশতকের স্থানিত পদ্ধান্ধবার। ভিক্তা সাংস্থানা মাত্র।

#### **અર્થ** পঞ্চক

ব্রীল বোকাচার্য্য রচিত। বৈক্ষরতা-আনের আক্র পুরক। ভিফাস আনামাত্র।

#### সদাচারস্থতি

্লীগ মধ্বাচানা-প্ৰণীত। বৈঞ্চনের নিতাককাটি সদাচারা-ব্লী, বছাসুবাদ সুহিত। ভিশা 🗸 জানা মান্ত।

#### মণিমভুৱী

ক্রিকুণকেশরী আমিয়ারায়ণাচাষ্য রচিত: আমিয়ারর চার্য্যের সংক্রিপ্ত ভীবনলীলা ও মূল বৈক্তবধ্যামত। সাধুবার ভিকা।• সানা মাত্র।

#### दशीत्रकृ दका मन

প্রাচীন কবি ত্রীগোবিন্দ দেব প্রণাত প্রীগোরাবভারের প্রমাণাবলী-সংবলিত সংস্কৃত এছ। ভিকাধ ক স্থান।

#### युक्तिमञ्जिक। (क्षभद्रतीत्रञ्ज)

শীমধ্বসম্প্রদায়ন্ত শীমনাদিরার বামিঞ্চ। বর্লাগরে সাম্বাদ এই অন্থের প্রকাশ পার্মাদিক সালিতা-লগতে এই সক্ষেপন। শীমনাধ্যাচাগ্য হইতে ধ্যাক্রশাগন্ধন বিভীয় মধ্বচোগ্য নামে খ্যাত শীবাদিরাক্রভীর্থ স্বাম্বী এই প্রশ্নে সাধারণ গুক্তি ও লৌকিক স্থানাম্বারে কিরুপ স্থালরভাবে ভক্তিবিরোধি-মতবাদ সমূহ খণ্ডন করিরাছে, ভাহা পাঠ করিতে করিতে আশচগ্যাম্বিত হইতে হয়। ইহাতে যুক্তির বারা চাক্রাক, জৈন, বৌদ্ধ, মীমাংসক ও মায়াবাদিমত-সমূহের স্থালর খণ্ডন রহিরাছে। ভিকা ২ টাকা মাত্র।

#### (गाचामी औल त्रच्नाथ मान

(ওঁ বিকুপাদ শ্রীণ ভক্তিসিদ্ধান্ত সরস্বতী গোলামী প্রভুপাদ-লিশিত ভূমিকা সহ) গৌরপ্রের্চ স্বরূপ-রূপের একমাত্র প্রিয়ন্তম শ্রীণ দাস গোলামী প্রভুৱ অপুন্ম চরিতাক্ত ও শিক্ষা অজীব রোধান ও পরস ভাষার পরিবিট প্রবং পরিশিয়ে দাসংখ্যামী প্রাকৃর বির্বিচিত কথক্তী সাম্বাদ মধ্যুত্তম শুর ও সমঃশিক্ষা-সংগতিত। শিক্ষা বাধাই ॥• মানা, মাবাধাই প্রেণ্ড আন্দাস্থাম।

## চিত্রে নবল্লাপ

প্রাচীন নবনীপের অবস্থিতি, তবা, উতিছ, শ্রোত ও উতিহানিক প্রমাণসম্বলিত ময়টী খীপের সচিত্র বিবরণ-প্রায় । রাজ্যির লগানের কুনার শ্রীস্কুল শর্মিক নারারণ রার এম. ৩, প্রাক্ত (লাহোর), বেলাগুড়ুনণ সম্বোদ্য কর্ত্ত্বক লগালিত এবং ৪৭ গানি বিভিন্ন বর্ণের অপুন্ম চিত্র ও মানচিত্র-নম্মতিত ; প্রাচ্যবিভাসম্বাধ্য রায় গানের শ্রীস্কুল মনেলে নাণ বহু বিশ্বকোষসম্পাদক স্থান্ত্রের বিশ্বত ভূমিক। মহ । উৎক্তি (ইং ) মরজো বানাই খ্লা ১৮০, ভি: লি: তে ২ টাক মাত্র।

#### সাগক-কর্ত্তমালা

ভাগবন্দনা, গৈক্ষ-বন্দনা, বৈদ্যবন্দ্যা, লাগালের দীত,
নিন্দান্ত্রী, ক্রীনাম্যভাগুর করোন্তর্গত লাম, কাইপ্রকর্ম
নার হারন, ক্রীনাম্যভাগুর করোন্তর্গত লাম, কাইপ্রকর্ম
নার হারন, ক্রীনাম্যভাগুর মনিমা, ক্রীনাম্যভাগুর কাইক
নার্চাণ্ড-বন্দনা, বড়্গোভামীর ক্ষাইক, প্রেমন্তর্জানিকা,
উপলেশমালা, নামভঙ্গন-প্রণালী, মহাপ্রভু ও রার মালান্দ্র
সংবান, মনাপকা, ক্রীওক্রপ্রণতি, ক্রীওক-পরপারা,
মহাপ্রভুর বন্দনা প্রভৃতি সাধক ও নিছ্ছীবনের নিত্যপার্ডা,
বৈধ্যবগ্রনের কহাপ্রিভ ভূলনীমালার ভার ক্ষমুক্ষণ করে
গার্গান্যান্ত্রা অপুন প্রভা ভিক্ষা।০০, বাধাই॥০ মাতা।

#### গোড়ীয়-গোরব

কলিকাতার স্থাসিত্র সালবাট হলে গোড়ীর সম্পাদক শ্রীপাদ স্থানর পরবিদ্যাবিনাদ প্রদন্ত বক্তৃতার বিষয় এছকারে প্রকাশিত। ইংগতে গোড়ীয় বৈক্ষবস্থাদায়ের ইতিহাস স্থাকারে প্রাণিত চইবাছে। জিক্ষা ৮/০ মাতা।

#### গোড়ার সাহিত্য

কলিকাভার ওপ্রাসিদ্ধ খালবাট কলে গোড়ীয়-সম্পাদক
প্রশাদ স্থ-প্রাসন্দ পর্যবিদ্ধাবিনোকপ্রভূ আগত্ত বন্ধুন্দার বিষয়
গ্রহাকারে প্রকাশিত। ইবাতে সাকিত্য-শক্ষেয় ধর্ম থকং
শৌড়ীয়-সাকিত্যের বিষয় প্রকারে বর্ণিত হইবাছে। ডিক্সা
।৮০ আনা মারে।

#### शिर्धाक्य तम अस्तिक्या-पर्मव

শ্রীগোড়দেশের দে সকল স্বান্ধে সপরিক্ষ শ্রীদার্যাঞ্জক্ত বেং তদমুগ পরবর্তী মহাজনগণ লীলা করিয়া লিরাজেন, সেই সব আধুনিক জৌশোলিক পরিচর ও দেববিগ্রহাদির পরিচর সহ বাভারাতের স্থবিধা নিক্ষেশ ইন্ত্যাদি বিশ্বয়গুলি স্থিয়গুলি স্থিয়গুলি স্থিয়গুলি স্থিয়গুলি স্থিয়গুলি ভিকা । ভিকা । আনা।

## THE HARMONIST OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীণ ঠাকুর ভকিবিনোদ-প্রতিষ্ঠিত এবং শ্রীণ জকিসিদ্ধার্মসরুবাতী গোষামী প্রভিগাদ-সম্পাধিত পারমার্থিক
মাসিক পত্র। একংশ ইংরাজী ভাষার অটাবিংশ বর্ষে
দ্রবদ্যরাউন ৮ পেলী ৪ ফর্ম্মা আকারে প্রতি হারে হরিমানেম বিজন-বৈক্ষকরী অইয়া উপজিত প্রইডেন্ডেন।
কাপজ, দুলেশ-পালিপাটা ও চিজাবি মাজীব ভিতাকরিক।
ক্রিক্টার উৎপ্রতি প্রবিদ্ধ স্থান ক্রেম্ম মাসিক প্রজাবিত গৌধিতে পাইক্সেন্সা। বাবিক জিলা জ্যাক্ষরাজ্ঞসাহ ক্রিক্টার বার্ষা।

#### elferin-

श्रीटेक्ककरं, त्यार जीवाशास्त्र समीवा

## বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভক্তিমঠসমূহ

### শ্রীতৈত্ত্ব্য মঠ

#### আকর মইরাজ

द्य हीम सवदील, काक्चन क्रियाम मानालुन, सबीवा

শ্রীমভাবোগপীয় ভবতে গার ৩০ বস্তু উত্তর-পূর্বে শ্রীব্রহ্মপঞ্জে ছাচার্বাছন্তু শ্রীচন্তু-(भवत-कन्द्रन चिक्रोटेन्ट अ यह निवासमान ।

এট স্থান সাধ্যত-শীর্থ, পরবিভাপীঠ বা সাম্বত ভলনপ্রনী। এট মহা সীর্বে 🚉 রি-মান্মুক্ত বাক্বপাদি-বেগালসমূহ, পর্বিভার অন্তর্গত কাবা, নাটক, অল্ভার, ক্থা প্রমাণ-উপনিবদ-গী : - ত্র- এতান-চভুর্বের অগ্যান ও অগ্যাপনা এবং ভগার এ। গোরাছ-গান্ধ অ লা-গিনিধর ও সাত্ত সাক্ষালারক-আচার্যা-চত্ত্রে জাভালের উপ্তি विकार्णत भावक मिका मिनियु करेएअस्म । वके मठेबारक शावसार्थिक देशनिकशक शायक-मच्चनारवत्र व्यानभागक ७ व वाहीन अहताबि व्यहातकरह 'महीवा-व्यकाम' वद्यानव রাভিটিড কর্মানেন। অভিবংসর ব্রীধাম-প্রিক্রসায়ন্ত্রান ও অপুণিভ ভক্তরোলিস্ক শীর্ত্তর অচারমুগে মহামধ্যেৎদবাদি ভকাল অভতিত চইরা গাকে। বক্ষক---বন্ধচারী অপাদ নরছরিলী। সচকারী—জীপাদ বিনোদবিকারী ব্রন্ধচারী, পণ্ডিত জীপাদ গোরদাস उद्याही कावागाक्रमधीर्व, विभाव गीत्रहस उद्याहीती, विभाव समामामान उद्याही. শ্রীক্ষণমন প্রক্ষারী, শ্রীধ্বনগোপার প্রক্ষীরী, ভক্তা নরেজ, হরিপদ, রেবভীয়েতন दायुभ म<del>व्य</del>ानभाष ।

विषिणांगी जीमहिक ब्रेबीन कीर्य महाबाक द्वारन हतिकवा कीर्तन कतिएएकत ।

#### (৩) যোগপীঠ শ্রীমন্দির

এই স্থান শ্রীক্ষগরাপমিলের ভবন বা মীম্মলাঞ্জত আবিভাব-ভূমি মহাবোগ-पैठे। ज्याम जीनमी श्रा व जैनिक-खित्रागृह किर्णोत्रमात्राहण जवर किटेव्हमा क ब्रीवाशक्रक मिका मिवा छन। जीनक-करक्षत त्मर्था प्रकेशांस । क्रम क---(मार्क-माबाबब रशायामी कहेि। हा विक विक्रमा-**बिहाधाविस्तात एकिन्द्रम, बिदाभणात अध-**हाती। अभाषनमात्र व्यक्तिकाती, स्मानाता Beiseau i

#### (৪) এবাস-অজ্ঞ

প্ৰীম্মাণাত্ৰভৰ কীউন-বিশাস বা **এগো**রলীলার বাদস্থলী। এপানে শ্রীপ্রীগোর-मिछ।। सम् ७ १क्डाच्य (भ्वा वस्मान। ৰুক্ত--- শ্ৰী প্ৰকাহকুত্বম এক্ষারী।

#### (१) छदेषक-छनम

बाहे जारम औषरेंदल शक्त करन बारर (मधा वस्यान।

व्यादमान्याम सावाकी।

#### (७) काळोड जम(वि भ.हे

**बाधीन मांबालयः, यामनलक्य (नशीया) बिलोश्डणाणाळ बि**हांबकाळी र समावि। नमम-व्याहाती कैविदमांगविद्याती।

#### (१) पांशम प्रपर-कृष

व्यादायाम्यः, अञ्चलश्रक्ष ( समीत्रा ) ·बपारम छैविकृताम श्रीम छक्तिविटमामठाकृत्वन समानि धारः खिलोक्समान्त्र धारः खेळात्राथा-माध्यम दलवा वक्यान

वक्क-- किक्थम काकाव अवहाती वक्क--- श्रीवावावव्य अववाती. प्रक्र का कियी जन, जम, जम ।

#### (৮ শ্ৰীক্ষণভাষ পৌতীয় মঠ মন্তমনসিংভ ৷

तकक--- जीवहन्त्र ककिनात्री ध्रम, ध्र वि, धन, प्रकारी-- औडेकामा क्रि-भावी, क्रिकेकम बांधकाती श्रव्यक्ति।

### (>) बिदगोत्र-गमानत्र-वर्ष

টাপালটা, সমুদ্রগড়, (বছমান ) चान वानीनात्वत शक्तिक त्नोत्रनमानव-নাথ। সংকারী জীনিভাানক এজবাসী, সেবা। রক্তক-জীংরেরাম ব্রহ্মটারী, ভক্ত क्षेत्रमाभग्न मान् ।

#### (১০ জীরপংগাড়ীর-মঠ माद्राशक, क्रमांश कंडे, लि

क्कर-- छैर्गाम अक्तात्री, महकाती--क्षेमरक्षवत्र अवस्तानी ।

#### ( ); ) ALMIWOMNE ...

माउनाहि, सामन्त्र, वह्याम। ত্রীব্যাসাবভার সাকুর সুস্থাবনের স্থান। व्यक--- अव्यक्तिकाती उष्टवानी, करू मीनसम्राम् ।

#### (১২) ভাগৰত আগৰ

প্রী গাগবত প্রেদ, ক্রক্ষণগর, নদীরা। ভাগবত্যিত্বতি গ্রন্থাবলীর প্রচায়-কেন্ত্র। ৰক্ষ--- ত্ৰীকুকানৰ বন্ধচাৰী ভক্তিশাৰী

#### (५७) बिक्राव्य मर्ह

८गाविष्यभूव, देशभागी, नमीता। - बी-विश्व बच्छाती, क्षेत्रणातीत मामानिकाती. अम्बनाव शासा, कक विद्यास

#### ( ১৪ ) श्रीमाध्य-८गोफोन्न मर्ठ

>•मर अवायम्य द्वाष्ठ्र, हाया। भूषांबद्धात क्षाहाय-दम्खा क्यादन खी खक्ष-त्शीकांक शाक्षक्।-शिक्षित्रतक दलवा वक्रमान । Botte श्वमवानम नविष्णः विष्नाम वि- व. श्रीशान-

### (३) बाटगोडी स मत

১৬ মং কালিঅসাদ চক্রবর্তী টাট, পো: বাগবাজার, কলিকারা । :Bंशिकान वि. वि. 855e

শ্রীমবালা গড়র প্রচারিত ভানত্মন ভবিশব্দ-প্রচারোক্ষেশে গোড়াদেশের নক্ষপ্রধান নগরী কলিকাভার আঁডকিবিনোর কাসনে আমিম প্রাকৃতিত কারেন। এই ভয়ক-मन्या वादम के बक्र-द्रश्रीशक-किविद्यामानक को है भनामाम । त्रांतिक वस । द्रश्रीकी আচার্যাবর্গের আনতীর প্রস্তাবলীর ওপ্রচারোন্ধেশে ইমিসে সংগর একটা ওবুরুৎ মৃত্যা-মস্ত্রাশিয় সংস্ক:িত চইরাচেন। পুলিবীর সক্ষা 🎒গোধনাম প্রচারাল এচ মন্ত্রালয় ভটতে 'গোঁথীয়' সাপ্রাচক পঞ্জ **দি হরমনিষ্ট** মাসিক পঞ্জিত ইংরা**নী ভাষান** নিয়মিতভাবে প্রকাশিত হুইভেচেন। শ্রীমঠে পাঠ, সন্তারন, সপ্রস্থান-চভত্র-বেদার, শ্রীমন্তাগণত, প্রতিত্তন্ত-চরিতামূতাদি-দীণা ও ছেব্যাধের স্নাক্ মালোচনা চটন পাকে। মঠএকক—আচাৰাত্ৰিক শ্ৰীপাদ কুৰবিহারী বিয়াভ্যণ। সহস্থী—প্ৰিত শ্রীপাদ অন্তবাক্তদেশ পর্ববন্ধাত্দশ বি-এ, স্রীপাদ রাস্বিধারী প্রশ্নচারী, স্রীপাদ अगन्धात्रम सामाधिकात्री विन्ताः जीनाम क्षत्रत्याना सामाधिकातीः अञ्चलाती खीकीखनामक, बच्छाती खीलात्रीत्याचन, बच्छात्री खीयश्लक, पश्चिक खीलाव मरीमक्क পর বিছা গছার সম্প্রধার বৈ ৬ ব:চার্যা, ইজে ছয়জ্ঞানদ:সাধি কারী বি-এ, শ্রীভ ববন্ধন জিছ ধকারী বি-এল, শ্রীমন্থপম ভাষকোবিদ, শ্রীবিশ্বস্তর প্রক্ষানী, শ্রীদ্রদয়গোবিশ

ব্ৰহ্মচানী প্ৰাকৃতি।

रशीत बन्धारी , जैनगरशीशत्र बन्धारी. 🖣ণভিত্তপাৰন জক্ত :

#### ( 50 ) 🕮 दशाभानकी वर्छ

क्यमाश्य, हाकः। গোপাপদীর জীবেগ্রন্থের প্রাচীন দেবা बक्क---ज्ञेमामग्रामन उक्कारी।

### ( ১৬ ) अभाषे-द्यार क वर्ठ

इतिकाक श्रमादिनी मका, वानिय हि छाका ত্রীগদাউ-গৌরাজের মিতা সেবা বক্ষ - শ্রীপূর্ণ প্রথম ব্রম্কর বি শ্রীম ভিলাল ব্ৰহ্মচাৰী

#### (১৭. শ্রীভাগবভজনানন্দ মঠ

किक्न निया, बाक्स विश्वत, (योगरी श्रुत । ध्यशास विश्वक-(शादाक-शाक्षक्रिका-গিরিধারীর নিভাবেরা বর্মান। রক্ত— उक्तामी औन्मवानमाम्बी।

#### (১৮) আমলাবোড়া প্রপদ্মপ্রম

वाक्षरीय दर्शः वद्याम ।

লী গুলগোরাল-**শ্রীগান্ধর্মিক।** গিরিধারীর निकारमा। इक्क--- बज्जवामी जी ब्रिन कित्नात ।

#### (১৯) जीशृक्रदशस्त्र मर्ठ

वर्गकार, भूती, केडिया। वशाल क्रैशोब-विलामभाभवकोत लिला-সেবা বর্ষান । রক্ষক -- এশ্বরেরী জীপর্মা-नम विकारक. उपाती छैनकीशानक. विभावनाष्ट्रक अवहाती **व्याप्यानम्** अक्षाती, क्ष्म वीनिमार ।

#### (२०) बिजन-दगोजीय गर्ठ

चामवरमाथ, उचानितं त्याः, भूती । क्रश्रीवर्षरवत्र क्रम्यम् अभट्य क्रिय्याहा TOWN ! বন্ধত-বন্ধচারী विश्वद्रभवती कामावकी। महकात्री---अमहाबी अविशिवविद्याती ।

#### (८५) औगछिष्यामण गठे

र्फेड्डानास्त्रात, कहेक। क्षरात डी क्षर-ात्रा बाक-नि ब्लाप ब्रह्मन-জীর নিভাসেবা বস্তমান। বক্ষক---

#### जनकारी जीगनारद खीरामनन जनकारी (२२) ञीममाखन-८गोधात्र वर्ठ

अनेर प्रशास्त्र | १न शुर्वे | গৌর-প্রাহ্মপুত সনাতন-শিক্ষার্থ।

এখানে গোর্গেরা ব্র্যান। ৫৯ক---श्रीषानकीमायको. श्रीतकामम उक्तामी ।

#### (२७) डीकुक्ट्रेड्डब्र बर

जीनु भरवताम कृष्यः जीमाम वृत्यावन । ই देवागा-उप-स्माहनयोव स्मवा। রক্ষক--- শ্রীগণভিনাথ এক্চারী

#### (२৪) 🕮 शत्रुवहरून वर्ड

निधियावनाः मोलापुत

এখানে 🗐ভাগৰত পাঠৰালা 🛊 औरनोव-विद्यान विमामकोत्र दुशवा बस्त्रभाव । वक्त मान्य -- वक्षात्री जीन भरहानम व अवहाती ञ्जीनसङ्गान ।

#### (२०) बीटेड बमुटगोड़ी स्र सर्वे

पुत्रक् था, वित्रक्था, यामण्यः हेवा चौटे6 ड#-मरठंत भाषा। तकक—चीतमा• नाथ बाह्र, ब्रीटकनशानक बन्धाबी, जीवाय **छीलं (स**वचित्रा ।

#### (२७) न्यामटगोड़ोस वर्ठ

कॅक्ट्रफंड, ब्राम्बर, क्यांग् । अभारत औश्रीविद्याम-बाद्यक स्था वस्त्रमान्। त्रभव--- उम्रहात्री जिल्लामनकी, भौननी-গোপাল একবাদী

#### (२५) खाष्मग्राष्ट्रा अश्रम् अम्न

**आभागभाषाः (**भाः नाक्, शावकः जाभारत यह कुक्त्रके मार्शिदारकत्र समा বর্ত্তমান। বক্ষত---এখবাসী জীপ্রাণকৃষ্ণ-माम, औरतमताम लक्षतारी।

#### (२৮) मिन्न दगाणीम मठ --कार्यराजक

दनर द्रिशी करन, छा कोत्र द्र्यन, किन्हें किन्नी । রক্ত-অক্ষারী শ্রীবর্ষণ, প্রাকুণশেবর শ্রী রাধারমণ্ডরশপ্রণ

#### (२०: ८गाभानभाषा अभाग अव वक्क--- अक्षात्री खी वादार मादन

#### देनीयक्रमहोत्राः

#### সহিকৃতাই শক্তি

মহাত্মালী পর পর চ্চিঠিগুলির আলোচলা করিয়া উপসংহারে বলিতেছেন :—

'অধৈষ্য কংগ্রেদ কল্মিগ্র এই সমস্ত

শ্বধের কংগ্রেদ কাশ্বপ্র এই সমস্ত শুভিষোগের ভালিকা পাঠ করিরা হয়তো বিজ্ঞাসা করিবেন—আমরা কভদিন শুপেকা করিব এবং ইহা সহ্ব করিব ং

"গত সপ্তাহে আমি যে উত্তর দিয়া-ছিলাম এ সপ্তাহেও ভাছাই দিতেছি— ওয়ার্কিং কমিটী যতক্ষণ প্রয়োজন মনে করিবেন ততক্ষণ তোমাদিগকে অপেগা করিতেই হইবে। তুইটা অক্তারে একটি স্তায় হইবে না। কোন কোন স্থানীয় शवन्त्रके यपि अश्वात कतिहाहे वात्कन, ভবে কংগ্রেসের সেরূপ করিবার কোন यंख्य नाहे। मिक्क मध्यक व्यामादनत दग কর্তব্য ভাষা আমরা করিভেই থাকিব। यनि देश जानियारे यात्र एटन स्थन लाहा কংগ্রেসের ভিনন্ত চেটা সত্তেও ভালিয়া যায়। আমাদের সহিষ্ণুভা যভ বেশী স্হিষ্ণু তা নিধ্যাত্তন হইবে---আর ভোগেরই নামান্তর মাত্র—শক্তিও আমা-দের তত হৃদ্ধি পাইবে।

#### নবদীপে শ্রীযুক্ত জানাঞ্চন নিয়োগীর বক্তৃতা

গত ১২ই জ্লাই রবিবার নবদীপে এক মহতী সভায় জনপ্রিয় শ্রীযুক্ত জ্ঞানাঞ্চন নিয়োগী মহাশম ম্যাজিক লাণ্টার্ণ দহযোগে বক্তৃতা প্রদান করিয়া-ছেন। ঐ সভায় নদীয়া জেলার বিশিষ্ট নেতৃবর্গ উপস্থিত ছিলেন। নবদীপ্রাসী ভল্ল মহিলা, ভল্ল মহোদয় এবং ছাত্র বন্ধুগণ এই সভায় যোগদান করিয়া উংসাহিত করিয়াছেন।

#### द्यारक्षम नत्यानन वर्ष्यम

প্রকাশ, ঢাকা স্যবাণে বে নোলেম
সংযোগনের আয়োজন হইরাছে জাতীরতাবাদী মেংগ্রেম গতা ও জাতীরতাবাদী
মোলেম গল তাহা বক্ষন করিবেন হির
করিয়াছেন। উক্ত সংক্রের সভাপতি
মৌলবী ইপ্রাহিম সংযোগনের অভার্থনা
সমিতির কেলন স্পত্ত হইয়াছেন। সভ্য
উল্লেম্ব প্রভাব মোলবী ইপ্রাহিমের
নিকট পাঠাইয়াছেন ভিনি উক্ত
প্রস্তাব অভ্যাবী কাপ করিছে অনিচলুক।
এইক্স ভিনি সভাপতির পদ প্রিয়াণে
করিয়াছেন। তাঁহার পদত্যাগপ্র গ্রহণ
করা ইইরাছে।

#### অনশনে আত্মহত্যা

নোরাধানী ছিলার পূর্কপ্রাস্তবিত কেনী, বজরহাট, সেনবাগ প্রস্তৃতি পানার বেলাকাধীন প্রামনমূহে ভীষণভাবে ছতিক দেখা দিরাছে। ঐ সকল অঞ্চলের লোকের আর্থিক অবস্থা কিরুপ চরমে উঠিয়াছে, ভাহা ভাষার প্রকাশ করা অসম্ভব। অধিকাংশ স্থান হইডে প্রায়ই ছর্দ্দশাগ্রন্ত ব্যক্তিগণের অনশনের সংবাদ পাওয়া য, এছে। বছ প্রামের নরনারিগণ অনশনে বা অন্ধাশনে কাশাভিপাত কবিভেছে—ভাহাদের পরিনানে শভচ্ছির বর্মপণ্ড। উচ্চ স্থদে কোথাও ধারকক্ষ পাওয়া যায় না। সম্প্রভ বেন গণ থানার অন্তর্গত ব্যস্তপুর প্রাম নিবাসী সেকেন্দার মিয়ার যুবতী স্ত্রী ক্ষুধার জালা সফ করিতে না পারিমা গলায় দাড় দিয়া আত্মহত্যা করিয়াছে।

#### मिल्ली **स**ज्यदक्षत मामला

দিলী ষড়নত্ম মামণার গুনানী উঠিলে
আসামীগণ টাইবুজালের প্রেসিডেণ্টের
প্রের উভরে বলেন যে, উচ্চারা
তাহাদের কৌয়লী সম্বন্ধে প্রথমপৃতিবার
তাহারা যাহা বলিয়াছেন তাহার অভিন রিক্ত কিছুই বলিতে চান না।

ইহাতে প্রেসিডেণ্ট জাহাদিগকে জানান যে, জাঁহারা কোন সিদ্ধান্ত কব ন আর নাই কর্মন—সোমবার ইইতে নিয়মিত শুনানী সারস্ক হইবে।

#### মহাত্মা গান্ধীর লওন যাত্রা

বিশ্বস্থার জানা গিয়াছে যে, নহায়া গান্ধী ভারত গ্রণ্মেণ্টের শ্বরাই বিভাগের লেকেটারী মি: এইচ, ৬বলিউ,এমাস নের নিক্ট হইওে জাহার পত্রের উত্তর পাইয়াছেন। ভাহাতে সালিশা বোড গান ককু মহায়াছার অন্তরেশ গ্রহণে গ্রণমেণ্টের অক্ষমতা ত্রেপন করা হইয়াছে।

মিঃ এগাসনিকে এরপ পত্র বেশা ছাড়া মথান্বা গান্ধী বড়বাটকে ফানান যে, ইতিমধ্যে কোনরূপ গোল্যোগ না হইলে তিনি গোল্টেবিল বৈসকে যোগ-দান ফল্য সম্ভবতঃ লাভনে গাইবেন।

গতকল্য বড়লাটের নিকট হটতে
মহাত্মাণী উত্তর পাইয়াছেন: মহাত্মাথীর
লগুন বাজার দিছাত্তে বড়লাট আনন্দ প্রকাশ করিয়াছেন এবং কোন অন্ত্রিণায় পড়িলে তাহাল সাহায্য পাইবেন বলিয়া নিশ্যতা দিয়াছেন।

এই উত্তর পাইয়া মহাত্মা গানী বড়লাটকে টেলিগ্রাফ করিয়া জানাইয়া-ছেন যে, স্থানীয় গ্রণমেণ্টসমূহ কর্তৃক

এলাকাধীন প্রামনমূহে ভীষণভাবে ছর্ভিক সদ্ধি সূর্ত্ত ভঙ্গ তাহার অভ্তর অস্থ্যি।।

দেখা দিরাছে। ঐ সকল অঞ্চলের লোকের স্থানী বড়লাটের নিকট হুইভে আর্থিক অবস্থা কিরণ চরমে উঠিয়াছে, উত্তরের প্রভীক্ষা করিতেছেন। উহা ভাষা প্রকাশ করা অসম্ভব। যদি অফুকুল হয়, ভাহা হুইলে বড়লাটের অধিকাংশ স্থান হুইডে প্রায়ই ছর্ফ্দাগ্রেড সহিত সাক্ষাৎ করিবার ক্ষম্ভ ভিনি সীমলা ব্যক্তিগণের অনশনের সংবাদ পাওলা যাত্রা করিতে পারেন।

বাহারা ভিতরের সংবাদ রাথেন তাহাদের বিখাস, মহাত্মা গান্ধীর লগুন বাত্রা একরূপ নিশ্চিত এবং তিনি ১৫ই আগঠ লগুন বাত্রা করিবেন। ভুতরাং অবস্থা সম্পূর্ণ আশাজনক।

#### **च्यर्थत वहरण कीवन** मान

গত ১ই জুলাই রাজে চারিজন বিজ্ঞাহী পারাবাডির উত্তর-পশ্চিম দিকত্ব এক গ্রামে যা যা উপত্বিত হয় এবং গ্রাম-বাদীদের নিকট টাকা প্রদা ও জিনিষ-পাঞ্জ দাবী করে। প্রামবাদীরা ডাহাদের আক্রমণ করিয়া ছইজনকে নিহত করে; বাকি ছইছন প্রাইয়া যায়।

থান্টেমাইওতে ৫০ জন বিজ্ঞায়ী ৪০টা বশ্বক লইয়া গত ৬ই ৩ ৭ই জুলাই চারিটা আন আফ্রমণ করে এবং কিছু টাকা লুঠ করিয়া শইয়া যায়।

প্রোমে একলা পুলিশ গভীর বনের ।
মণ্যে একগানি কুটারের ভিতর ওকল্প
বিদ্যোহীকে বেথিতে পায়, দেখিয়াই
ভাহাকে হত্তা করে।

গত ছই দিনের মণ্যে ৩৬ছন বিজ্ঞোহী প্রোমে আত্মগমপণ করিয়াছে।

#### কান্দিলা গ্রামে ভীষণ দালা

গতে ২৮শে স্থান কটক জিলায় আউন ইটেইটোর কান্দিয়া প্রাথম থান্দায়ত এবং গোয়ালাদের মধ্যে এক হাঙ্গামার ফলে প্রইপন গোক নিহত এবং সাত জন আছত হইরাছে।

প্রকাশ, থান্দায়েত্যণ লাঠীয়হ গোরালাগণকে আক্রমণ করে। প্রথমোক্ত ললে একশত এবং অপর দলে ৮০ জন লোক ভিল। দালার কারণ এখনও ভানা যায় নাই। কেল্পাপাড়া মহকুমার মহকুমা হাকিম, প্রালশ অপারিক্টেণ্ডেন্ট-সহ গ্রাম পাহার। দিতেছেন।

#### বড়গাটের সকর

বর্ত্তমান বন্দোবন্ত অন্থলারে বড়লাট এবং লেডি উইলিংডন অল সংখ্যক কর্ম-চারী সহ আগত্ত মানের মাঝামাঝি নিমলা ভাগি করিয়া পুন্যার এক মান পরে কিরিয়া আদিবেদ। ভাগাদের এই সম্মাণ সকলে ভারামা নিলী, কলিকাভা, মাচী, কামপুর এবং নৈনিভাগ পরিদর্শন করিবেন।

#### **हीम क्ष्मानाटम यूट्यत महायमा**

কোরিয়ার দালার কলে চীন ও লাপানের মধ্যে মনাস্তর ঘটিরাছে। সম্প্রতি কোরিয়া চইডে বে সংবাদ আসিরাছে, ভাহাতে মনে হর বে উপর দেশের মধ্যে যুদ্ধ আরম্ভ হওরা একাস্ত বিচিত্র নহে।

নিউলের চৈনিক দুতাবাদে প্রায়

১৫০০ জন ' চৈনিক জীত হইরা আজ্ঞা

নইয়ছিল। কোরিয়ার জনিবাসীরা

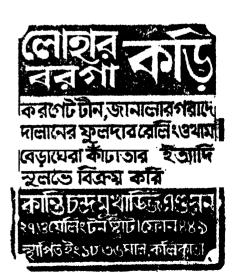
সেই দূতাবাদ আক্রমণ করে। জলে ৫০০
জন চৈনিক আহত হইয়াছে এব. চানের
দূত নিজে পলাইয়া যাইয়া প্রবর্গর
ক্রেনারেলের বাড়ীতে আশ্রম পাইয়াছেন।

#### তিদ হাখার ভোলা রূপা অপহরণ

কাইম সোব ইব্দপেক্টার প্রক্রিচারী হুইতে অপ্রকৃত তিন হাজার ভোলা রূপা চারিজন পোক হুইতে উদ্ধান্ধ করিয়াছেন। রূপাগুলি বাজেয়াথ করা হয়। এই বিষয়ে আরগত ভদস্ত সোপেকে আসামিগণকে জামিনে মুক্তিশান করা হুইয়াছে।

#### ৬১৪ জন কয়েদীর মুক্তিলাভ

গত ১৯৩০ খৃঠান্দের পাঞ্চাব ক্রেণ শাসন সম্পর্কে যে রিপোর্ট থাছির ইইরাছে, ভাহাতে দেখা যার, ঐ বৎসর সংস্কাবের জন্ত ৬৮৪ জন করেনীকে মুক্তি দেখা ইইরাছে। উক্ত রিপোর্টে ইহাও দেখা যার বে, ৩৫৩৭ জনকে ভারাদের দওকাল শেষ হওয়ার পুর্কে ছাড়িয়া দেওয়ার ঐ সংখ্যা আর বৃদ্ধি পায় নাই। না হর আরও অনেক শাঠীসহ ক্রেলীকে ছাড়িয়া দেওয়া হইত



विकाग्रम वार क्षां वारह व्यक्ति शिक्ष এতি কলন ১১ बाद कारात को। विष्य क्यांत रू চৰিত বাৰ

citin-



नारारवाद क्षेत्र माजाम (मन ৰাধিক यामाहिक 🕵 리키위 **था**कि मःथा। ,८

CO TO

मन्नामंब-श्रीकाडीत्मनाथ वत्नाभाशात्र, विमास्याकार्याक विश्वीकार्याक

**শ্রীটেডরাম্স শ্রীণাম মারাপুর--৩১শে আবায় বৃহস্পতিবার, ১৩০৮, ১৬ই বুলাই ১৯৩১** 

### নানা কথা

कानीगरश्च विवादनाटक ब्राह्मजानि নদীয়া ভেলার কালীগঞ্জ জ্লের **ভ**লৈক মুদলমান ছাত্র রাণাকান্তপুর গ্রাম হইতে কামারী আসিবার কালীন হাট পাছার স্ত্রিকটে সকাশ সাভে ঘটকাব সময় তাহার নিকট হইতে এক মুসলমান চক্ত তের টাকা করেক আনা প্রকাশ দিবালোকে কাজিয়া লইয়া গিয়াছে। श्वामीत्र श्रृतित्म भःवात्र (म खत्रा वहेत्रारह । ব্যক্তিকে পুলিশ म्याह्यमण्डः এक **ट्याञ्चात्र कतिया भटत का**फिबा नित्रांटक ।

कमरहेबरमत्र छाडि छमीवर्षन

🖏 यूक मरशक्षा छक्त एए, यत्रमनिश्टरत রার বাখ্ছর জামাচরণ রাবের পৌত্র াত শ্রীজ্ঞকুমার রায় ও বৈতৃত স্তৃমার मक्रमात कामामभूत द्यापाटि करेनक কনত্বৈলের প্রতি বিভগভারের গুলীবর্ষণ করার অপরাধে সদর মহকুমা তাকিযের ध्यमात्र चित्रुक इत। टाकाम, উङ কনষ্টেবল একজন প্লাতক আসামীকে যথন অঞ্সরণ করিতেছিল, তথন আসামী-गग ভাষার প্রতি গুলীবর্ষণ করেন। দীর্ঘ তদভের পর সদর মহকুমা হাকিম ইংগৃত ञ्जूमात्र मञ्चनात्रक मुक्ति निराट्टम এবং অপন্ন আসামীধ্যকে ভারতীয় দও-বিশিয় ৩০৭ ও অন্ন আইনেয় ১৯ এফ भौताञ्चनारत गांत्रता त्मानकं कत्रिप्राट्यन ।

(तंज्रुदर्ग नीष्ट्राप्त हिंस व्यक्त राज्य कारणज्ञ यरशा दब्रज्ञ राज्य रहि 

## কালীগঞ্জে রাহাজানি

কনফেবলের প্রতি গুলীবর্ষণ

## রেস্থুণে গীর্জায় চুরি

र्गालदेविलदेवर्ठद्व मन्य निर्दाठन

## মোভিরাজ্যে সত্যাগ্রহ

নৈশ পুলিসকর্ত্তক ডাকাতদল ধৃত

## কাশীতে বঙ্গের গভর্ণর

বরিশাল ও নোয়াখালীতে আর্থিক হুর্দশা

## অর্থাভাবে জমিদারী নিলামে

মিঃ মং মংজীর কলিকাতা হইয়া রেঙ্গুণ যাতা

প্রাতঃকাদীন উপাদনার জন্ম গাঁজার ৰার খুলিতে ৰাইয়া ব্যাপায়টা দেখিতে পার।

সেণ্ট মেরির গীর্জায় বিছু দিন পুর্নে চুরি হয়। চোর এখন ও ধরা পড়ে নাই।

वित्रमारम आर्थिक प्रक्रमा सभीवात ज्या इस करवत स्वाधिक व्यवश्रा व्यक्तां अन्ति दिश्वा के विश्वार । শ্ৰমিকদের পাবিশ্ৰমিক কমিয়া গিয়াছে। এমন কি, এক মুঠা ভা ওর বিনিময়ে ও भगछ मिन এक सन्दर्भ मिश्र कास कर्राहेश रहेश ग्रा উপवानी कृषकनम काटकत मकारम भरण भरण महस्त्र क्रुक्टिकरक ।

প্রকাশ, সরকারের থাজনার মার্চ কিষ্টীর অধ্বেক, এনন কি এক সূচীয়া প नित्म । स्विमानी अदेशकाब विक्रम करा হইবে না বলা হইবেও, ধাজনা কিতে ना भावाय, 18 के कमिनाबी धरहे विजय হটয়া পিয়াছে। সমত্ত ভিলায় যে অভিকি চুরবম্বা আত্মপ্রকাশ করিয়াছে, তাহা ক্রমেই ভীবণতর হইলা উঠিতেছে।

#### কাশীতে বঙ্গের গভর্গর পুলিলের বিশেষ সভর্কতা

সিমণা ২ইতে কলিকাভার ফিরিবার পথে বঙ্গের গবর্ণর বাহাছর গভ ১০ই সক্ষয় কাশীতে আসিয়াছিলেন। কাশী ৌটের কুমার সাহেব এবং থেট ও গভর্ণ-মেণ্টের উচ্চপদত্ব কর্মচারিগণ ক্যাণ্টন-মেণ্ট টেশনে উচ্চাব স্বস্থান। করেন। প্রথম হইতেই পুলিসের কড়া পাহারার বাবখা করা হইয়াছিল এবং যে স্পেশাল ট্রেনটিতে গভর্ণর বাহাতর আসিয়াছিলেন, সশর পুলিম ক্রমাগত উহা বিরিয়াছিল। त्त्रण अध्यक्ष का के न्या के निष्य के न कानी ८८ छोड छोड नारम भूमिरन व विश्व বাবস্থা ছিল। একাশ, গভনর বংহাছর রামনগর আসাদ প্রিদশন করিয়া कानी हिम्म विधानमानाम प्रिचित्र करा নাগেয়েহ সানিয়াছিলেন। তাহার পর ভিনি স্পেগ্ৰাল ফ্ৰেনে কলিকাভা যাত্ৰা

## শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

### খোলা হইরাছে।

অভিজ্ঞ ভাশাদশ্চরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অতি হাজেলু শহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা বাথে স্থল্পর বাসহানের বন্দোবস্ত হইহাছে। খান অতীব প্রাহাকর।

সবিস্তার সংবাদের জন্ম নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। সেক্ষেত্রী, ভাকুর ভাস্তিনিনোদ ইন্টিটিউট্ শ্রীচেতহুগঠ, পোঃ শ্রীমাধাপুর, নদীয়া।

### —৫১ বংসরের প্রতিষ্ঠিত—

ক্ষিপ্রালেয়ে প্রস্তুত বতীকা ধান ক্ষান্ত্রা, স্প্রাণ্য, গোইকাটিশ, অফাণ, ধ্বজ্স প্রস্তৃতি কন্ত গোগাঁব গোগ নিরাময় হইমাচে ভাগ প্রকাশ কবিশে বড় বছ প্রস্তৃত্ব ইইনা পড়ে।

#### ইহ

সকল পাতুতে বাবখার চলে ও সমান ফল প্রকান করির: পাকে। প্রতি কোটার ৩২টা বটাকা পাকে।

#### (क्वमां अ

জাতি কৌটার মূল। ১০ এক টাকা। ইণার নাম 'আওজনিপ্রাহ বটীকা'।

অভান্ত ঔদদের তালিকার দত পত্র লিখি:এই পাইবেন আধিখান :—আতঞ্জনিগ্রহ ঔশলালিক

২১৪ নং বছণাজার ট্রিট, কলিকান্তা।

### কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভর্ণের



মফংশ্বলের শুনিধার জয় ৬ আঃ শিশিতে ঘনীড়াত অবস্থার ভোটবোণ্ডলের াসমপরি ঔষণ ভাকে পাঠান হয়, ইলাতে উষধের কোন প্রিবইন করা কয় নাই। নুলা প্রভি শিশি ৪০ আনা, প্রিটি ৪০ - আনা, বোজন ১০ - আনা।

অফিস-১১নং উল্টাডাঙ্গা রোড, পোঃ শামবাজার, কলিকা গ

## मंजन मक्षती

জ্ঞান কা ও বাচুনিকার, ইজির্লাকর রাম,
কাবে ওজানি, ব্যবহান, বাবাবোরা, বুক বক্
কর্তান, অবিলা প্রকৃতি লক্ষণ নথা নির্দেশ আরোরা কয়। বল, বীরা, বেবা রুভি করিতে অবিলীয় ইনিক। বুলা ২০ বটা ১, এক টাকা।

- প্রকৃত্যুক্ত ক্রাক্তাক্সিক্সি স্থান্তাল পুরুষধানি বোলে বাজ্ঞানোল হালা আরোবা।
বিরা প্রকৃত্যাক্সিক্সিলা ক্রান্তালা
বির্দান্তালাক্সিক্সিলা ক্রান্তালাক্ষ্যালা
বীর্বাধান করক সভোগলাকি রামী ও বুভি করিতে
অভ্যান্তারা বুলা ২০ বলি ১, এক টাকা।
ব্যান্তিক ক্রান্তান্তালাক্সিক্সি, ক্রেক্সক্সক্সিলা

🗝 ১৭१वर साहित्रव साह, क्लिकाछा । (

### হাইড়োশিল

বা

### কোষরদ্ধি রোগ

ডা: এদ্, এন্, ঘোষ বিনা অংশ, বাবজনীবনের গ্যারাণ্টি দিয়া বৈছাতিক প্রাণাশাতে কোববুদ্ধি রোগ আংরোগ। ক্রিয়া থাকেন।

> ঠিকানা— ৯৮ নং কটন খ্রীট, বড়বাছার, কালকারা।

## হইবেন

## দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার ক্রম্মাত্র মহোবধ

প্ৰায় দিলে স্পূৰ্ণ আৱোগ্য

রোপী বদপাইতে কইবে। অপ্রিম স্থানী ব্রহন (যাওয়া এবং আসার)
পাঠাইলা গিলা রোপী দেখা লয় কবা প্রেইনে আসিলে লোগী দেখিল।
উষধ দেওরা বল আলোগা লা কপ্রা পানিত্র পারিত্রমিক দিতে কটবে না।
গানীব রোগীদেশ খাচ বহন করিলা চিকিৎসা করা করা। বিভারিত বিশ্বীশের জক্ত এক আনার ডাক টিকেট স্ক নিম্ন ঠিকানার অনুসন্ধান

खीरिक शीलहस्त में कील, यक्ता-ठिकिश्मक, (ा: देशकाठी, ब्रिक्सिक । व्यवना मित्र फ़िकानात्र भाष्ट्रांश कविशा विद्याविक ब्रामिटक भारत्रत :

শ্রীয়ত রামবোলাল দত্ত তম্, এ, ক্লামনগর, নদীয়া। শ্রীয়ত ভাগেল মিংগ, ১১৭, বেলিচাটোলা ইটি, কাটবোলা, ক্লিকাডা।

প্রকাশীনি পাত্র । আমার আফুপার গভ চয় নাস যাবৎ রাজ যান্ত্রার দুগিয়া মৃত প্রার তংরাতিল, কলিকাত্তার বিজ্ঞ চিকিৎসক্ষণ ভারের জীবনের আশা ভাগে করিল লেম মৃত্রুস্তের জল্প অপেকা করিছেছিলেন এই সমর প্রীপৃত কি ভীশচন্দ্র উকিল মহাশয় মাত্র ১০ দিন চিকিৎসা করিলা সম্পূর্ণ আরোগ্য করিলা দিলাছেল। (সাঃ) শ্রীমতীক্ত কিশোর হার চৌধুনী (অমিদার থালিরা) হল ইন্ট, নিউ বিক্তিং। করপেরেশন টেন্টা ডিলা উমেন্ট, কলিকারা।

## শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

भोजान ८४०

মাত্র ১/১০ ভাকটিকেট পাঠাইলেই বুক্পোটে পাঠান হয়।

ম্যানেকার-গ্রন্থনিভাগ উট্টেত্থমত, পো: শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

কেন প্রাচকগণ

## গোড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসে

এত প্রশংসা করেন

--কার্যল--

ः जनारन यावळीत कानाम कार्ना----

थ्य है। ब र॰ छिर, त्मारमा, करम, खाम, क्षामिताबी तह क, विश व्यक्तिहै वस्नून,

বিবাতের নিময়ণ পত্র, কাউ, বিবাতের গছট বলুন,

আর ৩ ছং ও ৪ ছংগ্রের তাফটোন রকই বলুন, স্কল ভার্যট আভি শীঘ্র চ কর, অপচ হাপটেবার পরচ বাজার অপেক্ষা প্রলম্ভ ।

আপিনার কিছু ছাপার কার্য। পাকিলে নিয়ঠা দানায় জানাইলেই দশ্ধ পাইছেন।

भारतकार-द्वी जीक जिल्हिर श्राक्त

### बीन প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

এখম ও বিভীয় খ 🤋

শ্রধান নায়াপুর নদায়া-প্রকাশ প্রোক্ত ধ্যাক্স হইতে-ক্ষকান্তি ব্রেশ্বচারা ভক্তিকুম্ব এল, এল, এল, কর্ক বৃত্তিত ও প্রকাশি।



**ब**छेनब

১৭ বামন গৌরান্স ৪৪৫, ৩.৫শ আষাচ় বস্তান্স ১৩৩৮, ১৬ জুমাই ইং ১৯৩১ বৃহস্পতিশার

ठाकुत ७ जिन्दिनाम देन्छि छिउट **লোমার্মী ভক্তিসারক প্রা**ভূৱা, তথন বৃদ্ভে শারন

### বক্তুত।

গত ১ঠা জুলাই শুনিবার অং াত্রে 🗐 🗐 বিশ্ববৈদ্যবরাক্ষমভার সম্পাদক এবং গৌড়ার সক্ষণতি ক্রীপাদ অপ্রাক্ত ভঞ্জি-সারক গোষাণী প্রাড় শ্রীনাম মায়াপুর क्षेत्रत किंदिनाम हैन्डि हेटेंहें अवश সারগর্ভ বস্তুতা প্রদান করি।ছিলেন, ভাহারই সারাংশ নিমে প্রকাশত হইল,---

( আঞ্জিঞ্চণোরাক বন্দনানম্ভর ) স্বাস্থ্য ও অর্থ সম্বাদ্ধ অনেক কণা অন্লাম। व्यामार्रात देवकव-व्यूगः, छाउताः, देवकारवत ভাষার কিছু বল্ব। আঞ্কার আলে,জ বিষয় সম্বন্ধে লৌকিক ও পারমাণিক **উडव क्षाकां** तहे व्यानक क्षा वरशहा । আমারও সময় অর, স্তরাং একটু মাত্র ঐ বিষয়ের আলোচনা ক'রেই আমার क्पां. (भग कत्न ।

**৫**:জোক শব্দের ভিনটা বৃত্তি—অ**জ্ঞ** अक्ति गांधांत्रण कृष्टि 'अ विधमुक्कि । त्याहे **ब्लब्धः प्राक्षा मण्डाकः औ जि**विध विठाटत स्मरहत ক্ষান্থ্য, মনের স্বাস্থ্য আরু আত্মার স্বাস্থ্যকে ৰুমায়। অজ ও সাধারণ ব্যক্তিগণের विकातारणका विवस्ताराज विकास दलके ক্রীরা অহ্য বশ্ভে কার্যার স্বাহাকে मुद्ध परिकन, त्य कथा व्यागात भूतवडी ্রোতী মহারাম্বও বল্লেন। আত্মার স্বাহ্য- বরূপে অব্হিতি। আত্মার श्राद्याविधादनत जेगात्र--- श्रीहत्रिगदीक्षेत्र ।

আমরা স্কুপে অংওত হ'তে "পার্ব, **बिडलवरमना : ७१:७४ - भाषातः चाराः** कानम ।

भरनत निष्यात केकशा दिशा व्याप्त অন্যামাপায়ী : নিতা ন্য : কত্বাং ভাতে ' সৌজ্গাব্**ষ** । এবংনে ভটি হ'ওেও যাস ব'লে বরণ করতে পাবলে মিত লাগু বাস্থ্য মানন্দ লাভ কর্তে পারা যায় ৷ নন্দ প্রভু আমাদের নিত্যানন্দ বিধান ক'রে। নাায় চন্ডালা আর কেউ নেই। কিন্তু আজোরতির জলুপতি এবং মনের স্বাস্থ্য কল পাকেন। যারা নিভ্যাননে ভালেব বারা অন্তর হতে ে রচেন,— । শ্রীল ঠাকুব ভক্তিবিনোদের নামে প্রতিষ্ঠিত স্বাস্থ্যের জন্ম কিছু না করার তারেই जारनत्र याका धन कर्ट (१९८८) हन, ठाँडाई 🚶 প্ৰাক্তত ধনী।

'कर्ष' वण्डल अस्त्रांकन वृक्षाः। कांनाः। रमत्र कि **व्यक्ताः न १** वना याज शास्त्र---আনশ। ছেলেপিলে লাড়ু বা থেল্ন। (भारत मुख्छे इस्, किन्हु (म ज्यानम अदि-वर्कमनीम, किञ्चलन भरत आत लाग नारा मा। ध्रममरे मनएउत छाट्याक वस, क्लाननेटिंड्रे याष्ट्रय प्रान्त वा निज्ञानम नाक कर्ता यात्र ना । কিছ থার। "অমি নন্দভপ্তক কিছা, পতিছং মণ্ বিষয়ে ভবাৰুনো কুলয়া তব পাদগক্ষকিত ধূলি मनुष्यः विकिश्वतः वं । तम् क्रकाशाम शहारक वद्रश क्क्ट (शास्त्राञ्चनः डाहारे अक्ट धानत गकाम- ८७(व(६नः।

"भिन्ने भीरक वस् धन, निक्क ६७

অন্থ রুদ্ধি করে মার: অথের অন্থত্ত া নাদের কাইবা—- দুর কারে আরত অথে নিযুক্ত করা অর্থাৎ ক্ষেত্রক্রিন্তপূর্বে নিযুক্ত ন। ক'রে পরমার্থে ন্তুত্র করাই অর্থের প্রকৃত স্থাবহার।

আখার স্বাস্থ্য বিধানের ক্লেই এই ঠাকর সহাশর গোড়েছেন,-- : এই বিস্থালয় প্রতিষ্ঠিত। যারা এই স্কলে ''ধন মার নিত্যানক''। ভাগতিক অবধ admission গেয়েছেন, তারচ্বান্ডবিকই হ'লাং দেশে একজন প্রানাক বয়কি নিতা আনন্দ নাই, কিছু নিত নন্দকে ধন' কেউ জড়জগতের বিচারে ধাবিও হন, ্ভবে ক্ষমেক ঘাতপ্রতিগাত সহু করতে িতাা- বিংবাঃ ভা≆জে জান্ত কৰে যে, ঠারে; পরিচয় দিলে। জমিদার ছেলেটির দেকের অন্তুচর, 🖟 "মহাজ্ঞানর টেই প্ল, ভাতে ৩ব অন্তুণ্ড 🖰 , অগ্রাণিস্তা প্রদান ক্রলেন ; কিন্তু আ্যাব এই স্কুলে ছব্ডি হ'লে জারি অনুগমন সংকাশ করলে। স্বভরাং বুরতে পেবেছেন কর্তে পারণেই প্রেড অধ্যান-হরে। যে, আত্মার স্বস্থ্যে না হ'লে নেহন্দের স্বংস্থা ঠাকুর ভক্তিবিনোদের আব্ধন গৌরস্থলবের দিয়ে ছম্বুদ্ধির হ'ত হ'তে এড়াতে পরে। দেবায় নিধুক্ত হ'তে পারলেই সব ঠিক, যায় না, স্নতবাং ভঃপও যায় না। নতুৰ জগতের অধক্ষকর তাদৃশ স্বাহ্য ' অক্ষন করব, যদি ভা' মাধবদেবায় गाठा, मध्य व्यक्तक खडादक दर्भ व्याष्ट्रा-বানু দেখতে পাড্চা ২:০, কিন্ত ভারা कशर उत्र मणन नां क'रत कशब्द हाल व्यानसन ক'রে। খুরধন উপাক্ষন ক'রে, থেয়ে একদিন আমাশয় ধর্লেই সন গেল।

্লিপ্ৰতিষ্ঠিত না হ'লে কোন নকল নাই। লখন । সেই অথই যথাথ সাথক, নতুৰ। তা'তে গিয়ে বল্লেন,—''মামাৰ বাণীয় অমৰাদি কিছুই নাই, এই পুত্রটিরা ভ্রমণেশেকা নিয়ে আমি বড়ই চিক্তিত ও বিপদ্রাক্ত চ'থেছি। আগনি কুপা ক'লে আমাকে এ দাৰ খেকে निकृष्टि पि"न।" अधिवात जात चार्ति **टमरण পুরুটিকে নিজ সংসাবে রেখে লেখা-**পড়া শিখালেন। ছে:গটা বেদ স্বান্থাবান ্হ'ল, কিন্ত অংগাতাৰ স্থানাশ ক্ষুদ্ৰে, ্ তারে বিধবা কজার চলিংক কলককালিয়া অপুন ক'বে মণেট ফুডজেছার (৪)

> অনেকে মনে করেন, অর্থের প্রাংত वाधःन धिक्। चाचा वावर्य निष्ठ्यहे व्यानन वाष्ट्र, व्यर्थ (পरन कि ना करा याव ? किन्ह दक्के यक्ति वरन, दहामात ছেলেপিলে স্ব কেটে দিয়ে ভোনাকে ছ'কোটি টাকা দিন্তি, তা' হ'লে কেমন व्यानन रम ?

**অগতে ভো**য়া ও প্রেয়া হটী পথ । প্রেয়া: দেহের খান্তা অঞ্জন কব্লাম। কিন্তু পন্থীদের অর্থ আন্তরের বস্তু হতে পারে, किंद्ध (अंशः भद्दीत शहर्माता उम तत्त्व अर्थ नव। দেহ-মনের স্বাস্থ্য বিধান ক'রেও বৃদি সকল ইন্টিটিউসনে এগ্রা:কণাবই আলোচনা আজার আভ্যবিধান না হয়, তবে কিজপ জগ্হয়, ছনি বার সমস্ত ইন্টিটেউসনের মূল জ্ঞান উপস্থিত হয়, ভবিষয়ে একটি প্রতাক্ষ্য ভিত্তিই প্রেরঃ, আত্মেপ্রিয়তর্পণ ; কিন্তু এই **অফিক্স; বৈশ্ববেল্ল কর**:উপকার-।" অর্থ | ঘটনা আছে। জ্লোকও এক বিধবা তার - শ্রীধান মারাপুর বিস্তুক্তের। প্রভূপাদ এই ্পের-মনের স্বাস্থ্য থাকুলেও আস্মার স্বাস্থ্য নিজেন্দ্রি বিশুবৈক্ষকের সেবা হয়, তবে পুত্রীকে সংস্থানিরে এক জমীলারের নিকট ু ফুলের মৃত্রিকা গানন ক'রে প্রেয়ের বীক

ব্পন ক'রে গেছেন, ভার একমাত্র উদ্দেশ ছাত্রগণ শ্রের:পথের অমূশীলন করন।

মাধব---লক্ষীণতি। রাবণ দেই প্রণন্মাতা नचीरक इत्रम क'रत त्थान कत्रवाच हेव्हा क'रतिक्रिन, এकथा मरन र'रन कात्र ना रुपरा Cक्रार्भत भक्षांत रुष ? जन्ती---त्रामरणांत्रा. डी(क (य एकांश कहतात कहे। करत, दम অসুর।

मन्त्री—धनाधिकांकी। स्टब्सं: अ**म** मिरव শন্মীপতির সেবাই কর্ত্তব্য। ভা' না ক'রে যদি আমরা নিজের ভোগে লাগাই. তবে আমরাও রাবণের এক একটা কুন্ত मः अन्यविष्य ।

দৈহিক স্বাস্থ্যবিশিষ্ট পুৰ জষ্ট পুট লোক দেগুলে অনেকে ব'লে থাকে,---'লোকটা যেন অহুর।' বছাক্তী খুব বলবান ছিলেন, কিন্তু কেউ তাঁকে অন্তর বল্ডো নাঃ কারণ তিনি 🖺 রামচলের অস্চর , উরে দেহ নারায়ণের দেবার নিযুক্ত হ'রেছিল। স্থতরাং ,দৈহিক খান্তা লাভ ক'রে শ্রীগরিসেঘা না কর্লে 'অস্থর' নামে পরিচিত হ'তে হয়।

উপসংহারে আমার বন্ধব্য এই যে, ভক্তিতে যার বিনোদ অর্থাৎ আনন্দ, সেই किर्वितान ठीकुत्त्रत नाम धहे क्न প্রতিষ্ঠিত। তার স্থালে প্রবেশাধিকার পেয়ে যদি সকলেই ভক্তিবিনোদনের চেষ্টা কবতে পারেন, ডা'হ'লেই এ বুলে অধ্যয়ন-অধ্যাপনের সাগকতা হবে, ন্তুবা ভাছাই कश्रक्षकां व्यानश्रम कत्र्य ।

### ভক্তা জ্বি রেণু

(0)

এইক্সপে দেবদেবী স্বগ্নে সাধ্যা স্ত্রীর স্থার দেই বিপ্রের সেবাপরায়ণা থাকিলে ভাহার ধন্দুরা মাভা বিপ্রনাবায়পের সমস্ত বিত্র অপহবণ করিয়া দাবিদ্রাহেত তাঁহাকে (भगामनीत शृह इंडेएड निकंबडारि वाहित कतिया निम । किन्न वेतिश्र मिहे तिशात মোহপাশে শুখাসিত থাকিয়া অতীব লক্ষিত ভাবে ও সর্বাঙ্গ আবরণপুর্ণক বহিদেশে শায়িত থাকিলেন। ভগংপতি রঞ্জেশ ল্লীস্থ সেই রক্ষনীতে সেই প্রে ভ্রমণ্ করিতে করিতে তাদৃশ মানব দেখিয়া প্রিয়ার কৌতুহল নিবারণার্থ নিজভক পুল্পালাপ্রদ বিপ্রের জন্দশার বৃত্তান্ত বিবৃত করিলেন। জগন্মাতা রক্ষেশবাক্যে অতীব তঃপিতা হইয়া ভক্তের ছঃখমোচনের व्यकृत्याश सामाहेरमम्। त्ररमम यत्रः मामरवरम আগন স্বৰ্ণনিশ্বিত পঞ্চপাত্ৰ হইতে একটা বেই বিজ্ঞোর প্রেরিড পরিচরে উহা প্রদান । ইইলেন।

করিলেন এবং প্রভ্যাবর্ত্তন মার্গে বিপ্রা-নারায়ণকেও সেই দেবদেবীর প্রীতিপূর্ণ পরিণামে আক্ষর্যাবিট হইলা মহাপ্রভার আকৰ্ষণ জানাইলেন। পুকাবৎ উভয়ের মিশনে রাজি অভিবাহিত হইল :

প্রদিন প্রভাতে সেই স্থবর্ণারের व्याप्ट्रिय । मर्याम क्याप: (bimaicaa caiba হইলে তাঁহার আদেশে রক্ষেপপরিচারকগণ বৰজুবৰ হইয়া শ্ৰেছার লাভ করিতে করিতে কারাগারে চলিল। দেবদেবীর এক দাসী জলাহরণার্থ কলসককে বহির্গত रुरेश यमित्रधमामा निक्र विदेश प्राचिश कात्रशिक्षकांमात्र भगाउ वृत्रास त्याकम्त्र অবগত হইল ৷ অন্তর উপপ্তির প্রতি কশাঘাত-সহনে অনুমুর্থা দাসী দেবদেবার গুছে স্থৰ্ণপাতা প্ৰানান বিবয়ণ বিবৃত করিল। তথন দওধারকগণ দেবদেবীর গুছে অন্থ্যকান করিয়া সেই স্থবর্ণপান भा**टेटन** विक्रानात्राग्रस्य मिक्ट देशवर्षिवीरक বন্ধনপূর্বক রাজস্মীপে উপস্থিত। কলি। রাজা খৈরিবীমুখে বিপ্রনারাবণের ভূতা রঙ্গদাস কর্ত্তক পাত্রপ্রদান এবং বিপ্রের বাকো ভূডাভাব ও পাত্রবিষ্ণে অজানাদি শ্রবণ করিয়া উভয়কেই অপবাধী বিবেচনায় দেবদেবীর সম্পত্ন বিত্ত গ্রহণপূক্ষ রক্ষে-भंतरक ध्वमान क'तरणन ७ विर्धात कांग्रा-परवत रावका कतिरामन।

এদিকে ভারের ক্লেশে শ্রীরক্ষেশের চিত্ত চঞ্চল হইল। ভিনি রাত্রিকালে স্বপ্রযোগে ভূপালের প্রতি আত্মকত স্বর্ণপারজাদান লীলা নিবেদনপক্ষক বিপ্রেনারায়ণকে প্রকাবং শ্রীমালিক্রদেরার নিয়োগের অভুমতি করিলেন। নুপতি প্রভাতে ময়িগণকে সমস্ত অবগ্ৰত করাইটা, বিপ্রনাবাংগ্রে সম্বাধে আনাইয়া স্বীয় অজ্ঞতাহেত্ কতা-পরাধের ক্যাপন পুর্বাক ভদীয় পুর্বাদেশা নির্দেশ করিলেন। ইত্যুবসরে বিপ্রাপ্ত অফুডাপত্রস্ত হটয়া তন্দোদনিবাকরণার্থ অনুসন্ধান করিয়া বৈঞ্বচরণের ভলপান ও ধূলি শার্বে ধারণ একমাত্র প্রায়ন্চিত্তসক্রপে 🧏 অঙ্গীকার করিকেন। একণে বিপা আপনার পুর্নপরিচয় একান্ত বিশ্বতির নিমিত্ত ভক্তা-ছিব রেণু নামে পরিচিত হটতে একাস্ত বাসনা করিলেন। ভক্তবংসল রঙ্গেশ অর্চ্চকথারা ভাঁচাকে আহ্বান করিয়া পুর্ববং দেবায় নিরত পাকিতে উপদেশ প্রদান পূর্বক অভীষ্ট বর প্রার্থনা করিছে পলিলেন। ভগ্রফর্ননে সর্কাদীটের পুরণ ভটগাছে, ছানাইয়া বিপ্ল কেবল ভক্তা-জিনুরের নামে আপনাকে পরিচিত হইবার বর যাক্ষা করিলেন। রকেশ ভাঁছাকে পরভক্তি, জ্ঞান ও বৈরাগ্যসহ স্মানীট বর क्षणान भूक्षक अञ्चित्र स्ट्रेश करंग বিপ্রনারায়ণ 'ভক্তাজিনুরেণু' নামে ৩

সহিত নিশ্ববৈত্তবসমূহ প্রীরক্ষনাগকে সমর্পণ করিল এবং পবিজ্ঞতিত্তে সম্মার্ক্জনাছি স্কুজ্ঞ-किश्रार्थ। युक्त इंदेन । किश्रदमान शक इंदेल ८मवरभवी वर्षणस्यवाकरण भूनर्वश्रमाणा উত্তরণপুর্কক নিভাদেহে বিষ্ণুংশাকে গমন করিল। ভক্তাতিঘুরেণু সমাক্ আমান লাভ করিয়া রবেশ্বরকেই মাতা, পিডা, স্থা ভ্রাতা, বন্ধু, ওঞ্জ, সম্পদ্, বিভাও সর্বায় गत्म कतियां निवस्तव विविध भूम्म ७ छुमगी খারা উৎস্কৃষ্ট মাল্যা রচনা পুশাক প্রীতি-রভেশ-ভূগণসেবায় থাকিলেন। অন্তর তিনি 'শ্রীমালা' नाम प्रिवान्ध्रवस तहना कतिश जीतर्यन्यक अवन द वांध्यान । भूनवात्र त्राज्ञभविषद्य পঞ্জাপ্ত প্ৰসম্বিত গ্ৰন্থ প্ৰণ্যন কবেন 👀 তথার নিভাবাসরত ও সেবা-হতংশ বতকীর্ত্তি রাখিয় ভিনিবিট ঘণক এফশত ব্য বাংসা ই বংশশের নিত্যাগামে কবিলেন। কথিত আছে যে. -भागान 'শ্ৰীমালা' এম্ব শিনি উক্তমকপে অদায়ন ন। করিয়াছেন, উহোর পরমার্থ বিষয়মূত হার প্রতিমাণ অত্যন্ত অধিক। ভক্তভানর তাতি অমুগ্রহার্থ শ্রীবিষ্ধুৰ নমগ্রেৰ অংশাৰ্ডার ভ্রাভ্যু-न्त्र'मञ्ज त्राज्यमाना श्रम ८०च् मार्य ''শ্রীমালা" প্রণেতা সম্বংশ্বডিনাংক গুণ-নিদি বিজ্ঞান্ত আমরা নিব্ভর সাই।ক প্রবিপাত বিধান করি।

### গ্রীকৃষ্ণসংকী<del>র্ত্ত</del>ন

( 2 )

অড্র্ডিগর্বিত অনেকানেক অক্ত त्रामी वालन,--"औरशोतस्मात सुधु सामधान নান্দালীর প্রাণের ঠাকুর, তদীর প্রবর্তিত নামভয়নও ভাবুক বঞ্বাসীরই আদেরের धन : 'अक्टरमन या विश्व काडीयरमत अक धा ব্যবস্থা চলিতে পারে না।" তাঁহারা অচৈতক্স স্থা বিশ্ববাসীর চৈত্রপ্রদাতা পর্ম চৈত্র পুরুবোত্তন শ্রীমহাপ্রের মহামহা বদাক্ত-नीनात्र श्रक्षण कार्यन मा वनिवाहे ঐপ্রকার জান্ত মতের পদলেটা। শুদু বন্ধ वा उरकालत कम नार. त्रमूपत कारास्त्र, উদ্ধ ও অধ্যেদশের সমগ্র স্থানের সমগ্র প্রাণীর, এমন কি, বৃক্ষ, লভা, প্রান্তরাদির পণ্যস্ত বৰ্ণাৰ্থ মৃত্যিক জন্ত জীক্ষাকৈতক্তপ্ৰভূ পর্ম রুসপূর্ণ ঐক্তক্ষসংকীর্ননের বাবস্থা ক্রিয়াছেন। ভক্তভের মুখে বীর্যাবতী নাম-সংকীর্বন ভাবনে অচেতন পদার্থত চেতনতা পাত লটয়া দেবদেবীকে আহ্বানপূর্ণক বৈরাগ্য, জ্ঞান ও ভক্তির জন্ন প্রাথিত প্রাথ্য হয়। মারাপ্রভাষিত মানবজাতি : **জিনামভানের স্থলীতল ছারার বি**শ্রাম না

त्मरामरी कक्षाक्यि तम्ब परार्थिय महर ' क्रिएक भावित्म कथमहे क्षकुछ क्रमान পাইবেন না।

> শ্রীনাম গ্রহণ করিতে দেশ, সাল 👁 পাত্রের কোন প্রভিবদ্ধক নাই। আদ্ধণ, ক্তিয়, বৈশ্ব, শুক্ত, মেছ, জন্তাল, শ্বী, বালক, বৃদ্ধ, যুবা বে কোন ব্যক্তি ভোজন, শঃন, ৰাগরণ, প্রমণ ইড্যাদি যে ফোন অবস্থায় অবস্থিত হটগা চিমান নামপ্রান্তর আরাধনা করিতে পারেন। ঐতৈতক্তলীলা-মৃত প্রবাহিনী ঐীচৈতছ-ভাগরতে উক্ত स्टेशरस् ८४,---

"গাইতে শুইতে বপা তথা নাম লয় 🕽 দেশ কাল পাত্র নাহি সকলৈছি হয়।। 'कि ভোজনে कि भग्नत किया आगत्रल । "अर्थनिन 5 छ" क्रक, यणह यमत्न ॥"

লোকশিকক জীমন্মহাপ্রভু এতাদুৰ করণাশক্তিশম্বিত নামসাধনেও জীবের অরণ্ডি দর্শনে বাথিত হুইয়া স্বীয় भी।पटन कहिनाएन,

''नाश्चामकाति नहना निक्र मुक्कनक्ति-স্ত্রমানিতা নিঃমিত: স্মরণে ন **কাল:**। এভাদুনা তব কুপা ভগবন্মনাপি। **छटेर्फनमें मुर्शाभशक्तांन नाइता**ः ॥"

পোঞ্চিতকৈত্ব শুদ্ধ হরিকীঠনে

অভুরাগেরে অভাবই আমানের প্রাণান **छटेशन । गाँशत्र यक्तिक खक्रकश्रदशाक्त** বুড়ির উদয় হইবে, তিনি ততটকু পরিমাণে ন্ত্ৰানামে ক্তিবিশিষ্ট হইবেন থদি আম্বা অহুপ্রে আত্মেন্ত্রিয়তুল্ডির বোল্আনা বাসনা রাথিতা লোকদে নেলভাবে হরিনাম করি, ভবে কোটা করবুগেও ভদ্দনামের বলে যে প্রেম, ভাই। শাভ ক্রিয়া ক্বতার্থন্মক হইতে পারিণ না। ইতর কামনার আন্দো-লইয়া হরি কীর্তনের ছল-প্রদর্শনের ধারা বাহিলে কিছু প্রতিষ্ঠা সংগ্রহ হইতে পারে, কিন্তু নামাপরাধ-ফলে অতি শীঘু অসমলের বিঠাগর্ডে নিপতিত হইতে হইবে। আমরা থদি নামীপ্রভুর সেবার জন্ম নামকীর্ত্তন না করিরা অপর কোন বাছামূলে মারার কীর্তনের বছমানন করি, মেগ ও ওলাউঠা নিবারণের কক্স অহ্নষ্টিত বারোঘারীদলের কীর্ত্তনকে যদি পরমনির্গ্রহণর সাধুমুখকীব্রিত শুদ্ধ শ্রীহরিনাদের তুল্য ক্লান করি, অপনা যদি কনক কামিনী-প্রতিষ্ঠা-লোডী **खाड़ागिशांत हार्ड मार्ट्ड, चार्ट्ड मिल** রাইকামুর রসকীর্ন্তনকে বৃন্ধাবনীয় অঞায়ত রসক্ষেতিবার্তাপ্রমে গ্রহণ করি, ভবে ক্থনই পর্ম রসময়, নিত্যমূক, তথ-কুমুনামের কুপাকণ লাভের অধিশারী स्टेव मा।

## গ্রন্থ পরিচয়

### **ন্ত্রীমন্ত্রগবত**ম

विमन्नक्षि क्रकटेबनावन द्वक्यान-श्रमेष भूक श्रीयन-মধ্যাচাথ্য-স্কৃতা ভাৎপৰ্য্য-নিৰ্ণস্থচীকা; শ্ৰমদ্বিশ্বনাণ চক্ৰধৰ্ত্তী ঠাকুর-ক্লুন্ত সারার্থদিশির টীকা, বলাফুবাদ, সংখ্যত অবয় ও দেই **দলের প্রতিপাভ ক্**থাসার, অধ্যারের প্রথমে ঐ অধ্যাহের সার্গহ স্থবিস্থৃত তাৎপর্যাদি বিবৃত। স্লোকসূচী विवत्रपृष्ठी, अधारविवत्रण, शांव ও शानक्ष्ठीमह छेख्य কাগকে উত্তম অঞ্চর মুক্তিত। প্রথম হইতে ১০ম হন্ধ **गर्गाण क्रांगा व्यानिकारण रामण क्रेगारक। छिका व्यापम रहेटक अम क**क लवाड २०१४०; मनम कक ०२८; म्बद्ध ४० ।

বীশ্বপ্রকি নোগঠাকুর রচিত 'অমুভঞাবাহভাষা' 👁 🕮 🕮 মন্ত্রজি নিদ্ধান্ত সরস্থতা পোস্বামী প্রভুপাদ-লিখিত 'অমুভাষ্যে শ্রুভি-মুভাদি বহু শাস্ত্রমাণ-সম্বিত হইয়া व्यक्षिक श्रेयाद्या (शांक्य माव्यवाशा, वक्षाव्यापक প্রত্যেক প্রারের পূরে সংক্ষিপ্ত অভিদের সংগৈছিত। প্রভাক অধ্যায়-প্রার্থ্য কথাসার দেওয়া আছে ৷ প্রোক. পরার, শব্দ, স্থান, পাত্র প্রস্তৃতির মুবুহৎ ফটী ও গ্রন্থকারের विष्य जीवनी-ममयिष एहं क्रम अकुष्ट मूख गः प्रज्ञ हे छः भूरक कुळालि ध्यकानिक रह नारे। देखम कानद्य भातिभारहात সহিত ছুল বুজকরে মূলাংগ মূদ্রিত হইরাছে। এর প্রার ১৫०- পृक्षेश मुल्ला । खिला वर्डमान र, माछ ।

#### **ब्रिटेडफ्फ्फ्**रागवड

গ্রহ্মারের দীবনী, প্রতি পরিচেদের কথাসার, বিভ্ত গৌড়ীর ভাষা, শব্দুহটা, প্রারহ্চী, বিষয়-ছান-পাঞাদি-স্চী, প্রাক্তি বিবিধ বিধয়-সম্বাদত বিয়াট খিটার সংকরণ ভবল ক্রাউন ৮ পেলী আকার। আদিলীলা ও মধ্যের कियमान धाकानिक श्रेयाहिन। ज्ञास ज्ञास धाकानिक ছইতেছেন। অগ্রিম ভিকা ে টাকা, আদি দীবার थिया ० ।

#### **बिरेट एक मनन**

এই প্রায়ের এরপ অভিনব ফুনর সংখ্রণ আর কুত্রাপি **ब्यक्शीमण इत्र माद्दे । १ भः इत्र द्याः कार्यत् व्यवस्** व्यवस्त ভাষা, कथामात्र, एथा व्यक्षि मह थए बर्फ व्यक्तिण । । 🗸 • जाना मांवा। হইরাছেন। মূল মোটা অক্ষরে ভবল ক্রাউন আটপেঞ্চী ब्रह्माकारम काला ददेशारक। भूमा २४० छोवन। नमीया আহ্বাশ ও গৌড়ীয়ের আহকগণের পক্ষে ১৪০ টাকা।

#### **এমত**গ্ৰহণীতা

— **শ্রীগোড়ীয় বৈক্ষবাচার্য্য অপ্রাক্ষত** রসিকচ্ডামণি **উজিবিখনাথ** চক্রবিটিঠাকুর গোলামিকুতা সারাধ্ববিশী টাকাস্যেতা ও প্রীক্রীমন্তজিবিনাদ ঠাকুর-প্রাণীত 'রসিক-इसम' मामक ভाষাভাষাসহিতা। অধ্যাद्रपूष्टी, माङ्काळत्य । आय- एठी, विवत- एठी, अहकारतत कीवनी क व्यवक्रतिकाति वध-काष्ट्रवाचिवत-मह छेरक्डे दीशाहे एकीव मरक्ष्य --- ८ ताच शृरक्तर्वत किना २ क्रीका बाल, त्राधात्रव त्रक्त्रव--- अ। शका गाव

### শ্রীল প্রভূপাদের বক্ততাবলী

ও বিষ্ণুপাৰ শ্ৰীশ্ৰীৰভজিনিভাপন্যখড়ী শেষানা নহারাজের সেই অবিভা-বিধ্বংসিনী कीवाश्वत्रकरभारवाधिमी क्रक-कार्कामनभाविमी कीवस-वानीव मुर्ज-विश्वह---देवक्षविद्या छ-त्रब्रभावात देवीच्छम्बि--- मुन्नात বৈভববিজ্ঞানাগারের মৌলিক তপা-পঞ্চরাত্ত ও ভাগ্রতের অভিনন্ধ, তথ্য ও বিষ্ণত্যাদিয়ক। প্রতি ছল্কের আদিতে অচিমাত্র-বিচারক-- ঐখ্যা ও মাধুণারদের মৌলিক গবেষণার -শব্দ, অভিদেয় ও প্রেয়েলন-ভত্তের সিদ্ধান্ত-সমদ্র।

> ১। প্রথম অন্তে—বৈষ্ণবদর্শন, প্রী ওরুত্ব, কাল-धर्म, **अमध्या**विकार, श्रेवार्यज्ञानदी, भाष्णप्राध्विकी मीका ও বর্ণ-বিচার, আত্মণত্ম ও মনোংগ্র, শ্রীচৈতভাগের ও তাহার শিকা, অপ্রাক্ত সহক্ষম ও প্রাকৃত সহক্ষমা প্রভৃতি বিংশতি সংগ্যক রম্বে স্কুলোভিত। ভিক্ষা মাত্র ৬০ বার আনা।

১ I বিশ্ৰীয় **খণ্ড- ৬**ছা ও বিদ্ধা ভক্তি, মন্ত্ৰেয়ার লেটতা কোথায়, আত্মার নিতাবৃত্তি, শ্রীণর আমিপাদ s মায়াবাদ, শ্রীণোর-নিভ্যানন্তাসক্ষ, ত্রিশুণের ধর্ম ও ক্রফ-কীন্তন, শ্রীব্যাসপুদায় শ্রীমন্ত্রাপতের কীন্তন, শ্রান্ত্রার-ধামের মহিমা, মহাপ্রাসাদ, জ্রীগোবিন্দ, জ্রীরপাত্তপত্তম-পথ, শ্রীমন্ডী ব্যক্তামনন্দিনী, জীচৈতভার দয়া, গৌরকরণা ও রুক্সভীত্তন—চতুদ্দ অপুক্ মধুরিমাপুর্ণ-বভূতা-বিভূচিত। ব্ল কালিতে মুদ্রিত, উংক্রই বাঁধা দোনার দলে নাম লেখা। ভিকা ১, এক টাকা মাত্র।

প্রথম ও দ্বিতীয়—চুই খণ্ড একজে লছলে ভিক্রা ১৭০ দেড় টাকা, ডাক ধর্চ স্বতন্ত্র।

#### **এমভগবদগীতা**

প্রেট্রিয়-বৈষ্ণবদার্শনিষ-শেখর প্রীপ্রীমদ্রলনের বিছা-भूगगङ्ग भागा । श्रीमङ्ग किवितान ठाकुरवत शाक्षम व्य-ভাষার বিশ্বত 'বিষদ্রঞ্জন' নামক ভাষাযুক্ত। অধ্যায়-পূচা, বিষয়স্চী, ও প্রতি লোকের প্রথম ও তাতীয় পাদ স্টা, ভাষাকারের ফীবনী প্রভৃতি সম্বলিত। উৎক্ট বাদাই, রাজসংখ্রণ (তৃতীয় সংখ্রণ) গ্রাপ্তের किया २, ठाका।

#### প্রমেয়রতাবলী

द्यीमधनात्त्र विद्याकृषण-ध्येषे देकवननेन, मन्दर् ७ গোবিন্দ-ভাষ্যাদি পড়িবার প্রথম গ্রন্থ। উংকৃঠ কালিতে ছাপা। স্থবিস্তত টীকা ও প্রাঞ্জনবন্ধায়বাদ-সাহায্যে অতি সহজে বালকেরও বোধগম্য হইয়া থাকে। ভিক্ষা

#### **अभवदीशशामग्राहा**का

( প্রমাণখণ্ড ) সামুবাদ। শ্রুতি-শৃত্যাদি গ্রন্থে শ্রীনব-ৰীপের যে মহিমা কীঙিত আছে, তাহার মূল সংস্কৃত ও অমুবাদ। ভিকা । আনা।

#### **এ**ভীমবদীপভাৰতরম

শীঠাকুর ভজিবিনোগ লিখিত। স্থললিত গাতাকারে পরিক্রমার দ্রপ্তব্যাদি-বিষয়ক। ভিক্ষা। আনা।

#### ভজিরতাকর ও নবদীপ পরিক্রমা

প্রীল সরহরি চক্রবর্তি-ঠাকুর-রচিত। ভক্তিরব্রাকর চুইতে পরিক্রমাংশ মাজ গৃহীত; জীলীব গোসামী কি क्षकात्त्र श्रीमवदीनशास्त्र नतिक्रमा कतिवाहित्नम, छाहाहे পছে বিবৃত। ভিক্ষা । প স্থানা

## 'শাচেতন্ত্রিশ রামত

শ্রী ভব্তিবিনোদ ঠাকুর-প্রাণীত। শ্রীচৈতভেইভাতে শিক্ষাপ্রণালী-ক্রঞ, ক্রফশক্তি ও রস-বন্ধ ও মৃক্ত জীব--অচি হা-ভেদ ভেদ-ভদ্দ-শাধন-নিৰ্দল-প্ৰয়োজন-ভদ্ধ, কন্ধ-কাড়, নাশ্যাদির বিচার—বৈবী ভক্তি, ভাবভক্তি ও প্ৰেমভক্তিগৰ নামভজন-প্ৰণালী ও অঠকালীয় লীলা-পরিচয়াদি প্রথম শিক্ষার্থীর উপযোগী করিয়া সরল ভাষাত্ব সমদয় যুক্তিপ্রমাণসহ গিথিত আছে। চতুর্থ সংকরণ বাণা २ , ठाका, व्यावाधा ১५० ठाका माछ।

#### গোডীয়কণ্ঠহার

ब्या शो हो ए- देवकाव शालव व्यक्त करके भावनरगांशा ক্রতি খুড়ি-পুরাণ-প্রয়াজাদি সাম্বত-শাসসমূহের প্রমাণাবলী বিদ্যান ভাগাল্লমে সাম্বাদ গুলিনত। এইরপ বৈক্ষৰ-সিদ্বর্ধর স্বেস্থ্য অস্ত কুকাপি প্রকাশিত হয় নাই। ইচ 🗥 ভ জ ভ ৰ —ভাগৰ ভ— বৈশ্বৰ — গৌর — নিভাানন্দ — মৰৈ হ -- রুক্-- শক্তি-- ভগবদ্রস -- জীব -- অচি স্কাভেদাভেদ — গ্ৰভিধেয়— সাধনভ ক্তি—বৰ্ণ-শ্ৰদ্ৰ— আভান-দৰ্শ্ব — ভঙ্কপ্ৰাঙ — ध्यमाम — आहाकम ७ आमान-उपश्रमि पुनक् व्यसारत স্তব্যুহ প্রোকাদি সূর্চাসত উংকৃষ্ট এন্টিক কাগ্রেল ব্যোজ গুড় প্রায় ৪০০ গৃষ্টায় সম্পূর্ণ। ভিক্ষা ২২ টাকা মাজ।

#### জ্ঞীনবদীপণাম-প্রস্থাবদী

শ্রীমুলভজিবিনোল ঠাকুর রচিত 'ধান্মালাত্ম-ধান-মাতাত্ম্যের সাধুবাদ প্রমাণ খণ্ড--- শ্রীক সরহরি চক্ষবস্তী চাকুরের গাম-প্রিক্রমাংশ--- শ্রীধাম নব্দীপ প্রিক্রমা--তীপ-যাত্রা প্রতি-ত্রীমৎ প্রবোধানকরত নব্দীপশতকম্-শ্রীমুছ কিবিনোধ ঠাকুরের শ্রীনব্দীপ ভাবতর্ক প্রাকৃতি গ্রন্থ করে ভিকা ৮০ আনা মার।

#### এছরিলামায়ত ব্যাকরণ

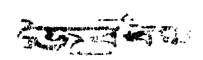
ত্রীঞ্চীব শোখামী পাড়পাদ-বির্চিত হতা ও বুরি, তংস্থে ওবিফ্লাদ শ্রীমন্ত্রিসিদ্ধান্ত সরস্থতী গোস্বামী মহারাজের বিভ্ত ভূমিকা ও হটী প্রভৃতি সহ। অপ্রত্যাশিতভাবে হলভ। ভিকা ২, টাকা, ছাত্রগণের भाष आ॰ होका माज।

#### (नगचडकरात्र

শ্রীমন্ত্রমান্ত্রজাচার্য্য-রচিত। বেদান্তের বিশিষ্টাবৈতবাদ-প্রচারক জীভাষ্য-প্রণেডা কাচাষ্যক্রবর বেদান্তদশন পানের উপযোগা করণাথ এই উপ্তম করিয়াছেন। ইং।তে বল্লাফুরাদ ও স্চীপতাদি সংযোগিত করা হইয়াতে নান মাত্র হিকা।।০ খানা।

#### ট্রীচৈডভাচজায়ত ও নবছীপশভক

পৌরপাষন ভিদ্তী আমং প্রবোধানক সবস্থতী-প্রণীত মূল, প্রভূপাদ জীমদ্ ভক্তিদিকান্ত সরস্বতি গোলামী মহারাজ गुरूतिहरू कावरपुर्य बार्या । अ बन्धानिक । নব্দীপশতকের উভোক্তবিনেদ হাকুরের প্রাপ্তবাদ ও एएम्ह स्थाममाशकार्त एकरी विवर्गतक्षित जामोकिक हिक আমাত্ত কুইয়াছে। মুক্তে ও কাগজ উৎক্ষ ( ২ ধানা একলে) ভিকা ৮০ সালা, অভি হ্রম্য বাগাই রাজসংকরণ ः होका माज।



শীমন্ত জিবিনেদ ঠাক্র-প্রবীত। এই একমাত্র প্রস্থার প্রস্থার বিশ্বের জ্ঞান বাভ করিলে পরিমাণিক রাজ্যে কিছুতেই জ্ঞান বা সংশর থাকিবেনা। পরম গুড় ক্যাবিনেক এই ক্লাব্রণ ও জান্ত প্রশাস্থা প্রকাশি হয় নাই। নিবিলগোস্থামি-শাস্ত্র-মহেদানি মন্ত্রনার এই প্রস্থার ক্রাভিন্ন হয় করা হর্মানে । নিবার প্রস্থার ইত্যানি হারা নিবেশ সভ্রত্ত করা হর্মানে। নিবার প্রস্থার স্থানার জলো নাম গ্রেষ্য, উৎক্রে বিগ্রেই—চতুর নার্য ভিক্সা ৯ টাকা মাত্র।

#### প্রেম্মবিবর্ত্ত

শীমসকাপ্রভার মন্তর্ম প্রথম শ্রীণ মহানানন প্রত্ বিরচিছে। এই পৃত্তকে মতি স্থাবোধা ভাগায় মহাপ্রার কভিপর ধীলাসহ বৈঞ্চবাচার, একাদনা ও নামভ্জন-প্রথানী প্রভৃতি অনেক বৈক্তবভ্রের স্থামাংখ্য ধেখিতে পাইব্রন। পান্টাকায় ছক্তহ এনেন বিশ্বপথি ও প্রস্থকরার পরিচয়াদি-সম্বাহিত চতুর্য সংক্রম ভিক্ষা।৮০ দশ মানা মঞে।

#### SUPERIOR OF

ভঙ্গনকানীর নিভাগন্ধী; সাকুর ভিত্তিনাদের অমূল।
মান; নিথিন শান্তের নিটাল। গ্রহথানি না দেখা প্রাত্ত কেহ ব্রিতে পারিবেন না। সূতীয় সংকরণ ভিজা। ॥ ।

#### **इतिमाय्या क्यायान**

নামাচার্য্য শ্রীক হরিদার ঠাকুরের মুপে শ্রীম্বাহাপ্রভূ শ্রীদাম-মাহাম্মা, নামাভাষ, নামাপরাধ প্রভৃতি বিবচের ধারতীয় বিচার প্রবণ করিয়াছিলেন। এই বিবয়গুলির অতি সরল পরারে সংক্ষিপ্ত কালফল্য পরিপাটিভাবে প্রভিত । শ্রীক ভ্রিকিবিনেশ ঠাকুর-রচিত। প্রথম সংগ্রের ভিত্

#### क्ला । विकश्च क्र

শ্রীমন্ত ক্রিবিনাদ ঠাকুর-রচিত। প্রত্যেক ওগবদ্-বিখানী ও জানপথের প্রতিক্রের একান্ত প্রন্দেশ দীর উপলেশাবদীপুর্ব পাতিক্রের। সামান্ত লেখাগড়া দানা লোকেও এই ভল্লরাজ্যের গাতিসমূক্রের দারা জনধনিবৃত্তি ও ভগবংসেরা লাভ ক্রিবার স্ক্রিণা পাইবেন। মূচ মহেরণ, ভিক্ষা / : মানা মাত্র।

#### **मन्नगग**क

শ্রীমন্বজিনিনোর ঠাকুর-রচিত। ভগবানে আত্মনার্শন, বিজ্ঞান্তি; ভজনলাল্যা, বড্-্রিধা শর্ণাগতি ও গিছি-লাল্যা-বিশয়ক গাঁতিপুণ, ভিজা ৮০ জানা মান্তে।

#### गै जावनी

শ্রীঠাকুর ভবিশ্বিনোদ-প্রণীত নিতা ভলন, আরাত্রিক ও প্রবাদ-দেবনাদি-বিশয়ক মধুর গাঁতনমূহ প্রকত্রে গ্রাহিত। ভিকা /• আনা মাত্র।

#### **E**NTERALIER

রসিকেরমুকুটমোলি প্রশিষ্টিশাথ চক্রক্তী ঠাকুর-বিশ্বচিত রসগ্রভা ক্রীম্বডি-বিনোদ ঠাকুরের অন্তব্যদ-সহ। ভিগা। শানা মাত্র।

## ক্ৰীম্বনপৃথ্যু

শীন্ত প্রের শিকা ও শীল রস্নাপ দাস গোষামীর প্রাত শীন্ত গোষামীর উপদেশবালী, ভক্তিপথের অফুরুন ও প্রতিকৃপ বিশ্বে প্রতিবিত সংখ্যাদন ভাষা, বিশ্বত বিবৃতি, চার চায়তের প্রমান, সাহার ব্যাথ্যা ও মহাজন-প্রাত ভত্তপ্রোক্ গাঁতমন্ধ প্রত্যেক স্লোকের সহিত স্লোবেশিত ইয়াতে। তর সংক্রণ ভিক্ষা ৮ জানা।

#### माध्य-कर्ण

ভীরত্নাথ দান গোস্থানীর মনংশিক্ষা, **ঞ্জি** ঠাকুর ভক্তিবিনোদ-চরিত প্রাঞ্বাদস্য। ভিন্দা ৴৽ **আ**লা।

#### প্রেমভক্তিচ জিকা

নীল ঠাকর নরোত্তমৈর জাপাসিদ্ধ প্রেমভন্তিবিষয়ক গানের প্রত্যক । শিল্পা ১০ অনেশ মাত্র ।

#### নবন্ধী পশওক

শ্রীল সাক্র জিবিনেদ-রার প্রবোধানন সরস্বতীপানের সংস্কৃত নববীপশতকের স্কল্লিভ প্রায়েবার । ভিকা : শ্রানা মাজ।

#### অর্থপঞ্চক

প্ৰীণ লোকচান্য রচিত। বৈক্ষণতা-জ্ঞানেয় আক্স পুত্ৰ। ভিকাস- আন্দ্ৰমন্ত্ৰ।

#### **সদা**ঢারশ্বতি

্লীক মধ্ব বিধা প্রতিত। বিকারের নিতাকর্মাদি স্দান্সার বিলী, ব্যাহেরদ স্কৃতি। ভিকাস কান্য মাজ।

#### মণিসভারী

ক্রিকুলকেশরী শ্রীমগ্ররায়ণাচার্যা রটিত। শ্রীমশ্বধা।
চার্য্যের সংক্ষিপ্ত ক্রিনগীলা ও মূল বৈঞ্চন্ধশ্বমন্ত। সাম্প্রাণ
ভিক্ষা।• স্থানা মাত্র।

#### दगीतक स्थानत्र

প্রাচীন কবি শ্রীপোবিন্দ দেব প্রণীত শ্রীপোরাবাচারের প্রমাণবেগ্যা-সংবাহিত সংস্থাত এস্ক। ভিচ্চা দল স্থানা।

#### युक्तिमञ्जिम। (क्षश्रात्रेड)

শ্রীমধ্বসম্প্রায়পুগত শ্রীমনাদিরাত স্থামিকত। বলাকরে সাহবাদ এই প্রন্থের প্রকাশ পার্মাণিক সাহিত্য-প্রন্তে এই সক্ষপ্রথম। প্রীমন্ত্রাপাচাল্য হইতে গ্রোড়শাগন্তন বিতীয় মধ্বাচাল্য নামে প্যাত শ্রীবাদিরাকাতীর্থ স্থামী এই গ্রাপ্তে সাপারল লক্তি ও লৌকিক স্থায়াম্বলারে ক্ষিত্রপ স্থান্থভাবে ভিকিবিরোধি-মতবাদ সমূহ প্রধান ক্রিয়াছে, ভাষা পাই করিতে করিতে আশ্চন্যান্থিত হইতে হয়। ইহাতে গৃক্তির বারা চাকাক, কৈন, নৌদ্ধ, মীমাংলক ও মায়ালাদিমত-সমূহের স্থান্য পর্ন রহিয়াছে। ভিকা ২ টাকা মানা।

#### शाचामी कीन त्रयुनाथ पान

(ওঁ বিকুপার শ্রীণ ভক্তিবিদার বর্ষতী গোসামী প্রভূপাদ-গিপিত ভূমিকা সত) গৌরপ্রেট স্বরূপ-রূপের কেমাত্র বিশ্বতম শ্রীক লাল গোসামী প্রভূর অপূর্ব চরিতামৃত ও শিক্ষা অতীব প্রাক্তম ক্রেমার করিবিট এবং পরিশিটে দাসগোলাদী প্রায়র বিশ্বতিত কর্মেটী সাক্তবাদ মন্ত্রতম তব ও মন্দ্রশিক্ষা-সম্বাদ্ধ। ক্রিকা বাদ্বাদ মন্ত্রতম তব ও মন্দ্রশিক্ষা-সম্বাদ্ধ। ক্রিকা

## চিত্রে নবদাপ

প্রাচীন নবরীপের অবিভিত্তি তথা, ইতিছ, প্রোত ও ঐতিহাসিক প্রমাণস্থলিত নয়্ধী খীপের সচিত্র বিবরণ-এছ ৷ রাজ্বিরা ওসাকের কুমার জীপুজ্ঞ শর্মিক্ দার্গারণ রায় এম. এ, প্রাক্ত গোহোল, বেলাক্ত্রণ বছোলল কর্জুক স্কলিত এবং ৪৭ খানি ধিভিন্ন বর্ণের অপূর্ণ চিত্র ও মানচিত্র-স্মানিত; প্রাচাসিন্তামহার্ণ্য রায় সাহেব জীপুজ্ঞ নগ্রে নাথ বন্ধ বিশ্বকোধসম্পাদক মহাল্যের বিশ্বক ভূমিক সহ। উন্তর্ম (ইং) মরজো বানাই মূলা ১৮০, জিঃ পিঃ যে ২০ টাক মাত্র।

#### মাধক-কঠমালা

ভব্যবন্দনা, নৈক্ষণ-বন্দনা, বৈক্ষণপর্ণ, গানাজের গীত ভীনামংট্র, শীননাগপ্রের মঠোন্তরপত সাম, অইপ্রেছণ নামকার্তন, শ্রীনামগর্কার্তন, প্রেমধ্বনি, 'বাউণালীত নামকার্তন, শ্রীনামগ্রার্তন, প্রেমধ্বনি, 'বাউণালীত নামকার্তন, শ্রীমায়াপুর মহিমা, শীনজার্তম-প্রভুৱ অইব মাচায্য বলনা, যড্গোজামীর অইক, প্রেমস্থাক্তনিকা উপ্রেশমালা, নামভক্ষন-প্রণালী, মহাপ্রাক্তন বায় রাম্বনন সংবাদ, মনালিকা, শীভ্রপ্রপ্রি, শীল্পক-প্রশাসা মহাপ্রপ্র বলনা প্রভৃতি সাধক ও নিক্ষনীবনের নিত্যপানা বৈক্ষবগণের কঠানিত তুল্পীমালার স্থায় মন্ত্রপণ কথে ধারণ্যোর্য অপুর প্রতা ভিক্ষা তিপ্ন, বাধাই ॥ মান্তা।

#### গোড়ীয়-গোরৰ

কণিকাভার স্থানিও মালবাট হলে গৌড়ীর সম্পান।
ক্রীপান স্থানন্দ প্রতিদ্যাবিলাদ-প্রনাও বস্তুতার বিষ
গ্রন্থকারে প্রকাশিত। ইহাতে গৌড়ীয় বৈশ্বসম্প্রদায়ে
ইতিহাস স্কাকারে গ্রনিত হুইয়াছে। ডিক্সা কে মাজ।

#### গোড়ার সাহিত্য

কলিকভার প্রশ্রমিত্ব মালবার্ট হলে গোড়ীর সম্পাদ শ্রীপাদ অন্ধর্মনন্দ পরাবভাবিনোধপ্রাত্ব প্রচন্ত বক্ষতার বিষ এতাকারে প্রকাশিত। ইহাতে সাহিত্য-শন্দের অর্থ বন্ধ গোড়ীয়-সাহিত্যের বিষয় স্থানকারে বণিত হইরাছে। জিব ৮০ আনা মাত্র।

#### क्रिटगो उम ७व भक्तिकमा-म**र्गन**

শ্রীপেন্টিলেশের যে সকল স্থানে সপরিকর শ্রীমক্ষরাপ্তর এবং তদপ্রবা সহাজনগণ লীলা করিয়া লিখাছেল সেই সব আধুনিক কোলোলিক পরিচয় ও পেববিগ্রহাদি পরিচয় সহ যাভায়াতের স্কবি সনিক্ষেপ ইত্যাদি বিষয়প্তা সরিশেশিত আছে। ভিন্দা। আনা।

#### THE HARMONIST

#### OR SHREE SAJJANATOSHANI

শীল ঠাকুর ভকিবিনোদ-প্রতিষ্কিত এবং জ্রীল ভবি সিন্ধান্তগরশ্বতী গোলামী প্রান্তপাদ সম্পাদিত পারমাধি মাসিক পরে। একংশে ইংরালী ভাষার অইবিংশ ব ভবলকাউন ৮ পেলী'র কর্মা আক্ষান্তে প্রতি বারে চা নামের বিজয়-বৈদ্যান্ত্রী কর্মা উপরিক্ত ভইতেছেন কাশক, মূলণ-পারিলাটা ও চিত্রাদি অভীব চিত্রাক্ষা এই প্রকার উৎক্তই প্রবন্ধ আর, কোম মাসিক প্রান্তি ক্ষেথিতে পাইবেম-নান বানিক-ভিক্ষা, ভারমাঞ্জনসন্ত্র ন টাকা মাজাঃ

#### श्राबद्यान-

**बिटा**कशम्बे (नाः विस्तानान सहीया

## বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভক্তিমঠসমূহ

### শ্লীতৈত্ততা মঠ

#### আকর মইরাজ

🗗 हीत नवबील, खाक्यत व्यागम मातालत, नतीता

শ্রীমভাষোগলীয় ভটাতে গার্গ ৩০ । বহু উত্তর-পুরে শ্রীব্রমণ্ডনে আচার্যারত শ্রীচন্দ্র-(अपव-क्षारम क्रिक्सिक्स मह निवासमान।

এট স্থান সাংগ্রাং-নীর্থ, পরাবিত্তাপীঠ বা সাম্বত ভজনত্বনী ৷ এট মভাতীর্থে ইছিল-अध्याप्रक वत् करणासि-त्वसालम्ब , ललनियात सञ्जीत काता, नाहेक, खलकात, क्या অমাণ-উপন্থিদ-গীতা-পুর- ৬%।ন-চভুগণের অধ্যয়ন । ও অধ্যাপনা এবং ভগায় এতা গৌরাল-গান্ধার্ক সা-গিনিগর এ নামত সাল্পদারিক-মাচাগা-চতুর তাঁভালের উপাত্ত বিজ্ঞতের পৃথিত নিতা সেবিজ ভবতেহন। এই মঠরাজে পারমার্থিক দৈনিকপঞ্জ সাক্ষত-मच्चान्द्रिय च शकालक स प्रवाधिन श्रष्ट्रशक्ति श्राप्तात्र कार्य 'नतीशा-श्रकाल' यहालय আছিটিত হটরাকেন অভিবংগর বীধাম-প্রিক্রমান্ত্রীন ও অগণিত ভর্তারেটিন ৰীৰ্ত্তন প্ৰচায়মূৰে মহামহোৎসবাদি ভকাল অভষ্ঠিত ভটৱা পাৰে। বক্ষক—ব্ৰহ্মচারী শ্রীপার মরছবিল্পী। সভভারী-জ্রীপার বিলোদবিধারী এম্বর্টারী, পাতিত জ্রীপার গোরদাস क्रफाठाशी कावाबासकर्माचीर्थ, जीनाम बीकठल क्रफाठाशी, जीनाम बन्यतानाम क्रफाठी, क्षेत्रप्रम खन्नहारी, क्षेत्रप्रमाशाशाश उन्नहारी, क्ष्म महत्रक्ष, द्वारकी दारकी हा অমুগ সজ্জনগণ !

জিপভিত্তামী জীলছজি প্রদীপ ভীথ মনারাজ এখানে হরিকলা ভীর্তন করিতেকেন। এক্ষণারী প্রভৃতি।

(৩) বোপণীঠ জীমন্দির बाहे द्वान जीवनत्राचित्रता करन वा শ্বীমন্মলাপ্রাক্তর আবিভাব-ভূমি মহাযোগ-প্রীঠ। এখানে প্রীলক্ষ্মী প্রায়া ও শ্রীবিষ্ণ-लियान अमित्रनायात्रण बन्द औरे6 छना 🛥 🗒 श्रामाञ्चरका मिक्षा त्मना छवा 💆 नक-क्राचा दश्यां वर्जमाम । स्थ म---(नाक-নাপাশ্বর গোখামী ভটাচার। প্রাকৃ শীরমা-बाब । तक्षांती खिनिष्ठानिक बन्दाती, শ্ৰীৰাধাবিনোম ভব্তিত্বণ, শ্ৰীগাণাণ ব্ৰহ্ম-हाती। जीमाधनवाम अधिकादी, स्वत्रमार्था । मध्यमार्थ

#### (৪) শ্রীবাস-অঙ্গন

শ্রীম্মাণাপ্রভার কীর্তন-বিশাস বা किशोतनीणात वामक्ती । धनात्व जीजीत्रीत-सिख्यानम् । श्रमकत्त्रम् त्रवा वस्त्रमान । রক্ষ---- শ্রী প্রভাত কুম্বন প্রস্থারী।

#### ( ८ ) ऋदेषक-कवम

बाहे प्रारम क्षेत्रपरेषक शकुत करन धारः \*694) **484**[4]

क्षक क---- 🖺 बदेवकानक आगामिकाती. **बिर्शाक्षणकाम कावाको** ।

#### (७) काकीत्र जमावि भः ह

वाहीन मांबाल्य, बामनलुक्त (नशेया) किरशेषक्रमानाक क्रिकेश काळीव समाधि। बक्क--- बक्कहादी विविद्यां विकासी।

#### ् (१) प्रांत्रक छपर-कृक्ष

ব্রীপোক্রম, পদ্মপগঞ্জ (নদীয়া) अपारम खैविकाशाम क्षेत्र काव्यक्तिविद्यामकाकाव्यक अशाधि अवर क्रीरशोत्रशहाशत अवर क्रिकाश-शास्त्र रात्रा रक्षमान

क्रक कार्कियी बन, ध्वम, ध्वम ।

#### (৮ अक्षणबाध दशो हो व वर्ठ **भग्रममंत्रिः ।**

রক্ষক--- শ্রীবচবর ভল্তিশাস্ত্রী এম, ৩. नि, धल, महकाती--- 📆 डेक्टब्स्।म किन-नादी, औष्टेकक्रम व्यक्तिकारी शक्ति।

#### (>) औरगोत्र-गमागत्र-मठ

ঠাপালটা, সমুস্রগড়, (বছমান) 🕮 শাণী নাখের প্রতিষ্ঠিত পৌরগদাগর-, ्मता। त्रक्षक--- व्याध्यत्रताम् बन्नहारी, करू अभाषत नाम ।

### (১০ একপগোড়ীয়-মঠ माधानम. कामान के है. लि

वक्क क-- चौरु दिलाग अक्काडी, गरु काडी --न्त्रिमध्याचन अव्यक्ति ।

#### ( ১১ ) ত্রীবোদক্রমছত্র — माञ्जाकि, कात्रश्व, नक्ष्मान।

विवासिकात ठेक्त वृत्सायमा बाम । रमक----- विवह विहासी ब्रम्सानी. अक मीनम्याम ।

### (১২) ভাগবন্ত আসন

🕮 চাগবভ তেমন, ক্লকনগর, নদীরা। ভাগবভূদিছার গ্রন্থানদীর প্রচার-ক্ষেত্র। বৃষ্ণ — শ্রীক্রকানন্দ রস্বচারী ভাজনাস্ত্রী

#### देव वस्तरकार्धि ( ७८ )

(वाधिकपूर, दाववाजी, अभीवा । শ্ৰী-রণিংৰ বন্ধচারী, প্রীক্ষণগোর দাগানিকারী, প্রীপ্রেশাক্ষণ বন্ধচারী डीमञ्चनाथ भाषा, एक विषयाथ

#### ( ১৪ ) श्रीमाध्य-दशीकीय मठ

৯०मः नवावश्व द्वाष्ट्, हाका। **नुब्रद्रश्य क्रांत-स्क्र.जवा**ल खेक-(शीक्षाक्ष शाक्षका-शिक्षिषटवव मिवा वर्खमान । क्ष्मच-- किनू व्या काकाश अवकाशी क्ष्मच-- खेशायात्रक अवसानी, चन्द्रशासक व्यक्तिकावित्सक विन्य, मैं आवि-

### ( > ) खीरगीफी अभग्र

১৯ मः कालिक्षमान ठळानळी द्वीते. (भाः नामनाक्षातः किकाका । छोंगरकान वि. वि. ७३३६

শ্রীমধাতা প্রভৱ প্রচারিত স্থানিতাল ভড়িশ্র-প্রচারেরেলেলে গোড়ালেলের নামারাধান নগরী অলিকান্ডার শ্রীপ্রকিবিনোর আসনে শ্রীমা প্রাক্তিত আছেন। এই ভক্ত-সম্বারামে ই এজ-ব্রোরাজ-জীবিন্যোলনক জীউ স্থাবলে নিজা সেরিত তন । প্রার্থীয় काक्षानार्यानर्यात यानहीत अष्ठायलीत अलकारकारकार ज्ञामहत्र मध्यत करूकी अनुकर मुझान বছালয় সংস্কাতিক এইবাছেন ৷ পুলিবীর নক্ষত শ্রীগোলনাম প্রচারাণ এর বছালয় क्ट्रेटल 'त्रोधीय' माश्चा'क्क शक्त, श्रि अवश्वाह्ये प्राप्तिक श्रिक्षक व्यवस्थी श्राह्मा नियमिक कारत कार्याच कहेरकहान। क्षेपरं शार्थ, शक्षीकत, अक्षाब-bक्रक्य-द्वासास. আমহাগবজ, প্রতি :জ-চরিভায় হাদি-লীলা ও ভত্তগ্রের দলক মালোচনা ভরষ थात्य । यहत्रक्र व--- बाहार्गाञ्चिक श्रीनाम कृषिविषात्री विश्वाकृषन । महत्रादी--नेश्विष শ্রীপাদ অনম্বনান্তদের পর্ববভাত্তার বি-হ, জীপাদ রাস্বিহাতী ওক্ষ্যারী, শ্রীণাদ व्यवस्थावन मानाधिकाती विन्ता, जीलाम व्यवस्थाल मानाधिकाती, क्याहारी जी भी हमानन, उन्नवादी जीना। तीरमाध्य, उन्नवादी जीमध्यनन, पश्चित जीनाम स्वीमकृष পরবিভাগভার সম্প্রদান বৈ ভবাচার।, ত্রী এরমঞ্জানর।সাধিকারী বি-এ, ত্রীভারবছসভিদ धकाती विन्धन, जीसमूलय साम्रत्काविन, जीनिन्छत अक्षात्रों, जीक्षकानाविक

शोत अभागती, बैननशीशक जमाताती, 🛢 পতি তপাবন ক্ষত্ৰ :

#### ( ১৫ ) औरगाभानकी वर्ठ

ক্মলাপুর, চাকা। গোপাগজীর শ্রী:গ্রন্থের প্রাচীন সেবা क्रम् -- जीमाननायन उन्हाती।

### ( ১৬ ) खीभमारे-दभागाम मर्ठ

व्यागनाहे-(भोताध्यत निष्टा स्मता বক্ষক - শ্রীপূর্ব প্রজ্ঞ বন্দ্র বিটি প্রমান্তরাল বন্ধবী

#### (১৭. औडागवडडनावस बर्फ **ठिक्रांग्या, नाक्ष्यनभूत, स्माननीभूत**।

ध्यारत अक्त-त्राताक्र-पाक्षासका-গিহিধারীয় নিভাসেবা ব'রম্বেন। ব্রহ্মক---खक्रवामी श्री-भवानमानासी।

#### (১৮) व्यामगारमाष्ट्रा अभवाद्यव

वाष्यवाग (माः वर्षाम ।

श्री अक्टरगांदाम-श्रीगाक्षणिका भितिभादीत मिलारमना। धक्क-अपनामी छिल्दिfermia i

#### (১৯) श्रीनुक्रस्यासम् गर्ठ

वर्गावाय, श्रुवी, क्रेडिका। खगात चौर्गाव-विद्यालयाभवकीत मिछा-িবেশ বস্তুমান। ১ক্ষক -- ব্রন্ধচারী শ্রীপর্মা-मक विवारतक. अक्षाताओं चीनवीवानक. <u> अ</u>यामवाज्ञ उपाठाकी, एक जीनभारे।

#### (२ •) खेळक-८गोडी र मर्ठ

षाणवत्रनाथ, अषाणि'ते द्याः, भूती । चन्द्राव्यक्टवतः चनवनत् नम्दरः 🗐भणकः। STEELS ! रफर--- उद्यक्तारी विषयम्बदी क्षणानकी। महकाष्ट्री---वष्ठाही अविभिन्नविद्याही।

#### (১) बैजिक्सिनम् शर्र

केंचित्रानास्त्रात, कहंक। क्यारम अञ्चल-(शाराध-निरमात्रक्या-भीत जिल्हास्त्रतः वस्त्रमानः। क्रक्र---वक्षात्री जीवनार ब्रोहामधन बनाहात्री

#### (२२) श्रीमनाजन-एश्रीकांच मर्ड

8मेर प्रशासकानमञ्जूता, काली । গৌব-পদাশ্বপুত সনাভন-শিক্ষাস্থল। विविधिक शामाधिनी माधा, वालिक हि छ। का विभाग शाहरमा। वसमा वाला वाला श्रीयामकोनाथयो. श्रीतकामन अवदानी ।

#### (३ ७. श्रीकृष्टित्वक्र मह

खीनु'गर≉माभ कुक्क, धाराम कुक्कायन । 희출c(K)-교육-(X) 5위학(b (원리)) বৃদ্ধক — শ্রীগণ্ডিনার বন্ধগারী

#### (२८) औপরমহংস মঠ

देनिधियावनाः, मीलाभूष এথানে ভ্ৰীভাগৰত পাঠশালা 🔹

স্ত্রীগোল বিলাদ বিলাগজীর সেবা কম্মান रक्षक--- अक्षाती क्रीन मेश्रासक स अक्षताती डोनन्द्रनाम ।

#### (२०: औदेहज्जुदशीको स्र सर्व

ভূম্রকুঞা, চিরকুঞা, মানভূম। ইবা चौरे: कक-माठेव भाषा। बक्क-चीवणः नाथ तात्र, औरफनशानम उन्नठाती, जीवाम তীৰ দেগ্ৰবিয়া

#### (२७) ब्रामदशोद्धीय मर्ठ

कुक्टक्व, पारमध्य, कर्माम । जगरम শ্রীগৌরবিলোদ-রামের সেব বস্তমান। त्रक क---- अक्षात्री श्रीश्रवंगको. श्रीनमी-ब्मानान उपयामी

#### (२०) खासन्भाष्टा धभन्नाख्य-सर्वे

ব্রাহ্মণণাঞা, পোঃ যাস্তু, হাব্দা खशास्त्र यङ्क्र¥नृष्टि श्रीध्यो**त्राध्यत्र स्मरा** वस्त्रभागः। वक्षक---वक्षभागे खोद्धानकुष्कः भाम, औरत्रस्थांक अक्षताकी।

(२৮) विश्व द्याक्षेत्र मठ-न्यायालय बन्द (शांधी प्रवन, जाकांत्र दणन, निके लिखी। तक्क--- अक्राती 🕮 ोदक्क, ओक्गरनयत्र

जी हा शास्त्रमण हे सम्बद्ध (२১) एको प्राम भीका अभवा आव

त्रक क -- अक्षात्री खीवाशार मासम

#### ८गानटवेबिन देवर्डस्का महस्त्र निर्याहन

পারণামেণ্ট সভার মি: ত্রাকেন যে প্রশ্ন শিক্তাসা করেন, তাহার উত্তরে প্রধান মন্ত্রী বলেন যে, গোলটেবিল বৈঠকের আগামী অনিবেশনে কে কে উপস্থিত থাকিবেন তাহা এখনও খির হয় নাই; মি: ওয়েজউভ বেন গত ৯ই জুলাই ভারিখে যে উক্তি করিয়াছেন, প্রাণান শ্রী ভদতিরিক্ত কিছু বলিডে পারেন a1 1

মি: ব্রাকেন তৎপরে জিজাসা করেন त्व, मात्र सनमाहेमनदक कि देवर्टरक मनख রূপে লওয়া হইবে ? প্রধান মন্ত্রী এই বিষয়ে কোন উত্তর দেন নাই।

#### कानीटल विदमनी वश्च वर्ष्यम

দক্ষপ্রকার বিদেশী বন্ধ পূর্ণভাবে বৰ্জন করিবার জন্ম কাশীতে উন্মোগ আয়োজন চলিতেছে। সাধারণ বস্ত্র ও রেশমী বন্ধ ব্যবসায়ীদের মজুদ মংল পরীক্ষার হুন্ত কাশী টাউন কংগ্রেদ কমিটা বিশেষ বাস্ত আছেন। পরিদর্শন কার্য-रथानिशस ध्वः পुर्तातःस চলিভেছে. সেই সঙ্গে, কয়েকজন বস্তব্যস্থী নৃতন काशकु बाममानी कतांत्र करत्रकी साकारन আবে'র পিকেটিং আরম্ভ হইয়াছে এবং ন্তন আম্লানী মালভুলি কংগ্ৰেস শীল করিয়াছেন।

বাঙ্গালীটোলা কংগ্রেদ কমিটার সম্পাদক শ্রীবৃত রামগতি গঙ্গোপাদ্যায়ও বিদেশী অনুসাধারণকে সর্বাপ্তকার বশ্ব বর্জন করিতে অমুরোধ করিয়া এক আংবেদন বাহির করিরংছেন।

#### মিঃ মংসংজীর বোভাই হইতে কলিকাডা হইয়া রেল্গ যাত্রা

ব্রহা বিজেদ-বিরোধী দলের নেতা भिः सः मःश्री त्वाचा हे इटेंटे महाचा नाको. প্রিত কহুরুলাল নেতের এবং কংগ্রেস ওয়ার্কিং কমিটির অন্যান্ত সদস্তগণের শহিত একোর আধুনিক রাজনৈতিক আবস্থা এবং গোলটে বিল বৈঠক ও ৰাষ্ট্ৰমণ নিৰ্দ্ধায়ণ ক'মউতে যথাযোগ্য क्यां जिसि गरेवांत का विष्कृत-विद्याती লুলের যুক্ত দাবী সহকে আলোচনা শেস করিয়া রবিবার প্রাতে কলিকাভায় পৌছেন।

তিনি তৎক্ষণাৎ মঙ্গলবার দিবস ব্লেক্ণ পৌছাইবার ডাক-ছীমালে বেকুণ बादाः कत्रियास्थ्यः।

ত্রদ্ধপ্রবাসী ভারতীরগণের প্রতিনিধি মি: এস, এন, হাজী; আর, জি, জালে-কার: এবং ডাঃ কার, এ, ছগাক র্জুণের প্রে শ্নিবার ক**লিকাতার** 

পৌছেন। মঞ্চনার তাহারা রেখ্নে পৌছেন ৷

কলিকাডা. বোৰাই, সিমলা প্ৰাভৃতি স্থানে ভারতীয় নেত্রনের সহিত সাক্ষাৎ করিরা তাঁহারা ভাঁহাদের যথেষ্ট সহামু-ভুডি পাইয়াছেন। যেখানে তাঁহায়া शिशां हिन, दम्हेबां न्हें दनकृत्म मत्ना-যোগের সহিত তাঁহাদের কথাবার্তা প্রবাহন এবং ব্রহ্মে ভারতীয় বিষেধ ও আগামী রাষ্ট্রভন্তপ্রণয়নে ব্রহ্ম-প্রবাসী ভারতীয়গণের প্রতিনিধি সমস্তা শম্বনে সরাস্ত্রিভাবে সাহায় করিতে স্বীকৃত গ্রহাছেন।

গবর্ণর জেনারেল ও ভারতীয় গবর্ণ-মেণ্টের সদস্ভগণের সহিত আলোচনা कतिया छाहात्मत थात्रना इहेगाट्ड ८ए. তাঁহাদের মনোরণ অচিরেই

(वाशाहेट्य महाया गाकी, ममात বলভভাই প্যাটেল এবং অস্তান্ত কংগ্রেস ও মড়ারেট দলের নেতাগণের সহিত দীর্ঘ আলোচনার ফলে তাহারা তাহা-দিগকে ত্রন্ধে ভারতীয়গণের আধনিক অবস্থা সমকে পরিকার ধারণা করিবার স্থবোগ আদান করিয়াছেন। ভারতীয় নে চুবুন্দ আশা করেন যে, রাজনৈতিক ও অর্থনৈতিক ব্যাপারে সর্ব্যক্রার সমস্ভার সমাধান করিয়া এক ভাতীয় গৌরব ध्यक्त ब्राधित । छोहात्रा वलन, छोहात्रा ভারতবর্ষের জনগণের প্রতিনিধি ও याद्रीख्याच्या ।

#### देवन श्रुविम कर्डक खाकाउपन इड

গত শুক্রবার গভীর নিশাণে পাহারায় নিযুক্ত একদল পুলিপ শিবপুরে অংশুন **८त्र:८७ यथन मनवद्य**कारत व्यक्षनत इटेएड्डिंग ७४न ध्वात्यन शाकरक এক ত্রিত হটয়া উক্ত রাস্তা দিয়া অগ্রসর इंडेट्ड (क्चिट्ड शाम । क्वांटाम्स मर्था करमकारनत इस्छ जाम्मन्नामि छिन। পুলিল দেখিবামাত্র উক্ত লোকগুলি ইভক্তভঃ প্ৰায়ন ক্ষিতে থাকে। পুলিশের লোকেরা ভাষাদের পশ্চাহ্মাবন भूक्क (कोनरमत्र महिल मनसनरक धतिया (करन अक्कन रनाक भनायन कत्रियारक। গুড ব্যক্তিদের গাত্রবন্ধ তরাণ করিয়া (मश्रिष्ड भा छा। गात्र रग काहाता स्कामागी টৰ্চ লাইট এবং গি'ধ কাটিয়া ডাকাভি कत्रिवात्र উপবোগা नानाविध अञ्जलदञ्ज चुनिक्क इहेबार्छ। युक्त वास्तिशालव মধ্যে একজন ভারতীর খুৱান ও একজন বেশালী। উহাদের বিকল্ডে দওবিধি क्या रहेबाट ।

#### ভজের সহিত ভুরীগণের মডানৈক্য

রাজদাহীর অভয়পদ মুখোপাণ্যায় ध्वर शीव मञ विष्मावक काहरन ७०१ ধারা অভ্যারী গ্রেপ্রার হইরাছিলেন। আসামী পক্ষের উকীল গ্রহুক্ত এন, युक्ती **छांहात्र मञ्ज्ञाल ≉वाव ८**लव कत्रिया-(छ्न। अस मार्ट्यस्य भीव्यक्तीकान-वााणी क्रेडीशनत्क ठाक व्याहेबार्छन। পাচলন ভদ্রবোক এই জুরীর সদক্ষ ছিলেন। তাঁহারা আসামীগণকে নির্দেখ माराष्ट्र करत्न। कि इ क्वमारहर ভাষাদের স্থিত একমত হুইতে না পারার डेन काइटकाटी शारीहेग्रास्थ्य ।

### वित्रमारम छेकीरमद दहरम

গ্রেপ্তার

গভ ১-ই জুলাই রাত্রিতে আমানত-গ্ৰাহ্ম জী,ড অবনী বন্দোপাণ্যায় डेकी (लग्न वाड़ी (७) प्रिल शना (भन्न धवर ভাষার ছেলে ভবানী এছরকে গ্রেপ্তার करत्र । खवानीरक ३३ई छाधिरथ जामानटक त्राचा इटेग्राट्ट ।

### অল্ল আইমানুযায়ী সুলের ছাত্র অভিযুক্ত

Cच्यत्रनशत काहेश्रुरणत **स**रेनक काळ নেতৃর্দের ওত্তেছা বহন করিয়া ব্রহ্মে (ছ্যাভিভূষণ চলকে গ্রেপ্তার করিরা গাঙ ১) हे खुनाडे मुन्नीशस्त्र व्याभयन क्या हय এবং ভারতীয় শ্বস্থ আইনের :৯ ( এম ) ধারাভুযায়ী অভিযুক্ত করিয়া সদর মহকুমা हाकिम डिनुष्ठ (क, रेमरळ्त अस्मार्फ श्रामित्र क्या श्रम ।

> প্রকাশ, পুলিশ সংবাদ পাইয়া ভাহার বাড়ী থানাওলাদ করে এবং ২৭টি তাজা কার্ক্ত পার। মুন্দীগঞ্জের ডেপুটি ম্যাজি-(द्रेष्ठे **अ**गुड धन, मक्समादित निक्षे জ্যোতিভূষণ শ্বীকারোক্তি করিয়াছে বলিয়া প্রকাশ।

আগামীকে ৫০০ টাকার জামিনে মুক্তি দেওয়া চইয়াছে। আরও বিশৃত পুলিল ভদভের জভ মামণা মুলভূবী রাখা ebaice i

### "ভগৎ जिरद्य जीवमी" কংগ্রেস কন্মীর গুড়ে খালাভস্কাস

সিম্বা কংগ্রেস কমিটার প্রেসিডেন্ট ডাঃ এন, এল, বর্ণার ভাবাস ভবান "ভগৎ সিংছের জীবনী" নামক একখানা

चाहरतत्र >>> वात्रामरङ् मामना चानत्रन । वहित एक्ष'रत शूनिन हाना स्वत्र, क्षकान, गरमस्त्रमम् क्षिपूरे भा दश यात्र नारे

> व्यर्था कार्य वर्ष क्षत्रिकाती मीमारम विज्ञणात्मव कृषक अभिनात्रभरनंत्र আর্থিক অবস্থা অভিশয় শোচনীয়। আত্র भवनावरे अभिक भा उन्ना याद्य । **८क्**षिटनद (थात्रोक मिर्लिहे एक जन লোককে थाडें।न यात्र। व्यनमनक्किरे कृतकश्य कार्यत क्रम महत्त मन्या हरेलाह ।

> थकान ' नवर्गरमण्डेत त्राकरकत मार्क কিন্তির অত্বেক বা এক ভাতীরাংশ দিতে भातित्वहे चात्र क्यामात्री है दे है निनात्य উঠিবে না এই স্থবিণা প্রদান করা সত্তেও मार्क किश्वित ताक्षण मिर्क मा शक्ति। चनुम ১৪ने हेट्टेंछे निगारम केंद्रिशह्स । বংগর বভুষ চলিতেছে সম্প্র জিলার আর্থিক প্রবন্ধা তত্ত জাটিলতর চইতে**ছে**।

#### **ে**শর্ভি রাজ্যে সত্যাপ্রহ **अभूड महारम्य (समाहेरसस**ः याजा

यहाद्या गाभीत त्राटकनेत्री श्रीतृक महारमय रमलाके शक ३३ हे क्लाइं ब्यारमधा-বাদ শৌছিয়াই মোর্ভি যাত্রা করেন। एवाव (अस्तारमयकार्ग वारकाक्षारवरभव তাহাদের অধিকার প্রতিপর করিবার क्षक्र भटन भटन भटाउडा क किएक वादेरक.

এপর্যাত্র ভয়দণ ক্ষাপ্রেছ করিয়াছেন। त्मकृत्राग मकरणहे भुख श्रहेग्रा**रहम, किस** <u>(चक्राध्यवकर्गणटक पुत्रवर्ती कांद्रम सहैया</u> शिया क्रांत्रिया त्य क्या **ब्हेबाट**क् ।

মোডি রাব্যের কর্মপ্রের সভিত অ'লোগের কথাবার্তা চালানই 💐 👺 (मनावेदग्रत अतिमनदनम केरमा बनिमा আন। গিয়াছে। ইভিমণ্যে মহাত্মা গানীয় আদেশে সভাগ্ৰহ স্থগিত রাখা হইরাছে।

#### मात्राचानीटक व्यक्तिहे নিবারণার্থে রিলিক কমিটি গঠিত

সমগ্ৰ জিলাৰ কাৰ্থিক আত্মহলভাৱ मक्न मानात्रद्वतं मटना त्य क्रीयन व्यवस्थात হইয়াতে **ভাহা নিৰাৰণকলে** (निम ल्याटि बिना माबिद्देष मिः वि. আর, গেনের সভাপতিত্বে সরকারী 📽 (व-मृत्रकांत्री ध्यथान ध्यथान व्यक्तिभगरक नहेवा ८क मका इहेबा निवाद । क्यिश-कान जारनाहमात्र शत जिना मानिरद्वेष्टरक সভাপতি ও উকীল জীগত মণেক্স কুমার चुत्र अवः स्मिन्ही महत्त्वन सम्बन्धी अम्-दन्, निदक युक्त मन्नामक ब्रंटन निर्सिष्ठिक করিয়া এক রিলিফ কমিটি গঠিত ইই-सर्द्छ ।

निकामदम् को व

MARKET PRICE यांक शंक ३, WE WHE ON गांभ कत्रवार र. 51 W # # 14 HEP



माणाटवाह शाह লা গ্ৰাম দেয় यानिक 🥿 मान्याचिक द (अयागिक २५० गांशिक ১১ নগ্ৰ **श्रष्टि मःश्रा**, 🗷

ভাষতের প্রত্যুত কল্প-গেটার-লানুরা জেলার অক্সমতি রুলানত

**८ष्ठ ४७** ]

সম্পাদক -- শ্রী অতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি

[১১৫তম সংখ্যা

জীতৈভভাষঠ জ্রীণাম মায়াপুর-১লা আবেণ শুক্রবার, ১৩০৮, ১৭ই জুলাই ১৯৩১

### নানা কথা

#### গান্ধীলীর সিম্পা যাত্রা

গানীলী ১৪ই কুলাই প্রাতে भवनवरम अधियात त्यत्य भियमा बाजा करियार्डन। न्यास्याहरू के न्यार्डन यात्रदर्भागी याजा कतिबादधनः

সুরাটের কালেক্টর গত ১০ই জুলাই রাত্রিতে ৯টার সগত স্বরাক সম্প্রমে মধান্তা গাঞ্জীয় সছিত সাক্ষাৎ করেন। স্দার বল্লভ্রাইও ওপার উপস্থিত ভিলেন। প্রায় দেড় খণ্টা ধরিয়া কথা-नासी क्या

क्या कि मयतक इस, छोड़ा मण्लूर्ग <u>द्यांथन जाया ६३ मा८०। खुर्च खना</u> খাইভেছে বারনৌশী ভালুকের কোন কোন প্রামের কভিপর ক্ষকের থাজনা श्रीमार्थम अक्रमका अध्यक्त व्यारमाह्या প্রধানতঃ হইয়াডিল। আরও জানা शिशास्त्र त्यः, कथःवाद्धा विस्मय भस्त्राध-

জমুণর ভালুকে যে জমী বাজেয়ার कत्रा इहेबारछ, शर्भात यञ्च ७७१ई लाएँ ल সেই সম্পর্কে ব্রোচ গিয়াছিলেন; গভ *>৩*ই জুলাই সন্যাকালে ভিনি **ভৰা হই**ছে গিরিয়াছেন।

**८मध्य स्थाताम मामात्र देणत्र** ১৩ জন হিন্দু ও ১০ জন মুসলমান षाइड.

भश्राच नतकारतंत्र अक देखांशास्त्र মুলভান জিলার অন্তর্গত সেকেলাবাদের হিন্দু মুস্লমান হালামার বিভুক্ত বিবরণ

## গান্ধীজীর সিমলা যাত্র

সেকেন্দ্রবাদ দঙ্গের জের—১৩ জন িন্দু

ও ১০ জন মুসলমান আহত

## হিন্দু মুসলমানে ঐক্য

মতি ারীতে ছার্ভিক্স—অনশনে বালকের মূত্য

## পুলিসের সহিত সংগ্রাম

েশ্রেম ১০১৯ জনের আতাসমর্পণ

## ভারতীয়ের সহিত মিলন

বরিশালে অভিন্যান্সের ধুম

## ঢাকায় ক্রযিমন্ত্রী

দোকান ও গৃহ লুঠিত তক্মধে। ৩২ গান। দিয়া দলেন যে, ভাষাক্রের রাফনীতি ও বোকানখর ভত্মীভূত ধ্ইয়াছে বলিয়া আপিক উন্নতির পকে হঃ প্রকাশ

হিন্দু মুসলমানে ঐক্য মৌলানা সৌকৎ আলির উক্তি

বাঙ্গালোর মিউনিসিণালিটার প্রাণত আকাশিত ইইয়াছে। ১০ জন হিন্দুও অভিনন্দনের উত্তরে মৌগানা গৌকং অতঃকরণ ও দ্রদৃষ্টি ব্যতীত ভারতের

১০ জন মুধ্যমান আহতে, ৮৭ থানা ∫ আলি হিন্দু মুধ্যমান ৪০কার উলাল লেবে लाखाकन ।

> किन्तु मुर्गनमान सम्बद्धा सन्तर्क कर्नात ওয়াকিং কমিটীর পরিক'ল্লছ কথাড়ো শহরে তিনি বলেন যে, ইহাতে সুন্তমান শন্ত হইতে পারেন নাই। উনার

ভাগা পরিবর্তিত হটতে না। ভিনি শংস্থি ভাগ বাদেন কিছ যদি জোরপুক্ত ভাষার সভি**ত ফলঃ করা হয় ভাহা** হইলো ভিনি শেষ পর্যান্ত সংগ্রাম চালাইবেন। ঞ্মিদ্দি ভাষার পুরবতম সন্ধার পান্ধীদীর ম্চিক বিলোধ **বাধে তরে তিনি ভা**লা भाग करता साथ विस्कृता करितरास । ঐকপ সংগ্রামে কোন ভানন নাই। ভূতরতে তিনি স্কল সম্প্রাহের মণ্ডের ংখানকনৰ শাস্তি প্ৰতিভাৱ কামনা 基1877 PG製品主

#### রাজন আদায়কারী আক্রেম

রায় বেরি**নীর ভেপ্টা কমিশনার** कार दिस्टिन **द्य, अक्सन मुक्ति जा**शिय-কারী সবকারী কর্মচারী মুস্তাফারাদের অংগত কোন ছানে সম্পত্তি জোক করতে গিয়াছিলেন। ইছার মাগায ভক্ট হাতুড়ীর বাড়ি মারিয়া নাটীতে ে বিলানে প্রয়া হয় এবং ভংপরে পাটকেল ছু ড্যা ইহাকে মারিছে আরম্ভ করা হয়; প্লিয় সংবাদ পাইয়া ঘটনাগলে বাটয়া এংকে উ**নার করিছে চে**ঠা কবিলে জনতা শা**খল, হাড়ুড়ি ও**ালাঠি বইয়া ভাগাদের **আঞ্জন করে।** পুলিন খণ গা খ্লীবর্ধ **করিতে আর্ভ কবে। গুলার** फरण ७ वं कि अथम इस, उनारता २ कन পরে মরে। ধরে ।

८५५७ क्रिननात घउनाष्ट्रक याहेया एटए करतन। व्यवका वर्धमारन माञ्च €₹3°€ 1

## শ্রীধাম মাহ

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

### খোলা হইয়াছে।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে
অতি শক্তের দহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন।
বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা বাহে সুন্দর বাসহানের
বন্দোবস্ত হইহাছে। ছান অতীব আগ্রাকর।

সবিস্তার সংবাদের জন্ম নিম্ননিধিত ঠিকানা পর লিখুন। সেত্রেক্টারী, ভাকুর ভক্তিনিনোদ ইন্টিটিডট্ লিচে লেমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুন, মনীয়া।

#### —৫১ বংসরের প্রতিষ্ঠিত—

উম্থালয়ে এন্ত নতীকা

ছাণা শুক্ত হাবশা, অপ্লান্ধ, কোষ্ট্ৰসাঠিত, অনীৰ্ণ, ধ্বন্ধক প্ৰাঞ্জি কঙ কোনীৰ বোগ নিরামর এইণাছে ভাষা প্রকাশ কার্যে বড়ুবড় পুন্ত ক ইট্রাপড়ে।

#### हेड़ा

সক্ষ গ্রুক্তে ব্যবহার চলে ব স্থান ফন প্রদান করিবা থাকে। প্রতি কেটিয়ে ৩২টী বটীকা থাকে।

#### কেবলমাত্র

ক্রতি কৌটার মূল। ১০ এক টাক। ইংগর নাম আবা চন্ধনিপ্রাহ্

অঞ্চঃ উন্দের তালিকার জন্ম গত্র লিখি,লই পাইবেন

আহিবল:-আভঙনিগ্রহ উল্লালয়

৭১৪ নং ব্রধালার ট্রি, ক'ল্কাড়া।

### কবিরাজ শশিভূষণ কবিকপ্ঠাভরণের



মক্ষাপর স্থাবধার অস্ত ৬ আঃ শিশিতে গণীভূত অবস্থার ভোটবোভলের প্রমণন্ত্র ইয়ণ ভাকে পাঠনে হয়, ইহাঙ্গে প্রথণের কোন প্রিবর্তন করা হয় নাই। মূল্য প্রতি শিশি ৮০ আনা, পাইটাল/• আনা, বোচল ১০/• আনা।

অফিল–১১নং উল্টাডান্ধা রোড, পোঃ স্থামবাজার, কলিকাতা

## ग्रापन ग्राप्तर

ব্টকার বর ও বাতুনিকার, ইপ্রিরণজির প্রায়, আটাবে গুজপান্ত, ব্যবহার, নাবাবোরা, বৃক বড় ভড়ানি, অনিজা অভুতি সঞ্চণ পর্ব নিথোব আজোগা চর। বল, বীব্য, নেব্যা বৃত্তি করিছে অভিতীয় ইবিক। মুলা ০০ বহা ১, এক টাকা।

প্ৰাপুৎ সাক্ষাজারি স্থাত স্ব পুৰুষদাৰ বেংৰ বাহুননোৰ বাবা আন্তোপা কৰিয়া বাহিসপত্ন কৰে। মুনা ব কোলা ২, টাজা ? প্ৰস্তাকাশিকাশী আভিক্ৰাপ মাধ্যবাৰৰ কাত সভোগৰাছ ছাত্তী ব বৃদ্ধি কৰিছে আন্তঃলেব্য। মুনা ২০ বটি ২, এক টাকা। আন্তবিত্ত স্থান্ত্ৰী কাত্ৰী কাত্ৰী কাত্ৰী কাত্ৰী কাত্ৰী কাত্ৰী কাত্ৰী ।

### হাইড়োগিল

বা

### কোষরদ্ধি রোগ

ডাঃ এস্, এন্, ঘোষ বিনা আছে, বাৰ্ক্ষীবনের গ্যারাটি পিয়া বৈভাতিক আপালাতে কোববুল্ভি রোগ আরোগ্য কবিয়া থাকেন।

**केंग्ला—** 

अम्मर करून ही है, वस्त्रासाह, स्थानकाया।

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

### দৈবপ্রাপ্ত ক্রার একমাত্র মহোধ্য শক্তা দিলে সমূর আরোগ্য

ছোগী দেখাইছে ছইবে । অগ্রিম পাপের পরত (যাওয়া এবং আসার)
পাঠাইলে গিয়া রোগী দেখা হয় অপবা এখানে আসিলে গোগী দেখির।
ঔষণ দেওয়া হয় আছোগা না হত্তা প্রাপ্ত পারিশ্রমিক দিতে বইবে না।
গরীব যোগীদের অঞ্চ বইন ক্রিয়া চিকিৎসা করা হয়। বিভারিট
বিবহবের অঞ্চ এই আনার ডাক টিকেট সত নিম্ন ঠিকানার অন্ত্রসম্মান

শ্রীক্ষতীলচন্দ্র উকীল, যশ্মা-চিকিৎসক, পো: নৈকারী, বছিলাল। অথবা নিম ঠিবানার সাক্ষাৎ করিয়া বিস্তারিত জানিতে পারেন। শ্রীবৃত রামগোপাল দক্ত এম, অ, কুঞ্চনগর, নদীরা। স্থীবৃত করিশ্ব সিংক, ১১৭, বেশিরাটোলা ষ্টাট্য, গটেপোগা, কালকভা।

প্রকশানি পত্র। অ মার আকুপুর গত হয় মান বাবং রাজ বজার ভূগিয়া মৃতপ্রার কর্রাচিল, কলিকাতার বিজ্ঞ চিকিৎসক্সণ ভাগর কীবনের আশা ভাগর করিয়া শুন মৃত্যুক্তর অস্কু অপেকা করিপ্রভিত্তন এই সমর শ্রীষ্ট কি শীশন্ত উকিল মহাশর মাত্র ১০ দিন চিকিৎসা করিয়া সম্পূর্ণ আবোগা করিয়া দিয়াছেল। (সাঃ) শ্রীষ্টান্ত কিশোর ভার চৌধুনী ( আমদাহ পালিয়া ) হগ্রীট্, নিউ বিক্তিং। করণোরেশন কিটা ভিশা টমেন্ট, কলিকাভা।

## শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরান্দ ৪৪৫

माज ८) ॰ जाकि कि विश्व विश्व विश्व कि व

আনে**জান-গ্রন্থ**রভাগ শ্রিচৈতখ্যত, পো: শ্রীমায়াপুর, নদীরা।

কেন প্রাচকগণ

## গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসে

এত প্রশংসা করেন

---কার্বল---

এখানে যাবতীয় ছাপার কার্য---

শেটার ( ডিং, মেমো, ফ্রম, খাম, অমিখারী চেড, বিশ প্রাভৃতিট বলুন, বিশাবের নিমশ্রণ পত্র, কার্ড, বিশাবের পত্তই বলুন,

आ। प्रश्न के स्वाद्यात काम्यतिम ह्रक्ट बन्न, मकन कार्याह अस्टिनीय १ इ.स. अन्य कार्याह गाह गाह्मा अस्पन्न स्वन ।

भागनाव विद्व काणांव कार्या थाकिटन सिन्नती शामांत सामाहेत्वहे सब लाहेटवस ।

মানেজান-গোড়ীয়া প্রিন্তিৎ গুরুগক্স্ ২৪০া২ নং আগার সচেকুলার বেছে, ক্লিকান্তা।

### শ্রীল প্রভূপানের বক্তৃতাবলী প্রথম ও বিভাগ খঞ

उ विक्रांत श्री श्री विक्रण कि विक्रण महत्व की द्रावाणी महाबादमंत्र द्रावे का विक्रण विक्रण की वास्त्र विक्रण कि की वास्त्र विक्रण कि की वास्त्र विक्रण कि की वास्त्र विक्रण कि की वास्त्र कि की वास्त्र के व्यवस्था के व्यवस

किना धक्या ३५० माना शक।



यकेश्य

১৮ বামন গৌরন্দে ৪৪৫, ১লা শ্রাণণ বঙ্গব্দে ১৩৩৮, ১৭ জুসাই ইং ১৯৩১ শুক্রাণার

**३**३८ छम मः प्रा

## **বক্তু**তার চুম্বক

বিবর-জনমত ও প্রমাপ

वका- जीभाव क्रमतानम विकासियान व्याप्ती जात, व्यालनाता है त्य मधी दत যোগদান ক'ৰ্ছেন, ত'বিকপাকী ঠন শুনছেন, ভাতে ज्ञालनातमत सक्षात डेमग्र करत, ७:-ফলে আপনাবা সাধুসল কর্বেন। ভাতি ক্রমণা বুরতে পার্বেন---অমেশ যে সংগ্র **लाकममष्टि मर्जन कर्म्छ, छामित ध्यातका सहै** অনিতা বিষয়ে মুগ্ধ, জতরাং এসব মানামুগ্ধ, লিভাপক্লিষ্ট শ্রীবের সঙ্গর-বিকল্লাম্মক, সম এমাদাদি দোষযুক্ত মত এচণ কর্লে প্রম মঙ্গল সাধিত হ'বে না, ভগৰজ্জনের— क्रकान्डरकात--- अङ्गाल महान्यान र क्या अवन কর্লে আমাদের নিভামকল লাভ হবে। যথন এ ক্লাটার যাখার্য্য আমর। উপল্কি ক্রি, ভখন অসংসদ পরিত্যাগ পুরুক সর্বালা সাধুসক কর্বার প্রবৃত্তি আমাদের হ'লে থাকে। তথন কি প্রণাণীর অমুসরণ कब्दा कशबादन खीछित्र उष्कर रूप, छ। - **্রন্থায় একটা লোল্য হবে।** তৎপবে अन्यणः कानर्थन्न निवृद्धि इटछ शाक्रव । कनर्थ ा नारम---गां व्यर्थ या । श्रारामान नरहः, এই अभव्य (मह्न्यरम्य नोनोक्रश खूप (क्रोश কর্ব—এটা কন্মতের হারা প্রয়োজন≆পে প্রতিকূল বিধঃ হারা—সমন্ত আয়া হারা— निक्षित्रे श्रम्हा आभवा यथम तृक्ष्क मध्य हेक्ति बादा क्विम जनवर्शन कर्ता , পার্ব--এটা ড অক্তেখনে winichs ! **অসংস্থানন নয়, এটা জ্বলনা মাত্র, তথন এই স্থাক**র, কেশল নাত্র সাধুদক্ষে হরিনাম

ুঁহরে ৷ আগলা এখন ভগবানের কালা ভানভি, 'আহামি বাদি নিজে জজন হাঁযে অসেদ্ধেষ্টে : ভগৰংকবায় নিটা জন্মালে সৰ্মন্য আনের৷ 🖯 নিত্যমূলবেশ - উদয় 🕏'ৰে 🕕 লারত বভাবেটা উদিত বা অবংগের রুতি নিকাপড়িত গোলামী পাড়বল্ছেন,----জাগ্রিতনা হ'লে প্রমাখনিটা জ্ঞোনং। স্বাদাবিকভাবে কৌলাবা কড়িউংগালিত হ'লে হা হারী হ'বে। গোলাগ ফুলে যাৰে ক্ঠিছন, তিনি সৰ সুন্য তাৰ গ্ৰু भारति करा ८५४। कटन्य। কোন নাম'মেই বছতে আস্ক্রি। অ্যাদের সভাব এখন হচ্ছে --- ভগবান্কে ভছন না কৰ্লে ভাল হৰ, কিন্নু যুখন ভগবানে কচি क्ष्मार्ति, उथन ३ रिट - ज्ञातीनरक ज्ञान नः ক'রে পাব্তে পাবি ।। ভারপর ভার' ব'লে একটা ভিনিধ আছে, সেটি স্থানী ভাব---নিভাকাল গাক্ষে, বন্ধ দুমিকা থেকে অসংখ্য জনমত এসে ল: কর্তে প্রস্তুত হ'লেও আনাকে তিলমাত্র উলা'তে পার্বে 🖯 না। ভারণর দেই ভাব হ'তে প্রেম উৎ-পর হ'বে জ্বণাং ভগন আমি সমস্ত

ভাঠে ভক্তদেব বজেন,— স্বস্মায় সংখ্যানর कथन निक्री ও जननस्वत भारतार्थ जामिक भारता महार्थन कव्ल स्विधा १'ल ना ।

্ভাল গনে কণ্ডিঃ কিন্তু প্রন্তু(উই এখন বিভাসাতুর ব্যক্তিগণের সঙ্গে স্ফীওন জন্মতেৰ মধো পড়ে যাঠিক, ভখন এটা কৰি, ভা' হ'লে আমাৰ মঞ্জল লাভ কারে ভাল বোধ হচ্ছে না: কারণ এখনও হিবে না। কিন্তু সজ্জন, সাধুত্বের সঞ্জ 'আমাদের ভগবংকগাল নৈরভাষ্য হণ নাই। <sup>†</sup> হরিনাম কবতে হ'বে, ভাতিভ আমার ভগবানের কথ<sup>ে</sup> বীষ্টন কব্ব। কামাদের 🖯 শীমনালাপালুর অভাত প্রিপো**র**ণ শীঞ্চল।-অসাধু-সঙ্গে ভাই কাদন্মি নাহি হয় । পৰে এবঁকে ভগ্ৰহক্ষায় ক্ষতি উহপাদন ' নামাক্ষয় বাঙিৱায় বটে ভৰুনাম কভুনধান বসে ঘো*ছ*নৌড় বেপ্তে গিয়ে বভটুকু সময় ক'বাতে প্রেল ভা' ধেনী সম। টিব্বে না, 🐪 ক'জুনামাভাস হয়, সলানাম অপ্রান। । এসব ছানিবে ভাই ক্লডক্টের বধে॥ रुपि कतिदन क्रमध्याम माधुमक कत। জুক্তি মৃত্তি সিদিবাহা দ্বে পারহর॥

জাত এব আমরা সজ্জানর গদাক্ষ অঞ্সাবণ বস্তাকৈ ছেড়ে না পাৰ্ডত পাব্দে ভা'র কিবে মহাপ্রদর আহার-প্রচাবের অভ্যরণ কব্র'। আমরণ মনে কবর নাবে, মহা-় প্রাড় মাল সাড়ে চারিশত বংস্ব কালেণ: ্তিনি যে কথা ব'লেছেন, তা'ও আধুনিক কণা, আমাদের এরাব ধরেবা সম্পূর্ণ ভ্রম-পুৰ্ব মহাপ্ৰস্থ — নিতা প্ৰাৎপৰ বস্তু, তিনি নিত্যকালের—অনন্তকালেন কথা ব'লে গিয়েছেন, ভিনি আচাব-প্রচার-লীলার যা किंद्र क्षप्तर्गन क'त्राह्म, माने निहा। তিনি যে বিপ্রাঙ্গপূজার কথা—গটার কথা বল্ছেন, ভা' সমতই নিছা। জলভের থাটা দিয়ে নিতাবস্থা শ্রীবিঞানের পূজা হয় না আক্তব্য কখনও অপ্রকিত ব্যৱ নিকট পৌছতে পারে না। চেতনের ফটা দিয়েই তাঁর পূজা হ'মে থাকে। তিনি যে শকরক্ষের উপাসনার কণা বল্ছেন, তা'ও অনর্থরণ অপ্রয়েজন নিবৃত্তি হরে যা'বে। ু কর, বহু জনের সঙ্গ করে। না—বহু জনের নিজ্য। তিনি কলিযুগপাবনাবভারী খঞ্ ভগবান্। আমরা যদি বলি, আমরা ইং।

স্থাকার করণ না, মহাপ্রভুকে যদি সামণ্ড व्यवजात. योषाम প্রকৃতি ধাবে বেদন ইচ্ছা ব'লে থাকি, ভা'তে মহাপ্রাক্ছ কণতি হ'বে না, আমানেরই কম্তি থাক্রে -- আমরাই বাঞ্চ হ'ব । সহাথায় য়া স্থাতে দান কারেছেন, জা স্থানিতিত চল্ল, ভিলি চণ্ডাদাস বিভাগতির শ্রন্থ উলিভ হ'েছিলেন। তিনি "মহান্ জাড়ুবৈ পুরুষ: 🗥 আমরা যদি কোন প্রকোষ্টে বোড়াকে দেখি, ভঙ্টুকু সদৰ দাঝ ভা'র া অভিজ, যতকণ খোড়। দৃষ্টগোচ্য হয় নাই তাতকণ উহা ছিল না, যথন দৃষ্টির বহিভুতি হ'য়ে পড়্ল, উলা আর নাই মনে कवि, का है है । ब्रिजन थावना स्वज्ञन क्रम-भूगे-- क्रामना क्लाका क्रामाणा नक क'रत कान शहर बद्धान भूतक स्वादक ना (म:ध यदि मध्य काँद्र (य. ग्रंथ। क्रिंगिक হয় নাই, তবে তা' বেরূণ সম্পূর্ণ এমা ঘক, প্রমেশ্বর বস্ত্র যতক্ষণ আমানেশ দৃষ্টিগোচব হন, ভতক্ষণ জী'র অভিযে, দৃষ্টিলেচৰ হ'বার পুরে বা পরে তাঁর অংভিজ ছিল না বা নাই-এক্লপ ধারণাও ভক্ষণ সম্পূর্ণ कुणः क्रमवाम् क्रिक्शोतञ्चनतः अन्यकारा यांतर व्यक्ति 😻 भाक्तमः। 🛮 वाभागित প্রাক্ত চকু ও জানের ছানা তাঁকে দেখুতে ও বুরুতে পার'র না ব'লে বাদ দানবা डी'रेक मंद्री वा कामरा तक मान करि, কিয়া তাঁর উপদেশকের তাৎকালিক বা সাস্থিক মনে করি, তা' হ'লে ভলাবা আম্বাট বঞ্চিত হণ-- অমনবের পথে ধাণিত হ'ব 🛊

घड এर व्यायक्षा वर्षि दाखरिक्ट व्याया-

চাই, ভা' হ'লে বহিন্দুথ গণসমষ্টির কোন কথা না শুনে সন্তর্গপদাল্ররে স্বড়ে ভগবদমুশীলনে প্রবৃত্ত হওয়া আমাদের একা**ন্ত কণ্ঠ**ব্য ।

(0)

আক্রকাশ ভাড়াটিয়া কথক ও কীর্ত্তনীয়া **मित्रित य क्रक की छन्टा डा** मुद्धे इत्र, ভাহা ভদ্দ নামকীন্তন ত নহেই, উহা বিমুখ-মোহিনী মায়ার অপর একপ্রকার মৃত্তি মাত্র। ইতর বাসনাপৃত্তির ভক্ত যে কীঠনের অভিনয়, ভাহা রক্ষ্যেবার নামে ক্লফকে নিজের সেবায় নিযুক্ত করাইবার অপরাধম্মী ভীষণ ছুবুদ্ধি বলিয়া পরিগণিত। ভটস্পক্তি ফীবস্থরপের গঠনে মারাবশ-<u> বোগ্যতা অস্কুস্থত রহিয়াছে; সেই</u> নিমিত্তই সে অনাদি-বহিশ্বভাক্তমে কড়-বিষয়ের ভোক্তা সাঞ্জিয়া ছঃখার্ণবে নিকিপ্ত কইগছে। আহাত্মরূপের বিশ্বভিবশতঃ অনাত্মধর্মে আসক্ত হইখা তবমহাদানদাহে দগ্দীভূত হইতেছে। মায়াকবলিত জীবকে 🖘 আশ্বর্ডিতে স্থাপিত করিবার জনা प्रयाननित्रामणि जीक्रफिटिङ्करमय मश्रद्धाञ्च-मही किस्तायुक जी इक मही छमाधि अव्यक्ति । कतितात अक छेशाम कतिग्राह्म।

**बी क्रक्षमहैं, देव- िखनर्गन-शरिया क्रव-**কারী; ভোগোর্থচিত্ত ইতর কামনা-ধুলিতে ধুসরিত হইয়া পড়িয়াছে। বহ কুটানাটা, লাভ, পূজা, প্রতিষ্ঠা ইভ্যাদির ক্ৰাসনাত্ৰণ অনৰ্থ ভাগাৰ ভ্ৰম বুভিকে आक्ष्म कतिशाहि, क्राक्षत्र ममाक् कींडान সমুদ্র অনুর্থাবলী বিদ্রিত হইয়া চিত্রমুক্র স্ক্রেভার মূল আকর বস্ত 🖹 প্রাম সুন্দরের অপ্রাক্তরূপমাধুনী প্রতিফলিত इटेवात छेलपुक इत्र। कुक्कमकीसन्हे নিবৃত্তি কালক **এব্যক্তাদাবাথির** 🗐 ক্ষুদ্রকৃতিনরপ পৌর্বনাদীর উদয়ে অখিল কল্যাণকুম্দ বিক্লিত চট্গা লাকে। এক্লফসংকীর্তন পরবিভাবপুর প্রান্থক্স, পতির শ্বেহাম্রগতা বধু যে প্রকার স্বাভয়াচরণ করিতে ১কম, পর-সঙ্গী উনপতি 🗐 ক্রুফের সম্পূর্ণ বলা লুভা। পরবিশ্বামন্তিত। সমস্ক পাটিতা জীক্ষকীর্তনে ক্রোড়ী-ত্ত। কুঝনামসংকী র্ন-ক্রুক্তণ ভক্তের **म्याञ्चलकत्री-वर्कनकात्री** अवः शाम शाम লোলোকের ভ্রাসারের খাদপ্রদাত। ক্রাফের যুগার্থ সঙ্গীর্ত্তন হুইলে জীর্তনকারীর সর্ব্যাত্তা কৃষ্ণপ্রেমামৃত্রিদ্ধতে স্নাত হয়; সেই অভান্তত বৈকৃষ্ঠানন্দের সহিত ব্রহ্মসাযুক্তাদি ছের স্থগের কোনই তুলনা হইতে পারে ना । नकाश्राप्रभावभागी क्रकनावमाकी र्कनरे আশ্বার সর্কালের প্রসম্ভাগারক। কৃষ্ণ-

দের আত্মক্ল্যাণ চাই, আত্যন্তিক শ্রেরঃ বিমুধ জীববুন্দকে প্রতারিত করিবার মায়াদেবী সহুত্ৰ সূহুত্ৰ লোক মনোমোহকর কুপণ্যবিপণি উল্লেড ভরিয়া त्राचित्रारहमः। श्रीक्रमृष्ट्रस्वेहे र्थामा हत পতিত হইবার প্রবল আশহা বিভয়ান। चग्नः धकान व्यवस्थानम् औरशोतसुक्तत्र साम्। দের প্রতি রূপাবশতঃ নিজে ন্সগতে আবিভূতি যে শুগ্রকাশ নামস্থামহিমা বিখোষিত করিয়াছেন, তাহার: ুনিকণট আত্রর গ্রহণ ব্যতীত স্মামাদের প্রমত্রের: প্রাথির কোনই উপার নাই।

नः की र्वन श्रव छक 🕮 इस्टें हरू : मःकी छन्यद्व्यः कारतः करकः, रमहे वस्त्रः ॥ " দেই ত হুমেণা আর কুর্দ্ধ সংসাব। नकः । यञ्च देग्टल कृष्णनामयञ्च नाज ॥

### **বৈ**ষ্ণবধর্মের মূলস্ত্র

(শ্রীণাদ কিশোরীমোহন ভক্তিবান্ধর বি এশ)

বিকুমদের উপাদক বিবিধ। এই দিবিধ ভেদ বৃথিতে হইলে পঞ্চোপাসনার ক্ষণা আসিয়া পড়ে। পঞ্চেপাসনামূলে নিভেদ্রদানুসন্ধানতংপরতাই পরিলক্ষিত হয়। পঞ্চোপাদকগণের বিচার-- এক নিরাকার। নিরাকার রক্ষেব ভঞ্চন কর। যায় না, আভাবে কলিভ সাকার অবলয়ন করিয়া স্বার্থসাগন কবিতে করিতে চিত্ত ভাজি হয়—ভাঁহাদের বিখাদ, 'দাশকানাং बिडाथींग बन्धाना क्रमक्रमा' --- এই कक्षिड সকাম উপাসনা করিতে করিতে চিত্ত%দি হটলে ক্রমে গুণাতীত অবস্থা প্রাপ্ত হট্যা उक्कजान गांठ हरा। उक्कजान गांठ हटेल আর উপাস, উপাসক ও উপাসনা-ভেদ शास्त्र मा, कीव उन्हर श्राप्त रह ।

সম্বন্তণাশ্রিত ব্যক্তিগণ বিষ্ণুর উপাসনা সৰ্ব জা গুণা শ্ৰিত কবিষ্য থাকেন। সভত্যো গুণালিত, রঞ্জনো ওণালিত এবং ভমোগুণাশ্ৰিত ৰাজিগণ স্থাক্ৰমে সুৰ্য্য, গণেশ শক্তি ও শিবের উপাসনা ক্রিয়া পাকেন। এই জপে বৈক্ষৰ, সৌর, গাণপত্য, मारक ७ देन्द-- এট পঞ্চিধ স্কাম উপায়কগণ কল্লিভ সাকার ভুডুন করিয়া চরম নিদাম অধ্তাহোপাসনাকে লক্ষ্য করেন। অক্তাক্ত দেবদেবীর পুণাদি এই অভ্রেগেদনারই অন্তর্গত। ইইারা **्कर् विकृत्राह्य, ८कर स्थागाय, ८कर** दा शर्मभाष्य, दकर वा शक्तिमाख, दकर वा **स्विमाल डेशामना कतिश शाकन। এই** প্রফোপাসনামূলক যে বিষ্ণুর উপাসনা, ভাহাই মাগাবাদ অর্থাৎ এইরূপ বৈষ্ণবের বিশাস-জগৎ দিখা, একা মারাভিত্ত रहेश এই क्शंद कशना कतिशास्त्र छ निकटक भीव अভियान कत्रिएउट्टन। धारेक्कण दिकार समारिकार महस्त ।

উাহারা আনেন বে, জ্রীভগবানের ওও চিন্-विवार चाट्स चर्चा भाग: एमत मछ छाहात আকৃত অভ আকার বা অকাধি বা থাকিলেও তাঁহার অতীক্রিন অপ্রাক্তত চিম্মন স্বরূপ ও চিমার জন্মাদি আছে, বাহা প্রাকৃত ইঞ্জিরের গোচরীভূত বন্ধ নহেন অথাৎ অধোকত

मात्रावामिशन चक्रास टमबरमवीय छेना-সমার সহিত ত্রীবিকুর উপাসনা সমান खाविया शांदकन, डांशांकिशदक श्रीविकृत 'ডদীর' বৃদ্ধি করিতে না পারিয়া তৎশু হইতে শতন্ত্ৰ ও ওৎসম ভাবিয়া মাগ্ৰাবাদ আত্রর করত মহা অপরাধ-পক্ষে নিম্নজ্জিত শ্রীমন্তাগরতের কথিত 'যথা ভরোম শ্নিবেচনন ভুপান্তি তৎক ভুজোপ-শাখা:"--এই মোকার্গ উচ্চারা জ্বরক্ষম করিলেও ইহাতে আতা ত্বাপন করিতে পাবেন না ৷

चक्रदेवमध्वत्रम् क्रिक्ट्यार्थः बीच्यदारमञ् চিংস্ক্রপের উপলব্ধি করিয়া জাঁচার নিতা-সেবা লাভ করিয়া থাকেন। ভাহার ফলে শ্রীভগবানে ভাঁহাদের নিতা প্রেম লাভ বটিনা পাকে, যাগার নিকট ভালাকু চারিটা পুরুষার্থ অতিশয় হের ও তুক্ত।

याहाना माधाराप्रमुख सक्तरेनकारनत् हत्रन् প্রান্তে আমুগতা ধন্দ্র অবশহন পুস্তক নিরুকে নিতা ক্লাদার জ্ঞান ভজন করিছে थारकन, छोशाराहे ऋक्षरेतकात नाट्य ५ति চিত: যেগানে মারাবাদ-পৃতিগন্ধ বর্ত্তমান, সেখানে ভ্ৰমেক্ষরতার অভাব জানিতে হটবে। বাঁহারা একমার ক্লার্থে অপিল क्टिनिसिंह, २८ घन्छेति मस्मा २८ घन्छ। काल যাহার। ক্ষাসেব। বাভীত অন্য ইতন কার্যো মনোনিবেশ করেন না, এইরূপ সাধু মহা-পুরুষগণ্ট আমাদিগকে মানাবাদ-তুর্গন হটতে উদ্ধার করিয়া প্রক্লান্ত নিভাসকলের भएण महेत्रा याहेटाड जातः यशार्थ दिकन्त्रभन्त्र প্রচাৰ করিতে পারেন। ভাঁচাদের পাদ রক্তে অভিবিক্ত হইলা, আমরা চপুদির रुख इटेटल मुक्त इटेशा यशार्थ ख्वानारमारक প্রবেশ করিতে পারি। নচেৎ যাগরা অবিভার মধ্যে বর্ত্তমান থাকিলা আপনা দিগকে বিবেকী ও পণ্ডিত বলিগা মনে করে, সেই সকল বিপণগামী অজ্ঞব্যক্তি অন্ধ ব্যক্তিখারা পরিচালিত অপর অন্ধের ন্যায় বিপন্ন হটনা থাকে।

নির্ভয়ে শুরুতজিপথে প্রবেশ করিতে পারিশে প্রেয়ং প্রদায়িণী চতুকর্গকে পদ দলিত করিয়া নিত্য শ্রের:প্রদায়িণী পঞ্ম পুরুষার্থ ভগবৎপ্রেমের অধিকারী হইতে পারা যার। এই প্রাঞ্চার চরম কল্যাণ প্রাপ্তির কন্য মহাভাগণত বৈষ্ণবগণের भनतास आधात चित्रक कतिए हहेर्द. কারণ আত্মার ঐক্লপ অভিবেক ব্যতীত ক্ষাবৈক্ষবগণের বিচার অভ প্রকার। এক্ষর্ভর্য, গার্ছহা, বানপ্রাছ, সন্মাস অথবা

জন, অধি ও সূর্বা প্রতি দেবতাদিগের উপাসনা বারা ভগবস্তহজান লাভ হয় না ৷ अस्तान महान्ना<del>क द</del>ं यजिनारहन,—याव९ निकिकन खंगरम्बद्धाः अप्रशृति बाहा कीर অভিবিক্ত না হয়, তাবং সৃহস্ততগণের মতি অনর্থনাশক ক্রঞগাদপত্ম শর্প করিতে भारत मा ।

অক্স কোন উপায়ে চরমফল পাওয়া यात्र ना । ८करण मशानुत्रमश्रद्भन्न क्रीहत्रणा-প্রবে জীবের স্থবিধা হইতে পারে। যিত্রি নিকিঞ্ন, জড়বিবরে বাহার জোন চেটা नारे, विनि क्यार्थ अधिमात्रहोतिनिहे. ক্ষসেশা বাডীভ থাৰার অক্স কোন ক্রিরা नांहे, बाहात बाएजिश-शिकार्थ धर्म. व्यर्थ काम. त्याकांति न्यूका माहे, योहाद সমস্ত ক্রিরাই ছরিলেবাছকুম, চতুর্মর্ম কেবল নিম্নদেবার্থ জানিয়া ভাঙার পরি-ভাগে বিনি যত্তপর; রুকেক্সিরপ্রীভিবাস্থাই বাহার একমাত্র উদ্দেশ্ত ও ব্রত, ভিনিই महाभूक्य । यिनि क्रकटमवात्र इन कतिरा শিংশার নিকট হটতে বা অস্ত কাচারও निक्छे स्ट्रेंटि कर्ष मः श्रह कतिया निक्षित्र-ভোগণ বা কুটুমভবাণে ভাষা বাঞ্জি করেন, তিনি মহাপুৰুষ নছেন ৷ মহাপুৰুষ ষ্যতীত অস্থ কাহারও আশয়ে জীবের নিত্যমঙ্গল নাই। গুরুবৈঞ্চবে প্রপত্তিই জীবের একমাত্র অবঞ্চ কর্তব্য। পর্যুবক্ষবগণ मुक शुक्रव, छानाताह चामारमञ्ज कर वक्रम মেডিনে সক্ষম । डीस्टिम्स उत्तर्भाक्षत्र क्रमन ९ निक्रण रह ना। आक गरा व्यक्ति कठिन ও ছংসাধা ভাবিতেছি, সাধুক্তরণাবার্ত্তর কল্য তাগে সহজ্ঞ ও হুসাধ্য হইরা যার। তাঁহাদের শক্তি কি ভাবে কার্যা করে, তাহা আমাদের ইক্সিক্সানের ফাতীত। আর কোন উপকরণের আবশুক্তা নাই. চাই কেবল আত্মনতা নশ্ম। ভাই জগ-বান শ্রীকৃষ্ণ বৈধধৰ্মের মূল স্ত্রতী এইরূপ ভাবে আনাইগাছেন.---

'তৰিদ্ধি প্ৰাণিণাতেন পরিপ্ৰান্থেন দেবয়া'।

#### তারের সংবাদ

भूती अभूकरमाख्य मर्व ष्टरेस्ड खीलाम অংগাকত ভক্তিসার্গ গোস্বামী প্রভু ১৩ই खुनाहे जात्र खानाहे(छएएन ८४, खैरिकूशाम পরমহংস পরিব্রাজকাচার্য্য শ্রীমদ ভক্তি-শিকান্ত সরস্থতী গোস্বামী মহারাজ আলাল-নাপের বার্ষিক মটোৎসৰ সাফল্যসংগ্রু ক্রিরা এবং ভথার শ্রীগোড়ীরমঠ প্রতিষ্ঠা করিয়া গতক্ষা প্রভাগর্তন করিয়াছেন। তিনি আগামী শুক্রবার ২লা প্রাবণ 🕮পুরুষোত্তমমঠের 🕮মন্দিরের ভিতিস্থাপনার্থ **এ**बारन **चारनका क्**तिरप्रह्म। **ध्वा**रन क्षान्त्र वह मरबाक बाबीममानम स्टेरलए ।

## গ্রন্থ পরিচয়

### **শ্রীমন্তাগবত্ম**

विषयास्ति इक्करेपभावन (यहवात्र-व्यविष्ठ भूव, क्रीमन-मस्ताराषा-क्रण छारभवा-निर्वष्ठीकाः द्वीमहावस्ताव हत्त्वद्वी ठाक्य-क्र मात्रार्थमानी किया, वशास्त्राम, मात्रक ध्रम् छ व्यक्तिम्, छन। च विवृष्णां विवृक्तः। व्यक्ति करकत व्यक्तिरङ तिर कटकत्र व्यक्तिमाध क्यामात्र, प्रशास्त्रत व्यथ्य क्रे অধ্যানের সারশহ স্থিত তাৎপর্যাদি বিবৃত। স্নোকস্চী বিষয়স্চী, অধ্যারবিষয়ণ, পাত্র ও স্থানস্চীসর উত্তয কাগলে উত্তম অক্ষরে মৃদ্রিত। প্রথম চইতে ১০ম হন পর্যান্ত ছাপা ব্যুপক্রপে শেব হইয়াছে। ভিক্ষা প্রথম इर्डेडड >म कक नर्गक २०।√०; एलम कक ऽ२्; PRS 80 1

#### **बिडोटेडडड** विश्वास्त्र

**অভ্যমন্ত্রিক নিশ্ন নিশ্ন কিছিল 'অনুভ প্রবাহ ভাষা'** 😻 🕮 🗷 মহকি নিছা 🗷 সর্বতী গোলামী প্রভূপান লিখিত 'अञ्चारम अफि-मुलामि वह भाजकामान महिल इहेगा প্রকাশিত হইরাছেন। সোকের সাধ্রব্যাখ্যা, বঙ্গালুবাদ্ধ व्यास्त्राक भवारतम् भूरकः मश्कित्र कालितन् मश्याकित। প্রত্যেক অধ্যার-প্রার্থ্যে কথাসার দেওয়া আছে। প্রোক্ পরার, শব্দ, স্থান, পাত্র প্রেক্তর স্বরুহৎ স্চী ও এচকারের বিষ্ত জীবনী সম্বিত এই ৯প অভূতপুরু সংস্করণ উভঃপুরে কুরাপি প্রকাশিত হয় নাই ৷ উদ্ধন কগেলে পারিপাটোর সহিত খুল ফুলফরে মূলাংল মৃত্তিত হটয়াছে। এর প্রায় ১০০• পৃষ্ঠার সম্পন্ন । ভিক্ষা বস্তমানে e, মাত্র।

#### **এটেড ক্রড**াগবড

প্রস্কারের জীবনী, প্রতি পরিচেদের কথাসার, বিভত ব্যোদ্ধীর ভাষা, শক্ষ্টী, পরারহটী, বিষয়-স্থান পাতাদি-সূচী, প্ৰছতি বিবিধ বিষয়-সম্বলিও বিৱাট মিতীয় সংখ্যাণ ভবল ক্রাউন ৮ পেজী আকার। আদিলীলা ও মধ্যের विश्वसंभ क्षाकाभिक इवेशात्वा क्षाय क्षाय क्षाकाभिक হইতেছেল। অগ্রিম ভিকা ে টাকা, আদি লীণার किया रू।

#### **बिटेड एक मनग**

এট গ্রন্থের এমপ অভিনৰ স্থপর সংস্করণ আর করাপি क्षकाशिक इस माहे। अश्वष्ट श्लाकाः श्लात्र अवत्, रकाक्ष्याप, ভাষা, কথাসার, তথা প্রভৃতি সহ থণ্ডে থণ্ডে প্রকাশিত हरेब्राह्म। भून त्मांका व्यक्त क्रवन क्रांकेन व्यक्तिश्री बुह्माकारम हाना स्टेमारक। भूगा २॥० छोका। समीमा প্রকাশ ও গৌডীরের গ্রাহকগণের পক্ষে ১॥• টাকা।

#### **ভাষতগ্ৰদগীতা**

--- এণেডীর বৈশ্বাচার্য অপ্রাক্ত রসিকচ্ডামণি **दिविषमाथ** ठळवडिठाङ्ग शायामिक्छ। नातार्थन्थिनी টাকাসমেতা ও জীতীমছক্তিবিনোগ ঠাকুর-প্রাণীত 'রসিক-द्रवन' मामक ভाषाভाषानिक्छ।। अवग्रवक्री, माक्काकरम । आय- एही विवय- एही आप्याद्यम कीवनी ७ व्यवस्त्रामकावि वह-काष्ट्रवाचित्र-मह केरकंड वाधाहे छ्छीत मःकत्रण--- यह ताक मश्क्रप्राणम् किका २, हाका माज, माराष्ट्रम मश्क्रप्र--->#• क्षेत्र मान

### শ্রীল প্রভূপাদের বক্ততাবলী

ওঁ বিভূপাদ এএমডজিসিভাখসর্থতী (भाषामी महाद्वादणद त्रहे चविश्वा-विश्वश्विमी कोनाश्वयक्रत्भारवाधिनी क्रक-कार्काननवाधिनी कीवस-वाधिन বৈভ্ৰবিজ্ঞানাগারের মৌলিক তথা-পঞ্চরাত্র ও ভাগনভের সমধ্য ওল-মহাত -- জীবনচরিত-শিক্ষক--চিধিশাসচিমাত্র-অচিমাত-বিচারক---এখন্য ও মধ্যারদের মৌলিক গবেষণার — मध्यः अप्तिम्ब । अप्तिमान्यः भाषास्य मध्यास्य मध्यास्य मध्यास्य मध्यास्य मध्यास्य ।

১। প্রথম অভ-বৈক্ষবদর্শন, প্রীপ্তরতম্ব, কাল-धर्म, क्रीमध्वाधिकाव, क्रीवार्यकानवी, नाक्षत्राधिकी शीका ও বৰ্ণ বিচার, আত্মধর্ম ও মনোধর্ম, জীচৈত্ত লামের ও তাহার শিকা, অপ্রাকৃত সহজধন্ম ও প্রাকৃত সহজধর্ম, ৬০ বার জানা।

১। দ্বিতীয় খণ্ডে—গ্ৰহা ও বিদ্বা ভক্তি, মমুধোর শ্রেইতা কোথায়, আত্মার নিতাবৃদ্ধি, শ্রীগর স্বামিপাদ ও मात्रायाम, जीरशांत-निष्ठाानन्त्व्यमञ्च, विष्टशत् धर्म ९ कस-कीर्जन, जीवामभूजाव जीमहानगरखब कीर्जन, जात्वीव-शास्त्र महिमा, मशाखनाम, ख्रीत्याविम, ख्रीक्रणामुन्छन-পথ, ত্রীমতী বৃদভামুনন্দিনী, ত্রীচৈতজ্ঞের দয়া, গৌরকরুণা ও ক্লফ্সকীন্তন-চতুদ্দ অপুক্ মধুরিমাপুর্ণ-বস্কৃতা-বিভূচিত। ভিক্ষা ২, এক টাকা মাত।

প্ৰথম ও দিতীয়—ছই খণ্ড একত্ৰে লইলে ভিকা দেড় টাকা, ভাক এরচ শ্বভন্ন।

#### **& महशनक्त्री**जा

(शोषीय-देवकावमार्गिमक-(मध्य ब्रोडीममन्मरमव विधा-कृष्यकुक 'काथा क ज्ञिमश्रकितिस्मान रेशकृत्त्रव श्राक्ष्य वन-ভাষায় বিভত 'বিৰদ্রঞন' নামক ভাষাণ্ড। অধ্যায়-क्री, निष्यक्री, ও প্রতি সোকের প্রথম ও ভূটায় পাদ স্চী, ভাষাকারের জীবনী প্রভৃতি স্থলিত। উংক্ট বাধাই, রাছসংখ্রণ (তৃতীয় সংখ্রণ) গ্রন্থের किया २, ठावा।

#### প্রমেয়র ছাবলী

टीमहरू विकाल्यन-व्यापिक रेवभन्यनर्गम, मन्दर् ७ পোবিন্দ-ভাষাদি পভিবার প্রথম এ । উংক্রই কাঁলিতে ছাপা। স্থবিস্থত টাকা ও প্রাঞ্গবদায়বাদ-সাহংয্যে অতি সহজে বালকেরও বোধগম্য হইয়া থাকে। ভিকা । ত' জালা মাতা।

#### **अभवदी भरा मना राष्ट्रा**

( প্রমাণ্থ ও ) সামুবাদ। প্রতি-প্রত্যাদি গ্রামে খ্রীনব-ৰীপের যে মহিমা কীটিত আছে, তাহার মূল সংস্কৃত ও নাম মাত ভিক্ষা। আনা। অহবাদ। ভিকাত - আনা।

#### **এ এ**মবৰী পভাৰত রক্ত

🕮 ঠাকুর ভবিবনোর লিখিত। প্রদলিত গাঁভাকারে পরিক্রমার স্তঃব্যাদি-বিষয়ক। ভিক্ষা। আনা।

#### ভজিরভাকর ও নববীপ পরিক্রমা

শ্রীল নরছরি চক্রবন্তি-ঠাকুর রচিত। ভত্তিরভাকর হইতে পরিক্রমাংশ মাত্র গৃছীত; শ্রীজীব গোখামী কি প্রকারে এনবরীপণামের পরিক্রমা করিরাছিলেন, ভাহাই প্তে বিবৃত। ভিক্ষা । ত আনা



ত্রী ভক্তিবিনোদ ঠাকুর-প্রণীত। ত্রীচৈভক্তেইহাতে निकालागी-क्य. क्यमिक ७ तम- वद ७ मक कीव-অচি থা-ভেদাভেদ-তৰ-সাধন-নিৰ্ণয়-প্ৰয়োজন-তত্ত্ব, কৰ্ম-কাও, লাশমাদির বিচার--বৈদী ভক্তি, ভাবভক্তি ও প্রেমভঞ্চিস্ফ নামভ্জন-প্রণালী ও অইকালীয় লীলা-পরিচয়াদি প্রথম শিক্ষাণীর উপযোগী করিয়া সরল ভাষার সমুদর যুক্তিপ্রমাণ্যত লিখিত আছে। চতুর্গ সংকরণ বাধা २ , होका, व्यावाधा ১५० हाका माळ।

#### গৌঙীয়কণ্ঠহার

क्षीरनी कीय- देवकवन्यतन्त्र अक्षणन कर्छ धात्रन्याना প্রস্তৃতি বিংশতি সংগ্যক রত্নে স্থানাভিত। ভিক্ষা মাত্র শৈতি স্থৃতি পুরাণ-পঞ্চরাত্রাদি সাধত-শাসসমূহের প্রমাণাবলী विषयविकाशकरम मास्याम खंकि। उहेम् देक्का সিদ্ধান্তের সারসময়র অন্ত কুঞাপি প্রকাশিত হয় নাই। ইচাতে গুৰুতত্ত্ব —ভাগবত— বৈষ্ণব— গৌর — নিত্যানন্দ— व्यदेश्य व्यक्त महिल्ल छ श्वस्त्र माने व व्यक्ति सारस्त्र । स्वतः --- অভিধেয়--- সাধনভজি---বর্ণ:শ্র-- আশ্রম-ধর্ম -- শুদ্ধশ্রাদ -- এনাম-প্রয়োজন ও প্রমাণ-ডৰ গুলি পুণক্ অধ্যারে স্থাতং প্লোকাদি স্থান্ত উংক্ট ±টিক কাগলে বোল র কালিতে মুদ্রিত, উৎকৃষ্ট বাধা গোনার ললে নাম লেখা। গ্রন্থ প্রোর ৪০০ প্রায় সম্পূর্ণ। ভিকাব ্টাকা মাজ।

#### ঞ্জীমনত্তীপণাম-গ্রন্থাবলী

विश्वमान्त्रिकित-गाम ठेक्कित-त्रातिक भागमाहाचा;---भाग-মাচায়োর সামাদ প্রমাণ পণ্ড---শ্রীণ নরহরিচক্রবর্তী ঠাকুরের ধাম-প্রিক্সাংশ--- শীধাম নবদীপ পরিক্রমা--ভীপ-যাত্রা পদ্ধতি--শীমৎ প্রবোধানলকত নববীপশভক্ষ--শ্রীমছাক্রিনিনাদ চাকুরের শ্রীনবদীপ ভারতর্প প্রাভূতি গ্রন্থ একর ভিক্ষা ৮০ আনা মাত্র।

#### 🕮 হরিনামায়ত ব্যাকরণ

শ্রীকীর গোস্বামী অভুপাদ-বিরচিত কর ও বৃত্তি, ७९मट अविकाला श्रीयप्रक्रिमिकास मत्रवर्धी शाचामी মধারাজের বিশ্বত ভূমিকা ও স্চী প্রভৃতি সহ। बक्षाणिकसार स्थल। किया २, हाका, हाळगरपत्र भएक अ। । हेकि माळ।

#### বেদা ব্যৱস্থার

শ্রীমন্ত্রামাম্বজাচার্য্য-রচিত। বেদাক্ষের বিশিষ্টাবৈতবাদ-প্রচারত জীভাষা-প্রণেডা আচার্যাপ্রেরর বেদাস্করণন পাঠের উপযোগা করণার্থ এই উত্তম করিয়াছেন। ইয়াতে বঙ্গান্তবাদ ও স্কীপতাদি সংযোজিত করা হইয়াছে

#### এটেডভাচজামত ও নবৰীপশতক

শৌরপার্যদ তিদভী আমং প্রবোদনেন সরস্বতী-প্রণীত মূল, প্রভূপাদ শ্রীমদ্ ভভিসিদাত স্থাহতী গোসামী মহানাল সম্পাদিত অব্যমুহে বাাগা ও বলাধবাদ স্থানিত। নব্দীপণ্ডকের উভিভিভিনিমে ঠাকুরের প্রাম্থবাদ ও তৎসহ উন্ময়তাপ্রান্তর একটা ত্রিবণরঞ্জিত অলোকিক চিত্র প্রায়ত ংইলাছে। মুদ্রণ ও কাগজ উৎকট ( ২ খানা একত্রে ্রপ্র ৮০ আনা, অতি হুরস্য বীগাই রাজসংখ্রাপ ्र हेकि। मार्क।



श्रीबद्धकिवितात मानव-धारी । एडे सक्साल अध-মন্ত্রের জ্ঞান ক্রান্ত কার্যাল পরেমাথিক রাজ্যে কিচুত্তেই অজ্ঞান বা দংশ্য পাকিবে নাঃ। প্রম গুড় ধ্যাবিদ্যক এই-कार मत्त्व । इ. इ.स.स.च.मी छाउ छ। भगाइ छाउटी स য় নতে। भिवित्रार्भाष्ट्राम् भाष्ट्र-भटडामिति सप्रस्थारेत । उ 21217 के विक इंदेशाइन । आंधि छोत्रुठ ४५ क्याभाव देखानि प्रातः (नामन सर्फ कला क्वेशाया । क्रिकेट अप.) ्रामानात्त्व करण गांध ्याचाः चित्रकृष्टे गेरामाण--- उक्तुले साम्बन्धः । किका २, हिला माखा

#### প্রেম্বর

জীয়ৰাছাপ্ৰতা অধ্যম পাৰ্যৰ শ্ৰীল কগদানৰ প্ৰভ বিব্যক্তিক এই প্রাক্ত কবি স্থগনোগা ভাগায় মহাপ্রান্থ क्छिभन्न - "वात्छ रेनक्षमान'यः ज्ञानना । । नामक्षम-लाकी लड़ां वामक रेक्स इंटर क्या क्यों मार्गा প্রশ্বকরার পরিচয়'দি-সম্ববিতে চতুর্প সংস্বরণ ভিক্ষা॥৶• দশ সানা মাত্র-।

#### ভঙ্গনরভস্থ

ভক্ষমকাধীর মিড্লেক্টা; সাকুৰ ভতিত্তিনালের অধ্পা कान ; निविध भार हा निर्माम । अस्थानि ना (मनः शरा ह কেছ বুঝিজে পাবিবেন না। জ্ঞান সংকরণ ভিঞা ॥ ।।

#### হরিদামচিক্তামণি

নামাচার্যা শ্রীণ হরিদান ঠা চরের মধে শ্রীমন্মহাপ্রত শ্রীনাম মাহাত্মা, নামাভাব, নামাপরাধ প্রভৃতি বিষয়ের श्रुवर्शीत विहात स्रवण कतिश्र'शियम । এই विश्वरक्षणिय অতি সমুল প্রারে দংকিতা অত্যাস্ত প্রিপাটিভাবে মুদিত। **ब्रित क्रिकितान हो** क्रिक्न क्रिका । अक्रम मध्यतः ' अक्षा ५०

#### কল্যাণকলভা

चीगद्कितिरम्प शक्तन्त्रितः। आस्ति छशन्त-বিশ্বদী ও জানপ্রের প্রিকের একায় প্রয়োচনীয় উপ্দেশ্যবনীপুণ গাঁতি গ্রন্থ। সামার লেখাপড়া-কানা লোকেও এই ভগনরাক্তার গাঁডিসমূহের স্বারা অনর্থনিস্তি छ जनावारत्या लोक कतियात्र ख्राविता अध्यत्या मह मरक्रार, डिका />० भाना गांव।

#### **भत्रवाश**िष्ठ

প্রীমন্ত্রজিবিনেরি হাতির রচিত। ভগরানে আত্মসমর্পন, বিজ্ঞপ্তি, ভক্মসালয়া, যড়বিবা শরণাপতি ও বিদ্ধি-লালস্য विश्वक अध्या, डिका 🔑 श्राम माज ।

#### গীভাৰলী

ब्रीटेक्ट्र स्टिक्टिनाम-अपीछ किया उपन, बादाविक अतात-द्रत्यमाणि-वित्रव्यक मधुत वी अत्रम्भ द्रवदक अलिए। ভিকা /• আনা মাত্র।

#### **शिमक्षकश्चन**

विद्रिष्टि तमश्रद । श्रीमष्टिकितिरमाप श्रेकेरद्रद्र असुनाप-ভিন্দ।। মানা মাত।

মীমরাধাতাত্র শিক্ষা ও শ্রীণ রপুনাথ দাস গোস্বামীর প্রতি এরণ গোষামার উপদেশবাণী, ভারূপণের অন্তক্ত্র ও প্রতিকল বিনয়ে প্রবচায়িত সন্মোদন ভাগ্য, বিস্তৃত বিবৃত্তি, চরিভাগুতের প্রমাণ, সার্য স্থাপা ও মহাজন-প্রণাত তপ্রপারেণো গাঁডমমূর প্রাণোক শোকের সাহিত্ श्रीव्रदर्शनाङ क्षेत्रवाद्धः। अत्र महत्त्वत्रभः क्षित्रभावन् व्यक्ति।

#### गामन-कन

শ্রীবদ্নাল দ্যে গোৰামীর মনঃশিক্ষা, জীল ঠাকুৰ 🔍 টাক মাও। ভাজিবিনোদ-চারত পথান্ধবাদসহ। "ভাগা / - খানা ৷

#### প্রেগভজিচন্দ্রিকা

শ্রীল ঠাকুর নরেকেমের স্বাহানিক প্রেমভিকিবিন্ন নর প্রকা ভিখানত আনো নাঘা

#### মনদ্বীপশশুক

লীল সাকুর ভারি-পিনেন্দ র'চত জীব প্রাবোধানন কেবিছে পাইবেম। পান্টাকার জুর্ভ স্থানের বিশ্বাধ ও বিশ্বাধি । সরস্বভীপানের সংস্কৃত নববীপশতকের স্থালিত প্রাথবার । ভিকাত স্থানা মাত্র।

#### 可可可申申

कील (लाकांडांगा तांतिक। देवकवंडा-आदिनत काकत পুপুক (ভিজ) তৈ গ্লোমারে ।

#### সদাচারশ্বতি

बील प्रकारता, लागे है। विकास कि हा क्षेत्री मिनाइसी ली. रकालरान मध्या । विकार • भागा समा

#### মণিমঞ্জী

करिक्तादकभवें श्रीभन्नात्रात्रनाइनित्रं विकास 🎒 मन्त्रस्व চাণ্যের সংক্ষিপ্ত ভাৰনগীলা ও মূল বৈল্যবন্ত্রমত ৷ সাম্ভ নাদ ভিগাত খলা মাজা

#### दगोत्रक स्थापत्र

लार्जीन कवि डी.रवारिक रहत खनी है। डी.रवीन व सार्वन প্রমাণাবলা-সংবালত সংশ্বত এত। ভিজা দেও আন।।

#### गुक्तिमञ्जिष् । अन्दर्भात्र ह ,

আমধ্বসক্ষদায়ামুগত আমবাদিরাক স্বামিক্ষত। সঞ্চাদ্ধে সাধাৰে এই অন্তের প্রকাশ পরিমার্থিক স্বাঞ্চ্য-জগতে এই স্বরপ্রথম। উন্ময়ধ্বলোগ্য হততে বেছেশাগন্তম দিতীয় यथविष्ठारी। नास्य न्यांक श्रीवासिताककोष साथी कहे आह দাধারণ ধৃত্তি ও গৌকিক ভাষাম্বধারে কিরূপ ওকরভাবে ভাজবিরোধি-মতবাদ সমূহ খণ্ডম ক্রিয়াছে, ভালা পাঠ করিতে করিতে আশ্চন্যাখিত হইতে হয়। ইতাতে শুক্তির वाता ठाव्याकः, ८५नः, ।वाकः, भीमारशकः 😮 मात्रावाधिमण-সমূতের জ্বর গভন রহিয়তে। ভিকান, টাকামার।

#### त्गात्रामी जील त्रयूनाथ मात्र

। ওঁ বিফুপান ত্রীণ ভক্তিসিদ্ধান্ত সরস্বতী গোলারী প্রভেপদ-লিখিত ভূমিকা নই। গৌরপেই সকল-কলের একমার প্রিয়তম শ্রীল দাস গোখামী প্রেডুর অপুর চরিতামত ও শিক্ষা অজীব প্রোক্ষণ ও সরণ ভাষার সরিবিধ ত্রসিকেন্দ্রমুক্টমৌলি শ্রীমন্বিশ্বনাথ চক্রবাতী সাক্র বিবাদের পরিশিষ্টে নামবোশ্বামী প্রভন্ন বিবাচিত করেন্দ্রী माञ्चलक महाब्रह्म अब स महानिका-भवनितः। किला |বাধাই।।• আনা, আবাধাই।।/• আনা আত ।

## চিত্ৰে নবগ্ৰাপ

প্রাচীন নন্দাপের অন্থিতি, তথ্য, ঐতিহ, শ্রেত ও গ্রভিগালিক প্রমাণসম্বলিত সম্বতী মীপের স্চিত্র বিবর্শ-आह । जाकति वा क्रनार#य कुमात **छिन्छ अंद्रक्षिण मा**द्रायण तात्र त्या. क. श्रीक : लाकास). ्यमाश्रक्तमः मरहासर कंखेक নম্মলিভ এবং ৪৭ থানি বিভিন্ন নার্শের আপুর্ব চিত্রা ও মানচিত-গ্ৰাৰত : প্ৰাচ্যৰিভামকাৰ্থৰ বায় সাহেৰ 💐 🚓 रणक गण वस्र विश्वदक्षामण्णानक ग्रङ्गामरमञ्जू विक्कण कृत्रिका ग्रं। छ अह ( रू: ) महाका बाला मना आब, जिर शि: एड

#### मानक-कर्शमाना

क्षक्रवन्त्रभाः, देवस्वन-वन्त्रभागः, देवस्वभाषान्, स्वात्रारेलाम् शिक्षः, শ্রীন্মার্ট, শ্রীন্মার প্রত্যুক্ত অক্টোব্রপত নাম, প্রত্যুক্ত रामकी वन, धीनामधर्मी हन, ८ श्रमकानि, 'वाखेगकी छ, নবৰীপ সনিমা, জীম্যাপুর ম্লিমা, জীনরোত্তম-প্রভুর অটক আগ্রাসা-বল্লা, বড়ুগোপামীর অষ্টক, প্রেন্ডাক্তি জিকা, Bucheralm) नाम अपने প्राप्ती, बदाश्राप्त के द्वार द्वारामक मार्वाप, मन्द्रांभका, श्रीष्ठकलार्गाः, श्रीष्ठक-अवन्त्रवाः, मश्राक्षकृत वसमा आक्रां व भावक अधिकशीवासत सिंडाभारी. বৈদ্যাবল্পের কণ্ঠালিত ভুলনীমালার জায় অঞ্জুণ কর্তে ধারণবেশ্য অপুক্র গ্রন্থ। ভিক্ষা 🗹 🗸 বাধাই ॥ । মাজ ।

#### दगो छो श-दगो तन

किनिकारति सुक्षानिक साभवाउँ करण द्वीकीय मण्यासक শ্রীপাদ জনবানক পরাবদ)(বিনোদ-প্রদার সভাত্যন্ত বিনয় গ্রন্থকারে প্রকাশিত। ইহাতে গোড়ীয় বৈক্ষবস<del>্থাদায়েয়</del> ইতিহাস অব্যক্ষারে প্রিত ধ্রয়াছে । ভিক্ষা 🕪 মাআর।

#### গোড়ায় সাহিত্য

কলিকভার প্রবেশির আলবাদ হলে গোডীর সম্পাদক জীপার প্রদরানন পরবিত্যবিনাদপ্রাভ আদত্ত বস্তুন্তার বিগর श्राकारक अवश्रीयक । वेदारक श्राविका-मरमञ्जूष क्राय োট্ডিম-শৃতি জ্যের বিবয় স্থাত্রকায়ে ধর্ণিত ১ইয়াছে । ভিক্ষা In minimatical

#### ট্রাব্যোড়ম ওল পরিক্রমা-দর্শণ

শ্রীদ্রধান্তনেশের যে সকল স্থানে সপরিকর 🛮 🛍 সমূহাপ্রান্ত এবং उनक्षण পরবার। মহাজনগণ লাখা করিয়া গৈয়ারভান, (मही भन आधु'नक **एकोरणालिक अधि**७ । ७ (प्रविधाशामित्र পরিচয় সহ বা ভাষাতের স্থাবল নিদ্দেশ ইন্ড্যাদি বিষয়প্রাল मित्रदिक्षिक कारक । किया । जाना ।

#### THE HARMONIST

#### OR SHREE SAJJANATOSHANI

প্রীন্ন চাকুর ভাক্তিবিনোদ-প্রতিষ্টিত এবং 🚉ল ভাক্তি-গিছাস্ত্ৰসর্থ গোশামী প্র<sub>পূ</sub>ণাদ-সম্পাদিত পার্মাথি**ক** মাগিক প্রা তক্ষণে ইংরাজী ভাষার মটাবিংশ বরে ভবলজাউন ৮ পেতী ম কর্মা আকারে প্রতি ছারে হরি-नारबक् विकय-देवकाकी महेगा छेनविक कुटेट्टर्डन काश्य, मूल्य-भारिभाषा ७ विवाधि वर्जीन, क्रिक्काक्यक । बर्वे ध्यक्ति डेर्ड्ड ध्यक् बार्य दक्षक मानक भवाबिएड शिविएक शहरवम मा। वाधिक क्रिका खाक्याक्षमण्ड **०** টাকা বাজ।

#### श्री श्रेषान-

क्रीटिक्क्यपर्वे, (शाः क्रिमाञ्चाश्रव वर्षेक्ष

## বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভক্তিমঠসমূহ

खोटिन्य भर

আকর মটরাজ

क्ष हीन संबंधीयो जाक्यत स्वाम मात्राम्य, नतीया

আমহাবোগপীঃ হহতে পাই ০০ বহু টাইও-পুনে আবলসভ্তন আচ।দারত আচন্দ্র-ट्रंबर-७न्टल क्रिक्सिक्स यह निश्चासमाम ।

এই স্থান সাধ্যক কর্ণীপ, পর্যবিদ্ধাপীঠ বা স্বাস্থ্য ভল্পস্থলী : এর মহাতীরে ক্রিক্টের মার্মান্ত বাব কবালি-বেদালসভূত, প্রতিক্ষার অন্তর্মক কাবা, নাটক অলক্ষার, তথা @श्रीन-छेशि-श्रिम-श्रीका-पृत्र-प्रश्नी-छाउँदाक समावत क समावत @तर कलाइ क्रिकेट-লোরিল-গাম্ব কা-গিরিধর জ সাম্বত সাম্প্রধানিক-আচার্য চতুর উচ্চালের উপাত্র विश्वरंदत नांदक । मका शाविक व्हें एकाक्षम । अब महेबारक भावमानिक देवनिकन्छ माक्क সম্প্রস্থারের অন্সাকাল জন্ত প্রপ্রাচীন প্রাধ্যাতি প্রচারত হো নালীয়া-প্রকাল ব্যস্তাকর অভিবংসর 🐧ধাম-পণিজনামূচান ও অগ্রিত ভক্তগোঞ্জিত MOBY SSUICE कोर्जन व्यक्तकपूरण महामारशेषणवाणि सकाण अधिक हरता भारक । क्या क--- द्रश्च : वी **এ**পার নরতরিক্ষী। সভকারী— প্রীপার বিলোধাবধারী ব্রহ্মচারী, পাওত স্থীপার গোরদাস अध्वतात्री कावायाकत्रमधीर्थ, श्रीभाव नीतिक अध्वतात्री, श्रीभाव नक्तामामा अध्वतात्री, 🗃 অধ্যয়ন অন্ধচারী, জীমগনগোণার অন্ধচারী, জক্ত নংবন্ধা, করিবাচন कायुक अव्यक्तिश्री ।

জিলপ্তিশামী আঁণছারু প্রদীপ তীর্থ মহারাজ এপানে হরিকণ: কীর্ত্তন করিছেছেন। এক্ষরারী প্রভৃতি।

(৩) যোগদীঠ খ্রীমন্দির

कडे थान खैक्शवार्थिएलव सनन ना অধ্যাত্রভার আবিভাব-ভূমি মহাবোগ-(खानाम हार्याहमात्रायण अवर हारेप्रस्ता भाषी, द्वीष्ठेमक्रम अथवारी প্রভৃতি। श्रीश्वाकृष्णव निका त्यवा छवः श्रीलकः कर्षाव दगवा वर्कमानः वक्रक---(गाय-माथायम शायामी कहे। हारा वाक किलमा-🗃 शाधावित्याम किन्द्रवर्ग, 🖺 1-मान जन-**हाती। जीमाधनमांग जांगकारी, (मनज्या** व्यक्तित्रकत्रम्य ।

(৪) এবাস-অসম

श्रिमाधानाका कीर्कन-विवास वा विश्नोत्रनीमात्र वामकृती । जनादन व्यक्तित्रात-निकानम अ भएउएक (भवा वस्थान। বক্ষ--- শ্রী প্রভাগ কুলম এখারারী।

(१) आदेषा - चनम

कारे कारम जी भरेबल शक्त करन वादर (मवा वक्यामा

बक्क-- श्रिष्ठोब कामम वामाधिकाकी. विश्वाकृतवाम नावाकी।

(७) काष्णीत नवाबि न हे

व्याठीन यावालव, वायमलकृत (मनीवा) विश्लोबक्रमालाक किंगिकाकी प्रमाधि। वक्क--- तकाता श्री विविद्यानिकाती ।

( 4 ) **'414'4' '44'8**-2#

প্রীপোক্রম, অরপগল্প ( নদীয়া ) बर्पात देविकृताम श्रीम कासिनिस्मारकाकृत्वत ममानि कदः खीरगोदनमानव कतः खैळीयाथा-यावत्वव त्यवा वक्षमाम

रक्क-- किक्ष्म **काकात अम्हारी तक्क-- मै**वाधावम अवनागी, क्रक प्रशिषी बन, वय, वय ।

(৮ জ্রীজগরাথ গোটার মঠ

भक्रमगरिहर ।

इक्त क--- ड्रीयक्रतक के किना ही द्वस, द्व. भीते। क्रमारम जीमसी!शाता e अधिकृ- वि. क्रम, महनादी- शिक्रेस्थाम करि- ।

( २) ब्रीटगोत्र-ग्रामक मर्ज

টাপালটী, সমুদ্রায়, ১ বছ্যাল ) 歌の वानी माध्यव शाक्षित (जोवजनाभव-) माथ । प्रक्रमात्री व्यक्तिकालना वक्तामी, (प्रका । श्रक्तक-व्यक्तियाम वक्रतारी, करू द्येशशानत मान ।

> ( ) • जिल्लाभाषीय-मह माताश्रम, श्रामाश केंद्रे, लि क्क क--- चौर्य दिलान अक्काडी, शहकाडी--শ্রীসংক্ষর প্রকার টি।

( ১১ ) औदमासक्यम्बद्ध --माडेगाडि, काद्यगढ, नहमान। व्यवामावकार के क्र वृक्तावत्वव क्षात्र । द्रभाव--- मैंश्वर्ष वर्गाने अवनाती, अक मीनस्थाम ।

(১১) ভাগবন্ধ আপন শী গাগবত তেশে, ক্রম্মনসর, নদীরা। ভাগবস্থিতাও এছাবলীর প্রচার-কেত্র। রক্ত—জ্রিকানন বন্ধচারী ভারনারী

(३७) खीतकासन मर्ठ (शांविसाग्रद, कें।गवानी, समीमा । খ্রী-ত্রনিংক ব্রহ্মচারী, শ্রীক্পগ্রের দ্বাধানিকারী, শ্রীপরেশান্ত্রত ব্রহ্মচারী, প্রীধানবানকা শ্ৰন্থ পান্তা, ভব্দ বিশ্বনাথ

(১৪) 🔊 साथव ८गोकोन्न सर्व २०मर नवावन्य द्वाक्त, हाका।

भूकान्द्रस्त अधावन्यकत्रः व्यादन जीवक-्रशीबाच शाक्षका-शिविषदयय दमवा वर्खमाम । প্রীপায় (श्यातानम् नवतिष्ठातिताम् वि- व, नि मान- ( )

ভার মস

वाणिकामान ह कनकी हैहि. (भाः नाभनासातः कनिकाहा । cofocata to, fo, esse

শীমষ্মতা এড়ার প্রচারিক স্থানিত্মক ভাজি তা-প্রচারোক্ষেপে গৌছদেশের সঞ্চপ্রধান নগরী কলিকাভায় জীক্ষিকাবলের আসনে জীম্য প্রতিষ্কিত আছেন। এই ভক্ত সক্ষাণামে টা গ্ৰহ-গোৱাল-প্ৰীবিনেলানক জাউ সপাৰ্যনে নিতা দেবিত চন ৷ সৌতীয় আচাৰ্য-পৰ্বার বাৰদ্দীর প্রস্তাবদীর প্রপ্রচারে:জেলে শ্রীমটে সংলগ্ন একটা প্রস্তুত মুদ্রাত যন্ত্ৰাণয় সংস্কৃতি ভুটুৱাটেল। পুলিধীর স্থাত 🚇গৌওলাম-প্রচারার এট যন্ত্রালয় েতে 'লো দীয়' সাপ্তা'তক পত্ৰ, জি ক্ৰমভিত্ৰ মাসিক পত্ৰিকা ইংবালী ভাষাৰ নির্মিতভাবে প্রকাশিত কটভেচেন। প্রীমঠে পাঠ, সন্তার্ত্তন, সংগ্রন্থান-চত্তইত্ব-বেলাঞ্জ, শ্রীময়াগণত, প্রাচি এল-চরিভানুভাবি-লীলা ও ভর্মরের সমাক বালোচনা ভট্ড পাকে। মঠনমাক-মাচাগ।ত্রিক শ্রীশাল কুমবিহারী বিভাভ্যব। সহভারী-পঞ্জিত ोभाग अन्यकाष्ट्राप्त भवविद्यास्त्रम विन्त्र, लीभाव दामविशाबी उद्यक्ताती, खीलाव क्ष्मक्षाक्ष मामाविकाकी विन्ता. जीनाम कर्याणान मामानिकादी. अक्षमधी ্রীকী উনানন্দ, ওন্ধারী শ্রীপারীয়োগন, ওন্ধারী শ্রীম্পানন্দ, পতিত শ্রীপাদ নধীনস্কর্ প্রবিজ্ঞানভার সম্প্রবাধ্বৈ ভব্যচার্যা, ইজ্জভ্রত্তানদাসাসিকারী বি-এ, ইভিব্বভ্রাক্তিশ্ धकाती वि-धन, जीवञ्चलम जायरकाविम, जीविष्ठत उम्राती, जीत्रवस्ताविम

श्रीत अभागती, जीनवरशीवात्र अभागती. 🚉ণভিভণাবন কক।

( ১৫ ) औरगामानकी मर्ज

क्रमणाश्व, हाका। (गानानकोर है। रश्राद्ध व व्याठीन द्वारा क्रक--- श्रेमामन्यन उत्ताताती ।

১৬ জीगभाषे-८गाराम मर्ठ श्रिकां के श्रामा ! इसी अला, वानिवाहि हाका

वक्त म - जीलूर्व शक्ष अक्षात्री. जीम किनान বন্ধনারী

্১৭ এ ভাগবভভনানৰ হঠ किक्रेलिया, वाक्ष्यस्थलुत, द्यामिनीलुत्त । @ भारत चे लक-(श्रीदाक्र-शाक्क कि का-গিবিশারীর নিজাদেবা•ব ভ্রমান। রক্ষ •---

(১৮, আমগাযোড়া প্রপদ্মাঞ্জম वाक्यवीम दलाः वद्याम ।

अवरामी जी नगराननामकी।

भी धक्रशाताम-जीनासमिका नितिमादीत निरुारम्या। त्रक्र--- बच्चवामी चिडाँदfecuta !

(১৯) শ্ৰীপুকুৰোত্তৰ মঠ

वर्षकाव, भूबी, छेडिग्रा। बबात द्यानाक-वितासभाषकोत निका-সেবা বঙ্গান | রক্ত - এছচারী জীপর্যা-नम विवाधक, अक्षठाडी खैनकीशनक, अभागती, कल जी'नगार ।

(२ -) खेळण-८गोड़ीय मर्ड

व्यागवत्रमाथ, अवागिति (गाः, गुरी। क्रमहाथरनरन्त्र व्यवस्त्र समरम् 🗃 ध्याका बारकारा १ वर्ष ५ --- अव्यक्तारी मिनश्रद्भवती व्यनामकी। शहकाती-अभागवी अविश्वितिविद्याची ।

(८५) जैजिक्शानक वर्ड

古[福司] [明(点、 本音中 ) ७चारन = = चैश्वक- -शाकाक-निर्माणकृष्टन-निकारमना नवस्थान। वृक्क---अभागकी जीनगर स्थोदामणा अञ्चलकी

(२२) धात्रवाडव-८शोषात्र वर्ड अन् प्रशासन्त्रात्म सूत्रा, काली ।

(भी :- १४। इ. १७ मना छन- निकासन । ध्यां । व्याप्त व्याप्त विकास শ্ৰীগৰাই-গৌরাজের নিতা সেবা শ্ৰীসানকীনাথকী, শ্ৰীপঞ্চানন একবাসী ।

(२०) **बैक्कटेहरू व**र्ड জীনু সংগ্ৰাস কুল, জীবাম বুন্দাৰ্য । **अभे काषा-अय-स्माहनकोइ स्मरा।** 

রফক— শ্রীগণগতিনাথ ব্রশ্বতারী

(२৪) 🕮 श्रेष्ट्रबहरण वर्ड নৈমিবারণা, সীভাপুর

এথানে শ্রীভাগবন্ত পাঠশালা 🖝 चैदिनो ०-ति**ट**ाम विमानकीय दनवा वसमासः ८क्ष म --- अध्वताती जीनांगरहानम । अध्वताती भोगन्यक्रमान ।

**।२०. औरेडक्करगोकोन्न वर्ड** ভূমুরকু তা, চিরকু তা, খানজুম। ইহা <u>जोरे० १७ - मरठत वाथ। रक्क -- जोत्रमा-</u> नाथ दाव, डीरकनशानम अब्रहाशी, जीवाय कीर्थ (संवधविद्या ।

(२७) न्यामदभोड़ीय मठ कुर्कारक व, बारमध्य, क्याल । अवरत्म জীগৌৰবিলোম-রামের সেবা ব্যয়াল। तकक---वक्षाताकी जीव्यमनंत्रकी, जीवनी-(मानान उपनामी

(২৭) ত্রাঙ্গণপাড়া প্রপদ্মাঞ্জন-বঠ ব্ৰাহ্মণপান্তা, পোঃ মাজু, কাবভা

अभारत वक्षक्रमाडे डारगोशास्त्रह दमका वसमान। सक्त-- उपनामी जीवानप्रक-काम, जीवश्रमताच अधानावी।

(३৮) विश्व द्याओप भठ---व्यव्यानव व नर दशाली ७ वन, छा का ब दमस, मिके विक्रो । तमर-विकाशि चौतीहरूक, अहिम्यरनप्र ঐ্রাধারমণচন্ত্রণশর্জ

(२३) दगामानभाकाव्यवस्थ वणक---वणहात्री खीबाबादशास्त्र



#### তিহারীতে দুর্ভিক অনশনে বালক্ষের স্বস্তুঃ

ছভিক্ষ পীড়িত অঞ্চলে গোৰে রাস্তা मःकारतत्र कारा कतिर**ाह्य । वर्षा भा**त्रश्च र अग्राय वह .मजिल अभिरक्त की विका-िकार्थत श्रविश इहेरव । अक्की वानक भावि पिन व्यनाशस्त्र शक्तिया क्र्या भारत করিবার আশার একটা জাম বৃংক भारताश्य करता। धादः के दुक हहेएड ভূমিতে পতিত হইয়া প্রাণত্যাগ করে। কো-অপারেটিভ ব্যাক্ষ স্থানীয় গোক্ষণিগকে 🕽 श्च्यत्राम श्रम भिवात कावशा कतिमाटक। ध्यकान, बाह्र ध्रहे बश्मत्र किन्द्रो .प्राधात्र হুণিত রাখিবার সমল করিয়াছে। अवर श्रवली करबक बरमरब्रब भरता अन् পরিশোদ করিবার স্থবোগ প্রদান করিয়া व्यननाथात्राम्य यामडे डेलकात कतिया-CEAI

### **८व्याटन ১०১> कटमत्र काञ्च**रमर्भन <sub>र गाँठे</sub>

বিজ্ঞোহী পো টেক বন্দুকের ভলীতে আছত হইয়াছিল। যে এখন দারিয়া উঠিলছে। প্রকাশ, গত ২০শে ভিনেধর কোনোটার সামহিক ঘাটা আক্রান্ত থারবেডী জিলার উই নামক গ্রামে সে একজন যুরোপীয় সরকারী কমচারীকে हर्गा करता (नाक है) >> हे कुणांत जाह्य-म्यर्भन करत्र ।

বিজ্ঞোহের জামগা হইতে বহু ভাকা-ভিন্ন সংবাদ পাওয়া গিয়াছে। কোন কোন ভাকাডিতে নরহত্যা ও হইয়াছে।

ব্যোম জিলার ১০১৯ জন বিছে।হী व्याचनमर्थन कत्रिवाद्य ।

#### ভারতীয়দের সহিত মিলন চেটা

বিভিন্ন সম্প্রদারের মধ্যে সম্প্রতি মিলন अञ्च हेटनत डेंटफट्ड व्यवः निर्मातकरण तका-কেল্ড্রামী ও ভারতীয়গণের মধ্যে মিগন **ছাপ্তের ৫৮টার অবেটারে** এবং বাংগারের **लिडाय माग्रामी ७ कही मन्द्रनाग** करान क्रमाभात्ररगत्र निक्ष व्यादिमन शब व्यकाम कतिराध्यक्ताः दत्रमुर्ग ভाताः স্মিতি উক্ত আবেদন্পত্র প্রসাদেশীয় ভাষার মুদ্রিত করিয়া প্রচারিত করিবার **छनपुरू वावका** क्तिएटर७।।

#### · পুর্নি**টেম্ম সহিত** সংখ্যাম

**(क्लक्षानांत शक > वे क्**लाके का तरभ একদল ভাকাণ্ডের সহিতে পুলিনের माकारमाज घटि। धक्रम हानाउ श्रीकारमञ्ज करख भिक्ष करेग्रास्त्र । किंद्र छाक्षकि ७ कत्रकथानि मा देशालय निक्र इंडेटल डैकात कता ब्हेग्राट्छ।

>•**हे स्नारे** छातिरश्त्र (४४ १ ८१(७८) আকাশ মিঃ ট্যসম কভিপর পুলিস্সহ ওমানেৎবঙ ও ভাষাকিফ সহরের দিকে , পাঠকরণ অবণত আছেন। ভুরীবণ প্রবেশ করিয়া একদবা বিছোহীর সন্ধান সাব্যস্ত করায় জল ভাহাণের সহিত করেন। তুননিন নামক এক বাজি একমত হইতে না পারিয়া **পের সিদ্ধান্ত** এই বিজোহীদ্ধার নেতা ডিল। প্লিম- কিয় মামলার কাগত পত্র হাইকোটে দশ বহুক্ষণ অনুসন্ধানের পর কমেকজন 'ত্রেরণ করেন। আসামিগ**ণ্ডে ভাষিনে** বিজ্ঞোটীকে দেখিতে পায় 🖟 উহাবা মুডিদান করিবাব মতা উকিল মিটার অমনি গুলা করিতে পাকে ৷ ১ গুলীতে এন, মুপি দাবরা ছঙের নি**কট আবেদন** त्करहे आरुष्ठ दश नारे, लता भि: हेमगरनत करत्रन। भत्नकात डिक्टिन **डिक आरवधरन** টুলার ভিতর দিয়া একটি ওলি চলিয়া আপতি করায়ু, উহা আগ্রাহ্য করা পিয়াছিল।

পুলিস্ভ তৎপরে গুলী করিছে থাকে। তুনসিন ও ভাহার > জন সংকারী **গুলাতে নি**ংভ হয়াছে। পুলিশ অতঃপর উহাদের অভেচা আক্ষণ করে। আড়েদ চইছে পুলিশ ২টা দেশা বন্দুক কাংক গুলি কারেছেল ও দা হাস্তগাস্ত করিয়াছে ৷

श्रीक्षम् प्रश्नित्र (कः

(कारहति इंडेटल खक अपन आकास. বে, আফ্রান সীমান্ত এইটে স্তব্নান स्थल जार भारताडि উপकारिय उ सह হইতে এক হাজার কোকের একটি একর व्यानिया ब्ला এवर ८२१ कुलाई कान्द्रिय আন্ধেওয়াতভিত ঝোৰ সামরিক ঘটে व्यक्तिमन कतिग्राधिक। व्यक्तिमनकातानत বিভাড়িত কৰা হুইয়াছে এবং শঞ্জ প্ৰেন্দ্ৰ करमक्षम ६७ । आधार इक्साएए। ঘাটির একজন নিগত হয়: শেল সংবাদে প্রকাশ যে, লক্ষর এগনও ছারভিক্ষ হয় নাই! সকল প্রকার মাণ্ডাক স্তর্নতা का व्यव कता इहेग्राटकः भाषि छनिएक चितिक रेमण ममार्यम **४**इग्रोट्ड उत्तः अधा रेमझल्टलत পाठाता वनियादछ লকরের বভ্নান গতিবিধি নিছারণের क्रम ताबकीय विभाग वादिनी ्याम अकटन পুরিষা বেড়াছভেছে।

গত ১৩ট জুলাই মুণ্বাধ পাৰ্যা शिशाद्ध (य, **आ**द्धाद ≤दक्षभाष्ट नाष्ट्रित िङ्क (नभा यांकेटल्डा) सन्तर्भत (स अनन्न व्याभिश्राह्म डाटाट काना गांग (ग. শক্তভাবপূর্ণ লক্ষরগণ পলায়ন করিনাড়ে।

#### त्राजनारी दरामात्र मामना

আনুত অভয়পদ মুৰোপাণ্যায় ও শ্ৰীনৃত গোর দত্র ভারতীয় দওবিধি আইনেয় ८०१ भात्रा ६ विष्यातिक शमार्थ बाईएनक 🌣 😌 🖇 शाता व्यष्टभारत माण्या कृटमत व्यामांगा कि विक्र स्ट्रिया छन् । अरबाम

প্ৰয়ন্ত্ৰ করেন। ইহারা ভক্লের ১০গা, একবাকের আগানীদিগকে নিরপরাধ । इंड्रेस्ट्र

#### মহিলা সমিভির বয়ন বিভাবের **উ**ष्टाशम

গভ ৮ই জুলাই তালিখে ভামালপুর মহিলা সমিতির ছিটায় বাধিক অবিবৈশন ভাজার বিপিনার্থারী সেন সভা পালে। মান্ন পরিপ্রাধ করেন। সমিছিল। সদলা লে ব্যাণাত ভাষে ২০০ মহিলা সভায় ८५ .लाम करतमा। वातिक विश्वापि छ काणनाश्चत 'अभाव शृंधान अदेशन ५००७-🕝 সংক্রের ক্ষাকর্ত্রী লৈকাভেন হয়।

াজার যেন বয়ন বিভাবের নৃতন গুলের ছারেলেল্ডেন করেন। আছেটে वरमन व्हा न माहि व्यापित करेगार्ड. ভেদব্যি উৎ) থাবে ব'বে **উল্লভিন্ন পণে** व्यक्षतम्ब ३ हर् १६५ व

#### হা সালে অভিনক্ষের শুস

গ্রান্ত ১৫০ জুলাই প্রেটাবে কলিকাতা - পাছৱানসংখ্য সময় **স্বন্ধিপাশ** এফাণেপ্রদ ট্রেটা চলতে অবতরণ স্বিবামার ८०क्षण हिनात्मन नटल खोनुष्ठ व्यथनात्स সেমকে এশাল টানার কেশনে ব্রেপ্তার कता बहुबारक । 🖃 । ७ (सम. खुक्ररमाबन কলেকে অন্যয়ন করেন এবং এই বৎসন্থ आहे. नम् मि প्रीकाय डिडीर्न बहेबार्डन । গত ১০৷ জুন ১টটে **বরিশালে** ১৪ जन्म (तक्य अफिन) व्यक्त वर्ष वार्षेक कत्ता वर्देशहरू ।

#### अक्ष निरम्बन िट्यापी **ब्लाडा** दिक्क । योजा

ত্রন্ম বিক্ষেদ বিরোধী নেতা মিষ্টার মাং भार की महाचा शाकीत महिन्छ चारनाहमा করিয়া বোগাত হটতে ১২০ জুলাই আতে कलिकाडाय छेलनीड वस । जनारमरमञ् বর্ত্তমান রাজনীভিক অবস্থা এবং পোল ८७विन रेवर्रक । अति इस महम स्वितिहरू विटळन विद्यानी मत्नत मानी अनिश्वक করিবার সম্পর্কে ভিনি পণ্ডিত জহরণাগ त्महक 'अ करट्यारमञ्ज कार्यानिकाहक স্মিভির অভাভ সদক্ষণণের সৃহিত

আলোচনা করিয়াছেন। ডিনি রেঙ্গ ভাক হীমানে দেকুণ থাকা করিয়াছেন।

#### চাকায় কৃষি মন্ত্ৰী

স্থাৰি ও প্ৰম বিভাগের মন্ত্ৰী অনারেবল करताकि, शङ ১०३ कुलाई कानतारह ঢাকা আপ্যন করিয়াছেন। প্রধান কর্ম্ম-চারী, কমিশনার ও পুলিস স্থপারিন্টেপ্রেল্ট টেশ্যে উপাত্ত ভিলেন। মন্ত্রী মহাশ্র উপস্থিত ভদ্রমহোদয়গণের সহিত করম্বর্ণ कत्तकः डीशत्र शमधात्म भगन गरतस्। অস্ত্রকানের ফলে জানা গিয়াছে যে. ভাষার সচিত অপর মন্ত্রী থাজে নাঞ্চি-मुक्तिरमञ्ज निद्याहम भवत्या घरण्डे मण्डर्कत WILE I

#### द्याषा है कःदशदम निर्माहन

গভঃনহ ফুলাই গোগাই কণ্ডোস কমিটার নিকাচনে মিং নরীম্যান প্রপতি মাচার নগি-লাস সহকারী সভাপতি, 🗒 बुख चार्तिम ली ७ लाएँग— मन्नाभकत्रग्र ও প্রীযুত্ত রূপ্ত অংধ্যব কেন্দ্রেলক নির্মান চিত হইয়াছেন। অভাত স্মক্তবাং পুরের गरहे अएउन।

নিশিশ ভারত কংগ্রেস কমিটার জন্ত ও **बिक्श**ा वा । भटल भिः नशेषाम, આવિષ્કરના હવલ્ટી, બાબુના મુજજ્ઞાજ, कर्मभूतान उत्तर स्थुदानान व्हिक्सनान आर्थीत महा ७ कन दीक्ष्टम्य नाम প্রেল্যার্যার করেন লেণ্ড জন প্রাক্তিত इस । १९७, ১১ हे हुन हे ग्रम वि, लि, जि, সিয় সভাও ২ইয়(ছিল:

#### মরভী হাজ্যে সভ্যাএই कारणार्यत ८० होत्र आयुक्त स्मानि

भाकाकीत अटबार्डाजी खेलुङ महाराष (ममारे गए ১১ए जात्मनावान जानियारे মর্থী অভিমুখে ধারা করিয়াছেন। कः दशरमत शक इंग्रंड छात्रावसारी। **धानावेतात जिल्लाक बह दारका आरम** कत्रिनात करिकात छाडिछात क्रम कर्मक-দশ বেচ্ছানেবক সভ্যাত্রহ করিবায় कित्मरक व्यथनत इंडेरफ्रिया। क नेपास ছয়ট দল সভ্যাতাৎ করিয়াছে এবং সক্ষ परगद्ध (गर्धाता पुष्ट इहेब्राट्यूम । ' **(प्रक**्रि टमबक्षिभटक प्रत्यक्ती भारम महेबा विसा हाकिया (पश्चम कहें टकेटिन । 😁 😅 🐣

व्यक्तान, बारकाश कर्कुनरक्त्र महिष्ठ क्लावार्खा कश्चितात कश्चर क्षिप्क त्मनारे एथात शिवारहरा। देखियर्था शाकीशीत আদেশ অনুধারে সভাঞ্জ স্থান্ত म्हेमार्छ ।



Reg No C.1544

Elevier

Elevier

Elever

Elev



ना रा द्यार हात ना का का का ना निक के वा चा निक द के जिमानिक द के जिमानिक द के जिमानिक के नगत

ত ৷ শাসাদক—আভাতান্দ্রাথ বলেদ্যাপাধ্যায় বেদান্তবাচ ভাতি -[১১৬তম সংখ্যা

विषयान वारानूत-रहा खारन मोमरात. १७:৮, १५३ पूनाहे १००१

#### 11-11 1-11

#### সিম্লায় সহাত্মা গাড়ী

শীৰ্কা কল্পনী বাল গালী ও প্ৰীৰ্ত মহাদেব দেখাল সমজিবাহালে মহালা গালী ২০ই জুলাট মণাচেলে আলু পূৰ্বে শিমলাল গিলা পৌছিলাছেন। মহালালী ফালাল মোতে লাল বাহাছৰ মোহনলালের বাটিতে জবভাল ক্লিভৈছেন।

লোকে আলা করিয়াছিল, পণ্ডিত । জহরগাল নেইছা ও সদ্দাব, ব্যাওভাই পাটেটগাও মধান্তাহীয় সহিত আদিবেন, ' কিন্তাভাগেন আদেন ল'।

পাণীলা বলিয়াচেন, তিনি দিমলার ছই ি দিন থাকিতে পারেন। প্রতিত জহরণাশ ক স্থার বলভডাই আগিবেন কি না, তিনি বলিতে পারেন না। জিনি ইংলাই যাত্রা করিবার পুরে সাজ্য হার্থিক সম্ভার স্থাধান এইবে কি না, ভাষাত্র ভিনি বলিতে পানেন না, তবে ভাষার দুব লভ চেঠা করিতেছেন।

#### গা ীজীয় বিলাত শাঁচা সংযাতীয়ণে মানব্যকী

লানা গিয়াছে পণ্ডিত মননমোহন
মালব্য থাৰীজীর সহধানীয়পে আগামী
১৪ই আগত ভারিখে মৃপতান নামক
লাহাজে চড়িরা বিলাভ বাতা করিবেন।
একই লাহাজে পার তেল বাহাছর স্থারও
বিলাভ বাতা করিবার করা।

वरीमुद्र कोकर जानी विः मोकरजानि ३३१ ब्रुगारे खार्डकाल क्लिकि समें देखा वानी

## সিমলায় গান্ধীজী

গান্ধীজীর মানব্যসহ বিলাভ যাত্রা

## মহীশূরে সৌকৎআলি

ক্ষিকী লওনে গেলে ইংরেজ ক্ষকরা ছাগত্থ যোগাইবৈ

## াহরমপুরে ভীষণ চাঞ্চল্য

শ্বইন্স্পেক্টার হতাার মামল:— ৬ ব্যক্তির দ্বীপান্তর

## স্বাসকাশে নরভনেতা

श्चिम्यूममान मोनाय कमिष्ठी नियुक्त

## ধলভুম সমস্যা

গ। জীজীর সরাফ্রসচিবের সহিত আলোচন।

লো ব উপস্থিত হারাছেন। তিনি গত ১৩ই জুনাই প্রাতে মিউনিসিগ্যালিটার আনিক্রন গ্রহণ করিয়াছেন। এ স্থানে ছই নে থাকিয়া জীরদপ্টমের পথে তিনি মহী রে বাজা করিবেন প্রির করিয়াছেন।

গান্ধীলী লগুল গৈলে ইংরেজ
ক্রুক্র হাগ-ছুর্র যোগাইবে
গান্ধীলী কিংগিলল সেটেলমেন্ট ইটা এতে অবস্থান করিবেন বলিরা মনস্থ করিবার সংবাদ প্রাকাশিত ১৩বাছ মিস মনিশ্ব তোটার দেশের ক্রুক্দিগের নকট চইতে ব**ল্ল আবেদ্ন পত্ত পাইয়া**-চন। তাহারা জানাইয়াছে বে, মছ:ত্মা জীর লণ্ডনে অবস্থান কালে ভাহারা ভোচ চাগলের ছধ প্রধান করিবে।

মহাত্মাতী-সকাৰ্যে মন্ত্ৰী-মেডা

মরভী সভাপ্রেছের নেছা আহুছ

গটাদ পালা মৃহাস্থালীর সহিত সাক্ষাৎ
বৃত্তে আসিরাছিলেন। বিশ্বত্ততে জানা
বিছে, মরভী কর্তৃপক্ষ কংগ্রেদের

গোকলাপে বাধা দিবেন না বলিয়া
লী হইয়াছেন। কলে সভাগ্রহ

### প্রবল বৃষ্টিপাতে রেলপথ ভয়

নেকাজাব্দ হইতে সংবাদ পাওরা িটেছ, আ বজান্ত বৃটিপাতের কলে মন্মদ্ বিভাবের উমরি ও শিবসার মধ্যবজী বানে রেলপথ ভাদিয়া মিয়াছে। রেল-শড়ী পরিবর্তন করিয়া গ্রনাগ্রন ভাস্তব হইয়াছে।

তনা বাইতেছে, গত 20ই জুলাই
উপরি ও শিবনার মধ্যবতী স্থানে একথ নি মালগাড়ী ও এঞ্জিন লাইনচুড়ে
হা । ঐ গাড়ীর গার্জ ও এঞ্জনের
চালকগণ একটি বৃক্তলে আশ্রম গ্রহণ
ক রয়াছিল। শ্রমিকগণ তাহালিগের
উলার সাধন করিয়াছে। গাড়ী পরিবয়ন করিয়া গমনকয়া অসম্ভব বিধার
প্রাণ ৮০ চন আরোহী উমরি হইতে
প্রাণ্ডামন করিয়াছে। জনৈক হাজী
প্রাণ্ডামন করিয়াছে। জনৈক হাজী
প্রাণ্ডামন করিয়াছেন, শীলার কলে জিলাটি
প্রাণ্ড হইরাছে।

## শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

### त्थाना इहेब्राट्स ।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অতি যহের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যয়ে সুস্পর বাসহানের বস্পোবস্ত হইয়াছে। ছান অতীব প্রাহ্যকর।

সবিস্তার সংবাদের জন্ম নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। সেক্টেডিবিনি, ভাকুর ভক্তিবিনোদ ইন্ট্রিডিড্রি শ্রীচেড্যমঠ, পোঃ শ্রীমারাপুর, নদীয়া।

#### —৫১ ৰৎসরের প্রতিষ্ঠিত—

শ্বিশ্বাসহো প্রস্তুত বতীকা খাল ক্ষণালন, স্থাপায়, পোষ্ট কাচিত্র, মার্লার্গ, মার্লার প্রস্তুতি ক্ষ খোগীর গোল নিরাময় হইলাছে ভাল প্রকাশ কারণে বড় বড় প্রক ক্ষণা পড়ে।

हेडा

সক্ষ কচুতে বাণগাৰ চলে ও সমান ফল প্ৰেদান কৰিবা থাকে। প্ৰতি কৌটার ০২টা বটাকা থাকে।

#### <u>কেবলমাত্র</u>

कि को है। ३८ जरू है कि । देशक मान 'का क निवाद

ষ্ট্ৰান্ত উবণের ডালিকার জন্ত পত্র লিখিনেই পাইবেন অ।থিয়ান :—আতঞ্চলিগ্রাহ ঊব্যথালয়

२>६ मर वहवाचात क्रिके, क्शिकाकः ।

কবিরাজ শশিভূষণ কবিকপ্রাভ্রণের

# प्रकानम अध्यक्ष अनुश्य महिन्द्र

মকংখনের অবিধার অস্ত ৬ আঃ শিলিতে ঘনীভূত অবস্থায় ভেটেনেডলেও াস্মণ্ডি উব্ধ ডাকে পাঠান হয়, ইহাতে ঔবধেয় কোন পরিবর্জন কয়া হয় নাই। মুন্ট প্রতি শিলি॥• আনা, পাঁইট ৮/• আনা, বোভল ১৮/• আনা।

অফিস–১১নং উল্টাডালা রোড, পোঃ স্থামবাজার, কলিকাতা

## ममन मध्रती

ক্তিয়া বা ও বাধুবিকার, বীরারপতির প্রায়, কার্টাটো প্রকাশিক, বর্গকার, রাধাবোরা, মুক বক্ কার্টাটো কার্টার, বাক্তি রাজন পরর বিশ্বের আলোক্ত বর । বল, বীর্বা, বেবা সুক্তি ওরিকে আহিন্তীয় ইনিকিন্দ, মুন্য ১০ বিলি ১, এক টাকা ।

### হাইড়োবিল,

বা

### কোরহৃদ্ধি রোগ

काः धम्, धन्, साव विना चाळ, यावस्तीयस्त्र मानाष्टि विना देवशक्तिक व्यनागास्ट स्कानतुष्ट स्त्राम चारताम। कविना वास्त्रत्ता

> ঠিকানা— ১৮ বং কটন ট্রাট, বড়বাজাঃ, ভালকাডা।

## হইবেন

### · দৈবপ্রাপ্ত বজার একমাত্র মহৌর্ধ

পুৰুৱ দিলে স্থাপুৰ্ণ আব্যোগ্য

লোকী বেপাইতে বুইবে। অপ্রিম পাণ্ডের খনত (যাওয়া এবং আলার)
পাঠাইলে গিছা রোকী বেপা হয় অধ্যা এবালে আনিনে। বোকী বেপিলা
উবধ বেওছা হয় আন্ত্রোলা লাভ কুছা পবাক্ত পারিক্রমিক দিছে চটবে না।
গুনীব বোগীবের খনত বহন ক্রিছা তিকিৎসা করা হয়। বিভারিক
বিবর্ণের কল্প এক আনার ভাক টিকেট সক নিয় ঠিকানার অন্ত্রদন্ধান

শ্রীক্ষিতীশচন্দ্র উকীল, যশ্মা-চিকিৎসক, পো: নৈকাঠী, বরিশাল। অথবা নিম্ন ঠিকানায় সাক্ষাৎ করিচা বিস্তায়িত আনিতে পালেন। শ্রীযুত রামধ্যোপাল মত্ত তম্, ত, কুক্ষনগন্ধ, ক্ষীয়া। শ্রীযুত করিপদ

धिरण, ১১৭, व्यविद्यारक्षेत्रा श्रीष्ट्रं, शांक्रत्यात्रा, कांगकाळा ।

এক শানি পান। আমার প্রায়ুপ্র গাচ চয় মান বাবং রাজ ব্যায় ভূগিয়া মুচপ্রায় কংলাচন, কলিকাভার বিজ্ঞ চিকিংসক্সণ ভাগর কীবনের আশা ভাগে করিয়া দেব মুহুরের অভ অংশক্ষা করিছেলিন এই সময় প্রীয়ুক্ত কিতীশচন্ত উকিল মতাপন্ত মান্ত হৈ বিদ্বাহী করিয়া কর

## শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরাব্দ. ৪৪৫ মাজ ৮১০ ভাক্টিকেট, পাঠাইলেই বুকলোটে পাঠাক হয়।

> ম্যানে**কার-গ্রন্থরিভাগ** শ্রীচৈত্রগুম্বর, শো: শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

ক্ষেত্ৰ প্ৰাহকগণ

## গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

-কারল-

ে এখাৰে বাৰতীয় চাপার কাৰ্য্ — এখাদির কাৰ্য্যই বলুন,

বিবাহের নিমন্ত্রণ পত্র, কার্ড, বিবাহের পছাই রলুন,

আর ৩ রং ও ৪ রংএর হাকটোন একই বলুন, সকল কাষ্ট্র আ সম্বর ছাপা হয়, অধ্য ছাপাইবার খরচ বাঞার অপেক্ষা সুল্ভ।

् वाशनातः विष्कृ हाश्वा कार्या शक्ति मित्रहिकानात जानाहरणहे ॥ शाहरकत ।

> गातकात्र- ल्हीजीया द्विन्डिट अञ्चारकात्र २००१ मर बानीव मात्रक्षात द्वार, क्विकाता ह

প্রায়োত নগ্রানপ্রকাশ

াল প্ৰাৰ্থস হইছে—কৃষ্ণকাতি বেশচাৰা ভক্তিকুল্বৰ এন, এন, এন, কৰ্তৃত বুলিত ও প্ৰকৃষ্ণিত



बर्छन व

১৯ বামন গোরাস্থ ৪৪৫. ২রা জ্রাবণ নদান্ত ১৩৩৮, ১৮ জুলাই ইং ১৯৩১ শনিবার

)) ५३ व म**्य**ा

## ठाकूत ७ किनिरमाम इन्छि हेछ्ट

বক্তৃত্য

ৰকা—বিদ্যালয়নী শ্ৰীনদ্ভতিবিজ্ঞান আশ্ৰম মহাবাজ

अध्यक्षत्र मजात्र आलाका निवयं मद्यस्य विराणव भारतम्बिका आवास्य नारे। छट्य जिल्लाक्षर्याच्याचे स्थान एका अनेपाठीर्थ यहातारकात्र आहम्म छद्दः स्थानम्बन्ति सभागारकात्र महत्त्व अह्ल कंट्य, मानास्य-माद्यां किङ्क वंभावात्र होडो कत्य।

আমনা ইহ সংসাদে হুটা বন্ধর পার্থকা বা বৈশিষ্টা সর্বাদাই পকা ক'রে থাকি—দথা বন্ধী ও যদ্ধ, ইন্ধিলীবার ও ইন্ধিন। প্রথমটা চেতন, আর বিভারটি অচেতন। এই অচৈত্যুম্বর বিশ্বে চেতনের কথা প্রথমসুখে অভিনয় ব'লে বোধ হুল, কিন্তু অচেতন আপেকা চেতনের প্রেছতা অধীদারেই সমন্থরে কীর্দ্ধন ক'লে থাকেন। বারা ছলে, মলে, এবং ইক্ষাধন্দবিশিষ্ট, ভালাই চেডান, আর বে স্য বন্ধ চল্তে বিদ্যা বল্তে পালে না, স্তাপং আবৃত্তি থাকে এবং ক্ষাম্ব ইচ্ছাধন্দ নাই, ভারাই অচেডান বা

নহত্তপঞ্জি এবং ব্যাপজিক্তাপ্রথমটা চিং এবং বিশ্বীরটা অচিং; গ্রেপনটা বাট, বিশ্বীর নাবারা বাজীত কমান কোন কাটি বাটার নাবারা বাজীত কমান কোন কাটিই পরিস্কৃতিত বন না। নাত্ত্য বন্দি ব্যাপে না চালান, তবে ব্যাস্ত্র কোন ক্রিপা লেখা বার নাক্ত ক্রমন্ত উত্তরের মধ্যে নার্থ নার। চেত্রের অচেওনের উপর কান্য করার ক্ষতা আছে বলে চেত্র সরকালেই শ্রেষ্ট কিন্তু এই এই বস্তুট শক্তি, শক্তিমান কেউই নয়, এটা আলোচ্য বিষয় পেকেই প্রমাণ হচ্ছে।

শক্তিমারেই জড়, শক্তিমানের সাহাবা বাতীত এই শক্তি কোন কাজ কর্তে পারে না। স্তবাং মানবশক্তি চেতন হ'লেও তা' কোন শক্তিমানের সাহাবোর অপেক্ষা করে। গাঁওার ঐতগ্রানের উক্তিতে আমরা এই লোকটা পাই,— স্বারঃ সক্ষ্তানাং জন্দেশেহত্ত্ব ভিঠতি। ভামনের সক্ষত্তানিয়েল্লার্ডানি মার্লা॥

স্বিদ্ধ সর্কালীবের ক্রমণ্ড প্রথাছাল্পে অবস্থিত। তিনিট সর্কালীবের নিয়ন্তা। জীব ব্যেরপ কর্মা করে, স্বিশ্ব তদম্বরূপ কর্মা প্রথান করেন। ব্যারাচ্চ নম্ব ব্যেমন প্রামিত চ্য, জীবসকলও তল্পে জীমবের সর্কানিয়ন্ত্র্যু ধর্মা হ'তে জগতে প্রামিত কর। সূব্য কর্মান্ত্র্যারে জীবপ্রবৃদ্ধি জীম্বরপ্রেরণা নারা কান্তা করে। এতলে স্বিশ্বর স্বরং কার্যা করেন না। 'মার্যা।' অর্থাং নিজ্ঞ মারা ভারা আরা তাহার বহির্লাশক্তি, তিনিও স্বভ্যহেন্ডাবিলিটা নহেন, জীমবের প্রেরণাবন্দেই কান্ত করেন মাত্র

ভাহলে বুঝা গেল বে, মা 19---ভগ-বানের শক্তি, এবং মানবও (জীব)---ভগবানের শক্তি। উভয়েরই শক্তিও ভাব বিভয়ান, শক্তিমানের শক্তিতে ইহারা কাল করেন।

- ষটের বিনিত্ত-ছেড় বৈছে কৃত্তভার।
- ं देखाद समास्त्र कहा भूमनावडाव ॥

ক্ষণ কার।, মায়া তার কবেন স্থায় । ঘটের কারেণ চক্রদণ্ডাদি উপায় ॥

চক্রদণ্ডাদি থাক্লেও তাবা যেমন কুম্বকারের সাহায় বাডীত কোন কাজ কর্তে পারে না—তা দিবে ঘট তৈরী ইঙে পারে না, দ্বন্ধ শক্তি শক্তিয়ানের প্রেরণা ব্যতিরেকে কোন কাজ কর্তে

শ্রীভগবানের প্রকাশবিগ্রহ বস্থেব প্রভুই নায়ার নিজ্ঞা। ভিনি নায়াতে দিকণ কর্সে তবে মানা কাচ কর্তে পারে।

সাঁচাতে ও এই ছুই প্রকার শক্তির কথা ব'লেছেন,---

ভূমিরাণোছনলো বায়ু থং মনো বৃদ্ধিরের চ অংকাব ইতার মে ভিন্না আক্তরিরপ্র। ॥ অপরেন্নমিভস্কাং প্রকৃতিং বিদ্ধি মে প্রাম্। জীবভূতাং মহাবাহো ব্যেদং প্রায়ে ওপ্র।।

ওঁবিষ্ণুগাদ শ্রীমদ্ ছাক্রিনোন ঠাকুর শক্তিত্ব সম্বন্ধ শ্রীশ্রীমন্মহাপ্রতুর শিক্ষায় এইরূপ বিচার ক'রেছেন,—

শায়ে রন্দের স্বাভানিকী ত্রিনিনা শক্তি
কণিত হইগাছে। বল (সাজনী), জান
(সন্ধিং) ও জিলা স্লাদিনী) শক্তি।
শক্তি ও শক্তিমান—অভিন্ন, ইহাই সর্বংশাম্বেদ্ধ সার, তথাপি অভিন্তাশক্তির কার্যা
ইইছে ভেদবৈচিত্রা পরিসন্ধিত হয়। নাম,
দ্বাপ, গুণ প্রভৃতি ধার্মতীয় ব্যাপার সন্ধিনী
শক্তির কার্যা। চিন্দাত সন্ধিনী ও মায়াগত
সন্ধিনীভেলে প্রোপঞ্জিক ও বৈক্ঠগত সন্ধার
ক্ষেদ নিম্ম কইয়াছে। চিন্দাত সন্ধিং ও
নার্যাত ক্রিন্ডিন ক্রাদিনী ও মারাগত ক্রাদিনীকেন্দ্রে

জ্বাদিনা শক্তি ১ই:ত চিংত্প ও মারিক ক্ষণ এই ছিবিধ ক্ষণ বিশ্ব হইন:ছে জ্বাদিনা শক্তি—ক্ষণপ্রেরদার্সা জীক্তাদিনী। তিনি নহাতাবঙ্গন্ধপা ব্যস্তান্তনন্দিনী জীনতী বাবিকা

উধ ন শক্তি প্রভাবনারা চিচ্ছাং ।
কৈবছণা ছড়জগং প্রাণ্ডভূত হইগাছে।
প্রভাক ভাবে সান্ধনী, সন্ধিং ও
ক্লাদিনারুপা তিন্টা বৃত্তি সাক্ষিত হয়
চিচ্ছাং কে কে সন্ধিনাবৃত্তি, তাহার কাশ্যক্রপে চিদ্যাম, চিদ্রবয়র, চিত্রপকরণ ইত্যাদি
সান্ধ প্রকার চিত্রৈভব উদিত হইগাছে।
ক্রিণ্ডা, ক্রফনাম, ক্রঞ্জণ, ক্রফলীলা—
সন্ধ্রেই সন্ধিনীকাশ্য। চিচ্ছাক্তির থে
সান্ধিনাবৃত্তি, তাহার কাশ্যস্ক্রপ সমস্ত চিক্তামান্ধিনাবৃত্তি, ভাহার কাশ্যস্ক্রপ সমস্ত
প্রমানক্রাফ্রনীকার হইলছে। চিচ্ছাক্তির থে
ক্লাদিনাবৃত্তি, ভাহার কাশ্যস্ক্রপ সমস্ত

কীণশক্তিতে যে স্থিনী, তাহার কাষ্য ক্ষণ জীনের চিন্মন্ন স্থা, নাম ও স্থান সম্প্রিক হই গছে, ভাহাতে যে স্থিংশক্তি, তাহার কার্যান্ত্রপ ব্রহ্মজানানির উদন্ত হয়। ভাহাতে যে হলাদিনী, তৎকাষা-মন্ত্রপ ব্রহ্মানন্দক্রিয়া লাভ করে। অন্তাঙ্গ-যোগগত স্থাদি হুখ বা কৈবল্যস্থপ্ত ভাহার কার্যাবিশেষ।

মালাশজিতে যে সন্ধিনীবৃত্তি আছে, তাহার কার্যাসক্ষপ চতুদ্দশ লোকময় জড় বিশ, বছলীবের জড় ও লিদশ্যীর, বছ-জীবের ম্বর্গাদি লোকগতি ও সমস্ত জড়ে-ক্রিয়াদি নির্দ্ধিত হইমাছে, বছলীবোর জড়ীর নাম, জড়ীয় ক্লপ, ক্লড়ীয় ওপ ও জড়ীর কার্যা সমগ্রই ভয়ুক্ত। মাহাতে যে সহিদ্বৃত্তি, তদারা হুড়বদ্ধ জীবের চিন্তা, আশা, করনা ও বিচার সমুদ্ধ উৎপন্ন হয়। মায়াতে যে स्तापिनीवृद्धि, उद्याता द्वण क्रहानम । ९ স্থানি ক্ষা কডানন উদিত হইয়াছে।

এখনে জাতবা এই যে, সন্ধিনী, সনিং ও হলাদিনীবৃতিত্য চিচ্চক্রিডে নিশাল ও নিক্লাগিকরণে পুর্বভার সহিত নিত্য-ক্রিরাবভী। দ্বীবশক্তিতে পরমাণু প্রায় হইগা অতি কুদ্রভাবে প্রকাশ পায়। সারাশক্তিতে বিকৃতভাবে তম্বুবুব্রির আভাসমাত্র দেখা যায়! জীবের পক্ষে মায়ার্ডিসকল হেয়। জীবশক্তির স্থীর বৃত্তি সমূদর হেয় ন্য, কিন্তু অপ্রচ্ব, চিচ্ছক্তিগত ধ্লাদিনী-সংযোগ বাতীত জীব পূর্ণানন্দ লভে করিতে পারে না, ভাষা কেবল কুষ্ণক্পা 'ও কৃষ্ণ-পাত্রের রূপা বাতীত কথনই সম্ভব হয় ন'!

অভত্র উপসংহারে বক্রবা এই ডে. শক্তি ও শক্তিমান-বিচাৰ অঞ্নীখন ৮০ 'আমি শক্তিমান নই শক্তিমাত্র, শাক্তিক অদীন পাকাই আমার একমাত্র কম '---এই ভাষ সক্ষদা স্থাবণ রাখিলে আব ্ৰ অসুবিধা লাভ করিতে হয় না।

### সংসার কি বস্তু ?

(শ্রীপাদ কিনোরীমোহন ভক্তিবান্ধর বি এগ

অনেকে হয়ত বলিবেন, 'সংসাব কি বস্তু' ইছার আবার পরিচয় আবগুক কি গ ধেখানে আমরা স্ত্রী, পুত্র, করা, বিধান रेवच्य, नश्चनासनानि পরিনেটিত ইইয়া बानत्स बायुगता श्हेग नमताम कति छि. ভাতাই আনাদের সংদার। ইহার আব व्यक्ता कि वार्ष्ट ? मामुन रक्षकीरधन, যাঁগ্রা এই ভবসমূদে হাব্ডুব্ পাইডেছেন, অপ্ত ইহাকেই আবার 'সোণার সংসার' মনে করিয়া ইহাতে প্রচুব আস্তির পবি-চর লিতেছেন, ভাঁচাদের কোনলিনট 'এই স্পার কি বস্তু', তাহা জানিবার জাবগুক হইবে না। গদি কোনদিন স্তর্গতির উদয হয়, তবেই জীব পোক, মোহ, ভয়, জবা প্রফৃতি পরিপূর্ণ এই সুসারসপ্তমা ক্ষতি-काला '9 हेश्त हुए हह' রিপ্রাণ লাভ করিবার জন্ত যত্ত্বনি ইইনা থাকেন

শ্রীমন্তাগ্রত প্রিলাছেন, 🗦 পুর্নাবাপ্র नकुमार मक्रमः शास्त्रक्रमः। अस्तुवर বিশ্রেটেড কলো নিদার্গ্রেটা যথা ল' অপাই পুর, স্থী, আয়ীর ও বন্ধুগণের স্থিত সঞ্চম-পাস্থাকান্তিত ব্যক্তিগণের সক্ষ যেমন নিলাকালে দৃষ্ট স্বন্ধ নিজা-तभारत तिनहे इय, भ्राहेक्य ममङाव्यक्तीकुछ পুত্রদারাদিও প্রতিদেহে নিনাশ প্রাপ্ত ইয় 'অর্থাৎ ভাহারা'ও 'বংগ্রের স্থায় নম্মর**।** তবে কি এই সংগারটা মরীচিকা মাত্র, ইহাতে कि क्यान निडा छूप नाई वा ईशाय अपि नाम मःगात्र।

বাসিগণের সহিত সম্বন্ধ নিতা নয় ? জীবের ক্রদয়ে যথন এইকাণ প্রশ্নের উদর হয়, তথন 'আমার' হইতে বন্ধাবস্থার 'আমি' ও তিনি নিজ তত্ত্ব অবগত হইবার জক্ত 'আমার' সম্পূর্ণ পৃথক। মুক্তাবস্থার 'আমি' ্রচটিত হন। ভগবান শ্রীকৃষ্ণ বিভূচিতনা ও 'আমার'—সব চিন্নয় ও নির্দোধ। মুক্তা-বাস্তব বস্তু; জীব তাঁধার অণুচৈতনা ও বস্থায় জীবের - প্রীক্ষারে বিভিন্ন শাত । জীবের সবস্থা সেপানে ও চিন্রসভেদে জীবের বছত্ব বর্তমান, ুই প্রকার-মুক্ত ও বছ । যিনি কেবল । সংসারে ধত প্রকার অহানকা আছে, ভাছা মাত্র রুফের সেবাভিলাব করেন, থাবার অনাকোন প্রকাশ ইতর বাসনা নাই, তিনি শুদ্ধভক্ত, তাঁহার কখনও নায়বিদ্ধাং नाहे, डिनिहे मुक श्रुक्म। शादात विनि কুফারপায় মাগ্রিক জগ্ধ চইটে প্রিমুক্ত কিন্ত এই জগতে প্রবিষ্ট হইবার পর হটান্ডেন, িনিও মুক্ত অপাং তাহান্ত मुक्ततिका। आति शिमक्तिन्यशिक्ष इंदेर দাস্ত পরিভাগে ক'র্যাচেন, তিনিই সায়ার . প্তিয়া ব্ছলশা প্রাথ ইউস্ভেন। জার চিয়াম, উভোর জড়ামিল্লান নাই, রক্ষের | লাভ কাব্যা চিকেন্তে আর্থ ইউলেন— भिरुत्मासके छोधात की हुन अहे कडका है উরোস অবস্থিতি নটো। বিশ্বস্থ শিক্ষা . . . ভগতে ভাষাৰ নিতা অবস্থান ৷ প্রকৃতির প্রগারে অবস্থিত।

মায়ান্দ্র জীনের সংখ্যাও অনসং। ज्ञासक्त इंड इ. भारत स्थार हेकान छोत्रक छैकान मह, २०१ ५ क्रिक्षा (१५) 20 ত্রিবিদ গুণের ভাৰত্যা, বশতঃ বছকীবের অবস্থাত বিচিত্রতা লাভ করিবাতে । ভাবের শ্রীবেদ বিচিত্রতা, ভাগেদ বিচিত্রতা, কংপৰ বিচিত্ৰতা, সভাবেধ বিচিত্ৰতা, স্থানের বিচিত্রভা, গতিব বৈচিত্রতা প্রভৃতি। ভীব সংসাবে প্রবেশ প্রতকে একটি নৃতন আলিত বুধু করিলা গাকে। ভুক্তিভাগ ক্ষের নিতাল্ভাতিমান বাতীত ভাবের আব অন্য অভিমান থাকে না। কিছ বন্ধবস্থায় আমি মনুষ্ট, আমি দেবতা, আমি পাছ, আমি রাজা, আমি হী, আমি পুরুষ, আমি পিতা, আমি মাতা, আমি পুর, আমি জলী, আমি ধনী, 21 10 নিগ্ন, আমি লাতা, আমি রাজাণ, আমি চলুল আহি দ্বিলু খাম শক্ আমি মিত্র, আনি গণিডত, আনি বলবান, স্মানি প্রভাৱ কর রক্ষের মুগী, আমি জং আনিত্ব উপত্তিত হট্যাছে। ইহারই নাম জীবেৰ অভ°ভা। এই অহভোৰ সংক সঙ্গে আবার 'মমভা' বলিয়া আর একটি ব্যাপার হটনাছে। কামার গৃহ, আমার ধন, আলাব বিষয়, আলার শরীর, আমার ব্ৰী, আমাৰ পুৰ-কনা, আমার বাপ, আমার ভাতি-বল, আমাব বিশ্বা প্রাকৃতি काठ क्षाकारतत्र मगठा इटेशारह । धारे रा 'আসি'ও 'আমার' অভিমান লইবা একটি প্রকান্ত ব্যাণার দেখা যাইতেছে, ইহারই

चक्रमभर्ग व्यवस्थान । বস্তুত: শীবসম্বন্ধে সভা নয় অর্থাৎ জীবের পকে মিথারে পরিচায়ক। স্বতরাং সংসারে স্মত প্ৰিম্মই অনিভা ও ক্ষণিক স্থাড়ংখ-জেদ। মায়িক জল্থ নিগা নয়, সভা। অন্যোদের যভগ্রকার সংশিকা, ভাইটি মিখ্যা। ভূপথকে বাঁহার। মিখ্যা বলেন, স্বয় ভোকো সাজিছে, ডি.ল. সুংকশ্ব নিভূচ তাঁচারা মাধাবালী, স্কুচবাং স্বাচনগে क आहे।

> ক্টেম্ব্রায় হীর মধন রাম্প্র ্বদাৰভা মালাম্জ / খুলিবেল্ননা, ভগ্ন ডিনি চিছ্কজিৰ বল নিতা-ব্যাস ভ্রায় ক্রান্স্বান্স্র বর্ণ কাল্ড লাগি লেন ৷ বীহাল ক্লান্ডিখুগ 38 1 TB স্তে কৰিকেন মান স্থী 'ঠাং'দিলাকে আক্ষণ করিম। স্থ উপাণিছাল ভূবিত কবিয়া ক্লয়-বহিমাপভাল ফল ভোগ করিবার জন্ম এর সাসার क्रानाजपुरस लाकाफिनएक नाभिना भिज्यम । होताही 'काफा' प्रत तद सम्बंध ता मा मान प्रमी । আমেরা আমানের প্রেক্ত প্রিচন ছলিলাম আভিমান কঠনা এল মানিক

> > write along stammi যদি কে নামন আমাদের স্তাহতির উদ্ধ इ.स. १०८वर्ष इ.चे महमात्रतमात कथा क्वांतिनात. অবসর পটে এবং ইহা ১ছছে প্রিরাণ লাভেশ ভক্ত চেপ্তার উদয় হয় ৷ আমানেশ Cogi प्रज्ञाकात--- छेल्युक व अञ्चल्युक । (52) डिश्युक मा ६६८म जामाध्यत भिशाहि মান দুর হয় নাঃ অভুপ্যুক্ত ৫5ই।বারঃ मध्यकार डेनिक इंडर्ड পार्ट मा। কল্মকাণ্ডের হারা চিত্তগুদ্ধি করিব অপবা নিডেন একজান্যারা মাগ্রকে জ্ব করিব, डेडा डेलयुक्त (58) मट्डा व्यक्तेष स्थानश्राता भगितिरगरित हिनाय अवदा नाउ कतित, वह अकल (ह्रहोशत) डेडा ५ देश्यक नम् वाक्षिक कन शहितात आत्मक वाशिष्ठ

সম্ভাবনা অল। ধাহার প্রাঠি অপ্রাণ कतिशा कांगारमत करें मना व्येतारक, डारांत কুপারাতীত আমাদের এই দশা খুচিবার नः । সাধুদক ও क्रकशंक्रशरण व्यविष् বা শরণাগতি হারাই ইহা সম্ভব। তাই শ্রীশ্রীগোরপার্যদানর শ্রীশ ক্ষাদানন্দ পণ্ডিত গোষামী প্রভু ব্লিয়াছেন—'মাগ্রাকে পিছনে রাখি' ক্লকপানে চায়। ভঞ্চিতে ভঞ্চিতে ক্লকপাদপদ্ম পায়।। ক্লফ ভারে দেন নিজ **6 छ्टिक त गण। माधा व्यक्तिय हाए** इटेबा इक्का । नाबुनक इक्नान और बाज

শুদ্ধ বা মুক্ত অধস্থার 'আমি' ও চাই। সংসার জিনিতে আর কোন বস্ত নাই ॥'

### ইন্দ্রির ইন্দ্রাল

(3)

স্বস্থর পোষাক পরা নানারকমের कुनकीं अञ्चलका शाहर तथा गाह हति इन, खन्म ६ উद्धिमामित माना व्याच-গোপন করিবার ভক্ত এই জাতীর কীট-পভন্নাদির নানাপ্রকার বর্ণ ধারণের ধোয়ালের কথাও হয়ত **অনেকেই জানেন। অতি কুড্র** ক টণতঙ্গ, স সকাধা-সিদ্ধির উদ্দৈষ্টে ভাঙা-. प्रवत्न कि व्यान्ध्या दकोनवाकांग विद्यारत्त्र ८५४। ( ६६।ता नगरा क्ट्रेशार्ट यांत अट्डा क्षण्डलं ६४, ७८५ जात्र जामारमञ्जू यशनान् হাজিনসম্বিত ব্যাস্থ্য স্থানপুণ এজকালিক' বলিয়া গাড়ি পাইবে না কেন্তু

केम्प्रकाशिक्षा-विभावनः य मामः यष्ट्रक कें है। उपलब्ध कामाहत्त्व कहरे में, निष्य 'घरपानन करत<u>। किन्नु स्थ</u> क्रम्म-ডালিকের প্রভাবে আমরা প্রতিনিয়ত চালিত ২২: ৩তি, গাহাব ুমাহন স্প্ৰে সংখ্যাহিত इ.। निष्ण आधाःक श्याक तिक्कष्म कतिमाणि. (मह वेस्ट्राक्ट्राक्ट्रक প বিদ্যুদ আমধা বড়ট লৈগোন্ চক্ষ-কর্ণাদ দশটি উল্লিয়ের উপর "কোর ভূকুমের" অনিত নিজন প্রকাশ করিনা ইন্দ্রজালিক-८ सर भन प्रमानका किञ्चल 'Centragni'एड বিভার হট্যা আছে, ডাহার আর আমবা करुएक मान ताथि १। ताथाय आताकन ४ অক্ট্ৰত জয়না। কাৰণ, মনট প্ৰাভু, মনহ ক'ডা, মনই থাহা কিছুর সম্বল: ভাই মনের চঞ্চল তথ বলপুরিকেট আমরা এক-মার জনিদিও কভাবলিল মানিব শই : যেন উহা প্রতিশালন করা ভিন্ন আমাদের किছुएटचे हिमारत ना । खेशांत व्यापन स्व অসাজ করা যায়, এভবড় বিপ্লবের কণা दक्र क्रम्बनाय ३ ज्यानिएक शास्त्र ना ।

क्रीडमान कि ला:बरनत व्यक्षतम (शांभन्दमत्मतः मन व्यक्तिश्राचन भाग सारम १ ভাগা গেমন অসম্ভব, ( মনোধন্মের ওঞ্জারে নিম্পেষিত , অপরাপর ইন্দ্রিয়গ্রামের সক্ষে একচল সমাট্ মনোদেশভার অভ্যান্ট্যা কৌশলরহন্ত অবগত হওয়াও তেমনই অসম্ভব। যদি আমরা নিমপ্ট সেবারু জিল স্থিত আচাণ্যপাদপল্মে অভিগম্ন ক্রি, যদি নিরপেক সভ্যের উপাসক হট, ভবেই আপাতমোহকরী ইতিনের ইত্রজাস বা ছগনা-রগ্ঞ বুঝিতে পারি, নতুবা শত শভ জন্ম কাটিয়া গেলেও মারার ইপ্রজালে বৃদ্ধি-প্ৰষ্ট আমরা কোন্দিনই সত্য বস্ত কৰ্ণনে अधिकाती शहेर ना।

## গ্রন্থ পরিচয়

### **শ্রীমন্তাগবত**ম

**ভীমশাহবি কৃষ্ণ**দৈপারন বেদব্যাস প্রণীত মূল, ভীমন

इटकार् क्राञ्जिमाच क्यामात्र, व्यशास्त्र क्रायस्य क्रे ধাষের সারসহ ভবিশ্বত ভাৎপর্যাদি বিবৃত। লোকস্টা धश्यूकी, अमाग्रिविवत्न, शांख ७ जानकृतीम् छेद्रम ৰ্ক্ত্রিক উত্তৰ অক্ষরে মুক্তিত। প্রথম চটতে ১০ম ক্ষম 👣ত ছাকা পুৰৱণে শেষ হইৱাছে। ভিকা প্ৰথম हेटछ लग कक्ष भगाव २०१० ; सभग १६ ३० ; 1 ... EN

#### मा भारत कार्या कार्या मान

🕮 শীমন্ত জি নিজান্ত সরস্থতী গোস্থামী প্রভূপাদ হি খিত भश्रकारमा व्यक्ति-कृष्णामि वस मान्नवामान् महान् ६ हेना प्रकाशिक करेगार्थन । (लाटक त्र माध्यमा था, वक्षाध्यम् । হাতে।ক প্রারের পুরের সংক্ষিত্র অভিনের সংগাহিত। गटिक विनाहि-व्याविध क्लोशांव (में डग्रा व्याट । (मांक. हैयात, भक्त, शान, भांक छाड़ी हत केनुहर कही। व शहकारतत 🌃 শুভ জীবনী সম্প্রিত এই রূপ অভূত পুরু সংখ্যাণ 🗦 ছে: পুরুষ ন্তাপি প্রকাশিত হয় নাই। উত্তম কাগ্রে গা'রপাটোর হৈত ছুল ক্ষেণ্ডের মূলাংশ মুক্তিও হইয়াতে: এও প্রায় 🌉 ৫০০ প্রায় শম্পন্ন । ভিগাবজনানে ৫, মাত্র।

#### क्षेर्ट हर सम्बद्ध

अध्कारमञ्जूषीवनी, व्यप्ति श्रीतर्थनम् क्यामान, निष्कृत ्जीफ़ीस काना, मक्ट्री, भयात्रिं, विमन्न-शान भावानि ষ্টা, প্রস্তুতি বিবিধ বিষয় স্থালত বিরাট বিভায় সংস্করণ उरल क्रांडेंन ४ (पर्छ) क्रांकात्र। आंत्रणाणा ଓ मत्त्रात **शिक्सम्भ व्यक्तां मध्य वर्षारहत । जारम करम व्यक्तां मध्य** इडेटल्ड्स्स व्याचिम विका ६ ए।का, व्यापि कोलाउ 01

#### और ५ एक नवन

এই গ্রন্থের এরূপ অভিনব ফুদ্রর সংস্করণ আর কুরাপি व्यक्रिक्ष इस् नाहे। मध्यक्ष (भ्राकाः (मत व्यवस, वक्राप्नवाम, खारा, क्यामान, एया खाक्छि मह चर्छ वर्छ अवानिङ হইয়াছেন। মূল মোটা অক্ষরে ডবল ক্রাউন আটপেনী इक्षाकारत काला कर्याटक। भूटा ३॥० छाका। अनीश व्यक्तंभ ७ (भोद्गीद्धत्र आश्वनारनंत्र नत्क अ। • छाका ।

#### **ভাষতগ্ৰদগী**তা

-প্রাতীয় বৈশ্বভাষা অপ্রাক্ত রসিকচ্ডামণি ইঞ্জিবিদ্যাপ চক্রবর্তিঠাকুর গোঝামকতা সারাধ্বধিনা টাক্সামেতা ও ,উট্টাম্ছজিবিনোধ ঠাকুর-প্রাণিড 'রসিক-वृक्षन्' मामक काराकाराज्ञानिका । अशाहरूही, अक्रिकातन्य । খাৰ-স্চী, বিষয়-স্চী, এছকারের জীবনী ও অবভরাণকাদি वह-काष्टवाविषय-मह केरबंहे वांभाई फुटीय मरश्रत--- ८३ ताब गरकतर्गम किया २ होका माज, गांचात्रम गरकत्न--- अ। शका माज

### শ্রীল প্রভূপাদের বক্তভাবলী

ও বিষ্ণুপাদ জীঞ্জীমন্তব্দিসিভাওসরমতী **८गाचामी महाजादकत** त्नहें अनिशा-विश्वःनिमी कौनाश्चश्वकल्लाद्वाधिमी क्रमा-कामामिना कोवस-नाणित्र मुक-निर्दाद -- (निश-नां) आप्य-तह्रभावात (काञ्च अभि-- मृष्ट्राहाय ৰাচাৰ্য্য-ক্ষতা ভাৎপৰ্য্য-মিন্মটীকা; শ্ৰীমদানিধনাৰ চজনেত্ৰী চুট্ৰ চন্ত্ৰিক্সান্ধানেক নৌলিখ ভুগ্য ---পক্ষরালেও ভাষানভেৱ র-ক্ত সারাখনশিনী টকা, বলাপ্তবাদ, সংস্কৃত অবয় ও । ১মধ্য গুল —মধ্যজন দীবনচ্রিত-শিল্প ক ্তি বিপ্রেটিনাত্তি চশক, তথ্য ও বির্ত্যাধিযুক্ত। আতি ক্ষরের আধিতে ক্ষতিয়াত্র-বিচারক— উখ্যা ও মাধ্যারমের মেলিক গ্রেমণার -সধ্বয়, অভিনেয় ও প্রেলেজন ভদ্রের নিজাত্ত-সমূল।

> ১ | প্রথম অত্ত-বৈদ্যবদশন, শ্রী ওরতের, কাল-भय, डीमस्याविकार, डीवार्यकानरी, शाक्यताविकी मीका ও বর্ণ বিচার, আত্মের্মা ও মলোংমা, টাটেড্রাদের ভ তাতার শিক্ষা, অপ্রাক্ত সহত্বদম্ম ও প্রাকৃত সহত্বদম্ম, ০ লাঃ আনা ৷

১। স্ক্রিন্টানা আছে - ভ্রম ও বিদ্ধা ভ্রকি, মহাযোর ্ৰীশীনম্বকিতিনাদটাকুর রচিত (অনুভঞাবাজভাষ্য) ৮০ ৩ কেলোর, অন্মোর নিভার্তি, শীদর সামিপাদ ও ६ : । म. है। भीत-नि शानम अमूक, विशुद्धत भूषा । क्रमूक র ১৯. জীব্যাসপুদায় জীম্বাল্বতের কীত্র, প্রতেরি-ধামের মহিমা, মহাপ্রেমান, জ্রীনোবিন্দ, জ্রীক্রপান্তর-थण, टीमाडी तुमाडायुम्बिनी, चीटिहाडरक्य भग्ना, ट्योतक्यामा किला ६ एक हेका माळ।

> প্রথম - বিভার-ছই ঘণ্ড কেন্ত্রে গইলে ভিক্ল; ১৪০ ্ল (কা. ডাক গ্রহ সভিয়া

#### 🕏 মন্তর্গনদুগীতা

शृत्तवृत्त ভाग ও আমহ জিনিনের হারতের প্রাঞ্জ বছ- । যাতা প্রতি— ইনিং প্রানোধানশক্ত নব্দীপশতকম্— ভাষায় বিস্তুত 'বিশ্বর্জন' নামক ভাষ্যযুক্ত। আন্যায়-कही, विध्यक्ती, के व्यक्ति स्थादकत व्यवस व हरीह लाम क्रिकी, ভाষাকালের कीनमी এবছতি স্থানিত। উৎক্ট বালাই, রাজসংক্রণ ( ১তীয় সংস্করণ ) গ্রেব fam: 2, 5,411

#### প্রমেয়রতাবলী

टी। भदनरम न विष्ठा इयेश-द्यांगाङ निकायमना मना क ুগাবিন্দ-ভাষ্যাদি প'ড়বার প্রথম গ্রন্থ ট কৈও কালিছে : ছাপা। সুবিশ্বত টীকা ও প্রাপ্তবসাধুবাদ-স্ভালে। অতি সহতে বালকেরও বোধগম। হইয়া থাকে। ভিকা ।০'০ আলা মাত্র।

#### **बीमनबी भशाममाद्या**

( প্রমাণথ ও ) সামুবাদ। অভি-স্মত্যাদি গ্রন্থে শ্রীনার-দীপের যে মহিমা কীর্ত্তি আছে, তাহার মূল সংস্কৃত ও অমুবাদ। ভিলাত'• আনা।

#### শ্রীশ্রীনবদ্বীপভাগতরঙ্গ

শ্ৰীমাকুর ভবিনোদ নিখিত। স্থানিত গাতাকা।ে প্রিজমার দ্রহব্যাদি বিষয়ক। ভিক্ষা। আনা।

#### ভক্তিরতাকর ও নবছীপ পরিক্রমা

জ্রীল নর্ত্রি চক্রবঙ্গি-ঠাকুর-রচিত। ভব্তির্দাকর চইতে পরিক্রমাণশ মাত্র গৃহীত; এজীব গোসামী কি व्यकात श्रीनवदीलगाम्बत शतिकमा कतिबाहित्तन, छाट्छ পত্তে বিবৃত। ভিক্ষা 🗸 • আনা

ची किवित्नाम श्रेकव-व्यवित्र । चीरेहण्डाक्रियान [बका श्वामी-- क्रमः क्रमः बिक स्वाप-- वक्ष स्व के व---অভি ৪)-( ৬৮)তভদ-ত হ —সাধন-নির্ণয়—প্রয়োজন-তছে, কর্মা-কাড, আন্মাদির বিচাব এবৈনী ভক্তি, ভাবভক্তি ও (अगडिक्मर नागक्तन-अपानी 3 अठेकानीत **नीना**-প্রিচ্যাদি প্রথম শিক্ষাণীর উপ্তেগ্য করিয়া সরল ভাসার সমূলর স্তিভাগান্সত্লিখিত খাছে। চতুপ সংশ্বরণ বাধা २ , केंक्स, ऋतिक्षा ३५० केंक्स मान्न।

#### ोडीशक**र्थश**त

क्षीरती श्रीय-देवसम्बद्धारस्य । अञ्चलन कर्ष्ट्र भारत्यस्यानाः প্রাছতি বিংশতি সংগ্রাক রক্ষে প্রশোভিত। ভিল্প মাজ ক্রতি-রতি প্রাণ-প্রধারতাদি সাহত-শংপ্রম্কের প্রমাণাবলী সিদ্ধান্তের সারস্থ্য অভ্য কুরালি প্রকাশিত হয় নাই। ইং তে শ্বনতৰ —ভাগৰত - বৈশ্বৰ – গৌৰ – নিত্যানল — करेबर -- क्राय -- अधिक-- प्रतास -- प्रति । एउप · -জ্বির ১--সংধনভক্তি--বং আ- সাগ্রস্থা -- শুরুলার্ম — ট্রাম্ প্রাভন ও প্রমাণ তারগুলি পুপক অধ্যায়ে স্তুত্ত প্রেকালি স্তুমিত উংক্ঠ প্র**টিক কাগতে জোল** ও রুঞ্সন্ধীর্তন---চতুদ্দশ অপুক্ষ মধুরিমাপুণ-বভ্তা-বিভূচিত। ব্র কালিতে মুদ্রিত, উংক্রঃ বানা বোলার জলো নাম বোপা। প্রথ প্রায় ৪০০ পূর্যে সম্পূর্ণ। ভিক্ষা ২২ টাকা মাঞ্জ।

#### बीबनदी भगव- अस्पन्ती

শ্রীমদতভিতিলোদ ঠাকুব রচিত ধামমালাক্স-শাম-মাধ্যের প্রাণ প্রমণ প্র-জ্ঞাল নরহরিচ কবতী टगो डोग्र-टेनफवणायशिक-८-थन । ইন্ট্রামণ্-লদের বিজা- । সাকুরের বাম পরিতনাংশ-- ইন্যান নব্দীপ পরিক্রমা---তীপ-শ্রীমুখুভিনিলোদ সংক্ষের শ্রীনব্দীপ ভারতর্প প্রস্তৃতি গ্ৰহকল ভিসাদত আলা মাত্ৰ।

#### ভীগ্রিনামায়ত ব্যাকরণ

ইভাব বৃশ্বসামী প্রভূপাদ-বির্ভিত কর ও রুতি, ভ্ৰন্তে ভবিষ্ণাদ ইনিছজিদিকার সরস্থী গোস্বামী মহারাজের বিও্ড ভূমিকা ও হঠা প্রভৃতি সহ। মঞ্জার প্রভাবে প্রবভ। ভিক্ষা ২, টাকা, ছাত্রগণের ·江郊 31.0 万(本) 可随于

#### (वशास्त्रसमात्र

শ্রীমধ্যমায়কার্টার বিশার বৈশার বিশার বিশ क्षानावक स्थानम् अरम्यः व्यानम् अप्राप्तः व्यानस्थनम् अर्द्देस ডপ্রোল কর্নাথ এই উভ্ন ক্রিয়াছেন। ইহাতে ৰ্লালুবাদ ও প্রীপ্তাদি সংযোগিত করা ইইয়াছে भाष मात (च्या १० माना।

#### উ, চৈড চ চন্দ্রায়ত ও নবদীপণতক

ে বিশ্বমান জিল জী আমং প্রবেদ্যানক সরস্থাই প্রবীত মূল, প্রতুপ্তাদ শ্রীমণ্ ভিভিসিদাত স্বস্থতী গো**স্থামী মহারাজ** মুলাদিত অন্ধ্যুপে লাখা ও বসাত্তাদ স্থলিত। মণ্ট্রপশতকের স্থান্ত গলেদ সাক্ষরের পত্তান্তবাদ ও তৎসহ উমেশ্বহাপ্রধর একটা ত্রিবর্ণরঞ্জিত অলৌবিক চিত্র আৰ্ভ ইইয়াডে। মুগ্গ ও কাগম উংক্ট ( ২ থানা ভক্রে) ভিশা দ৹ সানা, অতি হুরুষা বাগাই রাজসংক্রুপ্ ्र हाका भाव।



ब्रीमधकिनितान प्राकृत-अभीत्र। एक अक्रमात्र अप-बर्द्धत कान मांड कार्राल পातमाधिक बार्ट्या किन्नुराज्ये अक्षांत वा मर्भग्न शक्तिय मा। श्रवम भूज्ञ त्या विश्वक दर्शः क्षण गत्रम । अपग्रणानी खष्ट वा भगास व्यक्ताना वय नाहे। बिकिशासिका मात्र-भाष्ट्रकार भन्नकाल उन्हें अधान् किथिड इडेग्स्ट्रान । जातान दिनियुक्त पूर्ती, कथामात्र के क्यांति अन्ता निरंत्तत शहक कता वरेघाटक। निवाण आह. ्मानात अरम नाम (एक), फेरक्टे वीवारे -5 कुथ मःभन्त जिना २ होका माछ।

#### <u>প্রেম</u>নিবর্ত্ত

শ্রীমন্মহাপ্রের অন্তর্ম পার্যদ শ্রীল রুগদানন প্রভ্ বির্তিত। এই পুত্তকে অতি জুণবোধা ভাষার মহাপ্রভুর क्छिल्य मीकामह देनकत्। इति एकामना अ नामज्ञन-ल्यानी लाइडि कानक देवकवाजर इत्र द्वासारमा रमिष्टि शहेर्वन। পामजैकांम छक्तक छारनत विश्वमार्थ छ গ্রাম্বকর্তার পশিচয়।দি-স্থানিত চতুর সংকরণ ভিক্ষা।।৮০ मन काना मात्र।

#### ভেজ লরহ স্থা

ভলনকারীর নিত্যেক্টা; সাকুর ভলিবিনোদের মন্ন্য দান: নিখিল পাছের নিধ্যাস। গ্রন্থানি না দেখা প্রাপ্ত কেছ বৃদ্ধিতে পারিবেন না। তৃতীয় সংখ্রণ ভিক্ষা ॥•।

#### হরিলামচিন্ত।মণি

নামাচার্য্য শ্রীব হরিবাদ ঠাকুরের মুখে জীনমালাঞ্জ শ্রীনাম মাহাত্ম্য, নামাভাদ্য, নামাপরাধ প্রাভৃতি বিদ্যোগ্র ষাষ্টীয় বিচার প্রবণ করিয়াভিবেন। এই বিবয়গুলির অভি সরল প্রানে সংক্ষিত্র আশ্রমত পরিপাটিভাবে মুক্রেড। खेल छिलितिसाम शेक्स विकित । असम मध्यत्र किका पर

#### কল্যাপক্ষডক

শ্রীমন্ত্র কিনিনোদ সাকুর-রচিত। প্রত্যেক ভগবদ্-বিশ্বাদী ও জ্ঞানপণের পণিকের একান্ত প্রেরজনীয় উপৰেশাবলীপূৰ্ণ গাঁহিগ্ৰয়। সামান্ত শেখাপড়া জানা লোকেও এই ভগ্নরাজ্যের গাঁডিসমূচের ধ্রেম অনপ্নিকৃতি ও ভগ্ৰাসেবা লাভ করিবার স্থবিধা পাইবেন। ধর সংখ্যাণ, ভিকা 🏸 । ভানা মাত্র।

#### শরণাগতি

শ্রীমত্ব কিবিনোদ ১/কুর রচিত। ভগবানে আত্মসমর্পণ, বিজ্ঞাপ্তি, ভগনগাল্যা, যভ্বিদা শরণাণ্ডি ও দিছি লাল্যা বিষয়ক গাভিপুর্ণ, ভিকাসত আনা মাত্র।

#### भी डानली

জীঠাকুর ভঙ্জিবিনোদ-প্রণীত। নিতা ভঞ্জন, আরাজিক ও প্রস্তে-গেবনাদি-বিশয়ক মধুর গাত্রমূহ এককে প্রাণত। िका /• बाता बादा।

#### **क्रिम एक**र

त्रितिक अनुकृष्ठियोगि छिम्बिनाथ ठळावसी ठाकुत्र-বিরচিত রগগ্রহ: শ্রীমছকিবিনোণ ঠাকুরের অসুবাদ-ভিক্ষা। প্রানা মাত্র।



ইীম্বাহপ্রেট্র শিক্ষাও জীবর্য্নাপ দাস বোষামীর প্রতি শ্রিক গ্রেষ্মার উপদেশবার্ণা, ভঞ্জিপথের অস্কুল ও প্রতিকৃষ বিধয়ে স্থাবচারিত সল্মোদন ভাশা, বিশ্বত বিবৃতি, চরি গায়তের প্রমাণ, সার্য ব্যাখ্যা ও মহামন-প্রণাত ভতুপধোর্গা গীতমমূহ প্রত্যেক শ্লোকের সৃষ্টিত मन्निर्देशिष्ट ४ हेमार्ट्छ। । एवं मश्यद्रश किन्दा । ।

#### माध्य-कन

শ্রীবণ্নাপ দাস গোস্বামীর মনঃশিক্ষা, জ্রীল ঠাকুর ভতিবিনাদ-চবিত প্রামধানসহ। ভিকা / ভানা ৷

#### প্রেমভব্দিচক্রিক।

শ্রীল সৈকুর নবোদ্ধয়ের স্থপ্রসিদ্ধ প্রেমভব্তিবিষয়ক গানের প্রক। (ভগা /॰ আনা মারে।

#### **नगंषी शम** ७ क

শ্রীল হারুর ভিঞ্বিনোদ-বচিত শ্রীস প্রবোধানন সরস্কীপাদের সংস্কৃত নব্দীপশতকের স্থালিত প্রায়বাদ। সংবাদ, নামাশিকা, 🖻 ওর-প্রণতি, 🗐 ওর-পর্নশ্র ভিখা 🧀 মানা মাত্র।

#### 电低分字字

खिल (शाकाष्ठांगा त्रिष्ठ । देवकवडा-ख्वारमध् स्थाकत পুস্তক। ভিফা/• আনা মাতা।

#### সদাচারশুভি

শ্রীল মধ্বাচায়-প্রণীত। বৈক্ষবের নিত্যকর্মাদি স্পাচারা वनी, वश्रञ्जान मण्डि। जिका / • चाना माज।

#### মণিম@রী

কবিকুলকেশরী শ্রীমনারাঘণাচাধ্য রঙিত। শ্রীমনাধ্য চাফ্যের সংক্রিপ্ত জীবনলালা ও মূল বৈক্ষবধুত্মমত। সামুবাদ ভিকাৰ খানা মাত।

#### दशीत्रकृ स्थापन्न

প্রাচীন কবি ত্রীগোরিন দেব প্রাণীত শ্রীগোরাবভারের প্রমাণবেশা-সংব্রিত সংস্কৃত এও। ভিক্ষা ৮০ আনা।

#### युक्तिमञ्जिक। ( भूगद्योत्रह)

श्रीमध्वनश्रामाग्रहण्ड श्रीमवाधिताल श्रामक्छ। दक्षाकरक्ष माध्यां यह आर्थे अकान भावमाणिक मार्ग्यान्यन्त **८.ई मन्द्रत्यवस्य । व्यासमाधनातामा ३३८७ (साम्नावस्य विकीय** মধ্বভোগ্য নামে প্যাত জ্ঞীবাদিরাঞ্জীর্থ স্বামী এই প্রাঞ্জ সাধারণ শক্তি ও লৌকিক স্কায়াত্রনারে কিরূপ প্রনারভাবে ভিজিনিরোধি-মতবাদ সমূহ খণ্ডন ক্রিয়াছে, প্রাহা পাঠ করিতে করিতে লাশ্চয়াবিত হইতে হয়। ইহাতে যুক্তির বিদ্ধান্তসম্বতী গোছামী আইপাদ-সম্পাদিত পান্তমাণ बात्रा ठाव्यकि, देवन, त्याब, मीमाश्यक । बाह्यवाधिमञ् সনুদের জন্দর পণ্ডন রহিয়াতে। ভিকা ২ টাকা মাজ।

#### (गायामी जीन त्रयुनाथ मान

(ও বিষ্ণুপাণ শ্রীন ভঙ্গিসিদ্ধান্ত সরস্বতী গোলামী প্রান্তপাদ-লিখিত ভূমিকা সহ্) গৌরপ্রেষ্ঠ শ্বরূপ-রূপের **এक्साइ व्याण्य ज्ञिग नाम श्राचार्यो व्या**ल्य अनुवा চবিতাকত ও শিক্ষা মাতীৰ আমাল ও সমুল ভাষান সমিবিঞ এবং পরিশিষ্টে দাসলোখানী প্রান্তর বিম্নটিত কর্তকটা गांकवार मध्याज्य स्टव । मगानिका-नवनिक। किका वीधारे ॥ वाना, वावातारे 🕪 वावा बाब ।

## চিত্রে নবদাপ

প্রাচীন নববীপের অব্ভিডি. তথা, ঐভিছ, প্রোত ঐতিহাসিক প্রমাণস্থণিত নরটা বীপের সচিত্র বিবর अध्। त्राष्ट्रवि ता अभारत्य क्रमान्न व्यक्तिक भन्नकिन् लोग्नाः সফলিত এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন বৰ্ণের স্পাপুৰ্য চিজ মানচিত্র-সমন্তিত: আচাবিভাষহার্ণথ রাম সাহেব 🕮 🖟 নগেন্ত নাথ বস্থা বিশ্বকোষদন্দাদক সহাশ্যের বিশ্বস্ত ভূষিক मर । छेरक्रडे ( हेर ) महात्का बेश्याहे मुन्तु २॥०, किः भिः । । ২ ্টাক ৰাজ।

#### मानक-कर्भमाना

'धननम्मना, रेतकन-वन्त्रना, रेबक्चवनव्रम, बाजारमञ्ज है। শ্ৰীনামগ্ৰী, স্ক্ৰীম্মচালাড়য় অংগ্ৰেষণত মাম, অইপ্ৰাং नामकी छन, जीनाममधी छन, ८ श्रमधनि, 'याक्रिशमधीक ननवील गरिमा, कीमाबालुक मस्या, कीमाबुक्तम-व्याह्य कर व्यक्तिया-वसना, वष्ट्रशाचामीत कष्टेक, द्वामक्ष्मिकृत्तिक Bपरम्माना, नामकक्षम लागनी, महाला । e द्वाह सामान মহাপ্রানুর বন্দনা প্রাকৃতি সাধক ও সিদ্ধুভীবনের নিজ্যপায় বেক্তব্যবের কঠালিড ভুক্নীয়ালরে আয় অভুক্ত ক श्रत्रात्रात्रा अभूमा श्रष्ट । (अक्षा 10/0, देशिहे 10 मास

#### গোড়ীয়-গোরৰ

কলিকাতার স্থগ্রাসিত্ব আলবার্ট হলে গ্রৌদ্ধীয়-সম্পাদ **बीलाम इन्स्वानम लड़निम्नामिटनाम-छाम्छ ५५%। ह** এক্কারে প্রকাশিত। ইহাতে গৌতীর বৈক্ষরস্**ল্যালা** हे जिना प्रवाकारत अभित बहेबारक । जिल्हा 🕪 • महा

#### গোড়ায় সাহিত্য

ক্ষিকান্তার স্থপ্রসিদ্ধ আভাষাট কলে গৌদ্ধীয়-সম্পাদ जीनाम कम्मज्ञानम नद्रविधानियामध्यक् ध्रमक यक्षकात्र वि अश्वादात शक्षाचित्र । देशएड माहिका-माम्य वर्ष अ পৌড়ীয়-পাঞ্চিভার বিধর হুত্রকারে বশিত ধ্রমাছে। 😼 🛩 । আনা মারে।

#### **क्षिटभोड़म ७० भश्चिकमा-४र्भभ**

**श्रीरशोष्ट्रस्टलंब (व अक्श काटन मलाबिक्स श्रीमणकात** तिक त्रत साथांसक (कोरनाणिक शक्तिक छ । दान्यविक्षा পরিচর সহ যাতারাভের স্থাবিতা বিশেশ ইন্ডামি বিশ্বর महिर्दिण्ड बार्छ। क्रिका क बाना।

#### THE HARMONIST

OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্ৰীৰ ঠাকুৰ ভঞ্জিবিনোদ-প্ৰতিষ্কিত এবং শ্ৰীৰ ভূচি यानिक लात । এक १० हेश्तामी छावात पहीबिश्म । ভবলক্লাউন ৮ পেদ্ৰী ৪ কৰ্মা আকারে প্রতি বামে হ नारमप्र विकत-देवकमधी बहेबा क्रैनक्कि महैत्यरक काबण, मृत्रव-मात्रिमाक्षा ७ विवासि पाणीय त्रिणाका करें दाकार प्रेरक्ट दावद जान दकान मानिक श्राहार्नि त्रिविटक लाहेरमञ्जा । - वार्तिक क्रिका क्रिका क्रिका क्राका बाखा।

গ্ৰোক্তান-

विक्रिक्स (महः विश्वापाणः महीन

## বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভক্তিমঠসমূহ ( > ) बीटगीजीत्र मठ

बोटेहरूम यह

আকর মটকাজ

अ: होन नवदील, **धाक्यत ज्ये**थाय मात्राल्य, नशेका

क्षेत्रहादम्।श्रीतः संबंद्धः श्राप्तः ०० । भष्ट प्रेषः व-भृदमः श्रीतावनस्थाः स्थातः।र्वावकः श्रीतता (ध्यक-चनरम बिजीदे6कक-मठ, निवासमान.।

এই স্থান সাৰম্বত-বীৰ্থ, শহাবভাগীত বা সাম্বত ভজনছনী। এই মহা নীৰ্ণে 🚍 বি-आधामक बारकरनामि-(श्रमाक्षणमूक, लडनिकात क्यार्जिक काना, नाहेक, स्थापाद, कथा क्षमाध-क्रेश्निवन-त्रे छा-एक-श्रवन्ति-हक्टरवर मध्यम । ६ मधालमा धावर अधाव श्रेक्ट-লোবাল-পাল অ বা-পিরিধর ও সাভত সাপ্রালারক-আচাবা-চভুগর টাতাবের উপাত্ত विकारक्य गांकक विका मिविक क्टेरफाइन । अवे मेंद्रेशास भारमार्थिक मिनिक्शक मोचक-मध्यमारमञ्जूष व्यक्तांभक क क्रकांतीन दाइहाबि काताहरूक व्यक्तिया-क्राकाम' यहानह প্রতিষ্ঠিত "ভইম্বাচেন । প্রতিবংস্ক শ্রীধাম-পরিক্রমান্তরান ও অপণিত ওকংগারি।ত कीर्यम लाहाकृत्य महामार्क्रमतानि कर्याम अक्षतिष्ठ वर्वना वारक। तक्षक---व्यवहाती 🗬পার মন্ত্রেরী। সরকারী---জীপার বিমোর্থবিশারী এক্ষচারী, পাঞ্জত জীপার গোররাস वस्ताती कावाबाकश्रमधीर्व, जैनाव बीहत्त वस्ताति, जैनाव बन्दर्गानान अस्ताति. विषयनम्ब तकारी, विषयनातानान तकारी, एक नाइत, राज्यात, तावरीत्यावन @34 7@3791 1

জিবভিশ্বামী শ্রীমন্তজি প্রদীপ ভীর্ষ মধারাজ এখানে মরিকণা কীর্ত্তন করিভেছেন। এক্ষারী প্রাকৃতি।

(৩) বোগদীঠ জীমন্দিয় बहे दान विक्रमहान्यित्वत क्रवन वा বীমন্ত্রাঞ্জন আনিষ্ঠাৰ-ভূমি মণাবোগ-भेठे। अपारम श्रेनश्रीतिका व श्रेनिक-

**ब्रियानक औरशीयनायायन कवर औ**रेहल्ला ब क्रिशामाम्यक विका तथा कथा जैनक-बाबायस द्वायामी क्रमेंद्राद्या व्यक् विस्था-🗷 ताथाविदनाम फिक्कियन, चीवायमान अध-हाती । जिनासनवान व्यक्तिकाती, व्यन्तवा

(৪) প্রিবাস-অক্স

Beises!

क्षेत्रयाबाद्यकृत कोर्फन-विवास वा विश्वीत्रजीमात्र कात्रवनी । अवादन विकित्नीक विकायक क नक्कावत त्यता वसमान। क्या म्या विकास स्थान स्थान ।

(१) चटेचड-क्वन

बड़े जारम क्रियरिक शकुर अपने जनर (नवा वक्ष्मान।

क्ष्म म--- श्रेषदेव जानमा मानाधिकाती, विरमांक्रमवाम वावाची।

(७) काषोप्र ममावि भ.हे

बाहीन मार्शालस, यामनलुख्य (मरीशा) बिलोबक्रमानास विवादनाचीय ममाथि। क्कक-अष्टाशी श्रीविदमावविद्याती। (4) प्रशंप प्रथम-कृष

बिर्गुक्तम्, पञ्चनगळ ( मनीता ) এথানে ওবিছুপাধ এল ভক্তিবিনোধ্যাভুৱেত नमानि अपर क्षेत्रोक्त्रमानक अवर क्रिक्रावा-शाबद्धक दमना वर्षभाव ....

क्षेत्रक--क्षिकृत्य काकांत्र वस्तात्री तकक---क्षेत्राधावस्य वस्तात्री, 'कुक्काडियो अन, अम, अम ।

् 🔛 🚇 क्षणद्वाच ८ जो हो 🗷 मर्ठ ময়ম্নসিংক ৷

व्रक्षक--- श्रीवहवत्र क्षक्रिमाञ्ची अम्, अ. ित, धन, मर्काडी--- 🗷 डेड्नमाम ७१७--माञ्ची, व्येष्टेक्कम माधकाती व्यक्षि ।

( > ) खेटभार-गणावय-गर्क

টাপাণটো, সমুস্তগড়, (বছমান) 🕮 म वानी नार्थत का फिक्किड इंगोत्रश्राम्य-माथ । महकाती व्यैनिकानिक वक्षवामी, (मना । तक्क-व्यक्तिताम वक्षकारी, कक् ध्रित्रभाषत्र साम ।

> ( ) - अक्रुभरशोकोय-वर्ष भाराशक, लाबाच हं है, नि क्ष्म क--- डीइविमान अव्यव्यक्ति, नक्ष्माती--श्रीमर्स्वचन अवकारी ।

( >> ) खीरमामक्रमस्य -वाडिगाडि, काम्बर, क्यान। 🗬 नामां का व के कि व बुक्ता बरत. व कार्य । मिनस्याम १

(১২) जानवड जानव **ঐ**কাগবভ তোদ, ফুক্তমপর,: নহীয়া !

ভাৰৰভূমিখাৰ এছাৰলীৰ গ্ৰেচায়-ভেতা। 

(३७) 🕮 अवश्यव मर्ठ (गानिकान्य, देशनवानी, अमोद्रा । 🖺-व्रभिष्क अव्यव्यक्ती, 🕮 व्यव्यक्तीत वामाविकाती. শীলন্তনাথ পাণ্ডা, ভক্স বিশ্বনাথ

( 28 ) 🕮 भाशन : दभी की स मर्क

aoहा ववावलूब (शक्, हाना I भृष्क्र बटक व, काठा क- द्रक स्थान व्यवस्था स्थी स्थान (श्रीकाम शाक्तम्-शिक्षिगरम् (म्या वर्षमानः। विम्यतामम् नवनिष्ठःवित्नाम वि- व, वैकान- ১७ वर काकितामाम ठाकवानी होते. त्याप्र वामलेकांत्र, कविकांका । ्रोमिटमान वि. वि. ७३%.

শ্ৰীমন্ত্ৰচা স্তুৱ প্ৰচাৰিত ভূমিত্ৰণ কজিন্ত্ৰ-প্ৰচালোলে গৌডুলেপের সঞ্চাঞ্জান नगरी विविधान के कि विविधान भागान क्रिके श्राप्ति । वहें एक-ः क्या वाद्य के अप-त्योशाय-केविरनायाम्य कोडे मनावेश्य निका दमनिक व्या । त्योकीय काष्ठानान्तर्गर वान्छीय अञ्चलनी अन्यव्यक्तात्कात्म व्यवस्थ नश्नव अन्यो व्यवस्थ वर्ताः বস্ত্রাপর সংখ্যানিত ভটরাছেন। পুলিবীর সক্ষম 🕮গৌরনাম-প্রচায়ার্থ এট বস্ত্রাপর वर्ष: क '(श्री प्रीष्ठ' शाखाविक शब्द, क्रि. व्यवस्थिते, मानिक शिवको केरवाकी काराप्र मित्रियक्षात अकामिक व्हेटक्टन । जैयार्ड गांडे, महीक्रेन, म शकान-हक्ष्ट्रय-दिवास, अध्याननक, औरेठ तक-ठविकायकांकि-नीना ७ **७५%(इ**स. नशक चारनाठमा व्यवस थार्रक । प्रक्रिक -- व्याहार्गाकिक खीलाक क्ष्मिविकाश्चित्र । अवकाबी--निक्रिक श्रीनारं अम्बन्धवाश्रापन नवविद्यास्थन वि- र्वे. लीनार ज्ञानविनानी उन्नवानी, खीनार व्याक्षांत्र मानामिकाती विन्ता. खोनाव व्यवस्थानान वानामिकाती. उपहाती जी की बनानम्, उक्काती जीना ही सान्त. उक्काती जीयकानम्, १ किए जीनाक नवीनक्रक नहरिष्ठा ग्रहात में स्वामा के देव करा होती। . अध्यक्ष अभगामा विकास कि विकास किए वकाती वि-धन, जीमञ्चलय अन्तरकारिय, जीरिवछत ब्रम्काती, जीवनतरवारिक

(गीत बन्नावी, अनग्रावाम बन्नावी, 🖣পঠিতপাৰন কক।

( ১৫ ) औरभाभानको वर्ड

क्यगाश्व, हाका। रगानानकोत और नशह बाहीन स्नवा 

( ১৬ ) ञ्रिनमार्थे-८नारशकःवर्ध म्बिकिक श्रमाविनी मन्ता, वानिवारि छाका ञ्चिगमाडे-(मोबाध्यक निष्टा स्तवा ४**०० - येपन श्रम उप**हानी, येम<sup>-</sup>क्रमान ব্ৰহ্মচাধী:

(১৭) औछाभयस नमामन अर्धः िक्रशिया, बाक्यस्वयुक्त, द्विमिश्युक्त । वशाम न्ये बङ्ग-(श्रीदाञ्च-श्राद्धक्तिमा-গিভিধাতীৰ নিভাদেখা বস্তমান। বৃক্ত--उववाती औन्त्रवान्तातवी ।

(১৮) जाम-गटनाका अनेशास्त्रव त्राक्षदीय त्याः वह्नमान ।

खी अस्ताताल-खीनाक किया निविधारी है निकारमवा। अक्- क- तकवामी अक्री-किट्यात ।

(১১) जीश्रक्तराष्ट्रम मर्ड

पर्वधान, पत्ती, द्वेष्टिया। बबात्व औरशोब-विस्तावयानवजीत निका-সেবা বৰমান। একক -- এশ্বচারী জীপকমা-नम विशाहक, अध्यक्तको अन्त्रीधानक, द्येशक्षणकृष्य उक्ताती. द्यानवामम अक्षात्री, क्क व्यक्तियां ।

(२०) खेखक-दशोडीय मर्ठ

वामवहसाय, अवनिषय (भाः, भूती । चन्द्राचार्यस्य चन्द्रमञ्ज्ञास्य क्रीमस्र भवदान । वक्क--वक्कावी विषय्रभवत्री कारावणी। गर्काती--अष्महादी अभिनित्रविद्यात्री ।

(५১) 🛢 मध्यमानम् वर्षे केंच्यानामाद, कहेंक।

क्यार्टन जिल्लक्ष्म-त्याधान-विद्याधिकान-ভীর নিভাবেশ বভ্রমান। বৃক্তক---उन्हारी जीनगरंद जीवायनम उन्हारी

(२२) जीममाजम-त्नोहात्रं वर्ष श्यर अभाक्षात्रश्रं नाक्षेत्र (धोव-भनाकभूक मनाजन-स्थिकाक्षण । क्षांत्व (शांश्रद्भवा . वडमान । वक्रम---

ज्ञीयानकीनायकी. ज्ञीपकानन उक्कामी । (२:७) ञॅक्कदेहख्ख वर्ड श्रीनृशिश्वाम कृषाः श्रीभाव बुक्तावन । के के वापा-तथ-त्यावमकोश : तम्बा বৃক্ত-শ্ৰীগণভিনাধ বছচাধী

(18) 💆 পর মহংল মত

देनियश्वनः, मीकान्त्र क्षारन जैकाशवक लाइनाना व चिरशोध-विद्याप विनामकीत (मर्वा वस्रमीस । उक्क --- अक्टारी क्रिन्गिरशस्य क सक्टारी जीवन्द्रशास ।

(२०) औरेड्डिडिशियो में मर्ड

हुपुत्रक् था, कितंक्'ला, यानक्या । हेवा প্রতিত্ত-মতের শাবা। বলক—জীরমা-नाथ काम, औरकनशानक अकलात्री, जीवाम कीच दावसविद्याः

(२७) नगमदशोद्ध वर्ड

क्केर्यन्त, पारतपत, क्लाब । जनाव श्रीर्शिवविद्याप-दास्यव (भव) वक्षप्राप्तः (माशान उपरांगी

(२०) खाष्मनभाष्। अनशासन-मः

अभिनेपाणा, (पा: माठ, शतका बाभारम यक कुलमाडे लोटगावारणय देशका वर्षमान । वन्नक---बन्नामी भौतामकुक-बाम, जीवत्रपतांच अक्षतांचा।

(२४) विश्व दशाक्षेत्र मठ---कार्यहालय वंगर शाली बनन. छा कात . बन निके विक्री । ं तथाक--- अक्षाती 🗒 ी रक्षक, जोकूनेरेलयव क्षीकाशायम्बर महत्र विकास

(२**) (नापाननाकाळनदाळक**ः ्र रूपण---वषठात्री चौक्षारभावम

### গানীলীর স্বরাষ্ট্র সচিবের সহিত चारनाहना

गाकीकी ३६६ क्नारे मक्ता छन्न ষ্টিকা পর্যান্ত পূর্ণ তিন ঘন্টা কাল স্বরাষ্ট্র সচিব মি: এইচ, ডব্লিউ এমাটনের সহিত কথাবার্তা কহিয়াছেন। ঐ দিনকার प्यारगाठमा पित्रीत हिक मन्नरक इहेबा-हिन। 'खबताए, युक्क शासन, शकाय ও কেরল প্রদেশে সন্ধি সর্ভাত্মারী কার্য্য **त्रमृह पृत्र कता इटेट्डट्ड। ८५३ मध्य**क व्यात्माहना रहेत्र एक ।

जिनि वर्धन (गामरहेविनरेवरेरक কংগ্রেস প্রতিনিধি প্রেরণ সম্পর্কে পুনরালোচনার উদ্দেশ্তে তিনি রাজ-অভিনিধির সহিত গাকাৎ করিবেন, এই मरवाम **एक** ।

মি: এনাটন ও রাজপ্রতিনিধির সহিত আলোচ্য বিষয় বহু'বধ ও অতিমাত্রায় গুরুত্বপূর্ণ বলিয়া সময় সাপেক। ভদকুষারী মহাত্মাঞী রবিবার পর্যাম্ভ সিম্লায় পাকিবেন বলিয়া অনুমিত । बाह्याईब

### সাব ইন্দেশ্টর হত্যার মামলা ৬ ব্যক্তির দাপান্তর দও

श्रामश्रदा कदेवक माव-वेनत्म:डेवाक इन्डा क्यांत्र धनः चानत् क्रमम गांव-ইনশ্রেক্টরকে লভায়িত রাখার অভিযোগে অভিযুক্ত এবং মেদিনীপুরের স্পেশ্রাল ট্টাছবিউন্ভালের বিচারে যাবজ্জীবন দীপান্তর হতে দণ্ডিত ২ বাজি কলিকাতা काडेटकाटबेंक ८००१काम .दबरका निर्धारत অব্যাহতি লাভ করিয়াছেন। চীফ হ্রাষ্টিস, পিরাশম এবং বিচারপতি এস, কে. ঘোষ ছারা স্পেপ্তাল বৈক্ষ গঠিত क्षेत्राह्मि।

এই মামগার সংশ্রেকে যে অপর ৬ ব্যক্তি টাইবিউক্তালের বিচারে 'দীপান্তর দত্তে দ্বিত হয়, বিচারপতিগণ ভাষ্টদের ্লব গৃতিত কুসক ও শ্মিক স্মিতি জানীয় ্ব ও অব্যাহত রাথিয়াছেন। অপর ৫ कम बीलाइव मर्ड मिडिक वान्तिव २ कत्क १ वरम्ब मध्य कावाम छ जदः অপর ৩ জনকে ২ বংসর সভায় কার্লিডে मिंडिक क्या इहेगार्थ ।

**এই মা**মবার যে ৫ গল লোক ভাভার व्यक्तिरात्न मध्य इहेग्राकित्मम, कामात्मन R अटनन्न मुख न्निक कता इटेग्राटक, অপর রাক্তির র বেশের সম্রম কারাদ ও অস্যাহত রাখা হইরাছেনে

দ গুলেদের বিক্রমে তাইকোর্টে আপীল ও বংশর চইতে ৬ মাস প্রায় করেদিওের कात्रन । हेशांदात्र माथा १ खन वय वहेटक आदिम निवाहित्तन । अगाविशय तमन खताइंडि नाफ करतन ; १ करनद वक करकत चालिएत विकास हारेटकार्ट । कक ामन विकास की नास्त्रीक कारान

সমর্থিত হইরাছে এবং ৫ জনের দণ্ড ছাস भाडेगाट ।

### ধলভূম সমস্তা

न्छन উড়িখা। প্রদেশ গঠনকালে निरक्ष दक्षमा উভिনার অস্তর্ভ কওয়া উচিত कि मा, उरमश्य कर्त्रया निद्धात्रन ष्ण्य **५ हे जुना है**, बुश्वाश भिवन दनना 8 ঘটিকার সময় বহড়া-গোড়া মোকামে শ্রীয়ত ভটারাম নাইতির সভাপতিত্তে ধণভূম হিতৈণী সমিতির এক বিশেষ অধিশেশন কইয়াভিল: ভাষাতে প্রায় জিন শতাহিক লোক উন'ন্ত ভিলেন। স্কান্থতিক্রম নিয়'লাবত প্রতাবভাগ গ্ৰহাঁড হইল – ভৌগোলিক অবস্থান, व्यक्तिविश्वास्त्र श्रम्भ श्रम्भ । मृश्यास्त्रिक রীতি, নীতি এবং ভাষা ও শিশার খিষয় विहास कतिया ७३ मधिए गिरफुम ভেগাকে প্রভাষিত নৰ উভিন্যা প্রদেশের স্ঠিত সংযোগ ন্থকে তাত্র প্রতিবাদ Befarerba:

शिरष्ट्रम ८६४,१८४ ८काम खान्दरशत স্হিত স্পুঞ্জ কৰা উচ্ছ ीसम्हरू বিবেচনা করিবার জন্ম সমগ্র ধলভূম অধিবাদিশণের আরও একটি সানারণ সভার অধিধেশন করা হইবে।

### বিহারের আর্থিক অবস্থা

विश्वत लाम्याच्या चाथिक व्यवशा সম্বদ্ধে ভদস্ত ও রিপোর্ট প্রদান এবং গর: किलान श्राप्तामरनत इत्रवन्ता मन्त्राम অস্থ্যকান করিয়া রিপোট দিবার জন্ম বিহার প্রাদেশিক কংগ্রেদ কমিটা প্রইটা ক্ষিট্টা নিয়ক্ত ক্রিক্লছেন।

### प्रक्रिक गाराया क्षमान

विविधारमञ् आश्च मःवादम ध्यकान, ভিত্তী প্রার এলকোণীন মেমের চাটে ध्यमनक्रिहे ७ क्रिमाशक वाकिमिश्रक অর্থ ও খাল্ল ড্রানি দিয়া সাহায্য করিতে ্রেন। প্রকাশ, বহু বাজি উন্ধানিতি ছটতে নির্মিত চাটলাত অর্থাহায়।

### **डाका श्रामात्र ८०**व

ঢাকার অভিরিক্ত সেগন কল গভ ডাকা সাম্প্রদায়িক হাঙ্গমার সময়ে মারণিট ও দালা করিবরি অপরাধে গোপালচক দর্বদমেত ১৮ ব্যক্তি ট্রাইবিউড়ালের রাহ কর্মাণার ও অপর ৫ জন হিস্কুকে

षानीन कता। विहासन्छ दुन, नि, মল্লিক ও বিচারণ্ডি পেটারস্ন আশীণ **च्याङ् क्त्रिया निष्ठ भागानश्रद्ध द्वाय वटान** साचित्रात्स्य ।

187

প্রকাশ, গভ বৎসরের দালাকালে উপরউজি আসামিগণ বসিফদীন নামক कटैनक मुगलशानटक द्वाप्त अहांत्र करत এবং কিছু পরে ভালারা এক মুসলমান ব'ল্ড ও প্রহাত মুসলমানটার আঙ্গে আগ্রুণ ध्वाहेया (तम करन अ मूग्लमान्ती मात्रा

### একা অভিমুখে ভারতীয় সৈগ্র

ध्यकान, २६म मात्रशङ्घेः भगाष्टिक अ ष्यद्वीपन धातवादी स्मामस्यात्र भूगाः। ভাগে कतिया उक्तामान याजा कतियात কথা ছিল কিছু বর্তমানে উক্তসেনা-দলেব এক্ষেত্রন স্থাতিত এছিল। ভদস্ত कथिया कार्नित् श्वा शिश्चाटक स्वल गतिकाकी समाधाकनी व्याजामी व्यान्हें मा मत अपय मधार्य ध्या भवती अति 'ट्याना क निरंव । स्मरक महावादन । भवश्विक दा-भुभ्य ताहे/कृष्ण देशकृष्ण वादेश्य মানের ভৃতীয় সপাহে উক্ত সেনানিবত आग कतिता।

### नहतम भूरक्ष नियम हाक्षान्।

বছরমপুর মিউভি-শিপার্ফিটীর জেয়রে: मानि व्यक्तिर जन्म ना भहेगा (कर রাতে রাজায় বাহির হচতে পারিবেনা, त्रणका एक कारमण कात्रिकरवनः क्र আদেশ ৩ঞ্চ করিবার অগ্রাংগ গভ শনিবার রামিকাণে পুলিস জাের ১২ জনককে গ্রেপ্তার করে। সম্প্রতি বধর্ম পুর সহরে চুরি ও নিদেল চুহির প্রাতর্ভাব र प्राय के क भारतभ काति कता इस ।

### मिनारमारक ५ मंड है। का श्री श्रेड

গত ১.ই জুলাই কানপুরে দিবালোকে এক ভাকাতি কইবাজে বলিয়া সংবাদ বাসিরাছে। আধারতের পিয়ন কর্ম নের শা ডিক্রী লারি ছারা প্রাপ্ত লভ **টাকা कहेता यथन है लिश्रियान काटकत** দিকে স্থানর হইতেছিল, তথন সাশস্ত ব্যক্তিগণ আনিয়া তাৰাকে আহার করে ध्वर - छ। हात्र हाता वलश्वरक काफिया मस्

### "রজের বিনিষ্টের রক"

कामलूब इकेटक ५७३ क्या है "जान हेखाहात्र' राष्ट्रभीत भागगात्र जारावी ক্ষিয়াছে<u>। ্</u>শপ্ত দাসামী রাম্চল্ল গোৰ काकिद्वाश केश्विकांत्र करत । मामना ১৮ই चणाई भवास म्लजूबी साथा बहेबाटह स्नहे मिन चारामी शक इटेट अवही निविष्ठ विवृष्टि नाबिन कता इहेटव ।

फेक देखाबादत गिथिक किन-प्रदेखक विनियस बक' धवः डाहारड मास्त्रमा कर्षां विशेष कर्दां विशेष विशेष **७४ (मधान इटेशांडिन ।** 

### চীৎপুর দালা

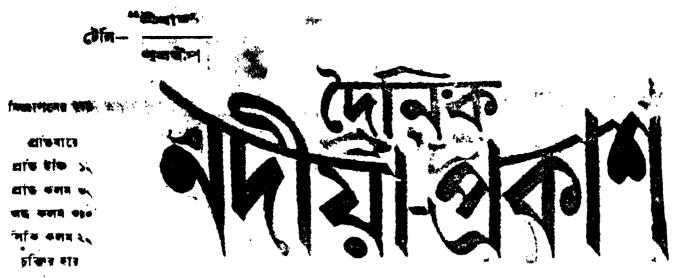
भिवासपट्य प्रशिम माजिएहें मि: ८<sup>३</sup>८, ध्रम, १८७३ श्रमश्राम कवित्र আচীর ও অপর স ব্যক্তিকে তীৎপুরের পুणिन काञ्चिक क त्रवाटक । अकिटवाटन বলা হইয়াছে, আভেযুদ্রগণ এক বে-काहेगी पटनत त्याक। উहाता अध्यक्षात गाउँ। उ छादात जालाद गाहिक क्वाड छेष्म त्या वाति वरवा कानोत्यमव निःह Cबारफ असम करत जा तथा है सामा त्यांकी আলীয় ওবং কপরত বাজিকে আহত करता । अभागी मृद्युक्षी आर्रहा ।

### दिन्तु गुण्यमान प्राक्षात्र कविशे विश्वक

अक्षांति कारकश्चारात किन्तु भूगमश्रीरेमश े ८२ म का अध्या निवास्त्र, खरमबस्य खाटवा-कर्मीक छ विचामध्यान्। माका मरश्रह कश्चित्रात्र अस्त्र अवश्वा स्था स्था स्था द्व স্থল তথ্য প্ৰিল বাল জিয়াছে বা विशिष्ट कतिएछ अधीकात कतिहाटक. ভাষা সংগ্রু করিছা রিপোট শিবার 🐲 भक्षांन कारमांभग दिन्तु गका अमेरि कविति तिरमाष्टे धामान कतिवात स्वावहिक श्राहर काका कालागरक **উপदाशिक क्**बिट्ड

হিন্দু গভা একটি প্রস্তাব প্রহণ করিয়া-ভেন। ভা**হাতে বগা হুইয়াছে উক্ত** भाषा मुक्तिक विटलाई भारता मुख्ये হইতে পারেন নাই। বিশেষতঃ পুলিদ কেডাবে ভদতকার্যা পরিচালন করিয়াছে 1 816 BEGERRSK 1818

নিয়লিখিত ব্যক্তিবিগ্ৰে লইনা क्रिण गठिक ब्हेबारक। असरकारको तात्र बाहाइत बन्ति (भामगाण, प्रात वाहाकत त्मवकताम धाम, धाम, ति, धाम-८ छाटक है। महोत्र शामहज्ज मानहज्ञ, व्यक्त-**८७१८क** छ । जन्म निगठसकाम, जांब वाशक्त गर्भाव निव निर, अक्ट्रांट्य है C'BI CBABIR I



MERICALE MINT चा अम (पश्र गर्विक रू यात्रायिक हर् देश्यानिक २५० मानिक 📐 2717 व्यक्ति मध्या 🕊

ছারতের স্কৃতি বছল•প্র⊹ার—শদী াভেলার en মাত **মুখ্**পত

সম্পাদক—শ্রীক্ষতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি 339তম সংখ্যা

**এটেচভকুমঠ জীগাম মায়াপুর--৪ঠা আ**াবণ দোমবার, ১৩৩৮, ২০**ণে জুলাই ১৯৩**১

### নানা কথা

### . क्षश्रेषां भटकटवत्र स्वकटनवत्र

এবার পুরীভে রথযাত্রা সমারোচ্ছের সভিত সম্পন্ন হইছাছে। এ বংসর ভারতের নানাত্বান হইছে বিভিন্ন শ্ৰেণীয় এড যাত্রী সমাগম হইয়াছিল যে, পত ১০ वरमदात्र मर्गा धक्रण रम्या यात्र नाहे। क नहां भारत व वश्यम सब करनान मान्य করিরছেন। এই চেডু স্বানীসমাগন এড कार्तिक इटेबाट्स । अब बाहेन वाली मीर्च নরসমূজ সভাই একটি প্রভাক করিবার विषय क्रमाहिन। नामकाज लाय শক্ষানিক যাত্রী এ বংসর পুরীতে আসিয়া-

(वना २ महिकांत्र मनत 🗷 🖹 प्रश्तांश. বশক্ত ও ক্ষজার মৃট্টি মন্দির চইতে বাহির করিয়া তথানি স্বর্থে ভাপন করা হয় ৷ তৎকালে যে মাজলিক অফুঠান इहेबाछिन, छाटा विवाध ७ ष्मभूका । उहे অহঠান শেষ হইলে পর পুরীর রাজা কৌলিক প্রথামত রাজবেশ পরিধানপুর্বক वर्षठांगनाम कार्या मरनानिर्वम करत्रन ।

পুরীদেবাদ্দিতি পরিপ্রাম্ভ যাত্রী-चक श्वना विशान, चार्डिंगरात त्रा প্রাকৃতি কার্যা সম্পাদন করিয়াছেন।

# 👫 🗸 চীন সরকারের জন্নলাভ

নানকিন হইছে প্রশাপ, ক্যাণ্টন ঘইতে লাল বিজোহাঁদল ভাড়াইয়া দিবার क्छ **एकिन राजात्र देनछ नियुक्त वरे**पाट्छ । **ध**रे राश्मित भावक ठिवाः कार्यम्थ

# জগন্নাথদেবের ননকলেবর

বি, পি, দি, সির প্রতি কমিটার দোষারোপ

# রুকুৎসায় দাসগুপ্ত

পত্নকোটা রাজ্যে সশস্ত্র পুলিস পরাজিত

# চীন সরকারের জয়লাভ

ধনভূম হৈতৈষী সমিতির সভাপতি— যুত কৃষ্ণচন্দ্র ওঝার অভিভাষণ

# গান্ধীজীর সম্বর্জনা হইবে না

শনি রাজে: ৯২ জন গ্রেপ্তার

# বহরমপুরে পিকেটিং

ভারখোগে জানাইভেছেন, ভীষণ মুদ্ধের 'নিরপানাধ 'ব্যক্তির প্রাণ মাহার করা পর গভর্ণনেটের দৈল্পদেশ কমিউনিষ্ট হটয়াছে, আসংখ্য বাছিনীর দক্ষিণ ধার ভেদ করিয়া। কিয়ান । বীভংগ অভ্যাচার করা হট্যাছে। অভএব त्रिकृ करवन शोगारख दक्षायास्तः व्यवस्तान व्याप्तन, कियाःनि व्याप्तना कमिडेनिटे-ভবিষাছে। কমিউনিট বাহিনী ছতভেক<sup>্ত</sup> হলের বিরুদ্ধে অন্ন গারণ করা যাক্ इहेगा मिक्किन निष्क भनाराम कतियाटि ।

कांहेरमथ बिनाइहिरनन, भठ भठ श्राम जिल्ल-शात्रण मक्तन इंडेरन ७५ (स दक्त-क्रिमार कता इदेशाल, हाकांत्र शाकांत्र हीत्मत काळीच वन ध्वर हीन मत्रकात्रहे

স্থীগোকের উপর हेहात्राहे यक व्यनदर्धन मूल. हेश्याहे अहे সম্প্রতি নান্চালে বকুতাকালে চিয়াং। সকল অভায়, অত্যাচার করিয়াছে। এই নিরাপদ হউবে ভাহা নহে, সমগ্র চীন নাভিও বিপদের হাত হইতে পরিজাণ भाइटन ।

### হাজাগার অপর বিবরণ

निউনিবিপাण छात्र बुद्धि र अश्वा সভাপতির क वर्ग भारतन বাঙ্গালার যাইয়া ভাষাবের প্রাথনি নিবেদন করে: কিন্তু সম্ভাপতি ভাখাজে স্থাত না ছওয়ায় জনতা উন্তে ১টয়া উঠে। ইহারা অতঃপর সরকারী অফিস নষ্ট করিয়াকোন কোন স্থানে আগুন কাগাইয়া দেয়। পুলিস তৎপরে গুলী চালায়, গুলীতে একলন হাদামাকারী নিগত হয়।

অতঃপৰ জনতা সভাপতির বাজালা লুঠ করে ও আদাশতের কাগলপত্র ও বার লাইত্রেরীডে আগুন লাগাইয়া (मह । এই शास्त्र व्यवश् पृत्र शाहाल ।

### গাড়ীজীয় সম্বর্জনা হইবে ন।

কংগ্রেদের লওন শাধা হইতে মি गांक्षार अवांगांक ग्राहेवा विश्वत खाउन ১৫ই জুবাই তারিবের সভার অগ্র'ফ্ श्रदेशा**टम् । विः भाषीरेक मन्द्र**मा कविनात নিমিত্ত একটা কমিটা গ্রহন করিবার প্রভাবও এই সভাগ কথাত হইগছে। **एटन हेटा मक**श्चित्र का डिम ड हटेगोटिंग ८४. **हे ना ७** विभिन्न कराजन (छिन्दिना है व्याभिएड(इन, कःध्यम म्माटकहोती हैव्हा कतिरा डीहानिशस्य मध्यमा कतिरह

# শ্রীধাম মায়াপুরে

**৴**ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

### (थाना श्रेजाटण।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিক্ত শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অতি যত্ত্বের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যয়ে সুন্দর বাসস্থানের বন্দোবস্ত হইয়াছে। খাশ অতীব সাধ্যকর।

সবিস্তার সংবাদের ভস্ত নিম্নলিখিও ঠিকানা পত্র লিখুন। সেক্টোরী, ভাকুর ভাক্তিবিলোদ ইন্টিভিড্ট জ্রীচেড্ডাস্ট, পোঃ শ্রীমায়াপুর, ন্দীয়া।

### —৫১ বংসরের প্রতিষ্ঠিত—

ক্ৰিথালৈয়ে এন্তেত বতীকা হাণ ওফ্তারণা, সপ্রণোধ, কেটিকাঠিল, অদীন, ধ্রমভঙ্গ এন্ড্ডি কড কোগীর বোগ নিরামর হইগাছে ভাগ প্রকাশ কবিশে শড়বছ প্রক হইবা পড়ে।

### है हा

সকল ঋতুতে বাণগার চলে ও সমান ফল প্রাণান করিয়া থাকে। প্রতি কৌটার ০২টা বটাকা থাকে।

### <u> \* কেবলমা র</u>

জতি কৌটার মূল। ১০ এক টাকা। ইংর নাম **'আতিছানিতাহ** বঁটাকা'।

অগ্রন্ত ওষধের ভালিকার দক্ত পত্র নিধিনেই পাইবেন প্রাধিস্থান :—আতচ্চনিগ্রহ উদ্যধানসম্ভ

২১৪ নং বছৰাম্বার ট্রিট, কলিকাডা ।

# কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



মকংসলের প্রবিধার জন্ম ৬ আং শিলিতে ঘনীভূত অবস্থার ভোটবোডলের প্রমণরি ঔষধ ভাকে পাঠান চয়, টভাতে ঔষধের কোন প্রিবর্তন করা কর নাই। মূলা প্রাক্তি শিলি ৪০ জানা, প্রিট ৮০/০ আমা, বোডল ১০/০ আনা।

অফিস–১১নং উক্টাডাকা রোড, পোঃ শ্বামবাকার, কলিকাতা

# মদন মঞ্জরী

विकास क्षत्र क बांकुनिकात, रीक्षत्रक्षित्र हार, बाह्यार कारणाक, वक्षक्षत्र, वाधारणातः, तुक रक् कहारि, व्यक्तिस काकृष्टि सक्षत्र वक्षत्र निर्द्धाः बारणात्र हतः। क्ष्त्र, वीदी, स्वयं तृष्टि करिस्क व्यक्तिक हैनिक। युना ३० वीते ३, अक होक। ३

প্রকৃতি ক্ষাক্ষাত্তি প্রকৃতি
পূক্ষকানি রোগে বার্মানার বারা বারোরা
করিয়া পঞ্চিপশার করে। বুলা ব কোলা ১, টাকা ?
প্রেক্সপ্রিকানিকানী অন্তিবার্গীত
বার্যায়ার করম মন্তোগর্শিক ছাত্তী ও বুলি করিছে
আন্তর্গান বুলা ১৬ বুলি ১, এক টাকা।
বার্থিত আন্ত্রান্তাপ্রিকী, ক্ষেত্রান্তাপ্রিক

THE WATER STREET, STRE

### शरेट्डामिन

বা

### কোষর্দ্ধি রোগ

ভাঃ এল্, এল্, যোৰ বিন। অল্পে, বাবজ্জীবনের গ্যারাটি দিয়া বৈয়াভিক কাণাগাতে কোবদুদ্ধি গোগ আরোগ্য কবিলা গাকেন।

> ৈ টিকামা— ১৮ নং কটন ট্রীট, বড়বালায়, কাগকাভা।

# যক্ষায় হতাশ হইবেন ন

# : - দৈনপাপ্ত যকার একমাত্র মহোবধ

### পশর দিলে সংগুর আরোগ্য

রোগী বেখাইতে হইছব। অগ্নিম শাংকিদুর্শ্রেচ (যাওয়া এবং আরুরে)
পাঠাইপে গিয়া রোগী রেখা এর অধ্যা এবং আদিলে আদিলে হোগী রেখিয়া।
উমধ বৈওয়া এর আবোগা না হওছে প্রান্ত পারিপ্রমিক দিভে হুইবে না ।
পদীর্থ রোগীদের খনত বহন কর্মিয়া চিকিৎসা কয়া হয়। বিভাবিভ বিরশের জন্ত এক আনার ভাক টিকেট স্থ নিম্ন ঠিকামার অনুসন্ধান ক্ষন।

আকিন্তীলচন্দ্র উকীল, যন্ধা-চিকিৎসক, পোঃ নৈকারী বিভাগ। অথবা নিয় ঠিকানার সাক্ষাৎ করিণা বিস্তান্তিক আনিকৈ পাছেল।

শ্রীযুক্ত রামগোপাল দত্ত এম, এ, রক্ষনগর, নদীয়া। শ্রীযুক্ত করিলছ সিংচ, ১১৭, বেশিয়াটোলা স্তীট, কাটখোলা, কালকান্তার

আকর্ষানি পাত্র । জ মার প্রাকৃত্যুর গর্ভ চর মান ব্যবং রাজ বন্ধার ভূগিয়। নৃতপ্রার কর্বরাচন, কালকাতার বিজ্ঞ চিকিন্দুক্পণ ভাগার ক্ষাবনের আশা ভাগা করিয়া শেন মৃত্যুক্তর কর্ম অংশক্ষা করিছেছিলেন কর্ই নম্ম প্রাকৃত ক্ষিত্তীপচন্দ্র উক্তিশ মহাপার মান্ত ২০ বিন্দু চিকিৎনা করিয়া সম্পূর্ণ আবোগা করিয়া বিধানেন। (সাঃ) প্রীয়তীক্স কিশোর ভার চৌধুরী (ক্ষমিনার খালিরা) হগু ইটি, নিউ বিক্ষিয়া, কর্ম্যারেশন টেউং চিপা টমেন্ট, কলিকাভা।

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরাব্দ ৪৪৫ মাত্র ১/১০ ভাকটিকেট পাঠাইলেই বুক্পোট্টে পাঠান হয়।

> ম্যানেকার-এছনিভাগ এটেডখমঃ, পো: শ্রীমায়াপুর, নদীগ।

# গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

-কার্যল-

এখানে বাবতীয় চাপার কাম্য — গ্রন্থাদির কাষ্যই বলুন,

বিবাছের নিমন্ত্রণ পত্র, কার্জ, বিবালের পঞ্চই খলুন,

আর ৩ রং ও ৪ রংএর ছাকটোন ক্লকই বলুন, সকল কার্যাই অভি সম্বাহাপা হয়, অথচ চাপ।ইবার খরচ বাজার অপেকা প্রভ

আপনার কিছু ছাপার কার্য্য থাকিলে নিম্নঠিকানায় জানাইলেই দর পাইশেন।

> मार्यकात- क्योन्डीका स्टिन्डिक श्रास्त्रक् २८०१रं मर जानात्र नात्रकृतात्र दशक, क्याकात्र

The wind the state of the second realist the second second

শ্রীগাদ দায়াপুর নদীয়া-প্রকাশ প্রি তিং ওয়ার্কস্ হইডে—কৃষ্ণকান্তি অঞ্চারী ভক্তিকুম্বদ এশ, এক, কর্ত্ত দুলিত ও প্রকাশিত



वक्रमग

२) वामन द्रशीताच 880, 8ठी खानन नमास २७०৮, २० क्<sub>रास</sub> है २००५ द्रशामनात

५५१ छम मः भार

# পিতামা া ও সন্তর

জগতের মুদ্যে সব্বাপেকং প্রেট ও পুরুষ আমাদেব শিভাষাভা। কারণ, উ:হাদের নিকট হইতে আমরা ভোগময় দেহ লাভ স্বিগাছি, তাঁগাদের কুপার এই ভূগোকে প্রথম হ্যাংলাক দর্শন করিবছি, পিতা-ম্বাক্ত কেশ সহু করিল আমাদের **माध्य क्रिक्शाट्यम--- निश्वत**्य व्यामाटनत्र व्यक्ति, विद्यारम, मग्रदम, अन्यम अन्नमा চোবে চোপে রাখিয়া আমালে এত বড়টী क्रियाद्वान---वाधि इहेटन द्वान मवाभादव কত বিনিম্ন রঞ্জনী আহিন'হিত করিখাছেন। कामारमञ्ज सूच रमिश्य -- প্রতিটার কথা অনিশে উল্লাসে ভাঁলদের বুক ফুলিয়া উট্লিড---আবার আমাদের বিস্থাত হংগ-क् ३ दिश्वाल काहा हो । द्यन कामारमञ আংপকাও শতগুণে অধিক ক্লেশ অমুভব করিভেন। নিবে এতটা অভাব অপ্রবিধা, দ্রুপক্ট ভোগ করিবাও বাহারা আমাদের 📲 অভটা ত্বার্থ ত্যাপ করিতে পারেন, আঁহারা িশ্চ ই আমাদের প্রাত্ম---আমাদের প্রাণাশেকাও প্রিএডম। মামাদের मलन चार्ल कनावनि नियात डीशापत कक्नभात निनिभक्त काममनः शाल छोडाएमत রেবা করা উচিত। যে তাহা না করিনে, জনুলা অক্তজ্ঞ আৰু জগতে নাই,---ইহাই বিশ্বনাণী।

শিতামাতার আপের আকাক্ষা এই—
সংসাত্রে যাহাতে উাহাদের সম্ভানের কোন 
কই না হয়, যাহাতে কোন ভোগে কটা
না হয়, অগতের যত বড় বড় বলম্বী আছে,
ভাহাদের নামতালিকার শিরোভাগে বেন

নিজ সস্তানের নামটা দেখিতে পাওয়া বায়। ভাহা হইলেই তাঁহাদের আনন্দ, ভাহাতেই ভাঁহাদের স্ত<sup>ু</sup>, ভাহাতেই শাস্তি।

সদ্ভক' কে ? যিনি আমাদের জান দাজা—অজানভিমো বিনাশ করি। চিং ক্ষেম্মর আলোকপদাজা। লোকের মত্তক আবা উঠিলে দেন ভালা শীতল কবিবার নিমিত্র জলসমালে গ্রমন কবে, ভিজা অন্যান্ত্রপূর্ণ সংস্কৃত্র ব্যক্তিগণ সংসার ভাপ হই এ শান্তি লাভ করিবার নিমিত্র ভীগুল্পম গোলমন করেন।

শীপ্রক্ষের—সকার পরত্বেকান্তর ও
দারর সাগর। আসরা সংসার-ভোগে
বিরত্তনা হইলেও প্রক্রত সদ্ভক্ষ বিনি,
তিনি আমারিগকে, সৃত্তিকান্ডোলী বালককে
মোলক প্রকানের জার বসপুথক ভজিন্তরস
পান কর্নাইবা—প্রতিমন্ত্র বন্ধর আরাদন
প্রদান করিয়া গুড়ভোগ হইতে বিরত
ক্রিতে স্তত্ত সচেই।

শিতামাতা আমাদের সংসারের জক্ত 
চিন্তা করেন অর্থাং আমনা কিরপে এই 
সংসাবে অংশ স্কল্পে বাস করিতে পারিব—
কিরপে এই সংসাবে মৌরসী-পারী লইয়া 
বিসিতে পারিব, তাগার জক্ত তীহারা 
উঠিন পড়িখা লাগিয়া পাকেন। যাহাতে 
আমরা জন্ম জন্মান্তর পরিয়া এই বিভাপপূর্ণ 
কংগের আগোরো মুখ্যারীচিকার পশ্চাতে 
পশ্চাতে নিরত ভ্যাতুর হরিণের জায় 
ধাবমান হততে পারি, তক্ষক্ত তাহারা সর্বদা 
যত্ত্বীল।

যদি আমরা মন্তানাদি অথবা লোকদান ধতাইয়া দেখিয়া সমত বিধরের বালাকনাতে আসক হই, তাহা হইলে বস্তু- মীমাংসা ক্রিয়া থাকেন। প্রত্যাং তাদৃশ বাম ক্রাতের ধারাত্স'রে তীহারা আমাদের ত্রপূর্ণ বেদবাাসাধি আর্থিকগণের সিকাঞ্জ

আকু তত্তী হুটা হুটা ক্রিল করিছে গেটা আমবা কোনকপে সা, ক্রেক করিছে সেটা করিছে তেতা করিছে করিছে বাজ করিছে করিছে

আর প্রকৃত সদ্ওকণ চেই।—মানতে
আমরা কোনকপে ঐতিক তংগে ছার্ডুব
না থাই। সভানগণ না থাইলে পিডামাতা
যেরপ কত আদর, সোলাগ ও যত্তে ভাছাদের
থাওয়াইরা পাকেন, শ্রীগুরুদেরও জজ্প
লিগ্যকে দেবতর্গত উতি রুক পান করাইছে
নানা প্রকার কৌশলজাক বিজ্ঞার করিনা
থাকেন। পিডামাতার সেকের অভ্যন্তরে
হার্পবিভ্যান। তাঁহারা সভানের বাদ্যকাকে
স্বা করিনা নিজেনের বাদ্যকারে স্বানের নিকট ইইতে সেবা পাইনার দাবী
রাপেন, কিছ জর্মদেবের স্থে—নিংছাও,
নিক্ষান, নিক্পট।

ভূসবৃদ্ধ জনগণের বিচারাপেকা সন্ধান্তর বৃদ্ধিগণের বিচার অ'নকট। গৃত। বাঁহারা জগতের বড় বড় মনীর্ষি, উলিদের গবেবলা পূর্ব গারবা অপেকা' মননীল মুনিগপের চিন্তালজি ও বিচারশজি অধিক। কিন্তু অমাদ, বিপ্রলিক্ষা, করণাপাটবংবজিত বিজ্ঞগণের গবেবণা স্ক্রীপেকা প্রেই। তাঁহারা উদ্ধিক পারত্রিক সমত লাভ্নাক্ষান ধতাইয়া দেখিয়া সমত বিবরের মীমাংসা ক্রিয়া থাকেন। ক্তবাং তাদৃশ্ব

সমূহ সকল বৃদ্ধিনান, সকল িচাবক ও সকল লোমখানী ব্যক্তিরট গ্রহণ করা কঠনা।

মায়ামুগ্ধ জাবের অজ্ঞানাবনে দ্বার্থি ক্ষয় ভগকান নেদবাবৈদ্ধেশে শাল্পাদি প্রকাশ করিশাহছন। বাঙাবা তৎকত শাল্পাদির ক্ষয়াহিত চিত্তে প্রবণ এবং তদক্ষায়ী কাষ্যা করেন, তাঁহারাই স্থাশান্তির অধিকারী। শ্রীমদ্ ব্যাসদেব শ্রীমন্তাবেতে ( ৫।৫।১৮ লোকে ) বলিতেছেন,—

গুকুন স প্রাং স্বজনো ন স প্রাং পিতা ন স স্থাজন্নী ন সা স্থাং। নৈবং ন তং প্রাং ন পতিক স স্থাৎ ন মোচরেদ্যং সমুপেত্রতুম্॥

বিনি সন্পদ্ধিত মৃত্যুদ্ধপ সংগার চইতে গোচন করিতে না পারেন, দেই গুরু গুরুষ' ন্দেন সেই ক্ষন 'ক্ষন'-শর্মণাচা ন্দেন, সেই পিতা 'পিতা' ন্দেন, সেই মাতা 'মাতা' ন্তেন, সেই দেবতা 'দেবতা' ন্তেন, আর সেই পতিও পিতি' ন্তেন।

ফ চরাং পিতামাতা যদি সন্থানগণের প্রতি প্রচুর স্নেহধারা বর্ষণ কলিওও তাইাদের সাক্ষাং মৃত্যু চই.ত উন্ধর করিতে না পারেন, তবে উংগ্রেগ পিতৃ-মাই নামের অংঘ্যেগ।

নারদশক্ষাত্রেও এইরণ উক্তি দেশা বাদ,— জনদারী গর্ভধানী ক্ষেত্রকরী সলাবিকা। ক্ষাণাভাদ্দাতা ভাৎ মেহকরা সদা পিতা। ন কমৌ তৌঁ চ শিভরৌ প্রভা কর্ম পতিভূম ক্রোভি সন্তর্ম শিশুকর্মন্দির্ভ্যন্ম দ

অর্থাৎ জননী—স্তনদাত্রী; গভলারণী ও মেহক্রী, শিতার জন্মদাতা: অনুদার্ভা

"অগতের পিতা কৃষ্ণ যে না তলে বাপ। পিতৃ:জাহা পাতকীর লয় লয়ভাপ !"

এবং স্নেহক্ষা হইলেও ভালারা পুত্রের স্থুখড়:খাদি প্রাণক প্ৰারকাপোরক কর্ম থণ্ডন করিতে পারেন না। কিছ সদ্গুরু निर्वात संगीपंत भगस नमाक् ध्यकारत উৎপাটন,,কবিয়া দিভে সমর্থ।

পিতামাতার দরা—মন্দোদরা, আর श्वतपारवन्न में श्री व्ययस्मापत्री, शिकायोणाद দ্যা থভিড, অনিতা ও গুংশশ্রনক, আর শ্রীগুরুর দরা অফুরস্ক, নিত্য, শাখত স্থাধের स्थात ।

শিভামাতা সম্ভানের প্রতি ঘড়ই মেছ-শীল হউন না কেন, ধ্ৰম দুঢ়পালে সন্ধানকে বন্ধন করিবার জন্ত্র, যমপুত্রণ আসিয়া উপস্থিত হয়, তথন জীহাদের সেংহর বাঁধন ভোরে পু৴কে আটকাইরা রাখিতে পারেন না, কিন্তু গুরুদেরের কোটচল্লফ্রনীতল ' পাদপর সকলো অভয়। গমদ্ভগণ তাঁহার 🐈 निक्रे व्यामिष्ट माइभी ना इहेबा मकला দূব হইতে। দওবং করিণা প্লায়ন করেন। জীব একবাৰ নিকপটে 'গুৰু তোমাৰ হঙ' বলিয়া শ্রীগুরুপাদপল্মে আশ্র এচণ করিতে পারিলে আর সংসার-যাতনা পাইতে হয় না—শোক, মোহ, ভয়-মৃত্যুর হাত হইতে চিরতরে অবাাহতি লাভ করিয়া অংশাক. অভয়, অমৃতধামে নিতাবাদের অধিকারী **ब्हे**एक शास्त्रम ।

### আছাতত্ত্ব শিক্ষার চকুষ্পাঠী শোধার ?

(শ্ৰীপাদ কিশোরী:মাধ্ন ভক্তিবান্ধর বি,এপ্

কেবল গৃহ নিশ্মাণ করিয়া বাস করিলেট পুহস্ত হয় না৷ উপযুক্ত পাতীর পাণি এচণ করিয়া যে গৃহ পত্তন করা যায়, ভাছাই গৃহ-শন্ধনায়। এইরূপ অবস্থায় যিনি অস্থান্ত আধিকারিক দেবদেরীর উপা সন্। পরিভাগে পৃথ্যক 🚁 ক্লফেডর বিয়ন-বাসনা বৰ্জন কৰিয়া একনতে ক্লমণ্ডলকেট জীবনের সার বস্তু লভিনা গ্রহণ করেন. তিনিট গুরুত্ব ভব্দ : গুরুত্ব ও গুঃ এতের মধো আকাশ পাতাল ভেদ বর্তমান। বাঁহাৰা সংং ভোকা সাকিলা নিকেন্দ্ৰিয়-ভোষণকরে নিষয়রসে উন্মন্ত কইয়া আত্যা সজির স্থিতারী, বুল্ল, কল্পা, বন্ধু-বান্ধর, আৰীৰ অভন প্ৰভৃতি লইয়া সংগাৰ পতন পুর্মক গুটে বসবাস করেন, ভারারা গুল-ত্ৰত বা গুগমেধী।

গৃহরভূপণের চরিত্র ও গতি সম্বন্ধে श्चिमदाशवाक निवादहर तय, तम वास्ति शृद्ध লাসক্তচিত, পুত্র ও ধনৈষণায় আঙুর এন স্থৈণ ও খলসমতি, সেই মুচ ব্যক্তি 'অামি'ও 'আমার' এইরূপ কানে বছ হয়। হায় ৷ আমার বৃদ্ধ মাভা-পিকা, শিশু সম্ভানবিশিষ্টা ভাগ্যা এবং সম্ভানগুলি আছা বিনা অনাথ ও চু:খিত ছইয়া দীনভাবে কিন্তুপেই বা জীবন ধারণ করিবে,

— এইপ্রকার গুহাভিলাবে আলিগুচিত্ত কামনা ক্রিয়া, আতিথা, দেবসেবা সমওই अगडहे ७ मन्पर्कि वाकि भूजक्कानिशक क्षणायात अहीत्। जैहितित ममण स्रोतनहे সর্কদা ধ্যান করে এবং মৃত্যুর পর 'জর্বং नामक काक लामगी त्वानिएक कारवन करता । अहे जितिब मरशंदगतमह । कामगक हरेस এইরপ গৃহত্ততগণের ভাগ্য নিতাস্কই মন্দ্র । বিষয়ভাগ কেবল রক্ষভকেরই সন্তব ৷

माधावक कीव कुम ७ एक छेशाधिकरमञ् সহিত পাচ্টা জানেজিয় **লাভ** করিয়াছেন। के शांकी कालिक्षियशाद की कर्जित्यहरू প্রবেশ করিয়া থাকেন। দুকুগরা আকান্ত S वर्ग मर्भन करतन । कर्न का वा भवा अन्त करवन। नोगिका बाह्य वस्त्रन, ত্ত্বা চর্ম ছারা স্পর্শস্থ অফ ভব করেন। জিচনার দ্বানা রস এছণ কবেন। তই পাচটি ক্ষীকের ছারা যদি ক্ষীকেশের সেরা না করিয়া ভীব উহাদিগকে আছেব্রিয়-প্রীতিবাস্থার উপকরণ সংগ্রহে নিযুক্ত করেন, ভাষা হইলে তিনি এই পাড়টি मनदा निया कडकगट्ड लानिहे १३०। कडा छि-নিবিষ্ট হট্যা পড়েন। প্রাকৃত ও অপ্রাকৃত স্কর্ণাৎ পরম্পের বিপর্ব ভারে অব্স্থিত खाँडे कीत गडडे बर्फ धामक बढेरड शास्त्रन. তত্ট ভিনি খীয় প্রাণনাপ জ্লীকণ্ডি क्रमभ्भानभन्न इंहेटड मृत्त हिन्दा यान । गीशका সংসারিক বিষয়ে মত, ভাষারাই বিষয়ী নামে পরিচিত। জীবের যথন ঐরণ অবস্থা ঘটে, তপন উলোর বহিত্য সংসাধ।

ক্লম্ভেক্তন নিষ্ণীপ্রায় থাকিয়াও निष्वीरमन कांत्र निष्यं एकनम जिल्लाभू-তপুৰ অফুদ্ৰান করেন না। তাঁগোৱা ইচ ক্ষণতের যাবভীয় বস্তুকে ক্লফ্সম্ম নিপশ্ধ করিয়া অনাসক্তভাবে জাবন যাগন করিতে পাকেন। তাঁহারা জাগতিক সমত বস্তুকে छश्यक्तिमञ्चक्षयुक्त विषया मान् कावन। সকল বস্থাত চিচ্ছজিসম্বন্ধ দৃষ্টি থাকিলে व्यात विश्विंध (ज्ञाश दश ना । व्यक्षप्रंथ कीरवत সম্বন্ধে কণতে যাহা শরীর্যাজার কম্ম গ্রহণ করা আবশুক হয়, সেই সকবাই ভগবং-প্রায়ার বুদ্ধিতে গ্রহণ করিলে আর অধংপতন হয় না, বরং চিত্তরুণী পার্বত্তি কাণ্য করিতে পালে। ভাই উলোপনিদং দলিয়াছেন. 'ঈশাব।শুমিদং সকাং য**ে কিঞ্** জগভাগে ৰূপৎ। তেন ত্যকেন ভূঞীপামাগৃধঃ কয়-क्षित्रम्॥" डाँश्वा धर्मश्वास्य क्रथनार्गी, পুরকরাগণকে ক্লেব্র পরিচারক ও পরি-চারিক। বলিয়া মনে করেন। তাঁদাদের চকু শ্রীবিতার ও ক্লান্থবীয় বস্তু দেশিয়া তুপ্তি मात्र करता छोश्राभत कर्ग हतिकथा छ সাধ্যমের প্রসন্ধ শ্রবণ করিয়া আনন্দিত হয়। তাঁহাদের নাসিকা ক্লফাপিত তুলসী ুঁও সুগর্জি সকল গ্রহণ করিয়া আনন্দ ভোগ करत ' डैं। शास्त्र किन्ता क्रफनाम, क्रस्कत केंब्रिट महा भाग वा क्षीत्रगर्भत धानक মহাপ্রেসাদ আবাদন করিলা পরিভৃথি পাভ करता डीहारमत क्ष् क्यां ज्यानिय माञ्च ऋत्त्र । क्षेत्रांतमञ्ज गानकीय साना,

'कीरव मधा' भारम ऋष्ठि' ७ : दिवक्षवरमवन'

মোট রুথা রক্ষের সংসার পত্তন করিতে পারিলেই উহা ভতির অহকুণ হয়। সমস্ত কর্মের সহিত্ব ভবিতপক মিল্লিভ করিছে शांकित्नरे कार्यत क्यांच हिल्हा यात्रते বাৰহারিক ক্ষগতে বাস করিয়া। বাবচারিক वकरमय कात्रभ क्य मा।

শুদ্ধ চিনায় আত্মা যথন আপনার করপ ভূলিং৷ মনকে আগ্না বলিনা অভিমান করেন এবং ইপ্রিয় ারে বহির্মিধরে আরুই হন, তথ্ন ভাগার বহিছাঁথ বা পরাক্ প্রবৃত্তি, আবার জ্ঞাড় বিধৰ হুইটেছ মনে ৬ প্ৰশ্ন মন ছুইটেছ শোয়ার প্রতি যখন প্রেন্ডিপ্রোভ বছিছে পাকে, তপন হাহার অঞ্চণ্ড বা প্রাচাক व्यविति दश कीं(८व ठतम कलाएश्व ५५) शतिकात इत। त्रभाक्तित भाषाः ग्रेश्यहे की यतः अपृद्धि माञ्चाठित वेहेदा अवस्थितिही वेहेरात सारका গুরুবৈদ্বের গাদ স্থাে শর্থাগজি বাতীত कीरवत बेका दशी भरताविष इश्रमा। अक পাদপালুপ্রাণেড় নিক্সাটে অবস্থানই আত্মতন্ত্র শিক্ষার চতুপাঠো ।

# ইন্দ্রির ইন্দুজাল

ইন্দ্রিনাদিপতি কও প্রকালে ভোগা দিনা যে আমাদের খাবা ভাহার ভোগাওকুল আর্থ সংগ্রন্থ করিলা লইডেচে, তাহার ইণ্ডা नारे। द्वाराधा खक्ताम्यकान स्विटकहरू এই ঐक्रमानित्कत क्षाञ्चान-भिर्म्मकः भर्दन्। মভাবদর্মে প্রতিষ্ঠিত শুদ্ধ ভীনাম্বা মনো ধন্মের করলীরত বস্ত নহে বলিয়া একদাত্র তাঁহারাই উহার প্রকৃত প্রশুও বিদ-থেয়ালের' বিচিত্র প্রয়াসের কথা কারেন।

🗐 ওরুপাদপধা-পরাণ-বিভূষিত গুরুসেবক গণের অহৈত্বক রূপা গান্ধা করিয়া অন্ত আমরা উল্লেখালিক মনের ক্তকার্ড ইল্ল জালের সময়ে সামাস্ত একটু দিগ্দর্শনের প্রায়াস পাইতেছি। বিক্ত উন্মঞ্জালিকের वकाक की शटको ट्रक्त क्या छान छाड़ियां निया— अधु भर्षमायत्नत नाम निया **८म** ८य কত কুহকরাশি প্রশারিত করিতেছে, তাহাই অন্মকার আলোচ্য বিষয়।

'ধর্ম'কগানীর একটা উন্মাদিনী শক্তি আছে। বহু অস্তায় ও অধর্মাভিমানের 'ধর্ম'বাক্যনামান্ধিত পতাকা দৃঠ হয়। এই अक्रहे-धर्षत्र थात्राञ्नात धारताहिन्छ कृतिश

'বেলালী' মনও সর্কাণা আমাদিণের উপর সন্মোহিনী প্রভাব বিস্তান্ত করিভেছে। মন বলে,--- 'কানুন-জুধ্ম রাজি-সুশোভিড রত্বাকর ক্ষেতা---বিশ্বসামাল্য বিশ্বসিভার ক্ষ্মপূর্ক স্বস্তি: উহা দর্শন ক্ষরিলেই শ্রুটার व्यक्ति अस्ति व जेमन स्ट्रेटन । त्योनीलक्न, काकनक्ष्यात दश्यमानात- व्यष्ट्र उनीना, धरण গিরির গানরত সৌমামূরি, नियं त्रिगोत्र मत्वांनी सून् कृत् कानि, कात्रगा পুলোর মৃত্ব মধুর সৌরভক্ষণা বিশ্বলিরীর किश सनामक । वित्रक्रणांव कतिया सिक्सागात्म प्रकः मज्जा यात्र, स्त्रीवर्गाः পরমাণে পারমাণিক ক্রিয়া ভজাগণের ত্রুবড়ার দর্শনের জন্ম বাহির হওঃ শ্বনত 🎍 সহিত কল্পিতে পারিদেট জার এই সংখ্যর 🏻 শিরে উচার জাদেশ পাশনে 🖛 শক্ষাহর 🕈 ना, अभूबदाक्षा श्रीकाशास्त्र इतित्र अन्त विक লাভের পরিবর্ত্তে স্মৃতি মলুফিডে অভেরই ७५९ इसे। योषा महत्त्वापिक व्यक्तिक छश्रम्य धर्गकतक्ष्ठीत, भारतम-इक्रमात्र छञ् কৌমুদী হাজে চিরভরে প্রঞ্ভির দাস হইনা পড়ি। হায়, ন্যঃনেধ ধারা ভোগসুর ঐজ-ঞালিক শ্বকান্য সিন্ধি করে।

> मन पृक्ति ८४१-८४ ८४ छाट्यहे ্জার্থি অঞ্জুণিনী চইংশেট্ বিগ্রানের নাম গান কঞ্জ, তাহা ভনিবেই দক্ষ হইবে, চিত্ত ভক্তাখুণী হইবে, ভাই. कृत्मा शास्क '७ दिकान यदा विकानिकत শুনিশত গাই. 'পিদেটার র্গকী গুন স্থান্ত নারীকঠে क्षप्रदारतत्र शिल्डरभावित्र अंदरम न्युका देव. স্তকণাঠক গোপানিসম্বানের স্থপলিও वाशात्र क्षेत्रकरेऽ७८४व मश्राचाय েপ্রমণরাকাগর মাধুগাসীমা জনগত কারতে চাই. ভণাকপিত **হরিলভা** ( ৽ ) বা প্রামের বারোয়ারী তলার পানাসক ব্যক্তিগবেদ ও ডিয়ার্গে ক্লন্ড কুচেষ্টাকে 'মুশান্ত্র পড়া' विकास मिलत के छिएनत खरासूनाम কবি। এমন কি, এরাণ কণাট**াকে প্রেম**-গভীব ভাববারিশি শ্রীমমহাপ্রভুর অপাক্ত বি প্রলম্ভদশার সঙ্গে ভুগনা করিতে পর্যাপ্ত ইত করে না। আবার কখনও বা প্রসাদ গ্রাহণের नारम किरवाद्य (शवरे দাসৰ ক্রিতে ধারিত হই; যেমন,— যাখার যাহা ক্রচিকর, তাহাই ভগবানকে দিলে ভগবান ভাগা এহণ করেন, এই বিচারের অধীন হইয়া অনেকে চা, মন্ত, কাকি, এমন कि मश्क्रमाः नामि अस्मनः अतः अहिरकनः ভামকৃটাদি পৰাম্ভ ভগৰৎ প্ৰদাদ ( ? ) কল্পনা করিয়া মহোৎসব ( ৫ ) করিবার বাতুলতা দেগাইতে কৃষ্টিত হন না। তাহার দুটার্ছ মথ জাৎসব 'कामाहर जारगत' আলোচনার যোগ্য। এগুলি থে স্ক ফুণোরাত মনের কতন্র কুচলাত, ভাচা স্থেক দিশ্যদৃষ্টি ব্যতাত লক্ষ্যীতব্য হয় মা। **এই शकारत मनग्र है जिन्न खिन है हुन्द**-कृष्णम् मान्य कीषामृत स्रेशं त्रिपाट्स ।

# গ্রন্থ পরিচয়

### শীমন্তাগৰতম

ব্ৰীৰশ্বহৰি ক্লফটৰপায়ন বেলব্যাস-প্ৰণীত মৃগ, ব্ৰীমন ম্পাচাৰ্য্য-ক্ৰডা ভাৎপৰ্যা-নিৰ্ণয়টাকা; শ্ৰীমদ্বিধনাণ চক্ৰবন্ত্ৰী ঠাকুর-ক্লড সারার্থদলিবী টীকা, বলাছবাদ, সংস্কৃত আবর ও সেই ক্ষেত্র প্রতিপায় কথাদার, অধ্যায়ের প্রথমে ঐ অধ্যায়ের সায়সহ শ্বিকৃত ভাৎপর্যাদি বিরুত। মোকস্চী বিবরস্চী, অণ্যারবিবয়ণ, পাত্র ও স্থানস্টাস্থ উত্তম काशरक केलम व्यक्षस्य मुक्तिक। व्यथम व्हेटच ১०म इक नगुरुष होना ल्लूनिकटन स्थव ब्हेग्रास्त्र। विका ध्यलम हरेटक अम इस नवाह २०१४०; मनम अस ०२,; PAS 800 1

া 🗗 🗖 সম্বাক্ষণি মোদঠাকুর-রচিত প্রমৃত প্রবাহভাষ্য 🗢 🕮 মহন্দিশিকাত সর্বতী গোস্বামী প্রাচ্পার বিধিত 'অভভাষ্যে শ্রুভি-মুভ্যাধি খহ শারতামাণ সংশিত হইয়া আকাশিত হটরাছেন। সোকের সাধ্যব্যাখ্যা, বঙ্গালুবাদও প্রত্যেক পর্যারের পূর্বে সংক্ষিত্ত অভিদের সংযোজিত। প্রত্যেক অণ্যার-আরেডে কথাসার দেওরা আচে। স্লোক, भग्नात्र, मन, शाम, भाकं व्यक्तित खेत्रवर कृती ও शहकारतत কিছত জীৰনী-সম্বিত এই এপ অভূতপুক্ষ সংস্করণ উভ:পুকে কুরাপি অকাশিত হয় নাই। উত্তম কাগতে পারিপাটোর সহিত পুল ফুলকরে মুলাংশ সুদ্রিত হইরাছে: এর প্রায় >০০ পুঠার সুপার । ভিক্ষা বর্তমানে ৫, মাত্র।

#### **बैरेडडडाडागवड**

क्षक्रात्त्रत कीवनी, व्यक्ति श्रातिकारत क्यामात्र, विश्वक **्योशीय काया. अयर्थी. भयावर्थी.** विषय-कान-भावाबि-পুটা, প্রস্কৃতি বিবিধ বিষয় সম্বাচিত বিরটে বিভীয় সংখ্যান स्वन क्रांडेन ৮ लिकी काकात्र। व्यक्तिमा ७ २(नात कियारण व्यक्षशंभक क्षेत्रार्थन । क्रांस क्रांस अन्य भक् इट्टिक्ट मा व्यक्तिम किन्ना क् होका, व्यक्ति को नाज 1041 5

### ALCE WE HAVE

এই প্রপ্তের এরূপ অভিনব ফুলর সংখ্রণ আর কুরাপি ध्यकाभिक देश नाहै। সংখ্रक श्लाकाः (भन्न व्यवस्, वकाञ्चताम, ভাষা, ক্থাসার, তথ্য প্রভৃতি সহ খণ্ডে থণ্ডে প্রকাশিত व्हेबारक्षमः भूभ स्मिति सकारत उत्तम काउँम स्मितिकी वृक्ष्माकारमं श्रापा क्षेत्रारक । भूमा २॥ - छोका । महीता व्यक्षाम ७ (भोषीदात्र आष्टकशरणत नरम अ। छाका ।

### **এ।মন্ত**গবন্দীতা

---- শ্রীনোটীয় বৈক্ষধাচার্য্য অন্সাত্তর রসিকচ্ডার্মাণ **এঞ্জবিশ্বনাথ চক্রবৃত্তিঠাকুর গোম্বামিক্তা সারা**থব্যত্তি ন্দাসমেতা ও জীত্রমন্ত্রভাবনোদ ঠাকুর-প্রণীত 'রগিক-इसन' माम्य कावाकावामहिका। व्यथावस्त्री, माक्याकरम । शाय-श्रुवी, विवय-श्रुवी, अध्कारतत कीवनी ७ व्यवख्रानिकामि तरकत्रात्त्र किका ६ केका बाबा नावान गरकत्र-। . . . . . . का माज

# শ্রীল প্রভূপাদের বক্তভাবলা

ওঁ বিকুপাদ জীজীয়ডভিসিদাখসর্ঘতী **दिशासी अक्षातादकत एन** अविशा-विश्वः शिनी कीवाषात्रकारणात्वाधिनी क्रथ-कार्काननवासिनी कीवस-वावीत भुक-निवार---देवसन्निवाय-त्रक्षमानात्र दकोञ्चक्रमान-निवास देव अविनिद्धानां वादात्र सार्वाक खणा--- शक्त्राता । अधार्य राज्य भगत्र छतः -- महाक न-कीवनहति छ-निक कः -- हि विनामि हिमाख অভিনন্ধ, তথ্য ও বিবৃত্যাদিযুক্ত ৷ প্রতি ক্ষের আদিতে অচিনান-বিচারক---ঐখন্য ও মাধুন্যরসের মৌলিক গ্রেদ্যার —-শ্ৰম, অভিদেয় ও প্ৰেয়েজন তৰের নিমান্ত সমুদ্র।

> ১। প্রথম অন্ত—বৈষ্ণবদ্দান, প্রী ওরতক্ কাল-धर्म, जीमध्वाविकांव, व्यवार्यकानती, शासत्राजिकी धीर्मा प्त वर्ग विठात, आणावर्ष ७ मत्नार्श्य, औरेंहरुकास्मत ख াহার শিক্ষা, অপ্রাক্ত সহজ্ঞদশ্ম ও প্রাকৃত সহজ্ঞদশ্ম প্রস্তুতি বিংশতি সংখ্যক রক্তে স্থোতিত। ভিক্ষা মাত্র ৬০ বার খানা।

> ২। দ্বিতীয় শশু—তদা ও বিদ্ধা ভক্তি, মহুদোর শেইতা কোপার, সংখ্যার নিতারত্তি, আধর স্বামিপাদ ও মায়াবাদ, শ্রীগোর-নিত্যানকপ্রসঞ্চ, তিয়ুগের ধর্ম ও ক্র্যু-कीर्डम, जीनामिश्रणाव जीमरागरण्य कीर्डम, जीरानीत ধামের মহিমা, মহাপ্রধাদ, জ্রীগোবিন্দ, জীরুপাঞ্চগভন্তন-थथ, टीमणी व्यक्ताञ्चनिक्ती, क्रीटिएएएक मग्रा, (शोतकक्ता) **७ इस्थ्यकी** छंन--- प्रकृष्ण अश्वस्य समुद्रिमाश्रुगं-त्रकुछा-विकृष्टि । ভিকা ২ এক টাকা মাত্র।

প্রথম ও দিতীয়—ছুই বঙ্গ একতে নইলে ভিকা :॥• तिक हेकि।, **डाक १४**६ वस्त्र ।

### 🛢 মত গ্ৰদ্গীতা

প্রেট্টিয়-বৈপাবদাপনিক-শেপর প্রীপ্রীমদবলদেও বিভা-भूमग्राह छात्रा प व्यापादिकतिरनाम शकरदत्रशासन यस-লাবার বিভাত 'বিষদ্রজন' নামক ভাষাবৃক্ত। অব্যায়-ফটা, বিষয়স্টা, ও প্রভি স্নোকের প্রথম ও ১তীয় পাদ সচী, ভাষাকারের জীবনী প্রভৃতি সম্বলিত। উৎরেষ্ট বালাই, রাজসংখ্যাল (ভৃতীয় সংখ্যাল) প্রভেগ चिका २, छाका

#### প্রমেয়রত্বাবলী

दी भवताप्त विकाल्यन-ध्येषे देवस्वतानम, मन्दर् 🔞 গোবিন্দ ভাষাদি পড়িবার প্রথম গ্রন্থ। উৎক্রঃ কালিতে ছাপা। প্ৰবিশ্বত টীকা ও প্ৰাঞ্জবাদ-বাচ্চো অতি সহচ্ছে বালকেরও বোষগম্য হইয়া থাকে। ভিঞা । ০ আনা মাত্র।

### **बिनवदीनशाममारा**खा

( প্রমাণপণ্ড ) সামুবাদ। প্রতি-মুড্যাদি গ্রন্থে শ্রীনব-দীপের যে মহিমা কীটিত আছে, তাহার মূল সংগ্রন্থ ও অফুবাল। ভিকা 🗸 • আনা।

### **এটানবদীপভাৰতবৃদ্ধ**

শ্রীঠাকুর ভবিধবিনোদ লিখিত। স্থল্লভ গাডাকারে পরিক্রমার দুইব্যাদি-বিষয়ক। ভিকা। আনা।

#### ভজিবভাকর ও নবভাপ পরিক্রমা

জীল নরচরি চক্রবর্ত্তি-ঠাকুর রচিত। ভরিরত্বাকর ছ-কাতব্যবিষয়-সহ **উংলাই বাধাই ডাডীয় সংখ্**রণ—এই রাজ চুইতে পরিক্রমাংশ মাত্র গৃহীত; জীজীব গোভামী কি প্রকারে জীনবদীপথামের পারক্রমা করিয়াছিলেন, ভাছার পত্তে বিবৃত। ভিক্ষা 🗹 • আনা



প্রী ভবিনোদ ঠাকুর-প্রণীত। প্রীচেত্রভাচনতে শিকাপ্রাণালী-কৃষ্ণ, কৃষ্ণশক্তি ও রস-বন্ধ ও মুক্ত জীব-শচি থা-ে ভদাভেদ-ত হ---সাগন-নির্ণয়--প্রব্যোক্তম-ভত্তব, কর্ত্ত-कां छ ा समामित विकास - देवनी खिक , खांबखिक ह েপ্রমভজিগ্র নামভ্যন-প্রণানী ও অইকালীর লীলা-পরিচয়াদি প্রাণম শিক্ষাপার উপযোগী করিয়া সরল ভাষার সমুদর যুক্তিপ্রমাণসহ লিখিত আছে। চতুর্থ সংকরণ বাধা २ , ठोका, व्यावाधा ১५० हाका माज।

### গৌদীয়ৰ গুছাৰ

क्षीत्वी ही ग्र-देवकावनात्वत्र अञ्चलन कर्छ श्रांतनहरानाः এটত অভি প্রাণ-পঞ্চরাতাদি সাহত-শাসম্মতের প্রমাণাবলী विषयविकाशकत्म माञ्चनाम अस्कितः। এইऋम देवक्य-সিদ্ধান্তের সারসমন্ত্র অক্ত কুঞালি প্রকাশিত হয় নাই। টহাতে গুরুত্র - ভাগ্রত-- বৈক্ষর-- গৌর-- নিডয়ানক--অধৈত-ক্ষা-শকি-ভগবয়স-শীণ-অচিশ্বাভেশভেশ -- ভানাম-প্রাথাজন ও প্রমাণ-তরগুলি পুণক অধ্যারে মুবুঙং মোকাদি সচীমত উংকৃষ্ট এণ্টিক কাগলে ব্রোঞ্জ র কালিতে মুডিতে, উংক্লের্ডাধা সোনার জলে নাম লেখা। প্রস্ত প্রায় ১০০ পূঠায় সম্পূর্ণ। ভিকা ২, টাকা মাজ।

### ब्रीवरही भगाव-अस्तरही

শ্রীমদভতি বিনোধ হাকুর রচিত 'ধামমাহাম্য-ধাম-মাহায়োর মাজবাদ প্রমাণ খণ্ড---শ্রীল নরছরি চক্রবর্তী ঠাকুরের ধাম-পরি ক্রমাংশ——∰নাম নবদীপ পরিক্র**মা—ভীথ-**ৰাত্ৰ: পদ্ধতি-শ্ৰীমং প্ৰবোধানলকত নব্দীপশতক্ষ-শ্রীমহাজাবনোদ সাকুরের শ্রীমবনীপ ভাবতরত্ব প্রভৃতি এর একর ভিক্ষা দে আনা মাত্র।

### ভাঁহতি লামায়ত ব্যাকরণ

শ্ৰীকীৰ পোন্ধাৰ্যী এটুপাদ-বিক্ষচিত হত্ত ও বৃত্তি, তংগ্রে ভাষ্ট্রাদ উল্লেখ্ডিনিদার সর্থতী গোলামী মহারাজের বিভ্রুত ভাষকা ও হটী প্রাকৃতি সহ। মপ্রত্যাপিডভাবে হল্ল। ভিকা ২, টাকা, ছাত্রগণের भटक अा॰ छोका माख

### বেধান্তভ্সার

শ্রীমদামানুকাচাণ্য-রচিত। বেদাক্তের বিশি**টা**বৈতবাদ-প্রচারক ই ভাষা প্রণেডা মাচার্যাপ্রবর বেদায়দর্শন পাঠের উপযোগা করণার্থ এই উল্লম করিয়াছেন। ইহাতে वक्षाबनाम ७ यहाँभवानि मश्याक्रिक कन्ना इहेन्नाइक ন্ম মাত্র ভিকা ৪০ মানা ।

### জ্ৰীটেডজাচজ্ৰামুড ও মৰ্বীপদত্তক

শোরপাইদ কিদত্তী শ্রীমং প্রবোধানক সরস্বতী প্রণীত মূল, প্রভূগাদ শ্রীমদ্ ডকিণিদ্ধান্ত সরস্ব হী গোসামী মহারাজ মুক্তাদিত অনুযুদ্ধ ব্যাথা ও ব**লাগুবাদ সম্বলিত**। মবর্গণশতকের উভিভিন্ননোদ ঠাকুরের প্রাপুরাদ ও ভংগঃ উম্মানাধা :: ব একটা ত্রিবর্ণর্ক্ষিত অংলাকিক চিত্র लाक्ष्ठ इंडेडारका यूक्त ७ कालक छेरक्रहे ( २ धाना এক্ত্রে) ভিক্ষা দ আলা, অভি হুরুষা বীধাই বাজসংকরণ ः हाका माजा।



द्यापाकितितान हाकृत छानेछ। एवं टक्साब अध-ম্বছের জ্ঞান শাভ করিলে পরেমাথিক রাজ্যে কিছুত্তেই बाक्यांन वो मुश्नम शांकित्व नो। शतम भूत्र नवाविवयक अहे-রূপ সরণ ও হাদয়ক্ষার্থী প্রস্ত এ গ্রান্ত প্রকংশিত হয়। নাই । निविधाः शास्त्रामा सामान्य । अध्यक्षिक स्वयं स्वयं । अध्यक्षिक উঝিত হইয়াছেল। স্থার প্রবিপত ত্রী, কণানার हेडाफि बाता नित्यम ममुद्ध कना इक्साटक । निताह अ?, त्मानात *खाल नाम (नना, छरत्रहे नानाहे - सपूर्व म*श्यतन ভিকা ২ টাকা মাত।

### প্রেম্বরিবর্ত্ত

এমবাছাপ্রভার অন্তর্ম প্রিণ জীল কর্মানন্দ প্রভ্ বিশ্বতিত। এই পুস্তকে মতি সুগবোধা ভাষার মহাপ্রাণুর क जिल्हा की लामक देवक वाहात. अकामना अ मामलक म-প্রণালী প্রস্কৃতি অনেক विकादणहरूत स्थीमाध्या **एक चिट्ट भाकेटवस । भावती काम ७.०० कारान्त्र विन्तार्थ छ अत्रवारी भारता अरक्षार्थ न वर्ष** গ্রন্থকর্মার পরিচয়াদি-সম্বলিভ চাতুর সংগ্রেণ ভিক্ষা।৮০ বিচাং ৴৽ ঝানঃ নার । क्ष वाना माज।

#### ভক্তব্যুহ স্থ

ভলমকাবীর নিভাগলী; থাকুব ভিক্তিবিনোদের অম্বর গুওক। ভিশা / • লানা মাত্র। नान : निश्चित भेरकुत निगाम । अध्यानि ना तथा भगाय **८क्ट् दुबिस्ट भागित्यन मा । कृ**टोच भावत्य जिल्हा ॥ ।

### হরিনাম চিন্তামণি

নামাচার্য্য প্রীণ হরিবাদ সাক্রের মুখে শ্রীমনালাপ্রভ শ্রীনাস-মাতাত্মা, নামাভাষ, নামাগরাধ প্রাকৃতি বিলয়ের ষাক্টীয় বিচার শ্রবণ করিয়াছিলেন। এট বিসম্ভলির অতি সরল প্রারে সংক্রিপ আশরস্ত পরিপাটিভাবে মুদ্রিত। ত্রীল ভরিকবিনেল হাকুল-রচিত। প্রথম সংখ্যা বি

### क्रापिक कड़क

शिगद्धिविद्याम हाकृत-विध्व विश्वामी ७ कामभरणत श्रीभरकत अवस्थ अस्ताक्रमा উপদেশাবলীপূর্ণ সাহিত্যত। সামাজ গেথাণড়া জানা লোকেও এই ভক্ষরাকোর গাঁডিস্মূরের গরেং অনপ্রিকৃতি ও ভগ্ৰংয়েৰা ৰাভ ক্ষিবার স্থাধিনা পাইবেন त्रश्चन, किका /> भाना माळ ।

#### **अवशाश**िक

বছতি বিনোধ ঠা : ব-রচিত। ভগবানে আল্লগ্রমণি, বিঙ্গন্তি, ভদ্দনবাল্যা, ষড় বিদ। শরণাগতি ও সিদ্ধি-বাল্যা। निवसक शैं**डिशू**र्ग, जिला ८० जाना माळ ।

#### त्रीजाननी

শ্রীঠাকুর ভব্দিবিনোদ-প্রণীত : নিষ্ঠা ভক্তন, আরাত্রিক ও अध्यान-रभवनानि-विनयक मधुत गौकतभूव एकरक अणिक। ভিকা / • আনা মাত্র।

### গ্ৰীলক্ষ্ম কৰ্মেক

রসিকেরমুকুটমোলি প্রীমহিশনাথ চক্রবন্তী ঠাকুর-বিরচিত রদগ্রভ: শ্রীমন্তক্তিবিনোদ ঠাকুরের অভ্যাদ-সহ। ভিকা।• জানা মাতা।



শ্রীময়তাপ্রভার শিক্ষা ও শ্রীণ রগুনাগ দাস পোশামীর लाकि बीकन शाचायात्र केन्द्रमनावी, क्रक्तिनश्चत्र अधुकृत ও প্রতিকণ বিনয়ে স্থাবিদ্যারিত সম্মোরন ভাষা, বিভ্রত বিবৃতি, চারতামতের প্রমাণ, দাগর ব্যাথ্যা ও মহাজন-প্রেণাত ওতুপানোন্ধ পাতমমূচ প্রত্যেক স্লোকের সহিছ স্ত্রিবেশিত ভের্মিত। এর সংগ্রন ভিক্ষা 🗸 • আনা।

### अप्रवा-कव

शीवधनां बार त्याचामीत मनः लिका, श्रीम शंकत **७ कि निर्दान-5 ति ७ नष्टाञ्चरायम् । छिका ७ • बाना ।** 

### প্রেম ভব্তিচ জ্রিক।

শ্রীল সাক্র নরোভ্যের জ্পান্ত প্রেমভ্রিবিষয়ক প্রির পুত্র । তিলা / ত অন্য ম'র।

### নবছীপশা হক

: ১ খ্রীল প্রবোধানন্দ बोध प्रांत्र डॉक बिट একের প্রবানত প্রা**ম্বাদ**।

#### **副战机的**企

दीन (मार्काता) त्रविष् । ेतन्त्रभाषा-क्रांटमक बाक्त्र

### **সদাচারশ্বতি**

चील भवतातामा अभीत । देवभदवत निरुक्तिमानि वशावाती-বিলী, বছাত্রবাদ স্থিত। "বিকাস । আনা মাত্র।

### **अ**िपाक्षती

कविक्वाक्षती बीमहावाग्रमाहागा हो। टी यना अतः চাৰ্য্যের সংক্ষিপ্ত জীবনলীলা ও মূল বৈঞ্চব্দশ্বমন্ত। সাফুৰ্বাদ ভিক্ষা। কানা মার।

### **्गोत्रकृ** स्थापग्र

প্রার্টান কবি শ্রীগোরিক দেব প্রাণাত প্রীগোরাবভারের প্রভাক ভগবদ্ | প্রমাণাবলা-সংব্লিত সংস্কৃত ১৪। ভিকা ৮০ আলা ৷

### যুক্তিমল্লিক। তেপলেইভ )

क्षेत्रस्वतं व्यागायाय अस्ति । व्यागायाय व्यागिकारः । व्यागाया वाश्याम करे अध्यत व्यकान शाबम्झीनक भाविष्ठा-क्रम्बटक ८हे नथ्य अपन । जैसिकायताकाया इटेट्ट (भास्तावकात विक्षीत्र मध्याद्यामा भारम था। अध्यापिताक दौर्थ असी छहे अस मागात्र एकि १ **(मोकिक - क्रामाक्रमा**द्ध विक्रम क्रमात्रकाद ভিজিৰিয়োধি-মতবাদ সমূহ পঞ্চন করিয়াছে, ভাষা পাঠ कतिए कतिए बाण्डवानिक व्हेट्स इत्र । देशाल वृक्ति बात्रा ठाव्यान्, देवन, त्यांब, मीमाश्यक ও माग्रानाधिमक-সমূহের স্বন্ধর পঞ্চন রহিয়াছে। ভিক্ষা ২, টাকা মাজ।

### (गायामी अन त्यमाथ पात्र

( उ निकुलान जीन छिकिनिकाश्च नतक की श्राचामी প্রভূপাদ-লিবিত ভূমিকা সহ) গৌরপ্রেষ্ট শ্বরণ-রূপের এক্ষাত্র প্রিয়ত্ম শ্রীল দাস গোস্বামী প্রানুর অপুরু চরিতায়ত ও শিক্ষা অতীব গ্রোপ্তল ক্রমন ভাষার সন্মিবিই এবং পরিশিটে লাসগোস্থামী প্রান্থর বিরচিত কর্তক্ষী শাস্বংগ বধুরতম তাব ও নন: শিক্ষা-স্থালিত। ভিক্র निशाहे ॥• याना, यावानाहे 🔑 याना शाक।



প্রাচীন নবৰীপের অব্ভিতি, তথা, ইতিছ, প্রোত ও ইভিগ্যাধিক প্রেমাণ্সন্ত্রিক নয়তী শীপের সচিত্র বিবরণ-अथ । त्राकृषि ता अगटन्य कृषात्र अध्यक्ष भत्रभिक मात्रावन বুরে এম, এ. প্রাক্ত ব্যালের), বেলাপ্রভর্গ মতোদর কর্মক সঙ্গলিত এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন বর্ণের অপুকা চিত্র ও ষানচিত্ৰ-লম্মিত: প্ৰাচাবিখ্যামভাৰ্থ রার পাছেৰ 🕮 येक মৰ্মেক্ত নাথ বস্ত বিশ্বকোধন্তপাদক মহাশ্বের বিশ্বক্ত ভাষিকা मह । छेरक्र हे ( इर ) महारक्षा तामहि बुला 5110, खि: शि: C

### माभक-कर्भवामा ं

५३ र नमामा, देनकाम-चन्द्रमा, देवकारानपूर, जानिहान शिक. बीनामः हे. जीमनाशासाम्त कार्याञ्चलाठ नाम. चारेलाइक ो,ग्रक' हन, जीनामगढी हन, (श्रायक्षनि, 'वाडेनम्बीक, सर्वशैल-संध्या, बी**माद्राल्य, महिमा, बीसरहा**ल्य-छा इ**व काटे**क व्याहाया-तन्त्रना. तक दशावामीत व्यक्तक, दश्यक विका. चेन(प्रभगाना), नामध्यम दानायाँ, मश्राध्यक्त ६ स्था सामानस श्रदाप, मन्द्रिका, बिक्काकार्यक, बिक्काक्ष्मा महाव्यान्त्र वन्त्रमा व्याकृष्ट माध्य क मिक्कीवरम्य विकासात्रे বৈদ্ৰগণের কথাপ্রত ভুগদীমালার জার অধুক্রণ করে शाविषायात्रा स्थान शहर किया किया किया विकास के विवास के साम र

### भोजीय-भोजव .

কলিকাতার হাঞ্জিমি ফালবার্ট হলে বৌদ্ধীয় সম্পাধক व्यापान अन्तवानन अविविधाविद्यान-अप्रक मान्याम विश्व अष्टकारत क्षकालिए। हेशाइ लोश्वेष देखानमाधाना ইতিহাস প্রাকারে প্রথিত হইমাছে। বিক্ষা 🕪 **নাজ**।

### গোড়ায় সাহিত্য

কলিকভারে ভ্রপ্রণিত আলবাট ইলে গৌডীয়-সম্পাষক শ্রীলাদ ক্ষমবানন্দ পরাবস্থাবিদোদতার প্রেমত বড়ভান্ত বিষয় अश्वकारत खकानिक। हैगए मान्डिन भटनम् वर्ष जनः পৌড়ীয় সাহিত্যের বিনয় স্তেকারে বপিত বইরাছে ৮ জিকা ৮ শানা মাত্র।

### श्रीदशीख्य क्षम भनितामा । मर्गन

প্রীগোড়বেশের যে সম্প্রা ছামে সপরিকর প্রীমন্তর্গাঞ্জ এবং ভদমুগ পরবতী মহাজনগণ লীলা করিয়া লিয়াছেন. एमहे अन आधुनिक एकोरना निक निविधन । अ एमनविधान मिन পরিচয় সহ যাতায়াতের স্থানিক নির্দেশ ইক্সাফি বিশ্বরপ্তাল मृद्धिकिक बार्ड । क्लिकाः । बारा ।

### THE HARMONIST OR SHREE SAJJANATOSHANI

ঞ্জীল ঠাকুলা ভাকি বিনোদ-প্রতিষ্ঠিত এবং 🎒ৰ ভাকি-नेकाश्वनसम्बंधी (भाषामी ध्वन्नभाम सम्मामिक भाषसार्विक याभिक भाव । जन्म है देशकी खानांग महोबिश्म वत्म ভবলক্রাউন ৮ পেলী ৪ ফর্মা আকারে প্রতি থারে হার-मार्थम विकत-देवकम्मी बहेशः देशक्रिक महेराक्टन কাৰজ, মুদ্ৰণ-পালিপাটা ও চিঞালি জঞীৰ চিন্তাক্ষক वर्षे व्यक्तात्र व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति नव्यक्तिता क्षिट्ड महिर्दम मा। यात्रिक क्रिका क्राक्याक्ष्ममह अ ठाका माज।

### eliminim-

मिटेक्टबर्माः, (श्राप्तः क्षेत्राचा श्रवः कार्रोबरः ।

# বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার

### শ্রীতৈত্ত্ব্য মঠ\* \*

### আকর মটরাজ

अक्तीन अवदीन, आक्षत्र व्यक्ताम मात्राम्यं, अमीत्रा

রীম্বারোগপীর ভটতে লায় ৩০০ বস্থ উত্তর-প্রে ইব্রেজপত্তি আচার্যারক ইচিকু-**ल्यान-कराम क्रिक्टि**क्क-मञ्जविद्यालमान । · 大學 · 李章

करे चान नारचक-कीर्य, नत्रविद्यानीठे वा नाच ह क्रम्ब तके। अहे मानूनीट्रं कीर्नेड-माभागुण वार्क वर्गान-(वनाक्षणभूक, भवविष्णात व्यवन्ति कावा, मावेक, भागवात, कवा बामान-किर्णानव्य-श्रीका-कव-कवान-कव्यद्भन्न-क्ष्रद्भक्ष व्यवस्त । ब्राह्मन्। व्यवस्थानः व्यवस्थानः त्यांकाण-वाषाः व का-विविधव के वाष्ट्र वाष्ट्राताविक-काठाया-ठाका व के। वादवत केलाक विकाश्य मिक विका मिक क्टे किए । यह महत्राक भारमाधिक देशनिकश्य माइक-क्ष्यकाराज्य च क्षकाांमक च कृषाचित अहताचि क्षाचाक का अविधा-क्षकाम' यहानह অভিত্রিত কর্ট্যাতেন। অভিবৎসর এধাম-প্রতিক্র্যান্তর্ভান ও অপণিত চক্রাগ্রেটি।ক **ভীর্ত্তন প্রচারশ্বরে মহামহোৎ**শবাদি ভক্তাল লওটিত তরতা গাকে। একক-একচারী **এলার মহচবিত্রী। সহভারী—ত্রীণার বিভোগ**বিধারী অম্বচারী, পাওত শ্রীপাদ গোরদায ब्रेस्कानी कावायाकत्रपृथीर् विभाव वीश्वत व्यवहाती, विभाव वस्तर्गामान वस्तराही, अवयवसन तकारी, विभवनशालान वकारी, कक नत्त्व, व्हिलव, द्वववीत्यावन व्ययुग मण्डामभग ।

बिश्चित्रायो श्रीमङ्क्षित्रशीन शीर्व महाशक ब्यान दिवन्या कीर्डन किटल्डाइन ।

### (৩) যোগপীঠ ভীমন্দির

बहे शाम क्षेत्रज्ञाश्रीभृत्यत्र क्रमन वा व्यवस्थातात्वम् व्यविकाय-कृषि भगरमाश-नोर्छ। अवादन जीनश्रीश्रिका व व्यक्तिक-বিষয়াসৰ আপোধনারায়শ এবং প্রতিভ্না শাস্ত্রী, প্রীউক্তম অধিকারী প্রকৃতি । क औहावाक्रका मिला मिता छवा जीनक-करचंद्र दनवा मध्याम । सम्म---(नाक-मासायक दमाणामी कडीकार्गा व्यक् क्रीमभा-माचा प्रकारी कैनिकासम तथात्री. श्रीकाशाविदमान किक्कापन, श्रीकाशमान अक-ठाबी। खैनावनवान चनिकाबी, द्वयवना Berrett !

### (8) <u>B</u>417-W## প্রিম্বারারের কীর্ত্তন-বিশাস বা क्षिशोप्रनीनात्र वामक्नी । अनारन क्षेत्रीक्रांत्र-सिंखाक्ष्म । अक्ष्यक्षता (अवा वस्रयान।

### थक्क च— क्रिकाक क्रम संस्कृति । ( ८ ) चार्टक्क-क्वन

बडे चारम क्षेत्रदेशक शकुत्र करम धनः लया वर्डमान ।

क्ष्य -- श्रेष्ट्रहानम् मानाविकाती, किरगाकृतकात नावाकी।

### (७) कालीक अभावि १.३

आठीम यांशानुत्र, यात्रमनुकृत (मधीता) विश्रीतक्रमानाम किंत्रकाणीत ममावि। क्षण-अकाशी किविद्यानविवादी।

#### (१) प्रांत्रण चूपश-कृष

**ক্রিলোক্তব, ভ**দ্ধণপঞ্জ ( নদীবা ) बनारम कैनिकुनाम जैन किकिनिस्मापठाकृत्यः नमानि वयर कैत्नोक्त्रवायत्र कावर कैलीवायाः प्राथ्दबंद दमवा वक्त्रीम 🐃

क्षण-कि**ष्ट्रश्य काकाश अव**हाती अक्षण-खेताशावत्रक अववागी, क्ष्म कार्किकी चना चना चन ।

### ঁ(৮ শ্রীক্ষপন্তাথ দেশীর মঠ ম্ভম্নসিংগ।

রক্ষক-----শ্রীবছবর ভড়িপাস্ত্রী এম, এ. वि, अम, मक्काडी— चैठिष्यमाम **एकि** 

### (>) बिटगोब-ग्रम्भागब-मर्क

টালাঞ্টী, সমুস্রগড়, (বছমান) चिन गापीनात्यव श्राफिक्टि जोत्रश्रामक-দেবা। রক্ষক-ত্রীংরেরাম ব্রন্ধটারী, ভক্ क्रिश्माभक्र मात्र ।

### ে ১ • জীক্লপগোড়ীয়-মঠ शहाशक, अधात हेडे. लि बक्ष क---- ची ० दिलाम अक्षाती. महकादी---

শ্ৰীসকোৰৰ প্ৰস্নচাৰী।

( ১১ ) 🕮 ध्यापक्रमण्डल — बाडिशाकि, बाह्यश्वत, गढ्यान। 💐 नारगांवकात्र 'फ्रांक्य वृत्त्वायत्मन्त्र कास । मीनकश्रम ।

### ( ১২ ) क्वांअवकः क्यांअव 🕮 गांत्रवस (त्याप, इस्त्यवत, वसीवा । अध्यक्षकार्य अध्यक्षकी व व्यक्ता ।

### TR RETURNED ( OC. ) ८वारिकप्ष, देशकानी, नवीक्षा Bastete अव्यक्ति, Burthit कार्गाधकाती, क्रियासमाधका अव्यक्तिती, क्रियास्थासम विश्वकताच माखाः क विश्वमाध

( 48') क्रियरचन-८गोकोस मर्ठ क-सर स्थानशृष आफ्रि, छाना । भूषं स्टब्सः व्यक्ताकृतकथाः व्यक्तिः खो छक्त-्योक्षण शासका-विविध्यत्र द्रम्या वश्चमान । टीनाप विष्यामण नविष्याविष्याम वि- व, 🕮 मान-

# ক্তিমঠসমূহ

### (২) শ্রীগোডীর মঠ

. ७ मः वालिकामा हक्कार्यो हेहि. (शा: याश्वाकाद. कलिकाका । **उप्रेलिस्काम वि. वि. ८**५५६

श्रीमयाका प्रकार अठाविक जनिष्मम चिक्रमर्थ-अठाद्वारकरण श्रीकरमरणव नेवासामा নগরী ক্রিকাডার 🛱 ১ জিবিনাের আগরে জীমঠ প্রতিষ্ক্রিত আছেন। এই ভক্ত-সম্বার্থনে 🖺 এর-লোরাজ-জীবিনেজানক ভীট সপার্থদ নিতা দেবিভ চন । সৌতীয় আচার্যাবর্পের বাবভীর প্রভাবলীর প্রপ্রচারোজেশে ত্রীমঠে সংলপ্ত একটা প্রবৃত্ধ মুদ্রা-বয়াগম সংখ্যানিত ভটমাছেন। পুলিবীর স্বাত্ত 🚇গৌরনাম-প্রচারার এট যহালয় ভচতে 'লোটার' সাল্লাবক পল, দি হলমানিত্র মাসিক পত্রিকা ইংহালী ভাষার निधमिछ कार्य अवामक करण्यक्त । ख्रीमाठ गाठे, महीकंग, मश्राम-ठळ्ळेब-द्यक्तकः শীমরাগণত, প্রীটেডাল-চল্লিভালতালি-লীলা ও ভল্পপ্রের সমাক আলোচনা চইল পাকে। মঠবন্ধ-আচাৰাত্ৰিক শ্ৰীপাৰ কৰবিহাত্নী বিভাত্ৰণ। সহকাত্ৰী-পাৰ্ভিত श्रीभाग भगवनाश्चरत्व भवावकाकृत्व वि-व. तीमार जागविवादी वक्षाती, तीभार काश्याम मानाधिकाती विन्ता. खीनाम कार्यामान मानाधिकाती. बच्चहाती जी की खनानम, उन्हारी जीना। दीर्याक्त, उन्हारी जीगहानम, वांस्क जीवाह मरीयहरू পর रिश्वा गणात म व्यापात्रदेव हवाहाया, व्याव्यवकामकामाधिकादी वि-०. व्याहनवह्नतिकार ধকারী বি-এল, তীমত্বম ভাষকোবিদ, তীবিষ্টর প্রস্নারী, তীর্গরগোষিশ প্রস্কারী প্রস্কৃতি।

शोध अक्षाती, जैननश्मीताम अक्षाती. শ্ৰীপভিতপাৰন জল।

### ( ১৫ ) औरभा नामको वर्ड

क्यनाश्व, हाका। গোপাশকীর জীবিগ্রহের প্রাচীন দেবা बक्क-जीमानवामन अवहाती।

### ( ১৬ ) श्रीगणाचे-८गालाच मर्ज क्रिकिक श्रमाहिली मना, वाणिशामि छाका

ब्योगबादे-एनोबाध्यक निष्ठा दनवा वक्रम-छीप्न श्रक उद्याती. दीयकिनान ব্**ষ**ারী

### (১৭) প্রকাগবভন্তনালক মঠ

**किक्क निश्च, राक्ष्यत्वत्र अमिनी श्रुवा** ध्यथारम 👼 श्रक-त्राधान-गास्त्रिका-গিবিধারীর নিভাগের বস্তমান। রক্ত बबवामी औष्मवान्यामधी।

# (১৮) আমলাবোড়া এপরাশ্রম

बाष्ट्रवीष ८७११ वर्षकान ।

जी धन्द्रशीयाण-जीशःक्षत्रिका गिविधातीय fermia !

### (১৯) बीश्रक्तरवासम मर्ठ

44614, 42, 36411 बारान कीत्रोव-विस्तामभावकोत्र विका-लावा ब हमास । तकक- अवहाती जीवहमा-वक्तकान्त्री वकृत्वासम् वक्षष्ठारी । महनारी मन्य दिशावपूर, अक्षराती श्रीमहोशासम्, बणहाकी, ७क. खीनिमार.।

### (२०) खीळण-८मोकी इ मर्ड

व्यागवस्ताय, अव्यागिति (भार, जुडी । मन्त्राष्ट्रदेव व्यनवस्त्र नगटा क्रियार। वर्षात्। क्षक--अक्षात्री विश्वरयस्त्री क्षत्रावसी। वस्त्राही--अष्ठावी अविभिन्नदिशाती ।

### (८) खेनकिशासम्बद्ध केंद्रियानावात्र, कहेका

वयारन व्याधक-:जाडाक-विरनामध्यक-कीव निकारमया वसमान। वक्क-अव्यक्तात्री जीवनादः जीवामणन अव्यक्ताती

(२२) जीतमाचन-८शोणाच वड

असर कांत्रका (बस्यादा, कांत्रे 1 ८भो ४- भगक्य व्याज्य- मिकाक्य । এথানে গোরদেশ্য বস্মান। বক্সক— खीयानकोनावयो. जीपकानन उत्रवानी ।

(20) APRÈSE NA

श्रीनुर्गरम्माम कृष्ण, जीपाय वृत्यावम । चे चैं वाशा-खब-(प्राध्नकोक्क स्वशा মুক্ত --- শ্রীগণণভিনাথ ব্রন্ধচারী

### (२८) 🕮 পরমহংস মঠ

निभियादगाः, मीखानुब

এখানে শ্রীভাগবড পারশালা 🐽 अदिशोव-विद्यान विशामकोष्ठ स्मरा वक्षमान । तक्क -- बक्राती खेन्गिरहानक व बक्राती खोनसङ्गाम ।

### (२०) औरेडक्करगोकोन्न वर्ड

फु**युक् का, ठिवक् का, यानक्य**ा हेवा चौटे>७४-मध्येत भाषः। सक्तक---श्रीद्रमा-नाथ बाब, अध्यक्तशानम अध्यक्ति औश्रय कीर्व (मन्यक्तिका ।

### (२७) न्यानदभोकोन्न वर्ड

कुरुष्याचे, पारमध, क्याम । जनारन औरशोबविद्याप-बार्यक अना वस्त्रमान । व्रक्ष च--- विकाश के श्री श्री श्री विकास करें. ક્ષોતરો-रमामान अक्वामी

### (२०) खाकनभाषा अभन्नाखक-वर्ध अध्वनभाषा, त्याः माञ्, सावणा

क्षरात्न यक पूक्ष्मिति जीरगाबारमञ्ज दस्या वस्यान। वक्ष--- अववानी खोळाणक्र--काम, श्रीवद्यवदाच अध्वतादी। (২৮) দিল্ল গোড়ীয় মত-ত্ৰাব্যালয

बनर (भाषी अनन, छा कांत्र त्थन, निके विश्वी । चक्--अन्नहाती चौतीवकृष, आङ्गरन्यव

क्षीबाधाडभगठतगणकग (२२) द्शामाणगा et.eta वक् र-वक्तावी

### বি, পি, সি, সির প্রতি কমিটীর Cक्षेत्राद्यां श

গভ ২৪শে এপ্রিল তারিখে শ্রীযুত কে এম, সেনভাষের আগমন উপলক্ষে সে শোচনীয় কাও সংঘটিত হয়, তৎ-স্পর্কে অফুন্দান করিবার জন্য একটি कमित नियुक्त कता हता। श्रष्ट अपटे जुनारे উক্ত কমিটার রিপোট প্রকাশিত হইয়াছে। পত ১৯২৯ সালে ময়মনসিংছে নিথিল বঞ্চ ছাত্র সন্মিলনের অধিবেশন হওয়া অবধি विद्यारभन्न भूग कात्रण विद्याशन कतिया क्षिति এই निदास्त উপনীত হইয়াছেন, প্রীয়ুত ফুডায়চন্দ্র বস্থুর দলের লোকেরা মেত্রকোণা নির্য্যাভিত রাগবন্দী সংখ্যিলন ও মন্ত্রমনসিংহে নিধিল বঙ্গ ছাত্র স্থিতির অধিবেশনে প্রীযুক্ত কে, এম, দেমগুপ্তের সভাপতিত্ব পচন্দ করিতেছিলেন না।

রিপোর্টের একডলে উল্লেখ কবা হইয়াছে, জিলা কংগ্রেস কমিটার কতিপয় স্থানীয় সদস্ত ও বঙ্গায় প্রাদেশিক কংগ্রেস क्षिणीत करतकक्रम महत्त्वत উल्लाहन 💐 বৃত দেন গুপ্তকে বাগা দে ভ্যাছিল, এই मन्नदर्क न्नाडे स्थान भाषता निराट्स, ভাহারা বদীয় প্রাদেশিক ছাত্রস্থিতির সভাদিগকে কভকঙলি কাওজানহীন বেছাসেবক ও ভাড়াটিয়া গুড়া সংগ্ৰহ ক্রিতে নিযুক্ত করে এবং ভাহাদিগের সাহায্যে 🕮 মুভ সেমগুপের প্রতি এই ছালিত আচরণ গ্রেদর্শন করে।

नि. शि. ८म ८ मम्मान्दकत्र मारका ক্ষিটা জানিতে পারিয়াছেন বে, ভাগার ক্ষিটীর পুর্ব দিন ত্রযুত সেনগুপ্তকে বাংন षियात्र मक्त्र करतः माकाधानान-काल উক্ত সম্পাদক এই অভিযত প্রকাশ করেন বে, তাঁহারা কার্য্য সম্পাদন করিয়াছেন।

রিপোর্টে আরও প্রকাশ পাচ্যাছে 💐 যুত স্থভাষচন্দ্র বস্তর ও তাহার পক্ষীয় लारकता धर्वे किया कतिया निक्किं मञ्चात कारभावनम् कहातम् (ग. मक्रश्राण উহোর দলভুক ব্যক্তিগণ ভাহারই স্থাবের অমুক্লে কিরাপ ত্রণিত কার্য্যের व्यक्ष्ट्रांन क्षिट्ड भारत ।

তদপ্ত কমিটা এই অভিমত করিয়া-**८इन,** এই शक्स नाडिम्पिशस्क कश्रात ও.উহার কাণ্যনিকাতক সমিতি হইতে विश्वक्रिक कहा के हिंदे।

### भद्भरकाठी शादका मन्य श्रीलम পরাঞ্চিত

''বিষ্ট্রনিবিপালিটার টাাস্থা বৃদ্ধির প্রতি· वामकरत गण भन्नगरात विकिनभन्नाट হরতাল এইলা গিয়াছে। এই ব্যাপার अवलक्षरम शहरकां हो तारका कामला शूर **उ**ट्डिबिड इर्डेश केंद्रशिवाधित। सरम ३६३

জুলাই সমস্ত দিন তথায় **हिन्यांट्स** ।

পুলিস জনভার প্রতি গুলী বর্ষণ করে. ভাছাতে একজন গোক নিগত ও কভিপয় আহত হইয়াছে। কিন্তু জনতা ইহাতে অভান্ত উত্তেখিত হইয়া উচ্চেও প্লিগ এবং সৈম্ভদিগকে আক্রমণ করিয়া পরাস্ত করে। ইহারা মতঃপর সরকারী অফিস আক্রমণ করে। উন্মন্ত জনতা ভাহাতেও ক্ষাস্ত না হট্যা জেল আক্রন্ন করে ও মেশের ফটক ভাঙ্গিয়া ভিতরে প্রবেশ করে ও জেলারকে প্রহার করে। অভঃপর बेहाता टकरनत वन्नोभिश्वक छाड़िया द्वारा তিচিনপ্রী হইে স্মর্বাহিনী প্রেরিড र हेब्राह्ड १

শাসন-পরিমদের সভাপতি ও মগান্ত বড় বড় কর্মচারীকে পাহারা দিয়া নিরাপদ স্থানে প্রছিয়া দেওয়া চইয়াছিল, দ্পা হইতে ভাহরো ঝিচিনপরীতে আসিয়া ८५२। পছকোটা রাকোর इंडेप्रस দেওয়ান শণ্পতি শাসীর চেঠাং উন্নত क्रम् । भारत नास द्या।

·ইভুনিং ডিউজ অব ইণ্ডিয়া প্রিকার সংবাদদাতা ভারগোগে প্রকোটার ভীষণ माञ्चात भाषांत कालाकेशाएकत। साधारत প্রকাশ, দাঙ্গকোরীরা পুলিদ ও ফৌছকে श्राधिक कविया एक्टा क्वांक्या क्यांने-मिनाटक छाछिया मिवाटक, श्रुवित किन-শুনারকে নিবীধা কবিষ্ণছে ও সরকারী ক্ষ্যগুরাদিণের প্রতিবিধি বন্ধ ক্রিয়া **मिग्राइ । भागन भदिनामत म**जाभाइक ছত্যা করিবার অভিপ্রায়ে ইলারা তালার नाडी बाक्सन कतिग्राहिन।

वृत्रवात्र मकान २ है। इहेट (नना ) है! প্রান্ত হাজামা অবাধে চলিয়াছে। এই সময়ের পরেও রাজামা উপশাস্ত হয় নাই !

जिकिनश्रती इंडेटि ३७३ छुनाई अवभन বাহিনীকে পছকোটায় প্রোরণ করা হইয়াতে। প্রকোটা রাজ্যের অধীপর। নাবালক শাদ্ন-পরিষদ গারা এই রাজ্যের भागम कार्गा निकार ६३८७८७ ।

#### मान तारणा ३१ चन द्वाधात्र

শান রাজ্য ছইতে এব মর্মে শেব मत्रकाती मःवाम शाल्या शिकारक (म, গৈন্তেরা বিজ্ঞোচ অঞ্চলের গ্রামন্ডলিভে পুরিয়া ও স্লেহভাক্ন লোক্দিগকে গ্রেপ্রার করিবার মস্ত বে কারে নিযুক্ত হইয়াভিল, ভাষা শেষ হইয়াছে। যোট ৯৭ क्रमरक ८ अश्वात क्या इ**हेग्राट्य**। द्धन के अक्त भाष ब्हेतारक। विस्तारी দলপ্তি ভাহার কয়েকছন লোক সম্ভি-

বলিয়া ওনা বাইছেছে। এবন ও ভাহার क्यूमत्रम क्या इंट्रेल्ड । द्यायान्ये অনুসারে কাল করিশার বস্তু অনুসংখ্যক সামরিক পুলিসকে তথায় রাথিয়া व्यवनिष्ठे मगरत कित्रिया यारेट्डर ।

### প্লভ্য-হিতৈৰী সমিভিত্ত সভাপ্তি কুক্চজ্য ওকার অভিভাবণ

जान २ वहरतत केंद्रिक्य कान इस्ड ধলভূম হিতৈখী সভা নামে আমরা একটি সমিতি গঠিত করেছি। কিছু যে উদ্দেশ্যে উক্ত সমিতি গঠিত করা হয়েছে, তার कांक आब भगांश किंद्रहे अशनत हरा নাই। ভারে খুলীভূত কারণ, সমিতি পরিচালনা করবার উপযুক্ত কথা এবং মর্থাভাব। আপুনারা ভারেন. ত্রৈডিয়াকে পুণক প্রেভিন্দ করবার জন্ম উডিয়াবাদি-গণ वर्षाम कटा (5 देश क'त्र आगर्छन। কিন্ত উড়িদ্যার অন্তর্গত রাজ্যগুলি বাদ मिल वाकी त्य कश्रेष्ठ किना बारक, त्यह कर्ती क्रियास सारम् क्रम्ब खारमर नव नार চলঃ অসম্ভব। এই কার্যে উভিসার নেভার উভিনার অধ এবং আর বুংছর উচ্চেপ্রে গঞ্জাম প্রদেশের কতক আংশ, মেদিনীপুর জিলাব নয়াবাসান প্রগণা ও কালি অঞ্ল ভবং সক্ষপ্রকার যাত্তর প্লার্থের উংপাত্তৰ এই সিংগ্ৰুম জিলাকে একটি लामान घाट्यत कायना ८७८७ छेड़ियात অতুর্গত করবার চেষ্টা করছেন। উড়িয়া। **८९८क कर**ा ८४ क्यांक्रन भिः इत्य वभवाम করেভেন, ভারা ক্রেশজীভির মোহে অত্যের প্রথম্বাচ্চন্দা - প্রদর্শনত করে নিজ নিজ স্থার্থের দিকে শক্ষা স্থির বেণে যাতে সিংভূমকে উডিয়ার অনুর্গত করা इय जात (5 है। क्यरहरू।

**८** हे निःक्रम दक्षणात्र कार्याः ७ कार्याः এট গুই শ্রেণীর লোকের বাস আছে। অভিযোগগুলির সভ্যাসভা অবশারণ তরাগে অনাব্য যারা, ভারা এথানকার পুৰতন অনিবাদী বলে পরিচিত আর অৰ্থ্য জাভিয়া বিভিন্ন শান হৈছে এসে ध्यारन याम अन्नरकना देशह धावान यहम । अहेममा निःष्ट्रम यटममं नामिन थाका কালে কোন প্ৰশ্ন না উঠিলেও সিংভূম-বিহার উড়িব্যার অস্থর্গত হওয়ার পর इत्ड **जनांक्या जवानकान रमहिड**∴बन् উড়িগারা উড়িশ্যা- হতে আসা পরিচারে তারাও নেটভ শ্লেণ্টভূক্ত, হয়েছেন। খার খঞ্জেক খার্যসন্ধানক পড় কোন कान ब्राष्ट्र ब्रह्मद्रश्या हिंद्र व्यवस्थित हो । क्षिवाभी, त्र विश्ल स्काम ख्रमाण शिवाह ८एडो का क्यान डाम्न मन द्रवासकान कंचिन्दिनक क्रम श्राह्म ब्याटक्त । . . यथन

मात्रा बाहादत क्या स्टेंटक छिल्ला विद्याद निरकृम दलना উक्तियात अवस् क स्टन द्रवानकात्र के क्रियाती ८ए. ८मछिक, ८मडे নেটিভ থেকে সমস্ত স্থবিধা জোগ করবেন্য ফলে এখানকার অস্ত আর্য্য ও আনাই্য काठि मभ्दरे जिम्मारेग्ड स्ट्रा थाय সিংভূম উজিব্যার হাত ছাড়া হরে অভ कान अस्तरभन्ने ष्यञ्च के करण बधानकात উড়িয়ারা এখানকার ভষিণাইলভ হৈছে **প**ष्टरन । এইমভা তারা ভিতরে এত চেষ্টা করেছেন ও করছেন। পাছে তাদের স্বার্থে বর্গদাভ পড়ে, এই জয়া তারা তাদের মনোগত ভাব এতদিন সাধারণ্যে প্রকাশ করণের শাহস পান नारे। वश्कारनाष्ट्रात शहेकून वर्गाणास्त्र, ভারপর মাদম সুমারী যাপারে জানের অভিনন্ধি এপন সাধারণে প্রকাশ হয়ে 75E

> शिष्ट्रम वा धश्चम केवियात मामिन হণে সকলকে বালালা শিক্ষা ও ভাষা **ভাগ करत के इंश निवटक हूर्त।** विद्यात्त्रत्र नामिण दृश्य किन्मि निष्ट वाना कर छ । कालन, दक्का स्थाप्ट स्थल णेश राष्ट्राका शांकरन वर्ण महान सब ना i धात छडे जाल्यान्त त्य (कांगणांत्रहे साक. ष्मामादनन छाटमा त्नहे छमिनाईनडहे भाकर्य ।

### वृक्षमाग्र मामश्र

ব্রকৃৎসা এতেটের বিজ**্রে ছায়তলং**গ্র उशाकिष्ठ व अध्याशक्षात्र मध्य जन्म कतियात प्रश्र क्षेत्रक महीन्द्रक मामध्य प्रकृष्माय भगन कतियादस्य। श्रामीश কংগ্ৰেদ ক্মিটাতে তাহাকে অভিনক্ষিত कता ब्हेग्रा८५ । जानस्त्रत, चीपुष्ठ वीरत्रचत्र প্রাসাদ বন্দ্যোপাগ্যায়ের সমকে শ্রীয়ন্ত थाञागतस गाहिकी ताब्रक्रमिश्वत गिथिक वर्षनाथवा छेल्डिक कालन । वायकतिरशक क्या विद्याप ८५३। क्या ब्हेट्डएक । क्रिक ভদস্থের ফলে উক্ত এটেটের কর্মপুর্ণের সভিত কংগ্রেশের নেতৃর্নের কোনরূপ মনোমাণিত উপস্থিত হয় নাই। ওনা याहेटलटक, ट्राइन्स समितादात ट्राकटन ब স্থিত যিলিত হট্যা তথা অবশারণ ফল প্রত্যেক গ্রামে গমন করিবেন।

### वस्त्रमश्रुद्धा शिदकहिर्

বহরমপুর থাগড়া বাজাবে, স্থানীয় क्रत्यान त्यक्रारनवृत्कता विस्नी वरत्रत्र (भाकारन निरक्षिः जात्रञ्ज कविया- विकाशस्त्र सार লাভবাবে गिष् क्लम २. क्रिक बार

मारायाह शह অগ্রিম দেয় वासिक कर याशायिक ८. देशशामिक ३५० गामिक ১ नगप खिकि मध्या , a

ভারতের সর্কতি বছল-প্রভার-শ্রদীয়া ভেলার এক মাত মুখপত

সম্পাদক—জ্রীভাতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদাস্তবাচম্পতি ७ पण [১১৭তম সংখ্যা —/

**শ্রীচৈত্যামর্চ শ্রীধাম মায়াপুর—৫ই শ্রোবর মন্নবার, ১৩০৮, ২১লে জুলাই ১৯৩১** 

### নানা কথা

### কুষ্ণনগর বোমার মামলা ष्यानामीश्व पात्रता (मार्थक

গত ১৭ই छूल हे मनत्र महतूमा माधिरद्वेटदेत योगागटक क्रथनशत (वागात মামশা শেষ ছইয়াছে। ভিন জন আসামীর বিরুদ্ধের অভিযোগ গঠন ও कार्याप्तरादक पात्रज्ञा ८माल्या करा रहे-

আসামী সনংকুমার মুগোপাধ্যায়ের বিরুদ্ধে ভারতীয় বিশ্বোরক জব্য व्याहेरनत्र ७, ४ ७ ७ शात्रात्र ५ वः छ-বিধির ১২০ বি : ধাররে অভিযোগ আনা इहेबाह्य। श्रकान, व्यामामी वीत्रक्र কুমার মুখোপাণ্যার স্বীকারোজি করি-মাছে। ভাহার বিরুদ্ধে বিজেরক আইনের ০ ধারা ও দণ্ডবিদির ১০০ বি शाप्तात अकिरमान आनम्म कता स्टेबारक। चाक्त मान्नानं मिकात विकास डेक আইনের ৩ ও ৪ ধারার উক্ত দণ্ডবিদির উক্ত ধারায় অভিযোগ আলা হইয়াছে।

### প্রভাত-কেরী

व अकात इकिटकत माहायार्थ ।।। स्रम गुर्वक शंख > > राम स्वाहे इक्कमशंत्र । अ গোরাড়ীতে প্রস্তাতফেরী ধারা অর্থ नःश्रह कत्रियारहम १

### महीकांच चाचा

वर्षात्र व्यक्तारं महीया (बनात व्यक्त क्रांटनरे ब्यट्सक त्यांक्य ब्रम्म, निर्म छ ফালি হইতেছে। মশায় উপদ্ৰব ভীৰণ इनेटक व कीन्निक्या क्रिया है। क्रान्सिक्टर ।

# ক্ষণগর বোমার মামলা

বড়লাট ও গান্ধীজীর আলোচনা

প্রভাত ফেরী

বড়লাট ও পণ্ডিত জহরলাল

নদীয়ার স্বাস্থ্য

নিখিল-ভারত কংগ্রেস বভা

# ষ্টেশন হাঙ্গামার জের

অজগরের জীবন্ত মানুষ উদরস্থ

# গান্ধীজী আপোষে সম্বতি

যুক্ত প্রদেশের কাউন্সিল

वज्राहे ও गांची जीत जारलाहना

বড়লাট লও উইলিংডনের অন্ন্যতি অমুদারে গত ১৮ই জুলাই পুর্বাছ ১০-৩০ মিঃ হইতে রাজপ্রতিনিনির সিমলা-প্রাসারে ভাছার সহিত গানীলীর কেবল পূর্ণ इट्रेंचका विज्ञीत न्यार्डित विषय जात्नाहना इहेब्राइ । डेक बालाहमात्र मध्य भिः ইলায়সন উপস্থিত ছিলেন। এই দিবস

তারিখে তাঁহাদের পুনরায় আলোচনা হইবার সম্ভাবনা ৷

মহাত্মালী রাজপ্রতিনিনির প্রাচাদ হইতে প্রভ্যাণমনের পর এসোদিয়েটেড্ ত্রেসের প্রতিমিবিল নিকট বলিলাছেন, তিনি শভ ১৫ই জুলাই : সিম্পায় উপখিত रुरेग्राट्स्न। *दम मभ्द्रश्चा* स्वव्हा स्वटनका উক্ত আলোচনার কোন পরিবর্তন লক্ষিত : <sup>২ইবে ।</sup> आरमाहमा मन्तृत हत्र नाहे। २०८७ हत्र नाहे। छक् अफिनिधित अध्यत्र ।

উত্তরে . ডিনি সামত জানাইয়াছেন যে ताङ প্রতিনিদির প্রামানে, মিং ইমারসনের वाभुक्तरम् ७ गात्र रक्षम्य रक्षत्राद्वतः याग-ভগনে তিনি সাদরে অভার্ষিত হইয়াছেন, लु हित्ति प्रम अठा घ समा ग्रेक धनश मयान् ।

अकान, निल्लो-इन्डि अधूराबी कराक्षी বিষয়ে নুবকারের সভিত গান্ধীকীর মত-ভেদ উপস্থিত হংবাছে। এতৎসম্পর্কে অবিলয়ে কোন আপোৰ হইবার সম্ভাবনা चार्छ किना कर्ट्या महरतत्र वाटगाठनाव किছू काना यात्र नारे।

দিলার পরাষ্ট্র ব্যাগ্রীত আগামী গোল-টেবিল বৈচক সম্পর্কেও মহাম্মামীর বড়গাটের সহিত আলোচনা হইবে :

### **८हेमन शकामात्र ८७३**

প্রকাশ, কুমারথালী রেল-টেশনের গুলিমারা হালামায় আছেড কুমারথালির পোঠ অফিদেব ডাক হরকরা আবত্তুল কণিল মোলা তথাকার দাতব্য চিকিৎসা-লবে আরোগা লাভ করিয়াছে।

### वर्षात देनसा दशहर

প্রকাশ, বন্ধায় অতি সত্তব মারাট্রা मारेडे भगाष्टिक मन (अतिए इंट्या এইরপ আদেশ প্রদান করা হইয়াছে।

### নিখিল-ভারত কংগ্রেস সভা

৬ই আগত্ত তারিখে বোধাই সেয়াশিয়া টাক্ত মহাবীর কৈনবিভালতে নিখিল-ভারত-কংগ্রেদ ক্ষিটার পরবর্তী সভা

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

### (थाना इहेज़ाइह।

প্রভিত্ত ও আদর্শন্তিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অতি যথ্নের সঠিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা বাহ্যে সুস্কর বাসন্থানের বন্দোবস্ত হইঃগাটে। ছান অতীব আত্মকর।

সবিস্তার সংবাদের হল্য নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। সেক্রেডিটারী, ভাকুর ভাজিবিনোদ ইন্টিটিউট্ শ্রীচেড্লামঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

### —৫১ বংসরের প্রাত্**ঠিত**—

উষধাসয়ে এন্তত বটীকা

ছাতা শুক্ত ভারণা, অপুনোষ, কোচকানিজ, অভীপ, ধ্রমভাল আভ্তি কত বোগীৰ পোগ নিরামর হইগাছে ভাগ প্রকাশ কাংগো বড় বচ পুত্রক হইবা পড়ে।

### हेड्।

্ষক্ষ ভতুতে ব্ৰেণ্ডৰ চলে ভ্ৰমান ক্ষ প্ৰবান করিয়াপাকে। আচতি ∡ৰবেটায় ২২টী বটীকাথাকে।

### কেবলমাত্র

অংহি কৌটাৰ মূল। ১০ এক টাকা। ইংগর নাম **'আভক্ষিএছ** বটাকা।

অঞান্ত ওঁবণের ডালিকার জন্ত পত্র নিধিনেই পাইবেন প্রাণিস্থান:—আভঞ্চনিপ্রাছ উমধাসক্র

२५ मः वहवालात क्षेत्रं, कालकान ।

### কবেরাজ শশিভূষণ কবিক্ঠাভরণের



সক্ষর ক্রাবদার জন্ম ৬ আঃ শিশিতে ঘনীভূত **অবস্থায় ভোটবোড়ভেও াসম্প**রি উষ্ণ ভাকে পাঠান হয়, ইহাতে উ্স্পের কোন প্রিক্তিন করা **হয় নাই। মূল্য প্রতি** শিশান আনা, প্রিট নিশান আনা, বোডল ১০/০ আনা।

অফিস-১১নং উল্টাডাঞ্চা রোড, **পোঃ খ্যামবাজাত,** কলিকাতা

# यपन में में अंती

বুটিভান্ন করা ও বালুবিকারে, ইলিচেণজির চান, বিলেচের অলপাত, ব্যবহার, সাধানোরা, বুল বড় করাহি, অনিলা প্রভৃতি লক্ষণ পদর নিক্ষেপ আহোলা হয়। বল, বীর্ষ্য, বেধা বুড়ি করিছে। অভিনিক চিকিক। মুল্য ৪০ বনী ১, এক টাকা।

প্রকৃতি স্বক্ষাত্তি প্রতেশ প্রথমধানি হোগে রাজ্যায়ের ধারা আরোগা করিয়া দাজিলন্ম করে। নৃদ্যা ২ জোলা ১, টাজা । প্রেম্পানিকাশিকালী বাভিক্ষাশি হার্থায়েশ করম্ভ সভোগশিক হারী ও বৃত্তি করিছে আভালেন্ড। বৃদ্যা ১০ বটি ১, এক টাজা। বিভাবের নাল্যাত্তাকালী, ক্ষেপ্রভাগী শাস্ত্রশার ভারিসন রোভ, কলিকাভা।

### হাইড়োগিল

বা

# কোষরদ্ধি রোগ

ভা: এশ্, এন্, ঘোষ বিনা অলে, বাৰক্ষীবনের গ্যাপ্তাকি দিয়া বৈশ্বাতিক প্রশাসাতে কোমসুদ্ধি জোপ আংকাগ্য কবিরা থাকের।

> ঠিকানা— ১৮ নং কটন ট্রীট, বড়বাজার, ভাগকাতা গ

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

# দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

প্ৰায় দিলে সম্পূৰ্ণ আন্ত্ৰোগ্য

বোদী দেখাইতে কটবে। অগ্নিম পাধের খনচ (যাওয়া এবং আদার)
পঠিটেলে দিয়া দেখা হয় অথবা এখানে আদিলে বোদী দেখিলা
ঔষণ দেওবা হয় আলোগা না কওলা পর্যান্ত পাতিশ্রমিক দিতে হটবে না।
গতীব রোগীদের খনচ বছন ক্ষিলা চিকিৎসা করা হয়। বিস্তানিক
বিষয়ণের কল্প এক আনায় ভাক টিকেট স্থ নিয় ঠিকানায় অন্ত্রসন্ধান্ত

শ্রীক ভীশচন্দ্র উকীশ, বন্ধা-চিকিৎসক, পো: নৈকাঠী, বরিশাল।
অথবা নিত্র ঠিকানার সাক্ষাৎ করিবা বিস্তারিত জানিতে পারেন।
শ্রীবৃত রামগোপাল দত্ত এম্, এ, ক্লখনগর, নদীয়া। শ্রীবৃত্ত করিপদ
বিং০, ১১৭, বেশিরাটোলা ট্রীট, চাটগোলা, কলিকাডা।

প্রক্রমানি পঞ্জ ! আনার প্রাকৃত্যুর গত হয় মাস যাবৎ রাজ বন্ধার ভূগিয়া মৃতপ্রার হত চাছিল, কলিকাভার বিশু চিকিৎসক্পণ ভাগের জীবনের আলা ভাগে করিয় শেষ মৃত্যুক্তর অন্ত অংশকা করিছেভিলেন এই সমর প্রীযুত কি হীশক্ত উচিক মহালয় মাঞ >০ বিন চিকিৎসা করিয় সম্পূর্ণ আবোগা করিয়া বিষাছেন। (সাঃ) শ্রীযুত্ত কিশোর বার চৌধুরী (অমিদার গালিয়া) হগুলীট, নিউ বিজ্ঞিং। কর্মনেম্পন ভিটিং দিশা উন্দেই, কলিকাছা।

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরাব্দ ৪৪৫

माज 🗸 > जाकि दिक है भारती है देश है वूक देशा देश स्वा

ন্যানেকার-গ্রন্থবিভাগ শ্রীচেত্রভূম্য, পো: শ্রীমায়াপুর, মদীয়া।

কেন প্রাহকগণ

# গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

গ্রত প্রশংসা করেন

-কার্যপ্র--

এখানে যাবভীয় ছাপার কার্যা—

अधामित कार्या है बसून,

বিবাহের নিমন্ত্রণ পত্র, কার্ড, বিবাহের পছাই বলুন,

আর ৩ রং ও ৪ রংএর হাফটোন **ঐকই বলুন, নকল কাষ্ট্র** ছা সন্থর ছাপা হয়, অগচ ছাপাইবার ধরচ বা**লার অপেক্ষা প্রস্তা**।

আগনার কিছু ছাপার কার্য থাকিলে নি**স্তিকানার জানাইলে**ই তা পাইকেন

> मारमधान- लिजिस खिलिए ख्याकन् १८०१ मर बागाव मध्यूनाव दशक, क्रिकाक



य छन्य

২২ বামন গৌরান্দ ৪৪৫, ৫ই শ্রোবণ বদান্দ ১৩৩৮, ২১ জুলাই ইং ১৯৩১ মঙ্গলার

১১৮ তম সংখ্যা

### গুণ্ডিচ -মাৰ্জ্জন

১৭ট বামন, ৪৪৫ গৌরাক শুভ গুণ্ডিচা মাক্ষনের দিবস ছিল। বাহার। রথ-যাত্রা উপলক্ষে পুরী গমন করেন নাই,— অপবা গৌড়ায় প্রিকিং ওয়াক্স ইইডে প্রকাশিত উটেচভয়নির হামুত মনালীলা बाम्म क्षमाम पाठ क्रतन भाडे, छाडारप्रत ष्मधिकाः भर्दे 'छ। छ। भाक्षमः नाभाती कि. ত্রাহা অবগত নহেন। 'অপচ এক্রিবরের অক্সানতা পর্ম ও চর্ম কন্যাবের গ্র রুদ্ধ করিছারাথিঃছে। ভাই নিধান সায়া-পুরস্থ সকলের নিত্যমখলার্থ ঠাকুর ভক্তি-নিনোদ ইনষ্টিউটের স্থযোগা প্রদান শিক্ষক ত্রিদাওলোগানী ট্রীমছজিপ্রাদীপ ভীপ মহারাজ শ্রীচৈতজ্ঞচরিভায়তের উক্ত বিষয় পাঠ এবং বিস্থালয়েব অক্লাক শিক্ষক. ছাত্র ও শ্রীচৈত্রখনঠের সেবকগণ-সহ সন্ধীর্ত্তন-মহাধক্ষের অনুষ্ঠানধারা গুরিচা-মন্দির মাক্তন-লীলারহপ্রটা বিশদকংগ युक्षादेश मिलाएक ।

শ্রীপুরুণান্তমকেরে শুণ্ডিচা মন্দির
নামক একটা শ্রীমন্দির আছে। শ্রীরথ
থানোর সময় শ্রীশ্রীপ্রসাধদের শ্রীশ্রীবাদের
গুল্পান্ত তথার গমন করি।
থাকেন। কল্যান মহাবারিনি শ্রীশ্রীগোরস্থাকেন র ক্রপাম শ্রামরা জানিতে পারি যে,
এই গুণ্ডিচা-মন্দিরই স্থান্যচিগ বা অভিন্ন
শ্রীকুন্দাবন ভূমি এবং রথ্যান্যা-ব্যাপার্টীতে

ক্ষতি শছে যে, রাজা ইক্সগ্রায় উক্ত ক্ষতির নিশাণ করিয়া ভগীর ভক্তিমতী পঙীর নামালুয়াবে ঐ মন্দিরের নাম 'গুড়িচা-মন্দির' রাখিলাছেন।

ীক্ষণতার বহুদিন পর বুন্দাবনে আনিতেছেন। ভাই একবাদিগণের সদয়ে আর আনন্দ ধরে না। তাঁচারা ্রুঞ্গত-था। मनाक। डे डीडांटमत क्र**फ्शांन कुक्**-ক্ষণপ্ৰনেৰ প্রাহে ভাগরা मरशक्षारमः क्रमः क्रमः तरव हकुषित्व मुन्दिङ করিনা ক্রাফের বস্তিক্তল শ্রীমন্দির ও সিকাসনাদি প্রিকার করিকেছেন। স্বয়ং ভণবান কারুব্যাবভাবী শ্রীনীগৌবসুন্দর জীবগৰকে ব্রক্তরসিগণের ক্লফারে **অথিক** <u>েটার আনন্দার্গিতে ভাসমান করিবার</u> নিমিত 🗐 শ্রীঞ্চগরাগদেবের স্থারাচণে কাগমনের পুষায়ে অগাং রণ্যাত্রার পুর্ব मित्रा ' छो छजा-भन्मित-भार्कको - वाला अपनीम করি ।ছেন।

বিপ্রাক্ত বিপ্রাহ উবিকুশার পরমহংস পরিরাক্ত কার্যা অটো তরশ হল্লী-ল্রীনদ্ ভিক্তি-সিদ্ধান্ত সংস্থা গোলামী মহাবাদ্ধ ও প্রতি বংসব রগ্যা রাকালে শ্রীপুরুষো ভ্রমক্ষেত্রে উপায়ত পাকেন এবারও ইতঃপুরুষ তথায়ত ভবিজ্ঞা করিয়াছেন। স্কুলাং জাঁলার অন্তথ্যমনে বাঁহারা তথাব স্বস্থানের সৌলাগ লাভ করিয়াছেন, তাহারা জাঁহার স্থান্থাতো গুলিয়াছ ন, তাহারা জাঁহার স্থান্থাতো গুলিয়া মার্ক্তন ও ভাহার রহল অবগত হইবার সৌলাগাও লাভ করি বিচন।

শু - জির সংক্ষ সরল স্থাস পথ-গুদশক আচার্বা প্রবর শ্রীল প্রভাগাদ শুদ্ধ-ভাজিগথ-প্রিকের বন্ধ প্রদর্শনার্থ এই গুলিচা মাক্ষনের বংস্কটী শ্রীচৈতক্সচরিতা-মৃতের স্বরচিত অন্ধভাবো অক্সিড করিনা ছেন, তাছা বহুবাৰ আলোচিত হইলেও বুইনপ বাসন্ময়ী ক্রিয়া উছা—
কৌতুহলী পঠিকৰগোঁর কৌতুহল নিরসনাথ ধূলিসদৃধ। ক্যাবছের খুনীবায়ুছে বাসনাক্ষেত্ৰে প্রকাশিত হইল।
কণ প্রিয়ণি আয়ুছের ক্ষেত্র নির্মণ

মহাপ্রভু এই লালাটীর <u> দিলেটেটেন</u> C₹. : কোন ভাগবান ভাব श्रीक्रमश्रक यति স্বীয় জন্ম সিংখাদনে নসাইতে ইচ্ছ: করেন, ভবে স্কারে তাঁহার প্রয়ের মল গৌত করা ইচিত। জান্যটীকে নিমাস, শাস্থ ও ভক্ত প্রেল করা আন্তেক ৷ জন্মকেটে কণ্টকপূৰ্ণ তৃণ বা 'আগাচা, ধূ'ন ড কল্পবাদিরূপ অনুথ কিছুমার পাকিবেও প्রমদেশ্য ভগ্রানকে বস্থা যায় না । হৃদয়েৰ ঐমল বা আব্দুনাগুলি স্কাভি-লাষ, কম্ম, জাৰ ও বোগচেষ্টাদি বাতীত আরু কিছুই নয়। ইনে কপ্রোস্থানী প্রভূ বলেন.—

অকাডিলাধিতাশৃসং জানকর্মাজনারতম্। আগুকুলোন ক্রণগুলীলনং ওজিক্তমা ৪

ধেখানে ভক্তীতর অকাভিলাম জান-কর্ম-যোগ-ভপজানি বা ভক্তিপ্রতিক্ল ভাব ধারা মন্ত্রোর নিতা স্বাভাবিকর্তি ভক্তি আর্ত হইণাছে, সেধানে শ্ছভিকি নাই। শুদ্ধসন্থী শুব্ভক্তি বাতীত ক্লক্ষের আবিভাব ধ্যানা।

অক্সাহিলাদ অগাৎ অগাতে গ্রহ্মণ পাকিব, কেবল নিজ ইন্দ্রিংরই তর্পণ করিব, এইক্লা ইতর অভিলাষ। উহা ক্লাইকময় ভুণের মত শুক জীবের স্কোমলা জ্ল্যুজি কেবলা ভক্তিকে বিদ্ করে। কর্মচেষ্টা অর্থাৎ যাণ, যক্ত, নান, ভল্লা প্রাভৃতি ধারা অ্র্যাদি উচ্চলোকে স্থা বা ইহলোকে স্থা লোগ করিব—

ধুলিসদৃশ। ক মানচের খুনীবায়ুছে বাসনা-রণ ধুলিরাশি আমাদের **সমহ ও নির্মাণ** अन्य-लर्भेग्रक आवृष्ट करिया स्मा। नद ९ घनर कर्या नामग्रेक्स कामश्या ধ্লিপাশি হরিণিমুগ জ'বের জনগ্রেক কভ ভ্যাত্যাত্র ধরিলা স্নিন ক্রিলাছে, তাই ভাষার কর্মবাসনা ধূব হইতেছে না। व्यक्तित्रभ कीत महन् करवन्, খারা বোধ হয় কমাশল্যের নির্হরণ হইতে ় পাৰে, 🗈 ধারণা ভুল। ভদশবন্তী হইনা চিনি কেবল আহাবঞ্চিত হইতে থাকেন নাতা। ब्रुडीरक चान कताहैना निर्म समन इस्ती আবার গারে ধৃত্রিও মাথি ব থাকে, ভদ্রুপ কন্মেৰ দ্বারা কর্মবাসনা নিদ্রিভ হয় ন। একগাত্র কেবলভিক্তি হারাই দ্বীবের সমন্ত অন্ধবিধা দূর হয়, তথন তাঁহার সেই নিশ্মল লদ সিংহাসনেই জীভগবান বিশ্লাম-যোগা স্থান লাভ করিয়া পাকেন। একস্ত ভক্কবি গাহিয়াছেন,—"ভড়ের জনকে সদা গোনিকের বিশ্রাম ।"

নির্বিশেষ ও কৈবলায়ের বা জ্ঞানযোগাদি চেষ্টা ঠিক কন্ধবের মতে তদ্বারা
শীহরির ভোষণ বা সেবাত এল তা দুবের
কথা, শীহরির দেকে দেলে জি করিবারই
প্রায়াস করা হল, যদিও নির্বিশেষ-এক্ষান্থসন্ধানে প্রথমে মুনুজ্ প্রস্থায় শীহরির
নামাদি পৌশভাবে বীকার করা হয়, কিন্দু
মুক্ত বা রক্ষ ক্রিমানশালে তাঁহার স্বভ্রম
ক্রির ক্রিলার করা হয় না, মুত্তবাং ভ্রমবান তাদৃশ মুর্ভাগা বিমুক্তাভিমানী ভীবের
ক্রম্যে আবিভূতি হন না। সেই ভাল
শীনোরক্ষর ঐ সকল ত্ব, শ্লি, বিশ্বস্থানি

"জগঙের পিডা কৃষ্ণ যে মা ভজে যাপ। পিতৃজোহা পাতকীর জন্ম জন্ম তাপ।"

আবর্জনারাশি ভগবন্মনিরের চতুঃদীমানার ভিতরও রাখিলেন না। প্রশ্ন নিজ বহিকাস খারা তথ্যসূত্র বাহিরে ফেলিয়া দিলেন-শাছে বাঙ্গার সহায়ভাগ ঐ সকল ভঞ্জাল পুলরায় সেই মন্দিরে প্রবিষ্ট হইয়া

অনেক সময় কৰ্মজানাদি-চেটা বিদ্বিত इडेरन अध्यमद्भ ऋषा रूपा मन श्राकिमा यात्र, डिशटक कृष्टिनाष्टि, व्यक्तिश्रीना, कीवश्रिमा নিধিদাচার, পান্ত-পূজা প্রভৃতির সহিত তলনা করা বাইতে পারে। কুটিনাটি শব্দে কণ্টতা: প্রতিষ্ঠালা-প্রে নির্ক্তনভবনাথি বা বুজ কুৰ্দী স্বাস্থা "নিৰ্ফোধ লোক আমানক একজন বড় সাধু বা মহান্ত বলুক' এইরূপ कड़ीत मन्त्रानानित काली व्यथता नियम-<u> जोर्ज्ञाम श्राप्रभारमारमा काठिना शास्त्र</u> ক্ষদ্যে ক্রুত্রিল বিকারান্দি ভারাভাস প্রদেশনী লারা ভক্ত বা অবভাব সাজিবার আশা: कौर्विक्त'-भाग अस्टिक श्रिडादेव क्रिशे दा क्रुल्ल्डा, महातासी, क्यी ५ व्यनाजि-লাধীকে প্রভার দেওয়া বা তাঁচাদের মন राभियां कथा रहा : वाक्शृष्टा-मरम भरमंत নামে হরিনাম-ময়-বিগ্রহ ও ভাগণতঞীবী हहेवा निर्माय त्नाकरक ठेकाहेवा धनापि অগবা সম্মান-প্রাপ্তি: নিষিদ্যাচার-শ্যে श्रीमक, जनः करी, खानी ६ अना विमानी প্রাভূতি রুম্গান্তজ্বের সন্ধ ব্রায়।

এইরূপে একবার বছদিনের সঞ্চিত বড বড কাকর, তুণ, ধ্লিরাশি প্রভৃতি क । हो है या दक्ष मिया निवा की भी ते सकता करे ছুইলার করিয়া মনিবের সম্প্রাংশ মার্ক্তন ও ক্রগদারা প্রাকালন করিবার পর যদি কেধাও জাবার কোনও ক্ষা দাগ্য শাগিয়া পাকে, ভঙ্জনা ভিনি নিজের পরিধেয় শুক্ষ নম্বের থারা গবিষ্যা ঘষিতা শ্রীনন্দির ও ভগবংপীসম্বানরূপ সিংহাসন মাজন করিতে লাগিলেন্।

এত করিষা প্রকাশন-মার্জন ঘর্ষনাদির পর শ্রীমন্দিরে আর ধূলিকণার লেশ, এমন কি, একটা কল্প দাগও নাই, দ্রীনন্দিরটা শ্দুটিকবং নিশ্মীল, কেবল ভাগাই নহে, আবরে স্থনিত্রও হইল অপ্থ সাধকের জল টা 'ববিভপ্ত-মরাস্থ্যিসম'-ভাপ বাসনাজনিত **हीन 'व**र्थार दिव-राज्य च्या सार्शिका नि ভি(\* - য়'নল-জ্লার্কিভ इदेशाहा वश्राठः ठा०(३ २२) २६(७ অন্যাভিলায় ও কর্মজ্ঞানযোগালে ্চপ্রারূপা ভূতিনুজি-কামনা বিদুরি চত্টা অংহার্ডি चक्रविक व्यक्तिक इंदरन देश व्यवस्थि मान प्रक्रिका हरू।

रिन्नित इटेटम ९ अन्द्रात एकान् ९ । दकान् । অভাত কোণে এক একটা হল দাগ লালিতা পালে, ভাঙা নিষেধ্য জীব বুনিতে। পারে না, উহাত 'মুক্তিকামনা'। নিক্রিণের - । ভক্তিরার। নিবিল মনোময়তার গুণবিশিষ্ট

বাদীর সাযুক্তঃমৃক্তিকামনা ড' দুরের কথা, সচ্চিদানন্দময় পরব্রক্তে লাভ করি া অপর চতুবিবদ মুক্তিকামনালে স্থান অবিভালনিক একল্যাগর হইতে মুক্ত হইলা দাগকেও ক্রিমন্তাত্ত্ত্তীয় বন্ধ-বানা প্রিম্

करेब्राल क्रीरमोद्रयम् । किसेश सीमके প্রীর ক্ল<sub>ন</sub>কে বুজাবন এলে পরিগণিত করিয়া স্বরাট ক্লেজর স্বাচ্চন্দ বিহারস্থল कतियात्र कना, इस्मिलिश श्रीक्षियात्रात्र कना, মচোৎসাহের সহিত উট্টাঃমরে ক্রানার করিতে করিতে ক্ষার্মেশ সংখ্য মার্জন क्तिर्वन, खांशं कीरका मक्कार्टर्व व्याणनाटक बीता ज्यान कविद्या अधम् अक्रेक्ट्र प्रवर् निकृति ष्टि वाशिक्षम-एक्षणामाने हाकः किलो कार्वता, एमा की बनाया । किम,स्मारभरेनन । । ধৰি ৷ স্পির মাজনেসেবা শিকা দিতে वाशिकातः। बोलीय काम 'कांबा' ब्लेम अंहर के बिहोमान' दानिशास्त्र । कात्रन, क्रमध्यक्षिप्रिकोरे ज्ञिलाधात जानस्रवीयङ গ্রেছৰ নিজ মনেমত १५१६ ना. । ভীলাকেও প্রিয় ভর্মন্পুর্ক ধার্ড एकमाकोनम, क्षत्रप्रकारम एकि (धांश्युक শুরুসন। ভাকাংশকে অপ্র নিমুখ ভাবগ্রের আচার্যোর কাষা কবিবার জঙ্গত আদেশ-পুরুক উৎস্থাবিদ কশিলেন। কাষার, যিনি যত বেশ্পরিমাণ অভ্রেশ্প কণ্ড হইতে আংরণপ্রক প্রিদার করিটে স্মধ হইবেন, ডি:ন ডেড কেশা প্রাকৃতিক তটাবেন এবং যাতার অন্থানিবার সামার ঘটিনাছে, তাঁহার পক্ষে পাতিস্কল হরিওর্জ देवकृतदमदाङ दिसि दोन्छ। निकिश्व क्टन ।

# বেদান্ত দিল্লান্ত সমাহ্বতি

(0)

উপদেশ করা হইয়াছে, জাবকে নছে।

রন্ধের প্রাক্ত শরীর না থাকিলেও অপ্রাক্ত চিনাঃ শ্রীর আছে, ভ্রমভক্ত ভঞ্জিভাবিত চিত্রে ঐপরব্রস্বাতম প্রতাঞ্চ করিয়া থাকেন। স্ফীন মন ও প্রোণবিশিষ্ঠ হটলেও ভাগাৰ মন প্রাণ রক্ষণাক্তেই পরিচালিত। একাই ভাহার মন ও প্রাণের কাৰণ এবং ডিনি অপ্রাক্ত নন ও চকু-

হ্মতিক্থিত গুণগুলি প্ৰব্ৰক্ষেট সংশ্লিষ্ট, ভীবে নভে। সভাকাম, সভাসভগ্ন, ইভাদি অনেক সময় সমত কামনা বাসনা বিশেষ-গুলি ব্ৰক্ষেই প্ৰযুক্ত হট্যা থাকে। मजीता है दर दिलिখिত छन छनिय व्यमक्षित-(इकु कीर अक नटा। कथा 9 कर्कु:=म-धार्क सीव अक्ष इंटर्ड भूथतः। सीव

भ्या:भ्या:भारतः : अध्यानानः "एवस -शाटकन । া শাক্ষাত্বা জীবের উপাত। জীবের উণাসকর ও শরমান্তার উপাত্তর স্বভিতে উক্লে হইরাছে। শক্ষের-বার। দ্বীণ ও এন্দের বিশ্লবন্ধ লক্ষিত হব। ছালোব্যের "দে" व्यर्थार महीत भाग महीति अकिकाश स्त्रानः উলাত পরনামার প্রথমা বিভক্তিমারা ক্লাই <sup>টু</sup>উপাভারণে নির্দিষ্ট হইয়াছেন। অতএন প্রমায়া জীবের উপাত্ত-ইছা শক প্ৰমান্ধারা স্থিতীকত হটল।

यति बना, शतकाशांत्र मध्यक 'च्यन হইতেও স্নৰু' প্ৰাকৃতি শব্দ শতিতে থাকান महाधार क्षांक पर्वकार निकेंगे शिंध शास्त्र है जिल्ला कारण, खाशास्त्र वरूना करे শ্রুতি তাঁহাকে অনার 'ম**হৎ ৯ইডে**ও তাঁহাকে প্রাশ্যা এবং গাঁহার সেবা। আনিন্দির্ধ, ভবের জন দ্বিনোদন নিমিত্র ষ্ট্রা ভন্নশিল্প स्टरक त STATE OF আপনাকে অনুনাবে প্রকট করিলেও ভাগতে ভাগের বৃহত্ত পথা প্রিচিত্র ভ্র धिनम् क्षम-(भवा-श्रामकी भिका भिर्मन । ना। वाष्ट्रि स्नीनभरवात्र वास्त्रमाधि-रुध्य শুধু ভাগেট মতে, টেডফাশ্লামুগত শুক্ষ বিচৰি কাবের যেমন টগাস্থা, মুধ্য ক্ষেত্রজ্ঞ

কলে ও এজন নিবিস জাবের উপাক্ত বস্ত্র 🗀

কানসদরে কানাছার সাহত কেজ व्यवश्च ८०३ कीरतन् छात्र छोशात श्वन-काल इक्षा कविर्ध है। मा, कात्री, कार्यस স্থিত ভাতার বিশেষৰ শ্বাহ্ণত হল চেড়া কলে, প্রথায়া निर्विश्वच्छा भेडिय छुर्र्छ। अने मार्को हरा । छानिक অবস্থান করেন, প্রভাত কথা বলিনাছেন 🗈 लाइत हान्य-क्रमम डाइएत । हा र जाय ভিনি ভোজারণে নি.মন্ত ইটাছেন। জগতের কাই, ভিতি ও লয় উচ্চা হ্রতেই 🖯 সাধিত হইলা পাকে। ধিনি বিযুক্ত গ্রাম-পদের ভূজন করেন, তিনি মায়ামুক হট্যা थाटकम---- এकथा। चग्नः (नम्भात्र की ध्म क्रिशास्त्र । हज्ञाहत्र वश्व उत्भव त्रांशा, বেদশাস্থে ব্রহ্মকেট প্রমিদ্ধ বস্তু বলিয়া , মৃত্যু তাঁহার অঞ্চোপদেচন স্থাতের স্থায়, শত এব সেই পরাংপর পরবন্ধ পরম পুরুষ বিষ্ণুই এক মাত্র উপাশু; ভীব, জড় ও প্রকৃতি উপাত্ত নংখন কিলা হইতে পারেন না।

> "ना गाया ध्ययहरनन गरका" कर्छा- ' পনিষ্ণের এই বাকো "দেই পরব্রহ্মকে ব্যাখ্যার ধারা, কিন্তা ভাক্ষণুদ্ধি ও বছ भाक्षाकारम भाउम्र यात्र नः, डिनि याश्रीक क्या करतम किनि डाँशांक वाच करतम" এরপ টাল্লখ থাকার জ্রাবের উপাদকত্ব এবং পরমা থার উপাক্তম নিরূপিত হইয়াছে। জীব বত ছটগোও প্রমান্ত্রী এক, প্রাকাশ-ভেদে বছাৰ দৃষ্ট হটলেও স্বরণত: ভিনি এক। জীবে জীবে ভেদ আছে, কিন্ত পরমান্বার বহু প্রকাশেও তিনি অধিতীয় ब्यानक्षयं निभिष्ठे ভেদগ্রিত। ভিনি

হওার তাঁহাকে অভিক্রম করিয়া প্রতম্ভ कारन दकान नखन व्यवस्थित मखनभन्न नच, প্রতরং সমত বছাই একজের অস্তমূ*ত*। ভাহাদের শোবির্জাব জ্ঞ ক্সিরোঞ্চার জ্ঞান শক্তিপরিণামজনে সাণিত হপ্তরার তাজের সহিত ভাগারা স্মচিতাভেদস্থভগরিশিট: অত এব ক্লমের অধ্যান্ত ভারতার ক্লমের व्यवस्य । भिन्न व्हेटल्ट्स ।

# ইন্দ্রির ইন্দ্রকার

(0)

श्याकात्वर मिथा कामाव सास তাৰ্টারা দশন, প্রবণ, জাণ, আধাদন এবং ম্পূৰ্ন সমুস্য ব্যাপারেই মনের তীর-শাসনে পরিচালিড ছইনা নঞ্চলর নামে অনন্দলের বিভাষিকা বরণ করিভেছে---त्रभा---পরিগাসে ভীতি প্রাদ ८ थाः । एकः विशेषा । श्रीका कविष्टा । वाम । अक्षणीवरश्रक भागवद्क्षित जैन्य-部门可にかり **বতর** পিণী মন্ত্রি চিনিডে পাবিতেছে নাণু কত কল্যাণ্কুডুমের অংবরণে ভূণকীটেরই মন্ত আছাগোপন কবিনা সে সভত মন্তবাকে দিয়া ভাষার भावभवाहम क्याहिता नहेर ५८छ । याहाबा ८५। भारी মনের গতির 14.5 CoffEilma मधात्रे। जनमन, करतन, दाक्षकः क्रिक्सियक महमापर्यागम पृष्ठे চ্টানেও প্রদায়ান উগেলাও ঐ ইল্ল-্মনেবট কড়া চকুম ভাষিত কবিতে আয়াদান কৰি ছেন।

रम, कम गृह, काश्मिं, अधिश किस्ट्री **5** है ना.— है हो। शहारत्रत करन निभमकाय त्य व्यक्तिष्ठांत मुक्ति माना बहेता, तमह আশাৰ আশেত অনেক সময় জনটু মন, অপ্রাপর ইন্দিরগুলিকে ক্সেন্ত্রভরাছণে নিং ভিড করে। কিন্তু যুক্তবরতেগার মাত্র আদেশ গোডীরগণ মানের এই ধুবসুত্তি অতি সহজেই ধরিনা ফেলিতে

এ.ল উঠিছে পারে, মন কে? ভাগাৰ স্বৰূপ কি ৪ জাতি কংগ্ৰ,-- 'সন আয়ার প্রতিনিধি। মনের সম্পাদকতে घारा। मकन कांगा मुल्लाभन कतिया लाटक। हियहें की नामात रक्षन वा मुक्तिन कातन ! রাজা বেমন ভাহার বিশ্বস্ত মন্ত্রীর উপর রাজ্য প্ৰিচাশনার দানিত্বভার দিয়া স্থয়: স্থপ-্ভার। বিষয়সমূহ উপজোগ করিতে গাঁকেন। কিন্তু মন্ত্ৰী যদি কোনৰূপ বিশ্বাসপাতকতা করেন, ভাহা হইলে নুপতির প্রাণসভটাপর **২**ট্যা উঠে, সেইপ্রকার আত্মার প্রাথান প্রতিনিধি মন ধিমরে অভিনিধিট **হইলে** আত্মার বধনদশা উপস্থিত হব, আর পরম (भवा बीशतिब हत्रवावित्य चामक इंटरनह আত্মার বন্ধনদশা হইতে মুঞ্চি লাভ হয়।

# গ্রন্থ পরিচয়

# **শ্রীমন্তাগবত্র**

व्याप्तकति । इक्कदेवशायम । ८०४ म्याग-१वर्गा ७ मूल, श्रीयम-हाकुत्र-कृष्ठः नातार्थन्निनी हीत्याः वक्षाप्रचानः, भरष्ठछ प्रस्त छ াজিশন, তথা ও বিশ্বভাগিয়ক। প্রতি ছকের আগিতে দই ক্ষেত্ৰ প্ৰতিপাত ক্থাসায়, অণ্যাৱেল প্ৰাণমে ঐ মধ্যাজের ব্লারশহ অবিকৃত তাৎপর্যাদি বিবৃত। খোকস্চী বিৰয়স্চী, অণ্যায়বিষয়ণ, পাঞ ও স্থানস্চীনত উত্তম দাগরে উত্তম **অকরে মুদ্রিত। প্র**পম হইতে ১০ম হন্ধ 18 क्षाना म्यूर्नक्रदल त्मय क्हेबाटक। किका लालम हरेटक व्य क्य भग्न भग्न १८००; मभ्य १६ ३०.; म्मका ४०८ ।

### 

অপ্রাক্ত লোদঠাকুর-রচিত 'অনুভপ্রবাচভাগ্য' 🕭 জীমন্ত কি নিদ্ধার সরপতী গোসামী প্রভূপাদ লিখিত ইমহভাবের জাতি-স্ভালি বহু শাস্ত্রমাণ সম্পিত চইয়া রকাশিত হইয়াছেন। স্লোকের সাধ্যব্যাপ্যা, বসান্তবাদও রভে।ক পরারের পুরে সংখ্যিপ্ত অভিনেত্র সংস্কেজিও। গ্রেক অন্যার-প্রার্থ্য কথানার দেওয়া আছে। স্লোক বিষয়, শক্ত, স্থান, পাতা প্রাকৃতির স্থারুহৎ ৮টী ও প্রাস্থকারের বিভাত জীবনী সম্থিত এই কপ অভূত পুকা সংখ্যাণ ইতঃ পুকো हिकालि ध्यकालिक इस नाहे। क्रिक्स काश्रक शासिलाहित्य र अप है। का कर देव प्रकृत । 🌉 হৈত স্থা এককরে মুলাংশ মুদ্রিত হইয়াতে। এর প্রায় ৫০০ প্রায় সম্পন্ন ভিঙ্গা বভ্যানে ৫, মাতে।

### **জ্ঞীটেডফ্রান্ডা**গবভ

এছফারের ফীবনী, প্রতি পরিচ্চেদের কণাসার, বিস্তৃত ोढ़ीय कारा, मन्द्रहो, न्यावरही, विवय-दान भावापि-দটা, প্রক্রেভি বিবিধ বিষয় সম্বালভ বিরাট বিভীয় সংগ্রহণ হ্বিল ক্রাউন ৮ পেক্রী আকার। আদিশালা ও মধ্যের म्प्रभः आकाभिक महतारहम । जन्म जन्म जान जनां नव ইডেছেন। অগ্রিম ভিক্ষা ৫, টাকা, আদি শীলার 541 5 1

### 🕮 देह ख छा यस न

এই গ্রন্থের এরূপ অভিনব স্থন্দর সংস্করণ আর কুরাপি প্রকাশিত হয় লাই। সংখত প্লোকাংশের অবয়, বঙ্গামুবাদ, हाया, क्यामात्र, एवी श्राकृष्टि मह चएछ एएख श्राकामिक ইবাছেন। মূল মোটা অক্ষরে ভবল ক্রাউন আটপেনী इत्रक्षादम् छाला इदेगाट्य । भूका २॥ विका । नर्नोग्रा রকাশ ও গৌড়ীরের গ্রাহকগণের পক্ষে ১৪০ টাকা।

### **এমছ**গবদ্**গা**তা

--- প্রিণাতীর বৈক্ষাচান্য অপ্রাক্ত রসিকচ্ডামণি ্ৰীবিশ্বমাৰ চক্ৰবন্তিঠাকুম লোখামিক্সভা সারাধব্যিণী श्वाद्यका थ क्षेट्रीयङ्कियरभाष ठाकूत्र-थानेक 'त्रनिक-क्रिय मामक कामाकावामहिका । व्यथाप्रस्ती, याकृकाकार्य क्षाक-एठी,वियम-एठी,अध्कारम्य जीवनी ७ व्यवख्यानिकापि [-काष्ट्रवाचियम-गृह क्रिकेश वाधाई कृष्टीम मःश्रव --- ८३ वाक ११४व्रश्य किया २८ हाका मांछ, मानावन मरकवन--- अ। का मान

# শ্রীল প্রস্থুপাদের বক্তৃতাবলী

ও বিকুপাদ শ্রীশ্রীমন্তজিলিভাওসর্মতী গোষামা মহারাজের সেই অবিভাবিধ্বংধিনী की नाष्ट्रभक्ष रणारवासिनी क्रक-काफ (सम्बन्धिनी की वस-नानी व मुख-विधाय---देशकर्ग काछ-त्रक्षमानात्र कोळ उम्मि---मुख्यसाग्र **। ধ্বাচাৰ্বা-ক্লডা ভাৎপৰ্য্য-নিৰ্বয়টীকা। শ্ৰীনদ**ৰিখনাথ চক্ৰবন্তী। বৈভৰ্ষৰিজ্ঞানাগণেরের গোলিক ভথ্য---প্রকরাঞ্জ ও ভাগ্যতের সমপ্র তর-মতাভান-ভাবনচরিত-শিক্ষক -- চিডিগাসচিয়াত অচিবাতি-বিচারক---ঐখন্য ও মাধুন্যরদের মৌলিক গবেষণার —সম্বন্ধ, অভিবের ও প্ররোজন তত্ত্বের দিয়াতু-সৃষ্ট্র।

> ১। প্রথম অভ-বৈদ্যবদর্শন, প্রীপ্রকৃত্যু, কাল-শম. ভীমধ্যাণিভাব, শীৰাষ্টানবী, পাঞ্চরাত্রিকী দীকা ও বর্ণ বিচার, আত্মবন্ধ ও মনোধ্যা, শ্রীচৈত্রাদের ও তাহার শিক্ষা, অপ্রাক্ত সহক্ষণম ও প্রাকৃত সহক্ষার্ম প্রান্থতি বিংশতি সংগ্যক রবে স্কুলোভিত। ভিক্ষা মাত্র ৮০ বার জালা।

> ১। বিভীকু অন্ত-ভগ ও বিদ্ধা ভক্তি, মন্ত্রের শেষ্টভা কোপায়, আত্মার নিতার দি, জীগর স্বামিপাদ ও মায়াবাদ, শ্রীভোর-নিভ্যানন প্রসঙ্গ, ত্রিপ্রের দশ্ম ও ক্রঞ-कैंडिंग, खीतामश्रकाय खीमचापार इत की हम. चारतीय-भारमत महिमा, मधालाभाम, श्रीरणानिम, श्रीकलाकुराच्छन-পण, ज्यामकी तुमकाश्चन निमी, जीरेककास्य एका, त्यांत्वकास्य ও ক্লেন্ধীন্তন-১তুদশ অপুন্ন মধুরিমাপুণ-বস্কৃতা-বিভূমিত। का ३, एक हाका बाका।

व्यथम ६ विकीय-इट भक्ष अकृत्य न्हेल जिला

### 🕏 মন্তর্গনদ্বীতা

(भी दीय देवकवमान निक-८० बा मा मान निकास विका-ভূষণক্ষ ভাষা ও জীমছাকিবিনোদ সাক্রেরপ্রাঞ্জল বল-ভাষায় বিশ্বত 'বিষদর্জন' নামক ভাষাতে ৷ অধ্যায়-স্টা. বিষয়স্টা. ভ প্রতি লোকের প্রথম ভ চুট্রীয় পাদ ফুটা, ভাক্তকারের কীবনী প্রস্তুতি স্থলিত। উৎরুষ্ট বালাই, রাজসংক্ষরণ ( ভূটীয় সংক্ষরণ ) তাভের **िक्षा २**, हेकि।।

#### **अध्ययत्रक्रावली**

**टीयदनाम विशाहरा-लगिष्ठ देवकवननेन, मन्छ छ** গোবিদ্দ-ভাষাদি পজিবার প্রাপম গ্রন্থ । উৎক্রই কালিতে ছাপা। স্থবিশ্বত টাকা ও প্রাঞ্জনবদানুবাদ-সাহাদ্যে অভি সভতে বালকেরও বোধগমা চইয়া থাকে। তিকা ।৵• আলা মাত্র।

### **এটানবদীপংগ্রমাহণ্ডা**

( প্রমাণথ ও ) সামুবাদ। ক্রন্ডি-স্বত্যাদি গ্রন্থে শ্রীনব-ধীপের যে মহিমা কীর্ত্তি আছে, ভাষার মূল সংস্কৃত ও । নাম মাত্র ভিকা ॥ আনা। অসুবাদ। ভিকাঠ- আনা।

### জী জীনবদী পভাৰত বন্ধ

শ্রীঠাকুর ভক্তিবিনোদ লিখিত। তুললিত গাঁতাকারে পরিক্রমার দ্রহব্যাদি-বিধয়ক। ভিক্ষা। আনা।

### ভজিরতাকর ও নববীপ পরিক্রমা

ত্রীল নরহরি চক্রবন্তি-ঠাকুর রচিত। ভঞ্জিরমাকর হটতে পরিক্রমাণে মাত্র গৃহীত; জীফীৰ গোখামী কি लकात क्रेमवर्षीणगारमा गतिकमा कतिवाहितान, छाहारे পত্তে বিহুত। ডিক্ষা । ক আনা

# প্রাট্ডেত শুনুষ রায়ত্ত

ত্রী ভক্তিবিনোদ ঠাকুর-প্রণীত। ত্রীচেত্তগুট্টাতে निकाशाणी-क्स, क्सामिक ६ वम-वद्य ६ मक भीव-षाणिका-एकमाराध्य-**एक-एक-मा**रम-सिर्मन-एका सम्बद्धाः কাও, লাওমাদির বিচার –বৈনী ভক্তি, ভাবভক্তি ও প্রেমভফিন্য নামভজন-প্রণালী ও অইকালীয় লীলা-পরিচয়াদি প্রথম শিক্ষার্থীর উপযোগী স্বরিয়া সরল ভাষার সমুদ্ধ যুক্তিপ্রমাণ্যত লিখিত আংছে। চতুর্থ সংস্করণ বাশা २, डांका, वावामा ১५० डाका माछ।

### গৌদীয়কণ্ঠহার

टीटबो हैं। य- देनकन घटवत अञ्चल कर्ष्ट भारतपरमा ক্তি স্তি পুরাণ-প্রবাজালি সাথত-শাস্সমূহের প্রমাণাব্লী বিষয়বিভাগ্রন্মে স্মুখাদ গুণ্ডি। এইরূপ বৈক্ষৰ-সিদ্ধান্ত্র সার্গ্যব্য অভ্য কুরাপি প্রকাশিত হয় নাই। ইহাতে প্রকতন্ত্র—ভাগবত- বৈশ্বর—গৌর—নিভানিন करेबल-कुक-मुक्ति-ए-ए-प्रमुग-कीव-क्विकारक्रशास्त्र -- कर्म्स्य -- भाषता छक्ति-- नगः, ग्री -- व्याचन नगः -- क्षाचा — द्योनाम— शासाहन ७ श्रोमान-एक्छनि **भुवक् अन्तार**स স্তুত্ব লোকাদি স্তীয়ত উৎকট ভণ্টিক কাগলে **ব্যোজ** त्रु कालिए। मृत्तिः, छेःऋहे दीता स्मानात करण नाम स्मा। গ্রন্থ প্রায় ৪০০ প্রচায় সম্পূর্ণ। ভিক্ষা ২২ টাকা মাত্র।

### श्रीमनहीं श्रेमाय-श्रेषानहीं

শ্রীমদভ ক্রিবিনোর ঠাকর রচিত পামমার্থাম্বালন্দাম-माहारचात माम ताम अभाग थाए-- जीम नत्रकति ह करती হাকুরের দাম-পরি কমাংশ— ইনোম কবরীপ পরিক্রমা—তীপ-म्(छ) প्रकृष्टि-- ध्रीयर अर्ताभागमञ्जूष गर्वेषायण्यस्य--শ্রীমন্ত্রন্তিবিনেদ মাকুরের জীনব্দীপ ভারতর্প প্রাকৃতি প্রত্ন কর ভিকাপ আলা মার।

### শ্ৰীছবিনামায়ত ব্যাকরণ

ভীছাৰ পোষামী প্ৰভুপাৰ-বিষ্ঠিত ক্তম ও বৃত্তি, ত্ৰস্থে ওবিফুলার উল্লেছকিসিদান্ত সরস্থতী গোস্বামী মহারাছের বিভ্রু ভূমিকা ও হুচী প্রভৃতি সহ। অপ্রত্যাশিতভাবে খ্লভ। ভিশা ২ টাকা, ছাত্রগণের পকে ॥• हेकि बाजा

#### বেদান্তভ্রমার

শ্রীমন্মান্তলচাগ্য-রচিত। বেলাঞ্রে বিশিষ্টাবৈতবাদ-প্রচারক ই ভাষা প্রণেডা আচার্যাপ্রবর বেলাপ্তদর্শন পার্টের उपायक्षा कवनार्थ एके उष्टम कतिमार्टका। बेकार्टक বঙ্গামুবাদ ও স্টাপত্রাদি সংগোলিত করা হত্যাদে

### জ্ৰীটেডভাচজায়ত ও নবদীপশভক

োরপাণদ ত্রিদাণ্ডী শ্রীমং প্রযোগানন সবস্থা প্রণীত মূল, প্রভূপাদ শ্রীমন ভক্তিসিদ্ধান্ত সরস্থ হা পোরামী মহারাজ ফুল্লাদিত অধ্যয়পুথে বাখেয় ও বছাচ*াদ ম***ছলিত**। নব্দীপ্রত্বের উভিভিবিনেদ ঠাকুরের প্রাক্তবাদ ও ভংগঃ প্রিমশালাপ্রান্তর একটা বিবেশর্মিত অংলাকিক চিত্র প্রদান্ত এইয়াছে। ১৫৭ ও কাগজ উৎক্রষ্ট (২ ধানা এক্রে) ভিদ্যান সালা, সাভি হুরমা বাঁগাই রাজসংখ্রপ

हाका भाव।



শ্রীমন্ত্র বিনাদ ঠাকুর-প্রবীত। এই একমান গ্রাম্ব-तरङ्गत कान लाक कतित्व भातमाभिक तारका किङ्कर छहै । ब्बद्धांन न। महस्य भारकद्व ना । अत्रम शूर् भर्म विगयक ध्रहे-ক্রপাস্বল ও জ্বয়াপানী গ্রন্থ এ' প্রান্থ প্রাকাশিত হয় নাই। নিৰিল্বোস্থামি শাল-ম্ভোৰতি মন্ত্ৰফলে তেওঁ প্ৰান্তম্ভ উचि इहेश्राद्वान मानात स्वित्र प्रती. क्यामात केंद्राक्ति चाता जिल्ला मयक कता वर्षेष्ठाक । जित्रांते और. त्मानात अटग गाम त्यथा, छेरकहे वालाहे-छ**ूर्य मस्बत**्य ভিকা২, টকোমান।

### প্রেমবিবর্ত্ত

শ্রীমশ্রহাপ্রান্ত অন্তর্ম পাষ্ট শ্রীল ছগ্টানন প্রান্ বির্চিত। এই পুরুকে অতি পুন্রোধ্য ভাষায় মহাপ্রার क्जिला लीलाम्ड रेनमन्तानात, एकान्स ७ नामज्यन-ৈৰক্ষৰতভেৰ স্থামাংদা প্রণাগী প্রভৃতি অনেক দেখিতে পাইবেন। পাদ্বীকায় ভক্ষ স্থানের বিশ্বার্থ ও সরস্বতীপাদের সংস্কৃত নব্ধীপ্শতকের স্থালত প্রাস্থবার এর কার্ডার পরিচয়াদি-নম্বলিত চতুর্থ সংশ্বরণ ভিক্ষা।।৶● मण जाना माज।

### ভঙ্গনরহস্ত

ভেলনকারীর নিভাস্পী; সাকুর ভক্তিবিনোদের অধুশ্য मान : निथिश भारतात नियाश । शहरानि ना रमश भर्या छ কেই বুঝিতে পারিবেন না। সুতীয় সংখ্রন ভিকা ॥•।

### হরিনামচিন্তামণি

নামাচার্গ্য খ্রীল হরিদার ঠাড়বের মূপে খ্রীমনাহাঞাভ ब्याम-माराबा, नामालाम, नामालताम अक् कि विमाहत বাবভাষ বিচার প্রবণ করিয়:ভিবেন। এই বিবয়ওলিয় ক্ষতি সরল প্রারে সংক্ষিত্র আশ্রমণ পরিপাটভাবে মুদ্রিত। 🕮 म जिल्लितिरनात शेक्त अभित । अमन मध्यत्र जिल्ला ५०

### কল্যাণকল্বভক্

শ্রীমন্ত্রনির সামির রাচিত। প্রত্যেক ভগবন্-रिचामी ७ कामभूष्य भूभित्कत्र दकाञ्च व्यायक्रमीत्र উপদেশাবলীপূর্ণ গাঁডিগ্রয়। সাম্ভ বেথাপড়া জানা লোকেও এই ভজনবাজ্যের গাতিসমূতের ছারা অনর্থনিবৃত্তি ও ভগবংশেশা লাভ করিবার ছবিতা পাইবেন ৷ সহ भरकत्रप, डिका '-० भाना मोख ।

### শরণাগতি

শ্রীনছ জিবিনেদ সার্ব-রচিত। ভগবানে আত্মসমর্পণ, বিজ্ঞপ্তি, ভগ্নবাল্যা, হছ্বিধা শর্ণাগতি ও দিন্ধি-লাল্যা বিষয়ক গাঁডিপুণ, ভিজাত আনা মাত্র।

### भे डानकी

শ্রীসাকুর ভক্তিবিনেদে-প্রগত - নিত্য ভঙ্কন, স্নারাত্রিক ও প্রায়ান-দোৰনাদি-বিষয়ক মধুব গ হসমূহ একত্তে প্রতিত। िका /• जाना बाळ ।

#### শ্রীসভবকরক্রম

রসিকে ক্রমুকু টমোলি জীনবিশ্বনাথ চক্রপতী ঠাকুর-বিরচিত রদগ্রতঃ শুসত্বভিবিনোদ ঠাকুরের অভ্যাদ-সহ। ভিশা। আনা মাঞা

শ্রীমরাহাপ্রভার শিখাও শ্রীল রব্নাপ দাস পোশ্বামীর প্রতি শ্রীরূপ গোস্বামীর উপদেশবাণী, শুক্তিপথের অন্তর্কণ ও প্রতিকৃষ বিষয়ে স্থবিটারিত সন্মোদন ভানা, বিস্থত বিবৃত্তি, চরিতামতের প্রমাণ, সামন ব্যাথ্যা ও মহাজম-প্রণীত ভদ্পয়েগী গাঁডমম্চ প্রভাক সোকের স্ভিত স্ত্রিবেশিত হট্মাতে। ৩য় সংস্করণ ভিশ্ব। 🗸 আনা।

#### সাধন-কণ

শ্বীবসুনাথ দাস পোসামীর মনঃশিক্ষা, শ্রীব ঠাকুর ভক্তিবিনোদ-চরিত প্যামুবাদ্যহ। ভিকা / • আনা।

### প্রেমভব্তিচ ব্রিকা

🕮ল ঠাকুর নরোভ্রমের প্রপ্রাসদ্ধ প্রেমভক্তিবিধয়ক গানের পুত্র। ভিকা / আনা মার।

### নবদী পশভক

শ্রীল ঠাকুর ভিভিবিনোদ-রচিত শ্রীল প্রবোধানন ভিক: 🗸 । সানা মাত্র।

#### অর্থপঞ্চক

শ্রীল লোকাচাণ্য রচিত। বৈক্ষবতা-জ্ঞানের আকর পুস্তক। ভিফা৴৽ মানা মাজ।

### সদাচারস্থতি

🕮 ল মধ্বচোৰ্যা-প্ৰণীভ। বৈক্ষবের নিভাক আঁদি সদাচারা বলী, বঙ্গামুবাৰ স্থিত। জিকা / • আনা মাত্র।

### মণিম্ভরী

ক্বিকুলকেশরী শ্রীমরারায়ণাচাগ্য রভিত। শ্রীম্মুদ্র চাথ্যের সংক্রিপ্ত ভীবনলীলা ও মূল বৈক্ষরদক্ষমত। সাঞ্ধাদ ভিকা। ভালা মাল।

### গৌরককে।দর

প্রাচীন কবি ত্রীগোবিদ্দ দেব প্রাণীত ক্রীগোরাবাচারের প্রমাণাবলা সংবাণ্ড সংস্কৃত ১৪। ভিকাধ প্রামা।

### যুক্তিমল্লিক। ( জুণসৌরভ ;

শ্রীমধ্বদশ্রদায়ারপত শ্রীমধাদিরাত সামিকত। বঞ্চাকরে নামবাদ এই অন্তের প্রকাশ পারমাণিক নাহিত্য-ছপতে धरे भवत्थागम । क्षेत्रमाध्याठामा करेट (बाफ्नामक्षम किलोग মধ্বাচাৰ্য্য নামে খ্যাভ জীবাদিরামতীৰ্থ সামী এই গ্রন্থে সাধারণ যুক্তি ও গৌকিক স্থায়াম্বদারে কিরূপ স্থানরভাবে ভিক্তিবিরোধি-মতবাদ সমূচ খণ্ডন করিয়াছে, ভাচা পাঠ कतिएक कतिएक व्याभिगाबिक इनेएक स्यू। नेहाएक गुक्ति षात्रा ठाकाक, देवन, त्रांध, मीमाश्यक ও माधावाधियक-नमूरकत जन्मत भावन तकियारक। जिल्हा २, हाका माळ।

### रगायामी औल त्रश्नाथ पात्र

(ও বিষ্ণুপাৰ শ্ৰীৰ ভতিদিকাত্ব গুৰুতী গোৰামী প্রভূপান-লিখিত ভূমিকা সহ) খোরপ্রের শ্বরপ-রূপের এক্ষাত্র প্রিয়ত্তম ত্রীল দাস গোসামী প্রভুর অপুর চরিভাইত ও শিক্ষা অভীব প্রোপ্তল ও সরল ভাষার সরিবিত্ত ध्यः পরিশিষ্টে দাসগোঝামী আত্র বিরচিত কঙেটা সায়বাদ মধুরতম তব ও মস:শিক্ষা-সম্বশিক। ভিক্ষা विषये ४० माना, सावाशाहे ।</ जाना प्राप्त ।

# চিত্রে নবদাপ

প্ৰাচীন নবৰীপের অবভিডি, তৰা, ঐতিহ্ন, প্ৰোপ্ত ও ঐতিহাসিক প্রমাণসম্বলিত নয়টা শীপের স্চিত্র বিবর্ণ-গ্রন্থ। রাজ্যি রাওসাচের কুমার জীবৃক্ত শর্দিশু নারারণ तात्र ध्या, ल. व्योक (गारहात्र), 'द्यवाखकृतन मरहावत्र कर्डक সঙ্গলিত এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন বর্ণের অপুথা চিত্র ভ মানচিত্র-সমন্বিত; প্রাচ্যবিস্থামহার্থব রাম সাচেব 💐 কু নগেন্দ্ৰ নাথ বস্তু বিশ্বকোষসম্পাধক মহাশ্যেন্ন বিশ্বত ভূমিকা সহ। উৎক্ট ( ইং ) মরজো বাগাই মূল্য ১৯০, ভিঃ পিঃ তে २ ् ठाक माज।

### गावक-कर्श्याला

धरुवभना, रेनकव-वसना, रेवकवनत्रव, मानारमञ्जू श्रीक, क्रीनामवर्षे. क्रीममावाक्ष्य चारहेष्ट्रतमक नाम.' क्रहेक्शवत नामकीर्त्तन, धीनामनहीकन, दश्रमध्यनि, 'बाखेननहील, नवतील-महिमा, श्रीमामाश्व महिमा, श्रीनद्वालय-व्यक्त पाहेक আচাণ্য-বন্দনা, বড়্গোস্তামীর পাইক, প্রেমভক্তিভঞ্জিকা, উপদেশমালা, নামভন্দন-প্রণালী, মহাপ্রভু 🧕 রার স্থামানদ गरवाप, समाभिका, जी खक्खवाडि, जी खब-श्रवालावा, মহাপ্রানুর বন্দনা প্রস্কৃতি দাগক ও দিছভীবনের নিতাপাঠা, रेवफवनारनत क्लां लिख कुनगीयानात साम्र अस्थान कर्त्र भावनाता अश्वत अह । किका 1000. दामाहे 10 माला ।

### গোড়ীয়-গোরব

কলিকভার স্থপ্রাধ্য আগবাট হলে গৌড়ীর সম্পাধক ञ्चिलान क्लाबानक পরবিদ্যাবিনোদ-গ্রেমন্ত বঞ্জার বিংগ अयकारत क्षकानिए। देशाट आंजीय देवक्षयम्बाहारस्य ইতিহাস প্রাকারে প্রথিত হটয়তে। জিকা 🕪 মাতে।

### গোড়ায় সাহিত্য

কলিকাভার ভ্রপ্রাসন্ধ আলবার্ট চলে গোড়ীর-স্মাদ স শ্রীপাদ ফলরানন পরাব্যাবিনোদপ্রান্ন প্রদান বন্ধানার বিং এত্বকারে প্রকাশিত। ইতাতে সাহিত্য-শঙ্গের অর্থ এব পোড়ীয়-সাভিত্যের বিধর স্থাকারে ধর্ণিত হুইয়াছে। ভিগা । ত আনা মার।

### শ্রীগোড়মওল পরিক্রমা-দর্পন

শ্রীগ্রেলনের বে সকল স্বাচন সপরিকর শ্রীনন্মহাঞ্র-(दवः उम्प्रेश शवन की महास्मनशन नीवा कविषा शिवादक... সেই সৰ আধুনিক ভোগোলিক পরিচয় ও দেববিগ্রহাদিং পরিচয় সহ যাভাষাভের স্থাবিনা নির্কেশ ইত্যাদি বিষয় ভার ग्रितिनिष्ठ बार्छ। किका । बाना।

### THE HARMONIST

### OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীল ঠাকুর ভার্কিবিনোদ-প্রতিষ্ঠিত এবং শ্রীল ভঞ্জি निकाश्चनत्रवाठी शावामी धानुनाम-मन्नामिक नाममानिक मानिक श्रा । अकरण देखांकी कामात्र आहे निः न वर्ण ভবলক্রাউন ৮ পেজী ৪ ফর্মা আকারে প্রতি বাবে হরি-नाम्बत विकात-विकासी नहेता उपश्विक अकेट्टर्डन कानक, मृत्रन-शाविशाष्ट्री ও চিত্রাদি মঠাব চিত্তাক্বক। धेरे क्षकात्र छे९ब्रहे कावक भात दकान मानिक भवाबिए! प्रिक्ति शहरवन मा। वाविक खिका **डाक्सां छांगर** ५ টাকা মাতা।

### প্রাভিন্থান-

बैटिज्ज्यमर्थ, त्याः ख्रीमाशायत मनीवा

# বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভক্তিমঠসমূহ

बीटिक्का घर

### আৰুর মটিয়াত

ब्राष्ट्रीत नवदीन, काक्यत ख्रीयाम मात्रान्य, नमीता

श्रिकारमानकि करेल बाह ००० नक केवन-लाम श्रीक्रम नवान माहागावक श्रीक्रम-त्वयव-क्षरम खेलिटेहरूक-मठ विदाधमान ।

এই স্থান সাক্ষত-ভীৰ্থ, প্রবিদ্ধাণীঠ বা সাত্ত ভল্পত্ত । এর মধানীৰে প্রথিতি-अधिष्युक्त वर्ष करणामि-(वमाणगञ्ज, शश्चनिश्वात व्यवर्ग क कारा, आहे क, वाशवात, कवा बायाय-विग्नियय-विका-कृत-क्षणान-ठक्तेरध्य व्यवाधन । च वामाम्मः छ्याः क्रमान् লৌরাজ-পান্ধার্থ গা-পিতিবর । ও সাম্বত সাপ্রারাধি ০- আচার্যা-চতুঃর ভারাদের উপাত্ত विकारकत गाँवक विका (प्रतिक वर्गाकान । अवे महत्राह्म भारमानिक विविक्तिक माचक-मक्काराध्यत का श्राकाण के के केशांकील की बताबि की की तिक्र के स्वाप्त के कि स्वाप्त के कि स्वाप्त के कि स्वाप्त অভিবংসর এধাম-পথিক্রমাপ্তরান ও মগণিত ভক্তগোর্টিনত कीर्श्वम क्राइम्हरू महामार्कारमवाणि ककाम क्राइक व्हाइ नाटक । क्ष्मक---व्यक्तारी बच्छात्री कावाशांकत्रमधीर्व, दीनाम बीइडल बच्छात्री, दीनाम नकत्मानान अच्छात्री. क्षेत्रप्रम अवहर्षती, क्षेत्रप्रमध्यायां जन्महाती, कक नदरक्ष, क्षियम, द्वय हीत्याक्न অমুপ সঞ্জনগণ !

আবিভিন্তামী জীঘছজি প্রদীপ তীর্থ মধারাজ এবানে ধরিকণা কীর্ত্তন করিছেছেন। একাচারী প্রভৃতি।

(৩) যোগপীঠ শীমন্দির

এই স্থান জীক্ষণরাপমিলের ভবন বা মীমবালাপ্সভূত্ব, আনিপ্তাৰ-ভূমি মলাবোল-भीत्र । क्यादन जैमक्योशिया । श्रीविक-िक्षशंत्रक क्रीटशोधनात्रायुण अवर क्रीटेड खना श्रीवाक्षका निका त्रवा छवा श्रीनक-ডব্বের সেবা বস্তমান। বক্তক---গোক-মাথান্তর ব্যোক্ষানী ভট্টাচার। প্রাভূ জীরমা-साथ। प्रकारी खिलिकानिय उपराशी, **श्रीवाधावित्याम कश्चिम्छवन, श्रीवाधावित्याम उप्प-**हाती। विमाननमाम व्यक्तिकादी, स्मनवद्या द्योगावन्यम् ।

#### ( g ) 최বাস-অবস

শ্রীম্মাণারাভ্র কীপ্তন-নিশাস বা किरमोधनीनाव बागकनी । अभारन ट्यांजीरगोब-सिक्शामक अभागात्वा त्रवा वर्षभागः। 

#### (८) छाटेचळ-करन

करे कारन की मरेबल शक्र करन वारर (SE) 25111 |

कर्माकुनमाम, वादाकी ।

### (७)काषोत्र मनावि भ हे

द्याठीन मावालक, वामनलकुर (मधीका) **किलोक्स्मलालाक क्रिकेंग्रहाकीय प्रशासित्त** 

### ( १ ) चांत्रक ख्वा-कृष

विशासक, प्रज्ञानंत्र ( नवीशा ) बंबाल बेविक्शाम क्रिन क्रकिनिस्नामठाकृत्वन Ruife det Denigentian ant Balut-शावद्वत दमका वक्षमान

क्षण-- किंकु क्षेत्र कालाव अवहाती क्ष्म का कियी जन, जन, जम ।

### 🎍 (৮ 🕮 জগৰাথ গৌ ভীৰ মঠ **गरमन्त्रिरण** ।

রক্ষ ক--- শ্রীবছবর ভবিলাপ্রী এম, এ. वि. এन, मध्याती—- **बैडेड**ामाम क्रक-माजी, खैंडेक्कम पांचनाती श्रक्ति।

### (>) बिद्यांत्र-श्रमायत्र-मर्ठ

টাপা•াটী, সমুজগড়, (বছমান) 🗐 ল বাণীলাথের প্রভিষ্কিত লোকসদাগর-: ्त्रया । प्रकर-जिल्लाकाम अन्नहारी, करू निभागत वाम ।

্ ১ • একপংগাজীয়-মঠ बादाशक, आबाश कड़े, जि रक्ष क---- 🕮 व्हिलाम अव्यागती. महकाती---ই।মর্কেশর এক্ষণারী।

### ( ১১ ) औद्यापक्रमञ्ज --

भाक्षेत्राक्ति, सालगढ, नश्चमान। 🕮 वामिव करत है। कुछ वृत्ता वस्त व साम । वक्त-- निक्विगारी ब्रष्टवारी, कक् भी अस्याल ।

### ( )२ ) कांभवक कांमब

🕮 ভাগবন্ধ প্রোদ, ক্লমন্ত্রর, নদীয়া। कामन श्रीकास श्रामणीय व्यक्तात-त्कता वक्ष क----श्रीकृषानम् अस्तारी कविमात्री

### ( ५० ) ख्रीबकासन मर्ठ

(गातिकान् ६, देशवाली, समीका । बक्ष 🏎 🗃 भक्षालक बक्काबी । महकारी একক-একচারী অবিনোদাবভারী। প্রি-চলিং ওলচারী, প্রীকণগৌঃ দাণাধিকারী, প্রীপরেশাল্পত একচারী, প্রীবাদবানন্দ डी महत्ताल लाखा, जक विश्वनाथ

### ( ১৪ ) बीमाश्व (गोड़ी व वर्ड

৯०नः व्यायश्व द्याख्, हाणाः পুক্ষ বলের প্রচার-কেন্দ্র, এবানে প্রীক্ষক-्रशीकाक नाक्ष्मेया-शिविभटतन दभवा वस्त्रमान । क्ष्म क -- जीता भारत छ अभवागी. **Ontr** श्रिष्मश्रामना नव्यविष्ठःशिरनाम वि- व, 🛢 आन-

# (২) ব্রীগোডীর মস

১६ मः कालिकामा ठळनकी हैति, लां: भाषवाकाव, कांककाठा । किंगरकान 14. वि. 8>>6

হীমধাচা সভৱ প্রচায়িত স্থানিশ্রণ ভিডিশ্র-প্রচায়েচ্ছেলে গোড্রেল্যের সভাপ্রধান নগ্রী ক্রিকাভার ঐভিক্রিবিলার আসনে তীয়ত প্রতিষ্ঠিত আছেন। এট জন্তু-গঞ্জাবামে 🖺 ৪৮-বেদাগাল-শ্ৰীবিদ্যোদানক জীউ সপাবলৈ নিত। গোৰত জন । পৌতীয় আচাবা-বর্গের বাবজীয় প্রস্তাবলীও প্রপ্রচারোজেশে ত্রমতে সংলয় একটা ভরুতং স্বস্তা-নম্ভাগর সংস্থাতিত ভট্ডাভেন। পৃথিবীর সক্ষাত্র 🕮বোধনাম লাচারাল এচ হল্লালয় व्हेटल '(शो केश' अ.सा क्या पता, कि कड़ अभिने अभिक अधिक अधिक व्यवस्था कार्याक নিছমিতভাবে প্রকাশিত কটভেডেন। শ্রীমঠে পাঠ, সহাত্তান-৮৯৪র-বেলাছ, আমিত্রাগণত, প্রীতি ভক্ত-চরিভাষ্টালি-লীলা ও ভত্তপ্রস্তের সমাক সালোচনা তট্ত থাকে। মঠএকক--আচার।ত্রিক শ্রীপাদ কুমবিলারী বিভাত্বণ। সহকারী--পাত্তিভ टीभार चरुकाष्ट्रस्य भद्धकान्नम वि-०. जीभाष प्राप्तिकादी उद्यादी. जीभाष অগচ্ছারণ দাসাবিকারী বি-এ. প্রীপাদ করগোপাল দাসাধিকারী, ব্রহ্মচারী चीकीकनामक, अक्षात्री जीनाशीरवाबन, अक्षाती जीमगनक, गांकर जीनाह नवीमकृष পর জিলাবছার সভালাধবৈ ভবাচারা, জীলবরজনেল:সাধিকারী বি-এ, জীভববধন ছিল্. वकाती विन्यम, श्रीबद्दमय छात्रकारिय, श्रीविष्ठत बन्दानी, श्रीविष्ठत विभाग

शोद बक्कांकी, खैननश्लीकाक बक्कांकी, 🖣প্ৰিতপাধন ক্ষা

### ( ১৫ ) औरगाभानकी मर्ठ

क्रमणाश्रुत, हाका। গোপাণকীর জীবিত্রতের আচীন দেবা रक्क---- श्रीमाभवागन अवकादी।

(১৬) ख्रिभषाचे-८भाराम मर्ठ विकिष्ण श्रदाविनी मछा, वालिबाहि हाका

🕮 गमा हे-(भोतारम र निष्ठा स्मरा १क - छीपूर्व अक अक्षाती. धीम किनान এক্ষণারী

### (১৭: এতাগৰতভ্ৰান্ত নঠ

**किक्मिश, वाक्यस्वलुब, य्योगनी लुत!** खनात विश्वन-त्रीताण-गास्तिका-গিৰিবাহীৰ নিভাবেৰা বস্তমান। বক্ষত-अववाती क्षेत्रज्ञानवात्रश्री।

(১৮) चामनार्याका व्यनचात्रम

बामदीय द्यार वस्त्राम ।

खी सक्रात्रांशास-स्वित्राह सिका !गविधाती त विভारत्या। अवस्—वस्याती और्वत-कित्नाव !

### (১৯) अनुस्रवासम् मर्ठ

पर्वश्व, पृथी, डेफ्बा। बबात जीतोत-विकासभावकोत निका-সেবা ব্রহান। ১৯৯ - এখনারী প্রীপর্যা-नम विशासक, अक्षाती डीअमीमामक, बष्ठात्री, ७७ जैनियारे ।

(२०) जिल्लान-ट्योकीय गठ

चानवस्थान, अक्तिक (मा:, मुड़ी । चन्द्राप्रकर्वक चनकात्र सम्रद्ध क्रीमनानः ्षश्चान । १७५-- उपाधारी विषयध्यवहीः क्यारको । यहकामी--अषाहादी अविभिन्नविद्याती ।

### (.) अगिकियानम्य सर्वे डेंडिवान:काद कहेंच ;

धवादन <u>ज</u>ोशक-त्याबाक-विद्वासत्रमन-र्क क [निकारमना नसमान। नसम्बद्धाः

अक्कारी जीनगर स्थीदाम्यम क्यांत्री (২২) শ্রীসনভেন-গৌভার মঠ अन्द अश्रक्षावन पूर्वा, कान्य ।

(शोब-नमाक्ष्यक नमाकन-निकास्त्र)

এখানে গোর্গেনা ব্রমান। ব্রক্ত---खीबानकोनावको. खोशकानन उक्तामी।

(२७) ङ्किकटेह्डब्र वड প্রীনুসিংগদাস কুঞ্জ, প্রৌধাম বুন্ধাবন।

व्यक्तिवाधा-अध-स्थावनच्योद रमवा। রক্ষক --- শ্রীগণভিনাধ ত্রন্মচানী

### (२८) 🗐 পর घरংস মঠ

देवियावना, मोकाभूव

এখানে শীভাগাবত পারশালা 👁 🕮 तो इ-निद्याम विनामकी है दस्या वस्त्रमान । वक्क-ज्याहारी विनांगःशासम् । इक्षातारी ओनम्बन्धनाम् ।

### (२०) औरेष्ठक्यदशीकी समय

पुन्तक्वा, ठितक्वा, भानक्य। हेश প্রীতৈভক্ত-মড়ের শাখা। বন্ধক—প্রীয়েমান नाम वाव. ब्रीटकनमानम बन्दानी, ब्रोदाम कीश दश्यश्रीतका ।

### (२७) नगमदभोडीस मह

क्रिक्षित, धात्मध्य, क्याम । अमार्य भौत्योववित्याप-शास्त्रव दमवा अस्यानः त्रम ए--- अषाठात्री क्रीलपणनकी, जीननी-लागान बमनामी

### (২৭) প্রাক্ষণপাড়া প্রপল্পাঞ্জন-মত अभिग्याका, त्याः मास्, श्रायका

वाशादन या क्ष्मभूषि जीत्शावादमय स्मना वर्षभाव । वक्षक--- बक्षनामी खी.खानकृष-काम, जीवश्रपकांक अधारकी।

(२৮) पित्र भाषोप्र गठ--व्यवहास्य बन्द (भाषी करन, छ। काब लाग, निके विक्री । त्रक्र-- अधारति भितीयक्रम, भीकृतरंभन्त

भोता शास्त्रमनहत्रनमञ्ज (२৯) ट्याश्रामशास्त्र स्थासास्त्र

दक्क-अवधारी खोबाबार मास्य

### देशिक मधीत्राक्यकान

### বড়লাট ও পণ্ডিড জহরলাল 🦈

পণ্ডিত অহরগাল নেহেরু গভ ১৮ই क्नाहे लाएक निमनाम উপস্থিত হটমা অপরাছ্ল ৪টা ৩০ নিঃ সময় অখারোছণে ব্লাক্সপ্রতিনিধির প্রাাগাদে গমন করেন। সার ফড্লু হোদেন উক্ত প্রাসাদের ছারদেশে তাঁহাকে অভিনন্দিত করিয়া সার কর্জ স্টারের সহিত তাঁহাকে পরিচিত করিয়া দেন।

এসোপিয়েটে ড প্রেসের **न्तर्गाम** প্রকাশ, পড়িতফীর সহিত বড়গাটের ৪০ মিনিট্ৰ কাল আলোচনা প্রাধানত: মধ্যপ্রাদেশে সরকারের দিল্লী চুক্তিভক্ষের বিষয়েই এই আলোচনা। প্রকাশ, কভিলয় প্রস্তাব বিবেচনার্থ উপস্থিত করিতে পারিবেন ननियार পণ্ডিত জহরলাল্ডী লর্ড উইলিংড্ন কর্ডক আহত হইয়াছেন। শীঘ্রই পণ্ডিড্ডীয় পুনরায় বড়লাটের সহিত সাক্ষাৎ হইবার मञ्जातन।।

### ভুরভুরিয়ার ডাকাডির মামলা व्यानामीषद्यत यूक्तिनाठ

পাঠকগণ বোধ হয় অবগত আছেন টাঙ্গাইলের শিক্ষক শ্রীযুত গিরীন্দ্রনাথ দাস ও শীৰ্ত মতিলাল বিশাস ভারতীয় দগুৰিধির ৩৯৫ ধারাজুসারে ভুরভুরিগাচর ডাকাতি মামলা সম্পর্কে গ্রেপ্তার হন। ঐ ডাকাভিতে মেসাশ আর, গিম এও কোম্পানীর ১৫,০০০ টাকা দহারা লুগুন करता अथम (अनीत म)। किरहे हे मिहोत খ্ৰম, কে, আচাৰ্য্য আনামী দিগকে প্ৰমাণ্ড-ভাবে মুক্তি দিয়াছেন।

### পত্নকোটার পরবর্ডি-বিবরণ

প্তকোটার দাসা-চালামার বিস্তৃত विवतरण প্रकाम, गठ २०३ क्लाहे मानात সময় জনভার শোকজন রাজ-সরকারের रेमण, भूमिम ও मामन পরিষদের সদত্ত-**(मत्र उपत्र इंडे भाडेटक्य हू**ड़ियाछिन। সেনাপতি ও পুলিদ কমিশনার ওরতর আহত হইয়াছেন। ভূতপুর্ম দেওয়ান শ্রীণুত গণপতি শাস্ত্রী ঘটনান্থলে আদিয়া সহরবাদীদের অভিযোগের প্রভৌকারের **আখান** দিয়া ভনতাকে শাস্ত করেন। শাসন পরিষদের গুসভাপতি জীগৃত রাঘো-বিয়া ও তাঁহার সহযেগীদিগকে শ্রীযুত শাসী তাহাদের স্ব স্বাটীতে প্রভাইয়।

পছকোটা রাজ্যের শাসন-পরিবদের मर्कार्शिक निक्षे बहेएल ब्रामिस्टिक ত্রেদ সংবাদ পাইয়াজেন যে গভ ৰুগৰালে পুলিন একবার মাত্র গুলী চালাইয়াছিল এবং খলীর ভাগে বারে একজনের মৃত্যু

় যে বিশ্বৃত সংবাদ পাওয়া গিয়াছে, ভাষাতে প্রকাশ, বড়লাটের এজেট কর্ণেল প্রিচার্ড ও পাঞ্জাবী বাহিনী পত্রেটায় আসিয়াছে। এই বাহিনী সরকারী অফিস সমূতে পাথারা দিভেছে। অবস্থা ष्यत्नक कांच (प्रश्नी यहिएक्ट ।

সহরে ১৪৪ ধারার নোটীশ জারি कतिया आरमन ८५७मा इहेम्राट्ड ८४ ६ জন বা ততোদিক লোক একজে বেড়াইছে পরিবে না। দোকান ও ব্যক্তার এখনও

" किन्मू" প্रतिका मःवास मिटकटहर दयः জনতা যথন জেল আজেমণ করে, ভখন ভাহার ধার ভাছিয়া ভিতরে প্রবেশ করে 9 (क्रमांत्रक ब्ला। करत्।

রাজ দরধার ঘোষণা করিয়াছেল যে, ভৌশ্রা অভঃপর কর্বন্ধির মাদেশ শ্রাস্থান : शंत कतिरहाम ।

### क्षार्यानीटक चन पान

পার্রী ২ইতে শুনা য'ইতেতে, জার্মা **गैरक २००,०००,००००० हे**तिहर अन দেওয়াহটবে। সূটেন এবং যুক্ত রাট্র ঋণ निट्ड बाबी इदेशास्त्र । आक श्याहाएड রাজী হন ভাহার প্রস্তাব হইতেছে ৷ ঋণের গ্যাপ্তাণ্টি ছইবে কার্মাণীর কার্চম।

এই ঋণ সহকে কোনও রাজনৈভিক भारतानि म अहा इहेरव ना। ब्रिप्ट वारण एवं र्यक्रभ (मथारना इडग्राट्ड डाइ) छाड़ा अन শস্ত্র প্রভৃতির জন্ম জামাণী বায় করিতে शांतिरवन ना। **श**र्वत **भर**खं ईंडाई थ! किरव। व्याद्वी काम्बाग कार्टम युनियन मन्त्रार्क (कानक मर्छ शांकिरन ना 🖁 **भर**नंत्र ८ननात्र स्थानं क्यानहे स्वस्त क द्विद्वन ।

### চাঁদপুরে কংগ্রোস কন্দ্রীর লে।চনীয় পরিণাস

১७३ क्षाहे आक्ष्म ल है। नभूति একটি লোচনীয় ঘটনা সংঘটিত হইয়াছে। শ্রীপৃক্ত ভারবেশার ভটাচার্য্য নামক ২২ বংগর বয়স্ক একজন কংগ্রোস বেচ্ছাদেবক উৰদ্ধনে আত্মহত্যা করিয়াছে। প্রকাশ, (म गण आहेन कामान जारनागरन ममग्र कानी दक्ष्यक काद्रावद्यन कदिवाहिन। ভাহার আত্মহত্যার কারণ জানিতে পারা याग्र नाहै।

#### **७'डाबारबर काले**ः

'मर्निः (भाष्ट्रे' 'मेजिक्शने मिक्ने क्षेटियन' ভ'ভারার বিধিতেকেন--গান্ধী-আর্কটান हिक नरिक छात्ररण देश्योरक्त व्यक्तिकात । गाँदीना व्यक्तिनपुरः

পট্যাছিল। এফলে অবভা পাত ম্ডিতে । কোনও বাবহা হয় নাই। বিশাতের, কভিপর মুনিয়ন বোর্ড কচুরীপার। ভার যাহাতে পার্লামেন্টের হতে ছত ্রফণশীলদলের<sup>ি</sup> প্রাতিনিবিগণকে ভাষার বাবস্থা করিতে হইছে। সংবক্ষণ-নীতিরচনার ব।পদেশে রুটিশ স্বাংর্থের যাহাতে হানি নাহয়, এ বিষয়ে তাহা-मिश्रदक यञ्चलान हरेटक कहेंद्र ।

> একই সম্যে ভারতে ও ইংগ্রে षिञीय भागरणेविन देवहेक छ . त्राङ्गेशहेम কমিটীর সভাতালিকা প্রকাশিত হটবে। এই বৈস্কে আর কোন্ত অভিরিক্ত ইংরাজ প্রতিনিদি নিয়োগ করা হট্টে কি নাকাণা যায় নাই। ভবে এই প্রান্ত कांना लिग्ररिष्ठ, तकननीय ७ समिकमरणत পক হটটে আরও জইজন হিসাবে खारिनिमि निर्माण करा कडेरन । **खा**तना এ সম্বন্ধে **কোনও** সরকারী গংবাদ প্রকাশিত হয় নাই।

### পাটের বাজারের পরিণাম

মুক্ষীণ্ড মহকুমা একটি পাটের প্রাবান জন্মকেলঃ কিন্তু পাটের দাম অভ্যন্ত ङ्गान भी उग्राम एको इंक्स्माधानन विस्त বিপাদে পদ্ধিরাছে ৷ চাষিগণ কমিদার ও মহাজনদিগকে টাকা প্রদান করিছে भारत मा जन्द मुक्त ८ अनेत उभाक है। उहे দারুণ আর্লিক ভরবস্থার হুল্য বিশেষভাবে পীড়িত হইয়া পড়িয়াছে। অংশিক শুদেও होका <del>शास्त्रा गाँहर७८७ ना। । ३३</del> वरमञ् মণ প্রতি ০ টাকারও কম দামে পাট বিক্ৰী হউতেছে। কিন্তু ইহা উৎপন্ন ধরচারও কম। অভাজ শত্তের ক্ষরভাও ভাল নছে। নিম্ন জমিতে হঠাং জল উঠার জন্ম শক্ত নত হুইয়া যায়। উচ্চ ভূমিতে এখনও শশু কাটা আরম্ভ হয় नाष्ट्रे ध्वर ध्व द्यापीत्र कीं हे भारतेत পত্রসমুগ্র সেবন করিয়া নষ্ট করিয়া ফেলিডেছে। কচুরিপানার অভা দাত্তও नष्टे रुद्देश याबेटास्टर्हा न डर्ग रमन्छे কর্ত্তক পাটের ভবিষাৎ অবস্থা প্রচারিত কইলৈও পাটের ৰাজার শীঘ্র চড়িবে না।

गर्मुमात्र नर्गाक नातःन व्यर्थक्टे উপস্থিত হইমাছে। মৃশীগঞ্জের মহকুমা ঁযুক্ত 🖛, মৈঞ্জেল লডিক অবস্থা প্রভাক করিবার জন্ত নহতুনার স্কৃতি ঘুরিয়া বেড়াইডেংছন। অভাব্ধি ভি'ন ছাৰ্জক শীড়িডগণকে ২ সহস্ৰ क्रोका माणवा व्यक्ताम कश्चिमाद्वम जनः ৮ द्याप होना द्वित्यन ख्यान स्तिता-ছেল। সহসুষা হাকিষের ভর্যবধানে শেশা रहेपाद्यः।

কোনত দায়িছজানসম্পন্ন লোক **এ চুক্তি ৷ পরিকার করিবার অভ প্রত্যেককে প্র**ভাষ ममर्थन कतिरवन मा। ভातराज्य बाग्र न्छन । बामा श्रामान कतिराज्य । कि विश्व विश्व व শাসনতন্ত্র রচিত হটবে, এই রচনার সম্পূর্ণ পর বিল বেরপ ছরবস্থা বাঞ্চিরা চলিয়াছে **डाहारक ब्रहे नक्य माहाया त्यारहेहे बर्वहे** 

> **अक्रभटतत्र कोवल मानूय उपत्रम**ः Cक्ष्मू न थांकेरन्त्र मरवारम क्षाकाम, caमार्ग क्षम (काष्मानीत मान् ब्राधक मार्डिक বেং শিকার করিতে বাইয়া এক আঞ্লার नारशत्र केन्त्रप रहेशारक्त । कांश्राप्त अ कन नको डांशएड पुक्तिएड पुक्रिएड एक কামগার তাঁহার লুকী ও জুতা দেখিতে नान. भात्र छाहातर निकटि एकछ। दिश्र हे चन्नाभत्रक भक्ति। शांकित्व (वर्षमा তাহারা গুলী করিয়া সাপটাকে মারিয়া ফেলিয়া পাটনের হাসপাভালে আনেল। ७वाय मानहाटक काहिटल (५वा याह, উলিখিড মিং মাংচিট থেংকে সাপটা গিলিয়া শেলিয়াছিল। শে ভারার পারে দিক হইতেই প্রথমে গিলিছে অবিভ করে ভালার দেহের হাড়গুলা । সুব চুরমার ছইবা গিরাছে।

### ''গ।क्रीजी আপোধে সশ্বভ''

'নিউন জানকেগ' পজের ভুতপুর্না मरशामभाष्ट्रा विद्यात त्रवाष्ट्री सार्यमः 'क्यान प्रम् ८ त्थम निष्ठेट \* त्र' मश्वः मनान्तरक বলিয়াছেন: - 'ভারতে বিগাড়ী বাণি-জ্যের বিষয় ভাটেলে বুঝিতে পারা যায় যে ভারতে স্বায়ন্ত্রশাসন প্রেডিটা করা ध्रकाञ्च व्याद्यांक्रन इंदेश क्रिशिष्ट । ভণে আমরা কভকগুলি সংরক্ষণ স্থাবিধা দার্ব করিব। গান্ধীনীও ইহার প্রয়ো-গ্নীয়তা উপলব্ধি করিয়াকেন, ভাষতের স্বার্থরকা চেডু ভিনি করেকটা সংব্রহ্ণণ হ্যবিধা মানিয়া শইতে প্রস্তুত আছেন। व्यामात्र महम इत शाकीको गछन व्यागिरम हे: एतक कनमानात्रम युविएड भारित्य (य. िनि **भारभारव भगषा** नरस्म ।"

### वजीय ब्याटनिक स्किन्यमा अध्यक्त কাশিমবাজার-মহারাজা সভাপতি

বলীয় প্রাদেশিক হিন্দুগভার ৩৪ यार्थिक व्यक्तित्रभएमत्र निर्वाहिक ग्रकाशिक कालियवाचारत्रत्र महात्राका वाहाह्य मनिवात व्याएक ३० है। २० मिनिएहेन ममन मारहात्र क्यांत्यम त्यांत्य वर्षमाम याजा कतिर्वत । डाकात्र वि. धम, मूर्यः क्रीपुष्ठ दय, दरम, दरम, फाइनाम कार्याकूनय मुर्याभागात व्यक्तिक केक द्वीरन याजा **क्षित्वन**।

神人及了七年7年 化甲基 明治中心 यापिक अ नामानिक है. देशमानिक २०० নাসিক 🌭 व्यक्ति मस्या 🛵 🕻

ভারতের লব্দতি বছল-প্রচার-- দীয়া জেলার এক মাত মুখপত্র

क्षेत्र वक

সম্পাদক—শ্রীভাতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় 🐇

়ম্বাচম্পতি

[১১৯ তমদংখ্যা

**এটিচ ও ক্লাফ্র ক্রিধাম সায়াপুর---৬ই প্রোবণ বুগবার, ১৩:৮, ২২লে জুলাই ১৯৩১** 

### নানা কথা বেথুয়াছহয়ীতে শাতিপূর্ণ जिंद स्वादिः

প্রকাশ ৩ মাস চইকে ''পভা-বভী मध्यात्र भाषा ८५५,३% मही-मणन व्यक्ति ঠানের কলীরা খানীয় মদ পাঁজা: দোকানে শান্তিপুর্ণ পিংেটং চালাইছে-ভেন। ভাহা ছাড়া শেপাডালা, রাট্টা भाषा हाटें निलाको काभएकत स्नाकारन निरक्षिः छनिरटर्छ ; करन, अम, श्रीक ও বিলাডী কাপড় বিক্রয় একরণ বর रुदेया शिक्षाट्यः।

### বিরাট জনসভা

মাকাশী পাড়া ও ক:শীগল পান কংলোগ কমিটীর কন্মী ও মহিলা কন্মীদের উভোগে গভ ৯ই स्नाई भनानीभाष्मा 🗃 বুক তাল্লাদচক্র বিখাস মহালয়ের সভাপতিমে ও ১•ই স্থাটু রাঃাননং 🖏 যুক্ত ছমিক্লদিন বিশাস সহাপয়ে: ষ্ট্রাপতিত্বে ২টা মহতী সভার অধিবেশঃ হয়। প্রকাশ, প্রোতে সভার প্রায় বা शंकात अक्षेक मगरवल रहेशाहिरणन আমশ্ব বছকিদের কর্মদক্ষতার প্লাশী পাড়ার একটি চরকা-সভ্য স্থাপিত চইরাছে। স্বাধাসগরে ১০০ শত **জ**ন বেজানে বক প্রেণীভক্ত কটরাভেন।

### **ৰহিলাভমিতি**

া 'সভাইতী' গলের নারীক্ষী এবুক विमना (नवी क अध्यक्ता नाविकी (नवी **উভো**গে প্ৰাশীপাড়া, গো**নী**কাৰ্য

# বিরাট জনসভা

বেপূল্ডহরীতে শান্তিপূর্ণ স্বেক্টাং

# নহিলা সমিত

মোটর চাপায় ২ জন নিহত ১৭ জন আহত

# দারোগার অর্থদণ্ড

ভূমিকম্পে দুইটী গীৰ্জ। ভূমিশং

# ৬৮ দিন অনশ্ৰে

একাধিক্রমে ২৯ দিন ব্যাপিয়া নর্ত্তন

# ইন্দোরে ধর্মঘট

রাজমঙে জ্রীতে ক্ষেচ্ছাসেবকদিগের লাঞ্ছন

ও রাধানগর আম লইয়া একটা মহিলা ভূমিকল্প হইলা গিরাছে। ইংগতে এক সমিতি গঠিত হইয়াছে। প্রায় ১৫০ কন নিহত এবং বছলোক আলভ জন মহিলা উক্ত শ্মিতির সভাা হট্যা- ুইইয়াছে শিংকীসটি হল, ছইটা গীক্ষা এবং ছেন। প্ৰকাশ উক্ত সমিতি কণ্ডুক অ কে ৰাড়ী ভূমিসাং হইয়াছে। পদাশীপাড়ায় একটা জাডীয় মহিলা সুল ত্বাপিত হইবে।

ভূমিকম্পের পুর্নে প্রচণ্ড শব্দ শোলা গিয়াছিল

### 🌣 क्ष्मिक स्थ्ये क्ष्मिक क्ष्मित्रा क्ष्मित्रार

निष्ठ देवटक्त मध्यादम खकाम.हेटकाः

বরের অন্তর্থত লা তোয়াম্পো নামক স্থানে সম্ভান্ত ভদ্রলোকের একটা অবিবাহিণা হইয়াছে।

কলা ও ভাগিনেয় বধু আৰু ২ মাদের উণ্য নিক্ষিট। **মেবেটার বর্গ ১৫**।১৬ শংসুর এবং বধ্টির **শন্ত্র ২০)২১ বংসর** হটবে। খুব সম্ভৰ কণ্ডকাভলি ছুই अङ्गाज्य त्यां के विश्व के विश्व विश्व के विश्व के अध्या ফুলোইয়া বাহির করি**রা শইমা বিষাচে**। পুলিলে ব্ৰুসেধ্য়ে সংৰাশ **অস্তে হইয়াছে,** কিন্তু পুলিশ এবাৰ২ **যেতে ফুইটার** ভারীয় করিতে সক্ষ হয় নাই।"

### এক शिक्ष एम २**> क्रिम न्यानिका** মর্ভন

ক্ষান্ত নাহইয়াকে ক্ত বিন ক্ৰমাণ্ড নতা করিতে পা**রে, ভাষা দেশাইকা**র ণ্ড ক্রান্সে প্রতি**বোগীড়া হইভেছে**। একজন যুক্ত এ**বং একজন যুবতী বি**লিভ ६३ हा. अक माम नुडा **कतिएक्ट्स**ः अक्रम চারিটা দল এবং পোলাওেম অধিৰাসী এক ব্যক্তি একাকী বিগত ২৯ দিন ধরিয়া জনাগত নৃত্য দেখাই**তেছে। এতি** ঘণ্টায উচ্চারা ১০ মিনিট ক্ষিয়া বিশ্রাম केवय-**गळाचि मटण मह**रा কয়েকখন ডা**ক্তার অই নৃত্যবিদা**সীদেব ভৰাবধান ক**রিভেছেন।** এখন নাকি ইহারা একটু ক্লান্তি বোধ করিণ্ডেছেন।

### विभवर्षघट्टेन कामका

বাদাণোর হইতে গ্রহণ যে বিনি মিলের কভিপর শ্রমিককৈ ভাভা এদান করিতে অবীকার করার অধিকাংশ এমিক मिल कर्नुत्रकत्र आहत्रत्वत्र लाज्यान কাৰ্য্য কৰিতে **অধীকান্ত করে।** আক্রিক গাইগাদার অনৈক বৈভ কাতীঃ সমটের জন্ত প্রস্থাহনী এত ব্রাখা

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইন্ফিটিউট" নামে

# উष्ठ देश्दर्भी विष्णालय

### (थाना इरेड़ाट्ड।

অভিজ্ঞ ও আদেশচরিত্র, শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে। অতি, মান্তের সচিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেল। বিদেশী চাত্রগণের জন্য বিনা ব্যয়ে সুন্দর বাসখানের বন্দোবস্ত হংহাছে। খান অতীব সাধ্য কর।

> সনিস্তার সংবাদের কয় নির্নান্তিত ঠিকনো পত্র নিখুন। সেক্টেডিটিউট্-বিনোদ ইন্টিটিউট্-

> > लीर**७७ शम्म, १९१३ ही माया श्रुत, असी**शा।

### —৫১ বংসারে প্রাত্তিত

উম্পাল্থে এম্বান বটাকা

ছাণা জ্ঞান্ধন, স্থান্ধ, কেটিকাটন, অখান, সাম্ভাগ প্রভাগ প্রভ ক্ষেত্রালীর লোগ নির্মিষ ইট্যাড়ে ভাগ প্রকাশ কার্যে বিভাগ প্রক ক্ষাড়া

### हेडा

সক্ষা ক্রুড়ে ব্রকার চলে প্সমান ফল প্রেরান করিয়া থাকে। প্রতি কৌউায় তহটী বটীকা খাকে।

#### কেবলমাত্র

প্ৰক্ৰিনিৰ মূল। ১০ কক টাকা। ইবাৰ নাম **'আৰ্ছ্যনিত্যৰ** ব্

অরাজ উন্দের ডা সকার জন্ম পত্র শিবিধেন্ট্র প্রের্জন জ্ঞাপ্তিয়াল:—ত্যাত ক্ষালিপ্তাই ভিন্নপ্রাক্ষালিকা ২১৪ নং বহুণাধার বিট্ন, ক্ষিকাক্য ।

কাবরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের

# CALLE STATES

মধ্যপ্রের প্রেষ্য় ক্ষান্ত আঃ শিশিতে ঘণীত্ত অবস্থা ছোচ্চেন্তের গ্রমণরি উষ্ণ ভাকে পাঠান হল, ইলাজে ঔষণের কোন পরিবস্তন করা হয় নাই।, মৃণ্যু প্রিছি শিশি ৪০ আনা, পৃতিট ৮০/০ আনা, এবছেল ১০/০ আনা।

অফ্স-১১নং উল্ডাঙ্গলাড, পোঃ শ্রাম্বাজার, কলিকাতা

# ग्राप्त मुख्द

स्वत्र क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक क्रिक क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक क

# शरेद्धारिन

কা কেষেরদ্ধি রোগ্

ডাঃ এস, এন, খোষ বিশ্বা অন্তে, বানক্ষীবনের গ্যারাটি দিল বৈভাকিক কাণানাতে কোষবু'ছ লোগ আংরোগ্য ক্রিয়া গ্লাকেন।

> डिकाना—; क्रम्म करेन होते, राष्ट्रदाकात्र, कालकाका ।

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

# দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌবর

পান্দ্রক্তির ক্ষপুর্ণ আরোগ্য

নোগাঁও কেপান্ত তে, করেও। ক্ষাব্রিয় ভালের কাচ (মাওয়া এবং আলার)
কাঠাইছে গিছা প্রেমার্গা ক্ষেত্র কা ক্ষাব্যা একানে আগিলে বেন্ত্রী ক্ষেত্র করে কার্য উমন্ত্রের ক্ষাব্যালয় নার্ত্তরী প্রাপ্ত পারিপ্রমিক বিজে কর্তর কার গুলীরে, কোইদেকা প্রচা বহন করিল। চিকিৎসা করা করা। বিজ্ঞাবিক নিশ্ববির করা এক আনার ভাক টিকেট সং নিম্ন ঠিকানার অলুবভূবি

শ্রীক্ষেতীশচন্দ্র উত্তীল, যক্ষা-াচাকৎয়ক, পো: নৈকাঠী, ৰবিশাল। অক্তম,নিম্ন ক্রিনানার গাজাহ করিয়া বিস্তারিত স্থানিস্কে পাছেন।

উষ্টে বামগোপাল দও এম, এ, ক্তমনগর, নদীরা। ইয়াত করিপদ বিশ্ব, ১৯৭, চ্যালিলালেনে ফ্লাট, কাটপোল, কলেকাডা।

এক শইনি পত্রি! সমান লাভুপুর গত হয় মাধ বাবৰ-রাজ বশ্বার ভূগিয়া মৃতপ্রায় চলাহিল, কালকায়ের বিজ্ঞা চিকিৎস্কপ্র ভাগের জীবনের আশা জাল কবিলা শেক্ষপ্রয়েশ্রক জন্ত অলেজ। কারজে হিলেন এই সময় নিয়ন্ত কি শিশ্চক উকিল মনান্তমান মন্তে ২০ বিন চিকিৎসা কার্ম্য ম্লেপ্র আব্দেশ্য করিয়া গ্রাহ্রেন। (সাঃ) শী্র নিজ কিলোর বাম চৌধুরী (কান্দান লাবিরা) হল্পীট্, নিউ বিজিন। জন্মপ্রেশন গেটা ভিলা টিমেন্ট, কালকায়ে। জন্ত

# শ্রীনবদীপ-পঞ্জিকা

গোরাক ৪৪৫

মাজ ১/১০ ভাকটিকেট পাঠ।ইলেই বুকলোরে পাঠাল হয়

ম্যানে**জার-গ্রন্থরিভাগ** শ্রীটে গ্রন্থমই, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়াও

(中平 到下面的时

# গৌড়ীয় প্রিণিটং

ক্সের

এত প্রশংসা ক্রেন

–কারণ–

जगान-गानकोग्र हाशान कार्या----

वाशामित कार्य हि भनुम, ·

বিসাহের নিম্মণ পত্র, কার্ড, বিবাহের পভাই বলুন,

्यात्र त्था सर्वाद्ध श्राह्म श्राह्म श्राह्म स्थापति । स्थापति व्याह्म स्थापति । स्था

আপনার কিছু চাপার কার্য্য থাকিলে নিজান্তকালাল জালাইলেই ব

याहतमा - क्योचिम् द्वितिक क्योक्स्य



सर्छन्य

২৩ বামন গৌরাশ ৪৪৫, ७ই আনেগ বঙ্গান্ধ ১৩৩৮, ২২ জুগাই ইং ১৯৩১ বুগনার

১১৯ जम मः था।

### সাময়িক সংবাদ আলালনাথ প্রসঙ্গ \*

''व्यन्तमृत्य कश्चांथ ना शक्यां पर्यन्त । বিরহেভ্জাণাশনাথ করিলা গমন ॥"

बानगाकात भन खेळाबागरमस्तर पर्नन ना शहित्रा ज्यनमक्याय शती, जीक्षकट शम-अमाजा औडी अकटेहर सरमय औक्रमाबियर আলালনাথ গমন কবিলছিলেন। আজ ভাষারই মনোভাষ্টপ্রচারকরর স্বগদ্ধক 👼মঙ্কি সিঞ্জান্ত সরপতী গোস্বাসী মহাপাঞ क्षावित्रदेश भन्नाभादक्षेत्र निकाश्रमान्त्र कक् महार्ग नृती कहेटड आजाननाथ-विकास ইক্ষা প্রকাশ করিলেন। অমুগত দাসগণ এবং আলালনাথবাসী পাওাগণ এসংখদে वड्डे बानम गाउँ कतिलन।

সকলে গৌরস্থিমা-গরিবাক্তকারী भाषाम दीन अपूर्णान वतात्र व्यक्तित-ভাবে আলালনাথ-বিজয় করিবার কথা विशासना अक्षेत्रकाण इटेट्ड व्याननत्रमार्थ क्रिलोफीश्रानाथरक अञ्चित्रका कताहै।। कथाम अभीताथा-राशीनार्यत्र उवनविद्यानः প্রাথানশীলা মভিনয় করিবেন স্থানিয়া গত २, १८म जाताह ३० हे खुनारे चक्रतात আলালনাথের এপা গুগণ এবং কয়েকটা मस्मित्रमधनीं विमानमः टी क्रम्लोडीय-सायटक कहेरात कड़ भूती जीभूमध्याज्य मध्ये आशिमन कविद्यान। ८मरे तांवि श्रीमार्थ **এ**তিভন্নচিবিভাষ্ট পাঠ, কীৰ্ত্তন ও মহা-मरहारमस्य महीधनिण्डा औरगोत्रनिङ्याः नक्षत्र महात्मद्रा ब्हेम ।

२०८म जाराह्न, ३३वे. ख्लारे, मनिवात्र,

উচ্চিবিবাসৰ দিবসে অতি প্রভাবে মঞ্জা-ন্ত্রিকের পর শ্রীল প্রভূপানের অভ্যায় স্কলে লানাদি সমাপ্ন করি। নিতারভা-সমাপনাতে অসম্ভিত বিমানে লীগৌড়ীন-मांश्रक आरत्राहन कराहेगा " श्री धक्रांगी गाम গান্ধনিকভিবিধারীর ক্য' গানাছে সকলে আলালনাপের উদ্দেশে যাত্রা কবিলেন। সে দ্খা ভাষাধ বর্ণনার বিবয় নতে, বিজ্ঞাপনের धात। वाकिरव लाकारभत विभन्न मरू, दक्वण সেবোমুথচিত্র-নয়নে ভাবিবার ও দেখিবার

সকারে প্রীগোড়ায়সম্প্রদারেক-সংরক্ষক শ্রীরাশসনাতনাভিনাবগ্রহ শ্রীস প্রভূপাদ, উড়িল-পৌর্চাল-ভক্তমিশিত मुद्धी क्ष्ममञ्ज, भटत्र विभारमाभति बीरशीफ़ीयात व्याप त्योष्ट्रीयासा । भन्दार विषयि-कें विन्मज्य धाः वन्यास्य MIRNIG. यह मर्था क (शा-यान (अंशायक इटेश महा-মহোংসবের প্রয়েজনীয় জ্ব্যাদি বহন করিয়া চলিতেছে। জীগোরহরির নামে দিগ্দিগন্ধ প্রকম্পিত করিয়া খ্রীল প্রভূ-शामभतिहाणि इ क्षको खनगरिनी और हाँहा-গোপানাথের শ্রীদন্দিরে প্রবেশ করিলেন। আচায্য প্রাবর সাষ্টাঞ্চে নিজ অভীষ্টদেবকে প্রণাম কবিয়া ভদত্বগত জনগণকে ভদত্ব-সরণের স্থয়োগ দিয়া ধঙ্গাতিগস্ত করিলেন। को छन ६ हेग ।

ভাৰবিভাবিত জীল প্ৰদুপাদ খ্ৰীগোপী-मार्शत मन्त्रित इहेर्ड वाहित इहेश श्रीक्षामात्वत পन्धाः निविकाताहरम भागाननाथ योजा अतिरानन । अक्राम সংকীর্ত্তনমূপে সংকীর্ত্তনশিকককে শইগা অপুর ভাবাবদীতে আবিষ্ট হইগাছিলেন। শ্রীগোরদীলাব ছাবাচিত্র দর্শনে এবং 🕮 শদ

অংগকিক ভাষাবেশে গমন করিতে माशिरमन ।

অপরাত্র দেড় ঘটকার সমগ্র শ্রীগেউগ্রামাণ আলাসনাথে পৌছিলেন। শ্রীল প্রভূপাদের আদেশ লইল প্রামবাসিগ্র প্রীগেড়ীশা-নাথকে গ্রামে লইয়া নবনাবীরুদ্দের দর্শন-সৌভাগ্যের স্বয়োগ প্রদান করিলেন, পরে শ্রীকালবর্ত্তাথের শ্রীমনিবের প্রাক্তণে লট্ট্যা বহুকণ নৃত্যগাঁওাদির পর শ্রিক্সগৌড়ীন-মঠের নবানন্মিত গুলে সিংখাসনোপরি স্থাপন করিলেন। বিহিত কভ্যাদি সমাপনাজে ভক্তগণ খ্রীস প্রঃপাদের খ্রীনরণাডিকে डिलनिड इड्सा 🕮 है डिड इरावा अरव शूसक मनार्थ और्रात्रत्भवात यहातः त्रकः क्रितित्वनः।

সন্ধার আরাত্রিক কাক্তনের পর শ্রীপ প্রস্তুপাদের আদেশক্রমে জিদভিস্বামী তীমন্ ভক্তিবিবেক ভারতী মহারাজ উন্তৈতক্স-চরিতামৃত আদিলীলা ১৭শ পরিচ্ছেদ इहेटछ----

यटभानानसम् देशना महीत्र मन्त्र । চতুৰ্কিণ ভক্তভাব করে আস্থাদন ৷ মাধ্যা রাধাল্যেমরস আঝাদিতে।

রাধা ভাব অদীকরিয়াছে ভাল মডে हेजापि व्यासम्बर्गिठ कतिलन। किছू-! ক্ষণ সকলে নিয়ত্ত থাকার পর শীল প্রাভূ কৈছুক্ষণ ধরিয়া জীমান্দরে জীগৌরবিহিত। পাদ ভাবে গদ্গদ হউনা ব্যাপ্যা আরম্ভ क्तित्वन । मास्त्र, मास्त्र, मधा, वारमना त्राम **জ্ঞিকজন অণেকা মধুররদে এবং সেই** মধুররসে গোপীকুলশিরোমণি রাধারাণীর আহুণতো রাধাগোপীনাপের ভলনের পরাক্টার কথা বলিতে বলিতে

২৭শে আষাচ় .>ই জুলাই রবিবার উশায় উথাক। छन भावछ ६६७। এদিকে মহামগোংসবের আগোজন। বিভিন্ন ভানে क्रणवाता 🗒रभोड् समात्मत मदास्थितक, शृका এवर व्याताक्रिकानि इतेना । यशानभाष কী গুনুর্থে স্ক্রোগর্গোদি হইল। রহ হক বিচিত্র মহাপ্রদাদ দেখনে এবং কীর্ত্তন-आवनकीर्नात्वाम सक्त इक्रेरनन ।

অপরাত্র টোর জীশ আড়পার সগণে क्रियानरत्नाथ वर्षनार्थ क्रीमनिएत করিলেন। জীমন্দিরের পূকারী অস্বাক্ত পাণ্ডা সেবকগণ শ্রীগ প্রভূপাদকে অতি ধয়ে শ্রীমন্দিরের ভিতর শ্রীবিপ্রাহের সম্মূৰে দইয়া গিয়া বছ প্ৰদীপ প্ৰমালিত করি গ চাচু হ'ল শ্রীবিষ্ণুমূটি দর্শন করাইগেন এবং প্রসাদী ভুলদা-চদ্দমদি অপুণ করে-লেন। বিপ্রলম্ভের প্রতিমৃত্তি জ্রীল প্রতুপাদ ভগ্ধানের ঐশ্বয়ন্য সৃত্তিদর্শনে অধিকতর বিপ্রলম্ভে কাতর হইলেন।

শ্রীমন্দির হইতে বাহির হইরা শ্রীন প্রাভূ-शान श्रीमन्तित्व शाक्रां छेशनिष्ठ व्हें जन। পুজারী মালাগ্রাসাদ আনিরা তীহাব গলদেশে অর্পণ করিলেন। জীনদ্ভারতী মহারণজ প্রাপু-আজ্ঞায় শ্রীচৈত্তক্সচরিতমূত ২ইতে শ্রীগোরহরির আলালনাপপ্রসঙ্গতি কীর্তন-মুণে পাঠ করিলেন। ভদনছর সংকীতন व्यात्म इंटेन । उक्तशन देलिः यात्र महामञ्ज কীর্ত্তন করিতে করিতে প্রান্তমগোড়ীয় মঠে প্রভাগমন করিলেন।

সন্ধার পর ছাণচিকে শ্রীগোরনীলা প্রদৰ্শিত হইরাছিল। আলালনাথ, ব্রহ্ম ণিরি এভৃতি আমসমূলের বহু বংনারী

স্থাতের পিডা কৃষ্ণ যে না ভলে বাপ। পিভূজোহা পাডকীর লগা লগা ভাপ।"

পরমানন্দ ব্রক্ষারী প্রভূর মূখে উড়িয়া ভাষায় বিবৃত্তি প্ৰবণে সমৃতিশন্ধ আনন্দ লাভ করিয়াছিলে**ন**।

২৮শে আবাছ, ১০ই জুলাই, সোদবার শ্রীগ প্রভূপানের অভুসমনে সকলেই পুরী **ज्यि**भूकरमा**ख्य गर्ध्व भूनतावर्धमः क**त्रिजा**रह**न ।

### ঞ্জীপুরুবোত্তম মঠের শ্রীমন্দিরের জি তা ছাপন

गङ २४ वामन ८भोजाम ८८८, २मा आवन ১৯৯৮ । जनवात अन्नवाजा निवन শ্রীধান মাধাপুর শ্রীচেডরনঠের পুরীত্ত শাথা **জ্রীপুরুংগান্তম মঠের জ্রীনন্দিরের** ভিত্তি-স্থাপনকাথ্য সপাদিত হইন্নছে। ওবিকু পাদ পরনহংস পরিব্রাক্ষকাচার্যাব্যা অটোজর মিসনের বহুত উদ্দেশ্যের নিমিত হাদ সহায়-শত জীলীমদ্ভকিসিদান্ত সরস্ভী গোস্থামী मरात्राक वह करूनमञ्ज्ञाहात्त्र शिङ्कि কুটীর সন্মুখন্থ ভূমিতে বিরাট সংকীতনমুখে শ্বহত্তে শ্রীমন্দিরের ভিত্তি সংস্থাপন করিয়া-ছেন। এই ভূমি ময়ুরভঞ্জের অধর্মপরায়ণ মহারাজ মহোদলের অর্থাক্তুল্যে সংগৃহীত হইয়াছে।

### क्षांद्रवा मुक्क

ত্ৰীচৈতভাত্মগ ওছতভাত্মণ প্ৰীৰণৱাথ-দেবের রগাধাতা উপলব্দে তিদ্বিশামী क्षीमम् अक्षिविदयम् आध्यक्षी महातासद्य অএণী করিয়া জীক্ষগদ্ধাথদেবের সম্পূর্ণে বিপু**লভাবে সভীর্ত্তন-**নৃত্যাদি করিছা **প্রীঞ**গ-वापरपरवद नरकार विधाम कतिहारकन । এশার নবকলেবর দর্শনের ভক্ত পুরীতে नकाधिक लाहकत्र नमानम इरेग्नाছिन। বহু লোকের শ্রীপুরুষোত্তম মঠে অবস্থান ७ जन्म कीर्डनामित्र खर्याण चित्राहिन।

### औरे हज्ज्ञ मर्टि तथयाजा-छेर नव

শ্রীপাম মারাপুরস্থ আকর মঠবাক শ্রীটেতকুমঠে রথবাঝাদিবস সম্পারাতিক সম্পন্ন হইবার পর তিদ্ভিস্থামী 🗐 মদ ভক্তিপ্রদীপ ভীর্থ মহারাজ ও শ্রীমদ ভক্তি-বিজ্ঞান আশ্রম মহারাজের আমুগতের সন্ধীর্ত্তনসঙ্গ শ্রীনোগপীঠ পর্যান্ত সন্ধীর্ত্তন সহযোগে পরিক্রমা করিবার পর ইটেচত্ত্র-চরিতামত হটতে 'ইন্মন্মহাপ্রভার রুপারো নতা' বৰ্ণিত অধ্যায় পাঠ হয়। তৎপরে স্থাগত স্কল্কেই বিচিত্র মহাপ্রসাদ বিভরিত হইয়াছিল।

পুনরায় সন্ধ্যারাত্রিকান্তে তিদভিপানী শ্রীনদ ভক্তিবিজ্ঞান আশ্রম মহারাজ শ্রিচরিতামতোক রথযাতা সংক্রাপ্ত অধ্যায় পাঠ করিয়া সমবেত শ্রোতগণ্ডক মুগ্ ক্রিয়াছিলেন।

### ाटबर मर्गम

त्रिमणा ५५ई सुलाई, ५७००

frant stee Stee der Wie **মহোদর আরু করিচেত্রেন,—কলিফাডা** শ্রীগৌড়ীর মঠের প্রচারক ত্রিমভিশামী জীসদ্ ভক্তিসক্ষৰ গিৰি কৰাবাক শিক্ষণায় 'श्रीटे**७७**८मटन व विश्ववीति' नवदक कान আহিণী বক্তৃতা প্রদান কর্নীতেছেন ৮

গভ ১৭ই জুলাই ভারিখে কমার্সের বেষর মাননীয়ানিঃ উড়াকেডের সৃষ্টিত বামি-ভীর দীর্ঘকাল কণোপক্ষ<del>ক</del> হইয়াছিল। তিনি স্বামিকীকে স্কান্ত:করণের সহিত অভার্থনা করিলছিলেন এবং গৌড়ীয়-ভুক্তি প্রকাশ করিটাছিলেন।

গত ১৬ই জুলাই ইণ্ডাদীর মাননীয় মেম্বরের সহিত আমিজীর সাক্ষাতের স্থাোগ হইয়াছিল। তিনিও সাধ্যমনীন শাস্তি ও ञ्चभ व्यान्यनकाती (गोड़ीय-टेरकनभत्यत সকোচ্চ আদর্শের কথা প্রবণে বিশেষ প্রীত হইগ্রছেন।

সিমলার অধিবাসিগণ স্বামিঞ্জীর প্রচারে বিশেষ আকৃষ্ট হইগছেন।

### हेन्द्रिय **हेन्द्र**कान

(8)

व्यममञ्जादी हक्षण मनदक নিগ্ৰছ করিল ভির করিবার চক্ত নানাশাছে নানা পছ। নিশিষ্ট হইগ্রছে। যম, নিগ্রম, আসন, व्याणक्रमानि व्यक्तियागण्यतः मदनानिश्रद्धत ব্যবস্থা জ্ঞানী, যোগী ও তপখীদেব প্ৰহা भाकर्यन कतिहा शास्त्र। किन्दुः वे मकन প্রণালী অবলম্বনেও প্রকার বলশালী চিত্তকে मण्पूर्वक्रत्थ भःषठ कत्रा यात्र नाः, हेश বাস্তবস্তা, কারণ বহু সম্প্রবর্ষব্যাপী কঠোর তপভারত ঘোগীও ঐল্লঞালিক চিত্ত কর্ত্তক পরাভূত হ'ন। শ্বনেক ধল্লেও জীড়া-লোগুপ শিশুর মত অভ্নির মনকে বাধিল जायः यात्र नाः এकमाज क्रकशावशान-िखटनरे তাহার স্থিরতা সংসাধিত হয়।

শ্রীকৃষ্ণ গাঁতার মনোনিগ্রহের সহজ উপায় নিক্ষেশ করিয়াছেন.--অনুসূচেতাঃ গভঙং যো মাং শ্বরতি নিতাশং। ত্যাহিং ক্ষত: পার্থ নিতাবৃক্তত যোগিন:॥ আবার ঐক্তঞ্চালিক চিত্তকে আংশ্বাধীন পুর্বক নিঃপ্রেরস লাভের অতি সহত্র গড়া আবিভার করিয়া কলিযুগপাবনাবভারী দ্যানিধি জীগৌরকুন্দর কহিয়াছেন,---

কি ভোজনে, কি শগুনে, কিবা আগরণে। व्यवस्थित किस क्रम, यमह यमस्यो। हेदा ब्हेट्ड मन मिक्कि ब्हेटन मनात्र । गर्बक्य रण है द्या दिशि नाहि बाह्र ॥

সর্ক্ষণ ক্লাছশীলনত্বী হরিজকাণের আরুট হইতেছে। বিভূচেডনের প্রেমা-जामादिक्य स्थाप भरमत (जीवा चट्या काममा गाँहै : औरातक हिंपक कार्ट जन्माक्ष छारे ता बाद्दल कार्क कार्यालात पाठि-আদ দিশোর-বিভাগেরীয় লিভা বিধারশেকা নার-নিরভাগ ইরাই চেভনের প্রাকৃতি <u>শ্রীরুলাবনসদৃশ। তীহারা সেই অপুর্বা পরিচয়—অনুষ্ঠির বান্তর কৃততে বিভাচিৎ</u> রম্মাতি উত্তাসিত বুলামণো কুলান্দতর বিরাটের দেখারত উল্লেখ্য। এই প্রেম-जानश्चरका मान, बन, जन, बीमा कीकंत जाक-शक्त्रीय जाहरजात्रमा-जाहराह वाड 9 TA9 TER

क्रयन्त्राप्तितित्व मन्दक नगर्नी कर्नेत्रदेख शांतिरमारे लीटिनाक वृक्तावरनत कृति मछत्, ८७८५ विविध अवद्या । मूक कृतिकात मानव ন্ডুণা আৰুত সহচিয়াগণের মত কুর্তিম উপায়ে মঞ্জারই বিক্রম প্রকাশ পার।

ভক্তভাগবজের লীলাভিনয়কারী অভিন नमनमन् क्रिक्किटेंडिक्कायर अर्थिशार्टन-'क्यारनन क्षत्र मन् स्योत मन वन्यावन.

मान वान कक कति व्यक्ति। তাহৈ ভৌমার পদৰ্য, क तार यान जनम. ভনে ভোমার পূর্ব রূপা মানি।।

बैक्षकाणिक मन्त्रत कूलदामाने ध्य কামিন সংখ্য লোভে বাংখুগ জগ্য উন্মন্ত, নিষাম ভক্তগণের উপর ভাহাব মোহও াবস্তুত হইতে পারে ন:। তাঁহারা বলেন,---

े यमवर्षि सम ८५७: ऋकशामात्रनित्स नदनवदमधाभूष्ठाक्षकः, बहुमाभार । ভদব্ধি বত নারাসক্ষমে স্থবামাণে ভবতি মুখ্বিকারঃ প্রভু নিষ্ঠাংনঞ্ 🖫

### ধর্ম কি গ

( জ্রিপান স্থলন্ম সনাতন চ্কিপান্ত্রী )

( ) )

মানব জীবন একটা অপূর্ণ ভশ্ব। ভাই পুর্বভার সন্ধান-প্রচেষ্টা তালার মক্ষমানকে আবেইন করিল রাখিলছে। সাম্ভ লোভ-শভী বিভিন্ন বাধা বিশ্ব শভিক্রম করিছে। উন্মন্তভাবে অনস্ত সমুদ্রের উক্তেপে চুটি চেং সে চার, বৃহত্তের আলালে ভাষার কাবনেপ সার্থকত। সাধন করিবে। দীনের প্রাণের আকাজ্ঞা—মহতের আহুচ্যা। বিশ্ব-চেত্তনের প্রগতিশপে সক্ষেই এই একট গ্রিভিশিমা।

च्धूडे त्य निम्नू भिद्धन मक्षात्न मामाधिक, অণুচোতন বিভুট্ডতক্তের প্রেমালিক্সনে প্রামন্ত, ভারাই নহে। বিবাট সীগ বিপুল আকর্ষণে বিশের অণুশক্তিকে আকর্ষণ করিতেছে। সেই বিরাট আকর্যনের প্রতিশানি জাগিতেছে অণুব সময়ে, অণুকে মৃগরিত করিতেছে। ভাগার পূর্ণতার অভাব উদোবিত করিয়া ভূলিতেছে। এই অভাবের অহস্তিই অণুচেতনের স্বকীর धाकंछि, देशांतरे नाम भर्ष-स्नागत्रम ।

অনস্ত অৰও পূৰ্ণিভিমান্ পরমপুরুষের প্রকরে শোভিত থৈছন মুরগী। সেই মধুর বংশীরবে সমগ্র বিশের সম্পুশক্তি

কৰণে অণ্চেডন থোমালুল হইরা উঠিভেলে i িন্টিত ব্যাশার। মানবাস্থার ম্নাডন ক্তাৰ-নিজ্ঞান্ত । মানুষের মুক্ত ও বছ-ज्ञानम् माणिकवृत्तियस्य निवस्तिकाशास्य लनमा वाः लक्षारकाः । टमकामध्यारकः निमधः। অন্বলিপূর্ণ সামরাস্কান্ত পুর্যালক পরিচয় এইখানে।

আর বন্ধ অবস্থানে মানব প্রাক্ত বিক্র-মাধীন। প্রাকৃতির আনিরণে ও বিকেপণে ভাগর আগ্রিকশক্তি প্রতিহত ও বিপায়ক। তাই অগণ্ডের আবাহন গীভি---মোহন ম্বলীর মধুর নিনাদ ভাহার অবণ বিবরে কুচরিভ হয় না। বাধা দের মায়িক শব্দ ভঞাল-শ্রাপঞ্চিক আবর্জনা।

মারাদুগ মারীচের মানিক আহ্বান মানবের চিত্তকে বিকলিত করিতেছে। বৰ্ড বিচিত্ৰ নিস্থী-চিত্ৰেয় সৌন্দ্ৰণামোছে ত'ত সে ছভাবের পথ হইতে পরিভ্রষ্ট---বিপ্ৰে প্ৰাধানিত। তাই দেখিতে পাই--মানৰ বিভিন্ন পথের পণিক। ইয়াই ভাষার বিরস্ত ধর্মের পরিচয়।

क्रमारक अन्यक्ष आयोजन, अक्रमिरक মাহিক আহবান। একদিকে অমৃত-গতি, অকুদিকে মরণের নরক নির্ভি বন্ধ-ভূমিকার প্রাকৃতির প্রাভাবে **আত্মপজি**র অপ্রাচুণ্য লক্ষিত হয় সতা, কিন্তু স্বাভয়েয় वाधीनका कृश इस ना। ८कान भाष वस्तीय, शंशी (क्शन कार्यास्त्र कडक्डा-मार्टनक, শক্তিসাপেক নতে।

আমার ধর্ম কি? এই জিলাসা-মীমাংগার পুর্বে আমার আমিখের সন্ধান সকারে প্রয়েজনীয়। 'আমি কে'--না কানিলে আমার ধর্মের সন্ধান মিলিবে (कप्रति ? मानगाचाह मानत्वत्र चन्नण, टेम मक्टक टकान मर्नंध नारे । किन्ह जानाव व्याश्चिक शतिष्य शहे किन्नरग १

বর্ত্তমান ভূমিকায় প্রাকৃতি আমার চিং স্বরূপের উপর একটা স্থ্য স্থাবরণ বিভার कतिया त्राविशाष्ट्र । आक्षण्ड मन, वृद्धि । বরণপ্রস্ত আমিদরণ আইছার আমার व्यागम माएजांभावि । काम,द्वानंत्र, दनाक, मक, মোহ, মাৎসৰ্যা প্ৰাস্কৃতি এই উপাধিকাজ্যে माधाद्यमाधायम् । शामभूगायाम सूर्यन তু.খনয় ভোগমূলক বাসনাসমূহ ভাইছি পত্ৰ ও পুষ্পনিচয়; আয় আন্যাত্মিক ব্যাধি-অনিত সন্তাপই এই উপাধির ফল।

# গ্রন্থ পরিচয়

# **ভামদ্ভাগবত**ম্

অসমবৰ্ষি ক্লকবৈশায়ন বেছবানে প্ৰণীত মুগ, প্ৰমন-ম্পান্তাথা-মতা ভাৎপৰ্যা-নিৰ্ণরটাকা; শ্রীমদ্বিখনাগ চক্রবালী क्ति-क्रक मात्रार्थभनिक किया, वशासनाम, भःक्रक अवद छ मरे करकात व्यक्तिगाक क्यामात, व्यथास्त्रत व्यवस्य के ‡ধ্যাৰের সামস্থ প্ৰিভুক্ত ভাৎপথ্যাদি বিবৃত। স্লোকসূচী ব্ৰয়স্চী, অধ্যার্থবিষয়ণ, পাত্র ও স্থানস্চীসর উত্তর টাগলে উত্তম অক্ষরে মুদ্রিত। প্রথম হটতে ১০ম হন গ্যান্ত ছাপা লপুৰ্বৰূপে শেষ ক্ইবাছে। ভিকা প্ৰথম हैरेटक अम क्या नवान २०१४०; मनम यक २०५; मिक् हरू ।

### • विकार क्षाप्त विकास

**অত্যানভাকে নোদ**ঠাকুর-রচিত 'ক্মৃতপ্রবাহভাগ্য' 💐 🖺 নাৰ কি নিয়াৰ সরস্থতী গোন্ধামী প্ৰচুপাদ লিখিত ছেভাব্যে শ্রুতি-স্বত্যাদি বহু শার্তপ্রমাণ-স্থাদিত হট্যা কাশিত হইটাছেন। সোকের সাধ্যব্যাথাা, বঙ্গাত্রাগও তে।ক পরারের পুরে সংক্ষিপ্ত অভিগের সংযোজিত। ভ্যেক অশ্যার-প্রারম্ভে কথাশার দেওয়া আছে। স্লোক, बाब, भक्त, कान, भाव व्यक्तित स्वूहर रही । अध्काद्वत দ্ভুত জীবনী সম্প্রিত এইরূপ অভূতপুকা সংস্করণ ইত:পূর্বে ! আশি প্রকাশিত হয় নাই। উত্তম কাগজে পারিপাটোর হত তুল ; অসংরে পুলাংশ মুদ্রিত চইয়াছে। এও প্রায় 🕷 e • श्रेष्ठां मुल्लात्रः । चिक्या वर्ष्ठमारम् e ्र माज्यः।

#### **ब्रिटेड एक का शरक**

🖁 এছফারের জীবনী, প্রতি পরিচ্ছেদের কথাসার, বিস্তুত श्लोफीक छावा, नक्ष्यहो, नद्यावरही, विवय-शान-नावाधि-🖺 কী. প্রস্তৃতি বিবিধ বিধয় শহলিত বিরাট বিতীয় সংখ্রণ বিল ক্রাউন ৮ পেজী আকার। আদিলীলা ও মধ্যের ক্ষাদংশ আকাশিত হইয়াছেন। জ্বামে জ্বামে প্রকাশিত ইতেছেন। অগ্রিম ভিক্ষা ে, টাকা, আদি দীলার B#1 0 1

### **बिटेन्ड या महाम**

এই গ্রন্থের এরপ অভিনয় ফুনর সংখ্রণ আর কুলাপি शिकाणिष्ट इस नार्दे । अश्वष्ट (भ्राकाश्यान व्यवस, वकास्यान, খাষা, কথাসার, তথা প্রভৃতি সহ বড়ে খণ্ডে প্রকাশিত ইংরাছেন। মূল মোটা অক্ষরে তবল ক্রাউন আটপেফী क्रमाकारम क्रांणा रहेमारछ । भूगा २॥० छोका । नशीमा व्यक्षंभ ७ (गोषीरवर्त्र आर्क्ष्मगरनत्र भरक अ।• डोका ।

### **জীমত**গবন্গীতা

-- और गोषीय देवकवाहाया व्यवस्थ क्रिक हुकार्यान 🌬 বিশ্বসাথ চক্রবন্তিঠাকুর গোখামিকভা সারাধ্যবিদী ীকাস্যেতা ও শ্রীশ্রীনভাজিবিনেদ ঠাকুম্ব-প্রাণীত 'মুসিক-क्षम नामक काराखारामध्का । वशावस्त्री, माङ्काळरम लाय-एठी विश्व-एठी अध्यास्त्र जीवमी ७ व्यवक्रमान्याप b-काष्ट्रवाविवय-नह केरके शिवार प्रधीत मःचत्रन--- तहे ताक रिक्यरनम किका २८ हेन्का माख, मानायन मरक्यन-->H. तका बाब

# শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

ওঁ বিষ্ণুপাদ ঐতীমন্তভিসিদ্ধান্তসর্গতী **टिमायामी महाबादणत तारे** व्यविधा विश्वास्त्री कीयात्रायकरभाषाधिनी क्रक-कार्कात्रमात्रात्रिनी कीयस-वागात्र বৈভৰবিজ্ঞানাশ্যবেদ্ধ মৌলিক তথা—পঞ্চন্নাত্ৰ ও ভাগণতেদ্ৰ সমন্ত্র গুর-মহাজন-জীবনচ রিত-শিক্ষ ক---চিবিলানচিমাত্ত্র-মতিশক, তথ্য ও বিবৃত্যাবিষ্ক । প্রতি কলের আদিতে অচিয়াত্র-বিচারক-এখন্য ও মাধুন্যরদের মৌলিক গ্রেন্গার --- नवक, व्यक्तिक ७ खारबाकन स्टब्ब निकास-नव्य

> **১। প্রথম অভ-বৈশ্বদর্শন, প্রী**ওরতর, কাল-धर्म, अभवाविकार, किवार्यकानरी, शाक्षत्राधिकी हीका ও বর্ণ-বিচার, আত্মধন্ত্র ও মনোধর্ম, জীচৈভক্তমের ও ভাষার শিক্ষা, অপ্রাকৃত সহজ্ঞধর্ম ও প্রাকৃত সহজ্ঞধর্ম প্রাকৃতি বিংশতি সংখ্যক রত্নে স্থাপোভিড। ভিক্রা মাত্র ৬০ বার আনা।

> ১। দ্বিতীয় খণ্ড-তদা ও বিদা ভঙ্জি, মমুনোর প্রেষ্টভা কোথায়, আত্মার নিভাবৃত্তি, শ্রীধর স্বামিপাদ ও মারাবাদ, শ্রীগোর-নিভ্যানন্দপ্রসঙ্গ, ত্রিগুগের ধর্ম ও ক্রফ-कीर्छन, बीजामधुकात्र बीमहाभरत्यत्र कीर्छन, ब्रालीत-ধামের মহিমা, মহাপ্রদাদ, প্রীগোবিক, প্রীক্ষপামুগভাল-পপ, শ্রীমতী বুবভামুননিনী, শ্রীচৈড্জের দ্যা, গৌরকরুণা ও সক্ষ্যকীতন--চতুদ্দশ অপুকা মধুরিমাপুণ-বক্তভা-বিভূচিত। जिका ১, दक होका गाव।

व्यथम । विकीय-कृदे थ ७ এकत्व नहेल किका भार দেড় টাৰা, ডাক গর5 স্বতর।

### **এটা মন্ত্রাবদ্**সীতা

প্রোড়ীয়-বৈক্ষবদার্শনিক-শেশর প্রীপ্রীমন্বলনের বিছা-अग्नक्छ ভाषा । श्रीमहिक्तितिनाम ठाकुत्वत् शासम् वन-ভাষার বিভ্ত 'বিবদর্জন' নামক ভাষাধুক। অবার-স্চী, বিংয়স্চী, ও প্রতি স্নোকের প্রথম ও ভতীয় পাদ স্চী, ভাষ্যকারের ফীবনী প্রস্তৃতি সম্বলিত। উৎকট বাধাই, রাজসংখ্রণ (ভৃতীয় সংখ্রণ) গ্রন্থের चिका २ होका।

#### প্রথেয়রতাবলী

শ্রীমদলদের বিস্নাভূদণ-প্রাণীত বৈঞ্বদর্শন, সন্দর্ভ ও ণোবিন্দ-ভাষাদি পড়িবার প্রথম গ্রন্থ। উৎক্রই কালিতে ছাপা। স্থবিত্বত টীকা ও গ্রোপ্লনবন্দারুবাদ-সাহাদ্যে অতি সহক্ষে বালকেরও বোধগম্য হইয়া পাকে। ভিক্ষা । ০ ৰানা মাত্র।

### **बिमरबी भगामना हा या**

( প্রমাণখণ্ড ) সামুবাদ। জ্রুতি-স্বত্যাদি গ্রন্থে শ্রীনব-ৰীপের যে মহিমা কীঠিত আছে, ভাহার মূল সংস্কৃত ও নাম মাত্র হিজা। আনা। অমুবাদ। ভিক্ষা 🗸 • আনা।

### **এ** এনবদীপভাৰতর্দ

শ্রীঠাকুর ভক্তিবিনোদ লিখিত। স্থললিত গাঁতকোরে পরিক্রমার জঃব্যাদি বিষয়ক। ভিকা। আনা।

### ভজিত্তাকর ও মধ্যীপ পরিক্রমা

ব্রীল নরহরি চক্রবর্তি-চাকুর রচিত। ভক্তিরভাকর **ভটতে পরিক্রমাংশ মাত্র গৃহীত: প্রীদীব গোস্বামী** কি व्यकारत क्रिनवधीनधारमञ्जलकमा कतिवाहित्यन, कास्ते পত্তে বিবৃত। ভিক্ষা 🕪 • সানা

ত্রী ভবিবেশে ঠাকর প্রণীত। ত্রীচৈতভেইলাভে भिकालगानी--- क्या. क्यामिक छ दम--- वद छ मक सीत---অভিষ্য-ভেদাভেদ-ভদ্ব--সাধন-নিৰ্ণয়--প্ৰয়োগ্ধন-ভদ্ব, কৰ্ম-का छ. आध्यामित्र विठात-देवनी छक्ति, छावछित 😮 ্রেম'ড জিনহ নামভজন-প্রণালী ও সাইকালীর লীলা-পরিচরাদি প্রথম শিক্ষাপীর উপযোগী করিয়া সরল ভাষার ममुत्रत्र गुक्ति-श्रमानमञ्जितिश्व चाष्ट्र । हकूर्य मः इत्र वाशा २ , ठोका, व्यावाया ३५० ठाका माज।

### গৌজীয়কণ্ঠহার

बीटनो प्रीय-टेबक वर्गालंब अक्रक व कर्छ शांत्रमाता ঞ্তি খুতি পুরাণ-পঞ্চরাত্রাদি সাক্ষত-শাসসমূচের প্রমাণাবলী विषयविकाशकास अध्याम अफिट। ८३वर देवका-সিদ্ধান্তের সারসমগ্র অন্ত কুরাণি প্রকাশিত হয় নাই। हेराएड खर छब-छाश्वज-देवकव-दशोब-बिङ्गानक---- व्यक्तिस्य--- नाथमञ्ख्यान-वर्गान- व्यक्तिम् -- व्यक्तिम् — श्रीमाम - श्राद्वाक्त e श्रमान-छड्डनि श्रमक् **प**रग्रास মুবুচং শ্লোকাদি সূচীয়ত উপকৃষ্ট একিক কাপজে প্রোঞ্ ब्र कालिएड पूष्टिड, डेश्क्ट बीना मानात करन नाम लाया। গ্ৰন্থ প্ৰায় ৪০০ পূচায় সম্পূৰ্ব। ভিকা ২, টাকা মাত্ৰ।

### क्षीनवदीनमाम-शक्तावली

**শ্রিষদন্ততি-বিনোদ ঠাকুর রচিত থামমাচাল্য—থাম**ন মাতাভোৱে সাজাল প্রমাণ ঝও-- খ্রীল নরহরিচ লবভা ঠাকুরের ধাম পরিক্রমাংশ—শ্রীগাম নার্থীপ পরিক্রমা—তীধ-যাত্রা প্রতি-শ্রীমং এ: গোননত্ত নব্দীপশতক্ম-জ্রীমন্বভিবিনোধ হাকুরের জ্রীনবদীপ ভাবতর্ক এছি গ্ৰন্থ একতা ভিষ্ণা ৮০ আনা মাত্ৰ।

### শ্ৰীক্রিনামায়ত ব্যাকরণ

শ্ৰীকীৰ গোন্ধামী প্ৰভুপাদ-বির্ভিত হ্য ও বৃত্তি, ভংস্থে ওবিশ্বাপাদ শীমছস্কিনিক'র সর্বতী গোত্থামী মহারাজের বিশ্বত ভূমিকা ও পুরী প্রান্থতি সহ। অপ্রভাবিতভাবে জ্লভ। ভিকা ২, টাকা, ছাত্রগণের भटक ३६० हैं का मादा।

### বেলামভাৰসার

শ্রীমদ্রায়ামুক্তাচাধ্য বভিচ্চ। বেদায়ের বিশিষ্টাবৈতবাদ-প্রচারক জ্রীভাষা প্রণেডা মাচার্যাপ্রবর বেদারদর্শন পাঠের উপ্যোগ্ন কর্ণার্থ এই উল্লম করিয়াছেন। ইচাতে ব্দায়বাদ ও স্তীপতাদি সংগোগিত করা হইয়তে

#### দ্রীটেডভাচজামুভ ও নবদীপশন্তক

গ্রোরপাষ্দ ত্রিদানী শ্রীমং প্রবোধানন সরস্বতী-প্রাণীত মূল, প্রান্পাদ উমন্ ভাজিদিদ্ধান্ত সরস্থতী গোস্থামী মহারাজ হল্পাদত অনুমুখে বাখা ও বলামুবাদ স্থলিত। নবদীপ্রতকের উভিভিতিবিনোদ ঠাকুরের প্রাথবাদ ও ওৎসহ শ্রীমণাহাপ্রান্তর একটা জিবণরভিত অলোকিক চিত্র व्यक्षक इंदेगाएए। मूल्य ७ कायक छेरकहे (२ बाना একতো ) ভিক্ষা ৮০ আনা, অতি হুরমা বাধাই, রাজসংখ্রণ ১ , डांका भाव।

# देश्यवधी

শীমন্ত্রজিনিনের ঠাকুর-প্রনীত। তই একমাত্র গার বড়ের জ্ঞান গাত করিলে গারমাথিক রাজ্যে কিছুতেই ক্ষজান বা সংশ্র পাকিবে না। গারম গুত বন্ধবিষয়ক এই-ক্ষণারল ও স্বাধাপালী প্রত্ন প্রতিষ্ঠ প্রকাশিত হয় নাই। ক্রিট্রালালামি শাস্ত্র-মান্তাল্রি মহন্দলে এই প্রস্থিত উথিত চর্চাছেন। ক্ষাবার শ্বিত্ত স্তী, ক্পাসার ইন্তালি দারা বিশেষ স্থুক করা হইয়াছে। বিবাট প্রত্ন নামার ক্ষলে নাম নাগা, উংক্রই বাধাই—চতুর্থ সংগ্রন ভিক্ষা ২, টাকা মান।

### **প্রে**মনিবর্ত্ত

শ্রীমন্মহাপ্রান্থ অন্তরঙ্গ পাষ্ট শ্রীণ জগদানন প্রান্থ বিরচিত। এই পুত্রক অতি স্থানোধ্য ভাষায় মহাপ্রান্থ কভিপর লীলাদ্য বৈক্ষণাচার, একাদনী ও নামভ্জন-প্রাথালী প্রভৃতি জনেক বৈক্ষণতত্ত্বে স্থানীমাংগা দেখিতে পাইবেন। পাদ্যীকার ত্রক্ষ বানের লিশ্দাও ও প্রস্কার্তার পনিচনাদি-স্পলিত চতুর্থ সংস্করণ ভিকা ৮০০।

#### क्षक्रवड ज

ভাষনকারীর নিভাগজী; ঠাকুব ভক্তিবিনোদের সম্প্র দান; নিবিণ শাল্পেল নিশ্যাস। প্রস্থানি না দেখা প্যান্ত কেছ বৃদ্ধিতে পারিবেন না। চুডার সংস্করণ ভিক্ষা ॥ ।

### হরিনামচিন্তামণি

নামাত্রে শ্রীল হরিলগে হাত্রের মুপে শ্রীমন্মহাপ্রভূ শ্রীমাম-মাহান্ত্র, নামাভাগে, নামাপরাধ প্রাভৃতি বিবরের মাবতীর বিচার শ্রবণ করিয়াভিলেন। এই বিশয়গুলির মাতি স্বল প্রাণে সাজিপ্র মাশ্রমত পরিপাটিভাবে মুলিত। শ্রীমাভিকিবিনোল সাক্রারতিত। পঞ্চম সংগ্রেগ ভিকা ৮০

#### কল্যাপকলভক্ল

শ্রীমছজিবি নাল ঠাকুর-রচিত। প্রত্যেক ভগবদ্-বিশ্বানী ও জনেলগের পণিকের একান্ত প্রকালনীয় উপলেলগাবনীপুণ বীতি এত। সামান্ত শেবাপাড়া-জানা বােকেও এই ভলনরাকোর বীতিসমূহের ধারা সম্পনিবৃত্তি ও ভগস-সেবা লাভ করিবার স্কবিধা পাইবেন। বই সংক্রম, ভিকা ৴> আনা মাত্র।

### **শরণাগ**ভি

শ্রীমন্থ জিবিনোল ঠাওব-রচিত। তগবানে আত্মসমর্পণ, বিজ্ঞপ্তি, ভত্তনলাল্যা, বড়্বিধা শর্ণাগতি ও নিছি-লাল্যা-বিষয়ক বীতিপুর্ণ, ভিক্ষা ৴৽ আনা মাত্র।

#### গী ভাবলী

ক্রীঠাকুর ভকিবিনোদ-প্রণীত। নিত্য ভঙ্গন, আরাত্রিক ও প্রদাদ-দেবনাদি-বিনয়ক মধুর গীতদমূহ একত্রে গ্রাপিত। ভিক্ষা ৴ শানা মাত্র।

#### **লিগভয়ক গুৱাস**ম

রসিকেরপুকুটমোলি আমিদিখনাগ চক্রবভী ঠাকুর-বিয়চিত রস্প্রতঃ শীয়াইকিবিনোদ ঠাকুরের অনুবাদ-সহ। ভিকা। শানা মাতা।

# श्रीविनश्री;

শীমখাখাজারর শিক্ষা ও শীল রঘ্নাথ দাস গোস্থামীর প্রতি শীরূপ গোস্থামীর উপদেশবালী, ভব্তিপালের অফুকুষ ও প্রতিকৃল বিগয়ে স্থাবচারিত সন্মোদন ভাষা, বিস্তৃত বির্তি, চরিতামুভের প্রমাণ, সাবর ধাাখা। ও মহাজন-প্রণীত ভক্তপবালি শীতমমুক প্রত্যেক স্লোকের সাহত সরিবেশিত হইয়াছে। ৩য় সংকরণ ভিক্ষা ৮০ মানা।

#### সাগন-কৰ

শীরগ্নাপ দাস পোকামীর মনঃশিকা, শীল ঠাকুর ভিজিবিনোদ-চরিভ পথাকুবাদসং। ভিজা৴• আনা।

#### প্রেমভাকটান্ত্রকা

শ্রীল সাক্র নলোড্যের স্থপ্রাণ্ড প্রেমভক্তিবিধয়ক গানের পুস্তক। ভিকাসত শ্রানামারে।

#### নবদী পশত ক

শ্রীল গ্রন্থন ভিক্তিবিনোদ-রচিত শ্রীল প্রবোধানদ সরস্বতীপানের সংস্কৃত নবদীপশতকের প্রণলিত প্রাপ্তবাদ। ভিক্যা / • মানা মাঞ।

#### -

ভীল লোকাচাগ্য রচিত। বৈঞ্বতা-জ্ঞানের আকর পুস্তক। ভিকাস- আন্যান্ত্র।

#### সদাচারস্থতি

জ্ঞীন মধ্বাচাগালপ্রণীত। বৈঞ্জবের নিতাকমাদি স্থাচারা-বুলী, বৃদ্ধান্ত্রাদ্ধান্তি। ভিক্ষা ৴৽ আনা মাত্র।

#### মণিমঞ্জী

ক্রিক্রকেশরী শ্রীমরারের-চার্য্য রচিত। শ্রীময়াধ্ব: চার্য্যের সংক্ষিপ্ত ধীবনলীলা ও মূল বৈধ্যবধ্যমত। সংস্থাদ ভিক্ষা। শ্রানা মারে।

#### গৌরক কোনয়

প্রাচীন কবি ইংগোবিক দেব প্রাণাত শ্রীপোরাবভারের প্রমাণাবলী-সংবাদত সংস্কৃত এছ। ভিক্ষা ৮০ জানা।

### युक्तिमञ्जिक। क्षश्रदश्रीयकः)

শীনধ্বন শুলাগায়ণত শীনবাদিরার থামিকত। বলাপরে সামবাদ এই প্রন্ধের প্রকাশ পরেমাণিক সাহিত্য-জনতে এই সক্ষপ্রেম। জীননাধ্বাচাগ্য হইতে যোদ্দাগন্ধন বিভাগ মধ্বচোগ্য নামে প্যাত শীনাদিরাজভীর্থ স্বামী এই প্রন্ধে সাধারণ বুক্তি ও গৌকিক ক্যামান্থপারে কিরুপ স্থানরভাবে ভিকিবিরোদি-মভবাদ সমূহ পণ্ডন করিরাছে, তাহা পাঠ করিতে করিতে আভগ্যাখিত হইতে হর। ইহাতে যুক্তির স্থারা চাক্ষাক, কৈন, বৌদ্ধ, মীমাংসক ও মান্যবাদিমত-সমূহের স্থার পণ্ডন রহিয়াছে। ভিকা ২, টাকা মাত্র।

### গোৰামী 🕮ল রখুনাথ দাস

(ওঁ বিক্লুপান শ্রীণ ভক্তিসিদ্ধান্ত সরন্ধতী গোন্ধার্মী প্রাকুপাদ-লিখিত ভূমিকা সঁহ) গৌরপ্রেট স্বরূপ-রপের একমাত্র প্রিক্তম শ্রীণ লাস গোন্ধামী প্রভার অপুন্ধ চরিতামৃত ও শিকা অতীব প্রাক্তন ও সরল ভাষার সমিবিই এবং পরিশিক্তে লাসগোন্ধারী প্রভার বিরচিত কর্মকটা সামুবাদ মধুরতম স্তব ও মনঃশিকা-স্বলিত। ভিকা বীধাই ৪০ মানঃ, স্বোগ্র ।৫০ মানা ব্যুত্র।

# চিত্রে নবন্ধীপ

প্রাচীন নবনীপের অবভিতি, ত্রধা, উভিছ, শ্রেত । উভিচাসিক প্রমাণস্থলিত ময়টী বীপের সচিত্র বিবরণ প্রস্থা রাজধিরা ওসাংকের কুমার প্রীণুক্ত শরদিকু নারায়ণ রার এম. এ, প্রাক্ত গোলোরার), বেলাস্থল্যন মহোদার কড়ব সক্ষলিত এসং ৪৭ খানি বিভিন্ন বর্ণের অপুন্র চিত্র । মানচিত্র-সমান্তি ; প্রচ্যেবিভাষকার্পর রায় সাহের প্রীয়ণ নম্প্রে মাণ বহু বিশ্বকোরসম্পাদক মধ্যম্যের বিশ্বত ভূমিক সহ। উৎরষ্ট (ইং) মরজো ব্যোষ্ট মৃশ্য ১॥০, ভিং শিঃ ধে ২, টাক মাজ।

### जानक-कर्श्वमाना

শুরুবন্দনা, দৈক্ষণ-বন্দনা, বৈধ্ববন্দরণ, দালালের গিছ শ্রীনানগর্ত্ত, শ্রীমন্থাপ্রাপ্তর অংগান্তরপত নাম, অইপ্রাহ নামকীর্ত্তন, শ্রীমান্তরাজন, প্রেমন্থানি, 'বাউল্পর্কীর নবরীপ-মহিমা, শ্রীমান্তর মহিমা, শ্রীনরোজন-প্রভুর অহ-আচাষ্যা-বন্দনা, সভ্গোলাগীর অইক, প্রেমন্ডব্রিক ক উপ্রেশনাধা, নামভন্দন-প্রেণালী, মহাপ্রভুত্ত রায় রহ্মান-সংগাদ, মনগ্রাশকা, শ্রী ওঞ্জাতি, শ্রী ওজ-পর্পর্বে মহাপ্রের বন্দনা প্রস্কৃতি সাধক ও সিদ্ধানীবনের নিজাপার বৈশ্বনগ্রের ক্লাভিন্ত ভূলসীমালার স্থায় অমুক্ষণ ক্র ধারণবোগ্য অপুক্র এয় । ভিক্ষা প্রেণ, বাহাই ॥ মান্ত্র

### গোড়ীয়-গোরব

ইনিকাভার স্থগ্রাসিদ্ধ আলনাট হলে গোড়ীয় সম্পাদ ইনিগাদ অন্ধানন্দ পর্যাদিলাদিন্দ্রদক্ত বস্কৃতার দি গ্রন্থকারে প্রকাশিত। ২০০২ গোড়ীয় বৈধ্যবসম্প্রদাদ ইনিহাস সংযাকাবে গদিত ১২০৭ছে। ভিক্ষা ৮০ নাজ।

### গোড়ায় সাহিত্য

কৰিকাভাৱ ভগ্ৰনিদ্ধ আলবাট হলে গোড়ীয়-সম্পাদ প্ৰশাদ অভ্যানন্দ প্ৰবিশ্বাবিনাদ্যাদ্য প্ৰদান বন্ধভাৱ :-গ্ৰন্থাকাৰে প্ৰকাশিত। হুলাভে সাহিত্য-পঙ্গের অৰ্থ এ গোড়ীয়-সাহিত্যের বিষয় কনকারে ব্যিত হইয়াছে। ভি দিক আনা মান্তা।

#### **ঞ্জিগ্রে চন ওল পরিক্রমা-দর্পণ**

শ্রীপ্রেক্তির দেশর দেশ কর্ম শানে সপরিকর শ্রীমন্মধ্য থবা ভালভাগ পরব্যী না ন্নাণ লীলা করিয়া পিয়াদে সেই সব আধুনিক ভৌবোজিক পারচয় ও দেববিপ্রং। পরিচয় সহ যাভায়াভের স্থাবনা নিজেশ ইভাগি বিষয়েও সন্নিবেশিত শাছে। ভিজা । মনা ।

### THE HARMONIST

### OR SHREE SAHANATOSHANI

শ্রীল ঠাকুর ভালিবিলোগ-প্রতিষ্ঠিত এবং জ্বীল তি বিদ্বাস্তগরস্বতী গোলামী প্রভূপাদ-সম্পাদিত পারমান মাসিক পত্র। একবে ইংরাফা ভাষার স্কটাবিংশ ভবলক্রাউন ৮ পেলী ৪ ফলা আকারে প্রতি হারে তালি বানের বিভর-বৈক্ষরতী লইরা উপত্তিক হইতেতে কাগল, ফ্রেল-পারিপাটা ও জিআদি স্কতীব চিন্তাকর এই প্রকার উৎকট প্রবন্ধ মার কোন মানিক প্রাণে পেথিতে পাইবেন মা। বার্ষিক জিলা ভাক্ষাগ্রস্থাত

#### व्याबचान-

**ब्रिटेड्डम**ठेः त्याः श्रीमध्याश्वर महोद्या

# ব্সবেষ্ণব

# ৰীতিভয় মঠ

### আকর মটবাল

बाहीस त्युवीय, फाक्कक व्यवास मात्रानुकः लगीय।

প্রিষ্ঠারোগলীয় হটাক্ষে প্রায় ৩০০ বস্থু উত্তরশাস্থাক প্রিক্তেশনার আচাবার প্রিচ্ছ-Could-water MERS wer wie frietwatert

এট স্থান সাৰ্থাত-পৰি, প্রবিদ্ধাপীঠ বা সাম্বত ভ্রমনত্তনী : এর মচাণীলে প্রকাশী मोधार्यक्ष्य वार्क र वर्गकि - (यम विशेषक्ष) विशेषक्षात् वास्तिष्ठ काता, माउँत, चानकात, स्वा अक्षामा-केशेरिक्स-में अन्यक्ष-अक्षांम-एक्ट्रेट्स अगावत क अगावता लगा अगाव केश् গোহাঞ্জ-পান্ধ অভা-বিভিন্ন ও সাত্ত সাপ্তালায়িত-আচাবা-চতুর উভোদেও উপাত্ত feineren item fami infam erten erten i ub ubatte niauline faften mit nien. अध्येत्रीहरू च श्राक्तं मण्डे व स्वत्राहीन अक्षां व्यवस्थि व्यवस्थित् । अत्रीयान्याक मा अञ्चाकत्र आक्रीक बहेशाराज्य अधिवरमञ्ज केशाय-शरिकामाधुक्ताः ५ वस्तानक कक्तरमाहि । कीक्षाः व्यक्तात्रभूत्य भवः भटाव्यवानि किकाम चन्नेक व्हर्ता वात्व । वक्तव---वक्ताताती **এলাদ এছঙরিলী। সচকারী— গ্রিলাদ দিনেদিবিকারী ব্রহ্মতারী, গান্তত আলাদ গোবদাস** ! ambif कात्रात्राक्षणाक्षण के काल के विकास के काल अवकाती, दीमान कारणामान अवकाती. क्षेत्रभ्य सम्भावी, श्रीमामस्थालाश्य सम्मानी, कक नदश्य, श्रांत्रमा, द्रवकीत्यावन 선생이 기록되어의 1

ः जिल्लास्त्रास्त्रे स्त्रीभद्याप्तकारीण कीर्यः मन्त्राधाः । अवाद्यं विकास वीर्यन किरास्टरका ।

### (७) (याभगीठ जीमन्दिर

क्षं थान क्षेत्रज्ञाशामास्त्रत क्ष्यम् वा चीम्बाशकास्त्र साविकान-स्थान, मशासान-नीहे। क्यान ज्ञानकी शत्रा द ज्ञानिकृत क्रिकास्य केटबोबनाबायन अयह केटिनक्रमा ब जीवाशास्त्रका विका त्यवा छव। जीवकः भट्यत दमना नक्ष्मात्। क्षम — दशकatotes conumal materate de Bigant-बाव। शक्काकी - खिनिकशबक खबनागी, क्षेत्रान्विकात किक्श्यन, श्रीश्रामा अल-BING ENIONIN WINDARD; CHAMIN - श्रेश्विवा

### (8) **এবাস-অজন**

े क्षेत्रमाशासक कीर्जन-विंगान वा किर्मार्वणीमांत शामकृती । जनादम अधिक्तीत-क्रिकार्शिक के शक्त करबार (ग्रेंग) यास्मान । क्ष र--- में श्रेषां र कृष्टम वश्रवाती ।

(१) चंद्रिक-चर्नन

बहे जादम जीबारेबक शकृत करन वारर (मया यक्षमाम ।

कृत्या कार्य कार्य कार्य कार्य कार्या कार्या किया होत अधिकाशान वावाची ।

(a) within our

MISTO WILLIAM TOWN COME AND Menty कराशांक अधिक कार्य के म्यापित मक्क - क्षेत्रहाती 'श्रीविद्यान विकेशी'

( १) कर्मक संदेश के 💯

Benter, winds he with their brings

swe-weegs wiels ampin) कुष्म का विक्री क्षा, व्यव, व्यव 👉

### (৮ क्षेत्रज्ञाचाथ ८ गोडोड मर्ठ মহম্বাসংগ্ৰ

द्रक्ष क--- मेरिव9वड कांक्रमाञ्ची स्था, ज्य, বি, এব, সংকারী--- শ্রীউদ্ধান্য ভব্তি-माजी, क्षेत्रेकक्ष व्यथकारी व्यक्ति ।

(>) औदभान-गमाधन-गर्छ

**টা**পাছ চী, সমুদ্রগড়, ( বস্কমান ) क्रिय वालीनात्यव शास्त्रिष्ट द्यांत्रव्यक्ष्य ्मवा । अक्षा -- व्याद्यकाम अक्षणाती, कक Betrieb ein :

(১ - क्रीसन्दर्भाष्ट्रीय-वर्ठ बाराशक, अम्राश कडे, शि बक्क--- 🕮 । दिलाम खब्दातात्री, महकात्री---क्रीमर्काषत जनागरी।

( ১১ ) 🗐 ध्याम अवस्य 🕳 — याडेनाहि, काश्राद, न्यमाना 🕮 नामिक्षात्र प्राकृत वृत्ताप्रतात् प्राच ।

त्रण - जीतकतिहारी अववागी, फर्क कीमक्साम । ..

(১১) ভাগবন্ধ আগমন

🗐 भागत् ह 🕮 🗓 क्रमानज्ञ, नवीवा । कामवर्गाकास्य अञ्चावनीतः व्यवादनका। वक्त- श्रीकृषानम अवहाडी छ। स्नार्थी

( ५० ) 🗐 अकात्रम गर्ठ (शाविकाश्व, शामकाकी, अमीदा । क्ष्मक—श्रीष्ठगानम् अष्ठातो । महण्यी জ্ঞী প্রসিংগু বালচারী, জ্ঞীকপাগার দাবাধিকারী। শ্রীপরেশান্ত ভব বালচারী, শ্রীবাদবানক

(.58.) क्रियाक टगोकीय मर्व ् ५०सर अम्बन्ध्य द्याकः, स्त्रका ।

च्युम्बद्धनाथ পাखा, खुक विश्वनाथ

भृत्युन्त्वत् व्यक्षत्व-दश्यान्यात्रात्न जी कम्-. दशीवाक आक्का-भिविधाव ह दश्या वक्षाम । सम्ब--- विवाधावश्र छ खमवात्री. श्रमकासम्म नवविष्ठः विस्तान विनय, श्री श्राप-

### শুদ্ধভাজনঠ ভার

( ) 画门

3 JJ

१७ मर कारि लाभाव ठ क्रक्टी हीते. त्यार वाशवाचात्र, क विकास । .छेलिटकाम नि. नि. ८००८

द्यीमधाका - कद -शाक्षात्रकः स्वित्रकः क्षित्रकः कर्षकः-शाक्षात्रकारकः । शाक्षात्रकारक अवस्थात्रक . 51 ी कविकाकार की बिकिबिकाम सामाह सामा अविविध साहकता । we समाव मक्या वाटम में कुक-दशाबाक में विद्याना नक्त को के मनाबेटन कि का दमान के बना । दनायीक অপ্রান্ত্রির ব্যবভার প্রস্তানলীর ওপ্রচারে।ক্ষেপে আমার নালর একটা পর্বর মৃত্রা-বিপ্রাদ্য সংক্ষাতিত তওঁলাছেল।, পুলিবীর স্থেক 🎒পোৰন্ধৰ প্রভাততথ বচ বল্লাবার ্হতে 'গোটায়' সংখ্যাতক পত্র, মি ক্রমেরিষ্ট্র মাজিক পাঞ্জকা করেন্দ্রী ক্রমের : নিয়মিতভাবে প্রাকালিত হলতেতেন। জীমতে পাছ, ফলাকুন, সংক্রাল-চাজ্যকুনকের্মাক্ত শ্রীমন্তালাক, প্রাচ্ছর-চরিভামুধাদি-শীলা ও কর্মধের সনাক মাধ্যেচনা কর্ম পাৰে। মুহ্বক্ষক-মাচাৰ্যাত্ৰিক শ্ৰীপাধ কুম্ববিহারী বিদ্যাভ্যান্ত সহকারী-স্পত্তিক শ্ৰীপাদ অন্তৰ্গান্তধ্যৰ প্ৰায়েপ্তান্ত্ৰ, জীপাৰ বাস্ত্ৰিকাটা ভ্ৰছচাৰী, জীপাৰ काश्यात्व मानाविकाती वि-व. लागाम क्यरणालाल मानाविकाती, तकाशकी खी की कमानम, उक्कारी जी ला त्रीध्याध्य. उभवादी खेराजनम, नांक खोलान वरीनका भक्षणिक्षा व मान्त्रभाष्ट्रेत कत्राहारीत । 🚉 अवग्रक्षा नामाना गाहित गाही - 🗗 के व व कार्याक्षण वकार्ती वि- बन, श्रीमञ्जूषम जायाकार्तिम्, श्रीरिवष्टत श्रमाती, श्रीप्रवास्तिम ত্রকারী প্রস্থৃতি।

(जोत्र अक्षात्रांत्री, जीननश्लीकाक अक्षात्राही, <u>क</u>्रील कि अप्रशासक अपरक्ता

# ( ১৫ ) औदभाभागको यह

कथका भूद, छाका । গোপাণকীর আনিএকের আচান সেবা वक्क--- श्रीमाननामन अक्कारी ।

(১৬) জীগৰাই-গোড়াৰ মঠ श्विक कामाधिनी महा, नामिश्र हि छाका শ্রীগদার-গোরাকের নিত। সেবং वक्क - नीपूर्व स्था बक्क हाती. नीय कलान বন্ধ গুটা

্১৭ - শ্রীভাগরভজনানন্দ মঠ

**िक्रांग्या, राष्ट्रस्त्रप्रत, स्थामनीश्रुत** । धारारन ने बक-्रशाराश्र-भाक्षिका-গিবিধারীর নিজাদেবা ব্রহ্মান। র্ক্ক-बक्राभी शि-ग्रश्नामामको।

### (১৮) আৰগাবোড়া প্ৰপদ্মান্ত্ৰৰ

बायवीम (भार नक्ष्माम ।

শ্রী গুরুপোরাল -শ্রীগান্ধবিদকা গিরিদারীর निकारभवा। दक्क-अप्रवामी औशंब-किरमात्र ।

### (>>) श्रीश्रक्तरवासम मर्ठ

यर्गकार, मुत्री, केर्ड्या। कथाम क्रिज़ीब-विस्ताधभाषवक्रीत निका-दम्या व हमान । तक्क — खक्क Sial 🕮 शहमा-नम विशावकः अभवाती अन्तिरानक उन्नहाती, कक जीनियार ।

(२ • ) 🕮 खन्म-८गोषीत्र मर्ठः चाणवतमाथ, अव्यक्ति त लाः, भूती । क्षश्रीपात्रक क्रम्य मन्द्र मन्द्र चीमनाहा बर्व्हान। वक्तक--- बक्क हात्री **जिल्हामबदी अ**नावकी। नरकात्री— अष्रवादी अविभिन्नविदात्री ।

#### (२) अमिकिमानक वर्ष **すばれず物、神でる**か

क्षात्र के स्थ- अपनाकर्मात्रामा कीत्र विकासिता वस्त्रमानः। प्रक्रक-अभवाती मौभवार । भौदामणम अभवाती

'२२' 🗐 नमाइन-जो जा स्र सर्वे

8시( 영기때 ] 1시 선생는 취계 ] (शो -- भगक्षभुद्धः अन्य अन- मिकाक्षमः) क्षणीत्म शास्त्रम्या नक्ष्याम वक्रक---बोबानकोनायली. जीपकामन उत्रवारी ।

> .२०। डीक्सरेडडम् मठ जीमु नरच्याम कुछ, जीभाम बुन्यायम । के क्रिक्राधा-ताल-द्यामनकोसः दयवा ।

রক্ষক--- শ্রীগণগভিনাথ ব্রহ্মতারী

### (२८) 🗐 পরমহংস मठ

देगीयधावनाः मीजाभूक এথানে 🕮 ভাগৰত পাঠশালা 👻 चौरशीव निर्माम विद्यामधीत स्मवा बख्याम । १क व -- अक्षारी दीन निश्वानम व उच्छावी भौनक्षाम ।

२०। औरेड्डजरगोफीय वर्ड पृष्तक्षा, कितक्षा, भाभक्षा । देश क्षीरे ज्यान-महत्र माथा । व्यक्त-क्षीव्या-

मान वात्र. च्याप्मनमानम अम्रहात्री. चीवाम कौलं अवस्विधाः

### (२७) वरामरभोडोच मठ

कुक्टक्रिय, पारमध्य, कनाजा । अगारन कोर शक विकास क-वास्य कः तमना वक्त यात्र । तमन--- वस्राठी मिश्रमनाको. जीननी-গোপাণ ব্ৰখনামী

(२०) खाषानभाषा अभवाख्य-वर्ड आश्वनाष्टाः (लाः सा**क् मान्या** 

खपारन **यक**्कुम्युखि सीदशीवारणव दशका वख्यान । दश्र-व---- अववानी जीकानकुरू-लाम, जीनवरशंक उक्काशी।

(२४) विश शाणीय मठ-कार्यानेय उन्द द्वापी अपन, छा का अंदर्भ, विके किश्री । त्रक्रक-अम्रहीकी जिलीवक्रक, जीकुलरसच्य

(२०) ८गामानगाङोळनंडाळ**२** उक्क-ज्याताको खोशपर मध्य

MidielBB4549Man

" Mais in the "

### মোটর চাপায় ২ খন নিহত ও SO WH WIFE

नाइमात्रा त्वाटफ ध्वकि छीवन स्मावेत्र ত্র্বটনা হইয়া গিয়াছে। আরোহীপূর্ণ ংকেখানা মোটরশরী তীরবেণে ছুটিয়া ষাইবার সময় একটি টোঙ্গার সহিত বিন ক্লফনগর কলেজের অধ্যকের পদ भाका मानाहैया छे छ। हेवा (नवा क (न (ठाकात भाककाण पाइक इत वरहे; কিন্ত ভাহাদের আঘাত তেমন ওরতর হর নাই।

লরীথানি তবুও অগ্রাহ্ন করিয়া চলিতে একটা গাছের সঙ্গে প্রচ ও ধারা লাগার। ভাহারই ফলে লরীথানি ভালিয়া চুরমার হইয়া বায়। আবেছিীদের মধ্যে एकि जीलाक दवर दकि निश्र भूकर মাবা গিয়াছে। শ্রীর 'চালক সমেত আরও ১৭ জন শুরুতর্রূপে আহত रहेशास्त्र ।

### माटनागान व्यर्ग ७

🕮 হট্ট সহরের থানার দারোগা মৌলবী गरनाइत आणि बिश्वे महरतत निक्वेवर्ती ঝালপাডার কভিপর মুসলমানকে প্রহার করার অপরাধে অভিরিক্ত কিলা ম্যালি-**८हेट हेत्र विहादि ४४ है। का कार्यमध्य मिल्ड** इहेश्राट्य ।

### द्याचार गर्ड्यद्रम विकास কালরভি

मश्याम विकारगढ जिल्लक्केत्रज्ञ मध्यारम প্রকাশ, দুণারিনদ ভারত সচিব বোখাইর গ্রহণ্র সার ক্রেডারিক সাইক্ষের विनाग्रकाम आव ८२ माम विश्विष्ठ कविया-ছেন।

### গোলটেবিলের ব্যস্ত সঞ্র Co 350 9180

ग छटनत ১৮ই जुलाहेत्र मः वाहम প্রকাশ, অভিরিক্ত বাজেটে আরও ৬ লক পাউও ব্যয় মঞ্র হইরাছে। ইহা হইতে আগামী গোল টেবিল বৈচকের बाब ६० शामात्र शामित वात्र कता वहेरव । **এই পরিমাণ** বাম ভারতবর্ষকেও বহন করিতে হইবে।

### त्राज्यध्यक्तीर७ (यन्दारम्यकः फिटशंत्र लाक्ना

क्षकान, गठ ३१३ खूनाई नाजिए (चक्कारम्बरकत्रा विरमनी वरत्रत्र स्माकारन পিকেটিং করার পর ম্থন প্রভাবর্তন করিছেভিলেন ভখন বিশ্বার্ড কনটেবলগণ काश्वानिश्दक माक्षिक करत्र। T1: গোচরীভূত করিয়াছেন।

### व्यवाक वर्गी

**(अगिराज्यों) करनरकृत भिः भात, अन,** গ্রাহণ করিয়াছেন, ভৃতপুর্ব অধ্যক্ষ মি: এ, **. (क. हम्म हर्डे आंध्य यमगी हर्देगा ह्या** 

### **গীর্জা**য় চুরি

রেঙ্গুণ চইতে প্রকাশ যে সহরের থাকে; একটা কুকুরকে চাপা দিয়া ছইটি প্রধান গার্জায় চুরী হট্যা ঘাটবাব পর, সেনা-নিবাসের মধ্যে অবস্থিত 🕒 🦈 क्रम द्वामान क्यांश्रीक श्रीक्राध ा চোর ছলি এনন হইয়া গিয়াছে। প্রবেশপণের নিক্টবর্ত্তী ধার ভালিয়া। খদেশী মিশে গর্মাঘট চলিতেছে। প্রধান माशया ज्यामारात वाक रहेए हैं कि कि फ वाहित कत्रिया गर।

### সরকারী উকীলের পদভ্যাগ

বাধরগঞ্জের জুনিয়ার স্বকারী উঠাল বীবৃত রাদেশ্রলাল বন্দ্যোপান্যায় গভ > १ के क्वांडे लागिला माथिन कतिया (छन। প্রকাশ, किला ম্যাকিট্রেট মিঃ ডনোভান দি, আই, ট-র স্থিত তাঁহার দীৰ্ঘকাল ধরিয়া যে মতভেদ চলিয়া আসিতেছিল ভাষাই প্রভ্যান্যের কারণ।

### মোলানা সিরাজীর মৃত্যুতে স্থ ভাষচন্ত্ৰ

কলিকাতা চইতে প্রকাশ যে বদীর প্রাদেশিক কংগ্রেদ কমিটার সভাপতি শ্রীয়ত স্থভাগতন্ত্র বস্ত্র সিরাক্গঞ্চে র স্বর্ণীয় त्योगाना हेन्द्र। इंग इत्मन मित्राकीत श्रुव মৌলানা আসাছলা সিয়াজীকে নিয়লিখিত ভাবে ভার করিয়াছেন-

"শেকাৰত সংবাদ পাটয়া অভাত ছঃবিত হইলাম। আমাদের গভার সহামু-ভূতি গ্রহণ করন। ক্ষতির হুত্র বাঙ্গলা इः भ कतिरहरह ।

### ওয়ার্কিং কমিটীর সিদ্ধান্তের প্রতিবাদ

সিমলা ইফিলা রাজনৈতিক সন্মিলনে সভাপতিত্ব করিবার কালে ডাভার সভাপাশ সাম্প্রদায়িক সমস্তা সম্পর্কে কংগ্রেস ওয়াকিং কমিটীর শিদ্ধান্তের প্রতিবাদ করিয়া এই অভিমন্ত প্রকাশ करतम, माध्यभाविकछात्र ध्यात्र निवाद्य यशिया देश स्थामाधिशतक शक्ष्या स्थान উপনীত হটতে সাহায়া করিবে না 1 ভিনি বয়ক ব্যক্তির ভোটাণিকার ও মিশ্র निकाहत्त्व अधुकृत्य यञ ध्यकाम कर्त्रन

ত্মবান্ধনিয়াম এ বিষয়টি শ্রীবৃত গান্ধীলীর এবং সাম্প্রকারিক প্রতিনিণিষের নিন্দা তিনি সমবেত প্রোতৃষ্**ণগীকে** निज्ञी इक्टिय बस्त जन्म काल क्या मा क्तिए अपूर्ताथ क्रिन।

### युक्त अदम्दर्भ स का छिमिन

যুক্ত প্রদেশ বাবস্থাপক সভার আগামী षा. रवनन २०१म खूनाहे छात्रिस्य मास्त्रीय विभिर्व । अवर्गन्न मात्र मानकम ८ इणी নাইনীতাল চইতে তথার ধাইভেছেন। ব্যবস্থাপক স্থার উধােধনে তনি বস্তুতা

### हैरनाटत धर्मचंड

हेट्नाटनं भागात अवान, ज्याकात मन्त्री এই विनरत श्खरक्ष कतिशास्त्रम्, ফলে ভদন্ত কমিটা নিযুক্ত চইয়াছে। রাজ সরকারের কর্মচারী শ্রীণুক্ত ভালচর-कात आर्मारमत करू नियुक्त इंश्वार्टन। লমিক সমিতি ও কলের প্রতিনিদিদিশকে দেদিৰ শ্ৰম শি**ল্প ও** বাণি**ছা বিভা**ংগীয় किंग्रिक काब्लान कहा इर्रेश हिला।

### ७৮ पित्र कानमदन

ভিছাগাপট্টম চইতে প্রাকাশ রাজ-देशिक करमें बीवति बाध्यक मुक्ति ८४ ९६१ वस साहि। ५৮ मिन खार्याल. বেশনের পর অন্ধ প্রাদেশিক কংগ্রেদ ক্ষিটার গেলেটারা শ্রীযুভ কালেখর রাওএর অফুরোনে আজ আঙার একণ त्राक्टेनिक करमित উপযুক্ত বাবহার না পাইয়া শ্রীহরি রাভ মনশন করেন। সরকার তাঁচার অভি-যোগের প্রভাকার না করায় ভাছাতে व्याष्ट्रियम स्रोगाहेरात प्रश्न शुरू ३५६ स्थाई একটা বিরাট<sub>ু</sub> শোভাষাতা **লেগ্যা**র প্ৰান্ত গিয়াভিল। জেল কাৰ্ত্তপক্ষ ৰ লয়ী রিজার্ভ পুলিদ আনান। কিন্তু ভারায়া কেলের ফটকে পৌছিবার প্রকেই শোকা-याका त्नव कडेबा याव ।

### কাঁচি চালনায় তুই বৎসর

পণ্ডিত জহরদাল নেহরুর সন্ত্রীক গিংহণ এমণের পর প্রভ্যাবর্তনের দিন-১৬ই জুগাই রাজিতে আবরুল করিম नारम এक वाकि राम रहेमरन रभाममान করিয়াছিল। সে কাঁচির সাহায্যে ৩ जन लाकरक जनम कतियात चित्रारम चित्रक रहा ) १**३ क्लाई** दिलाक्ट्रह ম্যাজিট্টেট সাম সাহেব লালমোহন বন্যোপাণ্যায়ের বিচারে ভাছার ২ বৎসুর मध्यम कात्रांक**ु स्टेशाटक। हेटांत्र यट्या** 

**এ**क बाग कान छाहारक मिर्क्कि कांग्रीविन कान **महित्य रहे**रन ।

मामिट्डेरे अरेमन मंख्या ध्राम्भ कतिप्रार्ट्स (द, लाकि) धर्माक्षक श्रीर् नारब, जरब निक्क कंबबनान व्यवस्थ क्य क्या व छाषात्र देशक दिन, त्रवन गाना ध्यमान भावमा गाम नाहै।

### পাট্যায় লোগহৰণ হড্যাকাও

**गाष्ट्रेना विशास प्रश्रक्षाती जानात्र** अवर्ग्ठ कात्रकृति आह्मत मुख्यानुत्र निश प्रावयप्ता निर नामक हुई वृद्धि कहै। स्गारे प्राजिष्ठ निर्ठ eguice i ১০ই ভারিখে পুলিস সংখাল পার ছে, धरे रहि लाक निक्षित हरेगाए । कि ष्यपुत्रकारन भूगित এकि कुरलब यश रुवेटल चलियात मरना वका कार्याटनके मृष्टलक व्यविकात करता क्षेत्रा क्षेत्र (य, ७ यरमञ्जू भूटक कहे लाक हुई कह काशास्त्र २ वन व्याचीत्रात रका क्षिया-क्लि। खबन इहेटल अहे २ जन लाटकई मरना कीयन मञ्जना छिन। अविक्रि म अपानव मिर ध्यः काम उपन मिर অনিৰায় ৰাভাগ পুলিগ ভাছাদেছ বে গ্ৰুল প্ৰভাৱ উপর স্প্রেট কার্ড ভারাল্লা তাহাদের বিক্রছে করেকটি মানলা উপ্-স্থাপিত করিয়াছিল। **এयमं भवास** काशास्त्रक (खानात्र कता स्व भारे । भूमिन এ শঘরে জোদ তদশ্ব করিতেছে।

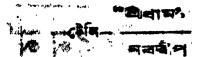
### चात्रदकानाम् द्रतन्त्रदश कात्रवाचाः। जडााबह

याळाटकत्र व्यात्रहरू शाम् नायक व्यादम च्यन व्हिन्छ । दम, ध्वम, ध्वम, दम्राक्षक व्हान পানার ১২ শত শ্রমিক গড় ১৭**ই খুলাই** সভ্যাত্রত করিছাছে। করেখানার কর্মপুর্ক कर्मक कारमध मत्ता २० वन अविकरक क्षिक क्यांत हेन्द्र। ध्रावान क्यांत मकाब्रद्धसम्बद्धि हत । श्रीपृष्ठ चि, चि, পিরি রেশওরের এফেন্ট **ও অভাভ** केळला क मार्च हात्री त्वत महिल ना अन्दे चनद्राद्ध भीचकान चारनाहमा चर्त्रमे । त्यायवादत्र कात्रशासा भूमियात्र कथा।



জানালারগরাদ ানের ফুলদাররেলি খেথাম ড়াটাবার ইত্যাদি নুলভে বিক্ৰম কৰি कार प्रमुख्या एक अध्या

> 40 (2005) १ छ ०५ गान कॉलका



family and **MINATES** वाषि देकि ३ WE WHE OF गिकि क्लब २. इंकिड मार 4'5E :



मागार्यात मात मा आम (मय नायिक क्र भागतिक द **्वमाशिक २५०** মাসিক ১১ W1616 व्यन्ति मध्या , ८

নারতের সাকিতা বছল-প্রচার- দীরা কেলার এব মাত্র মুখ্পত

সম্পাদক—শ্রীভাতীক্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচস্পতি **43** ] ্রি২০তম সংখ্যা

এটিচভশুমঠ শ্রীণাম মারাপুর-৭ই জাবণ বৃহস্পতিবার, ১৩০৮, ২৩খে জুলাই ১৯৩১

### নানা কথা

কৃতিয়ায় দাক্ষণ অন্না গাব

Cच्छामाता हैटेट्ड अक्ष्म. क्षेत्र! মহকুমার আর্থিক জ্বরতার নম্পক কাডি-करधान क्रिक कार्युत इस भियातिमा गिमिकि हैएटाम्टमा क्यां ७ ८७६।-भात्रात्र प्रदेषि ८कम्ब শ্রীমৃত হ'রিপদ कार्याञ्चलक स्टान । **हर्ष्ट्रीशासास ६ ीयुङ जमस्त्रक्षमा**श চক্রবারী নামক স্থানীয় ২ জন বিলিও কংপ্রেসকর্মী এখন কলিকভেয়ে অবসান ক বিতেতেন। ভালাদিশকে কলিকভোৰ निभिन्ने नाकिनार्गत निक्ष कडेटक माश्राह्य णहेंगा अविनादय कृष्टिशाश आणितात काश ভার করা হটয়াতে এবং টে সম্পর্কো व्याहारी शक्तिहम्म द्वारवत मेहिल नाकार .. क्तिरक् व्यक्रमान कृता हरेगार ।

### নিজো হাজামা

धनवामा इटेटि धार्य भः नारम धानाम, মাটজন টুনিছোর প্রতি প্রাণদভের व्यादन रहेगारछ । दहे बारमरणत व्यक्ति-बाद कतिया करत्रककान निर्धा कारास्थाय ।वर्गर**ाट** जे कहे अन कर्षा हात्रों व्याहक क्या । वारह । मात्र धक्यम निर्देश नाहक हरेगा छ । লিখিন বিশ্বি। বিশ্ব প্লায়নকারীর বাটাতে। शना निया काहारक धतिया व्यानिया इक। । আপ্তায় করা হয়। প্রমিউনিট দশপতি ভাষত নামক এক খেতাকের প্রাণদত্তের করিয়াছিল।

# কুষ্ঠিয়ায় দারুণ অগ্নাভাব

লওনের পলীপ্রামে বাটী নির্মাণ

# बद्धा

জান মুদ্র কৈয়ারীর অভিযোগে ছইজন এথাপ্তার

# খেত, ক্লের প্রাণদণ্ড

বড়বাঁকীতে এখুনুও ধরপাকড়

বাঙ্গালোরে ৫ জন নিগত ও ১০০ জন আহত

# র্টিশ কনসাল নিরুদ্দেশ

বালিকা বিজ্ঞালয়ে অনুশ্ন ধুর্মঘট

**থাবর্শন করিয়াছিল। ইছাতে কন্তৃপক্ষের বিলিয়া কুর্**য়েকজন নির্বোকে আভিযুক্ত আনেশ দিয়াছিলেন। ১ ইর্চাট উ ৬ ণ**্ডি ভাহাদিশের বিলোধ উপস্থিত হয়, 'কর। হইয়াছে। একদল সর্কারা কল্ম। আদেশ মলুব ক্রিয়াভিলেন। ২**০০৭ এবং **গুলীবর্ষণ হইডে পাকে। কলে** চারী প্রাত্তক নিজ্ঞানিধের অনুসন্ধানে জুলাই প্রাত্তংকারল সেন্ট্র স্থেন্ত এক জনু নিপ্রো মুত্যুমুখে পতিত জন এবং ু বহু সংখাক ডালকুতা শ্রমা বাছির হই- ছিলার ফাঁটা হল্যা পিলাছে

### বোডাজের প্রাথমত

**ক্রা এর আর এ আট্রান নিব্রোকে বস্থন জজ গড়াহত্যার অগরাণে উইশিয়ম কথচারীদের চেটায় গে পবে আনলাভ** 

া গভ ২০শে জুলাই স্থাকালে ভ্রামণ্ড **থানা থাইবার ছুরীয় লাহ**ায়ে গলায় আৰাত করিয়া আত্মহত্যা করিবার ১৮৪৮ লাহোর হরতে প্রকাশ, স্কাণ্ডলপিতির করিয়া অজ্ঞান এটয়া গড়ে। দেল

### জাল মুদ্রা ভৈয়ারীর অভিদোগে তুইভন গ্রেপ্তার

करको बहेरक खोकान (य ३४ई कुलाई **ম্ব্যাকালে পুলিদ বিনাহক বিভিঃহে** शामा भिद्रा निहिन है जिमिगादिश करू रहान ভাত ইন্দ্র সিংরে মরে বানাভ্রাস কবিনা কালমূলা হৈয়ারীর অভিযোগে ভাগকে গোটার কল্পেই ইন্ধ্র সিংএর চাকর বলিয়া মনে একজ**নকৈ**ও প্রোয়ার করা হইবাছে। প্রকাশ, ইন্স সিং এর খর হটতে পুলিন ক : ক ওলি ন তন<sup>্ত</sup> রৌপ্যমুদ্ধ পাইফাছে। অবেও :পপ্ত চলিতেছে।

### ज ः निः भन्नीयाद्य वाष्ट्री निर्मान

গোট রুটেনের পলীগ্রাম ভ্যাণ কবিয়া বল সংথাক ক্লমক সহায়ে আসিছা আৰুৱা याः इष्टर । किर्मु गश्दत त्वकादतत मःश्रा য়াহি পাইতেছে। এট **অবস্থার উন্নতি** वितामार्थ तृत्रीन अवन्तरभक्ते अक आर्थामन পাড়লিপি ১৭শ করিয়াছেন। কম্প শভাষ এই সাইনের তৃতীয় দক্ষা আলো करा रहेश (अग्रह्म । शही **अग्रह्म ८०.**००) বাতা নিক্ষণে করিবার মঞ্জ গভংমণ্ট নাহায়ে প্রদান করিবেন, তক্ত চিলন कता क्षेत्राध्य अहे मग्रष्ट नाष्ट्रंट आहे নাপানত মাত শিক্ষি ভাত্য বিসাকে ক্রমক ভ্রেম্বর জ্যোক্তে বসবাস করিছে দেওয়া क्रेंद्र। अर्थ नामश्चा कड़ित्स व्याप्त अक भक्ष (मारकत कारकत गःछान ३६१४ ६वः গ্রায় জ্লাফ লোকের বাসস্থান নিরূপিড ≠हरत -- भाडनंत्मणे देशादे खित कतिया-

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

### (थाना इहेश्राट्ड।

অভিজ্ঞ ও আদশ্ভনিত্র শিক্ষকগণ **হাঞ্জিণক** অতি যত্ত্বের স্থান্ত শিক্ষা প্রদান করি**তেছেন।** বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যয়ে সুন্দর বাসহাশের ব্যুক্ত হাজাছে। স্থান স্থানীর সাহাক্ষা।

সবিস্তার সংবাদের জন্ম নিম্নলিখিড ঠিকানা পত্ত লিখুন। সেত্রেইটারী, ভাকুর ভক্তি-বিন্দোদ ই**ন্তিটিউট্** জ্রীচেপ্তমত, পোঃ জ্রীমাধাপুর, নদীয়া।

### —৫১ বংসরের প্রাভটিত—

উৰ্যধানয়ে প্ৰস্তুত বঁটীকা

होरा कुक्त हो रथा। स्वश्चानाय, उनक्रिकारिज, अधीर्थ, श्वक्षक व्यक्तिक काष्ट इत्राध्येत इत्रांग निवासत हेड्डाइड हान। व्यकाल कार्ट्स यक् वक् श्वक्र कहेरा श्रम्

### हेड़ा

সকল ঋতুতে বাৰথার চলে ৰ সমান কল প্রবান করিরা **থাকে। আভি** কৌটাল ০২টি বটাকা থাকে।

### কেবলমাত্র

প্ৰতি ৰৌটাৰ মূল। ১ ্ৰক টাকা। ইণার নাম '**আডভানিপ্ৰছ** ৰটীকা'।

অন্নার উন্নার জারীকার কর পর শৈপিলেই পাইবেন প্রাপ্তিয়ান :—আন্ত প্রতিক্রিপ্তাই উক্সংলাক্তর ২১৮ নং বধনাকার টিড, ক্লিকাডা ।

# ক বরাজ শশিভূষণ কবিক্ঠাভরণের

# ज्ञानक जनाम महानय

মফারবেলর স্থাবধার জন্স ৬ আঃ শিশিতে ঘণীভূত । ব ভোটবোভালের াসমপরি প্রণ ডাকে পাঠান হর, ইংলাঙে ঔষধের কোন প্রিণ্ডন । ভর নাই। মূল্য আভি শিশি ৪০ আনা, প্রিট ৪৮০ আনা, বোচল ৮৮০ আনা।

অফিন- ১১নং উল্টাডাঙ্গা রোড, পোঃ শামবালার,

# শ্রীভাগবত প্রেস

গোয়াড়ী হাইট্রাট

### कम्बन्ध द

এখানের বিবাহের নিমন্ত্রণ-পত্র. প্রীতি-উপধার, কার্ড, গ্রন্থ এবং অফাঞ্চ যাবভীয় কার্মা চাপ। হইরা থাকে। ছাগার দর বাজার দর অপেকা ফুলস্তা পরীক্ষা প্রাথনীয়।

### হাইড্রো**নিল** বা কোষরদ্ধি রোগ

ডা: তদ্, তন্, খোৰ বিদা আছে,
যাবজ্জীবনের গ্যাবালি দিয়া বৈশ্বাভিক আপাশাতে কোষবৃদ্ধি হোগ আহ্বোগ্য ক্রিয়া থাকেন।

> উকানা— ১৮ মং কটন ট্রাট, নড্যাকার, কালকাডাঃ।

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

# দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষ্

প্ৰবন্ধ নিৰে সম্পূৰ্ণ আব্বোগ্য

বোগী দেখাইতে চইনে। অগ্রিম পার্থের খনচ (যাওয়া এবং আসার)
পাঠাইলে গিয়া রোগী দেখা হর অথ্যতিবানে আসিলে ভোগী বেশিরা
উষ্ধ দেওয়া হর আরোগা সা হঞ্জা গ্রান্ত পারিপ্রমিক দিতে চইবে বা ।
গ্রীব সোগীদের খনচ বহন করিয়া তিকিৎসা করা হয়। বিশ্বাবিক্ত
বিবয়ণের অন্ত এক আনার ডাক টিকেট সহ নিয় ঠিকানার অশ্বসন্ধান
করন।

শ্রীক ঠীশচন্দ্র উকীন, যক্ষা-চিকিৎসক, পো: নৈকারী, বছিলাল।
ক্ষান্য নিম্ন ঠিকানায় সাক্ষাই করিয়া বিস্তান্তি কানিকে পাজেন।
শ্রীষ্ত রামগোপাল দত্ত এম্, এ, ক্লমনগর, নদীয়া। ইন্দুন্ত করিপদ
সিংক, ১১৭, বেলিয়াটোলা ইট্টি, কাটগোলা, কালকানা।

প্রক্রমানি পজে! প্রার প্রাঞ্জুলুর গছ ছয় নাগ ধারৎ রাজ র্ম্মার ভ্রিয়া মৃত্রার করবাছেল, কালকান্তার বিজ্ঞ চিকিৎসক্সর ভালর জীবনের আশা ভাগে কার্ডা শেস মৃত্রুপ্তের জন্ত অংশ্যাক করিছেলিশ এই সময় শ্রীষ্ত ক্ষিত্রীশালপ্র উক্তিল ন্তাল্যা নাজ ১০ দিন চিকিৎসা করিয়া সম্পূর্ণ আবেগা করিয়া লগ্যাছেল। (সাঃ) শ্রীষ্ত্রীক্ত কিশোয় করিয়া কর্মা চৌধুরী (জমিদার গাবিয়া) হল্ ট্রীট, নিউ বিজ্ঞিং। ভ্রমণ্ডেশন ক্রিটা চিলা উন্দেশ্য, ভ্রিকান্তা।

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

भोजाक 88%

মাত্র ৶১০ ডাকটিকেট পাঠ।ইলেই বুক্তেণাট্টে পাঠান হয়।

ম্যানেকার-প্র**ছবিভাগ** শ্রীচেড্ডমই, পো: শ্রীমায়াপুর, নদীরা।

কেল প্রাচ্কলাল

# গৌড়ীয় প্রতি ং ওয়ার্কসে

এত প্রশংসা করেন

-কারণ-

এখানে বাবভীয় ছাপার কার্যা— গ্রন্থাদির কার্যাই বলুন, বিবাছের নিমন্ত্রণ পত্র, কার্ড, বিবাছের পছাই বলুন,

আর ৩ বং ও ৪ রংএর হাফটোন ঐকই বলুন, সকল কাষ্ট্র স্থি সম্মুদ্ধানা হয়, অথচ ছাপাইবার খরচ বাজার অপেকা ফুল্ড।

আপনার কিছু ছাপার কাষ্য থাকিলে নি**মটিকানার জানাইলে**ই পাইবেন।

> मारमबाब- ल्योज़िया द्विन्टिय उद्यान्त्रम् २८०१२ मर बागाव मार्क्स्माव दशक, कविकोड



**46**44

২৪ বামন গোরাক্স ৪৪৫, ৭ই আনেশ বঙ্গাক্ষ ১৩৩৮, ২৩ জুগাই ইং ১৯৩১ রুহম্প িনার

**১২० उम भः भा**र

### সাম্যিক সাৰ্প

পত সুধুই জুলাই বুধশার প্রাতে মান-ভূম জেলার জয়পুনের ভূমানিকারী মহাশঃ জ্ঞীধাম পুৰুণোত্তন ক্ষেত্ৰে বস্ত্ৰনান শুক্ত ভিত্ত अन्द्रामादेशकमश्त्रकाक व्याधावातमा हेल अन् শ্বাদেক শ্রীদরে প্রার এক ঘটাকাল **भोत्रक्ष**रत्त्र अभान्स्मित-मतात्र कथा आव ক্ষিশ্ব জীগোড়ায় মঠেব প্রতি অংস্থরিক সহাস্তৃতি প্রকাশ করিয়াছেন ও প্রক্র-শৌলাজ-সেবার আরকুলন করিতে প্রতি अरुक कहेशारकन ।

এদিবস সন্ধ্যাকালে স্থানীর এমার মঠের মহান্ত মহারাক শ্রীযুক্ত গদাণুর রামা एक गांग मश्लाम जीग छाङ्गारमतः निक्षे আগ্রমন করেন। তিনি আলোয়ারনাণের निःस्वादत्तत व्यमण्युनं कायाजी मधान्य कतिएक व्यक्तीकात्र कतिया जीलाम शतमानम अक्षाजाती বিস্থারত প্রান্তর নিকট অর্থায়কুল্য করিতে প্রতিহ্রতি দিয়া গিয়াছেন। এতগাতীত **छिनि औतिबरिक्कतत्राक्रमछात्र** क्राहातक সম্ভগণকে নানাভাবে সাহায্য ও আত্রয় প্রদান কণিতে সর্মদা প্রস্তুত আছেন,— धक्यां बानाहेगार्ह्म।

जीवुङ महोत्र महोताम जारणामात-न्द्रश्व निकृष्टे कृशक्तर्य भूटल पामणकन ज्ञात्मागारत्व. वर्का नर्गन कतिशक्तिगन ; এখন তাঁহাদের ম্থাঝির পুলার্চন চলিতেছে, ঝন্ধব এবং ওলনো বাসনেবা গ্রালতার ক্ষম চতুথাল্লমে উন্নীত করিবেন জীপান নি ভানিখা নিভান্ত হথে প্রকাশ করিবেন। । इ. হজ্ঞভার পাত্র বর্তমান গুণাচাগ প্রবন্ধই (ব্রহ্মবানন্দ প্রাভু 'মুকুল্পেরন্ত্রত' অলীকাং

उद्योगभातक धर्म वसमाम भूगेलाएकत मिक्षा अक्षान ।

আমৰা আশা করি, মোহান্ত মহাবাঞ ही)मण्डाताव र क मनाठा त "तावन, भाग्रामिश्रुर ও সাম্প্রদায়িক মভবেতা গভিতের নিকট क्तिनारे १७ मध्यामं **९ तिनिशेरिक्ष द्**तिकारस्ट পার্থকা প্রকৃতারে অন্যস্থ করত স্থায়ে इडेटा सम ७ मभटेनकारमध्यान्तर क गरू গণের নিষ্ণাবদলবেশবার প্রেরিট্রিভ উৎসাহ উভবোদ্রর বন্ধন করিছে পাকুন।

বংসর রগনার। দিবস পাতুরিভয় (পথার ) সম্পন্ন চটতে অপরাত্র প্রাণ ৫টা বাজিয়া যাওয়ান আল রথাকণণ হয় नाहै। भन भिनम आएं जब होना इहेंना ছিল। এ চচুপলকে তিদাওখানী শ্রীনদ ভঞ্জিবিবেক ভারতা মহারাজের নেতৃত্তে ইটিচতজ্বাহন শুদ্ধভন্তসম্প্রনার শ্রীরখাঝে न्छाकी छन कतिब्राहित्यन ।

श्रीवन्तिदात्र विष्ठ यथानिधि म् की अनुप्रस्थ সংস্থাপিত হটগাছে --এস্বাদ পাঠকগণ ই ঙংপুরেই অবগত মাছেন। এত্রগলকে तरु की शूक्त वदात बाक्तवत एक उत्रुक्त ভূমিতে স্বাভাইনা **জ্ঞীন প্রভূ**পাদের শ্র<mark>িমূবে । একান্তিক অন্</mark>লবাল ও দৃঢ়তা দর্শনে কায়-ভাগৰত ব্যাখ্যা প্ৰবৰ করিবার সৌভাগ্য লাভ করে । ধরু চইনছেন। প্রীমুক্ত কার প্রদানেজু হইয়া শ্রীল পরমহংস মহা-ক্লকতানাদ বাবু সমগ্র বৈক্তবজগতের একাস্ত বাক তাঁহাকে ত্রিদওসল্লাস প্রদান করিয়া ভিনি বনং জীতীগীভারত্নাথলীউর সম্পতির একমাত্র শুদ্ধ সংস্থালায়-সংলক্ষক জানিবা করিবা **জিলপ্তি স্থানী শ্রীমন্ ভক্তি**-

ক্ষণপ্রাসাদ বাবু প্রভ্বাদের নিকট ক্লা প্রাস্ত্র কোলায়ন নামে ভববৈক্ষ্যসভালে প্রার্থনা করিয়া বৈক্ষরী দীক্ষা লাভে ক্ষতাৰ হুইয়াছেন।

### জিদওময়াৰ গ্ৰহণ

ইটিচেড্সম্মাণিত ভক্তগণের অক্তম तीलाम देवभव्यक्रतम् भागः व्यक्तिकाती म**रहा**मग्र গত হয়। আগাঢ় ১৮ জুগুটি তাদিপে ওঁনিমূল্যদ প্রমহাস প্রিরাজকাচার্য্যপ্র আঁন্দ্ ভতিনিদাত সর্গতী গোলামী মগরাজের নিকট তিন্তুসন্ন্যাস গ্রহণ কবিবছেন। তিনি বালাবেদি সভাায়-সন্ধিংস্ক ছিলেন। ভজ্জর প্রথাতঃ ভিন্নগ্র অবলম্বন করতঃ ভাষাতে প্রবাভ সভ্যের পপ দেখিতে না পাইয়া চৈহ্ঞুকুৰ কুপায় শুদ্ধভক্তিসম্প্রনাথৈকসন্ত্রেকক ইন্নিং প্রভু भारतत मकान वाच करतन এ४ व्यक्तिस्थ তাহার পাদপন্মদেবায় আল্মোংসর্গ করেন আঁহার বৈক্ষবদেশার ভাদ্র অভুর্গে ও একাঞ্জিক আদৰ্শ দৰ্শনে শ্ৰীগুরুণালালা তাঁহাকে 'শ্রীবৈঞ্চানন্দ ব্রক্ষাস্য'-- এই রথবাত্র। দিবস শ্রীপুরুষোত্তম মঠের : আশীকাদস্চক তৃতীয়াশ্রমীর নাম প্রদান করেন। ভিনি খ্রীটেডক্সমঠে ভক্তিপান্তী পরী ক্ষায় ক্রতিত্ব প্রাদর্শনে শ্রীবিশ্ববৈঞ্চবরাজসভা ৰ্ইজে 'কজিশান্ত্ৰা' উপাধিতে বিমণ্ডিত হন। তাঁহার ভগবদভলনে উত্রোভর मध्मातात्का औश्तिक्त-देवकवामतात् व्यक्षि-

থ্যাত ক্ইলেন।

### গ্রন্থ সমালোচনা

व्यामना भाषाध्यत मर्थरशालालाशुद्रम ভানে অব্ভিত উল্লেখ্য মঠ কইডে প্রকাশিত ভাষিণ ভাষাণ অনুদিত একটা 'শরণাগতি'-এছ প্রাপ্ত হইরাছি। এছটি-বৈ শমাজমুক্টমণি নিভাগীলা প্ৰবিষ্ট ওঁ निकृताम औ जीमम्बिकिनियाम ठाकुरबंब বঙ্গভাষার রচিত 'শরনাগতি' নামক গীতি-এছেরই তামিল ভাষায় অসুবাদ পুরুক। থাহার। শুদ্ধ বৈষ্ণবালুগতে। ঠাকুর মহাশধের উক্ত গ্রন্থগানি পাঠের ক্রােগা লাভ कतिबार्छन, खाँदारमत निकंड डेटात পরিচয় অবিদিত **নাই। উছোল এছের ম**য়াদা विश्वनिक कतिका सर्वे नाक्सम् **बरेसाम्**न । বঙ্গদেশে এই গ্রন্থখানির ১৫০০ সংখ্যার মাটি সংখ্রণ ইতোমদোই সমাপ্তপ্রায়। বিশেষতঃ গাঁডছেগে ভজনরাজ্যের রহ্মগুলি স্বল বঙ্গ ভাষার পাঠ করিতে সকলেরই কৌ চুহুগ ৰুবো। উড়িনা ভাৰাৰ ও উক্ত প্ৰায়েং একটা অস্থবাদ হইথা উড়িযাবোদী শরণাগতিলিক ভক্তের শরণাগতি-শিক্ষার মালেই স্থাযোগ প্রদান করিতেছে।

আম সার্ছ চারিশত বংসর পুরেছ বে দাক্ষিণাত্য-প্রদেশ একদিন গৌরস্কনারেন পুত পদায় বক্ষে ধানণ করি ৷ রক্ষয়তার্থ হইয়াছিল-বেখানের অধিবাগিগণ নব্দীপ-বাসা অপেকা গৌরত্বনরের অধিক কুলার অধিকারী হইনাছিলেন, কালপ্রভাবে আঞ ভাঁহারা সেই व्यमस्मान .. र मात्र हा वी গৌরবিগ্রহের নাম পর্যায় বিশ্বভির অতল

### देक्तिक महीवाक्यकान-भावनार्विक भक्त [ वर्क वर्व ১২०२ म नरबाा ]

সাগরে ডুবাইয়া দিনাছিলেন। ভাই कृशावार्विष रगोवनिष-षन जील अञ्चलाप **डाहारमंत्र भूक्षरमोक्षान्तर्गः अमारम हेन्द्रक** बरेश रेखामधारे महिम्मात्वात िबन প্রদেশে গমন ও স্থানে স্থানে পৌরপদ্যতিল স্থাপন পুদরিক উচ্চাদের জনয়ে গৌরম্বতি পুনরবোধনের ব্যবস্থা করিয়াছেন। সুধু ভাহাই নহে, বাহাভে তপান শ্রীচৈতকবাণী ঘনে ঘরে প্রচান্নিত হইতে পারে, ভঙ্গক্ত নিজ অনুগত প্রচারকগণকৈ তথায় অবস্থান করাইয়া শীক্ত কিসি হাস্তবাণী প্রাচারের স্থবিধা করিয়া দিয়াছেন। ভাঁহার অঞ্-গত শ্রীপাদ বন মহারাজপ্রয়ে ক্রিপ্টিং স্থানিপাদগণের ঐকাজিকী চেষ্টাম ফংগ म्पञारकत सर्वरभाषांगभूतम् । उषाः कमाध ভাল ) নামক ভানে, কএকমাস্থানং একটা শুস্কভক্তিপ্রচার কেন্দ্র হাণিত ১ইনাছে।

সম্প্রতি এই 'শব্রাক্তি' গাড়িগুরুব্রিন ভামিল ভাষায় অনুদিত হওয়াৰ ভৱতা অধিবাসিগণের বিশেষ স্থাবিদ। ইইয়াছে। গ্রন্থপানি শ্রীযুক্ত পি, এন, শক্ষরনাবামণ শাচার রি. এ, বি. এল কর্ক ভাষিল ভাষার অনুদিত ও জীবৃত সি, ভি. রক্ষমার্ম আতার কৈওক সংশোধিত হইণ তিলাও-স্থানী শ্রীপাদ ভিকিজন্য বন মহারাজেব जल्लामकरक उत्रक्षा शिक्षीकीय गठ ६३८७ क्षकालिक इंडेशार्छ । अतिकृषाम व्यव धरम পরিবাজকাচার্যবেশ্য অস্টোডরশত বি-স্তীমন ভক্তিশিদ্ধান্ত সরস্বতী গোস্বানী মহারাদেশ একটা হিংরেলী 'মুপ্রর' ভাগতে সাম বেশিত- হওনার গ্রন্থনীর গৌবব ও ম্যাল। कात अंत्रेषि शाश क्षेत्राष्ट्र कार मकत्मतक উক্ত মুধ্যক্ষ পাঠমাতো গ্রন্থতাংগর্যা হৃদের ব্রেট ক্যোগ হইয়াছে। আশং कति, माकिना छातानी लकान मारवत्रे छैट! शतम स्थित विश्वास कतिहत ।

### ্ৰাজ্যাত্ৰ কৰ্মন টাউৰে সকীৰ্ত্তন শোভাযাতা

মান্তার ৬ জলাই ১৯০১ তারিপের ভারের সংবাদে প্রকাশ,—গতকলা পুরায় ьটा कडेरङ :> चिका **প्**यास गामास **এপৌ**ডীৰ মঠেব ত্রিদ্ভিস্বামিগ্রণ সহরের निक्यी (50), शाख्रा ही ही जेवः बाराभूतम् নামক-ভানের কিরদংশ দিয়া এক বিরাট্ নামস্কীউন্-শোভাষারা প্রিচালিত করেন। হিলভাষিক লোক লোভানানার যোগদান करतम । बीरगोड़ीय मर्ट्य प्राभितामत्त्रहे শ্রীনবাহা প্রায় ক্রীক্রীক্রমটেডক্রদের প্রার্থিত **क्रिक्ट की छिला ती छि मर्क श्राम्य अहे** महर्द्र राजानात महन-वार्यात প্ৰাচ্যৰ , ব্যৱস্থান । देवनिक्षे: न्याप्त नामानात कादव अक्रक-कोर्फ्टनम नी कि मर्नकशटनत अक व्यक्तितीय ध्मग्रायावेषः न्याभाव इवेशावित ।

রাজপণসমূহ 'জাতক্রম ক্রিনা ৭৮নং সোপাধিক অবস্থা। মুক্ত ভূমিকার শুদ্ অনুষ্ঠান মহোৎসবের সহিত জীৱফের ব্যতীত অন্ত কোন ধর্ম নাই। কিন্ত শেখা औন্টি ভূপার স্থাপিত করেন।

ভক্তটাউনম্ব পাণ্ডারপুরের শ্রীতুকারাম জীর অকুচরবর্গ 'সঙ্কীপ্রন্গংসদ' নামক **धक्की म**ख्यमाथ शर्ठन श्रावक मार्टार्गत र्याभगान करतन । ১२ घ.छेकात मन्। मश् সনারোচে অনুষ্ঠান-কার্ণা স্থপপন্ন হয়।

### ধর্ম কি १

**>** 1

ভাছত্রে এন বিজ্ঞীন উপাধিক বৈছিক-বিভ্যা। আনিভে<sup>4</sup>তক ও আনিট্রানক তাপদ্ধ ব ভেগেকের--মা ব্রুদ্র স্থানাট্র বিনিজিত জনাতিতি চন্ত্র প্রাদেহকণ আনির্গা আরু এই ন ুহেক্সবেম্য উপোদ-为150年 第141 1301年174前 門縣 1690年1月 विक्षु दाशि।

পুর্বেটি বলিং 🗓 গলগগুরুষ বিভূন েড্ডের প্রতিভ্রম মান , থাবা স্বাভারিক ८ श्रमा कर्षपुरे खारात मनाइन श्रमात, नाहाहे মনেবের নিভাবের। এখন উপাধিসঞ্জাভ (इ.स.च्यक चामना, कामना, कहना ५ বিভিন্ন বিভাবন মান্বের মান্ধেকা, আর कुलारमञ्चलांच कि উপাধি সংযোগেত যাবভীয় দেহনাম্মর উৎপত্তি :

মানবমন্যার স্বাভাবিক বিভাবট এই যে, মানবের ধশা কথনও বহু ১ই:১ পারে না। পথ --ম্নিবের নিতা বস্তু, श्रुष्ठाः प्रेष्ट्रतः अर्थान (अनुरस्टामः सामान भाषका मञ्जदबाधा नः । ७८५ धम दङ्क्रेशी (कन् १

ধ্যের বছত্ব সোপাধিক মান্ত্রের ব্যাদি প্রস্থত ৷ অবস্থায় ধর্মা একট এবং উহাট মান্বের : নিত্য স্তা স্নাত্ন ধর্ম--বিশ্বগ্রের এক-माज महा मित्रवानत्क व :

জড়োপাণিপ্রাপ্ত মানবের দেশ কাল-পাত্র ভেলে প্রক্লভি-পার্থকাক্রমে সোপাধিক भूषा महरकेटे शुलक होताश्रम । तक्षकान-বিহীৰ জড়ীয় দৰ্শদন্তযুক্ত উপাধিসঞ্জাত वाधिक गरे भद्री संश्रद्ध निष्मित्र कि श्रद्धा निष् করিতেছে এবং করিতে পাকিবে। প্রাক্ত কবির কল্পনাপ্রস্ত বিশ্বধর্ম সোপাধিক সমাজে শান্তির স্লিম ছায়া বিস্তার করিতে পারে নাই এবং কখনও পারিবে না। দ্দেরসমাজের নিরুপাধিক অবস্থাই এক-মাত্র প্রাস্থ্যর ও মহামিলনের শান্তিম্য

ত্রিদণ্ডিস্বামিপাদগণ জল্জটাউনের বিভিন্ন বা নিরুপাধিক অনস্থা এবং বন্ধ বা লিজ্যাটেটা ট্রাটে উপস্থিত হন এবং প্রচলিত আত্মার বিভূচেতনের আত্মগত্য বা সেবা वकावश्चात्र (पश्चारमाधरणंत्र वस्टेनिका-वण्डः मानव दछक्रभी धनः धर्षं ८ दमशास्त्र

> নিরুপানিক আত্মানশোর মাম পার্মা-शिक धर्मा, कात एकश्मानापरमान नामासम আধিক ধন্ম। পারমাথিক সাধনে মানব। আর একমাত্র পরমাম্মুর্তাতি ভিন্ন অকু রুতা থাকে না। দেখের তুল্লিদাধন-शाहिक्षेड्डे (प्रद्रमानाध**्यंत्र श**तिहासक ।, काजिक सद्भाव অনিতা কাণতিক ष्ट्राण्य क्या। हैका बार्नातिक, मार्नाभक ও স্মাভিক শিবসাবকা আয়ুওগ্রাবক প্রাকৃতি ঘর্ষন পরিনপুরুষের সেবাস্থ্যসূতিতে প্রাব্যিত হয়, ভূপন্ট গার্মাণ্ড স্তা 🖟 অবল ভাহানত প্রকটিত হয় - প্রমাণিক अभिष्ठेश = कीत्रास्त्र क्रिया । अभिन्य क्रियान । প্রান সকলের লক্ষ্য হ'ব বিষয়। আবি আলিক

केशक किश्वर स्ट्रेट्ट्र अस्त्र<sup>ेत्र</sup>ि भानगरेनहा । भागिक कि दूर्ण - इंटिन्स यथन श्रीरम्भिय आक्षा ठा तकत्व ५ शाउदा नाउ करते. ভাবন্ত মনের সময়ক ব্রেডীয় অনপের স্টে হয়— তিন্ন্ট প্রারাত সূপ প্রোণ হর कामाहरत हुन्छ काममा --कीन्टनव ख्वत्रेष्ठ

### কাম ও প্রেম

(3)

काम, ८कास, ८वाच, ८माइ, मन ९ निक्रशांतिक मार्श्या-- धेरे छरात्री मान्यत्र खनान नाकः। কিছু পাড়টা রিপুর নেতৃত্বপদ গ্রহণ করি । कामरे मार्ल भारितकरण संभए निक व्याभि का तिर्मिकारन स्थाननी कतिर श्रष्ट । কামেনট প্রেরোচনার অকুন্ডরি চ। বিভ হট:। মন্তুশ্যের অনুর্থ উৎপাদন করে। কামের কায় জীবন বিপু মানবের আব নাই। ইহার বার। আফান্ত চইলে এমন কোন অধ্যা বা অসুয়ে কাটা নাই, যাহা মাতুৰ মা করিতে পাবে। ইহার প্রান্তরে নিভান্ত গঠিত আচবণ্ডেও স্দাচার विभिन्न (तान इहा: शायक्कारक स्त्री, चक्रतेगुरक ३ कर्डना अवः चनक्रमत चर्मा-নিশাকেও মঙ্গলের স্কল্ত ভাতি বলিগা বরণ করিতে একটন কুণ্ঠা হয় না

অৰ্ধন্মোত্মত্ত 'মেতুইট' পান্ত্ৰীয়া শীৰম্ভ বিচাব বিপ্লেবণ-ফলে আমরা দেখিতে বস্তুত্তকে প্রজ্ঞানিত অগ্নিকুতে কমীভূত পাইভেছি, মানবের বিবিধ অবস্থা—মুক্ত বিরো কি কামেরই তর্পণ করে নাই 🖰

নরক্ষিরলোলুপ 'কাশালিক' দত্যু দেবী-পূজা ও ধর্মসাধনের নামে মরবলি निया के दर्भाय कृतिस्तिद्वयत्त्रहे भूका करत । जामता देविश जालम् क्षिणटक নৈতিক এবং ধাশ্মিক ৰশিক্ষা মনে কৰিতেছি তপাশি বিমশ সহ জানের অভারে দ্বানা-ধিক পরিষাপে সকলেই জামের ইট্রাসক एरेशः भिष्माहि। जयंश्वाहः द्वायमश विश्व श्रीवाधारभानित्मतः दमेश अक्राजीक व्यामना नीजि ७ श्यानिहासम् विहासह मित्रा आत शहाहे कति ना (कन निकाह কামতপ্ৰ। আপাত ভৌ**ন**িউপট্ৰশক অসৎ শাস্ত্রের মধুপুলিত বাকেটিক্সিছিত-মতি আমরা যে চতুর্বর্গ লাগনিকৈ এড বভগানন করি, সৈট গর্ভ, ভার্য, কাম, त्माकक्षण देक उनवाका । एक कारमन पृष्टि-शटक भतिभूगी कामनाधनाकरणहे छैं। तन्त्र এই চঃথদৈক ভর। ম্সারগতি লাভ ভইয়া शादक दानः भागारमाहिक कीतनान मिन्नकहे অভুলেরই আমান্ত্রৰ অলয়ুব্ভিছাল ব্যক্তিলত নিবানৰ ক্ষেক্ষ্মনার প্রার্থনিক্ষের অনুষ্ঠ গ্রংপের শৃষ্টি করে। জনেগারমায় সমুল্লভ भानत इंडेंग्ड शतिष्ठ कर्निया शत्र, शक्ती, রক বার সেই প্রমাণিক দ্যার কিটি, গাইল সকল প্রাণিট এট যোগকর কামের রূপে মুগ্ধ !

> উপ্রোগের থালা কামের পরিভাষ্টি ব্য না: বৰং অগ্নিতে গুডাভভিন্ন ক্লার বাসনার শিশা প্রদীপ হইমা উঠে। জগতে ा निक्षशामी क.मनाव 'कुंथः' जन-উর্তির(ছে, ভাষ্টে) এই অভাপ্রিশ্র জন্ত । স্থ শাস্ত্র কটি নাছেন, -- "ন স্বাস্ত্র কাম্য ক্ষান্দুপ্ভোগেন শাম্ভি।" প্রবৃত্তি-কামিগালের জন্ত স্থাগ্রাল, পশুবদ, স্থানা-প্রমাদির বাবস্থা শা**রে। দৃষ্ট হইরা থাকে।** নৈদার্গক প্রবল প্রবৃদ্ধিগুলি ধীরে শীরে সাহত ১০য়৷ নিবৃত্তিমার্গে প্রবেশের উপযুক্ত চইবে, ইচাই ঐপ্রকার বিবানের **উদ্দেশ্য।** কিছ ভাগ হইতে উদ্দেশ্যাপ্রনা কর্মান্তির সম্ভাবনা অভি অর। বহু ভোগেও ভোগের কুণা মিটে না: কেবল বাড়িজেই থাকে। ভাই কামিগণ 'দেহি' 'দেছি' ধ্বনিতে গগনপ্ৰন মুখ্যিত ক্ষিয়াও শাস্ত হইতেছে না। তর্মোবেশ নীলাপুৰির খুর্ণাবত্ত ভাল কে বর্ণন করিতে পারে ? কামনার উদাম স্রোতগুলিও অনম্ভ অসীম। সাহত লাহ ও জীববান্ধৰ সাধুগণ কৰিছে-ভেন,---''কাম জীবের স্বন্ধপগত ধর্ম নহে" নিরপের রূপায়িশুর প্রায় জীব কামকেই উপাক্তবিগ্রহ জ্ঞানে আরাধনা করে।

माप्तिक जमारक दक्षारमत कविष नारे। चत्वत्र शांके, 'द्वाम' नारम या ठाक्तिका-युक्त खवांबित चतिम-विक्रम एटेएक्ट्र (मणी অন্ত-সারশৃষ্ট কাষেমই প্রান্তিমা। অতি তুলা অপভাবেঁত বিনিমৰে প্ৰেম বলিয়া-कामभागात वायमात हिमादि ।

# গ্রন্থ পরিচয়

### ৰীমন্তাগৰভম

ठाकुत-क्ष मातार्थानिय किया, यमास्याम, मः प्रत अध्य अ অভিশন্ত ভণ্য ও বিবৃত্যাদিবক। অভি ছংলা আদিতে নেই ক্ষেত্র প্রাক্তিপাক্ষ কথাসার, অণ্যায়ের প্রগমে ঐ অধ্যাৰের সাল্পত হৃষিভূত ভাৎপর্যাদি পিরত। শ্লোকসূচী বিষয়স্চী, আগ্যারবিবরণ, পাত্র ও স্থানস্চীগৃহ উত্ম কাণতে উত্তম অকরে মুদ্রিছে। প্রাণম হইতে ১-ম হর পশ্যক ছাপা প্ৰক্রিপে শেব হটয়াছে। ভিকা প্রথম हरेटक क्रेम° क्स लगात २०।०'०; मनम दक्त >>्; ---

### 🔊 শীটেডভাচ রিভাষত

**অভীনত্ত চি** লোধসাক্তর রচিত 'অনুভপ্রবাহভাষ্য' ক্রীমন্বকি নিদান্ত সরন্বতী গোলামী প্রভূপান বিশিত 'অস্তাব্যে ফ্রাডি-ছভাদি বহু শাস্ত্রমাণ সম্প্রিভ ১ইয়া व्यक्तिक क्ष्रियारक्य । (शारक्त शावग्रताथा, वक्राकृतामः । প্রত্যেক পদারের পুরের সংশিশু অভিনেয় সংযোজিত। প্রত্যেক অধ্যাদ-প্রার্থ্যে কথাসার দেওয়া আতে। শ্লোক. पत्र, नम, शान, भाव आकृष्टित्र अनुहर कृष्टी । अहरूरास्त्र বিষ্কৃত জীবনী সমবিত এইরূপ অভ্যতপুরু সংখ্যাণ ইভঃপুরে ্তাপি আকাশিত হয় নাই। উত্তম কাগতে পারিপাটোর 🔐 ্রেড ভুল : অগারে মুলাংশ মুক্রিড হইয়াছে। এড প্রায eoo पृष्ठीय गुम्लात । स्थिया वर्जगारन क् गाजा।

### **এটেড ভাভাগবভ**

প্রস্কারের শ্রীবনী, প্রতি পরিচ্চেদের ক্পাদার, বিশ্বত धीय धाया, अवय्ठी, अयात्रक्षे, विषय-श्राम शालामिed), প্রস্তৃতি বিবিদ বিষয় সম্বাশত বিরটে বিভীয় সংস্করণ हर्ण व्कान्डिस ৮ (शकी व्याकाता कामिलाला ও মদে)त म्यापरण व्यक्तरिक स्व्यार्थन। ज्ञास काम व्यक्तिक हिरेक्टइस्न। आंक्रम किया ६ छाका, आमि नीनात 5 m C 1

#### **শ্রীটেড ক্রামলল**

এই এত্রের এরপ অভিনব ভুলর সংখ্রণ আর কুত্রাপি व्यक्तां भिष्ठ इस भार । अश्वष्ठ दश्राकार्यमत् स्वस, वश्राञ्चान, চাধা, কথাসার, তথা আছুতি সহ থতে ২তে প্রকাশিত हिरेशारक्ष्म । भूग स्माठी अव्यक्त क्ष्यं कार्केन व्यावेरप्रकी हर्षाकारम हाला स्टेग्नारक। मुला २॥० छोका। नतीया प्रकाम खें दर्शीकीरमञ्ज आहम गरन त्र शरक अ। के कि ।

### **জ্ঞানত**গৰদ্গীতা

-- জীলোড়ীর বৈক্ষবাচার। অপ্যাক্ত রাসকচ্ডামণি ্বিশ্বমাপ চক্রবডিঠাকুর গোখামিকভা সারাগ্র্যিণী विकास का कि कि मिक्क कि विद्याप अक्रूब-वार्गिक व्यक्तिक-

.बाइक क्षांबाखायामहिका। व्यवायक्ती, माज्याकरम हाय-एही,वियय-एही,अध्याद्यत श्रीयनी ७ व्यवख्राविकारि ह-काक्यावियम-मह केंप्संड वावांचे क्कीन मरकतन-एवे तार विश्वप्रदेशको ६ क्रीका माख्यः माश्राप्त मरकप्रव--- ३४०

### শ্রীল প্রভূপাদের বক্ততাবলী

ও বিকুপাদ এতীমছভিবিছাধসর্থতী গোস্থাম মহারাজের দেই অবিজাবিধ্যংসিনী জীব শ্বেস্ট পোধেনী ক্লফ-কাফ নিন্দদারিনী ভাবন্ত-বাণার **ীমরাছবি ক্রকটোপারন**, শ্রেষরাক্ত প্রাণীত মুক্ত, ই.মন্ <sup>ই</sup> মৃত-বিপ্রত—বেগঃব**িজ্ঞান্ত-প্রভুমালার কোল্লভিমণি—সম্প্রদা**য় ্মি**শ্বাচাৰ্য-ভভা ভাৎপৰ্য্য-নিৰ্বহট্যশ**্ব উন্মদ্ধিধনাথ চক্ষৰাত্ত্বী | বৈভৰবিজ্ঞানাগাৰের মোলিক ভ্ৰণা—পঞ্চরণে ও ভাগবটের সমধ্য গুৰু — মহাজন-জাধনচলি ১-শিক্ষ ক - চি ৰিলাস্চিক্সাত্ৰ-অচিন্যান-বিচারক -- ঐখন্য ও মাধুনাবদের মৌলিক গ্রেম্গার —স্থন্ধ, অভিদেয় ও প্রয়োজন ভবের নিদাও স্মুদ্র।

> ১। প্রথম খণ্ড—বৈদ্যবদ্দন, খ্রী ওক্তর, কাল-ध्या, बीमध्याविकार, बीनार्यकानरी, शास्त्रवाजिकी मीका ও বর্ণ বিচার, আত্মন্ত্র ও মনোংশ্র, ই.টেড্ডাদের এ ভাগার শিক্ষা, অপ্রাক্তে সৃষ্ঠদশ্ম ও প্রাকৃত স্থলন্ম, প্রস্কৃতি বিংশতি সংখ্যক রয়ে স্থাতিত। ভিজ্ঞা মান্ত্র ৮০ বার জানা।

5 1 फिटीटा व्यक्ट- कहा 9 तिका क्लि. मश्रहात ্রিপ্রতা কোথার, মান্তার নিভাগুতি, শ্রীনর স্বামিলাদ ও गावानाम, श्रीरनीत-निष्धानन श्राप्तक, विवरनात धक व कमा-कीर्फन, शिवामिश्रकात्र शिवामा नत कीरून, आर्ग्य-भारमञ्ज्ञा महानामा चिल्लानिक, चीक्रलक्ष्यक्र প্র, জীমতী বুসভাস্তন নিলী, জীট জেন্সের দ্বা, প্রোলকরণা ও রুক্সকীন্তন-চভুদশ অপুর নধ্রিমাপুর্ণ-বঞ্জা বিভাগত। ভিকা : এক টাকা মাতে।

প্রথম ও বিতীয়—ছই পও একজে লইলে ভিজা ১৮০ (१६ एक्षि, डाक १ति च १४।

### 🛢 মন্ত্ৰগ্ৰদ্গীতা

(शो क्षीय-देवभववान निक-८भवत श्री श्रीयमत्रमद्भव विद्या-ख्यपक्रक कामा ९ खीमहिकविद्याम शाकुरतवक्षाक्रम तक-ভাষায় বিশ্বত 'বিধনরঞ্জ গুলক ভাষাকে। অবাহ প্রান্তি লোকের প্রথম ও ভুলীয় ক্ষর্টা, বিষয়ক্ষ্টা, ভাষ্টকারের জীবনী প্রস্তৃতি স্কৃতি উৎকট বাধাই, রাজসংক্ষরণ (ভূর্তীয় সংক্ষরণ) প্রপ্রের जिक्ता २, छाका।

#### अध्यक्षत्र के विश्व

टीमध्यापन विशाहनग-अभिक देवस्थ्यमन्त्र, मनाक कृ লোবিন্দ-ভাষ্যাদি পভিবার প্রথম গ্রন্থ। উংক্রই কালিতে ছাপা। স্থানত্ত টাকা ও প্রাঞ্চনবন্ধারুবাদ-পাত্রে। অতি সহজে বালফেরও বোণগম্য হইয়া থাকে। ভিকা। ।৵৽ আনা মাত

### **এটা প্রাম্মাহার্য্য**

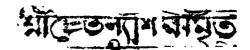
দীপের যে মাংমা কীন্তিত আছে, তাহার মূলসংস্থ ও অক্সবাদ। ভিজাত আনা।

### শ্রী এনবদীপ ভাবতর জ

🕮 সাক্তর ভবিধাবনাদ দিবিক। পুলবিত গীপেকারে পরিক্রমার এইব্যাদি বিষয়ক। ভিক্ষা । আনা।

### ভজিবদ্বাকর ও মংশীপ পরিক্রয়া

শ্রীল নরম্বি চক্রনাউ-সাক্র মৃতিত। ভতিরপ্রাক্র চুটুভে পরিজ্মাংশ মাজ গৃহীত: শ্রীকীব গোন্ধামী কি क्षकारत क्रेमबंधेशनात्मत्र शतिकमा कत्रियाहित्सन, एउइकि পদ্মে বিবৃত। ভিক্ষা । ক আনা



ত্রী ভাকিবিনোর ঠাকুর প্রাণীত। ত্রীচেডভেই 🕊 🗷 विकाशनी—क्रम. क्रम**िक ७ तम-वड ७ मूळ की**य---অভিসা ভেদাভেদ-ভয়---সাধন-নির্বয়---প্রয়োগ্রাইভয়ে, কর্ম-কাও, াল্মাদির বিচার--বৈশী ভক্তি, ভাৰভতি ও প্রেমভ্জিস্ট নামভ্জন-প্রণালী ৪ **অট্কালীর লীলা**-পরিচয়াদি প্রথম শিক্ষালীর উপযোগী করিরা সমল ভাষার সমুদ্ধ বৃত্তি প্রমাণসভ লিপিত আছে। চতুর্প সংস্করণ বাদা >् हाका, व्यावाशा ১५० हाका यादा।

### গোলীয়কণ্ঠছার

ত্রীলোড়ীয় বৈক্ষবগণের অফুজন কর্তে পারণবোগ্য ক্রতি প্রতি প্রতি-পঞ্চরাতাদি সাত্র পাস্বস্করের প্রমাণাবলী विषयिक जा करम माजनाम अपकृष । उन्हेम देवनाद সিতাছের স্বেস্থলয় অত্য কুত্রপি প্রকাশিত হয় স্টিঃ हेशारह खन एवं -काशवह -- देनकव -- (बोब-- मिटानिक--অবৈত্ত ক্ষাত্ত ক্ষিত্ত কৰিছেল কৰিছেল কৰিছেল — জীনাম - প্রয়োজন ও প্রমাণ-ভত্তাল পুণাই অন্যায়ে প্রপুত্র লোকাদি স্ফান্ট উপকৃত্র এতিক কাগালে ব্যাক্ষ ज काशिएड अफ्रेड, किश्केष्ठ नीता भागात करण गांग दल्या। এও প্রায় ৪০০ গুঙার সম্পূর্ণ। ডিকা ২, টাক মান।

### बीवन्दीश्वाय-श्रम् विश्वी

ীম্পত্তিবিলোর ঠাকর রচিত বিশ্যাহাত্য-দাম-মাংশ্যাৰ সভা দ প্ৰমাণ পও- শ্ৰীল সরহরিচকবর্তী সারুরের প্র থরিত্রমণ্য—ইলোম নববাঁপ পরিক্রমা—তীথ-राजा अक्षेत्र- टीबर छारतातानसकृष्ट नवधीनगडकम--শ্রীমন্ত্রিবিনেদে সাকুরের জীমবরীপ ভারতবঙ্গ প্রাকৃতি हार क्षा हिन्दी पर साना मात्री।

### শ্রীঙরি লামান্ত ব্যাকরণ

ংজ ে কোমী প্রভুপাদ-বির্চিত কর ও বি ये प्रकृष्ण - ह्यामुक्ति। मधाप्त गनवाडी (गावामी ভূমিকা ও ফুটা প্রাস্থাত মুখ্য অক্রান্তভাবে প্রভান জিলা ২০ চাকা, ছাঞ্চার্য हेकि। भार

#### বেরগন্তভাগার

প্রীম্পান্তে লাচ্যার রভিতে। বেশারের বিশিষ্টারৈতবাদ-প্রচারক উল্লেখ্য প্রয়োগে অচিয়ের প্রকার বেদা স্কর্মন সংযোগ উপযোগ্য কর্বার্থ এত উভ্তম করিয়াছেন। ইংগান (প্রমাণখণ্ড) সাম্বাদ। প্রতি-শ্বভাগি গ্রে শ্রীনব- বিদ্যান্তবাদ ও কটাপ্রাদি সংগোজত করা হংসতে नाम माल रिकाम में जीती है

### क्षेत्रेष्ठ अग्रह्मा भूष । अ नवची श्रेम हरू

त्रमंत्रकाशम दिल ही **टीवर छात्म**्यम 🕟 🥶 टाहाक মধ্ প্রত্যাদ শ্রীমদ্ভিকিনিদ্ধান্ত সর্পতী ে ও টা মহাস্ত্র এল বাদ্র আন্তর্মান করেব । ও বজার বাদ এর বিভা अनुष्रीश्रम्भ टीक्षित्र म शेष्ट्रांत्र ভব্দত শ্ৰীমন্মকাপ্ৰত্বের ওকটা জিবণরচিত জা কিক চিজ MAR PRINCE | FEB 8 41/14 B123 একরে। ভিজাত আলা, ছাতি হছম। পালত ব্রসংকর্ণ। ् है।का शावा



🕮 মছভিবিনোদ ঠাকুল প্রাণীত। এই একমাত গ্রাভ ছয়ের জ্ঞান পাত কবিলে পাব্যাথিক রাজো কৈছুটেই আমন্তান বাসংশ্র পালিবে না। প্রম গুড়ামাবিষর ও এই। ক্লপসরল ও সদমুপ্রাধী প্রস্ক এ প্রায়ে প্রকাশিত হয়। নাই। निविधारनाधामि नाष्ट्र-महत्रामा प्रध्यक्रम । उत्ते अवस्थ देखिक करेबारकत। जानात अति कर करी. क्यानात ইত্যাদি থাবা নিশেষ সমুগ্র কণ্ড ১৯৮(৫৬) বিরটি প্রত, Mागात करन गाम प्लाया, छेरब्रहे देश्तीहे - ठकुण मध्यता किना ् हाका मादा

### জেমনিবর্ত্ত

শ্রীনবাতাপ্রে ব অনুর্দ্ধ প্রায়ণ শ্রীল প্রপথানক প্রার্ বির্চিত। এই প্তকে অভি জগবোদ। ভাগার মধাপ্রায় काष्ट्रिया नीलामध् टेनकावाहात. धाकांभना अ माम उपन दिनम्बर्धर १४ अमागारमा প্রবালী প্রান্তুতি অনেক প্রস্থকার পরিচয়।দি-নম্বলিও চতুর সংকরণ ভিজা।৮০। ভিজা৴৽ মানা মাএ। भभ काला गावा।

#### ভঙ্গনরহস্য

ভ্জনকারীর নিত্সেলী; সাকুর ভক্তিবিনোদের অনুব্য 🖁 পুতক। ভিক্ষাস্থ আনা মাজ। লান: নিপিশ শালের নিষ্যাস। প্রতথানি না দেশ প্রাপ্ত ভেছ ব্রিতে পারিবেন না। ১৩ার সংখ্রণ ভিকা ॥• ।

### ছবিনাস চন্তানণি

ন্মোটার্য্য শ্রীণ হরিবাস ঠাকুরের মূপে শ্রীম্বাহাপ্রেদ **এনাম** নাহাত্ম্য, নামাভাষ, নামপেরণে প্রভৃতি বিব্যের याक्टीस निष्ठात सनग कतिस किरमन । এই निसम अभिन **অতি সরল প্**যারে মংগিপ্র আশ্রণ্ড প্রিপ্টিভাবে মুদ্রিত। ব্রীক ভিক্তিবিনেশ্ব টাকুর-রচিত। প্রক্রম সংখ্রণ ভিক্তা ১০

### 平町丁中平町万井

শ্রীমন্থ ক্রিবিনোর প্রাকৃত্র রচিত। প্রেড্যেক ভগ্রন-বিশ্বাসী ও জানগণের প্পিকের একান্ত প্রচ্ছেনীয केश्टर मानको भूग मिटि शहर गामाल (संभागक) काला লোকেও এই ওজনবাজের গাড়ি-স্তের ধাবা অনগণিপ্রি ও ভগ্ৰন্থেৰা লাভ ক্ৰিবায় প্ৰবিধা পাইবেন। यह সংকরণ, ডিকা /১০ আনা মতে।

#### শরণাগতি

শ্রীমন্ত্র কিনে দে ঠাকুর-রচিত। ভগবানে আত্মনপ্রি, विक्रिश्च, छक्रमशानना, मङ्जिम। सत्रमांभक्ति । निक्रिमानना । विमयक भा ७ भूग, (७०१ ८० भागा मास ।

### भी जाननी

ব্রীঠাকুর ভার্তিবিনোদ-প্রণাত। নিত্য ভছন, আরাত্রিক। 😮 अतान-शाननानि-वितयक सपूत जा अत्रभूत 🗷 कर 🗸 अशिष्ट । किका / जान बाज।

#### क्रिम दश्च कर समय

রসিকে রুমুকু টমৌলি শ্রীমবিশ্বনাপ চক্রণভী চাকর-बिन्निष्ठि त्रमश्रम् । श्रीमक्ष्मितिरमाम श्रीकृतित् सम्भवाम-বহ। ভিক্ষা। আনা মাতা।



শ্রীমন্মহাপ্রের শিক্ষা ও শ্রীণ রব্নাথ দাস বোখানীয় প্রতি ত্রীবপ গোস্বার্মার উপদেশবাপী, ভ**ক্তিপথের মহুদ্ধ** ও প্রতিকৃণ বিবয়ে প্রাবতারিত সংখ্যাদন ভাষ্য, বিশ্বত বিবৃতি, চরিভাষ্টের প্রমাণ, সারল ব্যাখ্যা ও মহাজন-প্রাতি ভতপ্যোগী গীত্যমূহ প্রত্যেক সোকেয় সাহিত স্ত্রিনেশিও এইসাছে। ওয় সংখ্রণ ক্রিকা। 🕢 স্থানা।

#### श्राभन-कथ

ভীবশ্নাগ লাগ গোলামীর মনংশিক্ষা, শ্রীণ ঠাকুর বি, টাক মাতা। कि विस्ताम ह विक श्रशास्त्रवामम् । किका र जाना ।

### প্রেম হাজিচ জ্রিক।

প্রীল সাত্র নরে হেনের প্রপ্রায়ক প্রেমভিজিবিধনক লালের প্রক। (ভিজাত - অনি) মারো।

#### নবর্ঘা পশত ক

शेक्त छाङ्गितिसाम त्रीति छीग खारवाशासक লে থিটেত পাইবেম । পাদটাকায় ৬ ৯০ ভানের । বিশ্বাধ ও । সরস্বতীপানের সংস্কৃত নব্দীপ্রত্কের স্কুল গত প্রায়ুবাল।

#### ଅର୍ଶମନ

क्षेत्र त्यांकातामा त्रित्त । त्रिक ४७१-**कारमञ्जालक** 

### সদাচারস্থতি

জ্ঞীল মধ্বচোটা-প্রাণীত। বৈষ্ণবের নভ্যকম্মাদি স্পাচারা-বলী, বন্ধজ্বে গদ গৃহিত। ভিক্ষা 🔑 সানা মাতা।

#### মণিমঞ্জী

ক্রিকুগ্রেপরী শ্রীনরবোষণ্ডোগ্র রিডিড : 💆 ম এ**খা** एगांत मुश्किल कीवननील। अ भूग देवकनम्याम् । मासूनार ভৈক্ষা। আলা মার।

### ८गोतक रकामग्र

প্রাণীন কবি ইচেগাবিন দেব প্রবাত হীবোরাবভারের প্রমাণাবেণ্য-সংক্ষিত সংস্কৃত এখা ভিজা দৰ আনা।

#### যুক্তিমল্লিক। কাণগোরভ)

व्ययम्बरम्थानाग्रास्थान व्यवस्थान व्याप्तिकाच । वक्राक्टन माञ्चान कई अध्यत्र ध्वकाम भानगानिक मास्टिं। सनाएड असे मनवक्षणम । क्रीममानवाद्यामा ००८क त्याक्रमानक्षम विक्रीता । মধ্ব চাৰ্য্য নামে প্যাত শ্ৰীবাদিক জতীৰ্থ প্ৰশা এই এছে দাধারণ যুক্তি ও পোলিক স্বায়াস্থ্যারে কিরুপ প্রসারভাবে डांकोबरवामि-मड्याम नम्ह च धन कविशास्त्र, खाद्या लारे করিতে করিতে আশ্চন্যাধিত হরতে হয় 💮 ইঞাতে যুক্তির 🕽 গারা চাব্যাক, কেন, পোগ্ধ, মীমাংশক ও মারাবাদিমত-मभूर्वत भूभत च छन तर्विग्राष्ट्र । जिका २८ छाका माजा।

### (गायामी औन त्रयुमाथ पात्र

(ও বিফুপার জ্ঞান ভিক্রিসিদায় সরপ্রতী গোখামী প্রভূপাদ-লিখিত ভূমিকা নহ) গৌরপ্রেষ্ট স্কল্প-রূপের ध्वमाञ श्रिशंडम श्रीन नाम शासामी धाइम मनुम চরিডাম্বর ও শিক্ষা অতীব প্রোক্ষণ ও সরণ ভাষার সন্ধিবিই क्षर भतिभित्हे मान्याभागी क्षम्य वित्रक्ति कदक्षी নাক্তবাদ মধুপ্রতম কব ও মন: শিকা-স্থাণিত। ভিকা तीशह ॥• वाना, वावानाई। 🗸 • वाना बाक्य।

# চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাচীন নবরীপের স্কবন্ধিতি, তথা, এডিছ, প্রোভ ক' ঐতিহাসিক প্রমাণসংখিত সম্বটী দীপের সচিত্র বিষয়ণ-क्षष्ट । त्राक्रिति शास्त्रतारश्य कुमान जिल्हा भवसिन् नावायन बार क्य. क. शांक (नाटहान), ट्यमासकृत्व बंटहानम कर्कतः স্কলিত এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন বর্ণের অপুন চিত্র যানচিঞ-নময়িত : প্রাচ্যবিভাষহার্থ রাম সাহের 💐 বুব মৰ্গেক্স নাথ বস্ত বিশ্বকোলসম্পাদক মহাপাছের নিশ্বত ভূমিক भग। फेरकरे ( हेर ) मन्नदका नानाई क्ला >né, किं: निः एप

### मागक-कर्श्वामा

अभवसम्बद्ध देवकान-वन्यमा, देवकावनवृत, वाणारमञ्जलीक, मिनाम हे. मिनाहाला हुत चारशेखन्छ नाम. अहेलाहत নামকাত্রন, প্রানামগরাত্রন, প্রেমশ্বনি, 'বাউণস্থীত. मन्द्रील-मिन्मा, क्षिमाद्यालुत महिमा, क्षिमाद्रशत्मन्द्र इत पाहेक चाहाया-वस्त्रो, मञ्जूषाचानीव चहेक, ८०वकचिक्ककिता. डेन्ट्रन्यामा नामक्षम-लगामी, मशाख् । वाद दामानक मृश्याम, मनः विकास 🗐 धन ध्वापिक, 🚍 बन्न-वृत्राव्यक्ता মহাপ্রত্নর বলনা প্রভৃতি সাধক ও সিঙ্গীবনের বিজ্ঞান্তা, रेबक्रवनार्गत कर्रा क्रिक कुनशीमानात साम व्यक्तक करा ধারণযোগ্য অপুন্ধ গ্রন্থ। ভিক্ষা 🕪 🗸 বাধাই 🖛 মাজ।

### ८गोष्टीय-८भोत्रव

ৰুলিকাভাৱ স্বপ্ৰানিদ্ধ মালনাৰ হলে গৌদ্ধীয় সম্পাধক শ্রীপাদ জন্দরানন্দ পরবিধ্যাবিলাদ আমত বস্কৃত্যায় বিষয় এমকারে প্রকাশিত। ইরাতে গোড়ীয় বৈক্ষবস্থাঘায়ের ইতিহাস পুরাকারে প্রাথত হট্যাছে। ডিকা 🕪 নাজ।

### গোডায় সাহিত্য

কলিকভারে জনাসিক মালবাট চলে পৌড়ীয়-সম্পাদক শ্রীলার ক্রমস্তানন্দ পরবিস্থাবিমেশেরেড় প্রথন্ত বস্কৃত্যন্ন বিদ্য এখাকারে প্রকাশিত। উর্গতে সাহিত্য-শক্ষেত্র কর্ম এবং লোড়ীয় লাভিডেন লিন্ত প্রকালে বর্ণিত হইয়াছে। ভিন । ত আনা নাত্র।

### **এ**লোডৰ এল পরিক্রমা-বর্ণন

क्रिरानोक्तर्सर्वेच रह शतक कारण मनस्क्रिक्य **क्रिक्य**कारणन ्वः ७५कुत्र भन्नवृद्धी महाक्रमत्। मीमा कांत्रवा निवादकः. (महे मन आधुनिक C शोटनाधिक अब्रिट्य ७ दनविश्वकाधिक अधिक मह का डाहाराटत खाँकना बिटकान केटाकि निकास म मिद्रादिक्ष कार्य । किका । जाना ।

### THE HARMONIST

### OR SHREE SAJJANATOSHANI

ব্রীল ঠাকুক্স ভক্তিনিনোদ-প্রতিষ্ঠিত এবং ব্রীক ভঞ্জি দিশ্বাস্থ্যসমুক্তী গোকামী আতুপাদ-যম্পাদিত পার্মাণি मानिक लाज । जन्म-रन इंश्त्रांकी कारांत्र कडोविश्न वर्धी ডবলক্রাউন ৮ পেলী ৪ কশা আকারে প্রতি বারে হ'র-नार्यत्र विकत्र-रेककक्की महेत्रा क्षेत्रक्ति क्षेत्रस्टक-काश्रकः मुक्तन-नाश्चिताधाः । विकासि सकीव जिल्लाकतः **ाहे त्यकान हैन्द्रहे त्यापक्ष काल त्याक मानिक व्यक्तार्थ**ि দেখিতে পাটকেদ লা।। যাধিক ভিক্ষা ভাক্ষাগুলসহ এ ग्रेका गाम ।

### enferment -

**जिटेक जानके ८७६६: शिकामा श्रम नकीयाः** 



८वनिक वर्षाया-व्यवस्थान-स्थानवर्षावक श्व

# বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভক্তিমঠসমূহ

### শ্রীচৈততা মঠ

#### আকর মইরাজ

वाहीम नवदीय, फाक्रवह ख्रेमाम माहा पृत, नवीहा

ন্দ্রীমলাবোগপীঠ চইতে প্রায় ০০। গছ উত্তর-পূথ্যে শ্রীব্রম্বগরনে আচাধারত শ্রীচন্ত-**ल्यक-७**न्द्रम क्रीक्रीरेडळळ-मठ विद्यासमान ।

এই স্থান সাধ্যত-ভার্য, গরবিষ্ঠাপীত বা সাম্বত ভল্পনম্বলী। এই মহাভীর্বে 🛱 হরি-माधामुक वाक्षिमानि-(नवाक्षमपुर, श्वतिकात क्षत्रकी है काता, साहेक, कालकात, छवा अमान-छेनिनम्-मेका-एक-अकान-४७,८६४ अमात्रम । अ अमानमा धरः जनाम अक्र-গৌরাজ-গান্ত্রাক কা-গিরিধর ও সাত্ত সাক্ষানাধিক-আচাগা-চতু র ভারাদের উপাত্ত বিক্সংগ্রে গৰিত নিতা সেবিত চহতেছেন। এই মঠয়ালে পাৰ্মার্থিক দৈনিকপত্র সাত্তত সক্ষাবাদের আই এক কাশিত ও ক আহলীন আছের। আদি আহলার কল্পে 'নদীয়া-আকাশে' সমালয় প্রতিষ্ঠিত ব্রয়াঙেন প্রতিবংসর প্রীধাম-পরিক্রমান্তর্ভান ও অলাণ্ড ভক্তগ্রেষ্টিন্ত ভীৰ্ত্তন প্ৰচারমুখে মহামণেবংসবাদি ভক্তাপ অভটিত হলা থাকে। বক্ষক---ব্ৰশ্বচারী অপাদ নয়ত্বিজী। সংকারী---শ্রীপাদ বিশোদবিকারী ত্রপ্রচারী, পাত্ত শ্রীপাদ গৌরদাস उक्ताती कायावाकतपरीर्व, जैलाम वीरठस उक्ताती, जैलाम नमातालाल उक्ताती. 🕮 অখনমন রশ্বচারী, 🕮 দণনগোপার ব্রস্ক চারী, ভক্তা নরেন্দ্র, ভরিপদ্ধ রেন্ডীনোচন व्यास्थ मण्डसभाग ।

खिमांचामा श्रीभद्रकि शामी म जीर्थ भगावास क्यांच्य विद्यार कीर्यं किट्टिका

### (৩) বোগপীঠ ভীমন্দির

এই স্থান জীক্ষারাপানপ্রের ভবন বা विभवागाळाच्या चार्तिकात-कृषि भगायान-শীঠ। এখানে প্রীণদ্ধী প্ররা ও জানিকু- বি, এল, সংকারী--ট্রাটছ লাস ভঞ্জি-বিষয়েশ্ব শ্রীপৌরনারাল্য এবং উটেচভনা শাস্ত্রী, ঐটিকক্রম অ'ধকারী প্রভাত। 🕶 🗃 যাধাকুকের নিস্তা সেবা তথ: শ্রীপঞ্চ-७८**च्या ८**गवा वस्त्रासः। तणक----(शाक-माबादद रगायामी कहे। हारा अक निहमा-🛍 🗷 ধাবিনে: দ ভ ভিন্তুষণ, 🕮 া - দাস প্রহ্ম -कारी ! अभागनमाम आन कार्य. (मननाटा क्षिकायकतम् ।

### (৪) শ্রীবাস-অক্স

🚉 মশাকা প্ৰাকৃত ক্ষিত্ৰ- শিল্প য क्रिक्रोप्रजीमात्र प्रामथनी । जनारन ट्यांजीरपांद-**নিভানন ও গুঞ্চানের** সেগা বর্তমান। 

( ८ ) कार्ट्यक-क्षरम

बारे शास्त्र व्याप्तेक्ष शक्त क्रान व्यवर दमवा वस्त्राम्।

सक्क च्या चिक्र देव कामना नामानि कात्री, कियापुरामास वाक्ती ।

### (७) काळीच मनामि नावे

আচীন মায়াপুর, বাষমপুকুর (গণীরা) बिरशीमञ्जालांक विदेशकाकी व जमापि। वक्क-विकाशी विविध्यानविनावी।

### ( १ ) चांशक ख्रूपप-कृष

**बिरगोक्षण, प्रोत्रागशक ( समीक्षा )** अर्थाम अविकृताम क्षेत्र अक्तिवित्नाम्काकृत्त्रव suffe wer Dentuferen wer Battel. श्रीवद्वत्र द्वाचा वक्ष्मानः

क्ष्मण--- किकुष्टम काकाश अम्राती श्रमण--- श्रीशायात्रक अम्रयामी, **अक्टलांक्की अन, जन, जन**ा

### (৮ 🕮 अभाषाल ८भो को ब मठ भक्रमलोश्हल ।

রক্ষক -- শ্রীষ্ঠবর ভক্তিশাস্ত্রী এম, এ.

### ( ১) औदगात्र-श्रमानत्र-मठ

টাপাঞ্চী, সমুদ্রগড়, ( বঞ্চনান )

🕮শ বাণীলাথের প্রাক্তিত গোরগদাণর-আৰা সৰকারী জীনিজননৰ এলবংগী, সেবং। রক্ষক—জীৎরেরাম একচারী, ভক अक्षिमाधन भाग ।

> ে ১০ একপগোড়ীয়-মঠ मादाश्य, जाबाश रहे, लि वक्षक--- छी। दिलान अक्षताती, महकारी --শ্রীসকোষর রক্ষাতারী।

( ১১ ) औदनाम्यम्बद्धः — भाष्ठेगाहि, बाह्यग्रद, वध्यान। - প্ৰায়েশ্বভাৰ ঠাকুও ধুন্দাবনের খান :

मी-सम्राम् ।

### (১২) ভাগৰত আসন 🕮 ভাগৰত 🕬, ক্রফনপর, নদীর।।

ভাগব প্ৰিছান্ত এছাবলীর প্ৰচার-ক্ষেত্ৰ। রক্ত-শ্রিকানন বন্ধচারী ভাতশাস্ত্রী

### ( ५० ) 🗐 এकाम्रम मर्ठ (भावित्रभूव, कामचानी, नमीता।

🎒 তিনিংও অন্ধচারী, ত্রীপ্রপারি দাসানিকারী, লীলন্তনাথ পাতা, ভঙ্গ বিশ্বনাথ

### (১৪) औमाध्व-८गोकोग्र गर्ठ ৯•नः व्यायश्व (बाष्ट्र, हाका।

भूक्ष बद्ध व व्यक्त प्रवाद व व्यक्ति व्यक्ति व दशीकाच नाचना-निकिन्द्वक दनवा वस्थाम । **2**mir अम्बानम् नवविद्यातिरनाम वि- ६, 🕮 श्रान-

# (২) 🕮 গৌড়ীর মঠ

১৬ নং ভাগিআগাদ চক্রবন্তী হীট, পোঃ বাগবাজার, ভলিভাজা। छिमिएकान वि. वि. ७১১९

শ্রীমবাচা গড়ায় প্রচারিত স্থানিম্মল ভক্তিশম-প্রচারোদ্ধেশে গোড্ডবেশের সক্ষপ্রধান নগরী ক্রিকাডার 💐ভঞ্জিবিনোর আগনে শ্রীমট প্রতিষ্ঠিত আছেন। এট ডক্ত-সক্ষারামে জীভন্ত-পৌরাল-জীবিনোদানক জীউ সপার্থনে নিভা প্রেবিভ হন ৷ গোড়ীয় माहार्यानत्र्वत यावकीय अञ्चलकोत अञ्चलात्वात्माम व्यवस्ति मश्या अक्षेत्र अञ्चल मुखान বস্তাপর সংখ্যাপিত কইয়াছেন। পুথিবীর সম্মত্ত জ্রীগোরনাম-প্রচারার এট মন্ত্রাপর क्टें (भीकीर' माश्रादिक मात, कि स्त्रवातिष्ठे मानिक मातिका हेरवाकी काराह নিম্মিতভাবে আকাশিত বইতেছেন। শ্রীমঠে পাঠ, সভীর্ত্তন, সপ্রাধান-চত্তর-বেলাভ, " व्यवस्थानगरु. खोटेठ**७४-ठडिकायुकाणि-नीना ७ ७५**५(१३ नमाक् चारनाठमा ४३४ পাকে। মটরক্ত-আচার্বাত্তিক প্রীপার কুরুবিহারী বিভাত্বণ। সংকারী-পত্তিত श्रीनाथ व्यवस्थास्य नद्भविष्ठाकृष्य विन्त्रः, लीवाय ब्रामविशादी अक्षठादी, श्रीनाम व्यवश्राह्य बामाधिकांत्री विन्ता. लीनाव व्यवस्थानाव वामाधिकांत्री, अक्षतारी খ্রীকীর্জনানন্দ, বন্ধচারী খ্রীপারীয়েতন, বন্ধচারী খ্রীম্চানন্দ,পতিত খ্রীপাদ নবীনকুদ্ধ পর িছাণভার স আলাধবৈ ভবাচার।, আম্বরক্তানলাসালি সারী বি-এ, ইটিভববন্ধনিক্রণ

धकाती वि-अन, अध्यक्षणम अध्यक्षणावन, अधिवद्यत्र उक्ता है, श्रीश्वयद्वाविन्य একাগায়ী প্রাকৃষ্টি।

रणीत बक्काबी, अमनरणीकाम बक्काबी, শ্ৰীপভিতপাৰৰ ভক্ত।

### ( ১৫ ) बिरवाशानकी वर्ड

क्यमाश्व, हाका।

शामानकीत क्यानेकारक काठीन स्मया 

( ১৬ ) अभवारे-८वादान वर्ड मंद्रिमांक समाप्तिमी शका, वाशिषांति हाका

শ্ৰীগৰাই-পৌৱাজেৰ নিভা সেৱা वक्त मान्य विकास स्थान होते. विविध्यान

### (১৭: अकाभवक्यमामन वर्ष

**िक्र निधा, बाक्य (ववश्रव, व्यक्ति) शृह्य** ।

ध्यपादन अक्र-(श्रीवाज-श्राक्तिका-গিরিবারীর নিভাবেবা বস্তমান। রক্তব— । वर्षनामी वी नमनानवामकी।

(১৮) जामनारयाका अभवास्त्रव

द्राचरीय ८०११ वस्त्रात । औ सन्दर्भाषाम-जैनाह्मक्रिका निविधातीत

निष्ठारम्या । उक्क--- अक्रयानी जीव्दि-কিলোৰ ৷

### (১৯) जिल्रक्टराखन गर्ठ

पर्वश्व, पृत्वी, क्षेत्रिया ।

बशास खैरशीक-दिलाषभाषवकीय मिळा-त्नवा व <del>हमान । क्षण — तथा</del> 51वी **जि**नक्या-नम विशावक, अक्ताती अन्त्रीवानक, क्षेत्रदामाञ्च वक्षात्री. श्रीवादवासम बष्कात्री, एक वीनिवाद ।

### (२०) बिखय-८भोड़ीय मर्ड

षागवत्रमाथ, अवाभिति (भाः, भूती। व्यवद्राप्तरम् व्यवस्थाः सम्बद्धाः व्यवस्था । 44 क्षक--व्यक्तात्री fuerum ferenet নহকারী---वष्कारी वैरिनिमविदाशी ।

### (४) धैर्मिष्टभावस गढ केष्णियानाच्यान, कंप्रेय

धवादम बीखक- आश्राक-विद्याक्षेत्रमा निर्धासिका वस्त्राम । अकारी जीभगर- भोरामधन अक्षारी

(२२) ब्रीमनाडन-जाजा मठ

अनेर स्वर्गाक्षायनग्रहाः, भानी । (भीव-भक्षक्षण्डः मनाञ्च-भिकाष्ट्रतः

এপানে গোরদেবা বর্মান। বক্ষক--जीवानकीमावकी, जीवकामम उक्तानी।

### (२ ७) श्रीकृष्णदेवतन्त्र वठ

जीन् मरक्ताम कृत्व. ज्ञानाम वृत्तायन । अभेजामा-अक-द्याङ्गको इ द्यारा

রক্ষক--- শ্রীগণণতিনাথ ব্রহ্মচারী

### (২৪) জ্রীপরমহংস মঠ

নৈমিয়ারণা, সাভাপুত

এখানে ঐভাগবত পাঠশালা ৰ ত্ৰীগোল বিলাগজীয় দেবা বস্তমান वक्षक--- अक्षाठाडी ज्येन्सिश्सनक व अक्षाठाडी ञ्जीनमञ्ज्ञाम ।

### (२०: औदेह स्यादगोड़ी स सर्वे

कृभ्तक् का, ठितक् का, भानक्या, **३**०। औरे०७४-मठोत नाथा। वकक—शोदमा-नाथ बाब, चैरिकनशानम अवकाकी, जीवाम कीर्य दमनचित्रमः

#### (२७) नगमदशीखोस मठ

कुक्रके वे, पारमध्य, क्याम । अभरत खीरशोकविद्याम-बार्यक स्मतः वरुपान । व्यक्त--- व्यक्ताती जिल्लामधी, গোপাণ ব্ৰথানী

### (२०) खामनभाषा व्यभन्नाखन-वर्ष आक्रनेपाणाः (पाः माख् रू। रायका

खनारन सफ्रकुकभृष्ठि लोटगावारकत दसना वर्षभागः। वक्षक---अधनामी जीव्यानकुक-पान, जीनवषश्च अष्याता हो।

(२৮) पिश्व क्याफीय मठ---काय्याणय बनर (भागी अनम क्षांकात रगन, निके विक्री । त्रक 🕶 उषाठा है। 💂 भी तक्षक, और मरणदश्च

खोड़ा शहर वर्ग स्थ (२३) दशामानशामा जनमाञ्चन

वक्क -- अक्ठाती खोवायह मार्न

### वष्टवाकोटक अध्यत्न मन्नभाकक

কতক গুলি প্রামে যদিও এখনও ফৌজ দারী কার্যাবিধির ১০৭ খারা অন্তলারে ধর-পাকড় চলিডেছে, তালা হইলেও বড় বাঁকীর অবস্থার অনেকটা উন্নতি চইগ্নছে। এই किलात कराककम वस्त्र कर कशीनात যোদণা করিয়াছেন দে, ভাঁছারা প্রকালের थाकना कष्ठकारम् भाक कतिरवनः, करन क्ष क्रमीमात्रभगं अदेशास आजाव गरेला | প্রমাদের **শম্বীন হই**তেছেন।

### বেভালকে হভ্যার চেপ্ত।

রেঙ্গ হইভে প্রকাশ, সাডেঁ অস ইণ্ডিয়া অফিসের কম্মচারী আলি মচম্মদ উজ অফিসের কর্তা কাপ্তেন হিলীর প্রাণ সংখারের চেষ্টা করায় উত্তর ভিত্তইনের किया भाकिट हैट हेत विहास । वश्मरें बन সভান কারাদতেও দ্বিত হয়। স্বকাব পদ वे भ छ वृद्धिव कछ हाहेदका है आभील করেন 👂 বিচারপতি মিঃ মুস্লী ৭ বংসর मध्य कार्यापट खर्च ब्यारम्भ नियादक्ष ।

### ই, আই আর কর্মচারী সঞ্চ

পঞ্জিত কর্কারণনাথ মিলের মভা-পতিছে গত ১৬ই জুলাই ই, আই, আর রেল কথচারী সজ্জের এক সভা ইইয়া ভিয়োছে। নৃতন বংশরের কর্মাকর্তাদের নিকাচন হইয়া গিয়াছে। কারওয়ার প্রজেশ দিং সজেবর সভাপতি এবং জে, तक, व्यामाळी नाभातन भन्नासक निकान চিত হইয়াছেন।

### ভাকলুঠ সম্পর্কে গ্রেপ্তার

ঢাকা হইতে প্রেকাশ যে বিক্রমপুরেব চুৱাইন নামক গ্রামের প্রস্তুবিন্দু দত্ত নামে এক বুৰক ভাকলুট সম্পর্কে (এপ্রার হইয়া-(६न । क्षुरिहालांत नरशक्त प्युरका नामक আরে একজন যুবককে গ্রেপ্তার করা হইয়া-ভিল, ভাছাকে পরে ছাড়িয়া দেওয়া চ্টব্যুছে।

### कार्भित छलीत काघाटङ একব্যক্তি আহত

১৯শে জুলার অপরাত্তে গুলীবর্ণ-কাণ্ডের ফলে একফন চিন্দু আছত क्वेग्राट्य । देश निभ्नती मध्यत कार्या विविधा মনে হয়। পুলিশ অবিনাকুমরে দংস্ নামে জানৈক ব্যক্তিকে গ্রেপ্তার করিয়াছে। ভাষাকে নাকি রক্তমাথা মেকে পরিষ্র क्तिएड (सभा शिशांकिन।

### শ্ৰীযুক্ত শাল্ৰী অমুস্থ

লণ্ডন হইতে প্রকাশ যে শরীর অস্তৃত্ব বলিয়া ত্রীযুক্ত জীনিবাস শাস্ত্রী আরও ক্ষেক দিন প্যারিশে অবস্থান করিতে

''र नागरहे विरमत नत्रवर्की सन्।।व'' मन्नदर्क ইট ইভিয়া এলোলিয়েসনে তাহার বস্তৃতা ক'রবার কথা ছিল। এই মহুরোদ রক্ষা कानाहेग्र'(छन।

### বাঙ্গালোরে ৫ জন থিছত ও ১০০ ৰ্জন আহত

গত ১৮ই জুলাই বাজিতে বালালোর বিলি মিবের শ্রীমকদের এক জনভার डेनत भूनिन छेनी हालाय। करन घरेना-ভলেই তিন্দান মারা যায় এবং ৪০ জন ভারতার আহিত গ্রা

মিলের বোনাস সম্পর্কেট গোল্যোগের স্টি হয়। ব্যব্দা ব্যশিলোর ব্যালার মন্দার দর্কণ মিশক দুজ বোনাণ দিতে না পাৰায় শ্ৰমিৰ 👉 মানের মধ্যে প্রবেশ করে এবং শ্ভিদ্র সভ্যের অবলগন করে, পুলিশ জন কে অন্তর যাইতে तान, किन्न छाहाता हेशाङ ऋषीक्षण ४४ ; ্রলিশ ছেণ্ড প্রথন্তঃ তাহালের উপর कात्रि हालाश्च, शरत अशीदर्शन करता আহড়দ্বিত্রক **ক্ষাপলভালে** পাঠান হই-शर्फ, चाषा अवन शास्त्र किन्न डेरक्सना करम अन्हें।

'টাইমস অব'<sup>টা</sup> ওয়া' প্রের বাজালোর হউতে প্রাপ্ত যে সংগাদ প্রকাশিত ইউয়াতে ভাষণতে শেখা যায়, গভ ১৮ট জুলাই গ্রায়ে বিভি নিল্পুর্চণ স্থাপে জন্তাব क्रिक धनातात कांत्रण शृथित्यत छनीवर्गरणत ফলে গাঁচ জন নিছত ও একশ্ৰ কৰ আহত চটয়াছো কাইকজ্জি অভাব অভিযোগ ক্ষয় ১৮৯ তারিখে অমিকগ্র কাজ ক্রিটেড অস্থত হয়। প্রবিশ ভাতাদিগকে মিল্পাঞ্গ চইতে সরাইয়া দিবার চেঠা করিরাভিল, কিন্তু কৃতকার্য্য रम् मा**ई। देखिमा**ता क**म फे**रविकार ভানতা মিলের কাভিরে সমবৈত শ্য এবং देउशास्त्रम निर्माश कतिरङ शाहर । गाउँ চলেনা ফলপ্যেক না হওয়ার পুলিশ ওলা 51व्यक्ट नामा क्या

### अञ्चल किला मका कार्य হোড়ার আত্মসমর্পণ

লাভোর হইতে প্রাপ্ত সংবাদে প্রকাশ দে কয়েকজন পলাতক আসামীকে পুলিশ বু কিয়া বেড়াইতেছিল। পুলিশ জানিতে भारत (ग, मधामश्रुत किमाग्र २० हक आरम পলাওকের: একটা মাঠে লুকাইয়া चाटक । जेशांक शिश्रा श्रृतिम छेशांकिशटक শ্ব স্থানে চুণটি করিয়া ব্যায়া পাকিবার क्क ही एकात कतिया वरण ; किन्न है जि-

कल्लाचे संबंध

ঐ হভভাগোর পায়েই পুলিশের श्वनी शिवा नार्थ। किश्व लाक्षे का फि-করিতে পারিবেন না বলিয়া ডিনি বার গাত্র নয়; সেও নিকের রিডল-ভারটি বাহির করিয়া করেকটা গুলী **हाक्षाक्षेत्रा (५४); करन करवक्कम श्रुनिन** 

> (वाड़ातिश व्यवस्था कि क्रम्बुकि इंडेक ; নে ভাগার প্রাদৃকে পিঠ ভইতে ধরাশারী করিয়া ট্র পলাতক আদামীর দিকেই <u> छुतिबा ८ : त्या । कामामी स्प्रताश सुविधाः</u> किया ट्याक्षां जैव लिए हा लिया यथा छ'त छेना परने मा दशना ।

ব্যাবপুৰ হাস্পাছিলে আহছ পুলিশ कषाठातीलवाक अवि कवा इदशास्त्र .

### োশাইয়ে সেত্ৰভোগী কর্মান্ডগরি সভ্র

শাল ১৭ট ছলাট মিং বেলনিব স্ভা-প্ৰিতে ৰেপাইয়েৰ বেশ্নযুক্তাশ কৰ্মান্ত্ৰী प्रकार असे भूमा इस्रो । शुक्ता सर्वाही उत्तर्भवति वाधारकार्यः अधिवान करा छर ।

### ত্তভিক্ষের ফলে চুরির সংখ্যা রক্ষি

यानिकाल १६७० है। प ্মটেনিশ্র থানা বলপিয়া ভীগণ ছটিজ (स्थापिका छ । प्रतिकारक हा बाष्ट्रीधन स भग द्वित इ क्रांट्रिक क्रांट्रिक भावत গিয়াছে, বহুংগ্ৰে অর্থটান, অর্থীন দ नयशीम । अनवा भिम २ हत्तरम क्रिप्राट । ক্তুনিটোর আন্তর্গাল পল্লীতে পল্লীতে मर्पाएको हाहाकात डिजिन्हरू । देवनिक মত্বরের কাজ জুটে লা। গোলিক্ণ্র গ্রামে ১০টা পরিশ্বের প্রায়ই অনাহারে मिन काडिलां कतिए इम्, नश्नाकारन ভাগরা লক্ষা নিবারণ করিতে অকম। কেচ মৃষ্টি ভিলার দারা সামাত্র চাউল ছংপ্তের দাহাগ্যার্থে বিভরণ ক্ষিত্ত-(छम। किस्र ६ डिंक्स न न्यालक डांग छंदे সাহায্য মর-ভূমিতে বারিবিক্রং থাকি-ঞি কর। চারিদিকে যে সব অস্বাভাবিক यहेंना घडिर ३८७, छाटा (मणिया कुनिया मरम इस त्यम (शरहेत मारम त्याक त्यान বরণ করিভেও ইচ্ছুক। কুধার ভীর याजनाय (जातक ताजिस्मार्थ (भांभरन পরের রালা ঘরের ভাতে থাইরা যায়, शशिक्त यथानक्त्य काष्ट्रिया नम, परम मरण बुङ्किङ धामनामी बाड़ी बाड़ी উপদ্বিত হইয়া খালা ভক্ষণ ক্রিয়া পাকে

ৰাশ হইয়াছেন। ২১নে জুবাই তারিখে মধ্যেই একটি হ্যােক ছাড়া বাকী সকলে। চুরির সংখ্যা **প্রচুল পরি**য়াণে বু**দ্ধিপ্রাপ্ত** হইতেছে। সিঃসহায়া বিধ্বাশণ বাড়ী বাড়ী ঘুরিয়া ভাতের দেনের অভা পাত্র त्राचित्रा सारमन ।

### वृष्टिम कब्मान भिक्रासम

गिः त्रिकिगान्छ कार्णात नी जगरनम সাঁগাই বন্ধরে থাকিয়া বুটিশ ভাইন কন্যাণের কাল করিভেন। . . . भारणत की खूनारी बहें एक डीकारण भूकिता পাওয়া गार्घ एक स्वा । এह सक्क (किं করিণার কভা পুলিল অনেক চেঠাই কণিয়াতে। কিন্তু এ পর্ণাস্থ্য ভাষাযোগ (५%) कनवडी इस नार ।

সম্প্র'ত জাপানের (কারী বন্ধর केकेंट अस्तरम लाख्या ट्राम, **ख**ोकात दर्भ ক্ষন বাস্থানিংকর স্বীক্ষরেণ্ডিক 🕏ইডে भि: शै ति पृष्टा तथक आकाम नाहिसाएक हैं। क्षांत रम्हाम बक्षम स्रानामी नार्मा দেশে বেখাইনী কোকেন চালান দিছে। মিং লী ইহাদের গতিবিধি লানিতে পারিষা ভারাদিশকে ধরাইয়া দেওয়ার ্ম । কবেন। ভাই ভাছাবা ভাছাদে pia कविया कडेंगा जिल्ला श्राप्टक्रल **क**र्म निर्णाल करत । एक धनश्रात करण पुनिया क्षीरुति मृद्धा स्था।

### প্ৰকাশ্য লাক্ষ্পথে ভাকাতি

প্রকাশ যে, গত ওফবার রাজে राक्षण होना रहेल मानी नगी याजामाञ्चाती ५कि বাদকে এক ड'क'रिटेन में का का अका अनमन द्वारिक्व प्राप्तक कतिता छाहात कश्चाक्षेत्राक প্রহার করে ও ভাহার নিকট স্কটতে शकाम है। का फिलाईया नय । المناسبة عارو

ঘটনার বিবরণে প্রকাশ যে, শাদর্থিদী ত্রোগঞ্ল ভাড়িধার পর্ট গুঙারা উক্ত न'दम आद्वाहण बद्धाः कदाकता कि চালকের পার্ম আসনে ভিড করে। চালক ইকাব প্রভিবাদ করিলে ভাছার। চালকের স্কৃত ক্রড়া ধাবার। বাস ভব্যন্রোড পৌছিলে ভালারা কেলারা मातिनात '७३ (५४। देश हागक्रक यान र्थामार्ट्ड यात्र कट्या म्ट्या म्ट्या যাতারা বাসের ভিতর ছিল, ভাগ্রা क अक्टें।ब्राटक दक्षांब्रा दक्ष्मांब धार्यर खाँड्राटक व्यशंत कतिया जारात निक्हें इंटर ८० छ।का क किছ हिक्कि काफ्रिया गरा।

भागामाणी श्रीमा ध्रमध्यक्ष्य देशात्र **७१७ मति:७८६ । जनगङ क्रांस्ट्रह**् Cअश्रीय कर्ता क्य मारे । 🚉 🔻

टिंग-

FREE PICKE FIR वाष्ठ्रवादः erfor the s



मागायात कात অভিনয় দেয় गामिक 🏊 भागापिक व रें बगामिक २०० भाभिक 📐 6151W *खिं* अश्वा (द

ভারতের সর্কতি বছল-প্রচার-- দীয়া কেলার এব মাত সুখপত

৬ষ্ঠ পণ্ড }

मन्भामक--- बीकडीत्म्नाथ वत्म्याशाशाश. विमान्नवाठन्थि

্রিইইতম দংখ্যা

জ্ঞীকৈভাগের জ্ঞীধান নারাপুর-৮ই তাবের ত্তাবার, ১৩'৮, ২৪শে জুলাই ১৯৩১

### নানা কথা কৃতিয়া অর্থ সমস্তায় आकाश पाटनत नावका

कुष्टिया महारूमात विष्णित आत्म विष्णित व्यथंक हे जिल्ला ६ इंडिया छ । विश्लंश अल আইনের বিশাস্থানে বাছালা সরকার इंडान्ट्रसं ७० इ.इ.स. २ माळ ७ है कि। क्रशिक्षण व्यक्तांग कतिसार्छम्। মাইতেছে গরকার গত শনিবারে ৬ শত ोिका **क्ष्मियांकर ग्र**िग्रहात विधित्र आहम कृषिक्षण व्यक्तान कितिपाइन। भाष्ट्राया भारतत कार्गा ७ व्याता वर्गेशाया । जातीय কংছোৰ একটি সাহ্যে স্মিতি গঠন कतिपाट्न। क धारत डेट्याल ८७३। भारत 'छ क्यांटि श्री माश्या-दिका र्वाणा ছইরাছে। কলিকাজার মড়োরারী সাধাযা স্থিতিও ভেড়ামারা ও জ্নিরাদ্যতে महिथा मान कार्य जात्रश्च कतियादश्च ! किरल, विश्रम वाकिश्वास्य क्रांक मञ्जाह একদিন ১৮ মণ চাউল বিভর্ন কর। হুইতেছে। এই স্মিডি বিছরণের জ্ঞা वज्र काममानी कतिवात आस्मन निराट्ण । विश्वत वाकिमिर्गत मर्गा उ॰ धानि यक्ष গুর শুত 🐠 টাকা বিভরণ করিবার सम्य कृष्टिशा त्यांकिनी सिटणत व कुंशकान প্রতিশ্রতি প্রদান করিয়াছেন।

কুষ্টিয়া মিউনিসিপ্যাণিটার সভাপতি छ नीम अवृक काशानम मक्यमारवात मणा-পতিকে সাহায্য সমিভি গত ১৮ই জুলাই ভেড়ামারা, গৌশতপুর ও মারপুর থানার খনীৰ বিভিন্ন প্ৰামে ৩ মণ চাউল বিভরণ क त्रिष्ठ्रहरू । अना याहेट छट्ड, व्यानामा क्रमां जे मक्न प्रांत्न चात्र ७० मन

চলন্ত ট্রেণে খানাতলাস কুটিয়া অর্থ-সংস্থায় ধাহায্য দানের ব্যবস্থা

# লোকাল বেডের নির্বাচন

ট্রেণে ডাকাতির সন্দেশে আসামী ধৃত

# দফাদার হত্যার মামলা

২০ থানি হাজার টাকার জাননোট

# বিদ্যালয়ে অর্থানুকুল্য

মেট: সিংহের কার্যমুক্তির সম্ভবেনা

# কাইসারের তৃতীয় পুত্র

কলিকাতার আসাম কন্মী গ্রেপ্তার

**हाउँल विख्तल कता इटेंट्न**। शानाम পাত্যা গিয়াতে, বিপর বাঞিং ণের স্ভে'(দার জন্ম রায়টা Car दिल्ल इटेट्ड ভেড়ামারা থানাব আলারদর্গ। গ্রাম প্রাস্থ একটি রাস্তার সংকার শাঁথই আরম্ভ रहेर्य ।

हम्ब हित्न बामा न्ह्राम ইন্সেক্টার সাব ইনস্পেক্টার ও গোয়েন্দা উপস্থিত হন এবং

পুলিস্কশ্বদারী এবং প্রায় ১২ জন करमहेदल भूएक धड़ेश्च १, ब्रमक स्थारतन भिष्का रेल्या (ननीरक अन्नमत्त्र

কৰে এবং বাহেরহাটে আমিবার সম্ম क्षित्रा उद्देशका निमा शक्तायांभाष्ट हो हात চব্যাদি থানাত**লা**শ করে। পুলিন ভাছার काम अयाजि शहन करत यह कि औ ছাড়িতে ১৫ মিনিট বিশ্ব হয়। এনানেব প্রকাশ খুলনার কলেকজন প্রনিস খনে ইউরোপীয় প্রিসি হুপারিনেটেডেউ মহিশাটিকে

উভার গন্তব্য স্থানের বিধয় বিজ্ঞানা করিলে তিনি ওাথাকে জানান যে. চট্গাম অপূগ্র লুখন মানলায় আফামী গ্রেণর কাফ সম্পর্কের জন্ম ভিনি প্রকা স্থাত করিংত বাহির ২ইয়াডিলেন !

### ট্রেণে ভাক:ভির সম্প্রে व्यामाओं शुक

७३ कुलांके आखिकारत कुम्पनभाला রেল ভয়ে টেশনে মেল ভাষাতির চেঠার भटकट्ट राष्ट्रमध्या छ।म निवामी नहीकनाथ मुन्ती, श्रमदत्तकाराच मुन्ती द्वरः सर्वैदश्वशाल कत्र ४३ क्षेत्र हो होति १४ (अश्वास सम । हें के एक से के किए। ता कि छा दय कारतालन के ता ১৯গতি গ তাকাশ তথ্যত্তা আগামী ৩০শে জ্যানেরে পুরেষ মহকুষা হাকিম কোন भारतन भाग कति स्वा सा ।

### ২০ খানি হাজার টাকার कालदनाष्ट

প্রকাশ, আবছুল মাকিফ মংখন হাজার টাকাব এক একথানি নেটে চাগ कतिनात मन्दिराहम् (श्रश्नात हरिनाइ। ভাষাকে মাজিট্রেটের সম্যে উপজিত वडा इहेग्राहिन, २१८न डानिश लग छ मुभरवात करण खंडारक इंडिएक श्रीहास इडेशरका शुंगा उनक्ष अकान, हनाहि कारन रूपक एकड़ी मन व्याहर, छेदाता है 'हबर्भा २० शामा हाकाल है किंग्त (मिंहे ভাল কৰিয়াছে ৷ অসোমী নোট কালেব লভা উপযুক্ত ব্লক ভৈয়ার করিতেছিল।

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

# ८गाना इंटेडाटेक।

অভিজ্ঞ ও আদেশচরিত্র শিক্ষকগণ টোপ্রদিপকে অতি ব্যক্তের সর্ভিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য কিনা ব্যত্তে সুক্তর নাসমানের বাক্ষাব ৪ইইয়াছে। খান অগীব আহ্যবর।

সনিস্তান সংবারের জার নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র নিশুন। শেবেটভার্নী, ভাকুন্ত এজিবিলোদ ইন্টিটভট্ট জীটেডফার্ম, গোঃ জীমায়াপুর, নদীয়া।

### —৫১ বংসারের প্রতিষ্ঠিত—

উদ্যাসয়ে প্রস্তুত বটীকা

হাং। শুক্তার্থা, স্প্রাস্থে, একার্ক্যটেন, স্মাণ্ডি, ধ্বেণ্ডিস আড়েডি কাড বে গীব বেশ্য নির্মিধ চইছাছে ছোহা আকাশ কাবেশে বড়বড় শুউস ধারিং প্রেড়ুঃ

### ইকা

সকল অভূতে ব্যাহার চলে ও সমান দল প্রবান করিয়া থাকে। । প্রতি বোটায় তর্টী হটিবা থাকে।

#### (क्वनमाज

গুলি কৌটার মূল। ১০ এক টাকা। ইংরে নাম 'আছেছনিগ্রহ বঁটাকা'।

ৰঞাঞ্জ থানের তালিকার কল গন্ধ নিখিনেই পাইবেন গ্রান্থিয়ান :—আক্রিপ্রাক্তিক ক্রিকালেকা ২১৪ নং বছবালার স্থিট, কলিকাত: ।

কাবরাজ শশিভ্বণ কবিকণ্ঠাভরণের



সফলেকের স্থাববার জন্ম ৯ জাঃ শিশিকে মনীভূত জাবস্থায় চোটবো বেলর সমগার ক্ষা ভাকে পারিন কর, ইকাতে উষ্ধের কোন প্রিয়ন্তিন করা কর নাই। সুণ্য আহি নিশি। তথালা, প্রিটান্ত নাত জানা, বোজন ১০০ জানা।

আন্তিস-১১নং উক্তাভালা রোড, পোঃ শামবানোর, কলিকাতা

# ৰীভাগৰত প্ৰেস

গোয়াড়ী হাইট্টাট

### ক্রমঙ্গগর

এখানের বিবাহের নিমন্ত্রণারত। শ্রীক্তি-উপথার, কার্ড, প্রস্তু এাং জন্মতা যাকতীয় কার্যা চাপ। ইইয়া থাকে। ছাপার দর বাজার দর অংশক্ষা হুল্ভ। পরীক্ষা প্রার্থনীয়।

# शरेटफ्रांगिन

বা

### কোষর্ঘ্য রোগ

ডাঃ তম্, তম্, থোষ বিনঃ করে, যানং নিন্দের স্যারান্টি দিয়া বৈছাতিক কালেটাডে কোমকুছে রোগ আয়োগ। করিয়া থাকেন।

> ঠিকামা— ৯৮ নং কটন ক্লীট, বড়বাজার, কালকাড়া।

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

# দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একনাত্র মহোদধ

### শন্ত দিনে সম্পূর্ণ আন্তোগ্য

্থানী দেখা তে কিলে। ক্রি ন পাঁধের পরত (যাওরা এবং আসার)
পাঠাইলৈ সিন্ধানে বিশ্বে বিশ্বের করার এবং আসার)
প্রধান দেওরা কর আইন্টোপ্তালন কর্মা পানার পানিপ্রমিক দিতে ক্রমে না।
প্রতীয় বেন্দ্রীদের অন্ত বহন ক্রিলা তিকিৎসা করা করা। বিশ্বানিক
বিশ্বংশের কল্প এক আনার ভাক টিকেট স্ক নিম্ন ঠিকানায় অনুসন্ধান

শ্রীক শীলচক্ত উকীল, যক্ষা-6িকিৎসক, োঃ নৈকাঠী, বৰিলাল। অথবা নিম ঠিকানার সাক্ষাৎ কবিহা বিস্তারিক জানিতে পাছেল। শ্রীষ্ঠ মাসপোপাল দত্ত এম, এ, ক্ষমনগর, নদীয়া। শ্রীষ্ঠ হবিপদ নিংহ, ১১৭, বেশিনানোলা ষ্টাট্, চাটধোলা, কলিকভো।

এনে যানি পাছে! আনার প্রাকৃত্যুর গাড় হয় মাস যাবৰ রাজ কল্লার দৃণ্যাল মৃত্প্রাস করালি করিছে , কলিকাভার বিভা নিক্ষণ প্রভাৱ আন করিছে। কনিকেবিলেন করিছে স্থায় প্রীয়াত কিবিলা উকিল মহালয় সাতে ২০ বিন চিকিৎসা করিছে লক্ষ্ণ করা গোল বলিয়া নিলানেল। (সাঃ) শ্রীয় নিলার করিছে। কর্মনার করিছে । কর্মনার বিভাগ নিলামার বিভাগ নিলামার নিলামা

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

भोताक 88%

माज ४०० जाकिटल हे भारतिहरू व प्रतिम स्त्र ।

ম্যানেকার- হাভ্রিভাগ শুটেত্তম, গো: শ্রীগায়াপুর, নরীয়া।

কেন প্রাচ্তগ্র

# গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

তে প্রশংসা করেন

--

এখানে যাণভীয় ছাপার কাম্য-

अलामित कार्या है वनून,

বিবাহের নিমন্ত্রণ পত্র, কার্ড, বিবাহের পদ্মই বস্থুন,

আর ও রং ও ৪ রংএর হাফটোন ক্লাই বলুন, সকল কার্ছি সম্বর ছাপা হয়, অথচ ছাপ।ইবার খরচ বালার অপৈক্লা বুলভ।

আপনার কিছু ছাপার কার্যা থাকিলে নি**স্কৃতিকানার জানাইতে**ই স

খানেলার- গৌড়ীয় প্রিণ্টিৎ ওল্লাব্রন্ ২০৩২ মং লাপার সাবস্থলার বেছে, কনিখাত

শ্ৰীগাম মান্তাপুত্ৰ নদীয়া-প্ৰকাশ প্ৰিলিং ধন্ধাৰণ হয়তে—কৃষ্ণাতি জন্মচানী ভক্তিপুত্ৰম এক, এক, কৰ্মক স্থানিক প্ৰকাশিক



4BHH

२० नामन (भोतान ४४०, प्रहे आवन नन्नाम ५७०५, ५४ जून। हे हेर ५७०५ छात्र नात

**३२,७४ गःपरा** 

# ভগৰানের নিষ্ঠরত

নিতান্ত মত ও অম্ব্রি শিশুগণের क्षामाम ना ८क.च कारनेतन धारा कंग বিচার করিবার আদে। সাম্প্র থাকে ना। अक्रायाकारात विकास विकास স্তবুদ্ধিমান পিডে উক্ত কোন লিওব তত্তে শালিত অন্ত প্রাসান করেন এবং এ লিপ্ত শাণিত অংশে অস্ন্রহার করিয়া ভার্চা নিজেব অনিষ্ঠ আনান কণি গ্রেম তথাপ্ত কর, তাহা ১ইলে আম্বা সক্ষেত্র ট্র **लिश्वरके ट्या**नी माना ४ मा कविशा निहारक है। (मानी भाराष्ट्र करिया शक्ति। कात्रण, শিশুর কোন জান না থাকিলেও পিড়া ও জানেন যে, শিশুৰ হল্তে শানিত অস্ব পড়িলেই ভদাবা ভাগর সমূহ কেশ ब्हैनात मञ्चारना, ज्यालि जिन यनि जेकल कार्यात खोला का जान इंड्रेस केलात পুমের প্রতি নিচ্নতা করা হয়, এবং ওক্ষর ডিনিই দোষী বলিল। গণ্য হন।

উক্তপ্রকার প্রকৃত নিচারের অহ্মিকা শইয়া থঞ্জ সীমানন্ধ জ্ঞানের ছারা যথন আমরা অথও অধ্যতর উভেগবানের অপ্রারত গাঁলার কথা আলোচনা করিতে যাই, তথ্য আমগ্রা সম্পূর্ণ জ্রমে প্রিড হই এবং তাহার মুপার করুণার গাঞ্জীয়া হুদঃক্ষম করিতে না পারিয়া, <u>ভাঁহার</u> করণাকেই 'নিচুত্রতা' বলিয়া ধারণা क्तिया अधारकष्ट कामारमय जाश्मातिक ক্তিভাপক্ষেপের অস্ত দোধী সাব্যস্ত করিল বসি। ইহার ফলে ভগবচ্চরণে আরও व्यविकाजकार्य व्यथनाथी इहेश शक्ति।

াধন দান কথাটা গিভার পঞ্চে কিছু लिएत कार्य। भाग भाग हैएका कतिरहा সেই ধন রাজি কাবো স্থাইটতে পারে িলে ১৮ই ধনের অপ্যারহার ্লা নাই। বীহার। न कालम् कैटान fa eig কুতে জ্ঞানাবানের

5 5767+ C31-166 के के . व अविश्व अह 7 34 31 **B** 3477.77 বিষ্ণতা হেতু জড়টোগের 315:17

मर्मारत का बात्र करना आहे करहे किना कि পতি করিতে থাকেন। ভারান বৈজ্ঞ কিল্প জাব ৬ মুগ। 🖃 ৬ঘবান বিজ্ঞ এই ধাও। भूग कीरता हर है न्यां पठ विश्वमान एक শ্বতয়তা প্রদান করিবোন কেন্দ্র যদি ভিনি এই স্বভন্নতা প্রদান না করিবেডন, তাহা হইলে তাগেৰ অস্থাৰহাৰ ফলে कीनटक आज दहे म्याद्य विश्वास क्यी-হুত হইতে হইত না। 🗐 লগবান ভ জানেন, জীব এই স্বতম্বতা পাইলে ভাগার অপবানহার করিবেই করিবে। অভএশ হিনিদামে ইইয়া দীবের প্রতি এম্প নিষ্ঠবতা করিলেন কেন ? এইরূপ প্রের অনেক সময় আমাদের মনের মধ্যে खेन्य इकेटनं चामता उभवानत्क देशेत क्षक लाबी विज्ञा भारत कवित्रा शांकि।

শীভগবানের লীপা মানব-চিন্তার **অভি**গবান্ **জীবকে স্বতন্ত্ৰভাৱণ একটা অগমা, ভাই ভাষা মটিস্তা: ভকঁ** বা

অম্বারত এদান করিগতেন্। পুরকে মিটের বুলিট থারা ভাহার সামা নিদেশ ভগবংকলশার গলিন্য। কুঞ্জীল্যে **জী**বেদ কইরাও বাবার ল'লাম। তিনি জীনের স্থিত লীল, কবিবার বাসনাব ভাবিকে স্বত্ত ক্ষা বড়টা প্ৰদান ক্ষিয়া-ট বংগতা বাভ কানের পরে শিলের অলুপ্তস্থ্রক বালিতে হইবে, কেননা अवद्यान ११% বস্তু - হাড় বস্তু 'হাহা নিভাক্ত এয় ুক্ত । জীবের এই স্বভয়ত। থাকার দক্ষ তিনি শ্রীভগ্রামের ২০% বস্তুর भारता भारत इक्षा दान परिदेशास्त्रमः । धनः । अस কগতের পাত্তা লাভ করি তৈন।

> ক্লেশ ও 'রখ' মানর গতি। যাগ্রে আমা। কেশ বলি, উদাস্ত বাহি রে ফলশ এই মি । ময় তিহাকেট 'য়েপ' বংগ। সমায় বিষয়-ভালের চরম দল ছাল ছালা আর কিছুট ন। ভাই ত্রীভা বলিয়াছেন, সাক্রা স্পর্নান্ত কৌছের শীতোক্ষস্তরপ্রথন। চরনে বিষ্ণাস্ক বুক্ষ জ্ঞে পাম। সেই জ্ঞ कठिन्छत वर्रेट्ट अभिन स्ट्राबत गामन জন্মায়। সেই প্রকার বাসনা জাগবিত क्टेरलहे, छाटा क्ट्रेस्ड जन्मनः निर्देक, खिछाता, अक्षा ६ तापुत्रके लाउ १म : उत्त প্ৰ ক্ৰেমণ: জীন উন্নত অধিকাৰে अधिकानी इष्टेट्ड शास्त्रम्। अञ्चय सम्भा यांत (य, भूरण এই क्रिनेनि हतस्य ७३० । मलयुक्त काक्षनतंक मध कतिता ७ (भर्ग) করিলে খর্ণ নিশাল হয়। জীবও সেইরাপ मोधार्यका ७ ककर्राश्यूबर्णक्रम मनेपुरू ধইলে মায়িক কারাগারিশ্বপ হাপরে দল্পী ভূত इहेंग्री कंदर कहें अशम्सन नीर्कत उनंत नहिन्देश बीरंबन्ने स्व दक्षन, जोंश स्वेशन अवर

করা জাবের সাধা নাই। রখ্য- করাবামঃ । বেঁ ক্লেশ, ডাহা অদুংদশীর নিষ্টে ক্লেশরণে নানাভাবে । দুই হইলেও দুবলশার নিকট সমগপুত।

> এই গ্ৰপ ক্ৰেল চন্দ্ৰে খৰ্ডদ বৰ্তপেও আপ্তেতঃ কটন চন্যাগ অপেরা মান কবি যে, সংগণিভাগন আৰু কি অক কোন প্রকার বাবভা করিতে পানিতেন নাঃ कैंदात भीमा नहानिम छ निभिन्न । हेटा छ উচোৰ একপ্ৰকান বিভিন্ন লীপা। তিনি (राकामग्र, क्रान्य<sup>क</sup> १५%) मीना करिएड भारतम्। दोभारम् सँ मा, दमभारम् नाना्व উপকর কিগেব কোন নং কোন প্রকার কঠ অবস্থা সীকাৰ াণিতে হইবে। তিনি शंडव दराष्ट्रे टक्क्ट्रांभव भूतम जनर कहा । দীর ভাঁহান ভোগের উল্কর্ণ ব্যায়া খনটে পুনামর অদীন এবং কঞ্চারপ পুল্যের কামরের বিষয় কাউরি ই ছবে अभीन इहै(ड इहेटल्डे किंद्र मा किंद्र কই পাওদা স্বাভাবিক। সে কট

চৰমে অপ দেয়, ভবে যে কট কট্ট ভাই কোন মহাজন বলিয়াছেন,—ে াব ্দবাৰ, **গুংগ হয় যত, দেও ভ** প্ৰম স্থাব । ্সা-তথ ছাথ, প্রম मान्त्रम, सान्यत व्यविक्रां-प्रत्य ॥' कृतकका ५ क्रमजाना পোষণের জঙ্গ জীবেব ক্লেশই স্থানয়। স্বতন্ত্র रामनात्र अभवावशाव कविशा कव भागातिः मिर्गम्बंनिक ,य स्कृत खीकात करियारहर, हेड्डिक कीरतबरे स्माय, क्रटकब किन्न माज

উভাগান শীবকে এই সভয়তা দিয়াও আগার নিশ্চিক্ত থাকিতে পারেন নাই। নিশীড়িত হইল সংস্থত হইল বান। অভএব উধার অপব্যবহায়কলে জীব ক্লেব ভোগ করিবে, ইয়**ুজানিয়া তিনি কর**ণা**পুঞ্জক** 

"লগতের পিডা কৃষ্ণ বে না তলে বাপ। পিতৃত্রোহী পাতকীর লয় লয় ভাপ।"

খাঁর শ্রহিন্তা লীলা প্রাণাঞ্চ উদত্ব করাইয়া,
কপনও বা আহান্যারপে বা জগদ্পুরু ধুগাচাধার্রপে কগন থ বা নিজ' পার্যদ ভক্ত-গণের দ্বাবা জীবের শিক্ষা বিধান করিতে-দেন। তিনি সাণু, শাস্ত্র গুরুত্বপে জগতে নিক্ষেকে প্রকট করিয়া জীবকে খুডুত্বভার অপন্যবংগার হইতে রক্ষা করিয়া থাকেন। অভ্যাব দেখা যাইতেছে যে, তিনি জীবকে খুডুত্বতা দিয়াই নিশ্চিন্ত নংহন; যাঁহার এড বড় কর্ষণা, তাঁহাকে আমরা কোন্

### কাম ও প্রেম

( < )

অশুচি কলুম্চির নাজিই জনতে প্রেমিক। কিন্তু যাদ আমরা ল্লীপুকরপায় স্থানন্দ লাভ করি, তবে দেশিব, উহারা প্রেমিক নঙে,কামুক। শুদ্ধ প্রেমে কাণটোর কুনাটা নাই। ক্ষণপো-লোলাহান হারূপ কপ্টিভা বিগুমান পাকিতে প্রেমোরিয়ের কোনই সম্ভাবনা নাই। অনেক সময় ইন্দ্রিরের ইন্দ্রজালে ম্থা হইয়া আমরা কামতর্পাকেই গোবিন্দ-সেবন বুকিয়া আমুব্রিকত হই। কিন্তু সক্ষতভাবে কৃষ্ণভন্তবন্তা আচাধা-দেবের শ্রীচরণাশ্রয় করিলে কাম ও প্রেমের তারতম্যুস্থক্ষে যুপার্থ ক্ষান এবং ইন্দ্রিয়ের ছলনা ধরিয়া ফেলিবার মত বল লাভ হয়। মনঃশিক্ষার ভাষা-গানে শ্রীশ্রীল ভক্তিবনোদ ঠাকর গাহিয়াছেন—

কপটত। হৈলে দূর, প্রাবেশে প্রেমের পূর জীবের জ্নয় ধল্ল করে। অতথ্যব বহু বত্নে আনিবারে প্রেম-রত্নে কাপটা রাথত অভি দূরে॥

সর্বপ্রকার কাম অপ্রাক্ত কামদেব শ্রীক্ষের সেবায় নিয়েজিত না হওরা প্রাক্ত কাম দূর হয় না। কাম প্রসদেব্য শ্রীব্রজনবযুবদ্দের অপ্রাক্ত কাম পূরণে প্রাবসিত না হইলে কি প্রকারে প্রেম রম্ব লভা হইবে ৮ চরম প্রারোজন চিন্মর প্রেম ও কঙ্গবিত কামে কি প্রকার প্রভেদ, তাঙা কবিকুলমুক্টমোলি শ্রীল কবিরাভ গোখামী শ্রীচরিতাসতে অভি উজ্জল ভাষায় বিবৃত করিয়াছেন। তাঙা এই,—

"কাম প্রেম দোঁহাকার বিভিন্ন লকণ।
লোই কার কেম বৈছে স্বরূপে বিলক্ষণ।
আথ্যেক্রিয়প্রীতিবাস্থা ভারে বাল 'কাম'।
ক্রুকেক্রিয় প্রীতিবাস্থা, ধরে 'প্রেম' নাম।
কামের তাৎপধ্য নিজ সজোগ কেবল।
ক্রুক্রপ্রতাৎপর্যা প্রেম ত প্রবল।
লোকধর্ম, বেদধর্ম, দেহধর্ম, কর্মা।
ক্রোজা আর্যাপথ, নিজ পরিজন।
বজ্বনে কর্মের বত ভাড়ন ভর্মনা।

সর্বভাগ করি' করে রুঞ্চের ভক্ষন।
রুফপুথ ভেতু করে প্রেমসেবন।
ইহাকে কহিছে রুলে দৃঢ় অপুরাগ।
স্বচ্ছ ধৌত্রক্ম থেন নাহি কোন দাগ।
ক্ষত্তএব কাম প্রেম বহুত অন্তর।
কাম অন্ধ তমঃ, প্রেম নির্মাণ ভাষর॥
ক্ষত্রব গোলিগেল নাহি কানগর।
কৃষ্ণপুথ সাগি নাত্র রুগ সে সম্বদ্ধ।

ইং। ইইতে খড়ি লাইই প্রমাণিত হটতেছে থে, আছেছি। প্রীতিবারার নাম 'কাম' এবং ভাহা-- মন্ত্র সদ্ধ । স্কুষ্ণেতিক প্রীতিকপ চিনার ত্রেন প্রভাকরের উদ্ধেই প্রাহার অবগ্র হয়। অপোর ভ প্রেমিকা ব্রজন্মেণিকাণ্যের সের্যান্তার কাম গন্ধতীন ত্রনং জীহাদের সভাবিধ কথা क्रक-द्धरथत श्रेष्ठगन्नाम् करत्। केराताहे একমাত্র নিভাদ। আরু বাঁহারা উচ্চেরের প্রাদিবলৈ নিক্ষাম প্রীতির মধ্য বুঝিনা সেই **Б**ज्ञम नाध्यात्र ज्याद्यमान करतन, छै।शाजा ६ ক্ষিপন্ধা। অপ্রার্ভ প্রেম্র্সিকগণের প্রেমময় জীজগবানের **জগ** ভাবণণ ভিয় অন্ত কোন বাসনা নাই। এমন কি, হ'তুগু देखाना ब्रिक्त गति भारतिमहादक छारा त्रिया स्थी क्ष, जान कौशना खादारहरे स्थी। টাখাদের রুক্ত হটতে পুপক্ কোন ও স্থগ কামনরেই নিভাস্থ অভাব। প্রাণ-প্রভব শ্রীবদনে আনন্দোক্ষণ মধুব হাসিদশনে তাঁহারা আত্মত:থকে অকিঞ্চিংকর বলিয়া श्वा करतम । यथा,--

"না গণি আপন ছংগ, সবে বাছি উ:ব ল্লগ. । তীর হুখে মোর ভাষপণ্য। মোরে যদি বিলে ছংগ, তাঁর তৈল মহালুগ, সেই ছংগ মোর লুখবণ্য।"

প্রেমের অত্যক্ষল আদর্শ ইহাপেক। আর কি হইতে পারে ? ভদ্ধ ব্রঞ্জনের আত্মতা ভিন্ন জড় সাহজিক সমাজের ধারণা এই প্রাকার অপূর্ব ভাবের শুদ্ধ মর্ম্ম গ্রাহণ্যকরিতে পারে না: সেই অন্সই তাহারা হের জড় কাম ও চিনার প্রেমকে সমপর্যাগভক মনে করিয়া নরকগামী হয়। প্রেম ও কামের পার্থকা না ব্রিবার দরুণ বর্ত্তমান জগতে ভাষণাদপি ভীষণ অনুর্থরাশির ভাওব-লালা চলিতেছে। निर्माण देवक्षत्रभृतम्बद्धः नाम पित्र। त्योजनाशतीः প্রমুগ ভেরটী অপসম্প্রনায় কামকেই হ্বদরাদনে প্রতিষ্ঠিত কবিয়াছে। কাম ও ব্যাপজ্ঞান লাভ না করা পর্যান্ত জগতে এইরূপ যথেচ্ছাচারিতা অবাধে চলিতে থাকিবে। প্রেমধর্মের নামে কত জবতু কথা লোকের সঞ্চনাশ সাধন করিতেছিল। নীতিজ্ঞান পর্যান্ত বিবজ্জিত, লম্পট, লোভী, বৰ্ণজানহীন অশিক্ষিত ব্যক্তি, 'বাবালী', 'বৈশ্বাণীঠাকুন' 'গোষাই প্রভূ' ইত্যাদিরণে প্রান্তত

মণ্যে বিষ**্ত্রোভ প্রবাহি**ত করিভেছিল। অজ কুসংকারাপর লোকেরা উহাদের ক্রাকেই যেন পর্ম কর্ত্তব্য বলিনা বরিয়া লই ছিল, সেই জন্মই অৰ্ডিন কানের ধারা আক্রমণতি সমগ্র ক্রগদ্বাসীক গ্রেম ভারন-প্রহার উদ্বাসিত করিয়ার জন্ম শ্বরূপরাপান্তগরর সঞ্চমান गुषानिर्धारमय क्रिलानगडः खोलाखः धानिक् छ **३३ । १५**न । अस ভৌৱাণে জারুগণের শুভুকাশংখাপা সঞ্চিন্ত সংস্থা অভিন্যুত ম করে অপগ্রের জার, যত কামুক কণ্টী সম্প্রধার আলে সেই লগারত শ্রীভাক্তিদিদ্ধার স্বোতি: সংনে অগণ क्टेश ८८५८कत चनका **ट्याय क्वेगर**्। গোৱাঞ্গতোৰ ও গোৱনাম CESTE-1-1 চলনায় ভাংবি। ইন্দিয় চপ্ৰেব যে দশ্লালা राकारकः भभाकारमध्य केलन शहना সেই সাথে 'বালি' fact 27. 3(8) প্রতিপ্রতা নিরপেক স্তর্জি জন্মধ্যী व्यञ्जल क्षण्यन-यानी: ७ कोऽ(गरसरवर আরুত্ত হউলা প্রমে ও কলে, হপ্রিয় জপীয় ভ হ'বলেবন', 'হেলাপ ও ৩০ ন এই কথাওলির ম্পার্থ মক্ষ অব্থান্ত इंडेंट ५८५२ ।

### স্থাভাম কে থিয়ে গ

ভাষণ পরিস্থান কণ্ডে দুর্লন করিছেছি, স্বই নগর। ভানিতা দেহমনোগুলো ভাবস্থান করিছে কলিতে ভাষাদের চেডনের বৃদ্ধি একেবারে বিলুপ হইয়া
থিয়াছে। পরিবস্তনশীল মনোগুলি জীবের
স্কৃত কল্ম বিপাকেই বিব্হুবৃদ্ধিং আরত
হয়া ভাষাতা সভারম, ভানিতো নিভা
ভ্রম, ভাচতনে চেতন ভ্রম স্থাগুরিক হইয়া
দিভোইয়াছে।

আনরা জড়াবনণে মুগ্ধ হইর। সুল শরীরো
আন্তর্গুনিরপ মোহ-গরিমায় বিজ্বিত
হইয়ছি। অজ্ঞান অঞ্চকার হইতে পারিলেই
চোকের রাজ্যে অগ্রাপর হইতে পারিলেই
চেতনের দর্শন সস্তব হয়। বহিঃপ্রজ্ঞাচালিত অবান্তর ইন্দ্রিয়ঞ্জ্ঞানের মাণকাঠিতে
অপ্রাক্ত অধোক্ষক বন্ধ মাণিতে যাওয়া
সম্পূর্ণ নির্ক্তির পরিচয়।

আমরা রাত্রিকালে নিজিত অবস্থায় বে বল্ল দর্শন করি, তংকালে তাহা সতাই স্থির করি। পরে নিজা তল হইলে মনে করি, আমি আঞ্জমুক অমুক বিষয় ব্যায় দর্শন করিয়াছি। কিন্তু ব্যায়ের জাত্রতের অবস্থাও তাহাই। জাত্রতে বাহা দর্শন

রুফজের আরোপ করিয়া শিয়সজ্জাবের করিতেছি, তাহার ধাকিবে না, তবে স্থান মধ্যে বিহ্নজেত প্রবাহিত করিতেছিল। ভ্রম কোথার ?

অজ কুসংক্ষারাপন্ধ লোকেরা উহাদের আমরা আপাতঃ মানারম মধুপুলিত
যত কিছু অভায় অভ্যাচার নির্কিনাদে সঞ্চ বাকো বিমুগ্ধ হইরা ভিজেরাজ্যের কণা
করাকেই যেন পরম কর্তব্য বনিনা বরিধা ভূলিনা নিনাছি। ক্লফলতিবিশ্বত অরপলই াছিল, সেই জল্পই অন্ধ্যম কাদেন এই লাগুল পভিত জীবের হোভিই ভগবান্
গারা আক্রান্তি সমগ্র কাদ্বাসীক নিরন্তর উলোর নিমুগমোহিনী নারা বিস্তার
নির্মাণ প্রোম ভারন-প্রভান উল্লান্ত করিনা রাভিনাছেন।

যেদিন আমরা এ ভভাবরণ পরিভাগে করিয়া পভিতপানন আচাব্যনব্বের অভয় চরণাছিকে শিক্ষণটে আলা বাহণ भूषक दमर्गात्रुष अस्ट्रा व्यामन इडेन. মেদিন আনাদেশ চেডনের বৃদ্ধি উদ্ধাসিত ক্ট্যা অভিলাম্ভধান **ক্ষুন্ত্**টি,নর लागाहा माम इदेश। कल्पेत लोजन. कार्यन दलोनन अवह श्रेटक पूरत वा मालिक क्टेंग महा सका विरुष्गा**लाक मनेन इटेंद्र**, তথন ধ্যা, অৰ্থ, কান, নোক-লাভের অক আৰু লালায়িত হট্চা ছটিৰ না৷ তথন यथानं व्यक्तिः। तिश्वः मिने स्वीतान्यन्यकः Cलारश्विती क्रेशकार्यश्वानमम्बद्धिनी कीराष्ट्र বাণার মুক্রিতাহ যুগাচার্যাদেবের পাদ-পদান্তিকে অবন্ধিত হইয়া শুদ্ধভক্তিসিদ্ধান্ত-বংগা প্রবণ পিথাসাই বলগড়ী হইয়া উঠিবে। <u>ट्रानेतरक्षत्रः काक्रमाविक्षत्रः क्रश्रम्खक्यत्रः स</u> শ্রীনুপ্রিগালত শুদ্ধ স্নাতনীবাতা আমানের অচেত্ন-সুভি িন্ট কবিয়া জন্দেশ অধিকার কবিৰে। প্রতঃপতঃখী অভিযোগ্যার कबना किराक व्यामात्मक मसालिङ स्वक মিল্ল হট্যা ভগবান উক্তর-মের প্রণ্যাপা স্থুতি প্রাপ্ত হটারে। তথন নমর প্রাকৃত ভগতের মোহিনী প্রকৃতি তার সংসার-গর্ষের অনিত্য প্রবাহে নিপাতিত করিতে পারিবে না। তথনই আমাদের উপলব্ধির নিষয় হটবে যে, স্বপ্লম কোপায় গু নিজিত-কারতের ভ্রম কোণার ?

### জীরপগোড়ীর মঠে রথহাতে। মহোৎসব

গত লো প্রাবণ ১৭ই জ্লাই ওজবার প্রীত্রিবারারা উপলকে লা প্রীচেত্ত মঠেব অক্তম শাখা প্রীপ্রীরপগোড়ীয় মঠে শ্রীপাদ সর্কোধরানন্দ ব্রজচারীকীর পর্বাবেকণে ও স্থানিপ্রো মহামহোৎসব সম্পাদিত ইইয়াছে। সমাগত সক্ষন মঞ্চলী আনন্দের সহিত কীর্ত্তনমুখে প্রায়দ-সেবা কলি। বিশেষ পরিত্ত হন। প্রীপ্রীরাধারিনোদ-কিশোর্মীউর ভোগ-আর্ভি প্রভৃতি ভাজাল স্কৃতাবে অম্বৃতিত হয়। প্রীণাদ সর্কোধ্যানন্দ্রীয় স্থালিত কীর্ত্তন প্রথা করিয়া সমাগত সকলেই পরম আনন্দে আয়ুত্ত হন।

### देशिक महीमा-अकाम--- भारतार्थिक भव

# গ্রন্থ পরিচয়

### <u>শ্রীমন্তাগবতম</u>

শ্বীমন্ত্রহিব রক্ষরিপাছন শেলবাস-প্রাণিত মৃল, ত্রীমন মধ্যাচান্ত্র-কভা ভাবপর্যা-নির্মানীকা; ত্রীমদান্ত্রনাথ চ্ট্রান্ত্র-কভ সারার্থদানী টিকা, বলাত্রনাদ, সংস্কৃত অব্য ও প্রভিলন্দ, ভগা ও বিস্ত্যাদিগৃক। প্রতি ক্ষেত্রর আদিতে নেই ভারের প্রতিপাত্র কণাসার, অধ্যায়ের প্রথমে ঐ অধ্যায়ের সারস্থ ভ্রিক্ত ভারপর্য্যাদি নির্ভ। স্নোকস্টী নির্মান্ত্রী, অধ্যায়নিবরণ, পাত্র ও স্থানস্টীস্ক উত্তম কাগতে উত্তম অঞ্চরে মুলিভ। প্রথম হইতে ১০ম হন্দ প্রায়ত ভাপা প্রশান্ত শেলক ইয়াছে। ভিকা প্রথম হইতে ৯ম হন্দ প্রায়ত হাপা ক্রান্ত্র হালে। ভিকা প্রথম হইতে ৯ম হন্দ প্রায়ত হালে।

### 🎒 🖺 হৈ চভন্ত চরিভামুভ

শ্রীন্দ্র কি নাদ নাকুর-রচিত 'অমৃত প্রবাহ ভাষা'

। শ্রীন্দ্র কি নিছাস্ত সরস্থা গোদামী প্রদুগাদ কি থিত
'অমৃতান্যে ফাডি-মুখাদি বহু শারপ্রমাণ সপলিত হইয়া
প্রকাশিত হইয়াছেন। শ্লোকের সায়য়ব্যাপ্যা, বলান্তবাদিও
প্রাত্যেক প্রারের পূকে সংশিক্ষ অভিয়েই সংগাদিত।
প্রাত্যেক অস্যার-প্রার্থে কথাসার দেওয়া আছে। শোক,
প্রার, শক্ষ, খান, পান প্রেক্তার স্বৃহৎ হটী ও প্রস্কারের
বিশ্বত ভীবনী-সম্মিত এইরূপ অভূওপুক্র সংশ্বরণ ইতঃপুক্রে
কুরোপি প্রকাশিত হয় নাই। উভম কাগজে পারিপাটোর
সহিত স্থল কুলাশের ম্লাংশ মুদ্রিত হইয়াছে: গ্রন্থ প্রায়
১৫০০ পৃষ্ঠার দশ্যার। ভিকা বর্ষমানে ব্ মারে।

#### **এটিচডাজাগবড**

প্রথকারের জীবনী, প্রতি পরিক্রেদের কণাসার, বিশৃত গোড়ীয় ভাষা, শক্ষ্তী, প্রারহটী, বিষর-ছান পাঞাদি-স্টা, প্রস্কৃতি বিবিধ বিধর শ্রপতি বিরাট বিতীয় সংহ্রব ভবল ক্রাউন ৮ পেলী আকার। আদিলীলা ও মধ্যের ক্রিয়ণ্শ প্রকাশিত হইয়াছেন। ক্রমে ক্রমে প্রকাশিত হইভেছেন। আগ্রিম ভিক্ষা ১ টাকা, আদি শীণার ভিক্ষা ৩ ।

### **এটেড জ মলল**

এই গ্রন্থের এরপ অভিনৰ স্থকর সংশ্বরণ আর কুঞাপি প্রকাশিত হয় নাই। সংস্কৃত শ্লোকাংশের অথম, বজাসুবাদ, ভাষা, কথানার, তথা প্রভৃতি সহ খণ্ডে থণ্ডে প্রকাশিত হইয়াছেল। মূল মোটা অক্ষরে ভবল ক্রাউন আটপেন্নী , বুহলাকারে হালা হইয়াছে। মূলা ২৪০ টাকা। নদীয়া প্রকাশ ও গৌড়ীয়ের গ্রাহকগণের পক্ষে ১৪০ টাকা।

### **জীমন্ত**গবদ্**গী**তা

— শ্রীগেড়ীর বৈক্ষবাচায়। অপ্রাক্ত রদিকচ্ডার্মণ শ্রীশ্রীবিষদাথ চক্রবন্তিঠাকুর পোশামিরতা সারার্থবিধী টাকাসমেতা ও শ্রীশ্রীমন্তব্বিদেশি ঠাকুর-প্রাণীত 'রদিক-রঞ্জন' নামক ভাষাভাবাসহিতা। অধ্যারস্ক্রী, মাতৃকাক্রমে ক্লোক-স্ক্রী,বিষর-স্ক্রী,গ্রন্থকারের জীবনী ও অবতর্গিকাধি বছ-জাভব্যবিষর-সক্ত উৎক্রই বীগাই ভূতীয় সংক্রণ—এই রাজ সংক্রেপের ভিক্ষা ২ টাকা মান্র, সাধারণ সংক্রণ—১॥• টাকা মান্র

# শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলা

ত বিষ্ণুপাদ এএ মন্তক্তি কিছাও সর্প্রতী
কৌৰামা মহারাজের চেচ অবিছা বিশ্বং সিনী
জীবাস্থাপ লোবোদিনী ক্লা-কাল্ডান্নন্দ। লিটা্ন্ত-বাণীর
মুক্ত-বিগ্রাহ—বৈহুল কিছিল ভ্রান্ত লোকালার ক্লোলালালালালালের মেনিক ভ্রান্ত লালাক ভ্রান্ত ভ্

১। প্রাথক খাল্ড— বৈক্ষরদশন, শ্রী ওরত হ, কাল-পদ্ম, শ্রীমধ্যাবিভাব, উন্বাৰ্যভাববী, প্রেরাতিকী দীকা। ও বর্গ বিচার, আত্মবন্ধ ও মনোবন্ধ, ইটেড এনের ও ভাষার শিক্ষা, অপ্রাকৃত স্থক্ষদন্ধ ও ও ও স্থক্তবন্ধ, প্রভৃতি বিশ্বতি সংখ্যক রাম স্থোভিত। ভিকা মাত্র ৮০ বার খানা।

২। দ্বি তীকা শংক্ত - শুদ্ধা ও বিদ্ধা ওকি, মন্তব্যের শেহতা কোথার, মান্তার নিস্তাপুতি, শ্রীগর স্বামিপাদা ও মারাবাদ, শ্রীগোর-নিস্তানন্দপ্রশাস, নিসুপোর দ্বা ও রাজ-কীজন, শ্রীগোর-দিন্দোর দ্বা ও রাজ-কিজন, শ্রীজন, শ্রীজন

প্রথম ও দিতীর—ছই খণ্ড একতে লইলে ভিজা ১৭০ দেছ টাকা, ভাক মরচ স্বতর ।

#### *ই.* মন্ত্ৰগ্ৰহ

শৌরীয়-বৈক্ষবদার্শনিক-শেশর উট্টিমদনহন্দর বিজ্ঞাপুসণ্কত ভাষা ও উ্টিম্যুক্তিবিনাদ হাকুরের প্রাঞ্জন পদভাষায় বিস্তৃত 'বিব্দর্জন' নামক ভাষাযুক্ত। অন্যায়ক্রি, বিষয়ক্টী, ও প্রতি শোকের প্রথম ও চুট্যা
পাদ ক্রটা, ভাষাকারের কীবনী প্রাকৃতি স্থতি ।
উৎরই বীগাই, রাজসংক্রণ (চুটীয় সংক্রণ) এথের
ভিজা ২, টাকা।

### প্রথেয়রত্বাবলী

শীমগলদেব বিভাভূনণ-প্রাণীত বৈক্ষবদর্শন, সনীত ও গাবিন্দ-ভাষাদি পড়িশার প্রথম গ্রন্থ উৎক্ষ কালিতে ভাপা। স্থবিস্থত টীকা ও প্রাঞ্চলবঙ্গাম্বাদ-সাংখ্যা অভিসহকে বালকেরও বোধগম্য হইমা পাকে। ভিজা

### **बीनग्दी** श्राममा हा चाउ

( প্রমাণ্থ ও ) সামুবাদ। শ্রুতি-মুত্যাদি গ্রন্থে জীনব-ধীপের যে মহিমা কীঙিত আছে, তাহার মূল সংস্কৃত ও অমুবাদ। ভিক্ষা ১' আনা।

### **এটি নবদীপভাবতর** স

শ্রীঠাকুর ভক্তিবিনোদ লিখিত। স্থালিত গাঁওকোরে পরিক্রমার দ্রঙ্গাদি-বিষয়ক। ভিগ্না•্সানা।

### ভক্তিরত্বাকর ও মব্বীপ পরিক্রমা

শ্রীল নরহরি চক্রবন্তি-ঠাকুর রচিত। ভতিরত্বাকর ছইতে পরিক্রমাংশ মাত্র গৃহীত; শ্রীক্রীব গোস্থামী কি প্রকারে শ্রীনব্দীপদামের পরিক্রমা করিরাছিলেন, ভাহাট পঞ্জেবির্ত। ভিক্লাপ শ্রামা

# श्रीक्षणभूगिम सम्बद्ध

শ্রী ভিক্তিবিনোদ ঠাকুর-প্রণীত। শ্রীটেডকেইহাতে
শিক্ষাপ্রাণালী—কৃষ্ণ, ক্ষাপ্রতি ও রস—বৃদ্ধ ও মৃত্য জীব—
শ্রিছা-এলগতেন-তত্ব—মানন-নিশ্ম—প্রয়োজন-তব্ব, কর্মাকাও, াক্মাদির বিচার—বৈদী ভক্তি, ভাবভক্তি ও
প্রেমভক্তিন্য নামভ্যন-প্রণালী ও অর্থকালীয় লীলাপরিচয়ালি প্রথম শিক্ষাপ্রির উপযোগী করিয়া স্রল ভাষায়
সমূলয় স্তিপ্রমান্যত লিখিত আছে। চতুর্গ সংস্করণ বাধা
২০ টাকা, আবাধা ১০০ টাকা মার।

### গৌড়ীয়কণ্ঠহার

শ্রিণে ট্রা বৈক্ষরগণের অসুক্ষণ কঠে ধারণযোগ্য প্রতি পুলি পুরাণ-পঞ্চরাজাদি সাম্বত-শাস্ত্রসমূহের প্রমাণাবলী বিদ্যাবিভাগ কমে কার্যাদ প্রদিশে । এইরূপ বৈক্ষর-সিদ্যান্ত্রে সার্য্যময় অন্ত করাপি প্রকাশিত হয় নাই। ইহাতে প্রকাতর — ভাগবাত — বৈশ্বন — গোর — নিভ্যানন্দ— অবৈত — ক্ষা— শক্তি— ভগবজ্স — গীব — অচি প্রাভেদাভেদ — অভিদেশ — গদেশভক্তি— বর্ণামা — আশ্রম-শ্রম — ভঙ্কশ্রম — আশ্রম-শ্রম — ভঙ্কশ্রম আশ্রম-শ্রম — ভঙ্কশ্রম প্রাণ্যম ও প্রমাণ-তর্ভণি পূপক অধ্যাবের প্রবৃত্ত শোকাদি ক্রীয়ত উল্লেই এটিক কাগজে ব্রোঞ্জ র কাগজে স্থান্য স্থান্য ভাল নাম বোগা। প্রভা প্রায় ৪০০ গুলাং সঞ্জুবার ভিজা ২০ টাকা মাজ।

### **बानन्दीभगाय-शकाननी**

নীমন্ত্রিবিনাদ হাকুব রচিত গোমমাহাত্ম—গামমাহাত্মোর সাজনাদ প্রমাণ থাত জীল নরহরি চকবলী
হাকুরের ধান গ্রিক্মাণশ—ইলিম নবহীপ পরিক্রমা—তীপযাজা প্রতি—ইনিম প্রেগোনন্দকত নবহীপশতকম্—
ইনিছজিবিনোদ হাকুরের বীনব্দীপ ভাষতরক প্রস্তৃতি
গ্রহণ ভিজা ৮০ শালা মান।

### শ্রিহরিনামামুত ব্যাকরণ

জিনার পোলানী প্রানুগাদ-বির্ভিত হয় ও বুজি, তংগতে উপ্পুলার শীমনজিনিকার সর্বতী গোলানী মহারাজের বিভাত ভূমিকা ও হটী প্রজ্ঞেতি সহ। অপ্রভাশিতভাবে অবজন ভিকা ২ টাকা, ছাত্রগণের প্রস্থান সালা।

#### (नमाञ्च अवगात्र

শ্রীমন্ত্রস্থানার হব। বেলাজের বিশিষ্টবৈশ্বনাদ-এচারক শ্রীতাধা প্রথাতা আচাধ্যপ্রবার বেলাজদর্শন পাথের উপগোলা করণার্থ এই উত্তম করিয়াছেন। ইহাতে বঙাস্ত্রসাদ ও কুটাপ্রাদি সংযোগিত করা ক্রীয়াছে নাম মার্ক্ত ভিজা ॥ আনা।

### উ: চৈতকু চন্দ্ৰায়ত ও নবদীপশতক

শোরপাধন তিমণ্ডী শ্রীমং প্রবেধানন সরস্থতী প্রণীত
মূল, প্রাচুপাদ শ্রীমণ ভক্তিসিদাও সারস্থতী গোস্থামী মহারাজ
সন্দাদিত অধ্যান্ত বাংগা ও বজাক্রবাদ সম্বনিত।
মনদীপশ্ভকের উভিভিন্ননাদ ঠাকুরের পঞ্চাত্রবাদ ও
তথ্য উ মন্ত্রাপ্রের ওকটা তিবর্ণরাজ্ঞ অলোকিক চিত্র
প্রদত হট্যাছে। ১৯৭৩ কাগজ উৎকৃষ্ট (২ থানা
তেক্তে। ভিন্দা ৮০ খানা, অতি ক্রম্য বাঁধাই রাজসংকরণ;
১০ ঢাকা মাত্র।



विमयुक्तिनिरमान शेक्त-श्राति । এই এकश्रात अध-वटअत काम बाक कतिता धानमाधिक ताटका किंद्रुट वरे **ब**्धान वा गः भव धार्तिस्य मा। शतर शृहत्याविनगक ६३-कल रत्तर ५ अन्द्रकाली बाह वो लहा र वाकर लेख वह करहे। ্মনিকালে বিভাগি কাপ্ত সংক্রাপ্ত নাত্র তাল এই তালে ভ উলিত ১৯খালেন। আলে ওলারত স্তী, ক্লাবেল होटार्शन काना दिशन( समूच कन) दर्गयाटक । विनास छा। ्यांनात अहर मात्र हाला, छेरतहे रिविन ५ हुई स अवर हिला के जिलागा

### প্রেমনিবর্ত্ত

প্রীমধাতাপ্রান্দ অনুদক্ষ প্রাস্থান জীল ভাগালালন প্রাচ্ বিধচিত। এই প্রতে মতি এখনের। ভাগান মহাগাংর ক্ষুড়প্র থীলান্ড বৈক্ষরতোর, একস্পর ও নামভক্র-প্রবালী প্রভৃতি অনেক বৈদ্যুক্তরের প্রমান্ত্র দ্রেখিতে প্রতিক্র। প্রতিকার ৬৬৬ জনের নিশ্লাগ ও সির্মানীপানের সঞ্চ নব্দীণ্ণতকের ওপান্ত প্রাঞ্বলে। প্রান্তকর্ত্তার পরিচয়বদি-নুষ্ট্রত ১৬৭ সংকরণ ভিন্য ॥১০ मन वाना गांव।

### <del>গুড়া</del> নর হাস্থ্য

ভক্ষকারীর নিভাগঙ্গী চোকুর ভজিবিনোদের মনুলা লান ; নিজিল পাজের নিগোম। গ্রন্থপানি না দেখা প্রাধু কেছ সুঝিতে প্রবিধেন না। ভূতার স্থরণ ভিক্ষা । ।

### ছরিনাম চন্তামণি

नामानामा औन बलिनान है। हरतव मृत्य कीममाधा अन् লীনাম-মাহাম্যা, নামাভাষ, নামাপর্ধে প্রভৃতি বিধ্যেপ यावडीर विडात अवन कित्र किर्मा । এই विनय धनिय অতি মুখ্য প্রাবে সংক্রিপ্ত আশ্রুমত পরিপাটিভাবে মুলিত : জীল ভব্তিবিমোদ সাকুব-রচিত। প্রায়ম সংখ্রব ভিকা দ

### कलानिक्व

ब्रीप्रकृतिकाम रापुत मृत्रिः । शहराक अगत्रः বিখানী ৬ জা-প্রের পথিকের একান্ত প্রয়োজনায় **উপক্ষেপ্রের্জাপুর বাজের ছা। সমেরে বেপাপ্ডা জানা** লোকেও এই ভিন্নরাজ্যের আভ্যন্তের করে। অনপনিবৃত্তি अस्तरास्ता लाक कविवाद द्वाविता शाहरतम। मह नश्यवत्र, क्रिका / ३० व्यामा माळा

### শরণাগতি

শ্রীমছবি বিনেদে সার্ব-ব্লিছ। ভগবানে অংখন্মপ্র. বিজ্ঞানী, ভ্রমণ বেদা, বড় বিদা শরণাগ্ডি ও মিজি লালনা-বিৰয়ক গাঁভিপুণ, ভিজ 🕠 আনা মাত্ৰ।

### गाँ जानगी

প্রীটাকুর ভিঞ্চিবিনাদ-প্রাণত : নিত্র ভদ্ন, স্বারাজিক ও প্রাণাদ-দেবনাদি-বিবয়ক মধুর গাতধন্ত কেয়ে প্রণিত। ভিকা / । সানা নার।

### **अगदश्य क्रमायक**

বদিকেল্যকুট্নোলি শ্রীনদিখনাপ চক্রবর্তী ঠাকুর-বিরচিত রদগ্রছ। ত্রীমছক্রিবিনোদ ঠাকুরের অন্থবাদ-সহ। ভিকা। আনা মাত।

লীম্মহাত্রেভ্র শিকা ও শ্রীন রগুনাপ দাস ব্যোক্ষামার প্রাতি টারপ গোষামার উপদেশবারা, ভব্তিপথের অফুচল ও এতিক্ল বিভয়ে স্থবিচারিত সংখ্যাদন ভালা, বিশ্বস্ত বিবৃতি, চলিতামূতের প্রমাণ, স্বেয় ব্যাথা ও মহাজন-প্রণাত ভতুপদেগী গাঁহমমূহ প্রত্যেক স্লোকের সভিত ম্পুৰেপিত হুইঘাছে। ৩য় সংখ্যাৰ ভিষ্যা ৮ আনা।

#### माभव-केन

প্রীব্যন্ত দাস শোসামীর মনঃশিক্ষা, খ্রীল সাক্র ক্তিবিলোদ-চাবত প্রাম্বালয়ক। ভাত্যা / • আমা ।

### প্রেম হ কিচ ব্রিক

শ্রীন সাকুৰ নবোভাষেৰ শ্বপ্রাণীয় প্রেমভিভিবিষয়ক পর্নের প্রকর্তিক। তিকা 🕒 স্থানি মার্চা

### নগ্ৰীপশ চক

किया के अभि भाषा ।

#### অর্থপঞ্চ

ত্রীল দোকভাগা রভিত। বৈক্ষণভাগের আকর १९४ । १७७१ / ० अ(मा मात्र ।

### **সদাচারশ্ব**ভি

हील मध्या अध्य । देवलात्वय निकाकर्षाति समाज्ञातः বলী, বজালবাল নহিছে। ভিকাস । আনা মার।

#### अशिहाक ती

ক্ষতিক্তকেশরী শ্রীমরণেয়েনাডার্য্য রচিত ठारपात संध्यित्व शीनगर्वामा **७ मू**वा देवत्वतस्य मण्ड । स<del>्का</del>र्म ता 10 आला प्राप्त I

### दशीतक दश्यानग्र

প্রাচীন কবি শ্রীপোরিন্দ দেব প্রাণীত আধ্যোদ্ধবাদ্যারের ব্ৰাবং (নি) বালত সংস্কৃত হছা ছিল ৮০ আলো।

### युक्तिमहिक। अभरभोत्रकः)

আন্ধ্রনাম্প্রদারাম্ব্রণত শ্রীমরানিরাক সামির্ক্ত। বঙ্গালেরে সাহাবাৰ এই এতের আকংশ পরেমাপিক সাহিতা জগতে এই ম্প্রপ্রথম । শ্রীমন্তাপ্র(চান্য) এইতে ব্যোদ্ধানস্থন বিভাগ মধ্ব'চাৰ্য্য নামে খ্যাত জ্ঞানালিরাজতার্থ স্বামী এই গ্রন্থে নাধারণ দৃক্তি ও লোকিক স্থায়ান্ত্র্যারে কিকপ স্কলবভাবে ভিজিবিরোধি মতবাদ সমূহ খণ্ডন ক্রিয়াতে, ভাহা পাস कतिहरू कतिहरू बाल्धगात्रिक श्रेटक श्रेष्ट । हिहारू पृक्ति ষারা তাক্ষাক, ভুলন, বোদ্ধ, নাঁমাংসক ও মায়াবাদিমত মমুভের জন্মর পঞ্জন রহিয়াতে। ভিক্ষা ২ , টকো মাজ।

### (भाषामी क्रीन त्रघ्नाथ मान

( उ निक्नाव केन छिन मिकाय नत्रवंदी (नावामी প্রভূপাদ-লিখিত ভূমিকা নহ ) গৌরপ্রেট শুরূপ-রূপের এক মাত্র প্রিরুত্ম শ্রীল দাস গোন্ধামী প্রান্তর অপুন্ত ঢরিভায়ত ও শিক্ষা **অভাব প্রাঞ্জন ও সম্বল** ভাষার সমিবিঠ ध्यः পরিশিটে गामशायामी ध्यन्त विष्ठित कथकी नाष्ट्रवाप मधुन्तस्य खन ७ मनः निकानम्बनिस्र। किका । वीधरि ॥ व्याना, व्यावाधरि । 👉 व्याना व्याद्ध ।

# চিত্ৰে নবদ্বীপ

প্রাচীন নববাঁপের অবভিডি, তথা, ঐতিহ্ন, প্রোত ও ঐতিহাসিক প্রমাণসংগিত দছটা বীপের সচিত্র বিবরণ-अहः। ताप्रविचा बगारम्य कृत्रात 🕮 पृक्तः भन्न विम् भौद्यात्रण ताय दम, क, व्यांख (गारमांत्र), दनगाक्षकृषण महमानव मर्खक সকলিত এবং ৪৭ থানি বিভিন্ন বর্ণের **অপূথ্য চিত্র ও** মানচিত্র-সম্প্রিতঃ আচ্যবিভামহার্ণর রাম সাছের 🕮 শ্বক मदशक्त भाष नक्ष विषदकांगत्रण्यातक **मठागदशत्र विकृष**,ভृतिका राष्ट्र। हेरलहे (हेर ) महारक। नाताह मुन्ता आब, खि: निः एक

### ं माभक-कर्श्वमाना

भाग्यसम्बद्धाः, देवसञ्च-चन्त्रभाः, देवसञ्चलतंत्रः, लामाद्रलाहं नीछ, ইনিমেংট, ইনিমানাজ্যনর অঠোদরশত লাম, আইপ্রেটার नामक हर, श्रीनामतदीर्श्वन, (श्रमध्यनि, 'वा**व्रेगमधीर्**ण, नवितान-प्रक्रिया, ज्यायात्राच्या महिमा, श्रीमद्याद्यम-व्यास्त्र चाहेक भार 🗀 चलना, मध्हलाचार्यांत अहेत. ce्राम हिन्द्रका. कार । अध्वाधीनमः । प्रेश्वनियामा नामक्रमन्त्रातानी, महाखबु ६ वाह ब्रामानम गरतान, भनशानाका, शिक्षकात्राण्ड, शिक्षक-भन्नाकाः, মধাপ্রার বন্দনা প্রভৃতি সাধক ও সিদ্ধানীবনের নিভাপানে, উল্ভেবগরণের কংলিতে ভুক্সীমালার জায় **অভুক্ত** ক**ঠে** वात्रभारतारत वाष्ट्रका शक्ष । विकास १००, वेश्वाहि ॥ सार्व ।

### গোড়ীয়-গৌরব 🕠

কলিকভোৰ স্থানিক মাখৰাট হলে পৌড়ীয় সম্পাদক শ্রীপাদ ওন্দরানন্দ প্রাধিয়াধিনোদ প্রদান্ত বস্তুতার বিষয় शहकारत व्यक्तिक। इंश्रेट्ड (भोड़ीय देवभवन व्यक्तियम है (१२)म प्रयोकारत श्रीविक रहेशाया । जिल्हा 🕪 व्याखा

### গোড়ায় সাহিত্য

কলিকাতার প্রশ্রমিদ্ধ ভাষেষ্টি হবে৷ গ্রেডীয়-সম্পাদক প্রতিবাদ কেন্দ্রামন্দ পর্যবিদ্যাবিদেশেশুভু ভাদত বঞ্চায় বিষয় গ্রহাকতের প্রকর্মিত। ইহাতে সাহিত্য-লক্ষেদ্ধ **মর্থ** এবং Cभा छ : यू-मा । इटलाल चित्र व स्था कार व वार्गास के हेवारक । किया। । । আনা মাত্র।

### জ্ঞাগোড়মঙল পরিজ্ঞানদর্শণ

ফিলোজনেৰেৰ যে সকল স্থানে সপরিকর - 🛍 মন্তর্গঞ্জন বে ১৮৬গ প্রব্রী মহাজনগণ লীলা করিয়া **গিয়াছেম**, ্ৰেট সৰ আধুনিক জোহগাণিক পরিচয় ও দেবাৰএছাদির প্রিভিয় নৃত্ নাভায়াতের স্থাবিলা নিদেশ ইভ্যাদি বিষয়গুলি भनित्विण जात्। जिल्हा । बाना।

### THE HARMONIST

### OR SHREE SAHANATOSHANI

শ্রীল মাকুর ভঞ্জিবিনোদ-প্রতিষ্ঠিত এবং শ্রীল ভঞ্জি-নিদ্ধান্তসরপ্রতী গোস্বামী প্রান্থপাদ সম্পাদিত পারমার্থিক याभिक लक्षा जिल्हा देश्ताकी खाराव अहाविश्न वर्ष ভবল্লাউন ৮ পেলী ৪ কথ্যা আফারে প্রতি বারে হরি-नारमञ्ज विकास-देवकक्षी महेका छेन्द्रिक बहेरल्ड्स । কাণাল, মৃদ্ৰণ-পাক্লিশাটা ও চিজাদি মতীৰ চিজাকৰ্ম। क्षा व्यक्त के देव के व्यवस्था जात क्या मानिक ने ना निष्ठ विशिष्ट नाहेर्वन मा। वाविक किका काकशासनम् 🖎 क्रिका माज ह

### क्षां विकास-

क्रिटेन्डकमंत्र, त्याः क्रिमाद्यायः महीवा

### ट्रिंकिक महाश्री कियान-भारतिक श्रक

## বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুৰভাজ্যসমূহ

### শ্রীটেডেন্স মস

আফর মটবাজ

श्चा हीम सवदील, छाक्यत क्षापाम मान्य न तमीता

্লীমভাবোগপীস ভচকে পাৰ ০০ । ৪৯ উপ্তেশ্যনে উত্তের পঞ্জিনে বিভ্ শীর্চমূল ८णथव-ः राज श्री श्रीदेशकः कम्मार । व्हाक्यातः ।

মাম্যমুক্ত ব্যক্ত এশালি ত্রেল জ্লাম্ত, বল্লিজার বাল্লিক সংগ্রামানক, আল্লের, জ্লা আছিলটোটেন বাল্লিক বাল্লিক বালেলে আইনতে সংলগ্ন আছিল আইছিছ আছে। কার্মীন-উপনিধয়প্রাত্ত তেওঁ তেওঁ স্থাপ্ত স্থাপ্ত প্রাত্ত ক্ষম্পত্ত প্রাত্ত করে। তেওঁ বিভাগ তেওঁ স্থাপত্ত স্থাপত্ত বিভাগ তেওঁ স্থাপত্ত স্থা স্থাপত্ত স্থাপত্ত স্থাপত্ত স্থাপত্ত স্থাপত স্থাপত্ত স্থাপত্ত স্থ ৰক্ষালাধের আনকালন্ত এ জনালা। প্রাক্ষালি । ৪ ০০০ জনাল্য ১০০ সক্ষাল্য - শ্রীটোজনাল্য ভিত্তামুখ্যালিন্দী র ভিত্তামুখ্যালি । প্রাতিটিত ক্ষয়াকেন আহিব্যার শ্রীশাম-পনিত্রাব্রকান ও অপ শ্রু একনার ও বাকে। ১৯ জন মাচাপাত্রিক প্রীপাদ কুছাবন ী বিক্লাভ্যাল । সভকারী-পাতিত **ोर्जन ८.८८. मूर्ट्स मरामर्ट्सरम्यापि छ लाग व्यक्ति १८०** । । তেও — স্বজ্ঞাৰী শ্লীপাৰ খনত রাজ্যের ও ত তুল বিলাল সাম্বিতা**রী আছচারী, শ্লীপাৰ व्यान मंदरशिको। मण्याको --- दीमान विद्या**कि कि अञ्चलको, काष्ट्रक व्यानाम अवद्यादान मानामिक व्यानामिक **ঞ্জন্মন রক্ষার্থা, জ্ঞান্দর্গাপান রক্ষ্যারী, ৬** ও নালেক, ইরিপদ, এবহীমোহন পান্তিক্সাল্পান সম্প্রাধার বিভাগ ক্রান্ত্র ক্রান্ত্র বিভাগ ক্রান্তর বিভাগ করে বি काष्य मकानभग ।

দ্বিদ্**তিখানী প্রীনম্ভিক পদীপ ভীর্থ মভানান্ত এখা**নে ত**িকণা বীর্ত্তন ক**্রিকেছেল। এক্ষতানী প্রভৃতি।

### (৩) ব্যোপীঠ ঐমন্দির

এট স্থান জ্ঞান্ত্রাথমিলোন ভবন বা चैभग्रमा अकत चानिकात-कृषि महारवाश-नेके। जनादम दीनकी जिल्ला व विविकः क खीवाशक्राक्षत्र निका त्मवा छव। खीनक-**घटचर ८७वा वर्डमारा। इक्रकः --८गाक-**श्राबायत श्रावामी कहातामा क्राइ क्रीतमा-साथ। मक्काबी जीनिकार म सकतामी, 📸 রাধাৰিলোদ ভক্তিভূষণ, ত্রীলাম্বাস ত্রন্ধ : শ্রীগলাস : লাস । **हाजी। अभागमान व्यक्तिकाठी, त्याल्या** Batteau I

### ( ৪ ) প্রাস-ক্ষর

শ্ৰীমন্মধাঞ্জৰ কীশুন-িনাস বা Dent की नाम बामक्ती । अवादन विविधानिक मिर्कानम **६ लक्ष्याल** दसवा वसमान । बक्रक---- अधिकाश्क्रकाम अवस्थाती ।

(१) चटेचक-करम

অ**ই স্থানে জীব্দবৈ**ত প্ৰাক্ষ**া ভবন** াবং CHES PERSON

क्ष्म क--- के बरेब जामेल ' नामा विकासी. **ब्रिशाक्ष्ममान नावाणी**।

### (৬) কাজীর সরবে পাট

काठीन माश्रापुर, वंश्यापुरूप (नवीक्रा) क्रिश्रोप्रक्रमाथाय क्षेत्रियमकी व लगावि । ्रक्षाम् -- समाह। ही : श्रीविद्यां विवादी ।

<sup>१</sup> **क्विट्यांक्व, चत्रंग्यंब** (न्मर्गीका ) dere Cament Ele eine farantimeter समानि-कवर जीत्रीवशनायक अपर के कियाना-25 MC可观 (四周) 可可可求的 ·

१वन-किकुश्य प्राचात्र अत्रहाती क्षक्रका क्षित्रो। क्षत्र, व्यत्न ।

### (৮ शिक्षमञ्जाब दर्भो हो स मर्ठ यतमा निश्च ।

तक्त-- डीवडवा ए िमाडी अम, अ.

बि, तम, मक्कारी--अक्रिकाताम अक्रि-नात्री, क्रिक्जम बायराती छा , जि ।

### (>) 🕮 ट्योत्र-शमाभत्र-मह

টাপালী, সমূহগভ, (ংখনান) चैन गरीमाल। क्रिकिड क्षीउनमानम-সেবা। সক্ষ—আইবরমাম বস্তার্থী, ছড়

(১০ জ্রীভপ্রোষ্ট্রীয় সঠ RT 1 . " . KINIST BU TO

क्षण :--- 🖺 दिलान अध्यतातो. सहकारी--🖺 পথের 👣 এন্দর্গ 🖣 ।

(১:) শ্রীমাগক্তমভত্র — शांक्षेत्राकि, सा 👬 वक्षांचा

🗐 গ্ৰেণ ভাগ ঠাতু। র্মান্তের স্থান। रक्क - जी १ विश्वी बचवारी, कर्क

मीनमधान ।

( ) २ ) छा गेवछ आपन 🕮 राज्यक ८०० ५, इ.स. जड, नमीमा । ভাগবভূমিদ্বাল গ্রন্থারকীর প্রচয়ে-কেনে। মুক্ত — শ্রীকুকানক প্রস্তারী ভাক্তশাস্ত্রী

(५७) औक्षणात्रम मर्ट Cगाविमाणुर, देशमांती, संमीता। 

🏥 - क्रिश्व उमाठाती, औषणत्रीतमानामिकाती. ক্সিশস্ত্ৰাণ পাঞা, ভঞ্চ বিখনাণ

(১৪) 🗃 মাখন গৌড়ীয় শঠ ৯५मर सवावणून ध्वाख्, हा ना। मृक्षरामन क्षाठात्र-८० छ, जबादन खी खन्न-(शक्तिक शास्त्रका-शितिगटक रमवा वस्त्रमान । क्षण क- श्रीशायात्र अववागी, **Z**ertu

श्रुवाशानक नवविद्यातितात वि- a, क्री.शात:-

() । खीटगोछीत भठ ১৬ নং ব। লিপ্রাসাদ দলব ়ী হীট, পোঃ বাগবালার, কলিকালা ।

अविद्यारमध्य नि. नि. ६५५६

द्यीत्या १०५ अहती व अभिकृत अस्तिनव-अहारपादम्य (बी**फ्रांग**ण म**वाटायां** <sup>া</sup> নগৰী কলিক। ধাৰ প্ৰীক্ৰিটিন্দেল আদিনে শ্ৰীমস প্ৰান্তিত আছেল। **এই ভাজ**ক এই জাল সাংখ্যাত हो। তথ্য জাতাই সামাজত অভনভাটি। এই ভাটি। স্থিতিল চুনজ্যাকাল স্থিত ক্রতার জাতীয় প্রতিক্র স্থাই স্থাই চালিত সেহিত হল। প্রেটীয় क्षणात्री करवावांकत्रवाधीर्थः क्षीवान नी চक्ष अष्टा ी, अवान नलाजावान अक्षणी । श्रीकीर्धन'नम, अक्षण श्रीकाजात्र आधार महीनक्षण वकाती वि- धन, अध्यक्षणम कायटकारिय, अतिबाहत ब्रक्ताती, अध्यक्षणाधिक

> (शोत दक्षणांती, क्षेत्रगत्त्रीवाश अक्षणांती, **बिन**िक्रणभागम स्थलः

### ( ১৫ ) औरभागानको सर्व

李明·江州司、67年11 পোপাশনীর জ্ঞীনপ্রকের প্রাতীন সেবা बक्क--- ज्ञीमाभग्रामन उन्नहारी।

( ১८ ) खीलबार्च-८लाजाब मर्ज व्विकृष्टि शाः, दिली मा । या शिक्ष हिं छ। का

व्यानभाके-Caोनाटअव विष्णा स्मनः ৰক্ষ — শ্ৰীপুৰ প্ৰজ্ঞ ৰক্ষ্যারী, ই.ম'কলাল ব্ৰহ্মচারী

(১৭) औटा भव - एवावा त वर्ड किकारिता, बाब्दावर , द्यक्तिनीयून

धारातः न्ये क्ष्म-एते गर्न-त्र द्विष्ण-সিভিধনীর ভিতরে বেল ধলমান। ব্রহ্মক---बक्याती खीलमाननामको ।

(১৮) আরলাবোড়া অপরাগ্রম गांवनानं दलाः नद्भान ।

बी श्रम्हर गोलाक बील व्यक्तिका संग्रह सम्बोध ि विठारम्या । इक्क--अप्रामी छिन्छि-किंद्रभारत ।

### (১৯) শ্রীপুরুববাতন দঠ

पर्नवान, प्रणी, के क्या। ्ववारम द्वीरशोज-विरताप्रभागवकोत पिछा-रमना राज्या । "क्यान-संधानाती जीलाहमा-गन्म विका प्र. जन्मानी 🕮 महीशासक, द्यिभावमाष्ट्रकत अक्षतांत्री, व्ययानवानम उन्नहाती, कक खीनिगार ।

(२०) औलक-दशोबी स मर्ठ

चाणवरुवाध, जम्मिनिह स्लाइ, जुडी । क्षण्याचारमध्य कर्मका ममस्य क्रीमधाना क्षकृत पर्वाम । বশক--- বন্ধচারী विनव्यापतीः वागामकीः महकादी-अमहाबी अविशिमातिकातीः।

### (२) अजिक्सिश्मक वठ

केंद्रि रिवास्थान, स्टेंद्र : এখানে डी. श्रम- :शातार -विस्मानव्ययन-क्षीत्र लिकादमना वरम्यानः। नक्षक-ব্ৰহ্মতাতী শ্ৰীগলংগ শ্ৰীভাষণৰ ব্ৰহ্মচাৰী

(২২) শ্রীগলাভন-গোডার মঠ अनः अलब्दावशभूतः, काना ।

भी १- गमा अपृष्ठ मना खन- **निकाक्ष्य** । এথানে গোটাদেবা বভ্রমান। বক্ষয়----जीकामकीमायकी. जीवकामम अकवामी 🖡

(२:८) डीक्सरेन्डम मठ भौतुरमर-राभ कुक्क, भौताय वृन्तावन ।

के के बाधा-अब-(शाम्ब्रेश (श्वा ) রক্ষক— শ্রীগণভিনাথ ব্রশ্বতারী

### (२৪) बीभन्नमब्दन मर्छ

নৈমিষাৰণা, স্বাক্তাপুর এখানে জ্রীভাগবন্ধ পাঠশালা 🔸

শ্রীগোর-বিনোদ বিনাসন্দীর সেবা বক্তমান। <क क — अक्राती क्षेत्रिश्चामक ७ अक्राती खीनसङ्गाम ।

### (२८) औरेड्ड्डिट्रा भी के वर्ष

कृम्बक्षा, हित्रकृष्टा, भानकृष् । केना नाव बाब, औरमध्यानम् अब्रहात्री, जीवाय की के दाग्यप्रिक्षा ।

### (२७) न्यामदशीक्रीस मर्ठ

কুরুয়েনার, খানেশ্র, কণাল ে এখানে औरशोधविद्यान-ब्राध्यक दशवा वस्त्रधान । बाक्क--- ताक्क हांद्री जी क्षत्र नंत्रकी, दमानान खबवानी

### (२०) खाक्षरशाण वाशक्षाक्षन-वर्ड

ব্রাহ্মণ্রপাড়া, প্রেঃ গ্রাহ্ম, ধ্রহঞ্জা क्षशास्त्र वर पुष्टकुष्टि लोटगी बाटमञ्ज स्थाना वसमान । क्याय--- देववामी श्रीका वसक-দাস, শ্রীবরদ্বান্ধ তাথাচারী।

(२৮) पिश्व ८भाक्षीय मठ--व्यवतानक द तर (भागी न मन, का काब दमम, निके मिलो है त्रक क-- अव्यव्यक्ति चौभी ब्रह्मक, औकुनार नचास প্রীরা ধা রমণচরণ শরুণ

(52) CULLIALALEL TAMELTER 

### देशीयक समीप्राध्यकाणः

### বিভাগমে অর্থামুকুলা

চুঁচুড়। চইতে প্রকাশ বে, খ্রীমতি त्यामाध्ययि पानी लाहाकृशाँ छेळ ইংরাকী বিহুলেণের গৃহ নিম্মাণকল্পে ৮ হাজার টাকা দান করিয়াছেন। ত্রীপুত हाक्षरम लाग मुशाहात्रात तामकृषा हैछ ङेखाओं विश्वानायत शृहनित्यांशकरञ्ज २० मध्य है।को मान कर्त्रबाट्यन ।

### কাইসারের ভূতীয় পুত্র

বালিন হইছে প্রকাশ যে ভুঙপুন্ধ কাইমারের ভূডীয় পুল্ল ভায়োণ গোদিয়া-লিষ্টদিলের প্রেক্ত প্রভারকার্যা করিছে-ছেন। হেমেলিনের পণে ভারাকে একনল লোক ঘেরাও করিয়া বলে, ভারাব প্রেক একপ কার্যা সক্ষত নতে। কণ্য ছাডিয়া হাতাহাতি আরম্ভয়। প্রকাশ, कारेमात भूज रेशांड (वास्तान कर्त्रमा-िटनन ।

### পুরীভে রথযাত্রায় কলছের करन प्राच

ध्यकान, रेमचाति वर्षाए दननकातक প্রেস্কৃতির সহিত রাদার কলতের ফলে দশক ও মন্দির-পুলিগের মধ্যে দাসা इहेग्राट्य । समस्दर्व ध्वकान, युम् ७ ३हेग्राट्य পুরীতে প্রায় ২০ হালার ব্যাক উপাত্ত इड्साट्डन ।

### ভোটা সিংছের কারামুক্তির ্সস্তাৰনা

ধারক্রেরারে সালেম শেনটাল জেলে এ (म्बीत वर्नीत ग्राम व्यावक किल्म। সম্প্রতি তাঁচাকে বাহে।প সেইটার কেরে স্থানাত্রতি করা হইয়াতে। এক সপ্তাতের মন্যে সম্ভবতঃ তিনি মুক্তিলাভ করিবেন, করেশ ঐ সময়ে তিখেরে ২ বংগর করে।-ल्ट छत्र भियान भूग ४ ई देन ।

### (यक्तिशेश्वत काम्राशक्षत

সংগ্রেশক্তিক সমতা; সম্বন্ধে বস্তুতী: করিবাব জন্ত অধ্যপেক আবে্দরে রভিম द्धवः द्योगती कालालुकिन शास्त्रीय द्यमिनी भूरत व्यानिशास्त्र । हे:डेन करकात কমিটার উত্তোচের জাতাদের জেননে অ্রেরিকভার সহিতে সম্বর্ধনা করা হয়।

### কাণপুরে বিপ্লবীর শুলী

১৯८म खुनारे खनतारह कानमूर्त গুলীমারা কাও হইমা গিয়াছে। ভারার ফলে একজন হিন্দু আব্ত হইয়াছে। निश्ननीता श्रुणीवर्षण कतिबार्छ विण्णा भ्रष्टाणत्र कूणणठारमत পुत्र मिठात त्रण्यीत

প্রকাশ। পুলিদ অখনীকুমার দাদকে গ্রেপ্রার করিয়াছে। প্রকাশ, গুরককে রস্ক্রমাথা মেলে পরিষ্ঠার করিছে দেখা याग्र।

### উভিয়া मात्रीमत्यनम

আলামী হরা তবং ৩বা আগষ্ট তারিখে বাংশখনে তীয়কা কুম্বলকুমারী দেবীর সভানেত্রীকে নিধিল উড়িশ্যা নারী স্যোগ্যের অংশবেশন ছইবে। এই প্রবারের সংখ্যাননের এই প্রথম অনিবেশন প্রকৃত উড়িল্বর মারীপের বারীত সংমন্ত त्रार्ध्यय मार्त्रोभागक उन्ने ग्राय्थितमः र्यायमान কবিবাৰ অভিপ্ৰায় জাপন কবিষাছেন। ত্র স্পোকে একটা স্বেক্তাসেবকরণ । গুডির

### কলিকাভার আসাম শ্রমী গ্রেপ্তার

গতকল্য সোমবার পনং বিভাগাগর ষ্টাটস্থ কামরেশ প্রেম কটতে তেকপুর কিলা কংলেস কমিটির যভাপতি আনিত্মকানের শর্মকে স্থাকিয়া ট্রাট পুলির তেরপুবের ্রেপুটা কমিশন,বের भक्षां सामान्द्र ८<u> श्रीति क'त्रप्राप्ति । अकास, ३४ मिन</u> পুরের দাবং জিলার বংযত সমেশনের উক্ত শক্ষা এক বক্ততা নিয়াছেন।

গ্রেপ্তার করিয়া স্থানীয় থানায় জীভাকে শইয়া বাওয়া হয়। তিনি ব'রমানে হা⊸রে होकात कार्याटन युक्त अध्हल ।

### লোকাল বেংডের মির্বাচন

वितिभाग ३०८७ मावादम छाकान, পঞ্চবের মাষ্টার মেট সিং ১১৪ এ বিধিরণজের স্থব মহকুমার লোকাল বেচেট্র নিকাচন লেব হহরতে । মেট ২০টি নিকাচিত আয়নের মধ্যে ১২ জন মুসক্ষান ও ০৮ জন চিন্দু স্পঞ্চ নিকাটিত হটয়াতেন বৰিয়। প্ৰকশে। কর্মান म्प्रशास्त्र भर्या वितिभाग भिष्ठिमि भ्रमाणि-টার চেয়ার্ম্যান জ্রীয়ত শ্বংচল্ল গুরু, উট্টাত দেবাজানল রায় চৌধুনী ও উন্ত व्यक्षिनीकुमात माम । एक भिकाजिए ४६८ए शास्त्र आहे।

### श्वागट माध्यमाशिक पात्रा

প্রাকাশ, জ্ঞাগড় রাজ্যের অভুর্গত (छत्र। अर्थ किन् मुग्यभाग मात्रात कर्य ছয় অসম হিন্দু নিহত ও ছয় জন প্রক্তর-क्राल बाहर इंदेश:८७।

### গুলীর জের

পঞ্চার বিশ্বনিস্থালয় কনভোকেশনে खनीवर्षाव याधनात मुख्यान स्वयान (नग হইমাছে। 'নিলাপ এর স্বন্ধানিকারী সিং বি, এ ও মিটার চমনলাল ফুলুবল্ল করার অভিযোগে গ্রেপ্তার হন।

পাঠকের অরণ থাকিতে পারে স্পেশাল মার্ভিষ্টেট প্রাথমিক জন্মের ভস্ত প্রেরিভ হন। ডিনি শত ৫ মাস যাবৎ সাঞ্চ দংগ্রহ করার ফলে ফরিয়াদী পক ১০০ জন সাথী ও একজন রাজসাথী আদাধতে উপস্থিত করেন। ২০শে জুলাই প্ৰান্ত মামলা স্থলিত আছে।

### বালিকা বিভালন্যে অন্সন ধর্মঘট

भागातीलून ८७।भाताभ প্ৰকাশ, वालिका विकासरम्ब द्वाकिन्द्रम्य । हानीतुन्स কন্তুপক্ষের অভায় ব্যবহার ও যুগোপার্ক থ⊹চঃসরবর:ছ কবিব'র প্রতিশা∙দ **অন্**শন ধশ্বঘট আরিও করিয়াতে।

### দক্ষণার হন্ত্যার মামলা

প্রত্যাহ মুন্যালাক্সর মহকুমা का किया स्थान एक, देशक सभीनाओं शालान এলামারীন থিনপাড়ায় প্রাধান ছার্যান মামলার সামেনা ভারতীণ দওবিনির ৩০৭ वितिष्ट्रभारत सामाना दशालानः काता द्रानाः।

**ब**िट्रार्टिन दिन्तन जहाँ ८२, ४७८ ५३ एन ध्वारक्ष्य (व (वक्ष) "यूनियन ८४१८छन् मणाम व त्यकान रमध्य भारत्कम राहे करान भएन धर्मन ध्वासिक ध्वासिक আস্থা ভিলপড়ের মানুদ আলি দায়ীকে জোপ্তার করিছে যান মামুদ হাংশ दक्षामा के एक भटन किया, मधानाना मधन মন্ত্ৰ অভিতেক দুভ কতে, ছণ্ডন ধে 性學問刊 开列 剪幣 (計 整)有不) 与(d) দক ৰে)বেৱা সুনক্য) ভাকতৰ্মণে । আহাত করে। সৌকিলরেগণ মানুল আলিকে গ্রেপ্রার করে। । দফাদারকে চ:কয়ে মিউ। (फार्क कामभावादित (धारत करा) करा, ভগয়ে পর দিন নে মৃত্যুদ্ধে পভিড

भाकित्रेष्ठे कि श्रिय माकीत क्रमानिकी প্রহণ কবিয়া ভারতীয় দপুরিনির ৩০৪ ধারায়ুয়ায়ী আসোমার বিরুদ্ধে অভিযাগ श्रम कतिया ज्यानाभीतक नाम्रवा त्यांशक करत्रन ।

### লোভায।তা ৰাকামায় আসামা-गरनात करठात कातामध

बाह उत्राम खुनाई (न्नबाब गाबिद्देष्ठे गिटात मि, जात मृत्यालागाम शैया-ফামারিতে সরম্বতী পুঞারঃ শোভাযাত্রা হাজামার মামলার রায় দিয়াছেন।

**कांत्र कालि मना श्रेत्र, कांवर्क गाति** महाशत ७ जावकृष छश्रारक्त महाशत ध्वर

मन किएंगत हैमाम सहिम वक्ष ७ वनिक किम कात्रकींत्र मध्यविधित्र ১১१ ७ ১৪१ धात्रास्ट-যায়ী দোনী সাব্যস্ত হট্গা প্রত্যেক ধারায় स्थाप मध्य कातामर छ प्रशिक्त क्षेत्रारछ। বইজউদ্দিন ঈশাক, ৫লাভবদুয়া ও আমীর প্রত্যেককে ভিন মাস সপ্রম কারাদও ভোগ कतिएक व्हेरव । छ।वारमञ्ज छाएक।कहरू टकोळमात्री विवित २०७ शात्राक्षयःशी ध्वकः বংসারের হল্য ১০০ টাকা জানিন মুচ-लिका आमान कतिएड जाएमन एम उद्यो

প্রাথমে ১৪ কন আগ্রামীর ব্রস্তাক गोगणी तिक् कता व्यः । खनादना २ सन ন্তুনেশে পতিত হয় তাবং প্রমাণাভাবে ভ का मुंक मांच करता।

### , ८ हो छ। ७ ८ मा हेटत ग्रंच

গত ১৮ই জুলাই সাহাদারা রোডে ভীবৰ মোটৰ সংঘৰ্ষ হট্মা বিহাছে। भाजीश्रव •कथाना धतौ शूर्व त्वरण याद्देवात्र সময় একঘানা টোঙ্গার সঞ্চিত গুরোর সংখ্য ২টে · টেকার লোক্রন শুর রখন হল। বিখ লরীখানা অসান্ধান্তার স্থিত চালিত জন্তবাহ ভীষণ জেণ্ডৰ একটা াাতের উপর যাইরা গড়ের্য ফালে খরী-भारत राज गण हरेशा छात्र स्वर अक्षणा प्रीरमाक ५ तककम भिष्य शोना गांग जनः ल्ी) । १ के व कात ३ ७ कम खक्छन क्ष्म

### निमा ला हैरमरण सम देख्यात করায় খাদামী ভোডার

कार्लाइतर गाँधा मामक कट्टेंसक त्याकटक সম্প্রতি প্রিশ ভোগ্রার করিয়াতে। शहात विवर्ध किस्सान द्या महिक विमा काडरगटन रननीय यन टेडयाती कविरक-ভিল। টেসক্তে প্লিস কুমারটুলীর (अपनी तारे दश्यानत प्रकृष्टि। यस बाजा सहाम क तिया आय कुरु मन एमनीय मन इन्छ । छ क तिराटि । जाकाता ठ सकाय ७ कृती। स्थान कुछ क्या (साक्राक्क (अध्यात করিয়াতে। এই সম্পর্কেই পুলিবের मात्र अपय व्हरप्रध ।

### সারণ দায়কা বিচারে ৩ মনের 2119F 3

माराश्व मायशा निष्ठातक मिः व्यातः, ति, दी छात्र ष्याहै, मि, धम, ताकि **छ**कीन মাৰুৰ এবং সানিম নামক তব্যক্তিকে নরহতারে অভিযোগে শেখী সাবাভ कतिया केहारमञ्ज व्यक्ति व्यानमरकत बारन्म क्षानान कत्रिवाद्यन ।

ভোলাখণ টোল— শবর্জ:প

विकाशदयकः गाउ

প্রান্তবাহে
প্রান্ত কলম ৬,
আন্ত কলম ৩।
বিশ্ব কায়
১
বিশ্ব কায়
বিশ্ব কায়



সাহাযোর হার
অভিন দেয়
বাধিক ৯
নাশাসিক ৫
নিমাসিক ২৬
থাসিক ১
নগদ
প্রতি সংখ্যা,৫

ভারতের সক্তি বছল-প্রচার--- দীরা ভেলার এব মাঠ মুখপত

৬ষ্ঠ পত্ত ]

मन्नामक—श्रीक्रिकाश वत्नाभाशांश, विमासवाहन्मि

[১২২তম সংখ্যা

এটিচভক্তমঠ প্রীধাম মারাপুর—১ই শ্রোবণ শনিবার, ১৩০৮, ২৫নে জুলাই ১৯৩১

### নানা কথা

### ৰন্দীর শোচনীয় অবস্থা

গত বংশা ওপ্রিল মাসে ফুরিগার
ইয়েত সরোজরঞ্জন আচার্যাংক বলীয়
অভিনাক মতে প্রেপার করা হইয়ছিল।
সম্প্রতি কানা গিয়াছে যপন হইতে তিনি
কেনিডেজী জেলে আটক আছেন সেই
ইতি তিনি কর্ণমূল বেগনার বিশেষ
কই পাইছেছেন। কথনও কথনও
মেডিজেল কলেজ হাসপাতালে তাহার
চিকিৎসা করা হইত। প্রেকাশ কিছুদিন
ধরিয়া তাহাকে আর চিকিৎসার হুযোগ
দেওবা হয় না। ফলে বর্তমানে তাহার
বোগ জনশা বাড়িয়া বাইভেছে এবং
তাহার দৃষ্টি শ্ভিরেও ব্যাঘাত জারিবার
স্ক্রাক্ষা।

### মনীগোপালের ১০ বংসর সঞ্জন কারাদণ্ড

শশ জ্বীদিগের রায় গ্রহণ করত:
ননীগোপালকে ১০ বৎসারের জন্স সপ্রম শারাদতে দণ্ডিত করিয়াছেন এবং
শার্ষাদিও সন্ম আসামীকে ন মাস হইতে
২ বংসর পণান্ত ভিন্ন ভিন্ন মিয়ালে দণ্ডিত
ক্রিয়াছেন ঃ

আদানতে স্বায় হোবণার পরে ননী-গোপাল জনকে আছবান করিয়া বলে— আপনার দও আপনার পকেটে রাখুন, লানি ডাছাকে ভূপঞান করি।

# বন্দীর শোচনীয় অবস্থা

ননীগোপালের ১০ বংসর সম্রম কারাদণ্ড

# রজকের কীর্ভি

গভণরের প্রতি ওলী নিক্ষেপ

# কাণপুরে পিস্তলের গুলী

রেঙ্গ বিদ্রোহীর ক্যাম্প ধ্বং ---

বহু বন্দুক ও কামান হস্তগত

# মেদিনীপুরে প্রভাত ফেরী

ব্রক্ষে ভাকাতদের আরও উপদ্রব

# কলেজ খ্রীট হত্যার জের

#### संबद्ध की वि

পিয়ারীলাশ নামক জাইনক ধোপা
নদীশা নামক জাহাজে চড়িয়া উক্ত
জাহাজের অপর ধোপা মগুরার সহিত
বচসা করিয়া, একখানি কলম কাটা ছুরী
দিয়া মগুরাকে জাহত করে। অভিরিক্ত
প্রেসিডেন্সী ম্যাজিপ্টেট বিচার করিয়া
পিয়ারীশালের চল্লিন টাকা অর্থন্ত
ক্রিয়াছেন। জ্রিমানার টাকা অর্থন্ত
ক্রিয়াছেন। জ্রিমানার টাকা অন্যান্ত

তিন্যাস কার্যক্ষত ভোগের আদেশ , দিয়াছেনঃ

### গ ভর্ণ েশ্ব প্রতি গুলী ্লিক্ষেপ

### রিভলভারন্ত আভলায়ী ধুত

প্রেসিডেকী ম্যাথিটের বিচার করিল। বোষারের অগায়ী গুতর্বর নার আনেই বাসগৃহ থানাতলা পিয়ারীলালের চল্লিশ টাকা অর্থণও হটসন আল পুর্বাছে যথন পরিদ্পানের কার্তুক পাইরাছে। ক্রিয়াছেন। ক্রিমানার টাকা অনাদায়ে অক্ত পুণা ফাহ্ওদন কলেছের লাইপ্রেরীতে

প্রবেশ করেন, সেই সুনয় তিলিকে লাক্য করিছা পর পর ভাইনী শুলি করা হয়।
প্রকাশ, লাই বাহছব অছ মানাক্র করিছা
সন কলেছ পরিদানি পদন করিলে
উক্ত কাদের আগ্যা মিঠার মহাজ্ঞনী
প্রতিহার মনীনত্ত কর্মচারিগিণ ভাগাকে
লাইযেরীতে শইলা যান। পভাবি লাইন ক্রেনিড প্রবেশ করিবার স্থায় বাহ্দেশ ব্যাবস্থ পোণেট নামক একটা ছাত্র ২২
পরেণ্ট শক্তি বিশিষ্ট একটা রিছলভার
থানির করিণা লাই সাভেবের প্রতি ছাইন

প্রথমনার লটে বাহাছনের বকং হলের বাম গথের পকেটের পুরু পরেটরুথের গাড়ু মির্মিত বোজ্যে লাগিয়া বার্থ হয়। বিত্যি ওলা তাহার উপর দিয়া চলিয়া বায়। ভূতার গুলী বর্ধনের পুগেইে গছ-গর আত্তায়ীকে লাপটিয়া ধরিয়া কেলেন এবং ভাষার হস্ত ছইতে বিভল্ভান্টী কাড়িয়া লন। পুলিল অবিগতে আত্ত-ভায়ীকে ধরিয়া ফেলে। বিদ্বভারতী গরীকা করিয়া উহার মধ্যে ১টি ভাজা ওলী পেবিতে প্রিয়া ইয়ার মধ্যে ১টি ভাজা ওলী

আহল্যার প্রেট প্রির একটা ভারতা রিভ্লভার পাওয়া কিলাছে। আসামীকে তৎক্ষণাং প্রেপ্তার করা হয়। সৌভাগ্য বশতঃ পভর্ণ বার্থার কোন আয়াত প্রাপ্ত হন নাই: গভার পরি-ভাগের বিষয় এই যে মার প্রমান কলেকের মধ্যে কইল্ল ব্যাপার সংঘটিত হইগা। প্রকাশ, প্রবিশ আতভায়ী গোলেটের বাসগৃহ খানাভ্রাস করিয়া ভটি ক্লিড়া কার্ত্র পাইরাছে।

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনষ্টিটিউট্" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

### (थाना इंदेश्वाट ।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অতি যত্নের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যয়ে স্থল্যর বাসহাশের বন্দোবস্ত হইয়াছে। ছান অতীব সাহাকর।

সবিস্তার সংবাদের জন্ম নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। সেক্রেডারী, ভাবুন ভক্তিনিনোদ ইন্টিটিডট্ শ্রীটেডগুমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

### —৫১ বৎসরের প্রতিষ্ঠিত—

ভিৰ্মাসহো এছেত অভীকা গা ওক্ত চাৰণা, স্পুলোৰ, কোঠিল, অলীণ, ধ্বজ্জ আভ্ডি কত নোগাঁৰ বোগ নিৰাম্য হট্যাতে ভাগা প্ৰকাশ কৰিলে বড়বড় প্তক ক্টনাপড়ে।

### हेड्।

সকল আতুকে বাবৰার চলে ও সমান ফল প্রাণান করিয়া থাকে। প্রতি কোটায় ৩২টা বটাকা থাকে।

#### কেবলমাত

গুড়িকোটার মূল। ১০ এক টাকা। ইণার নাম **'আনাডজনিপ্রাহ** স্বাচীকো'।

অস্থান্ত ওবদের তালিকার অস্ত গত্র লিখিলেই পাইবেন

আগ্রিয়ান:-আতঞ্জনিগ্রহ উমধালয়

२५६ नः वस्त्राचात छित्, क्लिकालः ।

## কবিরাজ শশিভূদণ কবিকপ্ঠাভরণের



মকংখনের ক্ৰিধার জন্ত ৬ আঃ শিশিতে ঘনীভূত অবস্থায় ভোটবোড়লের াসমপ<sub>রি</sub> ঔষণ ভাকে পাঠান ছয়, ইছাতে ঔষণেয় কোন পরিবর্জন কয়া হয় নাই। মূল্য গ্রেতি শিশি॥• আনা, পাঁইট ॥৮/• আনা, বোহল ১৮/• আনা।

অফিস—১১নং উল্টাডাঙ্গা রোড, পোঃ শাঁমবাজার, কলিকাতা

# মভাগৰত প্ৰেস

# গোয়াড়ী হাইট্রাট

### কুমানগর

এখানের বিবাহের নিমন্ত্রণপত্র, প্রীতি-উপহার, কার্ড, প্রস্থ এবং অস্থান্থ যাবভীয় কার্যাছাপ। ইইয়া থাকে। ছাপার দর বালার দর ই অপেকা সুলক্ত। পরীক্ষা প্রার্থনীয়

# হাইড্রোসিল

বা

### কোষরদ্ধি রোগ

ডা: এস, এন্, খোষ বিনা অন্ত্রে, বাৰজীবনের গ্যারাটি দিয়া বৈচাডিক আণালাতে কোষসুদ্ধি রোগ আরোগ্য করিয়া থাকেন।

> ঠিকানা— ১৮ নং কটন ট্রাট, বড়বাজায়, কালকাডা।

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

# দৈবপ্রাপ্ত যকার একমাত্র মহোযধ

### প্ৰনায় দিলে সম্পূৰ্ণ আৱোগ্য

কোলী ধেখাইতে কছনে। অগ্রিম পাপের পরচ (যাওয়া এবং আলার)
পাঠাইলে গিয়া রোগী দেখা কয় অথবা এখানে আসিলে ধোলী দেখিয়া
ঔষন দেওয়া কয় আরোগ্য লা কপ্রয়া প্যান্ত পারিশ্রমিক দিতে কটবে লা।
গরীব রোগাঁদের খন্ড বহন করিবা চিকিৎসা করা করা। বিস্তারিস্ক বিবরণের কক্ত এক আনার ভাক চিকেট স্ব নিয়া ঠিকানার অনুসন্ধান

শ্রীক্তীশচন্দ্র উকীল, যক্ষা-চিকিৎসক, পোঃ নৈকাঠী, বরিশাল। অপ গা নিয় ঠিকানার সাক্ষাৎ করিয়া বিস্তারিত জানিতে পায়েন। শ্রীষ্ঠ রামগোপাল দশু এম্, এ, ক্ষানগর, নদীয়া। শ্রীষ্ট করিপদ

िर ०, ১৯৭. (विश्वशतिका क्षेष्ठि, कार्केटलांगा, कार्मकाका।

প্রকর্মানি পত্র । অ মার লাভুননুত্ব গছ হর মান বাবৎ রাজ যাত্র দ্বিলা সুভগ্রের হুইরাজিল, কালকান্তার বিজ্ঞা চিকিৎসক্পণ ভাগের জীবনের আশা তাগে করিছা শেষ সূত্রতের জন্ম অপেন্যা করিছেছিলেন এই সময় প্রায়ুত কিতীশচন্দ্র উকিল মলশন্ত মাত্র ১০ দিন চিকিৎসা করিছা সম্পূর্ণ আবেগা। করিয়া দিয়াজেন। (সাঃ) প্রীষ্ঠীল কিশোর হার চৌধুনী (জনিদার শালিয়া) হগ্রীট, নিউ বিলিন্তং। করগোরেশন গেডিং ভিবা টিমেন্ট, কলিকা্ছা।

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

<गोता<del>क</del> 88a

माज %>० फाकिंदिक वे भार्ता है त्वरभारहे भार्ताम स्म ।

ম্যানে**কার-গ্রন্থরিভাগ** শ্রীচেডখম্ম, পো: শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

কেন প্রাহকগণ

# গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

-কারণ-

এখানে যাবভীয় ছাপার কার্যা---

टाशांपित कार्या है नमून,

বিবাহের নিমন্ত্রণ পত্র, কার্ড, বিবাহের পভাই বলুন,

আর ৩ রং ও ৪ রংএর হাফটোন ব্লকই বলুন, সকল কাষ্ট্র গট সভর ছাপা হয়, অথচ ছাপ।ইবার ধরচ বাজার অংশকা ভ্রত।

আপনার কিছু ছাপার কার্য্য, থাকিলে নি**স্কৃতিকানায় জানাইলে**ট পাইবেন।

> मारमभाव- श्रीकृति द्धिनिष्ट क्यांक्न २६०१२ वर मानाव नावस्नाव रवांक, क्रिकाड



**स**र्छन्स

২৬ বামন গৌরান্দ ৪৪৫, ৯ই শ্রানণ বঙ্গান্দ ১৩৩৮, ২৫ জুসাই ইং ১৯৩১ শনিবার

১২২৩ম সংখ্যা

# চিন্ত্তন

''প্রেমাঞ্চনচ্চুরিভভক্তিবিলোচনেন म**सः गरेमन** कनराष्ट्रणि विर्लाकक्षि । য**ে ভামস্কর**মচিন্তা গুণসর্কণং গোবিন্দমাদিপুরুষং তমহুং ভঞামি u

অনেক মনোধামী ব্যক্তির মূপে প্রায়ই শুনা যায়,—"সক্ষা এক কথা কি ভাল मारा ? 'भगीम-व्यकान', भोड़ीय हे आफि পত্রে ও প্রচারকবর্ণের প্রচারে এক ভগৰৎকথারই ''চব্বিঙ চৰাণ'' চলিতেছে, একটুকু অফ্রাক্ত কথার সঙ্গে নিশাইনা বলিলে নৃত্ন ও রং6িপ্ল হইঙ।" এই সকল 'নবীনের উপাস্কলণ সভত পরি বউনশীল অনিতা ও অসম্বস্র বাহারণে 🛚 বিমোহিত বলিয়াই এইপ্রকার বলেন। ''তিক্তরসমুক্ত (?) আহ্বনন্ম গলাবং-কংশ করিবার নিমিত্ত मस्नावरण त আস্বাদপূৰ্ণ 'চাট্নী' প্রস্তুত করিব,---চেত্রকে আয়া করিবার জন্ত অড়ের সাহায়্য এহণের দরকার আছে, নতুবা সক্ষসাধারণের প্রীতিকর হয় না" একণগ লোকের এইপ্রকারের ভাত ধারণা আছে। কিন্ত জড়ধর্ম যে চেডনের সম্পূর্ণ বিপরাত, ইহা ভাগদের বোধপম্য হয় ন।।

পুশাভিমুখী ব্যক্তি বেরূপ পশ্চিম প্রেদেশের বিপরীভিদিক্টে অগ্রানর হইতে থাকে, ডজপ আত্মধর্মানুলীলনকারিগণ ৰান্তৰ বেদ প্ৰীভগৰাৰে ব্যোচমানা প্ৰাবৃত্তি সহকারে সেবারুকুল-পথেই অভিগ্রন করেন, রূপ চুড়মুকুলে বিচরণ করিয়া প্রেৰোৎ-ভাছাতে দেহমনোধর্মক্ষণ ঔপাধিক নিরুদ্ধ চর্চার অবকাশ নাই। নিথিম সৌন্ধ্য মাধুর্যারসের আগম শ্রীশ্রামস্থলয়ের নিভা सक, नाम, क्रम सम, मीमा आकृष्टि की उन

করিতে যাইয়া প্রেমর্সিক ভাক্ত এত জন্ময় | ঐশ্বয়া ও মধুবিমা ভগ্রহামেরই বিরত হট্যা পড়েন যে. তেল্মন্যের মহিনাগানের **প্রাভিফলন এবং বে অড্র**স সমূহ বন্ধজীবের নিমিত্ত কোটি ছিহ্না প্রার্থনা করেন, আবাব মেট অপুর্য গুণাবর্গার নিবস্তর শ্র**বণলোল**ে বশতঃ অপটু একটা প্রবংগন্দিয়কে শিক্ষার অদান কৰিয়া অণুত শ্ৰেণপ্ৰাপির লাল্সা

হয়। শ্রীগোবিদের অপ্রাকৃত শোভা-সন্ধন- গ্রোসিনী প্রভরামাগণ পলক-युक्त न रनत निन्मा करिया श्रमकशीन ফোটি চকুর প্রার্থনা ক্রিনছেন। উপাক্ত আত্র দেবার জন্ত সক্ষম্ব নিবেদন করিয়াও ভক্তপ্রাণের আতি যেন আৰ পরিকৃপ্র इत्र मा। रमहे धां ७त अ धानके क्रमनक्रम-শীস। অভজেপণ চিদ্বৈচিত্যের মক্ষাব-ধারণৈ সম্পূর্ণ অক্ষয় কবিকু<mark>লশেগর</mark> শ্ৰীপ কৰিৱাজ শোস্থামী গাহিমাছেন.— <sup>4</sup>र्झन८व धतरम् (यहे टेंड ख्या भिजानम् । এসব সিদ্ধান্তে সেই পাইবে আনন্দ।। এ'সর সিদ্ধান্ত হয় ভানের পল্লব। ভদ্রবণ কোকিলের সঞ্চলা বল্লভ 🗗

যাহারা শুড় ভজনের 'প**ুজিপাটা'র** পদের ভগৰান্কে মাণিতে চেটা করেন, তাঁগদের সম্বন্ধ আধার অক্তর কহিন্দে<del>ছৰ---</del> "অভাগিয়া জানা আহাদরে ৩৪জান। কুণ্ডেমায়ত পান করে ভাগ্যবান্ধ অৱসক্ত কাক চুধে,জ্ঞাননিষ্ফলে। রগজ্ঞ কোকিল খায় প্রেমান্ত্র-মূক্লে ॥"

রুসক্ত ভ ও কোকিলগণ রুঞ্চত ক্রিক্স-मूझ शक्षम डाट्न डी छगवात्नव खननान करत्न. জ্ঞানরণ নিহফলের বাহ্ন চাক্তিকা তাঁহা-দিগকে প্রানুদ্ধ করিতে পারে না।

खरे श्विमृश्रमान विस्तृत मम**ङ मोन्पर्या,** 

চিস্ত বিশ্রম উৎপাদন করিলছেন, তারাও সর্বাঞ্জার আবিলভাশু সামভি উপাদেয় **চিমায় গোলোকর**সেবই কুণ্ঠাব্দার্ক হের আভিবিশ। ধাৰ।বা জনত মাৰুচাবিগ্ৰহ 🚉 🛊 কের অমৃত, অপোক, ভয়াপহা সালো-চনাতে পরিভোগ না পাইরা জড়ীব বিক্লত বিবয়ের 'চাট্নি' দি । উহা মুপবোচক **স্ক্রিন্তে চাহেন, উচ্চানে**ব বিলেধ 'কুগ্রহের' সঞ্চার হইগ্রছে,সন্দেহ নাই। নিধিস জাতিশ্য ভারবরে গাহিভেছেন,—ক্লণ্ডই একমার ৰ্থীৰ,—ভিনি নিতাসনাত্ৰ কইছাও নিতা নুত্র, জিনি-নব নধ নবীনভার আদি ও অক্ষ প্রস্তবণ। তিনি-সন্ত্র যশং, বীর্যা, **ঐথ্যা, ভান** ও বৈরাপ্যের অবিনয়র আবার। চেত্রাচেত্র যাহা কিছু, ঠাহা **হইডেই সম্প্র**কাশিত, স্বাবাব তাঁহারই ইস্কা জ্ঞানে সহাপ্ৰসায়ে সমত ধ্বংস হচয়াও এক্ষাত্র ভিনিই বিশ্বমান থাকিবেন। পরিপূর্ণ ম্বেল্ডামর জীক্সদের গুতি-অন্যব **নিবিশ চেতনের আকর্ষণকারী শো**ভাব विभित्रे। काशास्त्र अक्टम्स्ट्रान्थेत मङ ४६ **ব্যবহান নাই। সেই অন্**রতম স্থানজন্দরের **"পদক্ষতক্ষরণ - থা**ণেমনিলোকাতে জারুষ্ট হইনা 📲 🖺 অর্থাৎ শ্রীমতী রাণিকা স্বঃস্বরন্তনিত হার লাভ কবিতেছেন।"

হার, আগতিক নখন রূপ-রসের মোহে कामक भागर बाद्य मा दग,--"ৰ ভন্ন কৰেঁয় ক্ৰাভি ন চন্দ্ৰ-ভারকং নেমা বিক্লতো ভাতি কৃতোহন্তমায়। ভদেৰ ভাতৰহুতাতি সৰ্বং **তত ভাগ্য সর্কমিদং** বিভাতি <sup>দ</sup>

জীগ্রির স্থালল, বিভা ন্যস্থামী কথা অধ্পুদক নিচাল্রবণ কিশা কীউন ফরিলে শ্রীহরি এতি সম্বর্থয়ং ভক্তের ক্ষনত্ত উলিভ হন। ছলিকথা**ৰ্ড**ট চিডের গ্রম প্রিন, ব্যাকানীন বেগ্রকী জ্বাহ্নবী-প্লাবনে দিগ্দেশ নির্দাণ ছঙ্গার স্থায় হরি-ক্ষান্তবা স্ত্রিৎপ্রবাহে টিডের 'ब रज रामनातानि मभू**ल ध्वःभ आख र**य । र्शतकथा अन्दर्भत्र मार्शका मद्दक 🕮 मन् ভাগবত উচ্চরবে কহিছেছেন.—

"পিবস্থি যে ভগবত আত্মনঃ মতাং कथाञ्चर अप्तप्रिष् मञ्जूषम् । পুনান্ত তে বিদয়দুবিভাশগ্ৰ এছরি ওচ্চরণগরোক্থান্তিকম্ 🗗

ক্মল্ললবিধারী মধুকর ক্থন্ত বিষ্ঠার कु: ७ शमन करत मा। योशंद्रा दशोड़ी। ना নণী বিকাশ পাঠের অভিনয় করিয়া <del>অঞ্চয়ে</del> জড়েবই জন গাংহেন, উহোনা নিছাভজিক মনেবিধ মুদ্র। প্রদর্শন করিলেও ভাক্তগণ তাগাদের "বিষকুন্ত-প্রামুখ" স্বর্গটা বুঝি ত পাণ্ডান।

ন্য ন্য রুস্থাম ইড়িভগ্রানের নাম-ক্রণ-গুণলীলা-পরিক্রাদির ক্রণ্ড নিত। नवनवानमान क्रमपुक, घडर आवापन করিবেন, তত্তই নব নর ধাল অত্রভক ক্বিতে পারিবেন।

### তারের সংবাদ

মালাজ হাইকোটের ফাসাপ্রাপ্ত জজ পরনোকগত সার স্বাশির আনারের কনিই भूव हि अन बागठक आयाद आहे, नि. अन, সাব্ কলেক্টর ফার্লির আক্সম্সাঞ

### देननिक महीशाक्षकाम-भात्रमार्थिक भक्त [ यहं वर्ष ३५२८ म बर्था]

জ্ঞীচৈ ভক্ত মঠের শাখা মাজাজ গৌড়ীরমঠের শ্রীবিগ্রহের দেবার্থ প্রায় একবিঘা ভূমি দান করিগছেন। উক্ত মঠের দেবকগণ আরও একবিদা ভামি ধরিদ করিয়া আগামী जित्तिता पित्र (२७८म ज्लाई) वितार সন্ধীর্ত্তন সহযোগে উক্ত জমি দুখল করিবেন।

### रिश्वधर्य-अगटक

( শ্রীপাদ স্থদর্শনসনাতন ভঞ্চিশারী )

আঞ্জ বিশ্ব-মান্য-সমাঞ্চ ভোগের প্রোটেচ ভাসিতা চৰিয়াছে। প্ৰকাশ্ত অথবা প্ৰজ্ঞা-ভাবে এছিক ভোগ-ত্বথ-লিপাই নান্ব-েকমাত্র EI FE হু উয়া দাড়াইয়ছে। বাষ্ট্ৰগত-ন্যাধি মহাৰ্যাধিকপে সমষ্টিতে সংজাষিত হটয়া পড়িয়াছে। ভোগত্থ-লালসায় সমাজ আৰু স্বাৰ্থপৰ ও तिधितिक् डान्युक्त । ममाक कौवान भाषात স্থান নাই। **স্বেচ্**টারিতাই ধর্মের স্থান অধিকার করিণাছে। তাই বাভিচারের বিষমণ্ড পরিণাম আজ সমাঞ্চশরীবেব সর্বাত্র প্রকটিত।

व्यागारमञ्ज कडीशा, नितरभक तिहान এখন আর আমাদের নাই। পাশ্চান্তা সভ্যতাস্ৰোত-প্ৰবাহে আমরা গড়গলিকার স্থার ভাগিয়া যাইতেছি। পাশ্চাতা সমাজ আমাদের জীবন-যজের ভাগানিংছা---শিকাও দীকা-শুরু। নিত্য-সভ্য-সরপ বেদধর্মের ব্যাখ্যাভা—মোকসুকর। বেবের, (नम्ही, ह हें हेनी, तिनिटात, की नहर्ग, वर्षन-जाबारमव भारताभरमहो। हेन्छेव এখন মানবধন্দশান্তরচনিতা রক্ষার মানস পুত্র মহাব আসনে সমাসীন।

আমরা বিচারবিম্ট ও আমবিক্ত হইর। এই পারনাথিক ভাবতে পাশ্চাতোর মেগ্রিলাসবিভ্রমরণ মরণের পথকেট বরণ করিয়া শইগছি। নাতিকাশাদমূলক খেছতারিভামর ব্যভিচারের বিকট বাছংশ-তা ওবলাকা আৰু মগ্ৰনুবিতে স্মাঞ্চের স্কাত্র প্রকেটি : ।

ক্ষেদ্র গোরিতার পুতিগঞ্জমর ব্যক্তিচারের আবরণ ভেদ কবিদা গেগানে আর্থিকধক্ষের অভিনয় চলিতেভে, দেখানে পাৰ্মাধিক-পদ্ম-সম্বন্ধান্তি ভোগ-সাণারের ভারল কলে হিম্ভিক্ত। আর্থিক স্মান্তশাসনগুলি নেহ ও মনের প্রিয়ক্তর প্রভোভন সাধনে বিশ্বাস্থ। মানবসঃকিন্তাশাস্থের প্রবত ভাষপ্যা যে ভোগাল্পকপ্রবৃত্তিপ্রশঙ্গক न्दर, वर्गासन भएमत दम ज्यामन इहेंदर । व्यागता भभवते । देवतर्याच्यातक (छ।भ-বৃদ্ধিবলৈ শৌক্রবর্ণান্তমে পরিণত করিয়া স্বার্থসিনির পণ উন্মুক্ত করিয়া রাখিয়াছি।

জড়ধর্মাক্রান্ত চেতন পুরুষ মানবাত্মার বা সমন্তর প্রচেষ্টা ধারা বিশ্বকল্যাণের বিবর্তে एकागर्कि निमर्गश्रकारव धारण इंटरक : भौतिता अक्कार्यक माळाडे वृक्षि कतिया প্রবলতর হইরা উঠে। নেই ভৌগ-পরারণভাবে সংযমের পারা নিমন্ত্রিভ করিলা নির্বাভিণরায়ণ স্বরূণরুত্তিরূপ আত্মধার্শীউন করাই যে সংহিতাধর্মের চরম লক্ষ্যা, সে তার আরু আমাদের লক্ষ্যের | বহিভূতি। আমরা আজ পারমার্থিক স্বশ্নপথ চর্ম্ম কল্যাণপ্রনি। চইতে নিচাত ও মার্যামরীচিকার শশ্চাকে

প্রাকৃত ভগতের ভোগ-বিলাস বৃদ্ধি-বিজ্ঞতিত ভাবধারা আঞ্চ নাৰবজীবাৰের ' চরম ও গবন কল্টাণপ্রাম পার্যাপিক চিন্তাধ্যবাকে বিপর্যান্ত কবিয়া। ভাষিশাছে। বিরুত্মতিক নানব যেমন ভাঙার অঞ্ প্রভাস-প্রালন-সামর্থা সরেও ফীবনের প্রাক্ত প্রয়োজন সাধনে সদল ইউছে পারে না, সেইরপ আৰু আমাদের পার্যাধিক সম্বন্ধবিংক্তিত কথাজীবনের সকল চেষ্টা, সকল অনুষ্ঠান জীবন-যজের কোন সার্থকত। সম্পাদনে সমর্থ হইতে পারিভেড়ে ন ।

অম্মেদের স্বক্তের্কেল্পড় পরেগ্র-কারিতা-পদেশহিংত্যিতা প্রভৃতি বিসদ্শ আদর্শের বিরুত উচ্ছাদঙ্গি প্রারুত ভাগেকে উদ্বেশিত কৰিয়া একটা সাম্ভিক ইত্রেছনার সৃষ্টি করিছেছে সং: কিছ মান্বজগাতের নিতা কল্পেলা-ন্জোত কেবল অভিনয় মাত্রে পাচ্চিস্টি ইইনা পঞ্জিতেছে।

প্রকাশ্র অগবা প্রক্রমভাবে কন্ক-कामिनी-अविकारवानुष यशास्त्र मानद জীবনে বিখশান্তিৰ কল্লনা—স্মৰ্গাক স্বপ্ন মাত। ধেনিজ জীবনের মজপের স্কান বিশের মঙ্গল তালার পক্ষে শুধু বিভূপনা নঃ, বাতুশতার প্রকট দৃঠান্ত।

অনেরা বর্ষমান শিকাসভাতার বিভাগ व्यानर्गं व्याद्यक्षता इटेश मगाज-महस्रार्श्त <u>চেঠায় কথন কথন সমাঞ-সংহারে প্রস্তুত্</u> **इटे**एडिइ : भागा अगिशालन वसन जनमान আর্যপ্রজ্ঞানসম্ভূত নিধিবিধান-বিভিন্ত সংযম नि सुर दिन्यवर्गाञ्चम-समाद्यवस्य कार्गालय एक ७ महात जिल्ला निवद्रभ ভোগানবাস পথে নিষ্ম অন্তরায় ক্রা উঠিগতে। দেহারানী মনোধক্ষী ক্ষামরা গর্মকে একটা কল্পনার বস্ত্র বলিয়া বলাগ कति । करन भद्म गथम चार्माटक्त्र ट्यांग-পথের পরিপন্থী হয়, তখন সামনিকতার বলে ধর্মানর্শের রূপান্তর ঘটাইয়া সংখ্যার-थ्य अन्छ कतिए। <del>भका</del>रथम **रहे ना** । .

विभागामका विभागामकाचा, विभाज-সমন্ত্র আভূতি বৈশ্যমন্ত্র জড়তকো সাম্যাদা

আসিতেছি 🔭 .

একশাত্র বিশ্রফ শিক্তা সভ্য প্রাভন काश्वर्षक्रम विश्वमान्दर्शे सक्तकश्विकार्यक्राट বিষ্ণতের মহাসম্বর উপ্র । আর সেই আশ্বধশ্বের অহুসরণই দিখের পর্ম ও

व्यामामित्रम ग्रामनीकि, मगावनीिक, অর্থনীতি, ধর্মনীতি প্রস্কৃতি সকল নীতিই পারমার্শিক সভাগর্শনীভিন্ন আমুগতো হাঠতা লাভ কৰে। যেশানে পাৰ্নমাৰ্থিক ধাৰের অভিগতা নাই, সেখানে সকল ভঙাতু छे।न-८5द्वेरि अशब्धक्षाम् **ऋडि क**तिया शास्त्र । এই পার্যার্থিক ধর্ম**ই নিন্ডাস**তা সনাতন व्यास्थ्यान्य अक्ष क्रिक्षणं वा देवकवर्ग्य ।

অন্সে আ্বাদের প্রম সৌভাগা---বিশ্ববংগীর প্রম সৌভাগ্য, এট পার-মাথিক ভারতের প্রধান কেন্দ্র কলিকাত। ম্ছান্গরঁতে বিভিন্ন বৈজ্ঞাত্য বিধ্যাক निम्मिष्ट कतिथा शिक्षी देशमध्ये (मर्टे निस्क व्याद्यमञ्ज ता ऋक्तिमरमात विकारितक्षमधी সংরোগিত হইড়াছে। আজ গৌড়ীনমঠরাজ বিখ্যান্তকে বিখ্যান্তভাৰ মূলভভ বিখ মধল বিশ্বমানবধক ইটটিটেড স্থকাবাণীর মং সেছী ইনকেত্রে 'আছবান করিতেছেন।

চে ভারতবাসি, চে বি**খবাসি, আন্ন**ন মকৰে শাদ্ধ এই সভাসন্ধীন্তনে যোগদান পুক্কে পরস্পর বিবদনাম অশান্তিময় দেখ ও মনোধর্মের কংল হইতে পরিমাণ লাভ করি। ভ্রনমন্ত্র আত্রন্তের আখ্র গ্রহণ করি।

পুরবোত্তম ব্যতীত অপর কেং অন্তর্গামী-শব্দের বাচ্য হইতে পারে না

र्यागिशर्भक र्याभवर्थ अकरणत समरत প্রেশে ও মনের ব্যাপাণ বিদিত ক্ইবার क्या अक एव नर्छ, किन्द्र छाहारम्ब रमहे किकिर गांवर्षा खनिहिद्यानिकनानी भरम পুরুবের শক্তিতেই লাভ হইয়া থাকে। তাহাতে এই শম্ভ ঐখব্য পরিপূর্ণরূপে বর্তমান ៖ **अत्रभाषानुबर्धत्र अवृक्षश**िन-খত:সিদ্ধ, উক্ত খণাবলী গুণ গুলি অৱশ্বাৰে নাই, ভাষাতেই আছে, শাস্ত্ৰ कवित्रारह्म । वृत्रकाणनियं ভাগকে সৰ্বগত ও অতিহন্দ বলিগা বর্ণন ক্ষরিলভেন। বিভীরাভিনিবেশবিশিষ্ট টভর বাজি তাঁছার শব্দ পান না, কিছ তদেকনিও ভক্ত ভবিশ্ববিদ্ধবিত প্রেমলোচনে छ।शास्त्र प्रभंस समित्रा पारकन्। हिनि अक्षीं के भूक्ष बहेर है किया। अक्षीं के র্জন ব্যাপ্ত, ডিনি ব্যাপক। তাঁহার গোরত হস্তাদ না থাকিলেও অপ্লাইত চিনার পাণিপাদ বিভাগান আছে। ভীহার এক देखिए नकन देखिए ते कार्य मोबिड क्षेत्र श्रास्य ।

প্রকৃতি ও জীব অন্তর্গামী নহেন, কারণ ভাষাদের অভুনামি হৃদর্শের সভাবনা নাই। বিশেষণ ও ভেদ বিভাষান থাকায় পারতিও গ্রমামা নংখন। "বাং সাইছে" इंड्रापि शास्त्र यिन अक्कारण अक्नारकहे ভানেন, এইটি অন্ধ্যানী পুরুষের বিশেষণ ামত এব বিশেষণ ও ভেল নিদ্ধি হ ওয়ায় প্রাকৃতি বা পুরুষের অন্তর্গানিত সম্ভবপর नरह— छाउताः 'धाराता तक नरहा

# বেদান্ত দিকান্ত সমাহৃতি

(6)

व्यानक्रमम् भव्रम भुक्रवह उम्र । उम्र নিভ্যানশ্ৰময় ও পরিপূর্ণ-ম বন্ধ, তাঁহার क्कन वाठीछ कीव भूग क्टेट्ड भारत मा। অভিবেদ নংগ্ৰ পুরুষাদি অবস্থান না করিলে দর্পণে প্রতিবিদ পতিত ভালার নাই, পুতরাং অফিপুরুষ প্রতি-বিদ্য কইলে তাহার ভলনের উপদেশ নিরপ্ক হইত। অন্তগ্যামী শব্দে জীব त्विभित्र इर्थ्य मा, त्कम मा बीन निर्म्यक, मर्ज्ञ नरहम, किन्ह मार्ख यणिशास्त्र (य, अक्षरीभी भूक्ष मर्मालाक, मक्क्ष धर ভবে আমরা দশের ও দেশের বক্ষাবের বিকাশের সক্ষেত্রদের অভ্যন্তরে প্রবিষ্ট ষ্ট্রা ভাহা-সিগকে প্রাকাশ করিছেছেন,—স্ববদে আনরন করিতেছেন। তিনি ব্রকাওবিপ্রহ. সর্কাঝা, সর্বজ্ঞ, ত্রতরাং সেই সভ্যসম্ম

### প্রাস্থাতর

थ्यः। त्हारथ क त्नन त्नथ हि करिना, श्रुश्च उदय नवा ह्या कारत ?

**डि:। ठा ७गा ८ । च २ व्**मिर्य **था** क त्नरू निर्माण **अख्**रत ॥

थाः। श्रवमविद्योत आञ्जाबन्तरे. वण्टक्षा टमारमञ्ज टकान् दमारव १

উ:। ধরম ভোগের পাঠপুক্ষন.

আচার বত কর্মনানে ॥

था:। आष्ठ जीवन कत् हि शातग, क्रेड् छत् चाराजन १

উ:। চেত্র কোণায় অসার আণে, ( ৬ ধু ) কোডের মৃত্য অঞ্জপ।

প্রঃ। গড়ছিনা কি ন্তন জগৎ,

नवीन चारणांत चाकुामम ह উঃ। স্বরাট প্রভুর স্থাসন বিনা **অভি বাৰ্থ সমূহৰ** ।

# গ্রন্থ পরিচয়

### মন্তাগ্ৰভ্য

श्रीमश्रद्ध क्रकटेबलावन (यहबान-व्यमेल मूल, ईक्रिन-भक्ताकाया-क्रका जार नवी-निर्मातिका; द्यामानियान क्रक्रनर्छी ठाकुत-क्रक मात्रार्थनिनी हिका, बनास्यान, मःक्रक अवद ও क्षांत्रिक्त, एका क विवृष्णां विवृक्त । क्षांत्रिक परक्षत्र आवित्त तिहै इरकात श्रीकिमाध कथागात, व्यागायत श्रीवास के অধ্যারেশ্ব সারসহ ক্ষবিস্তত তাৎপর্যাদি বিশ্বত। লোকস্টী বিদয়সূচী, অধ্যায়দিবরণ, পাত্র ও স্থানস্কাস্ক উত্তম কাগজে উত্তম অগৱে মৃত্তিত। প্রথম হইতে ১০ম হর প্রান্ত ছাপা স্পূর্ণরূপে শেষ চইয়াছে। ভিক্ষা প্রথম इदैरङ <u>वर्ष</u> क्षत्र भगाष्ट २०।√०; सभग दक ১०८; FRE ERT

### 🚇 🖺 হৈ ভক্ত চরি ভাষ্ত 🌊

**অগ্রমন্ত্রিকার করিত 'অনুভঞ্জার্ভান্য'** ভ এতিমছভি দিছাত সর্বতী গোবামী প্রদুপার বিথিত 'অফুডায়ে ফ্রভি-মুত্যাদি বহু শার্ত্তমাণ-সম্বাচত হইয়া अकाश्विक हदेशार्कन । (आरक्त गांचग्रवााचा, वशाक्रवामः প্রত্যেক পরারের পুরে সংক্ষিপ্ত অভিধেয় সংযোকিত। প্রভাক অণ্যায়-প্রারম্ভে কথাদার দেওরা আছে। স্লোক, হার, শৃক্ষ, স্থান, পাত্র প্রস্তৃতির স্থরুত্ব ফটী ও গ্রন্থকারের িবিভত জীবনী সমধিত এইরূপ অভ্**তপুক্ষ স'স্বরণ ইত:পূক্ষে** কুতাপি প্রকাশিত হয় নাই। উত্তম কাগকে পারিপাটোর সিচিত সুল ঃঅপারে মুলাংশ মুদ্রিত হইয়াছে। এছে প্রায় Dao • शृंहोत्र मन्श्रतः । किका वक्षमात्म वर् माळ ।

### **এটেডভাডাগবড**

এছকালের দীবনী, প্রতি পরিক্ষেদের কথাসার, বিস্কৃত ক্রোড়ীর স্থাদা, শক্ষ্টী, প্রারহটী, বিষদ্ধান পাতাদি-হুটা, প্রক্ষৃতি বিবিধ বিধর সম্বাশত বিধাট বিভায় সংস্করণ চবল জ্রাউন ৮ পেলী আকার। আদিলালা ও মণোর । মুদংশ আকাশিত হইবাছেন। ক্রমে ক্রমে প্রকাশিত ংতেছেন। অগ্রিম ভিকা ে টাকা, আদি লীগার। 95K1 C 1

#### **औ**टेड ज ग ग ग ग

এই গ্রন্থের এক্ষণ অভিনব সুক্ষর সংধ্রণ আর জুত্তাপি প্ৰকাশিত হয় নাই। সংখ্যত সোকাংশের অৰয়, বজাছবাদ, ভাষা, কথাসায়, তথ্য অস্তৃতি সহ বণ্ডে গণ্ডে প্রকাশিত ছইয়াছেন। মূল মোটা অক্ষরে ডবল ঞাউন আটপেনী বুহদাকালে ছাপা হইয়াছে। খুলা ২৮০ টাকা। নদীয়া প্রকাশ ও গোড়ীরের গ্রাহ্কগণের পক্ষে ১৪০ টাকা।

### ঞ্জীলত গ্ৰহণ বাৰ

— ইংগৌড়ীয় বৈঞ্বাচাৰ্য্য অপ্রাঞ্বত রসিকচ্ডামণি **্রিজীবিশ্বনাথ চক্রবন্তিঠাকুর সোহাথিকতা** সারাথিবধিশী টাছাসমেতা ও ইত্ৰীনত্ত কিবিনেল ঠাকুছ-প্ৰণীত 'ৱসিক-রঞ্জন নামক ভাষাভাষাসহিতা। অধ্যায়স্চী, মাতৃকাজনে क्षाव-यही,विवत-यही,श्रव कारत्रत्र कीवनी ७ व्यवक्रत्रानकाति बह-काण्याविवत-गर् वैश्वांहे वीश्वी फुटीत मध्यतग---- धरे ताल সংক্রেশের জিকা ৯, টাকা মাত্র, সাধারণ সংকরণ--- ১৪০ हाका मान

# শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

ও বিষ্ণুপাদ নীনীমছজিগিছাওসর্ঘতী গোষামী মহারাজের দেই অবিখা-বিধাংদিনী कीवाष्ट्रकल्लाद्वः विभी ऋक-कृष्कं विभागाधिनी कीवख-वालीय মুক্ত-বিগ্রহ—বৈঞ্চবদিদ্ধান্ত-বৃত্তমালার কৌস্বভ্যণি—সম্প্রদায় বৈভব্যবিজ্ঞানাগাবের মৌশর্ক উপা---প্ররাজ ও ভাগবতের সমধ্য ওক-- মহাজন জাবনদারত শিক্তক-চিবিল্পেচিন্সাজ-অচিদ্রাত্র-নিচারক -- ঐখ্যা ওমাধুদারদের মৌগিক গবেষণার --- भक्षक, व्यक्टिएक ५ लाताक म उत्पन्न रिकास समूता।

১ ৷ প্রথম খণ্ড—বৈক্ষসদশন, শ্রী ওর তম্ব, কাল-পন্ম, জীমধ্বাণিভাব, আবাৰ্যভানবী, পাঞ্চরাতিকী দীকা ও বর্ণ বিচার, আত্মান্ত ও মনোধ্যা, ইটেডভাগের ও ভাতার শিকা, অপ্রাঞ্ক সহস্থার ও প্রাকৃত স্থান্দ প্রভৃতি বিংশতি সংগ্যক রহে স্বোভিত। তিক্ষা মাত্র অতি কৃতি-পুরাণ-প্রশাহাদি সায়ত-শালসমূহের প্রমাণাবলী ৮০ বার জানা।

**২। ত্বিতী**হা **খণ্ড--** 5%। ও বিদ্ধা ভক্তি, মগুৰোর লেইডা কোথার, মান্তার নিভারতি, জীগর স্বামিপাদ ও भाषायाम, श्रीत्यांत्र-निष्णानन अभ्यः, किय्दशत्र भन्नं ९ क्रथः-केंद्रिम, श्रीवारामभूषाय প্রীমধারণতের কীতিন, প্রথোর-भारभत प्रतिया, प्रशासियाम, श्रीरणानिक, श्रीक्रभास्त्रणास्क्रम-পথ, শ্রীমতী সুমভামুদ্দিনী, শ্রীচৈতভের ধ্যা, গোরকণণা ও রুক্স্মীর্ত্তন—চতুদ্দ অপুর মধুনিমাপুর্-বস্কৃতা-বিভূগিত। ভিকা ১, এক টাকা মাত্র।

প্রথম ও বিভার-ছুই বড় একজে সইলে ভিজা 🛶 🚥 দেড় টাকা, ভাক এরচ স্বভন্ত।

### **এমত গ্ৰহণ সীতা**

র্গোড়ীয়-বৈক্ষবদার্শনিক-শেষর এই মন্বলদের বিভা-ভূষণ্ঠত ভাষা ও ত্রীমন্ত্রিনোপ ঠাকুরের প্রায়ণ বঙ্গ-ভাষায় বিশ্বত 'বিনদর্শন' নামক ভাষায়ক। অংগায়-সূচী, বিষয়সূচী, ভ প্রাত স্নোকের প্রথম ভ তুতীয় পাদ স্টা, ভাষাকারের জীবনী প্রাভৃতি সম্বলিত। উৎক্ট বাণাই, রাজসংখ্রণ ( চৃতীয় সংখ্রণ ) এতের किका २ हेका।

### क्षरमग्रह जावनी

শীমধ্বদেব বিস্থাভূষণ-প্রণীত বৈধ্বদর্শন, সন্তভ্ গোবিন্দ-ভাষাদি পড়িধার প্রথম গ্রন্থ। উংক্রই কালিতে গলে ১৮০ টাকা মাত্র। ছাপা। স্থবিশ্বত টাকা ও প্রাক্সবক্ষাপ্রাদ-সাহায্যে আতি সৃষ্টে বালকেরও বোধগমা ইইয়া থাকে। ভিলা ।৵• আনা মাতা।

### **अमर्गिभश्यमाश्रा**

(প্রমাণ্থও) সামুবাদ। শ্রুতি-মুত্যাদি গ্রন্থে জীনব-দীপের যে মহিমা কাঁটিত আছে, ভাহার মূল সংস্কৃত ও অভ্যাদ। ডিকা ১ আনা।

### 🗐 নিবদীপভাৰতর 🗷

এই কুর ভক্তিবিনােশ শিষিত। প্রালভ গাঁভাকারে প্রিক্রমার জ্ঠব্যাদি-বিষয়ক। ভিক্না। আন:।

### ভক্তিরত্বাকর ও নংখীপ পরিক্রমা

ঞ্জিল মরহরি চক্রবঙ্ডি-ঠাকুর রচিত। ভক্তিররাক্র চইতে পরিক্রমাণে মাত গৃহীত; প্রিজীব গোপানী কি অকারে শ্রীনব্দীপথানের পরিক্রমা করিয়াছিলেন, ভাষাট পছে বিবৃত। ভিক্ষা 🗸 • সানা

**ত্রী ভক্তিবিনোদ ঠাকুর-প্রণীত**। শ্রীটেডভেটহাতে শিক্ষাপ্রবালী-কুক, কুকশকি ও রস-বন্ধ ও দুকু গীব-অভিস্থা-১৬৮:জেদ-তত্ত্ব—সাধন-নির্ণর—প্ররোজন-তত্ত্ব, কর্ম্ম-काछ, अत्यामित विष्ठात-दिनी छलि, छावछि छ প্রেমভিজিন্ত নামভক্ম-প্রণালী ও অইকালীর শীলা-প্রিচয়ানি প্রথম শিক্ষাপীর উপযোগী করিয়া সরল ভাষায় সমূলয় সুক্তিপ্রমাণ্যত লিপিত অংগে। চতুর্থ সংস্করণ বাবা २ किंका, व्यानामा ३५० केकि गान।

### গৌড়ীয়কণ্ঠহার

ন্ত্ৰীটীয়-বৈদ্যবগণের অমুকণ কর্তে ধারণযোগা বিন্যবিভাগকমে সামুবাৰ গুক্ষিত। এইরূপ বৈঞ্চব-সিশ্ধান্তের সারসমন্ত্র অস্ত কুরাপি প্রকাশিত হর নাই। ইহাতে গুড়াত্ব —ভাগৰত—বৈশ্ব — গৌৱ – নিত্যানন অংশত-- কৃষ্ণ--শক্তি-ভগৰ্মাস-কীব - অচি স্থাতেজগৰ্ভক -- শ্ৰীনাম- প্ৰয়োজন ও প্ৰমাণ-ভৰগুলি পুণক্ আগায়ে স্তুতঃ প্লোকাদি স্টান্হ উংকৃষ্ট এন্টিক কাগতে cate রু কালিতে মুদ্রিত, উংস্কৃষ্ট বীণা সোমার দলে নাম লেখা। প্রস্থায় ৪০০ পৃষ্ঠায় সম্পূর্ণ। জিলা ২২ টাকা নাতা।

### **अववद्यालमाय-अस्थानमी**

উমন্ত্রিবিনোৰ ঠাকুর রচিত গামমাহাস্ক্র—গাম-হাকুরের গাম পরিভ্রমাণে—-শ্রীণাম নব্ৰীপ পরিঞ্মা—ভীগ-যগো প্রতি—শ্রিষং প্রবোধানশত্ত নব্বীপশতক্ষ্— ট্রামধ্যক্রিবিনোদ ঠাকুরের শ্রীনব্যীপ ভারতর্ত্ব প্রস্তৃতি গ্রহ কেত্র ডিক্সা ৮০ সানা মাত্র।

### শ্ৰিক্তিনামায়ত ব্যাকরণ

শ্ৰীকীৰ গোম্বামী প্ৰানুশাদ-বিশ্বচিত হ'ব ও বৃত্তি, ভুৰুদ্ৰে উলিকুপদ আমন্তবিধানী সুরুতী গোৰামী মহারাজের বিভৃত ভূমিকা ও স্টী প্রাকৃতি সহ। মপ্রক্রাশিতভাবে মুগত। ভিকা ২ টাকা, ছাত্রগণের

### বেদান্তভৰসার

শ্রীমূলমামুক্তাচাণ্য-রচিত। বেদাত্তের বিশিষ্টাহৈতবাদ-প্রচারক জীভাষা প্রণেষ্ঠা মাচাব্যপ্রবর বেদান্তদ্দীন পাঠের उপযোগা कड़नार्थ ८६ डिग्नम कतिशाह्यम। हेर्गाट বঙ্গালুবাদ ও স্কাঁপঞাদি সংবোজিত করা চ্ইরাছে নাম মাত্ৰ ভিকা॥ । আনা।

### শ্রীটেডজ্ঞচন্দ্রায়ত ও নবছীপলডক

োরপার্যদ তিদভী আমৎ প্রবোধানক সরস্বতী-প্রণীত মূল, আদুপাধ **শ্রীমণ্ ভক্তিসিদান্ত** সরস্থতী গোরামী মহারাজ নুশালিত অব্যয়ুশে বাাখ্যা ও বজাগুবাদ স্থলিত। ন্দ্রীপশ্তকের জ্ঞিভিডিবিনেশন ঠাকুরের পঞ্চাত্তবাদ ও ওংগৃহ আমন্ত্রাপ্তানুর একটা ত্রিপর্ণরঞ্জিত অলোকিক চিত্র अम्ब इहेगार्थ। मूजन ७ भागक छै०कृष्टे (२ थाना একতো। ভিক্ষা ৮০ খানা, অভি শ্বন্য বাধাই বাজসংক্ষণ ्र होका मांच।

# नुस्त्र व व व य

चैक्षिप्रक्रिकित्साम जाकत-अनेष्ठ। এই এकसाब शहर ব্যাল প্রাণ কাত কালে পরেমাণিক বাজা কিছুতেই জ্ঞান বাসংশ্য থাকিবে না। প্রম গুড় দ্যাবিব্যক এই-क्षा गत्रम ६ स्त्रमाणाली अह अभाग्य आकालिक व्या नाहे। কৈতিকপোন্ধামি শান্ত-মঙেলি মান্ত্ৰে এই প্ৰস্থান্ত ए नड्ड फरो. क्यामात किंश्रंड इंडेग्स्ट्रिस । क्षा नहत (८७) निवारी शह, रेकाः कि काता जिल्ला ्यानान लाग मध्य (स्था, छेराहरू दीश्वेचे- प्रकृत मध्यत्तन जिला २ होका माला

### প্ৰেম্বিবৰ্ত্ত

শ্রীমনাছালেনর অন্তর্ম প্রায় শ্রীণ জগদানক প্রত্ বির্চিত। এই পুতকে মতি তুগনোগ্য ভাগায় মহাপ্রান্তর किटिल्य कीराप्रक रिक्काराजात, एकान्सी ६ भागस्क्रम-বৈন্যবভাষের স্থনীমাংলা ल्लानी क्षड़ि यत्नक প্রাত্তক প্রতিয়াদি-সম্বলিত চতুর সংকরণ ভিশা।।√৽ দশ হানা মাতা।

#### एक न सुद्ध जी

ভল্পকারীর নিতাস্থী: সাকুর ভজিবিনোদের অধুলা। পুরুক। ভিকা 🗸 আনা মাত্র। कान : निश्चित्र शास्त्रत नियम् । अञ्चानि ना एका भया । क्ष्य वृत्तिरङ शासित्तन ना। कृष्टीय मध्यत्र किका ॥•।

#### ছরিনামচিন্তামণি

নাম্ভাণা টল হ্রিলান সাক্রের মুখে জীমবাহাঞাভূ बीनाम-माराया, नामाजाम, नामालवाध आकृष्टि विषयात যারভীয় বিভার শ্রবন করিয়(ভিলেন্। এই বিষয় ভশির অতি সর্ল প্রারে সংক্ষিপ্ত আশ্রম্ছ পরিপাটভাবে মুক্তিত। গ্রীগ ভালিবিনোদ ঠাকুর-রাজিত। পদ্ম বংষরণ ভিক্ষা ५०

### কল্যাপকল্পভক্ল

बीमइक्षितिरास टेक्स ति छ। প্রত্যেক ভগবন-বিশ্বব্যে ও জ্ঞানপথের প্রিকের একান্ত প্রয়োজনীয় উপরেশাবলীপূর্ণ গাঁভিরায়। সামান্ত রেখাণ্ডা-ছানা लाटक छ এই 'छक्षाताटकात अविषयूट्य दाता अमर्थमिवृद्धि ও ভগবংসেরা লাভ করিবার স্থারিগা পাইবেন। 🐗 লক্ষরণ, ভিজা /ঃ আনা মাত্র।

### শরণাগতি

ত্রীমন্ত্রিকিবিনোর ঠাবুর-রচিত। ভগবানে আক্সমর্পণ, विख्वित, अध्यमनानमा, यङ्गिमा सत्रनावित । निक्रिसानमा বিষয়ক গাড়িপুর, ভিকা /• আনা মার।

#### পী ভাবলী

শ্রীঠাকুর ভব্দিবিনেদ-প্রণাত । নিত্য ভত্ন, আরাত্রিক ও প্রদান-দেবনাদি-বিষয়ক মধুর উত্তমমূল একঞে প্রবিষ্ট। ভিকা / । আনা মার।

### **্রিসভন্ধক না**ক্রম

রদিকে ক্রমুক্টমোলি আইমবিশ্বনাথ চক্রবরী ঠাকুর-বিরচিত রগগ্রহ। ত্রীমছাক্রিবিনোদ ঠাকুরের অঞ্বাদ-প্ৰ। ভিজা। আনা মাত্ৰ।

# जामनश

শ্রীমন্মহাপ্রেরুর শিক্ষা ও শ্রীণ রগুনাগুদাস ব্যোস্থামীর প্রতি শীরণ গোমামার উপদেশবাণী, ভঙ্কিপণের অধুকুল ও প্রতিকৃণ বিষয়ে স্থাবিচারিত স্বোদন ভাল্য, বিশ্বত বিবৃত্তি, চরিত্যেতের প্রমাণ, সাধ্য সাংখ্যা ও মহাজন প্রণীত ভতুপগোণী গাঁওমমুক প্রভেত্তক লোকের সচিত স্ত্রিবেশিত হট্মাছে। তয় সাল্পরণ ভিক্ষানেও আনা।

#### भाभग-कर्

শীরপুনাপ দাস গোস্থামীর মনঃশিক্ষা, শ্রীল ঠাকুর ভক্তিবিনোদ-চরিত প্রান্তবাদসহ। ভিক্ষা 🗸 আনা।

### প্রেমন্ডজিচ ক্রিক।

শ্রীল সাকুর নরেবেনের জপ্রানদ্ধ প্রেমভিজিবিনরক পানের পুত্রক। ভিক্ষা / ত আনা মার।

### নবৰী পশান্তক

খ্রীল ঠাকুৰ ভাতিবিলোদ-রচিত খ্রীণ প্রবোধানন দেখিতে পাইবেন। পাদটীকার চক্রহ প্রানের বিশ্ববাধ ও সরশ্বতীপাদের সংস্কৃত নব্ধীপশতকের স্থাণত প্রার্থদি। সংবাদ, সন্প্রিকা, জীওসংপ্রণ্ডি, জীওসংপ্রশাস্ত্র ভিকা /• সানা মার্।

### অর্থপঞ্চক

**জ্রীল লোকাচা**শ্য রচিত। বৈশ্যবতা-জ্ঞানের আক্র

#### সদাচারশ্বতি

🔊 মধাচার্যা-প্রণীত। বৈশ্ববের নিভাক্তাদি স্বাচারা-বলী, বলাকুবাদ দহিত। ভিক্ষা / • আনা মাগ্র।

### মপিমঞ্জী

कविक्वरक्भत्री श्रीमहात्रात्रभाषाम् विष्ट । श्रीमन्त्रभाषाः চার্ব্যের সংক্ষিপ্ত জীবনলালা ও মূল বৈক্ষরধ্যমত। সামুবাদ किका। व्यामा भाषा

### গৌরক্ত কোদয়

প্রাচীন কবি শ্রীগোরিন দেব প্রণাত শ্রীগোরাবভারের প্রমাণাবলা-সংব্লিত সংস্থৃত এখ। ভিকা ৮০ আনা।

### युक्तियद्विक। (अभद्रभोत्रक)

বীমধ্বসম্প্রদায়াকুগত শ্রীমরাদিরাক স্থানিকত। বকাফারে শাহ্রবাদ এই প্রঞ্জের প্রকাশ পারমাণিক গাভিত্য-ভগতে **এই मस्यायम । व्यामन्या**कामा बहेटक श्राष्ट्रभागक्षम विकास মধ্বাচাৰ্য্য নামে খ্যাত জীবাদিরাভতীর্থ স্বামী এই এত্তে <mark>দাধারণ যুক্তি ও গো</mark>কিক ভায়ামুদারে কিরুপ <del>ফুন্</del>রভাবে ভক্তিবিলোধি-মতবাদ সমুগ পান্তন করিয়াছে, তাচা পান্ত করিতে করিতে আশ্চয্যায়িত হইতে হয়। ইহাতে গৃভিত্র ৰান্ধা চাৰ্কান্থ, কৈন, বৌদ্ধ, মীমাণ্যক ও মায়াবাদিমত-সমূতের হক্তর থগুন রহিয়াছে। ভিক্লা ২ টাকা মাত্র।

### (भाषामी औन त्रथमाथ मात्र

(ওঁ বিজুপাণ জীল ভক্তিসিদাধ সর্থতী গোখামী প্রকুশাদ-শিখিত ভূমিকা দৃহ) গৌরপ্রেষ্ঠ শ্বরূপ-রূপের একবান প্রিরতম জীল দান গোস্বামী প্রাচর অপুরু চন্নিভাবৃত ও শিক্ষা অতীব প্রাঞ্জন ও সরল ভাবার সন্নিবিঃ এবং পরিশিত্তে দাসগোখামী প্রভুর বিরচিত কর্ত্রভা শাহৰাৰ মধুয়তম তব ও মন:শিকা-সংগিত। ভিকা विधारे ॥• जाना, जाताधारे ।४• जाना गाळ ।

# চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাচীন নববাঁপের অবভিডি, তপা, ঐতিহা, প্রোত ও উভিহাদিক প্রমাণসম্বাভ নর্টী দীপের স্চিত্র বিবরণ-গ্রন্থ বাছবি রাওলাচেব কুমার জীবুক্ত শর্মিকু নারায়ণ রায় লেম. এ, প্রাক্স (লাকেরি), বেদাস্কর্মণ মর্কোদয় কার্ক স্ফলিত এবং ৪৭ থানি বিভিন্ন বর্ণের **অপুন্ম চিত্র** ও गानिक बन्गमिक : व्याकारिकामकार्गय आह्र नाटक निष्क ন্থেড নাথ বস্ত বিশ্বকোৰস্পাদক মহান্ত্রের বিশ্বত ভূমিকা सर । छि:करे ( हेर ) महत्का वैशाहि मूना >॥•, कि: लि: एड ২ , টাক নাক।

### माधक-कर्श्वमाना

अक्षत्रमा, देवकव-वन्त्रमा, देवकवन्त्रव, नानात्मत गीठ, मानामक है, क्रीमणकात्मकृत कारशास्त्रमण भामा, सहैताहर भागको हन, धीनामनदी हन, (शामवान, वाडिननवीर, ননবীপ মতিমা, আমায়াপুৰ মতিমা, শ্রীনরোভ্য-প্রভুর অঠড মাচ্যায়-বন্দৰ্শ, সভ্তশাখনীর অইক, প্রেমভজিচল্লিকং, উপদেশমালা নামভছন প্রবাধী, মহাপ্রেড় ব রার রামানন মহাপ্রানুর বন্দনা প্রাঞ্জি সালক ও নিছফীবনের নিভাপায়ে বৈষ্ণবগণের কণ্ঠান্সিত ভূলনীমালয়ে স্থায় অঞ্জন কংগ ধারণবোগ্য অপুকা এছ। তেকা। ৮০, বাধাই ॥। মাজ।

### গোড়ীয়-গোরৰ

কলিকণভার স্থাপ্রদিদ্ধ আলবার্ট হলে গোড়ীর সম্পাদক শ্রীপাদ সুক্রানক প্রতিধ্যাবিনোদ-প্রদেশ বস্তুতার বিদ্য প্রস্কারে প্রকাশিত। ইহাতে গোড়ীয় বৈক্ষবসম্প্রদায়ের ইতিহাস স্বাকারে গণিত চট্টাছে। ভিকা 🕪 - মাজ।

### গোড়ায় সাহিত্য

कलिकाञ्चात अश्रमिक व्यागनार्हे इत्य त्र्योखीय-मन्यानक। 🖺পাদ অন্দরানন প্রবিভাবিনোদাপ্রভু প্রদেভ বস্কুভার বিচা श्राकारम क्षकालिक। देशाक माहिका-नामन वर्ष धन প্রোড়ীয়-সাঞ্চিত্যের বিবয় স্তব্ধকারে ধর্ণিত হইয়াছে । ভিন্ন াল ভাবা মাতা।

### জীগোড়মওল পরিক্রমা-দর্পণ

· শ্রীগেড়িলেশের যে মুকল স্থানে সপ্তিক্তা শ্রীনক্ষার্থাও এবং ভদস্থা পরবাড়ী মহাজনগণ লীলা করিয়া পিয়াছে ন মেই সৰ আধুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও দেববিগ্রহাতি পরিচয় সহ যাতায়াতের স্থাব া নিপেশ ইত্যাদি বিষয়ণ স্বিবেশিত আছে। ভিক্ষা । আনা।

### THE HARMONIST OR SHREE SAIJANATOSHANI

শ্রীল ঠাকুর ভজিপিনোদ-প্রতিষ্ঠিত এবং শ্রীল ভঞ্জি দিন্ধান্তগরস্থাতী গোষামী প্রাভূপাদ-সম্পাদিন্ত পারমাভিত মাসিক পত্র। একণে ইংরাজী ভাষায় অঠাবিংশ ার্ **उत्तकाउँन ৮ পেলী ৪ कथा जाकारत প্রা**ভি বারে ३<sup>(त</sup>-नात्मन विकत-देवक्तकी महेना উপविष्ठ व्हेट्टछन कांश्रक मुक्तन-भाविभाषा क विवासि कार्डीव दिखाकश्तर। वाहे क्षकात्र छेरकडे व्यवस आहा दकाम मानिक भवारि দেখিতে পাইবেন না.। বার্ষিক জিক্ষা জাক্ষাগুলুসছ होका माळ।

### প্রাপ্তিম্বাল-

औरेडड शमर्क, त्याः श्रीमात्रा युव महोहा

# বিশ্ববৈষ্ণব রাজসভার শুদ্ধভাত্তমঠসমূহ

### শ্রীতৈত্ত্য মঠ

### আকর মইরাজ

दा हील अवदीन, खाक्यत श्रीवाम मातानुत्र, अवीता

-বীমভাবোগলীঠ ভটভে প্রার ০০০ গল উত্তর-পূব্দে শীরদ্রপদ্ধনে আচাবারভু শীচলু-म्बद्ध-कन्दम न्ये श्रीरेत्रकक्य-मठ विद्यालमान ।

এই স্থান সাংগ্রন-শির্থ, পরবিদ্যাপীঠ বা সাম্বন্ধ ভজনত্ত্বী। এই ম্লাডীর্লে ইচিরি-माध्यक वाकिश्यामि-(यश्वमभूम, श्वतिश्वात व्यक्ति कावा, महिक, व्यक्ति, ज्या প্রাধাণ-উপনিবদ-দীতা-ক্র-ক্রমান-চভুট্বের মধারন ও মধ্যাপনা এবং ভগায় এওজ-পৌরাজ-লাজ অকা-লিরিগর ও সাজত সাম্প্রদারিক-আচার্যা-চত্ত্র তারাদের উপাত্ত विकारक महिक निका मिविक क्रेटिकाइन । अहे में शास्त्र भावमार्थिक देशनिक्शक मायक-मच्चार्याक्षेत्र व्यवकाश्यक क कथाठीन बाह्याचि व्यवत्रक द्वार 'नारीया-व्यकाश' यहालह প্রাভিন্তিত কর্তমাতেন ৷ প্রাভিত্তপর জ্বীধাম-প্রিক্রমান্তর্ভান ও অগ্রিভ ভক্তগোল্ডিগর কীর্ত্তন প্রচারমূপে মহামণেংশবাদি ভকাপ অভাটিত কর্বরা খাকে। বক্ষক---বন্ধচারী লিপার মরছব্রিলী। সচকারী--জীপার বিমোদবিধারী রক্ষচারী, পাণ্ডত শ্রীপান গোরদান उक्कारी कायानाकत्रमधीर्व, किलाब नीक्षष्ठ उक्कारी, किलाब सम्बन्धानाल उक्कारी. **अध्यम्मम तकाती, अम्मनाशाशांश तकाती, एक नारतः, रविशम, देवर शैर्मान्न** क्षात्रभ मस्बद्धनश्य ।

জিল জিলামী প্রীমন্তব্দি প্রদীপ ভীর্থ মচারাজ এবানে চরিকণা কীর্ত্তন করিভেচেন। একাণারী প্রান্ততি ।

### (৩) বোগণীঠ শ্রীমন্দির

बारे कान व्योक्तश्राविष्यत करन या শ্ৰীমন্মৰাপ্ৰাক্তক আবিভাৰ-ভূমি মৰাবোগ-नेका जनात जीनश्रीश्रिका व जीवक-खिश्राम# औरशोबनाक्षात्रण खबर औरे6 खना ७ विवाधाङ्गक्तक निका त्यवा छथा विशक-कट्यत दनवा वर्षमान । तकक----(नाक-माथाबत भाषामी कहे। हारा वाक अतमा-मार । प्रकारी व्यक्तिकानम वक्तागी. **এ**রাধাবিলোদ ভক্তিভূবণ, প্রীগামশাস অক্ষ-ठाती। अभाषनमान व्यक्तिकाती, स्वतमन्त्रा टीकाक्स ।

### (৪) 🚉 বাস-জ্বন

শ্রীময়হাপ্রাভুৱ কীর্ত্তন-বিশাস বা **क्रिशोत्रनीणात्र बागक्नी । जवादन व्यक्ती**रशोत-निष्ठाभिक्त ७ शक्षकत्त्वत्र दनवा वर्षमान। রক্ষক---শ্রী প্রকাতকুত্বন অব্দর্গরী।

### ( ८ ) चारेचछ-चनन

बहे जात्म क्षेत्ररेशक शकुर करन धारः (मधा वर्षभागः।

ब्रक्तक---- श्रीषट्वकासन्त नामाविकात्री, **अ**रगाङ्ग्याम वावाकी ।

### (७) काषीत्र जमानि नाहे

ब्याहीय माँबालब, चाममलुकूब (मरीबा) **अ**त्योतक्रमानाव अधानकाबी व ममावि। बक्क--- बक्कानी श्रीविद्यापविश्वती।

### ( 1 ) খানন্দ ছবদ-ছঞ

क्यांक्य, यक्रमणक ( मरीवा ) এবালে উবিক্ষুপায় প্রীণ ভজিবিলোগঠাকুরের मवावि वायर किरमोडमबायक वायर किकाशा-माध्यम दनना वर्षमान

१मम-७क्रिक्षण काकार स्वाहारी क्रक का क्रियों अन्त, जन, जन ।

### (৮ शिक्शवाच दशोहोत्र मर्ठ ময়মনসিংক ৷

ति, धन, मरकाती-- श्रीडेवनमाम क्रि-नावी, क्रीडेक्क्रम व्यविकाती शक्ति।

# (১) औदगोत्र-गणाशत्र-मर्ठ

চাপালটা, সমুদ্রগড়, (বন্ধমান) **ञ्चिम गामिमार्थत काफिछि**ङ लोजगमाधत-(मना। तक़़क्—ञ्चिद्दात्राम बक्राहाही, खक्र क्षेत्रशामक दाग ।

### (১০ জীন্ধপগোড়ীয়-নঠ मात्राशक, अमात्र हंडे. लि वक्रक--- श्रीकृतिकाम अव्याठाती, गृहकाती--শ্ৰীদৰ্বেশ্বর বন্ধচারী।

### ( ১১ ) बिस्मामकम्बद्ध — माजेनाकि, कालगढ, नख्यांना 🕮 ন্যাসাৰভার ঠাকুৰ বুন্দাবনের স্থান। वक्क-- द्वीवकविश्वो बचवाती. अस मीनमधाम १

(১২) ভাগবভ আসন 🕮 ভাগবভ (৫৪ণ, ক্রম্ফনগর, নদীরা: ভাগবভগিদ্বাস্থ এছাবলীঃ প্রচায়-ক্ষেত্র। वक्क-- विक्रमानम बक्काडी किनाबी

### ( ১७ ) 🗐 এकाम्रन गर्ठ (शांविक्यम्, द्वानवानी, समीवा। - প্রীনয়নিংভ বালচারী, প্রীতপ্রের লাগাদিকারী. শ্ৰীশস্ত্ৰাৰ পাণ্ডা, ডক্ত বিশ্বনাথ

### ( ১৪ ) ख्रियाध्य-८गोफ़ीय वर्ड a - मर संयावश्व (ब्राफ्, हाणा। भृष्यसम्ब क्रावाद-दण्डा,वयात्म खोषक-शोबाक गर्कस्था-गिबिगरवत त्रया वसमाम । विभाव क्ष्मदामम भवतिष्ठःविद्याम वि- व, 🕮 श्राम-

# (২) এটাগৌড়ীয় মঠ

১७ मर कारिकामान ठळनको हैकि. लाः नामराचात्र, कलिकाछ।। दिंगिटमान वि. वि. ८३३६

श्चिमवाशा शक्त काशतिक छानेपाल किन्द्रम्य-शहारवारम्य (श्रीकरम्यत मक्कश्रीधान নগরী কলিকাভার শ্রীভক্তিবিনোদ আগনে শ্রীমার প্রতিষ্ঠিত আছেন। এট ভক্ত-সম্বারামে জ্রী ওক্ত-গোরাল-প্রীবিনোদানক জীউ সপ্যাহদ নিতা সেণ্ডিত হন। গোডীর আচাধানর্বের যাবস্তীয় এছাবেলীর ওপ্রচারোটেনলে শ্রীমতে দংলছ একটা প্রতং মৃদ্রান যন্ত্রাণর সংস্থানিত চট্টাতেন। পুলিবীর সক্ষত্র 🕮গোরনাম-প্রচারার এই বস্ত্রাণর व्हेटल 'त्रो होश' माशाविक भळ. वि विकासिक मामिक भळिका हेरबाकी कायात नियमिठकार्व क्राम्यक ब्रेटकारुन। व्यापाठ लाठ. महीखन, मक्रायान-ठक्ष्ट्रय-राष्ट्राय, व्यापानक, औरित्रका-ठिविकाम्यानि-गीर्ग व क्याप्यत समाक व्यापनानमा करेश পাকে। মঠবক্ক-আচাৰ্যাত্ৰিক শ্ৰীপাদ কুম্ববিদারী বিভাত্বণ। সভ্কারী-পণ্ডিভ শ্ৰীপাৰ অন্তব্যক্তদেৰ প্ৰবিভাত্যণ বি-এ, লীপাৰ বাস্বিধারী ভ্ৰহাটী, শ্ৰীপাৰ क्षणक्षात्रम कामाधिकांती वि-व. जीवार करणावान मामाधिकाती, अकारती जीकी खंगानक, अध्यत्राती सीपात्रीत्माक्त, अध्यत्रात्री जीमकानक, पाकिक जीपात नवीनक्रक পর বিভাগতার সম্প্রদায় বৈ ভবাচার।, প্রামহরকানদ: সাদিকারী বি-এ, প্রীভববদ্ধন চিচ্ছ ধকারী বি-এল, শ্রীমত্বপম ভাষকোবিদ্, শ্রীবিশ্বন্তর ব্রহ্মনারী, শ্রীসুদরব্যোবিশ্ব

भोत्र बन्नवारी, बीनवश्मीदात्र बन्नवारी. শ্ৰীপভিতপাৰন জন্ত।

### ( ১৫ ) औरगाभानको मर्छ

कमनाश्व, हाका। গোপাশকীর জীবিতাতের আচীন সেশ বৃষ্ণক-ত্রীদাণবামন ব্রহ্মচারী।

( ১৬ ) জ्योगमाचे-दगासाम गर्छ হরিভজিতামান্ত্রিনী সভা, বালিয়াটি ঢাকা 🏝 शमाहे- (शोदाध्यव निष्ठा स्था রক্ত — শ্রীপূর্ণ প্রজ্ঞ প্রস্কারণরী, শ্রীমতিবাধ গ্রহ্মগারী

# (১৭) শ্রীভাগবভজনানন্দ মঠ

किक्स निर्धाः वाक्ष्यप्रवश्वः (यामेनी श्रृतः। ध्यात ने धक-(शावाक-शाक्षिका-গিরিধারীর নিভাগেবা বস্তমান। গুক্তক---अवनामी औडननामणामधी।

# (১৮) আমলাবোডা এপছাশ্রম

ब्रायचीय द्याः वद्याम ।

न्त्री खक्र लोताम-व्येगास्त्रिका जितियासीत निकारमवा। अक्क-अवनामी जीविन किटमास्य

### (১৯) औश्रक्रद्याख्य मर्ठ

वर्गकार, भूबी, केव्छि। बर्गाम औरशोब-निमाधभाषवकीत मिछा-সেবা বস্তমান। রক্ষক—ব্রন্ধচারী শ্রীপরমা-मन्य विशावयः, तकावी अमरीयाननः, ध्यानवामम् अव अक्षानि । श्रीवानवामम् अष्ठाती. ७क जीनिमार ।

### (২০) জীৱন্ধ-গোড়ীয় মঠ

षाणवश्चाय, अषाणिति (भार, भूत्री । क्रमहाचारत्व क्रम्यम् मध्य निभग्नहः ৰক্ষক--ব্ৰহ্মচারী नक्काड़ी-विश्वरम्बदी वागावकी। अभवारी अधिनिमनियात्री।

### (२) जैगकियानम् वर् केंफिश्रावास्त्राष्ट्र, कड़िया

ध्यभारत डी ७३१-१ शासाम-विद्यासप्रदेशo f নিভাবের ব্রমান। বৃক্তক--अम्बर्धाती सीलगाय सीनागण उन्हराती

### (२२) औनमाजब-Lशोधान्य मठ क्षर क्षणक्यावन भूता, काना ।

(भो द-भगक्युक अनासन-निकादन । ध्यथात्म इत्रोद्धात्रचा वस्त्रभामः। क्षण्य--ज्ञीपानकोनाषको. ज्ञीपकानम् अवदानी ।

(२७) बीक्कटेड्डब वर्ड बीनुनिरण्याम कृष्ण, जीशम वृत्यायन । ड्रे चैवाधा-खक-स्थारनकोत्र स्था। রক্ষক— শ্রীগণভিনাথ এদ্ধচারী

### (२८) अभित्रमहरम मठ নৈমিষাৰণা, সীজাপুত্ৰ

এবানে শ্রীভাগবড় পারশালা 👁 জীগোর বিনাদ বিশাদজীর দেব। বস্তমান। वक्तक--- जक्षाती जीनानिश्हानम ७ जन्नाती भोगन्द्रशाम ।

### (२৫) औदेङ्ख्युटगोषीय मर्ठ

भूत्रकूषा, विवक्षा, मानकृष। देश चोटे०७ अ-मटठेव भाषा। बक्क क-च्छीवमा-नाथ बाह, क्रिक्निशानम खबाठाती, खीबाय ভীপ দেবদ্বিয়া।

### (२७) न्यामदशोकीय मर्ठ

कुक्राम्बा, पारमचन्न, क्नाम । जनारम औशोदविद्याप-दारभक दनवा वक्तमान। त्रकर---वक्षातात्री विद्यमनेनकी. डोननो-(जानान अववानी

### (২৭) আহ্মণপাড়া প্রপন্নাশ্রম-মঠ अभागभाषा, (भाः भाक्, सावषा

**बाधान यक्ष्यभृष्टि जोश्यास्य अया** বস্তমান। বক্ক--ত্রপ্রাণী প্রীপ্রাণমুক্ক-पान, जीवनपताम अवाहावी।

(২৮) দিল্ল গোড়ীয় মঠ —কাৰ্যালয় बनः (शाली अवन,फाकांत्र द्यान, निके विश्वी । व्रक्रम-अव्यवित्रो व्योगीवकृष, जोकूगरम्बन ख्योत्राधात्रमन्द्रमणस्य

(২৯) গোমালপাড়া এপরাশ্রন रक्क-अकाषी खीबारामारन

### रेगीमक महीदाशकाक

### কলেজ খ্রীট হত্যার জের

কলেক দ্রীট হত্যাহাও সম্পর্কে ২ জন भूननभान युव्दकत अि स्ट्राम्ट खत आरम्भ ध्यम्ब इ दश्रांत अित्रामकद्व ग्रंक मझन-বারে ইন্লামিল কলেকের ছাত্রণণ এক-मत्म क्रांश वर्षे छ वास्त्रि इहेगा आहेता। প্রেকাশ ছাজরা বেগা ১১ ঘটিকার সময়ে মথারীতি ক্লাশে যোগদান করিয়াছিল। কিন্তু ১ ঘন্টা পরে ভারারা দওঞাপ্ত যুবক্ষয়ের প্রক্রি স্থামূড়ভি প্রকাশ করিবার উদ্দেশ্যে ক্লাশ হটতে বাহির হইয়া আদে। কলেকের অধাক মি: হারলি ছাত্রদিগকে বুঝাইবার চেঠা করিয়া-ছিলেন। কিন্ত উচ্চার চেটা প্রথমতঃ ফলবভী হয় নাই। পরে ক্লালে খুব কম ছাত্রই প্রবেশ করিয়াছিল।

### **दिशा**न विद्यादीत का भाग भारत বছ পন্দুক ও কামান হন্তগভ

থাচেটমিয়োর জিলা পুলিদের স্থপারিcन्टेट खन्डे क्ष्मी शृशित मह २९ घन्डेग्र ६० মাইল পথ দাইয়া গত ২০শে জুলাই টন সহরের উত্তরপশ্চিমে একটা পাহাড়ে विष्ट्राहीत्वत एक है। कार्या हाना (तह) বিজেটানের মধ্যে ৭ছন নিহ'ত ও অনেকে षाइक श्रेवारक ; धनः धनकनत्क नकी করা ১ইমাছে। সরকারপকে একজন বন্দুকধারী পুলিদ দামান্ত ফথম হটয়াছে। २ हो (भनी दन्पुक 9 व्ही कामान व्यवर অণণিত্না ও বর্ণা পাওয়া গিয়াছে। বিভন্ন থাছনেব্য ও বারুদ্দহ ক্যাম্প্রী ধ্বংস कतिया (म अया इटेबाटक ।

### ত্রকো ভাকাভদের আরও উপজব

**(तक्ष्मण इंग्रेंट्स अश्वांत्म ध्यकाम (**य গত ১৮ই जुनाई বেসিন সহয়ে তেনজাদা জিলার বিজোগী একজন নামকারা বাসী जाकार (अथात दूरेगारक । गङ > >रन क्रुताई ८ शारम ३८ क्रम, बादाविकटक ५० ५ लाख हे बिरहात्ह > सन विरक्षारी बाब-मध्यः क निरुद्धाः ।

পায়েটমিয়েরের সহকারী পুলিস श्रुकातिएकेएक एकन्य श्रुकिमम् गार्टेया न्छ ३५३ ख्रुषा ३ (क्लाम एडस क्रिड्रेस व्यक-পানা আম গেরাও করেন। ভিমি ৫ बान विक्ताधीक बाक्रकिक कारपांच तनी करदन : छाडारनत निकृष्ठे ध्वकंते तन्त्र

তেনজানা বিলায় এক ভাষণায় প্রাম-বাষীরা ভাষাতরিগকে বাধা দেয়। একজন ডাকাডকে ভাছায়া একটা বন্ধুক प्र विष्ठव हो। है। यह श्रिश्चात्र क्रियाह्य । ব্যায়টান্ত্রা জেলার আম্বাদীরা একজন

ডাকাতকে নিহত করিয়াছে। কিন্তু পোষে একজন গ্রামবাসী ভাকভিদের<sup>†</sup> **रुट्ड निरुठ रुहेग्राट्ड**।

क्लाहे दय ब खन क दश्मी भना या निया-हिन, जाश्रामन माना २ कनारक भूनताम (अश्रीत कता इहेग्राय्ह । कार्नान इ काम এখনও পণাতক।

### কাণপুরে পিন্তলের গুলী

२५२ क्यारे नवना गजात्य (य ६ नी धर्यम दश, जिला गालिह्डिंछे २०१५ कुमाहे ভারিখে দে সহজে িয়ালখিত সহকারী সংবাদ বাহির করিয়াত্ন,---

গত ১०ই कुणारे आहठ नवना বাদাবে এই ঘটনাটা ঘটে, বীরভঞ **एड अहा बीत के 1व लिख्यान अनी ठालाई**-यात (58) कता हम। किस खनी आहारक भार्य मार्टे। ध्वक्समरक (अश्वाद क्द्रा व्हेग्राह्य ।

বাজেয়াপ পুতক-পুতিকার লড় কর্ণেলগঞ্জে শ্রীতে ব্যক্ষেটাল মেন্টার ৰাড়ীতে এবং মেটক বেডে যুব স্কা ও বেকার সংখের আফিলে থানাভ্রাণ করা ह्या श्रष्ठ ३२८म खुनाहे (तश्र ১०३) প্রাপ্ত থানাওলাস চবে। উভয় স্থান हर एक कि कुकाशक शब बहेगा गाउन इहेग्राएए ।

४७ **(**गांकरिंव माम किरमात्र<del>पञ्च</del> ७७ ; व्यक्तान, त्र निल्लो राष्ट्रगञ्ज मःमनाद श्लाटक আস্থানী।

### ब्यमिनीभूदम् अञाज दक्ती

ৰুলিকাভার শ্রীমতা শাস্তি দাস ও क्यां का विख्या एक होता । यानिनीप्रस्तत মহিলারা প্রভাতফেরীর ব্যবস্থা করিয়া-ছেন। মহিলা রাষ্ট্রীয় সমিতির সহকারী সভানে বীক্স নেচুত্রে বস্ত ম হলা ২•শে জুলাই প্রাতে জাতীয় স্থাত গাঁহয়া বিভিন্ন রাজপণে পরিভ্রমণ করিয়াছেন।

### **७८कम कश्दश्रम-क्रि**मी

छे देवन প্রাদেশিক কংগ্রের ক্ষিটীর কাৰ্য্যকরী কমিটা গভ ১৮ ও ১৯ জুলাই ভারিখে আচার্য্য হ্রিহ্র পাদের সভা পতিত্ব স্থিলিত হন। উৎক্ষের সৃহিত পার্শবিতী অভাত প্রদেশের শীনার মীমাংসা, শাথা-কংগ্রেদ কমিটাগমূহ সম্বন্ধে শাসন-मृतक निव्यवित्री ध्वाः (भएनत व्याप्राक्रमीय সমক্তাসমূহ সমস্তে প্রস্তাব গৃহীত হয়।

अक्षूमत्रन कत्रिया उरक्त कराशम कार्याकत्री কমিটা দেশের বর্তমান রাজনীতিক অব ইনসিন জেল হট্তে গভ ১৯শে স্থার আলোচনা করেন। এই প্রণেশের জন্ম ভবিষতে কি কাণাপ্থা অবল্ধিত ¥हेरव, लाहा दित कदाश अल **मा**ाशी ১লা আগত ভারিলে প্রানেশিক কংগ্রেস क भिन्नित अप भाजा बहेरता।

### ছাপরা কংগ্রেদের িবাদ

পাটনা হ'তে প্রকাশ, চাপরা কা প্রা কমিটীর বিবাদ সহয়ে ভালন্ত করিবার জন্য মুক্ত রাক্তের প্রসাধন করা ইটি বিভাগ মহারাগ নারখন দিংছ ২০বে জুলাই প্রাতে ছালায়া नाकः कत्रिगार्डमः।

### আসামীর অসীম সাচস কাটগড়া হইডে দায়ত্বা কলকে আ ক্রেমণ

শত ১১শে জুলাই জাবিপুরের অভি-বিক বেসন কম মিঃ যে, তন, ভাল্ক भारतत रक्षारम धक यमकूष काध रहा। THE TOP 1

জাজ জুরীলিংকে এক মামণা গুরাইয়া দেওয়ার পরেই একজন আসামী কঠে-গড়ের রেফিং **छेलकाठेश** अक्टक মাক্ষেণ করে। যাহায়া ভার্তেক যাবা (मग्र. Cम कार्रामिश्यत्र मक्यारक्डे (कादात আহাতিত আহত করে। কার্টিকচন্দ্র Cvi নামক কেলন অনোমীও ভালাকে বাধা দিয়াছিল। ফলে ধেও গুরুত্রভাবে আঠত হয়। প্রকাশ, ভারাকে শমুনাগ পণ্ডিত হাদপাতালে ভানাভূরিত করা इटेशां ७ ल । (मशादन्डे स्म भाता विद्यार्थ ।

আনামী ননীপোণাল কাইপড়ার রেলিং उलकारेया चलत चातायी कार्डिकतमः CA কাইক বাধা পাইয়া ভাগার বৃহদ্ভুরী বস্থিয়া দেয়। তৎপদ্মে ৰাণাপ্ৰদানকারী ২ জন কন্তবলকে ছুরীর আংঘাতে बक्कतिचं कतियां किला। তংপরে ८७ विरमत छेलत मामादेश लएक । ८५४ त শ্রীজিতেক্সনাথ গোদ বাদাপ্রবান করিলে পুরীর ২০শে জুলাইর সংবাবে প্রকাশ | ভাহার পুর্চে ছুরী বদাইয়া দেয়া অজ এই দময় একটু সরিয়া যাওঁয়ীয় ব্যাপার বেশীবুর অগধর হটতে পারে নাই এবং व्यञ्ज नमरप्रत मरभारे खुशूणिन लातिर उट धन्छे गिः (कमम्, क्यांनिटी। **के मिननाद** छ कल्डिनम मार्स्कन्छ ष्यानिष्ठी ष्यांनीमीटक গ্রেপ্তার করিয়া ফেলে। আছত ৪ ব্যক্তির মংশ্য অক্তর্জম আসামী কার্ক্টিকচক্স দে হাসপাতালেই মারা গিরাছে। অপর

নিখিল ভারতীয় কংগ্রেদ কমিটার ও মন ক্রমণ: ভাল হইতেছে। প্রকাশ देशात अधिकारत्मत्र वाष्ट्रीहे भूक्वत्म । যটনা সৰল্পে কোর ভলত চলিভেছে।

### উল্পাত্র ১৪৭ ধারা জারী

८७व्यादबन्न नाणि त्रवाष्ठेम्द्र**के यदनत्र** स्वाकारम निक्कितिः कतिवात **ध्यञ्जाव छान्य** कताम द्यापन ८०वीत ८ लाखान मा जिट्डेष क्यो 🔊 दंबनवाम हातिया कार्यावितिय ১८८ ধারা অপুনারে ইন্ডিড ও, ভি. যাথা-भाषामा अधिक अञात क स्थान स्टाइ विद्**रह** भारतन कासी कतियाद्वन। देशसा िखेगाः निर्देशियान योश ७ टिल्लाद्यम (या ७ 'रत्न भर नद्र स्थाक । हेर्ड। क्षिश्र 🕸 अवर्षिमनदाष्ठे, ठामदा ५ रण्डे, दाशावनमर्गष्ठे উत्रथी आग, (प्रधापती ७ द्वरणाम्हा अव আবগাড়ী পোকানওপির ২ ফারলং এর मद्भा र मान कान निकितिः कतिएक, वक्ष्टा निष्ठ क्ष्मभा क्षान खाकान्न व्यास्तिकार कतिहा निरंपत कथा इहेग्राह्य । রবার্টিশনগেটে শুমালা রক্ষার ও সর্ব্যঞ্জকার ८नागटराच भागादगात अस भूनिन सुनावि-८० ८७ के हैं जिस्सा । यात्रका व विद्यादक म রবন্ধ স্থাস রিজার্ড পুলিমকে প্রস্তৃত ट'ला इडिए!/ए ।

व्यानक शिटकरें। से समाजित करेंग्राधिन, किंश त्मानाता एकामिश्रदक कर्खनाक्षेत्र चारतन युगावेश जिनाच ७ छाहा **ट्यायनास** लंद काशादा नाक्कार्य इक्का इरेश

### বলপূৰ্শক টাকা কাড়িয়া লইবাল্প ष्ट्राच्या २ चम दशकांत

প্রেকাশ ২১৫শ জুলাই একজন উৎকল-বাণী হারিশন রোভ দিয়া ঘাইতেছিল ाই भगग्र क्रहेशन दिक्षुश्रानी छाष्टांक +রিগা ভাষার নিকট হইতে ১-টি টাকা কড়িয়া লয়। ভারপর ভাহারা মথম भगाहेबाब ८५%। करत्र ত ভাঙা**ছি** ভংগাণাৰ পুলিম ভাহাদিগকে ভোপ্তায় করে। <u>আরও প্রকাশ ভাহাদিগের</u> নিক্ট নাকি সেই টাকাও পাওয়া গিরাছে। খুত লোক ছই জনের প্রতি क्राज्ञात्मव वात्रा क्रेशांट्य। मृन्ल्य यात्र १ एत्य है (उद्हा

### সরস্বতী প্রেলে পুলিলের হানা

গভ ১৯২৯ খুরাম্মে স্বানীনভা পর্মে প্ৰাকাশিত পথাধীনতা বিষদ' নামীয় চিত্ৰ अल्लाटकी श्रेतिय श्रेष्ठ अञ्चलका वालताहरू কলিকাতীক সম্বন্ধতী ত্রেলে থামাতলাস क विकारका ध्राप्तक श्रीमण किছ जापछि-क्रमक केंग्रह शाव नारे।

familylate als शांच्यास afe sie > CITY DOTE S



नारायात शत অভিয়ম দেয় वाधिक 🔍 यात्रायिक ६ क्रिमानिक २५० गामिक ১ 可有物 প্রতি সংখ্যা ৴৽

ভারতের সক্ষত্র বছল-প্রচার—মদীয়া জেলার এক মা ১ মুখপত

#### ্রি২৩তম সংখ্যা সম্পাদৰ—শ্রীষ্ণতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি 40

**এটিভভত্মসঠ এখাম মারাপুর---১১ই প্রাবণ সোমবার, ১৩০৮, ২৭লে জুলাই ১৯৩১** 

# বিশ্ব—ভগবৎ প্রতিম. ভগবান নহে

क्रियहान्दरलय अम कंद्यत स्म व्यवादय শ্রীনারদ বেদব্যাসকে বৃদিয়াছিলেন-हेमर कि निवर जननानित्वक्रद्रा যতো অগৎস্থাননিব্যোধসম্ভবাः। তদ্ধি শ্বরং বেদ ভবাংস্থগাপি তে প্রাচেশমাত্রং ভবতঃ প্রাথশিক্তম ॥ অর্থাৎ থাহা হইতে (যাহার শক্তি

ছাইতে ) বিখের স্থিতি, প্রালয় এবং স্পট क्रहेरफट्ट, अहे विश्वज्ञालक मिटे कर्गवान् হইতে অভিন **হইলেও ভগবান্** এই বিশ হইতে পৃথকু অথবা অড় বা অচেতন হইতে ষাহাকে পৃথক্ বলিয়া বোধ হয়, সেই চেতন জীবও ভগবদিতর মহে অর্থাৎ ভগৰান্ এক অধিতীয় তম্ব বলিয়া চেতনা-চেতন প্ৰাণকেয় বছৰভাব অৰ্থাৎ তৰাজি-রিক্ত হইরা অবস্থান নাই। ফ্রাভি শ্রেমাণ-বলে অপিনি নিজেই তাহা জানেন, তৎ-সংস্তে আমি আপনার নিকট .সে সংক্ষে একদেশমাত প্রকাশ করিলাম।

ম্রুভিতে আছে "সর্বং থবিদং এক্ষ<sup>99</sup>। ব্ৰহ্ম ভগবানেরই একরূপ বিশেষ অর্থাৎ ভগবানের দিব্যদেহের কান্তি বা ক্যোতি:-শক্ষপ। ভাষা ইইলে কেন ভগবানের এতাদৃশ ঈশর্ব, তত্ত্তরে উপরিউক্ত স্লোক क्थिड हरेशाए। अहे निष जगरानत স্থায় প্রতীত হয়, ক্রিড ভগবদভিম নছে, ক্ষেননা ভিনি বিশ হইতে পৃথক্। বিশ ভগবানের ভার কেন প্রকীত হয়, কেনই বা ভগবান বিশ্ব হইতে পূথক্, তহু জন---বিৰ তাঁহার কাৰ্য হওয়ায় অংশবারাই বিশের কারণ হওয়ার তাঁছারই পরমতা বা ঈশার্থ। অস্থ্য প্রতিত্তেও আছে,---''তাঁহার সমান বা অধিকও দেখা বায় ৰা''। তদারাও তগবানের অভিটীগ্র शालिक इहेगार्ड ।

ভগবানু হইতে এই পরিদুল্লমান বিশ উত্তত হটগাছে, ভগবানু হইতে তটস্থাপ্য জীৰ আবিভূতি হইয়াছে। তগবানই জীৰ ও বিশের কারণ। বিশ ও জীব ভগবৎ-কারণের কার্যা, এরপ বিচার করিলে ভগ-বান হইতে ভাহাদিগের অনক্তম শিক্ষ হয়। এতছ্তম কাৰ্যারূপে গৃহীত হটলে ভগবান হইতে তাহাদিগের অহুত্যিতি। এইজয় সমন্তই ব্ৰহ্ম, চেতন ও অচেতন সকল উপ-লক্ষিই ব্রহ্মময়, শ্রুতিতে এরপ বর্ণিত আছে। শক্তি ও শক্তিমানের মধ্যে পার্থক্য নাই, ক্লাহাদের মধ্যে অফেছড সম্বন্ধ। শক্তি ও শক্তিয়ানের প্রভীতিষর এক নহে। বান্তববন্তব সংখ্যাগত পাৰ্থকা না থাকিলেও ভাহাদের বিশেষগত নিতাভেদ অবশ্রই জ্ঞাতব্য। শক্তিমং-তত্ত্ব অব্যক্তান, শক্তি-ভবে নানা বৈচিত্রা থাকায় ভাহার অবয়-জ্ঞানের সহিত পৃণক্ বস্তরণে ভেদ দৃষ্টি হয় না। এই জন্মই এগানে ভগবানকে পরতব ও কারণরাপে ধর্ণন করিয়া বিশ্ব ও জীব ভগ্রদংশক্ষরণ বলিবার উদ্দেশে ভগ্নং-প্রতিম কিন্তু ভগবান্ নকেন, বলা হইগ্রছে । প্রাক্ত বিশ্ব ভগবানের তুলা বা অধিক নহে। ভীবও ভগবানের তুলা বা অধিক হইতে পারেন না। উহারা উভয়েই ভগ-বানের আশ্রিত। তগবানের সহিত জীবের কারণ বিচারে তুলাত্ব হির হইলেও বিভূত্ব কর্ত্তব্য কি, এতংস্বর্ণে চিন্তাশীল প্রজ্ঞেক

ভগবজ্ঞপ নিরূপিত হয়। কিন্দু ভগবান্ ও অণুত্ব বিচারে তাঁহাদিগের মধ্যে বৈষম্য মানব-অন্তঃকরণেই প্রশ্ন উঠিতে পারে। নিতাবিছিত। সমগ্র বিশ্ব ও বিশ্বসন্থিক। কিছ এই ছক্সছ বিষয়ের মীমাংসা কে জৈবজ্ঞান ভগবৎপ্রভীতির তুল্য বা অধিক নহে। শক্তিপরিণত বিজাতীর জগৎ ও শক্তিপরিপত স্বফাটীয় জীব ভগবৎসদৃশ হটলেও ভগবান্ নহেন। কাগ্যিকারণ ও শক্তি-শক্তিমানের বৈচিত্ত্যে উদাদীন হইয়া অবিভাপিত্ত-পীড়ার পীড়িত; এ অবস্থায় কেং যেন বিশ্ব জীব ভগবান হইতে উদিত কে তাহাদিগকে সবল সতেক হত্তে विषय कीव ६ विश्वत्क कशवान मतन ना করেন। তীহারা ভগবান্ হইতে পৃথক্ ও নহেন। তাঁহাদের অধিষ্ঠানে কেবল ভগবরা নাই। ভগবানের সহিত জীবের বা এই বিশেষ ভূল্যত্ব বা আধিক্য হইতে পাবে না। ভাহার প্রমাণ স্বরূপ বৃগিতে-ছেন, তুমি সর্বজ্ঞ হইলেও তোমার অণরি-তোৰভাগই ইহার প্রমাণ।

## মানব জীবনের কর্ত্তব্য

পৃথিবীতে নিয়তই বছবিধ সম্পায়ে डेइव इहेटलड्ड जवर आधाकिक मनीवि-সভত্ত সুমদাাসমূচের মহোদরগণও সমাধানাৰ্থ প্ৰকৃত গবেষণাকাৰ্য্যে লিপ্ত আছেন। বিচার করিলে প্রতীভ হয় (य, जीवन नमनाहि नकन नमना।त अधान। অফাফ সমস্যাগুলি এই ভটিল জীবন-সমস্যারই অন্তর্ভা । कीবन-সমগ্যা নৃতন বা অসম চীনও নছে; এই যে বাভাা-চঞ্চল পল্নপত্রে সলিলবিন্দ্র স্থায় মনোহর অথচ কণ্ডসুর মানবল্পয়, থনিগভঁজাত মহামণি অপেকাও স্তুর্গত ও সংক্রেম कीवनत्रक, देशांत्र ध्वकुछ वावहात छ हत्रम করিবে 📍 আর মীমাংসা গ্রহণ করিবেই বা কে ? ভগবৎ-পাদারবিশ্ব-সেবাবিচ্যুত সমুদয় অগজ্জীব মাধাছারা আর্তলোচন, গুরুভারে কামাসক্রির আকর্ষণ করিলা প্রকৃত খাছোক্ষল সভা-পথে লইরা বাইবে ? এক আরু কি অপর অন্তের পথপ্রদর্শক হইতে পারে ? কঠাইতি वर्णन,---

> অবিস্থানাম্ভরে বর্ত্তমানাঃ স্বরং ধীরাঃ পণ্ডিভক্ষস্থানাঃ। দংসুদামানাঃ পরিবৃদ্ধি মৃঢ়া ष्यर**्टे**नव नीव्रमाना यथाद्याः ॥

-- মর্থাৎ প্রমায়বিবেক্হীনগণ অবিস্থা ৰা অজ্ঞানের মধ্যে অবস্থিত হইয়া জাপনাকে আপনি বুদ্ধিমান্ও পণ্ডিত বলিয়া মনে করেন। এই সকল কুটিলচিত্ত মূচগণ অন্ধ কর্ত্তক পরিচালিত অন্ধের স্থায় অত্যস্ত ক্রেশ প্রথম কল্মমরণাদি ভোগ করিতে থাকেন।

জীবনের লক্ষা ও ক্বতা এই কথাটীকে আমরা কি ভাবে গ্রহণ করি, একণে তাহাই দেখা ঘাউক। জীবনের কন্তন্য বুরিতে আমরা হাজারকরা নংশত নিরানব্বই ভন লোকই খুঝি,—কুধান্ত দেহমনের প্রচুর তর্পণ, চাতুর্যাময় ইন্দ্রিয়-বৃত্তির সেবার ক্রীভদাসের মত আয়-নিৰেদন—ভোগের স্থানেই যাবতীয় একাগ্র চেষ্টা। বিচিত্র ধরণীতে ভীবন-কর্ত্তন-সম্বন্ধ মীমাংসাকারী ব্যবস্থাপক সভা-স্মিতিরও কিছু যাত্র অভাব নাই। (ক্রম্প:)

化催化剂量 一脚沒

### प्रिक्तिक प्रतीत्रा-क्षामा

# শ্রীধাম মায়াপুরে "গকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

# (थाना इरेड़ाट्ड ।

্ডর ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অতি যত্তের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যয়ে সুন্দর নাসন্থানের বংশোবস্ত হইয়াছে। ছান অতীব সাম্বাকর।

সবিস্তার সংবাদের জন্ম নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র নিধ্ন। সেক্টোরী, ভাকুস্ক জ্ঞাজিনিক্টেই শ্রীচৈত্যমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

## —৫১ বংশরের প্রতিষ্ঠিত—

ভিন্নালহো প্রস্তেত বৃত্তিক।

হাণ ওক্রভারণা, স্বপ্রদোষ, কোচনাতির, অধীণ, ধারণভদ প্রভৃতি

হত রোগীর রোগ নিরাময় হইলাছে ভাগ প্রকাশ কারণে বছ বছ প্রক

হটা পত্তে।

### ইহা

সকল ঋতুতে বাৰণাৰ চলে ও সমান ফল প্ৰাৰণাৰ করিয়া বাকে। প্ৰতি কৌটায় ৩২টী ৰটীকা থাকে।

### কেবলমা ত্র

৫:তি কৌটার মূল। ১, এক টাকা। ইংার নাম 'আভেন্ধনিপ্রাহ বটীকা'।

ক্ষান্ত ওবণের তালিকার জন্ত পত্র শিবিলেই পাইবেন প্রাপ্তিহান :--ত্যাত শ্রুনিক্সাই ঔশধালেক্স ২১৪ নং ক্ষালায় ট্রীট, ক্লিকাডা।

কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের

# 

মদঃখলের প্রথার জন্ত ৬ আঃ শিশিতে ঘনীভূত অবস্থার ছোটবোডলের বিমণ উষ্ণ ভাকে পাঠার ৯ম, ইলাতে ঔষণের ফোন পরিবর্তন করা মন্ত্র নাই। মৃণ্য প্রতি নিশি ৪০ আনা, পাইট ৯৮০ আনা, বোভগ ১৮০ আনা। অফ্রিক্স—১১লহ উচ্চীভাকা স্মোভ, পোঃ স্কাম-বাক্ষাক,

কলিকাতা

# শ্রীভাগবত প্রেস

### (भाग्राकी बादेशिक

### কুক্তলগর

এখানের বিবাহের নিমন্ত্রণ-পত্ত, শ্রীতি-উপহার, কার্ড, আন্থ এবং অস্থাক্ত বাবতীর কার্ডা ছাপ। হইরা থাকে। ছাপার দর বাজার দর অপেকা ফুল্ড। পরীক্ষা প্রাথনীর।

### হাইড্রোসিল বা কোষরদ্ধি রোগ

ডা: এস্, এন্, বোষ বিনা অলে, বাৰজীবনের গ্যায়াটি বিরা বৈহাতিক আণাগাতে কোমষ্টি জোগ আংরোগা করিয়া বাকেন।

> ঠিকানা— ১৮ নং কটন ট্রাট, বড়বাজার, ভালভাডা।

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

# ি দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহেশিক

পশর দিয়ে প্রত্যুগ্র আরোগ্য

ভাগী দেখাইতে হইবে । আরিয়া প্রান্থেয় এরচ (বাওছা এবং আল্পান্থ) পাঠাইপে গিলা রোগী দেখা হছ প্রথমা অপ্রান্ধে আলিলে হেন্দ্রই বেলিছা উমধ দেওছা ০ন্ন আন্তেখ্য আরু হওঁলা পরান্ধ পারিপ্রমিক দিতে ইউরে নাঁ। গুলীব ছোগীদের খারচ বহন স্কৃতিছা চিকিৎসা কলা হল। বিশ্বাভিক্ত বিশ্বহণের কল এক আনার ভাক টিকেট সহ নিম্ন ঠিকানার অল্পান্ধান কলন।

জ্ঞীকিতীশচন্ত্র উকীল, যত্মা-চিকিৎসক, পোঃ নৈকারী, বরিশাল। । । অথবা নিম ঠিকানায় সাক্ষাৎ করিয়া বিস্তায়িত আনিতে পারেন।

শ্রীয়ত রামগোপাল দত্ত এম্, এ, রক্তনগর, নদীরা। শ্রীয়ত ভবিপ্দ সিংল, ১১৭, বেশিয়াটোলা ট্রাট, ভাটবোলা, কলিকাভা।

প্রক্রমান পরা। আমার লাভুপ্ত গত হর মান বাবৎ রাজ ব্যার ভূগিরা মৃতপ্রার করিলালৈ, ক্লিকাজার বিজ্ঞ চিলিৎসক্সণ ভাগার জীবনের আশা ভাগা করিল শেব স্থুবেজ্ঞ জল্প অশেকা করিছেনিন এই সমর নীবৃত কিতীশচন্ত উলিকা মন্তালর মান্ত হিন চিলিৎসা করিলা সম্পূর্ণ আংলাগা করিলালিলা। (সাঃ) জীব্তীর কিশোর বার চৌধুনী (অমিলার বালিলা) কর্মীট, নিউ বিক্তিন। করণোরেশন বিক্তিন কলিকাজা।

# শ্ৰীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

भोत्राक 884

নাত্র ১/১০ ভাকটিকেট পাঠাইলেই কুফলোটে পাঠান হয়।

ম্যানেকার-গ্রন্থরিভাগ ঐচৈতখন্ত, পো: এমারাপুর, নদীরা।

(李平 到至年的

# প্রণি ং ওয়ার্কসের

এত এশংশা করেন

এখানে যাবতীয় ছাপার কার্য)— এখানির ভাষ্ট্র বলুন,

विवास्त्र निमक्ष्य भाज, कार्ड, विवास्त्र भक्षर वसुम,

আর ৩ রং ও ৪ রংএর হাফটোন দ্রকট বলুন, সকল কার্যটো অভি সম্বত্যাপা হয়, অথচ ছাপাইবার খন্ত বাজার অপেক্ষা প্রক্রম ।

আপনার কিছু ছাপার: কার্যা থাকিলে নি**ন্তি**কারার জানাইলৈই দর পাইবেন

> নানেয়াদ-পৌড়ীর প্রিণ্টিৎ ওরাক্ষন্ ২০এ২ নং কাণায় নায়সূলায় রোড, কনিয়াভ

## নীলাম ইস্তাহার মোকাম ক্ষেত্রকার প্রথম মুলেক আদালভ নীলামের দিন ৮ই লাগ্ট ১৯০১

(>)

২২৭৫ খাংস্কারী ০০ দাবী ৫৫/৩ ডি: মশ্মপনাথ পালচৌধুরী সা আমিনবালার

हुनः दण्डशनि मञ्ज निः 'शः वानिया-फान्ना त्याः कथनगत

কোভগাণী থানায় বালি::ডিক্সা প্রামে ডিক্সীদারের অধীন ২৬ থতিয়ানে -৮২ শ: অধী রাধিক জমা ধা/ধ মূল্য আ: >•্ (২)

২৩৯০ খাংলারী ১০ দাবি ১৮৫৮৮০/১
ডি: রাসবিহারী মণ্ডল সাং দেবগ্রাম
কো: পালাবালা দাসী দিং সাং চাপাতলা
থানা মহিষপুর পো: মহিষপুর জেলা
যশোহর

ভেলা নদীয়া কালেন্টবীর ২০১ন তেনিজীর সামাল পানা রুগনেগর অধীন মৌজে হরিছরনগর ও যশোহরের অন্তর্গত থানা মাহনাপুরেজ অধীন মৌজে কুললপুর ও চাপাতলা প্রামে লালিয়ানা ৩০৮৮৮ টাকা দেনপারগণের নামে ডিক্রীদারের অধীন পত্তনী বাকী পড়া কমার মূল্য আঃ ১০০০

১৪: থাংভারী ৩১ দাবী ১৪৮/৩ ডি: নৃদিংহচন্দ্র পালচৌধুরী সাং চক-হাতীশালা

দেঃ লক্ষীমনি বর্মকা সাং হাজরা-পোডাপোঃ কালী:জ্ঞ

কালীগঞ্জ থানার হাজরাপোতা গ্রামে ডিক্রীলারগণের অধীন ৪৬৮ থতিরানে ১৪ একর অধী জমা ১৮ মূল্য আঃ ৫ (৪)

২:০ থাংজারী ০১ দাবী ২০॥১/• ডিঃ সংগালরজন পাল চৌধুনী সাং চকহাতীশালা

দেঃ মানিক মালাকার সাং মিরা পোঃ কালিগ#

ক্লিগঞ্জ থানার ৩নং হাজরাপোতা গ্রামে ডিক্রীদার দিং অধীন ২০০ পতিয়ানে ১ ১৪ জামী ২॥/৬ জামা মূলা আ: ৫১

(৫) ৩৮০ খাংজারী ৩১ দাবী ১১২।১৮ ডেঃ কুসিংগ পালচৌধুরী সাং চক হাতীশালা

দেঃ অংহার ঘোষ দিং সাং সোনা-ভরা পোঃ ক্ষমন্যর

কৃষ্ণনগর থানাগ সোনাতলা প্রামে ডিক্রীলার বিং অধীন ৫২৪ থতি নানে ৭-২৪ একর জমীর রাষ্ঠী স্থিতিবান স্কমা : ৫॥১/৬ মূল্য আঃ ২৫. (\*)
৩৮৬ থাংজারী ৩১ - দাবী ২৬৮।/•
ডি: মন্মুখ পালচৌধরী সাং আমীন-

় ডি: মক্সথ পালচৌধুরী সাং আমীন-বালার

লে: যদ্ধ ধাড়া দিং সাং গোয়ালপাড়। পো: ক্রম্মনগর

ক্ষণনগর থানার গোলালপাড়া প্রানে ডিক্রীলার দিং অধীন ১১৬ গাডানে ১৯-৩ ব একর অমীর বার্ষিক জমা ৪৬৯/১৫ মৃল্য আঃ ৫০

(৭) ২৮৭ পাংকারী ৩১ দাবী ১৬১॥১/৩ ডিঃ ঐ দেঃ ঐ

কৃষ্ণনগর পানার গোরালগাড়া গ্রামে ডিক্রীনার অধীন ১৫ প্তিমানে ১২৮৪ এঃ ক্ষমীর বাকীপড়া জমা ২৯১০ মূল্য ৩০১

(b)

৪০০ থাংজারী ০১ দ্বী ১৫ ৭০
ডিঃ কাশিমবাজারের রাজ ওরান্ড টেটের মানেজার মহাবাজা শ্রীশচল ননী এম এ, এম-এল সি সাং কাশিমবাভার

দে: অন্তক্সচন্দ্র গ্রামানিক সাং ঘূণী । পো: ক্লকনগর

কোতালী পানার মৌক। গোরাড়ী ১ন ওয়ার্ছের ১১২০নং হোলিং গোলাংটী রাতার ২-৩০ একর জমী মায় তওগরিস্থিত ৬ কুঠারী পাকা বিতল ইমারত মূল্য ১০০১

৪৪১ থাকোরী ২০ দাবী ১৪৬,৫৯ ডিঃ ঐ

দেঃ পরেশ মওল দিং সাং আেল-গাছি পোঃ রুঞ্চনগর

ক্ষণনগর থানায় ঘোলগাছি প্রানে ভিক্রীদার দিং অধীন ৮ পশ্যান ৪৫-২ ব ক্ষের জমী জমা ৭৬৮০ মুশঃ শাঃ ৭৫১

( ১০ )
৪৫৭ থাংকারী ১১ দাশী ৩০৯৮ ৯
ডিঃ রঞ্জনীকান্ত দত্ত সাং বারুইছদা
দেঃ শ্রীমতী জন্মছণা দাদী সাং
কাঠালপোতা পোঃ ক্রমণনগর

কোত্যালী থানার সামীল ৯২ রুক্ষনগর মৌগায় জয়তুর্গা দাসী দিং অনীনে ৫ ২০৩ ১ খতিয়ানভুক্ত -৮১ শতক জমীর বাধিক জ্ঞা ২০৮০/০ মায় ততুপরিস্থিত পাকা ইমারতাদি মূলা আঃ ২০০

3,2 )

১৪৯০ খাংজারী ৩১ দাবী ৪৪॥৶০ ডি: রণজিৎ পালচৌধুরী সাং মহেশগঞ্জ দে: ভগীরথ ঘোষ সাং উসিদপুর পোঃ কঞ্জনগর

ক্রমনগর থানার ৫৮নং উসিলপুর প্রামে ডিক্রীগার দিং অধীন ৬৫২ :থতিখানে -৮২ শতক জমী মুল্য আ: ৪ (১২) ১৪৯১ থাকোরী ০১ সাবী ২২৮/৩ ডিঃ ঐ দেঃ ঐ

কৃষ্ণনগর থানার ৫৮নং উদিদপুর প্রামে ডিক্রীদার অধীন ২৬০ থডিগানে ১৪০ জনী বাধিক জমা ১, মৃশ্য আঃ ৬

( >0)

.৫৮১ খা,জারীতুও১ দাবী ১৩,৯ ডি: ঐ

দেঃ িনোদবিহারী দাস দিং সাং কৃষ্ণন্যর্চকেবশড়া পোঃ কৃষ্ণন্যর

ক্ষণনার থানার মৌজে ৯ নং ক্ষণনার মধ্যে ২১৫৫ থতি ননে -১১ শতক জনীর বাকাপড়া জনা ১০/৯ মুগ্য আং ৫ (১৪)

(১৪) ১২৮০ শাকোৰী ৩১ দাৰী ১৮॥৵১ ডিঃ ঐ

পে: জনের দকাদার সাং পো: রুধনগর কোতশলী থানার মৌজা ১:ন-রুঞ নগর মনো ২৬০৫ থতিয়ানে --১ শতক জন্ম জনা না/১ মূলা আ: ৫১

( >4 )

১৬৮ - থাংজারী ১১ দাবী ১৫ নত -ডিং স্তাশচন্দ্র রায় দিং সাং রামনগর দেং সেকেন্দ্র মঙল দিং সাং ফামাল পুর পোংকালীগঞ্জ

কালীগল্প থানাব ৩.নং জামালপুর গ্রামে ডিক্রীদারগণের অধীন ৫১৪ থতিয়ানে ও অধীন থতিয়ান ৫১০ মধ্যে ৬-৮২ জনী জনং ২৪০ : ০ মুলা আঃ ৭৫

( : 5)

১৬৮২ থাংকাকী ৩১ সাবী ৮২১ ৯ ডিঃ ঐ

দেঃ সেকেন্দর মন্ত্র দিং সাং জাগালপুর ডাকনাম মুজাপুর পোঃ কালগিঞ

ক লীগঞ্জ পানায় ৩১নং জামালপুর প্রামে ডিক্রীপার দিং অগীনু ৪১৫ একর জমী রায়তি স্থিতিবান জমা ১৩১/০ মূলা প্রাং৪০

( 29 )

১৮১৮ থাংস্থারী ৩১ দাবী ১০৬৮৯ ডিঃ রামরঞ্জন বন্দ্যোপাধ্যায় সাং মাটীয়ারী

দে: যামিনীমোহন চক্রবন্তী দিং সাং মাটারারী পো: কালীগঞ্জ

কালীগঞ্জ ধানায় নান্দ্রি : প্রাচন | ডিক্রনীদাবের অধীন ৬৯ নং থতিংবানে ৮-৮৮ | একর ক্রমীর রাখনী ক্রমা ১৭৮০ মূলা ২৫

(১৮)
১৯২৪ থাকোরী ৩১ দাবী ১৭০২৮ ৯
ডিঃ ক্লিভেন্সনাথ কর সাং মহাপদ
দেঃ কানাই লাল সিংহ রার দিং সাং

**কৃষ্ণনগর থানার গোরাড়ী** গোবিক্ষপুর কৃষ্ক আনে মহারাজা ক্ষোণীলচঞ্জ রায়

বাহাছরের অধীন ৮০০ ° ভিয়ানে -৩৯ শউক জনীর ১০৮৮ জনা মায় আকরতা গ্রীপ্তি মূল্য আঃ ২০০১

( \$\$ )

১৯০৯ থাংজারী ৩১ দাবী ৭৪:৬ ডিঃ পাচুমতি দাসী দিং সাং পদাশী দেঃ আয় মাদার দেথ সাং পদাশী পোরি

ক, লীগঞ্জ থানার পকাশী প্রাথম ডিক্রীন দারগণের অনীন ২৪ নং খভিবানে ৪-১৬ স্কানীর জনা ৮৬১০ মূল্য আঃ ২৬

( ه ۶

্নত থাকোরা ৩১ দাবী ৩০০০ জ ডিঃ কেত্রনাথ গজোপাদাগ দিং সাং ঘূর্ণী দেঃ বৈজনাথ ঘোদ দিং সাং রাধানগর্ম প্রোঃ ক্রম্বন্ধর

ক্ষণনগর পানার রাধানগর **গাঁগেঁ** ডিক্রীধারগণের অধীন ৮৯ প্রতিমানে, ১৮শ**ঃ** জ্বমী মৌরদী জ্বমা ব্যুক্ত হাড়ে ২০০০ ত

( २३ )

>০ ৽ খাজোৱী ৩>
 বাবী ভাৰত
ভিঃ বপজিং পালচৌধুবী সা, নালেগল

দেঃ নলিন পোল দিং সাং প্রভাপন
নগর পোঃ নবছীপ

নবর্ণাপ পানায় ক্ষমপাড়া আমে ডিক্রী-দারেব ক্ষরীন ৩৪৯।৩৫ ও ৬৭৩, ৩৪৯।৩৮ খতিয়ানে ৪- •৭ জমী মূল্য আঃ ৫০১

· ( <> )

২০১৯ খাংজ্ঞারী ৩১ দাবী ৬৬৬/৯
ডিঃ ভারাপদ সরকার দিং মোণ গোয়ার্জী
দেঃ ভিয়ভ বিবি দিং সাং হরনগর্র
পোঃ কফনগর

কৃষ্ণনগৰ পানাদ গোবরাপোতা **এামে** ডিক্রীদারের অধীন ১২ প্রতিগনে ২-৮৯ জনী বাকীপড়া জমা ৯৮৬ মূলা আঃ ২০১ (২০)

২০৮২ খ্রেরারী ০০ সাবী ১৩/০ ডিঃ রামতের বলেনাপাধার সাং মাটামারী

দে: হরেন্দ্রমণ্ডল সাং মাটিগ্রনী পোর্ছ কালিগঞ্জ

কালিগঞ্জ পানায় মাটীবারী থানে ডিক্রীদার দিং স্থীন ১০০৭ নং প্রতিয়ানে -৬০ শতক জমীর জমা বিদা প্রতি ১৮/১০ মূল্য খাঃ ৫

( २८ )

২**০৮৩ থাজোরী ৩**১ জারী ৭৮ ডি: ঐ

কালিগঞ্জ থানাও মাটাগারী **একো**. ডিক্রীদাব দিং অধীন ১০১০ থতিয়ানে -১ শতক সমীৰ মলা আন্তবং

(4)

০৮৪ খাংজারী ৩১ দানী ২৪১/৩ ডিঃ অমিধাগালচৌধুরী সাং মহেশগঞ্জ দেঃ তক্তেল তরফদার দিং সাং জালাক্ত খালি পোঃ ক্ষমণর

### रेणनिक मणीशाक्यकान

ক্ষুনগর থানায় জালালথালি গ্রামে ডিক্রীদারগণের অধীন ১০৫ নং থতিয়ানে ১৮-৮৮ জমীর ১্লঃ আঃ ৫০১

( २७)

২১১৩ খাংজারী ৩১ দাবী ২২৯৮/০ ডি: মন্মণপালচৌধুরী সাং আমিননাকার দে: দীক্ত সরদার সাং গোরালগাড়া পো: কৃষ্ণনগর

কৃষ্ণনগর থানার গোশালপাড়া গ্রামে ডিক্রীলারগণের অধীন ৬০ নং থতিয়ানে ২২-৩৮ জমী জমা ৪৮॥/১০ মূল্য আ: ৫০১

( २१ )

২১১৪ থাজোৱী ০১ দাৰী ২০০০ • ডিঃ ঐ

কে: হেমক দাসী দিং সাং গোয়াল-গাড়া পোঃ কঞ্চনগর

রুফনগর পানায গোরাসপাড়। গ্রামে ডিক্রীদার অধীন ৪৮নং শতিহানে ১৪-২৮ শ্বীর ক্ষম ৩০৮/১৪০ মূল্য আঃ ২৫১

( : + )

২১৬৪ থাংজারী ৩১ দাবী ২৭৮৮৯ ভিঃ ঐ

দে: হাজারী সর্দার দিং সাং গোঢ়াল-শাড়া গোট ক্রফনগর

ক্ষণনগর পানার গোরালপাড়া প্রামে | ডিক্রীনার অধীন ৮৪ নং থতিয়ানে ২০-২০ | অমীর জমা ৪৯॥১/১৮ মূল্য আঃ ৫০১

( ₹ ≥ )

२১७७ शःकाती २० मारी २७১।७ जि: खे

কে: বোগেশ সাঁওরা সাং গোয়াল-পাড়া পো: রুক্তনগর

কোভোষালী পানায় গোয়ালপাড়া প্রানে ডিক্রীলার অধীন ১২৪ নং থতিয়ানে ১৫-৪৯ জমী জমা ৩২৮/১ মূল্য আঃ ৪•্

(00)

২২-২ গ্ৰেকাৰী ০১ দাবী ০৭৮/৯ ডিঃ প্ৰৱেশচক্ৰ ভট্টাচাৰ্য্য দিং সাং বেলপুৰ্বিদ্যা

দে: উপেন দেও দিং সাং বেলপুক্র পো: বেলপুক্র

রক্ষনগর থানায় সোণ্ডারা গ্রামে ডিক্রীগার দিং অধীন ১১৯ থতিয়ানে -৩৬ শুকুরু স্ক্রীর মুগ্য আঃ ১৬১

( 05 )

২২১৪ থাংলারি ০১ দাবী ৪৭॥/১ ডিঃ বিনোক মালা দেবী পাং রুঞ্চনগর নেজিয়ারপাড়া

দে: মহম্মদ্মগুল দিং সাং সোন্দাক। পো: ক্লক্ষ্যক্ষ

কোতরালী পানার সোনভাঙ্গা প্রামে ডিক্রীদার অধীন ১৪৫ পতিরানে ২-২৭ ও ১২০৮ নং পতিরান ভূকে ১-২৪ জ্বনীর ক্যা ১১৮/০ মূলা আঃ ৩০১ ( ૭૨ )

২২২১ থাংজারি ৩১ দাবী ৫৩/১৯ ডিঃ বোামকেশ সাল্লাল দিং সাং কুলগাছি দেঃ কেত্রমণি দেবী দিং সাং কালীগঞ্জ পোঃ কালীগঞ্জ

কালীগঞ্জ থানার ১৮নং কালীগঞ্চ মৌজে ডিক্রীণার অধিন ৯৫ খড়িয়ানে ২-৮২ জমী জমা ৮১ মূলা,আ: ১০১

(09)

২২২২ থাজোরি ৩১ দাবী ১৫৫৮৮/• ডি: ঐ

দে: ভামান্ত্ৰরী দেবী সাং কালিগঞ্জ পো: কালিগঞ্জ

কালিগঞ্জ থানায়:১৮নং কালিগঞ্জ মৌ: ডিজিদার, দিং অধীন ১০০৯ ও ১০১০ থতিয়ানে ৭-৯২ ভ্যার ভ্যা ২৩৮৮/১০ মূল্য আ: ৪০১

( 28 )

্বন ৪৮ আংকারি ৩১ দ্বী ১৫ ৩৩. ক জিং দাসী ক্রনরী দানী ওরফে দাসীম্রী দাসী সাং কুমাঝী কো দৈরদ আসবফ আলি সাং কাউদিব।

ওরফে মতি মিয়া দিং পোঃ কুটিয়া

কুটিয়া থানাথ কাউদিয়া গ্রামে ডিজিপার ঐ অধীন ১০নং পতিয়ানভুক্ত ও মাছণাড়া গ্রামে ২২নং পতিয়ানভুক্ত র: ৬ ৪০০ দ কংলেরইদর মৌর্লা ভুমা ২৭৯২ মূল্য ৩২৫২

( 50)

২২৬১ থা;ভারি ০১ দানী ৬৯৪০ • ডি: রাগ নবিনাক, দক্ত¦ বাহাছৰ সাং কাৰীয়াডালা

লেঃ কালি ঘোন্ট্রীদিং সাং নপাড়। পোঃ নাকানীপাড়।

কোজ্যালী থানায় চরগরিয়া এামে ডিকিলার অধীন ২২ প্তিয়ানে ৩৩৫ জনীর ১৮০ এ ধারা মতে জনা ১০০/৫ মূল্য জাঃ ৩০১

( 25)

২০:৫ থাজোরী ০১ দাবী ১০০/০ চাঁদপুর ডি: শরৎকুমারী দাসী দিং সাং পোড়াগাড়া দে: শুর দে: সুরন্ধান বিবি দিং সাং নলদহ পো: থানা লভদা ক্ষমন্ত্র

কোতগুলী থানার নলদহ প্রামে ডিক্রী দার অধীন ৫৯০—৫৯৫ থতিয়ানে ৩-৭৩ ক্ষমীর ক্ষমা ১৭৪০ মূল্য ২৫১

(09)

২০২০ খাংজারী ৩১ দাবী ১৮৬২/৩ ডিঃ প্রীবাসচক্র দত্ত সাং ব্রুলাপুর দেঃ জন্মগুর্গা দাসী দিং সাং কাটালপোতা পোঃ ক্রফনগর

১। কোত্রমালী থানার ৯২নং রুঞ নগর মৌদে রাখাল দাস সিংহ দিং অধীন ৫০০০।১ পতিয়ানে -৮১ শতক জমীর জ্ঞা ২০৮৮/০ মায় তত্তপরিছিত দেন্দারগণের এজমালি পাকা ইমারত ও সাজসর**লাম ও** ডলকর জনি মৃপ্য আ: ১০০০

২। নদীর কালেইবীর ৩১৫৯ নং ভৌজীভুক্ত মৌজে ক্ষচন্ত্রপুর থানায মি: এম্. পাল চৌধুরী দিং ক্ষমিন ১৯৫নং গতিয়ানে এবং চাপড়ায় ১৫ নং খতিয়ানে শালিয়ানা ৭১০॥১০ ছেপন্তনি ক্ষমার॥০ আনা অংশ ম্লা আ: ৫০০১

(36)

২ ৯ ৫৪ খাংজারি ৩১ দাবী ১২৮/৯
ভিঃ সর্গাবালা দাসী হাল সাং গোগুড়ী
ছতারণাড়া

দেঃ পঞ্চানন বোগ সাং গোয়াড়ী পোঃ কৃষ্ণনগর

কোতথালী থানার ২৪ নং গোবিক্ষসড়ক মৌজে ডিগ্রিদারগণ অধীন ৭০০ ুথভিয়ানে -১৪ শতক জমীয় জমা ১০৮০, মুলা ২০১

( 60 )

২০১০ পাক্টোরী ৩১ দাবী ১১৩৮৯ ডি: রণক্ষিংগাল চৌধুরী সাং মতেশগঞ্জ দে: স্থ্যকাস্ত ঘোদ দিং সাং ছরিশপুর পো: কৃষ্ণনপর

ক্ষানগর পানার জ্বর্ণবিহার এচম ডিক্রীলার ঘটান ৪০০ পতিয়াবে ১১-০৪ অমীর কমঃ ২৫।/ মুক্য ২৫১

(80)

>৪^৮ দেকোরী ৩০ দাবী ৬৪৮১/১৫ ডি: জাতেচক্সপ্রদান চট্টোপাধানে দিং সং মুড়াগাচ।

েল, ইসাতন বিবি দিং সাং সিংহাটী গোট কৃষ্ণনগুৱ

কোতোয়ালী পানার সিংহাট আমে
৪০৮ নং পতিহানে ডিফ্রীদারগণের অধীনে
২০/জমাতি পতিক অমি ১৮০ অধ্যাের
মূলা আচ ১৫১

(8)

১০০১ দেংকারি ০১ দাবি ১৫২৭৯/৫ ডিঃ শীমতী যোগমোহিনী দাসী সাং চাদপুর

দে: শুভানী,মঙল দিং সাং এলামনগর অংকা জন্মা

তেহট থানাম সৌজে টাদপুরের দক্ষিণদর
১৯৫নং জেলা মূশিদাবাদ কালেক্টরীর ২২১
নং তোজির মহাল পরগণে পাটীগাবাড়ী
থতিয়ান নং ১৯ জনিগার মেদিনীপুর জনিদারী কোং লিমিটেড অধিনে শালিগানা
৯০৮১ টাকার জমা ১০ ১১ একর জনির
মূল্য আঃ ২০০১

(88)

১৫১৬ দেকোরি ০১ দাবি ৪-৭৬১৫ ডি: রাইপুর গ্রাম্য থৌপ ব্যক্ষ সাং রাইপুর

দে: সভ্যক্তিমর দাস বৈরাণ্য দিং গাং রাইপুর পো: ফালীগন্ধ ফালিগঞ্জ থানার অধিন জালালপুর মৌজার ৫০১ ও ৫০২ থডিয়ানভুক সোট ৫.৬৩ একর জমির বার্ধিক মৌরণী জমা ১৭৮/১০ জমিনার বাবু সভীপচক্র রার্দিগের সেরেভার মূল্য ১০০

(80)

>৮০৪ দেংজারী ০১ দাবি ২∻১॥়• ডি: অবনীতোষ সরকার দিং সাং ধেনাসী দে: সিজেখর সাওৱা দিং সাং সাতকুলিনা ণোঃ কৃষ্ণনগর

১। স্কঞ্চনগর থানার সাতকুলিয়াপাড়া খেনাসী আমে হরি সাতরার আত্র বাগিচার পশ্চিমে ১/• বিখা চার্ফ্রশীলা দাসীর মুচি-পাড়ার আয় বাগানের দক্ষিণে ২/৮ বিখা এবং মৌলা সাতকুলিয়া প্রামে শ্রীরাম সাতবার লমির উত্তরে ২॥• কাঠা সোট ৫॥• বিখা নিকর শ্রমির মূলা আঃ ৫০১

(88)

১৮৭১ দেকোরি ৩১ দাবী ৫৫০॥১ •
ডি: নৃসিংহপ্রসাদ সেন সাং মাদিবারী
দে: হরি সন্ধার সাং ভোল(ভালা শোঃ
গাংনী

গাংনী পানার অধীন ৭০ নং মৌজে ভোলাভাল গ্রামে ডিজ্লীদার অধীনে সেহ ১৬১ নং পতিয়ানভূক ৩-২৭ একর অধির জনা ২৮৮/৬ টাকা মূলা আঃ ১০০১

(84)

১৮৮৪ দেংআরী ৩১ দাবী ৫৮০ /০৫ ডিঃ ঐ

८मः देख्यमानी मन्त्रीत निर्मार दशना-खाना दशाः शास्त्री

গাংনী থানার ৭২নং মৌজা ভোগাডাকা মৌজার ডিক্রীদার অধীনে কো: ৫৪ নং থতিরানভূকে ৩,০৪ একর জমির জমা ৯০/৯ পাই মূল্য আ: ১০০১

(8%)

১৯১৫ দেংকারি ৩১ দাবী ৩٠৪८२६ ডিঃ প্রেক্তক্ষার বস্ত্ সাং গোলাজী দেঃ বড় রসিক দাস মৃচি দিং সাং ঘূর্ণী পোঃ কৃষ্ণনগর

ক্ষনগর থানার ঘূণী মুচিপাড়া প্রাম মধ্যে শুক্তেরনাথ গাঙ্গুলীর দেরেভার হাল বৃদ্ধি সমেত ১৮/১০ টাকা জনা ৪০ দশ কাঠা জমি ও ভছপরিস্থিত গৃহণদি একং ১৯৫নং মৌজে কৃষ্ণনগরের ৫২ ও ৫৯নং গতিরানে ১৫ শতক জমি ও ভছপরিস্থিত বৃশ্বাধির মূল্য আ: ১২৫১

(89)

> • • • • বেংজারী ৩> দাবি ৫৪ খা/ • জিঃ কেজনাথ গলোপাধাার দিঃ সাং খ্নী দেঃ এবাহিম মোলা দিং সাং অরপুর পোঃ ইাসখালী

ঠাসগালী থানার ৫৯ নং মৌজা জ্বপুর প্রাচ্যে ডিজীগারদিংগর অধীনে সেঃ ৬৪. ৩১২, ৮২৪ স্ত ৩২০৪ নং পতিবানে <sup>†</sup> অনিতে দেন্দারের বোল আনা অংশ মূল্য ৮-৯৯ এক্স কমিয় ফ্রমাঁ ওলা২৮॥

(84) ...

२১०७ (मश्याती ७১ मानी २४०० ० ডিঃ কিতীপচর বিখাস সাং জাবা र्रमः व्यक्तिनी कुमात्र त्याय मध्यती मिर मार হুদা পো: বালালবি

<del>ক্ষুক্</del>নগর পানার ৯≍নং যৌজা নলদহ্ গ্রামে অনিদার বাবু সরোজরঞ্জন সিংহ **पिरात व्यक्तीत एक: ১১२১ ५ ५०३० थ**ि-য়ানে মোট ৮-৪৭ ভমির মুল্য আ: ৫০১

১১२১ थिउयोदनत कमित मकतती कमा ৮५ (83)

,२५२५ (मरब्बाजी ७५ मावी ১৪२७ ১० ডিঃ ছবিপদ মুখোপাধ্যার সাং রুক্তনগর **টাদগড়ক** 

(मः श्रृडिभन्न एवंच मां: गन्थांनी रिंशाः **म**यदी भ

नवदीन थानात अभीत त्मोका गम्यानी গ্রামে ডিক্রীদার সরকারে ১৬৮ ১৮৯ ও ১৭০নং থতিয়ানে ৩৮-০৮ অমির রাষ্ঠি হিভিনান জমা ১৪৭। ১০ মূল্য আ: ১৫০১

( 00)

२) २१ (मः 🍇 🗐 🤊 मारी **५१**२२॥५६ ভি: পঞ্চানন মিত্র সাং ফুলবাড়ী **एक छ्वामीनी मामी इंदरक पकाननी मामी** নাং কুৰবাড়ী পোঃ চুণাডাঙ্গা

থানা চুকাডাকার অধীন মৌজে ফুল बाड़िया आत्म तमः २৮१ व्हेट्ड २२७, २२६ इहेर्ड ७५५, ७०५ इहेर्ड ७७२, ४४१, ছণতে ৬১৯, ৪২১, চইতে ৪০৮, এবং ৪০০ হইডে ৪৩৬ পতিয়ানে মোট ৮২ একর 🔉 শকক জমির মধ্যস্ত্রিশিষ্ট চিরস্বায়ী कार्यमी भोतनी मकत्ती समा ১৩०।० ०

( 43 )

२১৯১ (परकाती ७১, मानी ১৫७२।∕-¢ फि: कुमात्रशाली वाक्टिः कत्रत्याद्वरान লিমিটেড সাং ক্লফনগর

(मः ननीः(शाशां मात्र मिः गाः क्रमःनशत्र নাজিরেপাড়া পোঃ রুফনগর

टकांख्यांनी भानांग्र करनः स्पोका कृष्ण-নগর নাজিরেপাড়ার জমিদার ব্গলকিশোর রান্ধের সেরেস্তায় ৩১৮৪নং খতিয়ানে -০৫ অমীর জমা ॥৩/৭ মূল্য মায় তছপরিস্থিত ইটের প্রাচীরাদি সমেত আ: ১৫ - ্

- २। ओ थानाम ओ टमोटम समिनात রাখালদাস সিংছের অধীনে ৩০৬৬ পতিয়ানে ৩৬ শতক কমির জমা ১০ মার বৃক্ষাদি ॥• व्यारामद्र मृत्रा काः ६०
- 😕। 🖎 शानात्र औ त्योदण अभिनात त्रवंभीरवार्यत अधीरन क्राप्टरनः चित्रारन ও তদ্ধীন ৩১৮৩ ও ৩১৯২ খজিয়ানে যোট ১-৬৭ **জনীর জনা** ৭<sub>২</sub>২, দেক্ষাবের ॥• বিশীরশী জনা ১৮• ম্লামান তহণনিস্থিত

মায় আকর আওলাড আ: ১১০১

- (৪) ঐ থানার ঐ মৌজে যুগলকিশোর রায়ের অধীন ৩১৮৩ নং থতিয়ানে -•৬ শতক শালিয়ানা থাজনা ১৯ মূল্য মায় আক্র আওলাভ আঃ ৩০১
- ( ৫ ) ঐ थानात्र के त्योत्म ७२৯१ छ ৩২৯৮ নং পভিয়ানে মোট ৩০ শতক अभित अगा २०/० भूगा माग्र प्याकत আওলাভ আ: ৪০১
- (৬) ঐ থানার ঐ মৌজে সে: ৪০৬৪ প্রিয়ানভুক্ত ২০ শতক জ্ঞানর দরমৌরশী জনা ন। মূল্য মার আকর আপ্রলাভ
- १) ঐ थानात्र वे :८मोटल ४०३६ প্তিয়ানে ৯২ শতক জনির জ্মা ৬৯ মুলা মার ভছপরিন্থিত ৩০ ঝাড় বাল
- (৮) ঐ থানার ঐ মৌজে ৪০৬৭:১ নং প্রিথানের অধীন ১ একর অ্নির চিরস্থায়ী মকররী জ্ঞা ১৫ ্ মূলা মায় ভত্পরিস্থিত ৬০ ঝাড় বাশ আ: ১৫০১

( & > ) २১৯२ (मःस्त्रिती ७১ দাবী ১৪১৯৮/ব য**েশাহর সোন কোল্**গানী লিমিটেড যশেকর

(म: व्यवशी इंग्रंग मंड मि: नार (प्राः

রাণাঘাট টাউনের মধ্যে মিড্ল্ বোডভিত ৩ কাঠা ভ্যার কারেনী ভ্যা ज्ञानायाठे भागफोधुनीयात अधीरम वाउन ভছপরিস্থিত ইমানত ৪ কুঠারী প্রাচ্তি সংশত মুল্য আ: ১০০০

(00)

२०२१ (मःस्थादी ०) मारी २५ शा० चिभवक भागक गाः कृष-ठळ्लुत বেঃ পাঁচাই মণ্ডল দিং সাং ইন্ড5 শ্রপুর ণোঃ রুঞ্চনগর

কোতোয়ালী থানার সামিল ৩৯ নং মৌকা কৃষ্ণচক্রপুর আমে জ্মিদার মধান পালচৌধুরী অধীন ৩৫০ ৰভিয়ানভুক ১२-৪৫ अभित सभा गाम्र ८गम ७৮।*०*० উহাতে দেনারের॥৵৽ আনা অংশ মৃল্য অ: ১৫•১

( \$ 2 )

२७७२ (मर्ब्याती ७১ वानी २५मान **ডि: निक्रां**तिनी विनि मार नीठाविता (मः माधुनांन प्रयापात नाः शाक्रदिक्शा (णाः क्षमञ्ज्ञान

১। কোতোয়ালী পানার অধীন পাঁচ-বেড়িয়া গ্রামে নদীয়ার রাজসরকারে ৮৪৬ শ্তিয়ানভূক্ত ৮০ কাঠা জনির মোক্ররী অংশ; ৩১৮০নং পভিয়ানে ৫৯ শৃত্ত ইটের দেওলাল বড়ুয়া ঘর ইত্যাদি আং ৫০১

২। ঐ প্রামে ঐ জমিদারের অধীনে ৭০৫ নং পতিয়ানভুক্ত ॥ - কঠি। জমির सोत्रनी क्यां № ३० यूना व्याः २००

( e c )

১৪৭৭ দে:আরী ৩১ मारी २०४५ ५/० ডি: আমির আলি মণ্ডল দিং সাং মন্দির ধীপচক্রপুর

দেঃ হুরত মল্লিক সাং পীতামরপুর পোঃ বান্বালবি

১। চাপড়া থানার ৩১নং পীতাম্বরপুব सोखाय कप्रक्रणामाधी मिर क्यींटन ১৪ नर থতিয়ানভূক্ত ৪০ ৯. একর জ্ঞানর রাখতি স্থিতিবান জনা ৪২৮৮/--, ৯ নং খতিয়ানে ২৭-৯৪ একর জ্মির জ্মা ৫০৮/ -০ ১২নং প্তিয়ানে ৬-৫০ একর ভ্যার ভ্যা ৫৮/ ২৬৯ন; খতিখানে ৪-১২ একর জমির জমা ১०।०/८ ; ८३ मक्स समित्र এक मश्रमाहरमत्त्र | মুল্য ময়ে আকর আওলতে আঃ ২০০১

(35)

२२१० (भ्राजी ३) भागी ३२८०० ডিঃ কণ্ডল্ সাহা সাং চ্যাডাসা Cनः ८१११कुंगठम भारा भार ६ ८९४३

- ১ ৷ চু বিভাকা থালায় চুয়াভাগা প্রামে মুন্দী দামছাদ্দৰ আহাছদ জোয়াদার দিগের অনীনে সেঃ ৭৯০ নং পতি ানে 🕫 কঠে৷ জনির জমা ১০ মূলামার আক্রে অংওলাত 31 300
- ২। ঐ গ্রামে ঐ স্বানে সেঃ ১৮০৫ নং থতিধানে॥০ কাঠা ভাগর ভ্রম তাক মূল্য মান্ব ভছপবিস্থিত গুগাদি আঃ ৫০০১

109)

मायो ४०१० ७ ৩৬৮ মনিজাবা ৩১ ডিঃ হাজিওসমান গনি সাং ১নং চন্দ্রমাধ্ব রোড, ভগানীপুর কলিকাতা

८मः (मन्नन्म मृत्याभाषात्र ८माः ৪৮নং মনোহর পুকুররোড ভবানীপুৰ কলিকাতা

কালীগঞ্জ পানায় ন্দীয়া কালেক্টরীর ৪০০ নং ভৌক্তি মহাল প্রগণা প্লাসী ও मुर्निनावान कालकेवीत्र २०४। १२४ नः তৌজি নহাল কান্তনগর ডিহি নঙ্গলপাড়া ও আকনাপপুর ওগায়রছ যাহার বায়িক ৫১৩৮২৮৮/৬ পত্তনী ক্রমা কাশিমবাক্সার महाज्ञाबदक मिट्ड हम्। भएवत यूगा आः ৫०००

৪৪০ মনিম্বারী ৩১ मानी २२०५० ডিঃ বিপুদ্ধণ দত্ত এক জিকি ইটার শাং দেবগ্রাম

७ (था: केमिता (खगा वक्षमान

১ কালীগঞ্জ থানার অধীন ৬০ ইং মৌজা দেবগ্রামে ১০৫২ মং পতিয়ানে ১৯ শহক:নিম্ব এক্ষেত্রি জমির মূলা ১৮১

২। ঐ পানার ঐ মৌকে ১৮৫০ নং পতিয়ানে ০৮ শত**ক**> নিফর ্রন্সন্তর ভুমির मृवा चाः 👡

(42)

১৭৪৪ মনিজারী ৩১ मानी ৮२५/७ ডि: अन्दराम मधन मार मांगियाती

- cu: विस्मिति प्राप्ती मार माणिशांत्री পোঃ কাদিগঞ্জ
- কালীগঞ্জ পানায দাটীয়ারী গ্রামে कमिनात जोमनक्षम वत्साशीशीश निः अशित्म ৯৮৯ নং পতিয়ানে ৩০ জমির জামা ১৮১৯ হারাহারি মতে দেকারের ॥• আনা গাঞ্মা मिट**ङ इग्र । भून्यांकाः २**०
- ২। ঐ পানায় ঐ মৌজায় ঐ কণীন ১১२ नः পতितारन -२ मः स्मितः एव**ना**रंत्रत् হারাহারিমতে।/০ থাজনা দিকে হয়, সুসা याः ১৫১

( 00)

১৭৫৮ মনিজারী ৩১ माती २१।/५ িঃ শ্রীণতী প্রভাতক্ষারী দাসী সাই क्रभाग न्य

দেঃ বিভূতিভূষণ কমাকার সাং গুলী হাজারীনেড় পোঃ কৃষ্ণনগর

क्रथनगत शामात्र का मर दमोटक क्रथाः নগর চৌরাস্থায় ডিক্রীলারের অনীনে ২৯৯ নং গতিয়ানভুক্ত - • ৭ শতক জমির <del>থাক্স</del>ম া০ মুল্য আঃ ১০১

( 453 )

২•৫৯ মনিজানী ৩১ षांनी ५०५८८ फि: नागक्रमाथ ७५ मार a 1116 मेर মনোহর দাস ষ্টাট কলিকাঙা

- (मः जीवडी कानमा क्लती मानी निरं मार् ६ ८णाः बालामाहे
- ১। রাণাঘটি থানার সেঃ ১৫৫ নীয় भोका जानायाचे आरम **अन्तर** मनी বাহাছরেব সেবেস্থায় ৮৮০ নং পতিয়ালৈ -০২ শতক জ্ঞািব চালিনা চির্ভাগী জ্ঞা <sup>৪৪০</sup>, মুল্য নায় ভড়পরিস্থিত দোকান্যর আঃ ১০০১
- २। ঐ थानाय ঐ भोटक त्रनीकनार्ग भानकोपुरीत अधीत १२१ मर ग्रांसी -•০ শতক জমির জমা ১ ভিজারৈখিত দালান সমেত মূল্য আঃ ২০০১
- ৩। ঐ থানাধ ঐ োজে জীপচঞ্চী <del>নশী রায় বাহাচু</del>রের অধীনে ২০৯৪ **ন**র্ প্রভিয়ানে > •৫ একর জ্মির জ্মা ৮৮/০ তহণরিস্থিত কোঠাবাড়ী সমেত মূল্য আর
- छ। ঐ थानाम ये भोएक के क्यों स्व ১৮৬৫ন: খডিগানে • ১ শতক জমীর ক্রমা দেঃ রাধাগোবিন্দ চক্রবর্ত্তী হাল সাং আঠং তেলপ্রিভিড দালানসহ মুসা জান্ত Se ...

( 50)

२०४१ मनिवादी 🦈 मावी ७३१७/० ডি: ইপতি ভট্টাচাণ্য সাং স্বৰ্ণবিহাৰ দে: আয়ছন্দি মণ্ডল সাং তিওরখালি পোঃ

थाना नवदिशत व्यक्षीन : दनः सोका ভিতৰণালী গ্রামের কমিদার মন্মধ পাল कोमृती निगत व्यपीन २১১मः चित्रापन -৩৭শতক জমির জমা ৩৮৮/১ মুলা মায় আকর আওলাত আ: ২৫১

( 🐯 ) २०४४ मनिकाती ७३ D. 1 200100 ডি: ঐ

দে: জোবান সেথ সাং ভিওরখালী পো: স্বরূপগঞ

- ১। থানা নবনীপের অধীন ১৫নং **ভি** ওরথালী মৌজায় জমিদার রনজিংপাল চৌৰুনীর ক্ষনীনে ১৪৫নং পভিয়ানে ৩-২৬ একের জমির কমা ৫৬০ দেকারেব <sup>৩৬নং ফুলবাড়িয়া নৌজায ৩৮নং থতি</sup>ানে **अक्लक्ष्माःम म्या : •**र
- २। ঐ शानाय अ स्मीटक में करीन সেঃ ২৬৫নং পভিয়ানে ৮-৮০ একর ক্রমির स्रम् ১৮/° (हस्स्टिइड अकश्कमाः म मृत्र) जाः
- ৩। ঐ গানায় ঐ মৌজে জীতারাগদ চট্টোপাধ্যায় দীং অধীনে ৩৯৪নং পভিয়ানে ১-৩৯ এकत कशित कमा >२ एननारतता व्यक्षभारम मृता काः २०८

( 80

২০৮৯ স্পিকারী ৩১ भावी ४८। ४ ডি: ঐ

দে: মতরেজ সেথ সাং তিওরখালী পো: স্বরূপগঞ্চ

- ১। নদ্মীপ থানার ১৫ নং ভিওর-খালী গ্রামে জমিদার মন্মণ নাপ পালচৌধুরী मिर अधीरन २**८नः थ**डिशारन ->৯ শতক জ্মির জ্মা ১৮৩২ মূল্য আঃ ১০১
- ২। ঐ পানার ঐ মৌক্তে ভাইজদিন সেখ অধীনে ১৬৬ নং খতিহানে -৭ শন্তক জমি মায় আকর আওলাত মূল্য আঃ ২০১ (90)

২১৫৬ মনিস্থারী ৩১ 🕏 मानी ४६५० ডি: বিৰোগ মণ্ডল দিং সাং ন প্ৰপাড়া **লেঃ** মোজার মণ্ডল নাং সোনাতলা (भाः कृष्णनशत

- ১। ক্লফন্গর থানার ১০০ নং মৌজা চরমহৎপুর মধ্যে সোনাওলা চরের পাড়ার ভবিদার মর্থ পালচৌধুরী অধীনে চাচা। বিখা জমির বার্বিক জমা ২৪॥৵৴৽ মূল্য
- ২। এ পানার এ মৌজে রামগোপাল भूद हरत ये व्यशेष्य ४५० विथा समित्र समा >8/> मृना चाः >४<

( 56) sees मनिकाती os मावी भग्राट उ ডিঃ স্ত্রীপতি সরকার সাং মীড়া

(मः इत्त्रक शांत्रके मिर गांर दणाविन्म-পুর পোঃ কালীগঞ

कानीगक थानात २৮नः भाविकासूत মৌজার অমিদার তীবাস বিহারী মণ্ডল দিং অধীনে ২৪ নং খতিয়ানে ,৬-৮৪ একর জমির জমা ৯৪০/ মূল্য আঃ ৩০১

### ২র মুন্সেফ আদালত ( 5 )

२२১ मिकाती ७১ मारी १२८० ডি: নকু মণ্ডল সাং দক্ষিণ্পাড়া

পাড়া পো: ইাসবালী

হাঁস্থালি,থানায় ৩৮নং দকিণ্পাড়া মৌব্দে কামাক্ষ্যা প্রসাদ বক্ষোপাধ্যায় অধীনে চন্দ্ৰ ভাষণীন ৮৭—৯২ পতিবান ৫৮৮ একর জনির খাজনা ৭, ঐ জমার বরাত ১-৫ শতক জমি দেনলাবেশ 🗈 আনা সংশ মূলা আঃ . ৫.

৪০৪ মণিজারি ৩১ मानि दशः ডিং দামোদৰ হজা ভৌষ্বা, লোলাছী P: সুলন্দ্র বিশাস দিং মো: গোনাড়ী ८९१३ क्रकन्य

চাল্ডাথানার সামিল ৭০নং নৌজা মহিষপুর প্রাদে অপুকর্মার গঞ্চোলাধনরে অধীন ২৭৮ নংখ্ডিয়ান হুকা ও ওদবীন ২৭৯--- ১৮৯ প্রিনে মেটি ২৮ ৮৬ জ্ঞাির বার্ষিক রাইরতি মকররি জনা ১৬৪১/৬ পাই দেনদারের ১৪ গাই অংশ মু: ৪৫.

(0) ७९३ मशिक्रांत्रि ३১ P1 19800 ডিঃ মহেল্লনাথ খোব সাংট্রবড় মুড়াগাছ। দেং বার অংশময় চৌধুবী বাগায়র সি, षाहे, हे मार ९ लाः श्रीहाँ

- ১ ৷ হাঁদধালি থানায় ১৬নং সাহাপুর মৌজার আশুতোৰ খাব অধীন ৩:৫ গতি-য়ানে ও ভেদদীনে ৫: ৮—৫০৯ খভিগানে মোট ১৩-৪৫ একর নিকর এক্সম্ভর জমির 🗸 ৪ পাই অংশ মৃং আঃ ১০১
- २। वे स्थलाय वदनः मुङ्गाहा स्मेरक **क्यारमाहन ८घाग निर्धारम ७३० ७ ७५-**ধীন ৬১০--- ৬১৪ পতিলানে ৯৮২ নিক্র ব্রহ্মন্তর জমির I/৪ 'লংশ'্র্যু: 'লা: ১০১
- 😊 । जे थानात्र जे स्मोरक वे व्यनीतन ৬২৩—৬২৫ থতিয়ানে ৭-৫6 নিষর ত্রন্ধত্তর জমির 1/৪ অংশ মৃং আঃ ৮১
- ৪। ঐ গানার ঐ মৌজে ঐ স্বাংন ভ০১ ও তদ্দীন **থতিয়ানে ২৯-৮১ নি**ক্র तकारुत स्थि ।/८ व्यः म भूः स्थाः ०००
- ে। ঐ থানায় ৫৭নং চল্টীপাড়া (भोकांत्र नाशक्तनाथ मुरशांशांगांत्र हिः व्यक्तीन २६२ ७ छमधीन पंडिशास २১-२৮ धक्त निकत अभड़त अभित ।/८ जः म मृः जाः १

🕶। 🗷 चामात्र थे त्योरण के व्यवीरम ২৩৬ থডিয়ানভুক্ত ২১-১০ নিম্বর ব্রহ্মন্তর स्रभीत / 8 शाहे जार्भ मृः काः 🤙

৭। ঐ থানায় ৫৫নং মুড়াগাছা মৌকার রাজা ছবিকেশ লাহার অধীন ১৮৪ নং খতিয়ানে ৩৮৯ একর নিষ্ম একান্তর कभित्र।/८ काः म मः काः ६

৮। ঐ পানার ঐ মৌজে ঐ অধীন ১৯০নং পতিয়ানে ৩-৩৫ নিকর ব্রহ্মন্তর ক্ষমির 🏻 বাঙ্গালঝি ⊬ঃ অংশ মৃঃ আ: ∢্

 के बाना के स्मोत्क के क्योंन দেঃ আস্*ল মঞ্চিদ বিশাস*্সাং দক্ষিণ্− | >৯৪নং শতিহানে ৩ ৪৭ একর নিক্র প্রক্ষান্তর জমির ৮৪ অংশ মৃ: আ: ১০১

> के थानाव ८७ नः श्ल्मीलाका মৌজে নগেজনাপ সুখোপাধ্যায় অধীন ২৬৯)১ ও ২৭০ পভিয়ানে ১-০৭ একর नियत उक्षाउत क्रियत ।/८ व्याप्त मूना 🖎

> ১১। ঐ পানায় ৬৯ নং বগুলা মৌঃ নগেন্দ্রনাপ মুখোপাধ্যায়ের অধীন ২৫৬৷ ২৫৭ নং পতিয়ানে ৩-৩৪ একর নিখর এক্ষরর জমির মূল্য আ: ২০১

১০। ঐ পানার ৫৮ নং ছাতীশালা মৌজায় ২২০ নং প্রিয়ানভুক্ত ২-৩১ একর নিমর একারর জমির ।/৪ জংশ মৃল্য ২০১

३०। ঐ पानांग्र २०० नः भागतां छात्राः ्रभेटक घीरत्रक्षनाण त्याम निर्वेषमीरन ८८४मः প্তিয়ানে ১০-৪৮ একর নিক্স ব্রহ্মন্তর कशित मुणा काः ১৫५

৬৭৭ মনিকারী ৩১ मानि २२ आल/ • ডি: শ্রীমন্মধ পালচৌধুরী

দে: সতীল এটান • দিং হাল সাং বানাবন্ধ পোঃ বাঙ্গাণঝি

চাপড়া পানার লক্ষণ নৌজাও ডিক্রীদার স্বকারে দেনদারের নামে ০। ০৮৩ - বিখা ৭টবন্দী জমির জমা লালবিল নিরিপে াট পায়রাডাঙ্গা ८७: लाल बिन्निश >1% - विज्ञादन नार्तिक পাঠ এ মুগা আঃ ১০১

(4) ৯৭৯ মনিকারী ১১ मानी ၁১५ जिल्लाकतक्षर भागकोप्ती किः माং 5कगडोनाना

८मः वज्ञानस्थन भागत्वोधुती माः চকহাতীশালা পো: নাকাশীপাড়া

নাকাশীপাড়া থানায় ২৭ নং পভিয়ানে পরগণে বাগোয়ান ঘাহার সদর জনা রাজধ acehr/>> मृना 'काः ७६ (मनमारतत ( • )

७৮६ मनिषात्री ७১ मावी : ၁०५८ ডিঃ ঈশানচন্দ্র কুণু মোঃ কাছারী

(मः किनिंदिनश नाः मधुभूत (भाः

চাপড়া থানায় ৪৬ নং মধুপুর মৌখার **डिकीशंत्र व्यरीत्म ४० मः ७ ६० मः ४७**- शास्त ১-७> এक्स फेटेनची ट्यांटिंश कर्मा প্রতি বিষা ১৷ শ নান: নিরিপে বার্ষিক <।२॥ मृण्य व्याः ১६८

(9)मावी 🗪 🗸 -৬৮ ২ মনিঞ্চারী ৩১ **जिः जैमान**हस्र कृष् त्याः काष्ट्रांत्री মধুপুর

দে: ছলেমান বিখাস সাং মধুপুর পোঃ

চাপড়া থানার ৪৬ নং মধুপুর মৌভার ডিক্রীদার অধীনে ৫৩ নং থতিয়ানে ৩৭ শঃ **८**টेशन्ता स्थापत संग। निषाञ्चिक > • नितिदय वार्विक २॥>२॥ भूमा चाः >०५ (**b**)

७२२ मनिलात्री ७১ भारी >: «५० ডি: গাঞ্চিসাহা ফকির সাং ডোমপুর্রিয়া (मः कष्ट्रकि मञ्ज मिः गाः (छाम-পুথ্রিয়া পোঃ বাদালবি

চাপড়া পানার অধীন ডোমপুখুরিয়া आत्म जीवृङ्ग अव्दर्शामानी पिर क्रमीत्न সে: ৮৫২ নং পতিয়ানে ৩ ২২ একর রাঃতি স্থিতিবান জমা ৯৷৬ মৃগ্য সা: ৫০১

( 2 ) **७२८ मनिषादी २**७ भारी २८२१ ডি: কেবনাৰ বকোপাগার সাং ঘূলী দেঃ ভোরাণ আলি সেপ দিং সাং अध्यत (भाः ग्रेमशानी

ই।স্থালী গানাব অধীন দয়পুর গ্রামে ডिक्के मात्रगरमय व्यक्षीत्म ১১৫७,७১৪ ১১৯७ ও ৭৬০ নং পতি ানে ৩-৪১ একর জনির क्या ३:५१। मृत्रा व्या: ७० ्

৬৯৫ মনিজারী ৩১ मानी २**६**८॥• डिः शितिका इसनी लगी मा, स्थीतकाउँ (सः कारमत मध्य मा, '9 (भाः

হাঁস্থালি থানার ৩০ নং পায়রাডাকা अधिम १४४ नः परिशास ७ उपनीन २८५ — ৩১১ পতিয়ানে মোট ৫৩ •২ একর জমিব वार्षिक क्या श्रीनीत्त्रज्ञनां पाव मिः "वयीत्म बञार्ज ३ (मन्मारवतः १/७॥ == "बर्म मृना नाः ८०५

( >> )

৬৯৯ মনিবারী ৩১ मानी ० २०० फि: विकूशन शंजनात गाः कनिजा দেঃ মহীক্ষনাথ প্রামাণিক দিং গাং পিপীড়াগাহি, পোঃ বাদানবি

- ১। চাপড়া থানার ৬১নংইণিপীড়া-গাছি मोबाप्न गणन हक्त नियान पिर व्यक्तीतन ৩৪ নং পতিয়ানে ৬-১৯ একর রায়তি मानवती स्रग≈८८ मृणा स्राः २०००
- २। के थानाव जे त्योरक के व्यक्तीत ২১১ নং পভিয়ানে -১৭ শতক জমির (भाकतती क्रमा be:>न: [दिनमाटतत ॥ • च्यान मृत्राः थः ८०८

৭০০ মনিজারী ০১ দবি ১০০০ শ্লীড়িঃ ফদীপ্রনাথ ভট্টাচার্য্য সাং চাগড়া দেই নশিন খোৰ সাং বাল্যগাছা পোর বালাপৰি

চাপড়া থানার অধীন ৩৮ নং মৌজা
মালমগাছা প্রামে সরোজয়শ্বন সিংহ রার ২১২৬ থাংজারী
দিগুর অধীনে ৫নং থতিয়ানের অধীনে ডিঃ সরোজয়
১০৩ নং থতিয়ান হত মোট ২৮-৬২ শতক দেঃ ছায়ে
জামির রায়তি ছিতিবান জমা ৪৮১ দেলারের শোঃ বাজালঝি
এক্বটাংশ মুলুয়েজাঃ ২৫১ চাপড়া থান

. ( 20 )

৬০৬ খাংজারী ০১ • দাবী ৬৪৮/ ডি: মক্মৰ পালচৌপুরী সাং আমিন-বালার

• দে: কানী জীটান সাং লক্ষীপুর পো: বালাকবি

চাপড়া থানার গদ্মীপুর মৌজে ড্রিফী-দার সরকারে ১০/০। পিলা কাত কলভার্সনমতে ১৪।/১০ টাকা কমা মৃল্য ক্যা: ১৫১

(38)

৬৫৬ দেংখারী ত দাবী ৯৮%/ ডিঃ মুরারী বোহন মুখোপাথ্যায় শাং গোয়াড়ী

দেঃ ছারিক মলিক নাং মোটাবাওরা গোঃ নাকাশীপাড়া

নাকাশীপাড়া থানার ৯৭ নং দোগাছিয়া মৌলে অনিহার কানাইলাল সিংহ রার দিং অনীনে ১১৮-১১৯, ১নং ও-১২২৯ থতি-রানে ১৮-০৭ একর জমির জমা ১৩।১৮০ মূলা আ: ২০০

( 50 )

১৫৭৪ খাংজারী ০০ দাবী ৯৭৬০ ডি: প্রস্থানাথ ঘোষ ম্যানেজার চেৎ-লাজিলা ভয়ার্ড টেটে সাং গোলাড়ী

দেঃ দেদার ভূতি দিং সাং ছ্গীপুর গোঃ ক্লমনগর

হাসখালি থানার দক্ষরণোতা গ্রামে ডিক্রীদার অধীন ২২৯, ৮৬০ নং থতিয়ানে ৫-৭৬ একর অমির বার্ষিক জমা ১১।১/৫ মুলা আঃ ৪০১

( >4 )

১৭৭৬ থাংজারী ৩০ দাবী ১০৫।০

তিঃ সৈন্দ্ৰন্দ্ৰদ আলি সাং কক্ষমন দেহ এখাকুৰ মণ্ডল সাং বেডনা গোঃ ' ইাস্থালী

ক্ষুদ্দগর থাসার বেজনা প্রাথে জীনগোল নাথ মুখোপাধ্যার দিং ক্ষমীকে ১০৩৩ নং থতিয়ানে ১০২০ একর ক্ষমিয় ক্ষমা ১৩০০ মুল্যা-আ১৫০নু

(.54)

১৮৯৮ থাংজারী এক নাবী ৪১৮/৬ ডিঃ স্থানিংহচক্র পালচৌধুরী দিং সাং চক্ষরাজীপালা

শে: বাইচরণ পাড়ুই সাং গোভীপুর পো: নাকাশীপাড়া থানার গোভীপুর আমে ১০৫ নং ও তদদিন ১০৬১০৭ পজি-রানে ১১-৩৭ একর জমির রায়তী ছিতিবান্ কমা ১৮৮/২ তিক্রিদারের সরকারে শের। (১৮)

২১২৬ থাংজারী ৩০ দাবী ২৩১৯
ডি: সংরাজ্যজন সিংছ মোকাম ক্রুনগর
দে: ছায়েম সেও মোলা সাং বাদলাদী
সাঃ বাদলাভী

চাপড়া থানার বাদলাঙ্গী প্রামে ডিক্রী-দার দিং অধিনে ১৪০নং প্রভিয়ানে ৭-৩০ ওটবন্দি জোত মূল্য আ: ১৫ (১৯)

**०६ चारळात्री ०**० नानी २**६**२।०

ডি: পীতাধন ভট্টাচার্ব্য ছেটের বিসিন্ধার ইন্দুক্ত্বণ ভাছতী সাং গোহাতী

বে: শ্রীমতী কৈলাক কামিনী দেবী দীং নাং কুড়ারীগাছি পো: দামুড় ছদা

চাপড়া থানার বেদবাড়িয়া মৌজায় মেদিনীপুর অধিবারী কোং লিখিটেড দিং অধিনে বোল আনা রকম দরপঞ্জনী সত্ত্ব সমেত ভদন্তর্গত অলক্ত বিল জিবা সালি আনা দরশন্তনী ক্ষমা ১৮০০, মূল্য ২৫০

১৫০ থাংকারী ৩১ দাবী ২৭৮/৩ ডিঃ নৃসিংহ চন্দ্র পালচৌধুরী দিং সাং চকহাতীশালা

( २ • )

দে: বাছাই মন্ত্রিক নাং পোট বেলপুকুর নাকাশীপাড়া থানায় চেন্সা প্রান্তর ডিক্রিদারের অধিনে ২৯ নং পতিয়ানে ১-০৬ একর ওটবন্দি জোড আ: ২০১

(২১)

২০৫ খাংস্থারী ৩১ দাবী ২৬॥৫/৩

ডি: সবোজ রঞ্জন সিংহ দিং পোঃ
ক্রফানগর কাঠালপোতা

দে: ভৈরব সেথ দিং সাং সোম-পুশুরিরা পো: বাদাশবি

চাপড়া থানার সোমপুরুরিয়া আমে ডিক্রীদার দিং অধীন ১৮০ থডিয়ানে ৩-৫৭ একর জমী মৃদ্যা আ: ১•্

( २२ )

৩০৭ থাংকারী ৩১ দাবী ৪৫৮৩ ডি: শিবেন্দ্রনাথ সিংহ রার দিং সাং নাকাশীপাড়া

দেঃ প্ৰহলাদ সেখ সাং ভোগাডাছা শোঃ নাকাৰীগাড়া

নাকাশীপাড়া থানার শালিঞামের মধ্যে ৬০৫ খতিয়ানে ১-৭০ একর উটবন্দি জোতের জমা বিঘা প্রতি লাল ১০০, খিচা ৪/১০ মূল্য আঃ ২৫১

( २० )

৩০৬ বাংলারী ০১ দাবী ১০৩/১৮ ডিঃ সরোজরঞ্জন সিংহ দিং সাং ক্রফ- নগর কাঁঠালপোডা

্দেং দিহু দেখ সাং সোমপুকুরিখা পোঃ বাদালঝি

চাণড়া থানায় সোমপুকুরিগা প্রামে ডিক্রীদার দিং অধীন ১৪৫ প্তিরানে ৮-৬৬ একর কমী মূল্য আঃ ২০

( 28 )

৩৮৬ থাংজারী ৩১ দাবী ১০৩১০ ডিঃ শ্রীশচন্দ্র পালচৌধুরী সাং নাটুদহ দেঃ ভাঁহার সেপ সাং ধনজমপুর পোঃ নাকানীপাড়া

নাকানীপাড়া থানায় ধনশ্বয়পুর মৌজে ডিক্রীপারের অধীনে ১১০ ও ১১১ থতি-য়ানে ৪ ১০ জমীর জমা ১৫/৩ মূল্য ৫০

৪৪৫ খাংজারী ০১ দাবী ১৫০৮/০ ডিঃ শিবেক্সনাপ সিংহ রায় দিং সাং নাকাশীপাড়া

দে: আফবর সেথ দিং সাং ভোলা-ডাঙ্গা পো: নাকানীপাড়া

নাকালীপাড়া থানার কোলাডাঞ্চা মৌজে ডিক্রীদার অধীনে ১৭ থতিয়ানে ৫-২০ একর জমীর মূলা আঃ ৫০১

(२५)

৪৫ • খাং ারী ০১ দাবী ৪৫৵ •
 ডি: জ্ঞানেক্রমোহন ভাছ দী সাং ত্রীরামপুর
দে: যোগেক্সচক্র দে সাং বড়আন্দৃনিরাপো: বাকালিঝি

চাপড়া থানার অধীন ১৩নং মৌজা চরহাটরা গ্রামে ডিক্রীদার দিং আদীনে ২৭৭ থতিগানে ৪৮০ বিঘা জ্বমীর জ্বমা ৭া/১০ মৃল্যা আঃ ২৫১

(२१)

৪৫৭ খাংজারী ০১ দাবী ৪০%/>
ডি: শ্রীসভীশচক্ত পালচৌধুরী সাংনাটু দহ দে: এবাদং মণ্ডল দিং সাং দেদারবিয়ার পোভা, পো: বাজাক্ষি

চাণড়া থানার মৌক্স দক্ষিণ রাঙ্গিনা পোতায় ডিক্রাঁদার অধীন ১৭ বভিয়ানে ২-৬৬ একর জমীর রাম্বিড স্থিতিবান জমা ৯/০ মূল্য আ: ১০

( ₹৮ )

८७> बारकाती ०১ मारी ১८८/> ডি: ঐ

দে: রাখালচক্স প্রামানিক দিং সাং পিকড়া পো: বালালঝি

চাপড়া খানার শিকরা মৌকে ২৯০নং খতিয়ানে ডিক্রীদার অধীনে ৪-৭০ একর উটন্দী ক্ষমির ক্ষমা ১০৮/১৫ মূল্য আঃ ২৫১

> ৩১ লাবী ১ ৩১)

৪৭৩ থাংজারী ৩১ দাবী ১৪১৪০ ডিঃ ঐ দেঃ আক্ষার সেখ দিং সাং শিকরা পোঃ বাদাপঝি পানা চাপড়া শিক্ষা মোঁজে ২৪৫নং পতিলানে ডিফীদার অধিনে ৫-৯৬ একর লোডের জমা ১২১০ মুল্য আঃ২৫১

(৩০) ৪৭৫ খাংজারী ৩১ দাবী ১৯<sub>২</sub>৯ ডি: ঐ

সে: আমিনদি সেথ সাং শ্বিচক্সপুর পো: বাদাবঝি

চাপড়া থানাব শিক্তা মৌজে ৭১ মং গতিগানে ডিকীদার অধীনে ১-৫২ একর ওটবন্দী জোতের জ্ঞা ৩/১৫ মূল্য আ: ১০১ (১১)

৪৭৮ গাংকারী ৩১ সাবী ২১০১০ ডিঃ ঐ

দেঃ পিক মালিতা সাং **শিক্ষা পো**ঃ বাদাদানি

চাপড়া থানার পিকরা মৌজে ডিক্রীলার অধীনে ৪৪১ বং ধতিয়াবে -৬০ পতক উটক্ষী কোতের অমা ক্রভারসন্মতে ১া১৫ মূলা আঃ ১০

( ৩২ ) ৪৭৭ খাংজারী ৩১ সাবী ৪৫।১/৬ ডি: ঐ

দে: রাথান চক্র প্রামাণিক দিং সাং শিকরা পো: বাঙ্গানঝি

চাণড়া থানাঃ শিকরা মৌজে ডিক্রীদার অদীন ৪০২ নং পতিগানে ২-০৯ একর ওটনলী জোভের জনা মূল্য আঃ ২৫ (৩৩)

৪৯৫ থাংকারী ৩১ দাবী ২০২৮৮/৯ ডি: ই

দেঃ নেছেরালি **নেথ নাং ছোট** আন্দ্লিয়া পোঃ বাসাল্থি

চাপড়া থানায় ছোট আন্দূলিয়া প্রামে ডিক্রীনার সেরেডায় সে: ১২০ নং বংজুক ৩৫-৫৬ একয় উটননী কোভের লমা কনভারদনমতে ১০২৮/৯ মূলা আঃ ১০০ (৩৪)

৪৯৬ থাংৰাক্কী ৩১ দাবী ১৪৫৮৮/০ ডিঃ ঐ

ব্যে **কৃষ্ণ** সেথ দিং সাং ছোট আব্দু-দিয়া শোঃ বাদাদৰি

চাপড়া থানার ছোট আব্দিরা গ্রামে ডিক্রীদার ক্ষরীনে ৯৬ খডিয়ানে ৫০-৬৭ এঃ ওটবন্দী ক্ষোডের ক্ষরা ক্ষরতারদনমতে ১৪১৮/০ মৃদ্য ক্ষাঃ ১০০১

(৩৫) ৪৯৭ খাজোৱী ৩০ দাবী ৭৫॥৮/০ ডি: ঐ

নে: আও মওল সাং ছোট আপু-লিয়া পো: বাদালঝি

চাপড়া থানার ছোট আশ্লিয়া প্রামে ডিক্রীনারের অধীনে ৪৭ক পতিয়ানে ৩-৪÷ একর ওটকনী ধনীর ক্রমা ক্রডার্যনমতে ১১৮/৬ মূল্য আঃ ২৫১

### देशनिय समीमाध्यकाण

( \*)

৪৯৯ বণিজারী ৩১ मारी २) । ७ **फिः वित्नामत्वा**हिनी तमयी गाः निय-নিবাস

দে: স্টু ঘোষ সাং কৃষ্ণপুর পো: 季砂河田

কৃষ্ণগঞ্জ থানার মৌজে গড় চন্দননগর আমে ডিক্রীলার অধীনে ১৯ নং থতিয়ানে ৭-৪০ একর জমীর রাংতি মকরবী জমা ७०५० म्ला जाः १८

(91)

৫১১ থাংলারী ৩১ দাবী ২০৬৮ ৬ ডি: রামপদ পাড়ে সাং ময়ুরহাট দে: আৰু লগনি মিন্ত্ৰী দিং সাং यमना, (भाः शामधानी

हामशानि धानात ७८नः महना ट्योकांत्र ডিক্রীদার অধীনে ১০৫ থতিয়ানে ও ভদ্মীন ১০৬-১১০ নং থতিয়ানে ৪০১ টাকা কোফ বিষয়ার ১৮-৬১ একর জমি ও ৬৮ নং পশ্চিম হরিণডাঙ্গা মৌজায় ১০৫ নং **থতিয়ানে ১-১৩ একর জমির মূল্য ৫∙**√

( 40)

েও খাংকারি ৩১ ডিঃ সতীশচক্ষ পাল চৌধুনী সাং নাটুদ্ব বাঙ্গালঝি

চাপড়া থানার গোংরা মৌজে ২৫২নং খতিয়ানে ১-০৫ একর ক্ষমির ক্ষমা ২৮/১০ मृः ष्माः 🔍

( 40 )

৫:৪ থাংকারি ৩১ प्राची ३०२।/३ ডি: ঐ

त्मः एक्सामि त्मथ दातामि मिर मार গোংরা পোঃ বাদালবি

চাপড়া থানার গোংরা মৌঞ্চে ডিক্রীদার व्यक्षित्न ১১१मः थिलशात्न ४-১० क्रमित क्या कन्डावनन मएड १।४०६ मू: >०

(80)

৫১৬ খাংলারি ৩১ षावी ১১৮ ७ क्तिः जे

तः <del>चाउ विदान निश्नाः व्य</del>ाह्म त्याः व्याहरू হাঙ্গালঝি

চাপড়া থাসায় গোংরা মৌক্রে ডিক্রী-নার অধীনে ২১৮ ও ২১৯ টুখভিয়ানে ৫-৬৭ একর জমির কণ্ডার্সন জমা ১৫।৭ মু: আঃ ২০১

(8)

৫২২ থাংম্বারি ৩১ मायी २२७४७ जि: धीरतञ्जनाथ (पाव मि: A) मृणा काः २<sub>०</sub> কাছারী আড়ংঘাটা হাসধালী

হাঁসথালি থানার ১৪নং বদনা মৌলে ডিক্রী-मात्र व्यवीत्न **३६८—३५**८ चित्रात्न ०৮-०১ একর অমি এবং ৬৮নং পশ্চিম হরিণভাষা योषांत्र २१ २नः चित्रात्न ७ जम्मीन २१८नः পতিয়ানে ১-৩১ একর জমি উভর জমির জম। ६२०/१५ (पननारत्रत्र ॥० चाः पणा चाः ६००

(82)

८८२ थाःकाती ०১ मारी १५६,० ডি: জিতেক্সনাথ কর সাং মহানাদ দে: কানাইলাল সিংছ রার দিঃ সাং সোনাডালা পো: নাকানীপাড়া

নাকানীপাড়া পানার মৌজে পাটানী পাড়া, মৃজাপুর, রাজাপুর, স্থাইপুর, পলাশ ডাক্সা জলকর আবাদি প্রভৃতি মহাল হারে रमनावशरणव ८७৮ जाना ज्यान क्यिमाती স্বস্থ উক্ত ভৌজির বোলমানা রাজ্য ७३०१८ भूमा जाः २८०५

(80)

৫৪৭ খাংব্রারী ৩১ দাবি ৩১।১/৩ ডিঃ রাধাগোবি<del>শ</del> **८मन** मिर मार মাটীয়ারী থানা কাসীগঞ্জ

দে: ফকিরটাদ মলিক সাং খুগরা-मारी ६२।८५ गाष्ट्री (भाः कृकश्रव

১। রুফগঞ্জ থানার ঘুগরাগাছী দে: ছেনারদি হাজরা -সাং গোংরা পো: গ্রামে ৩৬ নং থতিয়ানে -২৩ শতক অমির জমা ৮০ মূলা আঃ ২১

> ২। ঐ থানার ঐ গ্রামে ১৭নং থতিরানে -১৯ শতক জমির জমা ২৬৭ भूगा जाः २

> ০। ঐ থানায় ঐ গ্রানে ১৮২ খভি য়ানে -৪৯ শতক জমির জমা ২ ুমুলা ২ (88)

৫৪৮ থাংজারি ০১ मावि ५२/५ ডি: ঐ

দে: করমালি বিখাস সাং ঘুযুরাগাছি (भाः कृष्णगञ्

ক্ষণাৰ থানার ধুঘুরাগাছি আমে ০৯নং **থ**তিয়ানে -২৬ শতক অমির কোক্। জমা फार मृगा चाः २

২। ঐ থানা ঐ মৌকে ১৯ পতিয়ানে -৫ শতক জমির কোফা জমা ১। • মূলা

(84)

e Ba थाःकावि २> पारी **०६५**०'७ ं धृर्वी ডি: ঐ (मः (मनात्र मडन मिः नाः चुणुतागाष्टि (नाः क्रान्थानी) পো: ক্রফগঞ্জ

১। কৃষ্ণগঞ্জ থানার ঘুতুরাগাছি রামে ৩৮নং থতিয়ানে -২২ শভক জনির জনা ।।√≱

२। क्रे शानात्र के स्त्रोटक ६६ नर ্লে: রামণল পাড়ে লাং মরুরবাট পো: থতিয়ানে ১-:৪ ফামির জনা ২√৮ মূলা माः 📢

थितात ७-२१ वक्त समित्र समा २३। 🗸 लाः नाकानीलाका म्ला > ९

খতিয়ানে -২৭ শতক জমির কো**দ**ি জমা 🏻 मर्गा याः र

ে। এ থানায় ঐ মৌজে ৪০ নং থতি:ানে -১৩ শতক কমির অমা ৪১০ মূল্য

৬। ঐ থানায় ঐ মৌজে ৫৪ নং **থতিয়ানে -১০ শতক জমির কোফ**ি জমা Ho∕ मूना काः २**्** 

(8%)

৫৫০ থাংজারী ১১ मार्वी ७८ 🗸 🤊 (a: 9

দে: ইচ্ছত বিখাস সাং ঘুঘুরাগাছি পো: কৃষ্ণগঞ

১। ক্রকগঞ্জের অধীন ঘুবুরাগাছি মৌজে ৪৯ নং প্রক্তিগনে -৯৩ শতক জমির রায়তি জমা ২১৮ মূল্য আনঃ ১০১

২। ঐ থানায় ঐ প্রামে ৫২ নং পতি গলে ৩-৯৬ একর জমির রাড়ডি জমা अश• **म्या** ३०५

 व थानाव के त्योरक २०४ नः খতিয়ানে ১-৮৭ একর নিকর অমির মূসা wi: > • /

৪। ঐ পানায় ঐ গ্রামে ২০৬ নং শতিয়ানে ৫-০২ একর নিকর অমির খুলা সাংও পোঃ নাটুদহ

৫। ঐ থানায় ৮নং জঃঘাটা মৌভায় ২নং :পভিয়ানে ১-৬১ একর নিকর জনির म्ला जाः 🔍

(89)

৫৫০ পাংসারী ৩১ मानि २१२१०/३ জিঃ সতীলচন্দ্র পালচৌধুরী नाहेमह

(मः मिक्शंबान वाकाम मार (गारत्रा ণো: বাৰালঝি

চাপড়া থানার গোংরা মৌজে ২৭৭।২৭৮ পতিয়ানে ৫-৯৫ জমি কন্চারসন্মতে জমা ১৫৷১০ মূল্য আ: ২০১

(8)

मावी ५५,२ **८८२ थाः या**ती ०১ ডিঃ ক্ষেত্ৰনাথ গঙ্গোপাধ্যায় দিং সাং

(ए: मिक्स मध्य कि: गां: योक्ति

रामधाणी धानात्र सत्रभू व त्योत्स फिजी-मात्र अधीत ৮५० थिएयात १-३० अकत क्रवीद्र क्या ১৪। 🗸 भूगा व्याः २०५

( \$3 )

৫৬১ থাফোবি ৩১ দাবি ৮৬%/4 िष्ट निवन्त्रनाथ निर्देशीय किर्नार নাকাশীপাড়া

वे थानात ये त्योरक «७ नः । तः वित्नाम मथण पिर नाः त्यात्राम्कीवन्त्र

নাকালীপাড়া থানায় ভবাকীভূর s 1 ঐ থানার ঐ মৌজে ১১৫ নং মৌজার ১২৩নং থতিয়ানে ডিফ্রীলার অধীন ১৮-७৮ একর ওটবনী समीत मृगा १००

( .. )

৫৭৪ থাংকারী ৩১ मावी ১১ । 🗗 🛎 ডিঃ অমির পালচৌধুরী সাং মহেশগঞ पः त्रायमिन मधन गाः कृतवादी ८भाः हामचानि

হাস্থালি পানার ক্ষিণ্পাড়া গ্রামে ৬৯৪নং ধতিয়ানে ৮-৯৪ বাঞ্চিপাড়া আছে कमीत्र भूणा प्याः ८०५

( ( )

৫৮৯ থাংসারী ৩১ मारी ३०१४।४३ ডিঃ সেবায়েত জিতেল্রনার কর ८४: नकत्रहत्त পালচৌধুরী মোঃ

গোটাড়ী পো: মুক্তনগর কোত্যালী থানার ৯৪নং যৌজে গোয়াড়ী ঝোবিল্লসড়ক গ্রামে ৬৯৪নং প্তিয়ানে -১১ শত**ক জ্মীর জ্বলা ১১**৷•

মূল্য মার আঞ্বর আঙলা**ত আঃ ৫০০**১ ( 22 )

৫৯১ থাংজারী ৩১ मावी १५८७ **ডি: ভারাপর সরকার দিং ঘো: গোঃাড়ী** (मः পोट्ट(भाषांग भाग(डोबुबी पिर

চাপড়া খানায় মধুপুর মৌলার ১৮৮নং থতিয়ানে ০-৭০ একর জনীয় চিম্বছারী মধ্যসন্ত আমা «he/» মূল্য আ: ১»্

(00)

४०२ बारबाडी ०३ षावी ४०००० फि: किना भागाति मूत्री मार नाम्बर्ध Cमः जानाम निरस्तात नार शकीनामा পো: কৃষ্ণগঞ

519.51 থানায় হাতীশালাগ্রাথে ডিক্রিদার অধীনে ১০১১ পতিয়ানে @ उपरोन ১०.२ इट्रेंट २०१० 🗷 ू३२३७, ३२**०५ हरे**एँ ३२३२ चलिश्रास में १००० कमीत्र कमा १৮॥० मूना बाद्य व्यक्त আ ওলাত আঃ ২০০১

(48)

৮২৮ খাংখারি ৩১ দাবি ২৪০% ্ডিঃ ফালীপ্রসর বিশ্বাস দিং সাং বানপুর

(मः বেনোগারীলাল বিশ্বাস । बिर সাং গাদিয়া পোঃ কৃষ্ণগঞ্

क्रकाम थानात ८० मर् गितीया (बोमांब ৬১৬ থতিয়ানে ও ৫২ নং মালিয়ারী মৌজার ১৭৪४ नः चित्रारन स्माप्ते ७०-७० अकत क्षत्रित क्षमा ७२॥ मूना काः ७०५

विकाशियम साम अल क्षां वं रा विष केंक ३, ate and or **ar any** of লিভি কলম ২. क्रिक गाव



मारायात हात শাগ্রাম দেয় वाविक कर् गामाधिक 📞 देशभागिक २५० মাসিক ১১ প্রতি সংখ্যা 🗸 🗸

ভারতের সৰ্কত বছল-প্রচার—গ্রীয়া জেলার এক মাত মুখপত

PR 40

সম্পাদক—শ্রীতাতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি [১২৪তম সংখ্যা

এটিচভক্তমঠ এলাম মায়াপুর—১২ই প্রাবেণ নজনবার, ১৩২৮, ২৮খে জুলাই ১৯৩১

### নানা কথা

### बजीया (क्ला महिला मरकाम

মহিলা সুশেলনের সমস্ত আয়োভন প্রায় শেষ হটয়া জাসিয়াছে। প্রকাশ ভিলার সমস্ত অংশ হইতে অভার্থনা স্মিতিকে সমর্থন করিবে বলিয়া আখাস পাওয়া শিল্লাছে। বহু মহিলা প্রতিনিদি ७ क्यी मधात्र छेनश्चि रहेरवन वनिश्रा थाणा कन्ना गांत्र। भ्या जागष्ट स्ट्रेट **८हें जानहे नर्गत धक्ती क्रमर्नमी**श्र উহাতে অনেক ৰ্যস্থা ক্ইয়াছে ! আছব্য বিষয় থাকিবার সম্ভবনা। সভানেত্রী শ্রীৰুক্তা অংশাক্ষতা দাস, 📆 युक्ता व्यष्टकाना ८०वी, ८८वर विमन-প্রাডিখা দেবী সহ ৩১শে আগষ্ট ফুখনগরে क्रियन। अनुका अञ्चलना त्मनी विश्व बाल्यायाहिम कार क्रियुका विश्रमक्ष्मकिका दमयी काकीय भठाका

ট্ৰেলন করিবেন। আগামী ১লা ष्पान्तहे मृद्यागरनम् ष्पेनीरवनन ष्पात्रष्ठ रहेइन ।

### मनीशांत्र दिनी वद्यापि निकारत्रत्र খণ্ড প্রতিশ্রুতি বস্ত্র ব্যবসায়ীদের অভিজ্ঞা এহণ

নদীরার আদেশী এচার সমিভির আডিনিধি তীবুড ছম্মিপদ চট্টোপাধ্যায় ্ৰী যুঠ গোপীনাৰ অভ্যুষ্ণার ও জীবৃক্তা আভাৰতী সাম্ভাগ অস্কৃতি বিশিষ্ট কৰ্মীদের ইছোণে কেলার বিভিন্ন হানে সভাস্থিতি व्हेट्टर्ड धरा लाक्स निक्रे १हेट्ड मान्त्री अंदर्गत काक्सिकि महेर्ड्ड्स ।

# নদীয়া জেলা মাহলা সম্মেলন

নদীয়ায় দেশী বস্ত্রাদি বিক্রয়ের জন্য প্রতিশ্রুতি

# ছাত্র ওযুব সমিলনী

অত্তম্ভ রাজবন্দী সরোজরপ্তনের অবস্থা

# আশ্চর্য্যরূপে জীবন রক্ষা

পাটনা সহরে বোমার প্রাচুর্য্য

# রাজবন্দীর দুরবস্থা

চলন্ডটেণে সামরিক অফিসার খুন

# লণ্ডনে গান্ধীজীর অভ্যর্থনা

খনিতে তিনজনের জীবন্ত সমাধি

चौकात कतित्रारक्त ।

ছাত্ৰ ও যুব সঞ্চিলনী

আগত নাশের প্রায়েতে কুটিয়া নদীয়া জেলাছাত ও ধ্ব সমিলনীর অনিবেশন হইবে। এত চুপলকে যুবস্পণের বিশেষ উৎসাহ দেখা ঘাইতেছে। অর্থ সূত্রহ ও প্রচারকার্য্যের জন্ম কর্মিগণ মহকুমার विकिन्न शास्त्र निम्म कतियाद्य । जीगुक

ক্ষানগরের বস্ত্র ব্যবসায়িগণ আর কুর্দর্যজন রাথের অনিনায়কজে স্বেক্তা-বিদেশী বর্ম বিজ্ঞার করিবেন না এইরপ দেবকগদিপ্রেভ্যার ক্রিছে-८एन।

### षाञ्चाद्व ज्ञांकरम्मी जटज्ञाक उक्षरमञ् ভাৰতা

কুটিয়ার অভিয়াস বনী 🗟 বুকু महाबद्धक्त- जाठावा बङ्गिन मानाध्यकात्र याधिए कहे भाहेएएकन। সম্প্রতিভিন্নি মার্লা তাহার স্থিত সাগিতি ক্রিবার অভ অন্তমতি প্রার্থনা

করিয়াছিলেন, কিন্তু সরকার অভ্নতি প্রদাবে অসমতি জ্ঞাপন করিয়াছেন।

### আক্র্যারপে জীবন সক্ষা

সাংহাই হইতে প্রকাশ যে চীনের রাজস্বদচিব মি: টি, ভি, সুং অল্লের জন্ম বাঁচিয়া গিয়াছেন। তিনি জাপানীমন্ত্রী সিক-মিৎহুকে শঙ্গে লইয়া সাংহই রেল ८४ न इटेंटड वाहित इटेंट्डाइएनन, एमन সময় কাল পোষাক পরিহিত কয়েকজন চীনা তাঁহাকে **আক্রমণ করে।** আত্তারী-গণ নোমা নিকেপ করিয়াছিল এবং গুলী ছুড়িয়াছিল। মিং হুং এক ভয়ের পশ্চতে আখায় লইয়াপ্রাণরক্ষা করেন। কিন্ত ভাঁহার সেক্রেটারীর মৃত্যু হয়। মতংপর দেহরকীরু<del>ন ভাগী ক</del>রিলে আভতায়িগণ পলাইয়া যায়।

### পাটনা সহরে বোমার প্রাচুর্যা

সংবাদ পাওয়া গিয়াছে যে, গত ২২ণে জুলাই রাজে ৮টা হইতে ১টায় মধ্যে শিবগদ মহলায় স্থাটাদের পায়-থানার উপর নারিকেলের ম্লোর আকারের ছইটি বোমা আসিয়া পড়ে এং একই প্রকারের আর একটা বোমা মারগঞ্জ মংলার উত্থটাদের মদের লোকানে পড়িয়াছে বলিয়া প্রকাশ, ফলে किছू अभिष्ठे इग्र नाहे।

**ডি**श्रेष्ठि गाबिएद्वेष्ठे अ প्रान्थ स्थाति-ন্টেণ্ডেণ্ট ঘটনাস্থল পরিদর্শন করিয়া-ছেন। বিস্থৃত বিবরণ **পাও**য়া যার নাই।

# বিশ্ববৈষ্ণবেরাজসভার পরিবাজকগণ

1146444410141014 1140101441			
পরিভাজকগণের নাম	বৰ্তমান কিকানা	পরিবাদকগণের শ্ম	বৰ্ত্তমান ঠিকানা
১ : শ্রীদ ভক্তিপ্রদীপ ভীর্ঘ	<b>बिकाना भूद</b>	৮। এডকিএরপ পুরী	<b>কটক</b> <sup>(A)</sup>
২। এছিকিবিবেক ভারতী	<b>454</b>	<b>১। এড্ডিশ্রণ পর্বাড</b>	পুরী
৩। শ্ৰীভক্তিবিজ্ঞান আশ্ৰম	<b>बिनाद्राण्</b> त	১০। ঐতজিবিলাস গভন্তিনেরি	ক্লিকাড়া
৪। শ্রীভক্তিপ্রকাশ অরণঃ	कृष्टेक	১১। <b>ঐতিক্রিগ্র ভবিন্যার</b>	শান্ত ক
ে। শ্রীভজিশাবন	माजाय	<b>&gt;२। औक विश्वास</b> के <b>और</b> ब	মাজা জ
৬। এডজিনবর্ষ গিরি	অমৃতসর	১৩। প্ৰভক্তিভূদেৰ প্ৰোক্তী	ः अधारापूत

# শুদ্ধভাজ্যসসমূহ

### াহৈত্ত্য মঠ

### আকর মইরাজ

व्याणीन नवदीन, फाक्चक ख्रीशाम मात्रान्त, मतीवा

खंडे प्रश्वेदारक शावमार्थिक देवसिकशक, शावक-श्व्यावारवत अध्याणिक **अ** क्रशाहीन अध्याणि व्याहादकरङ्ग 'नमीधा-व्याकाम' यञ्चातत व्यक्तिक व्हेबार्ट्स । व्यक्तिवरमञ्जू श्रीमाम-पदिकामायकेलि ७ चर्मानिक कक्तालिम केलिन व्यक्तिस्था प्रधायद्वार्भवाति ककाव अवस्थित हरेवा शदक । क्रम्य--वश्रवादी विभाग नवहत्तिकी। महकाही-अीनाव विस्ताविकाती अवाहाती, शिखक खीबाव शोक्यांग अवाहाती ं कावाबाक्यन टीर्ब. श्रीभाव बीवहस तथातावी, श्रीभाव सम्मर्गामान तथातावी, श्रीवाय-ह्या उक्तानी, विश्वनत्यानान उक्ताती, कक नदस्य, विनव, प्रविधावन वास्ति।

### (৩) যোগণীঠ প্রথান্তর

৭। এতি জিবৈত্র সাগর

इक्क---(श्रीक श्रीव्यव ব্যোসামী क्ष्वेतिमा व्यक् जीवमानाव । गरका ही @िनिकासम उपनाती, बिताधाविसाम फक्तिकृषन, श्रीवायनाम जन्मजावी । श्रीमायन भाग व्यक्तिकारी, दश्यान्द्रा चौशीनमाथ ।

- (৪) শ্রীবাস-অসম
- (८) टाटेषड-छरन दक्त क- अध्यदेव अल्ल वागाधिकारी, द्धीः भाकृतमाग वादाची ।
  - (७) काळोड अवाधि भःष्ठे আচীন মাধাপুর, বামনপুকুর (নদীয়া) वक्क-वक्कादी क्रिविटनावविकाती।
- ( 9 ) 박|취약 정박F-주설 बैरगाजन, चन्नगत्र ( नगेश ) ৰক্ত-ভ্ৰিকুখন ভাজার ব্ৰহ্মচারী कृष्ण कारियों बन, जाय, जाय ।
  - (৮ अभगनाथ दगोहीत मर्ठ महम्गिभिक्छ ।

व्यक्त--- व्यक्तिक किलाको हम, ध्व. ft. un. newig - 35-19:1 wa-माही, क्षेत्रक्य समिनाती वाकात ।

( ১) औदभोत्र-भंकाभन्न-मर्व টপোৰটো, সমুজগড়, ( বস্থমান ) क्षण-- औरदाहाम अमहाही: ७४ किमीनमञ्जाम क्षेत्र ।

> ( ১ • जिन्नभरकोकोत्र-गर्ठ माताशक, अक्षत्र केंद्रे, नि बक्क-- द्येग्रास्त्रदं बक्काही।

### ( ১১ ) औरवायक्यक्त মাউগাছি, জারগর, বছনাম।

अभिग्नाभद्र ।

(১২) कार्यक जानम

🕮 कागवक (ध्यम, क्रम्मनगर, नशीरा। রফক----শ্রিকানন্দ বন্ধচারী ভজিপাত্রী

### ( ५७ ) खित्रकावन वर्ष

८गारिकपूर, इतिश्वानी, नमीता । रक्क-डीबङ्गानन उत्तरावी । त्रस्थावी 🖺 वहितरह अमहात्री, अम्बन्दर्गीत मान অধিকারী, জন্ধ বিশ্বনাথ।

( ১৪ ) ख्रिमामा-दमोक्रीय मर्ड

৯•मः सवावश्व द्वाष्ट्, हाना । amu---- टीवाधावज्ञ खणवागी, ञ्चलक्षानम् भविष्यः विस्मान वि- 4, विनय-श्रीकाम अक्षाती, श्रेथिकमानन चक्रा

(३१) किर्यामानकी मह

क्रमगार्थ्य, जाना । भूकक--- ज्ञेमधामनाम तकामी

- (১৬) श्रीशवाद-दर्भाः १४ वर्ड वक्तक-- द्यापूर्वश्रक क्याहाती, व्यवस्थितात ভ্ৰম্বারী
- (59; **@161**4 रजामण मह किक्रिका, वाक्यविश्वतः, द्वविशी**ल्य !**ः क्ष्यारम् क्षेत्रक-त्योशक-वाक्रक्किका-গিবিধারীর বিভাগেশ বর্তমান। जनवानी जिल्लान्यानयो।

# (२) बीटगोडी मर्ठ

১৪। শুভক্তিপ্রসুদ বোধায়দ

১৬ सः कालिव्यमान ठळवळी श्रीहे. (११): वाशवालान. कलिकाछा । **उहिंगटकान वि. वि. ८**३३८

মঠরক্ত-আচার্যাত্রিক শ্রীপার কুমবিবারী বিভাতৃষ্ণ। সরভারী-পশ্তিভ শ্ৰীপাদ অনভবাপ্ৰদেও প্রবিদ্বাভ্রণ বি-এ, লীপাদ রাস্বিভারী ব্রশ্বচারী, শ্রীপাদ बाग्रह्मावन मामानिकांत्री विन्त्र, जीनाम व्यवस्थानाम मामानिकांत्री, व्यवस्था जीकी ह्या सम, उच्छाती श्रीभातीत्माध्य, उच्छाती श्रीमध्य, गाँवक श्रीमाप नवीसमूक शृक्षिक्षा -नदाव ভिक्तिभात्री मृष्यामाध्रदेव संवाहायः, श्रीव्यवत्रकानभागाधिकादी वि-०. श्रीकववस्त्रकात जामानिकामी विन्यान, श्रीभक्षणम नवरकानित, श्रीनिषष्ठत अक्षानी, श्रीष्ठवक्रानिक ব্ৰহ্মগায়ী প্ৰাকৃতি।

(১৮) আমলাবোড়া অপদ্বার্থম दाव्यवेश द्याः वद्याम । वक्क-ज्ञाना अविविध्यात।

(১১) अभूक्र वाख्य गर्ठ वर्षकात, श्रदी, क्रींक्शा । क्रक - उत्रताको औभद्रशानन विद्यादय. बच्छात्री श्रीमामम, श्रीलारामाञ्चर उन्नठाती, श्रीयामशासम् उन्नठाती, श्रीनमार **हत्रम व्यक्तिकारी, जी**रमानिम गणा।

- (२०) खीलम-८गोणीय मठ ष्मानवद्दनायः उष्कशिक्षि (माः, भूती । वक्क--- अक्षाती श्रीनत्रद्यकी व्यमानकी। महकाही-वक्षाती वीर्विनविश्वासे।
- (२) क्षेत्रकियामम् वर्धः Civalaimia, mort क्रक--- अन्दर्भाक्षी जीवन्त्रम् , श्रीतामगर वन्द्राती।
- (२२) जिल्लाक्रम-त्योधीय सर्वे **७न१ कशका**यन शुरा, काली 🖡 क्षक्रम- अध्यक्षक्र कृत्रक्ष्मक्ष्मी, विकारेगांग वष्ठाक्षे, औरकातम बनवारी ।

(२७) क्रिक्टेंड्डड वर्ड जीवृतिरम्मात मूक, जीधाम गुम्मायन । प्रम म-- विभगविमाध अवहां ही

(१८) जिलब्रमस्य मर्ड

देनश्वादना, नीजानुव क्ष्मच--व्यवहारी क्रीनृतिरहासम् ७ व्यवहारी खोनपरगान ।

(२०) औदेहचसद्योद्धीय मह कुमुत्रकु का, क्रिक्कु का, श्रामकृत्रन क्य क--- शोहमानाच हाह, श्रीहामधीच व्यवप्रतिका ।

পুরী

(२७) नगुगटकोडीस वर्ड प्रकर--- प्रभावको द्वीध्यनंतको, क्षीमबी-भागाम अवसमी

(२०) व्याणनगामा वालवावानमा वाक्रणाया, त्याः यास्, सामक क्रमादम स्कृष्ट्रक्रमृति ज्ञीद्रवृत्तेव्रद्रामा दमम 417. WW TR41#31 (২৮) দিল্লী গোড়ীয় মত-ভাষ্যালয় 4-स (भागी करन जाकात (मन, विके विक्री । प्रकर-अवतारी विशेषक्र, औष्ट्रगरनवत क्षीत्रायाञ्चलहत्रनमञ्जू

(२**३) ८गाप्रामनाचा-अनदाक्ष**य प्रकण-अभागती कीनावार मावन

(१०-) माळाबदशोडीह मह नर्व द्याणावाद्रस्य, कार्यक्षान, म साम वक्क---विविधियांनी किया क्रमान वन यहात्राचा गरकाही--विश्वविद्याची ही ए 🕮 हिल्हा अने .. किनाह, 🛮 जिल्ला अयागी Biefmanne, Die Beinie, Dein चभक्षानम् अवस्थिति जिलातः दश्यमानम् রক্ষরারী, শ্রীশাগনিত্বস্থান ব্রহ্মারী ছবিত ण.को ७ व्याग दशोगक्रगामक वशकाती ।

(१६) ज्यानमद्द्रामाना शाहे कांशानश्राम, डाक्का, वदीका इक्- अवहाती विश्वनागाय

and the same of



ষষ্ঠবৰ

২৯ শামন গোরাক্ষ ৪৪৫, ১২ই শ্রোবণ বঙ্গাক্ষ ১৩ ছ৮, ২৮ জুণাই ইং ১৯৩১ সঙ্গনবার

)२**८७म मःच्या** 

### সাময়িক প্রসঙ্গ

ওঁবিষ্ণুপাদ পর্মক্স পরিত্রাঞ্চকার্চার্য্য-यर्ग व्यक्तित्रमञ जिल्लीमन लिलिमनास সরস্থতী গোত্থামী প্রান্থপাদ পুরীতে বিবাট্ मकार्खनपूर्व श्रीशृक्तांख्य मर्टत श्रीमनिदत ভিভি সংস্থাপন করিয়াছেন,—এসংগাদ 🔊 পত্ৰের পাঠকমাতেই অবগত আছেন। **অভংগর ভিনি কটকবাসী ভক্তগণের** এবং লক্ষনমণ্ডলীর পুনঃ পুনঃ অন্নরেরের গভ ৪ঠা। আবণ, ২০শে জুগাই সোমবার প্রাত ৮টাগ भूती स्टेंट्ड स ५२। स्ट्या ८०णा ১२টात मगग কটক ষ্টেদনে উপস্থিত হন। পুনা হইতেই ভারযোগে সংবাদ প্রাপ্ত হইরা শ্রীগৌর-নিজ্ঞন শ্রীল অভুপাদের অভার্থনা করিবার यश्च भूष्ममानानि छेथा।न-इष्ट श्राक्तरत জীযুক্ত নিশিকান্ত সান্ধাল ভক্তিত্বধাকর किष्णायी, अम अ : जीपुक मन्धन नतनाः পাধ্যায়, প্রীযুক্ত অনর্শনসনাতন ভব্তিপান্তী, 🕮 যুক্ত বিশাসবিগ্রহণাস অধিকানী, 🕮 যুক্ত গোলেরনাথ মুখোপাধারি প্রমুধ সজ্জন-मधनी धरः जिम्बियामी वीमहिक्यमान व्यवना महाबाद्य क्षापुत्र क्रिमक्किनानमः मट्ठेत ভজগণ ষ্টেমনে উপস্থিত ছিলেন।

ক্রেন কটক ভেশনে পৌছিবাসাক প্রবেশ সক্ষাকেই উঠৈতঃখন্তে "জর পর্মহংস শ্রীশ্রীমন্ গুণাহার গুলাসাক্ষাক্র সরস্থানী সোধারী মহারাজ ক্রেন্সুপাল গাল্পী হইতে নানিবার সক্ষে সক্ষে দীর্ঘকা পুশালাল চলনাধির হারা তাহার অভ্যর্থনা নিকট করিল সকলেই মারাক্ষে দগুবৎ প্রেণ্ড হা হইলেন। পরে স্থানিজ্ঞ বাশীর বানে কনের প্রান্যায়া প্রান্থানক্ষে উঠাইরা কাঠকুড়ি জনগণ

নদীর ধাবে একটা সূত্রহৎ দিওলগৃহে আন্মন কৈবিলেন। তগার দেওয়ান বাহাওর শীক্ষণ মহাপাত্র ও কটক র্যাভেন্দ কলেজের কভিপর অধ্যাপক শ্রীস প্রেন্থাদের সঙ্গে সাক্ষাৎ করেন।

কাঁওনামোদী উঠন প্রভূপাদ তাঁভাদের
নিকট বহুকণ উচ্চারিকণা কাঁওন করিয়া
সন্ধার জীসচ্চিরানন্দ মঠে ভাগ্যমন করেন,
উট্রাচিদানন্দ মঠের বাংসারিক মন্ত্রমহেশ্যের
উপলক্ষে একটা ফুরুহ্ণ মণ্ডণ নিম্মিত ও
ফুসচ্ছিত হইরাচিল। উট্লাল তথার উপতিত হইলে তথাননিপ্রাস্ত বহু
ব্যক্তি আনন্দভরে প্রণামাদির হারা ভাঁহার
সম্বন্ধনা করিবেন।

শ্রীছরিকীর্নের বাঁহার জীবন— প্রীচরিই বাঁহার প্রাণনাপ, হবিভজনেই বাঁহার মোদা দোদ, সেই প্রীহরির নিজ্ঞান সূতৃন্দপ্রেষ্ঠ প্রীল প্রভুগাদ কর ববিশ্বত জীবকলকে হরিদেবায় নিযুক্ত করিবার জক্তই এ জগতে অবতীর্গ হইগতেন। প্রতরাং তিনি মুহুর্জনারও অক্তকে প্রীহরিকীর্ত্তন হইতে বিরত গাকিবার প্রযোগ প্রাদান করেন না বা তদমুগ জনগণকে ত্রিবিশে বিশ্বত দেখিতেও ইত্যা করেন না। তাই প্রীস্তিদানন্দ মঠে প্রবেশ করি কি স্তিক্টানন্দ প্রীগোবিন্দের গুণাহ্বীর্তন আরম্ভ করিলেন।

সেই রাত্রেই কলিকান্ডা শ্রীগৌড়ী:
মঠে প্রত্যাবর্তনের কণা থাকার প্রত্যাপ দীর্ঘকাগ শ্রীহরিকথা কীর্তন করিত্রা সকলেই নিকট হইতে বিদাধ প্রহণ করিবেন।

ত্রতি সম্পাঞ্জনে মৃক্লেপ্রেট প্রিছনি ভিগবানের দর্শন লাভ করেন। ভোগিসকল ভনের সন্ধা স্থান্ত, ভাদৃশ উপস্কিবিলিট বিভাগিক মনোরথ পূর্ণ করিবার অক্স বিষয় জনগণ প্রিলা প্রভূপাদের অদর্শনাভা<sup>ক্ষে ক্</sup>িটা করেন। স্থভরাং অগতের নাথ দর্শন

উপলব্ধি করির। মর্থাহত হইলেন। তবে স্বতন্ত্র ভগবানের স্বতন্ত্রজন নিজ প্রান্ত্র সেশোদেশে যিনি যুগায় অবস্থান করেন, প্রেক্তমনো টীষ্ট-সম্পাদনেই তাঁচাদের স্থা, এই বৃথিয়া প্রাক্তর ইচ্ছায় নিজ ইচ্ছা মিলাইয়া থাকেন।

া জিলবস বাহি ১০ ঘটিকার সময় কলিকাভা অভিমুখে প্রাভুগাদের যাত্রার সময়
বছগোক ভাঁহাকে কটক টেসনে
উঠাইয়া দিরা ১ভুর বিরহ্বেদনার ছংখিত
হুইরা নিম্প নিম্প সেবায় নিযুক্ত হুইলেন।

পর্যারাধ্য শ্রীণ প্রভূপান ১০শে জুলাই
মকলবার প্রাতে হাবড়া টেশনে উপস্থিত
হইলে আর্যান্ত্রিক শ্রীবান কুমবিহারী
বিশাকৃষণ প্রভূ প্রমুগ ভক্তকুল প্রভূপাণকে
যপাবিধি বন্দনালি করিয়া শ্রীবোড়ীয়
মঠের মোটরবানে ভাঁহাকে শ্রীবোড়ীয় মঠে
লইয়া গেলেন প্রবিভাত্বণ প্রভূপানের সহিত শ্রীপাদ
অনন্তবাহনের পরবিভাত্বণ প্রভূপানের সহিত শ্রীপাদ
অনন্তবাহনের পরবিভাত্বণ প্রভূপানের স্থিত শ্রীপাদ
অনন্তবাহনের পরবিভাত্বণ প্রভূপানের স্থিত
শ্রীপাদ সজ্জনানন্দরীও শ্রীধাম পুক্রোভ্রম-ক্ষেত্র হইতে প্রত্যাংগ্রন করেন।

সঞ্জীবনী লিখিতেছেন,—ক্চবিহারের 
ইলারাণী ইলিয়া দেবী তাঁহার পুত্র প্রিম্প
ইক্তিং ও ছই রাজকুমানী-সহ প্রীতে রথ
দর্শন করিতে গিয়াছিলেন। সঞ্জীবনীর
মূতে মহারাণী উহাতে এলানন্দ কেশবচক্রের
দক্ষ আশা চুর্ণ করিয়াছেন। রঞ্জঃ, সন্ধ্,
তমঃ—গুলুরামাবল্যী তিন শ্রেণীর গোক
বিষঃকাণ্য ছাড়িতে পারিলে রংগাণারি
ভূগবানের কর্শন লাভ করেন। ভোগিসকল
বিষঃ
নিজ মনোরণ পুর্ণ করিবার অক্ত বিষয়
বিষয়ীল করেন। ক্রডাং অগতের নাথ করিন

করিবার সৌভাগা কেশব কবুন ছিল না — একথা আগরা বীকার করিতে পারি মা।

বরোদান রাজক্তা কোনতা নির্কিশেরবাদী হইনেন এবং কুচ্নিচানেন রাজক্বর্গ
তিবদিনের জন্ত ভলপনন্দর্শন-নৈমুখ্য লাভ
ফরিনেন—ইহাই কি কেশনচক্রের আশাভর্মা।

নিরাকার নির্বিশেষ ক্লীব এক্ষের দীমা
ভূবনেথর পর্যান্ত। বাজনেদ ভগরাবের
দর্শন নির্বিশেষবাদীর ভাগের তর্ঘটনীয়
হইবেও দাঞ্চরকোর চরণ তইখানি দেখিবার
স্থাোগ ভাগাদের নাই।

ভগবানকে উড়াই গা দিয়া যে চারিথাকার হিচার ভগতে হান লাভ
করিগ্রাছে, ভাষা শতিক্রন কবিরা
বাহ্নদেব ভগরাথ পুরুষোভ্রমের দর্শন ও
তাখার চিন্দর রপ—উক্ত মনোধর্মজীবির
সীমার বাহিরে সনাভনগর্মে চির শবিভিত।

পাঠকশংশর অরণ থাকিতে পারে যে, হাওড়া ডিব্রীক্টবোর্ডের **ভাইস**চেলারমান শ্রীযুক্ত বাবু চাক্তক্স লাল জীটেডকুনঠের বসমঞ্চের জন্ধ এক সহস্র টাকা দান করিয়া-ছিলেন। **50** तक्रमरक द्वीरस्टरन्यम् আচার্য্যের ভবনে ৪০০ বৎসর পুরে হীঠৈতক্স মহাপ্রান্থ লাটক অভিনয় করিয়া-ছिल्म । পाठकान छनिया स्थी बहरतन, बहे हाक रायू अक्टन **अक्टी शहेब्दलय गृश** নিখানের জন্ম মুখাডাকার ২০০০০, টাকা मान कतिबाद्धन । यमाञ्चयत्र शक्तवात् धर्म-সংক্রান্ত বিভাগরের <del>গৃহ-লিস্মানে কর্মে</del> ব্যৱ করিয়াছেন, ছাত্রাং শ্রীণাদের বিভালয়-গৃহের অন্ধ তাঁহার ভতোবিক কান প্রাক্ষীর।

"লগতের পিডা ক্ড বে না ততে বাপ। "পিতৃতোহী পাতকীর কম লম তাপ ৯

শ্ৰীশ্ৰীপ্ৰক্ণীরাকৌ কয়ত:

২৯ বামন গৌরাক ৪৪৫

## মানব জীবনের কর্ত্তব্য

( )

আৰম্ভা প্ৰেত্যেকেই ভিন্ন ভিন্ন বাৰস্থালাভ। সভার সদস্য-থাতার নাম লিথাইয়া জন-मट्डत वेद्यानन शृक्षक छुमून डेख्रास क उता ক্ষেত্রে ঝাঁপাইয়া পড়িভেছি। এচকুই প্রত্যেকের জীবন-কণ্ডবাগতি বিভিন্নতার পরিচয় দিয়া থাকে। আত্মক্রির অনুকৃষ বাবস্থাপ্রদান্তা উপদেশকের উপদেশকে প্রীতিমান্তে অভিনক্তিত করিয়া কেই মনে করেন,—"আমার অপোগত শিভ্যভান-গুলি এবং স্থকোমলা ক্রোয়দী ভাষ্যা খাদারই আজিতা: অতএব আমি যদি প্রাণ্পর্ণে ভাষাদের জাত্ত অর্থ সঞ্চল না করি, গৃহ বিজ্ঞাদি রক্ষায় প্রচুর পরিশ্রম না কবি. ख्टार किताल मरगात्रथमां भावत इहेटर **१** ইহাই আৰার বিধিনিদিট ধম্মকার্য।" কেহ ভাবেন-- পরোপকারজনক কার্যো আত্ম-मानदे रथन मानदकीनदनते दश्रह ऐक्स्यः তখন, গু:স্থ বোগীর ভশ্রবা, তৃফাওকে क्रमहान, इन्टिकक्रिष्टे एएटम मार्गरा उत्पातन, নারীমক্ল, শিশুমক্ল ইত্যাদির দেখন বা অশিকিত সমাজে শিক্ষাকিরণ প্রদান ইত্যাদি পরমঙ্গল রতে ব্রতী ২ ওয়া অপেকা অক্স কোন কার্য্যেট জীবনের সার্থকত। সাধিত হয় না।" আবার কোনও মাংস্থ্যপর্বশ হইল নিৰ্মাংসর সনাতন বৈক্ষবধৰ্ষের কাতি অয়থা আক্রমণ, শুদ্ধ হরিভক্তগণের অগল চরিত্রে অমূলক কলককালিমা লেপন এবং সাধু ও শাল্লাচারবিগটিত অসদাচরণ প্রতিশালন করাকেই জীবনের একান্ত কুতা বলিয়া জানেন। এই প্রাকার ধর্মবিশিষ্ট মংশুমাংসলোভী ব্যক্তিগণ সাবার মনে করেন.—"ভগবান যথন সামা-নিগকে 'খা-দন্ত' দিবাছেন এবং নদী ভড়াগাদিতেও বিস্তর মংস্যাদি সৃষ্টি করিয়াছেন, ভগন কুকুবের 'কুকুর-লভের' স্থাবহারের জায়, জগকতকুলের নিশ্মূলতা সাধন ও নধর ছাগশিশুগুলির নাত্স ভক্ষণই আ্নাদের জীবনের উচিত कर्षा नजुना ममारकत स्वामा अका रहेरत कि शक्ति १

মনোধর্মী কগতে কর্ত্রন সংখ্যার হার শেন নাই। ধর্ম কামী ব্যক্তি স্থ্যান পাসনা, অর্থকানী বাংপতির স্মারাধনা, কামকানী শক্তির এবং মোককানী সন্তো-গাসনাকেই প্রেষ্ঠতন কর্ত্তব্যব্ধপে এবং ফরিয়া থাকেন। কিন্তু যদি কোন সোভাগ্য-বান্ ব্যক্তি পরাশ্বনিষ্ঠায় পল্লিনিষ্ঠিত চক্ত্যারে

শ্রীশীমন্তাগবত বা শ্রীশ্রীহৈতক্ষ্যরিতামৃত আলোচনা করেন কিবা বাস্তব-স্বাস্থ্যেক্স मानुगद्धाकनगरनत व्यगम জীবন-বেদ क्रथाशन कतिवात मञ त्यथाविभिष्ठे इन, াবে তিনি খুঝিতে পারিবেন যে, বছ দ্পিণী মাগার মনোরম লাণী গুলি, যাহা জীবনের কণ্ডব্য বলিয়া অক্ত মাননকে বিপণে ভুলাইতেছে, ভাহা নিভাস্কই অসার, ভাহা নিতান্তই 'মেকী'। প্রভারকের প্রস্তুত ন্কল স্বৰ্ণ যেজগ অগ্নিডে দিলে বা 'নিকৰ পাপরে' যাচাই করিলে তাহার র্রিমতা ৰলা পড়িয়া থাণ, তজ্ঞান ইপাৰ্গ সন্দুলীবনের. বীধাৰতী আচার অচেরণের সহিত ভূমনা করিলেই মেকা অসদ্ধাণার কণ্টতা ও িবর্থক হা সহজেই **সদঃশ্**ম হইয়া গাকে। সংখ্যাবিমের পুত অংদশ---প্রভাকরের দী **প্র** মুর্ত্তির মত স্বাহংপ্রাকাশ বস্তু, ভাহাই বিষ-মানব জীবনের করবানিদেশক একমাণ ধারতারা। বাশ্বর কঠের। কথনও বহু ६६८७ शास्त्र माः यह कान्यसान (सर् কখনও শুদ্ধভীৰাখাৰ ধৰা নতে। পাঁচী স্তা গণ্নতের হত্ত অধীতিকর, মতই কষ্টপ্ৰদ, ৰভই অননোনীত হউক না কেন, ব্যক্তের ব্ভিব্তার বিম্প প্রভার, অব্যান্তবের অহলার অস্তারের স্থান মালিক প্রাপে হইবেট হটবে। প্রম লেও মন্যা-জন্মের উপেশু কি শুধু শ্করীবিটাতুলা প্রভিটার অভ্যন্তান, না কটকভোজী উট্টের কায় ক্লেশক তনামক ভোগ্য বিষয়ের চর্বিব ত-চন্দ্রণ 😲 অপথা নিবিবশেষবাদীর কুপরামর্শে ডিলভরে আগ্রহন্ন ? নবারুণ অ:লোকে অৰুকারের ভিরোধীনের স্থায় আমাদের এই স্কল ওজোন-তিমির বল দেবের অভিনপ্রকাশ আল আচা্যানেবের অভিনৱা প্রোক্ষণ জীবন-ভাতিতে চির বিদ্বিত হইতে গাবে। তদীয় **স্থমহ**তী व्यक्तीकिकी क्रथा, मानव-मःभारतत विवाध হিমালর, কৈতবের প্রবল নায়াগ্রপ্রাভ এক নিনিষে ধবংস বিধবাস করিটা মানব-ভাবনের একাছতম স্থনিদিট কণ্ডবাই যে হরিডজন, আহার অবিনানী অক্রিম-मन्ना है एवं इति इत्र अस् - हैश अस्य श्राप्त সেবাক্সন্তর আনুশের বারা জ্পুমাণিত कतिया निशास्त्र ।

ক ভিন্ননি ভাইটাদ কগদাচার্য্যবরের দিবা ক্রনীতল শ্রীপাদকমলে আহুনিবেদন করিতে পারিলে আমরা জীবনের চরম করুবেরে বেবাগোমুগীর সন্ধান পাইব; মুকুল্পপাদারবিক্ষ-সেবনেই যে স্নাতনী আহুসুত্তির শুল্র সৌল্ফ্যা—ভাহাতেই যে মহুযাজনমের নিগুড় সার্থকতা, এই শুহুতম সারতন্ত জ্ঞানে জ্ঞানী হইড়ে পারিব।

### ভীধাম-প্রসঙ্গ

( > )

অবয়জ্ঞান ভগবান্ অন্তবন্ত হইয়াও প্রাপকে আনিভৃতি হ'তে পারেন, এরপ শক্তিসম্পর। প্রপঞ্জে অন্তীর্গ সেই ভগবান্ লোকলোদনের নিকট আসিয়াও ভাগ্যইন জনগণের নিকট ভান্যদেরই স্থার। জীবশ্রেণীর অন্তর্গত বলি বা প্রত্যেতি ইইলা জালাদিগকে প্রমাত্মহর্মপ-দর্শনে অধিকার দেন না।

সেই ভাগ্যতীন অন্ধিকারি জনগ্র মনে করে যে, ভগবানকেও ভাগারা ওাগারের জাব ক্ষকস্বাধা কীব্রিকেন্দ্র পারন্ত করিয় উপের উপের আধিপাল বিশ্বর করিবে। ভগবান্তার অধ্যাক্ত বাল্যা রাবগালি অন্তর্মণ ভগবানকেও বিশ্বনের জায় বজ্জীর বাল্যা ধার্মা কার্যাদির সার্বাদের ক্রিকার ক্রিনাদ্রের বিশ্বর বাল্যা ধার্মা ক্রিকার ক্রিনাদ্রের বিশ্বর বাল্যা ধার্মা ক্রিকার ক্রিনাদ্রির বিশ্বর বাল্যা

মুচ ভারণণ নিজ নিজ ইন্দি: তপণের
জড় ভগবানের বেরুপে বিক্রাত ধানণা করেন।
ভগবানের ভারুপে-বৈভবসমূহের ভারতিরান।
ক্রাব্যা নিজেদের সর্কানশে ঘটাহণা পাবেন।
ক্রেরুত প্রস্তাবে ভজ্জনগাই ভগবংখনপা,
ভগবদনপানৈহন, ভীনখন্তন ও প্রশ্নাত
ক্রাতে প্রশ্নাত বিশিষ্টা প্রদর্শন করেতে
সম্প্র

প্রথম কাছে তের মধ্যন্তিত মধুখান বেরল বহিংগদে ব্যক্ষিকার পক্ষে সন্তব নর, কামাদি চিপুতি কের বনীভূত জনগণ ভল্লপ কেবল চেতন বসর সন্ধান পান না । ভাগাদের নিকট 'চিন্মর' শক্ষটি আকাশ-কুলুমের স্থায় অলীক চিন্তাপ্রস্থত শক্ষ-বিশেষ। এরপ প্রাক্ষত জগতের অক্তম বস্তুজানে বাহারা ভগবানের চিন্ময় অব-তর্গস্থলকেও নির্ণয় করিবার প্রথম করেন, ভগবনাগ্রা স্বীয় বিকেপাধিকা ও আবর্ষী শক্তিবারা ভাগ্রের গথ রোধ করিনা বাত্তবসত্য হইতে দুরে রাধেন।

অক্র রারণ ভগবান্ দাশর্থীর পত্নীকে হরণ করিয়া লাভবান্ হটবার যত্র করিলা ছিল। ভগবত্তকের আরাধ্যা চিম্মরী অক্সন্থতিকে অভ্নতাগের অভ্নতম জানিয়া বে-সকল ভোগী কুভার্কিক তাঁহাতে অপবিত্রতা আনগ্রন করিবাল মানসে উবা-পরারণ হইয়া বড়্যিপুল দাভ করে, তাহারা ভগবদ্ধানাদির কোন সভ্যাক্সভৃতি বা বাল্পা করিতে সমর্থ হয় না।

### যৎকি কিং

(ব্যক্তিগত)

শীপাদ নিমানন্দ দাস সেবাঙীর্থ জ্বজিনশাল্লী বি এজি, বি-টি মহালয়ের সহিত্ত
শ্রীণ জাবেশর গোলামী কাব্য ভর্ক-ভারথীগ জাবাম দেশের 'টিছ' নামক কানে
বিগত ১৯শে জুলাই ভাবিথ হইত্তে চারি
দিঃসকাল শুরা ও বি ছিজি,দৈর ও অদৈর
বর্ণাপ্রমাণর্ম, নিজুনৈবেছ ও ইত্তরি ভোকা
প্রেছিতি বিষয়ে বিচার করেন। বিচারে
প্রেছিত বিষয়ে বিচার করেন। বিচারে
প্রেছিত ইরাছে। প্রাকৃত জীবেশর পোলামীর
মত প্রিত আসাম দেশে নাই,—ইহাই
প্রচারিত।

প্রথম দিনে সেবা তীর্গ মহাপ্রের শাক্ষপ্রমাণহলে বিচার প্রথম করিয়া উট্টাত
ভাবেশর থোজামী সাতীত আর কোনও
লোগকক রাজান বিচারসভাত জাসিতে
লাগে করেন নাই। তুর্গুন জাগাপক
ভাবেশর গোজামীকে বিচারকালে সাহায়া
কবি ছিলেন মারা। সেবাতীর্গ মহাশার
ভাবিগ্রেক ১৮টি গাল করিগাড়েন। উত্তর
গাইলে সেবাতীর্থ মহাশার
প্রতিবাদ করিবেন।

শকরদেশীয়, হরিদেশীর ও দামোদরীর এই তিন সম্প্রদানের দুদ্ধ শিশ্বগণ দেবাতীর্থ মহাশংকে লৌকিক পণ্ডিতগণের সহিত নিচারে আঞ্চান করিয়াছিলেন। উল কাতকটা সামাজিক স্যবহারগত সাম্প্রদানিকতা মূলে গঠিত হয়। তাগতে ইতাদের লৌকিক পাণ্ডিতো অধিক ব নাই, দেখা গিগাছে।

### নিৰ্য, াণ

মেদিনীপুর জেলাম্ম নার্মানিবাসী

ক্রীগৃত কিশোরামোকন দাস অধিকারী
সাহিত্যকৃপ মহোদয় গত ২৬লে আবাচ
শনিবার শীহরিবাসর দিবস দিবা ছই ঘটিকার
সময় নিতাধামে গমন করিয়াছেন। তিনি
উবিকৃপাদ পর্মহংস পরিব্রাক্ষরাচাধারবা
অটোররশত প্রীক্রীমন্তকিনিমান্ত সর্মজ্জী
গোলামী মহারাজের ক্লপাপ্রাপ্ত নিবা। তিনি
বৈশ্ববিচিত বিনিধ সন্তলে বিভূবিত
ছিলেন। তাঁহার রচিত প্রবন্ধ ও কবিতা
ভদ্ধনৈক্ষর জগতে বিশেব প্রীতিসারক
ছিল। তিনি মধ্যে মধ্যে শ্রীনদীরাপ্রকাশ
ও শ্রীনেট্রির পঞ্জবদের সেবা করিয়াছিলেন।
তাঁহার অকাল প্রস্থানে আমন্তা বিশেব

### दिनिक महीमा-क्षाकाच---भातमार्थिक शक

# গ্রন্থ পরিচয়

### **ট্রামন্তাগরতম**

আমিকাছবি কৃষ্ণবৈপায়ন বেশব্যাস-প্ৰণীত মৃদ্য, শ্ৰীমন-াচাষা-ক্লডা ভাৎপৰা-নিৰ্শ্বটাকা; আমদ্বিশ্বনাপ চক্ৰবন্তী त-क्रष्ठ मातार्थनिनी किका, रशास्त्रवान, मृश्युष्ठ व्ययस स চশক, তগা ও বিবৃত্যাদিযুক। প্রতি ক্ষের আদিতে ক্ষের প্রতিপাত ক্রাসার, অন্যারের প্রথমে ঐ ্যায়ের সার্মণ অবিশ্বত ভাৎপর্যাদি বিবৃত। স্লোকস্চী ষ্ট্রস্টী, অবাায়বিষরণ, পাত ও ভানস্চীস্থ উভ্য গজে উত্তম অগতের মুদ্রিত। প্রথম হইতে ১০ম হর ত ছাপ<u>।</u> <sup>ক</sup>পুৰ্ণিকপে শেষ হইয়াছে। ভিজা প্ৰাথম তে ৯ম ছব পণাও ২১।৵৽; দশম থছ ১২৻ৢ He 1

### শ্রী শ্রীটেভকাচরিভাষত

ब्योद्योगर्था कर्न दमान हा कुत्र-ब्रिक 'व्युक्त व्यवाह हारा' ইটিময়জিনিদার সরস্থতী গোলামী প্রদুপাদ-লিখিত र्डार्भा व्यक्तिकाति वह नाज्यवान-मक्ति वह राज्य र्गान्ड व्हेंग्राट्या (आद्युत मायभगात्रा, दक्षाकृदाम छ ग्रंक भगारतम भूरका मःकिश्च व्यक्तिरम मःशामितः। ग्रेक थ ।।य-धात्रत्थ क्याभात (५ श्या चार्ट् । स्त्राक. ধক, স্থান, পাত্র প্রাকৃতির স্ববৃহৎ পূচী ও গ্রম্মকারের 🏿 জাবনী-সম্বিত এই এপ অভূতপুর্ব সংখ্রণ ইতঃপুরে পি প্রকাশিত হয় নাই। উত্তম কাগজে পারিপাটোর : পেড় টাকা, ডাক গরচ স্বভত্ন। 🐯 पूर्व ३व्यक्टल मृगाःच मृशिष्ठ रहेग्राटः। वाष्ट्र व्याप পুচার সম্পর । ভিকা বস্তমানে ৫, মাজ।

### **ট্রাটেড ক্রাকার**

গ্রন্থকারের জীবনী, প্রাতি পরিচেদের কথাসার, বিশ্বত জীয় ভাষা, শব্দ হঠা, প্রারহটা, বিষয়-স্থান-পাতাদি-া, প্রভৃতি বিবিধ বিষয় সম্বাদত বিরাট মিতীয়া সংস্করণ ক্রাউন ৮ পের্জা আকার। আদিলীলা ও মনে)র अपश्य क्षकां मिछ इस्सार्क्त। क्रांस क्रांस क्षकां मिछ ৈছেন। অভিাম ভিকা ে টাকা, আদি লীলার FI o 1

### **बी**देह **उग्रम्म**

এই প্রায়ের এক্লপ অভিনব শুনার সংগ্রহণ আর কুত্রাপি श्रीम् ७ इत्र मार्ट । अर्ष्ट्रण (श्रीकार्राणत व्यवस्, व्यास्त्रीत, ষ্য, কথাসার, তথা প্রাফৃতি সহ খণ্ডে ংগ্রে প্রকাশিত রাছেন। মুগ নোটা অক্ষরে ডবল জাউন আটপেলী माकारत हाला हहेबारछ। भूका २॥० छोका। नगीवा हाम ७ (शोधीरम्म आहरू गरनम् भएम अ। • किना ।

### **এমন্ত**গবদ্**গী**তা

-- ত্রীগোড়ীর বৈক্ষবাচাষ্য অপ্রাকৃত রসিকচ্ডামণি **টবিখনাথ চ**ক্রবর্তিঠাকুর গোস্বামিক্তা সারার্থবিহিণী ছাসমেতা ও প্রীশ্রীমন্ত্রজিবনোদ ঠাকুর-প্রণীত 'রসিক-নামৰ ভাষাভাষাসহিতা। অধ্যায়সূচী, মাতৃকাক্রমে ক্র-স্চী,বিধর-স্চী,এছকারের জীবনী ও অবভরণিকালি क्ष्यागत किका २. छाका माळ, नाशातून नशकतुन-->॥•

# শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলা

েওঁ বিক্রপাদ শ্রীশ্রীমন্তব্জিসিদ্বান্তসর্মতী গোৰামা মহারাজের সেই অবিলা বিধাং দিনী कौराश्वनकरशारवाधिनी कृष्ठ-कार्य्याननवाद्यिनी कोवन्न-याधित भृष्ठ- विश्वह---- (वक्षवि:काञ्च-त्रह्मानाव (कोञ्च-मण्डिमाव বৈ চববিজ্ঞানাগারের মোলিক তথা-প্রকরাত্ত ও ভাগবতের সম্বয় ওক-মহাজন-জীবনচ্পিত-শিক্ষক --ডিবিলাস্চিমাঞ মচিমাত্র-বিচারক— ঐখন্য ও মাধুন্যরদের মৌলিক গবেদণার —সম্বন্ধ, অভিগ্রে ও প্রয়োজন ভবের নিদ্ধান্ত সমূত ।

১ | প্রথম অভ-বৈক্ষবদশন, শ্রী গুরুতম, কাল-ধন্ম, শ্রীমধ্বানিভাব, শ্রীনারভানবী, পাঞ্চরানিকী দীকা ও বর্ণ বিচার, আত্মধন্ম ও মনোধর্ম, ঐটেডভাদের ও ভাহার শিক্ষা, অপ্রাকৃত সহজধন্ম ও প্রাকৃত সহজধর্ম, প্রাঞ্ডি বিংশতি সংখ্যক রয়ে স্থানিতিত। ভিকা মাত্র ৮০ বার ভ্যানা :

১। ত্রিভীয়া অণ্ড- ওদা ও বিদ্ধা ভক্তি, মহুযোর শ্রেষ্টভা কোখায়, অখ্যার নিভারতি, জীগর স্বামিপাদ ও मामानाम, औरशोत-निष्ठ्यानम् श्रम्म, जिगुरशत धमा ও क्रफ-कैंडिन, श्रीनामन्त्राय श्रीमहाशनएव कैंडिन, श्रीत-शास्त्र महिमा, महाश्राम, जीत्रात्रिक, जीक्रशक्त्रक्रकन-পণ, শ্রীমতী ব্যভাকনন্দিনী, শ্রীচৈতভের দয়া, গোরকরণা ও ক্লাপদীক্তন-চতুদ্দশ অপুনা মধুরিমাপুর্ণ-বভূত্য-বিভূষিত। ভিকা ২, এক টাকা মাত্র।

প্রেপম ও বিভীয়—ছই ৰও একজে লইলে ভিকা ১॥•

### **এ**মত্বগ্ৰদ্গীতা

(९) हीय-देवकनमानिक-८०थत बीबीयमदनास्य विकान ভূষণকৃত ভাষা ও আমিছকিবিনোদ ঠাকুরেরপ্রাঞ্জ বন্ধ-ভাষায় বিশ্বত 'বিৰদ্পজন' নামক ভাষাপুক্ত। অন্যয়-সূচী, বিধয়সূচী, ও প্রতি লোকের শ্রেণম ও চুতীয় পাদ স্থাঁ, ভাষ্টকারের কীবনী প্রাকৃতি সম্বলিত। উৎক্ট বালাই, রাজসাক্ষরণ ( তুরীয়া সংখ্যাণ ) গ্রন্থের किका २ हाका।

#### প্রমেয়রতাবলী

শ্রীমধনদের বিক্যাভূদণ-প্রনীত বৈঞ্বদশন, সন্দর্ভ ও र्शाविक-ভाषापि প'द्वात व्यवम श्रष्ट । डे क्रिके कालिएड ছাপা। সুবিশ্বত টীকা ও প্রোপ্তশবদানুবাদ-সাহায্যে অভি সহজে বালকেরও বোধগমা হইয়া থাকে। ভিকা । ৺• আনা মাতা।

#### **এনবদীপধামনাহাত্ত্ব্য**

( প্রমাণখণ্ড ) সাম্বাদ। ক্রতি-মুত্যাদি গ্রামে খ্রীনব-দীপের যে মহিমা কাঁটিত আছে, তাহার মূল সংস্থৃত ও অমুবাদ। ভিকা 🗸 আনা।

### শ্ৰীশ্ৰীনবদ্বী পভাৰত রক

পরিক্রমার ভ্রত্যাদি-বিষয়ক। ভিক্ষা। আৰা।

### ভব্তিরতাকর ও নববীপ পরিক্রমা

শ্রীশ নরহরি চক্রবন্তি-ঠাকুর রচিত। ভক্তিরত্বাকর ক্লাভবাৰিষয়-সহ উৎকট বাধাই তৃতীয় সংখ্যাপ—এই য়াক হইতে পরিজনাংশ মাত গৃহীত; জীলীৰ গোন্ধামী কি व्यकारत क्रिनवधीनधारमध्र পतिक्रमा कतिमाहिस्त्रन, छाड्।हे পছে বিবৃত। ভিক্ষা। ৫ • আনা

ত্রী ভবিংবিলেদ ঠাকুর-প্রণীত। ত্রীচৈতভেইহাতে निकालागानी-- क्रम, क्रमशकि ६ व्रम-- वक्ष ६ मुक कीय--অচিন্তা-ভেদ ভেদ-ভার--সাধন-নির্ণ্য--প্রয়োপ্সন-ভার, কর্মন কাণ্ড, নাএমাদির বিচাল—বৈধী ভঞ্জি, ভাৰভক্তি **ও** প্রেমভিক্সির নামভংক-প্রণালী ও অইকালীয় শীলা-পরিচয়াদি প্রেণ্ম শিক্ষার্থার উপদোগাঁ করিয়া <mark>সরল ভাষায়</mark> সমূদ্য যুক্তি-প্রমাণসভ লিপিত আছে। চতুর্প সংখ্রাং বাগা ২ টাকা, আবাধা ১৮০ টাকা মান।

### গৌদীয়কণ্ঠহার

ब्रीटनो क्षीय देवमन्दन्दन्त कार्यक्रम कर्छ शासगरगानाः ঞ্তি-ক্তি-প্রাণ-পঞ্রাত্রাদি সাক্ত-শাস্ত্রসম্ভের প্রমাণাবলী বিষয়বিভাগক্রমে সামুশাল **एक्रेक्स देनम**ान-সিন্ধান্তের সারস্থবর অক্ত কুরাপি প্রকাশিত হয় নাই। ইহাতে গুরুত্ব—ভাগ্রত— বৈক্ষর— গৌর—নিত্যানক— অবৈত-কৃষ্ণ-শক্তি-ভগবনুস-জীব-অচি ম্বাভেদাভেদ - अ िर्धा-माध्यक्ति-वर्ग्य- अ अय-ध्य - अक्रमा — बीनाम — প্রাক্তন ও প্রমাধ-ভরগুলি পূথক্ **অ**ধ্যারে স্থাত্ত খোকাদি সভীনত উৎকৃষ্ট এণ্টিক কাগকে গ্রেঞ্জ র কালিতে মুদ্রিত, উৎস্কুই বাধা মোনার কলে নাম শেখা। গ্রন্থ প্রায় ৪০০ পূচায় সম্পূর্ণ। ভিক্ষা ২২ টাকা মাজ।

### জ্ঞানতীপদাম-গ্রহণেলী

লীমদভ্কিবিনোদ ঠাকুৰ রচিত বিষ্মাহাত্ম-চাম-মাধান্ম্যের সাঞ্চাদ প্রমাণ পণ্ড-- জ্রীল নরহন্তি চক্রবরী <u> হাকুরের ধাম পরিক্ষাংশ— ইঃধাম নব্দীপ পরিক্রমা—তীথ-</u> যাত্রা পদ্ধতি— বিষয় প্রেরোগনন্ত নব্দীপশতক্ষ— প্রীমন্তিবিনাদ সাধুরের আনব্দীপ ভারতর্প প্রাভৃতি রাষ্ট্রকট্র ভিন্না এক আন্দানাত্র।

### জীভবি লামায়ত ব্যাকরণ

্লাধানী প্রভূপাদ-বির্চিত প্রা ও বুরি, एरसरक के नामभाग की यहां कि निकास मत्रवाही रामायाँ মহারাকের বিগতে ভূমিকা ও হটা প্রাকৃতি সহ। অপ্রভাশিতভাবে খুগ্র। ভিকা 🔍 টাকা, ছাত্রগণের প্ৰকে ১৯০ টাকা মাত্ৰ!

#### (राष्ट्रास डाइगात

শ্রীমন্রামাত্রজাচার। রাচত। বেদাপ্তের বিশিষ্টাবৈতবাদ-প্রচারক জীভাষ্য-প্রণেশ আচাষ্য প্রবর বেদাওদর্শন পায়ের উপ্রোগী করণাথ এই উল্লম ক্রিয়াছেন। ইচাতে বন্ধানুৰণ ও স্থীপতানি সংযোগিত করা হইয়াছে নাম মাত ভিকা। ত খানা।

### ত্রীটেডপ্রচন্দ্রায়ত ও নবদ্বীপশভক

শোরপাষদ তিদভা আমৎ প্রবোলনদ সরস্তী-প্রণীত আঁঠাকুর ভক্তিবিনোদ লিখিও। স্থললিত গীতাকারে। মুল, প্রভূপাদ শ্রীমদ্ ভাক্সিছাত সর্বতী তোলামী মহারাজ সম্প্রাদিত অধ্যয়েরে গাল্য ও বসাহবাদ সম্বলিত। নব্দীপশ্ভকের জীভাকাবলেদ হাকুরের প্রায়ুবাদ ভ ভংগত জ্ঞান্তালভুর একটা ত্রিবণর্টিত অলৌকিক চিত্র व्यवस्य क्षेत्राटका भूटन ७ काशक छेरक्षे ( २ थाना একলে ) ভিক্ষা দৰ আনা, অতি গ্রম্য বাধাই স্বাক্ষ্যবন্ধ ्र हाका माज।

### देशिक मश्रीमाध्यकाण



বিষ্ণভ্তিবিনাদ হাকুর-প্রবীত। এই একমাত্র গ্রন্থ-বছের জান লাভ করিলে প্রেমাধিক বাজো কিছুতেই অজ্ঞান বা সংশ্যা প্রকিলে না। পরম গুরুর্মাবিন্দক এই-রূপ সর্গ ও কর্মাপ্রশী প্রায় প্রকাশিত হয় নাই। কি গ্রালাক,মি-শান্ত-মঙ্গলিক প্রকাশিত হয় নাই। উথিত হইরাছেন। আগ্রাল স্থানিত স্থতী, কথাসার ইত্যাদ ধারা বিশেষ স্থান করা হইলাহে। বিরাট প্রায়, নোনার জলে নাম লেখা, উৎক্রই বালাই—চাতুর সংকরণ ভিজা ২ টাকা মারা।

### প্রেম্বিবর্ত্ত

শ্রীন্মহাপ্রান্থর অন্তর্ম পাষ্ট্র শ্রীণ কগদানন প্রাণ্থ বির্কিত। এই প্রকে মতি স্থানোধ্য ভাষার মহাপ্রচর ক্তিগর লীলাগ্য বৈশ্বনাতার, একাদনী ও নামভ্যন-প্রথানী প্রস্তৃতি মনেক বৈশ্বনাগ্রের স্থামাংসা দেখিছে পাইবেন। পানতীকার ছার্য ধ্যানের বিশ্বনার্থ ও প্রভক্তরে পরিচ্যাদি-সম্বিত চতুর্প সংক্রণ ভিক্ষা।।১০০ দশ খানা মাত্র।

#### ভজনরহস্ত

ভছনকাশীর নিভাগজী; ঠাকুর ওজিবিনোদের অম্বা দান; নিথিল শাজের নিগাস। প্রথথ।নি না দেখা প্যায় কেঃ বৃদ্ধিতে পারিবেন না। ভূতীয় সংস্করণ ভিক্ষা ॥ ।

### হরিনামচিন্তামণি

নামাচাধ্য শ্রীণ ছরিশাস ঠাকুরের মূপে শ্রীনরছাপ্রান্থ শ্রীনাম-মাছাগ্রা, নামাভাস, নামাপরাধ প্রস্কৃতি বিশয়ের বাবভীয় বিচার শ্রবণ করিয়াছিলেন। এই বিষয় গুলির ক্ষাভি সরল পরারে সংক্ষিপ্ত আশার্ষসঙ্গরিপাটিভাবে মুদ্রিত। শ্রীণ ভাকিবিনোল চাকুর-রচিত। প্রথম সংস্করণ ভিকা ৮০

### কল্যাণকল্বভক্

শ্রীমন্থ জিনিনোদ সাক্র-রচিত। প্রভ্যেক ভগনদ্নিশ্বামী ও জানপথের পথিকের একান্ত প্রয়োজনীয়
ভিপদেশাবলীপূর্ণ গ্রিভিগ্রন্থ। সামান্ত লেখাপড়া-জানা
লেখেও এই ভেজনরাকোর গ্রিভিন্ন্তের দারা অন্থনিবৃত্তি
ও ভগন শেবা লাভ করিবার স্থানিশ পাইনেন। যা
সংক্রণ, ভিজা / ১০ আনা মাত্র।

#### শরণাগতি

ইন্মর কিবিনোদ সাকুর-রচিত। ভগবানে আল্লস্মর্শণ, বিজ্ঞান্তি, ভল্নলালনা, বড়্বিধা পরণাগতি ও সিদ্ধি-লালনা-বিষয়ক গাতিপুর্ণ, ভিজা ৴৽ আনা মাত্র।

### भी छ। वली

শ্রীঠাকুর ভাজিবিনোন-প্রনাত। নিত্য ভল্পন, আরাত্রিক ও প্রবাদ-বেশ্বনাদি-বিধয়ক মধুর গাত্রসমূহ একত্রে গ্রামিত। তিকা /- আনা মাজ।

### 18878354

বদিকেক্সনুকুটমৌলি শ্রীন্থিখনাথ চক্রবন্তী ঠাকুর-বির্চিত বদ্রবন্ধ। শ্রীমঙ্গলিবিনোথ ঠাকুরের জ্বনুবাধ-ক্রঃ ভিকা। শ্রানা মতে।

# श्रेनश्री;

শ্রীমন্তাপ্রনর শিক্ষা ও শ্রীণ রখনাণ দাস পোন্ধারীর প্রান্তি শ্রীকণ গোন্ধারীর উপদেশবাণী, ভক্তিপথের অন্তর্কণ ও প্রভিক্ষণ বিগয়ে স্থাবিচারিত সংলাদন ভাগা, বিস্তৃত্ব বিরুতি, চারতামুতের প্রমাণ, সাগ্য বাাগা। ও মহাজন-প্রশান্ত ভদ্পথোগা গাত্রমন্ত প্রভ্যেক লোকের সভিদ্পর্বানিত হইয়াতে। তর সংক্ষরণ ভিক্ষা ৮০ আনা।

#### সাগন-কণ

শ্রিরণ্নাথ দাস গোস্বামীর মনঃশিক্ষা, শ্রীস হাকুর ভব্তিবিনোদ-চরিভ পঞ্চারুবাদস্য। ভিক্ষা ৴৽ স্থানা।

### প্রেমভব্তিচন্ত্রিকা

শ্রীল ঠাকুর নরোপ্তমের স্থপ্রসিদ্ধ প্রেমভন্তিবিধাক গানের পুস্কক। ডিগা /• আনা ম'জ।

### নবদ্বীপশতক -

জ্ঞীল ঠাকুর ভিজিবিনোদ-রচিত জ্ঞীল প্রবোধানন্দ স্বস্থতীপাদের সংস্কৃত নবধীগশতকের স্থললিত পতাস্থবাদ। ভিজা /• মানা মাত্র।

#### অর্থপঞ্চক

শ্রীল লোকাচাণ্য রচিত। বৈক্ষরতা-জ্ঞানের আকর পুরুক। ভিক্ষা / শ্রানা মান্ত।

### সদাচারস্বতি

শ্রীল মধ্বাচাগা গুণীত। বৈক্ষবের নিভাকর্মাদি স্থাচারা-বলী, বঞ্চায়বাদ সহিত। ভিক্তা ৴৽ আনা মাত্র।

### মণিমঞ্জী

কবিকুলকেশরা শ্রীমন্নারায়ণাচাধ্য রচিত। শ্রীমন্মধ্র। চার্য্যের সংক্ষিপ্ত কীবনলালা ও মূল বৈঞ্বপর্ত্তমত। সামুবাদ ভিক্ষা। সামানা মাতা।

### গৌরককোদর

প্রাচীন কবি আঁগোনিস দেব প্রণীত শ্রীগোরাবভারের প্রমাণাবণী-দংবলিত সংস্কৃত এছ। ভিক্ষা ৮০ আনা।

### युक्तिमहिका ( भगरमोत्रछ )

ঐ শিশ্বসম্প্রধান্ত বিষ্ণাদিরাক স্থামিকত। বলাকরে

নালবার এই প্রবের প্রকাশ পারমানিক সাহিত্য-জগতে

এই সর্বপ্রেপম। আমন্নধরাচার্য্য ইইতে গোড়শাগড়ন বিভীন্ন

মধ্ব চার্য্য নামে ব্যাভ জীবাদিরাকতীর্থ স্বামী এই প্রবেধ

নাধারণ বৃক্তি ও লৌকিক ভারাভ্যারে কিরপ স্থলরভাবে

ভক্তিবিরোধি-মতবাদ সমূহ খণ্ডন ক্ষিরাছে, ভাহা পাঠ

করিতে করিতে আশ্চায়ান্তি হইতে ইন। ইহাতে বৃক্তির

বারা চাকাকে, জৈন, বৌছ, মীমাংসক ও মারাবাদিমত
সমূহের স্থলর পণ্ডন রহিরাছে। ভিক্তা ২, টাকা মানে।

### (गायामी जिल त्रम्माथ पान

(ওঁ বিষ্ণুপাণ শ্রীণ ভক্তিনিছান্ত সরস্বতী গোস্বামী প্রভূপান-লিথ্লিড়া, ভূমিকা সহ ) গৌরব্রেট স্বরূপ-রুপের-একমানে প্রিয়তন শ্রীল লাস গোস্বামী প্রভূর অপূর্বা চল্লিডায়ত ও শিক্ষা জভীব প্রায়াল ও সরল ভাষার সমিবিট এবং পরিশিত্তে লাসগোসামী প্রভূর বিরচিত কএকটা সাম্বাদ মধ্রতন তাব ও মনঃশিক্ষা-সম্বাতি। ভিকা বীনাই॥ ভানা, জাবাধাই। ৮০ জানা মানে।

# চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাচীন নববীপের অবভিতি, তথা, ঐতিহা, লোড।
ঐতিহানিক প্রমাণসংক্ষিত নবটা বীপের সচিত্র বিবর
প্রাচ রাজনি রাজসাচেষ কুমার শ্রীস্ক শর্মিশু নারার
রাজনম, এ, প্রাক্ত লোহোর), বেলাস্কর্ত্রণ মহোদর ক্র্য় স্ক্রসিড এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন বর্ণের স্বাস্থ্য চিত্র
মানচিত্র-সম্বিত; প্রাচ্যবিভামহার্ণির রার সাহেব শ্রা
নগেল নাথ প্রস্তুর্বিভামন্ত্রণির রার সাহেব শ্রা
সহার উংক্রট (ইং ) মরতের বাধাই মৃশ্য ১৪০, ভিঃ পিঃ
২০ টাক মাত্র।

### माभक-कर्भमाला

ভাগবন্দনা, নৈক্ষৰ-বন্দনা, বৈক্ষবশরণ, গালালের না শ্রিনামহাট্র, শ্রীমনাহান্ডান্তর অটোতরপত নাম, অল নামকীর্তন, শ্রীনামসভাতন, প্রেমকানি, বাউগদ্পীন নগ্রীপ-মহিনা, শ্রীমাগাপুর মহিনা, শ্রীনারাভ্যম-আত্তর মধ্য আচার্যা-বন্দনা, যড়গোরামীর অটক, প্রেমভন্তিক ভিত্র উপদেশমালা, নামভন্দন-প্রণালী, মহাপ্রাভ ও রার বামান বংবাদ, মনাশিক্ষা, শ্রীভন্তপ্রণতি, শ্রীক্ষর-পর্যা মহাপ্রভার বন্দনা প্রকৃতি সাধক ও সিদ্ধনীবনের নিতালা বৈক্ষবগ্রের কঙাশ্রিত ভুলনীমালার ভার ক্ষুক্ষণ কংগ্রারণযোগ্য অপুন্ধ প্রস্ক । ভিক্ষা ১০০, বাধাই ৪০ মা

### শোড়ীয়-গৌরব

কলিকান্তার স্থানের জালবাট কলে গৌড়ীয় সম্প্রা শ্রীপাদ স্থাননান পরবিদ্যাবিনাদ-শ্রদন্ত বস্কুতার এছকারে প্রকাশিত। ইকাতে গৌড়ীর বৈক্ষবসম্প্রদার ইতিহাস স্থাকারে প্রপিত ক্রয়াছে। ডিক্ষা ৮/০ মান।

#### গোড়ীয় সাহিত্য

কলিকাভার হুপ্রসিদ্ধ আলবাট চলে পৌদ্ধীন-সং শ্রীপাদ হুন্দরানন্দ পরবিষ্ণাবিনোদপ্রাত্ব প্রদন্ত বস্কুভার বে গ্রন্থাকারে প্রকাশিত। ইহাতে সাহিত্য-শন্দের অহ এই গৌড়ীন-সাহিত্যের বিষয় স্থাকারে বর্ণিত হইন্নাছে। কে আন্যামাত্র।

### শ্রীগোড়মওল পরিক্রমা-দর্শণ

শ্রীগোড়দেশের যে সকল স্থানে সপ্রিকর শ্রীম্যাংগ্র এবং তদম্ব পরবারী মহাজনগণ দীলা করিয়া ভিত্র সেই সর্থ আধুনিক ভৌগোলিক পরিচর ও কেববিএংশ্র পরিচর সহ যাতারাতের স্থাবিধা নিক্ষেশ ইত্যাদি বিসংগ্র স্রিথেশিত আতে। ভিকাণ আনা।

#### THE HARMONIST

OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীল ঠাকুর ভজিবিনোদ-প্রতিষ্ঠিত এবং শ্রীল প্রি সিভান্তসরস্থতী গোলামী প্রভূপান-লাপাদিত পার্মাণি মাসিক পর ৷ একলে ইংরালী ভাষার আটাবিংশ ভবলক্রাউন ৮ পেলী ৪ কর্মা আকারে প্রতি ভারে গানামের বিজয়-বৈজ্ঞানী লইয়া উপস্থিত ভইতের্জন কার্যাল, মূল্রণ-পারিপাটা ও চিন্তাদি অভীব চিন্তান্ত্রন এই প্রকার উৎক্তই প্রবন্ধ আর কোন মাসিক পরাণিল দেখিতে পাইবেন না ৷ বার্ষিক জিক্ষা ভাকমান্তল্যত টাকা মানা ঃ

### शाहिकान-

चिक्रकार्यः त्याः ख्रीमात्रा<u>यः वत्र</u>ास

WALL THE STREET

# শ্রী ম মায়াপুরে "ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনচ্চিউট্" নামে উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

### ८थाना रहेश्राट्छ।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অভি অভ্যের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যব্রে স্থল্য বাসহালের বিশোবস্ত হইয়াছে। ছান অতীব স্নাস্থ্যকর।

নবিস্তার সংবাদের জন্ম নিম্নলিখিড ঠিকানা পত্র লিখুন। সেত্রেভারী, ভাকুর ভক্তিবিলোদ ইন্টিটিউট্ শ্রীচৈতক্তমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

# —৫১ ৰংশরের প্রতিষ্ঠিত—

উৰ্থালয়ে এন্তত বটীকা

दाना शुक्रकातमा, जन्नदाय, दणांत्रकातिक, अवीर्व, श्रवक्रक टीक्छि क्ष द्यानीय द्योग निवासय स्टेशांट्स श्राम ट्यकान क्षित्य एक वक्र भूखक क्ष्रेता शक्का

### देह।

সক্ত গুড়ুছে বাবধার চলে ও সমান ফল প্রাধান করিরা থাকে। প্রতি কৌটার ৩২টা ধ্রীকা গাকে।

### কেবলমাত্র

গুটি কৌটার মূল্য ১০ এক টাকা। ইংলি নাম 'আভঙ্গনিপ্রাহ ক্ষ্মীকা'।

শঙান্ধ ঔবধের ভালিকার বন্ধ পত্র নিধিনেই পাইবেন আবিধান:—আত্রক্ষনিক্সাহ উন্মধানেত্র ২১৪ নং বহুবাধার টিট, ক্লিকাডা।

কবিরাজ শশিভ্যণ কবিকণ্ঠাভরণের



সক্ষেত্ৰত অধিধার জন্ত ৬ আঃ লিশিতে খনীভূত অবস্থার ভোটবোডলের াসমণ উম্পান্তাকে পাঠান হয়, ইতাতে উম্বেশ্ব কোন পরিবর্তন করা হয় নাই। মুগ্য গ্রেতি দিন্দিত্ত আনা, পাইট ॥৫০ আনা, বোডন ১৫০ আনা।

অফিস–১১নং উক্টাডাজা রোড, পোঃ শ্বামবাজার, কলিকাতা

# ্<del>থীভাগৰত প্ৰেস</del> গোয়াড়ী হাইটাট

#### 李老爷可可

এখানের বিবাহের নিমন্ত্রণ-পত্র, ব্রীডি-উপহার, কার্ড, গ্রন্থ এবং অভাক্ত বাবভীয় কার্ডা ছাপা হইয়া বাকে। ছাপার দর বাজার দর অপেকা হুলভা পরীকা প্রাথনীয়।

## शरेद्धामिन

বা

### কোষরন্ধি রোগ

ভাঃ এস্, এন্, খোষ বিনা অলে, বাৰজীবনের গ্যারাটি দিয়া বৈছাভিক জন্যনাক্তে কোষস্থতি গোগ আরোরা কবিয়া থাকের ১

> क्रियामा---अभ मर कड़ेन क्रीड़े, व्यवासाय, स्थानकाला ।

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

# দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

### প্ৰসন্ত দিলে সম্পূৰ্ণ আত্তোগ্য

মেগী বেধাইতে কটবে। অক্রিম পাথের পরচ (বাওরা এবং আলার) পাঠাইলে গিল্পা রোগী বেধা হয় অথবা এখানে আদিলে রোগী দেখিলা উষ্ধ কেওলা হয় আরোগ্য না হওয়া পর্বান্ত পারিপ্রমিক দিতে চটবে না । গদীব রোগীদের ব্যৱহ বহন করিছা চিকিৎসা করা হয়। বিশ্বাবিত বিবরণের জন্ত এক আনার ভাক টিকেট স্চ নিম্ন ঠিকানার অন্তসন্ধান কলন।

শ্রীকিতীশচন্ত্র উকীল, যন্ত্রা-চিকিৎসক, পোঃ নৈকাঠী, বহিলাল। অথবা নিম্ন ঠিকানায় মাক্ষাৎ করিয়া বিস্তারিভ জানিতে পারেন।

ক্ষীবৃত রামগোপাল হস্ত এম্, এ, ক্লঞ্চনগর, নদীরা। স্থীবৃত করিপদ দিংত, ১১৭. বেণিয়াটোলা খ্রীট্, কাটখোলা, কলিকাভা।

প্রকশানি পাত্র। আনার আতৃপুত্র গত চয় মাদ বাবৎ রাজ বন্ধার ভূগিয়া দুভপ্রার কর্টরাছিল, কলিকাডার বিজ্ঞ চিকিৎসকপণ তাগার জীবনের আশা ডাগা করিয়া শেষ মৃত্র্তের জন্ত অংশক্ষা করিছেছিলেন এই সমর জীবৃত কিভীশচক্র উকিল মহাশয় মাত্র > দিন চিকিৎসা ক্ষিয়া সম্পূর্ণ আবোগা করিয়া দিয়াছেন। (সাঃ) ক্রীয় কিশোর বার চৌধুরী (জাবিকাছ বালিয়া) হগ্রীট্, নিউ বিজিং। করণোরেশন

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরাব্দ ৪৪৫

माज do जाकिरकि भागि है व्यक्त भारति स्त्र ।

ম্যানেজার-গ্রন্থবিভাগ জীচৈতহুমত, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীরা।

কেন গ্রাহকগণ

# গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

–কারণ–

এখাৰে বাৰতীয় ছাপার কার্যা---

এছাদির ক্ষেট্ই বলুন,

বিবাহের নিমন্ত্রণ পত্রে, কার্ড, বিবাহের পত্তই সলুন,

আর ও রং ও ৪ রংএর হাফটোন ব্লক্ট বল্ল, সকল কাষ্ট্র হাতি সভার ছাপা হর, অথচ ছাপাইবার খরচ বাজার অপেক্ষা ভুলভ।

আপনার কিছু ছাপার কার্য্য থাকিলে নিজ্ঞিকানার জানাইলেই দর পাইবেন।

> ম্যানেখার—স্নোড়ীয় প্রিন্তিৎ ওয়ার্কস্ ২৪৩২ নং খাণার সাবস্থার নেড, ফলিকার

### রাজবন্দীর সুরবন্ধা

শ্রীয়ত বৈশ্বনাণ চক্রবর্তী প্রকাশ করিয়াছেন যে---

'আমার ভাতা—রবীক্রমাথ চক্র-বক্তাকে গভ ২৬শে ফেব্রুয়ারী (১৯০১) বেশল অভিজাশ অমুঘামী এেপার করা হয়। রবীন্দ্রনাথ পাবনা জেলার ছাত্রসভেবর ভূতপূর্ব প্রেসিডেন্ট এবং স্থানীয় কলেছের বি, এম, সি, ক্লামের ছাত্র। বর্তমানে जाङाटक मन्दीरण अखतीन ताना श्रेगारक. মাসিক ভাছাকে ৪•্ টাকা করিয়া দেওয়া হয় বটে কিন্তু ভাষাতে ভাষার যাস্থীয থরচ চলে না অধিকন্ন উক্তটাকাও রীভিমত পাত্যা যায় না। কোনও পুতক কিয়া भारतामण के छोड़ांत्र भारतमा मह्मादना नाहे যে ঘরে ভাহাকে থাবিতে তালা সম্পুৰ্ভীতসেতি এবং বাদের ष्यदर्शाश्च, वर्षात्र भवदत्र वे स्ट्रांस ८ आगादत्र জলে দিনে ছইবার প্লাবিত হয়। উপরস্ত ঐ স্থানে যথেষ্ট সূর্ণভয় রহিয়াছে, এ প্রায় শোৰার ঘর হইতে হয়টি স্পকে মারা ২ইয়াছে। এ সম্পরে কর্তুপক্ষের নিকট ज्यात्वमन कन्ना इहेग्राट्ड किन्न क्ला इहेग्राट्ड প্রতিকার এ পর্যান্ত হয় নাই। তাগার भूका दवः माछा । उहारातत वताक है।कः রীতিমত পান না।

### লগুনে গাজিলীর অভ্যর্থনা

লওনের বিভিন্ন সভা সমিতির প্রতি-নিধিগুণ কম্প সভার গুছে এক সভায় সমবেত হইয়াছিলেন। গান্ধিদীকে শশুনে অভার্থনা করিবার কন্ত একটা কমিটা এই সভাষ গঠিত হইর'ছে।

মিঃ মালে এম-পি, মিঃ চোরালিন धम लि, भिः उक श्रा धम-लि, मिरमम् ব্রিক্লাল নেহেরু, মিদেস হেরাল্ড লাস্কি, मिन (मातियान त्नहात, मिः त्यानक, (ब्रक्ताः ध्राधक्षक, मिः जन (इठात, मिः তোরেদ আলেকভেণ্ডার এবং নিঃ ক্রক (यतन ( मण्णामक )।

ইন্টার স্থাশানার মিদনারী কাউলিল क्षवः हेन्हेत्र खाननान महिना मरक्पन প্রতিনিদিগণ এই সমিভিতে যোগদান कतिर्देश विनिया कोमा करा गाँछ।

### चमिट्ड जिमक्रामत को रख ममाधि

गड २२८म क्यारे बरीमृत थनित है. বোর সাফটের ৩২ হাজার সূট নিমে শ্বর্মত্রপাত্র বিদীর্ণ হওয়ায় একজন সিন্তী ও छहेजन कुलित्र भीवस ममाधि हरेगाह। हेहारमञ रमर केंद्राज कब्रियात संख्य वह চেষ্টা করিয়াও কেহ ক্লভকাশ্য হইতে পারে লাই, উক্ল তিন ব্যক্তি ব্যক্তীত আরও ৫মন

লোক পাথর চাপা পড়িয়া জখম হইয়াছে। এবং মনে হইতেছে বে, ভাছারা বোধ हेशमिश्रक शंगभाजील स्नास्त्रिक क्या

উক্ত থনির এডগার নামক তলে এক জন লী মঙ্গুরের সাড়ী ছঠাৎ ট্রাক এঞ্চিনের करण चाउँकारेश यात्र। कश्चिरमत (तरण ঐ নারী কলের তলে যাইয়া পড়ে। কলের চক্র নিমেষের মধ্যে তাহার উরু-দেশের উপর অ'সিয়া পড়ায় তাহার উরু চুর্ব হট্যা গিয়াছে। ক্ষেক ঘটা পর এই জীলোকটী হাসপাতালে মারা গিয়াছে।

### বড়বাজার মহিলা সভা

পত ২০শে জুলাই তুলদী ভবনে (১৬নং মেট্রান এভিনিউ) অপবার ওঘটিকার সময় বড়বাজার মহিলাদিশের এক সভা হয়। মভায় বছবাকাৰ হইতে ৫ জন প্রতিনিধি নিখিল বস নারা শন্তির কেন্দ্রীয় সমিতিতে নিকাচিত ক্যা বড়বাজারের মহিলাদিগকে সভায় যোগদান করিতে অম্বরোধ করা

### ध्यम्परम द्वाक्षत्मी शक्कक्रमात्र

প্রকাশ, বরিশালের ( ভোষা ) শ্রীণুক্ত প্রজারুমার ব্লোগাধায়ে গভ একবংগর যাবত চকুর ও ভলপেটে বৈদ্যা জনিত পীড়াম কই পাইতেছে। তাঁহায় চিকিং-যার জন্ম জাঁহাকে মেডিকেল কলেজে নেওয়ার ছন্ত বলা হয়। কিছু সরকাব इदेख क्रियम कामल बस्सावल कता চ্ইবে না এইয়াণ জানিতে পারায় পঞ্চ-বাৰ ইচার প্রাভিষাদকল্পে গাত মঠা জুলাই চ্টতে অনশন আরম্ভ করেন। তীহার শরীরের এমন অবস্থায় ও ভোকে হিজ্লী বন্দীশালায় স্থানাস্থরিত করা হইহাছে। <u>বেথানেও তিনি অনশন ধর্মঘট ভঞ্</u> करत्रन नाई।

### (भोनामा निक पाउँपीत বড়লাটের নিকট ভার

भाष्टिमा इटेट्ड मःबाह्म श्रा**का**ण ह्या. নিখিল ভারত মুখ্নিম কনফারেলের भन्नामक (मोनाना मिक माउनी ८५. कन्, क, बक्नाछित्र निक्छ निम्नाशिक ভার প্রেরণ করিয়াছেন।

'মিঃ গান্ধীন সিমলা গমণের ফলে शवर्गरमन्ते (नाम इब जानांबी (नामः देवन বৈঠকে মুখুলমান খন সাণারবের মতাগত चक्राष्ट्र कतिया पुत्रसमानशायक व्यक्तिनिव হিলাবে সার আলি ইমান ও ডাঃ चाम्मातीरक गरेपात कथा रेक्स धाकान कतिरुर्ह्म । शवर्गरम् छेत्रे ध्वामिन আচরণ মুস্লমানের ধাৰীয় স্মানুক্র নতে

হয় কংগ্ৰেস সমর্থিত সাক্ষাদারিক সম্ভা স্মাবানের প্রস্তাব জোর করিয়া म्मनमानर्गानत थाछि हालाहेश निरहरहन। मुगनमानगण देशात विकास कुमून आत्नासन ও ঘোরতর প্রতিবাদ করিয়াই কাম करेरव ना भरुष शाम छिविन रेवरेरक त्याशमान गण्यातः जाहार्षम् भाषाम् । ८६१ कित्रमाहिन । ८६१ वथन पूर्वत्यातः यमगारेएक बारा इटेरबन ।

### পেও জেলায় স্বায়ীভাবে পুলিশ নিযুক্ত

(भगानेत्यक महकाती भूकिन स्वभाति-(ऍएएएँ रेमञ्जवाहिनी मह विश्व ५:इ জুলাই কোনও এক গ্রামে ৮৯ন বিলো-शिमत बाजमा करत मरल विष्माशीसत মলোংকন নিহত ও জনন আছেট হয় আংও বিচেপিগ্ৰ প্ৰাৰন করে। একটা বলুক ও কভিপর কাঠ্ছ পুলিলের হত্বত হয়।

ফেনছালাতে ভিনটি এবং পেয়াটনেতে **৬টা ডাকাতি হটয়াছে ব্যিয়া সংবাদ** ला इया नियारङ ।

পেও দিলার অিবাদীনের আচরণ ও তথ্যকার অবস্থা অভান্ত বিপ্রচনক বলিয়া একবংশরের জন্ম অভিরিক্ত পুলিশ বাভিনী মোভায়েন রখোব নিমিত দরকার অমুমোদন করিয়াছেন।

### বাস ঢালকের উপর গুলী

প্রোমের সরকাণী বিবরণে প্রকাশ, গুত ২৩শে জুলাই অপরাহে হার্মা রাই-क्रिलिय क्रमण दिनिक यथन ९ डिम॰ হইতে ফিরিভেছিল তথন পংডেলের নিকট **८क्डी वात्र इहेट्ड धक्यन .या**रहाही ভাহাদের উপর একটা বেশ্ছণ ভড়িয়া মারে। ইহাতে তিন জন দৈনিক গামার আঘাত প্ৰাপ্ত হয়। দৈনিকণণ তথন वाम्बीत अप्रमत्रण कतिया छनि हानाय। বালের টায়ার ফাটীয়া যা প্রয়ায় চালক উহা ণামাইতে যাগ্য হয়। সে প্রায়ন করিতে হেঠা করিলে দৈয়গণ ভাহমে প্রতি বন্দুক (ছাড়ে, সে एथन शक्त काल बाहर হট্যা পড়ে। একখন আরোহীও আহত চইয়াছে। বিস্তৃত দংবাদ পাওয়া খায

### চলভট্টেণে সামরিক জফিনাম খুন

कृता क्षांन स्टेट्ड ध्येकांन (व. प्रदेशन স্মৃত্তিক অফিসার পাঞ্চাব মেলে পুণা याहेरछक्टिलम । काहाता ध्रीत्रवास्त्रवीत कामनाम हिल्ला । १८७ क्लाई कार्य कीष्ट्रांविशाक ह्या कतिनात्र (एड) हरेना- ছিল। ভাঁহাদিগকে ছোগার আঘাতে अस्टत अधम क्या इत्राट्ड । डाहारत्य কুকুরটিকে হত্যা করা হইরাছে। আক্রেমণ-কারীয়া পদাইয়া পিয়াছে। একজন অফিসার নিমের "বার্থে" অপর ব্যক্তি উপরের 'বার্থে' নিল্লা যাইভেছিলেন। আক্রেমণকারীরা সম্ভবতঃ থাডোরার চলিতেছিল সেই সময় ভাষারা টেব इट्ट भागारेश পড়িয়া মাড়েয়া চাঁদনীয় कारन भगारेया शिवाद्य । अक्रमा आवश् সামরিক অকিসারের অবছা সাংঘাতিক, অন্ত অফিসারটির দীবনের আশকা নাই। ঠাছাকে ভূসাওয়াগের রেলওয়ে ছান-পাভালে স্থানান্তরিত করা ইইয়াছে। '

चाइक चिकितात इहेक्टनत दक्षन —পাঞ্চাব বেলিমেন্টের শেপ্টেয়ান্ট ভি. আরু, হেক্দট ও রয়াল আটিলারীর २५नः मीन्छ दुर्शाष्ट्रत्र (मार्ल्डेग्रान्डे हे, ब्रम, नीक्षान ।

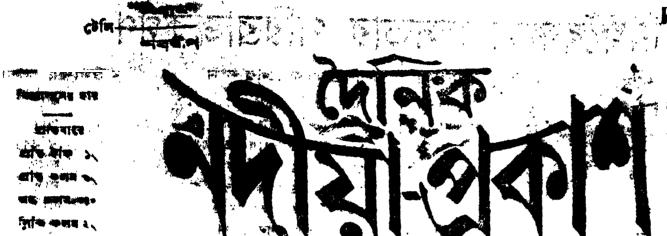
দেপ্তেজাণ্ট ছেক্মট্ বায়ীতে অবস্থান कविष्यम, एएस्प्रेसानी मीद्याम शाविएक লাংখারে। তার্রি। পুণার সিগ্ভাল ভূলে যাইতেভিদেন। ২৩শে জুলাই প্রেফাবে যথম জীজানা নিভিত ছিলেন এবং টেবটা (वाशाहे इटेटल लाग ०४० माहेल एटन एक्षित्रची ७ भारकायात्र भरता हिन, दनह যমগ্ৰ ডাছার। ভাছাদের কুকুরের চীৎকারে काशिया केटरम। छाश्राता त्यरथम, २ इ.स. त्याक ८ हाता इटल क्रीशास्त्र ক মরায় উঠিচাছে। দেখিছে মা (प्रविष्ट **डांबाया काहाबिन्यक ब्या**क्रमण করে। আহম অফিসাররা ওখনই টেব পামাইবার শিক্ষ টানেন। টেশ মাংখা-যায় ভাষে তথায় আক্রমণকালীরা টেন क्टेट्ड गाम्स्ट्रियां अभिता सम्माला स्था याचारशांभन करत्।

**` বারহামপুর টেপনে অফিসায়দের** আঘাতের প্রাথমিক চিকিৎসার পর कार्मामभाष कृता दश्य (सम्बद्ध सात-পাভালে পাঠাইয়া লেওরা হয় **এব: एथ**कि > सदनत मृक्ष रस ।

### अभावदेव किया परमा आहे असमा 711

গণ্ডৰ ছইতে প্ৰকাশ যে আগামী। द्रशांगरहिष्य देनकेदक ख्रेमांबद्देन किक मध्यम মান্ন এক্সম সম্ভাকে প্রাক্তিনিসিয়াংশ क्षांत्र क्या हरेला पुर शक्य मिः व्यन्ती द्वाहांग द्रावादेष्ट्रेटक मिलाक्रिक क्या हरेद्रा ।

ويديد



Martin to the state of the state of the state of

**Reg** No C.1544

MATERIAL SIN यान्त्राविक 🛊 乙醇甲二甲胂 東海 ≄হভি সংখ্যা ৴৹

্লেসর্বতি বছল-প্রচার—শ্দীরা ভেলার এক **বাঞ্চ যুখ্ণত** 

भक्ति (३२० उम मरमा) আঅতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেশ্বস্তুত্ত

শ্রিহতক্তমঠ প্রধাম মারাপুর-১৩ই জাবণ বুগবার, ১৩০৮, ২৯শে পুলাই ১৯৩১

### गामा कथा

SAMPLE OF STR

ENGTIES.

district >.

ज़िक्ति कासम ३, PLA BASIS

-

भक्रीत साट्य पानीत आफ्रस्डा হণ্লী ভেলার কাপাদরিকা এামে

ু সামী ও স্থী উভয়েই নিহত হইমাছে। ··वस्त वृह्ये असम्बन्धः स्टेनक पृत्य (बर्ग्न ब्याब वर हर्ष्ट्राह्न) फ्रांदश्य द्वीत (दर्ग ্লোয় ১৮ বৎসর) চরিতে সন্দেহ করিয়া-किर्मन ध्वर ठाडा गरेया छक्त मात्य মাঝে স্বগড়া বৃষ্ট্ত। বৃষ্ণপতিবার প্রাতে সে জুদ্ধ হইয়া ভাষার জীর গলা কাটিয়া কেলে। ভাৰার পর প্লিশের ভয়ে সে व्याप्त हर् कुठ केल यक्षा अकाख **खानशास्ट्र छेडिया एथा क्टे**एड नामाहेका পড়ে ৷ ইহাতে শে ক্ষতর আঘাত প্রাপ্ত হুরু ু ইজি মধ্যে প্লিশ আসিয়া পড়ে এবর্থ পাশীকৈ জীরামপুর হাসপাভাগে ও ভাৰার পদীয় মৃতদেহ প্ৰচাশক্ষোগালে পাঠাইয়া দেয়। হাসপাভালে পৌছিবা-माजीरे यक्त नानीस, मुकूा स्य ।

### ्याच्याक्षकश्चरत्त्र ८२कम क्राटनव , , প্রান্তাব

....(सामान ऋशास्त्रीय शिक्ष ७ धर्ष-बाम स्थापन मुह्कु ख्विगारक श्वकानिक भवन्त्यद्केत त्व मन्भदकं बाकित्व छाहात थिएं विवर्ग धकाँ निष्ठ हरेगार्ट । हेराटक दुल्लारमञ्ज करियात्री क्यावनिक-भट्टाइ विद्निय चार्डाइन कार्त्र इहेगा-Care I

क्ष्य स्थान क्या स्वयाद्य त्या ्रमाञ्चीतं नात । मान्याद्वातं । मान्न भूपनिवादां व न्त अपक्ष विद्यान कात द्वार , नियम क्या क्षेत्रम् मा मा विवादमम् करण व्यवस्य अनुसारमक्षिणरक १०००

# পত্নীর দায়ে স্বামী আত্মহত্য

ধর্মযাজকগণের বেতন হ্রাদের প্রস্তাব

স্থ্যুক্ত ভ্রমণে জেপোলন কংত্রেস কর্মীর সম্ভরণ কৌশলে অকৃতকার্য্যতা

# সুরাট মিডানাসপ্যালটা

ইংলণ্ডের ব্যঙ্ক হইতে ফ্রান্সের বহু কোটী টাটা উত্তোলন

# ভুপালের নবার.

আদালত শ্রেক্তারণ জনতা

# চিত্রগুপ্তের নিকাশ

विकास कर्ष्यक कार्या करणा

বৈ সমস্ত খিপাসভালায় তথনও ভাষাদের সম্পত্তির পরিমাণ ঘোষণা करतम नहि, छाशानिशत धेर विनदा क्य लियानी स्टेमिक्स हम, ब्यालीटन नमस विवेतन धारामाना कतिता महिला गर्नाचि वास्प्रात्यः क्षिप्र- हत्नम स्टेट्ड णाराणिकारक विकाकिक कर्मा स्ट्रेस्य ।

व्यक्ति इश्लाब महकाती छहनिन इहेट्छ

वरमात्रहे शीवनक शांडे छ यात्र झाम हहेरव - मार्साया क्या वहेरछ । अहे म हाया वस क्तिकोः **१५०वस्य न्याम**्डिशियाद्यः स्मार्टेज উপর ভাবিশ্যতে ছুল্ল ফুল সম্প্রদায়ের কাব্যে নিমুক্ত ধূর্ত্মধাজকুপ্রিকে সাহায়্য দেওয়া হইবে এবং বিশণ প্ৰাকৃতি বড় বড় नमेष्ट कंग्रेंडावीरमत्र देवजन वक्ष कविया ै(एक्से) हरूरव--- वहारे वर्डमान अ<del>थेठा</del>क्रिके গ্রবর্দ্ধেণ্টের অভিপ্রায়।

> स्ट्राक खगरन ८११म् (करनिम ब्रानिन हेंद्रेरंड व्यक्तान त्य टक्काजिक- श्रेयार्ट्न। ्राहकुम् इद्देरक दशक दशकिन २३६०

ভুলাই সুমের অভিমূথে যাতা কৰিয়াছে। বৈজ্ঞানিক আবিষার বরাট এই অভি-য'নের উদ্দেশ্য। বার্ণিন যাইয়া প্রেফ ক্রেপেলিন একবার অবভরণ করিবে। তথা হইতে স্বস্থানা হইয়া স্থাত্তি প্ৰভাতে लिमिन दश्रास ली हिरात्र कथा। लिनन ८ धक इंदेर जारकंशन इंदेश ८ धक श्रूरमक व्यक्तरन शिया জেগেলিন পৌছিৰে।

### কংপ্রেম কর্মীর সম্ভরণ কৌশলে অকুতকাণ্যভা

২৪শে জুলাইয়ের সংবাদে প্রকাশ बङ्देशांकी आस्त्रत (क्यांडिक्षण ठक्तवडी নামক একজন কংগ্রেন ক্সী ব্যায়াম কৌগল দেখাইতে গিয়া শোচনীয় বাছায় মৃতু৷মূথে পতিত হইয়াহে, উক্ত বৃাক কোমরে দশসের ওকনের একটা ভার বানিয়া একটা পুষরিণী পার হইবার চেটা করিয়াছিল কিন্তু পুঙ্গরিণীর অর্থ্যেক অংশ পার হইবার পরই সে ক্লাম্ম হইয়া গড়ে এবং সাহায্যের জন্ম প্রার্থনা কবে কিন্ত কোনও রূপ সাহায়া পাইবার পুঞ্জিই মুৰক্**টা দশিল সম্যুধি লাভ ক**ৰে ৷ জোতি ভূমণ একুজন কংগ্ৰেম কথা ডিবেন গৃহে इंश्वित बद्ध रमञ्जा को अ भाष्ट्र !

### क्रुभारमञ्ज्ञ मनाव्

कृशह्मत सर्वात वक-२५६म कृगाह व्हर्ट के देव : हेन्द्रमूद्यवाब- मया। श्रष्ट

# বিশ্ববৈষ্ণবরাজসভার পরিব্রাজকীগণ

পরিব্রাক্তকগণের নাম্	•
১। শ্রীস ভক্তিপ্রদীপ ভার্কঞ্চ	
)। <b>अवस्थितित्वक खाइन्हे</b>	
৩। এটিভকিবিজ্ঞান আশ্রে	襲 聚
৪। এীভক্তিপ্ৰকাশ অৱৰ্ণ্য	
१। विष्ठिक्तम् वन	!.
a c / c.a	

१। 🗟 इक्टिरेय इन मान्य

৬। এইজিগর্কার গিছি **.**  বৰ্ত্তমান টিকানা <u>ज</u>िमागा शून कर्ष **এমায়াপুর 464** गालाज অমুডসর কলিকাডা

পৰিজ্ঞালকগণের নাম ৮। ঐতব্দিরারণ পুরী

»। क्रिक्किस्मान सम्बद्ध शिक्षिपिकाम किंद्री এতির প্রমান

১২। এভজিরক্ক 🐞 ১৩। এভজিত্তাৰ **ভো**টী

**১৪। अक्टिकश्रम (वादायम** 

বৰ্তমান বিকাদা \*\*\* প্রী কুলিকাঙা নাজ্যক नासाम এমারাপুর

श्रुती :

# শুদ্ধভাক্তমতসমূহ

## শ্রীতৈত্ত্য মঠ

### ্ আকর্ম মইস্বাক

व्याठीन नवदीन, खाक्यत ञ्रेशाय भावान्त्र, नशीता

**এট মঠবাজে পারমার্থিক বৈনিকপঞ, সাম্বত-গতালাবের কার্যকাশিত ও** च शाहीन अवताबि अहात्र रख 'मनीवा-आकाम' यहानव अधिक्षेत्र वरेतारकन । ভ্রানে প্রতিবংসর প্রিধাম-পরিক্রমানুষ্ঠান ও অগানিত ভক্তগোষ্ট্রিক জীর্তন প্রচারমূপে महामार्वादगवापि छन्तान चन्नक्षित्र वहेंता वारण । तक्कम---अक्काती चैनाव नववतिनी। সঙ্কারী-জীলাক বিনোধবিকারী জন্মচারী, পণ্ডিত জীলাক গৌরদাস বন্ধচারী [कावावाक्तरवीर्व, जीनाह वीक्क्क अष्काती, जीनाह नवरमानान अवकारी, जीवप-स्यम बन्धाती, व्यवस्थातानान बन्धाती, जरू नरदक्ष, वृत्तिनव, द्ववकीर्याञ्च अञ्चि ।

### (৩) যেগেণীঠ গ্রীনশিয়

3 - - COTT 414144 গোৰাহী **क**हे। छात्र श्रीत्रमां राष् 🕮 निकालक अववागी, 🗐 वाधाविस्तान **क्टिकृद्य, अदाभगाम अव्यक्ताती । अमा**धन वान व्यक्तिकाती, त्यनमना विभीननाथ।

- (৪) এবাস-জন্ম रकर--- चे श्रांश्रुक्त प्रयासी ।
- (৫) অট্ৰড-ভবন तक्क --- श्रेषट्व छातन्त्र नागानिकात्री, क्षाक्नमान वावाकी।
  - (७) काषोत्र मनावि शःष्ठे ব্ৰাচীন মাধাপুর, বামনপুতুর (নদীয়া) क्क -- तकाताकी विविद्यानिकाती।
- ( 4 ) খানন্দ পুৰ্ব-কুঞ 🕮 (शाक्ष्म, प्रत्रभगन्न ( नशोता ) कुक्क का समी बन, जम, जम ।
  - (৮ औक्शवाब दर्शकीय वर्ष यक्रममिर्ग ।

fa. un. newig - 356 inin we-শাস্ত্রী, জীটকক্রম অনিকালী প্রকৃতি।

(>) किटमोन-मनावन-वर्ठ টাপালটা, সমুদ্রগড়, ( বছমান ) त्रवाय-विश्वताय अवहारी, क्रक विक्रीनव्याण वर्ग ।

> ( ) • श्रीज्ञभद्रभोकीय-वर्ठ बात्राशक. खबात के है, नि क्षक क--- जिमहर्का वे वे वे वे वे

### (14) Acutemune

माजेगाकि, बातगर, नध्यान। **अभिभाषत्र ।** 

### (১২) ভাগৰত আগৰ

🖴 भागवक (व्यन, क्रेकनगत, नशीशाः। রক্ত-শ্রীকুতানক ব্রহারী তবিশারী

### (५७) बिक्रायम वर्ष

(नाविन्त्रभूष, दामचानी, महीदा। अवकृतिश्व अर्थाताती. अपनातीय पान चरिकाती, छक्ष विधनाश।

( ১৪ ) ज्ञिनाम्म-दगोक्रीय मर्ठ

>-नः नवावशृत्र स्त्राख्ं, छाणा। क्कर--- विश्वाधायहरू वक्षरात्री, वक्रण--- एकिक्ष्य प्राकात अवहाती श्रुमतानम् भद्रविष्ठाविस्तान् वि- व. **व**िनव-श्मीशक वक्काती, श्रेमिक्कंमान्य कका । वक्काती।

### ( ১৫ ) किरमाभागकी वर्ड

क्यमाश्य, हाका। वक्क-- क्रियानगम अमर्गामी

ब्रह्मात्री विकासान्तात्रकी।

(১৬) अभाषाद-त्यो । । वर्ष क्षक--श्रेपर्वश्रक तक्ष्ठात्री, श्रेष्टिमांग এম গরী

(১৭: क्रिकानवक्कनामण गर्ड किञ्चणिका, राष्ट्रस्थणक, त्वसिनीणुक्त । ख्यात्म ने सन-श्रीवाक्याक्षिण-विक्रियातीय निकारमना वर्षमान । अक्क---

# (२) 🗃 दंशी ज़ी व्र मर्ठ

১৬ मः कानिवामार्क् ठळवन्ही है।हे, (भाः वामपाकात, कनिकाका । दछेणित्यान वि. वि. ७১১६

মঠরক ক--- আচার্বাত্তিক প্রশাল কুলবিকারী বিভাত্তব । সহজারী--পশ্তিত जीनाव चमक्रवायुक्त नवविष्ठाकृत वि- व. जीनाव प्रामिववादी सक्रवादी, जीनाव वनक्षाक बामाविकाती किन्त, जीनाव करणानाम बामाविकाती, अवताती जीकी हैन। नक, अक्टाबी जीनाविधाका, अब्रहाँकी जीमशनक, नांक्ष जीनाह ब्योमहरू नवृत्तिहा. नकात्र 'क किलाजी न व्यक्षावदेवक व्यक्तावेन, ज्येष्यबद्धानवानाधिकाती वि-८, ज्येक व्यक्षनिक्ष मामानिकात्री वि-अन, श्रीबद्धभम नदरकावित, श्रीविश्वष्ठत अक्षात्री, श्रीवृत्रवादिक ব্ৰহ্মতামী প্ৰস্তৃতি।

### (১৮) जावनाद्याका जेनसम्बद ब्राव्यवीय दलाः वर्षेत्रासः।

amm-amain Befafertia i

(১৯) औश्रक्तरवास्त्रव वर्ष वर्षकार, पुत्री, दिक्कि। प्रकर-व्यवशासी क्षेत्रप्रमामक विशावक. उष्राही जैनमीहास्य, वैश्वतिमाञ्च उन्नाही, वैयावनात्रन उन्नाही, वैनियाह **हत्रग स्थिकारी, श्रीत्यानिध गला**।

- (२०) खीखण-दशोकीत मठ व्यागवत्रभाष, अव्यक्तित्र (भाः, भूती। वक्क-व्यवहाती श्रीनद्रद्रमध्यी व्यनावकी । नक्काडी-अष्टादी अविश्वित्वावहाडी ।
- (१) बैगकियानय वर्ड Bigaraimia, mb# 1 क्षक--अक्षामी जीवनार है, बीडामगर
- (२२) खीननाचन-दर्शाहीत वर्ड क्सर क्षत्रकातम् भूताः, कानी । क्षक- क्षाडाबी कुन्दलबढ़की, निटारेशन क्ष्महाद्री, जीनकावन अवदानी ।

(২৩) গ্রীকৃষ্ণতৈভব্ন বর্ত श्रीजुनिश्क्याम सुक्क, श्रीवाम कुम्यायम । प्रमण्य-विद्यमगण्डिमाथ समाठाती

(२৪) विश्वनवरण गर्ड

दिवियायमा, मीछान्य क्रमण-अष्टाती जिन्निरशामण ७ अष्टाती व्योगमध्याम ।

(२०) औदेज्यक्टभोक्षात्र वर्ड पृष्केष् था, विष्कृषा, यामकृषा। बक्क--- भोधमानाय बाब, श्रीदायकीय CWaufaut 1

(२७) ब्यामध्योजीय वर्ड मक्-अक्टाडी अध्यनमधी, खीनमी-(मानान अववानी

(२५) खावनगढ़ा बानदाखन-वर अभिन्ताका. (भाः मासू, हायका

ज्यपादन वक्ष्मुंकभावे जीरशाबारकत दमन वर्षमान । क्ष्यक---वयवामी जीव्यावस्थः 417. WW 4#414# 1

- (२৮) विज्ञो (भोकीत मठ-कान्त्राजन बनर रशाणी बनम खाळात रणम, निके विक्री ।। वक्क-अक्टारी श्रीतहरू, श्रीकृत्रान्त जीवा वाष्ट्रयन्त्रवन्त्रवन
  - (२) (ना प्रामनाका-अनुसामन रक र---तकाती बोदागरमास्य
- (७) मालाबदभी होत्र वर्ड मर्च दर्गामामध्यम्, कारबद्धान, अञ्चल उक्क - विष िष्यामी औषड क्रिक्स वन महाबाधा नक्कारे-विक्थियामी 🕮 र জী-মজিপান ভজিনান, জিমপুমানী Busimum Bin veinie. Beie वनवानम अवशानी, जिलाव (वनकीववन বৰ্ষচাৰী, জ্ৰীণাৰশিশ্বস্থাৰণ ৱন্মচাৰী ক্বতিণ भाजी ७ जिमान स्मानका अवहाती।
  - (७১) बायमद्यानाम नाडे काठामश्राम, डांक्श, महीश २व्य----त्रवाही श्रीर्व्यन्त्रान्य



वर्क्ड स

৩০ বামন গৌরাব্দ ৪৪৫, ১৩ই শ্রোবণ বঙ্গান্দ ১৩৩৮, ২৯ জুরাই ইং ১৯৩১ বুশবার

১২৫ভম সংখ্যা

### नागांश्रक मटनन

গত শ্বনিবার ১ই আবণ শ্রীহরিবাসর দিবস অপরাছে শ্রীন প্রভূপাদের শ্রীচৈতন্ত মঠে ভাগ্যন-সন্দেশ বহন করিয়া প্রিত-व्यविष्ठं चिनाव-व्यवख्यान्यान । श्वरिका वृत्तव প্রেকু গত শুক্রবারে ৮ই আবিণ সন্ধায় **অ**ধান নারাপুর ঐতিভয় মঠে ভভাগনন করেন।

গত ১ই আবৰ শনিবাৰ লীছ্রিবাসর ্ধিবদ ভ্ৰথরায় আনে সার্ছ ছই খটিকার সময় ও বিভূপাদ পরমহংগ পরিব্রাঞ্জক।-**চাर्यावर्षा व्य**रहा देवन व बी बीमन विकास সর্বতী গোস্বামী মহারাজ অচাফ্রিক 🍮 नाम क्यांविष्टाती निष्टाष्ट्रमन, 🕮 नाम রাশবিহারী অ্বক্লগরী, জ্রীপার স্থীচরণ फंक्टिविषा, अलाम छक्रमश्री मान व्यक्तिती, श्रीनाम मध्यनानम उन्नाती. 🕮 🕫 সচিবানশু এক্ষারী ও 🕮 মনস্কান अन थक्ति कलातून मगिन्ताहारत निवान দৰ ষ্টেশনে ট্ৰেনে উঠিয়া সন্ধ্যাকালে 🕮 নৰ ৰীপথাটে উপস্থিত হন।

! **পৰিবধ্যে ক্লফনগন্নসিটি টেসনে** ঐতিগ ्व**७** (शास्त्र माहिनश्रात जीशाप इकानम অবচারী ভঞ্জিশাস্থীপ্রামুধ ভক্তরুম ভাষার क्वर्यम्यानित्र खर्यात्र गाञ्च क्रावन । 🕟

का शत्रमाताम् आञ्चलान ननवीलघाटी कनडत्रनः ুক্তিকে জিলভিগোসামী শ্রীপার ভক্তিজালী ঞূৰীৰ মহারাল, তিদভিস্বামী জীমন ভক্তি ন, বিজ্ঞান আলম মুহারাজ প্রমুগ জীটেওড়েয় मर्कत चक्का पूर्वाहायात्रत्तत शाह गट्या अव्य ् बरेश अशिष्ठ माडिनमान कवित्रान । १

সঙ্গে কলিকভার ভক্তগণও আগমন कतियाहिएनन ।

তংপরে এটিচতক্ষমঠের যানে আবেছিণ করিরা তাঁথারা বাতি প্রায় অটে ঘটকার সমা প্রীটেডজ মঠে উপস্থিত হম। তৈত্র-মঠের তোরণে অবস্থিত এটানে সমস্তবাহ্ন-দেব পর্বিভাভূষণ জাভূরামুণ ভজ্বুন্দ দূর श्टेटक श्रीपृत्राहरूत सक्छे प्रस्त कृतिहा পুলকোংকুল চিত্তে শ্রীশ্রীগুরুগোরান্সের জা:-ধ্বনি কণিলেন।

আভাগাপ্রবর প্রভূপাদ এইচনকু মঠে অবভ্রণ করিবাই শ্রীনন্দিরে গ্রমণ্ডরক জ্ঞানিরাক্ষণের ভি প্রীপ্রীরারালেরিন জীবিভাষের সম্মান সাষ্টালে দওবং প্রান্ত करिश ज्ञान अ তাঁগার অসুগ্রণ করিলেন। তথপরে প্রান্থপাদ। যপাদ্ধানে আসি। উপবেশন করিলে সকলেই ভাঁহার পাদপন্ম বন্দনা করিলেন।

গত ১০ই লাবণ श्रतिदान" खाउ:कारा वह डाङ धाजूनमधात्म छन्दनम् कति । ছলেন। প্রাভূপার তাঁহাদিগকে প্রীত্রীকৃগ माथरमस्यत्रं मदक्षा स्मोकिक नौज्ञणातः निनग्र উল্লেখ করিয়া তৎসম্বন্ধে একটি অপুর্বতত্ত্ব नर्गन करत्रन ।

এতংগদান তিনি শ্রীক্ষাটেত ভা মহা প্রভুৱ শ্রীঞ্গরার্থ দর্শী-- সমনসরকালে

বর্ষা-প্রভাবে ছাড়িগঙ্গার জল বুদ্ধি আন্ত<sup>ি</sup> দর্শনি না পাইকা আল্বরনাথ দশন, তাহার হওনায় পাততপাবন প্রভূপাদ নৌকাবোগে চিইছজি স্থানে বিভূজ দশন, তংগ্রাসঙ্গে শ্রীধান নারাপুর গোললীটের সন্নিকটে কদলী , গোলীনণের স্মীণে শ্রীক্ষেত্র চতুত্ব জ কানন-সমাপে অবতরণ করেন। তাঁহার মৃতি প্রদর্শন ও আইরাধার নিকট ভাহার প্রাকাশ রক্ষণে অসামর্থা প্রাভূতি বর্ণন कति । अभारोप्नीन भारते ज्ञीत्मात्रीनात्पत्र প্রকট-ক্সা উল্লেখ করেন। তিনি আরও कानाही। जन त्य. जीत् भवाकता भी गड़ी । ( "ংমতে প্রথমে মাদি" ) । প্রীলেশীনাগ अक्टिंड व्हेजन ।

> জীলগ্ৰাপদেশ অপোক্ষত তম্ব। ভিনি काशह डोसिय्यक्रपीति यस नाइन व्य. আমিলা আমপেনার উক্তা ও জানের প্রভাবে স্তাঁগকে দর্শন করিতে পাণিব। তাঁগর কুপা গাঁচায় প্রতি ব্রতি হইবে, ভিনিট **बि इन्दर्क्नान्य कन्दर्क्नान्य व्यक्ति ।** হটবেনী। নাচুধা পুক্ৰাভিয়ানে ভোগৰুদ্ধি बाह्या काहा क पर्नम कति । इ ल्लाहर काहात হত্ত গদ রহিত দর্শন ঘটিবে।

রফস্তনো ওণতাড়িত বান্দিগণের क्रशतकार्गनेन इंटेट्ड शांद्र ना । यङ्गिन स्त्रीत ভোগবৃদ্ধি পরিভাগ করিয়া বিশুদ্দসক্ষে অণ্ডিত হই:ত না পাণিলে, তত্ৰিন প্রাপ্ত বাস্তুদেশের প্রকাশ তাহাদেব চিক্তে প্ৰকৃতিত হইবে না।

্রন্ধার ক্রায় ব্যক্তি-সিনি আমাদিগের হুইতে কত কত গুণে শ্ৰেষ্ঠ, তিনিও নিজ অক্ত দৰ্শনে উাহাকে মানিতে গিনা বিষ্ণা মনোর্থ হট্যাছিলেন। অবংশ্যে যখন अर्गनान् छिशाह (हिहा पर्नन कतिरानन, उपन वृक्तिक अर्थान।

ভিনি ভংগন পে উনিত হুইয়া বলিবেন.— यानान्ध्र यथा जारव। यक्त र छन्कभाकः । তথৈৰ ভৰ্বিজ্ঞান্যস্ত তে মণ্ডুৱাহাই।।

অর্থিমানি করণতংগে প্রিমণ্ড मखाविभिन्ने धनः (य ८४ कान, छन ६ मीमा-िनिहे, कुनि स्मर्वे गक्न विनदात যুখাবৰ অসুভা অমোর ক্লার স্থতেভাবে

क्षष्टम "ममञ्जादार" कथाँनै निर्मय-ভাবে প্রশিধানযোগা। ভগবছরবিজ্ঞান লাভ করিতে কইলে ভাবেদরভাতই একমাত্র কারণ। ভোগবুরিণ>িত হইনা অন্ভাচিম্ব-जित्य जनाम् नर्भात् । यह कानालहे अधार-কুপাৰ অনিকারী হওয়া ময়ে।

তত্তিজ্ঞানের অভাবে চেত্ররহিত क्षकान्यक 'शिकान' नशिय यः शास्त्रतः व्यक्ति হয়, ভাহারা ভগবানের গ্রাকাব, রূপ, নিত,লীলা ও নিত জনের উপাশ্ধি কবিতে অসমর্থ। নিতা অত্তবকারী অন্তিং 🌱ল বিজ্ঞানে অবস্থিত না ইটলে:— বিজ্ঞানে নিজের স্থকণালিছান বুলিছে না <u> शांतिरम जाना धकांत अक्षा धांत मर्धा</u> পতিও হন। ভগ্রস্থগ্রং বংশত বিজ্ঞান-রহস্ত সংখ্যক অন্তর্ভনে স্করণের উপলব্ধি चःछ ना ।

গুলু দানা চালিত হট্যা গুণাডীত বস্তুর भाग, तरा, छ। ९ लीला निकातल रह करा रिक्डनपुक्क व्यागानवरे खाउँ नृका। শেতপৰ অভিক্ৰ কৰি চপ্ৰছ্জান লাভ ঘটে না। ভগবজ্ঞান **লাভে**র নিদর্শনই ভ্রুনকারীর ভ্রুনীর বস্তর*া* **শেখা**-

"লগভের পিতা কৃষ্ণ যে না ভলে বাপ। পিছুলোহা পাডকীর লল দল ভাপ॥"

### देशीयक महोत्राक्षकाय-भात्रमार्थिक शक्त [ वर्ष वर्ष ३३०६ म मरवा]

# মানব জীবনের কর্ত্তব্য

(0)

কল্বিত কাম ও চিনার প্রেম, ইজিয়-ভোষণ ও অধোককেছিয়তর্পণ, সেবা ও ८ छात्र दन এक भर्गावज्ञ नहरू, दारे मक्त প্ৰাতে আমরা ফানিবাৰ সৌভাগ্য লাভ করিতে পারিব, তথ্য ছণ্ডর কামক্রোধাণির অংদেশগাসনে প্রমন্ত হইয়া পলে প্রেল, मध्य मध्य, निरम्पत्, निरम्पत्, त्व अपूर्णा-कोवनकाम नहे कतिशा विशिष्टि, द्व सूर्वन श्रावाश्य व्यवस्थात्र भवनिष्ठ कृतिग्रीहि. ভক্ত গভীর নর্মণীয়া, অভি ভীর বেদনা 'अञ्चल इकेटर । अञ्चलम<sub>्</sub>का धारी मृत्यस्थके 🗟 গুরুদেবের পাদপন্মপরাগ-বলে বলীগান হুটলে, একবাৰ তথ্যীয় রাত্রচৰণে আয়ু-বিক্রীত কট্যা ঘাইতে পারিলে আর স্থানারিক অন্দেশ্যিশ তুম্ছ কর্তুবোর অনাদিগের সেবাসকলকে বিচালির করিছে অথবা ইতর কামনার উচ্চদর্মত দেবাগণের খেতঃউৎদারিত জীবনধাবাকে প্রতিহত করিতে পানিনে না। তপন্ই অপূর্ব আভির সহিত,— "लाकपर्यः, ८२मधर्मः, ८००धर्मः, कया । बाद्धा, देशमा, दमस्याभ, व्यास्थ्यसम्ब ॥ হুত্তাজ্য অব্যেপণ, নিজ পরিজন। অজনে করয়ে যত তাড়ন ভংগিন ॥"

ত্রাদি সমগ্রপ্রতিকৃল প্রতিবন্ধক নির্মান
দলনে দলিত করিকা আমেরক্লারপারে নবীন
যুগলকিংলারের কাম-যজে ইন্ধন প্রদানের
নিনিত্ত উন্মৃক্ত জীবনকেই উপহারপ্রস
লইবা সেই গোলোকপুরের সেবা-ভূমিতে
ভূটিকা ঘাইব।

অজ্ঞানাক হইবা আমরা অনেক সমর

অজ্ঞানাদ্ধ হইরা আমরা অনেক সময়
মনে করি, সংসারের পরিচর্য্যার দাসগত
না দিলা ভগবদান্তে আত্মসমর্পণ করিলে
বুরি বা কোন অধর্ম কিয়া প্রভাবাদের
ভাগী হইতে হইবে—বুঝি বা পাপ কাশী
করিবে। কিন্তু এধারণা নে নিভাত্তই
ভিত্তিহান, তাহা শ্রীভগবানের অভ্যবাণীতেই
স্বাক্ত ইউলছে। শুণু পার্বদশ্রের অক্ষান্তের
সমগ্র ভাগল শ্রীবর্দ্দকে পরিপুর্বজীবে
আহ্বান করিলা ঐ বে ভরভ্যভারী ক্রমীবিদ্ধের গান্তীর বালী কনিভ হইতেছে,—
শ্রক্ষধর্মানু পরিভালা মানেকং শ্রণং ব্রঞ্জ।
জহং দ্বাং বর্কপাপেতে। নোকেলিয়ানি

ম। শুংল। " নিখিল ভবের ভগনাশন শ্রীক্রফের এই

পরাক্রমণাদী চনদানেশের পরেও কি আমরা পচা কর্তুরের লোহাই দিয়া স্থানা মান্নাপিশাদীর কপট সেতেই অভিস্কৃত থাকিব? তদীয় রোসক্যানিত আরক্ত লোচনের কুক্ত দৃষ্টির ভরে কি নিতাকালই অড়ের পদসেবা করিব? যিনি রাক্ষনী

পুতনাকে পথান্ত ধাক্রাচিতা পরাগতি এবং ছষ্ট কংস অরাসভাষিকে ব্রহ্মানাকে স্থান দিঃছিদেন, সেই অপার ক্ষণানিশ্র 🕮 ছরিপাদপদ্মদেবনে কি অপনই নিক্ষট আর্ত্তি উদিত হটবে না ? পিকু আমাদের সংসার নোহ! ধিকু জড় কণ্ডবোর মোজিনী-Cटात्रणा ! नार्गातिक मनोधिनक्य जामाणिक শমিতি হইতে আমাদের নাম পারিজ करिया त्मय, मिछेक्, शतिक्रमनर्श कर्छताङ्गाङ অমানুৰ বান্বপশু বলিলা মুক্তকঠে প্ৰচার করে, করুক্, আমরা আখ্রার সহজ খাস্থ্য-माटक यञ्च कृतिवह कृतिव, अन्ति कारमह হবি-বিমুগ্রা বাণিত্রিত কচেত্র मध्य क्षिम लहेशाइ, धनात कान मा, স্বাস্থ্যসম্পন্ন আদৰ্শ ঐয়ে জীবন্ত মৃতিতে নিরাশ প্রাণে নধীন জাশার প্রেরণ: কৰে জী ওক্তমণা প্ৰসাদে চালিভেতে : মাদৃশ পাতিতাৰমেব এই প্রেকাব ভঙ্গাংনী द्कित डेम्प्र ब्हेर्टर १

ক্রিকুল্পের ভিত্ত হাহিল্ডেন,—

শিনাহং বন্দে তব চ্বণ্লোহ ক্ষমধন্দ্রতার কুটাপাকং ওক্ষণি হবে নারকং নাপনে হুম্
রুমাা রামা-মুহু ভঙ্গতা নক্ষা নাতিবভঃ
ভাবে ভাবে সুন্তব্যন ভাববের ভবভুষ্ণী

শুধু তংগনর নরক-যাতনা হইতে মুক্তি লাভ কি, নন্দন-স্বর্থনারীগণের স্পীতিক্ষা উপভোগের জন্ম অথপা স্বাগরা ধরিত্রীব একছের সামাজালাভের আশায় নহে, পরস্ক কেবল ভেজিমনাকিনীর স্থান্ধরিংপ্রবাহে অভিসিক্ত হইতা করে আমরা নিতা নরনারমান সেরাপ্রের জন্ম সেই অগিলপুর। রাধামাধ্বের শ্রীপাদপ্রকে স্ক্রমনিন্দিরে শ্রতিজিত করিব ?

মরী তিনালীর ক্ষমক কর পশ্রে শতন্ত্রের প্রাণ্ড টেনের ক্ষান্ত চিন্মর প্রভাকর স্থানমন্ত্রের কপালোকে শরণাগত জীবনপল্লের সহপ্র দল পরে পরে বিক্ষণিত হইলা উঠে। কোন নগর সৌক্ষণ্ডির সহিত সে অব্যয় ক্ষেক্র সৌক্ষণ্ড নাধুবিমান তুলনা করা চলে না। পরমনেব্যের পাদপল্লে জাপনাকে অধ্যক্ষরের প্রদান করিয়া সেবকের যে বিমল আনক্ষান্ত ভূতি, ভাহার সাক্ষে মোক ও অর্গন্তুরের তুলনাই হইতে পাবে না।

অনন্ত সৌন্দ্র্যা-মাধুর্যার মাক্রবিএছ

শীস্তামন্তব্দরের স্থার বদনের মধুর হাস্ত
কে দর্শন করিবার যোগ্য ? শাস্ত বদেন,—
"বিনি তাঁহাল অপ্লাকত কানোৎসনে
নিবেদিভায়া,— শিনি কড়ের অপুর্ণ,
কার্নীয় সৌন্দর্যো গৃংকার প্রাণান করিয়।
সেই ;বন্মনোনোহনের পদনগ্রনী রুবভাস্ককুমানীর নিভ্যালিকিভবিগ্রহ হরির স্থামের
চক্রাননের অপুর্ণ মাধুর্গা অবলোকন
করেন।" এইপ্রকার সৌভাগ্য প্রার্থাই
ভীবাছার স্ক্রিপ্রই স্পাদ্ধর কর্বা।

### শ্রীধাম-এসঞ্

( )

১০০০ বজাকে বে সমগ্ন জীনবাীপথাম : চালিখিশভা পভ্যাত্মপথানে প্রাকৃত্ত
ইয়া ভগবৎক্ষপাবলৈ জীধামের পোচাবর্জনে পূনং প্রবন্ধ করেন, তৎকালের
অবাবহিত পরেই মাথাদেশী ক্ষতিপর বাজির
চিত্তের উপর বন্ধ প্রকাশ করিলা কভাাত্মকৃতি ইইতে ভাহানিগকে বিক্তিপ্ত করেন।
শাস্ত্র বলেন,—''সংশ্যাত্মা বিনহ্নতি গ'
সেই শার পাঠ করিলা কভকভলি লোক
বৈধ্যবাপ্রাথক্রকে সংশাপর হইলা কৃতকোর
কনক ও আধার হইবার প্রয়াস করেন।

শাহারা ক্লফণালণগুলেবার শশুণ অংলাগা, তাহাদের নিকটই প্রীক্ষান্তর নানাপ্রকার কলেব।
নানাপ্রকার কড়ায় ধারণার উপযোগী তাথকালিক আরুত রূপ প্রারণার কলেব।
কিল্প গাহারা পত্রবাক ক্রমা প্রীতিপুপক কগেন্তকন করেবন, ভগবান উলিদিগকে রক্ষাহারীক্লপ-ফল-স্কর্ল সন্ত্রি প্রদান করেব। এই সদ্বৃদ্ধিই হৈর গুসুন্তর উল্লোচন করিবা তাহাকে দিবাজ্ঞান লাভ করান।
দিবাজ্ঞানলাভের স্থান্য উপস্থিত হুইলে ভগবান মহাক্রপ্রক্ষর মুখে আন্ত্রবাণী প্রচার্ক করেবন।

অনেকে মনে করেন—তগ্রদ্রাণী
ব্রেলপ ক্রেভাকের শ্রীনুপ ইউতে পাওলা
থায়, ভদ্রপ ভগ্রদেশনী অনপ্যুক্ত রঞ্জনোভগভাড়িত দাড়িক রুদ্ধেতর বস্তর দাস
অভক্রদন্দায়েও পাওলা যাইতে পারে।
ভালদের লান্তির কারণ এই যে, হুহুরী না ব্যক্তিবিশে
ভইনা রত্ন নিরূপণে চেষ্টা করিছে পোরে।
অসমনী ধারণা বেরপ উক্ত অন্তিক্ত ভীবকে
বঞ্জনা করে, তক্রপ আয়ুভারিতাবলে বন্ধুলীব
বঞ্জিত ইউন অসভিত্রে সভ্য বলিয়াই জ্ঞান লাম না।
করে; উচা শ্রীচান্ত্র নরোক্তমের উক্তি
ইইতে স্রপ্রভাবে বৃদ্ধা থায়।

বিপুষ্ট্কের বশবতী হবল মৃত্ অনর্থাক্ত বাজি মনে করে যে, শ্রীঠাকুর নরোভ্তম যখন আন্ধাক্ষেত্র কুলে আবিভূতি হইগা-ছিলেন, এবং আমরা যখন সকলেই আন্ধান-ভর কুলে জাত, তখন আমরা সকলেই শ্রীনরোভ্তম-সদৃশ; কিন্ত শ্রীঠাকুর নরোজ্যম যোরপ প্রেমভন্তি দেখা যায়, সেরপ প্রেম-ভঙ্কি রজভ্তমান্তপতাভ্তিত আন্ধানভ্তম সকলের মধ্যেই বে বর্তমান আছে, এন্ধণ ভক্তিবিক্তম নির্কোধ্যের চিন্তাপ্রোভ কোন বৃদ্ধিমান্ ব্যক্তিই পোষণ ক্রিরেন না।

# यदिकिष्मिः

েব্যক্তিপত 🟋

"লাবাংগারব' নামক মানিক্ষণত্ত্বর প্রানণ সংখ্যার সম্পাদক শ্রীনীনবন্ধ আচার্ব্য বেদলায়ী বে মন্তবা আঞ্চাল ক্ষরিয়াছেন, ভাষাতে অনেক ক্ষরি ভাল কথা ক্ষরিয়াছেন, প্রাকৃত সংক্ষিয়াদলের স্লাভিপূর্ণ বিখাসকে শ্রীগোরস্তক্তের ক্ষরে চাপাইয়া বিধাছেন। ইংগতে ভাষার লোধ নাই, পরস্ক ভাষার অন্তিক্ষভাকেই নোধ ক্ষেত্রের বাইক্ষে পারে।

মানবে দেবছাবোপ বা Apotheoরার এর কেন্টই আদর করিছে পারেন না। প্ররক্তিসারিলংশ মাছদকে 'অনভার' ( १ ) সাজাইবার চেটা যে সক্তোভাবে গ্রহণীয়,
এবিধ্যে সন্দেচ নাই। প্রাক্ত সহজ্যিগণেন ধারণা— শ্রীগোরস্থার অধাক্ষ বস্ত্র
নহেন, ভাগদের ইপ্রিয়ভপ্রের ভোগ্য
বিষয়জাভীর বস্তু সাজা।

কিয় উপাত অংগালক আবভারী
প্রীগোরহার—উভিহ্যান্তগ্রন মানবের থা
রূপকনাত্র-সম্বন ভার্কিকের পূর্ণম বস্তা।
কথোপক শ্রীকৃষ্ণ ও অংগালক শ্রীকৃষ্ণ
ভৈত্ত চিনার মাধুনা ও উদাধা ভূমিকার
নিতাকাল অবভিত হইনা প্রশাস হইতে
উল্লন্ড মৃক্রপুক্ষগণেরই আরাধা বস্তা।

স্তরং আধাকিকের দৃহ্পটে সমাগত ঐতিহ্পুই বা রূপক-করিত দার্লারিক গুরুবদের বা কাবিওগাড় রাজ্যের অধিবাস্থি ব্যক্তিবিশেষের ছায় মহাবদাস্থ কুলাগ্রেম-প্রান্তিং 'রূক্ষটৈতক্ত' নামক উদাগ্যবিত্রাহ রূক্তকে আধাকিকের সম্পুটে প্রিবার ব্যবস্থার আমরা আদর করিতে পারি-লাম না।

দরানন্দ মহাশরের আধ্যক্তিক বিচারপ্রাণাণী—নিত্য অভন্ধন কারিস্ক্রে সনাক্তন
ধর্ম হউতে প্রার্গুসহজিয়ার বিচারাস্থসারে
ভূজাকাশের শব্দচিত বেদবিপ্রবকারী
চিন্তালোতেই আবদ্ধ । উহাতে শ্রেকা
বিষদ্রুচির কিন অবকাশ না পাকার
ভাষা মজরুচি বিচারে আবদ্ধ মাত্র। তল্পজ্ঞ বেষপার্থী মহাশয়ের আধ্যক্তিক বিচারটি
ভাষার কথিত বিভিন্ন প্রান্গুত সাহজিকের
অক্তন্তম সাম্পাদিক অবভারপুঞ্জের চিন্তান
লোতকে অবক্তই শোশন করিবে। ইহাই
আমাদের বিপ্রল আশা।

### देशिक अमेशि-क्षणाम-भारतार्थिक शक

# গ্রন্থ পরিচয়

# শ্রীমন্তাগবতম

विमयश्वि प्रकटेवणायम (वश्वाम-व्यमिक मृग, विधन-ৰকাচাৰা-কল্প। ভাৎপৰা-নিৰ্থটীকা; শ্ৰীমন্বিখনাথ চক্ৰবন্তী ঠাকুর-ক্ত নারার্থদলিক টাকা, বলাক্তবাদ, সংস্কৃত অন্তর ও तिर प्रक्रित व्यक्तिमाच क्यामान्न, च्यारवत व्यवस्य के অধ্যালের দারসহ ছবিছত ভাৎপর্ণ্যাদি নিয়ত। লোকস্চী বিষ্মস্চী, অধ্যায়বিবরণ, পাত্র ও স্থামস্চীস্থ উত্তম কাগকে উত্তম অকরে মুক্রিড। প্রাথম চইতে ১০ম কর্ম। প্রাত্ত ছবলা পুর্বিরূপে শেষ হইয়াছে। ভিকা প্রথম 1 208 EFF

**ইত্রীনহাজ**িলোদঠাকুর-রচিত 'অমৃতগুরাহভাগ্য' 🕮 🕮 মছজি দিয়াভ সর্বতী গোৰামী প্রচুপাদ-লিখিত '**অন্নভা**ষ্যে **ঐভি-ক্ত্যাদি** বহু শাস্ত্রমাণ-সম্পিত হটয়া কালিত হইরাছেন। স্লোকের সাধ্রব্যাখ্যা, বছাচুবাদও ভাক পরারের পূর্বে সংক্ষিত্র অভি**ধের সং**যোজিত। **७।क जनाव-धावरष्ठ क्यामाव (पश्या जारह ।** १४१क, র, শব্দ, খান, পাত্র প্রেছাতর হারুহৎ ফুটা ও এড়কারের বিশ্বজ জীবনী-সম্বিত এই ৯প অভূতপুক্ষ সংহরণ ইত:পুকোঁ আপি প্রকাশিত হয় নাই। উত্তম কাগ্রেপ পারিপাটোর হিত সুল বৈশকরে মৃলাংশ মৃদ্রিত হট্যাছে। গ্রন্থ প্রায় ৫০০ প্রায় সম্পন্ন । ভিক্রা বস্তমানে ৫ মারে।

### **এটেডজভাগবভ**

अप्रकारतम कीवनी, अधि शतिरक्रत्मत क्यांगात, विकृष भोदीब खावा, नमन्त्री, नबाबक्ती, विवब-दान-भावावि-টা, প্রস্তুতি বিবিধ বিধন-সম্বাত বিধাট বিভীয় সংখ্রণ হবল জ্রাউন ৮ পেত্রী আকার। আদিলীলা ও মধ্যের য়দংশ প্রকাশিত হইয়াছেন। ক্রমে ক্রমে প্রকাশিত ডেছেন। অগ্রিম ভিক্ষা ে, টাকা, আদি লীলার 710

#### **ब्रिटेड एक मनम**

**এই গ্রন্থের এরপ অভিন**ৰ ক্লুলর সংখ্যুগ আর কুত্রাপি श्राणिक इम्र नाहे। गःकृष्ठ झाकारम्यत व्यवस, व्यास्वात, हाया, क्लामात, एका टाक्छि मह बढ़ बढ़ टाक विवासिक ইয়াছেন। মূল মোটা অক্সরে ডবল ক্রাউন আটপেনী हिंद्रशाद्रारत हाला हहेग्रारह। यूना २॥० ठोका। स्रोता प्रकाण ७ (शोफीस्त्रत आहरू गरणत गरक ।।। ठाका ।

### **এমত**গবদুগীতা

- শ্রীগৌড়ীর বৈক্ষবাচার্য্য অপ্রাক্ত রসিকচ্ডান্নি **ট্টবিখনাথ চজবটিঠাকুর গোখামিয়তা সারার্থব**দিশী कानरमण के बिकाबिकविरनात ठाकूत्र-वागिष्ठ 'त्रिक-अन्य नामक कार्याकामाहिका। कथा। मर्था, माक्काव्यय क्षाय-प्रती,वियव-प्रती,अध्याद्वय भीवनी ६ व्यवध्यानिकापि É-আতব্যবিষয়-সহ উৎকট বাধাই ডুতীয় সংখ্যুণ—এই রাভ रक्तर्रम किका देर छाका काळा माराजन मरकत्रन--- अ। াকা মাজ

# শ্রীল প্রতুপাদের বক্তৃতাবলী

ওঁ বিকুপাদ শ্ৰীশ্ৰীমন্তজিসিদাখসর্বতী গোৰামী মহারাজের সেই অবিজাবিধাপনী कीवाषावक्षत्वारबाधिनी क्रक-कार्काननमात्रिनी कीवश्व-वागीत মুর্জ-বিগ্রাল-বৈক্ষবসিদ্ধান্ত-রত্তমালার কৌস্তভমণি---সম্প্রদায় বৈভববিজ্ঞানাগারের মৌলিক তথ্য-পঞ্চরাত্র ও ভাগবতের শম্পা ওক-মহাজ্ম-জীবনচরিত-শিক্ষক-চিধিলাস্চিমাত্র-আভিদক, তথা ও বির্ভ্যানিষ্ঠ । প্রতি হলের আনিতে অচিলাত-বিচারক—ঐথ্য ও মাধুণ্যরসের মৌলিক গবেষণার --- मश्य, अख्टिमंत्र छ ट्याबान-ए द्वत मिदाय-म्युत्।

> ১। প্রথম খণ্ড-বৈদ্যবদর্শন, শ্রীপুরুত্ত, কাল-শর্ম, শ্রীমধ্বানিভাব, শ্রীবার্যভানবী, পাঞ্চরাতিকী দীক্ষা ও বর্ণ-বিভার, আত্মধর্ম ও মনোধর্ম, শ্রীচৈত্রভূদের ও তাহার শিক্ষা, অপ্রাক্তত সহজ্ঞপর্য ও প্রাকৃত সহজ্ঞপর্য, প্রস্কৃতি বিংশতি সংখ্যক রয়ে স্থানেতি। ভিকা মাত্র ৬০ বার আনা।

১। ত্রিটী<u>রা শক্তে—ডম্বা</u>ও বিদ্ধাভলি, মনুদ্যের শ্রেষ্ঠতা কোপার, আন্তার নিতার্ত্তি, জ্রীদর স্বামিপাদ ও गांधानाम, चीरशीत-निष्णानमध्यमञ्, जिल्लात सम्बं ७ कुम्ब-कीर्डन, जीवामभूकाय जीमहागदर्दत कीर्डन, जीरगीब-धारमत्र महिमा, मशाखनाष, जीवाविक, जीवाबायवाक्तन-পপ, बीमडी व्रश्नाक्षनिक्ती, बीटिन्डरश्रंत मग्रा. रगीतकत्रमा ও ফুকুস্কীর্ভম--চভূদশ অপুর মধুরিমাপূর্ণ-বজ্তা-বিভূষিত। ভিকা ১, এক টাকা মাত্র।

প্রথম ও দিতীয়—ছই ৰঙ একত্রে নইলে ভিকা ১॥ • দেও টাৰা, ভাৰ থরচ বভর।

### 🗬 यह गंगम् गीषा

(भोष्ट्रीय-देवस्थनमार्गिभक-८नथम् डिडियमवद्यात्व विष्ठा-ভূনণকৃত ভাষা ও শ্রীময় ভিবিনোদ ঠাকুরেরপ্রাঞ্চল বল-कासाम विकुछ 'विवन्तकन' नामक छास्युक । व्यन्ताम-স্চী, বিষয়স্চী, ও প্রতি ল্লোকের প্রথম ও ভৃতীয় পাদ স্চী, ভাষ্যকারের শাঁধনী প্রভৃতি স্থলিত। উৎকৃষ্ট বাঁধাই, রাজসংহরণ (ভূতীয় সংক্ষরণ) গ্রন্থের क्थिका २ होका।

#### **क्षरमग्रतकावनी**

শীমধণদেব বিছাভূণণ-প্রণীত বৈফবদশন, সন্দর্ভ ও গোবিন্দ-ভাগাদি পড়িবার প্রথম গ্রন্থ : উংক্রই কালিতে ছাপা। স্থবিস্ত নিক। ও প্রাপ্লবসাপ্রবাদ-সাহায্যে অভি সহজে বালকেরও বোধগন্য হইয়া থাকে। ভিকা । ত' আনা মাত।

### **ভীনবদ্বীপধামগাহাত্ত্ব্য**

( প্রমাণথ ও ) সামুবাদ। আছি-স্বত্যাদি ভাষে শ্রীনব-ধীপের বে মহিমা কীব্রিত আছে, তাহার মূল সংস্কৃত ব অমুবাদ। ভিক্ষা ১ আনা।

### **এ** এনবদীপভাৰতরক

আঁঠাকুর ভবিদ্বিনোদ শিথিত। প্রশলিত গভাকারে পরিক্রমার দেইবাদি-বিষয়ক। ভিকা। আনা।

### ভক্তিরত্নাকর ও নবছাপ পরিক্রমা

আলি নর্থরি চক্রবৃত্তি-ঠাকুর র্চিত। ভক্তির্ভাক্স চ্টতে পরিজনাংশ নাঅ গৃহীত; শ্রীজীব গোন্ধানী কি अकारत अभवशीनगामत পরিক্রমা করিয়াছিলেন, ভাছাই পত্তে বিবৃত। ভিক্ষা । প আনা

ত্রী ভবিংবাদ ঠাতুর-প্রণীত। ত্রীচৈতভেইছাতে শিক্ষাপ্রণালী—इक, कुक्शकि ও রস—वद ও मुक्त कीर ষ্ণচিস্কা-ভেদাভেদ-ভৰ্—শাগন-নিৰ্ণয়<del>— প্ৰয়োগ্ধন-ভৰ্, কৰ্</del>ষ কাও, আশ্রমাদির বিচার—বৈধী ভক্তি, ভাবভক্তি ও েপ্রনভিক্তিক নামভেলন-প্রণালী ও অইকালীয় শীলা-পরিচয়াদি প্রেপম শিক্ষার্থীর উপযোগী করিলা সরল ভাষাত্র সমুদ্ধ যুক্তিপ্রমাণসহ লিখিত আছে। চতুর্গ সংকরণ বাধা ২ , টাকা, আবাধা ১৮০ টাকা মাজ।

### গোডীয়কণ্ঠহার

শ্রীরেটিয়-বৈঞ্চবগণের অক্তক্ষণ কর্চে পারণ্যোগ্য ক্রতি-পুরাণ-পঞ্চরাজাদি-সাম্বত-শান্তসমূহের প্রমাণাবলী विवयविकाशकाय मास्याम खन्छ। ८३क्रम देक्य-সিদ্ধান্তের সারসমন্ত্র অভ কুঞাপি প্রকাশিত হয় নাই। ইহাতে ওক্তৰ--ভাগৰত--বৈঞ্ব--গৌর--নিত্যানন্দ--चारेष ७-- क्रक-- मार्क-- कशवस्त्र-की व-कि डाटक्म रिक्स -- व्यक्तित्र--- गांधनक्रकि--- वर्गम्य-- व्यक्ति-- व्यक्ति---— विनाम— প্রয়োজন ও প্রমাণ-তর্গুলি পৃথক্ **অ**ধ্যারে স্থ্যহৎ স্নোকাদি স্চীসহ উৎকৃষ্ট এণ্টিক কাগজে ব্ৰোঞ্চ ব্লু কালিতে মুদ্রিত, উংক্লই বাধা দোনার ছলে নাম লেখা। গ্ৰন্থ প্ৰায় ৪০০ পূচায় সম্পূৰ্ণ। ভিক্ষা ২, টাকা মাজ।

#### জ্ঞীনবদ্বীপধাম-এাদাবলী

লীমদ্ভজিবিনোদ ঠাকুর-রচিত 'ধামমাহাত্ম---ধাম-মাহাছ্যের সামুধাদ প্রমাণ খণ্ড-জীল নরহরিচক্রবভী ঠাকুরের ধাম-পরিক্রমাংশ—-শ্রীধাম নবন্ধীপ পরিক্রমা—তীথ-যাত্রা প্রতি—শ্রীমৎ প্রবোধানকরত নবদীপশতক্ষ— শ্রীনম্বজিশিনোদ সাকুরের জীনবদীপ ভারতরত্ব প্রভৃতি এর একও ভিক্ষা ৮০ আনা মাতা।

### শ্রীহরিনামায়ত ব্যাকরণ

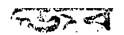
শ্রীনীব শোখানা প্রভূপাদ-বির্চিত কর ও বৃদ্ধি, ভংগদে ওবিকুলাদ জীমছজিনিদান্ত সরবতী গোসামী মহারাজের বিভ্ত ভূমিকা ও স্টী প্রভৃতি সহ। অপ্রত্যাশিতভাবে হুগ্র। ভিক্ষা ২০ টাকা, ছাত্রগণের পকে ১॥০ টাকা মাঞা

#### Carte Genta

শ্রীমন্ত্রামাত্রকাচালা-রচিত। বেদায়ের বিশিষ্টাবৈতবাদ-व्यक्तातक श्री भाषा अर्थका व्यक्तिया अवत द्वराष्ट्रपूर्णन शास्त्र উপযোগী করণাণ এই উত্তম করিয়াছেন। ইহাতে বঞ্জাল্পনাদ ও প্রতীপত্রাদি সংযোগিত করা হইয়ছে নাম নাত্র ভিজা ॥০ জানা।

### ত্রীটেডব্যটন্তাপুত ও নবদীপশতক

গোরপার্যদ ভিদান্তা তীমং প্রযোগদেন সবস্বাচী-প্রাণীত মূল, প্রভূপাদ শ্রীমদ ভঙ্গি গিছাত সরস্বতী গোস্বামী মহারাজ মুক্তাদিত অন্তঃ বেলের ও বঙ্গাধবাদ সম্বলিত। নবদীপশতকের উভেটভাবনোদ ঠাকুরের প্রভান্তবাদ ও ত্ত্যক উন্নয়হাত হয় একটা তিবণর্হিত অলোকিক চিত্র প্রাদত্ত হটগাছে। মূলণ ও কাগৰ উৎস্কৃত্ত (২ থানা একজে ) ভিকা ৮০ আনা, অভি হ্রমা বাধাই রাজসংখ্রণ ; ८ होका माज।



শীন্ত জিলিনাল ঠাকুল-প্রনীত কট একমান গ্রহ- ।

রান্ত্র জান লাভ কলিলে পান্নানিক রান্যে কি,
ভাজান বা সংশ্র বাকিলে বা । কেন্যু গ্রুপ্তিনিক কলি ক

ক্রম্বল ও প্রাণ্ডলী প্রত এ প্রাণ্ড প্রকাশিত হয় নাই।
নিবিন্দিলাস্থানি পান্ধ-মালাদিনি-মলন্দ্রন তেই গ্রুপ্ত ভিতিও বইস্ক্রেন। আবাক স্বিস্থৃত ভাতী, কণামার
ইত্যাদি ভাষা বিশেষ সমৃদ্ধ করা ভ্রুপ্তে। বিনাট প্রত,
কোনার ভালে নাম কোলা, উংল্ফ বিবাহি— চ্ছুপ্রিপ্রেবর
ভিতা ২, টাকা মানা।

### প্রেমবিবর্ত্ত

শ্রীগ্রাহাপ্রভার অন্তর্ম পর্যাদ শ্রীল কর্দানন প্রত্ বিস্থিত । এই প্রকে মতি প্রথবোদ্য ভাগার মহাপ্রান্ধ ক্রিপর লীলাসত বৈঞ্চবাহার, একাদশী ও নামভন্দন-প্রথালী প্রভৃতি অনেক বৈঞ্চবাহরের স্থামাণের দেখিতে পাইবেন পান্তীকার ছলত প্রনেব বিশ্বার্থ ও প্রস্তৃত্বর গ্রিন্তরাদি-নম্মলিত চতুর্থ সংশ্বন্ধ ভিজা ॥৵৽ ধশ শ্রানা নার।

#### ভজনরহস্ত

ভয়নকারীর নিতাস্থী; ইরির ভিজিবিনেদের সম্প্র দান; নিথিপ শাকের নিষ্যাস। ভিজপানি না দেখা প্রাপ্ত কেহ বুড়িতে প্রবিধেন না । ভূতীয় সংস্কাণ ভিজা ॥ ।

### হরিনাম[চন্তামণি

নামাচার্যা শ্রীণ হরিদাস ঠাকুরের মুখে শ্রীন্মহাপ্রছ শ্রীনাম-মাহাত্মা, নামাজায়, নামাপরাধ প্রান্থতি বিষয়ের হারতীয় বিচার প্রবং করিহাছিলেন। এই বিষয় ওলির আহি বরল প্রারে সংক্ষিপ্ত মাধ্যমত পরিপাটিভাবে মুদ্রিত। শ্রীয় ভক্তিবিনাদ ঠাকুর-রচিত। প্রকম সংক্ষরণ ভিক্ষা ৮০

### কল্যাণকলভ্ৰু

শ্রীমন্ত কিবিনোল হৈরেব-রচিত। প্রত্যেক ভগবন্বিশ্বাধী ও জানপথের পপিকের একান্ত প্রেরোলনীয়
উপলেশ্যেকীপূর্ণ গীতি গ্রন্থ। সামান্ত লেপাণ্ডা-কানা
বিশ্বেক এই ভলমন্ত্রারে গাতিসমূহের দ্বারা অনপ্রবিদ্ধি
ও ভগবংসেবা লাভ করিবার ন্তবিধা গাইবেন। ধর
বংশবন, ভিজা /১০ আনা নাত্র।

### শরণাগতি

শ্রম্থ জিনিষ্ট হার র-রচিত। ভগবানে আল্লম্পণি, বিজ্ঞাপি, ভজনগাল্যা, বড়্লিধা শ্রণাগতি ও দিদ্ধি-শাল্যান বিলয়ক গাঁতিপুণি, ভিজা ৴৽ আনা মাতে।

### भी जाननी

ক্রীঠাকুর ভক্তিবিনোদ-প্রনিত। নিত্য ভঙ্গন, আরাত্রিক ও প্রবাদ-দেবনাদি-রিবরক মধুর গাতেশমূল একত্রে প্রাণিত। ভিকা ৴• আনা মাত্র।

### **शिमस्यक्यासम्ब**

রনিকেক্সনুক্টমোলি জীমবিখনাথ চক্রেবরী ঠারুর-বিরচিত রণগ্রত। শীমগ্রকিনিনোদ ঠারুরের অনুবাদ-পর্। ভিকাশে আনা নাত।

ইনির্কাশের শিকা ও লীগ গ্র্মাণ দাস গোরামীর প্রতি ক্রিকণ গোরামীর উপদেশবাদী, ভক্তিপথের অন্তর্গ ও প্রতিকৃশ বিধে ভবিচারিত সম্মোদন ভাষা, বিশৃত বির্তি, চরিত্তি গ্রমণ, সাম্বর ব্যাথা। ও মহাগন-প্রেন্ড তচ্পদেশ গ্রমণ্ড প্রত্যেক স্লোকের স্থিতি গ্রিবেশিত হইরাডে। তা সংকর্গ ভিকা ১০০ আনা।

#### ग्राभन-कन

ত্রীরগুনাগ লাগ গোস্থানার মনঃশিক্ষা, শ্রীণ সাকুর ভিন্তিনিনোর-চারত গভাস্থবাদসহ। ভিন্না ৴, স্থানা ৷

### প্রেম হক্তি চন্দ্রিক।

শ্রীন সংক্র নরোভ্যমের স্থানিদ্ধ ত্রেমভজিবিষ্যক গানের গুড়ক।

### নবরী পশন্ত ক

আনেক বৈক্ষণতাত্তর স্থানিশাবা স্থীক চ্চিক্তি কিলিনোল-রচিত জীল প্রবোধানন্দ পার্বীকাশ ছক্ত থানের বিশ্রণার্থি ও বিশ্বপত্তিক সংস্কৃতি নর্বীপ্শতকের স্থানিত প্রান্তবার । নাম্বিতি চ্ছুপ সংশ্বন্ধ ভিজানিশ্রু ভিজাপি আনা মাত্র

### অর্থপঞ্চক

শ্রীন লোকার্নাগ্রহিত। বৈক্ষরতা-**জ্ঞানের আকর** পুস্তক সাম্প্রার

### সদাচারশ্বতি:

শ্রীণ মধ্বাচাধা-প্রণিত। গৈঞ্বের নিত্যকর্মাদি সদাচারা-বলী, বন্ধান্তবাদ সহিত। ভিকা ৴৽ স্থানা মাজ।

### मश्मिश्रशी

ক্ৰিকুল্কেশ্ৰী আমিররোগ্নাচাগালৈচিত। আমিশ্লাকা। চাগ্রের সংক্ষিত্ত ভীবনলীলা ও মূল বৈক্ষবধর্মক। সাহ্মবাদ। ভিকা। আনা মাত্র।

### গৌরক কোদৰ

প্রাচীন কবি শ্রীগোবিন্দ দেব প্রায়ীত শ্রীগোদ্ধাবতারের । ৮০ শ্রামা মাত্র। প্রমাণাব্যা-সংব্যাত সংস্কৃত গ্রন্থ। ভিক্ষা-দিভ্ন্যানা

## युक्तिमञ्जिक। (अन्दर्भोत्रक)

শীনক্ষসক্ষণ ক্রিয়ণত জীনধানির জানিকত। বলাকরে সাল্লবার এই প্রপ্তের প্রকাশ পারমানিক নাহিত্য-লগতে এই সক্ষপ্রথম । জীননাক্ষাচাট্য চইতে গোড়শারক্ষন বিতীয় মধ্য চার্যা নামে পাতে জীনানিরালতীর্থ ক্রমী এই প্রপ্তে সাধারণ যুক্তি ও গৌকিক ভারাক্ষ্যারে কিন্তুপ ক্ষমভাবে ভক্তিবিরোধি-মত্রাধ সমূচ পশুন ক্রিয়াছে, তাহা পাঠ ক্রিতে ক্রিতে আশুর্যাবিত হইতে হয়। ইহাতে যুক্তির স্থার চাকাক্, কৈন, বৌদ্ধ, মীমাংসক ও মায়াবাদিমত-সমূহের ক্ষরে পশুন ব্রুবাছে। ভিলা ২ টাকা মাজ।

### (गाचामी क्षेत्र त्रष्माथ पान

(ওঁ বিফুপান শ্রীন ভিকিসিভান্ত সরস্বতী গোন্থামী প্রভুগান-নিধিউ ভূমিকা সহ ) গৌরপ্রেট ক্ষাপ-রপের প্রক্রমান্ত প্রিক্রমা শ্রুটার প্রান্ত ক্ষাপ্রকার দ্বিরাজ্য ক্ষাপ্রকার প্রান্ত প্রক্রমা শ্রুটার প্রান্ত ক্ষাপ্রকার প্রান্ত ক্ষাপ্রকার প্রক্রমান্ত ক্ষাপ্রকার ক্ষাপ্রকার প্রক্রমান্ত ক্ষাপ্রকার ক্যাপ্রকার ক্ষাপ্রকার ক্ষাপ

প্রাতীন নবরাঁপের অবিভিত্ত, ত্থা, ঐতিহ্ন, লোভ ও উতিহানিক প্রমাণস্থানিত নয়তী দীপের সচিত্র বিষয়--গ্রন্থ । রাজ বি রাওসালের কুমার জীন্ত শর্মিক্স নরি।
রাম এম. এ. প্রাক্ত (লালেরে). বেলাক্সকণ মহোদয় কর্ত্তর 
সকলিত এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন বর্ণের অপুরা তিত্র ও মানচিত্র-সমন্তিত; প্রাচ্যবিস্থামহার্ণব রার সাহৈব জীন্ত নগের নাথ বত বিরক্রেরসম্পাদক মহাশ্রের বিশ্বক ভূমিকং সহ। উৎস্থা, তিং ) মরকো বাধাই মৃল্য সাল, ভিং পিঃ তে ২, টাক মাত্র।

### मामक-कर्श्वमाना

শুলবন্দনা, নৈক্ষৰ-বন্দনা, বৈক্ষণশরণ, লাগালের গীত্র শীনামগুরী, শীনামগরিকার অঠোত্তরশত নাম, অইকেরে নামকান্তন, শীনামগরীকারী, প্রেমধ্বনি, বাউলস্কার, নবরীপ-নহিনা, শীনারাপুর মহিনা, শীলারোক্তম-পার অবক্ মাচাধ্য-বন্দনা, বড়াগোলামীর অইক, প্রেমভিক্ষিকিলিকা, উপলেশমালা, নামভক্ষন-পোলী, মহাপ্রাভ ও রামারামানন সংবাদ, মন্যাশিকা, শীগুরুপ্রবৃত্তি, শীশুরুদ্ধপ্রশানি মহাপ্রাভ্র বন্দনা প্রভৃতি সাধক ও পিছ্টাবনের নিভাপ্তে, বৈক্ষণগণের কহাপ্রিত ভূলগীমালার স্থান্ত অন্তক্ষণ করে। নার্যাগোগ্য অপুর্বা গ্রন্থ। ভিক্ষা কিত্র, বাধাই ৪০ মানে।

### গোড়ীয়-গোরন 🔻

কৃথিকাতার শুপ্রসিদ্ধ আলবার্ট হলে গৌঞ্জীক্ষ-সম্পান্ত শ্রীপাদ শুন্দরানন্দ পরনিধ্যাবিনাদ-প্রদক্ত বক্তার িত্ত গ্রন্থকারে প্রকাশিত। ইহাতে গৌড়ীয় বৈঞ্চবসম্প্রদানে ইতিহাস শ্রুমকারে গ্রনিত হইয়াছে। ভিক্ষা ৮০ মাজ।

### গোড়ীয় সাহিত্য

কলিকাভার স্থাসিদ্ধ আলবার্ট হলে গোড়ীয়-সম্পর্ক শ্রীপাদ ক্ষমরানন্দ প্রবিষ্ণাবিনোদ্ধান প্রেমত বঙ্গুভার বিষ প্রভাকারে প্রকাশিত। ইংলাভে সাহিত্য-শঙ্গের কর্ম এর গোড়ীয়-সাহিত্যে বিষয় স্থাকারে, গুণ্ত হুইয়াছে। ২০১৮ ।৮০ আদা মাত্র।

### औरधोज्य अन शक्तिका-पर्मत

া ঐতিবাজনেশের বে সকল আন্তান সপরিকর বীন্তাই এই ধ্বং তদ্মার প্রবৃত্তী মহাজন্মদ গীলা কুরিমাই গিচানেই দেই সব আধুনিক ভৌলোজিক প্রিয়ের ও দেববিগ্রানি পরিওয় সহ যাত্যোতের স্থাবিধা নির্দেশ ইত্যারি বিষ্ণার্থী স্বিবেশিত আছে ৷ ভিকা দ আনা ৷

# THE HARMONIST OR SHREE SAJJANATOSHANI

শীল ঠাকুর ভজিবিনোদ-প্রতিষ্ঠিত থেবং শীল ভা সিদ্ধান্তসর্থতী গোলামী প্রভূপাদ-দম্পাদিত পারনার মাসিক পরা। একণে ইংরাজী ভাষার অইাবিংশ া ডবলক্রাউন ৮ পেলী ৪ কর্মা আকারে প্রেভি বারে নামের বিজয়-বৈজয়ন্তী নইরা উপস্থিত হইতে হল কাগজ, বুল্লণ-পারিপাটা ও চিন্সাদি অভীব ডিডাক্র্যা এই প্রকার উৎক্রই প্রবন্ধ আর জ্যোন মান্তিক প্রভাগি সেবিতে পাইবেন না। বারিক জিলা ভাক্ষাভ্রদান টাকা মার্ল।

### প্রাভিত্যাল-

श्रीटेडक्क्यंत्रेत त्याः श्रीमात्रायुव नवीवा

# শ্রীধাম মায়াপুরে: "গকুর ভক্তিবিনোদ ইন্টিটেউট" নামে উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## (थाना इरेग्राट्स।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অতি যাত্রের সহিত শিক্ষা প্রদাশ করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিশা ব্যয়ে পুস্পর বাসহাশের বংস্থাবন্ত হইহাছে। ছান অতীব সাধ্যকর।

স্বিস্তার স্বাদের হল নিম্নলিখিত ঠিকানা পঞ্জালিখুস। সেল্ডেডিটারী, ভাকুর ভাক্তিবিলোদ ইন্ট্রিডিডট্ শ্রীচেড্ছার্মঠ, পোঃ শ্রীমারাপুর, নদীরা।

### —৫১ বংসরের প্রতিষ্ঠিড়→

ভিশ্বধালেরে প্রস্তুত শ্রতিশা বাংগ গুজভারণা, সপ্রদেষে, কোঠভাঠিত, অলীর্ণ, ধ্যকতক প্রভৃতি কড বোগীর বোগ নিরাময় হইয়াহে ভাষা প্রকাশ কহিলে বড় বড় প্রক হইবা পড়ে।

### **E**EI

সক্ত অনুষ্ঠে ব্যবহার চলে ও সমান ক্ত প্রেলান করিলা থাকে। ক্রিতি কোটার ০২টা বটাকা থাকে।

### কেবলমাত্র

व्यक्ति दर्गोगित मुना ५ वक ग्रेसिं। हेश्व स्थाप, अम्बद्धानिताक् विकार।

শঞান্ত ঔবণের ভালিকার জন্ত পত্র নিবিলেই প্রাইরেন

তথ্যতিস্থান :—আতজ্ঞানিপ্রাই উল্লেখ্যতাত্ত্র

২১৪ নং বহুবালার টিট, ফলিকারা।

# কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



ষকঃখণের ক্ষিধার কল্প ৬ আঃ শিশিতে ঘনীভূত অবস্থার ভোটবোওলের াসমণ উব্দ লাকে পাঠার হয়, টভাতে উব্দেহ কোন পরিবর্জন করা হয় নাই। মূল্য প্রতি শিশি ৪০ আনা, পাঁইট ৪৮/০ আনা, বোজল ১৮/০ আনা।

অফিল-১১নং উন্টাডালা রোড, পোঃ শ্বামবাজার, কলিকাতা

# শ্ৰীভাগৰত প্ৰেস গোৱাড়ী হাইট্ৰাই

### কুলাল্পগান্তা

প্রথানের বিবাহের নিমন্ত্রণ-পত্র, প্রীতি-উপহার, ফার্ড, গ্রন্থ এবং অভার বাবতীর কার্বা হাপ। হইয়া থাকে। হাপার হর বাজার হর অপ্রেক্তা হুল্কা। পরীক্ষা প্রথমীয়।

### হাইড়োসিল বা কোষরদ্ধি রোগ

काः धम्, धम्, त्याय विता श्रात्तः यायकीयत्मक्षः गााताकि विता देवकाणिक व्यवानारक् स्थायमुक्ति स्थान श्राद्यानाः कविता वारकतः।

> विकास— केम सर करेम क्रीडे. बक्क्याबार, बालकाचा ।

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

# দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌবধ

### প্ৰৱ দিৰে সম্পূৰ্ণ আৱোগ্য

চোগী দেখাইতে চইবে। অগ্রিম পাথের খন্ত (বাঞ্জরা এনং কাসার)
পাঠাইলে গিয়া রোগাঁ দেখা চর অপবা এপানে আসিলে তোগী দেখিরা
উবধ দেওরা চর আরোগা না চওয়া পরাস্ত পারিশ্রমিক বিভে চইবে নার
গরীব রোগীদের খন্ত বহন করিলা তিকিবসা করা চর। বিভারিক
বিবরণের কয় এক আনার ভাক টিকেট স্ব নিম্ন ঠিকানার অক্সম্ভান

শ্রীক তীশচন্ত্র উকীল, বৃদ্ধা-চিকিৎসক, পো: নৈকারী, বরিলাল। অথবা নিমু ঠিকানায় সাক্ষাৎ করিয়া বিভারিত আমিতে পাথেন।

প্রযুক্ত রামবোপাল লক্ত এম্, এ, ক্লক্ষণার, মধীয়া। **প্রীয়ক্ত ভরিপদ** নিংত, ১১৭, বেণিরাটোলা খ্লীট্, ভাটবোলা, ক্লিক্সিয়া।

প্রক্ষানি পত্ত। অনার ত্রাভূপুত্র গত হল নাম বাবৎ হাজ বন্ধার কৃণিয়া মৃতপ্রার হইলাছিল, কলিকাজ্যর বিজ্ঞানিকিবসক্পণ ভাগার ভীবনের আশা ভাগা করিলা শেষ মৃত্যুক্তর জক্ত আশেক্ষা ক্ষরিভেডিলেন এই সময় শ্রীবৃত কিতীশচন্ত্র উকিল মহাশন্ত্র মাত্র ১০ বিন চিকিবসা কবিলা সম্পূর্ণ আরোগা করিলা দিলাছেন। (সাং) শ্রীবৃত্তীক্র কিশোচ হাল চৌধুনী (জমিদার গালিলা) হগুরীট্, নিউ বিন্তিং। করণোরেশন হিটং ভিপা টমেন্ট, কলিকাছা।

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরাব্দ ৪৪৫ । মাত্র ১১০ ভাকটিকেট পাঠাইলেই বুকপোটে পাঠান হয়।

> ন্যানেকার-গ্রন্থবিভাগ শ্রীচৈত্তম্ম, পো: শ্রীমায়াপুর, নদীরা

কেন গ্রাহকগল

# গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

–কারণ–

এখানে যাবভীয় ছাপার কার্যা---

अशामित्र कार्या है वलून,

বিশাহের নিমন্ত্রণ পত্র, কার্ড, বিবাদের পভাই বলুন,

আর ও রং ও ৪ রংএর হাফটোন ব্লুকই বল্ল, সকল কাষ**্ট অভি** সম্বন্দালয়, অথচ ছাপাইবার খন্চ বাজান অপেক্ষা ভূলভা।

আপনার কিছু ছাপার কার্য্যাকিলে নিম্নটিকানার কানাইলেই নর পাইবেন।

> খ্যানেকাৰ- গোড়ীরা প্রিক্তিত ওত্থাক্তস্ ২৪গাং নং আগার বাংকুলার বেত, তলিক চ

#### देश्मरक्ष २३४ वर्षेट्य क्षेत्रकात्र बंध दर्जान है।का प्रदर्शन ः

ব্যাদ্ধ" হইছে ১৯,০০০,০০০ পাউও मुलाह पर्व जारंग द्यातिक स्टेशास्त्र। ভৰনৰ **প্ৰতি**ধিন প্ৰচুদ্ধ পরিমাণ স্বৰ্ণ জালোঁ বাইতেত্তে ইংলতে ইংলালেয়া বিশিত क्रेग्राइन ।

পত পথাৰে মিঃ আৰ্থার হেওার্যন ! প্যারিশে পিয়ছিলেন। তথন নানা क्रक्रिन विकास आंत्राह्मा इंदेशिका প্রকাশ বে. মি: হেণ্ডার্সন তথন এমন কোন শব্দ ব্যবহার করিয়াছিলেন-শাহা इहेट्ड जारनात बान कहे बांब्रा इस त्य. ভাগানীর লেনদেন ছপিত সাধার বন্দোবত बहेल देश्याधन शक बहेरकक त्यान-त्यान স্থািত রাখার উপার করা হইবে। তাহা क्रइल बाबानजी वर्ष क्रिकिया मंद्रेट भावि বেন না ভাৰিয়া হয়ত ফস্থাদী ধনিকপণ हेश्मराज्य वाक इटेटक खाहारमञ् **উ**टाहेबा गरेटल्ट्स ।

বিশ্বস্ত ২৪খে জুলাই ভারিবে সাত ধানি বিমানপোচে ভর্তি করিয়া ১০ টন त्नाना क्रारण द्वाजिष हरेबाटह ।

#### আদালত আছেৰে ভীৰণ জনতা

হা ওড়া কোটে এক জীবণ উত্তেহনার कृष्टि इटेग्राट्या जानांगळ ध्याज्य উত্তেজিত অনতা বর্ত ছুইজন পোট্টা कुनी हाणानकातीत्व अश्व क्रिय महकूमा হাকিম ও কোটের অস্তাম্ভ কর্মচারী বাহিরে গোলমাল গুনিয়া ঘটনাত্রল উপস্থিত হন এবং গোলমাল গাম্মিক खारव मिछाइया (पन ।

বলবস্থ সিং 😘 অস্ত এক কুলী हाला व्याप्ती छे दकरवंत्र कावहत्र सारकात्र विकित खारम्भ इंग्रेट ७३ मन (गाकरक महेश घारम ध्वः छाङ्गिंगरक नरमारग, बक्राश्रत । इंक्डिंस मध्यकी ८३म गाईटन 'काल क्षिए इंटरन क्रिक डांचडाक काशिया जानाभियादक वाम द्विरण देविए বলায় ভাচারা আপত্তি হরে। এই সংক্র Culma.रमध क कि इस ।

मङ्कूमा डाकिम मिः वि, (क, भारत्र · এক্সলাসে কুলী ও কুলী চালানকারীদের त्यांकर्षमा कतिएक का(um (usu) वस । डिकीम महानष्ट्रभग भन्नीय दूर्गात्मन भरक বলেন যে, ভাহালিগকে বাড়ী বাইবার ভাতি মিছ্ব করা হউক সহকুমা ম্যালিটেট সে সগল্পে আখাদ দেন। ভৎপরে কুলী याहेवात अञ्च भूगिरमत्र माहाषा व्यार्थना করার তাহা মঞ্র করা হয়।

#### ছরাট মিউনিলিপ্রালিটী

्रीक २ अटम खूर्गारे द्यांशाई वावदालक विश्रष्ठ अञ्चलक कारणत माना "हेश्याध्यत महात कानित्यमन आतंष्ठ इहेरण सूत्राहे মিউনিসিশালিটার কুশাসনের দক্র উক্ত ষিউনিদিপণাণিটীকে গভ কেব্ৰুয়ারী মাস হুইতে এক বৎসরের জন্ত গ্রণ্মেট ছাতে क अप्रोत्र क छ भवर्गरम के रव व्यादनभ দিয়াছিলেন শেই সম্পর্কে স্বাহত শাসন বিভাগের মন্ত্রী এক বর্ণনা প্রদান করেন তিনি ভাগতে ধলেন, গ্ৰণ্মেন্ট এই স্পার্কে তদস্ত করিবার জন্ত এক কমিটা নিয়োগ করিয়াভিলেন। কমিটা তদন্ত-कार्या (भव कतिबाह्म। व्यागामी २०१ আগঠ মৃতন ভোটারের তালিকা প্রকাশিত इहेरव । निकाहन खाशी एत नाम >ना অক্টোবর প্রসাশিত হইবে। ঐ মাগের **्राट्य निर्माहन केर्या (श्रम ३३८न)** আগামী নবেধর মালে উলা প্রভাপনি করা

> সেচ বিলের আলোচনা হওয়ার পর আগামী ভজবার প্রায় সভা মূলছুবী !

#### ভিত্ৰগুৱেৰ মিকাশ कटलेका चाटड

वजीत्र न्द्रारमभिक वाद्राविकारणकः जिल्लाटी टाकान, गड ३४६ कुनाई व স্প্রাচ্ শেষ ইইয়াছে উক্ত স্প্রাচ্ বাঙ্গালার তিনটা জেলার কলেরাতে মৃত্যুসংখ্যা दक्षि भार्याट्य ।

নিমে বিস্থাত বিবরণ দেওয়া গেল:---

•	मार्गाठ) मन्त्राद सूका	<b>मछा</b> श
81 9°E1	₹ 8	>•
स्थाप्	>•	•
6 টুগ্রাম	6.5	98
·¢নায়া <b>থাপী</b>	5 •	٥٠
व्यानानटनांग भेर	ē (ā:	1
নেটকমেণ্ট	•	22
মেদিনীপুর	۶,	₹•
হ পদী	9	>8
২৪ পরগ্র	52	> 9
ৰণিকাতা	25	28
জিপুরা .	Ł	२३

#### वमस बाटड

वगद्य द्वारण वश्यादन ३२ मन, त्रमधूरत ८. रेगमनिष्दिः ८, कणिकाञात्र ०, মেদিনীপুর এবং ছণলীকে ২, হা ভছার ২' माता निर्शाटक । ५ कवां है। इ चौत्र पूर्व, वोकुक् চালানকারীবর তথ্য হাওড়া টেকন পর্যাত | ২৪ প্রগণা, দিনাকপুর, কলপাই ওড়ী, क् ऽविशतः, हाका, क्षत्रिम्भूतः, क्षत्रिशाय ত্রিপুরা প্রস্তৃতি স্থানে ১জন করিয়া শাস্ত্রা

क्लिकाकोक व्यक्ति देखा । अर्थ कर्ने মারা গিয়াছে।

#### निवंती निवंदिक देन के जाने टबक्यटके मनावि

कृता काम दर्भ करेंच के त्र ना कारण जा २०८म खूनाहे रेवकान रवना रमञ्जेखान्हे **८ क्राहे मात्रा भिन्नाह्म । २४८म स्नाहे** मांगभूत अञ्चात्वामायात्म केष्ट्राम मुखेरमञ् क्लाचाम मुझेल मिलिकामो सामगाजारण गरेवा पालका एव ध्या जे वित्रम मकार्राट्यका निकेती निरम के रेक काश्य मुक्त स्वरूप करत (एक्टा एटेपार्ट ।

#### वञ्च व्यवनः ्रिवटलङ्ग কংজেন ক্রডিজা পত্রে খাকর

উপয়দি কংগ্ৰেদ কৰিটাৰ 🖙 শাঠীন গ্ৰাপারীয় ৰপ্নবাৰসায়িগৰ আয় বিদেশ্য ৰস্ত্ৰ वामकानी कंत्रिस्य ना विभिन्ना करस्कान *श*ष्टि**का-१८व** স্থামর ক্রিয়াডে क्रमा बाब । जेपन्नशि बाकादनन त्य शकन বন্ধ বাৰণাৰী অভঃভের সংক্ষে সংক্ষেত্রস প্রতিজ্ঞাপত্তে স্বাক্তর করিছে অস্বীকার করিয়াছিল ভাহারাও আংশেবে প্রতিজ্ঞা পত্রে স্থাক্ষর করিয়াছে।

#### न्त्रार्टकेन क्षेत्रकेनेक देवानी है

পত জা প্রাবণ সকাল প্রায় খা।•টার मगय ध्यकाम इत (य. आर्थिंग-भूत रेंडि-नाहे (हे छ नाक कि किर हैर सेंग मेंगळ न्यारण : ত্নীয় খাডাপত্র চুরি গিলাছে ৷ বাহিরের ণর**লার চুইটি ভালা পূকামং "লা**খান ছিল, चत्रहोत्र ठ कृतिक वास्ति दन्न इंटरण क्राइ-काम किन्न वाधिव क्रेडेंट्र ब्यारनल कतिनात्र মত কোন ছবিন বা জিছ মাই, অৰচ ভিতরের সালমারীকে বাতাপ্রভলি मिक्कि थाका मृद्यक द्याला है वहेबाद्या । ফোন ভাগা বা বাল ই<del>ডানি ভালিবার</del> **डिक्ट मोळ ६ नाहे। शानांत्र ध्यप्रका** क्षणाहाम दमको स्टेगाए । क्षणा পর্যায় কোন প্রকার অনুসন্ধান হয় , , , ,

#### मक हे हाल करमत्र कीयन माना

क्षमाण निर्मणमाम ताटि हिन्दू मक्छे ठाणकरमत छ हम्स्मूत्र मर्भा श्रीयन মারামারি হয় ফলে চারজন গেক্ मार्थि कि कबर श का कि के बे ी के seitera बहुता पुरेकरनत् व्यवश्च। रणावनीयः। अतिमात्रित भगग गाउँ ও ছোরা বাবহার इहेगाছि। विदेश विवेत्राण विकास देन विकेश नाही जियार "मानि " देश के करहे में "पूर्वणाठ क्य । श्रीमा पंछेना श्राम न्यानिश्री निकास नानानात्रीका अनावनकरतः।

14 18 Can 7. 44 1911

#### केल्या कार्य । प्रतिकार केल्या केल्य

भक्रिएमी "भक्किमा" शक्किमान गर्छ रेक्टक्ल निविद्याद्यम् नोर्के आहेर्देशक वर्षनाठ मा कंत्रिया विश्वकात्रक विभनकारन ভাৰতে পাঠাইলৈই ভাল হইজন,

ডিনি আরও বিশিয়াছেন,—অবসর थाछ फायरस्य बद्धनाठे विश्वादश्च कर्छ আরউইন বে বলিডে চান, ভারতবাসিকে আনাজকতার মধ্যে পরিতাণি করিয়া चैत्मरण हिम्मा जानाह चुहारेणम् कर्त्वता ।

#### लग मरद्याधन

গত ২ণলে জুলাই গোমন্বার ভারিখে নদীয়া-প্রকালে ৮ই আগষ্ট তাল্লিখের नीवाम देखादात धाकान वहेगारक। महाबन्न भारेकः न व्यक्षश्चकं के हेखा-হারে নিয়লিখিক ভ্রমগুলি সংশোগন क्षिया करेंद्रवस् ।

#### व्यथम मूर्यम दक्राक्र

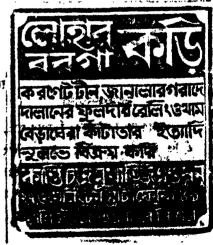
((6)) 5.237 20190 ्रांकानी 🖜 (परकात्री ७) এতখ্যতীত (২১) ক্রমিক নগরে बारकातीय मर २०००। १८ वहेटा यह मध्यति म्लाडे छटर नावे।

#### বিভীয় মুলেফ কেং

ক্ৰেমিক লং আ ক ছ 'वारकाची ०३ মনিকারী ৩১ ( 00 ) मनिष्वाती ०३ | शास्त्रात्री ०३

#### भिन वय इंड्याय २००० ट्याटक्स. ्यक्षेत्र गर्मेखा

क्षामान निमद्यामा मिटम आर्मिक विकेष र क्ष्मांत कर्नुनक २००० जुनारे धरे महाई अब ट्याडील जाति क तिहारक्य एव, विक्रू कार्यन कछ मिन यस ब्रिया अध्या कृष्ट्रेण। करण প্রোম ছই হাজার প্রাথক বেকার হাটা পঞ্জিয়াছে। এই সম্পর্ক অ**ভ**াইটান बिल्पिय मध्याम अर्थित यात्र मार्थित ।



Reg No C.1544

familiam als क्षांच्यार MIS ONE . ' लिकि क्लम २.

**हिंक्स गा**र



माना रथार शात ব্যাস লেয় যাধিশ 📐 गाभागिक ८ विमानिक २५० মাসিক ১১ 2717 প্ৰতি সংখ্যা /০

ভারতের সর্ব্দত্র বছল-প্রচার—মদীয়া জেলার এক মাত্র মুখপত্র

**७**छ ४७ ]

-শ্রীঅতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচস্পত্তি [১২৫তম সংখ্যা

এটিচতক্রমঠ শ্রীধাম মায়াপুর--১৪ই প্রাবণ বৃহস্পতিবার, ১৩৩৮, ৩০লে সুলাই ১৯৩১

#### নানা কথা

### নদীয়া জেলা ছাত্ৰ স্থিতি

নৰীয়া কৈলা ছাত্ৰ সমিভিত্ৰ শাৰা সৃষ্টিভিপ্তলিকে জানাম ঘাইতেছে, আগষ্ট मार्ग्य व्यवस मुखारहत्र मर्भा केस मिलि-ভুলি বর্তমান বর্ষের অস্তু গঠিত করা হয় 1 পাথা স্মিভিগুলিয় নিৰ্মাচন শেষ ষ্টলৈ জেলা ছাত্র সমিতির নির্বাচন হইবে : জেলা ছাল সমিভিয় নির্মাচনের शिम **भटन सामाम स्टेटर ।** ८४ मदन স্মিতির নির্বাচন হইরা পিয়াছে फाहारमञ्ज कार्या-जिल्लाहकरमञ्ज न्याम निज विकास शिविष्ट प्रमुखांग क्या वाहेटलट्ड ।

व्यापादिक वहन्त्राणावाद्य- गञ्जाहक ।

### আলিপুরে জিলা জন্ম নিহড

২৪ পরগণার জিলা ও দার্যা জজ মি: আনু সাম্বলিক সোৰবার অলবোগের পদ্ৰ বেশা প্ৰায় আড়াইটার সময় যথম উাহার এজনাসে হাইছা আসম গ্রহণ করেন, সেই সময় একজন অপরিচিত যুৰক মকেন উপন্ন উত্তিনা তথার ধনায়েকা विकारनम त्य कनटकेमक नाकामाम किन, ভাষাকে কৰী কৰে। সিং গাছলিক निक्टिंगे क्रिल्म । पुरुष केश्राम प्रश मन्द्र कविश क्ली करम । विश्व शास्त्रिक करकतार मांबा निवादस्य ।

व विष्य पंडेमांप्रांग त्व जात्कां है পাহারার ছিল, সে আক্রবন্দারীকে গুরী करता। करण यूनका गरक गरक मात्रा निवादकः। जाजनगणतीत्र -नदक्षे व्हेटक

# আলিপুরে জিলা জজ নিহত

নদীয়া জেলা ছাত্ৰ সমিতি

## হত্যায় স্বরাজ মিলিবে না

विद्रमे वद्ध वावगारत भूमनमान ममाञ्

## অগ্নিকাণ্ডে শোচনীয় মৃত্যু

হেত্রায় কুতন বীরের দীর্ঘ সম্ভরণের উভায

## গান্ধীজীর চরম প্ত্র

স্পেনীয় গ্রথমেণ্টের নৃতন বিধান

## ছোরা মারার মামলা

চন্দ্ৰকোণারোডে গুঝার কৃতিৰ

शिषार्ख ।

আতভানীৰ গ্ৰেণ্ড একখণ্ড কাগৰ পাওরা বিষাহে। ভালতে

''ধ্বংস হও ্ব দীনেশ শুগুকে শুবিচায়ে কাঁনী দ্বাৰ পুৰস্বার লও। ইডি

যে কনটেবল প্ৰাৰমে আহত হয়, ভাগর অবস্থা সাংখাভিক। তনা কোকাইকের বর্ণর ও ভাগেইরের বর্ণর

১০ট টোটা । कि नवना भाषवा गारेट्ट्र , हरे विमन छछरे माकि यिनिनीश्रवत विना माक्टिद्वेष्ठे यिः পেডীর হত্যাকারী।

#### গাখীজীর চরদ পত্র

স্থয়ট ব্ৰহতে প্ৰকাশ বে, রাজস্ব আদার ব্যাপারে কর্তৃপক্ষ যে পীড়ননীতি व्यक्तवन क्षित्रास्त्र । साहारत शाकीकी लक्ट ब्रेश्टाइस क्रिमि वद्यात

চরমণত প্রেরণ করিয়া জালাইরাছেল যে, ১৫দিনের মধ্যে ঘদি উক্ত উপাত্তে পৃঞ্জীত রালম্ব প্রভার্পণ করা না হয়, ভাহা इ**हेरन जार**भाव ७ हुन्कि खानिया वाहेरव ।

গান্ধীনী হুরাট জিলার কর্মীদের সহিত সাক্ষাৎ করিয়া এই কঠোর সমস্থার वियदा भारताहनी क्षिपार्टन ।

#### ছেবো বারার মামলা

নবীনগর হাই কুলের হেভমান্তার শ্রীগৃত যোগেশচন্ত ভাগু এম, এ, বছা-শয়কে**, পাখাচং টেশনে চল**ভি টেণে ৪।৫ জন লোক ছোরা মারে। ভাহরি ফলে ধরপাকড় আরম্ভ হয়। ইমান ৰীয়েক্স চক্ৰবন্তী বি. এ, শ্ৰীমান বিনয় ভূষণ দত্ত ও জীমান মুণীক্ষচক্র পাল ভোগার হইয়াছেন যোগেশ বারুর খ্যালক বিনয় ও মুণীক্রকে সনাক্ত কবিয়াছে।

### শেশাল ট্রাইবুড়ালের চিঠি

मारमात्र स्टेर्फ अकाम त्य, क्षवरमन রাদের মভিযোগ শ্রবণ করিয়া স্পেগ্রাল ট্রাটবুজাল ২৫শে জুলাই জেলের স্থপারি-ণ্টেপ্ডেণ্টকে এই মর্গ্যে এক পত্র লিপিয়া-ছেন যে আদাগতের আদেশ কি ভাবে প্রতিপালন করা হইছেছে এবং ওকলেব রামকে ছেলের অঞ্চায় ট্রিচ্চ শ্রেণীয় বনীগণের সহিত মেলামেশা করিতে पि अप्रा यारेष्ठ भारत किना, छ ९ मध्य সম্বয় অত্ত আদালতে যেন আনান হয়।

#### देशनिष बहीजा-सनाम-- शाउमार्विक शक्ष

## বিশ্ববৈষ্ণবরাজসভার পরিব্রাজকগণ

পরিব্রাজকগণের নাম	বৰ্তমান টিকানা	পরিব্রাজকগণের শাম	বৰ্তমান ঠিকানা
১। শ্রীল ভক্তিপ্রদীপ তীর্থ ২। শ্রীভক্তিবিবেক ভারতী ৩। শ্রীভক্তিবিজ্ঞান আশ্রম ৪। শ্রীভক্তিপ্রকাশ অরণ্য ৫। শ্রীভক্তিপ্রকাশ বন ৬। শ্রীভক্তিপর্কাশ গিরি ৭। শ্রীভক্তিবৈভব সাগর	শ্রীমায়াপুর কটক শ্রীমারাপুর কটক মাজাজ অমুভসর কলিকাতা	৮। ঐভক্তি শ্রমণ পুরী ১। ঐভক্তি শ্রমণ পর্বাত ১০। শ্রিভক্তিবিলাস গভ্তিনেদ্রি ১১। ঐভক্তিরঞ্জন ভক্তিসার ১২। ঐভক্তিরক্তক শ্রীগর ১৩। শ্রভক্তি ভূদেব শ্রোভী ১৪। শ্রভক্তি শ্রমণ বাধায়ন	কটক পুরী কলিকাডা সাজ্যজ মাজাজ শুলা শুলা

## শুদ্ধভাক্তমসসমূহ

#### শ্রীতেত্ব্য মস

#### আকর মইরাজ

बाहीन नहबील, छ। कवत स्थाप मात्रालुत, ननीता

क्रहें महेहारक शावमार्थिक देशनिक्यक, माम्रह-विष्णुनारध्ये व्यावाणिक छ ज्ञााठीत श्राप्तताचि काठात+स्त्र 'नमीधा-काकाम' यञ्चातत शालिले वरेतारकन এখানে আভিবংসর শ্রীশাম-প্রিজনাম্রান ও মগ্রিত চকুলোটি (চ চীর্ন প্রচারমূপে महामार्ट्यार्थाक कथाल व्यवित कहेता बाटक। वक्क-डिकारी श्रीबाद सवक्रिकी। সৰকারী—জ্রীপাল বিলোদবিধারী অন্ধচারী, পণ্ডিড জ্রীপার গৌরলাস ব্লন্ধচারী कावानाकत्रगरीयं, ञ्रेलाव नीइठल अवहाडी, श्रेलाव समाजालाव अवहाती, श्रेअध-भयन अक्षात्री. श्रीभागेरशाणाम अक्षत्राती, कक्ष मरत्या, श्रीमाप, सामग्रीरमाध्य आर्जीत।

(৩) যে:গপীঠ শ্রীমন্দির वक्रक---(लाकं नावायत গোসামী স•কারী क्ष्रीहार्थ। अङ् जीव्रमानाथ । खीनिकानम खबराती, स्रेताशतितान किन्त्रमा, जैशानमाम बन्दाती । जैभामन मांग व्यक्तिकाही. (मनव्या केनीननाथ ।

> (৪) শ্রীবাস-অঙ্গন বক্ষ --- শ্রী প্রকার কুলম রক্ষারী।

(१) छाट्रेष छ-छारम औरशाकुनवाम श्रावाकी ।

(७) काष्ट्रीत जन:वि भ:छे व्याठीन भाषालुह, बामनलुकुत (नवीत), वक्क -- अक्राधी शैवित्मानविश्वी।

(৭) খানল ভুখদ-কুঞ ত্রীগোজন, স্বরূপগঞ্জ ( নদীরা ) कुक्क काश्विकी बन, व्यर्भ, व्यक्त

### (৮ शिक्शवाथ Cभो की व मर्ठ

মলমনসিংগ।

রক্ত ক -- শ্রীবছবর ভাকিলাস্টা এম, ও. रि. एम. १० कारी-- छोडेम्बनमाम किल-नाही, की २३ कम अधिकाती श्राकृति ।

(a) ब्रीटशीय-श्रमानयः मर्व চাপাতটো, সম্ভগত, (বছনান) রক্ষক--- শ্রীবরেরাম ব্রহ্মচারী, ভঞ

दिनी नम्याम भाग ।

্ ১০ একপগোড়ীর-মঠ मात्राशक. अवाश केंडे, नि वक्क- भारत्यक अवशाही।

(३५) औः सामग्रह्में :

याडिलाकि, कार्यश्रद, नैर्द्धमान। दक्त--- विवहविद्यारी जन्मतारी, अल

(১২) जागनण जानम 🕮 जानकरु (ध्यम, क्रम्बनगर्द्र, नकीवा । र রক্ষক—শ্রীক্ষণানন্দ অমচাতী ভক্তিশাসী

(১০) 🗐 এकाञ्चन यठ

Cगार्तिकश्चर, शाक्यानी, महीद्रा । " " হক্তক—শ্রীপ্রভূগ্যনশ এফটারী 🗽 স্থকারী ্লির্নিংত ব্রন্তারী, ত্রীকপ্রোর দাস অভিকারী, ভক বিশ্বনাথ টি

( ১৪ ) क्रीमाञ्च ८घोड़ोत्र जुरु aoak अवीवश्व आहा, जाका ! रक् - जीवाधारह क खब्रवामी, বক্ত -- ভক্তিকুত্বম ভাজার অন্ধচারী অন্ধরানন্দ পরবিভারিলোগ বি-ব, এমব-গোরাস অন্ধচারী, ত্রীণভিতপাণন ভক্ত ৮

> ( ১৫ ) बिरगाभानको वर्ड क्यमाभूत, हाका।

क्रक-चित्रश्नाम उत्रामी

(১৬) अभिषादे-दभी तम मठ वक्तक -- चीलुर्व सक्त वक्ष्यकारी, सीमुण्डिनार्न ব্ৰহ্মগায়ী

(১৭: এতাগবভজনানশ সঠ िक्लिया, राष्ट्रस्वन्त, स्विमीश्वा ! क्ष्यास्य न्त्रै कुक्र-(श्रीशक्ष-शक्किण)-शिविधात्रीत निकारतना वर्तमान । प्रक्रमान वनगत्री विद्वनगत्रामणी।

## (১) 🕮 গোডীর মঠ

२७ मः कालिकामाम ठक्कमकी श्रीहे. त्याः वात्रवाकातः कलिकाका । द्वेलिटमान वि. वि. ८५५८

মঠরক্ষক—আগ্রাধাত্তিক শ্রীপাল কুর্বাবলায়ী বিভাত্তবর। সরভাত্তী—প্রতিক ল্লীপাল অনত্তবাস্ত্রের পরবিভাত্বর বি-এ. প্রীশাল রাস্বিভারী অক্ষচাতী, ল্লীপাল कराइकावन बामानिकादी विन्या जीनाव कदरशानान बामानिकादी, बक्काती जीकी हन। नम्, उक्काशी जीनाशिक्षान्य, अवताशी जीमग्यन, गाँवक जीनाव बरीमक्क नश्रीकाः णकात काख्यमात्री मन्त्राहरेदकवाहाया, श्रेष्यवद्धानमःगाधिकाती वि- a. श्रेष्ठववस्रविक्रं वकाशी वि-क्रम, अध्यक्षभाम नगरकाविष्, अतिश्वक्रक अक्रानी, अध्यक्रतातिक

বন্ধগায়ী প্রকৃতি।

(১৮) श्रामनाद्याका व्यनप्राक्षम वाष्ट्रीत ८९४: वर्षमान । व्रक्ष---व्रष्टवामी 🕮 श्रंदिक (नाम ।

(১১) শ্ৰীপুৰুবোত্তৰ মঠ . प्रप्रेक्षा , प्रश्ले, छिक्क्षा । वक्क - अक्षाता है जिल्हामनक विद्यारक

उष्णाती क्षेत्रमीयातक, क्षेत्रात्रणकृत्य रिमाणांग अववानी खन्नहाती, श्रीवामनामम् अवहाती, श्रीनगाह **ठद्रग विभिक्तारी, श्रीत्यानिधि लखा।** 

(२ -१ केळक-द्रशीकी व मर्ठ ष्मानवर्त्रनीय, अवस्थिति (भार. भूती। क्षक--अक्षाता अन्यद्रभवती अभाषको । मध्यात्रो — अञ्चलाबी औरविश्वविद्याती ।

(८५) कैनकियानम गर्ठ खिकितानाव्याव, कर्डका व्यक्त-व्यक्ताती जीनगर्ग, जीवामनग अष्टाबी ( ...

(२२) खीननायनं-त्रीकी व वर्ड धनः वाशकातनभूता, कानी । क्कक - अम्रताती जुनात्मवन्त्री, सिठाहेनाम निम्मक - जिन्छियामी अन्य सम्मन वन खबहाती, लींनंकामन उपराणी ।

(२७) शैक्सरेडख्य मर्ड श्रीनृतिरव्याम कृता. श्रीनाम वृत्तापन । क्रक - चैनन किमाब उपहारी

(२৪) अभित्रवद्यम मर्ड লৈমিয়ালগা, স্ট্রাপুর

क्ष्मक---अष्रवादी श्रीनृतिरदासम् ७ अष्रवादी वीनवद्याग ।

(२०) औदेहज्जरनोको स सर्व कृपुत्रक् का, किस्क् का, मानकृम। (स्यम्बिशा ।

(२७) न्यानभाकोन्न वर्ड 

(२०) जावनगाम वाग्रहाज्यमन्य आञ्चनगाणा, त्नाः मास्, श्वका खनादन वक् कुक्रमुखि जीरनाहारक दनगः

वस्त्रमानः। वक्तक---अववागी खीळावकृषः ዋ/ሻ. ነውው ቀምባነቀል ፤ (२५) विक्रो ८कोकोच मठ-व्यवहालर

बन्द (त्राधी करन फाल्मात द्यान, निक्क प्रिज्ञोत वक्क--- वक्कारी चैतीवकृष, श्रीकृष्टमध्य क्षीडा या व्ययक्ष्यन वन

(२०) द्याप्रान्याकः- व्यक्षास्त्र उक्क--- अक्षाडी खीबायाम्बाह्य

(५००) माळाचटगोडीस यठ . मर्व (बाबावपूर्वम्, क्याप्यञ्चः न, म अ क महाबाध । महकारे-विविधिश्वादी की व 🕮 হক্তিলেন ভবিনাত, জিব ওখানী **बिन्डक्टिंग्यक कीत्र वराशक, शै**नार कश्यानम अवद्यानी, कीशांत (११कीमन অম্বরামী, খ্রী বাধনিধ্যত্তপ অম্বরামী ভক্তি मान्त्री ७ श्रीनाव दशोब धनामम उत्तराही।

.(१७५) बावम्दगानाम नाहे कांठानभूमि, हाक्या, म्यीश इक्-अक्टाही बैदक्रमानम

#### ত্রীত্রীপ্রক্রনেশীরাকৌ জরুতঃ



১ औभन्न दगोताब्द ४४०, ১४ हे खातन तनाब्द ১७०৮, ७० जूना हे हैं? ১৯০১ तृश्यां उनात

১১ ५ जब मः भा।

া ব্

### मायांयक मत्नन

রবিবারু ১০ই জ্ঞানন (১৩০৮)

ওঁ বিষ্ণুপাদ পর্যহংস পরিব্রাঞ্কারায়-বর্ষ। আন্থামদ ভবিদ্দিকান্ত সরস্থা গোস্থামী প্রাভুপাদ শ্রীধামে অবস্থিতি করিতেছেন। অত প্রাডে তিনি দীর্ঘকাল হরিকথা কীর্ন করিলা শ্রীমন্মধাপ্রভুর জন্মভিটা শ্রীলোগ-भीठे अ<sup>चि</sup>गुर्थ शमन करतन ।

লোকশিক্ষক জনবাচাগ্যির প্রিমধ্যে 🎒 बरेष छ छ रस 🥱 और १म-व्यवस्था हो विश्वह-সম্বাদ সভাব প্রণ্ড হট্যা অক্সকে ভদমুদরণের শিক্ষা প্রধান করি-শেন। তথপরে শ্রীগোগণীঠে উপস্থিত इटेब्रा भूतंतर औतिशहारात वसनानस्त অপ্লাক্ত ভবন, নিতাইছও, অব্যাপক শ্রীপাদ নারায়ণদাস ভলিত্রধাকর প্রাভুর গুছাদির কার্যা পর্যাবেকণ করিয়া প্রায় ১০ चिकात ममत बिटिएक माठे आछा। यहन कतिरलन ।

ঐ দিবল অপরাছ ১॥ ঘটকার সময় 🗐গ প্রভুপাদ স্বাচার্যাত্রিক ত্রীশাদ কুছ-বিহারী বিভাঞ্যণ পাতৃ, শ্রীপাদ অনন্ধবাত্ব-দেব পরবিখ্যাভ্রণ প্রাভূ-প্রমুগ ভঞ্জু-সংক শইয়া ভাষগ্রাগের তুইজন ভক্তিমতী মহিশার নগদিশ্বিত গ্রেছ নগপ্রবেশ উপ-जिल्ल शिर्माश्मीके शमन अवर यथानियरम गृह्याराभकार्गा मन्नामन कंद्राम ।

অপরাত্ন প্রায় ছয় প্রিকার স্থয় बाह्यगांजिक श्रीभाष क्षाविश्वती विश्वाकृत्त

🔭 শেভু 🗐 পাদ রাস্বিহারী প্রস্তারী ও শ্রীপাদ স্থাচরণ ভাজিবিজা মহোদ্য কলিকাভ ष्यां क्षिपुर्ध योज। कतिराम ।

গত ৬ জুলাই বর্দ্ধনানের জন্তকোটের উকীল 🖺 ্ত ব্জ্ঞাম দত্ত মহাশ্য 🗐 গাম দর্শনে আসি ।ছিলেন। তিনি জীযোগদীঠেব রক্ষক শ্রিয়ত সমান্তি ভটত্যে গোম্বানী মহাশ্বেৰ নিকট ছিট্ডেক মহাপ্ৰভৰ জন্ম छिटे। मध्यक व्यानक कथा अवग कतिया শ্ৰীমৰাগাপ্তৰ প্ৰায়ত ভ্ৰামান কোগাৰ, তাহার সমাক্ পরিচর লাভ করেন।

মাজাজের জ্লানিদ্ধ 'দি হিন্দু' পত্রেব ২০শে জ্লাই গোমবাবের সংখ্যাব ওর্থ পৃষ্ঠার মান্ত্রাজগেডীণ মঠেব সেবকর্নের नशतमारकी क्न मनद्रक्ष याका वर्तिक व्हेदाटक. ভাষা একলে প্রকাশিত ২ইল,---

#### NAGAR SANKIRTANAM IN GEORGE TOWN ( From a Correspondent ).

On Saturday the 18th instant there was a big Nagar Sankir tanam starting at 6-30 p.m. from Sri Krishna temple, Coral Merchant street, headed by the Swamijis of Sri Gaudiya Math, Madras and proceeding to Ponder Nilayam,93 Coral Merchant Street. Large numbers of devotees from all parts of the city joined the procession and the Bengal Sankirtan followed by the singing of "Haribol" as inaugurated by Sri Chaitanya Deva. The procession

reached Pander Nilayam at 7-30 বিশেষ চিত্তাকৰ্ষক একটা বক্ততা প্ৰদান pm. when His Holiness Tri dandiswami B. R. Sridhar Maharaj delivered an interesting discourse on the 'Mission of life' explaining the importance of Sri ! ইংলে জনশঃ জনতা ছাদ প্রাপ্ত হয় Haridam Sankirtanam as propounded by Sri Chaitanya Deva.

After necessary Pooja and Sankirtanam, the gathering dis-

### 四項打印 জর্জ্জ টাউনে নগ্রসঙ্কীর্ত্তন

( দি হিন্দু সোম গর ২০ জুলাই ১৯০১

গত ১৮ই জুণাই শ্নিবার অপরায় সাড়ে ছয় ঘটিকার বুমণ কোরাল মার্ট্যাণ্ট क्षेत्रिंड क्षेत्रनभनित इरेटक माल्लक প্রেটিন মঠের স্বামাহিত্যন করক গরি চাৰিত হইবা একটা বিবাটনগ্ৰসন্ধতিন वारित व्य बद्ध २० मः कानामगाः।। ह ষ্ট্রাটার পার্ডাবনিখ্যান্ম প্রায় উহা গমন करन . भइरद्रत भक्त छ। । ३३८५३ वरु ভক্ত শ্রীরফটেড্ডনাদের মহাপ্রার অমুন্যান বাংলা স্কীইন "১ বিবোলে" দিগ্যখন মুখরিত করিয়া উক্ত নগ্ৰসন্ধী হনে যেগিগান করিলচিয়েন ।

সন্ধ্যা সাড়েয়াত গটিকার সময় সমীতন্ শোভাষাত্রা পাঙায়নিলানমে পৌছিলে রিদ্বিশ্বামী শ্রীপাদ ভতিরকক শ্রীনগ মহারাক শ্রীমন্মহা ভুর প্রচারিত শ্রীনাম-महीक्टानंत्र , व्याराक्ष्मीपंडा विशव नगंशा করিয়া "মানবকীবনের উদ্দেগ্র" সম্বন্ধে

আনগুকীয় পূজা এবং কার্সনানি শেষ

গত ১লা খাবেল ১৭ জুলাই শুক্রবাদ দিবস মামনসিংহ প্রাথ্রিজগরাপ্রেট্ডীয়মঠে আ অভগন্ধাপদেবের প্রথম বার্থিক রথমাত্রা-भरतारमत् अभव्यात रहेगा**र्व** ।

ব্যান্ত্রপূর্ণে মুদ্রশালাকৈ স্মাপ্নালে উনকে র্ডন হইলভিল। আতংপর মনাকে ভোগার ত-কারনাদি ১ইবে পর বহু ভান্ত म्बीमार्क विक्रिय महाश्राम मुखान करहन। তংগবে এগাদ যহবর নাস অধিকারী এন. তে, বি. এল ভাজিশার্মা তবং জ্রীপাদ উদ্ধব मान कमिकाी मानावध्यात केकालिकी Cb होय अक्ति अर्थ कम्पन है। यह कहेर क ব্হিপতি হটা ত্রী ক্ষত্ত্ব ও মহামুগ্র সঞ্জীকন কবিতে কবিতে মণ্মন্বিংহ বড়বাজাবে র্থ প্রিক্রমা কর্ত আহিত্যুচ্রিত্যুচ্ হইতে শ্রীমন্ত্রাপ্তান্তর বাংলা নুভাবিতক পাবিশ্বলি কাঁপ্তন কবিছে পাকেন। অনুঃ-পর সকলেই শ্রীঞ্জারাগ্রেণ্টা সতে প্রত্যা-वर्धम कवित्व अवस्थितवस्य सीलान ষ্ঠ্বর এক্তিশারী মাহানে জ্রীচৈত্রচরিতা-মুৰ্বেল ৰূপণ হ' দ', কাত আন্তান পাঠ কবেন, दश्हान मामाधिकाती स्टामधान म्हामध्यक्तिम ह।। खहेत्राल প্রতির প্রাণ টা অতিত ইই**লে সকলেই** সংকীতিনমূপে িডিয় মহাত্সাদ স্থান

"লগভের পিডা রুক্ট যে না ৬জে বাপ। পিডুছোহা পাড়কীর জন্ম জন্ম ভাপ॥"

### देशीयक वर्णेश्वाकान--भात्रमार्थिक शेख [ यर्ड वर्ष ३३७ व वर्षा]

বন্ধনীৰ মংগ্ৰহাক্ৰমে কামক্ৰোধ লোভাদির জীড়াপুত্তনী। কামাদির হাতে তাহার শতপ্রতা বিক্রীত হওয়ায় ইহস্পতে বাস করা তাহার পক্ষে বড়ই কঠিন ও ক্লেশকর হইয়াছে। সেই <del>অগ্</del>স যোগিগণ চিত্তবৃত্তির নিরোধার্থ যে অটাক্যোগপথের উপদেশ করেন, তদস্থমনে অনেকের প্রার্ত্তি হয়। কিন্তু ধমনিয়মাদি অষ্টাঙ্গ (योगमाधनभएष व्यजीहेमारज्ज পৃংৰ্দাই কামাদি বৃত্তিদকল পুন: পুন: বিম উপস্থিত করাইয়া সিদ্ধির ব্যাঘাত করে। মুকুলের দেবা করিবার কালে দেইরূপ কোন আসিয়া কিছুই করিতে প্ৰতিবন্ধক পারে না।

মুক্ল-পূৰ, ভাজ, মুক্ত ও নিতাবস্ত। তাঁহার পরিচ্যা নিভা, মৃক্ত, পুর্ণ ও 😎 ৯ ব্যতীত হইতে পারে না অর্থাৎ অনিতা, অশুদ্ধ, অপূর্ণ ও সাপেক্ষ ধন্মের বশ্বতিতার মৃক্লাদেব। সম্ভবপর নংক। অষ্টাঙ্গদোগাদির পছায় ঐ অভাবগুলি সর্বতোভাবে বিছমান। কেননা, অস্থবিধা নিরাকরণ ভঙ্গ যেসকল সাধনের প্রান্তাব যোগিগণ করিয়া থাকেন, তাদৃশ সাধন-কালে দেই অস্থবিধার ফলে ভীবের ফল-প্রাপ্তি ছ:দাধা। কিন্তু মুকুন্সদেবোপকরণ, সেবাকারী ও সেবা কেহই কোনপ্রকার বিশ্বের অন্তর্গত নহেন বলিয়া অভীষ্টসিদ্ধির ব্যাঘাত নাই অগাৎ মুকুলদেবা হইতে মুকুন্দ ব্যতীত অক্সংস্থ সেবারূপ অনুথের বিক্তমানতা নাই।

অসংযত ব্যক্তি অতীক্ষোগের 'যম' প্রতি অবলহন করেন। অনিয়ত ব্যক্তি 'নিঘ্দে' বাধ্য হন ৷ ধণোপধোগী আসনের শ্বভাবে চিত্তহৈক্লবা ঘটে। ভোগবাসনা বা ইচ্চারণ পুরক, অনিচ্চারণ রেচক ও বাসনোপযোগী কৃত্তক পরিহার] করিয়া অষ্টাক্ষণোগের 'প্রাণায়াম' রিপুচরিভার্থতান প্যাবসিভ হইবার যোগ্য। ঈশপ্রতিকুল ভোগ্যবস্থ সংগ্রহ হটতে অবসর পাইবার ব্দর প্রভাগেরের বাবছা। প্রভিক্স পরিহারকপ উপনাসাদি সময় সময় मांधकरक निभन्न कतिश (करन । धार्का, थान '९ (भाग राष्ट्रर नचर छेशलकिएड शिख्ड কাল 'দ্যান'-সাদ-ের উদ্দেশ্য ফলবান ছইতে **(मध ना। 'भारत्मा' ७ नक्स निकक्षाधक** চঞ্চল মনের হার। **সাঞ্চকালিক** বৃদ্ধিব ভাভাব উংপাদন করে। 'সমাধি'র কৈবলাভাব চিদ্ধিলাস-বৈচিয়ের অভাবহেতু ইতর কানোপাল অবস্থাবিশেন। এই সকল কারণে বোগসাধনের অটাক নানাপ্রকারে

মুকুলপাদপন্ম অভয়, অংশকৈ, নিস্পূচ, অপরিভবযোগ্য ও অলোভনীর। হরি-

মুকুন্দ্দেবা ও অফ্টাঙ্গমোগ গণনি বন্ধ বিষয়ালোর পদ্ধর্ভ না হ ভয়ার সকল সময়ই মুকুল ভাবকগণতে সক্ষতো-कारव त्रमा करतन। **मूक्क(मद**(क्ब्र অহুচানসমূহের নিভাতার -কেছই বিম সাধন করিভে পারে না । অনায় স্বাঞ স্পাদের কালকোতা হওয়ায় ঔপাধিক অনিত্য সাধনপ্রশালী চরম নক্ষ সাধন ঞ্জিতে সমর্থ নহে।

> হরিদেবক, হরিদেবা ও হরি--তিবিধ বিচিত্ৰভার বৈষ্ঠবন্ধ মান্তিক ভোকা, ভোগ্য ও ভোগের অক্সভম ব্যাপার নঙ্গে। ছরিবিশ্বতিফ**লেই জীবের সে**বাপ্রবৃত্তি পরিবর্তিত হইনা হংধহংখে নিযুক্ত হয়। তাহাতে নিভাস্ব এবং অপক্ষরহিত জ্ঞান ও আনন্দ নাই। 🚜 ে স্থলে উপায় ভ উপেয়ে ভেদ বৰ্ডমান, তথাল বিমের সম্ভাবনা আছে। কিন্ধ ভগবন্ধক্তিতে উপান্ন ও উপেয় স্বতন্ত্র নঙ্গে।

ভব্লি বংঠাত অস্ত্র প্রস্তাবিত সাধন-প্রজিয়া জীবের অন্থ নিবৃত্ত করিছে সম্থ इंग्र ना । डेमाश्त्रभाषक्रभ रहा यहित्व भारत---মানব প্রাণিষ্ট ইইটা সিঞ্চাস্ত করিলেন যে, বুক্ষ হটতে য**ি 🖁** সংগ্রাহ করিয়া প**ভকুনকে** বিভাড়িত করিতে পারিলেই ভিনি নিউয়ে বনবাদী হইতে পারেন। ভাদুশ য়টিসংগ্রহ করিতে গিয়া তাঁহাকে হিংল্ল পশুগণ আৰু মণ করিল। ফলে তালার পঞ্চৰপ্রাপ্তি ঘটিল, অভীষ্ট সিদ্ধির কিছুই হইলুনা। ঘষ্টিসংগ্রহের চেষ্টাও তাহার সাধনকল উৎপাদন করিবার পুর্কেই তাঁহাকে বিফল-মনোরণ কবাই**ল**। সাধনকালে রক্ষকের অভাবে যে ফল-লাভের অস্ত্রিধা ঘটিল, ভাল দীনবংসল ভগবানের 🕏 চরণসেবা পরিহারের ভক্ত। ইহা জীহার মৃত্যুকালে স্বস্পষ্ট উপলব্ধি ঘটিল। যদি ভিনি সংরক্ষিত হটয়া ভগবদাশ্রর গ্রাব্ণ পূর্বকে সাধনে প্রাবৃত্ত হইতেন, ভাষা হইলে ভাঁধার ঐ প্রকার বিপদ্যটিত না 1

অভএব নিরস্তর কামলোভাগি রিপুর গাবা বলীভূত অশাস্ত মন মুকুক্সেবা ছারা যেগন সাক্ষাৎ নিগৃহীত হয়, যুগনিয়মাদি অটাক্যোগমার্গ অবলম্বন করিলে তেমন निक्रक वा भाख दय मा।

### "আশার ছলনা"

मक्रक्-छन्त्र, मीत्रच शरशंत्र विद्राम नाहि । চলেছে পপিক नाड़ि निकापिक् ङ्गाङ का**डत की**रन वाङि'॥ কোপায় শান্তি ? अकिएव वाहि ! **मास्टिडेक्न (म श्राम करे ?** তুহিনশীতল পরশ কোমল मागिष्ट् मानव व्यन्गठीहे ॥

#### - 97季

(0)

🕮 ঠাকুর নরোভম কমিদারের গৃঙ্গে অন্মগ্রহণ করেন, ভাষাতে সকল কমিদারের সম্ভানগণই যে ঠাকুর নরোম্ভমভুলা,---একথা স্ক্রদৃষ্টিতে পরিদৃষ্ট ও সমর্থিত হয় না। পভনবোগ্যভাবিশিষ্ট শীব শ্রীঠাকুর নরো-স্তমের খেতুরীবাসকে ভাগদের নিক ভোগাগারে বাসিলা বিষয় গ্রহণের সভিত এক করিয়া কেলায় ভাহাদের বিবম এম উপস্থিত হয়।

ভগবান্ বাহাকে নিজ্জন বলিয়া এছেণ করেন, তাঁগাদের দশন ভগবদ্দভনর্হিভ नाञ्चिकशरनत धःत्रना स्टेटण्ड रच भूशक्, একথা তার্কিক সমাজ্ঞও সরলাম্ভঃকরণে वृतिहरू शास्त्रम्।

সভাতীরাশ্যযুক্ত অনগণ, আপনাপেকা উন্নত জনগণের সঙ্গ প্রোর্থনা করেন ৷ কাম-প্রেপীড়িত ভ্রণণ কামুককেই শুক্রণে বরণ কৰে। কুৰু জনগ্ৰ ফোদী ব্যক্তিকেই গুরুরণে বধন করে। কাপ্টালিকাপিগণ क्लिटेरकडे अज्ञलात नतन कतिया निकलें স্থিত তর্কের ছলনার লোক-প্রভারণ। করিয়া পাকে। রিপুরশবঠিতাই জীনভাগ্রত বলেন,—সম্পাল জনগণের ভজন বিষদীল ভজনকারীর সহিত কথনও সম্বিত হইতে পারে না।

द्यमाधानक्षत्र तो वरणन-यादाता काम-ক্রোধাদি বিপুণ্টকেব দান্ত করিবার নিমিত্ত সঙ্গল করিখাছে, ভাগারা ক্লফের সেবা कतिर्घ व्यवसर्थ। व्यासता । वर्णि, यागता শ্রীগৌরধামে নিভ্য বাসন্থান স্থাপন করিছে পারে নাই, ভাহারা বিষয়-ভোগে প্রামস্ত হইরা অস্থান্ত অভিক্রিটো করিলা থাকে।

🕮 প্রবোধানন্দ সরপতীপাদের 🕮 ধাম-শতকের মধ্যে আমর৷ দেখিতে পাই বে, কামাদি রিপুভূমিকায় বিচৰণকারী জন-গণের শ্রীধানে বাস করিনে জগবছজন করিবার সন্তাবনা কোনদিনই নাই। ভাছারা শ্রীধামাপরাধদলে নিজ নিজ কামাদি রিপুর হারা আজ্ঞাহইরা জীগাম নিরূপণ ক্রিভে গিয়া সীয় অসামর্থ্যের ভাওবনূক্য क्षत्रनेन करता।

অবাছর উদ্দেশ্রবিশিষ্ট জনগণের প্রচেটা ৰাবা শ্ৰীণাম নিকপিত হয় না, যেহেডু ধাম-কাম-জোগ-লোভাদি-মণ্ডিত। স্থতরাং গেম্বলে কাম, জোধ, লোভাদির বিপুল আমদানী, তাহারা সেই ক্ষেত্ৰকৈ শ্ৰীধাম বলিয়া নিৰ্দেশ কৰিয়া ভারতে হার্ডুর্ থাইবার অভ্যাগ প্রদর্শন क्टब ।

#### যৎকিঞিৎ

( ব্যক্তিপত )

( পূর্বপ্রকাশিত ১২৫ সংখ্যার পর )

শ্রীগৌরত্বনরের নিজা-নিক্স-জনগণ বিষদ্দ্দিত্তি আকর্ষণ করিয়া বেসকল শব্দ ও ভাব বিকাশ করেন, ভাষা, জারুত-সাহজিক আগ্যসামাকিকগণের বিচার-প্রণালীতে যে সকল দোষ আসিয়াছে, ভাষাও প্রসাইভাবে ব্যক্ত করিয়া ধের।

বিরোধ, সংঘর্ব প্রভৃতি প্রেম্পুঞ্চ ভাব-সমূহ ঐতিহ্যকোটরে আংক ভৃতাকাশের অস্তর্গত শব্দের মবিধ্যক্ষানুরভিতেই প্রতি-ষ্ঠিত। স্থত**াং আ**খাগৌরবের স**ল্পাদ**≇ মংশেরের লৌকিক বিচার ভাঁছারই ভার **किंग्**िगामता**रका** অনভিঞ সমাঞ্জের ष्पानदात्र राज्य स्टेटन ।

''অ-প্রাক্ত বস্তু নছে প্রাক্তত গোচর ,'' স্বতরাং অঞ্জরচিবৃদ্ধির আল্লিড শব্দবিচারে লক বজাবভা হইভে সম্পূৰ্কণে মুক্তনা হওল পর্যান্ত অধ্যোক্ষর বস্তুর বাত্তৰ বিচালে অথাৎ আনায়পুপ বা শ্রোত্সর্বাভে প্রবেশ লাভের অধিকার অধিরোহবাদী প্রাক্তত-সাহজিক মানবলভির নাই; স্তরাং <sup>শ্র</sup>ুনানন্দতীর্থের শ্রোভ ও তর্কপ্রের বিচার আলোচন: করিলেই বেদশাল্পী মহা-भग्न व्यविक शास्त्रान् इहेरवन, व्यामा कृति ।

( 🔾 )

আমৰা অবগত হটলাম, জবৈক বলিক ঘূৰক আগার ব্যাপারী ছইয়া লাছা-কের প্রর লইনা মাপা আমাইতে বাস্ত হইরছেন। তাঁহার একায়ো গুড় অভি-সন্ধি কি, উলা আমরা শীগ্রই লোক-भाग्दत व्यकान कतिया पिव ।

अनियाम, राशक युगक अनिवेश प्रक শারুটিঞার ভেক্ধারীর ফেট ধরিয়া 🕮 🕮 -নব্দীপধাম প্রচারিণী সভার সাধারণ স্মিতির সম্পাদক রাজর্বি 🕮 পর্যদিশু নারায়ণ রাম বেদাক্ত কৃষণ এম, এ, প্রাক্ত মহোদয়ের নিকট এক পত্র প্রেরণ করিয়া অন্ধিকার চর্চা করিরাছেন: ভাহায় বথাবৰ উত্তন্ন গৌড়ীয় সম্বশতি স্তীৰ্ত অতুশচক্র বন্দ্যোপাধ্যার ভক্তিশারণ গোষাদী মহাশরের নিষ্ট হইতে যথা-সমরে পাইয়া আমরা 🕮 নদীয়াপ্রকাশ পত্রে প্রকাশ করিব।

## গ্রন্থ পরিচয়

## **ৰীমন্তা**গৰতম্

व्ययम्बर्गि क्रकरेषणावस (समयाग-धार्षे छ मुन, दीयन-ठाक्क नावार्थनिनी कीका, वनाक्ष्यान, मरकुक व्यवस छ ति करकत व्यक्तिमा क्यांगात, व्यागातत व्यवस्य के অধ্যার্গের সারসহ স্থবিকৃত ভাৎপর্যাদি বিরত। সোকস্চী বিবয়স্চী, আগারবিবরণ, পাঁত ও ছানস্চীদ্র উত্তয কাগজে উত্তম অকরে মুক্তিত। প্রথম হইতে ১০ম হস্ক পণাক্ত ছালা স্পূৰ্ণক্ৰণে শেষ চইয়াছে ৷ ভিক্ষা প্ৰথম रहेटल अस सक नर्गत २०।√०; समय सक ३२०; न्मक कर्।

#### **बिक्रेटच्या** विकासक

বীৰীৰভাৰে নোদঠাকুর-মচিত 'অমুভপ্ৰবাহভাষা' ও জীতীমন্ত সিন্ধান্ত সরস্বতী গোপামী প্রভূপাদ-লিখিত 'অস্ভাব্যে অভি-ছভ্যাদি বহু শাস্ত্রমাণ-স্থলিত চইয়া व्यक्षिक स्टेशाद्यन । व्याद्यम् मावम्यापाः, व्याध्यापाः প্রভাক পদারের পূর্বে সংক্ষিপ্ত অভিধেয় সংবোজিত। व्यक्तिक व्यक्तीय-व्यावस्थ क्यांत्रात्र (प क्या व्यक्ति । व्यक्ति भवाद, भव, श्राम, भाव **अक्**ष्टित स्वृह्द रही । अध्काद्यत विष्ठ जीवनी-ममविष्ठ এইऋপ अकृष्ठभूकं मःस्वत्र हेळःभूटकं কুতালি অকাশিত হয় নাই। উত্তম কাগতে পারিপাটোর ্সহিত পুল প্রকাশে মুলাংশ মুদ্রিত হইরাছে। এছ প্রায় >eoo पृष्ठात्र मुल्यतः । किका वर्खमात्म e, माखा

#### **এটেডক্রভাগবড**

এছকারের জীবনী, প্রতি পরিজেদের কথাসার, বিস্তৃত নৌষ্টীর ভাষা, শব্দুতী, প্রারস্ক্রী, বিষয়-স্থান-পাঞাদি-সূচী, প্ৰস্কৃতি বিবিধ বিবয় সম্বলিত বিপ্লাট বিভীয় সংস্করণ ভবল ক্রাউন ৮ পেলী আকার। আদিলীলা ও মধ্যের কিষ্দংশ প্ৰকাশিত হুইয়াছেন। ক্ৰমে ক্ৰমে প্ৰকাশিত হইতেছেন। অগ্রিম ভিক্ষা ে টাকা, আদি দীলার किमा ६ ।

#### **बारेड एक मनन**

এই গ্রন্থের এরপ অভিনব ফুলর সংখ্রণ আর কুত্রাপি क्षकां भिष्ठ इत्र नाहे। माथूष्ठ (आकार्यान व्यवत, व्यास्वान, ভাষা, কথাসার, তথা প্রাকৃতি সহ খণ্ডে থণ্ডে প্রকাশিত व्हेशास्त्र। भून त्यांका अकरत उतन काउँन आके(अकी ্রহ্লাক্ষালে ছালা হইয়াছে। মূল্য ২৪০ টাকা। মনীয়া ेटाकाम ७ भोकीसत्र बादकगरनत्र भरक ।।• छादा ।

#### **এমভগবদ্মীত**া

— **এ**ণৌড়ীর বৈশ্বাচাণ্য অপ্রাকৃত রসিকচ্ডামণি উ.উ.বিশ্বনাথ চক্রবিষ্টিগাকুর গোখামিকতা সারাণবিধিণী টাকাসমেন্ডা ও আত্মিমস্বজিবিনোদ ঠাকুর-প্রাণীত 'রণিক-ব্ৰন্থ নাম্ম ভাষাভাষাসহিতা। অধ্যায়সূচী, মাভূকাক্রমে । हाय-प्रकी, विषय-प्रकी, अध्याद्यत की गर्नी ७ व्यवस्त्र निकामि ब्रह्-काण्याविवन-मह **छेरकडं वीशाहे** छुडीय मःवन्न--- ८हे नाड मरक्त्रात्म किका २ केका माळ, माधात्र मरक्त्र--->॥• शिका मान

## শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলা

ওঁ বিকুপার এএীবছভিসিছাখনরখড়ী গোখানী নহারাজের সেই অবিভাগবিধাংসিনী कीवाष्यकरभारवाधिनी कुक-कार्कानकपात्रिनी कीवस-वाग्रेत मूर्फ-विवार---देक्पविद्यास-वृत्त्रभागात्र (कोस्टमनि---न्यामात्र মৰাচাৰ্য-মুক্তা ভাৎপৰ্য-নিৰ্ণয়টীকা; শ্ৰীমণ্বিখনাথ চক্ৰবৰ্তী বৈভৰবিজ্ঞানাগালের মৌলিক তথ্য---শকরাত্ত ও ভাগবতের সমন্ত্র গুরু-মহাজন-জীবনচরিত-শিক্ষক---চিবিলাসচিবাত-প্রতিশক, তথ্য ও বিষ্ণতাবিষ্ক। প্রতি হলের আনিতে অচিমাত-বিচারক--ঐপর্য ও নাধুব্যরসের মৌলিক গবেবণার --- नवक, अखिलक ७ व्यायाण म-छत्त्र निकास-नम्छ ।

> ১। প্রথম শশু—বৈক্ষবদর্শন, জী গুলতন্ব, কাল-शर्च, श्रीमध्वाविकाव, श्रीवार्वकाववी, शाक्रवादिकी हीका ও বর্ণ-বিচার, আত্মণর্ম ও মনোধর্ম, ইটিচভন্তদেব ও তাহার শিকা, অপ্রাকৃত সহজ্ঞার ও প্রাকৃত সহজ্ঞার্য, ৮০ বার আনা।

১। দ্বিতীয়া খণ্ড-তথা ও বিদ্ধা ভক্তি, মনুষ্টোর শ্রেষ্ঠতা কোথার: আত্মার নিভার্তি, শ্রীণর স্বামিপাদ ও भाषावाष. श्रीरार्गत्र-निज्ञानमध्यमण, जियुरगत्र धर्म ও क्रक-कीर्जन, जीवाानभूषात्र औमहागनत्त्वत्र कीर्जन, जीत्रीत्र-शास्त्र महिमा, मशाखगाम, क्रिशाविन्म, क्रीक्रशाष्ट्रशास्त्र मन পণ, **औ**मछी नुष्ठाञ्चनिक्ती, **और** ५ छ छ । प्रांत करना ও রক্ষমত্বীর্তন—চতুদশ অপুকা-মধুরিমাপুর্ণ-বস্কৃতা-বিভূষিত। বুলিতে মুদ্রিত, উংক্ট বাঁগা পোনার জলে নাম শেখা। ভিকা ২, এক টাকা মাত্র।

প্রথম ও বিত্রীর—ছই খণ্ড একত্রে লইলে ভিকা ১৪ দেড় টাকা, ডাক খরচ স্বভন্ন ৷

#### **এমত গবদগীতা**

গৌড়ীয়-বৈষ্ণবদার্শনিক-শেশর জীতীমদ্বলদের বিশ্বা-ভূষণকৃত ভাষা ও শ্রীমন্বকিবিনোদ ঠাকুরেরপ্রাক্ষণ বছ-ভাগার বিশ্বত 'বিষদ্রজন' নামক ভারুযুক্ত। অধ্যায়-স্চী, বিষয়স্চী, ও প্রতি লোকের প্রথম ও তৃতীর পাদ স্টী, ভাষ্টকারের ভীবনী প্রভৃতি সম্বলিত। উৎকৃষ্ট কানাই, রাজসংখ্যাণ (ভৃতীয় সংখ্যাণ) গ্রন্থেয় क्थिका २, ठाका।

#### প্রমেয়রত্বাবলী

শ্ৰীমধনদেৰ বিভাতৃদণ-প্ৰণীত বৈক্ষবদৰ্শন, সন্দৰ্ভ ও পোবিন্দ-ভাষ্যাদি পড়িবার প্রাপম গ্রন্থ। উংকৃষ্ট কালিতে ছাপা। স্থবিশ্বত টীকা ও প্রাপ্পবাদ্বাদ-সাহায্যে অতি সহজে বালকেরও বোধগম্য হইয়া থাকে। ভিকা ।৵• আনা মাত্র।

#### **बिनवही शराममाहासा**

( প্রমাণবণ্ড ) সামুবাদ। শ্রুতি-স্বত্যাদি গ্রন্থে শ্রীনব-**বীপের বে মহিমা কী**ট্রিত আছে, ভাহার মুল সংস্কৃত ও অমুবাদ। ভিকা 🗸 আনা।

#### **এ** এমবদীপভাৰতবল

🕮 ঠাকুর ভক্তিবিনোদ লিখিত। হুললিত গাঁতাকারে পরিক্রমার দ্রপ্টব্যাদি-বিধয়ক। ভিক্ষা। আনা।

#### ভজিরতাকর ও নববীপ পরিক্রমা

প্রীশ নরচরি চক্রবন্ধি-ঠাকুর রচিত। ভব্তিরত্বাকর হইতে পরিক্রমাংশ মাত্র গৃহীত; 🕮 জীব গোস্বামী কি व्यकारत क्रिनवदीनभारमत निवक्तमा क्रिजाहित्तन, जाहारे পছে বিবৃত। ভিক্ষা 💅 • আনা



ত্রী ভতিবিনোদ ঠাকুর-প্রণীত। ত্রীচৈডভেইহাতে অচিত্য-ভেদাভেদ-তৰ-সাধন-নিৰ্ণয়-প্ৰয়োলন-তম্ব, কৰ্ম-কাও, আত্রমাদির বিচার—বৈণী ভক্তি, ভাবভক্তি ও শ্রেমভিক্রিল নামভ্যন-প্রণালী ও অইকালীর লীলা≱ পরিচয়ানি প্রথম শিক্ষাণীর উপযোগী করিয়া সরল ভাষার সমুদ্য যুক্তিপ্ৰমাণসহ লিখিত আছে। চতুৰ্থ সংখ্যা বাধা २, हें का. व्यायाया ३५० होका याजा।

#### গোডীয়কণ্ঠহার

द्धीरती श्रीय-देवक्षवत्राम्ब अञ्चलन कर्छ धातनरगाना প্রভৃতি বিংশতি সংগ্যক রত্নে 'হুশোভিত। ভিকা মাঝ শ্রুতি-মুটি পুরাণ-পক্ষরাত্রাদি সাম্বত-শাসসমূহের প্রমাণাব**দী** विवयविकाशकरम माम्नाम एक्किए। धरैक्रम विकव-সিদ্ধান্তের সার্থমন্ত্র অন্ত কুরাপি প্রকাশিত হয় নাই। हेशएड अक्टब-अंशवड- विकाद-(शोत-निष्णानम-व्यदेश्य-क्षा-निक-७शवस्त्र-कीव-व्यक्तिशास्त्रारम --- विश्व स्था- नाथन छक्--- वर्ग मा- - वाला- वर्ग -- ७ कलाक -- শ্রীনাম-- প্রয়োজন ও প্রমাণ-ত ছতলি পুণক অধ্যারে মুবৃহৎ মোকাদি স্চীসহ উংক্ট এণ্টিক কাগজে বোল গ্ৰন্থ প্ৰায় ৪০০ পৃষ্ঠায় সম্পূৰ্ণ। ভিকা ২২ টাকা মাত।

#### **बिन्नवीशनाय-अधाननी**

শ্রীমদভ্জিবিনোদ ঠাকুর-রচিত 'গামমাহাত্ম-পাম-মাহায়্যের সামুগাদ প্রমাণ খণ্ড--- শ্রীল নরহরিচক্রবন্ধী ঠাকুরের ধাম-পরিক্রমাংশ—শ্রীধাম নববীপ পরিক্রমা—তীখ-যাতা পছতি-শ্ৰীমং প্ৰবোধানকত নবৰীপশতকম-শ্রীমহজিবিনোদ ঠাকুরের শ্রীনব্দীপ ভারতর্গ প্রভৃতি গ্রন্থ একএ ভিক্ষা ৮০ আনা মাত্র।

#### শ্রীৎরিনাগামত ব্যাকরণ

জীমীৰ গোখানী প্রভূপাদ-বির্চিত সূত্র ও বৃত্তি, তৎসংশ ওবিফুলাদ জীমছজিদিলাত সরহতী গোত্তামী মহারাজের বিশ্বও ভূমিকা ও স্চী প্রান্থতি সহ। অপ্রত্যাশিতভাবে খুগভ। ভিকা ২ টাকা, ছাত্রগণের পদে ১॥• টাকা মাত্র।

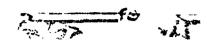
#### বেদাছভদ্নার

শ্রীমদ্রামাত্রজাচাণ্য-রচিত। বেদায়ের বিশিষ্টাবৈতবাদ-প্রচারক জ্রীভাষা-প্রণেডা আচার্যাপ্রবর বেদায়দর্শন পাঠের উপযোগী করণার্থ এই উপ্তম করিয়াছেন। ইহাতে বন্ধান্তবাদ ও স্ঠীপ্রাদি সংযোগিত করা হইনছে নাম মাত ভিকা॥• আনা।

#### ট্রিটেডয়াচজায়ত ও নবদীপশতক

পৌরপার্যদ ডিদঙা শ্রীমং প্রবোধানক সরস্বতী-প্রণীত মূল, প্রতুপাণ শ্রীমণ্ ভভিসিদার সরপতী গোপামী মহারাজ সম্পাদিত অধ্যান্ত বাংখন ও বলামুবাদ সম্বিত। নব্দীপশত্তের উভিতিবিনাদ ঠাকুরের প্রাত্মবাদ ও তৎস্থ উ,মন্মাত্র একটা ত্রিবণরঞ্চিত অংশীকক চিত্র প্রাদ্ত ১ইয়াছে। মুদ্রণ ও কাগজ উৎকৃষ্ট ( ২ থানা একজে ) ভিক্ষা ৮০ আনা, অতি হুরমা বাদাই রাজসংহরণ 🖰 ५ छाका याव।

#### ्रोहिक स्थीयाद्यकाम



আমানজিব,নার সাতুর প্রানীত। এই একমাত গ্রন্থ ব্যারের জ্ঞান লাভ কবিলে পার্মানিক রাজে। কিছুলেই ष्यासम् का सार्यप्र शक्ति थ सह। । अतम भूत् । स्मृतिसाक उद्दे-कप्रत्त क करालांसी शर बील पछ आधारे व वस साहै। নিবিশ্যালয়ের শাস্ত্র-মাচাল্যবি মধনারলে তেই প্রাথান্ত फिलिट हरेगालन। व्यासित छतियुक्त रूजी, कथामति ষ্টিল্যানি ছার। বিশেষ সমূদ করা ১ইয়াতে।। বিরাট এথ, त्मानाव च्राल नाम त्मभा, छेराउँदा ॥ई—5कुथ मरकवन ভিগা > ্টাকামাত্র।

#### ভ্ৰেম্বিনৰ্ড

শ্রীদন্মচাপ্রভার অন্তর্জ পার্যদ শ্রীল জগদানন প্রভু বিরতিত। এই পুড়কে মতি স্থাবোধা ভাগার মহাপ্রায় क्टिश्य शीनाम्ब देवभवनागात्त, दकानना । नामाङ्ग्य-প্রণালী প্রভৃতি অনেক বৈক্ষণভবের স্থামণেয়া দেখিতে পাইনেন। পান্টকোয় জ্বর খানেব বিশ্বার্থ ও গ্রন্থক রার পরিচয়ানি-সম্বলিত চতুর সংকরণ ৺চকা এ√০ [চিক্]৴• আনা মাঞ্ राना भाक

ভালকাণীয় নিভাগলী ; সাতুর ভক্তিবিনোবের ধনুপা 📗 পুশুক मान ; निर्वास भारतात निर्माण । श्राप्त्रशानि ना त्राभाषामु কেছ বুঝিতে প্রবিবেদ দ।। ছতীয় সংস্করণ ভিকা ॥ ।।

#### হরিনামচিত্তামণি

নমোডার্ব্য ঞীল ছবিদান সাত্রবের মুখে জীম্মতাপ্রভূ 🏝 নাম মাহাত্ম্য, নামাল্যায়, নামাল্যায় প্রভৃতি বিংয়ের যাবভীয় বিচার ভাবন করিয়:ভিলেন এই বিনয় ওলির আছি সরল প্রথরে সংক্রিপ্ত অধ্যেসহ পরিপটিভাবে মুদ্রিত। ; 🗃ল ভক্তিবিনোদ গাঁচুর-রচিত। প্রথম সংখ্রণ ভিক্ষা দেও।

#### কল্যাধকজ্ঞজ্ঞ

**बिगदक्ति**रिनाम राष्ट्रव ब**िछ। প্রত্যেক ভগব**र-বিশ্বাসী ও জ্ঞানপথের পথিকের একান্ত প্রয়োজনীয় উপৰেশ্বেলীপুণ গাড়িএছ। সমেভা লোগেড়া ছানা বোকেও এই ভজনপ্রতেগর গাভিন্মুতের ছরেছ অনগানিস্থতি 19 कश्व देशका शांक करिकात **स**िकार शाहित्वम । यह मध्यतः, जिका /: • आना माज ।

#### শরণ(গতি

জীমন্ত বিনোধ হারর-রচিত। ভগবানে আল্লমপুর, বিজ্ঞাপ্তি, ভেলনালেয়া, যড় বিধা শরণাণতি ও মিভি-লালমান বিবয়ক গাঁভিপুন, ভিক্ষা ৴৽ আনা মাত্রে।

#### शी जानगी

ब्योशंक्त एकिनिरनाम- अगिष्ठ निष्ठा एकन, व्याकाधिक श्रामान-दावनाति-विभग्न मध्त १० हमभूह दक्षा अलिख । ভিকা / । সামা মাত্র।

#### **बीनद्रवनवुक्रम**

तामरकञ्चभृद्रु हेरमानि ज्ञीमां बन्नमान हत्कवानी हाकुन-বির্ভিত রস্ত্রায়: শ্রীমন্ত্রতিবিনেপে সাকুরের অভ্যাপ-বহ। ভিক্ষা। আনা মাএ।

🖺 ময়হাপ্রাহ্ব শিক্ষা ও 🕮 ল রস্নাপ দাস পোশামীর প্রতি শ্রীরূপ গোন্ধামীর উপদেশবাণী, ভারুপথের অন্তর্কুল ও প্রতিফুল বিগয়ে স্থবিচারিত সমোদন ভান্য, বিস্তৃত বিরুতি, চরিডমুডের আমেণা, স্বির ব্যাথাা ও মহাজন-প্রাতি ভচুপ্যোগা গাংমমূহ প্রত্যেক শ্লোকের স্থিত স্ত্রিকেশিত হটয়'ছে। ৩য় সংক্রন ভিক্ষা 🗸 আনা।

#### 제 [위화-작의

শীরগুলাৰ দাস গোস্বামীর মনঃশিক্ষা, শ্রীল ঠাকুর ভক্তিবিনোৰ-চরিত পঞ্চামুবাৰস্থ্য। ভিগ্না 🗸 আনা ।

#### প্রেমভক্তিচ ক্রিকা

শ্রীল ঠাকুর নরেশবনের জন্সনিত্ব প্রেমভকিনিধয়ক ভিগা, '০ সানা মার। ্রেনর পুত্রক

#### নবদীপশতক

खीश हेक्कि **ड**िलिनिस्नाम-चि শ্রীল প্রধোধানন নরপ্রতীপাদের সংস্কৃত নব্দীপশতকের স্থলালভ প্রাপ্রবাদ।

#### অর্থপঞ্চক

শ্রীল লোকাচাণা রচিত। বৈক্ষণতা-জানের আকর ভিকাত সালা মাত্র।

#### সদাচারশ্বতি

শ্রীল মধ্বতিগ্নি-প্রণীত। বৈদ্যবের নিভাকপাদি সদাচারা-বলী, ক্লেন্দ সৃহিত। ভিকা /- আনা মান।

#### মণিগঞ্জী

ক্রিকুমকেশরী শ্রীমন্নরোব্যাচার্যা রভিত : শ্রীমন্নাশ্র : চার্চেরে স্থানিত্র ভীবনতাল। ও মূল বৈক্ষবদর্যমন্ত। সাম্ভাগ ভিকা। সানা মাত্র।

#### গৌরক্রকেপেয়

প্রাতীন কবি শ্রীপোনিদ দেব প্রবাত শ্রীকোরাবভারের প্রমাণাবলা-সংব্রিভ সংস্কৃত এত। ভিক্ষা ৮০ আনা।

#### যুক্তিমল্লিক। ( গুণসৌরভ )

- শ্রীমধ্বদক্ষদায়াপুগত শ্রীমধানিরাপ স্বামিকত। বন্ধাকরে নাজবাদে এই এতের প্রাকাশ পারমাণিক সাহিত্য-জগতে এই নকাপ্ৰাণম। প্ৰীমনাধ্বাচাৰ্য্য হটতে গোড়শাৰস্তন খিতীয় সন্ধিশেশিত আছে। ভিকা । আন। মধ্ব'চাৰ্যা নামে প্যাত জীবানিরাছতীর্থ স্বামী এই গ্রন্থে যাপারে বৃক্তি ও গৌকিক ভাষামূলারে কিরুপ মুদ্রেভাবে ভিজিবিরোধি-মতবাদ সমূহ খণ্ডন ক্রিয়াছে, ভাষা পাঠ कतिए कतिए आम्ह्याधिक वर्गे क वस्ता विवास स्थित भात्रा ठाकाक, देवन, द्वांध, भाभाश्यक । भारावाधिभण-সমূতের জ্বর পণ্ডন রহিয়াছে। ভিক্ষা ২ ্টাকা মান।

#### -८गायामी औश त्रप्राथ नाम

(ওঁ বিষ্ণুপাদ শ্রীল ভক্তিসিদায় বরস্তী গোস্বামী প্রভূপাদ-লিখিত ভূমিকা সহ ) গৌরপ্রের শ্বরণ-রূপের একমাত্র প্রিয়তম শ্রীল দাস গোস্বামী প্রানুর অপুরু চরিতামূত ও শিক্ষা অতীব প্রাঞ্জন ও সরল ভালার স্ত্রিনিই এবং পরিশিষ্টে শাসগোখামী প্রান্তর বিরচিত কএকটা সাম্বাদ নহরতম তব ও মন:শিকা-স্থলিত। ভিকা नी-हि Ho याना, वावाधाहे 🕪 व्याना याजा।

## চিত্ৰে শবদ্বীপ্ৰ

প্রাচীন নবৰীপের অবঞ্জি, তথ্য, ঐতিহ, ভোত ও ঐতিহাদিক প্রমাণসম্বণিত নয়তী গীপের সচিত্র বিবল্প-প্রত। রাজিদি রাওসাতের কুমার তীগুরু প্রদিশুনারায় तात्र धम. ज, श्रांख (नारशत). त्वताश्च वंत मरशास्त्र क वृह সকলিত এবং ৪৭ থানি বিভিন্ন বঁপেঁর অপুর চিত্র ব यानिष्ठिक-समित्रिक्षः : প্রাচারিপ্রামহার্থীর রায় সাহের 🗒 🙉 নগেন্দ্র নাথ বস্থ বিশ্বকোদসম্পাদক মহাশয়ের বিশ্বত ভুমিত: भव । छेरक्षे ( हेर ) मत्रदका नाभावे भना ५४०, किः लिः ( : २ हाक माज।

#### माधक-कर्श्रमाला

खन नम्मना, देनकान-वन्द्रना, दिक्षात्रमान, बाधारहात्र है 🐔 শ্রীনামহট্, শ্রীন্মহাতার্র অঠৌত্রণত নাম, অইপ্রাংর नामकाछन, व्यानामनकार्धन, (श्रामक्षति, वाउनमञ्जी) नवर्ताल-महिमा, श्रीमात्राभूत-महिमा, श्रीमात्राख्य-धान्त्र मा আচাধ্য-বন্দনা, বড়্গোখানীর অইক. প্রেম্ড**ভিচ**ক্তিক: উপদেশনালা, নামভন্দন-প্রাণালী, মহাপ্রান্ত e ব্যয় বামান্ত भारताप, सन्दर्भका, 🗃 धन्नः व्याप्ति, 👼 धन्न-व्याप्तनः মহাপ্রভূর বন্দনা প্রভৃতি যাদক ও সিম্প্রভীবমের নিভাপানে বেফারগণের কণ্ঠান্তিত ভূকানামালার জায় অঞ্চল্প কঞ নারণযোগ্য অপুর প্রস্থ। ভিন্দা 🕪 •, বাধাই 🖦 মাজ। 🎆

#### গোডীয়-গোরব

কলিকাতার হুপ্রসিদ্ধ আলবাট হলে গৌটোর সন্পানক শ্রীপাদ স্করানন পরবিদ্যাবিনোম-প্রেদন্ত যঞ্ভার কিয় अधकारत व्यक्तानिक। बेशाटक दशोड़ीय देवकुवनन्त्रकारव्य हे िकाम एकाकारत अभिक ब्हेगारक । विका 🕪 बाका

#### গোড়ীয় সাহিত্য

কলিকভার মঞ্জিনিত্ব আলবাট হলে গৌডীয় সম্পানক শ্রীপাদ স্তব্দরানন্দ পরবিষ্ঠাবিনেদেশ্রাড় প্রদন্ত বঞ্চার 🕬 গ্রন্থানারে প্রকাশিত। ইহাতে সাহিত্য-শলের **অর্থ** এর গৌড়ীয়-মাভিতভার বিধর স্তক্তরে ধর্ণিত হইমাছে। । । । াপ • অনি নাজ।

#### **औ**दगोष्ठम**ुन श**तिक्रमा-प्रश्न

**এটিটাইটেরের যে সকল ভাবে সপরিকর প্রীম্মার্টা**প-্রিব তদ্পুল পরবত্তী মহাজনশ্য লীলা করিয়া ভিয়ো: ১ সেই সৰ আধুনিক ভৌগোলিক পরিসয় ও দেববিগ্রাহ পরিচয় সহ যা ভারাভের স্পবিধা নিক্ষেপ ইত্যাদি বিষয় 🚟

#### THE HARMONIST

#### OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীল ঠাকুর ভব্তি-নিনোদ-প্রতিষ্ঠিত এবং 🎒দ জ'ক' নিছারসর্বতী গোশ্বামী প্রভুগাদ-সম্পাদিত পার্মাবি मानिक शख। धकारत देखांकी छाराव अहाविश्न ভবলকাউন ৮ পেথী ৪ ফর্মা আক'রে প্রতি বাবে <sup>৬'ক</sup> नारमञ्ज विकात-देवका ही नहेगा छेलाइड इडेस्टर न कानम, मुजन-भात्रिभाषा । ह विद्यापि मडीव हिसाक<sup>ाठ</sup> এই প্রকার উৎক্রই প্রবন্ধ আর কোন মানিক প্রত: (पथिएक भाहेरवन ना। वार्विक क्रिका काक्याक्रमध्य भ

#### প্রাঞ্জিন্থান-

बैदेठज्यमञ् लाः ज्यानात्रात्र महोश

## শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

### (थाना इरेगाइ।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অভি শত্নের সচিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী গুত্রগণের জন্য বিনা বাহ্যে সুন্দর বাসস্থানের বাস্পোব্য হংগতি । স্থান অভিব আহা কর।

সবিস্তার স বাদের হল নিম্নলিখিড ঠিকানা পত্র লিখুন। সেত্রে-ভারী, ভাকুর ভাক্তিবিলোদ ইন্টিটিডট্ শ্রীচেডগুমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

### —৫১ বংসরের প্রতিষ্ঠিত—

উন্ধালেয়ে প্রস্তুত নতীকা হার শুক্তারলা, স্থানেষ, কোঠনাঠিল, অলীর্ণ, ফ্রেড্ডল প্রস্তৃতি ক্ত বোণীৰ বোগ নিরামর হুইয়াতে ভাগ প্রাকাশ কাংলে গড় বড় পুত্তক হুইবা পড়ে।

#### रेडा

সকল কছুতে বাণগায় চলে ও সমান ফল আপোন কৰিয়া থাকে। আহি কৌটায় জংটী বটীকা থাকে।

#### কেবলমাত্র

ঞ্জি কৌটাৰ মূৰ। ১ ্এক টাকা। ইংলার নাম '**আ;ভঙ্কনিগ্রহ** ব্**টা**কা'।

ষ্মগ্ৰন্থ উষ্ণেৰ তালিকাৰ স্বস্থা পত্ৰ নিধিনেই পাইবেন আধিয়ান :—আক্তম্প্ৰস্থিতিই

२) । भर यक्ष शक्षात्र क्षित्रं, कश्याकाणः।

## কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



নকঃস্বলের স্থাবধার জন্ম ৬ আঃ শিশিতে ঘনীভূত অবস্থার ভোটবো শলের সমপ শুর্থ ভাকে পাঠান হয়, ইভাতে শুর্বের কোন পরিবর্ত্তন করা হয় নাই। মূলা প্রেচি শিলি॥। আনা, প্রিট ॥৮/। আনা, বোডল ১৮/। আনা।

অফিস–১১নং উঠাডালা রোড, পোঃ স্থামবাজার, কলিকাতা

## শ্রীভাগৰত প্রেস গোয়াড়ী হাইষ্ট্রাট

#### कुम्बन्धाः इ

এখানের বিবাহের নিমন্ত্রণ-পত্র, প্রীতি-উপনার, কার্ড, প্রান্থ এবং জন্তান্ত ব্যবতীয় কার্সাছাপ। হইরা থাকে। ছাপার দর বাজার দর ১ অপেক। স্থলন্ত। পরীকা প্রার্থনীয়।

## शहर्षामिन

বা

### কোষরন্ধি রোগ

ডাঃ তস্, তন্, ঘোষ বিনা অলে, বাৰজীবনের গাবেটি বিলা বৈভাতিক প্রকাশতে কোববৃদ্ধি রোগ আহ্যোগ। কবিয়া বাকেন।

> हिकाना— अम्म कहेन हैंकि, व्यवस्थान, कालकाया !

## য় হতাশ হইবেন না

## · দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

#### প্ৰবন্ধ দিলে সম্পূৰ্ণ আরোগ্য

বোগী দেখাইতে চইবে। অগ্রিম পাণের পরচ (যাওয়া এবং আসার)
পাঠাইলে গিছা রোগা দেখা হয় অপবা এগানে আসিলে ভোগী দেখিলা
ঔষধ দেওলা হয় আকোগা না হওয়া প্যান্ত পারিপ্রমিক দিতে হতবে না ।
গানীব বোগীদের বার্চ বান্তন করিলা চিকিৎদা করা হল। বিস্তারিক্ত িবংগের ভক্ত এক আনার ভাক টিকেট সহ নিম্ন ঠিকানার অন্তন্তন।

জ্ঞীক-ভীশচন্ত্র উকীল, যন্ত্রা-চিকিৎসক, ো: নৈকাঠী, বৰিলাল। ক্ষণণা নিম্ন ঠিকানায় সাক্ষাৎ করিবা বিস্তায়িত স্থানিতে পারেম।

শৈষ্ত গ্রামগোপাল দত্ত এম্, এ, ক্লফানগর, নদীয়া। শ্রীষ্ঠ ভরিপদ ফিল্ড, ১১৭. বেণিয়াটোলা ক্রীট, চাটপোলা, কলিকালা।

একখানি পত্ত। আ মার প্রাকৃত্য গত ১ মান যাবং রাজ যন্ত্রার ভূগিরা মৃতপ্রার ভটনাচিল, কলিকান্তার বিজ্ঞ চিকিংসক্পণ ভাগের জীবনের আশা ভাগে করিল শেল মৃত্তের জন্ত অপেক্ষা করিছেলন এই সমল প্রীয়ত কিন্তীশচন্ত্র উকিল মঙাশন্ত মাত্র ১০ দিন চিকিংসা করিল সম্পূর্ণ আরোগা করিলা দিলাচেন। (সাং) প্রীয় কিশোল নাম চৌধুনী (জামিদার পালিয়া) গুগুলীট্, নিউ বিজ্ঞিং। ক্লপোট্রশন টিউং ভিপা টমেন্ট, কলিকান্তা।

## শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরান্দ ৪৪৫

মাজ ১/১০ ভাকটিকেট পাঠাইলেই বুক্পোটে পাঠান হয়।

ম্যানেকার-গ্রন্থবিভাগ শ্রিচেডখম্ম, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

Melester を使り

# গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

–কারণ–

এখানে যাবভীয় ছাপার কার্যা— গ্রন্থাদির কার্যাই বলুন,

বিবাহের নিমন্ত্রণ পত্র, কার্ড, বিবাহেটর পছাই বলুন

আর ৩ রং ও ৪ রংএর হাফটোন একট বল্ন, সকল কাষ্ট্রি আভি সম্বর ছাশা হয়, অথচ ছাপাইবার খরচ বাছার অপেক্ষা তুল্ভ।

আপনার কিছু ছাপার কাষ্য থাকিলে নিয়ঠিকানার জানাইলেই দর পাইবেন।

> মানেধান— গোড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কস্ ২৪০:২ নং আগার সাহকুণার লেভ, কণিকাল

#### रेवविक महीत्रा-अंकान

#### ছত্যায় খ্যাল মিলিবে না

গান্ধীজী ''এবজীবন পত্রিকায় লিখিতে-**ছেন—'বোদাই**য়ের অস্থাণী গভৰ্বরের लाग नार्गत ८७ हो। कतिवास डिप्स्ड कि ছইতে পারে ? এই ভাবে প্রতিশোধ প্রহ:ণর 66 টা করিতে গিয়া ছাত্রটি শত্র-তার ভাবকে তীত্র করিয়া তুলিয়াছে। এই ভাবে গে ছাত্রনীবনের খাতিকে কলক্ষিত করিয়াছে। উপরস্ক এই ঘটনার প্রভারণাও জড়িত স্তিয়াছে। গভর্গর ফারগুসন কলেছের অতিথি হটয়া পিয়াছেন, অভিপিকে রক্ষা আরব দেশের লোক শক্তকে বধ করে না। তিনি বধন অতিথি, তথন হিংগায় বিখাসীসভ্য ভালর সংবত হওরাকি উচিত ছিল নাণু কেহ বলি আমাদের বিহুদ্ধে এইরাণ প্রভারণা করিছ ভাহা হইলে আমরা হ:বিভ হইভাম। বে কাল কেহ আমাদের প্রতি করিলে পুথী হইতাম না, ভাচাই আমরা অভের मधास क्षित (कन ? बहेस्त कार्या खात्रत्वत्र त्योत्रय युक्ति स्त्र मा, युक्ति लाव তুর্নাম, এইরূপ কার্যোর বারা স্বরালের বোণ্যভাও কৃষি পার মা, উহা ক্মিয়া বার, স্বরাল আসিতে বিলম্মটে এত বড়, ৫ত প্রাচীন দেশের স্বন্ধান কথন প্রভারণাপূর্ণ হস্ত্যাকাণ্ডের বারা অর্ক্ষিত हद मा। बदारक द वर्ष हेरा अब दा, কেবল ইংরাজেরা ভারতবর্ব ছাড়িয়া याहे(व । हेश्त व्यर्थ--(म्ट्रम्ब कार्ट्य)त क्छ क्रमांधांद्रश्य बाह्य द्याः क्रमांधाः রণের অভ বে অধিকার, ভাতা জীকার कृतियां गढवां श्रेक । हेरताम ভात्रक **छा। क्षिया ८११माँ वा छाहारमञ्** विनहे कतिराह धारे मिक विशिष्य मा, धारे धतिया गुड्या याडेक (व, करवक महत्व ह्लाकाटचत्र बाता समस्य हेरवा**लटक** माबिया टक्का बहेन, किस छाशास्त्रहें कि ভারত শাসন পরিচালনা উচ্চাদের পকে সম্বহইবে ? তথ্য, হত্যার মত্ত্রে [ क्षेत्रिका रेक्टिन्द्र भक्ष्म क्षित्रियम मा, डीहारमञ्ज इंडा: क्षिर्यम ।

#### हत्यद्यानाद्यारच अनाम कृष्टिच

লেদিন অভূগ মাঝি একটা গোড়ুয়া मुर्ल धतियात्र काला हटेव केल मार्लव ছারা দংশিত হইয়া জীবন ও সূত্যুর দক্ষি-श्राम आर्तिया डेलडिक रहा। विव महत्व केवियाहिन। धहेक्षण व्यवस्था करेनक क्रमा साथ में क सरिवा विव माबावेटक नवर्थ इडेब्राट्ड । वर्डमारम (ब्रानी मन्पूर्व श्रृष्ट् इडेवार्ट् ।

#### देख्य हाय बल्लदर्क बदयम्।

লগুন হুইছে প্রকাশ যে ইফুর চাব সম্পর্কিত গবেষণা বিষয়ক সামাল্য সম্বেশনের কাল সমাপ্র হইয়াছে। সংখ্যানে স্থিয় করিয়াছেন, বার্কাড্স, ভারতবর্ষ, মরিশাস ও অট্রেলিয়া--। ই চারিস্থানে ইকু উৎপাদনের ছক্ত চারিটা कृतिरक्त व्यक्तिशे क्या इहेर्टर। हेक्स মধ্যে যে পোকা উৎপন্ন হর ভাহা ঘাহাতে এক দেশ হইতে অপর দেশে শংক্রামিক হইতে না পারে তক্ষরত ওয়েষ্ট ইণ্ডিক্ষে একটি ।টেশন স্থাপন করা আবশুক এই অভিন্যায়ত সংখ্যানে ৰাজ क्या क्रेप्राटक।

#### ८ व्यात मुख्य वीदात कीर्घ সম্বরণের উচ্চম

कशिकाका इरेडक व्यक्तान एव रमन्द्रीन শুইবিং ক্লাবের তত্মবণানে ভেছবার পুকুরে শুকুমার ভড় দীর্ঘকাল সম্ভরণ कतिया दाक्छ प्राचिद्यन विश्वया भारतासन **চলিভেছে। जा**गामी **५३ जाग**डे नकत ৬ ঘটকার ইনি সম্ভরণ আরম্ভ করিবেন তুকুষার বর্তমানে শ্রীবৃত এস, পালের **लिकानीत्र लिका अश्य कतिएटएक।** 

#### সিদ্ধান্তবাগমারার ভীবণ চুরি

গত ১৯শে জুলাই ব্লাফ্রে সিদ্ধান্ত-সাগমারা প্রামের রহিম সেবের সাড়ীতে कीयम हुर्त्त बहेबाट्छ । २ हि ध्यकाश्च मिन कारिया घटत ट्यायम कतिया यक ध्यक्ति কাঠের বাক্স ভান্দিরা চারিশত টাকা मन्म द्वर व्यानक ठाकात्र मणिन, माथिना হিদাবের কাগল ইভালি চোলেয়া শক্তি মিলিবে অসংখ্য মুক **ক্ষকেল লেখাল, কাই**লা গিলাছে ২১শে জুলাই পুলিস ভলস্ত इहेग। ट्रांसिय (कान्छ मद्भान भाष्या

#### অগ্নিকাণ্ডে লোচনীয় নৃত্যু

निष्ठेत्वार्ता, जीवन अधिकारश्चत्र करन चान्त्रहीना वाशिकारम्ब चान्रम्धि चत्रीकृष क्रेबारका ज नवान ०० करनत मुक् इदेशारक, २० कनटक चुँ किया शास्त्रा गाहेरछर मा विवाद > • जनरम मध व्यवसाय वाक्याचारम नाज्ञान व्हेनारक। बाहारमञ्ज मुखा हहेबादम् फाटारमञ रमव-छनि वद इहेबा ध्यनहे विक्रुष्ठ भाकात ধারণ করিবাছে বে, কেবিরা কোন্টা काशात्र मुख्याद छाहा बंधियात्र छेनात्र

আলমের ভশ্বাবধায়ক সন্মাসিদীগণ व्यवक रावहे जन्मांका त्रवादेशास्त्र । विश्व जासम्यागीतिशय केवात कविया

সহু করিতে না পারিষা উপর হইতে লাফাইরা লীতে পভিরাছিল। যাহাদিগকে पुषिश्वा পाउग यात्र नाहे-छाहारवज्र छ मृक्रु इहेनार्ड विश्वा यटम रूप्त ।

#### ছোরার আঘ ভে আগতুলের মৃত্যু

শনিবার প্রাচত শ্রীরামপুরে এক <u>নোকানে আবেরুল আজিজ ও আর ছই</u> कन मूनकमादनद मरश विवास्त्र करण আবিছল ভোৱার বারা আহত হয়। তৎ-कनार अग्रामभ हामभाउत्ताम गाम दरः ৌছিৰামাত্ৰ মৃত্যমুখে পতিত হয়। আবিগুলের বয়স অমুমান ৩০ বৎসর।

পুলিশ ঐ সংবাদ পাইয়া তৎক্ষণাৎ धरेनाप्टल यात्र ध्वः केळ भूनुणमानवत्रक क्षांचाच करत्।

রেসিডেণ্ট সাক্ষন ডা: হয়েন্ত নাপ বাগচী শ্ৰধাৰক্ষেদ ক্ষরেন। ভিনি বংশন त्य. अविशिष्ठ किम्राजित करेगा वा अम्राज मृङ्ग

#### ८ ज्ञोन भवर्षका केत मुख्य विधास

८०•!म (स्टान्स ८०शाम**माटमञ** नमह त्राक्षण्डी भरगत्र (गारकत्रा वारकत्र वारन Cबाछ कृषि कविवाहिन। इश्वीमशटक संभ क्तिनात कम्र वर्षमान गवर्गमण्डे अक विशान कात्री कतिवाद्यम । जाहाः ज वना दहेवाद्य (य, व्यादक्त शमक ट्याटिस केलन "अन-ভাষিক স্পেন" এই ছাপা মারিয়া লইভে ছইবে। গেপ্টেম্ব মোসের ৯ই ভারিব পাৰ্যন্ত বিভিন্ন ব্যাহ্বের কর্তৃপক্ষ নোট भाहेरम ध्रहे छान मातिया क्यार मिर्यम ; কিন্তু ভালাপ পর জার একপ ছাপা (१ ७ यात्र भव शाकिस्त ना। (य बाटेंग देशव डेनद्वास काना शांकरव मा--काश २०१न म्पल्डियरकेव शक्त आज नमस्ति कार्यामसम्बद्ध गृहीक स्हेट्य ना ।

#### शतम महस्मादमम श्रीकाय

লওন সংখ্যনের প্রভাব কালো পত্নিণত কলিয়া স্থাপ্তাপ্তিকে আসম বিপদ ক্টতে উদ্ধান করিবার অঞ্চ নিযুক্ত বিশেষক কমিটার বৈঠক আরম্ভ ধ্রমানে। साम, जानाम, जार्चाने, द्यमित्राम, व्यास्मित्रम । व व्यानात्मक करप्रकलन चिरणमञ्ज ८ दे कविशित्र मनक এবং নাম এক, লীগ মণ সভাপতি · 路到27個有

मध्य मध्यम् निकारसम् कथा জাপন করিয়া সিঃ খ্যাক্ভোনাক্ত বাসেলের जावकाष्टिक बारदा वर्जुनरका निकड़

পুর চেটা হইছাছিল; ভাষালি অলেজের এক ভার করিয়াছিলেন। ব্যাধের কর্তুপক मृठ्रा इहेगाट्ड दक्ष दक्ष चा कामन केवान हे हान कार्नित बीकाब कनिया बानाहेगाट्डम, সংখ্যানের সিখান্ত অনুসারে কাল করিবার कन्न डोहोन्ना क्याम कि एहते। कतिर्वन ।

#### বিদেশী ব্যাব্যবসায়ে মুস্পুমান PATE

ভারতের মুসলমান বস্ত্র বানসাধী এবং महाकाशहरतम् वत्र উৎभागनकामिन्यन मटः। व्यानान-धाषाद्यत्र वावदा कत्रिवाध অস্ত বিশ্লীতে একটি লিমিটেড কেম্পানী পঠিত হইডেছে. এই সংবাদ প্ৰাষ্ট্ৰ ধৰায় **পর শওদের কোনও মস্চিতার ইব্যে** गाटक्य--- नाक्षाट्यप्र व्यावस्थाते मध्यमाद्वय **एक हहेटड चात्र ८वजे कीरम्य क्या** खहात कतिहारस्म । देशाल वना स्टेशास्ट. <u> १ मुर्गत व्यक्ते व्यक्तामन शहक कविवात</u> क्ष अपः देःत्रोक ७ मूनगमारम् मरमः ন্ত্যোগিতা বুদ্ধির 😻 পালাবের व्यास्त्रभीका मत्त्रामारका शक स्ट्रेटफ धक्की विष्मित यह गावनाबी टाक्टिंग गठेन कहा **১**ইবে। ভারতের অভাত্তরে অব্দিত বিভিন্ন কেন্দ্রে এই ফোম্পানীয় শাগা व्यक्तिक किया विमाली कात्र विकास गामका कता ६६८व ।

#### व्यविभिन्नियात्र कुष्टमामञ्जूषा निर्मम

ত্রবিশিনিষার সামস্থ অপা তথ্যও था5 शिक चार्ड, **८३ वनड स्मा**ठसम्बद्ध कक मञाके सामध्यकाति विद्यम मध्याम सहेशा-

गण्डा गाम्य ख्या निस्त्रीय खाः व्यक्ति करियानीतिनटक व्यक्ति सांस्थ्य অস্ত একটা গমিতি আছে। সেই শ্ৰিভির নিষ্ট এবিলিনিয়ার সমটে মাণভেকারি लिश्वितारहरू, बाहेशस्थ्यम् अवक स्वेदार সময় যে প্রতিক্রতি বেওরা হইরাছিল, তাহার মশাস্থ্যায়ে ভিনি এবিশিনিয়া हरेए कीएगांग कथा पूर कतिए वक পু<del>ত্রিকর হাই</del>য়াহেন।

#### शामकृत दशनात्र कःदशन PRINCES MAN

बाक्का सहेटक टाकाम (व, मानकूम দেলা কংগ্ৰেস কমিটায় সন্তাপতি শ্ৰীযুক নিবারণ চন্দ্র লাগভণ্ড, জীবুভালাবণ্যপ্রতা বোৰ, বাগভী বেৰী, উলিলা বোৰ এবং ব্যস্ত্রার প্রাপুঞ্চ ক্ষণভূত্ত করে স্কৃতি-**国外中部科学、中部科学 中国的第一年中间** क्षमध्य नाक्षित बहेगाऽस्य ।



টেলি ক্ষত্ত্ত্ত্ত্

\*\*\*\*\*\*\*\* \*13

প্রাক্তবারে বাড কাজ ১, বাড কলম ৬, বাড কলম ৩৪০

- গ্ৰেপ শ

A STEPPEN

সাল বোর হার

কান্তিম কেয়

বাধিক ন

নাশ্মাবিক ৫

কোমাসিক ২৮০

মাসিক ১

লগদ
প্রতি সংখ্যা /০

ভারতের সর্কতা বছল-প্রচার—দদীয়া ভেলার এক মাত্র মুখপত্র

68 40 ]

সম্পাদক—শ্রীঅতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি [১২ ৭তম সংখ্যা

শ্রীটেডরামঠ শ্রীগাম মায়াপুর—১৫ই শ্রেবণ ও ক্রবার, ১৩০৮, ৩১শে ভুলাই ১৯৩১

### নান: কথা

### बदीया दुक्का यक्ति। मध्यजनी

নদীয়া ভেলা মহিলা স্থিলনীতে যে'গ দিবর ক্যু বে সকল প্রতিনিধি ও দশক হিলেন হইডে মাসিবেন, উহাহারা নিজে-দের বানহারার্থ অন্তগ্রহ পূর্বক বিভানা ও মশারি সঙ্গে আনিবেন। টোশনে স্বানা খেছাগেবক উপস্থিত গাকিবে। দশক ও প্রতিনিধিগণের অভ্যর্থনার জ্ঞা ব্যাস্থ্যব্যাব্যা ক্রা চ্ট্যাডে।

#### নদীয়া ভেলা পাঠাগার সংগ্রলন প্রথম অধিবেশন

न्दिन्द्र निर्देशन,

নদীয়া ক্লেগর লাইবেরী গুলির উন্নতি-সাধন, জনসাধারণের মনে পাঠাহরাণ বছন ও লাইবেরীর সাহাব্যে দনশিক্ষার জাকিওর বিস্তার সাধন উদ্দেশ্তে নদীয়া কেলার কেটা গ্রন্থানার পরিষৎ প্রতিটা করা প্রযোজন। ওতিচনেতে আগানী ২রা আগাই ছবিবার অপরাহ ছই ঘটাকার সমর ক্লেনগর টাউন হলে নদীয়া কেলা পাঠাগার সক্ষেত্রের প্রথম অধিবেশন হবে। গ্রন্থানার প্রথম স্বাধনিক প্রথম করিবেন। আপনালের উপত্তি

শ্রীয় গ্রহান্য পরিষদের সম্পাদক বিকৃত ইশীসকুষার খোব বি. এল, মাহশর ছার্মাচিত্রখোগে 'লাইজেয়ী আন্দোলন'

## নদীয়া জেলা মহিলা সম্মিলনী

নদীয়া জেলা পাঠাগার সম্মেলন প্রথম অধিবেশন

## নদীয়া জেলায় গো মড়ক

মহীশুর রাজপরিবারের স্বর্ণধনি পরিদর্শন

## মাহীগঞ্জ ডাকাতির জের

চলম্ভ টেণে দৈনিক কর্মচারী আক্রন্তে

## লাটের দপ্তরখানায় রী

দিরাজগঞ্জ জেলে রৈ রৈ কাণ্ড

## বিধবা বিবাহ

বিষ দেবনৈ যুবকের আত্মহত্যা

সধক্ষে বকুতা করিবেন।

বিনী ড—

শ্রীইন্দুত্বণ ভাছড়ী সভাপতি, অভার্থনা সমিতি ক্ষণনগর (নদীয়া) ২২শে জুলাই, ১৯০১

মদীয়া কেলার বেগাম্ভক অভ প্রায় ২০ ২২ দিন হইতে নদীয়া কেলার অন্তর্গত বলালদিখী, জীযারাপুর

ও ভার-ইডালা প্রাকৃতি প্রাম সমূহে প্রতিদিন ক্ষমেক কো দ্বিল, ব্যক্তরের মারা বাইতেছে। ইরাতে ক্রক্রের মাতাও কতি হইতেছে এবং উপরুক্ত চিকিৎুনা আইতেছে। মৃত্যুসংখ্যা দিন দিন বাড়িয়া বাইতেছে। মৃত্যুসংখ্যা দিন দিন বাড়িয়া বাইতেছে। মৃত্যুগ এ সহজে ইউনিয়ন বোডের কর্তৃপ্রকাণ এ বিষয়ে অন্ত্যুহপূর্বক দৃষ্টি প্রাণাল করিলৈ সাবারকেই বিশেষ উপকার হুইকে।

#### মহীশুর রাজ পরিবারের অর্থথনি প্রিজ্পনি

উনগাঁও ইটতে প্রকাশ যে মহীশৃংগর

যুবরাত এবং টাতার পুতা কুমার ভ্রচমরা
ভ্রমাদীয়র এবং মহীশৃর রাজ পরিবারের
ক্তিপর ব্যক্তি ২৮শে জুলাই কোশার
স্থাপনি পরিদশন করিয়াছেন। থানির
স্থারটেডেণ্ট ভাহাদিগকে ভুগভান্ত
চহারিশেৎ গ্রেব লইয়া গিয়াছিলেন।

#### মাহীগঞ্জ ভাকাতির জের

রকরে হইতে প্রকাশ যে মাহীশঞ্জ নিবাসী শ্রীণুত পরেশচক চৌধুরা ও শ্রীণুত শচীক্ষনাথ বস্তু ও পার্থ-জী আমের ক্ষণার ব বাজিকে কেংতোগালী পুলিস কোতোলালী থানার এলাকনীন মাহীগঞ্জের শ্রীণুত পর্মানন্দ মোহান্ত নামক জনৈক সক্ষ্তিপন্ন মহাজনের বাড়ীতে গভার নিবীণে ডাকাভি সম্পাকে গ্রেপ্তার করে।

ধৃত ব্যক্তিদিশের মণ্যে ত্রীভূত প্রেশ-চক্স চৌধুরীকে প্রমাণাভাবে ছাড়িয়া দেওগা হয়। অধ্র ব্যক্তিদিগকে প্রফিল ভদস্ত শেষ না ২ওরা প্রস্তুত্তিলের হেলাক্তে পাকিবার নিক্ষেশ দেওয়া হইয়াছে।

#### मक्ता काहरन मण

হারলাবার ( সিজু ) সদা আইনের বলে ওটি মামলার বিচার হইয়া বিষাছে একটী মামলার বর ও ভাহার পিডার ২০ টাকা হুরিমানা হইয়াছে। আর বে ব্রাহ্মণ ক্রিয়াছিলেন, ভাহারও ১০ হুরিমানা ইইয়াছে।

THE STATE OF THE

## বিশ্ববৈষ্ণবরাজসভার পরিব্রাজকগণ

পরিব্রাজকগণের নার্ম	বৰ্ডমান ঠিকাৰা	্ পদ্ভিত্তাজকগণের শাম	বর্ত্তমান টিকানা
১। শ্রীল ভক্তিপ্রদীপ ভীর্ম । শ্রীভক্তিবিবেক ভারক্ষী ৩। শ্রীভক্তিবিজ্ঞান আঞ্জম ৪। শ্রীভক্তিপ্রকাশ অরণ্ট ৫। শ্রীভক্তিদ্বর বন ৬। শ্রীভক্তিদর্বন্ধ গরি ৭। শ্রীভক্তিদর্বন্ধ সাগর	শ্রীকারাপুর ক্লিটক শ্লীকারাপুর ক্লিটক শান্তাম্ব শান্তাম শান্তাম ক্লিকাতা	"  ১০। গ্রীভজিন্মপ পুরী  ১০। গ্রীভজিন্মপ পর্কত  ১০। গ্রীভজিনবিলাস প্রজাতনেমি  ১১। গ্রীভজিনম্পন ভাজিলার  ১২। গ্রীভজিন্মপন গ্রীণর  ১৩। গ্রীভজিন্মপন (গ্রোভী  ১৪। শ্রীভজিন্মপন বোধায়ন	कडेक भूती कनिकाका माख्य माख्य भीमाग्राभूत भूती "

## শুদ্ধভাক্তমসসমূহ

#### তভন্ম মঠ

#### আকর মররাজ

बाहीन नवशीन, फाक्षत ध्रिशम मात्राभुत, नतीश

· ध्रे प्रदेशास भारपार्थिक देविकम्बक, मास्क-न्यामाध्येत व्यक्षामाध्ये अधानीत अध्याणि -श्राहर व्याहर व 'नशीया-श्राकःम' यथायत शारुष्ठिक व्येषाटकन त्यांकवरम्ब विभाम-लिक्कमाष्ठकंत व क्रमानिक क्रकलाविक कीर्यन श्रामाल মতামতোৎসবাদি ভকার মানুষ্টিত চটরা পাকে। রক্ষত-এম্বতারী প্রীপাদ নরভরিশী। সভকারী-- ত্রীপাল বিলোপবিশারী একটারী, পশুভ ত্রীপাল পৌরদাস একটারী कावाबाकत्रण होर्ब. जीलाव की ८० व अवकाबी, जीलाव वन्यरणालाल अवकाती, जीवध-भग्न अफ्रहारी, अभ्यारतातान अफ्रहारी, कक नारक, ब्रिक्स, द्वनशैरभावन अपूर्ण।

#### ; ৩ ) যে। গপীঠ জীবন্দির

বদক-লোক বাগাৰল গোপামী कहाराम। अन् व्यक्तिमास्य । महकारी क्रिनिकानम अवनात्री, वैद्यागवित्नाम कांककृष्य, द्यीरायमान अव्यक्ताती । व्यामायन भाग व्यक्तिकाती, त्यत्रव्यका व्यक्तीसमाय ।

- ( ८ ) 🗐 वाज-जान রক্ষ 🕶 🕮 গুড়া হকু প্রম ব্রহ্ম হারী।
- (१) कदेष छ-छवन रक क- श्रेश्वरेश शामानिकादी. 🕮: ताकृतमाम वावःकी ।
- (७) काष्ट्रीत गम(वि गःह व्यःहीन मांशाणुत, यामनणुकुत (मणीका) उक्क-विकारी शैविदमार्गिकारी।
- ( १ ) चामच खूबर-कु প্রিগোজন, স্বরূপগঞ্জ ( নদীরা ) कुक्कारास्त्रको दश. ध्वम. ध्वम ।
  - (৮ खिल्माथ दर्भा होत्र मर्ठ ขของโหร 6 1

नःहो. क्रिकेकम व्यवस्थि ।

- (>) औदगोत्र-भणायस-मर्क চাপালটী, সমূত্রগড়, ( বস্কমান ) Belavein ein :
  - ( ) क्षित्रग्रदर्शकोश्व-मर्ड बादानक. अधान केंद्रे, नि क्ष्म म--- विगर्द्ध प्रवासी।

#### ( ११ ) जी . बाम्यक्रमहा

याउँगाकि, काश्रग्रह, नक्ष्मान। उक्क--- अवक्षिणां अववागी. अक क्रीनवामस ।

( ) १ ) कांशन ह आरंगन

ची काश्यक (टाँग, क्रुफ्कमश्रद्ध, महीशा। वक्क-- श्रेक्कानम वक्कारी क्रिमात्री

८४०) अधिकाम्रम मर्ठ

(शाविक्युव, द्रायुवानी, नकीवा। उक्क---- व्येष्ठमानम् उक्कावी । सर्गाने ची-क्रमिश्व अक्षत्राती. खीवभागीव नाग অনিকারী, ডক্ত বিশ্বনাণ।

( ১৪ ) ज्ञियाध्य दशोकी स. मर्क

aoat बवावश्व (बाक् , छाणा ! ञ्चेभाष क्क म-- छैवाश्वरत अपनाती, ৰক্ত—ভত্তিকুত্বন ভাজায় প্ৰজ্ঞানী অন্দ্ৰানন্দ প্ৰবিভাবিনোধানি-ৰ, শ্ৰীনণ-(श्रीताम जन्महाती, क्रेपिक्षभावन कका

( ১৫ ) किटमानामणी मर्ड

क्षमां भूष, सामा। क्कम-जिल्लानशान अपनानी

- (३७) क्षित्रवार्थे-दर्भी नव वर्ड
- वक्क-- श्रेपुर्व श्रक श्रकाती, श्रेप्रकाश বস্থগরী
- (১৭: खिलाभवक्रमनामन्त्र मर्ड क्रिम्मिना, वाश्रायवश्रम, व्यक्तिमीश्रम। क्षारम श्रीकम-त्रोधक-नावर्षिण-विशिवातीक निकारणया वर्षमान । प्रकर---अवस्था किन्त्रशान्त्रामणी।

### ( ) बींदगोजी व मर्ठ

১७ मः कालिकामान ठळावको हैकि. लाध वाधवाबाव, कलिका हा । .हित्तिकान १४. वि. ४५५६

মঠরক্ষ ক-- আংবারিক জীপার কুম্ববিচারী বিশ্বাকৃষ্ণ। সহকারী-প্রতিভ স্ত্রীপার অন্তর্গত্তের পর্বিভাত্তরণ বি-এ, লীপার বাসবিতারী ব্রহ্মারী, স্ত্রীপার क्रमण्डातम पामानिकावी नि-व. जीनाव क्ष्यामान कामानिकावी, अक्षतावी जीकी हैंना नक, अवनाती शीलाशी(मानन, अवनात्री श्रीमशनक, गांधक श्रीलाह नवीनक्क लहरिक्का-गहात जिल्लाकी मध्यमाहरेव छवाताया, ज्ञायबब्धानमामाधिकाती वि- ०. ज्ञाजनबह्मातिक वकाती वि-क्षा, अध्युषम नारकावित, अतिश्वष्ठत अक्षाती, अध्युषतातिक ব্ৰহ্মগায়ী প্ৰস্তৃতি।

(১৮) ভাষলাবোডা এপছাশ্রম ब्राक्ष्यीम (भाः ग्रह्मान ।

वृक्क--अवनामी बीर्गाहिक्टमाद।

(১৯) औश्रक्तरवासन मर्ज यगेकार, गुरी, केव्हिमा।

प्रक्रम -- अभागाती अभागमानमा विमाधिक. उष्रठाडी अभियोगमण, टीलरवणाञ्चन अक्षताही, श्रीमामनातम्य अक्षताही, श्रीनिमान हब्र बिकारी, औत्यानिमि नछ।।

- (२०) खैजन-द्रभाजीत मर्ठ व्यानवत्रमायः अव्यक्तिति त्याः, भूती । क्षक---अक्षाता क्षेत्रवास्यकी आशामकी। महकात्री--अञ्चलांबी जीविनिनिनिहाती।
- (८১) क्रेजिक्सामण गठ dimateimia, wos: बुक्क-अक्षाती खोनशर्थ, खोबागगर वक्राधी ।
- (२२) जिनमाजन-भाषीय मर्क अनः कशकायनगुरा, कानी I वक्रक- अव्यक्ति कृष्टभ्यत्रको, निकारेगांग उपहाती, खीलकानन अक्यामी ।
  - (३७) जैक्करेडवक मर्ड जीवृतिश्वमान कृष्ण, खीनाम बुन्मायन । क्षण - जैनगर्किनाय अवना वी
    - (१८) बिलजनसरम मर्ठ

देशियांश्याः मीडायुष्ट क्ष्म - अष्टाती क्षेत्र निरद्यानम् व अष्टाती जीनसङ्गाम ।

- (२०) औरेड्डब्बरगोडी व वर्ड कृष्त्रकु छ।, क्रिक्ट कः, वानक्षय । वक्क--- जीवमानाव वाव. जीवाम नीर्च ८क्षत्रवृद्धिशः
- (२७) न्यामदभोकोस वर्छ वक्क-- अक्राही अञ्चलनामा, जीननी-গোপাল ব্ৰহ্মানী
- (२०) जामग्राण अर्थाअव-वर् अक्षिण्याचा. ८७१३ मास. मात्रका

बागारन वक कुवभूषि औरमाबारकत दमया वस्यान। वक्त---अववागी श्रीजानकृष-

- (२৮) विज्ञो दशोष्टीय यठ-कार्यराज्य बन्द लाभी भगन फाकाब त्यन, निके विही। वयर-व्यवनारी विनीतकृष, लोक्नरन्यत क्रीवा बाह्य ग्रह ब्रम्म छन
- (२**>) ८ना जाल शांक:- अश्रक्ताळा**ण उक्क-अकात्री स्त्रीवाशास्त्रक
- (७०) माखाबदशीकीय मठ गर्व (भाषामपुरम्, कार्यक्षः न, म छ ब वक्तक--- विश्विषायी 🕮 १६ क्वल्य वन সৰারাক্ষা সৰকার — অপ্রিস্থামী 🕮 দ 🕮 इकि अन किमान, जिन क्यांगी **औ उक्तिवर्णन औरव मनावाद, श्रीनार** वश्वामम अववागी. अश्रेष (प्रकीतका ত্রস্করারী, জী বাধশিক্ষমান ক্রমচারী ওবিদ-भाक्षी ७ श्रीनाम दशोब धनामम् अमहाती।
  - (७) वावमदगानाम लाहे . कांठानश्रान, हाक्या, म्यीका awa-ampial Acamatan

THE RESERVE OF THE PARTY OF THE



यक्षेत्र स

२ ज्योगत्र (भोतास ८८१, ১० दे ज्यावन नक्राच ১००৮, ०) जूना हे है: ১৯०১ छक्कवात

559 **इस स**ध्या

## সাময়িক সন্দেশ রবিধার ১০ই জ্ঞানেল (১৩৩৮)

সন্ধার প্রাক্তালে প্রমারাধ্য প্রভূপদ क्षी ककि विकास करान श्रामातित कें°त हैल-বেশন করি । আছেন। পণ্ডিতবর জীপাল অনন্তৰান্ত্ৰেৰ প্ৰবিচ্চান্ত্ৰণ প্ৰাভূ, বিদ্ভি স্বাদী শ্রীনদ্ ভক্তিপ্রদীপ ভীগ নহারাজ, গ্রিণডিখামী খ্রীনদ্ ভব্তিবিজ্ঞান আখন महाताज, जनमत्रशाख भाजनीयार्छे छ। त्यारशक्तक मत्थाधानात, जीवृत्त द्रशानाथ ভটাচাণ্য গোখানী, খ্রীয়ত অতীক্সিল ভক্তি-खगाकत, कामाना। कत्र । है एवं। गामिक शिव्छ শ্রীপাদ গৌরদাস রন্ধবর্ত্তা উনদেশক প্রভৃতি ভাজবুন্দ প্রাভূপাদ-সমীপে উপবিষ্ঠ।

हीए इ क कि ख्याकत क्षाप्त निर्मन,---त्शाचामी अङ्ग्र भूव अङ्ग्र अध्या किह इत्रिक्था अन्य कतिए किनाव करतम । अक्ड कुनावीक्निधिय खाळुलाम श्रीमन्-कांभवट्याकः ''मत्रद्यमास्मातः यम्बकारेश्व कष्मकशम्। नष्वविजीतः अतिहेः देवनरेगाकः थारशसनम् ॥"-- शहे स्थाकि मीर्घ २ चर्छ।-कान यावर वर्गाभा करत्रन।

केल (आदकत मत्या द्य मसक, मिकित्यम ও প্রায়োজন-বিশিধ তত্ত্ব বণিত আছে. ভাছা প্রভূপাদ বিশ্বারিচভাবে ব্যাপা করিয়া সনবেত প্রোচুগণকে পুঝারপুমকপে बुवाहेबा ८वन ।

"বশ্বশিতীয়ং" শব্দে বিভীয়রহিত অসম-कान अध्यसनमन् अक्षणां करतः। करतः। ভিনি প্রীমদ্ভাগবতের প্রতিপায় বস্তু।

শ্রীক্ষেত্র বিবিধ অবভার দ্বর। তাছেব । মন্য, আছে স্পত্র কীঠিত হুইছাছে। শ্রীক্ষেত্র অদিতা থের হালি হয় না। কিন্তু শকরে । বিশৃত্ব — অভিবের বা উপা।। धारा वर्षाया के तिराहण्य हर, छ। इन व्यान क्याविकाम नह । एकान चौकात कतिल এইকপ ভাহার পুর্বভার হানি হয়। বিচার লগায়ক।

মূল সঞ্চণ্ড, বিনি গোলোকে আন্তি চতুর্বাহে অবস্থিত, ভিনি জীকনেলর স্মতির প্রকাশ। তাহানট বিংবদ মহাস্ক্রণের कानरवामभागै मधारिकृतर्थ कचा शटकामभाग । মহাবিষ্ণু ও কারোদশারী বিষ্ণু ৷ এই ত্রিবিদ পুক্ষাবিতারই জগতের কাবণ।

যেমন এক দ্বীপ চইতে বচ প্রার্থি প্রজ্ঞাত হইলেও মূগ প্রদীপের কোন কাঁত इंग्र नाः, ततः, मकन आमील मगानत्य বিশিষ্ট চটায়া অবস্থান করে, ভারাব অংশা ও व्यर्भशस्त्र निहास ।

শ্রীভগবান-জিন্তাশক্তিমান। স্বভরাং ভাঁচার বছরণে প্রকাশের অদিতীগরের ম। পুর্ণতার হানি হব না। 🛎 তির ' পুর্ণমদঃ পূর্ণমিদ," লোক এস্থলে সালোগ।

শ্রীমধাণার -- সক্রেলান্তসার । তজ্জকুই গ্রুভূপুনাণ ইহাকে 'ব্রহ্মসূত্রের ভাষ্য'-**क्र**ण वर्णन कतिशां हन।

শ্রীক্রীকে নিগার বিষয়ই ইহাতে আদি,

''কৈবলৈয়ক প্রয়োজনম'' প্রে একমাত্র কৈবলাই জাবের ত,য়োজনরণে ধনিত इष्टेशास्त्र (देकतका<sup>\*</sup> मास मुख्यि मट्ड, ब्रीम कीनत्यायाभियान अभ्यत्रक्छ निकाम বিশিষ্ডভেন,---কৈবস্থাকে প্রোক্তি ্ৰৈছৰ অধাৎ মোকঃদিকাননার্ভিভ প্রেন- ' লকণা ভাজা ভ্রাতীত জংবের অঞ্জলন অংশ -- প্রথম পুরুষার তার সংগ্রিষ্ট । এই প্রয়োজন নাই বং পাকিছে পারে না। ক্রঞ্জ-্রেম বাঙাত অকা বস্তুর প্রায়েকনীয়তা ক্ষণিক, ভাংকালিক ও নখন।

> बाह्यक इटेटर्ट निकथ भ्रताप-माठात ২৮লে দ্রুপাই ভারিপের হারে প্রকাশ,---মান্ত্ৰাঞ্জ গোড়া ২২৫ক এদেও ভূমিটা প্ৰচলিত প্রথাক্তসারে গাভকন্য যনানীতি দ্যক করা হুইয়াছে। ভুনিনাত্যকে ধরুবাদ প্রাদান ও মানবজীবনের ক'তব্যস্থপ্তে উপদেশ করা হইয়াছিল। বহু শিকিত ও সম্ভ दाकि नश्वभक्षीक्षत त्यागमान कति।-किरणम् । मध्तमः भी श्रम् मन्तितत्त्त्तः हरुष्यात्त्र त्रतारभोज काकेरताफ, रामात्रकात के है जिला পরিভ্রমণ করতে ময়লাপুর লক্ত, চার্কেরোড সমাগত সকলকেই মহাপ্রসাদ বিতরণ করা হর।

আগত্ত শুক্রবাত্তে কলিকভায় পৌছিলেন। 🖟 শর্মাবিনে 🕫

गांक २ता चातन, हे१ bb **ज्या**हि समितार ५३:७ कडेह सी। छरानस घर ठे वार्षिक महामद्दारमन आहु इडेग्राइ। প্রভাগ উনার উনাকীর্ত্তন, সন্ধ্যার আরাত্রিক की छन. क्षेत्रशासक भाव । 9 इटे.जि.७। श्राक्ट महरतन श्वामाञ्च भिक्ति । भूगाः भागवान्य । जनः भिक्तावन्यः গুপাসময়ে শ্রীনতে উপস্থিত চইনা গ্রিদাঞ্জানী जीगद्दक्तिरितक ভातजी मधातारक्रव मृत्य 🖺 প্রকুপারপ্রাম্র ত ভি**জি**শিক'ভূসৰ্গিত অপুন ভাগৰতবাণী প্রনণ করিতেছেন।

दशास्त्रत व्याभात धहे नित्त्र इशास्त्रानुत ভোশিগণ ক্ষণসেশার উপকরণসমূহে ভোগবুলিবশক: যে আয়ে**ল**িত বর্ণ কবিবাছে, তাহা ভাবিবার, বুঝিবার এবং ८एशियात (लांक (लांडडे नांडे। आस्त्रत নেবাৰ দেনৰ সকল অ ট বিপথে গমন कविशा नाम बाड करत, उत्रनि (जाताक क्षीतशरशंद रमन्।य मकरणहे **क्षा**का ছগবানের মেকাণ্ড ইইডে বিচ্ছাত হয়ী দূবে সরি । আহানিনাশের স্কুয়োগ লাভ করিছেছে।

এফেন ভাগাসীন কাজিগণকে পরম রয়াণেটা ৰাজার রোড, লং ড্স্ রোড, সলল প্রদানধারা সৌভাগলেন করিবার **ब्री**क्रसरे ज्ञान निवचन क्रीन প্রভূপাদ সমাত্র স্থান কাবন মহোবসবের----সাইত্রেজ রোড দিলা গমন করিলাছিল। ' সেবা মলোৎসবের আধ্যেক্ষন করিতেছেন। অভাপর নূতন কানে আগমন করে । তথার , আচাধ্যের এই আচরণ মনাচারিগণ না ব্বিশেষ ভাগারই সংগার করণায় শ্রন্ধানু कम न 'भारतमात अभनाता वृथिहरू ত্রিদ্ভিশ্বামী শ্রীমন্ত্রন মহারাজ শ্রীমুভ পারি । অনাচার ছাড়িয়া সদাচারপালনে রুভ জীমদভাগৰত জীক্ষণনিষ্ঠ। অৰ্থাৎ শঙ্কনালায়ৰ আধাধেনৰ সহিত আগামী ২বা পাকিলে ভদাস্থতভা আচাণ্য হুইতে

পিতৃ:জাহা পাডকীর জন্ম জন্ম ভাপ 😜

"ৰগভের পিড। কৃষ্ণ বে ন। ডজে বাপ



अंतिकात ।

### नीलाहरल बीद्रथ-याज।

উত্তাল :রগুনার্যে কেণপুঞ্চশোহিত স্থনীল নভোদনি-কভ্ক পাদদেশ চুদিত হইলা মহান বিশ্বুক্ষেত্র জীলীলাচলধাম ভাজগণের চির্নেধনাঞ্জে অনাদিকাল হইতে প্রাকটিত সাছেন। এই বিশাল কেনের अशाक्क देवक्ष्यमेनस्य चार अपृत्तः ভাগ, শুধাক্, নারিকেল ও মার্ডন্যাদি ক্রের মাক্র নীলিমা, অর্থাণ রত্তাকরের স্তুত্ৰসঙ্গীত, সমুদ্রশাকরসিক 7457 मात उद्यादन व व विद्या नासन स्थी. সধ্যোপরি উন্মুক্ত নীলাকাশভালে পুরুষে,তুন **ভ্রিক্সরাপ্রেন্**র গ্রামক্পরী টুগ্রাট্ট্র বিরটি ত্রীমন্দির প্রথম দশনেই অভজ জনরেও বেন কিএক অন্তভুতপুল প্রমা-বিউভার সঞ্চার করে।

প্রেমিক ভ্রের সময়ত প্রভাগহার প্রহণ করিবার ভক্ত এবং পালী, তালী প্রতিত তাত বিশ্বমানবকে দশনবানে উদ্ধান্থ গোলোকবিহারী ইন্তুক্বিনাগ বল্পের প্রভু ও স্কৃত্যা ভবিনীর সহিত শ্রীমন্দিরের রয়েনেগাতে স্বপ্রান আছেন।

বংসরের ধানশন্সেই শ্রীনীলাচণ-চল্লের বহু বহু দিবা উৎস্ব অনুষ্ঠিত হুইয়া থাকে: নিভ্যোংস্বন্য ভগব্ধক্ত ন্ব ন্বন্ধুয়ে সভ্তই প্রক্ষ্বর।

नन दत्रयात পुष्ट भ्रिय यथन श्रीनाम সেবার তক্ত বর্ধগোতাত নীলেম ধ্রুলা ধারণ করে, অংগ্রারত অস্থেখন হামল যানে আরোহণ করিয়া দিও বালেকার। বপন প্রকণ্ডীর মেঘের মান্য বাছটেল সুখা करिएड शांक, ध्या-अवश्रद्धत विश्वश्रातात्र इमेब्रांट ६व्हा क्रिक्ट धार्यान्यतः स्थानान কান্ত্র গ্রন হাছার ২,২)র শুক্রার ব্রী, ম্লতী ও নীগ্রুজম ফুটিলে উঠে, - হারকেশ্-সজ্জার সজ্জিত ভগন যেন <u>জ্ঞিপোৰৰ পিৰক্ৰামনানত ক্রম্মন্তর্গিত</u> क्षीतुन्तातुरशात (कामर्थ (शक्ति) मर्गरमत कष्ट्र काक्रोमधुनाथि। अनिमास्तरथ ऐक्रिन बुक्तानमध्य स्वकताइलाइन्यूल आवक यात्रा ক্রান : অগ্রেজ অন্ত্রের চল্লার ও স্লেচের अपूक्त जनी अरक्षां उद्दे निक्रमाधात অস্ত্রসম কারণ আহাবর প্রাচে সদম कतित्र शाक्तः। महत्यारांन बिह्नारिशित ট্রী,ব্রহন্বযুবসকের অপরেড ডিল্লীলারসমা বিতা বিশ্বনান: তথাণ সদস্ভ ইঞ্জানর अक्षिक प्रज्ञ तक करमन में ये दित के से बन्ध कड़ेशा नामिल बाहाकराम जुमाराजद शिक ক্ষান্ত ব্ৰথমেণ্ডাৰ ধানা ক'ব্যাছেক,—'অংখ্ৰ द्रष्टाराङ्गमञ्जन द्वीर हरति द्वीत्रश्याद्यारक **अकेन्द्र नहांगा के ४ टिन्स** ।

ভক্তবংসন আঁচিচরির কি পতিতপাবনী দীর্ঘাপথ বহন কবিচা সেবার জাবাগুলি জীলাণু ক্ষুণাবাবে জীগোবিদ্য যথন সমলে রজা কবিচা আনিলাছেন্ দ্যা

রত্বালন্ধার ও রাজবেশে স্তম্যজ্ঞিত হইয়।
করণাশ্বিত শুভদৃষ্টি নিজেশ করিতে
করিতে নীলাচলের স্থানস্ত রাজপথ দিনা
রথারোহণে বিজয় করিতে থাকেন,
তথন দান, মুংগী, আন. শুল, আতুব, রুগ্ধ,
সকলেই প্রোণ ছরিয়া জগুংগালির জীলাদপদ্মপুণল দান কার্যা ধরু হয়। রুগুগিলে ভাতকারোখিত জন্মকারপুণ উল্লাম ধর্মন বিবাট্কেবের গগন প্রন মগ্রিতে
কার্যা নীলাস্ব্রাশ্রেক্ত তেন জ্যান্দ উচ্চল করিব তুলো।

যশোদান্দ্রাভিন্ন স্থানি বিস্তৃত্য নিথিল পারওদানের উবারের নিমাও সন্ত্রাস্থালার অভিনার করিয়া শ্রীনানাভ্যার নেই প্রচৌদ্যা নিমী দিল্লী দাগাল্ডবার, বিভ্লাল করি । ভিন্তু শ্রীনালাপত্র বভিত্যার, মত কনক বিশ্বত শ্রীনালাপত্র বভিত্যার, মত কনক শিকা দিলার ভল্প বভ্লালাল করিবার ভল্প-ভল্গ শ্রীভারে হিলাল করিবার না অপুন্র কালা ক্রিডা, ক্যানিলা ভাগার দালা বিভাগ ক্যানিলা না ভাগার দালা বিভাগ ক্যানিলা শ্রীনালালা বিভাগ ক্রিডা

ছিল, এপন নাই, ভাষে নাই : বিজ ন্যায়মান গোলোক্বাসের সংক্র অন্তিভ্রব ক্রন্তা-প্রায়ব্দ :

পিছাপিছ সেই লীলা কৰে পৌৰ বাধ । কোন কোন ভাগেবানে চাধিবাৰে পায়।"

करते क्षां । यस क्षेत्र स्टब्स्ट स्टब्स्ट क्षेत्र क्षेत्र स्टब्स्ट क्षेत्र स्टब्स्ट क्षेत्र स्टब्स्ट क्षेत्र स শীলাকালে প্রতি ব্যেই ই,রগ্যাগ্র প্রে অবৈদ্যালয় প্রায়ুর আকুগড়ো এর কার-কর্মসূদ্র ত। ই শিব্যানন সেনের সংখ্যাবনা ন ন্দ্রী সোলি মণ্ডিত গোলভক্ত গৌ*ছনেশ* केक्टर अहिंदिक हो समुद्रश या को कहिराक्षम । विकासिक डोट नैतिक्लांदित्व । ५८इम्भनम् মাইনা মেই ভিন্দুৰ প্ৰায়ণ প্ৰায়ণ শ্ৰীমুগণ ল দশ্যের নিমেন্ত অগ্রেটের ত্রনিগর আছে। नाम क्लेकाकर्स, अलाह एउम् अंघान ভাতিক্ষ কবিত্তন ভাতার কিচ্যার ভীত হন নাই। কোন কোন বাৰ আবাৰ প্রস্থানে ক্লেখান কার্ডা প্রায়ের সাভাদেনী ভবং দেখিকারৰ বেৰ্লা বিভি "হাজে দ্লি হন ভিলে, জেংহাড় क्रममी"-- भ्रष्ट भारिको (मदा, दमन विता-समस्यत्री अन्य अञ्चल तस्य देवसम्बर्धाः देवभाव होक्यवस्त्रातः अन्नाक्ष्यरका ख्रीनाबाका-🗷 ्त 🖹 भाषापक्षक प्रचेगार्थ 🖹 में वाहर्य শুভাগ্মন কবিতেন। ভাঁহাবা ইতিগাঁৱ-স্থন্দরের প্রিয় বছবিধ সেনোগচাব সঙ্গে থাইলা বাইবাংন ৷ প্রাণিপ্রাক্ত সনোমত লাত, সম্ভাবের হাস। ভিন্ন, কারটোবেন-

### য়াধাম প্রদাস

(8)

ভৌন কুলাবনে বা ভৌনবেত ীপে, ভৌনগোঁড়ন ওলে, ভৌনবৈশ্বন লাল কাজাকেও ফালকেও ভোনিস্মাল কুভাকিকতা অবলম্বন করিয়া অসভোর আল্লয় করিছে দেব। গায়: ভাগাল কথনও ভৌনাবভানি ক্রিলমে বাস কবিবার যোগ্যতা পাস না। ধর্ণাব দাও বা অপের স্কান ও বাবিজ্ঞা কারতে ভিলাম কিরপের অন্তর্গকেও ভাগাম নির্কর করে। উথাই ভাগাবের

স্ত্ৰ সংগ্ৰহণ ভিত্ত জন্ম ভ্ৰম দিনের ভিত্ত সংগ্ৰহণ করিবর ভ্রমণ করিব সংগ্ৰহণ করিব জ্বিবিদ্ধ জন্মন করে। ভ্রম্ভন্স করি ভ্রমণ সম্ভূল স্তুম্ন। ভ্রমণ

হক ( ) রক্ত হা দ্বাহত হইটো র্য ছমিকা কিটো কিল্লমনেক্ত হয় এন আ ক্ষ কা হাত্ত বাহৰে অব্ভিত মনুম্পিকাৰ না ক্রিন স্বপুরীন্ত্রের ও ছফিল্ম মনুষ্টের অভিনয় ক্রিন আয়ু ধ্নেট

्रकेश ,कहा भरत करतन् रुष्, अरुप्त क्रा अप्रतिमानाना नाउन्हें उत्पत्न । নিজাপে অধিক সম্পত্ন ভগবালের এন देव-वामकणांश विमि वातकानाक्ष्यांत क्षा डारन कारम मार्चे, छोटात न्यंत्रकाका म হানিছা প্ৰায় ভাঁছাৰ দাম্মিকা এ অসমেগ্য উপস্থিত কইনাছে। সম্বাহিত দী বি প্ৰয়োকগভ বিশীশ নকীৰ ভূনত किक स्मानारस भारमनी ३३ छ। द्वार्गनदमस्य চিকিৎসার অভিজ্ঞত। লাভ করিলচিনেন ব্রিণা সেবের ছারা ভাল মান্তির সমন-পুত্র জ্বিপার নিরূপণে পারকত কইয়াছেন, ত্রী হার অভ্যাত জনগণের মধ্যে কেই বা বৈৰাগ্য পালশনে সিন্ধহল্প ছইয়া মধুকালের নু ভু গুলুংবৰ আচরণে লোকেব নিকট भगानिक इंडेर्स्स (क्ष ना इकास क বিভায় প্রবদ্ধী এইয়া পাটোয়ারী বুদ্ধি চাল্টি: সঙ্কত ভাষায় আছের অধিকার লাভ কলিবেন্। কেছ্বা আইনকান্তনের খাল: সাধুগতের **ছিদ্র অন্তস্কান** করিলা ভ্রিত উন্নত ভরে নীত চ্**ট্রেন**় সম্ভুত fable !!

কত তাকজেন, কত আহিব সহিত এই তিকি ও তেকের মহিমা, ধছাতিওছ দীর্থ পথ বহন কবিয়া হেবার স্থাগুলি তক্ষাবাধা ভক্তবংসল মহাপ্রভুর মহিমা।

### যংকিঞিং

(ব্যক্তিগাই)

সম্পাদক মশায়, হেংশ আব বাচি না, হা হা হা হা ় কি যে মঞ্চটাই আল হথেছে, ভা আল কি ব্যান, মনে হ'তেই লেটে শিশু ধ'রে যাডেছ।

যাই হোক ব্যাপার্ট। শুণুন — আমার সর্ব দিকেই একটু নজর আছে কি না। আর ভানইলে থে বাচি না। এই ভ্রমুরে রোগটা থোদন কেটে যারে, সেইদিনই আমার মর্গ হয়ে, এই রক্ষাই গ্রহকারে বল.ছ। তা এই কি। বির আর মার ক্যোপ স্থাপন্দের কে বা মারে মারে ভ্রেকট উংস্ব হার স্থান কি না। তা

ে এক এবাচন নিধেন্দ স্থাব বৈধা ছোকর।
ক্ষাৰ এবে সংস্ক অবিজ্ঞা স্থানী এই জুনী।

এই চা কিলো নিবান এক শহ্রবেশ সোবানে । সংক্ষোন্ধ অনুনক্ষাৰ সাব সুসাসুক্ষাৰ কি ক্ষাৰণ্ড আছা। জুন গ্ৰাহ্য নাৰ বিজ্ঞান্ত আছা।

সাধ নিম্পানত দেখিকে মা দীক্ষিত মন্ত্ৰিক দিয়ে বি হৈছে তিন্তি কলেছেন কলকভাৰ সংস্কাৰ পাটা কলিব লাজেন — সংগ্ৰিক লা দেখেতেন আৰু কিছে তালেক নিব বি বি কিছে তালানিকলেছন বাবা-জাকে অংকটি টেলিবলেল্প কৰা হয়েতে কৰে টেলনে ভাষে হাজৱ আছেন।

কাৰেড়াৰ মাঠে: পুৰ পাজার ঘটা। অন্মি এটালেৰ ভাগ না ওপ্ৰেপ্ত গ্ৰেট একট অনুসূতি কোন্ডি কাৰ্বৰ অনুসার আনতে কান্ডি কোরা এবংশ অনুস্কিনা।

ভা থাকে কোন দাওয়ালেন ভ থব, কিও ফলন বোকি কবা হল, আব তাব কাব ফলন দালিত দলাই মুখ দিবে ছাট। কথ বাব কবলেন, আদনি--অমনি নালনীমোহন বাবাঞাৰ ফুঞ্চা!

খী। হংগা কি ৪ ব'গেই ত বন ঘট জন নিশে লোড়লুন মেই নিকে। এ মুডেড কি আন হাজে। ঘটা ঘটা জন মাপান চেলে মুখন বাবাজীব চোক খুবল তুপন আনাৰ মেই দশা।

থানিক পরে ব'লছেন—কা হা হ আমার এডটা থারিশ্রন, এডটা ছুটাছেটি এড টাকা থরচ সব একেবারে পঞ্জন দ বিধিকি কথালে এই লেপেছিল ?

হা হা হা হা, সম্পাদক মূলায় জাব আলকে বলুতে পাছিত না, হেসেই খুন। আর একদিন বাকঁটা বলব'শন।

## গ্রন্থ পরিচয়

## <u> শ্রীমন্তাগরতম</u>

হেই থানের প্রতিপান্ত ক্লাসার, অব্যাহের প্রথমে ঐ - ন্যহ্ম, অভিনেয় ও প্রায়েলন তাহ্প নি্দ্রান্ত সমুদ্র অধ্যারীর সাবসহ ক্লবিস্কৃত হাংপণ্যাদি বিবৃত। স্লোকস্ট্রী বিষয়সূচী, অব্যায়বিদর্শ, পুত্র ও স্থানস্তীস্ত উভ্যা কাগেছে উভ্য অগারে মুদ্রিত। প্রথম ১ইতে ১০ম স্বর্ণ প্যাস্থ ভাপা শ্রেরপে শ্রেষ হইয়াডে। ভিজা প্রথ হইতে ১ম হল প্ৰাপ্ত ২০৮০; দশ্ম ক্ষা ১০০; প্ৰভৃতি বিংশতি সংহাক বছে-প্ৰশেভিত। ভিজা মাৰ <sub>কাতি</sub> গুতি পুৱাণ-প্ৰবাঞ্জি সাহত-শালসমূহেল প্ৰমাণাৰ্কী 四年至 九八 1

### बी बारे हुन महिला बार

ও জীতীনম্ভতিনিকার সর্বতা গোৰানী আনুপাদ্বিল্যত ক্ষিত্রটো জাত ওলাদি বহু শার্জনান্স্থাল্ড চইয়া लाका[नाड रहेगा(५०। (झारकत माध्यमा)पा), तकाकृताम ५ প্রত্যেক প্রারের পুরের স্থাপপ্র অভিনেয় সংযোগিত। প্রতেরক আ বাহ-প্রবেধে কথাসার দেওয়া আছে । গ্রোক, প্যাৰ, পদ, পানু, পান প্রাভারে ক্রাংব কটা ও এদকারের 🎆 বিস্তৃত দীৰ্বনী সমাধত এইকপ অভাংপুদ্ৰ সংস্কলত ইয়েংপুচ্ন কুলোল প্রকর্মশন্ত হয় নাত। তিব্য ক্রেছে প্রায়লগাল্য শৃহিত তুল ক্ষেণ্ডে মুলাংশ মান্ত বহুগাতে: এতি এটিয় ३६०० पृष्ठास गुल्ला । जिल्हा गुलेगारम द, माञ्च ।

#### <u>জ্ঞাচেভ</u>ন্মভাগবভ

এইকাদের জীবনী, প্রতি পরিছেদের কথাদার, বিস্তৃত Circle खारा, नक्ठिं।, भगात्रकी, विश्व-छान भागांभ-🧝 জনা, প্ৰাস্থাত বিবিধ বিধয় সংখ্যিত বিৱাচে বিভায় সংখ্যাণ চবল জ্রাষ্টন ৮ পেলা আকার। আদিলালা ও মলোর কিয়দাৰ প্ৰকাশিত চহতাছেল। ক্ৰমে ক্ৰমে প্ৰকাশিত इट(इट्स्ना **कां**श्रम डिका ६ हाका, व्यक्ति लोगात 16×11 = 1

#### জীটেড জ্ঞানজল

, (i)

এই এন্থের এরণ অভিনব অন্তর সংখ্রণ আর কুরাণি প্রকাশিত হয় নাই। সংস্কৃত প্রোকাংশের অব্যা, বসাপ্রবাদ, सारा, क्षामात्र, एषा आफ्रांड मह भए १८५ आका निक इटेग्राएका। भूम (भाषा भक्षात एतम काउँन व्यक्तिकी दुश्काकारत छाला कडेदार्छ। भूका २॥० छिकिश। अमेति। खकाम ७ (शोधी(इत आंड करावत भएक अल प्रांका ।

#### 🚉 মন্ত্রগবদ্গী ভা

-- জীলোঁড়ীয় বৈক্ষৰাচামা অপ্ৰাক্ত সমিকচ্ডামণি ইইবিশ্বনাথ চলেব্রিটার্র গোস্বামিরতা সারাগ্রনিলা ট্রিকান্যেতা ও জ্রীঞ্জিমধান্তবিনাদ সান্তর-প্রবাত স্থানক-व्यक्षत' नामक श्रीवाश्वातात्रीहरू। व्यवाश्वर्ती, मार्काना ्रशास-क्षेत्री, विरय-क्षेत्रे, शास्त्रकारतंत्र श्रीवनी ६ व्यवस्त्रीतंत्राप बह-काष्ट्रवाचिष्य-भर छेप्युष्ट वीषाई इष्टीय अप्यतग--- इर्हे ताप ैमश्यतानम् जिमा २ होका माद्य, मानाम्र अरक्षत्--- अ। कामा माज

## শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলা

ও বিকৃপাদ এতীমছকিসিদাসসর্ঘতী গোস্বামী মহারাজের গেট ম্বিছা, বিধ্বং সিনা ङोनाषात्रकारभारवाभिनी क्रमा-कार्काननकाशिनी कानस्य यानीत ভীনশ্বছবি রুক্টেরপায়ন বেদব্যাস-প্রণীত মূল, ভীমন্ মৃত-বিগ্রহ—বৈক্তর্নিভাস্ত-বভ্রমালার কোল্লভাগ্---স্কুদ্দায় মধ্বাচায়া-রভা ভাৎপ্যা-মিণ্যটীকা, ইমিদ্বিখনাগ চক্রবত্তী বৈভ্ববিজ্ঞানাগারের মৌলিক ভগা---প্রধান ও ভাগ্নতের ইাকুর-রাত সারাখদশিলী উকা, বল্লাপ্রবাদ, সংস্কৃত অব্যুত্ত সমধ্য ওল-মহাজন-ছালন্চরিত শিক্ষক - চিব্লাগাচিয়া ল-প্রতিশাপ, তথা ও পিরত্যাদিয় জ । প্রতি ক্ষের আদিতে অচিনার-বিচারক - এর্ব্য ও মাধুয়ারবের মৌলিক গ্রেষ্ণার

> ১। প্রথম খণ্ড— বৈদঃবদশন, শ্রীদরণতার, কাল-भया. ब्रीमध्यानिसंत, ब्रीवागसामती, शाकताजिकी मीका अ वर विष्ठात. चाचान्या क भागान्या. कैंदैठ कामत क्र ভাহার শিক্ষা, অংথাক্ত সহজ্পতা ও প্রাকৃত সহজ্পতা, ৮০ বার আলা।

भागाताम, औरशोत-निर्माननक्ष्यक, विराद्य प्रमा 😌 क्रमः 🦠 कालन, ज्यानामध्याय ज्यामहासन्दर्भ कीलन, ज्यारकीत

মহিমা, মংগ্রেসাদ, ত্রীরোরিন্দ, স্থীরপায়ুগাভ্রম-্পণ, আঁমতী রুগভান্তমন্দিনী, আট্চতিধের দ্যা, প্রোর্ক্তণা रिक्षण ६८ एक उपका भारता

প্রথম ও নিতীয়—তই খণ্ড একরে শ্রংশে ভিক্ষা ১৭০ দেছ টাকা, ডাক গ্রচ স্বরের

#### **এমত্বগ্রদগীতা**

(भी द्वीय-देवस्थलमान्निक-दर्भात है। है। समनकारमव विश्व-ভূষণকত ভাষা ও আন্দলিবিনাৰ সাব্যেরপ্রাঞ্জল বন্ধ-ভাষার নিস্ত 'বিবদর্গন' নামক ভাষায়ক। অন্যায়-কটা, বিষয়ক্তী, ও প্রতি স্থোক্স প্রথম ও চুতীয পাদ সুঠা, ভাষকালের ফীননী केंद्रके ना है, बार्क्सकार (इन (अक्ष) २८ हेक्स्स

#### প্রমেয়রতাবলী

গোবিন-ভাষ্যাদি পাড়বাব প্রথম এছ। উংগ্রন্থ কালিতে। প্রেছ ১৮০ টাকা মাত্র। গ্রাক্তবস্থান্তবাদ-সাহারো অভি সংজে বালকেরও বোধগমা ইইয়া পাকে। ভিজা াত আনা মান।

#### জীনবৰ্ষী প্ৰধান নাহাত্ত্ব্য

(প্রমাণখণ্ড) সম্মান। আতি-শ্বভাগি এরে জীনন-দ্বীপের যে মহিমা কীংহিত আছে, ভংগার মুরা সংস্কৃত ও | অসুবাদ। ভিগাত ভালা।

#### **এ** এনে হা পতাৰত ব

শ্রীঠাকুর ভারিবনাদ লিখিত। কল্পিত পাত্রকারে পরিক্রমার এঃধ্বার্ণি-বিষয়ক। ভিক্ষা । আনা।

#### ভক্তিরত্বাকর ও নবদ্বীপ পরিক্রমা

জ্ঞীল সরংবি চএবটি-সাকুর রচিত। ভড়িরতাকর ্ট্রতে পরিজ্যাংশ মাত্র গৃহীত; ইনিদীর গোস্বামী কি अकारत क्रेनवयाणनारस्त भातकामा क्रियाधिकान, छाइन्हे পত্তে বিবৃত। ভিক্ষা । ০' • আনা



প্রী ভকিবিনোদ ঠাকুন-প্রণীত। শ্রীচৈতভেইচাতে भिकार्यशामी-कृष्क, क्रमणिक अतम-नक अमुक कीत--অচি স্থা- ছেদ ছেদ-তার---শাধন-নির্ণয়---প্রয়োজন-তার, কম্ম-काण, बाध्यामित निहात-देवनी छक्ति, छोनछक्ति । প্রেমভিজ্নির নামভ্রন-প্রণালী ও অঠকালীয় লীপা-প্রিচ্যাদি প্রথম শিক্ষাপীর উপযোগী করিয়া সরল ভাগায় স্মৃদয় যক্তিপ্ৰমাণসহ লিখিত আছে। চতুৰ্থ সংস্করণ বাধা ০.্ টাকা, আবাধা ১५० টাকা মার।

#### গোড়ীয়কওঁহার

हिट्नो होत्र रेनकनग्रस्य अकुमान कर्छ धात्रभरमां निरम्भिन्त्राहान्य माञ्चाल क्षिक्ट। अवैक्षेप्र देनभन्त-১। দ্বিত্রী ব্রাহাত্ত— দ্বরা ও বিদ্ধা দক্ষি, মহুযোর সিদ্ধার্ত্বে স্থেসমধ্য অক্ত কুরালি প্রকাশিত হয় নাই। 🎒 নিম্মার্ক লোদয়াকুর রাচত 📑 অনুভঞ্জালভাল্য 💘 এছতা কোপায়ু, সামার নিভালতি, 🕮 নি সামিপাদ ও 🕏 হতাতে গুক্তকু—ভাগ্রত— বৈক্ষর— কৌর নিভালিক— অহৈত্ন দ্রাক্র- ভারেদ্র-জীব - অচি স্থাডেদ।তেপ -- জি-বেয়---সাধ্যাভ ক্রি--বংগর্ম- আপ্রা-গম্ম -- শুম্মপ্রান্ধ — শ্রীনাম—প্রয়োজন ও প্রমাণ-ভরত্তি পুণকু অবাংক স্তুচং শোকাদি সূচীস্ত উংক্ট এনিক কাশ্লে প্রাঞ্জ ও রক্ষমধীতন-ত ভুগল অপুর মধুরিমাপুর্ব-বজ্তা-বিভূগিত। বু কংলিতে মুদ্রেত, উংক্ত বাধা সোনার জলে নাম খোগা। প্রভ প্রায় ৪০০ প্রায় সম্পূর্ণ। ভিকা ২১ টাকা মার্জ।

#### জীনবদ্বীপদাস-এছ বেলী

ত্রীমদভ্তিবিনোদ হাকুর রচিত ধামমাহাল্ম-শাম-মাহায়ের সাম্বাদ প্রমাণ খাও-- শ্রীল মরুহরি চক্রবতী 2াকরের ধাম পরি এমাংশ-জীগাম নববাঁপ পরি এমা-ভীগ-যাত্রা পদ্ভি-- বীমৎ প্রেবাধানন্দকত নব্দীপশতক্ষ--শ্রীমার্ড কুলিলোল সাক্ষের শ্রীমার্ডীপ ভারতরক প্রাকৃতি গ্ৰন্থ কিন্তু দি**ং আলা মা**ল্য

#### এইরিন্মামুত ব্যক্রণ

জীভাব শোষামী প্রাভুগাদ-বির্ভিত সাম ও বুলি, ভংগতে উলিফুপাদ আমহজিনিকাও সরস্থী গোসামী মহাবাজের বিশ্বত ভূমিকা ও হুটা প্রাভৃতি গ্রহ। উম্থলদের বিহাদ্যণ-প্রাণীত বৈক্ষবদশন, সক্ষত s ্অপ্রাংশিতভাবে স্থান। ভিজা ২০ টাকা, ছাত্রণবের

#### বেদান্তভ্রমার

শ্রীম দামাঞ্চলাচার্যার রচিত। বেলাকের বিশিটারৈভবাদ-প্রচারক খ্রীভাষ্য-প্রণেতা আচাষ্য গ্রবর বেদাস্থদশন পায়ের উপযোগ্য করণার্থ উ॰म क्त्रियाटिन। हैशाउ বছাত্রাদ ও স্টাপ্রাদি স্থোভিত করা ইইয়াছে নাম থাতে ভিজা he আনা।

#### শ্ৰীটেডবাচন্দ্ৰায়ত ও নবদীপশতক

পৌরপাষদ তিদভী আমং প্রাপোলন্দ সরস্বতী-প্রাণীত মূল, আহুপাদ জীমদ্ভভিসিদ্ধান্ত সর্পতা লোকামী মহারাদ্ধ মঞ্চাদিত অধ্যয়েশে ব্যাহন ও বহাসুবাদ সৃষ্ট্রিত। লবলপণ্ডবের উভিতিবিলাদ হাতুরের প্রায়বাদ ও एरमङ सीधमहात्मान्त एकी जिन्निहरू बालोकिक हिल প্রদত্ত ইয়াছে। মুদ্র ও কাগড় উৎরপ্ত (২ থানা একলে ) ভিকা ৮০ আনা, অভি ছুর্ম্য বাগাই রাজসংখ্যুর্ ः छाका माज



আজিংজিবিনোল সিক্র প্রনীত। এই একমাত্র প্রান্তর জান বাভ করিছে। পারমাপিক রাজ্যে কিছুত্তই জ্ঞান বা শংশর পাকিবে না। পারমাপ্রক রেছা কিছুত্তই জ্ঞান বা শংশর পাকিবে না। পারমাপ্রক কেনিভ কর নাই। মিনিগ্রোকামি শাল্ল-মহেলার মহন্দ্রে এই প্রভান্ত উনিভ ইউগ্রেজন। আবার ধ্রের ইবলাই— ক্রাণ্ডলের ভিলা বিশেষ সমুদ্ধ করা ক্র্যাতে। ব্যাট গ্রত, গোনার জ্বল নাম শেকা, উৎদ্রই বিশাই— ক্রাণ্ডলের।

#### প্রেম্বিষ র্ব

বিরচিত। এই পুরকে ছবি স্থানের। ভাষার মহাপ্রার্থ কৈ তিনা লীলাস্থ বৈক্ষার বিরচিত। এই পুরকে ছবি স্থানের। ভাষার মহাপ্রার্থ কৈ তিশ্ব লীলাস্থ বৈক্ষার বিরচিত ক্ষার্থ বিরচিত প্রার্থ করে বিরচিত প্রার্থ বিরচিত প্রার্থ বিরচিত বিরচিত সভ্যার প্রিক্রানি ব্যবিত সভ্যার স্থানির ভিত্ত বিরচিত বির্বাহ বিশ্ব বিরচিত বির্বাহ বিরচিত বির্বাহ বিরচিত বিরচ

#### ভজনসহস্থ

জেজনকারীর নিতাসকা; সৈত্র ভিজিবিনোনের মন্ধ শান; নিধিব শালের নিবয়ান। এচধানি না দেওা পাণ্ড কেছ বুঝিতে পারিবেন না। সূতীয় সংস্করত ভিজা ৮০।

#### কবিনামচিন্তামণি

নামাচার্দ্য শ্রীল হরিদান সাক্রের মুখে শ্রীনরাহাপ্রত্ব শ্রীনাম-মাচার্দ্য, নামাভান, নামাপেরাদ প্রকৃতি বিশ্বরত্ব যাবভাব বিভার শ্রবণ করিল(ছিলেন) তেই বিশ্বরত্বিপার শ্বিশ্বরূপ প্রারে সংক্রিপ সাল্যান্ত প্রিপাটিভাবে মুদ্রিত । শ্রীল ভাকিবিনোল সাক্র-রচিত। প্রথম সংক্রম ভিস্পা ৮০

#### কল্যাণকল্পত্ৰ

শ্রীমন্তিবিনাদ তাকুর রচিত। প্রত্যেক ভগবদবিশ্বাসী ও জনপ্রের প্রিকের একান্ত প্রকোজনীয়
উপদেশবর্গাপুর্ব গাতিগ্র । সামান্ত বেশাগভা কানা
লোকেও এই ভজনরাজ্যের গাতিসমূহের হারা মনগ্রিস্থতি
ত ভগবংসেরা বাভে করিবার স্থবি । পাইবেম । এই
সংগ্রহা, ভিজা /া আনা মান্ত।

#### শরণাগতি

জ্ঞীমছজি বিনোৰ ঠাকর-রচিত। ভগৰানে আত্মনমর্পণ, বিক্ষপ্তি, ভিজনগালনা, বড়্বিনা শর্ণাগতি ও দিছি লালনা। বিষয়ক গ্রীভিপুণ, ভিজা ৴৽ আনা মারে।

#### গীড়ানলী

জ্ঞীসকৈর ভজিবিনোন-প্রনিত নিত্য ভঙ্গন, আরাত্রিক ৪ প্রবাদ-গোবনাদি-বিবয়ক মধ্র গতিশম্ভ কেত্রে প্রবিত। ভিক্তা ৴৽ সানা মাত্র।

#### শীসস্বর্গরাক্তর

ব্িকেকুমুকুটনোলি ইট্ছবিখনাথ চক্তপত্তী ঠাকুর-বির্চিত বসপ্রতঃ উচ্ছবিক্তবিনোদ ঠাকুরের অভ্যবাদ-সতঃ ভিকাতি আন্যান্যত্তি।



শ্রীময়াহাপ্রেরর শিক্ষা ও শ্রীণ রগুনাপ দাস পোস্থানার প্রতি শ্রীরূপ পোস্থানীর উপদেশবার্গা, ভিকিপথের অন্তর্গাও ও প্রেভিকৃত বিগরে প্রনিচারিত সংলাদন ভাষা, বিস্তৃতি বিরুতি, চরিতানুত্রৰ প্রমাণ, সাল্য ব্যাপণা ও মহাক্ষন-প্রবিত্ত ওভপনোগা গাঁতমন্ত প্রত্যেক লোকের সহিত্য স্থানেশিত ইইয়াতে। তা সংগ্রেণ ভিস্কানে হানা।

#### मामन-कन

শ্রিবদুনাপ দাস গোস্বামীর মনঃশিকা, শ্রীণ সার্ব ভ্রিনিনোদ-চাব্য প্রজবাদসংবা ভিজা ৴• সানা ।

#### প্রেম ভব্তি চ জ্রিক।

জ্ঞাল সাধ্য ন্যোভ্যের জ্ঞানত প্রেমভঙ্জিবিধয়ক গ্রের পুত্তক। ভ্রম তি সানা ন্ত্রে।

#### মবদীপশ 5 ক

শ্রীণ সংগ্রন ভিতিব নাল-বাঁচিত শ্রীণ প্রেষোনন উল্লেখনাথা নামভল্ম-প্রণালী, মহাপ্রভূত রায় রামানন সর্প্রতীপ্রের সংগ্রত নব্দীপ্রভাকর স্থালিত গ্রাপ্তবাল । সংবাদ, মন্ত্রন্প্র, শ্রীপ্রক্রপ্রাছ, শ্রীপ্রক্রপ্রাছ, শ্রীপ্রক্রপ্রাছ, শ্রীপ্রক্রপ্রাছ, শ্রিপ্রক্রপর্নিত প্রাথ্বিল । মহাপ্রভূব বন্দনা প্রভূতি সামক ও বিশ্ববিদ্ধান নিভাপাই।

#### 西到刘锦布

ত্রীর কোকচোর) রচিত। বৈক্ষণতা-জ্ঞানের অকের প্রকা ভিক্তা ও আন্যান্ত।

#### **সদাচারত্ম**তি

- শ্রীণ মধ্বতোৰ:- এরি হ। বৈশ্ববের নিত্রেক আনদি সদতোরা-ঘুনী, বজাত্রবাদ সহিত। ভিজ্ঞান হৈ আনোমা ।

#### মণিমঞ্চরী

কবিকুষ্ট্রেশরী জীম্মারোদন্চো চা রচিত। । মন্দ্রাধ্বা ভাষ্যের সংক্রিপ্ত স্বিন্যাল্য ও মূল বৈক্রব্যক্ষমত। সাফু ব্র ভিজান । শান্যান্য মুক্তি

#### (भीतक स्थापन

প্রাঠীন কবি ইনোবিল নেব প্রণিত জীগোরবেতানের প্রমাণাবলী-সংব্যিত সংস্থৃত গ্রন্থ। ডিক্সা দং মানা।

#### वृक्तिमञ्जिष्ट ( सगदभोत्र ७)

শীমধ্ব শ্রেশ্য প্রতিমতে । ভিন্ত ২ টিকা মান্তি । বঙ্গালরে সাঞ্বনে এই প্রতে প্রকাশ পরেমানিক সাহিত্য-কর্তে এই স্বলপ্রথম । শীমহাধ্য চিট্য হুইতে সোক্ষাবস্থম কিন্তীয় মধ্য চিট্য নামে প্যাত শী মনিবাহ হুইতে সোক্ষাবস্থম কিন্তুল প্রতে প্রতিব্যাধিক জ্ঞান্তপার কিন্তুল শ্রুলার ভিন্তি বিরোধি-মহবাদ সমুহ প্রভন করিলাকে, ভাষা পার্ক ক্রিতে করিতে মান্ত্যায়িত ইইতে হয় । ইইাতে ফুকির স্বারা চাক্ষাক, কৈন, সোদ্ধ, শীমাংসক ও মারাবানিমত-সমুহের শ্রুলার প্রন রহিলাতে । ভিন্তা ২, টাকা মানে।

#### (गायायी जील तप्नाय मान

(ওঁ বিকুপান জীব ভিজিবিকায় বর্ষ হাঁ গোষামাঁ প্রচুপাদ-বিশিত ভূমিকা সহ ) গৌরপ্রেই অরপ-রপের একমাতে প্রিয়াহম শ্রীল দাস গোষামাঁ প্রাচ্ব অপুক চরিতায়ত ও শিক্ষা অভীব প্রাক্তন ও বর্ষ ভাষার সরিবিহ এবং প্রিশিটে দাসগোষামাঁ প্রাচ্ব বির্ভিত করেনী সামুদাদ মধুরতম ওব ও মনঃশিক্ষা-স্থালিত। ভিজা বীবিহি ৮০ মানা, অবাধাই ৮০ মানা মাতে।

## চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাচীন নববাঁপের অবস্থিতি, তথা, ঐতিহ্ন, গ্রেতি ও ইনিগানিক প্রমানসম্বাসত নয়টা মাপের সচিত্র বিষর্থ-গ্রন্থ। বাদনি রাওসাতের কুমার জীবক শরনিক্ষু নারার্থ রাম এম. তে. প্রাচ্চ লাহ্যের), বেলাস্কেল্পণ মহোদয় কর্ত্বক সক্ষিতি এবং ৪৭ পানি বিভিন্ন বর্ণের অপুক্র চিত্র ও মানচিত্র-সম্প্রিত : প্রচোনিপ্রাম্থাণৰ রাম পাতের শ্রীমৃত্বন্থাত : প্রচোনিপ্রাম্থাণৰ মনাশ্রের বিশ্বত ভূমিকা স্বাভিত্র (উং) মরজো ব্যান্ট মূল্য : ১০০ ভিঃ পিঃ তে ২ টাক মান্ত্র।

#### माधक-कर्श्वमाना

ভালমনা, বৈধ্যব-দলনা, বৈক্ষবশ্বণ, পালাক্ষের গ্রিব,
ভীলমন্ত্র, ভীলমুলপ্রের অন্তোর্বণত নাম, অইপ্রাংর
লামকান্তন, ভীলমুলপ্রের হিনা, ভীলব্রান্তন-প্রদুর অন্তর
লামকান্তন, ভীলমুলপ্রের মহিনা, ভীলব্রান্তন-প্রদুর অন্তর
আচাধ্য-বন্দনা, সভ্গোস্থামীর অইক, প্রেমভিক্ষিচ লিকা,
উপ্রেশনাধ্য নামভলন-প্রেণানী, মহাপ্রের ও রায় বামানদদ্ প্রেপি, মন্ত্রনিকা, ভীল্লপ্রেরি, ভীল্লপ্রের নিভালা্র,
মহাপ্রের বন্দনা প্রভৃতি সামক ও সিল্লিবনের নিভালা্র,
বৈদ্যবহানের ক্রান্তিত ভূমনীমালার ভার অক্সমণ করে ধারণ্রের্য অপুর প্রার্থ ভিল্পান্ত, ব্রান্তন্ত্র দ্বান্ত্র।

#### গোড়ীয়-গৌরব

কলিকভার স্থাপ্ত আলবাট হলে গোড়ীয় সম্পাদত শ্রীপাদ স্থানন্দ পর্বিদ্যাবিন্দেদ প্রত্তার বিভা প্রথমবারে প্রকাশিত। ইহাতে প্রেডীয় বৈক্ষরসম্পাদ্যবের হাত্তার প্রকাশ্যে প্রতিভ চইয়াছে। ডিক্সা কি মাক্র।

#### গোড়ায় সাহিত্য

ক্ষিকাতার স্কর্থান আবাবাট হলে গোড়ীয় স্পোন্ধ শ্রীপাদ জনবানন পরবিভাবিনোদপ্রান্ত প্রদার যক্তাবা গ্রহাণারে প্রকাশত। উল্লেখ্য সাহিত্য-প্রদার অর্থ এন গোড়াল-সাহিত্যের বিবয় স্ক্রারে ব্রিঙ হইয়াছে। ভিন্ন নিক্সানা মার।

#### श्रीद्रशोष्ठमथल পরিক্রমা-प्रপ

শ্রীপৌডদেশের যে সকল স্বানে সপরিকর শ্রীনআলা প্রত্ এবং ওদন্তপ প্রবাধী সহাজনগণ জীলা করিব। গিয়াছেন সেই সর আসুনিক ভৌবোষিক পরিত্য ও দেববিশ্রহাপে প্রিচয় সহ যান্তালতের স্থানিক নিকেশ ইন্ডাদি বিষয় গণ প্রিবেশিত আছে। ভিকাত আনা।

## THE HARMONIST OR SHREE SAIJANATOSHANI

শ্রিল সাকুর ভিজিবিনাদ-প্রতিষ্ঠিত এবং শ্রীক ভঞি বিদ্যাঝ্যরখারী পোখামী প্রতুপাদ সম্পাদিত পারমাগ্রহ মানিক পঞ্জ। একংশ ইংরাজা জাগার অস্তাবিংশ ভবগঞান্তন ৮ পেদ্রা ৪ দক্ষা আকারে প্রান্ত থাতি থারে হার্না মানের বিভর-বৈজ্যন্তী ক্রইরা উপন্তিত এইছেনে ন কাগ্রহ, মৃত্রগু-পারিপাটা ৪ চিন্তাদি আতার চিন্তাক্ষণ । এই প্রকার উংকই প্রবিদ্ধ আরে কোন মানিক প্রাদিত্তি দেখিতে পাইবেন না। বানিক জিক্ষা ভাকমাশুলন্ত ক্রিটাকা মাত্র।

#### প্রাধিষান-

**बिटेडिककार, त्याः बीमात्रायत्र मरोडा** 

## \*\*

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনষ্টিটিউট্" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

### (थाना इहेशाइ।

অভিজ ও গাদেশচরিত্র শিক্ষকগণ ছা এদিগকে অভি শক্তর সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণ্ডের জন্ম বিনা ব্যয়ে সুন্দর বাসহাশের বংশারেও হল্যাছে। ছান অতীব স্বাহ্য কর।

গণিস্থার স নাদের হন্য নিশ্বলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন।
• সেপ্রেণ্টান্তী, ভাকুর ভক্তিবিনোদ ইন্ট্রিডিড্র শ্রীটেইগুসঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

## —৫১ বংসরের প্রাভঞ্চিত—

ভাশালহো প্রস্তাত বাতীকা •

গাণ পুক্ষারণা, স্বপ্নপাব, কোঠনাঠিল, অখীণ, ধ্বভন্ন প্রভৃতি
ভত বোগীর বোগ নিরামর হইয়াছে ভাগা প্রকাশ কালে বড় বড় পুস্তক
ভইনা পড়ে।

#### हेडा.

সকল অচুতে ব্যাণ্ডি চলে ও সমান ফল প্রেদান করিয়া থাকে। আহি কৌটায়\_০২টী ষ্টীকা থাকে।

#### কেবলমাত্র

ক্রতি কৌটার মূল। ১০ এক টাকা। কথার নাম 'আছেজনিক্রছ বটীকা'।

অগ্নান্ত উন্ধ্যের তালিকার জন্ম পত্র লিখিলেই পাইবেন আধিয়ান :—আ তঞ্জনিপ্রাই উন্ধ্যালয়

২১৪ নং বছৰালার **ট্রি. ক'ল**কাজ**্**।

### কবিরাজ শশিভূষণ কবিকপ্ঠাভরণের



মফংখণের প্র'বধার জন্ম ৬ মাঃ শিশিতে ঘনীভূত মবছার ভোটবোভলের াসমণ উবণ দ্বাকে পাঠান চর, ইতাতে উবণের কোন পরিবস্তন করা হর নাই। মূলা প্রাকি শিশি॥• আনা, পাঁইট॥৮/• আনা, বোডল ১৮/• মানা।

অফিস--১১নং উল্টাডালা রোড, পোঃ শামবাজার, কলিকাতা

### শ্রীভাগবত প্রেস গোয়াড়ী হাই**ট্রা**ট

#### কুম্ভশগর

এখানের বিবাহের নিমন্ত্রণ-পত্র, প্রীক্তি-উপহার, কার্ড, গ্রন্থ এবং কাহ্যান্ত বাবভীর কার্ব্য ছাপ। হইরা থাকে। ছাপার দর বাজার দর অপেকা স্থলত। পরীক্ষা প্রার্থনীয়।

## হাইড্রোসিল

বা

### কোষরদ্ধি রোগ

ডা: এস্, এন্, খোব বিনা অস্তে, বাৰজীবনের গ্যারাটি বিনা বৈছাভিত প্রাণাণাতে কোববৃদ্ধি রোগ আরোগ। করিয়া থাকেন।

> विकास----अम्बर करेस हैकि. यहदाबार, बालबाजा।

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## ' দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

#### প্ৰৱ দিৰে সম্পূৰ্ণ আৱোগ্য

কোলী লেখাইতে ভহবে। করিম পাথের গরে (সান্ত্রা এবং আসোর)
পাঠাইলে গিছা রোগী দেশা হয় অপবা তেখানে আসিলে তেগী লেখিবা
ঔষন পেওরা হয় আলোগা না ভন্তচ পদান্ত পাতি শ্রমণ নিতে হুইবে না।
গানীৰ বোগাদের খারচ বছন করিবা তিকিংসা কবা হয়। বিস্তারিক্ত
বিবংগের কন্তা এক আনার ভাক টিকেট সহ নিয় ডিকানার অধ্বসন্ধান

জ্ঞীকৈ তাঁপচন্দ্র উকীপ, যক্ষা-চিকিৎসক, পো: নৈকাঠী, বহিশাপ। অগণা নিম্ন ঠিকানায় সাক্ষাৎ করিয়া বিস্তারিত আনিতে পারেন।

স্থাৰ্ত রামগোপাল লন্ত এম, এ, কুক্ষনগর, নদীয়া। প্রীষ্ঠ হবিপদ নিংং, ১১৭. বেশিয়াটোলা ষ্টাট্, হাউপোলা, কলি কাজা।

এক দানি পত্র ! অ মার প্রাকৃত্যুত্ব গত হয় মান বাবং রাজ বল্লার ভূগিয়া মৃতপ্রার কটরাছিল, কলিকান্তার বিজ্ঞ চিকিংসকরণ তাবার কীবনের আলা ভাগে করিয়া শেষ মৃত্যুক্তর অন্ত অশেক্ষা করিছে কিলোক এই সমর শ্রীষ্ত কিন্তীলচক্ত উকিল মকালয় মাত্র ১০ দিন চিকিংসা করিবা সম্পূর্ণ আংগোগা করিয়া দিয়াছেন। (সাঃ) শ্রীষ্ কিলোর বার চৌধুরী (জমিদার পালিয়া) হগ্নীট্, নিউ বিল্ডিং। করণোরেশন টেটং দিশা টমেন্ট, কলিকভো।

## শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

### গৌরাব্দ ৪৪৫

माज ४)० जाकविदक माठा है दलहे वुकरभारहे भाठान इत ।

ম্যানেকার-গ্রন্থরিভাগ ইট্রেড্ডেম্ম, পো: শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

কেন গ্রাহ কগণ

## গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

–কারণ–

এখানে যাবতীয় ছাপার কার্য্য-

এশ্বাদির কার্যাই বলুন,

विनाटक्त निमञ्जभ भाज, कार्ड, विवाटकत भाजाहे दशुन,

আর ৩ রং ও ৪ রংএর হাফটোন ব্লকট বলুন, সকল কার্যটি অভি সম্বয় ছাপা হয়, অথচ ছাপাইবার খরচ বাজার ছাপেক্ষা তুল্ভ।

আপনার কিছু ছাপার কার্য্যাকিলে নিল্লঠিকানার জানাইলেই দ্র পাইনেন।

> মানেধার- গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওল্লাব্রুস্ ২৪৩২ নং মাণার সাংকৃণার গোড়, কলিক তে

#### हमस द्वेदन देशिक कर्सहाती W 175 175

লগুন হুইডে প্রকাশ যে পালামেণ্ট মহাসভায় দে দিব্য মিঃ বগড়ইন ভারত সচিব মিঃ বেনকে জিজ্ঞাসা করিয়া-फिर्लन :--- (नः (१क्टिंड क्रिंग्से मार्गन्यक বে আক্রমণ করা ১ইয়াডিল ভার্রে সক্রে ভিনি কোনও বিবৃতি প্রকাশ করিছে পারিবেন কি না।

মিঃ বেন—এই লোমহর্ণ ঘটনার কোনও সরকারী বিবরণ আমার হন্তগত হয় নাই সরকারী বিবরণ হওপত হইলে ষত শীল্প সম্ভব তিনি ভাষা সভায় দৰ্শেল क्षतिएक भा बर्यम । एए स्मामीत हेर्ड হইয়াছে ভাহার অন্ত্রীয় স্থলনকে অংশি সহাযুক্তি ভাষাইছেছি। আশা করি সভাত্ত সকলেই ভাহাতে সমতি প্রধান क्रांबरनन ।

#### लाटडेन पश्तमानाम हुनी

नको इराज अकान व युक्क अलासत সরকারের পাবশিক হেল্গ ডাইরেস্টর बाह्यकृत्वत (इ.स. १८) विशेषक थी। भारहन दारिक मध्डिभिन २९८५ छुनाई मधार्कत অস্ত্র পরেই তাহার অফিন ঘরে একজন পাচান আভতায়ীর হতে আহত হইল ८६२। मरवादन टाकान, नवी चार्यन নামক ভানেক পাঠান ধ্ৰক তানিটারী हेग्राक्त होत्र लिल् ८०म श्रीकाम ८४म एरेग्राहिन। এট पुत्रक के छातिय थे। সাতেবের সৃহিত দেখা করিতে লাগিয়া- সভ্যন্ত মান্ধার প্যাতক छिता। तम यो मारकरनत यस्त । अस्तम । ক্রিয়া ভাষার প্রীকার পতা ও প্রাপ্ত পুলিস এই মর্গ্রে এক লোটাল কারি লম্বরের তালিকা দেখিতে চাতে। খাঁ কবিয়াতে যে তাহারা যদি প্রাতক স্থেত্র উত্তরে বংলান যে ঐকও করিবার আস্থানী দিওকে আত্রয় দেন বা উত্তিরে হ্রকের স্থিত ও স্টেব্র বচনাক্য युष्पकी नर्रक अवन्त्रे अक्यानि मुख्य Co का नार्धित कतिया थी। मारवस्तत नाम **काक त्यारम युग्या आहर मी प्राप्टतरक** ভবন্ত বল্রামণ্ড হাসপাটালে তানান্ত-রিভ করা হয়, আভেড্রিট যুগককে (इ:धात क्या क्ट्रेबाटक ।

#### বিধ সেবলে যুবলের আত্মহত্যা

**६ ५ ) त** अध्यात दलाकातीन (धर्मानया প্রামনানী প্রবেশকে জ কর্মলু রাজের বিশ্বংগর পর্য গুল শ্রীয়ত উপেরচন্ত্র बाग मामक का जि गुनकटक ठीमश्रुत काशी-वाडी (इन्ट्रेन्ट्र विद्याम क्ट्रिक प्राप्ति ) होत

गमत ज्यकानावद्यात्र त्रिक्ष भावता यात्र । ভাহাকে ভৎক্ষণাৎ এলগিন হামপাডালে পাঠান হয় কিন্তু যথাস্থ্যুব চিকিৎসার ব্যবস্থা করিয়াও তাহার জীবন রক্ষা হয়

সংবাদ পাওয়া গিয়'ছে দুবকটি বিঘ সেবনে অংশ্রহতা। করিলাছে। ভারাকে স্থান্থের ভাছার পুরত্তে মহাবিকেতা শ্রীপুত ছরিমোহন রাজের ঘাটাতে দেখা গিয়াছিল। ভাহার প্রেটে একখানা পত্ৰ পাওয়া শিয়াছে বলিয়া প্ৰাকাশ উক্ত পত্ৰ পাঠে জানা যায় সে জীগনে হতাশ হট্যা মাত্মহতা৷ করিয়াছে, এই क्षेत्र ८म व्यक्त कार्रात्म १ पार्री करत

#### विभवा िवाङ

ब्राह्मताही स्टब्स्ट खकाम द्या क विषयुत्र कियात क्रमध्यक्ष भाग निवासी अत्रास्त्रक- अंक के ब्युक्ति विराजन अस्ता स्थित है। अपूर्ण বাংগা করে বর্গেই (বিশ্ব) হন। শত সপ্তাহে গোয়ালালের অতুর্গত ভারপুরের বিশ্বনাথ ঘোষেৰ সহিত গ্ৰাহার বিবাহ হইয়াছে। রাভবাড়ীর পণ্ডিভ ষ্টীক্সন্থ কাৰ্যতীৰ্থের ৰাড়ীতে বিধান উৎসৰ সক্ষর SERIES

#### नाटराट्य भगाउक चामाबीटप्य আত্মায়বর্গের উপর মোটাশ

লত্তের ১০তে প্রকাশ যে বিভিন্ন আসামীদের কভিপয় আন্ত্রীয় ক সহযোগীর উপর অফিনের নিয়ম নাই: অভাগর ঐযুবক সংবাদ প্রতিবের পোচরে আমেরন মা ভ্রেরের্টর কর্পের ভারের সহিত্রাজাবে বিরেন, ভ্রেচ ইচলে ভারাদিলকে ভারভীয়া করিতে চাঙেং থী সাচেল ভালাতে দিওবিটি আটানের ২১৬ গ্রামতে লও कारकार कराम अन्य नरामम स्था क विस्कृति है उन छन्। इति होता। एक शांता कार्यमास्य की शा-জন্তে ব্তির তইনাছেল। এই কপায় বেরণ বংগর প্রিয় কার্যাধান ও প্রাত্তক অংগ: হী'দেব অপর্যাদের TREETS. अञ्चलहरू क निभागत इंडेट्स ।

#### গ্রীয়ত রাজেন্দ্রপ্রসালের পদার क्षप्रमानी केरबायम ७ वक्ष का

পাটনা হইতে জ্ঞান যে নিথিশ ভারত কটেনী স্মিতির বিহার শাধার क्रिशाल अवही शमन वामनी क्षेत्रक রাজেন্দ্রপ্রাদ কর্ত্তক অভুষ্ঠিত হয়। আগামী চলা আগত পৰ্যান্ত প্ৰদৰ্শনী শোলা शाकिता वाश्यामी हेग्नामियात्र क्षान्छ हरण छाननेनीत भागका हरेबाटह जनर এত্তপ্ৰাপে হলটি বিলেব ভাবে সঞ্জিত क्या श्रदेशां हिन ।

त्भोडियाटेड त्य देश श्राम श्रामिश्व भिशास्थि। धाशासिक श्रांस लाहेगाएक। धिन १३ অভিমত প্রেকাশ করেন গে, ইংগ হারা विश्व क्व मानाभार्यत (अब एत क्टेंट्ड

#### निजासगंब दल्दन देत देत का छ

সম্রাভি সিরাজগর ভেগে ২০ জন विष्ठाताने व्यामधीत अवाध्यात (६)। मुक्त रक निशायनारक्षत महक्षा हाकिम भिरेश्व ध. मि. कार्हेश आह. मि अम. दन दक्षारम এक्षि ठाक्षणाकत भागभात चनामा । शिराटर्ड ।

অভিযোগের সিবলনে প্রকাশ, কায়েক।

कृतः नम्हे (Gom satth (अ)हाराजन शक्क करता, घष्टनात्र मिन खाका निर्मादक ना अव ] कक्षा घातक के बनाज मगर, ५ टेमक नगरे भारत्याचार्यः यार्वेटक का दर्भ क्या म स काशाक अजीकात करत एका है।(१३ **्यान्यार्थंत्र स्वत्याः वस्त** 11414 ल्याय २० कन माध्य व्याप्तामा 51554 व्याक्तमन कश्चिम द्वारातक राम १७ व त्या, फ**्य (स आहळ इड), दे**ल, नन्दन अस्माभी-ে, ভিতরের সরকাত্রার প্রক্রাক্ষা ফেলিয়া বাহিয়ের সদয় দরভা প্রায় चिल्लिक इस , दशकारतम् इस ६३८७ धक्षि **छत्री मुलनजुक** खाटाता (५ मण्डा) क्रहेब्राइक् वीक्या छावान । घटालत বাহিরের জনসাধারণ পুলিস ও ও,থম त्वनीत्र ए**डपुडी म**र्साक्टरेड एक्टनत्र न्सर्यन দরভার নিকট উপহিত হন। বহু শ্রম ও বিলেব সভক্তা অবলগন করিয়া লাখি স্থাপন করা হয় এবং ছবিংনীত বন্যাদিগকে

**ভেলে আর কোন** বের্ণালয়েরের अ वाम लाड्या गात्र अहि।

उ हारमत च च करक चाउँक त्रःशा ह्य ।

#### আতভাষীর সহিত ভেরাক্রাডের গহৰ্ণরের হাডাহাতি

(अमृश्क्राक्षत शक्ष्मत संश्व सहया-(छन। अ**व्यक्ति (शाक** २४ वर्गेग्रास्त्र) চারিটী গির্মলা অধিনাং হহয়াতে। गामदिक चाहैन काहि इहेगारहा भूष मध्याय शामभाग महेबारे वह काछ মটিয়াছে। গভর্ণরের স্কিত তাঁধার बा शब्द कि इक्तांकिंग । केव्दावे धक्छ। शास्त्रज्ञ च्याकृत्य माळ्य महेशा तिस्माकात ছুড়িয়াছিলেন। গভর্ণর অল্ল বিস্তর আহত इदेशासून ध्वाः क्षेत्रं वाख्टाधे स्कटत कारन करिक स्ट्रेमारक। शक्तरियन

ৰক্ষা আৰ্ম শ্ৰীমুক রাজেলপ্রানার লাভতারী একলন রোমান ক্যাণলিক। ভারতের अकत्र आध्यानत्मत्र हेडिहार पुरका एक एकेमात शत्त छेलामसात्र বিবৃত করেন। একর তমন অব্যায় সময় দাস্যকারীরা গিক্সাঃ মান্তন গ্রাইরা

#### ইয়াকের আগীলঙা

रायम १९८७ जीकान (स. क्यम সভায় ইর'ক সম্পক্তে অ,বোচনার সুময় वाल फे.केमारिका, इतारकत थानानाचा चेत्कक इहेटन सरकारा मध्यनाटक्षत अञ्चल । इहेदन কিলা ৷

উপ্তিবেশ সমূহের ভারপ্রাপ্ত অন্তার व शाहार व :-- भःषा छ सन्त्रसारमञ्जूषाण-तकार्य द्या विधान क्या इहेब ८७, इसुन्क ल १६। मृद्धाः में इकाटत मानिया शहरता कक्रिकारिक उपित्र देशक वेशरिक क्रान्क्या र्येनार्यन अलार्काचा । करमान मिहे करा इतारकत भारामा कवित्व जनाल तक्र 'भ'रदवल ला। साक्षात्क मुस्तिमन **ह**ा। 5 रणत के ता । इस उपा क्रिक्टरमंत्र श्राप्त क नकार पारक, वेदाकाइड मुहिल है। ब के (के CH ( श्रद्ध )

#### যোলান। সিরাজীর মুক্তাতে कार्याचार राहरत भक्त

নৈর্ভ আন্তেভে লা সির্ভীর ভিত্ত (६ (२)) देशनम इश्लाइका ८६(८%) বিরামার অকার্যস্থাতে আপ্তব্য প্রয়ল্প এ বায় বৈরদ অংসাওনে বিজ্ঞান্ত ্রনিয়খিনিত स्य 'क श्वार्टका---

প্রিফ মিঃ মিরাজী মেলিকা নিবাজী मध्दर्भन ३७,८० मामि स्थिएक ,ड.४० CHICA (संभ काल कड़ग्राहि। जह मिक्किएट-शिवाका भारकरवस मक ऊक सम माध्य এবং জাতীয়ভাবাদী নেভার মৃত্যু দেশের ভউপ্রিথার প। দেশের এক ভিনি ভার मध्यप्र ज्ञाम गरतन नाहे, अमन कि কারাবরণ করিছেও ছিনি কুটিশ চন भावे । क्षेत्रदेश भिक्छ छार्थना, डाहार আত্মা যেন শাস্ত্রিপাভ করে।

#### झारदम दुरलभाष ख्या -সোণাভলায় প্রবল বর্ণা

केंद्रोर्ग (यथन (रमारुक्षता (माना'-: (हेल्टन श्रष्ट २१८**न कुणाई (श** ठगेंहेर) धित्रा विद्यारक स्टाइत मुल्लाटक शत्रवर्ध मःनारम 'ध्यकान त्यं त्मष्ट्रतित्र त्य थन' ভাক্তি বাটা ছিল, ভাকাও লাবলৈ क्षाक्रिया जिलादछ । ध्वयन ६ वर्गा छ भिरमद বেলায় মানৌ ও মাল পারাপার করা स्टेट्टरके। २४८म कूलाई कान्निक कराउ मिर्निश मरभा भूक्तिय दशका प्रणाः ग कत्रिवाते भागा गारे।

विकामद्भव सार aiwitt. আৰ্ড হাক ১১ बाष्ट क्यांव 👡 WE 4012 010 লৈভি ভগম ২ ্ हां अभ्य मार 43E



मागायाद शत का आग ८मझ वाविक 🌭 नानाभिक ८ (अम्।गिक २५० गानिक ১ 4518 প্রতি সংখ্যা 🏸

ভারতের সর্কত বছল-প্রচার—মনীয়া ভেলার এক মাত মুখপত

– শ্ৰীঅতীন্দ্ৰনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তব্ৰচস্পতি [১২৮ তম সংখ্যা ७ ४७ ]

শ্রীটেডরামঠ শ্রীণাম মারাপুর—১৬ই শ্রাবণ শনিবার, ১৩০৮, ১লা আগাই ১৯৩১

### নানা কথা

#### विमन ७३ (क ?

সংবাদে প্রকাশ, মিঃ পেডীর হতা কারী ৰলিয়া বিমল গুলুকে অভিযুক্ত कता इदेशास्त्र। भिः गालिरकत र छा।-कांत्री विमल खरश्चन मृष्टालक मनाज পিতাকে मताहेवांत्र कम्र छाहात পুলিদ মেদিনীপুর হইতে কলিকাড়ায় আনয়ন করিয়াছেন। তিনি কিম্ব সসাক্ত করিবার কালে মৃত আতভায়ী যে তাহার পুতা বিমশ গুপ্ত এমন কণা विनिष्ठ भारतम नारे। স্নাক্ত ব্যাপার শ্রমা পুলিস মহা মুদ্ধিলে পড়িয়াছে, কারণ বিমল ওপ্তের (कान करते। भूभिरभन्न निक्ते नाहे।

क्रमान वारकीयम बीभाउन रिक् अनुजिन राष्ट्री ब्रीटि श्रुनीना नामी एक বার্থনৈতাকে কেবা কালারা যে খুন করিরা সরিয়া পড়িরাছিল। এই সম্পর্কে हाइस्कर्रहेत्र, त्रुमस्य मञ्जीनातायम व्याक ও হীয়ুলাল পালিত নামক ২ জন লোক · व्यक्तियुक्तः इरेबाहिन । १७०० २०८५ क्नारे -এই স্থামণার বিচার হইয়া গিয়াছে। ছাইফোট সেশনের বিচারপতি মাঞ্চবর লট উইলিয়ামশ ভালাদিগের প্রভেকের व्यक्ति यात्रक्कीयन बीभाखन्ने वारमन एक्स क विवाद्यान

काकारकत्र द्योताका

## বিমল গুপ্ত কে

২ জনের যাবজ্জীবন দ্বীপান্তর

## ডাকাতের দৌরাত্ম্য

বন্দুক চুরীর খানাতলাদে দশস্ত্র ডাকাতি

## কান্দীতে ডাকাতি

সার তেজবাহাত্বরের লক্ষ্ণে পরিদর্শন কংগ্রেসকন্সী গ্রেপ্তার

কয়েকজন পাটনায় পিকেটীংয়ে ঐেপ্তার

## প্রতারণার অভিযোগ

প্যাটেলের অস্ত্র চিকিৎসার প্রয়োজন

ভাকাত্রা নগদে ও অলকারে সাড়ে তিন হাজার টাকা শইয়া গিরাছে। এই বাটাতে গত ২৪শে ভারিও অপরাক্ সম্পর্কে এখনও কাহাকে গ্রেপ্তার করা হানা দেয়। ভূপেন কাবুর বাড়ীর প্রায় হয় নাই। পুলিশের ভদস্ত চলিতেছে।

### বন্দুক চুরীর খানাডরালে সলজ পুলিস

থুলনা ও বাণেরহাট হইতে আগভ ি, নৌহাজং হইতে একাশ বে, স্তাতি স্লজ ও সাধারণ প্লিস সম্ভিব্যহারে ্রেজনির্মারের ত্রীযুত্ বিলোদবিধারী কুডুর ক্ষকিরহাট থানার প্রিস ত্রীয়ত ভূপেক্সনাথ ৰাড়ীতে এক ভাকাতী হইলা গিলাছে। রাল চৌধুরী, জীস্ত নারালণ শেন ও

কংগ্রেসের আর একজন ভৃতপূর্ব কথার २० थाना चत्र ७ पत्रत मक्न काळ ८७।त्रक পুলিদ ভর ভর করিয়া থানাভল্লাদ করে। व्यकान, मृत्यस्त्रत वन्त्रक চुत्रित्र मन्नादक এই থানাতল্লাস।

#### कामीटि छाकाडि

कामी स्टेड्ड ध्यकाम (स करत्र मिन পুর্বে খড়গ্রাম থানার খতুর্গত বেলিয়া

গ্রামে হরি বাড়ইয়ের বাড়ীতে এক অনুম্পাইসিক ভাকাতি ইইয়া বিয়াছে ভাকাওগণ সংখ্যায় হাদশের অধিক ছিল। ভালারা নার অক অসমত বাহিংরের খার ভাঙ্গিয়া ভিতরে প্রনেশ করে এবং বালীর জীপুরংবের নির্দয়ভাবে প্রহার করিয়া প্রায় ৬০০ টাকার জিনিয় পঞ गरेग्रा शनायम करता।

#### मात्र ८७कराष्ट्राष्ट्रदात्र मएको পরিদর্শন

সার তেকবাখাছর সঞ্চ এই সপ্তাধের শেষে লক্ষেতি আগ্যন করিবেন। ভিলি **ছ** ত্রির ন্বানের বাসভ্রনে বিশিষ্ট জমিদারদিনের সহিতে সাক্ষাৎ করিয়া মালপে মালোচনা করিয়াছেন।

#### कः दशमक स्त्री दशक्तात

ভিনেভেলী হইতে প্রকাশ বে সম্রতি প্ৰিস ইণাংগো নামক জনৈক খ্ৰক কংগ্রেনকর্মাকে কৌছদারী বিশির ১০৮ শারা অম্বণরে গ্রেপ্তার করিয়াছে। ভাহার বিগলে অভিযোগ সে নাকি আপত্তিজনক বস্থাতা কারগ্রাছে।

### गक्षांच किला ताद्वीत मत्यलन

্ডাঃ গোপনস্থ চৌধুরীর নেতৃত্ত গঞ্জাম জিলা রাষ্ট্রীয় সমেলনের অধিবেশন रग। উৎকলে मिली চুক্তি ভক্ষের करमकि উनाहत्व (प्रयाहेमा कवः कामी শান্তি স্থাপনের কল্প অস্থরোধ করিবা সভায় প্ৰান্ধৰ উপহাপিত হয়। প্ৰান্ধাৰ शृहीक ध्हेमारह।

## াবশ্ববেষ্ণবরাজস হার পরিব্রাজক

পরিব্রাজকগণের নাম	বৰ্তমান টিকানা
>। প্রীন ভক্তিপ্রনীপ তীর্ণ	<b>এ</b> শায়াপুর
২। <b>শ্রীভক্তিবিবেক ভারতী</b>	क्रेंक
৩। 🕮 ছক্তিবিজ্ঞান আশ্ৰৰ	<b>এ</b> মায় <b>াপু</b> র
৪। এীভক্তিপ্রশাক্ষরণঃ	कहेक

८। औञ्चिक्तम् रन

৬। গ্রীভক্তিদর্কার গিরি

৭। এছজিবৈভব সাগর

মাৰ টিকাৰা	পৰিত	রাজকগণের মাম	ঃৰ্ভমান ঠিকালা
<u>এ</u> শায়াপুর	VI	এভব্দি <u>এশ</u> ্বপ পুরী	434
क्रेक	>1	<b>এতাত বন্ধপ পৰ্বত</b>	વુકો
<b>এ</b> শার <b>াপু</b> র	3-1	এতজিবিলাস গছরিবেলি	<b>म्मिकाका</b>
क्रक	22.1	প্রভিন্নত্বৰ ভড়িলার	মান্ত্ৰাক
<b>ৰাজ্য</b>	<b>३</b> २ ।	ঐত ক্তিরক্ত শ্রীধর	মাড়াজ
অযুঙ্গর	3.01	শ্ৰীভবিভূদেৰ শ্ৰোৱী	<b>জী</b> শারাপুর
		- "	<u> </u>

১৪। অভব্তিপ্রস্ম বোগায়ন

## শুদ্ধভাক্তমসসমূহ

কলিকাডা

### শ্রীতিত্তরা মঠ

#### আকর

द्यातीन नवदीन, काक्वत जिथाय माद्यालूत, नदीहा

क्षेत्रात्म भारमार्थिक देवनिकशक, शायक-शक्कतादात चा शकाभिक ध अशाहीन शहराबि आहार का 'नदीया-अवाद' महामध बाकि हिंड व्येशास्त्र এখানে প্রতিবংসর স্থাম-পরিক্রমান্তর্ভান ও অপশিত অভগোট্টসছ কীর্ত্তন প্রচারমূদে महामार्गरम्यापि फलाम अपृष्ठित वरेता थाएक । अक्क--अवाता विभाग महवाति । সচভারী--শ্রীপাল বিনোদবিচারী ত্রস্কচারী, পভিত শ্রীপাল গৌরদাস এস্কচারী काबाबारकप्रमारीर्व, क्रिमान बीव्रष्ठस सम्हाती, क्रिमान बन्दर्शामान सम्हाती, क्रिक्य-লমন রন্ধচানী, শ্রীমণনগোণাল অন্ধচানী, ভক্ত নবেজ, ছরিপদ, রেবভীমোগন প্রাচুতি।

### (৩) যেগেপীঠ শ্রীমন্দির

京中年---(町)中45町(電気 গোসামী कहें। श्री अब ब्रीद्रमाराव । मण्याची विविधानमः बन्दामी, विश्वाधावित्तान किक्वन, चौधायनाम अवकादी । जीमाधन शान व्यक्तिकाती. दश्यमुका श्रीनीनमाथ ।

- (৪) শ্ৰীৰাস-অঙ্গন वक्रम --- जी शहार कुष्ठम अवहाती।
- (१) काट्रेकड-क्टरन वक क- श्री बटेब छालक मानाविकाती. **ब्रि**शंक्रगणात्र वावाची ।
  - (७) काष्ट्रोत नमःवि भःहे আচীন মাধাপুর, বামনপুরুর (নদীরা) वक्क-अक्टारी विविधाविकाती।
- ( 9 ) **খানখ ভ্ৰথ-কুঞ ब्रै**श्लिक्स, यक्रश्लक्ष ( संशोध ) क्कर--- जिक्ना काकात वक्ताती इक्क शासियी बन, त्यम, त्यम ।
  - (৮ 🕮 व्यवस्थाय दशोहीत्र मर्ड मक्रमम्भिक्षः।

रफ र--- चैयहयम क्रकिमाडी वम, य. रि, এল, मन्याती--- श्रीकेष्टनमाम किन्-माही, क्षेष्ठकाम व्यवकाती अववि ।

( > ) खैरगोत्र-गमानव-मर्ठ টাপাণাটী, সমুজগঞ্চ, ( বস্কমান ) तकर---- अध्यापा अध्याति, एक किहीनवदान नाम ।

> ( ) • अन्तर्भाकोत्र-वर्ष पादानमा. अमात्र केंद्रे. लि वक्क-- द्यान्यक्षत्र अवश्वाती ।

#### ( )) अःवाच्छ्यवस्य

याक्रेशकि, काश्रमक, वस्त्रमान। क्षण ---- श्रीव्यविद्यां वे अववानी, अक ञीगश्यत ।

(३२) कांचिक कांचन

🕮 अत्रवस्य (व्यान, क्रफनगत, नशीता। রক্ত-জীরুকানক ব্রহারী ভবিশারী

#### (১७) 🗬 अकान्नम मर्ठ

ट्याविक्क्ष्य, श्रामक/गी, मनीवा । 🖺 - इमिरक अवहारी. कियमात्रीत मान অধিকারী, ডক্ত বিশ্বনাথ।

(১৪) 💂 বাখৰ-শ্ৰেণীকীয় সঠ

১०नः नवावश्वत्र दशक्षः, छाणा। कुम्बानम् भवविष्ठः विस्ताप विनव, व्यामन-(श्रीकाण अच्छाती, श्रीनिक्तिशान कका

( ১৫ ) किटबामानको मठ

क्ष्मानुष, श्रम। इक्क--- जैनवागनान तकनानी

(১७) क्रिकारे-दभी नव वर्ड

वक्क-- चिनुर्वश्रक उच्छात्री, चैन्छिनान ব্ৰ**শ্ব**চারী

(১৭: किलाभयक्यनामण मर्ठ

किक्रणिया, राज्यस्थलक, व्यक्तिमील्डा क्षप्रदेश - 🙈 कम-दशीवाण-शाक्षशिणा-जितिबादीस विकारमधा वर्षमान । प्रकर-बन्दानी विकासम्बन्धना ।

## (২) ব্রীগোড়ীয় মঠ

> वः वाणिकामात्र एकनकी श्रीष्ठे. त्याः, व्याचीवातः व्यक्तिकातः। छिलिस्मान वि. वि. ७५७०

মঠতক্ষ — আচার্বাত্তিক ত্রীপাল কুম্ববিধারী বিভাত্বৰ। সহস্বারী—প্রতিত ञ्जीभाग चलवाक्रास्त्र भवविषाकृष्य विन्यः जीभाग कामविश्वती अध्वताती, जीभाग वन्यक्रात्व वामाधिकारी विन्या जीनाव वद्यालान वामाधिकारी, अवहारी जीकीसंग्र नक, उष्टाही श्रीमाहीत्यान्त. उष्टाही श्रीमध्यक, गिक्क सीमाह स्वीतहक महर्षिष्ठा-नकात्र 'कक्तिमात्री मध्यमात्रदेवकवातार्गः, श्रीमध्यक्रकाममामाधिकात्री विन्य, श्रीकवरद्वमाक्रिय यकात्री विन्द्रण, श्रीषश्चमम नश्यकाविष्, श्रीविषश्च अक्षात्रकी, श्रीविषश्च ব্ৰহ্ণারী প্রস্তি।

(১৮) जामगारवाड़ा अभन्ना अन वाष्यवीत त्याः वद्यान । म्बन--- अवनात्री चिन्दिन्दात्र।

> (১৯) औश्रुक्तरवास्त्र मर्ठ वर्तकार, शती, केकिया।

प्रमण-जम्हावी खैलवमानम विद्यावणः अष्मठाती जैनशोधानक, टीलद्रानाकृश्य अमहाती. ध्रीयामयामम अमहाती, ख्रीनिमार **চরণ অধিকানী, औ**।शानिधि শগু।

- (२०) खेलच-८गोकीत्र मर्ठ
- আলবরনাথ, এক্ষলিটির পোঃ, পুরী ! वक्क-अध्वाती अन्यद्यवती अनावणी। नक्काबी-अभाठाबी जीविनिवरिकाबी।
- (२) बैनकियानम् यहं Efestelmia, mb#1 त्रक्रक--- अक्षुठाकी जीवबाद हे, क्षीतामणव उक्ताबी।
- (२२) जीमनाचन-(भोड़ी इ गर्ड अनर क्राक्कावन प्रा, कानी । वक्क- अधारी कृत्रमध्ये हो, निटारेवान उष्काती, जीनकामम अवसामी ।
  - (२७) श्रीकृष्टेष्ठपण गर्वे जीनुनिरव्यान सुक्ष, जीनाम वृत्यापन । মুক্ত -- জনপ্ৰতিনাথ ব্ৰশ্বচাৰী
    - (२৪) क्रिश्चमक्रम मर्ड देशियांत्रमा, मीकामूच

तकक-अवाही विमृतिश्हामक व अवहाही खोननइगान ।

(२४) औरेष्ठकक्षदशोकी स वर्ड भूत्र**म् का,** विषक् का, भागक्य । क्रम म--- जीवमामाथ बाब, जीवामणी ﴿ द्यवयविश्वा

পুরী

- (२७) न्यानक्षीक्षेत्र मठं वसर---अव्यवाद्यो जीव्यन्त्रको, जीवनी-(गानान वक्सामी
- (२०) जाषनगाम जनशासन-मह जाचनभाषा. ८५१: मासू, शक्षां ज्यपादन वस् कुक्भृषि जीरगोश्रारकत रमक वक्षमान । १०००--- अववानी ओव्यानप्रकः 417. WW ##91+#1 (२৮) विज्ञो दशेकीप गठ-कार्यालक वनर शिक्षित्रका जाकात लाग, विके विक्री । वयक-वयाना श्रीवक्ष, लोक्नरम्ब
  - (२२) ८नाप्रामभाषाः- अभक्षास्यव क्रमण-अधारती बीदाशरमाज्य

न्त्री वा वा व्रमन हवन पत्र व

- (७०) माखाबदभी होत्र घठ मर्वे द्रशालानपुरम्, कार्रायञ्चल, म स क क्षण -- जिम्बियामी क्रीए क्षण का महाताम । भरकाशे--- विविध्यामी 🕮 व জী-ছজি-মন ছজিলাত, ত্রিল গুলামী 🕮 ডক্তিয়ক্ষক জীবে মহায়াল, শ্রীপাদ वनवानम् अवस्थि, क्षेत्रावः (१५२)मध्य বৰ্ষচাৰী, জী গাণ্ডিছখন্ত্ৰণ ব্ৰশ্বচাৰী ভঞ্জি-न'जो च 🕮नाम इनोबचनामनः बच्छादी ।
  - (७)) यात्रमध्यात्रामा गाइः कांठानश्रान, हाक्यां, अमीवा १व्य--- अवहाडी श्रीरक्ष्मशायक





सकेनस

😕 🚉 भन्न दर्भातास्य ८८१. ५५३ ज्यानन नकान्य ५७०৮. ५ व्यागर्थे देश ५३०५ समिनान

১০৮তম সংখ্যা

### সাময়িক সন্দেশ द्रविवात १०हे खावन ( ১७७৮ )

टभी जीव देनमध्य मुख्यानादेशक मध्यक्तक 🤏 বিফুপাদ প্রমহংস প্রিব্রাভক্ষাচাগাব্ধা অংঠা ধরণত শ্রীশ্রীমন্থ কিসিকার সরবতী গোষামা মহাবাজ গভ ১২ই জাবেণ ২৮শে ৷ कतारे समन्तात (तता । ।।•हात समन শ্রীণাম মায়াপুর শ্রীচৈত্ত মঠ চইত্তে কলিকাড়া জ্রীগোড়ীয় মঠে ভভবিক্যাপ त अना क्षेत्राहर ।

हीन अञ्चलान मक्छारनाइन कतिरम ठाकुत किलिनियाम इनिविधि इतित ख्रामान শিক্ষক ত্রিদণ্ডিস্বামী ভীমন্তুক্তিপ্রদীপ তীর্থ নহারাক ত্রিদভিন্দানী শ্রীমন্তবিদ্যান আল্রম সহারাজ, প্রিভ্রাবর শ্রীশাদ অনতবাহ্নদেব পরবিক্ষাভূষণ আছু ও শ্রীমঠের অক্সাক্স সেশকরন্দসহ সমধেতবারে অভিমন্তঃ 🕮 ওরুদেবের জন্মধ্বনি করিলেন—পৌভাগ্য-বস্তু জনগণ শ্রবণ করিলেন, সেই জরপ্রনি দিগ্দিগতে আচার্যাবর্ষার অমুষ্টিত সমীপ্রন यरक्षत्र अव्यवकार्याका निर्णाविक क्रिलिन।

ত্রিদণ্ডিপাদ্বর অপরাপর নেবকরন্দ-नके क्रफक्षांनरक निर्देश करणात यां पर्यास मीन अञ्चलातित स्रमुशमन করিলেন। তৎপরে খ্রীল প্রভূপান শ্রীপান অনস্থবান্তদেৰ প্রবিত্যাভূষণ, শ্রীপাদ নিত্যা-नम उक्रवात्री, श्रीभाग मूक्त्मवित्नांत्र नात्रा-धिकारी, अभाग मञ्जनानम उन्छाती, अभाग-केंद्रमधी मुझाधिकाती, जाः जीनाम सक्तकाश्चि

রশ্বচার ভঙিকৃত্য ও অপ্রাণর কঠি-भव कक्षमञ्ज्ञ राष्ट्राधाराण दनीकारताङ्ग कतिरम श्रामिकीवा श्रमताय औ धेम छाडू-পাদের জয়ধ্বনি করিয়া প্রভাবিশ্বন कतिःधन ।

গল্প, পার ভইষা শ্রীণ পর্পাদ नवर्गणपाठे ८८५८न क्रमध्नशवधानी ८द्वे.न बार्याञ्च कविरम 🚉 🛭 मि निष्णानम ब्रङ्गामी व्याप्त, व्यालात मुक्त्यतिसाम व्याप्त । अल्जालन ক্তিণয় ভক্তবুন শ্রীণ প্রপানের জীপাদারে তান্ত হট্যা ইটটেডভানটে প্রভাবেশ্বন করেন।

বেলা ১০ ৪০ মিনিটের সময় ট্রেণ ক্লফনগর্মি**টা** টেশনে উপাত্ত হয়। কলিকাতাগামী ট্রেণের ক্লফন্গর টেশনে পৌছিতে ভগনও দৈড়খটোৰও আধক বিশ্বহ ছিল। এবিকে আভাগবত প্রেস হইতে ভাক্তশারী আশাদ কুঞানন্দ ব্রন্ধচারী প্রভু শ্রীশ প্রভুগাদকে শইলা ঘাইনার অঞ্ ষ্টেশনে উপস্থিত হুইয়াড়িলেন: ক্ষুন্সরের কৃত্ৰিখ ডা: শ্ৰীবৃক্ত শাকিপদ চটোপাধ্যাগ मध्यानम खीम व्यञ्गादमत निर्मिख छाहात भाषेत (हेन्द्र शाधिहेश विश्वाहित्त्र) স্কুতরা, প্রভূপাদ জ্ঞীপাদ বাস্থানের প্রাভূ সহ উক্ত মোটরে জীলাগবত প্রেসে শুভবিক্সঃ করেন : তথায় যক্ষার স্থযোগ্য চিকিৎসক चैयुक किटानहम्र पद डेकीन, षाः ध्रेयुक স্চিদানন্দ দত্ত প্রমুধ স্তভ্নগণ শ্রীগ **क्षाप्रभारमञ्जूष्टित्रम सम्मना करतम**।

মোটলে টেশনে পৌছিল। জী বি বাজনেবা বিচার ভান গাইলছে। প্রাস্থ্য ত্রীগাদ সজ্জনাসন রক্ষরাধী ও খ্রীগাদ উদ্ধন্তা দাসাধিকারী সহ ক্রিকাতাগামী हिर्देश ब्यादनाञ्च कतिया दनका आहा छिता সময় আলো চাৰ মতে শ্বনিক্য করেন।

কটক ভীগাজদানক মঠ হইতে অধ্যা-প্রক আপেদ নার,বিদ্যাধ আধ্যকারা ভবিত-স্থাকর ভব্তিশালী এম, এ মধ্যেদা গত ২৮ জ্লাই ভারিপে ভাবে কানাইতেছেন,— मिकिनाननमार्थन वासिक महाभारहारभन কান্ড <del>হলের গবে</del>। অন্নটত *২ইতেছে*। ভিদ্ধিতান শ্রীমদ শ্রীকবিবেক ভারতী নহা রাজ প্রভাগ্র ইন্সন্থাগ্রত ব্যাধ্যা করিছে-চেন। মত শিক্ষিত ব্যক্তি প্রভাইট জীমঠে মাগ্মন করত গাঠাদি শ্রবণ করেন। শ্রীযুত হরেরক দাস অবিকারী ও অরুজু লক্ষণবিগণ সঞ্চীকন করিছেছেন। সমাগত গ্রোচুম ওলীকে প্রভারই মহাপ্রসাদে গ্রিচ্থ করা ২ই তেন্ডে। এথানকার আকাশের অবস্থ। क्षांत अवर डेरमरनत कारगांत डेखनवरण अ

गष्ठ ১७३ आवन वनवात मिनम नमीय। জেলার রারবালী আম নিবাসী জীযুত স্থবীরকুমার বাগ্টী মহাশয় স্পরিবারে শ্রীধাম মালাপুর দশনে আফিরাছিলেন। िन जीवानक्षात्व त्य नगरत् भमन करत्न, তথন জ্ঞীবিতাদের মাধ্যাহিক পরনকাল। মুভক্কাং উচ্ছালা ভীৰিঞ্জত দৰ্শৰ ক্ষাণিতে शान नारे। किस अभीतगात अतिवार क्रिक रहे नाइन। দর্শন করিতে না পারিমা গে মন্তব্য প্রকাশ ।

महरू विकास कार्य निकाहि । इंडी उर्छ ।

শ্রীল প্রভুপার অন্নগণ গরেই উক্ত কবিরাছেন, ভাষতে ভাষরে মানাঝালীয

ন্তিবিভাছের ভোগ দেওয়ার প্রয়োজন নাই বা ভাষার বিশাম্পিবও আব্রুক্ত माडे. तकराम जाशासन्य विश्वित्रकर्नीत्वन कन्न নিজেনের বেজায়ুদারে ত্রীন্তির উপরে যগেভাগের কবিতে হইবে-– একপ বিচারের প্রশ্লে বুলিমানসাহেই করেন না।

শ্রীবিপ্রাহকে করে, মারী, পাণ্যবের পুতুল বুলি করিলে পৌত্রিকতার প্রভার उन 9वां रूप । भाजनामीन निर्दाल क्रीनि शहरूत অবজ্ঞা কৰিলে ন্যুকী হইতে হয়----এইস্কল প্রস্থুলার বাল্যাছেন।

গাত ২৯শে জুলাই বুরারর নির্মানদীয়া জেলার হাতিশালা।নথসে। ইন্তুত জাপুতভাষ বিশ্বাস মহাশয় ঠাকুব ভব্তিবেনাদ ইনষ্টিটি डेरहेत निकान देवलिका अवन कतिहा निक পুরকে এই স্কুলে ভটি করিবার ভয় আসিয়াছিলেন। ভিনি নশড়া ৫৪টেক

শ্রীধান মা প্রার বো পিঠের রক্ত ক্রিত রমানাথ ১টালা ও গোলা<sup>নি</sup>-সছো-মধ্যের স্থানি ওলোর ঠাকুর ভার্তিনিম্নোক इबिहिडिटिन अभाषनात नियमानकी निष्क किन्नान कारलाहना स्टेशिका। श्रीमुक বিশ্বাস মহাশয় এই ফুলের শিক্ষার देविन्दिरं क्या विस्तवकादन खनन कानम

"লগতের পিডা কৃষ্ণ যে না তলে বাপ। পিড়জোহী পাডকীর লক্ষ লক্ষ ভাপ।।"

### नौनाहरन बीद्रथ-याजा

The second of th

(2)

প্রত্যেক ভক্তের দক্ত নানা স্থনির উপহার যথন প্রভাবেক গোণিক প্রত্যেকের
নাম উল্লেখ করিয়া প্রভাব সেবার সন্থ
উপস্থিত করিতেন, তথন প্রভাৱ ভক্তের
উপস্থত করিতেন, তথন প্রভাৱ করিতেন।
প্রাণ্যা করিয়া প্রহণ করিতেন।
গোবিক্ষের রূপাপ্রসাদে বৈষ্ণবগৃহিনীগণ সেই
শুভবারা শুনিয়া প্রমপ্রকে আত্মহারা
ইইয়া জীবন সফল জনে করিতেন।

শ্রীনার্যভাননীর-ভারছাতিস্থবলিত শ্রীপৌরস্থান শ্রীলীজগনাগদেরের রগাণ্ডে
যে সংগাকিক নর্তনলীলা প্রদর্শন করিণাছিলেন, সত্ত কামনা সেই চিনাম লীলাসমুদ্র হইতে একবিন্দু স্বাচ নীর উত্তোলন
কবিধা নিত্যবাদ্ধর গোনভাতবৃন্দের শ্রীকণ্ডে
স্মর্পণ করিবার প্রধান পাইব।

জগণচাণোর লীলাভিনেতা শ্রীকৃষ্ণতৈ চল্পদেব শ্রীরপয়তার দিবস নিশাবসানের
পূর্বেই গণস্থ প্রাভ্যন্তান করিয়া আসিবেন ।
শ্রীলাচলনাপের পাড়ুবিজ্যু বা পাচাত্তিদর্শন্ব ছল্প ভাজবন্দের বারেক্সভার সামা
নাই; সমগ্র ভাজবেদের বারেক্সভার সামা
নাই; সমগ্র ভাজবেদের বারেক্সভার শ্রীমারালা
শ্রেল্ পাহাত্তি দর্শনে গ্রমন করিবেন ।
উদ্যাধিপতি মহারাজ প্রভাপরত্ত সমুদ্র
প্রধান কর্মচারার সহিত নিজ্ঞে উপান্তত
থাকিয়া মহাপ্রদুর গণকে পাড়বিজ্ঞা দর্শন
করাইতে লাগিবেন।

শ্রীনিত্যানন্দ, অধৈত, শ্রীবাস, জগদ।
নদ, সরপানি ভক্তর্নের সহিত শ্রীনথান প্রভু পুলকপরিপূর্ণ চিত্তে শ্রীভগবানের রগ্যবাহন্দীলা দেখিতে লাগিবেন।

ক্রীজগন্নাপের প্রিংসেবক মন্তর্গতীতুলা বলিন্ত 'দান্তোগণ শ্রীজগনাপ, শ্রীনলানাম এবং শ্রীন্তেলা দেবীকে সিংলাসন হ'তে নামাইনা অতি মত্রমহকারে স্থারোহণ করাইছে সাখিলেন। শুলুতুলার দারা পুচ ও উচ্চ গদি নির্দাণ করিনা প্রভুর বিজনপণের জানে স্থানে পাতিরা দেওয়া হইরাছে: কিন্তু মহাবলী; শ্রীবিপ্রহের পদস্পর্লে প্রভুগন্ধে ভুনীগুলি গও থও ইইনা লাগুনিগের ক্রার চত্তুদ্ধিকে উড়িনা বেড়াইতে লাগিল।

সকাত প্রস্বতন্ত্র বাংট পুরণনোত্তমকে কের চালাইতে পারে না, নি এগেণ সেবার উপলক্ষ্য মাতে, স্বেচ্ছাময় হরি বীতি-বিশ্বারণ নিজেই রধাব্যেহণ করিকো।

মহারাজ প্রতাপকর, স্থবর্গ সন্মার্জনীর থাবা জল্মাগরেবের রগ-বিজয়ের পথ নার্জন করত স্বাসিত চনন-বাবিতে সমস্ত পথ গোত করিয়া দিতে লাগিলেন। বাব-হারিক জগতে সকলেই ব্যক্তি ইইমাঞ্চ আন্তরিক দৈক্ত-আর্তি সহকারে এই তুক্ত-সেনা করিলেন বলিয়া ভক্তবৎসল জ্ঞীগৌর-স্থানর প্রভাপরজের প্রতি অত্যন্ত ক্ষপা-পরবল হইলেন।

যে ভিনথানি ভীরথে শ্রীক্ষগন্নাপ,বলদেব ও ভ্রন্তাদেশী আবোহণ করিলেন, ভাহার সজ্জা অতি গরিপাটী : দেখশিলী বিশ্বকর্মা। স্বাং ঐ প্রীর্থসমূহের নির্ম্নান্ত। স্বাঞ্চন-ন্য স্থানকভারতি রথ নানাগণি-মুক্তালির ঝালর, শত শত জ চামন দৰ্শণে, নিশ্মল রত্ব চন্দ্রভাগে, বিহারপতাকার, জ্রীরণশোভা ঝল্মল ক্রিডেভিল। বৃত্যুলা বিচিত্র বর্ণের রেশ্মীবয়ে রথ বিমঞ্জিত হটয়া তত্রপরি স্তাবনি প্রশাস্থাসক। শ্রেণী মৃত্যালয়-স্পর্নে দেডোলামান হইতেছিল। খামর, किकिनी उचारी। पित निकाल का जिम्मतन्त्र উপিড হইতেছিল। বে চিন্মর রাক্ষণণ निशा ७०नाम याण कनिशाहित्सम, लोहात শোভা অভি মনোহর ৷ যথ: ---"কল্প খেতবালু পথে পুলিনের সম। ছই দিকে টেটে। সাম যেন বুন্দাবন ॥ ब्राप हिंडु' अध्याप कतिया धमन । ছই পাৰ্ষে দেখি' নলে আন<del>্দি</del>ত ৰন ।"

😤 २क मीश ८५।शामा मिन्स्टक '८५० 🔖 🛊 🖎 । সেই গৌড়গণ পরমানকের সহিত রগরকু ধারণ করত রথ টানিতে লাগিল। কথনও জ্ঞত গতি, কথন্ত মন্দ্ মন্দ গতি, ক্ষমভ্যা স্থিরভাবে বিল্লাম, এইপ্রাকারে স্বেচ্ছার জগমাথের রথ অগ্রাসর হইতে লাগিল। শিকাওক ভগবান 🕮গৌরহরি প্রথমে প্রমানন্দ পুরী, ব্রহ্মানন্দ ভারতী, অবৈতাচাণা প্রভু এবং শ্রীমলিত্যানন্দ প্রভূকে দ্বীয় আগতে প্রসাদী মালাচন্দন পরাইয়া [দিয়া তংগরে প্রধান কীর্ননিণ শ্রীসরপদানোদৰ 'ও - শ্রীবাদ পরিতকে भागावस्त नार्त्त मगानः, कतिरम्म । अकन ভক্ত কীরনীশকেই মহাপ্রাকু মালাচন্দন দিলেন। প্রাভর শীহন্তের দিবাপরশ লাভে সকল ৮ডের প্রাণ আনক্ষে নৃত্য করিতে লাগিল। শ্রীময়ধাপ্রভু কীর্কনীয়াগণের সন্দোষ্য স্তশুমালা করিয়া বিভাগ করিতে লাগিলেন : বিভাগজমে সাতী কীওন-সম্প্রদায় গঠিত হুইল।

### শান্তির বার্তা

ভানি সদা ধরামাথে করণ রোগন,
নারা-শোক শ্বভি দও আকুল বেদন
ভাগি কোগায়, কতে করিতে লেপন ?
ক্ষভাতি 'বিশ্বরণীলভা'
ভূলাইবে মর্গকভ-বাগা,
মানসভারনে ভায় কর গো রোগণ।
স্কুয় বালি' বিভরে সে শার্মভ ভীবন ॥

### জীধাম প্রদর

আনলা নাগভীয় এম্-এ পারীকোভীর্ণ বা বি-এল-পারীকোভীর্ণ ব্যক্তিগণকে ভগ্নস্থক্তিতে পারমভ কানিতে পারি । নাই । যেগানে যভ বস্তবংশু আছেন, । সকলেই যে শ্রীরামানক বিহুর বংশু হইবেন,—এরণ ধারণাও আন্তানর কাই ।

ন্ধীনামানন্দ বস্তান আৰু পৰিতা আছুপরিচণ দিতে গিলা যদি কেই উক্ত ভক্ত রাজের বিশ্বাচন্দ কথেন, ডাঙা ক্টলে সেই বংশানিক থাবা ন্ধীবামানন্দকেই কন্মিতি করা হয় আনি !

শ্রীটিভাগণ দত্ত ঠাক্তর—ক্ষমণীকার দাদশ পোনামো হরুন্য। ভাই ববি।। মানটোর স্পর্ববিদ্যকুলোর দত্ত উপারিধারী ব্যক্তি সক্ষেট কিছু 'পোপাল' ইউছে পারিবেন না।

উজ্জানত হৈছিল কাতিবংশগ্ৰ দেইকণ প্ৰিথিয় 'গ্যোগ্ৰ থাক্ব' হইছে
গোলে ভালাদের আবে ই:নিডানেলদেবাৰ বিম্থতা, বিপুণ্টকের দাফ ও
গ্ৰহানকামের নিন্দা-প্রশাসাণ প্রবঞ্জ বিশিষ্টকের দাফ

বংশোচিত গৌণনাকাৰ বাজিপণ পূকা মহাকনেৰ পথ হউতে বিচাত হউথা কামজেনগাদিৰ সেবানিলত হউকে 'উহিশা নিৰ্দ্মংশল হউতে পাবেন ন'। নিৰ্দ্মংশল না হউকে 'তাহাদিগাকে 'পল্লহণ্ড' বা 'ভক্ত' বলা ঘাইবে না।

বংশ, মোজারের বংশ, পোজারের বংশ, মোজারের বংশ, মোজারের বংশ, পোজারের বংশ সকলেই যে ডাকার, মোজার বা পোজার ইইবেন—এরেপ প্রমাণ নাই। স্করাং ট্রেড়া কাথার শুইন। প্রস্কুরনেন লক টাকার বিলাসিতা এখনও আছে বলিয়া মনে করিলে 'আলনস্বর' হইয়া বাইতে হইবে।

ফালন্করীর চিন্তালোত যদি ভেক্ধক্-গণের মধ্যে প্রথিত হয় বা ফালালের ঘরের ছলালগণের মধ্যে যদি তাহা ব্যক্ত ইটয়া পড়ে, তবে তাহার বিষমর ফল ভোজন করিলা প্রাক্ত সহজিয়া তথা-কবিত বৈক্ষবশাস্ত সমাজ সেই বিষে জ্ঞারিত ইইবে, সন্দেহ নাই ।

#### যৎকিঞিৎ

**₹** )

শ্যামসুন্দর্ভের উপাসক শ্ৰিপাদ অন্দর্জানন প্রত্ चक्रित रशिता मत कुम्सित भूटक, कृत्रात 'स्वक्रभ' वर्षा' यामाम वमाहः शीत क बाकत छाकि 'काठमनि' गुरु. 'অন্নরের উপাসনা এই ফিরে হার ? শিখাতে মরতারন স্থলবার গাড়ি. অসাকত বোক্ষণের দিতে ছুস্থান ; ঢালিছে অননীমানে স্থিত্ব খন ভাছি. <mark>স্পন্ন</mark>দিত গেট্ডাকা**লে এফ জ্যোভিয়া**ন্ দ ভড় চকু নাতি ছেয়ে খ্রাম-মুগহাসি : अन्तर १ का न्या न्या बहातीहा नग्र. দেৱা শ্ৰীকেনি কৰি প্ৰাকৃত গুৱলি *िञ्चात भाष्ट्राः* छोत दवत भौतहम १ ८भ' विक अंतिका निष्ठि व्यक्त मनुभरत्र. "देवसन्दवत भाग तस् देवकुर्छत छत्य ॥" মুক্তবের পূজা বত তে সৌমা স্থাপস। तिश्रंथ की, तत हत्त के। तम खन किरा . ছরিতে বিখের বাপা চিন্ন অনল্স, দিবানিশি রচিডেছ গোলোক অমিবা: কুষ্ণবাস্তা বার্মী ভূমি, বন্ধন অনগল :

স্থানীয়ে, দাখানক, সিদ্ধান্তনিপুণ।

কৰি ভূমি; দাতা-শ্ৰেচ সেবা-স্থমিপুণ দ

आङ्गानमधानानी-**टाकान-निक्रम**,

सदर्भत सङ्गण, बद्धांत गुंभी,

বসভের গোলাপের অপুকা সুবাম,

िक्शक ठारमशीभास गांसका मानार्टी।

मिनाटस क्रिक माना दमनन-महाभ ॥

एकरण्त मानिमध ८० शुक्राची सम्मद्यतः।

নিবেদি ভ'গ্দিয়ুগে ভাক্তপ্রথা জনতের ন

### অমৃতসরে গিরিমহারাজ

শ্রী ধান নায়পুর শ্রীটেডছ মঠের কলে তম জানারক বিক্তিপানী শ্রীন্দ্র অফিন্সকল গৈরি নহারাজ অমৃতসরে শ্রীসক্ষয়া প্রভার প্রতানিত শুদ্ধ সনাতন ধন্মের কথা প্রচার করিতেছেন। তিনি ভগান্ধার কালীবাড়ীতে সনাতন শিক্ষা-সম্বন্ধে কটী চিত্তাক্ষর্মক বস্তুতা গোদান করিয়াছেন। বহু বাঙ্গালী ভদ্রবোক তাহার বস্তুতা শ্রবণে বিশেষু দুঝ হট্যাছেন।

স্বাণিজী কতংপর রায় বাহাছর সভীশ-চক্র বিশ্বাস ও রায় সাহেব তারাপদ রায় হোস ডিপাটমেন্টের স্থপারিন্টেওেন্ট মহোদয়ের গৃহে শ্রীমদ্ভাগবত পাঠ হারা মানবজীবনের কর্ত্তব্য বিষয়ে স্কৃত্তাবে বৃষ্টেইয়া দিয়ছেন।



## গ্রন্থ পরিচয়

## **শ্রীমন্তাগবত**ম

**আম্মান্ত্রি কুক্টবৈশায়ন শেষব্যাস-প্রাণাত মূল, শ্রীমন-**राकुत-कुछ मात्रांभानिये किया, यक्षाप्रयाम, मण्यूष जायग्र ७ क्षांचित्रक, उथा e विक्षणानियुक्त । क्षांच करकत चामित्रक সেই ুখন্ধের প্রতিশাম্ব কথাসার, অণ্যায়ের প্রথমে ঐ অণ্যার্মের সাম্বন্ধ স্থাবিশ্বত ভাষপ্র্যাদি নিবৃত। শ্লোকস্টী विश्वकृती, अभावविवन्त, भाव e शानगृतीमृह छेदम কাগতে উত্তম অক্ষরে মুদ্রিত। প্রথম হইতে ১০ম কল পশ্তম চাপা প্রপ্রপে শেষ চইয়াছে। ভিকা প্রথম रुद्धा । • ् ।

#### **জী টাটেডকু**চরিভায়ত

ও শ্রীশ্রমন্তি দিয়ার সর্মতী গোরামী প্রভুপাদ-লিখিত 'অনুভাষো শ্রতি-কুল্যানি বহু ধারাপুমাণ-সংলিত ১ইয়া लाकाश्यित बहेबाद्यम् । स्माद्यस्य मास्ययोगमा विकाधनाम ६ প্রত্যেক পরা**রের পর্বে সংখ্যিত অভি**ধেয় সংযোজিত। প্রভাক অবায়-প্রায়ম্ভে কর্ণাসার দেওয়া আছে ৷ শ্লোক, প্রার, প্র, স্থানী, পাতা প্রস্কৃতির সর্ভৎ সূচী ও এছকারের বিশ্বত জীবনী সম্বিত এইকপ অভূতপ্র সংকরণ ইতঃপ্রে কুত্রালি প্রকাশিত হয় নাই। উভ্য কাগতে পারিগাটে)র সহিত তুল ক্ষেক্ষে মুলাংল মুক্তিত হইয়াছে। এছ প্রায় ১৫०० शृहास गुल्ला । किका दखनारन दर माछ ।

#### **শ্রীটেড প্রান্তাগর**ড

গ্রন্থকারের দীবনী, প্রতি পরিচ্ছেদের কথাসার, বিস্তৃত গৌড়ীয় ভাষা, শক্তী, প্যারপ্তী, বিধয়-স্থান-পাতাদি-সূচা, প্রজ্ঞি বিবিধ বিষয়-সম্বাশত বিরাট দিতীয় সংখ্রণ ! পাদ স্ফটা, ভাত্যকারের জীবনী প্রাস্থৃতি সম্বাশত। ভবল ক্রাউন ৮ পেঞ্চী আকার। আদিখালা ও মনোর किश्रमः अकाशिक श्रेत्रारक्त। जारम जन्म अकाशिक ६३८७८७मा अधिम किका ८ होका, आणि मीगात िक्षा ८ ।

#### **ब्रिटेड एक महन**

এই গ্রন্থের এরপ অভিনব ফুন্দর সংকরণ আর কুরাপি थाकोशिक क्य माहे। সংশ্वक (म्राकारम्य व्यवत यमाञ्चलेन. ভাষা, ৰণাসার, তথা প্রস্তৃতি সহ ধণ্ডে খণ্ডে প্রকাশিত হহয়ছেন। মূল মোটা আকরে ভবল জাউন আটপেছী एटमाकारम काला व्हेमारक। भूका २॥० छोका। महीया প্রকাশ ও গৌড়ীয়ের গ্রাহকগণের পকে ১৪০ টাকা।

#### **এমহগ্রদ্গীতা**

— শ্রীগোড়ীর বৈঞ্চবাচায়া প্রপ্রাকৃত রসিকচ্ডামণি लेलिवियमाथ ठळवडिराक्त (भाषामिक्छ। भावाध्यभिन ট্রাকানভোও প্রীশীনরভিবিনার ঠাকুর-প্রণীত 'রগিক-त्रसम् नामक कावाकाशमधिका । नशाग्रक्री, बाक्काकस লোক-সূচী,বিষয়-সূচী,এছফানের জীবনী ও অবভর্ষিকাদি বহু-ক্ষাত্ব্যবিষয়-সহ উৎস্কুট বাধাই দৃষ্টীয় সংস্থল-- এই রাজ চইতে পরিজবাংশ মাজ গৃহীত; 🕮 নীৰ গোখামী কি সংस्कार्यक्ष किका क् क्षेत्रका माख्य, मानावत मरववन--->॥• क्षेत्र माज

## শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

ও বিষ্ণুপাদ এএীমছাজিসিছাওসর্থতী গোষামী মহারাজের দেই অনিজা বিধাংনিনী कीवाषायक्षात्वामिनी क्रया-कार्कानमभाग्निनी कीवस्त-वानीत मुर्क-विश्वक---देवकविवास-अद्भगावात (को ४ व्यवि---नव्यक्षात्र) মধ্বাচাযা-ক্রতা তাৎপর্বা-নির্ণয়টীকা: শ্রীমদ্ধিবনাগ চক্রবন্ধী । বৈভববিজ্ঞানগোরের মৌলিক ভগ্য--প্রধ্বাত ও ভাগবতের সমধ্য গুল —মহাজন-ছাধনচ্বিত-শিল্ফ ক--ভিল্লিগান্চিয়াত্ত-অচিমাত্র-নিচারক— ঐখ্যা ওমাধুসারমের মোলিক গবেষণার --- नथ्य, अख्रित्य ७ व्यासाधन-एएका गिकाध-नयुम्।

> ১। প্রথম অত্তে—বৈষ্ণবদশন, শ্রী ওক্তর, কাল-ধর্ম, জীমধ্বানিভাব, শীবার্যভাননী, পাঞ্চরাতিকী দীকা ও বৰ্ণ-বিচার, আত্মশ্ম ও মনোধ্যা, ইটেডভাদেৰ ও ভাষার বিশা, প্রাকৃত বছরণার ও প্রাকৃত সহক্ষর. প্রকৃতি বিংশতি সংগ্যক রয়ে অংশাভিত। ভিক্ষা মাজ <sub>কাতি পুতি পুতাল-পঞ্চরায়েদি সাহত-শাস্তসমূহের প্রমাণাবলী</sub> ৮০ বার আনা।

১। বি তীয় খণ্ডে—ড্ৰা ও বিদা ভজি, মহুদোর আশ্রীমছার্কা নোপঠাকুর-রচিত 'অঞ্ভলেবাহভাগ্য' শ্রেষ্ঠতা কোথায়, মান্তারে নিভারতি, উচ্চর স্বানিশাদ ও भाषाताम, জীপোর-নিত্যানলপ্রসঞ্চ, ভিত্রপর ধর্ম ও রুদ্ধ-কীর্ত্তন, শ্রীব্যাসপুলায় ভামছাগবণের কীত্তন, প্রাণীর-ধামের মৃতিমা, মহাপ্রামাধ, জ্রীগোবিক, জ্রীরূপাস্থাভজম-পপ, टीमडी नुमछासून किनी, चीरिक अध्यत मया, श्वीतक प्रणा ও রুষ্ণান্ধীত্তম--চভূদাশ অপুক্ষ মধুরিমাপুর্ণ-বক্তৃতা-বিভূমিত। ভিকা ১, এক টাকা নাতা।

> প্রথম ও দিতীয়—ছই শন্ত একজে লইলে ভিকা ১॥• (भए টाका, डाक बत्र शहर ।

#### 🗬 নত্ত গ্ৰহণ গীতা

র্গোড়ীয়-বৈক্ষবদাশনিক-শেখর জীতীমদ্বলদেব বিভা-ভ্রণকত ভাষা ও আমিছ কিবিনোদ টাকুরের প্রাঞ্জল বল-ভাষায় বিশ্বত 'বিষদ্বঞ্জন' নামক ভাষাযুক্ত। অধ্যায়-স্কৃতী, বিষয়স্কৃতী, ও প্রতি প্রোক্ষের প্রাণম ও জ্ঞীয় উৎক্ট বালাই, রাজসংকরণ ( চুতীয় সংকরণ ) প্রত্যের जिका २ होका।

#### প্রমেয়রতাবলী

श्रीमदलात्त्र विशान्त्रन-व्यवीष्ट रिकायननेन, मनाउं छ গোবিন্দ-ভাষ্যাদি পড়িবার প্রথম গ্রন্থ। উৎক্ষট কালিতে ছাপা। স্বিভ্ত টীকা ও প্রাঞ্গৰ্শামুবাদ-সাহায্যে জতি সহজে বালকেরও বোদগম্য ইইয়া থাকে। ভিক্ষা । ে আমা মাত্র।

#### **बिमनदी भग मगा श्वा**

( প্রমাণখণ্ড ) সাম্বাদ। জাতি-প্রত্যাদি গ্রন্থে শ্রীনব-দীপের যে মহিমা কীটিত আছে, তাহার মূল সংস্কৃত ও অমুবাদ। ভিকা । আনা।

#### **এ** জীলবদ্ধী পাছাৰভব্ন

শ্রীঠাকুর ভব্তিবিনোদ লিখিত। সুগলিত গাঁভাকারে পরিক্রমার তওঁব্যাধি-বিষয়ক। ভিঞা। আনা।

#### ভক্তিরত্বাকর ও নংখীপ পরিক্রমা

শ্রীশ নরহরি চক্রবটি-ঠাকুর রচিত। ভজির্মাকর একারে জ্রীনব্দীপদানের পরিক্রমা করিয়াছিলেন, ভাষাই পছে বিবৃত। 'ডিকা। । । পানা

ন্ত্ৰী ভক্তিবিবেশৰ ঠাকুর-প্রণীত। শ্রীটেডভেইহাতে निका अनानी- अस. ब्रामिक अवा- वह अ पूक कीव-অচি গ্রা-টেলটেওদ-ডিগ্র---লাগন-নির্ণয়---প্রয়োক্সন-ভত্ত, কর্মন কাত, আনুমাদির বিচার--বৈবী ভবিদ, ভাবভবি ও ক্রেমভাজিনঃ নামভান-প্রণানী ও মটকারীয় নীলা-পরিচমাদি প্রথম শিক্ষার্থার উপযোগী করিয়া সরল ভাষার সমুদ্ধ মৃক্তি-প্রমাণ্সত লিপিত আতে। চতুর্প সংকরণ বাধা २ होका, बानास ३५० होका महि।

#### গৌডীয়কণ্ঠহার

িনে ীয়-বৈদ্ধবন্ত্র অফুক্রণ কর্ছে দারণযোগ্য বিনাংবিভাগাল্লমে সঞ্জবপে গুক্তে। এইরূপ বৈঞ্ব-সিভাত্তের সারস্মধ্য মত ক্রাপি প্রকাশিত হয় নাই। ইঃতে ও্ডত্ত —ভাগণত-- বৈক্তব— গৌর – নিত্যানন্দ— অবৈভ ⊹ ক্লয়--- শক্তি--ভ-্বেদ্স--জীব – অচি প্রচেদাভেদ — অভিধেয়—সাধনভতি— বংগ্রম – আশ্রম্পর – শুরুলার -- ছিনাম-- প্রায়লন ও প্রমাণ-ভর্ভলি পুণক অধ্যাবে স্থাত্ত শোকালি ভটায়ত উৎক্লপ্ত এক্টিক কাগে**ছে এাঞ্চ** রু কা<del>ডিজে ম</del>ডিড, উংকই বাধা গোনার জলে নাম **লে**খা। প্রস্থ প্রায় ৪০০ পূচায় সম্পূর্ণ। ভিকাব, টাকা মাজ।

#### জীনগ্ৰীপদাম-এছাবলী

জীমদভজিবিনোদ হাত্রর রচিত বিষমাত্রা—ধাম-মাধাছোর সাচ্ধান জামাণ পও-- জীল মরহরিচক্রবভী ঠাকুরের াম পরিক্রমাংশ - উট্টাম নব্ধীপ পরিক্রমা--ভীগ-যাতা প্রতি – ইনিং প্রবোধানকরত নব্ধীপশভক্ষ--শ্রীমধ্যক্তিবিয়াদ সাকুরের শ্রীনবর্ষীণ ভারতর্প প্রস্তৃতি গ্রন্থ কের ভিক্ষা ৮০ আলা মাত্র।

#### শ্রীঙ্গিন্যমামুড ব্যাকরণ

শ্রীকীর শোসামা প্রদেশদ-নির্দিত হত ও রুতি, ভংগতে উলিফুগান উচ্ছেডিপিনাম্ব স্বস্থতী গোৰামী মহারাজের বিভূত ভূমিক। ও স্চী প্রভূতি সহ। অপ্রভ্যানিভভাবে হুণ্ড। ভিত্প ২, টাকা, ছাঞ্জগণের भटक आ॰ छ।का माजा

#### (रहा ख उच्च नात्र

ক্রীয়েনাম্প্রজাচান। রাচত। বেদায়ের বিশিষ্টাধৈতবাদ-क्षाठातक ज्यापियाः अर्थाणः अर्थातम् अनत् दनमा अम्मेन शाराज फेल्याती कत्रपार्थ *। इ. केश*म कतिशास्त्रमा है १८७ বৃদ্ধান্তবাদ ও স্থাপি গাদি সংগোলিত করা কটনতে নাম মাত ভিক্ষা । আনা।

#### শ্রীটেডপ্রচন্দ্রায়ত ও নবধীপশতক

গোরপার্যদ তিদ্ধতী শ্রীমৎ প্রবোধানন সরস্বাহী-প্রবীত মল, প্রভূপাদ শ্রীমদ ভাজিনিভাও নবপ্রতী গোলামী মহারাজ সম্পাদিত অন্তঃগুর ব্যাপা ও বস্তারনে সম্বলিত। নৰ্নীপ্শভকেৰ উড়ি জিবিনোদ হাকুরের প্ছাত্রাদ ও তৎসহ প্রিমন্ত্রাপ্রান্তর একটা ভিবর্ণরঞ্জিত অংশীকিক চিত্র প্রদান চইয়াচে। মুদ্র ও কার্য উৎক্লষ্ট (২ থানা একলো ) ভিক্ষা ৮০ সানা, সতি প্রম্য বাদাই রাজসংহরণ ; > जाका माज।

#### देशनिक मधीशाक्षकाम



আমিছাক্রিনিনার সাল্লে প্রান্তি। এই এক মার গ্রন্থ রাজর জ্ঞান লাভ কবিনে পরেমাণিক রাজেন কিছুবেই আজ্ঞান বা সংশ্র প্রকিবে না। পরম গ্রন্থ বিশ্বক এই রূপ সর্ব ও ইব্যালিক বা নাই। নিমিলবোদ্ধানি শাল মহোলিক মহানক্রে এই প্রথমিত উলিত হইগালেন। আরোর প্রান্ত্রত স্কান কথানার ইত্যালি হারা বিশেষ সমুদ্ধ করা হইয়াতে। বিরাট প্রথম বানার ভালে করা নাম নেখা, উর্থমিত নিমান ভালে নাম নেখা, উর্থমিত নিমান নাম নাম নেখা, উর্থমিত নিমান নাম নাম নাম নি

#### প্রেমনিবর্ত্ত

ব্রীমন্মহাপ্রেছর স্থাবাস পার্যন জীল জালানান প্রান্ বিরুচিত। এই পুড়কে অতি প্রন্ধানার ভাষার মলাপ্রদ্র কৃতিপর লীকাস্ত বৈঞ্চলাচার, একাদনী ও নামভাল প্রাণালী প্রকৃতি অনেক বৈঞ্চলতামের স্থামিধ্যা লেখিতে পাইবেন। পালটাকাস জাল স্থানের বিশ্বা প্রস্কৃতির প্রিচয়াদি-লম্বলিত মতুর বাস্তর্গ নিজা ক্রপ্রান্যান্ত্র।

#### ভজনরহস্ত

ভজনকারীর নিত্যেকা; সাকুর ভজিনিনাদের ক্র্যা ছান; নিখিব শাজের নিয়াগে। গ্রন্থখনি না দেখা পারে । কেই বুঝিতে পারিবেন না। তুতীয় সংস্করণ ভিজা ৮০।

#### হরিনামচিন্তামপি

নামাচার্য্য শ্রীণ ছবিদাস সাক্রের মূপে শ্রীমানাহাপ্ত র শ্রীনাম মাহাত্ম্য, নামাভাসে, নামাপ্রেরে প্রাভৃতি বিগগের ক্ষরিতীয় বিচার শ্রবণ করিয়াভিগেন। এই বিগ্যাপ্তরির ক্ষতি স্বল প্রারে সংক্রিপ্র মাশ্যম্য প্রিপ্রটিভাবে মুদ্রিত । শ্রীল ভাঙিবিনোদ সাকুর-রভিত। প্রথম সংক্রের ভিকা ৮০

#### কল্যাণকল্বভক্

শ্রীমন্ত্রন্তি বিন্যাল ইংকুর রভিত। প্রত্যেক ভগবন্বিশ্বাসী ও জ্ঞানগণের পাপকের একান্ত্র প্রযোজনীয়
উপলেশাবনীপূর্ণ গাঁতিরান্ত সামান্ত লেপাগড়া জানা
লোকেও এই ভজনরাজ্যের গাঁতিয়ন্তের দ্বারা জ্ঞাক্ষিসন্তি
ও ভগবংসেরা লাভ করিবার ক্রিবা প্রিকেন। মন্ত্র্যান্ত্রের, ভিজা ১০ জানা মাত্র।

#### শরণাগতি

শ্রীমন্থতি বিনোধ ঠাকুর-রটিত। ওগবানে আত্মমন্ত্রি, বিজ্ঞান্তি, জঞ্চনগালিয়া, বড়্বিগা পর্বাগতি ও সিদ্ধি-লালন্য-বিব্যুক্ত গীতিপূর্ব, ভিজা ২০ আনা মান্ত্রে।

#### **শিঙাবলী**

শ্রীঠাকুর ছক্তিবিনোদ-প্রণীত। নিত্য ভত্ন, আরাত্রিক ৬ প্রবাদ-দেবনাদি-বিষয়ক মধুর গাঁডগমূহ হক্তে এথিত। ভিকা / আনা মাত্র।

#### **ोगरवन्त्रम्य**

রসিংকক্ষমুকুটমোলি জীনধিখনপে চক্তেন্তী ঠাকুর-বিয়তিত ক্সপ্রাপ্ত। জীনস্থতিবিনোদ ঠাকুরের অত্যাদ-নহ। তিকা।• জানা মাত্র।





ইনিমানাজ্যর শিষ্ণ ও ইলি রম্নাপ লাস পোস্থানার প্রতি নিজ্য গোস্থানার উপদেশবার্গা, ভাজিপথের অঞ্চল ও প্রতিকল বিচান কার-চরিত স্ব্যোদন ভার, বিশ্বত লের্ডি, চরিতাম্বের প্রমাণ, মন্মে ন্যাস্থা ও ক্ষান্ত প্রবিভ তত্যবালী পাঁহমন্ত প্রত্যেক স্থোকের স্তিক স্থিয়োশ্ভ ক্ষরাতে। তথ স্প্রব্য ভিষ্যান্ত আন্যা

#### अभिज-कर्

ঠীরণ্নাথ নাম গোলামার মনঃশিক্ষা, ঞীল সাক্ষ ভাজিবিশোদ-চবিভ গজাস্তবাদময়। ভাজাস ভাজানা।

#### প্রেমভানিদ ক্রিকা

শ্রীল সাকুর নবোরেমের জ্ঞাসিদ্ধ প্রেমছাজিবিধয়ক গানের গুরুক। ভিজা নিজানা মান।

#### নবদী পশভক

নীয় সংক্র ক্রিনিমোলনাট্ড শ্রীল প্রবেধানন সন্তর্গাধ্যমের সংখ্যান ট্রিপন্ডকের ফ্রানিড পঞ্চিবলি। ভিকানত সানা মান।

#### ভার্থপঞ্চ

র্ভিত লোকাচ্যা বাচত। বৈকাশতা জানের আকর প্রকা বিভাগান আনা মাজ।

#### নদাচারমুভি

ঐটল নধ্যতেটো প্রণিড। বৈক্ষের নিতাককাদি স্লাচার। লী,বছয়েলে স্থিত। ভিকো৴• সানা নাও।

#### মণিমঞ্জী

ক্ষিক্ত : দশরী শ্রীমরারায়গগেলায় র চিত শ্রীমন্মধ্য । হাজুপাদ হিলেন সংগ্রহণ দীবনবালা ও মূল বৈক্ষবসন্মন্ত । হাজুপাদ ভিজা । প্রানা মারে।

#### গৌরকুষোদর

প্রাচীন কবি শ্রীণোনিত নেব প্রনীত জীগোরাবভারের প্রমাণপুনী সংবলিত সংশ্বত গছা। ভিজা দং স্থানা।

#### युक्तिमश्चिका ( क्षश्दर्भोत्र छ )

শ্রীনধ্বসম্প্রদায়তাও শ্রীনরাদিরাক স্থানিক্ত। বন্ধাগরে বাহুবার প্রকাশ পরেমানিক সাহিতা-ভগতে এই সক্ষেপ্র প্রকাশ পরেমানিক সাহিতা-ভগতে এই সক্ষেপ্রন। শ্রীনন্ধালার হিতা মের্মালার নামে প্যাত শ্রীনানিরালাতীর্থ সামী এই প্রতে মার্মারন বৃদ্ধি ও গৌকিক স্থানাম্যারে কিন্ধাপ স্থানার ভাবে ভিলিবিরোধি-মত্বাদ সমূহ পঞ্জন করিয়াতে, তাহা পাই করিতে করিতে আক্রায়ায়িত হইতে হয়। ইহাতে মৃভির বারা চাকাক, দৈন, বৌদ্ধ, মীমাংসক ও মারাবাদিমত-সমূহের স্থান ব্রুল ব্রুলিরাতে। ভিল্পান্ টাকা মান্ত।

#### ट्यांचामी औन त्रप्नाथ मान

(ওঁ বিকুপান জীল ভাজিবিদান্ত সর্বভাটী গোন্ধার্যা প্রান্থপান-শিবিত ভূমিকা সত) গোরপ্রেই অরপ-রূপের একমার বিশ্বভম জীল দাস গোন্ধারী প্রান্থর অসুসং চরিতানত ও শিক্ষা অভীব প্রান্থেশ ও সর্বল ভাষার সমিবিই এক: পরিশিষ্টে দাসগোন্ধারী প্রভুর বিরুচিত কএকটা সামুবদে মধুরতম স্তব ও মন:শিক্ষা-সম্বলিত। ভিক্ষা বীধাই॥ আনা, আবাধাই ৮০ আনা মারে।

## চিত্রে নবদীপ

প্রাচনি নবর্ধাপের অবভিতি, তথা, ঐতিহা, প্রোত ও গ্রিচানিক প্রমাণসম্বাত নয়টা দ্বীপের সচিত্র বিবর্ধ-গ্রহ । বাদ্ধি রাওসাহেব কুমার শ্রীগুক্ত শর্দিক নারায়ণ রায় নম. ব. প্রাক্ত (বাহোল), বেলাস্কভ্সণ মধ্যের কান্ত্রক নমালিত এবং ৪৭ থানি বিভিন্ন বর্ণের অপুন্র চিত্র প্র মালতিত্র-প্রাধিত; প্রোচ্যাকিছান্ত্রণিব রায় সাহেব শ্রীগ্রক নগ্রেক নগ্র বস্তু বিশ্বকোনসম্পাদক মহাশ্রের বিশ্বত ভূমিক; নহাক নগ্রহ (উং) মরকো কানাই ম্লা ১৪০, তিঃ পিঃ তে ২০ চাক মার।

#### সাধক-কণ্ঠমালা

#### গোড়ীয়-গোরণ

কণিকাতার স্থপ্রনিদ্ধ আগবাট হলে গৌডার সম্পানক শীপাদ স্থপরামক পরনিদ্যাবিনাদ প্রদান বড়তার বিষয় প্রস্কারে প্রকাশিত। ইহাতে গৌড়ীয় বৈক্ষবস্থ্যসাহেব ইতিহাস ক্ষাকারে প্রশিত হইয়াতে। ডিফা চা নাজ।

#### গোড়ীয় সাহিত্য

ক্ষিকান্তার শুপ্রসিদ্ধ আলবার্ট হলে প্রেটিন সম্পাদক শ্রীপ্রাদ প্রন্ধানন প্রবিদ্ধাবিনাদপ্রাদ্ধ প্রাদন্ত বকুতার বিদ্ধা রাধাকান্তে প্রকাশিত। ইংগতে সাহিত্য-শব্দের অর্থ এবং ক্ষেড্য সাহিত্যের বিন্তু ক্ষুকারে বর্ণিত হুইয়াছে। ভিশ্দ কিশ্ব আন্ধানার।

#### জীগোড়ম ওল পরিক্রমা-দ**র্গণ**

শ্রীণোড়দেশের যে সকল স্থানে সপরিকর শ্রীমন্মকাঞান এবং ওদন্তব পরবাড়ী মহাজনন্য কাজা করিছা বিছাছেন, সেই সব আধুনিক ভৌলোলিক পরিচয় ও দেববিএহাদির পরিচয় সহ সাভাগাতের স্কবিধা নিদ্দেশ ইত্যাদি বিষয় ভাত সন্ধিবেশিক আছে। ভিকা ভাষানা।

#### THE HARMONIST

#### OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীণ ঠাকুর ভঞ্জিনিনোদ-প্রতিষ্কিত তবং শ্রীণ ভঞ্জিনিদার ক্রিন্তু প্রকাশিক পরেমাথিক মানিক পতা। তক্ষণে ইংরালী ভাষার অস্টাবিংশ নথে ভব্ধক্রাউন ৮ শেলী ৪ কর্মা আকারে প্রতি বারে ছরিনামের বিভর-বৈক্ষমন্ত্রী লইমা উপস্থিত ছইতেছেন কাগছ, মূল্রণ-পারিপাটা ও চিজাধি মাঠাব চিজাকবক। এই প্রকার উৎক্রই প্রবেধ আর ক্রেনা মানিক প্রাণিতে দেখিতে পাইবেন না। বানিক ভিক্ষা ভাক্ষান্তলসহ এটাকা মানে।

#### প্রাঞ্জিন্থান-

**बै**टिंग्ड ग्रस्टे, त्याः श्रीमाग्राश्व नमोक्राः

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

### (थाना इंडेशटह।

অভিজ্ঞ ও আদর্শন্তরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রনিগকে অতি বাত্রের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ভাত্রগণের জন্য বিশা ব্যয়ে সুস্বর বাসহালের বংক্তঃবস্তহংস্থারে। ছান অতীব প্রাহ্যকর।

সবিত্তার স বাদের কন্ত নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। সেক্ষেডারী, ভাকুর ভক্তিবিলোদ ইন্টিডিউট্ শ্রীচৈত্তমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, সময়।

### —৫১ ৰংগদের প্রতিষ্ঠিত—

উল্লোচনত্ত্ব প্ৰস্তুত বিভীকা বাল ওক্লচাৰণা, সন্ধানাৰ, পোঠনাঠিত, অধীৰ্ণ, ধ্ৰম্ভক প্ৰকৃতি মত গোগীৰ বোগ নিয়মৰ হইয়াকে ভাগ প্ৰমণ কৰিলে বড় বড় প্ৰক্ হইবা পড়ে।

গ্ৰুল অনুতে ব্যবহার চলে ও সমান ফল্ প্রেণান করিরা থাকে। প্রতি কৌটার ০২টা বটাকা থাকে।

কেবলমাত্র

প্ৰতি কৌটাৰ মূল্য ১০ এক টাকা। ইণার নাম '**আভক্তিএক** বুটাকা'।

ষ্মগ্রান্ত ঔবদের ভালিকার ক্ষম্ম পত্র নিধিনেই পাইবেন প্রাধিহান :—আভক্ষমিপ্রাহ ঔশধালকা

২১৪ নং বছৰাখায় ট্ৰিট, কলিকাতা :

কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের

# प्रदेश अवस्था स्टाम्स

নকংখলের জু'ববার অভ ৯ আঃ লিলিছে ঘনীভূত অবস্থার চেটবোড়লেও বসমণ উবধ ভাষে পাঠান চচ, উভাতে উবধের কোন পরিবর্তন করা ০র নাই। মূলা আছি শিশি ৪০ আনা, গাঁইটা৮/০ আনা, বোড়ল ১৮/০ আনা।

অক্সিল-১১নং উল্টাডাকা হোড, পোঃ স্থামবাজার, কলিকাতা

### গবত প্রেস গোরাড়ী হাই**ট্রা**ট

কুমাধ্যগান্ত

এখানের বিবাহের নিমন্ত্রণ-পত্র, প্রীক্তি-উপহার, কার্ড, এছ এবং অফ্টান্ত বাবতীয় কার্ডা ছাপ। হইরা থাকে। ছাপার নর বাজার নর অপেকা ভুলভা প্রীক্ষা প্রাথনীয়।

### रारेटफ़ानिन

বা

### কোষর্দ্ধি রোগ

ডাঃ এস্, এন্, ঘোষ বিনা অঞ্জে, বাৰজীবনের গ্যাপ্তাকি দিয়া বৈক্লাভিভ প্রবাদ্যতে জোমকৃতি ভোগ আবোগা কবিলা বাকেন।

> हिकासा---केन सर करेम क्रीरे, बढ़वाबार, बालकाखा १

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## रेमव शाल यकात এक माज मरहोवध

প্ৰৱ দিৰে সম্পূৰ্ণ আৰোগ্য

রোগী দেশাইতে উইবে। অগ্নিম গাণের পরচ (বার্য্যা এবং আসার)
পাঠাইলে গিয়া রোগী দেশা হয় অথবা এখানে আসিবে নোগী দেশিবা
উসদ লেওরা হয় আরোগ্য লা হওচা গগান্ত পারিপ্রন্মক দিতে ভইবে লা।
গ্রীব রোগীদের খ্যান্ত বছম ক্রিয়া নিকিৎসা করা হয়। বিস্তারিক্ত
বিবংগের দ্বান্ত এক আনায় ভাক চিকেট সহ নিয়া ঠিকানার অন্তস্কান

শ্ৰীপিতীলচন্দ্ৰ উকীল, যক্ষ্মা-চিকিৎসক, পো: নৈকাঠী, বহিলাল। অথণা নিয় ঠিকামায় সাক্ষাৎ করিয়া বিস্তান্তিক জানিজে পায়েন।

উষ্ড রামগোপাল লভ অম্, এ, কুকানগর, নদীয়া। তীবৃত তরিপ্র ফিংড, ১১৭. বেশিব্রটোলা ট্রীট, চাটখোলা, কলিকাতা।

একখানি পত্র! অ মার আতৃপুত্র গভ ছয় মাস বাবৎ রাজ বন্ধার ভূগিয়া মৃতপ্রার ভইরাছিল, কলিকভার বিজ্ঞ চিকিৎসভগণ ভাগার জীবনের আশা ভাগি করিয়া শেষ মৃহুত্তির জন্ত অপেক্ষা করিছেছিলেন এই সমর প্রীয়ত কিভীশচন্ত্র উবিল মল্পায় মাত্র ১০ দিন চিকিৎসা করিয়া সম্পূর্ণ আবোগা করিয়া দিয়াছেন। (সাঃ) শ্রীষ্ট্রীক্ত কিলোর ভায় চৌধুরী (জনিদার পালিয়া) ভগ্ দ্বীট্, নিউ বিভিন্ন। ভরুপোরেশন টেটং ডিলা টুমেন্ট, কলিকভা।

## শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরাব্দ ৪৪৫ মাত্র ১/০ ভাকটিকেট পাঠাইলেই বুকপোটে পাঠান হয়।

> ম্যানেজার-গ্রন্থবিভাগ শ্রিচৈত্তম্ম, পো: শ্রমায়াপুর, নদীরা।

কেন গ্রাহকগণ

# গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

–কার্বল-

এখানে বাৰ্ডীয় ছাপার কার্যা— গ্রাছাদির কার্যাই বলুন,

বিবাচের নিমন্ত্রণ পত্র, কার্ড, বিবাচের পছাই বলুন,

আর ৩ রং ও ৪ রংএর হাফটোন ক্লফট বলুন, সকল কাষ্টি আছি সম্মন্ত ছাপা হয়, অথচ ছাপাইবার খরচ বাজার অংশক্ষা ফুল্ভ ।

আপনার কিছু ছাপার কার্য্য থাকিলে নিম্নতিকানায় জানাইলেই দর পাইবেন।

> মানেমান-গোড়ীরা প্রিন্টিং গুরার্কস্ ২৪৩া২ মং মাণার সাগর্ণার গোড়, স্বিভাত

#### क्द्रक्षम भाष्ट्रम्य भिद्रकिरस्य ETE IDS

🕮 ুক্ শিউধারী সিং, তুলদীপ্রসাদ ও ও এশদেও নিং মাদাস্থরীতে শ্রীবৃত রাম সাছর বিদেশী বঙ্গের দোকানে পিকেটীং ক্ষরিভেছিলেন। পুলিদ ২০শে ভারিখে ভাঁহাদিগকে দণ্ডবিধির ৩৪১ ধারা অমুদারে গ্রেপ্তার করিয়াছে।

#### প্যাটেলের অস্ত্র চিকিৎসার প্রধ্যাত্তন

প্রোফেসার মোজের প্রীযুক্ত বিঠল-ভাই পাটেলের স্বাস্থ্য পরীকা করিয়া ভেন। প্রীকাকালীন বো**ষা**য়ের ভাভার ভার্মতা এবং লাহোরের ডাক্টার মেছর বিশ্বয়ভেন—নেপ্টেম্বর মালে বেশী শীত মিরাক্ষকার উপস্থিত, ছিলেন।

**डाङावनिर्**शत शतामार्थ शिव इहेबार्ड অর্শ রোগের কন্স একটি ও তলপেটের (यमना निनाप्रांगत क्रांचारकि -- ध्रहे छुदेति আরু চিকিৎসার প্রয়োজন হইবে। ত্রীগৃত প্যাটেল ডাক্তার রমনের প্রামণ এছণ করিয়াছেন। ভিয়েনার বিখ্যাত ভাকার মি: লোজেন্স তাহার অস্ত্রোপচার कतित्व।

#### প্রভারণার অভিযোগ

नीडन मुर्लानातात् - जनाविनान बद्दस्यानाभाष हित्राधन वदस्यानाभाष পোপালচক্র চৌধরী ও মন্মধনাথ দাস नामक करमकसम त्याक (काफ्रानांगारमत ভৃতীয় প্রেসিডেন্সী ম্যালিট্রেট মি: ওয়াজিদ আলির এছলাসে হড়বছ ও প্রভারণার অভিযোগে অভিযুক্ত হইয়াছে गुळ २०८म जुनारे एटे मामनात एक नका শুনানী হট্যা গিয়াছে আসামীরা অপরাধ অস্বীকার করিয়াছে। ভঃছাদিশের विकट्य अस्टिमान ठाइन्त क्रममानातनहरू প্রভারিত করিয়া ভাহাদিগের নিকট भूगकृषी प्रशिवाण्य ।

#### कद्मत्रभाग र हात्र मामनाय व्यामाभीटम्ब व्यवहार्क्ड

পাটনা ২ইডে প্রকাশ যে কছরবাগ হত্যাকার সম্পরে সন্দেহে গুত-জামান-আপ্ত ভীয়ত নরেন চটোপাগায়: সভীশ-চন্দ্র প্রসাদ ও ইলাদেও তেওয়ারী ও হাজতে অব্ভিত অনিগ্রিহারী হোষ ওরফে রভন গত ২৭শে জ্লাই সিটি माकि द्विरतेत विहास अमानाकात्य मुक्ति পাহ্যাছেন। কিছু প্রীয়ত অনিক্রিয়ারী ঘোষকে ছাড়া পাৰুষার অব্যব্ধিত পরেই कायात कार्याविधित ১১० शक्ता ककुगारत (श्रात्रात्र कक्का इहेगाएए ।

#### গানীজার কটিবাস... बाककामार्य हिन्द्र किया

গাৰীলী লওনে আগিলে তাঁহার ক্টিবাস সম্বিত ফটো শইবার ঋষ্ট कटि। आकात्रभव विस्ता किंग्सीय इदेशा-

পড়িলে তিনি গাউন পরিবেন। 'সাজে দোকানে সরিযার তৈল পরীকা করিতে বলিভেছেন---'বাকিংলাম প্যালেসে গানীজীয় নিমন্ত্র হটবে। বেখানে অনেক বড় বড় রাজ-কম্ম**া**রী থাকিবেন। ওথায় কটিবাস প্রিরা প্রে धक्छ। यो ७९म न्यालात पछित्य ।

আবহাওয়া বিভাগের र्का तक्ष প্তিৰার মন্থ্যিনা। তথন গাঙ্গীনী किंगिन পরিমা লওনে উপ্রিত ইইলে তাহার বাহিবরে আলঃ থাকিবে না।

#### (हेम्ज् ७८६ और इंडरनत युक्र

Comp नमीत नाटत छ।दनम टेटमाती । अन्ताहाँ खामान कांत्रमाट्य ক্রিতে গিয়া পাঁচনন লোক ২০ সূচ कानात्र मत्ना कृतियो गात्र । छेट्लियम छ ८५:हमण डिशामिशहक वैक्राइट्ड शिया ामैटक कालाय कृतिया माता शियाटक न । **ठातिमाम धतिहा हात्नण टेडबाती इडेट**०८७. এ প্ৰায় কিন্তু কোনও ভূৰ্যটনা ঘটে नाष्ट्रे।

#### कात्रक्षम् कटमटक हाज्यरमत কাপুরুষোচিত আক্রমণের দিন্দ।

२१८म क्लाइ कान्छम्म करणदन्त ছাত্রগণ ভাছাদের স্বাস্থ্য শেশীতে স্মণেত হইয়া প্ডাশুনা আরম্ভ করিলে কলেভের অবাক মিটার মাহালানি ভাহাদিলের নিকট নিয়লিখিত ঐ তোবটা পাঠ করেন এবং সধ্য সম্বতিক্রর্থ ইহা গুরীত হয়।

আমরা কার্ডশন কলেলের ছাত্মওলী গত ২০শে জুলাই ভারিণে বোদাইয়ের शहर्भवत करलक शतिमर्गन करिल छै। हात প্রতি কাপুরুবোচিত মারুমণের তাঁর निका कत्रिएड हि।

ঈশরামুগ্রহে লাট বাহাছরের জীবন রকাহ ভয়ায় আমরা উহাকে আন্তরিক षा जिनमाम काना है छि ।

কতিপথ ছাত্ত গভৰ্ণবের প্রায়ান কালে তাহার প্রতি যে উদ্বত অশিষ্ট আচরণ প্রদর্শন করিয়াছে, আসর। সম্পূর্ণরূপে আরম্ভ করা হতবে। তালার অন্ত্রোদন করিতেছি।

#### देख्य बाराजाती व विशक्ति

পুর্বে মানারীপুরের ভেপুটি

मांगणात विठाव निश्वत करतन है मांमशात अभीत आसार्क निर्देश के है एन । मृश्याम-ছেমেক্সলাল বন্ধ বাদী ও মুগফভগঞ্জের रिक्तनावनांश्री चीग्छ मधुतार हिम **८**छोशिक আদামী ছিলেন।

व्यक्तिर्गाश्यत्र विवत्तरम खनान, शर्ड शाक्षोजी विश्वप्रार्ट्स--- तनी नीड २०८० में के छात्रिस्य वामी काराभीत গমন করিলে আসামী তাঁহার পরীকা কাণ্যে বালা দেন এবং তীছাকে গালাগালি मिया (भाकान कर्टेड विक्रिक कतिना

> व्यामाभी भक्त कहेटड बना हहेबाटड (य. বাদী ভাষার নিষ্ট উৎকোচ লইভে চাঙে অভূথায়ু ভেলাল আইনামুগুরে ভারার निकास (भोक्षाती वायमा कक कतिनात अग्र (भथाया व्यागामी है-रक: ह व्यापान করিতে অর্থাকার করায় ভাগার বিলক্ষে এই অভিযোগ আন্মন করা হইবাছে।

विज्ञानकाती माः जिटश्रेष्ठ व्यामानीतक

#### विद्यानी नद्ध विद्याद्य विद्या

কভিপয় বিখ্যেযোগ্য ব্যক্তি সংবাদ (स्म (ग. जिलात मयः चटल ६ मन्दर (कान (कान नक्षत्रानभाषी विषयी वक्ष ७ छ हो। व्याममानी कतिरहरूम अन्य भिनिक निरम्भी বস্তের ব্যভিবেদ শীশ ভালিয়া কেশা रहेशाट । उहे मरनाम भाईमा छाका क्रिका কংগ্রেস কমিটার কার্য্যকরী সমিভিত্র একসভা বসান হয়। ক্ষিটার নববেপুর অফিনে সহকারী সভাপতি স্বামী ভরিষা-নক ভারতীর মভাপতিছে সভা বনে। এই সকল অভিযোগ সম্বন্ধে তদন্ত ক্রিয়া Se शिटनत मध्या तिर्लाई शिवात क्छा ণ জন পদত লইয়া একটা কমিটা গঠিত en i

चामी जुतीशानम, डीयुक भीरतम रमन, करम्ब द्वान, कवित्राक मुतासिस्माहन त्याव e ब्री क नीत्रभत्य नाम नी—डेक्कार्या-ফ্ট্ৰী স্মিডির এই ক্য়ন্ত্রন সভা গত ২৬শে জুলাই নৰাবপুৱে কয়েকখানা সূতা ও কার্পড়ের লোকান পরিধর্শন করিতে যান। ক্তাছারা কোন কোন দেকোনে জাপানী মালপত্ৰ দেখিলা বাৰদাখীদিগকে জানাইয়া আসিরাছেন, যদি তাভারা অবিশবে এই সকল বিদেশী সূতা ও কাপড়ের কারবার वक ना करवन, छाहा हदेश्य शिरकहिंश

#### বিলাভে আডভের সঞ্চার

विकाषी मध्यावशक महाम व्यक्ताल. भागातीभूत घरेटक क्षाकांन त्य करायक । ध्वक नश्रात्कत मत्भा कात्रत्य हा जिल्ला देश्त्राक्रटक स्प्रा कतियात (छडा स्टेंग। ম্যাজিট্রেট ক্রীয়ত অনাপ্রক্স রার একটা ভাছার মধ্যে কণিকাভার মিঃ গালিক

क जिम्मुरतात व्यानिकाती देनरामकात जीएक भरका एहे ब्रुने अन्यात मःचार वक वक **ভেডিং দিয়া প্রকাশ করার আত্তরের** नकात्र बहेबाटक ।

> ভেশী মে**ল**েপতিকা **ভাষার** প্রধান गम्भाषकीय क्षानाक निविद्धालन, जावणीय भाष्युगरक निष्कारणत मान्त्र विश्वा शतिकृते ক্ষিণার নীতি অবলম্বন করায় শাদ্দুলের शून कतिवात ध्यत्रिक भावत वाषाहेशा कृशियाद्य ।

### শ্রমিক প্রতিনিদির নিলাভ-যাত্রা

माञ्चाक करेंटि आकान त्य वि: वि. निवज्ञा । दर्शाम दहिवन देगरदक्षत्र - मृत्याहन দশ সাব কমিটাতে শ্রমিক দলের এ, ৩-নিনিত্ব ক্ষিত্ৰন। তকাশ, তিনি মিঃ একার্টেন, গোলার স্কিত আগানী ১৫ট আগত জারিখে মুলতান নামক ভাগতে **व्य**ारश्चाइन करिया विकास क त्रात्यम् ।

#### ं देशन ८ हेनान माझाश्चार कमन वायुक्त কাথাভোগের পর মৃত্তি

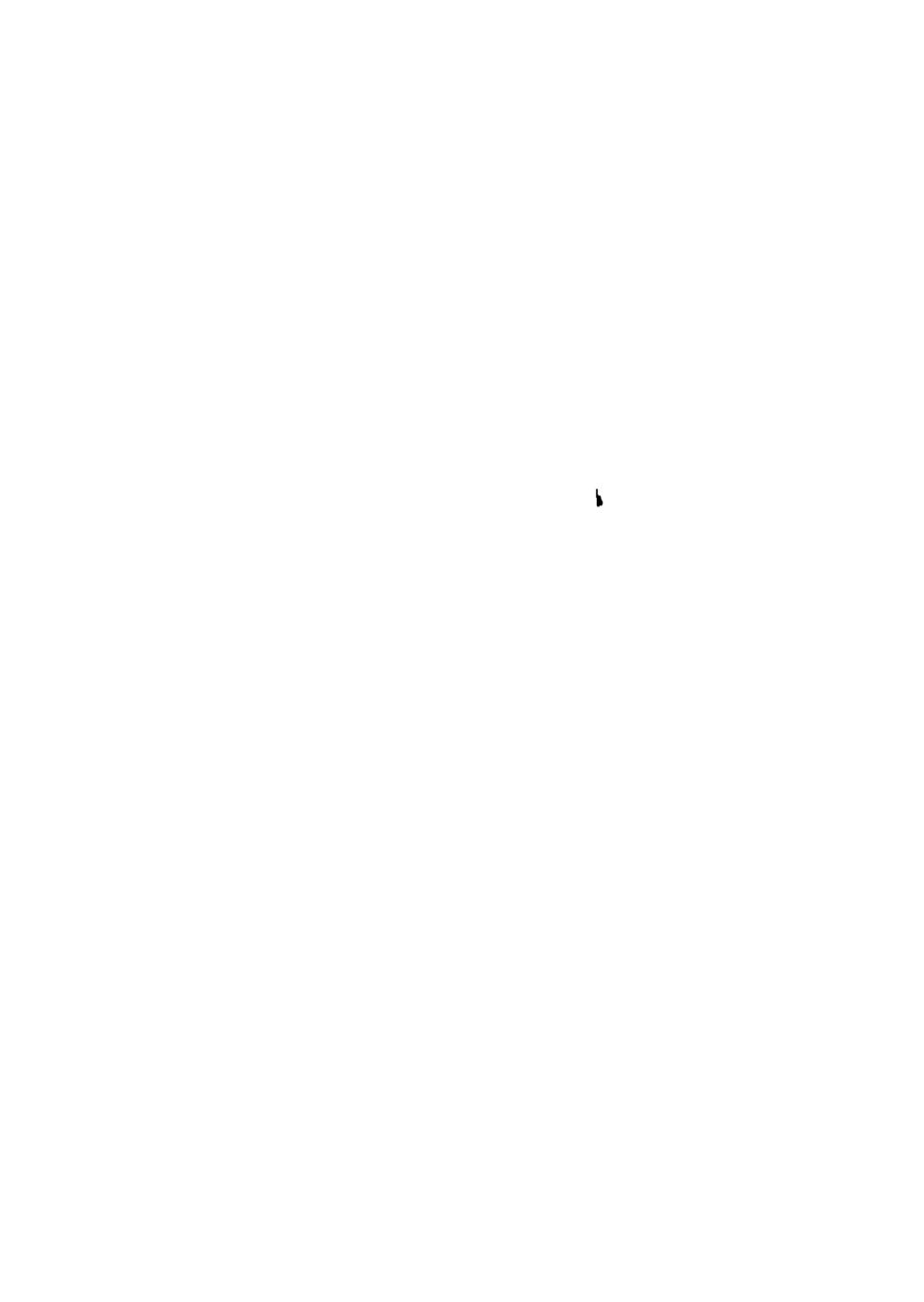
২৭০ে জুলাই ওজাবার বাজি ১২॥টার টোলে বালাঘটে কংগ্রেম কমিটীর মন্তাপতি জীনক কেশৰচন্দ্ৰ মিত্ৰ মহাপ্ৰ নেদিনীপুৰ ८५ स ३३७७ मुख्याछ कतिया वानाचाट প্রভিয়াভেন। তিনি গভ বংসর বেল দাখার গোপার হইনা ১৪০ বংসর काशामरक महिन्छ रहेगाहित्वन। मृदिन िर्णितं पिरमत शुरक्षहे छ। शास्त्र छ। क्षिया (म अत्रा इंदेग्राटक् ।

#### त्रथ-याजात्र खाच्नण शाहरकत्र प्रका

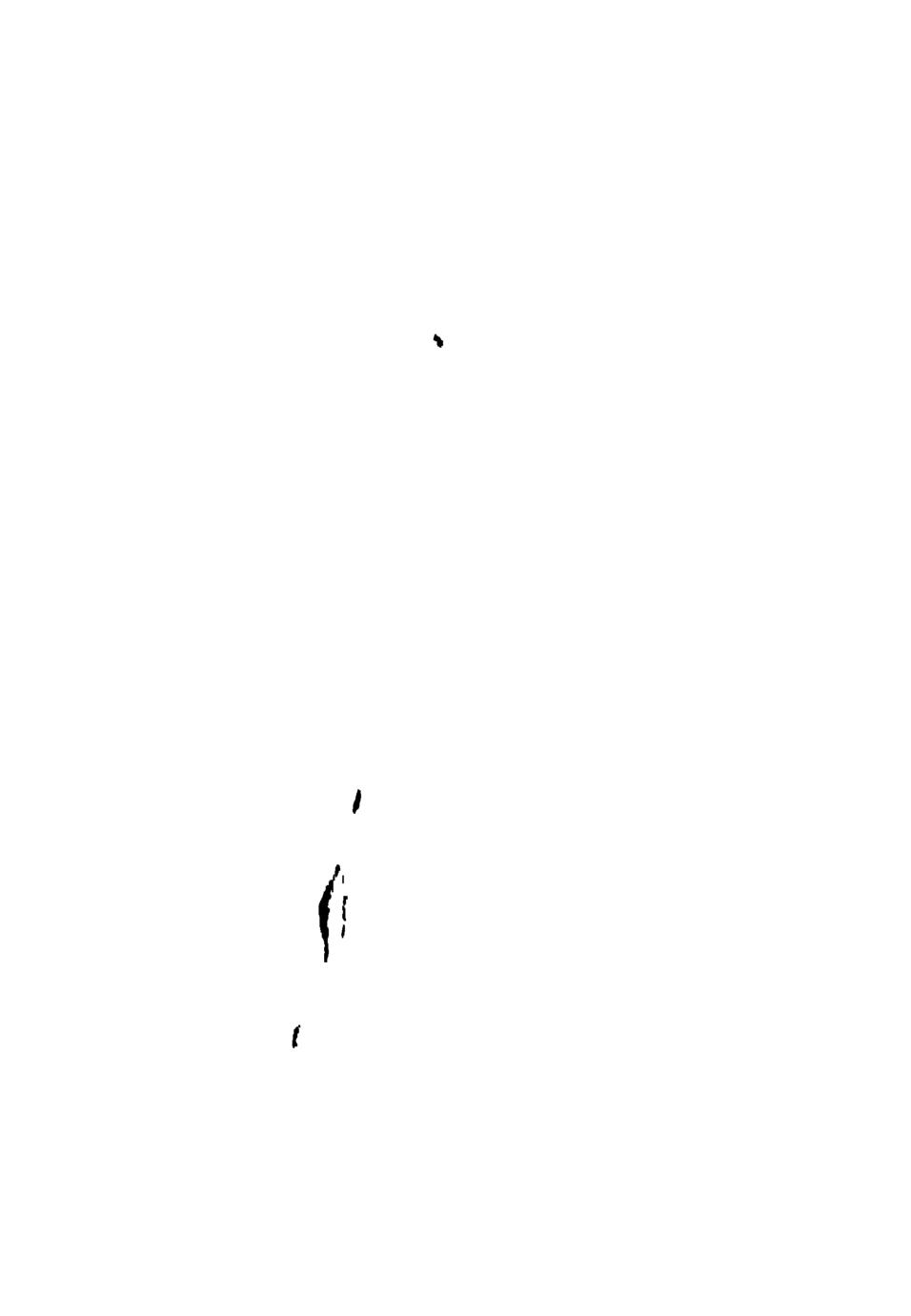
कृषिहा इतेए खकान एग छन्छ। तथ **উপলক্ষে यथम तथ होना इइटल्डिंग, भिंहे** भगव **कार्ड**क थल याहेबात थन त्यांशाल নামক একজন পশ্চিমা আন্তৰ্পাচক রণের একধানা চাকার নীচে পড়িয়া कथम ध्यः। दानभाकारम महेबा वादेशाव পথে দে মৃত্যুদ্ধে পশ্তিত কইয়াছে। चात्र ६ सन (गाक बाल सर्ग हरेशार्ड ।

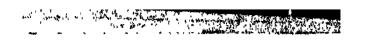
#### লড' আর্ডইন

'টাইমন' পত্ৰিকায় লৰ্ড ইঞ্চকেপ লিখিতে-८६न :--- नष शाविक्यामा माठे हिया गर्फ षात्रेडेनटक धर्षग्रमकत्र्रण State भाक्षे हिंदा के जान कहें के निर्देश कर कार्य-ছাডিলা আসিবাছেন। উইন ভাষত छिमि द्यम ध्यम वॅशिए ठाम फाउड-यांगीरक अज्ञालकणात्र मरः। श्राप्टिया परमर्ग ह निशं कामाहे वृष्टिमनं कर्षम् ।









·/`



PI WATER

व्याद्याट शात नाभिक कर मानामिक व रेज्ञमानिक २५० মাসিক ১১ mit's প্রভি সংখ্যা ,৫

ভারতের স্বর্শত বছল-এচার--নদীয়া ভেলার এক মাত মুখপত

-বিশাৰক—শ্ৰীঅতীন্দ্ৰাথ বন্ধ্যে, বিদান্তবাচম্পতি [১৩০তম সংখ্যা

শ্রীটেডভাষঠ শ্রীশাম সায়াপুরক-১৯শে জাবণ মল ববার, ১৩০৮, ৪ঠা আগষ্ট ১৯৩১

## 7 নানা কথা

### क्रक्ष्मभारत महिला मरबान

শিনিধার ওরবিবার কুষ্ণনগর मकि लाउरमञ्ज অধিবেশন हे। डेन इरन **७**ऽ।ऋकरण भण्णत क्षेगारङ् । এउछण-লকে কলিকাতা কইতে বহু কতিবিভ गरिका क्रकानशस्त्र भगस्यक मुद्देशहिर्दान। छोरात्रा १७ ७ करात क्रकमगत ८३ भरन (अ) क्लि लेग्डा मिश्रक भूलामाला महकारत क्षांक्रमान्य क्या ३६मार्छ। ५५मान ग्रमाद मार्थाशास्त्र करुवा महरक व्यास्ट वक्षा द्वाम क्षियाद्व ।

#### কৃষ্ণনগরে সাহিত্য সংখ্যাসন

গুভ রবিবার বেলা ২ ঘটিকার সময় স্বুক্তনগর কলেগে জীগুক্ত রামানন্দ সভাপতিকে **हर्ष्ट्रीभागाय यहाभार्यत्र** নদীয়া ভেলার পাঠাগার সংখ্যানের প্রথম বাষিক উৎস্ব নিধিমে সম্পন্ন হট্যা বোল। উজ সভায় জেলা সাহিত্য সংক্রের সম্পাদক ও সহস্যায়ী সম্পাদক প্রভৃতি সক্ষবাদি স্থাতিক্রমে নিকাচিত হহল। ध्यः श्वाशिष्टिय माश्रिष्टा ठळात्र व्यत्नक-ভালি বিষয় আদুলিত হচ্ন। বিশেষ বিষয়ণ অংগামী কল্যকার পত্রিকার ध्यकाभित्र ब्हेरन ।

#### হান হইতে পড়নে বালিকার মৃত্যু

कृष्टिया इटेप्ड मरवाम भावदा निवाद २२ भ कुमारे आए: बाल आह क ঘটিকার কুষ্টিয়া ধাজারের একটি তিতেল

## কৃষ্ণনগরে মহিলা সম্মেলন

ছাদ হইতে পতনে বালিকার মৃত্যু

## জেলে রাজবন্দীর অনশর্ন

সুরাট কালেক্টর দকাশে মহাত্মাজী

## ক্ষম্বনগরে সাহিত্য সম্মেলন

রাজেন্দ্র প্রাদের বোদাই যাত্র।

# নৃশংস স্ত্রীহত্যা

প্ৰকাশ্য দিবালোকে হতা দিও

## শ্রীযুত দেবীদাস গান্ধী

কুধার্ত্ত খিলাফতির জিঘংসা

অট্টালিকার ছাদ চইতে ভানীর অনৈক স্থিত কানার্থালিতে গ্রেপ্তার চইলা দম্বভিশন ৰাজোনারী ভদ্রলোকের একটা তিন বৎসম্ব বয়ৰা কলা ভূমিতলে পতিত **इहेगा अक्टब्रह्माल आहरू हग, करण** ম বলবে ভাগার মৃত্যু হইরাছে।

#### ः ८कटल प्राक्त्यकीय काममञ

क्रकनगत हरेट जाकान (य. सन ভাকাতি চেটা সম্পর্কে যত্রবয়ড়ার খ্রীগৃক ননীগোপাল কর অপর তিন ব্যক্তির

কৃষ্টিয়া হাজছে প্রেলিভ হন। পরে তাঁহাকে রুফলগর দেল হাছতে ছানাস্থরীত कता हम । अध्यक्ष कत्र भागामित स्वटका-বতের ছতা সরকারের নিকট আবেদন করেন কিছু অন্থাব ও এ বিষয়ে কোন বাবস্থা,করা হয় নাই। প্রাকাশ ভিনি গত ডিন দিন যাবং অন্দান ংশাষ্ট করিয়াছেন।

#### কুণার্ড থিলাফডির ভিযাংসা

(भरभागात्र इटेंट्ड व्यकान (य स्मामार्यन অকংশ (মোমান্দ উপদাভিদের এলাকায়) উপ্লাভিদের মধ্যে এক ভীষণ সংঘর্ষ वहेरा शिप्राट्ट। डेल्काटिएनत एक मरण গিলাফ ডিরা ও অপর দলে স্থানীয় অদি-বামীলা ভিলা। সংবালে প্রাক্ষাল, িলাফভিয়া একটা গ্রামে যাইয়া বল-পুক্ষক থ'ন্য গ্রহণ করিতে প্রয়াস পায়। গামবাদীবা এই প্রকার কার্য্যে অসক্ষতি थाकाभ करत्र। हेशत करण **উভয় भ**रण সংগ্রাম কাহিয়া যায় ৷ সংগ্রামের ফলে ১ জন থিলাফতি নিহত ও আরে ১ জন क्षा हर है है है।

#### নুশংস জীহত্যা

নোয়াখালি হইতে প্রকাশ যে বেগমগঞ্জ থানার বাজরা গ্রামের ভারকচন্দ্র কুরি ২২ বংগর বয়হাভাহার স্থীমণি কুরিকে **१:31 कतिनात व्यक्तियार्थ हामान** িলেছে। প্রকাশ, শত ২০শে প্রাতে ১০ট র সম্য আসামী দারি সাহায়ে ভাছার ত্রীকে ১৮ ছারগায় আগত করে। 🚊 व्याप रचत करन जीरनाकनी सम्हे नार्ने মারা যয়ে। হত্যার উদ্দেশ্ত কান্য যায় নাই। আসামী এখন হাস্ততে আছে।

#### ब्राटण्डा श्रेत्राद्य दन स्वाहे याळा

বিহার জননামক ত্রীয়ুত রা**জেন্তপ্রসাদ** চনা আগত ছাপড়া যাত্রা **করিয়াছেন,** নিধিল ভারত কংগ্রেস কমিটার অদি-বেশনে যোগদানের জন্ত তিনি ছাপড়া इहेश। (वाषाहे शहेरबन।

#### ८एविक बरीबा-सकाय- भावतार्थिक शह

### বিশ্ববৈষ্ণবরাজসভার পরিব্রাজকগণ

পরিব্রাজকগণের নাম

13

- 🤰 : 🎒 न छ छिन्छ भी न डॉर्थ
- ২। শ্রীভক্তিবিবেক ভারতী
- ০। আছি কিবিজ্ঞান আশ্রম
- ৪। জীভজিপ্রকাশ অরণ্য ब्रेडि**क क** रश रज
- ৬। শ্রীভজিদবর্থ গ্রি
- न। क्रीडिक्टिन व्यक्त माध्य

বৰ্ত্ত নাম টিকানা

ं अभागा भूत क्रॅंक

> क्षेत्राः श्रिक कहेक

ৰাজ্য জ **ज्यम्** अन्त

हा ्छा

পরিব্রাক্তকগণের মাম

VI केंडिक के ज्ञान नहीं

১। এডভিন্দরণ পর্বত ১-। औङ्खिनिमान शङ्खिरम्बि

১১। এতি জিরপ্তন ভব্তিসার

১२। डीक कित्रक के जात

১৩। শ্রিভবিশ্বদেৰ প্রৌতী

১৪। এভজিত এখন বোধায়ন

বর্ত্তমান বিকাশা

कर्वक मस्त्र ५

কলিকা হা

मास प

माजा 🕶 ই সায়াপুর

कडेक (

#### আকর মইবাজ

शा हीन नवती ५ ७ अधद है। भाग भारतभूद, ननीयः

छडे प्रशेषण भारताचिक देनिक्षणक, प्रावक-व्यानगढत काळाणां हु न অংপাচীন প্রস্তাবি প্রচারত্রে ভানীয়া-প্রাক্ত প্রভাগর প্রাক্তির ব্যর্থকেন चयान क्रिकेटरम्ब श्रीकाम-भविक्रमान्द्रम् २ सभावक कर्याति । क्रीक्रम् क्राह्मस्य মঙ্ঘেগের্যের ভিকাপ অঞ্জিত চইর গাকে। রক্ষক--রক্ষারী জীপার নবচরিজী। নংকারী -- একাচাতী পাঁও চ ইম্পান গোলনাম কার সাকরণতীয়া স্তীত্রের ্ স্তীপান শীরচন্ত্র শীপার নকরোপাল প্রীঅংবসন জীমরনগোপার জীমুদুন দাসাধিকারী हीतीम्ब्रहाक्ष साथ । अक मातन्त्र, व्यवस्त । तत्र <u>ही भाव</u>न अहि ।

#### ্ত) যোগলীত উম্পিন্ত

वक्रक---(लाक नाभावत (शास्त्र) कर्रातामा आहे अस्त्रभागमा See as द्योगिकानम अवनामी, द्येतानानित्मभ ज्याक्ष्यत्व श्रीतानमाम् अभाजाती । श्रीमानन भाग आप कार्ती. (अनुकार अनिवास)

> (8) Alain-waa बक र--- ञ्री शका र कुलग अक्राधी।

> > (१) यदेष ५ करन

दक्तक— शुरुकावन5 के को ठोती. ही जाकश्मान नावाची ।

. ७) काष्ट्रांड मब नि न हे व्याजीन भाराभुर, वाधनभुकृत (नसीय) वय 🌣 --- अक्षातादी । ऋतिस्नान न वादी ।

াণ) আন্মন্ধ প্রথান করু मिताकाम, सक्रमक समीका ।

इसावासिकी दर, रग, दम र

( be क्षिणकाश दर्श की समर्क SHAPTHEE !

भक्त का ...... हैं।बहुबद कि किस हो। हम, । क्. র্বে, হল, সংকারী-- আউত্তর্গাস করি-नाशी, क्रीकेंककम आधकात्री अञ्चलि ।

( २ ) और भारत-श्रमाग्र वर्ष ইংপাঞ্জী, সমুদ্রায়, ব্রহ্মান ) तक --- अंश्विताम उन्नत्ती, क्रम टीनीसम्बद्धान साम ।

্ ১ - শ্রীরপ্রোজীয়-মঠ शहाश#. 21819 ₹3. ff इक र -- क्षेत्र(क्षेत्राः स अक्षात्राही

#### ( 22 : 第1年1年30日本

बाडेनाहि, बाधनत, तद्वयात। प्रक 🖚 🕮 १४ वंशकी ब्रष्ट नागी. 🍅 🖝

#### ( )> ) ভাগৰত আগন

खें नाजवन . खन, क्रमनगत, नशीबा

#### ८:०) अञ्चलकामन मर्ह

८गारिकालुक, देशस्थाली, समीवा । बक्क क----चिश्रहमानस अवस्था थे। महकारी 🕮 न्यां भरक अभागती. विकास नाम भिन्कादी, अक नियमान।

#### ( ১৪ ) श्रीमाध्य-दशीकीत्र मर्ठ

aoat कवावभूत द्वाष , हाका। रक्र - चाराधारक उपनामी, चेनाम तकण-- को ककुछम काकार । अक्षाति । अक्षातिमाम भवतिकादिताम वि- a. चीमत-গোরাল একচারী, ত্রীপতিভগাবন ভক্ত।

#### (১৫) औरभानामा यह

\*

बक्षक--- भ्रेमधानमान खन्नानी

(১৬) श्रीनवार्थे-८गी १व वर्ड वक क ... शिभूर्व शक उन्नडाती. श्रीम किमान রন্ধ নতী

(১৭) श्रीकाश्यक्तकामण वर्ष

किक्निका, वाञ्चामनभूत, व्यक्तिमेश्व । लगारम नैकन-(श्रीकाल-शास्त्रिका-निक्तिनादीय निकारमना बर्कमान । उक्क-अवनात्री धी-त्रनात्रवात्रवी ।

## - (.) बादगोड़ी इ मर्ठ

b म: काणिकामान ठकनकी हैं। एता: अन्तिकात, कालका ना ।

. G: MCHTA 14, 14, 85.e

মতরক্ষ ক -- আচারিক জীপার কুলাবলারী বিস্তান্ত্রণ। সংকারী - প্রিক श्रीभाव असक्षवाष्ट्रासर भवन्तिष्ठाकृत्य विन्द्रः नीधान शामावद्यादी अक्षाती, श्रीभाव minithatel free. অগঠড়াবণ अक्षवादी (भीकीकेलानसः अक्षादी जीमारबोध्याव्य, त्रज्ञाबी जीमश्यक, आकुक्क त्रापत स्तीमक्रक महात्रज्ञा-मधाद 'अस्तिनाक्षी मान्यमध्येत अव्यक्तिकारी, क्षित्रबंद्यकानम माधिकारी विन्दा, नीक्नवकानाकान मानार्षत्रकाको ।व-धन, व्याबद्धलम मार्कात्वम्, व्यात्वम् व अक्षत्रावी, व्यात्वस्त्राहान রক্ষারী প্রকৃতি।

#### ५৮) कालनार्याका अन्याख्य वास्त्रेश ८५% व्हास्त्रास्

अक्क-- अक्यामी क्रिकिक्टमात्र।

(১৯) ब्रीशुक्रस्याद्वम मठे

प्रमेशक, भूदी, क्रीस्था। दक्षक - अक्षात्रा हो स्त्रिलद्रभानन विनारताह. এমচারী, প্রীয়ালবালন এমচারী, আনহাত हत्रण वश्वकारी. चेत्रशानिम लङ्का

#### १२ • शिल्या-टगोष्ठी म मठ

व्यागतनाथ, खबाभाव ५०%, सूत्री । तकक- बक्राजाती द्वीलद्रश्यको अन्तानकी महकाता -- अञ्चलकी अधिन शिक्षांन हा हो।

#### (३) बैनकियानम सर

Siwalnimic, dos तक - उक्षाठाती जीनगर : जीदामणम बक्रादी जीनाम बच्दशालान बामानिकाडी.

(२२) जीममाजन-भीकी व मठ क्षतः प्रशास्त्रात्रम्याः, काली ।

क्षक अज्ञाता के १८० वनकी, विकारमान बन्नह हो, श्रीमकामन अक्यामी ।

(२०) जैक्सदेहण्य वर्ड श्रीवांमश्रमान कृष्य, श्रीनाम बुन्धानन । পুক্ত - শ্রীগণ কিনাপ এমচারী

#### (३৪) 🕮 शत्रमध्रम वर्ड

रेममियावना, मीळापुक इक्क-अक्षाती श्रीमृतिश्वानम् व अभ्रताती जीयमध्याम ।

(२०) ब्याट्रेड खाटशोडा स्र स्ट हुसुप्रकु छ।, ¹७७७ छ।. माल्छ्य । क्ष 🏎 - बोदम माथ दाय. जीदार ही व . अधिका ।

(२७) नहामदशीक्षीय मह क्षक --- अक्षात्री विश्वन नगरी, हो नगी-्यातार अवनाती

(२५, अभिन्याण अनुसाम्य-सर 화해(1919), (918 위험, #146

व्यवादन मध्यक्षांदे नारभावादम्ब दमक वक्षमा वक्षक -- अन्तामी <u>बी</u>ळा वक्रक-417. 88 7441041

(३৮) विश्वी (श्रीकीय सठ-कामराजय दन्द (अभिवान अकात जन, निक्रां प्रजी त्रक्र--अकारी चीतीवक्रमः, श्राकुगरमध्य A) #141349549449

#### (23) (引用可引与)-运引引进署 रुष र --- अध्यक्षाती खी तामारभावन

(७०) भारताष्ट्रशिश मह

यर्ष (वाष्ट्राम्युरम्, कारिवङ्क त्रः भ प्र क रक्-- किष' ह्यामी औ इंक्टियक है जी 14 गणाराष, मण्याहे—जिम् छन में जिल्ल क्**कि अ**न ककियाँन, शिवाम **अ**न्मानन प्रकारी, द्वानाम (मनकीममन अक्राडी,

🚵 রেদ বিভয়রণ রশ্বচারী ছকিশালা क्रीनाम (श्रीव छन्। सम्म श्रमहात्री ।

### (७) पाममदभाभाग भावे

कांद्रानश्रान, हाक्स, नमीध क्षण्य--- अक्षष्ठाशी औरणगणानम



ষষ্ঠবয়'

७ औरत दंशीतास ४४४, ১৯८न खोलन वन्नास ১००৮, ८ व्याशिष्टे दे१ ১৯०১ सम्मनवात

১৩০ভম সংখ্যা

## সাময়িক সন্দেশ

भशकातःगाविकाती द्वीमम् क्षीतद्वसारतत 🚁 দৈৰ যে কত মহতী শিক্ষা ব্রিতি আছে, তাহা আগর। অক্তম জানে বুকিটে থাবি না কিবা অজ্ঞানতম্পারত ুনেত্রে দেশিতে পাই না, কিন্তু যথন 🕮 ওঞ্জ-ীৰ্মাণের রুপাবলে-জানালনপদাকারারা সেই অভিনিত্নোরাশি বিদ্রিত ১ইয়া भिनाकारनत डेन्स हत, उपनेहें व्यक्तिका **চরিজ্ঞান চৈত্রসচক্রের চমৎকারম**গ্রা শীলার বিচিত্রর আনাদের চক্ষের সম্পূর্ণ ফুটিয়া ₹.51

শ্রীটে তম্পদেবের মহতো মহীরান্ চরিত্র 🕮 हेह : इंदिहान के विशेष के विशेष গোষামী প্রাকৃ, ঐচৈত্রস্কভাগবত প্রণেতা শ্রীপ ঠাকুর বৃদ্ধাবন, শ্রীচৈতক্তমঙ্গপরচনিতা ঞীলোচনদাস ঠাকুর প্রাকৃতি অপ্রাকৃত কলিকুল শিরোমণিগণের থেখনীতে পরিকৃট কইয়াছে। তাঁখারা আলক্ষণরায়ণ কলি-कीरतत मध्यस्तिका सम्कारात हेरा व्यक्त করিয়া সংখ্য ভাষানভিজগণের ও কতই না পাঠের স্থবিদা করিবা দি নছেন।

विवयकारन वक भाकाकारण व्यमस्त्रामय দন্নাবারিশি বৈশাবঠাকুরগণের এভাদুলী মহতী রূপা আমরা বুরিতে পারি না। কত কভ বাস ধরিষা লোকে শ্রীমন্তাগবভ, **জী**চৈতভচবিতামৃত প্রভৃতি ভবিতাম পাঠ করিভেছেন, জীমন্তগ্রন্থীয়া এছ প্রায় সর্বতিই সকল লোকের নিতাপাঠ্যরূপে বিরাজিত আছেন, কিন্তু বে শাস্থের একটা

ক্ষীৰ ধকাতিধক হইতে পারে-মহানক্ষ শাভের অধিকারী হইতে পাবে, তাহার বুঝিভে পারেন। সমগ্র পুন: পুন: আরুদ্রি করিয়াও আমাদের কোন জ্বিধাই হব না ৷ ভাহার कात्रभ, व्यामता (य ठटक रक्ष मर्भन कांत्रक যাই, তদ্বারা বস্তর সমাক্দৰ্শন হয় না। বস্তব আভাক্ষীণ দৰ্শন ও দুরের কথা, ভাগার বহির্দ প্রাঠাডিও সম্পূর্ণরাগে कामामित पृथ्याहित इस ना। किन्द्र यथन প্রকৃত চকুমান বাজি আমাদের চোথের ভানি ঘুচাইরা দিয়া, ভাষাতে অঞ্ন প্রবেপ দিয়া, চকে অপুলি প্রদান কবিয়া বস্তুর থক্ষপ প্রদর্শন করেন, তথ্ন অনিরা আভগাৰিত হটয়া ধাই, আর নিজের ছুপ্রান্ধির বিষয়, দৃষ্টিগীনতার বিষয় প্রেণ করিদা নিজেকে কতই না ধিকার প্রাদান করিতে থাকি।

**ब्रोटे** इन्हमग्रानिभित्र मग्रात क्यां— অপ্রাক্ত চরিছের কথা আমরা আধ্যক্ষিক জ্ঞানে বৃথিতে গিলা ভাঁহার চরিছে নানা क्षकात मत्कर किया विक्रक वा विषय धात्रणा করিয়া বসি। অনেকে সামানা পরারগ্রন্থ বলিয়া ঐ চরিত-গ্রম্মুলিকে উপেকা कतिएक । भागापना । हे ना । कलाना है अन्त ভগবান শ্রীচৈতনাদেবের ইচ্ছাক্রমে তদীয় নিজ জন এ প্রেপঞ্চে অবভরণ করিয়া ঐ পরারভালর মধ্য হইতে কড অঞারুড পারিত্যের পরিচয় প্রদর্শন করেন। জগতের বড় বড় বিদান বাকিগণ অপ্রক্ষাতর ধরিলা कानामाठना कत्रियां ९ (य कानराजातत्र অভি-এক কণেরও সন্ধান পান না.

ে মাত্র লোক অষ্ঠভাবে বুঝিতে পারিলে নভাচরিত্র বৈক্ষরগণের রুপার আহ্নত বিষ্ণায় অন্তিক্স জনগণ্ড অবহেলাক্রমে তাহা

> শ্রীটেডভনাদের নিঞ্চ ভক্তগণের ছারে বিভিন্ন প্রকার শিক্ষার পরিচয় প্রদান করিয়াছেন। যেমন--

> > व्यानम-वाद्य कम्प्पत वर्ष नात्। দামেদের খারে নৈরপেক্য পরকালে॥ হবিদাপ খাবে সহিষ্ণুতা আনাইল। भभाक्त-जल-पात देवना शकानिया (ভক্তিরত্বাকর)

এইরপ তাঁহাবই অন্যতম ভক্ত রুঞ্দাস বিপ্রের চরিত্রে যে কত শিক্ষা নিষ্ঠিত আছে, । শুরুদেবের পরমোদার কীলার কিবদংশ শ্রীপার ভাহা আমরা ভিল্পিকাস্তবাণীর নিক্ণট (भनक, क्रि:शोड़ें।ब्रम्लीनक क्रिशान खुन्नता-নন্দ বিদ্যানিনোদ প্রাস্থুৰ লেখনীতে দেখিতে পাইলান।

বাহারা গত ৪৯শ সংখ্যা গোড়ীয় পাঠ করিয়াছেন, তাঁহারা এই অপ্রাক্বত কবি-বরের প্রকৃত পাণ্ডিত্যের পরিচয় অবগত रुदेशास्त्र ।

এই গৌড়ীর সংখ্যার অ্মবরা ক্লফলাসের চরিত্রের সমাক্ বিশেষণ দেশিতে পাই। **७मा**र्मा विरम्भ मक्तीख्वा विषय्—माकाष ভগবানের সঙ্গে ভদীয় শেবায় অবস্থান করিয়াও জীবের খতপ্রতার অপব্যবহারকলে ছুৰ্গতি লাভ, জীবের ভোগপ্রাবৃত্তির পক্ষ-সমর্থনে বিবিধ চেষ্টা ও যুক্তিপ্রদর্শন, ভগৰানের থিবিধা শক্তির প্রকৃত পরিচয়, **टिंडन व पटिंडरनम् शर्वका, टिमाटिंग-**

প্রকাশের সদৃষ্টান্ত কর্ণা, জীবের স্বাহস্কতার मम्तात्हात ७ व्यमनवात्रशास्त्र कन, व्यात সদ্প্রকর ক্রপার বল।

🗕 🕮 भाग स्मातानम अङ्गात १ विरागव বুঝাইগাছেন-- শ্রীকৈতকাদের ও क्रीमिक्षामान्यतः क्रभाव देवनिरहात रिमय এবং উচ্চাদের কুপার কথা জগতে বিবিধ-ভাবে প্রচাব করিছেছেন বে অভিনন্তা মহাপুরুষ, সেই নিজ্যানদাভিন্ন জ্বাদ্ভঞ্-বরের মহামহীয়সী ফুপার কথা।

**८२ मकत्र शिंक**ाल, **बालनात्रा क**गन-মুন্দরান্দ প্রান্ত্র ভাষার পঠি কর্মন,----''আমাদের এমন পরত্রপত্রপী 🗷 গুরু-পাদপয় দশন করিবারও অভূতপূর্ব महारमी लागा बहेबारह--- स्य महाभूतम्य महा-প্রভু ও নিভানন প্রভুর আযুগভো महोपार्गाणीमा निङा প্रकृष्टे कतिहा महाव्यक् ও নিত্যানন্দ আভুর পূর্ণতমা সেবা ও পূর্ণভ্য মনোভীষ্ট প্রদার করিতেছেন।

महाश्राकृत निकासन, जीनिजान(स्तत्र অভিম্বিগ্রহ সেই গুরুপাদপদ্ম অনুক্রণ আমার স্থায় যে কত কত ভারত-কুজানিকে কেশাকর্বণ পূর্বক উদ্ধান করিছেছেন, তাহার ইয়ন্তা নাই। ক্রফ্ণাস বি গ্র একবার মাত্র অসংস্থার ক্রবেল ক্রলিত ইইনার আদৰ্শ প্ৰদৰ্শন করিয়াছিলেন এক ভাষতেই महाशङ् विश्व कथामास्य स्वान कतियात আদর্শ প্রদর্শন করিলাছিলেন। **নিভাগনক** 

( ৪র্থ পুঠার ২র কনমের লেনে মাইবা )

"অগতের পিতা কৃষ্ণ যে না তজে বাপ। পিতৃত্রোহী পাডকীর জন্ম দল তাপ।

### আসন্তি

( > )

कीवमाद्वारे जामिक वे मान । नकरमहे কোন না কোন একটা বন্ধতে আসক इरेश कान राजन करत, क्लकान भावाछ কাংার অনা**সক্তভাবে থাকিবার** যো নাই। আসভি-রাক্সী এমনভাবে সকলকে ভাহার করালকখলে কবলিভ করিয়া রাপিণাছে বে, কিছুভেই ভাষার হাত হইতে নিয়তি পাইবার উপায় নাই। ধক, রক্ষ, কিন্তর, গঙ্কর্মা, মহুস্থা, পশু, পক্ষী, कीं। भडक--- मकरमहे ताका, अध्या, जो, পুত্র, আর্থার স্বঞ্জন, গৃহ, অংগ প্রেচ্ছিতে আসক হট্যা দিনাতিপতি করে। কাহারও ।কান আসকির ব**ন্ধ** না থাকিলে সমূতঃ কুকুর, বিড়াল, লাঠি, ছাতা প্রভৃতিতে আসক হট্চা ই সকলে চিত্ত স্থাপনপূধক সময় অভিবাহিত করে। আগজি না थाकिल मः मात्र शाकिए सा। आमिकिहे মাদার সোণার কাঠি, যাহার স্পাদে জীবগুণ অতৈভক্ত হই।। পড়ে।

আসক্তির কারণ অমুসন্ধান করিলে চিত্তকেই ভাহার প্রধান হেতু বলিগা ভানা যায়। নিধিল শান্তশিরোমণি আমদ্ভাগ-ৰতে 🕮 ভগবান কপিলদেব বলিয়াছেন---েচত: থৰ্জ ব্ৰায় মুক্তরে চাত্মনো নত্ম। ভণেরু সক্তং বন্ধার রতং বা পুংনি মুক্তরে ॥

চিত্তই জীবাস্থার বন্ধন ও মৃক্তির কারণ, ঐ6िख विषया व्यानक इट्टेन्ट्रे केंद्रित সংসার-বন্ধন উপস্থিত হয়, আর প্রম পুরুষ জীভগবানে নিধুক্ত হইলেই তাহার मुक्ति गाक रहेना शास्त्र ।

कार्यम् भागकित्र स्ना ५७ व्यवण स्य, তাহা দিখিদিক্জানশ্বা করিয়া তুলে। রূপে শাসক পতক বহিংকে আলিখন করিতে গিলা দম হইয়া যায়, কুরজ স্থ্যানা मधीत्क , व्यामिक्यमकः यार्धित कारम আৰম ভয়, মাতল লগালুগের নেশায় চন্দশাঞ্জ হয়, জুমর মধুপানাসজিবশে मृङ्गारक कालिकन करत, जांत्र मध्छ । हारतत গকে। পুৰু হইয়া বিভিগে বিদ্ধ হয়। স্থাতরাং বৃথিতে পারা শাইতেছে যে, আসঞ্জির এক माञ कार्य---(जागवार्था। ৰণিয়াছেন.—ভোগের নিমিত্ত বিষয়সকলের ধ্যান করিছে করিছে ভাগতে আসজি कारक, कार्च / स्ट्रेंटक काम, ट्रांस, मटनाव, **স্থৃতিবিজ্ঞা, মুখিনাশ এবং পতন** ঘটে। रकारभन्न दनमा - **धारण स्ट्रेल**के भागा-পিশান্তীর কুহকে পতিয়া শ্রীৰ সংসার-বন্ধন লাউ করত জড়াসক হইয়া পড়ে।

**' অতিভক্তন**ৰ বলিহাছেন,---ক্লেনিউলোগ জীব তাহ। ভুলি গেল। **এট খোবে সারা ভার গলার বান্ধিল ॥** 

क्रमा दृति' (सह कीर क्रमानिर्वहर्ष्य । শতএব মায়া ভারে দেন সংসার ছ'ব। কভু ঋর্গে উঠার কভু নরকে ভুষা।। **मञ्ज्ञानः जो**ङ्गा त्यन नमीत्छ हुनात्र ॥ তাতে কৃষ্ণ ভক্তে করে হন্ধর সেবন। गाताबान इति भाग करमन हतन ॥

পণ্ডিতবর জ্ঞীশাদ অগদানন গোস্বানী ও বলিয়াছেন.---

क्रकविर्म्भ इ.को (छोगवोक्का करत । নিকটস্থ মাগ্র ভারে জাপটিরা ধরে॥ পিশাচী পাইলে যেন মতিচ্ছন হয়। মাণাগ্রস্ত জীবের হয় সে ভাব উদয়॥ 'আ'ন সিদ্ধ কৃষ্ণদাস'--এই কথা ভু'লে। মাধার ন্ধর হ্ঞা চির্দিন বুলে॥ কড় রাজা, কড় প্রভা, কড় বিপ্রা, শুল : करू हाथी, करू खनी, करू की हे क्षा কভু কর্নে, কভু মধ্যে, নম্মকে বা কভু। কভুদেৰ, কভু দৈতা, কভু দাস প্রভু ॥ এইরুপে বিভিন্ন যোনিতে প্রিভ্রণ

করিছে করিছে বধন ভীব অভান্ত ক্লিষ্ট হইতে **পাকে—সংসারের তীব্র ভা**পে দর্মী কৃত হইতে থাকে, তথন ''কেন বা ভঞ্ছি মাচা করে হার হায়।" কিন্তু কিরুপে মারার হাত হট্তে অব্যাহতি পাইবে ? কেছ হ্য ত উপদেশ করিলেন,---উদ্বেতা —াইতে পারিলেই মুক্তি —''মরণং বিন্দু পাতনাং জীবনং বিশ্বাবণাং।" জননি বীৰ্যাধারণে ব্যক্ত হইয়া পড়িল। কেছ বা বায়ু সংযমনের থারা প্রাণকে আয়াম অর্থাৎ বিস্থার করিতে উপদেশ দিলেন, অথবা কেচ সধ্যত ভাগে করিয়া জ্ঞানের উপা-সনা করিতে পরামর্শ প্রদান করিলেম। কিন্ত 'বস্তাবুদ্ধি শুদ্ধ নকে কুফাচ্টিক বিনে।' (कान नचः उहे च्यतिभा इहेग ना। कृषः-ভক্তি বাডীভ--কুঞ্চণাদপন্নে প্রপত্তি বাডীভ তুর্ত্যারা নায়াকে অভিক্রম করা যায় না । কুলুপারপারে আস্তির্বাচীত মায়াস্তি ভাগি করা যায় না

था । भवा था बूद माकार मक **६ (मना इ**हेरड ভদুরে রাধিয়া ক্বকদাদের প্রতি রূপা-প্রদর্শনের আদর্শ প্রদর্শন করিয়াছিলেন: কিন্তু আমার সায় গুণাচার শত সহস্রবার পুন, পুন: বিপ্রা ক্রমণাদের প্রনোযুগভার আদর্শ অনুসরণ করিলেও জ্রীগৌর নিত্যা-নন্দের অভিয়তমু বৈ 🕮 গুরুপাদপয়ের ৰহামহাবদাল স্বভাব স্বামার প্রদশা-প্রদৈবে একান্ত জুংখিত হইরা জামার পুন: পুন: গুরাচারের অস্ত আমাকে বর্জন করিবার পরিবর্ডে পুন: পুন: কেবল সাকাৎ সহ ও সাক্ষাৎ দেবা প্রানান পূর্বক আমাকে লোগন ও ছতার্থ করিতে অঞ্জণ বাস্ত, (महे 🕮 अङ्ग्लानभाषात्र छेनावागीमात्र स्वया जान कि रशिय।"

### काराय अगर

### আঙ্গল ও মেকী

( 2 )

মিছা হ'ভেব অপ্লভাত — দেকী। মেকীভক क्याराम क्रियाभनीत्र <u>শ্রীথোরস্থলবের</u> দেশিতে পার মা । তাহারা **মিছাউভিন্ন**ল অপ্রায়ত ধাস শ্রীধোগপিঠকে স্থানান্তনিত ক্ষিয়া ধেকী মায়াপুর নির্দ্ধাণ করিতে नाष्ठ हव । यश्चाता छानात्मतः धुत्रवहमकाती, ভাহারাও সেই মেকী মাগপুরকেই আসক মারাপুর বাল্যা জ্ঞানে পতিত হব। মিছা অজের ভাবকস্থাে ভাহারা 'বেডন चारेल मुथ नाला, त्वलम त्र होन याथ. किनाम शना भर्ता"—केलाकात विस्ति প্রশাপ বকিতে থাকে। কারণ, ভাষার। ধলে যে, আমর। বেওথেরও উপাদক ন্ট च्यात कवात ५ ८भदक नाहे, किन्न स्थामत! निष्ठाच्टकत धुत्रवहनकाती, ভाগদেরই পক্ষ সম্প্র করিব—ভাগদেরই কথার অন্তকরণ করিব-- দৃষ্টি খুলিয়া আসল নকল दिहात कतिय मा।

যে প্রেমণ্টিতে শুক্তক্ত ও ভদমুগ-সম্প্রদায় স্বয়ং প্রকাশবস্থা ভীমায়াপুর দর্শন करतम, स्मकी चरकत हे क्षित्राच्यां । क कामिनी কাঞ্নলাভে অনুবাং থাকায় ভাদুল দৃষ্টিব অভাব হেতু তাহারা কথনই শ্রীধাম দশন করিতে পারে না। স্নতবাং ধাম লট্যার অধিকারী কে হটতে পারে, শীমদ্ ভাবেত নিজ ইন্দিয়ভর্পণের চেষ্টা করিতে প্রেস্তভ क्टेश क्लाउँ एक श्रेश छाना प्रताक मध्ता, বৈকুঠ বা মালাপুর বলিখা স্থাপন করিছে। <sub>না।</sub> প্রয়াস করে।

মেকী বৃদ্ধির এরূপ দৌরাখ্যা যে, আসল বস্তুকেও মেকী বলিয়া ভালার ভ্রম হয়। যেমন কামলা-রোগবিশিষ্ট ব্যক্তি শুলুবস্থকে ও হ্ৰিদ্ৰাবৰ্ণ দেশে, লাল চশ্মা প্রিহিত राकि छञ्जनर्गक । नान दनिगारे एमान, ভদ্রণ মেকীদৃষ্টিবিশিষ্ট বাক্তি "আন্ধাৰ মক্ততে জগং" স্থারে আসল মায়াপুরকেও नक्ष गणिता मन्द्र । छाटे बणि ---নেকী ও আসল ৩% ভক্তগণই চিনিতে পারেন, আর কামিনী-কাঞ্নপ্রতিহাশা-লোৰুগ মিছাভক্তগণ মেকী জিনিদ সইয়াই দিনাতিপাত করে, আসল বন্ধ ভারাদের मृष्टिभरभ चारत्र मा ।

> চেতনের বৈশিষ্ঠা অক্তৃতি সেই ত জীবন। চেউ**থ**ণি বহে তর্গাদনী, উৰ্নিহীন স্তৰ নৃত্যাকর निस्त्रण रूल नाहि हिनि॥

### যৎকি ঞিৎ

( পূर्वकृत्वाभिष्ठं ১०३ मध्यात भूत )

গ্রেড়ীবর্গণ ত্রীমধ্যয়প্রভুর, শিক্ষাদ শুক্তকের অন্তর্ভি—আসল, আর পিকিড ইইরা খারেও খ্রীদরশন বা শ্রী-मञ्जामन कितिए यान मा । स्टब्स १ क्लोडेडा अन्दर्भ माञ्चमित्राणित केशानक हे हरेश প্রাক্তির ভোগবৃদ্ধিও তাঁহাদের চিত্তে স্থান भाग मा ।

> শ্রীগোরস্থানরের শিক্ষার শিক্ষিত না इटे(म क्यांजे काहांत्राम क्राह्मतक ६०%) गांच ना। जांदा इंडेटण जांक्न डोंठात्रक প্রিভাবক' খ্যাতি লাভ করেন।

> যাত্রা-পিতেটারের অভিনয় প্রবর্ণ করি চ বীরবসুস্টেয়ানকরস, করুণরসাদির কথ। ক্রম্ম সমেকের চিত্র তাংকালিক ভাব প্রবণ্ড। লাভ করে। ভাগা কিছু দীর্ঘকাল थारक मा अनः छाषुभ धामा-विरम्हारक त्रविष्युत्र करम्भक्तातिक माञ्चामि वाटका द्यमन কাহারও বাতিব মকল হয় না, ভেজাব करिनमन मुर्जामणीर्य इतिकथा सकत मार्ट গ্রানসিত হল। সর্পের উদ্দিষ্ট তথ্ন পান कतिरम रमक्रथ छम्मना चाछे, फरिन्मरतत মুখোচ্চাবিত ভাগবতবাণী লগা কবিলেও कीरवत उपन्य क्वरीड व्याड हय।

> ভাগৰত পাঠের বা সঞ্চল প্রদানের ব। ভাষা অঞ্চলে বর্ণন করিবাছেন। নিরুম্ভ-कर्म मा इंटेरण क्लान्डवका इंटेर्ड शास বিষ্টভাগ-পিশাসা, আত্মেরিয় श्रीजिताका, देवकवित्वव, श्रीधामनिद्राध প্রাভৃতি ওর্গুদ্ধি পোষণ করিলে কখনট নিব্ৰুবৰ্ষ হ ৭গা যায় না।

### প্রমাদ-সংশোধন

व्यामारमञ्ज्ञ अवरण किছु जून इरेग्नारकः। विभिक् यूवक बढेवत प्रक ता शक्यानि सामि श्रीक द्वमास त्वन भट्यामाटक मिथित्रोहिरमन, ভাহার প্রযুক্তর দিবার অস্ত্র উক্ত কুমার वांश्वित रशोक्रीय मर्कत्र मुल्लामरकत्र निक्र উহা পাঠাইয়াছিলেন। গৌড়ীয় মঠের সম্পাদক ঐ পজ্ঞোক্ত বিষয়টি নদীয়াপ্রকাশ-नम्पाप्तकत चार्लाहा स्नामिश उँहा मन्भाषक बर्गाटवत्र निक्छ भाठीहेशाट्य । गण्गामकीह মন্তব্য প্রকাশিত হইলে পর ঐ পরের উত্তর (भोफीय मन्नामक (भाषांमी मरहामय मिरनन, বলিরাছেন। স্থতরাং তাঁছার নিকট চইতে चामता केक दैवनिक् यूनक्कत श्वा नयदक व्यवक भारेवात्र ज्यामा कति ना। ज्यामतारे देशव जात्नाहना कतिव।

## গ্রন্থ পরিচয়

### **শ্রীমন্তাগবত**ম

শ্ৰীৰবাহৰি কৃষ্ণৱৈপায়ন বেলব্যাস-প্ৰাণীত মূল, শ্ৰীমন-मध्याताया-कृष्टा खारलवा-निर्वतिका; डीमप्रविचनान तक्क्वे ठाकुत्र-क्रष्ठ मात्रार्थनिनि किका, वश्राष्ट्रवान, भरष्ठण प्रवार अ व्यक्तिममं, एशा व विवृद्धानिमुक्तः। व्यक्ति वरक्षत्र व्यक्तित्व त्नहे **क्ष्मत अ**डिलाच क्लामात्त, क्ष्मग्राह्मत क्ष्मास के পুষ্ণায়ের সার্মহ স্বিকৃত ভাৎপর্যাদি বিবৃত। স্নোকস্চী विवधक्ती, अन्धाविववन, शाळ ७ हामक्तीमक छेक्रम कांगरक केंद्रम कलर्ब मुखिछ। खाल्म इहेरछ ১०म श्रद প্রাক্ত ছাপ। লপুর্বরূপে শেষ হইরাছে। ভিক্ষা প্রাথম हेंकैएड अस अस श्राप्त २०१४ ; समस एक ३२ ; PASI 80. 1

### अध्रक्ष का का विकास के विकास क

ভ জীতীমছকি দিছাত্ত সর্ঘতী গোত্থামী প্রভূপাদ-দিখিত 'অফডান্যে ফ্রতি-ফ্ডাাদি বহু শার্তমাণ-স্থলিত হইয়া প্রভেত্ত প্রাধের প্রথম সংক্ষিত্ত অভিধেয় সংযোজিত। প্রভাব অ্যায়-প্রারম্ভে কর্ণাসার দেওয়া আছে। স্লোক, প্রার, শুকু ভ্রান, পাত্র প্রস্কৃতির স্তবুহৎ স্তী ও গ্রন্থকারের 🖟 ভিক্ষা ১১ এক টাকা মাত্র। বিশ্ব জীবনী সম্বিত এই রূপ অভূতপুকা সংস্করণ ইতঃপ্রে কু অর্কাণ প্রকাণিত হয় নাই। উত্তম কাগজে পারিপাটোর मिक बून अकारत भूगाः न मृत्तिक श्हेत्राक । अब श्रीय ২৫০- প্রায় শৃশ্য । ভিকা বস্তমানে ৫, মাজ।

### **बैदेहडग्रह्मशाग्रह**

এছকারের জীবনী, প্রতি পরিছেদের কথাসার, বিশ্বত (भोषीत काया, मक्छ्ठी, भवात्रप्रठी, विवय-शाब-भावादि-क्री. क्षा विविध विश्व मधीना विद्या विश्वीत मश्चत्रन হবল ক্রাউন ৮ পেটা আকার। আদিলালা ও মধ্যের किश्रमः अकाणिक श्रेशास्त्र। ज्ञास ज्ञास अकाणिक ছইভেছেন। অগ্রিম ভিকা ে টাকা, আদি দীলার किया द्

### **Acres**

এই প্রথের এরপ অভিনব ফুলর সংখরণ আর কুত্রাপি क्षकाशिक इस माई। माइल (माकार्यान व्यवस व्याष्ट्रवान. ভাষা, ৰশাসায়, তথ্য প্ৰকৃতি সহ বাবে বাবে প্ৰকাশিত ংইরাছেন। মূল মোটা অক্ষরে ভবল ক্রাউন আউপেলী दुरशाकारत हाना रहेबारक। भूगा २४० होका। समीता প্রকাশ ও গৌড়ীয়ের আছকগণের পক্ষে ১॥॰ টাকা।

### क्षेत्रक गर्व भी छ।

-- श्रीरगोदीत देवकवाठावा प्रत्याक्षण त्रनिकृद्धामनि कैकीविषमाध ठक्कविठाकुत्र लायामिङ्ग्या मात्राधेविधी ীৰাসমেতা ও জীতীমহাজবিনোদ ঠাকুর-প্রণীত 'ছসিছ-अक्षन' भावक कार्याकारामांदक।। व्यथात्र रही, माकृकात्रस ्याय-एठी विवय-एठी आह्मारत्य श्रीयनी ७ **अवस्त्रांत्रांत** वट-काष्टवावियद्ग-मर् छेरक्ड माधारे कृष्टीय मरक्यम--- ८३ बाह गरवतरनव किका ६८ क्रीका माळ, गानावन मरकवन--- ১॥ • गेका माज

### শ্রীল প্রভূপাদের বক্তভাবলী

ও বিষ্ণুপাদ এতিমন্তব্দিসিভান্তসর্বতী **टगाचामी महादारणत राहे जविष्ठा-विध्यः मिनी** कीवाश्वश्वश्वाद्यांत्रिमी क्रक-कार्कानलमात्रिमी कीवल-वागाद र्वाष्ट्रविकानाशास्त्रत्र स्मोनिक छणा--- शक्त्राख ६ छान्। स्टान সমন্ম গুর-মহাজন-ভাবনচরি ৬-শিক ক —চিধিধাসচিন্মাত্র-অচিত্মাত্র-বিচারক—ঐশ্যা ও মাধ্যার্গের মৌলিক গ্রেণ্ণার —সম্বন্ধ, অভিদেয় ও প্রয়োজন-তদ্বের সিদ্ধান্ত-সমুদ্র।

১। প্রথম অভ—বৈক্ষবদর্শন, শ্রীগুরুত্ব, কাল-धर्ष, औषस्वारिकांव, धीवांबेबानवी, शाक्याक्रिकी सीका e वर्ग-विচার, जान्यभन्त e मन्त्रान्त्र, क्रीरेहण्डलाव e ভাষার শিক্ষা, অংথাক্ষত সভ্তধশা ও প্রাক্ত সভ্তান্দা, প্রভৃতি বিংশতি সংগ্যক রয়ে স্থানোভিত। ভিক্রা মাত্র be বার জানা i

১। ত্বিতীয় **শগু—ভ**দা ও বিদ্যা ভক্তি, মনুবোর 🎒 🕮 মছা 👉 নোৰঠাকুর-রচিত 'অনুভঞ্মাহভাষা' ভেট্ডা কোথার, আল্লার নিতার্ডি, 🕮 দর স্বামিপার ও मात्राताम, श्रीरंशीत-निष्णानसञ्जाम, जिल्लात थया । क्रक-कीर्जन, दीवामणुष्टात दीवशावदात्तत्र कीरान, दार्शाव-धारमत महिमा, मध्राज्याम, श्रीरशांतिन, श्रीक्रशाञ्चशक्तन-পথ, बीमणी नुग्छासूनिक्ती, ब्रीटिज्यासन महा. (भोदकत्ने भा ও ক্লক্ষ্সকীর্ত্তন-চতুদ্দশ অপৃথ্য-মধুরিমাপূর্ণ-বক্তভা-বিভূষিত।

> প্ৰথম ও বিভীয়—ছই বঙ একজে লইলে ভিকা ১॥• দেড় টাকা, ডাক গরচ স্বভন্ন।

### এমঙগবদদীতা

্রোড়ীয়-বৈঞ্বদার্শনিক-শেখর প্রীপ্রামন্বলদেব বিভা-प्रशक्त भाषा e श्रीमहिक्तित्ताम ठाकुरवत्रशासन वक-ভাষার বিশ্বত 'বিশ্বদর্গন' নামক ভাষায়ক। অন্যায়-স্চা, বিষয়স্চা, ও প্রতি স্লোকের প্রথম ও ভতীয় পাৰ সূচী, ভাষাকারের ভীবনী প্রভৃতি সংগিত। উৎক্ট বালাই, রাজসংক্রণ ( চৃতীয় সংক্রণ ) গ্রন্থের किंका २ होका।

#### প্রথময়র দ্বাবলী

टीमधनाम विशासन-धारी व विकासनाम, मनाई ९ গোবিন্দ-ভাষ্যাদি পড়িবার প্রাথম এছ: উৎক্রই কালিতে ছাপা। প্রবিশ্বত টীকা ও প্রাঞ্জনবদায়বাদ-সাহায্যে অতি সহজে বালকেরও বোধগমা হইয়া থাকে। ভিকা । । পানা মাত।

#### **बिनवरी भगमगराया**

( প্রমাণ্থ ও ) সামুবাদ। প্রাতি-স্বত্যাদি গ্রাছে শ্রীনব-ৰীপের যে মহিমা কীউত আছে, তাহার মুণ সংস্কৃত ৬ । নাম মাত্র ভিকা ॥• আনা। अञ्चाम । किका ८ • भाना।

### **এএ**নবদীপভাৰতবৃদ্ধ

আঠাকুর ভঞ্জিবিনোধ লিখিত। স্থলনিত গাঁতাকারে পরিক্রমান্ন জন্টব্যাদি-বিষয়ক। ভিকা। আনা।

### ভব্তিরতাকর ও কববীপ পরিক্রমা

🔊 লব্দরি চজবর্তি-হাকুর রচিত। ভজিরভাকর इंहेरफ পविज्ञासाम माज ग्रहीक: क्रीकीय शाचामी कि खकात अभवशैभगारमत भतिकमा कतिशाहित्सम. छाहाहे পছে বিবৃত। ভিক্ষা। ৮ আনা

শ্রী ভক্তিবিনোদ ঠাকুর-প্রণীত। শ্রীচৈতভেটভাতে ঙ निकालानी-कृष्क, इंक्क्निक अ द्रम-नद्र ६ युक्त कीत-व्यक्ति या-(जन १८७म - जब-- गामन-निर्णय- आयोजन जव. कन्न-नि का छ. आध्यमापित्र विहात--देवती ७ कि. छात्र ७ कि 🐞 🖟 প্রেমভব্রিসর মামভক্ন-প্রণালী ও অঠকালীয় গীলা-পরিচরাদি প্রথম শিকাণীর উপযোগী করিয়া সরল ভাষায় সমুদ্র বৃদ্ধি-প্রমাণ্সত লিখিও আছে। চতুর্গ সংস্করণ বাংশ 🖔 २ , ठाका, व्यावामा ३५० ट्रांका मास ।

### গোডীয়কণ্ঠহার

टिए शो हो या देवका वशास्त्र अकुकार कर्छ स्त्रस्ट्रान्य শ্রুতি প্রতি-পুরাণ-পঞ্চরাত্রাদি সাক্ষত-শাস্ত্রসমূহের প্রমাণাবলী বিষয়বিভাগক্ষে সামুবাদ ওক্ষিত। এইরূপ বৈক্ষা-সিদ্ধারের সারসমন্ত্র অভা কুরাপি প্রকাশিত হয় নাই। ইহাতে ওকতত্ব—ভাগবত— বৈশ্বৰ— কোর- নিভ্যানন-कदेवच-क्रम-मुक्ति-इन्द्रम्म-कीन-कि सार्डमाटन —অভিধেয়—সংধনভক্তি—বর্ণনর্ম- আশ্রম-নম্ম — ভ্রমণ্ড -- শ্ৰীনাম-প্ৰয়োজন ও প্ৰমাণ-ভৰ্ডলি পুণক অধানে স্তুত্ৎ শ্লোকাদি ফুটান্ড উংকৃষ্ট এণ্টিক কাগজে ব্লোগ্ধ র কালিতে মুদ্রিত, উংক্র বাধা যোলার জলে নাম লেখা। এছ প্রায় ৪০০ পূচায় সম্পূর্ণ। ভিকাহ, টাকা মাল।

### শ্রীনবদীপণাম-গ্রন্থাবলী

শ্ৰীমণ্ড জিবিলোৰ ঠাকুৰ রচিত লামমাহাল্য-শাম-माहारचात मामनाम ध्यमाण थंख- श्रीन नत्रहति हक्तवदी ঠাকুরের গাম পরি জমাংশ— শ্রীগাম নববীপ পরিক্রমা—তীপ-যাকা পদ্ধত-ভীমং প্রবোধাননকত নবরীগশতক্ষ-শ্রীমন্ত্রতিবিনাদ ঠাকুরের শ্রীনব্দীপ ভারতর্ম প্রস্তৃতি शह दक्ख स्थि। ५० भाग माछ।

### এইবিনামায়ত ন্যাকরণ

শ্ৰীকীৰ শোখানী প্ৰাহুগাদ-বিব্যচিত কল ও বৃত্তি, তংস্থে ও্পিঞ্পাদ শীমছজিনিকাও সরস্থতী গোসামী মহারাজের বিশ্বত ভূমিকা ও হটী প্রভৃতি সহ। অপ্রত্যাশিতভাবে হল্ড। ভিনা ২, টাকা, ছাত্রগণের श्राक आ॰ होका बाद्धा

### (वक्षा ख उच्च गांज

শ্রীমদ্রামাঞ্জাতায়। রচিত। বেদাজ্যের বিশিষ্টাবৈত্যাদ-প্রচারক জ্রীভাষ্য-প্রণেডা আচ্য্যে প্রবর বেদায়দর্শন পাঠের डेलाराजी कत्नार्थ एवं डिक्स कतिशाहन। डेशांड বল্পামুবাদ ও স্চীপতাদি সংগোজিত করা ইইয়াছে

### জীতৈভভাতজায়ত ও নবদীপদত্তক

গৌরপার্ষদ ত্রিদত্তী শ্রীমং প্রবোধানক সরস্বতী-প্রণীত মূল, প্রান্থপাদ জীমদ ভক্তিসিধার সর্বতী গোকামী মহারাজ স্ম্পাদিত অধ্যন্থে বাাখা। ও বলাগ্রাদ সম্পিত। নষ্ট্রীপুশতকের জ্রীভতিতিবিনোদ ঠাকুরের পঞ্চায়বাদ ও তৎসহ শ্রীমনারাপ্রান্তর একটা তিবণরাশ্বত আলোকিক চিত্র প্রায়ত চইয়াছে। মূলণ ও কাগক উৎকট ( ২ থানা একরে ) ভিকা ৮০ আনা, অভি হরমা বাধাই রাজসংখ্রণ ; > होका मांव।

🕮 महस्किवित्नान शक्त अनी छ। 🚉 दक्तमां १ धर-ব্যাহ্য জান লাভ করিলে পার্নাধিক রালো কিছুত্তেই ষ্ণক্রান বাসংশ্র থাকিবে না। প্রম গুঠক্ম বিবয়ক এই আলপ সরল ও জনমুগোশী গ্রেতাপ্যাও প্রকাশিত হয় নাই। নিষিক্ষণাস্থাম শাল্প-ম্তোকনি মন্ত্ৰাণাল এই প্ৰান্থাই উন্দিত ভ্টয়তেন। আবাৰ স্থবিশ্বত প্ৰী, কথ্যাৰ इ हा। भि भावा विरम्भ भग्न कता हहेग्रातः। नितापे अन. ्मानाव अटल नाम एलथा, छेरक्रेहे ते! तह - कुथ मध्यवनः ভিকা ২, টাকা নাত্র।

### (अयनिवर्ष

জীমবাহাপ্রান্থৰ অনুবাস পার্যন জীল জলানান প্রান্ বিরচিত। এই পুথকে অতি ক্ষাবোধ্য নাগায় মহাপ্রার কতিপর লীগাস্ট বৈঞ্বচোর, একাদণী ও নামভগন বৈশ্বৰত্তবের প্রদীমাণ্যা लगानी लाइनि जानक প্রদক্ষর প্রিচয়ালি-নথবিত চারুর্য সংক্ষর। ভিনা ॥৵৽ ∤ড়িল। • আনা নাত্র। एन जाना गाउ।

#### শুকুলরহস্থ

ভেলনকারীর নিত্যেকা : ঠাকুর ভিতিবিনোদের অধুল্য कान: निश्चित्र भारत्वत नियात । श्रद्धशनि ना त्यशे श्यास চেত্র বুঝিতে পারিবেন না। তৃতীয় সংস্করণ ভিকা IIo i

### হরিনামচিন্তামণি

লাস্টার্থ জীল হারিদাস সাক্রের মুখে জীম্মহাপ্রান্ बिनाम माहाबा, नामालाम, नामालब्राम अकृति विपरमत या व डीय विकास अवस क तिया कि त्वा । এই विलय क्षित অভি সর্গ প্রারে সংখিপ্র আশ্রম্গ প্রিণ্টেভাবে মুদ্তি। 🗃 লভ্জিবিনের ঠাকুর রচিত। প্রথম সংগ্রন ভিকা ५०

### কল্যাণকলভক্ত

ক্রিম্ম ক্রিনেপ সাক্র সচিত। প্রত্যেক ভগবদ-বিখাদী ও ফানপথের পথিকের একাও প্রয়োজনীয় উপৰেশাৰণীপুৰ্ব গাঁতিপ্ৰয়। সামান্ত লেখাগড়া জানা ব্যাকেও এই ভছনবাজোর গাভিস্মুদের থারা অনপ্নির্ভি ও ভগ্র-যেবা আভ করিবার স্থাবিলা পাইবেন। বহ সংখ্যার, ভিক্তা ১৮০ আনা মাজ ।

### শরণাগত্তি

क्रियहिकितिस्तात शेकतन्त्रिष्ठ । छश्यास्य व्याचनमर्गनः বিভাপি, ভাষনগালনা, १५ विशा भन्नभागां । । निह्य-नाममा বিষয়ক গ্রীভিপূর্ণ, ভিক্ষা ৴৽ জানা মাত্র।

#### গীভাৰলী

শ্রীঠাকুর ভাজিবিনোদ-প্রেণীত। নিতা ভছন, আরাত্রিক ७ अवाब-द्यवनानि-वित्रक मधूब ग्रीडमभ्ड दक्ट अविष्ठ। ভিকা / জানা নাত্র।

### **। महस्क क ब्राह्म**

বলিকে প্রসূত টমেবি জীনবিখনার চক্রবাঞ্জী ঠাকুর-বৈরচিত বসপ্রস্থা শ্রীমন্তকিবিনোদ ঠাকুরের অসুবাদ-১ছ। ডিকা। জানা মানু।

শ্রীমনাহাপ্রের শিক্ষা ও শ্রীন রগুনাগ দাব গোস্বামীর অতি জীৱপ গোষামীর উপদেশবাণী, ভক্তিপথের অন্তক্ত প্রাত্তকল বিবেদ স্থাবিচারিত স্বোদন ভাষ্য, বিশ্বত বিবৃত্তি, চ্রিভায়টের প্রমাণ, সাধ্য ব্যাথ্য ও মহাখন-প্রবীত ওচপ্রেণী (এমন্চ প্রভোক লোকের স্টেড লিবেশিত ইইমণ্ডে। ৩৪ সংহৰ:ভিদা 🗸 সানা।

#### সাগ্র-কর

ভারতনাপ দাস গোস্বামীর মনংশিকা, শ্রীল সাক্ষ कुक्तितिसम् - होत् । १% (अर्थ में स्ट्रां) किया / • अस्मा ।

### প্রেমভক্তিচ জিকা

জ্রীল সায়ৰ নৰেংগনের স্বাধদিক প্রেমভিভিবিষয়ক গ্রানের প্রক। ভিজা • স্থানের ।

#### নবড়ী পশ ভক

প্রীল স্থাকুর ভার্তিবিনেদে রচিত জ্রীণ প্রবোধানন ্দেখিতে প্রতিক্র। প্রিটাক্ষি ও মহ তানের বিশ্বাধ ও । স্বস্তুত্বিপ্রের সংস্তুত নব্দীপ্রতক্ষে শ্রব্লিভ পঞ্জার্থনি।

### यर्थभक्त

তীল লোকাচাণা রাচত। বৈকাবতা জানের আকর প্রক। ভিকাত আলা মাত্র।

#### সদাচারস্থতি

ब्रील मध्यां हार्या-व्यापे है। देवकाद्यत निकाक प्राप्ति समाहाता-ननी, नवार नाम मार्केट। डिका / व्याना मार्का

### মণিমঞ্জী

कतिकुन्दकभद्री स्थापनातात्रमाधार्या प्रति । स्थापनाभवः Sाटरात मः किथ कीर्येनवीला अ मृत देवन्धवनवामण । मास्त्रतान हे ভিকা। জানা মাত্র।

#### গৌরক বেগদয়

প্রাচীন কবি শ্রীগোবিন্দ দেব প্রণাত শ্রীগোরবেভারের প্রমাণাবুর্না-সংবলিত সংস্কৃত এছ। ভিকাদ • স্থানা।

### युक्तिमह्मिक। (अभरभोत्रष्ठ)

🕮 নধ্বসম্প্রদারাস্থগত শ্রীমধাদিরাত স্বানিক্ষত। বলাগারে 🖟 সার্বার এই প্রয়ের প্রকাশ পরেমার্গিক ব্যক্তিন হত্তে **८**वे मस्यथान । वीभागमार्गामा ३४८७ त्याष्ट्रशांतका विख्या मक्ष्यात्राया नाम बाहि 🕮 मितताकाठीय बादी दहें शहर সাধারণ যুক্তি ও গৌকিক স্থায়াম্বনারে কিরূপ ফুলরভাবে ভাজিবিরোধি-মতবাদ সমুচ প্রতন করিয়াছে, ভাষা পাই করিতে করিতে আশ্চণ্যাখিত হছতে ধর। ইহাতে যুদ্ধির बाबा हाकांक, देशम, त्योद, मीमाःशक ७ माहावानिमण-गम्राक्त स्मात **च छन त्रविगाह्य । जिक्का २** हे कि। माख ।

### গোস্থানী শ্রীল রযুনাথ দাস

(ওঁ বিফুপান শ্রীল ভবিদ্দিনার সরপারী গোখামী চরিতামত ও শিক্ষা মতীৰ প্রায়ণ ও সরগ ভাষায় সরিবিঠ धनः श्रोतिश्ट नानर्गायामी धारत विवृत्ति क्रबकी সামুবাদ মধুরতম তবে ও মন:শিক্ষা-স্থলিত। ভিকা रीधारे xo माना, भाराभारे 🕪 माना माज।

## চিত্রে নবদ্বীপ

আচীন নবৰীপের অব্ভিডি, ভ্ৰা, ঐভিন্ন, শ্রোত ও ইভিহানিক প্রমাণসম্বলিত নয়টা মালের সচিত বিবরণ-এছ। রাভবি রাওপাচেব কুমার 🔊 গুরু প্রদিশু নারারণ ताच ध्या. ध्र, ध्वाक व्याटमात्र), त्यमाञ्चन् मटमामा कर्त्व সক্ষমিত এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন বর্ণের অপুর চিত্ত **ও** मानिष्ठिक-नमिश्रक ; ध्याठाशिश्रामगानेव त्राप्त नारश्य बीगृक নগেল নাথ বহু বিশ্বকোরসম্পাদক মহাশ্রের বিশ্বত ভূমিকা नह । छेरतहे ( हेर ) मत्राका नीताहे मुना : 100. जि: लि: CS ২ টকে মাত্র।

### मानक-कर्श्वभाषा

क्षत्रत्वस्याः, टेनक्षत्र-चन्त्रसाः, देवक्षत्रभव्नः, बालाद्यत्र ग्रीडः, मीनामध्ये. क्रियमधालान्त वार्ताक्रम् नाम. करेलाइत नामकार्थन, ज्ञानामनकाशुक्त (शमन्त्रन, वाडेननजीड, नवरील-मन्मि, श्रीमामाशृत महिमा, श्रीनद्वालम- शहत अहेक वार्राया-तलना, वष्ट्रशाचामीत अर्थक, त्यामङ्क्तिकता, উপদেশমালা, नामछक्त-। প্রশালী, মহাপ্রভু 4 साम्र नामान-गरवाप्त, भनः नामा, है। प्रकार <u>শ্রা দক পরক্রারা,</u> मशाक्षापुत तलना क्षाकृष्ट्रिमानक ५ मिक्रवीवरनत निडामामा. रेनकनभरपत केशिक्षांच फूल्मीमानात साम्र अक्रूक करक वात्रस्यान्य अध्यक्ष अष्ट । जिल्ला (लंब, वेटाई ॥ वाद्ध ।

### গোড়ীয়-গোরন

কলিকভার স্থানিত আধাবাট হলে গোড়ায় ক ক্ষেত্র श्रीभाष श्रम्भतासम् भत्रविधाविद्याम-छामद व छन्टाव विवेध প্রস্থানে প্রকাশিত। ইতাতে পোর্টার বৈক্ষান্তালায়ের हेरिकाम क बाकारन अभिन करेग्राटक । किला किल मांबर

#### গোড়ীয় সাহিত্য

ক্ষিকাভার প্রপ্রাসিদ্ধ আক্ষাতি হলে গোড়ীয় সম্পাদক শ্রীপাদে ফুল্ডবানন্দ পর্বিস্থাবিনোদ প্রাণু প্রদান বারু বিধর शहाकारत প्रकाशिक: इकार्ट महोडाका-भरभन्न भग ज्याः প্রেট্ডার-মাজিতের বিনয় ক্রঞ্জারে এণিত ধর্মাছে। ভিক্রা ly • আনা নাও।

#### **क्रिशोडम ७**म পরিক্রমা-দর্পণ

শ্রীনোড়লেশের যে সকল স্থানে সপরিকর শ্রীমন্ত্রাপ্তার এবং ওদত্বৰ পরবন্ধী মহাজনগণ গাঁলা করিলা গিলাভেন, ्तरे त्र त्राधुनिक (सार्गानिक श्रीत्र ७) रमनविश्रकाणिय পরিচর সহ যা ভারতের স্থাবিধা নিদেশ ইভাগি বিষয় ওলি স্মিরোপ্ত আছে। ভিক্ষা • আলা।

### THE HARMONIST OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীল মাকুর ভিক্তিবিনাদ-প্রতিটিত এবং শ্রীল ভিক্তি-নিভান্তবস্থতী গোন্ধানী প্রত্পাদ নম্পাদিত পার্মাণিত माणिक भवा। जन्मरम बेन्त्राची खागाय बहावित्म नत्य ভবলফাউন ৮ পেছী 8 कचा बाक'रत थाडि शांत की नारमञ्ज विकाद-देवकश्रकी महेशा छेपछि इहेएएरहा কাপ্ত, মূল্ৰ-পারিপটা ও চিন্তাৰি অভাব চিন্তাক্ৰক: অভুপাদ-শিশিত ভূমিকা দৃষ্ঠ গোরপ্রেষ্ঠ স্বরূপ-রূপের এই প্রেকার উৎক্রই প্রবন্ধ স্বার্থ কোন মাদিক প্রাণিটে একনাত্র প্রিয়ত্ত্ব শ্রীল দাস গোস্বামী প্রায়ুর অপুন্ম দেখিতে পাইবেন না। বাবিক ডিক্সা ভাক্ষাগুলন্ত 🔍 টাকা মাত্র।

#### প্ৰাধিছাশ –

और्टिक्शमञ् (भाः श्रीमात्राश्रव महोबा

## শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনষ্টিটিউট" নামে

## ডচ্চ হংরেজী বিদ্যালয়

### (थाना श्रेशास्ट।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অভি শক্তের সভিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণ্ডের জন্য বিনা ব্যয়ে সুন্দর বাস্থানের বাস্পোবস্ত চত্ত্যাত্রে। স্থান অভীব সাধ্যকর।

সনিস্তার স বাদের স্বস্থা নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্ত লিখুন।
\* সেত্রেণ্টারী, ভাকুর ভক্তিবিলোদ ইন্টিটিডট্
শ্রীনেওগ্রমঠ, গোঃ শ্রীমারাপুর, নদারা।

### **—৫১ বংদরের প্রতিষ্ঠিত**—

উশ্থালয়ে এন্তত বটীকা

থাবা শুক্ষারণা, স্থালেস, .কারকাঠিক, অভীব্, ধ্রজভক্ত প্রেক্তি কত বেলীব বেশ্য নির্মেষ হট্যাতে ভাগা প্রকাশ কবিশে বড় বড় পুত্র কটনা পদ্ধে।

ইহা '

্ষক প্ৰভূতেৰ বাবৰার চলে ও সমান কণ প্রাণান করির পাকে। আছে। কেট্ডুফু ⊉২টী বটী ছা পাজে।

কেবলমাত্র

জ্ঞতি কৌটাৰ মুগ্ৰন ১০ এক টাকা। কৰার নাম আশুভঙ্কনি**এই** স্বাধিকা'।

কাপের ডালিকার জন্ম পত্র নিথিবেট পাইবেন কাপ্রিরান :—আত স্কনিপ্রাহ উল্লেখ্যাক্রতা

२५% वर वर्ताकात क्षेत्र, क विकास ।

### কবিরাজ শশিভ্রণ কবিক্ঠাভরণের



মক্ষেত্র ছ বধার জন্ত ৬ আঃ শিশিতে ঘনীভূত অবস্থার ভোটবোত্লের সিম্প ইবণ ভাকে পাঠান হয়, ইতাতে উবণের কোন পরিবস্তন করা হয় নাই। মুদ্য প্রতি শিশি ॥• আলা, পাইট ॥৵/• আলা, বোডক ১৵/• আলা।

অফিস-১১নং উক্তাড়াজা রোড, পোঃ শ্যামবাজার, কলিকাতা

### ভাগবত প্রেস গোয়াড়ী হাই**ট্রা**ট

### কৃষ্ণনগর

এখানের বিবাহের নিম্মণ্পত্র. প্রতি-উপহার, কার্ড, এছে এবং অভাত্ত যাবতীয় কার্যা ছাপ। হইয়া থাকে। ছাপার দর বাজার দর অংশক। ফুল্ড। পরীক্ষা প্রাথনীয়।

### হাইডোদিল বা কোষরদ্ধি রোগ

ডাঃ এস্, এন্, খোষ বিনা অংস্ত্র, যাগজনীবনের গ্যাথাটি দিরা বৈভাতিত রাগানাতে কোববুদ্ধি রোগ আরোগ। কবিধা থাকেন।

> हिकास---১৮ सः कहेन द्वीहे, वष्टवाकात्र, कालकाता।

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

### रिनव প্রাপ্ত यकात একমাত্র মহৌयध

প্ৰবন্ধ দিলে সম্পূৰ্ণ আব্যোগ্য

লোগী দেশবৈতি ভববে। অগ্নিম পাগের গরচ (বাওয়া এবং আসার)
পাঠাইলে গিছা রোগী দেখা হয় অথবা এখানে অংশিবে কোটাবে পেশ্বরা
উষ্ধ দেশুরা হয় আহোগা না হও্যা প্রান্ত পাবিপ্রায়ত দিতে হবে না।
গ্রীণ রোগীদের শ্বর বছন ভবিষা ভিকিৎদা করা হয়। শিশু বিভ শিবংশের ভঞা এক আনার ভাক উ্তেটিয়ত নিমু উক্তানা অস্কুদ্ধান

শ্রীক্ষা ভালচন্দ্র উকীল, যক্ষা-চিকিৎসক, পেঃ নৈকারী, বাংলাল। অথশ নিম ঠিকানায় সাক্ষাৎ করিয়া বিস্তারিত জালিতে পারেন।

শ্রীযুত রংমগোপাল লাভ এম্, এ, ক্লঞ্চনগর, মনীয়াঃ শ্রীষ্ট কাল্পল মিশ্ল, ১১৭, বেশিয়াটোলা ট্রীট্, নাটপোলা, কলিকান্তাঃ

একথানি পাত্র ! অ মার প্রাকুপুত গত হয় মান বাবং বাজ যন্ত্রার ভূগিয়া মৃতপ্রোর কটরাছিল, কলিকাতাত বিজ্ঞ চিকিংসকলন সংগার জীবনের আশা জাগা করিয়া শেষ মৃতুর্বের অন্ত অপেক্ষা করিছে লৈন এই সময় জীবৃত কিন্দীশ্চন্ত উকিল মহাশ্র মাত্র ১০ দিন চিকিংসা করিয়া দিয়াছেন। (সাং) জীয় নীজু কিলোর বার চৌধুরী (অমিদার থালিয়া) হগুইটি, নিউ বিল্ডিং। কহলোরেশন টেটং দিবা টমেন্ট, কলিকাতা।. . .

## শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরাক ৪৪৫ মাত্র ১০ ডাকটিকেট পাঠাইলেই বুক্তপাটে পাঠান হয়

> মানে**জার-গ্রন্থরি**ভাগ শ্রীচেত্থম, পো: শ্রীমায়াপুর, মনীরা।

কেন গ্রাহ কল্প

# গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

–কারল--

এখানে যাবভীয় ছাপার কার্যা —

आशामित कार्या है ननून,

বিবাছের নিমন্ত্রণ পত্র, কার্ড, বিবাছের পছাই বল্লন

আর ওরং ও ৪ রংএর হাফটোন ক্লকট সল্ল, সকল কাষ্টি অভি সম্ব ছাপা হয়, অণ্চ ছাপাইবার খরচ বাজার অপেকা ফুলভঃ

আপনার কিছু ছাপার কার্য্য থাকিলে শ্রিটিকানায় জানাইলেই দর পাইবেন।

> মানেশ্বর- গ্রোড়ীতা প্রিণ্টিং ওত্তাক্রস্ ২৪০০ নং মাণার সাংক্লার শেন্ত, কলিক ক্র

### প্রস্থাট কালেক্টর সকালে মহাসাজী

ষ্টোহার সভিত সাক্ষাৎ করিয়াছেন। **উट्**रित भरमा करतकथन्त्रे जास्ताहमा ২ট্রাছে। কতিপর প্রাম্য কর্মচারীর পুননিয়োগ, গোরসাদ ভালুকের ১৪টি গ্রামের রমকদের গভ বংগরের বাকী ণাজনা, মাতার ভালুকের বিদেশগভ কুধক গণ,যাওখন মামলা এবং রাস আমের বত্তমান বংগরের থাছনা সম্বন্ধে আলো-চনা হৃহয়াছে। বোরসাদ ভালুকের বে সমত কৃষ্ক কজের কিন্তি এবং বাকী পাত্রনা পরিশোধ করিছে অসমর্থ নহাস্বাজী ভাষাদের নামের একটা ভালিকা পেশ क तिहार इन ।

এপ্ৰাপ্ত আলোচনার ফেলাফল কামা राह गाँह, एरन व्यवश वानाक्षत्र वनिहारे মনে হয় !

গতকল্য মহাত্মাজী জিলার কলীদের স্থিত সাক্ষাৎ করিয়া তাঁছাদিগকে क्राक्षण भन्नामन निद्रांष्ट्रन।

गहाचा ७६ काशहे विवाह बाका করিবেন বলিয়া যে সংবাদ প্রকাশিত ≥हेदाह एक। **ভिडिहीन वनिश जा**ना िंशराटक ।

স্থার বল্লভাই পাটেল গভৰ্লা বার্দোলী গিয়াছেন।

মহায়াণী আগামীকলা প্রাতে कारमनावारन याहेरतन ; उथा इहेटड जिनि বেংখাই রওনা হইবেন ।

### র্মেষোহন রাম হলে সভা

গুও ৰুখবার অপরাজে রাম্মেছ্ন রায় হলে বিভাসাগরের চম্বারিংশত স্থতি বাবিকী সম্পন্ন হইল পিরাছে। সার চন্দ্রধের বেষ্ট রমন সভাপতির আমন গ্রহণ করিষাছিলেন।

বহু ছাত্ৰ ও অনাপক শিক্ষিত ও অনিফিত এবং ধনী দ্বিদ্র তাঁহাদের চির-আরাণা পুরাতন ও নৃতনের সংবোদক বিভাষাগ্রের প্রতি তাহাদের আন্তরিক लक्षा निर्देशन कतियात क्छा महात्र যোগদান করিয়াছিলেন। বিভাসাপর কলেজের ছাত্র ও শিক্ষ প্রায় সকলেই উপথিত হটরাছিলেন। উপঞ্চিত ন্যক্তি-গ্রের মধ্যে বিভাস্থির কলেকের প্রিনিগাল কে, আর, বানিক্রী, রায় বংহতের চত্তীচরণ বাদাল্লী, পণ্ডিত দ্যালয়ৰণ বিশ্বাভূষণ, অসমকুমান্ন শাস্ত্ৰী ও শ্রীগৃত পুরেজনাপ সেনের নাম বিশেব-ভাবে উল্লেখযোগ্য।

### **ब**श्च प्रयोगाग गाकी

৩০শে জুলাই শ্ৰীবৃত দেবীৰাগ গান্ধী २८८५ कुलाइ टालिए भटाचा नासी काराउँ प्रक्रियण याजा कार्रियाए। स क्षप्राच कार्यक्रेरवत वाश्रमाय बादेया बाद्धा कित्रवात भूरव दिन अरगानिस्टिए छ প্রেমের ফানৈক প্রতিনিধির নিকট একাশ করিয়াছেন---

> ''নংবাদপতে আমি যে সকল সংবাদ পাঠ করিয়াছিলাম, তদপেকা অনেক অধিক বিষয় আমি সীমান্ত দেশ প্র स्रगण कतिया काछ इदेशा हि जनः आसि याहा माहा (मिश्राधि 'शहाट अ १५३३ হুহয়া গিয়াছি ৷

**প্রায়েগুলি পরিদশন ক**ণিয়া আগ্রেয়াছেন। ুগিয়াছে। ष्यन्न मन्नाकारण प्रिमित काराउँ ट्योन्टि-বেন। কেছেট ইইডে ডিনি বলু **८क्रमांत्र ग'हेरनन।** '७९१ वर्गर' व्यापार्मा ১লা আগাই ভারিণে ভান পুনরায় পেশোয়ারে আগিবেন ৷

### লেষ সংবাদ

শ্রীবৃক্ত বিঠনভাই প্যাটেনের জন প্রশাস্থিত হইয়াছে। অসংস্থা করু যে অলোপচার মণিত রাখা হইচাছিল, অভা खाहा हदेरत ।

### भारेनाका ं

Jaiz • बिन श्वर शाहेवाकाम व्यनवताड বৃষ্টি চইতেছে। ভন্মধ্যে গভ এ৪ দিন বৃষ্টির পরিমাণ এত বেশী ধইয়াছে যে রাস্তাঘাট বাড়ীযুর সমস্ত ডুবিয়া পিয়াছে। <u> ८ऋभ वळा शाहेगास्त्राय भूत्य कथन ३ (मर्था</u> यात्र माहे। लाटक व्यक्ति ध्यन उ সম্পূর্ণ কাতির। উক্লিতে পারে মাই। মুলছড়ি ও সাখটো থানার তেলাকা সম্পূর্ণ এবং खुन्तर्गक ९ गाहेराका भागात भूगाकन करन ८काकात इहेसा शियारह । छत्र অঞ্চণে ও ভিন্তা নদীর ভীরবর্ষ্টি মনেক গ্রামে বহু গরু বাছুর ও লোক ভাগিয়া ित्राष्ट्र विषया मःवान शास्त्रा शियारह। স্বাস্ত্রানির নিক্টবন্ত্রী কড়াইবাড়ী প্রভৃতি গ্রাবে এত ফল ছবি পাইরাছে বে. গ্রাম ছাড়িয়া লোক পলাইলা নাদি-রাছে। যাতারা আছে ভাতারাও টিনের ঘলের চালার রালা করিয়া থাইতেছে। পালা আউদ দান কলে ভূবিলা বাওলার (मारक हाक्षकात्र कतिएहरू । शाहेवाका হইতে রঙ্গপুর অভিমূপে যে ডিব্রীক্ট বোর্ডের রান্তা গিয়াছে ঐ রান্তা ৩৪ স্থানে ভুৰিয়া গিয়াছে। শোণাতণা ও অ্থানপুকুরের

মধ্যবভীরেল লাইনের কত্ত্ খান জলে 🦠 **फू**विशा शियाटह ।

### देगमग भिः इ

গভকলা বৈষদসিংহ হইতে যে (अन भ्रुताम भागियां एक जावाटक आकान, হঠাৎ এঋপুর নদার জল বৃদ্ধি পাওয়াতেই Civila वर्ण इंडेग्रार्थ। यह वरमञ এরণ ভীষণ বন্ধা আর হয় নাই। আউশ धन ब्तः अञ्चाल भाष्ठ विनहे हहेगाए। অগরপেশক ঘাট এবং স্রিধ্যাড়া ८२५८नत महा। क्षांट्स क्षारन रहानकाहेन জীবৃত দেবীৰাস এবানে অভিয়ে ভবে ভবিষা গিয়াভে । চরের অভিযামী-**चर्याः वान्ड**चार्य मानाञ्चान शतिन्त्रग् (५४ भवज्ञाः मक्षार्थाः १५८६) १ १ हेरा করিয়াছেল। তিনি পেশোয়াব, চার্যান্দা উঠিয়াছে। তাহাদের বহু গো মহিব নাওসেরা ও মাদনের লাগকোন্তালারীদের - ১৮ডা ছাগল হতাাদি জলো ভুবিলা মালা | পুনিনিয়োগ, ব্যৱস্থা ভাতুকের -৪ পানা

### বল্লীয় ব্যবস্থাপক সভার সদস্ভাগের ভার

বঙ্গীয় ব্যবস্থাবক মভার ধদকা মৌলানী कार्यसम म्यान, धुकरणम्ब (भीधुन्नी, रागनानी, उपायन हक, सानान डेफन হাদেমী, আভিছর রহমনে আবেলুলগুণি (ठीधुनी, मध्यन मञ्ज्ञा वड्न'रहेव छाड़े-८७३ स्टारकारे हि.त निकरे निष्मत जानवानि 1112182162-1-

''छाडीप्रधान'मी नूग्यमान (सङ्दरस्य ণোলটেবিল বৈহকে জাতিনিধি মনোনীও করিয়া সকল রাজনৈতিক মঙাবশ্রী (लाक्टकरे देवहटक जान ८५ छनात्र अन्छ আমরা বড়বাটকে অমুরোধ করিভেছি।

### প্রকাশ্য দিবালোকে হভ্যাকাও

অনুভগরের কাপিয়ানভয়ালা পাজারে ৩১লে জুনাই প্রকাশ্র দিবালোকে এক নৃশংস হত।কাও হইয়া থিয়াছে। রাভকাউর নামী শাস্ত সিংয়ের ২৫ বংসর বহুত্বা স্ত্ৰী একথানি টোলাম চড়িয়-সক লে কাথিয়ান ওয়ালা বাজারের মা मिश्रा ८त्रम ८३ मध्यत मिटक याहेटछिका। ঐ সময় লছমন দিং নামক এক ব্যক্তি শইয়া প্র"লোকটিকে আক্রমণ करन कीरनाकि ए एक गार মারা যায়। জীলোকটিকে পাহায্য করিতে উভাত সের সিং ওরণ্ডররূপে ष्याहरू ६हेवार्षः। याज्यस्य वाकारमम् लारकता हाएड हाएड भतिमा (य निमाह ।

### **पूरे**थानि (माहेत्रकारतत क्रि

দানিং ডেল মোটর ক্লাৰ চইতে মোটরে চড়িয়া যুবরাজ প্রিক অব্

अरमणम् भावित हरेएक्किल्बन, असन मसह আর একথানি মোটর গাড়ীর সহিত धृनतारकत्र (याप्टेरतत्र मः चर्च इत्र । (मौजाना বণতঃ যুবরাজ আহত হয় নাই; তবে গুলোর মণে র ঝাকুনি লাগিয়াছে। অপর (मः টরের মধ্যে ছই अपन মহিলা ভিলেন। তাহার। সামাত আইভ চন। সুণরাজ हेशामिश्वक माहाया कञ्चितात ज्ञा हृतिया গিয়াছিলেন।

### कारणकेत्र ও गासीकी বর্ত্তগান সমস্তার আলোচনা

शाकी में शक करन कुमारे भक्ताकारन करता किलात काट हैतात बार्रलाय शिका क्षानात्र मध्य कराक थका भतिया 🖛।-বাস্তা ব্যাসন। কভিপন প্রামা কর্মচারীর क्षारभन्न व्रथकरमञ्जन याद्याचा वर्णलं श्रीक वर्शास्त्रतः शाक्षमा (भग्न माके, जाकारमत থাজনা স্ম্প্রা, মাছার ভালুকের যে স্কল কুকে গ্রাম ছাড়িয়া চলিয়া গিয়াছিল, ভাষাদের বিষয়, ষঙেশ্বর মানলার প্রত্যোহার, রাস প্রাথের বউমান বংশরেব থাজন। প্রাক্তি নানা বিদয়ে জীহাদের म्हा क्यावाकः इयः (नाः, १७ ७ ह्यू/कृत त्य मुक्त्या द्रम्क करणत छ।कात्र किः 🕒 ५ वाकी भावना ब्रिटिड खममर्थ, गार्सक. एकारमञ्ज अक्षा धालिका कारकहेल्या ध्यभान क तिशहक ।

কথাবার্ত্তার কলাফল এখনও জনি যয়ন(ছ। কিন্তু অবস্থা আংশ প্রথম ব্লিয়া MIN ERCECH !

পরে গান্ধীলী গড় ৯ই ভারিখে জিল বন্ধীদের সভিত সাক্ষাৎ করিয়া ভাষা भिशदक किछू छेल्एम्स एमन ।

### (क्ट्रांक क्रिमों के कांत्र अक्सम जाबीद्वत्र मानाद

शक >> म क्नाहे बामहत्यना ভগিনী ও তাহার এক আস্মীয় 🕮 🕃 মনীর: লাল লাদ আলিপুর দেণ্ট্রাল জে**ং** স্নামস্ক্রক বিশ্ববৈদ্ধ সহিত দেখা করিটে शिशं इत्या । (क्या स्थातिरक्टेंर উহাদের দাক্ষাতে অনুষতি দিতে কেন আগন্তি করেন নাই রামস্কংকর আগ वर्डमारन कामहे चारक धनः चामह ? हो সংখাদেও ভাতার মনে কোন তাবা চাঞ্চা প্ৰকাশ পায় নাই। সে স্ক্<sup>দাহ</sup> কোন না কোন পুত্ৰ ও পতিকাদি পা ক্ষিয়া সময় অভিবাহিত ক্রিণেটে সম্প্রতি সে ভাহার কোন আগীরেব িঞ্ कंवि अक्षम (सटाव्य क्राव्यक्रि १<sup>५६</sup> SIENICE I

AINTER



লাবা বোর ব্যর ক্রান্ত্রম দের মান্যানিক ব নোন্যানিক ২৬০ মানিক ১১ মানিক ১১ মানিক ১১

ধরতের স্বর্কত বছল-প্রচার—শ্দীয়া জেলার এক মাত্র মুখপত

৬ৡ বত ]

সশাদক—শ্রীঅতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদাস্তবাচম্পতি [১২৯তম সংখ্যা

জ্রাহৈত্যমঠ জ্রীদাম মারাপুর—১৮ই আবেণ সোমবার, ১৩১৮, ৩রা আগেই ১৯০১

নানা কথা

বুজের সহিত সংঘবে ৪ জন আছ কুঞ্চিঃ ১ইতে সংবাদ পাওয়া গিছে

গত ২৮শে জুলাই অপরাতে নৈং ভোজন বোডে একটি বুজের শত সংঘ্য হওয়ার ফলে ও জন আছে। জালে ইয়াছে। তন্মন্যে ২ কর

### গাড়াজীর ভার

গত তাংশ কুলাই রাতিতে থীকী
চীরনার রিলিফ কমিটার সম্পর্কের
নিকট তার্যোগে জানাইরাছেক যে,
চীরনার পালার মালগার জারীপের
অর্থণণ্ড রহিত করা এখনও রাঘাই
সরকারের বিবেচনাধীন রহিয়াই উক্ত
অর্থণণ্ডের টাকা জনাবারের নিমাদ
ভারত বাড়েইলা দিবার জকুরাকার
থানার মাালিট্রেটের নিকট ভারে বিলাদ
ভেন, টাকা জালার করিনার বিবস
শেব তারিগ ছিল।

### दृष्टिण त्राष्ट्रणग्रहित्यत्र क्षेत्रगा

'এতোজিরেসন" বিক্রু সম্পর্কে বিতীয়বার আলোচনার সমন ক্রুল সভান বৃটিশ রাজস সচিব মি: স্নোডেসুবলেন,— যথেট বার সভোচের বাবেট স্কুর্কে গুরু-ভর অবস্থার উত্তর হুইবে।

তথাপি তিনি বলেন বৈ, অভাভ দেশের তুলনায় বৃটেনের বুটি মোটেই নৈরাভালনক নহে। আ ও বারের মিতা রক্ষা একাস্ত প্রেয়ের, বারেটের

## গান্ধীজীর তার

রটীশ রাজস্ব সচিবের ঘোষণা

# কংগ্রেসকর্মী অভিযুক্ত

রক্ষের সহিত সংঘর্ষে ৪জন আহত

## পলাতক আসামী গ্রেপ্তার

রাজম্ব আদায়ের জন্ম দমননীতি

## "সোনার বাংলা

অর্থলোভে বীভংস হত্যাকাণ্ড

## বিধবা বিবাহ

মিঃ লয়েড জর্জের স্বাস্থ্য

মণ্যে যাহাতে সেই ব্যাপন্থ। করিতে পারা
যায়—তাহার চেটা করিব হয় ত তজ্ঞ
অনেক অপ্রিয় উপায় অবলখন করিতে
হইবে। কিছু জাতীয় উন্নতির থাতিরে
গ্রণ্মেটকে তাহা অবগুই করিতে
হইবে। এ কথা যদি কেহু মনে করেন
যে, রুটেনের অবস্থা অনেকটা দেউলিয়ার
মত হইরাছে—তাহা হইলে বলিতে হইবে
যে, তিনি ভূল করিয়াছেন।

নৈরাপ্তজনক নহে। আ ও বারের আতীর রাজখন উপন প্রধান বোঝাই নমতা রক্ষা একান্ত প্রয়োগ, বাজেটের হইল—স্মর্থণ। আমি তাহা কৌনলে

মণ্যে যাহাতে সেই ব্যবস্থা করিতে পারা এক প্রকার ধণে গ্রহণের ব্যবস্থা করিব যায়—তাহার চেটা করিব হয় ত তজ্জাত যাহাতে ইহার জানেকটা প্রতিকার জনেক জাপ্রিয় উপায় জবলধন করিতে হুইবে।

ৰায় সংক্ষাত কমিতীৰ রিপোট সম্পক্ষে বৃটিশ গ্ৰণ্যেন্ট বিবেচনা করিছেছেন। ক্ষেণ্ড বৃটেনের আথিক ক্ষরতা দৃঢ় ভিত্তির উপর প্রতিষ্ঠিত রহিয়াছে। বিদেশীর অথ থাটাইবার স্থ্যোগ এখনও লাওনেই স্কাপেকা বেশী। অথ নৈতিক ব্যাপারে বৃটিশের স্থনাম রক্ষার জন্ত আমরা বিশেষ মুখনান হব।

### ইটালীর নিম্মণ রক্ষা

ইউলীর গণগামেন্টের নিমন্ত্রণ রক্ষা করিবার জন্ত জার্ম্মাণ রাজ্ম মন্ত্রী ডাঃ কুহেলিং এনং পরস্কার সচিব ডাঃ কার্টিয়াস শীঘ্রই রোম অভিমুখে যাক্রা করিবেন।

### नर्छ किनामान्डेन कानाम छ

রয়াল মেল ষ্টিম প্যাকেট কোল্পানীর চেয়ারম্যান লড় কিল্সেন্টের মিপ্যা অন্ত-ইনুপত্র প্রচার করার জন্ত অভিযুক্ত হইয়াছিলেন। ভিসাবপরিক্ষক মিট্ট মুবল্যান্ডকে এই সম্পর্কে অভিযুক্ত করা হইয়াছিল। বিচারে লড় কিল্সেন্টের প্রতি এক বংস্ব কারাদণ্ডের আদেশ হইয়াছে। মিঃ মুরল্যান্ড অব্যাহ্তিলাভ করিয়াছেন।

বারিষ্টার সার জন সাইমন আনাই-যাছেন, ভিনি লগ্ড কিলসেভের প্র হেতে আপীল কবিবেন।

### বিগৰা বিবাহ

যশেহের ভিনার ঝিনাইন্ছ থানার অনীন প্রহাটী প্রামের জমাদার সংশেব জীবুক জামাচর্প মজুম্নারের ১ম পুত্র জীমান নিক্ষপজুমান মজুম্নারের সভিজ্ঞ ঐ গ্রামের মুভ উপেক্রনাথ বিশ্বাহের বিশ্বাহ জী জীমতী রাজ্ঞপদ্ধী দাসার শুভ বিবাহ গত ৬ই লাবন ভারিথে বিশেষ জাক্ষমকর সহিত স্থাপপন্ন হইরাছে। প্রাম্থ কুলপুরোহিত জীবুক নংগ্রনাথ গ্রেশ্বাহার বিশ্বাহনাদ মহাশ্য় পৌরোহিন্দ্য ক্রিয়াছিলেন।

## বিশ্ববৈষ্ণবরাজসভার পরিব্রাজকর্গণ

পরিব্রাজকগণের নাম	বৰ্তমান টিকাশা	পহিত্রাজকগণের নাম	বৰ্ডমান টিকানা
১। শ্রীস ভক্তিপ্রনীপ ভীর্থ ২। শ্রীভক্তিবিবেক ভারতী ৩। শ্রীভক্তিবিজ্ঞান আশ্রম ৪। শ্রীভক্তিপ্রকাশ অরণ্য ৫। শ্রীভক্তিশ্বর বন ৬। শ্রীভক্তিশবর্গর গিরি ৭। শ্রীভক্তিবৈত্ব সাগর	শ্রীমারাপুর কটক শ্রীমারাপুর কটক মাডাজ অমুভগর ক্রিকাডা	৮। এতি জিন্ধপ পুরী ১। প্রতিক্রিকাপ পর্যত ১০। প্রতিক্রিকাস গভরিবের ১১। প্রতিক্রিকাস ভবিদ্যার ১২। প্রতিক্রিকাস প্রথম ১৩। প্রতিক্রিকাস প্রথম ১৩। প্রতিক্রিকাস ব্রোধানন	কটক পুরী কলিকাড়া মাজ্যঞ মাজাঞ শীমায়াপুর পুরী

## শুদ্ধভাক্তমসসমূহ

### শ্রীতৈত্ততা মঠ

### আকর ঘটসাজ

लाहीत नवशीत, काक्यब क्रियाय मावालव, नवीक्षा

खंडे प्रश्नेताद्व भावमार्थिक देशनिकलक, माञ्चल-मच्छामाद्वात चारावानिक क কুপ্রাচীন গ্রন্থরাজি প্রচারকল্পে 'নদীযা-প্রকাশ' ব্রালয় প্রাক্ষিত কর্মাধেন এখনে আভিবংসর জীগাম-পরিক্রেমাস্ট্রান ও অর্গণিত ভক্তগোট্রিক জীয়ন প্রচারমূপে यकाम(बोरशवापि ककाम अमृष्ठिक व्यवः चाटक। बक्कम-- ब्रश्नवादी श्रीनाम सरवद्वियो। সচকারী--জীপাদ বিলোদনিকারী অক্ষচারী, পণ্ডিত শ্রীপাদ গৌরদাস এক্ষচারী काराताकरण शेर्व, जिलाव नीत्रहम उष्णहांद्री, जैलाव सम्हालाल उप्पतानी, अध्य-सम्बन वृक्षकारी, औरमगरप्राभाग बन्धकारी, कक नरस्क, रुविगम, दाव वीरमाञ्च अङ्हि।

### (৩) যেগেপীঠ শ্রীমন্দির

গোসামী রুক ক---(ব্যক্তি নাথাপুর क्षेत्राता शक क्षेत्रभागव । Region विनिकानम अवनात्री, वितासविद्याम फ कि क्ष्मव, श्री ग्रामपात्र अवकारी । श्रीतायन माम व्याप कावी. (भगमना चीनीननाथ।

- (8) 의가(기-박무리
- রক্ষ ০--- ইং পঞা কু ওম ব্রন্ধচারী।
  - (৫) অবৈত-ভবন

वक्रक-- श्रीधदेव डालमा सामाधिकात्री, हीरभाकननाम नावासी ।

- (७) काष्ट्रोड जन:वि न हे
- क्षांत्रीन भाषालुत, वामनलुक्द (नशीका) वक्क--- वक्कनाडी श्रीविद्यावविकाती।
- ( १ ) योगम खूबर-कु

ची(पाक्षम, १४० पश्च ( नकोडा )

- कृषा कर्रा खर्ची अन. जार, जारू । (৮ 🕮 क्याचाय दशोडीय वर्ष
  - यक्षणिश्व ।

ति, ध्वम, महकाडी--- अप्रेड काम कि नाडी. अप्रिक्तकम कार्यकाती व्यक्ति ।

- ( ১) ब्रीटभीय-भ्रम्भव-मर्ड
- ট'পাঁচাটী, সমুক্রগড়, ( বছমান ) अक्रक-- औरदिशाम अक्राही, क्रक

बिक्रीत्रमधाण प्राम ।

্ ১০ জ্ঞীরপগৌড়ীয়-মঠ वाशासक, अवात्र केंद्रे, नि वन क-- भेगरक्षपत्र तकात्रही।

### ( ) । भी भारता मध्य मध्य

माजेगाडि, बाह्यत्व, नश्चमान। क्रम ---- व्यवहाँवशको अञ्चवागी, अञ्च ञ्जिमागद्र ।

#### ( ) २ ) कार्यक कात्रम

🕮 ভাগবত তেমে, কুঞ্চনগর, নদীরা। यक्त क-- विक्रकानम वच्छाडी कविनात्री

### देह महाकृति (०८)

(पारिकाण्य, शामात्राणी, समीका। ংকক-জীৰত্যানৰ ব্ৰহ্মচাৰী। সহগাৰী B-इमिर बन्नहाती. खीक्नाशीत मान जिल्लाती, जक विश्वनाथ।

### (১৪) 🚉 माध्य ८गोको 🛪 मठ

>-भः स्वावशृत क्षाक्र, हाका। क्षक-- खेदाशायक्षण बणवागी. ধক্ষ — ভক্তিকু শ্বম ভাজার অক্ষ্যারী জুলারানল প্রবিভাবিনোগ বি- এ. খ্রীনব-त्त्रीवास अक्ताता, अनिक्रिक्तानम कका

### ( ১৫ ) औरभाभामको वर्ठ

平平町(竹葉, 51年) [

उपन्य--- क्रियांग्यान अवशानी

ব্ৰহ্ণগৰী

(১৬) क्षिभवादे-८गी । व वर्ड वक्रक-- शिर्मा श्रेषक अक्षतात्री. श्रीमण्डिमान

### (১৭: अञाधनकक्षमामक मठ

िक्रमिश्रा, बाख्यस्थलक, दमसिनी शृह । ध्वनारम - 🧖 ७४-८शोवाम-शाक्षविका-शिविधाधीत मिष्ठारमचा यक्तमान । सक्त क---बक्रामी विकासन्त्रामणी।

### ( > ) ब्लाटगोर्डंत मर्ठ

১७ तः वालिक्षत्राप एक्स्यको हैकि. (भूतानदाक्षात्रः कलिकाका । .Bलिटकान कि. लिस्टेंड

মঠরক্ত - আচাধাত্রিক জীপাদ কুম্ববিদ্ধী বিভাগ্রবণ। সহকারী -প্রিত্ত खीलाव क्षत्रक्षवास्त्रक्षव लवविक्राकृष्य वि-द. लाव बालाववादी उक्षवादी. खीलाव अगठकावन मात्राधिकावी विन्त्र, जीलाव कष्टभाग मात्रातिकारी, अवत्रायी श्रीकीकृता नक, अव्यक्तारी श्रीमाध्यीत्मारम, अव्यक्तात्री श्रीमण्य, पात्रक श्रीमाय नवीनक्रक महर्षिया-गकात काञ्चलात्री मच्चनाव्देव च्याहायः, द्वाचवर्णासम्मातकाती वि-व, क्षीक्षवनक्षनाळ्य धकाती विन्धान, अध्यक्षणम नगरकाविष, विशिष्णक्षत अक्षानी, अध्यक्षत्वाविक

রক্ষারী আফুলি।

### ১৮) আমলাবোড়া এপদ্মশ্রেষ

ब्राक्षरीय द्याः वश्वयान । व्यक-विषयामी क्रीकार्यकामा

(১৯) শ্ৰীপুক্তবোত্তম মঠ

यमधान, प्रथी, क्षेत्रिका । वक्क -- अक्षात्र अध्यानक विद्याद्य. अष्ठावी अन्त्रीशनम, श्रेन्द्रत्याष्ट्रक्र अक्ताही, व्ययानगानम अक्षाही, व्योनमाह **हत्रश अधिकारी, शिल्हानिमि श्ला**।

### (२०) बीजम-दभोडीय मर्ठ

মালবরনাথ, এক্ষগিরি পোঃ, পুরী। वक्क-अक्षाता द्विनवृद्यक्ती जागामकी : नर्गावी-अञ्चलाती औ:विमानगाती ।

(२) क्रिजिक्शानम गठ

कें(क्शानाकाब, करेंका क्षक--- अक्षाणि भीनगर्न, श्रीवामनग এমগ্ৰী |

- (२२) अमनाजन-त्मोदी । मर्ड क्षर प्रशासकातमभूता, कामी । क्कर- अध्वताती जुनाम्बत्रको, सिटाहेबान उपहाती, जीवकानन उक्तानी ।
  - (२७) डीइकटेडफ्स वर्ड जीनिमश्चाम इस. जीयाय बुक्तावन । प्रकर-धिश्वनिधाय उत्तरावी
    - (२८) जीপর मध्र म मर्ड

देशियश्वात्या, मीकाश्व वकक--अवाठाकी वीमृतिश्वासक व अवाठाकी जीमनद्रभाग ।

२०: औरेड्डब्रुटगोडीय बर्फ मृत्रकु छा, हिन्नकु छ। यामकृत् । रेक—जीवमानाथ काव. 🗷 े कीर्ट दल योजधाः

२७) न्याम्यशोकीय वर्ष प्रक--- अव्यक्ताकी शिक्षणनवारी, जीवनी-व्यार्थ अवश्री

(२०)जासनभाषा अभवाखन-वर শ্বিশাভা, পোঃ মাঞ্চ, ভারভা

करिन वर्ष अवगृति जीरगाबारकत रम्बा वर्षभागः वक्षक----अप्रवामी जीव्यानकृष-417. 5 7541721

- (२৮) वि दशेषीत्र मठ-काम्यालक बन्द दर्भा । अन्य फाक्यां ब्रांगन, निके विश्वी । त्रकर्म । कार्गती क्रिगीवस्क, ओक्नारमण्य औशनाः निष्ठवन्यवन
  - (२२) वात्रामनाक:- अनवाधाय वृक्षः -- अभागती स्रोताधारमास्य
- (७० । बाजाबदमी की ब मर्च दर्शार्कीरा त्या, क्यारवाष्ट्रांग, या ज क इक्रक्ट विभिन्नामी की इ लाजनह वस भगवाचा । भक्का है -- 'खन जिलामी 🕮 न **बी इंक्टि हैन 'स्टिम्मान, जिल एवारी** 🕮 पुरस्कार्यक छी। प्र महादाय, छीनाय वाश्वामम् अववाती, श्रीशंत (वाकीममन অন্তারী, শ্রী নদসিহত্তরণ একচারী ভক্তি-भ जो ७ क्रिनेत रशीव खगानम उपाछाती।
  - (७५) विषय (भाषामा शाह काष्ट्रांत्रेण्टिः, ठाकमा, नषीमा



ৰষ্ঠনৰ'

व आपन्न दर्गानाच 884, अन्द्र आतम वजाच ১००৮, ७ आगहे देः ১৯०১ दर्गामनात

১২৯ভন সংখ্যা

### गामशिक मदन्तर्भ

রবিধার ১০ই প্রাণণ (১৩৩৮

কলনার ১২ই প্রাণণ লার

ক্রিকুডিখানী প্রীমদ্ ভক্তিপ্রদীপ ভার্থ হল্ন

রাজ প্রীচেত্তসমঠে উনিকুপাল প্রীসাক্র

ভক্তিবিনাদ-নির্ভিভ প্রমা ও শরকাতি

কর্মা হল্টা প্রবন্ধ সম্বেভ প্রোলির

ক্রাইলা দি লছেন। আম্রা হারই
কিন্ধিরাতে পাঠকগণের অনগতির নিনির

শ্রীল ঠাকুর মধানরের ভাসার নিশ্বীকাশ
করিলাম।

অনেকে শ্রমা ও ভক্তিতে 🦸 ব্যবহা मान करतन ; छात्रा नग्न । छक्तिमन 🏚 🕮 बीव গোঝানী লিখিনছেন যথা,---প্রন 🛊 ভক্তাকং किंद्र कर्यागामर्थिवश्वामनश्चाभ ही: ७८को অধিকারীবিশেষণমেব। অর্থাৎ 👫 ভিক্তির অঙ্গ নয়, কিছু অনুষ্ঠার স্থি-कारी वास्तित কর্মা: ক্রীরনিবারক বিশেষণ মাত্র। ভাগবতে দুগা--ভাবৎ কর্মানি কুবাঁত ন নিবিংগত যাবতা। स्था अवशासी वा शातक ौन कावट ॥ क्रकक्षा अनुको हमानि-क्रिक्षणा एकि । তাহাতে যধন শ্ৰদ্ধা হয়, তথাই সেই ভক্তি-ততে अभिकात अत्य। क्यीं भिकात रुगरे শম্য হইতে নিবৃত্ত হয়। শ্বতএব আয়ায় সত্ৰে কণিত হইগছে:→অছোপা¢বর্জং ভক্ত্যুগুৰী চিত্তবৃত্তিবিশেষ। জ্ঞান ও কৰ্ম প্রয়েজন সিদ্ধির উপায় নর, ডক্তিই এক-মাত্র বিশুক্ক উপরে। এ: কৃত শাস্ক্রনিখানের সহিত অনম্ভ ভক্তির গ্রেডি বে চিত্তবৃত্তি, তাহারই নাম শ্রদ্ধ।

় . ওম্বনিং পণ্ডিতগণ শ্রন্ধা ও শ্বনাপরিকে এক একিরা ছির করিয়া থাকেন। ভরিত-সন্ধর্জে:---

কর্মপরিভাগিকেত্রেনাভিধানাক্ষ্মাশরণোপজারৈকাথং কভাতে। ভচ্চাপুদ্ধং
শ্রুমা হি শাস্ত্রাপবিষ্যাসঃ। শাস্ত্রক ভদশরণক্ত ভারং ভক্তরণভাতিলং বদভি। অভ্যোক্তাভারঃ শ্রুমালস্ত্রংশবাণাপ্রিবের বিদ্যায়িত।

'তাবং কথানি কুমরীত' ই গানি ভগব-ঘাকো শ্রনকেই কর্মভাগের ছেতু বলিগা নিক্রেশ করার শ্রন। ও শরণাপত্তি একার্থ স্চক বলিগা থির করা হয়। শারার্থ-বিখানের নাম শ্রন। শারার্থ এই বে, শ্রীক্রক্ষে শ্রণাগত না হইলে জীবের ভন উলোর শরণাগত হইলে আর ভর নাই। অভএর শ্রনা জন্মিবামাত্র শরণাপত্তি-লক্ষণে ভাহা লক্ষিত হয়।

সর্বাশার আলোচনা করিলেই এই সার সিদ্ধান্ত প্রাপ্ত হওয়া যায়। সক্ষণাস্ত্র-সিদ্ধান্তরণ শ্রীভগবদগীতার চরম স্লোকে কণিত হইয়াতে :—

সক্ষণশ্বান্ পরিতাজা মামেকং শরণং এজ। অহং ছাং সক্ষণাপেডো মোক্ষিদ্যাসি

হে অর্জুন! তুমি কর্ম, জ্ঞান, যোগ
প্রভৃতি শাম্মেক সকল ধর্ম পরিত্যাগ
করিয়া আমার শরণাগতি লাভ কন। তাহা
হইলে আমি তোমাকে সক্ষপ্রকার কথাদ
হইতে উহার করিব, লোক করিও না।

'প্রীকৃষ্ণচরণে প্রপত্তি ব্যক্তীত অন্ত কোন উপায়েই আমার মঙ্গল নাই, অভ এব আমি সেই অভয়পদে শ্রণাপদ্ধ হইলাম ! এই দৃঢ় বিশ্বাসের নাম শ্রন্ধা, শরণাপত্তি বা প্রাপত্তি। এবস্প্রকার শরণাগত বাজিগণ ব্যেঞ্চপ উজি করিয়া থাকেন, ভাহা শ্রীভক্তিন রসামৃত্যিদ্ধবাকো বিচার করন,-

কানারিনাং কতি ন কভিগা

পাশিত। ছবিদেশা

তেয়াং জ্ঞাতা মরি ন করণা ন অপ!
নোপশক্তিঃ

উৎস্টেজাতানৰ ধহুপতে সাম্প্ৰতং লক্ত্ৰি-ভাষালাতঃ প্ৰণ্মভয়ং মাং নিধ্জালয়দাজে ॥

প্রভা! কামজোধানির বশীভৃত
ইইয় সামি ভাহাদের কত না কত এই
মাদেশ পালন করিয়াছি তপাপি ভাহার।
সামাকে দলা করে নাই, ভাহাদের সজ্জা
বা উপশাস্তিও উদর্বইয় নাই। তে ক্লঞ্
সম্প্রতি প্রবণগুরুর নিকট হইতে আমি
শাস্তাপ অবগত ইইয়। ভোমার শ্রণাপ্র
ইইলান। তুমি কুপা করিয়া এখন খামাকে
নিক্ত দাস্ত গ্রাদান কর ।

কংহা মহাস্থান বহুদোষস্ঠোহ-পোকেন ভাডোষ ভবো গুণোন। সংসক্ষমাথোন স্থাবছেন কুতাত নো গেন কুশা মুমুকা।

হে মহাস্থান্ ! এই মানবজন্ম বছ দোষমূক হইলেও ইহাতে সাধুসক্ষরণ একটা গুণ বিরাজ্ঞান। সেই গুণকে আশ্র: করিনা আমাদের মুক্তিবাহা ক্ষীণা হইয়। প্রকা

ধ্যানাতীতং কিম্পি প্রমং

ষেত্ৰ জানস্কি তৰং

তেষামাস্থাং প্ৰদয়কুহরে

তত্ব চিন্মান আন্মা।

জন্মকন্ধ প্রকৃতি মধুবং ক্সোবকলুরবিন্দো মেবগুলিং কনকপরিবিং প্রজাকোয়সান্তা॥

যাঁহাণা বলেন তে, ধানাভীত কোন নির্জেদ তত্ত্ব তাঁহারা অবগত হইগছেন, ভারানের হৃদধক্তরে চিরিলাগরহিত চিনাত্ত আত্মা অবস্থিতি করুন। ভাহাতে আমানের কোন কথা নাই। কিন্তু আমানের ক্রুরে অতা মানুধানয় হাজেবদন, অবনিক্রনেত, পুরট সেন্ধ্যানয় হাজেবদন, অবনিক্রনেত, পুরট সেন্ধ্যানয় হাজেবদন, অবনিক্রনেত,

কং প্রিভারনশ্বং শাদাং স্থীকান স্কুক্তিবাদ জিলিং স্কুল্য ক্লভ্রাথ। স্কান্দলতি স্কুদ্ধে ভঙ্গতোগভিকান। নামান্দপুণেচাগড়াবিন গ্রা।

দশনে অক্ৰয়কা,---

হে জগবন, আগনি ভক্তির,
সভাগেক্, সক্দ্ও কত্তা। কোন পণ্ডিত
জন আগনা বাতীত অকের শ্রণাপঞ্চ
তইবে ? ভজ্লশীল স্তুজন্ জনকে আগনি
সমন্ত কাম ও স্থস্য। প্রান্ত দান করেন,
তথাপি আগনার হাস-বৃদ্ধি নাই।

প্রোচ, মধাম ও কনিষ্ঠ ভোগে শ্রকা তিন প্রকার। অভএব উত্তম মধ্যম ও কনিদা-ভোগে শ্রকাবানও তিন প্রকাব। যথা ভক্তিরসামৃত্যিক্সগ্রে শ্রী ৮গবাকা,— শাস্ত্রে যুক্তো চ নিপন্য সংগ্রা দুচ্নিশ্চাঃ। থেত্রীয় শ্রকোত দিকাবা যা

ভকাবৃত্যে মতঃ ।। বং শাধানিখনিপুনং অন্ধানান্দ জু সংগদঃ । যা ভবেং কোমলক্ষম স

कनिर्छ। निग्रहरू ॥

( ৪০) পুগার ২য় কলমের শেয়ে জুইবর )

मा १५५६: ॥

### অসুর কাহারা গ

(3)

্ত্ৰীপাদ কিশোৱীবোহন ভক্তিবান্ধৰ বি-এল.)

জীভগৰান বলিহাছেন, 'ছে ভৃতদর্গে ) লোকেংখিন দৈব আহার এব চ। বিফুলজো জীট, গতন্ত, বুক্ত, মাটি, ফল, ভারি প্রভৃতি अ:अटेक्टन च्यान्त्रतं अधिनधारः ॥' **३६७**५८७ নানালেণীর লোক দৃষ্ট হয়, উহারা দৈব ও আঠুর নামে প্রধানতঃ ছই শ্রেণীতে বিভক্ত। ঐ সমস্ত শ্রেণীর লোকদিগের ধারণা গুলিও এক নচে, বিভিন্ন প্রকারের। याशांता निकृष्ठक, खांशांना देवत अतः ত্ৰিপরীত **সকল**ই **আত্মর**। এই অত্যুগণ वस्त्रकारतत वहेरमञ वैद्यापत गरमा প্রধানতঃ ছুইটা খেণী বিভাগ দেখিতে भा दता दाय । । । এই छहे (संगीत वाकिशत्वत চিন্তাব্রোভ বিচার করিয়া ইছাদিগকে ভুক্তি-পিপাস্থ ও মুক্তিপিপাস্থ এই ছুই ভাগে ভাগ করা হল। ভগতে আসিলা বাহাবা 'থাব' দাব, স্থাথ থাকিয়া কেবল নিজেক্সিয়তপ্ৰ क्रिक्क क्रिक्क क्रिक्स पारेत,-- धरेक्क विश्वन अतिकाम मामाधित रूप, लाश है है। ধারণার বশবভী কেবল নাত্র ভোগ চায়, তাহারাই ভুক্তি-পিপার্য। কিন্তু ঘাঁহারা ইছালের অংশেকা खिदिक इत दक्षिमान धरः জাগতিক ভোগের ক্ষ্যাব্য, অনিভার ও হেঃছ উপলব্ধি করিলাছেন, তাঁথাবা ভোগ চান না, অতিক্রম করিয়া কোন অপ্রান্ত বস্তব (खांश क्टेंटल मुक्ति ठान । देशतारे मुक्ति । भावना देशानत ठिलात दिशत क्या ना । শিপাস |

মুক্তিপিণাসুগণ আধার চাবিভাগে ति इक्त । यथा,--- ≥) शखन्द तिहात्रहीन, (२) कड़रानी, (१) कखंरानी, '६) मिहिकामी इंद्रिशानी। नकाम कर्षानानी ও निकाम कमानामिर उरम कमारामिशन कारात छहे শ্লেণীতে বিভক্ত।

ভূক্তিপিপাম জনগণের মধ্যে পশুবং রিলেরতীন জনগণের আচার-বাবহার ঠিক পশুর মত। মাত্র মন্তব্যের দেই গারণ কারণা ভাষারা আচার বাবহারে পশুগণের मात्र काहात, मिला, अत्र, रेगथुन महेराहे, কালাভিপাত করে। ঐ চারিটি গশুধর্ম বাজীত ইহালিগের জীবনে আর অক কোন धरकात जिल्हा मध्या नाहे । जात केवानिर्धश সঞ্জি পশুদের মধ্যে পার্থকা এই যে, পশুগণ **७३ अभि**ष्टि ब्याभारत स्थालाटक महरे इस् কিছু এই শ্রেণীর মানবগণ অধিকভর বৃদ্ধি-সম্পন্ন হওয়ায় ঐ আগাব, নিয়া, ভয়ও মৈধুনরূপ পশুধর্ম গুলি পূর্বনারার চালাই-বার কল্ম প্রভাগ নৃতন উল্লয়ে মন্ত্রনির। अष्टदः देशाता भण भ्रेटाउँ सम्म।

ভড়বালিগণ এই অগৎকে অসংখ্য অগু ও ু কিছু শালু যুক্তির আশ্রয় গ্রহণ করেন নাই, প্রমাণু দারা গঠিত। বলিয়া ধারণা করেন। प्याद्धः श्रेत्रेश विश्वि असंदित वर्ष् इहेट्ड भारत्य।

পরমাণু মিলিভ হই: বিক একটা বস্ত স্টি হয় এবং মিলনের স্বর ভাইতে রাসাংনিক প্রক্রিয়া বারা একটা **নেবিং** উৎপ**র** হয়। এইরণ অসংখ্ অবু পরমাণু একংয়ে সন্মিলিত হইরা মাতৃষ, পশু, পশী, वावजीय-शावत सम्भापि कृष्ठे बन्देशास्त्र जनः वामायनिक अजिन्यात्वारा उद्दारमत कीरनी लक्ति । अर्थाकती समञ्ज उर्ध्य হটয়াছে। কালপ্রোতে ঐ গীননীপক্তি বা কাৰ্য্যকল্ম ক্ষমতা নষ্ট হইছা গেলেও এ नक्त वायु भ्रमानुब ध्व(म द्य ना । जेनक्त्र স্মিলিত অণু প্রমাণুগুলি বিক্লিঃ হইয়া গেলে মিলিত অবস্থাঃ উহার। যে শক্তি বা ১৫৩ নধন্ম লাভ করিয়াছিল, ভাগাও अवश्वित करेता यात । डेटाक्षा भूनवाय व्यक्त অৰু প্রমানুৰ সভিত মিলিভ ইইয়া ভাষ্য বস্ত शर्जन कश्चिमां भारक ।

ভারাদিকের মতে এই জগ্য অণু প্রমাণুর একটা ক্রাড়া মাজ। ফদারা এই অম্থাথ আহার। দের প্রকৃতি। এই প্রস্তিই অণুপ্রমাণ্র সাহাল্যে কৃষ্টি, স্থিতি ও প্রেলন সংসানিত करत । हेर्शामधात्र कीतरम अर्था हेर्स প্রকার আহার, নিদ্রা, ভয়, দৈখন প্রভৃতি सर्था नाड़ीड अक सका नाहे। आहराक

कर्यनामिश्य कर्यात्रहे डेलानक। তাঁহারা কর্মকে ভিনভাগে বিভক্ত করেন, নপা--- শুভকর্দ্ধ, দকর্ম ও নিকর্ম। পুভ কর্ম যথা--পরোপকার, সমাজ গঠন, নীতি निका, माना (नगरमशीत डिलामना खाइडि--যত্যরা জীবেদ মহাক্রথে ব্রুকাল পর্গ-**ट्यांग माठ इ**हेश शास्त्र । हेर छन्। অপেকা কর্মে অধিক স্থা বিভয়ান, অতএব শুভকর্মের দারা সেই সুপই বাঞ্চনীয়।

শুর ও অশুর কর্মের সকরণকে অকর্ম বলা যায়। কোনপ্রকার কর্মা না করিল চুপ করিয়া বসিতা পাকিলেও জীব রোগ শোক, মৃত্যু ইভ্যাদি-ভাপপুৰ্ণ ইংজগতে : নিগম্ভর একটভাবে তাপিত ছইছে পাকে। ७ । अ अ । उसम कर्य मा करात प्रतन ভাগকে স্বৰ্গস্থ বা নুর্ক্তঃপ ভোগ করিতে হয না।

শাস্থাক্তিতে স্থনিপুণ হইদা বিনি शर्यका मृहिन्छत, চিনি প্রৌচ্লদ্ধ, তিনিই ভক্তির উত্তৰাশিকারী। যিনি শান্ত-যুক্তিতে বিশেষ নিপুণ নছেন; অপচ দৃঢ়শ্ৰদ্ধ, ভিনি ভক্তির মধামাধিকারী। যিনি পন্ধ-ইহাদের অপেকা অধিকতর বৃদ্ধিবিশিষ্ট স্প্রাগতিকে কিছু শ্রহা লাভ করিবাছেন, তিমি কোমলএর। সাধুসঙ্গ হইলে শান্তার্থ-এট দকল অনুপর্মানু বছপ্রকারের বিখাসের সহিত হিনিও জেমশঃ প্রোচ্থার

### क्षाय अगम আশল ও মেকী

(3)

জীগৌররশার বেকালে নারর অনুভূতি বিশিষ্ট মানবের উপাছা, সেকালে গৌর-স্থন্ধরের দারশা উপলক্ষণে যে ১৯-প্রতীতি, ভাল আসল : ছে: ভাল-- শেকী: আর সদ্ভক্ত বেকাৰে আত্মবৃত্তিতে প্রেমান্তন-क्कृतिक करिय-निरंगाहम बाता किरगोत्र ভুন্তের অঞ্জেড রূপ দুর্নন করেন, গুণের উপজ্জি করেন, জপ্রারত দীলার : প্রবেশ করেন, তৎকালে তাহা — মাসগ।

শ্রীগৌরস্থনর প্রাপঞ্চে আদিনা**ভিগেন**। উাধার ভাদা বৈভবও উলোধ অল্পমন করিণাছিলেন।

প্রাপক্ষে আনির্ভূত হওরার জ্রীরোর-স্থান্দর বা ভস্থপবৈত্র শ্রীনর্বীপধান নশ্বর প্রতির অমুভ্রনীর মেকি বস্তু নংগ্রা অপ্রাঃত ভড়ের উপাস্থ গৌনহনি ভিছ कण्डे द्यकि नगरनत मुद्धतन्त्र नददन ।

महाभाग है जि. -প্ৰূপ শক্তিৰ যেই স্নীপ্ৰভাব। ভার প্রিণতি এই শামের স্বভার ৮ अ.क. मीमानीठकाल श्रम विकादन । অচিন্তা শক্তিৰ কাৰ্যা প্ৰাণঞ্জিক নয়॥ खरत (म क भारत (मरच क्रांच समा) বন্ধজীৰে ভাঙে হয় অবিভাবিত্ৰন দ বেঘান্তর চক্ষ দেখে পুষা আন্তাদিত। দিবাকর নাহি কতু হয় মেখারুত। (महेन्रभ क द्योज्य उन विभाकात । **लांभिक कन (मर्भ करफ़्त शिकात** ॥ নিত্যানশক্ষপা যার প্রতি কর হয়। সে শেখে আনন্দ ধাম সক্ষত্ৰ চিন্মায় ।। স্করণশক্তির ছায়া মায়া বলি যারে। প্রভূব আঞ্চায় নিজ প্রভাব বিস্তারে॥ वश्चित्र कीवहकू करत्र कावत्रम्। চিত্তামপ্রভাব সবে না পার দর্শন ।

প্রাপকে ভদ্রপ্রবিষ্কর শ্রীমন্ত্রীপ আবি-ভূতি হওয়ায় ভাষা ওকের আবাসভূমি: প্রাক্ত অভক ভাহার আদৌ দশন পায় न।। এমন कि, मেই इपि व्यर्भ क्रिगात সাম্প্রি ভাগাদের নাই।

যেরপ অচ্ছ কাচের অভ্যন্তরস্থ মধু यश्ः প্রদেশস্থ সন্ধিকার লভা হয় না, ভদ্রেণ তক্ষণবৈত্ৰও আকৃত নয়নের গোচরীভূত वम् ना।

### যংকিঞিং

(ব্যক্তিসাহ্য)

ভূতক ভাগৰতবক্তা বেল্লিক মহাশ্র র্মাচিতে ঠিকা লইনা বক্তুতা প্রাণানকালে স্থানীয় **শ্রীণুড ফলান্সনাথ** চট্টোপাধ্যায় रामध्यत निक्छ एव मस्त्रता आकाम कतिहा-भन, अंशां क जांबात **भग**रा, क्लांटें र িংসরভাই প্রকাশিত হুইয়াছেন।

ামধ্যে বিনিময়ে ভাগবাত পাঠ-বভাতা বা গ্লাবাজি করিলে—'ভাষবভরত্ত', ি বুলেবভশাস্থী 🐠 🕫 উপাধি নামেষ १६८७ नगडेरग--शैतनम्, यजनतम् अञ्-थि भागाता अमारमात्रध्य कतिरमह कि । चाराद ध के करा गावना ।

'एक स्टब्स्य व्याप्टशंडा ना करिहन **अक्टांडर इ.९७१ गांग मा १ अफ्टांडर** निध्यः कनिरम, श्राट्यं श्राचि ६ ९ । र .--কম্ব কামিনী প্রতিহাশার দিয় হ ও্যায় মংগ্রহণ শুদ্ধভক্তের বিরোধাচনণ करिक कथनई उन्हा इस्ता गय महा রুমানজ -- নিম্বস্ব ৷ সাহাতে স্বস্বত! বিছায়ান, সেবাজি ক'ন্য রখ্যভানত क्षांत्र हरेड भारत मा ।

বহুজনোৰ পূজীভূত স্তক্তি নাও কৈবল कारात्रः अभावकितः अर्डिशंम 🖹 🔒 मर्के आनुसानिकात इस मा। प्रविध, (मर् च्छात्रिमिंड च्य गाहात्र आह्न, कमक, काभिनी, (शिंडकान माम, करानत स्थारक অপ্ৰিদ্ধাৰেণ আদ্বকাৰী, গুচুমেৰী के मन्नी, हमां जरू कशनहें 🗷 छोड़ीय घटिन ত্রিশীনানায় ইমন করিতে পারে না।

গৌড়ীৰ মঠে অবস্থান করিলে---গৌড়ীয় ভক্তাণের সন্ধ করিলে তথন আর মংসরতা দশ্ম পাক্ষে না। গ্রেডীয়-ভক্তসংক গুৱাইজির কথা প্রারণ কীর্তনাদি করিলে জাবের ভোগপিপাসা বিদ্রিভ হয়। তথ্য আর অনর্থর আর্থর হার। ইক্রিঃসুত্তি চলিতার্থ করিবার আকাক্ষা থাকে না।

र्शिकीय गर्भ नाम निवाहेट भातिरम স্ত্রীদলীর সন্ধ, ধামবিরোধীর সন্ধ, কণ্ট মিছা ছজের সম, ইঞ্জিয়তর্পণের প্রতিষ্ঠান-গুলির সঙ্গ করিছে অভিলাব মধ্যে না।

গৌড়ীরগণ--- প্রীটেডজের উপাসক। ্টাহারা গৌরস্থক্ষরের উপবেশ ও আচার ষ্ণাব্ধ পাশন করিয়া গাকেন।

## গ্রন্থ পরিচয়

### **জীমন্তাগৰতম**

क्षीमग्रहि क्षादेवनाम्म द्यमद्यान-व्यक्ति भून श्रीमन-मध्याहाया-कृष्टा छार्थान्निवंबहीकाः दीमा बंधनाथ हक्तवदी সেই থকের প্রভিপাছ কথাদার, অন্যান্তর প্রাথমে ঐ অধারের সার্থত ত্বিস্থত তাৎপর্যাদি বিশ্বঃ প্রোক্তটী বিষয়পতী, অধ্যায়বিবরণ, পাত্র ও ক্রপ্টীস্ত উত্তন काशक छे भग भक्तरत मुक्तिए। श्रापम इटेट ১०म यक भगान कामा केल्निर्म (मध इवेश्वर्ष) किका शामा इंहर्ड क्रम का भगान राजिन । स्थान क्रम ३२ : मस्य ४०५ ।

### क्षे केटे एक का विश्वास

শীসীমধ্য কি নোদঠাকুর-রচিত শমূতপ্রবাহভাগ্য 💌 📆 ন্মন্ত্র কিনিকাত সম্মতী গোমান প্রতুপাদ-লিথিত 'षञ्चारमा अधि-क्षणामि वह भाजकार्गन-भवनिष्ट इहेबा क्षका निष्ठ ६ हेशार्टन । त्यारकत्र मायग्रगाथाः, तश्राभवाग । প্রতেঃক পরাবের পূবের সংক্ষিপ্ত অণিধ্যের সংযোগিত। প্রভাক অন্যায়-প্রারন্তে কপাসার দেওশ আছে। স্লোক, প্যার, শুক্তুন, পাত্র প্রস্কৃতির স্ববৃহৎ স্কৃতী ও গ্রাথকারের ि श्राम किया निमासिक दहेत्रल अप्रकल्य मध्यत्। हेन्ड:श्रास এনিবিজ্ঞানিত হয় নাই। উত্তম কগছে পারিপাটোর স্কিত তুল ক্ষেক্তে মুলাংশ মৃত্তিত হ্রোভে: এছ প্রায় পুৰু গুল্পর । ভিকাবত মানে : মাত।

### এটেড ক্রম্ভাগবড

अञ्चारतत्र कीवनी, व्यक्ति शांतरक्रक्षेत्र क्लामात्र, विश्वक (बी ही ब कारा, मक्क्फर्टी, लबाबर्की, विश्व-खान-लाकापि-প্রচা, প্রাক্ত বিবিধ বিষয়-স্থালিত বিরটি বিতীয় সংখ্যাল তবল ক্রাউন ৮ পেত্রী আকার। আদিলীকা ও মধ্যের कियमः । अकाश्विक क्षेत्रार्ह्स । स्थ्य अध्य अकाश्विक । जिल्हा २ होका। **२६८७८६म। व्यक्तिम ७८का ८, ाका, व्यक्ति मीना**त Tem = 1

### **এটিচডক্সমন্ত**

टाकाणिक इस मार्टे। भाषाक (ब्राकार्णित व्यवस, व्याप्यवान, ভাষা, কণাসার, তথা প্রস্তৃতি সহ খণ্ডে খণ্ডে প্রকাশিত इदेशारहत। यून स्माठी चक्रास अनग क्राफिन चांठेरभधी इश्लाकारत हाला इहेबाटह । भूला २॥० छान्या । अभीवा প্রকাশ ও গোড়ীরের গ্রাহকগণের পকে ১॥• টাকা।

### **এমভগবদ্গীতা**

-- शिर्गाफ़ीय देवकवाहाका अध्याद्वल प्रतिकहृद्यामि শ্রীশ্রেষিনাথ চক্রবিভিট্র গোমামিরতা সারাথ্য্যিণী ট্রকাস্থারে ও জ্ঞীনম্বজিবনোদ ঠাকুর-প্রণীত স্বাস্থিক-त्रक्षन' नामक कावाकावानहिका। व्यवास्तरी, बाक्काक्राय ्याक-एठी, विषय-एठी, आध्कारत भीवनी **७ भव**खत्र विकासि ंदक-कार्याविषय-मह के**० इंड वा**धाई कृषीय मःश्वत--- **८ हे** बाक मरकत्वा किका व होका याज, नावामन मरकमन--- अ। हाका मान

### শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

ও বিষ্ণুপার শুশ্রীমন্ত্রিসিলান্তসর্বভী গোমানী মহারাজের দেই অবিভা-বিধ্বংগিনী कौराश्वत्रक्रत्भारवाभिनी अक-काक निम्मवादिमी छीनश्व-वागिद भृष्ठं-विधार---देवकवरिकास-त्रश्लमात्र दकोश्व छम्।--- मध्यमात्र रेनज्यनिकामानारतत् (योणिक स्मा-अक्षताव ६ जानगरस्त ঠাকুর-কৃত সারাগণশিক্ষি টাকা, বক্ষামুখাদ সংস্কৃত অবহ ও ু সমধ্য গুঞ্-মহাজন-ভাবনচারিত-শিক্ষক —চিবিলাসচিল্মাত্ত-প্রতিশব্দ, তথ্য ও বিব্রত্যাদিয়ন্ত। প্রতি য়ন্তের আদিতে অচিয়াত-বিচারক-- এখন্য ও মাধুশারণের মোলিক গবেষণার -- मध्या, अखिरेश ७ श्रायाकन उत्तर निकास-मध्ता

> ১। প্রথম অভ-বৈষ্ণবদশন, শ্রী গুরুত্ব, কাল-ধর্ম, শ্রীমঞ্চানিষ্ঠাব, শ্রীবার্যভানবী, পাঞ্চরাত্রিকী দীক্ষা e वर्ग विहास, काणान्यां 'e मानाश्या, चीरेहण्डाति e তাহার শিক্ষা, অপ্রাক্ত সহল্পত্ম ও প্রাকৃত সহল্পর্ত্ম, প্রাকৃতি বিংশতি সংগ্যক রয়ে স্থানৈতিত। ভিক্ষা মাজ বাতি খুতি পুরাণ-পঞ্চরাতাদি সাহত-শাসসমূহের প্রমাণাবলী ५० বার জালা।

১। তি ভীতা অত্য-তভা ও বিদা ভক্তি, মন্ত্রের শ্রেষ্টতা কোথায়, মান্ধার নিভাবৃত্তি, শ্রীণর স্বামিপাদ ও माग्रावाष, भैक्षांत-निष्णानकश्चमक, जिग्राशत थया ६ क्रमा-কাঁচন, শ্রীব্যাসপুদার শ্রীমন্থাগবডের কাঁচন, শ্রীগ্রে-भारमत महिमा, मधालामान, श्रीरशाविक, श्रीक्रशासूत्रक्रम-পণ, ত্রীমন্তী বুষভাত্বনদিনী, খ্রীচৈতক্তের দয়া, গৌরকরণা ও রক্ষসভীতন--চভূপন অপূর্বানধুরিমাপুর্ণ-বস্কৃতা-বিভূচিত। ভিকা ১, এক টাকা মাজ।

প্ৰথম ও খিতীয়—ছই খণ্ড একত্ৰে লইলে ভিকা সা দেড় টাকা, ডাক নরচ স্বতম্র।

### क्रियद्व भवन भी छ।

পোট্টার-বৈক্ষবদার্শনিক-শেশর জীলীমদনলদেব বিজ্ঞা-ভদণরত ভাষা ও **ञ्रीमप्र**क्तितित्नाम ठाकृत्त्रत्रशाक्षण यत्र-ভাষায় বিশ্বত 'বিগদ্যঞ্জন' নামক ভাষাধুক্ত। অধ্যায়-স্চা, বিষয়স্চা, ও প্রতি স্নোকের প্রথম ও তৃতীর পাদ স্চী, ভাশ্যকারের জীবনী প্রভৃতি সম্লিত। উৎক্ট বাগাই, রাজদংখরণ ( চুতীয় সংখ্রণ ) গ্রাণের

#### প্রথময়র ক্লাবলী

टीमदगरम्य विश्वाकृत्रन-ख्येषेड रेतकवर्यम, मन्दं ७ গোবিন্দ-ভাষ্যাদি পড়িবার প্রথম গ্রন্থ। উৎকৃষ্ট কালিভে ছাপা। স্থবিশ্বত টীকা ও প্রাঞ্জলবন্ধায়নাদ-সাহাব্যে অতি সহতে বালকেরও (বাধগমা ১ইয়া থাকে। ভিগা । প । আনা মাত্র।

### **बिनवदी श्राममा हा या**

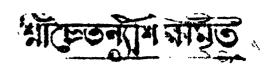
( প্রসাণখণ্ড ) সামুবাদ। শুভি-স্বভ্যাদি এতে শ্রীনব-षीरেশর যে মহিমা কীরিত আছে, ভাহার মূল সংশ্বত ও অমুবাদ। ভিকা ८ • মানা।

### <u>এ</u> প্ৰান্ত বাদ ভাৰত বছ

শ্রীঠাকুর ভক্তিবিনোদ লিখিত। প্রললিত গাঁতাকারে পরিক্রমার স্তইব্যাদি-বিষয়ক। ভিকা। আনা।

#### ভজিরভাকর ও নববীপ পরিক্রমা

প্রীল নরছরি চক্রবন্তি-ঠাকুর রচিত। ওভিরত্তাকর চইতে পরিক্রমাংশ বার গুড়ীত: শ্রীছীব গোস্বামী কি একালে একবৰীপথানের পরিক্রমা করিয়াছিলেন, ভাছাই পছে বিবৃত। ভিক্ষা । প আদা



শ্রী ভাজিনিনোদ ঠাকুর প্রাণীত। শ্রীচৈতভেইহাতে क्रिका-(७) १८७५-७३--- मानन-निर्धा--- खाराका-७४. कथा-काछ, आक्रमानित्र निष्ठात-देवनी छक्ति, छावछि । প্রেমভিজিস্ত নামভ্জন-প্রণালী ও অঠকালীয় শীলা-পরিচরাদি প্রাথম শিকাণীর উপ্যোগী করিয়া দর্শ ভাষার সম্পর যুক্তিপ্রমাণ্সত লিখিত লাছে। চতুর্থ সংবরণ বাণা २ देविन, जानामा ১५० देकि। मान।

### গোডীয়কণ্ঠহার

शिर्ती ही ग्र-रेनक वनरनंत्र अक्न न कर्छ भारतरगाना विमय्विजाशक्त्य माध्याम धन्क्छ। ८३त्रभ विकान-সিশ্বাসের সার্থমুখ্য অন্ত করাপি প্রকাশিত হয় নাই। केटाटक खक्षक - जारावक-- देवकान - द्रातिन निवासन--चरेबच - क्रमा-शक्ति-जगराहम-जीन-चित्राहमाराहण --- अच्छित्यग्र--- नामनार्थाक--- वर्षाय- वर्षाय-। वर्षा -- स्वाधाः - ज्ञिनाम-आराष्ट्रम ६ आमान-उत्तक्षणि शुवक स्थारिय স্তুহং খোকাদি সূচীগৃহ উংক্লাই এটিক কাণকে বোন্ধ त्र कालिक्ड मृक्ति, डेश्डरे वीना मानान करन नाम लाया। গ্রন্থ প্রায় ৪০০ প্রায় সম্পূর্ণ। ভিকাহ, টাকা মাঞা।

### জ্ঞানবদ্বীপদাম-এছাবলী

ত্রীমদভ্জিবিনোদ ঠাতুর রচিত 'ধামমাহাত্ম-ধাম-মাছাছোর সামুশাদ গুমাণ খণ্ড-- শ্রীণ নরহরিচক্ষবত্তী ঠাকুরের ধাম-পরিক্রমাংশ-- ইাধাম নব্বীপ পরিক্রমা-তীথ-যাতা প্রতি—ভীমৎ প্রবোধানকরত নব্বীপশতকম— শ্রীমছজিশিনোদ টাবুরের শ্রীনব্দীপ ভারতরঙ্গ প্রাস্থৃতি গ্রাম্ব একরা ভিক্ষা ৮০ আনা যাত্র।

### শ্রীছরিমামায়ত ব্যাকরণ

শ্রীকীয় গোন্ধানী প্রাহুপাদ-বির্চিত সূত্র ও বুরি, তংগ্ৰে ওবিফুলাৰ ত্ৰীমছজি সিদ্ধান্ত সর্বতী গোৰামী মহারাছের বিভুত ভূমিকা ও হুচী প্রভৃতি সহ। অপ্রভ্যাণিডভাবে খণ্ড। ডিকা ২ টাকা, ছাত্রগণের পক্ষে ১॥০ টাকা মাত্র।

### বেদায়ভদ্সার

শ্রীমদ্রামাত্রকাচাণা রাচত। বেদায়ের বিশিষ্টাদৈতবাদ-প্রচারক জ্রীভাষা-প্রণেতা আচামা প্রণর বেদাম্বদর্শন পাঠের উপযোগ্র করণাথ এই উত্তম করিয়াছেন। ইহাতে बन्नाकृताम e कडीलकामि मः रगां कि कन्ना इदेवारक নাম মাত ভিকা। । আনা।

### শ্ৰীটেডবাচন্দ্ৰায়ত ও নবৰীপশতক

গোরপারদ ভিষ্ণতী আমৎ প্রবোলানল সরস্বতী-প্রাণীত মুল, প্রভূপাদ শ্রীমদ্ ভক্তিসিদ্ধান্ত স্বস্থতী গোস্বামী মহারাজ भन्नाषिक व्यवस्थाय वराश्या ए वनाञ्चान मवनिछ। নব্দীপ্শতকের তাভভিতিবিনোদ ঠাকুরের পভাতবাদ ও ৫৭ছ খ্রীমনারাপ্রানুর একটা জিবণরঞ্জিত অলোকিক চিত্র आवस अहैगाहि। भूमा ७ कागर छेरक्हे (२ थाना এক্ষরে ) ভিক্ষা ৮০ আনা, অভি হুরম্য বাধাই রাজসংকরণ ; ১ , छोका मोज।

## । उड्डान्सी

ত্রীমন্থান্তিবিনোন হাকুর-প্রবীত। এই একমাত্র প্রন্ত রয়ের জান লাভ করিলে পারমার্থিক বাজো কিছুতেই জ্ঞজান বংসংশয় পাকিবে না। পরম গুড় দম্মবিবয়ক এই-রূপ সবল ও জনসুস্থানী প্রন্ত এ' প্রান্ত প্রকাশিত হল্প নাই। নিধিলণোস্থামি-পাস্ত-মকোদদি-মন্থনকলে এই প্রস্তান্ত উলিত ইইলাডেন। জাগার হাবিস্ত হ স্কৃতী, কথাসার ইত্যানি ধারা বিশেষ সমৃদ্ধ করা হইলাছে। নিরাট প্রান্ত, শোনরে জ্পলে নাম লেখা, উৎক্লান্ত বিশেষ —চতুর্থ সংক্ষরণ ভিক্ষা ২, টাকা মাজ।

### **अ**श्वित्रर्वे

জীমনারাপ্রভার সম্বন্ধ পার্যন শ্রীণ জগদানন প্রান্থ বিবিচিত। এই পৃস্থকে অতি স্থাবোধা ভাষায় মহাপ্রভার ক্রিপার লীলাগত বৈশ্ববাচার, একানশী ও নামভজনপ্রণালী প্রভৃতি অনেক বৈশ্ববাহারে স্থামাংগা দেখিতে পাইবেন। পাদতীকায় তুরুত্ স্থামার বিশ্ববাধি ও প্রভৃতি পার্যালি চতুর্গ স্থামার ভিন্যালি ক্রিপার ভারত স্থামার ভিন্যালি ক্রিপার স্থামার ।

#### ভঙ্গনরহস্থ

ভঙ্গনকারীর নিভাগলা; ঠাকুর ভক্তিবিনোদের সম্বা ধান; নিধিক শাবের নিগ্যাস। গ্রন্থানি না দেখা পর্যাও ৫কঃ বৃদ্ধিতে পারিবেন না। ছতীয় সংখ্যাও ভিকা॥•।

### 🥢 হরিনামচিন্তামণি

নামার্গার শ্রীল হরিদার সাক্রের মূপে শ্রীনরাহাপ্রতৃ শ্রীনাম-মাহাত্মা, নামাভাষ, নামাপরাধ প্রভৃতি বিবহণের বাবতীর বিচার প্রবণ করিয়াভিবেন। এই বিবরগুলির আভি দর্যা প্রারে সংক্ষিপ্ত আশাস্ত্রপরিপাটিভাবে মুদ্রিত। শ্রীল ভক্তিবিনোদ সাক্র-রচিত। পঞ্চম সংস্করণ ভিকা ৮০

### কল্যাণকৰভক্

শ্রীমন্থ কিবিনোল ঠাকুর রভিত। প্রত্যেক ভগবন্-বিশ্বাসী ও জ্ঞানপপের প্রিকের একান্ত প্রয়োজনীয় উপ্রেশাবলীপুণ গীতিপ্রস্থা সামান্ত লেখাণড়া জানা বোকেও এই ভগনরাজ্যের গীতিসমূহের দারা জ্ঞাপ্যির্থি ও ভগবংসের। গাভ ক্রিবার স্থাবিধা পাইবেন। যার সংস্বান, ভিক্ষা ৴ • জ্ঞানা মান্ত।

#### শরণাগতি

শ্রীনঃ কিবিনোদ ঠাকর-রচিত। ভগবানে আত্মমর্শণ, বিজ্ঞান্তি, ভন্দনগণ্যা, বড়্বিদা শ্রণাগতি ও সিদ্ধি লালনা-বিশ্যক গাঁতিপুর্ণ, ভিজঃ ৴০ আনা মাত্র।

#### গীতাবলী

শ্রীঠাকুর ভিজিবিনোদ-প্রণীত। নিত্য ভড়ন, আরান্তিক ও প্রধাদ-সেবনাদি-বিধয়ক মধুর গাঁতবদ্ধ একত্রে প্রপিত। ভিকা ৴ জানা মাত্র।

### **শ্রীসবর্ত্তর ব্যক্তির**

রসিকে জনুর টমোলি জীনবিখনাথ চক্রবারী ঠারুর-বিষ্ঠিত রস্প্রস্থ। শীমছাও বিনোদ ঠাকুরের অনুবাদ-সং। ভিকাতি আনা মাত্র।

## श्रीवनश्री;

শীনমহাপ্রছর শিক্ষা ও শীন রঘ্নাপ দাস গোস্বামীর প্রতি শীক্ষ গোস্থামীর উপদেশবাণী, ভজিপপের অফুক্ষ ও প্রতিকৃষ্ণ বিষয়ে স্থানিচারিত সংখ্যাদন ভালা, বিস্তৃত বির্তি, চরিতামূতের প্রমাণ, সাধ্য বাংখা। ও মহাত্যা-প্রণীত ভতুপযোগী শাত্যমূহ প্রত্যেক লোকের সভিত্ স্লিবেশিত ইয়াছে। তা সংস্করণ ভিচা ৮/• আনা।

#### गामन-कन

শীরগুনাপ দাস গোস্থানীর মন:শিকা, **শী**ণ ঠাকুর ভজিবিনোদ-চরিভি প্রাঞ্বাদস্থ। ভিজা৴• মানা।

### প্ৰেমভব্দি চল্লিক।

শ্রীল ঠাকুর নরোভ্যমের স্থাপ্রদিদ্ধ প্রেমভিজিবিশয়ক গামের পুস্তক। ভিজা / সমান মাত্র।

### নবদ্বী পশন্ত ক

শ্রীম ঠাকুর ভিক্তিবিনাদ-রচিত শ্রীগ প্রবোধানক সরস্বতীপাদের সংস্কৃত নগ্রীপথতকের স্থানিত প্রায়বান। ভিকাস সংসামান।

### অর্থপঞ্চ

শ্রীল লোকাচাণ্য রচিত। বৈক্ষধতা-জ্ঞানের স্বাকর পুস্তক। তিক্ষা ৴৽ স্থানা মান্তা।

### সদাচারশ্বতি

শ্রীল মধ্বাচার্যা-প্রণীত। বৈঞ্চবের নিভাকর্ম্মাদি স্থাচারা-বুলী, বৃদ্ধান্তবাদ্ সভিত। ভিজা ৴৽ আনা মান।

### মণিস্ভরী

ক্ৰিকুলকেশ্বী শ্ৰীনন্ধানাগণাচাৰ্যা র চিত। শ্ৰীনন্ধৰ।
চাবোর সংক্ষিপ্ত শ্ৰীবনলীলা ও মূল বৈক্ৰবণখ্যত। সামুবাদ
ভিকা। শ্ৰানা মান।

#### গৌরকুকোদয়

প্রাচীন কবি ঐগোবিন দেব প্রাণীত ঐগোরাবতারের প্রমাণাবলী-সংব্রবিভ সংস্কৃত গ্রন্থ। ভিক্ষা ৮০ সালা।

### // मुक्तिमञ्जिक। ( भूपरमोत्रष्ठ )

শীনধ্বদশাদায়ত্বত শীমহানিরাত সামিত । বলাকরে সাহ্বান এই প্রথের প্রকাশ পরেমানিক সাহিত্য-ছবতে এই সক্ষেপ্রমান এই প্রথের প্রকাশ পরেমানিক সাহিত্য-ছবতে এই সক্ষেপ্রমান প্রাতি শীম্রাহ্বাচার্যা চলতে গোড়শাধ্রম হিত্তীর মধ্বাচার্যা নামে খ্যাত শীবাদিরাজতীর স্বামা এই প্রথে সাধারণ যুক্তি ও লৌকিক জ্ঞানাহ্বাহ্বে কিরপ স্থানরভাবে ভিকিবিরোধি-মতবাদ সমূহ খণ্ডম করিয়াতে, ভাষা পাঠ করিতে করিতে স্থান্তর্যাধিত চলতে হয়। ইলাতে যুক্তির বারা চাকাক, জৈন, গৌদ্ধ, মানাংসক ও মান্নবাদিমত-সমূহের স্থান খণ্ডম রহিয়াতে। ভিকাশ ২ টাকা মানা।

### दगायामी औन त्रध्नाथ मात्र

েওঁ বিশ্বপাদ শ্রীণ ভক্তিবিদান্ত গরন্থ টা গোন্ধার্ম ব্যাদ-লিপিত ভূমিকা সহ ) গোরপ্রেট স্বরূপ-রূপের একমাত্র প্রিরূতন শ্রীপ দাস গোন্ধারী প্রান্থর মণ্ড্র মণ্ডর চরিতান্ত ও শিকা মতীব প্রান্থল ও সরল ভাষার নরিবিট এবং পরিশিপ্তে দাসগোন্ধারী প্রেল্ডর বিরুতিত ক্রেকটা সান্ধবাদ মধুরতম স্কব ও মনঃশিক্ষা-সম্বাদ্ধ । ভিশ্বপানী বার্মাই ॥ মানা, সাবাদাই । শানা মাত্রা।

## চিত্ৰে নবদ্বীপ

প্রাচীন নারীপের অবন্ধিতি তথা, ঐতিষ্ক, প্রৌত ও ঐতিহাসিক প্রাণস্থলিত নরটী দীপের সচিত্র বিষয়ণ-গ্রন্থ। রাজ্বি ওসাঙ্গের কুমার ঐত্তুল পর্যালক্ষ্ণ নারাক্ষ রায় এম. এ. প্রে লোহোর), বেলাস্তুলণ মডোদর কর্মক সম্মলিত এবং থানি বিভিন্ন বর্ণের অপুন চিত্র ও মানচিত্র-নমবি : প্রাচ্যবিভানহার্ণ্য রার সাঙ্গের প্রিক্ষ্ণ নগ্রে নাথ বং ক্রাকোরসম্পাদক মহাশ্রের বিশ্বত ভূমিকা স্বা উৎক্রাই ( ) মরকো বাগাই মৃল্য ১৮০. ভি: পি: ডে ২ টাক মান্ত।

### नागक-कर्भवाना

শুক্রন্দনা, বি এন-বদ্দনা, বৈক্তবপরণ, লালালের নীত,
শীনামগুন, শীন প্রপ্তর অভিনেত্রপত নাম, অইপ্রেল্ডর
নামকতিন, শীন্দ্র্যভাবন, প্রেমধ্বনি, বাউগ্রন্থীত,
নববীপ-মতিমা, গোপুর মহিনা, শীন্দ্রেবন-প্রভ্র অইক
আচার্যা-বদ্দনা, ইন্পোশ্বামীর অইক, প্রেমভক্তিভিকা,
উপ্রেদশমালা নাম্চতন-প্রণালী, মহাপ্রভূ ও রার রামানশ্ব
সংবাদ, মন্যাশিরা, শীগুর-প্রপতি, শীগুর-প্রশেষা,
নহাপ্রভূর বদ্দনা বভ্তি সাধক ও সিঙ্গাবনের নিভাপার্য,
বৈধ্ববর্গাবের কথা হৈ ভ্রগ্নীমালার ভাগ অভ্যন্ত কঠে
গরেগ্যোগ্য অপুর্বাহ্ব। ভিক্সাক্তি, বিবাই ৪০ মাত্র।

### াড়ীয়-গৌরব

কলিকভার জানিত্ব আলবাট হলে গৌডীয় ন পানক
প্রিপান অ্নরানন্দ প্রিনিধ্যাবিনাধ প্রথম বঞ্জার বিদ্
গ্রন্থকারে প্রকাশিশ্র ইংডে গৌডীয় বৈঞ্জান প্রদায়ের
ইতিহাস স্থাকারে মানিত হইয়াছে। ভিকান প্রান্তঃ

ৌড়ীয় সাহিত্য

ক্সিকাভার প্রহীন্দ্ধ আলবাট হবে গোড়ীর সম্পাদক
উট্পাদ ক্ষমরানন্দ প্রকাবিনোদ্রেছ প্রদেশ বকুভার বিশ্ব
এতাকারে প্রকাশিত ইগাতে সাহিত্য-প্রেম্বর প্রবং
গোড়ীয়-সাহিত্যের বিয় স্তর্কারে ধণিত হইয়াতে । ভিক্ষা
।৮০ আনা মান্ত ।

### औदगोड़र्रे थम भवित्रमा-मर्भन

শ্রীনেট্র দেশের বেশ্বকণ স্থানে সপরিকর শ্রীনম্মরাপ্তান এবং তদমুগ পরবারী মধ্যতনগণ লাগা করিয়া গিয়াছেন, সেই সন সাধানিক ভৌঠাালিক পরিচয় ও দেশবিপ্রাহানির পরিচয় সহ বাতায়াতের স্থানা নিকেশ ইন্ড্যাধি নিময় প্রতি গরিবেশিত ক্ষাছে। বিকা • জানা।

#### THE HARMONIST

### OR SHREE AJJANATOSHANI

শ্রীণ সাক্র ভারণানিনাদ-প্রতিষ্ঠিত এবং জ্রীল ভারিবিদ্ধান্তসরস্থা গোসানী অভুপাদ সম্পাদিত পাসমাথিও
নাসিক পরে। একংশ ইংরাজী ভাষায় অইবিংশ বংগ
ভবলকাউন ৮ পেলী ৪ কথা আকংরে অভি শারে হরিনামের বিজর-বৈল্পক্তী লইনা উপভিত হউত্তেচন
কাগল, বুল্লণ-পান্নিপাটা ও চিত্রাদি মাহীব চিত্রাক্ষক।
এই প্রকার উৎক্রই প্রবন্ধ আরু কোন নাসিক প্রোদিও
পেথিতে পাইবেন না। বাহিক ভিক্ষা ভাক্ষান্তলস্থ

श्रीक्षेत्राम -

अदिन्डकारः त्यारे शिकामाञ्च नक्षेत्रा

# नीथाय गायाशुद्त

"ঠাকুর ভক্তিবিনো ইনফিটিউট্" নামে

# एक १८तकी विमालश

(थाना १३३। (छ।

অভিজ্ঞ ও আদেশচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অসি শত্রের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী হাত্রগণের জন্ম নিয়া বাংশু সুন্দর বাসম্থানের বংশু নস্তর্গণেটা ছান কঠান সাহ্য কর।

সধিন্তার স বাদের ভয় কিলিখিড ঠিকানা পত্র লিখুন।
. সেত্রে-টারী, ভাকুর দুক্তিবিনোদ ই
শীটুচভয়মঠ, পে্নীমায়াপুর, নদীয়া

## —৫১ বংসরে প্রতিষ্ঠিত—

উৰ্ধালয়ে ক্ষুত বঢ়ীকা

हार्ग काक होत्रमा, जाश्रास्थाय, टब्ल्माठिल, आसीर्ग, श्वलक्षण व्यक्ति काठ द्यांनीत द्वांग निवासन कहेबाटकांश व्यकाण कविटल वस्त्र मृक्षण करेवा लटस्त्र

শ্ৰহণ আহুকে ব্যবহার চলে ও সন্ধান কৰিব পাকে। আজি কটিয়ে ৩২টি বটীকা পাকে।

#### বেল মাত্র

্রুতি ছাটার মূল। ১, এক ছা। ইণার নাম **'আডছনিতাহ** বটীকা।

শুখাও উপদের তালিকার এশত দিখিলেই পাইবেন আবিস্থান :—প্তঞ্জলিপ্রাহ ঔশপালাস্ত্র

२) ह तर वहनाचात हित, क्लिकाणा ।

কাবরাজ শশিৰণ কবিকণ্ঠাভরণের



নকংখনের শ্বধার অন্ত ৬ট্ট পিলিছে ঘনীভূত অবস্থান ভোটবোভলের গিমণ উবধ ভাকে পাঠান হয়, ইণাডে গুলী কোন পরিবর্তন করা হয় নাই। সুণা প্রতি নিলি ৪০ আনা, পাইট ৪০০ আগ্রেভিল ১০০ আনা।

অফিস—১১নং উল্লেডালা রোড, পোঃ স্থামবাজার, কলিকাতা

## প্রীভাগবত প্রে গোরাকী হা**ইটি**

6

### ক্ষতনগর

এখানের বিবাহের গ্র-পত্র, শ্রীভি-উপহার, কার্ড, এবং অভ্যান্ত বাবতীয় কার্জা হু ইইয়া থাকে। ছাপার দর দর অপেকা হলত। পরীকা নিীর।

## रारेट्डांगिन

বা

### কোষর্মদ্ধি রোগ

ডাঃ এস্, এন্, থোব বিনা অন্তে, বাৰক্ষীবনের গ্যারান্টি বিরা বৈদ্যুতিক অবালাতে কোববৃদ্ধি রোপ আংয়ান্য করিয়া থাকেন।

> विकामा— अभ मर कड़ेम ब्लीड, बखुवाखान्न, बाककाला ।

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌবধ

প্ৰৱ দিনে সম্পূৰ্ণ আৱোগ্য

বোলী ধেপাইতে চহবে। অভিনয় পাপের পরচ (নাওচা এক আমার),
পাহাইলো গিছা রোগী দেশা হয় অথবা এখানে অংনিলে কোলী দেখিবা,
উষ্ব দেওৱা হয় আরোগ্য মা হওচা প্রান্ধ পারিপ্রামক বিকে চহবে না।
গ্রীব রোগীদের প্রচ বছর করিয়া চিকিৎসা করা হয়। বিস্তারিভ্র বিশ্ববেশ হত্তা এক আনোর ভাক টিকেট সহ নিম্নিট্রাল অক্স্যুন্ত্রন

জ্ঞীকে তাশচন্ত্র উকীল, যক্ষা-চিকিৎসক, োঃ নৈকাঠা, বহিলাল। অথবা নিয় ঠিকানায় সাক্ষাৎ করিয়া বিস্তারিত জানিতে পায়েন।

শ্রীযুক্ত রামগোপাল দক্ত এখ, এ, ক্লক্ষনগর, নদীর।। শ্রীলুক্ত হরিপদ নিংহ, ১১৭, বেণিয়াটোলা খ্রীট্, হাটথোলা, কলিকাতা।

প্রকশানি পঞ্জ! জানার প্রাকৃত্যর গত হয় নাস বাবং রাজ বন্ধার প্রকৃতিরা মৃতপ্রায় করিলছিল, কলিকাভার বিজ্ঞ চিকিৎসক্সণ ভাগার জীবনের আলা ভাগা করিলা লেয় মৃতুর্ভের জন্ত অপেক্ষা করিছেছিলেন এই সমন্ত্র প্রীয়ৃত কি তীশচন্দ্র উকিল মহালয় মাত্র ১০ দিন চিকিৎসা করিলা সম্পূর্ণ আরোগা ভরিলা দিয়াছেন। (সাঃ) শ্রীয় কিলোর হায় চৌধুরী (অমিদার ধালিয়া) হগ্ নীটু, নিউ বিল্ডিং। ভরপোরেশন টিটেং ডিপা টমেন্ট, কলিকাভা।

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

भोजान 88%

मात ४)० जाकि कि को भागि है दल है तूकर भारत है भागि हम ।

ম্যানেকার—গ্রন্থবিভাগ শ্রীচৈতখন্ত, পো: শ্রীনায়াপুর, নদীরা।

কেন গ্রাহকগণ

# গাড়ীয় প্রি িং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

–কারল–

अधारन यावजीय हाशांत कार्या— आहामित कार्याहे बनून,

বিবাহের নিমন্ত্রণ পত্র, কার্ড, বিবাহের পছাই নলুন,

আর ৩ রং ও ৪ রংএর হাফটোন ক্লকই বল্ন, সকল কার্য্যই অভি সম্বর ছাপা হয়, অথচ ছাপাইবার খরচ বাজার অপেক্ষা ফ্লভ।

আপনার কিছু ছাপার কার্যা থাকিলে নিম্নঠিকানায় জানাইলেই দর পাইবেন।

> মানেলার- গোড়ীরা প্রি**ন্টিং ওরাক্স**্ ২৮৩/২ নং মাপার সারকুলার ভোড, ফলিকাত

### ''গোনার বাংলা"

( 🗐 কৃষ্ণমোহন বিষ্ণু বি, এস সি ) "সোনার বাংলা দেশ,

(मारम्ब, त्राभात बाःला त्रन" कवि दर्श दिखा कि "दिशानात्र दरिया दल्य" আমরাও গাই "বোনার বাংলা দেশ" वारणात अञ्चलायण लाश्वत--वारणात পলীর নবণজ্ঞব-কুশুম-দাম-বিভূমিত বসস্থের (काविम (काविध-कश-क्षत- छश्चित्र क्ष 작하다 첫명.--

> ''ভারাও যে গাহিভেছে গান, সমশ্বৰে মিলাইয়া ভান।" ''পোনার গড়া স্থতনে এখ হ'লে ভার মাণ'র কেল। আমার সেক্লার বাংগা দেশ ॥"

**তে সোনা,** তে রত তে সম্পদ বার ভাওার ভরা--্সে বাংলার মূপের व्यानत्कृत छैरमधाता त्यन बाङ शाविष्ठ বিমোহিত করে দেয় না ছাণ্ডকে ভার হাসির বছায়। কে বলিবে

धनी--- महत्त्रत द्वत्रमा भोत्म भट বিহাদীপ্রিক্লাকভ অসন্দিত প্রকোরের কোমণ মথনল-বিষ্ভিত পালকে আগন (पहरूकात राख करत देगरशात गर्भ वृदक भागाणा कर्ध्य

WIR :--

विविवाना-कूल-कू ध्य-माग-कुष्ट्रम-क्षांशाहनः নৃত্য-মুপর স্থলরপদ কিছিণী রামূভানে। स्वानड-कनकश-तानिन

**পक्षमञ्जू**ल जानवित्याहिनी **চিরস্থার নন্দনপুর চিরস্থা বাদে প্রাণে।** 🍑 दिन यन (योवन ६न म्रार्थक कडि महानः)

আর দরিদ্র-বৃদ্ধা-পাডিত ভার্প-भौगे (सब्यक्षिटक कलान्छे भनीत ज्यादत ज्यादत নিয়ে ধরা দিক্ষে—আর তাদের স্থবভোগা . করবঙ্কীর উপড়ে(গ) হচ্ছে। পো্যারগ জনাহারে ছট্ফট্বঞে, কুলবধ্ণণ শত-ष्टित कीर्परभटन अकार **अस**्था असाध्यास

দেয়ি করি—আমাদেবট শত সহত্র नत्रगती त जाङ रेपलात अस्टान जायू-क्टा करके छात्र कका भाषी Cकाश

যে। বাংলা ধননারে বাইনাম্বর্গে; জগতের ু কেলা হইলছে ব্রিয়া মনে হয়। প্রকাশ, শীর্ষস্থান অধিকার কংগতিল—বে বাংলা আর্থলোডেট কেহ এই কাও করিয়াডে। আপাপন উৰ্ভ শতাৰকেদ অৰু উতিহিছে কাৰণ ভাঁহাৰ গলাৰ যে হাৰ ছিল ভাছা ভগতের ছারে ছারে বিধিয়ে দিনেছিল, এবং আরও করেকটা জিনিধ পাওয়া কোন বিনির কুটিল কুচজে প'ড়ে ভার : যাইডেছে না ভিনি একাই ভাঁহার ঘরে आक ८ इफ्ना १

नय-क्रापंत क्वि नगरवत ख्रान्यासः শরন ক'রে কল্পনানেত্রে দেখতে পান ুকিন্ত এপনত কাচাকেও গোপ্তার করা হয় शरीत निक्टनीत्र कीवन कि लाक्षिय ! । जाहे। বিভ তারা কি ভানেন—সেই পল্লীর

নীরবভা ভঙ্গ ক'রে কেমন ক'রে ভারা ভাই-ভাই লড়াই কর্চে--পিভাপুরে ১ন্দ काळ कात त्याकक्षमा कात मलकाख **ECF** ?

যারা শিক্ষিত ব'লে গ্রেম করেন, ভারা ত পল্লর ছায়াটি প্রয়ন্ত নাড়ান না---(क छाटमत मिथिस (पत छाहेस छाहेस गड़ाई कतःत कि कग--- (माकममा कतात কি ফল গুতাই ভাগা আপন পায়ে ষ্মাণনি কুঠারাঘাত কর্চ্ছে।

शही (य वाश्यात कीवन-शहीत सम्बाख বাংলার ভীবনধারণের উপায়-প্রার কুমক नित्रम छत्रवद्यांभग श'रम छ वाश्मान (य क्छ বেগীরবের—ভাষা কে ভানিষা দেখিবে ? মনিব জমীদার যে তাদের সকাম ভাপংরণ के 'ति छ। एपत भागत कित करन्द्रह ।

ধনি তক্তীবার ভেয়ে ১৮খ তেমারেট ভাট – ভোমানই গলার ক্যবর্ণ যদি অনহোৱে হাহাকার ক'লে প্রাণ্ডাগ करत, खरन (खायात स्थानात्र श्राकाष्ट्र का उपति दशायात bहनरते १ ८७। या ४ ८२।-नम् निष्ठ क त्राव न।।

কবি 1 অসম করে গেও না। এক<sup>ল</sup> वात दम-द्रा यहरू द्राव कुलना (मर्थ व्यागकार्य (मर्डे 51त १४त

131

''কিদের শোক করিস ভাই আবার তোর মারুণ হ'।"

### व्यर्थनार्ड नौड्य इंडानार

ए**एका ह**हेर्छ ३ भादेश পশ্চিম অব্যক্তি আইমাডাঞা গ্রামে ত্রু ডিন দিন পুৰে একটা বীভংগ হত্যাকাও ঘটলা পিয়াছে। ৪ঃ বংগর ব্যস্তা এক স্থানীয় रिक् निश्वारक इंड्रा कता इडेबारक । आमा ८ठीकीमात मःनाम शाहेश, घडेभाष्ट्रण গিমা দেখে যে, মহিলাটা ভাহার খরে त्रटेक कामगांग व्यवस्था अधिक। व्यास्त्रितः অস্তরালে আজীবন অন্তরীপ হ'লে রয়েছে : । গুড়োর স্পাক্তে আখাতের চিক্ত দেখিতে পাওরা গিয়াচে। মহিলাটা শ্বস্থা প্রিয়া পাকিতে দেখা যায়। পরের বাদনপার চারিদিকে ছড়ান ছিল লাজ ব্যাল্য ম্বান্থের এ নম্মণশা কেন ? : এবং খ্যের মাটা ভই এক স্থানে খুড়িয়া ্পয়ন করিছেন, স্কুত্রাং ঘটনার দিন্ত

প্ৰিম প্ৰাৰণ উভাষে ভাৰত ক্রিভেছে,

### কংগ্ৰেমকল্মী অভিৰুক্ত

कार्गी, डोरमध्रतीत करदश्यक्षी क्रिगुछ रमख्रीण त्यस स्थानीय वरत्रक्रमाथ प्राप्त कामिकात कार्यम, ८४- कार्यकारत । षाहेंनी बनडा कता श्रक्ष्ठित बिख्राशासी षश्चिमुक चारहन । क्रेनीम श्चिमुक मगावनाव ः बाक्ति कर्ति इत्यारह । म'म व्यञ्जिक जिला महाविद्देरहेत अप्रशास १००० कुन्द वे मामना : ब्राक्त कामादात कक प्रमाणिक क्षानिक्षात्र भारतम्य मन्त्रात्रं मध्याम कराय करतम। दर्शन के ताब दम अया है। धर्म मर्पम म नाम भा क्या निवाद स

### পলাভক আসামী গ্রেপ্তার

ছেন যে, জ্রীগুড রামরুষা রোপ্তার ছইয়া- অকাশ ভাই ঠাকুর দিং খা লে। দিতে গেলে (હ્યા ક્રી ઉ গ্রামরক নওছোরন ভারত মভার সভাপতি আটককরিলারীথা হহরছিল। পরের ছিলেন। প্রকাশ হলি নাকি লুভন লাভোৱ যাড়্যত মামলার ওকজন গ্লাভক ; আরও আভিরিক্ত কলেকটা টাকা দাবী আন্মা। ইহার তোপুরের হান্ত পঞ্জাব পুলিষ ৫ এত ঢাকার পুরকার ঘোষণা , ভাইয়ের নিকট প্রাপ্য আকনাও দিতে कति। १४ छ्टिया छाठात कतियाधिका।

b तिशाकाक Cअधात कता क्या वजर कहा। श्रुकिम अधिताम हेर्देशक (अत्याधात (बर्ग का (अप्रेश कर्ता अस्था (६)

### বজের মধ্যে পিগুল প্রাপ্তি

গাড় ২২শে জুলাই অস্ত্রর হটাতে প্রকাশ যে রাজি লায় ভিন্টার সময় লোলাগড় পেটের নিকট ফলেশা ৰুণুরীতে োহেনা বিভাগের একদল পুলিস থানভিলাস করিয়া ৪ জন লোককে এেপার করিয়াতে। প্রকাশ, ভারারা তথন পোনা ছায়গায় মুমাইতেছিল। সেই সময় প্ৰিস সম্পূৰ্ণ অপ্ৰভাগে ভিভাবে त्मभारत विका शक्ति स्य छ छोशामित्र क গ্রেপ্তার করে। সভ লোক ৪ জনের মধ্যে। ছইখন হিন্দু ও ছহখন মুগল্মান। ध्यक्षारानत शतिक्षि नरप्रत गर्मा ध्यक्ते। পিতল পাওয়া পিয়াতে বলিয়া প্রকাশ। **धरे मण्टाक कात्र अस्त इंट्राइ**। 8 कर्रकरे नारमंत्र टकार्टी आशा ब्हेसारक् ।

### कार्म भान्ना(यक

कार्ग इटेरड खाश्र मध्यास खकान বে, মি: আৰত্ত আভাদ গাঁ জাতীয় পার্লানেন্টের স্ফাপতি নিযুক্ত ভ্রয়া-एक एकः भात्मारमर केंद्र भित्र विक **क**ि (मभन इहेट्टर्ड ।

शुक्र धानः प्राणित साम्यास्त इहेट्ड व्यान्त्र मःवादव छाकास (प. प्रदेशकासर्यम जक्रान्त मामाय चाराष्ट्रीय चनावि বাভীত সকলে শান্তি মিরাজ ক্রিভেছে। भिन इत्राती क्षण्यात्र बागायात्र बाहित्विन

া সমকারী সৈভক্ত পরিভাগি করিবাহে ;

নাভানের আফগানবাহিনীতে ছুইনভ

ক হল ভংগীলের আমগুলি ছইভে म्राञ्च जागारम्य कन्न छोजकार्य प्रमन-নী তর অভুসরণ করা হইতেছে। প্রামে গ্রামে তথলীধের পিরনরা মুরিয়া বেড়াই-यारहारतत्र रक्षानि शालिका शिथरण- रहरण । नागणी आस्मन एक मस्वारम किष्ठकाल केलाएक समय ताजि लाख लिक्का विशा ্ধিন উচার নিকট থাজনা ব্যতীভ कत्र वृक्ष । 'छ।वादक वाता बहुता छ।वाद क्रमार्थः जाति । जाति । जाति । উল্লাভ রামরকাকে গভ ১৯শে জুলাই · বাদী থাদখার জন্ম এরখার করা ১ইয়া-हिंश किन्तु ककान, एक्नीयमात निम्नार एक (नाड्य मा च.इ८७ (म इक्काब छ। क्रेक्ने माकि अन्तरकृष्टि शामान करा उद्योष्टि । ধুন প্রামের ছইজন রাককে 🕮 । चायभात कंड श्वरङ (ती<sup>त के त</sup>ी

### পুরুলিয়ায় ১৪৫শারা শু.৯০

শীযুত বার্রগণ আচাবোর প্রতি কাণ্ডিনির ১৪৪ ধারার নোটাশ করেঁট कतिमं कें।बादक कालामा भागात जमाकात भाकत्माहर नक तक्का कतिएड मिर्मान Stelle B adein' कता है। शहर अस्तर्भक्त काया कतिए ६ वात्रप कता क्देशास्त्र, याशास्त्र त्यारक लाखिककरः कार्ग।कतिएक डेस्डिकिंड इ एक लाहतः জ্বীয়ত বিভূতিভূষণ দাসভাষের প্রতি ধ ঐরপ নৈটিশ জারী করা ছইয়াছে विश्वा अवान । :काहाबिशदक आशाया १३ **आश्रह आनागरण छन्यिक व**हेर काञ्चन (निवादेटक वना इहेबाटक 'स्य, (कः काशासत अपि अम्ब देक बारम भाका इस्दिना ।

### मिर् मारम् करकात काका

भिः नीरप्रक क्रांच्यत चाका नवरक ा बुर्लिंग , व्युवातिक इहेगारक खाडारक অৰাশ দেঁ গত ২৯শে জুলাই রাঞ্চি जिमि भा करिक कांग्रेडियाहरूम। कांश्या দেহের দক্ষিত্রপ্রাপ্ত আছে এবং সাধার भरका गर्जीवकानः।



नागरबाद क्र का श्राम (मग्र াবাদিক 🌭 माणाविक हे. ेज्ञमाणिक २०० भागिक ১५ श्रीक गरबा। , ह

ভারতের সক্ষত বছল-প্রচার-ন্দীয়া ভেলাও এক মাত ঘুখপত

৬৬ ৭৫ ] সম্পাদক—জীত্মতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পত্তি

**শ্রিচডভাষঠ জীগাম মারাপুর---ং লৈ আবেল বুগবার, ১৩ ৮, ৫ই আগন্ত ১৯৩১** 

### माना कथा

यमभूर्यक थामाज्ञ द्यात मा ौ

প্রেক্তর হইতে প্রকাশ যে, নিখেল সঞ্চল (মোমান্দ উপজাতি-(वत' दिनाकात्र ) উপणाणिस्मत मस्ता ध्वक कीमन मृत्यमं इटेशा शिवादछ। छेल - <sup>ক</sup>র্ন<sup>কি</sup> ১০ক বলে দিল্লেডির। ও অংশ<sub>সমূপ্</sub> স্থানীয় অদিবাসীগণ ছিল। সংবাদে প্রকাশ, থিলাফভিরা একটা ক্রামে বাইয়া বলপুক্ষক অ'ল গ্রহণ করিতে প্রাক্র **क्षराम भाग । आयनानीना** कार्या अमुषा छ। अकाम करन । है हात्र करण केल्य परण अध्यास पानिया गाय। সংগ্রামের ফলে ১ ছল খিগাফডি নিংত ও আর ১ জন আহেও হয়।

### क्रिमक्टमत वृक्रामक ७ अक्करमत মিশ্বাসল

श्राणका श्रीटक व्यक्तान रच मात्ररमञ বাছছা জল নিঃ আর ভি, বিভোরের क्षणारम ब्राज्यानी नारक, ब्रायरम्भ लाहाक, माला लाइक द्यर धनमन लाहा बाबी किकुक इस, विठाटक माना भाटकत (১৭ বংগর) নিকাসন দভ ও অণর किनकरमञ्ज भृष्टान८ धन्न व्यादम्भ इरेशार्थ कर्दरकाष्ट्र इष्ट्रेस्क बहारणत गार्ट्यकाधीन ATERICE I

### माजीय भूकरन जनाचन

बरत्रमञ्ज रहेरक वाकाल ८व, बक्काम বান্যয়, বানিউপুর: আমের লেকজান म छरणम मेळा देशकाचन विविध ৮ २

## ৰলপূৰ্ব্বক খাদ্যদ্ৰব্যের দাবী

তিনজনের মৃত্যুদণ্ড একজনের নির্বাসন

## নারীর পুরুষে রূপান্তর

ব্ৰহ্মদেশে সরকারী মৌকার গুলীবর্ষণ

## দেশবন্ধু পাঠাগার

নাগপুরে স্বেচ্ছাসেবক ছাউনি

## রেল ষ্টেশনে চোরের কীত্তি

রামকুষ্ণ থিখাদের প্রবল জুর

## নারী চুরির মামলা

সোভিয়েট অফিসে পুলিসের হানা

২০০ বৎসন্ম স্বামী-গুছে বাস করিয়া পিতৃ-गुर्छ दाएग्रावर्षम करहा। एथाम स्टार একদিন ভাষায় পুৰুষ লক্ষণ আকাশিত हम् ध्वरः लाककृत् शत्र छक्त विवस ত্তাত হয়। ুভৎপর উচার চুল কাটিয়া

**ভারতীয়-গুঞ্জনিদ্র ৩০২ এবং ১৪ ধারাত্ম- 🕴 বৎসর বয়সে এবগ্রাম থানার কচুবাড়ী ভারার বিশাহ হৈয়। বৈউমানে উভ** <u>আমের এছালার দেখের পুত্র কানবল্প। কেরাডন বিবির নাম।দেনিয়াক্লি দেখ</u> **म्हिल विवाह इस। विवाहन भन्न इत्याहि । (श्रामाक्षि कृ**शिकार्ग) हालहार

### खकरम्दन गत्रकात्री (भोकात्र श्रुवीरय'न

(तक्ष्मा विश्वित १८० ७ थन छ গ্রনা আদি খুলিয়া ল ওয়া ইয়। ১৮।১৯ ডাঞ্চিতি চলিতেইছ ক্লিয়া সংখদ পা ওয়া বংগর বয়ন কালে বিশ্বনাথপুরের উবর বাইপ্ডেছে। পালাবাডী এবং প্রোমে দেখের কলা হরতান বিবিধ সচিত / বিজোহীয়াদলে দলে আত্মসমপণ করি- দিন উভাপ ছিল ১০১ ছিল্লী

তেতে। বিদ্রোচীদিগ**কে আ**লার দেওরার অভিযোগে থেয়াটনোক বিভিন্ন গ্রামের কভিণয় গ্রামবাসাকে প্রেপ্তার করা

্রিত্রতম সংখ্যা

° গভ ২৯শে জুলাই মিন্সনের কোন@ একগামে কণ্ডান মুরের সহিত্ত 🛦 জন বিজেটীর সংঘর্ষ হয়। একজন বিজ্ঞোচী নিহত ও একখন আছত হয়। ২৮০শ জুলাই বিজ্ঞোহীয়া পেশু মনীয় উপরিস্থ ২ খ'লি সরকারী মোটর **কোটে**র <del>উপর</del> क्षणी वर्षत करता करन, **क्षक्रेकम भू**निम কনটেবল সামাত্র আহত হয়।

### সরকারী কর্মচারীর বেতন হাস মার্কেটিং ও বোর্ড রছিত

नाम शरकाठ अल्लाटक **लडांचले** ८० व्यास জ্জা রটিশ গ্রগ্মেণ্ট এক ক্ষিটা গ্রন্থ ক ভিয়াতি লেন। এই কমিনীর রিপোর্ট ্ সম্প্ৰতি পাণ্ডিমন্ট সভায় উপস্থিত করা

ক মিটার স্বস্থান মন্তব্য ক বিয়াছেন, भगर्य दाकि भिर्दक 'माझाबानारलत स्य व्यर्थ नीय क्या इस डाइ। इट्टेंड ७५,६००,००० পাউও কমাইলা দিছে **হইবে** এবং अल्लास्य संदेशको (स.फ कृतिमा here

### ब्रामकृष्क विचारमञ्ज ध्रीतम चत्र

টাৰপুনের পুলিশ ইন্সেক্টর ভারিণী मुभाविक (क ६७)) कत्रा व्याभावाद्य पृष्टापर छ দ্ভিত গামকক বিখাস গভ মঞ্লবার হটতে कारिभूत (अध्या कार्याकास इदेश) পড়িয়াড়ে ব্লিয়া প্রকাশ। পড় ওঞ্জার নাকৈ ভাষার শারীরিক উদ্ধাপ ১০৫ -ं ७ औं शया अप अधिमाहिला। शक त्रविवात

## শ্রীবিশ্ববৈষ্ণবরাজসভার পরিব্রাজকগণ

পরিব্রাজকগণেঃ নাম

- ১। শ্রীস ভক্তিপ্রদীপ ভীর্<mark>ষ</mark>
- ২। <sup>'</sup>শ্ৰীভঙ্কিৰিবেক ভারতী
- ় ৩। 🗐 ভব্তিবিজ্ঞান আশ্রম
  - ৪। শ্রীস্থক্তিপ্রকাশ অর্ণা
  - १। क्षेत्रहरूक्षभग्न वन
  - ৬। গ্রীভব্তিদার্বাম্ব গিরি
  - ৭। এ ভক্তিবৈত্তৰ সাগর

বৰ্তমান ক্ৰিকালা

श्रिमाश्रास्त्र है **484** 

मान्द्र नुत ৰ টক

মাজ 🍅

অনু ভালীয় EIBEI

পরিক্রালক্ষণতের শা O CHARLES MAN DI DAMESTO NAS ১০। এত্তি বিলাপ পত্ৰিলোক

**३५। किल्डिका में जिला है** 

32 / श्रीष्ठ उपमुक्त के की । त ১७ 🕾 🗐 ङिख्लेष्ट्र एष्ट (खोडी,

১৪। গ্রন্থজ্ঞিসন বোধায়ন

বর্তমান বিকাশা · = 34 (2) मस्त्रण कशिकां का नाजान । নাড়াত : अधारमण्ड

# B #

## শুদ্ধভাক্তমসময়হ

### শ্রীতৈত্তত্য মঠ

### আকর মইরাজ

क्याफीन नवदीत, अःक्षत्र द्यावाम मात्रालुव, नवीवा

क्षष्ठ प्रदेशात्म भारत्याणिक देशनिकशक, माइक न्यानात्यत चाराकाणिक व ত প্রাচীন প্রস্করালি প্রচারকল্পে 'নদীয়া-প্রাক্শে' যন্ত্রালয় লাঙ্টিভ ভব্যাছেন : त्यास्य काकिन्द्रमध्य श्रीमाय-लिकिमायकान व अगानिक कक्कालिक कीकन श्राह्मप्रता মতাম্তোংস্বাদি ভক্তাল অভ্নতিত চর্বা পাকে। বক্ষক-ত্রস্ক্রারী শ্রীপাদ নরচ্রিকী। সরকারী --ব্রহ্মতারী পশ্চিত উপার গোরধান কার্বাবাকরণতীর্থ, জীবম্মের ব জীবার नी ब्रह्म , द्वीलाम सम्मरणालाल, अभिन्तमग्राप्त नांच, अध्ययनमञ्जू अध्यम राजालाल, अध्यक्ष भागाधिक दी कक नरवक्क, ब्लिमक, दबन बीटमावन अञ्चित ।

### (৩) খেনগণীত ভীৰন্ধির

4 -- (4) T 4(4) 44 গোস্বামী कर्रे। डाक् ड्रेंबम तथ । 75 e 1 d ली विकास बक्रमात्री, द्वीदामावित्सः ·किक्नन, चैवांबराम अक्काबी । चैनावन भाग व्यक्तिकाती, त्यवनवा लीगीननाथ।

- (৪) শ্রীবাস-অঙ্গন बक्रक---- चे शहा हकू प्रम उच्चताती।
  - ( ८ ) चारेष७-धनन
- खी(श.कश्याम नाव'की।
  - . ७) काळोच मम:मिश हे लाधीन भाषाचत्र, पामनचुकुत्र (समीका)
  - २क क--- अक्षाहा ही जितितान विवादी।
  - 4) 및 TAM 및 및 4 F · 주 # 📆(शाक्तम, प्रक्रशशक्त ( समीक्षा )

क्का का सिकी दश, श्राम, श्राम ।

### (৮ अक्रियाञ्चाय द्योडीय मर्ठ वस्यमगिरः।

15 4 -- Bagan War igi ca. a. ', এখ, সুৰকারী---প্রীউদ্ধ্যাস ওকি-मात्री, शिक्षकाम अभिकारी अविति।

- ( ১ ) और भीत्र भन ( भत्र सर्वे हाल्यकाती, ममुद्रशाल, ( मक्सान )
- बुक्क और दब्द में अक्ष्र होते. क्र**क** शिमेगम्याण भाग ।
  - ( ) अञ्चलदशोड़ोय-मर्ठ बाह्यात्रक. शक्षात्र इंडे. नि क्षा क--- मिराक्षित्रकारम अवनावी

### **医多样配料压** ( < < )

याकेनाकि, जाशनत, वद्यान। Anding 1

### (১) ) छात्रवड कानेब

অভাগৰত ত্রেণ, ক্লমনগ্র, নদীয়া। বক্ষৰ--- শ্ৰীকুকানৰ বন্ধচাত্ৰী ভবিশাস্ত্ৰী

#### (১७) खेबकात्रव वर्ड

Cगा: यक्त पूर्व, द्वांगवानी, सहीका । বক্ষক—- 🖺 এডগানন একচারী। সহগ্রী चिनविंगर बनावी. जिल्लाको मान অভিকারী, ভক্ষ বিশ্বনাগ।

### (১৪) जियामा दशोड़ोन्न वर्ठ

৯০নং নৰাৰপুর রোড ু, ঢাকা ৷ उक्क-- द्वीरागारक व बनागी, Berr ওক্ত -- সাজকুলম ভাষণার একচারী স্থলবানশ পর্বিভাবিলোল বি- এ. এনব-(श्रीकाण अन्नहाबी, अनिक्षणान करा

#### ( ১৫ ) ब्रिटमाभागकी मर्क

कथनाश्च, हाका। वक्क-- जैस्राम्याम अवश्री

- (১৬) अभनाचे-दभी । म मठ रक = - शिल्लं शक उत्रहाती, श्रीय कियान
- ব্ৰহ্ম গৰী (১৭' श्रीकाश्वरक्षमामण मर्ड

किक्का नाक्ष्यनभूत, व्यक्तिमात्र । खबादम - न कम-(श्रीवास-श्रास्त्रिका-भिविताबीक निकारमना वर्तमान । तक ---अवश्रामी वी न्यवानवामणी।

### (১) ভীগোডীয় মঠ

১৬ নং কালিপ্রাসাস চক্রনতী হীট, পো: নাগৰালার, কলিকান্তা। INTERPRETATION TO ASSE

মঠবক্ষক--আংবিংত্তিক জীলাল ক্ষাবিভাষী বিশ্বাস্ক্ষণঃ সভকাষী--লভিড শ্ৰীপাৰ অন্তৰ্যভাগৰ প্ৰবিভাজ্যৰ বি-এ, লীপাৰ বাস্বিৰারী একচারী, জীপার 41196149 **बानामिकानी** f1- 4. 34616 डो की समानय. श्रीमात्रीत्याच्य, अध्वतात्री श्रीयश्यमम, 'मांक्र ल्लोनः स्थानका नद्रशिक्षा-লক্ষার ভব্জিশালী সম্প্রদানট্ব চবাচার।, শ্রীভব্সজ্ঞানদাসাধিকারী বি-এ, শ্রীভব্সজ্ঞানিদ্ मानाधिकाती विन्दम, श्रीवञ्चलम नश्रकाविम, श्रीविश्वष्ठत अश्वतादी, श्रीक्षणाविक এক নথী প্রকৃতি।

### : अप्रकारगढा अन्याखन

ब्राक्षवीम (णाः नक्ष्माम । वक्क- अध्यवामी क्रिविकित्माव ।

### (>>) खीशुक्रदबाखन मह

पर्वाद, श्रुती, डिस्मा।

क्षक — अक्षताती द्वालतमानस विमातक. अष्ठाही अन्त्रीशनम, दीभावनाष्ट्रक बन्दार्थी, व्यवनगानम बन्दार्थी, व्यक्तिमार **७ तम अभिकारी, जीत्या**निधि मणा ।

### (२ • ) 🖨 जन्म-८भो छो स सर्व

'बामवक्रमाय, उक्रांग'त (भाः, भूत्री । १क ०-- अक्षातात्री द्वानावर्थे आवामणी त्रकांक्री-अंकाबी औरनिमनांनशकी ।

### (३५) क्रेजिए।वन्य मठ \$164171₩14, #0·> .

त्रक --- अक्षात्रात्री त्रिवार्यत्र, श्रीत्रायणव जन्माने, तीनाव सदरमानान वामानिकाडी।

- (३३) खिनमाचन-दशोधी । मर्ड श्मर क्षत्रकी नम्भूषा, कानी ह वक्क वक्कारी कु (स्थातको, विक्रविमान
- उन्हा हो, जीनकानन उक्तानी । (२०) जैक्करेन्डक मर्ड श्रीजितिश्वकात कृष्ण, श्रीभाम बुग्यायम । कुक --- श्रेशन रहिमान अक्टानी
  - (२८) अभिन्नमहरम मर्ड

देवियात्रणाः मीकाश्व क्षक -- बच्चात्री चीमृतिश्वातम क अभागती जीनसङ्गाम ।

### (२०) औदेहरुष्ट्रशोकीय बर्द हमुत्रकु छ।, डिजर्ड छ।। भानकुम, क्क क---- जी दश: माप साह,

CVaufauf :

(२७) नहामदशोक्षेत्र वर्ड १४४०--- अक्ठाडी **डीक्षण्याको,** जीनगीchinin autiff

### (24) 國際中門區 (四月)

अभिन्याचाः त्याः यासः साम्बा वागारम यह कुक्यांचे जीरगाशास्त्रक दमका वसमाम । ४१००--- अववामी श्रीकाः क्रकः 414. 8 @ ##41+41

(২৮) দিলা গোড়ীয় মত-ভাষ্যালয় वनर दमानी कान खाकात वान, निके विज्ञी तक्रम--अफ्रादी चैती अक्ष्म. ओक्रुगरन्यक MISINIBU954994

### (२**२) ८ना प्राजनाया-अन्याधाः** क्रम च--- अच्छाती और अध्यास्थातम

- (७०) नालाज्यभोडीय मह नर्व द्रशालालपुरम्, कार्रास्ट्रान, मासाक রক্তক-জিল ওরামী জীত্তক্তিরক্ত জীবর ग्राम्म , ग्रम्मारी--विश्विषायी अम् क्रक्ति अन क्रियान, जीवाब अध्यानन्त्र अप्यामी, क्षेत्रांव (प्रविश्वासन क्षात्रांकी, 🖺 াদ নিভ্ৰমণ একচাৰী ভবিদান্ত্ৰী क्षेत्राम त्लोब:धनामम अध्यक्तात्री ।
  - (७) वाष्यदश्राणीय गाउँ काठाललूणि, काक्या, म्यीम रक्ष -- उपाठाडी क्रिक्स्यानम



यक्षत्र व

৭ 🕮 ধর রেগীরান্দ ৪৪ং, ২০নে আনেগ বঙ্গান্দ ১৩৩৮,৫ আগষ্ট ইং ১৯৩১ বুননার

১৩১ডম সংখ্যা

### मायां अक मटन्न न

শত ৩০শে জুলাই বুহাপতিয়ার ক্রিটা বিশ্ববিভাসারে শ্বনাাক ভি. → কাণিদাস নাগ এম, এ, ডি-লিট্ নহাল্য বেলা সাচ্ছে চাৰ ঘটকার সময় বুলি ক্রান্ত ইত্যোড়ী গমঠ দর্শনে আগমন 👡 💬 🔭 ভিড তীযুত ভগওদাৰণ দাস অবিকারী বি এ এবং খ্রীতে স্থিদানন্দ শাস্তিকারী বি. এ মঙাশ্যর্য অন্যাপক মহাপ্রকে যথবৌতি খভাগনা করিলা মঠে লইয়া ধান এবং সমগ্র মঠটের চতুদ্দিক **८.न**र्नेन करत्ने ।

অতংশর প্রায়ত্ত্ব সকলে নানা কথাব পর শ্রীয়ত অণ্যাপক মহাপ্রের নিকট পরমানাদ্য क्रीम अञ्चलाम চতুৰিবণ নিরাখান-বাদের ভারতমা এবং, চতুবিব্ধু সেখন एकि वृभिकात डेवरतावन हमश्कातिहात বিষয় অনুগ্ৰহাবে প্ৰায় একঘটা কাল कीर्वन करत्रन

नाजिका, मध्य, निश्च व क्रीयज्ञक्रवान धारः ( व श्राक्रक ) भूकर, विश्व, प्रकीत (একপত্নীরভাষ ও বছবল্লভাষ্ এবং পারকীয় (গোপীঞ্জনবল্লভম্ম) বিশয়ে এন্ড क्रज गमरतत मर्गा क्रमांशक महानम সেখর ও নিরীশ্বর মডের পার্গক্য পূর্ণভাবে অবণ করিবার অযোগ পাইরা অতান্ত व्यान्त्री।विक हहेरान अयः भूमः भूमः অশংসা করিছে করিছে বলিলেন,— আজ আমি জীবন্ত গৌড়ীয় মঠ ( শ্রীগ ध्यक्रभावत्क ) सर्गन कतिया थना इहेलाम ।

পরমারাধা শ্রীস প্রভুগালের বস্তুতান্তে পণ্ডিভপ্রবর শ্রীলাদ অসমস্তবার্লের পর বিআভূষণ প্রাভূ তাঁহার স্বভাবস্থাভ স্থানিত স্বরে কেশ্ব জুল জগুর বিচিত্র' গীভিটা

ত্রীযুত সংগাপক মহাশরের সৌজর ও স্থিকুতা বিশেষভাষে প্রশংসাই।

व्यवालक ब्याड नाग मश्रमा वित्रा-कारम दशीक्रीय भटकेत दमनकमस्पत उन ভব্তি প্রচার ও প্রাধার বিধারে স্থানভাবে यथम्हे महिल्ला व और अभन इहेल्स, उथम्हे ত্তিনি সমতোভাবে ভাগা প্রদান করিতে প্রভিশ্ব মাছেন।

বারাণদীপেত্রস্থ শ্রীগনাতন গৌড়ীয় মঠে এক্ষানারী শ্রীণাদ ভূবনেশ্বর ভক্তিশালীকী প্রভাষ অপরাথে শ্রীচরিভান্ত হটতে শ্রীসনাতন শিক্ষা বিষয়ে পাঠ করিতেছেন। অনেক সম্ভান্ত ভদ্ৰবোক এবং ভদ্ৰনহিলা প্রতাহই পাঠ শুনিতে আগমন করেন। ভাগাৰস্ক্ৰনগৰ সনাতন্শিকাত্বলী বারান্গী क्ष्या औरेष्ठ अर्थाश्वाहि मध्य, अभित्या, व्यटलक्षमाञ्चक किष्ठाटक्षाटक्रम-मिकाट्यु ক্ণা শ্রুবণ করিয়া বিশেষ লাভবান হইছে: (इस : किंद्र करा, जेपश, अन्ड क हैं অনুগণ প্রোভবাণী অবণে বিমুখভা আদর্শন দারা দ্বর্গত সম্বাক্ষরের সার্থকতা-সাধ্রে रेमिथनारस्य मिक स्ट्रेटक्सन ।

কেছ কেছ বা পুরাকাজ্ঞার বলবস্তী इडेश विद्यवस्त्रत भएती गास्त्रत सम् गाणा-

মানাৰ কাঁদতে আয়ুহতা করিবার উश्चम माञ्च। रेनकनताक मकुरक रेनकन- 🖯 वृक्षित्र प्रमान कतिया एमारुपाठा क्रमान्स्यान निष्ठा प्रकारत উत्पादन्त मधापकार्तिनी, চেইটে বুৰিমভার প্ৰিচা ক, নতুৰা ছবানী-ভার্বিভিমান-বালা ভব্যমুল হইতে কোন े जिन्हें डेक्ट्र इंडेटर मां।

গাত ৩০ বামন বুধবার নিবস জীল মনাত্র গোকামী প্রভুৱ তিরোঁভাব Bल्लुल ®प्रनाटन दशोई'य बर्फ नाम স কাতুন, খ্রীগনতিনশিকা পাঠ ও নহাপ্রদাদ বিভবনাদির ধারা মহোংসব স্থাসদার इन्याद्ध ।

के निकुलान भनगर्भ शतिबाककारामाः বহা অটোভরশত এটামদ ভবিদ্যান্ত স্বস্থতী গোপামী মহাপাজের সেই অবিভা-বিধন(সিনী জীবাত্মার স্বরূপোতােবিনী সকস সংশয় নির্দনী ভক্তিসিদ্ধারুবাণীসম্বলিত সক্তানদী ভূতীয় ৭ও প্রকাশিত হই ছে।

ইয়তে লোকপ্রিয়তা ও সভাপ্রিয়তা, শ্রীবল দৰ প্রায়ন্ধ, ত্রীক্লফাবিভাব, বৈশ্বৰ, খ্রীতাদের্যার আনির্ভাব প্রাসক, শ্রীমদ্ ভাগৰতেৰ সভা, শ্ৰীব্যাসপূজায় শ্ৰীমন্থভাগ-বডেব পুনরবেঙি, শ্রীনামসংকীতন, হবিসেবার নিভাভা প্রভৃতি নাটা অপুর্ব স্থলাপনিক বিচাৰ এপিত হট্মাছে।

कढेक जीनिकिमानम मर्छत्र वार्षिक মচোৎদৰ উপলক্ষে মঠবাদী সেবকগণ প্রভার সহারের গনী, নির্ধন, উচ্চ, নীচ जकरनत शहर शमन कतिया श्री खरुनामण्या-ল্র প্রীচে করবাণী প্রাচার করিভেছেন।

বিত। তাদৃশ ব্যক্তির কাশীতে বাদের চেষ্ট। কিলি বা বিবদমান ধুগে নানা প্রকার ধ্যাবাণী ( ১) প্রচারিত থাকিলেও স্ক্র প্রকার কপাই বে জীবের আগ্রেবর্ম বা ভাষা নহে। অনিকংশেই নশ্মকবাৰ ছলন্ত্ৰ क्षका (क्षाम तः यरश्यकात्रातिका, यशासाका বিশ্বপ্রথপের নামে কেবল ডেগ্রাল এবং ভারের নামে ফল্পতার বাংসাল্লোবন্ধর কিন্তু শ্রীকাটেডভগাদারে আচরিভ এবং প্রচারিত নিত্র জৈবদাক্ষর রুণা একমাত্র জাদ্ভক প্ৰমাণ্ড শ্ৰীল ভড়িবিহাল স্বস্থী গোসামী প্রভুগ্রই প্রচার করিছেছেন।

> গৌৰবিহিত কান্তনমূপে, গাঠ ও বাগা-মুখে প্রভাগ মগ্রুনবার্ণ ও নাম্রক্ষা প্রভা-বিত হইকোও জনসাধাৰণেৰ সহজ বোধের सङ्ग १७ ३३वे मानिन २५८५ छुणाई सङ्गतात পণ্ডিত জীপাদ অভুগচন্দ্র গোসামী, ভক্তিসারক ভক্তিশাস্থা মধ্যেদ্য ছারাচিত্রে अवंदछत्रपद अध्येत अधक्तत्रहात, विकास গণের বিছার কুফলামুখমন, গাডিক नामधानिश्रान्त व्यथन्यां-निधन्यांत्रित व्याहत्रन কুযোগিগণের কুযোগান্থনীলন প্রভৃতি বিধ্য শাস্ত্রোক্তি ও চিত্রের সাচায়ের প্রাণন করিয়া কলিবুগপাবনাভারী আগ্রন গৌরক্তবের অবস্থার ও আজাবপ্রবাদ এরপ বিশদভাবে বৃঞ্জী দিনাছেন যে, অভি কঠিন বিষয় গুলি ও সহপ্ৰোধ্য হইয়াছে। প্রায় ৫।৬ শত ভদুন্যোদ্যা ও মরিলা प्रदेशके काल निवाक श्रेश महनासाल সহকারে চিত্রদর্শন ও বস্কুতা, প্রবণ্ করিয়াছেন।

### মায়িক শুখল মোচনের উপায় কি গ

। উপোদ কিলোরিয়েন্দ্র ভক্তিবান্ধর বি এল রাঞ্চার রাজে বাস করিতে হইলে মানাসজি প্রজাদিপের স্থোধনের শ্রন্থ তাথাদিগেব অতি দ্যা করিন করে।পর স্থান করেন। , প্রভাগণকে সমর্থক কর চেওয়া ব্রভার উপ্দেশ্র নয়; ভাষাদিত্রক কার্তিকের यस्या ८७१५ कताहेल महालाधन कताहे

তাংরে উন্দেশ্র।

প্রাক্ষের অন্ত শাক্তর মধ্যে তিন শক্তি প্রধান, ব্যা,--স্করণশ্ভি বা অন্তব্সা শক্তি, জীবশক্তি বা ভটম্বাশক্তি এবং মাণ্ড- জি বা বহিবসাশক্তি। মাল – হক্প-শঞ্জির ছায়া, অভ্রব হন্ধশক্তিব বিকার: এবং ঈশ্বিমুখ জীবজে সংস্কার করিবার दालत वा डाक्स्क क्रुप्तनमूच करियात উপার। মারা--- क स्थात किस्नती, क्रमानिश्य জীৰগণকে দও দিয়া ও চিকিৎসা কৰিয়া শুদ্ধ করিয়া পাকেন।

'আমি—কুলের নিতা দাস'—এইটাই জীবের শ্বরূণরুদ্ধি এবং রুণেচর নিতা-সেবাই ভীবের আত্মার নিতাবৃত্তি: আর ঐরপ কাণ্যে ত্রহী পাকটি জীবের পক্ষে ভগনানের আদেশ পালন। এই কথাটা कुलिश या उहारे हिस्कन एकण कीरतत गरक **अञ्**ठि७ ९ भाग ; (मर्थे (मर्थ पृष्टे इंट)सङ ভাবে মালপিশাচীর দণ্ডা হটলা পড়েন।

£हे भाषिक खर्दी मुख्यितत কার্যানার । রাজা গেমন কার্যান্ত ভাগন ক্রিগ্ছেন,সেইরূপ রাজার রাজা বিনিএ্যই সক্তেপ্পতন্ত্র অসমোদ্ধ তন্ত্র 🕮 ক্রমণ্ড 🕾 ও ভীবের প্রতি অপার করণা প্রকাশ করত ক্রভগ্রকণ কারাগার এবং করু মারাকণ কার।ক্রীকে স্থাপন কবিংগছেন।

কারাগারে অপ্রাবিগ্ণকে বন্ধ করিবার कक तमन मुकारमध साधका चारक, अहे भाविक कानाभारत । कैतिरक वस्त्र कतिवात क्षक मार्थिक मुख्यल कार्यक इंडिश श्रीरक । अकरल कीर एक. जिस्सा जन: विक्नार्ट है: কিন্তু যে মৃত্যুত তিনি মাচিক ভোগের জন্ত मामातिक इन, उभन वहें एवं जिनि अभूमश्री मामान कराय करिया करिया मानाव । शासन সঙ্বলঃ ও তমোলপ ত্রিভাগের ব্লীকৃত इड्स १८६२।

இकृत्कत अलता आकृष्टि मानाप्रकात বে এই ভিনটী গুণ আছে, ভাচা জাব কানিতে না পারিকেও ভগবান জীক্ষণ খ্যং ভাষা উচ্চার প্রিয়ভ্য ভক্ত অক্রকে राका कविशा शीष्ठाय कानावेशा विशास्त्रन ।

### আগ্রিক

( 4 )

ক্ষণাদণার উল্লেখ্য করিবে তকত্ই हास्टिति भागतसम् मा। রাজবিদি মধ্যের পালন করিতে হন, আমেলিনর রামপার কমে মার্লাক ইইলেই २८३२ ब्राज्याद्य प्रतिष्ठ इहेशा काटाशास्त्र , यथम व्यक्ष्मिया, अथम डेटा ख्राप कराई নিকিপ্ত হটাতে হয়। ব্রাছা অপরাধী বাজনীয়। কিন্তু মানুষ কি বাইলা প্রকিরে ? একটা কিছু ভাগার চাই, স্যাণেত कड़ामिक मृत क्षा ना। ''कःकोक्रशाना मध्यभाय अ(८४ मन्म) खान्। इंक्रिसायान বিষ্টারা বিধ্যাচার স উচ্চতে 🖓 ( – গীছা) অধান গ্ৰাৱ দিও শ্ৰম হল নাই, ভাৰের कराद्रीचन गरम क्विलिश कि इंडरन ५ रमस হাজি কাথ ভিত্তসকল সংখত কবিয়া মনে मान हे कियार ये किया कारण का का का का श्रीकर्द । ८गडे भट्टक भिग्नाकी वेदा गांव ।

म मात जाए करेंगा अवस्था अधान कतिरमञ्ज्ञ न, कि इहरन १ डी.१४० ५७ ভারত্বরে খেষেগ্য কলিডেডেন, -

चन् लाजस्य गान्**न**े छार राष्ट्रः म बत्दार्थं मध्य बहे मध्य है।

যালাল ভামত্ত জার্মার আভতে জিলা, डाशास्त्र दरम् शयम कतिरमङ्गे ना कि बिरम्क ६म् द। मामात ३३७० ११त । त्वत्र कु दम सम् । तुकी!क्षत्रप्रकक— ≤ङ । घव রিপুর স্থিত স্থার্ড হ্রাই অবস্থান द न।

ভাতা হটকো জড়াসজি নিত্তির উপায় ব কি ৮ ভাবান উক্তেশ্সনের পুন্তার ক্লিকেন্দ্ৰন্ত্ৰ, ---

প্রসঙ্গমজর পাশ্ আহানঃ কণ্ডের বিচা। স এব সাধ্য রাজ্যে গোক্ষরাব্যপার্ভয় ।

পণ্ডিতগণ বলিয়া পাকেন গে, (প্রীপুত্র-মিত্রাদিটে) আসন্তিই কীব্যয়ার পকে मृह्त्यक्षत्रक्षत्र । । । । यम यमि मानुष्रक्राय ऋष्ठ হয়, উঠাই মোক্ষেয় ধার্ম্বরণ হট্যা গাকে, সাধুদিদের প্রতি আস্তি হইতে ভগ্নানের মাহাম্যাস্ডক কথা শ্রুণ কবিতে কবিতে ক্রমে ভগবংগাদগরের প্রাক্তা এবং সাধুসক্র ভেজনজিলা আরম্ভ করিবো অনুপ্রির্ভি, অন্তুপ নিষ্ঠা, ক্রচি, আর্যাক্ত ছবিলে জড়া-স্ক্রির প্রিবর্ত্তে ভগ্রদাস্ক্রি আসিয়া ছার্টিভ অধিকার করিবে, তথ্য বছরাম।-গণের আন্তুগতো বলিতে পারিবেন,—

> किंद्र काहि दशमा देश्टक नियात ठाकि मानाहेटड হত্ত করি নারি কাড়িবারে।

व्यक्त द्या गहे छ। इत त्या वाहर हो ন্ধান্ত্রের স্থুথ ছংগের কারণ। অভাসতি क्रांशक्तक, व्यात्र विश्वतामानिक—निष्ठायय-

### क्षाया अगर

गिहा - १ क्षेत्र जामनगा वस वाहा, जारा ভাৰাৰ ভোগা কড়বন্ধ মাত্ৰ উত্থা কথম্ পরতক্ষ নংগ। জন্তপ্রকরণ জীলাগপুর क्रीरभोतसम्भरमके व्यक्तिकत्त्व, काम् करक्रीसकः अक्षिय भागन बहर ।

किमाय भागोभूत--काल्य नुकालना इन्हारन मन्त्र सकदशत स्टाट्स दश नाः यात्रात कर्म काटक, किनिहे कार्यमाशास्त्रा जनागटण दुनस्यन भवन करिया कुलाब গ্রহ মিক্সাণ পুরুক নাস করিতে পাবেন, ক্ষিত্র কর্মারা পাল্প, ভারানের সে স্মেগ্র নাহ – এক বিভাৱত মাৰ্চিক্ত ৰস্ত্ৰতে প্ৰত্যেকা केंग । 'अंदर्शन ६(श), शहरतर टकार्स ना এক নিধোপত কেন্দ্রামিক শ্রীধাস কলাকন গ্রাম দশন বংবাস হল না । তার্গালর নৈৰ্ট বাহা ধান বাল্যা জাতীত হয়, ভাষা প্রমেশ বাহা আবেলে ব্যাভাত ভারে কিছুই।

প্রিয়েশনের অধিবারী কে, ভারে। ही थे। ८ 'युन महासह नरीस फरिया(हस.---জাব করে ভিডাইটাদ কঙ্গণা কলিবে। स मात्र रामना ,भान करन इध्ह ध्रम ॥ विभव छो। देवा करने 🗞 । इरने असे , परंभ काम ्हत्य ही दुन्तातन ह

হ'ব হরি আন করে প্রাট্রে দশ্য। জ মৰ কলিও বানে, ধাৰ ৰুন্দাননগমে उठे भारत कति। कि काना ॥ भने, कम भूति, लारत, असन कतिश सुरत्, धकाष ३३०। कार गान । मत प्रध्य भतिकति, तुम्मारस्य याम कति मामुकती माशिया भारत्य

ভাতরং বুকিতে পালা যাইভেছে যে, धन ,धन, প্रक्र, मातामि পরিভাগে পৃক্ষক নিতাইটালের পাদপায় আলায় করিয়া একান্ত মনে গোৰিকচরণ চিতা ক্ৰিলে নিভাই-ক্লপাণ শ্রিদান সুস্পাবন বা ভদভিন্ন শ্রীধাম মায়াপুর দশন অপ্যা ভাছাতে অংকানের भोडाना माड घडि।

किन गांडाचा निडाएँडीएम्स निर्तापी. देवकविदताकी, अधिमायनिदशामी, देखन, विवती, क्षेष्ठ, जिल्लाक क कनक-का विनी-**क्षांक्रिमाधिन, जनः समरकात सामरकाती,** ভাকল'ব্যক্তির গাহের জোরে বিজ্ঞাপন যায়। বা গুলাবালিক ক্ষরিয়া ধান কর্মন, গাম আবিদার বা ধালে বাবের করনা পাগলের প্রভাগ ব্যক্তীত আর ক্ষিত্র নতে।

### যথ কি পিং

( পृष्धकाकाभिक ३०० मर्गात भत )

कंश्केष्ठाम खाल्लस किटन क्यान्ये त्शोत्र-द्रमदाबे ऑंडि किरणानिक एत सा। चीली बंक्सन भाषनं भागत्रगान् आहातरकत क्षेत्रिक क्रमा वर्षन कविना नाटकम । एक्सकृष्टे খোকশিক্ষ জীক্ষপদানৰ পৰিস্ত গোপানী आ विकासक्त,---

ध्यातात भाषि शादात भाषि मृत्य यशिएम बाहि हर्म। दर्भायांत्र काठीक द्यायांत्र विठात

कश्राल क्या महारा ।

त्व करमशान जीवी **एका** टिनक र อเล เกิด เ গোপনেতে অভ্যাচ্যে গোলা ধৰে চলি ॥

वीराजा अवस्था, छोटाता कवनह तस्तीभनतारमत खालन एमन मा ना तकुरशांक धानः कर्महे नह त्रन्त्रतं न हेर्गममान करा क्षांत्र करतन मा

ক্রের সামে লোকসক্ষম করিছে হইকে ্লের্ডের মন্ত্র্লে কথা ব্লিডে হয়। (बाह्यकथा श्रीतहान कान्। (लग.कशान क्षात्राच रहात हो हर राजना है किए हा की न एंदलाभ्रंक इस न है, कि है স্টারবের বা স্টালৌবল্পবের প্রতি 🖦 যে না ৷ ভিজ্ঞান কংগ্ৰেক গ'ডত বাল্ন, कुलिली ७ ५ अस कत्रह भतन । ८६) व स्का (वा कतक) धकर व किछले ५ हरा दर्भावा एका भग दशाक कक स्वाहि । इक्स्ट्रिय हुई कह मा नहरू अक हैं हि । कारी राज्यात अवभिन्ने भी कहारत । ভুঠ নারে। মনীগারের ওজন। লাভিবে ।

(5)

শ্রীয়ত পুওরীকাক গ্রতরম স্বতিভূবণ মহাল্য বিগতে ১৯শে আবাচু ক্ষামে মহা-ভাষান করিয়াছেন। তিনি বৈশ্ব সামা-ভিক ভাতির কল্যাণের জল্প বছ পরিল্লাম করিয়াছেন। তক্ষ্মানেই সমাক ভারার निक्रे अक्टलाहात कुछ्छ। छोदात्र निन्त्र-ন্ম বভাব উহোকে সামত-রাম্পলেণীতে थहं शाय शायिक स्विधारह ।

शाकदाञ्चिकी बीकांत्र बीक्किक अन्तर्गन যে সাত্ৰত প্ৰাক্ষণ, তৰিষয়ে সন্দেহ নাই। তবে সাতশতী ব্রাহ্মণ্যমানের সহিত বুর ব্ৰাহ্মণগণকে সমভোণীস্থ বলিয়া বিবেচনা করিতে গেলে বহিন্দৃথ প্রাদেশিক আক্ষণ-शर्गत ८ अहं प चीकात कतिए इस ।

সাত্ত আন্তৰ্গৰ প্ৰাদেশিক আন্তৰ্গৰান মপেক। উন্নতন্ত্রে অবস্থিত। জার্ডিবৈশ্ব-স্মায়---কুলোছ,ত. মাত্র, অচ্নতগোতীয়গণ আল্লান-পারন্পর্যাে শৌক্তমুলের পরিচারে গৌরবাহিত নহেন।

## গ্রন্থ পরিচয়

### শ্রীমন্তাগবতম

শ্ৰীনশাংধি কৃষ্ণবৈপায়ন বেদব্যাস-প্ৰণাও মৃশ, বীমন-মধ্বাচাষ্য-ক্রভা ভাৎপ্যা-নির্বয়টীকা; উমেদ বিশ্বনাগ চক্রব ত্রী ইাকুর-কত সারাগদশিকী টিকা, বলাগুরাদ, মাগুর অর্যাত প্রভিশক, তথা ও বিশ্বস্থাধিয়ক। প্রতি ক্ষের আদিতে শেই ধরের প্রতিপায় কথাদার, অধ্যানের প্রথমে ঐ অল্যায়ের সাব্যত স্থানিস্থত তাংপ্র্যাদি বিস্তুত। ব্যাক্ত্রী ্বন্যুক্তী, অব্যায়নিবরণ, পাত ও ভানস্টান্ত উদ্ধ কাগালে উওম অকারে মুন্তি। প্রথম হইতে ১০ম রুদ প্রাপ্ত, ছাপা প্রবিক্তেপ শেষ ইইয়াছে। ভিন্তা প্রথম धरे**ि** क्रम क्षेत्र भगा<u>त</u> २०१४० দশ্ম ওল ১০১; "25 HO. 1

### জ্ঞী শ্রীটেড কাচ রিভায়ত

আত্রীমন্বতি নোধহারুর-রচিত সমুদ্রেরালভাগ্য क्रीक्षिमहिक्षिका । अनुवर्ण (भाषामी अनुवास-विविधः) ভিত্তামো কাতে ওভাগি বহু শাস্ত্রমাণ্স্থালত হ্টয়া लाकाति । १ हेब्रास्थल । स्थारकात्र माध्यमनाच्या, तन्नाक्ष्यामङ ওতে ক প্রারের পুরে সংক্ষিত্র অভিনের সংযোজিত। প্রভাব ও ।য়ে-প্রার্থ্য কথাসাব দেওয়া আছে। খ্রোক, পথাৰ ক্ৰম, ব্ৰান, পাজ ওাড়াভের অনুষৎ কটী ও এখকাবেৰ विभावती भाष हिन्द्रण बहुहिनुस्त भ्राधत्व हेन्द्रान्त्र প্রতিক্রিক প্রকাশিত হয় নাত। উত্তম কাগতের পারিপাটোর মাধত রলাইসাধারে মুলালে মুদ্রিত হত্যাতে : প্রস্থ প্রায় ংকে। 📆 ুনশ্লের ভিকাবভ্যানে ৫, মাজা।

### <u>জী</u>টেডগ্রান্ডাগানড

अध्याद्यत कीवनी, लाडि भतिष्क्रापत क्यामान, विच्छ भो होय कारा, १५७%, भशातकते, विषय-साम भावामि-ক্ষা, প্রান্থাত বিধিধ বিষয় সংখ্যিত বিরাটে বিতীয় সংখ্যাত ধ্বল ক্রাউন ৮ পেন্টা আকার। আদিনীলা ও মনোর किशमरम ध्यकानिए इध्याप्तन। जार्म जन्म ध्यकानिल दृहर्ष्टरहरू । याश्रम जिला द् छावा, आपि मीनात क्षिना द्।

### প্রীটেড জ সমল

এই প্রমের এরণ অভিনব মুন্দর সংখ্রণ আর কুত্রাপি क्षक्षिण इस गार्ट। भाषा (शाकार्यात स्वयं, वकालवाय, ভাষা, क्यामाञ्ज, एवा প্রভৃতি দৃহ বঙ্গে একে প্রকাশিত व्हबार्ष्टन। भूग साहा अकरत क्ष्यंग कार्डन आहेर्लिनी वृक्षाकारम काला कह्यारक। मूला २॥० छाका। समीया द्यमान ६ (भोदीसम् आह्मशतम् शत्मः ।।। । । । ।

### **এ। মন্ত**গৰদগীতা

- ইংগাড়ীয় বৈশ্ববাচায়। শত্যাক্রত র্সিকচ্ডামণি ই.উ.বিখনাথ চক্রবর্তিঠাকুর গোত্মামিক্তা সারাগ্র্যিণী িকাসমেতা ও উট্টেমছজিবিনােদ ঠাকুর-প্রণাত 'র্সিক-वक्षम' मामक ভाষাভাষাগহিতা। অধ্যায়সূচী, মাতৃকাঞ্জন en क- मृत्ती, विश्व- मृत्ती, अप्रकारत्त्व कीवनी क अवस्त्रतिकानि बर-साध्याःविषा-मह छेरक्षं वीभाई पृष्टीय मरम्भून--- एके ब्राह्म इहेर्ड अन्तिक मार्ग माळ ग्रहीस : क्रीकीन (बाह्यामी कि अरक्षप्रतिम किको २८ छाका बाल. भाषामून अरक्ष्यन--- अ काका वाष

### শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

 निक्शाप डीडी। महस्किमिद्धारमञ्ज्ञी **८गाचामी महासारणत** स्पष्ट अविका विस्तर मिनी कीताश्चन्न रणारकार्यनी क्रमानकाम (अमनाशिमी कीतन्त्र-नातीन भुक- विश्वः - ्वभावभिक्षा छ-ताह्रभाषाच (का खास्त्रा कि -- अल्लामाच নেভব্নিজ্ঞানাগানের মৌশিক ওলা- প্রকাতে ও ভার্বিভের সম্বর ওও — মহাজন-জাবন্ত রিখ-শিশ্রক —চি বিলাবচি রাজে-অতিয়াত-বিচারক- ঐখ্যা ওমাধুগারসের মৌশিক গবেষণার! —সহন্ধ, আন্তরের ও প্রায়োজন ওয়ের নিন্ধান্ত সমুদ্র।

১ | প্রাথম হাত্র-বেক্সন্ত্র, শ্রীপ্রতার, কলে-त्यः, ब्रीमध्याविकानं, ब्रीनायकामनं, शासनाधिकी मीका ও বর্গ বিভার, আল্লেন্স रामास्यः है.है ५ छ इस्त ५ ভাইার শিকা, অপ্রারিত স্ইজন্ম ও প্রারিত স্হজন্ম । এটিও ভৃতি প্রান্ধ্রমারালি সাম্ভ-শাস্ত্রমুহের এমাধান্দী

। ৮০ বার অন্টো।

১। বিতীয় খণ্ড । গণ ও বিদ্যা ছবিল, মন্ত্রার েল্ডতা কোবাল, আন্থার নিভাগুড়ি, জীপর স্থানিপান ও भागाताम, क्रीर्र्शन-निकालन अभन, जिस्ट्रां क्या । जन्म-कार्टन, दीतामध्याह दे, यथान १८ व कार्टन, द्वारतीत-শামের মহিমা, মহাপ্রাসাদ, জীরেগাবিক, উত্তিপ্রস্তুত্তন-भभ, श्रीमाडी त्राष्ठाक्षत्रक्ती, श्रीतेष्ठ दशक वर्गा. (श्रीतक क्या ও ক্ষাস্থীতের ত্রপুদ্ধ অপুদ্ধ মধুরিমাপুর্ব-বঞ্চতা-বিভূষিত। क्षिणा ३, दक हेका माद

🗢। তৃতীয় খণ্ড—লোক্থিয়তা ও সভাপ্রিয়তা শ্রীবলদের প্রস্থা, উক্তমানির্ভাব, বৈষ্ণব, শ্রীমীতাদেরীব আবিভাব-প্রস্থ, ভীম্ছাগ্রতের সভা, উরোস্পুজায় জীমদ-ভাগবতের পুনবার্ডি, ইনন্মসংক্রিন ও হরিদেধার নিতাতা – এই নয়টা জ্বাশনিক বকুতাস্থলিত। ভিকাধ- মাত্র।

### है महरानम्भी छ।

গৌ হীয়-বৈধ্যবদাপ নিক-শেশর আন্ত্রীমানদ নলদেব বিভা-इग्राकृष्ठ आया । ज्यामध् कृतित्नाम् प्राकृत्वत्रत्वाक्रम् ५ छ-ভাষায় বিশ্বত 'বিব্দর্গন' নামক ভাষায়ক।" অন্যায়-স্চী, বিষয়স্চী, ও প্রতি প্রোকের প্রথম ও ততীয় পাদ স্ট্রী, ভাগুকারের ভীবনী প্রভতি স্থতিত। উৎক্ট বাধাই, বাজসংক্রণ ( ভূতীয় সংক্রণ ) এছের विका २ हेका।

#### **बीनगरी लगामगाशका**

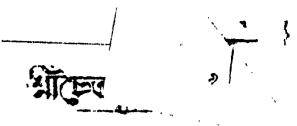
( প্রমাণখণ্ড ) সাম্বাদ। ক্রন্তি-কুডার্মি এছে স্থীনধ-দ্বীপের যে মহিমা কীণ্ডিভ আছে, তাহার মূল সংস্কৃত ও অধুবাধ। ভিঞাত আনা।

### জী শ্রীমবদীপভাবতর স

শ্রীঠাকুর ভজিবিনোগ লিখিছ। প্রবালত গাঁতাকারে পরিজমার এইবাাদি-বিষয়ক। ভিকাত আনাত

### ভক্তিরতাকর ও মধ্বীপ পরিক্রমা

ভীল নরহরি চক্রবাটি-চাকুর রচিত। ভভিরম্পাক্র लकारत के नवधीलगामत लातकमा कतियाहि लान, जानक পছে বিৰুত। ভিক্ষাত আনা



🖺 ভঞ্জিবিনোদ ঠাকুব প্রণীত। 📆চৈওভেটছাতে ेभिकालागाणी-कृषः. क्रमामकि ७ तम-वद्ध ७ मुक काँच--च हिन्दु-(इम्स्ट्रिम-छब---मांभस-सिर्वन-- श्रारंबस- छद्, कन्त्र-का ७. बासमाभित्र विठात- देवनी छक्ति, कावकृक्ति क প্রেমভ্রিস্ত নামভজন-প্রণালী ও অইকালীয় লীকা-প্রিচয়ালি প্রাথম শিকাপীর উপযোগী ক্রিয়া স্বল ভাষার স্মুদ্ধ বৃক্তি প্রান্সত বিভিত্ত আতে। চতুও সংক্রণ বাধা ২, টাকা, আবাধা ১৮০ টাকা মাত।

### গৌতীয়কণ্ঠহার

क्षित्रा होग-देवकनशरनत कार्यकर कर्छ शतनरमान्। तिरश्चि भारतम् भाष्ट्रताम अभिन्त् । एकेक्स निमन्त शिक्षार्थ्य मार्यमभन्न वास क्यांनि शकानित इत नाहे। हें हे एट अक्ट ब - ए शिव - रेक्क - र्शीत - बिक्स नम-थरेय च--- क्या--- म कि--- च श्रायम -- की न - क्या किया एक मार्टिक - कार्टिस्य--- जन्मभाष्ट्रकि--- वर्ष ख- कार्श्वय-मध्य-- कुक्रश्राह्य --- শ্রীনাম-- প্রোক্তন ও প্রোগ-ভর্তলি পুলক অগ্যাধে প্রস্তুহ প্রোক্যদি সভীসত উৎকৃত্ব প্র**তিক কাগালে রোঞ্জ** ব্ল কুলিতে ভুলিত, উংক্ঠ বালা সোনার কলে নাম লেখা। গ্রন্থ প্রায় ৪০০ পুরায় সম্পূর্ণ। ভিকাব ্ টাকা মাজ।

### শ্রীনবভীপণাম-গ্রন্থানলী

লীমনভজিবিলোপ তাকুর রচিত 'ধামমাত্রপা;-- ধাম-মাতাত্মের সামুলাদ প্রমাণ গওল শ্রীল নরতরিচালবভী <u> সাকুরের দাম পরি ক্ষাংশ— শ্রীপাম নব্দীপ পরিক্রমা— তীখ-</u> ষাধা পদ্ভি-ভীমৰ প্রবোধানসকত মবরীপশতক্স-ইন্নছভিতিনেক ঠাকুরের জীনবদীপ ভারতর্ক প্রভৃতি • ত একত ভিক্ষা ৮০ আনা মাত।

#### ত্রীহরিমামায়ত ব্যাকরণ

জীতাৰ গোন্ধামী প্রাভূপাদ-বির্চিত ক্সত্র ও বৃত্তি, তংগলে ওবিফুলার আমত্তিসিদাত সরক্ষী পোলামী মহারাজের বিভত ভূমিকা e স্বচী প্রভৃতি সহ। অপ্রোশিরভাবে স্থলত। ভিকা ২, টাকা, ছারণণের ल्ट्स आ० एका माद्धा

#### CARTESTATA

শ্রীমড়ামামুকাচান্য রচিত। বেলাম্মের বিশিষ্টাবৈভবাদ-প্রচারক জ্রীভাল প্রণেড। আচাষ্যপ্রবন্ধ বেদাক্সর্শন পামের উপ্যোগ কৰণাৰ্থ এই উত্তম ক্ষিয়াছেল। ইঞ্ছে त्रष्टास्त्रतात ७ कतीलाकि मध्याकिष्ठ कता व्हेमाइ নাম মাজ ভিকা । আনা।

### **ब्रिटेड क हत्या पुष्ट अ वदबी श्रमक**

শোরপারন জিল্ডী আমং প্রবোধানশ সরক্তী-প্রণীত মূল, প্রাভূপাদ জ্ঞান ভাতিবিদ্ধার সরস্থী গোস্বামী মহারাজ मुल्लामिक अवस्थारण वार्था। ए वसाध्याम मुब्बिक। নবৰীপণ্ডকের উভিভিধিনোদ ঠাকুরের প্লামুবাদ ভ তংসহ শ্রীমনাহাতাংর একটা জিবণর্যন্তি কলোকিক চিত্র लावक रहेकारक। मूल्य क कायक केर करे ( व बाका [करतः ) किया ५० **जाना, जिल्लामा देशके स्वा**रक्षक हाका बाख।



**टी**मक्किविरनात प्राकृत-धानी छ। এই এकमा छ शक-নয়েব জান লাভ করিলে পারমাথিক রাজ্যে কিছুভেই প্রভান বা সংশব পাকিবে না। পরম গুড় ধন্মবিনয়ক এই-নাপ নর্ম ও আবয়কানী প্রায় এ'পান্ত প্রকাশিত হয় নাই। নিখিলপোস্থামি-শান্ত্র-মতোদনি-মধনকলে এই এছাত্ত फे चित्र बहेगार्फम। आधात क्षतिवत्र क्षत्री, कथानात हिटाएकि बाना नित्नत मगुक कता बहेग्राटक । वित्रां धितात, | (शामान खाल नाम त्ल्याः उदक्रे तेशाहें--- क्ल्ये नायवा किया २, छाका माजा

### প্রেমবিবর্ত্ত

শ্রীমন্মহাপ্রান্তর অস্তবন্ধ প্রাণ্টন শ্রীল ভগ্লানন্দ প্রান্ত বির্চিত। এই পুড়কে মতি জ্গবোধ্য ভাষায় মহাপ্রাভ্র क्िलब बीवामह रेनकवाहात, এकाननी ९ नामस्थन-देवनिवटद्वत स्मीमाप्ता लागरी धाइन्ड करनक নেখিতে পাইবেন: পানটীকার একগ স্থানের বিশ্ববর্থ ও ভাত্তকর্ত্তরে পরিচয়াদি-নম্বলিত চতুর্থ সংকরণ ভিকা॥৮/১ দশ সানা মাত্র।

#### **8533757**

ভঞ্নকারীর নিভাস্কা; ঠাকুর ভক্তিবিনোদের অনুবা मात: निश्चित भारत्रत निगाप। अवशानि ना स्तरा भगाव ८ हरू दुविराङ পরেরিবেন না। ভূতীয় সংকরণ জিলা ॥•।

### ছরিনামচিন্তামণি

লীনাম-মাছাল্পা, নামাভাগ, নামাপরাধ প্রভৃতি বিশয়ের ভিকাত মানা মাত। গ্রেডীর বিভার প্রবণ করিয়াছিলেন। এই বিষয় ওলির আটে স্বল প্ৰারে সংক্রিপ্ত আশ্বয়সত পরিপাটিভাবে মুদ্রিত। 🗃 ল ভাজিবিনোর সাকুর প্রচিত। প্রথম সংকরণ ভিকা ५०।

### কল্যাপকল্বভক্

श्चिमप्रकितिरमान हाकुत्र-तिहित्। आरबाक अभवन-বিশ্বাসী ও জানপথের পশিকেশ একান্ত প্রয়োজনীয় खेलरबरावशीलूर्व वीडिअस् । नामाञ्च त्वलापड़ा-क्याना কোনে ও এই ভজনরাকোর সাভিসমূতের থারা অনর্থনিবৃত্তি ७ छत्रवःस्था बाङ कतिवात स्वतिः। शहर्यन । यह সংস্থাস, ভিকা স্থা মাত্র।

### শরণ(গতি

শ্রীমহন্তিবিনোদ ঠাকুর-রচিত: ভগরানে আল্লাসমর্পণ, निक्षित्, जनमनानगा, तक विभा नवनान । । अभिकि नामगान र्वतमक निविध्न, जिक्का / व्याप: माज ।

#### भा का वर्गी

শীঠাকুর ভজিনিদের-প্রথীত। নিত্য ভঙ্কন, আরাত্রিক अ अनात-उगवनाणि-विश्वक मश्य गोकनमूह ८क८ळ अथिछ । किका /- बाजा माल ।

श्रीमग्रहाळाइत निका ६ श्रीन तगुनांच मान दशाचामीत । প্রতি শীরপ গোস্বামীর উপদেশবাণী, ভক্তিপথের অন্তকৃল ও প্রতিকৃপ বিবয়ে স্থবিচারিত নম্মোদন ভান্য, বিস্তৃত विवृত्ति, চরিতামূতের প্রমাণ, সারয় ব্যাখ্যা ও মধানন প্রবীত ভূচপ্রোলী গাভমন্ত প্রেটের স্থিত সন্নিৰেশিত হইয়াছে। স্থা সংখ্যাপ ডিক্ষা 🕪 🐃 🕕 ।

#### **커 ' 바리- ' 라이**

ट्यानपुनाल मान त्याधामीत मनः सिका, जील अक्ट्रिय ভঞ্জিবিনোদ-চারত প্রায়েবাদ্যহ। ভিক্ষা: • আনা ।

### প্রেমভক্তিচন্দ্রিক।

শ্রীণ সাক্ষ নরোধনের স্বপ্তাদ্ধ প্রেমভ্জিবিধয়ক ভিকা:/• খানা নাজ। গামের পুস্তক

#### নগরী পশ ভক

শ্রীল সাকুর ভিজিবিনোদার ৪৬ শ্রীল প্রেবোধানন সরস্বতীপানের সংস্কৃত নানীপশতকের স্কুললিত প্রাক্তবাদ। ভিন্না ৴৽ আনা নাত্র ৷

### অর্থপঞ্চক

द्यीत (लाकाशांता विश्व । देवकावका-खादनव व्याकत े १४७ । (उक्षार) जाना मार ।

### সদাচারশ্বতি

প্রিল মধ্বাচার্যা-প্রণীত। বৈদ্যবের নিভাকম্মাদি স্থানারা-বলী, বছাত্রবাদ সহিত। ভিকা৴• আনা মাত্র।

### স্থিমঞ্জী

ক্রিকুল্বেশ্রী জীমন্নরেরিগ্রাচান্য রাচ্ছ : আমন্ত্রান্ত্র নমেডোর্য্য শ্রীল হরিদায় সাকুরের মুখে শ্রীনমাহাপ্রভু 🖟 চার্যোর সংক্ষিত্র হার্যনর্থনা ও মুল বৈক্ষ্যমন্ত। সঞ্জুল

### ८भोत्रकृ दक्षामन

প্রাতীন কবি জ্রীগোবিন্দ দেব প্রবীত জ্রীগোরপেতারের । কি॰ আন্যানার। श्रमापार्यमा-मरविष्ठ मध्यक श्रम । क्रिका ५० व्यामा

### युक्तिमहाक। (भगदशीवरू

সাম্বার এই এছের প্রকাশ পরেমার্নিক স্যাত্রস্থাতে এই সক্ষপ্রথম। আনমক্ষাচাশ্য ইচডে গ্রেছশানস্থন থিতায় মধ্বভাগা নামে খ্যাত জ্ঞানিরাঘভীর্থ সানী এই গ্রহে माधात्रन वृक्ति e नोकिक आज्ञासमात्त किक्रम सम्बद्धात्व ভক্তিবিরোধি-মত্রাণ সমূল প্রন করিরাছে, ভারা পাঠ করিতে করিতে আশ্চণ্যাবিত হলতে হয়। ইহাতে যুক্তির बाबो ठाकाल, देशन, त्यांक, मामाध्यक ख माबायाविमाछ-नमुटकत खुम्मत्र शक्षम तकियाट्य । किंग्या २, छाका माञ्जा

### (भाषामी औन त्रध्माथ कात्र

ু প্রানুপাদ-লিখিত ভূমিকা সহ ) গৌরপ্রেট শ্বরূপ-রূপের এট প্রকার উৎক্র প্রায়দ শার কোন মানক পর্যান ক अक्यां विशव श्रीत नाम द्वाचार्यों अप्रत अल्ला द्विष्ट लाग्नेत्व ना। वार्विक विका जाक्याक्ष्मत्व क् চরিতায়ত ও শিক্ষা অতীব প্রাক্তন ও সর্গ ভাষার স্থিতি । টাকা মাজ । এবং পরিশিতে দাসগোৰানী প্রান্তর বিরটিট কএকটা নামৰাৰ নধুৱতম অব ও ননঃশিকা-সম্বিত। ভিকা वीषारे ॥ बामा, बावाधारे । । बामा बाद ।

## চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাচীন নবৰাপের অব্ভিডি. তথা, ঐতিহ্ন, প্রোত ও ঐতিহানিক প্রসাণসংখিত নয়তী গাঁপের দ্ভিত্র বিবরণ-এড । ब्राफ्ति वा अमार्ट्य कुमान चौतुक भवानिक मानावान तात्र अम. १, व्योद्ध (नाटशात्र), (नशास्त्र कृतन मटशास्त्र करुक সম্বলিত এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন বর্ণের অপুন্ন চিত্র 💩 মান্তিজ-দুম্প্রিড ; প্রাচ্যবিস্থান্চার্ণর রায় সাহের আধুক নগেল্ড নাপ বস্ত বিশ্বকোনসম্পাদক মহাশ্যের নিশ্বত ভূমিকা नव । केरतहे (के॰ ) मत्रका नेशांके मृत्र २३०. किः निः ८७

### माधक-कर्श्रमाला

अन्तन्त्रना, देवस्वन-मन्त्रना, देवस्वन बत्तन, वामाद्रमञ्जली, भीनामध्दे. भीनवहान्त्रन्त काशीवतन्त्र नाम. सहेलाहम् नामकी हैन. श्रीनामनकी हैन. ८ श्रमश्रदीन, १ ना है निकी है. नवर्त्रील-मनिमा, श्रीमाञ्चलित्र मनिमा, श्रीमारतात्रम-छा-त भटेक আচাৰ্যা-বন্দনা, বড়ু গোন্ধামীৰ অঠক, প্ৰেমভন্তিভিকা, **উপদেশমালা, भागाल्यम-श्वराली, महाश्राप्त ५ तास सामान**ल मध्याप. मन: विका. क्षेत्र कार्यात्र क्षेत्र कार्यात्र कार्याः মহাপ্রাবন্ধনা প্রেছতি সাবক ও নিম্নীর্নের নিত্পাসে, रेवकवर्गालय क्षेत्रील फुक्तीमालात आह अञ्चल कर् मात्रपरमार्थः अध्यक्त ताष्ठ । जिल्ला 📈 ०, देश्याके ॥० अध्यः ।

### গোড়ীর-গোরন

कशिकालात स्वधानिक भागनाउँ भाग रागीपुरंग में पन्क े मालाम कुरूवामन्त्र लताविकारिवरनामन्द्रात्यः वकुन्तति विश्वहेतु अथकारत श्रकालिए। केटाएक ट्योकीस देवकवरण्यासाटकः ইভিন্ন ক্রাকারে প্রপিত হর্মাছে। ভিন্ন দর্শ মাঞ্চ 🕆

### গৌড়ীয় সাহিত্য

ক্ষত্ৰিক ভোৱে প্ৰপ্ৰানিক আলোৱাটি তথে৷ প্ৰেটিয়াই সংগ্ৰাহক ही,लाम राज्यतानक श्रानिश्चा निर्णादेशक लामक व के वाच दिल्ह अध्यक्तिराज्य व्यवसील है। विवाद विवाद विवाद अप ट्रारोडीय-मार्टिट्र का किएम स्थापक क्षेत्र कर्मिड व्हेमार्ट्स । १७५०

### ह्यादशोड्य क्ष्म अतिख्यमा-प्रभीन

चिट्योष्टानाम्ब (स स्कृत स्टार्स स्वत्याक्त खेमप्रकाश श्रा ित्र अमध्य अनवर्षी महाधमान कीला कतिहा शिहारकर्म. শ্রীমধ্বসম্প্রকারাজ্পত শ্রীমবাদিরঃ স্থানির চ। বঙ্গাগরে । সেই সব আধুনক ভোগোলিক পরিচয় ও দেবলিগুলাদি : ্পরিভয় সহ সাভারাতের স্তাবতা নিম্পেশ ইভাক্তি বিষয় ও ষ্ঠিবেশিত আছে। ভিকা 🕶 আলা।

#### THE HARMONIST

OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীণ ঢাকুর ভবিক বিনাদ-প্রতিষ্ঠিত এবং শ্রীণ ভাকে शिक्षाक्रमत्रवाठी भाषामी आहेलाम मन्नापिक लाक्साविक माशिक भक्त । क्रिक्टल हेरब्रह्मी खामाब अशेविस्स 🛷 ভবলফাউন ৮ পেজী ৪ কথা আৰু রে প্রাত বাবে 🤘 : मारमञ्ज विकात-देवकश्वश्वी महेगा द्वेपश्विक क्टेट्टरः কৌ বিষ্ণুপাদ শ্রীণ ভার্কারভার সরস্বতী গোল্পানী কাগ্যত, মৃত্য-পারিপাটা ও ডিজান অভাব চিতাকলন ।

#### श्राधिषान-

শ্রীচৈতপ্রমত, পোঃ শ্রীমায়াপুর নদীয়া,

## শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনষ্টিটিউট" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

### (शाना इरेशार ।

অভিজ্ঞ ও আদেশচিনিত্র শিক্ষকগণ ছা এদিগকে অতি ৰাজের সভিত শিক্ষা প্রদান করিছেছেন। বিদেশী ভাতগণের জশ্য বিশা ব্যাধ্যে সুক্রর বাসন্থানের বংক্ষাবস্ত ১২২ ডে। ছা ব আতীব প্রাধ্যকর

সনিস্তার স নাদের হুলা নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। সেখ্রে-ভারী, ভারুন্র ভক্তিবিদ্যোদ ইন্টিটিডট্ শ্লিচেড্যুমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

### —৫১ বৎসরের *প্রাভ*চ্চিত

উল্পালয়ে এন্তত বটীকা

होती खर्ककांत्रमा, अञ्चलका, क्ष्में कार्किकार्किक, क्ष्में में, श्रायक्षक व्यक्ति यक्ष द्वाभीव द्वाम नित्रामय क्षेत्राक छाटा व्यकाल क्रिट्स १फ २फ शृक्षक क्षेत्रा शक्का

### हेडी

শক্ষা ক্ষুত্ত বাবভার চলে ও সমান ফল প্রেলান করিয়া থাকে। প্রতি ভৌলোজ ২২টী বটীকা থাকে।

### (करमगाज

জিনি কৌটাৰ মূল। ১০ এক টাকাঃ ইংগে নাম **ভাতিজনিতাত্** বুটীকা'।

মুখাজ ঔবনের জালিকার অজ পত্র লিখিলেই পাইবেন

অ:বিশান :—আত ঋনিগ্ৰহ ঔনধালয়

२०८ मर वहनावात द्विते, कशिकाकः ।

### কাৰরাজ শশিভূষণ কবিকপ্ঠাভরণের



নগংখণের ত্বধার জন্ত ৬ আঃ শিশিতে ঘনীভূত অবস্থার ভোটবোঞ্জের সমলা উষ্ণ ভাকে পাঠান চর, ইতাতে ঔষ্ণের কোন প্রিক্তন করা হয় নাই। মুল্য প্রতি শিশি ৪০ আনা, পাইট ৪০/০ আনা, বোডল ১০/০ আনা।

অফিল—১১নং উল্টাডালা রোড, পোঃ শ্বামবাজার, কলিকাতা

### ৰীভাগৰত প্ৰেদ গোমাণী হাই**ট্ৰা**ট

### क्रमध्मश्रा

এখানের বিবাহের দিম্রণ পত্ত, তি-উপহার, কার্ড, গ্রন্থ এবং শক্তাভ ব্যবক্তীর কার্ব্য ছাপ। হইয়া ছাপার দর বাজার, দর

### হাইড্রোসিল ব্য কোষরদ্ধি রোগ

: এশ্, এন্, খোব বিনা অঞ্জে, যানজ্জীননের গ্যারাটি বিয়া বৈশ্বাভিক রাণাণাতে ভোষস্থা বোগ আংগ্রাপ্য করিয়া থাকেন।

> ं हिकासा— अभ्र मर करेंग्र डी. वस्त्राकार, कार्यकाला म

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

### रिषव श्राञ्च यक्तात अक माज मरहो यह

### পশর দিলে সম্পূর্ণ আরোগ্য

কোৰী দেখাইছে হলতে। অভিনি প্ৰথেত লত (মাত্যা এক আধাৰ)
পাইটেলে গিয়া হোগা দেখা হয় লগবা ক্লানে অটিলে তেওঁটা দেখাৰা
উন্ধ দেওৱা হয় আলোগা না ছন্তা। প্ৰতি গা প্ৰামত দিতে তল্পে নাঃ
গানীৰ বোৰীদেৰ প্ৰত বল ক্ৰিয়া চিভিন্ন। কৰা হয়। তিভানিক
ভিত্তিক
ভিত্তিক

শ্রীক্ষেতীশচন্দ্র উকীল, গল্পা-চিকিৎসক, ৮ জ নৈকারী, বহিশাল। অপ্যানিম ঠিকানার সাক্ষাৎ করিং। বিস্তান্তি পানি পারেন।

ভূষ্ত রামগোপাণ হস্ত এম, এ, ক্রঞ্জনগর, নদীচা। স্ত্রীযুক্ত চরিপদ বিশ্ব, ১১৭, বেণিরাটোলা খ্রীট্, হটেখোলা, কলিকাতা।

প্রকশানি পাত্র! অ মার ত্রাতৃপুর গত হয় মাস বাবং রাজ যজার ভূগিয়া মৃতপ্রার চহরাছিল, কলিকাডার বিজ্ঞ চিকিংসক্পণ ভাগর জীবনের আশা ভাগে করিয়া শেষ মৃত্রের জন্ত অপেক্ষা করিছেভিলেন এই সমর শ্রীবৃত্ত কিন্দীশনর উকিল মংশের মাত্র ১০ দিন চিকিংসা করিয়া সম্পূর্ণ আরোগ্য করিয়া বিধাজেন। (সাঃ) শ্রীয় বিশোধ বায় চৌধুনী (অগিদান গালিরা) চগ্ নীট, নিউ বিভিং। করপোরেশন বিটং ভি বা টামেন্ট, কলিকারা।

## শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরাব্দ ৪৪৫

माड %> जाकिएक हे भाषा है दल दे बुक्द भाषा महा।

ম্যানেকার-গ্রন্থবিভাগ শ্রুচৈত্রখন্ম, পোঃ শ্রীমারাপুর, নদীরা।

(本年 到15 中旬日

# গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

### এত প্রশংসা করেন

-কার্বল-

এখানে যাবভীয় ছাপার কার্য্য— গ্রন্থাদির কার্য্যই বলুন,

निनारकत निमञ्जन পত, कार्फ, विवारकत পछारे वलुन,

কার ৩ রং ও ৪ রংএর হাফটোন ক্লকই বলুন, সকল কাষ্ট্র অভি সম্বর ছাপা হয়, অথচ ছাপ।ইবার খরচ বাজার অপেক্ষা ভুলভ।

আপনার কিছু ছাপার কার্যা থাকিলে িম্বঠিকানায় জানাইলেই দর

মানেলাৰ-জ্যোড়ীয় প্ৰিণ্টিং ভয়াৰ্কস্ ২৪৩২ নং আপান্ত সাতকুলান বোচ, কলিক চ

### विभिक्त बहीत्रा-क्षकाम

### '(प्रमवक्त भारतभाव'

গত ৩০শে জুকাই অপরায় ৪ **ঘটকায়** কালিতে ২কে একটি সভা হয়। সভার 'বেশবকু পাসাপর' নামে একটি লাইবেরী প্রাপন করা ভিন্ন হয় এই লাইবেরীতে ভাতীনভাবের পুত্তকই বেনী থাকিবে।

### নাগপুরে স্বেচ্ছাসেবক ছাউনি

নাগপুর কংগ্রেস কমিটা ১লা আগত্ত হটতে বেচ্ছাসেবকদের শিক্ষার ছাউনী গুলিভেছেন। শিক্ষা একমাধকাল দেওয়া হটবে। স্বেচ্ছাসেবক্দিগকে ভাষ্টদের কথাবাভায় হিন্দা ভাষা ব্যবহার করিতে আন্দেশ দেশবা হইয়াছে।

### दान द्धेगान हादात्र की जि

কটনক প্রান্ত পথিক নৈরাটা টেশনের বিপ্রামাগারে নিজের ক্টকেস পালে রাখিনা নিংসজোচে নিজা ঘাইছেছিল। এই সময়ে মহ'দেব কাহার নামক একজন লাগা টোব উক্ত স্কটকেসটা সরাধ্যা ফেলে। শিয়ালদহের প্রাস্থ স্বাহিত্য মি: এইচ, এল, দার মহাদেব কাহারের উপরোক্ত অপরাশে হয় মাস স্থ্রম কারা-ছাতের হসুম দিয়াছেন।

#### च्यदेवश च्यक्ताचादत्रत्र ८७दे।

কুর্রির সহিত একমত তইয়া চুচ্ডার জিলা ও দায়রা জল মিঃ এস, সেন, চতুদ্দবর্থীয়া কোন বিবাহিতা বালিকার উপর অত্যাচারের চেঠা করিবার অপরাধে ৩১শে জুলাই অপরাত্তে আনন্দ চৌধুবীর প্রতি ছহ বংসর সন্ত্রম কারাণণ্ডের আদেশ দিরাছেন। অভিযোগে প্রকাশ, গভ ১৯শে এপ্রিল ভারিশে রাজি প্রায় ছইটার সময় লাসামী বালিকার গাজবাদ স্কাইয়া ক্ষেত্রিক বালিকাটী চাঁৎকার করিয়া উত্তে এবং তথন তাত্যকে গ্রেপ্তার করিয়া প্রতিশের হল্পে সমর্পণ করা হয়।

### লোভিটেট অফিলে পুলিলের হালা

বুংহাল আয়ালের ৫কটা সংবাদে ক্রমান, সোভিদেট ক্যানিয়াল হেড কোনাটালের আফিসসমূহে প্লিমের হানা ছইরা গিছাছে। অফিসের সমগ্র কর্মন চারী যাহালের সংখ্যা ১৬০ জন ছইবে থ্রা ১৫ জন জীলোক গ্রেপ্তার হইরাছে। উক্ত ক্যালে হেড কোনাটার্ল 'আমতর্গ' নামে প্রখ্যাত।

### विद्रमारम पामाण्याम

সহরের জনেক কার্টাতে—বান্তরায় বিহুত রগজিৎ চক্রবতীর বাটিতে ও কালীবাড়ী ওয়ার্ডে কলেজ চাজদের আর্থামেস প্রেক্তভিতে কোণ্ডোয়ালী পুলিল ৩-লে জুলাই অপরাস্থে থানাছরাস করে। কোপাও কোনও সন্দেহজনক জিনিস পাওয়া বায় নাই বা কাহাকেও এপ্রার করা হয় নাই।

### বড়লাটের নিকট পাতিয়ালা

সিমলা হইতে প্রকাশ যে,পাডিযালার মহারা গা গত ৩০শে জুলাই প্রতিনিরি সহিত সাকাৎ করিয়াছিলেন।

জিবংশুরের মহারাজা ও তাঁহার রাথে। প্রশেষে পূর্বি জননী ছোট মহারাণী সপত্নীক রাজ- তাঁহাকে উদার করে। প্রতিনিধির সাহত সাজাব করেন। প্রতির দান্ত্র

### ভাড়ির দোকান সমস্ত।

কোষেণাটুরের মিউনিগিপাল কাউ
কিল ও জানীয় কালেইরের মন্যে একটা
গোলযোগ উপজিত হইয়াছে। কিছুদিন
পুরে মিউমিসিপালিটাতে এই মদ্ধে এক
কাজার গৃহীত হয় বে, সহরের মিউনিগিপ্যাল এলেকার মন্যে বা ভাহার ও
মাইলের মন্যে তাড়ির লোকান পাক।
বাহ্নীয় নহে। কালেইর উত্তরে জানান
— এ বংসর মার মন্তরুপ বাবহা হ প্যা
সম্ভব নহে। মিউনিসিপ্যাল কাউলিল
উত্তরে জানাইয়াছেন এখনও দেরী হয়
নাই। ভাহার। এই বিষয়, সরকারকে
কানাইবেন।

### ভাকাতের দৌরাস্ক্য

মূকীগঞ্জ ( ঢাকা ) হ'তে প্রকাশ
সম্প্রতি ভোলগায়ের বিনোললাল কুণ্
নামক কনৈক ধনী ব্যানসাধীর বাড়ীতে
এক ডাকাতী হইলা নিরাতে । ডাকাতরা
সংখ্যার প্রায় ২৫ জন ছিল । ডাগো
লিগের সঙ্গে নানাপ্রকার অস্তাদি তিল ।
ডাকারা বাড়ীতে চুকিয়া নগল প্রায় ৭০০
টাকা ও প্রায় ৮০ ভোলা সোনার
অশক্ষার লইলা সরিয়া পড়িয়াতে । এই
সম্প্রেক পুলিসের ভলস্ত চলিতেতে ।

### ৰক্তাশীকিওলৈয় সাহাত্য্যে কংগ্ৰেস

ষদীর প্রাদেশিক ক-প্রেস কনিটার সভাপতি প্রীয়ত প্রভাগতন্ত বস্থ জানাইডে-ভেন যে বাজালার নানাহানে প্লাবনের যে ভীগণ সংবাদ পাওয়া আইডেছে ভালতে ঐ সক্ষণ অঞ্চলের লোকাদগকে সাহাব্য করা নিভান্ত আবস্তুক। কংগ্রেস ক্ষিটা এই ভক্ত স্বাদি সংগ্রহ করিবার অন্ত একটা বিভাগ শ্বনিরাছেন। বাহারা ষক্তালীড়িতদের সাহায্যাবে অর্থ বজাদি সাহায্য করিবেন, তাঁহারা গেন উচ্চ ১নং ওয়েলিংটন ইটেে কংগ্রেন কমিটীন সহাপতি বা সম্পাদকের নিকট ত্থেরণ করেন।

### নারী চুরির মামল।

মৌলভীবাজার হুইতে প্রকাশ যে
পাঠকবর্গের অরণ আছে, বিনোদিনী
দানী নারা জানৈকা মহিলা পাজীয়েরে
উহোর এক আর্ত্মীয়ের বাড়ীতে ঘাইতেহিলেন এমন সম্যে প্রিণন্দ্র ক্ষেকজন
ভাল্য জাহাকে বলপুক্ষ ধ্রিয়া লইয়া
যায় ও একটি পোপন পানে প্রকাশিত
রাকে। প্রশেষ প্রিণাসংবাদ পাইয়া
জীহাকে উল্লেষ্ড ব্র

আছিটের দানের আনালতে এই
মান্ধাৰ বিচার নেষ হইণা গিলাছে।
ছাল বিচারে খানামী সোনাহ মিপ্তাকে ব
ব্যাবের স্থান ও খালর ও জন আসামীর
প্রোচাকে ৪ ব্যাবের জন্ম স্থান কার্যাতে

নাবংশক আস্থানীকে কি ভাবে দণ্ডিত কলিতে ইইবে ভাতর উপ্দেশ প্রার্থনা কলেয়া হল ভাতকোটকে ফানাহয়ান ডেন।

### চতুর্দিকে প্রহরী চিয়াংক।ইদেককে মারিবার চেঠা

নানকিং ১ইতে প্রকাশ বে প্রেসিডেন্ট চিয়াংগিকাইকে হতা। কলিবার শিষিত বিশেষ চেঠা হইতেভিল। প্রেগিডেন্ট পুর কড়া পাহারার অন্তরালো অব্ভিড রহিয়াছেন।

ক্ষেক্ষন ষড়যন্ত্ৰপানী গ্রা পড়িয়াছে। ভাহারা স্থাকার করিয়াছে, ক্যান্টানক গভর্মাকী ভাহাদিশকে চিমাংকে খুন করিবার ভুকুম দিয়াছে।

### কাশ্মীর মহারাজের বি**ক্লাডে** আন্দোলন

ক্রনার হইতে প্রকাশ বে কুলানা ভহনীলে মুনলমান নাবেব তহনীলাগালের প্রেরোচনার কলে কয়েকটা পোহতা। হ্ট্যাটে বলিহা প্রকাশ। ইহা কাশাঁর রাজ্যের আইনের বিরোণী। প্রকাশ, উক্ত মুনলমান কর্মচারী এইরপ প্রভার করিতেন বে, মহারাজ সে ক্ষলের গোহতার করিতেন কর্মচারাজ সে ক্ষলের গোহতার ক্ষারতম কর্মচালাক প্রকাশন হইলাকে,। আর ও প্রকাশ, উক্ত শরকারী কর্মচারী মহারাজের বিরুদ্ধে আন্যোলন চালাইবার ক্ষারুদ্ধের বিরুদ্ধে আন্যোলন চালাইবার

### श्रियुक स्माध्यादे भगारतेत

মলা জাগই প্রাতঃকালে শ্রীণৃত বল্লভাই পাটেল জামেদাবাদে আদিয়া পৌভিনাভেন। গুল্ফাট বিভাপীটেলু বাড়ীতে তিনি মধাআলীয় সহিত প্রামণ । করিতেতেন এবং কংগ্রেস কমিটার প্রাদণে এক জনসভাল তিনি মঞ্জাতা করিকেন বিল্লভ্রাতে।

### ষড়কাট আসালে রিভলভারের শুসীভে পুলিসের মৃত্যু

নিমিলা ছইতে প্রকাশ নে, রাজপ্রতিনি নিমিল প্রাসাদে একখন প্রির একটি রিভলভার পরিকার করিতেছিল এমন মলয় সহসা একটি প্রী বহির্গত হট্যা পার্ছস্টি দ্রাহ্মান অপর কেটি প্রাসের দেকে নিজ হয়, ফলে নে ভংক্ষণাৎ মৃত্যুদ্ধে প্রিত হয়।

রিভণভাবের খালীতে সাংঘাতিকভাবে আছেত বাতির নাম থের গাঁও যে
একজন সংগ্র কন্টেবল ছিল। অপর
বাতির এমে আকাসে আবো, মেলাভোর
পুলিমের একজন আস্পারী কন্টেবল।
স্কের খার বজাহেলে ওলা বিকান্ত।
উপযুক্ত চিকিৎসা করা ন্টেব্ সে

### বন্দুক্ষারা ভীতি প্রদর্শন

মাছুরা হইতে একাশ যে আইপ হাউন নেচের হটনক ভাড়ি বিক্ষেতার হাতা মিঠার শানসূগ ছুক্সরাম প্রামনি গত বংশ জুলাই পিকেটারদিগকে কেটি লোনালা বক্ষুক বাহির ক্রিয়া ভঃ দেখাইবার অপরাধে পুলিস কর্ত্বক অজ আইনের ৭১ ও ফৌজ্লারী বিদির ১০৬ ধার ছুঘারী অভিবৃক্ত হইয়াছে। এবং লায়িরকার্থ কেন ভিনি বাণ্য পাক্ষিবেন না ভাহার কারণ প্রাশন ক্রিডে বলা ইয়াছে।



\*\*\*\* STE STEE



मागारवात हात व्या द्वाम (प्रम नानिक के. याश्चासिक द देशिशामिक २५० माशिक 📐 PIT!N હ્વ જિ માથ્યા (

ভারতের সব্দত্র বছল-প্রচার---দীয়া কেলার এক মাত মুখপত

40 P

नम्भाषक—- श्रीञ्च होस्य नाथ वरमग्राभाधायः, विषास्रवाहम्भाङ

এটিচভয়মঠ জীগাম মায়াপুর—২১শে জাবণ বৃহস্পতিবার, ১৩,৮, ৬ই আগষ্ট ১৯০১

### নানা কথা

### রামকৃষ্ণ বিশ্বাদের কাঁদী

লক্ষণ কলিকাভার এক টেলিফোণের সংবাদে প্রকাশ, গত তরা আগেট রাজি এক গুড়ালাপ শ্রমর কাদপ্রের ইনজ্পেক্টর পুরবর্ণী মুবেশপাধ্যায়ের হত্যা সক্ষেক मुद्दानर ७ पर्छ छ बागामी जामकृष्ण विवास्मन कांशो इहेबा लिखाट ।

### মিষ্টার বিঠলভাই প্যাটেলের B'E

ভिচ্छमा इदेख अकाम ता मिः विर्टन-ভাই প্যাটেশ क्रमनः है আরোগ্য পাজ করিতেছেন। তিনি বালয়াভেন যে cula दिवित देखेरक डिनि **डे**निश्ड धाकित्वन ।

### कर्मात्मश हात क्रम्मध

পাৰনা হইতে অঞ্চাপ যে, 🖼 🌠 🕏 অভুগ রক্ষবাগ্টা নামক ছানীয় কলেজের करेनक हात भार १०८० क्नाई है स्थाप हो নদীতে স্থান করিতে গিয়া জ্বামগ্র হয়। পরে ভাষার মৃতদেহ পাওয়া গিয়াছে।

#### दिनांत्रज वटलात्र कटन द्वानमान

क्तिशार्हम त्य, अधिकमिर्शन त्वरम् मङ-कत्रा निक्षि कमाहेशा (४ ७श एडे१ ४) ४ ८३ মাগট ধর্মাট করিয়াছে। ফলে কলের উক্ত এাজণ যুবকই ভালকে বোমাটি গৰণ বিভাগের কার্য বন্ধ হট্ডা দিয়াছিল। পুণিস এই ভান্ধণ যুবককেও शियाहम् ।

## রামক্রফ বিশ্বাসের ফাঁসী

মিফার বিঠলভাই পাটেলের উক্তি

## কলেজের ছাত্র জলমগ্ন

दिवादिन वटक्र करन द्रशानभान

## বীভৎস হত্যাকাণ্ড

প্রোমে আড়াই হাজার ভাকাতের আত্মসমর্পণ

## সেনাদলের কুচকা ওয়াজ

অভিন্যান্স জাতীর অধিকারে ব্যথা

## রাজবন্দী স্থানান্তরিত

নারায়ণপুর মেল ডাকাতির জের

### व्यानात द्वामा वाष्ट्रित

পটেনা হইতে প্রকাশ বে সাহাবাদ बिनाम स्थानात अक्डम ल्लास्क्र निक्छे বেনারণ বল্লের কলের কর্জুপক্ষ ঘোষণা বিশা পাইরা প্রিস ভার্তে গ্রেপ্রার করিয়াছে। একজন আন্ধা ধুবক পুলিদকে **८३ मध्याम मियाक्टिंग। (माक्टिंक** ব্যবহার প্রভিবাদকলে শ্রমিকরা ওয়া প্রেপ্তার করিলে যে নাকি বলিয়াছে বে, **ध्याशात कतियादि ।** 

### চুচ্ডায় জীযুত সেমগুপ্ত

শ্রীযুত জে, এম গেন গুপু গত ৩১শে জুগাই সন্ধাকালে চুচুড়া গ্ৰন ক্রিয়া **८५ नवज्ञ উक्त**हेरबाओं विभागायम वार्षिक পুরক্ষা বিভর্গ করেম। ভদনগুর প্রীযুত দেনগুর পর্নীশহ মোটরারোচণে ভাচ ভিগায় গ্ৰন্থালে তাহার পদ্ধীকে **एक्शनि क**छिन्सन शक द्यान कता

### (जनामरलात कृठकां अश्राक

[১৩২তম সংখ্যা

স্বন্ধ ওথা সেনাদল রাত্রিকালে নারামণ্ণজের রাজপথে পাহারা দিতেছে। श्रानीय युरवाशीय ७ ८११मा इं ७ ग्रामन् এবং গুণ্ হৈছগণ কামান ও বন্দুক দারা मभ्यारचम (कोनम बाङ्यांग कत्रिरच्छा ।

### **हाँ न्या हा जिल्ला**

গত ১লা আগাই শনিবাস চাস্পাহাটী ক্যান্তে ভিলক বানিকী স্বাচিধিবস উপ-লক্ষে প্রাতে প্রার্থনা ও বৈকালে ০ টার সময় মিছিল ও আটার সময় সভাবিবেশন कार्या क्रमुभागात महिल मुल्लात हहेर। विद्राटक :

চাম্পাহটো হইভে গত ২৯শে জুলাই বুধবার রাত্তি অভুনান ২।টোর সময় বন্ধ-मान ८६ लाज अञ्जित शास्त्रत रहेकुक মুগজ্জি নামক একটা স্বেক্তানেবক কাহা-क्टिक का बिश्वा हिला शिवार । কেই তাহার থোঁক পাইলে অতুগ্রহ করিয়া এই ক্যান্দো ফানাইবেন।

গত ৩১শে জ্লাই শুক্রবার হাওড়া त्रनात इत्थवत आयात स्थाप्याध्य हारः ন্মক এককন কেছাসেবক কলেক্সন বজা কণোকস্ম করিতে বাহির হয়; কিন্তু অভাবাৰ ফিরিয়া আসে নাই যদি কেছ পৌজ পাইয়। থাকেন ভবে শ্রম্বর্থ করিয়া আমাদিগকে জানাইবেন। অবিশ চন্ত্ৰ বিশ্বাস।

### রাজনন্দী স্থানাম্বরিড

रेममनशिष्ट ८ वाम शक्तवरी । श्रामात उट्यक्त होन उपना आम निवामी ताक बन्ही ইট্রিড হ্রবেদকুমার বলকে বন্ধা বলীশালা इदेए (नायायानी क्लात तामश्कि बील श्वाशिष्ठ कत्रा हहेग्राह्य ।

## শ্রীবিশ্ববৈষ্ণবরাজসভার পরিব্রাজকগণ

পরিব্রাজকগণের নাম	বর্তমান টিকানা	পৰিব্ৰাজকগণের শাম	বৰ্তমাশ টিকাশা
>। 🕮 त ङक्ति अनीन डीर्च	<b>अ</b> भागा <b>र्</b> त	৮৷ উৎক্তিইনপ পুনী 🛒	क देव
২। 🕮 ছব্জিবিবেক ভারতী	क्रवेक	)। अङ्क्षिपक्षण <b>भर्ता</b> ङ	মযুর ভঞ
৩। 🕮 ছব্দিবিজ্ঞান আশ্ৰেম	<b>ब</b> िगाम्राश्रुत	১০৷ শ্রীডজিবিলার গভড়িনেমি	कतिका हा ,
৪। শ্রীশুক্তিপ্রকাশ অরণ্য	कहेक	১১। ঐতিক্তিরঞ্জন ছব্দিসার	শক্তি জ
१। औ ङक्किन्य रम	<b>শান্তা</b>	১২। এভিভিন্নক জীগর	माजा
৬। শ্রীভ <b>ক্তিদর্ক্</b> য গিরি	অযুতসর	১ <del>৩। শ্রীভব্তিভূ</del> দেন শ্রোভী	<b>এখা</b> য়াপুর
৭। <b>ঐভক্তি</b> বৈভৰ সাগর	<i>হাও</i> লা	১৪। अञ्चलकार्यम् द्वानाग्रमः	कहेक

## শুদ্ধভাক্তমসসমূহ

### শ্রীতৈত্তত্য মঠ

### আকর মটরাজ

श्रातीन नवदील, काकदत व्यथाय यात्रालुत, नशीता

क्र प्रश्नेदारक भारतार्थिक दिन्निक्शक, माइक म्यापारशत आधानिक ख ত্রাচীন প্রভরাজি প্রচার করে 'নদীয়া-প্রকাশ' ব্রালর প্রতিষ্ঠিত ভইনাডেন। এব নে প্রাভিত্তপর ত্রীধাম-পতিক্রমান্তর্ভান ও ক্রগণিত ভক্তপোট্রিনত কীর্ত্তন প্রভারমুখে মहামহোৎগ্ৰাদি ভক্তাৰ অভৃতি চট্টা পাতে। বক্তৰ-প্ৰশ্নতাৰী শ্ৰীপাদ নৱচ্বিত্ৰী। সভকাতী -- ব্রন্ধচারী পশুষ্ঠ শ্রীপাদ গোরখান কাবন্যাকরণতীর্থ, শ্রীপ্রেরণ্ শ্রীপাদ নীরচক্র, অপাধ মন্দ্রপোপাল, প্রীধীনধ্যার্দ্রপাপ, প্রীঅধ্বয়ন, প্রীমন্দ্রপাল, প্রীমৃত্তু कामानिकाती कक नरदस्य, ब्राह्मिय, द्वाव शेरमावन अप्रिटि ।

### ০০) যে:পশীত ঐমন্দির

古事 事---(町事 4)旬日日 গোসামী कहोतां वाकृ श्रीवर्भागव । সহকারী खिनिसानम जपनात्री, श्रेत्राभावित्नाम का क इस्त, श्रीताभवान अवाहाती । श्रीनामन मान अभिकाती, दमनन्त्रा अभीननाथ।

- (8) **এ**শাস-অসম क्ष्मक--- हो श्रष्टा क्ष्म अवश्री ।
  - (१) कट्डिड-छ्रम

क्क क--- श्रेत्रमावन्त्र अ अहे हाथा. व्यापाकम्माम वावाची ।

(७) कालीय मवाधित है

প্রাচীন মারাপর, বামনপুরুষ (নদীয়া) वक्क-वक्कादी कैतिस्मानावनाती।

। ৭) আনন্দ প্রথম-কুঞ

শ্রীপ্রেডিন, পরপ্রস্থ (নদীয়া) कुक्क का श्रमी बन, जाम, अक ।

(৮ औक्शवाध दगोडीय मर्ठ মধ্মনসিংগ [

रित, दश, मक्काशी--- अडियामाम किल-नादी, औडेक्क्कम व्यवंकाती श्राप्ति ।

( ১) ब्लिट्गीय-अनामय-वर्ठ

টাগালটা, সম্প্রগড়, ( বস্কমান )

Beingen unt :

> ্ ১০ শ্রীরূপগোডীয়-ষঠ बादाशम, सम्रात्र केंचे. नि क्षक --- श्रेगर्का वात्र व

### ६ अन्यस्यामः 🕮 ( १८ )

माडिलाकि, कातलुब, वश्वमान। **क्रीश्रामक** ।

### ()>) ভাগবভ আসম

व्यक्ताभवष्ठ (स्थम, क्रमानगत, नागीता। রক্ষক—শ্রীক্ষানন্দ ব্রহারী ভবিদাস্ত্রী

### ( ১৩ ) अधिकामन गर्छ

(गानिसणुक, देशमधानी, नवीता। दक्त 🗕 🖹 भड़गानम अक्षानी । महनारी 🗐 नविभर अफ्रांबी, विक्रमान चित्रकादी, कक विश्वमान।

( ১৪ ) श्रीमाश्य-८गोफोन्न मर्ड

> नः नवानश्व द्वाक , हाका । य<del>ण म --- श</del>्रीवाशावक्रक तक्रवाती, १क १-- ७ कि कु प्रथ काकात अष्ठादी सम्मतानम भवतिकातिताम नि- ध. श्रीमन-গোরাল ব্রন্ধচারী, এপদিতপানন জন্ধ।

( ) ८ ) किरमाभानकी मर्ठ

कश्माश्व, हाका। उक्क---शिक्षानमात्र उक्क भनी

अवनानी क्षेत्रश्वानवानको ।

ত্রশ্বহারী

- (১७) श्रिकारे-८गी । व वर्ठ वक्क-छैपूर्वश्रक उक्काती, श्रीम्किनान
- ()9<sup>9</sup> शिकाशयक्षमामण गर्ठ किक्शिका, बाखरणवसूत्र, द्यविभीसूत्र। धानातः नैक्ट-(श्रावाध-नाक्षणिका शिविनाधीय निकारमया वस्त्रमान । बक्रम--

### ( > ) ब्लीटगोडीव मर्ठ

১७ वर कानिळामान एकानकी ब्रीहे. (भार मानवाचार, कानकाछा। :**उ**णिक्सम वि. वि. ८५५८

মঠরক্ষ--আচার্বাত্রিক শ্রীপাল কুর্মাবলারী বিভাত্তব। সংকারী--পঞ্জিত खीनाम क्षमध्याद्यस्य नदिशाक्षम वि-এ, लीनाम धारावेश्वी उक्षाति, खीनाम 19- a. उपनानी હો બે ઉમાનમાં. জীপাারীযোগন, এখচারী প্রীমণ্যনদ, পতিত প্রীপাদ নবীনকুক প্রতিদ্বা-नवात चिक्तिनात्री मच्चारावदेव ववाहायः, अध्यक्षकानमामाधिकाती वि-এ, शिक्ष नवद्यनाक्ष्म मागाविकाती विन्यम, अध्याप नश्रकांत्रम्, अधिवश्रव ब्रह्मजाती, अधिवश्रवशास्त्रि প্রস্নারী প্রস্কৃতি।

### (১৮) जानगारगढ़। जनशास्त्र

वास्त्रवीत त्याः वद्याम । वक्क-अध्यामी 🕮 श्विकत्माव ।

(১৯) ञीश्रक्तरवासम मर्ठ

पत्रेकार, पुत्री, डेडिग्रा । वक्क - अक्षात्रात्री श्रीलब्रमानम विमाधक. अक्टाडी अमिशासक, श्रेन्द्रनाञ्चन अक्त**ारी. श्रीयाम्यानम अक्ष**राको, खीरनमार **চরণ অশিকারী, জীল্যানিসি পঞা।** 

(२०) क्रिजन-८गोडीय वर्ड আলবচনাথ, একালার পোঃ, পরী। वक्तक--- अस्ति।को जिलक्षरभवती अनामको।

मञ्जाती -- अभागाती औ'वानविकाती ।

- (८३) क्रैनक्रियानम् वर्ड B[@8[7]#14, #6.+ : त्रक्र--अवहाती : निवादत, श्रीतामणम बन्धरार्वे, चीनाव अवस्थानाः वामाविकाती ।
- (३३) अभाषन-त्योषीर मठ क्षर क्षत्रकी जिल्ला, काली । यक्तक- अध्यक्षात्री ज्ञारमधातको, निकारेशाम बन्धाती, जीवकावन बन्धानी ।
  - (३७) जिक्करेडण्या मर्ड श्रीनृतिश्वमात्र कृताः श्रीभाग वृत्रमायन । रुगारु --- श्रीश्रम्प क्रिमाथ अवश्री
    - (২৪) 💂পরমহংস মঠ

देवियायमा, मीलापुत्र क्क -- अवहाती जिन्निरहामक व अवहाती जीवसङ्गाम ।

- (२०) औरेडक्कटमोक्रीस में कुम्बक् का, हिबक् का, यानकृष ू क्रक--- जीवशनाय शह. जीवार शीर्व CHAMEAUI :
- (२७) न्यामध्योद्योग मठ वक्र--अकार्य अध्यास्त्र मान्या গোপাণ একবানী
- (२५) जाष्मग्राका अन्यास्त्र-मः अभिग्याफा, त्याः भास्, वारका अभारत ४६ कुक्युंकि औरगाबारक स्मन वरुपान । रक्षक--- अववामी जीव्याः कृत्र-417. TF ##11 #4 1
- (२৮) विद्वी (श्रीकीय वठ-काव्यालक बन्द (भाषी ७ वन फाल्नात इमन, निक्रे विश्ली वक्क-अकार्ती चैतीतक्क, औकूनाम्बत श्रीवागाव्यग्ठवन्त्रव
  - (२**३) ८शाशामशाका-अश्राध्य** क्षण-अधारी खोवाबारमावन
- (७०) माजाबदगोड़ीय मठ नर्व (भागागपूरम्, कार्राव्यः ग, शासाक क्षणय-- किम' छत्रायी 🕮 । हास्त्रियम् म 🏖 १व मनावाच, मनकावी---विक्शिकामी अधन क्रिक क्रम क्रिगात, जीनाम क्रमम्म अभवामी, अभाग (माकीममान बन्नाती. প্রী বাধ বিষয়ত্রণ ভ্রমচারী প্রক্রিশারা त्रीनाम द्वार खगामम सम्बद्धारो ।
  - (७১) यामभरगाभाग भाषे कांशनजुलि, छावला, मणील दणय-अधिको औरमनगानम

### विविध्यम्प्रीचारको कराठः



यक्षेत्र य

৮ গ্রীপর গৌরান্স ৪৪৫, ২১৫ৰ আনেৰ বঙ্গান্দ ১০০৮, ৬ আগন্ত ইং ১৯০১ বৃহস্পত্তিশার

्रें ७२ डम मश्या

### সাময়িক সন্দেশ

্ণ্যুক্তর: স্কপ্রাসন্ধ পারনাথিক সাপ্তাহিক र्दिनोड़ीय अस नर्ष १०व मर्गा भारते सन्तर्भ छ কটলাম. -- নিভালীলা প্রবিষ্ট প্রেসাথা জীল কংবেছ ভক্তিরঞ্জন মহাশংগ্রের আরের ও অভীপেত শ্রীগৌড়ীয় মঠের শ্রীম্নির, শ্রীনারস্বত-নাটানন্দির এবং সেবকথ গ্রানির অবলিষ্ঠ কাণ্য ভক্তিরঞ্জন মনোহতীই-भूतरेनक्यक्रोका त्रमा ङ्क्तिम्डी (श्रेताया-महतियोगातात जेकाश्चिकी हेन्द्रात अ শ্রীগৌড়ীয় মঠরকক আচাণ্যাত্রক শ্রীণ ক্ষানিহারীবিভাভ ৭ ভারতবন্ধ প্রের खकरको डांशरको द्वाराष्ट्रक ८ मरेनक उरुपत शत नित्निय कि श्राधात महिल कातक इक्साटक। স্মাৰা কৰা যায়, জ্রীগৌড়ীয় মঠের স্মাগামী কিনিকাডায় ভঙ্গিজন করিভেছেন। উৎসবের মধ্যে শ্রীমন্দির ও নাট্যমন্দিরাদির কার্য্য আমরা সমাপ্ত দশন করিতে পারিব।

এগ্রেড়ীয়মরে এচিকিবিনোদ আসন সারস্বত-নাট্য-মন্দিরে 🕮 শ বর্ণবন্ধ ভবিত-त्रसन् मरहाषरभन्न अस्ति स्वृहद आरमभा । शाम कतिराउरहन । केटलायरभा मरत्रिक करेतारक । क्रिस्मोडीय-यटित উৎশव-मध्या ङक्तितक्कानत मिरापर्णत **उन्हान मृधि श्रीकीशगरनम क्षम**्य डेन्ह्रोश করিবার জন্ত ভত্তি রঞ্জন-আলেখ্যের উম্মোচন-উৎসব হইবে।

**শ্রিংগাড়ীর মঠরক্তক প্রাকৃ এ**বংসর শ্রীগৌড়ীর-মহোৎসবের মহতী আগমনী-क्रिकि गाहिरक्रद्व । औरगोकीव मर्द्वत गरमध दि कुन्दि ग्रन्थ दरमद छेरमदनद मगद

भावगानिक अवस्थानी डिल्वाण्डि इहे छिन, **८म्बेकात्म कल्डितक्षम मरहाम**रधन मुमानि স্থাপিত ছওয়ান জীগোড়ীন-মঠের সন্নিকটত্ত বাগণাঞ্চার স্টাটের উপরে কর্পোরেশনের চারি বিঘা রিমিত বিস্তুত ভূমণ্ড প্রদর্শনীর জ্ঞ সংগৃগীত হইয়াছে। এবংসৰ এই অবিশ্বত ভূপতে প্রবর্ণনী উল্লাটিও হইলে বিপুল লোকসভেষর দশনের কোনই কুঠতা অভিতীয় লীলাত্মণী উল্পুক্ষোভেমকেও रुइति सा, आना कना गात ।

মান্ত্রাজ্ঞ গৌড়ীরমঠের মঠাকক, শুসার मना। इसक, नामं अनत क्रिनिडियामा ন্মীমন্ত্রজিক্ষরর এন মহারাজ গ্রাভতি গেবক-वृक्ष जीम ध्राप्तातम् माना शिक्षवत्तम् भात-মার্পিক প্রেরণনীর যেবার জলু মন্ত্রণ হইতে

গৌড়ীয়সম্পাদক-সঙ্গনতি গোসামী শ্রীল ভজিলারদ প্রাপু শ্রীপুরুষোত্তন মঠের শ্ৰীমন্দিৰনিমাণ-কাৰ্য থাহাতে স্কুল্ভাবে সক্লাদিত হইছে পারে, ভজ্জ অসামাস্ত

व्यक्तिमा अभाग अभागम अक्रानी বিভারত প্রভন্ন বিশেষ দেবা ও উজোগে चीन अजुशाम्त्र शता এই ममात जीश्रक বোত্তম মঠের ত্রীমন্দিরের ভিত্তি-সংস্থাপন-কাৰ্য্য সম্পাদিত হইয়াছে। আচাণ্য জ্ৰীপাদ আনুত্র সেধানিটা আমরা শ্রীমালালনাথ শ্রীমন্দির সংখ্যারের বিভিন্ন कार्ता ७ वर्षन कतिता मूध इटेट छि ।

বৈশ্যৰ মহারাজ মাননীয় ময়ুরভঞাধি-সুখ্যাধিপতি ও ত্রিদণ্ডিম্বামী 🖨 শ্রীনম্বকি-ু নিবেক ভারতী মহানাজের গুরুঞ্পাল্ড त्मनाकृत्व वाच कतिनाहि, खरमत्त्र आठागा প্রাণাদ পরমানন্দ বিভারের প্রাভুর সেবাচেটা সংযোজিত হওবাৰ শ্ৰীশ্ৰীপ্ৰসংগীবাঙ্গের শ্রীপুরুমে,তম মতের নৃতন শ্রীমন্দিরের ভিত্তি স স্থানিত ১ইবেড বিনা।

সম্পতি ত্রীস গোস্বামী প্রভূ শ্রীলেট্রায় মঠের ইৎসব উপলক্ষে কলিকাতা ' শুভবিজয় করিনেন

গত ২৬শে জুনাই রবিবার কটক শ্রীস'চ্চদানন্দ মঠের ষষ্ঠ বাষিক উৎপ্র উনল্কে শ্রীমটে প্রতিহিক সাকা কাঁড়ন ও শ্রীমন্ত্রাগরত পাঠাঞ্জে সমবেত শ্রোভূম ওলীকে নিচিত্র মহাপ্রধাদ বিভরণ করা হইয়াছিল। ক্রিনভিশ্বামী শ্রীমদ ভক্তিবিবেক ভারতী মহারাক শ্রীমঠে প্রভাহ শ্রীমন্তাগবভ পাঠ ও ব্যাখ্যা করিতেছেন। স্থামিজীর ভঞ্জি-সিদাস্তসম্বিত ব্যাখাশেবৰে আবালবুদ্ধ বনিতা শ্রীহরিসেবার প্রাক্ত তাৎপর্য্য সমাক্ জ্বভঙ্গম করিবার সুখোগ প্রাপ্ত হইঞা আগনাদিগকে কুতার্থ জ্ঞান করিতেছেন। খামিজীর ব্যাগার একাণারে স্থসিকাম্বপূর্ণ এবং শিশুবোধা সহজ স্থললিভ ভাষা প্রযুক্ত হ ওরায় সকলেরই অত্যন্ত হাদরপ্রাথী इडेरउरह् ।

श्रष्ठ ३०३ आवन २०१म स्वाहि द्व-াভির আনুক্লা, যাহা আমরা গৌড়ীল্মী বার বিস্তিস্বানী শ্রীমদ্ ভবিংবিকে ভারতী महाताम क्रिक भीगक्तिशानसम्बद्ध श्रीमग्रहा-প্রাভূপ আচার প্রভার-লীলা ছায়াচিকে श्राप्तनीय करियार्डिय । सहरवस वस श्रान-भाना लाक धनः चल्रमहिना माधाः চিএসন্দর্শন ও চিত্রবর্ণন শ্রবণে বিছাভজের क्यां है है। साधुष्टरकात्र मतल्डा, प्रक्रित স্কল্পভার বিষয় বিশেষভাবে বুঝিবার অবকাশ পাইলছেন। বিবিধ উপায়ে শ্রীগৌর ক্ষেত্র প্রচাতিত, জ বের সংঘ্রধ্যে ব উর্বোধনের চেটা দেশিয়া অনেক স্ক্রেন বলিতেছেন, —"আপনাৰা আসাদিগকে ক্রীভগবানের সেয়ার নিবুক্ত কবিবার জ্ব<del>কু</del> যেরূপ প্রাণ গভ পরিশন করিতেছেন এবং যে প্রকারে চেটা করিভেছেন, ভারতে আমৰা আপনাদিগেৰ নিকট চির্থানী।"

> পত ১৯শে জুগাই প্রান্তে ব্রিদভিযামী শ্রীমন্তব্দিবিবেক ভারতী মহারাছ প্রফেসব জীবৃত নিশিকান্ত সাল্লাল এম এ ভজি-স্থাকর ভজিশালী মহোদরের সহিত মঠ হইতে বাহির হইয়া গভর্মেণ্ট প্রীদাশ এবং Law Lecturer, Professor চিন্তানণি আচার্য্য, প্রদেশর বহাকর পতি, প্রফেসর লোকনাথ পতি, প্রাক্ষর পরশুরাম মিল্ল, व्यक्तित्रत्र (प्रत्व । मू:भाषाताम ध्ववः व्यक्ति-সর গোরকনাথ সিং প্রান্থীত বিধন্মগুলীর নিকট শ্রীচৈত্র মহাপ্রভুৱ প্রচারিত ও অচ্চরিত জৈবদগ্রের কণা **ক্টা**র্ডন **করেন।** ভাঁচারা বিশেষ আনন্দ প্রকাশ করিয়া মঠে সাসিতে ইচ্ছা প্রকাশ করি হৈছেন ঃ

### भाशिक गृश्वन भागित्वत উপায় কি গ

, 5 }

সাধ, রজ, ও তন, এটা তিন প্রকার 1997 मार्गत मुख्या । स्वत्र अंश्वरण म्हाल. র জা গুণরূপ শুমাল এবং তলো গুণরূপ শুখান--এই ভিন প্রেকার শুখালের দাবা मछाकान्यन चानक इंदेश था:कन। स्त्रीत সাংধ্য इंडेन, ताङ्गिक इंडेन वा छात्रिक ২উন, সকলেই শৃখাণাৰদ্ধ। কোনটা স্বৰ্ণ শৃথ্য, কোনী রৌপা শৃথ্য, কোনটা ता त्योक मुख्या। कैशता माङ्गरकार शुन्क अधिकार मक्यांके मुख्या वह बात् কিছু নয় এবং দকলেবই বছন করা কাষ্য বাত ৬ শক্ত কাগে নাই।

মনেকের মনে হাত এইকাপ প্রাপ্ত উঠিতে পাবে গে, মানিক বস্থার যথম চিগন্তকে স্পৰ্শ কৰিবলৈ ক্ষমত। নাই, তথ্য তিরার জীব মাতিক শুখাশ স্থারা কিপ্রাকারে আন্ধি কটাতে পারেমণ জীব ভাগের অরূপে অব্ভিত্ত হুইয়া যথন শ্রীক্রটের নিভাসেবার তাহিন্তিত থাকেন, তথন মাতার পৃথাস উহ্নের উপর কাষ্যকরী কর না। কিন্ধ 'আমি মার্ডোক।' এই অভিনান কবিবানাৰ ওড়াহকাররূপ একটা লিনাবরণ ভাঁহার চিংস্বর্গকে আজ্ঞানিত कानहा (करण अनर समझ लिकावु 5 के रनत পদ্ধরে মাধিক নিগড় প্রায়ক্ত তথ্য

मार्डक अध्याति शिष्टे कीन मक्य সাজ্ঞিক বা প্রব্ নিগড়ে আবদ হট চ डिके.माकराना । भगवात श्रम स्थाप हरा: রাজ্ঞ কান্সকর দেবতা ও মন্ত্রাভার্মিল, : ভাগার) বেগে নিগতে আবন্ধ, ভানদ জাবস্কল পঞ্চালাকালার জড়াননে মঙ্ क्ट्रा (बोर्ड मुश्रास्त्र । बाताय कात्रक द्वा । 远界有效 "前一次有数一带钢铁棒等" 阿拉特奇 কালাগাৰে আলে থাকিয়া বহু ক্লেপ চন্দ্ৰাগ

कार अभाग विभागः नाच करिताव ्रमते । तक्षरमदक कृष्या (क्या न्यू) क्षणरमदस्य । क्षमाभाग्य क्राफाम रिवामान्द्रक रामग्र भिष्याच वर्गः रहते रामग्र ক্রমে অবিধার ত্রালোগী স্বস্তের লভে ২০০৩ প্রকো। না ও বিধানে গ্রেষ্ঠ অস্ত নি ছেব কথা উল্লেখ করি । নিশিক্ত अग ५ एच राज भावत करार यात्र कहेरा । शास्त्रम गाहे । के मार्ग के निराप्त कहेराड कें। बार क्षेत्रल दक्क शांतर की लिए रून है। में अं अधिवाल हैराव है कि निरम्भ करिया ানাওলার হল চার পর জাবের বে সমন্ত ও ব বিলয়তেমন যে, যদিও ভারবা জীবের পরক ক্ত উন্তর : ১ ৩(১) নিব্রের জন্ম করে স かいいゆ がちょうしゅうし

लाकोर : क्या, व्यक्ति, राक्ष, हाम, शतिर ो छिड़ाहाई छेटा अहेरड युक्त क्टेट्ड शहिता, शाम ७ अर्थन अरे ६६টी विकास क्रमान(३४ ) अस क्रिम क्रीकाल नहा ; आए द्वर द्वरक-বর্ষ : জুবা, তুবলা পাছতি উ দেনের মতার ৷ বিগ্রহ ত্তাবান মীনী ওকলেবের পালপ্রে 🕽

ভোগবাদনার ছারা চাগিত অভদেধ্যক। कीत बाहात. मिला, मझ, देखानित বলাভত। বিষণ ভোগের অস্ত তিনি সদসং কথনও পুৰাফলে স্বৰ্গলোকে স্বৰ্গন্তৰ ভোগ, कथन ५ ता भागात्यम भटन नवटक जिल्हाक অধ্যে যালাভোগ করিতে হয়। তিনি व्यक्रेश्वण कषां ५८क लिइ.। व्यह्यहः निष्णानः इन्ने भ के महमात-कातानादन छ। । । । । । भारकन ।

এই প্রকার ছবে কটে গভিত দীব ভ্রিপ্রেপ্র জন্ম অনেক প্রকার কর্মা কলিতে প্রক্রে। জ্বা, ড্রান্ডিন্ডণ জ্জ काराया ७ ८०म अनग्रामि म् अस्टिन गर्दे, ্সেই বেই সুবাস্কল সহছে গ্রেব্বি ওর বহু প্ৰিশ্ৰম ছালা খণ্ড সঞ্য করিবাৰ ষত্র তাঁহাকে আলেতে হয় । লাভ নিবাবলের कक तक माध्य करतमः, शेक्स्यव्य<sup>ह</sup>ार्थमः भित्रिक्ष अन्य निवादानि कार्या निवृक्ष दन, কৃত্রত্ব ও সভানাদির স্থেম্ব্রতি ও অভাব নিচুত্তির জন্ম বহুবিদ প্রিলেন করেন, রেলে मिराद्रास्त कक्क छेवन छारमध्य करनमः विस्ता तकात शक्त वानविवास अवि इस । মোট কথা, কামজেনাপদি সভ্বিপ্ৰ বৰ্ণ ভূত হইলা অনেক প্রকার এগতে রঙ হম। এইরপ ভাবে অভাবনির'ও কবিং এ করিতে করিতে ভারার হান্মাথ হলৈ। याग । करन व्यक्तिम स्नव दक्तानकारमह উগ্রের ভাগো ঘটে না: মার কংখার ষ্রো কল্মকলের ভোগ মই কবিতে গিণ क्रिकार इ. कर्का भारतके कानक करेता १९५म. কন্মভোগ হৰ্ণছে। কেনেদিন ছুটা গান না।

এইজপু সংস্থার ডিস্থা কলিছে কলিছে আৰ প্ৰমান চিতাৰ অবস্ত্ৰ আটে না। মায়াবদ্ধ ভাবেৰ দি পরাত্ত কিবল অন্থ हिंशुध वर्ष ७ ६३ । यात, डाक्त दक्षी तित है। तम्भानन हो संस्था स्टब्स १५.६क (सर्विधाःस्म. - मिल्हा হিতে ন্তৰং नानार-म 5 ना नन्ध। सिना ठार्थकना রালন কুটুপভরণেন বাচ অগাই চালিক জীবের দিবভোগে অর্পচেষ্টায় ও ভেদ্ধারা - कर्रेषचनभ-कारमा, तारिकाल मिल्लाराच्या धनः यूनाकारण त डिकिश्टर नहीं ड करेता यात्र ह

গীত্যে নী, হগবান তিন প্রকাশ মানিক €\$ শুখালমুক হওৱা পুৰই কঠিন, িভ্যা<sup>তি</sup> বাহাল। আ্যান্ট ভ্গাবংস্কাপের की देत क्षेत्र कारकारी कड़ीम प्रमा अर्थिक है। सम्मार्थिक चौकान करना,

### खाशाय अगर

শীবৃদ্ধ কুমুদনাপ মল্লিক মাালয় ভাঁচার ক।মাকত্ম করিতে বাধা হন। তক্তক রচিত নবীপ্রকাতিনী পুত্রক লিপিলাছেন বে. হেটিংসের স্থপ্রসিদ্ধ সেওটান গছালোপিক সিংহ শেষ জীশনে পোপাঞ্জিত অতুল বিভাগৈতৰ লালা বাৰুকে দ্বান করিলা ছুট ছিন শভ নৈশ্ৰী সংখ ন্বনীপে বংস ক্ৰিণ্ডিলেন। তিনি নক্ষাপ্ৰলিটিত রামচরাপুরে একটা ৬০ ফুট উচ্চ স্রীমন্দির নিকাণ করাইয়া অভিনি অভ্যাগত বৈক্ষব-দিগের সেবার ব্যাবস্থ কবিরাছিলেন। এই রামচল্ডপুর কোলার 📍 উলা নবরীপ-সন্ধিতি একটা গ্রাম এই উহা প্রদানগরের भिक्तातम । श्रीमाराभूत बहरड । १वरकान (१) দক্ষণ দিচন কোৰে ভাৰত্তিভ। ব্যুমান কালেৰ নদীৱ ছাঙ্গান জাৱও একট REA SIFARI FOREIGN 1

> कार्क ऐकारता सम्ब क्रियाओ अर् द्य পথ নিয়া থাড়ান ব্যাহর চইসাভিপ্রেন, ভাগার সর্বনা তৈওক নাগরতে আছে। উহা (८) (४०) याः (य. क्रीमग्राश अप काणनात মাণাপুৰ ঘাটে আগে বহু নুভা কৰিয়া মান্ট্রের ঘটে, বার্কেনো ঘটে ও নগেরিয়া भाष्ट्रिकात अवया राष्ट्रामहादत्त । स्मीविधाविद्यान ভাগাং ভথনকার গজালোবিন সিংহের বাংচলপুৰের স্থিকট পোছি।ছিলেন। हेश दहेता विशेष सार्थ १००

অপেন্তে যাটে আগে ১৫ নুছা কার ৷ करत शामगरनम चाएँ उपरासन उपीत्रधांत अ नान्तकार। यात्वे माधनिश वात्वे तिला । গঞ্র মন্ব দিন গেলা সিম্বী । ॥

मनीशत এकारछ नवत मिम्नीश । নাণিতে নাডিতে প্রভু উদ্ধবিদ্য বিশোল

বামচকুপুৰ প্ৰাম যে ক্ষমীতে দেখান হয়, ভাগা কাগজানিতে 'বাগিনহীপের মাঠ' নামে আংগাত আছে। সভরা উত। ন্বভীচের বাহিতের জ্ঞান। সেই অকু भुक्त भुक्त (व्यथकारण मकामध्ये तामहसूचनाःक নবদীপের সমিধিত কবি বিশিষ্ঠ গ্রিষ্ট্রেন। के कामा कुला वार्यायाम शत्रावाक्षी । ই মালপুরসংগ্র ভূমি হটতে পুণক্ ও ভিন্ন। ইস্লামপুর প্রগণাস্তর্গত ভূমিতে শ্রীমানাপুর অন্তিত ও উচালে খীপের মঠ, অথাং প্রকৃত নব্দীপের ভূমি ব্লিখা কাগ্লাদিতে (म्थान चार्ड I

প্রশন্ন ১টয়া শ্রীমন্থাগ্রতাক্ত "তত্মাদ্বারত সকাত্ম ভগবানীখনো ছবিং। ভ্রোভবাঃ ক<sup>®</sup>শ্বিত্যান্ড অন্তব্যন্তেকভাভনে।।" এই আদেশবাণী পালম করিতে পাকিলেট ভীব মায়ানিগড় হইতে মুক্ত হুইবার যোগ্য ट्टेंग्ड शास्त्रम् ।

### যংকিঞিং

( পৃক্তরকাশিত ১৩১ সংগার পর )

याशता व्यापंत माम, काशामत উत्मन **टकान ध्रकारत कर्य हेभाकान क**ता। एकाता ऋक्षांग इंड्या यात्र नः। व्यनक्षक না হটতে পারিলে ক্লম্নীতি হল না। पेशिया कानक अल. ভাষারা কংনও ইত্র দেবদেবীর উপাসনার কথা প্রচাদ करतम मा व्यथवा रमाकतक्षम करिएड शिहा অংশের লোভে অপ্সিক্ষাস্থের প্রেপ্ত দিয়া C215: कथात व्यक्ति क जन ना।

द्दरम्बिडे सम्बद्ध १४ विष्यु मा द्वर শাহের হীনাঃ পুরাধ্যায়। পुत परीनाः क्रमित्म *सर्वा*ष्ट अधिकत्ता भाष्यकः भाष्य

क्षांत्रभाग नरशन, - - ८२५ मध्य अतिस्र कात्रभ क्षण हिर्शाक्त कलिए अन्नम्भ इंड्रोस লোকে বৰ্মনান্ত্ৰণ সভাবেন্দ্ৰ কলেন। ভাষ্টাভ वेष्टिक न्यांच कतिना मान हेरलावन कतिहा অখন হইলে পুৰণে,তন হন। পুৰাণ বাচান ক্ষমমধ্য ঘটিকো রুমির খারাই কীবিক। নিবাহে প্রেয়, জান কবেন। সলা वास्त्रा, ८८मनाक्षरात्रे, भगनाम्यासासा পুৰাগশাধিকান প্ৰাকৃতিকে উদাবৰ ভক্ত र्कतिका अञ्चलकाता है। इस्ताहर सङ्घ नाप्यति अञ्चल याकात रहण्यीचनः, व अधानमारि अञ्चल शाक्ष्य ब्रिटिशिय स्टब्स्ड বান্ধ্যবের ভারণাম বুদান। আবার Biefing Granguig Migfeling perim सकत अकात बन्धि ५०%तम्बिद्धात बाह्यत्व বৈষ্ট্ৰৰ ক্ষা সংহিত্য অগ্ৰেপ্ছেন্ন প্ৰক্ আপেকে ভাগৰত প্ৰিণা প্ৰচাৰ কৰাই ভাবিকার উল্লেখ্যর করেন।

ধাহার। অপাৎ শাস্ত, তাহাব। অপের জন্ত এমন কোন বুদ্তি নাই, যাহা কৰিছে কুঞ্জিত हम। एक्क्यर भारत साम्म लाह-প্রাধ্বের চিত্র উপ্রিট্রুকাপে অক্সিত ক্রিট্রেম ।

### মুদ্রাকর-প্রমাদ

গভ ১২৯ সংখ্যা नतीतां श्रकारमत । ४० পুগর ৪থ ভাষে ১ম পংক্তিতে "বেলিক" স্থানে ''মলিক" এবং ১৩০ সংখ্যার ৩য় প্রায় 'সাময়িক সন্দেশ' শার্ষক প্রাথমের ১৭৯ পংক্তিতে 'কলিকল্পিনোম্পিগণের' স্থানে ''ক্ৰিকলশিবোমণিগণের"--এইরাল পাঠ ইইবে। মুদ্রাকরের প্রেমাদবশতই এরপ ত্ব চইয়াছে। সাশা করি, পাঠকগণ উহা मःरनाधन कतियां नहेवा शक्तित्व ।

## গ্রন্থ পরিচয়

### **শ্রী,মন্তাগবতম**

শ্রীন্মান্তির ক্লাইপেশায়ন বেলব্যাস থাপাত মূল, প্রীন্নন্ন মধ্যাচায়া-কতা ভাৎপথ্য-নির্মানীকা, প্রীন্নন্নির্নাণ চক্রবাধী সাক্রবাককত সারাপদালী টকা, বলাগুবাক, সংগ্রুত ক্রয়ন্ত্র প্রতিপ্রকাশ, তথা ও বিস্তায়াদিগুরু। প্রতি ইন্দের আদিতে সেই এক্ষের আহিপান্ত কথানার, অন্যায়ের প্রথমে ক্রন্ত্রাকের বার্যাহ তবিস্তাত ভাৎপ্যাালি বিস্তা। শোকস্টী ক্রের্নির্না তবিস্তাত ভালপ্রীন্নির্না প্রান্ত তবিস্তাত ভালপ্রীন্নির্না প্রান্ত তবিস্তা ক্রেন্নির্না প্রান্ত তবিস্তা ক্রেন্নির্না প্রান্ত তবিস্তা ক্রম্বানির্না প্রান্ত তবিস্তা ক্রম্বানির্না প্রান্ত ভালপ্রীন্নির্না ক্রমানির্না করেন্ত্রা ক্রমানির্না ক্রমানির্না ক্রমানির্না ক্রমানির্না ক্রমানির্না ক্রমানির্না করেন্ত্রা করেন্ত্রা করেন্ত্রা করেন্ত্রা করেন্ত্রা ক্রমানির্না করেন্ত্রা করেন্ত্রা করেন্ত্রা করেন্ত্রা ক্রমানির্না করেন্ত্রা কর

### এ এটেড গুচরিভাষত

Find her 1

### **এটেডগ্রা**ভাগরত

১৬কারের দীবনী, প্রাত গারতে দের কথাসার, বিস্তৃত গেইটা ভাষা, শক্ষণী, প্যারক্তী, বিষয়-স্থান পাত্রাদিকটা, প্রস্তৃতি বিবিধ বিষয় সম্বাণ বিরাট বিতীয় সংস্থাণ ধবত জ্বান্তিন চ পেলা আকার। আদিলালা ও মণ্ডের বিষয়ণংশ প্রকাশিত হহমাছেন। জ্বান জ্বান প্রকাশিত হহমাছেন। জ্বান জ্বান ক্রানিত বিষয়ণংশ প্রকাশিত হহমাছেন। জ্বান জ্বান ক্রানিত বিষয়ণংশ প্রকাশিত হহমাছেন। জ্বান জ্বানিত বিষয়ণংশ প্রকাশিত হহমাছেন। জ্বান জ্বানিত বিষয়ণংশ ক্রানিত বিষয়ণ্ড বিষয়ণ্ড বিষয়ার বিষয়ণ্ড বিষয়ণ বিষয়ণ্ড বিষয়ণ্ড বিষয়ণ্ড বিষয়ণ বিষয়ণ বিষয়ণ্ড বিষয়ণ্ড বিষয়ণ্ড বিষয়ণ বিষয়ণ্ড বিষয়ণ বিষয়ণ্ড বিষয়ণ্ড বিষয়ণ্ড বিষয়ণ বিষয়ণ

#### জ্রীটেড জা সকল

এই প্রথের এরপ অভিনব স্থার সংস্করণ আর কুত্রাপি প্রকাশিত হয় নাই। সংস্কৃত প্রোকাংশের অধ্যা, বৃদ্ধাস্থ্রাদ, ভাষা, কথাসার, তথ্য প্রাকৃতি সহ থক্তে একাশিত হিলাছেন। মূল মোটা অক্ষরে ভবণ ক্রাউন আটপেন্টা ব্রদাকারে ছালা হইয়াছে। মূল্য সাও টাকা। নদীয়া

### **জীমন্তগ্রদ্গী**তা

— শ্রীণোড়ীয় বৈক্ষবাচাযা ক্ষপ্রাক্ষত র্মিকচ্ডামণি ই.জ্রিবন্ধনাথ চক্ষবিভিন্তক গোস্থামিকতা সার্থিবনিন্দি টাকাগমেতা ও শ্রীশুমন্তকিবিনাদ ঠাকুর-প্রনাত প্রনিক-গল্পন নামক ভাষাভাগাসহিতা। ক্ষধ্যায়ক্টা, মাতৃকাজমে কোক-ক্টা,বিধর-ক্টা,গ্রন্থকারের ভীবনী ও অবতর্গাকাদি কিচ-ভাত্যাবিষয়-সহ উৎক্ষর বাধাই ভূতীয় সংখ্রণ—এই রাজ্ সংখ্রাবের ভিক্ষা ২, টাকা মাঞ্জ, সাধারণ সংখ্রণ—এট

## শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

ত নিমুপাদ জ্রীন্তার ক্রিকাশ্রসরম্ভী
ব্যাসিংমা মহার জের নেই মনিছা নিধাংসিনী
ভীনা এপকলোবোদিনী করমকাল নন্দর্গানী করিছ নাইছা
ন্দ-বিজ্ঞান নবেল্ডবালিল করমকাল নক্ষানার ক্রিছ নাইছা
ন্দেশবিজ্ঞান নবেল্ডবালিল ক্লা--প্রসার ক্রানাচনারের
সম্প্রসাক্ষাক্র ক্রিছাল ক্রানার সালিক গ্রেন্ডবালি
ভাতিলাক্র-বিচারক — ক্রিয়া ভ্রাধুনার সোলক গ্রেন্থনার
—স্বস্ক, অভিবের ভ্রাধ্যাক্র ভ্রের ক্রিছাল স্মুদ্র।

১। প্রাথম ক্রে--বৈক্ষণ্য না দ্রী ওকাছক, কাল-গল্প, শ্রীমধ্বাবিভাব, শ্রীবাষভাগরী, পাঞ্চরাত্রিকী দীলা ও বর্গ বিভার, আল্লেক্স ও মনোন্দ্র, স্থিতিভাচনের ও ভাগার শিক্ষা, অপ্রাকৃত্য সংগ্রন্থ ও প্রাকৃত স্থান্দর প্রাকৃতি বিংশতি সংগ্রেক রয়ে স্থান্যালিত। ভিজা মানে ৮০ বার মানা।

২। আই ই হৈছে - উদা ও বিদ্ধা এতি, মহাগ্র ব্যেতা কোষায়, মান্ত্রার নিত্যপ্তার, ত্রীবর স্থামিগাদ ও মান্ত্রারাদ, ত্রীপোর-নিংগারন প্রমুখ, বিগুগের ধ্যা ও রুধ্য-কীন্তন, ত্রীবাসপুলার ত্রীম্বাগবেরের ক্রীস্তন, ত্রুগোর-শম্মের মাধ্যা, মহাপ্রসাদ, ত্রীগোরিন্দ, ত্রীর্নপাঞ্জভিত ন-প্রস্থামতী প্রভাক্তননিনা, ত্রীকৈ ভালের দ্বা, গোরক্রণা ও রুধ্যমন্ত্রীত্তন-চতুদ্ধশ অপুন্ধ মধুরিন্নাপূর্ণ-বাঞ্জানিক্সিত।

ত। তৃতীয়া শগু— গোকপ্রিয়তা ও সতাপ্রিয়তা উন্নেশ্যর প্রাসদ, উন্নেশ্যবিভাব, বৈশ্বর, শ্রীমীতাদেরীর আবিভাব-প্রসদ্ধ, শ্রীমন্ত্রাবিভার, উর্বাসপূচায় জীমদ্-ভাগবতের পুনরার্ভি, জীনামস্ক্তিন ও হরিসেবার নিতাতা -- এই নয়টী স্থাশনিক বঞ্ভাস্থাবিত। ভিন্না দ্ব মানু।

### **ই মন্ত**গ্ৰদগীভা

পোড়ীয়-বৈশ্ববদাশনিক-শেষর ইন্ট্রিমণ্ডলনের বিহণ ভূবণক্ষ ভাষা ও শ্রীমন্তিবিনাদ স্কুরের প্রাক্তন বল-ভাষায় বিশ্বত 'বিষ্ণুরঞ্জন' নামক ভাষায়ক। ক্রান্থায়-ক্রি, বিষ্ণুস্তী, ও প্রতি শ্লোকের প্রথম ও গুতীয় পাদ স্তী, ভাষ্যকারের জীবনী প্রভৃতি দ্বানিত। উৎক্র বান্তি, রাজ্য ধর্ম (তৃতীয় সাধ্রণ) প্রান্থের ভিজা ২ টাকা।

#### গ্রীনবভাগধ মন হোৱা

( প্রমাণ্থ ও ) সাজ্বাদ - কুলোদি প্রছে শ্রীন্ধ-দ্বীপের যে মহিমা কীটিও আছে, ডালার মুল সংস্কৃত ও ক্ষুত্বদ ভিকাত আনা।

### শ্রীশ্রীনবদ্বী পভাবতর স

ব্দী হাকুর ভ জিনিনোদ শিখিত। স্থানিত গাঁতাকারে পরিক্রমার দ্রুত্ব্যাদি-বিষয়ক। ভিকা। শানা।

#### ভজিবভাকর ও নবদীপ পরিক্রমা

শ্রীল সরহরি চক্রবার্তী-সাক্র রচিত। ও ভিরন্থাকর ১ইতে পরিক্রমাংশ মার গৃহীত; শ্রীক্রীব গোস্বামী কি প্রধারে শ্রীনব্দীপধানের পরিক্রমা ক্রিয়াছিলেন, ভাঙাই পড়েবিযুত। ভিশাবি শানা

## প্লাছেতন্ত্রশ কামৃত

শ্রী ভিতিবিনাদ ঠাকুর-প্রণীত। শ্রীচৈতজেইহাতে
শিকা প্রণাকী— রুক, কুক্ষণজি ও রস—বন্ধ ও মুক্ত জীব—
ফাচিতা তেল তেল-তেল—সাধন-নির্ণাক্ত প্রয়োজন-তর্ব, কন্মকণ্ডে, নাত্রমাদির বিচার—বৈনী ভক্তি, ভারভক্তি ও
প্রেমভিজ্যিক নামভজন-প্রণালী ও অইকালীর লীসাপ্রিভ্রাদি প্রথম শিক্ষাণীর উপযোগী কল্লিয়া সন্ত্রল ভাষার
সম্ভর যুক্তিপ্রমাণ্যক লিখিত আছে। চতুর্গ সংস্করণ বাধা
২, টাকা, আবাধা ১৮০ টাকা মান্ত।

### গোড়ীয়কণ্ঠহার

শ্রিণে না নৈক্ষণণ্ণের অন্তল্প কর্ছে ধারণ্যোগ্য ক্রিভি প্রতি প্রাণ-প্রধারাজি সাহত-শারসমূহের প্রমাণাবলী বিলয়বিভাগের মে সাজবাদ অক্ষিত। এইরপ বৈক্ষর-বিদ্যুত্রের সার্য্যাব্য অল্ কুরাপি প্রকাশিত হয় নাই। ইলাতে প্রবাত্য ভাগবিত বৈক্ষর—গৌর—নিভ্যানন্দ— আগৈত ক্রম্ব শক্তি—ভগবড়স—জীব — অভিভাতেদাতেম্ব — অভিভাতেদাতেম্ব — অভিভাতেদাতেম্ব — অভিভাতেদাতেম্ব — আশ্রম-কর্ম — ক্রমাদ্র — শুলাম—প্রয়োজন ও প্রমাণ-তম্ব গুলি পূথক অধ্যায়ে স্তর্তং থোকাদি স্টাগ্র উংক্ত একিক কাগজে প্রোক্ষ ব্রু কালিতে মুন্তে, উংক্ত বাধা সোনার কলে নাম বেথা। প্রহ প্রীয় ৪০০ প্রয়া মুন্তুর্ণ। ভিন্দা ২ টাকা মাজ।

### **बीननदीलगाम-असावली**

শ্রমণ্ডতিবিনার ঠাকুর রচিত 'ধামমাহান্ত্র—ধামমাহান্ত্রের সামুকার প্রমাণ পাঞ্জ— শ্রীল নরহার চক্রবর্তী
ঠাকুরের সামুকার শ্রমণ — শ্রীধাম নবরীপ পরিক্রমা—তীথবারো প্রমান শ্রীমহ প্রবোধানক্ষক নববাঁপশতকম্—
শ্রীমহাক্রিনের সাম্বারীপ ভারতরক্ষ প্রাকৃতি
গ্রাহ্র কর্ক্ত দ্রাহাণ বর্তী বর্তী ভারতরক্ষ প্রাকৃতি

### ভাহরিনামায়ত ন্যাকরণ

ছীব োর্ঝানী প্রভ্পাদ-বির্চিত স্থা ও বৃত্তি.
তংগতে ওবিষ্ণুগাদ নীমছজিনিদ্ধান স্বস্থা গোলানী
মহারাদের বিভূত ভূমিকা ও স্থাী প্রস্তৃতি সহ।
ভাপ্রাণিত নাবে ওলভা ভিশা ২ টাকা, ছাতাগণের
প্রেক ১০০ টাকা মানা।

#### বেলা প্রভন্ত সার

শ্রীমদ্মেরেজাচাণা রচিত। বেদাফের বিশিষ্ট হৈছেবাদ-আচারক শ্রীভাষা প্রণেতা আচাষ্য প্রবর বেদাস্কলশন পাদের উপযোগা করণার্থ এই উত্তম করিয়াতেন। ইহাতে বঙ্গান্ত্রনাদ ও ক্সীপ্রাদি সংযোজিত করা ইইমাছে নাম মাত্র ভিজ্ঞা। এ খানা।

### জ্রীচৈতভাচজামুত ও মবদীপশতক

গৌরপার্যন ত্রিদণ্ডী শ্রীমং প্রবোধানক সরস্বতী প্রণীত মূল, প্রাদুপান শ্রীমন্ ভক্তিগিছান্ত সরস্বতী গোস্বামী মহারাম সম্পানিত অধ্যমুগে ব্যাপ্যা ও বসাম্বাদ সম্বাভিত। নব্যবিপশতকের উভ্জিতিবিনান সাকুরের পদ্মান্তবাদ ও তৎসহ শ্রীমধালাপ্রার কেটা ত্রিবর্ণরক্ষিত অলোকিক চিত্র প্রদান ১ইলাছে। মূলণ ও কাণক উৎক্ত (২ খানা তেকতে। ভিক্ষা ৮০ খানা, অতি সন্তম্ম বাধাই রাজসংক্ষরণ ১ টাকা মাত্র।



শীমন্ত জিবিনোর সাক্র-প্রবীত। এই একমাত গ্রন্থ বরের জ্ঞান লাভ করিলে পারমার্থিক রাম্যে কিছুতেই অজ্ঞান বা সংশ্ব পাকিবে না। পরম গৃত্ত পত্মবিষয়ক এই-কুপ সরল ও জনবুলাশী গ্রন্থ প্রশাস্ত প্রকাশিত হয় নাই। নিনিলগোসামি-পাস্ত-মহোদধি-মন্তন্তল এই গ্রন্থান্ত উত্থিত হইয়াছেন। আবার স্থান্ত্রত স্থান, কথাসার ইত্যাদি বারা বিশেষ সমৃদ্ধ করা হইয়াছে। বিরাট গ্রন্থ, সোনার জলো নাম লেখা, উংক্ট বাদাই—চতুর্থ সংক্রম ভিকা ২ টাকা মাত্র।

### প্ৰেমবিবৰ্ত্ত

শ্রীমনাহাপ্রভাষ কাষ্ট্রক পর্যির জীল জগদানন প্রভ্ বির্চিত। এই পুডকে অতি স্থানোধা ভাষায় নহাপ্রভাৱ কভিপর লীলাস্থ বৈঞ্বাচার, একাদনী ও নামভজন-প্রণালী প্রভৃতি জনেক বৈঞ্বতক্তের স্থীমাংসা দেখিতে পাইবেন। পাদতীকায় ভক্ত স্থানের বিশ্বার্থ ও প্রাক্তক্তার প্রিচয়াদি-নম্বলিত চতুর্গ সংশ্বরণ ভিন্দা ॥√৽ দশ আনা মাত্র।

### ভজনরহ স্ত

ভাগনকারীর নিতাসকা; ঠাকুর ভাকিবিনোদের অম্লা কান; নিধিব শালের নিয্যাব। প্রথখানি না বেধা প্রাপ্ত কেহ বৃথিতে পারিবেন না। হৃতীয় সংকরণ ভিকা ॥ ।

### হরিনামচিভারণি

ন্মাচাণ্য শ্রীণ ছরিদাস সাকুরের মুখে শ্রীন্মহাপ্রতু শ্রীনান-মাহাত্ম্য, নামাভাস, নামাপরাধ প্রান্ততি বিশবের যাবতীয় বিচার শ্রবণ করিয়ছিলেন। এই বিশ্বয় গুলির ক্ষতি সরল পরারে সংকিপ্ত ক্ষাশেষণত্ব পরিপাটিভাবে মুদ্রিত। শ্রীল ভক্তিবিনাদ সাকুর-রচিত। পঞ্চম সংধ্রণ ভিকা ৮০

### কল্যাণকলভক্

শ্রীন ছ ভিবিনোদ ঠাকুর-রতিত। প্রত্যেক ভগবদ্বিশ্বাসী ও জ্ঞানপথের পথিকের একাপ্ত প্রয়োজনীয়
উপরে শাবলীপূর্ণ গাডিগ্রন্থ। সামাক্ত বেশাপড়া-জানা
খোকেও এই ভজনরাজ্যের কীভিসম্ভের দ্বারা জনগনিবৃত্তি
ও ভগবংসেবা কাভ করিবার স্ক্রিধা পাইবেন। ব্রু
দংকরণ, ভিকা ৴১০ জানা মাজ।

#### শরণাগতি

ক্রীমন্থ কিবিনোর ঠাকর-রচিত। তগবানে আয়সমর্পণ, বিজ্ঞপ্তি, ভদ্ধনালয়া, বড়্বিধা পরশাগতি ও দিছি-লাল্যা। বিষয়ক স্মৃতিপূর্ণ, ডিক্ষা ৴ আনা মাত্র।

### श्रेडावनी

ক্রীঠাকুর ভঙ্গিবিনোদ-প্রবিত্ত। নিস্ত্য কলন, আরাত্তিক ও প্রবাদ-দেবনাদি-বিবছক মধুর গীতসমূহ একত্তে প্রবিত। উজ্জা /- আনা মাত্র।

## <u>ক্লীপ্ৰন</u>

শ্রীমনার্থারে র মিকা ও শ্রীন রস্নাগ দান গোস্থানীর প্রতি শ্রীক্ষণ গোস্থানীর উপদেশবাণী, ভব্তিপথের অন্তক্ষণ ও প্রতিকৃত্ত বিবৃতি, চরিভামৃতের প্রমাণ, সাধ্য ব্যাথা। ও মহাজ্ম- প্রনিত ততুপণোগা গীত্যমূহ প্রত্যেক স্লোকের সৃত্তি স্মিনেশিত হইয়াছে। ৩য় সংস্করণ ভিকা ৮/০ আনা।

#### माध्य-कर्

তীরল্নাথ দাস গোলামীর মনঃশিক্ষা, ত্রীণ ঠাকুর ভ্রতিবিনোদ-চরিত প্রভালবাদসং। ভিকা /• আনা।

### প্রেমভব্তিচব্রিক।

শ্রীল ঠাকুর নবোওমের স্থপ্রসিদ্ধ প্রেমভক্তিবিবয়ক নর পুরুক। ভিকা /• আনা মতে।

#### নবৰীপশতক

শ্রীল ঠাকুর ভিজিবিনেদে-রচিত শ্রীল প্রবোধনন্দ সরস্থতীপালের সংস্কৃত নবধীপশতকের স্কৃতিত প্রায়ন্তাল। ভিক্ষা ৴৽ মানা মারে।

#### অর্থপঞ্চক

জ্ঞীল শোকাচাণ্যরচিত। বৈক্ষণতা-জ্ঞানের কাকর পুত্তক। ভিকা৴• ঝানামাঞ্জে

### সদাচারশ্বতি

জীল মধ্বাচাৰ্গ্য-প্ৰাণীত। বৈঞ্চৰেয় নিভাকৰ্ম্মাদি সদাচারা-বলী, বঞ্চামুখ্যদ সহিত। ভিক্ষা ৴৽ স্থানা মাত্ত।

#### মণিম্পরী

ক্রিক্লকেশরী শ্রীমরারারণাচার্ণ্য রচিত। শর্মরারারণাচার্গ রামরারারণাচার্ণ্য রচিত। শর্মরারারণাচার্ণ্য রচিত। শর্মরারারণাচার্ণ্য রচিত। শর্মরারারণাচার্ণ্য রচিত। শর্মরারারণাচার্ণ্য রামরারারণাচার্ণ্য রামরারারণাচার্য রামরারার্য রামরার্য রামরারার্য রামরার

#### (भोत्रक्र स्थापन

প্রাচীন কবি শ্রীগোবিন্দ দেব প্রাণীত শ্রীগোরাবভাগের বিশ আনা মাত । প্রমাগাবলী-সংবলিত সংস্কৃত গ্রন্থ। ভিকা ৭০ সানা।

### युक्तिमञ्जिम। ( सन्दर्भातक)

শীনধনদার বিষয় পাও শীননা দিরার শানিরত। বঙ্গালনে বাদিনার এট প্রন্তের প্রকাশ পরিমাণিক সাহিত্য-ছনতে এই সক্ষপ্রথম । শীমমাধনাচার্য্য হউতে বোদ্ধানপ্রন দিওয়া মক্ষাচার্য্য মাধ্য প্রাত শীমমাধনাচার্য্য হউতে বোদ্ধানপ্রন দিওয়া মক্ষাচার্য্য মাধ্য প্রাত শীমমাধনাচার্য্য শারী এই প্রস্তে বাধ্যরন যুক্তি ও গৌকিক প্রান্ত্রমারে কিরুপ শ্বন্ধরভাবে ভিকিবিরোধি-মতবাদ সমূহ প্রপ্রন করিয়াছে, ভাষা পাই করিতে করিতে আশ্চর্য্যাবিত হউতে হয়। ইকাতে বৃদ্ধিন বারা চাকাক, জৈন, বৌদ্ধ, মীমাংশক ও মান্ত্রাদিমত-সমূহের শ্বন্ধর প্রকার প্রভাব রহিয়াছে। ভিকা ২, টাকা মান্ত্র।

### भाषामी किन त्रम्नाथ मात्र

(ওঁ বিজ্পাদ শ্রীণ ভকিনিয়াত সরস্বতী গোলামী প্রভুপাদ-লিখিত ভূমিকা সহ) গৌরপ্রেট প্রন্থ-রূপের একমাত্র প্রিয়তম শ্রীণ দাস গোলামী প্রভুৱ অপুর্ চরিভান্ত ও শিক্ষা অভীব প্রারুগ ও সরল ভাষার সরিবিট এবং পরিশিটে দাসগোলামী প্রভুৱ বির্চিত ক্রকটা নার্বাদ মধ্রতম ভব ও মনঃশিক্ষা-স্বলিত। ভিকা বীধাই ৪০ জানা, আবাদাই ১৮০ জানা যাত্র।

## চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাচীন নবৰাপের অবন্ধিতি তথা, ঐতিহ, প্রোত ও ঐতিহাদিক প্রমাণসম্বাচিত নহটা দাপের সচিত বিবরণ-প্রায় । রাজ্বি বা ওলাছেৰ কুমার শ্রীণৃক্ষ প্রনিশ্ব নারায়ণ রায় এম. এ, প্রাক্ত (লাহোর), বেদাস্কভূদণ মধ্যাদয় কড়ত সম্বাচিত এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন বর্ণের অপুক্ষ চিত্র মানচিত্র-সম্বিত : প্রাচ্যবিস্থামহার্ণব রায় সাহেক শ্রীণ্ড নগেল নাগ বস্তু বিশ্বকোনস্পাদক মহাশ্বের বিশ্বত ভূমিত সহ । উৎকট (ইং) মরকো বানাই ম্ল্য ১৯০, ভিং পি: ১৫ ২ টাক মাত্র।

### দাগক-কণ্ঠমালা

खनगन्ना, तेकव-वन्ना, तेकवनद्रण, मार्गाएकद्र गे... धिनायग्रे, श्रीयवशिष्ट्रत गारशद्रत्रभक माम, व्यक्ष्ट्रत मामके छन, श्रीयवशिष्ट्रत गारशद्रत्रभक माम, व्यक्ष्ट्रत मामके छन, व्यक्ष्यां, व्यक्ष्यां, श्रीयवश्यां का अववश्यां का अवश्यां का अववश्यां का अवव्यां का अवव्यां का अवव्यां का अव्

### গোড়ীয়-গোরৰ

কশিকাভার স্থাসিদ্ধ আলবাট হলে গোড়ীর স্পান্ত শ্রীপাদ অন্দরানন্দ পরনিধ্যাবিনোদ-প্রদান্ত বঞ্জার নিত্ত গ্রন্থকারে প্রকাশিত। ইহাতে পোড়ীর বৈদ্যবসম্প্রদানের ইতিহাস স্থাকারে গ্রাণিত হইয়াছে। ভিন্দা ৮০ নাজ।

#### গোড়ীয় সংহিত্য

কৰিকাতার প্রপ্রাসিদ্ধ মাধানাট হবে বেণাড়ীয় সম্পাদ্ধ শ্রীপাল স্কল্পরানন্দ্র প্রাবিদ্ধাধিনাদ্রপ্রান্ধ সক্ষেত্র বিশ্বত স্থাতিত্য প্রদেশ্ধ মধ্য ও প্রচাকারে প্রকাশিত। ইংগতে সাহিত্য প্রদেশ্ধ মধ্য ও গৌড়ীয়-সাহিত্যার বিশ্বত স্ক্রকারে বর্ণিত ধ্রীয়াছে। দিনা নিশ্ব স্থানা নাজ।

#### श्रीदशोष्ट्रमञ्ज পরিক্রমা-দর্পণ

শ্রীগোড়দেশের যে সকল ভানে সপরিকর শ্রীমন্ম। প্রত্থিক তথ্য তথপুর পরবন্ধী মঙ্গালনগণ লীলা করিয়া গিয়া । নি সেই সব আধুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও দেববিতাং পরিচয় সঙ্গালাতের স্থাবিবা নিকেশ ইত্যাদি বিষয় । ভিকা • কানা।

#### THE HARMONIST

#### OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীন সাকুর ভক্তিবিনাধ-প্রতিষ্ঠিত এবং জীল করিবিদ্যালয়র বার্থিক বিদ্যালয়র প্রতিষ্ঠিত এবং জীল করিবিদ্যালয় বার্থিক পর । একংশ ইংরাজী ভাষার জানীবিংশ া ভবলজাউন ৮ পেজী ৪ কর্মা আকারে প্রভিত্ত হারে হার নামের বিজয়-বৈভয়ন্তী লইয়া উপন্থিত হাইছে কাগজ, মুজ্র-পারিপাটা ও চিত্রান্ধি অতীব চিত্তাব হাইছিল আই প্রকার উৎক্তই প্রবন্ধ আর কোন মানিক প্রভাগতি দেখিতে পাইবেন না । বার্বিক জিক্ষা ভাক্ষাভ্রমান্তলগত স্বিভাগ যাত্র ।

### প্রান্তিছান-

**बैटिड शर्मा, त्याः जिमाशायुक्त नमीका** 

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনঞ্চিউট" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

### (थाना इहेश्राह्म।

অভিজ্ঞ ও আদর্শনরিত্র শিক্ষকগণ ছা এদিগকে অতি শক্তের স্মৃতিত শিক্ষা প্রজান করিতেছেন। বিদেশী ঢাত্রগণের জন্য বিনা ব্যাংগ্রন্থর বাসস্থানের বঙ্গোনস্তত্ত গোছে। স্থান অতীব সাধাকর।

> সনিস্তার সরাজের স্থা নিম্নালিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। সেত্রেভারী, ভাকুর ভাক্তিবিন্দোদ ইন্টিটিউট্ শ্রীচেত্রস্থাঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদায়া।

### <del>- ৫</del>১ বংসরের প্রতিষ্ঠিত—

উমধাসয়ে এন্তত বটীকা

হাবা গুক্কভারণা, স্বপ্রবেশ্য, ভোটভাঠিঞ, অভার্ণ, ধ্যক্তজ প্রভৃতি ক্ষত হোগীর রোগ নিরামর ক্টমান্তে ভালা প্রকাশ করিবেশ বড় বড় পুত্তক ক্টবা পড়ে।

### रेड

সকল অনুতে বাৰণার চলে ও সমান ফল প্রেদান করিছা থাকে। প্রতি ভৌটায় হুহটী বটীকা খাকে।

### **दिक्यमगा**ज

আজিবিশীটাৰ মূল। ১০ এক টাকা। ইণার নাম '**আডেভনিতাহ** বঁটাকা'।

ষ্ণান্ত উপপ্রের ডালিকার জন্ন পত্র লিখিনেই পাইবেন আধিয়ান:—জ্যাত গুলিপ্রাই উক্সংশালম্ম ২১৪ নং বছগালার টিউ, ক'লকাড ।

কাবরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



মদঃস্থলের সূত্রধার জন্ত ৬ আঃ শিশিতে ঘনীভূত অবস্থার ছোটবোদলের সিমপা উষণ ভাকে পাঠান লয়, ইণাডে ঔষ্ধের জোন পরিষক্তন করা হয় নাই। মুনা প্রতি শিশি ৪০ আনা, পাইট ৮০০ আনা, যোজক ১০০ আনা।

অফিস—১১নং উল্টাডালা রোড, পোঃ শামবাজার, ক্রমিকাতা

## ভোগৰত প্ৰেস

### কুম্বালগুর

এখানের বিবাহের নিমন্ত্রণ-পত্র, ব্রীচি-উপদার, কার্ড, গ্রন্থ এবং জ্যাঞ্জ যাবতীয় কার্ব্য ছাপ। হইরা থাকে। ছাপার দর আপেক। মুল্ড। পরীক্ষা প্রাথনীয়

## शरेट्डामिन

21

### কোষরদ্ধি রোগ

ডাঃ এস্, এন্, ঘোষ বিনা অন্তে, বাৰক্ষীবনের গ্যারাটি বিরা বৈদ্যাভিত প্রাণাগতে কোষবৃদ্ধি রোগ আরোগ্য করিয়া থাকেন।

> विकाश---अरु करेस डीडे. वस्त्राकात.

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

### দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌযধ

প্রদার দিলে সম্পূর্ণ আরোগ্য

রোগী দেখাইছে ভইবে। অগ্রিম পাপের পর্চ (যাওয়া এবং আসার) পাঠাইলে গিছা রোগী দেখা হয় অপবা এখানে আসিলে বেগায়ী দেখালয় উষ্ধ দেওয়া হয় আলোগা না ভগুৱা পাই পাতি প্রমিক দিতে ভইবে না। গ্রীব রোগীদের প্রচ বছন করিছা তিকিৎসা ক্ষর হয়। বিস্তাবিভ বিবরণের ভক্ত এক আনার ভাক উ্তেট সহ নিয় ঠিকানার অন্তন্মান ক্ষন।

শ্রীক্তীশচন্দ্র উকীল, যক্ষা-চিকিৎসক, পো: নৈকাঠা, বিল্যাল। অথশা নিমু ঠিকানার সাক্ষাৎ করিয়া থিতারিত জানিতে পাছেল।

ভাষত রামগোপাল লত এম্, এ, ক্রঞ্চনগর, নদীরা। ভাষত ভরিপদ দিংক, ১১৭, বেপিরাটোলা ট্রীট্, কাটথোলা, কলিকভো।

একখানি পাত্র। অন্যার প্রাকৃত্যুর গত চয় মাস যাবং রাজ যন্ত্রার ভূগিরা মৃতপ্রার করিছিল, কলিকাভার বিজ্ঞ চিকিৎসক্পণ তাকার কীবনের আলা ভাগে করিছা শেব মৃত্যুর্জের জন্ত অপেক্ষা করিছেলিন এই সমর প্রীবৃত্ত কিছীলচক্র উকিল মহালয় মাত্র ১০ দিন চিকিৎসা করিছা সম্পূর্ণ আবোগা করিছা দিয়াজেন। (সাঃ) প্রীবৃত্তীক্র কিলোচ কার চৌধুরী (জমিদার পালিয়া) হগু দ্বীট্, নিউ বিভিং। করণোরেশন টেটং ডিপা উমেন্ট, কলিকাভা।

## শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরাক ৪৪৫ মাত্র ১১০ ভাকটিকেট পাঠাইলেই বুক্তপাটে পাঠান হয়

> ম্যানেকার-গ্রন্থহিবভাগ শ্রীচৈত্তখন্ত, পো: শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

কেন প্রাহকগণ

## গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

–কার্যুল–

এখানে যাবভীয় ছাপার কার্য্য —

अशापित कार्या है नन्न,

বিবাহের নিমন্ত্রণ পত্র, কার্ড, বিবাহের পছাই বলুন,

আর ৩ রং ও ৪ রংএর হাফটোন ক্লফট বল্ন, সকল কাষ্ট্র ছাত্তি সহর ছাপা হয়, অথচ ছাপ।ইবার খরচ বাঞ্চার অপেক্ষা ফুলভা।

মাপনার কিছু ছাপার কার্যা থাকিলে দিয়ঠিকানায় জানাইলেই দর পাইনেন।

> মানেখাৰ-গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়াক্সন্ ২৪এ২ মং আপার সাম্বুলার লেড, কলিকাত্ত

### পাটনা বোমার মামলায় ম্যাজিট্রেটের নিকট সাক্ষ্য

বাকীপুর জেলে মিঃ আর কপমেছন আই, সি, এন, অয়েণ্ট মাজিট্রেটের নিকট পাটনা বোমা মামলার আসামী ছাজারিলাণের বিভারের আর এক দক্ষা শুনানী এইয়া গিয়াছে। সরকারী তরফ এইতে তিনজন চিকিৎসকেব সাক্ষা গৃহীত হয়াছে।

পাটনা প্রিস অব ওরেলস্ মেডিকাল পাসকৃত্য হুইন্ডে প্রকাশ দে প্রারণ কলেতের অর্কবিভার অন্যাপক মেজর মাসের প্রথম সপ্তাহে টাচিয়ারা গ্রামে এইচ, জি, এলেকজা গ্রার বলেন যে সেথ দিলু নামে একজন মুসলমান ও আস্থানিকে ২৮শে জ্ব সন্ধ্যায় হাসপাতালে হুলারনগর প্রামে চল্লসামপ্ত নামে এইনক ভিত্ত করা হয়। তাহার শরীরে আটটি হিন্দু আছেতারী কর্ক্ক নিহত হইয়াছে। আহাতের চিছ্ল ছিল।

স্যাসিইনেট সাঞ্জন ডাঃ বি, চটোপাদ্যার উছার সাক্ষে বলেন যে সাব্ইনক্ষেটার রামনারায়ণ সিংহের শবব্যব্দেদ ভিনিই করেন এবং যে সকল
আঘাত তাহার শ্রীরে হিনি লক্ষ্য
ক্রিয়াছিলেন ভাহার উল্লেখ ক্রিয়া
বলেন যে এই মাঘাতের কলেই তাহার
১তা ঘটে।

পাটনা কেনারেল হাসপাতালের তাবিভেচে।
হাউন সাক্ষন ডাঃ এন. চৌধুরী তাহার
গাংশ্য হেড কন্টেবল বীরেজনাথ সেনের
আহাত ভলির বর্বনা করেন।

কাগামী ৬ই আগত প্ৰান্ত মামলা মুক্তুনী আছে।

### ঢাকার বিখ্যাত চিকিৎসকের মৃত্যু

ডাঃ নেপাশচন্দ্র গাবের মৃত্যুতে শোক প্রকাশ করিয়া গত ৩-শে ক্ষ্ণাই চাকায় এক বিরাট জন-শভা হইয়া গিয়াছে। শভাষে নির্ণিখিত প্রভাবটী গৃহীত গ্রহাছে:—

াওই সভা ভাঃ নেপাগচন্দ্র রাথের
আক্রিক মৃত্যুতে গভীর শোক প্রকাশ
করিছেছে। ভাঃ রায়ের মত একজন
নিংসার্থ নীয়ন অক্রান্ত ক্র্মীর অকাশ
বিধানে এই সহর অভিশ্র ক্রান্তিকর
কাণ্যে ভিনি প্রভাক্ষ এবং পরোক্রভাবে
সংশ্লিই ভিলেন। এই সভা ভগবুধ
চরণে ভারার মান্তার সদ্ তি কামনা
করিছেছে। এই প্রভাবের অক্রনিপ্রি
ব্যাহার শোক সন্তর্গ পরিবারের নিকট
প্রেরিত ইউক।

### প্রধান চীক এক্সিকিউটিব অফিসারপদে মিঃ ইয়াকুব

প্রকাশ যে, গত ২রা আগই মোপ্লেম কাউজিলার সমিতির এক অদিবেশনে যি: এম, এম, ইয়াকুবদে প্রথম ভেণুটা চীফ এক্সিক্টিৰ আফিসার পৰে দলের প্রাথীরণে মনোনীত করা হইমাছে। আরও জানা বায় যে, সমিতি মেশার্শ আকার রেজ্ঞাক এবং রফিককে মি: ইয়াকুনের দাবী প্রতিষ্ঠিত করিবার জন্ত কংগ্রেস দলের সহিত জালোচনার্শে

### চুরির অভিনব ক্লি

পাশকৃত্য চইন্ডে প্রকাশ বে প্রাবণ মাসের প্রথম সপ্তাহে চাঁচিগ্রারা গ্রামে সেব দিলু নামে একজন মুসলমান ও স্থানালগর প্রামে চক্রসামস্ত নামে কর্ইনক হিন্দু আছতারী কর্তৃক নিহত হইগ্রাছে। উন্ত গ্রামঘন্তের ব্যবনান প্রায় এক মাংল। এতদকলে চোরেরা ঘরে সিন্দ দিয়া চুরির পরিবর্গ্তে জানাগার প্রামের হোড়ার কার্নি কার্টিয়া গ্রামে সর্বাহ্যা চুরির এক নৃত্য উপায় আবিকার করি ব্যাছে। জানাগার ফ্রেমের ভিতর দিকে উপরে ও নাঁচে লোহার পাত দিলা গ্রামে ব্যাইলে ইহার প্রাধিকার হইতে পারে বলিয়া সকলে ই উণায় অব্যাহন করিবে ভাবিভেছে।

### मात्राश्चर्यत्र दम्ल क्षांकाकित दलत

বরিশাল হইতে প্রকাশ গে, গছ ২৯শে জুলাই বৈঠকথানা পাড়ার জ্বপিত নরেক্রনাথ শুপ্তরায় ও সহরের মা া বাছার রোডে জ্বলিত ত্বনমোহন দত্তের বাটা থানাভলাস ইইরাছে গলিয়া প্রকাশ উক্ত ভলক্তের ফলে আপত্তিকর কিছুই পাঞ্চা যায় নাই বা কোন গ্রেপ্তার ও করা হর নাই। নারায়ণপুর মেল ভাকাতি সম্পাকেই এই সমন্ত পানাভলাস করা ইইয়াছে বলিয়া অনুমান করা ঘাইতেছে।

### ८६८७ पिरम ८७८७ वरा

হা হড়া তেলার আমতা পানার সিংটা শিবপুর অঞ্চলে গত আইন অমাত্ত আন্দোলনের সময় স্থানীয় বিশিপ্ত কংগ্রোট ক্ষী প্রেপ্তনাপ চট্টোপাধ্যমের নেতৃত্বে ক্ষীগণ কাল করিতেছিলেন। সিংটা ইউনিয়ন নোর্ডের প্রেসিডেণ্ট এই আন্দোলন দমন করিবার জন্ত স্থানীয় প্লিশেয় সহবোগিতার ২৯ জন ক্ষীয় শিরুত্বে ২০৭ গারার মামলা করেন। পরে গান্ধী-আরউইন চুক্তি অম্বান্ধী এই মামলা প্রেডাগত হয়। প্নরায় ২৮ বন ক্ষীয় বিরুদ্ধে উক্ত প্রেসিডেণ্ট ২০৭ গারার মামলা চালাইয়াছেন। এই মামলা উলুবেড্রিয়া কোটে হইছেছে।

### जानाबीशर्गद कनम् ०१वी (क्।बाब मामनाव जानाम नानका

বরিশাল চইতে প্রক ল বে, কলগক। চী ছোরা মামলা সক্ষরে বিভিন্ন ভারিবে পুড নারারণ দত্ত, পরিমণ সেন এবং ভারাপদ গাঙ্গুলী নামক কভিপর গুবকের প্রভাবকে ৮০০ শুড টাকা ছিলাবে ফামীন দিবার ধাবতা ছইরাছে। এই আগেই আগামীদের আবেনন সক্ষরে ডানাীর দিন ধার্যা হইরাছে।

### ক্রোমে আড়াই হালার ডাকা-ভের আসমর্পণ

নিমলা হইতে প্রকাশ যে এক গ্রণ-মেন্টের নিকট হইতে ভারত গণ্ণমেন্ট ব্রক্ষের অবস্থা সক্ষ্টেক এই স্প্রাহের যে রিপোট পাইয়াডেন , অভিক্রাকা কারী হওয়ার ভাগা প্রকাশ করা দ্রকার।

উক্ত নিপোটে প্রকাশ, খনেক কেরে বিচ্যোন্টাদের জাজনগ গ্রামবাদীগণ কর্তৃক প্রভিত্ত ইইয়াতে এং প্রোম জেলায় এ পর্যান্ত প্রায় আছেই হাজার ডাকাত আল্মন্দ্রণক্রিয়াছে।

কুলীদের থেচেটা সাফগা মণ্ডিত। চইতেছে এইরূপ মাশা করিবরে যথেও কারণ মাতে।

তবে ভাকাতির সংখ্যা এখনও খুব বেশা। মন্যে মন্যে ভারতীয় ও চীনাদের উপর আক্রমণ চলিতেচে কিন্তু মনিকাংশ ক্ষেত্র সাংপ্রধায়িক উদ্দেশ্ত কিছু আছে কিনা সন্দেহ।

### অমিদার অভিযুক্ত

ভাপরার প্রথম শ্রেণীর ডেপ্টা ম্যাজিট্রেট মিঃ প্রাকিল এ, ঝানের এজ লাগে ম্পরকের বিশিষ্ট জমিলার বাব্ কিরলিপ্রসাদ সিংহ ভারতীয় দওবিধির ৩৪২, ২৮০, ৪০৪, ০৮০ এবং ১০০ ধ্রাক্রসায়ী অভিশুক্ত হট্যাডেন।

প্রকাশ, মনক্ষত রামকেলিয়া এই
মান্দ্রে অভিযোগ আনিয়াছেন যে, আনামী
ভাকার (ফরিয়ানীর) গৃতে প্রবেশ
ক্রিয়া মনক্ষত গঙ্গালিয়াকে জোরপুর্নক
অভ্যা নিয়া আটক রাপে এবং ভালার
উপর পাশবিক সভাচার করিয়া ভাকার
অল্কারাদি ছিনাইয়া নেয়।

স্থানীয় পুলিশ জোর তদস্ত করিয়া আসামীয় বিরুদ্ধে উপরোক্ত ধারাম্বারী চার্চ্চ আনয়ন করে।

### অর্ডিস্থাল জারীর অধিকারে বাধা

সিমলা হউতে প্রকাশ বে সেপ্টেবর মানে বাবভা ,পরিমধের বে অনিবেশন বিনিৰেং ভাষাতে ভালোচনার অন্ত মিঃ নিঃঅন ভালভাষাত নিয়লিখিত প্রভাবটির নোটিশ দিয়াছেন।

'এই সভা সপরিষ্ণ ক্ষণর জেনা-রেক্ষে ক্ষপারিশ করিছেছে বে, জারতীর বাবগা পরিবলের স্মাতিক্ছ নির্মাণিথিত প্রভাবটি ভারত স্থাটকে জানান গুউক।"

### মাছরার অধিকাশু ২৫০০০, ক্ষতি

০১শে জ্বণাই রাত্রিকালে শ্রীমণ শ্রুমিকাথের ফলে একটা দুরুহ ক্ষিক লোটেল ও ছইপানি কাপণ্ডের শ্লোকান সম্পূর্ণরূপে শুন্দীভূত হইলাছে। ক্ষতির পরিমাণ ২৫০০০ টাকা ব্লিয়া অনুমান করা যাইতেছে।

### নীলাম ইস্তাহার "

भीनारभव पिन ৮३ व्यागिक ১৯০১

#### अंश्रेष मृत्माम कामानक

১৮২০ খাংজারী ৩১ দাবী ১৪৭২৪৶

ডি: 

ত্রীবৈদ্ধনাথ পাল দিং সাং কুগপুর

দে: 

ত্রীপ্রমধানুষণ পালচে বুরী দিং

মোং গোয়াড়া পোঃ কুক্তনগর

কেলা নদীয়া কালেক্ট্রীর ৪২ মং ভৌতিভূক মহাল ডিহি বেতাইর সামীল মৌলে বেতাই দীঃ বাবল শালিরামা ১০০০, তেরশ টাকা পত্তনী জমায় মুক্ত নবকুঞ মুগোপাণ্যাবের নামে ডিফ্রীদার-গণের সেরেডার প্রচলিত লাছে। উক্ত বাকাপড়া পত্তনী লখা যোল আনা- মূলা আন্দাল ৫০০০, টাকা।

वाना एउट्डे क्लाका क्लोटक व्यक्तकाननिज्ञ वर नर करन, त्योटक कल्लाकानगुत्र वर नर कर, त्योटक कालेलाका वर नर
२२२, त्योटक किका वर नर ५०३, त्योटक
वानाएकान वर नर ५००, त्योटक व्यानात्रकगुत्र वर नर २००, त्योटक व्यानात्रकगुत्र वर नर २००, त्योटक व्यानात्रक वर
नर २, त्योटक त्यकाह वर नर ००० क
वाना काल्क्यन्त्रत्रत्र नामिल क्योटक व्याना
वानि गर नर ७० क वाना कित्रवम्द्रत्रत्र
नामिल त्योटक व्याक्तात्रम् वर नर ६०,
त्योटक कन्नावान वर नर ६०।

CBIM-

· Bierra

\*\*\*\* #F37\*\* 45 46X 01



माशासाह भार ক্ষাত্রাম দের मामिक 🔊 मामामिक द ं बगागिक २५० নাসিক ১১ 3151W े शिंड भःभा! , a

মারতের সকলে বহল-এচার---দীরা কেলার এব মাত গুখপত

সম্পাদক—শ্রীত্রভৌক্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি (১৩৩তম সংখ্যা एष्ट चंच ी

জীটেডকুমর্ম শ্রীদাম মায়াপুর--২২শে জাবেণ শুক্রবার, ১৩০৮, ৭ই আগেষ্ট ১৯৩১

### নানা কথা

### ন্দীয়া (ছেন) মহিলা সম্মেলন

अस्तानी क्षेत्र अकान ए। नज ना चान्य दानाय छाडेन हरण दीमुका कारमाक्रमञ्जा (प्रतीत मकारमजीरक नरीत 'ললা ন'হলা স্থিলনের অনিবেশন ইইয়া-হিন্যু ১০০ আছেলিনি সহ দিলার বিভিন্ন স্থান ছইতে প্রায় ৩০০ স্থিপা भः वामान (याशमान कतिया ६८मन ।

नामिकामित पाता 'चक आमात सननी ভাষার গান্টি গাঁত হইলে স্থিলনের কাল আরম্ভ হয়। অভার্থনা দ'মতির সভাবেতা শ্রীমতী নিম্মলন্থানী ঘোন আহ্যস্ত শক্তিপূৰ্ণ এক অভিভাৰণ প্ৰাণান করেন। অভাগনা স্মিতির স্পাদিকা अभिका विका सनी भिना । विनात निभिक्षे भिर्मा नश्रीक्षत निक्षे स्ट्रेट প্রাপ্ত ভার ও পত্রগুলি পাঠ করেন। मकारमधी वतरात शत्र थीनका भागाक-শভা দেবী ভাহার অভিভাষণ গাই করেন প্রদ্রি ৩টা প্রাস্ত স্থিলন মুক্তুরী রংখা

২রা শাগপ্ত ভারিথে গ্রেম ৪ ঘটা ধ্রিয়া বিষয় নিক্ষাত্র স্মিভিডে আলো-চনা চলিয়াছিল। ৪টার সময় স্থিলনের व्यभिट्यम्भ इंडेरण, क्यकात्रथानात्र आमिक अभगीरमत क्षणात लाहीकात, णिष्ठ छ ম্ভিম্প্রের ব্যবস্থা করিবে বিশিয়া कर्षक छान छान्त्राचे शृशेष इम । 🛸

বিন্দু মহিলার আত্মহত্যা क्षामध्या भगकः दणकारीमः भना (पार्यत्र ब्राटिः सम्बन्धाः अभिनवाना प्रिचान

## নদীয়া জেলা মহিলা সম্মেলন

৬ জন বাঙ্গালী যুত্তের কারাদ্ভ

## হিন্দু মহিলার আত্মহত্যা

ত্রিশ কোটী মার্কের প্রফারেন্স দেয়ার

## (वात्रशेल (जल माञ्रा

বন্দুক গ্রাহণের চেফার মামলা

## পুরুলিয়ায় ১৪৪ ধারা

🛎 যুত গত্য মূর্ত্তির উল্ভি

## আকাম্মক মৃত্য

বরিশালে খানা তলাদ

নামক ৩২ বংশর বয়ফা ছনৈক সম্লাম্ভ রাঘব আড়ারি ও শ্রীণ্ড অভুলদ্রক দতকে नाष्ट्रित भन्नी देवसान व्याधाः छ। कतिया-एक दिख्या भःचाम **भी** केशा विद्याहरू। िन आप्र कि गणात्म क्रममो फिर्णम । ত্তিব্য আয়ুক্তার করিও জানিতে পরা। কাষ্য করিছে নিষেপ করিল্লভেন। সম্রতি यात्र नाई ।

### পুরুলিয়ায় ১৪৪ ধারা

পুরুলিরাম সদার মহকুমা হাকিম ১৪৪ ধারা কারি করিছা পুর শিয়ার ঐতিত্ত বীর

উত্তেমনামূলক रङ्खा कतिए। ५ आगमा থানার তথাকারীন কোন স্থানে সাবারণের শাষ্টি ভঙ্গ ১ইডে পারে এইরূপ কোন তাচাদের উপর মার একটি নোটিশ জারি করিয়া তাঁহাদিগ্রক বাগমুদা পানার অনীন ঐরপ বস্তুতা করিতে নিমেদ করা इर्शार्ष्ट् धनः यहे व्यारमण त्यन तथान **६हेर्य ना। जा**शामी ३५६ जांगर**ः**त

মটে) ভাঙার কারণ দেখাইতে বলা

### Cनाइहाम Cकटन मामा

গড় ২য়া আগেষ্ঠ রাতিতে ভানীয় Cन भट्टेप्ट Ce Ce ज्यक माला इटेंगा विशाहक I অনুস্কালে কানা গেল, সামায় একটা বিষয় লাইয়া ডিন জন লিখ ও একদন भूगक्षभाग करम्पीत गरमा निवास यारम, ত্রন শেষ প্রায় উলা হাতালালিতে পারিণ্ড হয় সংশে মুগ্রমান্টী আহে ইয় গ্রেল্য নিযুক্ত বজীরা বিপদ জলেন ◆লিনে কথাচালীর স্ময় মত উপ্রিভ হত্যার ঘটনা আরম্ভ গুরুত্র হইটে कारित जाड़ ।

### ্রিশ কে।টি মার্কর প্রেকারেল ১ে য়ার

বাৰ্গান হইছে প্ৰকাশ যে স্বৰাবী বিংগেটে প্রকাশ দ্বাত্মান সরকার শতকরা भारतिक द्राप्त छ । प्रमाय वाराज्य िक्टकाडि काक **्यम**्यम् एन्हान শ্রুটেনের এই পরিমাণ প্রেক্টেক্স নেয়ার লভ্যার জাত্মার বিভাগ বৃহত্ত্ব বাস্ধা স্মৃত্যের উপর সরকারের বিশেষ আনিপ্তঃ হলবে। ঐ পরিমাণ অর্থ व्यविविधाः याः अवतः स्ट्रेट्र ।

### রাজধনী ভান।স্তরিত

সংক্রপড়ের জীয়ত স্তীপ্তরা রায় অভিজ্ঞান অনুনারে এখনে অভিক চিলেন। গৃত হল। আগষ্ট ভিনি অবয় ণ জন রাজনন্দার সহিত হিল্লী জেলে ত্রেরিভ হইমাছেন।

## শ্রীবিশ্ববৈষ্ণবরাজসভার পরিব্রাজকগণ

		•		
পরিব্রাজকগণে :	া শাম	বৰ্ত্তমান ঠিকানা	পতিব্রাজকগণের শাম	বৰ্ত্তমান টিকানা
>। औत्र छिन्छित्री	াপ ভীৰ্ব	<b>बागाग्र</b>	৮। ঞ্জিকিউন্নপ পুরী	<b>কট</b> ক
২। ঐতিজিবিবেক	ভারতী	क्रक	্ ১। এছজিখন্নপ পর্বত	মহুদ্র চঞ
৩। ঐভিক্তিবিজ্ঞান	া আশ্রম	<b>এ</b> যারাপুর	১০। ঞ্জিভিবিলাস গভন্তিনেরি	क्षिकाडा ;
৪। শ্রীভক্তিপ্রকাশ	অরণ্য	क्वेक "	১১। ঐভজিরঞ্চন ছজিসার	মাজ স
<ul><li>तः औडिक्सनम् वः</li></ul>	म	<b>শাজা</b> ল	১২। ঐভজিরক্ক ঐগর	माजाब
৬। ঐভক্তিশৰ্কৰ	গরি	অমৃতগর	১७। बैडिन्ड्स्स (खोडी	<b>ী</b> ৰায়াপুর
१। ञ्रेडिकरेवहव	<b>নাগর</b>	<b>হাওটা</b>	<b>১८। व्यक्तकश्चिम् अमृत द्याधात्रम</b>	करेक

## শুদ্ধভাজ্যসসমূহ

### চত্তব্য মঠ

### আকর মইরাজ

श्राठीन नवदीन, छाक्यत श्रीवाम मात्रानुत, ननीता

এই মঠরালে পারমার্থিক বৈনিকপঞ্জ, সাম্বন্ধ-গ্রহ্মলারের অপ্রকাশিন্ত ও প্রপ্রাচীন প্রস্তরালি প্রচারকলে 'নদীয়া-প্রকাশ' ব্যালয় প্রতিষ্ঠিত কর্মান্তর। এথ নে প্রাতিবংগর শ্রীধাম-পরিক্রমান্তরান ও অগণিত ভক্ষপোমি। ক কার্তন প্রচারমুধে মহামণেংগ্রাদি ভক্তাল অভৃত্তিত কর্ইয়া থাকে। বক্ষক—প্রস্তারী শ্রীপান নরক্রিলী। সঙ্গারী—প্রস্তরারী পশ্তিত শ্রীপান গোরনাগ কার্যানাক্রণতীর্থ, শ্রীধানেরণ, শ্রীধান নরক্রিলী। নীরচন্ত্র, শ্রীপান নন্ধগোপাল, শ্রীনীনদমার্জনাথ, শ্রীক্ষমনমন, শ্রীমন-গোপাল, শ্রীমৃত্তুদ্ধ দাসাধিকরী ভক্তানবেন্ত্র, ক্রিপান, বেরক্রিমানন প্রভৃতি।

### (৩) যোগণীত ত্রীমন্দির

কক— গোক গণাৰৰ গোকামী ভট্টাচাৰ্য। প্ৰাচু শ্ৰীৱমা গণ। সংকাৰী শ্ৰীনিভ্যানন্দ ব্ৰজনাসী, শ্ৰীৱাণাবিনাদ ভক্তিচ্যণ, শ্ৰীৱানদাস ব্ৰহ্মচারী। শ্ৰীসাধন দাস অধিকারী, দেসলগা শ্ৰীণীননাধ।

- (৪) **শ্রিবাস-অজন** রক্তক-শ্রীপ্রভাতকুওম ব্রন্ধরারী।
- (৫) **অত্যৈত-ভবন** রক্ষ**ক— প্র**বুদাবনচন্দ্র ভট্ট চার্যা, শ্রীগোক্রনদাস গ্রোকী।
  - (৬) কাজীর সমাধিপ ট প্রাচীন মারাপুর, বামনপুকুর (নধীয়া) বক্তক—প্রজ্ঞারী জীবিনোধবিশারী।
  - (৭) **খানন্দ পুষদ-কুঞ্চ** শ্রীপোক্রম, পর্মপ্রপ্ত (নদীরা) ব্যক্ত----ভাককুপ্রম ভাকার প্র**খ**চারী

ৰক্ষণ-ভাককুত্ম ভাকার ব্ৰহ্ণারী কুক্ণান্তিমী ৰগ, এম, এম ৷

(৮ ঞ্জিক্সরাথ গোটার মঠ

রক্ষক—শ্রীষ্ট্রবর শুক্তিশাস্ত্রী এম, এ, বি. এল, সংকারী—শ্রীট্ডবন্ধাস অকি-শাস্ত্রী, শ্রীটক্ষকম অধিকারী প্রস্তৃতি।

- (১) জীমোর-গলগের-বর্ত চাপাণটা, সম্ভগত, (ব্যমন) রক্ত-জীগরেরাম ব্রন্ধচানী, সভ বীনালয়াল দাস।
  - (১০ ঞ্জিরপর্গোড়ীর-বর্ত গলগঞ্জ, প্রয়গ ইউ, পি বন্ধক-শ্রীদর্মেবানন্দ এবচারী

### ( ১১ ) তী:বাদক্রমন্ত্র মাউগাছি, ভারগঃ, বছমান।

(১২) ভাগবছ আসম

ত্রীভাগবভ প্রেদ, রক্ষমগর, নদীরা। রক্ষক—জ্রিক্ষানক ব্রন্ধচারী ভক্তিশাস্ত্রী

### ( ১७ ) श्रीजनामन मर्ठ

গোবিকপুৰ, হাসখালী, নদীয়া।
ক্ষক—গ্ৰীমতুলানৰ ব্ৰমচাৰী। সহপাৰী
শ্ৰীন্তসিংগ ব্ৰহ্মচাৰী, শ্ৰীৰপ্ৰসৌৰ দাস
ক্ষিত্ৰী, স্তক্ষ বিশ্বনাথ।

- (১৪) ज्ञिमान्त दगीकोन्न मर्छ
- - ( ১৫ ) औरगानाननी वर्ड

ক্ষণাপুথ, ঢাকা। ৰক্ষক— প্ৰদেশলাস ব্ৰহণাণী

वक्रामी विश्वशंत्वामणी।

- (১৬) জ্রীপদাই-গো শা সঠ বন্দদ-শ্রপ্রজ রশচারী, শ্রীম্ভিশাল রশ্বারী
- (39) शिकाभवस्यकात्रक महे

  हिक्रमिश्रा, वाक्रप्यम्था, त्यमिश्रीभूत्र ।

  स्वारत निकारमध्य वर्षमान । स्वयंक्र-

### (२) बीटगोड़ी व्र मर्ठ

>७ मः काणिकामात ठक्कवन्त्री श्लीषे. ८गाः यात्रयाच्यातः, कलिकाका । ्छेगिरकान्य वि. १८७४

মঠরক্ষক—আচার্গান্তিক শ্রীণাল কুমান্তারী বিশ্বান্ত্রণ। সভকারী—পঞ্জি শ্রীণাল অনন্তবাস্থারণ পরবিশ্বান্ত্রণ বি-এ. প্রীণাল সাস্থিকারী ব্রহ্মচারী, শ্রীণাল অগচন্তারণ সাস্থানিকারী বি-এ. ব্রহ্মচারী শ্রীকার্তনানক্ষ, ব্রহ্মচারী শ্রীশালীবোতন, ব্রহ্মচারী শ্রীমানক্ষ, গভিত শ্রীণাল মনীমন্ত্রক পরশিল্পান গছার ভিন্তিশালী সম্প্রদার বৈক্ষাচার্যা, শ্রীমান্ত্রমানলাসাধিকারী বি-এল, শ্রীমান্ত্রশালিকারী বিভ্রান

- (১৮) **আমলাবোড়া অপন্নাপ্রস** রাজবীধ পোঃ ব**র্ড**মান।
  - য়ক্ষক—এলবাসী শ্রীণবিকিশোঃ।
    (>>) শ্রীপুরুবোদ্তম মঠ
    বর্গধান, শুনী, উভিন্তা।

क्षण — अष्म हाथी ज्ञिनव्यासम् विकावित्रः अष्म हावी ज्ञिनमोशासम्, द्विनव्याश्वकः अष्म हावी ज्ञिनमोशासम्, ज्ञिनसाह हत्वा व्यविकारी, ज्ञिनसामिश भ्रष्टाः

(२०) 🚵 अण-दर्शाकीय मठ

আলবরনাথ, এক্ষণির পোঃ, পুরী। বন্ধক—এক্ষচারী জীপঃমেশ্বরী প্রসাধকী। সহকারী— এক্ষচারী জীংবপিনবিহারী।

(२১) जैगक्तिगानम् मर्ठ

वेष्ट्रवायाकात, कर्तकः क्रमक-बन्धाता ीत्रवायक, जीवामणव बन्धाती, जीलाव कर्यसालाक वात्राविकाती।

- (২২) **শ্রীসলাজন-গোড়ীর মঠ**গলং লগজী গলপুরা, শালী ।

  বক্ষত- ভক্ষচারী ভূগনেধনতী, নিতাইলাস ভক্ষচারী, শ্রীপঞ্চানস একবাসী ।
  - (২.৩) শ্রীকৃষ্ণতৈতত মঠ শ্রীনৃদিংল্যান করা, শ্রীণাম ধুন্দামন।
    ব্রহ্মক-শ্রীন্ধণতিনাধ প্রস্কলারী
    - (५8) जीभव्यम्रहरम मर्ड

নৈমিধারণা, শীতাপুর রক্ষক—একচারী জীনুশিংধানক ও একচারী জ্রীনক্ষরণাক।

- (২৫) **জীচৈতক্সগোড়ীয় নঠ** চুম্বকু**ডা,** চিরকুড:, থানভূম : ক্ষত—ভীরম:নাথ ভাষ, জীরামভীর্
- (२७) यहामदगीकीस वर्ड इक्क--अकारी श्रीक्षणनकी, श्रीननी-दग्राणान अववागी
- (২৭) আক্ষণপাড়া প্রশাসাক্ষণ-বাই ব্যাক্ষণণাড়া, পোঃ মাঞ্, চাবড়া এখানে বড় ভূজমূতি প্রীপোরালের সেকা বউমান। বক্ষণ---ব্রগণানী প্রীপ্রাণকৃশ-ধান, তক্ষে কর্মণাকর।
- (২৮) দিল্লী গোড়ীয় মত-কাৰ্য্যালৰ বনং গোণী ও বন ভাজার পেন, নিউ বিল্লী রক্তক—বন্ধতারী শ্রীনীরক্তক, প্রীকুললেশ্বর প্রীর্থার্থণচর্বশ্বর
  - (२৯) **८गाणालगाजा-अनलाह्यस** वक्तर-अक्टाबी सोवागमणाव्य
- (৩০) মাজালগোঁ রীর মঠ
  নর্ব গোপাণগুৰুম, কাবেজ্বল, মাজাল
  কলক-জিপপ্তথানী জীন্তবিদ্যালক জীপন
  মহারাল, প্রকার-জিপ্তিথানী জীন্দ্
  ভব্লি লান কলিবলৈ, জীপাদ ক্ষণদানক
  ক্রমনানী, জীপাদ ক্ষেত্রানী ভব্লিশালী
  ক্রিয়ান নির্ভিত্তন ক্রম্নানী ভব্লিশালী
  ক্রিয়ান গৌৰক্ষণানক ক্রম্নানী।
  - (৩১) ছাদশবোপাল পাট কাঠানপুনি, চাৰণা, নদীখ মুক্তৰ—এখচানী ইংক্ষেণ্যৰ



यक्षेत्रम्

৯ প্রীপর গোরাক্ষ ৪৪৫, ২২বে আবেগ বঙ্গাক্ষ ১৩৩৮, ৭ আগন্ত ইং ১৯৩১ শুক্র বার

১৩০ডম সংখ্যা

### <u> শাময়িকী</u>

কটক শীস্তিদানৰ মঠ হইতে অংগাণক শীসুত নিশিক্সে সাল্লাল এম, এ ভক্তি-ত্তশীকর ভিক্তিশারী মহোল্ল গত ওবা আগই তারিখের ভারে জ্ঞানইতেছন,—

পরমারাধ্য শ্রীল প্রান্থালের ক্রপার্নাপাদে কটক শ্রীপচিলানক মঠে বানিক মহোৎসব গতক্যা সাফন্যের সহিত অনুষ্ঠিত হইলাছে, বক্সপ্যাক ভদ্মলোক এবং ভদ্মগতিয়া মনোরমধর্ণন শ্রীগোরবিনোদরমণজ্যীউএর দলনার্থ আগমন ক্ষবিয়াছিলেন। শ্রীগোল পরমানক রক্ষারী বিখারত অভূর সেবা সোঠনে শ্রীবিপ্রাহ অভি রম্পানভাবে সাক্ষিত্র হইমাছিলেন।

সমাগত ভদ্রলোক ও ভদ্রমহিলাগণ বিদণ্ডিখামী শ্রীমন্থকিবিবেক ভারতী মহারাঞ্চের একটা চিত্তাকর্থক বন্ধুতা অতীব মনোযোগসংকারে শ্রুবণ করিমান্থিলেন। অতংপর শ্রীপাদ অপ্রান্ধত ভক্তিসারস্ব গোসামী প্রাতৃ মহোৎসবের উদ্দেশ্য-বিষয় ব্যাখ্যা করেন।

বিদ্ভিদামী শ্রীমন্তক্তি প্রকাশ করণা
মহারাজ, বিদ্ভিদ্ধামী শ্রীমন্তক্তি শ্রীরূপ
পূরী মহারাজ, বিদ্ভিদ্ধামী শ্রীমন্তক্তি প্রস্মন
বোগানে মহারাজ এবং শ্রীনরোয়ণদাস
অধিকারী ভক্তিস্থাকর ভক্তিশাল্পী মহোদা
সকলেই এক একটি সংক্রিপ্ত বক্তৃতা প্রদান
করেন। বক্তৃতার আদি এবং অক্তে
স্থালিত সংক্তিন হইলাছিল। তিনফটা
কাল সমবেত জনসভলী নালবে অবস্থান

করিয়াভিলেন এবং সকলেই। বিচিত্র মহা-প্রায়ার স্থান করিখাছিলেন।

শ্রীগাদ প্রমানক বিভারত্বপ্রস্থ এবং দ্বাক্ত ভক্তিদারক গোস্থানি প্রভূ অভ লগবাঙ্গে পূণী যারা করিলাকেন এবং তিনিওস্থানি শ্রীনদ্ অর্ণা মহারাক্ত ও বোধানে মহারাক্ত অভ রাত্রে প্রচারে বিচর্গত হঠতেছেন।

গত ২০শে জ্বাই প্রিলের গোণেল। বিভাগের ডেপুটা জ্বাবিটেডেওট মহোরর শ্রীধান মারাপুর ঠাকুর ভাতিবিনোর ইন্সিটা উট পরিদর্শন পুরুক্ত যে মক্রা বিপিনা-ছিলেন, তাহা নিয়ে প্রকাশিত হইল.—

Being requested by the revered Hd. master Swami Bhakti Pradip Tirtha Maharaj I visited the Thakur Bhakti Vinode Institute today with a friend of mine. We had the good fortune to listen to the instructive discourse of the respected Hd. master Mahashaya explaining the aim and objects of the school. This is an Institution quite unique in its kinds. Its object is to impart the boys modern education with a religious back ground.

It aims to give the boys an idea of the Spiritual Self and mould their character like a true Brahmachari. Education is going to be imperted irrespective to all Hindu and Mahammedans. This school is really a boon to the society in its present condition. The boys are fortunate that they have

got a Hd. Master like (Tirtha Maharaj.

I pray to God that He will give prosperity to this institution.

Harikumar Gupta
Dy. Supdt. of Police
C. I. D. Bengal.

ভক্ষে বাদ — পৃষ্ঠাপাদ স্বামী শ্রী শ্রীমান্
ভক্তি প্রদীপ ভাঁপ মধারাছের। অন্তব্যাধ্য
আগার একজন বন্ধুসত আমি অন্ত ঠারের
ভক্তিবিনান ইন্টিটেউট পরিদর্শন করিবান।
এই বিজ্ঞালারের যে কি উদ্দেশ পুর্ব ভাষার
প্রমান্তির মহাশ্যের উপদেশপুর্ব ভাষার
প্রমাছিল। এবাজাকারের বিজ্ঞালার পুর্বের
কোণাও জালিত হর নাই। বালকলিগকে
ধ্যাধিকার সহিত আধুনিক শিক্ষা-প্রবানই
এই বিগ্যালানের উদ্দেশ্য।

নালকগণের যথাপ ব্রহ্মচারীর স্থায় চরিত্র গঠন করা ও মানসিক উন্ধতিবিষদক শিকা দেওয়াও অপর একটা উক্তেন্ত। এ বিহুলেরে সমস্ত হিন্দু ও মুন্দমান ছাত্রস্থাকে গমভাবে শিকা দেওয়া হইভেছে। বর্ত্তমান অবস্থায় প্রকৃত্তপকে এই বিশ্বালয় সমাজ্যের গোলই উপকার ক্রিভেছন। পরম সোভাগা নশভং বালকগণ তীর্থ মহারাজের নায়ে ভেডমান্টার পাইগাছেন। আমি ভগবানের নিকট প্রার্থনা করি, তিনি খেন এই বিশ্বালয়ের উন্ধতি বিধান করেন।

৩০।৭।০১ (জপুটা স্থপারিন্টেণ্ডেন্ট জব পুলিস্ সি, স্মাই ডি, বেক্ল গত ২০ বামন প্রিয়া দিবস প্রথাগ শ্রীকপ্রোড়ীয় মঠে বহু লোক সমাগ্রন হইয়াছিল। তথাগ শ্রীশ্রীবিনোদকিশোব জীউ শ্রীবিগ্রাহ বড়ই মনোরম-দর্শন, সনা-গত জনগণ শ্রীবিগ্রহের দশন লাভ করি।। প্রম শ্রান্দিত হইগ্রছিলেন।

গত ২০শে জ্লাই বৃহস্পতিবাব দিবস বিদ্যালয়ী শ্রীমন্ত্রজি প্রশ্ন বোধান মহা-রাজ কটক মেডিকাাল কলেজে শ্রীটেডজ-বাণী কীঞ্চনার্থ গ্রমন করিয় ছিলেন। তথাগ্য জনৈক এপিঠান্টে পার্জন ''গরেন শ্বর কে এবং কাহার ভজন করা উচিত পূ'র এটকপ প্রশা করিলে শ্রীগাদ বোধামন শ্রমীল্লী প্রায় এক ঘটকোল হরিকথা কীজন করিয়া ভাগের প্রশ্নের স্থানিকান্ত-পূর্ণ উত্তর প্রদান করেন।

গত শনিবার ১ আগন্ত ১৬ই শ্রাবণ তারিখে ত্রিদভিগোস্থামী শ্রীপাদ ভক্তি-প্রদীপ তীর্থ সহারাজ ঠাকুর ভক্তিবিনোল ইন্টিটিউটের' ডিবেন্টিং ক্লাবের সভাপতিস্প্রে 'অদৃষ্ট ও প্রস্থকার' বিষয়ে একটা নাতি-দীর্ঘ অভিভাষণ প্রদান করিবাছেন। এই সুইটা বিষর লইয়া হাহারা হন্দরভ, জালা করি এই ক্ষণিভাষণ পাঠ করিলে তাঁহারা লাভবান্ হইতে পাবিবেন। আঘরা বারাছরে উহা শ্রীপ্রে প্রকাশিত করিব।

আগানী শনিবার ঠাকুর তক্তিনিনাদ ইন্টিটিউটের বারাস্থাদ- ভাগ িছা ও ধন সম্বন্ধ আলোচনা স্টবে।

### ভক্তিরদ্ধি হয় না কেন ? হরিকথায় ক্লচি উদ্ধের

"স. কীন্তন হৈতে পাপ সংসাধ-নাশন চিত্ত দি, সক্ষভন্তি সাধন-উদ্যাম ॥ ক্রণপ্রেমোদ্গম, প্রেমামূত আয়াদ্র। রুষা-প্রাপ্তি, সেবামৃতসমৃত্যে মক্ষন।

অথাৎ সংকীধনপ্রভাবে নামাশ্র-কার অহংমমবুকিকপ সংসারের বিনাশ हर, ऋजभञ्चम, अमरकृष्ण, शहरामीकाना ७ অপরাৰ প্রান্থতি অনুর্গচতুষ্ট্রেম নিবৃত্তি ংইরা চিত্তদর্পণ্টী নিম্মল হয**়** এইরুণে জনে জনে কচি, আসন্তি, ভাব এবং अकारमान क्रमारक्षामस्य कार्यासम् मा । इस । ত্থন ডিনি ক্ষমসেবামত সমুদ্রে নিম্ভিত 1 65

দিনেৰ পর দিন, মাদের পর মাস, বংসরের পর বংশর চলিয়া গেল, শ্রীনামাশ্রয় कति। कि. धैनामकी छन कतिए कि विविध অভিযানও করিয়া পাকি, কিছু কই, আমার ক্রন্তের মধ্যে পাশ্স্পারের ভ বিনাশ হব নাই। ধদিও আমি ত্যাগীর বেষ গ্রহণ কবিয়াছি---সাধারণ লেকের নিকট বিশেষ সম্বানের পাত্র হট্যাছি, তথাপি যদি একবার নিরপেক ১ইয়া চিত্তপুতিভলি বিচাৰ করি, ভাষা ইইলে আমি বুবিতে शक्तित द्यः, व्यामात अन्यत्वतः मद्या मर्गात्ततः ক্ষোত পূর্ণমাত্রাণ প্রবাহিত হইতেছে।

**ब्रिटेश्टकराणी जामाद कामाकि छिए-**भग कर्श व्यक्ति का नाहे, जाहे कानाव ছরিকীত্র না হট্যা নাম্পরাধ, বিষ্ণেকীর্তন বা ছ'লোর কীন্তন ক্রান পড়িছেছে-- সমার আচার্বিহীন প্রচার হটভেছে-মানার প্রাকৃত কিচবায় উচ্চারিত কথাওলি এামোণেনের মত প্রাণ্টীন, তাই তাহার খানা আহ্মদল চইতেছে না বা প্রউপকার কবিতে পারিভেছি না।

শ্রীমনারাপ্রভর বাণী--"তুণাদ্ধি স্থনীচেন এরেরিপি স্থিয়ন। অম্নিন্ মান্দেন কাত্নী: সদা হবি ॥" এই বাণাটা কি আমাৰ কৰে ভাৰিষ্ঠ ইইনাছে ? এই লোকটা কি আমার কওগার হইবাছে গ আমাৰ আচালে, প্রচারে, আমাৰ প্রতি कश्रा, शास्त्रक कार्टा, कि सरस, कि ভোজনে, কি ভাগবাদ অহনিশ এই লোকটা কৈ আহাৰ অভাবে ও বাহিৰে ভূটিব ेरि: इ.छ १ यमि मना दश दक्तिति কামার সংহস্থাকে, ভবে আমি বলিভে ব্যাহ্য কটাৰ যে, ট্ৰা নানীটী শত শত বাব প্রধানৰ অভিনয় কবিয়াও টিগা আমান कर्त अतिहे दर नाडे, डाई बामान बाहतरा ভূলাদলি সুনীচভার প্রিবতে **লাভিকত**। নেগা গাইটেছে, তরু অলেক। সৃষ্টিশু না व्हेश चिल्लिय कामिक १६०० शिक्त, कामात्र ्वान छन ना धाकिलाङ आखिई। ठडानी ৮০৫ে সক্ষণ নৃত্য করিতেছে বলিয়া

উ প শ্র

ইরিকথায় শ্রদ্ধানানের ক্লচি কি প্রকারে উদিত হয়, ভাষ্কপণে শ্রবণকারী বা এচির আহকের পকে ছইটা দেবা নিদিষ্ট হটবাছে. खशनस्टाक्त समग्र--- भूगाडीर्थ व्यवः कश्वम-ভভের অধিষ্ঠিত ভূমিও পুণাতীর্গনামে क्षिण रग । यह कुट आकान जीर्थ करें क উদ্দীপনযোগে হরিকথায় ক্রচি হয়। ভার্থ-দেবা ব্যতাত রচাৎপত্তির অপর কারণ মংতের সেব।। কুনেছতর বিষয়বির জ मक्षमम् धनमन्धन । इति क्रम्भवहे गहाम । क्रमण्डकनरीन भकीर्यक्षमय उच्चारामुक क्रमण्ड নিভান্ত সন্ধীৰ ও সাম্প্রনাধিক। সেহ मकीर्वटाङ राकिन्य निस्न निक्र महीर्वडा ৰুমিতে পারিষা যাখভীল সন্ধীবর্গন্ধ ভন্গণকে সম্বর কবিছে বিষ্যা মহত্রের ভিন্ন অঞ্চন करतम, किन्न ভाষাতে इतिरम्या ना शाकाह ভাষা ক্রেভের বিষয়সেবামাত হলতা যার। এই উদারক্রণ কুসাম্পেদার্চিক্রণণ ক্ষুদ্রের সেনা করিতে করিতে মহৎ হরিজনকেও সঙ্গাণ সাক্ষণায়িক ননে কবেন। বেকালে তিনি অস্তের স্হিত সম্বয়ভাব প্রিভাগে করিয়া মহং স্ক্রনের সঙ্গ করেন, ভংকালে তাঁহার অসং কুরুচি প্রিংটিত চট্টা হলি: কথার কচি হয়। প্রমহান ভগবানের দেবা-নিরত হটলেই ব্যঞ্জীবের ইত্র নিধ্য রুচিগত সন্ধার্ণত। বিদ্বিত হয়। মহতের সেবার জীবের যথেচ্ছাচারজাত তক্ষপথ নিবস্ত হয়। তিনি তথন হরিকথাঞাতির গণ গ্রহণ কবিষা কীন্তনাখ্যা ছাজির আশ্রেম করেন। कीरनकाती राक्ति हति अभागत महिछ समयग्रिष्टा उगांध कति । ८कतम इतिहस्ताश অাম্বনিয়োগ করেন

অমানী হইতে পারি নাই ওবং সক্ষরীবে यशासाधा मन्यान (मध्याक्रथ मानम-भन्य ६ अभात दम्भा गांत ना ।

অমোর মত বঞ্জিত ও বঞ্চকের মঙ্গলের তত নীমন্তবিদ্বালার ঠাকর গাহিতাভেন---ত্রীক্ষাকীর্তনে যদি মানস তোহার। পরম যতনে উহি লভ অনিকার গ उपाधिक होन मोन अकिकन हात। আগনে নান্ধি স্থা ছাড়ি অহকার ॥ वृक्षभम कमा छन कद्दि भारत । প্রতিহিংসা ভাজি অন্তে করবি পালন ॥ कीतम-मिकारङ ज्यारम डेस्ट्रश मा पिरव । পরউপকারে নিজ মুখ পাদরিবে॥ हरील ५ मन्त्रे छर्ग छन्। महास्त्र । প্রতিয়াশা ছাড়ি কর অমানী হল।। कृष्णधिति भक्षश्रीत कानि मन।। कत्रवि मणान भाग जाभरत मर्गमा ॥ रेन्छ, मधा, व्यस्य मान, व्यक्तिंग वर्कन। চাৰি গুণে গুণী হই করত কীৰ্ত্তন।।

### ধাম প্রদা

শ্রীধান কিছু মেটে বস্তু নছে, বে পায়ের জেরে ভাহাকে নিজ আন্তাগান করিয়া। ফেলিব। মহাজনগ্ৰ বলেন.---माथ्यः महरम सामहाज्ञान युक्तायम् । গৌড়ে নবছীপ তথা দেখুক নয়ন। একের প্রকাশ দুই অনাদি চিন্ময়। खाउत विकास - एक खब मायगा। लाङ्ग कि हान कि कमानि batti । জীব নিস্তারিতে আনে প্রপঞ্চনিশ্যে॥ (मरे कृष्णकृषान्ता कप्रदश्रक्षन्। वृक्तावन नवशील कशक प्रश्नेत्र । যোগাতা ৰভিয়া সৰ ভীবেক্সিঃগণ। **हिना**व विरम्भ छमा करम जानामन । অযোগ্য ইন্দ্রিং তাহা আত্মদিতে নারে। कुछ कपुननि शास निस्म नास्त वास्त ॥ क्षा-क्षा अवाधाः कावन । कीरत मग मानुगरक करक त्यह कम ॥ জ্ঞানকম্মনোগে সেই যোগাতা না হয়। अकानरम माधुनरम करत ४५ छन । कङ्कान छीरविद्धारत हार ५ (यह कन्। कीवरुक करत रामरणाचा मतलम् ॥

জীগোরস্কারের জন্মস্থান দশন কবি-रान प्रदेशकान दक्षि आहा। स्वेतीन्धि বিশিষ্ট ব্যক্তিগণ মেকী চক্ষর সাহায়ে। मिकी कानाक है भागापुर वालन। (मिकी মালপুরকে আসল বলিয়া চালাইতে বিয়া প্রাচীন মায়পুর নাম দেন। তদ্বারা উহা-দেব 🕶 'টভা ধৰা প্ছিমা মাম।

মিছাটকেৰ কথান মিছাটকগণ্ট আসল বস্ত ছাড়িয়া মেকীৰ আদর করেন। ভালারা উহার আদর করিলেই যে মেকীটা कामन बहेल गाहेत, छाडा कथ-है बहेत्छ

अव टटकत विवास व्यक्ति श्रीतनीत-জন্মস্থান প্রতিতি হইরা থাকেন। উচা কপনই কপট, নিছাভক, শ্রীদলী, মংসন্ত্র-প্রেরভিণ দুখ্য বন্ধ নংহন।

ি অপ্রাক্তি বস্তু নতে প্রাক্তি গোচর।"

শ্রীমায়াপুর শ্রীমনাহাপ্রভার ভারভান বলিয়া তাহা প্রাক্তি স্থান নতে, কিছু মপ্রা-ক্ত ধাম। স্নতরাং প্রাক্ত বস্তুর গোচরী-ভূত হইতে পারে নাঃ আয়েকত বাজির প্রাক্ত বৃদ্ধিবলে অপ্রাকৃত ধাম আবিছত হইতে পারে না। বিষ্টী, স্ত্রীসন্সী, অন্তাতি। লাধী, কপট, মিছাভজ, কনক-কানিনী-প্রতিষ্ঠাশাযুক্ত ভোগী মামবের দর্শন ভ দুরের কথা, অপ্রাকৃত ধাম ভারুদের চিহ্নাব ও ২ছদুরে। নিক্পট গৌরদেবা-भतारम इटेट्ड भातित्य--- (भोतमत्माकीहे-প্রচার্ট্যকরত হইতে পারিলে গৌরহালয়ের কুপার শ্রীমারাপুর যোগপীঠের অপ্রাক্ষত व्यालाक मर्भन नाम वर्षे ।

### যৎকিঞ্চিৎ

(ব্যক্তিপত)

याशात्रा काङाविता भाठक वा अहात्रक. **डार्टामंत्र डेल्स्थ कर्य डेलाक्टन करा।** क्ष्मताः य द्विष्ठ अधिक अर्थ महा इत्र, ভাদুৰ বৃত্তিই ভাহাদের অবলমনীয় চ্ট্যা থাকে।

याहाता शक्ष्य छाश्रवज्ञे र्वनकाती. তাহাদের উদ্দেশ্ত ভগদান ও ভাগবতের প্রীতি উৎপাদন করা; কিন্তু অর্থকামীর অভিলাধ অক্সমপ, ভারানা ভগবান বা ভাগ-বতের সেশার ক্ষয় ভাগবত কীন্ত্র কংশন না। যদি ভাগৰত কান্ত্ৰ বাতীত মন্ত্ৰ কোন উপায়ে অধিক স্বৰ্ণাগ্ম হয়, ভাচা চ্ইণে তংক্ষণাং ভাগনত বার্ণিয় বা প্রচার পরি-ভাগে করিণা অস্তা বৃদ্ধি অবলম্বন করিতেও डीहाता कुछा द्वाम करतम मा ।

🕮মদ ভাগবভের প্রথম ক্ষমে ১৭ল क्रमाहरून कम स्थादक कमि छात्मद्र वर्गन আছে। যপা.--

ঁঅপাবিতহদা ভবৈ পানানি কলয়ে দদৌ। म्हार भागः श्विः क्षमा ग्रामका**न्**कृतिसः॥

রাজা প্রীসিৎ কলির প্রাথনা শ্রবণ कतिल डाइंटिक वास्त्राभटमानै एव एवं कारन দাত অগাৎ অবৈধ জীড়া, পান অগাং মঞ্চ-পান, গুম পান, চা পান, ভাষুল সেবন, নক্ত, গাঞা, অহিদেনাদি সেবা, স্ত্রী অথাং অবৈধ স্থীমন্স অপনা অভান্ত স্থী আসক্তি এবং लना अधीर गणात की तहिला अविद्या এই চতুদিধ অধন্মখান কলিকে প্রদান করিলেন। ভূতরাং ভণী ভগ্রস্ভজ্গণ উচা কলির স্থান বুঝিরা ঐ সকল স্থান হরতে অপরকে সতর্ক করিয়া থাকেন। किन रा वाकि नाः जाशवादका होता ভাগবডের এই বাণী যথায়ণ পালন না করেন. স্বয়ং আচরণ করিতে বা অন্যকে আচরণ করাইতে না পারেন, ডিনি কথনই 'ভাগবড-রত্ব' হইতে পারেন না। ভাগণভ-বাণী পালন না করিল ভাগ্যত-ম্পর্ণ- মপরাধ-

সামতপুরাণের অক্সতম পশ্বপুরাণ বলেন---কলৌ ভাগবভীবান্তা গেছে গেছে মনে মনে। কারিত। ধনগোভেন ক্পাসারস্ততো গত: ॥

क्लिकारण शुरू शुरू करन करन ভাগৰতবক্তা হইয়া পড়িয়াছেন। কিছ ভাদৃশ ভাগবঙ্কণা ভাবণের কোনও মুল্য নাই। কারণ ভাহা কথা মাত্রে পর্যাবসিত, সাধারণ কথা, গ্রাম্য কথা, মটিক, মডেক উপস্থাসাদির কথার সমান হইয়া যায় माळ। नाष्ट्रेक नरङ्गापित चन्नदक्षा अन्तर् वा भारते रवमन रकान लाक इत्र मा, भव्रह বিপত্নীত ফল আনমন করে, টহাও তজ্ঞপ।

## .গ্রন্থ পরিচয়

### **এ।মন্তাগৰত**ম্

শ্রীমন্মার্থি কুক্টবৈশায়ন বেগব্যাস-গুণাত মূল, উমেন-মধ্বচোষ্য-কৃত্য ভাৎপৰা-নিৰ্নন্তীকা; নীমদ্বিখনাথ চক্ৰবত্তী াকর-রুত সারাখদলিনা টকা, বলাগুবাদ, সংগত অধ্য ও ! প্রতিশন, তথা ও বিশৃত্যাদিশৃত। প্রতি ক্ষমের আদিতে ल्ड इ**८६५ अधिणाण क्यामात्र, ध्वाह्यत अथरम के** ত্রনারের সারসহ স্থবিশ্বত তাৎপর্ন্যাদি বিবৃত। শ্রোকস্চী িবস্ত্তী, অধ্যয়বিবরণ, পাত ও স্থানস্তীস্ক উত্তম कः। (४ डेडम अक**रत मृ**क्तिछ। व्यथम दहेरछ ) • स दक्ष ে।ও ছাঁপা স্প্রিপে শেষ হটয়াছে। ভিক্ষা প্রথম sect अस क्षेत्र भगाव दिशालकः समा क्षम ३२ ; \*\*.到 50、1

ইট্ৰীমন্বলি নোদঠাকুল-রচিড 'অনুভঞ্জবাচভাষ্য' ৬ ইউমহজিনিয়ার সর্বতী গোরামী প্রপূপাদ লিখিত েওডালো জাভি-ছভাদি বহ শাস্তম্মাণ-স্থান্ত ক্ইয়া अवानिक ध्रेशास्त्रमः स्माद्यत्र गामस्यामा, वक्षास्यामः প্রত্যেক পরারের পুনের সংক্ষিপ্ত অভিনেয় সংযোজিত। প্রতেগক জন্যায়-আয়ত্তে কথাসায় দেওয়া আছে। স্লোক, াৰ, শব্দ, আন, পাত্ৰ প্ৰজ্ঞতির স্বৰ্তৎ কটা ও এছকারের িখুড জীবনী সম্বিত এইরূপ অভূডপুল সংকরণ ইড:পুলে ে বালি প্রকাশিত হয় নাই। উত্তম কাগলে পারিপাটে)র ंट पुरा कुष्पणाल भूषारंभ भूषिए इंदेशाटक । आहे आहे eee প্রায় গল্পর ভিন্না বস্তমানে e, মাজ।

### **এ**টেড ক্সভাগবৰ

গ্রন্থকারের জীবনী, প্রতি পরিক্ষেদের কথাসার, বিস্তুত ोड़ीय कामा, नक्टिंगे, नमात्रकी, विमय-शान-नावाधि-্া, প্রজ্বতি বিবিধ বিষয়-সম্বাশত বিরাট বিভীয় সংখ্যাণ বল জাউন ৮ পেতী আকার। আদিলীলা ও মণ্যের। म्यान्य व्यक्तिष्ठ बहेशारक्ष्म। व्यव्य व्यक्ति व्यक्तिष्ठ ं एउट्टम । अधिम क्षिमा ६, छाका, आनि नीनाव E41 5 1

### **औ**रें 5 एक मन्त्र

এই গ্রন্থেয় এক্লপ অভিনৰ খুন্দন্ন সংখ্যাণ আর কুতালি কৈশিত হয় নাই। সংস্কৃত সোকাংশের অধ্য, বৃদাসুবাদ, াষ্য, কথাসার, তথা প্রাকৃতি সহ থণ্ডে •ণ্ডে প্রকাশিত धार्ष्ट्र । भूम भाषा अभरत उपम काउँन आहेरनजी भाकारत काला कहेबारक। यूना २॥० छोका। नसीवा কাশ ও গৌড়ীয়ের প্রাহ্মগণের পক্ষে ১৪০ টাকা।

### **এ।মন্ত**গবন্ধীতা

— শ্রীগোড়ীয় বৈক্ষবাচায়া অপ্রাকৃত ব্রদিকচ্ডামণি চবিষ্টাপ চক্রবিষ্টিয়াকুর গোরামিকতা সারাধববিশা হাগ্যেতা ও -ক্রিটামছজিবলোগ তাকুর-প্রণীত 'রসিক-भ' नामक जावाजावामहिला। व्यवाप्रकृती, माजकातात्म ाव-एडी,विवय-एडी,बाइकारबाद शीवनी ७ व्यवस्त्राविकारि ध्वरणम् किया २० क्रामा माळ, माधाप्रक मरक्ष्मक--->॥ ा माख ।

## শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

- ও বিফুপাদ শ্রীশ্রীমছক্তিসিদাশুসর্ঘতী **रिशाचामा महाबादलय त**्रहे व्यक्तिशानिक्यः त्रिकी भीवाश्वत्रकरभारवाभिनी क्रक-काम्ब्राभनमानिनी क्रीवञ्च-वाभाव মুক্- বিপ্রাধ --- বেদাবনিদ্ধা প্র-রত্তমালার কোস্বভ্রমণি--- সম্প্রদায় বে চৰ্বিক্ষানাগারের মোগিক ওগ্য-প্রগর্জে ও ভাগ্রতের সম্বয় ওক— মহাজ্য-জাবনচারিত-শিক্ষক—চিজিলাস্চিলাজ-্ষচিমাত্ত-বিচারক— ঐখন্য ওমাধুন্যরহের মেলিক গ্রেমণার স্থুদর সুক্তিপ্রমাণ্সত লিখিত মাতে। চতুর্থ সংকরণ বাধা ---স্থদ্ধ, অভিনেয় ও প্রয়োজন ভবের সিদ্ধান্ত-সমূদ।
- ১। প্রথম অন্ত—বৈক্ষবদর্শন, ইঃ ওরতন, কাল-वय, ब्रीम्थ्यानिकाव, ब्रीवार्यकानती, लाक्षतादिकी हीका ও বণ বিচার, আত্মাত্ম ও মনোংলা, ইটেচভক্তাব ও ভাষার শিকা, অপ্রাকৃত সহত্যব্দ ও প্রাকৃত সহজ্বয়, প্রভৃতি বিংশতি সংপাক রছে জুণোভিত। ভিকা মাত্র ৬• বার অনা।
- **১। ত্রিভীত্র শশু— ৬**দা ও বিদ্ধা ভক্তি, মণ্টারের লেছতা কোথার, সাত্মার নিভারতি, জীনর তামিলাদ s माग्रातान. टीटजीन-मिल्लानम अगुष्ट, जिएटनत मुख्य 🧇 अस-कीत्वन, द्वीवामभूभाग द्वीमहाध्यत्वत कीत्वन, द्वारशीध-ধানের মহিমা, মহাপ্রসাধ, ত্রীলোরিক, ত্রীরূপান্তগভরন-পথ, শ্রীমতী সুখভামুননিনী, খ্রীচৈতভোৱ নয়া, কৌনকরুণা ও क्रममकी छन- । চতুদশ অপুন্ধ মধুরিমাপুণ-বঞ্জা-বিভূহিত। গ্রন্থ প্রায় ৪০০ প্রায় সম্পূর্ণ। ভিক্ষা ২০ টাকা মাত্র। ভিক্ষা ১, এক টাকা নাত।
- 🗢। 💆 শীশ্র শগু—লোক প্রিয়ভা ও সভাপ্রিয়ভ শ্রীবলদের প্রেমন্ত্র শ্রীক্ষানিভাব, বৈষ্ণব, শ্রীপীতাদেরীর অানিভাব-প্রদন্ধ, শ্রীমধ্বাগবতের সভা, ইংবাদেপুঞ্চায় শ্রীমদ-ভাগবতের পুন্রাবৃত্তি, ভ্রীনামস্কতিন ও হরিসেবার নিভাতা —এই নয়টা স্থাপনিক বক্তভাসখলিত। ভিকা ৭০ নাজ।

### 🚨 মত্বানদুগীতা

(शोड़ीय-देवकवमानिक-त्यवंत्र बीबीयम्नलाव विश्वा ভুষণকত ভাষা ও শ্রীমছ কিবিনোদ ঠাকুরেরপ্রাক্সল বন্ধ-ভাষায় বিশ্বত 'বিষদ্রঞ্জন' নামক ভাষাযুক্ত। অধ্যায়-সূচী, বিশয়স্চী, ও প্রতি লোকের প্রথম ও তৃতীয় পাদ ফুটা, ভাত্মকারের জীবনী প্রভৃতি স্থলিত। উৎকৃষ্ট বাঁদাই, রাজসংখ্রণ ( তৃতীয় সংকরণ ) গ্রাছের िका २ होका।

#### **बिन्दरी** श्री मना मार हो हो।

( প্রমাণখণ্ড ) সামুবাদ। স্রাতি-শ্বভ্যাদি গ্রন্থে শ্রীনব-দীপের যে মহিমা কীটিত আছে, তাহার মূল সংস্কৃত ও অমুবাদ। ভিকাত আনা।

#### **এ** এনবদীপভাৰতর স

শ্রীঠাকুর ভব্দিবিনোদ লিখিত। প্রললিত গতাকাবে প্রিক্রমার স্তঃব্যাদি-বিষয়ক। ভিক্ষাত আলা।

### ভব্তিরতাকর ও নবছীপ পরিক্রমা

শ্রীল নর্থরি চলেব্রি-সাকুর রচিত। ভঞ্জিরভাকর কাওখাবিষ্য-সহ উৎস্কৃত্ত বাধাই ভৃতীয় সংখ্রণ-এই রাভ হইতে পরিজমাংশ মাত গৃহীত; জীজীব গোস্বামী কি लाकारत अनवदीलधारमत लातिकामा कतिबाहित्तन, जाठाहे পছে বিবৃত। ভিক্ষা । ত' আমা

द्या किकिनिरमाम केकिन-अनीतः। ब्रीहेक्टरक्षडेक्टर [बकाळाराती:- क्रम, क्रमणि अतम-वद्य अपूक्त की ब-অচি গ্র-১৮ টেল তেল ভর-শাগন-নিবর-প্রায়েশন-ভন্ত কল-काछ. ब्राट्मामित निधान-देवनी अकि. आवस्ति । প্রেমভঞ্জিম্ম নামভ্যন-প্রণালী ও অঠকালীয় লীলা-প্রিচয়াদি প্রথম শিকাপীর উপরোগী করিয়া সরল ভাষার २, हाका, आवामा : ५० हाका माद्र।

### গোডীয়কণ্ঠহার

द्वीरको क्षेत्र-रेभकदकरायात्र काङ्ग्रक्त कर्छ भारतरायाः ঞাতি এতি প্রাণ-পঞ্চরতোদি সাজত-শাস্ত্রসমধ্যে প্রমাণাবলী निकाबिकाशकरम मास्याम धन्ति। धरेक्रण रेनम्बन-সিদ্ধত্তের সার্দ্মধ্য অক্ত কুরাপি প্রকাশিত হয় নাই। हेशाट अभाग्य-भागवा -- दिक्कव- (भोत-मिटामिक-बदेश्व-क्क-शक्त-अक्त-अत्याम-कीत-बिह्न शास्त्र --- व्यक्ति अर्था --- नाधनार कि--- वर्ष नाम- नाधनार किन्ति --- क्षेत्र नाधनार किन्ति ---- শ্রাম-প্রয়োজন ও প্রমাণ-ভব্তলি পুথক অধ্যাথে স্তুষ্থ প্লোকাদি কুচীসহ উৎকৃষ্ট এণ্টিক কাগতে বোঞ্চ ब्रु कानिरैंछ पूर्तिष्टे, উरक्टे नीवा मानात्र करन नाम माना।

### क्रीनवर्षाभगाम-क्षणावली

क्षीयमञ्जूषिताम ठाउन-न्यक्ति 'श्रीयमाद्याचा-माय-माश्रात मामनात ध्यमान भाष--- श्रीत नतहति हक्रवही होतु देवत धाम-अति क्षमाः म- डीक्षम नद्भील अतिक्रमा-डीक-যাত্রা প্রতি ত্রীমং প্রবোধানক্ষত নবহীপশতকম্-ইাম্পুজিবিনোদ ঠাকুরের শীনবদীপ ভারতরক প্রকৃতি গ্রহ একর ভিকা দ আনা যার।

### শ্রীহরিনামামুড ব্যাকরণ

শ্ৰীফীৰ শোখানী প্ৰদুপাৰ-বিশ্বচিত ফত ও বুঙি. ७९मटम स्विकृषाम स्थापहिक्तिकाष्ठ मत्रवरी शाकामी মহারাজের বিভত ভমিকা ও হুচী প্রস্কৃতি সহ। মপ্রভাগিতভাবে প্রগভ। ভিক্ষা ২২ টাকা, ছাত্রগণের পকে ১৮০ টাকা মাত্র।

### বেদান্তভাষার

শ্রীমলামান্তজাচাণ্য-রচিত। বেদায়ের বিশিষ্টাবৈতবাদ-अक्षात्क क्षेत्रामा अल्लाका व्याहारा अवत त्यमा सम्मन शहरत উপযোগা করণাথ এই উভয় করিয়াছেন। ইংগতে वक्राभ्याम । श्रृष्टीभवामि मःशाक्षिक कता व्हेगाट नाम माळ डिका ॥० माना।

#### শ্ৰীটেডকাচন্দ্ৰায়ত ও নবদীপদত্তক

গোরপার্যদ জিদভা আমং প্রশোধানন সরস্বভী-প্রণীত মূল, প্রানুপাদ শ্রীমৃদ্ ভভিসিদার সরস্বতী গোসামী মহারাজ সুস্পাদিত অৱয়মূগে বাগেল ও বঙ্গামুবাদ সম্বলিত। নব্দীপশতকের উচ্চিতিবিলোগ ঠাকুরের প্রাঞ্বাদ ও তংসহ উন্নেলালাপ্র একটা তিবণর্জিত অলৌকিক চিত্র প্রায়ন্ত এইলাছে ৷ মুক্রণ ও কাগজ উৎকুষ্ট (২ থানা दकरता ) ভিका ५० **जाना, ज**ि क्षत्रमा वीवाहे जाकमः इत्र > जिंका माथ।

## देख्यभण

শ্রীমছ জিবিনার সিক্র থানিত। এই একমার গ্রাপ্তরের জান লাভ কবিলে পারমার্থিক রাজ্যে কিছুতেই লগুনান বা সংশ্য থাকিবে নাঃ প্রম গৃত ক্ষাবিধাক এই কল্মনান ও লন্ধালানী গ্রন্থ এ'প্যান্থ প্রকাশিত হয় নাই। 'নাইল্পোক্সমি-শাল্প-মকোদ্ধি-মহনকলে এই গ্রন্থান্থ উল্লেখ্য ফার্থান জাবার কবিস্তৃত ভালী, কথানার ইত্যানি হারা বিশেষ সমূক করা গ্রন্থাতে। বিরাট গ্রন্থ, বেন্নের ভালে নাম কেথা, উংকই বিশাই —-১তুর্থ সংগ্রন্থ ভিজা ২ টকা মাত্র।

### প্রেমনিবর্ড

শ্রীমন্যকাপ্রাত্মন স্বান্তর সাধান শ্রীল কার্যনান প্রাত্ বিরতিত। এই পুতকে মতি ক্র্যবোধ্য ভাষার মহাপ্রাত্র কাতিপর লীলাসত বৈক্ষবাচার, একাদনী ও নামভজন-প্রাথানী প্রাভৃতি মনেক বৈক্ষবভারের স্থামাংসা নেথিতে গাইবেম। পাদনীকার তক্ত ভানের বিশ্বার্থ ও প্রাত্তকর্তার প্রিচয়াদি-নম্বলিত চতুর্থ সংক্রণ ভিক্ষা।।১০০ দশ মানা মাত্র।

#### ভঙ্গনরহস্ত

ভতনকারীর নিতাসকা; ঠাকুর ভঞ্জিবিনোদের অম্বা কান; নিথিব পাল্লেব নিগ্যাস। প্রছবংনি না দেশ পর্যাস্থ কেহ বুঝিতে পারিবেন না। সুভীয় সংকরণ ভিকা ॥•।

#### হরিনাম চিন্তামণি

ন্যাচ্যা, শ্রীল হরিদাস চাকুরের মুথে শ্রীমন্মহাপ্রাণ্ শ্রীন্দে-নাহান্ধা, নামাভাস, নামাপরাধ প্রাকৃতি বিধ্যার খাবভাগ বিচার শ্রবণ করিয়াছিলেন। এই বিধ্যাওগির ভাতি সর্বণ প্রারে সংক্ষিপ্ত শ্রাশ্রমহ পরিপাটভাবে মুদ্রিত। শ্রীল ভব্নিনাদ হাকুব-রচিত। পঞ্চম সংক্ষরণ ভিকা ৮০

### কল্যাণকল্বভক্ত

ন্রীগরকিবিনোল ঠাকুর-রচিত। প্রত্যেক ভগবদ্-বিবারী ও জ্ঞানপপের প্রিকের একান্ত প্রয়োজনীয় উপাদেশাবনীপূর্ণ গাঁতিগ্রন্থ। সামান্ত বেপাপড়া জানা কোকেও টে ভলনরাজ্যের গাতিসমূদের জারা মনর্থনিবৃত্তি ও ভগবিংসেবা লাভ করিবার স্থাবিদ পাইবেন। যাই সংক্রণ, ভিজা / ১০ আনা মাত্র।

#### শরণাগতি

শ্রীমন্ব কিবিনোদ হাক্ব-রচিত। ভগবানে আল্লস্মর্পন, ব্রজ্জি, ভজনলাল্যা, বড়্বিধা শর্ণাগতি ও সিদ্ধি-লাল্যা। ব্রেয়ক গাঁভিপুর্ব, ভিক্ষা ৴৽ আনঃ নাত্র।

### **बै**ठावजी

ক্রীঠাকুর ভবিধানে এবীত। নিত্য ভলন, আরাত্রিক জ প্রানার-বেবনারি-বিষয়ক নধুর গাঁতসমূহ একত্রে প্রাণিত। শুলুগা ৴০ মানা মার।

## রীখনগ

শ্রীমন্মহাপ্রান্তর শিক্ষা ও শ্রীল রগুনাগ দাস গোলামীর প্রতি শ্রীরূপ গোলামীর উপদেশবাণী, ভজিপণের অন্তক্তর ও প্রতিকৃত্য বিষয়ে স্থাবিচারিত সন্মোদন ভাষা, বিস্তৃত বিরুতি, চরিতামুক্তর প্রমাণ, দাল্লয় ব্যাখ্যা ও মহাজন-প্রেণীত তচপ্রোগ্য গীত্যমূহ প্রত্যেক প্লোকের দহিশ্ স্লিবেশিত হট্যাছে। ৩য় সংস্করণ ভিক্ষা ৮/০ মানা।

#### সাগল-কণ

ভীর্যুনাপ দাস গোস্থামীর মনঃশিকা, ঞীল ঠাকুর ভক্তিবিনোদ-চরিত পঞায়বাদসহ। ভিকা ৴• মানা।

### প্রেমভক্তিচক্তিকা

শ্রীক ঠাকুর নলোভ্তমের স্বপ্রাসত্ক প্রেমভক্তিবিষয়ক গানের প্রস্তক। ভিকা /• স্থানা মাত্র।

### নন্দীপশন্তক

শ্রীক ঠাকুর ভিঞ্জিবিনোদ-রচিত শ্রীক প্রবোধানন সর্পতীপাদের সংস্কৃত নব্দীপশতকের স্থানিত পদ্মান্তবাদ।
ভিক্ষা /• আনা মাত্র।

#### ভার্থপঞ্চক

শ্ৰীল লোকাচাৰ্য্য রচিত। বৈক্ষবতা-জ্ঞানের আকর । প্ৰকা ভিকাস-আনামান্ত্ৰ।

### **সদাচারশ্ব**তি

শ্রীল মধ্বাচার্যা-প্রণীত। বৈক্ষবের নিত্যকথাদি স্পাচারা-প্রণী, বৃদ্ধানুবাদ স্থিত। ভিক্ষা /• শ্বানা নাত্র।

### মণিমভুরী

ক্লিকুলকেশরী শ্রীমন্নরোয়ণাচাধা রচিত। শ্রীমন্নধ্ব।
চার্যোর সংক্রিপ্ত গীবনশীলা ও মূল বৈক্ষবধন্মত। সাম্ভবান
ভিক্ষা। সানা যাত্র।

#### গৌরকুকোদয়

প্রাচীন কবি শ্রীগোবিদ্দ দেব প্রাণীত শ্রীগোরাবভারের । তি॰ আনা মাত্র।
প্রমাণীবদী-দংববিত সংস্কৃত এর । ভিন্দা দং আনা।

### युक्तियद्विक। (भूभरभोत्रष्ठ)

শীমধ্বসম্প্রদায়ামূগত শীমধাদিরাক স্থানিকত। বঙ্গাগরে সাম্বান এই গ্রন্থের প্রকাশ পারমাদিক দাহিত্য-ছগতে এই সর্ব্ধপ্রথম। শীমন্মধ্বাচার্গ্য হুইতে সোড়শাগন্তন দিতীর মধ্বাচার্গ্য নামে খ্যাত শীনাদিরাক্ষতীর্থ স্থানী এই প্রশ্নে সাধারণ বৃক্তিও গোলিক স্থানাম্প্রারে কিরপ স্থান্দরভাবে ভক্তিবিরোধি-মতবাদ সমূহ থওন করিয়াছে, তাহা পাঠ করিতে করিতে আশ্চন্যান্থিত হুইতে হয়। ইুহাতে বৃক্তির বারা চাকাক, কৈন, নৌদ্ধ, মামাংসক ও মানাবাদিমত-সমুক্তের স্থান থওন রহিয়াছে। জিলা ২ টাক। মান্ত।

### (गाचामी क्रिल त्रम्माथ पान

( ও বিকুপান জীল ভড়িনিয়ান্ত সর্বভী গোৰামী প্রভুগাদ-লিণিত ভূমিকা সহ ) গৌরপ্রেট ব্যরণ-রূপের ওক্যাত্র প্রিত্তন জীল লাস গোৰামী প্রভুর অপূর্ব চরিতাত ও নিক্ষা মাতীব প্রাক্তন ও সর্বা ভাষার স্বিরিট ওবং প্রিলিটে দাসগোর্বামী প্রভুর বির্ভিত কঞ্চতী লামবাদ মবুরতম স্কর ও মনঃশিক্ষা-স্থানিত। ভিক্ষা বীধাই ৮০ মানা, মারাধাই ৮০ মানাধাই ৮০ মানাধাই ৮০ মানাধাই ৮০ মারাধাই ৮০ মানাধাই ৮০ মানা

## চিত্রে নবদীপ

প্রাচীন নবৰীপের অবন্ধিতি, তথা, ঐতিভা, প্রোত ও উতিচানিক প্রমাণসখলিত নয়টী খাঁপের সচিত বিষরণ-গ্রন্থ। রাজনি রাওসাঙ্গের কুমার শ্রীয়ক্ত শর্মাক্ত নারারণ রায় এম. এ, প্রাক্ত লোহোর), বেলাস্কভ্রন্থ মড়োদর কর্ত্ত্বক সকলিত এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন বর্ণের অপূর্ণ চিত্র ও মানচিত্র-সমন্তিত; প্রাচাবিশ্বামকার্ণব রার সাহেব শ্রীযুক্ত নার্গের নাগ বস্থ বিশ্বকোষসম্পাদক মহান্ত্রের বিশ্বত ভূমিক। সহ। উৎক্ত (ইং) মরকো বাধাই মুলা ১৪০. তিঃ পিঃ ৫১ ২০ তাক মাত্র।

### সাগক-কণ্ঠমালা

গুলবন্দনা, নৈজব-বন্দনা, বৈক্ষবশরণ, দালান্তর গীত্ শ্রীনামগুর, শ্রীমন্তর্গপ্রের অর্থান্তরশন্ত নাম, অইপ্রেইং নামকান্তন, শ্রীমায়াপর মহিমা, শ্রীনরোভ্য-প্রের্জনিত, নবনীপ-মহিমা, শ্রীমায়াপর মহিমা, শ্রীনরোভ্য-প্রের্জনিত দ্বিকা, উপলেশমালা, নামভ্রুন-প্রালী, মহাপ্রেই ও রায় রামান-সংবাদ, মনানিকা, শ্রীপুর-প্রালত, শ্রীপুর-প্রক্ষার, মহাপ্রারুর বন্দনা প্রস্কৃতি সাধক ও সিদ্ধানীবনের নিভাপানে, বৈক্ষবন্ধনের কঠান্ত্রিত তুলনীমালার লায় অক্ষণ করে। গারণবোগ্য অপুরু গ্রহ। ভিন্ধান্ত, বাধানী ৪০ মানে।

### গোড়ীয়-গৌরব -

কলিকাতার স্থপ্রসিদ্ধ আলবাট হলে গৌড়ীর সম্পাদক উপাদ স্থাননানন প্রবিদ্যাবিনাদ প্রদান বঞ্চাব বি ঃ গ্রামকারে প্রাকাশিত। ইহাতে গৌড়ীয় বৈক্ষবসম্প্রদানে ইতিহাস স্থাকারে গ্রামিত ইইয়াছে। ডিকা কি মাত।

### গোড়ীয় সাহিত্য

কলিকভার স্থাসির আলবাট হলে গোড়ীয় সন্দানক শ্রীপাদ স্থানর নামল পরবিভাবিনেদেপ্রান্ন প্রেদন্ত সঞ্চন্তার নি । প্রস্থাকারে প্রকাশিত। ইহাতে সাহিত্য-শক্ষের মর্থ এ । গোড়ীত-সাহিত্যের বিষয় সংযুক্তরে গণিত হইয়াছে। ভিজা নি কালা হতে।

### **শ্রিরোছম ওল পরিক্রম।-মর্পণ**

শ্রীগোড়দেশের যে সকল স্থানে সপদ্ধিকর শ্রীমন্মচাপ্রর এবং তদমূল পরবাধী মহাজনগণ লীলা করিয়া লিয়াতেন সেই সব আধুনিক ভৌগোশিক পরিড্র ও ধেববিপ্রকণবং পরিচয় সহ যাত্যয়াতের স্থাবিল নির্কেশ ইন্ডাদি বিষয়প্র সন্ধিবেশিত আছে। ভিজাশ আনা।

#### THE HARMONIST

OR SHREE SAIJANATOSHANI

শ্রীল ঠাকুর ভঞ্জিনিনাদ-প্রতিষ্ঠিত এবং শ্রীল পার্নাপ্র নিদ্ধান্তসরস্বতী গোলামী প্রতুপাদ-সম্পাদিত পার্নাপ্র মাসিক পত্র। একংশ ইংরাজী ভাষার অঠাবিংশ নাই ডবলক্রাউন ৮ পেলী ৪ ফল্মা আকারে প্রতি থারে ও নামের বিভর-বৈশ্বর্য্বী লইয়া উপঞ্জিত ভইতেও কাগজ, নৃত্রণ-পারিপাটা ও চিত্রাদি অতার চিত্তাক্টিট এই প্রেকার উৎস্কট প্রবন্ধ আরু কোন মাসিক প্রাণিটি দেবিতে পাইবেন না। বাবিক ভিক্ষা ভাক্ষান্তলগ্রহ বি

### প্রান্তিছাল-

बैटिन्ज्यमञ् लाः श्रीमात्रापुत महोत्रा

## শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

### (थाना श्रेशद्य।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অতি যাত্মের স্থাতিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেশ। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যয়ে সুন্দর বাসন্থানের বাস্পোনন্ত চহহাছে। খান অভীব সাহ্য কর।

সবিস্তার সাবাদের ভক্ত মিম্বলিখিড ঠিকানা পত্র লিখুন। সেত্রেন্টারী, ভাস্কুর ভক্তিবিস্মোদ ইন্টিটিউট্ শ্রীটেডফুমঠ, পোঃ গ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

### —৫১ বংসরের প্রতিষ্ঠিত—

ভিত্রপালেন্ত্রে প্রস্তেত বাতীকা
। বাংশ গুরুতারণা, অপুনোব, কোটকাঠিন, অর্থাণ, ফাল্ডল প্রভৃতি
ক্ষত কোনীর বােদ নিরাময় হইখাতে ভাগা প্রকাশ করিলে বড় বড় পুতক
ভইগা পড়ে।

### ইহা

সক্ষ ক্ষুত্ত ব্যবহার চলে ও সমান ফল প্রেলান করিয়া বাকে। প্রেটি কোটাক ০২টা বটাকা বাকে।

#### কেবলমাত্র

ক্ৰতি খৌটাৰ মূল। ১০ এক টাকা। ইংগৰ নাম আমা**ভজনিতাহ** ব্যাকা'।

অভান্ত উবণের তালিকার জন্ত পত্র নিথিলেই পাইবেন
আবিধান :--ত্যাত ক্ষন্সিগ্রাহ উব্দ্রহালের
২১৪ নং বছণাকার ট্রিট, কলিকাতা।

## কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



মক্ষেত্রের অবিধার জন্ত ৬ আঃ শিশিতে খনীভূত অবস্থার ভোটবোড়লের শৈষণা ঔষণ ভাকে লাঠান হয়, ইয়াডে ঔষধের কোন পরিবর্ত্তন করা হয় নাই। মূল্য আজি শিশিত আলা, পাইট ৮/০ আলা, বোডল ১০/০ আলা।

অফিস–১১নং উল্টাডালা রোড, পোঃ শ্বামবাজাক, কলিকাতা

### শ্রীভাগবত প্রেস গোয়াড়ী হাইট্রাট

#### বুচন্দ্র লাগ্র

এখানের বিবাহের নিমন্ত্রণ-পঞ্জ, প্রীতি-উপবার, কার্ক, গ্রন্থ এবং জ্ঞান্ত বাবতীয় কার্ক্য ছাপ। হইরা থাকে। ছাপার হর বাজার হর অপেকা ফুল্ড। পরীক্ষা প্রাথনীয়।

### হাইড্রোসিল বা কোষরদ্ধি রোগ

ডাঃ এস্, এন্, খোব বিনা অলে, খাবজীবনের গ্যারাটি বিরা বৈদ্যাভিত অবাগাতে কোমবৃদ্ধি প্রোস আবোগ্য ভবিরা থাকের।

> ঠিকানা— ১৮ নং কটন ব্রীট, বছবাজার, ভালভাগ্রা

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

### দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

### প্ৰবন্ধ দিলে সম্পূৰ্ণ আরোগ্য

বোদী বেখাইতে হইবে। অগ্রিম গাথের গরচ (যাওরা এক আসার) পাঠাইলে দিলা রোদী দেখা হয় অথবা এখানে আসিলে বোদী দৈখিব। ঔষণ দেওবা হয় আরোদা না হওবা পরাস্ত পারিপ্রমিক দিতে হটবে না। গরীব রোদীদের খরচ বছন করিবা চিকিৎসা করা হয়। বিস্তাবিভ বিবরণের হুল এক আনার ভাক টিকেট সহ নিয় ঠিকানার অন্তস্মান করন।

জ্ঞীকিতীশচন্দ্র উকীল, যক্ষা-চিকিৎসক, পোঃ নৈকাঠী, ৰচিলাল। অথবা নিম্ন ঠিকানায় সাক্ষাৎ করিয়া বিভারিত জানিতে পাছেন।

তীযুত রামগোপাল কত এম, এ, ক্লকনগর, নদীয়া। তীবৃত ভরিপ্র সিংভ, ১১৭, বেণিয়াটোলা ট্রাট, চাটখোলা, ফলিক্তা।

প্রকর্মানি পার ! স্থানার প্রাভূপুত্র গত চর নাস বাবং রাজ বন্ধার ভূগিয়া মৃতপ্রার ভইরাছিল, কলিকাডার বিজ্ঞ চিলিৎসক্পণ চোণার জীবনের আশা ভাগে করিয়া শেব মৃত্র্তের জন্ত অপেকা করিচেছিলেন এই সমর প্রীবৃত কিন্দীশচক্র উকিল মুখাশর মাত্র ২০ দিন চিকিৎসা করিয়া সম্পূর্ণ আবোগ্য করিয়া দিয়াছেন। (সাঃ) প্রীয় কিলোর কার চৌধুরী (জমিদার গালিরা) হগ্দ্বীট্, নিউ বিভিং। করণোধেশন ইটিং ডিলা ট্রেন্ট, কলিকাডা।

## শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরাক ৪৪৫ মাত্র ১/১০ ভাকটিকেট পাঠাইলেই বুক্পোট্রে পাঠান হয়।

> ম্যানেকার-গ্রন্থরভাগ শ্রীচৈত্রধ্যার, পো: শ্রীমায়াপুর, মদীগ্রা।

কেন গ্রাহকগণ

# গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

–কারণ–

এথানে বাৰভীয় ছাপার কার্য্য-

श्रामित कार्या विनुम,

বিবাহের নিমন্ত্রণ পত্র, কার্ড, বিবাহের পছাই বলুন,

আর ৩ রং ও ৪ রংএর হাফটোন ব্লকই বলুন, সকল কাষ্ট্র অভি সম্বর ছাপা হয়, অথচ ছাপাইবার খরচ বাজার অপেক্ষা ভুলভ।

আপনার কিছু ছাপার কার্যাথাকিলে - স্কৃতিকানার জানাইলেই দর

ম্যাধনখার- ক্যোড়ীয়া ২৪এং নং খাণার বাবসুলার লেড, কলিকার

# 'ठाकदोटल देवतागा'

( बिक्कारमादन है पूर्व कम्, मि )

সম্ভ বানা ভুড়ে আজ প্রচন্ত व्यक्तिकारकार ११८६ वाला जिल्हा नाक्षाची-ए,देन्दन उनक्कनमें बाहा ভिशिनीय मुधामक्ष निकारम हिस्स, স্থায় প্রধানির স্বাহ্য সম্পাদ অকাতরে विगडका निरम, विकियस मा । कर्म्फ এक विश्र -- त्म विश्रा इशित्य तम्य मानवत्क ভার কওঁবা— দুলিয়ে দেয় ভার ভগবদ্ বিশ্বাস—টোনে আনে ভায় পলার নিভ্ত निकुष्ट (भरक मृश्रदात वितार हामारणात कमनीस (त'শनक्टियत मारव---भरभेत व्यमद्भार श्रहाश्वा ।

ভ ক্রী—∟করানীগিরি—পদাঘাতেব <u>|</u> বিনিময়ে প্রেপুর। এই শুধু যেন ভাবের সহল। বিশ্ববিদ্যালয়ের শিক্ষার প্রতি হাতু-প্রমাণ বেল এই শিক্ষাই ভালের স্ক্রাণ্ড ক'রে দিয়েছে। ভারা ছানে না-মান্ত্র कड तक, कांच मारा कड महर--कड़ डेल्डन ।

ভাগ্রার স্মণ নেই-- সিন্তঃ কর্বার সময় নেই। সংসার—বিশাল সংসার माणाव छेलत--मब भात वैठि टामित धत्रप्राप्त्र करखंडे भरत ।

জনকজননার বড় আদরের নয়নপুত্রী ! **८क्ट्रे वस्त्र इट्डिंड (काम् ८क लब्जानण-**বদনা কেশ্বিলকলভাষিনী নারীর ব্যা-সকার ভার মতে চর্ণিয়ে দেয়।

७४। (मार्गार्थ व्यक्त (नग्न जुर्ग गहरन) (महे तहता कि स शतिशाम ভाবে 🗘 १ क्षितिकत्र कि अब क्षुष्टित स्मिनाम, पूर्ण याद्य (म (का अ का दार्थ छेव -- मर्की 5-कात जाय उधार, एरफ्स कार्य कानिएकत শাধির উদ্ধানে-কিন্তু ভাষা পরিবাম ভার দুবে যায় ভিরাশার খাধাকারে ৷

biकेदी biई। कीवम धान, मुक्क याक- अटमा ट्यांटामत व्यक्तिन क्लेड-मान र देश थाकन - वाशशि धकछ। ठीकती পাও। নইলে আমার দ্বীপুত্র পোণাংগ द्य देख्य नः ॥

क्षनदात व्यारवरण भनीत वारत्य घारत श्ला मिटल वस् । क्ष द्वाशास्त्राम, क्ष আকুলভাষয় ব্যাকুল প্রার্থনা হা ভ্রহণ মিশে যায়। বলে:-- "sta Degree holder ! 2000, 514! Agreement माञ, विশ हाकात हाकती पारत।

श्रा वक्षा प्रशा कुक्रस्म कार्थन बार्य गामगाथ कात्र भमध्यम तिरभेष्ट क'रत भिष्ठ। ता अकाम! ८ गमात व्याद्यत टेक्ट्रिक कि क्षेत्र भारे १ ('श्रात लाएनब প্রাণ, পুষ্টোর পূচ্য, ভাত্ত-গ্রাভি-প্রোণ-तिरम शका अध्यास (मनका कि (कड़े

नाइ ? यमि भारक, जात कला कि जक ं विमुद्ध अधि एडामहा नक्ष कृतता मिक्नक माई १

ভাগো। তাই দাও। ভাগে যাত एडामाव मध्यात-एटल या ६ एडामात ही-পুত্—ভুবোষাও ভোষার অগ্রায়প্রনা তাবা কি তোমাব ? মঙ্গে ক'রে বনোছলে ভাদের— ভোমার জীবন্যা এরে প্রারম্ভে। মৃত্। ওকবার ছেবে রেখ— ভূমি কে ৪ ভূমি কোপায় ৪ ভূমি কাৰ্য ৮ কার ঘারে নিংশ্ব ভিখারীর লাম গলা দিয়ে পড়ে অ'চ 💡

স্থ নাই—এ জনিতা স্থারে এখ नारी। कृति महत्त करत्त्र -- ३०, छ।का मार्ति दलदम ६कक्षण हालाइड लाक्षर -- । কিন্তু এল - গতিই পাবে ও ৮৯ আৰু জেল दक्षि केर्दे प्रशास्त्र । एकम्फ ना प्रशास ना शक्ति होतागड (ए'मार भुद्र, कर्ष् भारतह कि र

**्डा**र्श द्वार नहीं। अने कार्न कार्म ক্ষ্বিয়ুপ ভোৱেষ শ্ৰাভি" ৫৮.৬ ল'ড ভাই ভোগের খনমা থাক জহন। সংগ্র **5° ता** शास्त्र— शांत मन्त्रात कीत लाइय भव मॅर्ल मार्टा आभात करेल अध्यात CACO एट्रंड-- एडि ए ट्रांश न क इंगे क ভূমি ও কেন দাও না জেলে ভোষার সক্ষম--- অঞ্জলিকণে তারে জীদরণে কার-मध्यातास्या एट्टब ऋत्य बाद । जिलि Ceाशांश डिक्कांत कशांत्र । ट्रांशांश अश (मृथिस्य (मर्वन । अवस्थरत**् अ**७ स्था) Bb करत ८४क मा—मन्यग्रतत जाका-যপ্রপার প্রবিধ রঞ্জার ভাকে ভেজে চুরমার করে লেবে। শরণাণ্ড, দীন, বিনীতি कर-इ डीत कतना अीक अनाम भागा।

#### मातास्वरादश्र ८ शकात

(म विन डी। कुछ निविधीनाथ वामध्य प्राप्त । भागक एक नाजिएक (श्राप्तात कर्ता हर्रा, व्यक्षान, केश्वत निक्षे एक छाड़ा हानि পা देश विशाहक । किलाहक देशन क्रानीय मान ८४(व जाउँक अ:भा बह्य (७)

# माम निकाशम विभिन्न दक्षत्र

नाश्वायपाक इटेट्ड खाकान (य गांश বিজ্ঞাপন বিলি সম্পর্কে গত ছাত্র উমান িমল চটোপাধ্যায়, শ্রীমান পাত্তিময় গলোপাধ্যার ও শ্রীমান অবিয় দেনকে ১লা আগষ্ট ঢাকার কারাগারে *তে*রেগ कता व्हेप्रादक खाशारमंत्र विकटक खात्रशीय मध्यविधि चाहेरनत ১১৭ भारत व्यक्षणाहत অভিযোগ উপস্থিত করা হইবে।

# বন্দুক গ্রহণেয় চেট্রার মামলা

यतिभाग तहें ८० व्यक्तान (म, यमपुराक ডাভার সালিত পালের বন্দ্ক গ্রহণ করিছে। গুরুর মনো মুখ্র অনুবস্থায় স্বামী স্ত্রীকে চেচা করিবার অভিযোগ সম্পর্কে ভারতীয় - দির কটে রটেনর স্রোতে ভাসমা**ল দেখা** দপুলিবি ভাত্তার তার ধ্রো অর্ণারে 🖰 পদ কোটে পত ১০) প্ৰিত স্বর্ধ মহকুষ্য কার্প এখনও অভাতি ৷ भविकादिएवेत भानानात आभीत्मन पार्टन भन डेमाइड कम ६য়। উक्त आविभन षशाभ् कहेग्रास्ट्र ।

#### • + न्यांटिय भागांखांत्र

ব্্রিশাল হটতে প্রকাশ মে, গভ ১লা স্থাগাই প্রাভিকোলে ২ কন প্রিস সাব্ इस्ट्राल्यकेन ३ मध्य कम्ट.यम ६६मा १७५-ट्यांके ८ उक्तांनरकता सर्वत अव्यक्ति छन्छ। ভিত্তি রাম্পেলেলে চার্ক্রা রেবং कन्दित हो है। बारतान प्राप्त नाफी 🖟 श्वास्त्राम करव । श्वास्त्रक्षारम पृथ्वीय किछ भावसः भाग्न बाहे, छाकास ।

উন্ট্রেডর কুলের ভার অন্যুর্মে हक्तरही दन नापक्षा भ्रवन हाक लाहेन कुरान भगाक एकारकार्याला भगा। ম্যান্ত্রা এয়া এবং তা্ভাবেল্য বিবাস্ত । প্রত্যান 정점 명(호)[#이(경 b] 명시 (# St) 4호-शाक्त । का बन्ध नथ काम श्रीपुर उक्त की ও ইয়েও দাসের গুল ।

## জাক্ষািক মৃত্যু

२.८५ जुन है सकारण रहानभूगी (১৮১৯র নিকট অঙ্গলে এক ব্রহারক স্ত্রত कारक'र (मध्य याग । १%) दक्षण ८६८७ শাশ পাতা আনিয়া বিভায় করিত। দেদিনকার প্রমহ হুছারে শেতিনীয় গৃত্যুর কারণ বলিয়া প্রকাশ।

# নীলামে ৩০টির মধ্যে মাত্র ১১টার ভাতির দোক ন বিক্রীত

का शाली इहरड श्राकाल (ग. मच्छाडि ৩-টি তাঙ্গি লোকানের মধ্যে মাত ১১টি নীলামে বিজাত হইয়াছে। ক্ষবিজীত (लोकामश्रीमध्य 8 वाच भीजाद्य विकास कतात ८५३१ कता इस, किन्ह ८क्टबे ऋदस অগ্রধর হয় নাই।

कः ध्रिम द्यञ्चारमयक भिर्वत भिर्विष्टः व्याना त्यांका भाष्ट्रिभून इष्टेग्राटक । व्यनि-क्लीड (नाकान छणित्र नीणाम आधार्मी ১०३ व्यागष्ठे शर्याश्व मृत्रकृती शाकित्व।

#### ভ্ৰন্তবিভোহের অবস্থা

व्यक्तिक वाधित मत्य वर्षयाम नशास्त्र ত্রকা সরকাল্পের -বিপোর্টে নৃতনত্ব আছে। तिर्भार्षे असान, क्राकृष्टि शान आम-

## বীভংস ২ড্যাকাও

२१८न क्वारे मसात्र अ कारन अकति याता। मुख तबह छक्ति भन्तीकः व कश्च গ্রত জ্রীমুক ভবানীশঙ্কর বন্দোপাল্যামের প্রশিষ্ধ চালান দিয়াছে। তদ্ধ চলিতেছে।

# শ্রীমুভ সভ্য মৃত্তির উল্লি

क्षीतृष्ट मण्डा मुहिन क्षात्मन छेहन गालारकत कार्यक्षेत्र गिहात ज. जात. করা শাল্যাটেন যে, ডিনি গোপনে তাড়ির দোকানভাল পরিদশন করিয়াছেন কিছ (लाकानमात्रामिश्रक दकान ६ कार्रेनम कार्या क त्रांड (भर्यन गर्द ।

উক্ত পরের উকরে উয়েত সভামত্রী वासकि विश्वम घठनात के श्रेष कविता नशिशात्वम, कारणहेन डांश्ता महिल शमन कतिरका उनि ध्यन्तन कतिर्यन १४, আবশারী লাইয়েন্সের বিধান ভঙ্গ ·罗克代数 1

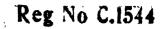
ৰাণীৰা বিজেগলীপিণেকে সাক্ষেত্ৰৰ মতিক ना ! भिग्नारक । (ज्याम किटाय के भर्ग छ CHI अव का किर्मा का प्राप्त अल्ल क विद्यारक ।

पृत्रीरमत कार र सम्प्रभूकत भन ভাল ६३८७८६ ज्याश मध्य करियात गर्भंड कार्यस स्थारित । त्यम व गामा शहन तक फाका ए इंडिएफा भावताओं अ ही। एस छेशतक शाल शाल बाक्रमण क्टेटल्ट्ड, निश्व का का नात मूला गालामाधिक त्काम कात्रम कार्क कि मा, व्य विगय गरक्ष आहरू ।

# ७ जन राजानी गुनरकत्र काश्राष्ट्र

ঘরিধার ভাকাতির মাদলা তয়া आंगहे क्तिमभूतित (म्लनान क्रेडिनामान রায় প্রকাশ করিয়াচেন। করিপপুর क्षिमा सम वि: ज. जन, तमम जहे हैं। हैं-বালালের গভাপতি ভিলেন। মামলার निहादत के.हेतामाण "> जन वांत्रांगी क्रमहिक कल्प कल मन्त्र कार्याहरू पि छ क त्रियोष्टिन । युवक गर्भक्ष भर्भा ह क्रम जोको जिलान क्रिमिनानी, वाकी र करनत धक्कन एतिनभूत व्यभत ५०न वित्रणाल निवामी।

আগামীদা ভারতীয় म छ विभ काहिटमञ्ज करमक्षि शातामुख विष्कात्रव षाहेंग यत्न अभियुक्त इत्याहिन । ध्रित्रात সিমলা হটতে কাকাশ যে নৃতন গ্রামের ডাকাতি সম্পর্কে উক্ল চুর্কগণ গড় ২০শে ডিয়েশ্বর তারিখে গ্রেপ্তার र्देशाध्या।



शुक्ताद्वात साम का द्वांश (मञ्ज বাধিক 🧸 315!W প্রতি সংখ্যা ,৫

3783

ভারতের সক্ষত বছল-প্রচার-শ্নীয়া ভেলার এক মাত্র মুখপত

্রিউও৪ তমদংশ্রা —শ্রীজতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদাস্তবাচস্পতি ৬৪ বত ী

শ্রীটে ভগুমর্ম শ্রীধাম মায়াপুর--২তলে আবেৰ শনিবার, ১৩০৮, ৮ই আগষ্ট ১৯৩১

# নানা কথা গাৰীজীয় বোষাই প্ৰভ্যাবৰ্ডন

CITE SILE

atte the in

महाया शांकी भूग इहेटड ट्यायाह কিরিয়া আসিয়াছেন। ভিনি দাদর €्रेल्टन व्यवख्युन क्रिया मधात व्यवख्युन क्रिया भारतिम ७ वजान कराया (नहा कर्डक সংব্ভিত হন। তিনি মেটিরে গ্রন করিয়া ৭টার সময় মণি ভবনে াইছেন।

# সরকারের সহিত কথাবার্ডার ফল

(ताषाहे क्हेंटक भरतारम व्यक्ताम रग. शाक्रीकी मामदत्र व्यानिया পहिक्टिण डिनि পুণায় বোধাই গ্ৰণন্তে সহিত সাক্ষাতে আখন্ত হটরাচেন কি না জিজাদা করার প্রভাৱের গলেন যে, ডিনি আখন্তও नरहम, व्यमाच्छ अनरहम ध्वर ध निवस् বেশী কিছু বলিভে পারেন—ভা' তাই রা याहा ऋविधाणमक ६ छेलवृक्त -विद्यहरू।

গান্ধীকীর ১৫ই আগত গওন যাতা নিশ্চিত কি না, ভিনি বলিভে পারেন না।

# (मनीमानदक छनीत ८७४)।

(अर्मायांव इंट्रेंग्ड टाकाम (व, ब्रीवृष्ड দেবীদাস গান্ধী, থা বালাছর গুমুর থা আৰুথ করেকজন যে নোটরে ভ্রমণ করিতে-ছিলেন, উহাতে গুলীবর্ণের চেট্টা সম্পর্কে गीमाच गाको गम्ब थे। विषाण्डन '८हे ভলীবৰ্ণের চেষ্টা পূর্ব হইডেই ছিল্ল ছিল **८वर छैर। छाड़ाविता स्थादकत काछ**। यस थाकाम यदः ठानक भूर्गत्मरश

দেবীদাসকে গুলীর চেষ্টা

গান্ধীজীর বোষাই প্রত্যার্ত্তন

ঢাকা ডাকাতির জের

আমেদাবাদে প্রধান দেনাপতি

শিখদিগের প্রতিবাদ

গন্ধীজীকে পরামর্শ দিবার জন্ম প্রতিনিধি

চীৎপুরে ভীষণ দাঙ্গা

২ দিনের রোগে মহারাজের মৃত্যু

পাটনা বোমার জের

প্রসিদ্ধ কংগ্রেসকর্মী গ্রেপ্তার

अभी।वरण क्राउकाया हम नाहे मरन हर, পাঠানরা যে বকার, শর্ম-ত্রিয়, বিখাদের ष्यरम्भा ध्वर मकिमानी भवर्गसन्हे ना शाकित्य छाहाता दर श्यित्रमात छाड़ाहेगा দিবে ভাহাই ভারতের অবশিষ্ট অংশকে (पथाइँग्रा मिवात एक वहें ठजा छ इहेश (छिन।"

क्यक्र ताक्षरेगिष्क वक्षीत्र महिष्ठ मार्कार ( এখনও কেছ গ্রেপ্তার হয় নাই।

উহা চালাইয়া দেওয়ায়, আক্রমণকারীরা করিয়াছি, তাঁহারা ধারাপ থান্য এবং ছকাবহারের কভিযোগ করিয়াছেন। এই औष्प्रय नित्म ७ छै। हारमञ्जू शांता खक्छात ं नाहित कतियात् । বেড়ী সমেত ছাতা কলে কলে করিছে

### ঢাকা ভাকাভির ভের

মিউনিবিপাল ফটকের মুশ্র ডাকাতি তিনি আরও বলেন,—"আমি যে সম্পক্তে অনুসন্ধান করিয়া জানা পিয়াছে.

ঢকেয়ে এরপে ঘটনা এবরে লইয়া এই ৫ বার হইল। প্রথম ঢাকা ইন্টার-কলেন্দের ঘটনা, বিভীয় ছাওয়াল কল্ম-চারীকে ওলী, ভূতীয় করিদাবাদ পোষ্ট অফিনের ব্যাপার, চতুর্থ ঢাকার জেনারেল (शरें अभिएनत भिवते मुर्श्व-(ba) शक्त ঘটনাডেই হত থাজিদিগতে ভাষাণা-**ভাবে অন্যা**३ % मिर्छ हहेग्राइ ।

# মোটরের সহিত ট্রেণ সংঘর্ষ

शाहे छव है है है है। है से कि का **नार्यात (१ एडम व्यक्ति) क (तम ५८३** টেণের স্কিত একথানি মোটর গাড়ীর সংঘ্য হট্যা পিয়াছে। গাড়ী স্থানিতে ৮ জন রমণা ছিলেন। তালারা ভৎকণাৎ নিহত হইয়াড়েন, মেটের চাল্ক 🤉 ষাংঘ।তিকভাবে অভেত ইইয়াছে ।

#### मिषमिर्गत প্রতিনাদ

লাহোর ইইডে প্রকাশ যে জাভীয়তা-नामी भिष्मिन्दक स्थाय दिवस्य देवस्टक कान (५%) इम्र नाहे विभाग निरामीन - আকালী দলের ওয়াকিং কমিটা এক অভিযাদমুগক প্রভাব অংগ করিয়াছেন।

শিখলাগের সেজেটারী নিয়াণী কভার সিং এ সম্বন্ধে সংবাদপত্রে এক বিবৃতি

### আনেদাৰাদে প্ৰধান সেনাপতি

aই আগেই সন্ধ্যায় প্রধান সেনাপতি (क.क्षाम क्रिंग्राम व्यामा इहेट्ड আমেদাবাদে আগ্যন করেন। ভিনি সাহিবাণে ২ ঘণ্টা অবস্থান করিয়া পুনরায় বরোদায় ফিরিয়া গিয়াছেন।

# শ্রীবিশ্ববৈষ্ণবরাজসভার পরিব্রাজকগণ

পরিব্রাজকগণের নাম

- ১। जीम छिक्सिमीन बोर्स
- ২। এীভজিবিবেক ভারতী
- ৩। প্রীভক্তিবিজ্ঞান আশ্রম
- ধ। 'শ্রীভক্তিপ্রকাশ অরণ্য
- ৫। 🖹 छ कि समग्र गत
- ৬। গ্রীভজিসবর্তম গিরি
- ৭। গ্রীভক্তিবৈভব সাগর

বৰ্ত্তমান টিকানা

**क्रियाग्राश्रं**त कंठेक

**क्षिमात्राशृ**ष

क्रेक

মাজাৰ

অযুত্তসর :

হাওড়া

প্ৰিৱাজ্ফগণের শাস

ু ৮। এছকি এরণ শুরী

**३। ब्रे**डिक बक्रमः वर्षेड

্ৰত বিভাগ সভীভবেদি

১১। এতজিরপ্রম তাজিলার

১২। এছবিদয়ক ক 🔊 বে

১७। **बैङ्क्लिइंद**पर (खोडी

১৪। এডব্রিগঞ্জাসুল বোগয়েল

বৰ্তমান টিকানা

ंक्ष्रेक

यश्त्रे एक कनिका हा !

वाजाच

MIBIN

শ্ৰীৰায়াপুর

किर्देक

# ণ্ডনভাজ্মসসমূহ

# শ্রীতৈত্ততা মঠ

# আকর মইরাজ

व्यातीन नवदील, छाक्दश व्यथाय मात्रालुश, नवीश

क्र प्रदेशांक भारपार्थक रिविक्शक, माइक-म्लाहाराव व्यक्तांभिक क ক্তপ্রাচীন প্রস্তরাজি প্রচার কলে 'নদীয়া-প্রকাশ' বছালর প্রতিষ্ঠিত ভর্তরতেন : মহাম্বোংস্বালি ভক্তাৰ অভৃতিত চহরা পাকে। একক-একচারী জীপাল নবছরিলী। সরকারী -- এক্ষচারী পশ্তিত শ্রীপার গোরহাস কার্যনাকরণতীর্ব, শ্রীনাম্মেরণ, শ্রীপার वी ८० छ. जी भाव असरशालाल, जी नी अम्मार्क भाष, जी अध्ययमान, जी ध्रम स्थालाल, जी मुकुल नागानिकारी कक मरतक, व्यापन, दाव वीस्मावन अकृति।

## েও ) যেগেপীঠ তীসন্দির

तक क----(शाक शाबाबत গোসামী फद्रांडामा व्यक्त जीवमांमान । সভভারী व्यक्तिज्ञानम अक्ष्यामी, जीवाधावित्यान फिक्किन, श्रीवामणाम अवस्ताती । श्रीमाधन मान व्यक्तिकाती, त्यनमन्या जीतीननाथ।

- (৪) এবাস-অঙ্গন
- রক্ষ----শ্রী প্রসাদকুত্রম ব্রহ্মচারী।
  - (१) कटेइड-क्रवम

रक्ष क-- केंद्रमावगठ छ । छ छ छात्री. **ब्री**्याक्रममात्र वादाची ।

(७) काळोड मन(निन हे

প্রাচীন মায়াপুর, বামনপুরুর (নদীয়া) रक्क-अक्राती शैविदनाविवाती।

( 9 ) **역(의학 발역학-李설** 

ইংগ্রেড-৯, খরপগঞ্জ ( নদীয়া ) इक्क शांखणी बन, ध्वम, बन्ह ।

श्रीक्रमचाथ दशोडीय वर्ठ

धक्रमनिश्ह ।

रक्ष क--- ट्रेंब ५ वड़ कि कि मालो अम, अ. ात. दश, महकाशी---शिवेषतमाम छक्ति-नाश्ची, औष्टेकक्रम व्यविकाती श्राकृति ।

(>) @रगोत्र-भ्रमानतः वर्ष

টপোত:টা, সম্ভগত, ( বছমান )

तकक---विश्वताम अक्षाताती, कक विकार मधान काम ।

> ্ ১ - শ্রীরূপগোড়ীর-মঠ मारागक. श्राम बडे. नि क्ष्म क--- श्रीमार्ज्य बद्धारामा अव्यक्तात्री

माञ्जाकि, जात्रज्ञ, वद्यान। क्रम म-- निक्विकाती उपनाती. अक **क्रीभगमग्र**ा

( ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( )

( ) २ ) छात्रवड चार्नेव

ত্রী গাগবভ প্রেশ, ক্লঞ্নপর, নদীয়া। রক্ত-শ্রীকুঞ্চানক ব্রহ্মচারী ভবিশাস্থী

# (५०) खैबकाम्रम मर्ठ

(अहिंबन्सभूव, क्षानवानी, नमीवा। वक्त क--- श्री बड़गानम अवाहारी । शहरादी हो। विश्व अक्षाती, अवन्यतीव वाम धिकाती, छक विश्वनाथ।

(১৪) গ্রীবাব্দ বেগড়ীর সঠ

>-नः नवावश्व द्वाक , हासा । रक्ष --- 🕮 बाधावहाड उपवानी, 3 MIN বক্ষণ-জ্ঞিকুত্বম জাক্তার ব্রহ্মচারী গুলুরানল পরবিদ্ধাবিধাের বি-এ, এনব-श्रीकाम जम्महाती, जैनिक्किनानम करा

( ১৫ ) औरभा भागकी वर्ड

क्रमगानुष, हाका।

उक्क--- अवश्रामात्र उक्रवाती

(১৬) 🕮 भगारे-दशी । म मर्ठ

वक्रम - विनुर्वश्रक त्रमहाती, दीम क्लाम গ্রন্থ5ারী

(১৭: জীভাগবভঞ্জনানক মঠ

**6िक्रमिको, वाळस्पनभुत्र, दयमिनीभूत्र**। जगात ने क्य-श्रीवाध-गाधार्थिकाः शिक्षित्रशिक निष्ठारम्या यख्यामः। प्रक्रक---

उद्यामी औनम्बानमामकी।

# (১) এবোডীয় মঠ

. ७ मः काणिश्रामा ठळवळी होते. त्याः गानवाकातः, कणिकाकाः। .उंशिक्षान वि. वि. 8554

মঠরক্ত—আচাৰ্যাতিক শ্রীপাল কুম্ববিদারী বিভাত্তবণ। সচকারী—প্রতিত श्रीभाव व्यवस्थानुहार भ्रतिवाहरण वि-द. लीभाव वामविवादी अवकादी, स्रीभाव मागाभिकात्री fa- a. खोकोर्चनानमः. उम्रहा हो खीलाकित्याक्त, उद्युक्तकी खीमहानल, नेखिक खीलाव सबीसक्रक न्यूनिका-गडात ७ छिलाक्षी मध्यमांप्रदेव हवाहार्गः, श्रीव्यवस्थानमामाधिकात्री वि-त. श्रीक्षववस्थात्रस्य मागाविकात्री विन्द्रम, अवश्वमा नाटकाविम, अविवश्व अक्षात्री, अक्षाद्रशाविक রক্ষরারী প্রাকৃতি।

# (১৮) कावनार्याका अनवास्त्रव

वासर्वात द्याः रह्मान । तक्क-अवनामी जीवाविक्याता

(১৯) औश्रुक्तरशास्त्र मर्ठ

पर्वकार, पुत्री, केर्फ्या ।

वक्क - अष्ठावी ज्ञैभव्रमानमः विवाध्यप्तः उष्णा के विकासिक्ष के विवादिकार विकास अवाजाती. अयामगानम अवाजाती, आमाह **ठत्रण भगिकारी. शिक्साविधि मधा**।

# (२०) बीजम-८गोडी इ मठ

व्यागवध्याय, अवागिक त्याः, लबी । वक्क-- अक्षाता अन्यद्भवती आभाषकी । तरकात्रो — अक्षणात्री औरविश्वविशात्री ।

(43) क्रिजिक्शिक्स मठे

Biwajajwis, mörr:

क्रफ--- अमहाको : विकार है, जीवामनर उन्हर्भागे, जीनाव सवस्त्रानाः वातानिकाती ।

- (२२) जीममाध्य-त्योदी व मर्ठ अबद कशकी वनभूता, कानी । बक्कक अक्षताबी जुना-चन्छी, विठाहेगाम
- (३०) श्रीकृष्टिएक मर्ड मीलगिरक्षाम कृष्ण, श्रीभाष वृत्रातम । इक्क - चैत्रशक्तिगाय अवहाती

<u>बश्च हा हो । जी नका सम अकराणी ।</u>

(२८) 🗐 श्रेत्रवस्य वर्षे

देनभियायमा, भौकाशूब वक्रक-उक्षाती जिल्लीरशनम् व अध्याती जीवसहगान ।

- (२०) औदेडच्चटभोकी व वर्ड कृष्त्रकृषा, हित्रकृषा, यानकृष । क्क क---- जीवमानाथ बाब, जीवामकी व
- craufaut : (२७) न्यान (भी छोत्र मर्ड वक्क--विकाश क्रिक्षनम्बी, जीनगी-
- त्माभाग उपनामी (२०) खाक्रणाष्ट्रां अनुसाक्षय-वर्षे अभिन्याका. त्याः मास्, शायका

जनात्म यक कुष्मार्वे ज्ञोत्माबारमय स्मया वक्ष्याम । क्ष्यक----अववामी खीळा क्रक रात्र, कक्ष क्यूना कथा।

- (২৮) বিস্তা সৌড়ীয় মত-ভাষ্যালয बन्द (त्राणी स्वय का स्वात द्वार, निके विक्री वक्क-विष्ठाती श्रीवक्क, श्रीकृत्रवर्व जीवाधावमनहब्रनमञ्
  - (२) ८गात्राणभाषा-अभवाध्यय रुक्-अन्नाती खोक्समधान
- (७०) माखाबदगोड़ीय मठ नर्व द्यानागपुरम्, कार्राक्षण्य, माजाक बक्तय-विष अयामी क्रीनहांक्यक क्रीपत मकाशाय, मण्याशे--- विमश्चित्राधी 🕮 भन् किक सम किमान, जैनाव सम्मानम जनवानी, क्रिशांत्र (परणीमन्त्र अवहात्री. প্রীনার মিছত্বরণ এখচারী ভবিলালী e अनाव कोबक्षनामम उक्ताही।
  - (७) यावनश्मामाम मार्छ कांश्रेमश्रीन, छांक्या, महीशं २व्यक---- अवहाती औरमनगानमः



40.14

১০ খ্রীধর সৌরাস্ব ৪৪৫, ২৩লো শ্রাবেগ বঙ্গাল ১৩৩৮, ৮ আগষ্ট ইং ১৯৩১ শনিবার

**১৩**৪ এম সংখ্যা

# माग्राह्म अभक

कशिकाञात भू ডি এটমেটের অবসরপ্রাপ্ত এনিষ্টাণ্ট কনিশনার 🗐 ক উলেক্সনাথ বহু মহাশর সর্গ্রহদর সদ্যাশয় বাজি। তিনি বস্তমানে ক্ষেন্গরে অংখনে ক্রিভেছেন ভিনি প্রায়ই স্ক্র্যার প্র ঞ্জিভাগৰভঞ্জেদে আনিয়া প্রেদের কার্যা भाग ज्ञालान कृतकान्ति इन्हिक्क व्याप क्रकानम्ब बक्कार्ता चिक्नाक्षी धक्रा निक्छे

व्यक्तिकार्ण सम्बद्धाः सिन्द्धः व्यक्तिया । এतः বিধ্যাল্যবায় আহিলাইছ করিলাও বুদ্ধ यगदन देवस्थात्वत क्राप्ता धान्या मध्या-জীবনের সভ্রতিত ও অর্থদত উপলব্ধি করিলা জীয়ত বহু মহাশণ যে ভরত্তি-সিদান্তবাণীর প্রতি সম্রদ্ধ ইইলছেন, তাহা বাস্ত্রণিকই প্রশংসাই।

चारत्रक इम्र छ श्राभ कतिरवन,--- वृक्ष বয়স ত পর্যালোচনার নিমিত্তই , স্বতরাং বস্থ মহাশয় বিশেষ একটা কি করিলেন. থাহার নিমিত্ত তিনি প্রশংসাই 📍 ইহার প্রথম উদ্ধর এই যে, যথনই মানবের চিত্ত আত্মধর্মান্ত্রীপনে প্রাবৃত্ত হয়, তথনই তাঁহাব প্রেক্তপকে মনুষ্য-নাম-ধারণের সার্গকতা **এবং তখন हरेटे अङ्गड भन्नमनक** कार्या नियुक्त रून यशिशारे अभारताई। याराता মহুণ্য দেহ লাভ করিয়া আত্মধর্মা:লাচনায় নিৰুক্ত নহে, শাল্পে তাহাদিগকে মতুণা-চৰ্মাৰত খাপদ ৰশিয়া বৰ্ণন করি:।ছেন। প্রেক্ত প্রভাবে তাহার। সাত্মখাতী।

উপরিউক প্রানে বিতীয় উরব এট যে, জাবনের অলিকাংশ সময় ভোগ্রিলাসে প্রায়ত থাকিলা বুরকালে ইন্দ্রিয় লিপিল চ্টালেও ভোগোধার্ডির প্রশান বাভোগ-শিশাহ মনের হতি পরিবর্ডিত হয় না। ক্ষোনাৰ প্ৰোগেন লান্ত ক্রকবায়ের ভূর এবাভিবন্ধতে ॥" লোক অনাদি কে শিকা নিভেছে যে, নী আন্তার বরং মানর ভোগপিপাসা প্রবল হইতে প্রেরণাত্র হয় স্বান্ত গ্রহণ ব্যক্তিকা ভগ্ৰসম্পাৰ্থনৰ প্ৰসৃত্তি — শেভাগোৱে প্ৰি-চায়ক সংক্রম নাই .

শ্ৰীযুক্ত ৰম্ম মহাশয়ের সহিত শ্রীভাগৰত ' ८ श्राटमंत्र कार्यम्बारकत श्रापम व्यानादपत समय 🛚 শ্রীসভাগণতের "লভা হুছল ভ্রিনং" লোক-টীর 🕮 গুরুমুগখ্রত সার্মশ্ম ব্যাথ্যাত ষ্টরাভিল। ভাষাতে মহারাজীবনের স্কৃত্ ল্ভিড, অনিভাড এবং বস্তমান মন্ত্র্যাজনা-ল্ক জনের পক্ষে উহার প্রশাত্ত প্রভৃতি বিষয়সমূহ স্কুণ্ঠ বেপ বর্ণনাক্ষর একসার क्रश्वमृहक्रमदाताहे (च.मक्ष्या क्षीवरमत (अर्थका প্রতিপাদিত হটলাছে, তাহা বণিত হয়।

জ্ঞপর একদিন-ক্রিয়ুগে শ্রীহ্ণিনাম- , मशीकॅनडे (व मन्तरभ्रष्टे एकन्यन, उविश्रत আলোচনা ছর। প্রাণস্করণমে জীনাম, । নামাভাস ও নামাপরাধ বন্ধজীবের নিকটা একই বস্ত বলিয়া প্রতীত হইলেও ঐগুলি যে এক জিনিধ নঙে এশং তাহাদের ভিতর আকাশ-পাতাৰ প্ৰভেদ ব্ৰমান, ভাছাঞ্জ উত্তম হইয়াও আমার কিছুনাত্র ভজন উদাহরণসহ ব্থালয়। দেও । ১ই ছিল। 🤺 হইল না, আমি শ্রীক্ষের কিছুমার সেবা

আর একরিন করুণার হারী ঐভীগৌর सुमारतत भिकारेटकत आश्रम छहे (श्राका-বলখনে শ্রীনাম প্রান্তর অবার করণান বিষয় 'কুণাদলি' ছোক ব্যাস্থ্যায়া লাম ভজনের প্রণালী ধনিত হয়। 'ত্নাদিণি' লোক ভণ্টকপে পালন না করিলে যে কেই শ্রীনাম প্রাণর শ্রীচরণ-গমীপে উপস্থিত। শ্রোক স্কুক্রপে পাসন করিছে। ইইবে। হঠতে পারে না, তারা বর্ণনান্তর উক্ত প্লোকের নিদ্ধণট দেবা এবং প্রতিধার আশায় ক টেভাব সহিত তৃণাদপি স্নীচ তার ভানের মধ্যে পার্থকা কি, ভাগ मठे(भाक महाभग्न वर्गन करतन्।

মঠাধাক শ্রীপাদ ভক্তিকৃত্বম প্রাকৃ তৎ-প্রসঙ্গে বলের, জ্রীধানে বাস কবিবার অভি-ন্য করিষা শ্রীধামসেবার পরিবর্তে বাব-मावापि बाता डेमतशृद्धित ८०हे। ८४ ध्वकाय ধামাপৰাধ কটে কলে, ভজৰ কলিযুগ-भानमानकाती ओओक्रफटेठकक्रटम्टनत क्रा-দণি স্থনীচেন খোকের স্বর্থ সাচরণ না করিয়া প্রতিধাবারবনিভার মালিখন ना नार्थ 'बाकू शिक्' छार छान्न- जीयन-তম নামাশরাধের স্টেক্তা।

'তৃণাদপি স্থনীচ' শ্লোকের সারার্থ অপ্রাক্ত রসিক কবি পৃত্যাপাদ শ্রীমং ক্লুদ্দাস কৰিবাজ গোস্বামীর অমৃত ভাঙার ই:চৈত⊋চরিতামৃতের ( অস্তা ২∙শ অ: )— 'উত্তম হঞা আপনারে মানে তৃণাধম'' পরারে অতি প্রাঞ্জ ভাষার স্কুরূপে এদশিত হইয়াছে। ভঞ্নোন্নতিলাভে

করিতে পারিলমে 73 3,1 জীবন রুপাণ অভিবাহিত হইতেকে;---হ-দয়ে এই আপেরে ভজনেব অভানময় বোটে 'টুণাদপি' লোক বাক্ত করিছেছে

শ্রীহ্রিনাম করিতে হইলে 'ভূনাদ্রি' নতুবা হবিনাম না হইরা অস্ত্র কিছু ইইবে ।

"तङ्ख्या करन वनि जानन की हैन।

व्यथह क्रीमाम ध्वकतात भाष ९ हिन्द्राह्म উদিত গ্রহণে প্রাবন্ধ অপ্রাবন্ধ সম্প্রথার পাণ, পাণ-বীজ অবিখ্যা পাড়তি সম্বে ধাংস করিয়া এককচাণে বিশুদ্ধা ভবিসর डेन्द्र कडाहेब्रा शास्त्रम् ।

গাত ১লা আগাই শনিবারে মাদ্রাঞ্চ গ্রেডীয় মঠে ক্রকখানী নামক একটা যুবক আগমন কৰিয়াছিলেন ৷ তিনি গ্ৰিপঞ্জিমী শ্রীমদ্ভজিরক্ক শ্রীধন ও ত্রিদ্ভিদামী শীনদ্ভতিব্যান ভক্তিসার সহাবাজসংস্থ নিকট বহুক্প হরিক্থা প্রবণ কবিয়া-চিলেন ৷

श्वामिशामशास्त्र नीयाथ जीदेशत्रश्रामी জাঁহার নিকট সম্পূর্ণ ফরিনব বলিয়া মনে হট । তিনি একণ স্থদার্শনিক বিচার আন কোলাও শনেন নাই-এইরূপ ভাব প্রকাশ করক স্বামিপাদগবের বাণীতে আরুট্ট হটনা পুনরায় শ্রীমঠে আগমনের ইচ্ছা জানাইলা পিয়াছেন।

# আকৰ্ষণ

(3) চতুদাশ ব্রহ্মাণ্ড-সহ অগণিত বিশের বাজরাক্ষেশ্বর জীত্রী বাধালাগবের প্রীণ্ডি माध्यातकाः यागात्तत कानरे याकर्ष নাই। তাৰ আকৰ্ষণেৰ বস্তু কি ? কে সেই মনোছরণ-দেবতা ? কাছার বিলাস-লাগাযুক্ত ললিত নতনভদীতে ও মধু-মনোহৰ বচনবিভালে মুগ্ধ হটচা আৰু আনবা মৃত্যুচারী অমূত-ভাগে বঞ্চিত ? আঞ্জামরা সম্বর! কেনেই মিএবেনী প্রাচ্ছর শক্র ? একনিষ্ঠ দেবার প্রভিনানে काशत निकृष्टे इंडेएड श्रृष्णमात्मात ञाननःप क्रफ-कटिएक शास्त्र हरेशा छ । यात्रात निध-দ্শনের ভীব বেদনায় অন্তেনাদ করিয়া দিলারজনী অভিযাতিত হইতেছে। এই বিষজাল। নিশবণের যোগা স্থলিম প্রলেপ ८क निर्देश भूनः भूनः मः सम्मन निर्देश क्रक्कितिक इडेगा ९ ८म्डे मञ्ज्यात्मः क्रमामार्यत स्मार ছাডাইতে পারিখেছি না, তাহার মস্তকে উল্লেখ 'রক্তমণি'র জালাময়ী শিখা —েসই-नीन्त्र-अन्तरी मुद्र कामता। करूताचा कन्टन করে, তথাদি মণিলুক্ত মন ঐ অঞ্পরকেই व्यालिक्षम् कनिरात कृष्टित्यकः । ঐयে हिनाप লোকপাবন সাধ্যণ এই ু ককণাঘনমূৰ্তি । প্রণকাতীত সভাগারের শান্তিনিকেডন ১ইটে ওকগন্তীর উদাবসরে গাহিতেছেন,-''ভারে ভাগাহত নিজোহীদল, নিফুনাশী-অক্ষণিণী মাণাদেনীকে ভোগদৃষ্টিতে দর্শন कति । छ. । त्या शैताप्रधान । काम । क्रमी कि ভগ্রহপুজানৈধেদার অগ্রভাগ অপহরণ করিয়া নিজেক্তির তর্পণ করিয়াত্ : হুজা প্রকৃতির ভাওবন্তা ভোমাব মন হবণ করি ছে। ভোমার সারাধ্যদেবী — इत्रक्रममा भाषिकृतानीः, दिनि भन्न-শক্তিমান ক্ষেত্র ছাঃ।শক্তি। ভোমার अक्र १९४५-- स्थादरम्या, स्टांगरे ट्रांगात् প্রত্যালার প্রবার্থকার। তটক कार्र करन क्षश्रत्वहात-८म्राप्त **જ**ંગ दिभु ञ्जीत्रह বর্ষনকরী মহামার্থার নিকট হইতে ক্লম্ব-অভগররণ স্পতিরেশ প্রাপ্ত ইইতেছ। প্রার তির সংখ্যাহন-যাত্র তেমার বিবেকবৃদ্ধি বিনাশ করিয়াছে ৷ ভোমান আকর্ণনের একমতে সুধানিত্ব বাস্তব বস্তু— অহ জনে ইংবজেশনন্দন হবিব অভয় অংশকে প্রিপয়। এগন্ত স্থাইস,---সেই भ-र्भिषित जी-भारतिनमध्यादय सुक्रिष्ट इस्त । ''ভোমারে তারিছে डिंशक सन्देश हुन

নক্লীপে অবঙার। ভোনাফেন কত, লীন্**হীন জ**নে, কবিলেন ভব পাব ॥"

অসতোর শিক্তিস্থপে পশ্লিপ্ত বিজ্ঞাহী
সন্থান,—হিতা বৃধিগুথ পাবও সন্থানাগ্য,—
ভাগার প্রতিও জিকুফের কর্মণার সীমা
নাই; সাধুগুরুত্বপে, মানবের বেশে, মানবের

ভাষায় সত্তই রূপাবর্ষণ করিতেছেন;
কিন্তু স্থভাব বিপ্রান্ত, আহেরিক ভাষাপন্ত
আমাদের প্রবণে সেই অপ্রান্তত স্থরকংগী
প্রবিষ্ট হয় না। চইবে কেন ? জড়শন্দ
ভরক্ষে কর্ণপট্ট রুদ্ধ ইউলা গিরাছে।
মারার ক্রীড়ামুগ আমারা—ভাই প্রাণ্যাতক
ব্যাধের, মালা-বংশীর মন্দ-রাগিণীই
আমাদের চিত্তাকর্ষক। বিশ্বান্তা বিদ্যুক্তেতন
শ্রীক্রক্ষের করপুত গোলোক-মুরলীর স্থান
মধুর ধ্বনিপ্রবণের যোগ্যতা আমাদের নাই।

চেত্রন শোনে প্রিপুর্গ চেডন-সম্রাটের অমৃত আফলান। স্বাভাবিক চেডনদর্ম আনাদের বিল্পু: স্থল কল্প উপাদিক ভূমিকা ও অংশেম-ভাবের ঘনক্ষণ ধ্বনিক্ষা সেই অপুচেতন নির্মাণ প্রস্থাকে আবৃত করিখাছে। ভাই আল আনারা অকুর; চঙাক্রবগাতিনী মহিবাক্রবম্দিনী বিকুনানা সেইজক্ট আনাপের বলে ভাবের

कवि: १८६२ কর-প্রারিধি শ্রীহরিব মুক্প্রকাশ ন্ত্রী গুরুপুরুর, এই ख्यातश् यांच्याद्राम फारा ४३.७ मुक করিবাব জন্ম কতেই না যন্ত্র করিতেছেন ; । কিন্তু ছাম, অন্তর আমরা মেউ মরণ্ছরণ্যাণী : শুনিলাম না। পতিওপাবনাবতারী এত্রি-গৌর**ন্তদ্দর** যথন ঝাসিছত-নন্দথ দিন। की वन्तावनां विभाग शमन कतिहा छिएतम, তথন সিংহ, শার্চ, মতক্রীযুগ এবং মুগগণ প্যাপ্ত ভদীয় শ্রীবদন-বিনিংস্ভ কুপাহ্বানে সচেত্রন হইণাছিল। তাঁহালাও প্ৰদান্দেৰ স্থিত 'কুষ্ণ কুষ্ণ' উচ্চারণ কারণ শ্রীশ্রীগৌরস্থানের প্রেমাকর্ষণের আরতি করিবাছিল: নিবিড় বনানীৰ মুক্ত বিহলকুল এবং নৃতাচকল ময়ুর ময়ুবীপ্র প্রান্ত মধুর কাকস্টাতে গৌলাহ্নানের -প্রতাতিনক্ষন করিচাছিল। 취 외당기 জেমগদগদ উচ্চ ছরিধানি/ত আক্রন্ত হইণা অরণাজাত প্রফল কুলুমসন্ত বুরুচাডিজ্ঞালে গোক গাৰুৰ্যণ-বিঞ্জের **ब्री**श(म व्ययाञ्चल मित्रम क्रिट्डिंग।

শচেতন ভাবের বস্তুও দেই জর্মজ নিধির অর্জন কবিশছিল; যগা-

্রিনিগতে স্থাবর ফলন আছে যত। কুক্তপোন দিল। কৈল স্বাবে উন্মন্ত ॥"

আর আমরা ? আমাদের বন্ধ্রপদৃশ
কঠিন কার: তাই জগংপতির প্রীচরণারবিন্দ পূজনে একবিন্দুও আকর্ষণ নাই।
আমরা প্রবণ করি—মায়ার মৃত্যারীতি, কীর্ত্তন
করি—মায়ার গুণাবলী; আমরা ক্সরণ
করি—মায়ার গুণাবলী; আমরা ক্সরণ
করি—মায়ার গুণাবলী; আমরা ক্সরণ
করি—মায়ার গুণাবলী; আমরা কিরা
করি—মায়ার গুলাবাতা—যে গুলা একমাত্র
ক্রীগোবিন্দেরই পূলাবোগা—মেগুলি দিয়া
পরমারাহে প্রেক্টিতর পূজা করি।

# শ্রীধাম প্রসঙ্গ

শ্রীমন্মহাপ্রাভুন্ন জন্মতান কোথান ?—

এই বিষয় লাইনা জনেকে আন্ফোলন করিছেছেন। কিন্তু এত হবরে ছিন্তালিল হই তে

না পারিয়া বিভিন্ন লোকে বিভিন্নল অভিমত প্রাকাশ কলিতেছেন।

কেই কেই বলেন যে, গোরজনাস্থান ভাগীরথীগড়ে নিময় ইইগছে: কিও ভাহাদের এরূপ বিচাদের কোন মূল্য নাই। মনোধর্মবলে ভাগনভবাণীকে উপ্টাইরা লিডে শেলে বিধংসমাজে হাস্তাম্পন ইইগ্রু হয়।

শ্রী গণবানের আবিভানভূমি— তাছার
মিছালীলাকেও। বিকুপানেম্বতা গলাদেশী
কথনহাউক স্থানের ভাওত লোপ করিতে
পারেন না। শ্রীন্দ্রাপ্রতে এইরাপ ছাক্ত
আছে যে, শ্রীহরি ধারকালীলা অপ্রাকট
করিবে সমূহ ভাহান চতুদ্ধিক হলে প্রাবিত
ক্রিয়াছল; কিছ শ্রীহরিধাম প্রাক্ত
করিতে পারে নাই। অভাপি ভাহা অনুধভাবে বস্তম্মন। শ্রীকোরধাম ভাজাপ।

কনেকে গারের জোরে—বঞ্চতার জোরে—বিজ্ঞানের জোরে, মুটিমেন গো.কর অপরার্থ সাধনের উ.ক্লে শ্রীন্মহাপ্রভার কমস্তানকে স্থানাক্রিত করিতে চেটা করিতেছেন; কিন্তু শ্রীধাম মানাপুর সম্বন্ধ কোন প্রকার প্রমাধেরই ক্ষরার নাহ।

(১) প্রাচীন ইতিহাস, (২) প্রোচীন ভৌগোলিক তথা (১) লান্ত, ৭) প্রভাবেশ, (৫) মহাজনবাকা, ৬) স্থানীয় প্রাচান-গণের শ্রুত প্রপ্রাচান প্রবাদ, ,৭) নৈর-পেঞ্চ প্রেট বি জ্ঞান্যপ্রদীর স্বীকারেরাজি, সকলেই একবাকো বল্লালগিনির নিক্টস্থ শ্রীগান মানাপুরকেই মহাপ্রভুর জনালান বিশ্যা সিদ্ধান্ত করিয়াছেন।

त्रास्थित प्राप्तशाहरू कृभात है। गुरू শর্মিশুনারায়ণ রাচ এম, প্রাক্ত বেদাঞ্জুমণ মহাশ্যের স্থলিত 'চিত্রে ন্য্রীপ' নামক প্রস্থপানি (গৌড়ার প্রিক্টিং ওয়ার্কস কইডে व्यकालिक। योशका शांठ कतिशास्त्रन, তাঁহারা বিভিন্ন মত্রাদের অস্ত্যতা উপ-निक कतिया नहानगीयीत निक्रेष्ठ जीमाम माधानुत्रकट् जीमग्रहा श्राष्ट्रत स्वयन्तान विनाता প্রাচাৰিত্বাসভার্ণর বুঝিতে পারিখাছেন। 🕮 ্ত নগেন্দ্রনাণ বস্ত মহাশর বর্তনানকালে ঐতিহ্যবিদ্যপের সমাট। তিনিও উক্ত চিত্রে ननवील खारणत श्रीतहत भरमा व्यागायानूरतत অবস্থিতি এবং মহাপ্রভুর জন্মস্থান সম্বন্ধ ঘাহা সিদ্ধান্ত করিয়াছেন, তাহাতে ভাগীরণীর পুরাভাগে শ্রীময়হাপ্রভুর রাম্বন্ধান শ্রীমারা-পুরের অবস্থিতির কথাই উল্লিখিত হইয়াছে

বেস্থানকে এখন রামচক্রপুর বলা হইতেছে ভাহা বাবলাড়ি বেভয়ানগঞ্জের

# যংকিঞিৎ

# ( ব্যক্তিগত )

ক্ষিনাক শ্রীযুত কিশোরীমোচন ভব্যের সম্রাতি কলিকাতার নির্মাণ। ইনি ক্ষেরণাশার কনৈক অধিবানীর নিকট ক্ষপ্রছ লাভ করেন। দৌলংখুর কলেজের ক্ষধ্যাপক থাকিয়া পরে ব্যাকরণতাথ-প্রীকায় উদ্ভীণ হন এবং চিকিৎসা-বিভাক্তনে নিযুক্ত আছেন।

কবিরাঞ্জ জধ্যাপক নহাশর দৈনবর্ণাপ্রমের বিষয়ে ওাবেশ করিছে পারেন নাই। তিনি জটদব-বর্ণাপ্রমের বিচার কইনাই স্বীর কর্ত্তব্য ও কাশে ব্যস্ত আর্কন। ''মস্ত হল্লকণ্য প্রোক্তা' লোকটার অথ হল্যক্ষন ক্যিতে পারেন নাই।

হরি ভক্তিবিলাসেও তাঁহার অধিকার নাই, দেখা যায়। হরিসেধাবিমুণ আর্তের বিচারই তাঁহার শাস্ত্রজানে অবল্যন। তৈজন্ম শ্রীতেরিস্কৃনরে তাঁহার প্রীতির মভাব।

কেবল যে প্রিণৌর রুক্সরেই তাঁহার প্রীতিব অহাব, এ মণ নহে; গৌরজনগুলার মতিহও তাঁহার মতবৈধনা পাকার তিনি মহাধাবভবিবোধী হইনাছেন। জাবতের ভালামন পান বলেন—'শুদ্বহুপাগমনসম্পর্যো বিজে ভরতি সংস্কৃত:'— এই কথার তাঁহার আছা নাই। কিন্ধ 'ভালামন'পান সিখিত অন্ধ্রামা সক্ষাদ্য্যকৈ তিনি নিতৃহ্বালী যে বিচার করিতে বাস্ত আছেন। কিন্ধু বৃত্তক্ষণ্ট বলেন—মাড্ডাভির বিচারে অন্ধ্রাম গুলিকে বিচার করিতে হইবে।

নারদপ্রকরাত্রেও তাঁহার অধিকার নাই, দেখা যায়। ''অং রন্ধণি নিকিপ্তান্ জাতানের হি মলতঃ। বিনীতান্থ প্রাদীন্ সংস্কৃতা প্রতিবোধয়েং॥''—এই শ্লোকের মের্থগ্রহণেও তিনি পশ্চাংপদ।

(अध्यानाः)

অন্তর্গত। দেওয়ান গলাগোবিন্দ সিংকের
নামানুসারে 'দেওয়ানগল্প' নাম কর। পরে
যথন গলাগোবিন্দ সিংহ ঐস্থানে রামসীতার
মন্দির নির্মাণ করেন, তথন দেওয়ানগলের
কতকাংশের নাম 'রামচল্লপুর' বলিয়া
থাতি লাভ করে।

শ্রীসমালাপ্রান্থর অমান্থানকে বাঁহারা রাম-চন্দ্রপুরে অপসারিত করিতে চাহেন, ভাহা-দের ধারণা যে সম্পূর্ণ জমপূর্ণ, ভাহা আমরা ক্রমে ক্রমে পাঠকবর্গকে স্বর্গত ক্রাইব।

# গ্রন্থ পরিচয়

# 

ভীনমান বি ক্ষাবৈপায়ন নেধব্যাস প্রণাত বৃত্ত, শীনন্
মধ্যাচায়া-ক্ষতা ভাৎপদ্য-নির্নয়টাকা; শীনম ব্যুন্তাপ চক্রনতী
হার্র-কৃত সারাধ্বশিলী চীকা, বলাগুলান, সংপ্রত অন্যত ভ প্রতিশক্ষ, তথ্য ও বিশ্বভ্যাদিশুকা। প্রতি স্বধ্বের আদিতে নেই স্কল্পের প্রতিপান্ত কলাসার, অন্যামের প্রপথ্য ঐ ক্যায়ের সার্যাহ স্থবিস্ত ভাৎপদ্যাদি বিরুত। শোকস্টী ক্যায়ের সার্যাহ স্থবিস্ত ভাৎপদ্যাদি বিরুত। শোকস্টী ক্যায়ের সার্যাহ স্থবিস্ত ভাৎপদ্যাদি বিরুত। শোকস্টী ক্যায়ের সার্যাহ স্থিস্ত ভাৎপদ্যাদি বিরুত। শোকস্টী ক্যায়ের সার্যাহ স্থিস্ত ভাৎপদ্যাদি বিরুত। শোকস্টী ক্যায়ের ক্যার্যাহ স্থিস্ত ভাৎপদ্যাদি বিরুত। শোকস্টী ক্যায়ের ক্যার্যাহ স্থিস্ত ভালস্টাদ্য উত্তম ক্যায়ের ভালা শ্রুর্বির মুক্তিত। প্রথম ইউতে ১০ম স্কন্ধ ক্যায়ে ভালা শ্রুর্বাক্ত বিষ্টাহ্য ভালাহ ভালাহ ভালাহ হলতে ক্যা শুল প্রায়ন্ত ২১লিত; স্থাম হল ১২০০০; সমগ্র ৪০০।

# **এ** এটে চতকা চরিভারত

শ্রীন্দ্রতি নাদ্যাকুর-রচিত 'অমৃতপ্রবাহতাদ্য'
ভ শ্রীন্দ্রকিনিক্ষার সর্বাচা পোরামী প্রভুপদি-লিখিত
'অসভাবো প্রান্ড বুড়াদি বহু পারপ্রমাণ সম্বলিত হইরা
প্রকাশিত হইরাছেন। সোকের সাধ্যবাখিন, বহাসুনাদও
প্রত্যেক প্রারের পুরে সংক্ষিপ্ত অভিনের সংযোজিত।
প্রত্যেক অন্যান্ত প্রারের ক্ষাসার দেওয়া আছে। শ্রোক,
প্রার, নক্ষ, স্থান, পার্ভ প্রন্থাতির হর্ছ২ পূচী ও গ্রহকারের
বিস্তুত দ্বীবানী সম্বিত এইরূপ অভূতপুরু সংস্থারণ ইতঃপ্রের
ক্রাণি প্রকাশিত হয় নাই। উত্তম কাগ্রে পারিপাটোর
স্থিত স্থানু অস্থার মুলাংশ মুদ্রিত ইইরাছে। প্রত্ন প্রায়
১০০০ প্রায় সক্ষার্গ ভিজাব ব্রুমানে ব্ মারে।

# **ब्रिटेड सामाजा**

গ্রংকারের জীবনী, প্রাণ্ডি পরিচ্চেদের কথাসার, বিভৃত ৌড়ীয় ভাগ্য, শক্সতী, প্রায়হতী, বিশ্য-স্থান-পাঞাদি-স্তী, শুস্তৃতি বিবিধ বিশয় সম্বালিত বিরাট থিতীয় সংস্ক্রণ ভ্রল জাউন ৮ পেনী মাকার। আদিলালা ও মধ্যের কিয়দংশ প্রকাশিত ইইয়াছেন। জানে জ্বনে প্রকাশিত ইউডেছেন। অগ্রিম ভিক্ষা ে টাকা, আদি লীবার ভিক্ষা এ।

# **बि**।देह करा महान

এই এখের এরণ শভিনব হৃদার সংখ্রণ আর কুরালি একাশিত হয় নাই। সংখত হোকাংশের অধ্য, বঙ্গাহ্যাল, ভাষা, কথানার, তথা প্রভৃতি সহ থতেও পতেও প্রকাশিত ইহরাছেল। মূল মোটা শক্ষার ভবল ক্রাউন আটপেলী সংশাকারে ছাপা হইয়াছে। মূলা ২॥০ টাকা। নদীয়া প্রকাশ ও গৌড়ীয়ের গ্রাহকগণের গক্ষে ২॥০ টাকা।

# **এ।মন্ত**গ্ৰহণ্

— শ্রীপেট্রির বৈক্ষবাচার। অপ্রাক্ষত রগিকচ্ডামণি

ই.শ্রীবিখনাথ চফ্রবিটিনাকুর গোস্থামিক্ষতা সার্থবনিনী

টকাসমেতা ও শ্রীশ্রীমন্তাকিবিনাল ঠাকুর-প্রণীত স্থানিকবস্তন' নামক ভাষাভাষাসহিতা। অধ্যায়স্টা, মাভুকাক্রমে

কোক-স্টা,বিধ্য-স্টা,গ্রেপ্তারের ভীবনী ও অবভর্গাকাদি
বহু-ক্ষাত্বাবিষ্য-সহ উৎস্কৃত বাধাই ভূতীয় সংখ্রন—এই রাল
সংব্রপ্রের ভিক্ষা ২, টাকা মান্ত্র, সাধারণ সংখ্রন—১॥

টাকা মান্ত্র।

# শ্রীন প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

- ১। প্রথম খণ্ডে—নৈক্ষণদশন, প্রীভক্তর, কাল-গল্প, শ্রীমধ্বাণিভাব, শ্রীনার্যভানবা, প্রকারাজিকা দীক্ষণ ও বর্ণ-বিচার, আল্পন্ম ও মনোধ্যা, ইটেচভাদেব ও ভাগার-শিক্ষা, অপ্রাক্তে স্থল্পম্ম ও প্রাক্ষত স্থল্পম্ম, প্রাকৃতি বিংশতি সংখ্যক রয়ে স্থাণোভিত। ভিক্ষা মাজ্র ৮০ বার মানা।
- ত। তৃতীর শক্ত-লোকপ্রিয়তা ও সত্যপ্রিয়তা শ্রীনানদেন প্রসঙ্গ, ই.রুফানিভাব, বৈষ্ণার, শ্রীসীভাদেবীর শানিভাব-প্রসঙ্গ, শ্রীমন্তাগবঙের সতা, শ্রীনাস্থায় শ্রীমদ্ ভাগবঙের পুনরান্তরি, শ্রীনামসংকীর্ত্তন ও হবিসেবার নিত্যতা শর্ই নরটা স্থাপনিক বস্তুতাসম্বাধিত। ভিক্ষা ১০ মাত্র।

#### **€ মঙ**গবদগীতা

গৌড়ীয়-বৈদ্যবদাশনিক শেখর প্রীক্রীমদ্বলদেব বিস্থা ভূমণক্ষত ভাষা ও প্রীমন্ধলিবিনাদ ঠাকুরেরপ্রাক্ষণ বল-ভাষায় বিস্তুত 'বিদদ্রঞ্জন' নামক ভাষাযুক্ত। ক্লায়ায়-স্টা, বিষয়স্টা, ভ প্রতি স্লোকের প্রথম ও কৃতীয় পাদ স্টা, ভাষাকারের জীবনা প্রাকৃতি সম্লিত। উৎকৃত্ব বাধাই, রাজসংখ্যাণ ( কৃতীয় সংস্কৃত্যণ ) প্রধের ভিকা ২, টাকা।

#### **बीनमधीशमामगाइ। बा**

( প্রমাণ্থ ও ) সাম্বাদ। জাতি-স্থাাদি এছে শীনব-দীপের যে মহিমা কীটিত আছে, তাহার মূল সংস্কৃত ও । অমুবাদ। ভিজাত আনা।

#### **এই নিব্যাপ ভাৰতবৃদ্ধ**

শীঠাকুর ভক্তিবিনোদ গিখিত। ক্রললিত শতাকারে পরিক্রমার দঃব্যাদি-বিষয়ক। ভিক্ষা । আনা।

#### ভক্তিরত্বাকর ও নবছীপ পরিক্রমা

শ্রীল নরহরি চক্রবন্ধি-চাকুর রচিত। ভক্তির রাকর হুইতে পরিজমাংশ মাত্র গৃহীত; শ্রীক্রীব গোত্মামী কি প্রাকারে শ্রীনব্দীপদামের পরিজ্ঞা ক্রিয়াহিংশেম, ভাহাই প্রেধিকৃত। ভিক্ষা প্রশানা

# প্রাভৈতন্ত্রশ নামত

শিলাপ্রনাদ ঠাকুর-প্রণীত। শ্রীচেতপ্রেইহাতে
শিলাপ্রনাদী - কুকা, কুকাশকি ও রস--বর ও মৃক্ত জীব—
স্বাচিতা ছেদ'ছেদ-তর—সাধন-নির্ণয়—প্রয়োজন-তর, কর্ম-কাও, আনুমানির বিচার—বৈনী ওকি, ভাবতক্তি ও
প্রেমভক্তিস্ক নামভ্জন-প্রণাদী ও অর্থকালীর দীলাপরিচ্যাদি প্রথম শিকাপীর উপ্যোগী করিরা সরল ভাষার
সমুদ্র যুক্তিপ্রযাণ্যত লিখিত আছে। চতুর্গ সংস্করণ বাদা
১, টাকা, জাবাধা ১৮০ টাকা মাত্র।

# গৌড়ীয়কহঁহার

ত্রীন্ত্র নিঞ্চল্যবের অনুক্ষণ কঠে ধারণ্যোগ্য ক্রি-স্থৃতি-প্রাণ-পঞ্চরাঞ্জি সাজত-শাস্ত্রসমূতের প্রমাণাবলী বিদ্যাবিভাগ্রমে সাফ্রনাদ গুল্ফিত। এইরূপ বৈক্ষণ-সিদ্ধান্তের গারগম্যর অন্ত কুরাপি প্রকাশিত হয় নাই। ইহাতে গুরুত্ব — ভাগবত- বৈক্ষণ—গৌর—নিভানিক্ষ— অবৈত— ক্ষণ—শক্তি— ভগবদ্রস—জীগ— অচিম্বাতেশাভেশ — অভিনয়— লাখন ভিত্ত— বর্ণান্ত — আশ্রম-দল্ম — ভঙ্কাল্য — আশ্রম-দল্ম — ভঙ্কাল্য — আশ্রম-দল্ম — ভঙ্কাল্য — আশ্রম-দল্ম — ভঙ্কাল্য ত্রামান প্রয়োজন ও প্রমাণ-তত্বগুলি পুণক্ অন্যান্তের স্থাক্ত ঘোকালি ক্রীয়ত উংক্রই এটিক কাগজে প্রোম্ব র কালিতে মৃত্তিত, উংক্রই বাধা সোনার জলে নাম শেখা। গ্রন্থ প্রীয় ৪০০৭পূচার সম্পূর্ণ। ভিত্তা ২ , টাকা মাজ।

# শ্রীনবর্ষাপদাম-গ্রন্থাবলী

শ্রীমণ্ডকিবিলোগ ঠাকুর রচিত 'ধানমাছাম্ম-শামমাহাম্ম্যের সাম্বাদ প্রমাণ পণ্ড—শ্রীল নরহরি চক্রবর্তী
ঠাকুরের গাম পরি ক্রমংশ—শ্রীগাম নবর্ত্বীপ পরি ক্রমা—ভীপযাব্বা প্রতি—শ্রীমহ প্রবেগিগানকরত নব্বীগশতকম্
শ্রীমহকিবিলোগ ঠাকুরের শ্রীনব্বীণ ভারতর্গ প্রভৃতি
বাহ এক্র ভিগণ দং আনা মাত্র।

#### শ্রীক্রিলামায়ত ন্যাকরণ

শ্রীকীব গোসানী প্রাকৃপাদ-বির্চিত হত ও বৃত্তি, তংগকে উলিকুগাদ শ্রীমহজিসিদ্ধান্ত সমস্থী গোসানী মহারাকের বিহত ভূমিকা ও পুটা প্রাকৃতি সহ। অপ্রত্যাশিতভাবে কলভ। ভিকা ২ টাকা, ছাত্রগণের প্রক্ষে ১৮০ টাকা মতে।

#### বেলা শুভারদার

শ্রীমদ্যমান্ত্রপাচাণ্য-রচিত। বেদান্তের বিশিষ্টবৈতবাদ-প্রচারক শ্রীভাগ্য প্রধান্ত অচাগ্য প্রবন্ধ বেদাপ্তদর্শন পাছের উপযোগা করণার্থ এই উপ্তম করিয়াছেন। ইবাকে বন্ধান্তবাদ ও স্কর্তীপাত্রাদি সংগোগিত করা হইলাছেন নাম মাত্র ভিক্ষা। আনা।

# শ্রীটেডফাচল্রায়ত ও নবদীপনভক

পোরপাশদ তিমণ্ডী আমিং প্রবোধননদ সরস্বতী-প্রাণীত
মূল, প্রান্থপাদ আমিদ্ ভিজিসিকার সরস্থতী গোস্থামী মহারাজ
সম্পাদিত অন্তর্মুখে বাংগা ও বছারুবাদ সহলিত।
নল্মীপন্তকের উভিতি বিনোদ ঠাকুরের প্রভারতাদ ও
তৎসহ আমিল্লহাপ্রের একটা তিবলর্গিত আলোকিক চিত্র
প্রের ১ইয়াছে। মূল্রণ ও কাগভ উৎক্লাই (২ খানা
তক্তে) ভিকা ৬০ খানা, অতি হ্রম্য বাধাই রাজসংক্র্রণ
১ টাকা মাত্র



बीमप्रक्रिविद्यान हाकत-ख्योछ। এই এकमाछ अछ-রল্পের জান লাভ করিলে পার্মাণিক রাজ্যে কিছুভেট अञ्चल वा भरतव शाकित्व ना । अवग शुक्र विषय विवयक उहै-কপ দর্য ও জন্ম প্রামী এর অ'প্রাপ্ত প্রকাশিত হয় নাই। নিনিলপোসামি শাস্ত্র-মচোদ্দি-মন্তন্ত্রল এই প্রস্থাত উথিত চর্টাচেন। আবোর সুবিশ্বত স্থানী, কথাদার ইভালি দারা বিশেষ সমুদ্ধ ক্ষা ১ইলতে। বিপ্লাট প্রথ, त्मानार खाल नाम त्ल्या, छैरकुरे विताहे- उपूर्व मध्यत्व **१७का २ होका माछ।** 

## প্রেমবিবর্ত্ত

बीमनाश्कान्त बद्धतक शामन बील अग्रमानम अर বিরচিত। এই পুরুকে মতি হু বোধা ভারায় মহাপ্রের ◆তিপয় লীলায়য় বৈয়য়বায়ায়, একায়য়ী ও নাময়য়য়ন-প্রণানী প্রস্তৃতি মনেক দেখিতে পাইবেন। পাদটাকায় জন্ত জানের বিশ্ববে ও জিক্ষা 🔑 আনা নাত্র এরেকতার পরিচয়াদি-নছলিত চতুর্থ সংকরণ ভিকা।।√৽ न्य काल गाउ।

#### ভঙ্গনরহ স্থা

ভলনকাণীর নিভাগলা; সাকুর ভক্তিবিনোদের মন্লা ! मान ; निथित भाष्ट्रत्र भिनागा। अष्टथानि ना (मधा भगाष्ट्र কেছ বুঝিতে পারিবেন না। চুতীয় সংশ্বর ভিজা ॥०।

# হরিনাম চিন্তামণি

नामां हार्य। जीन अविमान शाक्रतत मूर्य जीमनाशास्त्र । द्यानाम-मार्थाद्या, नामाजान, नामालद्राप ध्यक्षांच निन्धात यात होत विहास अवन कतियाहिताम । এই विनय धनिय অভি সরণ প্রারে সংক্রিও আশ্রম্ম পরিপাটিভাবে মুদ্রিত। জীল ভ্রতিবিলের হাকর রডিত। পঞ্চম সংখ্রণ ভিক্ষা ৮০

#### कम्। । क ब उक्न

শ্রীনম্ব ক্রিনোল ঠাকুর রতিত। প্রত্যেক ভগরদ্-বিশ্বস্থৌ ও জ্ঞানগণের প্রাপকের একাপ্ত প্রয়োজনীয় উপদেশবেশীপুণ গীতিগ্রন্থ। সামাঞ্চ ধেষাণ্ডা জানা (कारक छ এই छक्नवारकात गोडियम्स्यत बाता अनर्थनिवृद्धि क अभवन्त्रता लाख कत्रिवात स्वविता शाहरवन । यह श्यत्र, जिला ८०० जाना गांव ।

### শরণাগতি

শ্রীনস্থালিক বিলোদ সাধার-রচিত। ভগ্নানে স্বায়াসমর্পণ, িজপি, ভগনশাল্যা, সঙ্বিদা শ্রণাথতি ও দিছি-লাল্যা-ादशतक अधिवर्ष, किका ८० व्यान, माद्रा

### बी जावनी

উঠাকুর ভঞ্চিবিনোদ-প্রণীত। নিত্য ভয়ান, আরাত্রিক ও প্রবাদ-গেবনাদি-বিনয়ক মধুর গাঁভ দৃত একজে প্রপিত। ভিকা /• সানা মাত্র।

শীন এহা প্রভার শিক্ষা ও শীল রগুনাপ দাস গোকামীর প্রতি শীরণ গোঝামীর উপদেশবাণী, ভক্তিপথের অভুক্ত ও প্রতিকল বিসয়ে প্রবিচারিত সম্মোদন ভাষা, বিশ্বত বিবৃতি, চরিতামুতের প্রমাণ, সাধ্য ব্যাখ্যা ও মহাজন-প্রণাত ত্রপ্রোগী পাত্মমূহ প্রত্যেক স্লোকের স্থিক স্লিবেশিত হইয়াছে। ৩য় সংক্রণ ভিক্ষাঃ৵∙ মানা।

#### मामन-कन

ঐরিগুলাগ লাগ গোস্বানীর মনঃশিক্ষা, শ্রীল তাকুর ! ২১ টাক মাত । ভবিধেনাদ-চরিত পঞ্চারবাদসহ। ভিক্ষা 🗸 নানা।

# ্রেমভজ্চিচ্ছিক।

শ্রীণ ঠাকুৰ নরোব্যমের হুপ্রানিক প্রেমভকিবিয়য়ক গানের প্রস্তর । ভিন্না 🔑 মানা মান।

#### নবর্ত্তী পশ ভক

चीन शंक्य किनिरनान तकि चीन বৈক্ষরতক্রের স্থাম পো। স্বস্থাপ্রের সংস্কৃত নগরীপশতকের স্থালিভ পদ্মান্তাল।

#### অর্থপঞ্চক

द्यील (लाकांशांभ विष्य । देनभारता-**आ**रम्ब साक्त्र । পুথক। ভিকাঠ স্থানাম্ত্র।

# সদাচারস্থতি

শ্রীল মধ্বাচার্ণ্য-প্রণীত। বৈঞ্জের নিভাকস্মানি সদাচারা-तनी, वक्ष्यचान गरिङ। डिका /• आना मार्ग।

#### यशिय अती

कतिकुगरक नदी श्रीमदादायगानामा दनि छ मी गमा भव **ठार्यात मर्शकेल कांचनसीमा ७ मून देनक्षवरम्यम् । माञ्चतान** डिका।• अला माळ।

#### दगोत्रक स्कामम

প্রাচীন কবি শ্রীপোরিক দেব প্রাণীত শ্রীপোরাসভাবের প্রমণেবেলা-সংবলিত সংস্কৃত গ্রন্থ। ভিকা ৮০ আনা।

# युक्तिमञ्जिक। ( क्रमरमोज्ञ )

শ্ৰীনধাৰ প্ৰদায়াত গুলু কৰি কৰি । বঞ্চালৰে বাছবাৰ এই গ্রন্থের প্রকাশ পরেমাণিক গাঙিতা-জগতে এই সক্ষত্ৰথম, ৷ আননাধ্ব চাণ্য চইতে যোজ্পাৰঞ্জন বিভাগ मध्य कार्य नात्म भाव शिवानितान्त्रों यादी एहं शहर সাধারণ যুক্তি ও গৌকিক স্তায়ামুলারে কিরুপ মুন্দরভাবে ভক্তিবিরোধি-মতবাদ সমূচ পঞ্জন করিয়াছে, তাচা পাই করিতে করিতে আশ্চণ্যাখিত হইতে হয়। ইহাতে যুক্তির ৰারা চাকাক, ভৈন, বৌদ, মামাংসক ও মালাবাধিমত-সমূতের জ্বনর বওন রচিয়াছে। ভিকা - ্টাকা মাজ।

# (गायामी जीन त्रम्नाथ मात्र

(ও বিফুপাণ শ্রীল ভবিশাস্থায় সর্বতী পোরামী প্রভূপাদ-বিধিত ভূমিকা সত্) গৌরপ্রেত স্কল-এপের একনাত্র প্রিয়তম শ্রীল দাস গোখানী প্রান্থ অপুণ চরিতামৃত ও শিক্ষা মাতীব প্রাঞ্জ ও সরল ভাষায় নারবেঃ এবং পরিশিত্তে দাস্পোলানী আনুর বির্চিত কএকটা সাছৰৰে মধুরতম থব । মনঃশিকা-স্থালিত। ভিকা रीशारे ॥ वाना, वावाशारे । अ वाना माळ।

# চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাচীন নবরাপের অব্ভিতি, তথা, ঐতিহা, প্রেতি এতিখানিক প্রমাণসঙ্গলিত নরটা বালের সচিত্র বিবরণ अर्थ । त्राकृति ता अनारहत कृतात चितृक भत्रामृभ्य नाताः त्रात्र टम, ८, १थांक श्वारकात्र). (वशास्त्रम्य मञ् স্ক্লিত এবং ৪৭ গানি বিভিন্ন বর্ণের অপুস্ম চিত্র মানতি এ-সময়িত: প্রাচ্যবিদ্যামভার্ণর বার সাভের 🕮 🕏 নগেল্ল নাথ বস্তু বিশ্বকোনসম্পাদক মহাশ্যের বিস্তৃত ভূষি गरु । উংब्रेड ( ईर ) सबुद्धा वैश्विष्ट भूगा 🚈 छि: लि: 🖟

# माभक-कश्रेयाला

ख्कं वसमा, देवक्कव-वन्त्रमा, देवक्कवसूत्रण, महलाह्नुत्र अ শ্রীনামঃট, শ্রীমল্লহাজানুর ভাঠোররশত নাম করিল नामकीखन, व्यानामप्रकाष्ट्रन, (श्रमध्यनि, 'वाष्ट्रेशपक्री' নবৰ্ণাপ-মতিমা, শ্রীমায়াপুর মহিমা, শ্রীনরে ত্রম-প্রান্তর আ আচাণ্য-বৰ্ণনা, গড়বেরাসামীর অষ্টক, প্রেমভক্তিচ ভি Back स्थाला भागलकान-धाराली, प्रहाला । ५ ताव वाया मः वाप. प्रमानका, बादक अपूरि, बादक-भवल মহাপেণুর বন্দনা প্রাভৃতি সাধক ও সিম্কুটীবনের নিভাপ্ত বৈষ্ণবেগ্ৰের কণ্ঠাপ্রিত ভূলদীমালার ভার মন্তুক্ষণ ব ধারণযোগ্য অপুক এছ। ভিক্স 10'0, বাধাই 110 মতে

# গোডীয়-গোরব

কলিকভার স্তপ্রনিদ্ধ মালবার হলৈ গৌডীয় স্পাং শ্রীপাদ স্থানক পর্বিদ্যাবিনাদ-প্রদত্ত বঞ্চার : এখকারে প্রকাশিত। উঠাতে গৌড়ীর বৈভাৰণুম্পাল ইতিহাস স্ত্রাকারে প্রসিত হইয়তে 1 ভিকা ৯ - মার

#### গোড়ায় সাহিত্য

কলিকাভার ভুপ্রনিদ্ধ আলবাট ২লে গৌডীয়-সপ बीलाम अस्त्रासम् लहाविधावित्साम् छ। अम् व स्ट हावः अश्वाकारत शकाविष्ठ । हैशाट माहिला बर्भन यन পোর্ভাছ-সাহিত্তার বিষয় স্তক্তকারে নশিও ১ইয়াছে । কি শানা মান।

# শ্রীগোড়ম ওল পরিক্রমা-দর্পণ

ब्रीरशोष्ट्रास्ट्रबंद रा मक्त आहम मुल्लिक व ब्रीयग्रहा এবং ভদত্য পর্যত্তী মহজেনগণ লীকা করিয়া পিয়াল নেই দ্য আধুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও দেব্যিপ্রা পরিচয় সহ যাভায়তের স্থাবি বা নিকেশ ইত্যাধি বিষয় मक्षिर्विश्व बार्षः। क्रिका • बाना।

# THE HARMONIST

OR SHREE SAHANATOSHANI

শ্রীন ঠাকর ভারুনিনোদ-প্রভিক্তিত এবং শ্রীন 🕆 সিদ্ধান্ত্রপতী গোলামী প্রত্থাদ সম্পাদিত পার্ম মাসিক পঞ্চ। একৰে ইংবাজী ভাষায় মঠাবিংশ ভবলক্ৰাউন ৮ পেঞ্চী ও ফৰ্মা আকারে প্রতি বাবে নামের বিজয়-বৈজয়ত্তী বট্যা উপত্তিত চটাে-काशक, मूलन-लाविलाहा छ हिलानि भडीर हिन्द्रिक এই প্রাক্তার উৎক্ত প্রাবদ্ধ মার কোন মানিক পথা (भाषरङ भाडेरवन मा। वाधिक शिका काक्याख्यामः

### প্রাপ্তিস্থান-

এতৈত্বসভ, পোঃ শ্রীমারাপুর নদীয়া

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

# (थाना श्रेशाटक।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অতি যাত্রের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্ম বিনা ব্যয়ে সুন্দর বাসন্থানের বন্দোবস্ত হ'হাছে। ত্থান অতীব প্রান্থাকর।

সবিস্তার স বাদের ভস্ত নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। সেখ্যে ভারী, ভারুর ভারতিবিলোদ ইন্ষ্টিটিউট্ শ্রীচেড্যমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

# **—৫১ বংসরের প্রতিষ্ঠিত—**

উৰ্ব্ধালয়ে প্ৰস্তুত ব্ৰতিকা ' দাশ ক্ষকাৰণা, স্বলেষ, কোঠদাঠিয়া, আদীৰ, ধ্ৰম্ভক প্ৰভৃতি ক্ষ বোগাঁৰ ৰোগ নিৰামৰ হইলাছে ভাষা প্ৰকাশ কৰিলে বড় বড় প্ৰক ক্ষাৰ পড়ে।

ইহা

নকণ অভুচে ব্যবহার চলে ও সমান ফল প্রেদান করিয়া থাকে। প্রতি ভৌটার হিহটী ব্যক্তি থাকে।

#### কেবলমাত্র

জাতি কৌটাৰ মূল। ১ ্এক টাকা। টগার নাম **'আভিছানিগ্রহ** বুটাকা'।

अज्ञाक देवरात्र डामिकाव अक्र शब मिथिरमहे भाहेरवन

আগিয়ান:-আতঞ্চনিগ্রহ উমধালয়

२ > ৪ मर वह गांधात डिंडे, क्लिकांडा ।

# কবিরাজ শশিভূষণ কবিক্ঠাভরণের



্ষকংখনের অব্ধার অস্ত ৬ আঃ শিশিতে ঘনীভূত অবস্থার ভোটবোওলের প্রমণা উবধ ভাকে পাঠার হয়, ইলাতে ঔধবেত কোন প্রিবর্তন করা গ্র নাই। মূল্য শ্রেডি শিশি॥• আনা, প্রিট ৮৮• আনা, বোডল ১৮• আনা।

অফিল–১১শং উন্টাডালা রোড, পোঃ শ্যামবাজার, কলিকাতা

# শ্রীভাগবত প্রেস গোয়াড়ী হাইব্রীট

#### কুম্বর্জন প্র

এখাদের বিবাহের নিমন্ত্রণ-পত্র, প্রীতি-উপহার, কার্ড, গ্রন্থ এবং অক্সান্ত বাবতীয় কার্বা ছাপ। নইরা থাকে। ছাপার দর বাজার দর অপেকা স্থান্ত। পরীক্ষা প্রাথনীয়।

# হাইড়োসিল

41

# কোষরন্ধি রোগ

ডাঃ এস, এন্, ঘোষ বিনা অন্তে, মাফ্টীবনের গ্যারাটি দিয়া বৈছাভিক প্রশাসাতে কোমবৃদ্ধি রোগ আয়োগা কৰিয়া থাকেন।

> ঠিকানা— ১৮ নং কটন ব্লীট, বছবাজার, জানকাডা।

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

# দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

# প্ৰসর দিলে সম্পূর্ণ আরোগ্য

রোগী দেখাইতে কইনে। অগ্নিম পাপের খন্ত (যাওয়া এবং আসার)
পাঠাইলে গিয়া রোগী দেখা হয় অথবা এখানে আসিলে বেংগী দেখিবা
উষ্ণ দেওৱা হয় আরোগা না কওয়া প্যান্ত পাতিশ্রাক দিতে হঠবে মা।
গ্রীণ বোগীদের খন্ড বছম করিয়া তিকিখনা কবা হয়। শিস্তাবিদ্ধ
নিশ্বদেৱ কন্ত এক আনার ভাক টিকেট সহ নিয় ঠিকানার অন্তসন্ধান

জ্ঞীক্ষতীশচন্দ্র উকীল, যক্সা-চিকিৎসক, শোঃ নৈকাঠী, বঙিশাল। অপশা নিম ঠিকানার সাক্ষাৎ করিয়া বিস্তারিত জানিতে পায়েন।

ক্রীযুক্ত রামগোপাল দন্ত এম্, এ, ক্রকনগর, নদীরা। ব্রীযুক্ত ভরিপদ সিংভ, ১১৭, বেণিরাটোলা ব্রীট্, চাটপোলা, কলিকাতা।

প্রকর্মানি পরে! আনার ত্রাভূপ্র গত হয় নাস যাবং রাজ যক্ষার ভূগিরা মৃতপ্রার কইরাছিল, কশিকাভার বিজ্ঞ চিকিৎসক্পণ তাংশর তীবনের আশা ভাগ করিয়া শেষ মৃত্তের জন্ত অপেক্ষা করিতেভিবেন এই সময় তীবৃত কিভীপচক্র উকিল মলাপর মাত্র ১০ দিন চিকিৎসা করিয়া সম্পূর্ণ আবোগ্য করিয়া দিয়াছেন। (সাঃ) তীয় নীক্র কিশোর কার চৌধুরী (জমিদার পালিরা) চগু ষ্ট্রীট্, নিউ বিন্দিং। কর্মপারেশন ইটিং ভিলা টমেন্ট, কলিকভাঃ

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরান্দ ৪৪৫

माज ८४० डाकिटकि भागि हिलाहे व्करभारहे भागिन इस ।

ম্যানেকার-গ্রন্থবিভাগ শ্রীচেডখমত, পো: শ্রীমায়াপুর, নদীগা।

কেন গ্রাহকগণ

# গাড়ীয় প্রি

কিসে

# এত প্রশংসা করেন

–কার্বল–

এখানে ব্যেতীয় ছাপার কার্যা-----

বিবাহের নিমন্ত্রণ পত্র, কার্ড, বিবাহের পভাই ধনুন,

আরে ও রং ও ৪ রংএর হাফটোন রুক্ই বলান, সকল কাষ্ট্র অভি সম্বর ছাপা হয়, অথচ ছাপাইবার খরচ বাজার অপেকা সুলভ।

মাপনার কিছু ছাপার কার্যা থাকিলে নিল্লাটিকানায় জানাইলেই দর

মানেলার- গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়াব্রস্ ২৪৩:২ নং মাণার বাংকুলার রোভ, কলিকার

# গান্ধীজীকে পরামর্শ দিবার জন্ত ্ৰ প্ৰতিনিধি

সঞ্চলৰ সন্মিলন যে কমিটা নিয়োগ কৰিয়া- কমিটার উল্লোগে একটি সাহায্য-সামতি हिलान, काहारमध (भए मखास मन्नामक- कितिष्ट इहेतारक दवर भाकारम क म দের খন্ডা প্রস্থাব অভ্যাগ্রী ভির হইয়াছে 🖟 P. গোলটেবিল বৈহকে গান্ধীজীও অনুটা প্রতিনিধিদিগকে প্রাম্প দিবার বাহির হইলাছে। कश्र श्रीष्ट बाद य कार्यहेक र यय य मिटक द्ववादवत शंक हरेट शहीन इटेर्ड । .रेबर्रेटकत পूर्व प्रशिर्वभूत किंगा क्यातात मानायामामण्डित मछ। বেরারের স্বাহরীকরণ সম্বন্ধে জেল কবা इक्टेंब। अने छाडिनिनि-अनुत्वत नाम-निकाहार्थ ১० ठाणात होकः जमः इहे (एए)

# माहेदकरम दिशिक्ष हहेरड प्रामर्गा

माहेटकल (हाकिए। इहेट प्राम्या যাত্রী মিঃ এন. বি. মহক্ষদ গভ মাসে ৰুলিকাভার আদেন। তিনি আরোগা লাভের পর গত ৩রা আগত এসরানেড ভইতে আবার যাত্র। করিয়াছেন। তিনি গ্রাণ্ড টাক্স রোড ধরিশা পাটনা, তলাহা-वान, गरको ও गारशंत हहेरछ (यात्राह याहेरवन। कांश्रंत्र याजाकाल करनक लाक मयत्वत श्रेशांकिन।

# চিৎপুরে ভীয়ণ দালা

डिरभूत (ताएड माका ও करमकथानि বাস ও পুলিশের উপর গোষ্ট্র নিক্ষেপের व्यक्तिराश भाउ हो। व्यागारे मजनदारत ৪ বাজিকে উত্তর বিভাগের ডেপ্টা পুলির কমিপনারের নিকট উপস্থিত করা 5T 1"

প্রকাশ, গত ৩রা আগষ্ট চিৎপুর ও क्षारका शैरिहें मार्यात्रश्ता ध्वयानि त्यादेश वादमत महिक धक्कानि देहेक বেলোই গ্রুৱ পাড়ীর সংঘর্ষ হয়। পরে গ্রভায়ান ও বাস চালকের স্থিত বচ্সা ঃ প্রধায় উক্ত পাড়েয়োন বাস চলেককে भारताश्विक इतिहरू ८५ हो। करेन क कामहेत्रा এहे बहाभाष्य इन्ड क्ष्म कतिहा शारहायान हाशास ध्वशांत करता। देहा-বসরে ঘটনাকলে বিস্তর লোক সমবেত ত্যা এবং পাড়ে মানগণ উক্ত রাভায় কোন মোটর বাদ চলাচল করিছে तिश्वितामाञ्च **छाहात्र छे**लत त्या हे निटक्ष करिट्ड शास्त्र । आभीत्र श्रामित श्राम शहरामाध घठेनाल्या देशकि इत्या क्रमण क्रमण कर्तिया (मन धना ४ क्रमण ভোগার করিয়া স্থানীর পানার প্রয়া 318

८५५को कश्चिमनात मक्न प्रामाबीरक विठातार्थ मानि द्वेटप्रेय **ध्यनारम (श**तन क (अवार्ष्ट्स । '

# পাবনা ছর্ভিকে সাহায্য

পাৰনা জিলায়, দিরাজপঞ্জ মহকুমায় নাগপুর ছইতে প্রকাশ যে, োরারের ছভিজের প্রতিকারকল্লে স্থানায় কংগ্রেয আচার্য। প্রাক্তরণ রায় প্রামণ করেক। জ্নের স্থাকরগরু क्षिशास्त्र शिक्ष अकान जात्धातन ভারত ইশি**ভরেন্স কো**শানী, উগর কলিকাত। শাগার মারকত পাবনা প্রির নিকট বেশী কিছু টাকা প্রেরণ ক্রিয়াছেন।

### পাটনা বোমার দের

পাটনা কেনারল হাদপাভাগে সহু শন্ধান করিয়া অবগত হওয়া গিয়াছে যে त्रामनात्र व्यवशास्त्रहोत्या भारकवर्तत শ্বরণ আছে গত ৩১শে জুগাই পাটনা সহরের একটি বাটীতে বোম বিজ্ঞোরণ হইয়াছিল।

এই বোমার ব্যাপার সহজে আর কোন নুত্ৰ তথা এপনও জানিতে পারা यात्र भाहें।

# দিল্লীতে পীতবলনে ৫০ খন মহিলার পিকেটীং

मिल्लीत विद्यानी वलवावमाधीमिश्यक কংগ্রেদের প্রতিক্রতিতে স্বাক্ষর করিবার ক্**ন্ত ক্রেক স্থা**চ **অ**মুরোধ করার পর গত ২রা আগষ্ট প্রাতঃকাল হটতে দিয়ীতে शतकहीर बाताच व्हेंबर्टक । हैतिमीहरूक ক্লক টাভয়ারের নীচের দোকান গুলিতে ও ঐ তারিবে পিকেটাং করা হয়। খ্রীমতা সভাবতী, বেদকুমারী ,ও ইন্দের নেতৃত্বে পীত্রদন-পরিভিতা প্রায় ৫০ জন মতিলা প্রাতে পিকেটিংএ বাহির হয় वाह्या, (बाकानबात्रता डाहात्वत छात-ভাবে একণ করিতে পারেন নাই, ভবে क्षांन रेशांगमान इंडमात मःगाम ३ शां <del>अ</del>मा गाग्र नाहे।

# ভীগণ বৰ্গা ৰিক্ৰমপুরের অবস্থ।

বিক্রমপুর এখনও ফলমগ্ন আবস্থাতেই काष्ट्र। डेबलित द्यान भक्षाई (प्रश गाहेट्ड मा। भणात क्या दभम अ वाछिट्डिक । मत्न भक्त शनि इंट्डिक धनः माम माम क्रकारनम कर्मा अ विकिछ इटेटछटछ । छात छैलत ट्योबसर. ব্রাহ্মণগাঁও, কালিকল প্রান্ধতি সঞ্চলর তাহার ধাণ কার্যা জারত করিয়াছে। যাতাঘাত করিছেছে। আয়ায় ট্রেণ থলি

সমুদ্ধশালী প্রাম লৌহলং একরুপ নিশ্চিত স্থাঞ্চনাতী পর্যার্থ মাইলা থামিনে স্বতরাং হইতে ব্যিয়াছে ৷ ধানকুনিয়ার বিখ্যাত वामाव लाग छात्रिया शियाट এখন কথাপ্রা।

## (नाषाचे मामात्र ১०४४ आवड

তরা আগঠ সন্ধায় জাতীয়তাৰাণী मुन्नमान मुख्य मालात करन ३६ छम व्याह्ड इत्याद्वत ।

विद्यानी मरणत क्रायक्षम भाष्यनाशिक সম্ভা স্থাকে ওয়াকিং কমিটীর সিদ্ধান্তের निन्मा कविया वक्षा करत्रन এवः छ। हारम्ब चाता निहोत मुभागम मध्यिगत्नत नावी छनि मम्बिट इह :

ক'ভোগ হাসপাতালে অফুসন্ধান कतिया कामा शिशाएक एवं ১৫ अस्मत मध्यक्षरे (भूषात्म <sup>f</sup>5किंग्स्व नावधा কৰা হয় ১০ কানের আহাতে গুৱাত্র विशिष्टा छै। है। दिन हामभुष्ट होन तुः श्र ८ हे शहर है।

का डीस मुध्यमान मध हरेटड (म निदृष्टि वास्ति कता स्टेगाएक, खास्ताच अकाम, মিঃ বেলভি, ছাগ্লা ও নরাম্যান প্রস্তু ष्ट्रगार्टन । यिः नती मार्टनत (माहित इत्याब क्षेत्रा शिक्षाट्ड ।

# ् निरमत द्वारण महातारकत महा

কাশীর মহরেকে সরে গ্রেছনার্যাণ্ডি বাহাছর ৪য়া আগেই প্রাতে ৬টার সমর सत्त्रचत्र अप्टिट्य मात्रः शिषाद्वतः। क्रीकान् । सामधानि বর্ষ ৭৫ বংশর হট্মা ৮ল ম্চ'ল্য ব মাজ ২ দিন অস্ত হইয়াহিলেন। ধেয মুমুর্জি পণ্যস্ত করে ঠিক ছিল।

# প্রসিদ্ধ কংগ্রেসকন্মীর গ্রেপ্তার

টান্সাইল হইতে প্রকাশ যে প্রসিদ্ধ करत्वानकथी व्यविषया (कोकभावी कार्यः दिभित ১०१ धाराय दशकाय हरेग्राहरून । তিনি প্রকাদিগের সমপে এই ব্রিয়া तकुष्टां करतम त्य, व्यभिमात्रमिश्यक त्यम थालमा ना (व ७३१ व्या । जीवादक जामीरन ভাড়িয়া দেওয়া হইমাছে। আগামী ২-শে আগঠ পর্যায় মামলা মুলভূরী नारह ।

# টেণ চলাচলের ভাস

भिग्रामम् इष्टेट्ड हैक्षेप् (तक्षमः (तमः ভিবিসনাল স্থপারিটে গুণ্ট कानाइंटिएन:--

(आशामान्य नमीत क्या विश्विष्ठ इन्द्रशाय টেণের সংখ্যা কমাইয়া দিয়া সাম্পানতা कारणधन करा इंदेग्रास्थ । (राष्ट्रण ৮) ज्यान বোক কীর্ত্তিনাশার কোপে অভিন চইরা ওচহ ডাউন ট্রণ এবং ঢাকা ও চট্টগ্রাম केंद्रियादक। अ नकन शास्त्र कीर्डिमाना स्मन द्विषक्ति भागानम माठे नगास

याक्रीपिटशब दिव यनन कचितात आसासन ষ্টবে। নদীর কল ভার হটলেই স্বাতা-विक फारन गकन दोन हजाहन कति शंव वानचा कत्रा हहेता।

# 'का क्याम ताटका वृष्टिम टेनका

গিমলা হইতে ভারত সরকারের এক केषांगात क्षाकान (य. चाक्यानिकारनव बाष्ट्रा गृष्टिम वाहिमीटक छाणात्र बाटका প্রবেশ করিবার অভুমতি দিয়াছেন। धरे मरवान धरकवारतारे लिखिहीत ।

# ८भाष्ट्रीकिटम दनामात्र दक्षत्र ष्यानायी गर्भत्र श्रामञ्जान ।

শ্ৰীমূত ফণীলুড়ীল গুলু ৪ খালত ৬ वाक्टिक शामवाकात (लाहेर्राफरम एकहि ভাষ্ণা বোষা প্রাপ্তি সম্পর্কে গ্রেপার कता हता और शिक्षांशिक भगवात का धरी जाशहे क्षिणाचाशास्त्रत अस्तिविक लमान (लिभिडिंग मार्गिष्टि नी वाशकत त्य, त्य, कतिरमत त्यमारम क्षांक्रित क्या द्या

ভৰত ৰেখ নাঙ্ওয়া প্ৰান্ত স্কল व्याभागीतक व्यालामी ३४६ व्यालक्ष भगाञ्च পুলিদের কেপাজতে রাখিবার আনেশ CH SAI ETRICE I

# বাজার দর **हा छेटल व प्रश्न**

50.

वापना (कान Ch. माणा नैक्युमनी ( मरतन ) (s)! o Ĭ CATAL CIO EECE ano আত্তপ । ৬১ ছট্টতে ৬৪০ ভাগা মাণিক 811. ESCO 84. নাগরা অপবা বিশ্বসোধা ৪। ১ ইংছ ৪॥। भाषेगाचे ( गरत्रम् ) 810 PECT BHO 꼭 되지! ६ इट्टेंड ४०/० कांड (याउँ। endo reco eno টাটা বালাম eld. Eggs eno षाष्ट्र, अगर महस्य वनमञ्जी हाडित्मत ्रतत्रकात्र (शन

# का है। मञ्जून।

(भटि । वस्ता	84'81-
<b>ड</b> २क्ट्रे	8:408140
গৃহস্থানীর ব্যবহারের	भरयांगी ८० ७८ -
সূসী	8100-810
শাটা (বি)	84 80
আটা (২)	en · — on ·
আটা ( এন )	0119' SIL
<b>আট</b> া ( ৩)	2100-10
পোলার্ড	३ <b>० ३</b> १
30188	20/04-01

প্রতিগানের হার
প্রাক্তনাতে
প্রাক্ত কাজ ১,
প্রাক্ত কলম ৩,
প্রক্ত কলম ৩,
সাত কলম ২,
১ ক্রিকে করে



শাংলাইয়ার জারা
জারোন দেয়

শাংলাইনিক ৫

বাংলাইনিক ২৬০

মাসিক ১

নগদ

প্রতি সংগ্রাং,৫

ভারতের সর্কতা বছল-প্রচার-- দীয়া জেলাঃ এক মাত মুখপত

७४ ४७ ]

সম্পাদক—শ্রীঅতীক্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি [১৩৫ তমসংখ্যা

জিটিচভল্মাঠ জ্রীণাম মায়াপুর--২০শে জাবেণ সোমবার, ১৩-৮, ১০ই আগষ্ট ১৯৩১

# নানা কথা

# कृष्णगादत सम-गडा

২রা আগত তারিখে ক্ষনগর কংগ্রেন কমিটার উচ্চোণো ক্ষনগারে একটি জনসভা হট্যা গিয়াছে। মহিলা সন্মিলনের সভা-নেত্রী প্রীপৃষ্ণা অশোকশভা দানী সভানেত্রীর আমন তাহণ করিয়াছিলেন। পাঠাপার সন্মিলনের সভাগতি প্রীপৃত রামনিক্ষ চট্টোপানার সভায় দেশের বর্ত্তমান অবস্থা। সক্ষে বক্তা করেন।

# কিলোরগভের লোক পুরুলিয়ার ব্যেস্তার

এক বিশ্বতমভিক যুবক পুলিস কর্তৃক পুরুলিয়াতে গ্রেম্থাস হট্যাছে। ভাহার বাড়ী ময়মনসিংহ পিলার কিশোরগরের ক্ষরীন ক্যাঙলিয়া ঘলিয়া প্রেফাল। ক্ষরদিন হইল সে পুরুলিয়াতে আসিয়া ক্লিল। কিশোরগঞ্জের দাগরে সমর যে ক্ষরচন্দ্র রাম সপর্যনারে নিহত হন, যুবক্টি জীহারই আত্মীর বলিয়া নিজের পরিচয় দিভেছে। ভাহাকে হাকতে রাখা হইরাছে।

# **छाकात्र इंख राजिएक्ट्र वृ**ख्टि

ঢাকা কেনানেল পোষ্ট-অফিস সলপ্র ডাকাতির সংবাবে বে সকল ব্যক্তিকে গ্রেপ্তার করা হইয়াছিল ভাহাদিগকে গ্রহ আগষ্ট মুক্তি দেওরা হইরাছে। কিন্তু বেকল অভিক্রাল অমুসারে ভোগ্রিক প্রসর্বার বিশ্বাস

# ক্বফনগরে জনসভা

কিশোরগঞ্জের লোক পুরুলিয়ায় গ্রেপ্তার

# ঢাকা সহর জলতলে

বক্সা সাহায্য ভাণ্ডারে গভর্ণরের অর্থ দান

# ব্রন্ধে সেনাদল আক্রান্ত

गामी जीत न उनगमतन मः गत्र मृत

# পুরুলিয়ায় অর্থকষ্ট

ঢাকায় ধৃত ব্যক্তিদের মুক্তি

# আলিপুর হত্যার জের

উপাননা মন্দিরে পুলিস

# खद्ब द्रममाप्तम काव्या स

রেঙ্গুন হইছে প্রকাশ যে গত ৬ই
আগপ্ত প্রত্যুধে এক দলে প্রায় ২০ জন
বিদ্যোহা কামা সীমান্তের নিকটে পদায়ুন
সংহরের এলাকাটিন একটী প্রামে একটি
কুদ্র অব্যবস্থিত সেনাদলকে আক্রমণ
করে। এই সংঘর্ষের ফলে একজন
বিদ্যোহা নিহত এবং করেকজন আহত
হয় এ সেনাদলের মধ্যে কেই হতাহত
হয় লাই।

কতিপর দশ্বা পিনু নামক রক্ষিত বটিনের মন্যে একথানি কুটার আফ্রমন করিলে গ্রামবানীর। তাংগাদিখনেক বানা দের, ফলে তিন জন গ্রামবাসী নিহত এবং কেন আহত হয়।

থারাবড়ি ও প্রোমে বিদ্যোহীদের আঝ্রামশীৰ চলিতেছে 1

টুলুতে একজন মোড়ল আচত হহয়াছে । এবং ভাহার বন্দুক এবং ওগাঁ প্রভাত দহাসা লইয়া গিয়াছে।

# চাকা সহর ভলভলে

গত ৬ই আগঠ হইতে ঢাকায় প্রবল বাছ্যা বহিছে গ'কে, কলে ভল এক বাছিল গিলছে যে, বাকল্যাও বাব একেবারে ভ্রিয়া গিলছে। সহরের ভানেকওলি রাভাও জলতলে নিম্ম হইয়াছে। ঢাকা নারায়ণগঞ্জ রোভও ভূরিছা গিয়াছে।নারায়ণগঞ্জ হইতে ড'কা প্য স্ত মোটর চলাচল বন্ধ হইয়া গিয়াছে। মকংহলের অধিবাসীদের কঠের পরিনীমা নাই।

# পুরুলিয়ায় অর্থ কন্ত

প্রাণিয়া ছিলায় বিশেষ অথকট উপজিত হ্রুড়াতে, অধিকল্প যপাস্থ্যে সৃষ্টিপাত না হওয়ায় অর্থ কট বৃদ্ধি হইয়াছে ইহাতে মধাবিত শ্রেণীর ও দল্লিক শ্রেণীর গোকেরা অত্যন্ত বিগম হইয়াতে ।

# বস্তা সাহায্য ভাগ্যারে গভর্নরের অর্থদান

গোছাটি হইতে প্রকাশ যে সর্কাবা ও বে-সরকারী বোকিদিগের চেটার বজ্ঞা-পীড়িত বোকদিগের সাহায্যাথে যে হুগ ভাগের স্থাপিত হুইয়াছে, ওংগতে আসংমের গ্রহ্ম ব শত টাকা নান করিয়াছেন।

# চট্টগ্রাম রেল ওয়ে প্রেশনে কার্ড ভঙরা পার্শেল আবিদার

সংবাদে প্রকাশ কোভোরালীর ছাটনক দাবোগা চট্টগ্রাম বেলগুরে টেশনে একটা পাশেল পাইয়াছেল। এই পাশেলের মধ্যে এটি কাজুছ, কিছু বারুদ ও ১ থানি সন্দেহজনক পত্র পাগুরা গিয়াছে। পুলিসের শোর ভদস্ভ চলিডেন্টন।

# শ্রীবিশ্ববৈষ্ণবরাজসভার পরিব্রাজকগণ

পরিব্রাজকগণের শাম	বৰ্তমান টিকানা	পরিব্রাক্কগণের শাম	বৰ্তমান টিকানা
১। শ্রীল ভক্তিপ্রদীপ ভীর্ষ	শ্রীমারাপুর	৮। শীর্গজিনীরপ পূরী	*টক
২। শ্রীভক্তিবিবেক ভারতী	কলিকগড়।	১। শীহজিবরূপ পর্বত	<b>মফুরভঞ</b>
৩। শ্রীভক্তিবিজ্ঞান আশ্রম	শ্রীমারাপুর	১০। শীহজিবিলার গর্বতিবেরি	কলিকাভা}
৪। শীভক্তিপ্রকাশ অরণ্য : ৫। শীভক্তিশ্বদর বন ৬। শীভক্তিদর্বন্দ শারি ৭। শীভক্তিদৈত্ব সাগর	কটক	১১। ঐতিক্রিপ্রস্থার তিনার	মাজ জে
	ক লিকাভা	১২। ঐতিক্রিক্র্রির	মাজ:জ
	অমৃতসর	১০। ঐতিক্রিক্রের ভৌতী	শুলারাপুর
	জালগপাড়া	১৪। শুভক্তিপ্রসূদ বোগায়দ	বালেখন

# শুদ্ধভক্তিমঠসমূহ

# শ্রীহৈততা মঠ

### আকর মইরাজ

व्यातीन नवबील, डाक्यव जीशम माहालुद्र, नशीवा

এই মঠবাজে পারমার্থিক দৈনিকপত্ত, সাম্বন্ধ-সম্প্রদাহের অপ্রকাশের প্রপ্রাচীন প্রস্থানিক প্রচারকল্পে শন্দীয়া-প্রকাশে যন্ত্রালয় প্রতিষ্ঠিত কর্ইয়াকেন এথানে প্রভিত্তমন্ত্র শন্দীয়া-প্রকাশি কক্ষণারিত করিব প্রচারমূপে মঙামধ্যেমবানি কক্ষণে অন্তর্জি করিব প্রাক্ষণ স্থাকিত ক্ষণারিত করিব প্রচারমূপে মঙামধ্যেমবানি ক্ষণে অন্তর্জি করিব প্রচারমান কার্যাক্রণভাগি, ক্রীপ্রেম্বর্থ, প্রাণার বীরচন্ত্র, ক্রীপাল নক্ষণোপাশ, শ্রীদীনদ্যাদ্ব্রাথ, শ্রীক্ষণায়ন, শ্রীমদনগোশাল, শ্রীমুকুন্দ লাগ্রিকারী ভক্ত সংবেশ্ব, করিবল, রেয় কর্মিন্তির প্রস্তৃতি।

# ্ত ' বেংগপীঠ ঐমন্দির

कक्क-लाकनाथास लाखामी अब्देशित श्रम् क्रियमाथा महकाती व्यक्तिशासक अक्ष्मामी, क्रियामावित्सम रूक्षिकृष्य, श्रीवामनाम अक्ष्माती । क्रियामा

(৪) শ্রীবাস-অঙ্গন

रम •— मै सभा १ कुष्रम अवहाती।

(१) घटेष७-७वम

রক্ক— সীরুদাবন্যস্ত্র ভট্ট চার্যা, শ্রীপোকুল্লাস ব্বেংগ্রী।

😕) काष्ट्रीड समामित्र हे

ज्ञाहीन भागालुद, वामनलुक्त (मधीका) क्काल-अक्षहाकी चितिरमानिवनादी।

/ q ) 박(취약 정박학·주상

শ্রীগোজন, সরপগঞ্জ ( নদীয়া )
বক্ষণ-ভাকিকুত্বম ডাজার একচারী
ক্ষণাক্তিমী এবং এবং এক ।

্রাচন প্রীক্ষণভাষ বেশীভীয় মঠ

রক্ষক—শ্রীবছবর ভক্তিশাস্থা এম, এ, গ্র. এল, সংক্রারী—শ্রীউদ্বন্ধাস ভক্তি-শাস্ত্রী, শ্রীউদ্ধন্নম অধিকারী প্রার্লাচ।

( > ) श्रीत्रात्र-भवानत्र-वर्ड

টাপাৰটো, সমূজগড়, ( বন্ধমান ) বন্ধক—জীংহেরগম ব্রহ্মসংগী, জন্ত

**अ**मोनवश्रम वाम ।

১০ গ্রিক্সপর্যোক্তীয়-য়ঠ

নারণগঞ্জ, প্রয়াগ ইউ, পি

ক্রমণ-শ্রীশর্ষেশ্বরণনন্দ রশ্বচারী

# ( ১১ ) और मा कर्याम्य हा ज

মাউগাছি, জালগৰ, বন্ধমান। বৃক্ষক—শ্ৰীণন্ধবিহাতী ব্ৰজবাসী, জন্ধ শ্ৰীণনাগৰ।

#### ( )> ) ভাগবভ আগমম

ত্রীভাগৰত প্রেম, ক্ষণগর, নদীরা। রক্ষক—ত্রীক্ষণানন্দ রক্ষগোরী ভব্দিশায়ী

#### ( ১७ ) 🚉 अनासन मर्ह

পোণিকপুৰ, ইনেখালী, নদীয়া। কক্ষক—ইডিক্সানৰ ব্ৰহ্মচাৰী। সহকাৰী ইনিক্সিংক ব্ৰহ্মচাৰী, শ্ৰীক্ষপ্ৰেটাৰ দাস অধিকাৰী, ভক্ষ বিশ্বনাথ।

#### (১৪) श्रीमाश्व ८गोड़ी व्र मठ

৯০নং নবাবপুর স্ব্রোড ্, চার্কা। বক্ষক — শ্রীবাধাবল্প স্কর্জনাদী, শ্রীপাদ স্ক্রাক্ষ্ম প্রবিদ্ধানিনাদ বি- এ, শ্রীনব-গৌরাস প্রশ্বারী, শ্রীপদ্ভিতগান্ত জক্ত।

### ( ) के शिरमा भागा मई

ক্ষণাপুর, টাকা। রক্ষ<del>ক -</del> ইক্ষালন্য ক্রচণাণী

( ১७ ) ख्रीयणाहे-८गी पण मर्क

বলক—শ্রীপূর্ণ ধরু প্রস্কৃত্যরী**, শ্রীমন্তিলাক** বাদ্যারী

# /১৭ औराभवज्यमामन मर्ठ

চিক্ষণিয়া, সাজ্ঞেদপ্র, যেদিনীপুর।

্রীধানে শীঞ্জ-গোরাজ-পান্ধবিজিলাগিবিধারীর নিজ্ঞানদ্য বস্ত্রান। রক্ষণ--অকর্মী শ্রীবগ্যাব্যাস্থা।

# (२) बाटगोड़ी इ मर्ठ

১৯ নং কালিপ্রসান ৪ঞ্জনকী হীট, পো: বাগবাজার, ক্লিকান্তা। টেলিকোন বি, বি, ৪১১৫

মঠরক্ক—আচাণাত্ত্রিক শ্রীপান কৃষ্ণবিশ্বরী বিশ্বভ্রণ। সন্ধারী—প্রিষ্ঠ শ্রীপান অম্প্রবাস্থানৰ প্রবিশ্বভূষণ বি-এ, ত্রীপান বাস্বিন্তারী প্রশ্নচারী, প্রীপান অগতভারণ লাগাদিকারী বি-এ, প্রস্কারী শ্রীকীস্তানান্দ, প্রশ্নচারী শ্রীপারীমোলন, প্রশ্নচারী শ্রীমণানাদ, পাশুক শ্রীপান নবীনক্ষক প্রশিক্ষানালার ভিঞ্জিশালী সম্প্রদান্ধবৈ ভ্রাচাণ, শ্রীক্ষারজ্ঞাননাদাধিকারী বি-এ, শ্রীক্ষারজ্ঞান দাগাদিকারী বি-এল, শ্রীমন্ত্রপম নথকোবেদ, শ্রীবিশ্বভূর প্রস্কারী, শ্রীক্ষারপ্রধাবিন্দ প্রস্কারী গ্রাক্ষার

# (১৮) कामनार्याका अनदाखन

রাজবাধ পোং বন্ধমান। বন্ধক—এজবাসী - শ্রীক্তিব্রক্তিবার।

(১৯) শ্রীপুরুষোত্তম মঠ

वर्षकार, जुडी, क्रीडका ।

त्रक्षक -- व्रक्षणां श्रीनश्रमानम् विशादकः, व्रक्षणां श्रीनमीधानकः, श्रीनदान्छ ५० व्रक्षणां श्रीमामकः व्रक्षणां श्रीनिमादः ५५१ व्यक्तिनोत् श्रीमामिष्

### (२ • धीखक-८गोडीय वर्ड

আলবরনাথ, এক্সিটি পোচ, পুরী। বন্ধক—এক্ষচারী শ্রীপরমেখরী প্রসাধজী। বহুকারা —এক্ষচারী শ্রীবেলিনবিচারী।

# (45) क्रैजिक्सिन्स्य गर्ड

केंद्विताताकाक्ष, कठः । त्रक्क--- अक्षठाती श्रीजनादर, श्रीतामधन उक्षठाती,श्रीतान कदाणाणाः नामातिकाती ।

(২২) **জিসলাডল-পোডীর মঠ**গলং কণক্ষীবনপুরা, কাশী।

বক্ষত প্রশ্বচারী ভূপনেরবলী, নিতাইদাস প্রস্কৃতারী, শ্রীপঞ্চানন একবাসী।

(২ ৩) প্রীকৃষ্ণটৈডেন্ত সঠ প্রীকৃষিংগ্লাস কৃষ্ণ, প্রীধাম বৃশাসৰ চু বুক্তক-শুক্তীগণগড়িলাও উন্ধ্রারী

# (६৪) 🎒 श्रुत्रमदः न मर्ड

নৈমিবাৰণা, সাতাপুর রক্ষক—ব্রহ্মচারী শীকুণীংগনেক **ও প্রহার** শ্রীনক্ষ্মণাক (

## (२७) बहामदभी छोत्र मठ

त्रक रू--- अक्षात्र हो क्षेत्रस्थला हो। सीननी-भाषां अक्षात्र हो।

# (२०) जावनभाषा अभवाख्य-वर

ব্রাহ্মণপাদ্ধা, পোঃ নাফ্, চাব্দ্ধা এগানে বচ্ছুড্ন্ট প্রীগোরালের সেকা বস্তমান। রক্ষক---ব্রেগ্রাসী প্রীপ্রাণকুঞ্-দাস, ভাক্ত কৃষ্ণাকর।

(২৮) দিল্লী গৌড়ীয় মত-কাৰ্যালৰ ---: পোণাৰ বন ডাকার পেন, নিউ দিল্লী কলক--- গ্ৰহ্মারী জীগীয়ক্ত, ত্রীকুগলেধর ত্রীবাদারমণ্ডবশ্যক

# (২৯) সোয়ালপাড়া-প্লপদ্ধাঞ্জন ক্লক-ভ্ৰন্নচায়ী জীবাধান্যাকন

(৩০) মাজাজগোঁড়ীর মঠ
নৰ গোপাণপুণ্ম, কাণেডুংগ, মাজাজ
কেক--- হিল গুলানী প্রীন্তর্জিক জীগর
ভালাল, সভকাতী--- জিলজিলামী জীমন্
ভজি জন ছিলেগাল; শীপাল জগনামন্দ গুলহাসী, শীপাল দেবকীনন্দন ক্রমচানী, জীগাল সিছবরূপ ব্রহ্মচানী ভিক্তিশালী
গুলীগাল গৌবস্থানন্দ ব্রহ্মচারী।

(৩১) ভাদশগোপাল পাট কাঠানপুনি, চাৰণা, নদীবা ক্ষৰ—একচানী শ্রীদেনগানক



सर्द्र स

১২ শ্রীবর রেগীরাক্ষ ৪৪?, ১৫নে জ্রাবেশ বঞ্চাক্ষ ১৩৩৮,১০ আগপ্ত ইং১৯৩১ সোমবার

१७: **अ**ग गःचा।

# সাময়িক-প্রসঙ্গ

গত ০০শে জুলাই স্ত্রীসংগৌডীয় मर्छत त्रीकक जीलान मरभनवानक तक চাবীলী বাদসাহীন ওী নামশ ভানেৰ অদি-বাসী জীৱত অভ:১রণ দে মহশেদেব আছ্লানে ভদীয় গুড়ে আইড়ানুস্বালী জীতুন কবিতে গমন কবিয়াভিবেন। ভিনি বহ ভোটোপ সমক্ষে জীমহান্ত্রত পাঠ করেন।

ল্লোড়াণের মনো একজন ভিজ্ঞার। करतम था, वस्त्रमान भगकामग्र गुरश सिश्रीत-की दिल कि कम बाह कहें ति ? नहिंगान স্মঞ্জার স্মান্ম না হলপে হরিকীর্ডনে कि कि जिल्ला किन् ?

एकदरत रमाधातीको वरणन, - मिक्ति-কীউনে বিরভির স্বস্থাই জগতে যাবভীর অশান্তির কৃষ্টি ছইয়াছে। এইরিনাম-मःकीष्ठनहे कनिकारणत बुशभवा, किन्न ভোগবুদ্ধি বিচালিত रुहेगा ক(মর) ভোগের বন্ধ সংগ্রহে কচিবিশিষ্ট। এই ভোগ্সমভাব সমাধান কোন্দিন্ট চ্ইবে না। কারণ, আসরা ভোগবাঞা লইনাই এ জগতে আপমন করিয়াছি। ञांत व्यामारमञ्ज मन्त्रकरणत्र आसाम्, देखम द्वतः আশা—ঐ ভোগের নিনিত্ত; কিন্তু ভোগানলে যতই ইন্ধন প্রাদান কর্মন না কেন, ডোগপ্রবৃত্তির শান্তি কিছুতেই इडेल ना।

क्रक अंख निकास का उ.धर मास । कृति मुक्ति निकिकांनी नुक्तरहे जनास्त्र॥

ক্লমণভাজি গ্রহণ ক্লিভে পারিকেই পরি-শান্তির অনিকার্য ১ইতে গারা যায়। কলিকাতা শ্রীগোড়ীর মঠ खाराहरू मन्त्र शकात मन्न नाम ४३.५ : 'इहबीत यन्नाहती, देंहापन नेपनीए, तन्नापती, প্রথ হণিকী টুলে উপেকা প্রদর্শন করিল। ইত্র বিধারে পেংকে সমুচ অম্প্রকা ও ও স্বাতি সামান কব্রিন।

বান্ধনগাড়া প্রশেলমে গ্রত ১১ট লাবণ ভাগেরে জ্লীভেত্ত মতের অক্তম প্রবিক জিল্ভিকান। ভীন্ন ভ্রিট্রভর সাবি মহাবিছে গ্ৰন কৰি টেভন । তথ্য । প্ৰভাৱ গাঠ কাইন ২ইছে,ছ ৷ বহু সজন সামিজী মহাবাজের 🖺 রুগ হবিক্থা শুনিতা প্রমানন্দিত ১ইতেছেন্ 🕆 নিকট্রস্ত্রী जिल्लालून आत्मत जीगरक्रधन माम मधा-শরের আছবিক উৎধাহজনে মহারাজের ু ভভাগমন উপলক্ষে শ্রীগোরস্কলরকে বিচিত্র ভোগ প্রদান পূর্যক উপস্থিত ভজনুন্দকে দান করা হয়। আন্ধা বজেশব বাৰুৰ নিক্ষাট দেবাবুদ্ধিৰ জকু সাম্বরিক ধরুবার দিই। শ্রীদঠের প্রতি তাঁহাৰ মান্তরিক শ্রু আছে এং তিনি ' বছভাবে খ্রীওক্রেরিচের দেবার সহায়তা করিতেছেন। তিনি শ্রীমঠের জন্ম একটা राष्ट्र Clock निर्माहन अहा श्रीमटी यथन যাকা প্রায়েশ্বন হয়, যজেশার বাবু কারমনো বাকো ভাগাই সম্পাদন করেন। ভাগার নিকপট দেবাবুভি আদর্শকানীর।

শ্রীযুত কাড়িলাল দাস অধিকারীপ্রমূপ অন্তরোধে ওঁ বিষ্ণুপাদ পরমঙ্গ জীলীমদ বিষয়-তোরণ নিশ্মিত হইয়াছিল। বিরাট্

ভাজিনিয়াস্থ সৰ্ব জোকানী প্রভাল A 17 डी ाम निश्चमानुस लागाविकाती, जी ान নীলেরতন রক্ষানী ও শ্রীহনিচরণ ভক্ত সহ পরিরাজকার্যা ডিদ্রিসামী আনিদ্ভিতি-বিলাস পাৰ্ভিনেমি মহারাজকে গুলন। মেলে न इन हम । अञ्चल विशेष १ १९३५ के स्तिन ।

ঠাহারা গ্রু.লা আগ্রু অথবারু ৪ ঘটকাৰ পুকোনিদিত স্থানে পৌছিলে স্থানীয় বিশিষ ভদ্ন বাখালা, মাড়োলারী, ওছরাটী ত্রভৃতি ধারতীয় বারসায় রুক্ত এবং পরী। সৌ স্থানুন্দ বিচিত্র পভাকা, শৃষ্ম, ঘটা, কঁ স্ব পুষ্পনালা, ধুপ ধুনা ইভাগি সহ এবং বহ দলে বিভক্ত হইয়া স্কীত্নসহ আনিজী মহাবাদ্ধকে ধ্রীমার হইতে অভাগনা কবেন।

क्रिमान तरु पूर्व मृष्टे श्टेर ७३ वसन **ছটতে তোপধ্বনির জা**য় গগন প্রন মুপ্রিভ কবিয়াখন খন শ্রীল প্রাভুগাদের জয়ধ্বনি হইতে লাগিল। মহিলাগণ উলধ্বনি ও শঙ্গ নিনাদ করিছেছিলেন। বাঞ্চলরগণ সানাই ও জগঢকার নিনাদে জীমং প্রাভূ-পাদের জন্ম খোষনা করিতেছিল।

স্বামিজী হীমার হইতে অবতবণ করিলে পুল্মালা হারা স্থামিজীর সভার্থনা করিয়া गहेशां गा ७ शां इस । वन्सरत वरू जृङ् विक्रियः গত ২০ ৭৷০১ তারিখে বড়দলপ্রবাদী বর্ণের পতাকাদি হারা স্থসচ্ছিত হইলাছিল এবং বছ বছ স্থান কদলীবুকাও মৃংকলদ বাৰপায়ী ও ভদ্ৰমহোদগ্ৰুকের পুনঃ পুনঃ আত্রপল্লবাদি সংযোগে সঞ্জিত এবং বিশ্বয

শোখনাতা এয় সকীত্নেৰ দল কাণিজী मधाराष्ट्रक मधानी कतिहा वन्मावत अधान नाष्ट्र, तिया सदस की हम करिया १५०० াগবত ত্রীয়ক কন্তকান্তি দাস স্বিকাণী মধোলা বিভগিতে আ; মন কাবেন। ভগার জলজ্ঞিত গৃহে বকুতাৰ স্থান নিশিব থকিকাও জনতাপ্রবলা বশ্ডঃ সামিতী মহাবাদ গুহেৰ বাহিলে আগ্ৰমন প্ৰক্ৰ স্কুট্ডে ভানে দুলুৱেম্বন হট্ডা কিংকলে যাবং শীহরিনাম লাহাত্ম এবং জীবমাডেরই 🖹 ्तिभाग चाला करा कहरा--- এह विष्या रङ्गः कत्त्र

११७ ७०८म क्यांने প्राटको वर्गक्यांना ন্ত্রীস্থাক্তিবিকে ভাবতা মহারাজের কটকে ডিট্রাক্ট টাঞ্চানিয়ার মিঃ এইচ, মি, পাড়ী ডেপুটীন্যাজি:খ্রুট মিঃ অনুন, এন, পট্নালকের সভিত জীনমহাপ্রভ্র মাচ্রিত ও প্রচারিত দক্ষের স্পালেগ্র रिमरत जारमाइना ३३ ताहिम । चीपुक পালীর শ্রীমন্মহাপ্রভুগ প্রতি বিশেষ প্রীতি আছে। তিনি চিকাকোলে জালেবপাস-পীঠার্চার শ্রীমন্দিরাদি নিম্মাণকংখা বিশেষ সাহায়। করিয়াছিলেন। খালা ছাড়া रवकारम् अनम् धनः होतीन इकिमिकाञ्च সরস্বতী গোপানী নহাবারু সগণে জীগৌর-পাদপীঠাচ্চ: স্থাং নেব নিনিত্র তথায় খ্রন্ত-निक्रम करियां ७८ लम, उरकारन केंशन करशास्त्र ब्याहाया श्रवत्यन ८मना नित्यम डेप्सभरयानाः ।

সন্ধ্যায় শ্রীনহাপ্রতথাঠ প্রবাবে উক্তাস উপস্থিত ভৌগছিলেন এবং ক্রীবৃরিকণা শ্রাণ ও মহাপ্রদাদ সম্মান করিয়া কিছু-रेनमध्यन स्मनानिज्ञान लनिह्या निवास्क्रम ।

# প্রকৃত প্রায়শ্চিত্ত

কন্মকাওনিরত গৃহরভকে প্রায় ভিডাদি
বিধান কথনই পাপ হইতে মোচন করিতে
সমর্গ হয় না। কন্মকাওগত প্রাণভিত্তে
ফলভোগ সন্থানিবিট থাকায় ফলভোগ
ভাবা ফলভোগজনিত বিপ্যায়ের সংশোধন
সপ্তবণর নহে। গঙ্কপুর্ণ জল ভারা পক
বিধেতি হয় না, কেননা পশ্বজ্ঞানই পক্ষের
স্কর্মান্তি। স্থরাপারী পুনরার স্থাপান
করিলে স্থরাপান-দোষ নট হয় না। যজ্ঞে
নিজেক্সিড তর্পনার্থ পশ্বর্ম করিয়া যে
হিংসার উৎপত্তি হয়, পুনরায় হিংসা ভারা
সেই পাপ হইতে স্বক্ষ হওয়া যায় না।

বাহারা গৃহমেদীন কর্মকাণ্ডছার

পাণের আঃশ্চিত্ত হইবে মনে করেন,

উংহাদের গৃহমেধীয় শ্রৌত্তিধি পুনরায় उँशिविशतक कर्माकाएउटे निवृक्त करत्। কিন্তু শ্রীনারায়ণকপিত পাঞ্চরাত্রিক হবি-সেবাকর্ম খারা জীবের ভোণপ্রবৃতি নিবৃত্ত হয়। হরিদেশ বাভীত গৃহমেশীয় কর্ম কখনই জানকে ভব-বন্ধন চইতে, মুক্ত করিতে পারে ন।। গৃহদেধিগণ পুন: পুন: পাপ ও পূণ্যে আবদ্ধ হন। তজ্জন্তই শ্রীনদ্বাগ্রতে প্রীক্ষিত এইরূপ প্রেল করিয়াছেন,— দুট্টা ড'ভাং বংপাপং সানরপ্যা খনেহিছিত্য। কবেটি ভাষা বিবশঃ প্রায়শ্চিত্রমথে। কথম ।। —পাপ করিলে ইছ লোকে রাছনও ও লোকনিকাদি ভয় এবং প্রবোধে নরক পাতালি ঘটিলা থাকে। ইহা দেপিয়া শুনিয়া জীবগণ পাপকে অহিতক্স বলিয়া জানিতে কিন্ধ জানিয়াও, প্রায়ল্ডিডের পরেও বিশ্বভাবে পুনঃ পুনঃ দেই পাপকর্মাই করিয়া গাকে। অভ্রব গ্রন্থ বাধিকরভাবিকে কিকপেই বা প্রায়ন্তিও বলা ঘটতে পাবে ? অর্থাৎ ঐ সকলেব দ্বারণ যখন প্রায়শিচটের পরেও পুনঃ পুনঃ পালপ্রবৃত্তিই হটল গাকে, তান উছার!

শ্রীশুকানের তচন্ত্রে বলিতেতেন.—
কল্মণা কর্মনিকাবেশ ন লাভ্যতিক ইন্যতে।
স্থানিরস্থিকাবিশ্বং প্রাণশ্রিক বিশ্বন্দ্রন্থ
প্রাথশিকভ্রন্ত্রহণ কল্ম, আত্রব কল্মের
নাক্রের সমূলে উচ্চেন হালা করা হার
ভাবিগ্রা সকলে প্রাশ্বন্ধ ইত্রাও প্রকা।
তাহানের স্বালাভ্রেরই অন্নির্ভিত্র কাল্যন্ত্রা
হল্মা প্রের প্রাণ্ডিরেরই অন্নারাদ্র্য
হল্মা প্রের লাক্রিয়া করেন, — প্রামৃত প্রায়ণিত্র কিবাছ
ভাব্র এই যে, স্বিভা নির্ভিকার্য ভগ্রন্থ
ক্রেন্ই এক্যাত্র প্রাণ্ডিরে।

প্রাক্তর প্রাথনিকত্ত শক্ষরটো নহে।

# আকর্ষণ

( ? )

আমরা বন্দনা করি কাহার ? অতি ক্ষে অপস্থার্থ-অভিদ্যা অভ্কানের বন্দন মালিকা-এছনেই নিযুক্ত আছি। কত সচৰূন ক্সমন্ত্ৰক বন্ধনার নাম দিয়া কামনা বাসনার প্রদীপ্তানলে নিকেপ করিতেছি। ক্রীত্রাসাপেকাও সহাশক্তি ধারণ কবিয়া निस्तिवारम अहं ताकमी भागविभीत हतम-मामर् बाद्यनिरगांश कतियाति। इहात চিত্রবিনোদনের নিমিত্ত কত অক্সাচ কার্যা-কাত অসং আদেশ পালনে দিধা বোধ : করিভেছি না। সার সংগ্রে কণা কি বলিব। মান্ত্রিকসংসারে কি যে গ্রীতির সভিত মোহময় স্থা স্থাপন করিয়াছি, ভাহা আধুনিক কবিগণের লিপিড উচ্ছাস-ময় কবিভাওলির স্বাপানোনী (१) বাজিরা ভালরণেই জানেন। "তাঁহার। ''ন্দিবক্লা সংগারপ্রীভিবশে, **ቻ** የን -কুভুলা মধুবলাসিনী' প্রার্ডির রূপ-মধু পানের জন্ম কোটা কোটা বার এই রদিনী ধরিতীগ্রন্ধীর সেহ্রকে (१) জাল্লয় পাইতে চাতেন ৷

ভাগানিবেদনের বিগনে বলাই বাহলা ; কেননা মানার গোলাপী মদিরংসক কোন্ ভাগানান (? বাকিই বা জড়ীয় বিভব বিভূগার নিকট আত্মাকে বিক্রম না কারিয়াছেন ? মনোধন্ম-মহাজনের নিকট স্বীয় নিরপেক গেতনস্ত্রিকে 'বলক' দিনা ভামৰা ত সম্পূর্ণরূপেই ভদীয় আন্তগভা করিভেছি । হায়, নিভাবিম্প আমাদেব আক্র স্বরপ্রিম্ভির ফলে কি দারণ ভ্রম্ভিই না যটিলাছে!

একটা শক্রর বৈরিতার কত ব্যতিরক্তে হইতে হয়, আর রক্তগদেশলাবৈম্প্র বশত: আমর। দশটি ইপ্রিয় এবং ইলিফাদি-রাজ মিন,' এই একাদশ শক্রর জোধানবো হেল্মী. চৃত হইতেছি। অত্তপ্ত তাথাবা আমাদের দেবার সন্তুই না হইয়া স্বান। দুচ্চতে আমাদের কেশকের্মণ করিঃ। গুলাইডেছে। প্রমহ্সেক্তলর নিত্যো-পাল ক্রীনীমন্তাগ্রত বিষয়াসক্ত আমাদের তর্গতির সন্তুরে অসন্ত প্রমাণ কীর্তন করিয়াছেন,—

''ভিইলকভোগচাত বিকৰ্ষতি মাবিত্নপ্ত। শিলোহতাতৰ ৪৮বং শ্ৰবণং কৃতন্দিং। অংশেহতাতক্ষণশদৃক্ ক চ কম্মশকি-ইহবাঃ সপত্না ইব গেহপতিং লুমস্থি॥"

তাদাং তে অচ্যত, বিষদন্দ্রিপা,

অসতী জিচনা প্রবল লালসাসহকারে নগুবাদি রাসের দিকে আনাকে
আকর্ষণ করিতেছে: শিল্প ও তুক্

এক একদিকে আকর্ষণ করিতেছে।
কুশান কঠানাল উদ্দীপ্ত ইইয়া বে কোন।

# শ্রীধাম প্রসঙ্গ

রামদক্ষপুরের চড়া বা কাম্ড্রান্থ মাঠ
নামক স্থান ও কাজীব বাড়ী কোনাদ্রম
ভাগীরগীর একতীরবর্ত্তী ছিল না এবং
থাকিতেও পাবে না। জন্দ্রপ কল্লিড
হুইলে কাজি-দলন-দিবদের সংক্রিভিত্ত ক্রীমন্মহাপ্রের্ডুকে কাজীর বাড়ী জাসিঙ্কে
গলাগার হুইতে হয়। কিছু প্রীতৈভত্তভাগবভের বর্গনাস্থলারে জানা বাব বে.
কাজি দলনের দিবস নগর-সংকীর্ত্তন-কালে
মহাপ্রান্থ গ্রান্থা পার হন নাই।

কাকিড়ার নাঠ কাভির বাড়ী চইন্ডে

গ্রোধ ধার মাইল দুরে। ঐশান হইছে
গঙ্গানগর চইনা বামনপুকুব আসিতে হইলে
কল্পণাড়া ( একটা প্রসিদ্ধ হাম ) পার না
হইণা আসিবার উপাল নাই। কিছ কীধ্যের পথে গঙ্গার গ্রীবে করেকটা
ঘাট শার হইগাই স্মান্যাহা প্রভু গঙ্গানগরে
পৌডিয়া বিমুলিশা ( বামনপুকুর ) কাভির
বাড়া আসিবাছিলেন।

নর জন্ম কোটা কোটা বার এই রিজনী . কল্লগড়াই কল্লীপ এবং ইচা বাবলাড়ি ত্রীপ্রন্দবীর সেহবংক (?) আল্লয় দেওগদাল্প ও গ্রালগরের মধাবন্তী স্থান। তে চাহেন। অধিকত্ব কাজড়ার মাঠ চইতে কীশুন আল্লিনিবেদনের বিধয়ে বলাই বাহুলা; আরেও হইলে সম্প্র কীশুনের পথটী নো মারার গোলাপী মদিরসেক কোন্ ২৫০২৬ মাইল দীর্ঘ হইলা বার । ইহা অভান্ত লবান (৫. বাক্লিই বা অভীয় বিভব অভান্তিক ।

শ্রীনবাধ আহাবোর শ্রমণ-বৃদ্ধান্তেও আনরা প্রথিতে পাহ, অন্থানি হইছে শ্রীনবাদ আহাবি দিন্তুলিয়া বিহাছিলেন। অহানি কালির বাড়ী ও সমাদি—- দিন্তুলিরা ইইছে শ্রীনালপুরের পরে অবস্থিত। একংশ কাকেড়ার মাঠে (বাহা বাবলাড়ি দেওরানহান্তের সহিত্ত জরিও হইরাছে) ভ্রমণে অংলাবিত এবং বিভানতে আছিলে শ্রীপ মানপুরক্রে গঠন করিতে চাহিলে শ্রীপান হইড়া দিন্তুলি লিখিত হইমাছে) পার না হইড়া দিন্তুলি লিখিত হইমাছে) পার না হইড়া দিন্তুলি । গাইবার উপার নাই।

অনেধ্য বন্ধর প্রতি ধাবিত হইতেছে।

শাবণ, আগ ও চপল নয়ন-যুগল নানাবিধ
বিশ্যের প্রতি এবং কমেপ্রিখনস্ক্
বিভিন্ন কর্মের প্রতি আমাকে সবলে
আক্রমণ করিতেছে। কামুকী সপন্ধীগণ
ক্রমন হতভাগ্য গৃহপতিকে ব্যতিবাস্ত করে,
তারাণ উকাম ইঞ্জিয়গুলিও বিভিন্ন দিকে
আমাকে আক্রমণ করিয়া নিয়ত বিত্রত
করিতেছে।

ভবব্যধিবিনাশন জীত্রী গুরুদ্দেবের শোকনোহভয়াপথা জীচরণাক্তে নিক্ষণট শরণাপত্তি শীকার না করা পর্যান্ত আমরা নিক্তটোয় কপনই এই ফ্লেশকর অবস্থা হইতে মুক্ত হইব না।

# যৎকিঞ্চিং

( পুর্বাপ্রকাশিত ১৩৪তম স্থ্যার পর )

শীহরিভজিবিশানোদ্ধত তম্বসাগরবচন তাঁহার আমলেই আসে না—"তণা
দীক্ষাবিধানেন দিজত্ব জারতে নৃণাম্' এই
দোকের 'নৃণাম্' পদের অর্থ তিনি অধি
কুলকেই দক্ষ্য করেন। কিন্তু প্রকৃত প্রস্তাবে 'নৃণাম্' পদে মানবমাত্রকেই বৃথায়।
ইহাতে তাঁহার হয় কোবজানের অভাব, নতুব।
নির্মাৎসর ভাগবভগণের বিহার প্রশালীতে দোধারোপ বশতঃ বের্মপ মংনরতাই প্রকাশ
পায়, ভাহারই অনুগমন কইনা পড়ে।

কবিরাজ মহাশ্রের ''আগম প্রামাণা''
আধানন নাই। ছিনি ভাগবভগণকে
আরাজণ বলিতে উদ্জীব তীহার বিধাসমতে, সংস্থাববজ্ঞিত ব্যক্তির আহনমার্গে
আধিকার আছে; কিন্তু ইছা শান্তবিধাস
নাও হইতে গারে। বৈক্ষাব্যতিগণের প্রতি
বীতরাগ হর্মায় তিনি গুলে বাউল-মতে
দৃঢ় পাকিতেই বাসনা করেন। স্নতবাং
গৌড়ীয়মঠের প্রচায়্য বিষয়ে উলোর প্রবেশ
কইসাধা। প্রক্ষেত্রাভিলাবী হট্যা অজাভি
লাধী থাকিবেই তাঁলার সতে জ্জাভিজ
আজিত হয়। তজ্জা তিনি স্থীভেকীগণের ছভাগানের পক্ষপাতী। তজ্জারই
তিনি বিশ্ববৈশ্বেগণের সভার বক্ষা হট্যা
ক্ষরাক্ হইতে বাধা হন।

কবিরাজ ১ হাশতের বোদ চল শারণ আছে যে, কএকবংসর পুরের দক্ষিণাড়ার এক সভার তাঁধার বাণী রুঙা হইমাছিল।

( > )

অধাপক এম, টি, নরসিংছ আইঞ্জার রামান্তকার রাজাংকুলে ক্রয়গুংগ কবিচা-ভিলেম। তিনি ২০ বংসর ধরিচা বি এ এবং এম-এর পরীক্ষক ছিলেম। এক্ষণে "ভগ্যবদ্ধান্তার" (?) সাক্রিয়াছেন। বাদাশা-দেশেই কএকটি মান্য অবতার হুইতে-ছিলেম। একণে এই সংক্রামকবানি মান্ন শ্রম্, বাদালোল, মহীশ্রেও বাপে হুইল।

এই নরসিংক আবেংগার আপনাকে বিজু (१), মুসিংক (१), প্রীটেডজ্ঞানেব १) প্রাকৃতি বালিয়া আত্মনিশ্রেশ করায়, হয় লোকটার মজিক বিক্ত হইগা হিতাহিত আন্দর্ভিক হইয়াহে ।

ত্রীযুত ভাজিসপ্পন ভাজিসার রিদক্তি । আমিপাদ কার্য্যোপসক্ষে পালালোরে পিয়া-ছিলেন। এই নুর্ব ন অবভারের কথা ভিনিও বোধ করি প্রবণ করিয়াছেন।

নর্গিংছ আন্মেঞ্জার অপনাকে সম্ভলের কৰি বলিরা ছির করিয়াছেন এবং 'শ্রীরক্ষহৈতজ্ঞপঞ্চক' নামক পাঁচটি স্লোকে আপনাকে ভগ্রদ্বিখাস হইতে বঞ্চিত করিয়া নানা অমসলের কণা বলিয়া মানবে দেবভারোপবাদে ছাং ছাই হইয়াছেন। এই শ্রেণীর মাথবাদ নির্দান করিবার ক্ষাই গৌতীধ্নঠের প্রচার-(চই)।

# গ্রন্থ পরিচয়

# <u>শ্রীমন্তাগরতম</u>

শ্রীমশাল্যি কফটেরপায়ন বেগব্যাস-প্রাণীত মৃত, শ্রীমন-মধ্বাচান্য-ক্লভা ভাৎপ্রা-নিশ্রটীকা; ইমেদ বখনাগ চক্রবন্ধা राकुब-क्रड मात्रार्थनियि किया, यन्नाप्ननाम, भाष्ट्रक अध्य छ व्यक्तिमक, उथा क विष्ठाानियुक्त । व्यक्ति स्थात व्यानिएक দেই হক্ষের প্রতিপান্ত কথাদার, অগাহের প্রথমে ঐ অধ্যালের সারগম শুবিস্থৃত তাৎপর্যাদি নির্ভ। খোকস্চী 'ব্যাহতী, অধায়বিষয়ণ, পাত্র ও ভানত্তীগভ উত্তম কণতে উত্ম অকলে মুদ্রিত। প্রথম ইইতে ১০ম হত প্ৰাও ছালা লপুণকলে শেষ ইইয়াছে। ভিক্ষা প্ৰেণ্ম ●記(他 Au 報析 村村)智● マンログ・; 日刊用 年期 >>\; 22:51 No

# জী প্রীচৈতগুচরিতামূত

আঁটীনছতি লোদঠাকুর-রচিত 'কর্ডপ্রবংস্ভান্য' ও শ্রীশ্রীময়জিদিয়াও সরস্থতা গোরামী প্রভুপাদ লিখিত 'হওভাগে ক্তি শ্ৰাদি বহ শাল্পমাণ সংশিও চইয়া প্রকাশিত ১ইয়াছেন। শোকের সাহয়ব্যাখ্যা, বলালবাদ্ভ প্রতেবে পরারের পুরে সংক্ষিপ্ত অভিনের সংযোগিত। প্রাণ্ডাক আন্তার-প্রারান্ত কর্পাদার দেওয়া আছে। খ্রোক, परात, तम, याम, भाज धाष्ट्रांडत स्वृहद यही । अधकारतव িখেত গ্রীবনী সম্বিত ওইরূপ অভুতপুক্ সংস্বরণ ইতঃপুক্রে কুলাপি প্রকাশিত হয় নাই। উত্তয় কাগতে পারিপাটোর भिष्ट पुन क्षणात्त भूता न मृतिक क्षेत्राटक । अन्न आप्र २६०० शृहाम मुल्लान हिला वर्षमाटन वर् माछ ।

# **এ:**তৈভভাভাগেৰড

গ্রংকারের জাবনী, প্রতি পরিক্ষেদের ক্থাসার, বিস্তুত েণী দ্বীয় ভাষা, শুকুপুচী, প্রায়ত্তী, বিষয়-স্থান-প্রাজাদি-স্টা, প্রাকৃতি বিবিধ বিষয় সম্বাত বিরাট বিভীয় সংকরণ एत्व कार्डम ५ (प्रमी भाकाता आफ्निका ७ मस्तुत कियमःन ध्वकानिक क्ष्यार्कन। ज्ञास क्रांस ध्वकानिक হহতেছেন। অগ্রিম ভিক্ষা ে টাকা, আদি লীলার १७४। ८ ।

### **डिटिट अभन्म**

এই ত্রাধের এরপ অভিনব মুক্তর সংস্করণ আর কুত্রাপি | अक्षां भिष्ठ इत्र भारे । मध्युष्ठ (शाकाः (শत **अ**ध्य, राषासूराप, িলাম, কথাসার, তথ্য প্রজ্ঞিসহ খণ্ডে খণ্ডে প্রকাশিত ध्टेशाह्म । यूग (माष्ट्री अक्ट्स **उपन काउँभ बा**एँटिन दी ্রিদাকারে ভাপা ইইয়াছে। মুখা ২॥• টাকা। নদীয়া প্রকাশ ও গোড়ীয়ের প্রাহকগণের পক্ষে ১॥০ টাকা।

# **শ্রীমধ্যবদ্**গীতা

--- শ্রীপৌড়ীয় বৈঞ্বাচায়া অপ্রাক্ত র্সিকচ্ডামণি ে 🖎 বিশ্বনাথ চক্রবিউঠাকুর গোখামিঞ্জা সারাখববিনী । পরিক্রমার জ্ঞব্যাদি-বিষয়ক। ভিকা। আনা। টাকাসমেতা ও শ্রীশ্রমছকিবিনেদ সাকুর-প্রণীত 'রণিক-ভিন্নন' নামক ভাষাভাষাগৃহিতা। অধ্যায়সূচী, মাড়কাক্রমে েলাৰ-সচী,বিধন-স্চী,এছকারের দীননী ও অবতর্গাকাদি भरकतरणत्र फिक्षा २ । ऐक्कि। भारत, भाषात्रण भरकत्य---।।। का माज

# শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

- ও বিষ্ণুপাদ জ্রাজ্ঞারত্তি সিদ্ধান্তসর্মতী **८गाचानो महाद्वारकर अहे** क्राविधा-निश्वरित्रनी की गाञ्च अत्र त्यादशास्त्री कृषक कामा मिला होते की बच्च-वार्य व भुक्त-विश्राह-विकातिमा श्र-त्रव्याणाव (कोञ्र स्मणि---भृष्यामाय বে চববিজ্ঞানাগারের মোলিক তথ্য—প্রার্থ ও ভাগান্তের শ্ৰাধ্য ওক-— মহাজন-জীবন্ত বিত-শিক্ত ক---তি হিলাস্তিনাত-অচিকাত-বিচারক— ঐখন্য ওমাধুণারদের মৌলিক ব্রেষণার -- সম্বন্ধ, অভিধেয় ও প্রয়োজন ওত্ত্বে সিদ্ধান্ত-সমুদ্র।
- ১ | প্রথম খণ্ডে—বৈদ্যবদর্শন, শ্রী ওরতত্ত্ব, ক্লে-ংশা, শ্রীনধ্বাবিভাব, শ্রীবার্যভানবী, প্রের্বাত্রিকী দীক্ষা ও वर्ष-विधात, आण्यान्य ९ मस्मान्य, डि.टेज्डल्य छ ভাষার শিক্ষা, অপ্রাকৃত স্বদ্ধবন্ধ ও প্রাকৃত স্বদ্ধবন্ধ, প্রাকৃতি বিংশতি সংখ্যাক রয়ের স্থাপোভিত। ভিকা মাত্র ৮০ বার আনা।
- ১ | বিতীয় শশু- ৬ ব ও বিদ্ধা ভক্তি, মহসোর লেহতা কোথায়, আত্মার নিতারতি, শ্রীনর সামিলাদ ও भागावान, क्रिलोत-निष्ठानिमञ्जान, जिएलात भाग छ कथा-कैंकन, द्वावामभुकाय द्वीमधान्तरस्य कीवन, द्वारतीय-भारमत महिमा, मध्यात्राम, ज्ञाहिशातिक, ज्ञानिकश्रक्त उद्यान পण, टीमडी त्राक्तास्त्रनिन्ती, ट्रीटेंड टाखन मग्रा, त्योतकतन्त्रा ও রবংস্ক্রীওন-১০১ দশ অপুস্র মধুরিমাপুণ-ধ কৃত্য বিভূষিত। भिका ६ एक डाका गाजा।
- 🗢। 😎 শ্রীহ্র শগু—বোকপ্রিয়তা ও সতাপ্রিয়তা ভীবনদের প্রদক্ষ, ভীকুনাভিজ্ঞার, বৈদ্ধর, জীমীতাদেবীর আিছার-প্রসঙ্গ, ক্রীনছাগ্রতের সভা, ক্রীন্সপুরুষ, ক্রীন্স-ভাগবছের পুনরার্ডি, উট্নাম্স্ক্রিডন ও হরিদেবার নিউট্টা — এই নয়টা স্থদাশনিক বক্তভাসম্বাল্ড। ভিকা ৮০ মাত্র।

### 🛢 মন্ত্রগরদগীভা

প্রোভীয়-বৈফবদার্শনিক-শেখর ইট্রিমদ্রলদের বিস্থা ভ্রণকত ভাষা ও জীমছকিবিনোদ হাকুরেরপ্রাঞ্জল বল-ভাশার বিভত 'বিরদর্জন' নামক ভার্যকা। আনায়-পুটা, বিষয়পুটী, ও আহি লোকের প্রথম ও ভূটার পাদ পূচী, ভাষ্টকারের কীবনী প্রভৃতি সম্বলিত। উংক্ট বীনাই, রাজসংহরণ ( ১টায় সংস্থাণ ) এছের विकार हैका।

#### **बीननदी भग मगा श्रा**

( প্রমাণখণ্ড ) সামুবাদ। প্রাভি-শ্বভাগি গ্রন্থে জীনব-দ্যাপের যে মহিমা কীণ্ডিভ আছে, তাহার মূল সংস্কৃত ও অহুবাদ। ভিকাত আনা।

#### ন্ত্ৰীন্ত্ৰামনত্ত্বীপভাৰতবন্ধ

শ্রীহাকুর ভবিধানাদ দিখিত। পুদলিত গাঁভাকারে

#### ভব্তিরতাকর ও নবধীপ পরিক্রমা

শ্রীল নরংরি চক্রবৃত্তি-তাধুর মৃচিত। ভভিমুদ্ধাকর হ্ল-ক্রাছব্যবিষয়-স্থ উৎকুট বাধাই তৃতীয় সংখ্যুণ-এই রাজ হইতে প্রিএমাংশ মাঝ গৃহীত; জীদীন গোসামী কি लकारत सम्बन्धानमारमत शतिकामा कत्रियाहित्सम, लाहाह পত্যে বিবৃত্ত। ডিক্ষা । প্ৰ আনা

শ্রী ভব্তিবিনোদ ঠাকুর-প্রণীত। औরচভ্রেট্ডাতে शिका श्रामा - क्रमा, क्रमां कि **७ वन-वड ७ पू**क कीव-অতি হা-ভেদাভেদ-ভাত্ব---সাধন-নির্ণয়---**প্রায়েল-ভাত্**, কর্মন का छ, जा अगामित्र विष्ठात-देवती एकि, छावछक्ति छ প্রেমভিক্রিত নামভ্রম-প্রণালী ও অইকালীয় লীলা-পরিচয়াদি প্রাথম শিক্ষার্থীর উপবোগী করিয়া সরল ভাষায় সমুদ্য युक्तिल्यमानम् विचित्त जाटह । उष्ट्र मरदम् वाधा र होका, जानामा ३५० हाका माळा ।

# গোভীয়কণ্ঠহার

উচ্চিত্র টার বৈক্ষবভাগের অভক্ষণ করে ধারণবোল্য ভণ্ডি খুডি পুরাণ-প্রুরাজাদি **সাম্বত-পারসমূহের প্রমাণাবলী** বিষয়বিভাগ্রমে সাম্বাদ গুল্ফিত। এইরূপ বৈক্ষা-সিক্ষারের সারসমন্ত্র এন্ত ক্রাপি প্রকাশিত হয় নাই। ইংব্ৰে গুৱাত্ব – ভাগৰত-- বৈষ্ণ্ৰ-- শেল নিভাগন্দ--অবৈত-- ক্লা--- প্ৰি---ভগ্ৰমূদ -- জীৰ -- অভি ছাডেৰ ডেৰ -- অভিধেয়---সংধনভজি---বর্ণনর্ম-- আভান-নর্ম -- শুভানার -- শ্রীনাম -- প্রয়েজন ও প্রমাণ-তম্বভি পুথক অন্যায়ে স্তুত্ব লোকাদি স্টাস্ট উংকট এটিক কাগতে থোল ব্লু কালিতে মুভিত, উচ্চই বাধা <mark>সোনার কলে নাম লেখা।</mark> গ্ৰন্থ প্ৰায় ৪০০ পূচাল সম্পূৰ্ণ। ভিক্ষা ২, টাকা মাজ।

# জ্ঞানবদ্বীপদ মে-প্রস্থাবলী

জীমদভ্ভিবিনোদ তাকুর রচিত ধান্সাহাত্ম-ধান-মাচায়োর সাত্রাদ প্রমাণ প্র— তীল সরস্বিচক্রবরী ঠার রের গ্রম-প্রিক্রমাণ-জীধাম নবৰীপ পরিক্রমা-ভীথ-ষ্ট্ৰা প্ৰতি--- শ্ৰীমৰ প্ৰেৰোধানলকত নৰ্মীপশতক্ষ---শ্রীমহতিবিনোধ ঠাকুরের শ্রীনবদীপ ভারতর্থ প্রভৃতি গ্রায় একল ভিকাদ• আনা যাত্র।

#### শ্রীক্রিনামায়ত ব্যাকরণ

ইজীব গোপানী প্রাধান-বিশ্বচিত হল ৪ বৃত্তি, ত্ৰস্তে উবিফুল্দ শ্ৰীমছ্জিনিছাত সর্বতী গোত্থামী মহারাদের বিভ্ত ভূমিকা ও স্চী প্রাকৃতি সহ। व्यवस्थानिक स्टाट क्रम । जिला २, हाका, शाकारमन भटक ३०० छेका महा

#### (अक्षाचाडाक्रमाञ्

শ্রীমদ্মের্ফেলচাম্য রচিত। বেদাত্তের বিশিষ্টার্কেলাদ-প্রচারক জ্রীভাষ্য ব্রেখেতা আচাষ্য প্রবন্ধ বেশাস্থলশন পাঠের উপ্লোগ কর্ণার্গ এই উল্লেম করিয়াছেন। ইংগ্রে ব্দাপুরাদ ও প্রীপারাদ্রি সংযো**জিত করা** ইইনাছে ন্ম মাত্র ভিকা। । সানা।

#### এটেডগাচলামত ও নবছীপথতক

লোরপার্যদ তিমানী আমং প্রাব্যধানন সরস্বতী-প্রাণীত মূল, প্রভূপাদ শ্রীমদ্ ভঙিসিদাও এরস্বতী গোসামী মহারাজ নক্ষাদিত অনুমূহতে বাহিল ও ব**চামুবাদ** সম্বাদিত। লবদীপশ্ভকের উভোভাবনোদ ঠাকুরের প্রায়ুধান ও ত্ত্বস্থ উন্নেল্ডাপ্রভার একটা জিবণরঞ্জিত অবােকিক চিত্র প্রদেশ চল্ট্রাছে। মুল্রাছ কাশ্ত উৎক্রা (২ থানা তক্তে ) ভিক্ষা ৮০ আনা, অভি প্রমা বাগাই রাজসংখ্রণ > जोका माज



শ্ৰীমঘ্ৰিলিয়ে তুৰ প্ৰতিভা এই একমাৰ গ্ৰন্থ-বল্লে জনুন লাভ করিনে পানমাধিক রাজ্যে কিছুতেই भाग में तो तरता शिक्टित महा। श्रेष्ट्रम शृह ह्यातिसम्ब उन्ने-कर्मन इक्नम्याल्भी श्रुष्ट श्रीभगाष्ट्र श्रीभ हे ब्रामाबि । াংবিত্রপেক্সামি-শাস-মহেদিরি মন্তন্ত্রে এই এক্টেড্র উত্ত ১ইং(১৯৮) মধের স্থানিওত তথ্য কথাসরে शक्ति बाता तित्यर मधुक कता हरूराछ । विद्राप्ति अप, ्रानात करण नाम रामगा, चेरप्रहे । हि—उक्का भाषात्र 13° ् हें की गाँव।

# প্রেমনিবর্ত্ত

শ্রীমনাকাপ্রপুৰ অধ্রম পার্বন শ্রীল জলদানন প্রভু । গানের প্রক্ষ ভিকা আনা মাতা। বিষ্ঠিত : এই পুথকে খতি স্থবোধা ভাষায় মহাপ্রাণ क्षित्र जीत्राहरू देवकवाहात, अकालना व नागालकन-অগানী প্রভূচি সনেক ্দ্রিতে প্রতিব্ন : পাদ্রীকার ছাত্ত প্রতিব্র বিশ্লাপ ও প্রভক্তাৰ পরিচ্যাদি-সম্বিত ডাতুর্য সংস্করণ ভিক্ষা॥৮০ मन प्राना वादा

#### ভঙ্গন বহু শ্র

ভ্রনকারীর নিভাষ্ত্র'; স্কুর ভক্তিবিনোদের মনুবা साम : । मधिन नारकत निगापः । अवशानि ना स्वयं भयास ্রত স্মিতে পারিবেন না। সভায় সংকরণ ভিকা ॥ ।।

# হরিনাগচিন্তামণি

নামাদ্যে, নামপেরধে প্রাভৃতি বিধ্যের ভিজা। গানা নাত। সংবাদীয় বিচার শ্রবণ করিয়াভিবেন। এই বিবয় ওণির আতি স্বাং প্রারে সংক্ষিপ্ত আপ্রপত পরিপাটিভাবে মুলিভ। শ্রীল ভার্তিলের ইকুর রচিত। প্রথম সংকরণ ভিকা দ

# কল্যাণকল্পডক

শ্রীনত কিবিনেকি ঠাকুর বচিত। প্রত্যেক ভগবদ-्यांची ६ छानश्रास्त्र श्रीशाकत एकाष्ठ व्यासकनीय বোপাপ ডা-জানা الماد : 517 1 ুলাকে ৭ এই ভক্ষরাকোর পাতিসমুহের পরে। অনর্থনির্ভি ৭ এববাটোর অভে করিবার স্থাবিতা পাইবেন। স্ক সংস্কৃত্য, ভিন্না ১/১০ আনা মাছ ৷

#### শরণাগতি

श्रीमध्किषित्नाम अक्तान्ताप्त । जनतात्म भाग्रमभर्तन्, বিজ্ঞান্তি, ভজনবাল্যা, ধড় বিধা ধরণাগতি ও বিদ্ধি-আল্যাtatin difered, ভিক্ষা / • আনা সংগ্রা

#### गी जावशी

📆 र क्रिय चिकितिरमण-अभित्त । मिन्द्रा चक्रम, बार्यादिक ৰ প্ৰবাদ-বৈধবনাদি-বিভাগক মধুৰ গাত্ৰসমূত কেন্তে প্ৰপিত। ४७४: ४० **भाग ग**(ई)

শ্রীসমংগ্রেণুর শিক্ষা ও শ্রীল বস্নাথ দাস গোপামীর প্রতি নারণ গোন্ধামীর উপদেশবাণা, ভব্তিপপের অন্তরণ 9 প্রতিক্ষ বিশ্যে ওবিচারিত সম্মোদন ভাগা, বিশুভ বিবৃতি, ৪বিভান্তের প্রমাণ, সার্য ব্যাথায় ও মহাজ্ম-প্রণীত ভত্তপাগো শতমমূহ প্রত্যেক রোকের সহিত স্থিবেশিত ১ইমাছে। তম সংস্করণ জিকা ল' মানা।

#### সাগল-কণ

ত্রিবলনার দান পোস্বানার মনম্পিফা, জীল সাকর ভ জিবিনোদ-১ বিত পজাজবাদন্ত। তিক্ষা '। স্থানা।

## প্রেমগুলিচ ন্দ্রিকা

শ্রীল সাত্র নরোভ্যের প্রপ্রানর প্রেমভঞ্জিবিষয়ক

#### নৰ্দ্বীপশতক

ম্রীল ঠাকুর ভিজিবিনোদ-বড়িত জ্রীল প্রাণোধানন বৈদ্যবভাৱের স্থামাংসা। স্বস্তাপাদের সংস্থাত মাজীপশতকের গুল্লিত প্রান্তবান।

#### ভার্থপঞ্চক

और (नामान्या वाउट। देवकाट) बाह्य वाकत [图本] 「Sant > · 如[明 如图]

# गमा हा द्रश्री

শ্রীস মধ্বা হার্য-প্রেণ্ডে। বৈক্তবের নিভাক আদি সদাহারা-ালী, বঙ্গাপুৰাৰ স্থিত। জিকা 🗸০ মানা মাত্ৰ।

#### মণিমঞ্জী

करिकतरकभदी बीगवातावराजिया ति छ । बीगवाश्वर নমেণ্ডংগ্য শ্রীণ হরিদাদে হারুরের মূপে শ্রীমন্তার্প্র চালোর দাকিও গাঁবনগাঁলা ও মূল বৈক্ষণপ্রমত। হালু গ্র

#### (भोतक स्थानम

প্রাঠীন কবি ইংগোবিন দেব প্রবাত শ্রীগোরাবভারের প্রমাণ্যবদী-সংব্লিড সংগ্রন হয়। ভিকা ৮০ আন।।

# युक्तिमञ्जिम। ( क्षण्टमोत्रङ )

শ্রীমধ্বসম্প্রদারকেণ্ড শ্রীমধ্যদিরার স্থামিক্ত। বস্থাকরে। দান্তবাদ এই এত্তের প্রকাশ পারমাণিক দাভিডা-৬০তে अब्दायमा । क्षिमणाम्बाहाणा । अवेतक त्याकुन्तमञ्जन विक्रीय নধ্ব চোষ্য নামে প্যাত 🖺 গাণিরামতীর্থ স্বামী এই ১৫৮ সাধারণ যুক্তি ও গৌকিক জায়ান্ত্রদারে কিরুপ স্থানরভাবে ভিকিবিরোধি-মতবাদ সমুহ প্রথম ক্রিয়াছে, ভাষ্ট। পাই করিতে করিতে আশ্চন্যায়িত হইতে হয়। ইহাতে যুক্তির বিদ্ধান্ত্রসর্থতী গোস্থামী আত্পদা সম্পাদিত পার্মাণিত वात्रा ठाव्याक्, टेबन, (बोब, मीमाश्यक ও माधावानिमछ-मन्टब्र द्रभन्न थ धन बिध्यार्छ । किका २ एका माछ।

# (गायामी औल त्रध्नाथ मात्र

একমাত্র প্রিয়ত্তম শ্রীণ দাপ গোখানী। প্রভার অপুরু দেখিতে পাইবেন না। গানিক ডিক্সা ভাকমাওপাই 🖴 **চরিতামত ও শিক্ষা অতাব প্রাঞ্জল ও সরল ভাষার স্মিরি**র এবং পরিশিষ্টে দাদগোখানী প্রানুধ বিরটিভ কএকটা नाप्रयाम मध्याज्य अव । यमः निष्ठा-नव्याज्यः । किका रीधारे ४० जामा, जावाशारे । ४० जाना माज ।

# চিত্রে নবদ্বীপ

थाहीन नवनीरभन्न अन्धिति, छणा, क्रेडिक, celle e টাভিচাণিক প্রমাণস্থলিত নয়্তী থীপের দতিও বিবরণ-এল। রাজনি রাওপাতের কুলার 🛅 ক্র পর্নিকু নারায়ণ तात्र ४म. ८. छोछ । नारमात्र), (यमाञ्चलन मरमान्य कर्नुक স্থানিত এবং ৪৭ খালি বিভিন্ন বৰ্ণেৰ আপুন্ধ টিতা 🔸 মানতিজ-বম্পিত: প্রতির্বিস্তামহার্ণৰ বায় বাছেৰ শ্রীণুক্ত মর্গেন্স নাপ বস্তু বিশ্বকোবস্পাদক মহাশ্রের বিশ্বত ভূমিছা भग । फेरनहें ( हैं\* ) मताका वीलंडे मूला : he. कि: लि: एक २ हान मार्थ।

# সাগক-কণ্ঠমালা

क्षात्रसमा, देवस्थम-बन्समा, देवन्यग्रस्त्रम्, मार्शिद्रमत् गाँकः, मीनामध्ये, भीमनाशाक्षास्त महो। दृत्रभण नाम, अप्रेक्षास्य नामकीवन, श्रीनामनकीवन, इल्लामनिन, नावित्रमधी है, भवदाल महिमा, श्रीभाषासूत मारभा, श्रीभावादमनला-त सर्व অভিয়ো-বলনা, শভ গোপ্তমোঁর অইক, প্রেমভাজত ব্রিক: Back समाया, सामज्ञान अन्थी, महा धार् कताव वामानरू ब्राध्यक्षात्र्वः ब्राध्यक्षात्रः মহাপ্রার বন্ধনা প্রভাত সালক ও সিদ্ধলীবনের নিভাপাসং বৈকাৰণানের কথানিত ভুলনীমালার লায় মনুক্ষণ করে। ধারণাগোলা অপুধ এর। ভিন্দা 🕪 ে, বার্লেই ॥ । আত্র।

# গোড়ীয়-গোরব

ক্ষতিকান্ত্রৰ জ্ঞানিজ আলবাট হলে পৌডীয় সম্পাদক শ্রীপদে কুন্দরান্দ প্রবিদ্যাবিনাদ-প্রদান্ত বঞ্চার বিচয় গ্রন্থকারে প্রকাশিত। ইংগ্রেড গ্রেডীয় বৈঞ্জনসম্ভালানের ইতিহাস প্রাকারে প্রাণত ১ইয়াছে। ভিকা । ৮০ মাত।

#### গোড়ীয় সাহিত্য

कविकारतात स्वक्षांत्रिक जाशनाजै ०६स ८ मी धीप सम्मारत है প্রাপাদ স্থান্থান প্রাবিভাসিবোদ প্রাপ্ত প্রকৃত্র त्रधानास्त अकानिक। इवास्क माक्किंश नरभत अर्थ कर Cभोक्षेप-भारतिहास निमय अज्ञकादस प्रसिद्ध वर्षेत्राटक । किए: াক আনা নাত।

### श्रीदशोष्ठय थल পরিক্রমা-मর্পণ

ब्रोटशीकृत्मदन्य दर मुक्क करून मुल्लिक्स ब्रोमसका अन এবং ভদমুগ পর্বভা মঙাজনগণ লাখ্য করিয়া পিয়াজেন 🔻 (अङ अव आधुनिक (छोट्नाशिक श्रीतृत्य 9 (प्रवृतिश्रक्षानिष পরিচয় সহ যাতায়াতের স্লাৰতা নিষ্ণেশ ইডাালি বিবয় চাত সরিবেশিত আছে। তিকা • আলা।

#### THE HARMONIST

OR SHREE SAJJANATOSHANI

बीम राक्य अंकितिसाम-शिक्षिक एकः बीम अपिः মাদিক পত্র। একণে ইংরাজী ভাষায় মঠাবিংশ বাব দ্ৰবল্পান্তন ৮ পেছী ৪ কথা আকাৰে প্ৰাণ্ডি মারে ১ 🖖 मारम्य विकन्न-देवक्षत्री गहेशा छेल्डिंड इहेर्ट्रहरू েওঁ বিষ্ণুপান শ্রীণ ভক্তিসিদ্ধান্ত সন্ত্রপতী গোশ্বামী কাণ্ড, মুদ্রণ-পাদ্ধিপাটা ও চিআদি মতাব চিতাক্সণ। প্রভূপাদ-বিশিত ভূমিকা নহ) গৌরপ্রেট স্বরূপ-রূপের এই প্রকার উৎক্রই প্রবন্ধ স্বার কোন নানিক প্রাদিটে 🖠

### প্রাঞ্জান-

और्टेडिश्चन्द्रः त्याः औमाद्राश्चन मधीद्रा

# শ্রীধান নায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনম্টিটিউট্" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

# (थाना श्रेशाट्ड।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাএদিগকে অতি শল্পের পরিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্ম বিনা ব্যয়ে সুন্দর বাস্ভানের ব.কাবেন্ড চইয়াছে। খান অতীব সাহাকর।

> সবিস্তার সঁ:নাদের ভন্ন নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। সেত্রে-টারী, ঠাকুর ভক্তিবিনোদ্ ইন্টিটিউট্

শ্রীটেভঅমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

# —৫১ বংসরের প্রতিষ্ঠিত—

উমধালয়ে এয়েত বতীকা

হাবে জ্ঞান্তারণা, অপ্রবেষ, কোইকাঠিজ, অজীব, ধ্রমন্ত্র প্রস্তৃতি ক্ত বোগীব বোগ নিরাম্ম হইচাহে ভাগ প্রকাশ কবিশে বছ বছ প্রস্তৃত্ব চটবা প্রদু

## ইহা

সকল অনুতে বাবধার চলে ও সমান কল প্রদান করির পাকে। প্রতি ক্রিটায় ০২টি বটীকা থাকে।

#### কেবলমাত্র

ঞাঙিকৌটার মূল। ১<sub>২</sub> হক টাকা। ইংবর নাম **'আডেক্লিএছ** \*বটীকোটা

ষতার উর্বের তালিকার স্বস্ত গত্ত নিধিলেই পাইবেদ প্রাধিদ্বান :—আভক্রনিপ্রাহ ঔশধ্যক্ষিপ্র ২১৪ নং বছরাকার টেট, ক্লিকাডা ।

# কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



নক্ষেণের ভ্ৰিধার জন্ত ৬ আঃ শিলিতে ঘনীভূত অবস্থার ভোটবোড়লের াসমণা উবধ ভাকে পাঠান হয়, ইভাতে ঔষধেয় কোন পবিশ্রুন করা হয় নাই। মূলা প্রতি শিশি ৪০ আনা, পাইট ৮০০ আনা, বোডল ১০০ আনা।

অফিস—১১নং উল্টাডাল রোড, পোঃ শ্চামবাজার, কলিকাতা

# শ্ৰীভাগৰত প্ৰেস

# (भाग्राकी सार्देशिक

### কুম্ভশগর

এখানের বিবাদের নিমন্ত্রণ-পত্র, প্রীভি-উপহার, কার্ড, গ্রন্থ এবং জন্মান্ত বাবভীয় কার্য্য ছাপ। হইরা থাকে। ছাপার দর বাজার দর অপেক্ষা স্থানত। পরীক্ষা প্রাথনীয়।

# হা**ইড্রোসিল**্ ব্র

কোষর্দ্ধি রোগ

ভা: এস্, এন্, খোষ বিনা অরে, খাবজ্ঞীবনের গ্যাথান্টি নিয়া বৈছাভিক রাণাচতে কোববৃদ্ধি গোপ আরোগ্য করিয়া থাকেন।

> ঠিকানা— ১৮ নং কটন ঠীট, বড়বাজার, ক্ষুদ্রকারা চ

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না 🗸

# দৈৰপ্ৰাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌবধ

# প্ৰসন্ন দিলে সম্পূৰ্ণ আন্নোগ্য

রোগী দেপারতে হুণ্টে। ক্ষণিম গাণের পর্চ (যাওয়া এবা আমার)
পাঠাইলে গিয়া রোগী দেখা হয় অপবা এগানে আধিবেল বেগী দে পরা
উথন দেওৱা হয় আনোগা না হও্যা প্যান্ত পারিপ্রায়ক দিনে হুলে না।
গ্রীন রোগীলের খান্ত বছন করিছা তিকিব্যা করা হয়। বিজ্ঞানিক
শিব্যান্ত করা করা আনার দ্বাক টিকেট সহ নিম্ন কিশানার স্কুম্ননিক্র্যান

শ্রীকৈতীপচন্দ্র উকীল, যক্ষা-চিকিৎসক, োঃ নৈকাঠী, বাংশলে। অপণা নিম্ন ঠিকামার সাক্ষাৎ করিয়া বিজ্ঞারত জানিতে পাছেম।

ইাবৃত রামগোপাল দত্ত এম্, এ, ক্লফলগর, নদীরা। শ্রীবৃত্ত জা গদ সিংজ, ১১৭, বেশিরাটোলো ট্রাট, ভাটখোলা, কলিকাতা।

একখালি পত্ত । অ মার জাতুপুত্র গত চর মান বাবৎ রাজ বল্লার সুণীয়া মৃত্যোর চইরাছিল, কলিকভার বিজ্ঞ তিনিংসন্দণ তাগার জীবদের আশা তাগা করিয়া শেষ মৃত্যুক্তর জন্ম অলেক। করিছেছিলন এই সময় শ্রীষ্ত কিজীশতক্ত উকিল মহালয় মাতে ২০ দিন তিকিংসা করিয়া সম্পূর্ণ আহেগা করিয়া দিয়াছেন। (সাঃ) শ্রীষ্ বিজেছে। করণোরেশন হায় চৌধুরী (জামদার গালিয়া) গগৃষ্টাট্, নিউ বিজিছে। করণোরেশন টেটাই ভিপাট্যেন্ট, কলিকায়ে।

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরাব্দ ৪৪৫

মাত্র 🗸 > তাকটিকেট পাঠাইলেই বৃক্পোটে পাঠান হয়।

ম্যানেকার- গ্রন্থবিভাগ ঐটেড্যম্য, গো: শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

কেন গ্রাহকগণ

# গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

–কারণ–

এখানে যাবভীয় ছাপার কার্য্য— • গ্রন্থাদির কার্য্যই বলুন.

বিবাছের নিমন্ত্রণ পত্র, কার্ড, বিবাছের পছাই বলুন,

আর ৩ রং ও ৪ রংএর হাফটোন ব্লক্ই বল্ন, সকল কার্যটি ছাভি সম্বর ছাপা হয়, অথচ ছাপাইবার ধরচ বাজার কপেক্ষা সুলভা।

আপনার কিছু ছাপার কার্যা থাকিলে নিম্নতিকানায় জানাইলেই দর পাইবেন।

> মানেবার - সৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়াকস্ বচতার নং শাপার সাংকুলার চোড, কলিকাত

# আলিপুর হত্যার জের

গত ৫ই আগই গোমেশা প্লিসের
বিশেষ বিভাগের কর্মানারগণ থানাতল্লাসী পরোদানা গইনা সরকার বাই
লেনে ও চীংগুর স্পালে অবস্থিত ছইটী
মেস বাটীতে হানা দেখা তথার বহুফণ
ধরিয়া খানাভনাগের ফলে প্লিস কত্মভলি কাগলপত্ত হতগত করে। প্রকাশ,
গোমেশা কর্মানারীগণ ভিন্টী ব্রক্ষে
গোমেশা কর্মানারীগণ ভিন্টী ব্রক্ষে
গোমেশা কর্মানারীগণ ভিন্টী ব্রক্ষে
গোমেশা ক্রানারীগণ ভিন্টী ব্রক্ষে
গোমানারী করিয়া ভানীয় পানারী গাইয়া ভালাদের
ছাডিলা দে প্রয়া ছইয়াছে।

আশিপুরের কেলা ও লাঘনা লভ মি: গার্লিকের হত্যা সম্পর্কে এই থানাভরাস হইয়াছিল বলিয়া লানা গিলাছে।

# কাশ্মীর হাজামার মূল কারণ

শ্রীনগর হইতে প্রকাশ যে সংগ্রাতি কাল্মীর রাজ্যে হৈ গোলঘোগ ঘটিয়াছিল আবছল কালিরই ভাষার মূল করেও। স্থানীয় জেলে দশুবিধির ১২৪ এ ধারার জভিযোগে ভাষার বিকলে মান্দা চলিতেছিল। ভাষাকে কাল্মীর রাজ্য হইতে নিকাদিত করা হইবাছে।

# गाचीकीत मधमगमरम সংশয় मृत

সিদ্ধা হইতে প্রকাশ যে গান্ধীদী লগুন হাইবেন কিনা সে সম্বন্ধ আর সন্দেহ দেখা বাহতেছে না, কেন না শ্রীসূক্তা স্বোজিনী নাইছু বড়লাট ভবনে কে ভার করিয়া জানাইয়াছেন যে, 'স্লভান' জালাজে ভাঁহার জন্ম খেন একটা ক্ষ রিভাভ করা হয়।

# ফেরীওয়ালা বালক নিহত

গয়া হইতে প্রকাশ যে মকরাগঞ্চ
মহলায় মহানের নামক ১৮ বংসর বয়সের
একটি বালককে ভাহার বাড়াঁতে কে বা
কাহারা হত্যা করিয়াছে। গভ ৪টা
আন্তি বেলা ৪॥টার সমর সে কাপড়
কেরী করিয়া বাড়ী ফিরে,বৈকালে ৫॥টার
সময় ভাহাকে নিহত দেখা যায়। প্রসিম
ঘটনাব তদপ্ত করিতেতে।

# পার্গামেন্ট সদত্যের কারাদিও

লঙন হইতে প্রধাণ যে, মিঃ জে,
জ্যাকগভণ একজন পারলানেতের সদত্ত ক্ষেক সপ্তাহ পূর্বে তাঁহার আচরণে
ক্ষেক সভায় মারামারি আরম্ভ হইয়া-ছিল। এই অপরাধে তাঁহাকে পদ্যুত ক্রাভ্য। ৪ঠা আগত্ত বিচার হইয়া গিয়াছে বিচারে ম্যাক গভণের ও পাউত্ত ভরিমানা বা ২০ দিনের ক্ষম্ম কারাবাসের আন্দেশ ইইয়াছে। স্থানীর স্মুল্নে বিনা

আবেশে সভা কৰিলাছেল বলিলা আগামীর এইলপ শান্তি বিধান হইগছে '

এই শক্তে আরও ৭ জনের শান্তি হল্লাছে। আনামী বলিয়াছেন, আমি ফবিমানা দিতে পারিব না। আমি জেলে ঘাইব।

### मदग्र मर्ब्य कार्रजारगाज भर्य

গণ্ডন হইতে প্রকাশ যে, উদার-নীতিক দশের নেতা মিঃ লয়েড জজ্জ চিকিৎসা ও শুক্রবার শুণে ধীরে দীরে কারোগালাভ করিতেছেন।

#### मर्च निकाद्य माना

মনমদলিংহ হুইতে প্রকাশ যে,
কিশোরগঞ্জ ফোজনারী আদাগত হুইতে
প্রান্থ মাইল দুরবন্তী দীবিরগড়ে গ্রামে
দাজার কলে স্থানীয় উকিল প্রীতে হুরেপ্রকুমার দেব বক্ষঃস্থলে শুক্তর আঘাত
পাইরাছেন। তাঁহার ক্ষমির প্রতা ও
ক্ষমবহক প্রাতুশ্ত ও সাংঘাতিকভাবে
আহত হুইয়াছে।

ধালার কারণ চণ্ডীতরণ দীঘি নামক

কেবল পুকরিনীর অধিকার প্রতিপর
করিবাব হুল বহু মুগলমান তথার মংছা
শিকার করিতে আইবে। ইহার পুর্বে
শ্রীপৃত দেব পুলিসে সংবাদ দিবরে জ্বলা
ক্রমন চৌকিদার ভাকিয়া পাঠান।
ভালার প্রিভিনার পুরেই মুগলমানগণ
ভথার উপত্তির হুইয়া মংজা বিশ্বের আরম্ভ করে। ফলে উত্তর প্রেফ দালা বাধিয়া
দার মুগলমাননিগের প্রেফ কন অর ভ্রমভররূপে আহত ও করেক কন অর বিশ্বর ভাতত হুইয়াছে বলিয়া সংবাদ

উভয় পক্ষেরই বিরক্তে অভিযোগ আন্দন করা হইরাছে। শ্রীযুত দেব ও তীহার জাতা প্রধিসের নিকট আয়া-স্মর্শণ করেন। উচ্চারা এখন স্থামীনে মুক্ত আছেন। পুলিস প্রায় ২২ জন মুসলমানকে গ্রেপ্রার করিয়াছে।

#### পেড়ী হত্যার মামলা

গত ০রা লাগন্ত মেদিনীপুরে মহকুণা
মালিট্রেট শ্রীযুভ দিজেজনাথ দেকের
এজলাসে লি: পেড়ী হত্যার মামলা উঠে।
আসামী জ্যোতিজীবন ঘোষ, দিবেকানদ
বহু, এক কিশোর চক্রবর্তী ও অমরেজনাথ
চট্টোপাণায়—খালারা ১০ হাজার টাজা
চিদাবে জামীনে মুক্ত ছিলেন, ভালারা
আদালতে হাজির হুরেল। মামলা
তরা সেপ্টেরর প্রয়স্ত মুল্জুনী রাখা
হুইরাছে।

# कामशूरत जारात मन्त्र जानांक

ভই আগষ্ট প্রাঞ্চাত বিবালাকে
কালুক্তি নামক প্রধান বস্তা বাং এক
স্পস্ত ভাক।ভা হুইয়া নিয়াছে। পাঠকবর্গ
অবগভ আছেন বে প্রছ স্থানে প্রায়
২ মাস পুলে এইবল একটি ভাক।ভা
হুইয়া নিয়াছে।

ঐ ভারিখে ভাকাভীর নিবরণে প্রকাশ রামশ্বরূপ নামক পোকানের নিল-কাণেউর স্থাপ্ৰাণ জায় ১১ শত টাকা আদায় कतिका दमाकारन फितियास मगर श्रीन-মণ্ডে ২ জন রিভণ্ডারধারী সুবক জীহাকে ब्याक्रमा करता। स्थमन निःष्ट ख मीम-मधाल सामक २ कम श्रीशक की मगरय घ है न (४८८) का भाग कृषी जामारमञ সাহ্যেরতে অন্তর্পর হরেন। গুরুত্তরা ভ্রমনই তালাদের প্রতি ভ্রমা করে। প্রথিক সম্মন গুরুতর্রপে আছত ক্টয়া হাসপাতালে লাভ হইষাচেন: হাব- ৷ भाषात्म कार्यस्य व्यक्त व्यक्तिमान क्षतिएक करणाएक । भीगमग्रास्थत कावया 朝(三年(日)中 )

পুলিষ পরে একজন আভেডানীকে তোপার করিয়াছে। উহারা কোন টাকা-কড়ি লইয়া প্লাইতে পারে নাই।

# বি, এ, ক্লাদের ছ:ত্র ডাকাতি সম্পর্কে গ্রেঞার

রংপ্র হইতে প্রকাশ যে ১১ৰে ছুলাই তারিখে মহীপঞ্জে ডিমনা কংগলে বে ডাকাতির চেটা হইয়াছিল, ভাহাল গহিত সম্পর্ক আছে মনে করিয়া স্থানায় প্রশিষ্ট এই আগপ্ত প্রাতে শীরেক্ষনাপ রায় চৌধুরী এবং নিম্পাকান্ত মৈত্র লামক নি, এ, রাগের কুইক্স ভাত্তকে প্রেপ্তায় করিয়াছে। তাঁহাদিশকে হালতে সাবা হইয়াছে এবং ভদস্ত চলিতেছে।

# পুলিসের বিরুদ্ধে ক্ষতিপূরণ

নাগপুর হইতে প্রকাশ যে, পণ্ডিত তির 'এ' শ্রেণীর সভাগ্রহী অদীক্ষণে কিছুকাল কেলে আবদ্ধ ছিলেন। তিনি কেলে থাকিবার কালে পুলিস উাহার নিকট হইতে জৌর করিয়া আছুলের ছাল লইমাছিল। পণ্ডিত ভারের পক্ষেসার হরি সিং গোর উক্ত অভিযোগে শিওনীর ডেপ্টা কমিশনার মি: সীম্যান ও অভিমিক সহকারী কমিশনার মি: পোলারকারের কিল্ডে ১৫ হাজার টাকার দাবীতে এক ক্তিপুরণের মানলা পারের করিয়াছেন।

# विकास मानग

বে শেশাল ইন্ট্রানালে নিদ্রী বড়বন্ত্র
মামলার বিচার হইতেছে, ঐ ইন্ট্রানালে
আসমী গর্ভানক শেন্তিলারের পক্ষে
আমিনের আবেদন করা হইয়াছিল।
আসামীর স্বাস্থ্য স্বারাপ স্বশিষ্ঠ ইন্ট্রানাল
ইয়াকে ২ মাসের মেয়ালে জায়িনে থাপাস
বিয়াছেন।

# লাহোর বড়বল লামলার আসামীর অসশন

পালাব ষড়যন্ত মাৰণার আগন্দী ভাগনাম বর্তমানে গাংহারের দেনটাগ তেলে
পীড়িত হইনা পড়িয়াছেন। প্রকাশ, গভ
নদিন যাবং হিনি প্রায়োপ্রেশন ক্রি:৬ছেন।

# পিকেটিং সামলার আসামীদের ৩ মাস কারাদণ্ড

আরুরে মদের দেংকানে পিকেটিং

সম্পরেক প্রভার ও বে-আইনী আটকের
অনিযোগে অভিযুক্ত প্রীয়ন্ত নটেসন,
থাদেববাশা, ভোরাইসামী, চিরাম্বামী
এলাপ্তন ও বরন্র সাব ম্যানিটেটের
বিভারে গত ৪টা আগই ও মাস হিসাবে
সভ্রম কারালতে দভিত হইয়াছেন।

# त्यान देवित्व जम्**य ग्रह्मान्**य

নোগাই হইতে প্রকাশ যে শোল-টেরিল সংশোশনের এবং সংখ্যার বাঘিই সংখ্যানহের স্থাপ নিহারক সাধ কমিউর লব মণোপীত সমস্তগণের মণ্যে সাম্মানিক ভাগাপর সুষলমান সমস্তের এবং বৈদেশিক-গণের স্থার্থ সংরক্ষক সমস্তগণের আনিকঃ এবং কাতীর ভাগাপর মুগলমান সমস্তের অভাব দেখিলা স্থানীর ব্যর্কায়ী এবং রাজনৈতিক মহলে নিভান্ত হহাল র ক্ষি

# উপাৰ্মা মন্মিয়ে পুলিক

ভিলমা চইন্ডে সংখাদ আসিয়াছে এঞ্চনৰ গুণ্ড প্ৰসিস সীমান্ত ক্ষিয়ার একটি আমে ক্যান্টিকলিগের গিক্ষার অভ্যাচার ক্রিয়াকে। উকারা সাত্তমন ক্যোক্ষার ক্রিয়া মারিয়াছে এবং উপাসনা করিবাল সমর ১৪৫ ক্ষম লোক্ষকে গ্রেণ্ডার করিয়াতে এ

পুলিসের কর্তা কলিরাছেন গির্জার ভিতর বিপ্লবকারীদিশের একটা সভা হইবে ভানিয়া আমি তথার দলকণ লইকা গিরা-ছিলাম তথায় পৌছিবার পর গির্জার প্রবেশ করিবার অন্তমতি না পাওয়ার পুলিসের দল কেপিরা এইরূপ করিতে বাধ্য হর্মাছে। नमनगामिट भानिनी क्याँत नाटम 309 शांता বরিশালে জনসভা গোল টেবিলের প্রতিনিধি

गःवामण्डव लामाणिक इहेंग्राटकं दव, 'टॅनोडियाएएन। क्रवर मझाम छा**मीनून करवन।** महमारा अक्षांत्रमी छायात्र उक्षे वक्ष्ण

न्बक्रीरक जनमका

करत्ता । छोशात्र राष्ट्राचा जारा । व्याप । गहत राकि मूच हरेगाहित। উপरिত एएए

'भिनाकः यस्त्र ७ छत्रकाक्षर्य कतिएछ । धरा बीयुका अमधना (परी नामी उक्तन मारमा मर्गा अक पिन मछाधिवनरनत महिना कथी भीश्री शहेरा गए अहे बादश कतिया स्मानंत्र संभाव । अधि তারিখে প্রাতঃকালে ধুনড়ীতে 'দোনের আলোচনা করিতে অমুরোধ

# COTENTION

करेनक मारकात्राती कक्तरनाक शाउका मनकमध्यनीत गत्। महिना । । वानिकात (उन्ता भौडिया धक्यानि एए। त शाकी श्रया। श्राप्त व्यक्तक किंग। जिनि गरिना- छाछा कतिश नाछीत कारन निर्देश

मोणभव त्राकारे विद्या शासीएक अभिका (केडियानिक देखवाकारतत देखिएका हिरान गाडी बांकारेट आसम क्राप्त । एनम পৌছিল মালগত গড়ী হইতে নামাইবার नमग धवडि नांद कर (भवा (नल। डेक् বাজে, ম্লাবান গ্রন্থ ও দায়ী স্বাপড় ष्ट्रांग (रोबाई किंग। क्लाइमानाक বাকাটির কথা ডিজ্ঞানা করা চইলে (काऽमान महत्र मिट्ड भारत नाहै। मत्नरकाय (कांज्यानिक श्रीलाम भन्नाहेशां त्म अप करेगाइ। यह वाकात्त्रत श्लिम এই বিধয়ে ভদন্ত করিতেছে।

# र्वतिमार्ग जन-मन्

यभीय स्रात्रस्थाय वास्मानानात्यत याजित छेप्परम नांत्रमाननानीत लाग घडेएछ अका निर्मारमंत्र कछ गठ और आन्हे मक्रीय ताच बाह्यकृत निवासपुरुख भाग-अत्यत मञ्जलि अधिनीकुमान इरल त्रक कर्ना इंदेश निवादक। जीपुक निर्धाकाङ (गेन ६४, ८, नि, ६न, मात क्षाजिनाधात कीनम ७ कात्र कलाव भव्यक्त इक्टें क्षर्यक्त भारत करत्य । अन्तर महार्ष्ट्रम्य नगरक गडार्गः स्ट्रान्स्सन अभा छान्। त्यत भन्न मध्य स्थ

# तिक्ष न नार्धित हो स्तित इ कुर

तिषु ध्रात टाकान (य ४६ वापर लावः । ११व यातिकात्र मिः हे, ब. जिला विश्वानिका द्वारण क्षानुकान कतिहा-एका। इनि योकनाती आनामाण्यत जक्षम िथा'७ वात्राताकीव cae স্নিপ্ণ খেলোড়ার ছিলেন।

णाः **त्या, ज, बालाती** जुनारनत नवारवत नहिन्छ काहांत्र िकिस्मकवाल विलाध भगन क्तिएएछन। छुनात्मत् क्रिके धरे माबारके छाडियान कतिका हिनाटक-(देन का भागाती केवादन में में में करन

Ă.

# শীবিশ্ববৈষ্ণবরাজসভার পরিব্রাজকগণ

পরিব্রাজকগণের নার

- ১। औन छक्तिश्रोग हो व
- ২। এভিক্তিবিবেক ভারতী
- ৩। শ্রীভজিবিজ্ঞান আশ্র
- 8। **শ্রীভক্তিপ্রকাশ অরণ্য**
- ৫। 🖹 इंडिक्स पर वन
- ৬। গ্রীভক্তিদর্শব গিরি
- १। 🗟 ङक्षिदेव इब भागत

**अभाग्राश्व** কলিকাতা 🧗 🔊 নারাপুর 474 কলিকাডা

al Alabah ভ্রাম্বণপাড়া

বৰ্তমান টিক্লানা বিভিন্ন কগণের নাম

্দা আঁচজিন্দ্ররূপ পুরী ১। अङ्ख्यम् शर्कत्र

১০। এতজিবিলাস গভডিবেদি

১১। ঐভজিরগ্ন ভজিসার

১২়া ঐভজিরক্ক ঐার

১०। क्रेडिक्ड्रक्र (खोडी ১৪। শুভজিপ্রসূদ বোধায়দ माणाज মাতা **এলায়াপুর** বালেশর

বৰ্তমান টিকানা

कोक

मस्त्र कथ

क्रिका जा:

# শুদ্ধভাক্তমসসমূহ

# টিতভন্ম মঠ

#### আকর মইরাজ

शाहीन नवदीय. छाक्षत्र ख्रीशम मातायत्र. नजीवा

uট ম\বাজে পারমার্থিক দৈনিকপঞ, সাম্বভ-শশুদারের অংগ্রকাশিভ ও अक्षाहीन अञ्चत्राचि थाठावरुषा 'संदीया-थाकाम' वशानव शांकिंड क्रव्याद्वन । ত্রে'লে প্রজিবংসর ব্রিগাম-পরিক্রেনায়ন্তান ও অগণিত ভক্তগোষ্টিনত কীর্ত্তনি প্রচারমূপে अकाम(काष्मवामि ककाम सक्षति करता पाटका उक्षक--- अक्षकाती जीलाम नक्षकतिश्री। সভকারী -- এশ্বচারী পশ্বিত শ্রীপার গৌরবাস কাব্যবাতরণভীর্ব, শ্রীপথেখণ, শ্রীপার वी 45 अ. जी शाव समरशालाल, जी ने प्रतास नांश, जी कथर मन, की मन दशालाल, जी मूक्त भागानिकाती कक नदक्क, क्रियाब, दाव भेरगावन आइटि ।

## (৩) বেংগণীঠ শ্রীমন্দির

カンターーCのです。1914月 পোশামী স্ক্রারী क्षति। श्रेष अत्रमासाय । @तिकालक खबनामी, बैदाधानित्मान **७: क्रम्बन, जीदांगमान अव्याजी । जीनानन** बाग अभिकाती, स्थानवा श्रीनीमनाथ।

- (8) 원리(카-백주리 तक्त --- के शका श्रेष्ट्र अव अवहाती।
- (१) छाटेष छ-छनम

२कक-- शैतुमावनद्य कहें ठावा, **क्र**ाजाकणभाग वावाको ।

> (७) काष्णोश्च मनःविश है व्याधीन मात्रायत्र, यामनयुक्त (भरीत्रा) तकक--- अक्षात्री अविद्यापरिकाती ।

( 9 ) 智慧時間 哲學學·李恭

শ্রীপোদ্র-, বরুপগঞ্জ ( নদীরা ) বক্ক-ভাককুর্ম ভাকার ব্রহ্মচারী क्का का खिली अन. खग. अन ।

( be क्षणभाष ८ भी की समर्थ वक्षमननिश्व ।

वृक्ष 4--- श्रीवहबद्ध कक्षिणाको धम. ध. र्ति, जन, महकाती--- अडिक्शमाम किन-माही, क्रीडेकक्रम व्यविकाती क्षावृति ।

( > ) औरभोत्र-भवाषक-वर्ध

ō(शर्वाकी, मध्यशक, ( न**क्**माल )

त्रक्ष ३--- 🕮 द्रद्रद्राम अक्षाता है। क्षेत्रीयक्षास ब्राम ।

> . ১ • जीज्ञभाषीकोत्र-मठ म्दर्शनक, अधान केंद्रे, लि क्ष ०-- शैभारकंपदानक अध्याती

( >> ) 第2年[〒3戸 × 正 ]

माङ्गाहि, काद्रगद, वस्त्रात। **क्रीश्रम्म ।** 

(১২) ভাগৰত আসৰ चिकाशवक (व्यत्, कुकानश्रद, समीवार्ध, রক্ত -- শ্রীকৃষ্যানন্দ ব্রহ্মচারী ভাত্তপুরস্তী

## ( ५० ) अधिसात्रम मठं

(भाविक पूक, दानवानी, महोदा। १क्षर--- 🗃 घडनानम् अम्हादी । महकादी শ্রীনত্রিংত ব্রহ্মচারী, শ্রীক্রপ্রের কাল व्यक्तिकाती, खक्क विश्वनाथ।

- (১৪) जिमास्त भाषीय गर्कः

aoat अवावश्व (ब्राफ्, हाका । **अ**नाव वक्क--- औव। धावश्रष्ठ खन्नवानी, श्रुमात्रामम भवविष्ठः विद्याप वि- a. 🖣 मन-श्रीक्षण अन्द्रविशे. अगिरुष्ठिणावम कका

(50) औरभाभानकी मर्डे

क्यमाभूत्र, हाका। वक्रम--- श्रेषधानशाम अक्रवामी

(১৬) क्रियमार्थे-८गी नम मुठ বেশক-শ্রীপূর্ণপ্রজ্ঞ প্রস্করারী, শ্রীমতিলাল **ভঙ্ক**ারী

(১৭ औकाभर उक्रमामक मर्ड किक्कणिका, वाक्यवन्त्रत्व, द्विमिनेत्रुत्ता खबादन निकल्पानाम-नाम्निका-

विविधातीय निकारमचा बसमान । द्रक्रक----अववानी अध्यवान्यानको ।

# (২) আইগাডীয় মঠ

১७ नः वाणिक्षमाम ठळन्यकी ब्रीडे. (भाः मानवाक्षात्र, क्रिकाका । ्रवेशियमस्य नि. वि. ६५५०

্ মঠরক ০---আচার।ত্রিক শ্রীলাদ কুম্ববিদারী বিশ্বাক্ষণ। সদভারী---পশ্তিভ श्रीभाषु चनववाक्षत्वन भवविषाकृतन नि-व, लीभाष वामविकावी अक्षाति, श्रीभाष \*\*\* शामाधिकाती वि-०, अक्षाति श्रीभाषीत्यानम, बच्चतती श्रीमहानक, नविष्ठ श्रीभाव मरीमक्क नवृत्यान नकात किल्माली मन्त्रमावदेव स्वाहार्यः, श्रीक्षवत्रकानवामाधिकाती वि-4. श्रीक्षववद्यनक्रिष मानाविकाती वि-अन, अध्यक्षणम नारकातिम्, अविवष्टव अक्षातिने अध्यवस्ताविक ত্রশ্বনারী প্রাকৃতি।

# (১৮) जानगारगढ़ा जनशास्त्रव ब्रायदीय त्याः १६वान ।

प्रेम्प्य-अवनाती खिर्जाब्दमात्र।

্ (১৯) শ্ৰীপুরুবোত্তৰ ষঠ वर्गकार, भूबी, क्रेफिका। क्षण्य — सम्बद्धाती जीलक्षणानम् विशास्त्रपुर अक्रुद्धाती जीनशीशानक, दीनरप्रभावकर - उन्दर्धाती, वियावयामक अन्दराही, विनिमार **ठत्रण व्यक्षिकाती, जी**रप्रानिश लेखा।

(१०) बीजन-८गोडीय वर्ड

व्याणकामाय, अव्यक्तिक (भार, भृती। क्ष क- अक्र ठावी छान्त्रद्यका आनावसी । त्रक्षात्रा--- अञ्चलाची अञ्चलिकांची हु

(३) क्रिजिक्शिक्ष मर्फ Biwgiaiwia, wön : वक्क---अवहाती जीभगार है, जीवामनप बक्रवादी, श्रीनाम अध्दर्भातान मानाविकाती ।

(২২) क्षित्रमाख्य-त्थोदीत्र मर्व अनः क्राक्कीतम्बुषा, काली । यक्रक- अध्यक्षाची कृत्रश्यक्षणी, निरुद्धियांग उष्टात्री, जीनकामम अववानी ।

(२७) जैक्सरेक्स मह जीवांमरक्षाम कृष्ण, जीनाम नृष्णायम । अभ म--- श्रेत्रमणिकनाथ अभाताबी

(१८) श्रीशत्रमस्रम मह देनगियावनाः, मोकानुव प्रकर-अवहारी विमुशिरशमन व अवहारी

जीवन्ध्राम् ।

(२०) औरेडफक्टभोकीय मर्ड भूषक्**षा,** विश्वकृषा, भागक्षा। क्क - जीवमानाय बाब, जीवाय होर्ब CWamfant :

(२७) गामकोडीह वर्ड रक्ष--अध्वतको श्रीक्ष्यन्तको, श्रीनती-रमामान अवसाती

(२५) खाक्रमभाषा क्रमहास्वरूत्रे ब्राह्मनगाष्टाः (भाः ब्राह्मः स्वका

बगारम यक कुक्रमृष्टि जीरशीतारकक स्मर वस्त्रामः। वस्तर---वस्त्रामी खोळालक्रक-417, WB 489144 I

(२৮) भिन्ना दशोकीय वठ-काव्यालय बन्द भागी वयन का कात वनत, निके विज्ञी १४०-अमाराती श्रीतहरू, ओबूनरनवत नी द्राया सम्बद्धन सम्बद्धन

(२**৯) ट्याप्रामर्गामा-अग्रह्मस**न क्ष क---बच्छाती स्रोताशास्त्र

(७०) माजाबदगोड़ीस मठ नवं त्यात्रावात् न्यू, कार्रवञ्चात, बाळाक २क्--- विष अवागी क्रियहां क्रियक क्रियह मध्यक्षा । मध्यक्ष — जिम्बियामी 🕮 मन् ७ कि अन ७ किमान, श्रेनाम अनगानम अवयानी, अलाम (मनकीमक्तन अक्षाती. இत्र विक्यात्र विकासी कविष्णाकी o क्षिताम दगीव धनामम अम्माङाबी ।

(७১) पाषमद्यालाम लाडे कांग्रालश्राल, हा क्या, मंदीका १व्यय-व्यवहारी व्यवस्थानम्



य क्षेत्रस्

১৩ শ্রীপর গৌরান্দ ৪৪৫, ২৬ৰে আনেশ বঙ্গান্দ ১৩৩৮, ১১ আগন্ত ইং ১৯৩১ মজনবার

२०५७न मःभा।

# সামরিকী

গত ২০০ে লাব্য ৫ট আনট বুধবার **ঢাকাস্থ • 🕮 गाम्ब**रशो छीत मर्छ । পঞ্জি छन्त জ্ঞীপাদ স্থন্দৰনেন্দ প্ৰবিদ্ধাবিনোৰ তাড় 🎒 গুরুপারশারোব রণা সক্ষে একটা शत्त्रमणाञ्चल राष्ट्रको ज्ञानाम करतम। এতহারা সমাগত জনগণকে ভবসোণের खेमरचक्रण चक्रजांजित्हतांची बारनम स्वाराण দিয়া পথাস্বৰূপ বিচিত্ৰ শ্ৰীমহাপ্ৰদাদ প্ৰদান করা হইনাছিল। ভক্তােশ্রন প্রীণুত লিতেশ্র नाथ मूर्याणायात महायत श्रीमायदशोडीत मर्कि अभागमन कतियोक्ति।

मजिएकत जागान देखिनियात मिहोत গণেশ নাবাৰ গত ৪ঠা আগষ্ট কতকগুলি ভদ্রলোকের সহিত মাল্লালগৌড়ীরমঠে গ্রমন कतिशक्तिम । जिनि माजाब्दगोजीवम्दर्भव সেবকরন্দের প্রতি বিশেষ সহায়ভৃতি ध्यकाम कतिर राष्ट्रन ।

আিদভিস্বামী জীমদ্ ভক্তিসক্ষয় গিরি মহারাজ গত ২৯শে জুলাই তারিপে "বাবু কানাইলাল পিয়েটার হলে" "গীভার বাণী" मद्दल देश्ताकीटङ এक वक्का लागान **क्टब्रन। जाना टक्ट**शांताम निश्त्री, क्वानीव স্থ প্রসিদ্ধ আড়েভোকেট ও ছুর্গিয়ানা মনির সভার : সভাপতি উক্সভার, সভাপতি ছিলেন এবং স্থানীয় বহু উচ্চ শিক্ষিত छेकीन, वाक्रिष्टात, अभिनात, आत्मनात । ও ছাত উপস্থিত ছিলেন। তাহারা প্রায় ছই ৰণ্টাকাল বিশেষ মনোযোগের সহিত वकुछ। अवन कतिशाहित्सन।

नमञ्च मान, आगिडा । वस्त्रभितां क्यिनगान, नातु नानहान ध्या ८, हेनकाम-छा। अक्तिमान, मि: कि, आत (मछी, বাবু হরনাম দাস ছেভিসরে, বি, এ, বাবু निजिनाक गटमनाभाषाता, शहरीय है छेड़े छि इन्द्रिष्टित क्रिनिशाल, भिः ति. ति. मन, ताबनाउँग दक्तिम (काइनी शर्छा) সন্ত্রান্ত ব্যক্তিগুল প্রোচার বিশেষ সহায়ত। ক িতছেন। ইলা ছালাবাৰু বিসমোহন मिशता, तातू हुनीय म अञ् अ छम्रामा क-গণ্ও প্রাচারকার্যা यर १४ महाराजा কণিতেছেন।

পাঠকবর্গ অবগত আছেন যে, গত -१२ क्लारे बर्टिंड जीमिकिनानुस मर्ट মহোৎদৰ আরম্ভ হইরাছে এবং গত ২রা আগষ্ট রবিবার ভারিখে সাধারণ মহা गरहारमव खुकेकरण अल्लाब इंडेहार्ड । মগদকোংসবের বিস্তারিত বিবরণ কৌত্রুলী পঠিকের অবগতির জন্ম নিমে লিপিবঙ্ক

যাহাতে বহু নরনারীর শ্রীচরিকণা-শ্রবণের বিশেষ পুরিধা হয়, তক্ষ্য মহোৎ-সবের পূর্ব হইতে পরম ভাগবত 🔊 বৃক্ত ञ्चननमगठन माम अधिकाती महान्यात শ্রীমন্দির-প্রাদণে একটা স্ববৃহৎ অক্ষামী নাট্যমন্দির রচিত হইয়াছিল এবং ভকগণ ভাছা নানাপ্রকারে স্থপজ্জিত করিয়াছিলেন।

महादगरनत मिन मक्रमाताजिएकत शत्रहे শ্ৰীশ্ৰী ওক্ষুদ্দা ও শ্ৰীশ্ৰী ওক্ষুক্ কীৰ্ত্তনাকে 'बीर बाग, बीर बाग' প্রভৃতি অরণোদর 'অধিকারী মহালয় মহাজন

উক্ত ভালে প্রচারের ওজ রায় সাজেন কাজনে এবং পোল কর এলের ধ্রনিতে চতুদ্ধি মুখরির হটবা পড়িল। দেই ধ্বনিজে অক্টেড হট্যা ভান্যবুল জনগণ মঠেব দিকে ছুটিনা আসিতে লাগিলেন।

ট্রীণাদ মপ্রাকত ভক্তিদাবদ গোষাদী প্রসূত্র ইজ্জাক্রমে শ্রীমন্থক্রিবিবেক ভাবতী মহাবাজ মহোৎসাটী সাধাপঞ্জাৰ করিবার জন্ম বোগাতা বুনিয়া মঠবাসী ও গুড়স্থ িবিভিন্ন দেবাকাগো নিযুক क कुराधा क क निज्ञान ।

और ५ इन रहेत । यह इन देशि, और १०-ধোন্ত্র-মঠেব রক্ষক, স্থপতিবিভা বিশারদ ও কাককাণো স্থানিপুণ জ্ঞীন্যদ প্রমানন্দ जमानेती निश्चानप्त आहु है। पेरशोद्यनिस्नान-त्रगणकी छेत भ्रीभ सत्र স্থসজ্ঞিত করিবার ভার গ্রহণ করিয়া-ছिल्मा वंशा वोस्ता, जिनि छै। हात श्रेक्त बिबोलोदियानद्वमन-জীউকে এবং প্রীমনির্রীকে বিচিত্র পত্র, পুষ্পা, পুষ্পাল্য ও বিভিন্ন সেবোপকরণ **ধারা স্থাহিত্য করিলা সাম**চিত্রাক্ষক कति । ছिल्म । मनेकश्य मर्मम कतियात সময় মনে মনে ভাবিতেছিলেন--যিনি এই শ্রীমন্দির ও শ্রীনিগ্রহকে এইরূপ অপূর্ব ভাবে সজ্জিত করিগছেন, না জানি, তিনি তাঁহার হৃদধ্যনিধে আম-স্থারের কিরুপ हिन अक्षित्र कतिगाहरून !

শ্রীপুরুষোত্তম-মঠের সেবক শ্রীপাদ নদীরা-নন্দ ব্ৰহ্মচানীলী বিবিধ পাককাথো অক্লান্ত পরিশ্রম করিয়া ভক্তগণের আনন্দ বর্জন করিয়াছেন।

ञ्चकर्षशासक जीलाम स्टबक्क मान পদাবলী ফীত্র কবিয়া লোডেমপ্রীর চিত্ত আক্ষর কবিয়াছিশেন।

গুরুত্রভাগের কির্পে প্রাণ্ড অর্থ नाका अनुकितन। ही की लोगामक उनदा कता करूना, छोडान आपने 🗐 प्र क्रमनेन সনাতন দ্যোধিকালী প্রায়ু দেখালেরছেন ৷

कडेकनामात एमो श्वास्काम । ७४२म ३ নী দে ভব্তিগারস লোখানী প্রভূ মধ্যেই-স্বেৰ আদি হইতে অস্থ প্ৰাস্থ ছী।স্চিদ্-नम मार्क कश्यान कतार एतः जीमहाक तिरक ভावडा मधाबाक सप्तिवा श्रित দর্শন ও প্রিচামন করায় মহামহোৎস্বটী সক্ষপ্রকারে সাক্ষ্যাম্ভিত হটা।ছে।

আর একটী আনন্দের স্বাদ এই যে . मस्मारतत किन व्यवनाद्ध ए मक्तात भूका তুটবার আকাশ ঘনঘটাক্রম ভইয়াচিক এবং মনে ইইচেছিল, এপন্ট মুবলধারে বারি ব্রিত হুইয়া শাম্পেংশবের বিঞ ঘটাইবে, কিন্তু সংবের কোন কোন স্থানে প্রোবলভাবে বারি বর্ষিত হইলেও জীমাঠ এবং নিকটন্থ পল্ল সমূহে ছাই এক মিনিট বিক্ বিশু বারিপাত হইয়াছিল মাত্র। ভাগতে गत्न इंडेन, द्यम (प्रवृश्य भारत्यम प्रमान করিতে আসিবা লোকলোচনের অগোচরে व्यक्तिमां वर्षन कतित्वतः 🗐 धक्नामः গণের এই অনেশিককী শক্তি দশন কবিয়া সাধাৰণ লোক অভিনৰ আনন্দিত ও মুন্ধী इहेग किला : किंद शी अतरमतकशरणत শ্রীমুগবিগলিত শাঁচৈ ভলবাণী কীৰ্ত্তন-প্রভাবে ভাগবোন কীৰে হজৰ কোশ হইছে অনাদি-কালের অবিভারণ বোর মেঘ বিদুরিভ হইতেছে দেখিলা শুদ্ধত্তগুণ অধিকতর আনশিত এশং মুগ্ধ ছইয়াছিলেন।

त्मे के तिकात कम कामिक मिक्का। कुक्शामशत्म यकि विख्यित नग्न ॥

# ঠাকুর ভজিবিনোদ ইন্টিটিউটে প্রভুপাদের ৰক্ততা

নিগত ২৭শে জুলাই ভারিখে ও বিষ্ণুপাদ পরমহাস পরিব্রাক্ষকাচাধ্যবর্গ্য মধ্যেত্ররশন্ত শ্রীশীনভাকিসিভান্ত সর্বাতী গোসামী মহারাজ ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইন্স্টিউটে' ওভাগমন পূর্বক যে নীতি ও भन्द म्बरक উপদেশ প্রদান করিয়াছিলেন, ভাষাৰ সারমর্শ্ব নিমে প্রকাশিত হইল।

মানব-জাতির প্রধান পুরুষ সভুর সময় হইতে শিক্ষার প্রাণালী বিভিন্ন দেশে বিভিন্নভাবে প্রবৃত্তিত হইলা আসিতেছে। Old Testamentes মুদা ভেরিমিয়া প্রভৃতি আদিম পুরুষগণ শিক্ষাবিধি প্রবর্তন করিয়াছেন: শিক্ষার আদর পুথিবীর সক্ষরই আছে।

অশিকিত ব্যক্তিকে শিক্ষিত করাই শিক্ষার উদ্দেশ্য-অশিকিত ব্যক্তির উপর প্রভূত্ব করা শিক্ষার উচ্চেন্ড নহে।

শিকা-নানাবিধ। কতকগুলি শিকা শারীরিক কল্যাণ বিধান করে, কতকগুলি শিক্ষা মানসিক কল্যাণ বিধান করে; আবার কতকগুলি শিক্ষা নৈতিক চরিত্রের উন্নতি करता । শিক্ষাবিধান-বিচারে ন্যাগান্ধগত শিক্ষাই শিক্ষার মূল উদ্দেশ্য। অস্থায় শিক্ষা চিত্তকে অসংযত করে। সংযত কাৰন ( Regularity of life ) শিক্ষার १ क दकाष राक्ष्मीत। उष्ट्रधन केंद्रन (Irregular life) শিক্ষার অভাবজ্ঞাপক। **क्रमाधातायत है थकारतत्र क्रम य विकास** উপযোগিতা, উহাই সাগশিক।। যে শিকায क्रमग्राधातरनत উপकात इत्र मा, ठाहा অকুটার শিকা।

প্রভাক ব্যক্তির মঙ্গের জক্ত কতক विभि निष्टि जाएक। গুলি Civic নাভিবিক্ষ। (F 25 8) हा इंग्रह करा সমোজিক, সাম্প্রদানিক বা জাতীয় রীতি-নাভি, ক্রিণকলাপ যেখানে উদারতার क इति आकान करत्, दमशास दमनिरमस्यत কা কার্যাবিশেষের ভক্ত উদিউ ইইলেও সেওলি মান্ধকল্পিত সাম্প্রদায়িকতা মাত্র।

আমানের দেশে ভজনীতি, চানক,নীতি প্রভৃতি প্রবৃষ্টিত হলচ্ছিল। সেওলি বস্তমান সময়ে কিছু প্ৰিধ্বিত হইলা দেশ-কলে পাত্ৰ-বিশেষ-সমন্বয়ে ; Tolleration ) আকার ধারণ করিয়াছে। উদাশতার অভাব ধারা নিতির অভাব জ্ঞাপন করে।

নীতি আৰু ধৰা বলিয়া হুটা জিনিয় वार्छ । दा माहि--भग्रदक्ति , छाइ। छेनात নীতি নছে। ধর্মাজিত অবস্থাতে কভক-গুলি ন'তি পালনীয় বটে, কিন্তু যে সমস্ত माणि भरमात्र निरक्षांस द। शतुरुद्वत रेनयमा উপ্পাদন করে, সেগুলি ঐতিক সাধারণ

নীতি: স্বতরাং তাৎকালিক মানবকলিত भरनांश्यंशतः किंड धर्षाक्रिनियो अहिक উভ্য-সম্মী ব্যাপায়, ও পারতিক পরশোকবিচাররহিত সাধারণ নীতিগুলি ঐহিক সুথকর। সুভরাং ধম্মের অন্তর্গত মাইগাছি, মহৎপুর (মাছাপুরাদি) পার নীতি হওদা আদশুক; নীতির অন্তর্গত ় सर्थ शाका व्यानश्चक नरहा । बाई सर्व नाव-কারগণ নিরীশ্বর নৈতিক জীবন অংশকা সেখন-নৈতিক জীবনের প্রাধান্ত স্বীকার ! কবিষা গিয়াছেন এবং দেখন নৈতিক জীবন অপেকা সাধন ভজের জীবন, তদ-পেকা ভাবভজের ক্রাবন এবং সংকাপরি (ध्यम च एक त की दम चार्य दमा-विधाद मक শ্রেষ্ঠ নিকেশ করিবাছেন।

পাশ্চাতা মন্ধিগণ বংশন,--নীতির অভূ-ভূজি ধর্ম । আগে নীতি (Morality), পরে ধর্ম Religion) । নীতি (Morality)---মুখ্য (Primary), আর ধক্ষ (Religion) (शीष (Secondary) । सभी (आइवर्श विहास कतित्वमः मैं ''छत अकड़ क संग्रं द। सत्यति অন্তর্ভুক্ত নীতি।

যালা অপরের অফায় সাধন করে ভাহা নৈভিক। আর ,মণ্ডকে, মাপনাব করিণা তুবে---স্কলের প্ৰতি সমদৰ্শ আন্তন করে, ভাগ ধর্ম । অভরাং যাহ। উভ্রের প্রতি বৈশ্বনা আন্যান করে, ভাঙা সংশিক্ষা নঙেঃ দেরূপ শিক। কুফল প্রদ। শিকার মধ্যে অশাধি বা অক্সান বলিয়। কোন জিনিন পাক। উঠিত নহে। সমভার অভাব থাকিলে সংশিকার। অভাব ব্যাত্ত হইবে।

ইংজগতে অবস্থান-কালে দশ্ম ও নীতি বিপণ্যন্ত হইলে অশান্তি-দল প্রস্থ করে। অভক্ত জীবন নীতিপুট হটলেও ব্যক্তনীয় नरः। সংশিক্ষার অভাবনিবন্ধনই ভীবন শান্তিহীৰ ৷ উদারতা ও অফুদাণ্ডার আলোচনার অভাব ধর্ম ও 57.5 বৈৰমা আনয়ন করে। নীতিবিগুট্ত কাথো অপ্রের অপ্রার উংপাদন করে। অবিনেচনার কাগ্যিকলে গরপার মনোমালিনা খটে, ভাহা ব্যঞ্জীণ নহে

এই নীতিবিগহিত কাব্যকে ছব্লিড করিবার ভন্ত ফৌজগারী শাসন ব্যবস্থা ভারতীয় দণ্ডবিধি (Indian Penal Code), (को इस दी কাগ্যবিধি ( Criminal Procedure Code ) স্ট ইইরাছে ৷ আইন সভার মুগপাত্রদিগের ছারা দ্ওবিধির প্রবর্তন। অকায় করিলে—লোভবশত: পবের জব্য আক্রমণ করিলে (Civil court 🗈 ) (१२ ९४)मी जालावरङ) ज्वतिवक्त्र-শান্তিবিধানের জন্ম আত্রয় গ্রহণ করিছে

# 图 811 - 47 万万

( পূর্মপ্রকাশিত ১৩৫ সংগ্যার পর )

শ্রীনিশাসন্দাচায়া ক্লারগর্মএবং তৎপরে হট্যা সক্ষণেধে কড়বীলে গ্রিগ্রছিলেন। ক্যাক্ডার মাঠ হইতে শ্রীনিবাস আচাধা প্রভু বাত্রা করিয়া থাকেন এবং প্ৰাথমে সিমূলিন ( দীসম্ভনীপ ), পরে গাদি গাছা (গোজনবাপ), তৎপরে মাজিদা (মগানীপ ), ভংপাৰে রাতৃপুর (ঋতুনীপ ), ভংগাৰে ভারগর (জঙ্গীপ), ভংগারে মাউলাভি (নেশ্বস্থান্থীপ) পার কট্যা মাত্র-পুৰ ६३:। कञ्चलाङ। (क्लूकार्रल) गान. ভাষা ফইলে ভীঙাকে ৰাইবার মুণে এক বার ক্ষত্ত্বীপ পার ১ইচা ঘাইতে

भूमताभ कै।। कड़ान भ:३८क বাথিয়া কন্ত্ৰ গ্ৰাগ তথা হটতে স্থাৰ विद्यात इदेश भूनतात समादीरशत समा-मियः २०12 शाहेल के किश के शक कार भारते কেরং আসিতে হচ। ইহা ভরিবহাকর अ.हन वर्णनात अम्लूर्व निवन्ता

ভক্তিরপ্রকরে জীনিবাস আগেগেরে যে কমণ বিধরণ আতৃত্তীপ স্থপত্ত লিখিত इहें (छ, छाड़ा गॅम बड़े प का स माहिलत সহিত বা কোন সেটেলমেন্ট ন্যাপের महिल गिमाहेश श्रीह करा या খ্রীনঝধা পাড়ুর बहेल के।किए।त मार्फ छग्राष्ट्राम् कहामा (कामगर्ट्ड वर्गमान स्टिन्ड मायञ्च कता गाउँ(र मा।

আবাৰ দেপন, আতোপুৰ বা অফু-দীপ হইতে স্বৰ্ণবিহাৰ দুষ্ট হয়, ভক্তিবাহ্বা-करत हंश निशिष्ट आहि। यनि वाननाडि CR प्रशासभावित माल्य माठे कार डाल्य हत्। ভবে ঐস্থান হইতে ৫।৬ মাইল দুৱে অন্তিভ ञ्चनर्गत्रहात । दकान मर्ल्डे रम्था गांहरत ना ।

शकारशायिक मिष्ट्र यपि औसवादा श्रद्धत জন্মস্থান নির্ণয় করিলা সেই স্থানে মন্দ্র নিশ্বাণ করিছেন, ভাচা হটুলে তিনি নিশ্চয় মেট মন্দিরে শ্রীশ্রীরাদ্দীতার বিগ্রাহ স্থাপন ন: করিয়া ভীমরহাপ্রান্ত শ্রীবিগ্রহ স্থাপন कतिएडन ध्वतः श्रेष्टानिएक নিশ্চ ই শ্রীনারাপর বলিয়া খোষণা করিতেন। ভাষা হটলে ঐস্থান অভা রামচক্রপুরের **5ड़ा, नाहित भी**दलत माठ ना नैग्राकड़ात माठ নামে খ্যাত না হইরা অন্তগীপের মাঠ वा 🕮 गात्राभूरवत हड़। दिनशाहे था। ७ इस्ट ।

সহিত মিশ্রিত হট্যা গগনম্পর্ণ করিতেছিল। ভদারা দিখাওলের ধাবতীয় দুরীভূত হইগাছিল।

''খণ্টা ফণ্টা গুলো জলে ফেলে দে ওয়া'' माग्रानामि-मण्डामात्र करणका अरे ल्यारकत्र विकास महस्र छर्ग (सः क्रा ।

# যৎকি ঞিৎ

আমরা ১৯ই প্রাবণ (১৩৩৮) শনিবারের বঙ্গবাদী পত্রিকার "আলিপুরের কাও" শীৰক প্ৰেবন্ধে এক্সভাবে এইব্লপ সেণা দেখিতে পাইলাম.—"যে বাড়ীতে বা পলীতে মুদ্ধল-আর্ভির ঘটাগ্রনি শুনিয়া বালক-যুবক জাগরিত হর ও সম্বারে শথ-ঘটার দুরাগত কল্যাণধ্বনি প্রাণে পৌছায়, দেখানে খুনে ডাব্দান্ত উদ্ধব হইতে পাৰে না "

জানরা লেথজের এশংসানা করিয়া ণাকিতে পারিলাম না; ভিনি বণার্গই লিপি াছেন। মঞ্চল আরডির শহ্যেণ্টাধ্বনি এবণে শুধু ডাকাতের উদ্ধৃতিকন, জগতের যাব হীৰ অসঙ্গল নিৰ্মাণ প্ৰাপ্ত হয়। শ্ৰীমন্তা-२८० २०,४१० (बार्क्स ब्रहेक्स डेंकि 3115 --

ন যত্র প্রাণানীনি রক্ষেত্রানি অক্ষান্ত। কুক্জি মাৰতাং ভগুৰাতুণাক্ত ডাত্র হি ॥ দেছলে মানবগণ নিজ নিজ ঐতিক এবং भारकोकिक कान्य भाषकभ**ि श्रीद्रास्त्र**त রাক্ষয়ভ,বিনাশক শ্রবণাদি ( ভক্তাকের ) আচরণ কবেন না, সেইস্থলেই রাক্ষ্যীগণ অ <u>শ্রাচারে সম্</u>ব किन्न जिन्हरन अभी উল্লেখ্য বসমান, সেপানে ভাগেৰ আপকা কি ?

ইপ্রিট্ ক্র প্রোকে প্রবর্ণদী। ন পদ্সীর व्यक्ति भएक की समाधि गानधीर अक्तकरकरी বুঝা। আশাধিকের শহাঘটা-ধানিও क इत्राक्षत का एमी इत्थार इत्रोत ।

ভেগবানের প্রবর্গানি ভাক্তাবেশ শুরু त्राक्रम वा फाकार इत हुन निष्ति है है ना, ডাকিনী, যাতুগানী ও কুলাও নামক শিশু-বিপ্ৰজনক প্ৰচণ্ণ, ভুত, প্ৰেড, পিশাচ, যক্ষ, রক্ষ, বিনায়ক, কোটবা, রেবাডী, ভোলা, পুতনা, মাতৃকা প্রভৃতি দেছ, প্রাণ ও ইন্দ্রির ভিংসকগণ, অপস্থার ও ইন্মাদবোগ, স্বপ্নান্ত মহোৎপাত্সকল বৃদ্ধগ্ৰহ ও বাল্ডাহ্যকল বিষ্ণুর নাম গ্রহণে ভীভ इटेश निमेर्ट इये, এटेक्स डेंक्सि শ্রীমন্তাগনতে দেখিতে পাওল যায়। কিন্তু हेब्दि एक अमाब्यम्य मुश्रामन महि किया ভগবন্ধকগণ আন্মতোৰণাৰ্থ ভাদুশ আচন্ত্ৰণ करतम मा।

**बिडेक्सन श्वकारम क्लानमारमरण नम्पडरक** গমন করিলছিলেন, তৎকালে তিনিও এই-ক্লপ লক্ষ্য করিয়াছিলেন,—

> **উদ্যায়** शैनाय तिम्मरमाइनः उष्णात्रनानाः भित्रमञ्जूनम्थानः। मध्य निषां इनमस्यि शिक्षा नित्रमाटक राम भिनाममण्यम् ॥ (31: : 8 % 8 %)

গোপীগণ উচ্চৈ: খনে পদ্মপলাশলোচন প্রীক্ষের গুণকীর্ত্তন করিতেছিলেন। काशास्त्र (महे की इन-ध्वनि विधेमचन-गर्यम ( अ७; भन्न ०३ क्लार्थ अहेरा )

# গ্রন্থ পরিচয়

# **ৰামন্তাগৰতম্**

শ্ৰীনবাংবি ক্লাইখপায়ন বেধব্যাস-প্ৰেণীত মূল, শ্ৰীমন-মধ্বাচাযা-কুতা ভাৎপর্যা-নির্ণয়টীকা: ইন্সন্ধরিখনাগ চক্রদুলী সাকুর-এত সারাখণশিনী **টাকা, বলাখুবাদ,** সংগ্রত অধ্য ও প্রতিশন্দ, তথ্য ও বিশ্বত্যাধিযুক্ত। প্রতি রঞ্জের আদিতে ্রট ক্ষরের প্রতিপায় কথাদার, অধ্যাহের প্রথমে ঐ ভাশ্যায়ের সার্গত হৃবিভূত ভাৎপর্য্যাদি নিবৃত। স্লোকস্টী িল্লুড্টী, অধ্যায়বিবরণ, পাত্র ও স্থানস্চীসত উত্তম কাণকে উদ্ধন অঞ্চরে নুদ্রিত। প্রথম হইতে ১০ম হন্ধ ্াও ছাপা পুর্ণরূপে খেষ ইইয়াছে। ভিকা প্রথম ८८९७ प्रयु<sup>®</sup> कक लगान्न २०।०'०; क्लम कक ३२०; 3.31 ho 1

# ঞী শ্রীচেভক্তচরিভামত

**অ**তীমশ্ববিদ্যালয় বিজ্ঞান বিজ্ঞান প্রতিষ্ঠান বিজ্ঞান ও উট্টীনছভিনিছাত সর্বটা শোকানী প্রভূপান-লিখিত 'অন্নভালে জাতি-পুড়াদি বহু শাস্তক্ষাণ-স্থাণিত ≽ইয়া প্রকাশিত হইরাছেল। স্লোকের সাধ্যব্যাথ্যা, বঙ্গান্তব্যাদও গ্রন্থের প্রার্থের প্রাক্ত সংশিক্ত অভিনের সংযোগিত। গ্রেট জ। কি-প্রারম্ভে কপাসার দেওর। আছে। শোক, ংশার, শ্রুপ, স্থান, পাত্র প্রেক্ত্রির স্থরুত্ব ক্টা ও গ্রন্থকারের িবতত জীষনী সমৰিত এইকপ অভতপুক্ষ সংস্করণ ইভঃপুক্ষে কুরাপি প্রকাশিত হয় নাই। উত্তম কাগ্রে পারিপাটোর স'ংও সুল ক্রমাণারে মুলাংশ মুক্তিত হইয়াছে ৷ এক প্রায় : ২০০ প্রায় বৃশ্পর - ভিক্ষা বস্তমানে ৫, মাতা 1

# **এ**টেডভাভাগবড

গ্রুত্বারের জীবনী, প্রতি পরিচ্ছেদের ক্লামার, বিশ্বভ ्रोड़ीय जामा, नक्ष्ठी, भगात्र्धी, विश्व-छान भावापि-কতা, প্রভূতি বিবিদ বিষয়-সম্বলিত বিষয়ট দিতীয় সংস্করণ <u>!</u> ध्यक क्रांडेन ५ (पद्मी आकार) आदिनीमा ७ मध्य किश्माल क्षकालिए इस्सार्टन। क्रांच क्रांच क्रांच ংইটেছেন। অগ্রিম ভিকা ে টাকা, আদি লীলার ( Dabl of 1

### **ब्रिटेड अयम्**न

এই গ্রন্থের এরপ অভিনব স্থলর সংক্ষরণ আর কুঞাপি क्षका भिष्ठ स्त्र बाहै। अरब्रुष्ट (ब्राकार्श्यक खबन्न, वक्षाप्रनाम, ায়, কথাসার, তথা প্রস্তৃতি সহ থতে এতে প্রকাশিত १ इंग्राइक्त। पून स्वाधि व्यक्त उनन कार्डन व्यक्तिन ्रमाकारत हाला- स्ट्रेग्राट । भूना २०० **छाका। न**र्मीशा क्षामा क दर्शकीटम्ब आह्य गर्म परम अ। • क्रांका ।

### গ্রীমন্তগ্রদুগীতা

-- শ্রীগোড়ীয় বৈক্ষবাচাণ্য অপ্রাক্ত রসিকচ্ডামণি উট্রীবর্মাথ চক্রবৃদ্ধির গোরামিরতা সারাথ্ববিশ্ जैकामध्यका ७ विक्रियशांकवितार ठाउून-व्यवेष व्यक्तिक-वक्रन' नामक खाषाखामागांद्रेखा। व्यथाप्तरूठी, माकुकाक्रत्म एशाय-एठी, विरश्न-एठी, अध्कारत्रत्र कीवनी ६ व्यवख्त्रीविमानि ৫- কাওবাবিষয়-সহ উৎক্র বাধাই ভটায় সংখ্যা-এই রাজ হইতে পরিত্রমাংশ মাঞ গৃহীত; জীজীব পোতামী কি সংখ্যাশের ভিক্ষা ২১ টাকা মাত্র, সাধারণ সংক্ষণ--- ১॥• होका माळ ।

# শ্রীল প্রভূপাদের বক্ততাবলী

उ विकाशास अजिमहास्त्रासम्बद्धी **टगीखामी महाबादणत** स्मृह अविका विश्वरितिमी জীবাত্মকপোবেছিনী ক্ষত-কাষ্ট্রামন্দ হিন্দী জীবস্ত-বাণীর মৃত-বিগ্রহ---বেকার্বনি দ্বাস্থি-রতুমালার কোস্কভ্রমণি---স্প্রাস্থায় विक्रविकासभारतत सोनिक छना- भवन्त छ । जनस्य । শীৰ্ষ ওক — নহাজন-লীখনত বিভ-শিক্ষক – চিবিলাস্চিন্মাত্ত-অচিকাত্র-নিচারক— ঐখন্য ওমাধুন্যরদের মৌলিক গবেষণার — मणक, व्यक्तिय ७ कारबाकन-एएवर विकास-मगुरः।

১ | প্রথম অঞ্জল বৈশ্ববদশন, প্রীপ্রেক্তর, কাল-भवा. क्रीमध्याविकात, क्रीधारकारती, शक्कताविकी मीका ও বর্ণ বিচার, আত্মনত্ম ও মনোধ্যা, উটেওজনের ক ভাগার শিক্ষা, অপ্রাক্ত সংস্থাম ও প্রাক্ত সংস্থামা, বিশ্বি ছতি প্রাণ-পঞ্চরাতাদি সাম্ভাত-শাসন্মূলের প্রমাণাবলী ৮০ বার আলা।

**১। ত্রিতী**শ্র **অন্তে**—তথা ও বিদ্ধা ভক্তি, মহুগোর শেহতা কোথার, মান্তার নিতার্তি, আগর স্বামিপাদ ভ भाष्रातान, श्रीरंशांत-निष्णानम अभक्त, जिल्हरणत्र भवा । क्रक-कींडन, दीवामिश्रकांत्र दीमश्वावत्त्वत्र कींडन, द्वाराधिन-ধানের মহিমা, মহাপ্রধাদ, জ্রীগোবিক, জ্রিরপাত্রগভরত थर. क्षेत्रकी दमकाकुर्यानानी, चिटिक्टल्ड मग्रा. (शोतकस्था ও কৃষ্ণসন্ধীতন--- চতুদ্ধশ অপুৰা মধুরিমাপুর্ণ-বঞ্জা-বিভূদিত। जिया २, ५क होका माज।

ত। তৃতীয় খণ্ড-লোকপ্রিয়তা ও সভাপ্রিয়তা শ্রীবলদের প্রদাস, শ্রীক্লফানির্ভাব, বৈক্ষর, শ্রীদীতাদেবীর আবিভাব-প্রসন্ধ, প্রমন্থাগবতের সভা, প্রিবাসপুঞ্জায় প্রীমন্ ভাগবতের পুনরাবৃদ্ধি, জীনামসংকৃতিন ও হরিদেবার নিভাতা — এই নয়টা স্থাশনিক বস্তুতাসম্বলিত। ভিক্ষা ৮০ মাত্র।

### 🛎 মত্তাবদ্গীতা

গ্রেটায়-বৈষ্ণবদাশনিক-শেষর জী জীমদ লাদেব বিভা ভ্রণকত ভাষা ও আমছুকিবিনোদ ঠাকুরেরপ্রাঞ্জল বল-ভাষার বিশ্বত 'বিধ্বর্জন' নামক ভাষায়ক। অনায়ে-সূচী, বিষয়সূচী, ও প্রতি লোকের প্রথম ও তৃতীয় পাদ স্টা, ভাষাকারের ভীবনী প্রস্তৃতি সম্বলিত। উংর্ট বালাই, রাজসংক্রণ ( ফুর্টীয় সংক্রণ ) এথের जिका २ होका।

# **बिमनदी भगमगाहादा**

( প্রমাণ্য ও ) সাম্বাদ। জাতি-প্ত্যাদি গ্রন্থে শ্রীনব-ৰীপের যে মহিমা কীব্রিত আছে, তাহার মুশ সংস্কৃত ও অমুবাদ। ডিকা ১'• আনা।

আই।কুর ছন্থিবনাধ নিধিত। স্থলনিত গাঁতাকারে পরিক্রমার দুইব্যাদি-বিধরক। ভিক্ষা। আনা।

#### ভক্তিরত্বাকর ও মবদীপ পরিক্রমা

শ্রীল মরহরি চক্রবন্ধি-মাকুর রচিত। ভঞ্জিরভাকর প্রকারে ইনব্রীপ্রামের পরিক্রমা করিয়াছিলেন, ভাছাট পছে বিবৃত। ভিক্নাত আদা

द्या छक्तिवित्नाम शाक्त्र-अभीतः औरहरुछहेहारण भिकाञ्चलाती—कृष्क, कृष्णाकि **७ तम-यद्व ७ मुक कीय**-অ চি ভা-৫৬৮ ছেল-ভয়---সাধন-নির্ণয়--প্রায়েমন-ভার্ কল্ম-কাও, আন্মাদির বিচার—বৈধী ভক্তি, ভাবভক্তি ও প্রেমভিজ্নিত নামভত্ন-প্রণালী ও অঠকালীয় লীলা-পরিচয়ালি প্রথম শিক্ষাপীর উপযোগী করিয়া সরল ভাষাত্র সমুদ্র বৃক্তিপ্রামাণসহ লিখিত আছে। চতুর্থ সংকরণ বাগা २ होका, आवास ३०० हाका याता।

# গোড়ীয়কণ্ঠছার

श्रीरनोष्ट्रीय-देवकवशरनंत्र अस्त्रकन कर्ष्ट्र भातनरयान्य প্রাকৃতি বিংশতি সংখ্যক রছে অংশাভিত। ভিক্ষা যাত্র বিষয়বিভাগক্রমে সাজ্বাদ ও কিত। এই রপ বৈষ্ণব-সিদ্ধান্তের সারস্মন্ত্র অতা করাপি প্রকাশিত হয় নাই। हेटाट खक्डम - छात्रव - देवस्त - द्योत - निष्ठानम-অবৈত-ক্ষ-শক্তি-ভগব্দুস-জীব - অচি স্থাভেদাভেদ - अस्टिम्य-माध्यक्ति-वर्गास-व्याध्य-वर्ष- उत्ताधि -- श्रीनाम-- প্রয়োজন ও প্রমাণ-তর গুলি পুণক মধ্যায়ে স্তবৃহৎ শ্লোকাদি স্টাগ্রু উৎকৃষ্ট ওণ্টিক কাগতে ব্যোগ্ ব্লু কালিতে মুদ্রিত, উংরুই বাধা সোনার জলে নাম লেখা। গ্ৰন্থ প্ৰায় ৪০০ পূচায় সম্পূৰ্ণ। ভিক্ষা ২ , টাকা মাতা।

# श्रीनवदीशभाग-असावली

श्चिमकिकिकिरियान शेक्त-त्रिक 'भौगमांकाचा-भाम-মাহারেরার সাত্তপাদ প্রমাণ খণ্ড-- জীল নরহরি চক্রবর্তী চাকুরের গাম-প্রিক্রমাংশ-জীধাম নব্দীপ প্রিক্রমা-তীপ-যাত্রা পদ্ধতি - শীমং প্রবোধানকরত নব্দীপশতকম-শ্রীমহক্তিবিনোদ ঠাকুরের শ্রীনবদীপ ভাবতরক প্রস্কৃতি প্রাপ্ত একতা ভিক্ষা ৮০ আনা মাতা।

#### শ্রীহরিকামায়ত ব্যাকরণ

শ্ৰীকীৰ গোস্বামী প্ৰাঃপাদ-বির্চিত কর ও বৃত্তি, তংগতে ওবিফুলাদ আমছজিনিকাত সর্গতী গোস্বামী মহারাজের বিভূত ভূমিকা ও স্চী প্রাভূতি সহ। মপ্রভাশিতভাবে সুক্ষ। ভিকা ২, টাকা, ছাত্রগণের भटक अल् विकासाला

#### (उपाच्छचगाउ

শ্রীমন্ত্রামাত্রলভাষা-রচিত। বেদাধ্যের বিশিষ্টাবৈতবাদ-প্রচারক শ্রীভাষ্য প্রণেত। মাচাযা প্রবর বেশাস্থদর্শন পাটের উপযোগী কর্ণার্থ এই উচ্চম করিয়াছেল। ইহাতে বঙ্গামুবাদ ও স্ক্রিপাত্রাদি সংব্যোজিত করা ইইমাছে নাম মাত্ৰ ভিজা॥• মানা।

#### প্রীচৈত্যাচন্দ্রামত ও নবছীপশতক

গোরপার্বদ জিনতা আমং জবোদানন সরস্বতী প্রণীত মুল, প্রভূপাদ শ্রীমদ্ ভক্তিসিদ্ধার সরস্ব গ্রাপোসামী মহারাজ মুক্তা অব্যায়ুখে ব্যাপা ও বঙ্গামুবাদ সম্বাধিত। মব্দীপশ্তকের উভিজিবিনোদ সাকুরের প্রভারবাদ ও তৎসহ শ্রীমন্মহাপ্রার একটা তিবণরঞ্জিত অলৌকিক চিত্র लामक कहेतारक। इत्रुप ७ कांगक छेरकुट (२ थाना दकरता ) किया पर भागा, अधि ध्रमा वीसाहे त्राक्ताः वत्र > प्रकाशक।

# देशिक महीयाध्यकान



श्रीपट्टिनीत्नान जिन्न-धाले हा एक एकमाज श्रक-বন্ধেশ জান লাভ করিলে পরেমার্থিক রাজে কিছুত্তই অভান বা মুশ্র থাকিবে নাঃ প্রমুগুর শ্রাক্তিক এই-াণ্যরণ ও সময় পাশী প্রতি এ' প্রতি প্রকংশিত হয়। নাই। कि विद्यासिक्ति मोल-महणासि महत्ताहरण अहे अशास्त्र क्रहेगार्यम । कातात কথা সার हेर्राप्त भाषा नित्मस मगुक कता अनेपाटक। निताहे अह, (अरमांच चाल नाम Cनवा, डिर्फ्ड ने(शह-जिल्ले नश्यक्त क्ति। २, ठेका गाँछ।

## প্ৰেম্বিবৰ্ত্ত

ত্রীমনাধাপ্রান্তর অন্তরক পার্মন জীল জগনানন প্রান্ত গামের পুত্তক ভিকা / আনা মাত্র। বির্চিত। এই পৃত্তে অতি অগ্রোধা ভারাণ মহাপ্র ক্তিপ্র লীলাস্ত বৈক্ষৰচারে, একানশী ও নামভজন-প্রধানী প্রভৃতি অনেক Cमिश्रिट शाक्टरिया। शामिजीकाय छक्तक क्षार्मित्र विभागार्थ र এরকর্ত্র পরিচয়।শি-স্থাসিত চতুর্প সংস্করণ ভিলাবা⊌ে मुल काम गाउँ।

#### BEATS T

ভলনকারীর নিভাস্লা; সাকুর ভক্তিবিনোরের অনুল। मान : निविध नाटक्षत निरापन । अध्यानि ना दम्या नगाय কেছ ৰুঝিতে পারিবেন না। গুরীয় সংকরণ ভিক্ষা He i

# হরিনাম চন্তামণি

नामाहार्या औन श्तिनाम शाक्रतत मृत्य औमनाशास्त्र ह ख्येनाच माश्राचा, नामाञ्चाम, नामालतात अङ्गि निगरवत यान्द्रीत विष्ठात अवग कतिबाष्ट्रियान्। अहे विवत्र छनित्र আতি সুৰুল প্রারে সংক্ষিপু আশ্রুস্ত পরিপাটিভাবে মৃদ্রিত। ক্সিল ভাজিনিনোৰ সাকুর-রভিত। প্ৰথম সংকরণ ভিকা ৬০

# কল্যাগকল্বক

श्रीमधिकनित्नाम ठाकुत विच्छ। खाउडाक खनवम्-বিশ্বাসী ও জ্ঞানপথের পথিকের একান্ত প্রয়োজনীয় हिल्द्रभातशीर्थ ग्रेन्डिश्र । त्रभाग लानापड़ा कार्गा েত্র ও টে ভ্রমনর জোর গাতিবমুরের হারা অনর্থনিবৃত্তি ५ ७०४ (१४) वा७ कतिवात श्रृतिता शाहेरतम । यह সংস্থা, ভিজা /১০ সানা মাজ।

#### শরণাগত্তি

डीमद् कितित्नाम शक्त-त्रिष्ठ । छश्वात्म आध्रममर्भन, रिक्कालि, अक्रमनानमा, यङ्गिमा श्रद्धगांगिकि । भिक्षि-नानमा-বিষয়ক শাভিপুর্ব, ভিক্ষা 🚣 আনা মাত্র।

#### গীভাবলী

ब्रिशेक्त्र इकिनिरमाम-अनेछ। निछा छक्रम, बार्शाविक ও প্রদাদ-দেবনাদি-বিষয়ক মধুর গীতগমূহ একত্রে এপিত भक्ता / जाना नाड ।



শীষ্ট্রাঞ্র শিকাও শীল বস্নাথ দান গোলামীর প্রতি ত্রীরণ শোসামীর উপদেশবাণী, ভক্তিপণের অফুকুল ও প্রভিক্ত বিবয়ে স্থবিচারিত সর্মোদন ভাব্য, বিভূত বিবৃতি, চরিতামুদ্রের প্রমাণ, দার্য ব্যাথ্যা ও মহাত প্রনীত তত্পনোধী গীতমমূহ প্রত্যেক লোকের সহিছু ত্য সংগ্রেণ ভিক্ষা 🗸 আনা श्वित्विण दृष्टेगाड

লীবস্নাপ ল'ব গেকেমেরে মনঃশিকা শ্রীক ঠাকুৰ ভিঞ্জিবিনোদ-দ্বিত প্রান্তবাদস্থ। ভিক্ষা • भागा।

## প্ৰেমভক্তিচন্দ্ৰিক।

শ্রীর ঠাকুর নরে:ভূমের প্রপ্রণিদ্ধ প্রেমভক্তিপিব্যক

#### নবছী পশ ভক

্রীল ঠাকুর ভিন্ধিবিনোদ-রভিতে শ্রীল প্রেসোদামন্দ বৈদ্যবাহতের অনীমাণিশ। সর্প্রতীপাদের সংস্থাত নব্দীপশ্ভকের অল্লিভ প্রায়বাদ। । ভিজ। ৴৽ আনা মাত্র।

#### অর্থপঞ্চক

(लोकोकोरा विधिन्त । देवकवन्ता-क्रांग्वत काकिन्न প্রকার ভিক্ষাসন আনা আত্রা

### সদাচারশ্বতি

শ্রীণ মধ্বাচার্য্য-প্রণীত। বৈশ্ববের নিত্যকর্মানি সম্বাচারা-বলা, বন্ধারণার সভিত ভিকা / তথানা মাত্র।

#### মণিমঞ্জী

কবিকুলকেশরী শ্রীমন্ত্রায়ণাচার্যা প্রতিত জীমন্মপুর ৷ हारतात मराकेश कीवननीया अ मृत देवकनमग्रमक। मास्रतान (ভক্ষা) - স্থানা মাত্র ৷

### ८गोतक दका पश

প্রাতীন কবি শ্রীগোবিদ্দ দেব প্রাণাত শ্রীগোর্যাবভারের প্রমাণাবলী-সংবলিত সংশ্বত গ্রন্থ। ভিকা ৮০ সানা।

# যুক্তিমল্লিক। ( ক্ষণলোরভ )

শ্রীমধ্বসম্প্রদায়ামুগত শ্রীমনাদিরাক স্বানিকত। বস্থাকরে সাম্বাদ এই প্রায়ের প্রকাশ পরেমার্ণিক গাভিত্য-৯৬,তে এই সক্তোপম। শ্রীমনাধ্বচোণ্য হঠতে গোড়শাগন্তন দিতীয় মধ্বভাৰ্য্য নামে খ্যাত জ্ঞীৰাদিয়াকভাৰ্য স্বামী এই একে দ্যাধারণ মুক্তি ও লোকিক স্তামাম্বারে কিরূপ ফুলরভাবে ভক্তিবিরোধি-মতবাদ সমূহ খণ্ডন করিয়াছে, তাহা পাঠ করিতে করিতে আশ্চণ্যাথিত হইতে বর। ইহাতে যুক্তির बात्रा ठांस्राक, रेजन, रवांछ, मामानक क मात्रावाविमछ-সমূহের ফুলর পশুন রহিয়াছে। ভিক্ষা ২, টাকা মাজ।

### त्गाचात्री क्षेत्र त्रधूनाव मात्र

(ও বিষ্ণুপাৰ জীল ভাজিসিকার সর্বতী গোম্বামী প্রভুপাদ-লিখিত ভূমিকা নহ ) গৌরত্রেট স্বয়প-রপের একমাত্র প্রিয়তম শ্রীল দাদ গোস্বামী প্রেন্থর অপুরু চরিতানত ও শিক। অতীব প্রাঞ্চল ও সরল ভাবার স্মিরিঃ এবং পরিশিষ্টে দানগোখামী প্রাভূত্র বিশ্বতিত কএকটা সামুৰাদ মধুরতম তাৰ ও মনঃশিকা স্থালিত। ভিকা रीशहे ॥• बाना, बावाशहे 🗸 बाना माज ।

# চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাচীন নববীবের অবভিডি. হথা, গ্রন্থিত প্রাত ও ইতিহানিক প্রমাণস্থালত নঘটা গাঁপের সচিত বিবরণ-গ্রহ। রাজবিরা ওলাচেষ কুমার শ্রীবৃক্ত শর্কিন্দু মারায়ণ त्रशिष्टमः ८, ध्योकः नारमात्रोः, रानगञ्जनग मरमानत्र करुः স্থালিত এবং ৪৭ থানি বিভিন্ন বর্ণের অপুর্ব চিত্র ৫ মানচিত্র গম্বিত ; প্রাচ্যেনিছামধ্যের রাব সাংক্রে 🗐 👵 নগ্রেপ্ত নাথ দল্প বিশক্তিবাসস্থানিক মহাশ্যের বিস্তান ভূমিন। महा के कि है (देश) मत्रका शालक बना sue, कि लि: .. २८ ठाक नाव ।

# माभक-कर्श्वभाषा

**अक्षतस्मनः, टेनकत-बस्मनः, टेनकनमत्रनः, मार्काटमत्र कैं**न শ্রীনামত্ত্ব, শ্রীমন্তা প্রাপ্তর অব্যোদ্ধবশত নাম, অইপের मामकोष्ट्रम, श्रीनामगढीका, (अमन्द्रमित की न मनश्रील-महिमा, द्वायातालल महिमा, ख्रीमदब्राख्य-लाहत था। बाह (११)-वन्त्रना, मङ्दर्भाषाभीत बाहेक. त्ळामङक्किह क्रिक Bathenini, लोगान्यम-खालाकी, महाखान् । तात्र वामाल-গ্রেটি, সম্প্রেটা, প্রাথকপ্রাতি, প্রাপ্তক-পর্কলন মহাপ্রানুর বন্দনা প্রজ্ঞাতি সাবক ও সিম্বাদীবানর নিভাপান, বৈদ্যবগণের কথান্তিত ভূষণীমাশার স্থায় শতুক্ষণ কল भारतपुरमाना अञ्चल अहा। जिक्का लि॰, नेशाई ॥॰ माछ ।

## গোড়ীয়-গোরব

কলিকাতার স্তপ্রসিদ্ধ আলবার্ট হলে পৌড়ীয় সম্পাদক चैशांत क्रमहानम शहिमग्रावित्नाम-श्रमक वक्षकात विन् এত্রকারে প্রকাশিত। ইচাতে গোড়ীয় বৈদ্যবস্থাদায়ে । ইতিহাস, সূত্রাকালে প্রপিত হট্যাছে । ডিকা 🕪 নাজ।

# (भोड़ाश माहिन्छ)

ক্ষিকাভার স্থপ্রসিদ্ধ আলবাট কলে গোডীয় সম্পাদক শ্রীপাদ ফুন্দরামন পর্যিমাবিমেদেপ্রভূ প্রদায় পঞ্চার বি গ্রন্থারে প্রকর্ণিত। উত্তের স্টেডা প্রের অর্থ এ। ্রাউ্ত-সাভিত্তার বিষয় হ একারে বর্ণিত ইইরাছে । ভিত le/• আনা নাও।

## শ্রীগোড়মওল পরিক্রমা-দর্শণ

শ্রীজ্যোডদেশের যে সকল ছানে সপরিকর শ্রীষরাহা া-(दबः उपथुन প्রवद्धी महाज्ञनन्। कीवा कविया निवादः দেই সৰ আধুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও দেবৰিগ্রহাদিঃ পরিচর সহ যাতায়াতের স্থাবনা নিষ্ণেশ ইডাাদি বিনয়ণ্ড 🐬 मसित्रिक बार्छ। किका । बाता।

#### THE HARMONIST

### OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীল ঠাকুর ভাঞিনিনোদ-প্রতিষ্ঠিত এবং শ্রীল ভানি-সিদ্ধান্তসমূলতী গোৰামী প্ৰাঃপাদ সম্পাদিত পার্মাণিং मानिक भवा। अकारण देश्याकी काराव महोविश्म वर्ष ডুবলক্রাউন ৮ পেন্দী ৪ ফকা আকারে প্রতি থারে হার-नारमञ्ज विकत्र-देवस्वयी नवेषा छेनद्विक क्वेटल्ट्ड्र-वाहे क्षकात हैरक्रहे क्षत्रभा भात दकान गामिक भवाभिए দেখিতে পাইবেন না। বানিক ভিক্ষা ভাকমাণ্ডলসহ 🕹 हाका माज

### প্রান্তিভান-

শ্রীচৈতগ্রমঠ, পোঃ শ্রীমারাপুর নদীরা

(विविध अवीत्रा-श्रकाः

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ठोकूत खिलिविदनाम देनिकि छि । नाटम

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

# থোলা হইয়াছে ৷

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অতি যাত্মের পহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যাহে সুস্পর বাসহানের বঙ্গোবস্ত হট্যাছে। ছান অতীব প্রাহ্মকর।

- সবিস্তার স বাদের ভক্ত নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিথুন।
- পেত্রেন্ডারী, ভাকুর ভাক্তিবিনোদ ইন্টিটিডট্ শ্রীচৈড্যমঠ, পো: শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

# —৫১ বংসরের প্রতিষ্ঠিত—

উন্ধালেয়ে প্রস্তুত বাটীকা বাবা ওক্ষভারণা, পরদোব, কোষ্টভাঠিত, অত্মীর্ণ, ধ্বজভঙ্গ প্রজ্ঞ ক্ত বোগীর বোগ নিরামর হইয়াছে তাতা প্রকাশ কবিশে বড় বড় পুঞ্জ কইবা পড়ে।

#### हेड

সকল অচুতে ব্যবহার চলে ও সমান ফল কোদান করিয়া থাকে। কাজি কোটার ০২টা বটাকা থাকে।

#### কেবলমা জ

ক্ৰান্ত কোটাঃ মূল। ১ ্ৰফ টাকা। ইণাঃ নাম 'আভিস্কানিশ্ৰছ বটীকা'।

অভান্ন ঔবণের তালিকার ক্ষন্ত পত্র নিধিনেই পাইবেন আবিধান ঃ—জ্বাত ক্ষনিপ্রাই ঔশধানে হা

২১৪ নং বছবালার ট্রিট, কলিকাডা।

# কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



ষক্ষংখনের প্রধার জন্ত ৬ আঃ শিশিতে ঘনীতৃত প্রবৃদ্ধ ছোটবোডলের াসমপা উব্ধ ভাকে পাঠান হয়, ইহাতে উব্ধেদ্ধ খোন পরিবর্ত্তন করা হয় নাই। সূল্য আভি শিশি ৪০ আনা, পাইট ৪০/০ আনা, বোজল ১০/০ আনা।

অফিল—১১নং উচ্চাডালা রোড, পোঃ স্থামবাজার, কলিকাতা

# আভাগৰত প্ৰেস গোৱাড়ী হাই**টা**ট

# কুল্পেগর

এখানের বিবাহের নিষন্ত্রণ-পত্র, প্রীতি-উপবার, কার্ড, প্রস্থু এবং অভাক্ত বাবকীয় কার্ব্য ছাপ। বইরা থাকে। ছাপার বর বাজার দর অংশক্ষা ভূসক্ত। পরীক্ষা প্রাথনীয়।

# হাইড্রোসিল

বা

# কোষর্দ্ধি রোগ

ডাঃ এপ্; এন্, খোষ বিনা অংগ্র, খাবজীবনের গ্যাবান্তি দিরা বৈক্তাভিক প্রশাসাক্তে কোষবুদ্ধি গোগ আংবাগ। করিবা থাকেব।

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

# দৈৰপ্ৰাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

# প্ৰবন্ধ দিলে সম্পূৰ্ণ আন্তোগ্য

বোগী দেখাইতে চইবে। অসিম পাপের থরচ (যাওরা এবং আসার) পাঠাইলো গিরা রোগী দেশা হয় অথবা এপামে আসিনে আসিনে বংগালী দেশার উষ্ধ দেওরা হয় আহোগা না ছন্তবা পদাক্ত পারিপ্রামক দিছে হচবে না। গালীব স্বোগীদের থারচ বছন করিলা তিকিৎসা কলা ছল। বিশ্বাবিক্ত বিবহণের কলা এক আনার ভাক টিকেট স্থানিয় তিকানার অন্তুসন্ধান কলন।

জ্ঞাকি তীপচন্দ্র উকীল, যক্ষা-চিকিৎসক, শোঃ নৈকাঠী, বৰিদাল। অপশা নিয় ঠিকানার সাক্ষাৎ করিলা বিভারিত কালিতে পারেন।

উগ্রেড রামবোপাল দত্ত এম, এ, ক্লঞ্চনগর, নদীচা: আঁষ্ট করিপদ গিংক, ১১৭, বেশিয়াটোলা ক্রিট্, কাটখোলা, কালকাতা :

প্রক্রমানি পত্র ! অনার প্রাভূপুর গভ হর মাণ যাবৎ রাজ যপ্তার ভূগিরা মৃতপ্রার হুইরাছিল, কলিকাভার বিজ্ঞ চিকিৎসক্পণ ভালার কীবনের আশা ভাগে করিরা শেব নৃতুক্তের অন্ত অংশক্ষা করিছেছিলন এই সময় প্রীষ্ঠ কি শীশচন্দ্র উকিল মহাশার মাত্র ১০ দিন চিকিৎসা করিরা সম্পূর্ণ মারোগ্য করিয়া দিয়াছেলন। (সাঃ) প্রীয় কিশোর হায় চৌধুরী (অনিদান গালিয়া) চগুরীট্, নিউ বিক্তিং। করণোয়েশন টেটং দ্রিণা ট্রেন্ট, কলিকাভা।

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

भोजान 88%

माज 🗸 > । जाकि दिक्छ भाकि। बेटल वे यूक्टभाट हे भाकि। न स्म ।

ম্যান্সেকার-গ্রন্থহিতাগ ঐচৈতথম, পো: শ্রমায়।পুর, নদীরা।

কেশ গ্রাহকগণ

# গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

–কার্বল–

এখানে यावजीग्र हालात कार्या —

अशापित कार्या विस्तृत,

বিবাহের নিমন্ত্রণ পত্র, কার্ড, বিবাহের পছাই বলুন,

আর ৩ রং ও ৪ রংএর হাফটোন ব্লাই বলুন, সকল কাষ্ট্র জড়ি সম্ম ছাপা ৪য়, অথ্ন ছাপাইবার খন্ন বাজার অপেকা ফুলভ।

আপদার কিছু ছাপার কার্যা থাকিলে িম্নঠিকানায় জানাইলেই দর পাইনেন।

> মাধনগায়—গোড়ীস্তা প্রিণ্টিৎ ওয়ার্কস্ ২৪৩:২ মং মাণায় সাংকুণায় বোড, কবিক জ

## देशनिक अधीया-काकाम

### লগুন গমনের সম্বন্ধ পরিভ্যাগ

বোৰাই হইতে এক্লপ এক সংবাদ নিশ্চিত্রণে উংহার প্রেন যাতা বন্ধ ক রিয়াছেল

িনি প্রেণমতঃ পাক্ষীলীর সহিত का नाभी ३ वह कानहे जातिय गखन गाओ করিবেন, 'এরপ স্থল্প করিয়াছিলেন। ভিনি যপন গভুসপ্তাহে দিলী হটভে নোখাই যাত্রা করেন, তথন তাঁহাকে এ ३इँइ'६ल।

# রিভলভার চুরি

চিষ্টি হুইছে প্রকাশ যে রবিবার ২বা খাগত স্থাকালে সিউভার ভাভার অংঘারচন্দ্র রাণের একটা ৮ নলা রিভল-ভার ১০টা টোটা ও ১ শত টাকার লোট চরি গিয়াছে। জেব পুলিস ভদন্ত চলিভেছে এখনও কেহ গ্রেপ্তার

# গোল টেবিলের প্রতিনিধি

ट्यांन ट्रिंदिस देवहटकत आहेल्य गर्हन কমিটার সদভ সার স্থলতাম আমেদ আগোমী ১২ই আগষ্ট পাটনা হইতে भाषा है याखा कतिराम। ভণা হইতে মুল্ভান জাহাজে ২৫ই ভারিখে ভিনি taits erwes कन्निद्वन। विश्वादन्न নেতা---ধারভাজার মহারাকা भिताक, मात्र आनि इमाम ७ भौग है। भक्षी मार्डेमी वर्डे आल्डियत 'तर्भूता, ভাগতে যাত্রা করিবেন। স্থার আণি ইন্মের স্থিত লেডী ইম্মত বাইবেন।

### मिथ मीटगत मानी

ন্ভ রুহস্পতিবারে শিখাযুব ম্মিডির উত্তালে এক সভার অভিবেশন হইগা ि शटण: मञ्जाद्र भतकात्रदक भिन्म कतिया यका प्रकेशातक (म. त्यामारकेविक देवरतक সেন্ট্রিল কৈও লাগ ছইতে কোন সদস্তাক falaga 布什 4月 a(2) 住葬 (東京 任事 मृक्ष द्वित कतिशाद्यम त्य मुख्यम देवदेरकत्र দে সিরাম্ভ হটার উল্লেখরা এছণ क विश्वत स्था ।

# রামকৃষ্ণ নিখাবেশ্বশাসির জের কভিপয় ছাত্রের জরিমান। 🕝

চট্টগমে চইডে প্রকাশ যে স্থানীয় भिष्ठिभिनिष्णाक होडे ऋत्मत डेक ट्यांगैंस ক্ষেক জন ছাত্রের জরিমানা কইয়া रिकारका अहे कविया नाकि जामकृष ভাগে ক্ষিম্ম শাহিব হট্যা শিয়াছিল 1

# এম এল সি'র বাটীতে পুলিস

किया गाजिटहेट्डेत खनक भरतात्राना-পাভয়া গিরাছে যে, ডাঃ এম, এ আন্দারী বলে পুলিশ ৬ই আগষ্ট পারাবভিত্র এম এল সি ইউ সর কেন্দ্রের বাটীতে থানা ওলান করিয়াছে। ব্যবস্থাপক সভার ष्यात्रामी व्यक्तिरागरम बाला विद्वाह সম্পকে ভিনি যে সকল প্রশ্ন করিবার সক্ষল ক্রিয়াভিলেন, সেই কাগল্পত ভাহারা লইয়া গিয়াছে।

ইগার কিভুফণ পরে পুলিস ট্রংহাম জন্ত বিদয়ে অভিনন্তে স্থানিত করা নামক একজন চীনার বার্মা গাজিয়ান প্রেমেও থানাওলাস করে। ঐ বাড়ীতে শান প্রেমের ডাইরেক্টারও অবস্থান প্রায় ঘণ্টা খানা-ওল্লাসের পর পু**লিস ৪টি ফব্ম। ও ইউ** দ'খিখিত ১৩ ৰানা পুঞ্চিকা শইয়া বায়। क्षकाम, श्रुष्टिकांग्र मानाकाम बर्गेष्ट करू हो ও বিবিধ লোকের লেখা সংগৃহীত अहरू ।

## मञ्जूष्ठ अप्रकार अन्य के कि विकास

ময়ুরভঞ্জ রাজ্যে প্রলোকগভ মহারাজ পুণ্ডন্দ্র ভঞ্জ দেবের নামে একটি শিল্প শিক্ষালয় স্থাপিত ছইয়াছে। ডেটে রাজ্যাতা মহারাণী ভাষার স্বামীর স্থতি রক্ষার্থ উক্ত প্রতিষ্ঠানে একলক টাক: पान कतिग्राटकन । यहात्रात मार्ट्स निटक গত ১৬ট জুলাই উক্ত হ ভিঠানের উদ্যোগন কাৰ্য্য সম্পন্ন করিয়াছেন।

## উত্তর কলিকাভার দিনে চুরি

প্রকাশ, ভানৈক পশ্চিমা মুনলমান যথন কলিকাতা মদলিদ বাড়ী ট্রাটে करेनक (दशांत शृह्ह क्षांचन करत. एथन সে গুতে উপস্থিত ছিল না। সুংগ্লাং व्यागामी ताका काकिया भूगाव'न प्रतामि স্থানাপ্ররিত করিতেছিল, এমন সমণে উক্ত রম্বা ভশার উপনীত হুইয়া চীংকার ক্রিলে বাটার মক্তান্ত অধিবাদীরা তথার উপনীত হয়। কিছু ভাহার। উপস্থিত হটবার পুরেষ্ট আসামী গুঠ ভেঙ্গ করিবার यम् छीन (कलिया भगायन काटन सानीय পুলিশ কর্ত্ত হয়। তাহাকে গ্র শুক্রণারে উত্তর ক্ষিকাতার পুলিসের ভেপুট কমিশনারের আদালতে উপস্থিত করং হয়। ভিনি আসামীকৈ পুলিদের (इपाक्टल बाधियात चारमन मित्राटकन। शृशिभ उपन्न हिनाटहरू।

### পৰাৰ লাটকে গুলীয় চেঠা

পঞ্জার গভর্গরকে শুলীমারা বড়বছ মাস্থার দার্রাজ্ঞ মি: গ্রন্থ ওয়াকার भवकात भटकत निक्षे इंडेट्ड किक्सिश

गः काश्व कागक्रणक गत्रकाती छेकिन (कन আনেন নাই। জন্ম তাহাকে প্রস্তুত स्टेश आशित्य बरमम दर गांदकात ए**य** किश के लिएंक निरंश केंद्रिम

**८%डात वामनात्र्यत माणा ७**टे আগিই তারিখে শেষ হয়। ভিনি কেরায় वरणन, बालाकाल इकेटडरे छिनि विभागी আদর্শে অফুপ্রাণিত হন। লাহোর কংগ্রেসে নেতাদের বস্তুতা শুনিয়া এবং ভগ্ৎ শিংএর কথা ও ভাছার মামণার বিবরণ পড়িয়া তাহার ঐ আদশ পুষ্টিলাভ করে। कांक युनियरभन्न छेटमण ना क्रानियाई তিনি উহাতে যোগদান করেন।

# जानिनी क्योंन मादम ১०१ थाता

बिश्रका करदशस्त्रत मालिना त्यार्छत কামিনীকুমার দত্ত গান্দীকীর নিকট (देशिशांश क्लिश কংগ্রেসের প্রস্থাব অন্তর্শারে উক্ত জিলায় যে সকল দালিশী বোড় স্থাপিত হটানাকে, তাহার কাণ্যকলাপ সম্ভান্ত প্রানীয় কর্ত্ত পক্ষের ভারগতি সম্বন্ধে অভিযোগ করিয়া-তেন। শ্রীয়ত মার ভাগার আন্চ্যাগ স্থালিবা আনেল্যানের স্চিত্ मः पृष्ठे • अ क्रम कक्षीत 'नत (क्र कामार्टिश) स ১-१ शांता अकुमारत त्य गांगका वान्ता । क्षेत्राटक, खाकाच छिल्लाय कतिवाटकन। क्क्यीरमञ्जूष्यका दशीलनी आ छन शरहाक ও व्यावक्रम क शिरमात्र माम छ अन्याना ।

গত बारकाणराख भगग এट गालिया बाम(शर्डित कांश्र ठांश्र) विश्व भागना শাভ করা ধ্য়। গাগা-পার্টাইন চক্তির পরও উহার কান বেশ চলে। বংগর মিঃ ওয়েজউডবেন লগুলে পার্লা-মেণ্ট মহাসভায় যে প্রয়োজনীয় বিবৃতি করেন, ভাষাতে ভিনি ওজরাটের সভিত এই সালিশী আদাণতের উল্লেখ করিয়া

# मन्त्रभाहिए विस्तृ गुरुवयान ঐক্যের কথা

**ীয়ত অধীক্রনাপ নৈনের সভাপতিতে** द्यारन दक्षि मानात्र भन्तत व्यनिदर्यन হয়। পুটিয়া কংগ্রেস কমিটির সম্পাদক 💐 😎 कानावन चाहिज़ी, तावभागी जिला কংগ্রেদ ক্ষিটীর সহকারী সভাপতি খ্রীত व्यकामहत्र नाहिकी ३ (मोलडी मुलियत মুহ্মান হিন্দু-যুৱলমান ঐকা সহদ্যে বঞ্চা करत्रम ध्याः (आङ्गधर्मी) का कार्यास्य गकः) ध्वः वान्नं वृक्षारेषः (नगः। श्राक्रामः, নন্দনগাছিতে শামই একটি শাুৰা কংরোস কমিটী গঠিত চ্টবে।

क्रम. चाहे. दान वर्षण छत (चत्र মাদ্রাল হটতে প্রকাশ যে সাউগ চাংহেন যে, কতকভালি অপছক্ষমই ব্যাপায়, ইঞ্ছিল রেলপথের ধর্মঘট সংক্রান্ত

किष्णित व्यवतात्व याहीनिशत्क कातानत्त मिक्कि क्या इस् डाइम्प्रिश्टक मुक्ति धार्थना कतिवात ब्रष्ट धकनन खर्जिनित रमरक्ष है तिरम्दे मार्छत महिल माकार करतः । श्राकाम, गर्डर्तत्र नरमभ करमगीता ওরাতর অপরাধ কলিয়া জেলে বিয়েটে कारकरे अरकरख आंत्र नया क्या भाग मा।

# व्यक्ति भूदत लाल दे अहात अ RIBSTETP

মেদিনীপুর, গভ ৫ই মাগ্র প্রান্ত इहेरात भएक भएक "भाषाम (तमल" भन्दरक त वसरम सङ्घारि" आस्त्रीह अर्रेक्सल (मान्।न क শাশ ইাস্তাংক সকল সহলের থানা বাড়ীর (म इसार्य माता (मधा यात्रा, ऋरण महरस arbi 61क्षणा भगा गागा

পूर्णित ता खंड निष्ठ विभिन्न बाड़ी-खोर्नरक गुल्लार आना • छा.म करतः---(ः) সাভাগ কোপানীর মা নেকার স্ত্রীত্ত স্থান भक्त महिल्ला सामादकत द्राक्त (२) भाका व बाबारनेन जीवंड भूगानन मांचारकात (माडा ड्यापेरका कादशाना (ट डिकिस জীয়ত জহরপাণ অংশিকচেরর ব**টো** (৪) ८०भिङ्गाण **ङाकात कोत्रकात स्थार**भव বার্তা। ও বে মোজার প্রীয়ত চারচঞ मारमत कःष्ठि । अकास, दकाशास्त्र मंदमकर ेकनक किंद्र शांवर) यात्र नाहे। एकह े (अपित्स क्षेत्र आहे।

# বিঠল ভাই প্যাটেলের জ্বর শাস্তিয়াছে}

ভিষেম क्टेट शकान त्य महत्न-नियास मजन विक्रणकार्क भारिकेरणम कत একটু বাড়িয়াছে। अञ्चल अञ्च दकामञ् चरश्त कातन नाहे। छाहात्र व्यक्ता व्यवहा काल । काकातश्य काहारक व्यथ निवासन निभाग (धारना अधिगाद्यम ।

# **७१११३१८गद्र व्यम्मदमद व्यम्बर्दर** पटला जार्याकन

পাঞ্জাব বড়বর নামলার অংগামী ভাগরাম ८०म कर्डलरकत वानशास्त्रत व्यक्तिमान-कर्य भाष अभागकाम गावर व्यनसम्बद्ध পালন করিখেছে १हे आगड कार्यो আইনের ৫০ পারামতে ভারার বিরুক্ষে আদালতে অভিযোগ আনান করা ६६ मः ८७ ।

# শিশ ও মুসলমানে দালা

পঞ্চাবের চক্রভাগ নদীর ভীরে এফদশ मुन्नमान ७ ८ क्ष्मन निर्धित मर्गा दकान काष्ट्रत नामा एउगाप्त अक्रमम निथ িছিত অভিস্কৃত্য অক্তয় রূপে আহত ब्हेराट्ड ।

\*

V.

मारा त्याद श्रा क्षां अन् दहरू वामाविक ८ देवमानिक २५ व्यक्ति मश्या। 🐠

नवकान्यस्थित कांत्र ELIM TIES COLUMN TIME SA নাক কলম 🤛 ar and be-সাভ কলম ২১ किंक गांव 402

ভারতের স্কৃতি বছল-প্রচার—দ্দীয়া ভেলার এক মাত মুখ্পত

**ঞ্জীত্রতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদাস্তবাচস্পতি** [১৩৭ তমদংখ্যা

**শ্রীটেডভামঠ শ্রীণাম মায়াপুর—২৭শে শ্রেবণ বুণবার, ১৩০৮, ১২ই আগষ্ট ১৯৩১** 

# নানা কথা

ब्रिकान खाबा कार्क क

হাওড়া হিগেট ম্যান্সনের বাহির বাড়ীতে খানডয়াদের ফলে গুলিল অন্যক্তি িনিয়ের মধ্যে পিতলের ভুটটি ভালা कार्क्ष '७ जान इन्हें ज्ञान नार्के करन কার্ড পাইয়াছে। ই, আই রেলের ইঞ্জিনিয়ারিং ওচার্কসপের শ্রমিক দীন মহম্মৰ ঐ ৰাড়ীতে পাকিত। ২৬ পর্নাণা জেলার কোন স্থানে ভাকান্ডি সম্পর্কে সে সম্প্ৰতি আলিপুয় পুলিল কৰ্ক্ক যুক্ত क्रेबाकिया। श्रृणिभ थिरन्छना करत्र स्य ঐশুলি সামরিক বিভাগের কার্ড্ড, কারণ উহাতে তীর চিক্ আডে : লাইদেক ব্যতীত কার্ড্র রাধার অভি-যোগ অস্তা আইনের ১৯ (এফ) ধারা অন্তপারে দীন মহম্মদের বিরুদ্ধে মামলা উপস্থাপিত হইরাছে।

# ৰাভুড়া আছালতে গামহায় বাঁধা ्यू है छिन बसूर्य

৮ই আগষ্ট অপরাচ্ন গ্রায় ডিন चिकात : मगत्र व्यामानाटक मनटशाविन्स् ধৰপতি নামে কনৈক ব্যক্তি গত এই আগষ্ট সাটুৱা থানার ছইটি নরমুও উপস্থিত ক্রিরাছিল। এবং দিতীয় জেশীর ন্যাঞ্জিট্রেট মি: আর, এন মুণান্দীয় এজগাসে উপস্থিত হুইয়া সে ঐ তারিখে অপরাণ স্বীকার করে। একটি मुख राविधाः स्मा धनी महायान 🔞 असीमात्र मानमञ्ज प्रदेशिभाशादिक द्वार मन्त्रित वनवि दावी मान्नी दशाजीय अक्टीका उक

# হাওড়ায় তাজা কার্ত্ত্রজ

বঁকুড়। আদালতে গামছায় বাঁধা ছুইটা নরমুও

# ভীষণ নারীহত্যা

বিচারাধীন বন্দীর অনশন ধর্মঘট

# রাজবন্দীর মুক্তি

পুলিশ কর্মচারীদের বিরুদ্ধে গুরু অপরাধ

# লাহোর জেলে চাঞ্চল্য

রামকৃষ্ণের মৃত্যুতে শোকপ্রকাশ

# রহস্যজনক হত্যাকাণ্ড

মহিৰ্শাবকের সাত্থানি পা

ব্রেটের নিকট ভাহার অপরাণ সীক্র কলে এবং নিহত ব্যক্তিবীকে আঘাত করে বলিয়া ঘোষণা করিয়া নিয়লিখিত मृत्यं करामुक्ष्मी करतः,---

🦥 ''নামি তাড়ার পর মুখ ছইটি একটি 🏻 **বিঃ হাচিনসনের অবস্থা শঙাজন**ক গামছায় বাঞ্চি বাকুড়ার আসিতেছিলাম। वस व्यष्ट्रांग कतिमाहिनाम ध्युः हरे

ভাছাকে ব্ৰিয়াছিলাম। কিছু দে আনার সহিত আদে নাই। আনি ভগন মৃত **छहें**ने कार्य नहंगा दकाकीहे व्याप्ति ।

मीत्रा हे मांमणात आमामी मिः शहिनcoकिनातरक अमित महिल आमिनात विक्तिमासक कारत वृत्तिरण्डाक । मण्याल | जिल्ला व्यवशा पुत्रे महाझनक हरेगा हीरंगारम्य । मानामी मनरगाविन माजि- वाक्रिय मानि क्या क्षियाप्रिक नामि है। गण ५१ मागरे ताबिए

তাঁহার শরীরের উদ্ভাপ ১০৪'৮ ডিএটা পর্যান্ত উঠিয়াছিল। ভাক্তান্ত ভূপাল সিং, यानां की, रमजत ऋष्टिंड, नि<del>ष्टिम</del> मार्कनः এবং মেরস্ইভান্স প্রভৃতি চিকিৎসৰ-**गग् डाॅब्स्ट्रक मिल्डिंट्स्स ।** 

প্রথমে মি: হাচিন্সনকে মিলিটালী হাবপাতালে নেওয়ার কথা হয়। কিছ হাসপাতাব্যের কর্ত্বশক্ষ যিং হাচিনসন ''বলশেভিক" বন্দী বলিয়া তাছাকে হাসপাতালে নিডে অনীকৃত হন। পঞ্ স্বত্ত কর্তৃপক রাজীহন। মি: ছাচিন-সনের মাতাকে ইংলভে এ সংবাদ ভার্জ্জ क्षिया कानान रुहेब्राट्स ।

#### विচারাগীন বন্দীর অলশন বর্গাছট

পাঞ্চাবের রাজনৈতিক বন্দী, বিভেশ্বত: ভাগরামের প্রভি অভার ব্যবহারের প্রতিবাদে কাছোর বড়বর মামণার যাবভীয় বিচারানীন বন্দী অনশ্ন ধর্মঘট ভারস্ত করিয়াছেন আস্থামী শুক্দেব রাজকে অপর একটি মড়বস্ত্র **উপরেক্তি করে**শ **জন্ম প্রোয়েশ**বেশন আরম্ভ করিয়াছেন।

# त्राकृतकीत मृक्ति

ডাঃ শ্বরীন্দ্রনাপ সেন শুপ্ত গত ৫ই জুলাই বলীয় সংশোষিত ফৌজদারী আইনে নাগিরপুর থানার দেরাগুকাঠীতে গ্রেপার ইন এবং ভাইার পর যশোহয় **ट्याटन भारति बारति । १७ १३। माग**ई लाए जिनि दश्म महेर्ड मृक्ति भारेगा वित्रभाग व्यानिया (भीक्टियन।

# শ্রীবিশ্ববৈষ্ণবরাজসভার পরিব্রাজকগণ

পরিব্রাজকগণের নাম

- ১। শ্ৰীল ভক্তিপ্ৰদীপ ভীৰ্থ
- ২। এ ভিজিবিবেক ভারতী
- ৩। এতকিবিজ্ঞান আত্ৰৰ
- ৪। শ্রীভক্তিপ্রকাশ অরণ্য
- १। औडिक्सनम् यन
- ७। शिक्तकांच शिवि
- १। औडिकिटेव छव मागत

বৰ্তমান টিকানা

**अभागान्** व

क् निर्मेष्ठा

" अभावात्रव

**本記** 

কলিকা ডা

অমুক্তার

ব্ৰাহ্মণপাড়া

প্রিরোক্তগণের শাস

्रा अवस्य अक्षेत्र **भू**की

**)। अर्डाक्यक्रा नर्पड** 

১- ৷ বিভাজিবিলান ঘততিবেনি

১**৯। ঐতিভাৱন ভাষ্টিনার** 

१२। शिक्षां उपकर शिक्ष

১৩। जैडिक्ट्रम्य (खोडी

১৪। 🖭 छन्जि अनुम (वाशासम

বৰ্ত্তমান টিকানা

···. कर्चक

মর্বজন্ধ কলিকা গা

माजा

44 (82.) 387

শান্তা# শীমায়াপুর

বালেখন

# শুদ্ধভাক্তমসসমূহ

# াহৈত্য মঠ

# আকর মইরাজ

व्यातीन नवदीन, काक्षत क्रियाय भारालुत, नवीता

তেই মঠবাজে পারমার্থিক দৈনিকপত, লাড্ড-ব্রুলান্তের অপ্রকাশিত ও প্রপ্রাচীন গ্রন্থরাজি প্রচারক্ত্রে 'নদীয়া-প্রকাশ' ব্য়াগর জাঠিনিক ক্ষরাজেন ওথানে প্রতিবংসর শ্রীগম-পরিক্রমান্ত্রনাম ও অগণিত ক্ষণগোটি।ই কীউন প্রচারমূপে মহামহোধ্যমি ভঞাল অন্থতিত কইরা পাকে। বক্ষক—প্রক্রারী শ্রীগদে নবহরিলী। সহকারী—গ্রন্থতারী পণ্ডিত শ্রীপান পোরদাস কার্ন্যাক্রগতীর্গ, শ্রীগদেখন, শ্রীগদেখন, শ্রীগদেখন, শ্রীগদেশন, শ্রীগদেশন, শ্রীগদেশন, শ্রীগদেশন, শ্রীগদেশন, শ্রীগদেশন, শ্রীগদেশনিকারী ভক্ত নরেক্ত, ভবিপদ, বেষ কীমোহন প্রস্তিত।

## (৩) যোলগাঁঠ ভীমন্দির

- (৪) শ্রীবাস-অধন
- রক্ষ ০--- শ্রী প্রভা হকু প্রম ব্রহ্ম চারী।
  - (१) काट्रेक क-स्वय

ছক্ষ ক— শ্রীবৃন্দাবনচরা ভট্ট চার্বা. শ্রীপ্রেকশন্য ব্যবাধী।

(७) काकोड नमावित है

প্র:চীন মারাপুর, বামনপুকুর (নদীয়া) বৃহ্ণক-ভ্রন্থটোটি শ্রীকিনোদবিশারী।

- 4 ) 박(明明 명박#-李曾

बैर्लाङ्ग, वक्रमश्रह ( संशोधा )

শক্ষক—ভভিক্তম ভাকার **প্রশা**চারী

কৃষ্ণকারিকী বশ, তম, তফ।
(৮ **ভিজ্ঞারার** এগাড়ীর সঠ

( ८० **क्याक्यास** ८गा होत्र स

শারী, ঐটকজন অধিকারী প্রস্তৃতি।
(১) জীগোর-গদাধর-মঠ

চাপাকালী, সমূদ্রগড়, (বছমান)

> ( ) • शिक्षणदर्शाक्षीय-वर्ड गाउरशकः अवाश वृष्टेः नि वक्ष र-- शिम्दर्शवद्यानकः अवताती

# (১১) জীমেকক্সক্ত

নাউগাছি, ভারগর, গছমান। গৃক্ষক—শ্রীগছবিধারী ব্রভবাসী, ভক্ত শ্রীগদাধর।

(১১) ভাগবভ আসন

শ্রীভাগবত প্রেণ, কুঞ্চনগর, দদীরা। বক্তক-শ্রীকৃষ্ণানন্দ বন্ধচারী ভব্দিশাস্ত্রী

## ir retere (oc)

গোলিশপুৰ, ইংস্থানী, নদীয়া।
ক্ষক—জীমতুদানশ ব্রশ্বচাৰী। সদকারী
জীলকদিকে ব্রশ্বচারী, জীমপুর্গের দাস
অধিকারী, জন্ম নিশ্বনাথ।

( ১৪ ) श्रीमाध्य दगीक्रीय मर्ठ

গোঁওল ওদ্ধারী, শীণনিভণাৰদ করু।
(১৫) জীমোণালকী মঠ

**审判判[对话,图[华]]** 

वक्क--- द्विकामनाम अक्रनामी

(১৬) **জ্রীগদাই-জৌ গল মঠ** বন্ধক—শ্রীপূর্ণপ্রক্র রন্ধচারী, শ্রীম্ভিকাল

বক্ষ — অপুণ গ্ৰন্থ রশ্বনার, অন্যত্ত সা অন্যতি

(১৭: শ্রীভাগনভক্ষনামক্ষ মঠ

ां कि विश्वा, वाष्ट्रस्वराधः, यिविभी सूत्र ।

वाष्ट्रसः विश्वकः स्थानाः वाष्ट्रस्य ।

विश्वविद्यास्य विश्वविद्यास्य । वाष्ट्रम्यः स्थानः । वाष्ट्रम्यः स्थानः । वाष्ट्रम्यः स्थानः ।

# ( २ ) 🛍 द गो ज़ी व्र मर्ठ

२७ नः काशिव्यमान ठळगयी हैकि, त्याः मात्रवासात्त, कशिकाका । .हेशिक्सान वि. वि. ८२५८

মঠরকক—আচার্যাক্তিক শ্রীপাল কৃষ্ণবিভারী বিশ্বান্ত্রবণ। সহকারী—পঞ্জিক শ্রীপাল অনপ্রবান্তরেশ পরবিভান্তৃপৰ বি-০, শীপাল রাস্থিকারী ব্রহ্মচারী, শ্রীপাল কগওয়ারপ লাসাবিকারী বি-০, ব্রহ্মচারী শ্রীপাগরীযোকন, ব্রহ্মচারী শ্রীপাগরীযোকন, ব্রহ্মচারী শ্রীমগনেন, পরিস্ক শ্রীপাল নবীনকক পরবিশ্বান্তর্গার ভাজার ভাজিশালী স্বাম্পালয়টো ভাগার্যা, শ্রীমন্তর্গানলাস্যাধিকারী বি-এব, শ্রীমন্ত্রপান ন্যকোরিন, শ্রীবিশ্বন্তর ব্রহ্মসারী, শ্রীমুলরগোবিক্তান্তর্গারী, শ্রীমুলরগোবিক্তান্তর্গারী প্রভৃতি।

# (১৮) **আনলাব্যেড়া প্রপন্নাশ্রেম** শ্বাদবাদ লো: শ্রেমান।

वक्क-अञ्चनामी और्शवकित्नात ।

(১১: শ্রীপুরুবোত্তম মঠ

प्रशंकात, जुती, द्विष्टियाः ।

क्ष्मक — बश्चारा श्री श्रीत्र सम्म निष्णात्र प्र. अन्न हाती श्री सम्मी शामक, श्रील त्र त्र प्र. ७०० त्र नहीं त्री श्रीत्र वासक अन्न हाती, श्रीतिमार हत्र विकास क्षित्र होती श्रीतिमार

### (२ -) खीजक-दगोफीस मठ

আলবরনাথ, ভ্রন্ধাপার পোচ, পুরী। বন্দক—এন্ধচারী শ্রীগরমেরবী প্রানাধনী। সঙ্গায়া —এন্ধচারী শ্রীবেশিনবিধারী।

(८১) जैजिक्सानम् मह

উদ্বিধাৰাক্সার, কর্ক । রক্ষক—এন্সচারী জীপন্দর, জীবানগদ এন্সচারী,প্রীপাদ ক্ষরপোপান কাসাবিকারী।

(२२) खीनमाडम-शोधी र मर्ठ इसः सगस्तीतमधुता, कानी । इकक- जक्षतारी कृष्ट-सन्ती, विठारेशन

(২৩) **শ্রেক্ত কর্মন হর্** জীনুদিংগোস করে, জীগাম ফুলারন । বক্ত — জীলপ্যজিনাল ব্যস্তানী

उन्नहः हो, जीवकामन उन्नवानी ।

(२८) 🗬 श्रामधरण गर्ड

द्विश्वानगः, नीटाश्व वक्तकः जन्महाती जिल्लीश्वानम् व अन्नहाति जीनमञ्जूनामः । (২৫) **শ্রীটেডজ্ঞানোড়ার ষঠ**সুমুক্**ডা,** চিম্পুডা, আনজ্য।

বক্তক—শ্রীরমানাগ রার, শ্রীরামন্ত্রীর্থ বেশ্ধবিয়া।

(২৬) ব্যাসংগাড়ীয় সঠ রক্ত-এমচার্যা উপ্তথনতা, জীননী-গোগাল ভ্রমণানী

(২৭) ব্রাক্ষণশাড়া প্রপদ্মশ্রম-মঃ

রাজগণায়া। লোঃ মাজু, হাবড়া আগানে বড় ডুলমুক্তি প্রীলোছালের দেকা গর্জমান। যক্তক-স্রক্তবাদী প্রীপ্রাণ্ডুক্ত লাস, ভাজ করুণাক্ষ।

(২৮) দিল্লী গোড়ীয় মত-কাষ্যালয় বনং গোণীকনন ডাকার কোন, নিউ দিল্লী বক্ষক— অক্ষারী শ্রীনীরকৃষ্ণ, প্রীকৃল্পেরর শ্রীরাগায়মণ্ডয়ণশর্ক

# (২৯) গোরালপাড়া-প্রপদ্ধক বৃদ্ধ-প্রক্রারী জীবাধানমান

(৩০) মাজালগো দীয় মঠ
নৰ গোপাণগুন্ম, কাণেড্ৰ'ণ, মাজাল
কৰ্ম-- ভিন্ন গুলানী ক্ৰীন্তজিৱকৰ প্ৰীপন্ন
নহাল, মঙকাতী-- ভিন্নপ্ৰিয়ানী ক্ৰীন্ত্ৰ ডিল প্লন সকলি-- ভিন্নপ্ৰয়ানী ক্ৰীন্ত্ৰ ডিল প্লন সকলিলাৰ, শ্ৰীপান অপ্লানন প্ৰভন্ননী, শ্ৰীণান সেঙিনিন্দ্ৰ ক্ৰেচাতী, শ্ৰীনাৰ নিভ্সক্তৰ ব্ৰহ্মচাৰী ক্লিলাক্ৰী ভিন্নাৰ গোৰ্ম্মণানন্দ্ৰ ক্ৰহ্মচাৰী।

(৩১) বার্মানোপাল পর্ট কাঠানপূলি, চানধা, নবীল ব্যুক্ত অসচায়ী প্রকেশণানশ



বৰ্চবৰ'

১৪ ៓ পর রেণীরাক্ষ ৪৪৫, ২৭০েশ জ্রোবর্গ বঙ্গাব্দ ১৩৩৮, ১২ আগেষ্ট ইং ১৯৩১ বুগবার

2015म जरभार

# সাম য়িকী

( পূর্বপ্রকাশিক ১০৬তম সংখ্যার পর ) \* व्यविनादव मदशंश्यद्यं व विन शाकाग्र অদিকাংশ শিক্ষিত নাজিরই ভাষাতে বোগদানের স্থযোগ হটরাছিল। ভাই অপ্রাত্ত ৪ ঘটিকার পর হইতেই বহু উচ্চশিক্ষিত ও সন্তান্ত ভদ্রগোক এবং महिला तरन परल वाजिरह नाजिरम् । करम करम द्विष्ठ व्यक्षती नातामिकती পূर्व इटेश मस्तात भृत्यहे ममञ्ज आक्रव পরিপূর্ণ হইমা গেল। এক্ষচারী ও গৃহস্ত-গণ অভ্যাগভন্তনের যথ:গোগ্য অভ্যর্থনা করিভেছিলেন। অপরাত্র সাড়ে পাঁচ ঘটকা পণ্যস্ত কীর্ন্তনের পর সাড়ে নয় খটিকা পর্যান্ত বন্ধতা হই রাছিল।

क्षांचय जीमहाकि श्राप्त त्वांधायन महातास. জীমছারি-জীন্নণ পুরী মহারাজ, জীমছাজি-প্রকাশ অরণা মহারাজ প্রভৃতি নাতিদীর্ঘা বন্ধুতা করেন এবং শ্রীশাদ ভক্তিমুধাকর প্রাভূত কিছুক্ষণ বিচারপূর্ণ ঐটিচভক্ষবাণী কীৰ্ডন ক্ষিয়া ভীবফুলকে ভক্তিভ্ৰণা বিভরণ করেন। পরে জীপাদ ভক্তিসারত গোস্বামী প্রান্থ আবেগম্য়ী ভাষায় ভতিসিভাত্তের বিচার দারা একটা সারগর্ভ বঞ্চতা করিয়া कक्रार्थंत्र कानम वर्षन करतन। अर्थ-শেৰে প্ৰিমন্ত ভিবিবেক ভারতী মহারাম অতি नराम शासम स्थाय अवस्था अक् पंचार अधिक काश अक्रमा कतिया आनाम-तुक-বনিজ্ঞা, পঞ্জিল-মূর্ব সকলোনই চিত্র আকর্ষণ करतम जार मकरणदे निविद्वेतिता छोशाय **छेशरमनभूर्व वक्क्का स्तरन क**्रिश **'क्क्म्भरनम**  क्षमध्यम कतिशाष्ट्रियन ।

বকুতার পব পোল-করভাল-সংযোগে किष्ट्रकर दशीतनिविक कीक्न बहेशाहिन। রাঝি প্রায় ১ট। প্রয়ন্ত সমাগত সহস্র সহস্র नवनातीरक विकित ज्ञीनका शमाम निकृतिक হট্যাছিল। সাধুম্পকীটিত শ্রীমহাপ্রসাদের महाद्या ६ जी जीहित अत्ररेतकदत्त अश्वस्ति প্রবণ করিতে করিতে সকলেই আকর্ প্রাসাদ সেওন করিয়া তুপ্ত হইয়াছিলেন। পরদিন প্রাতেও বহু ব্যক্তিকে এবং শত শত কাদালীকে প্রসাদ বিভরণ করা হ**ই**য়াছিল।

क्रेक जीमिक्तमानम मर्छत वार्षिक মহোৎসব উপসক্ষে প্রতি সন্ধ্যায় শ্রীমদ-ভাগবত হইতে ভক্তরাত্র অম্বরীবের চরিত্র পাঠ ও ব্যাথ্যা হইলছিল। মহেমুর্য্যের ভিতর থাকিয়াও ভগবছক কিপ্রকারে সতক্ত প্রীতিপুদাক নিজ ইউদেবের সেবা করেন. ভাহা অন্ধরীদের চরিত্র পাঠে হাদগ্রহম হয়।

বৈরাগা কিছু বস্তুর প্রতি বিধেষভাষ নছে। পরন্ধ বিশিষ্টে বা পরমপুরুষে রভি। भव-भूक्ष किल्मवादम जक्त क्रानहत्क वीहांत যে পরিমাণে রক্তি জাছে, তিনি লেই পরিমাণেই অগবদিতর বছতে অর্ভিনিশিট। মহাভাগবন্ত অধ্যয়ীদের জীবনে এইটা বিশেষ-कारत गर्किक इत।

माधात्रण त्रासस्यक्तं त्रास्त्रभागत्न व्यस् । चात्र चर्गाधात्रण महात्राकाभित्रांक प्रथतीय **क्यम याहिएतत ताकाभागमान निवृक्त** शिलान मा,--जहरा-तात्का डेब्बी हरेश,

अक्षेत्रिक मरहारमस्तत छारशर्या कि', छाह। हेक्सियशामरक निमस्य निस्यांन ना कतिया, त्राथिता पूक्-मरमवरनहे हेक्किव्रवान् मञ्चा-জীবনের পরম-সার্থকতা জ্ঞাপন করিয়া-ছিলেন।

> বন্ধলীবকুল ইন্দ্রিয়ের ছারে ইন্দ্রিয়ার্থ বিষয় সম্ভোগে আমনিশ্বভির দাগরগর্ভে নীতহয়। আরমুক্ত ভাগবতগণ ইক্রিয় ' इ हेन्तिप्रट छोगा विषदा व्यामिक ' ७ नित्रकि-ब्रहिक इरेग्रा कि श्रकारत मर्क्वकिरत विषय-সমূহ কেবলমাত্র মাধবের সেবার যুক্ত করেন, ভাছাই বুঝাইবার জয় পুরাণার্ক-ভাগবভ এবং জীবেব অজ্ঞানতদো বিনাশ-কারী ভক্ত-ভাগবছের আনিভাব। ভাগবত-সেবাই নিডা ভগবদাস শীবর্নের একমাত্র कुछा, बानाहेवात बक्रहे बगर्धक श्रीशब्- । शास्त्रं এই कागवण्डाः मत्त्र कार्याक्ता

গত ১৬ই প্ৰাবণ সন্ধ্যাকালে ত্ৰিদণ্ডি-चारी औद्योगहकितिकान माध्यम महादाक শ্রীপাদ কৃষ্ণকারণা একচারীসহ প্রীত্রীগৌর-श्रमाधत मर्छ एक विकास करतन। नकार्न-রাত্রিক সমাপনাত্তে 🕮 🕮 গুরুগৌরাকের वक्षना, शक्षक् अवः 'शक्षकक ठक्षग्रत्यू' পদটা কীৰ্ত্তন হুইলে স্বামিকী মহা-রাজের প্রীমূধে সিদ্ধান্তবাদীশ্রবণপিণাত্ত ভক্তমণ্ডলীর নিকট স্বামিকী মহারাম অভি গ্রোপ্রকারার শক্তি ও শক্তিময়ন্ত সহরে অনেক কথা কীর্ত্তন করেব। শক্তিমানের উপাসনা পরিভাগ করিয়া শক্তির পূজা हरेए भारत ना। देवकवर्गनरे एक मोक्र, ভারণ জাহারা অন্তরজাশক্তির উপাসক।

এত্রভৌত স্থামিলা মহারাজ সিদ্ওবার ইপ্রিয়পতি ভগণানের সেবায় সতত নিযুক্ত 👃 চরণাপ্রয়ে শীবের শাস্থানসংগর পরন উলাগ্র' नयस्य किष्टकान हितकशा कीईन केंद्रान । খামিজীৰ শ্ৰীনুৰে হবিকথা প্ৰাণ্ করিলা **अहित्स मञ्जेष कान्स व्यक्तर कर्यन ।** 

> জিদভিষামী শ্রীপাদ চল্লিচ্নর বম-बश्तारकत् निभाग्न व्यक्तिसम्बद्ध डेनाम्बर्धः মাস্ত্রাকে এরা জাগর অপরাহে একটা मञ्जूत अधिदयन क्या अहे महारा ত্রিদভিশানী শ্রীমদ ভাজিরখন ভাজিশার মহায়ার সভাপতি নিরাচিত হন। প্রঞা-**পাन जिम्सियांगी क्षिमहक्तित्रक सी**शन् মহারাজ ও গ্রীপাদ সিদ্ধস্থরাণ ব্রমচারীদ্রী শ্রীপাদ বন নহারাজের কলিকাকা ভত-विषयनांका ও अन्तान विषय भारतक क्रमा किथन करतन। जिल्ला वन महावाज **चनत्मरम क्रमेंगे मिश्रीक्षण्य तक्ष**ण करन्न ।

> ২রা সাগষ্ট প্রাতে ত্রিবণ্ডিখামী শীমন-ভক্তিরক্ক শীধর মহারাম ও নিম্ভিযানী **ভীমন্তবিদ্যাল**ন **ভব্তি**সাব **নহারাজ** মাজাজ যক্ষা-ইাসপাডালের প্রধান ক্রধাক **ত্রীবৃক্ত কেশবচন্ত্র** পাই এর টেনিয়ান্পেট-স্থিত বাসভবনে তাঁহার সহিত সাকাৎ ক্ষেন। ইনি পৃথিবীয় সকলেই প্রমণ করিয়াছেন। ইনি বহু নি**ন্তাল**রের প্রেসি-क्किंगे करः माजाक्त्रं मध्या क्रम्मन अगा-मान लाक। ठिनि महानासबास श्रीपृत्ध হরিকণ্য প্রবণ করিয়া বিশেষ আছুট रहेबाट्डन ।

त्नहे दन विकास क्ल कानिस निक्क्स । क्क्शनावनदस यकि क्रिसेविक स्ता ।

# देशीयक महोत्राक्षकार --शाव्यार्थिक शेख [ यर्ड वर्ष ५७० व मरबारा ]

# ठाकूत चिक्तिद्याम देन्डिविवेट প্রভূপাদের বক্তৃতা

( )

**छात्र**जनार्न यभन **य**ात्रोहि छात्रा क्षात्रणा ছিল না, তৰন হিক্ৰ, ল্যাটন, গ্ৰীক্ ভাষা এদেশে প্রবৃত্তিত হইয়াছিল। Alexander The Greaton পর গ্রীপীন সভাতা आप्रत्म किছू किছू क्षरण हिंग। ( Second Century B.C ) প্ৰয়ন্ত অনেক গ্ৰীক অধোকজ-সেবক ছিলেন। বিশনগবের স্তম্ভ ও প্রক্তর্যালি উহার সাক্ষ্য দিতেছে। তৎ-शरत हीनरण्टमत्र উन्दर्शास्य Scythianগণ ভারতের পশ্চিমে Persia, Afganisthan এবং Punjab প্রদেশে উপনিবেশ স্থাপন करवन !

তৎকালে ভারতের বিভিন্ন প্রদেশে বিভিন্ন প্রকারের বিচারপ্রণালী প্রবৃত্তিত ছিল। মৰাদি ভারতীর নীতিশাস্ত্রকারগণ পারত্রিক বিচার-রহিত ঐহিক স্থাধের জন্ম কতকণ্ডলি নীজি প্রবর্ত্তিত করেন। বর্তুমান সময়ে শিক্ষিত ব্যক্তিগণের মধ্যে ঐ সকল নীতি নানাধিক প্রচলিত আছে। স্বার্থের ভন্ন মিণ্যার আবরণ বর্তমান সময়ে শিক্ষিত সম্প্রদায়ে প্রবেশ করিয়াছে। ইহা নৈতিক শিক্ষার অপব্যবহার।

বর্তমান সময়ে বিশুদ্ধ নীতির প্রতি অনে**কটা কম** হইয়া গিয়ছে। বে, ধর্মবিধয়ে এই ভাগারা বিশেষ অমনোধোগী। ধর্মকে শিক্ষার প্রাণালী বস্তমানে প্রচলিত আছে, তাহা মানব-ক্রিভ সামাজিক প্রথা বা নীতিমাত। ঐন্নপ নীভি অবলম্বিত হইলে পারলৌকিক শিক্ষার হার মন্ধ হর। তৎকলে পাশ্চাতা-*(चनीत्र ममत्रवर्गात्रत्र क्रिकां*ट्यांक कामात्मत्र মধ্যে অমবিস্তর প্রবেশ লাভ করিয়াছে। উন্নপ Short-sighted policy সমৰ্মবাদ বিগত ১৯১৪ চইতে ১৯২ • সাল পর্যান্ত অধিকার বিভার লাভ করিয়া মান্ব-ভাতির মধ্যে পরস্পর বিদ্যোহানল প্রাক্ষালিত করিবার **অলম্ভ সাক্ষ্য প্রদান করিয়াছে**।

পারত্রিক-সম্বন্ধী বিচার বন্ধ করিয়া সাধারণ লোকের মধ্যে যে নীভির একটা प्यात्माहना दम्या गात्र, छाडाट ६ ध्यतः स्थानग्रन করা দুরে পাকুক, উহা প্রের:পথেরও পরিপন্থী। পারত্রিক নীকি বাদ দিয়া ঐছিক নীচির প্রাধান্ত হওয়ার **আবন্তক্**তা নাই। পারত্রিক নীতির প্রাণাক্তে ঐছিক ও পারত্রিক উত্তয় মঙ্গল।

ঐহিক নীতির প্রাণাক্তফলে জগতে রীভিষত কশান্তির কৃষ্টি ইইতেছে। এইরূপ मनःक्षांच (Conventional)। ইश উন্নত চিন্ধান্ত্ৰোভকে

আনমন করে। নীতিশিকার আইন্কাহন-গুলি একপ হওলা কটবা নুর, বাহাতে शतल्यात्वत्र भरमा अक्का माक्रिशक मातिष-বোধ আন্য়ন করার পরিরট্রে পরজোছি গ্রু मिथा, **क्षावक्रमा, क्षाणिबाडि, क्**ांচ्तिब সংখ্যা वृद्धि करते। नीजित नाम्य अस्कत প্রতি অপরের আক্রমণ—উদারতার নামে অমুদারতা-ভাত্তের নামে পরত্রীকাতরতা প্রভৃতি সংক্রাসক: ব্যাধিগুলি,কোন কোন ভূলে বৰ্তমান শিকিত সমাজে ন্যানিক বিতার লাভ করিয়াছে। এই সমস্ত বাদি-শুলি সমূলে উৎপাটিত ছভয়া দরকার। বর্ত্তমান বিশ্ববিভালঃসমূহে শিক্ষাপ্রণালীর Back-ground এ ধর্ম শিক্ষার ছভিক হওয়ার দরণ উহারা অসুন্নত শিক্ষার আকর-ভূমি হটগা দাড়াইয়াছে।

শিক্ষার সঙ্গে সঙ্গে ধার্মিক জীবনের প্ররোচনীরতার অভিত সংরক্ষণ---শিক্ষা-व्यागानीत मृनस्थित। मानवा महानदात কাৰীত্ব হিন্দু বিশ্ববিভালৰে বা অক্সাক সাম্প্ৰ-দায়িক বিশ্ববিভালঃসমৃহে ঐহিক নীতির বিচারই প্রবল। তথায় পরিত্রিক নীভি- ! বিচারের প্রাধান্ত লুক্তি হর না। যুরোপ, আমেরিকা ব। জাপানদেশীয় বিশ্ববিদ্যালয়-গুলিতে শিক্ষাপ্রণালীর মধ্যে ধন্মনীতির আলোচনা বিশেষভাবে না হওয়ার দর্মণ ভথার পারত্রিক মক্লবিষয়ে অনেকেট উদাসীন। বাগুবিক সভাপথ হটতে বিচ্ছিন্ন হওয়ার দরুণ তাহার৷ তাংকালিক সভ্য উহিক নীতির প্রতি বিশেষ মনো-যোগী-পারত্রিক নীভিকে জলাঞ্চলি দিয়া মনোধর্মোথ ভদ্রাভদ্রবিচারে দক্ষতা লাভ করিয়াছে।

আমরা শিশুকাল হইতে জানবিগছিত কার্যা করিব না-অপরের অস্থার আমাদের প্রতি চাই না। আমাদেরও অক্লায় অপরে চার না---বিকার সভে সঙ্গে এইরপ নীতি বুকাইরা দিলেও প্রক্রতপ্রতাবে ধর্মস্লা সংশিক্ষার অভাবে আমাদের মধ্যে তপা-ক্ষিত শিক্ষিত প্রাপ্তবয়ক্গণের চরিত্রে ঐসমন্ত নীতিভলির বিপর্ণ্যর দৃষ্ট হয়। বর্তুমান বিশ্ববিস্থালয়গুলিতে এই দক্ল বিশেষভাবে আলোচা বিষয় হওয়া একান্ত আবস্তক ৷ উপযুক্ত শিকা পাইলে ভবিষ্যতে আমাদের এই সকল কথা व्यानज्ञीन ह्रोद्ध ।

১৫৷ - বংসর হইল, কভকগুলি লাতীয় বিভালনে শিকাপ্রণালীতে ঐহিক-নীতি প্রবর্তিত ছওয়ার দরণ প্রকৃত শিশার বীজ অঙ্গরিত হটতে পারিতেছে না। কলকুলে শোভিত হওয়া দূরে থাকুক, সাধারণ নৈতিক শিক্ষার বিরোধ উৎপাদন করিতেছে। এইরূপ সঙ্গীর্ণ শিক্ষা প্রবর্ত্তিত इशांत्र विवयम क्या वर्डमात्न व्यवविद्यत বিদ্দিত করিয়া পরিণামে মপেচছাচারিত। সকলকেই ভেগে করিতে হইতেছে।

# ই ধাম- প্ৰসঙ্গ

**खांत्रिक कार्ट्स (य, ज्ञांयहऋशूर्त धृ**र রামগীতার মহামহৌৎপ্র হইড। আর রামচন্দ্রপুর রামগাতার দীলাত্নী মোদজম **দী**ণেরই অন্তর্গত। कार्ल्ड मिथान কোনও মতেই অন্তর্নীপ জীমায়াপুর করিত হইতে পারে না।

काकि-म्या पिराय की स्ता विवर्ता मृष्टे इग्,--काकीत বাড়ীর পরেই শ্ৰীমশ্বহাপ্ৰভু কীন্তন-সহিত ভদ্ধবাৰপল্লী (যাচা অস্থাপি বউমান) এবং ভৎপক্ষে শঙ্খনণিক্ষ পল্লী ও ভৎপরে গাদিগাছা গিয়াছিলেনঃ দলাতে আমরা কাঞ্চির বাড়ী বামনপুকুর ও গাদিগাছার বাশিচর এই ছুইটা স্থান পাই, স্মতরাং ভম্কৰায়পলী শঙাবণিকপলী—- ঐ ছইটা স্থানের মধো। এই স্থান রামচক্রপুরের চড়া ও ক।।কড়ার মঠে হইতে ধুমাইল দূর। এখানে যদি শ্রীসন্মহাপ্রাভুর মধ্যাক্-ভোজনের পর ভ্রমণের বিবরণ আমরা পাঠ कति, डाइ। इहेर्स स्मिश्ड भाख्या गाहेर्य যে, শ্রীমরাহাপ্রভূকে মধ্যাল-ভোক্তনের পর ভদ্রবায় ও শখানিকের খনে আসিতে হটলে ৫ মাইল আসিয়া নানাভানে যুৱিয়া আবার ৫ নাইল ইাটিগা কেরৎ থাইডে হইবে। ইহা সম্পূর্ণ অস্বাভাবিক।

বাবলাড়ি দেওয়ানগঞ্জের অক্তর্ভ কাকভার মাঠ বা রামচ∰পুরের চড়া যদি অস্তরীপ ও মায়াপুর হয়, ভাহা হইলে ইহার পশ্চিমে গঞ্চা এবং তৎপশ্চিমে কোলম্বীপ বা কুলিয়া হইতে হয়। কারণ গদার একদিকে শ্রীমায়াপুর ও অঞ্চদিকে কুলিয়া ; কিছ এই সংক্রান্ত ম্যাপথানি বা যে কোন সেটেলমেন্ট भाग प्राचित्व काना गाहैत्व त्य, वावनाष्ट्रि দে ওয়ানগঞ্জের পশ্চিমে আহান-নগর, ( যাহা ভক্তিরত্বাকরপ্রথে 'জহ্মুখীপ' বলিয়া বর্ণিত হইগাছে) বা মোদজন বীপের অন্তর্গত মাভাপুর পড়ে। স্থতরাং কোনক্রমেই রামচন্দ্রপুরের চড়াকে শ্রীমারাপুর বলিয়া निर्फ्य क्या यात्र ना ।

# "কাম ও প্রেম"

কুরুমনিকর, উপবনে প্রাকৃটিত হল উপনীত। যুগল মানব তপা প্রেকৃল অন্তর, नित्रचि' छ'च्यान र्ण ভূলে কুল প্রিয়ভরে হ'লে হর্ষিত॥ গাথি'মালা স্বভনে कांत्र मदना शांत्र, যারাখনা-ছান। धक्कन मदा बात আরজন ভবিভরে शिभारत हमारम, करत्र निरंदनन ॥ প্রেম্মর ভগবানে বস্তা সমূদর, এই মত জগতের कानुक कत्रदत्र निक कामाधि-देशन। चानक्तित्रहिष्ठ ह'रत नाम जयान्त्र, প্রেমিক কররে

# যৎকিঞ্চিং

বৰ্দ্দান জেলার জানলাজোড়া প্রাম-निरामी जीएंड भागीत्मारन त्यांन बर्शनप्र শামলালোড়া প্রাণনাশ্রমে বিবিধ সেবা করিয়াছেন। তিনি জীজীরাণাগোবিদের শ্রীনিগ্রাহ নিমিন্ত এনং 🛂 🖺রাধানোবিন্দের দেবার্থ একটা কুপ ধননের জন্ম বাবতীয় बाग्नकात:बह्न कविश्वहिरणन । आहवाजी ठ की मैताभारणावित्यत्र त्यवात्र निमिष्ठ चात्र छ বিবিধভাবে আতুক্লা করিছে তাঁহার প্রয়াস ও উৎসাহ দেখিতে পাঁওদা বার।

প্রমকারুণিক 🖼 শুরুপারণল্ল জামগা-(खाड़ा-निवानी अनुभगटक कश्चनश्रमरात्र সুযোগ দানার্থ তথার স্ক্রীমঠ প্রতিষ্ঠা করিনা

ভগবৎসেবা বাজীত আমাদের কোন-মঙ্গ লের উপার नाहे। প্রকারেই **कारनरकत्रहे व्यालिक इत्रनष्टाननडः रमराब्र** द्भाराण परिवा डिटर्ज ना ; किছ এইक्रम मंत्रानि शिक्रित गरूरमञ्जू च-च-मार्ग्याञ्चाती **टम्या कतियात ऋत्याध इत्र ।** 

ভগণানের অভাবভারণমূহ ভগণান্ हटेट अस्ति विषया ग्रम्माक्ट ''क्रक' ''গোবিন্দ" প্রভৃতি নামে ক্ষটিহিত করা ধাইতে পারে, কিছু প্রত্যেক বিগ্রহট্ লকণামূলারে এক একটা শ্বন্তপ্রনামে শীর্ত্তিভ হইয়া পাকেন। স্মতবাং আনলাজোড়ার 🗐 🖹 तापारमानिया- 🖺 विश्वह 🤏 🗐 🖺 विदनान-किटनात-भी है-नारम 🚨 श्रक्तभाव पत्र कर्क প্রকাশিত হটরাছেন। 🕮 চৈড্র-মঠের যাসভীয় ভব্তি প্রতিষ্ঠানের জীবিগ্রহণণের এইৰপ বিভিন্ন নাম আছে। বেষন 🏝 रेठङ्कमरदेव 🎒 विश्ववद्गरनव नाम 🗐 🖫 -विद्मान शानकोष्ठ, औरगोड़ीबमर्छत किविशह-युग्राम्य नाम 🗒 वैनिदनामानमधी है है छ।। मि ।

क्ष्मवान्हें नक्त्र विषयत्र दशका। ছনিগার যাবতীর বস্তর মারা ভগবংসেবা ছইডে পারিলেই ভাছায় সার্থকটা; **क्याट्डत्रेयर्सट्येड लिब्र, वावडी**य **अपर्या**चाता ভগারান্দির নির্দ্ধাণ ও ভগবানের মন্তান্ত সেবা করিতে পারিলেই দেনকের দেবার ভগবানের প্রীভি হইরা থাকে। রুক্সীভে নিজভোগ ত্যাগ করাই প্রকৃত দেশকের

অক্যুত্তম শ্রীমনিরে বৈছুভিক আগোক প্ৰভৃতি দারা ভগৰথনেৰা রাজনিক না ভামসিক ভাব নহে। ভগৰৎসেবা—নিভ'ণ ; धनी वा मन्निज नकरनन्त्र काषांक्रनादन क्शबर्द्धनवात्रं विधान व्याद्धः। किन्द्र मनिद्धान त्व व्यर्थवात्व क्रगवश्तम्वा बहेवा थात्क, धनी छ তাহার অঞ্জন্প করিতে গেলে বিরুশাঠা-(श्रायक्षक अञायात्रअ इ स्ट्रेंपन । जानती चाना कति, नगरीवान् वयम निरंत्र देवक्य चित्रांन करत्रन, छंचन और दननाविषत्रेक क्षम-रेकिय-कावन'॥ तिबाद्धभूनि किनि बारनन ।

# গ্রন্থ পরিচয়

# **শ্রীমন্তাগবত**ম্

শ্রীমন্থবি ক্ষাবৈশারন বেগব্যাস প্রাণীত মূল, শ্রীমন্মথাচাণ্য-কভা ভাৎপণা-নির্ণন্ধনীকা; শ্রীমণ্ডিমণ্ডিমণ্ডি চক্রবর্তী
ঠাকুর-কভ সারার্থনপির টাকা, বলাগুরাণ, সংগ্রুত অধ্য ও
প্রতিশক্ষ, তথা ও বির্ত্যালিযুক্ত। প্রতি ক্ষের আলিতে
সেই ক্রেমর প্রতিপান্ত কথাসার, অন্যায়ের প্রথমে ঐ
অধ্যায়ের সারসক শ্রিস্তৃত তাৎপর্যাধি বির্ত্ত। প্রোকশ্চী
বিষ্তৃত্বতী, জন্যারবিষরণ, পাত্র ও কানস্চীসক্ত উত্তম
কাগতে উত্তম অক্ষরে মৃত্রিত। প্রথম ক্রতে ১০ম ক্ষর
পাণ্ড ভাগা প্রকরে মৃত্রিত। প্রথম ক্রতে ১০ম ক্ষর
পাণ্ড ভাগা প্রকরে মৃত্রিত। প্রথম ক্রতে ১০ম ক্ষর
পাণ্ড ভাগা প্রকরে মৃত্রত। ক্রমরে । ভিকা প্রথম
করতে ৯ম ক্ষর পণ্ডার ২১৮০০; দশ্য ক্ষর ১২;
সম্প্র ৪০১।

# की और क्षक विश्वासक

শ্বীন্দর্ভান নিশিষ্টাকুর-মতিত 'অমৃতপ্রবাহভাষ্য'

। প্রীন্দরভিণিত্বান্ত সর্থতী গোলামী প্রভূপাল-লিখিত।
'অফুডাবো ক্রডি-মুড্যালি বহু লাম্ব্রমাণ-সম্বান্ত হট্রা।
প্রকাশিত হইরাছেন। স্নোকের সাধ্যব্যাখ্যা, কলামুবান্ত
প্রভোক পরারের পূর্কে সংশিক্ষ অভিনেন্ন সংযোজিত।
প্রভোক অগার-প্রারুগ্ধে কথাসার দেওয়া আছে। প্রোক,
প্রার, লক, হান, পাত্র প্রভূতির স্কুরুহৎ স্থতী ও গ্রন্থকারের
বিশ্বত শীবনী-সম্বিত এইরূপ অভূতপুক্ষ সংস্করণ ইভঃপূর্কে
কৃত্রাপি প্রকাশিত হর নাই। উত্তম কাগ্রে পারিপাটোর
স্বিত সুলাক্ষকরে মৃলাংল মুলিত হইরাছে। এর প্রায়
১৫০০ পুরার সম্পর্ক ভিকা বর্ত্তমানে হা মাত্র।

#### **ब्रिटेड सम्मागवय**

প্রথমবের কীবনী, প্রতি পরিচ্চেদের কণাসার, বিভূত গৌড়ীর ভাষা, শক্ষ্টী, পরারস্থী, বিষয়-স্থান-পাঞাদি-স্থচী, প্রভৃতি বিবিধ বিধয়-স্থালিত বিরাট বিতীয় সংখ্যুগ ভ্রণ ক্রাউন ৮ পেন্দী আকার। আফিলীলা ও মধ্যের ক্রিয়ণ প্রকাশিত হইরাছেন। ক্রমে ক্রমে প্রকাশিত হইতেছেন। অগ্রিম ভিক্ষা ে টাকা, আদি লীবার ভিক্ষা ১।

#### **बिटेइएक्सम्मन**

এই প্রথের একণ অভিনৰ ফুনর সংখ্রণ আর কুলালি প্রকাশিত হব নাই। সংস্কৃত লোকাংশের অবর, বলাছবাদ, ভাষা, কথাসার, তথা প্রকৃতি সহ থকে একে প্রকাশিত হইরাছেন। খুল মোটা অক্ষরে ভবল জ্ঞাউন আটপেলী বহলাকারে ছালা হইরাছে। খুলা ২৪০ টাকা। নদীরা প্রকাশ ও গৌড়ীরের গ্রাহকগণের পক্ষে ১৪০ টাকা।

# জীমত গ্ৰহণীতা

— শ্রীণোড়ীর বৈক্ষাচার্য ক্ষপ্রাক্ত রসিকচ্ডামণি উঠিবিশ্বনাথ চক্রষ্টিঠাকুর গোলামিকতা সারার্থবিণী চীকাসমেতা ও শ্রীন্টিক্রডিবিলোগ ঠাকুর-প্রণীত 'রসিক-রক্ষণ' নামক ভাষাভাষাসহিতা। অধ্যারস্চী, মাতৃকাজ্যমে লোক-স্টী,বিবর-স্চী,গ্রন্থকারের জীবনী ও অবতর্গিকাগি বহু-ভাত্তব্যবিষয়-সহ উৎস্কৃত বাধাই ভূতীর সংক্ষণ—এই রাজ সংক্রেপের জিক্ষা ২, টাকা মাজ, সাধারণ সংক্ষণ—১৪০ ইক্ষা মাজ।

# শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতালা

১। প্রথম শংক্ত বৈক্ষবদর্শন, প্রী ওরতম্ব, কালধর্ম, জীমধ্বানিভাব, শ্রীবার্যভানবী, পাঞ্চরাত্রিকী দীকা
ও বর্ণ বিচার, আত্মান্দর, ও মনোধর্ম, ইটেডভানের ও
ভারায় শিক্ষা, অপ্রাক্ত সহলধন্ম ও প্রাক্ত সংক্ষদন্ম,
প্রভৃতি বিংশতি সংখ্যক রয়ে স্থোভিত। ভিক্ষা মাত্র
৬০ বার আনা।

২। আতীর অত তথা ও বিদ্ধা ভক্তি, মন্তব্যের প্রেইডা কোথার, আত্মার নিভাবৃতি, আনর আমিপাদ ও মায়াবাদ, আগোর-নিভ্যানন্দপ্রসঙ্গ, তিগুগের ধন্ম ও রুঞ্চনীস্তন, ভীব্যাসপূজায় জীমন্থাগবছের কীস্তন, ভীগোর-ধামের মহিমা, মহাপ্রসাদ, আগোবিন্দ, জীরপার্গভ্জন-পথ, ভারতী বৃষভাত্মনাদ্দনী, জীচৈতভ্জের দয়া, গৌরকরণা ও রুঞ্চনীস্তন—চতুদ্দ অপুর্য মধুরিমাপূর্ণ-বস্কৃতা-বিভূহিত। ভিজা ১, এক টাকা বাজ।

ত। তৃতীক্স শশুক্ত-লোকপ্রিয়তা ও সজাপ্রিয়তা শ্রীবলদেব প্রসন্ধ শ্রীক্ষণিবির্তাব, বৈক্ষব, শ্রীসীতাদেবীর আবির্তাব-প্রসন্ধ, শ্রীমন্থাগবতের সভা, শ্রীবাদপূকায় শ্রীমদ্-ভাগবতের পুনরাবৃত্তি, শ্রীনামসংক্তিন ও হরিসেবার নিতাতা শর্ই নর্মী স্নাশনিক বক্তভাসধ্যিত। ভিকাধ শক্ষা ।

# **& মত্ত**গবদ্গীতা

নোড়ীয় বৈক্ষবদাশনিক-শেষর ইট্রিমন্থলনের বিভা ভূমণকত ভাষা ও ইমিছজিবিনোদ ঠাকুরেরপ্রাঞ্জন বল-ভাষায় বিশ্বত 'বিষদ্রঞ্জন' নামক ভাষাযুক্ত। ক্ষণায়-স্টা, বিষয়স্চী, ও প্রতি শ্লোকের প্রথম ও তৃতীয় পাদ স্চী, ভাষাকারের কীবনী প্রভৃতি সংগতি। উৎকট বাধাই, রাজসংক্ষরণ ( তৃতীয় সংক্রণ ) গ্রাছের ভিজা ২ টাকা।

#### **अभवदीलशाममाश्रा**

( প্রমাণখণ্ড ) সাম্বাদ। ফ্রান্ত-মৃত্যাদি গ্রন্থে শ্রীনব-বীপের যে মহিমা কীন্তিত আছে, তাহার মৃত্য সংস্কৃত ও অকুবাদ। ডিক্ষা ১০ আনা।

### **अभिनवदी शकायक इस**

আঠাকুর জ্বিকবিনোগ গৈমিত। স্থানিত গাঁতাকারে পরিক্রমার স্তইব্যাদি-বিষয়ক। ভিক্ষা। আনা।

#### ভাজিমুড়াক্য ও নবৰীপ পরিক্রমা

প্রীণ নরহরি চক্রবটি-রাকুর রচিত । ভক্তিরপ্রাকর হইতে পরিক্রমাংশ মাঝ গৃহীত; শ্রীকীর গোখানী কি প্রকারে শ্রীনবদীপুণানের প্রিক্রমা ক্রিয়াছিলেন, ভাষাই পত্তে বিহুত। ভিক্নান্তি আন্ত

# भाक्तिन्त्रीम बाग्रेड

শী ভক্তিবিনাদ ঠাকুর-প্রণীত। শ্রীচৈতভেইহাতে
শিক্ষা প্রণালী ক্রক, ক্রফশক্তি ও রস বন্ধ ও মৃক্ত জীব—
আচি খ্য-ছেলংভেল-ভন্ধ—সাধন-নির্ণয়—প্রয়োজন-ভন্ধ, কর্ম্মত্রু, আশ্রমাদির বিচার—বৈধী ভক্তি, ভাগভক্তি ও
প্রেমিক্তিম্ব নামভক্তন-প্রণালী ও অঠকালীর লীলাপরিচর্ম, প্রথম শিক্ষাপীর উপবোগী করিয়া সরল ভাগার
সম্পয় বৃদ্ধি প্রমাণসহ লিখিত আছে। চতুর্থ সংহরণ বাধা
২ টাকা, অংধা ১৮০ টাকা মানা।

# গোড়ীয়কগুহার

শ্রীগৌ টার বৈশ্বন । ব্যাহত-শারসমূহের প্রামাণাবলী বিষয়বিভাগক্র সমুগাদ শক্ত। এইরপ বৈশ্বন্দির্ভাগক্র সার্থ্যমন্ত্র প্রায়াণাবলী বিষয়বিভাগক্র সার্থ্যমন্ত্র প্রস্থাদি শক্ত। এইরপ বৈশ্বন্দির্ভাগের সার্থ্যমন্ত্র প্রস্থাক্ত। এইরপ বৈশ্বন্দির্ভাগের সার্থ্যমন্ত্র প্রস্থাক্ত। এইরপ বৈশ্বন্দির ভিন্তানন্দি আবিত ক্রম্ভাগিক ভাগবত বৈশ্বন্দির আবিত রাজ্যমন্ত্রিক বর্ণশ্বন্দির ভালি প্রভাগিক আবাদির প্রায়াক্ত ভালিক প্রস্থাক্ত প্রমাণ-তর্ভাগিক আবাদির স্থানিত মুদ্রিত, উংক্রই বাধা সোনার কলে নাজ্যার প্রায় ৪০০ পৃথার সম্পুর্ণ। ভিক্রা ২ টাকা মান্ত্র

## ब्रीनवदीशनाम-अस्वाननी

শীমদ্ভিভিবিনাদ ঠাকুর রচিত 'দামমাহাত্ম—দামমাহাত্মোর সাম্পাদ প্রমাণ থাত—শ্রীল নরহরি চক্রবর্তী
ঠাকুনের দাম পরিক্রমাংশ—শ্রীণাম নবদীপ পরিক্রমা—তীথযাক্রা পদ্ধতি—শ্রীমৎ প্রধাদামলক্ষত নবদীপলভক্ষ—
শ্রীমছন্তি দিনোদ ঠাকুরের শ্রীনবদীপ ভাবতরক প্রাভৃতি
গ্রন্থ এক্র ভিক্রা ৮০ আনা মাত্র।

#### শ্রীহরিনামায়ত ব্যাকরণ

শীকীব গোস্বামী প্রানুপাদ-বির্চিত সূত্র ও বৃত্তি, তৎসকে ওবিকৃপাদ শীমছিকিসিদাম সর্বাতী গোস্বামী মহারাজের বিস্তুত ভূমিকা ও স্থাটী প্রানুতি সহ। অপ্রত্যাশিতভাবে স্থলায়। ভিক্ষা ২ টাকা, ছাত্রগণের প্রক্ষান্ত লাকা মাত্র।

### বেদান্তভ্যসার

শ্রীমদামান্তভাচাণ্য-রচিত। বেদান্তের বিশিষ্টাবৈতবাদ-প্রচারক শ্রীভাষ্য প্রবেশু আচান্যপ্রবের বেদাপ্তদর্শন পাঠের উপযোগী কর্নার্থ এই উদ্ধম করিয়াতেন। ইহাতে বক্ষামুবাদ ও স্ফীপাঞাদি সংশোজিত করা হইয়াছে নাম মাত্র ভিক্ষা ॥• শ্রানা।

### শ্রীচৈতক্ষচন্দ্রায়ত ও নববীপশতক

গোরপার্যন জিন্দ জী শ্রীমণ প্রবোধানক সরস্বতী-প্রাণীত
মূল, প্রান্থপান শ্রীমন্ ভক্তি বিদ্ধান্ত সরস্বতী গোস্থামী মহারাজ
সম্পাদিত অব্যস্থে ব্যাধা! ও বলামুবান সম্বনিত।
নব্দীপশতকের শ্রীভক্তি বিনোন ঠাকুরের প্রভারবান ও
তৎসত্ শ্রীমন্তরাপ্রভার একটা ত্রিবর্ণরক্ষিত অনোকিক চিত্র প্রদানত ভ্রতীয়াটো। মূলেণ ও কাগত উৎকৃত্র (২ ধানা ক্রেজে) ভিশা দা আনা, অতি স্থর্ম্য বীধাই স্বালসংকরণ
স্টাকা সাত্র।



শ্ৰীমন্ত্ৰভিবিনোপ ঠাকুৰ প্ৰণীত। এই একমাত্ৰ প্ৰত্ন-রত্বের জ্ঞান লাভ করিলে পারমাথিক রাজ্যে কিছুতেট ব্দিংশয় থাকিবে না। প্রম গুঢ়ধন্দাবিবয়ক প ক্লণ গুৱল ও জনমুক্তনী প্ৰশ্ব অ'পনাম প্ৰকাশিত হয় । টি। निश्वित्राचामि-चान्न-मामि-महनकरन এই अध्याप् উত্তিত চইচাছেন। আবার গুরিস্কত 😁 কপাশার हे 🤊 प्राता विद्यान ममुद्ध कता करेग्राटन विवाध शह, লোলার জাগে নাম লেখা, উৎকৃত্ব দাই—চাভূপ সংকরণ जिला २, होका माजा

# ত্তে বহাৰ্ড

অনুমূল প্রতিষ্ঠান আনুমূল প্রতিষ্ঠান জগদানদ প্রভ বিরচিত। এই পুস্তা সচি স্থাবোগা ভাবার মহাপ্রানুর ক্তিপ্র ধীলাগ প্রণালী প্র নেৰ। পাদটীকায় ছক্ত স্থানের বিশ্বার্থ ও অন্তর্প পরিচয়াদি-দম্বলিত চাতুর্থ সংকরণ ভিক্ষা ॥১/• না মাত্র। মুন

#### ভজনরহস্ত

ভদনকারীর নিতানকা; ঠাকুর ভক্তিবিনোদের অনুগা कान ; निविध भारतित्र निर्याप । अञ्चल्लीन ना रक्ष्यां त्रिया त्रपाञ्च ८क वृक्षिट्ड लासिट्यम मा। इन्होत्र मध्यत्र किका ॥०।

#### হরিনামচিভামণি

ন্মোচাৰ্য ∰ল হরিবাস ঠাকুরের মূলে ঊন্মহাপ্রেড্ ब्यानाय-माहाबा, नामाजाय, नामापदाप व्यक्ति विषयात ষাবভীয় বিভার প্রবণ করিয়াছিলেন। এই বিশয়গুলির আতি সরল পয়ারে শংক্ষিত্র আশব্দাহ পরিপাটি ভাবে মুক্রিত। 🕮ণ ভবিনোদ ঠাকুর রচিত। পঞ্চম সংশ্বরণ ভিক্ষা ৮০

## কল্যাণকৰ্ভক্ল

चिमक्षकिवित्नाम ठाकत प्रतिष्ठ। खाउत्रक जगवन-বিশালী ও জালপথের পথেকের একান্ত প্রয়োজনীয় উপনেশাৰ্শীপূৰ্ণ উতিএয়। সামার শেখাণড়া-জানা र्शारक ९ वरे क्रमनदार्श्वत गौकिनभूरम्य पाता अनर्थनिवृद्धि अ अभव रतना लाङ कतिबात स्वविचा भाहेरवस । मह गःवस्य, जिक्सा ८०० जाना माज ।

# শরণাগতি

क्रिमक्रक्षिवित्नाव शेक्ष उन्त्रिक । जनवादन व्यायमभर्गन, বিজ্ঞপ্তি, ভঙ্গনগালদা, ষড়্বিধা শরণগেতি ও সিছি-লাল্যা-विषयक ग्रैडिপूर्व, डिका /- आना नाउ।

#### गैजाननी

ফ্রীঠাকুর ভক্তিবিনোদ-প্রনীও। নিভ্য ভলন, স্বারাত্রিক अगान-त्वनामि-विवयक मध्द गैडनम्ह एकद्य अधिक। ভিদা /• স্বানা মাত্র।

🕮 মন্মহাপ্রেড়র শিক্ষা ও 🕮 সর্ম্নাপ দাস গোলামীর প্রতি প্রীরপ গোষামার উপদেশবাণী, ভক্তিপথের অভুকৃষ ও প্রতিকৃষ বিষয়ে স্বিচারিত সম্মোদন ভানা, বিশ্বত বিবৃতি, চরিতামুতের প্রমাণ, সাধ্য ব্যাখ্যা ও মহাজন-প্রণীত ভচপ্যোণা গাঁতমমূহ প্রভাক স্লোকের সহিছ স্ত্রিবেশিত হইয়াছে। ৩য় সংকরণ ভিক্ষা 🕪 আনা।

#### अर्थल-कर्

শ্রীরভুনাথ দাস গোস্বামীর মনঃশিক্ষা, শ্রীন ঠাকুর ভিকিবিনোদ-চরিত পঞ্চারুবাদসহ। ভিকা ৴• **या**ना ।

## প্রেমন্ত ক্রিচ ক্রিক।

🕮ল ঠাকুর নরোড্রমের স্বপ্রসিদ্ধ গ্রেমভক্তিবিবর্ক গানের পুস্তক। ভিক্ষা 🔑 মানা মাঞ্জ।

# মবদী পশ ভক

শ্রীল ঠাকুর ভক্তিবিনোদ-রচিত শ্রীণ প্রবোধানন্দ সরশ্বতীপোদের সংস্কৃত নবদীপশতকের **স্লালিত পদান্তাদ**। | ভিকা ৴• আনা মাজ।

#### অর্থপঞ্চক

ত্রীল লোকাচার্গ্য রচিত। বৈক্ষবতা-জ্ঞানের আকর পুত্ৰক। ভিক্ষা / - মানা মাত্ৰ।

# সদাচারস্থতি

🕮দ মধ্বাচার্ন্য-প্রণীত। বৈফবের নিত্যকর্মাদি সদাচারা-वनी, वश्राञ्चवान प्रश्चि। जिक्का 🗸 स्थाना माज।

#### मश्मि₩त्रो

कविक्लदेशको जीमधाबायगाठाचा ब्रिक्ट । जीमबाधा চাণ্যের সংক্ষিত্ত জীবনশীলা ও মূল বৈঞ্চবধন্মত। দান্তুনাল 💆 🖺পাদ ক্ষমত্বানল পরবিভাবিনোদপ্রত্ প্রদান বস্তুতার বি 🗅 ভিকা। আনা মাজ।

#### (भोत्रकृतकालत्र

**आ**हीन कवि श्रीरभाविक स्था अनी ह श्रीरभोदावहारत्र প্রমাণাবলী-সংবলিত সংস্কৃত গ্রন্থ। ভিক্রা 4- আনা ।

# यूक्तिमञ्जित। ( क्षनदृत्रोत्रक )

ত্রীমধ্বসভাদারাত্মগত ত্রীমবাদিরাক স্বামিকত। বদাকরে সাম্বাৰ এই গ্রন্থের প্রকাশ পরেমাণিক সাহিত্য-জগতে এই সক্ষেপ্রথম। আমন্ত্রাধনচার্য্য হইতে নোড়শাগন্তম দিতীয় नश्वकार्या नात्य बाज जिमानिहामछीर्व चारी एहे अस গাগারণ যুক্তি ও গৌকিক স্থারামুগারে কিন্তুপ <del>স্থার</del>ভাবে ভিক্তিবিরোধি-মতবাদ সমূহ খণ্ডন ক্রিরাছে, ভাহা পাঠ করিতে করিতে আশুর্ন্যাধিত হইতে হয়। ইহাতে যুক্তির बाजा ठाउँवाक, टेकन, त्वोद्ध, मीमाश्यक ७ मात्रावावियक-সমূহের ক্ষর গঞ্জন রহিলাছে। ভিক্ষা ৽্টাকা মাজ।

# (नामामी क्षेत्र त्रश्नाच नाम

(ও বিষ্ণুণাদ ঞ্ৰীণ ভক্তিবিদ্ধান্ত সমূৰতী গোৰামী প্রভূপাদ-লিখিত ভূমিকা সহ ) গৌরত্রেষ্ঠ ক্ষরণ-রূপের একমাত্র প্রিয়ত্য শ্রীণ দাস গোসামী প্রাকৃর অপুরু চরিভায়ত ও শিকা শতীৰ গ্রোক্ষণ ও সরণ ভাষার সরিবিঠ এবং পরিলিটে দাসগোখানী আত্ম বিরটিও কর্তকটা गोक्षणीय मधुत्रस्य क्षत्र । समानिका-मध्यिकः। क्रिका वैशिष्टे ३० माना, मावाशिष्टे 🕪 भागा शाय ।

# চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাচীন নববাপের অব্ধিক্তি, ভরা, ঐতিহা, প্রোত ও ঐতিহাদিক প্রমাণসম্বলিত নয়টা দাঁপের সচ্চিত্র বিরয়ণ-अष्ठ । ताक्रवि ता अगोष्ट्रय कुमात छीमूंक भत्रमिन नाताग्रन त्राय ध्या, ध्व, ध्वांक (लारहात्र), द्वाराञ्चन मरहासत्र कंड्र সম্মানত এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন বর্ণের অপুর চিত্র 🥱 মানচিত্র-প্রধিত: প্রাচ্যবিভামতার্থি রার সাহের 🕮 👵 নশেক নাথ দক্ত বিশ্বকোনসম্পাদক মহালচের শিক্ষত ভূমিকঃ मध । छेश्करें ( हैश ) मत्रदक्षा नैश्वाह मना अल. खिः लिः एउ २ होक माल।

# गाभक-कर्श्वभाना

ध्यत्रम्मा, देनकव-मन्ना, देनकम्बन, मोनारनेत्र ग्री শ্রীনামত্ব, শ্রীমনাতাপ্রের অংগভেরশত নাম, অইপ্রাংর नामकोलन, धीनामप्रकालन, (अमध्यनि, 'वाडेनप्रकीतः, नवदौल-मिमा, **जीमाबालक पश्चिमा, जीमालालम-ला**पृत्र अहेत मार्गाग-वन्तना, यष्ट्रभाषामीत चहेक. ८ श्रमखिक क्रिकः, উপদেশ্যালা, নামভঙ্গ-প্রণালী, মহাজ্ঞত্ 🛊 রার স্থান্ত नश्याप, बनः भिका, श्री धन अविष्, श्री धक-भन्नामा মহাপ্রান্তর বন্দনা প্রাঞ্জি সাধক ও সিদ্ধলীবনের নিভাপাসং देवसम्बर्भारतः क्ष्ठीक्षिक कृषमीयालात स्नाम व्यक्षमान करहे धानगरमाना सन्त अन्। जिका । र वे। धान । । वा ।

# পোড়ীয়-গোরৰ

কলিকান্তার স্থাপিত্র আলবার্ট হলে গোটীর সম্পাদক **ञ्चिभाव ञ्च्यतानम भन्न**िवहाविस्माव-द्याव**स वक्रका**त विश्व গ্রন্থকারে প্রকাশিত। উলাতে গৌড়ীর বৈক্ষবসম্প্রদায়ের ইভিগাৰ হুঞাকারে এপিড ইইয়াছে। জিকা। ৮০ মাজ।

## গোড়ীয় সাহিষ্ট্য

কলিকান্ডার শুপ্রাসিক আলবাট হলে গৌড়ীর সম্পাদক এছাকারে প্রকাশিত ৷ ইচাতে সাহিত্য-শদের মর্থ এ:: পৌড়ীয়-দাভিতভার বিনয় স্থাকারে বণিত চইয়াছে। ভি<sup>ত</sup> w. बाना नाता ।

#### औरभोड़म ७७ अजिज्ञमा-पर्यम

**औ**रगोष्ट्रान्टलय (रा मकन काटन मनाविकत <u>क</u>्रीयग्रहाटा ह এবং ভদমূল পরবত্তী মহাক্ষমণণ শীলা করিরা গিয়াচেন সেই সৰ আধুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও দেববিগ্রহাণি পরিচয় সম বা ভাষাতের স্থাবিশা নির্দেশ ইত্যাদি 'বিষয় গ্রাস সন্নিৰেশিত আছে। ডিক্সা '• আমা।

# THE HARMONIST

OR SHREE SAJJANATOSHANI

প্রীল ঠাকুর ভাকি বিলোদ-প্রতিষ্ঠিত এবং জ্রীল ভাকি निषाश्चनप्रश्रको त्याचामी व्यन्नाव-नन्याविक नाप्तवार्थिक মাসিক পঞ্জ। একংশে ইংরাফা ভাষার অটাবিংশ <sup>বর্ষ</sup> ভবলক্ৰাউন ৮ পেলী ৪ কৰ্মা আকালে প্ৰতি বাবে হ'ব नारमञ्ज विकत्र-देवकत्रथी महेत्रा डेनक्षिष्ट बहेएटरहरू क्राश्रक, मूल्य-शाविभाषा । किलाबि कडीव जिलावयन **बारे व्यक्त छे**९क्टे व्यवक बात त्काम मानिक भवापित (एथिएक भागेरवन ना। वानिक किया काक्याश्वनगर টাকা মাত্র।

#### প্ৰাভিত্বান-

**बिटेन्डक्यम् , त्याः श्रीमाद्याश्रदं महोद्या** 

### (प्रविक अहीजा-अकाध

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

# ८थाना इरेग्राट्स ।

অভিজ্ঞ ও আদেশ্চরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অসি শত্রের সহিত শিক্ষা প্রদান করিছেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা নায়ে সুন্দর বাস্থানের বন্দোবস্ত হঠ্যাছে। স্থান অস্টীব সাহ্যকর।

সবিশ্বার সংগাদের হন্য নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র সির্থুন। 'সেক্টোরী, ভাকুর ভক্তিবিনোদে ইন্টিটিউট্ জীচৈতখ্যঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

# —৫১ বংসরের প্রতিষ্ঠিত—

উশ্বাদেশের প্রস্তাত বাতীক।

হাবা গুজানারণা, অপ্রদোষ, নোট্ডাটিগু, জালীন, ফালচল প্রস্তৃতি

ত বেংগার বোগ নিরাময় ইয়াতে ভাগা প্রকাশ করিলে বড় বড় প্রক হটনা পড়ে।

#### हैड़ा .

সকণ পাতৃতে বাণগার চলে ও সমান ফল **প্রেলান করিয়া খাকে**। প্রতি কোটার ৩২টা বটাকা থাকে।

#### কেবলমাত্র

আচি কৌটার মূহ। ১ ু এক টাকা। ইগার নাম **'আডেলনিতাত** বটাকা'।

अक्षां क्षेत्रत्व जानिकाव अस शक् विश्वताह शाहेरवन

বাবিখান :--আতৰুনিগ্ৰহ উন্নধানত্ত

২১৪ সং বছকালার ট্রিট, ক্ষণিকাতা।

# কাৰরাজ শশিভূষণ কবিক্ঠাভরণের



মক্ষেত্রের প্রক্রিয় করে ও আরু লিলিতে খনীকৃত অবস্থার ভোটবোডলের াসমণা উর্থ ভাকে আইনে কর, ইক্ষাড়ে উর্থের কোল পরিবর্ত্তন করা কর নাই। খুলা প্রতি লিলি ৪০ আনা, পাইট ৪৮০ আনা, ব্যেতল ১৮০ আনার

অফিস-১১নং উল্টাভালা রোড, পোঃ স্থামবাজাক, কলিকাতা

# গৰত প্ৰেন গোনাড়ী হাই**ট্ৰা**ট

# कुमध्यश्र

এখানের বিবাহের বিময়েশ-পত্ত, প্রীতি-উপহার, কার্ড, গ্রন্থ এবং কাতার বাকটার কার্যা হাপ। হইরা বাকে। হাপার গর বাকার দর কাশেক। হাপার গরীকা প্রার্থনীয়।

# াইড়োগিল ৰা

# **८क कि ८स**गंश

ডাঃ এস্, এন্, ঘোর বিনা সংস্কে, বাবজনবনের গ্যাধাটি বিসা বৈভাতিত কাব্যানাকে ক্ষেত্রসূদ্ধি লোগ স্থান্ত্রোগা ক্ষরিয়া বাবেত্বর ব

> ठिकाना---১৮ वर करेम हीते. वक्ष्याचार, बारुकाला ।

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

# দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

প্ৰৱ দিৰে সম্পূৰ্ণ আৱোগ্য

বোণী দেখাইটে হুইনে। স্থান্য গাগ্ৰহ ছন্ত (গাওয়া এবং জাসার)
পাঠাইগা শিছা যোগী দেখা হয় অসলা এলাইন অনিচ্ছা কে যোগী দেখাই উন্ধানি লেওৱা হন স্থাবোগা লা হুওয়া গায়ন্ত পাজিলামত লিঙে হুইনে লা। গালীগ গোগীদেশ খ্যান বছন করিয়া চিকিছন। করা হয়। ডিড বিজ শিলাপেশ কল্প এক অখ্যান জ্ঞাক উটকেট সহ ভিন্ন স্থিকনাৰ জ্ঞান।

শ্রীপাতীশচন্দ্র উকীব, যক্স-চিকিৎসক, পোং বৈক্রারী, বাঁধলাল। ক্ষথণা নিয় ঠিকামার সংক্ষাই করিকা বিস্তারিত ক্ষানিছে গারেন।

ক্রীযুত রংমগোপাল কন্ত এম, এ, ক্লক্ষনগর, নদীছা। শ্রীযুক্ত ১৫িপদ নিংগ, ১১৭, বেণিয়াটোলা ক্রীট্, চাটগোলা, কলিকানা।

প্রকর্মানি পত্র ! আয়ার প্রাকৃপুত্র গছ হন নাম কাবং বাজ মধ্যার কুলিরা মৃত্যার কইরাছিল, কলিকাভার বিজ্ঞ চিতিৎসকল্য ভাগর জীবনের আশা ভাগর করিয়া শেষ মৃত্যুক্তর কলা অংশকান করিছেছিলেন এই সমর প্রীবৃত্ত ফিডীশন্তর উক্লি নংগ্রহ মাতে ১০ নিন তিকিংসা করিছা সম্পূর্ণ আর্হাল্য করিছা নিরাজেন। (সাঃ) প্রীয় নির্দ্ধ কিলোর কার চৌধুরী (জমিলাত করিছা) চল্গুটি, নিউ বিভিন্ন করণেশেশন ইটিং তিপা টিমেন্ট, কলিকাতা।

# শ্রীনবদীপ-পঞ্জিকা

গৌরাব্দ ৪৪৫

माज ४०० छाकि दिक्छ माठा है दिन है वृक्ता है भार्तान इस

মানেকার- গ্রন্থবিভাগ শ্রীচেতখম্ম, পো: শ্রমায়াপুর, নদীল।

কেন প্রাহকগণ

# গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

- 201 Bel-

এখানে বাবভীয় চাপার কাব্য— প্রস্থাদির কাম্যাই বলুন,

বিবাছের নিমন্ত্রণ পত্র, কার্ড, বিবাছের পছাই বলুন,

আৰা এবং ও ৪ রংএন ইফিটোন ক্লকট বল্ল, সকল কাষ্ট্ অভি সুস্কু ক্লোপা কয়, আগত ক্লাপাইবার খন্ড বাজার অপেক্ষা জলভ।

আপদার কিছু ছাপার কাষ্য থাকিলে দ্রিঠিকানায় জান।ইলেই দর পাইশেম।

> মানেদার- গৌড়ীয় প্রিণিউং ওয়াকস্ ২৪০া২ নং মাণার সাণকুণার গোড, কলিকাত

À

#### মৃত্যু-রহস্ত

<u> ৭ই স্বাগষ্ট প্রেংডে বিকুড়া স্হরের</u> সন্নিকটে স্থানীয় ফটোগ্রাফার গতি ব্যানজির মৃতদেহ পাওয়াযায়। মৃতের শরীরে আগে,তের কোন চিহ্ন ছিল না।

#### আবার বায়ক্ষেপে পভাকা-দৃশ্য

বোধাই হইতে প্রকাশ যে জাতীয়-পতাকা সম্বন্ধে নিখিল ভারত কংগ্রেস কমিনীতে প্রস্থাব গৃহীত হইবার পর বোৰাই প্ৰানেশিক কংগ্ৰেস কমিটীর সভাপতি মিং নরীম্যান যে ছোষণা করেন, দেই অসুদারে ৮ই আগও প্রাতে কংগ্রেদ হাউদে নিখিল ভারত কংগ্রেদ কমিটার সভাপতি ও সদক্ষরা নৃতন জাতীয় প্তাকঃ षा जितामन करतन। धारे व्यक्तिवामरनाह-সংলর বায়কোপ চিত্র শওয়া হয়। মি: নরীয়ান বলেন, এই বায়স্কোপে অদর্শন ক্রিয়া সেন্দারী কর্তুপক্ষের কংগ্রেস পতাকা সম্বন্ধে নিষেধাঞ্জা পরীক্ষা করা क्डेंद्य ।

# ভীষণ নারীহভ্যা

**সংবাদ আ**সিয়াছে শে, कियागश्रश्नमह-কুমার অন্তর্গত ইসলামপুর থানার এলাকা-ধীন কোন দরিত্র প্রামবাসীর খান্ত ভ্রব্যাদি ক্রেয় করিবার জন্ত আর্থের প্রয়োজন হয়। সে: অর্থ সংগ্রহ করিবার চেটা করিয়া ব্দক্তকার্য্য হয়। প্রতঃপর সে তাহার পুল্ভাত পদ্ধীর নিক্ট গমন করিয়া দামাভ কিছু অর্থ খণ করিবার প্রভাব করে; কিছ উক্ত খুলভাত পদ্ধী ইহাতে অসমতা হয়। সেভাবিয়া চিস্তিগ্ন মতলৰ স্থির क्त्रिम तात्थ। ध्वकांत्र शत्रसिन स्म ভাহার পুরতাত-পদ্মীকে একথানা 'দা' ছার। আক্রমণ করিয়া ভালার দেহ বিপঞ্জিত कतिया (जाल, काल त्य व्यविज्ञास मृक्रू) মুখে পতিত হয়। পরে উক্ত হতভাগা কুম পোষ্ট উদমনে আত্মহত্যা করিরাছে विभिन्न मरवाम भा उसा भिनाटक ।

# দত্মাদলের সহিত সংঘর্ষ

গত ১ই আগঠরাজিতে ৯টার সময়, (क्श्यांक्न इटेट्ड ७ महिल पृत्त, छिकि नामक शादन कांकी मण्डामारमन अकरे। मग—५ जन चाकार्थाय व्यक्तीमी, ४ चन শস্থা ও দিলোয়ারীর একখন লোক বোয়াদন প্রামে একদল কোক কার্তুক প্রথমধ্যে আক্রান্ত হয়। কোয়াগন श्रात्मत्र व्यक्तियत्र ८ हाटम्स ८ मा १४ मण প্রিচালিত করেন। হুদ্ধে একজন কালী ও আরে একজন নিহত এবং ২ জন আকাবেল আহত হয়। একলন আৰা-পেশের অবহা সাংখাতিক। দক্ষা দলের

নিকট হইতে ৩টা পিন্তল, ২টা রাইফেল, একটা দোনালা বন্দুক, একগানা ওয়াচ ও किছু नगर টাকা काड़िया काउग्रा बहे-ষাছে। উহারা মখত্র পৃঠে ঐ সকল शिनिष नहेशा यारे एक छिन ।

# রহস্তমনক হভ্যাকাও হত্যাকারীর আত্মসমর্পণ

ইন্পুর থানার এগানীনীন জাভগ্রাম-বাসী ত্রীয়ত মাধ্বচক্স চট্টোপালায় নামক একজন সম্বভিপন্ন মহাকনকে ও রুমণী বিবি নামক জানৈক জীলোককে গভ ৬ই আগঠ কে হত্যা করিয়ছে। প্রকাশ নিহত লোক ছাটর মন্তক হল হলতে বিভিন্ন হইয়া গিয়াছে। সংবাদ গাওয়া গিয়াছে, হত্যাকারী ঐ তারিবেই সন্ধান চাতনী থানার দারোগার নিকট উপস্থিত | হইয়া আত্ম-মর্পণ করিয়াছে ৷

# মহিষ্পাবকের সাভখানি পা

পাটনা সিটির লোদী কাটরা নামক প্রমীর এক সংবাদে প্রকাশ, তথাকার अधिवामी यिः देमग्रम व्याभिष्टभीन कार्यस्यत একটা মহিব অভুত রকমের বাছুর প্রেশব করিয়াছে। বাছুরটীর সাত্থানি পা, একটা মুখ ও ছইটা লেজ ১ইয়াছে। বাছুরটী জয়িবার অল্পকাল পরেই মরে৷

# রামকৃষ্ণের মৃত্যুতে লোকপ্রকাশ

গত ৮ট আগষ্ট শনিবার সন্ধার **৩**য়েলিংটন স্বোয়ারে রামক্ত্রণ বিশাদের ফানীতে মৃত্যু হওয়ার শোক প্রকাশ করিবার জন্ম একটা জনসভার অনিবেশনে শীযুত বিপিনবিহারী গান্ধুলী সভাপতির আসন এহণ করিয়াছিলেন। স্বামী জ্ঞানানন্দ ও তীয়ত গালুলী সভার রাম-রুণের মৃত্যুতে লোক প্রকাশ করিয়া বস্তুতা করেন। ভাগার। হিংসা নীতির নিনাবাদ করেন ও পরলোক গত আত্মার भाश्विकामना करत्रन ।

🎒 মৃত গাঙ্গুলী মুবকগণকে দেশের মুক্তি সংগ্রামে গান্ধীলী প্রবর্ত্তিত নিরূপস্তব অহিংস্। নীতি অসুসরণ করিয়া চলিতে অমুরোধ করেন। ডিনি বলেন অভিংসা বাতীত ভারতে শ্বরাঞ্চ প্রতিষ্ঠা সম্ভব হইবে না। রামক্তমের মৃত্যুতে শোক श्राकान कतिया हिश्मानांत्रत निमा कत्रिया এবং ভালভৌদী স্থোয়ারের এক সভায় কর্পেরেশনের প্রতি আক্রমণের নিকা कति।। প্রভাব গৃহীত হইয়াছে।

#### অস্তে ভেপ্তার

ডাকার কপাসিদ্ধ ভক্ত, শ্রীযুত হরেন্ত माथ विरामी, तक्राकत नाग्रक, व्यानमहत्त्र लानाम, (नानामहत्र लानाम, नानाम প্রাণ এবং জাঠানী মিপ্রকে পুলিস গ্রেপ্তার করিয়াছে।

প্রকাশ, উপরিউক্ত কংগ্রেদকর্ম্মিগণ স্থানীয় মন্দিরের শীমানার মধ্যে নিশ্মিত একটি চালাঘরে কাল করিভেভিলেন। স্থানটি অসুল থাসমহলের অধিকার্ডক विभिन्नः कैश्चारमञ्ज উर्घ। क्वांक्रियः मिनात कन्न নোটাশ দে ওয়া হয়। ইহার পুর্বে ভাঁহার। উक कभी फुलनी गहेवात अस ८७१। ক্ষিশ্নারকে লিপিয়াছিলেন এবং ভাছার জন্ম স্থানীয় তদস্তও হইয়াছিল। কিন্তু শেষ শিক্ষান্ত হটবার পুদেই তাঁহাদের গ্রেপ্তার করা হইয়াতে বলিয়া প্রকাশ।

# পুলিন কর্মচারীদের বিরুদ্ধে গুরু অপবাদ

কিদাণগঞ্জ, ৯ইতে প্রকাশ যে, গভ ুলা আগ্রন্থ ভারিখে দারোলা শ্রীমৃত क त्याचत ध्यमान विक्रमा छ। दिव আত্মহত্যা করেন। এই ব্যাপারে বৃহ রংজ বিছড়িত আছে। প্রকাশ, মৃত ব্যক্তির নিকট যে পত্র পাওয়া দায় সেই পত্রে পুলিমের ডিইট্র স্থপারিন্টেডেন্ট, একজন ইনস্পেক্টার ও কিদাণ্যঞ্জ রাইটার কলষ্টেবল মৌগনী আয়ুন ছোনেনের বিরুদ্ধে ওরুতর অপবাদের উল্লেখ আছে। धकरा भागाञ्चकात मःवान क्षाक इंडेर हरह, डेक्टरङ बुका गर्किटल्डरङ (य, मुख मारत्रांशान স্থিত ভাহার উপার্তন কর্মচারীদের সহিত কিছু দিন যাবৎ বনিবনাত হইতে-ছিল না। ইহার পর তিনি আত্মহত্যা করার ব্যাপারটি বড়ই ভটিল ছইরা বে, (১) কাছাড়কে বালালার স্থিত পড়িয়াছে ৷ এ বিবয়ে সবিশেষ অফু-मकान निष्मय व्यक्ताकन ।

# नाट्रांत (कटन ठाक्ना)

রাজনীতিক আসামীগণের বিশেষ করিয়া আসামী ভাগরামের প্রতি জেল कर्डुभरक्षत्र बाहतरगत्र व्यक्तिगरम गङ १हे আগাই শুক্রবার অপরাক্ত চটতে পঞ্চাব বড়গন্থ মামলার শুকদেবরাজ এবং অপর ২০ জন আসামী এবং বিভীয় শ্ৰেণীয় আরও কতিপর রাজনীতিক আসামী (करनत मरभा शास्त्रां भरवभन बांत्रष्ठ क्त्रियार्डन।

বোণ হয় ইছা পাঠকবর্ণের স্মরণ আছে যে, ভাগরাম গত এক পক্ষাল व्यारबालरबलरन ष्यारख, १३ व्यानके स्नाता আইন অন্থগারে তাঁহার বিরুদ্ধে আদালতে षाडिद्यां । क्यां ह्यां ध्वे षाडित्यां ग भानम्ब कविशास ममन खाहादक (हेठादा कतियां व्यानांनरक व्यानयन क्या इहेबाहिन। व्यकान. व्यारमानरमनकात्रिननरक मर्थ-আকার অবিধা চইতে বঞ্চিত্ত করা क्षेत्राट्ड ध्वर खाद्यामिनद्व दक्षा भागक कतियां ताचा स्ट्याट्स ।

काता पारिमाष्ट्रमादत कांश्वादमत বিরুদ্ধে আনীত অভিবাদের গুলানীর नगर फाटनक तामांककत्र त्रहेक खेकान **পाই**रिव विनिद्या **अञ्चयान इंटेरफर्ट** ।

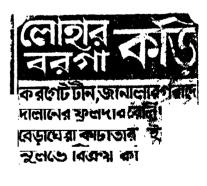
# পুলিসের রিপোর্ট অবিশ্ব স্থ

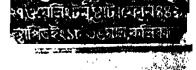
कर्णारतभन द्वीरके अक्कि श्रायत्काल **छ्यत्मत पात्रमाल है। जि. अम्ब्यूक्ट प्राथियात** অভিযোগে ট্যায়িল চালক আন্ধাৰণ নি-কলিকাতা মতিরিক প্রেসিডেন্সি ম্যানি (हें जीवुड Cक. Ca, विश्वारमध्य आयोगरङ अखिनुक । इनेशाहिन। मानिस्ट्रेस राज **५३ जा**गरे मनिवादा **जामामीटक मृक्तिमा**न ক প্রিয়াছেন।

व्यभार्य व्यक्तान, ह्याश्विधानि केश पात क्टेंटल ७•।त• अक मृत्य किया। शांकिटहें*छे* त्रार्य यागबार्यन, कमरहेबरणम जिल्लाहरी বিখাসবাধ্য নছে। আবঞ্জ বিভাগীয় বাবস্থার জন্ম মামলার বিবরণ পুলিদের ক্ষিশনারের নিক্ট কেরণ क्तिनांत करू मार्किष्टिष्ठ

# কাছাড় জিলাকে বাজালার অন্তৰ্গত কলাৰ প্ৰান্তাৰ

গত »हे चांश्रहे मक्ताप्त **टीवृंड म**ह्हन्न-চল্ল চক্ৰবন্তীৰ সভাপতিত্বে স্বাহাড় কংগ্রেস কমিটির এক সাধারণ স্ক্রা ভুগ ৷ সভাষ এই মধ্যে হটি প্ৰেক্তাৰ পৃথীত হয় मध्युक कता कर्तवा, (कमना क्रांबा & শিক্ষা দীক্ষার কাছাড় অভিবাসীরা वाकामीरमञ्जूषे अञ्चल ध्यार (२) जामाम मःत्रिक्षी मछात भौ**मान्छ व्यक्तम श्रीहर**नत প্রভাবের বিরুদ্ধে সভা খোরতর প্রভিবাদ করিতেছেন।





Reg No C.1544

INCHE BIR CHAILS वांच कांचे ३८ व्याप केंगम 🛶 ME AMM OF THE POST & **प्रक्रिक का**र



नाशं स्थाद शत न्माद्याम (नव বাবিক ৯১ माणामिक द् देशमानिक २५० মাসিক ১১ 515(W खाँ ह माथा। a

ভারতের সর্কতা বছল প্রচার—-দীয়া ভেলাৎ এক মাত মুখ্পত

সম্পাদক—শ্রীভাতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি (১৩৮ ভয়সংখ্যা ७ एक वन

শ্রীটেডভাগঠ শ্রীদাম মায়াপুর—২৮মে প্রাবণ ব্যুক্তবার, ১৩:৮, ১৩ই আগষ্ট ১৯৩১

# ় নানা কথা णाकचदत्र दनामा काछिन

**त्लाश्याम इहेटड शक्षान (स. ) - हे** काशहे .. क्रिम्क्नाल मात्र ८४१३ । क्रिक्टम ভাষ: শক্ত সহকালে এক গোমা ফাটায় ভাক্ষরের মধুকা থবিরা পড়িরাকে ভালের শ্রেছপ মাজিয়া গিয়াছে - এবং বরোলায় धक्ति निक्रिक बालक व्याहर बहेगार्थ । এই শ্রীমণ শক্ষা ছাই মাইল দুরবন্তী স্থান হইতে গুনিতে পাওয়া গিফাছিল। বোমা-नि.पहात्रद्वत घटन डाक्यदत्तत्र मध्वटन প্রকাশ, ঐ ডাক্ষরে টাকা থাকিত না श्रुष्टताः (बामा किश्विवात त्य कि केश्विक एक्टा द्रथम् ६ जेन्दा हेन क्या दात्र नाहे।

# विद्वाबीदमत मतकात्री मक क्या का व

্রেশুন হইডে প্রকাশ যে, গভ ৫ই আগাই জাংটের নিকট পাগান নদীর উদ্তরজ্ঞধান উপভাকার িডোহীরা नवकातीमध्य अमी हामाहेनात **একজন कारत्रन-त्रिभाष्ट्री ६ ८४ घन गारतः खक्र कथ्य इ**हेशार्छ। विस्तिही **অঞ্জে স্থানী**য় বদ্যায়েণ্রা এখনও নাণারণভাবে ভাকাতি করিয়া নেড়াই-**एटए।** शेष्ठ मखाद्य ८०नकामा विकास ণ জামগায় ডাকাতি হইয়াছে।

থারাবজি, খামেটনিয়ো 😻 পেও হটুতে ক্রটা নম্বভাার সংবাদও পাওয়া गिर्वाद्धाः ध्यमेन श्रुमित्र भारातात्र वास्त्रि हरेगा धक्तन छानाउटक छणो करा े धेरे लगकी मध्यकि आहे !

# ডাকঘরে বোমা ফাটিল

কলেজ ছাত্তের বিরুদ্ধে মামলার শুনানী

# বজাঘাতে মৃত্যু

বিজে, ইাদের সরকারী লঞ্চ আক্রমণ

# বেনিয় পুকুরে মহিলা সভা

৩ জন স্ত্রীলোক লবণ বিক্রয়ে গ্রেপ্তার

# গীর প্রতি শ্রদ্ধাঞ্জলি

আজাদময়দানে ভবানীদ্যালের বক্ততা

# হটসন-গান্ধী সংবাদ

পুরুলিয়ায় টেক্সিঃ ধাকায় বালকের পতন

করিয়াছিল।

থানাবভিত্তে এ প্ৰয়ম্ভ ২১৩ জন व्याच्चम्यर्भन कतिशटक ।

### বস্তার অবন্ধা সম্বল্প আলোচনা

রনিবার দিব্য অপরাছে প্রচানন্দ পাকে উত্তর ও পুরবেশ বছা ও ছভিফের অবস্থার বিষয় আলোচনা করিবার ভয় **সম্ভান্ন অ**নিবেশন হইয়াছিল। ক্ষেক্তানের শৃথিত মিলিত হইয়া পেও নিব্যাভিত কর্মী উচ্চত বিশিন্ধিদারী

তিলায় একজন গলীবাদীকে আক্রমণ গালুলী মভাপতির আদন প্রহণ করিনা-চিলেন। সভার জীত কাগাপদ মুখো পান্যার, স্বামী জ্ঞানানন্দ, খ্রীণুড় অলিড দাশ্রপু, নরেন্দ্রচন্দ্র সেন, প্রাভৃতি বস্থাতা । কল্লিকার কল্ল আন্ত পদর রাহান ১০ চন

> সভাপতি মহাশহের আলেদনে বঞা व्यर्थ मः शृशी इस्य ।

> > অহংপর অনিকরাত্রে সভা ভঙ্গ হয়।

# বার্ম্মা বিজ্ঞোহীদের প্রতি সরকারের দয়া

রেন্দুণ ছইন্তে প্রকাশ যে, দেশায়া विटर्डीह मामना मुल्लास्क त्य कम करोनी সরকারের নিক্ট আংবেদন করায় সরকার कांक'रमत ७३ करेन्स्र महस्र ३५ वजरक আগদতে তবং ৪৪ জনকে বা জীবন ब्रीभाग्रत मट्छ मछिल क्रिताहिटरामा 🛊

**टर्शनमर्छ मिड्डि ८ जन. कर्**युनीक्ष चारततम अश्राद्य कता इहेग्राट्य । 🚕 कन्यत्क व्यान्तर्कत शतिक्ष यावञ्चीतम् দীপস্থের-দ**ও ধে**ওয়া হইয়াছে। অবশির > अस भष्टादव शांकिताज सुन्दलका नित्था মৃক্তি পাইবে বল। হটগাড়ে।

যাগ'দের ভাবেদও মকুব করণ ১ইস ভাগাদের মধ্যে ২ জানের শিব্য হ প্রব্ধ প্ৰেড ও জাল ৮ জনের বিধ্যান বংগক **थ्टत निटन्**ठना कता ३ इंट्स ।

ति ४५ इन यानक्षीयन कीलाइत १८७ मिडिए इट्रेग्नाइड, एक्ष्यास्त्र मार्या ४० जन সভাবে থাকিবার জামীন বিলে মুক্তি शहरव वन्त ६६ हारक ।

### ৩ জন খ্রীন্দোক লবণ বিক্রয়ে Cकाक्षात्र .

ভাজির দোকানের নীন্মনে পিরেটিং **८४१कार**सनकरम् वार्यान्त्रार्थिद्यास (

মুড়াবকাঞ্জের ক্লাহেপথে শ্বণ বিজ্ঞানের প্রাপীভিত ব্যক্তিগণের সাধায়াগ কিছু আহিংয়াগে তেইনওলামের ও মন 🛊 🗝 বোককে লবও বিভাগের দারোগা আেপ্রার कशिशाध्यम आशामिशक कांभीत्म सुक्रि CHEST ESTEE !

# देव विष स्वीतान्य काम- शास्त्रपूर्वक श्रव

# শ্রীবিশ্ববৈষ্ণবরাজসভার পরিব্রাজকগণ

পরিব্রা ককগণে ব	ল <b>†</b> ছ	
-----------------	--------------	--

- क्षण किल्यमीन कोर्ब
- ২। 🕮 ভবিদ্বিবেক ভারতী
- ৩। 🕮ভজিবিজ্ঞান আঞ্চৰ
- শ্রীভক্তিপ্রকাশ অরণ্য
- १। औक्रिक्स्यम् वन
- ७। श्रेष्ठिमर्कच शिवि
- ৭। গ্রীভজিবৈত্তর সাগর

# বৰ্তমান টিকানা

**अ**नाशंश्रुत কলিকাডা **बि**याशाश्च **#}** क्षिकाडा অবুভুসর

ভ্রাহ্মণপাড়া

#### পরিব্রাজকগণের সাম

৮। এएकि अस्य पूर्वी ১। এডভিদ্বরূপ পর্বত

১০। এডজিবিলাস গভন্তিনেরি

১১। এডভিবঞ্চন ভজিসার

১২। औष्टिक्कक क्रीपत

১०। **अवस्मित्र** एक दिल्ली

১৪। अक्षिकश्रम्म (वाशामम

# বৰ্ত্তমান টিকানা

**454** मस्त्र एक

कशिकाका :

नावाच

TIBIE **এ**দায়াপুর

वारमचन

# শুৰভাজনতসমূহ

# बीटिन्डम यर्र

### মইবাক

त्याठीन नवदीन, फारूपत्र जीवाय बाहानुत्र, नदीवा

ub प्रश्वारक भावमार्थिक देवनिकशक, मायक-व्यावाद्यत अञ्चलानिक क च आहीत अवताबि अहावकरस 'नवीधा-अकान' यहालव श्रामिक व्यवस्थान : अक्षां क्रिक्ट महा क्रियाम-महित्समायक्षेत्र क अभिनिक अक्षां मित्र क्रिक्ट क्रिक्ट व्यक्ति व्यक्ति क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट व्यक्ति व्यक्ति क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट व्यक्ति व्यक्ति क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट व्यक्ति व्यक्ति क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक क्र महामार्श्वरत्वापि ककाम वक्षित व्हेश वाटक। क्ष्मक--अमहाही विवाद सरव्यक्ति। महसाही - उन्हांती पश्चिक श्रेणांव श्रीतवान कावाना कर्याता कर्या कीर्य. श्रीताव बीबहत्त. श्रेनाव तत्रातानान, श्रीनीनवर्ताानं नाथ, श्रेन्यवस्थन, श्रीवस्थनानान, श्रिपुकृत्व बागाधिकाती कक बदबक्ष, इतिशव, द्वव वीरमाव्य अञ्चित ।

# (৩) বোগণীঠ জীমন্দির

গোখামী 7# **#---**(7|# 4|4|## ●हें। हार्च अम्मानाव । महणा हो क्रिनिकानक अववानी, जैवाशविदनाम क्षक्रिक्यन, विश्वामनाम खन्महाती । विमाधन बार चारिकारी, स्वरमचा जीवीयनाथ।

# (৪) জীবাস-ঋষৰ

स्क्रम----श्रैक्षकारुकृष्णय अवस्ताती।

(१) चटेषड-चनम व्यक्त--- श्रेवनावनहत्र छ है होंबी. **क**रशाक्तवाम वावाणी।

> (७) काषोत्र मन।विश हे बाहीन याश्रायुक्त, वामनगुकूत (नशीता) क्क--व्यक्ताती वैविद्याविकाती।

( 9 ) **'414' '54' '58** প্রিলেড্য, বরুপগঞ্জ ( নদীয়া )

कुक्क का स्था वन विष्यु विष्यु ।

(৮ क्षिणवाच दवीकीय वर्ड यक्रमन्त्रिकः

इक्क---- श्रीबद्धबद्ध कवित्राक्षी क्षर, खू वि. जन, महकाडी--- अडिक व्याम कान्त-नाडी, क्रिकेक्क्रय पायकाकी खक्कि।

(>) औरभाय-भक्तावय-वर्ड টাপা**টট, সমূত্রগড়, ( বছমান** )

क्रफ --- विश्वताथ अवनारी, करू विशेशमधान वान ।

८ ३ - अस्मारशोषीय-मठ माप्रामक, शकाम केंद्रे, मि क्षण क--- श्रीमार्क्स बाह्य वास्त्र वास्त्र हो।

# ( ) अःमामक्रमहद्ध

भाष्ठेगाकि, बाह्यगत्त, वर्षमान। अगमानव ।

(১१) ভাগৰত ভালন 角 লাগবভ প্রেদ, ক্রকনগর, নদীয়া। হক্ত-শ্ৰীকুকানৰ বৰ্তাৰী ভক্তিপান্তী

#### ( ५७ ) बैद्धणात्रम वर्ष

(शावित्यमूक, दार्शवाली, समीवा । क्ष्मक्\_-श्रीकञ्जानम् उक्तातीः । महकाती 🕮 - इतिश्व बच्छ हात्री, 🕮 बन हत्रीत मान सधिकाती, एक विचनाया

## ( ১৪ ) जीमाध्य-८शोकीस मर्ड

aoat मवावश्व द्वाष्ट्र, हा भा ! क्क--- खैराबारहा उपयानी. **डि**शाव रक्ष-- ७ किन्युप छाकात अवहात्री श्वत्रायन ग्राविष्ठःविद्याप वि- ८, व्ययन-रभोदाम बच्छात्री, श्रीनशिक्षनात्र ककः।

#### ( ५० ) किरमानानकी वर्ड

●平町1寸京, FT年1: रक्ष---- क्रियानगाम उपनामी

( ১৬ ) विश्ववादे-८शी १४ वर्ड रक्ष - जिल्ली श्रम उत्तराही. विश्वितान **এম**গরী

# (১৭: औकाशवक्यमानम् मर्ड

किक्रमिश्री, नाक्ष्यनभूत, दशक्षितीभूत्र। ध्यपादम निक्रम-(श्रीवाश-श्राद्ध विका-जिविभावीत निकारमधा बक्षमान । प्रक्रक---दवगात्री क्षेत्रभगनमामधी ।

# ( ३ ) 🗃 दशोजी व्र मर्ठ

১७ मर कालिकामान ठळावकी हीते. त्याः वात्रवालातः कलिकाका । क्षेणिकान वि. वि. ७५५०

मठेवक---वार्तनाखिक ञ्रीनाव कुमनिकात्री निकाकृतन । अक्काबी--निका श्रीनाव कमक्रवाग्रस्य नवविकाकृत्य वि-व. तीनाव वार्मायवाडी सक्ष्राही, सीनाव बागाविकाडी W756129 fa- a. is toppe डोकीर्चमानमः. खीनााडीत्यानमः बच्छाडी जीयगनमः नविष्ठ जीनाम सबीसक्क नहिंचा-नवात जिल्लाको मध्यमाध्देवकवातायः, श्रीवायकानमःमाधिकाती वि-व, श्रीक्ववयक्रमाक्रम मागाविकातो विन्यान, व्यावस्थान मन्द्रकातिम्, व्यक्तिमञ्ज अमानाती, व्यवस्थानिक ব্ৰহ্মগায়ী প্ৰস্থৃতি।

# (১৮) जानगरियाका अनुशास्त्रव बाक्षकीय दलाः वर्षभाव ।

अक्क--- अक्षवामी चैवाबाक्तावा

(১৯) এপুকুৰোন্তৰ মঠ 77114, 941, Stem !

व्यक्त - अवश्वाती जीलव्यानमा विद्यावयः अष्ठाती क्षेत्रमोशासक, श्रेश्रवमाक्षत अव्यव्यक्ति, श्रीवाषकारम् अव्यव्यक्ति, श्रीनमार **हत्तन विकारी, श्रिशानिधि नद्या।** 

# (२०) क्रीलब्द-८गोडीय मर्फ

वामवद्यमाय, अव्यक्तिक ,भार, सुबी । क्क -- अकाताती श्रीमद्रायही आभावको । नक्कात्री - अक्षात्री औरवर्गमविकात्री ।

# (২১) क्रेनिक्यासम्बद्धाः Bigniaimia, mini

उक्क--- अवहात्री कीनवार र, मीवायनव अम्बन्धे, जीनाव अवस्त्रानार वात्राविकावी।

# (२२) श्रीमनाचन-एनोधीत वर्ड

sat क्षणकी नवलुदा, का**न्य** । क्कम - अव्यक्ताची कृतस्थितकी, मिठावेशांग उपहाती. जीनकामन अववानी ।

(२७) जैक्करेडच्य वर्ड जीवृतिश्वकात कृतः, श्लीनाम कृत्वानमः क्षण --- श्रीननिक्ताव अध्वतावी

### (১৪) जिल्हामस्य मर्ड

दिवादनाः, मीकामूद्र अक्रम-अवहाडी विमुनिर्यानम् च अवहाडी खीनमञ्जाम ।

# (२४) औरेडफ्करभोक्षास सर्व पुष्पुत्रकृष्णाः, कित्रकृष्णाः, मानकृषाः। वक्त---जीवमानाव प्राप्त. जीवायकीर्व **८ए वयदिशा** ।

(२७) सामदशोकीय वर्ष वक्क--वक्कारी जैक्यनवर्ती, जीवनी-(मामान अनवानी

# (२4) खाचनशाका अश्वास्त्र-वर अभिन्याचा. Cets मासू. सामका

क्षणाटम यक कुक्रमृष्टि जीएशाशारक स्मर् वर्षमाम । वक्तक----वक्षवामी खोळावकुक-417, 98 4841411

(२৮) विज्ञी ८भोडीच वड-कावेराकर बनर त्माणी कवन का काल तमन, निके विक्री वकर-वक्तांत्री श्रीशहक, जीकृतरम्बर खोशायासम्बद्धन्यस्य

# (২১) গোৱালপাড়া-প্রপদ্ধাঞ্জন क्य-व-व्यवहात्री बी व्यवस्थानक

(७०) मालाबदगोडीय महें मर्ग (भाषामधुन्य, कार्यञ्चान, माञ्चाक क्कव-किर वयांनी क्रिन्डक्सिक क्रिन मनाकाय, मन्याकी---- विश्विष्यामी 👼 मन कच्चित्रका कच्चित्रांत, श्रीलाम कश्मानम उच्चानी, श्रीशाम (मन्कीमम्ब अव्यक्तांत्री, প্রার গিছস্কল একচারী ভবিলালী · @ नाव दशीय सनामन अवस्थाती ।

# (७১) पापपटमानाम नाहे

कांशानज्ञि, छा क्षां, महीश क्षक--- उच्छा ही किरमनगायम



य छेनव

১৫ औरत दंशीतान ४८१, २৮८न झान्। नन्नान २००५, ১० व्यागर्हे दे१ ১৯०) दश्य्याजिनात

্ত্ৰ, তথ্য সংখ্য

# <u> শামরিকী</u>

নদীয়া-প্লাকাশের পাঠকবর্গ অবগ্র মাছেন যে, গভ ১০ই অ্পাচ ২৮শে জ্ব রবিবার গৌড়ীয় সম্প্রদারের কসংপ্রক্ষক ও विश्वाम श्रीमधी लेक्बाउ मनवरी जगवारी महाताक बिद्धोगधिणानसन्तर्भत देः गर्थन প্রিফের্র জ্ঞাপটিনাটী ৷ সেনা ভাষ ভাষন করিয়াছেন। এতরপলকে চাকদহে বস্তুত। की धंन धार्यः महानद्दारम्य इक्ष्मित्र । গ্রামবাসীর ঐকাতিক অম্বেরে এবং व्याम जान्यात्वत भारतत्व विक्रियांमी শ্রীমন্ত্রকিবিবেক ভারতী নহুপার করেকজন ব্ৰহারিসহ গত ২২শে শ্রাবণ, ৭ই চার্থ ভালবার বৈকালে চাকদ্তে আগ্রমন কবিয়াছেন। সন্ধ্যারাত্রিকের পর স্থায়িঞ্চী শ্রীযুক্ত আশুতেরে দে কর্মকারের গৃহে াগবত পাঠও ব্যাপ্যা করিয়াছেন।

माननकरमात स्पर्धकत, कराव्यपा जतः व्यर्थकारञ्जत कथा ध्यम महस्र ध्वर अन्।-স্পর্নীভাবে বুঝাইয়াছেন যে, শ্রোভূমওলী ভগবস্তুজনেই মানবদেহের একনাত্র সার্গ-কভার কথা উপলব্ধি করিবার প্র্যোগ পাইনা-(F4 )

व्यर्थाविकार इत कालाव द्यामहाश्वर भार्क धार मार्मा तक खरिया या भूगापि লাভের আশার পাঠলাবণ যে অক্তরারই পরিচাচক, জোত্বর্গ উক্থাও বৃথিয়া বহ कारमञ्ज अम मःरमाधम कतिवात व्यवकाम शिरिया विरमय माख्यान इहेशाहन।

ই, মৃত্যু তর্গানরণ মুখোলাধায়, ইয়িক 'टातालम 'टबेडागर, कुमान टीम**डक म**र्नी মহাশ্যেৰ এচেটের নাচাৰ ভীযুভ রাইচরণ ভট্টা গুৰ্মণ, ভানী , রামল্লে একাডেমির প্রধান निकक जी।क न्हेक क्या मुर्श्वामान বি. গ. সংকাণী শিক্ষক শ্রীযুক্ত নিবারণ **५८डीलाशांश रि. ब. जि**ंक मतिस नाथ प्रव বি, এ, কেডলবিত শীবুক কালিকাপ্রসাদ কারাডীর্গ, প্রহাস চঞ্চ বস্তু, দেবেরু নাগ প্তিত, বতাদ নাথ নির্থান্ধ বল সজ্ন সভায় উপস্থিত ছিলেন ৷ পাঠণাও ব্যান্তবি-গণ প্রস্থার করে গোলিনিভিত ফান্তন করেল-हिलास ट्याइनर्श विलाद्धित य. काजाता ভক্তিশিকাস্ত্রমন্ত্রিত জীবহাসবতের এম্ববিধ राज्या भूर म कथन छ अवन करतन नाहे।

গত ৪ঠা আগাই অপরাহু ৬ ঘটিকার সময় বাড়দলের বিশিষ্ট ব্যবসায়িরন্দের অগ্রেহাতি-भट्या जीटगे। होय मार्ठत जाठानक शतिज्ञाक-काष्ठांगा जिल्लाका है यह अधित्यां মহারাজ বিবাট জনসভার শ্রীমন্বাগবতের আবিজাব কারণ, শ্রীমন্বাগ্রতের বৈশিষ্ট্রা এবং अमरमाक्षक-महरक भाष्ट्रपुष्टिन पूर्व समीच वकुछ। श्रामान करतन । समागठ वाकिशन রারি ৯ ঘটিকা পর্যান্ত মন্ত্রমুধ্বের কার অব-স্থান করিয়া 🕮 হরিকথা প্রবন্ধ পুর্বক ভশ্যমুণী হারতি অর্জন করি.ছেন্। निनिवे अपनादशानाशन, मार्डाशातीशन এवः मुगलमानशन भूनः भूनः सामीकी महा-রাঞের নিকট শুশ্রন্থ ছইয়া স্থাপমন कतिशाकित्वन । क्षां जिदलैं निविद्यात्मा मकत्वाहरू এইরপ শুদ্ধ চরিকথাশ্রবণের পিথাসা---প্রাশংসাবেশ্যা ।

이번 21회 및 네이 회에서이를 살았다. প্রামে বিদ্বিভাষী ভীনম্বভিবেভব সাগের মহাপার রাজি পাটা হইতে প্রায়ী-পাটা থ্যায় শ্রীয়ত যতীক্ষমাথ সংকার মহাশায়ের নিকট মন্ত্রাস্থারে করণা সম্বর্জন হরিকপ। কাতন কৰেন। ইচ্চচেদ প্ৰতি ঘটীন বাবুর আন্তরিক সহায় ্তি মাছে। তিনি नामाधारत महाधापुत (मदा करतन्। গত ১০ই শাবেণ রাজেও শ্রীল সাগর মহা-রাজ ভাহার নিকট বরুকণ ধবিয়া হঠি-কথা কীঠন করেন। তিনি একাগ্রতিত্ব ङ्गिकाशां सात्रम् कर्तिका प्रधा स्मा।

গত ব্ধবার ২০শে ভাবণ মর্মন্পিংহ শ্রীক্ষাপ্রাপ্তির মঠে শ্রীস প্রভূপানের ৰূপা প্ৰাপ্ত শ্ৰীপাদ গোবিৰুদাস আধকারী মহাশর ভাঁহার পরলোকগড়া পত্নীৰ একা प्रभावक मधा अभाग भागा आक्रमांग मण्यापन कतिशर्देष्ट्रम् । श्री ॥ इतिक्रम् मामाधिकाती मरान्यत त्नीदतारित्। आक्रकाता वर्णानिति मण्यामिक दहेलाक ।

উদিবস জ্ঞীপাদ যত্রর ভক্তিশারী মহোদ্য শ্রীচৈত্রত্বিভাষ্ত ১ইতে নামাচাধা উট্টিড বিদাস ঠাকুরের মহ প্রায়াণলীলা পাঠ কৰেন। পামতের জীব চাকুর মধা-শয়ের পদ ও মহামর সঞ্চীতন হইলে স্থাগত ভক্ত ও ভদ্ৰথলী স্কুণেই मधा धानां मधान करतन ।

নিমলিখিত জজনহেগুদয়গণ উৎসবে যোগদান করিয়াজিলেন,—স্থানীর আনন্দ (बार्न करणाकत श्रामा **७** श्रामि मासूडा-क्रांशिक ज्योक नेत्रकन भाग, डेक करनरमत । भागभात निरमय जाकर रहे रहेक्सका ।

বিকানব্যাপক আছিল হবিষদ মওল, ्रकीयुक्त तानिका श्रमान प्रश्च भारकंति, स्वासीय কবিরাদ জীয়জ মনোমোধন ক্রিশেখর প্ডিত 🚉 জুল শীনবন্ধ দ্ভু বিজ্ঞানিনোলঃ देशाम देवा मामाधिकाकी छक्तिनाकी. क्षीत्रक मुकुन्समाम श्रुतकामः डेकीन क्षित्र करर हान हक्षानहीं वि. अब: बीमुक कशक्क (6) भी, वि. ध्वम ; औपक माजन; চৰণ অ'দক্রী মোকার এনং শ্রীযুক্ত श्रीभाष्ट्र प्रदेश (5)१३ती श्रमुष । कात्मक क्षां ह বেশী ভল্ল সোক ও ভলম্ভিলা মহাপ্রদান সম্বান কৰেন। এই জেগার প্রায় সকল **७६**देन ३३नश (हे मद्रशासम्बद যোগদান করি ।ছিনেন।

পত ১.১৭ লাবণ সংগ্রহির প্র জীঞ্গলাগগোড়ীর মঠে ই চৈড্জাচাবভায়ত इट्ट क्रियाम् अञ्च क्रियानिते बहुक চরণ প্রাপ্থিব একমাত্র উপায়ন্ত্র বৈঞ্চব-दमना धनः भागमः की खद्यन निवम निद्यम् छ। আলোচিত হইয়াছিল।

গত ৬ই আগ্ৰন্ত মাদাজ্য গড়ীৰ মঠে জীচৈত**ক্ষচরিতামৃত** হটতে ভগগনেব **व्यवज्ञानानमी** मन्नद्रमः व्याप्तानमा इहेप्राह्मिन । বিভিন্ন অবভাবারণকা করং ভগ্রান শ্রীমর্মগ্রহণ কুপার বৈশিষ্ট্র সকলেই वृक्तिक शाहिषाक्तः

পত ৭ট আগৰ জীবুত বিশ্বনাণ নাস माजाबलोडीय महत्र श्रीनांत जीवत महादाहकक जीम् अ जीरें हे उस रावी जवर के जीटमें व स्थादक स

## देशीयक महोशाक्काण-लाजन विंक शक्ष [ वर्ष वर्ष ১৩৮ . म मरवजा ]

## ঠাকুর ভক্তিবিলোদ ইন্ষ্টিটিউটে প্রভূপাদের বক্তৃত্য

101

শিক্ষাপ্রণালী এরপ হওয়া মাবশুক, থাহাতে সকলের উপকার-সকলের নিতা-মঞ্জ সাধিত হয়। আর্থপরতাও প্রার্থ-প্রতার অপূর্ব সন্মিলন শিক্ষানীতির মহৎ উদ্দেশ্য ছওয়া আবশুক। অপুৰের অধি-কারের প্রতি হতকেপ করার অবৈদ বৃদ্ধি আমাদের শিক্ষাপ্রাণালীর মধ্যে প্রবেদ করিয়া জগত্মপ্রাল আনরন করিয়াছে। व्यागता मत्न कति, अभततक कांकि पिट्ड পারিলেই আমরা স্কাপেক। বুদ্ধিমান্ ও চতুর। একদেশের লোক অপরদেশকে অস্ত্রত বলিয়া বাহাছরি লওয়া উন্নত শিক্ষার পরিচয় কি না, স্থী শ্রোতৃবর্গ ভাহার বিচার করিবেন। Symbolised forms শিকার সংস্থা সভে উল্লেখনীতির ধর্মে নিপুণ ( ওরাকিফ্ছাল ) হইয়া থাকা বাহনীয় नाइ कि १

সমগ্র পৃথিবীর দক্ষে Telegraphic বা Wireless communication, Railway train বা Steamer service এ যাতারাত আক্তকাকার দিনের বৃহত্তম ভারতবর্ধের আকোচা বিষয়। পৃথিবী হুটতে এ মাইল উদ্ধে উঠা, আবার ভারির স্মাইল বা । মাইল প্রবিষ্ট হুওয়া, পৃথিবী ও অপরাপর গ্রহ গুলির স্পাকে প্রদক্ষিণ করিয়া সৌরজগং— আবার এই সৌরজগতের জননক্ষরকে কেন্দ্রীভূত করিয়া প্রেনিজগতের জননক্ষরকে কেন্দ্রীভূত করিয়া প্রদক্ষিণ, পৃথিবীর একটা, Jupitor এর এটা ও শনির স্টাচক্র প্রভৃতি বিষয়গুলির মীমাংসা জানিয়াও আমনা হয় নাভিক, না ছয় নিবিরশেববাদী হুইয়া প্রতি।

কিছু দিন পূর্বে ম্যাক্সমূলার সাহেব এরপ ধরণের পকোপাসনা (Henotheism) বা বছবীখরবাদ (Cathenotheism) ন্যাধিক প্রচাব করিগছিলেন। তিনি বলেন,—ছিলুমভগুলি Henotheist বা Cathenotheist মান্তবাদ—নির্কিশেব (Pantheism) এর অন্তর্গত মন্তবাদ্যার।

হামপোলাই ভাবে বা অহংগ্রহোপুাসনামূলে গ্রেষ্টা, দৃশ্য ও দর্শন--জাজা, জের
ও জ্ঞান--বেবা, দেবা ও সেবক
এট জিপুটা বিনাশ সংগিত হর।
শিক্ষানীতির মূলে এরপ অংশ্বিনাশ
বাছনার নহে। বৃত্ত্বা ও মুমুকা কুশিকারই
ফল। তগবছকের নীতিমূলে সেবা,
সেবক ও সেবার প্রাধাক্রই লক্ষিত্ত হয়।
সেই নীতির মূলোক্ষেকের প্রতি অভ্যানভাবে
আক্রমণ বৃত্ত্ব্ (Elevationist) ও মুমুক্ত্রপণের (Salvationist) অবৈধভাবে
সমাক্ষে প্রচলন হ হয়া শিক্ষাক্ষের
শোচনীর অবস্থা বৃত্তিত হইবে।

## নিমন্ত্রণ-পত্র

अञ्चलकात्रादा वर्गः

প্রতিশাড়ীয় মঠ. নাগ্নালার ১৬নং কালীপ্রানাদ চক্রণভাঁ ইটি, কলিকাভা ১৫ শ্রীধন, ২৮শে প্রবেণ, ১৩৩৮, ১৩ আগষ্ট, ১৯৩১

১৫ গৌরাক্স ৪৪৫

विश्व मधानभूवः मत निरम्म.

আগানী ৬ই ভাস, ২০লে আগন্ত রবিবার হইছে ৯ই আধিন, ২৬লে সেপ্টেম্বর, শনিবার পথান্ত শীগোড়ীয় মঠে জীভিজিবিনোদ আসনে শীশীবিশবৈক্ষবরাক্ষ-সভার উদ্বোগে অথিল লোক্ষজনের জন্ত মাসাধিকবাদিনী শীভাগবান্ ও তদীয় ভজগণের আবি-ভাব-নহোৎসবের অনুষ্ঠান করা হইবে। এতংশল্পকে একটি পারমাধিক প্রদর্শনীও সংগঠিত হইবে।

মহাশার ক্রণা করিয়া স্বান্ধ্যে মহোৎসবে ও প্রান্দ্রীতে যোগদান করিলে সভার স্বান্থ্য ক্রমান্ত্রিত হইবেন। নিম্নে মহোৎসব-পঞ্চী সংযুক্ত হইল। নিবেশন ইতি——
স্রীহ্রিজনকিম্বর

শ্রী অতুসগন্ধ দেবশর্মা বন্দোপাগ্যায় ( ভক্তিসারঙ্গ, ভক্তিশারী )
শ্রীনিশিকান্ত দেবশর্মা সাম্যাল ( এম্ এ, ভক্তিস্থাক্র, ভক্তিশারী )
শ্রীকুঞ্গবিহারি-বিভাগ্নণ ( ভাগবতবত্ব, ভক্তিশারী, আচাথ্যত্তিক )
শ্রীনীবিশ্ববৈক্ষবরাজ-সভার সম্পাদকগণ।

## উৎসৱ-পঞ্জী

			•
<u>শোমবার</u>	1ই ভাস্ত্ৰ,	२८५ व्याध्ये	শ্রীক্ষের মূলন্যারা এবং
			<b>डीग क्र</b> ाशासानी <b>ड डी</b> मन्
			গৌরনাস পণ্ডিছের অভিনান
শুক্রবার	ऽऽहें ॢ	२৮८म ,,	🕮 ३८४०त स्थन-भू पीगः । ७
			≣গ্ৰন্বলদেবেৰ আবিভাব
শনিবার	১৯শে ,,	<b>८</b> के ८मरल्डेश्वर	बीबीक्ट कत समाहेगी उननाम
त्रविनात्र	२०८५ ,,	৬ই ,,	<b>ञ</b> नःसारमन
মঞ্জনার	२२८%	b₹ ,,	একাদশীর উপধাস
ৰুণবার	৩-শে "	১৬ই ,,	শ্ৰী সংযোগপত্নী সীভানিভাব
শুক্রবার	)मा व्यक्तिन,	<b>७</b> ४€ ,,	শ্ৰীগণিতা সপ্তমী
শনিবার	২রা 🖏	> <b>&gt; (</b> 러 , ,	<b>अधा</b> ताभा ३ मी
মঙ্গলবার	a8 ,.	२२८म ,,	পাৰ্টেশ কাদশী
বুধবার 🕝	<b>₩</b> ₹ ,,	২৩শে,,	বামন ও শ্ৰণা ছাদ্ৰী
বৃহম্পতিবার	। वह	২87年 ,,	कि नीमङ्कितिताम शेक्त्रव
		•	আবিৰ্ভাব ( সাগারণ-
		, '	मद्रांदम्य)
শুক্রবার	b₹ ,,	٠ ١ ١	अन्दर्कनी अ जीन इतिमान
			टेक्ट्रित अख्यान
শনিবার	<b>ন</b> ই .,	২ ৬শে 🔒	শ্ৰীবিশক্ষণ মহোৎসব (সমাপ্তি)
	•		,

### প্রোভাতিক অনুষ্ঠান

উন:কালে	মলগায়াত্রিক ও অরুণোদ্য-কীর্ন্তন
প্রাতে	দ্বাদশাগায়ি-জীমস্তাগৰত-পারামণ পাঠ ও ব্যাখ্যা
পূৰ্কাঙ্গে	नगन्न-कीर्सन
मशांदर	ভোগায়াবিক ও মহা প্রদাদ-সন্মান
অপরাক্ত	হরিকথালোচনা ও সদাচার-শিক্ষা
<b>স</b> ক্যায়	স্ধ্যারাত্রিক ও <b>ত্রী</b> চৈভক্তরিভামৃত-বাাথ্যা
थारमारव	क्रकनकी र्वन क महा श्रामान-नेपान ।

দৈৰাছয়োধে ও উপবাস-দিবসে এই তালিকা পৰিবৰ্কন্যোগ্য

## যৎকিঞ্চিৎ

পরমভাগরত শ্রীপৃত ক্ষাপ্রসাদ দাস অধিকারী মহাশরের শ্রীপ্রাপ্তরণারাজ-সেবাজাগতা অতুলনীয়া। উছার বাসজান থেদিনীপুর জেলার গামনগর থানার অধীন মীরগোদা নামক স্থানে। তিনি গত মাথ মাসে শ্রীধাম পুরুষোত্তমক্ষেত্রে শ্রীপ্রী-পুরুষোত্তমদেবের দর্শনার্থ আগমন করেন। এবং কত্তিপর মাস তথার অবস্থান করেন।

"সংসদ প্রাপাতে পুংতিঃ ক্রাইডঃ পূর্ব-স্কিতৈঃ।" শ্রীণত ক্লকপ্রসাদ বাব্র পূর্ব পুর্বজনসন্ধিত ক্লক্তিক্লে সাধ্যক লাভ ঘটল। তিনি পুরীতে শ্রীপুর্বোভন্-মঠ-রক্ষক আচার্যা শ্রীপাদ পরমানন্দ বিছারত্ব প্রাভর সন্ধ লাভ করেন। তাঁগার নিকট শ্রীসমহাপ্রভর কেচারিত জৈবদর্শ সম্বন্ধে হরিকথা শ্রবণ করিয়া এবং মঠের আদর্শ-চরিত্র সেবকগণের ভগবংসেবাপ্রকৃত্তি দেখিরা ভালার ও বিছ্বৈক্যবসেবার ইচ্ছা করে।

শ্রীপুরুযোগ্তমমঠের সেবকর্গকর শ্রীশ্রীগুরুগোরাপ্রেবায় একনিষ্ঠতা দর্শনে তিনি
এত মুগ্ধ হন যে, তাঁচার শেষজীবন মঠসেবকদের আত্মগতে অতিবাহিত করিবার
বাসনায় একটা গৃহ ধরিদ কগেন।

পরমানাগা ওঁবিফুপাদ ইট্রিমছজিনিকান্ত
গরস্বতী গোষামী প্রভুগাদের পাদিপত্ত
উাতার অঞ্চতিম শ্রদ্ধা ও প্রাগাচ ভজিক নিদর্শন পাওয়া যায়। তিনি গত মাঘ্মাসে নিচ বাসগৃহ গবিদ করেন, কিছু তাঁহার ইকান্তিকী ইচ্ছা—পরমারাধা শ্রীস প্রভুগাদ সেই গৃহে পদার্পণ না করিলে তিনি গৃহের ধার ইদ্যাটন করিবেন না। প্রাকুপাদ সেই গৃহে পতার্পন বাস করিলে তাঁহার সেবক্সতে তাঁহারা প্রাভুগাদের সেবার নিমিত্ত অবস্থান করিবেন।

এইরপে িনি ছর মাসেরও অধিককাল গৃহত্ ৫ বেশ করেন নাই। উছি।র
সেবাপ্রার্থিত ও জ্বদন্তর আরিদর্শনে শ্রীল
প্রান্থপাদ বিগত রাগবাঞার কভিপর দিবসপুরের ১ই জ্বাই ভারিণে ক্ষপ্রসাদ বাবুর
গৃহত্ব পদার্থিণ করেন।

প্রীমন্তাগনত বলেন,—শুলাবো: প্রক্ষবান্ত নার্হদেবকথাক্ষতি:। ভান্সহৎসেরা বিপ্রা: পুণাতীর্থনিবেবণাৎ।। মহৎসেরা এবং পুণাতীর্থ নিবেবণামাল শুলায় ও প্রদাস ক্ষপ্রসাদ বাবুর প্রীইরিকথার ক্ষতি উংগন্ন হয়। তক্ষপ্রই তিনি উবিকুশাদ গোষামী মহারাজের কুপালাভ ক্রিরা গল্প হন। তিনি শ্রীপুক্ষবান্ত্রমঠের নেবার্থ প্রমারাণ্য প্রভুপানের পালপত্নে প্রক্ষহ্ত মুদ্রা প্রদান করেন।

তিনি শ্রীপুরুবোজনমঠে একটা চিন্নছানী দেবার বন্দোবস্ত করিতে প্রতিশ্রুত হাইনা-ছেন এবং অক্সাক্ত দেবাকার্যোও জীরান বিশেষ উৎসাহ দেখা খাইতেছে। জীহার এই দেবাদর্শ সকলেরই অক্সন্থবীয়।

## লৈমিক মনীয়া-প্রকাশ--পারমার্থিক পত

# গ্রন্থ পরিচয়

## **শ্রমন্তাগবভ**ম

আমল্মহৰি ক্লাইৰপায়ন বেৰব্যাস-প্ৰাণ্টত মূল, শ্ৰীমন্-मध्याष्ट्राया-क्षा छार नर्गा-निर्गत्रीका; डी। मन् विचनाण ठकन ही প্রতিশক, তথা ও বিরভ্যাদিযুক্ত। প্রতি ক্ষের আদিতে গেই করের প্রতিপায় কণাসার, অধ্যারের প্রথমে ঐ অধীয়ের সারসহ হ্বিভূত তাৎপর্যাদি বিবৃত। লোকসূচী বিষয়ক্তী, অধ্যায়বিবয়ণ, পাত্র ও স্থানক্তীস্থ উত্তম কংগকে উদ্ধন অক্ষরে মুদ্রিত। প্রেপন হইতে ১০ন ক্ষর প্যাপ্ত ভাপা স্পূৰ্ণক্ৰপে শেষ ক্ট্য়াছে। ভিক্ষা প্ৰেথয় চটতে মন কম প্রক্রিত ২১।৮/০; দশন কম ১২ ; श्यक्ष ४०. ।

बीडीयइ कि नामराकृत-त्रिक 'स्युक्त श्राहकामा' ও এত্রীমন্ত্রজি নিকাস্ত সর্বতী গোবামী প্রতুপাদ-লিখিত 'अञ्चासा आणि प्रणापि वह भाजध्यमान महिन्छ बहेगा क्षकां भिष्ठ बहेशार्क्त । स्थारकत माथत्रवाथा, वक्षास्त्रवाथ । প্রত্যেক পরারের পুরে সংক্ষিপ্ত অভিধের সংযোজিত। প্রত্যেক অণ্যার-প্রারম্ভে কথাসার দেওরা আছে। স্লোক, প্রার, শব্দ, স্থান, পাঞ্জ প্রান্থতির স্থুরুত্ৎ স্চী ও প্রান্তকারের বিশ্বত জীবনী সম্বিত এই এপ অভতপুক্ষ সংস্করণ ইড:পুর্কে কুরাপি অকাশিত হয় নাই। উভ্ন কাগজে পারিপাটোর দাঙ্ভ কুল টুজক্ষে মুনাংশ মুদ্রিত চইয়াছে: এর প্রায় >६० · शृहाय गुल्लाम - जिल्हा चर्चमारन ६, माज ।

#### **এটেডজভাগবড**

গ্রাহকারের দীবনী, প্রতি পরিচেদের কথাসার, বিশ্বত গৌড়ীয় ভাষা, শশস্তী, প্রায়স্তী, বিষয়-স্থান-পাতাদি-সূচা, প্রাকৃতি বিবিধ বিষয়-সম্বাতি বিস্লাট বিভায় সংখ্যাণ ভবল ক্রাউন ৮ পেলী আকার। আদিলীলা ও মধ্যের কিয়দংশ প্রকাশিত ইইয়াছেন। ক্রমে ক্রমে প্রকাশিত इदेर्फ्टाइन। व्याधाम जिक्का ८ हाका, व्यापि शीमात किया ८ ।

#### **ब्रिटेड एक गहरा**

এই প্রান্থের একপ অভিনৰ স্থান্ত সংখ্যাপ আর কুরোপি क्षक्षाभिक क्य नाहे। अरबुक श्राकारम्य व्यव, व्याख्याम. ভাষা, কথাসার, তথ্য প্রভৃতি সহ খণ্ডে খণ্ডে প্রকাশিত श्रदेशास्त्र । भूग स्माष्ट्री व्यक्तत्त्र क्रवण क्राकेन कार्वे एकी दुश्वाकारत काला क्षेत्रारक । मुना २॥ । क्षेत्रा मनीया टाकान ७ त्वीकीरमत्र आहमनात्वत्र भटक अ। होका ।

#### **এমত গ্ৰহণীতা**

--- श्रीरशिष्ठीय देवस्थवाहाय। चट्याक्र्ण प्रशिकहणार्याव শ্রীবিখনাথ চক্রবিটিঠাকুর গোখামিক্তা সারাথব্যিনী টাকাসমেতা ও জাতীমছজিবনোগ তাকুর-অধীত ব্যবিদ-२०व' वायक काराकावामधिका । जनावस्की, बाककाकार । शाक-एकी, विशव-एकी, धादकारक कीवली क व्यवख्यांपकांपि मरक्सर्वक किका २८ केका माख्य, मावासन मरक्सन--- अ। ग्रका माल।

## ল প্রভূপাদের বক্ততাবলী

ও বিষ্ণুপাদ জ্ঞীমছজিসিছাওসর্বতী **अधियामी महाद्वारक्षण राहे मिर्क्श-विकारिकारिका** कीवाषाचकरभारवाभिनी क्रक-कार्कानमकाशिमी कीवन्ध-वाशिस युक- निश्चर--- (नक्षविम्बाख-ब्रह्मणात् (कोश्वचम्बि---नन्धानव ঠাকুর-কৃত সারার্থদশিনী টীকা, বলাছবাদ, সংস্কৃত অনুয় ও, নৈত্তব্যজ্ঞানাগারের মৌলিক তথ্য---পঞ্চরাত্র ও ভাগণতের শ্মপ্র গুরু-মুক্তাজন-কীবনচ লিড-শিক্তক — চি বিলাস চিলা ত্র-व्यक्तियाख-निष्ठात्रक--- क्षेत्रका श्रमाधुकात्रत्वतः त्योनिक गत्त्रभगात्र —সক্তম, অভিদেয় ও প্রয়োজন-ভত্তের সিদ্ধান্ত-সমূদ্র।

> ১। প্রথম অন্তে-বৈষ্ণসদর্শন, প্রীতমতম, কাল-ধর্ম, শ্রীমধ্বাবিভাব, শ্রীবাধভানবী, পাঞ্চরাতিকী দীক্ষা ও বর্ণবিচার, আত্মান্দ্র ও মনোধ্যা, স্থীচৈত্তলার ও ভাষার শিকা, অপ্রার্গত সহজ্পত্ম ও প্রার্গত সহজ্পত্ম প্রস্কৃতি বিংশতি সংখ্যক রছে সুগোভিত। ভিকা মাত্র ५० বার আনা।

> ১। चिन्दीहा व्या ७ - ७ दा । ও বিদ্ধা ভটিন, মন্থব্যের শেইতা কোথায়, আত্মার নিত্যবৃদ্ধি, জ্রীনর স্থামিপাদ ও মারাবাদ, শ্রীগোর-নিভ্যানন প্রসঙ্গ, ত্রিযুগের ধর্ম ও কুফ-कीत्रम, श्रीवामिष्ठकात्र श्रीकाश्वरत्वत्र कीत्रम, श्रीतिन भारमञ्ज महिमा, महाव्यमान, औरगाविन, अञ्जनाञ्चनकन-পপ, জীমতী বুগভান্তন নিনী, জীচৈতভের দরা, গৌরকরণা ও রাধানক্ষী জন-- চতুদ্দ শ অপুর মধুরিমাপুর্ণ-বস্কুতা-বিভাগত। ভিক্ষা : এক টাকা মাত্র।

> তৃতীয় ৺ও—লোকপ্রিয়তা ও সত্যপ্রিয়তা न्यानमानव व्यमम, न्याहरणाविकार, देवकव, न्यानीरामियात আনিভান-প্রসঙ্গ, শ্রীমন্তাগবতের সভা, শ্রীবাাসপৃষ্ঠায় শ্রীমদ-ভাগবডের পুনরার্ভি, জ্ঞীনামসংক্রীক্তন ও হরিসেবার নিভাতা --এই নয়টা স্থদাপনিক বঞ্জাসম্বলিত। ভিকা ৫০ মাতা।

#### **এ মতগ্ৰদুগীতা**

গ্রোডীয়-বৈষ্ণবদাশনিক-শেষর জীলীমদগলদের বিশ্বা ভূষণকৃত ভাষা ও শ্রীমছকিবিনোদ সাকুরেরপ্রাঞ্চল বন্ধ-ভাষায় বিশ্বত 'বিগদ্রজন' নামক ভাষাযুক্ত।" অন্যায়-স্চাঁ, বিষয়স্চী, ও প্রতি লোকের প্রথম ও চুতীয় পাদ সূচী, ভাষ্টকারের শীবনী প্রভৃতি সম্পিত। উৎক্ট বাধাই, রাজসংখ্রণ (ভূটীয় সংখ্রণ) গ্রন্থের ভিজা २ होका।

### **क्षिमनदीनशाममाश्रा**

( প্রমাণখণ্ড ) সামুবাদ। অভি-শ্বভাদি প্রায়ে স্রীনব-দীপের যে মহিমা কীরিত আছে, তাহার মূল সংস্কৃত ও অমুবাদ। ভিকা ১ - আনা।

### **এ এটানবদী পভাবতর স**

শ্রীঠাকুর ডক্তিবিনোদ লিখিত। স্থালিত গাঁতাকারে পরিক্রমার ত্রহব্যাদি-বিষয়ক। ভিক্ষা। আনা।

#### ভজির্ভাকর ও নববীপ পরিক্রমা

শ্রীল নরহরি চক্রবর্ত্তি-ঠাকুর রচিত। ভব্তিরভ্রাকর চ্ছতে পরিক্রমাংশ মাজ গৃহীত; শ্রীকীব গোখামী কি क्षकारत विनवधीनगरभत्र नांत्रक्रमा कतिवाहितन, छाहाहे পছে বিবৃত। ভিক্ষা । প শানা

# श्रीटिछन्ति स्मित्र

ত্রী ভব্দিবিনোদ ঠাকুর-প্রণীত। স্রীচৈতজ্ঞেইছাতে भिकाळागांनी--कृषा, क्र**कणिक ७ तम--वद ७ एक को**व--মচিস্থা-ভেদ-ভন্ধ-সাধন-নির্ণয়-প্রয়োশন-ভন্ধ, কন্ধ-का छ. बाध्यमानित विवात-देवशी खिल, छावछिक छ প্রেমভক্তিনত নামভলন-প্রণালী ও অইকালীয় দীলা-পরিচরাদি প্রথম শিক্ষার্থীর উপবোগী করিয়া সরল ভাবার সমূদর যুক্তিপ্রমাণসভ লিখিত আছে। চতুর্থ সংকরণ বাধা २ हेर्का, व्यावाश ३०० हाका माना ।

## গোজীরকণ্ঠছার

ब्याटनी क्रीय देवमन्दर्भारमञ्ज्ञ व्यक्ष्णमण करके भात्रमध्याना শ্রুতি-পুরাণ-প্রধাতাদি সাত্ত-শাসুসমূতের প্রমাণাবলী বিষয়বিভাগ্রমে সামুগাদ ওশ্ফিত। এইরাণ বৈষ্ণব-সিদ্ধান্তের সারস্মন্ত্র অন্ত কুরাপি প্রকাশিত হয় নাই। ইচাতে গুণাত্ত্ব —ভাগৰত— বৈক্ষব— শেষি— নিত্যানন্দ— অগ্রৈত -- ক্লা--- শক্তি--- ভগবদুস -- জীব - অচিস্কান্তেদাভেদ -- व्यक्तिस्य--- नामम् । कि-- वर्ग मा- व्यक्तिमा - स्वताह - बीनाय- श्रायकन ७ श्रमान-एव छनि पुषक जन्मारम সুবৃহৎ প্রোকাদি স্টাস্ট উংক্ট এণ্টিক কাগতে বোল ব্লু কালিতে মুক্তিও, উৎক্ট বাধা সোনার কলে নাম লেখা। গ্রন্থ প্রায় ৪০০ পৃষ্ঠায় সম্পূর্ণ। ভিক্রা ২২ টাকা মাজ।

#### **ब्रा**बनकी भगाम-श्रक्तानही

ত্রীমদভক্তিবিনোর ঠাকুর রচিত 'গামমালাম্য-শাম-মাতাভোর সাত্রপাদ প্রমাণ খণ্ড--- শ্রীল নরচরি চক্রবর্ত্তী ঠাকুরের ধাম পরিক্রমাংশ—ইট্রধাম নবধীপ পরিক্রমা—তীপ-হাতা প্রতি ত্রিমং প্রবোধানকরত নব্দীপশতক্ষ-শ্রীমুছভি বিনোদ ঠাকুরের শ্রীনব্দীপ ভারতর্ম প্রামৃতি গ্রন্থ একত ভিকা দ আনা মাতা।

## শ্রীহরিনামায়ত ব্যাকরণ

শ্রীকীব গোসামী প্রভুপাদ-বিরচিত হতা ও বৃত্তি, ভংগ্ৰে ভবিক্ষুপাদ জীমছজিনিদ্ধান্ত সরস্থা গোলামী মহারাজের বিস্তুত ভূমিকা ও হুচী প্রস্কৃতি সহ। অপ্রত্যাশিত্রাবে প্রধন্ত। ভিকা ২, টাকা, ছাত্রগণের भटक आ॰ है।का गांका

#### বেদা স্তভ্রমার

শ্রীমদ্রামাঞ্জাভাষ্য এচিত। বেলাভের বিশিষ্টারৈশতবাদন लाहाबुक शिलाया लारपचा व्याहाया श्रावत रामा श्रमनेन भारहेत्र উপযোগা করণার্থ এই উত্তম করিয়াছেন। ইহাতে बक्राम्चराम । अ अीलकांत्रि भारतांक्रिक कवा व्हेशारह নাম মাত্র ভিক্ষা ॥ । আনা।

## শ্রীটেডকাচজামুত ও নববীপশতক

গোরপার্যদ জিদতী আমং প্রবোধানন সরস্বতী-প্রণীত মুল, প্রাচ্পাদ জীমদ্ ভাজিসিদার সরস্থা গোসামী মহারাজ মঞ্গালিত অভযুদ্ধে ব্যাখ্যা ও বঙ্গাহ্যবাদ সভালিত। নৰ্থীপ্ৰত্বের উভিভিবিনোদ ঠাকুরের প্রায়বাদ ও ছৎসম্ প্রিমন্ত্রাপ্রাপ্র একটা ত্রিবণরঞ্জিত অনোকিক চিত্র প্রদত্ত গ্রহণতে। মূত্রণ ও কাগজ উৎক্রট ( ২ ধানা बकरका ) किया he भागी, अधि द्वामा वेशिहे बाक्षमः इत्रम ১८ होका माज।



শীমছকি নিমান সাক্র প্রনীত। এই একমার গ্রন্থররের তান লাভ করিলে গানমাপিক রাজ্যে কিছুভেই
আমান বা সংশ্র থাকিবে না। পরম গুড় রক্ষরিবরক এইঝলান্দর জনন্দর্শী প্রত এ'ল্যান্ড প্রকাশিত হয় নাই।
কিটি লল্পেস্থামি-শাস্ত-মন্চালনি মন্তন্তলে এই প্রস্তাম্ভ
ক্রিত এইটাতেন। আবার প্রতিব্য স্থতী, কথাসার
হ থা'ন পরের লিশেষ সমুদ্ধ করা চট্যাতে। বিরাট প্রত,
ন্যানার জলো নাম দেখা, উৎক্রে বালাই – চালুর সংক্রের
ক্রিয়া ২ টাকা মানে।

#### প্রেম্বির্যন্ত

শ্রীসন্মতাপ্রের অঞ্চলস পার্মন শ্রীল স্থানানন প্রেছ্
বিবাচত। এই পুঞ্চে আতি স্থাবোধা ভাষার মহাপ্রভাৱ
কাতপ্র পালাদের বৈক্ষরচার, একাননী ও নামভ্যনপ্রেণালী প্রস্কৃতি অনেক বৈক্ষাত্রের স্থানালাল দেখিতে পাইবেন। পানটাকার ছক্ক ছানের বিশ্বাথ ও
প্রাধ্কর্মের প্রিচরানি নম্বলিত চতুর্য সাক্ষরণ ভিজা ॥৮০
দশ শালা মাত্র।

#### ভঞ্জারহস্থ

ভাগনকারীর নিভাগালা; সাক্র ভাজিরিনোনের অন্বা গান; নিখিব শালের নিরাধে। গ্রন্থানি না দেবা প্রায় কোহ বুঝিতে পারিবন না। হতায় সংখ্রাণ ভিজা ৪০।

#### হরিনাম চিন্তামণি

নামাচার্য্য শ্রীল গুনিধার সাতুরের মুপে শ্রীনক্সপ্রেণ্ শ্রীনাম মাধ্যাক্সা, নামাজার, নামাপ্রাধ প্রেণ্ড বিবরের ধার্থীয় বিচরে জার্ব করিয়াভিলেন। এই বিবর্গুলির আন গ্রাব্য প্রারে মংক্ষিপ্ত আশায়ন্ত পরিপাটিভাবে মুলিত। শ্রীর গুজিনিনাদ হাতুর বিভিত্ত। প্রথম সংস্কর্য ভিকাশ দ

#### কল্যাণকলভক্ত

ন্ধ্যা নিনান সাকুর-বলিত। বত্রেক ভগ্রলানখালী ও জান্প্রেপ প্রিকের একান্ত প্রথাজনীয় উপান- নলীপুন গাঁতিরায়। সামাত শেখানেড়া জানা বহু ভগ্নরাকেরর গাঁতিসমূহের হারা জানপ্রিবুরি নাত করিবার জ্বান প্রিবেম। বহু

#### শ্রপাগতি

ক্রিমর ক্রিনিলের হাতুর-রাচত ও ভগরানে আয়েসমর্পন, বৈভাপে, ভদনগালপা, বজুনিধা পরনাগতি ও নিদ্ধি-গালসা বৈধাক লাভপুন, ভিকাচত আনা মাত্র।

## গীড়(বলী

ইঃ) কেব ভবিবিনেথ-প্রণীত। নিতা ভজন, মারাতিক শু প্রণান-পোন। নিবেশক মধুর গতিসমূল একত্র এথিত।
।
১৬০ শুনানা মাত্র।

# जीवनश्री;

শ্রীনথান প্রের্থন বিক্ষা ও শ্রীল রখুনাথ লাস গোস্থানীর প্রতি শ্রীকপ গোস্থানীর উপদেশবার্ণা, ভক্তিপথের অফুকুল ও প্রতিক্ল, বিবরে স্থাবিচারিত সম্মোদন ভান্য, বিশ্বত বিরতি, চরিতায়তের প্রমাণ, সাব্ধ ব্যাণ্যা ও মহাজন-প্র্যাত ভত্তপ্রোধ্য গাত্মনৃত প্রত্যেক স্নোকের স্থিত স্মির্বিশিত হুইয়াতে। তা সংক্ষণ ভিক্ষা ৮ কানা।

#### সাগ্য-কণ

শ্রীবর্নাপ দাস পোজামীর মনঃশিকা, শ্রীল সাক্র ভ্রিবিনোদ-চারিত প্লালবাদস্থ। ভ্রিকা ৴৽ জানা।

### প্রেমভক্তিচন্দ্রিকা

শ্রীল সাঁকুর নরোভ্যমের স্কুপ্রসিদ্ধ প্রেমভাকিবিনয়ক গানের পুতক। ভিজাত আনামার।

### নবৰ্ছী পলাভ ক

শ্রীল সাকুর ভিতিবিনাদ-রতিত শ্রীম প্রবোধানদ সরস্কীপাদের সংস্কৃত নাংহীপশতকের সুশ্লিত পদ্ধান্ধান। ভিক্ত সানামান।

#### सर्थ शक्क

শ্রীল বোকাচাণ্য র'চত। বৈক্ষবতা-আনের আকর প্রকা ভিশাসত অন্যামারে।

### সদাচারশ্বতি

শ্রীল মধ্বাভার্ণ্য-প্রাণীত। বৈঞ্চাবের নিভাকেশ্মাদি স্থাতারা-ব্যধী, বস্কান্ধবাদ স্থিতি। ভিক্ষা ৴০ স্থানা মাত্র।

### মণিমঞ্জরী

কবিকুলকেশর শ্রীনলবোলনাচান্য রভিত। শ্রীনলফর চান্যের স কিন্তু প্রিনলালা ও মুল বৈক্ষরশ্যমত। সামু গ্রে ভিজা। আনা মাত্র।

#### গৌরক্রবেগদর

প্রাচীন কবি শ্রীগোবিক দেব প্রাণাত শ্রীগোরারভারের প্রমাণবিলী-সংব্লিভ সংস্কৃত গ্রন্থ ৷ ভিস্পা ৮০ প্রামা ৷

#### युक्तिमञ्जिक। ( क्षण्टनोत्र छ )

শ্রীনধ্বসম্প্রনার জগত শ্রীমবানিরাত স্থামিকত। বঞ্চাফরে সান্তবাল এই প্রায়ের প্রকাশ পারমাণিক সাহিত্য-ভগতে এই সম্বপ্রথম। শ্রীমান্তবালায়া হইতে নোড্শানপ্রম ছিতায় মধ্বতার্যা নামে খ্যাত শ্রীনাম্বালিরাজভীর্য স্থামী এই প্রতে সাধরেণ যুক্তি ও গৌকিক প্রায়ান্তসারে কিরুপ স্থারভাবে ভিক্তিবিরোধি-মতবাদ সমূত বভান করিবানে, ভাঙা পার করিতে করিতে আশ্চন্যান্তিত হততে হয়। ইহাতে যুক্তির বারা ভাষান, ভোল, নোমান্তবিজ্ঞান, ভোল, নোমান্ত্র ভালাভাবিত ভালাভাবিত। ভিক্তা ভালাভাবিত সমূত্র ভালাব প্রমান বিরোধ।

## (गायामी जीन त्रम्नाथ मात्र

িও নিকুপাৰ শ্রীল ভাজিনিদান্ত সর্বভী গোলামা প্রভুগাল-লিভিড ভূমিকা সহ ) গোরক্ষেত্র শ্বন্ধপ-কপের একমাত্র প্রিস্থাস শ্রীল লান গোলামী প্রভুৱ অপুন্ম ভবিভান্ত ও শিক্ষা অভান প্রান্তল ভাষার নার্রাবিক এবং পরিশিতে লানগোলামা প্রভুৱ বির্ভিত কএকটা নাম্রবাদ মধুরভম স্বর ও মনাশিক্ষা-নলামত। ভিকা বীধাই ৮০ মানা, আমানাই কিও মানা মাত্র।

# চিত্ৰে নবদ্বীপ

প্রাচীন নববাঁপের আমান্তিতি, তথা, ইতিজ, প্রোক্ত ও
ইতিহাসিক প্রমাণসংখিত নয়তী বীপের সচিত্র বিবরগ্রন্থ। রাজিবি রাওসাহের কুনার শ্রীণুক্ত শর্মান্ত্র বাজাররাস এম. এ. প্রাক্ত লোজোর), বেলাক্তভূদণ মহোদয় কর্তুঃ
সক্ষিত্র এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন বর্ণের অপুন্দ চিত্র ও
মান্তিত্র-সম্মতিত প্রচেট্টিসিন্থামহার্ণব রায় সাহের শ্রীণ্ডন
নর্গেদ্ধ নার্গ বস্থ বিশ্বকোনসম্পাদক মহাশ্রের বিশ্বত প্র্যাপ
সহ। উল্লেই (ইং.) মরজো বালাই ম্লা ১৪০. ডিঃ পিঃ বং

## সাগক-কণ্ঠমালা

भागविकाः, देवसव-वक्ताः, देवस्ववश्वणः, मायादावः सं विवासविक्षेत्रः, व्यासवाधानुकः भारताव्यक्तः, वाक्षणान्यः, व्यासविकाः, द्वासविकाः, द्वासविकाः, वाक्षणान्यः, व्यासविकाः, द्वासविकाः, व्यासविकाः, व्य

## গোড়ীয়-গৌরব '

ক্ষিকাতার প্রপ্রসিদ্ধ আলবাট হলে ক্ষেত্রিয় সম্পানত উপাদ প্রন্থনানক পরনিধ্যাবিনাদ-প্রদান কক্ষতার ি । প্রথকারে প্রকাশিত। ইহাতে গোড়ীর বৈক্ষবসম্প্রদানে ইতিহাস প্রকাশারে প্রাণিত হচয়াছে। ভিক্ষা ৮০ মাঞ্জ।

### গোড়ীয় সাহিত্য

কৰিক তোৱে প্ৰপ্ৰসিদ্ধ আলবাট হলে শৌজীধ-সম্পাদক শ্ৰীপাদ প্ৰদানক প্ৰবিদ্ধাবিলোগপ্ৰ প্ৰদাহ বন্ধাহার বি । প্ৰস্থাবাৰে প্ৰকাশিত। ইংগাতে বাহিত্য-প্ৰদেশ্ব অৰ্থ এ: প্ৰোড়াছ-সাহিত্যের বিষয় ক ধকারে ব্যক্তি হইয়াছে । তি । দিশ আনা মান।

#### গ্রিগৌড়মগুল পরিক্রমান্দর্শন

শ্রীণোড়দেশের যে সকল থানে সপারিকর শ্রীমন্মধা গণ এবং ওদস্থা পরন দ্রী মহাজনাগে শীলা কারেয়া থিরাছে। সেই সন আধুনিক ভৌলোগিনিক পরিভয় ও দেশবিপ্রহণান্ত পরিচয় সহ নাভায়াতের স্কানতা নিদেশ ইভ্যাদি বিষয়াও ব্ গরিবেশিত আছে। ভিস্পাত জানা।

## THE HARMONIST

OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রিল সাক্র ভারি-নিনাদ-প্রতিষ্ঠিত এবং শ্রীল ভালা
সিদ্ধান্তব্যবহার গোলামী প্রা: লাদ সম্পাদিত পারমা ব
নাগিক পরে। একপে ইংরান্টা স্থানার অস্তাবিংশ
ভবলকাউন ৮ পেলা ৪ ফর্মা আকারে প্রাত্ত হারে হ
নামের বিভর-বৈভস্পা প্রইলা উপস্থিত হইতেতে
কাগ্রু, মূল্য-পারিপাটা ও চিজাদি আভাব সিস্তাক্ষণ
এই প্রকার উৎক্র প্রবন্ধ আর কোন মানিক প্রাণিতে
পেথিতে পাইবেন না। বাবিক জিলা ভাকমাশুলস্ক ১
টাকা মান্ত্র।

#### প্রাভিন্থান-

चैक्छिश्रमंत्र, त्याः श्लीमाश्रायुत नवीश्रा

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## (थाना श्रेकाट्ड।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অভি অক্টের সহিত শিক্ষা প্রদান করিভেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্ম বিনা ব্যয়ে সুন্দর বাসভানের বাংশাবন্ধ হইসাছে। ভান অতীব স্বাভ্যকর।

সবিস্তার সংবাদের তন্ত নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। শেক্ষেটারী, ভাব্দুর ভাস্তিশ্বিশোদ ইস্ষ্টিটিউট্ শ্রীচেড্যার্য্য, শোঃ শ্রীমারাপুর, নদীয়া।

## —৫১ বংসরের প্রতিষ্ঠিত—

ভাগা গুৰুতাৰণা, স্বপ্ৰদোষ, কোঠনাটিভ, অমীৰ্ণ, ধ্যক্তল প্ৰজ্ঞি কড বোগীৰ বোগ নিৱামৰ হইছাতে ভাল প্ৰকাশ কছিলে বছ বছ পুত্ৰক কটনা প্ৰেষ্

रेहा

সক্ষ অভূতে বাগণায় চলে ও সমান কল প্রদান করিয়া থাকে। প্রতি কেটিঃয় কটী বটীকা বাকে।

#### (क्यममाज

ঞ্জি কৌটাৰ মূল। ১০ এক টাকাঃ ইণার নাম 'আজ্জনিপ্তাহ ব্যাসকা'।

শ্বৰাপ্ত উৰ্বালক আৰু পত্ৰ লিখিনেই পাইবেন
প্ৰাপ্তিশ্বান :---ত্যা ত ৰুলিপ্তাই উল্লেখ্য লক্ষ্ম

১১৪ নং বছৰাকাৰ ট্ৰিট, কলিকাডাঃ

কাবরাজ শশিভূষণ কবিকপ্ঠাভরণের

# विश्विति विश्वित्व विष्व विश्व विश्वित्व विश्व विश्वित्व विश्व विश्व विश्व विष्य विश्व विश्व विष्य विश्व विष्य व

মক্ষেত্ৰে প্ৰধায় অন্ত ৬ আঃ শিশিতে ঘনীতৃত অবস্থায় ভোটবোড়লেও সিমণা শ্ৰীৰণ ভাকে পাঠান হয়, ইভাতে শ্ৰীৰণেও কোন প্ৰিণ্ডন কয়। তয় নাই। মৃদ্য প্ৰতি শিশি ৪০ আনা, পাইট চে/০ আনা, বোডল ১০/০ আনা।

অফিল—১৯নহ **উচ্চা**ডালা ক্ষেড, পোঃ শ্বামবাজাৰ, কলিকাতা

## ৰীভাগৰত প্ৰেস গোৱানী বাইটাই

## কুমালাগার

এধানের বিবাহের নিমন্ত্রণ-পত্র, শ্রীভি-উপহার, কার্ড, গ্রন্থ এবং অস্তাক্ত যানতীয় কার্বা ছাপা হইরা থাকে। ছাপার ধর বাজার দর অপেক। স্থলত। পরীক্ষা প্রার্থনীয়।

and the second second second second second

# रारेदफानिन

বা

# কোষরন্ধি রোগ

ডা: এস্, এন্, যোগ বিনা আন্ত্রে, বাবজ্ঞীবনেত্র গ্যারাটি দিয়া বৈছ্যভিত্ প্রশালাতে কোমবৃত্তি গ্লোগ আয়োগ্য ক্রিয়া থাকেন।

> हैकाना---अभ मर कड़ेन होड़े, नखवाबाह, बालकाका।

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

## প্ৰবন্ধ দিৰে সম্পূৰ্ণ আব্বোগ্য

বোগী দেখাইতে কইবে। অগ্নিম শাণের গরচ (মাওয়া এবং আসার)
পঠিটেলে গিয়া যোগী দেখা ৬য় অথবা এগানে আসিলে ভোগী দেখিয়া
ঔষণ দেওয়া ৬য় আব্যোগ্য না হওয়া পর্যান্ত পাত্রিপ্রমিক দিতে ১ইবে না।
গরীব রোগীদের খন্ত বছন ভবিষা চিকিৎসা কথা হয়। বিভারিক
বিবংশের অন্ত এক আনার ভাক টিকেট সহ নিম্ন টিকানার অন্তসন্ধান

শ্রীকিন্তীশচন্দ্র উকীন, যশ্মা-চিকিৎসক, শোং নৈকাঠী, বছিলান।
অথণা নিম ঠিকানায় সাক্ষাৎ করিয়া বিস্তারিত জানিতে পালেন।
শ্রীষ্ত রামগোপাল দত্ত এম্, এ, ক্লমগার, নদীরা। শ্রীষ্ত বছিপ্দ সিংক, ১১৭, বেণিরাটোলা ফ্লীটু, কাটখোলা, কলিকাতা।

আকশানি পঞা। আনার নাতুপুর গত হয় নাস বাবং রাজ বন্ধার ভ্রিমার মৃতপ্রার ভইরাছিল, কলিভাডার বিজ্ঞ চিলিংসক্সণ ভালার ভীবনের আশা ভাগে করিরা শেষ মৃত্ত্রের জন্ম অংশকা করিছেলেন এই সময় প্রীযুক্ত কিভীশচন্দ্র উবিল মধাশার নাজ ১০ দিন চিকিংসা করিরা সম্পূর্ণ আংবাগা করিয়া বিরাজেন। (সাং) শ্রীর চীন্দ্র কিশোর বার চৌধুরী (অনিবার খালিয়া) চগ্ স্টাট্, নিউ বিকিং। ক্যপোরেশন টেটিং ভিপা টনেক, কলিকারা।

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরাব্দ ৪৪৫

बाज 🗸 । जाकित्के भाशिक्त वृक्तभारहे भाशित स्त्र ।

ম্যানেকার-প্রস্থবিভাগ শ্রীচৈডখম, পো: শ্রীমারাপুর, নদীরা।

কেন প্রাচ্কগল

# গাড়ীয় প্রি

ক্সের

## এত প্রশংসা করেন

<u>—কারল—</u>

এখানে বাবজীয় ছাপায় কাব্যগ্রছাদির কাব্যই বলুন,

বিবাহের নিমন্ত্রণ পত্র, কার্ড, বিবাহের পভাই বলুন,

আর ৩ রং ও ৪ রংএর হাফটোন ব্লক্ট বলুন, সকল কার্যাই অভি সময় ছাপা হর, অথচ ছাপাইবার ধরচ বাজার অপেক্ষা ভ্লক্ত।

আপনার কিছু ছাপার কার্য্য থাকিলে নিম্নঠিকানায় জানাইলেই গর পাইবেন।

> মানেলান- গৌড়ীরা প্রিন্টিং ওরার্ক্স্ ২৪এ২ নং লাণার সামকুণার হোড, কলিকার

ঞীধান বারাপুর মধীয়া-প্রকাশ প্রিক্তি ওয়ার্কণ হইছে---কৃষ্ণকান্তি ভাষাবারী ভক্তিকুম্বন এক, এব, এক, কর্ত্তক মুদ্রিত ও প্রকাশিত

### কংগ্রেসকন্সী গ্রেপ্তার

৪ঠা আগষ্ট কংগ্রোগ স্বেজ্ঞানেকগণ क्षायश्रक वाकारत शाकात (माकारम ; পিকেটিং করিবার সময় সেখানকার স্থানীরকুমার আইচের মাতা জীগুন্ধা পুলিশ প্রীপুক্ত স্থান্ত রায় চৌধুনীকে মানদা স্লান্তী আইচ ভাছার পুত্রক গ্রেপ্রার করিয়া মদরে আন্যান করে। জাহাকে ৩৯২ ধারায় অভিযুক্ত করা ভালা বৃদ্ধি করিবার জন্ম গ্রথমেণ্টের কইয়াতে বলিয়া কানা শিয়াতে। কামিন নিকট এক দর্থাত করিয়াছিলেন। লা লেওয়ায় বর্তমানে ভিনি হাচতে , ष्य!रहनः।

### বজ্ঞানতে মৃত্যু

গ্রভ ২৯শে জুলাই যোনামূণীর নিকটাড়ী একটা পল্লীতে একটা রুধক बर्ग्वीत मार्ट्स कार्या कतियात समय बद्धा ष(८ ५ जुका इदेश(८७ ।

## मराक्रिट श्रेट हेत्र महिल माक्याटल त 'আবেদন অগ্রাফ

খুলনা হইতে প্ৰকাশ যে বিচানাধীন র্ভেনৈতিক মামলা সম্পর্কে ভেলা ম্যাজিটের সহিত শাক্ষাৎ করিবার ভন্ন ভেলা কংগ্রেদ কমিটির সম্পাদক শ্রীযুত জ্ঞানেক নাথ ভৌমক অভ্যতি हाक्षिमा छिलान। अकाम, डेक बाद्यपन ! व्यक्षाण कता हहेगाइह ।

## পুরুলিয়ায় টেক্সির ধাকায় বালকের পত্তর

গ্রন্থ এই আগেই সন্ধা ৭টার পর বাচারে বড রাভার উপর এক মোটর अर्थिका प्रदेश विकास्थ । धक्की रहाउँ বালক একখান। ট্যালির ধারা গাইয়া প্ডিয়াছিল।

## বস্থার প্রকোপে চারিশভ লোকের মৃত্যু

कर् का गुरुष अर्थित स्हेशांटल, स्थान छ उने ভল নানিয়া যায় নতে।

ইউনিয়ন যিশ্ন হাবপাডালের বাডী ধ্বদিয়া পঞ্জিছে ৷ কলে চারিশত বােক भारतः शिवादक ।

### **एकिति नवानगर्थ जन्मीतन**

কনেকদিন অভিরিক্ত জেল বৃদ্ধি ! মিলকর্তুপক্ষারে भा क्यांत्र सनावश्य क्रमाश्च हरेग्राहः। এমন কি ডিট্রার্ট বোর্ডের উচ্চ রাস্তাও ঙ্বিয়া গিয়াছে। স্কৃত্তের উপর দিং। (कोक) ठमाठम केन्द्रिएडएड्। करमक्ता 医甲乙甲烷 克克亚红藤儿

## ्र शवर्गदमन्त्रे कर्जुक क्षत्रश्रावृद्धि না-মঞ্জ

हिङ्गा वनी निवास आवक् बाङ्बनी কিছুদিনের ভূটীনান এবং পারিবাবিক ভত্তরে গ্রহমেণ্ট ভাহাকে জানান গে তাহারা তাহার ছুইটা প্রাথনাই মঞ্ব করিতে অক্ষম এবং ভারাদের পারিবারিক দেনাও চকাইয়া দেওয়ার ভার লইতে भारतम मा

## আবার পিকেটিং চাঁদপুরে বল্ল-ব্যবসাদীদের প্রতিজ্ঞা ৬ল

পুরাণ্বাছারের করেক্ছন বস্থাব-সামী আহিজতি ভঙ্গ করিয়া বিলাতী কাপড় বিক্রয় করিভেছে এবং নুড়ন করিয়া আমদানীও করিতেছে—এই সংবাদ পাইয়া ক'ত্রেস সেচ্ছানেবকগণ কংগ্রেদের নিজেশ অন্ত্র্যায়ী পিবেটিং কার্থ করিয়া দিয়াছেন। থরিদারশ্র শ্বেছাদেনক গ্রের মিন্তি শুনিয়া নিলাতী কাপড় জ্ব্য করিতেছেন না।

## গান্ধীজীর প্রতি শ্রন্ধাঞ্চলি

विकारण हरें एक आश्रे भः नाटम खायान शासीकी देश्यक भाजात लाकारण টাকাইলের জনস্থিরণ তাঁহাকে শ্রহাজ্গির ভিক্তমন্ত একল্লোড়া হাতে বোলা। থকর উপ্তার দিয়াছেন।

### कानी वज्र उ दब्रमम करम भर्माचंछ

বারাণদী বস্তু ও রেশম কলের भविकता <u>दथन ३ मध्येष</u> हे हालाहेटहरू । কলের সকল বিভাগ বন্ধ রহিয়াছে। **म्हे आंश्डे अस्ताम ध्यम्बीता करनत्** शास्त्र। स्ट्रेंटि ध्वेकान रम तक्कांत अर्थ : निक्रिवेदी प्रान स्ट्रेटिक ध्वेकि म्नानार्याद्रा वाहित कतिथा छाउँगहर्ल शहरा यात्र। তথায় একটা সভার অনিবেশন হয় শতকরা ২৫ টাকা ভিগাবে বেতন ত্রাদের বিরুদ্ধে প্রতিবাদ করিয়া ভারারা একটি প্রস্থাব ্রাংণ করিয়াছেন। ধর্ম্মাটী ও স্থানীয় কন্মীরনের সহযোগে একটি কমিটী গঠিত इटेबाएट। धर्मपटेन व्यनमान कतिया স্তিত মিটমাটের বাবস্থা করাই উক্ত কমিটার উদ্দেশ্ত।

## বেলিয়াপুকুরে মহিলা সভা

গত ৯ই আগেই অপরাছে বেনিয়া-काउंड कारनत मीरह, रनारकत करहेत्र शुकुत चकरन (देवाणी) এक विदावे মহিব্যভার অধিবেশন इहेग्राहिन। প্রায় চারিশত মহিলা সভার যোগদান

করিয়াছিলেন এবং মৃছিলাগণের মধ্যে বিষয়ে একটা স্থতেল জনমত গঠন বিপুল উৎসাহ পরিলমিত হট্যাছে। শ্রীয়কা শাসিদাস সভানেত্রীর আসন তাহণ করিল'ছিলেন। তিনি মহিলা-সমিতির এয়েছেনীয়তা, তাহারিপের অভাব অভিযোগের প্রতিকারের বাবস্থা বেং দেশের রাজনীতিক অবস্থা স্থদ্ধে उक नार्षिभीचं वक्का धानान अस्त्रत। তাহার বক্তা অতি হারতোটা হইয়া-

বেনিয়াপুকুরে একটা ন্তন মহিলা স্মিতি তথ্নট প্রিড কইছাছে। উক্ত মহিগাদ্বিভিয় ভেবিধাত ক্ষুপ্রাপ্ত সভায় নিছারিত হয়।

কলিকার্নিগ্রীর অভাভা ভারেও एकेक्स भविष्यास्थित नावश्व **६६८७८**७ ব্যাহ্য কান্য প্রিচেত।

## करलक हारखन निक्रम् मामलान र मानी

পুণা এইতে প্রকাশ যে ফারওমন करणारक अनर्गतित छेलत छ्या निर्फल भुक्तरिक ८४ मध्यभा क्रिक् क्षय्राह स्ट आंगडे एक्टिय जनानी साम्रह दहेगा जिल्ला करणरेक सं अधान मधानभी जातः। अनर्रत्त श.र्च उत्र कमा ब्लेंग (श्रद्धे) घडेगात विद्यत क्षण्य तर्वना निष्णाप्यन । कार्याण भटायनी चटराम ८ए. वारावत्यक कटणक वितिन्नीटस्य दश १५६' कुणाड धालिएस व्यामान পাস্থেনা হহসভিজ ৷

कार्टिन (१९६४) तर्मन (ग. नामर्वस्त्र উপর ওলা নিজেম্ব ২ ওয়ার প্রতী ভিনি ঘাত্তক গ্রেগটের দিকে ছুটিয়া গিয়া 'ভাৰার গলদেশে ভরবারি ধরিয়া ভারাকে ভতীয়বার ভলী চালাইতে বাধা দেন এবং পরণ পেই ভাহাকে নিরস্ত্র করিয়া ফেলেন।

मारका बात ५ धकान ८४. भरतरहेत পকেটে গ্ৰণ্রের একখানি ফটো একটি রিভণভার ও ছোগা ছিল:

## जाकाम अञ्चलाटन ज्यानीमशारमञ নক্ত তা

গয়া হুইতে প্রকাশ হে, সম্প্রতি আলাদ্ময়দানে একটি বিরাট সভায় चामी खनामीनयान এकडि वकुछाय मिक्स আফ্রিকার ভারতবাসীরা পুনঃ প্রেরণ ন্ত্ৰীমের জন্ত কন্ত পাইছেছে, বিয়ত করেন। ভবিষাতে যাহাতে পুনঃ ত্রেরণ আর নাহর এবং যাহারা পুন: প্রেরিভ **इहेगा (मधीरादिक्षण**ं ७ व्यक्ताख्य शास्त আসিয়া কট পাইতেছে তাঁহাদের ভক্ত যথোগযুক্ত ব্যবস্থা করিবার নিমিত मत्रकांतरक व्यष्ट्रहांत क्या-दर उच्य ক্রিবার মভা তিমি উপস্থিত সক্রকেট ष्मभूटज्ञांथ किश्रिशाटछन् । 🤭 :

সভার ভারত সরকারকে অসুরোধ করিয়া নিম্নলিখিত প্রস্তাব এলি গুলীত

(১) পুন: প্রেরিভ ভারতবাদীদের क्छ यर्थाभगुक नानष्ठ। कता १) व्यानांशी मिक्रण काश्चिका स्थानएविना रेथप्रेटक গান্ধীকীকে অভিনিধি ছিলামে এছণ यता (०) डेक (शामारोहिन देशरेरकत আছিনিবিগণকে আছরোধ করা, যেন বাহারা দক্ষিণ আফ্রিকা হইতে ভারত-. বাসীদের পুনঃ (প্রেরণ্ডারভ্য়ে কোন-तकरम ताबी भा भग।

## শিবপুর স্মান্ত্র ডাকাভির ভের

হাওছার থিতীয় এডিগ্রাল গেস্ক ১৯৩ মিঃ অার, জার মুগাজী জুরিগণের र्शाटल एकम् ए दहेश इत्रमाम मात्रदक भारत বংগর এবং কলিকাভার গুলিন কনটেবল नतक्छ कादि अनः त्रिक्षिम कृषीकः িন ধ্বসর সভাষ কারাপতে প্রিভ क निगार्टान ।

মামশার বিশ্বর এই, গড় ২২লে ম:छ অভ্ৰমতিৰ অব্যাক্তিত পৰা ছয়গাল পোৰ কিল্লুবের জারিলা দামের বাড়ীতে **ভো**র करिया एर १ करता एक सेवी धनः বার্ডার অভারেশোক ত্রীংকার করিয়া Born रहामाक एशात काइ हत। এই অস্থায় ড:কাভগণ ঐ গান হউছে চম্পট দেয়। ছটলার অবাব্ধিত গারে শিব্**ণুর রে**ল লাটন অধিক্রম করিয়া যাওয়াল সমর্ত্ত नत्कार व्यक्ति, इत्याम मान दयर निदा-े 要隔 C의智语 明 1

नाउ रहरण मार्क देमराक क्रीन (क. वि. ঘোষ আসামী বরকত আদিকে ইইছা কলিকাতা পুলিশ কমিশনারের বাড়ী यान। एथा बहेटड डीहाता (त्रमणाबेटन ণিয়া আস্মীর পাচনালা রিভনভার ও 8िष कार्क के जेवात करतन।

### · इंडेनन-गार्की **जःवा**ष

(नाषाई इट्टेंट श्रकाम (ग. कःध्यम क्षिहीटड शासी दम विवृष्टि निमाद्ध्य ७९मम्मदक *- नद्यन्* ६**८७म मा** हे आगारम टिशिकान कतिया आना शिवादक त्य. যে ব্যাপারের উপর গানীলীয় বিশাত याका निक्त कतिरहार छादा ध्यमन বিবেচনাদীন আছে। তবু সকলের বিশাস (य महाक्षा शाकी लखन सहित्यन।

BOTHERS BIR क्षांफवारर mie tie 3. PLANS GLS

नवर्षे श

नागद्यात्र शात ANT SIN CHE वाविक कर् गाणानिक ८ रेज्ञमाशिक ३५० মাসিক ১১ गराम প্ৰতি সংখ্যা ,৫

ভারতের সেক্ত বছল-প্রচার-- দীয়া ভেলাও এক মাত মুখপত

৬৪ বও ী

সম্পাদক—শ্রীজতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি [১৩৯ ভ্রমণংখ্যা

**শ্রিটিভরামঠ শ্রীগাম মায়াপুর—ং১শে শ্রাবণ শুক্রবার, ১৩০৮, ১৪ই আগই ১৯৩১** 

## নানা কথা निक्र देशन

আমার লী জীমতী চর্গাদাসী দেবী ৪.৫ মাসের ছগ্পপোনা ছেলে সহ বিকৃত-মক্তিশ্বিদায় কালীবাড়ী ঘাইবার নাম क विशा पांच ১১ड काशिड मक्नवात ८वला क्रेडोब दिश्यांत्र हिम्बा शिवार्ष । आद-क অস্ত্রদার্থনেও ভাতার ফোন সংগদ পাই भारे । जीत तर खेळाग-आमवर्ग, धकशाया মাধারী সাইছের। যুংনীতে একটা व्यक्तिः विषयः, ८७१लतं नाम कालिका-सम्ह। दकान मझनम् वान्तिः निम्ननिथिङ ঠিকানার অসুসন্ধান প্রধান করিলে বিশেষ अञ्चली क वहेत अनः अस्मकान धानानः काबी প्রक्रष्ट बहेरवन। इंडि-

নিবেদক--- শ্রীপাচুগোপাণ সিংহরার अतरक रक्षमानक वन्तिकाती क ! प्रकारभाष्ट्रा, देनकः वशीष्ट्रा ८९१३ क्रमानश्च, नमीया

## कुष्ठविद्यादित सिटन वृति

কুচবিহার সহরের শ্রীয়ত বলিমচন্দ্র ! বন্ধুর বাটীতে দিনের বেলায় চোর চুকিয়া । বয়ন্তা কতা চিমি দার্গাকে হত।। করিবার নগদ ২৯০, টাকা ও আতুমানিক ৫০০, है।का मुरनाव शहसांश्व महेशा मंतिया পড়িয়াছে। প্রকাশ, বঙ্কিমবাৰুর সাময়িক अञ्चलिक . स्टार्गा गरेमा टात এই कृकारी कतिबाद्ध ।

## ় ছুশ্চরিজা মাভার খালের খলে क्षा निद्र्म

বাক্টপুরের পাঁচী দাসী ও তাহার ক্রেম্পেদ পালান পাল পাচীর দশ বংসর বিভূমাত মনে করিয়া জাল টানিয়া তীরে

# নিরুদেশ

ত্বশ্চরিত্রা মাতার খালের জলে কন্সা নিক্ষেপ্

# গান্ধীজীর সম্বর্দ্ধনা

বণিক সভ্যের গোল টেবিল প্রস্তাব

# বন্দার মাুক্ত

প্রতিক মতিলাল নেহরুর প্রতিকৃতি

# অডুত সন্তান প্রসব

চট্টপ্রামে আবার ৫ জন যুবক গ্নত পরে মুক্ত

# অতিরিক্ত খ জনা আদায়

রেল কর্মচারীর মহিলার বিরুদ্ধে মামলা

**(**ठहात व्यथनार्भ व्यानीशृद्यत (५१**)** मानिएक्षेष्ठे मिः तक. लि, धार्यंत अवनातम षाणियुक श्रेयाद्य। धाकान, श्रु श्रा মে গাঞিকালে পাঁচী ও পালান ছইজনে মিলিয়া ছিমিল হাত পা দড়ি দিয়া কদিয়া काशादक थारमञ्जू करण गिरक्षण करतः। घটनाहरक এक क्ष्मा छेडलाल गाए धतिट दक्षिण। दिभि इक्ष्मिन नक्क व्याव्यक्ष ভাহার লাগে খাটক পড়ে। (守て町

তুলিয়া ম হুষ ভালে পড়িরাতে দেখিয়া গুলি করিয়াছিল।ম।" কিন্তু আদামীর ভয়ে চীংকার করিতে পাকে। তাহার **हीरकारत रमाकञ्चन (बोफ़ाइँगा घ**छनाइस्म व्यामिया इ. ए इयः। हिकि श्मात्कत ८५ होय হিনির জীবন রক্ষা পাইরাছে।

## विकि-मद्भार द्वारा दिवेश বৰ্জন প্ৰান্তাৰ

মছখাৰ এবং শ্ৰীপুত ক্লি, ডি, বিরলাকে नात्र भूक्रभावमभारम्य সহিত গোল

८টবিল বৈঠকের প্রতিনিধি সরকার মনোনীত ন। করায় ভারতীয় বণিক-সজ্যের কার্য্য পরিচালনসমিভি সিদ্ধান্ত (ग, ८गांगरचेतिनदेवटेटक ভাঁহাদের প্রতিনিধি কেছ ঘাইবেননা। কারণ উপরোক্ত ভিন ব্যক্তিকেই প্রতি-নিধি মনোনীত করা হটবে এইরূপ আখাষ্ট্রত আর্উইন প্রদান করিয়া-ছিলেন। দেজভা বোধ হয় সার পুক-শোন্তন দাস সংহিত রাই গঠন সমিতিতে উ।হার আমন্ত্রপ প্রভ্যাধ্যান করিবেন ।

## द्याचारे माटवेत चाक्रमनकाती গবেগটের উক্তি

বোদাইদের লাট সাহেবকে ছভ্যা করি-বার ১েটা করার অভিযোগে অভিযুক্ত গবেটের মাম্পার আর'ও ছয় জন সাফীর হুবানবনা গুঠাত হয়। সাকীগণ সকলেই गा है भाटर गरक इस्तात खनि कतात कथा সমর্থন করেন।

এই দক্ত প্রমাণ সম্বন্ধে আসামীর কি বজনা নাতে তাহা ্ম্যাজিট্রেট জিজাদা

আসামী উত্তর করে,—"হা আমি এই উক্তি লিপিম্বর্ক করা সম্বদ্ধে আসামী-পকীয় বাারিষ্টার লাপ'ত প্রকাশ করেন। कार्य कराक मुद्रक भटनाई जामामी निष्यह धारे भएक विकृति जानान कतियादहन त्य, সে এই আনাগতে কিছুই প্রকাশ করিবে ना। इंश महेबा नामीभक्तीय ७ अंडियांकी গ্ৰুমীয় ব্যারিষ্টানের মধ্যে বাক্রুদ্ধ আরম্ভ নোখাই চটতে প্রকাশ যে, মি: ক্লামাল । ইয়। কিন্তু ম্যাজিট্রেট আসামীর উক্ত উজি गिभियक कतियादहर्म।

**িকান** 

ক লকাতা

অযুভসর

ব্ৰাহ্মণপাড়া

# শোবগবেষ্ণবর জ

· 9117	461201310
পরিব্রাজকগণের নাম	বৰ্ডমান টিকা
১৭ খ্রীন ভক্তিপ্রদাপ ভার্থ	<b>बागात्रात्र</b> ा
২। এ ভিকিবিবেক ভারতী	কলিকান্ত।
৩। শ্রীভকিবিজ্ঞান আশ্রম	<b>ভা</b> মাছাপুর
৪। 'এভিক্তিপ্রকাশ অরণ্য	কটক

পিঃবাল	কগণের শাম	বৰ্তমান ঠিকানা
<b>レー 到 o</b> f	ক্ত জ্ঞান পুনী	কটক
े वा बीर्जा	ক্ত খন্নপ পর্বাত	यसूत्र छ छ
301 ansf	क्रविलाग भश्चित्रिम	কলিকা গা
୬୬। ଶିଞ୍ଚ	ভরঞ্জন ভূজিসার	ग । जि । क
	ক্তিরক্ষক দ্রীরে	म जिल्ला
১৩   회 <b>ອ</b>	<b>क्लिकुरमय (ओ</b> डी	ध्यामा भूत
	क्टम्ब (नाभाग्न	- বংলেশ্বর

# শুপাতাজনতসমূহ

## শ্রীতৈত্ত্য মঠ

#### আকর মইরাজ

প্রাচীন এবর্ষাণ, ডাঞ্চর জ্রিধাম মারণপুর, মনীয়া

क्रष्टे प्रत्रेवारण भावपाधिक देवसिकशक, शक्तक स्थ्यनार्थ्य अभवानिष्ठ अ ত প্রাচীন প্রস্তরাক প্রচারক শ্লে "নদীবা-প্রক'শ' মন্ত্র ব্য প্রচারক হয়। কেন এখনে আছিবংসর জীধাম-প্ৰিজ্ঞসান্তই।ন ও অগণিত ভক্তাগ্রিত স্থাক্তন আচারমূপে মহামতে হৈন্বালি ভঞাল অভ্যতিত চইবা গাতে। বক্ষক—এক্ষ্যাতী উপাদ নৱত রক্ষী সহকারী – ব্রহ্মতারী পশুষ্ঠ শ্রীপার গোষরাম কার্নমাকরণতীর্ম, শ্রীপায়েখা, শীপার বিংচক, অপাদ নক্ষোপাল, এদীনদ্যার্ত্তনাথ, জীঅঘদমন, আমদন্যোধাল, জীবান্দ भाग विकारी एक नरवस्त्र, ब्रिशन, द्वन बीटगावन अर्ज्डा ।

## (৩) যে।গণীত তীমন্দির

१। बीर्जाककारश रम

৬। এভক্তিসকাৰ গিরি

৭। গ্রীভক্তিবৈত্র সাগর

ক্তক—(লাক গ্ৰাৰ্থ লোভামী <sup>↓</sup> **क्हें।** होते क्रिक्त क्र ल्यानिकानिक अक्षतामी, अवाधावित्नान क्षक्रिकृत्त्व, च्योजनात्र क्षक्राती । ख्येतानन मात्र व्यक्तिकारी, स्मतम्बद्धाः स्मीननाथ ।

( 8 ) 최저(河-백주리 वक्त--- च्ये शका वक्त वस्त्र वस्त्राही।

( ८ ) काट्रेष ५-कनम इक्त म - बेंद्रमारनव्य 'उद्दे द्राती. ह्य, गुःकृतकाम नावाकी।

(৬) কাজার সম গিপ ট

**वा**:डीन माधालत, त्यमलकुष (नशीया) वक्तक-अवाहाती विविध्यानांवनादी

· q ) 박기취에 정박다-증명

ड्यारशाक्तयः अक्रमश्रव ( अमीवा ) ২ক্ষত---স্কুত্ম ভাকার বৃদ্ধারী इक्कांकियी बन, खम, अम ।

(৮ औक्ताबाथ भोडीक गर्ठ यक्षमग्रीश**र**ा

भुक्षक.... द्वीबहुबब क्रस्थिम हो ६४. ध. नि. खश, मनकाडी--- श्रीडेबनबाम असि-नाही, शिव्यक्तम साविकावी आकृति।

(১) উটোর-গদাগর-সর্ভ ইপেংখাটি, সম্ভগত, ( বছমান ) त्रक्रक--- शिक्टब्राम अवन्ति, कक्

क्षेत्रीतवश्य काम ।

( ১ - शिक्रभरमोड़ीय-मठ #12112 atsi9 8€. 19 क्षक-- अगर्कारकातम् अवश्वी

### ( ১১ ) 🕮 . मान अन्य महत्त्व

भाष्ठिगांक, सामग्रह, वश्वमाना वृक्षक--- द्वित्रक्षांबर्धा अञ्चलाती, अञ्चल अक्रिनामा महा

(১১) ভাগৰভ আগন

द्यिभागवक राज्यतः, क्षक्रमणतः, नक्षीत्रा । दक्क-- चिक्रणानम तक्कारी किक्साशी

#### ( to ) Buethe Hot

ट्या निम्म लुक् इंश्या ही, नहीं हा । ब्री: विश्व अन्नातात्री, ब्रीविमाशीय माम चित्राठी, कक विश्वताय।

( 28 ) श्रीभाष्ट्र दर्शाकुँ। सर्व

৯ - सः स्वायल्य दशकः, छा का । वक्क-डीदाशावद्य छ छवनाती, **डें**। भाष क्ष्मवासम् १०विष्ठःविदसम् वि- ब. चीनन-श्मीकाम बच्छात्री, चैनिक्रियान करा

## (১৫) औरनामानकी मर्ड

क्यमाश्व, हाका । रक्क-- श्रेमधामनाम अक्रामी

(১৯) अभिवादे-दमी वन मर्ठ

রক্ষক — শ্রীপূর্ণ প্রস্কারপ্রসারী, শ্রীমতিশাল প্রক্রারী

(১৭. शिकाशवडकमामक मर्ड 6क्किशा, वाक्ट्रप्यत्यात, व्यक्तिनी भूत । खमारम श्री कुक्र-(भोवाध-गाइकिंका-भिविधातीक निकासना वत्रमान । त्रक्-अवराती औरत्रतान्वात्वी।

## ) बारगोडास मर

क्षामान ५ अने को हो। हो। नाः नागवाकातः, कांनकानाः। Bintaria it. 11. Atte

শ্রীপার অন্তর্গাল্ড প্রতিবস্থাভূষণ বিন্ত, লীপাল রাস্বিভারী এক্ষাতী, এীপাল स्थानकादी रूप्त. 5366:01 2 3 5 mm. প্রীলারিয়েত্ন, এক্ষারী প্রীয়ানন্দ, পাওক প্রাণায় নবীনক্ষ প্রাণিয়ান भवात अञ्चलकारी मञ्चलारतेत मनाधाम, से अवस्ताकालम मामिकारी निन्छ, से स्नानकार्यक्र सागाविकाती जिन्हाल, 劉अध्याय महाकालान, अलियप्रव ब्रह्माती, अलाबरणानिक প্রসংগরী অস্থি।

## ं । यामना(याष्ट्रा अनदाख्य

ताक्षर्व ४ ८५११ तक्ष्याम । 384-38118 Bulstethiel

ు अध्यक्षित्रकारमा वर्ष

Marte, MA. Bright त्रक्षक - अकारावी शिल्डम मन्त्र निर्मारण. अक्षाती जीवमीधावक, जीलाटक अन्त अक्तराती, श्रियामनानम अक्तरादे अंतिनातार हत्तर संभवारी, श्रीकार्यनित १८: ।

#### (२ ) श्रिज्ञ-८भोष्टीत्र मठ

আলবরনাথ, এজাগার পোনে পুনী 🛭 क्षणक--- ब्रह्मp'ती केशदरश्यती श्रातामधी : तहकाता - अवनावी व्याविकातिकाती .

(. ১) क्रिजांक्टमानल गठ Simplialmis, Go.

वक्क- वक्षात्री जीनगर्य, जीवाभनग अक्षाती, बीनाव कदरशालाल कामानिकादी।

(३२) जिनगाडम-भागित मर्व बन्द क्षम्कीतनम्बा, कामा । रक्षक - अक्षताबी जुनरम्बनको, निटाहेबान

अक्ट ही, औषकानन उक्तामी ।

(२७) डीक्कटेंडडच बडे जीवृतिस्थ्याम कृत्व, जीनाम वृत्यायम । शक्तक -- छैशनगरिनाथ उक्तारी

(২৪) 🚇পরমহংস মঠ

देविषयात्वा, मीडाण्य क्षक-अक्षाती जीनुनिरदानम् व अक्षाति जीमसङ्गाम ।

(२०) ड्राटेड ड्रग्रंट शोफाय मठ ভূমরকু আ, হিরকু জা, সান্ভূস वक्रक--- लीवम नाभ वाष, जीवार शैर्य WANTER!

(२७) नहामदशीक्षांत्र मठे

इक्क--- इक्काराद्या स्थलनाम् । जीतनी-्याभाग अवस्ती

(२०) जाक्षरभाषा अभग्नाज्य-मा आक्रमणाचा, ८७१३ मा**ङ्,** शतका

क्रशास्त्र मध्युष्टभृति श्रीर्भातारमत स्मना वस्यान । उक्षक---धक्यांनी औद्याः कृषः-417, 36 4441 441

(३৮) पिक्री जोड़ीय मठ-व्यागान ब .. १ दशा कि अने छा क्षात ज्यान, विके विक्री त्रक - ब्रुक्त तो द्विनी वक्षम, मं कुनदलपत्र 최] 김 가 : 경하이 5 요이 때 전략

## (२०) ८गा गामभाषा-अभवाधान भूक्ष**—उक्ष**तात्री खोशधारबाहर

(७०) मालाबदशी द्रीय मठ মর্ব গোপালপুশ্ম, ক্যাপেড্রাল, সাত্রাঞ্চ ত্ত্ব — বিশ প্রবাধী শ্রী ছেতিরক দ শ্রীশর মহারাক, সহকার — অিদ্ভিস্থানী 🕮 নদ্ कृति सन कृतिनात, द्यालाम सम्मानम अच्यामी, अन्यान (मानीसलन अवाती. ্লী নৰ নিছম্বৰণ এমচানী ভবিশালী श्रीपान दशीव धनानम्ब द्वनाठात्रो ।

(७১) बाममदगाभाग भाष्ट कांश्रानभूति, ठावमा, मणीश इक्त म-- अव्यक्ताती क्रीरक्षनगांतक



य छेत्र व

১৬ श्रीपत (भोताक ८८०, २৯१न अधानन नवाक १७०৮, ১८ आग्रेड दे१ ১৯०५ खडार तत

ুত্ত ভল সংখ্যা

## **সাম**য়িকী

প্রাণ মারাপুর শ্রীতৈত্তানঠেব প্রাথান-তম শাখামঠ কলিকাতা মহানগ্ৰীস্থ 🕮 গৌড়ীরনতে ভাগবত মহামতোৎসবের দিন यनीहेश व्यामिशास्त्र । देरकामरभादे कथात বঙ্গোকের সমাগ্র হটাটে।

মান্ত্রাঞ্চ গৌড়ীন্মঠের অক্সতম প্রচারক जिम्छियांनी जीनपुष्टिकता तम महाताक खानव**फ-ध्यमनी**त विविध स्मता कार्यात **ক্স কলিকাড। শ্রীগৌড়ীঃমঠে আসিয়াছেন।** 

च्या श्रीतिषटेतकनता सम्मानतः मण्यानक গৌড়ীয়-সক্ষণতি শ্রীপার অপ্রারুত ভক্তি-मात्रक त्याचामी आहू, श्रीमश्रक्तिविटनक ভারতী মহারাজ্ম শ্রীময় জিশিলাস গভারি-নেমি মহারাজ প্রভৃতি প্রচারক্বর্পও কলিকাভার আসিয়া পৌছিয়াছেন।

কলিকাভার স্থায় মহানগরীতে বহির্থ कीवकुग मर्वामा क्लिपक्रकत रमनाव तक: মন্ত্রভাষীবনের প্রাকৃত উদ্দেশ্য কি ? শীবগণ **टकन এই ভবকারাগাবের রক্ষ**িঞী নায়া-দেবীর জিতাশ-নিগড়ে আবদ হট্টা বিবিধ पत्रणा त्काण कतिएउटक्, छविषता काहात इ िखा नां**के ; इ:**श-देशरका, द्वांश-८शांदक, व्यक्तान-व्यक्तिभाव मर्त्रामा क्रिष्टे व्हें 19 ভাষার অভিকালে সম্পূর্ণ উদাদীন পাকিনা नकरणहे दर्भाष कणित मागरप मञ्ज नियुक्त । विमुक्तमार्किनी मात्रारमयी कि त्य মোহ-মদিরা পার করাইয়াছেন, বাহার ছুদ্দনীয় আভাব কলিছত ব্যঞ্জীবকুলাকে

ছুট্টাই 🗵 দিবার অক্সই নহানহা-কারন্যাবভার 🚶 क मान्यकरात्रत अहे जानवाड-मारश्यमारतत

বালক-বালিকাদিগতেক কটু, তিজ छेमन भाग कताहैनात काटन व्यवस्था भिक्टे-ज्ञारात लाउ अवार्च क्रेग्रा शास्त्र. ক্ষবিভাগিতেপেরপ্তর রস্মান কন্তিকর ভগ্রকেপামুভ পান করাইবার ছতু লগ্রা-धार्मारम्बन उपान निवन बोमा आम्बन কবিতেছেন।

दमार्किमी माधान महमाधा है। निल्लित দ্রবাণ্ডলিতে ভগব্দিন্পজীবের নয়ন স্কলা व्यक्तिहरू विश्वा क्षेत्र अञ्चलक्ष्म नगुरुनत **ছপ্রি-বিণানার্থ ভাগবত-পদর্শনী খুলিতে-**(छ्न। জড़-রসাখাদন-লোগুপ রস্মাতে বিচিত্র সহাপ্রসালের লোভ প্রদর্শন করিল। অংকর্ষণ করিতেছেন সঙ্গীপুলির জন গণকে জীরক্ষসংকীন্তনের স্থমপুর স্থারতাল লয়।দিতে আঞ্চ করিয়া আনিভেছেন। धारेकारण भारताष्मभारत धारा भारत भारत भारत প্রকারে প্রভাকভাবে কি যে মহৎ উপকার कशम् अक्रवट्यतः बादा मानिष्ठ क्रहेटल्ट्राष्ट् ভাহা বহিত্ব-বিচার প্রদণ্ বিষদগ্রেণর ও বুঝিবার সাধা নাই।

कतिकुण-मूक्छेत्मीथि औमर कतिताक গোষামী প্রভূ-বির্গতত জ্রীতেভরনের তা-भूतक व्यानका दमिश्टक शाहे दय, श्रीश्रीकोत-মিত্যানক জীবের অক্সান্তমোরণ-কৈঙ্গ निमाभ कतिएक दशीक्रामरम श्रुक्तरेनात्व डेमिड

অক্লাবিশ্বত করাইয়া কবিল পরেও নিযুক্ত হট ছিলেন। ধর, এর্থ, কান, মোক্ষবাঞ্ছাই कति।।(छ । ८१ई स्मार-मितात सम्मा देकच्य ता अध्यमक्रमः । क्रमाकित वामक শুভাশুভক্ম স্বই ভীনের অজ্ঞাভ্যো-ু ধর্ম। গ্রেবনিভানের ছই ভাই ভীবের সেই অজ্ঞানতনঃ বিনাশ করিব বস্তত্ত প্রকাশ করিয়াছিলেন।

> ভাহার। ভূট ভাট অক্সান্দীনের জনবের অন্ধকার কালন করিলা ছই ভাগ-বত সঙ্গে সাক্ষাৎকার করাইগ্লাছিলেন এবং মেই চুই ভাগাংতের ছারা ভক্তিরস প্রদান श्रुक्तक 'डे|राह्मत ८४(१४ नमी ५७ क्ट्रेश-

ভাগবত্রতের রুণ্ডনা হুইলো জীবেব 🖯 অবস্থাতে বস্ত্র-লম বিপুরিত হয় নাঃ তাই ভাষারা অধনে মতন করিয়া পরমাথবনে উপেক। এ:দশন করে। প্রীটেডক্স-মনোভীর-প্রচারক্বর জগদুগুঞ্দেব আজ গৌর্নিভা नत्नना इंकिट्ड डांश्रापत स्मर्टे मीमाई প্রদর্শন করিতেছেন। ন্তদৃষ্টি কলিজীবের জান-ক্-প্রকাশক পুরাণ-স্থ্য শ্রীমদ্ ভাগণতের প্রদর্শনী, শ্রীমন্ত্রাগণতের প্রচার এবং সঙ্গে সঙ্গে ভক্তভাগবতের সঞ্চনান, ভক্ত ভাগবত-সঙ্গে ভক্ত ও প্রস্থভাগবতের মহাকার-শোর কথা প্রচারের জক্তই এই ভাগৰতোৎসংবর আবেরজন ।

বালেশ্বর জেলার কোবন্ট গ্রামনিবাদী শ্রীগুত লালমোহন মহাপাত্র মহাশর লিখিয়া-

মদীৰ ভবনে, শ্ৰীগোড়ীয় মঠেৰ অক্তৰন প্রচারক ক্রিলভিস্থানী শ্রীনদ ভক্তি প্রস্ন বোধায়ন মহারাজ ভভাগ্যন করি। ছেন।

গত তবা আ 🕏 ভারিশে ভারার আনেশে জীগাদ রাধান্যণ ভ্রমণানিজ্ঞী भिद्याक्षेत्रज्ञेत्रा कर्ष्ट्या — मन् ७०५ तर्**ष** भारत কবিলা হয়িভজন করা'—এই বিষয়ে একটা वङ्ग्छ। अभाग कतिहारहम । दागरकत म्रथ একপ শার্যুকিপূর্ণ কথা আমরা আর ক্ষণনও শুনি নাই।

चाडः 🗝 व जिल्लाका अध्यक् द्वापायस भश्रीतोक अक्रकरात शर् छङ्गास छ মহানপ্তের পার্থকা দম্বনে গ্রহ গটাকলে এক চিত্তাকর্মক বঞ্চতা প্রাপ্তনা করি ।-ছেন, ইংখার জী ুবে বজুতা শুনিয়া সকলেই मन्धक ५ 'धके अरतत १ विका व्यटक পারিব্যুদ্ধন ।

বস্তমানে কলিছত জালগালে উদ্দালার্থ भारतमध्यम क्रीमन का का लिखा मुग्न मार्थि -পোস্থানী মহারাজ জলদ্ওক-১৫ অবতার্ণ ইইয়াছেন। এত্রকলের অবিবাসিগণের ষ্টরে তাঁহার পাদপ্রদশনলা্ল্যা ফালিয়াছে।

হরা আগষ্ট সাগায় জীপাল জীনৰ **ম্হারাজ হরিকথ। কীশুন ক**্রন। হ'র কণা অবশ্যকে মিঃ ভেনকংছেল প্ৰক্ষল **প্রান্তার করেন যে**, আগ গা গ'বরারে নগ্র-गःकीयंव वाहित हरे??!!

গ্রীপম হা পের মানুব ছাজিবিমান केनिष्ठि हेट्टि । दश्क्रमाहात किन खत्रामी औमन ভাজিপদীল ভার মহারাজ গভ কই আগেট্র জাবিংগ স্থােৰ বাস্তুব্দ সভাৱ সভাপতিৰ স্থান্ত নিয়ো ও ধন সম্বাদ্ধ একটা বাস্থান্তা अमान कतिशास्त्रन ।

সেই সে বিজ্ঞার ফল জানিহানিশভার। কৃষ্ণপাদপারে যদি চিত্রবিত্ত রয়

## · ঠাকুর ভক্তিবিলোদ ইন্ষ্টিটিউটে প্রভূপাদের বক্তৃত্য

(8)

ভক্তির systemটা সমূলে উৎপাটিত कत्रियां कर्षा-क्षांत्वत व्यात्माहना, कीवहिः मात ध्यमात वृक्ति कतिएडाइ, डेमा धर्माविगहिङ ও নীভিবিগৃহিত শিক্ষা: এইরূপ অবৈধ শিক্ষা প্রভাবে মানব-জাতিকে ক্রমশঃ নিয়ন্তর অবশ্বন করাইয়া মঞ্চাজেব বিলোপ সাধন করিবে। সত্ত গুণের ধ্যা --জানবিকাশ, রভোগ্তণের ধর্ম—প্রাকৃতি, তমোগুণের ধন্ম - জড়ত্ব বা চেত্রনের বিলোপ সাধন। থে শিক্ষায় সম্বভণের ধর্ম জ্ঞাননিকাশ রজো-স্তমো ওণে চালিত কবিলা লোককে ক্রমশঃ ধবরেসর গথে লইরা যার,ভাষ্টা সংশিক্ষা-পদ-বাচা নহে ৷ ভাজসংস্কর বিকাশে ভগবছা-জ্ঞান বাভ হয়৷ সেই জ্ঞানই প্রারত: জ্ঞান, খণ্ড ঘাহা কিছু--ক্ষানতা-বিজ ছিত, প্রকৃত শিক্ষার উদ্দেশ তাহা

ভগবন্বিখাসই ভক্তির মূল। সেব্যের সেবা—আয়ার সাভাবিকী গুরি। ঈশ্বর প্রেস্থ—সেবা, জীব বস্তু সেবক। সেবা ভাষার পর্যা। এটা বড় কথা। নির্মিলাস ( Abstracts ) বা ( Impersonal form of Godhead ) জড় বিচারের বাতিরেক ভাব। উহা প্রারুত আভিকা বিচাব নংছ। মানব স্বভাবতই আভিকাব্দিবিশিষ্ট। ভগবস্থজি বালাকাল হইতেই অর্জন করা একান্ত কট্রবা। শ্রীমন্তাগবত ( গাডা১ )

\*'কৌমার আচলেং প্রাক্তো ধর্মান্ ভাগৰভানিত।

छई इर माञ्चर अना उन्लाझनमर्थनम् ॥"

Let us pray and pray unceasingly. Forced labour and prayer must be avoided by all means. Let us be conversant with the general principles of Religion and Morality. Let us ! have a peep into the next world. It is a matter of great regret that the so-called Professors and Philosophers of the world have shown their back to these fundamental promples. Let us enquire after Theises with a true heart and submissive spirit. It is would be extremely profitable and very interesting not only to us but to the whole world. Those who are much interested in our welfare must not lose sight of this fundamental factor of life. Our education must be wellgrounded on Ethical and Theistic principles.

'খামর। যেন অবিবাত ভগবামের গুণ কীর্তন ক্রি । ক্রিডু জুনিজাপ্রবর্তিত সেবাকার্য।

## শ্রীগুরুদের ও আমি

( )

(ভক্তিরত্ব শ্রীপাদ রাধাচরণ গোদামী ভক্তিশারী সম্প্রদাম-বৈভগ্রচাণ্য )

আমি ভটস্থ জীব, ঐ ওকদেব মৃকুশ্বকোষ্ট । আমি নিতাবদ্ধ, ঐ ওকদেব মৃকুশ্বমুকুটমণি। আমি অজ্ঞ, ঐ ওকদেব বিজ্ঞানপ্রদাত। আমি কর্ত্তব্যাক্তব্যা
নিরূপণে অপটু, ঐ ওকদেব বিভাবাসী জীব
মাত্রেরই কল্তব্যাক্তব্য-নির্দান্ত্র-সমর্থ।
আমি আয়ুকল্যাণ লাভে বিমুখ, ঐ ওকদেব রক্ষাণ্ডের ঘাবতীন জীবের আয়ুকল্যাণপ্রদাত।। আমি গ্রমাথে অল্স, ঐ ওকদেব জীব্যাজেরই অল্সত। ও ভাজাদোর
বিদ্বিত্র ক্রিণার ভল্গত্ত।

আমি আপ্রকামী হইবা ভবলুবের স্থান ইতাপ্রতা বিচাল করি, শ্রী-ওবংলব জীবের আজেন্দ্রিয়নীতিবালা অগনোধন করিছা ক্ষেন্দ্রিয়নীতিবালা অগনোধন করিছা আমি মন্দ্রতি ও দৈবাহীন, শ্রী-ওকদেব জীবের সুবৃদ্ধি দান করিছা সান্ধনা প্রকান করেন। আমি প্রথবৃদ্ধিনীন, প্রকাদেব সাধাবণ মন্ধ্রতা বৃদ্ধি করি, শ্রী-ওকদেব রূপ্য-সোধাবণ মন্ধ্রতা বৃদ্ধি করি, শ্রী-ওকদেব রূপ্য-সেবা সন্ধ্যে বাবতীয় জীবে গুরুবৃদ্ধি করিও তিনি যে সাধারণ মন্ধ্রতা নতেন, ইহা জানাইছা প্রত্যেক জীবকে প্রক্রজান-সঞ্চবের স্রব্যোগ প্রধান করিতেছেন।

আমি জ্বিদ্বাগবভানি সফান্তে শ্রহাযুক্ত নহি, ক্রিপ্তর্বনের নিরস্থর শ্রীগথাবতাদি সফান্তের শ্রবণ-কাঁতন করাইরা সকর
ভাবকে শ্রীদ্বাগবভানিতে আর্ম্ভ করিতেছেন : আমি ভেগবিপ্রিছে পুঁডুল-বুদ্দি
করি। অপরাধ করি, শ্রীপ্রসনের "প্রভিমা
নহ তুমি সাক্ষাৎ ব্রজেন্দ্রন্ত্রনার অসম্ভ
আন্তর্গ প্রদর্শন করিতেনেন।

ও প্রার্থনা সক্ষতো হাবে ব্যন্তন্ত্র। প্রথমতঃ নীতি ও ধন্মবিষয়ক সাধাবণ রীতিনীতি-श्वनि मन्त्री आरत कांग्रह कांत्रश्री शहत शत-क्षशरकत व्यवसम्भारम आहरे इंदेरक इंदेर । किन्द्र राष्ट्रे छ त्थात तिसग छाई त्या. राखेंभान যুগের ভগাক্থিত অধ্যক্ত ও দার্শনিকর্গ এই প্রেরত মূল তথা গুলির প্রতি সম্পূর্ণ উপাসীন থাকেন। যদি আমরা আন্তিকভার বিষয় সরল অস্থাকরণে ও বিনীতভাবে অসম্মান করি, তবে ভগু আমর। কেন, জগতের প্রত্যেক ব্যক্তিই এ বিষয়ে মথেষ্ট লাভবান इटेट्ड शाहिरतम এवः विमन मानन डेश्रामा কবিবেন। ইছিবে আমালের অভিনশনে काव हे हहेता हम, डीकाता कातरमत कहे मुन কাৰ্দ্ৰবাটীর বিষয় বিশ্বত হইবেন না। নৈতিক ও পারমার্থিক সূত্র চিক্তির উপরই আমা-(मन् निकामिक्द स्थाविवेट स्टेर्स ।

## ইংগ্রাম-প্রসঙ্গ

শ্রীশ্রীনধাম প্রচারিণী সভার
প্রচারফণে শ্রীমশ্বহাপ্রভুর পারুত জন্মভানের
সন্ধান আজকাল অনেকেই পাইতেছেন।
তজ্জ্য বহুণ্যক্তি প্রভাহই শ্রীধান সালাপুরে
শ্রীক্ষাকৈতক্রদেবের জন্মভান দর্শন করিতে
আগিতেছেন এবং শ্রীধান দর্শন ও ধাননাসী
বৈক্ষবগণের অলোকিক চরিত্র ও আচারব্যবহার দশনে কৃতক্রভার্য ইইয়া যাইতেছেন।

গত তরা ভাগত তারিপে কুলিয়া রাধারভারনিবাদী শ্রীযুত প্রিয়নাথ বন্ধ বি, এ, মংশাণ এবং রংপুরের ভূমানিকারী শ্রীযুত যতীক্ষনাথ রাজৎ মহাশণ শ্রীমন্মছা-প্রান্থ করার করেন : উল্লেখ্য শ্রীমন্মছান করিব। তথাকার দ্রিষ্টব্যক্ষামন্ত্রি করে করে করেন করেন করিব। তথাকার দ্রিষ্টব্যক্ষামন্ত্রি করে করে শ্রীচিত্র করে ব্যক্ষামন্ত্রি করে তথা লাভ করেন।

চাকা আন্তর্গপুর্নিবাদী সন্ত্রাপ্ত ব্যবদা জীয়ত নবছীগ চন্দ্র সাহা উগ্রের বন্ধ জীয়ত জগদীশ চন্দ্র নদ্দী মহাশরের সহিত জীমন্তাপ্রভাৱ জন্মাল্টা দর্শন কবিত আগমন করেন এবং জীপান মায়াপুবই জীমন্ত্রাপ্রভাৱ প্রথমত জন্মপ্রান কিনা তহিগতে প্রকৃত তথা ঘানিবং ইচ্ছা করেন। জীলোগদীঠেব প্রকৃত ছিল্ল তথ্য, মহাজনবাকা, এবা নিবপেশ্চ বিশ্বস্থন হথার শীকাবোজি এড়োত উল্লেখ করিল উগ্রেম মানাপ্রেই যে মহাপজ্ব জন্মপ্রান এবং ভাহা জাগিবধীৰ পুকাতীবে মবজিত, ইহা প্রযাণ করিবা বদন।

অভংগর গোস্থানী মহালয় ভাষ্ট্রিপ্রেক প্রদান পাইতে অন্তারাধ করিবো ভারাবা উত্তর দেন, আন্তর্গ ইতঃপ্রেট ক্লিয়াতে প্রায়াদ পাইবার কন্ত কোনও প্রায়াদ-বাব-সায়ীৰ নিকট কানো দিলা আসিশাছি। আয়ুশ আগে এস্থানের মহিমা কানিতে পাশিকে এমপ স্থিত হটভান না। ধাহা ১উক, সংখাগ পাইবেট আমরা পুনরার এ নে আদিব এবং এপানের দর্মশালায় বাস করিল সাধুনুথবিগলিত জীঙ্রিকথা প্রবণের গৌভাগ্য শাভ করিব। এনারে আসিলে আর ওপাবে ঘাইব না। সেখানে 🖟 इत्रिक्य। स्रुप्त कतिरात काम स्रुप्तां से নাট: অধিকত্ব সকল কাঞ্ছেই প্ৰসার কারবার। ঠাকর দেখা, প্রেদান পা ওয়া, ওমন কি একটক চরণামত লাভ করিতে তইলেও প্রসা ছাড়া উপার নাই। প্রম কার্যণা।-न डाजी जीवनागं शहत स्मनांत्र स्माहार मिया এ বণিগাবৃত্তি কি গুরুতর অপরাধ নতে ?

## यशिकिष्मिश

(ব্যক্তিগত)

শ্রীমৃত লনীকেশ দেন, টেলাস কোরার,
নৃত্ন দিলী হইতে জানাইয়াছেন যে,
'ভক্তমাল' এছ প্রকাশানক ও প্রবোধানক, উভ.কেই একই ব্যক্তি বলিনা বর্ণন করিয়াছেন। কিছু প্রকৃত প্রভাবে সকল ঐতিহাসিক প্রমাণ ভাষার বিপরীত কেন ?

(১) এ প্রকাশানক উত্তর-ছারতবাসী
মায়াবাদী সন্নাসী এবং প্রীপ্রবোধানক
দাকিণা ্যানিবাদী ও 'প্রী'বৈক্ষর-সম্প্রদারভক্ত ভিলেন। স্থতরাং উভয়ে 'এক্'
বাজি ২ইতে পাবেন না !

(২) দিনীরতা, জীলোপাল ভট্ট
গোখানী প্রান্ধর গুল্লতাত ও গুলুদের
জীপ্রবোধানন্দ সরস্বাতী। তিনি পূর্বের
জীপেন বাস করিতেন। পরে জীগেরির
কলবের আহুগতো মাগুরমণ্ডলে কাম্যবনে
বাস করিতেন। তিনি কোন দিন বারাণদীবাসা মাগুরাদী সন্ধানী ছিলেন না।

(৩) কিপজিখামী জীল প্রবোধানক স্বস্থা কথনও একদণ্ডী প্রকাশানকের স্থাতি কিশান্তন। একদণ্ডী সন্ধাসি-গণের শিথাসক থাকেনা, কিন্তু ক্রিদণ্ডি-গণের প্রভাবের শিথা-স্ক্রেপাকে।

बीर्श्व रिक्शियाम भार्र कतिरम् स्थाना যাত তে. শ্ৰীপ্ৰবোধানকপানের শিবাই ভদীয় ভাতৃপুৰ বছুগোখানীর অভ্তম 🕮 গ रशालाम ±है। ≝ार्टेशङकाकाशनक भार्टि काना यात्र (य. श्रीमवाशकत नवरील-लीलाव कानीएक व्यक्तानामस्य "बाजवानी महाभि" বলিলা ভাঁচার প্রান্ধা করেন নাই। এই धर्षेत्रात करवक वश्मत भरन ही भोतकुमत সন্ন্যাস গ্রহণ করিয়া শ্রীরক্ষমে বিবিত্তি-বানী শ্রীপ্রবোধাননের সহিত সাকাংকার करत्रन । ভংকালে 🗒 शहरा वानक শ্রীগোপার ভট্টের পিতা শ্রীবোষট ভট্টের ক্ষিত্র প্রতা বলিলে প্রাসিদ্ধ ভিলেন । 🕮 त्राभाषकोत्र देनकवशन *द*क्तनादे∢कनानी भागाताणी नाध्या जातात. छेशात २।> বংসর পরেট দেই প্রকাশানক্ষকে কাশীতে मागानानी महाानी दम्बिटङस्म । विमिध-देशकर भूबाजी किकाल भूत्य महिन्तानी शादकन, भरत किनिकिनकारी, भरत आयात्र याधाराती इन--- अक्रम मृहोस भा अवा यात्र मा।

# গ্রন্থ পরিচয়

# **ন্ত্রীমন্তাগবত**ম

শ্রীমন্থরি রুক্তবৈশারন বেদব্যাস-প্রণীত মৃল, শ্রীমন্মধ্বাচাথা-রুডা ভাৎপর্য্য-নির্ণরটীকা; শ্রীমন্বিথনাথ চক্রবর্ত্তী
হারুর-কৃত সারার্থদর্শিণী টীকা, বলাগুবান, সংগ্রুত অনম ও
প্রতিশন্ধ, তথা ও বির্ভানিয়ক্ত। প্রতি করের আদিতে
নেই ক্ষেরে প্রতিপান্ত কথাসার, অধ্যান্তের প্রথমে ঐ
অধ্যান্তের সারসহ স্থবিস্থভ ভাৎপর্যানি বিরভ। লোকস্টী
্র্যুক্তী, অধ্যান্ত্রিররণ, পা্ত্র ও স্থানস্টীস্থ উত্তম
কার্যুক্তি উত্তম অক্তরে মুদ্রিত। প্রথম হইতে ১০ম হল
াত্র ভাপা শ্রুণরিপে শেব হটরাতে। ভিক্ষা প্রথম
তে কুম কর্ম প্রয়ন্ত ২০৮০; দশম হল্ম ১০, ;
শন্ত্র ৪০, ।

## শ্রী শ্রীটেডগুচরিতামুভ

জ্ঞাতীমছবি নিশিষ্টাকুর রচিত 'অমৃতপ্রবাহ ভাগা'

ত আঁতীমছবি নিজায় সরস্বতী পোলামী প্রত্পাদ লিভিত
'অঞ্চানো জাভি-স্থাদি বছ শার্মপ্রনাণ সংলিভ হইয়া
প্রকাশিত হইয়াছেন। লোকের সাধ্যম্যাপ্যা, বল্পান্তবাদও
প্রত্যেক প্রারের প্রের সংক্ষিপ্ত অভিনেম সংযোজিত।
প্রত্যেক আয়ার-প্রারম্ভে কথাসার দেওরা আছে। লোক,
শ্যার, শক্ষ, স্থান, পাত্র প্রভৃতির স্থারহৎ স্থাী ও প্রস্থকার্থের
নিজ্ত ভাষনী স্মাধিত এইরূপ অভূতপুরু সংহর্থ ইত্যপুরের
কর্ণাপি প্রেকাশিত হয় নাই। উত্তম কাগ্রের পারিপাট্টের
সাহত সুল ফুল্ডপরে ফ্লাশে মুদ্রিত হইয়াছে। প্রায় প্রায়

### **এটেড ক্যুন্ড গোবত**

গ্রন্থকারের জীবনী, প্রতি পরিচ্চেদের কণ্যার, বিশ্বত েট্টার ভাষা, শব্দহটী, প্রার্হ্টী, বিষয়-স্থান পারাদি-কটা, প্রস্তুতি বিবিধাব্যর ধ্যনিত বিরটে বিভীয় সংখ্যন ভবল জ্রান্তিন ৮ পেলা আকার। আদিলালা ও মণোর কিয়নংশ প্রকাশিত হয়াছেন। জ্রামে প্রাকাশিত ইয়ভেছেন। অগ্রিম ভিজা ১ টাকা, আদি লীলাল ভিজাত

#### **बि**रें 5 ७ स मन म

এই এতের এরপ অভিনব স্থার সংস্করণ আর কুরাণি ক্রমাণিত হয় নাই। সংস্কৃত প্লোকাংশের অধ্যা, বঙ্গাপুরাদ, দ্যা, ক্র্যানার, তথ্য প্রস্কৃতি সহ অতে গত্তে প্রকাশিত হিয়াছেল। মূল মোটা অক্রে ডবল জ্যাউন আটপেন্টা ব্রদাকারে ছালা হইয়াছে। মুখ্য ২৮০ টাকা। নদীয়া প্রকাশ ও গৌড়ীরের প্রাহকগণের প্রে ১৪০ টাকা।

## শ্রীমন্থগণদুগীত।

— শ্রীনে ইন্টার বৈধ্ব বিষয় জালাকত রণিক চূড়ামণি শ্রীক্রীবিদ্যাপ চক্রবিষ্টার গোস্বামিরতা সারাগবিণী টাকাসমেতা ও শ্রীক্রমন্ত বিনাধ হাকুর-প্রণীত তানিক-ব্রুমন নামক ভাষাভাষাসাহিতা। ক্র্যায়স্থতী, মাঙ্কাক্রমে ক্রেম্ব-স্টা,বিষ্ক্র-স্টা,গ্রহ্কারের ভাবনা ভ অবভরণিকাদি ক্র-ভাত্রাবিষ্ক্র-স্থ উৎক্রপ্র বীধাই ভূতীয় সংখ্রণ— এই রাভ্রাম্পরণের ভিক্ষা ২০ টাকা মান্ত, সাধারণ সংখ্রণ— ১॥ গ্রাহা মান্ত।

# শ্রীল প্রভূপাদের বক্তভাবলী

ওঁ বিষ্ণুপাল আশ্রীজাত সিদ্ধান্তসর্থতী
বেগালামী মহারাজের দেই অবিছা-বিধ্বংসিনী
লীবাপালরপোলাধিনী ক্লা-কাঞ্চান্লদায়িনী লীবস্ত-বাণীর
মূত্ত-বিগ্রহ—বৈলব্দিলাপ্ত-রত্ত্বমাগরে কোপ্তমণি—সম্প্রদায়
বৈভবনিজ্ঞানাগারের মোলিক ভগ্য—পঞ্চরত্রে ও ভাগবতের
লমপ্র ওক —মহাজন-কীবনচরিত-বিশ্বক—চিনিলাস্চিলাত্তআচিলাত্ত-বিচারক—ঐখ্যা ও মাধুগারমের মৌলিক গ্রেষণার্ব
—স্বন্ধ, অভিধের ও প্রয়োজন-ভগ্রে বিভাগ্ত-সমূত্র।

১। প্রথম শশু-বৈক্ষণদান, ঐত্তরতন্ধ, কালধাম, ঐমধ্যাবিভাব, ঐথাবিভাননী, পাক্ষরাত্রিকী দীকা
ও বর্গ বিচার, আত্মধাম ও মনোগায়, ইটেডেল্ডানের ও
তাহার শিক্ষা, অপ্রায়ত সহজ্ঞাম ও প্রায়ত স্থল্যন্ধ,
প্রান্থতি বিংশতি সংখ্যক রয়ে স্থোভিত। ভিক্ষা মাত্র
৮০ বার আনা।

২। দ্বিতীকা শশু--জন্ধা ও বিদ্ধা ওকি, মন্তুলার নিতারতি, শ্রীনর স্বামিপাদ ও নারাবাদ, শ্রীবাসপূজার নিতারতি, শ্রীনর স্বামিপাদ ও রক্ষান্তন, শ্রীবাসপূজার শ্রীমন্থাবাদের কাঁড়ন, শ্রীবাসপূজার শ্রীমন্থাবাদের কাঁড়ন, শ্রীবাসপূজার শ্রীমন্থাবিক্ত, শ্রীরপাক্ষণভগ্ন-পথ, শ্রীমতী রুগভাল্পনিক্তী, শ্রীটেভক্তের দরা, গৌরককণ্ণ ও ক্ষান্তী রুগভাল্পনিক্তী, শ্রীটোভাল্তর দরা, গৌরককণ্ণ ও ক্ষান্তী রুগভাল্পনিক্তি। ভিজা ১, এক টাকা মাল্ল।

ত্রি শশু শাক্রির ৪ সতাপ্রিয়ত।

প্রীন্দানের প্রাক্তন, শ্রীক্রকানিউনি, বৈষ্ণব, শ্রীসীতাদেবীর আনিউনে এসেপ, শ্রীমন্তানের সতা, শ্রীনাসপূহার শ্রীমন্তানের প্রান্তানের নিতাত।

--এই ন্যটী স্থাননিক বজ্তাসম্বিতে। ভিকা ৮০ মাত্র।

### **এমভগবদগীভা**

পোট্টার বৈক্ষবদাশনিক-শেষর শ্রীশ্রীমদ্বলদের বিজ্ঞা ভূষণকত ভাষা ও শ্রীমন্থ কিবিনোদ সাকুরেরপ্রাক্ষণ বজ-ভাষায় বিশ্বত 'বিপদ্রক্ষন' নামক ভাষাযুক্ত। অস্যায়-স্টা, বিষয়স্টা, ও প্রতি শোকের প্রথম ও চুতীয় প্রদি স্টা, ভাষ্টকারের ফাবনা প্রভৃতি সম্পতি। উৎকট বাল্টি, রাজসংক্ষরণ (ভূতীয় সংক্রণ) ক্রান্থের ভিজা ২ টাকা।

## **ब्रीमनदी नैभागमा हा ग्रा**

( প্রমাণ্থ ও ) সাম্বাদ। আতি-স্বত্যাদি একে শ্রীন্ন-দীপের যে মহিমা কীটিত আছে, ভাগের মুল সংস্কৃত ও অফুলাদ। ভিসাধিত আনা।

### শ্রী শ্রীনবদী পভাবতর জ

শ্রীরাকুর ভাজিবিনোদ শিথিত। প্রশাসিত গাঁতাকারে। প্রিক্রমার ভ্রুত্রাদি-বিষয়ক। ভিক্ষা। আনা।

#### ভজ্জিরত্বাকর ও নবদীপ পরিক্রমা

ন্ত্রীল নরহরি চজবন্তি-ঠাকুর-রচিত ভক্তিরত্বাকর ১ইতে পরিক্রমাংশ মাজ গৃহীত; শ্রীজীব গোল্বামী কি প্রকারে শ্রনবন্ধীপধামের পরিক্রমা করিলাছিলেন, ভাহাই প্রভিব্রত। ভিক্ষাতি আনা

# প্রীক্তেল্যাশ রামৃত

শিক্ষাপ্রণালী—কৃষ্ণ, কৃষণে জি ও রস—বন্ধ ও মুক্ত জীব—
আচি প্রা-ভেদাভেদ-তত্ব—সাধন-নির্ণন প্রয়োজন-তত্ব, ক্ষ্মকাও, আল্মানির বিচার—বৈধী ভক্তি, ভারভকি ও
প্রেমভক্তিসভ নামভলন-প্রণালী ও অইকালীর লীগাপ্রিচয়ানি প্রাথম শিক্ষাপীর উপবোগী করিরা সরল ভাষার
সম্পন্ন বৃদ্ধিপ্রমাণসভ লিখিভ মাছে। চতুর্থ সংক্ষরণ বাধা
২ টাকা, জাবাধা ১৮০ টাকা মাত্র।

## গৌড়ীয়কণ্ঠহার

শ্রীনে ট্রার বৈদ্দলগণের অন্তর্গণ কঠে ধারণযোগ্য লাভি-ত্বতি প্রাণ-পঞ্চরাজানি সাম্বভ-শাস্ত্রসমূহের প্রমাণাবলী বিষয়বিভাগজনে সাম্বান ওন্দিত। এইরপ বৈশ্বব-শিষ্ণান্তের সার্যমন্থ্য অন্ত কুরাণি প্রকাশিত হয় নাই।
ইহাতে গুরাভ্র ভাগোল্ড- বৈশ্বব – গৌর – নিত্যানন্দ—
আহিও—কুক্-শাক্তি—ভগবদ্রম—শীব - অচি ন্তাভেদাভেদ
—অভিনেয়—সাধনভক্তি—বর্ণান্য – আভ্রান্ধান্ত জ্বান্ত্রাভ্রম ভ প্রমান-তর্ম ভলি পুথক অধ্যানে
স্কুত্ব শোকানি স্টাম্য উংক্র ও্টিক কাগজে বোজ
র কালিতে মুদ্রিভ, উংক্র বাধা সোনার জলে নাম লেশা।
গ্রন্থ প্রায় ৪০০ গুরাস্থ সম্পূর্ণ। ভিজাব ২, টাকা মাত্র।

## শ্রীনবদীপদাম-এম্বাবলী

শ্রীমণভিতিবিনাদ ঠাকুর রচিত 'ধামমাহাত্ম—ধামমাহাত্মের পাম-পরিজ্ঞাংশ—শ্রীগম নবদ্ধীপ পরিজ্ঞা—তীত্তযাত্রা পদ্ধতি—শ্রীমৎ প্রবেগদান-দরত নবদীপশভক্ষ্—
শ্রীমহতিবিনেদে ঠাকুরের শ্রীমন্দ্রীপ ভারতরত্ব প্রভৃতি
প্রক্র ভিতা ৮০ খানা মাত্রা।

## ত্রিকরিনামায়ত ব্যাকরণ

শ্রীলীন শোসামী প্রান্থাদ-বিরচিত হত ও বৃত্তি, তৎসতে ওবিদ্যুগাদ শ্রীমছাক্রিছাত্ব সর্থতী গোত্থামী মহারাজের ধিকৃত কৃষিকা ও হচী প্রান্থতি সহ। অপ্রান্থানিতভাবে ফল্ট। তিকা ২ টাকা, ছাত্রগণের

### (वमाख उपनात

শ্রীসন্তামস্থিক চিন্তি রচিত। বেদায়ের বিশিষ্টাবৈশ্বনাদ-প্রচারক জীভাষ প্রশোহা আসায় প্রধার বেদাস্থদশন পাঠের উপযোগী করণার্থ এই উভ্তম করিয়াছেন: ইবাতে বৃদ্ধেন্দ ও প্রথিকাদি সংযোগিত করা ক্রিয়াছে নাম মাজ ভিন্না ॥ আনা।

## শ্ৰীহৈওজ্ঞভাষায়ত ও নবধীপশতক

ত গীতাকারে

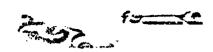
শেশ প্রেরণায়ন জিগওঁ শ্রীমং প্রনোলনন্দ সরস্বতী প্রাণীত
না।

মৃশ, প্রেরণান শ্রীমন্ ভক্তিনিগাও ননবলী গোস্বামী মহারাজ্য

সম্পাদিত অন্নয়ন্ত্র ব্যাহ্যা ও বলাচবাদ সহলিত।
নবলীপশতকের শ্রীকৃতি হালনার সাকুরের প্রায়ন্ত্রান ও
ভক্তিরপ্লাকর হিৎসাহ শ্রীনন্ত্রান্ত্রা একটা জিবক্সাভিত অলোকিক চিত্র
পোস্থামী কি

প্রদান ভাহাই ক্রেরে) ভিন্দা দি আনা, অতি হ্রমা বাবাই রাজসংক্ষরণ
১, টাকা মাজা।

### দৈলিক নদীয়াপ্রকাশ



व्यामप्रक्रितिरमान हाकृत श्रीष्ट । अहे अक्ष्माञ अध-7 + FOF A ব্ৰয়ের ভাল এতি করিলে किएट एड পর্ম গুড় শর্মবিনয়ক এই-अवक्षा या भाषा भाषित्र । ग्ता ७ समग्रणांनी शह ज' प्तास श्रामानिक वश नाहै। ोगोलिएमार्थिशिक्षाक्षेत्रपाति महगारात <u>वहे दक्षात्र</u>क উজিও চইনাভেল। আনার স্থবিভূত স্তা, কথাসার है । एक बारा विस्तृत मध्य क्या इडेग्राट्ड । विकास ध्रु, टमानात छात्। नाम त्ल्या, छेरकुटे ते(ताई —ज्जून श'कतन छि॰ ३ होका मात्र।

### প্রেম্বিবর্ত্ত

শ্রীন্যাগ্রের অভ্রম পার্যন শ্রীণ ছণ্দানক প্রায় বির্তিত: এই পুরুকে মতি জগুনোধ্য ভাগায় মধ্প্রের ক্তিপয় বী্লাস্চ বৈখবাচার, একাদ্রী ও নামভঙ্গ-(अ)शृहक श्रांकेटवन । श्रानिजेकाय छक्तक छाटनत विभावार्थ छ ভাতকভাগ প্ৰিচয়াদি-মুখলিত চ্ছুৰ্থ নাজ্বৰ ভিক্ষাভিত हर क'नः गां**ड**ा

#### ভঙ্গরহত্য

ভুলনকারীর নিভাগজা; সাকুর ভ্রিজিবিনোদের অমুণা काम : मिलिश भारप्रत निर्धास । अवस्थानि ना स्माभ भगान्त কের ব্রিকের পারিবেন না। রতীয় সংস্করণ ভিক্ষে ॥० ।

#### इतिनाम हिन्द्रामणि

জীন্ম মাছাল্ম, ন্মাভাব, নামপেরাধ প্রভৃতি বিশয়ের ষাবভার বিভার এবণ কবিয়াভিবেন। এই বিষয়ওলির আত গ্রহ প্রতের স্থাকিপ্র আশহনত পরিপাটিভাবে মুদ্রিত। ब्रेज कितिरमान देरेकुत विकित । अक्षम तरवदश किका be

#### কল্যা প্ৰকল্প ক্ৰ

গ্রিমার জিলিনোল ঠাকুর-রচিত। প্রত্যেক ভগবন্-ংশাসা ও ক্লােপ্রের পথিকের একান্ত প্রয়াজনীয় ভিপ্ৰধা সামান্ত কোণাড়া-জানা BULHETART ्वार्क्ष हो अञ्चनतारकात हो विसम्दर्भत नाता अन्यविन्दि র ভেলত বেরবা লাভে করিবার প্রবিধা পর্টেবেন। মন্ত ার্ডার, ভিকা / ২০ আনা মতে।

#### শরণাগতি

প্রীমন্ত্রক্তিবিনোদ সাত্র বচিত। ভগবানে আয়ুদ্মর্পণ, प्तकाषिः जजनगणिया, मङ्कित्य स्थापाछि छ निविन्नानमाः ेत्रणक वी के**पूर्व, किका ८० आ**ना भाष ।

### गीजावली

क्षेत्राकृत अकिनिस्तान-धनी । मिका खबन, आवर्रा ६क अश्राप-त्यनगाति-दिश्यक मनुब श्राष्ट्रतम् अक्टब अविष्ठ । set in minimize

শ্রীমন্তাপ্র ভূর শিক্ষা ও শ্রীল রঘুনাথ দাস গোস্বামীর প্রতি এক শোষামার উপদেশবাণী, ভক্তিপথের অমুকুল ও প্রতিকৃল নিবমে খুবিচারিত সম্মোদন ভাষা, বিস্কৃত বিবৃত্তি, লারভাষ্টের প্রমাণ, সাময় ব্যাপ্যা ও মংক্রিন-প্রণীত ভতুপ্রোগী গীতমমূহ প্রত্যেক প্রোকের সহিত্ স্ত্রিপেশিত ইইয়াডে। এর সংস্করণ ভিক্ষা 🗸 আনা।

#### সাগন-কণ

শ্রীরঘুনাপ দাস গোস্বামীর মনঃশিক্ষা, শ্রীল ঠাকুর ভভিনিনেদ-চরিত প্রামুব্দিস্থ। ভিক্ষা / আনা।

#### প্ৰেমভক্তিচন্দ্ৰিক।

শ্রীল ঠাকুৰ নরোস্তমের স্মপ্রসিদ্ধ প্রেমভজিবিয়ক গানেৰ পুত্তক। ভিকা /- আনা মাত্ৰ।

#### बनहीं भगाउं क

श्रीत ट्रांकुत छिक्तिराम तिष्ठ श्रीत व्यानाधानम বৈষ্ণবততের অনীমাংন। সরস্থতালাদের সংস্কৃত নব্দীপশতকের স্থললিত প্রায়বান। ভিকাত আনা মার।

#### অর্থপঞ্চক

টল লোকভোগ্য রচিত। বৈক্ষবতা-ভানের আকর পুত্ৰ। ভিগা/• আনা মাতা।

#### সদাচারশ্বতি

🚉ণ মধ্যতিৰ্যা-প্ৰণীত। বৈঞ্চবের নিতকে আদি স্বাচারা-বলী, বছফুবাদ সভিত। ভিকা/- সানা মাত।

#### मिश्रक्ष हो

কবিকুণকেশরী শ্রীমন্নারায়নাচার্য। ব্রচিত। শ্রীমন্নার্থা। নামান্তার্য শ্রীল হরিদ্যে তার্তরের মূরে শ্রীননাহাপ্রভু সংখ্যের সংক্ষিপ্র ভারনলীলা ও মূল বৈক্রবন্দ্রমত। সাহ্যাদ ভিকা। • আনোমার।

## ं दशीतक दखानग्र

প্রাচীন কবি উচ্চাবিদ্ধ দেব প্রবীত উচ্চারণর ভারের প্রমাণাবণী-দংবলিত দংস্কৃত <del>এয়। ফিফা ৮</del> আনা।

#### व्हिन्द्राद्विक। (अभद्रशेष्ट्र)

শ্রীনধ্বসম্প্রালায়ামুগ্র শ্রীমবাদিরাদ স্বামিকত। বঙ্গাকরে বাহ্যবাৰ এই প্রভেন্ন প্রকাশ পারমাপিক দাভিত্য-ভাগতে এই সক্ষতাথন। ত্রীমনাধ্বচোৰ্য্য কটতে বোদ্ধশাগন্ধন বিভাগ মধ্ব চাৰ্য নামে খ্যাত জীবাৰিয়ালভীৰ্য সামী এট এছে দাধারণ যুক্তি ও গৌকিক জায়ামুদারে কিন্তুপ স্থ-দরভাবে ভিক্তিবিরোধি-মতবাদ সমূহ পশুম করিয়াছে, ভাষা পা করিতে করিতে অশ্চেণ্যাথিত হইতে হয়। ইহাতে যুক্তির बाबा ठार्काक, देवन, त्वीक, मीमाश्यक । माधावाजिम छ-ममुर्द्धत सम्मत थलम बहिमाकः। किका २, है (का माछ।

### गायानी जीन त्रम्माथ मात्र

(ও বিষ্ণুপাৰ শ্ৰীল ভকিনিদাত দূর্পতী গোপামী প্রাদৃপাদ-গিনিত ভূমিকা সহ ) গৌরঞেঠ বরণ-দ্রুপের এক্ষাত্র প্রিয়তন জীল দাস গোসামী প্রভুৱ অপুক্র চরিতাসূত ও শিক্ষা অভীব প্রায়েশ ও সরণ ভাষার স্ত্রিবিধ টাকা মান। এবং পরিশিতে দাসগোম্বামী প্রায়ন্ত বির্ভিত কএকটা নাম্বাদে মধুরতম ওব ও মনঃশিকা-সম্বিত। ভিজা नीभारे ॥ जाना, वादाशामे । । जाना माता ॥

# চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাচীন নববীপের অবস্থিতি, তথা, ঐতিহা প্রোত ৭ ইতিহাসিক প্রমাণসম্বলিত নয়তী খাঁপের সচিত্র বিবরণ-अध । नाक्षरि का अनादश्य कृतात क्रीनुक भद्रभिन् नादावन त्राय ध्या. ७. ध्यांक (नाष्ट्रात), दनमाञ्चनन मरहामग्र कहुन স্ফলিত এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন বর্ণের অপুনা চিত্র 🧸 मामिष्ठिः नगविष् , लाह्यानिश्वामदार्गने त्राप्र नारस्य 🕮 गुक् নগেন্দ্ৰ নাথ বস্ত বিশ্বকোনসম্পাদক মহাশ্যের নিশ্বত ভূমিন: गरु । फेरमने (हेर ) मत्राका दीवांके युवा : अ. कि: ति: एक ২ টাকে মাজে ৷

## माभक-कर्श्वमाना

क्षकवम्मना, देवस्थव-वस्त्रमा, देवसावभव्रव, मोशास्त्रम भी न ी আনামত্ত্ব, ত্রীবন্তাপ্রভুর অট্রোত্তরশভ নাম, অইপ্রভ नामकी केत. श्रीनामगढी केन. (अभवति, 'वाष्ट्रिंगकी ह. नवदील-महिना, अभागालुक महिना, जीवरहाजुम-लाइत महे ह আচাম্য-ব-লনা, নছ বেগাখামীয় অঠক, লেমাঞ্জিভ ভিক', উপদেশনালা লামভকন-প্রশালী, মহাপ্রেড ও রাছ রামান-সংবাদ, মনংশিকা, এওকপ্রশতি, এওল-পর্মপ্রা মহাপ্রেন্ব বন্দনা প্রাক্ত সাধক ও গিছজীবনের নিভাপাস: रेयकनशर्मत क्षेत्रिक कुरुगीमामात स्रोत्र अस्करण करत्र বারন্যোল্য অপুরু গ্রহ। ভিক্ষা ৮/০, বারাই ৪০ মারে।

#### গোড়ীয়-গোরব

কলিকাভার স্বপ্রানিদ্ধ আলবার্ট হলে গোড়ীয় সম্পানত चिलाम राज्यप्रानम लातिमाविद्यामनकामस मञ्जूषात वि उ গ্ৰন্থকাৰে প্ৰকাশিত। উচাতে গোড়ীয় বৈদ্যবিদ্যালয় । ইতিহাস সভাকারে প্রশিষ্ঠ হইয়াছে। ভিক্ষা 🕪 মাত্র।

#### গোড়ীর সাহিত্য

কলিক'ভার ক্লপ্রসিদ্ধ আলবাট হলে গোটীয় সম্পাদ্ধ শ্রীপারে জনবানন্দ পর্বিভাবিনের এছে প্রমন্ত বন্ধভার বি 🕫 গ্রখানুরে প্রকাশিত। ইরাজে সাহিত্য শক্ষের অর্থ 😅 শোডীর বালিতে ।র বিষয় ক্ষাকারে বর্ণিত হর্তমাতে । দি । lor ল কান্য লাজে ।

#### রীলোড়ম ওল পরিক্রমা-মর্পণ

क्रीरलो इत्परभव रा भक्त द्वारम मुलाबिकत क्रीयग्रहा ११ -द्वः ७ मध्य भावश्री मधाकन्या मीला कविया भिषाटः 🔆 নেট সূব অধ্যানিক স্নোটেগালিক পরিচয় ও দেববিরায়ালে পরিচয় সহ বাভায়াতের স্থাবদ্য নিক্ষেশ ইন্ডালি বিষয় ৮ ব अधिरन निष्क कार्य । जिन्हा के काला है

## THE HARMONIST OR SHREE SAHANATOSHANI

শ্রীল সাকুর ভাজিবিনাদ-প্রতিষ্কিত এবং শ্রীল ভ জ নিমান্তনরস্থতী গোষামী তারপাদ সম্পাদিত পার্মাার यानिक शब्द। अकृत्य हैश्ताओं कायाय अहानिः म 💥 ভবলফ্রাউন ৮ পেলী ৪ ফন্মা আকারে প্রতি খারে 😁 🖰 নামের বিজয়-বৈচয়ন্ত্রী কট্যা উপস্থিত ট্টাটেডেল काशक, भूत्रप-लादिलाका । क किलामि महीव विद्यापन এই প্রকার উৎরুষ্ট প্রবন্ধ মারে কোন নামিক প্রচাদ (प्रविद्धि भागेरवन मा। नारिक जिला फाकमाध्रमगर ?

#### প্রাপ্তিম্বান-

শ্রীতৈতভাষত পোঃ শ্রীমারাপুর নদীয়া

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## খোলা হইয়াছে।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাত্রদিগকে অতি শত্তের প্রচিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য নিনা ন্যায়ে স্থানর বাসহানের বাস্পোনস্থ হইয়াছে। স্থান অতীন সাহ্যকর।

সবিস্তার সংবাদের ভন্ম নিম্নলিখিও ঠিকানা পত্র লিখুন।
• সেক্টোরী, ভাকুর ভঙিবিন্যোদ ইন্টিটিউট্
• শ্রীচেড্ডমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

## —৫১ বংশরের প্রতিষ্ঠিত—

'উমধালয়ে এস্তত বটীকা

हारा शाक्रकारणा, पश्चरमाम, दिशाहकाठिंग्र, व्यक्षीर्ग, स्वक्षक्षण व्यक्ति क्रक दिश्रीय देशन निद्यासम्बद्धियाक काश व्यक्षण क्रिया वेक् वेक् भूछक करेरा भटका

#### रेडा

গকণ কড়তে বাৰভাৱ চলে ও সমান কণ প্রেণান করিছা থাকে। প্রতি কৌটায় ৩২টী বটীকা থাকে।

#### (क्रम्माज

জাতি কৌটার মূলা ১, এক টাকা। ইগার নাম 'আডেছনিপ্রছ

## কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



মফঃশ্বের ভু:বধার জন্ত ৬ আঃ শিশিতে ঘনীভূত অবস্থার ভোটবোওলের াসমণা উষধ ভাষে পাঠান হয়, ইলাভে ঔষধের কোন পরিবস্তন করা হয় নাই। মুলা আঁডি, শিশি ৪০ আনা, পাঁইট ৪০/০ আনা, বোডল ১০/০ আনা।

অফিস–১১নং উল্টাডালা রোড, পোঃ শ্যামবাজার, কলিকাতা

# শ্রীভাগবত প্রেস গোয়াড়ী হাই**ট্রা**ট

### কুম্ধ্নগর

এখানের বিবাহের নিমন্ত্রণ-পত্র, শ্রীতি-উপহার, কার্ড, গ্রন্থ এবং অভ্যান্ত যাবভীয় কার্য্য ছাপা হইয়া খাকে। ছাপার দর বালার দর অপেকা ফুলভ। পরীক্ষা প্রার্থনীয়।

## হাইড্রোসিল আ কোষরদ্ধি রোগ

ডাঃ এস্, এন্, খোৰ বিনা অংশ্র, বাৰক্ষীবনের গ্যারাটি দিরা বৈত্যাতিক প্রশালাতে কোববৃদ্ধি রোগ আংরাগ্য ক্ষিলাথাকেন।

> টিকানা---৯৮ নং কটন ব্রীট, বড়বাজার, জালকাডা।

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## • দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষণ

## প্রবর দিবে সম্পূর্ণ আরোগ্য

রোগী দেপাইতে ১২বে। ক্ষপ্রিয় পাথেয় গরচ (যাওয়া এবং আসারা) পাঠাইলো গিয়া রোগী দেপা হয় অথবা এপানে আসিলে বেগণী দেখিরা উষ্ধ দেওরা হয় আরোগ্য না হওয়া প্রায় পানিপ্রায়ক দিতে হইবে না। গ্রীব রোগীদের প্রত বছন ক্রিয়া তিকিইনা ক্রণ হয়। বিস্তাবিভ নিবংশের হজ এক আনার ভাক টিকেট নহ নিয় ঠিকানার অন্তব্যন ক্ষেন।

শ্রীকিন্তীশচন্ত্র উকীল, বৃদ্ধা-চিকিৎসক, গোঃ নৈকাঠা, বহিশাল। অপায় নিম ঠিকানার সাক্ষাৎ করিয়া বিভাগিত কানিতে পারেন।

আন্ত রামগোপাল দত্ত এম্, এ, ক্লকারর, নদীরা। আবৃত করিপদ নিত্ত, ১১৭, বেশিয়াটোলা ফ্রাট্, চাটপোলা, কলিকাতা।

প্রকিশানি পঞা! অনার আতৃপুর গভ হয় মাস যাবৎ রাজ যান্ত্রার ভূগিয়া মৃতপ্রার হুইরাছিল, কলিকাভার বিজ্ঞ চিকিৎসক্সণ ভাগর জীবনের আশা ভাগে করিয়া শেস মৃতুর্জের জ্ঞ অপেক্ষা করিছেছিলেন এই সমর শ্রীষুত্র কিন্দ্রীশচক্ষ উকিল মহাশন্ত্র মার ১০ দিন চিকিৎসা করিয়া সম্পূর্ণ আরোগ্য করিয়া দিয়াছেন। (সাঃ) শ্রীষ্ঠ কিশোর বার চৌধুরী (জামদার গালিরা) হগ্ দ্রীট্, নিউ বিভিং। করণোচরশন টেটিং ভিগা টমেন্ট, কলিকাভা।

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরান্দ ৪৪৫

মাত্র ১/১০ ডাকটিকেট পাঠাইলেই বুকপোটে পাঠান হয়।

ম্যা**নেজার-গ্রন্থার** ইট্টেডখমত, পো: শ্রীনায়াপুর, নদীগা।

কেন গ্রাহকগণ

# গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

<del>-কার</del>ণ-

এখানে যাবতীয় ছাপার কার্য্য — গ্রন্থাদির কার্য্যই বলুন,

निवाद्धत निमञ्जन भक्त, कार्ड, विवाद्धत भक्त बन्त.

আর ওরং ও ৪ রংএর হাফটোন ক্লকই বলুল, সকল কাষ্টি স্থি সম্ব্য ছাপা হয়, অথচ ছাপাইবার খরচ বাছার অপেকা সুলভ।

আপনার কিছু ছাপার কার্য্য থাকিলে নিম্নঠিকানায় জানাইলেই দর পাইবেন।

> মাধনলার- গৌড়ীরা প্রিণ্টিং ওয়ার্কস্ ২৪৩২ নং মাপার সাংকুলার বোড, ক্লিকার



#### देवनिक महीमा-श्रकाम

## চট্টগ্রামে আবার ৫ জন যুবক রত, পরে মৃক্ত

वार्तिएक थानावलान अहेगा नियादक्। , क्लीक्शादी ভন্নাদের দলে পুলিস নাব্দি একটি ভরা রিভণভাণ, কতকওলি কাবতুল ও বোমার মত কতক ওলি গটকা পাইয়াছে। সংবাদে তাকাশ, পুলিস সন্দেহক্রমে

৫ জন যুবককে গ্রেপ্তার করিয়া থানায় कहेग्रा निजाष्ट्रिण, । किन्न भरत उँटानिश्य छाछिता (न क्या क्ट्रेग्राइक ।

### পতিত মতিলাল নেহরুর প্রভিক্ত

মাদ্রাজ হইটে প্রকাশ যে রালাডে-হলে প্রয়োকগত পণ্ডিও মডিকাগ নেহকর প্রতিকৃতির আবরণ উদ্যোচন উপল্লে ভারত সরকারের নব নিযুক্ত আইন-সদক্ত সার সি পি. রামস্বামী আয়ার প্রিড্ডীর রাজনীতি জানের ও দেশ-হিতৈদিভার ভূর্মী প্রশংসা করেন। তিনি বলেন, প্রিভ মতিলাললী সমস্ত কার্যাই দৃঢ়ভার সৃহিত করিতেন বা ৰ হিছেন।

## অভিবৃষ্টির ফলে মাজাক রেলপথের বিদ্ব

১०६ कालडे त्यायतात मित्रम यूनली #ংস্ন হটতে মাজাজ ও দ্ফিণ মারহাটা বেলপথের ডিট্রাক্ট প্রপারিন্টেভেন্ট জানা-हेग्राट्यन Cच. উक्क Cक्रम्परभव त्यागानिम् .a.व. क्रिमाधन (देन्सम्हर्यन सर्भ काङ् বৃষ্টির ফলে গাড়ী চলাচলে বাদা উপথিত इडेश्रारङ । इड॰ हातिनियमकाण आशी इडेरव दलिया अञ्चान कर्ता गारेटाडर्छ ।

### অন্তভ সন্থান প্রসান

ছালৈক গোবীর পদ্মী মদোরীপুর দাভব্য হাদপাতালে তুইটি মতক, চারি হস্ত ত্ত চারি পা বিশিষ্ট একটি অমুত মৃত সন্তান প্রাণ্য করিকাতে।

## ভুষুল রৃষ্টি

ত্ৰগী ২হতে প্ৰকাশ বে এম, এম, এম রেলপথের চেইার ট ফিফ অপারি-्लेंट्रक्ले जात्रस्थादश कामहिट्डर्डन :-

সোণালিম ও ছা-সাগরের মলো व्यानवर्त्त कृपेल ५ हिन के छ (में ) ५ स ५ दर्श (स दानान कृष्टि व्हेशाटक, खाका द्यान कालु ६ मिन श्विरत्।

আবার অভিনালে তোগ্রার কাম্বেপুর মধ্মন্দিংহ হইতে প্রকাশ त्व १४ ६६ व्यागृहे खानः काल वानीम

পুলিন আীবৃত অগদীশচকু মছুমদার বি. সাংঘাতিক। স্থানীয় মহকুমা ম্যাভিট্রেট গত ৯ই আগই চট্টামে একটি গৃহত্ব ' প্রেপ্তারী পরোয়ানা বলে বন্ধীয় সংশোবিত ু রাথিয়াছেন व्यादेगाञ्चमादव গ্রেপ্তার क तियाद्य ।

### **८गारगट्डेत गमरम्हम ख**रवाति

৮ই আগষ্ট প্রাফিত আদাগতককে विद्यान वनवळ (शार्शिक्षेत्र भागलात . বিচার আরম্ভ হয়। সাফী পুনার ফাওঁদন<sup>†</sup> কলেজের অধ্যক্ত শীহত মহাব্রি ও গভর্ণরের এডিকং কাপ্থেন পেটো গভ २२८म ज्लाहे कार्जनन करणरह स কাণ্ড হয়, তাহার বিবরণ প্রাদান

অধাক শীয়ত মহাজানি বলেন, গভ-र्गत्रक कटलक अतिमर्गटनत कन्न ३५० জুখাই তারিথে নিমন্ত্রণ করা হয়।

कारधन ८५८টा ८८णन, शवर्षस्य मका कतिहा धनी ध्रुटें हैं हुए। इहेगात शत তিনি আতভাষীর দিকে ছটিয়া যান এবং গোলেটের গলার উপর উ:হাব ভরণারির অঞ্জাল ধরিয়া তিনি ভাচার ভূতীয় গুলী করায় বাদাদেন অভঃপর ্তিনি ভাহাকে নিরস্ত করেন

সাক্ষে। আরও প্রকাশ, গোগেটের भरकरे । हर्गत्वत करता धनः भाव धकता গুলীভরা রিভগভার ও একথানা ছোরা

### গান্ধীজীর সমর্কনা

त्वाबाहे क्रिशास्त्रगरनंत >•हे व्यागहे ভারিখের সভায় সভাপতি 🗐 ্রত বোষার (वहाताम यरणम (ग. शकीकी, जुलारणत मनाव द्वर त्यांगरहेविक देवहरकत ज्ञानत কভিপর বিশিষ্ট সদক্ষগণের সম্মানার্থে दक छेश्मत्तत आद्याक्षम कता स्टेट्य ।

#### বন্দীর মুক্তি

রংপুর হুইটেড প্রকাশ যে গাইবান্ধার মোকার ভীগত মহিসচক্র প্রিতের প্র প্রীয়ত শুচীক্ষতন্ত রুগিতকে বঙ্গীয় भर्टमाभिक टकोकमात्री का.टेटनत धात्रात्र त्आश्राय कतिया किल्मी काबाशाता व्याचक ब्रांथा इस । जीवाद विमानति छोड़िया দে এয়া ভ্রতাতে এবং কাহার বিক্তম সকল ক্তিবোগ প্রভাষার করা হইয়াতে।

#### विक्रीहर कालामाम करनटक लचन

ব্যর্মপুর হ্ইতে প্রকাশ যে আছিম-গ্ৰু ভিয়াগ্ৰ মিউনিসিপ্যালিটার বালুচয় ख्यार्टित क्विमनात्र निकाहत्व निकाहक क १म इहेशाच्छ । এक शत्नत्र व्यवद्या छेरतारहत्र त्रभात इहेबाहिल।

এল-কে অভিরিক্ত জিলা ন্যাজিরেটের নির্বাচন অনির্দিষ্ট কালের জক্ত খুণিত মৌলভী আবছল মজিদের সভাপতিখে

### গভীর রাজিতে ডাকাডি

**ठॅडूड़। इहेट्ड मश्यादन व्यकान रव,** ত্লী জেলার অন্তর্গত দেখলাড়া ইইডে পুনরায় আর একটা ডাকাডির সংবাদ পা ওয়া বিন্যাছে। ष्ठेनात विवत्रात अकाभ, ताजि आध म्हे।त मगब अकाम फ:क:छ (म:भाषि आषि : •।)२ क्रम इंडे(व) াঠি, চোরা, দা প্রাকৃতি মার মুক অস্ত্র শন্ত হ'ল৷ সজিত হইয়া কবীর নামক স্থানীয় এক মুদ্রমানের বাঙীতে হানা দেয়: ঐ সময় বাড়ীর সকলেই নিলিত **किया कराएउवा यस आस्य क विद्यार** লোধার ফিল্ফের চাবির অস্ত ক্রীরকে গুরতর প্রধার করে। পরে ক্রীর চাবি मिर्ला, डाक्टरख्या शिक्षुक । क्रिशा नगम টोक। इ.मृत्यास व्यवकातानि निका भनामन

### আকোলায় হিন্দু মহাসভা

व्याभाभी (भागाउँ। नय देवहत्य हिन्सू শ্রেভিনিবি সংখ্যা অলু ইট্যাছে ব্রিয়া উহার প্রতিবাদ করিয়া হিন্দুমহাসভায় গভ এই আগঠ এক প্রাপ্তার গুরীত হই शास्त्र । উक्ष त्यागरविभिन मृत्यमानत সিল্প সাবকমিটার নিশ্বাস্ত একভরফা এবং দেক্তা উক্ত দিখাত হিন্দুগণের भएक निर्भिय कतिश मिश्रुत हिन्सुगर्धत भटकः अञ्चलकात्रा मा ठ विश्व महना क्षकान करा इहेग्राट्ड ।

क्रमांश्रक बारकात वीतवण गामक द्वारन e শত হিন্দুকে হত্যার কারণ অনুসন্ধানের জন্ম ভিনন্তন সমস্তকে লইয়া একটি অন্ত-সন্ধান স্মিতি গঠিত হইমাতে। তাঁহানা कै। इ। दमत अञ्चनकारनत यमामण दिन्सू महागञ्जात्र निक्षे (टाइन कतिदन्त ।

## কালিতে হাইছুলে মৌলভীর বক্তা

গত ৮ট আগই বেলা ১ ঘটকার का-िभटक ताझ खेळहे तासी विकासय-लाकरण त्योगडी यगाकरकाचा वर्डमान कारण शाळाणिरशत कर्खवा मध्यम धक्री গক্ততা কমেন। তিনি যুবকদিগকে সভ্যের অস্থ্যক্ষান করিছে, মানবজাতিকে ভাগবাদিছে, धर्म मरकाछ मामः विद्याप-গুলি পরিহার করিতে ও সাধারণের क्ना। । क्य श्राविद्यानगर्द गतिष्ठ क्रिएक कार्यक्रम करतम। छ।हाता हिन्तू-मूनग कर्मा ठाप्री महानाग्रम कहेग्रा विवास आत्मक भागमिनस्मत आह्वनस्म माना यहात

व्यवसाह द विकास केल पारम ध्य मानावन मकाव व्यक्तित्वभन इत्र । ঐ সভায় হিনি বিখের প্রণতি ও গভাতা नवरम এक्षे प्रतिश्वित वस्त्र क्षेत्र व **७७९ गणार्क छिनि गांगाजिक बाब-**নৈতিক ও ধর্মদৰক্ষীয় বিষয়েরও चारगाहना कतिबाछित्तन।

## বেল কর্মচারীর মহিলার বিরুদ্ধে THEFT

विशास्त्रत काछीत कथी अगुका मानना त्मनी गङ दहे । आगडे काळाटन भीकांछे। श्वेटक धुनुषीटक पक्कणा कतिएक ब्लानमन ध्यकार्थः दागोत त्रगड्य (हेर्~ान डीशांत गढिल कल्लिया (तथा-কর্মতারীর বচদা হয়, ফলে ভারভীয় रतम ६८म व्यक्टिनत ১२১ भाराध्यमारत छोहात विकटक अविधि मामणा आसम्म कहा কইয়াছে। হিনি এখন কামীনে মুক্ত व्याद्यान मामना छनिएएएए। अक्रियारनात दिवतरा धाकाम, धीक्ति हिक्छि व्यानमध्यत भत्त, करेंगक दशमान्यत कर्षात्रात्री डाहात स्वामि ७वम यतिए हाहिल িনি নাকি ভাঙাতে বাদা প্রধান করেন। প্রাকাশ, উক্ত ক্ষাচারী তাহার হাত ণরিয়। উলোয় ইহাতে ঐ মহিশা একথানি ছড়িব পারা কমেকটি আঘাত করেন।

## অভিরিক্ত শালনা আগায়

**ब्रिट्डे** किया मगाक्षण्डानामी पिर्वत डेरकारन कालाना निवाकृतिन दशेषुत्री বি, এল, এর সভাপতিকে ভাটন হলে এক জনসভার অভিবেশনে পুথিনপাশা কমিদারীর কশ্বচারীদের অভিরিক্ত थाकना व्यानाद्वत क्षत्र श्राकारमत्र केनत खुन्य कतात्र निम्हा कतियां खादाव शृहीए इर्रेजारक। कश्चिमात्रमिश्वरक अकुरतान कता इक्षांटक, डाक्ता त्यन प्रतिक्ष मणि প্রীদের আংথ্রে প্রতি মনোযোগী হন ।

#### জুরির রাধ্যে জন্মের সভত্তদ

বরিশাল হইতে প্রেকাশ যে, শ্রীর ঝোপে বোমা সঞ্চাকে আয়ুত্ত বিশেষ্য চক্রণ নীর विकटक विटण्हात्रक्रभगः चाहिटात म च व्हानः व भाता चाष्ट्रमाट<sup>ल</sup> যে মানলা চলিতেছিল, ভাহাতে স্কুর্নী षानाभीत्क निर्द्भाय विश्वा क्रिय क्राम । व्यक्तिक गांत्रमा अस मिः दहीस्ती कृतीत সহিত একমত না হট্যা মাম্খ हाइट्याटि दशका कविवाद्धन ।

প্রাথনাকে কার প্রাথনাকে প্রাথনাকে প্রাথ কাম ক্ বার্থ কাম ক্ বার্থ কাম ব্যু বার্থ কাম ব্যু কাম কাম ব্যু



লাভা বােম হার
আগ্রিম দেয়
বাবিক ৯
বান্মাবিক ৫
বান্মাবিক ২০
বান্মাবিক ২০
নালিক ১
নগদ
প্রভি সংখ্যা ,৫

ভারতের সর্কতি বছল-প্রচার—শ্রীয়া ভেলার এক মাত মুখপত

49 TO

সম্পাদক—শ্রীষ্ঠতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি [১৪০ তমসংখ্যা

**এটেডজামঠ এগাম মায়াপুর—৩-দে প্রাবণ শনিবার, ১৩০৮, ১৫ই আগষ্ট ১৯৩১** 

## নানা কথা কুক্ষনগরে মহিলা পাঠাগার

চাকার আঁকুজা আশালতা দেন গত ১ই ঝাগাই ফুজনগরে আগমন করিরা-জেন। জিনি জানীর রামনোপাল টাউন-হপে এক মডার দেশের বর্তমান রাজ-নাতিক অবস্থা স্বধ্ধে বস্কুডা করেন।

অপ্রাপক শ্রীনুত বীরেশন বস্থ এন, এ সভাপতির জালন গ্রহণ করিরাছিলেন। তিনি ক্লফনগরে মহিলাগণ কর্তৃক প্রতিষ্ঠিত কমলা পাঠাগারের বাবোদ্যাটন করিয়াছেন র

## देखुदब्रद्ध भन्नाकम

মান্ত্রালে কতক ছবি ইন্দুর আছাত্ত গছ

বিশ্বনান হইছাছে। কিছুবিন পুন্ধে

বিশ্বনান কইছাছে। কিছুবিন পুন্ধে

বিশ্বনাছিল। এই ইন্দুর্যী প্রথমে
একটি কুকুরের ছারা হঠাৎ আজাত্ত
হব এবং একটু পরেই ইন্দুর্যী কুকুরের
বিকে ছুটিয়া ছাবে। তথন কুকুর্যী মান্ত্রাল
পোড়ীয়মঠের বীমানার প্রয়োগ করিয়া ছই
মিনিটকাল যায়ৎ ইন্দুর্যীর সহিত ক্রমাগত
মূদ্র করে। কিছু ইন্দুর্যীকে জর করিছে
না পারিয়া কুকুর্যী ক্রম্পের প্রায়ন

ব্য বিশাসবাক্তনত।

ক্রিক্টের প্রকাশ ১০০০ টাক।

ক্রিক্টের ক্রেক্টের প্রকাশ ১০০০ টাক।

ক্রিক্টের ক্রেক্টের ক্রিক্টের ক্রিক্টের ক্রেক্টের ক্রিক্টের ক্রিক্টের ক্রিক্টের ক্রেক্টের ক্রেক্টের ক্রেক্টের

# ক্বফ্ষনগরে মহিলা পাঠাগ:র

দেশ প্র হ্যাগত ভারতীয়ের অবস্থা

# 'ন্দুরের পরাক্রম

অর্থ কর্টের ভীষণ পরিণাম

# ধলভূমে প্রতিবাদ

ব্যরাণ্দীতে ধর্ম্ঘটের অবসান

# নেপালীযুবক গ্রেপ্তার

হোটেলে কোকেন প্র'প্তি

কারী দারোগাকে গ্রেপ্তার করিবার জ্ঞা এক পরোগানা বাছির করিবাছেন উক্ত দারোগার নিকট ঐ অর্থ গড়িঙ ছিল। প্রকাশ, তদবনি দারোগা পলাতক আছে।

## চটুগ্ৰামে বিভীয় দ্লাইব্যুদার

অস্ত্র আইন, বিন্দোরক গদার্থ আইন এ ভারতীয় দণ্ডবিনি আইনের যত্যন্ত্র বিসয়ক মপরাধ সম্বন্ধে পুলিস নিয়লিণিত মাসামীগণের নিরুদ্ধে ১১ই আগান্ত সদর ভেপ্তির আদাসতে চার্ক্তসিট দাবিদ করিয়াতে। আসামীগণের নাম—নিবারণ ্বাধ, নক্ষুমার দে, চক্স বস্থু, অর্ডেক্ ভাছ, স্থালি সেন, প্রাক্তর মারিক, নিশি দে, রবীক্স সেন, প্রভাত দত্ত, স্বয় দাস, আডু দেও অনিশ রকিত।

সংবাদে প্রকাশ, এই নৃতন মামলা বিচার করিবার জন্ম চট্টগ্রামে আর একটি স্পোশাল টাইবানাল গঠন করা কটবে।

আর ও প্রকাশ একজন আসামীর
বীকারে: কি ইতিমধ্যে লিপিবছ করা
হইলাছে। আসামা অর্জেন্দু গুহু চট্টপ্রায়
অক্সাগার লুঠনের মামলার একজন প্রাক্তর্
আসামী।

**ধলভূমে প্রতিবাদ** উড়িধ্যবাদীগণের ও ধলভূমহ মু**ই**মের উড়িয়াগণের গলভূম তথা শিংভূমকে নব প্রভাবিত উড়িয়াপ্রেদেশের অন্তঃ ক্র করিবার প্রভিবাদকল্প আসামী ১৯ই আগান্ত কবিবার বেলা ০ ঘটকার সময় কোকপাড়া মোকামে একটা মহতী ক্রম-সভার কবিবেশন হটবে। এই সভার গলভূম রাজ এটেটের স্যানেকার মান্তবর ক্রীপুক্ত হেম্চক্র চক্রবরী মহোম্ব সভাব পতির আসন গ্রহণ করিবেন। সাধারণের উপস্থিতি একান্ত বাছনীয়।

## **ভगमू**रक **जनावृष्टि**

অথিক মন্দা হেছু তমলুক্বাদীদের অবস্থা অঠাব শোচনীয় হইরা পড়িরাছে। প্রায় একমাস বাবৎ বৃদ্ধী না হওরার উচ্চ জমিতে চাম করা সম্ভব হইবে না। বৃদ্ধীর অভাবে নীচু জমির ছোট ছোট চারা-গুলিও নই ইইয়া িয়াছে।

#### চুচুড়ায় নৃশংস হভ্যাকাও

ছগণী জিলার ভড়েম্বর পানার এলাকানিন কোন প্রাম হইছে একটি নুশংস-হত্যাকাঞ্জের সংবাদ আসিয়াছে। প্রালম উলার ভদ ও করিছে। আসামার নাম বাল্মান্ বলিয়া জানিতে পারা গিলাছে প্রকাশ, জালামীর সহিতে মৃতের সন্থাব ছিল না। ঘটনার দিন উভবেই একটি ধানের কেতের মধ্যে কল্ম করিছেছিল, হঠাৎ আসামী একগানি ছুরিকা বালির করিয়া ভালাকে পূন্য পুনা আঘাত করে, ফলে সে মৃত্যুমুধে পভিতে হয়। এখন ও আসামীর কোন সন্ধান পাওলা যায় নাই।

## रेम किए महीरा-का काल- भारतार्थिक भव

# শ্রীবিশ্ববৈষ্ণবরাজসভার পরিব্রাজকগণ

প্রিতাজকগণের নাম	ব্ৰুগাল টিকানা	প্ৰিক্তাককগণের শাম	বৰ্তমান টিকানা
১। শ্রীল ভক্তিপ্রনাপ ভার্য	শ্রীমায়াপুর	ক। শীভজিক্সিল পুরী  ১। শীভজিক্সিল পর্বত্ত  ১০। শীভজিক্সিল ভাজিকাসা  ১২। শীভজিক্সিল শীলা  ১২। শীভজিক্সিল বিশাল	कहेक
২। শ্রীভক্তিবিদেক ভারতী	কলিকাত।		समुद्रकक
৩। শ্রীভক্তিবিজ্ঞান আশ্রম	শ্রীমায়াপুর		कतिका छ।
৪। শ্রীভক্তিপ্রকাশ অরণ্য	কটক		सीकाक
৫। শ্রীভক্তিপ্রকাশ কর	কলিকাত।		सीकाक
৬। শ্রীভক্তিশর্কাশ গিরি	অযুত্তসর		क्षेत्रकालून
৭। শ্রীভক্তিবৈক্তা সাগ্র	ভাষাপাড়া		सारक्षका

# শুদ্ধভাক্তন্যসমূহ

## হৈত্যু মঠ

## আকর মইরাজ

अ: हीन नवधीत, छ। क्षत्र हैं। शाम माहालूट, ननीवा

এই মঠবাজে পারমাথেক দৈনিকপ্ত, গাছত ক্লাণ্ডের অংগকাপিত ও ক্ষপ্রাচীন প্রস্থরাকি প্রচারক্রে 'ননীগ্র-প্রক:ল' ব্রংগর প্রাচটিত বংরাছেন তথ্য নে আহতিবংসর আধ্যম-পরিক্রন্যান্তই।ন ও অগণিত ভক্তরোটি।ত কীর্তন প্রচারমূপে মহামহোৎগ্ৰালি ভঞাল অভ্তিত ০০ছা গাকে। রফক—বক্ষড়াতী জীপাদ নৱচয়িলী। সভকারী – এক্ষ্যতি পশুভ জ্ঞীলাল লোৱদাস কার্ন্যাকরণতীর জীন্ত্রের , জীনাত বীরচন্দ্র, প্রত্যাদ নক্ষণোপাল, প্রিলীন্দ্যান্ত নাথ, প্রিকার্দ্যন, প্রথণ গোপাল, জীনুকুল मागानिकारी कक मरतकः, व्यालम, दश्य भीरमावन প्राकृति ।

## · ৩ ; যোগ**ণী**ত শ্ৰীম**ন্দি**য়

ধক ক----লোক ধাৰায়র সোক্ষামী महका ही कर्ति। वाक् द्वीतमा गर्व । ख्यैनिकालन खबवागी, खैबानाविकाम क्षक्तिम्मन, चौराममान अक्षताती । चौरायन मात स्वित्रादी, (मनव्या श्रीमीतनाथ।

- ( 8 ) 최기(기-의학리 उक्त र--- के शहार कुछम अन्नहाती ।
- (१) कदंच छ- छनम इक् क-- ड्रेन्स्वावनडक्क खडे ठावा. 🚉 शःकुलकाम व्यवस्थि ।
  - ः ७) काळोड अमः विश है क्य जीम भाषान्य ५ वायम भुकुत्र (भरीबा) क्षण क--- अवस्थाती विविध्यान विश्वती।
- · 4 ) 박기리에 발박무-주범 🚉 (आफ्र-२. अक्रमश्र ( समीक्र)) क्क---ভিক্তিস ভাজার এক্ষ্টারী অলরানল পরবিক্সবিনাল বি- a. **এ**লব-क्का का कियों बन, खन, अस ।
- ( be क्षणकाथ दगोड़ीय मर्ठ प्रकृषयमिश्व ।

रक्षक --- शिवप्रवत्र क्षाक्रिमाची नाम. ज. वि, जन, महनाही--श्रिडेक्श्माम किन-भादी, क्षेत्रकात वाचवारी अव्यक्ति।

- ( ১ ) शिद्योत्र-असामद्र-मर्ठ है। लाका ही, अध्यक्षण ( नवसाम ) अक्रिश्तकाम मान ।
  - () शिक्षभधीकीय-मह बाह्याश्रव, लाहाश हं है. लि अक्क- छिग्राईद्वागम उम्राधी

#### ( ): 圖:可谓那种医藥

माडेशाकि, सामग्रद, नहमान। तक -- जीनक विश्व अधनाती. कक मी अभाभता।

(১১) ভাগবঙ सामन

चिक्राधवरु अस्य, क्रमान्धव, नेमीवा। বক্ষক—শ্রীকৃষ্ণানন্দ এখাচারী ভবিশাস্ত্রী

## (১७) 🗐 এकाम्रन मठ

(तातिमानुक, क्षांत्रकाती, समीवा । रक्क-श्रेषकुगानम अक्कारी: मण्टारी শ্রীনত্রিংক ব্রহ্মচারী, জীলপুগৌর দাস অধিকারী, জন্ধ বিশ্বনাণ।

(১৪) श्रीमाश्व (११) श्रीत मठ ৯ - मर मधावत्रव द्वाक, जाना । क्षक-- जीवाधावज्ञक तकवानी, जीलाह

## श्लीवाम अफ्ठावी, जैपविख्णावन महा। ( ১৫ ) बिरगानामणी वर्ड

李耳明[秀明, 征[李]] वक्क--- श्रेषशामनाम अक्रांगी

ৰক্ষগ্ৰহী

- (३७) श्रीभवाहे-दशी । अ वर्ड ক্ষেদ্ৰ--- শ্ৰীপূৰ্বপ্ৰস্ক মন্ত্ৰতাৰী, শ্ৰীমতিশাৰ
  - (३4: शिकाशयक्रमामक मर्ड

क्रिक्लिशं, नाकक्षत्रभूत, विक्रिमे भूते। (क्यारास · नैक्क-(श्रोबास-श्राक्षक्रिमा-जिबिशाबीक निकारमधा वर्डमान । द्रम्म ----क्षतानी विजननाम्मानकी ।

## ( > ) 🕮 दशोखी अ मर्त्र

১৬ मः चारितशामान हजानको हैनि, ल्याः नाचनाचात्र, कनिकाडा । .डॉम्टकान वि. वि. १३५६

মঠবজন-আলোগাত্তিক শ্ৰীলাল কৃষ্ণবিভারী বিশ্বাকৃষণ। সহকারী-পরিক শ্ৰীপাধ অনন্তবাভ দৰ পৰ্ববৈভান্ত্ৰণ বি-ত. শ্ৰীপাদ কাদবিভাৱী বৃদ্ধচাৰী, জীপাদ मीकी हनावक. सामापिकादी विनयः বঞ্চারী #13%T49 শ্রীপারের মোকন, এক্ষরারী শ্রীমাননক, পঞ্জিক প্রাপাল নবীমঞ্চক পর্যাতিতা-ककात किञ्चाकी मण्यानार्थय कराहाम , क्रिक्षमञ्ज्ञानमःमादिकारी नि-४. क्रिक्रवस्थनक्रिम भागाधिकाता (ब-६०, अधिक्षप्य मारकात्त्व, अतिबञ्ज अक्षात्री, अक्षिप्रवाधीतन প্রস্থারী প্রস্কৃতি।

Wowfast .

## ্রে৮: আমলাবোডা প্রপদ্ধার্থস

शास्त्रीम द्वार वस्त्रात्न । वक्ष क-- ब्रह्मनामी चिंकांक करमाव।

## (১৯) जीश्रक्तरवाद्यम् मठ

प्रशंकात, भूती, क्रेंडिया। दक्षक -- अक्षात्री अभित्रमानन विना नष्ट. बक्राती चित्रशीकातक, टीलावनास्वत अक्षानाही, श्रीरापनामन्त्र उन्नानही, श्रीपनाम bत्रव भाषकारी, औात्राविध शछ।।

- (३ -) क्रिक्टम-८गोक्रीव मर्ड व्यक्तित्वस्थात् अव्यक्ति व उभाव, भूदी । रक्त क--- अस्त हो देशमा द्राया शामा की व त्रकाहा - अक्षांत्री के वालनात्रा है।
  - (১) श्रेणकियानम् मठ

. Stegfalate, Bos. वक्क-- अक्षाती जीनगर द, जीवामण अक्राबी, जीनार अहरशानान सामाधिकाही । :

(२२) जिनमाञ्च-भोगी । मर्ड अनः अन्यानिम्द्रा, भागा । क्कम - जब्दावी कृष्टम्बवकी, गिटाहेबाग उन्नछ हो, श्रीलकातन अवनःसी ।

(२ ०) श्रिक्यदेहरूम गर्ड जीवृतिस्वतान कृत्वः जीनाम वृत्वातमः। वक्क- जिन्निक्ताथ अक्षाता वी

(२८) श्रीभव्यवस्य मर्दे

देशियावनाः मीकाश्रक इक्क---अवहाती जिल्लारहासम् व अवहाती खोममञ्जाम ।

- (२०) औदेहकणटगोजान मठ कुम्लक्ष्णाः (हजक्षाः भानक्रमः रक्र -- जीवमानाथ वात्र. जीवार शेर्थ
- (२७) नाज्यभोडीय यह तक क--- अक्राओं क्षेत्रसम्बर्धीः सीनमी-গোপাল একবংশী

## (२०) जामनभाषा अभूमाज्य-मञ्

आक्राप्ताका, त्याः मास्, माव्हा क्रमात्म यक्ष्मुक्षमृष्टि श्रीत्माद्यात्मव स्मया वस्त्राम । उक्क क--- अकरानी सी आ का करू 817, '54' 40'(14 t t

(১৮) विश्वी दशीकीय मठ-कार्यशानक कार द्यापी अपन छा कात द्यम. निके पिश्ली तकक--तकार्वी चैतीवक्रक, श्रीकृत्रामध मी वा भा वस्त्रध्यान्य

## (२२) ८गाग्रामणाका-अगझाआव वृक्षक---- अभागती श्रीकाशास्त्रक

- (७०) माजामदशीक्रीय मठ वर्ष द्रशालालपुरम्, कारशङ्क म, भाक्रा# इक्त — विष अत्रानी जीनड कि सम्बन्ध जीनह मकाकाण, भवकाकी--- विमाधित्राधी श्रीमन् क्षित्र अन किलार, किलाई प्रश्वासम तम्यामी, शिलाम (अन्वीमेंसान अवहाती. গ্রী দে সিছস্কণ এখনারী ভবিশার। श्री ।।५ दश्रीवाधनामम अवाङावी ।
  - (१) बाम्मदनानान नाष्ट्र कांग्रेशन जूलि, छावमा, ममीभ 3年4—3年6月 ALBANIA





यक्षेत्रस्

১৭ 🕮 १त्र दगोत्राच ८८৫, ७०८न खानल वज्ञाच ১७०৮, ১৫ घ्याशहे देर ১৯৩১ मनिवात

১৪० जम मः भाग

## <u> শামরিকী</u>

কাশী শ্রীদনাতন গৌড়ীয়মঠে শ্রীপাদ ভুবনেশ্বর ব্রহ্মচারী ভব্তিশালী ভাগৰতপর্মের কণা জনমওলীর সমকে কীর্ত্তন করিছেছেন। গত ৮ই আগষ্ট বৈকালে বর্দার ডিষ্টাক্ট ইঞ্চিনিয়ার জীপুত राज्ञेनिक मृत्याभागाय महानव 🕮 मना छन-গৌড়ীয় মঠে আগমন করিয়া শ্রীপাদ ভুবনে-শ্বর ব্রহ্মচারীদীর শ্রীমূপে প্রায় এক ঘণ্টাকাল मानवकीवरनत करावा मद्यस व्यादनावना শ্রবণ করেন। সদ্প্রক কিছা প্রকৃত সাধুর কৃপায় সভাসভাই যে ভগবৎরূপা লাভ ক্রিতে পারা যান, একণা ভ্রিয়া তিনি বিশেষ প্রীতি লাভ করিয়াছেন ৷

গত ৬ই আগষ্ট কাশীর অবসর-প্রাপ্ত টেশনমাটার জীপুত গোপালচক্র মুগো-পাধ্যার মহাশয়ের বাসার জ্ঞীপাদ ভূবনেশ্বর ত্রন্মচারীলী আর দেড ঘটাকাল ওভাভক্তি. विकासिक अ इंगडिक मद्यतः विनम्होरन আলোচনা করেন। সোপালবার অন্ত-नत्रभ ७ व्यक्ष्मत्राभित्र (य क्षारक्ष, जाहा বিশেষভাবে উপকৃষি করিয়া আনন্দ-প্রকাশ করিয়াছেন :

বিগত ৩১শে জুলাই বরিশালের স্বনাম-बांख डेकीन जियुक है। नत्याहर हत्यां भाषां व ঞ্জিশান্ত ভিন্দান্ত্রীভীর মূবে ঞ্জিগোড়ীয়মঠের व्यक्तांत्रक देशभिक्षेत्र अभिक्षा निरम्ब सूबी इन । पारकन ।

निश्च ১. हे खुनाहे कानीत खनामध्य ! মহাশয় শ্রীদনাতন গৌড়ীঃমঠের রক্ষকের निक्छे देवस्य पर्णत्मत कथा छनिया छक्त-ভক্তির কথা শ্রুবণে পুনঃ পুনঃ আগ্রহ প্রকাপ করেন।

গত ৪ঠা আগষ্ট তারিপে বারাণসীর খাতনামা পণ্ডিত 🕮 কে গোপীনাথ কাবা- । ছিলেন। তীর্থ মহাশারের ভবনে জ্রীপাদ ভূবনেশ্বর ব্রহ্মচারীলী ভগবানের সহিত জীবের কিন্নপ मध्य, ভृष्टिय चार्याहना करवन । जिनि সম্বর কলিকাতা গৌড়ীনমঠে ঘাইয়া শ্রীল প্রভূপাদের শ্রীপাদপন্ম-দশনের আগ্রহ वानाहेशास्त्र ।

মাজান্ধ গৌড়ীয়মঠের প্রচারক্ষর जिन्धियामी क्रीमड्डियक्क क्रीम्ब महाब्राक्ष ও ত্রিদণ্ডিখামী শ্রীমন্তক্তিরজন ভক্তিসার মহারাজ সার্, সি, পি, রামত্বামী আগার এর সহিত সাক্ষাৎ করিয়াছেন। ভিনি শ্রীগোড়ীর মঠের প্রচারে যথেষ্ট সহাত্মভৃতি প্রকাশ করিয়াছেন এবং আবশুকীয় সাহায্যদানে প্রতিশ্রত হইয়াছেন। ইনি গভর্ণর জেনারেলের সভার একজন প্রাধান

मगद्राश्रद्रत अकबन श्रामन छैकिन **औ**युक है, तामचामी चामिकीषत्त्रत धालादत छिनि क्वरश्रमदाद क्य काय्रकृताः कविना काक्ष्य इहेना औरगोड़ांन गर्छ विविध काय्रकृता ক্রিতে প্রতিশ্রত হইরাছেন।

গত ৯ই আগষ্ট তারিখে মাদ্রাত কর্ম রায়সাঙ্গের শ্রীগৃক্ত অধরচন্দ্র মুণোপাধ্যায় টাউনে শ্রীগৌড়ীয় মঠের ভক্তগণের একঃ শ্রীভক্তিসিদ্ধান্তবাণী শ্রবণ কেরিয়া আমরঃ विवाह नगत माकी धन हहेगाह, माकी धन-শোভাষাকা বেলা ৪ ঘটিকার সময় ৭নং ক্লফ আয়ার খ্রীট হইতে বহির্গত হইয়া ভজটোউনের বড় বড় রাজা দিয়া গমন कतिशाहित। नगत्रक विक्रित मध्यमारक्षत বন্ধ ব্যক্তি ভাহাতে যোগদান করিয়া-

> গত ৫/৮/৩১ ভারিথে বালেশর জেলার অন্তর্গত বানিয়া নামক প্রামে ভীছরিচরণ মহাপাত্র মহাপরের বাটাতে ত্রীগৌড়ীর মঠের অক্তম প্রচারক ত্রিদ্ভিখানী শ্রীমন্ত্রিক প্রাপুন বোধায়ন মহারাজ রাত্রি ৯ ঘটিকা হইতে ১১ খটিকা পৰ্য্যন্ত ভাগবভগৰ্ম সম্বন্ধ একটা হৃদয়প্রাহী বস্তুতা প্রদান করিয়াছেন।

> বৈভিন্ন আৰু হুইতে বহু শিক্ষিত ভদ্ৰ-লোক ও অন্তমহিলা উপস্থিত হইয়া ছিলেন্ তাহারা স্বামীলী মহারাজের শ্রীমুধবিগলিত বস্তুতা প্রবশ: করিয়া অভি আনন্দের সহিত শীশীগুরুগৌরালের জয়ধানি করিতে করিতে গৃহে প্রভাবর্তন করিয়াছেন।

গত ৬৮ ৩১ ভারিখে বালেখর জেলার অন্তর্গত বাউনপুরনিবাসী শমিদার স্ত্রীবৃক্ত সদত্ত ; বর্ত্তমানে সিমলার গমন করিভেছেন । বাবু হেম্চক্র চক্র মহাশবের জীঠাকুরমন্দিরের প্রাঞ্জনে বোধারন মহারাজ শ্রীচৈতক্সচরিতা-**ছ**ইভে সাকিগোপালচরিক পঠি করিয়াছিলেন।

> উক্ত প্রদেশের লোকের গতে প্রকাশ,— শামিলী মহাদ্বাল এতদকলে করেক-ক্তি সিভাতবাণী **क्रिन यावद जनर्गण**

প্রচার করিতেছেন। তাঁহার 🕮 ্রথবিগলিত ক্তক্তার্থ হইয়াছি।

উক্ত দিবস স্বামিকীমহ।রাতের পাঠে বিভিন্ন স্থান হইতে বছ ভন্নগোক ও ভন্ন মহিলা উপস্থিত ছিলেন। পাঠের আদি ও অত্তে শ্রীপাদ রাধার্মণ রক্ষারী প্রাঞ্ महाभनभगवनी कीखन कतिग्राह्म ।

বিপিন বাবুব উৎসাহ ও চেষ্টায় পাঠাকে শ্রেতিবৃন্দকে বিচিত্র মহাপ্রসাদ বিভর্গ क्या स्ट्रेशाच्छ। ८ आञ्जलक मध्या ₹र्शात्तत्र नाम উল্লেখযোগ্য—রমানাথ দে রিটাগার্ড ইন্পেট্রব, নরেক্সপ্রসাদ দাস মীডার ভদ্রক কোট, জীগনচন্দ্র দাস শীডার ভদ্ৰক কোট, ভীষ্চল্ৰ মহাপাত্ৰ স্থূগ-মাইার, STO I

व्ययत्नामय-मर्या-वातिथि औरशोत्रसून्मरवत স্থায় পরত্রংখহংখী আর কেছই অবতীর্ণ হন নাই। তাঁহার সেই অহৈতুকী দ্যার কথা किङ्ग्तिन संवर मत्नामणं कीवि वास्तिनन বিক্লভভাবে প্রহণ করাল ভাষা জগভের চক্রে বিপরীত-ভাবেই প্রতীত হইতেছিল। उपलब्ध औरशीतञ्चलत्त्र हेम्स्य डीहाब्रहे পর্ম-প্রিয়তম সহাজন জগতে জাগমন कतिक श्रीकोत्रात्रपाद्यत खानविक धर्मात কথা--- ওক্ষ সনাতনগদের কথা কগডেড িকট আনাইতেছেন। ভাষাতে কনক-কামিনী-প্রতিষ্ঠাশার্কীনিগণ ক্রম্ম বিজ্ঞাটে পড়িয়া গিরাছে ম

व्यक्त अभिक्तिमानम मर्क मरहारमव ! मिहेक्क आधनात्तर कार मक्कनगरगर वर्णन লাভ করিবার সৌভাগ্য আমার হইয়াছে। **मिक्कानम क्रीलोइवितामद्रमग्ली** हेद छे९-সবে সমাগত আপনাদের নিকট কিছু হরিকণামৃত পরিবেশন করিবার স্থযোগ পাইলছি। সভাপ্রিয় সরল্বাণ বাস্কি-মাডেট অপুত্র করেন যে, অসদ্বস্তর সহিত সম্বন্ধ স্থাপন পুক্ষ**ক অচিদ**মূলীবানের ছারা আনাদের নিরানক্ষয় গুছামকুপই লাভ হয় এবং সদ্বস্তর সহিত যোগযুক্ত হইয়া চিদত্রীলনের ছারা আমরা প্রয়োজনরূপ নিত্যানক বা পরমার্থ লাভ করিতে পারি: জ্ঞীসচ্চিলানন্দমঠে জাসিয়া বাস করিবার স্থোগ লাভ করিতে পারি।

**८रथाटन मक्किमानम कैं.८शो**त्रविध्नाप-রমণজীউর সেবায় ভগবন্তুক্তগণ বাস করেন, ভাহারই নাম শ্রীসজিদানক্ষমঠ। উনবিংশ শতाबीत (सर्वेंडार्ग क्रिमिक्सानम् नामः কোনও মহাজন এই কটক সহরে শ্রীগৌর-বিনোদরমণজীউর সেবার সত্ত নিযুক্ত ছিলেন। ভাহারই নামানুসারে এই মঠের নাম 'শ্রীস্চিদানস্মর্ভ' এবং তাঁহারই দেব্য क्रीलोत्रविताहत्रमणकोष्ठे अथात्न व्यक्षिक হলগাছেন। সক্ষনসমাজে তিনি ঠাকুর ভক্তিবিনোদ' নামে স্থপরিচিত। পণ্ডিতগণ বলেন,-ঠাকুর ভক্তিবিনোদের জীপাদপদ্ম সেবা ছারা সংসাররপ গৃহাত্ককৃপ হটতে ত্রাণ লাভ করিয়া শ্রীসচ্চিদানন্দমঠে বাস कतिनात भोजांशा नाज इस ।

অসং, অচিং ও নিরানক্ষয় গৃহাত্ত-কুলের ইন্দ্রিয়তর্পণরূপ উৎদবে প্রমান্ত চইগ্রা আমরা নরকপথের পথিক হইয়া পড়ি। ष्यात अभिक्रिमानम मर्छ अभीत्मत्र मात्र। শ্রিজনীকেশের সেব। করিছে পারি কর্যাৎ চকুর হালা শ্রীভগ্রান ও ভগ্রম্কগণের শ্রীবিগ্রহদশন, কর্ণের দ্বারা জংকর্ণরসায়ন ভীহরিকথা প্রবণ, নাসিকাছারা জীহরিপাদ-পল্লে অপিড তুল্মীচক্লাদির ভাগ গ্রহণ, ক্ষিত্রভার। উচ্চিত্রগুণগান ও জীমধাপ্রসাদ मयान এतः छिहतिकनगरपा जीलानगण-ন্দ্রের হারা **হকের সার্থক**ভা সন্দাদনের হ। ইক্সিডপ্ণোংস্ব क्षीरकरभन हेक्तिङ्गीशायम् এक नरह। খণ্ড কালেব মধো অনিতা, কেছ ও খও বস্তার সহিত সম্বক্ষাপন পূর্বক আমরা थछ, ८इव स्टब्स व्यथीय नत्त्व शमन कति। আৰু অপন্ত, অসীন, পূৰ্ব, নিভা সচিদ্যানৰ-ময় শ্রীচরিপাদপল্লের নিতাকাল দেব। ছার। कामना व्यक्तिक्षेषाम ग्राम कति । एएन কাল ও পার বিচারে ধ্যেরা অখ্ড,

অসীম দেশে নিভাকালের জন্ম অনম্ভের উপাদক। যেখানে আমাদের আয়ার খান্য লাভ হয়, দেখান হইভে বিচুাত হইয়া আমরা থণ্ড দেশ, কাল ও পারের সেবায় নিয়োঞ্জিত হইলেই অন্নত্ত হইয়। পড়ি। সুস্থ চইবার করু তথন জীসচিচদ,-নক্ষমঠ হাসপাভাবে যাইলা চিকিংসিভ হুইতে হয়। আত্মার স্বাহ্যের রুকু আহিবি ও শ্রীহরিজনের পাদপল্মে শরণাগত হব্য। ব্যতীত উপা । ছর নাই।

ष्पनएखन्न भानभन्न इटेंट्ड निष्ट्राङ इंदेश যথন আমরা কুল স্কীর্ণ সাম্প্রদাবিকতার वक्रत्न वक्र बहेश व्यम्रख्त भ्रवात व्यवाहा চইয়া পড়ি, ভখন সেই মলিন মনকে শুদ্ধ করিবাব জক্ম অনস্কের সেবকগণের সঙ্গে ভাঁচাদের শ্রীমুখনিগলিত শব্দ শ্রবণ পপে প্রভাগেন্তন করিতে পারি। যাংতে 🏻 ত খুব মণো চেয়ারে মড়যোর কায় উপবেশন বিশ্ববাধী জনম্মের পথে জঙাসর হউবার কিবিয়া খববের কাগজ পড়িতে দেখা গিয়া পৌছিয়া সফিলানৰ বস্তুর সেবার নিতা-কালের ভক্ত নিযুক্ত হইতে পারেন, তক্তক কোন এক অতিমন্ত্র মহাপুরুষের প্রেরণার প্রতি মঠেই এই প্রকার মহামহোংস্বের আনোজন। মিছোৎস্ব' অংগি থাওয়া দাওয়া দ্বানা ইন্দ্রিয়তর্পণ করা নতে। হাসপাতালে যেক্লপ উষধ ও পথা বিতৰণ कता रह, त्यहेन्नल এই महिनानसम्ह ই।সপাতালে ধনী, নিধন পণ্ডিত, মূর্য, আহারোম,হংক্রেঞ হবেরাম''বাণী উচ্চারণ আবালবৃদ্ধবনিতা সকল ভবরোগাক্রাস্থ कीनकुन्तरक बीहतिनामक्रम धेमध जनः जीमहा-প্রাসাদরূপ প্রা-বিভারণ করাই এই मरहारमरनत छरक्छ।

**চে ভ্রাড়রুক্ষ**় আহনে আমরা সকলে প্রবিপাত, পরিপ্রাম ও সেবা—এই তিনটী রুত্তি শইয়া যুগাচার্যোর জীচরণকমলে আত্মনিবেদন করিয়া তাঁহার 🕮 মুখবিগলিত জ্ঞীটেডক্সবাণীরূপ উদ্ধ ও তাঁহার প্রদত্ত 🖺মহা এসাদরণ পণ্য সেবন ক্রিয়া আত্মার স্বাস্থ্য লাভ করি। তাহা হইলেই অনিচ্ছির মহোৎসবে যোগদান করার সার্থকতা হইবে। তথন আমরা স্কুপে অবস্থিত হটয়া নিতাকাল অভিয়নিত্যানৰ ब्री ७वर, पटवं वास्पार हा है महिनानसम्पर्ध অবস্থান করিয়া অথও, অসীম, পূর্ণ, নিতা मक्तिमानस्मनम निज्ञानीत्रनिदनाम्त्रमशबीडेत দেবার নিযুক্ত হইতে পারিব।

## বিদেশ

क्षामिक भागमा (किना भागमा क्षामान) क्टल शिक्ष निक रमन, ब्रहि मन। भन्न रमन मिन भारत माग्र हिन हित्रमिन निरम्हण । तम् । तात्र भूकंतित्व इतिभव्यव्यानः পিছু রাখি পথ ভূলি, পশ্চিমেতে সদা চলি, পড়ি আরো দুরদেশে মরি চির্জীবনে।

## ब्याधाय-अनक আসল ও মকল

देनकव-मार्काटकोम जील क्रमश्राभनाम **बी उक्रम अला ७ बीलोड्म अल मक्तिका**न-मनाब-अनुमा-- अ विषया भार दकान **मल्टल नारे। (गरे महाबात काल) किक** অস্বভবণারা নিশিষ্ট শ্রীযোগণীঠ নারাপুর যে শোণীর লোকের বিবাদনূলে পণাত্রবা ংই।ছে. তাঁহার। কিছু ঠাহার মত তাাগাঁ মহাপুরুষ নহেন। প্রায়ত প্রভাবে ভাগে সিক ই 951 আর ত্যাগার অভকরণে ভাগার (त्रम शात्रभ — এक नःह। व्यक्तकत्रभकाति-সমাজে অনেক প্রকার কুরিম অন্তবরণের চিত্র দেখিতে পাওলা যার।

কোনও কলে শাথামুগকেও বুক ভারা প্রশান্তচিত্রে সমস্ভের প্রেল⊸ অন্ততের ∫হইতে নামিলা আসিল এক সাহেলের স্তযোগ পান এবং নিভ্যানক্ষয় ধানে ছিল। থালি বেভেল ছইতে খালি মাদে বায়ু ঢালিশ পান করিবার অভিনয় করিছেও দেখা গিয়াছিল। ভাই বলিনা কি অঞ্চলবণ-কারী শাথামূল থবরের কাগঞ্চ পড়িয়া উহাৰ ভাংপ্ৰ্য্য উপলব্ধি কবিতে পারে, मिनाष्ट इहेर्त ?

> শুকপক্ষী নয়ন মুদ্রিত করিলা উহার মানব গুরুর নিকট হইতে যে শিক্ষা লাভ করিয়া অভুকরণ প্রতিভারা 'প্রভ পাণী করিয়া থাকে, ভাহার তাংপণ বিষণে পক্ষী বরের সজনঃ অধিকার আছে, ইহা স্বীকার করায়ায় না। অনুকরণ বা কুরিম পদা কথনট আসল জিনিদ দিতে সমর্থ হয় না।

> यमि देवतानीत द्वा भीतरक आक्रुड প্রভাবে ভাগী করাইভ, ভাহা হইবে যাবতীয় পশু বসনাদিবিবজ্ঞিত হইয়া সর্যাপিগণের গুরুর কাষ্য করিতে পাশিত। ''যার কর্ম তারে সাজে, অন্তের লাঠি তেন বালে"—প্রবাদ মগ্রান্থ করিয়া যাহার। ' অনভাবের ফোটা কপাল চড় চড় ক্রে"—প্রভৃতি নীতিবাক্যের অসম্মাননা क्रात्रन, डीहाताहे हर्क्षातिष्ठात्र रूपवर्डी চ্ইয়া আদর্শের কোন সমল এছণ না করিয়া व्यवारम व्यवसामी दन।

'মৃড়ি' ও 'মিছরি' কণনও একজাতীয় হুটতে পারে না। দাড়কাক ও মর্বপুচ্ছের গরে ভাষা প্রমাণিত আছে। মানুবকে ধাঁধা দেওয়া অতি সহজ; কিছ প্ৰাকৃত মামুদকে ধাঁধা। দিতে গেলে আপনাকেই कांकिएड भिरूट इन्न।

সিধবাৰাজী সহায়াজ জগমাজ ও বাড়ব সভ্যের উপাসক। তাঁহার নিকিঞ্ন व्यक्षतातिश्रम एक इक्त । व्यक्तकश्रम देनकद-বিৰেধ করিতে গিয়া যে ভক্তের হাবভাবের <sup>।</sup> অমুকরণ করেন, তাহা **কুজিন**তা দাজ

## , যৎকিঞ্চিৎ

(ব্যক্তিপাত)

ভক্তমাল এছখানি আম্লিতলার লালদান বিশ্বচিত। উহা অভক্ত প্রাকৃত সহক্ষিয়াগণেরই পাঠা, কেন্না, ভাঁহারা উহার চিরদিন আগর করেন এবং ৩%-ভক্তগণ উহাকে অস্থ্য মানিয়া প্রাক্ত সহক্ষিয়া ব: কাভিগোখামীরই আদর্ণীয় বলি। মানেন।

প্রাক্ত সংক্রিয়াগণের সহিত ভর ভক্ত-গণের আকাশ-পাভাশ পার্থক্য। ইঞ্রিয়-তর্পণরত সাহজিকগণ কোন দিনই ভিক্ত'. শন্দবাচ্য কইতে পাবেন না। কিন্তু ভালারা আপনাদিগকে ভক্ত বলিয়া নানা উংপাত क(तन ।

প্রাক্ত সহজিয়াগণের অনেকেই বাড়ীর সেবাদাসীৰ পোষ্য মাজ্ঞারের ভক্ক মংস্তাদি জন করিবার নামে গোপনে ঐ পঞ্চ মং-জের মলসমূহ প্রহণ করেন। ওদ্ধ ভক্ত- त्व अदि छ हेशासन क्यां कि लान शिंद्य গঙ্গালান্দি ছারা খীয় পরীরের পাবিতা विशास कटत्रस ।

मरकानीत म्लूडे क्रम ८कान डेक्टरस्तीत ধিন্দু এগে করেন না। ভাহার। জলাচরণীর काछि नरह विशाहि कागावरक्षेत्र कवि-বাসিগণ ভাছাদের স্পর্শ শ্বভিনিষিদ্ধ শ্বানিয়া উश्वामिश्वक व्याम्त करत्रम् न।। देवकारवत्र **छ' क्था**हे नाहे।

থাহারা প্রাণিগণকে সংহার করিয়া স্বীয় ফিচবার ইপ্তি বিধান করেন, সেই সকল জনগণের সক্ষ সক্ষতোভাবে পরি-ত্যাকা। এমন কি, আহত সহক্ষিয়াগণ মংক্ত-মাংসের লোভে মন্বাদি দর্মশান্তের ध्यमार्ण ''मएछानः मर्समाःमानः'' राका শ্রবণ করিতে হটবে বলিয়। নিভাপাঠা গোড়ীর ও নদীগাপ্রকাশ-পাঠ ছইতে বিমুখ হইয়া ভক্তমালাদি অপাঠা এছ পাঠ করেন। কেননা, উহাতে সংস্কৃত্তণের প্রশংসা আছে৷ সম্শাল জনগণ্ট সম্শাল সেবোর দেবা করেন। অখনানাদি বৌদ্দতবাদীকে স্থাচারনিরত শুদ্ধতক গৌড়ীয়গণ কথনও षामत कतिएड भारतम् ना ।

মৃতমংক্তদের ব্যধক্ষেদ করিলে জানা गांत त्व, উश्टि तक, नृव व्यक्ति वक् অভোজ্য অমেশ্য পদার্থ আছে। উহাতে याशास्त्रत कृष्ठि, छोशासारे हेरूत व्याणिमनाइ निक्रकाका वा शांक विनेता अर्थ करतन ।

# গ্রন্থ পরিচয়

## **শ্রীমন্তাগবত**ম

শ্রীমন্মহয় ক্লাইবপানন বেলব্যাস-প্রণীত মৃত্য, শ্রীমন্ন্নজাচান্য-ক্ষতা তাৎপর্যা-নির্ণয়টীকা; শ্রীমন্বিশ্বনাগ চক্রবত্তী গৈকুর-ক্ষত সারাগদালী টীকা, বলান্তবাদ, সংশ্বত অধর ও প্রেতিশক্ষ, তথা ও বিবৃত্যাদিবৃক্ত। প্রেতি হলের আদিতে সেই ধনের প্রতিপান্ত কথাসার, ক্লাগ্রের প্রথমে ঐ অধ্যায়ের সারসহ ভ্রিশ্বত তাৎপর্যাদি বিবৃত। স্লোকস্টী সিশয়স্টী, ক্লাগ্রবিবরণ, পাত্র ও ভানস্টীস্ট উত্তম কর্ণাতে উত্তম ক্লের মুক্তিত। প্রথম চইতে ১০ম ক্লেশ্যাত ভারা শর্ণার্রবিরণ, পোত্র ও ভানস্টীস্ট উত্তম ক্লেগ্রে উত্তম ক্লেগ্রের মুক্তিত। প্রথম চইতে ১০ম ক্লেশ্যাত ভারা শর্ণার্রবিরণ, পোর হইয়াছে। ভিন্দা প্রথম হইতে ৯ম ক্লেপায়ন্ত ২০০০; দশম ক্লে ১০; শন্ম চ০, ।

## **ओ ओ**रेड खळाइति खामुख

ক্রীন্দ্রতি নিশ্ব ক্রমন্তিত 'ক্ষ্যুণ্ড প্রবাহজায়'
ত ক্রীন্দ্রকি সিদ্ধান্ধ সরস্বতী পোশামী প্রাণ্ডপাদ-লিখিত
'অস্থভাসে ক্রাভি-মুভাদি বছু শার্রপ্রমাণ-সম্বলিত হইরা
প্রকাশিত ইইরাচেন। প্রোক্রের সাধরব্যাখ্যা, বল্পুগ্রালিও
প্রভাক প্রারের পুক্রে সংক্রির অভিদের সংযোজিত।
প্রভাক অস্থার-প্রারেশ্ব ক্রাসার দেওরা আছে। প্রোক্র
প্রার, শক্ত, প্রান, পাঁত প্রেছ্ডির স্বরুৎ সূচী ও গ্রন্থকারের
বিশ্বভ জীবনী সম্বিত তেইরূপ অভ্তপুক্র সংক্রের ইভঃপুক্রে
ক্রাপি প্রকাশিত হর নাই। উত্তম কাগ্রে পারিপাটোর
মান্তিত ছুল ক্রেকরে মুলাংল মুজিত ইইরাছে। গ্রন্থ প্রার্থ
১৫০০ পুহার দশ্যর ভিক্ষা বভ্যানে ব, মাত্র।

#### **এটেডজভাগবভ**

ক্রন্থকারের ফীবনী, প্রতি পরিচেদের কণাসার, বিস্তৃত গৌড়ীয় ভাষা, শকস্চী, প্রারস্কী, বিষর-স্থান-পাতাদি-স্কী, প্রস্কৃতি বিবিধ বিষয়-স্থানিত বিরাচ থিতীয় সংস্করণ ভ্রম কাউন ৮ পেলী আকার। আদিলীলা ও মধ্যের কিয়দংশ প্রকাশিত হহয়াছেন। ক্রমে ক্রমে প্রকাশিত হিচ্ছেছেন। অগ্রিম ভিক্ষা ে ট্রিকা, আদি লীলার ভিক্ষা ৩ ।

#### **BICE WARM**

এই গ্রন্থের এরপ অভিনব খুন্দর সংশ্বরণ আর কুরোপি প্রকাশিত হয় নাই। সংশ্বত প্রোকাংশের অষয়, বজাফুবাল, ভাষা, কথাসার, তথা প্রস্তৃতি সহ খণ্ডে গণ্ডে প্রকাশিত ইংরাছেন। মূল মোটা অক্ষরে ডবল ক্রাউন আটপেকী বুহলাকারে ছালা হইয়াছে। মূল্য ২৮০ টাকা। নদীয়া প্রকাশ ও গৌড়ীয়ের গ্রাহকগণ্যের পক্ষে ১৮০ টাকা।

## **শ্রীমন্ত্রগরভাগিতা**

— শ্রীগৌড়ীর বৈশ্ববাচার্য্য অপ্রাক্তত রসিকচ্ডার্মণি
শ্রীপ্রিবিশ্বনাথ চক্রবরিটাকুর গোস্থামিকতা সারাধ্বধিনী
টীকাসমেতা ও শ্রীশ্রীমন্থলিবিনাদ ঠাকুর-প্রেণীত 'রসিকরক্ষন' নামক ভাষাভাষাসহিতা। অধ্যারস্থচী, মাতৃকাক্রমে
লোক-স্চী,বিধ্য-স্চী,গ্রপ্থকারের জীবনী ও অবভর্ণিকাদি
বিচ-ভাতিষ্যবিধ্য-সহ উৎক্রপ্র বাধাই তৃতীয় সংখ্রণ—এই রাজ্
সংখ্রণের ভিক্ষা ২ টাকা মাত্র, সাধারণ সংখ্রণ—১॥
হাকা মাত্র

## প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

ওঁ বিকুপাদ জ্ঞীজীমভজিসিভাওসর্থতী
শোষ্থানী মহারাজের সেই অবিজ্ঞা-বিধ্বংসিনী
ভীবান্থকপোদোধিনী ক্ষ-কার্ফানিকলায়িনী ভীবস্ত-বাগার
নৃত-বিগ্রহ—বৈফবসিদ্ধান্ত-রন্ধ্রমালার কৌস্তভ্রনি—সম্প্রদার
বৈশ্রবিজ্ঞানাগারের মোলিক তথ্য—পঞ্চরার ও ভাগণতের
সমবর ওক—মহাজন-ভীবনচরিত-শিক্ষক—চিদ্ধিলাদি লাত্রঅচিন্ধাত্র-বিচারক—উপর্যা ও মাধ্যারসের মৌলিক গ্রেব্ধার
—সংক্ষ, অভিধ্যে ও প্রেল্লেক-ভবের সিদ্ধান্ত-সমৃত্র।

১। প্রথম খণ্ডে—বৈধাবদর্শন, প্রীপ্তরতর, কাল-ধন্ম, প্রীমধ্বাবিভাব, প্রীবার্তভানবী, পাঞ্চরাত্রিকী দীকা ও বর্ণ-বিচার, আত্মধন্ম ও মনোনন্ম, প্রীচৈণ্ডলদেব ও ভাহার শিক্ষা, অপ্রাক্কত সহজ্ঞধন্ম ও প্রাক্তত সহজ্ঞধন্ম, প্রেক্তি বিংশতি সংগ্যক রয়ে স্থাশোতিত। ভিক্ষা মাত্র ৮০ বার আনা।

২। দ্বিতীর খণ্ডে— কথা ও বিদ্ধা ভক্তি, মন্তুদ্ধের স্থোহিতা কোথার, আত্মার নিভাবৃত্তি, শ্রীগর স্বামিপাদ ও মারাবাদ, শ্রীগোর-নিভ্যান-প্রসঙ্গ, ত্রিপুগের ধর্ম ও রুফ্টারন, শ্রীব্যাসপূচার শ্রীমন্থাগণতের কার্ত্তন, শ্রীব্যাসপূচার শ্রীমন্থাগণতের কার্ত্তন, শ্রীমন্থাগণত জনপ্রমন্ত্রী বৃষ্টার্যালনিনী, শ্রীচৈতজ্ঞের দ্বারা, গৌরকরণা ও রুফ্স্মীন্তন—চতুদ্ধণ অপ্র-মধুরিমাপূর্ণ-বক্তৃতা-বিভূদিত। ভিজ্ঞান, এক টাকা মাত্র।

ত। তৃতীয় শক্তে—গোকপ্রিয়তা ও সত্যপ্রিয়তা শ্রীনন্দনে প্রদক্ষ, শ্রীঞ্চাধির্জাব, বৈক্ষাব, শ্রীসীতাদেবীর আবিভাব-প্রসঙ্গ, শ্রীমন্থাগন্তরে সত্যা, শ্রীনাগপ্রায় শ্রীমন্দ্ ভাগবতের পুনুরায়ন্তি, শ্রীনামসংকীঠন ও হরিসেবার নিত্যতা এই নয়টী স্বদার্শনিক বক্তৃতাসম্বাহিত। ভিকা ৮০ মাত্র।

#### **এ মতগ্ৰদগীতা**

পৌড়ীয়-বৈক্ষবদাশনিক-শেষর শ্রীশ্রীনদ্বলদেব বিভা-ভূমণকুত ভাষা ও শ্রীমন্থকিবিনাদ ঠাকুরেরপ্রাক্ষণ বন্ধ-ভাষায় বিশ্বত 'বিগদ্রক্ষন' নামক ভাষাযুক্ত। ক্ষণ্যায়-স্ফা, বিষয়স্থাী, ও প্রতি শ্লোকের প্রথম ও স্থাীয় পাদ স্ফা, ভাষ্যকারের জীবনী প্রভৃতি স্থানিত। উংক্ত বাবাই, রাজসংখ্রন ( স্তীয় সংখ্রন ) গ্রন্থের ভিকা ২ টাকা।

## **এ**।নবৰীপধাসমাহান্ত্য

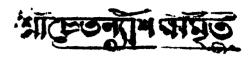
( প্রমাণখণ্ড ) সাম্বাদ। শ্রুতি-স্বত্যাদি গ্রন্থে শ্রীনব-দ্বীপের যে মহিমা কীন্তিত আছে, তাহার মূল সংস্কৃত ও অনুবাদ। ভিকা টা আনা।

### **এতি। নবৰী পভাৰত বস্তু**

শীঠাকুর ভক্তিবিনোদ লিখিত। সুগগিত গীতাকারে পরিক্রমাব দাইব্যাদি-বিধয়ক। ডিক্সা । আনা।

#### ভজ্জিরত্মাকর ও মব্দীপ পরিক্রমা

জীল নরহরি চক্রবার-ঠাকুর-রচিত। ভক্তিরভাকর হইতে পরিজ্ঞাংশ মাত গৃহীত; জীলীব গোস্বামী কি প্রকারে জীনব্দীপনামের পরিজ্ঞা করিয়াছিলেন, ভাহাই পত্তে বিবৃত্ত। ভিক্ষা পে পানা



শ্রী ভক্তিবিনোদ ঠাকুর-প্রাণীত। ঐতৈতভেইহাতে
নিক্ষাপ্রণাণী—ক্রফ, ক্রফাজি ও রস—বদ্ধ ও বৃক্ত জীব—
আচিন্ত্য-ভেদাভেদ-ভন্ত—সাধন-নির্ণর—প্রাক্রম-ভন্ত, কর্ম্ম-কান্ত, আশ্রমাদির বিচার—বৈধী ভক্তি, ভাবভক্তি ও
প্রেমভক্তিসক নামভজন-প্রণাণী ও অইকাণীয় লীগাপরিচরাদি প্রথম শিক্ষাণীর উপবোগী করিয়া সরল ভাষার
সমুদ্র বৃক্তিপ্রমাণসক লিখিত আছে। চতুর্ব সংক্ররণ সাধা
২ টাকা, আবাধা ১৬০ টাকা মাত্র।

### গৌজীয়কণ্ঠছার

ত্রীগ্রেটিয়-বৈক্ষবগণের অন্তুক্ষণ কঠে নারণগোগ্য প্রাতি-বৃত্তি-পূরাণ-পক্ষরাজানি সাম্বত-শাসসমূহের প্রমাণাবালী বিষয়বিভাগক্রমে সাল্লগাদ গুল্কিত। এইরপ বৈক্ষব-সিদ্ধান্তের সারসম্বর অল্প কুরাপি প্রকাশিত হয় নাই। ইহাতে গুরুত্ব—ভাগবত—বৈক্ষব—গোর—নিত্যানল—মধৈত—ক্ষ্য—শক্তি—ভগবদ্রস—জীব—অচিন্তানেল।—অভিধ্য়—সাধনভক্তি—বর্ণগর্ম—আশ্রম-গর্ম—গুদ্ধান্ত্রাজন ও প্রমাণ-তব্ধলি পূণক্ অধ্যান্তের সোকানি স্তীসহ উংক্লই এন্টিক কাগজে রোজ মুকালিতে মুক্তিত, উংক্লই বাধা সোনার কলে নাম লেখা। এছ প্রায় ৪০০ প্রায় সম্পূর্ণ। ভিক্লা ২, টাকা মাত্র।

## শ্রীনবরীপধাম-এছাবলী

শীমদ্ভকিবিনোদ ঠাকুর-রচিত 'ধামমাধান্ত্য—ধামমাহান্ত্রের সাহ্য-বাদ প্রমাণ থণ্ড—শ্রীণ নরহরি চক্রবর্তী
ঠাকুরের সাম-পরিজমাংশ—শ্রীদাম নবদীপ পরিক্রমা—তীথবাত্রা পদ্ধতি—শ্রীমৎ প্রবাধানন্দক্ত নবদীপশতকম্—
শ্রীমছকিবিনোদ ঠাকুরের শ্রীনবদীপ ভাবভর্ত্র প্রস্তৃতি
গ্রন্থ কেও ভিচ্চা ৮০ আনা মাত্র।

#### শ্ৰীছরিনামায়ত ব্যাকরণ

শ্রীকীব গোস্বামী প্রানুপাদ-বিরচিত স্থা ও বৃত্তি, তৎসলে ওবিফুপাদ শ্রীমছকিসিদ্ধান্ত সরস্থাতী গোস্থামী মহারাজের বিস্থাত ভূমিকা ও স্টী প্রাকৃতি সহ। ক্ষপ্রতাশিতভাবে স্থানত। ভিকা ২ টাকা, ছাত্রগণের পক্ষে ১৮০ টাকা মারা।

#### বেদাস্তভ্যার

শ্রীমন্তামান্তকাচাণ্য-স্থাচিত। বেদান্তের বিশিষ্টবৈভবাদপ্রচারক শ্রীভাগ্য-প্রণেতা মাচার্যাপ্রবর বেদান্তদর্শন পাঠের
উপযোগা করণার্থ এই উত্তম করিয়াছেন। ইহাতে
বঙ্গান্তবাদ ও স্থতীপঞানি সংযোজিত করা হইয়াছে
নাম মাঞ্জিকা ॥ তথানা।

### শ্ৰীটেডখাচন্দ্ৰায়ত ও নবৰীপলতক

গৌরপার্যন ত্রিদণ্ডী শ্রীমং প্রবোধানক সরস্বতী-প্রাণীত
মূল, প্রভুপান শ্রীমন্ ভান্তিগিকান্ত সরস্বতী গোস্থামী মহারাজ
সম্পানিত অধ্যয়পে বাংগা ও বঙ্গান্তবান সহলিত।
নবদ্ধীপশতকের শ্রুভিঞিবিনােদ ঠাকুরের প্রভান্তবান ও
তৎসহ শ্রীমশ্বহাপ্রান্ত একটা ত্রিবর্ণরক্তি অলোকিক চিত্র প্রদত হইরাছে। মূল্র ও কার্যক উৎকট (২ খানা
একত্রে। ভিক্ষা ৮০ আনা, অতি ভ্রম্য বাঁগাই রাজসংক্রপ
১ টাকা মাত্র।

बीगह कि निर्मात है। कुरू अधिष्ठ। अहे अक्यांक अध-ব্যার জান লাভ করিলে পরেমাথিক রাজ্যে কিছুতেই জ্ঞান বাসংশ্রেপাকিবেন। প্রম্পূচ্বস্থিকিত ই-রূপু মুবল ও জনমুপানী প্রায় এ'প্রায়র প্রকাশিত হয়। নাই। किरी-लंदनांकरीय-लाज-संद्रानिक-सम्बद्धनाः धर्मे **अ**श्वासुक উचित्र प्रदेशप्रह्म। आशत श्रृतिकृत शृती, क्यामात हें आहे. बाता वित्यव महक्त कवा क्रवाहरू। वितान अह, ८तामान चटल माम ८गला, **उ**रक्षे रेशाहे—उकुर्ग प॰ क्राग ভিদা > টাকা মাত্র।

## প্রেমবিবর্ড

ক্রিয়াহাপ্রতুর অভ্রম পরির খ্রীগ জগনানন প্রঞ্ বিবচিত এই পুতকে অতি সংবোধা ভাষায় মহাপ্রান্তর क् उभग्र नी नामक् देवक्षवाहात. এकानना ও नाम छकन-প্রাণাগী প্রভৃতি অনেক বৈক্ষরভারের স্থমীমাংস। দেখিতে পাইবেন। পাদতীকায় ভত্তত স্থানের বিশ্বার্থ ও প্রান্তক্তার পরিচয়।দি শখলিত চতুর্থ সংকর ভিক্ষা।।• मन जामा माज।

#### ভঙ্গারহত্য

ভরনকাবীর নিভাগলা ; ঠাকুর ভক্তিবিনোদের সম্বাঃ कान: निधित भाष्ट्रद नियाम । शहशानि ना स्वर्ध भया छ ছেহ্ বৃদ্ধিতে পারিবেন না। হুতীয় সংস্করণ ভিকা ॥•।

## হরিনামচিন্তামণি

নমেতেশ্য শ্রীল হরিকান তাত্রের মুখে শ্রীমনাহাপ্রভ 🕮 নাম-মাহাত্ম্য, নামাভাগ, নামাপরাধ প্রাভৃতি বিব্যের ষাবভীর বিতার প্রবণ করিয়াছিলেন। এই বিষয়গুলির অভি সরল পরারে সংক্ষিপ্ত অংশয়নহ পরিপাটভাবে মুদ্রিত। 🚉 ব ভক্তিবিনোৰ ঠাকুর রচিত। পঞ্চম সংশ্বরণ ভিক্ষা দ॰

#### **本的計算本事可靠**

क्रियह किरियोन होक्त-ति है। खेरा क क्रावम्-বিশ্বাদী ও জানগণের পথিকের একান্ত প্রয়োজনীয় छेन(वनावनी पूर्व शांडिअइ। वामाछ लिथापड़ा-छाना লেশ্য ও এই ভঞ্নরাখ্যের গাভিসমূহের বারা অনর্থনিবৃত্তি ও ভগবংগেরা বাভ করিবার স্থবিধা পাইবেন। ব मध्यत्र, जिला ८.० माना मार्ख ।

### শরণাগতি

क्षीयप्रक्रिवित्नाष शेर्द्र इ-विष्ठ। क्रश्वात्न वास्त्रमधर्मन, निकासि, उक्रमनानमा, स्कृतिमा ग्रामानि । मिक्रिनानमा दितगक गैडिपूर्व, डिका / • व्याना याद ।

#### बीडावनी

🖎 বিরুদ্ধ ভক্তিবিনাদ-প্রণীত। নিত্য ভঙ্কন, আরাত্তিক 🐞 প্রদাদ-দেবনাধি-বিষয়ক মধুর গাঁতদমূহ একজে প্রাথিত। चित्रा / व्याना याव ।

শ্রীন্মতাপ্রার্থিক। ও শ্রীল র্ঘ্নাপ লাস গোস্বামীর I প্রতি ত্রীরপ গোস্বামীর উপদেশবাণী, ভক্তিপবের অফুকুল ও প্রতিকৃষ বিগয়ে স্থাবিতারিত সম্মোদন ভাগা, বিস্তৃত বিবৃতি, চরিভামৃতের প্রমাণ, সাধ্য ব্যাধ্যা ও মহাজন প্রণীত ভতুপ্রেণী গাতমন্ত প্রত্যেক লেকের স্ভিঙ স্বিবেশিত চইয়াছে। ওয় সংশ্বরণ ভিক্ষা । ১ আনা।

#### अर्थन-क्र

শ্রীরপুনার দাস গোকানীর মনঃশিক্ষা, শ্রীল ঠাকুর ভক্তিবিনোদ-চরিত পঞ্চায়বাদনই। ভিকা /• আনা।

### প্ৰেম্ভব্চিচ জিকা

প্রীপ ঠাকুর নরোভ্যের মুপ্রসিদ্ধ প্রেমভঙ্গিবিনয়ক গানের পুত্তক। ভিকা / • আনা মাত।

## নবদীপশভক

শ্রীল ঠাকুর ভঙিবিনোদ-রচিত শ্রীল প্রবোধানন সরস্বতীপাদের সংস্কৃত নংখীপশতকের স্থালিত প্রায়ুবার। किका / असि माता

#### ভার্থপঞ্চক

ত্রীল লোকাচাগ্য স্বচিত। বৈক্ষবতা-জ্ঞানের আকর প্ৰক। ভিকা /• মানা মাতা।

### সদাচারশ্বতি

শ্রীল মধ্বাচার্বা-প্রণীত। বৈক্ষবের নিভাকর্দ্ধাদি সদাধারা বলী, বলভুবাদ দৃহিত। ভিকা / - আনা মাতা।

#### মণিম্ভরী

कविकुगरकभत्री वीभवातायगागागा तिछ । वीभयास्यः চার্যোর সংক্ষিত্ত জীবনলীলা ও মূল বৈক্বধ্যমত। সাম্পান 🏻 🕮পাদ সুন্দ্রানন্দ পরবিভাবিনোদ্ঞান্ প্রদত্ত বস্তুতার 🖰 किका। वाना याव।

#### दशीवक दका पत्र

প্রাচীন কবি ত্রীগোবিল দেব প্রাণীত ত্রীগোরাবভারের श्रमानीयनी-मःवनिष्ठ मः इत श्रष्ट । जिका ५० माना ।

## युक्तिमञ्जिक। (अभदमोत्रक)

🕮 মধ্বসম্প্রদারামূগত 🕮 মধাদিরাত স্বামিকত। বলাগরে সামুবার এই গ্রন্থের প্রকাশ পারমাপিক দাহিত্য-জগতে এই সক্ষপ্রথম। শ্রীমন্মক্ষাচার্য্য কইতে নোড়শানন্তন খিডাঁর मध्याहार्या नारम ब्याफ अनिवासकोर्थ यामी এই এएए সাধারণ যুক্তি ও গৌকিক ভাগামুদারে কিরুপ স্থন্দরভাবে ভক্তিবিরোধি-মতবাদ সমূহ পঞ্চন করিয়াছে, ভাষা পাঠ করিতে করিতে আশ্চর্ণ্যাধিত হইতে হয়। ইহাতে বৃক্তির बाबा ठाव्हाक्, देवन, त्योष, मामाश्यक । मामानाधिमछ-সমূচের স্বন্ধর ধণ্ডন রহিরাছে। ভিক্ষা ২ টাকা মাত্র।

#### গোখানী 🕮ল রযুনাথ দাস

( ও বিষ্ণুপাৰ জীল ভক্তিদিদ্বার সর্বতী গোদামী প্রভূপাদ-লিখিত ভূমিকা সহ ) গৌরঞেট শ্বরণ-রূপের একমাত্র প্রিয়ত্তম শ্রীণ দাস গোত্থামী প্রাচর অপুক চবিতামূত ও শিক্ষা অতীৰ প্ৰাঞ্জ ও সরল ভাষার সন্নিৰিই এবং পরিশিষ্টে দাসগোন্ধামী প্রাভূর বির্ভিত ক্তঞ্জী সামুবাদ মধুৱতম তাৰ ও মন:শিকা-স্থালিত। ভিকা दीपाई ॥- वाना, वानागाई H- वाना गात ।

# চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাঠীন মববীপের অবভিতি, তথ্য, ঐতিহা, প্রেতি ও ইতিহাসিক প্রমাণসংখিত নয়নী নীপের সচিত্র বিবব: अप्त । बाधिव ता अमारक्य कृमात चित्क अब्रिक्त मातः। तात्र उम्म, १८, १८१४ (मारकात्र), त्यमाखङ्गाग मरकामत कर्ष्ट्र সক্ষণিত এবং ৪৭ থানি বিভিন্ন বর্ণের অপুর্ব চিত্র मानिष्ठिक-गर्माच्छ : ज्याकाविकामकार्गव ताम मारहत है। মণেজ নাগ বস্থ বিশ্বকোষদ্পাদক মহাশ্বের বিশ্বভাভ্নির সভা উপারত ( ইং ) মরকো বংগাই মুল্য ১৪০, ভিঃ পিঃ 🐰 ২ টাক মাত্র।

### সাগক-কণ্ঠমালা

कानवलमा, देवकान-वन्त्रमा, देवकानवान, मानारमा 🤫 श्चीनामध्ये. श्रीमक्षशाधानुत महिलान्य नाम. परेला नामकी हम, ज्यामामकी हम, ८ श्रमखिन, 'वा देशकर' नवदील-मिना, श्रीमात्रापत मिना, श्रीमातसम-धाइत अ. মাচাৰ্য্য-বন্দনা, বড়্গোস্থামীর অইক, প্রেমভক্তিচিল্য डेन(सम्माना, नामक्रम-लागर्गी, महालाज् । तात्र ताम-नःवार. बनः निका, **क्री धक्रलावि. विश्वक्र-नवि**कर মধাপ্রান্থর বন্দনা প্রাকৃতি সাবক ও সিছ্কীবনের নিতাপা বৈদ্ধবগণের কণ্ঠালিত তুলনীমালার জায় মন্ত্রণণ ও धानुन्द्याना अभूक अह। जिल्ला लि॰, नैशिष्टे ॥॰ माउः।

### গোড়ীয়-গৌরব

কলিকাতার স্ততানিদ্ধ আলবাট গলে গৌড়ীয় সম্প ञ्जिलाम स्वातानम श्राविमाविद्याम अमस वक्षात्र 🖰 अञ्चलात्त्र क्षकानिक । हेहाटह त्योड़ीव देवकवनत्त्रानः ইতিহাস কুলাকারে এপিত ধ্রুরাছে। জিক্ষা 🕪 এলে।

গোড়ীয় সাহিত্য কলিকাতার স্কপ্রসিদ্ধ আলবাট হলে গোড়ীর সম্প গ্রন্থাকারে প্রকাশিত। ইহাতে সাহিত্য-শঙ্কের অর্থ 🕹 ्भोद्वीय-माहिएछात्र वितय श्वकात्त वर्तिष्ठ ध्रहेबाट्य । -

## **जिटगोड्यक्ष পরিক্রমা-দর্পণ**

শ্রিগোডদেশের যে সকল স্বানে সপরিকর শ্রীমক্ষঃঃ এবং তদমুগু প্রব্রবারী মহাজনগণ শীলা করিয়া গিয়াঞ সেই সৰ আধুনিক ভৌবোধিক পরিভয় ও দেববিগ্রহ পরিচয় সহ বাতায়াতের স্কবিণা নির্দেশ ইত্যাদি বিষয়া স্ত্রিবেশিও ছাতে। ভিক্ষা : আনা।

## THE HARMONIST

OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্ৰীল ঠাকুছ ভক্তিবিনোদ-প্ৰতিষ্ঠিত এবং শ্ৰীল 🥳 সিদ্ধান্তসমূহতী গোস্বামী প্রভূপান-সম্পাদিত পার্মণ মাসিক পর। একণে ইংরাজী ভাষের অটাবিংশ ভবকক্রাউন ৮ পেদী ৪ ফর্মা আকারে প্রতি বারে ১ नारमञ्ज विश्वत-रेक्षत्रकी कहेवा উপविष्ठ वहेरल:5 काशक, मूल्य-शांत्रिशांका ও 6 आपि कहीर जिलाका এই প্রকার উৎরাই প্রবন্ধ আর কোন মানিক পার<sup>া</sup> দেখিতে পাইবেন না। বাহিক ডিক্ষা ডাক্ষাগুলগুড় हाका माख।

#### প্রারিস্থান-

🛢 क्रिक्शमके त्याः जीमाशायुत्र मधीना

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনস্টিটিউট্" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## (थाना इहेब्राट्ड ।

অভিজ্ঞ ও আদেশচরিত্র শিক্ষকগণ ছা এদিগকৈ অতি যাত্রের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যয়ে সুন্দর বাসহানের বাস্পোবস্থ ইইবাছে। ছাশ অতীব সাহ্যকর

র্শনিস্তার স বাদের ছন্ম নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। সেখ্যে ভীরী, ভারুত্ব ভক্তিতিলোন ইন্টিটিডট্ শ্রীচৈত্ত্যমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদায়া।

## —৫১ বংসরের প্রাত**ন্ঠিত**—

উল্লেখনের প্রস্তাত বাতীক।

থাগে গুল্লভারণা, স্বপ্রদোষ, কোট্ডভাঠিল, অলীগ্, ফাল্ডল প্রভৃতি
কন্ত খোগীব বোগ নিরামর ছইখাছে ভাগা প্রকাশ করিংগ বড় বড় প্রক
ভাইং! পড়ে।

#### रेडा

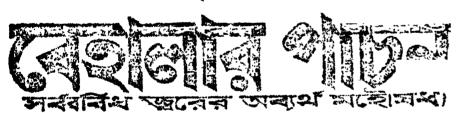
সক্ষণ ঋতুড়ে ব্যবভার চলে ও সমান ফল প্রেলান করিয়া গাকে। প্রতি কৌটার ৩২টা বটাকা থাকে।

#### কেবলমাত্র

ক্রতি কৌটার মূল। ১০ এক টাকা। ইংার নাম **'আডেছনিগ্রহ** 'কা'।

ষপ্তান্ত উপপের তালিকার স্বস্ত পত্র শিবিলেই পাইবেন আবিদান :—তমা ত ক্ষন্দিগ্রাহ ঔক্ষণালেক্স ২১৪ নং বঙ্গালার ট্রিট, ক্লিকাডা ।

## কবিরাজ শশিভ্যণ কবিকণ্ঠাভরণের



মকংখনের সুবধার জয় ৬ আঃ লিলিতে ঘনীভূত অবস্থার ছোটবো-এলেও াসুমপা উষ্ণ ভাষ্ণে পাঠান হয়, ইংগতে উষ্ণেয় কোন প্রিবস্তান কয়। হয় নাই। মূল্য প্রতি নিশি ॥• আনা, পাঁইট ৮/• আনা, বোভল ১০/• আনা।

অফিস–১১নং উন্টাডালা রোড, পোঃ শামবাজার, কলিকাতা

## শ্ৰীভাগৰত প্ৰেস গোয়াত্বী হাই**টি**

## ক্ষত্ৰপূচাৱা

এখানের বিবাহের নিমন্ত্রণ-পত্র, প্রীতি-উপহার, কার্ড, গ্রন্থ এবং অস্থাপ্ত বাবতীর কার্বা ছাপ। হইরা থাকে। ছাপার দর বাঙ্গার ক্রম্থ অপেকা স্থাক। পরীক্রা প্রার্থনীয়।

# शहेदफ्रांनिन

বা

## কোষরন্ধি রোগ

ভা: এস্, এন্, খোষ বিনা অরে, যাবজনীবনের গ্যারাটি দিয়া বৈক্লাভিক প্রশাসাভে কোমবুদ্ধি রোগ আরোগ। করিয়া থাকেন।

> ঠিকামা---১৮ মং কটন ব্লীট, বড়বাজার, ভালভাতা।

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## দৈব প্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

### প্ৰৱ দিৰে সম্পূৰ্ণ আৱোগ্য

বোগী দেখাৰতে কৰৰে। ক্ষতিমে পাণেষ খনত (বাওয়া এন্দ আনার) পঠিটক পিয়া বোগী দেখা কয় অপৰা এখানে আনিদলে বোগী বদ'শবা ওখন দেওৱা কয় আবোগা না কওয়া প্রাপ্ত পানিপ্রমিক নিজে করনে না। গনীব বোগীদের বাবচ বহন কনিছা ডিকিল্সা করা হয়। বিস্তাবিজ্ঞ বিবেশ্য কল্প এক আন্যান ভাকে চিকেট স্থ নিয় ডিক্লোয় অভ্যান্ত কল্পন

আকৈ তীশ6ন্ত উকীল, যক্ষা-চিকিৎসক, গোঃ নৈকাঠা, বরিশাল। অপশ নিম ঠিকানায় সাক্ষাৎ করিয়া যিস্তায়িত জানিকে পারেন।

ইবিত রামগোপাল দত এম, এ, রক্ষনগর, মধীরঃ। তীবৃত ছবিপ্র নিংহ, ১১৭, বেণিয়াটোলা টাট, চাটপোলা, কলিকাতা।

প্রকর্মানি পজে! অন্যার প্রাভুম্ম গত হর মান যাবৎ রাজ যক্ষার স্থায় মৃতপ্রার কইরাছিল, কলিকাতার বিজ্ঞ চিকিৎসক্ষণ ভাগার জীবনের আশা ভাগার করিয় শেষ মৃত্র্তের জন্ত অপেকা করিছেছিলেন এই সমর শ্রীষ্ত কিছীশচন্দ্র উকিল মকাশর মাত্র ১০ দিন চিকিৎসা করিয়া সম্পূর্ণ আবেগাল করিয়া দিরাছেন। (সাঃ) শ্রীষ্ নিজ কিশোর কাম চৌধুরী (জমিদার পালিয়া) হগ্রীট, নিউ বিল্ডিং। করপোরেশন টেটং ডিপা টমেন্ট, কলিকাভা।

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

भारता<del>क</del> 88a

মাত্র ১/১০ ভাকটিকেট পাঠাইলেই বুকপোটে পাঠান হয়।

ম্যানে**কার-গ্রন্থ**বিভাগ শ্রুচৈত্যুম্ম, পো: শ্রীমায়াপুর, মনীয়া।

কেন প্রাহকগণ

# গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

<u>—কার</u>ল—

এথানে যাবভীর ছাপার কার্য---

প্রস্থাদির কার্য্যই বলুন,

বিবাছের নিমন্ত্রণ পত্র, কার্ড, বিবাছের পছাই বলুন,

আবর ওরং ও ৪ রংএর হাফটোন ব্লক্ট বলুন, সকল কাষ্ট্র অভি সমুর ছাপা হয়, অথচ ছাপাইবার খরচ বাজার অপেক্ষা ভ্রমন্ত !

আপনার কিছু ছাপার কার্যা থাকিলে িল্লঠিকানার জানাইলেই দর্

মানেলার- সৌড়ীর প্রিণ্টিং ওয়ার্কস্ ২৪এং নং লাণার সাংকুলার রোভ, কণিকাত্ত

শ্রীধান নায়াপুর মুখ্যা-প্রকাশ প্রি তিং ওয়ার্থসূ হইতে—কৃষ্ণকাতি অন্যায়ী ভক্তিকুত্বন এলু, এম, এম, ককুম মুদ্রিত এ প্রকাশিক

### देवविक असीया-अकाम

### বিজোহী নেভার গ্রেপ্তার

নেতা সামাদান্ ওরকে ইউ. নিকারার , চরণ সাহাকে ভামীনে খালাগ রাখা ব্রোপ্তার সম্পর্কে হিলো রাজ্যের সোমার-अग्रात आहेर = है शिक्क होती व निक्छे **৯ই**তে প্রাপ্ত সরকারী বিবরণে আরও: প্রকাশ বেং, ছিপো পুলিস বাহিণার লারোগা মং ছাল গভ ১লা আগষ্ ভারিধ রাজিত ঘটাকার সময় হোগেরি এক গ্রামনার্গীর নিকট হইতে সংবাদ পান (र. निराज्ञा ঐ शास्त्रत्र निक्टिंग्रे कार्ट्यः। তথন উক্ত দারোগা গোকজন সংগ্রহ कविया (शहेक्टल याम ध्या (वना व ষ্টিকার সময় হোডেবে ইউ. িয়েন হুণি, শাংমু নামক একছন কেরাণী এবং উক্ত দারোগা শ্বরং প্রার ১৫ জন গ্রাম-বাসীর সাহাযো ভাহাকে গ্রেপ্তার করেন। डेक मारताना C≠रथात अनुरत এक आप्म চারিজন কনটেবল সহ সীমান্ত পাহারায় नियुक्त हिर्लग।

নিয়ারার পাঁচকন সহচরকে অন্যায় গ্রামবাসী এবং টেটের পুলিস গ্রেম্ভার

## ভাগরাম অনশনে যোড়শ দিন

লাহোর দেনটাল জেলের রাজনৈতিক वर्नीएक आर्थापरवन्त बाक । पिन বাবৎ চলিভেছে। আসামী ভাগরমে ५ किन गावर উপবাদে আছে। প্রকাশ, টহার উপর নাকি বলপ্রয়েগে থাল্য-প্রয়োগের চেটা চলিতেছে

#### অর্থকটের ভীষণ পরিণাম

বিনাজপুর কিলার অফাপি ভীষণ कर्षकरे विद्यमान । अहरत वाच सत्वात भुका वृक्षि इटेटम ७ सका करनत सन्माधित प खाशास्त्र जिल्ला इव नाहे। मकःचरन ক্রব্যের মৃষ্য কৃদ্ধি হয় নাই, ধান্ত প্রতি मन 3 होना जाते जाना व्हेटल २ हाको मद्य विक्रम क्षेट्र एक । भारतेन मुनाव कुष्ति क्ष नाई। श्वाष्ट्रायां छ न अग्राह्र শানার অধীন সানগুলিতে অভ্যন্ত অর্থ-कहे किनश्चि इटहार्ट । ज्यात्र मकरमञ्जे । क्षम्य व्यवस्थात्त्र कताल्कास शक्तिस्ट । সংবাদ শাওখা বিহাতে, খনশনে করাক-क्षम (कारकत मृष्ट्रा इत्यारिहा (त: व्यमनम Com मा कतिए जनमर्थ क्हेबा (45 (कह আ,আহত্যা করিয়াটে

## রিভলভার চ্বির মাসলা

গত জুনমাণে ভোমাজের সাংকিল<sup>া</sup> অপিসার শ্রীষ্ত গণাচন্ত্র চক্রবন্তীর অভুন

্ৰ ক্ৰান্ত প্ৰাণ্ড পুৰ্ণেণ্ড ক্ৰ চক্ৰবৰী, লা কৰাৰ এবং বাডুলেৰ ভান কৰাৰ 'একুইলা' লাভাৰে চড়াইলা লাভানীতে तिकृष इटेटङ आकान त्य, विद्याशि , स्माहिङ्स्माइन मूत्थानाशाद क्रवः कानक-इटेग्ना हिन धरा औशास्त्र भाषना नीन-ফান'রি হইতে লিশা ম্যাজিরেটের আদালতে স্থানাম্ভরিত হুইয়াঙিল। ১০ই चांगडे किया महाव्यिहें खमानाजारन তীহাদের অব্যাহতি প্রধান করিয়াছেন।

## दशर्देदन दकादकन व्यास्त्रि

কোনজামে সংবাদ পাইয়া গত ৯ই আগত রবিবার দিবস গুমপুকুর পানার পুলিদ চিংপুর রোভয় এক হোটেলে অনেককণ ধরিয়া পানভিল্লা করে करण. करवक भारक है (कारकन भारती यात्र कर के इहारहरणत माणिकमङ् छहे-बन (नांकरक (अधात करता

১০ই আগঠ তারিখে মূত ব্যক্তি-জয়কে উত্তরবিভাগের পুলিদের ছেপ্টি क्रिम्मारतत निक्छे श्राधित कता इहसा-**किंग।** जिल्ला विठात्त्रत अश्र टाशानिशतक প্রেরণ করিয়াছেন।

## বারাণসীতে ধর্মঘটের অবসান

বারাণদী তুলা ও রেশম কলের কর্ড্ব-প্রকার সৃহিত ধর্মঘটকারীদিনের নীমাং-मात्र करण डेक बरण अधिक न्यायर हैत অবদান চট্মাছে। কর্ত্রপক স্বীকার করিয়াতেন, আগামী ১লা দেপ্টেপরের পুরের উচোরা কাহারও বেতন রাস করিবেন না। ভারারা আরও সাঁকার করিবার অপরাদে কাহাকেও দণ্ডিত कतिरवन ना ध्वः स्य स्कृ र भिरमन भटका कार्या श्रूनतात्र ट्याशकान कतिरव ভাছাকেই গ্রহণ কবিবেন। ইভোমণো শ্রীগত শ্রীপ্রকাশ ও উক্ত কলের নুহন मार्गातकांत्र त्वाञन मचरक कार्गाहमा করিবেন: কলের কর্ত্তপক্ষ ও শ্রমিক-গণ তাঁছাদের শিক্ষান্তে সম্বত হটবেন। ভ্ৰমিকগণের বেডন শতকরা ২৫ টাকা किमारन हाम कताय शक अना बांधरे डिक श्चित्र काश्चल द्रश्चाहिन।

## **दमभानी यूनक पश्चिक**

নোৱাথালি হইতে প্রকাশ যে, প্রায় : ১ মাণ প্রাম ৪টি গুলীভারা টোটা ামত নেপালীযুগক প্রীযুক্ত বিষেণ সিং ि शांडेक मीत्र (हेल्ट्स इंड इस । चात्र (७२वी मार्गिक हो श्रीमुख नियमनस्माहन वद्यानत आमागाउ अचितृत इहेशा ह मान निविक्तिकारण केलाव अवेरकम रहेर्फ मध्यमकातामरण मिक्क रहेबारस्य ।

ফরিরাদী পক্ষ হইতে সিভিল সার্জন নির্বাসিত করা হইরাছে। ভাহাকে পরীক। করেন। ভিনি বলিয়া-**८**इन. जागाशी वःदुश मरह, तम जाश्रभण সমর্থন করিতে সম্পূর্ণ সক্ষম 🖡

#### সমগ্র পরিবার নিম্বত

'বৈস্ব বেছেটের' প্রোমান্থিত भवामपाण कांनाहरण्डक, उक्कि सम्ब ভারতীয়পরিবার—গৃহস্বামী, ত হোৱ की अ इन्हें निक विक्त न्द्रेयाए । कर्नेनक চেটিয়ার গঙ ৮ই আগেই রাজিতে পুলিদের কশাঁড।রীর বাটী কভিগম জ্বণরিচিত শোক কর্ত্তক সাক্রান্ত হয়। কর্মানারীটি ष्पाएडण इहेएड ७ महिन पूरत এक आस्म লাগ করিতেন উহার৷ বাড়ীয় **লোকজনকে** নিহত ক্ষিমা ভাষাদের খরও পুড়াইয়া

#### कःट्याम काटनालटम श्रष्टभाग वक

হণলী দিলার পুড়ভড়া থানায় গভ २०१म ज्ञानन मनिवाद श्रीतामग्रत राष्ट्रकात বারোঘারী উপলকে জ্রিলীকালীমানার 🖟 পুका श्रष्टमा शिक्षात्व । व्या क्षित्रम (तथा । व्या ह्या । ১টা হইতে রামি ৮টা প্যাস্ত 🕮 রামপুর मरभन्न (माकारम (माकारमनकान रित्यन-कारव शिक्छि, क्रियांक्ति भण्णामक জ্ঞীপুত সভাদানন রায় মছপান নিবারণের जब भूत हड़े (उहें ८५ डिंड हिएलम । करन মাতালদের ও অঞ্চাত লোকের ম্ছপান भन्भूर्वक्रटल वक्त श्रेया यश्य ।

## চট্টপ্রামের মুক্তন বড়যঞ্জ নাললা चानिश्दत्र छनानी

গভ ৯ই আগঠে পুলিধ চৌদ্ধন যুবকের নিরুদ্ধে অভিবোগের বর্ণমাপত माभिन कतिपार्छ। जाशास्त्र विकास चिंछिरराश, छाहांत्रा यङ्ग<del>ध क्रिया मात्राचा</del>क অপ্রশন্ত্র সংগ্রহ করিয়াছিল। উপরোক্ত (डोक्टब्रस्त ग्रां व्यक्तिन श्राप्तक व्यवस्था व्याटक् । किहारमध्र मरना करनक-करनत्र वान रनाग्राथानी ७ जिल्ला रक्षनात्र । धाकान, क्लिकाञात्र व्यानिशृहत् धारे यामगात्र विज्ञात हरूरव ।

## মিস গেইসলার মির্ন্থাসিড

বেগোই হ্ইডে প্রকাশ যে,পঠিকবর্ণের শারণ আছে, গভ ৩১শে জুলাই ভারিখে আইনের ১৯ (চ) গারা অনুবারে তিনি আর্থাণ মহিলা মিদ লাউইদ গেইসলার (अश्वाद इदेशकिरणन। हेनि शामरवज्ञ-নাথ বাহকে ভাতার বিরাছিলেন বলিয়া বৈদেশিক জাইনের বলে অভিযুক্ত शिक्रणाञ्चात पृत्रि याक्रया मण्यातक मस्मक- व्यामामी त्कामक व्यापन केस्त्र व्यामाम हिस्साधितमा। ১३३ कार्यक किसाक

### অভাভ আসামীয়া বাদাস

মুন্দার কাবাদি প্রাঞ্জতি যে ১০ সাজি ८ अनुत्र वरेगा दिएम, छौहा निगरक ध्यमानार्खात थानान (प अया श्रेगार्छ।

## দেশ প্রভ্যাগত ভারভীয়ের অবস্থা

भाष्ट्रेनाम भाग ज्यानि हेगारमञ्ज मुका-নিকট সংবাদ দিয়াছেন, তাঁহার ফানৈক পিডিছে এক বিরাট জনসভাগ্ন জনিবেশন श्रदेश शिक्षाटक। खे अकाश दक्ष पहें (डेन b कि अनुशाबी शिक्त वाश्विका अन्द्रान्त्रक ভারতীয়ের অবস্থার উন্নভিকল্লে ভারত मत्रकांतरक व्यक्तिमध्य यात्रका कत्रिएक व्यक्त-(दाध कतिया ध्विष्ठि ध्यकार ध्रवण कता হয়। অস্তু একটি প্রাপ্তাবে দক্ষিণ প্রস্থাবিত গোলটেনিল का शिकास रेक्टरकत व्यक्तिकारम छात्रछीत्र खाङिनिधि-वर्गाक वना धडेसारक (य. मिलन आफ्रिका প্রভাগত ভারতীংশের ভারতে বসবাস সম্পর্কে ভাঁচারা খেন কোন বাবস্থার সম্মত

> স্বামী ভবানীধ্যাণ বিদেশ প্রত্যাগত काञ्चीयस्था व्यवदा मश्रदक अवधि श्रमीर्च वक्करा करत्रन ।

উট্যত রাজেক্সপ্রাসাদ বেক্সেই চইতে সভার লক্ষ্য এবং উদ্দেশ্যের সমর্থপ্রক **এक** हिनानी € श्रवन करवन।

### **ष्ट्र**रा द्यामा विविद्यादह

मधन ६३८७ ध्यकान (य छनाछ हरेट किहू पृरत्त 'हेक्टिंड' मायक जरुवानि বাণিখ্যপোত কিছুদিন ২ইল ভুৰিয়া যায়। ইহাতে ৬,০০০,০০০ পাউ ও সুলোর त्यांमा किया ।

**पुष्रित पण जिलिककाशास्त्र (त्रम्** নের একটা ছিদ্র দিয়া ঐ বোনায় ভালের माना (विवास्त भावेगारक।

#### পলপালের অভ্যাচার

সিম্পা হইতে প্রকাশ বে সম্বামী कृषिशत्त्रवर्ग कांकेलिएसब लक्ष्माग-बुद्धा (शायना अतिवाद्यन (य. ११७ ७३ सून হইতে বর্তমান কাল পর্যন্ত প্রায় 🛊 युक-अरम्दल नक्ष्णारमञ्ज व्यक्तांत्रा वाक्रिया निशास्त्र । अष्ठ अध्यिम माम क्रेस्क (क्ल्डिकारम ८६ कीएवन व्यक्तानात

Reg No C.1544

শাজাগানের হার
প্রাক্ত হার
ব্যাক্ত হার
ব্যাক্ত কাল ৬,
ব্যাক্ত কাল ৬,
ব্যাক্ত কাল ৬,
ব্যাক্ত কাল ৬,
ব্যাক্ত কাল ২,
ব্যাক্ত কাল



ভারতের সর্কতা বছল-প্রচার---দীয়া ভেলার এক মাত মুখপত

৬৯ পশু

সম্পাদক-জ্ঞীত তীব্দুনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি

[১৪১ ভ্যাসংখ্যা

শ্রীটেড ক্রমঠ শ্রীগাম মারাপুর-তণ্লে আবণ লোমবার, ১৩০৮. ১৭ই আগষ্ট ১৯৩১

## নানা কথা

জ্ঞাম মাহাপুর আইকার পুরর্ণ সুযোগ প্রাচীন খাডে শ্রীপদাদেবী

(४ शक्त पानी नाहेष्ठ (त्रनश्रदात স্তরণগঞ্জ নব্দীপ্দাট টেশ্ন কইতে व्यथना कुलिया (महन्न सन्दीन) हटेएड श्रीवाम भाषाभूता भागमन कतिए देख्क, ए।शारमञ्जू भाष्य 🕮 शकारमधील ऋशाव অপুর প্রোগ উপছিত ২ইয়াছে ইনিলাদেবী ব্যানিকো ভাষার স্থপ্রচৌন পাতে ওঞ্জবিহ্নয় করিবাছেল। তৎফলে পুথেবাজ স্থানসমূচ হইতে যাতিবেণ ্নৌকাহোলে জ্ঞানস্থ জ্ঞীগোরাবিভাব গৃহ 🔊 খোণপীঠের এবং 🗒 িশবৈদাৰ রাজসভার আব্দর মঠনাল শ্রীটেভভ मर्देश भाषरमर्थे केमश्चि इंडेर्ड भारित्येस । क्षांचिवश्यक्ष व्यक्ष करत्रकांभारतत्र व्यक्त मात्र **८१ प्रायान केलिक इब, लाहे क्यारणा** याची এই সময়ে 🕮 धाम मर्गत आशिया **এই ছাবোগের স্থাব্ধার করিতেছেল।** 

## আটক আসামীর মুক্তি

বরিশাল হইতে প্রকাশ যে, স্থানীর
বি. এম, কলেকের ছাত্র অমলাংশু
সেনগুর কলিকাতা হইতে কিরিয়া
একপ্রেসে সমার হইতে অবভরণ
করিবার সমর ১৮ই ফুলাই ভারিখে
বলীর সংখোনিত কৌঞ্চারী আইন
অহুসারে মুড় হইরাছিলেন। গত ১২ই
আগত্র মংলাকে স্থানীর জেল হইডে ভিনি
মুক্তি লাভ করিয়াছেন।

# সীমান্ত হাঙ্গামার জের

শ্রীধাম মায়াপুর যাইবার স্থবর্ণ স্থযোগ

# অটক আসামীর মুক্তি

রটাশ জনসাধারণের উদ্দেশ্যে গানীজীর বিরতি

# পুট্লির ভিতর রিভলভার

পাটনায় আইন অম.ম্য অংন্দোলনে উকীলের সাজা

# কানপুরে গ্রেপ্তার

আসামীর কুলাণের ঘারে দারোগা জখম

# কারামুক্ত ক,লা সাহেব

## কলিকাভায় নুশংস হভ্যাকাও

অনিশচন্ত্র সেনগুপ্ত নামক একদন বিলাজ-ফেরং বালালী গ্রাকুরেট গভ ১১ই আগত্ত রাজিকালে ছইজন পশ্চিমা লোক্ষারা নৃশংশভাবে নিছত হইয়াছেন থলিয়া সংবাদ পাওয়া নিয়াছে। তিনি কালীঘাট ১৯০০, হাজরা লোনে বাস ক্রিতেন।

প্রকাশ, রাজি আনদাক ৮ ঘটকার অনিশচন্ত্র ও কেনের ভিতর দিয়া বাইবার সময় ২ জন শোকধারা আক্রান্ত হন।

এই ছই জন শোক তাঁহার পরিতিত বলিয়া বোদ হইরাছিল। তাহারা একযোগে অনিলচপ্রকে ছুরি মারিতে পাকায় ভিনি শীঘ্রই সংজ্ঞাহীন হইয়া ভূপতিত হয়েন। এই সময়ে নিকটবন্তী কোন বাড়ীয় মরেকজন হারবান ঐ হানে ছুটিয়া আনিয়া আভেরায়ীদের তাড়া করিতে ভাহারা পিতল উঠাইয়া ওলা করিতে আরম্ভ করে, ফলে হারবানরা পশ্চাৎপদ হয়া প্রভাহ আভিত্রামীরা প্রভক্ষে গলারন করে।

অনিবাচলকে তথনই শস্তুনাথ পণ্ডিতের হাসপালাখে স্থানাক্রিত করা হয়। তথার ঘাঁইবার পরকণেই তাঁহার মৃত্যু ঘটে। প্রামের কোর তদক্ত চলিতেছে।

## শ্রামবাধারে ৭জন অভিযুক্ত

ত্রীমূল ফণী,ভূমণ দাসভাগ ও অণার
৬ জন লোক পুলিসকে ভীতিপ্রদর্শন
করিবার বড়্যজ করিবার অভিযোগে
কফিকাতার চীফ প্রেসিডেন্সি মাাজিট্রেটের আদাগতে অভিযুক্ত ইইয়াছে।
গ্রামবাদার ভাকেখরে বোমা প্রাপ্রি
দল্পকে আসামীগণকে গ্রেপ্তার করা হয়।
গ্রাহাদের বিরুদ্ধে উপস্থাপিত বিশোরণ
আইনের মামলাফুষারী অভিযোগ
পরিভাগে করা হইয়াছে। মামলা মূলভূবী
আছে।

## পু টুলির ভিডর রিভলভার

পাটনা হইতে প্রকাশ যে, ১২ই আগঠ সন্ধানালে ২ জন যুবক চাগরার রেল টোশনে নামিলে পুলিস কিনিধপর জনাস করিয়া ভাগাদের পুটুলি হইতে তকটা চন্মনলা রিচ্চলতান, এক শিশি কোরোক্ষা, সামাজ বারদ, কিছু কাগজ ও শেখা পাইয়াছে। প্রধার পাটোজাব প্রথমও হয় নার। প্রশিস ভাহাদিগকে রেশুর করিয়াছে।

ধৃত গৃহক্ষয়ের প্রিচয় এখনও জানিতে পারা বায় নাই। তবে একজন নাকি ধান্যাছে বে, তাহার নাম বীরেক্স নিংহ। পুট্লির মধ্যে রিজ্জভার বাতীত একটি পুরাতন রক্ষের দো-নলা পিতল, বারুল, কাগজপতা ও নোটবছি পাওয়া পিরাছে।

### कि विस् महीशा-खकाल-भाउमार्थिक भक्त

# শ্রাবশ্ববেষ্ণবর্জাভ

পরি	ব্ৰাজকগণেঃ শান	বৰ্তমান ঠিকানা	পরিব্রাজকগণের শাম	বৰ্তমাশ ঠিকাশা
	শ্ৰীল ভক্তিপ্ৰনীপ ভীৰ্ঘ	<b>बीम शाश्रुव</b>	৮ ৷ এ৬কি শ্রমণ পুরী	क्षेक
२ ।	শ্রীভব্তিবিবেক ভারতা	কলিকান্ডা	৯। এ গ্রন্থ করপ পর্বত	मपूत्र सक्ष
91	শ্ৰীভতিবিজ্ঞান আশ্ৰম	<b>ब</b> ीमा श्रो भूत	১০। ঐতিকিনিলাস গভরিনেমি	कशिका हा ;
81	শ্রীভক্তিপ্রকাশ অরণ্য	কটক	১১।   শীভজিরঞ্চন ভজিসার .	<b>期 [ 读                                  </b>
a i	শ্রী <b>গুক্তিস্থার বন</b>	क निकाखा	১২। গ্রীভব্তিরক্ষক শ্রীর	म (ज (अ
ঙা	শ্রিছজিগর্নশ গিরি	অমৃতগর	১৩। শ্রীভব্তিভূদেব শ্রোভী	<b>डिश्मागा भू</b> च
91	শ্রী ছ <b>ক্তি</b> বৈ ভব সাগর	ভা <b>ৰ</b> ণপাড়া	১৪। अञ्चिकश्रम्म (वामायम	' বাংলেশ্বর

# ভাজ্যসমূহ

## শ্রীতৈত্তত্য মঠ

### আকর মইরাজ

mibla नवशील, ७:कणत Einin मातालुत, मनीता

এট মঠবালে পারমার্থিক দৈনিকপত, সাত্ত শ্বস্তাংগের অপকাশিত ও च शाहीन अञ्चालि शाहात्र व्याप्त 'अमीया-शाकःच' वश्वालव शाहित्रिक व्हेंग्राह्मन এখানে প্রাক্তবংগর প্রধাম-পরিক্রণায়ট্টনে ও অগণিত ভক্তগান্তি ভ ছীয়ন প্রচারেষ্ণ यकामरकारमवासि काराज सम्वति व करेता भारक। तक्क --- अवहाती जीलाम मत्रविज्ञी : মুক্কারী –এশ্বচারী পণ্ডিত শ্রীপার গৌরনাস কার-ব্যাক্রণতীর্স, শ্রীপার बीत्रहम्, ইপাদ सम्मर्गाणाल, श्रीपीनमहाप्त नाथ, श्रीश्रधममन, ইমদনগোণাল, জীমুকুল मानानिकाती सक नदश्य, महिलय, दश्य शेरमान्न व्यक्ति ।

## (৩) খোগপীঠ ঐমন্দির

रक्षक---(माक श्वाबर दशायामी क्षेत्रां श्री के विश्वमा गर्थ । खिनिकानम अन्तरात्री, जैनामावित्तान क्षक्रित्रम, चौवानाम उच्चताती । चौमानन शांत व्यक्तिकाती, स्थानमधा श्रीमीनमाथ।

> (8) **এবাস-অক্**ন रक र--- क्री श्राहरू क्षण अक्षताती ।

> > (१) कट्डिड-क्रवन

रण र--- जीयुन्ता वन 5 व छ छ छ।वा. क्षीरमञ्जूनमाम बावाकी।

(७) काष्ट्रीत जयाशिश है वार्तीम माबाचुब, नाममणुकुत (मबीबा)

कृक --- अक्षात्री श्रीविद्याम् विवादी । ( a ) 박(리백 영역#-李智 🚉গোক্রম, পরপগর ( নদীরা )

कुक्क शांखिकी बन, धाम, बक्क 🕞 🚇 🛎 প্রমাণ গৌরীয় মঠ

ระบทสิทธิ เ বৃক্ষক---শ্রীষ্টবর ক্ষতিশালী এম, এ, नि. जम, महकाडी--- अक्रियनमाम किक-माही, ब्रीडेकक्रम पांचमाडी अवस्थि।

( > ) बिट्यान-अवाधन-मर्ठ টাপালাটী, সমুস্থপান, ( বছমান ) 244-@ecagin 345ift, 34 विक्रेनम्माम काम ।

্ৰে প্ৰিদ্লপথোজীয়-মঠ महाशक. खशाब के डे. लि क्षक - श्रेमार्श्ववानक अवतात्री

#### 正面片框 料 下 ( 2 C )

माजिगाकि, जाह्यत्व, वस्त्रात्। 

(১২) ভাগৰত আগন ত্রীকাপবভ প্রেদ, কুক্ষনপর, নদীয়া। রক্ত-শ্রীকুঞানৰ ব্রহারী ভক্তিশাস্ত্রী

#### ( ५० ) 🚨 এकासन सर्वे

८गाविक्षणक, दानवाली, सहोहा। वक्क--- अध्यानम् अभागते । भवनाते শ্রী-ত্রনিংগ ব্রহ্মচারী, শ্রীক্রপর্যোর দাস चित्रात्री, एक निष्माथ।

(১৪) শ্রীমান্দ গোড়ীর মঠ

>-मर मवावश्व आह., डाका । क्षक--- जीवाश्यक्षक दक्षवानी. श्रीनाव क्क ब-- कांक कुछम काकात अक्षात्री कृत्यतानम् नश्विकाविरनात्र वि- व. अन्तिन-श्रीवाश अन्नताबी, अनिक्षिण्यावस करा

> ( ) है (भागानको मर्ड क्यमाश्व, हाका।

क्रफक--- अवश्वागाम अवश्री

(১৬) क्षिणमाचे-८भी । भग मर्छ रक क--- शिनुर्व श्रक्ष अध्वतात्री. श्रीमण्डिणां व ব্ৰহ্মচারী

(১৭: क्रिकाशयख्यमानम् मर्ड 6क्किका, वाक्क्ष्यक्त्रक, द्यविशील्या। खगात्म विकन्द्रश्रीवाक-शाक्षक्रिका-

शिविधातीक निकारमधा वक्तमान । अक्रक दक्रामी विष्यशन्तामधी।

## ( ) बिदगोषीत मर्ठ

১७ मर कालिकामान ठक्कनको शिंठ, (भा: नालवाकात, कांमकाका : .हेशिक्शन 14. वि. ४५५०

মঠরক্ষক--আগার্যান্তিক শ্রীপাল কৃষ্ণবিভারী বিশ্বাভ্বপ। সভকাষী--প্রিদ শ্রীপাদ অলম্বরাভাদের প্রতিভাত্ত্রণ বি- ৫. শ্রীপাদ ধাসবি নারী একচারী, শ্রীপাদ awordt. वन्न कामानिकाती वि-ध. श्रीकोसगन्य. जीमार्विध्याद्य, बच्चावी जीमध्यक, मांधन जामार स्वीतकृष महाम्खा-क्षात क्रक्लिनाक्षी मण्डानावटेन क्रवाठाम , द्वाज्यबद्धानमामामकानी वि- a, श्रीक्रवयक्षनाक्षम भागांधकाती विन्द्रण, श्रीभक्षणम नाटकाविष, श्रीविषयत अक्षात्री, श्रीत्रवादशाविक ব্ৰহ্মগৰী প্ৰস্কৃতি।

## (১৮) আমলাথোডা প্রপদ্মশ্রেম

त्राक्षतेशम दलाः वद्यास । क्रम -- अप्रवामी औशहाकरमात्रा

(১৯) जीशुक्रदाहम मर्ड

वर्गकार, लुकी, अंध्या। वक्क -- अवश्रकी द्यानवभागमः विमहाद्युः उन्नतारी जीवमीशावक, टीलावमाब्रक्त उन्नहाडी, व्ययाननामम उन्नहाबी, व्यानमाह **५ जग अधिकारी, हो। ग्रानिध ग**छा।

- (२ •) खैलक-८गोडी व्र मर्ठ षागवतनाथ, अवाभाव (भाः, भूती। क्ष्म क- अक्षठादी ह्यानश्रद्धां श्रामकी निष्यादा - बन्नाजादी निष्याभितिषादी ।
- (+5) क्रिज्ञिशामण मठ BIGGIAININ, BB-# : क्रक---अक्टाको खोलबार : खोकामणह अक्षताती, जीवाव अवद्यावान मामाविकाती ।
- (২২) जीजनास्त्र-त्योदी व मर्ड क्ष्मर क्षणकी नम भूदा, कानी है क्कक - तक्काशी कुन्यमध्यो, निठावेषात्र उपहाती, खीलकामन उपवानी ।
  - (२०) धैक्करेडडड मर्ड श्रीवृतिश्वमात्र कृषा, श्रीनाम वृत्मायन । ব্ৰহ্মক --- শ্ৰীপণতিমাৰ প্ৰশ্নতা গী
- (५৪) 🔊 श्रीश्रामक्श्म वर्ड देवियावनाः मीळाण्य क्षण-अकारी क्षेत्रिश्रामण व अवहारी जीममञ्जाम ।

## (२०) औरेज्डलरशोकीय मठ कृष्त्रकृषा, विद्युष् । यामकृषः क्क -- जीवमानाथ बाब, जीवाम छीर्च

द्यवस्तिका ।

(२७) न्यामध्योक्षेत्र मठ ४४ ८--- अभवाकी अध्यस्त्रको, श्रीननी-द्यालाम अववानी

(24) 西南州村南 田村田十四日-112

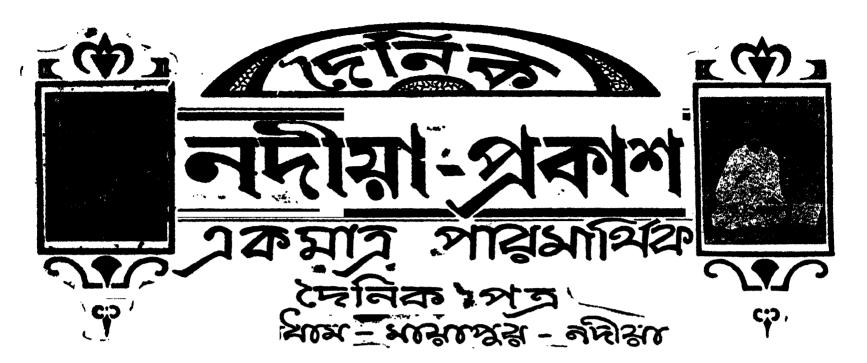
डाञ्चनगाष्ट्रा. ८गाः मा**क्**. शावधा जनात्म यक्ष कृष्णां होत्याबात्मय दमय वस्त्रमान । वक्षक---अववस्त्री औक्षाण्कक सान, कक करूवा करा ।

: (२৮) विक्रो ८भोडीय यठ- कार्यालय बन्द (भाषी बनन का क्षात्र (मन, निके विक्री क्रक-अकारी चैनीवक्रक, जीकुमस्पद औरशास्त्रजन्द्रवन्त्रस

## (२**२) ८शातानशाका-अन्याख्य** क्ष्म च-- अवहादी स्त्री वाधारमाहत

(७०) मालाबदगोडीय मठ नर्व त्यानानपुरम्, कार्याज्यान, मासान হক্ত--- ভিন্ন ভিনামী শ্রীনমুক্তিরক্ত শ্রী<sup>17</sup> मश्रात्रक, मनकाते— विमश्चिमामी 🗒 🕬 किक अन किकान, अलाम अभागन त्रवात्री, श्रीशाम (मानीनमन त्रकार्दी: প্রীনাধ দিছসক্ষণ এমচারী ছবিদ্যাস্থা a जीलाब त्योबक्यवासम् बन्नाठात्री ।

(७३) वायमदशालाल लाहे कांश्रानभूणि, छाउवा, ववीवा .. मुक्त-अवहाती विद्यमनामम् 



यकेवय

১৯ 🖫 मत ८गोत्राच ८८१, ७२८न छार्रन वज्ञाच ১००৮, ১৭ च्यामहे देर ১৯৩১ সোমবার

১৪১ তম সংখ্যা

## সাময়িক-প্রসঙ্গ ঠাকুর ভজিবিলোগ ইন্টিটউটে

বিষয়—অদৃষ্ট ও পুরুবকার তারিথ—১৬ই প্রাবণ ১ আগাই শনিবার বক্তা—ত্রিগতিশামী শ্রীমদ্ ভক্তিপ্রদীপ

তীর্থ মহারাজ

মৃক্ং করোতি বাচালং পঙ্গুং লক্ষানতে গিরিষ্।

যংকুপা তমহং নন্দে প্রীপ্তকং দীন তারণষ্।।

অজ্ঞানতিমিরাক্ষত জ্ঞানাজন পগাক্রা।

চক্ষক্রীগিতং কেন্ডিটেম প্রীপ্তরবে নমঃ।।

নমো তক্তিবিনোদার স্চিদানক্ষ মানিনে।

গৌর শক্তিম্বরপার রূপাস্থা ব্রারতে।

নমো মহাবদাভার ক্ষক্ষ গ্রমদার তে।

কুক্ষার কৃষ্ণতৈভক্তনাক্ষে পৌর্বিবে নমঃ।।

ममर्त्तक स्थीयक्षी, प्रमृष्टे । शूक्तकात्र विषदम्म भटवयना वक् करिया। ये क्री निदम कफ काम ध'रत स कारमाठना ठम्: इ. जात रेशका नारे। एक वफ़ वफ़ मनौवि এरे ছুটীর গবেৰণার ক্ষত কাল কাটিরে দিরেছেন, ক্ষিত্র কেউ জার এর স্থাসাধান করতে পারেন নাই। ঐছটা নিমেই সংশার, হতেরাং गरमात्री जीव खेळ्'णित मीमारमा कत्राङ भावरण कांत्र मश्मात्र ८५८क कृषि ६'८५ वाटन । अक्षकान ज्ञान नित्र म्यांशर्यंत्र व्यकार्य এ ছটিণ সম্ভার সমাধান অসম্ভব। তবে कि अ इस्क केन्सावित स्टा ना ? है। स्टा, वाबा व्याचामणी--- गर्ववणी, डालब निक्छ এর শীনাংপা হ'বে ররেছে: আমরা বলি ভাঁৰের নিকট অভিগমন করতে পারি, ভাহ'লে এর কথার্থ নিদ্ধান্ত বুরুতে পারব। অনুষ্ট আর পুরুষকারের মধ্যে কোন্টা

এ বিষয়ে গুএকটা মতামত আনি আপনাদের নিকট উল্লেখ ক'রে পরে শ্রীঞ্জপাদপন্ধ-রুপার বে টুকু ব্রুতে পেরেছি, তা' জানাব।

याता व्यकृहेवानी, जाता वरनन,--- न ठ দৈবাৎ পরং বগম্।" এবিবয়ে মহাভারতে একটা গল আছে,—কুরুকুলচুড়ামণি ভীম শরশঘাশানী হ'লে বৃধিষ্ঠির 🕮 কক ও আহুগণশহ ভীন্মের নিকট গমন করেন। ভাঁকে শরশব্যায় শাগ্তিত দেখে যুণিছির यरशरतामाखि छःच क'रत नमरमन,---পিতামছ, আপনার এইরূপ ছুর্গতির আমিই এক্ষাত্র কারণ, স্থভরাং এ পাপের ফলে আমাকে অনম্ভ ছঃগ ভোগ করতে হবে। আমি ধদি পাঁচভাইএর সঙ্গে প্রাণভ্যাগ করভাম, ভা'হলে এ পাণের ভাগী হ'তে হ'ত না। যা' হৌক, আপনি যখন পরম धार्षिक, खबन व्यामाटक क्रमा क'रत उन्दर्भ প্রেমান করুন, বাতে আমি পাণের হাড়' **ণেকে মৃক্তি লাভ** কর্তে পারি।

ভীন্ন বল্ছেন,—থ্থিতির, তুমি একছ
ছাথ করছ কেন? আদ্মা কাল, আর
আদৃত ঈশরের অধীন, স্থভরাং তাকে কি
নিমিত্ত 'পাপপুণ্যের কারণ' ব'লে নিশ্চর
ক'রে ছাথ পাছে। একটা উপাধ্যান শুন্লে
ভোমার স্ব নীমাংসা হ'লে বাবে। এই
ব'লে তিনি বল্ডে আরম্ভ করলেন্.—

পূর্ককালে সৌতধী নারী এক আন্ধার একমাত্র পূত্রকে সর্পে দংশন করার পূত্রের তৎক্ষণাথ সূত্রা ঘটে, এক ব্যাধ সেই সাপকে পাশ বন্ধ ক'রে আন্ধার নিকট এনে তাঁকে বল্ছে,—ভত্তে, এই সাপ আপনার পূত্রকে দংশন ক'থেছে। স্কতরাং

এ বিষয়ে ছএকটা মতামত আমি আপনাদের আমাকে আদেশ করন, এর প্রাণবিনাশ নিকট উল্লেখ ক'রে পরে শ্রীগুরুপাদপন্ধ- ক'রে ফেলি।

> ব্রাক্ষণী নপ্লেন,—একে মার্লে আমার পুত্রকে ড' আর ফিরে পাব না ? অনর্থক একে বধ ক'রে কি লাভ ? কেবল প্রাণি-বধ ক'রে গুংগলাভ মাত্র।

বাধ বল্ছে,—দেবি, আমি মাপনাকে
মহদন্ত করণবিশেষ্ট ব'লে জানি, মহদ্ব্যক্তিগণ স্বভাবতঃ পরছঃখ-ছঃখী। যারা
শাস্ত, তারা সকলই কাল্রন্ত কেনে ছঃখ
করেন না বা অক্সকে দোবারোপ করেন
না। কিছু যারা প্রতিকার-পরারণ, তারা
শক্তবিনাশ ক'রেই শোকানল নি ধাপিত
করেন। স্বভ্রব আপনি একে বিনাশ
ক'রে পুরশোক ভাগে কর্নন।

গৌডমী বল্ছেন,—ব্যাধ, এ বালক
মৃত্যু দুরো আক্রান্ত হ'দেছিল ব'সেই সাপে
একে দংশন করেছে, স্থতরাং এজক একে
লোব দেওরা ধার না। বিশেষতঃ ব্রাহ্মণের
ক্রোধ প্রাকাশ কর্তব্য নর। স্পত্রেব তুমি
একে ত্যাগ কর।

ব্যাধ বলছে,—ভত্তে, শত্রুবিনাশে কাল-বিলম্ব করা উচিত নর। বিশেষতঃ বলবান্ শত্রুকে বিনাশ করলে বহু লোকের প্রাণয়ক্ষা হবে। একে ছেড়ে দিলে এ আরুও অনেকেব প্রাণ নই করবে।

তথন পাশবদ্ধ সর্প কোনরূপে করেআই বল্তে লাগগ,—ব্যাধ, তুমি আমাকে
কেন লোবানোপ করছ? আমি খেজাক্রমে
ব্রাহ্মগকুমারুকে বিন:শ করি নাই। কিছ
মৃত্যুই আমাকে এই কাগ্যে প্রাকৃত ক'রেছে,
বেষন চক্ষ কও কুম্বকারের অধীন হ'লে

কাত করে, সেইরূপ আমি ও মৃত্যুর প্রেরণঃ-বশতঃ একে দংশন ক'রেছি।

তপন মৃত্যু দেখানে উপস্থিত হ'বে বললেন,—দুক্লল, তুমি আমাকে দেদে দাও কেন ? আমি কালের ছারা প্রেরিক্ত হ'য়ে ভোমাকে বালকের প্রাণ হরণ কর্তে পাঠিয়েছি; মেঘ যেমন বায়ুদ বলীভূত, আমিও দেইরূপ কালের অধীন। এই ভগতের সমত বস্তুই কালের অধীন। ভিনিই ক্টি সংহারাদি সমত কাঞ্চ ক'বে থাকেন।

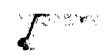
ইভাবদনে কাল সেগানে এনে বললেন, হৈ নিষাদ, দর্প, মৃত্যু বা আমি কেউই এব বিনাশের কারণ নই। এর কর্মাই এব মৃত্যুর হেতু। বালক নিঞ্জ অনুষ্ঠ দোহেই অকাল মৃত্যু লাভ করেছে। কন্ম প্রেল জাই আচরণ দারা জীবকে পাপের পেকে পরিজাণ দিয়ে পরম প্রথ ভোগ করার, জাবার কর্মাই পরম শর্জর জায় জীবকে আবার কর্মাই পরম শর্জর জায় জীবকে আবার কর্মাই পরম শর্জর জায় জীবকে আবার কর্মাই পরম শর্জর কারে দের। মাইব বেমন কর্মার পরিভাগের প্রকাশক। মাইব বেমন কর্মার আবার ক্রমাণ মাইবের আবার স্কর্মাণ মাইবের আবার ক্রমাণ মাইবের আবার ক্রমাণ মাইবের ক্রমান স্বাহ্মান ক্রমাণ মাইবের ক্রমান মাইবির ক্রমান

স্থাতরাং সাপনারা এই উপাধানে ছারা বৃশ্তে পার্লেন যে, অদৃষ্ট ও প্রকাষার ছটিই অসাসিভাবে অবস্থিত। অদৃষ্ট পুরুবকারের প্রেরক, সাবোর পুরুষকার অদৃষ্টের কনক।

্রেই সে বিভার কন ভানিহ নিশ্চয়। কৃষ্ণণাৰপত্নে বদি চিত্তবিত্ত রয় ।



बढ़, कांत्र वांत्रा बीर क्ष्यक्षाय ट्वांग क्राट्स,



## देशीयक महीजाक्यकार-भाजमार्थिक शेख [ वर्ष वर्ष ३६५७म मरबाा]

## ভগৰততে আহ্নত ভাৰের ভারোপ নির্কোধগণ-সাধ্য

শ্রীমন্তাগনতের ১ম স্বংশ্বর ৩র অধ্যায়ে উক্ত হইয়াজে, —

াযথা নছসি নেখোঁখো বেণুবা পাথিনোচনিবো । এবং, কাইনি দৃশ্যন্থনাবোপিতমবাদ্ধতি: ॥" অর্থাৎ শেরপে অজ্যন্ত নাতিগণ বায় আলিত মেঘবাশির অভিযে
আকাশে আরোপ কবেন, অথবা যেরপ প্রথাজিত ধৃশিগভ ধৃশর্মাদি বায়ুতে আরোপ কবিশা থাকেন, সেইরপে মৃত্রীপগণ বিবত্তবৃদ্ধির দাবা চালিত চইয়া জ্টা চা স্বদেশী স্ফিলানক কগবানে দৃশ্যদ্যা গ্রেক অচিৎ শবীর আরোপ করিতে কুঠা বাধ কবেন না।

বাষ্টি স্থল প্রাকৃত দেৱেব সমষ্টিকে কেহ কেং জুল বিরাট মুব্রি ব**লেন।** প্রত্যাক ঞীবের নথার কল্লালেজ্জলির সমষ্টি **অজ**্ মানবগণের নিকট হিরণাগভ নামে প্রিদ্ধ। এই স্থল বিরাট্রপ চকু নামক वाक्य बेक्टियन आक्ष्म अवः कृषा निवाहेकदणन জনশন কালে যে রূপর্হিত হক্ষ প্রাকৃত ত্ত অঞ্চ লোক কাইক অকুভূতিৰ বিষয় ≉য়, ভাষা মন নামক অভ্রেজিয় হারা এক্রবোগা। ভগবান্ত্রী, বল্ধ। স্নতরাং তিনি ভোগময় দৰ্শনে ইক্সিয়গ্রাহ্ন হটতে পারেন না। যে সকল মুচ্বাজি ভাষ্টাকে দুখ্যজানে পাণিব ইক্তিয়গ্রাহ্ম বস্তু মাত্র মনে করেন, ভাগারা বায়ুব আশ্রিভ মেঘসমূহকে অপবাধ্লিক-কে আকাশে আভিত জ্ঞান करतम। वश्वः भिष्य दा धृणि क वायु वा আকাৰে আলোপ করা নিবুদ্ধিতার পরি-চয়। ভগবানের অপ্রাক্তি নিভারপের পরিচয় কড়েক্সিরছাবা পাওয়া যায় না। অবিভাগ্রন্ত কুল ও কলা উপাদির ধারণা মুলতার পবিচঃ। আে**য়বস্ত কথনই অনায়-**প্রতির সহিত এক নহে, মুঢ়তাবশতই প্রেপের সময় কলিত হয়।

ভগ্রভিমূপ অজ্ঞ জীবগণের বাসোপযোগী নখন ফগং স্বাস্টি করিবার উদ্দেশ্যে ভগবানের পুরুষাবভারত্রতক্ষা বিভিন্ন লীলা গ্রিলক্ষিত হয়।

প্রকারতারগণ ভংবানের সহিত্ত সমানগণা: আদি পুরুষার এব নিমিত ও উপালানালি মহন্তর ধোলকলাবিশির হট্যা আবিদ্ধ তি হন। প্রাক্তর জগতের স্থান বস্তুর হল। প্রাক্তর জগতের স্থান বস্তুর সান বাগের প্রকার্যনিত্র প্রকারনানিক্র, প্রকার্যনিত্র ও মনসংখুক্ত নতে। প্রাক্তর জগতের উপোড্শটী স্থান্ত করিবার উদ্দেশে কার্যের কার্যারপে ইতার কল্ল অবিহান। এই ক্ল্ল অবিহানটী প্রার্থ স্থানিক্র প্রাক্তি নতে। নিতা বোড্শ-ক্র ভগ্রানের প্রাক্তি বৈভ্রে অব্ভর্গোন

প্রোণী ক্ষপ্রাক্ত প্রাকটোর সহিত কড়কণ্ড স্টির স্বন্ধ থাকিলেও তাঁহার প্রাক্ত
ক্রপন্থাকিতে পারে না। ক্রানিক্রী
প্রাক্ত মৃথান কলস দৃষ্টে বের্মন উহার
কানগরপ পদার্থকৈ মৃতিকা বালান বুঝা
যান, প্রাক্ত কানিরূপী মূল বা স্ক্রে ক্র ৎদর্শনে দেই প্রকার উহালের ক্যানগরণ
তত্তকে প্রাক্ত বস্তু বলিরা বুঝা ক্রেটিকেক;
কারণ কলস ও সৃত্তিকা উভরে প্রার্থকেত্ব স্থাক্ত বস্তু বলিরা ব্রাক্রিক;
করেণ কলস ও সৃত্তিকা উভরে প্রার্থকেত্ব স্থাক্ত
তত্ত্ব, এবং কগ্রং প্রাক্ত বস্তু ক্রাই।
ও কারণ সম্পূর্ণরূপে পূপব্তাহাঁয় তত্ত্ব।

ध्यम चत्रारश्त समाक् छान्धाः। অজ্ঞান হারা প্রমান্ত্রায় কলিত কাটোকাবণ-রূপ নিরায়ত হয়, হখন জাব জ্ঞানৈক-শ্বরূপ একা মথাং চিদানন্দ্রর রূপে প্রেভিক্তি হ্নঃ জীলের ব্রহ্ম দশন ঘটিলেই ভগংখ-**मक्षमञ्जान श्रोटि या**नातिकी 'इक्टिनेड উদিতা হ:৷ তখন সংক্ষী, কেবল, निष्ठणि ७ ८५७।—<u>क्</u>रे भय्त्रपुरेश स्थार् প্ৰকৃষি কৰিয়া বিশ্বপ অংশজ্ঞ দৰ্শন প্ৰভাবে ভগবান্কে দ্ৰষ্টা বাড়ীত দুগু বলিয়া ধ্ৰিতে জীবান্ধার নিতা সেবার্ডির িউদ্ধে চিদ্বিলাস্বিতি এতা দ্রশ্নরূপ অস্ব জ্ঞানে অবস্থিত কটলে ব্রহ্মের ভোগাভাব रुत्तानत्त्र कुक्छिकात्र शाहा विशीम हत। তপন জগতে প্রকটিত ভগবানের শ্রীসৃতি বা ভাষ্ঠানিগ্ৰহ দৰ্শন কুম ৰচল কঠি পাপদ বৃদ্ধি ভিরোচিত হয় এবং ভত্তং শ্রীষ্টিতে সাক্ষাং দুঠ্রুপ অপ্রাকৃত ভাব कृष्टिशा डेटर्र । यादात अडेक्रण पर्णन शिक ত্ল, ডিনি ভণ-বন্ধনমূক হন ও ভগবং সাক্ষাংকারঞ্নিত বিষ্ণ নিত্যানক লীতে **मगर्थ इहेश भारकन। यन्नग्रकी**नस्नत ইহাই সঞ্চেচ দশ। ইসার উপর আর সমুদ্র জীবনের গতি নাই।

## নামকীর্ত্তন

( ত্রীযুক্তা অপর্ণা দেবী )

মুরক্ত মর্ক্ত প্রাণের যয়ে
কী কন কর নাম।
বীণা-বংশীতে তুবীতে ভেনীতে
পূলকে অবিপ্রাম॥
মরণ-গরম তাজরে মরম।
অক্তর গন বরিং।
প্রেভু জয় গাণা গাছ অবিরত
অমর কঠ ভরিং॥
নিতাই-গোলার কাহিনী দলার

व्यक्तात विष-गाय।

यूठा अ बाजा-नाम ॥

পতাকা বহিচা হারে' হারে গিয়া

## ধাম-প্রসঞ্চ আসল ও নকল

चामन ३ (चर्चान ना नक्न क्यन ३ এক প্ৰাানে গণিত হ**ই**তে পারে না। ভাপাসীন জনগণ নিজের নিকাৃষ্কিতাক্রমে অ'স্ব ও ন্ক্সকে সমান জ্ঞান করে। এইজন্ত শুস্কবৈক্ষণগণ সাম্প্রদায়িক, আর মুড়ি मिछ नीटक समजामकाती, विहा-उंचनटक একাকারকারী জনগণ নিজের ফাঁলে নিজেই পড়িয়া বিয়া কু-সাম্প্রকাণিক হটয়া বৈক্ষৰ-নিন্দা কবিয়া বৈষ্টা এনও ধারণ করিয়া বাবণ একদিন সীতা তবণ কবিয়াছিল, শাপিপুর ফু**লি**হার এক**জন 'ংডি'** সঙ্গায় ভজনিটলেনী করিছে খিয়া ধরা গড়িগা-ছিল। রাজিন অভালয় ও ফোস ফোস ८पश्हीया देनस्थाहात व्याप्ति प्यागया यक्त्री स्था ब्रह्मकतः कतिया शास करिएक र शिनि श्रक्षादेहार्थं याचे धरार । दशासदर्यदगत অভিনয় কবি, ভা≉াতে কয়েকটা নিৰ্দোধ আমাদের চাসুখো পড়িয়া ঘাইছে পারে किन्न ख्याना खेलराते ''ऋद्यदेसन मी माना गथाकाः" । देशा एशिएएत शब्दात शहितः राष्ट्रित । नक्षमानकारम देनभानगरभंत मधिक कल्डे निकन्डात मध्याम हिमाउटह। সতে র অবশুই হয় হইবে। নিভাসভা-বস্ত্র ভশনান্ শ্রীচৈত্রপদের অক্র থাকিবেন, ভাঁহার দাম বোলপীঠ-জ্ঞানাপুৰ অক্ষ থাকিনেন-ইহাতে কাহারও সকের কবিতে কটবে না। ক্রমিনেট্রা ক্র্রীণ ক্টি পাधात धरा পড়িয়া याहरत। त्याहकू আমানের জায় নেশাখোর জগতে অনেক আছে, ভজ্জ ভোট আমরাই পাইব— এই নীতি বিশ্ববিভালদের অল্লসংপাক উক্ত উপাধি প্রাপ্ত জনগণের নিকট আদৃত হয় না বলিটা উহা অপ্রাহ্টাবে, এরপ নহে। নিকোণ, প্রাক্ত ধনলোভী, অবা-স্তর উদ্দেশ্য-বিশিষ্ট ক্ষনগণের নিকট আচীন নদীয়া গৌড়পুর শ্রীমায়াপুরের বিপ্রলিকা-মূলে আদর না থাকিলেও ভক্তরাক্তের নিশিষ্ট ভৌগোলিক সংস্থান কোনও দিনই কক্ষ-**हा** ४ व्हेरन मा। क्लिया-महस्त्रत भन्ताल-েতর—কলকৌশলের—লোভযোজের অভাব नांके, छाका महत्त्व यांच मारान-जीवित्रन-প্রিধানকারী-বৈশ্যব-সমাটের নিশিষ্ট স্থানের ष्यापन कतियात ल्यांक शास्त्र । यात्र, छोहा হটলে ভাতার বিপরীত-বৃদ্ধিকারী জনগণের ত্ৰলচেটা কগনট জগজ্জাল উপস্থিত করিতে পারিবে না। করক-কামিনী-প্রতিষ্ঠা-মুগ্ধ জনগণ সভ্যের উপাদকের নিকট আদর পাইতে পারেন না। যেকাল পর্যাস্থ জীবের দেহ-দ্রবিণ-লোভ-পাষ্ডভা আভৃত্তি ভগবরাম ও ভগবদামের অরপোলনিতে বাধা দিবে, তৎকাশ পৰ্যান্ত সভ্যোদ্ধ উপাসনা

ভাহাদিগকে শতঘোজন দুরে রাখিবে।

## যৎকিঞিৎ

(ব্যাৰ গত)

( भूर्म श्रकालिक ३०० मरबाह्र भूत )

প্রাক্তর সংক্ষিয়াগণ জীবাধার্মেবিন্দের
বিলাসোপকরণ তাক্য অপনা সাধারণো
প্রচলিত ছোট ডামাক ও বড় তামাক প্রাকৃতি বছ মাদক প্রশা অবারে এংগ করেন। স্করাং মাদক প্রবার প্রভাবে ভাহাদের বৃদ্ধি বিক্লড হওয়ার সর্বগতৈলকে তাহারা ডিলভৈলের স্থার সমান জ্ঞান করেন, পরলারগদনকে বৈধপন্তীসন্থ অব-ভানের সহিত সম্পাতীর মনে কর্মন এবং দ্যানির জ্ঞান প্রবান

দন্তবৈশ্যা ননা প্রকাব বিচার-ভাতিতে অবভিত থাকায় প্রাক্ত সচ্চিয়া-গণকেই আদর করেন। কিন্ত ক্ষীকেশ বাব এট শ্রেণীর প্রাক্তে সংক্রিণে নিগকে গে.ড়ীয়ের সমাদর করিতে না দেখিবা গোড়ীয়ের প্রচাশ্য শুক্তভিত্রই ভাদর করিয়া থাকেন।

সামানের বিশাস—প্রেমবিবর্ত গ্রাছর তাংগণা তিনি অবপ্রাই গ্রহণ করিয়া গাকেন এবং ভিজমাল' কোন প্রকারেই প্রামাণিক এদ্ব নহে, ইতাহ তাঁগার ধারণা।

ভিনি 'বৈক্ষব' ও 'বৈক্ষবক্ষব' শক্ষরদের তেন বুঝিতে পারেন, স্থতরাং ভক্তমাল যে প্রামাণিক এছ নছে, ইহা বুঝিতে এবং প্রানোধানক ও প্রাকাশনক যে পৃথক্ ব্যক্তিখন, ইহা ভানিতেও তাঁহার বাকী নাই।

বোষিংসালী এক অসাধু, ক্লকাভজ আর"—ইতাই বৈধানের পরিচয় এবং ইছাই বৈধানের ধারণা। প্রাক্ত সহজিয়াগণ নানা প্রকার গোদিংসক্লাদে গুষ্ট। বৈধ ও কামুক পরদাররত জনগণই যোধিংসালী। শাল্পীয় নিশিচধ্যাপালনকারী বৈধ সৃষ্টগণ কথনও যোধিংসালীয় শক্ষাচা নাংন।

শ্রীমন্তাগবত, স্থিলাম্ব, পঞ্চরাত্র, প্রতিও গৌড়ীয় কথনও কাহাদেও আজমণ করেন না। পরস্কু কাহাদের প্রতি আজমণ হইল বলিয়া মনে করেন। এই সকল কথা গৌড়ীয় প্রাভৃতি আজের বাকা পাঠ করিলেই বুরিতে ও জানিতে পারিবেন।

#### দৈনিক মদীয়া-প্রকাশ-পারমার্থিক পত্র

# গ্রন্থ পরিচয়

## শ্রীমন্তাগবতম

**আন্দাহবি কুফটেৰপায়ন বেধব্যাস প্রশাত মুগ, এমিন**-मध्यातामा-कृष्ण छार्थमा-निर्वष्ठीकाः द्वीमनःवयः १० 🤊 क्रवरी ঠাকুর-ক্রত সারার্গদশিলী টিকা, বলাপ্রনাদ, নংগ্রত অব্য ও প্রতিশক, তথা ও বিষ্ণ্ডাপিয়ক। প্রতি ছদ্ধের আদিতে ্দেট ক্ষের প্রতিপাভ কথাসার, অধ্যায়ের প্রথমে ঐ অধ্যায়ের সার্ধন স্থবিশ্বত ভাৎপদ্যাদি বিস্ত । খোকস্টী াব্ধগ্রহী, অব্যাহ্মবিষয়ণ, পাঁত ও স্থানস্চীদ্র উত্তর কংগতেল উশুম অক্ষরে মুক্তিত। প্রেপম হাইতে ১০ম হন্দ ্লাভ ছাপা পূর্বরূপে শেষ ইছয়াছে। ভিক্লা প্রেণ্ম टड€ कर क्या भगाक २०१४०; मन्म स्का ३००; - 421 800

## জ্রী নাটেড ছাড রিডামত

ইাতীমহাতা মোদসাকুর রচিত 'অনুভপ্রবাহভাষ্য' ও এতিমধ্তি সিভাও সর্বতা গোৰামী প্রভূপাদ-ভিপ্তিত 'অস্তানো ক্তি ওত্যাদি বহু শান্তপ্রমাণ্ড্রিত ১ইয়া প্রকাশিত হটগাছেন। সোকের সাধ্যব্যাপ্টা, ব্লাপ্রবাদ ও প্রত্যেক পদ্মারের পুরের সংক্ষিপ্ত অভিবের সংযোগিত। প্রেট্র অন্যায়-প্রারপ্তে কথাসার দেওয়া আছে। লোক, पहार, सक, शान, शान खाइंग्रित कतुंदर कृति e अधकारत्रत्र িখত জীবনী সম্বিত এই লগ অভুড়পুলা সংহরণ উভঃপুলো ক্রাণি প্রাক্তি হয় নাই। উদ্ধা কাগতে পারিপাটে।র ্বিত পুৰা ব্ৰহ্মকারে মুধ্যাংশ মুক্তিত এইহাছে: এর প্রায় ১৫০ - প্রচায় সম্পন্ন ভিক্ষা বস্তমানে ৫, মাতা চ

#### **এ**টেডজাভাগবড

a. इकारतब कीवनी, व्यप्टि श्रांतरऋस्मत्र क्यागात्, विश्वस েটিটার ভাষা, প্রস্তুটা, প্রার্থ্টা, বিধ্যান্থান প্রাঞ্জন ৫৪% প্রস্তৃতি বিধিদ বিধন দ্বালত বিরটে দিন্তীয় সংকরণ स्वल काडिन ५ (पद्धी भाकाता भागिना ६ मध्यत কৈঃসংশ প্রাথমিত হয়।ছেন। ক্রমে ক্রমে প্রকাশিত श्टरक्रिया काश्रिम किया ६ টाका, कामि लीलात 'क्षा ६ ।

#### डी।टेहरुसा महल

এই গ্রন্থের একপ অভিনৰ খ্রুপর সংস্করণ আর কু থাপি क्षकार्थिक क्षेत्र महि। भाष्य श्लीकार्थात अवग्र, वकाञ्चवाप, नामा, कथामात, एषा आष्ठिमद भए । यह अवस्थिए ः १६१८७२। अस (याष्ट्री अकस्त्र अन्य व्हांकेन व्हार्टिका ्रकाकात्त्र क्षांना क्षेत्रात्क। यूना २॥० छोका। समीग्रा अकाम स को द्वारिक जार कशरनत भरक अत हाका।

### **এ।মন্তগ্রদ্গীতা**

— এগোডীয় বৈশ্ববাচান্য অত্যাক্ত সমিকচ্ডামণি উ. উ বিশ্বনাথ চক্রবিষ্টি বাকুর পোথামিকতা সারাথব্যিণী পরিক্রমার এ৪বাদি-বিষয়ক। ভিক্ষা। আনা। টাকাসমেতা ও জীতীমছতি বিনোধ সাকুর-প্রণীত 'রসিক-उक्षम' नामक कामाकामामांद्रका । व्यथाप्रकृती, याकृकाकृत्य ্লাৰ-প্ৰী,বিষয়-প্ৰচী,এংকানের দীবনী ও অক্তরণিকাদি अर्क्सर्गत्र फिका २८ छ।का भाषा, भाषात्रण अरक्षण---- अर तका माज

## শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

ও বিষ্ণুপাদ জীতীমছভিসিদান্তসর্থতী গোস্থামী মহারাজের গেই অবিভা-বিশ্বংসিটা कीन प्राप्त करणारकारिनी क्षक-कार्का जनका किये। की वसू नावी क् (व ध्वविक्षाभाषात्वत भाविक छण)-- शक्षत्राच ७ छाष्ट्रत मभ्या ७४- भटाकन-कीवनहत्ति छ-स्थिक - हिल्लाम्हिया छ-অচিমাত্র-বিচারক— ঐখন্য ও মাধুণারদের মোলিক গবেষণার ----সম্বন্ধ, অভিবেয় ও প্রয়োজন তদ্ধের নিজাপ্ত-সমূদ্র।

১। প্রথম অত্যে— বৈক্ষবদশন औ छत्र कर, काल-গন্ম, শ্রীমধ্বাণিভাব, শ্রীদাযভানবাঁ, পাঞ্চরাত্রিকী দীক্ষা ও বণ বিচার, আমুখ্য ও মনোংখা, ইটেডভুদেৰ ও ভাষার শিকা, অপ্রাকৃত সম্প্রমণ্ড ও প্রাকৃত সম্প্রমণ প্রান্থতি বিংশতি সংখ্যক রয়ে স্থাপোজিত। ভিকা মাত্র ৮০ বার জানা।

১। বিভীতা খণ্ড- ওদা ও বিদ্ধা ভঞ্জি, মন্ত্রদার শ্রেছতা কোথায়, আত্মার নিভাবৃত্তি, শ্রীণর স্বামিণান ও भावानाम, श्रीत्नोत-निष्णानम् श्राप्तः, विशृद्धः व मन्त्रः 🔸 क्रथः-कीक्रम, जीवामभुष्टाय जीमहाशराख्य कीक्रम, जारशीय-পানের মহিমা, মহাপ্রাসাদ, জ্রীগোবিন, জ্রীরপারগাভজন-পথ, बीमडी दरकाञ्चिनिमी, बीटेंड डरअब महा, रशीतक स्था ও রুক্ষপদ্ধী ভন--- চতুদ্দশ অপুন্র মধুরিমাপুর্ণ-বন্ধুভা-বিভূদিত। किका ६ ८क होका बाज।

৩। ততীয় খণ্ড-লোকপ্রিয়তা ও সভাপ্রিয়তা শ্রীনদদের প্রদশ্ধ, শ্রীকৃষ্ণানির্ভাব, বৈশ্বর, শ্রীসীতাদেরীর আবিভাব-প্রদন্ধ, জীমন্তাগবঙ্গে সভা, আবাাসপূভায় জীমদ্- 🗎 ভাগবতের পুন্রাবৃত্তি, এনামস্কৃতিন ও হরিদেশার নিত্যতঃ যালো পদ্ভতি—ইন্মিং প্রবোধননক্ষত ন্র্যীপশতক্ষ্— — এই নয়টা স্থাননিক বক্তভাসম্বলিও। হিন্দা ১০ মাজ।

#### **&-মন্ত**গবদগীতা

প্রেট্টায়-বৈষ্ণবদাশনিক শেখর এতিম্প্রলদের বিভা ভূষণক্ষত ভাষা ও ত্রীমছজিবিনোদ ঠাকুরেরপ্রাঞ্জল বন্ধ-ভাষায় বিশ্বত 'বিষ্দুর্জন' নামক ভাষাযুক্ত। সংগায়-স্টা, বিষয়স্টী, ও প্রতি লোকের প্রথম ও স্থীয় পাদ পুটা, ভাষাকারের জীবনী প্রভৃতি সম্বলিত। উৎङ्टे वैक्षिट, ब्राष्ट्रभःच्या (कृष्टीम मध्यान) आस्त्र | किका २, छाका।

## **बानवही भगाम माहाचा**

( প্রমাণ্য ও ) সামুনাদ। ক্রতি-মুত্যাদি গ্রন্থে খ্রীনখ-দ্বীপের যে মহিমা কীটিত আছে, তাহার মূল সংস্কৃত ও অমুবাদ। ভিকাত - আনা।

#### এ প্রামবদী পভাবতর স

শ্রীয়াকর ভক্তিবিনোদ দিখিত। স্থালিত গাঁতাকারে

#### ভব্তিরভাকর ও নবছীপ পরিক্রমা

শ্রীল নরহরি চক্রবৃত্তি-ঠাকুর রচিত। ভক্তিরত্বাকর ব্ল-ফ্রাডব্যবিষয়-সহ উৎক্র বাধাই স্থায় সংখ্যাপ-এই রাজ ইইতে প্রিক্রমাংশ মাত গৃহীত; প্রীক্রীব গোস্বামী কি প্রকারে ইনব্দীপ্রামের পরিক্রমা করিয়াছিলেন, ভাত্টি পত্তে বিবৃত। জিক্ষা। 🗸 • আনা



হী ভকিবিনোদ ঠাকুর-প্রণীত ৷ শ্রীচৈতভোটছাতে निया शार् की - क्या क्या कि अ तम- वह अ मुक्त की व-অচি প্রান্তেদ-তথ-ন্যাপন-নিশ্য-প্রয়োজন-তত্ত্ব, কল্প-কাও, আল্মাদির বিচার—বৈনী ভক্তি, ভাবভক্তি ও (अग्रज्ञक्तिम्ह माग्रज्जन-अवानी ও घटकालीय नीना-প্রিচয়াদি প্রথম শিকার্থীর উপ্যোগী করিয়া সরল ভাষাত্র সমূদ্য গুক্তি-প্রমাণ্যত বিথিত মাছে। চতুর্থ সংকরণ বাধা २ , हाका, व्यावाधा ১५० हाका माता।

## গোড়ীয়কণ্ঠছার

द्धीरनी हीस स्मान्यरायत अक्रुक्त करछ भारतराया জ্ঞি খুতি-পুরাণ-প্রধাঞাদি সাম্বত-শাসমমূহের প্রমাণাবলী বিষয়বিভাগাক্তমে সাহাণাল গুলিকত। এইরপ বৈষ্ণব-সিদ্ধান্তের সার্থমহার অন্ত কুতাপি প্রকাশিত হয় নাই। ইহাতে গুকুত্ব-ভাগ্ৰত-বৈক্ষ্য-গৌর-নিত্যানন্দ-অহৈত-কৃষ্ণ-শক্তি-ভগবন্দ-দীব- অচিষ্ণাভেশতেপ — অভিধেয়—সাধনভত্তি—বৰ্ণন্দ্ম— সাঞ্চয়-ধৰ্ম — ভত্তপ্ৰায় — ध्रीभाम- व्यायाक्रम ও প্রমাণ-তর গুলি পুণক্ व्यभागात সুৰুহৎ প্লোকাদি সচীয়ত উংক্ট ওণ্টিক কাগতে বোল ब्रु काशिएक मृक्तिक, छेरक्ट दीमा स्मामात करन माम राया। গ্ৰন্থ প্ৰায় ৪০০ পুছায় সম্পূৰ্ণ। ভিক্ষা ২০ টাকা মাত।

### শ্রীনবর্তাপণাম-এস্থাবলী

শ্রীমদভতিবিনোদ ১াবুর-রচিত 'গামমাতাত্ম-নাম-মাহাত্রোর সামুবাদ প্রমাণ পত্ত-শ্রীল নরহরিচ্ফবর্তী ঠাকুরের ধাম-গরিক্রমাণে--- শ্রীদাম নব্দীপ পরিক্রমা--ভীথ-শ্রীমন্থতি বিনোদ ঠাকুরের শ্রীনবদীপ ভারতরক প্রভৃতি প্রস্থ একও ভিক্ষা ৮০ আনা মাত্র।

### ত্রীক্রিনামায়ত ব্যাকরণ

শ্রীদ্ধীর গোসামী গ্রাহপার-বিরচিত কর ও বুর্তি, তংস্থে ওবিশ্বলাপ ত্রীমত্তিসিদাস্থ সর্বতী গোলামী মহারাছের বিশ্বত ভূমিকা ও হচী প্রভৃতি সহ। অপ্রত্যাশিতভাবে ফল্ছ। ভিক্ষা ২০ টাকা, ছাল্লগণের পকে ১॥০ টাকা মাত্র।

#### বেদা শুভরসার

লীল দামান্তকাচাব্য র'চত। বেদান্তের বিশিষ্টাবৈতবাদ-প্রচার্ক জীভান্য প্রণেত। মাচান্য প্রবর বেদাস্কর্শন পাটের উপযোগী কর্ণার্থ এই উত্তম করিয়াছেন। ইহাতে वश्राञ्चनाम । श्रृहीशज्ञामि मध्याश्रिष्ठ कता इहेग्राट्ड নাম মাত্ৰ ভিক্ষা।। আনা।

### শ্রীটেডগ্রাচন্দ্রায়ত ও মন্বীপশতক

নোরপাষদ তিদ্ভী শ্রীমং প্রব্যোত্ত সরস্বভী প্রণীত মুল, প্রভুপান শ্রীমন ভাতিনিদাও সরপ্রতী গোস্থামী মহারাজ স্ক্রাদিত অধ্যমুখে ব্যাপ। ও বলাপ্রাদ সম্বাদিত। নব্দীপশতকের উভিভিবিনোদ ঠাকুরের প্রভারতাদ ও তৎস্থ শ্রীমন্ত্রাপ্রাপ্র একটা তিবর্ণর জিত আলোকিক চিত্র প্রাদন্ত এট্যাচে। মুক্রণ ও কাগজ উৎক্লই ( ২ থানা তেত্তা ) ভিকা ৭০ আনা, অভি মুরুষা বাধাই বাজসংখ্রণ ः होका माञ् ।



রক্তিকিনাদ সাক্র-প্রণীত। এই একনাত প্রথ ব্যাহর জ্ঞান লাভ করিলে পার্নাথিক রাবো কিছুতেই ক্ষপ্রান বা সংগ্র থাকিবে না। পর্ম গুলু গ্লুবিস্কক এই-ক্ষপ্রানর ও হনগুলালী প্রত্য প্রণীপ্ত প্রকাশিত হল্প নাই। নিবিশ্রেশ্রেশি-শাস্ত্র-মহানারি প্রস্তুত স্থানী, কথাসার উভিত্র ইইলাভেন। জানার স্থাবিস্তুত স্থানী, কথাসার ইডালি দ্বারা বিশেষ সমূজ করা ইইলাছে । বিরাট প্রথ, গোনার প্রব্য নাম লেখা, উংক্রই বাগাই—চভুর্গ সংকর্ম ডিলা ২ টাকা মাজ।

#### **প্রে**মবিবর্ত্ত

শ্রীমনাগাপ্রার অন্তরজ পর্যের শ্রীন জগ্রানন্দ প্রভূ বিবচিত। এই পৃত্তকে মতি অ্থবোধ্য ভারায় মহাপ্রার কভিপন্ন লীলাসহ বৈক্ষবাচার, একাদনী ও নামভজন-প্রেণালী প্রভৃতি জনেক বৈক্ষবতন্ত্রে স্থানীমাংলা দেখিতে পাইবেন। পাদটীকায় ভব্ন জানের বিশ্বার্থ ও প্রভক্তরে প্রিচ্যাদি-ন্থলিত চতুর্থ সংক্ষম ভিক্ষা।।১০০ দশ জানা নারে।

#### ভত্তসরহস্ত

ভত্নকারীর নিতাদলা; ঠাকুর ভব্তিবিনোদের অনুবা ছান; নিখিব শালের নিগ্যাদ। গ্রন্থানি না দেখা প্যান্ত কেহ বৃঝিতে পারিবেন না। ভূতীর সংস্করণ ভিক্ষা ॥।

#### হরিনামচিন্তামণি

নামাচাধ্য শ্রীন হরিদাস তাকুরের মুখে শ্রীমন্মগাঞ্জ ।

ক্রীনাম-মাহান্ম্যা, নামাভাস, নামাপরাধ প্রকৃতি বিবরের বাবতীয় বিচরে শ্রবণ করিরাছিলেন। এই বিবরগুণির শ্রতি সরল পরারে সংক্ষিপ্ত আশ্রমহ পরিপাটিভাবে মুদ্রিত।

শ্রীন ভক্তিবিনোদ ঠাকুর রচিত। পঞ্চম সংস্করণ ভিক্ষা ৮০

#### কল্যাণকৰভক্ল

ক্রীনন্ধ কিবিনোদ ঠাকুর-রচিত। প্রত্যেক ভগবদ্বিখাসী ও জানপথের পণিকের একান্ত প্রয়োজনীয়
উপজেশবেলীপূর্ণ গাঁতিপ্রন্থ। সামান্ত লেখাপড়া-জানা লোকেও এই ভজনরাজ্যের গীতিসমূদের ঘারা অনর্থনিবৃত্তি ও ভগবংসেবা লাভ করিবার স্থাবিধা পাইবেন। বট সংশ্রান, ভিজা ৴ আনা মাত্র।

### **শরণাগ**ভি

শ্রীমন্ব কিবিনোল ঠাকর-রটিত। তগবানে আন্নসমর্পণ, বিজ্ঞান্তি, তলনলালয়া, মঞ্বিধা শরণাগতি ও সিন্ধি-লালয়া-বিষয়ক গীতিপূর্ণ, তিকা ৴ আনা মান্ত ।

#### बिखायनी

উঠাকুর ভকিবিনোদ-প্রণীত। নিত্য কলন, আরাত্রিক ও প্রবাদ-দেবনাদি-বিশ্যক মধুর গীতসমূহ একত্রে প্রদিত। ওজা /• আনা মাত্র।

# श्रीवनश्री;

শীন নাহাতে নুর শিক্ষা ও শীল রখ্নাথ দাস গোজানীর প্রেতি থাকিপ গোজানীর উপদেশবাণী, ভাজিপথের অষ্ট্রুল ও প্রেতিকল বিবয়ে স্থানিচারিত সন্মোদন ভাষা, বিভ্ত বিবৃতি, চরিতাগুডের প্রমাণ, ধার্য ব্যাথা। ও মহাজন প্রেলিত তিনুপালী গাত্মন্ত প্রভাক লোকের স্থিত স্রিবেশিত তুইয়াছে। তার সংক্রণ ভিক্যা প্রান্ধা।

#### माध्य-कर्

শীরপুনাপ ৰাস গোরখোর মনাশিক্ষা, শীণ চাকুর । ১ টাক মাত্র। ভ্রিডিবিনোদ-চরিত পভারুবাদসহ। ভক্ষা / জানা।

#### প্রেমভব্তিচন্দ্রিক।

ব্রীল ঠাকুর নরোন্তমের স্থপ্রসিদ্ধ প্রেমভব্দিনিগ্রক গানের পুস্তক ভিকা / ত আনা মাত্র।

#### নবছীপশত ক

জ্ঞীল ঠাকুর ভিক্তিবিনোদ-রচিত জ্ঞীল প্রেবোধানন সরস্বতীপাদের সংস্কৃত নববীপশতকের স্বল্যান্ত প্রাম্প্রাদ। ভিকা /- আনা নাত্র:

#### रार्थभक्षक

শ্রীল লোকচাণ্য রাচত। বৈকণতা-জানের আকর পুরুষ। ভিকা৴• সানা মাত্র।

#### সদাচারশ্বতি

শ্রীর মধ্বচার্যা-প্রণীত। বৈক্ষবের নিত্যকর্মাদি সদাহার। বলী, বছাছবাদ সহিতে। ভিকা৴• আনা মতে।

#### মণিমঞ্জী

কবিকুলকেশরী প্রীমনারারণাচার্ণ্য রচিত। প্রীমনাধাং চার্ণ্যের সংক্ষিপ্ত জীবনগাঁলা ও মূল বৈক্ষবধ্যমত। সাম্প্রণাদ ভিক্ষা। প্রামামাত্র।

#### গৌরকুকোদয়

প্রাচীন কবি শ্রীগোষিদ্দ দেব প্রাণীত শ্রীগোরাবভারের প্রমাণাবদী-দংবলিত সংস্কৃত প্রস্কা। ভিকা ৮০ মানা।

## युक्तिमहाक। ( भगदनोत्रक)

শীমধান আনায়ামূগত জীনবালিরার সামিরত। বলাকরে সাম্বাদ এই প্রবের প্রকাশ পারেষাণিক সাহিত্য-ভগতে এই সর্বপ্রথম। শীমন্যধ্বাচার্য্য চইতে দোড়শানন্তন দিতীয় মধ্বাচার্য্য নামে থ্যান্ড শীনামিরাফতীর্থ স্বামী এই. প্রবেধ সাধারণ ফুলি ও গৌকিক জায়াল্লগারে কিরুপ ফুকরভাবে ভক্তিবিরোধি-মতবাদ সমূহ পথন করিরাছে, তাহা পাঠ করিতে করিতে আন্চর্গ্যাহিত হইতে হয়। ইহাতে থুকির হারা চার্কাক, জৈন, বৌদ্ধ, মীমাংসক ও মারাবাদিমত-সমূদের স্থমর বর্থন রহিয়াছে। ভিকা ২, টাকা মাত্র।

#### (माचामी औल सब्माय माम

(ওঁ বিষ্ণুগান জীল ভাকিনিকার সর্বাচী গোন্ধার্মী প্রেচুগান-লিখিত ভূমিকা সহ ) গোরপ্রেট স্বরূপ-রূপের একমাত্র প্রিরুত্ব জীল দাস গোন্ধার্মী প্রচুর অপুন্দ চরিতামৃত ও শিক্ষা অভীব প্রাক্ষণ ও সর্বা ভাবার সরিবির এবং পরিশিতে দাসগোন্ধারী প্রচুর বিরুচিত কএকটী সাল্লবাদ মধ্রতম স্থাব ও মনাশিকা-স্বলিত। ভিকা বীধাই ২০ মানা, সাবাধাই ৮০০ সানা মাত্র।

# চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাচীন নবৰীপের অবপ্রিতি, তথা, ইভিছ, প্রেতি ও ন ইভিচালিক প্রমাণস্থলিত নর্তী বীপের সচিত্র বিবরণ-প্রায় এম. এ, প্রাক্ত গোডোর). বেলায়কুলণ মধ্যের কর্তৃক সক্ষলিত এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন বর্ণের অপুন্দ চিত্র ও মানচিত্র-সম্বিত; প্রাচ্যবিদ্যাম্চাণ্ব রার সাহেব শ্রীদক্ত নগোল নাগ বস্তু বিশ্বকোনসম্পাদক মধানরের বিশ্বত ভ্রিক। স্চ । উংস্কর (ইং) মর্লো বাবাই ম্ল্য ১৪০, ভিং পিঃ তে স্ব

### সাগক-কণ্ঠমালা"

ভিদ্যনদ্দা, বৈশ্বন-বন্দনা, বৈশ্ববশ্বন, দাল্লের গীড়,
শ্রীনামহট্, শ্রীনলভালেত্র অবৌত্রণত নাম, অইপ্রভাগ
দামকীক্রন, শ্রীনামগর্ভার্তন, প্রেমধ্বনি, 'বাউপসন্ধীত নববীপ-মতিমা, শ্রীমারাপর মদিমা, শ্রীনরোক্রম-প্রভার মবক লাভাব্য-বন্দনা, বড়ুগোলানীপ মইক, প্রেমভক্তিভল্পিক, উপদেশমালা, নামভন্স-প্রণালী, মহাপ্রভাৱ রায় রামানদ্দ দংবাদ, মন্যাশিক্ষা, শ্রীভক্তরগতি, শ্রীপ্রত-প্রশান্দ, মহাপ্রত্ব বন্দনা প্রভাত সাবক ও সিক্কবিনের নিভাগানে, বিক্রবগ্রের কঠালিত ভূগসীমালার ক্রায় অক্তর্কণ করে গার্গব্যোগ্য অপুর্ব প্রতা। ভিক্ষা নেপ্ত, বাগাই ৪০ মাত্র।

#### भोषोत्र-भोत्रन .

ক্ষিকাভার স্থপ্রসিদ্ধ মাধ্বাট হলে গ্রেট্টার সম্পানত ইপাল স্থান্তনানন্দ প্রতিধ্যাবিনোল-প্রানত বঞ্চার বিতঃ গ্রন্থকারে প্রকাশিত। ইহাতে গৌড়ীর বৈক্ষবস্থাদাতের ইতিহাস ক্ষাকারে প্রতিত ১ইয়াড়ে । জিলা ৮/০ মাত্র।

## গোড়ীয় সাহিত্য

ক্ষিকাতার স্ক্রেসিক আলবাট কথে গৌজীব-সম্পাদক শ্রীপাদ স্কলরানন্দ পরবিস্থাবিনোদকার আদত্ত বঞ্চতার বিজ্ঞ প্রথাকারে প্রকাশিত। ইংতে সাহিত্য-শন্দের অব্ধ এব পৌজ্যি-সাহিত্যের বিষয় স্থাকারে বর্ণিত শইরাছে। ভিজঃ নিত আলি নাতা।

#### **अटगोडमध्य भारतक्रमा-मर्गन**

শ্রীগোড়গেশের যে সকল ভানে সপরিকর শ্রীমন্মকাঞাতরতবাত তলভাগ পরস্থাই মহাজনগণ লীখা করিব। পিরাছেন সেই সব আধুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও পেববিঞ্জাধিব পরিচয় সহ বাভাগতের ভূবিশা নিক্ষেশ ইত্যাধি বিষয় হান গ্রিগেশিত আছে। ভিজ্ঞা ও আনা।

# THE HARMONIST OR SHREE SAJJANATOSHANI

শ্রীল হাকুর ভর্তিনিনাদ-প্রতিষ্ঠিত এবং শ্রীল ভানিসিদ্ধান্তসর্থতী গোষামী প্রেণ্ডগাদ সম্পাদিত পার্মাধিক
মাসিক পরে। একংশ ইংরাদী ভাষার অইবিংশ বর্ষে
ডবলক্রাউন ৮ পেলী ৪ কর্মা আকারে প্রতি থারে হরিনামের বিজর-বৈক্রম্বী গইরা উপন্থিত হইতেছেন।
কাগল, মূল্রগ-পারিপাটা ও চিত্রাদি অতীব চিত্তাক্রম।
এই প্রকার উৎরুই প্রবন্ধ আর কোন মাসিক প্রাদিতে
পেথিতে পাইবেন না। বাসিক ভিক্ষা ভাক্ষাণ্ডলসহ ৩,
টাকা মারে।

#### প্রাভিস্থান-

औरेडडडमठः त्याः श्रीमाद्यापुत मरीहा

#### व्यक्तिक अवीज्ञा-क्षकाभ

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## (थाना इवेदारक।

অভিতর ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাতদিগকে

তর্গি মত্রের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন।
বিদেশী ছাত্রগণের জন্ম বিনা লাহে অন্দর বাসন্থানের
বন্দোব্য হট্টাছে। স্থান অতীব সাহ্য কর।

সনিস্তার স বাদের হস্ত নিম্নলিখিড ঠিকানা গত্র লিখুন। সেত্রেন্টারী, ভাকুর ভক্তিবিলোদ ইন্টিটিউট্ শ্রীচেডস্তমঠ, পো: শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

## —৫১ বংসরের প্রতিষ্ঠিত<del>—</del>

ভিশ্বশালেতো প্রস্তুত বাতীকা বাং। শুক্রভারণা, স্প্রদোষ, কোট্রভারিত, অলীন, ধ্বস্থল প্রস্তুতি কন্ত রোগীর রোগ নিয়াময় হইয়াতে ভাষা প্রকাশ করিলে বড় বড় প্রক হইনা পড়ে।

₹ ₹

সক্ষ অভূতে ব্ৰেণায় চলে ও সমান কল প্ৰেণান কৰিয়া থাকে। প্ৰতি কৌটায় ০২টা বটাকা থাকে।

## কেবলমাত্র

ঞ্জি কোটাৰ মূল। ১০ এক টাকা। ইণার নাম 'আড়েছনিগ্রহ অস্ট্রিকা'।

ষ্ণান্ত উবণের ডালিকার স্বন্ধ পত্র লিখিনেই পাইবেন আথিখন :—জ্মান্ত ক্ষনিপ্রাছ ঔশধ্যালয়ে ২১৪ নং বছনামার ট্রিট, কলিকাডা ।

## কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



বদংখনের সুবেশ্য জন্ত ৬ আঃ শিলিতে বনীভূত অবস্থার ভোটবোওলেও সেমপ্র উবদ ভাকে পাঠান চর, ইতাতে উবধের কোন পরিবর্তন করা হর নাই। মুদা প্রতি শিলির জানা, পাইট ৮৮০ আনা, বোডল ১৮৮ আনা।

অফিস-১১নং উঠাডালা রোড, পোঃ শ্বামবাজার, কলিকাতা

## ভাগৰত প্ৰেস গোয়াড়ী হাই**টা**ই

## কুমধ্যগুর

এখাদের বিবাহের নিমন্ত্রণ-পত্র, শ্রীকি-উপহার, কার্ড, প্রস্থ এবং অভ্যান্ত বাহতীয় কার্যা ছাপ। হইরা থাকে। ছাপার হর বাজার দর অপেক। প্রবাস্তা পার্যকার থাবনীয়।

## शरेदछानिन

বা

## কোষর্দ্ধি রোগ

ডাঃ এপ্, এন্, খোষ বিনা অল্পে, যাবজ্ঞীবনের গ্যারান্টি দিয়া বৈছাভিক প্রণালাতে কোমসুদ্ধি রোগ আহরান্য ক্রিয়া থাকেন।

> हिमाना----अरु मर कहेन हींहे, वस्त्राचाह,

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## ি দৈব প্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌবধ

## প্ৰৱ নিৰে সম্পূৰ্ণ আৱোগা

কোনী দেশাবতে করনে। ক্ষামি পালের পরত বোর্যা এনং ক্ষানার)
পাঠাতলো গিয়া রোনী দেশা হয় ক্ষানার ওপনে আন্দেশে বেনী দুশক্ষা
উয়ন দেওৱা হয় আঁরোগা না হন্তয়া প্রাপ্ত পানিশ্রামক দিতে হবনে না।
গানীন রোগীদের অন্ত ক্ষানার ভাক তিনেট গ্রহ নিয় উপানার কম্প্রাম
ক্ষান।

শ্রীক্তীশচন্ত্র উকীল, মক্ষা-চিকিৎসক, ৫৭% নৈকারী, বাঞ্লাল। অথবা নিম্ন ঠিকানার সাক্ষাৎ করিয়া বিস্তারিত অংলিতে পালেন।

শ্রীযুক্ত রামগোপাল দত্ত এম্, এ, ক্রঞ্চনগর, নদীয়া। শ্রীযুক্ত ছবিপদ নিংত, ১১৭, বেশির'টোলা ক্লীট, তাটখোলা, কলিকান্তা।

একখানি পত্র! অনার প্রাকৃপুত্র গত হর মান বাবং রাজ বজার ভূগিয়া মৃতপ্রার হটরাছিল, কলিকাভার বিজ্ঞ চিকিৎসক্পণ ভাগার ভীবনের আশা ভাগা করিয়া শেব মৃত্র্তের জন্ত অপেকা করিভেডিলেন এই নমর শ্রীযুক্ত কিন্দীশচক্র উলিল মহাশয় মাত্র ২০ দিন চিকিৎসা করিয়া সম্পূর্ণ আরোগা করিয়া দিরাছেন। (সাঃ) শ্রীয় কিলোর বার চৌধুনী (জমিদার গালিরা) হগুরীট্, নিউ বিলিং। করণোরেশন টিটং ডিপা টমেন্ট, কলিকাভা।

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরাব্দ ৪৪৫ মাজ ১/১০ ডাকটিকেট পাঠাইলেই বুকলোত্তে পাঠান হয়।

> ম্যানেকার-গ্রন্থরিভাগ শ্রীটেড্মুম্য, পো: শ্রীমায়াপুর, নদীরা।

(本年 到这本的日

# গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

—কারণ—

এখানে যাবভীয় ছাপার কার্য্য-

अशामित कार्या है वनून,

বিবাহের নিমন্ত্রণ পত্র, কার্ড, বিবাহের পছাই বলুন,

আর ৩ রং ও ৪ রংএর হাফটোন ব্লকই বলুন, দকল কাষ্ট্র আভি স্থার ছাপা হয়, অথচ ছাপাইবার ধরচ বাদার অংশক্ষা সুসভা।

আপনার কিছু ছাপার কার্যা থাকিলে নিম্নতিকানার জানাইলেই দর পাইবেন।

> মানেলান-গোড়ীয়া প্রিণ্টিং ভয়ার্কন্ ২৪এং নং দাপার সাংকুলার লোড, কলিকার

विश्व माराप्तर महोद्या-क्षणान क्षिति कर व्याक्त श्राष्ट्र क्षणा विषय विषय विषय क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण विषय क्षणा विषय क

## শন্তরণকারীকে ছোরা দেখাইয়া ২ শত টাকা গ্রহণ

ক্ষণদ্বিখ্যাত স্মূরণকারী শ্রীমৃত পুষর বাগচীর বাড়ীতে কিছুদিন পুরের ভিনম্ম ভভাদেশীর গোক প্রবেশ कतिया (छाता (मधाहैशा किंग्हांच िक्छे কইতে নাকি ২ শত টাকে: আদায় করিয়া गहेंगा हल्प है (भग्ना धहेगात विवस्त ध्यकाम, मञ्चतपकाती शृहत छेल्दिसम ক্রিবানার উক্ত ভগাত্র ভাচার গৃহে তাবেশ করত: হ>াৎ ছোরা বাতির क दिया डेक छेकि। मार्वे करब दवर छोकः না দিলে ভাঙার উপর আভাচার করা हर्देश बिद्या क्या श्रीमानेन करते। िनि উপায়ান্তর না দেখিয়া টাকা দিতে বাল ঘটনাটি পরে কোডাদীকো প্লিলের ইম্পেক্টর পি. এম. ছোগাল महानग्रक सागाहरत घरेगा महास एएछ আরম্ভ হয়। তিনি কোনক্রমে সংগ্রদ পাইয়া মেছুয়াবাঞ্চার ষ্ট্রীটের কভিপয় मन्त्रश्रमकाश्रीद्वत्र (ग्राटकत्र डेल्त ষ্ট রাখেন। দেখিন রাজিতে এ অঞ্চলে धक्यम शाक्रक म्हास्यक्रमक सार्व ण्विम विषादेख दिश्या अहादक नामा শ্ৰেল্ল করিয়া কোন সম্ভোগজনক সভত্তর না পাইয়া এবং ভাহার পশায়নের চেঠা দেখে ভাগকে ভাড়া করিয়া গ্রেপার कर्दन । युक्त वाकि विद्याहरू (य. काहात নাম ফুগান পি॰। আরেও তদন্ত সাপেক ; াহাকে হাজতে রাখিবার আলেশ প্রদত্ত हड़ेशर्ड ।

## भावेगात्र व्यक्ति व्यभाग्र व्यक्तित উকীলের সাঞা

সময় ১৩ই আগাই বে আইনী কাৰ্য্যের ম্ভিত সম্প্রকৃত্ত থাকায় পাটনার ধর্ণী-श्रद्ध, द्वाम**ऽसम्ब** निष्क् द्वामरणानिसः व्यन्तात. হরণকর দাস ও সংস্থাসাদ সিং নামক व्याप्त अने विषय नात्र वाला की वी- वार्डे न মতে কেন স্মপ্তে করা চইবে না ভাহাব कात्रमान्द्रिक वना व्हेग्राविका। ५७वे আগাই ছাইকোটের মহাটা প্রধান বিচার-% जि. विशावनिक कुनवस भवाग छन्छे. क्षण कालि ७ (क्यम स्वर्गेष रहेश के विषयम विकास कविया वाय विचाटकन, Care तामरणाविन्य व्यवसायटक निज्ञाता-रीन करिए ताना वह कार्रिश धामर कींगांब क्षांकि देकार में कार्यामण उस करा, कहा महि CHOO Stote 416 mes Crest टडेक । के.सूट ५वतीमब, श्राम**्या**न शिः धनः इत्रभन्नत् भागत्क मृष्टके क्विया र किया (म द्या क्टेबार्ट । है। युक्त भ्रम প্রসাদকে দীর্ঘ অবকাশের পর আদাশত বাদাগী সদস্ত নিযুক্ত হ্ইয়াছেন। উক্ত

নার মালি ইমাম, মিং বি আরে. मांग ७ वनार्भन महाग्र आनामीलाक উপश्चि हिल्मन। ১२ई छान्। १९८० इटिट्रिटिंट मीच अवकान आवश्च

#### कात्रामुख्य काला मार्ट्स

कामा मार्ट्य ६५१क खीलाल सम्बद्ध व्यक्तिमा निकारत (क्रम स्ट्रांट क्रायाम क्र इडेबा ग'ट रखा कालाई न एथियाम आफिया পৌতিয়াছেন। তিনিবভাষণা কেকীয় কংগ্রেদ কমিটার কল্মীগণ ও বছ গ্রামবানী-সহ টেশনে অভ,থিত হন ও শোভা-যাজা সংকাষে পৌছেন। তথায় এক

## মিঃ লয়েড কক্স দম্পূর্ণ स्य बहेशार्डन

शक्षम इंटेरड ध्यकान (य मि: कर्राप्त कक्त मृष्णुर्वदेशल श्रुष इक्षेत्रहरून । शक्तकारणत महत्त्रहे किलाहर के को शहर न **এটবে** ৷ তাহার श्रीकातःकाष्ट्र वात नुरंशिंग छाकाल करा इंत

#### কানপুরে গ্রেপ্তার

১৬ই আগষ্ট থকালে প্রকিম দিলা বড়ুবল্ল মানগা, গুলীমারা ব্যাপার প্রাকৃতি া বিজ্ঞোপীদলের করেকটি ভঃসাহলিক कारमात्र रिक्षत्रताभीक्षत्र एक्षार्य भौका করেন। পরিশেষে গুলিষ ও জন লোককে গুত আইনাখনান্ত আন্নোলনের তিপিয়ার করে। আরও করেকলনের গ্রেপ্রারের সন্তাবন। আছে।

#### थलनात्र (मोकापुनि '

গ্ৰত ১৯ই আগ্ৰষ্ট রাজিতে পুলনা কালীবাড়ীব নিকটে ছটকন মাঝি ও र कम गारीकर्ष धवती लोका कृतिहा গিয়াতিক। ওয়ানো এককন মাঝি ও १ क्रम वाधीतक खेळात कता अटेवाटा । ৫ वरम्दात अकृषि नामक, बाहन वर्षीया ८क्षी वालिका ध्वः अकलन त्रक मासितः । रकान महान शास्त्रा गात नाई।

## ্যেল ভদন্ত কমিটীর বৈঠক

**इंडिशांश स्ट्रंटेंड क्वानिट्ड श्राता भिवाद्य** त्य. मात्र ६ छ छ छ। १४१त मञ्जूभिक्षि (४ एम अभिने गठिए व्हेगाए, मिहात्र । খানার ল আঞ্জিন শেই কমিটার একসাতা রক্ষা করিছে বলেন।

পুনরায় না খোলা পর্যন্ত সন্পেও করা কমিটী এন, ভবলিউ, রেলওয়ে এ. বি, (तम ६८४ ६ अशास (व-मतकाती (तम ६८४ সমূত্ৰে কি চলে সরকারের আনিন পরিচাথনা করা মন্তব হইতে পারে, ए १ त छ । मि निकृतिन कतिया अत्रकारत्व শই যুক্ত ভারিখে ঐ ক্ষিটার একটা আন্তাপন হয়। বিধা আগানী ২০শে মালাই নিম্বায় উক্ত কমিটার পরবন্তী देवरक वांगद्य ।

### गोगारल शकागात रकत

(भाषात्रीत इहेटक मानारम आकान যে, গভ ১০ই আগঠ রাজিতে क्रिकिश्व (मन्द्र्यादल में मान्ध्र नाक्ष्री भान, আনওল পদুৰ থান বেছাই হইছে প্ৰায়ঃ-এটন কারণাডেন। গভ ১১ট **অং**গ্র অ'কবৰপুৱা হ'লামায় আছেভগ্ৰেৰ অবস্তা श्विन्यद्वत निभिन्न दिनि धानीय साग-ल, नाटल शमन कतिगाडिट्यान । आहरणस 'ছ'ন ঘটনাতল প্রিদশনের নিমিন্ত আৰু दर्भवाग भगन वितिशास्त्र । स्थारम প্লিন্ন কড়া পাছারা রাখিলাতে ৷ আক্রায়-१,वी व्यक्तिम् मुल्लात्मः । भगासः ध्यक्तिहरू ्यायान कता करबाटम । स्थावन (श्राधात ं क्वा इंडेर्स विद्या शकला।

## कामाभीत कुभारनंत्र चारम मारवामा 西州町

अञ्चलका व्हेटक श्राकाल हा, मृह्यास দিং ভারতীয় দণ্ডবি আইনের ৩০৭ ধারাপ্রদারে আনীত এক মামলার পলাতক আয়োনী। সারহাজির অধীন পারিয়ান এাম হইতে স্থানীর পুলিশ ১২ট আগত্ত ভার্কে গ্রেপ্রার ক্রিয়া ষ্মানয়ন করিয়াছে। সে এক পিস্তালের গুলিতে আহত হয়, পরে হতভিত ক্রপাণের দারা এক দারোগাকে মাতত করিয়া সে ঐ আঘাতের প্রতিশোদ গ্রহণ করে। একণে সম্ভোদ সিং প্रশিব্যর হেকালতে একটি মিজিল হান-পাতালে অবস্থান করিতেছে।

## পতাকা উৎসবে সন্ধারতীর উক্তি

মাণ্ডবী ওয়ার্ডে জাতীয় প্তাকা জড়ি-সংগ্রামের ও শাস্থির সময় প্রাকার স্থান অভিমূপে বাইবেন।

তিনি আরও বলেন, আমরা এগন ও (भटर प्रेष्ट्कार नाहे, मध्यारमञ्जू देश আরম্ভ মাতা।

## (कालावात्र श्रूलिटमत्र श्रूली

कारश्वानि इटेटड मःनारम खनाम নিক্ত বিলোট দাখেল করিবে। পশু । যে সম্বক্ষী আবগারী বিভাগের করেক-জন লোক ঐ গ্রাংমের অনিবাসীগণ কর্মক প্রাক্ত হটরাছিল। আবেগারী বিভাগের त्भारकता दव आहमी यह दहानाई धतिवात किलारा दक्षात काक्रम हानाईएड ভিল। আৰগানীর পোকেরা আত্মরগার্থ ওলী করিতে শারম্ভ করে।

> **ब कक्षण आध्यामी निरुष्ट कहेबाटक छ** दक्षा व्यापनातीत त्याक व्याक्त €₹1**†**€ |

## ভাগরামের ১৯ দিন অসশন

मार्टात रहण्य मामगात जामामीरमत दारभारतम्ब हिलाएक । जाशास्त्र माध আসামী ভাগরাম গও ৯ দিন হাবহ व्यन्ति अक्षात् । ५०३ व्याप्रहे मकात्र भाकि टेटाटक नवाश्वरक शां उन्नाम इहेगाएड এবং ভাষার অবস্থা বস্ত্রান নিভাস্থ খারাণ হট্যা পড়িয়াছে বলিয়া অভুমান

त्वातर्शन तमरन हेम्हाम डेलाहि भागक कटेनक त्राक्ष्यकी जानक जाएक। उहे বলীও নাকি পঞ্জাব সঙ্যপ্ত মাম্চার মাদানীদের প্রতি সহাত্তভাতপ্রযুক্ত এত ऽ२*हे 'व्यापाठे ६हे८८ 'व्यानम्*टन इंटिबाट्ड ।

## वृष्टिम क्षममाधात्रद्वत व्यक्तरक গাভীভীর বির্ভি

(यांचाई क्ट्रेंट धाकान एवं मखानत मरवानमळ निष्ठेलं क्रनिक्स्तव क्रिकिसि शाबीकीटक (शामरहेविन देवरंटक त्याश-मान क्षिए ना गां खान कामन व्याहेगा দিতে অহুদোধ করেন, উত্তরে গাখীলী us ভুলার টোলএংমে বুটিল কম-मानात्रगटक डीशत कथा बुबादेश निया-ছেল। গত ১০ই আগষ্ট ফংগ্রেসের ভয়াকিং কমিটা বেরূপ বৃক্তি দেখাইয়া বিবৃতি প্রদান ক্রিয়াছিলেন, গান্ধীলী বোধাই হটতে প্রকাশ যে স্থায় গেইরণই বণিয়াছেন। তিনি ভাষে বল্ল ওভাট পাটেল ১৩ই আগ্র প্রাতে কেবল বেশীর ভাগ এই আনাইয়াছেন त्य, डागात्र धरे निवादक गर्छ आध्रवेदेन বাদন উৎসবে গভাপতিত্ব কৰেন। এই ু যে ছংগিত গ্ইবেন, এ হন্ত ভিনি ব্যবিভ । উপলক্ষে নৃত্তন জাতীয় পতাকা উদ্ভোগিত তিবে তিনি আখাস বিতেছেল, জীহার হয়। সঞ্চারজী সমাগত লোক্দিগকে অপ্রবিধা পুরীভূত ছইবামাত তিনি শগুন



সাভাবোর হার
আগ্রেম নেয়
আইনিক ৯
বাশাইনিক ৫
বাশাইনিক ১
বাশিক ১
মালিক ১
মালিক ১
মালিক ১
মালিক ১
মালিক ১
মালিক ১

হারতের সর্কাশ্র বছল-প্রচার-- দীয়া কেল্ডি এক মাত্র মুখপত

158 MO ]

PROPERTY OF

अप केंक हैं

সম্পাদক — শ্রীত্মতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তনাচম্পতি

[১৪২ তমদংখ্যা

শ্রীটেডভামঠ শ্রীণাম মারাপুর--্>লা ভাল মললবার, ১৩০৮, ১৮ই আগই ১৯০১

## নানা কথা বাবালীর বিরুদ্ধে মানলা

ভ্ৰমকা হুইছে প্ৰাণাধ যে, ভেগ্টী भ एक रहे हैं विशेष क, तक, मिश्टिय Court Selits all Sins Ca লাবাদীয় বিকল্পে একটি ভিস্কাবসক भागवात खनामा छ विट १८७ । 🖰 सारीय भार भाषात्री मन्मित्त नान करत अवः किछू-দিল গ্ৰেথ ঐ মনিধ্যপ্ৰান্ধতা সে 'মুখ-महीवनी विक्रम कतिरहरू । भावभाती দারোগা জ্রীতে মতীলমোচন চল্ল গোপনে श्वाप शहरा डेक जना श्रीका कनिनान क्या महत्त्रत करशक्ति (काटकत माशासा উहा क्रम करतम। श्रात এक्रमिन स्थिति क्रे मिस्ति উপट्टिंड स्टेश जात व मन फ्लान्त ত্থল প্ৰথি ও কছক ছলি মন্ত্ৰাতি ১৬-এত করেন। বাণানীর পক্ষ হটতে भाषामध्य मानाग इप्रत्य, दिनि ८क्शन পুৰোডিভ এবং প্ৰাক্লন্ত কবিধান, স্বাহরাং তাহার উপটোক ওমদ প্রস্তুত করিবার काधिकात कार्ष्य जन्म हेशात कला ए।शात বিশেষ অঞ্মতিও পাওয়া আতে। সামখা চলিতেছে। উত্তে জনেশচন্দ্র চৌধুরী कतियामी भएक । श्रीहरू देवळवाच सूर्याः পাধাায় ও ক্ষেক্তন স্থানীয় মেকোর • াসাথীগকে 2173,21 পরিচালনা क(त्रम ।

## সাইকেলে কলিকাডা **হই**ডে বারাণসী

২৪ পরগণা জেলার বছবজ থানার অত্তবঁত ৰুজুল বালিকা-বিভামনিংরের

# বাবাজীর বিরুদ্ধে মামলা

্টেণ গ্থচাত হওয়ায় একজন জখন

# রেল ষ্টেশনে গুলীর জের

সাইকেলে কলিক তে হইতে বারাণনী

# মহেশপুরে ডাকাতি

হড়বাজার **সশস্ত্র** ডাকাতির জের

# জলে আকস্মিক দুর্ঘটনা

রেঙ্গুণে আবার বিজোহীর উপদ্রব

# অর্ডিনান্সের প্রকোপ

ভাইসরয়ের নিকট তার

প্রধান শিক্ষক শ্রীনৃত বিভয়ক্ক রাষু,
বৃদ্ধুণ উচ্চ প্রথিমিক বিদ্যালয়ের প্রধান
শিক্ষক শ্রীনৃত উমাশক্ষর নন্দী, যাল,
শ্রীরক্ষ-বিদ্যাপীঠের শিক্ষক শ্রীনৃত্ত
প্রয়েশ্রনথ ঘোষ ঘরন টাগার শ্রীনৃত্ত
শ্রুনথে ঘোষ মহাশ্রগণ সাইকেলে
কলিক।তা হটতে কাশী যাতা বরিহাছেন।
মাবহা হয় ছাল গাবিশে গাঁহারা আর ও
অগ্রানু হটবেন।

## **উভান সন্মিলনে** গ্রোপ্তার

্ষ্ঠাত ১.ই আগন্ত সন্ধাকিলে ঢাকার
নবার্টেরর বে সাহরাগ নামক বাগানে
বালাগার গভগরের সংবজনাও প্রীতিগ্রিকান করিছেছিল, ভাহার ফটকে
করম ফুরককে সন্দেহজ্ঞান প্রেপ্তার
করা হইগাছে। ভাহাকে ভগার প্রিয়া
বেড়াইতে দেখা যায়, প্রিস ভাহাকে
ঘাইতে বহিলে সে নাকি হয়ে নাই।

## **(त्रण-८क्टेम्पटम श्रुणीत ८क्पत**

কৃতিয়া হইতে প্রকাশ যে, গত ৬০
কুলাই রাত্তিকালে কৃমারখালি রেলভঙ্গে
টেশনে যে ভানীর ফলে ডাক্পিরন আপত্ল ফলিল মোলা আহত হইয়া হাস্প্রাতালে নীত হইয়াছিল, সেই পিরন আরোগ্য লাভ ক্রিয়া ভাস্পাতাল হইতে চলিয়া মাসিয়াছোঁ

## ট্রেণ পথচ্যত হওয়ার একজন জখন

সোগাই ইইতে প্রকাশ যে, গত ১৪ই আগত প্রাতে ৯টা ৪৪ মিনিটের সময় নিমার প্রাতে ৯টা ৪৪ মিনিটের সময় নিমার ও ইলনে মাগ্রুর এক্সপ্রেল যে সময় নের্মাও টেলনে প্রেলা করিতেছিল, সে সময় গকল যাত্রা, গাড়ী ও এনিনের পশ্চাতের করনার গাড়ীখানি প্রগৃচ ও হট্যা গড়ে। একদন যাত্রী কলে কথম হইয়াতে। ডাউন মেন লাইন রক্ষ হইয়া নিয়াভিল। নেগেগাও ও আকালোর মন্যে কটা রেলপ্র নিয়াই টেল চলাচল করে।

## वर्णात्र व्याचाटङ लाक्सन इड

রাজনবেড্রা হইতে প্রকাশ বে,
মিল্ডর জামনিসানী টোঁগ্ড ভগর্তী
ভট্টাচার্য্য গাড ১২ট আগপ্ত রাত্রে আহারাস্তে হছমুপ নেট কারবার সমন একটা
মুশার আঘাত প্রাথ হন। বশাটী ভাহার
উদর দেন করিয়া চাল্যা যায়; চিকিংসাথ ভাহাকে রাজ্পনেড্রিয়া আনা হয়,
কিন্তু আঘাতে ভণায় তাহার মৃত্যু হয়।
ভাহার মৃত্যুজবানবন্দী গ্রহণ করা
হইয়াছে।

## देव किए बढ़ी हा-खकान-- भाइबार्विक भक्ष

# শ্রীবিশ্ববৈষ্ণবরাজসভার পরিব্রাজকগণ

পরিব্রাজকগণের নাম	বৰ্তমাশ টিকাশা	পহিত্রাজকগণের শাম	বৰ্তমান টিকান:
১। শ্রীল ভক্তিপ্রদীল ভার্ব	ক লকাডা	৮। এছজি-এরপ পুরী  ১০। এছজি-খিলাস গভাজিনেত্রি  ১১। এছজি-বিলাস ভজিসার  ১২। এছজি-ছুদেব শ্রোভী  ১৪। এছজি-ছুদেব বোগায়ন	कहेक
২। শ্রীভক্তিবিকেল ভারভা	কলিকাডা		मधुतकक
৩। শ্রীভক্তিবিক্তান আপ্রম	শ্রীমায়াপুর		किना डा ;
৪। শ্রীভক্তিপ্রকাশ অরণ্য	কলিকাডা		माजाक
৫। শ্রীভক্তিপ্রকাশ কর	কলিকাডা		माजाक
৬। শ্রীভক্তিপর্বাশ গিরি	অমুডসর		धैमांत्राभूत
৭। শ্রীভক্তিবেত্ব সাগর	আন্ধাপাড়া		बादमधन

# শুদ্ধভাক্তিমঠসমূহ

## তভন্ম মঠ

#### আকর মইরাজ

**अ:**हीन नवदीन, काक्षत श्रेषाम मात्राभुव, नवीता

as ubatem পारमाधिक देशनिक्तक, माक्षत्र मध्यमाध्य का श्रकानिक क स्र आहीत अहताबि अठात रख 'लंगीया- अकाम' यशकात शक्तिक व्हेतारकन এখ নে প্রভিবংগর জ্রীধান-পরিক্রমান্তর্ভান ও অগাণিত ভক্তগান্তি ভ করিন প্রচারমাণে ম্ভাম্তেইংস্বালি ভ্ৰুতাল অভুটিত চচতা পাকে। বক্ষক--এক্ষ্ডারী শ্রীপাল নরভব্রিকী। अक्रमारी -- बक्क हारी मुख्य के किमान क्यांत्रभाग कायावाक्रिय की श्री किमाय के र বীরচন্দ্র, শ্রীপাধ মলবোপাল, জীবীনদয়ার্চানাথ, শ্রীক্ষবদমন, শ্রীমধনবোপাল, জীযুকুল कामाधिकाती अक नदतक्क, कविलय, दश्य शेरभावन आहित।

#### ্ত ৷ যোগপীঠ শ্রীমন্দির

वक्क----(शाक नावाबह अशाकारी कडेाहारी। त्राकु क्षेत्रमा गांच । विनिकानिक उक्ष्यामी, जैवाशविद्याम ७, कछ्यन, छी अध्यक्ष अक्षत्राधी । जीमानन कात क्षिकादी, स्वत्रमना क्रीमीननाथ।

- (৪) শ্রীবাস-অম্ব रक्ष म--- के श्रेष्ठा अक्ष प्रश्न विकास स्थाप विकास स्थाप विकास स्थाप विकास स्थाप विकास स्थाप विकास स्थाप विकास
- (e) अटेचड-करम

क्रक -- देवनावनात छ छ छात्रा. **शिक्षाकृतमाम गावाकी**।

- (७) कालोड जवाधिश हे ক্র:চীন মাছাপুর, বামনপুরুর (নদীরা: क्षक -- अक्षतः वी - श्रीविद्यान कारी ।
- · 9 ) খালিক প্রথদ-কুঞ্চ ন্ত্ৰীগোক্তেত, সঞ্চলগঞ্জ ( নদীয়া )

वक्रक---- भ किन्द्रथम डाकात कक्राती कुक्काखिकी बन. डम. बक ।

(৮ औक्षणधाथ दगोडीय वर्ड प्रक्रमग्रिक्त ।

हक्क - दीवध्यत किमान्नो क्य. ब. र्तत् जम, मध्याही-- क्रिकेसमाम क्रांक पान्नी, व्यिष्ठकाम व्यक्षिकामी व्यक्षि ।

- ( > ) औद्योत्र-ग्रमाभन्न-वर्द्ध ইাপাচাটী, সম্ভ্রপদ্ধ ( বস্কমান ) क्रमक--- विरस्त्राम उक्ताः क **अके** नक्षाण करन ।
  - ্ ১ শ্রীরূপথেট্টার-মন্ত माताशक. अक्षांत्र केंद्रे, नि सक्त क- दीमार्कास्थानमा अस्ताती

#### ( ३३ ) जी: मापक्रमहर्

माञ्जाकि, बाह्यबन, बद्धमान। मीनप्रभव ।

( ১১ ) काश्वत चात्रव

🗐 नामवरु ८०६म, क्रमानमञ्जू, महीका । 👔 বক্ষক— প্রক্রমানক বন্ধচারী ভবিশাসী

#### TH PRIFES ( OC )

Cपानिकान के देशाया ही, अमेरिया वक्क--- श्रीमञ्जानम अवहाती । जनगरी Beofnes Empist. Genenin ein यशिकाती, कक विश्वनाथ।

(১৪) जीनाम्ब ८गोक्रीय मर्ट

a-मर नवावश्व दशक, हाका b वक्षक--- दीवाधारश्रत उपनागी, जिलाम क्रमवानक शविवश्चारित्यात वि- व. अन्य-গৌরাজ ব্রহ্মচারী, জ্রীপতিভাগানন ভক্ত। । ব্রহ্মচারী,শ্রীপার ক্ষমগোণাল ফাসানিকারী।

( ५० ) बिरगाश्यकी मर्ड

कम्मान्य, हाका। वक्क--- जैन्द्रानमात्र उपनाती

- ( 26 ) क्षित्रमाचे-८वी । भागकं वक्तक- शिन्दं बक्क उत्तराती, शिम्बनान এক চারী
- (১৭. এতাগবভজনানক মঠ किस्मिक्षा, शक्काक्षरशृत, व्यक्तिशृक्षः क्रमाध्य नी अल-(श्रीवाक-श्राक्षक्रिका-निविधातीत निकारमधा करेगान । ऋकच---अक्शमी औक्ष्यतामणी।

## ১) 🕮 दशोषी इ मर्ठ

১% मः काणिकामात ठक्तवन्त्री हैं। है. त्याः नामवाकातः कालकाका । .Bincota 14, fa. 855e

মঠরক্ষ ক---আশোদারিক শ্রীপার কুমানিলায়ী বিশ্বাভ্যপ্র সভকাতী--প্রতিদ্ধ श्रीभाव भवद्यनाष्ट्राप्तन भवनिद्धाक्तान वि-व. लीभाव राजानवादी ब्रह्महारी, श्रीनाव # 97 5 W 1 4 9 मानानिकाबी दि-व. ব্যক্তবি ค่ำ อ้าสสาสละ শ্রীপারিমোতন, রশ্বরতী শ্রীমগ্নেল, পাঞ্জি শ্রাপার নদীনকৃত্ব পর্যুদ্ভান गकात किल्लाकी मुक्तापार्वकातामा, ज्ञामकाकान्यामानिकारी विन्य, जी अनवक्षनिकान भागाविकाती वि-धन, श्रीषष्ट्रणम नारकाविन, श्रीविषयत अक्षाती, श्रीत्रवद्याधानन ব্ৰহাতারী প্রাক্তি।

(১৮) व्यायमार्थ्याचा वाशवास्त्र त्राष्ट्रवेश द्रमाः वद्धभागः। 344-augain Beiefernet

(১৯) औशुक्रदशस्त्र वर्ड

411410, 947, Birgil व्यक्त - अक्षात्री ज्ञानव्यानन विद्याद्यु उच्छात्री जैनमीधानम, श्रेशतमाञ्चन : शालान उपनानी

একচারী, শ্রীবাদবানন একচারী, প্রীনিমার । (২৭) ত্রাল্পপাড়া প্রপদ্ধান্তাৰ-মত **ठत्रण वांभकारी, मालालिंग गडा** ।

(२ -) औजम-(गोक्रीत मठ व्यागववसाय, अक्षामात्र स्थाः, लुटी । वक्क-- अक्षाती श्रेमद्रामद्री द्वा ।। प्रमी . तककाक्षा —अञ्चलादी औरविम्नानकाबी

> (.) क्रैनक्टिशानक ग्रह Bimainimia, mess:

अक्रक-- अक्षात्री जीवनार हे, खीदामनन

- (२२) जीननाचन-शोधीत मर्क अनः अश्रक्षीतनभूषा, कानी । यक्क- अक्षताती क्षारमध्येती, निवारेशांत्र उष्रहान्त्री, जीशकानन उत्रवानी ।
  - (३ ७) जैक्करेड्डम वर्ड जीमुगिश्वकाम कुछ, जीनाम बुन्यायम । হুক্ত ক---- শ্ৰীপুণ্ণভিনাৰ ব্ৰশ্বচাৰী
- (२८) ञ्रेलडयस्य मठ विधियात्रमाः मीकाणुक क्ष क---क्षणाती जीनुनिरशासम् ७ क्षणाती ज्ञीनमञ्जाना ।

- (२४) औदेज्खन्नदगोक्षात्र मठ हुम्तक् का, हितक् का, यानक्य। वक्क--- जीवमःनाव वात्र. खीवामकीर्व दश्यभविशाः
- (२७) नहाम दशोकीय वर्ड वक्क---वक्कारी शिक्षनमधी, श्रीनमी--
- अभिग्याका. (भार भाषा, अवस्त ज्यभारत यक इक्सांके लोहगावादमञ्ज दमया वक्ष्मान । वक्षक----ब्रमवामी जीव्यानकृत-

417. WE #491781

(२৮) विक्रो (गोकीय यठ-कावाालक बन्द द्वाली भगन जाकात दणन, निके किसी तकर-- अक्रांती चेनीतक्क, औक्रुग्लबस क्षीचा का व्यवहरू वन्त्रव

## (२३) ८गामामभाषा-सन्तत्रसम

- (७) नाजान्यभोडीय मह नर्व दशालालपूरम्, कार्रालक्ष्य, मास्त्रक क्षण र--- किम अवामी क्षिप्रहालियाम क श्रीप्र महाश्राम, महकारी--- जिम्बिनामी 🕮 गल कि अन कितान, जिलाब अभवानक अपवामी, श्रीनाम (प्रकीमम्ब अमहादी. শ্রী বাধ বিদ্যালয় বাহ্মচারী ভাষ্ট্রিলাক্ষী क श्रीनाम दश्रीन क्यामम सम्महाती ।
  - (७) पात्रमदगानाम शाहे कांशालन्ति, का क्या, न्यीक 144-34511) SERRIFIE

A 1

ब छे ब ब

२० 🕮 रत्र दर्शात्रास ८८१, अला कांज वज्ञास ३००৮, ४৮ व्यागहे दे१ ४००४ मजनवात्र

TPSR RECAL

## সাময়িক-প্রসঙ্গ

গত ২৩শে আবণ ৮ই আগ্ৰু শনিবার - জিলভিদামী শ্রীমন্তিনিবেক ভারতী মহারাজ চাকদহ রামলাল একাডেমির **भिक्क ଓ ছাত্রবর্গের অফুরোগে অপরায়** ৩ ঘটিকার সময় উক্ত বিষ্ঠালনে উপস্থিত হন। श्वामिकीत व्याप्तरम त्यथरम श्रीलाम इम्रजीन ব্রহ্মচারী মচোদয় "ছাত্রঞীবনের কর্তব্য" मध्य यांध घर्षाकान रङ्ग्डा कदिरांत भन्न বভাবজ্বত সরল ও ভরপুর্ণ ভাষার সামিকী মহাতাল প্রায় ছই ঘণ্টাকাল বকুতা করেন। শিক্ষক ও ছাত্রমওলী বাতীত স্থানীয় বহু ব্যক্তিও উপস্থিত ছिल्म। आठात-अठातवान् मम् अस्वत्यत অসুগত পরিপ্রাক্তকর মূখে সংক্রা প্রবণ করিয়া অনেক বালক কেশ-দেবা, ভাষ্লাদি সেবা পরিত্যাগে দুচুসম্ম হইরাছে।

🕮 द्त्रिकथा नक्षित्वाकर्विनी । व्यवसार्थः শুন্য হইয়া কেবলমাত্র স্বার্থগড়ি বিছু-সেবার উদ্দেশ্তে যদি বন্ধা ও ভ্রোতা আহিরিকথা কীর্তন ও প্রবণ করেন, তাহা হইলে কীৰ্ভন • শ্ৰবণ-শিপাসা উত্তরোজ্ঞর वृद्धिश्रीश्र इत्र । नक्लात निर्मेश्व अक्रुतार्थ সন্ধ্যার স্বামিনী জীলাগুড়োর দে কর্ম-কার বহালয়ের তবনে প্রবিধাগবভ পাঠ ७ गांचा करवन। गठ ५३ जांगई महााव वस्तर्भाक कन मटहास्त्र ७ महिला नमस्वक হৰীয়া: তামভাজিশমাহিত ভাগবভক্ষা প্ৰবণ क्षत्रिक्ष भन्नवामक शास क्षितारस्य ।

জ্ঞীনিভ্যানন্দপার্ঘণ জ্ঞীন মহেশ পণ্ডিতের । ক্লফ বিনা কেচ কিছু না গাহিবে জান ॥ পাটবাটীতে স্থানীর বালক, বৃদ্ধ ও যুবকগণ । ক্লফের সংসার কর ছাড়ি' অনাচার। সমবেত হটতা গ্রামের স্থাত গোরবিছিত জীবে দয়া, কৃষ্ণনান সর্বাধর্মসার ॥" কীওন প্রচারের জন্ম পরিবাঞ্জাচার্য্য খামিজী মহারাজের আলুগতে। সর্বাত্রে কারিগণকে সন্মান করা হয়। কীর্ত্তনমূপে সমাধিমন্দির পরিক্রমা করিছা " 🕮 শুক্ল গোরাক গান বিব কা গিরিধারীকি का" উচ্চারণ করিল বাহির হই রা পড়িলেন। পতাকা, পশ্চাতে বিভিন্ন রংএঃ নিশান-হত্তে (अपीतक वामकतुन्म, ७२**१७**१२ जिम्न उत्रक 🕮 ল ভারতী মহারালগঠিত কীশুন-মণ্ডলা। स्हेश छेठिन।

''न्त्रिक्ष्णरेठाउक शहू निजानन। 🕮 অধৈত-গদাধর ত্রীবাসাদি গৌরভ শুরুশী ॥"

--কীর্চন করিতে করিতে সংকীর্চন-সভ্য প্রথমে চাকনছগ্রাম পরিক্রেমা করিয়া **८ इमारेन मूत्रवर्धी यटमाड़ा आटम बानम** গোপালের অক্সতম শ্রীঞ্চাদীশ-পণ্ডিতের পাটবা**টা**তে উপস্থিত হইলেন। তথায় **अञ्चिमगबाब, अवार्यारगाविम ও अ**टव्रवर्छी-রমণকীউকে সাষ্টাব্দে দত্তবং প্রাণাম করিয়া কীর্ত্তনমূপে উক্ত গ্রাম প'রক্তমা করিতে कतिएक दिना २: छोत्र समग्र सर्वेद हुकनाम আচার করিলা সকলে শীমহেশ-পত্তিতের পাটে পুনবাবর্তন করিলে স্বামিনী মহারাজ अक्राचीत चरत गाहिरणन :---

"প্রভুদ্ধ আলেশে মোরা মাগি এই ভিন্দা। रश इक, अब इक, कर सक-निका।

৯ট আগষ্ট প্রোত্তে ৭-৩০ ঘটিকার সময় 🕴 রুখ্য মাতা, রুক্ষ পিজা, রুক্ষ ধন-প্রাণ।

ভদনন্তর মহাপ্রদাদ বিভরণে কীওন-

স্থার স্থানিতী মহারাজ পুন্রার হুললিত ভাষায় শ্রীমন্তাগনত পাঠ ও ব্যাখ্যা প্রাপমে ''শ্রীগোডীরমঠে"র নামান্তিত করিয়া শ্রোচ্বর্গের কলরে শ্রীহরিভকনের উপবোগিতা ও অত্যাবগুকতার উপলব্ধি প্রদান করিয়াছিলেন। বাছ লগতের সকল প্রকার শব্দ নিস্তন্ধ করিনা ঢকাবাছে কীওন-শৃষ্টা, কাদর, মূনখ, করতাল ও নৃতাকারী শ্রীমতেশ-পণ্ডিতের স্থানে মানাব উচ্চ সম্বীর্ত্তনবোলে দিগ্দিগন্ত মুগরিত কোলাহল বন্ধ করিয়া জ্ঞীরঞ্জল। পুন:-। কীঠনে সকলেই জীনিভ্যানৰপ্ৰভু এবং তদীর পার্বদগণের অহৈতুকী রূপার বিষয় বিশেষভাবে উপশব্ধি ক্ষিয়াছেন।

> গত ৮ই আগষ্ট তারিখে ডন্রক-लागानकी-मानवसम्बं औरहज्यमध्येत अन्त-তম প্রচারক জিক্তিবামী জীমছক্তিপ্রস্থন বোবারন মহারাজ ও জীপাদ রাধারমণ ব্রহ্মগরী বস্তুতা প্রদান করিয়ছিলেন ৷

व्यथ्य श्रीभाव त्राचात्रम्य उपानत्री আদে ওকুশাদপদ্মাপ্রর সহকে একটি नाठिमीच रक्ष्ण क्षमान क्रिएम भन्न चामीकी गशतास वहंगरशाक शिक्षिक मञ्जास कतः लाटकत नवरक शैरगोफीय मर्द्धत थानंत्र-दिशिक्षा मक्टक वकुका करतन। उपभटत कनिकारनम क्राधर्म त्य नाम-मरकी र्डन, ভাছা শাল্পমৃতিমূলে কৰি করিয়া নাম,

নামাভাস ও নামাপরাধের পার্থকা অতি প্রাঞ্জ ভাষার বুঝাইরা দিরাছেন।

স্বানীজীর বক্তভান্তে সহাস্থ শ্রীকাঞ্চরণ বামায়ল দাস কাব্যতীর্থ মহাপ্ত একটি নাতিদীর্ঘ বক্তভার স্থাবা শ্রীগোড়ীরমতেব क्षभटनरामग्र-मधात श्रामःभा कविता चामीकीटक भक्तताम जानाम करतम अवः मकरन्डे জ্ঞীগোড়ীৰ মঠের উৎসবে যোগদান করিছে অভিলাষ জ্ঞাপন করেন।

সভার উপস্থিত বহু ব্যক্তির সধ্যে নিয় লিখিত ব্যক্তিগণের নাম উল্লেখযোগ্য--

মহাস্ত শ্রীকান্তচরণ রামান্তর দাস কবো-ত'র্গ, অধ্যাণক জীবাস্তদের মিল্ল লাম্বী, প্রীউদয় নারায়ণ মহান্তি হেডসারার ভন্তক मना देशांकि क न. चीपक यन्त्रनि महाला क হেডপণ্ডিত, জীয়ুক্ত রাবাহদ্দ পণ্ডা বিভীয় শিক্ষক, জীভগবান জিপাটী বিতীয় পণ্ডিত, **শ্রিক্টার্থী মহাপাত্র, শ্রিদ্রাকান্ত ম**হাপাত্র I. A. ইড্যাদি ৷

## সাত্তত বিধানে প্রাপ্ত

বিগত ২৬৫শ খাবণ ( ১৩৬৮ ) মন্সল-ৰার দিবস প্রম্ভাগ্রত জীকুত নিয়ম্নিক দাস অধিকারী মহোদধ জীগৌড়ীর মঠে নৈক্ষবন্ধতিবাদ শ্রীশ্রীহরিভক্ষিবিশাসোক্ত বিধানামুসাধে একাদশাহে উভার পিছ্লান্ধ-কাষা সম্পন্ন করি।ছেন। এত্রপেলকে ত্রীমহাগ্রহুগাঠ, গছীত্তন, কৈক্ববান্ধণ-ভোজন ও সাধারণে মধাপ্রসাম বিভারিত হইয়াছিল ঃ

त्नहे दन विश्वात कन क्षानिह निक्का। कुक्कभाषभएस यक्ति क्रिस्तिस क्षा

## देशीयक महीशांक्षकाय---भाग्नमार्थिक भाव [ यके वर्ष ३१३ फन मः बारा ]

## ঠাকুর ভক্তিবিনোন ইন্ষ্টিটিউটে বস্তুশ্ভা

( )

**এ সৰক্ষে নীতিবাদিগণেরও বিচার** প্রবণ কন্ধন।

যনভাবি ন তথাবি ভাবি চেন ভদক্ষপা।
ইতি চিন্তাবিষ্টোভয়মগদ: কিং ন পীয়তে ॥
(ভিডোপদেশ)

অর্থাৎ যাহ। ইইবার নতে, ভাছা কথনট চইবে না, আবার ঘাহা ইইবার, ভাহা ইইবেট, কিছুতেই ভাছার অল্প। ইইবে না। লোকে এইরূপ চিন্তানিয়ন্ন এই উষ্ধ কেন পান করে না ?

কিন্ধ এব উত্তরে পুরুষকারবাদী বলেন, -এতৎ কাথাকিমাণাং কেষাঞ্চিদলেক্তবচন্দ্র। কাথিকরণাক্ষম বাক্তিরা আলক্তনিবন্ধন এই কথা বলিয়া থাকে।

यथा (इ.स.क.न हरक्रव न तथक श्विक्टवर । ज्या भूक्षकारतम विना देवर न गिगाछि ॥

বেমন কেবল একটি চাকাতে বথ চলে না, সেইরূপ পৌক্রের (অধাবদায় ও উন্থানের ) সহারতা বাঙীত দৈব (ভাগা) কথনও ফলপ্রাদ হয় না।

পূর্বজন্মতং কর্ম তলৈনমিতি কণ্যতে। ভন্মৎ পুরুষকারেণ যায়ং কুয়াদতক্রিতঃ॥

দৈশ কেবল পুর্বজন্মকৃত কর্মের পরি-গতি মাত্র বলিয়া অভিহিত। অভ্যব আবজ্ঞ পরিচার পূর্বক অধ্যবসায় সহকারে কার্য-সাধনের নিমিত্র যতু করা কর্ত্বা। কেন না.—

উদ্যোগিনং পুৰুষ্বিংহমুপৈতি লক্ষী: দৈনেন দেৱমিতি কাপুক্ষা বদ্ভি। দৈনং নিহতা কৃষ্ণ পৌক্ষমান্ত্ৰপক্ষা। যতে কতে যদি ন সিধাতি কেছিত্ৰ দোষ:॥

লন্ধী ( ঐশব্য । উপ্তমনীল পুকর্বসংহের প্রতিই অন্ধক্ষণ। প্রদর্শন কবেন : দৈর ( অনুষ্ঠ ) সমস্ত প্রদান করিবে—একগা কপ্রেরেনা বলিলা পাকে। ''সকলই দৈরের অধীন'' এই সংস্কার ভূলিবা গিলা সাধ্যাত্ত-কপ অধাবসার সইস্কারে কর্গো সাধ্যন বস্তবান হও, যত্ত্ব করিলে যদি কার্যা সিদ্ধান নাহন, ভবে ভাহাতে দোস নাই!

যথা **নতলিওড: কঠা কু**কতে যু**ৰ্বনিজ্**তি। এবনায়াক্তং কর্ম মানব: প্রতিপ্রতাত ॥

যেমন কৃত্যকার মৃৎপিত হইতে ত্রেঞ্জানত পট শরাবাদি প্রস্তুত করে, তক্ষপ নরকাও আত্মান্ত কর্মানকল প্রাপ্ত হয়।
কাকভালীবিবং গাপুং দৃষ্ট্যপি নিবিমগ্রভঃ ॥
ন স্বন্ধ দৈবনাদত্তে পুরুষার্থনপ্রস্তুত্ত ॥

কাকতালীয় ঘটনার জান মুলিও ধন সম্মান উপহিত হব, তথানি ভাগা স্বয়ং ভোহা প্রমান করিতে পাবে না। ভাহা গ্রহণ করিতে চইলে পুরুষকার ভাবতাক। উন্থমেন ছি পিধাঙি কাধ্যাণি ন মনোরথৈঃ। নহি স্থপ্তত সিংহর্জ অধিশত্তি নুখে মৃগাঃ॥

কোন কাষ্য করিবার ইচ্ছ। করিবেই তাহা সম্পন্ন হয় না, বত্র করিলে তবে তাহা সিদ্ধ হইরা থাকে। মৃগ কথনও স্থাং স্থাসিয়া নিজিত সিংহের মুগে গ্রানেশ করে না।

এইরণে কেউ অদৃটের পক্ষ অবন্ধন ক'রে অদৃষ্টবাদী হন, আবার কেউ বা পুরুবকারের উপাদক ই'বে দান। অদৃষ্ট আর পুরুবকারের মধ্যে যে এফটী অবিক্তেত সহায় আছে, দেটী আর কেউ লক্ষ করেন না।

যাজনকা অদৃষ্ট ও পুক্ষকাব নিচানে বলেন,— "পূর্ব পুক্ষ জন্মন ক্ষাণল একন্ম ভোগ ক্ষাণল একন্ম ভোগ ক্ষাণল একন্ম ভোগ ক্ষাণল প্র প্র জন্মর জ্ঞানাক্ষা ক্ষাণল ক্যাণল ক্ষাণল ক্ষাণল

বৈধবাচাগাবর শ্রীমদ্ বললের বিপা ভূমণ প্রভু কল্পের সংজ্ঞার স্বক্ত গোবিন্দ হাগো ব'লেছেন,—''কর্ম চ জড়মদুর্রাদিশন্দবাপ-দেশুম্' অর্থাৎ কর্মা—জড় পদার্থ এবং অদৃ-টাদি-শন্ধ-ব্যপদেশু। আবার উচ্চারই গাঁতাভূমণ ভাল্যে এইরূপ দেখ যায়—পুং-প্রায়ন্ত্রিদাশ্লমণ্ডাং কর্ম অর্থাৎ প্রদেব প্রকৃত্তরপ মত্বের ছারা নিশ্পাদিত অদৃ্টাদি-শন্ধবাচা বস্তুই কর্মা। আদি' পদের ছারায় পুক্ষকারকে ধরা যেতে পারে।

শ্রীমদ্ভাগণতে অদৃষ্টবিদরে কিরূপ ফুল্বর মীমাংসা ক'রেছেন, তা' আপনারা শ্রুবণ কজন।

কংস দেশকীর সন্তান বিনাশ ক'রে

যথন মায়াদেশীর বাক্যে দৈশবাণীর উপর

অনিখাস কর্লে, তথন নস্তাদেশ ও দেশকীকে

সাম্বনা দিশার জন্ম এইরপ ব'লেছিল,—

মা শোচতং মন্তা ভাগাবাস্কান অক্তং দুলঃ।

অন্তবা ন সদৈকতা দৈশাধীনাম্বদাসতে॥

ভূপি ভৌমানি ভূতানি যথা যান্তাগবান্তি চ।

নার্মান্তা তথৈতের বিপ্রোভি যথৈব ভূঃ॥

বগানেবংশিদে। ভেলো যত আন্তবিপ্রারঃ।

দেশনোগবিয়াগৌ চ সংস্তির্ন নিবর্ততে॥

তমাণ্ভলে স্বভন্নন্ম্যা ব্যাপাদিভানশি।

মান্তবাহ সাকঃ অক্ত হং বিদ্যুত্তির্থাক দুঃ॥

যার্ম্বতাহ মি হয়্বান্তান্ত্রানং মন্ততেহ্বদুন।

যার্ম্বতাহ মি হয়্বান্তান্ত্রানং মন্ততেহ্বদুন।

ভাবং ভদ্ভিমান্তজ্ঞো বাধ্যবাধকভামিরাং ॥

( W: 3018126-22 )

### -图7季

## প্রিটিডেক্স মঠ ( ত্রিদন্তিযানী **জ্রী**নদ্ অক্টিপ্রাদীপ ভীর্য মহারাজ )

"মঠন্ধি বসন্তি ধন্মায় শুরুর নিয়াক্ষ
ঘর্মা" থেখানে গুরুষর্ম ও লিখার্স
ক্রকাগুলীকন-উল্লেখ্য অবস্থান করেন, সেই
ফানের নাম মঠ। "আন্মা বা অরে
দ্রুইব্যা, শ্রোভব্যা, মন্তব্যা নিলিধার্সিক্ষাঃ,
সেটি অবেটবাঃ, ।" মঠে আত্মন্তবিদ্যাল
আহার অইনিলান করেন। দ্রীটেডকুমঠ
আন্ধরন্তান। এই আকর মঠরাকে শুনার
বা ভারতিজ্ঞান্তগণ প্রতিপ্রতিভ্রত্তির আন্ধরিত
প্রস্থান আর্থানে শ্রিটিডকুস্বের আন্ধরিত
ভ প্রচারিভ ধর্ম অন্ধর্ণান করেন।

এটি ভর্মাঠ-- আম্প্রনেগর ভবনে প্রতি-- উচ্চেশেগৰ আচায়া মহাপ্রভুর নিকট-আন্থীয়া ইনি নন-নিধির অঞ্চাত্ম 'आहियान्यु' नाटम निशांछ। दहे हन्न-(मशर्रत गुरुष्टे 'जरूशहर्म' मारम व्यक्ति। क्षे शास्त्र श्रीमग्रहा शहर अस्त्रा अस्त्रा काह अ रमनी भारत जुङा इङेशाङ्कि । ८मङे मधुन লীলাকণা দ্রীটেডক্সভাগবডের মধ্য ১৮শ অধ্যায়ে (গোড়ীর সংক্ষরণ) জনিক্সভাবের বণিত রহিরাতে। বঙ্গদেশে ইচাই প্রাণম অভিনয়। এই স্থানেই গৌড়নেশের রুশং ভোষণপর রক্ষমধ্যের সকলেগন গৌর-চন্দ্রিকা অহুষ্টিত হুটগাছিল। 'রঞ্পতন' নামের অপজ্লা 'বরজপোডা' নাম এখন ও বহু প্রাচীন দলিলাদিতে প্রকাশিত দেখা याग्र ।

শ্রীটেডছাদের মধোকক প্রন্টেডছালয়।
তাঁহার নাম, ক্লপ, গুণ, লীলা ও পরিকরবৈশিষ্ট্য তাঁহা হইছে অভিন্ন। হামেধা
কাঞ্চ টৈডছাগণ এই সংকীঠন-বক্ষম্বলীতে
সর্কাণ তাঁহার নাম, ক্লপ, গুণ ও লীলা
কীর্তন দানা তাঁহার আরাধনা কনেন।
কাফ্টিডছাগণই এই নাম্যজ্বের হোতা,
উদ্যাতা, অন্ধর্ম ও বন্ধা।

যেস্থানে ভগবানের নাম, রূপ, গুণ ও লীলা কীন্তিন হ্ন, সেইস্থানে ভগবানের অধিষ্ঠান, সেই স্থানই কুলাবন।

শ্রীটেডজমঠ—ক্রফবসভিত্বন । শ্রীটেডজন মঠ—বিভঙ্কদন্ত্বে প্রাকালিত বাস্কদেশ-বিহারস্থলী। এই ক্ষপ্রাক্তে চেতন-ভূমিকার শ্রীটেডজনেবের মনোভীই-প্রচারক ও সংস্থাপক শ্রীগুরুদেবের অন্তচ্বর্গ সেবা শ্রীগুরুগোরাল-গান্ধবিকা-গিরিধারীর নিত্য-সেবাকার্য্যে ব্যাপ্তিত আছেন।

## যৎকি ঞিৎ

# পরজোকে রাম রাধাবল্পত : চৌধুরী খাখামুর

গত ৩য়া আগষ্ট রাম বাহাছম নাগা-বল্লত চৌধুনী মহালয় প্রলোক গমন করিলছেন। তিনি বৈমনসিংহ জেলার षक्षे एत्रपूर महत्र अक्ष्म मद्रोद्ध । প্রণিত:বলা ভুমাধিকারী ছিলেন। ভাঁহার খাৰহায় অতীৰ অমানিক ও প্ৰতিপ্ৰদ ছিল। তিনি শ্রীনব্দীপধান প্রচারিশী সভা ছাপিত হুইবার প্রথম হুইডে কারেক বর্ষ পূর্ব পর্যান্ত উক্ত সভার সাধারণসমিতির সম্পাদক ছিলেন। উক্ত সভা ভাইাহাকে ভিক্তি-ভূষণ' উপাদিতে ভূষিত করিমাছিলেন। তাঁছার শেষ শ্রীবনে তিনি শ্রীধামের কিছু দেব। করিতে না পারায় আনকা ছংগিত। আমাদের মনে হয়, উছোপ বাদ্ধকাই ইহার কারণ। আমবা ভাঁহার শোক-সম্বপ্ত পরিবারবর্গকে সমবেদনা জানাইভেছি।

### ( )

বাঁচারা সভাপিশাস্থ নহেন, নিরপেক বিচারক নহেন, সতাবাদী নহেন, ওাঁচারাই অক্সের মুগে ঝাল গাঁড্যার লাগ্ন মাপর কোন মংসর ব্যক্তির নিকট কল্লিড অসভা কথা শুনিল ভাহাই সভা বলিয়া বিশাস করেন এবং কোন ব্যক্তিগত বা কোন সম্প্রদায়গান্ত অসভা ধারণা ভাদরে পোষণ করেন। আবার কেহ কেছ ঐ অসভাকেই সভা বলিয়া অনুসমাজে প্রচার করিবার কন্তুও উৎসাহবিশিত্র চন।

নিষয়কাৰ্যো স্থানিপুণ ব্যক্তিগণ বাজারে কোন দ্রব্য পরিদ করিবার সময় কাহারও কথায় বিশ্বাস না করিয়া নিজে ভাল করিয়া ट्रिमिया लग, कांत्रण खाँशांत्रा खाँदाम त्य, বঞ্চলপণ স্থান্য পাইলেই লোক ঠকাইলা থাকে। পারমাধিকগণেরও জানা উচিত त्य, भरमार्थभरभत भिक्कागरक ठेकहिनात्र क्षक व्यत्नक धन्त्रंभवकी गांकि धन्त्रिंदकत्र সক্ষায় সক্ষিত **হইয়া লোকবঞ্চনা করে**। के श्रकात नक्षकश्रीह निष्मत्र क्रावेश ह গলন ওলি যাহাতে প্রকাশ হইরা না পড়ে, ভাহার জন্ত প্রাক্ত সাধুকে অসাধু বলিয়া প্রমাণ করিবার চেটা করে এবং পরত ধ-इ:बी-माधुनावन म<sup>\*</sup>।का **क्याटक 'नत्रनिका**,' বাল্যা প্রচার করে। মৃতরাং বাহারা সভা<del>য়-</del> স্কিৎস্থ, ভাঁচারা ক্থন্ত আছের ক্রা শুনিয়া কোন ব্যক্তিগত বা সম্মান্তগত কোন मख्या दिन करतम ना वा क्राठांत्र करतम मा । কাহারও সহকে কোন বছবা প্রাঞ্চাল করিবার পুর্বেষ ভাঁহার সহিত ভাল করিবা মিলিয়া মিলিয়া দেখা উচিত যে, সেই বাজির আচারঞাচারাদি **সাম্বভণার ও** गशकनाष्ट्राणिक किना ? नरहर वक्टक्स হাতে পজিয়া বঞ্চিত হইতে ভ হইবেই, অধিকত্ব সাধুকে অসাধু মলিয়া ধার্মণ করিয়া সাধুনিকারণ মতহতী বারা অন্ত নরকের পথের বাজী হইছে হইবে।

# গ্রন্থ পরিচয়

## শ্রীমন্তাগবতম্

শ্রীমন্থার ক্ষাইবিপায়ন নেলব্যাস-প্রণাত মূল, শ্রীমন্থারণানকতা ভাৎপর্যা-নির্গানীকা; শ্রীমন্থিয়নাথ চক্রবর্তী ঠাকুর-ক্ষত সার্মার্থনিশী টীকা, বজান্ত্রাদ, সংগ্রত মধ্য ও প্রেটিশক, তথ্য ও বিবৃত্যাদিসূক। প্রেতি গ্রহের আদিতে সেই হলের প্রতিপায় কথাসার, অধ্যারের প্রথমে ঐ অধ্যারের সার্থহ শ্রবিশৃত তাৎপর্যাদি বিবৃত। গ্রোকস্চী বিধ্যস্তী, অধ্যায়বিবরণ, পাত্র ও স্থানস্চীসক উত্তম কাণেতে উত্তম অকিনে মৃদ্রিত। প্রথম হইতে ১০ম হলে প্র্যাপ্ত উত্তম অকিনে মৃদ্রিত। প্রথম ইততে ১০ম হলে প্রায় ভালা প্র্নিকণে শেষ হইয়াতে। ভিন্তা প্রথম হটতে ৯ম হলে পর্যাপ্ত ২০৮০, দশ্ম হলে ১০১; দশ্ম সংগ্রা ৮০১।

## क्षा करिएक वार्थिक विकास

শুলিমছার নাদ্যাকুর-রচিত 'অমৃতপ্রবাহতাদ্য'

ত শুলিমছার সির্মান্ত গোলামী প্রদুগাদ-লিখিত
'অমৃতাদ্যে প্রতি গুলাদি বহু শাস্তপ্রমাণ সম্বলিত হইয়া
প্রকাশিত হইয়াকেন ৷ সোকের সাধ্যব্যাপান, বৃষ্ণান্তবাদাও
ক্রেডাক প্রারের প্রের সংক্রিপ্ত অভিদেয় সংগোজিত।
প্রত্যেক প্রার-প্রার্থত ক্রপাসার দেওয়া আছে। শোক,
প্রার, শন্দ, স্থান, পাত্রে প্রভাবের স্কর্থৎ পতী ও প্রদ্বানের
বিস্তুত লীব্লা-সম্বিত এইরূপ অভুতপুন্ধ সংক্রণ ইতঃপ্রের
ক্রোপি প্রকাশিত হর নাই। উত্তম কাগ্যে পারিপাটোর
স্থিত সুল মুক্ষকরে মুলাংশ স্থাত হইয়াতে: প্রস্থ প্রায়
১০০০ পুলার স্কর্মর ভিকা বস্তমানে হু মাত্র।

#### **এ:**হৈছজ্বতা গৰভ

গ্রাধকারের জীগনী, প্রতি পরিচ্ছেদের কণাসার, বিশ্বত নৌড়ীয় ভাষা, শক্ষণী, প্রারহটা, বিষয়-স্থান-পাঞাদি-সুচী, প্রস্কৃতি বিবিধ বিষয়-সথলিত বিরাট খিতীয় সংকরণ ধক্ষ ক্রাউন ৮ পেজী আকার। আদিলালা ও মদ্যের কির্দংশ প্রকাশিত ইইয়াছেন। ক্রমে ক্রমে প্রকাশিত ক্রতেছেন। শ্রিম ভিশ্বা ে টাকা, আদি শীণার ভিশ্বা ০ ।

## **ब्रिटेड क सम्बद्ध**

এই গ্রন্থের এরপ অভিনব ধ্ন্দর সংখ্রণ আর ক্রাণি প্রকাশিত হর নাই। সংখ্যত শ্লোকাংশের অব্যার, বলাজবাদ, ভাসা, কথাসার, তথা প্রাকৃতি সহ খণ্ডে খণ্ডে প্রকাশিত চইয়াছেন। মূল মোটা অঞ্চলে ডবল ক্রাউন আটপেনী সুহলাকালে ভাপা হইরাছে। মূলা বাা টাকা। নদীয়া প্রকাশ ও গৌড়ীয়েল গ্রাহকগণের প্রক্ষে ১৪০ টাকা।

#### **এ।মত গ্ৰদ্গীতা**

— শ্রীগোড়ীর বৈক্ষবাচার্যা অপ্রাক্ত রসিকচ্ডামণি ই.শ্রীবিশ্বনাথ চক্রবর্তিঠাকুর গোলামিকতা সারাগবিধী টাকাসমেতা ও শ্রীশ্রীমন্তভিবিলোল ঠাকুর-প্রেণীত 'রসিক-রক্ষম' নামক ভাষাভাষাসহিতা। অধ্যারস্থতী, মাকুকাজমে প্রোক-স্থতী,বিধ্য-স্থতী,গ্রহ্কারের ভীবনী ও অব্ভর্গিকালি বহু-ভাত্বাবিধ্য-স্থতী কর্ত্তেই বাধাই ভূতীয় সংক্রণ—এই রাজ সংধ্রণের ভিক্ষা ২ টাকা মাজ, সাধারণ সংক্রণ—১॥।

## শ্রীল প্রভূপাদের বস্তৃতাবলী

- ও নিকুপাল এ এ মত্তক্তি সিদ্ধান্ত সর্ব্বন্তী

  কৌশামী মহারাজের সেই অবিভা-বিধ্বংসিনী

  কীনান্ত্রস্কপোলোগিনী ক্ষ-কাঞ্চানন্দলায়িনী কীবস্ত-শানীর

  মৃত-পিগ্রাঃ—-বেধ্বনিদ্ধান্ত-নত্তনালার কৌশ্রত্যাণি— সম্প্রদার

  বৈভিগবিজ্ঞানগারের মোলিক তথ্য —পক্ষরীত ও ভাগনত্তর

  সমগ্র গ্রন্থ-মাজন-শ্রীবনচরিত-পিশ্ব ক— ভিনিলাসচিন্মাত্র
  অচিয়াত্র-বিচারক— উপ্রয়া ও মাধুগার্গের মৌলিক গ্রেবণার

  —স্বদ্ধ, অভিধের ও প্রয়োজন-ত্বের নিজান্ত-সমৃত্র।
- ১। প্রাহা খণ্ড— বৈক্ষবদর্শন, জ্রীপ্তরুত্ব, কাল-পর্যু, জ্রীমধ্বাবিভাব, জ্রীপার্বভানবী, পাঞ্চরাত্রিকী দীকা ও বণ বিচার, আত্মধর্ম ও মনোংখা, জ্রীচৈতঞ্জনেধ ও ভাষার পিকা, অপ্রাক্ত সংক্ষধন্ম ও প্রাকৃত সংক্ষদন্ম, প্রকৃতি বিংশতি সংখ্যক রক্ষে স্থানভিত। জিকা মাত্র ৮০ বার আনা।
- ২। বিতীয় খণ্ড-- ডকা ও বিদ্ধা ভক্তি, মহুদোর শ্রেছতা কোথায়, আত্মার নিত্যবৃদ্ধি, শ্রীনর স্বামিপাদ ও মারাবাদ, শ্রীগোর-নিত্যানন্দপ্রসঙ্গ, ত্রিযুগের ধ্যা ও রক্ষ-কতিন, ত্রীবাসপূজায় ত্রীমহাগবতের কীউন, প্রগোর-সামের মহিমা, মহাপ্রসাদ, শ্রীগোরিন্দ, ত্রীরপাহুগভেজন-পণ, ত্রীমন্তী রুমন্তামুনন্দিনী, প্রীচেতপ্রের দ্বা, গোরকরণা ও রুমন্বাধীতন--চতুদ্ধ অপুন্র মধুরিমাপুর্গ-বন্ধৃতা-বিভূমিত। ভিজা ১, এক টাকা মাত্র।
- ত। তৃতীকা শগু—লোকপ্রিরতা ও সতাপ্রিয়ত।
  বীনলদেন প্রদাস, উক্লেখাবর্ডাব, শৈক্ষর, প্রীসীতাদেনীর
  আবিভাব-প্রসাল, শীনাহাগনতের সভা, উন্নোসপূজার শীনাদ্ভাগবতের পুনুরাস্তি, শীনামস্ক্তিন ও হরিদেবার নিভাত।
  —এই নয়টী হুদার্শনিক বস্তুতাসম্বালত। হিক্লাধ্য মাত্র।

### 🛎 মন্ত্ৰগ্ৰদ্গীতা

গোদীয়-বৈক্ষবদাশনিক-শেখর শ্রীপ্রীয়ন্বলনের বিজ্ঞান্ত ভাষা ও শ্রীমন্তিবিনোদ সাকুরেরপ্রাঞ্জন বল-ভাষার বিশ্বত 'বিগদ্রঞ্জন' নামক ভাষায়ক। শ্বামন্তিটা, বিষয়প্রী, ও প্রতি শ্লোকের প্রাথম ও তৃতীয় পাদ প্রী, ভাষ্যকারের শ্রীবনী প্রভৃতি স্থলিত। উৎক্র বিনাই, রাজসংশ্বরণ (তৃতীয় সংশ্বরণ) প্রায়ের ভিশ্বা ২ টাকা।

## **জ্ঞানবদ্বীপধাননাহান্ত্য্য**

( প্রমাণথ ও ) সাম্বাদ। আতি-মুভ্যাদি গ্রন্থে খ্রীনব-দ্বীপের যে শ্থিমা কীতিত আছে, তাহার মূল সংস্কৃত ও অফুবাদ। ভিকা ১০ খানা।

#### **এ** গ্রীনবর্ত্তী পকাবত রঙ্গ

শ্রীঠাকুর ভবিধবিনোদ লিখিত। স্থানিত গাতাকারে পরিক্রমার প্রথব্যাদি-বিষয়ক। ভিকা। শানা।

#### ভক্তিরতাকর ও নবৰীপ পরিক্রমা

শ্রীল নরহরি চজবন্ধি-ঠাকুর-রচিত। ওকিররাকর চইতে পরিজমাংশ মাত্র গৃহীত; ইফিনীব বেদ্যামী কি প্রাথমের শ্রীনব্দীপণামের পরিজমা করিয়াছিলেন, ভাষাই পতেবিহুত। ভিকা। ৮০ শানা



শ্রী ভক্তিবিনোদ ঠাকুর-প্রেমীত : শ্রীটেড ফেটং গ্রেড শিক্ষাপ্রণাদী—ক্ষম, ক্ষমপক্তি ও রস— বন্ধ ও মৃত্য জীব— আচিস্তা ভেলাভেদ-তত্ত—সাগন-নির্ণয়—প্রয়োজন-ভত্ত্ব, কল্ম-কাপ্ত, আশ্রামাদির বিচার—বৈদী ভক্তি, ভাষভক্তি ও প্রেমভক্তিসহ নামভেলন-প্রণাদী ও অঠকালীর শীলা-প্রিচরাদি প্রথম শিক্ষাণীর উপযোগী করিয়া সর্গ ভাষার সমুদর সৃক্তিপ্রসাণসহ শিথিত আছে। চতুণ সংভ্রণ বাধা ২ টাকা, ভাষাধা ১৮০ টাকা মাত্র।

#### গৌড়ীয়কণ্ঠহার

শ্রিন্থে ইয়া- দৈক্ষনগণের অন্তক্ষণ করে দারণাণা ক্রিন্ত হতি প্রাণ-পঞ্চরান্ধে সাহত-শারসমূহের প্রমাণাবলী বিন্যবিভাগক্রমে সান্ধান ওন্দিত। এইরপ বৈঞ্জন-দিহাছের সার্যমন্ত্র অন্ত করাপি প্রকাশিত হয় নাই। ইহাতে গুরুত্ব—ভাগবত—বৈঞ্জন—গৌর—নিত্যানন্দ—আহৈত—রঞ্জ—শ্রি—ভগবড়স—জীন—অভিয়াছেদাছেদ—অভিধেন্ন—স্থানভ্জি—বর্ণশ্রি—আশ্রম-দর্শ্ব—গুজ্লাছ — শ্রিন্য প্রাত্তন ও প্রমাণ-তর্গুলি পূপক্ অধ্যানে স্কৃত্ব শোকাদি স্টোস্ঠ উংরই এন্টিক কাগজে রোজ সুকারিতে মুদ্রিত, উংরই বাধা সোনার জলে নাম লেখা। গ্রন্থ প্রায় ৪০০ পূর্চার সম্পূর্ণ। ভিন্ধা ২ টাকা মান্ত।

#### ब्रीमगदीर्भाय-असावनी

শ্রীমদ্ভতিবিনোদ ঠাকুর-রচিত 'গামমাহাত্মা— দামমাহাত্ম্যের সাফ্রনাদ প্রমাণ পঞ্জ—শ্রীণ নরহরি চক্রবর্ত্তী
ঠাকুরের গাম-পরিক্রমাংশ—শ্রীগাম নবধীপ পরিক্রমা—তীথযাত্রা পঞ্জত—শ্রীমহ প্রবোধানন্দক্ত নবহীপশতকম্—
শ্রীমছিও-বিনোদ ঠাকুরের শ্রীনবহীপ ভারতরঙ্গ প্রস্কৃতি
গ্রহ এক্র ভিকা ৮০ জানা মাত্র।

#### গ্রিছরিনামায়ত ব্যাকরণ

শ্রীর শোষামী প্রাঃপাদ-বির্চিত সূত্র ও বৃত্তি, তৎস্থে ওবিজুগাদ শ্রীমহাজিসিকান্ত সরস্বতী গোষামী মহারাজের বিস্তৃত ভূমিকা ও গ্রচী প্রাকৃতি সহ। অপ্রত্যাশিতভাবে সুমন্ত। ভিক্ষা ২ টাকা, চাত্রগণের পক্ষে ১৮০ টাকা মাতা।

### বেদান্তভাষণার

শ্রীমদ্রামান্তকাচাধ্য-রচিত। বেদান্তের বিশিষ্টাকৈত্রবাদপ্রচারক শ্রীভাষ্য-প্রণেশা কাচাধ্যপ্রবর বেদান্তদর্শন পাঠের
উপযোগী কর-বর্গ এই উত্তম করিয়াছেন। ইচাতে
বঙ্গান্তবাদ ও স্কর্তীপত্রাদি সংযোজিত করা হটমাছে
নাম মাত্র ভিক্ষা ॥০ জানা।

## **এটেডকাচজামুভ ও** নবধীপশভক

লোরপার্যন তিনাতী শ্রীমং প্রবোধানন সরস্বতী-প্রাণীত
মূল, প্রভূপান শ্রীমন্ ভক্তিনিদাও সরস্বতী গোস্থামী মহারাজ
সম্পানিত অব্যয়পুরে ব্যাপা ও বলাছবান সম্বলিত।
নবদীপশতকের শ্রীভক্তিবিনোন সাকুরের পভান্ধবান ও
তৎসত শ্রীমন্মহাপ্রভ্রার একটা তিবেণর্যন্তি অলোকিক চিত্র প্রদত্ত হট্যাচে। মূলেও কাপজ উৎকৃত্ত (২ খানা
একত্রে) ভিক্ষা ৮০ আনা, অতি স্কুল্মা বীধাই রাজসংক্রম
১ টাকা মাত্র।



#### दिशीयक मश्रीशाध्यकाम



় জীম্মভিতিবিনার সাক্র-প্রায়ত। এই একমাত্র গ্রন্থ-ষ্ট্রের জ্ঞান লাভ করিলে পরেমাধিক বাজো কিছুতেই काञान वा म भग्न शाकित्व ना। अत्रम गुजु त्यां विरवक अहै-কণ্যালে ও জনৱাপানী প্রত এ পর্যান্ত প্রকাশিত : ই নাই। নি প্রাথমি-শাস-মতোদ্ধি-মন্তন্ত্রে এই প্রাথ্ড শ্রিত হট্যাতেন। আগার শ্রবিস্ত প্রী, কগাণার कें छा। भि बाता निर्मान मगुक कता बहेगार । विद्रावि अप, ্লানার জাগে নাম লেখা, উৎকট বাবাই -- চতুর্গ সংকরণ क्षिणा २ होका माजा

## (अगनिवर्ड

শ্ৰীমনাত্য প্ৰায় অধ্যক্ষ পাৰ্যৰ শ্ৰীল জগৰানন প্ৰাভূ বির্তিভ। এই পুস্তকে অতি স্বাংলাধা ভালার মধাপ্রভুর क्षिण बीबायस् रेक्कवाठात्र. ८कामनी ६ मामस्यन-প্রদালী প্রস্তৃতি অনেক देवकवाडटक्त सुर्योगाःमा दिनिटिङ शा≩रवस । भागकीकाय छक्ष छात्मत विभनार्थ **७** এরকর্ত্তরে পরিচয়াদি-নুথলিত চতুর্প সংকরণ ভিকা॥√• দশ আনা মাতা।

#### ভজনরহ স্থা

ভল্নকারীর নিতাশঙ্গা ; ঠাকুর ভক্তিবিনোদের সম্বা श्वा : मिथित शास्त्रत निर्यात । अष्टशानि ना एक्श श्वास কেচ ব্ঝিতে পারিবেন না। তৃতীয় সংস্করণ ভিকা ॥•।

### হরিনামচিত্তামণি

নামাচার্যা শ্রীণ ছরিবার ঠা চুরের মুখে শ্রীময়হাপ্রভ **बै**नाम-माश्राञ्चा, नागालाग. नागालताथ आवृत्ति विवरवत यात् जाम निवास अवन कवियाजितान । এই निवस धानस আট্র সরল পরারে সংক্ষিপ্ত আশার্মত পরিপাটিভাবে মুদ্রিত। 🕮 ল ভব্জিবিলেনে ঠাকুল-ব্রচিত। পঞ্চম সংক্ষাণ ভিক্ষা ५०

#### কল্যাণকন্মভক্ল

শ্রীমন্ত্রকিবিনোদ ঠাকুর-বচিত্ত। প্রত্যেক ভগবনু-িখাদী ও জ্ঞানপথের পথিকের একান্ত প্রয়োজনীয় উপ্ৰেশাৰ্থীপূৰ্ণ গাডিএর। সামান্ত বেখাপড়া ভানা त्नादक अहे उक्रमद्राद्भाव गाँजिममुद्द्य पात्रा अमर्थमिनुद्धि ও ভগবংদেশ খাত করিবার স্থবিনা পাইবেন। মঙ মংকরণ, ভিকা / ২০ আনা মাত্র ।

#### শরণাগত্তি

अमहक्षिवित्सक ठेर्ड्य-बिछ । कश्वात्म बाब्रमवर्गन. विकश्चि, खबनवावना, वस् विधा भन्ननाशिक व निवि-वालना-विशास गाँकिश्वर, किया /- बाना गाव ।

#### बै जायनी

অঠাকুর কবিধনাদ-প্রদীত। নিতা ভছম, আরাত্রিক শ্ব প্রাণান-দেবনাদি-বিশ্বক নধুত্ব গাঁতসমূহ একতে প্রবিত। "Ent / - wint size :



ভীমন্মহাপ্রত্র শিক্ষা ও শ্রীণ র্যনাগ দাস গোলামীর প্রতি ত্রীকল গোস্বার্ট্র উলনেশবাণী, ভক্তিপণের অঞ্জুল ও প্রক্রিক বিষয়ে স্থবিচারিত স্যোদন ভালা, বিশ্বত विवृত्ति, हति हामुद्रहत क्षत्रान, मावस नामन व सभावन । প্রণীত বতপ্রেণী গাঁডমমূহ প্রত্যেক শ্লেকের স্তিত স্থিতিৰশিত হট্টাছে। ৩য় সংখ্রণ ভিক্ষা 🗸 আনা।

#### **7118-44**

শীর্থনাথ দান গোক্ষামীর মনঃশিক্ষা, শ্রীণ ঠাকুর ভकितिरगाप-ठाँउठ প्रधास्त्रवापनक। ভिगा /• स्राना ।

#### প্রেমভবিদ্য ব্রিকা

প্রীল ঠাকুর নরোত্তমের প্রপ্রদিক প্রেমভক্তিবিধ্যক গানের প্রক। ভিগা ं॰ আনা মাত্র।

#### নবন্ধী পশ ভ ক

শ্রীল ঠাকুর ভতিবিনোদ রচিত শ্রীল প্রেরোধানন সর্ভ টাপ্তের সংস্কৃত নাবীপশতকের স্থালিত প্রায়বার। जिका / • वामा माद।

#### कार्थ भक्त

टीव लाकावांगा विकास देवकारका-स्वादमत सावत পুতক। ভিকা / ব্যানা মাত্র।

#### সদাচারশ্বতি

প্রীল মধ্বচোর্যা-প্রণীত। বৈক্ষবের নিভাকর্মাদি সদাচার। বলী, বছাজুবাৰ স্থিত। ভিকা/• আনা মাত্র।

#### মণিমঞ্জী

कविक्तरकनदी मैनबाताप्रनाहांगा बहि छ। सैनयथ চাগোর সংক্ষিত্ত জীবনগীলা ও মূল বৈক্ষবধন্তমত। সামুবাদ **डिक्षा । • जाना माजे ।** 

### ८गोत्रक दक्शामन

প্রাচীন কবি শ্রীপোৰিক দেব প্রাণীত শ্রীপোরাবভারের প্রমাণাবনা-সংবলিত সংস্কৃত এছ। ভিজা ५- আনা।

### युक्तिमञ्जिक। ( क्षण्टनोत्रक )

🕮 মধ্বস আলায়াস্তগত 🕮 মঁবাদিরাক স্বানিকত। বঙ্গাগরে ৰাছবাৰ এই প্ৰছেম প্ৰাকাশ পারমাধিক বাহিত্য-ছনতে এই সক্ষতাথন। নীম্মাধ্বচোদ্য হউতে নোড়শাবস্তন খিতীয় সন্তিবেশিত আছে। ভিকা • আনা। मक्षफार्या मारम काफ की गामिकाक होर्थ कादी एके अरव শাধারণ মৃক্তি ও গৌকিক স্থায়ামুগারে কিন্দুপ প্রভাৱভাবে ভক্তিবিরোধি-মতবাদ ধুমুচ খণ্ডন করিয়াছে, ভাছা পাঠ করিতে করিতে আশ্চর্ণ্যাবিত হইতে হয়। ইহাতে বৃঞ্জির बाबा চात्काक, टेबन, ट्योब, मीमाश्यक ७ मात्राकानियछ-সমূদের ফুক্সর বাওন সহিষাছে। ভিক্ষা ২, টাকা মালে।

### (भाषामी जिल त्रयमाथ मात्र

( উ বিষ্ণাদ জীল ভকিনিয়ায় সর্থতী গোৰামী প্রভূপাদ-বিখিত ভূমিকা স্কু) গৌরপ্রেষ্ঠ পর্যপ্রনরপের এক্ষাত্র প্রিয়ত্তর প্রীণ দাস গোন্ধানী প্রান্তর অনুক্র চরিভাযুত ও শিকা ক্ষতীব আশ্বন ও সর্গ ভাষার স্মিরিট এবং পরিশিষ্টে দাদগোসামী আছম বিশ্বচিত কএকটা ৰাছৰাণ মধুছত্তৰ স্বৰ ও মনঃশিকা-সহলিত। ভিকা বাধাই। • আনা, আবাগাই। ৮ জানা মাত্র।

# চিত্রে নবদ্বীপ্র

आर्टीम मवबीरभन सर्विष्टि, छन्।, क्रेडिश, calle e প্রতিগালিক প্রমাণসম্বলিত নয়তা বাঁপের সচিতা বিবরণ-शक्षा लाक विजा अवादक व कुमांत चीत्रक भन्न मिन्नू मात्रायन वाशि नग. १, व्यांक (वाट्रांक). (वशाक्षक्रम मट्रांभक्ष कर्क मक्षणि ७ व्यवः ४९ थानि विज्ञित वार्यतः अभूतः ठिळ । । मानि । नगविक ; आक्रिनियामहार्गत ताब नाटहत अध्यक নংগ্ৰন্ত নত বিশ্বকোনসম্পাদক মহাশ্যের বিশ্বত ভূমিকা गर । केंश्करे (हर ) मत्राका पालाई बना । ।• , सिंह लि: ८७ >্টকে মাজ।

## माभक-कर्श्वभाषा

अञ्चलना, टेनकान-वन्त्रमा, देवकानभवन, वालारेशव नी ह बीनामब्दे, बीनमधाद्यान्त आर्थाह्यमञ्जनमः, अर्थेक्षावर नामकी कृत. व्यानामनकी कृत. (श्रमध्यति, 'वाडेननकी ह. भववील-मिक्सा, श्रीमात्रालुत महिमा, श्रीमात्रादम-श्राप्त घटेक काठागा-वन्तना. तष्ट्रशायामीत व्यक्तेत. cenusters क्रिकः. উপ্রেশমালা, নামভুজন-প্রেণালী, মহাপ্রেড় ও রার রামান্ত गरवान. मनान्यका, 🖺 ध्याधार्थक, 🚉 ध्या-भवन्यवा महा श्रद्धा तकता श्रद्धां जातक । अधिक विदास मिलाभारः ্রিণাবগণের কণ্ঠান্ডিত ভূক্যীমালার স্তায় অফুক্রণ করে ধারণবোগ্য অপুন প্রায় ডিকা । ডিকা । বিংগাই । মাতে ।

### গোড়ায়-গোরব

কলিকাভার শুপ্রামিত্ব আলবাট হলে গৌডীর সম্পাদ্ধ শ্রীপাদ কুন্দরানন পর্বিদ্যাবিনোদ প্রেদক্ত বস্কুভার বিংহ এডকারে প্রকাশিত ৷ উহাতে গোডীর বৈক্ষবসম্প্রদানের ইতিহাস সূত্রাকারে প্রপিত হটয়াছে । ভিক্ষা 🕪 শক্তি।

#### গোড়ীয় সাহিত্য

कशिकां छात्र श्रुव्यानिक बानवार्वे ब्रह्म त्योष्ट्रीय नम्याम र প্রীপাদ অন্যবানন পর্ববিভাবিনোদপ্রাভ প্রদান বস্কুতার বিভ প্রধানারে প্রকাশিত। ইহাতে ব্যক্তিন শক্ষের অব এব গৌড়ীয়-নাভিত্তে।র বিষর প্রকারে বর্ণিত ভইমাতে । ভিঞ ।৵• খানা মার।

### প্রিলোডৰ ওল পরিক্রমা-দর্পণ

শ্রীলোড়দেশের যে সকল স্থানে সপরিকর শ্রীমর্মারা প্রপ্ द्वः जनकृत প्रवस्त्री सक्षाक्रमण कीला कविया नियाहरू. সেই সৰ আধুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও দেশবিপ্রকাদিঃ পরিচর সম বাতারাতের স্রবিধা নিকেশ ইডাফি বিষয় ও'-

### THE HARMONIST

## OR SHREE SAJJANATOSHANI

श्रीन रेक्ट्र एकिनिस्नाम-अविक्रिक धनः क्रिय किन সিদান্তসমূহতী গোভাষী অভুগাদ সম্পাদিত পার্যাখিং माणिक श्वा अक्षर देशाकी खादात व्यहाविश्म व ভবৰক্লাউন ৮ শেলী ৪ ফৰ্মা ন্দাকারে প্রতি বারে করি নামের বিজয়-বৈদয়ন্ত্রী বইমা উপভিত ক্টভেটভন কাসল, মুদ্রণ-পারিপাটা ও চিঞাদি অতীব চিতাকর্বক **धवं टाकात सेश्करे टाक्क बात दकान मानिक क्या**पिट **८१विटङ लाईरकन ना**। दारिक सिका खाक्यां करन र

#### श्राविद्याम-

এতৈতথ্যসত পোঃ প্রিমায়াপুর নদীয়া

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউটি" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## (थाना इहेशारह।

অভিজ্ঞ ও আদেশভিরিত্র শিক্ষকগণ ছা এদিগকে অতি শক্তের সভিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। •বিদেশী ভাতগণের জন্য বিনা ব্যাহ্য স্থান্যর বাসহালের বন্দোবস্ত চট্ট্যাত্তি। ভান অতীন আভাকর।

স্বিস্তার স বাদের হন্ত নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। সেত্রেন্টারী, ভারুত্ব ভক্তিবিনোন ইন্টিভিউট্ • শ্রীচেডমঠ, পো: শ্রীমায়াপুর, নদায়া।

## —৫১ বংসরের প্রতিষ্ঠিত—

ভাশালেহো প্রস্তাত বাটীকা বাংশ প্রকারণা, স্থাদোব, কোট্ড নাঠিড, অলীপ, ধ্বল্ডল প্রস্তৃতি ক্ত বোগীন বোগ নিরাময় হইখাতে ভাগা প্রকাশ করিগে বড় বড় প্রক কটং) পড়ে ৷

#### हेडा

সকল অভুতে বাবভার চলে ও সমান কল প্রেলান করিয়া থাকে। প্রতি কোটারু ০২টা বটাকা থাকে।

#### কেবলমাত্র

°গুড়ি খৌটাৰ মূল। ১০ এক টাকা। ইণার নাম '**আডক্তনিগ্রছ** ব্**টা**কা'।

ষ্ণভান্ত উবণের ভালিকার জন্ত গত্র নিরিংলই পাইবেন আংথিহান :--ত্যাত জ্ঞনিপ্রাহ ঔন্সংখালের ২১৪ নং বহুণাজার ট্রিট, ক্লিকাডা ।

## কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



যকঃক্ষেত্র ক্ষাৰ্থার ক্ষত ৬ আঃ শিশিতে ঘনীকৃত অবস্থার ভোটবোড্যের াসমণা উন্ধ ভাকে পাঠাম হয়, ইকাতে উব্ধের কোন পরিবর্তন করা হয় নাই। মৃদ্য গৈছি শিশি ৪০ আনা, পাইট ৮০ আনা, বোডল ১০০ আনা। আহিচক্স—১৯ন্ত ভিট্টাভাক্সা রোড, পোঃ স্থামবাজ্যাক,

## শ্রীভাগবত প্রেস গোয়াড়ী হাই**ট্রা**ট

#### কুমাঞ্চাগার

এখানের বিবাহের নিমন্ত্রণ-পত্র, প্রীতি-উপহার, কার্ড, গ্রন্থ এবং অক্যাক্ত বাবতীয় কার্য্য ছাপ। হইয়া ,খাকে। ছাপার দর কার্যার দর অপেক্ষা স্থলক্ত। পরীক্ষা প্রার্থনীয়।

The state of the s

## হাইড্রোসি**ল** ব্য

## কোষর্দ্ধি রোগ

ডাঃ এস্, এস্, খোষ বিনা অঞ্জে, বাৰজীবনের গ্যারান্টি বিশ্বা বৈশ্বাভিক প্রাণাগতে কোমবৃদ্ধি রোগ আছোগ। করিয়া থাকেন।

> उपाना— अम्म महस्म द्वीति, वद्यवाचात्र, स्थानानाः ।

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## . দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌবধ

## প্ৰবন্ধ দিলে সম্পূৰ্ণ আরোগ্য

তেথী দেশটেতে হংগে। জনিম পাণ্ডর গন্ত (নাপ্তনা এবং আসোর) পাঠাউলে গিছা রোগাঁ দেশা হয় অপনা এগানে আসিলে রোগাঁ দেশার গর্ধদ দেওৱা হয় আরোগা না হস্তনা প্রান্ধ পানিপ্রামিক দিকে হুবলৈ না। গ্রীণ রোগীদের পানত বছল ক্রিছা চিকিৎসা ক্রা হয়। বিশ্ব-বিদ্ধাণিক বিশ্ব ক্ষা এক আলোর ভাক টিকেট সহ নিম্ন ঠিকানাঃ অকুসন্মান ক্ষানা।

আঁকি তীশচন্ত্র উকীশ, যক্ষা-চিকিৎসত, োং নৈকানী, ব'লোক। অপনা নিয় ঠিকানার সাক্ষাৎ করিয়া বিস্তারিত কানিতে পারেন। উন্ধৃত রামগোপাল মন্ত এম্, এ, রক্ষমগর, নদীয়া। আঁহুত চরিপদ সিত্ত, ১১৭, বেশিয়াটোলা ক্রীট্, চাটথোলা, কলিকানা।

একখানি পাত্র । আমার ত্রাতৃপুত্র গত ছয় মাস বাবৎ রাজ বজার কুগিরা সুভগ্রার কটরাজিল, কলিকাভার বিজ্ঞ চিকিৎসক্পণ ভাগার ভীবনের আশা ভাগা করিয় শেব মৃতুর্বের অন্ত অপেক্ষা করিছেভিলেন এই সময় শ্রীবৃত কিন্দীশচন্ত্র উকিল মহাশর মাত্র ১০ দিন চিকিৎসা করিয়া সম্পূর্ণ আবোগা করিয়া দিয়াজেন। (সাং) শ্রীবৃত্তীক্র জিলোর হায় চৌধুরী (জমিদার গালিয়া) হগ্ স্ট্রীট্, নিউ বিক্তিং। করপোরেশন টেটিং ডিপা ট্মেন্ট, কলিকাভা।

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরাব্দ ৪৪৫

माज ४) ॰ फाकिएकि भाकां है एकर भारते शाकां वस ।

মানেজার-গ্রন্থরিভাগ এটেড্যুম্বর, পোঃ শ্রীমায়পুর, নদীর।

কেন গ্রাহকগঞ

# গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

**-**주 : 국 :

এখানে যাবতীয় চাপার কার্যা— এখাদির কার্যাই বলুন,

विवाद्यत निमञ्जा भज्, कार्ड, विवादस्त भक्षत्रे वल्न.

আরি ও রং ও ৪ রংএর হাফটোন ব্লক্ট বলুন, সকল কার্যাই অক্তি সম্বর ছাপা হয়, অথত ছাপাইবার খরচ বাজার অপেক্ষা ফুলভ।

আপনার কিছু ছাপার কাষ্ট্র থাকিলে নিম্নতিকানায় জানাইলেই দর পাইনেন।

> মানেধার- গৌড়ীতা প্রিণ্টিৎ ওত্মাক্তস্ ২৪এ২ নং মাণার মানকুশার ভোড়, কলিকাত

विश्वास बहाराष्ट्रक स्रोद्या-क्षकाण क्षित्र क्ष्याक्षेत्र स्राह्मक विश्वासकार क्ष्यक क

# नर्छ कात्र्जेहेटमत्र छेकि

রয়টারের প্রতিনিধি লও আরউইনের স্থিত সাক্ষাৎ করিয়া ভারতীয় কংগ্রেসের াসভান্ত সথকে ভই একটি কথা জিল্ডাগা করিয়াছিলেন।

"कःरভारभन्न भिकारस्यत् कथा **जन्म कि**ष्ट ব'লভে চাহি না ৷ ভারতের অবস্থা এখন বড়ট দক্ষীণ, এখন ভারত দখলে আমার (कान कराई वना डेडिए नट्ट।"

# রেছ ণে আনার বিজোহীর উপত্রব

ইন্সিন হইতে সংবাদ পাওয়া গ্যাতে ধে, ২০ জন িছোটা বন্দকংও আণিয়। গ্রু ১১ই মাগ্র রাজিতে একজন গ্রাম্য সদারকে ধরিয়া লছরা গিয়া ভাগাকে हेकता हेकता कतिया काष्ट्रिया (मार्था)

शास्त्रहिमात्रः हहेटल अस्मक छान । ঘটনাৰ সংবাৰ পাত্যা গিয়াছে। ওথায় বিলোহীরা গ্রাম্য-স্পারদের ও বন-বিভাগের । কল্মচারীদের বাড়ী পুড়াইল। (भग ७४१ अक्कन अभा भक्त ७ एक्त श्रीतक भतिशा गुरुषा यात्र ।

২ ছন ভারতীয়কে ভাহারা মুক্তিপণের জ্ঞ দ্বিয়া শ্রয়া গিয়াড়ে; অনেক प्राकारित इहेशा शिवारक ।

থায়েট্নিয়ের বিচ্ছেট্রা আত্মমর্পন কবিতেছে। ভাইদের সংখ্যা এ প্রায় कारहास

পেও, পারাবড়ী, ইননিন, তেনকালা **ट्याम 8 छात्र, इट्टिंड डाकार्डित मःवास** भा प्रमा िमाह्य त्यायां क शास देखिशालत একটা বাসভান আফ্রেন্ড করা কইয়া-হিল:

# আরিও অনশ্ন

অন্তদর হইতে পুনঃপুনঃ সংবাদ পাওशा गाहेरफ्राइ (वृं, मार्श्वत स्वाधिका **(कटल कटाकीरमंत्र अधि अध्यक्ष सुद्धानश**ाह ১ইয়াড়ে। প্রকাশ যে, ৪ জন রাজনৈতিক। करानी करनकविन्यांतर कानभटन शाकांत्र युर क्रमेल १३६३ भिसारका । क्रिकारमञ् कार्याक कर्पात्य विक्रिक्टक भारत (मर्छ) भिद्या ताण, इडेयाएक व्हिया 214 to 1

क्षे २।(मध् भाषा धक्र १ मध्याप व्यक्ति, श्वकात्वत विद्वानी अधिक्षारण वाश्व काजिए नाकीकी प्रशिक्त्वत (राष्ट्र) क्यान का न कार्य (श्राप्ट्र) कका इंड्राएड । व्यक्तिक करनत विकास • स्ताप्राध्य काही करा दृहेशाद्व व विशा क्षामाना

# माक-कारबरन

একছান স্ত্ৰীলোক কোলে একটি मसानदक लहेगा उक्षान मसाकारन সাউগত্ত পুলিস পানার নিকট অবিয়া विष्टिष्टि, किङ्कान नत्त ति विनन. উত্তরে লঙ আরউইন বলিয়াছেন: - - 'पत्रा कत आमात म'टक पुछिदा দিতে পারণু আমি প্রায় ২০ বংসর इहेश कामात्र भारक पूर्वि नाहे: होत भगेरनत कथा आगात मरनहे भरत ना 1"

> জীলোকটীর নাম মিদেদ্ভরিদ্যাটন এবং বয়স ২৪ বংশর: ভাছার মাড়াব কি হটল এ বিষয় সন্ধান করিবার ভাত त्म यशामामा ८५%। कन्निटल्टा । तम আরেছ বলিগ,—'করেক বংগর পুরে শ্বন আমি বালিক। ছিলাম তথ্ন আম উইশমরে ডবে বাস করিও মা । । । । বুধন হছতেই পিড়া মাকে ভাগু করি-য়াছে। অভিপ্রাপ্ত প্রিতা মাণের নাম আমাকে ব্ৰেন মটে। আমার পিত্র ও পিতাম্টা আমােকে লাল্ম পান্ন क (त्रम । বিধ্যাশয় পরিভাগের গ্র বিক না হওয়া প্ৰায় ভামি কাছ করিতে বাইভাষ। মা বে কৈ জিনিস এত্রনিনে বৃধিতে পারিয়াভি। স্পায়াকে এ বিষয়ে সাধান্য কল্পন। गा हर छह লা জানিয়া আমি বাচিত্র ठ जा: I ভীরে মা ওয়ার পর হহতে ভীরে একখনিন एति ९ व्यानि (स्ति नाई अवि इति যে ভিনি লুটনে পুর্পে বাস করিভেন, जन्द उपन ए स्मिन्स त्यान इस नाक्रिक भारतन। डीश्रंत नग्रम अञ्चल्लिक दर বংসয় ."

#### সঞাত ও ওমণ্দিয়া

গত ২০ই আগই রাডিতে কার্যাকরী-मिनिष्टित कागारिस ध्यमण्डेरकान गावर গান্ধীপীর শহিত সার তেলবাধান্তর সঞ্ शिः (च. ७, ७३। छित्राय च्याट्यायमाक्षीय कार्गा। मि मध्य करणालकान इनेग्राहिन। भास (डक्बाइडिंग गड **)8डे जा**गडे ভারিখে গাণীলীর সঞ্চিত নানাবিধয়ের कारकाठना करतन ।

## ভাইসক্ষেত্র নিকট ভার

(वाक्षदि स्टेटक ध्यकांभ (ग. ५७ ५०हे প্রভাগেমন করিলে সার তেজবাছাত্র नक्ष दर्श भि: अम, भाग, अमकात छ्लाव গ্ৰন করিল গানীজার সহিত সাকাৎ করিবার আগ্রহ প্রকাপ করেন। গান্ধীলী ं विका बहेटल डेडिया डाइएम्ब महिन्छ लाग्न

ध्वच चित्रां करणा करणा करता । ध्वर डाहात मामनाम विम आशामी abte কত: পর ত: হার। উভয়ে অভাস্ত গোপনীর আগ্র ধার্যা হই রাছে। বিষয় সম্বন্ধে ভাইসরয়কে একটা টেলিপ্রাফ 🛚

# মহেশপুরে ভাকাভি

मह्मपुरतन्न मह्मा धनी यात् नुका-শোপাণ দাব গত শনিবার প্রাতে একটা ভাতিপূর্ণ পরা পাইরাচেন যে, জাহার পাটীতে ঐ সাতেই একদল ডাকাত। আসিবে। তিনি গেন ঐ সময় টাকাকড়ি ९ भारतानि वहेंगा श्राप्त अंशिक्त, अञ्चार তার প্রাণ যাহবে। এই সংবাদ প্রনিশকে कानाहरण अभिट्रंके भूलिय

েটভেট মিঃ এইচ, ডাব্লট দ্বকার ন্তাণোপাশ ধাৰুর বাটীতে কনে১বল ্থার করেন। বারীণ চড়াফকে স্পন্ধ भूलिम ताथा इदेश हिला। ताटक भूलिम भारहत्व कार्यनामि भारतम्बन कतिराज ছিলেন। এইরপে ডাকাভি বন্ধ করা।

# ভলে আক্সিক ছুৰ্ঘটনা

ঘাট্ৰিলা(সি.ভেম হত, ৪ প্ৰেকাৰ ्रव कालीय भाग जिल्हा के भारकत जन मनवर्गीको अक्छी वालिका ग्रञ्ड ३२ई बाग्रहे শুভান্ত পরিবারবার্গর স্থিত কোন্ত প্রব্রে সান করিছে গিয়াভিল। অভের অল্পিটে বালিকটো প্রান্ত্র আনিতে ভিয়া भट्यान छ। होता चातिक क्षेत्रा कलाज्य हरा। (धारायाध क्यांत्र श्वांचेय दशक्षण स्वश्रदम দে ভিয়া আমে এবং কিছুক্ত অভুনকালের পর পণ্মের ঝোপ ছইতে বালিকাটিকে উদ্রোপন করে। বালিকাটীকে আরো 🕾 कतिनात क्रम यथानांना (5) केना करेता. िष्ट किश्व दिश्वन कल इस नाई।

## अधियादमञ् প्रकाश

ব্যিশাল হটতে প্রকাশ যে, স্থানীয় তরুণসক্ষের কন্মী ক্রিতীশচন্দ্র মুণো-পানায়কে গত ১২ট আগত প্রাতে (मोदम'ती काहेन बकुमारत (शश्रात कत्रा তহরতে । ৪ঠা জুন হইতে তাহাৰে गहेश मः स्थिति एकोकमात्री चाहेशकु-मारत De समस्य (अक्षांत सता क्रेस I

**८**हे शास डेक्स करा शासाकन (ग. ক্লিকাটা হটতে ফিরিবার সময় ২০শে ত।রিপে ভিনি গৃত।হন এবং প্রদিন ফৌ দারীভাগ্যবিধির ১০৯ शांका अक्रमार्थ काकराउँ (शांका कर्ता हरा। পরে জিনি ৫০০ টাকার ভাষানে সুক্র হন

# উভিযাত সহিত কাথি

> के काशहे के कि महकूम। क' खारतब ওয়ার্কিংকমিটীতে নিম্নলিখিত প্রহাব गुडी ह इंडेगा(७---केशि महसूम। कः श्राप्त কমিটাই কাপি মহকুমার জনগানারণের প্রতিনিধিমূলক প্রতিষ্ঠান এবং কাবির ক্ষমণাপারণ বন্ধ চটতে গিডিয়ে হটতে व्यभिक्क् विवश उड़े कर्द्यात्मत स्थाकिर-क्रिकी, केश्वनरंक दक्षि च ध्य खारमरू পরিণ্ড করিবার জন্ম উজিয়ানের প্রতে ব্য পূর্ব সহামুদ্রতি পাকা সম্বেও জানামতে-ছেন যে, উৎকলনেভাগণ ক'লি বা कालित व्यानित्नातक आधारिक शहर উড়িগ।। প্রদেশের মনো চানিয়া শইবার क्रज (य (हर्डे) कति(एए) न. छाडा अग्राप्त द्धार मिक्किन।

उडे महारा वन्नीय ए उँ एकन ल्यारन-लिक क्रिकीटक विध्वहमा क्रिया एडे প্রেম্বর পরিতাগে করিতে বলা ১ই-1 0314

# বড়বাছার সখন্ত ডাকাভির ভের

পাঠকগণ অবগত আছেন যে, গত ১৩ট আগঠ অপরাতে সভগাতার কটন-হীটে একটি সমন্ত্র ডাকাতি হটয়া পিয়াছে। क्षाकाल, भूजिम छम्रास्थ्य कर्ण व्यक्ति ७ क्षन त्याकरक---रावीमान्य भिन्ध, नगाम छ गिर्ड ७ नेष्टिमा अभाव गिर्देक (अश्रोत कत्तिग्राध्य ।

উক্ত দক্ষান্তার অব্যব্ধিত পরে ঘটনা-স্থালে গ্রুত সাত্রনাইন ডেওয়ারী ও উক্ত ० कम लाक्टक काड़ावानारमञ्ज अणि-विक होक (अगिरङ्गि मार्कि होते थी বাচাচর এম, এফ, ক্রিমের আদাশতে উপস্থিত করা হয়: আগামী ১৯শে আগষ্ট পৰ্যন্ত ভাঙাকে **भू निरम्**त (ह्लाक्ट काशिवात बादिन अने केट-য়াছে। পুলিস ভদত্ত চলিভেছে; ভাটত षात्रनाम कार्त्वाशा माछ क्षिएछह ।

# विक्षाम शिदक्षिश

বাকুড়ার বস্ত্রবাবিদাণ চল্ডি বৎগরে আর বিদেশী বল্ল আম-मानी कतिरान ना स्थि कतिहार्छन। क र अम (चाइ)(मवकशन स्मानामुधी अनः शासनामादत मन क मानकसद्याय द्वाकान-खिलाट पिटकिंट आवस कतियादिकां मर्ग विक्रय यर्थंडे क्रिशा निश्रारक ।

সালা যোগ হার

টোল— ———— শ্ৰমীপ

প্রভাগনের হার
প্রভিগ্রাকে
প্রভিগ্রাক
কর্ম হার
ক্রিক কার
ক্রিকর কার
ক্রিকর কার



কাপ্রম দেয়
বামিক ক
শালাদিক ৫
জৈনাদিক ২ ৮
শালিক ১

নগদ
প্রতি সংখ্যা ৫

ভারতের সর্ক্তর বহুল-প্রচার—দদীয়া ভেলাও এক মাত্র মুখপত্র

৬৯ বও

সম্পাদক--- শ্রীত্মতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি

[১৪৩ ভ্যাশংখ্যা

এটিছভক্তমঠ এগাম মায়াপুর—২রা ভাতে বুগবার, ১৩৬৮, ১৯লে আগষ্ট ১৯৩১

# নানা কথা

# दिश्च यूजनयादम माना

গত ১৫ই আগঠ রাজে মাজাজের ল:ক্ষিস গাড়েন রোডের মন্দির উৎসব উপলক্ষে পৃত্তপেটে ছিন্দু মুগলমানে এক কিছ সময়নত পুলিপ माणा इतः অ বিয়া পড়ায় উছা ভীষণ আবার ধারণ क अर्टेंड शास्त्र गाहे। विवतर ग अकाम (य, মন্দিরের বিগ্রহ লইয়া শেষ্টাথাতা সহকারে গৈকুল মূলুক ছীটে প্রবেশ করার মুৰ্ণমান ৰূপ আপত্তি ছানায় এবং নিক্টস্থ यम्बिन इहेर्फ क्राक्त्रका महमा অংশিগ শোভাষাজাকারীকের আক্রমণ করে। ইহাতে বিশেষ চাক্ষরেয়র কৃষ্টি क्य अवर वस् अञ्चान्नानि निर्मालय गरण অনেক গোক আংড হয়। বাহকগণ কান্তার উপর বিগ্রাহ ফেলিয়া দিয়া ननायम करत । भूतिम यशामगरत चर्मा-घटन .चानिसा छेलिक्ड इय अनर नास्त्रि ফিরাইয়া খানে। দশজন ব্যক্তি আহত कहेंग्रास्थ्र

# পুরাতন পাণীর চালর চুরির জন্ত ২০ মাস দণ্ড

প্রতিন পাপী হরিছর পাওে গত হই আগাই ৪৬ সং রতন সরকার গাড়েন ইটের বজিনারামণ পাওের বাড়ী হইছে একখানি বিছানার চাদর চুরি করিয়া-ছিল। সেইজন্ম ভোড়াবাগান কোটের ভূতীয় প্রেশিডেশি মাানিট্রেট মিঃ এস্, গুরালিদ আলি ফর্ডুক ২০ মাস সম্রয় কারাদকে দক্তিত ইংমাছে।

# হিন্দু-মুসলমানে দাঙ্গা

পুরাতন পাপীর চাদর চুরির জন্ম ২০ মাদ দণ্ড

# মাদুরের জন্য হত্যা

মোটরগাড়ীতে বোমা আবিষ্কার

# বিহার গবর্ণরের দান

গান্ধীজীকে পশ্মী পোযাক উপহার

# বক্তৃতা প্রদানে বিপদ

প্রবল বন্থায় সহস্র লোকের সর্ব্বশশ

# মসজিদে পুলিসের হানা

আটক আসামী স্থানান্তরিত

# त्मावेत्रशाकीटक द्यामा व्यानिकात्र

কানপুদের পুলিশ অস্থান করে যে, গড়লাট ১৭ই আগই তারিখে এখানে আসিতেছেন। সেই সম্পক্ষেই বিপ্লবীরা ধড়বন্ধ করিতেছিল।

পুলিল নগরপ্রান্থে একটা পুলের উপর একথানি মোটরগাড়ী সন্দেহজ্ঞান অহুস্থান করিয়া বোমার খোল এবং অহ্নাক্ত বিক্ষোর্থক জ্বাগালি পাইয়াছে। মানেশ্রকাসাল অবভিনামক এক নাম- জালা বিপ্লা এবং তাহার তিনজন দলী পুলিশ কর্ত্তক গ্রেপ্রার চইয়াছে। এই সম্পর্কে অনেক কিছু প্রকাশ হইবার সম্ভাবনা।

# সিদ্ধেদশে অভিরিক্ত গ্রীছে করেক্তনের মৃদ্যু

সাণারণ অপেকা ৫ চাতে ৮ ডিগ্রী উত্তাপ বেশী হওয়ায় দিছুদেশবাদীরা ভীষণ কঠে পড়িচাছে। কয়েকহান হইতে স্থিন প্রিতি মৃত্যুর সংবাদ পাওয়া গিয়াছে। স্কর্ত্যে ছারার উন্তাপ ১০৮ ডিগ্রী। গাড ১২ট আগাই সিম্কুদেশে স্থিন-গর্মিতে একজনের মৃত্যু হইরাছে স্থিন প্রকাশ। স্কলকেই কাজ কর্মের ক্ষতি করিয়া বাড়ী থাকিতে হইজেছে। ছই-ক্ষন গ্রেক গোরারজুন্তি ক্ষিম্যা বাহির হওয়ার কলে ফুটপাতেই পড়িয়া মারা যায়।

#### মাতুরের অক্ত হত্যা

কাশিপ্র বিখাস ও প্রিয়নাথ বিখাসের সহিত জীগাস নহরের একথানি মাছর লইয়া ঝগালী ছিল। এই ঝগড়ার ফলে জীবাস কাশিপ্র কর্তৃক প্রক্রেড হইরা চ্জানুপে পণ্ডিত হয়। উক্ত মামলার বিচার আলিপ্রের এডিসনাল জ্বজ মিঃ আর, সি. ঘোষ জুরীগণের সহিত শেষ করিয়াছেন। তিনি জুরীগণের সহিত একমাত হইয়া জ্বলীপ্রদের বংসর এবং জিয়নাগকে ২ বংসর সপ্রম করিদারে দণ্ডিত করিয়াছেন।

# (जना-देन्मादेल-थान करणा

পেশোষরি হইতে প্রকাশ যে, ডেরাইস্মাইল-থার অবস্থা বর্তমানে সম্পূর্ণ
শাস্তা। অপসত দ্বাদির প্নক্ষার করিতে
ও সংরাধীদিগকে প্রেপার করিতে পুলিস
খুবই বাস্তা প্র প্রয়ন্ত ৪ জন হিন্দু এবং
ভইলন মুগলমান মারা শিয়াছে, এবং
৩৮ জন মুগলমান এবং ৬ জন হিন্দুকে
প্রেপ্তার করা হইদাছে। ২৯টি দোকান
বৃদ্ধিত হইনাছে

# শ্রীবিশ্ববৈষ্ণবরাজসভার পরিব্রাজকগণ

পরিব্রাজকগণের শাম

- ১। जीन छिक्छिमीन छीर्थ
- ১। জীভজিবিবেক ভারতী
- ও। শ্ৰীভব্তিনিজ্ঞান আগ্ৰহ
- ৪। শ্রীভক্তিপ্রকাশ অরণ্য
- ৫। 🖹 ङक्किक्स मध्य
- ৬। গ্রীভজিনবর্ষ গিরি
- ৭। এতি জিবৈচৰ সাগর

বৰ্তমান 171

> ক লকভা কলি কান্তা এদায়া পুর कशिकाका কলি নাডা অমু ব্রপর

ত্রা দ্বাপাড়া

# পরিব্রাজকগণের শাস

. 1

) अधिक प्रमाण भवत्य : Let Bufurtania ai Bacafa

১১। ইভিভিন্ন মাজিলার

**८६। क्रिक्टियम** क क्रीश्रह

১0। **अञ्चलक्टलन (आजि** 

১৪। ब्रेकिकश्रम्भ द्यानात्रम

বৰ্তমান ঠিকানা

- कडेक

मस्त्र 🤝 🤀 কলিকাজা :

利道に মাজাত

প্রিমায়াপুর বালেশর

# শুদ্ধভাক্তমঠসমূহ

# চত্ত্য মঠ

## আকর মটরাজ

 के प्रदेशक भाग्यार्थिक देवनिकशक, शांक व्यवनादात व्यक्षमानिक व क आठीन अक्षत्राकि आठाव श्वा 'समीया-आकाम' वद्यालय आछिष्ठिक वृद्धारकन তথানে অভিবংসর মধ্যম-পরিক্রসাম্বর্জন ও অগণিত ভঙ্গােটি 🕫 ভীর্ত্তন প্রচারসাপে यहामरशास्त्रवासि ककाल सञ्चित्त कृषेता शास्त्र । त्रक्तक--- इव्यक्ताती विभाग वत्रव्यक्ति। সুৰুকারী – এক্ষচারী পাত্তিত ত্রীপাল গোরদাস কাবাব্যাকরণ বীর্ব, ত্রীধারের ১, জীবার चीरतक, ञ्रेणाम असरतालाल, जीमीनमग्रार्जनाथ, जैष्यमध्यन, जैप्यमरतालाल, जीपुरुक्त मामाधिकादी कक बद्धक, इतिमय, दस्य द्वीरमाञ्च आकृति ।

# (৩) বোগপীঠ শ্রীমন্দির

গোখামী る本本---(の)本 4(4)4g कहें। हार्गा आकृ जीवगां गथ । জ্ৰীতি।।নশ একবাসী, সীরাধাবিনোদ क्टकिन्तन, श्रीवायमात अवाडावी । श्रीतायन मात अभिकारी, (मनमना अभीननाथ।

- (৪) জীবাস-অঙ্গন
  - (१) अदेषक-कवन

बक्त क--- क्रेनुन्तावन्त्र अप्ते छोता. **ब्र**ालाकुशनाम वावाकी।

(७) काळोत्र जमाधिश है

व्याठीन मात्राभुद्र, नामनभुकृत (समीहा) रक्क-अक्षताथी चैतिरमानविवादी।

( १ ) पानम प्रवर-कृष

🚉 গোক্রম, অরূপগঞ্জ ( नशेश ) ्रकृष्ण का सिकी बन, वाग, वास ।

> (৮ **शिक्षशक्षांथ** दगो हो स्र मर्ठ মুখুমুনসিংখ 🕽

হক্ষ ক---শ্রীবণ্ডবর ভাক্তিশাস্ত্রী এম, এ. (त: un, महकाती-- औष्टेबन्साम क्रांक-माही, क्षेप्रकाम अधिकादी आखाँछ।

(>) औरशोत-श्रमाभन-मठ हालाहाडी, शम्बन्धान, ( नह्यमान )

वक्क-- विश्ववाम अवनाती, कक विली बहुआन साम ।

্ ১ - এরপগৌড়ীয়-মঠ माद्राग**ञ. छात्रात्र केन्द्रे.** लि क्ष्म क--- जिगदर्स ब्रह्मानमा अव्यक्ता ही

वाहीन नवहीत, जाकतत द्विधाय बाहालुत, ननीता

# ( ) 到(司)中面司管道

माडेगाडि, बाद्मगढ, वेद्यान। 

(১২) कांशवक जानव

चिकाशवस (धान, क्रमानशक, नक्षेत्र)। হক্ষক--- শ্ৰীকৃষ্ণানন্দ বস্থচারী ভবিশাসী

## (५०) 🕮 धकात्रम मर्ठ

(शाविकानुक, इंश्विशानी, महीकाः क्षक-श्री बङ्गामम अवहारी । मण्डारी 🕮 विश्व विश्व अमहात्री. 🕮 वर्गात मान बरिकाडी, खड़ निषमाथ।

(১৪) 🕮 সাধ্ব-রেগাড়ীয় মঠ

>-नः नवावन्य (शास्त्र, जामा 3414 ৰক্ষক-ভিক্তিপুথ ডাক্সার অন্ধচারী ক্ষুরানন্দ পরবিভাবিলোগ বি- ৫. এন-ব-(श्रीकाम बन्नहारी, अश्रीकारण करा

( ১৫ ) औरगाभागणी वर्ष

क्यमाश्व, हाका। वक्क---- द्येतवासाम अवशामी

( ১৬ ) ब्रिशनार्थे-दशी नम मर्ठ

क्षक--- श्रीपूर्व श्रेष्ठ अञ्चलाती, क्षीम किनान ব্ৰহ্মচারী

(১৭) क्रिकाशवडक्षमामक मर्ड

क्रिक्रीका, बाक्स्परणुत्र, व्यक्तिमेश्वा खबारम श्री खक्र-(श्रीष्टाक्र-शास विका-निविधानीय निकारमधा वर्षमान । सम्म स्---वनगरी क्षेत्रश्रान्यारकी।

# ( > ) बीदगोड़ी इ मर्ठ

১७ वर कार्कितामात ठ अनुकी हैति. (भार पानवाकात, क्लिकाका । :हेशिरकान वि. वि. ८५५०

মঠতুক্ত — আচাৰ্যাত্তিক ত্ৰীপাধ কুৰাবিলাতী বিভাক্ষণ। সভকাৰী—পঞ্জিত শ্ৰীবাদ অভভাক্তদের পরবিত্তাভূবর বি-এ, লীপাদ রাস্বিকারী ভদ্ধচারী, শ্রীপাদ बामानिकारी 14- 8. अभागानी श्रीकी समामक. अध्वति खीगाबिधाक्य, उक्काकी खीयश्मनक, निक्क लोगाव सवीसक्रक निविद्यान नकात क्रास्तिनात्री न प्रमाधदेव छ नाहार्गः, श्रीच बयळानमानाधि कादी विन ८, श्रीछ ववस्रमास्त्रिम मानानिकाती वि-धम, व्याबस्तान नारकानिम्, व्याविकात अभागती, व्याहतनानिका अवनारी क्षणि।

# (১৮) व्यामनारवाका व्यापनात्वन

माधकान ८गाः वद्याम । तक्क-तक्षवामी 🗃 र्गाटिक्टमात्र।

(>>) अभुक्रदशक्षम मर्क

पर्मकात, शही, केंद्रिया। वक्क - वक्षाती शिश्वमासम विनाप्तप. अवहाती अवहातावन, दील्यानान्त्रन उन्रठादी, कैयायनासम्य सम्रठादी, अभिमान **इत्य विकारी, श्री।श्रामिम ग्रा**।

# (२०) खेळण-८योकीय गर्क

व्यानवहमाय, अवाशक (भाः, भूती। रक्क-अक्ताती ज्ञेनस्यवती अभाषकी। महकातो -- अव्यक्ताती जीविनिविवाही :

> (६) जिल्लामन गर्ड Bienimun, wie.

प्रकर--- अक्षात्री जीनगर्द , जीवामनग जन्नहानी, तीलाव सपरणालाल वामानिकानी।

(२२) जिननाचन-त्नोधी इ नर्ड 9मर कनकी नमनुबा, कानी I क्ष्मक- उष्पाती कृत्यम्बत्ती, निवारेगान उष्टात्री, जीनकामन उपनामी ।

(२७) श्रेक्सरेडफ्ड गर्ड श्रीनृतिरक्षात कृत. श्रीनाम वृत्वायम । व्यक्--- श्रीनगण्डियाय अवहाती

(48) क्रिश्चमस्त्र मर्ड

देशियाश्याः मीखायः १क स--- अध्यक्तारी क्षेत्रतिरशासम् । अध्यक्षारी जीनमध्याम ।

- (२०) औरेडफकरगोकास मह इस्प्रकृषा, विषक्षका, मामक्रम । क्कर-जीवमानाव दाह, जीवामणीव द्रमयभूतिका ।
- (२७) न्यानदगोकोन्न वर्ड क्ष---अवनाती अध्यनमधी, जीनमी-(MIMIM BRAIA)
- (२०) लाक्षरणाका ज्ञानकात्रान-वर्षे अष्यभाषा. त्याः मास्, मारका क्षणाटम वक केकभावे और शश्चारकष रमका वक्षात्र । क्ष्यक---अक्ष्यामी जीव्यानकृत्र-

可用、強調 中華引 4 4 1

(३৮) विज्ञी त्योकीय यउ-कार्यालय बन्द भाषी स्थन खाकात स्थन, निके विक्री तकक--- तक्षाती श्रीतक्षक, श्रीकृतरमध्य क्षे)ब्रावात्रमन्द्रवन्त्रव

# (২৯) গোড়ালপাড়া-প্রপদ্ধব্যের क्षण-अधनाती स्तीताबारमानम

- (७०) मालाबदगोहीस मठ नर्व दर्गाणागपुरम्, कार्यक्राण, माजान क्षण ब--- क्षित्र अयोगी 🕮 गड कि शक्ष क 🕮 भव यगामाय, मञ्चाकी---विमुख्यायी अभन् कक्ति अने कियान, श्रीनाव क्रमानमः वयवानी, श्रीनाम (प्रकीनमन वम्राही, প্রী বাদ বিভয়ত্বৰ অস্ক্রারী কবিলাড্রী ब जीनाव क्लोब धनामम उपाठाती ।
  - (৩১) বাদশবোগাল পাট कांठावज्ञि, डाम्यां, मणीश इक्क --- इक्काशी विद्यमणां नव





ৰন্তগৰ

२५ और इ. ८गोबाच ८८०, २वा काज वद्याच ५००৮, ५० च्यागर्ड हेर ५००५ वृषवाव

**১८० इस मःभा** 

# সাময়িক-প্রসঙ্গ

গত ১৫ই প্রাবণ (১৩৩৮) শুক্রবার দিশস বিহার প্রদেশের অন্তর্গত লখিমপুরের कमिनारवत रमश्यान चौत्र महाजान প্রাসাদ বাবু শ্রীগোড়ীগ্রমঠে আগমন করিয়া পরমারাণ্য শ্রীল প্রভূপাদের সাকাৎ লাভ करत्रम् ।

🕮 চট্ট জিলার মোলবীবাজার মহকুমার अञ्चर्गक अरङ्गाती जामनियामी औपुक मीरनम5क्क मान भरशमः । अङ्गारशत मन्नाडिमानी स्टेशा श्रीशाफी । मर्रे उपिष्ट হইরাছিলেন। ভাঁহার আগমনে হরিকণা-শ্ৰাৰণপিশাস্থ হইয়া জ্ৰানে জ্ৰানে বহু ভাক আসিয়া উপস্থিত হন।

জীবুক দীনেশ বাবু "জীনিভানিশ কি ওৰ ' প্ৰশ্ন করার 🕮ল প্রভুপাদ ভত্তর-ध्यमानपूर्व श्रीवनरमन-छन्, हङ्ग्रीहङ्स, भूक्यावकावज्ञ-वृत्तास, क्रपूर्विय व्याधानिक ও চতুৰ্বিধ অধ্যেশক প্ৰাক্তীভিন্ন উত্তরোভন বৈশিষ্ট্য, অগনাথ, স্কৃত্যা ও কলনামের धक्यावद्यान-कावन, श्री क्ष्मरेठ दश्य-महाश्राद्धत **विकास । मर्गम--- जनरम क्रांट्य मर्गम ना** পरिया ज्यान्त्रसंथ पर्नेन, ज्यान्त्रनारथत् **इक्टू क-कार्य विकास मर्गम, त्यांनीक्रत्य** गक्ष क्रिक्रामक ठळुकू क-वृद्धि व्यवन्त्र छ वितायात निक्ते हरू ब-प्रकार वामवर्त्ता काकृषि परमक विवद बारगाहमा करतन ।

व्यक्तिम काजानाका-निवानी अभिनात 🗐 तुक वावू नरतकानाथ प्याव, वतिभाग ! নিবাসী সপুত্রক রাণসাহেব পর্যভাগরত श्रीपुक जनगढ्नात ७७, श्रीपुक किलाती-মোহন ভব্তিবাদ্ধৰ বি, এল এবং কলি-**কা**তার আরও বহু শিকিত, সজন ও ভক্তন প্রশীর নিকট অপরাহ্র স্বাটকা হইতে রাত্রি প্রায় ৯ ঘটকা প্রাস্ত ভিন বৈভাকাল ওঁ বিষ্ণুপাদ 👻 শ্রীল গৌরকিশোরদাস ঐ দিবস অপরাছু এটার সময় আসাম। বাগজী মহারাজের চরিত্র, পঞ্চোপাসক-। গনের বৈভিন্ন কচি অফুযাী ভগন্নাপকে বিভিন্নরেণ দশন এনং শ্রীমন্মহাঞ্জর 🕮 अभवाय-पर्यन-वृष्ठां । वाया कटनन्। श्रीपृक्त रायु नत्यसमाथ त्याय भशायम मर्दमा মধ্যে প্রশ্ন করার সমবেত খ্রোভূমগুলী শ্রীল প্রভুণাদের শ্রীমুখ হটতে এ সমস্ত विषया व्यान क करनक छथा अनुन कति।। कुछक्र वार्थ ब्रहेगाद्वन ।

> গভ ২৮শে ভাবণ (১৩৯৮) ভারিখে कामी अवागी जियुक्त (गांभीत्मार्म नत्मा।-পাধাার কার্যতীর্থ মহাবর শ্রীল প্রতুপাদের নিকট উপস্থিত হইয়া 'ভগবানকে লীলা-মর ভাবিলে কোন অন্মবিধা আছে কি না ?"-এই প্রেল করেন। প্রভূপাদ ভদীর প্রাশ্বের উত্তর-প্রদানমূখে ভাগবড়ের " बहरमवामटमवादअ", "भार्मद्रभा अमातः ষং" ইভাবি প্লোকের আলোচনা-গ্রাসকে जर ७ चनर, रेक्स्मा कर्षार रक्स्म उक्तित প্রয়োজনীয়ত্ব, ভত্তসত্ত্ব বা বাহুদেবত, দীলা ভ জিয়ার পার্থক্য, গীলার নিডাছ, কালের का अक्र अ वर्ष के का कि जात व वातक

গত ৬ই প্রাবণ (১:০৮) শনিবার শ্রীল বিষয় অগরাম ৪॥ ঘটকা চইতে প্রায় নিবুক করি।। ভক্তানুগী স্কুটি ব্যক্তের ы টকা প্রয়ন্ত সমবেত ব**হ** শ্রোতার সন্মূপে কীৰ্কন করেন। শ্রীযুক্ত কারাতীর্থ महामा निविदेतिएक जीम अपूर्णारमत শ্ৰীমুখ-নিঃস্ত ভক্তিদিদ্বাস্থাণী করিয়া অত্যন্ত আনন্দ প্রকাশ পুর্বাক বলেন -- "আমি আপনার নিকট হইতে আন্ধারে-সমস্ত কণা শ্রবণ করিসাম, তাংগ ধারণা করিতে ছটলে এতদ্বিরে পুনঃ পুনঃ মালোচনা করা স্থাস্ক। মধ্যে মধ্যে व्याभिया व्यापनात्र निक्षे इहेटक এই नमञ्ज কথা সারও শ্রনণ করিবার চেষ্টা করিব।

> মান্তাল-গোড়ীরমঠের প্রচারক ত্রিণ্ডি-चामी जीमम् छिन्द्रक्षक जीनत महाताक মাজাক ভৌডীর ম.ঠ শ্রীমন্তাগবত ও चोटेन उक्कांत्र आयुष्ठ देश और उ भार्त, की उन **७ त्याच्या कतिरुद्धन । चामिकीत** क्रीन्र्य নিরস্তুত্ক সভ্যের কণা প্রবণ পূসক व्या च कनाव नागरमात्मरचा माजाकवामी अ প্রবাদী বহু সজ্জন ব্যক্তি প্রভাই ত্রীমঠে উপ্থিত হটয়া অভ্যন্ত আগ্ৰহ ভূগ্ৰীভির महित गार्ठ-कीवन अवन कतियां बाटकन।

> মান্তাল-গৌড়ীগ্র-মঠের অক্সভম প্রচাবক ব্রিলবিপানী জীমছক্তিরঞ্জন ভক্তিসার মহারাজ ওক্ষতক্তি আচার ও বিভিন্ন দেবা-কাল্যে অক্লান্ত পরিপ্রেন ও মত্ব করিতেছেন। ঠাছার ঐভান্তিক সেবা-চেপ্তার কলে বত্ আত্মস্তেক ব্যক্তি তাঁহাসের কারমনো-শাকা ও অর্থকে হরি-গুরু-বৈক্ক-সেবার

व्यक्षिकाती इन्टेटन्ट्रहर

मालाक श्रामी जीवक है, भूमिकन পিরাট মটোদর একজন সঙ্গন বাজি। हैंनि मालाक-८भी दीव-मठित (मनाय नाना-ভাবে অভুকৃশা করিয়া পাকেন। সম্রাচ প্রিলঠের নটোমন্দিরের বিভিন্ন সেবা-কার্য্যে অভিক্রোর ভক্ত উভার অভারক বড়ু ও উৎসাহ পরিসাক্ষত হলতেছে। আমানা चधनाम औरनोत्रष्ट्रमस्तत् निक्छे शर्थमा कविष्ठिक, औरक शिष्टे भागापत এইরূপ সাধু উদ্দেশু উত্তরেন্তর ব্রিক চইয়া তাঁহার আত্মগঙ্গ সাগন করুক।

क्रेक क्रिमिक्तिशासक माठेत वार्तिक মহানত্যংসৰ সম্পন্ন কৰিয়া চিম্বপ্ৰিস্থায়ী শ্রীমন্ত্রিক ভারতী মহালাল, মাদ্রাক্ত গৌড়ীর সঠ রক্ষক, পুসার-দেবার স্থান , नांची अनद जिन्दिकांची चीमहक्तिकतः दन बहाताक खनः जीशुक्तताक्य वर्त इहेटल গৌড়ীয়-সম্প্রাদক-সভাগতি শ্রীগাদ অপ্রাক্ত ভক্তিসারত সোতাদী পড় শ্রীগৌড়ীয়মঠের বার্ষিক সহাম্যোগ্যত ও পার্নাথিক **मिवात क्रम क**रमक मिवन इ**डेन क्रिका** छ। প্রীর্নের মঠে আগ্রমন করিয়া শ্রীল श्रञ्जादम्ब दश्वत्रशास्त्रम देशम्य छ এদর্শনীয় বিভিন্ন সেবা কা.ধ্য ব্যাপুত मार्ड्स। अङ्गास्त्र अते मानाइचीहे-পরিপুরণ-দেবার জক্ক ভালীর ইচ্ছাক্সে ভারতবর্ষের বিভিন্ন স্থান হটতে অভাক প্রচারকগণও শীঘ্রই গৌতীরমঠে ভরবিক্ত कतिराव ।

# ঠাকুর ভজিবিনােদ ইন্ষ্টিটিউটে বক্ত

(0)

া হে মহাভাগ দম্পতি, সেই শিশুগণ নিক অদৃষ্টের অভু ৷প কম্মদল করিলাছে: অভএব ভার্যদের रेम ाभी म CHIT করিও না। প্রাণিগণ সকলা একতা অবস্থান ববিতে भारत मा। हेहरमारक मुस्कि।काङ चहापि বস্তু বেরুপ উৎপন্ন ও বিন্তু হয়, সেইরুপ भक्षक हात्रक (मञ्जेरशह 9 विनष्टे इत्। ঘটাদি নষ্ট ২ইলেও মুক্তিকা যেরা নষ্ট যালনা, সেইরুণ এই পঞ্জুতাত্মক শালীব জীব হো স্বয়ং বিরুত ষ্পাগ্রন্থারে ইছা 45 3) : 'লাহান্ত দেহা অবুক্ 3149 5 न्द्र **इहेरड** डिम ঘটিল থাকে এবং হান ও পুতাদির দেছের সংক্ষ যোগ, বিয়োগ ঘটিলা পাকে। সেই অজ্ঞানের অবস্থানকাল প্রায় সংগ্রেজনিত মুথ-ছ:থের নিবৃত্তি হয় না। অধি ভলে, বেচেতু সকল ভীবই দৈবাবীন হইয়া নিজকুত কথাকল ভোগ কণে, ধেইজকু আমাকস্তৃক নিহত নিজ পুরগণের জক্ত অকুপোচনা করিও না। প্রাপ্ত আশাক্তানশূক্ত মতকাল ''আৰি হ'ত হইগছি, আনি বিনাশ ্রিয়াছি"— এইরূপে আত্মার উপর বিনাশ্র- ! বিনাশকভাব কলনা করে, তচকাল পর্যন্ত দেহাদিতে আত্মভিষানী মৃচ্ছন আত্মার दाधा-वाधक छात अर्थाय होन् वधा, होन् গাত্তক এইরূপ কর্ম্ম-কর্ম্মার প্রাপ্ত ক্রয়া ভংকল-সরপ রুথ ছংগাদি লাভ করে।

নাৰের প্রতি বস্থানের উক্তি,— मुनः कृष्टेनितः। इत्रमष्टेशत्रामा कनः। कार्डेशाद्मनाड्यः स्था त्वन न म भूक्छि। 新: > o(e(00)

় মন্ত্ৰা নিশ্চয়ই অদ্টনিষ্ঠ অগাঁথ অদ্ট-বশত্ই পুরুষের ফলভোগাদির সমাপ্তি इडेशा शास्त्र । छारभणा अहे स्त, भूजानि-लाखिक्राल खुर्ग अन अनुष्टे गर्भन दीन इब् उथन भूजानि भाष्य नः। चनुष्ठेरे भत्म, ক্ষনা যভাগি পুলাদির বিয়োগ হইয়া থাকে, তথাপি অদুষ্টবশতঃ আবার তাহা-দের লভিত পুনশিল্লন হট্যা থাকে। অভ্যাব অনুষ্ঠ অব্যাহিচারী স্থা-ছ.বেই কারণ--ইং) যিনি জানেন, তিনি মোহপ্রাপ্ত

भूरकारी है के दर्शाहरू हा, बीरनत अन्ध (शरकरे मतरे राष्ट्रः छारताः, कर्षाःक कानगरल दिनाम कहार शहराहर भव ्राक्षमान निर्दे गाम।

'कानुष्टे' जर्भ गारक रमशा यात्र मा।

ষেমন আমার হঠাৎ একটা বিপদ হ'লো। বল্লাম—জানি না আমার মদুটে কি ছিল, यात ফলে এই ছঃখ জোগ কর্তে इ'ल। 'भुक्मकात' व्यर्थ भूकरमत ८०हे। না বন্ধ, পুরুষকানের ধারাবাহিক কোও নিংই জীবের জীবন। স্বভবাং ঐ ছইটী वञ्च कर्पात्रहे छुडी निक बाँधा ।

ज्ञभन यपि आगना करणंत् विषय कान ক'নে বুঝ ভে পারি, তরেই ঐ ছ'টী বিষয়েন कुमराक्राण ममाभान कटक शाहरत ।

যা' করা যায়, ভা'কেই 'কর্মা' বলে। জীব মাজেই ক্ষা করতে বাধা। কর্ম না ক'রে কেউ চুপ ক'রে থাক্তে পারে ना। তাই जीटाइ चिटलाइन,--न हि কল্ডিং ক্ষণমণি জাতু ভিটতাকর্মারং। কাৰ্য্যতে হাৰশ: কৰ্ম সবৈন: প্ৰাকৃতিকৈ-ख देशः।" कराष्ट्रे बाधारमञ्जू स्वयं ५०७थन कर्षका मार অন্তৰ প্ৰথা দিয়াগ あるで 1 উপ্ৰোগ করা যায়, আনার কন্মানেটো নরকাদি ড:থ ভোগ কর্ডে ২য়। কংমর ফল পুৰাঞ্নক হ'লে স্বৰ্গাদি স্বৰ্গাত হণ, আর পীপ্তনক হ'লে নরকাদিত্বখ-প্রাপ্তি ঘটে। যদি কর্ম না পাক্ত, ভাতলে 'ऋष्ठे' वा भूक्ष्यकात वंट्या कान कथाहें উত্থাপিত হত না। স্কুডরাং কন্মের বাঁঞ কোণায়, ভা'র অনুসধান করা দরকার!

ोडा यहान ---

न कर्य कलमः (गोशः अडोवन्न द्येत्रहरू ॥

(मरहक्तिरात श्रामी (ब छीत,- छिनि নিজের কর্ত্ত্ব বা কাববিচ্ছ স্টে করেন না এবং আপনাতে কর্মফলের সংযোগ ও করান না, তার অবিভাক্ত খভাবই ঐ সকলের হেতু। শীনের কণ্ডম নাই र'ल बालमाता मान कंद्रान मा एए, ज्या-বান্ট ঐ সব কর্মপ্রবৃদ্ধি দিগেছেন, তাহ'লে डांत देवमा ७ देनपूर्वा चीकान कव्र इ इत्र, किन्दु द्वापान्नक्ष्य "देवसमारेमन्नार्या न जनानः पर्नंद्रि" कृद्र डिल क्रिक के ক'বে দিয়েছেন। *ভীবের অনাদি অবিভা*ন রূপ স্বভাব পেকেই ভার ক্ষাপ্রবৃত্তি হচ্ছে।

মানব-মন লোক্তভার সংস্থিত। মনো পথ্নী ভীব ইন্দ্রিয়ের অণ্ট্রা-নিবন্ধন कान्द्रवाही वा कर्षामननामी क'रम १८५०। কর্মকলবাদীর ইক্সিন-ভোগণমূলে পুরুষ-कार वा हेन्द्रिप्रशासना । त्यारश्चन्द्रिय-८ हानरभव तनत्वी इ'रत्र कीत--(पननाकी। (सभारन ভোগের ইন্ধন বাধা প্রাপ্ত হয়, সেপানে रेशननमा आक्षारम कीन व्यव्हेनाती। रमकाश পদাস্ত কর্মফলনাদীর নিজেক্সিয়তর্পণ নাধা-প্রাপ্ত না হয়, সেকাল প্রায়ত্ত নিঞ্চ পৌরুদের উপর নির্ভর ক'রে পুরুষকারবাদী।

# **भाषान्य नश्रक्र**

# জীটেতশ্য মঠ

শ্রীটেডছমঠ কড়কগতের ভতক অধ্যা-পক ও ড়ভক অধ্যাপিতের আগড়াবাড়ী এ হান জড়ব্রকাণ্ডের অন্তর্গত কোন স্থান নহে। স্বক্তরাং কলির স্থান-পঞ্চিকর ( ছাত, পান, স্ত্রীসন্ধ, ভীবছিংসা 🛊 তার্থের অসম্বাবহার। 🏝 ঢ়াড়মি । মতে। धार्थात्म क्रमन्देहण्डम्मश्राक टी धनारम्दनव व्याद्वशरका हिल्हार अधिशालीत क्रक शिकार्य অথিল:bঙ্টা ছাড়া অস্থা কোন কুতা নাই।

প্রীটেডক্সমঠের সমস্তই চেডন। চাবি जन्द्रवाद्यस विभावनायुक क्रीमस्मित ८०७म, ভদভাত্তরে সামুদ্র 🗐 ওকাদের 😮 তরাবর্গ রাণ্ডেষ-মিলিডভয়ু কঁটেন্বিগ্রহ প্রমটেন্ডজ सिरभोतकसरतत दशयकणकाती मधीकंनगळ আল্ডেম্বর বিধ্ कार्यात । दशस्त मश्चिक्त हिन्दि সাম্বাদ্ধ প্রেছালভ।

ট্রীটেড্রুমট সাস্ত নতে, অনস্থ। এপানে দেবা, দেবক ও দেবা ভিন্টীট নিভা চিছিলাস। এই চিছিলসেকেরে অচিৎ ব। क्षञ्जितिसारमत रकाम ८०१छ। या मधनका माहे

ক্ষ্মফলবাদীর ভোগ ও নিক্ষিশেষবাদীর ভাগের বিচার মতে হনে চেতনের মাবোপ না শেওনে অচেতনের আরোপ এই চেডনভূমিকার স্থান পার না।

''क्षंकाख छानकाछ, भक्ता विस्तर ন কর্ম্বং ন কর্মাণি লোকস্ত সঞ্চি প্রান্থঃ। বিশ্বং অমৃত বলিয়া যেবা পাঃ। নান। र्यानि क्षिम मरत, कप्तरी स्थमन करन, छात्र ক্ষনা , অগংগাতে যায়।" রুক্তভক্তগণ এই বিচার জানেন বলিয়া কথা জানের প্রাথাস करदन मा।

> ''ভৎকর্ম হরিভোগং যৎ সা বিস্থা ভশ্বতিষ্যা ." (ভা: ৪।-৯:৪৯ ) হরিভোষণ-कर्षा है कर्मा। विश्वानमुकीयन श्रीकृष्णनभी छन्हे —বিভার অন্ধি।

ক্ষাকাণ্ডের কথোন সহিত শ্রীচৈতন্ত-মঠাপ্রিত ক্ষমগণের ইন্মিয়-চালনা সম-জ্ঞাতীয় নহে। কথীর কর্মাত্রান--নিজ ভোগ তাৎপায়পর কিন্তু ভক্তের ক্রিয়া-কলাপ গুলি मद्र अह इतिर्डामन्थन । কল্মী-ইহামুত্র অন্তেম্ব্রিচ-ভোগবিলাদী, আর ভক্ত-ক্ষেত্রিঃতর্ণণমূলে ক্ষম্খাভি-লাধী। কন্দীর জন্ম, কর্মা, আয়ু, মন, বাকা, दुष्कि, नम. व्यान, त्योवा, वीवा 🛭 केचगा আভৃতি ঘাতা কিছু সমস্তই দেশকালপাত্র দারা পরিচ্ছিত্র; স্থতরাং ক্ষণচন্দুর ও পরিবতনশীল, অসম্পূর্ণ ও নিরানশ্বন। किय और इस्कानशाय कारक सिम्प्री हिवाझा-मूल य व्यक्तिम, व्यक्तिम या क्रिकेन. তাহা নিত্য ও চিণানশ্ৰণয়। তাহাতে হেয়তা, নমারতা, অসম্পূর্ণতা বা পরিবর্তন-निज्ञान मारे

# যৎকিঞিৎ

#### ( 例例 )

তগন শারদ প্রভাতের কনক-কির্থে চারিদিক্ হাজোজন : নীল নিশাল গগন-পটের উপর কে বেন স্থপটু হন্ডে স্থবর্ণ-সাগরেম শীশামিত পতিহিমোল শ্রীকিয়া দির্ঘাছ। সবুক্ষবনের মুক্ত বিছগেরা ज्यम स्थिते काकनी-संबादत द्या वित्य-খরের বন্দনা গাখা গাহিতেছিলেন; মৃত মলগুল্পদেশ সঞ্চালিত হটগা ফুলাডলি যেন त्राक्षताद्वादान्त हत्रान অগতি ত্ৰাপন ক্রিভেছিল। দিগ্দিগ্র এক বিপুল প্রাণম্পন্দরের পুরুষ প্রাবার। পেলাৰ উষার এই অনাধিল ভ্ৰমা-সভার যেন শারদ বীণার মধুর রাগিনীতে জ্রষ্টার

ষ্ঠনস্থ মহিমাই কীম্বন করিতেছিল। অতীত যুগের। শ্বতি গৌরৰ মণ্ডিত ঢাকা নগরীর উপকঠে একটা কুল্রপল্লী। পলীৰ প্ৰামল তৃণাজ্ঞাদিত মাঠের পাদদেশ দিয়া কলুকল করে কি যেন এক ককণ গাঁভি গাৰিতে গাৰিতে প্ৰশাস্তবক বৃতী প্রমানদী প্রবাহিতা হটতেছিল। নদীরট ধারে একথানা ছোট বাড়ী; বড় বড় দেবদারু, জলোক, পলাল প্রাভুতি মজু বুকোর খন ছায়ার কোলে বাড়ী-ধানাকে হঠাৎ দেখিলে প্রাচীনকালের मिन्ने भारत स्थापायस्य स्थित स्थाप स्थाप्त । 'ষতি প্রভূষেত এমণে বাহির হইয়াছিলাম, বেলা একটু নেশা হুইল দেখিয়া বাড়ী ফিরিডোছ, এমন সময়ে ভরপিনীভীর বর্ডী কুম্র গঙের পাঠালোচনাতংপর বালক-शश्य कनाकानाकान व्यक्ति व्हेश अकट्टे **শিখাইকাম : চিন্তাইন বিগত বালাকী**বনের পাঠসপূৰ্ণ কীণশ্বতি মোহালদে আবিষ্ট হ**ট**য়া নিজের সম্পূর্ণ অ**জ্ঞাত**সারেই যেন भे गृह आरक्ष छेशनी छ हहेगाम। स्वाग्रहे কুত্রম কোরকের মঞ্চ শুদ্র জ্বলর তিন চারিটী কুদ্র শিশু উচ্চকরে "রুল পড়ে. পাঁচা নড়ে, টুণ টাণ ঝুপ ঝাণ্' ইত্যাদ পাঠ मृश्य कतिरदृष्ट्य। कुट्टेंग नामक অংশকারত বড়, ভারাদের সমুণ্ডিত পুষ্টকরাশি দেখিয়া মনে হইল, চতুর্গ কি পঞ্স শ্রেণীর ছাত্র হট্রে; কারণ, আজ কাল বালকগণেশ দৈছিক ওঞ্জনের অংশকা পুলির পরিমাণ কিছু বেশী ৷ বালকবর ভালাদের জ্ঞানামুদারে বঙ্গদেশের ভূগোল ६ टेडिशंग मध्य नानाशकात जालाहना করিতেছিল। বাদালার কি কি বাবসায় ভাগ চলে. কডপ্ৰকায় জাতি ৰ্ত্তমান. এসৰ কথাও হটতে লাগিল। কথাওলি শুনিয়া আমার মনে হইতে লাগিল যে, ইহাদের বৃদ্ধি কিছু তীক্ষ্ণ, কেন্সা এমন व्ययस्य क्या ७ वनिन, याहा समू मूनक् क्या শীলতা বলিতা কোন, অন্নপাদেয়তা বা বিশ্বার পরিচারক নতে, ভাছাতে কিছু গারিপার্থিক স্বেক্সর মুটিশ্*রি*ক **সাছে** :

# গ্রন্থ পরিচয়

# **ন্ত্রীমন্তাগবতম্**

ত্রীনশার্থনি ক্ষাইবপায়ন বেলব্যাস প্রাণ্ট কৃল, ইনেন্
যথবাচায্য-কৃতা ভাৎপদ্যা-নির্গরটীকা; ইনিন এব- লি কেন ট্রা
হাকুর-কৃত সারাধনশিশী টীকা, বলাগুলাদ, সংগ্রু লথ্য ও
ক্রান্তশন্দ, তথা ও বিবৃত্যাদিশুক্তা। প্রতি হন্দের আলিপথে
সেই ধন্দের অভিপান্ত কঁথাসার, অধ্যায়ের প্রথমে ঐ
অধ্যায়ের সারসম্ভ হৃষিস্কুত তাৎপর্যাদি বিবৃত্ত। প্লোকস্টী
নির্গস্টী, অধ্যায়বিবরণ, পাত্র ও জানস্টীসহ উত্তর্ম
কংগতে উত্তম অগ্রুক মুদ্রিত। প্রথম হইতে ১০ন কর্ম
কংগতে উত্তম অগ্রুক মুদ্রিত। প্রথম হইতে ১০ন কর্ম
কংগতে ভাপা প্রক্রেপে শের হইরাছে। ভিক্রা প্রথম
হইতে নম ক্রা প্রায় ২০নিত ; দ্রুম কর্ম ১২১;
সেম্বা ৪০১।

# এ এটেড ছাচরিড।মুভ

নীনীময়তি কিলিবাকুর রচিত 'অমৃতপ্রবাহতাবা' ও জীনীময়তি মিছার সর্থতী গোরামী প্রতুপাদ-লিখিত 'অইতানে প্রতি কুলাদি বহু পারপ্রমাণ স্থালত হট্যা প্রকাশিত হট্যাছেন। স্নোকের সাধ্যব্যাখান, বলান্তবাদও প্রতিক প্রাক্তেন। স্নোকের সাধ্যব্যাখান, বলান্তবাদও প্রতিক প্রাক্তেন। স্নোকের সাধ্যব্যাখান, বলান্তবাদও প্রত্যেক প্রাক্তিরাক্তির স্বাহত কটা ও প্রকারের বিশ্বত জীবনী সম্বিত এইকপ অভ্তপুর সাহরত ইতাপুরে কুত্রাপি প্রকাশিত হল নাই। উত্তম কাগতে পারেপাটোর সাহত সুবা ক্ষেম্বর মুলাংশ মৃত্রিত হইনাতে। প্রত্ন প্রার্থী ১০০ পুহার সম্পর্ম ভিকা ব্রহ্মানে ব্নাক্তা।

## **ब**टेहर का का शबका

গ্রন্থকারের জীবনী, প্রতি পরিচ্চেদের কণাদার, নিশ্বন্ত গৌড়ীয় ভাষা, শক্ষ্ঠী, পরারস্থাী, বিষয়-স্থান পানাদি-স্থানী, প্রস্তৃতি বিবিধ বিষয় সম্বাধিত বিরাটে স্থিতীয় সংস্করণ চনল জাউন ৮ পেলা আকার। আদিলীলা ও মণ্ডের কিয়দংশ প্রাধাণিত হয়য়াছেন। জ্বান প্রাধি লীশার হলতেছেন। অগ্রিম ভিস্পা ে টাকা, আদি লীশার ভিস্পাত্

# জ্ঞীটেচ ভব্য মলল

এই প্রধের এরপ অভিনব ফুলর সংখ্রণ আর কুরাপি প্রকাশিত হয় নাই। সংখ্যত শ্লোকাংশের অব্যু, বঙ্গাসুবাধ, ভাষা, কুলাসার, তুলা প্রস্তুতি সহ অতে এতে প্রেকাশিত হুইয়াছেন। মূল মোটা অক্সরে ভবল ক্রাউন আটপেতী গুহদাকারে ভাগা হুইয়াছে। মূলা ২৪০ টাকা। নদীয়া প্রকাশ ও গৌড়ীয়ের প্রাহ্কগণের প্রেক্ ১৪০ টাকা।

## **এ।মত**গবদগীতা

— ইংগৌড়ীয় বৈক্ষবাচাশ্য অপ্রাক্ত রাণকচ্ডামণি ইংলীবিশ্বাথ চঞ্চবহিষের গোপামিকতা সার্থবনিধা ইংকাংমেতা ও উট্টামডাকিবিনাদ সাকুর-প্রাণত গাসিক-রঞ্জন' নামক ভাষাভাষাসহিতা। অধ্যায়ক্তী, মাতৃকাজনে শোক-ক্চী,বিশ্ব-ক্চী,প্রাংকারের ভীবনী ও অবভর্ণিকাদি বহু-ভাত্তবাধিধন-সহ উৎস্কৃত্ত বাধাই তৃতীয় সংক্ষরণ—এই রাজ সংখ্রণের ভিক্ষা ২ টাকা মাজ, সাধারণ সংক্রণ—১॥।

# শ্রীল প্রভূপাদের বক্ততাবলী

১। প্রথম খণ্ডে—বৈক্ষবদর্শন, শ্রীপুরুত্ম, কাল-ধন্ম, প্রীমধ্যাবিভাব, শ্রীবার্যভানবী, পাশুরাত্রিকী দীকা ও বা বিচার, আত্মধন্ম ও মলোধন্ম, শ্রীটেডপুনের ও ভাহার শিকা, অপ্রাক্ষত সংগ্রধন্ম ও প্রাকৃত সংক্ষধন্ম, প্রভৃতি বিংশুতি সংগ্রক রয়ে স্থানাকিত। ভিক্ষা মাত্র ৬০ বার জানা।

২। দ্বিতীকা শশ্চে ড্রাও বিদ্ধা গুলি, মন্ত্রের প্রের্ছতা কোথার, আন্ত্রার নিতাবৃত্তি, প্রীধর স্থামিগাদ ও নায়াবাদ, শ্রীগোর-নিত্যানন্দপ্রদক্ষ, ত্রিবৃগোর ধন্ম ও রক্ষ-কান্তন, শ্রীবাদপূলায় শ্রীমহাগবতের কার্তন, শ্রগোর-গামের মহিনা, মহাপ্রদাদ, শ্রীগোবিন্দ, শ্রীরূপাস্থগভন্তন-পথ, শ্রীমতী রুমভান্তনন্দিনী, শ্রীচৈতজ্ঞের দ্বা, গোরকর-গাও রুক্ষস্কান্তন—চতুদ্দশ অপুরু মধুরিমাপুর্ণ-বক্ষ্তা-বিভূমিত। ভিসা ২ এক টাকা মারা।

ত। তৃতীকা অক্ত-লোকপ্রিরতা ও সভাপ্রিরতা শ্রীবলদের প্রসঙ্গ, শ্রীক্ষমাধিকার, বৈক্ষর, শ্রীসীতাদেরীর আবিভাব-প্রসঙ্গ, শ্রীমধ্বাগবতের সভা, শ্রীবাসপূচার শ্রীমদ্-ভাগবতের প্রবাবৃত্তি, শ্রীনামস্কীত্তন ও হবিসেবার নিভাতা — এই নাটা স্কাশনিক ধত্তভাসধাতে। ভিকা ৮০ মাত্র।

## <u>ই মন্তর্গবদ্গীতা</u>

গৌড়ীয় বৈক্ষনদাশনিক-শেষর উট্টামন্বচ্নদেব বিছা ভূষণক্ষত ভাষা ও আমিছিলিবিনাদ হাকুরেরপ্রাঞ্চল বন্ধ-ভাষায় বিশ্বত 'বিবলরজন' নামক ভাষাযুক্ত। অধ্যায়-স্টা, বিষয়স্টা, ও প্রতি শোকের প্রথম ও চূতীয় পাদ স্টা, ভাষাকারের জীবনা প্রস্তৃতি স্থলিত। উংক্ত বাগাই, রাজসংখ্রণ (ভূতীয় সংখ্রণ) গ্রন্থের ভিজা ২ টাকা।

## **बानवही भग मगहाबा**

( প্রমাণখণ্ড ) সাম্বাদ। আতি-স্থ্যাদি এছে শ্রীনব-বীপের যে মহিমা কীঙিত আছে, তালার মূল সংস্কৃত ও অম্বাদ। ভিকাত আনা।

## **এ** এলবদীপভাবতর

শ্রীসাকুর ভক্তিবিনোগ লিখিত। স্থালিত গীতাকারে পরিজমার তথেয়াদি বিধয়ক। তিকা। তথানা।

## ভব্তিরভাকর ও নংখীপ পরিক্রমা

শীল নর্থনি চক্রবার্ট-সাকুর রচিত। ভব্তির্দ্ধাকর হুইতে পরিক্রমাংশ মাজ গৃথীত; শীলীব গোন্ধার্ম কি প্রকারে শীলব্দীপধানের পরিক্রমা করিয়াছিলেন, তাগ্রাই প্রেবিরত। ভিক্ষালি আনা



প্রী ভকিবিনোদ ঠাকুর-প্রণীত। শ্রীটেডভেটিগড়ে শিক্ষাপ্রণাদী—ক্লক, ক্লুশক্তি ও রস— বন্ধ ও মৃক্ত জীব— আদি খা-৫৬৭'ছেন-তন্ধ—সাধন-নির্ণয়—প্রক্লোজন-তন্ধ, কল্প-কান্ত, আগ্রমাদির বিচার—বৈদী ভক্তি, ভাবভক্তি ও প্রেমভক্তিস্ব নামভক্তন-প্রণাদী ও অঠকাদীর লীলা-পরিচয়াদি প্রথম শিক্ষাপীর উপ্যোগী করিয়া সরল ভাষার সমুদ্য বৃক্তিপ্রমাণস্থ লিখিত আছে। চতুর্থ সংভ্রণ বাধা ২ টাকা, আবাধা ১৮০ টাকা মাত্র।

# গৌড়ীয়কণ্ঠহার

ইংগ্রেট্ন বৈষ্ণবগণের অন্তল্প কঠে গারণগোণা
ক্রিত প্রাণ-পঞ্চরাজাদি সাম্বত-শাস্তম্প্র প্রমাণাবলী
বিষয়বিভাগক্রমে সামুরাদ ওন্দিত। এইরূপ বৈষ্ণব-সিম্বান্তের সারসম্বর অন্ত কুঞাপি প্রকাশিত হর নাই।
ইহাতে গুরুত্ব—ভাগবত—বৈশ্বর—গৌর—নিত্যানন্দ—
অবৈত—ক্রক—শক্তি—ভগবত্রস—ভীব—অভিন্তানেদদ—
আহিপের—সাধনভক্তি—বর্ণন্দ্র—আন্তম-শ্ব — শুদ্রশাদ্ধ
— শ্রীনাম—প্রয়েক্তন ও প্রমাণ-তব্ধ ধলি পূপক্ অধ্যায়ে
স্থাকৎ প্রোক্তন ও প্রমাণ-তব্ধ ধলি পূপক্ অধ্যায়ে
ব্রুক্তিৎ প্রোক্তমি স্টীস্ট উংক্লই প্রতিক কাগকে ব্রোক্তর ব্রাণ্ডিত মুদ্রিত উংক্লই প্রতিক কাগকে ব্রোক্তর ব্রাণ্ডিত মুদ্রিত উংক্লই প্রতিক কাগকে ব্রোক্তর প্রায় ওবার ৪০০ পূহার সম্পূর্ণ। ভিক্লা ২ টাকা মান্ত।

# **बिनदबीलगाम-अधानजी**

শ্রীমদ্ভ জিবিনোধ ঠাকুর রচিত গোমমাহাত্ম—ধামমাহাত্মোর সামুবাদ প্রমাণ খণ্ড— শ্রীল নরহরি চক্রবর্ত্তী
ঠাকুরের গাম-পরিক্রমাংশ—শ্রীগাম নবদীপ পরিক্রমা—তীগযাত্রা পদ্ধতি—শ্রীমাহ প্রবাোধানক্ষত নবদীপশভকম্—
শ্রীমহাজিবিনোদ ঠাকুরের শ্রীনবর্ণীপ ভাবতরক্ষ প্রাক্তি
গ্রন্থ একত্র ভিক্ষা ৮০ ক্ষানা মাত্র।

## শ্রিকামান্ত ব্যাকরণ

শ্রীজীব শোক্ষামী প্রান্থাদ-বির্চিত ক্তা ও বৃত্তি, তৎসভে ওবিফুপাদ শ্রীমছান্তি মৈলায় সর্থতী গোক্ষাম মলারাকের বিভাত ভূমিকা ও ক্ষ্মী প্রাকৃতি সহ। অপ্রত্যাশিতভাবে ভ্লভ। ভিলা ২ টাকা, ছাত্রগণের প্রাক্ষ মান টাকা মাতা।

## বেদাভভখনার

শ্রীমন্তামান্থজাচান্য রচিত। নেদান্তের নিশিরটেৎজনাদ-প্রচারক শ্রীভান্ত প্রধ্যে মাচান্যপ্রার সেদান্তদর্শন পাঠের উপযোগী করণার্থ এই উদ্ধয় কর্ণরয়াচেন। ইইবান্তে বঙ্গান্থলাদ ও স্তীপঞ্জি সংখোগিত করা ইইবান্তে নাম মাত্র ভিক্ষা ৪০ শানা।

## 🚇 হৈতজ্ঞ চন্দ্ৰায়ত ও নবৰীপশভক

পৌরপার্ষন তিল-টা শ্রীমং প্রবোধানক সরস্বতী-প্রাণীত
মূল, প্রভূপান শ্রীমন্ ভিকিনিছান্ত সরস্বতী গোস্বামী মহারাজ
সম্পাদিত অনুন্দুপে ব্যাপা ও বলামুবান সহলিত।
নবদীপশ্বকের শ্রীভিভিবিন্দোর সাকুরের প্রান্ধানার ভ তংগহ শ্রীমনাহাপ্রভিব্ একটা তিবণরাহিত আলোকিক চিত্র প্রান্ধ হইরাছে। মূচণ ও কাগ্রভ উৎকৃত্র (২ থানা একত্রে) ভিক্ষা ৮০ আনা, অভি হর্ম্য বাগাই রাজসংখ্রণ
স্টাকা মাত্র।



स्वीमपृक्तितिरमान ठाकूत धारीख। এই এकमात श्रप-লরে জান দাভ করিলে পার্মার্থিক রাজ্যে কিছুতেই প্রভান বা সংশ্য থাকিবে না। প্রম গুড় ধর্ম বিবয়ক এই-क्षण मदल ७ करवलानी अब अ'नगान अकानिक व्य नाहै। ান পিলগোসানি-পাস্ত্র-মতেলধি-মন্তনকলে এই প্রায়ত উপিত চলাছেন। আবার স্থানিস্ত স্চী, কথাসার वैद्यानि पानः नित्यम ममुक कता बरेशारकः। वित्रां अन्न, त्मानात अला नाम त्यथा. खेरकटे वैत्याहे -- 5 वर्ष मध्यत्र ভিকাৰ, টাকাৰ্মে।

# প্ৰেম্বিবৰ্ড

ত্রীনন্তাপ্রভার অন্তর্জ পরিদ ত্রীল জগদানক প্রভ বিরটিত: এই পুস্তকে মতি স্থাবোধ্য ভাবার মধাপ্রভুর ক্তিপদ লীলাসত বৈঞ্বাচার, একাদণী ও নামভঞ্জন-প্রদানী প্রভৃতি অনেক देवकावण्डल सुगीयाःमा द्रिश्चरङ शाहेदन्य। शानज्ञिकात्र छक्तव श्वारमत्र विश्वनार्थ ७ এরকরার পরিচয়ানি-প্রবিভ চতুর্থ সংকর্ণ ভিক্ষা॥৴• सन जाना महि।

#### ভেক্স নবচ প্র

क्रमाक्तीत मिहान्मा : शंकृत छक्तिविध्मात्मत स्थला খান ; নিখিণ শালের নিশ্যাস । এরখানি না দেশা প্যাস্থ কেং ব্যাতি পারিখেন না। তৃতীয় সংশ্বন ভিজা ॥ ।

#### হরিনামচিভামণি

नामाहार्गा जीन शतिनाम हाक्त्रत्र मृत्य जीमनाशास्त्र ख्यमाय-माठाष्ट्रा, नामाजात, नामालदाव आकृष्टि विगरवद ষ:বজীয় বিভার প্রবণ করিয়াভিগেন। এই বিবয়গুণির अंि मुत्रा भग्नात मः किश्व आनव्यम् भन्निभाष्टि आत्य मृत्रिक । अन अकितिरमास शकत विकास । अन्य मध्यव जिला he

#### कल्यानिकच्छक

বিখানী ও জানপণের পণিকের একায় প্রয়োজনীয় উপদেশাবলীপূর্ণ গীতিপ্রতা সামার বেপাণভা-ভানা *द्यादक के* के जनतारशात ग्रेडिमब्द्दत पाता अनर्पनितृष्टि ७ जगनः रमना माज कतिनात स्विता भारतम । यह शास्त्रका जिल्हा / ३० जाना बाह्य ।

## শরণাগতি

क्षेत्रहिल्तिताम अक्ष्य-ब्रिक । कश्वात्व बाग्यम्यर्गन्, বিজপ্তি, ভগনগাল্যা, বড় বিধা শরণাপতি ও বিদ্ধিলাল্যা-বিষয়ক গাঁভিপু:, ভিকা /- আনা যাত্র।

# बै डावनी

क्रिशंकुत इक्तिविस्माम-धार्षेत्र । निका सम्म, भावाधिक 🖜 প্রাবার-বেশ্বনাদি-বিব্যক মধুর গাঁভসমূহ একটে এখিত "ভক্ষা / । সানা মার।



ক্রীমরাহাপ্রের শিক্ষা ও প্রীণ রগুনাপ দাস গোস্বার্যার প্রতি শীরণ গোন্ধামীর উপদেশবাণা, ভার্তপণের মযুক্ত ও প্রতিকৃণ বিধয়ে শ্বিচারিত স্বোদন ভাষ্য, বিশ্বত বিবৃতি, চরিভাষ্তের প্রমাণ, দারর ব্যাপ্যা ও মহাজন-প্রণীত ভদ্পদোগী গীতমমূহ প্রত্যেক লোকের স্হিত স্ত্রিবেশিত ১ইরাছে। ৩র সংশ্বরণ ভিক্ষা 🗸 আশা।

#### MATERIAL TERM

শ্রীবশ্বাপ দাস পোশ্বামীর বনঃশিক্ষা, শ্রীল ঠাকুর ভবিংবিনোদ-চরিত পদ্মান্তবাদসহ। ভিদ্মা / • স্থানা।

# প্রেমভক্তিচ ক্রিকা

💐 ঠাকুর নরোভ্যমের স্থানিক গ্রেমভভিবিবয়ক গানের পুত্তক। ভিকা / - আনা নাও। '

#### নবদীপশতক

শ্রীস ঠাকুর ভক্তিবিনোদ-বচিত শ্রীল প্রবোধানন সর্মভীপাদের সংস্কৃত নব্দীপণতকের প্রলণিত প্রায়বাদ। ७७१ / • माना मान ।

#### অর্থপঞ্চক

শ্রীল লোকটোণ্য রচিত। বৈকাণতা-ভানের মাকর পুস্তক। ভিক্ষা/- আনামাত্র।

## সদাচারশ্বতি

**প্রীল মধ্বাচার্য্য-প্রাণীত। বৈক্তবের নিত্তকশ্মাদি সদা**োরা नशी, नक्षक्रवान ग्रन्ड। किका / • भागा महा।

## মণিমঞ্জী

कविक्लाक्यती अभवात्रावनाठाता त्रति । श्रीनवास्तः চার্যোর সংক্ষিত্ত জীবনবালা ও মূল বৈক্ষরপশ্মমত। স্বায়ুবান । জ্ঞাপনে ওক্ষানক প্রবিজ্ঞাবিনেধি প্রত্বান্ধ ও বঞ্চার বিনৰ ভিক্ষা। জানা মাত্র।

# ८भोत्रक ८काषत्र

व्याठीन कवि क्रिरगानिक स्थव व्यवां ह है।रश्रीतावहारत्र প্রমাণাবলা-সংব্লিভ সংস্কৃত এছ। ভিকাদ আনা।

#### ষ্তিশল্পি। (জগদৌরভ)

ত্রীনধাসভালায়ামুগত ত্রীনবালিয়াক স্থানিকত। বস্থানরে নাম্বাদ এই প্রশ্নের প্রকাশ পারমাণিক বাহিভ্যা-ছগ্রেছ ्टे म**क्षणभ**ा कीमक्रमाहाया क्ट्रेंट ताफ्लानकम क्रिडीय মধ্বতাৰ্য্য নামে খ্যান্ত জীবাদিয়াজভীৰ স্বামী এই গ্ৰামে সাধারণ বৃক্তি ও লৌকিক স্থারাম্বদারে কিঞ্**প স্থ**ন্দরভাবে ভক্তিবিরোধি-মতবাদ সমূহ খণ্ডন কার্য়গ্রছে, ভাষা পাঠ कतित्व कवित्व बाक्तगाविक श्रेटक श्रम । वेशाल पृक्तिन बाबा ठाकाक, टेकन, ट्वांब, मीमाश्यक क मानावाधिमक-नमुट्य स्थाय शक्त बश्याद्यः। जिक्ता २८ होका याव ।

#### त्भाषामी जिल त्रम्माथ पान

(ও বিফুপাদ জীল ভঙ্জিনিদাম্বনমূলতী গোখানা অভূপান-বিভিত্ত ভূমিকা স্থ ) গৌরতগ্রেষ্ঠ স্বত্রপ-ক্রপের একমাত্র প্রিয়তম ঞ্জীল দাস গোখানী প্রায়ুর মপুরু চরিডাড়ত ও শিক্ষা অভীৰ প্রায়ল ও সর্ব্ব ভাষার বরিবিঃ এবং পরিশিতে দানগোখানী প্রভূত্ত বিদ্রচিত কঞ্চটা শাছৰাৰ মধুরত্তম ওৰ ও মনঃশিকা-স্থালিত। জিকা रीयारे ४० चाना, मायागारे 🗸० माना याव।

# চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাঠান নবরীপের অবভিতি, তথা, উভিত, প্রোত ও এতিহাসিক প্রমাণসখালত নর্তী খাঁপের সচিত্র বিবরণ-अप । ताक्षित्र अगादिक कुमात्र श्रीतुक्तं अविभिन्न मात्रायन লার এম. এ, প্রাক্ষ (লাছোর), বেশাপ্তভূবণ মচোদর কন্তৃক সঞ্চলিত এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন বর্ণের অপুন্ন চিতা ও মান্চিত্ৰ-সম্বিত: প্রাচ্যবিশ্বামভার্ণৰ রাত্ত সাভেৰ আগুড়-নগেল্ড নাপ বস্থ বিশ্বকোদসম্পাদক মধাশ্যের বিশ্বত ভূমিক! तृह । छैरक्टे ( हे: ) महत्का वानाह मूना ३४०, छि: लि: ८७ ২ ্টাক নাত্ৰ।

# मानक-कर्भमाना

अञ्चलना, देवकव-वन्त्रना, देवकवन्त्रन, शांगारमञ्जीक, শ্রীনাম৽টু, শ্রীময়চাপ্রাপুর অধ্যেত্তরশত নাম, অইপ্রাচর नामकी छन, धीनामनदी छन, ८ श्रमखनि, 'वाडेनमधी'ए, मवदीन-पश्चिमा, क्षीमाहालत महिमा, क्षीमातादम-छा उत्र महेत महिया-वन्त्रना. वस्ट्राचामीत महेक. (श्रमक्किहिसका. डेनरम्भामा, नामडलन-ख्यांनी, महाख्य । बाद ब्रामान-মংবাদ, মন্ত্ৰিকা, 🖹 ওক্পাণ্ডি, ইছিওক-স্মুক্ষরা, में शासिक विकास का अपने के भारतीय है विकास कि अपने हैं। বৈভ্যবগণের কঙাজিত ভূলনামালার স্থায় অভুলণ করে বারণ্যোগ্য **অপুন্য প্রায়** ৷ ভিক্ষা ক'ল, বার্মাই ৪০ মান্ত ৮

#### গোড়ায়-গোরৰ

কলিকাভার স্বপ্রাইছ আগবাট হলে গোড়ীর সম্পাদক द्यालाम अभ्यानक लग्नांकार्शियाम आगर बक्रांच विस्त अवकारत अकाश्वित । वेशास्त्र (भाष्ट्रीय देवकावम्याकारयव ই<sup>তি</sup>তাৰ স্বাকাৰে প্ৰাপিত হট্মাতে । ভিকা ৮০ নাত।

## গোড়ার সাহিত্য

কলিকাতার প্রপ্রাসির মালবাট ২০ে গোডীয়-সম্পাদক अधानाता श्रकानिक। अबार माडिका-नरभन्न अथ अनः ্ণ্যান্ডার-মাতিত্তার বিষয় সংগ্রহারে ব্রিত ১ইয়াছে । ভিক্র ine will with I

# औदभोष्ठम ७० भतिक्रमः- ५००

क्रीरचो इल्लाह्म एवं मुक्क हारन मुलाहिकत क्रियाहर 20 है। च्या एवसून शत्यकी महास्रवान शीमा कविवा भिवादकन. ্ষেষ্ঠ-সূত্র আধুনিক ভৌত্রোলিক পরিচয় ও ধেববিপ্রজাদির পরিচয় সর নাভারাতের স্থানিনা নিকেশ ইডাাদি নিময় গুলি ব্যাহিবশিত আছে। ভিকা • মানা।

# THE HARMONIST OR SHREE SAJJANATOSHANI

श्रीन शाक्स का किनियाम-धारिक्षेत्र धनः श्रीन किन निषासनत्रवंदी श्रीवानी ध्रः भाग नन्माधिक भाष्रवार्थिक मानिक शक्ता अभाव केलाओं सामान बहाविस्य वर्ष ভবশস্থান্তন ৮ পেলী ৪ কন্দ্ৰী আৰু ত্ৰে প্ৰাণ্ড বালে স্বরি-नाम्य निक्त-देवक्तर्या गहेवा देशक्तिक बहेटर हान । काश्रष्ठ, प्रक्रम-शाविभाषा । किखापि अडीव जिलाक्षेक । এই প্রকার উৎকর প্রক্ত মার কোন বার্নিক প্রাণিতে (रिविट्ड भागेरक ना। वार्कि डिका खाक्याक्षणपर 🔍 हाका माज।

#### প্ৰাধিস্বাশ-

**बिटाइशमरः त्याः अमात्राश्व वरीक्षा** 

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

# (थाना इरेकारक।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ হা প্রদিগকে
শ্বাভি মাজের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন।
বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যয়ে সুস্দর বাসহানের
বাস্থোবন্ধ চট্যাছে। ছাশ অতীব সাহাকর।

সনিভার সংখাদের ভক্ত নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র নিধুন। সেত্রেভীরী, ভারুত্র ভক্তিবিলোদে ইল্ফিডিউট্ শ্রীচৈতক্তমঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, মদীয়া।

# —৫১ বংশরের প্রতিষ্ঠিত**—**

ক্রিকালেরে প্রস্তুত ক্রতীকা।
বাংগ ওজভারণা, অথানেব, কোটকাঠির, অথীন, ধ্রমতল প্রভৃতি
ত বোগীর বোগ নিরামর হইলাছে ভাগ প্রকাশ করিলে বড় বড় প্রক
ভটনা পড়ে।

# ইহা

সক্ষ ক্ষুতে বাবভার চলে ও সমান ফল প্রেণান করিরা থাকে। প্রতি কৌটার ৩২টী বটীকা থাকে।

## কেবলমাত্র

ঞ্চি কৌটার মূল। ১০ এক টাকা। ইংগর নাম 'আগভল্পনিপ্রছ বঁটাকা'।

মঞ্জ উবণের তালিকার বন্ধ পত্র লিখিলেই পাইবেন আধিয়ান :—আক্তব্ধেলিপ্রাছ উল্লেখ্যালয়

২১৪ নং বছবালার ট্রিট, কলিকাভা।

# কবিরাক শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



হকংখনের স্থাবধার কল্প ৬ জাঃ শিশিতে ঘনীভূত অবস্থার চোটবোওলের াসমগা উল্লয় ক্লাকে পাঠাম হয়, উলাত্তে ঔর্ধের কোন প্রিবস্তম করা হয় নাই। মূল্য প্রতি শিশিরত আনা, পাঁইটার্লত আনা, বোডল ১০ত আনা।

অফিল—১১নং উন্টাডালা স্নোড, পোঃ শ্বামবাজার, কলিকাতা

# ভাগৰত প্ৰেন গোয়াড়ী হাইটাট

# 

এখানের বিবাহের নিমন্ত্রণপত্ত, শ্রীক্তি-উপহার, কার্ড, এছ এবং জ্ঞান্ত বাবভীয় কার্বা ছাপ। হইয়া খাকে। স্থাপায় বহু বাজার সম জ্ঞান্ত ব্যক্তিয়া প্রীক্তা প্রাক্তীয়া।

# হাইড়োগিল

**বা** 

কোষরূদ্ধি রোগ

ঙাঃ এস্, এন্, যোগ বিনা ক্ষয়ে, বাগজীবনের গ্যারাটি বিরা বৈভাতিক প্রশালাতে কোববৃদ্ধি রোগ আরোগ্য ক্ষিয়া থাকেন।

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

# দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌবধ

# পদর দিলে সম্পূর্ণ আরোগ্য

রোগী দেশাইতে কটবে। অগ্রিম পাথের গরচ (ইণ্ডিয়া এবং আসি,র)
পাঠাইলে গিলা লোগী দেখা হয় অথবা এখানে আসিলে 'বেগায়ী দেখিলা উষধ দেওলা হয় আলোগা না হওৱা প্রান্ত পাতিপ্রমিক দিতে হইবে না । গহীব বোগীদের প্রচ বছন করিলা চিকিৎসা করা হয়। বিভারিক বিবরণের করা এক আনার ভাক টিকেট সহ নির্টিকানার অন্তুসন্ধান করুন।

জ্ঞীক্ষিতীশচন্ত্র উকীল, বশ্বা-চিকিৎসক, পোঃ নৈকাঠী, বছিলাল। অথবা নিম্ন ঠিকানায় সাক্ষাৎ করিয়া বিভাগিত জানিতে পায়েন।

শ্রীৰ্ত স্বামগোলাল কম্ভ অন্, আ, ক্লমনগন্ন, নহীয়। শ্রীৰ্ড জারপদ সিংল, ১১৭. বেশিয়াটোলা ট্রাট, চাটখোলা, ক্লিকাডা।

প্রকর্মানি পজ ! আমার ত্রাভূপুত্র গত হয় মান বাবং রাজ বন্ধার ভূগিয়া মৃতপ্রার হইরাছিল, কলিকান্তার বিজ্ঞ চিকিৎসকণণ ভাগার ভীবনের আশা ভাগা করিয়া শেব মৃহুর্ত্তের জন্ত অংশক্ষা করিছেভিলেন এই সমর ত্রীবৃত কিতীশচন্ত্র উকিল মহাশের মাত্র ১০ দিন চিকিৎসা করিয়া সম্পূর্ণ আহোগা করিয়া দিরাছেন। (সাঃ) প্রিয় হীল্ল কিশোর বার চৌধুরী (জমিদার শালিয়া) হগ্ দ্রীট্, নিউ বিজিং। করণোচরশন ইটিং ডিগা টমেন্ট, কলিকান্তা।

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরান্দ ৪৪৫ দাত্র ১/১ ডাকটিকেট পাঠাইলেই বুকপোটে পাঠান হয়

> ম্যানেজার-গ্রন্থবিভাগ প্রচৈতখনত, পো: শ্রিমায়াপুর, নদীয়া।

# গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

<u>—কারণ—</u>

এখানে বাৰতীয় ছাপায় কাৰ্য্য— গ্ৰন্থানিয় কাৰ্যাই বলুন,

বিবাহের নিমন্ত্রণ পত্র, কার্ড, বিবাহের পছাই বলুন,

আর ৩ রং ও ৪ রংএর হাকটোন ক্লকই বলুন, সকল কাষ্যিই ছাভি সময় ছাপা হয়, অধচ ছাপাইবার ধরচ বালার অপেকা ফুলভ।

व्यापनात किंदू द्वापात कार्या पाकित्य - व्यक्तिकानात्र कानाहेत्वह स्त्र भाहेत्व।

> মাধননান-কোড়ীয়া প্রিণ্টিং ওয়াক্রন্ ২৪এ২ নং মাপার সাবকুলার বোড, কলিকার

#### মাদগো সহরে বিভৎসখুন

রবাট উইলসম গণবিক ডোনাল্ড सामक शक बारकत (कतानी भूस हरेगा-ছেন। আভভায়ার। নাকি কামোরে।-भिग्राम (त्रिज्ञायरणेत छिम्बन रेपनिक। নিংভ এবং নিহন্তা সকলেই অল্লবয়ক यूतक।

ডোনাল্ড মৃত ভাবভায় বাাজের প•চা২ভাগে পড়িয়াছিলেন। ভাহার मु ७ हि (नह इहेट ए क्या विश्वित किन द्वा ারে ওলীর আঘাতের চিক্ত ছিল। ব্যাক হইতে ১৫২০ পাউও মুলোর নোটও থোয়া শিয়াছে। (বোধ হর (अमान्द्र ८६क कामाहेश वाक बहेटल दहे (बाहे छनि नहेगा याहेर छितिन। বাজের বাহিরে রাহাজানি করিয়া ঠৈ।নিকণুবকত্ত্ব ভোনাল্ডকে মারি**য়া बाहिन्द्री महित्रा श्रमात्रन क्रिकार्ट्ड।** পুলিদের অমুদক্ষাম চলিভেছে।

# বক্সাপীভিডদের সাহাব্যে **ट्रियक गड्य**

রাজসাচী হটতে প্রকাশ যে, ১৩ই आशहे लाखाकारण जीयुष्ठ मरहत्रकृमात माश क्षिपूर्वी दि, जन दश मकालटिट बाद । मगाङ (मधकमा उच्चत कार्गानिका कि मनि-তির একটি বিশেষ অধিবেশনে সজ্যের ●নৈক কলী জীয়ত সভোজমোহন মৈত্ৰকে বস্থাপীভিত অঞ্চলে বিপন্ন লোক-দিগের অবস্থা পরিজ্ঞাত চইবার জন্ত পাঠাইবার সিহাত গ্রহণ করা হয়। প্রতরাং সভ্যের কন্মীদিনকে অর্থ, বন্ধ, চাউল ইত্যাদি সংগ্রহ করিতে বলা इंदेशहरू।

# कारगात्री नीमाटम मतकादत्रत्र कात्र BIN

मामाम हरेल अकाम (ग, ३०३ আগষ্ট কালেক্টরের অফিনে ভাড়ির (भारान नीमाय इहेशाइ) कानीय কংগ্রেদ কথা এবং জীবুত সভামুদ্রি, ভক্তবংসলম্. রুক্ত আয়ের ও ক্তিপয় মহিলা পিকেটিং অবস্থ করেন। নীবামে भवकारतत्र व्याय व्यानक कश्यिम शिवादह । প্রায় দক্ত দোকানওলিই নীণাম F: #126 1

এই সহয়ে মেটে ৫৪টি ভাত্তির পোকান व्याद्ध । ३४ हे बागहे वहे भाकान श्रीत aten कि एमाकान वारम वाकी मकन-ভালি বিক্রুর হট্যা িয়েছে। বিক্রেয়লভ্ টাকার পঞ্চিত বংসর অপেকা भाउकता bo, हेक्का क्या

পিকেটাররা প্রবেশপথের উভয় ছারে প্রেট্যা ক্রেডানিগ্রে নীপাম

ক্রম করিতে নিষেধ করেন। পুলিগের এদিইয়ান্ট কমিশনার একদল পুলিস লইয়া ঐ স্থানে উপস্থিত হিলেন।

# বক্তৃতা প্রদানে বিপদ

তুমকা হুইডে প্রকাশ যে, স্বী ছতাল প্রগণা বিলা কংগ্রেস কমিটার ভূতপুরা সভাপতি জীয়ত মতিলাল কেওরীয়াল (कोक्सावी काहरमत ३०५ शताक्षमारत অভিযক্ত হল। গওকলা ঐ মানগার ध्वमका अगामी इहेगा शिवाट्य ।

অভিযোগের বিবরণে প্রকাশ, গত >०३ कृत कातिरथ मकारण ও मसाकारण শ্রীগৃত মতিলাল কেরুরীয়াল কপন ও षात्वाकितिज्ञत मार्गामा उत्तः कथम् মৌথিক বন্ধানা প্রদান করেন। ভাষার বস্তাভলি ভারতায় দওনি। আইনের ১২৫ এ ৪ ১৬০ এ ধারা অনুসারে আপতি कारक विलिश विरम्हिए इस ।

গত क्या २ कम मार्कीत छनामननी গৃহীত হয় তথ্যধাে ৫ জন পুলিস কথাচারী माका क्षान करतन। व्यानामी ১৮ই ও ১৯শে আগষ্ট ভারিণে দাফিগণকে জেরা করা হইবে। মামণা এখন স্থপিত

# মসজিদে পুলিসের হালা

मारको इटेटल श्राक्त (ग. ८कमन পুলিস আবগারী বিভাগের কর্তৃপঞ্চের স্থিত একটা ম্যুদ্ধির অভান্তরে প্রবেশ করিয়া প্রায় আড়াই দের পরিমিত চরস বাহির করে। পুলিস ২ জন লোককে <u>(अथात करत्र। ४७ वालिएनत मर्या</u> **८क** छि गुवक औ घटन वाग कति छ।

# মাজেকে শুভ্ৰ জাভীয় পভাক।

১৪ই আগাই প্রাভঃকালে মহাজন-সভাভবনে জীয়ত সভাষ্তি কর্ত্তন্তন কান্ডীয় পভাকা উত্তোপন হয়।

ভিনি ওয়াকিং কমিটার শেষ দিয়াভের खेटलय कतिया नटयन, यनि नाक्तीकी त्यय প্র্যাস্ত লওনে গ্রম না করেন ভাষা হইলে ভারত ছাতীয় রাইয়ে মহাসভা কিংবা নিগিল ভারত কংগ্রেস কমিটির এक्ष विश्व अभिरागन आस्तान कतिया हेकि कर्त्तनाचा निश्चात्रण कतिएक इटेरन । ভিনি বৃথিতেভেন যে, একণে লর্ড আর-উইনের সমস্ত মহৎকার্গ্যের অবসান इटेशा ८५। म

**ब**ीवृक्ष बाकारणाश्राण व्याहाविश्वात अशक्तिः क्षिणिय गिकान्त गमर्थन कतिया क्षिक्षांत्रा करवेन. • एथानकाव कार्यात्करत व्यविहात होनएड शांकरन, व्यात्र नाषीती

न अर्म निवर्तन, हैश किञ्चल नश्चव किलाम । श्रीविष्ट्री वाक किलाम श्री হইতে পারে ? তিনি বিবেচনা করেন, উদারনীভিক রাজনৈতিকগণের পকে পনিবাট ভাগাদের প্রভাগ প্রয়োগ

# **ঢাকার हैन्द्रमङी स्वी**

इ ऐश: य व्यक्ताशात मुक्टनत यांगनात् অজাত্র আসামী অনম্ভ সিংহের ভগিনী ছীলতী हम्पूरको caनी সামশার জন্ম অর্থ আগেই রাজিতে বরিশালের সমারে ঢাকার াইডিয়াছেল।

# क्षवानवसी श्रेष्ठााहात कताग्र রাজসাকা অভিযুক্ত

পুরা • ন লাছেলে যড়বর মান্দার রাজসাজী প্রাক্ষণ দত্ত তবং স্বামশরণ দাস উচ্চাদের নিবৃত্তি প্রভ্যাচার করার ভালাদের বিকল্পে ভারতীয় পঞ্বদি অহিনের ১৮০ গ্রাফুণ্যরে প্রভারণার किर्याच च्यम क्या क्रेग्रह ।

# আটক আসামী স্থানান্তরিত

রাল্যালী হটতে প্রকাশ যে, অটেক আসামী জীয়ত স্থারচন্দ্র ব্যক্তিটা এবং উপের নাথ ভটাচার্যাকে রাথসাধী কেল इकेट किक्नी (करन एश्रातन करा इदेशांक । व्यथरम डेक्स्पन करकत (शकः तत्र वाड़ीटक ভণাক্থিত ভাকাভি সম্প্রেক গ্রেপার করা इटेगा किल, भरत की हाता मुक्त इटेगा कि लान बटा किन्द्र कानात डांगाद्वत बन्नोय किं मान्य व्यक्षणारम दश्यांत क्या ३हेवा क्ति।

# মওজায়ান অফিসে পুলিস সভাপতি তোগ্ৰায়

नारहात इहेट्ड ध्यकाम रग, भानीय ন প্রোয়ান ভারত সভার সভাপতি 💐 🏸 🤊 গোজিদাস ও উচার সম্পাদক ত্রীযুত মঙ্গলাগ বধন সভার অফিস ব্রাচলগ इत्ल क्षत्रकाम क्रिएड(इत्लम, उभम रकोज-দারী দণ্ডবিষি ১০৮ খারাক্সারে তাঁহা-দিগকে প্রেপ্তার করা হয়। আরও একটি নোটাল জারী করিয়া তাহাদিগকে ভারতীয म क्षितित १२६ व ९ २०० व भातास्यामी (कम (अश्रोत कता इहेरव मा, छाहात कात्रण क्षाप्तमंत्र कतिराख नचा ब्हेग्राट्ड ।

# গুঙ্রে বিমান জাক্রমণ

বৈমানিক ছুগাল বিমানে আছোছণ ক্রিয়া দিলা হইতে কানপুরে আসিতে-

विमात्नत्र गण्डिकांग कतित्व ८०६। करत्र। शृक्षताञ् मरवरन विमान आक्रमन करेत्र। গান্ধাছীৰ লণ্ডন গমনে পীড়াপীড়ি করিবার কিন্তু যিঃ ভুগাল লাজান্ত হটয়াও বিমান हालाहेट्ड शहरूम। श्रिश्तात् श्रेडः क्रिया केश्वात, नावी मगर्थन क्या क्छ । विभारतम जैनरत निक्रमा (पहल्लान B(3 1

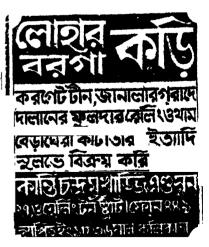
# भाषीकोटक भनमा (भागाक BHBIE

বোষাই হুইতে প্রকাশ যে, গত ১৯ই সংগ্রহ করিবার অভিপ্রায়ে গত ১০ই আগঠ রাগ্রিকালে ওয়ারিং কমিটীর देवर्राक कर्द्यारमञ्ज त्यामरहेदिन देवर्राक যোগদান না করিবার নিছাম্ব গ্রহণের একখন্ট। পুনের একটা প্রীভিত্রাদ ব্যাপার भःधिष्ट इया । लख्टन व्यवस्थानकारम भाषीकीत कावहारतत कल जाम्मिका হুইতে অধ্যাপক বেমণ্ড প্রেরিড একটি काटक दर्गामा भागी (भागाक महेगा मिन গ্রিভিল মণিভবনে আগমন করেন এবং णाः। भाकीकोरक छेपहात (सन। अकीव আনন্দ-সহকারে পোষাকটি গ্রহণ করিয়া गामीकी वर्णन, रिप छिनि निष्णश्रहे भड़ान भगन कात्रम छोड़। बहेरण छिनि डेश পরিধান করিবেন।

> পাर्टेक्त स्याड चत्रन शाक्टिक: भारत त्य. व्यात्मतिकानामात्मत्र मत्ना व्यक्तानक সক্তেপ্যে গ্ৰণ আইন ডক ক্রেন। তিনিও গানীতীকে স্বহস্তনিশ্বিত লবণ-পূর্ণ হ্রন্সর গলসভ্নিশিতি বান্ধ প্রেদান करत्न ।

## বিছার গ্রহরের দাস

त्यारम्मा विভारयम् **माय-हेमरम्बद्धात** রামনারায়ণ সিংহের সংসার প্রতিপাশন क्रम विश्व केंखिया। शवर्गत्मके > • विशा क्रिमान क्रिएक खिक्किक व्हेश्रास्त्र। छिनि लाहेमा त्यामा-विद्धाद आपठाण করেন। মৃত ব্যক্তির পিন্তা এই বলিয়া **ठीक (मटक्र होतीय मटबाट्यांग .क्यांक्य्**न ক্রিয়াছে যে, উল্লিখিত দান সংসার व्यक्तिनानमञ्ज यत्वहे स्ट्रेटर मा।



CBIN

প্ৰতিবাহৰ



मागार्याह शत र्षा अय ८५४ नामिक 🔊 याधाविक व. देश्याभिक ३%। 3151W खा कि मा काम .

ভারতের সক্তি বছল-প্রচার---দীয়া জেলাও এক মাত মুখপত

५छ चय ो

मन्शामक---श्रीञ्जीत्म्नाथ वरम्गाभाशाश, विमास्वाहन्भिङ

388 ভ্যাশংখ্যা

শ্রীচৈতক্ষমঠ শ্রীণাম মায়াপুর—ওরা ভাজ বৃহস্পতিবার, ১৩০৮, ২০লে আগষ্ট ১৯৩১

# নানা কথা পুলিসদল আক্ৰাম্ব

গভ 🕏 ১৯ই: আণষ্ট ভারিপে রাত্রিছে किन कम विद्यारी भाषान्छि ४३८७ व्याप ৩২ মাইশ মূরে ইরাণ্ডী মদীর ভীরে एकमण क्षाभ्ती श्रीमामाधिमोटक व्यक्तिमा । क त्रशिक्षिण । त्यात्र स्वयन्त्रीकाण मरशाम Ben । विष्मादी नरणत मिटा धनः करा লোক নিহত হয়, কিছু ক্ষণেলে আর সকল বিজ্ঞোধী আছত বিজ্ঞোধীদিগকে कडेश नुषायम करतः। भूग्यस्य प्राणान िट्याक्षेत्रा त्लाकृष्टिया त्वय ।

जे प्रियम खाटक देशनिकशन बाह्यविभिन्न কেশার মিছনের উত্তরে এক পাহাড়ের উপন্ন অবস্থিত বিজ্ঞোধীৰের এক ছাউনী आक्रमण कतिप्राध्या। किन्न आक्रांस হইণায় পুর্বেই নিদেহীয়া উহা পরিভ্যাপ कतिया भगावन क तित्राटण । ८कमम ७०कि খ্ৰদেশী কামান তথ্যে পাওয়া গিয়াছে।

व्यात्र ८करण ८नना कामानहरसत्र ८क अध्य िटलाईभिशत्य व्याक्त्रिश कत्रणः ছয়তন বিজেভীকে গ্রেপ্তার করে ও গত ष्टीतमञ्ज्ञाञ्च कता ।

मोरमण ७८खन धनःगान किरयाग

ক্রিমণ্ড কংগ্রেস ক্মিটার স্ভাপ্তি **ब्रीगुष्ट सूरमण्डल (बदरक शन्ड ३०६ काशहे**  आशात कत्रा क्षेत्राटक । खीक्टहेत व्यक्ति-तिक किमा गाःकिरहेठे छानात्र दशकारतत् । ष्ट्रक कार्यक्रीय **प्रश्**विधित ७०२ **७** ১১१ धाता व्यक्षनादत क्याटक्र-छ बाहित व्यक्तिश-

# পুলিসদল আক্রান্ত

আদালতে জজের সংজ্ঞা লোপ

# এলাহাবাদে জন সভা

দীনেশগুপ্তের প্রণংসার অভিযোগ

# কুন্তীরের কবলে প্রাণত্যাগ

প্রবল বন্যায় সহস্র লোকের সর্ববনাশ

# ভীষণ বন্যা

মাদ্রাক্তে তাড়ির দোকান নীলাম

# কনেষ্টবল বরখাস্ত

বহরমপুরে জোড়া আতাহত্যা

আভৃতির মামুভাবের প্রশংসাস্চক এক প্রভাব উত্থাপনের জন্ম তিনি ধৃষ্ঠ হইয়া-

ताकित्व छोशात्क औरहि कानिया পুলিশ-ছাহতে রাথ। হর। পদা দি ন ् िनि वरणम (य. छोशास्क निकाशीन प्रक्रमी याभन कतिएक इहेबाढिना। कातन धन्नि हित्यम । १७ सम्मा-छेषण्डाका-युवक- मास्ट्रमस वाटनाश्रद्यांना मदह । हेहाटक

া স্থালনে দীনেশ শুপু, বিনয় বস্থ কোন পানালা নাই। তাল্যকে ছাতে ্হাতকড়া এবং নজি দিয়া আদালতে হালির कता बर्गाक्रिम ।

> উকীশ শ্রীপুত বসম্ভকুমার দাস হংকেল वांबुत कला कामीरनत व्यातनम करत्रम। किन्न व्यटिनिक किना मानिएहें छ। ।। श्रीकृ करतन सके। व्यानाधी २५८म व्यापष्टे दौरात यामगात समानी व्यातस

## कामागटक करकत मःख्या दमाभ

**) १३ व्यागहे भक्षाय गाउँ क स्नी** করার মামলার বিচার লাকেরে দায়রা আদালতে হইতেছিল। দায়রা ভক্ত সিঃ বাচন ওয়াকার আদালতে আসিয়া উপ-বেশন করিবার পর হঠাৎ সংজ্ঞা হারাইয়া মুর্ক্তিত হইয়া পড়েন। তিনি প্রাণমে অসম হটতে অবশরণ করেন, তৎপরে পুনরার কাফাটয়: আদনের উপরে বাইয়া পড়েন এবং চীৎকার করিতে ঘাকেন। তথনই ডাকার ডাকাইয়া ভাষার চিকিৎস করায় ১৫ মিনিট পরে ডিনি পুনরায় সংজ্ঞালভ করেন। ওৎপরে তাহাকে খাসক মরাষ শইয়া গিয়া বেলা ৩টা পর্যয়স্ত তীহার চিকিৎসাকরা হয়। এই হেড মামবার শুলানী হণিত হইয়া যায়।

# এলাহানাদে জনসভা

মীতে হলরলালের সভাপনিত্রে গত ३५१ ष्मान्ये ताजिल्ड दलाश्वाल दक्षि জনশভার অভিবেশন হয়। গভিড কেশদেও মাণ্ডবার প্রভাগারুলাবে নিয়-লিখিত মধ্যে একট প্রভাব প্রিগৃহীত क्ट्रेग्राष्ट्र.-- (य श्क्ल काउंटन नामीकी লগুন গ্ৰন ভাগে ক্রিয়াছেন, সভা ভাহা উপদ্দি কবিয়া ক'রেলের কান্যানিকাইক সমিতির সিদ্ধান্ত গ্রহণ করিছেছে।

#### क्छीरतत करल खानजान

কালি হাতে প্রকাশ যে, খরছুনায় ভীষণ বভারে সময় একটি থাল পার হচনার কালীন নিপ্রে শেশবের শিবদাস ভট্টাচাৰ্যা নামক এক ব্যক্তি কুম্ভীরের কৰলে পড়িয়া প্ৰাণভ্যাগ করিয়াছে। বে ব্যক্তি ভাষার মঙ্গে ছিল সে কিছুক্ষণ পরে তাহার চাদরখানি ভাসিয়া উঠিতেদেখে।

# শ্রীবিশ্ববৈষ্ণবরাজসভার পরিব্রাজকগণ

পরিব্রাজকগণে র শাম

- >। खिन एकि अनीभ छीर्थ
- ২। এ জিভিতিবিকে ভারতী
- ৩। শ্রীভক্তিবিজ্ঞান আশ্রম
- 8। औश्रक्तिश्रकाम खत्रगा
- १। जैकिकम्य रम
- ৬। গ্রীভন্তিদর্কাম গিরি
- १। औडिकटेन इन माध्य

# বৰ্তমান ঠিকালা

ক লিক জে৷ কলিকাডা **এ**শায়াপুর কলিকাডা কলি হাডা-অমুভসর ভা**শণপাড়া** 

# ্পবিক্লাজকগণের শাম

৮ ৷ এছজি এলপ পৰী

১। এতিক ব্যাপ প্রবিত

১০। जैङ्किनिमान शक्तिस्मित्रि

১১। ঞ্জীভবিদয়ঞ্জল ভবিদসায়

১২। এতিভিরক্ত এগর

১৩। अञ्चलक्राप्य (धोजी

১৪। শ্রন্থজিপ্রসূদ বোধায়ন

# বর্তমান বিকান

क्षेक

नश्त्र ७० कशिका हा।

माज । ৰাজা জ

**ভীমায়াপুর** वादनचन

# শুদ্ধভাক্তমসসমূহ

# শ্রীতৈত্ত্বা মঠ

## আকর মইরাজ

M: ठीन नवशील, खाकशत श्रीभाष मावालुत, ननीता

खंडे प्रदेशांख भारपार्थिक देवनिक्शक, माजक म्लासारवत काराकातिक क कशाकीन अवताचि कात्रकाच्य 'मधीया-शक'म' नशालव अभिक्रिक व्यथाएक ত্ত্ব নে প্রতিবংসর শ্রীধান-পরিক্রমান্তর্ভান ও অগানিত ক্রুগোটি।।। ভীরন প্রচারমূপে মঞ্মতোহগ্রাদি ভঞ্জে অভৃতিত গ্রহণ পাকে। বক্ষক---রশ্বভারী জীপাদ নরভরিনী। সংক্রো--একচারী প্রস্তিত শ্রীপাদ পোরধাস কার্য্যাকরণতীর্ব, শ্রীগক্ষেত্র শ্রীপাদ बीवतन चेलाव सम्बद्धालाल, जीवीसनग्रामं साथ, जीकायमध्य, जीववन त्यालालाल, जीवकुन मानाधिक हो कक नद्रक, महिला, द्रान होत्या का आइटि ।

## ্ ৩ ৷ যোগপীত শ্রীমন্দির

বক্ষ ক----লোক নাথাৰল - পোসামী कहें। जी जी जी कार्या नाथ । সভভারী **ट्यिनिस्तानम अवनात्री, श्रीतानातिमान** क्षाक्रिक्रम्, चौद्राममाम जन्महादी । चीनावन शांत अभिकाती, दश्यक्या क्रीनीनमाथ।

> (8) 최기가 회학과 वक्त म --- चौ शका र कुथम अक्षताती ।

> > ( e ) छाटेषछ-छवन

दक्तक- छेतुन्तानगठन अष्टे छागा. **ब्हि:**नाकुनवाम नावाकी ।

# : ७) काष्ट्रीय जम:शिश हे

वाठीन यात्रालुद, नामनलकुद (नशीता) बक्क-अक्षाडी चैतिस्मानवाडी।

## ( १ ) प्रांत्रक प्रवर-कृष

**बि**रशाक्तम, चक्रमशक ( समीता ) कक्षकां खेळी बन, जम, बन ।

# ( b शिक्शकाथ दगो हो स मर्ठ

¤#भगशिक्त ।

रक्त क --- चेंदिश्तक फिलाको ध्रम, ख. रि. क्ष्म, मन्वादी- शिविद्याम अक-मात्री, अधिकेश्वय वाश्वमात्री शक्ति ।

( ১) औदगोद-गमानद-मर्क

টাপ্রেটা, সম্প্রাচ, ( বছ্যান ) द्रकाष--- और द्विशाम अवस्थाने, करा

BRANKEN RIM !

্ ১০ শ্রীরূপগোড়ীয়-মঠ बादाश्रक, आधाश कंछे, नि क्ष क--- जिगार्का बतानम अवहात्री

#### ( ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( )

माडेगाकि, बाद्मगर, रहमान। 🗃 গদাপত 1

## ( ) ) ভাগবছ আগ্রন

ची काशव क (खान, कुक्क नश्रव, नशीवा । বক্ষণ--- শীক্ষানন্দ প্রস্তারী ভক্তিশাস্ত্রী

#### Ge extere (c)

ट्यानिकान्द, कामचारी, अमीता। रक्ष क--- चित्रद्रशासन अञ्चलको । सहकारी 🕮 व्याप्त अक्तारी. 🕮 व्याप्त वाम व्यक्तिकाती, खक्र निवनाथ।

#### (১৪) শ্রীমাধ্ব-সৌন্ধীর মঠ

৯ । तः नवावश्व दशकः, हाकः। वक्क-- द्वीवाधावसङ उपवाशी, विशास रक्ष -- का के कुछ अरकात अक्षात्री अभवानन गढाविशाविर नाम वि- ध. अन्य-श्रीकात्र अक्षाताती, जैनिकिक्शांत्र प्रका

## ( ১৫ ) 🕮 दशा भारत की वर्ष

क्रमणात्रुव, हाका।

उक्क-- चित्रधानमात्र अवशानी

( ১७ ) अनिषा है-८नी । संस्थे 

(১৭. श्रीष्ठाशवडक्रमामन्य गर्र

**किक्रणिया, बाक्यस्वत्रम्ब, स्मिमीश्रुव्र।** खबादम श्रेकक-त्त्रीयाक-त्राक्षिका-शिविभातीय निकारमया यक्तमान । त्रक्रमञ्ज अवनात्री जीवननाव्यात्रको ।

# ( > ) बीटगोडी स मर्त

১৬ নং কালিপ্রাসাদ চক্রবন্ধী হীট, পো: বাগবাঞ্চার, কলিকাভা। . हेशिक्सिन नि. वि. 8554

মहेतक क-मार्ग्सादिक टीलाम क्यानगरी विद्यालयम । अक्रारी-लिख श्रीभाव व्यवस्थान व्यवस्थित वर्षा कार्य विवाद श्रीभाव वाम्यवद्या अक्षाती श्रीभाव मामामिकाती नि-व. जीकीखनानक, उन्नतारी खीलाक्षीत्याक्त. अवाहादी खीमशनन, शांकत खीलाप सरीसकृष लक्ष्मिया-मकात क किमाओ मध्यमाहदेव छनाहामः, श्रीक्षचंपका नमामामकारी वि- ६, श्री अनवक्रमाक्रम मागामिकाती वि-धम, अभिम्लय नाटकाविम, अतिवश्च अञ्चलती, अक्षिमक्टभाविक প্রক্ষণারী প্রাক্তনি।

# ५৮) स्रामनार्याका अभवात्यम

ब्राक्षवीत द्याः वश्वमान । बक्क-अध्यामी ब्रीश्वीक्रमात्र।

# (১৯) ख्रिशकरवाजम मर्ठ

वर्गकार, भूती, छैं: ५क्का । gme - Babiel Braufan fantiau. अक्षाति जैनहीशासक, शिलातनाकुक्त अभागती. अवामवासम् अभागती, अधिसमात्र ठलन विश्वाती, क्रिकालिश लखा।

# (२०) खीलब-८गोडीय मठ

भागवत्राण, त्रभागाद : १९: , लुदी । तक्क--- अक्र ठावी ज्ञानवरमञ्जूष द्वारामकी । तककाष्ठा - अध्यक्तारी औरनांगमांनवारी :

# ·(२५) श्रेत्राक्तपालम् गठ

Biwataiwia, wier तक्क-अक्राती जीवगर्ग, जीवामनव अक्षावी, नीमाम अवटमामार मामामिकाती ।

## (३३) जीनमाध्य-८भोषी इ मर्ड

क्ष्मर क्षत्रकीनम्जूदा, कानी है यक्क- अध्यक्षाची कृत्रस्थाकी, निरुद्धिमान उपहारी, जीनकातन उपयानी ।

# (२७) धैक्कदेहरू मर्ड

श्रीविभिश्वमान कृत्यः श्रीनाम वृत्तावन । बुक्क - श्रीन्या किनाथ अक्ताबी

#### (১৪) 📾 शरूबक्शन वर्ड

देवशिवादणा, मीखानुब रकर--अमहारी श्रीनृतिरशानम् । अमहारी होनमङ्गाम ।

# (२०) औदेह इस्ट्रांकी युवर्धः कृत्रतकु छा, !ठतकु छाः, । यानकृत । क्ष क-- जीवमानाच बाब, जीवाम की व . सरचित्रा ।

(२७) न्यानदशीक्षेत्र वहं वय 🏎 अवाराती 🕮 अपनमधी, श्रीनती-्भाषाम अववानी

## (२० जामानगामा अन्याज्यनमः

आक्रमाधाः त्याः माक् मावका वाशास यह पुत्रभृष्टि औरशाबारणय स्मक बहुमान । वक्क---अपनामी जीवारक्रक-414, 56 9041 94 1

# (२৮) विश्वी ८गोडीय वठ-वार्यालय

बनर लाभी भवन जाकात दणम, निक्के विक्रो तकक---अकारी चैतीरकक, श्रीकृतत्वव A) 41 41 44 4 bangan

# (২৯) গোড়ালপাড়া-অপছাঞ্জন उक्क--- अक्राजी की वाचारमाहन

(७०) माजा #दगी होत्र मठ मर्व द्वालान पूरम्, कारलञ्चल, माजाक

क्षा - किन अयोगी जीवप्रक्रिक्त का श्रीपक महाशक, महकारी-- विविधितामी क्रीमन किक अन किकार, जीलाम अध्यानम अवयानी, औशान (मनकीनमन अमहांती. 🖺 াৰ শিশ্বৰূপ এমচানী ভবিদান্তী · जीनाम दशोबखनामम उत्ताहाती ।

# (७३) बाजभदगानाम नाडे

कांद्रानजूनि, छाक्या, स्यीधा क्षणक--- बक्काकी द्वीरमनगामक



২২ শ্রীধর গৌরান্দ ৪৪৫, ৩রা ভাস্ত বলান্দ ১৩৩৮. ২০ আগন্ত ইং ১৯৩১ বৃহস্পতিবার

১৪৪ ৬ম সংখ্যা

# বক্তভা (8)

স্বৰ্গত্বপ আর পাপকাযাফলে ন্ৰক ভোগ করেন। ভ্তরাং পাপপুণোর মতীত तारकात विषय कथाकनवामीत वा भूद्रशकात-বালীর ধারণার বহিছ্ত। ত্রিওণার্কাত রাজাই ভাষাদের বিচরণভূমিকা। স্কুতবাং বন্ধ দীৰ্বমানেই প্ৰাকৃত ভূমিকার পরিক্রমা কর্ডে কর্তে কথনও নিছ, কুদ্র শক্তির मञ्ज्ञात भूक्तकात्रवाती, कशन्त व। कार्या-कातर्गत यूण अञ्चलकारम अमन्। निरक्षन देवत-वटनत छेवत निर्मत केटतः व्यप्रदेशांनी ६ रता भएकत । किन्द छाता कारनव না থে, তারা জে? কিয়া তাদের বীতি বাছামূলে তাহার সমন্ত প্রয়স। কুফ্-कर्षना कि ?

"জীবের স্বরূপ হয় ক্রমের নিভালাস । कृटकत्र उठेशानकि जिल्लाक्ष शकान ॥"

ত্রি শুণাতীত শুদ্ধসর জীবের সেবা-ভূমিকার ক্লঞার্থে অধিলতেই। ভাগপত শুদ্ধণে ক্র্যু-क्रफाण राजीत यह (कान क्रता नाहे। ভার স্বরূপটা জান্তে পার্লে জীব ভোগ-ভূমিকার বিচরণ করার পরিবৃধ্ধে সংকাপাধি-रिनिर्मुक व्यवहात जिवाकृतिकात विচतन कत्रणः वीत्र वाडीहेत्स्त्वत्र बाह्मध्यात्र मन-কণ নিযুক্ত থাকেন। ওছসত্ব-জীব তথন আর্কুল্যে সর্বেজিনে নিরন্তর ক্রকাছ্শীলন ক'রে অপার <del>আনক লাভ</del> করেন। স্বরূপ ত্ৰান্ত জীব ভোগভূমিকার বিচয়গ-ফরে নানা মতবাদ-আহুগ্রন্থ। किंक, यहारशाशमा জীবের দের্প জোন কথা নাই। তিনি कारनन, रमवाकृतिकाव सा. रेवसूके सारकाः । रागिनवानिभूक्यः उपरः छकामि॥

ঠাকুর ভক্তিবিলোদ ইন্টিটিউটে ্ অভি২ বা ভিদাভাগের অফুনীসন ব'লে কোন জিনিধ নাই। শোক-মোহ-ভয়াগহ। ভঞ্চিদেবীর আধুগ্রে আয়ুকুলো সরে-अमृहेरामी ना कर्षामगनामी भूगाकपांमान किया क्रकासभीजनहे छगा। निष्ठा हिर्देश ক্ষীবরুক্ষের নিতা চিদ্বতি।

শরণাপত্তি হ'লেই ফীবের আগ্রনিবেদন জীবের নামাখ্য হয়। নামাশ্রিত ভাব রোচমানাকৃতি অবশখনে অফুকণ কুফায়-শীলন করেন। তিনি স্থাপ থাকেনবা ছাপে পাকেন, तीन अकिशन जारत इक्ति-অমুকুল বিষয় স্বীকার ও ভক্তি প্রতিকৃষ विषय वर्ष्क्रम करतम् । भक्तकीरतं प्रयो श्राकारम् क्रायम्ब मः मास्त छिनि निष्ठा क्रयम्बाम । क्रफाइ तकक, कृषाइ शालक-छाटन कृषा-ইউছামতই ভাঁহার সম্ভ ইক্সিয় চালনা। রুক্তপ্রীতার্পে তাঁর ভোগতাগে। তিনি সাধুসকে সক্ষেত্রভার শ্রীমন্তাগবভর্ম चक्रमताञ्चक कीर चन्नभाष्ठः क्रकामाम । | व्याचामरन मन्नम। राष्ठ । निधिन व्यवद्यारङहे মনেংবাকো ভিনি কৃষ্ণসেবারত। স্থভরাং তিনি কর্মকলবাধ্য হন না। জীব যতদিন কর্মাভূমিকার অবস্থান কর্বে, ডভ্নিন তার অদৃষ্টকনিত স্থত্থেডোগ যুচ্বে না। क्षि क्षमाच वत्रभ कत्र भात्राहरू छन-বান্তাহার যাবতীয় কর্ম বিনাশ ক'রে

> যণা ভ্ৰহ্মসংহিতায় ভ্ৰহ্মস্ততি---যশ্বিজ্ঞগোপ মন্বেজ্ঞ সংহাত্তকৰ্ম বন্ধায়ক শক্তাজন্ম তানাতি। কৰ্মাণি নিৰ্দাহতি কিন্তু চ ভক্তিভাঞাং

'इंक्ट्रशांभ' नामक कुछ की उड़े इडेन वा (मवडामिरभन्न देशके इडेन, क्यांगार्शि-कीर्रोकिन्दक विनि शक्तशाल्यना इटेग्रा তাজাদের স্ব-স্থ-কশ্বরায়রণ ক্রভাজন করিতেছেন, অথচ আশ্চর্য্যের বিষয় এই त्व, चिक्रमानिक्रशत कर्ष्म्रकन ममूल হয়। আগ্রনিবেদন স্মষ্ঠভাবে হ'লেই । দহন করিডেছেন, গেই আদিপুরুষ গোলিককে আমি ভঞ্ন করি।

# শ্রী গুরুহসেবা

জ্ঞীচেত্রতরিতামতে এই উপদেশটা लां खरा याच--

"छोट्ड क्रथ **क्टब क**रत श्रकत रमन्न । भागाकोन कुरहे भाग क्रस्कत हतन ॥"

আশ্রক্তীয় ভগবান জীশ্রী গুরুদেবের পাদপথ্যসেবা-ছারাই মাগ্রজাল হইতে উদ্ধার লাভ ক্ষিয়া শ্রী ক্ষপাদপদ্মদেশার অধিকার माञ्च इत । क्षण्डतार अध्यक्तरमना दांग निया কথনও আমরা নিতা-সকলের পথে অগ্রসর हरेएड शाहि मा: कि कहिरन भागारित कुछि शाह वाकत्व, माना छामा आरमाइन, ऋविधा बहेरव, जाहा क्री धत्रपत्वहें कारनन । অতএৰ আমাদের এই বিচার হওয় উচিত,---''তেমার সেবায়, ত্ৰংথ হয় য'ত, ;

দেওত পরম স্থা। প্ৰম সম্পদ্, (711-794-5:4.

নাশ্যে অবিষ্ণা হংগ ।" শ্রী ওমদেবা করিতে আসিয়া অনেক সমগ্ন ভাষরা কামের সেবা করিয়া বসি-আত্মেলিয়-প্রীতিবাধার বশবর্তী হট্যা কেন্দ্ৰাক্তমণ নেবা চাৰিয়া এই অপাৰ ভিতি বা া যাহা হতে,দে বিচার নতকেতে, আর্গতা ছাড়িনা কেবল খেনালের ভূপি

ক্ষন ক্ৰন্ত আমগ্ৰ মনোগ্ৰের ছারা চালিত হইয়া এই বিচার কবি--"কিছু বিজ্ঞা व्यक्ति ना कतिरम स्विध इंडेरन ना । कायन শক্রে'দি অধায়ন ক্রিল ভাহার মধ্য বুকিতে হটলে কিছু লেণাপড়া জানা-আবস্তক। काछ এব বেপানে পার্কিলে পাড়া শুনার স্থানিধ। হইবে, আনি গেই মঠে থাকিব এরং নে দেবাকালা কবিলে আমার পড়াভনাব,দিয় क्टेरत ना, दक्त्या दम्हे कागा इत्हा अक्ष किन्नते कदित मा।"

यथन विट्या छाङ्गाभावभाषः आधारत्य সদ্দে পুলোক্ত বিচার উপস্থিত হা, তথ্য মছাজনের নিয়লিখিত डेभामना क्रकि অংগোচনা কৰিলে জুনিধা হটতে পাবে---**''কড**বিজাৰত, मान्त्र देवस्य.

(चारात सक्तरम वांगा .

নোহ জন্মিল, ম্নিডা সংসারে, कीत्रक कत्रस्य शासा ॥"

( —শরণাগতি )

শমনরে কেন কর বিদ্যার গৌবর: वृक्षि **करत** सम्भत रमोताङ ॥

किंद प्रथ डिका कति योग ना अकिटन अति. বিক্ষাভ্য একনল এববিৰ। কুষ্ণপ্রতি আরুবাক,সেই বাঁকে জন্মে ভক্তি. বিহাং হটকে ভাহা অসম্ভব ॥

বিজ্ঞান মাজ্যুন ভার, কভু কভু অপকার, জগতেতে করি অফডব।

় যে বিষ্ণার আবোদনে, রুক্তগতি সুরে মনে, ভাহারি আদর বান সব।

> পদাঘাত কৰ জাকৈতৰ।" (一季町町り中間多茶)

दम्हे दम् विश्वात सम शामिह विश्वतः। कृक्शाम्भाष्य यमि विख्वित तम् ॥

- अध्करनद-अद्यंगमी। তিনি जामात যোগাভাগুদারে দেবাভার প্রদান করিয়া আমার চিত্তভঙ্কির বন্ধ করিতেছেন। ङ्कार अध्यक्तामय-निषिष्ठे त्मर्याकार्या প্রীতিপূর্বক সভত নিযুক্ত থাকিলে 🗐 ক্লফ-রূপঃ সুজ ভ হইবে।

# শ্রীগুরুদের ও আমি

( ভক্তিরত্ব শ্রীপাদ রাধাচরণ গোন্ধানী **ভক্তিশারী সম্প্রদা**য়বৈভবাচার্য্য )

( \* )

আমি শ্ব-পর-ভেদবন্ধিতে ব্যস্ত **এ ভর্গের বমুধার জীব্যাত্রকেই আত্মায়** বোধ করিয়া সকলের প্রতি সমদলী। আমি আমার বন্ধ ধারণা লইয়া কুপমগুপের স্তায় यथन খুন বুরুদার সাজি, তখন औक्तराग नीलाচলে প্রারুপাত্তো নৃত্য তাঁছার ঐকান্তিক নিজ্ঞানের বৈভব স্মামার নিকট প্রকাশ করিয়া আমার বৃদ্ধির ক্ষকিঞ্চিকরতা প্রদর্শন করেন।

আমি ধখন গছের প্রতি অত্যন্ত নমতা যুক্ত হটরা ঐভিন্নপাদপদ্ম একেবারে ভূলিয়া गारे, उथन 🕮 धकान्य छेरमनानित चारबाकन আমাকেও ভাহার ত্রীপাদপরে আকর্ষণ कत्र इतिकन-मन मान करतन ।

আমি গৃহত্রত, শ্রীগুরুদের সকলকে বান্তর গৃহত্ব হুইবার কল্প সভত উপদেশ প্রাদান ব্যুরন। জানি অসংসঙ্গে থাকিয়া আত্মঘাতী হ ওয়ার ৰাষ্ট্র পান্তত, 🕮 গুরুদেব আমাকে সাধুসক লান করিলা আত্মকল্যাণের পথে নিরস্তর আকর্ষণ করিতেছেন।

আমি বছরিপুর ধশীভুত হইয়া নহানগ্ সাগরে নিম্মিষ্ট, আর জীওরদেব,— "কাম কৃষ্ণ কৰ্মাৰ্পণে,কোণ ভক্তংঘৰী কৰে,

लाक माधु मान इतिकर्भा । (बाह हेडेलाड विटन. रम क्रक खनगारन नियुक्त कतिरव गथा ख्था ॥"

-- এই উপদেশ-লানে রিপুনর্গকে পরম মিত্র কবিবার উপায় নিজারণ করিয়া featcha .

व्यामि अक्नुनामाम् व्यटन्यम द्योध कति ना सानिश श्री ध्यापन पशः मृक्क्यूण-চড়ামণি হইয়াও ব্যাভিনয়ে 🕮 ধ্রুপাদাশ্রয় कविशा आभारक अक्रभागामध्य आरम्भक निका मिट्ड एवं। वामि देवकात काडि-वृद्धि করি জানিরা শ্রীগুরুদেব—"ক্লফ ভলনে নাহি ভাতিকুলাদি বিচার। বেই ভঞে ८महे दक्ष कालक दीन छात्र॥ किया रिश्र, किया श्रार्थ, भूग टकरन नव, राहे क्रकाडकृत्यका, त्मरे धक रहा॥"---वानीव कीवस जातर्ग त्रशः जाहतम बाता धाहात कतिरहरा कामि देवकावत शहकण, পদৰ্শক ও ভক্তাবশ্বে প্ৰহণে বিমুখ বলিয়া 🗒 শুরুদেব,—"ভক্ত পদ্ধুলি আরু ভক্তপদ

জন, ভক্তভুক্তশেষ এই তিন সাধনের বল। देवकरवंद्र भम्पनि, ভাছে মম স্থানকেলি, ভর্পণ (भात देवकादत नाम। देवकादत छिब्दिहे, ভাহে মোর মননিন, থৈঞ্বের নামেভে উল্লাস ॥ देवकद्वत भनसन, दश्याजिक দিতে বল, আর কেহ নহে বলবস্ত। বৈষ্ণব 🦡 চরণ-রেণু, মতকে ভূষণ বিণু, আর নাহি ভূষণের । অস্ত ॥ ভীগ জল পবিজ্ঞাপ, লিখিয়াছে পুরালে, এসন ভক্তির প্রবঞ্চন। देवकाद्वत लारमामक, मम नरह कर मन, बार्ड ছয় বাঞ্চিত পুর্ণ॥ ইত্যাদি বাণীসকল भूनः भूनः भिका निशा यागात विमुध वृक्तिक করিবার নিমিত্র নিয়ত চেষ্টা করিভেছেন।

( প্রীযুক্তা অপর্ণা দেবী )

( + )

শ্রীশ্চীনন্দন গৌরহর্ত্তি ভক্তবৎসল ভক্ত-মর্ग্যাদ। বৃদ্ধি করিবার **করু খী**য় জীহন্তে ভক্তগণকে প্রসাদী মালাচন্দন পরাইয়া দিলেন। প্রমানক পুরী, একানক ভারতী, করিয়া বিশ্ববাসীকে আহ্বান করেন এবং শ্রীমহৈতাচায়া এবং শ্রীময়িত্যানন্দ প্রভু ভগণানের করণা-সিক্ত बाधाङ्ग्रह्मात्क भूणकाश्वित इहेराना। জ্রীরপারো নর্তনদীলার প্রধান পরিকর জীবরূপ ও জীবাস পণ্ডিত সহ সমুদর कीक्रमीया-श्राहीत्क अध्यक्षराध्यक वश्रक মাল্যচন্দ্ৰ প্রাইগ দিলেন।

> কীওনকারিগণকে সাত সম্প্রদায়ে বিভক্ত ক্রিয়া প্রীগৌরত্বন্দর মহান্ত্রন ও কীর্তনা-নলে শ্রীনীলাচল কেত্র প্রেমবক্সায় প্লাবিত করিয়াছিলেন। সাত সম্প্রদায়ে চতুদশ মৃদত্ব ও অসংখ্য করতাল। জীরগারো চারি সম্প্রদার, ছই পার্ষে ছই সম্প্রদায়, পশ্চাকেরী এক সম্প্রদার। প্রথম সম্প্রদারে প্রথমহা-প্রভার বিতীম্বরূপ শ্রীপাদ বরূপ-দামোদর ৰিভীয়ে শ্ৰীবাস প্রভার আঞ্গত্যে, পণ্ডিত, ভূতীয়ে মুকুল, চতুর্থে গোবিল খোব, পঞ্মে কুলীনগ্রামবাসী রামানক, সভারাজ প্রাভৃতি, বঠে অচ্যাতানক, সপ্তমে প্রবাসী-গণের আমুগতে৷ বহুতক্তকে শ্রীনমহাপ্রাস সাত সম্প্রদায়ে শ্রেণীবছ করিয়া মহা সংকীর্ত্তনানন্দে উদ্বত নতা আরম্ভ করিলেন। শ্রীচৈত্যক্তরিতামতে বর্ণিত আছে— "माञ्च मत्त्रामारत मारक ८5ोक मानम्। यात्र श्वनि कृति इहेग देवकव भागम ॥ देनकारनत स्माय प्रकृति इंडेन बालन । की देनानत्म तर वर्ष (नवक्त ॥ ডিভুৰন ভরি' উঠে কীঠনের ধানি। অক্স বাছাদির ধ্বনি কিছুই না শুনি ॥ সাত ঠাঞি বুলে গ্রাভূ 'ংরি' 'হরি' বলি। <sup>''</sup>জর জগ**রাখ' বলেন হস্তব্গ তুলি'**॥"

# विशाध-शतक জীতৈত্ত্য মঠ

''যন্তান্তি ভক্তিওঁগৰতাকিকনা সবৈধি গৈছত সমাসতে সুরা:। হরাবভক্ত কুতো মহদ্রণা মনোরথেনাসজি ধাৰতো বহি: ॥

( #1: e15+155 )

वितिकारकार्य क्षाम्य कृष्यः स्वीशानशाम । मञ्क्रकात मक्तार च्यमदात्राच्य छात्र क्रमहिनत्त्र व्यथाविक। खाहात्र महत्रक्ष কোপায় ?

শ্ৰীচৈ হলমঠে প্ৰবিশ্বাপীঠ ও ঠাকৰ ভক্তিনিনোদ ইনষ্টিটিট স্থাপিত। এম্বানের শিকার বৈশিষ্ট্য মাছে। তাহা তথাকপিত অপরাবিশ্বা নছে। . •

'ভাষারে সে বলি বিছা, মন্ত, আধারন। क्रम्भ्याम्याम् यात्रा व्यस करत् यन ॥ সেই সে বিস্থার ফল জানিত নিশ্চর। রুক্তপাদপয়ে বৃদি চিত্রবিত্ত রয়।<sup>"</sup>

বিছা—ভাগৰভাৰ্ষ। **ভীমহাগ্র**ত শ্রীরুদের পান্ধিক অবভাররূপে শ্রীগ্রন্থ বিগ্রাহ। কুত্রাং জীক্ষা চইতে অভিয়া ই: হৈতক সঠাশ্রিত কনগণ এই গ্রহ্মণী শ্রীভগবানের নিতা উপাসক। পরবিদ্যালীঠ ও ঠাকুর ভাজিবিনোদ ইনটিটিউটের মুল উদ্দেশ্য—ভাগবত ভীবন লাভ করিয়া গ্রন্থ-ভাগবন্ত আলোচনার রুফারাগনা চল্মীর विशाश्नी**लन अविशायिक श्चि**त्र, कारबा<u>लि</u>य-ভর্পাম্বে স্বার্থারভামর পুভিগ্রযুক্ত। कानीत निर्फ्य-जन्मास्थनानभूत्य त्य काना-লোচনা, ভাহার পরিণাম চেতনের বিলোপ-সাধন বাতীত আর কিছুই নহে। "জানী জীবস্কু দশা পাইকু করি' মানে। বস্তুতঃ वृद्धि एक नरह, इक्टबिंक विराम ।" ऋडवाः कर्म '९ कान मांग्राधीन (महमदनद ट्यांग वा ত্যাগ-প্রবৃত্তি। ত্রিবর্গসাধনমূলে কণ্মীর আপ্য-ইহামুত্র ভোগল্প ৷ শুমুদাদি कृष्ट्र मानवृत्य कानीत शाशा-- तकाग्यका-রপ আত্মবিনাশ। কন্মী প্রকাশ্র ভোগী, কানী প্রক্রেটোগী হট্যা আত্মঘাতী। ক্লভনাং কর্মী ও জানী বিদ্যু-মোহিনী মধানার জীড়াপুত্রী। কিছু শ্রীটেডছ-মঠাশ্রিতগণ মায়াবশকারী ক্লফের সেবো-বুধ। সেবা-ভূমিকার মুকুক্তেটের আছ-गट्या स्नामिनी--- निवासिक मिक्कमानम-निर्वाह अमूकुम्मरमरनत निर्छाटनवस । अहे চিলীলা নিগনাভিদ্ন শ্রীচৈতভের লীলাভমিতে অচৈতক্ত-দেবী কন্মী বা জ্ঞানীয় প্রাপ্য বৃত্কা বা মুৰ্কারণ সলবৃক্ত কোন হৈয় আকাকা নাই। আছে কেবল নির্ধ-किश विमण (अमामण-चार्ष (करण ত্রজনবর্বধন্দের নিতা নব নবায়মান দেবা-व उत्तरमारम् ।

# যৎকিঞ্চিৎ

( পূর্বাঞ্চাশিত: ১৪৯ মংখ্যাদ্র পর )

रामन--- "वारणा मारश्च भ्रामण रक्टि গানের চাব থুবই ভাশহর; খানের সোনার 'নীবে'র উপর কিয়া যথন বাভাস বছিয়া বাস--- তথন মাঠের সবন্ধ মথ মণ ও থানের সোদালী আভা বিশিয়া বেন এক শক্ষ-লোকের ভাট করে। এখন পাটের দর मन्ता भड़ाटल, क्रवकरमत व्यवका पुरदे थातान হইরাছে: পাটের বাবদারে এখন খার লাভ नारे. कडक पिवम किंद्र शुबरे गांक इरेग्रा-ছিল: চট্টগ্রামে লক্ষামন্তিচর কারবার कान हरन । युर्निमानारमंत्र थान नात्र निर्दर्भ ज्ञान कामात नामन टेडबाई इहेना नाना CACH ठालांच यात्र. छाकात्र 'Cक्षमता' अकटन এখন ও স্ক্রবন্ধের কারবার আছে" ইত্যাদি ইত্যাদি কথা হইডেছিল। ইত্যেমধ্যে ष्यातात माञ्जित कथा ९ डिठिंग ; तप्राताम क्राजित वर्ष (प्रथा धातना, सत्न इत्। क्रिक्स ব্রাহ্মণ, বৈশ্ব, শুদ্র, এই ভিন ব্যর্ণরাই আধিপভা। এইক্লপ নানা আলোচনার মধ্যে বাশকের। বেকরস "সারকথা" বলিগছিল, তাহা আৰু প্ৰান্তও ভুলি নাই। বালক ছটার একটার নাম অমল ও অপরটার নাম স্থনির্মণ। স্থনির্মণ বলিল,---"ভাই व्यमन, वाबनादवत्र क्ला चात्र यांहे वन. এশন কোন বাবসায়েট ভেমন লাভ নাই বলিয়া ভন্ডি; জামাদেব স্থান দেদিন ····· বাবু নকুভাতে ব্যবসাথের লভে লোক্যানের কথা অনেক বললেন। আমি কিছ খুব সোজা কতক্তলি ব্যবসা লক্ষ্য क'रतिছि। व्यामाद्यत वा'द्याल छ वाश्वनित পুন্ই প্রচলন ; ভবে বে বাংলার ভূগোলে' কেন লিখেনি ভাই ভাবছি। ইতিহাসে এড ক্পা রয়েছে, কই ইভিহাসেও ভো এসব লেণে নাই। আমি ধ্বন এম. এ. পাশ ক'রে মেজনার মত বছ প্রফেসর হব, তথ্ন অবিভি বছদেশের একটা ভূগোল লিখে তা'তে এই সহজ ব্যবসা-গুলির কথা উল্লেখ করবো, ভা' হ'লে कानगात्र मठ कथा छी। स्करन करनर कत नाड रत ।" अमन-"आत्र छुटे ८४ (क्रमण वार्षाचे वक्छिम-वणचे ना छनि, (महे माणा कायगारवय क्याहा:"

স্থনিৰ্দা—আছা, ভোন বৃদ্ধি সংগ্ৰে ত' বেশ সাটিফিকেট আছে, তুই চিন্তা क'रत तत्र कत् काल-ता'हा कि विश्व। লোকে ত ধাণার ও উত্তর দের।" অম্ল--''আমার ড' ডেমন কোন কিছু মনে আস্তে না, ভবে আৰ ড়ার 'বৈরাণী' ভলি ও আল্রম ইভ্যাদির বোবা ঠাকুর' বা ঠাকুরাণী' গুলির কথা মনে পড় ছে। ভা'দের **এতি লোকের বেরক্স ভব্তি দেব ছে** भारे ! जारमत्र पुष्टिय दनसम्भ वस्त !"

# গ্রন্থ পরিচয়

# **শ্রীমন্তাগর**তম্

শ্ৰীনবাহৰি ক্ষেট্ৰপায়ন বেৰব্যাস প্ৰাণীত মূল, শ্ৰীমন-मध्याताया-क्रष्ठा छार लया-मिर्नयोका, श्रीमम् विधनात तक्कावकी टेक्कि-क्रफ मात्रार्थलिक क्रिका, दकाक्ष्वाभ, मन्द्रक अवह & প্রতিশক, তথ্য ও বিবৃত্যাবিবৃক্ত। প্রতি ক্ষরে আনিতে সেট কলের প্রভিপায় কথাসার, অধ্যারের প্রথমে ঐ অধ্যায়ের সারসঙ হৃবিভৃত তাৎুপর্যাদি বিবৃত। লোকস্চী বিষয়স্চী, অধ্যায়বিষয়ণ, পাত ও স্থানস্চীস্ত উত্তৰ কাগতে উত্তৰ আক্ষিতে মুক্তিত। প্ৰাথম ছইতে ১০ম ক্ষম, প্ৰাও ছাপা অপূৰ্ণরূপে শেষ ক্ষমাছে। ভিক্ষা প্ৰথম हडेट७ जम चक लगाँख २०१०; समम एक ३२्; PRE HO. 1

# BRIDGE STRUITS

क्षेद्धिमद्यां कि द्यामठाकृत्र-वृष्टिक 'अमुख्यावाक्षामा' শ্রীমহকিণিকান্ত সরবতী গোখামী প্রভূপান-লিখিত 'अञ्चलामा व्यक्ति-प्रशामि वह भाजस्यमान-मन्निष्ठ हहेना खकानिक क्षेत्राध्याः स्थाप्तक शांवत्रवाचा, व्यास्वामक প্রত্যেক পদারের পুথে সংক্ষিপ্ত **অভিবেদ সংযোজিত।** প্রত্যেক অধ্যার-জ্যারত্তে কথাসার দেবর। আছে। প্রোক, भगत, भक्त, शान, भाव आकृष्टित खतुरू यही । अधकारतत বিশ্বত জীবনী সম্বিত এইরূপ অভুতপুর সংকরণ ইতঃপুরে কুতাপি প্রকাশিত হয় নাই। উত্তম কাগলে পারিপাটোর ্ গাঁহত খুল ঃক্ষক্ষরে মুলাংল বুল্লিত হইরাছে। গ্রন্থ প্রায় ১৫০০ প্রায় সম্পন্ন ভিক্ষা বস্তব্যালে ৫, মাজ।

#### **ब्रिटेड्डडडामरड**

এছকারের জীবনী, প্রতি পরিছেদের ক্বাসার, বিশ্বত গৌঙীয় ভাষা, শক্ত্রী, পরায়ত্তী, বিষয়-স্থাল-পাঞাদি-পুচী, প্রস্তৃতি বিভিন্ন বিষয় সম্বাচিত বিস্তৃতি বিভান সংক্ষ্মণ ৮বল ক্রাউন ৮ পেজী আকার। আবিলীকা ও মধ্যের किश्वरण व्यवाणिए स्टेशार्थन। क्रांस क्रांस व्यवाणिए हर्ष्ट्रह्म। अधिम किका 4 होका, आदि नीनात किया द्रा

# **औ**टेइ**७७ वजन**

এই এছেয় এছণ অভিনৰ খুজার সংকরণ আর ভুতাপি टाकाणिक इत्र मार्ड। अश्वक (श्राकारमञ्ज व्यवज्ञ, वक्षाञ्चवार, ভাষা, কথাসায়, তথা প্ৰস্থৃতি সহ বজে বঙে প্ৰকাশিত **३ हे बार्ट्सन । भूग स्था है। व्यक्त करण उनाकेन व्याहिलकी** युक्ताकारत काला दश्यारक। भूगा २॥० छाका। नतीता व्यक्षण क (भोदीरम्य ब्राह्कशत्वय नाम अतः क्राका ।

## **এমতগ্ৰহণীতা**

-- श्रीत्वीकीत देवकवाष्ट्राया अध्याक्ष्य त्रशिकहृकार्याव ই, ক্রিব্রনাথ চলাবটিয়াকুর গোপানিকভা সারাথবধিনী क्षानामा क के में महिक्विताम ग्राक्त-क्षेष्ठ व्यक्तिक-র্জন' নামক ভাষাভাষাসহিতা। অধ্যাদ্রস্তী, মাতৃকাজনে काक-करी, विश्व-करी, अध्यादेश कीवनी क अवक्रशाकाणि यक-काध्वाविवत-मर छै॰ इसे दीधाहै अधीत मध्यत्र--- এই বাল হইতে পরিক্রমাংশ মাত গৃহীত; প্রীক্রীব গোখামী ক্রি अध्यवद्वाच किका २ केकि। माझ भाषाक अध्यव--- अ। কৈছা মার্ট

# শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

ও বিকুপার এএমছারিকসিছাখসর্ঘতী **टिगायामी महादारण** त तह व्यविका-विध्वः मिनी कीषाश्चन्न रभारवातिमी कुक-काक मिन्समातिमी कीवन्द्र-नागीत भृक-विश्वह--- विकार निकास-तामाना के कि सम्बद्धमणि--- निष्यामान বৈভববিজ্ঞানাগারের মৌলিক তথা---প্রসরাজ ও ভাগণতের শম্ম্য গুরু-মুগজন-জীবনচরিত-শিক্ষক--চিছিলাস্চিক্সজে-**অচিমাত্র-বিচারক--- ঐথব্য ও মাধ্**যারণের মৌলিক গবেষণার ----সম্বন্ধ, অভিনেয় ও প্রারোজন-ভরের নিভাস্ত-সমুজ।

১। প্রথম অভ্য-বৈক্ষবদর্শন, প্রীভক্তর, কাল-भवं. श्रीमध्याविकार. द्यारावकानवी. शाक्याजिकी बीका ও বর্ণ-বিচার, আত্মধন্ম ও মনোধর্ম, ত্রীটেডভাদের ও ভাষার শিক্ষা, অঞাকত সহলধশা ও প্রাকৃত সহলগণা, আছতি বিংশতি সংখ্যক রব্ধে স্থানাভিত। ভিকা মাত্র ৮০ বার আনা।

১। चिक्ती आक- эका ও বিদ্ধা ভক্তি, মনুবোর শ্রেষ্ঠতা কোথার, আত্মার নিত্যবৃত্তি, শ্রীণর আমিলাদ ও मात्राचान. बिरगोत-निष्णानमध्यमण, विद्रागत मर्च ६ क्रक-কীৰ্ত্তন, আবাাসপুষাৰ আমহাগৰতের কীৰ্ত্তন, আগোর- | — জীনাম—প্রয়োজন ও প্রমাণ-তর ওলি পুণক্ অণ্যায়ে ধামের মহিমা, মহাপ্রসাদ, জ্রীগোবিক, জ্রীরপামুগভজন-नव, बीयडी वृत्रकालुन मिनी, बीटिक्ट एखन बना, (श्रीवृक्त्रन) ও কৃষ্ণসমীপ্তন---চতৃদ্দশ অপুন্ধ-মধুদ্নিমাপুণ-বন্ধতা-বিভূষিত। ভিকা ১, এক টাকা মাত্র।

**৩। ভতীয় খণ্ড--**গোৰ্কপ্ৰিয়তা ও সভ্যপ্ৰিয়তা এবশদেব-প্রসম, প্রকৃষ্ণাবিষ্ঠাব, বৈষ্ণব, এদীতাদেবীর व्यानिर्श्वाय-शामक, श्रीमद्वागवरण्य मण्डा, श्रीन्तामभूकात श्रीमम-ভাগবভের পুনরার্ডি, খ্রীনামসংকীর্ত্তন ও হরিসেবার নিত্যতা —এই নয়টী স্থাপনিক বক্তভাসম্বলিত। তিকা ১০ মাত্র।

# **এমভগবন্**গীতা

(नोफ्रीय-देवकवनामानिक-त्मध्य अञ्चीमन्दमात्मय विश्वा-क्ष्याकृष्ठ कारा **७ व्यामह**किवित्नाम ठाकूरत्रव्यावन वण-ভাষায় বিশ্বত 'বিষদ্পঞ্জন' নামক ভাষাবৃক্ত। অধ্যায়-স্চী, বিষয়স্চী, ও প্রতি শোষের প্রথম ও ভূতীয় পাদ সূচী, ভাষ্ট্ৰারের জীবনী প্রস্কৃতি স্থলিত। উৎম্বর্ত বাধাই, রাজসংখ্রণ ( ভূতীয় সংকরণ ) গ্রন্থের किका २ होका।

# **अगरवी भगाममाराष्ट्रा**

( প্রমাণথ ও ) সামুবাদ। এতি-স্বভ্যাদি প্রান্থ আনব-ৰীপের বে মহিমা কীৱিত আছে, তাহার মূল সংস্কৃত 👁 अञ्चल। डिकार • जाना।

# **এএ**নবদীপভাৰতর্ক

এ সাকুর ভাকিবিনোদ গিখিত। ত্ললিও গাঁতাকারে পরিক্রমার স্তথ্যাদি-বিষয়ক। ভিক্ষা। আনা।

## ভজিনুদ্ধানৰ ও নৰ্বীপ পরিক্রমা

জীল নরছরি চক্রবন্তি-ঠাকুর রচিত। ভক্তিরত্বাকর खकाद्र अभववीनगरमञ्जलमा कत्रिवाहित्सम, छाहाडे পছে বিবৃত। ভিক্ষা । ক আন।

ত্রী ভক্তিবিনোদ ঠাকুর-প্রণীত। ত্রীচৈতভোটহাতে শিক প্রাণালী--কুম্ব, কুঞ্চশক্তি ও রস--বন্ধ ও মুক্ত কীব---অচি ৪;-(ভণাভেদ-ভর্ম-সাধন-নির্ণয়--প্রয়েশন-ভর্, কর্ম-কাও, আশ্রমাদির বিচার—বৈধী ভক্তি, ভাবভক্তি ও প্রেমভক্তিসভ নামভঙ্গন-প্রণালী ও অইকালীয় লীলা-পরিচরালি প্রথম শিকাণীর উপযোগী করিয়া দরল ভাদায় সমূদ্য বৃক্তিপ্রমাণসভ লিখিও আছে। চতুর্থ সংখরণ বাধা २ , होका, आवाश ১५० होका माता

# গোড়ীয়কণ্ঠহার

क्रिशोधीय-रेवकवशरनत अध्यान कर्छ मात्रगरमान्। শ্রুতি-পুরাণ-পঞ্চরাত্রাদি সাত্ত-শাস্ত্রসমূহের প্রমাণাবলী विवयविद्याशकास्य माछवान धन्किछ। एडेसम देवकद-সিদ্ধান্তের সারসমখ্য অন্ত কুঝাণি প্রকাশিত হয় নাই। ইহাতে শুক্তৰ —ভাগবত— বৈক্ষব— গৌর— নিত্যানন चरेबल-क्स-अक्त-अक्त-अन्ति-अन्ति-अन्ति-अन्ति चार्टिकाटकाटका ---অভিধেয়--সাধনভক্তি--বর্ণশ্র--আশ্রম-দর্ম -- শুরুপ্রান্ধ স্থুবৃহ্ৎ লোকাদি স্থচীগড় উংকৃষ্ট এক্টিক কাগতে বোল ब्र कालिएड मुख्यि, डेश्क्रहे वीना लानात्र कला नाम लाया। श्रष्ट आग्र हर - शृहीय मन्पूर्व। किका २ , होका माज ।

# अववीलशाय-अषाननी

बीयम् छ कि विस्तान हे क्रिन ने निष्य भागमा है । जान মাত্রিছার সাম্রবাধ প্রমাণ গভ--- জীণ নরহ্রিচ कर ही ঠাকুরের ধাম-পরিক্রমাংশ---শ্রীধাম নব্দীপ পরিক্রমা---তীপ-याजा नक्ष क्रिक्ट अरवाशांतकक्र नववीनभडकम्-প্রীমন্ত্রিকিবিনোদ সাকরের শ্রীনব্দীপ ভাবতর্থ প্রভৃতি গ্রন্থ একত ভিকাদ- আনা যাত্র।

## শ্রীক্রিনামায়ত ব্যাকরণ

শ্রীজীব গোষামী প্রাণুপাদ-বিরচিত হত ও বৃত্তি, তংসলে ওবিকুপাদ হীমছলিসিদার সরস্ঠী গোখার্মী মহারাজের বিশ্বত ভূমিকা ও স্থচী প্রাকৃতি সহ। बक्षाणिकवारत द्रमस् । किका २, वाका, हाजभारतम् भटक SHO होका बाजा।

#### CANTEGENTA

শ্রীমন্তামান্ত্রজাচার্য্য-রচিত। বেদাক্তের বিশিষ্টা**রৈ**ভবা**দ-**প্রচারক শ্রীভাষ্য-প্রণেতা মাচায্য-প্রবর বেদারদর্শন পাঠের উপ্যোগী করণার্থ এই উল্লম ক্রিয়াছেন। ইচাতে वज्ञाञ्चनाम । अ श्रुतिभद्धानि मः स्माजिक कता श्रुतारह নাম মাজ ভিকা॥ । মান।।

## बैद्रिक्षक क्यायक ७ मन्द्री भणक

গোরপার্বদ ভিদ্তী শ্রীমং প্রবোধানক সরস্বতী-প্রণীত वृत्त, श्राह्मणाम श्रीयम् छक्तिभिद्धास महत्वती श्रीतामी महादाद সম্পাদিত অব্যসূতে ব্যাপা ও বলাগুবাদ সংগতি। নব্দীপশতকের আঁভজিবিনোদ ঠাকুরের প্রায়ুবাদ ও एरम्ब क्षिमग्रहाक्षम्त्र धक्की जिवनंत्रक्षिक व्यानीकिक विक প্ৰদন্ত চইয়াছে। মূদ্ৰ ও কাণজ উৎকট (২ থানা একলে ) ভিকা ৮০ আনা, অতি ভরম্য বাধাই রাজসংখ্যাণ > प्राका माज।

ब्योगपुक्तिशितान श्रेकुत्र-अनेछ। এই এकमाम अप-तर्द्धन छोन लांड कतिरण लातमार्थिक तरसा किछू छई ষ্মান বা সংশ্র পাকিবে না। পরম গুড় গ্রাবিবয়ক এই-क्रण गत्र । अत्यलानी ध्रुड अंभगाञ्च लाका निक ः इ। मार्चे। निध्निर्गायामि-भाषा-भरहातिभ-भवनकरन धरे धाराग्र ভিজিত হ্ট্যাতেন। আবার প্রবিশ্বত হুড়ী, কথাযার केटानि बाता निर्मित ममुक्त कता इदेशाएँ। निराणि अत्र. त्मानाव छात्म नाम त्मथा. डेरक्के वेलाके-ज्बर्ध मध्यतम ভিকা ২ টাকা মাজ।

#### প্রেমনিবর্ত্ত

শ্রীমনাহাপ্রভার মন্তর্ম পর্যির শ্রীল স্থারানন প্রভ বির্চিত: এই পুডকে মতি জ্বলেগা ভাগার মধ্পার

<u>क्षानानी</u> क्षाइंडि व्यक्ति देवकन ५८वन दमचिट्ड लाहेटनम । लानक्रिकाम छक्षद शास्त्रत निश्तार्थ छ । क्रिका ८ आमा माञ्र প্রাত্ত প্রভিন্ন প্রভিন্ন দিনের নিত্ত ভিত্ত বাদের বা ভিকা ॥ 🗸 🗷 मन भागा गाउँ।

#### ভিত্তনবছণ্ডা

ভলনকাবীর নিতাগদা; ঠাকুর ভজিবিনোদের মন্ল্য मानः, निशित्र शास्त्रव निगातः। अप्रदानि ना स्वतं भगानः কেচ বৃথিতে পারিবেন না। ছতীয় সংস্করণ ডিক্ষা no i

## হরিনামচিস্তামণি

নানাচাৰ্য্য শ্ৰীণ হরিবাস সাক্রের মূপে শ্রীন্মহাপ্রভ **ब्याम-माहाश्वा, मामाजान, मामालद्राप्त ध्यक्**षि विनाद्यत মাব্দীয় বিচার লাবণ করিয়াভিলেন। এট বিবয় গুলির অজি সর্ল প্রারে সংক্ষিপ্ত মাশ্রসহ পরিপাটিভাবে মুক্তিত। জীগ ভজিবিনোদ সাকৃষ রচিত। প্রথম সংকরণ ভিক্ষা ৮০

## **不可引付本權多效**

শ্রীমন্ত্রনির প্রাক্তর বিভাগ জনসমূ-বিখালী ও জানপথের পণিকের একায় প্রয়েজনীয় উপদেশাবলীপুণ গাডিএছ। সামাজ শেখাণড়া-জানা নোকে ও এই ভগনরাজোর গাঁতিসমূচের হারা অনর্থনিচতি <sup>ট</sup> प्त कशनःभागा गांक कतिवात स्रातिन। शहरवा मा संस्थता. जिका / ३० सामा मात्र ।

#### শরণাগতি

🕮 নছ কি বিনোদ ঠাকুর-রচিত। ভগবানে আগ্রসমর্পন, तिकश्वि, अक्रमशानमा, मक्कृतिशा भन्नशांशिक s मिक्कि-नानमाः বিধানক গাতিপুর্ব, ভিক্ষা 🗸 আনা মাত্র।

## ने जायनी

জীঠাকুর ভজিবিনোদ-প্রণীত: নিতা ভঙ্গন, আয়াত্রিক अतान-तिनन्तिनक्क सम्ब गोडनस्ट पक्षा अणिक। 'छकः /• स्नाना नाज ।



শীমনাধাপ্রভুর শিকা ও শীশ রঘুনাগ দাস শোশামীর প্রতি শীরণ গোস্বামীর উপদেশবাণী, ভক্তিপণের মন্ত্রক ৪ প্রতিকৃষ বিধয়ে ভবিতারিত সম্মোদন ভাষা, বিশ্বত বিবৃতি, চারতামতের প্রমাণ, সাধ্য ব্যাপ্যা ও মধাজন-প্রণীত ভূতপ্রাণী প্তমমূহ প্রেড্যেক লোকেব স্হিত স্ত্রিবেশিত ইইয়াটে। ৩য় সংস্করণ ভিক্ষা 🗸 - আনা।

#### म्भग-कन

শ্রীরখুনাথ দাস গোস্বামীর মন্ত্রিকা, শ্রীল সাক্র ভিकितिसाम-छति । अधार्यनामग्रह। डिका रं• माना ।

## প্রেম ছবিস্ট ক্রিকা

শ্রীল তাকুৰ নৱে বেমের স্থপ্রতির প্রেমভিকিবিমরক শানের পুস্তক। ভিজা আনা মাতে।

#### নগৰী পশ ভ শ

भाग शंकर ७ कि निरमाम-त्रिष्ठ भाग खारवानामम বরস্বতীপাদের সংস্কৃত নাংগীপশতকের মুখানিত। পঞ্চান্তবাদ ।

#### অর্থপঞ্চক

द्धीन (लोकानाना नोज्या । देवस्थनका-स्थादनंद्ध स्थाकन পুত্তক। ছিলা/- মানাম,তা।

## সদাচারশ্বজি

क्रीण मध्याहार्गाः-व्यक्तिक । देवन्यस्य प्राच्याकर्याण्ये नामकातः वनी, वक्षाञ्चवान विभए। जिला /- व्याना माद्धाः

#### মণিমঞ্জী

ক্রিচ্লকেশরী শীনলারায়নচোণ্য রচিত। শ্রীমন্তর **हार्यात मर्किश केंविनगीला 9 मूल दिकारमञ्ज्ञा माध्यान** डिका। बाना का

#### ८भोत्रक्रदकास्त्र

अशिम कति किरणाविक स्वत अली । किरणोप्रायकारत्रम अमानाननी-मध्दिनक मध्य श्रष्ट श्रष्ट । किना ५ बाना ।

# वृक्तिमह्निक। (अभरतोत्रक)

আনিধাৰ প্ৰদায়াত গত আনি ৰাদিরাও স্বানিকত। বস্থাগরে সাম্বার এই প্রস্তের প্রকাশ পরেমাণিক ব্যতিত্য-কাংতে এই সক্ষেত্রপম। আমিলাধ্ব চোগ্টেইতে হোড়শ্পণভন বিভীয় मध्रानाया नारम थाछि श्रीमाभित्राक्षडीथ यादी एक अर्थ দাধারণ গৃক্তি ও গৌকিক আমান্ত্রদারে কিঞ্চল ক্রনরভাবে ভবিবেরাণি-মতবাদ সমূচ খণ্ডন করিয়াছে, ভাচা পাঠ बाता ठान्नाक, देशम. त्वीक, मामाध्यक ও मामावाधिम छ-नभूटब्र ज्ञान अञ्चल बहिबाटक । किया २, हाका माछ ।

## **टगायामी <del>शिल</del> त्रप्**नाथ मात्र

প্রভূপাদ-শিখিত ভূমিকা যত্র) গোরপ্রেট স্কল-ক্রপের চরিতায়ত ও শিক্ষা মতীব প্রাঞ্জল ও সরল ভাষার সমিবিত্ত এবং পরিশিত্তে দাসগোস্বামী প্রভুর বির্ভিড কএকটা সাহৰাদ মধুরতম ওব ও মম: শিলা-স্থালিত। ভিকা वैशिष्टे ॥॰ जाना, जावाशाहे ।४० जाना नाज।

# চিত্ৰে নবদ্বীপ্ৰ

প্রাচীন নবৰাপের অব্ভিক্তি, ভুগা, ঐভিজ্ञ, প্রোভ ও ইভিগ্রিক প্রমাণস্থলিত নয়্তী বাঁপের সচিত্র বিবরণ-গ্রন্থ। যাত্রিরাওসাঙের কুমার শীস্কি শর্দিক নারায়ণ तांत्र तम. अ, लांक (मास्मात्र), द्वनाखक्षम मस्मानग्र क कुक সঙ্গলিত এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন বর্ণের অপুর চিত্র ও গান্ডিজ-সম্মিত: প্রাচাবিস্থামহার্ণ্ব রায় সাহের শ্রীধক नरशक्त माथ वच्च विभरक्षविभन्तामिक महानरश्च विचार कृष्टिका সহ। উৎক্ট (ইং) মরজো বংশাই মুল্য ১৪০, ভি: পি: তে र हैं। के शक्ता

#### माभक-कर्णमाना

धन वन्त्रभाः, देवस्थव-वन्त्रभाः, देवस्थवन्त्रभूतः, सामार्थम् व शिष्ठः, শ্রীনামগুট, শ্রীন্মুলাপ্রভার অংগতরশত নাম, অস্কুপ্রজ্ব गणको छन. श्रीनामगढी छन. (श्रामक्ति, वाकिनाकी छ. - वर्षाल-भविभा, **श्रीमाश्चल्ल महिमा, श्रीनाशाल्य-१८ ५४ अहे** भारतीया-लेलनाः वस्त्राचामान भद्रेकः ८श्रमस्कित्वितः हैन(प्रत्याक), सामछल्य-प्रांगांकी, यहां अपू व तात नामायस तरवात. समाजिका, जी एक अव्हित जी एक स्तरकता, महाशाहन रामना अञ्चल तारूक । शिक्षकीयरमञ्जल मिलालाहाः ेबन्द्रनगरमञ्जू कर्रात्रिक कुन्द्रीयाभाग साथ समुक्तन कर्द्र এরিংটোড়া **অপুন্ধ প্রত**া ক্রিকা (৮০, বিধেট ॥• মারে।

## ্ণোজায়-গোরন '

কৰিকাডার স্বপ্রসিদ্ধ আলবাট ধবে গৌডীয় নঞ্চাদক शिलाम श्रुक्तवामक श्रविष्याति। माप्तवाष वक्ष्यात विन्द्र श्रक्षकारत्र अकालिए। केशराह द्योर्क्य रेबम्बनगण्डामारम्ब ইণিবাস কুড়াকারে প্রাপিত ধ্রুয়াছে। ভিক্ষা লে। মাত্র।

# গোড়ীর সাহিচ্য

ক্ষিক্তার প্রক্রিছ আলবটে হলে গৌডীয়-সম্পাদক শ্রীপুদে কুনর্নেল পর্বিভাবিনেক্ষরতে প্রদান সক্ষতার বিংহ গ্রাণ্যে প্রকাশিত। ইতাতে স্তিত। শংকর মণ এবং পোর্টায়-দাভিত্তার বিষয় জ গ্রুতের বণিত ভইয়তে। ভিক্ষা lor • মানা মাত্র।

#### শ্রীগোটন ওল পরিক্রমা-দর্পণ

শ্রীব্যোস্থানেশের বে সকল প্রানে সপারিকর শ্রীনরাচাপ্রের ্বং তদমুগ পরবদ্ধী মহাজনণ্য জীলা কারিয়া পিয়াছেন. ুন্ত দ্ব আধুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও দেবলিগ্রহাদির পরিচয় সহ যা প্রয়াতের হাবিব নিকেশ ইত্যাদি বিষয় ওলে নলিবেশিত আছে। ভিক্ষা : আনা।

# THE HARMONIST

# OR SHREE SAJJANATOSHANI

द्यीन हाक्त अखिनियाम-शास्त्रिक धनः जैन किन করিতে করিতে আশ্চন্যাখিত হটতে হয়। টিগতে বৃত্তির বিদ্ধান্তসরপতী গোস্বামী প্রত্পাদ সম্পাধিত পার্মাণিক मानिक भाग । धाकरण देश्याची अधार बढ़ीविल्स नर्द **उत्रक्षक्रक्रिक ५ (अर्थ) व क्या काकारत ज्यां व बारत ३ हि-**मार्थित निकत-देवक्षमधी भडेशा छेन्छिङ ब्रहेरहर्छन। ( ও বিকুপান জীল ভব্তিসিদ্ধান্ত সরশ্বতী গোলামী কাগ্ছ, মূল্ণ-পারিপাটা ও চিআদি মতাব ডিভাক্ষক। <u> ८३ लिकात्र इंश्केट श्रीवक्ष चाल (काम मामिक भ्रातिएड</u> একমাত্র প্রিয়ত্য শ্রীণ দাস গোস্থানী। প্রাচুর অপুন্ধ দেখিতে পাইবেন না। বাবিক ভিক্ষা ভাকমাশুলস্ক 👟 😁 টাকা মাত্র।

#### প্রাশিস্থাস-

🖺 टिन्ड छम्ठ, (भाः श्रीमाद्याश्रत मर्गोद्या

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

(थाना इहेग्राइ ।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছা এদিগকে অভি শহের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা ব্যথে খুন্দর নাসস্থানের বন্দে:বস্ত হট্যাত্রৈ। ছান অধীব আত্যকর।

স্বিস্তার স বাদের হন্ত নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। শেকেটারী, ভাকুর ভক্তিবিনোদ ইন্টিডিউট্

• औरेहङश्चमर्र, त्थाः श्रीमाराश्वत, नमोग्ना।

# —৫১ বংসরের প্রাত**চিত**—

উশ্ধালয়ে এন্তত বটীকা

वारा कम्कातमा, जन्नप्रभाष, क्षिकाठिल, क्षणीर्भ, श्वण्यक श्रीकृष्ठि क्षण क्षित्रोड क्षित्र मित्रामन क्षेत्राटक छात्रो श्वकाण कवित्य वक्ष पृष्ठक करेना भटकृत

ইহা

সক্ষা অকৃত্যে বাবভার চলে ও সমান ফল প্রদান করিরা থাকে। প্রতি কৌটার,৩২টা বটাকা থাকে।

কেবলমাত্র

আভি কোটার মূল। ১ এক টাকা। চলার নাম 'আভাজনিপ্রাহ্ বিটাকা'।

অঞ্চয় উবণের তালিকার অন্ত পত্র নিবিলেই পাইবেন আবিস্থান:—আতঞ্চলিপ্রাছ উম্মধ্যালস্থা ২১৪ নং বহুণালার ট্রিট, কলিকাড়া

কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের

# GROND OND ON THE STATE OF THE S

মকংখলের স্থ বধার জন্ত ৬ আঃ শিশিতে ঘনীভূত অবস্থার ভোটবোরলের াস্থপা উবণ ভাকে পাঠান হর, ইহাতে ঔবধের কোন পরিবস্তন করা হয় নাই। মূশ্য আঁতি, শিশিরত আনা, পাইট ৮৮০ আনা, বোভন ১৮০ খ্রানা।

অফিস–১১নং উক্টাডান্সা রোড, পোঃ শ্যামবাজার, কলিকাতা

# ভাগবত প্রেস গোরাড়ী হাইব্লীট

ক্ষণসংগ্ৰ

এখানের বিবাহের নিমন্ত্রণপত্ত, শ্রীক্তি-উপহার, কার্ড, গ্রন্থ এবং ক্ষয়ান্ত যাবভীয় কার্যা ছাপ। হইরা ধাকে। হ্যপার মুখ বাজার দর অপেকা ভ্রম্ভ ও পরীক্ষা প্রার্থনীয়।

Sales & Sales and real and the Sales of the

# হাইড্রোসিল বা

কোষরন্ধি রোগ

ভা: এস্, এন্, খোব বিনা অস্ত্রে, বাবজ্ঞীবনের গ্যারাটি দিয়া বৈশ্বাভিক প্রশালাতে কোববৃদ্ধি রোগ আরোগ্য করিয়া থাকেন।

> ভিকানা---১৮ নং কটন ব্ৰীট, বছবালাছ, • কালকাড়া।

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

# - দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

প্ৰৱ দিৰে সম্পূৰ্ণ আৱোগ্য

বোগী দেখাইছে হৰবে। অগ্রিম পাথের গ্রন্থ যাওয়া এবং আসার)
পাঠাইলে গিয়া রোগী দেখা হয় অথবা এখানে আসিলে বোগী দুশ্বিরা উষ্ধ শেশুরা হর আয়োগা না হন্তয়া পদায় পারিপ্রামক দিকে হইবে না। গ্রীৰ বোগীলের খন্ড নছন ক্রিন্থ তিকিৎসা ক্রা হয়। বিস্তাবিত্ত নিশ্বের ফক্ত এক আনার ভাক টিকেট স্থানিত ক্রিন্য সম্ভ্রম্মান ক্রন।

আফি তীলচন্দ্ৰ উকীৰ, বন্ধা-চিকিংসক, গোং নৈকাঠী, বাৰলাৰ। অথবা নিম্ন ঠিকানায় সাক্ষাৎ করিয়া বিশ্বায়িত ভানিতে পারেন।

ন্থাৰত রামগোপাল দত্ত এম্, এ, ক্লকলগত, নধীয়া। স্তীযুক্ত ক্রিপদ ফিংচ, ১১৭, বেলিয়াটোলা ক্রীট, হাটখোলা, কলিফাডোঃ

প্রকশানি পঞ্জ! অনার ত্রাভুশুর গত ছয় মান বাবং রাজ হল্পার ভূগিরা সৃতপ্রায় ছইরাছিল, কলিকাডার বিজ্ঞ চিকিৎসক্পণ ভাগার ভীবনের আশা ভাগ করিয় শেষ মৃত্রুর্ত্তের জক্ত অপেক্ষা করিছেছিলেন এই সময় শ্রীযুক্ত কিতীশচক্ত উকিল মহাশয় মাত ১০ দিন চিকিৎসা করিয়া সম্পূর্ণ আবোগ্য করিয়া দিয়াছেন। (সাঃ) শ্রীষ ভিশোর বায় চৌধুরী (অমিদায় পালিয়া) হগ্ ষ্টীট্, নিউ বিভিং। করপোরেশন টেটং ডিপা টমেন্ট, কলিকাছা।

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরাব্দ ৪৪৫ । মাত্র ১০ ডাকটিকেট পাঠাইলেই বুকপোটে পাঠান হয়।

ম্যানেকার-গ্রন্থরিভাগ শ্রীচেত্তম্য, পো: শ্রীমায়াপুর, নদীরা।

কেন প্রাহকগল

# গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

–কারণ–

এথানে যাবভীয় ছাপার কার্যা—

श्रामित कार्या है वनून,

বিবাছের নিমন্ত্রণ পত্র, কার্ড, বিবাছের পঞ্চই বলুন,

আর ওরং ও ৪ রংএর হাফটোন ক্লাই বল্ন, সকল কাষ্টি ছভি সহর ছাপা হর, অথচ ছাপাইবার খরচ বাজার অপেক্ষা ফুলভ।

আপনার কিছু ছাপার কাষ্য থাকিলে শিশ্বঠিকানায় জানাইলেই দর পাইনেন।

> মানেশ্বৰ-গৌড়ীয় প্ৰিণ্টিং ওয়াৰ্কস্ ২৪৩২ নং শাপার সাম্ভূলার বোড, ভলিকাত

শ্রীপাম বারাপুর নদীরা-প্রকাশ প্রিণিঃ ওয়াক্স হইডে—কৃষ্ণকান্তি ত্রক্ষারী ভক্তিকুম্ম এল, এন, এক, কর্ক মুলিত ও প্রকাশিত

# গান্ধী আশ্রমের কর্মী দণ্ডিত

**>८६ जागडे प्रा**मा-(हेम्टमे जिन वाङि (त्रणणाहेन अधिक्रम क्षितात मगग्र হঠাৎ একথানা এজিনে ভালারা চাপা হয়। ঘটনার কিছুকাল পরে ভৃতীয় বাজিও এবং শেষে সমস্ত চৌকিদার চাকুরীতে गाता यात्रा अवाय, ८३ जिन वाकिह (यानवान-डेप्प्रत्थेक वाकेट्डिका।

# ভীষণ বস্থা

কুড়িগ্রাম মহকুমার অন্তর্গত চিল্মারী ও রোগামারী থানার অধীন গ্রামংসুংহ ভীষণ নপ্রার ফলে জনসাধারণের অভিশয় इमना उनिश्चि इहेग्राह्म । दक्ष दक्ष वारभन्न মাচা করিয়া গ্রার উপর বাস করিতেছে। হাজার হালার শোক অনশনে বহিরাছে। এই সকণ আমের मत्या मुधार्क निक्षातत्र मन्यावनी व्याखनान শুনা যায়। চিল্মারী বাজার হইতে ত্তমপুত্রের ভীরে দিড়েইলৈ ভুরা ও গারো পাহাড়ের পাদদেশ পর্যস্ত কেবল অনস্ত कनतानि पृष्टित्याच्य वस ।

অর্থাভাবে স্থানীয় কংগ্রেস কমিটা ভেমনভাবে সাহাঘ্য করিতে পারিতে-(इस ना। करण कनमांतात अन्यान মুভপ্রায় হইয়া রহিরাছে।

# नार्रेन अञ्चलका कतात मनत তিন জনের একিন চাপায় হড়া

১৫ই चाराडे नारवनात गार्को-८मना- ! আ এমের কর্মী ডা: রাসকুলের প্রতি (क) क्वारी कार्यानिनित > । भातास्यामी একবংসর সম্থাবে পাকিবার এবং ৫০০১ টাকার ভইটী কামিন মৃচলেকা स्तात कश बार्टितिक किया महाविद्देष्ठे মি: देशांत कर्डक कारमण (म अग्रा

ভাঃ বাসকৃষ্ণ জামিন মৃচলেকা দিজে 🦠 অস্বীকৃত হন। সেইজন্ত তাঁহার প্রতি একবংসর বিনাল্লম কারাদভের আদেশ (म क्या क्या के कारक "वि" (अनी कुक Bot Baute :

# कटम्डेवण वत्रभाग्र

इतिनाम (इनमी) भागाव (छोकी-লার্দিগতে স্থাতে তুট্দিবস হাথিয়া **লাগ্ট ফাগেক্ট্রের ইফিলো ডাড়ির** <mark>মাণ শালী ভাহার অভিভাবণ পাঠ</mark> मित्रा साहेटङ हत्त्र । हिन्मुछानी कमर8- , भाकान भीनाम हहैशारङ । वानीय **चटतन । कारी चताकनवर्गस्मर** हेन्न বলেরা ঐদিন চৌকালারদের দিগা থানার ্কংগ্রেসকলীরা ভবায় যাইয়া শিকেটাং চতুদ্দিক পরিষার পরিক্ষয় করান প্রান্থতি , করিতে আগন্ত করেন। শ্রীবৃত স্তানুর্ত্তি কার্য্য করাইয়া কাইয়া থাকে। বিগতে ভক্তবৎস্থান্ন, ক্লফ আরায় ও কভিপর ছিনি বেশন বে, বর্ত্তবানে ভালতের পকে স্পাতে একজন কমটেবদের সহিত সম্ভ মহিলা এই প্রিটেটি এ যোগদান ক্ষেন।

চৌক্লিরদের ঐরপ কোন কার্য্য শইরা নীলামে সরকারের আয় অনেক কৃমিরা প্রধান ক্রব্য । ্তক্তার প্রয়োলন वहना इतं। भारत कमार्थेवनहि हेख्त शिवारक। गर् वरनत एखनान्ता बारमक ভাষার উহাদিগকে গালাপালি করিলে সমস্ত চৌকিদার রাগিয়া উঠিয়া লাঠি অবাব প্রধান করে। পানার উচ্চ কর্ম-সহরের বিভিন্নখানে পাখা-টানার কাজ | চারীরা ঘটনাটি পুলিব সংখেবের গোচরী-করিত এবং তাহারা তাহাদের কাব্দে, ভূত করিলে তিনি অভ্নদানে আংগন धार डेक कनदियगाक वत्रशांख कतिया कोक्सित्रमिश्यक भाग्र करत्न।

## কর্বওয়ালিশ ক্ষোয়ারে সভা

যতীক্স-স্বভি-স্মিভির উল্লেখ্যে ভ জীয়ত বসম্ভকুষার মহুমণার মহাশংখর সভাপতিছে রবিবার ১৬ই আগঠ কর্ণ-ভয়ালিশ ক্ষেয়ারের বস্তা প্রপীড়িভদের মাথায়ের জন্ম এক বিরাট কন্সভার किर्नित्म कीयुक काभीलन मूर्यालाशाय. चारी कामानम, लीगुड़न कामानटी त প্রভৃতি বক্তাপীড়িতদের শোচনীয় আগ্র वाङ क्रान ७ क्रमाध्तालक निक्र সাহাযোর অাবেদন করেন। সভায় শ্ৰীযুত পশাৰমোহন পাল, উপেক্সনাথ বস্থু, ত্রীযুক্তা বীণাপাণি পাল প্রাকৃণি উপস্থিত ছিলেন। একটী দাতীয় সৃষ্ঠা গাঁত হইবার শার বিপুশ "বনেমাভেরম্" ধ্বনির মধ্যে অধিবরাতে সভাভস ह्य ।

# বহরমপুরে জোড়া আস্থহড্যা

বহরমপুর হইতে প্রকাশ যে, গভ ৯ই আগষ্ট নৈকাল ৫ ঘটকাৰ আন্ডা राषाद्वत राजर्गण्डा (याश्मावा नदक्र কেরোদিন দিক্ত করিয়া অগ্নিসংগোগে আত্মহত্যার প্রচেঠা করে। নিকটবর্ত্তী লোকগণ অগ্নি নির্মাপন করে। মহারাণী-স্বৰ্ণমন্ত্ৰী-সমিভিন্ন দেবা-ৰিভাগের সভাগণ मःचाम शाहेबा डीहाटक मनत इत्मशाखाता প্রেরণ করেন। তথার রাজিতে ভারার মুক্তা হয় ৷

क्रप्रकृषिन इहेल है, बाड़े, क्षांत-दत्त বাগড়া ট্রেশনের নিক্টগ্রী লাইনের डेलात এकी त्रमी कांग्रे। शिवाह । व्यक्तन, दमक माञ्चरका कितारक।

# बाखाटक छाड़ित काकाम मीलाम

माणाम वरेटछ धाकाल (य. ३ वह

নেশী টাকার নীলাম হইয়াছিল। প্রার সকল লোকান গুলিই নীলাম হইয়াছে।

#### भगवाद कार्यक खमन

২৪ পরণণা ভাটপাড়ার 🗐 বুক্ত छर्गः अन ७ छोडाया ১৯६० मारमञ ভিগেম্বর পদ্রম্মে ভারতভ্রমণে বাচির হইয়াছেন। তিনি গত ১১ই অ.গঠ ''শিব সমুদুষ্" হইয়া মহীপুর রাজে; বাখালে রে পৌছেন। এই "শিব-সমুদ্রম" পুণিবীর অভ্ডম প্রাসিত্র জলপ্রেপাত।

# वर्षमारम हैरलकृष्टिक-कर्शाद्रमम ভীষণ বস্থা

আল প্রায় পাচ বংগর ভইতে वर्षमाम महत्त्र एक ही है स्म कि क कर्मी-রেশন প্রাডিটিত হটয়াছে। বিল্লগী আলো জালিবার পর মিউনিসিপালিটীর कौनष्ट कर्षारद्रशास्त्रकात श्रुक्तं महरत অভান্ত চরি ডাকাতির উপদেব ছিল। এখন বিজ্ঞা-আলোকিও রাজগণে গোকে নিউয়ে গ্ৰমণগ্ৰমৰ কলে ৷ ইচাতে वःचभा वालिटकात अयरभद्रे जिल्ला करेतारक । পুরের স্করের যে প্রধান বাকরি ভাগ সম্ভার কিছুপরেই প্রায় বন্ধ চটয়া মাইত। এখন খনেক রাত্রি প্রাস্ত সহয়ে ক্রয় বিক্রয় চলে।

#### मरकोरम कमिरनमन

১५३ व्यामहे युक्त-व्यारम्भिक **(है** 5 ইউনিয়ন সংখ্যানের অণিবেশনে কান-श्रुतत अविवृक्त इतिहत्रनाथ भाष्ती मुखा-পতির মাসন গ্রহণ করেন। সম্মেলন-মণ্ডপ রন্তপ্তাকা এবং বিপ্লবাত্মকু বাক্য-সম্পাত পোঠার সমূহ সঞ্জিত করা र्देशिक्त। देशक आप आफाइ 'হাছার লোক যোগদান করিয়াভিলেন: ভন্মদ্যে অদিকাংশই স্থানীয় রেল ওয়ে শ্রমিক। কালপুর, মোরাদবিদ,পোরকপুর (तर्त्रमी अध्यक्षक्ष (भेष इहेट्ड कर्यक कन अहिनिधि धरे अधिरम्बर्ग स्थानमान क्तिप्राहित्यन।

অভার্থনা-সমিভিন্ন সভাপতি কালাছ (बब्र क्यांब अर्डण निर क्षेष्ठ क्रेडेनियरनव केलक मन्दर्भ वक्का करत्रम ।

পরে মৃগ-সভাপতি ত্রীগুঞ্জ ছবিহর-क्षिक्रिक्ष अनिकात (यायनाम् क्षम् छिनि কংগ্রেদকে অভিনন্ধিত করেন। অভঃপর শক্তিশালী ভাষিক্যক্ষ সংগঠন করাই

न्दर्हात दानी, दक्षममा चानव निश्नि क्षात्रक (त्रमार्व्यवर्षेत्र क्षा क्षेत्र के के मित्रम-पारमागरन राष्ट्राका त्यामध्यकारत डेरमारी मारहन, डीहामिश्रदक जकत्व कार्या कतिराज सहरव । : भो-दवक्ष तारवत्र গ্রেপ্রারের কথা উল্লেখ করিয়া তিনি ফুলেন যে মিঃ রায় প্রমিকদের জন্ত थाकुछ **उ**त्रजिकम् कार्य। कतिमार्द्यम ।

# वाका मधीरक संभा

वर्षमान हरेएछ ध्यकान (य. भ्राम वर्षा ना इहेरन्छ वीकानमीर्क मार्स मार्स वान व्यातिरख्टक। वैका सूर्यास्त्रनसे क्टेट्ड गांटित ह ब्रांच प्राचारत यका व्याभित्नहे नीका कामिया यात्र। नीकात चम चम नाम छाकिए नर्नामित छेल्छन হয়। এবার সর্পের অভ্যস্ত উপদ্রব এবং कर्यक्षका मुनाचारक मात्रा क शिक्षरक ।

## ক্রোমের রাজা অন্তর্জাল

জোমের রাজা ভিক্ত হইতে প্রায়ন করিয়া সাদিয়াতে ছিলেন। সম্প্রতি ভিনি শেখান হউতে প্ৰায়ন করিয়াছেন বলি**হ**া সংবাদ পাওয়া বিয়াতে ঃ

সাত্তবংসর **পুরে** জোমে যথন क्रक है। विद्धार क्षत्र, एथन एमि मुह्दलक। त्मन 'त्य, कानीव शवकारवज्ञ **काःस**न গাতিরেকে তিনি তিকাও বা ভূটানে क्षर्यन कतिरयम मा।

''আসাম রাইফেল' দৈনিকের একটি मन डीटाटक आहेकारेवात क्छा ट्यातिल হটয়াছিল। কিন্ত ভাছারা গৌভিবার भूत्वके द्राक्षा निकाम चाटि शैमाना भा**त** হইয়া গিলাছিলেন।

গত ১৮ মাদ গরিষা ভিনি সাদিয়াতে রাজবন্দীরূপে ছিলেন।

# वारण पश्चाप महत्व दगादकप्र गर्समान

क्यारका क्षेट्रक ध्यकान (य. देवारनि নদীতে ব্যার জল আরও হয় ইঞি বাভিনাছে। এক এক বলা প্ৰে क्थन ७ रव माहे। हाविनिद्य शामावात । त्य द्यथात्म शाक्रिका श्रावा कतिवा त्याण -वेकावेटलट्ड । - दमोमान क्रष्टाव, भद्रानात्रदक दबीकास्तरण यावरोत्र कतिश व्यात्नत नारम लाग श्रीटक्टम ভগবানেয় কি অভিদাপ। একেডো रशाम दर्भाषम कानिया निवादक, कड भक *(भारकत्र क्षक मर्समाभ हरेत्रार*क, ভাষার উপর আবাদ আখন। আখন गानिया गर्थ गर्थ (भारमञ्ज जीयन निह इंदेबाट्य। जेनरत्र कार्यन, भीरत कन, C時代學 衛門等 (學問題) 李本 (11) 2000

किष-

नकाशद्यम साम EIFEILE air rir > ale and Pr 44 44 4 ele मां भन्म २ ् अधिकार कार TPE !



नागरयात शात শক্তিম দেয় वायिक कर् मानामिक व. देशभाभिक २५० সাসিক ১ 2917 । खालि मःशां, व

ভারতের সর্কতা বহল-প্রচার-মনীয়া ভেলার এক মাত মুখপত

७ष्ठे शतः ]

সম্পাদক—শ্রীতাতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদাস্তবাচম্পতি

[১৪৫ ভ্রমংখাণ

এটিচভয়ামঠ ঞ্রীশাম মায়াপুর—৪ঠা ভাজে শুক্রবার, ১৩০৮, ২১খে আগষ্ট ১৯৩১

# নানা কথা कामामोगुरा काशालक

नार्टाम हहेर्ड अकाम (म, ১१ই আগरे প্রাপুত বছুয়ন সাম্পাব জ্নানী অ'রম্ভ क्टेनात क्या **क्यि, क्यि (लाग्राम मिटे-िंड** डारबंत कालाबर इ. ८क्ट हे जिल्हिड হয় নাই। আনামীপজের ব্যবহারাদীবীগণ কিছুগ্মণ ক্ষণেকা করিবার পর জেলে ভাবেদ্ধ আসামীদের সহিত সাপাৎ করিতে যান এবং ভাগায়া আধান্যদের সহিত क्यानार्छ। करिया (समक्रुपक छ कामागीरमञ्ज मर्भारा लाख भातवा किन, एका भृत कतिएक मगर्भ इन एकः जामागी-গণকে প্রায়োপবেশন ভ্যাগ করিতে मधाः कतान। फरण स्थापन त्र्य धवः ভগৰরাম প্রমূগ সকল মাদামীই প্রায়োপ-বেশন ত্যাগ করিয়। মাহার এগণ করিতে-ছেন। ভগংখান অভ্যন্ত দুরাল।

# মুডম উভ্তমে বোম্বাইয়ে পিকেটিং

मछ वर्ष्मारनत निदक ८ ग्राप्तारे आर्मिनक करद्धारभन्न कागा भूत दशक्त हायान भद्रत्त अञ्चिक मस्त । ब्राज्य के (माकारन शिक्षिः कता इटेरवः छाटात পর মত্মগানের কুফলের বিষয় প্রাচার করিবার পুজিকানি বাহির করা ও ष्ट्रायाधिकत्यार्थं वर्ष्ट्राः । ।

## वक्रग्रादेश मध्यमा

चागरे भगार ३२ हे। स समस्य स्रोहि षानिष्ठाटकम । ताष्ठात्र मर्बका ८एविवानि ির্শিত **ইইরাছিল এবং ছানীয় অ**নার্য্যর। পরিদর্শন করিয়া আগিয়াছেন।

# আসামীশূন্য আদালত

নূতন উষ্ঠামে বোষাইয়ে পিকেটীং

# বড়লাটের সম্বর্জনা

কানপুরে বোমা প্রাপ্তির জের

# মিশনারীর অর্থদণ্ড

ভাকাতের জন্ম পুরকার ঘোষণা

# আসামীর প্রায়োপবেশন

শুকদেবরাজের অন্শন ত্যাগ

# আসাম বেঙ্গল রেলপথ

ব্যার সাহাযোর ব্যবস্থা

' इ इ जिता भ्रष्टाका बहुता की हात मर्गा हिन्ह সম্পদ্ধনা করিয়াছে। শটে প্রাসাদে স্বাউটরা তাঁহাদের প্রতি অভিবাদন ক্তাপন বরেন। অওংপর বড়গটে সার গনেশ্যক্ত সিংহ ও সার জেম্স বিফটনেয় স্তিত কথাবাতা কহেন। লাওঁ আয়-বঙ্গাট ও লেডী উইলিংডন ১৮ই উইনের বৃতি উপলক্ষে রাজা বগদেও শাস বিরবা যে হাসপাতাল স্থাপন কবিয়া-ছেন। লেড়ী উইলিংডন ঐ হাসপাতাল

# আসাম বেলগ রেলপথ

চট্টগ্রাম ইইতে প্রকাশ যে, আগাম বেক্ষণ রেশ পথের টার্ফা শাধার গভ ১৭ই আগষ্ট হইতে ব্রাবর গাড়ী চলাচল व्यातच कहेबाटक। ट्यांडे भिनम सर्वि इंडेट के टिक्क विवास ति । कार मात्राप्य वाहरू व मरता २२मर' ए। छैन उत्तः २४मर धाल পাড়ী যাড়ায়াত বন্ধ ৰবিনা দেওল रहेम्।

# আরও কন্দী গ্রেপ্তার

গভ ১৩ই আগত ভালবাই টেশনে 🕮 ছট্টের বিশিষ্ট কংগ্রোস কল্মী e শ্রমিক নেতা উষ্ত হারকানাথ গোমানী গও-বিধিয় ৩০২ ও ১০৭ ধারা অনুসাবে প্রেপ্তার হল। প্রকাশ, মৌলবীবাছার বুৰস্মিলনে 🗐 হৃত ক্লরেশচন্দ্র দেবেব দীনেশ গুল্প আভূতির ত্যাগের প্রশংসা-ক্চক প্ৰভাব ধারকাবাৰু সমৰ্থন 🗢 বেন 🛚 । क्षातका नाबुरक स्थोनवीवाद्यास्त्र गहेशः यहिंद्रा अकटल ताथा इहेबाटक ।

# উপাসমারত রইস নিহত

মূলভাল ইউড়ে প্রকাশ যে, জ্রীলভ থিলানরাম ডালেজা নামক ভোভয়ালপুর রাজ্যের জ নৈক ধনী রইস ভাঁচার বাড়ীতে উপাসন: করিবারকালে নিরুত ইইয়াছেন। আততাথী হঠাৎ কুঠার দারা ভাঁচাকে গুরুতরকলে জখম করায় তাঁহার মৃত্যু घिषारह । एई ना किएक उथनहै (अक्ष'न कत्रा अस्भारक ।

পুক্ষবঙ্গ জনীদার সমিভির এক প্রা 👵 নিদিম গুলী ১৫ই আগই গভৰ্গমেণ্ট হাউদে রায় বাহাত্র কেশ্বচর বলেনাগান্যায়ের নেতৃত্বে বালালার গভণরের সহিত সাকাং করেন এবং গ্রণরের নিকট বলেন যে, জ্ঞালত পাটের মূল্য কমিয়া যকিয়ায় এবং বভার ফলে শহা ও প্রানির ফ্রি স্তুলায় জনীদার স্প্রদায়ের আর্থিক অবস্থা **অভ্যক্ত সম্বটাপর হইন্সা নাড়াই**য়াহে । % एकाः शक्ष्मां विष **छ। हारमञ्ज छ**कार तथ e কা অগ্রদর না চন, ভাষা ছইছো «ই वितारे मध्यनारम**त ध्वःम व्यवश्रकारी।** 

গভণর ভাঁহাদের বক্তব্য প্রবণ করিয়া যথাগন্তব প্রতিকারের আ**খাস বি**রাছেন।

# শ্রীবিশ্ববৈষ্ণবরাজসভার পরিব্রাজকগণ

4	नि	র	ব্রাজ	কগণে	3 -	না ম
	>	1	শ্ৰীল	ভক্তিপ্ৰ	गेभ	ভীৰ্থ

২। **এ**ভজিবিবেক ভারতী

৩। ঐতিকিবিজ্ঞান আশ্রম

৪। এডিকিপ্রকাশ অরণ্য

१। 🖹 ङिक्किम् वस्

७। शिक्रकिनर्वाच शिवि

१। डीडिक्टिंवडव मागत

# বৰ্ত্তমান ঠিকানা

কলিকাড়া কলিকাড়া শ্রীমায়াপুর কলিকাড়া কলি হাড়া অমুভসর

ত্রাহ্মণপাড়া

# পরিব্রালকগণের নাম

৮। একজিএরপ পুরী ১। এগজিবরণ পর্বত

১০। **জ্রীভজিবিলাল গভজিনেরি** ১১। শ্রীভজিবঞ্জন ভ**ক্রিসার** 

১২। এছক্তিরক্ক প্রাণয়

১৩। शैंशिक्ट्राव (खोडी

১৪। শুভক্তিশ্রস্ন বোগায়ন

# বৰ্তমান ঠিকানা

क्रेक

ময়ুর ভঞ্চ কলিকা ভা;

মান্ত্রজ যান্ত্রেজ

वाजा**ड** विभागाश्च

वादनश्र

# শুদ্ধভাক্তমসসমূহ

# টেতভন্ম মঠ

## আকর মইবাজ

वाहीन नवहीत, छाक्यत खेबाम मावालुत, नवीता

তেই মঠরাজে পারমাণিক দৈনিকপত্ত, সান্ধত-সম্প্রদায়ের অপ্রকাশিত ও স্থপ্রাচীন প্রশ্নমাজি প্রচারপত্তে 'নদীয়া-প্রকাশ' ব্যাগর প্রতিষ্কিত বইয়াছেন ওখানে প্রতিষ্কিত্র শ্রীধানপত্তিনামুল ও অগণিত ভক্তগোটি হে কীন্তন প্রচারমূপে মঙাম্বোহস্বাদি ভক্তাপ অভৃতিত বইয়া পাছে। বক্তক—প্রস্কারী শ্রীপান নরবরিতী ব্যাগরাধী—প্রকারী পার্ভিত শ্রীপার পোর্লাস করে।বাাকরপতীর্থ, শ্রীধানের প্রশান নীরচন্ত্র, শ্রীপান নক্ষেপালন, শ্রীদানদ্মার্জনাপ, শ্রীজ্ঞানন্দ্রাপান, শ্রীজ্ঞানহ্যাপান, শ্রীজ্ঞান্দ্রাপিকারী ভক্ত নক্ষেত্র, ভিল্পাৎ, রেষ্ক্রীমোনন প্রস্কৃতি।

# (৩) যোগপীঠ এমন্দির

বক্ষক—লোক গণাবর পোখামী গুটাচাথা প্রভু জীরমাবাথ। সংকারী জীবিজ্ঞানন্দ প্রগুবাসী, জীরাধাবিনোর গুক্তিভূবণ, জীরাম্বাদ প্রস্কারী। জীসাধন ধান আদকারী, দেশলনা জীগীননাথ।

> (৪) **জ্ঞান স-অঞ্জ** ২ফ ক--- শ্রী প্রকাহকু গুম বন্দ্রকৌ।

( ७) কাজীর সম।বিপ ট প্রাচীন মারাপুর, নামনপুরুর (নদীরা) বক্ষক—ব্রহ্মচারী জীবিনোলাবচারী।

(৭) খানেক মুখন-কুঞ্চ শ্রীগোদ্র- গরগর্ম (নদীরা) ফাক—কভিকুত্র ডাকার ব্রহ্চারী ক্ষকান্তিকী এক, এন, এক।

্ভ প্রিক্তপদ্ধাথ গোড়ীর সঠ

বক্ষক—শ্রীষ্টবর ওজিশালী এম. এ. বি, এল, সরকারী—শ্রীউদ্ধবদাস ওজি-শালী, শ্রীউক্রভ্রম অবিকারী প্রস্কৃতি।

( ) • श्रीक्रमंदशीकोन्द-वर्क बारामकः श्रद्धात केते. पि क्रम-श्रीमार्क्षपदानम् स्वत्राही

# ( )) 到(可以那時運

মাউপাতি, ভারপর, বছমান। রক্ষক—-শ্রীবছারিগারী প্রভাগানী, ভক্ত

#### (১) ) क्षांशवक क्षांशव

শ্রীভাগরত প্রেদ, রুক্তনগর, নদীরা। রুক্তক—শ্রীকুকানক প্রস্কৃতারী ভক্তিশাস্ত্রী

## ( ১७ ) अधिकानुम गर्ड

গোৰিকপুৰ, ইংগ্ৰাণী, নদীয়া।

ক্ষক— শ্ৰীমতৃদানক ব্ৰহ্মচাৰী। সহকাৰী

শ্ৰী-হ্যিংগ ব্ৰহ্মচাৰী, শ্ৰীক্ষপগৌর দাস
ক্ষিত্ৰী, ভক্ক বিশ্বনাধ্য

( 28 ) जिमाश्व-८गोक्रीत मर्ठ

৯০নং নবাবপুর রোড্, ঢাকা।
वश्रक— ইরাধাবল্লত রক্তবাসী, ইপাদ
ফুক্তরানক পরবিদ্ধাবিলোল বি-র, ইনিবগোরাক রক্ষ্ণারী, ইপাতিভাগান কক্তঃ

# ( ১৫ ) औरभाभागकी मर्ड

ক্ষণাপুর, ঢাকা ৷

वक्क--- श्रीमश्राममात्र अक्रवाशी

(১৬) **শ্রিপদাই-গো াল নঠ** বন্দক—শ্রীপূর্ণ প্রস্কা প্রস্কারনী, শ্রীমন্তিশাল স্কার্কারী

(১4: क्रिकाशयक्तमामण मर्ड

চিক্লবিচা, বাস্থদেশপুর, বেদিনীপুর।

এনানে বীঞ্জ-প্রোধাজ-গান্ধবিজ্ঞাপিরিধানীর নিজাদেশ বস্তমান। রক্তক--ব্যবশ্রী শ্রীচগণান্দাস্থী।

# ( ) 🗟 दशोड़ी स्र मर्ठ

১७ सः काणिन्द्रांशास एक्सन्त्री श्रीहे, त्याः वाश्रवाकातः, कलिकाका । ,हेर्मिट्स्टान वि. वि. ८১১८

মঠরক্ষক—আচাধাত্রিক শ্রীপাধ কুমবিকারী বিভাত্রণ। সংকারী—পঞ্জিক শ্রীপাদ অন্তব্যস্তদের পর্যবিভাত্ত্বণ বি-এ, লীপাধ রাসাবকারী প্রক্ষারী, শ্রীপাদ অসওত্বারণ ধাসাদিকারী বি-এ, প্রস্কচারী শ্রীকীস্তাননক, প্রস্কারী শ্রীপারীয়োকন, ব্রস্কচারী শ্রীমগনক, পর্যক্ত শ্রীপাদ নবীনক্ষণ পর্যাশ্রো-লক্ষার ভিন্তিশালী সম্প্রদাহরৈ চবাচাইদ, শ্রীমন্ত্রানদ,সাধিকারী বি-এ, শ্রীভ্রবন্ধনক্ষিদ দানাদিকারী বি-এপ, শ্রীমন্ত্রণম নাক্ষোবিদ, শ্রীবিশ্বন্ধর ক্রন্ধনারী, শ্রীমন্ত্রদাবিশ্বন

# (১৮) चामनार्याका अभवाखम

রাজবাধ গোং ব**জ্**নান। রক্ষক—এজবাসী জীগালাকলোর।

(১৯) শ্রীপুরুবোত্তম মঠ

পর্গাধার, পূরী, টা দুয়া।
রক্ষক — ব্রশ্বসংগী শ্রীপরমানন্দ বিদ্যাগড়,
ব্রশ্বকারী শ্রীনদীধানন্দ, শ্রীপরেশাক্তরর ব্রশ্বকারী, শ্রীধানন্দ ব্রশ্বকারী, শ্রীনিমার্ক ,
চরণ অদিকারী, শ্রীগ্রানিধি প্রা।

(२०) औलक-८गोकी व मठ

আশ্বরনাপ, এক্ষাসার রপার, পুরী। বক্ষক— এক্ষচারী জ্ঞাপর্যোগরী প্রাধানলী। বক্ষরা — এক্ষচারী স্থাবিশিনবিকারী।

> (১১) **জ্ঞাসচিদ্যালক ম**ঠ উদ্ভিশ্বাস্থাত, কউন্দ্য

क्रक--- अक्षात्री जीनशाद र, श्रीवामणव अक्षात्री, जीनाम सर्वतामान मानाति काती।

(२२) ख्रिनमाक्तम-्गोदीत मंडे अनः क्शकीयमभूता, कामी । क्षमकः- क्षम्पानी कृष्णनामो, मिटारेगाम

ব্ৰহ্চারী, শ্রীপঞ্চানন একবাসী।
(২৩) **শ্রিক্তভেক্ত পর্ট** 

जीनृगिरक्शन कुछ, जोनाम वृक्षाक्त। इक्कम-जीनगरिकाण अवनावी

(48) 🗐 शत्रवद्यम् वर्ड

নৈমিবাংশা, দীভাপুত বক্তক—ক্রম্বচায়ী ক্রীনৃদিংসালক ও ক্রম্বচায়ী ক্রীনক্ষ্ণাক। (२०) **श्रीटेड्डडर गोड़**ी स्र सर्छ कुमूतकु**डा**, कितकुडा, सामकुम : कुमूतकुडा, कीतम डीव

८४०वर्षकः । (२७) वहानदमोद्धीन्न मठे

इक्क---अवकारी विश्वनगर्यो, जीनमी-द्यालान अध्यामी

(२५) खाष्ट्रान्त्राक्षां ज्ञान्त्राज्यान-वर्षे

ব্ৰহমণপাড়া, পোঃ নাজু, হাবড়া অগানে বড় পুতন্তি প্ৰাগোধালেয় সেক বস্তমান। বক্ষক---ব্ৰহ্মনী প্ৰীপ্ৰাণস্কুক্ত বাস, ভাক কঞ্চাতৰ।

(২৮) দি**ল্লী গোড়ীয় মত-কাৰ্য্যালৰ** ৫--ং গোপাভবন ডাকার পোন, নিউ দিল্লী রক্তক—এক্ষণারী শ্রীনীয়ক্ত্ব, শ্রীকুগণেশক শ্রীরাধ্যমণ্ডরণশক্ত

(२**>) ८गाम्रामभाका-अभन्नास्त्र** तक्तव----वक्ताती स्रोतगामानम

(৩০) মাজাঙ্গণীয় মঠ
নৰ্গ পোপালগ্ৰেম, কথাপেড্ৰাপ, যাত্ৰাক্ষ
বক্ষৰ—ক্ষিত্ৰখনী শ্ৰীন্ত ক্ৰিয়ান শ্ৰীপৰ
মহাবাৰ, সহকাৰ শ্ৰীপৰিস্থানী শ্ৰীমন্
ভাজি গুন ড জিলাল, শ্ৰীপাদ অগলানন্দ অক্ষানী, শ্ৰীপাদ বেশকীনন্দ্ৰ বক্ষানী। শ্ৰীনাৰ বিভন্তকৰ বক্ষানী ভাজিশালী।

(৩১) ভাষশগোপাল পাট কাঠানপুনি, চান্দা, ম্বীণ হলক-একচারী প্রদেশগানশ



य छन्य

२० जीयत दगोताच ८८१, ८५। चाम नत्राच २००५, २५ व्याग हे हे: ५३०५ स्टब्स । त

180 डम गरमा।

# শাময়িক-প্রসঙ্গ

গত ১০ই আগেট সোমগার দিব্দ বাহ্মদেবপুর ভাতীয় বিভালয়ের প্রাদান শিক্ষক জীয়ুত ধ্বীকেশ চক্ষবর্ত্তী এবং উক গ্রামের ক্রমিলার ও ডাক্তার শ্রীবৃত भूनिनहस्र हजनकी नि, এ, मरशकत्वत চিক্লিয়া আভাগৰতজনানৰ মঠে গ্ৰন भूतिक छणाकार जकाती जीनाम दलाक-নাগজীর নিকট 'মানবের কওঁবা সম্বন্ধে' প্রেশ্ন কবেন। রন্ধারীর্ন, উচ্চাদের প্রশ্নের অপুরাবে উওর প্রদান পুরিক ক্লফর্ডজন্ই যে জীবের একমাত্র কণ্ডবা ভাহা শাল্পবৃদ্ধি-भूत्व की र्छन कतित्व आशहरू वह वित्वव প্রীতি লাভ কনেন।

মাল্লাফের অ্থাসিত 'দি ছিন্দু' পরের २१।१।१२ जातिरथत मः वास मामाक-त्रोदीत মঠের স্বামিজিগণ কর্ত্তক ভূমির অধিকার আহণ সম্বদ্ধে মিমলিশিত বিবরণটি প্রাকালিত ब्हेबाट्ड,---

Madras, July 27. 7. 31.

The Swamijis of Sri Gaudiya Math, North Gopalpuram, celebrated yesterday evening, the occasion of taking possession on behalf of the Math, of the land gifted to the Math, by Mr. Ramchandram I. C. S. son of the late Sir T. Sadasiva Aiyar. The land is the north-eastern portion of the compound of "Moryalaya", Lady Sadasiva Aiyar's residence, and is about six grounds in extent. The swamijis entered it leading

a bhajan party. Swami B. H. Bon Maharaj explained the objects of the Math and stated that they intended erecting a hall soon on the site and call it "Sri Krishna Hall" in pursuance of the wish of Sir T. Sadasiya Aiyar. For the erection of hall and Math buildings they required more land and so they were already purchasing the adjoining 6 grounds on the we-t, making in all 12 grounds. After Nagar Kirtan party and distribution of prasadams the gathering broke up.

ध्यमुनाम । श्राष्ट्रक, २५८न छन्।हे ১৯৩১ নর্গ গোপালপুরম্, শ্রীপোড়ীর মঠের আমিজিগণ গতকলা স্কার মঠেব প্র হইতে প্রলোকগত সার টী, স্দানিব আয়ারেণ পুত্র মি: রাম5ক্রম, আই. সি. এস কর্তৃক প্রাদত্ত ভূমির অধিকার-গ্রহণ-কার্যা মহাসমালোহে স্থেসপার করিয়াছেন। **लिफि मनामित ज्याजातत ''स्मातानव'** নামক বাস-ভবনের উত্তৰ-পূর্ব্ধ অংশে এই ভূমি অবস্থিত এবং পরিমাণে প্রায় ৬ গ্রাইঙ ( धक विषा )। नामीकिशन मःकीश्वनशृत्य এই ভূমিতে প্রবেশ করিয়াছিলেন। ত্রিদণ্ডি-স্বামী শ্রীমন্ত্রকিন্ধনয় বন মহারাগ এতত্বপ नाक मार्कत जिल्ला विद्वार করেন এবং আরও বলেন যে, উছোবা শিন্তই এইম্বানে একটী হল গৃহ নিশ্মাণের ইচ্ছা পোৰণ করিতেছেন, সার টি, সদাশিব আলারের ইচ্ছাতুসারে উক্ত **ংল-গৃহ** "শ্ৰীক্ষ হল" নামে অভিহিত ছইবে। **হল** ও মঠ হর্দ্ধ্য-নিশ্মাণ-কার্য্যে তাঁছারা পুর্বেই 🖟 তব্ব, ধর্ম্বের বিভিন্ন অবস্থা, মানব জীবনের

আবেও ৬ গ্রাইও জমি প্রণোজ হমির পশ্চিমে পরিদ করিয়াছেন। সর্বসাক্রয়ো ১২ প্রাউও (ভূই বিখা) ভূমি নির্দারিত হুইল। নগ্র কীওন সমাপন এবং মহা-প্রেসাদ বিভর্নের প্র সভা ভঙ্গ হয়।

বন্ধবাণী ৩-শে শ্রাবণ ১৭ই আগষ্ট ১৯৩১ তারিখে 🕮 গৌড়ীর মঠের মহোৎসব ও প্রদর্শনী সম্বন্ধে যাতা লিখিচাছেন তাহা নিয়ে প্রকাশিত হুইল,--

গৌডীয়মটে মহোৎপৰ नागवाकादत्र भात्रमाधिक अप्तर्ममी

এলেডীরমঠের বার্ষিক মহামধোংশন আগানী ৬ই ভাল (২ পেআগই) রবিবার দিবস কইতে আরম্ভ হ্টয়া নই আধিন ( > ২শে দেপ্টেম্বর ) রবিধার পর্যান্ত অনুষ্ঠিত इहेट्या উৎস্থ-স্থানে সকলা হরিকথা আলোচনা, শাস্তাদি দাঠ, ব্যাখ্যা, বকুতা ও की उन अइंडि इंडेरन ।

এই উপলক্ষে ২০শে ভারে ( ৬ই দেপ্টেম্বর) রবিবার হইতে (২৩শে সেন্টেম্বর পথান্ত ) কলিকাতা শ্রীগৌড়ীর-মঠের নিকটবর্তী বাগবাঞ্চার দ্রীটের উপর ৰূপোরেসনের বিস্কৃত মাঠে একটি অপুর্বা পারমাথিক প্রদর্শনী খোলা হইবে। সাধা-রণের স্থবিধার নিমিত্ত অন্থগ্রহপূর্বক 'বাগ-বালাব মেটাল ডিপো" নামক তাহাদের বিশ্বত মঠিটাতে এই শিকাপ্রণ প্রদর্শনী থুলে। বার হুলু গ্রেড়ীঃ মঠের ক্তুপক্ষে অনুমতি দিন্ত্ন। গত বৎসর অপেকা অনেক বভ আকাৰে ও স্থলনভাবে প্ৰদৰ্শীৰ ব্যবস্থা হইভেছে। ইহাতে ধর্মের স্ম-

कष्ठता, ভिक्तित विठात, धर्म ६ व्यन्द्रप्रत স্বরূপ বহু প্রকার মৃত্রি ও নানাবিধ কলা কৌশলের ছারা অভি জন্মরভাবে প্রদূরিত ছটবে। জটিশ ধর্মতত্ত্বতি স্বলভাবে *व्यादकत्र द्वादशमा कतिवात सम् चानुन* স্বোগ প্রদত হইনে। প্রভাত প্রভিক্ষ ৭৫০ ঘটিকা ছইতে রাত্রি মঘটিকা প্রায়ে षात (श्रामा श्राकित - हेशत लटन मामान्यन व्यासमाधिकात शांकित सा। क्रम्मीत (काम शायन मुना माई। भकावाय द्यान-দান প্রাথনীয়া

গত ১৩ই আগষ্ট সন্ধ্যকালে পেরিনা क्लानारमत भिः यात्रीञ्चत राष्ट्रम् धकः, **डि**. এদ, এদ, এ, আই, এদ, এদ, পি, এদ্ মতোহয় অনুভবৰৰ্গ সমভিব্যাহাৰে মাদ্রাঞ গোড়ী মঠে গ্ৰম কৰেন এবং ত্ৰিমপ্তিম্বামী **জীমন্বজিনক্ষক জী**ধর মহারাজের জীমুখে শ্রীচৈওস্করিভাষত ব্যাণ্যামণে শ্রীশ্রীচৈতক-দেবের প্রচারিত স্থবিদল স্নাত্ন গল্পেব ক্পা মনোযোগ সহকারে প্রবণ কলেন। পাঠেব আদি ও আত্তে ভক্তরুল ঠাকুর ভক্তিবিনোদ-বিরচিত্ত শ্বণাণ্ডিব গীতি **স্থালভদ্দে কীৰ্তন ক**রেন ৷ বাস্তবস্তোব কথা শ্রবণে ভালারা আভদায় প্রীত হইনা পানলে বিচিত্র মহাপ্রসাদ সন্মান করেন।

ে পত ১০ই আগই তারিগে জিদভিয়ানী मी नीमहों करान क শ্রীধর মহাবার ও নিদ্বিখানী শ্রীমন্ত্রিবঞ্জন ভ্রতিসার गराताक्षत मः कीर्छनमञ्जामर भकी छी। व হরিকণা প্রচারার্থ গমন করিয়াছেন।

# নীলাচলে শ্রীরথাতো নৃত্য

( ~ )

ही नामशील। अ महिसी-विलाएम जीक्रम ্যরূপ যুগপুৎ বন্ধ মৃতিছে প্রকোশমান হট্টা হিলেন, ভদ্রাজভিল নাদনক্ষ জ্ঞীনৌরওজ্ঞ ও ভক্তবাসন। পূৰ্ব কণিতে সেই অচিয়া-म'क अकान भूषक छाट्यक मण्डामारत আপনাকে একই সম্বোদ প্রকাশিত করিলা বাধিনে। প্রোক সম্প্রায়ত কীছনীয়া ङ्क्छ १९३ माम करिएक वाशिक्स, **औ**रतीब-ন্তুন্ত আমাৰ ৫.ডি মেহাধিকাৰণতঃ এথানেই বিশাস করিতেছেন। একই সময়ে ভজ্জীবন্ন ভীক্ষটেত্রমধালভ্সাত अध्यन्धरः न उन कोडन करिएए छन्। 'ब्रह জল্মাথ ও ভারবোল ভারবোলা ধ্বনিতে ্রদশ একাওসত জীনীসাচলকের টলমল করিতেছে। খ্রীমন্মহা পড়ার মহতেপ্রেমানাদ जुलाकाक्षम पर्यान क्षितीमा५४नाथ । अध्याय-দেব বিশ্বিত এইবা বপের গতি বন্ধ করি-লোন। এটা ও দৃহ্য এখানে এক বস্তু इहाल ६ भौनामध्यत व्यभीम नौनारेनिकापुक ত্রট অনুও ওচজের ভাবপ্যা দখসিস্কু **औरभेत्रस्म**ादतः कृषाय त्राष्ट्राः अख्यापनारञ्जत উপলব্ধি হইল। উল্লেটীনন্দনের নহা-সঞ্চান্তন দৰ্শনে ভগ্লাথদেব নিজ রথ স্থগিত বাধিবাছেন। এই অমূভ লীখানাহাত্র্য রাজা প্রভাপকদ্র দৰ্বে বিকিত্চিত কাৰ্যান প্ৰক গুট কথা বলিলেন এবং হওসক্ষেত ছালা সাধাটোৰ ছট্চাণাকে এই জানলবাড। জানাইজেন। কানীমিল কভিলেন,—''রাজা, তেনোর ভাগা অতি কুপ্রসর;" মহাবাজ প্রভাগরত পর্ম হরি-ভিক্ত জিলেন এবং বাজার দীন্তা ও দেবা-বুলি দৰ্শনে জীক্ষটেচ একদেব প্রিভুট কইনা প্রকাদির ভুল্ল ভ রহস্ত নিক্ষরণায় রাজা প্র তাপরালকে ক্ষরতাত করাইবেন। রাজার ्र<sup>भ</sup> डाइ. (इतिथा नार्त्तरङोगः **७ कानाभि**ज्ञ ত প্রস্থাবিত হর্ণালন। সপ্রাস টাট্রাকুক্ত-टेउडक्रमः उधेशकादन दशास्त्राक कीरुंगा-६इरा युक्त करत तरणार्थान

সম্পোন প্রাণপ্রতুর স্থব করিতে লাগিবেন। উজ্জা কন্ডচারিপ্রশিত ইালোরবিপ্রহের बीजगरम सरम्य सरस ८ अम् भारत কারতেছে – সকান্ধ পুলকালেশে রোমাঞ্চিত, द्वापुश्वदः **व्यक्षाकृष्ठ** ए । लाक भीखिर्ड ্রোছাসিত। আপ্রাণ ভীক্রাল্লের ল্লাপরবদ্ধে নেএ**চ্ছ সংযুক্ত ক**বিনা শদ্ধ-প্ৰবাহনৰ প্ৰতিক্ৰিন্দ্ৰ

নমে: পদাং দেবর প্রাক্ষর**হিতার চ**। ভগতি বার ক্ষার গোবিশার **নমে। নমঃ** ॥ া জংগতি ভাগতি দেশো দেশকীনক্ষেছেলেই अर्शः स्वाप्त करम्। त्रुतिस्थः मञ्जूषे १५ । এবনি কম্ভি মেঘ্যামল: কোম্লা**জে**। ভগত জাতি পৃথি দারনালো মুকুল: 📲

अदे (लनकीनमन अ गुक्त इडेन। अहे। वृक्तिनः मधीन क्रक अवयुक्त रहेन। अहे নবক্ষদকান্তি আম কোনল কৃষ্ণ জন্মুক্ত ছউন। পুলিবীর ভারহারী এই মৃকুল काञी मा इकान्।

''জয়তি জননিবাসে। দেবকীজনাবালে। যত্বৰপরিষংকৈদেভিরস্কল্পর্যা হিরচধর্জিনয়ঃ স্থামিত শ্রীমুখেন রজপুরবনিতানাং বদ্ধান কানদেশম ॥

कर्मनगृत (मनकीश्रक क्याश्रहकाति-क्रट्य थाडि, श्क्षित्यत मधाःडि, निष् वर्षिकाता अध्यामानकाती, अध्यत अभगामित পাণবারী, মধুব হাজা মথের ছারা এঞ্চপুর-विन्दान्दरत कामवर्षनकाती क्ष्मारक क्षम যুক হুটন।" আরও বলিলেন,---নাকং নিজো ন চ ন্রপ্তিনাপি।

रेबरका न मराज्ञा

নহেং ধরীন চগৃহগতিনো ধনভো বতিবা। কিন্ত প্রোদর্শিলপ্রমানকপূর্ণামূভারে-র্ব্যাপীভয় : পদক্ষলত,।দাস-দাসামুদ(স: ।।

— কথাং আমি একেণ বা ক্ৰিয় ৰাজানহি। বৈশাবাশুদ নহি, রক্ষারী বা গুল্প নই, বানপ্রজ নই, সরা(সীও নহি; কিন্তু উন্মালিত অৰ্থাৎ স্বংং প্ৰাকাশমান অলয় ৰস্থ, নিখিলপদমানকপুৰ অমৃত্রস-기기 보다 사 প্রকারমণ আক্ষাচ্যের প্র কমবের দাসামুদাস ৷ এইপ্রকার স্থাকা রুত্তি পুরাক পুন: পুন: প্রণাম করিংখছেন। উদ্ভ নৃত্য ও ক্ষরে করিখা মলাত-৬ক্রনং এমণ করিতে লাগিলেন। সলস্ত অজ্ঞার খণ্ড অভি জ্ঞাওভাবে মূর্ণন করিলে অনিচ্ছিত্ৰ অলম্ভ চক্ৰন্থ দৃষ্ট হয়; বাস্থনিক ार। अनुष्ठ ठक नरहा (महेन्नल **डेक** छ नु राकी छनकाती 🖺 मनाशा शकु - এकलनि श्रव হইণাও সক্ষয়নে ব্যাপকভাবে থরিলকিত इटेट्डिइटनन् । উদ্দ छ-नुञा-bक्ष्म 🔻 🕮 भन-মুগল যে যে স্থানে পতিত হইতেছিল তথান সাগর, সকতে, স্থাবর, অক্সমসত ধরিকীদেবী টলমল করিতে লাগিলেন। সেদ, কম্পা, স্থন্থ, বৈৰ্ণা, ्रभक, ख्रांक है जापि व्यमःशा जानावती बीवाल प्रहासिक. কণে কণে সেই রাগাভাবছাভিত্রলিভ হেম্মণ ৩৪ আছাড় পাইয়া ভূমিতে গড়া-গাঁড গাইছেছে। শ্রীমাঞ্চানন্দ প্রান্ত क्ष्मोद्धीत शापनाथ जीनशैनसम्दर्भ भिक বান্ডভার স্কিন্ত ধ্বিতে প্রয়াস পাইতে-ছেন। শ্রীক্ষাবিরহকাতর-চিত্র নিমাই ভূমিতে প্রিল বাপা পাইবেন, এই ভয়ে আন্টোলভা দেবভাগ্নের নিকট প্রাথনা केश्रिक्त.—८३ (भवतान, जामांत जासत मः न कीर्यम्य मिगाईटक ट्यामाता तका कत्। कथन १ (अरु शत्यां कननी क्षत्रात वाक्न बाहिटड के। विश्व के किया बहाटनवीत निक्छे वत हाहिएडम,-मा बहा, जाहाफ

# बीधाय-প्रमङ्ग

# শ্রীটেতশ্য মই

খ্রীতৈতক্ষমঠের অকপ্রতাকরণে খ্রীগোড়ীর মঠ প্রভৃতি শ্রীচৈত্রক্ষমঠ হইতে অভিন 🕮 শুরুপাদপত্ম। । আমার স্থায় সংগানরূপ-ছালসমুক্তে পভিত কামকোণাদি নক্রমকর গারা আজান্ত ছদাসন। নিশীড়িত নিরাজ্ঞা জনগণের পরিত্রাণের জন্মই পতিকেন্ধারণ অগ্রাসলকর শ্রীটেডক্সনঠের আনির্ভাব :

বিভাতশোবিস্করপুর্যাকুলৈ: भाडार छटेगः मङ्चितमङ्ग्राक्टेतः । স্থতৌ হতালং সূত্যানগুদ্ধং শুক্ষা ন প্রায় হি ধাম কুয়সাম্।। ( F(18 315 )

ও আহিজাতা এই ছ-টা সাধুবাজি দিগেরই छन ; किन्दु दहे इतनिह भागात अभागू বাজিগণের নিকট বিগরীত ফল প্রস্ব ক্রিল থাকে। ঐ সকল গুণের ধারা স্থিন বুদ **२ ६३। य** भाग्यान বিবেশ্চান লুপ্ত হয়। স্ত্রাং তালারা অভিযানদৃত্ত হইল মহজ্জনের ভেজ ব' ধাম मनेन कतिए भारत ना।

न गळ देतकुष्ठेकशास्त्र १९५॥ न माध्या ख.शरकाङ्माञ्चाः । न यदा वटकानम्भा वटश्यम्याः স্থয়েশলোকেছিদি ন বৈ স সেব্যভাষ 🖫 ( Tot: 0137120)

'''সেখানে ভোমার নাহি যধের প্রচার। यशः नाहि देवकदक्षरनतः कवडातः। বেখানে ভোষার যাত। মহোৎসর নাই। हेक्टलाक इंडेटल ब डाहा नाहि ठाई ॥"

অভত্রব হে বিপদ্ধানণ বৈক্ষরণণ আপনারা রূপা করুন যেন ই শুরুপাদপ্রা-ভিন্ন জীটেডভানঠের কুলাভিক্ষা রেণুকণা খরপে নিতাকাল নিতানেকাভির 🕮 ওরু পাদপথ্যসেবায় ভীবন উৎসর্গ করিছে পারি।

শ্রীমন্থাগবতে ৪০২৪০৪ টাকার শ্রীল **ठक्दिर्शिन दश्चन.**—

'গুবোঃ সেবায়াং প্রারুত্তঃ শিষাঃ আবণ-কীভন্দীন্দি ভোগান্ ভতুথান্ প্রেমানকান্দি গুলান্ ভগুচিত-বিবিজ্ঞা-ছলম্পি নৈবাপেক্ষত---ই ওক্সেবরৈর মুখেন সর্বসাধ্য দিশ্বগমিত্য-भरमस्या नामिकः।"

পাইমা যণন আমার নিমাই ভূমিতে পড়িয়া যায়, তুমি তপন জোচেড় করিও, নিমাই व्यागात (यन ऋष्कामक मतीरत (नक्नामा পার। ুমই শ্রীপ্রাণ্ডন গৌরংরি আজ निनार शरमायारम भूनः भूनः कृत्रकेष्ठ इकेटक्ट्रहरू ।

# যৎকিঞিৎ

প্রীবৃত ক্ষণ্ডাসাদ দাস অ্ণিকারী मदरानदात शामाम भूकाता हमरकवाक जिल्ला-त्वाख्य गरंकत ञ्रीनिम्बद्धत स्मवाकार्गा गरथहे उर्माइ प्रभा याहेट इस । दिन अतिसाम-गाम्तको छेत्र औमन्त्रित निर्मारनत क्य উভ:পুরেই পঞ্ সংল মুদ্রা আছুকুল্য করিগছেন এবং তাঁহারই প্রস্তানিত ভূমিতে ওঁ নিফুপাদ প্রমাহংস প্রিব্রাঞ্চার্চার্যার্গ্য জ্ঞীনদ্ ভক্তিবিদান্ত সর্বতী গোবামী-🖺 রথ্যাত্রাদিবস ভিস্কি পত্রন করিচাছেন। জীমান্দর নির্মাণের ভঙ্গ ইভোমশেই প্রস্তিনাদি সাগৃহীত হইতেছে धवः जीमिक्सित्त कागा । भागा हरे: গিংচে ' আমরা আশা ক'ি, শ্রীযুত রূক-বিজ্ঞা, তপ্তা, ধন, প্রক্ষবদেহ, গোবন ! পাদাদ বাবুর দেবোংলাহে উক্ত শ্রীনন্দিরের নিম্মাণকাষা সমাপ্ত দেখিতে পাইব।

( > )

( পূর্ল প্রকাশিত ১৪৪ সংখ্যার পর ) জনিশ্বল- (মানন্দ সহকারে) 'বেশ লাই বেশ,—জোৰ উত্তর স্থানে বড় খুনী क'लाग, आमान ९ जे कथा, एरव थूरल भव গুলো কথা বলি। আমি যগন কুল্নেৰ मनग - - मिश्वित ह्यान्तिताय ह'रत दल्या বার কাজ ক'বেছিলাম, তথনও লেগেছি; তা'ছাড়া রণ, জন্মাইমী, 'বন বিহার' 'রাস যাবে৷' সব গুলি পক্ষেই লক্ষ্য ক'রে দেবেছি त्य, त्लारकत काइ इंटि श्वमा कामाव কর্ণরে জন্ম সে সময়ে সহরে অনেক নৃতন न्दन 'नाराको', 'मालाको'त व्यामणनी व्यः আর ভারা যথন আদে ভখন নিয়ে আসে व्यात व्यानात डेन्द्रण क'रत किरत यातात (देण।---'मारणत' कि तकभाति। एकरेन ८६८ १०त क्छ ८तम मी क्रक, ब्राउँक, গোলাপী ফিডে, সাবান, 'কুম্বল কুমুম',---নিজেদের ওয়া সংসারের 'তালছাকা', 'বেলছাকা' মাছণরার বড় শা, 'সুড়ি চালুনী' चाः ना- किक्रभी, जाकांके भाषी 'त्रामाश्री চুড়ি' ইভাগি কভ কি কিনিব কিনে. म्'अन हर्ष्टक द्वारक त्वाकां क'रत, मूर्छ हैं। किए। इत्या याता। त्यन युक्त कर करता বিক্টী বাঁরের দল দেশে কির্ছে। কোন কোন 'বাণাঞ্জী ঠাকুরের' হাতে আণার ২ ৪টে ক'রে 'ইলিশ্' মাছ সুলোনো দে'থে কিজাস। করেছিলাম ওঠাকুর, তুমি না रमनिन इति इति यता कन्न कै।न्ता, लाक-दक कछ छेशासन मिरण, अ चानात कि काछ ! तम तमाम--- 'भूत ছाकता. এकि আমার জ্ঞা নাকিরে, বিভালটা উপোব ক'রে আছে, তুই কি বুঝুৰি পাবও 🕫 कीरनत व्यक्ति नदा कत्र इस, माझ नरेल ভাত পায় না, তার ক্ষক্ত নিক্ষি। ক্রকের জীৰ ভ বটে।"

# গ্রন্থ পরিচয়

# **শ্রীমন্তাগবত**ম

**ভীনবা•দি কফটেগণায়ন নেদব্যান প্রণাত** মূল, ইংসন-মধ্যাচ্যা-ক্তা ভাৎপথ্য-মিশ্রটীকাঃ ইনেল'বহনাথ এক্রবর্ণ हातृत्र-क्रष्ठ मात्रार्थभनिते हैं.का, वशाधनाम, १ ५१ अवर ६ মেট প্রেয় প্রতিপাত ক্থাসার, অন্যায়ের প্রগমে ঐ ক্ষাত্রের সার্য্য শ্বিশ্বত তাৎপ্র্যাদি নির্ভ। লোকস্চী (त्रायक्ष), व्यागाप्रविवत्त्व, लाख ও व्यानकृष्टीत्रह উভ्य कार्ड डेंड्स अकटत मुस्ति। ध्यालम स्ट्रेट ५०म दक्ष পাৰ্ভ ছাপা প্ৰকাপে শেষ এইয়াছে। ভিক্ষা প্ৰাপন্ ११८० क्रेंग क्षेत्र भगाव २.१,०, सम्ब दक्त F3.31 80. 1

# শ্রী শ্রীটেডভার বিভাষত

আনিম্ম 🕩 নোদসকুর রচিত - 'অমূতপ্রবাসভান্য' ইাইনেছভিনিদাও সরস্তা গোখানী প্রাচুপাদ-লিভিত 'অঞ্চান্তা ক্রতি হ'লাগে বল শাস্ত্রজ্ঞাণ সংলিত চইয়া थाका: का क्षेत्राट्य । त्यारकत मात्रम्नापा, वश्राञ्चामः अ প্রভাক পরারের পুরের সংক্ষিপ্ত অভিনের সংযোগিত। প্রাধ্যক অ:)। ছ-প্রাপত্তে কপাসার দেওয়া আতে। স্লোক, প্রার, শ্বন, পান, পান গ্রেষ্ট্রির প্রবৃহৎ কটা ও এছকারের িবছাত জাবনী স্বীখাত এইরপ আচ্ডপুঞ্চ সংখ্রণ উভঃপুঞ্চে কুলাপি প্রাকাশিত হয় নাই। উভয় কাগ্রনে পারিপাটোর গাংগ প্লামেণ্ডে মূলাংশ সূত্রিত কইয়াচে ৷ প্রায় ১২০০ গুৰুষ নাল্ল - ভিগা বভ্ৰমানে **ব**্মাত্ৰ।

## **डि. रेक्ट अ**च्छा चारावड

अध्यादित होनेनी, अधि शतिष्टलत कथामात्र, विच्छ त्रीक्षेत्र अभा, सम्बद्धी, स्वातकती, विभय-स्वान-साळाहि-

হস্কুতে বিবিধ বিধয় স্থালত বিরাট দ্বিতীয় সংস্করণ ध्यम क्राप्टन ए (१६) भाकात । आमिनीमा ७ महान्न किम्मान अवानित व्हेशाएक। क्या क्या अवानित इइएट्रिन। भांत्रम छिका ५ छाका, स्मान शीलात 1:31 = 1

#### **着にたる引き事所**

এই গ্রাপের এরণ অভিনব হুলর সংস্করণ আর কুর্যাপি क्षाकार्त्य के अपने । अरक्षेष्ठ (क्षाकार्यात व्यवस् वास्त्र क्षाक्ष्यात. धाम, क्यामान, एमा आञ्चित्र भर भर वर अवस्थित क्षेत्राध्या भूग (गांठा भगत क्षेत्र क्षांडेन व्याहेलकी डम्भाकात्त काला क्हेबारक। कुला २॥० छाका। अमीका व्यकान ६ (कोट्रीरक्त आहरूशानत मान आक ।। व्यक्ता

# **ঞামন্ত**গণদগাঁতা

-- শ্রীণেড়ীয় বেশ্ববাচায়া অল্যাক্তি র্সিকচ্ডামণি উ.উছিবখনাথ চজাবহিহাক্স গোলামিকতা সারাধন্যিক ট্রিকাস্থেতা ও প্রতিমিট্র জাবলোগ সাক্র-জাগত ব্যাক-अक्षर नामक भागाकामानाहरू । अमाप्तिकृती, माडका काम ्याक-कठी ,विरह-कठी, अह कारतत की वर्गी ७ अवल्यामका प्र ৰচ-ভাওৰাবিধয়-সং উৎস্কৃত বাৰাৰ তুটায় সংখ্যাপু---- ই প্ৰতে এইওে পাৰ্জমাংশ মাজ গুঠীত; জীজীয় গোস্বামী কি প্ৰায়ন্ত ভইনাছে। মূলণ ও কাগজ উৎস্কৃত (২ কাল भरकतरणम् किको २८ होको आद्धः, भाषान्रण भरकत्त--- अ। कार वाद

# শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলী

ও বিষ্ণুপাদ আশ্রীমছন্তিবিদ্যান্তসর্বতী **रिगान्दामा महादारकत ए**वं कविशा । स्वः प्रिमी भीताञ्चलकरणारभविनी तक्क-कार्कामनमाधिनी आतन्त्र तालेख মুক্ত-নিত্রাহ --- বেলংলনি,জাস্কু-বদ্ধমাগার কেন্স্যু ভমবি---স্কুলায় বে চৰ্ববিজ্ঞানাগারের মোশিক তথ্য-নগদরাত্র ও ভাগেওতের প্রশিষ্ক , তথা ও বিষ্ত্যাদিয়ক। প্রতি কলের আন্দিতে । সমগ্র তক —মহামন-ছাবনচ্রিত-শিক্ষক টিবিলাস্চেন্ত্র অচি আত্র-বিচারক— ঐথ্যা ও মাধ্যারদের মোলিক গবেষণার --- नवक, अस्थितत । अ व्यक्ताक्रम अस्त्र निकास-नभूत ।

> ১। প্রথম খণ্ড—বৈক্ষবদশন, ঞী ওঞ্চৰ, কাল ধশা, জীমধ্বাবিভাব, জীবার্বভানবা, পাঞ্চরাত্তিকা দীকা ও বৰণবিচার, আত্মান্ত্র ও মনোংলা, ইটিচভঞ্চের ও ভাহার শিকা, অপ্রাকৃত সহত্বদার ও প্রাকৃত সহজ্বদার প্রভৃতি বিংশতি সংগ্রক রয়ে প্রশোভিত। ভিক্রা মাত্র ৮০ বার আনা।

১। দ্বিভীয়া খণ্ড— उद्घा ও বিদ্যা ভক্তি, মহুদোর **শেষতা কোথার, আছার নিতারত্তি, জীগর স্বামিপাদ ও** মায়াবাদ, জীবোর-নিভ্যানক প্রসঙ্গ, তিবুবের ধলা ও কৃষ্ণ-कीलंब, द्वीतामशृक्षांत्र श्रीमदाशब्दात्र कीलंब, श्राहित-शेरभत महिमा, मदाश्रामाम, द्वीरणातिक, श्रीक्राशाक्षणक्रम-लग, टीमडी वृष्टाक्रमिनी, चीरेड्डक्टब मग्रा, लोतकत्रना ও রক্ষাধীতন--- 5'হুদ্র অপুক্ষ মধুরিমাপুর্ব-বস্কৃত্য-বিভূমিত। ভিক্ষা ১, এক টাকা মাত্র।

 । তৃতীহা খণ্ড—গোকপ্রিয়তা ও স্তাপ্রিকৃতা শ্রীবলদের প্রসন্ধ্য, জ্রাক্তকানিভাব, বৈষ্ণব, শ্রীসীভাদেবীর আবিভাব-প্রদক্ষ, শ্রীমন্ত্রাগবঙ্কে সভা, শ্রীবাদস্কায় শ্রীমন্ত্র-ভাগবতের পুনবারতি, শ্রীনাসস্কাতন ও হরিসেবার নিতাতা — এই ন্যটা স্থাপনিক বক্তভাসখনিত। হিকা ৮০ মাত্র।

## এ মত্ত্বাবদগীতা

গ্রেটিয়া-বৈক্ষবদাশনিক-শেখর জীজীমদ্বলদের বিভা-ভূষণক্ত ভাষা ও শ্রীমছজিবিনোদ ঠাকুরেরপ্রাঞ্জল বল-ভাষায় বিছত 'বিশ্বলন' নামক ভাষ্যুক। অগ্যায়-পুটা, বিষয়স্টা, ও প্রভি মোকের প্রথম ও ভূটায় পাদ স্চা, ভাষ্টকারের জীবনী প্রস্তৃতি সম্বলিত। উৎক্ট বালাই, রাজসংখ্রণ ( তৃতীয় সংখ্রণ ) এছের किका २, छाका।

# **बीमनदी भगभग। शाका**

( व्यभाग्य छ ) माधूनाम । ज्युचि- दुखामि बार्ड ज्यानय-দীপের যে মহিষা কাঁটিত আছে, তাহার মূল সংস্কৃত ও অমুবাদ। ভিলাত আনা।

# ত্রীত্রীনবদ্বীপভাবতর্ক

ब्यादिक भाकतिताम निभिन्त अर्थालय गाउनाता र्गातक्रमात्र स्वत्नामिन्वित्रकः। जिल्ला । आसा ।

## ভজিরত্রকর ও ন্যমীপ পরিক্রমা

জীল এরংরি চল্লবার্ট-হাতৃর রচিত। ভাতরারাকর अकारत अभवशैषधारमत पत्रिक्षमा कतियाकि लाग, काशहे প্রে বিবৃত। ভিজা । ত শানা

# 'শ্লীছেতন্ত্রীশ কায়ত

শ্ৰী ভক্তিবিনোৰ ঠাকুৰ-প্ৰণীত : শ্ৰীচৈতভেইংগতে भिका लगानी:-- क्रम्थ, क्रम्मासि छ तम- वक्र छ गुरू की न--व्यक्तिमः) (इस्र १८७४-१७ ब्र---माध्य-सिर्गग्र---क्षामाचन-१७ व्, ऋष्य-কাণ, আত্মাদির বিচার – বৈবী ভ্রতি, ভাবভ্রিত র প্রেমভিজ্পিত নামভদন-প্রধালী ও অনুকালীয় নীলা-পরিচয়াণি প্রথম শিকাণীর উপনোগা করিচা সরল ভাষার সমুদয় যুক্তিপ্রমাণসহ লিখিত আছে। চতুর সংখর। বংগ २ , টोका, व्यावामा ১५० টाका माज।

# গোডীয়ক্ষ্ঠহার

श्रीरभी श्रीय देवकावशरणत कामुक्रभ कर्छ भातनरमांभा ঞ্জি-পুর্তি-পুরাণ-পঞ্চরাত্রাদি সাহত-শাস্ত্রসমূহের প্রমাণাবলী विषयिष्ठाशक्तरम माध्राम धंपर्छ। एडेक्स टेक्स्पर-সিদ্ধান্তের সারসমন্ত্র অভ্য কুরাণি প্রকাশিত হয় নাই। हेशाट अक्टर-डांग्यट- देवस्य- (भीत- विद्यासन--- कि दिशा-- भाषा छ कि-- वर्ग फ्रं- का श्राम मुक्त माक — श्रीमाम— खार्याकन ९ श्रमान-एव छनि शुपक समारा স্থ্যুত্ৎ স্লোকাদি সভাগ্ৰ উংকট এক্টিক কাগলে বোল ব্ল কালিতে মুদ্রিত, উংক্র বানা সোনার কলে নাম লেগা। তাছ প্রায় ৪০ • পুটায় সম্পূর্ণ। ভিকা ২১ টাকা মাজ।

# **बिन्दबीर्गमाम-अस्थानली**

শ্রীমদভত্তিবিনোদ ঠাকুর রচিত 'ধামমাছাল্ম-পাগ-মাহাত্মোর সাঞ্চলদ প্রমাণ পাও--- জ্রীল নরহরি চক্রবারী ঠাকরের গাম-পরিক্রমাংশ— শ্রীগাম নম্বরীপ পরিক্রমা-ভীপ-যাত্রা পছতি-শ্রীমং প্রবোধাননকত নবগাঁগণ্ডকম-শ্রীমছক্রিবিনোদ গাবুরের শ্রীনববীপ ভাবতরত্ব প্রভৃতি গ্রন্থ কের ভিক্ষা ৮০ আনা মার।

# শ্রীহরিলামায়ত ব্যাকরণ

বীদীৰ গোখানী প্ৰচুপাদ-বিরচিত সূত্র ও বুরি, তংস্তে ওবিফলাদ ভীমন্তিসিভান্ত সর্গতী গোলামী মহারাজের বিপত ভ্যক। ও স্টী প্রস্কৃতি সহ। অপ্রত্যাশিতভাবে ভগ্ন। ভিগা ২, টাকা, ছাত্রগণের भएक आ॰ होका माछ।

#### (वशास्त्रज्ञात

শ্রীমন্ত্রামান্থলাচাগ্য-রচিত। বেলাঞ্চের বিশিইটেবত্রাদ-প্রচারক জীভাষা প্রবেভা আচাষা প্রবর বেদাস্তদর্শন পাটেব উপযোগা কর্ণার্থ এই উল্ল করিয়াছেল। ইঞ্চে পঞ্চলদে ও শ্রীপতাদি সংযোগিত করা হইয়াছে नाम माज किया ॥ अस्या ।

# এটেড ক্রচন্দ্রামূভ ও নগরীপশভক

শ্রেরপায়দ ভিদান্তী শ্রীমং প্রায়েলালন সরস্থাতী প্রাণীত মুল, প্রাদুপাদ শ্রীমদ্ ভভিনিদ্যার সরস্থী পোষামী মহারাজ সল্পাদিত অধ্যম্পে বাংগা ও বজামুবাদ সম্বলিত। নব্দীপশত্কের উভিভিবিনেদে গুকুরের প্রাঞ্চন্ত্র ও ७२मः श्रीमनाशकान्त्र ८की जिब्दाक्षिण प्राक्षीविक हिळ একতে। ভিগা ৮০ জানা, অতি ভর্মা বাদাই স্থান্ধসংখ্যুৰ ১८ होका बाखे।



শীমছক্তিখিলোল সাক্ষা প্রবীত। এই একমার প্রছন বারের জ্ঞান বাজ করিক্ষা পরিমার্থিক বাজাে কিছুতেই জ্ঞান বা প্রথম পাকিবে না। পরম গুড়াশালিবেক এই-ক্ষপানর ও প্রয়েশালী প্রস্ত এ'প্রাস্ত প্রকাশিত কা নাই। নিনিবালোকামি শাল্প মাধ্যালনি মন্তনকলে এই প্রায়ত উপিত হইলাছেন। আবার স্করিপত স্থাী, কপানার ইন্যালি দাবা বিশেষ নমুদ্ধ করা হইলাড়ে। বিরাট প্রস্থ, বোনার জ্লোনাম লোগা, উৎকট বান্ই—চতুর্থ সংকরণ ভিশা ২ টকাে মান।

## প্রেমনিবর্ত্ত

শ্রীমানহাপ্রভূব অন্তর্ম পর্যের জীল জগদানক প্রত্ বির্টিট । এই পুডকে মতি জগণোধ্য ভাষায় মহাপ্রভুৱ ক্তিপর লীলাসহ বৈঞ্চলানের, একদেশা ও নামভ্যনা প্রাণাশী প্রভৃতি মনেক বৈক্তব্যক্তর স্থানিখন। দেখিতে পাইবেন। পান্টীকার ছার্য জানের বিশ্লবেই ও প্রায়ক্তারে প্রভিয়াদি-নম্বনিত সভুই স্করেণ ভিক্তা। ৮০০ মণ আনা নাম।

#### ভঙ্গনরহস্য

ভজনকারীর নিত্রশক্ষা; ধাকুর ভিজিবিনোদের অনুলা; দান ; নিখিল শালের নিধায়ে। এতথানি না দেখা প্রাপ্ত কেছ বুক্তিত পারিবেন না। তুতীর সংখ্রাণ ভিজা ॥•।

## হরিনাম চিল্লামণি

নামান্টাদ্য শ্রীশ হরিকাশ ঠাকুছের মৃথে শ্রীমন্নহাপ্রত্ শ্রীনাম-মাহাস্ক্রা, নামাভাব, নানাপরাধ প্রভৃতি বিবদের ধারতীয় বিভার শ্রশণ কবিরাভিলেন। এই বিনয়গুলির শ্রতি সরল পরারে মংক্রিপ্ত শ্রশোনহ পরিপাটিভাবে মৃত্রিত। শ্রীল ভবিবনাদ ঠাকুর-রভিত। প্রক্রা স্ক্রের ভিক্যা দ্ব

#### কল্যাপকল্বভক্

শ্রীনন্ধ কিবিনোল ঠাকুর-রতিত। প্রত্যেক ভগবদ্বিশ্বাসী ও জ্ঞানপপের পপিকের একান্ত প্রয়োগলীয়
উপনেশাবলীপূর্ণ গাঁতিপ্রস্থা। সামাত্র কোপাপড়া-জানা
শোকেও এই ভগনরাজ্যের গাঁতিসমূদের দারা জনগনিবৃত্তি
ও ভগবিংসেরা শাভ করিবার স্থাবিরা পাইবেন। মন্ত
সংক্ষরণ, ভিক্তা সতি জ্ঞানা মাত্র।

# শরণাগতি

শ্রীনন্ধ তি বিনোল ঠাকর-সভিত। ভগবানে আল্লম্পণি, বিজ্ঞা, ভগনবালনা, বড়্বিধা শর্ণাগতি ও নিদ্ধি-লালনা। বিষয়ক বীতিপুণ, তিকা ৴ে আনা মাত্র।

## ग्रीडायली

জ্ঞীঠাকুর ভঞ্জিবিনোদ-প্রবীত। নিত্য ভঙ্গন, আরাজিক ও প্রবাদ-বেষনাদি-বিষয়ক মধুর গাঁতসমূদ একত্রে প্রথিত। ভিকা /• সানা মাজ।

# সাম্বন্ধ্?।

শ্রীমন্ত্রাপ্তানুর শিক্ষা ও শ্রীণ রখ্নাথ দাস গোস্বামীর প্রতি শ্রীকপ গোস্বামীর উপদেশবাধী, ভক্তিপথের অন্তর্কুল ও প্রতিকৃত্য বিশ্বে প্রবিচারিত সন্মোদন ভাগা, বিস্তৃত বির্ভি, চরিতামূতের প্রমাণ, সাধ্য ব্যাথায় ও মহাজন প্রণীত ভত্তপ্রাগী গাঁতমমূহ প্রত্যেক শ্লোকের সভিত্য স্থিবেশিত ইইগাড়ে। তা সংক্ষণ ভিশ্বানা।

#### সাগল-কণ

শীরশুনাথ দাস প্রেল্লামীর মনঃশিক্ষা, শীল সাক্ষ্ <sup>২</sup>্টাক মার । ভিকিবনের-ডারিড পঞ্জিবার-জান । ভিকাস • আনা ।

# প্রেম ভব্দি চব্দিক।

জীল ঠাকুৰ নৱেভেনের তপ্রসিক প্রেমভিজিবিধয়ক গানের প্রকা। ভিকা∴• জানামান্ত।

#### নগৰী পশ চক

শ্রীশ সাত্র ভিতিবন্দের ভিত্ত শ্রীশ প্রবোধানন সরস্থাপানের সংগ্রহ নার্থীপ্রহকের তুর্গণিত প্রাভ্রান । দিকা সান্ধান

## 型矿억钟布

জীল লোকাচাটা প্রভিত্য - বৈক্ষণতা-ভানের আকর পুতক্য ভিজাত- আন্যায়ন্ত্র।

#### **সদাচারম্মতি**

্রীক মধ্বচেগ্যে-প্রগাত। বৈক্রবের নিত্রক্তাদি সদাচার বলী, বঙ্গাম্পাদ বভিত। ভিজা ৴৽ মানা মাত্র।

#### মণিমঞ্জী

কবিকুগকেশরী শ্রীমন্তার্লাচারে রিভিত্র শ্রীমন্ত্রিক চার্টের স্বাধিক জীবন্দীলা ও মুগ বৈ এবপঞ্জমত সাঞ্চর্দ ভিজা। তামনা মতে।

## (भोतक्र स्थापन

প্রাতীন কবি ইটিগোবিলালের প্রবাত ইটিগোরিরে হারের । প্রমাণ্যেরী সংব্রিত সংস্কৃত হছে। তিলা ৮০ মানা।

## युक्तिमद्भिक। स्वरतीव्रध।

শীনধ্বসম্প্রদায়াস্থাত শীন্ধানিরাক স্থানিরত। বস্থাগরে
বাস্ত্রবাদ এই প্রন্তের প্রকাশ পরেনাধিক গাড়িত। গণতে
এই সক্ষপ্রথম। শীন্মাধ্বচিয়া এইতে বোদ্ধার্থন বেতায়
নাধ্বচার্যা নামে খ্যাত শীনাদিরাজাতীর্থ স্থানা এই প্রতে
স্বাধারণ গুক্তি ও গৌকিক স্থায়াস্থারে কিন্নপ স্থান্ধরভাবে
ভিকিবিরোধি-নত্রাদি সমূহ প্রন ক্রিয়াছে, ভাষা পাই
করিতে করিতে আশ্চন্যান্থিত চহতে হয়। ইহাতে যুক্তির
বাস্থা চার্থনিক, বৈদন, সৌনাংযক ও মায়াবাদিমতসমূহের স্থান প্রনার বিয়াতে। ভিকা ২ টাকা মান্ত্র।

## भाषायी औन त्रमाथ पात्र

( বঁ বিকুপাৰ জীল ভাজিবিভাৱ সর্বভী গোৰামা কাগল, মুল্ল প্রভুগান-লিখিত ভূমিকা সহ ) গৌরগ্রেড ব্যৱপ-রূপের এই প্রকার ই কেমাত্র প্রিভানত জীল দাস গোৰামী প্রভুর অপুরু পেবিভে পাই চরিভানত ও শিক্ষা অতীব প্রাশ্বল ও সর্ব ভাষার স্ত্রিবিঠ টাকা মাত্র। এবং প্রিশিটে দাসগোৰামী প্রভুর বির্তিত ক্রেক্টা সাম্বাদ মধুরতম প্রব ও মনঃশিক্ষা-স্থলিত। জিক্ষা

# চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাচীন নবরীপের অবন্ধিতি, তথা, ঐতিহা, শ্রেতি ও ঐতিহাসিক প্রানাণসংলিত নয়তী দীপের সচিত বিবরণ-গ্রন্থ। রাজ্যি রাওসাহের কুমার শ্রীণুক্ত শর্মিন্দু নারারণ রার এম. এ, প্রাক্ত লোহোর), বেলাস্কভ্যণ মহোলয় করুক সঞ্চলিত এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন বর্ণের অপুন্ধ চিত্র ও মান্চিত্র-সমন্তিত; প্রাচ্যবিদ্যামহাণ্য রাম সাহেব শ্রীণুক্ত নগ্রেক নাল বক্ত বিশ্বকোনসম্পাদক মহাশ্রের বিশ্বত ভূমিকা সহ। উংক্রে ইং) মরকো বালাই মূল্য ১॥০, ভি: পি: তে ১, টাক নাল।

# সাপক-কণ্ঠমালা

গুলবন্দনা, বৈশ্বস্থান্দনা, বৈশ্ববশ্বর, সাংগ্রের গাঁড,
নিন্দান্ট, শ্রীন্মবংগ্রের অবস্থান্ত্র নাম, জঠপ্রার
নামকাজন, শ্রীন্মবার্থান্ত্র, বেলার্থানি, বাউলবর্ষান্ত,
নবর্বাপন্যহিনা, শ্রীন্মার্থার মহিনা, শ্রীন্ধোর্ম-প্রত্র অইক
আহ্বাধান্ত্রনা, মহ্পার্থানি অইক, প্রেমভারিক জিকা,
উপরেশ্যালা নামভ্রন প্রেপ্তার্থানি অইক, প্রেমভারিক জিকা,
বিশ্বাধান্ত্রনা, নামভ্রন প্রেপ্তার্থানি, মহাপ্রের কর্পার্থানিক
বিশ্বাধান্ত্রনা প্রাক্তি ভূলনাম্পারে করে অহুজন করে
ব্রেপ্তার্থানিক অর্থানি ভূলনাম্পারে করে অহুজন করে
ব্রেপ্তার্থানিক প্রস্থানিক ভূলনাম্পার করে অহুজন করে

## গোডায়-গোৱৰ

ক্ষিকাতার প্রধানক আগেনটে হলে বৈশ্বনীয় সন্দর্গক ইপিনে অনুস্থানক প্রবিদ্যাবিনার প্রদান সভাগর বিনয় গঙাকাবে প্রকাশিত। ইতাতে কোটোয় বৈশ্বনগ্রন্থার ইতিগ্রাস্থানারে প্রসিত হইয়াতে । ভিকাশে নেত্যা

## গোড়ায় সাহিত্য

কলিক ভারে হাজনিতি আলবার্ট হবে বেগার্ডীয় সম্প্রান্ধক এইপান হাজনামন্দ্র প্রতিষ্ঠা বিন্যালপ্রভাগ প্রান্ধ বকু ভার বিভাগ গ্রহার প্রকাশিত। ইহানে স্বাহিত্য বহুদর অর্থ এবং নেট্ডায়-সাহিত্যের বিভাগ ক্রকারে ট্রিট হইয়াতে। ভিন্ন নিত্র আল্যামনে।

# শ্রীগৌড়মণুল পরিক্রম:নর্পণ

শ্রীনো জনেশের যে সকল প্রানে নগারিকর শ্রীমন্মতা প্রত্বাত করুবা প্রবাদী সহাজনাশ লালা কারিবা গিয়াছেন,
শ্রীমন আধুনিক ভোগোশিক প্রিচয় ও দেবারপ্রভানির
প্রিচয় সভাযা ভাষাতের প্রানা চানজেশ ইত্যালি নিন্ম গ্রীজ স্মিনিশিত আতে চ্লিক্স ভাষানা চ

# THE HARMONIST

## OR SHREE SAJJANATOSHANI

নীল ইাকুর ভজিনিনাদ-প্রতিষ্ঠিত এখা শ্রীণ ভজিনিষ্ঠানরস্থতী গোস্থামী প্রত্যাদ সম্পাদিত পার্মান্তিক মাদিক পর । একণে ইংরারী ভাষার অইাবিংশ নর্বে ভনকজাউন ৮ পেলী ৪ কন্মা আকারে প্রান্তি বারে হরিনামের বিজন-বৈজয়র্থী অইলা উন্নতিত হইতেতেন কালল, মূদ্রণ-পারিপাটা ও চিজানি আহার চিলাক্ষক। এই প্রকার উৎক্রই প্রবন্ধ আর কোন মানিক প্রাণিতে দেখিতে পাইবেন না। বানিক ভিকা ভাকমান্ত্রশন্ত এই টাকা মাল।

## প্রাধিত্বান-

चिटिक्क्यम्बः त्याः ख्रीमाद्यायव महोत्रा

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

# (थाना इरेक्षाट्ड।

অভিতর ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছা প্রদিগকে
আঠি শহের পহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন।
বিদেশী ভাতগণের জন্য বিনা ব্যায়ে সুন্দর বাসন্থানের
বন্দোবস্ত চইয়াছে। ছান অতীব প্রাহ্যকর।

সনিস্তার স বাদের ভন্ত নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন।

শৈক্ষেভারী, ভারুত্ব ভারতিবিন্দোদ ইন্টিটিউট্
শীচেডভাষঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদায়া।

# —৫১ বংশরের প্রতিষ্ঠিত—

ভিন্নপালেরে প্রস্তাত বাতীকা বাংশ ওফ্লভারণা, স্পালেষ, পোট্ট কাঠিয়, অসীণ, ধ্রজভল প্রভৃতি ক্ত বোগীর বোগ নিরাময় হইয়াহে ভাগা প্রকাশ করিশে বড় বড় প্রক হইলা পড়েঃ

# हेड्य

সকল অচুতে বাৰভার চলে ও সমান ফল প্রেণান করিয়া থাকে। প্রতি ভৌটাক্স-০২টী ধটাকা থাকে।

## **८क्वनमा**ज

ঞ্চিকোটার মূল। ১০ এক টাকা। ইণার নাম **'আভিজনিঞাহ** ব**টাকা**'।

ষ্ণৱাল্প উবণের তালিকার জন্ত পত্র নিধিনেই পাইবেন আধিদান :—ত্যা তঞ্জনিপ্তাহ 'উল্লেখাল'র ২১৪ মং বরণাখার উঠ, কলিকাডা

# ক্ৰিরাজ শশিভূষণ ক্বিক্ঠাভরণের



মকঃখলের অ্বধার জন্ত ৬ আঃ লিলিতে ঘনীভূত অবস্থার চোটবোকলের াসমণা উবধ ভাকে পাঠান লয়, ইলাভে উবধের কোন পরিবর্তন করা লয় নাই। মুণা তৈছি লিলি ৪০ আনা, পাইট ৮০ - আনা, বোভল ১০০ আনা।

অফিস-১১নং উক্টাডালা রোড, পোঃ শ্যামবাজার, কলিকাতা

# শ্রীভাগৰত প্রেস গোয়াড়ী হাই**ট্রা**ট

## কুম্বলগর

এখানের বিবাহের নিমন্ত্রণ-পত্র, শ্রীভি-উপহার, কার্ড, গ্রন্থ এবং অভান্ত বাবতীর কার্ব্য চাপা হইয়া থাকে। চাপার দর বাজার দর অশেকা স্থলত। প্রীক্ষা প্রার্থনীর।

# হাইড্রোসিল

ব

# কোষরদ্ধি রোগ

ডাঃ এস্, এন্, ঘোৰ বিনা অল্পে, বাৰজীবনের গ্যারাটি বিয়া বৈদ্যাভিক অপাণাডে কোববৃদ্ধি স্নোপ আবোধা কবিলা থাকেন।

ঠিকানা---১৮ নং কটন ব্ৰীট, বছবাজায়,
তালকাৰা।

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

# . দৈৰপ্ৰাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

# পদর দিলে সম্পূর্ণ আরোগ্য

বোগী দেপাইতে হলবে। অগিম দাণের গরচ (যাওরা এবং আসার)
গাঠাইলো গায়া রোগী দেশা হয় অথবা এখানে আগিলে বোগী দেখিরা
উন্ধ দেওৱা হয় আরোগ্য না হল্প। প্রাপ্ত গাঠিলামার দিতে হলবেশা।
গানী রোগীদের খার্ড বছন ক্রবিধা ডিকিংদা করা হয়। গিছারিছ
গিবলেব হস্ত হক অগ্নাস ডাক টিকেট সহ নিয়া উকান্য অভ্যান্ত

ন্দ্রীকৈতীপচন্দ্র উকীপ, যক্ষা-চিকিৎসক, োঃ নৈকারী, বাজ্পাপ। অপবা নিম্ন ঠিকানার সাক্ষাৎ করিয়া যিন্তারিত কানিজে পালেন।

ইংযুত রামগোপাল দস্ত এম্, এ, ক্লঞ্চলার, নদীরা। ঐত্ত ভরিপদ সিত্ত, ১১৭. বেশিরটেটালা খ্লীট, হাটখোলা, কলিকান্তা।

একখানি পতা! সামার আতৃপুত্র গড ছয় মাদ বাদৎ রাজ হল্মার ভূগিরা মৃতপ্রার চইরাছিল, কলিকাডার বিজ্ঞ চিকিৎসক্ষণ ভাগের ভীবনের আশা ভাগে করিয়া শেব মৃতুর্ত্তের জল্ল অপেক্ষা করিছেছিলেন এই সমর শ্রীবৃত কিতীশচন্দ্র উকিল মহাশর মাত্র ১০ দিন চিকিৎসা ভরিরা সম্পূর্ণ আরোগা করিয়া দিয়াছেন। (সাঃ) শ্রীবৃত্তীক্ত কিশোর বার চৌধুরী (জমিদার পালিয়া) হগুইাট্, নিউ বিভিং। করপোরেশন বিটিং ডিপা টমেন্ট, কলিকাডা।

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

গৌরাব্দ ৪৪৫

बाज 🗸 > ॰ फाकिटिक हे भार्ता है दिन है वृक्त भारते शार्तान हता।

ম্যানেকার-গ্রন্থরিভাগ জ্রীচেত্রশ্রম্য, পো: শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

কেন গ্রাহকগণ

# গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

<u>—কার</u>ল—

বিবাহের নিমন্ত্রণ পত্র, কার্ড, বিবাহের পছাই বলুন,

আর ৩ রং ও ৪ রংএর হাফটোন রক্ষিকল্ন, সকল কাষ্টি অভি সম্বর ছাপা হয়, অথচ ছাপাইবার খর্চ সাজার অপেকা তুলভ।

আপনার কিছু ছাপার কার্যা থাকিলে নিম্নঠিকানায় জানাইলেই দর পাইবেন।

> ম্যানেনার- গোড়ীয় প্রিণ্টিৎ ওয়ার্ক্রস্ ২৪৩২ নং নাগার সাবস্কুণার হোড, কলিকার

# বারাকপুরে জনসভা

বারাকপুর হঠতে প্রকাশ যে, গ্র ১৬ই মাগ্র বিনোদ বাবুর বাজারে 🕮 गৃত জগ্লাথগ্রাদ সিংহ এক সালারণ সভার অনিবেশনে সভাগতি ভিবেন। মোজার আঁবুত চুড়ামণি ঘোষ ও বিভৃতিভূষণ ·ভট্টার্ঘা বক্ততা-প্রেমকে হিন্দুদ্গিকে गज्यत्य बहेगा किलात्मत यस भः अने অনিকারগুলি রকা করিতে অনুরোধ कतिगाष्ट्रिणन । 'नामछी भूकतिनी' अधि-কার কবিয়া জিন্দুদের ঘশ্ম সংক্রাপ্ত অনিকারে ও অভারলি বাছারের শিব-মন্দিবের অধিকারের একটি বাগানে ष्ययभा इष्टरक्षत्र कत्राप्त, एहे मखा का। के। মেণ্ট ব্যেজের নিন্দা করিয়া এক প্রস্তাব গ্রহণ কবেন ও এই দেবোন্তর সম্পত্তির क्रिकात अञ्च देशात्रत्र होष्टिश्यटक अञ्चलाम করেন। আর এক প্রস্তাবে এই সভা ट्याप्टक ब्रहे भश्रदक दिव्यक्ता क्रियात क छ। दक गांग गुगग्न (पन।

# রেলপথে ছুর্ঘটনা

রালবাড়ী হটতে প্রকাশ যে, গত २६हे जाराहे (नक्ष) व्याप्त छ्टेडेरव मध्य গোয়াখন লাইনে রাজবাড়ীর প্রথম मुन्निक आनामाराज्य स्मारतस्थानात स्थिप् র্ম্যেচল কলের অংখ্রীয় ২২ বংশর প্রথ যবক উপেশ্রনাথ সরকার একটি থালি ট্রেল চাপা পড়িয়া যান। গাড়াটি তথন माजीवन नागाहेश याजीचारहे कितिया যাইভেছিল। প্রকাশ, গাড়ীর একটি (थ(ल) मत्रकात महिष्ठ डेल्पळ वानुत ড়ি;ন ছা ভাটির 打御 লাগ্যয় প্ডিয়া যান এক উরু পর্যান্ত উলোর छुट्छि भा ठाक। छ लाइरनव मस्म भिक्षा প্রায় পা এইটা দেই ইইটে প্রায় বিভিন্ন হট্যা বিষাভিত। তাহার পিতা ও অল वर्षः भन्ना वर्षमान ।

## ধন্য (রা সাহায়ের ব্যবস্থা

२ १ मान्द्रे म ग्राह्म कारमहितान লাইরেটতে বাজ্যাহী বল্লা সাহায্য-স্মিতির মাত্রেশ্য লাটেরে মহকুমার অভূগত ওলনাবপুৰ ও দারীলাম পানার তলাকাদীন বভাগেবিত লকলে দাহায্য ल्लाहरमञ्जू करा कात ७ २००० प्रश्नुत कता इया 'क्का ८२'क । अत्रकारत विक्र कारिकास प्रशासिकारम ५४००० छ ७०००० ल्यमान कतितात ५ वा लार्थना कता નહા વિસ્ત છ হানসমূহে निष्ठतरात कल मगढ वर्ष गारहाल माहाया-मिशिका करल अमध करान ।

# আশ্রম কর্মীর কারাদণ্ড

नुष्कन नित्नी इहेट्ड ध्वकां । द्य, नारतनात গান্ধী সেবা-আশ্রমের ডাঃ রামক্ষ্ণ ১৫ই বৈংক বক্ষন করিবার শিদ্ধাতে উপনীত আগাই অভিরিক্ত জিলা ম্যাহিট্রেট কর্তৃক ংক বংগর ভাগভাবে থাকিবার জন্ত : কাণ্যবিধির ১০৮ দারা অন্ধুগারে ভাঁছতেক ৫ শত টাকা হিনাবে ছইটা ভাষীন দিয়েত इंट्रेंटन ।

ডাঃ রামকুক জামীন দিতে অর্থাকার করায় এক বংসরের বিনাশম কার্দেতে দ্ভিত হইথাছেন। তাঁহাকে বি, সেণীতে রাখিবার আদেশ দেওয়া হইয়াতে ।

# কানপুরে বোমা প্রাপ্তির জের

গঙ্গার দেভর উপবে বোমাপ্রাণ্ডি সম্পর্কে থানাংলাগী করিয়া প্রালস कानिएक भाविषादक त्य. छेक कात्या गएको महरतम्र अधवर्षक जनवामि काछेत्र 🤄 नावक्रष्ट इक्षेत्राहिल। महत्रमञ्जू द्वाराम বাতীত ঘটনার সময়ে উক্ত মোটরে वारकोत रभाभीकियन बारवाना इन प्रति কনৌন বিভাগদের ছাত্র স্বালকুমার ভরফে ছোটেলাল উপিছিত ছিল। রাজ-প্রতিনিধির আগমনের সহিত ইচারা: मर्श्रिष्ठे किना दम क्याप मत्ल्य त्रविद्याद्य । শরকারী কর্মচারীদের ভদস্তের ফলে আর कान मः वाम कानिएक भावा यात्र नारे।

## (वाषाहे विषविमानम

১৭ই আগ্র বোদাই বিশ্ববিস্থাশয়ের ८क निर्मित्र উপाधि-निष्ठत्रेषी मञ्जात मात्र নীদেশা মেলা বিশ্বস্থায়ায়, চক্রশেষর, (नक्ष्म) त्रमण, अवः ८०, ८०, ८मली८क 'ডক্টর অবলি' উপাধি প্রদান করা হয়। विश्वविना क्ट्राइ উপাদি-বিতর্ণী-হলে गणा ।। त्यानत ताबाहरमत अवस्मी नाउ সার আর্ণেষ্ট হাসিন সভাপতির আগন এচণ করেন। ভাইস্চাজেলার মি: নেকেজিং ভাগদিগকে ডিগ্রি প্রদান ্নামক স্থানের নেবল সম্প্রদায়ের ৮ জন करत्रम अवर ८४इ धामरक छोड्रारमत् क्रिक्ति निस्त्र क्रिल्लथ करतन।

প্রকাশ, এই ডিগ্রি গত ১১ বংসর উক্ত বিশ্ববিভালয় চইতে আরু কাচাকেও ध्यभञ्ज अत्र नाहे। विश्वविद्यालस्त्रत्र व्याप्त-**इडेग़** किन्।

পরে ক্যাস্ফী কাছাঙ্গীর হলে সার াকটারমণ . "রেডিয়েশন" স**ল্লে** এক वङ्गाडा (समा। (वाषाई गाउँ वी मछाप्रव সভাপতিত করেন। সেগানেও কড়া পুলিস পাহারার ব্যবস্থা হট্যাছিল।

# কংবোস সিম্বাজে হভানা

कः छात्र अधाकिः क्रिकी (भागाउँ विम হওয়ায় লক্ষোতে বিশেষ হতাশা দেখা भिद्राट्य ।

टेटडांगरा ১**०३ व्यान**हे मकाश काडीय নেব'সভেবর কাগনিকাছক সমিভির একটি সভায় কাণাককরের রাজা সভাপতির ष्यागम शहन कतियाहित्सम । गहन्दमन्ते **७**वर विस्मय कतिया स्वाबाहरमञ्जूष भात कार्ष्ट करेमरमत रा मरनाकारकत करण राजरहेविया रेत्र्रक मन्त्राभक्षतक-ভাবে কংগ্রেগের প্রতিনিধি প্রেরণ সম্ভব ध्राष्ट्राक्ष ना, मन्त्राय खाठात खाठियाम করিয়া সক্ষসন্মতিক্রামে একটি প্রস্তাব श्री ८ इटेग्राए७ ।

सत्कावी कथाठावीटमत व्यरह्यायदासक भग्गा जारनेत्र करण मध्याम यपि स्थापात আরিও হয়, ভেজ্ঞ নজ্মের সদ্যাগণ গানীজীব আনশ পালনের ছন্তা শীন্ত প্রস্তুত হইতে পারিবেন ব্রিয়া আশ্র भित्राद्यम् ।

# মুগীগভে হিম্মু সভা

গত তেই আগঠ বিশিও চিন্দের এক সভায় কাৰ্য্যনিকাহক সমিভিন্থ একটি হিন্দু-সভা পঠিভ হয়াছে। উদাল ইয়েভ হেমচল সেন ও আগুত নকুলেখন দাসভগু যথাজনে সভাপতি ও সম্পাদক নিকাচিত হটয়াভিল। তিন্দুসভার স্থানায় লাখাটি কাল্যানির সভ্যাগ্রহ-সংক্রান্ত দলীয় গোল-त्यारशत करण जाकिया त्यख्या रहेश-

# খেতাসেবকগণের বিরুদ্ধে প্রহারের অভিযোগ

সালেম হইতে প্রকাশ যে, গুগাই त्यकारभवरकत भिक्षाक **का**कारमत मुख्य-मात्रक जक नाकित्क गछ ३३४ साग्रह ভারিখে মারনিট করিবার অপরাদে অভিযুক্ত করা হইয়াছে। প্রকাশ, ভাড়িপান করিবার বিরুদ্ধে যে ব্যবস্থা व्यवसम कता ६३, ए हा ७५ कतिनात्र অজুহাতে ঐ ব্যক্তিকে প্রহার করা হইয়া-हिन ।

## एक दलवर १८ अत्र काममा कार्रा

गार्थात क्टेट्ड क्षाकान (य. मश्रान में एगन गांगलात जानांगी भरकत नानिः টাবের অনুবেংশের ফলে অন্সন্কারী আসামীগণ ও শুক্ষেবরাল অন্দ্র ভঙ্গ कतिगाद्यम । जीवात्रा छक्ष ६ त्रास्ता भान করিয়াছেন। তথাতা বশতঃ আস্থ্রীরণ व्यामानाङ शक्तित्र हटेट्ड शास्त्रन नाहे, দেশত মানলার জনানী হুগিত ভিল।

# डाकाटलब क्या शूब्रकात (चायना

ঢাকা হইতে প্রকাশ যে, সম্প্রতি (छानाभत्रेत्र एमामना कत्रा भहेगार्फ (य एकिएमण व्याग्रहे मियारगारक महस्त्रत মধ্যে সশন্ধ ভাকাতি করিয়া নেড়াইতেছে। णांशास्त्र त्वालात्त्र डेल्याकी मध्यान थानारनत *क स्त्र ६००* । ठोका श्रवकात ल्यान कता बहुत्त।

# সাভাড়র বাড়ীতে ডাকাভি

আনুত পুষর বাগতি নানক একছন প্রমিশ্ব সাভাড়ুর বাড়ীতে সেদ্নি হলন लाक उपद्रिष्ठ व्हेया व्य स्मानेया व गड **টাকা ভাকালী कतिश बहेश आ**शिश-किया। एड मण्डल श्रीयम शिकाती भाषक এক ব্যক্তির মন্ধান করিতেছিল। পিয়ারী माहिद्देर्देश निक्रं आश्चामर्थन कार्य-য়াছে ৷ অপর আগামী ছলাল নিংকে भिन्न करेनक देनस्थलेख (मधुशावादात ইতে গ্রেপ্তার করিরাছিলেন। শেষেক वाकि वामित्न वालान नाहेबाट ।

# আসামীর প্রায়েপবেশন

नुष्टन भिन्नी **३३८७ क्षकाम (य, लारश**त मामनात क्षांत्रामस्यमनकाती আমানীগণের প্রতি সহামুভূতি প্রকাশ कित्रवात करू मिली भड़रक मामनात श्वकती প্রামুপ ভিনভন আসামী প্রায়োপবেশন व्यात्रष्ठ क त्रियाद्यम् । ংশস্তরী পায়ং चामाग्रास्ट क्रें क्या विष्ठात्रक्त्र निक्षे প্রকাশ করেন।

# মিশনারীর অর্থণও

বহুরমপুর মিউনিশিশ্যাণিটীর চেরার-भारतम् आरमरण ग्रहनिर्मारणम् **मण घरे**वसः ভাবে সাধারণের গমনাগমনের রাজা इट्टें शिक्षका अंग्राम् अनुसार्य मुख्य মিশনারী দোদাইটার ডাক্তার দি, এইচ होतमनर्गाक (अधात कता ह्या > ४ हे चागाह करवन्छ भाषिदद्वेष भिशात चारम बारे मि, अभित्र अवनाम छारांत्र मामनात क्रमानी ब्रहेश िशास्त्र । भाकिरहें है डीहाटक यमाग्र मिडेनिशिशाण आहेरनत भाजाञ्याती २० वर्षमध्य मध्य क्षित्र। CEH 1

COTH-

व्यागाय हार DIFFIR यात होक 🥍 DIG 408 P 44 AND 48. र्भाष क्लाब ३, अस्मिद्र गाउ

4 (B) (F)



मागरबार कात 明 知 (明 नाधिक 🔊 वाणाधिक ८. 7.941 FAR ="40 মাসিক 🌭 ANICA क्षणि माना। व

ভারতের সর্কতা বছল-প্রচার--- দীয়া জেলার এক মাত মুখ্পত

৬৪ পর ]

সম্পাদক—শ্রীঅতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি

38৬তম সংখ্যা

শ্রীটেডভাষঠ শ্রীশাম মায়াপুর∸৫ই ভাজ শনিবার, ১৩০৮, ২২লে আগষ্ট ১৯৩১

# নানা কথা ७৮ करमञ्ज बीभा छत्र ও ईरेक्टनद युष्टामध

्रशातास्त्रका विटम्प कटकत विछाद नित्राह मन्त्रदेव इहेबन चानाबीत बृद्धान क ত্বং ৩৮ জনের বাবজ্ঞীবন দীপান্তর हरुयादक्ष । इंशायत्र मदश व्यक्तन कृती वाद्धा ३० वस बालाम शहिए। एक ।

# माजाञ्चकानिएड ८ मार्घ पून

সংবাদশভাদ বশোহর হইতে প্রকাশ (१, गव्यकि इतिशाक् अ थागात नातामग काली आध्यक करेनका मुन्तमान विभवा ও ভাতার কভাবে মৃত অবস্থার দেখিতে পাভয়া যায়। মৃত্যুর কারণ এখনও অক্সান্ত। ভোর পুলিশ তদন্ত চলিতেছে।

# मानगढ्य पूर्वे भक्त है। कात्र क्षधंदार क्षश्रह

मान्धर क्यात व्यक्षतंत्र तत्र थानात অনীন ছবিপুর আমে ভাকাভগণ লাঠি ও লা শইনা ঈশান কফিণের বাড়ী চড়াও कतिका घरेल्ड ठाकात अनकात नहेगा বিয়োছে। পুলিশ ভগস্ত করিছেছে।

# विमालपुरत जनगंभात्रर्भत লোচনীয় অবস্থা

নবানগঞ্জ এবং খোৱাঘাট পানাক বিভিন্ন অঞ্চলে ছুড়িক প্ৰাৰুলভাবে দেখা দিয়াকে ৷ তাহার দলে বহু লোক খনা-शास्त्र भाषा वादेश्यकः। वन्नमीवात्रात्रम कामका पूर्वे (११६नीया कामिनाबरनम

# . কংগ্রেসকর্মীর অকাল মৃত্যু

অহিফেন সেবনে উকীলের আত্মহত্যা

# গুজরাট যুবলীগের সভা

৩৮ জনের দীপান্তর ও ত্রইজনের মৃত্যুদণ্ড

# পাকা গুণ্ডা গ্রেপ্তার

মালদহে তুই শত টাকার অলঙ্কার অপশ্রত

# মালদহে বিদেশী বৰ্জন

দিনাজপুরে জনসাধারণের শোচনীয় অবস্থা

# মিষ্টানের দোকানে নমঃশুদ্র

হুগলী জেলাবোর্ডের অনুরোধ

অবস্থাও প্রবিধাকনকু মছে। অনেকেই জুন মাসে তাহাদের দেয় থাজনা দিতে भः ति ना**रे। अ**शह क्रून मात्मत किछीत हाकान्न পরিমাণ পুরই মল।

বিদ্লালে চুরি ও ভাকাভির হিজিক ঐ শহিলা চল্ডদের দেখিলা ভবে विश्वमान ब्रेंटिंड मःयोग टाकांम द्य, মেছেদীগঞ্জ পুণিস থানার এলেকাধীন চন্নলোলাপুর আমে এক ভীকা ভাকাভি

হইয়া গিয়াছে ৷ প্রশোকগভ বৈকুণ্ঠ র।যের বিধ্বা পত্নীর পুত্র সহ রাত্রিকালে নিজাবছায় ১০।১২ খান ডাকাভ দা ও অস্তায় ৰারাত্মক অসুশঙ্গে সুস্থিতিত হইয়া ভাহার খনের যন্যে প্রবেশ করিশে **हीरकात कतिया छैदरे, छश्चन प्रस्**रहनन ভাষ্ঠাকে অস্ত্ৰধন্ধা ক্ষয় দেখাইয়া চুণ क्षिम् अ।किए७ वरन १वर छ।का अप्रमात

কণা জিজাদা করার মহিলাটি বলেন যে, তিনি নিভাস্থ দীন-ছঃখী, টাৰুং প্রসা কোথায় পাইবেন ? ডাকাডেরা ভেখন মহিলার ছেলেকে বলপুর্বক ধরিয়া গলা কাটিয়া দেনিবে বলিয়া ভয় প্রদর্শন করে। পরে উক্ত মহিলা তখন তাহার যাহা किছू दिना, ममञ् छाकाष्ट्रमत १८७ ममञ्जे শশর্পা করে। ভাকাভেরা চলিয়া গোলে পর মহিলাটির চীৎকারে গ্রামবালিগণ তথায় আসিয়া উপস্থিত হয়। পর দিবস এ সংবাদ পুলিশে জানান হয়। বঠমান खनच हिलाखरह । इंट्र**ाम्ट**नाई e क्रमाटक ध्याथात्र क्या बहेबाह्य।

এত্রাজীক বিভিন্ন প্রামে চুরি ও **जिक्षां अक्षार्थ हरेट एक विद्या मः वाक्** পাওল বাহতেতে। কিন্তু চকাত্রের (कोन ७ १कान गाँह ।

# छिक् हेड्रे, উद्धम

কণিকাতা ১ইডে প্রকাশ যে, ভিক্ ইউ, উত্ত। বর্তমানে পীড়িভাবস্থায় কার-माहेरकल करलरङ 6िकिश्मानीन स्नारहन। ইউরোপ ভ্রমণ উদ্দেশ্তে তিনি যে 'পাদণোর্ট' পাইয়াজিলেন, ভাছা প্রভাা-হাত হওয়ার এফা গ্রণ্মেণ্টের নিকট ঐ कारमभ क्षोड्रा कार अक्ट कार्यमस कताम अक्ष शब्दायर हो के भारत हो के কানচয়াছে যে, এক সরকার তাঁহার 'পাদপোর্ট' मश्रक या नियंशका कान्नि করিয়াভেন, ভাহা প্রভাহার বিষয়ে বিবেচনা করিতে অপার্গ।

# শ্রীবিশ্ববৈষ্ণবরাজসভার পরিব্রাজকগণ

পরি	বাজকগণে ৷ নাম
51	শ্ৰীন ভব্তিপ্ৰনীপ ভীৰ্থ
21	শ্রীকজিবিবেক ভারতী
91	<u> এ</u> ভিক্তিবিজ্ঞান আ <u>শ্রম</u>
81	এডিকিপ্রকাশ করণ্য
01	্ট্রী ভব্তিক্স বন
<b>9</b> 1	श्रिकार्का विश्व
۵.	क्रीक्रिकेट कर अर्थन

পরিব্রাজকগণের নাম		বৰ্তমান ঠিকানা	
. 1	এ ছব্দি গ্রন্থ পুরী	क्रेक	
	প্রতিক্তি বরূপ পর্বত	ময়ুর ভঞ্	
` <b>&gt;</b> 01	<b>এত বিলাস গড়বিংনমি</b> -	কলিকা গা;	
351	ঐত্তরিশ্বস ভবিসার	माज ।ज	
52 1.	শ্রীভব্তিরক্ষক শ্রীগর	মান্ত্রে	
3-91	<b>बिङ्क्तिवृद्धि (खोडी</b>	<b>শ্রীমারাপুর</b>	
281	अक्रिक्रम् (वागात्रम	বাংলেখর	

# শুদ্ধভাক্তমসসমূহ

# শ্রীতৈত্ত্য মঠ

## আকর মইরাজ

वाकीन ननबीत, छाक्यत विशास मातालुत, ननीया

এট মঠরাকে পারমার্থিক দৈনিকপত, সায়ত পশ্রদায়ের অংকাশিন্ত ও স্থানির গ্রন্থানি প্রচারকরে শন্দীয়া-প্রকাশ সম্ভালর প্রতিষ্ঠিত কর্মান্থেন এথানে প্রতিবংসর শ্রিদান-পরিক্রমান্থভান ও অগণিত ভক্তগোষ্টি। ভ ভীওঁন প্রচারমূপে হল্মভোংস্বালি ভক্তার অন্তত্তি কইলা পাতে। বক্ষক—ব্রন্থচারী শ্রীপান মরকরিনী। সক্ষায়ী—ব্রন্থচারী পশ্চিত শ্রীপান গোরদাস কার্যালিরণ তীর্থ প্রীণদেশ্ব, শ্রীপান বীরচন্দ্র, শ্রীপান মন্দ্রোপান, শ্রিদীনদ্যাতিনাপ, শ্রীক্ষ্ণমন, শ্রীম্বন্রগোপান, শ্রীনৃত্তন

# (৩) যোগদীত শ্রীমন্দির বসক—লোক নগাবা গোখামী ভট্টাচার্যা প্রান্ত শ্রীরমারার। সংকারী শ্রীনিভানেক প্রকারী, শ্রীরাধাবিনার ক্ষিত্রবন, শ্রীরাম্পান প্রকারী। শ্রীরাধান ক্ষান অধি ভারী, ক্ষেত্রকা শ্রীধীননার।

- (৪) **শ্রিবাস-অজন** রক্ষক—শ্রীপ্রভাতকুলন প্রক্ষারী।
- (৫) **অবৈত-ভবন** রক্ষক— শীরুন্দবেন্চপ্র ভট্ট চার্গা, শীরোকুন্দান বাবংশী।
- (৬) কাজার সমাধিপ ট প্রাচীন মারাপুর, বামনপুরুর (নধীরা) বহুক—প্রস্কারী শ্রীবিনোধবিধারী।
- (৭) **খানক সুখন-কুঞ্চ** শ্রীগোক্তম, খরুপগঞ্জ (নদীরা) কুক্-ক-ভিক্তম ভাজার ব্রন্ধচারী কুক্তাবিদ্ধী এল, এম, এম ।
  - (৮ व्यक्तभाष दगी होत्र मर्ट महम्मागिरः ।

কুক্ ক--- শ্রীবছবর ছজিশান্ত্রী এম, এ, বি, এক, সংকারী---শ্রীউদ্বাদান ভজি--শাস্ত্রী, শ্রীউক্তক্রম ছবিকারী প্রাকৃতি।

- - (১০ জীরপর্গেড়ীর-মর্ত্ত দারাগঞ্জ, প্রভাগ হউ, পি বদক-জীনবের্ধবয়নক বক্ষাহী

# (১১) ঐ নোকজ্ঞসহত্ত্ব মাউগাভি, ভাগ্নগৰ, বছ্যান।

রক্ষক--- শ্রীবঙ্ক বিশ্বারী ব্রহ্মবাসী, ভাক্ত শ্রীগ্রাধয়।

#### (১২) ভাগৰত আসম

শ্রীধাগরত প্রেদ, কুঞ্চনগর, নদীরা। বিক্লক—শ্রীক্রণানন্দ ব্রন্ধচারী ভক্তিশাল্পী

#### रेष महास्थलि (७८)

গোবিন্দপুর, ইাস্থানী, নদীয়া। বক্ষক—জীমতুপানশ ব্রশ্বচারী। স্বকারী শ্রীক্সনিংক ব্রহ্মচানী, জীলপুর্গোর দাস অধিকারী, শুকু বিশ্বনাথ।

## (১৪) 🕮 দাগৰ-গৌড়ীর মঠ

৯০নং নৰাৰপুর রোড, ঢাকা।
বক্ষক—শ্রীবাধাবক্সত ভ্রমবাদী, শ্রীপাল
ক্ষ্মবানক পরবিভাবিনোল বি-এ, শ্রীনবগোবাল প্রজানী, শ্রীপতিভাগানন জক্ত।

# ( ) ( ) अद्याशामकी मर्ठ

ক্ষমণাপুর, চাকা। রক্ষক—ত্রীগগ্রহণাধী

- ' ১৬ ) **জিগদাই-গো গল নঠ** ংক •—-শীপূর্ণ প্রশ্ন প্রশান বিশ্বিত পাল ব্যক্তারী

# ( > ) बीदगोड़ी स मर्ठ

১৬ নং কালিপ্রাসাদ চক্রবন্ধী ট্রীট, পো: বাগবা**লার, কলিকারা**। টেলিফোন বি. বি. ৪১১৫

মঠযক্ষক—আচার্যাত্রিক শ্রীপাল কুমবিকারী বিশ্বাভ্রণ। সংকারী—পঞ্জি শ্রীপাল অন্ধ্রনান্তলের প্রবিভাগ্নগা বি-এ, প্রীপাল রাস্বিকারী ব্রহ্মচারী, শ্রীপাল ক্ষমচারণ লাগাদিকারী বি-এ, প্রজাচারী শ্রীকীন্তনানন্দ, ব্রহ্মচারী শ্রীপালীয়েকান, ব্রহ্মচারী শ্রীমণানন্দ, পর্যিত শ্রীপাল ন্রীনপ্রকা প্রশিক্ষাক্ষর ভিত্তিশালী সম্প্রদাহর ভাগাদ ন্রীনপ্রকালিকার দানাধিকারী বি-এল, শ্রীমন্ত্রপন ন্যকোশন্দ, শ্রীবেশ্বস্তর ব্রশ্বনারী, শ্রীমন্ত্রপন ন্যকোশন্দ, শ্রীবেশ্বস্তর ব্রশ্বনারী, শ্রীমন্তর্বাহন ব্রহ্মনারী প্রস্তৃতি।

# (১৮) **আমলাবোড়া প্রপন্ন শ্রেম** বংশবাধ পো: বঙ্কান।

वक्षां द्यार वक्षांना ।

# (১৯) जीशुक्र वास्त्र मर्ठ

यगेषार, शृती, क्रीस्त्राः।
तक्षक — खन्नारात्री जीनत्रमानक विनारत्रः,
जक्षाणि जीनमीशानक, टीलविनारुक व जक्षाणी जीमभीशानक, टीलविनारुक व जक्षाणी, जीमभागानक अक्षाणी, जीनमार एत्रान विभिन्नोरी, जीमग्रामिश गुणा।

# (২০) শ্রীপ্রশ্ব-দের্গাড়ীয় মঠ

আগবরনাপ, প্রস্কাগার পোঃ, পুরী।
ককক—প্রস্কাগরী শ্রীপর্যোগরী প্রসাদজী।
সক্ষারী—প্রস্কাগরী শ্রীবিধিনাক্ষারী।

# ् (२५) जैनक्तिरामक वर्ड

कें प्रवाय। साथ, करेक । व्यक्त--- व्यक्तावी जीनवादक, स्वीवामनक व्यक्तावी, जीनाम स्वरमानाक सामानिकावी।

- (২২) **শ্রিসনান্তন-গো**ড়ীর মঠ ৪নং লগক্ষীবনপুরা, কানী। হক্ষত— ব্রহ্মচারী ভূগনেশ্বরজী, নিতাইলাগ ব্রহ্মচারী, শ্রীপঞ্চানন ব্রহ্মসা।
  - (२७) टीक्नकटेहाडख वर्ड जीन्जिरव्हान कुछ, जीमाम वृत्तायन । इक्कक -- टीश्यम्मिटनाथ उत्तरावी

# (१८) अभवसद्भ मर्व

- (২৫) **জীটেডজ্যগোড়ীয় নত্ত**কুনুগকু হা, চিত্তকু ছা, মানজুম।

  কক্ত----শ্রীরমানাথ রার, শ্রীরামতীর্থ গেবছরিয়া।
- (२७) बहा**मदशीकीय वर्ड** प्रक्रण-अवताती शिवनगरणी, श्रीननी-रगागाग अववानी
- (২৭) জাক্ষণপাড়া প্রপন্ধান্ত্র-মঠ
  প্রাধ্বপাড়া, পো: মানু, হাবড়া
  ক্রামনে বড় ডুডম্টি জীপোলাকের সেবা
  করমান। হক্ষক—প্রক্রামী জীপ্রাণফুডভাস, প্রক্রকলাকর।
- (২৮) দিরুট পোড়ীর সত-কাব্যালয় বনং গোণাক্রন ডাকার বেন, নিউ দিরী রক্তক-সম্ভারী জীনীরক্তক, প্রীকৃত্যের প্রীয়াধার্যদ্বরূপর্য

# (२२) **दमाजानभाषा-अभन्नाध्यम** रूपन-अवहाती बीकासम्मानम

- (৩০) লাজালগোরীয় মঠ
  নর্গ লোগালগুন্ম, কাথেজ্বাল, মাজাদ
  রক্ষক—প্রিদ ওপামী জীনস্বজিরক্ষক জীগর
  মহারাজ, মহকারী—ব্রিদ ভিস্কামী জীমন্
  হজিলান ভিস্কান, জীপান জগনানদ
  রক্ষামী, জীগান ক্ষেক্ষামী ভজিশালী
  লি সিভ্জান ব্রহ্মানী ভজিশালী
  ব জীপান বিভ্জান ব্রহ্মানী ভজিশালী
  ব জীপান বিভ্জান ব্রহ্মানী ভজিশালী
  - (৩১) স্বাদ্ধনোপাল পাট ইয়োগপুণি, চানগা, মনীয়া মুক্তক—প্রস্তারী শ্রীক্ষেশণালয়



**ষষ্ঠনৰ** 

२८ 🖫 रत्न दगोतास ८५१, वर्ष छा प्र नवास ১००৮, २५ व्यागहे है: ১৯৩১ मनियात

३४७ छम मः था।

# দাময়িক-প্রদঙ্গ

প্লিগপ্রনিবাদী শ্রীগৃত কানাইলাল
মাইতি এম, এইচ, এম ; সি, এইচ, সি
মহোদর লিখিতেছেন,—শ্রীগাম মাগ্রপুর
শ্রীটেতক্সঠের অক্তর প্রচারক ত্রিদণ্ডিকামী
শ্রীশ্রীমন্ত্রিকৈবিভব সাগ্রব মহারাজ গত
২৪শে শ্রাবণ রবিবার দিবস মদীর ক্টীরে
পদার্পণ করেন।

উক্ত দিবস সন্ধান ৭টা হইতে রাত্রি
প্রার ১০ ঘটকা পথান্ত সামিনী মহারাজ
'কর্মকাগুনিরত গৃহত্রতকে প্রারক্তিরাদি
বিধান কথনই পাপ হইতে মোচন করিতে
পারে না' এতংপ্রসক্তে শ্রীমন্তাগবতের
কর্মনা কর্মনিহারো ন হাত্যন্তিক ইয়তে।
অবিহনধিকারিশ্বাং প্রারক্তিতং বিমর্শনম্।
প্রোকটী বিশেষভাবে ব্যাধ্যা করিয়া
বৃধাইগা দেন।

তৎপরদিবস্বর ও তিনি শ্রীমদ্-ভাগনত পাঠ প্রসলে বিষয়সক্ত গৃহরত জীনের হুর্গতি ও শ্রীদ্বাগনতের মাহাত্মা বিবরে কীর্ত্তন ক্রিয়াছেন। 🔏

শ্রী শ্রীবিশ্ববৈক্ষবলাজ্যকার অক্সতম প্রেচারক ত্রিদণ্ডিকামী শ্রীশ্রীমন্ ভক্তিপ্রাহন বোধায়ন মহারাজ কোলোগেটা গ্রাম নিবাসী পরমভাগবক শ্রীমৃত লালমোহন মহাপাত্র মহালবের আহ্বানে গত ১২৮৮৩২ তারিখে বালেশ্বর জোহবানে গত ১২৮৮৩২ তারিখে বালেশ্বর জোহবানে গত ১২৮৮০২ তারিখে

এক বিরাট্ সভার আইচেডক মহাপ্রভ্র আচরিত ও প্রচারিত দর্মপ্রণালীই বে কগতে নিতামকল প্রদান করিতে সমর্থ এবং ইহা বাতীত অন্ত কোন প্রদারা যে প্রকৃত কগন্মকল কার্যা হইতে:পারে না, তালা তিন ঘটাকাল যাবং মন্মান্দানী :এবং । ওক্রিনী ভাষার বস্কুভাষারা সন্ধ্যাধারণকে বিশেষ ভাবে বুঝাইয়া দিয়াছিলেন।

বর্তমান ঘুগাচার্যা পরমহার প্রী শ্রীমহাজিনিদ্ধান্ত সরস্বাচী গোস্থামী মহারাজ এবং তীহার অনুগত জনগণের প্রচার প্রণাণী শ্রীমন্মহাপ্রজুর প্রচার বিষ্টীকে পূর্বহন্দ্রপে বিকশিত করিয়াছে এবং এই বৈক্ষাণ্টাত্তজিশিদ্ধান্ত বাবাই যে বিশ্বে প্রকৃত সদর্শের সংস্থাপন, জ্বগ্রের প্রাহ্ভাব বিনাল, সাধুগণকে পরিত্রাণ এবং অধ্যান্ত কাণের মঙ্গল প্রদান করিনা সমন্ত শ্রীবন্ধ্যাতের মহন্তপকার সাধন করিতেছেন, তাহা উপলব্ধি করিয়া শ্রোহ্রন্দ বিশেষ শ্রদান্তিত হইয়াছেন।

স্থানিকী মহারাক্ষ গত ১৫।৮।০১ তারিপে পোরো টেশনে বছ শিনিত ও গণ্য নাত্র ভদ্রলোকের সমক্ষে ত্রী:১৩জ-চারতামৃতের সনাতনশিক্ষা।পাঠ করিয়া ক্রারের কিন্তুপ প্রকৃত শিক্ষার প্রথমিকন, ভাগর একটা দিশ্দর্শন প্রদান করেন।

খামজী মহারাজ তথা হইতে জ্রীগোড়ীর-মঠে প্রভাাত্তন করিয়া বিবিধ সেবাকার্যো ক্রতী আছেন।

# মহানহোৎসবের আগমনী-গীতি

গোরুলের মহামহোৎসরে,
বঞ্জিত ধরা সাজেরে—
নবন্টবর শ্রাম শেগরের
মোহন মুসলী বাজেরে।

দিশি নিশি বহি কুত্মগঞ্জ, খোৰে আগ্ৰমনী মারত মৃদ্যু, ভক্তপ্রাণে অমিয় কন্দ মৃদ্যুকিশোর রাচ্ছেরে॥

তাপিত অসমী স্থধা-স্থাী হল সমুপিত প্রথম ইন্দু, চিত্তচকোর হরণ বিহল উপ্লিল স্থাধিয়া।

মীয়াকবলিত অধুত চিস্ত, দ'পিবাবে চাহে য' কিছু বিস্তু, কারা হেন বাসি মায়িক ক্লডা, পারাবারে ধায় বিন্দু॥

বিশ্বমাঝারে প'ড়ে গে'ছে সাড়া—
"পাক বে সাজ রে সাজ,
অর্থ বহিয়া ভূপ গভিত্তে
আয়ানে হেগায় আজ।

পটুমা ! আঁকেগো তুলির লিখনে, রচ গাঁতি কবি, ললিত রতনে, মালা গাঁথি মালী, ভকতিপ্রস্থনে সাজাও হলমরাজ ৷

খচ হে স্থপতি, মন্দির তাঁর মনোহর কাঞ্কর্মে, বীন্কার ! তব জীবন্যস্থ, :

শাগাও প্রচার ধর্মে।

ডুবুবি ! আনগো সাগরর্ম্ম,
সন্ধানী ! এসো সাজারে প্রস্থ,
আঠ পণিক ! করিবা ধ্য

আসন পাতহে মধ্যে।"

ভাকেন নিতাই,—''এসো সবে এস''

ভিংসৰ কর আসি'—
ভক্ত-ভগৰান্ পুত অবিভিন্ন

এদরে জগভনাদী।

ত্র' উৎসব নহে মেদিনীর মত নিবাশ-ভিনিরে কনু জ্যোভিহত, নিতাানন্দ্রাবা হেথা প্রবাহিত, োল্ল-পুলক রাশি॥

'অমৃত তনঃ' ভোষার স্বরূপ—
সাল্লেন; মবণ ভা—
লভি নিভাগন সফল ভীবন
হও উৎস্বাম ।
ভাকিতথাম ভাক্ত স্বরু

হরিকথামূত করহ শ্রবণ, জনস-পুরের নিত্য রসায়ন, করি' কেলা লব' গ্রস্থে সেবন,

করছে প্রথক জয় ।

আজি, বিশ্বকনের চবণে ধরিনা
কাভরে মাগি এ' লান,

এস এস হুরা, ভাই ভ্রমিগণ

হুজ করিছে প্রাণ ।

অমিনা সাগরে এক করিবে মান ?
অমুতের গানে কে করিবে মান ?

কে লাইবে হরিনালপথ আগ গ

(8)

**এদুশো গৌড়ী**। कक्काम व वास्वः करा বাথিত হটল। তথন শ্রীগৌরমুন্দরকে কেন্দ্রতা রকা করিয়া লোক বিম্পন নিবাবসকলে **छक्त्रम आ**णमानिशक বুজাকারে তিন্টী ভিন্ন ভিন্ন দলে সংস্থাপন করিলেন। প্রথম বুরে, অস্থাকু হ'জ সহিত শ্রীমন্নিত্যানন্দ প্রাভু, প্রাথম রুওকে কেন্দ্র করিয়া পুনরায় চক্রাকার বেষ্টন পুৰুক কালীপর, মুকুনাদি ক্ৰবং ষিতীয় বাভকে কেন্দ্র রূপে নিদিঠ কবিয়া পাত্র মিত্রসহ বেষ্টন ক্রিয়া প্রতাপ-রুদ্র রাজা সূতীয় মণ্ডল রচনা করিলেন। ত্রীম্মওল ছারা আবরণ করিল ছিতীয়, প্রথম ও তদম্ভঃ স্থিত জীক্ষণতৈ ভক্ত মহা-প্রভাকে লোক ভিড় গইতে স্বতন্ত কৰিলেন। এই প্রকার করিবার উদ্দেশ্য এই ততীয় মণ্ডল জনসংঘটে বিপ্রয়ত হইলে, ছিতীয় এবং তাহাও স্থাদ্তি হইলে প্রথম মওল কার্যো আদিবে। রাজা প্রভাপরার হরিচন্দনের ক্ষমে হতার্পণ করিয়া বিশ্বিত-চিত্রে এপ্রাম্ব নতা-লীলা দেখিতে-<u>শী</u>নাসপত্তিত গোইরক সক্তব্ প্রেমাবিষ্ট সদয়ে রাজাব সন্মূথে শ্রীশচী-নক্ষরে নুতা কীন্তন দর্শনে আয়ুহারা: এমত সমরে হরিচন্দ্র বারেনাবেই পরিতের व्यक्त बाद मिना रहेगिएड रहेगिएड निग्ड-ছেন-- একণালে সরিয়া দড়াও। নৃত্য-কাঁতন-স্বৰে নম্মনয় শ্ৰীবাসপতিত বাধা-প্রাপ্ত इटेश। ट्रांभगुक मत्न इतिहम्मत्क এক চড় মারিলা নিরুত্ত করিলেন। ছরি-চকন চাপড় গাইখা অত্যন্ত রাগামিত চিত্রে সৌন্দর্যা এই চিন্ময়ী প্রীতি বৃথিবেন নাঃ পরিভবে ভংগনা করিতে উন্ভত হুইলে हाङ। निरम्ध कत्रिया विशासन, इत्रिज्यन, ভোমার মত সৌভাগা আমার নাই, ভুমি অত গৌরগতপ্রাণ পণ্ডিটের শ্রীহন্তম্পর্ন बार्ड भक् इडेग्राइ । हल्लक्ष्राटि जीवन सक्षा प्राप्त अने अकात व्यक्त पिरामान मर्नेदन 🗐 बीकश्रधाशामन तथश्रि एक कतिया অপ্লক্ষেণে নতা দেখিতেতেন। শ্রীবল বাম স্বভ্রাদেশী উর্গিত হইলা মুক্ত মধ্র राख्य कविराज वाशिश्वाम । महाभावाित है শ্রীমন্মধাপ্রভু জগরাণ বলিতে গদ্গদ্ করে ভিজ' 'গ্ল' 'জল' 'গগ' ধ্বনি কবিতেছেন। প্রাণ্ডশ্বন্যন্থ্র হউতে ফোয়াপার পারার মত পোমালা স্বিবাস ব্যাতি ইওয়াটে **छङ्किदक्य द्याक भाउ ब्रह्म गाइएडए**। **क्ट्रेक्स डेक इ मुडा क्रिड क्रिड औमन-**महाशाहर कुम्राका मिनाम क्रीवरशास-নন্দিনীর ভাব উদিও হটগ। যেন ব্রঞ-জনগণ সহ শ্রীমতী সংগ্রাপরাগ উপলক্ষে কুলকোনে ভাৰত্ত পঞ্জে উপস্থিত इरेशाष्ट्रम । समञ्ज श्रेष्णांभून बात्रकण ।

<sup>!</sup> বেশে সঙ্কিত কুরুকেকোপযোগী শ্রীরুকের নীলাচলে শ্রীরপাথে নৃত্য শেই মৃতি দর্শনে গোপিকাগণ মাননিত হইতেছেন সভা, কিন্তু বুন্দারণোর বনদেবী-সদৃশ তাঁহাদের কুসুমকোমল অভ:করণ এত বৈভবযুক্ত রাজ্জীখন্য মধ্যে রাজ্ববেশধারী প্রাৰণভিকে দেখিয়া সম্পূর্ণ হাষ্ট্র হইতেছে নিশেষতঃ শ্রীমতী গোপিকারুগ শিরোমণিকরপা বার্বভানবী এইরূপ স্মানেশে इर्स मर्सा ७ विस्मय विशाप अञ्चल कतिए -রাধিকার ভাবস্থনলিত শ্রীক্ষা-(FA | চৈতক্স এইরূপ ব্রঞ্জাবে পরিপূর্ণ হুই ।ছেন। कामनेन अनिक मीर्च वित्रहारक शार्यश्रत জীরকের জীচলানন দর্শন পাইনাছেন, তাই আনন্যতিশয্যে গাহিতেছেন---

> ''সেই'ত পরাণ-নাথ পাইন্ত। যাহা লাগি মদন-দছনে ঝুরি গেন্ড।।

শ্রীনশ্রহাপ্রভুর মর্ম্মাভিক্ত শ্রীপরপ-দামোদর প্রভূব মর্ম্ম বুঝিরা এই পদটা স্থললিত উচ্চৈংখনে গাহিতে লাগিলেন। बिक्किकरेड इक्ट्रानि या चार्य कहे शिविजी আস্বাদন করিলেন বা ওলীয় ভব্রুগণ যে অপ্রাক্ত ভূমিকার অবস্থিত হইনা ইয়ার করিলেন, প্রাক্ত-রস-রসিক্রণ (সবা कतिरमञ्जेदात शृष्ट्र कात वृक्तिर्यन न।। এই গীতিকাটী কামুক ব্যক্তি স্বকীয় ইন্দ্রিয় বুজির ছন্দম লাল্যার স্থিত একীভূত করিন পাকেন, ভাই উাছারা ভাবেন,--- জ্রীনন-মহাপ্রভূপ্রীমানাদের স্থার হুডাসক ছিলেন। প্রাক্ত বিষয়ের বিশ্বনাত অক্সভৃতিও বর্ত্তমান থাকিতে কেহ এই মপ্রাক্ত প্রীতি-পরাকাই। বুকিতে পারিবেন না। নীতিবাদী আধাকিকগণও অনস্ত বিচিত্রতার সার-काराता अधाकरङ धाक्ष धात्रमा बाररान করিগা অনন্ত নরকের পথিক ১ইবেন। মহ। জানীও এই ছরবগাহ মাধুধা-সমুদ্রের এক কণ স্পূৰ্ণ করিবার যোগ্য নংখন তবে কে সেই ভাগাবান ? যদি আনগা নিষপটে শুদ্ধ ব্রহুরণের ভাণ্ডারী শ্বরূপ, রূপ, সনাতনাদি গুরুবর্গের শর্ণাগত হইতে পারি তবে জানিবার সৌভাগা লাভ করিব मि मारगीतकृत्यका हतन-हातन कक-মধুপ-কৃষ ভিন্ন অক্ত কোন মক্ষিকার্ডি সম্পন্ন জীবের এই বিশুদ্ধ রস-স্তথা গ্রছণের অধিকার নাই-কথনও হইবে না-কথনও প্রাণ্ডি না। দেই অনাবিশ काशाम्यान अथ डीशाम्य वित्रक्षः। धरे প্রাকার কীশুনানন্দে স্থার্গদ শ্রীগৌর-স্থানর শ্রীহৃত মুগলে গীতের অভিন্য করিয়া

গৌর যদি পাছে চলে স্থান হয় স্থিরে। গৌর আগে চলে, স্থাম চলে দীরে ধীরে । এইমত গৌর স্থাম দোহে ঠেলাঠেল। স্বর্থে প্রামেরে **রা**পে গৌর মহাবলী ।

# ध्य-अगङ

গত ১৭ই আগষ্ট বালেশন ঞেলাস্থ एक हित- व्यामस्यपुत-निवामी औषु ७ एगान-গোবিল দত্ত মহাশয় জীধাম মায়াপ্রে ज्यागमन कतिरा औरयाशंशीरवेन तकक শ্রীপাদ রমানাণ ভট্টাচাণা গোপামী মহে।-দর তাঁহাকে ধানের সমন্ধে মিয়লিথিত विषय छिन की केन करतन,---

নয়টী দ্বীপ লইগা নগদীপ গঠিত। এট ন্ব্বীপের মধ্যে অনেক ক্ষুদ্র ক্ষুদ্র উপ-আমে বাপলী অবস্থিত। নঃটা হীপের চানিটা দ্বীপ ভাগীরণীয় পুরুপারে এবং প্চেটী ভাগারধীর পশ্চিমপারে অন্বস্থিত। পুক্রপাবের চাবিটী দ্বীপের নাম—( · ) অন্ত্র্জীপ, (১) সীসমূদীপ, (৩) গোদ্রুম-भीभ स (व) मनामी । : भन्तिमभारतन भाउति ছীপের নাম---( ১ ) কোলছীপে, (১) ঋতু-দীপ, ৩) জঙ্গদীপ, (৪) মোসজুমদীপ এব: (৫) রুদ্রীপ । যথা আ ক্ররড্রাকর ১২শ তরজে—

গঙ্গার পুর্ব পশ্চিম ভীরেতে দ্বীগ না।॥ পুকো অন্ত্রীপ, জীন মঙ্গীপ হয়। स्मानजन्मदील, श्रीमनादील हर्देत n (कांगश्रीण, श्रङ्क, कर्क्ष्क, स्मानक्षय व्यात । রাদ্রীপ, এই পঞ্চ পশ্চিমে প্রচার॥

ভক্তিরতাকৰ পাঠে আরও কানা যায বে, ন্বন্ধীপের মধ্যে এত গ্রাম চিল যে, শ্রীনারাপ্র যাইতে শ্রীল নগেরন ঠাকুরকে লোকের নিকট জিজাদ। করিল জীমাদা-পুরে পৌছিতে হইগাছিল। সাধারণত: 'নংখীপ' নান্ট সক্ষমাধারণে প্রচলিত ও প্রসিদ্ধ ছিল।

নবছীপ মধ্যে আম নাম বহু হয়। **ट्याटक व्यक्तां**भिशा मात्रांभूरत खारत्यात ॥ (ভজিরত্বাক্স ৮ম ভরুক)

ু আরও ভানা যায় যে, 🗐 নিবাসাচার্ণ্য প্রভার পরিক্রমাকালে নবদীপের অনেক প্রাম্ম লুপ্ত হইল পড়িয়াছিল এবং মনেক ত্রাদের নাম লুপ্ত ও নানাভাবে বিক্লন্ত **३**हेश्डिम । স্তরং শ্রীমারাপুর আমের নাম দে"অশিকিভ বাজিগণের দারা বিক্লভ এবং সাধারণের অজ্ঞাত হইয়া পড়িবে, ইহা কিছু আশ্চণোর বিষয় নহে। ভিক্রি-র্ড্রাকর ও এই কথায় বলিতেছেন.---"অथना बीननदीर्श ननदीय नाम। পুণক পুণক কিছ হয় এক গ্রাম ॥ সভা, ১রভা, দ্বাপর, কলির আরম্ভেডে। নছিল যে নামের ব্যক্তার কোনসতে॥ रेयरक किन तुन्न, रेडरक्ट नारमत वान्तामा। ভিপাৰি সে সৰ নাম অভুভৰ হয়। करणा काम शरत करणा आम मुश्र देशम । करणा आंभ-माम त्नारक व्यवनाञ्च देकन ॥"

—ভব্তিরম্বাকর ১২ তরক

# যৎকিঞ্চিৎ

আর এক 'লখালিখা', তিলকধারী বাবাগোপাই মুটের হাতে দিরেছেন মস্ত একটা কাত লা—আম্রা ক'জন জিজেস্ কল্লাম "একি ৫/ভূ, আপনিই না সেদিন 'নিরামিষভক্ষণেন' গুণাবলী বিষয়ে পার্কে ব'লে বক্ততা দিচিত্তেন ৷ আপনার কণা-শুলি লিখে নিয়ে ছাপানো প্ৰান্ত হ'ল, এখন এ কি বিদ্যুটে ন্যাপার! আপনার কণা ও কাজ ত এক নয়, ফেলুন কেলুন, কে दकाशांत्र देवरथ दक्षम्दन । क्यामादक्ष कथा ভনে গোঁদাই ঠাকুল তো রেখে অগ্নিশর্মা আর কি ! ''দুর হ কলির জন্মন্, বেইবা কাছ থেকে, জামাইনাড়ী ভব্ব পাঠাবো, আমার শুভ কর্মে বাধা দিতে এদেছ, বিটকেলের দশ কোপাকার !' আমরাও ণাত্র কম নই, আমাদের : ..... সমিতির · ··· দা' বলেন, ''থাকনা প্রভু, তোমার কেলেক্ষানীৰ কথা কাগত্তে ছালিছে দেবো।" ঠাকর নলে ''দিপি ত দিবি ব'লে গেল, कामात है।का कामाय क'रत लाहि : এদেশে আর শাগ্গির আস্ছিনা এবার আমার হরিখারের দিকে যাবার নিম্মণ GCACE I"

অমল বলে, 'ভাই স্থনিৰ্যাল, আফ্ৰা কেন বল দেশি, ব্যাকালে আবার অন্ত भगरशत Cbcस এই সকল ভালপেলা পরা বাউল, চিনটাগারী চুড়াবাগা মাতাজীর দল, च्यात नानात्रकरमत 'माधु' (१.त नन ८१८६) যায় ?" স্থানিশাল--- "বাড়বেনা ? বর্ষার সময় त्य कहा शत्राह याकासाटकत स्वितिका, ज्यात গ্রামে যারা অকু সময় অস্তু বাবসা করে, ভারা ভগন জুবিধা না পেয়ে সহরে চলে আদে, কোন কথাট ত নাই। একটি ভিলক ক'বে, গেরুৱা প'রে ছ'ছড়া কাঠের মালা গলায় দিয়ে একটু আকু পাকু ভাব দেখাতে পার্রেই 'কিন্তি' মাং। আর পায়কে; ভাগোর জোরে তগন ভার কপালে নিভাই 'গুণ ভাত' জোটে। Cमश्र के कोटे कि भाका वावभाव। वाश्मा **८म८**ण कंश्रहाकात ब्लाक (य এই वारमा करत ভারতো প্রমারী হবেনা, নইলে বুঝা যেতো। আর ভাট, গৌসাইদেরই বিং সহজ পাওনা? আমি সন্ধায় যখন বেড়াতে गाहे, नमीट मान त्यांबाहे नोकात त्यनात काशहे थाटक के अक्ष्रपत्र : दम्बिन नाहे, জ্যেঠানশারের আঞ্চের সমগ্র গুরুজী এনে বড়দানাকে কি রক্ম ভন্ন দেখিয়ে 'সম্ব-চ্ছনের' পোরাকী, ধান, মটর, ভিল, সরবে ইত্যাদি নিয়ে গেলেন। আবার ব'লে গেছেন, যাথাসিক আন্দ্রে যদি তাঁকে সোনার চেন না দেওনা হয়, তবে বাড়ীর ভয়ানক অস্পুস হবে। 'শান্তি স্বভারন' ক্রেও नाकि (म अभक्त पूत्र स्ट्र ना :

# গ্রন্থ পরিচয়

# **শ্রীমন্তাগবত**ম

শ্ৰীমন্মহৰি ক্লকট্ৰপায়ন বেলব্যান-প্ৰাণীত মুগ, শ্ৰীমন-মকাচান্য-ঞ্ভা ভাৎপথ্য-নির্ণশ্বটিকা; শ্রীমদ্বিশ্বনাগ চক্রবাদ্ধী राकृत-कृष्ठ मात्रार्थमनिय हिका, वनाष्ट्रनाम, मन्त्र ७ अवह द প্রতিশন্দ, তথা ও বির্ভ্যাদিয়ক। প্রতি ছকের আদিতে দেই ধক্ষের প্রতিপায় ক্পাসার, অধ্যায়ের প্রথমে ঐ অদ্যায়ের সার্পন স্থবিস্থত তাৎপর্যাদি বিরুত। স্লোকস্চী বিষয়প্রচী, অধ্যায়বিবরণ, পাত ও স্থানস্তীসত উত্তম কাগতে উপ্রম⇒ক্ষণরে মুদ্রিত। প্রথম হইতে ১০ম শ্বন্ধ গ্যাপ্ত কোপা লগুৰ্বকপে শেষ চইয়াছে। ভিক্ৰা প্ৰাপ্ত इड्ड्ड प्रया क्या निगाध २०१०, सभाम क्या ३२०,३ 2351 8 mg 1

ট্রীমহতি নোদসারুর-রচিত 'ঋষ্ডপ্রবাহভাষ্য' ও উটামগ্রকিনিকাত সর্বতী গোলামী প্রভূপাদ-লিখিত 'অপ্রাম্যে এটি কুড্যাদি বহু শাক্সপ্রমাণ-সম্প্রিত হট্যা প্রকাশিত ১ইরাছেন। স্লোকের সাবয়ব্যাখ্যা, বঙ্গাঞ্রাদও প্রতে।ক পরারের পুরে সংক্ষিত্ত অভিদের সংযোজিত। প্রারেক অস্থার-প্রারম্ভ কপাসার দেওরা আছে ৷ স্নোক, প্রার, শব্দ, প্রাঞ্চ, পাত্র প্রেক্টান্তর স্থারত পূচী ও গ্রাহকারের নিপ্ত দীবনা সম্বিত তেরপ মত্তপুর সংস্করণ ইভঃপুরে কুরাপি প্রকাশিত হয় নাই। উত্তম কাগতে পারিপাটোর

इत क्षिकार्य मेबान्स मेक्टि बंड्यार्थ । अब जीव :৫০০ পূৰ্য গুল্লায় ভিकानक्रमान्य **(माज**।

#### क्षीटेहरू जा का गवड

এছকারের ঐবনী, প্রতি পরিজেদের কথাসার, বিভঙ েট্রীয় ভাষা, শক্ষ্ঠী, প্যারস্থাী, বিষয়-স্থান-পাঞাদি-পটা, প্রভৃতি বিবিধ বিষয় স্থাপত বিরাট থিতীয় সংস্করণ ৬বল ক্রাউন ৮ পেলী আকার। আদিলীলা ও মধ্যের কিয়দংশ প্ৰাৰাশত হইয়াছেল। ক্ৰমে ক্ৰমে প্ৰকাশিত १६८७६६-। अधिम **क्रिका ६ होका, आ**षि शीशांत्र 1641 4

## **্রাটেড ভার মধল**

এই গ্রন্থের এরপ অভিনব স্থপর সংখ্রণ আর কুর্তাপি @कार्तिक क्य आहे। अ१३७ (आकाश्यात काया, वेशाञ्चतीत, ভাষা, কথাসার, তথা প্রস্তুতি সহ বাবে বাবে প্রকাশিত श्रेद्राह्म । भूग स्माठा अकरत क्षण कार्डन व्याठितकी গুংদাকারে হাপা হইয়াছে। মুলা ২॥• টাকা। নদীয়া প্রকাশ ও গৌড়ীয়ের আহকগণের পক্ষে ১॥॰ টাকা।

## **শ্রিমতগ্রদ্গী**তা

- ব্রিণৌডীয় বৈক্ষবাচাষ্য অপ্রাক্ষত রুসিকচ্ডামণি উটোবিখনাথ চক্রবিটিটাকুর গোখামিরতা সারাগ্র্যিণী ট্রাস্থেতা ও উট্রমন্তভিবিনাদ সাকুর-প্রবাত ব্রসিক-ब्द्धन' नामक कामाकामामहिका। अथाप्रकृती, मावकाकृत्य ्याक-कृती, विश्व-कृती, **अप कार्यम भीयनी । अ**वस्त्रांगकाणि बर-काएवाविषय-मर केरकृष्ट वीगाई कृष्टीय मरक्षत्र--- दहे ताक अर्द्ध्यात्वे क्रिको २० होको साख्, मागात्रे अर्द्धवर्-- अर क्रामा माध

# গ্রীল প্রভূপাদের বক্ততাবলী

ও বিকাপাদ এএীমছভিসিতাখসর্থতী **८गाचा** महाद्वादणत त्महे कविका-विकाः मिने भौताश्चन्न दशादाधिनी क्रम्क-कार्कानन्त्रभाग्निकी स्रोतस्व-नागीत বেভৰবিজ্ঞানাগারের মৌশিক তথ্য---পঞ্চৰাত ৬ ভাগ্যহেত্র : শনব্য ওক- মহাজন-জাবনত বিভ-শিক্ষ -চি বিলাস্চিন্মান্ত-অচিলাত-বিচারক---ঐশ্বা ও মাধ্বারদের মৌলিক গবেষণার: ---সম্বন্ধ, অভিধেয় ও প্রয়োজন তত্ত্বের বিদ্ধান্ত-সম্ভ্র

১। প্রথম অন্ত—বৈষ্ণবদর্শন, প্রী ওলতার, কাল भगं, श्रीमध्याविकाय, श्रीवार्यकानयी, भाष्मप्राधिका मीका ও বর্ণ-বিচার, আত্মন্ত্র ও মনোধর্ম, শ্রীটেডকুদের ও তাহার শিক্ষা, অপ্রাক্ত সহজ্ঞধন্ম ও প্রাকৃত সহজ্ঞধন্ম প্রকৃতি বিংশতি সংখ্যক রয়ে সুশোভিত। ভিকা মাত্র ৬০ বার আনা।

১। বিতীয় খণ্ড- ৬ছা ও বিছা ভক্তি, মহুগোর শ্রেষ্টভা কোথার, আত্মার নিতার্তি, 🕮 শর সামিলাদ ও मागानाम, जीरगोत-निजाननक्षमण, जियरगत सम्ब ७ कक-कालन, जीवामणुकात जीमहाश्वरत्त कालन, जारशेत शास्त्र महिमा, मशास्त्रमात, औरशादिन, कीक्रशास्त्रशंक्तन-পপ, শ্রীমতী বুসভান্তননিনী, শ্রীচৈ তল্কের দরা, গ্রোরকরণা ও রুক্সকাঁতন—চতুদ্ধ অপূক্ মধুরিমাপুণ-বক্তা-বিভূচিত। গ্রন্থ প্রায় ৪০০ পুরায় সম্পূর্ণ। ভিকা ২০ টাকা মাত। जिका २, ५क ठाका माख।

😕। তৃতীয় খণ্ড—গোৰ্কপ্ৰিয়তা ও সত্যপ্ৰিয়তা। শ্রীবলদের প্রাসন্ধারিক করে আসীভাদের।র আবিভাব-প্রাসন্ধ, শ্রীমন্তাগবভের সভা, শ্রীব্যাসপুঞ্জার শ্রীমন্ ভাগবতের পুনরাবৃত্তি, শ্রীনামস্কীর্ত্তন ও হরিসেবার নিত্যতা —এই নয়টা সুদার্শনিক বঞ্চতাসম্বলিত। ভিক্ষা ৮০ মাত্র।

# 🚨 মন্ত্ৰগ্ৰহণীতা

গোডীয়-বৈষ্ণবদাশনিক-শেষর শ্রীশ্রীমদ্বলদেব বিজ্ঞা-ভূষণক্কত ভাষা ও শ্রীমন্তজিবিনোদ ঠাকুরেরপ্রাঞ্জল বদ-ভাষার বিশ্বত 'বিদ্দর্শন' নামক ভাষ্যক'৷ অগ্যায়-সূচী, বিষয়সূচী, ও প্রতি স্নোকের প্রথম ও চতীয় পাদ হটী, ভাষাকারের জীবনী প্রাভৃতি সংগিত। উৎক্ট বাধাই, রাজসংখ্রণ ( চুতীয় সংস্করণ ) গ্রন্থের क्रिका २, ठाका।

# **अन्यवीशशामगाराषा**

( প্রমাণখণ্ড ) সামুবাদ। শ্রুতি-স্বত্যাদি গ্রন্থে শ্রীনব-দীপের যে মহিমা কীঙিত আছে, তাহার মূল সংস্কৃত ও অনুবাদ। ভিগাত আনা।

# **এটানবদী পভাবতর স**

এই।কুর ভিকিবিনোদ শিথিত। ভুললিও গাঁতাকারে পরিক্রমার ত্রেরাদি-বিধরক। ভিক্ষা । আনা ।

#### ভজিরভাকর ও নবছীপ পরিক্রমা

শ্রীশ নম্বহরি চক্রবন্তি-সাকুর রচিত। ভক্তিরভাকর হুহতে পরিজ্ঞমাংশ মাজ গুখীত; শ্রীফীব গোস্বামী কি প্রকারে এনব্দীপদানের পরিজ্ঞা করিয়াছিলেন, ভাচাট পছে বিবৃত। ভিকা। 🗸 • আন।

# आंटिन्याम य

ত্রী ভব্তিবিনোদ ঠাকুর-প্রণীত : ত্রীচৈত্তেইরাজে निका अपानी-इस, इसमिक ७ वन- वद ७ मूक भीत-অভি ৪৮০০ প্ৰেদ-তৰ্—সাধন-নিৰ্ণয়—প্ৰয়োজন-তৰ্ কৰা-কাও, আংমাধির বিচার—বৈধী ভক্তি, ভাৰভক্তি ও প্রেমভিজ্ঞিন নামভ্জন-প্রণালী ও অঠকালীয় লীলা-পরিচয়াদি প্রথম শিক্ষাপীর উপযোগী করিয়া সন্ত্রভাষা সমদয় যফিল্লামাণ্সত লিপিত আছে। চত্ৰৰ সংস্কর<sub>্</sub> বানা २, ठोका, आवांशा ১५० ठोका माज।

# গোড়ীয়কণ্ঠছার

शिर्शिक्षीय देवसन्दर्शसद अञ्चलन कर्छ श्रातनरमानः শ্রুতি-পুরাণ-গধ্বোতারি সাহত-শাস্ত্রসমূহের প্রমাণাবলী বিনয়বিভাগক্রম সায়গাদ ত'দেও। এইরূপ বৈঞ্ব-সিদ্ধান্তের সার্থমধ্য অক্ত কুতাপি প্রকাশিত হয় নাই। हेशाट अक्क - जागवज- रेवकव - लोत- विज्ञानक-অদৈত--ক্ষ্য--- শক্তি--ভগ্ৰন্তস--ভীব - অচিত্তাভেদাভেদ - অভিধেয়--- সাধনভ ক্রি--- বর্ণ- স্থা-- সোপ্রম-ধর্ম্ম -- শুছ্ক প্রাথ ত্রীনাম-প্রয়োজন ও প্রমাণ-ভর্গুলি পুণক্ অন্যারে স্থ্যতৎ স্নোকাদি স্টাস্ট উংকট এক্টিক কাগজে ব্রোঞ্জ বু কালিতে মুদ্রিভ, উংর্ট বানা সোনার জলে নাম লেখা।

# ঞ্জীনসভীপদাম-এন্থানলী

बीमम्छिनिरमान शेकुत-तिष्ठ 'साममाहाचा-साम-মাহাত্মোর সাহারাদ প্রমাণ খণ্ড-- শ্রীল নরহরি চক্রবারী তাকুরের গাম-পরিক্রমাংশ--- শ্রীগাম নব্ধীপ পরিক্রমা--ভীণ-যাত্রা প্রভি--শ্রীমং প্রবোধানন্ত নবদ্বীপশভক্ষ--শ্রীমছকিবিনোদ সাক্রের শ্রীনবদীপ ভাবতর্থ প্রছতি গ্ৰন্থ একতা ভিকা ৮০ খানা মাত।

#### শ্রীহরিনামায়ত ব্যাকরণ

জীব গোস্বামী প্রভুপাদ-বিরচিত হত ও বৃত্তি. তংগদে ওবিষ্ণাদ জীমছাজাগদাত সরবাতী গোখামী মহারাজের বিভ্রত ভূমিকা ও স্চী প্রাকৃতি সহ। অপ্রত্যাশিতভাবে জলভ। ভিকা ২, টাকা, ছাত্রণণের পকে ১॥০ টাকা মাজ।

#### বেদান্তভাদার

শ্রীমদ্রামাকুজাচালা রচিত। বেদাত্তের বিশিষ্টা**রৈ**ভলাদ-প্রচারক শ্রীভাষ্য প্রণেও। মার্চাম্যপ্রবর বেদা ধ্রদর্শন পাঠের উপ্যোগী কর্ণার্থ এই উন্থম ক্রিয়াছেন। ইংগতে বলামুবাদ ও স্টাপ্রাদি সংযোগিত করা ইইয়াছে নাম মাতে ভিকা।। সানা।

## এটিচত ছাচন্দ্রায়ত ও নবধীপশতক

লোরপারদ তিদানী তীমং প্রানোনন্দ সরম্বাতী-প্রাণীত মুল, প্রভুপান জীমন ভক্তিসভাও সরবতী গোবামী মহারাল সম্পর্গামত অব্যয়ন্ত ভাগে। ও বছাছবাদ স্বাধাত। নষ্ট্রাপশতক্ষেধ উভিভিবিনোদ ঠাকুরের প্রভাক্ষরাদ ও তৎসহ ত্রীময়ধান্তানুর একটা জিবণরঞ্জিত অলোকিক চিত্র প্রদায় এইয়াছে। মুদ্রও কাগ্ড উৎক্রই (২ থানা ত্রুত্রে ) ভিক্ষা ৮০ আলা, অতি প্রম্য বাধাই রাজসংক্ষরণ ১ होका माजा



শ্ৰীমন্ত জিবিনোদ হাকর প্রাণাত। এই একমাত গ্রাও-বল্লের জ্ঞান লাভ করিলে পরেমার্থিক রাজ্যে কিছুতেই अञ्चलि से मुश्लय शाकित्व मा। अब्रम शुक्र नेयानिवसक धहे-ক্প নরণ ও হারমাশার্শ প্রস্থ এ পারে প্রকাশিত হয় নাই। शिशिवादशीय मि-भाषा-माजामिव-महनमदन दहे छाउम्छ উভিত হইলচেন। অবের সুবিস্থাত স্থী, কথাসার हे आदि भाग विद्याय मुद्ध कता इहेबाएछ । विताष अत, (मानाव अरण नाम (लथा, छेरक्टे वै(वाहे -- 5 कुर्य मास्त्रवा किका २ होका माळ।

## <u>প্রে</u>মনিবর্ত্ত

শ্রীমবাহাপ্রভুর অন্তর্জ পার্মণ শ্রীল জগ্লানন প্রভু বির্চিত। এই পুস্তকে মতি সুগ্রোধ্য ভাষার মহাপ্রান্ত क्िन्य नीनाम् देवस्वाधात्र, ध्कामनी । नामज्यन-প্রণালী প্রস্তুতি অনেক বৈক্ষণভবের স্থনীয়াংসা দেখিতে পাইবেন। পাদটীকার ছ মুগু স্থানের বিশ্ববার্থ ও গ্রান্তকার্ডার পরিচয়াদি-সম্প্রিত চাতুর্গ সংকরণ ভিকা ৯৮/০ দশ কানা যাত।

#### ভঙ্গনরহস্ত

ভদনকাণীর নিভাগল; ঠাকুর ভজিবিনোদের অনুল্য शान ; निश्चिम लेटक्य नियाम । अञ्चलनि नः दस्या श्यास কেই ব্রিতে পারিবেন না। তৃতীয় সংখ্রা ভিজা ॥ ।

## হরিনাসচিত্তামণি

🕮নাম-মাহাত্মা, নামাভাষা, নামাপরাধ প্রভৃতি বিবয়ের বাবতীয় বিচরে প্রবণ করিয়াছিলেন। এই বিদয়ওলির আছি সরল প্রারে মংক্ষিপ্র আশ্রন্ধ প্রিপাটিভাবে মুদ্রিত। 🕮ল ভক্তিনিনোদ ঠাকুল্ল-রভিত। পঞ্চম সংকরণ ভিকা ৮০

## কল্যাণকল্পভক্ল

क्किमहक्तिविस्ताम हातूत-तिहात। প্রত্যেক ভপ্রদ-বিশাসী ও জ্ঞানপথের প্রিকের একার প্রয়োষ্ট্রীয় উপদেশাनगीপূর্ণ গাড়িপ্রায়। সামাজ লেখাণ্ডা-ছানা **ए**कारक अ शहे कि समग्रारकात और उनम्रद्ध वाता व्यमधानिपृद्धि 'अ जगरामरा गांड कवितात स्विता शहरवम । शह সংখ্ৰণ, ভিক্ষা /১০ আনা মাত্র।

# শরণ(গতি

শ্রীমছ, জিবিনোধ ঠাকুর-র্ডিও। ভগ্রানে আগুরুম্পন্ বিজ্ঞপ্তি, ভঞ্নবাল্যা, মড়্বিধা শ্রণাগতি ও মিজি-লাল্যা-रित्ताक वी उपूर्व, जिक्ता /- ज्यांना बाब ।

#### शीजानगी

আঁঠাকুর ভঙ্গিবিদোধ-প্রণীত। শিত্য ভঙ্গন, ভারাত্রিক ৰ প্ৰদাদ-দোৰনাদি-বি এক মধুৰ গাঁতনমূহ একতে প্ৰপিত। 'अका / • जाना गाव।



শ্রীমধাহাপ্রের শিক্ষা ও শ্রীল রল্নাণ দাস গোস্বামীর প্রতি শীরূপ গোস্বামীর উপদেশবাণী, ভক্তিপণের অফুরুল ও প্রতিকৃল বিষয়ে স্থবিণারিত স্কোদন ভাষা, বিশ্বত বিবৃতি, চরিভামুতের প্রমাণ, ধার্য ব্যাখ্যা ও মহাজন-প্রণীত ততপ্রোণী গীতমমূহ প্রেত্যেক শ্লোকের স্থিক। স্ত্রিবেশিত ইইরাছে। ৩য় সংস্করণ ভিক্ষা 🗸 • আনা।

#### माभग-कर्

শ্রীরঘ্নাপ দাস গোসামীর মন:শিক্ষা, শ্রীস ঠাকুর ভক্তিবিনোদ-চারিত প্রাম্বাদ্যত। ভিক্ষা / • মানা।

## প্রেমন্ডবিদ্ চল্লিক।

শ্রীণ ঠাকুর নরোভ্রমের স্পর্প্রসিদ্ধ প্রেমভঞ্জিবিবরক গানের পুস্তক। ভিকা 🗸 আনা মারে।

#### নবছী পশন্ত ক

শ্রীল ঠাকুর ভভিত্রিনোদ-রচিত ইল প্রবোধানন সরস্থাপানের সংস্কৃত নার্থীপশতকের স্কৃত্যতিত প্রান্তবনে। चिका / • आसा माद्ध -

#### অর্থপঞ্চক

বীল লোক (চার্যা রচিত। বৈক্ষণতা-জ্ঞানের আকর পুত্ৰ। ভিকা/• সানামাত্র।

#### **সদাচারশ্বতি**

শ্রীল মধ্বাচাণ্য-প্রণীত। বৈদ্যবের নিত্যকল্মানি সদাচারা বলী, বঞ্চাল্যাদ স্থিত। ভিক্ষা ৴ আনা মাত্র।

#### मणिम अनी

कतिकृत्रदक्षांद्री श्रीमद्रावाग्रगाठीया त्रति छ । श्रीमनाश्चर নামাচার্য্য স্মীল হরিদার সাকুরের মুধে স্মীনলাহাপ্রভু চাংগেরে বংকিও ছবিনলীলাও মুল বৈক্ষবণর্ত্বভু । স্ভিপ্রদ ভিক্ষা। প্রানা মন্ত্র।

#### গৌরকুকোদয়

প্রাসীন কবি উট্যোবিন্দ দেব প্রণাত ইংগোরানভাবের প্রমাণাবলাপেংবলিত সংস্কৃত গ্রন্থ। ভিক্ষা ৮০ সালো।

# युक्तिमञ्जिक। (अनदभोत्रः )

শ্ৰীমধ্বসম্প্ৰদাসাঞ্চাত শ্ৰীমগানিবাদ স্বামিসভ। বঙ্গাগারে সায়বদে এই প্রথের প্রকাশ পরিমার্শিক সাহিত্য-ছগতে এই সক্ষপ্রথম ৷ শ্রীনত্মধ্যচাধ্য কর্মত সোদ্ধশাসক্ষম কেতায মধ্ব'চাষ্য নামে আছে জীনাদিরাজভীর্থ স্বামী এই গ্রহে সধোরণ থুক্তি ও গৌকিক অন্মেহ্নারে কিরুপ স্থন্সভাবে | ভিজিবিরোধি-মতবাদ সমুহ খণ্ডন করিয়াছে, ভাচা পাঠ করিতে করিতে আশ্চণ্যাধিত হইতে হয়। 🛮 ইহাতে ধু<sup>ত্রি</sup>র बाबा ठान्होत. तोक, मामाध्यक e माहावानिम्ह-বমুখ্যে জনার পশুন রহিয়াছে। ভিকা ২, টাকা মাত্র।

## (गांचामी औल बचमाथ मान

(ও বিকুপান শ্রীল ভজিসিদাওসম্মতী গোখামী প্রভূপাদ-লিখিত ভূমিকা সহ ) খৌরপ্রেচ স্বন্ধ-জপের তক্ষাত প্রিয়ন্ত্র শ্রীল দাদ গোস্বানী প্রভুৱ অপুকা দেখিতে পাইবেন না। বাদিক ভিক্ষা ভাক্ষাশুল্পহ উরিতানত ও শিক্ষা জতীব প্রাঞ্জল ও গরণ ভাষার সরিবিদ্ধ টাকা মতে। এনং পরিশিষ্টে দাসগোস্বামী প্রেড়র বিরচিত কএকটা নাম্রবাধ মসুরভ্য স্থাব ও মন:শিক্ষা-নছলিও। ভিকা नीशहे १० वाना, वाताशह । ० वाना बाव ।

# চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাচান নবৰীপের অবস্থিতি, তথা, ঐতিহ্ন, প্রোত ও ইতিহাসিক প্রমাণসংখিত নয়টা দীপের সভিত বিব্ধণ-গ্রন্থ। বাছসি রাওসাঙ্গের কুমার 🗃 গুক্ত শর্মিকু নারায়ণ त्रात अम. ध, ध्यांक (मारकात्र), द्वानाञ्च हत्व मरकान्य ककुक স্ক্রিড এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন বর্ণের অপুন্ম চিত্র ও মানটিত-দদ্বিত; প্রাচ্যবিদ্ধামহার্থব রার সাহেব ত্রীগৃক্ত নগেল নাপ বস্থু বিশ্বকোবসম্পাদক মহাপ্তের বিস্তুত ভূমিকা সহ। উংগ্ৰন্ত (ইং) মরকো বাগুটি মূল্য ১॥০, ভিঃ পিঃ তে ২, টাক মাত্র।

# माधक-कर्श्वमाना

· अञ्चलमा, देवकव-वलमा, देवकवन्त्रव, मागारले भेड, जीनामव्दे. जीवग्रवाधान्त्र बारोडियन्त्र नाम. बारेशव्यव नामकी रान, व्यानामनही रान, (श्रमण्यान, वार्षेत्रणी र. भवशील-महिमा, आमाशालुत महिमा, ख्रीमद्वादय-छा इत सहक মাচাধা-বন্দনা, হড়গোখামীর অঠক, প্রেমভক্তিভক্তিকা, উপদেশমালা, নামভদন-প্রণালী, মহাপ্রভু ও রায় বাম্নক भारताल, बनाइनका, श्री प्रमाशालि, श्री प्रमानवालाता, মহাপ্র বন্দনা প্রস্কৃতি গাবক ও সিম্কটীবনের নিজাপ্তা, বৈক্ষবগণের কঠাপ্রিত ভুক্নীমালার ভার অন্তক্ষণ করে वात्रपायाका **भण्य अप्र।** जिल्ला (०) -, ने(वाहे ॥ - मात्र ।

# গোড়ীয়-গোরৰ

কৰিকাভার ভগুদিছ আলবাট হলে গোড়ীয় সম্পাদক श्रीभाष अल्बानक भविषावित्याम अपद बक्कांत विवय शहकारत अकाशिक। बेहारक (भोडीय देवकारमण्डामारयत ইতিহাস প্রক্রাকারে এপিত **১ইয়াছে । ভিক্রা ৮/০ মা**এ।

# গোড়ীয় সাহিত্য

কলিকাতার স্বপ্রসিদ্ধ আলবাট হলে গৌডীর্য সম্পাদক श्रीताम अन्तराज्य পরবিজ্ঞানিলার প্রভার বঞ্চরে বিষয় গ্রাপানারে প্রকাশিত। ইচাতে সাহিত্য প্রেণ কর কর প্রেক্ত্র-সাহিত্তার বিষয় জনকারে ব্রিভ টেবছে। ভিকা 10 · 期间 期至

# শ্রীগৌড়মগুল পরিক্রমা-দর্পণ

শ্রীটেশ্টিছনেশের যে সকল স্থানে সপ্রিকর শ্রীমনালাপ্রভূ द्वा अन्ध्रश भवत्र की महास्रमाण जीवा कविहा भिषाद्वास. মেই মৰ আধুনিক ভৌগোলিক প্রিচ্ছ ও কেব্রিচাই দিয় পরিচয় সহ সা ভাষাতের স্থান । নিম্পেশ ঐভ্যাদি বিষয় গুলি ন্ত্রিবেশিভ কাছে। ভিজা । মানা।

# THE HARMONIST -

#### OR SHREE SAHANATOSHANI

শ্রীল সাকুর ভিজিবিনোদ-প্রতিষ্ঠিত এবং শ্রীল ভক্তি-নিদ্ধান্ত্ৰসক্ষী গোৰামী অংশাদ সম্পাদিত পার্মাথিক মাসিক প্রা তেকণে ইংরাছা ভাষ্যে অঠাবিংশ বর্ষে ভবলক্রাউন ৮ পেজী ৭ কল্মা আকারে প্রাণ্ড **দাবে ছবি**-मार्गत विकत-रेवकमधै वहेगा छेनश्वि बहेरटरकम। কাগক, মূদ্র-পারিপাটা ও চিত্রাদি মাতাঁব চিত্রাকর্ষ। **्वे अकात छेरकरे अन्य भात (काम मानिक भजाविद्य** 

## প্রান্তিছান-

শ্রীতৈত্বভাষত পো: শ্রীমায়াপুর নদীক্ষ

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনষ্টিটিউট" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

# (थाना इहेशाइ।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাএদিগকে অভি যাত্রের সমিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য বিনা বাথে সুন্দর বাসন্থানের বিশোবস্ত ১২৭তে। ভান অভীব সাধ্যকর।

> স্বিস্তার সাধাদের জন্ম নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্র লিখুন। সেক্টোরী, ভাকুর ভক্তিবিশোদ ইশ্টিটিউট্

श्रीतिष्ठश्चमर्ठ, त्थाः श्रीमादार्थत्र, महोद्या ।

# —৫১ বংসরের প্রতিষ্ঠিত—

উন্ধালেয়ে প্রস্তুত বতীকা বাশ শুক্রবানা, স্পুনোন, কোট্টনাঠিন্ন, ম্বাল্ডল প্রস্তৃতি ভঙ বোগীৰ ৰোগ নিরামর হটখাছে ভালা প্রকাশ করিলে বড় বড় পুত্তক হটনা পড়ে।

## हेडा

শক্ত অভুডে বাবছার চলে ও সমান ফল প্রাণান করিরা থাকে। প্রতি কোটার ৩২টা বটাকা থাকে।

## কেবলমাত্র

ু প্রতি কৌটার মূল। ১০ এক টাকা। ইণার নাম **'আভিছনিপ্রছ** ব্**টা**কা'।

অক্সাক্ত ঔগনের তালিকার ক্ষত্র পত্ত লিখিনেই পাইবেন

অাধিধান:—আতঞ্চনিগ্রহ উমধালয়

२>৪ वर वहनाबाद दिने, कशिकाला

# কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



নকংখনের প্রথার জন্ত ৬ আঃ শিশিতে ঘনীভূত অবস্থার ভোটবোড়লেও াসমপা শুষণ ভাকে পাঠান হয়, উলাভে শুষধেয় জোন পরিবর্জন করা কর নাই। মূল্য গ্রৈফি শিশি ৪০ আনা, পাঁইট ৪০০ আনা, বোডল ১০০ আনা।

অফিল–১১নং উচ্টাডালা রোড, পোঃ শ্যামবাজার, কলিকাতা

# শ্ৰীভাগৰত প্ৰেস গোয়াড়ী হা**ইট্ৰা**ট

## কুম্বানগার

এখানের বিবাহের নিমন্ত্রণ-পত্ত, প্রীতি-উপহার, কার্ড, এছ এবং অক্যান্ত বাবতীয় কার্ডা ছাপা হইরা খাকে। ছাপার দর বাজার দর অপেকা কুলত। পরীক্ষা প্রার্থনীয়।

# शरेद्धानिन

বা

# কোষর্দ্ধি রোগ

ডাঃ এস্, এন্, খোব বিনা ক্সন্তে, বাৰক্ষীবনের গ্যারাণ্টি দিয়া বৈছাভিক ব্যাণাতে কোববৃদ্ধি ভোগ আহোগ। ক্ষরিয়া বাকেন।

# যক্ষায় হতাশ হইবেন না

# দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

# প্ৰবন্ধ দিলে সম্পূৰ্ণ আবোগা

কোণী দেশাইটে চহবে। অনিম পাণের নরচ (বাওয়া এক আনার)
পাঠাইলে গিছা রোগাঁ দেশা হয় অগবা তথানে আ্বালিল বেন্দ্রী, দেখিলা ওয়ব দেওবা হয় আলোগা না হওগ প্রাপ্ত পাবিশ্লমিক দিকে হুইবে না। গ্রীব রোগীদের খব্চ বছন ক্রিয়া চিকিইসা ক্রা হয়। বিশ্ববিদ্ধ বিবর্গের ভ্রম ক্রম আনার ভ্রাক টিকেট স্থ নিম্ন ঠিকানার অন্ধ্রম্ম ক্রন।

শ্রীক্ষিতীশ০স্ক্র উকীন, যক্ষা-চিকিৎসক, োঃ নৈকারী, বহিলাল। অপনা নিম ঠিকানায় সাক্ষাৎ করিয়া বিস্তায়িত কানিকে পাছেন।

প্রীয়ত রামগোপাল দত্ত এম্, এ, কুকানগর, নদীয়া। প্রীয়ত ভরিপদ নিংচ, ১১৭, বেণিরাটোলা টীট্, চাটপোলা, কলিকাডা।

একখানি পাত্র। অন্যার তাড়ুপুর গত হয় মাদ বাবং রাজ যক্ষাব ভূগিয়া মৃতপ্রায় হইলাছিল, কলিফাডার বিজ্ঞ চিকিৎসক্পণ তাবার জীবনের আশা ভাগা করিলা শেষ মৃত্রুক্তের জন্ম অপেক্ষা করিছেছিলেন এই সময় শ্রীষ্ত্র কিন্দীশচক্ত উকিল মণাশ্য মাত্র ১০ দিন চিকিৎসা করিলা সম্পূর্ণ আংকালা করিলা দিলাছেন। (সাঃ) শ্রীষ্ট কিশোল হায় চৌধুরী (অন্যান্য থালিয়া) হগুলীট, নিউ বিক্রিং। করণোরেশন ইটিং ডিলা ট্রিনেট, কলিকাডা।

# শ্রীনবং া-পঞ্জিকা

গৌরাব্দ ৪৪৫ মাত্র ১/১০ ভাকটিকেট পাঠাইলেই বুক্লোত পাঠান হয়।

> ম্যানেকান্ **–এ** য়বিভাগ শ্রীচেত্রসময়, পো: শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

কেন গ্রাহকগণ

# शीए

# र्थे ह



এত প্রশংসা করেন

-কারণ-

এখানে বাবভীয় ছাপার কার্যা--গ্রন্থাদির কার্যাই বলুন,

বিবাছের নিমন্ত্রণ পত্র, কার্ড, বিবাছের পছট বলুন,

আর ৩ রং ও ৪ রংএর হাফটোন ব্লক্ট বলুন, সকল কার্যাই স্থান্তি সম্বয় ছাপা হয়, অথচ ছাপাইবার খরচ বাজার অপেক্ষা সুলভ।

আপনার কিছু ছাপার কার্যা থাকিলে নিম্নটিকানার জানাইলেই দর পাইবেন।

> মানেলাগ-গৌড়ীয় প্রিণ্টিং গুহাার্ক্কন্ ২৪৩২ নং জাপার সংব্দার গেড, ক্ষিকার

# मिहे। एक्स दशकारम मगः भूक

वार्श्वहाठे इहेरक खाकाम (४, करहरूकम सम्भूष खलाताक वनश्रक्त क्कि मिट्टारब्रब मार्काटन खादन क्रिया काशास्त्र व्यानगरिकात अन्यान ८०%। कतार अभवन (मार्कानमात साहादमत नारम मालिल क तिगाए ।

#### পাকা ওগা তোগ্ডার

विश्वतां पर नामक महमावास्त्रात অফলের একজন পাকা গুণা পুলিস कर्कुक मत्म्बद्धारम (मिन धृष्ठ इहेग्रावित्र। श्रुणिम विश्वा এই वाकि नाकि वे अकृत्व दछमिन इहेट **छो**डि डेप्शामन कतिया বহু লোকের অর্থ অপহরণ করিয়া कारिकारक ।

গত ১৮ই আগেট মখলবারে এই चाश्रामीरक ट्रणाखावाशास्त्रत चाहित्रक চিফ জেসিডেন্সী ম্যাছিট্টের আদালতে काकिन कता दशा भारत विठास माकि-কেট ভাগার প্রতি ছাঙ্ভ বাদের ছকুম দিয়াছেন ও আগামী ২১শে আগাই এই मामशास मिन गाया कतिग्राधन ।

# বর্দ্মীদের হজে ভারতীয় নিহত

(त्रज्ञ इहेट्ड ध्वकान (य, বিদ্রোহাঁদের নৃতন কোন গভিনিধির लक्ष (प्रथा वाम माहे, छत्व छाकाछित সংবাদ দক্ষিণ এক্ষের সকল অকুল হুইতে ला ह्या याहे एक छ। । अहे मकन का का कि স্থানীয় দুকা জাদের শারাই অসুষ্ঠিত হইয়াছে। নায়জনে বিন জেল হইতে প্লাভক क्विशाद्ध ।

টল চইতে সংবদে পাৰ্যা গিয়াছে त्र उक्षिण्डता अक्ष्रांत नत्रव्हा করিলাছে। পাইবেটমাই ও কিলায় কালা পি**লাব তাক গাড়ীতে হত্যার যামলা** অঞ্চলে গত ১৫ই আগত ভারিখে তর্ক,ব্রা একটি গ্রাম আজেমণ করিবার সময় আমবাসী কর্তুক বাগাপ্রাপ্ত চন।

পায়াপন অঞ্লে পুলিদ পাহারা থাকায় ভারতীয় অবিদ্দীরা কিছুকাল একরপ বাস করিতেছিল। 4 ত্ত্রাচ গত ১৫ই আগট তারিখে थबीता क्षिरकरवात मध्य धक्ति कृतित আক্রণ করে ও একজন ভারতীয়কে ক্ষত্ররপে ছগদ ক্রিয়া শেষ: এই বাজি পৰে ছালপাভালে মারা পিংটি ।

# কংগ্রেসকন্দার অকাল মৃত্যু

ঘটিকার সময় হাওড়া প্রসিদ্ধ অক্লাস্ত

খজিশ বৎসন্ন বয়নে পরলোকগমন ক'রয়া-ছেন। তিনি হা 9ড়া দহরের ফতাকাটা ও কাপড় বোনার প্রধান কেব্রু চিত্তরঞ্জন কর্ম মন্দিরের প্রাণশ্বরূপ ও শিল্পবিছা-লয়ের সম্পাদক ছিলেন। তিনি বন্ধীয় হিন্দুসভার সভা ভিলেন। তিনি বিধৰা-বিৰাহ ও অম্পুর উদ্ধারের চর খুব পরিল্য করিতেন। গত আইন অমান্ত আন্দোলন-কালে তিনি ভিনটা গ্রামে লবণ আইন ভঙ্গের নেতা ছিলেন।

## मानपट्ड विद्यानी वर्कन

मालनह हरेएंड टाकान त्य कः ताम প্রচার স্মিভির সম্পাদক শ্রীন্ত অভলচন্দ্র কুমার স্থানীর বস্তুব্যবস্থিদের সহিত সাক্ষাং করিয়া ভাহাদিগকে পুণার সমরে বিদেশী বস্তু আমদানী করিতে निरुष करत्व। यावभाषीभग कर्रशासत নিৰ্দেশ মানিয়া চলিতে প্ৰভিক্ত इडेग्राइन । त्य ममछ वित्रनी गान ध्यन छ ভালামে মক্ত আছে ভাছার স্থকে কি করা চটবে দে বিষয়ে শীঘট ব্যবসায়িগণের এক সভা বসিবে।

# মহাত্মাজীর সহিত লর্ড আরউইনের সংবাদ ভিত্তিহীন

রয়টারের প্রভিনিধি শর্ড আর্উইনের পক হইয়া বলিতেছেন—গোলটেনিল टेनर्रेटक आक्षीकीटक याशनान कतिनात করু লর্ড আর্ডট্রন ভারবোগে তাঁহার करामी मकन्छ दह छाकाछिएछ। सालवान । महिल बनवाययत्र कतिरल्टछन, ध मःबारमत्र কোনও ভিত্তি নাই।

भारकांका हकेरफ टाकान द्य. ८वन छरा ম্যালিট্রেটের এফলাসে গত ১৭ই আগষ্ট ভনানী হটয়া গিয়াছে। শেণ্টমাণ্ট (इक्षर्वेत दनहातां कतम थी माना आपान করে। মৃত ব্যক্তির পোগাক পরিচ্ছদ ভাহাকে প্রদর্শিত হইলে সে উহা স্বাক্ত करतः। ভাষার সাক্ষা গৃহীত হইবার পরই •বাদীপকীয় সাক্ষীর জবানবলী शहन (नव इत्र । चाडः नत्र माक्टिहें हे. উक्त मामगात व्यामामी यनवत्रप्रात्रः, ८५८-नावायन ध्वा मन्त्राटका वक्तवा अवन कार्त्राप्ट हान। "छाइता नकत्नहे यत्न বে, এই আদালতে তাহারা কিছু বলিতে গত ১৭ই আগাঠ সন্ধা সাজে সাভ ইচ্ছক নয় এবং কোন প্রখের উত্তর এ व्यमान कतिदन ना । मात्रता भागाणहरू

কংগ্রেসকলী জীনুত অবমীনাথ বহু যাত্র তাহাদের বঞ্চব্য আনামীরা প্রকাশ क्तिरव विश्वा कानाव ।

> আগামী ২৭শে আগষ্ট তারিখে मानिष्ट्रेष्ठ ८६ मामना नशस्त्र त्राव व्यनान ক বিবেন।

# ভাল গোয়েকা পুলিস কর্মচারী অভিযুক্ত

काम (शारतमा श्रीम कर्षाताती माजिया कलिका हात कर्लाएतम्ब हैटि আবেছণ গণিকে গোপার করিয়া ভাহার निक्छ क्ट्रेंट्ड छैकि आभाव क्षितात চেটা করিবার অভিযোগে গছর আলী কলিকাতার চীফ প্রেসিডেন্সি ম্যাকিষ্টেট অনারেবল জীপত ভুশাল সিংতের আদা-लाइ काञ्चिक इहेशाहा खाकान. আস্মৌ যে সময়ে উজ ব্যক্তির নিক্ট इन्ट्रेंट होका स्थापात क्विनात (हरें। क्षिर एडिइन, रम्हे म्यास करेनक करने हे वन अभागीत्क इक कतिहा शामाय कहेत्र। যায়। প্ত ১৫ই আ টে উজ মামগার उक्रमका अगानी हहेग्रा विदाहक। আগানী সংশে আগই প্রাস্ত মানলা মুলভূবি আছে।

# (पकारमवर्णत यखरमङ व्यक्तिकात

পালামকোটা হইতে প্রকাশ যে (तामान कााणिकरणत (शांत्रहारन धाक्षि কবর খ্ডিয়া কলৈক নিক্সিই কংগ্রেস (कुछ्डारमनरकत गुर्**टांग्ड का**र्विकःक करा इत्यार्ट, এই निष्ट्य >१हे आंशहे करता-নারের প্রভ্রের উত্তরে স্থানীয় কংগ্রেসের স্পাদক এবং অপর ছুইলন খেডঃবেশ্বক वर्णन, मृष्ठ राष्ट्रिष्टि निक्षिष्टे रचकःरावक ক্রকিয়া পিলাই এর। পুলিনেব তল্ভ कात्रम इट्टेग्राट ।

# পঞ্চাৰ ভাৰণাড়ী চত্যাৰ মামলাৰ একদকা সীৰাট মামলাৰ আসামী বোৰাটে ভাগ ভনাৰ ভাষাকে অহানী ভাৰে মীরাট বড়বন্ধ মামপার কালামী 🕮শৃত

क्य, ति (वभाइ छ कत, कि शांकि क्य मिर्नत प्रष्टिक गक >1ई काशह मीताह হটতে বোখাই আসিয়াছেন। ইংগ্রা ত্থন জামীনে মৃক্ত আছেন। তাহারা २२८भ जागहे मोबाहे वाळा कतिवादहनः।

# ज्ञानारात्र जन-ज्ञानरम गाजी हनाएन वड

া কালিকট হইতে প্ৰকাশ ৰে, ক্ষৰিভাষ यातिवर्दानंत्र काला मानानंत्र व्यक्तात्र হত্তাৰ অংশ ভূৰিয়া যাওয়ায় গাড়ী क्रमान्द्रभाव कि इड्रेशांद्र।

जिन्नाम अक मार्यात टाकान, शास হানে রেল লাইন ভালিয়া গিয়াছে। चालका इंडेटएटए (य, ১৯২৪ चृह्रीटक्स काव ध्वात्र कीवन क्रम शावन (प्रश निद्य ।

# क्षत्राष्ट्रे युवनीरशत्र जका

ष्याद्रमानाम स्थए खाकाण (व, গুলরাট যুবলীগের ওয়াকিং ক্ষিটীর গত ১१६ जागरे वरतामात्र **दक ज**िरदभन इंदेश शिशादक । व्याप्त (मातात्रको দেশাই এই সভায় সভাপতিত্ব ক্রিয়া-ছিলেন। সভায় নিয়াল্খিভ প্রস্তাব श्रीष इद्देशाटक :---

"কংগ্রেদ ওয়াকিং ক্রিটা গেলে-**টেবিল বৈচকে যোগদান না করিবার** भिकास जे भना मानिया नग्लन। ८इ मुख्य कराजनातक कानार एउटकन (य, ভারতের স্বাদীনতা সংগ্রামে প্রয়োজন क्रां क बार्ड म्यान मान्याम कर्त्याम निरम्भ ष्यक्रभारत एक्शिए स्थानमान क. त्रद्वन ।

## (नक्षरकार्थात्र **(यथत्र मर्ब्य**के

गर २५६ व्यानंत्र बहेट हागीय. মিউলিপিপ্যাণিটীর মেপরণণ বেভন ভ্রাস माथा। हाम ध्वः महिला भिवाब स्मित्रस्य च्छ र १ मा गाँउ (चाराना) क्रिकार्ट । भिष्ठ-নিাস্যাণিটীর কত্তপ্রের নিকট হরতে দানা বিয়াছে যে, কভক ভলি নেপরকে कवाव शिनाज कछ करत्रक माम भूत्क व्यात्त्रास्य क्षेत्रहे। वानका इडेग्राहिन। (नल्भ हारमञ्ज कथाल भारभारव वित्र क्य : व्यापाय (कश्वे रेशांत्र व्यक्तिया करत अहि। क्षि प्रश्ने काश्रद्धेत्र शहेत्राह्यत नक्षार्यमा (मणक्रभण (छाल महत्रहरू (बाधना करत त्य, क्रेशरताक करतकि কারণে ভাষারা ১৫ই আগও প্রাভাকাল হইতে ধর্মধন্ত করিবে।

व्यक्षान, त्यथद्यप्रदाव समामाद्रुत पूज क्रबंगकरक मा आभावेश। यह श्रास क्षांहरक क्षा स्थ।

# **अविटम्म द्यारम उकीरमञ्ज**

MINERI

ব্য়িশাল হইতে প্রকাশ যে, গভ ১৮ই व्याशहे कानीय क्विण क्वेर्यालय त्मरमञ् অত্যন্ত <del>পোচনীৰ অৰখাৰ</del> সূত্য ঘটিয়াছে। किनि गक्ताम थानिक्षेत्र काक्षिय थान द्रवर বিকালে তাহায় আলেফালাত বাড়ীতে মারা ব্লে ৷ আত্তঃভারে কারণ এখনও অঞ্চাত। তাহার খ্রী, সন্থান-সন্থতি ও আস্মীৰজনসম্বিত একটা বৃহৎ পরিবায় मार्ट ।

প্রভাগনের হার প্রান্তবাবে প্রান্ত কলম ৬, প্রান্ত কলম ৩॥ সাকি কলম ২, চাকিংব হার



সাতা যোর জার

জারিয় দেয়

বাধিক ৯০

বাধাধিক ৩০

বাধাধিক ২০

বাধাধি

ভারতের সক্তি বছল-প্রচার—- দীয়া ভেলাহ এক মাত মুখাণত

७४ वक

সম্পাদক—শ্রীঅতীন্দ্রাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি

[১৪৭তম সংখ্যা

জ্ঞীটেডজামর্চ জ্ঞীশাম মায়াপুর-৭ই ভাজ সোমবার, ১৩০৮, ২৪শে জাগাই ১৯৩১

# ্নানা কথা গানীনীর বিলাভ গমন

্ লণ্ডন হইতে একাশ যে, কমন্থগেলগ আন ইণ্ডিয়া নাস ২০শে আগষ্ট একটা জন্মী সভা করিয়া ভাগতে বড়বাট বাহতেরকে এই মধ্যে তার করিসাতেন :— শশান্ধীর বিতীয় অন্ধ্রোধ স্থান করন।"

মিঃ গান্ধীকেও এই মধ্যে তার করা ছইয়াছে— ''আপনার ছিতীয় অন্তরেপ রক্ষা করা এইলে স্থার বিগাতে চলিয়া আন্ত্রা,"

# গান্ধীজীর মিকট মিস দেপ্টারের ভার

বেলাহানাদ হইতে প্রকাশ যে, লগুনথিক মিল মুনিমেল পেইারের নিকট
হইতে গান্ধীতী এক ভার পাইয়াতেন—
ভাহতে ভিনি জানিতে চাহিয়াতেন যে,
গান্ধীতী ইংলতে যাহয়া ভাহার আভিথ্য
গ্রহণ করিবেন কিনা এবং তিনি গোলটেনিল বৈঠকের সদক্ষরণে তথায় না
যাইলে ভারু ক্রমপোদেশ্রে ইংলতে যাইবেন
কিনা ভাহাও তিনি জানিতে চাহিয়াভেনা

গান্ধীলী এই ভারের এখনও উত্তর দেন নাই।

## সায়ালেনের বিচার

থারাবভা ছইতে প্রকাশ বে, শান রাজ্যের বিজ্ঞাহী দশগজি সায়াসেনের বিচার শেশাল টাইবানেলে ১৯শে আগাই জায়ন্ত হটুরাছে। রাজার বিকলে হব

# গান্ধীজীর বিলাত গমন

গান্ধাজীর নিক্ট মিস লেফারের তার

# সায়াসেনের বিচার

ঢাকার কমিশনার গুলীর দ্বারা উরুদেশে আহত

# কাশী ডাকলুটের মামলা

ব্যাক্ষের নোট অপহরণে আসামী দণ্ডিত

# গান্ধীজীর সিদ্ধান্ত

কৃমিলায় গাড়োয়ান ধর্মঘট

# স্পোনের নূতন শাসনতন্ত্র

করার অপরাণে তাঁহাকে অভিযুক্ত করা ভটনাতে।

গোয়েন্দা বিভাগের জঠনক কর্মচারী সায়াসেনকে শনাঞ্জ করিয়া বলে যে, প্রায় নয় বংগর শরিয়া সে আসামীকে চেনে।

# কাবুলে স্বানীনত। দিবস উৎসব

পেশোরার হইতে প্রকাশ সে, গত ১৪ই আগষ্ট ভারিখে কাবুলে চমন্ত্র্নীতে আফগান স্থানীনতা দিবস (জাসান) উৎসব হয়। আফগানরাল নাদির সা ভাহার উলোধন বন্ধুভার আফগানিস্থানের আভারারিক ও বৈদেশিক অবস্থার

সমালোচনা করংঃ কটাচ্ছিত সাধীনতা রক্ষার জন্ম প্রচা সাধারণকে সক্ষপ্রকার স্থার্থ বলি দিভে প্রস্তুত হইতে বলেন।

বস্তৃতার পর সামতিক কুচকাওয়াল ও রাজাকে **অ**ভিনাদন করা হয়।

এই সকল অন্তর্গানের শর এক শোন্তা

যাত্রার উপজাতি সমূহ বিশেষভাবে
বোগদান করে। এই সকল উপজাতি

গত আট মাস কাল আফগানিখানের

সমর সচিবের অধীনে ইবাহিম প্রাস্থা

উত্তরের অনিইকারিগণকে বন্দী করিবার

কলা হয়। প্রকাশ, আঘাত সামার বাবরা

ত্তারের অনিইকারিগণকে বন্দী করিবার

কলা হয়। প্রকাশ, আঘাত সামার বাবরা

কলা হয়। প্রকাশ, আঘাত সামার বাবরা

কলা হয়। প্রকাশ, আঘাত সামার বাবরা

কলা ভাষা বিশ্বা চিকিৎসার্থ উলিকে হাস্ব

স্কাচি ভাষার। কার্লে এছেয়াবছন ক্রিয়াছে।

আজ্বানিধানের সকল সম্প্রদানের ক্রেটিনিধি বিমানবাহিনী উচাতে বোগদান করিয়াভিলেন। উক্ত গাহিনী ক্সর্ভাদি প্রদশন করে।

# টাকার কমিশনার গুলীর ছারা উরুদেশে আহত

টাজাইন হইছে প্রকাশ কে, ২১৫ন আন্ত অপরাট্টে একি ব্ৰক আভভানী চাৰা বিভাগের ক্রিশনাব মি: আলেক-ক্রেণ্ডাব কা ফোল্সের উর্দেশ গুনীধার। আভত ক্রিয়াটে।

মিং ব্যানেল্স স্রকারী কালা উপ-লকে টাফাংলে আসিয়াছিশেন। ঐ ভংনিখ অপরায়ে ডিনি মহকুমা ছাকিস এবং মিউলিদিপ্যালিটার চেয়ারম্যানের স্থিত প্রস্তুর্জ সেন্ট্রাল কো-অপারেটিভ ব্যাফ পরিদশন করিছে যাইবার সময় इटेरि धक्छि युवक काशरमंत्र मन्द्रध প্রাক্র **মো**ণাম্বলিভাবে তাগাকে গুলী কণে! লক্ষ্য ত্ৰিক না থকেলে ভলা মিঃ ক্যালেল্সেন উক্লেশের ম'ণ্য ভেদ করিয়া যায়। ७ वन इं का दक्षां विश्विता भगायन करता। মান্তি ট্রেট দা**ংহর ভালাকে** ধরিবার জ্ঞান্ত প্রস্থার করিলে আতভারী গোল-मार्ग भनावन कतिए७ ममर्थ इस । भरक সঙ্গে নিঃ ক্যাংসেল্সের চিকিৎসার ব্যবস্থা क्या इया ध्यक्त, व्याचाक भागाव तकरमत्र । 'डेब्बिक शक्क कतिया छाकास

# শ্রীবিশ্ববৈষ্ণবরাজসভার পরিব্রাজকগণ

পরিব্রাজকগণের শাম	বৰ্তমান ঠিকানা	পবিব্ৰাজকগণের শাম	বৰ্ডমাশ টিকানা
১। जीज डिक्सिमोन डोर्थ	ক লিকাভা	৮। <b>এ</b> ছজি ইরপ পুরী	কটক
২। 🗐 ভক্তিবিবেক ভারতী	কলি কাতা	১। এতিক্তিমন্ত্রপ পর্বত	মযুর ভঞ
৩। শ্রীভবিদনিজ্ঞান আশ্রম	<b>এ</b> মারাপুর	১০। এছজিবলাস গভন্তিনেমি	ক্লিকাডা)
৪। শ্রীভক্তিপ্রকাশ অরণ্য	<b>ফ</b> লিকাডা	১১। শ্রিন্তবিশ্বক্ষন ভব্তিসার	শান্ত জ
१। 🖺 ७ किन्द्र रस दम	কলি কাডা	১২। এভিক্তিরক্ষক এনর	माखाम
৬। 🗒 ভব্তিস্বর্থ দ গিরি	<b>অযুত্</b> সর	১৩। শ্রীভজিভুদেব শ্রোতী	<b>এমারাপু</b> র
৭। 🖹 ভব্তিবৈ ভব সাগর	ভ্রাহ্মণপাড়া	১৪। উভজি-এসুন বোণয়েন	বালেশ্বর

# শুদ্ধভাক্তম্যসমূহ

# ন্ত্ৰীতৈত্ব্য মঠ

## আকর মইরাজ

शाहीन सवदील, फाक्यब डीवाम माबालुब, सनीबा

क्रेड महेबाट्य भारमाधिक देवनिकशक, माइड-व्याधादसंत व्याशकाणिक अ च्याठीन शहराचि शहराव रात्राव व्याप्त विकास साम्या स्थापन शांक्षित व्याप्त स्थापन च्यां व्यक्तियश्यक व्यथाय-शरिकमाञ्चला प्रकाशिक कक्षाणिक की दन व्यक्ताद्वपुर्श्व भकाम(कारमवामि अकाम सश्क्षित व्हवा भारक। उक्तक---अमहावी चीनाम सहवांत्रेणी। সংকারী -অন্ধতারী পণ্ডিত ত্রীপার গোরদাস কাবাব্যা পরণ তীর্ব, ত্রীব্যারণ, ত্রীপার की ब्रह छ . जीवान सक्तरशालान, जीनीसन्यांक मार्थ. जीक्ष्यमस्य, जीव्यनरशालान, जीप्यूक क्षामाधिक ती कक नदबक्त, कविलय, द्वान केटगाक्स अन्ति ।

# ্ত) যোগণীঠ ত্রীমন্দির

(गायामी 古か 事---(の)等 4(の)有名 क्रोडां वाक जीवभागा। সহ হারী @िमिन्तानम अववागी, जैवाधनित्नाम क किन्द्रवन, श्रीकायशाम अक्षणती । श्रीमाधन मान व्यक्तिकारी. (मनव्या क्रिहेनगाथ।

> (8) 최지기-백주과 रक --- 🖹 शका श्कृत्रम अवद्याती ।

> > ( ८ ) कार्ट्य ५-४वम

क्रक- क्रेन्स्य अहे हार्गाः, **अ**रभाक्षमभाग नायाची ।

(७) काळोड मधःविश है

व्याठीन मात्राश्वत, गामनश्वकत (नवीया) वक्क-वक्कादी शैवित्नार्शवनाती।

( 9 ) 甲甘利明 翌年V·李蓉

🚉 (श्राक्तमः, अक्रश्रक्ष ( समीक्षा ) अक्र का विकास वा विकास वितस विकास वि

# (৮ क्रिकाझाथ दशोडी सर्वे

মুখ্নগিংত ৷

नि, अम. मध्यादी-- श्रीवेद ापाम कि नावी. व्येष्ठकम् साथकाती व्यक्षति ।

> (১) औद्रशीय-भवाषय-वर्ष ঠাপারটা, সমুদ্রগড়, ( বস্কমান )

क्ष्मक--- विश्वताम अम्रहारी, कक्

दिलीशमधान काम ।

( १ - अक्रभ भोड़ो य- यह बादाशक. अवाध केंद्रे. लि क्ष्म च--- श्रीमार्कायका नव अवकारी

#### ( ): ) क्रियाप्रसम्बद्ध

माञ्जाकि, बाद्यभव, नष्मान। दक्क--- व्याप्त विकाश विकाशी, करू **क्रिश्मामन्त्र** ।

( )२ ) कांग्रंब कांग्रंब

শ্রীভাগবভ প্রেদ, ক্রফনগর, নদীরা। বলক—শ্রীকুমানন এমচারী ভক্তিশাস্ত্রী

## ( ५७ ) औधकाम्रम मर्छ -

Cपाविकाश्व, द्वामधानी, समीवा। क्ष्म 🏎 🕮 बङ्गानस अन्नहाडी । अङ्गीरी क्रि-विमार अकाती. क्रियमधीय माम मधिकाती, छक निचनाथ।

(১९) श्रीमाश्व ८गोडीय मर्ठ

a अर अवावश्व (बाफ , काका । यक्तक--- च्रीकाशावक्षत्र अववागी, ञ्चिभाव ৰক্ষণ--ভাতিকুল্লম ডাজ্ঞায় প্ৰশ্বচায়ী স্থস্থানৰ পথবিভাবিলোক বি-এ. শ্ৰীনৰ-भीवाम अमहाती, निमहिन्द्रभागम करा

# ( ১৫ ) औरगाभावणी मठ

क्मणाल्य, हाका ।

व्याप---द्यमधानमाम अञ्चनामी

(১৬) 🕮 भना है-८भी 🕇 मर्क রক্ত -- শ্রীপূর্ণ প্রস্তু ভস্মচারী, শ্রীমতিলাল বশ্বভারী

(১९: बीकाभन बक्रमामण बर्ज

bिक्रांगश्चा, बाक्कस्थलुब, दयमिमीलुब। धनारम - न्ये कर-त्यांताल-गाव विका-शिविधात्रीत निकारमका नक्सोन। इकक--अवश्रमी औरशश्रमणामणी।

# ( > ) बादगोडीत मर्त्र

८७ वर कालिकामान ठक्तनकी शिवे, त्याः गामनाकात, कलिकाडा । .छेलिक्स्मान वि. वि. १५५६

মঠরক্ষক—আচাধাত্রিক শ্রীলার কুর্মাবিহারী বিশ্বান্ত্রণ। সরকাতী—পঞ্জিত लीलाम अमस्याप्रसार लदविष्ठाकृत्रत विन्छ, लीलाम वात्रविकारी अक्षतादी. श्रीलाम माभाभिकाती W715%149 f4- c. একচারী भी की सनामक. जीमाबीधानम, उश्वत्वी जीमधनन, गाँकत जीमान नवीनकृष महित्या-नकात 'कांकिमात्री गण्यामाध्येव क्रवाहायः, म्याभवव्यानमात्राधिकाडी वि- a. श्रीक्रवक्रमक्रिक मागाधिकाती वि- वन, न्ये बद्धभम नप्रकाविन, न्येतिबश्चत अक्षानी, न्येत्रत्रत्याविक ত্রক্রারী প্রস্কৃতি।

(১৮) जामनारमाङा अश्वाअम वासर्वाय त्याः वक्रमाम । इक्-अवनामी श्रीकात्रीकरणाव।

(১১) এপুরুবেভেম মঠ

वर्गधार, भूती, डिहिया। क्षक — अवधारी टीलहर नक विद्याप्तक. जन्मधारी विमनीधानक, शिलाशकाक व अक्षाती, अपापनानम् अक्षाती, अनिमार्व চরণ অধিকানী, 🏝 গানিধি পণ্ডা।

(২০) জীজন-খোডীয় মঠ

षाणवहनाथ, अश्वनिश्चि (भाः, भूती। वक्रक--- अव्यक्तिकी द्विनवटमध्ये द्वानामध्ये । नवकात्री--- अक्षाती 🕮 विश्वानिवासी ।

(६) क्रिजिक्शानक मर्ड

केष्टिशानायात, करेक : त्रक्र--- अक्षाती जीनगर्ग, जीवामनग बन्नवानी, जीनाव कदरशानान वामानिकाती।

(२२) जिनमाधन-दशोधी । मर्ड बनः क्षत्रकोतनभूत्रा, कान्त्र ह रक्क- उद्याबी जुगरमध्यको, निठारेशाम अव्दाती, श्रीनकातम अवदानी ।

(১७) क्षेत्रकटेडफ्क मर्ड श्रीजनिश्वमान कृषा, श्रीभाम कुम्मावन । मुक्त क--- जीशनणिवनाय अष्टाती

(२8) 🕮 शत्रवदाश मर्ड

देशियावनाः श्रीकान्य वक्रक---अक्षात्री जीनुगिरशासम् क अक्षात्राची खीनमद्गान ।

(२०) औरेडफ्करभोकीय मर्ड कृत्रकृ का, छित्रकृष्ठा, भानकृष् क्य- - जीवमानाथ शाव, जीवाम हीर्ब **्य**यभविष्य

(२७) गामरभौजीय मठ तकक--- अवहाती जिल्लामधी, जीमगी-श्मानाम अवदामी

(२०) खाष्मनभाषा अभवाक्षय-वर्ध রান্দণাড়া, পোঃ মান্দু, চাগড়া ज्यभारम यष्ट्र अभ्याति औरशांशास्त्रतः दमना वस्यान । वक्ष---अववानी औशानकृत्र-

ዋነሻ, ውጭ ቀውባነ ቀደ ፣

(२৮) विज्ञी दशीखीय मठ-कार्यराजक बन्द रभाषी करन खाउनाइ रमन, निके प्रिक्री तकक--अक्षाती जिनोबक्क, औकूनरमध्य और शायायम्बद्धन्य

(२) (शाहानशाहा-अशहास्त क्रम च--- अमहात्री स्त्री वाशास्त्रावन

(७०) बाजाबदगी हीस वर्ड मर्व द्यांभागपूरम्, कार्रवञ्चान, माञ्चाक হক্ত -- ভিন' ওখানী - ত্রীনম্ভ ক্রিক ক ত্রীগর मनावाल, मञ्चाही---(जनखित्राधी क्रीमन् किक भग किमार, श्रेनाम अभागम अक्यात्री, अभाग (मनकीयन अक्रांती, ঞ্জিনাদ সিঙ্কল্প প্রশাসী ভক্তিপালী a Bein ceile weinen aubiff !

(७५) पाममदगानाम नाष्ट्र कांग्रेशनश्रीत, हान्या, व्योध रक्त-अवहाडी मेरमनगानक



यक्षेत्रम

২৬ औरत दंशीताम ४५१, १६ जाज नमान ५००৮, २४ व्यानन्ने देर ५৯०५ द्रमामनात

১৯৭ চম সংখ্যা

# সাময়িক-প্রসঙ্গ

কশিকতে৷ নিবাসী - ঐয়ত স্থারেশ চন্দ্র বন্ধোপাদ্যায় মহাশয় লিখিতেডেন, গভ ७১८म अभवन (১००৮) हेर्नाको ১५हे काशहे (১৯৩১) রবিবার কলিকাভা-গৌড়ীর মঠের প্রচারকবর ত্রিদভিস্বামী जीमम् अक्तिरित्रक छात्र ही महातान क्रमा-**शृत्रक कामात्मत बन्द गाउँथ नि**ाजनक নোডভ্ৰাগানটোতে ভভাগ্মন করত: শ্রীময়াগবংকর ভক্তরাম্ব প্রাক্তাগতরিক शांठे ९ वाश्याः कविशाहित्सन्।

শ্রীমরাগ্রন্থ কি বস্তু, ভাগ্রন্থের विভिন्नार्थ, नकारमी अभागनरास्त्र क्लाभाव व्यभिरतमान ६४, विकीय व्यभिरतमरमञ्ज যাহা এভাবংকাল অনাবিয়াভাবস্থায় ছিল छाडा किक्राल जी:गोड़ीग्रमर्कत चाहागा পরমহংস পরিবালকাচাধ্যবণ্য শ্রীক্রীময়জি-সিদ্ধান্ত সরস্বতী ঠাকুর কর্ত্তক আণিয়ত হয় ও মন্বাদি ঋনিগণকর্ত্ত প্রবর্তিত চতুর্বর্ণা-শ্রমণক ও ভাগবভধকের পার্থকা কি. इंड्यानि बंदिय निमन्नम् श्वामिकी महोताक উপস্থিত कनम अमीरक खालक आवार भारत-প্রমাণ-বাক্য উদ্ভুত করিয়া হৃদ্যাসম कताहेबा भिवाछित्यन । समत्व छ ८ खा इम ७ मी মন্ত্রমুর্যার মহাবাজের শ্রীমুপ্রিগলিড চেত্রনময়ী ভগবছাণী একাগ্রমনে খাণ ক্ষিতেছিলেন।

মহার জে পাঠ সমাপন করিতে চাহিলে শমাগত ভদ্রমহোদয়গণ আর ৭ একটু সময়

कहित्वन। ८५। इनमं १कनारका त्रीकात সহজ ও সরল ব্যাখ্যা আর কালরেও মুখে कर्माण अंदन करतम नारे।

भार्कत जामि ९ वर्ष जीभान स्टब्स्क দাস অধিকারী মহাশ্য তাহাব স্থলনিত কর্তে মহাজন্ধদাবলা কাঁডন করিলা किटनन ।

উপস্থিত অনুমন্তলীৰ মধ্যে নিয়বিভিত एक्रमद्रापत्रशद्धत्र नाम वित्नम উল্লেখ त्याना :-- १ छ । द्वी कि निवधन विकार्यन, ভাকার খ্রীয়ক কিতালনাথ দে বি, এমু-মি ; এম, বি, সিনিয়র হাউদ দাজন ক্রি-কাত। মেডিকেল হাসপা গ্রন: ডাঃ ইয়িক विगरतक्रमाथ मध्य जन, जम्, जम्, প্রীপুক্ত নিরঞ্জন মজ্মদার বি, এ: 🕮 পুক্ত অভিংকুমার শুহ বি,এ; শ্রীগুক্ত বিকেন্দ্র नाथ बायदजीपूता विन्य, विन्यम : अभिनात खीपुक लाभीसाइन नात क्षेत्री; श्रीपुक एकणाण त्रांग कमिलात ও मारफे हैं : डीव्क মহিমচকুরার জমিদার ও মাচেটে: জীবুকু ब्राट्कक्तिप्तात्र कोष्ती : बीगुक्त दिवनानात्रप যোগ নোধান, শ্রীমুক্ত আন্তর্যের কলা-शावाश कम्प्रीद्धात औपूक्त खुरतक्रम न कर्छ. <u>এণ ক মরীন-জ রার, উন্নত্ত বেলেগণ চক্র</u> ८ जो भिक, भीवृक्त ताबारशाविक व्यविकारी रि-०, बियुक् करकम् लागः उत्सालाभाष, <u>जीवूक पंटीत स्क छेकिया, जीव्यक स्वास्त्रम ।</u>

পাঠ কবিবার জক্ত নিবেদন কানাইবেন। চক্ত চটোপাধ্যক, জীযুক্ত জ্ঞানেক্তনাপ फोटेरकुको क्रानाम देनसन्न ठाकुत ७०न ७१७६१ क्रीकुक प्रति ।म ध्याप, क्रीपुक আরও একম্টাকাল আহবিক্থাকীতন নগে<u>জ</u>নাপ *বে,* ইটাকুল আভিডাৰ চটেট্ भाषाय, श्रीपुक अनेहिलाञ्च गृत्यांभावात. ক্ষিয়াছেন যে এজপ ই.মহাগবতের ইাযুক ক্ষিনীকুমার গক্ষোপাধায় ইতাংদি।

> আমরা আশা করি, মহারাজ এরপ-ভাবে আমাদেৰ কুৰি কলিহত কীৰগণের উদ্ধাৰকামনার অ্যাচিত প্রেম বিভরণ করতঃ ধরু করিবেন। কলির প্রাধান লীলাজের কলিকাভা মহাম্পবীর মবেচ বাস কবিষা বি.শ শতান্ধীৰ যুবকগণে। এজপভাবে ভাগবস্থদর্ম প্রচারের বে একান্তিক "উ২০কা প্রকাশ পাইনাতে ভাষা বৃহধ প্রশ্সনীয় ।

> এই প্রাচারকার্যোর ক্লক্স প্রাণ ও অর্থ-वर्ती (य रमता कारगांच श्रेष व्यक्तनम् করিণাকেন ভঙ্গক্ত ক্যাক্রার গিবীক্স চক্স বস্ত ও জ্ঞীয়ক আফ্রকুমাব वरन्त्राशासादभन्न नाम विटनम উद्धानदयाना ।

> শ্রীকু অনিলকুদার মলিক ও শ্রীকু সভোষকুমার গঞাপান্যায়েন বিশেব চেটা ও আগ্রহে শ্রীমধাগণতের পাঠগৃহথানি বিচিত্র বর্ণের পত্র, পুষ্প ও মালাম্বারা অভিশা জুন্দরভাবে তুগান্ডত বইয়াছিল।

> আশাকরি প্রতিগৃহে এরণ ক্ষানন্দাং মধের অস্কুলন কাল্যা সমস্ত হগাং ২ক্ট

গত ২৭শে আবেণ বুনবার সন্ধারে ত্রিকে ত্ব হবিক্স। শ্রব্যাস শ্রীজনরতে জেট্রিয়ম 🥈 আগত স্থানীৰ কৰিৱাত আঁৰিক মনোমোহ ক্রিশেশবের নিক্ট গুরুত্ত্ব জগদ্পুথ-नीगारिक कारी जवहारी बीजीतस्मार প্ৰাক্ত শিক্ষা, শুদ্ধভক্তি ও চন্ত্ৰন সময়ে ব কণা প্রাদ ২ ঘণ্টাকাল ব্যাপিনা শ্রীপা যহনর ভব্তি-শাস্ত্রী প্রভু কীর্তন করেন।

প্রথনে কনিরাক্ত মহাশয় স্থানীর কে: এক প্রাক্ত সক্ষিত্র নাম উল্লেখ পুর্বাহ সহাপ্রান্ত প্রাচীন মহাজনের ক্রাফ্ডকন পণ পরিতাগে কবিয়া আধুনিক মত 😘 পপে, গুরুতে রফাবৃদ্ধি পুরিফ গুরুরক্ষের ভঙ্ম এবং নিজকে রাধা কলনা করি 🕆 क्षक कल्लान कथा छेणांान करतन। यप्तव ঞ্জাভু আছি স্থাতি জীমহাপুরত হইতে এবং মহাছৰগণের উক্তি উদ্ধার পূর্ণক প্রভূভাবে প্রারুত সদ্প্ররু তথ্য বুলাইলা দিলে কবিরাজ মহাপ্রের এই পথকে সংশয় দুরীভুত হয় 🕫

সমগুকর কুপালাতে অসমর্থ তেলকৈক গুরুর নিকট দাকিতগ্রের তাদুশা ওঞ্জার সদ্ওক্র আরোপ করেলে দানিত এই कर्णात डेखरन १०नन शरु नराम- ५१ (भागाकन भूगा निहा कुपालाम श्रीत करा इट्टेश र वेश होता के काम हत् इडेश য়াল চনা এক জন গ্রিভ শ্বণৰ **অন্নৰে** ১ম্মান বলে অপর: চক্ত নের অভারে अल्ला कर्निय ग्रीया हाथा अश्वेष्टिमिकि ভাইতি গ্রেম্ব 🛶 🕒 বৈবাই কুলে পা**ড**ন

## নীলাচলে জ্ঞারপাথে নৃত্য জ্ঞারণার্রনল নিভা বির নিভ থাকিলেই

( e )

ছাপর্যুলা ভিনি দেবকীনক্ষ, নব-কলধর্থামবর্ণ, শেপীক্ষন মনোমোহন কণে অবভাৰ হইণছিলেন – সেই ভগবান শ্ৰীকৃষ্ণই দ্বীয় গুড় বাঞ্চী পুৰণকল্পে এবার এই অধ্য কলিখুলক ধ্রুত্ম করিয়া व्यानविषयतम् व व्याम**ी** छवान करण व्यव चीर्ग इवेशार्डन: बालरतत रभवे बेसनील কান্তি এশার ছেন গৌরী শ্রীনাধারাণীর দিবাচ্ছটার মণ্ডিত, আর অভরটী ও জানা-রাণীর দেই চিনায় প্রেম রসেই প্রিপূর্ণ। ভণোপরি যিনি, রগাতো নৃত্যকাণীও তিনিই। অথচ প্রকাশ বিচিত্রতাব, ভাব-পারিপাটোর বিভিন্নভাবশতঃ লীলানয় ভগবান 'ক অসীম প্রেম লীবাই না প্রেকট করিয়াছেন! কুরুপেত মিলনে রাগাভাব-বিভাবিত চিত্ত শ্রীগোরস্থার এখন আবার ব্লিভে:২ন---

সেই ভূমি সেই আমি সেই লব সঞ্জন। ভণাপি আমার মন হরে বুলাবন। तुम्मार्टन डेमर के श्रंड कार्यन इत्या । ইহা লেকোরণ্য হাতী খেড়ে। রংধ্র ন। ভাষ। পুশারের। ৮৮-বিক-নাদ অনি॥ उन्ने ताकरतन मरक गन काजिप्रशंत । তাহা গোপবেশ সঙ্গে মুরলী বাদন 🕆 ব্ৰঞ্জে তেখোৱ সঙ্গে থেই কুখ আথাদন। মেই প্রথ-সম্প্রের ইং: নাহি এক কণ্ u कामः व का श्रुमः बीजा कर त्रमारत्न । ভবে আমার মনোবাধা হয়েত পুরুণে ৷

এই প্রেকার অপুর মধুর ভারাবেলে িগৌরগরি উল্লেখনে লোকার্ডি কবিতে। শংকিংশেল, অন্ধার গোসালিং ডিয়া ভাষা ভাষা टकश्के नृतिरहम स्। १८ दकोशहरूनः লোকটা ক্ষান্ত্ৰে নাবারণ আজ্ঞ কোকে হয়ত थाक्र सं क-माहिकात কথাই মনে ভাবেৰেন েকিন গোলোকালভাভির স্থিভ জড়াপ্ডভির হেম পার্থকা যে কোন্ড ভাষার ঘার। ভাষা ঠিক ভাবে বুঝাইডে রামার হল। ভার-লরিধি শ্রীমন্মতাপ্রভ

া জালেবের ইংতিকল থে অংগ ব্যবহার করিলতেন অনিরা হলত ভাষার কভারকম র কপোল-কল্লিভা কদর ক্রিয় ব্যিব। মাড খানবাও চিত্তে দেই দৰ বুলিগছি বলিয়া ছখন। কবিয়া সহান্ত্রের বির ৬ ছাইব ।

লোকে আনের অধীম বাকেলভা প্রকাশ বিংকে লাগিখেন। পুনরার ধলিতেছেন,— ''अञ्चलामी सदनत मन महन्। तम्भूनी : किन्दू े ও কুলাবনকে আমি তক বলিগা জানি। ভোগ সম্পূর্ণ করার অধিকার আছে। তে প্রিত, ন্নোমোচন আম ় আমার সেই [

৾বুনশ্বন্⊋লং জ্পয়-পেশে তোমার অভয়াসূত ভোমার পূর্ণ ক্ষুণা বলিবা জানিব।" এই ভাবে সংকীওনানন্দে মত হটয়৷ শ্রীশ্রীনন্দন (शीतहति अश्वाप-द्रम्यक, भादिविज्ञान अ শীলাচলধাদী অসংখা ধারিবলের চিভ প্রেমামূত বর্ষণে আকর্ষণ করিনেন। সেই করণাতে অভিসিক্ত হট্যা সকলেরই স্তুদ্ধত প্রেমের উদয় হটল। অসংগা ल्लाक उत्राच्या एक इं इंडर कर 'হরি' রবে মূভা করিছে লাগিলেম।

"প্রেমে নাচে, গায় লোক, করে কোলাইল। প্রেড নতে। কৈল যানী তৌত্তণ মঙ্গণ ॥"

এই প্রকাব মহাস্কীত্ন ও মহান্ত্ন দৰ্কে সামাজ মাজুৰ তো তুলের কথা, লীকগ য়াথ, বলবাদ, প্রভাগেনী প্রাপ্ত সানক-ভবে মন্তব গ্ৰহন চ'ল্ডে লাচিত্ৰন। কথন ও বার্থগাঁও স্থতিত কবিতা বিজেত লোগনে ন্তাৰ্জ দেখিতে লাণিবেন: ভক্তবাস্থা-भनेकानी है। मनाशाल ह ्रे श्रीभिक्षण चरित् । প্রভা প্রভাগে করেবে। সন্ধার প্রভিত্ত বলেছে ভিজেন: গৌভাগাশালা নুবতি সদস্থা নাক্সিত ধন জালোবস্তুন-বকে বা লেখন ৷ যদিও दिक्षात रेन्ध्राक लीमधानात है,समाधान : ভংগ্রি বিলেষ কলবার বহী চিত্রন कशालि जिल्लाम्य मानशामन ६ छ. राख প্রার্থ্য, কিঞ্চিং রোধ প্রাধাণ পুরুক কহিলেন- । ছ । ছি। আনাব বিষ বি क्लाम् इहेल् !" अन्त्र क्रिकान वह नाति ভ্রমিয়া ব্যাহর মানে লাসের স্পরি ইইল। विश्व मानाटकोम + छ। । । ताकाटक शादनार নিট্রলিলেন "জেন্দ্র প্রতি ট্রিণের कुन्सरत्त्व नहा कुशा, दुनि मण्यत्र कविङ्गः 7 5000 ভোষাকে উদ্দেশ্য কবিয়া 50 8.00 भिक्ता दिश्याम

ছটলে, আংমি স্থয় কুনি, দল্মের আঙুব গদে ভোষাৰ বাকিলভাৰ কথা গিলেন সে সম্বে ম্টিল মিলিত ইউ ও

भारि उद्देश मा ना ना व्यक्तिक ক্ষরতা ইন্নত স্থারণ রগ চেলিটেট ১৬ ३७ नाम तथ छनाराउद्यत निध्य 5निय চত্তিকাক কান্তিভক্তকাপত বন্ধাণভেনী 'হরি হবি বেশ্ল' ধরনি উলিভ হবল। क्रीभग्रभाक्षर भूगरकाऋ भारत विरुपन-সঙ্গে শ্রীবর্ষের ও মুভ্দুর্গে মৃত্যু কবিলা জগরাগাতো মধারতা আবস্থ করিবেন। अहे श्रकारत है। क्रम्सभरपत छरम अधन জোপীভাবপুৰ উজোৱ**তক্ষর না**নাবির ক্রিতে করিতে বলগতি নামক বিলাম चारम् উপमी ७ इटेरम् भगी-मनिष् ७ ताका-প্রেক্তা নিবিদ্রশ্যে সক্ষণেত তথায় বছবিধ উংক্ত উপচারের ছবে। জীজগলাণের আমার মন বুকাবন হটতে পুরুষ্মান। মন ভোগ লাগাইলেন। বলগভিতে সকলোরই

## ब्याधाय-প्रमञ्ज

(পুরপ্রক:শিক্ত ১৯৬ সংগ্যার পর)

কলি অগাথ বিনাদ বা তকলপোর বৃদ্ধিৰ সঙ্গে সঙ্গে নবদ্বীপাত্ৰ্যত শ্ৰীমানপুৰ রুবং অকাক দাণ ও আমের নামগুনি भूष व विक्रंड कविदान (58) कतिहाद्य बढ़े, ज्यानि दमने मकन मान स्वीजानन अङ्ग्रहतन विषय तथि। एक ।

खान्त्रक 'हेशाहानाक' ना भननहीं-কালে 'এলাছাবাদ' কিলা 'পেরাগ,' মথুবা 'महित' करताता 'बाहिन,' तलादम 'निज्ना-ব্ন' এবং নদীয়া জেলার পাচ় 'লেগা),' केशा 'तकता', खाका 'तकका', भारतेत 'तमले।'. भाइनी 'स्मरकानी', हे(का 'रहेका' लाइटि অস্থ্য শক্ষেৰ অসংখ্য নিক্তিৰ৷ কথা-खूद इंडेरन ५ एका० खाक्र राक्ष मानुभरपद अञ्चल्त्वर देवसः ६६मा भारतः, । अहात्रा यांनाक कारण्य वाता मन्द्रव "मामाधात" লক অসে স্থান্ত 'মেনাগুৰ' তালে কোগেলেও ক্লপাত্রিভ ১টলেও আলি নবছরি ১৯০৪ৰ বী क्रिकरत्वत अधि। तना ६(म,---

देवाफ कर्ति तुर्भ रे-१५ मारमन नाष्ट्राया ভগ্ডি গ্ৰহ সৰ নাম অভানৰ হয় ,,

क्षां का महाराजन अस्ति को तुला अस्तिहरू অস্থ্যান কৰেন লে, বিজয়গ্রাহ্ব সংগ্রাত লীলার পরে এবং জীনিবান আগন্যা জন্ম न्तराधानमंत्र कामि स अर्थ कार्यासम इड्डा श्रद्धात शक्ति । १ '८'५म । इ*री* ग्रंडम, रक्केंद्रका चारित्रकारता । उन्ने चत्रा ।

### उक्षालिशिक्षिण

ইছা হটতে আফুর্মীণের কিন্দুল লুও ভটবাৰ কথা প্ৰাকাশ পাইছেছে। এট স্ময় গঞা ব্যস্তানে প্রবাহিত ভিবেশন, সেই ভান হচতে স্বিলা আবেও পাশ্চনে जिमाधि देशमा । अहे करा शक्त सं अन्तिमा । स रिक्त ५ (इ.स. १७३१मा न

भुष्य केवला भाग इन्होंने क्रमधीर व कि দংশে অণুস্থিত স্থানের পশ্চিমনিকে গল প্রাবাহিত। হন । রাহ্রছাপ যে গঞার পশ্চিমে অবস্থিত একটা দ্বীপ, ভাষ্টা ভবিচার্কর स्टेराङ भूरका इक्ष्रां 🛎 🏝 निवास আটোষ্য প্রভুৱ ভ্রমণকালে যে পূর্বোঞ রন্দ্রত্বীগ লোপ গার এবং ইহার অবস্থান যে গঙ্গার পুর্রদিকে আংশ, ভাষাও ছডি-প্রকেরের বিবরণে ভানা যায়।

এঞ্ব পুর্বাধারে রাওপুর গ্রাম হয়। কেছ কেছ বাহুপুরে 'রন্দ্রপুর' কয়॥ এই রাজপুর পূর্বের রুদ্রহ প নাম। গ্রাম লুপ্ত হইল, এবে আছে মাত্র স্থান n

## যৎকি ঞিৎ

(পুর্নাথকাশিত ১৪৬ সংখ্যার পর )

পকোর সমর যে ঠাকুরবাড়ী গুলিতে সাকানোর এড আঁকজনক, আর ভোগ CP 3मात या किछू गञ्च दारिम्-दम मन छ्रा (न)क (प्रशास्त्र)। असम्मार्ग छ।हे, छ वक भग्नान हां व कवा 9 मन मनग दल्य ना, টাকুৰ ভাষার সল্বেন না কিছু; কিন্তু ट्यांटक ट्यं नव्याः । छाङे ट्यांकटक ६० शिरवः ঠাকুরের একটু যত্ন আতি করতে হন। ঠাকৰ নিয়ে আণ্ডা পেতে ৰসাটাও বাংলা (म्हन এक्टे। यञ्ज महञ्जत नानमान ।

আগড়।গুলোর আবার হোটেল ও চলে। त्य त्यतकम् ठात भत्रे शक्षा पत्र करस् तपन् । মটৰ 'গু'ল, লাফ লা, শুক, ভালা, শুসী, প্রাদ (१) ও মিলে: কারার মাডের খোল, মাছেৰ শংকল, মাছ ভাছা, ভাতিও প্রভেষ্য আল্। একি কম প্রভেষ ব্যবসার ।'

दालकान्द्र बादबाहमा वर्ष, किन्नु व्यक्ति সভাত্র কংগেলি । বাল্লেব মুখে শুনা क्या धामारमय तर्भत सहार हाल नाड ादिन, भन्न भेदानभारभद्भा वाद्यस्त (१) ক্যাম্যে কাল্যা বাগতে ১৪লা। সংখ্যা মামে, ছাজি-র মামে, তভা-古りくばれる নামে বে সকল জাল ব ছেনীৰ ষড়বপ্ত B'ला, १९७ वा 'त ! का कि कुश क्षां क्षांत साथ ४

ব্ৰেজ ্বৰ্ট হজ্যালে, স্বাদ্ স্থায় গ্ৰে कुलिन ८७ के किम उसेकाक्षेत्र दकास पुन भारतान भिर्देश किलाम शहर इत्हा 🚛 आहम 🕸 সমাজা, গলেশ তিখাল কন সেন জন্যৰ মানে इ.प्रिंग रकेना फेट्रिंग । 🖭 🗆 आकाष्ट्र अनुसा शुक्त .शंकार ४ दरवाच -

ভাগি লাবিভেড সবল বালক ভটটীর কলা ওলি: ভাগভাকত জাপালোকে নে এই যুক্তা ব্যবসা ক্রেন, ভাষার ভা স্ত্রমারী হউবে না। হাররে নির্দেশ সমাঞ্ श्वादिका अविद्याल । अविद्याल विकास विकास । রজে কি চিত্রিনই প্রেটের তপ্র করিবে হ इमि कि दक्षात्र छाटिया गार्थ अन्नरक्त्र কি মোহ আছে ১ 30[4] 3440] 414 वाता, टाठामात व्यक्षकाताल्डम महरमत জানৱণ ছেলন করিবাব জন্স সভ্য সভাই ्म भराक•श्रवतः काभिजारकन, कं्ा• পাদগায়ে উপস্থিত হইতে এড ক্ষানিছা কেন ? শতের কুংকছাল ভিন্ন করিছেই যে তিনি দ্রাসিয়াছেন। ব্রিচত, নিপীডিত, আও বিশ্বমানবের ছঃপেই যে ছিনি এই প্রান্থের আমিলাছেন। সভ্য বস্তুতে ভোমার कि कथनरे कि अभित ना १ महा निम्ब জীবকুলের নিভাকল্যাণের জক্ত সাত্রত শ্রুতি সমূহ তারসবে গাহিতেছেন,---

''উফিটত জাগ্রত, প্রাণ্য বরান নিবোগত। ক্ষরত ধারা নিশিতা ছুরতায়া। कृर्गः शथग्द्वर कव्दया वस्ति ॥"

# গ্রন্থ পরিচয়

## 

🕮 ন্যাঞ্চি ক্ষাংগৈপায়ন বেদখ্যাস-প্রাণীত নুল, ছিন্ন-मध्या। याः कृष्ण ' अष्मया-निष्यक्रीका ; डी. मन विश्वताण एकत् स्रो टाकुत-क्रच भारताथमानिया क्रिका, राष्ट्राक्ष्याम, मध्याप समग्र छ व्याजिनक, उपा क निवक्ताभिगुक । व्याचि बरमत आभिरक সেট **বজের প্রতিপান্ত কণা**শার, অধ্যায়ের প্রথমে ঐ অধ্যানের সার্থত ওবিস্থাত তাংপ্যাাদি পির্ভ। শোক্ষ্টা বিষদ্ধতী, অধ্যাধবিবরণ, পার ও প্রান্দ্রীস্ত উত্ম কাগ্রে উভ্য অকরে মুদ্রিতী। প্রথম ১১৫: ১০ম রন প্ৰাপত ছাপ। <sup>শ</sup>পুৰকপে শেষ ইছয়াছে। ডিক্ষা প্ৰথম इंडर्ड हर क्रम क्रम भगाव २०००, मनाम वस ३०० ; 24 S 80 1

## শী শ্রীটেডক্সচরিভায়ত

জীমধালা নোদগারূর রচিত । অমৃতপ্রবাহভাগ্য ও উটোমহাত দিয়াও সরস্থতা গোসামী আহুপাদ গৈপিত 'অক্তেখনো লাভে ছত্যাদি বল শাস্তমান সম্পাত তইয়া क्षाका<sup>र्</sup>क १ वृह्यार्थिन । । स्थारकत्र भाषत्रकार्थाः, वृद्धान्त्रम ५ १९८० क भगादनत भूदन अर्थकन्त्र व्यक्तिक अर्थाक्ति । व्यक्ताक अ अञ्चलतिक कथाभात एम इसा आहर । त्याक, প্রধার, কলা, আুরা, পারে প্রাঞ্জাবর হার্যৎ কটা ও এওকারের 🔻 िए । होतनी रामधार उर्वक्षण अनुस्त्रुल मस्यत्व हो उन्नुस्त স্কুতালি অকাশিত হয় নাই। উত্তম কাগ্রে পারিপাটে।র মাকত প্রশাহর মুল্যান মুন্দিত ১ইয়াতে ৷ প্রস্ত প্রায় २००० पुरुष गुल्लक । जिल्ला विकासन कर्माण ।

## জ্রীটেড স্থাভাগবন্ধ

अधकारतत कीवनी, अधि श्रीताक्षत्वत क्यामात, विच्छ েণ্ডাম ভাষা, শক্ষতী, প্রারহটা, বিধ্যাস্থান প্রেটান-প্রত্যা, প্রভাভ বিবিধ বিষয় প্রাণ্ড বিরাট বিভীয় সংখ্যাল ওবল এছেন ৮ পেজী আকার। অ(দিশালা ও মধ্যের किश्रमरण धाकरां में ७ ६३ शर्ष छ । जार्म छ वर्षा १ ७ इदेएडएइन। अजिम डिका ६ मिना, आणि बीनात 15% C. 1

## **डिल्टिस सम्बद्धाः**

এই প্রায়ের একপ আভনব মুকর সংখ্রণ আর কুত্রাপি প্রাকাশিত হয় নাই। সংগ্রন্থ প্রোকাংশের অবয়, বঙ্গাসুবাদ, क्षामा, क्षामात्र, एषा आकृष्टि मध् बएक घएक आकासिक श्रदेशार्टन। कुल (भाष) अकरत ७वल <u>आ</u>ष्टेन आष्टरनकी दुश्लाकारत काला कहेग्राट्या भूला सार है किया अभीता अकाम ७ (गोष्ट्रीरम्न आव्यगरनम् मध्य अ। • हाका ।

### শ্রীমন্ত্রগবদুগাতা

— ই গোড়ীয় বৈফৰাচায়া অপ্যাক্ত রসিকচ্ডামণি ইটি বিশ্বনাথ চক্রবিষ্টাকুর গোলামিকতা সারাধ্বনিল পরিক্রমার ক্রপ্রাণি-বিষয়ক। ভিক্ষাত আনা। ট্রাকাসমেতা ও উট্টোমছজিবিনোপ সাকুর-প্রাণীত ব্রসিক-বুজুন' নামক ভাষাভাষাধহিতা। অধ্যায়স্চী, নাতৃকাঞ্নে । शाय-क्रो विषय-क्री अध्यातत्र कोदनी e अव्वत्राविकापि গভবাবিষয়-নহ বঞ্ছ-উৎক্ষর বাধাই সুখীয় সংক্রণ---এই রাজ भरक्तरवर्ष किको २ प्राक्ती भीख, मानावर मरक्षत---- अ।• कामा माध

## শ্রীল প্রভূপাদের বক্তৃতাবলা

ও বিষ্ণুপাদ জাজীমছন্তিগিছাপুসর্মতী **भ्यासामा महाद्वादकत** एवड कांत्रक्षा-निश्वरितान कीत श्रिष्ठतरभारवर्षिमी क्रमा-कामां सम्मनाशिमी कात्रह-वालीत भुष्ट-तिक्षण -- तिमानिकि। ४-त ३मानात (काञ्च ७मि- - मुन्स्नामा বেভববিজ্ঞানাশ্যরের মোখিক তথ্য – পঞ্চরাত্র ও ভাগবভের সমধ্য ওল —মহাজন-জীবনজনি হ-শিক্তক —চি দিল্পানি আং হ মচিদার-নিচারক-- এখনা ওমাধুণারদের মোজিক গ্রেম্থার --- শংখ্যা, অভিবেয় 💩 প্রেরোভান ভরের বিদ্ধান্ত সমূল।

১। প্রথম অও-বৈষ্ট্রেদশন, খ্রী ওরতমু, কাল-নশা, আমধ্যাতিভাব, ভাষাধভানতা, পাধারাতিকা দীকা ও বল বিচার, আয়ুন্ত্র ও মনোন্ত্র, ইটেডভুলের ও ভাষায় শিক্ষা, অপ্রাক্ত স্থলন্ম ও প্রাক্ত স্থলন্ম, 🖡 প্র**ক্ত**ি বিশ্বতি সংখ্যক রক্তে *প্র*র্বাচিত । ভিক্রা মাঞ ৮০ বার অলো।

১। ছিলীকা অপ্তে— इक्षा ও বিদ্ধা ভক্তি, মহুলের লেইডা কোলায়, আত্মার নিতারতি, জীনর সামিগাদ ভ माराजाम, बिट्योत-निकारन्न धार्मक, विश्ववत्त सम्ब ७ जन्छ-दीका, दीवामभुकाम दीमहाभारत केंद्रिम, द्वाराधिन বাবের মহিমা, মহা প্রসাদ, 🚊বোরিক, উ্রপারবাভ্ছম-পথ, জীমতী সুমভালুননিং, জীটেড তলের দ্যা, জৌরককণা ६ इत्यमकी कन -- : ५ मन अभूत मधुतिमार्ग्य-दाकुक विस्तित्व। १७१९ २, ५४ हाका माळा

ও। ততীয় খণ্ড—বোৰ্বপ্রেয়ণ ও সভাপ্রিয়ন ब्यादमामन-व्यमम, ध.क्रमनिकार, देशसन, ब्रोभीजारमदीत আবিভাব-প্রসঞ্চ, প্রীমন্থাগনতের সভা, প্রীব্যাসপুস্থায় ব্রীমন-ভাগবদের প্রমরাতান্ত, জ্ঞান্স,কাঁত্র ও হরিগেণার নিভাভা — এই নয়টা স্থাননিক বক্তব্যস্থলিত। ভিকা ৭০ মাত্র।

## 🛎 মন্ত্রগ্রদ্গী তা

শৌ দীয়-বৈশ্বৰাশনিক শেপর আইন্নিন্নলদের বিছা ভুষণ্ঠত ভাষাও আমিছজিনিনোদ সাকুরেরগালেল বন্ধ-ভাষায় বিভুত 'ক্ষিদরঞ্জন' নামক 🛶 ছমুক্ত। অধ্যায়-कर्ता, विश्वप्रकी, ६ छाछि स्मादक्त छालम ७ हुँहीय পাদ স্ঠা, ভাষ্টকারের জীবনী প্রভৃতি সম্বলিত। फेरक्टे बानाहे, ताक्रमुख्यम ( कृष्टीय मन्ध्रम ) अर्थ्स िका २ हाका।

## শ্ৰীনবৰী পথা মসাহাত্য

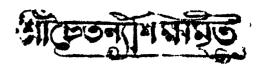
( প্রমাণ্থও ) সামুবাদ। জাতি-সভ্যাদি রাছে শ্রীন্র-দ্বীপের যে মহিমা কাঁটিত আছে, ভাষার মূল সংস্কৃত ও ष्यश्वापः ভिकार**े धा**नाः

## শ্রীনবদীপভাবতরঙ্গ

শ্রীঠাকুর ভব্তিবিনোদ লিখিত। প্রলাগত গাতাকারে

#### ভক্তিরতাকর ও নবছাঁপ পরিক্রমা

শ্রীল নরগরি চাকবন্ধি-চাকর রচিত। ভক্তিরভাকর ভটতে পরিএমাংশ মাল গৃহীত; শ্রীদ্দীব গোসামী কি खनास चैमनकी भगारमन भातकमा कतिहासि लाम, छाहाहे পত্তে বিবৃত। ভিক্ষা । ক আনা



শ্রী ভবিদ্যাম ঠাবুব-প্রাণ্ড : শ্রীচৈভলেইখাতে निकालावाली- क्रमः, क्रमध्यक्ति अत्रग-नद्भ अ मुक्त कीय--অচিন্তা-৫৬নাডেদ-তত্ত্-নাধন-নির্ণা-প্রয়োজন-তত্ত্ব, কল্প-का ए. बासमामित विधात--देवती कुकि, धावधिक छ প্রেল ছড়িল্ট ন্মভ্জন-প্রাণ্থী ও স্থাইকালীয় লীলা-প্রিচ্যাদি প্রথম শিক্ষার্থীর উপ্রোগী করিয়া স্ক্র ভাষায় সমুদ্র স্ত্রিক প্রমাণস্থ বিধিত আছে। চতুর্গ সংস্করণ বাংশ। २. हे।का, आविता bue हेकि। मंदि।

## প্রেক্টীয়কণ্ঠছার

क्षिराओं क्रीम-रेवक-मध्याल अञ्चलन करछ श्रासन्याला ঞ্চি কুডি-পুরাণ-প্রপাতাদি মাজত-শ্রেসমূতের প্রমাণাবলী বিষয়বিভাগালক। সাহারদে ওবিচার। এইরাণ বৈষ্ণাব-মিদ্ভের মার্থ্যক্ষ অজ কুন্পি প্রকাশিত হয় নাই। উষ্ণাতে জন্তত্ব —ভাগবত—বৈশ্বন—গৌর – নিত্যানন্দ— মবৈত-- রশ্ব---শ্ভি--ভগবাদ্র - স্থীব - অভি স্থাতের তেন -- कचित्रा---गर्भाटकि---वर्भया-- आधार-भ्या -- कुक्रधाक — জীলাম — প্রয়োজন ও প্রমাণ-তর্ভলি পুণক অধ্যায়ে স্তব্ধৎ শ্লোকাদি স্তীম্ধ উৎকৃষ্ট এটিক কাগলে রোম্ব ব্ল কালিতে মৃতিত, উংক্ষাবানে নানাৰ কলে নাম লেখা। জাল প্রায় ৪৮ • পুরার সম্পূর্ণ ভিক্ষা ২১ টাকা মাজ।

## श्रीननदीर्भाग-अस्तिनी

दीयमञ्चित्रां वाता है। दुत्र ति । भागमा श्राह्म-भाग-মাহাত্যার সাহারাদ প্রমাণ খণ্ড-- শ্রীণ নরহরি চক্রবারী ঠাকাবের ধাল-পূরি কুমাণ্শ--- জীগাম নব্রীপ প্রিল্ল মা---জীগ-যাতা প্রতি-ইলিং প্রেণানগারত নবর্তাপশতক্ষ-প্রীমন্ত্রি বিলোদ হাকুরের জীনব্দীপ ভারতর্থ প্রাস্তরি গ্রাপ্ত একটা ট্রকটা ট্রকটা মান্ত্র ।

## শ্রীহরিনামায়ত ন্যাকরণ

শ্ৰীদাৰ সোধানী প্ৰান্থাদ-বিৰ্চিত পুত্ৰ ও বুৰি, ভংগলে ওবিফুগদ ইমিহজিমিকাত সর্বভী গোলামী মহারাজের বিস্তু ইনিকা ও ২টা প্রাঞ্জি সহা ब्बल्काभिष्टभारत स्थान। (स्था २, ग्रेका, हाजगरनत भटक अा॰ है।का शका

### (44) 15 5 5717

শ্রীমদ্রামান্তরাচাণ্য-রচিত। নেদান্তের বিশিষ্টাবৈতবাদ-প্রচারক আভাষ্য-প্রণেশা আচাষ্য প্রবর বেদাপ্তদর্শন পাঠের উপ্যোগী কর্ণার্থ এই উত্তম ক্রিয়াটেন। ইহাতে বছাত্রনাদ ও স্করিপানাদি সংযোগিত করা তইয়াছে নাম মাত ভিজা ॥ । থানা।

#### শ্রীটেডগ্রাচন্দ্রশায়ত ও নবধীপশতক :

জৌরপাষদ তিদ ভী তীমং প্রানােশন সরস্বাতী-প্রাণিত মুল, প্রেম্পাদ আমন ভিতিবিদান সরপতী গোষামী মহারাজ স্প্রাদিত অধ্যয়গে ব্যাগা ও বস্থায়বাদ সম্বলিত। नविशेष्णकाकत देशकि विराम अक्रिया प्रशास्त्र । ত্ত্ৰ্য উন্নয় প্ৰাণ্ড একটা ভিৰণৱঞ্চিত আগৌৰিক চিত্ৰ প্রায়ত ১০সাছে। মুদ্রর ও কার্মজ উৎক্রয় (২ খালা একলে ) ভিক্ষা ৮০ আনা, অতি ক্রমা বাধাই রাজসংক্ষরণ >্ চাকা মাজ



আম্বিভিনিনের সাক্তম-প্রভাত त्र टक्यां श्रह-नारका किन्द्र इंडे ব্যস্ত্র জান লাভ কালে প্রেম अव्यास नामान्यः प्राक्तास्य स्थान । प्रायम् धूर त्या विकास दर्शन क्षण मनम व जनम धर्मी धर दो धामक धारामिन वस नाहे। ইল্লিন্ড্রাক্সলি শ্রুত মত্ত দেলি ম্নল্ড্রা এই এই বিভিত্ত छिलिक क्षेत्रारणन। आधान सनिवंच प्रती. कथामात शक्तालि बाना निर्मा ममुद्ध कना बढ़ीयारक । वितालि धान, तिशिवि क्रांग नाम ्लेशा, केंग्रहेती वि---किए। २, छ। क। मा छ।

## প্রেম্বিবর্ত্ত

প্রীম্বাহাপুত্র অন্থ্রস্থ পার্যন প্রীল জগনামন্দ প্রভ বির্চিত তেই পুওকে ছাত জুনবোদ্য ভারার মহাপ্রতর क्छिला शीलागह देवस्थवाष्ट्रांत, रकानना । सामग्रेकन-প্রাণালী প্রকৃতি খনেক দেখিতে গাইবেন। পাদটাকার ওছাই তানের বিশ্বাধ ও ভিজা৴• মানা মাত্র ' প্রক্রার পরিচয় দি-ন্দালত চতুর সংখাল বিজ্ঞান√• मन अल्ला माद्या

#### ভঙ্গনরহস্প

ভলনকারীর নিভাগদা; গ্রাকুব ভজিবিনোবের মন্ল্য निभिन्न संदेशन निमास । शहसानि ना स्मर्भ नगाय েছত ব্ৰিতে পাৰিবেন না। ততাম সংস্কৃত ভিকা ।।।

#### হরিনামচিন্তামণি

नामाठारी औन वृतिनात शाहरतत मृत्य अभगन्नवाळाड् ह्यानाम-माहाचा, नामाहाम, नामाश्रताय आङ्डि विवस्यत এট বিশ্বপূচনির ষাবতীয় বিচার শবন করিয়াজিলেন অভি সুবল প্রাধে সংক্রিপু রাশ্যান প্রিপ্টেডাবে মুল্লিড। ব্রীল ভাকিবিবের প্রাক্তর বিভিন্ন প্রকাশ প্রকাশ ভিক্ষা ৮০ । আমাধাবিধা-সংবাহীত সংস্কৃত এটা । ভিক্ষা ৮০ সালা ।

#### কল্যাণকল্পত্ৰক

ন্ত্রীমন্ত কবিলেনে ইকেব বাজিক। প্রত্যেক ভগবদ-বিখ্যা ও জানপথের পাপকের একাও প্রয়োগনীয় देश्यमावनीश्रद गाडिश्रह। यात्रक स्थापडा कामा (सार्क छ १डे छक्नत्।८४।त कि.चित्रभूरवत दात्रा **अनर्थ**नितृत्वि ও ভাগাপালেশ কাভ করিবার স্থাবিদা পাইবেন। বই সংখ্ৰণ, ভিক্না / ত খানা মাই।

## व्यत्रभाशकि

জীমগুলি বিনোধ সাকুল-ব্ৰতি ১ : ভগৰানে আল্লুন্মৰ্পন, तिक्रश्वि, चंद्र नशासता, यङ् विशा अनुसर्भात्ते । । तिक्कि वालगाः विषयक वैज्ञिपूर्व, जिका ८० जाना साध ।

## श्री डानमी

প্রীঠাকুর ভবিধনিনাদ-প্রণিত। নিত্য ভত্তন, আরাত্রিক अम्मि-स्थितमान-विस्त्रक मत्त्र भाउत्रम्॰ एकद्व अभिछ । किया / अलि मार्थ।

ইংম্যার গ্রাট্র শিক্ষা ও শ্রীণ রণুমাণ পাস গো**লা**মীর <sup>†</sup> প্রতি শ্রিকপ গোষার্মীর উপদেশবার্গা, ভারুপ্রের অফুকুল 9 প্রতিকল বি যে স্থাবভারত সল্লোদন ভাল, বিশ্বত निवृद्धिः हिल्लाम्ट्रिय अभागः, यात्रय गायन । व मधायमः প্রবীত ভতুপ্রোধি গ্রেময়ত প্রতেশক সোধের স্তিত স্ত্রিবেশিত ইউর্ভেট তথ সংস্করণ ভিজা 💅 আসা।

### माधन-कव

ভীৰসুনাথ পান গোলামাৰ মনংশিক্ষা, জীল সাক্ষ ভ্রতিবিনে। - চরিত প্রায়ুবাদ্যত। ভিকা 🕟 মানা।

## প্রেম চক্তিচ ক্রিক।

জীল গাকুর নরে ত্রেমর স্বপ্রাণত্ত বিষয়ক গ্রানের পুস্তক। ভিকান'• সানা মাত্র।

#### बदर्ही शब इक

শ্রীস সাকুৰ ভবিধনাদ-বভিত শ্রীপ প্রবোধানন ্রেক্তব্যুত্র সুথামাণ্যা সরস্বতীপানের সংস্থাত নব্দীপশ্ভকের স্কুলনিত প্রভারতীদ

#### ভার্পপঞ্জ

कीव (वाकानामा विच्छ। देवकवना-क्रांत्मव बाकन পুত্ৰক। ভিকাত আনাম্ব্ৰো

## সদাচারশ্বতি

জীল মধ্বাচাৰ্যা-প্ৰাৰীত। বৈক্ষবের নিতাকন্মাদি সদাচারা-বলা, বন্ধান্তবাদ সভিত। ভিকাস আনামাত।

### মণিম্ভরী

कतिकृत्रदक्षत्री श्रीमहात्राप्रगाठाचा त्रिष्ठ : श्रीमण्यस्य। फारगान न॰ किथ कीवननीना ७ मृत देवकवस्यम् । मास्त्रतीन ভিका। असा माद।

## (भोतक कामम

প্রাতীন কবি শ্রীগোবিন্দ দেব প্রাণ্ড শ্রীগৌদাবভারের

### मुख्यिमञ्जिक। ( श्वयरमोज्ञ )

শ্রীমধ্বদশ্রদারাভাতে শ্রীমধানিরাক স্বামিঞ্জ । বঙ্গাগরে যানুবাৰ এই প্ৰস্তেৱ আকাশ পার্মাণিক গাঙ্গিতা-ছগতে लंड शक्त व्यथम । ब्लिमसाध्याहामा इकेट एमापूनां पञ्चन विखीय মধ্ব চাৰ্য্য নামে খ্যাত জীবাদিয়াজতীৰ্থ স্বামী এই প্ৰয়ে ৷ মাধারণ বৃক্তি ও লোকিক স্কাদায়ধারে কিরুপ স্থলরভাবে। ভিভিনিরোধি-মতবাদ সমূহ প্রন করিয়াছে, ভাষা পাঠ कतिएक कतिएक वान्ध्याधिक बबेटक बद्या । बेबाटक मृक्तित्र । बाबा ठारताक, देशन, त्योब, माँगारंगक 'अ मात्रावाधिमक-সমূতের সুন্দর থাওন রহিয়াছে। ভিঞান টাকা মাজ।

## (गायामी आल तम्माथ माम

েওঁ বিকুপাৰ শ্ৰীৰ ভড়িংসদান্ত সরক্ষতী গোৰামী প্রাভূপাদ-বিশিত ভূমিকা সহ) গোরপ্রেই স্বরূপ-ক্রের একমাত্র প্রিয়ত্তম জীল লাগ গোস্থানী প্রাচ্ন অপুর্ব চরিভায়ত ও শিক্ষা অভীৰ প্রাঞ্জন ও সম্বল ভাষায় সন্ধিতিই ध्यः भविभित्र बाग्रामामी छाउँ विविध् क्षक्री मायुक्त मधुक्तक्य क्षत । मनः भिका-मध्निक। किका नीभावे ॥ व्याना, वानाभावे 🕪 व्याना वाज ।

# চিত্রে নবদ্বীপ

প্রাচীন ন্বধাপের অবভিতি, তথা, ঐতিহা, প্রেতি ও ঐতিহানিক প্রমাণসম্বাত নয়টা দাঁপের সচিত্র বিষরণ-গ্রন্থ। প্রাঞ্চির জুলাকের কুনার ত্রীবৃক্ত প্রাণিশ্ব নারায়ণ तात्र पण, था. थाछ गार्टात्र), त्वनात्रकृत्व मर्टापत्र कर्कुक স্ফলিত এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন সর্বের অপুর চিত্র 😮 मोनिष्णि-नर्नात्रकः आहातिश्वामद्यापित त्रात्र नारक्त 💐 यक्त নগেন্দ্ৰ নাথ বস্ত বিশ্বকোষদপাদক মহাশ্যের বিশ্বন্ত ভূমিকা त्रका छेव्हर्ट ( हेर ) महत्त्वा नीवाहे मुना २॥०, छि: लि: एक

## माभक-कर्श्रमाना

धनानम्मना, देवकान-वन्त्रना, देवकानमञ्जल, मानारमह् नी ह, শ্রীনামগট্ট, শ্রীমন্ত্রাপ্রান্তর অংশতর নাম, অইপ্রেরর नामकाञ्चन, श्रीनामनकोक्षन, ८श्रमन्त्रीन, 'वाछेलम्क्रीड, ननवील-गठिमा, टीमामल्य गडिमा, श्रीनद्वादय-अन्त करेड आह गिन्दलेगा. मह्द्रशायायीत अहेक. (श्रमहाक्रित क्रिका, **फिट्टन-प्रांका, नामछक्त-छान्छी, मधाळाडू ६ तात्र प्रांगान-स** तरवात. यनां नका, श्री धकाश्राहित श्री धका-भताम्बा. মহাপ্রান্ধ বলনা প্রান্ত দাবক ও দিছভীবনের নিভাপাঠা, বৈক্ষাৰণণের কণ্ডাল্লিড ভূক্ষীমালার জার মঞ্জণ করে वात्रपायाया अर्थन अहा जिल्हा (०० वे(वार्ट ४० मा.च ।

## গোড়ীয়-গোরৰ

ক্লিকাভার স্তপ্রসিদ্ধ মালবাট হলে শৌডীয় সম্পাদক শ্রীপাদ স্থন্দরানন পরবিদ্যাবিনোদ-প্রেদ্য বঞ্চায় বিষয় श्रकारत क्षकाभित्र। इंशास्त्र (शोधीत देवक्षतम्कारात्रः ইতিধান ক্ষাকারে প্রসিদ্ধ ধর্মছে। ভিকা 🕪 নাজ।

## গোড়ীয় সাহিত্য

কলিকাভার প্রপ্রাসিত্র আলবাট হলে গেডিটায়-সম্পাদক শ্রীপাদ অন্যানন পরবিস্থাবিনোদপ্রাভূ প্রাণ্ড ব ভাভার বিষয় श्रकारत श्रकासिक। वैदारक माविका-सर्वत अर्थ क्रवः েটডীয়-সাহিত্যের বিনয় ক্ষমকারে ব্যক্তি হটয়াছে । ভিক্ষা he । সালা মারে।

### औरगोष्ठम थल পরিক্রম।-দর্পণ

শ্রীপৌডদেশের দে সকল স্থানে সপস্থিকর শ্রীনমানা প্রভ ্বেং ভদত্ব পরবারী মহাজনশ্ব লীলা করিয়া গিয়াছেন. ट्राष्ट्रे गव व्याधुनिक ट्रहोटनानिक शक्तिका ७ एन नविश्वहामित्र পরিচয় সহ যাভারাতের স্লবিধা নিদেশ ইভাদি বিষয়গুলি স্ত্রিবেশিত আছে। ভিকা । আনা।

## THE HARMONIST OR SHREE SAJJANATOSHANI

ত্রীল মাকুর ভাকিবিনোদ-প্রতিষ্কিত এবং জ্রীল ভাকি-निकाञ्चनत्रवाठी (पात्रामी व्यक्ताम मन्त्रामिक शासमाधिक माशिक পর। ७००८न देश्त्राकी सागत अक्षेति॰न वर्ष ভবৰফাউন ৮ পেন্ডী ৪ ফলা আকালে প্ৰাভ ৰাৱে ৰবি-मार्ग्य विकत्र-रेवधवती बहेश खेलविक बहेरठरहमः कानक, बुक्त-नाजिनाहा । ठिखामि अछीन हिमाक्षक। এই প্রকার উৎকট প্রাবধ আর কোন মাসিক প্রাদিতে (प्रविष्ट भारतिक निका खाक्या क्रमा क हाका माज।

## প্রাপ্তিমান-

এতৈভত্তমত, পোঃ শ্রীমারাপুর নদীরা

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট্" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## খোলা হইরাছে ।

অভিজ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছাতদিগকে ·অতি হাত্রের পঠিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগপের জন্য বিনা বায়ে সক্ষর বাসন্থানের বঙ্গে নত সংখাছে। তান অকাব পাহাকর।

🔰 সনিশ্বার সংবাদের জন্ম নিম্নলিখিত ঠিকানা পত্ত লিখুন। সেক্রেটারী, ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইন্টেটিউট্ জীচৈভক্তমঠ, পোঃ জীমারাপুর, নদীয়া।

## -৫১ বৎদরের প্রতিষ্ঠিত—

উৰ্ধালয়ে এন্তত বটীকা कारा कुक्तकांत्रमा, युप्रसाय, क्लिकाठिक, कामीर्ग, श्वक्रक दास्ति कछ caifila cain मित्रामय क्षेत्राटक छाना व्यकाल कविटल वर्फ वक्र श्रुखक

স্কুল পাহুতে ব্যবহার চলে ও সম্প্রিকণ প্রবাধন করিবা পাকে। প্রতি कोंग्रेश वरती वतिका बादक ।

#### (क्नल्या क

প্রতি কৌটার মূল। ১ এক টাকা। ইগার নাম 'আভেছনিপ্রত

মতান্ত ঔষধের তালিকার অস্ত পত্র লিখিলেই পাইবেন বাধিয়ান:--আত্তৰনিগ্ৰহ উল্থালয় २58 मध्यक्षाचात्र क्रिके, कशिकाला

## কবিরাজ শশিভূষণ কবিকপ্ঠাভরণের



মকংখণের প্রবিধার অস্ত ৬ আঃ শিশিতে ঘনীভূত অবস্থায় ভোটবো-দলের াসমপ্র ত্তীৰণ ভাষ্টে পাঠাম লয়, ইলাডে উৰ্থেছ কোন পঢ়িবজন করা লয় নাই। মুল্য প্রতি শিশি ঃ• আমা, পাইট ৯৮• আমা, বোভগ ১৮• আনা }

অফিস–১১নং উন্টাডালা রোড, পোঃ শ্বামবাজার, কলিকাতা

## গ্রীভাগবত প্রেস (शामाको हारे के

## 李五年19日

अधारनत निवारबत विश्वत्र गानि । গ্রীভি-উপদার, কার্ড, এছ এশং অক্সাক্ত ব্যবভীয় কার্যা ছাপ। ইইয়া शास्त्र । क्षांशास एक वाकास पर व्यत्भका खुनका भन्नोका धार्यनीय। }

# হাইডোসিল

## কোষরদ্ধি রোগ

ডাঃ এস, এন, খোষ বন: আছে, या क्यीतालंड नाइक्षि निया देवशास्त्रक রাণাগাটে কোববুছি রোগ আরোগা करिया बारकम ।

> Saist-क वर करेन हैति, नष्टवाबार, 4 1515 PT 6

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

## প্ৰর দিলে সম্পূর্ণ আরোগ্য

ट्राडी (क्यांकेट्ड क्टरन । काश्चिम नश्निम नव्ह (या उसा धार व्याप्तात ) भाक्री हेटल शिक्षा द्वारी दक्षणा क्य अवया अवादन आमित्य द्वाणी दक्ष थेता अवन .vgai बस मारवाना मा मखदा नवास नाविम्यमिक मिर्फ क्वेरन ना। शरीत द्वार्शियत खत्रह नहत किन्द्रश किनियमा कवा वस । विश्वादिक नित्रदान्द्र क्छ उक जानाव काक हित्र है मह निव्य किमाना। अञ्चनकान 中奈司 (

শ্রীক্তীশচন্ত্র উকীল, যক্ষা-চিকিৎস্ক, পো: নৈকাঠী, ববিলাল। অপ্র নিম ঠিকানার সাক্ষাৎ করিয়া বিস্তাহিত জানিতে পারেন : ট্রাস্ত রামগোপাল দত্ত এম. এ. ক্লমলগুর, মধীয়া । শ্রীষভ ভরিপদ गि॰ इ. ३६१, द्यांपश्चादलाला श्रीहे, बाहेद्यांमा, कविकाला ।

একখানি পত্তা জনার আভুপুর গভ হয় মাস বাবং রাজ বন্ধার ভূগিয়া মৃতপ্রার ক্রৱাভিল, ক্লিকাভার বিজ্ঞ চিকিৎসক্সণ ভাগের कीवरमञ्जूषामा छ। ११ कतिया स्मय पृहुत्वत क्षत्र व्यत्नका कतिराविश्यम এই সময় শীবৃত কিটোশচন্ত উৰিল মহালয় মাত্ৰ ১০ দিন চিকিৎসা कतिवा मण्युनं व्याद्वांनाः कविवा विवादकता (माः) श्रीव शेख किलाव काम ८ र्रोसूडी ( स्विमात शालिकाः) कत् ब्रीहे, निक्के विक्तिः। अस्तार्यस्य ा हेती: डिला डेंटम के. क निकास्त्रा

গৌরাব্দ ৪৪৫ मात ४) ॰ जाकनिदकने भागिबेटन हे तूकरभाट ? भागिम स्त्र ।

> মানেজার –এ রবিভাগ জীচৈতভাষ্ঠ, পোঃ শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

কেন গ্রাহকগণ

# য় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

–কার্ণ–

এখানে যাবভীয় ছাপার কাষ্ট্য---अश्वापित्र कार्या है बनून,

विशाद्धित निमञ्जन भाज, कार्ड, विवाद्धित भाष्ठ विन्न,

चात ७ त: ७ 8 त: शत राकटों। इक्टे बना, मकल कार्याहे वाडि স্তুর ছাপা •র, স্থচ চাপাইবার খরচ বাজার সংগক্ষা ওলভ।

মাপনার কিছু ছাপার কার্য্য থাকিলে নিম্নঠিকানার জানাইলেই লয় পাইদেন।

> মামনমান গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওরার্কস २८७२ वर सामात्र मारकुमाव <mark>द्वास्त. स</mark>मिनाञ्च

**बैस**र बाहानुष मुरोहा-व्यकान शि. कि: वहाकन स्ट्राय-स्क्रकाणि खनागाती प्रक्रिकृत्य श्रम, श्रम, श्रम, क्ष्र पूर्ण व व्यकानिक

## কাশী ভাকলুটের মামলা

রামদেব গরাই, ক্রী ও জয়নারায়ণ দ গুবিবির ৩৯৭ গারা অঞ্সারে দায়র। গাণ্যায় সভাপতির আগন গ্রহণ কবেন। भाभक इंड्राइस्म । काशास्त्र विकृत्य ! **फ**िर्याण दिल--किश्म धाक कर्या हाती ধরা করিখা ডাক ল্ট্রা মাইবার সময় উহারা ভাষাদিওকে আক্ষণ করে। দায়রা জ্বছা জুরীদের স্কারাধিস্থত অভি-মত গ্ৰহ্ণ করিয়া আদামীদিগকে সুঞ্জি भिग्नाट्य ।

## দক্ষিণ ভারতে ট্রেণ তুর্ঘটনা

मालाक अमुक्तिन महाताहे त्नव अरहाय ডিব্রীক ট্রাফিক প্রপারিটেরেণ্ট কানাই-ভেছেন যে, গত ৮ই আগষ্ট ডোকাল ষ্টেশনে ৯৫ আপ মালগাড়ী থানির উভয় ইঞ্জিন পাণ্টাই করিবার জন্ম পাড়ী হইতে বিভিন্ন করা হইলে যোলখানি नाडी धकरमार्ग ऋष्टरना निम्नमिरक शांविक हरेया वाहिटनत नीर्य व्यक्तिकाहिया উच्छाहेश यात्र। आड़ीत शार्फ, ८त्रक्साम ध्यर (ए। न्हाक ८१ मरनत ध्यक्त भरतको-মান হুইটনার ফলে আহত হুইয়াতে ৷

## কাথীতে হাজ্যানিয়েকের উৎসৰ

(बनातम इनेटन खाकान (४, ३५८न আশাই বিভন মহাবাল প্রীয়ত আদিতা-নারায়ণ সিংখের রাড্যাভিষেক উৎসব রামনগর বেলার ন্যাপা হট্যা থিয়াতে। व्यथतारह दहे छैपनाय मन्त्राह्य महा त्रामाक व्यक्तिमान (१९६३) हत्र।

মহারাজা কাদিত্যনারায়ণ সিংহ তাঁহার রাজ্যাভিযেক উপল্লে ঘোষনা कतिशाह्यस्य, डीशात तामगारना सक्य ख्याबिक सिका 9 हेरात्रको विश्वासारत हैका कतिरलहे अरत नगरक आकिसा निवाद শিক্ষা মটেবতানক করা হইবে।

অভিযেক উপর্জে মহাস্ত্রতা এক লক্ষ সুত্র উপরে রাজ্য মকুর করিংগছেন।

#### পলাভক আনামী গ্ৰভ

আ্লানংগঞ্জ ডাকে লুটের স্পাকে উঘারঞ্জন বঞ্জ নামক প্রাত্তক ব্যক্তিকে শত ১৮ই লাশত ব্যৱিতে কলিকাতা रहें CB (अक्षेत्र के निष्) युग्ना (मास्य ববিশালে সানা ইটয় ছে। উক্ত ভাকপুট গাত কাজবাৰী মাধে হয়।

এট মমেলার ঋপর আসামী পিনাকী-রঞ্ন নাথ ইতঃপুরেরই ২ বংসারের সক্ষ कातामर ७ मि ७ ४ वेदारक।

## বর্জমান জনসভায় বস্তার मारु(ध्यात्र शावधा

উত্তর ও পূক্ষবংগ বভাল:বিত অঞ্চ.লর भाक्तिरशत्र मार्गारयात्र **উ**পার নিকারণের জন্ত গত ১৮ই আগষ্ট টাউনহলে একটি , শনারের নিকট নলকুণ খনন ও মেরা-অনসভার আ বেশনে প্রীযুক্ত শ্রীংর্য মুংখা একটি প্রতিনিন্দিক সমিতির অর্থ भः अङ উদ্দেশ্ত चीपुष चीव्य मृत्या-পান্যায়কে সভাপতি ও শ্রীয়ত যাদবেশ্বনাথ शीकारक मुल्लांसक विकारिक

শভার একটি প্রস্তোবাঞ্য্যায়ী সভাপ, ত ও অপর ক্য়েক্সন বিশিষ্ট বাভিকে ১৯১০ সালে পঠিত ব্লমণে সাহায্য স্থিতির স্ভাপ্তি ফিলা স্থানিংইটের সহিত সাক্ষাৎ করিয়া উন্ত এর ১২৫৬ यत्पष्ठे शतिमान वन्ता शाहितरमत महत्त्रमा-কল্পে জাহাকে অন্তলোগ কাললার ক্ষমতা CH अता कटेग्राट्ड ।

### C नाराम्य मृद्य भौगामण्ड

माजिल करेटड आकाल द्या. १८७ ५५३ আগাই রাজিকালে ক্লেনের নুড়ন ভাসন-ভব্নে প্রাক্তি হটগতে, ইতাল্ড স্থা হুট্য়াছে, ভাতীয় স্থাপ্রকার কিনাবে सक्त है हुक १ तिहान कति ७ ६६(न) স্প্রির উপর ব্যাত্রণত আবেকার রুখ্ कतिरूष्ट इतेर्यर । शाह सर्वश्यक प्रदान स ष्ट्रहे भएष विভक्त इहेर्द्र मा । द्र कियम শাস্ত্রপারের ভাষার করেকটি সংব্রগ্রন্থণক नार्भका कता ४हेश(८६, योहात्र व्यवस्थात्रत । ८व्यक्तिः छन् भार्मा भारते द উপর আদিপত্য দেখাইটে প্রিবেন না প্রান্থরে ক্লেনের প্রকামেটেরও প্রকা खरप्रत ८ श्रमिटप्टराउत छेलत श्राप्त कतियान क्रमण शांकरत मा।

जन्मितिक लाजार-मान्हे दहे নিব্যাচৰ্য গুলীর মূজান্ত म किद्धारम গ্রহণ করিতে গারিব।

## मर्फात यङ्ग गिः

मार्ट्स क्टेंट अमान (ग, भूमात थका भिः ५२५ कन ८ अक्टारमतक ভाষाय रभाकाल अवरशत राज्यातक निवाधारकार छत्। माण्डिक्षेष्ठे मिध्यानमान गानास्मत (नवास्त २ मधारम्य विशासम कार्यात छ २० छ।का - किमारन कर्यमर ७ मध्यि इहेश्य-ছেন। জরিমানা নিজে অফম চইলে व्यातकर मधार कतिया कातान ७ ভোগ করিতে হতবে। স্থারভীকে বি শ্রেণীতে ও অভাত্তদিগকে বি লেণীতে দেওল 1 6318 33

## द्यानी (क्या द्यारक व क्यूरकान

চুচ্ড়া इहेटछ ध्यकान (य, छशकी **ছেলা বোড় বর্ষমান বিভাগের ক্**মি-

মতের জন্স এক সমে ৫০০ শতে টাকার मारुमताम अफिटम त्राभात सारका ক'রবার ভন্ত এক অন্তরোধ করিয়াদেন।

## কুমিল।য় গাড়েছোন ধর্মঘট

কুমিলার অব্যাসিত ভাড়াটীয়া শকটের চালকলা গত ৩ দিন **ধাৰৎ চলাঘট** कतिराटक । छ:लकड्म वाजी আ | ব্যান कतिवात संख्य देशका श्रमम वक्ष कतियादछ, .त.ग कञ्चलक देशात कात्रण भगाक व्यवण्ड च्या है न ্রাহার। সেশ্ন প্রাঙ্গণের वाहित्त शाफ़ी छाँग माफ़ कताहेगात वावका করিয়াছে। পুলিন গভ ১৮ই আগেই ভাষ্টের মলো প্রায় ৩০ আনকে পুলিস-আইন ভদের অপরাবে গ্রেগার ক্রিয়াছে। व्यवानः भक्छेऽलक्षण हिम्ब-व्याक्रद्वा निक छि शार्जी कलि में ६ कताहैबात बन्ध মিউনি দিপ্যাল কল্পক্ষেত্র নিকট আবেদন বরিয়াছে তাবং ভাতালের অভিযোগ मञ्दर्भ उद्धिकांत ना केन्स भगान्ध মধানট ভলিবে স্থানইেয়তে।

## গ্রাকাজীর চি জ্বাস্থ

ম্পেত্ৰ হ'লেছ একেংশ ন্য, প্ৰায়েশিক कराश्रम कमिकीच शास्त्राति नहानिहास জাতে এম, ভি. অভালেরের সাক্ত भाष्क्रांच कता दश्रत किल श्रामीकीत নৈপ্ত সম্প্ৰ ক্রিয়া বংগৰ কো, উফেপ্ত िक्षित क्षेत्र केरधरामन शहरामन निर्मा छ। िका पाकिताल (कान कालण का किकाता गांवा किछ है। १४ मा, १७ का जिल्लाहरू ব্যুব্ত ভারত ৷ কি:হ'লা এইরূপ যেন महम मा करत्रम (य. व धम धर्राष्ट्र (कर्र কিছু সানিতে পারিবেন। লীগুত এভংকর विभिग्नाट्या (स. हेड)हे कर्ट्यान व्याटन्सा-गटनत्र म'धाकात्र युक्त कर्णा ।

## রাচিতে গ্রেপ্তার

বড়গাটের আগানন উপগক্ষে স্থানীয় श्रीमान नामांगात त्नार्यमारमञ्ज निर्देशन-ক্রমে গভ ২০ই আগঠ প্রাতে ৯টায় ! विकार के बाध्यमान नामक এक व्यक्तक कार्गानिवान ८०'८७'ल बहेर्ड ८५।थाव कतिशर्धाः । (अथातित कात्रण व्यवन अ कार्याय गाउँ। ध्यारम श्रष्ट ১৫ मिन গাবং অবস্থান ক্রিডেডিলেন। किनिमधक एदांग क्यां ७ धानांच गरेगा या उता इहेगाए । छोइ। दि । शामा ष्पंडिक दिया साचा बहैग्राटा।

#### ভালমুক্তা প্রস্তুতের মামলা

পাউলা इंदेख श्रकान (ग, नगित्रशास्त्र খ্রামবেগান যোনার ও চুণী সোনায়

नामक इहे वाकि जान मुना खाइक क তৎসংক্রাম্ভ সর্ব্বামানি রাশিবার অপরাদে ভারভায় দশুখিনি আয়েনের ২৩২, ২৩৫ ও ২৪০ নার। সুবায়ী অভিযুক্ত হয়। আরম্ভ ১৮ই আগ**ট महकाती स्**याता कक्र आह गार्टिय पुरस्थत नाएक अहे माम्रम्भत রাহ তাপান করিয়াছেন।

भक्काती भाषता २ आ. एरमभव्यान्त्र স্ক্রাদিগত্ত সিদাত্তের সহিত একম্ক क्षेत्रा ह्योदक शमक काश्चरपादशत मध्य **इट्ड अवस्ठिक विशाधन।** त्राभट्यम रचत्र भहरक कीशास्त्र भक्षाह्म উপ্ডিত হয়: রাম্থেল্ল স্কল, অভি-त्यारशहे दश्यी भाषाक इन्हां विकासक ভাহাকে ভারতীয় পত্রিবি আইনের २०२ भाषाक्रभारत ७ वर्गत करहात कातामच ध्वर केंक बाहेक्स २०० छ ७६७ अत्राक्ष्यारी र नरमृत् करमञ्जू काना-वाद्यत व्यादम्भ (महादिन ; उच्छ म ७० এক নকে চলিবে 🗈

### রেক্তন ছুর্ভিক্ষের আশব্ধ

ত্তিংমিশভাবে বর্গ্রেগতে শক্ত নাশ হ্তার হিবালি। ও সংশাসক রেলায় क्षणिया (मध्य भिनाम आभाक कडेशाटक <u>।</u>

माक्षापारायाचे चाउडा करावः कन् शांधारका व क्षतेन्वरनत अल्लिकि, एक र हो। इहसा जिल्हाराज्य । 5 % 45!N ''ক'বিং" ভ্রিসমূহ ক্রডের থাজনঃ कारण करा तक कात्राष्ट्र किन्त्रा बश्चाः-१८७ वर्ष करणक शाम खेळ शामा আদ্বি বন্ধ ক'ডাভেও স্থোষা দুবের বাবস্থা কবিবার কক্ষ সরকারের নিকট भ'ती कानाम ४३४:८७ । 海耳者 되어 ক্ষাহারে মরিতে যদিহাতে ৮

## नहाटकत दनाष्ट्रे क्रमश्तरण क्यांमानी W 33

शार्रक शर्मत अनुभ आर्टि, ३७३६ युरेर्क्ति व्यान्ति मारम जनावासम् ना क व्हेटक ५८ शामात्र कटनकी दमाहि व्यन्धक হয়। বর্তমান বংগলে জুগাই মাসে জানা यात्रा, वे मक्न कारिक कियमान द्रिप्रदेश वाक व्यवहितात द्वाहावाम या. अत সক্ষারী ক্রাণিয়ার শ্রীমুভ স্থাইলংগ विष्टार-त्र मारम कावागङ कका इस । त्यक्रक ভারতেক ভোপার করিং। কলিকাভার ठीक दक्षित्रक्षि ग्रा कि द्वेदवेब कामागटक विधातार्थ व्यानस्य कन्ना इस। मार्गिटहें। গত ২০শে অংগ্র উক্ত মাসগার বিচারে তাহাকে অপরাধী সাবাজ করিয়া ১ বুৎসর गश्रम कातामक छ ६ मछ छ।का व्यर्गरव मिं क कियारहम। क्षिमानाम है कि অনাদাবে উছেংকে আরও ও মাস সময় काताम ७ दर्भाग कतिर छ इरेरव ।



Reg No C.1544

शक्तिगारा BIN ANN . **《龙" 金数字· 614** THE SHEET 5किंश केंद्रि

नामार्याह शत 41 214 CHE. वाविक क ्रवाद्यानिक हर् विभामिक २०० मानिक ३ 2714

প্ৰতি সংখ্যা , ৫

ভারতের

বছল-প্রচার—শ্দীয়া কেলাও এক মাত মুখপত,

**ভট্ট বত**্

ভাৰ্মনাৰ্থ ৰন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি,

🕮 হৈতভাষঠ জীগান মারাপুর-৮ই ভাজ মললবার.

নানা কথা

खर्म जनने का ब्रह

त्वर्भ इंटेंटि क्षकान (य, ध्राना थाताविधि (इमकामा शाहरप्रहेमाई 8 Cआम ভ টুল জিলা ছইতে ভাকাভির সংবাদ स्किट्टर्छ। शहरत्रवेगादे छ किलांग 📲 स्थाप्ति मत्या अकहाल जन्दरां इहेम्राह्म। व्यथन अक्षी करण ভাকতিয়াৰ এন পলীবাদীকে তাতিভূ স্থাপ শ্রিয়া শইয়া গিরাছিল। পরে रेटाभिनाटक का जिला ८५ छत्र। वहें बाटल ।

ইন্সিন কিবাহ করেকলন বিজোগী আত্মসমর্শন করিয়াছে।

दक्रवन यूगनयान गढवनम

(ज्बीरहती इंटर्ड क्षकाम (य वावष्टा श्रीवर्षात्र शक्क मि: कामांग मध्यापत সভাপতিতে ২২শে আগঠ টাউন চলে প্রেথম কেরণ মুসলমান সম্মেলনের উদ্বোধন इहेशाए । कञ्जित हिम्मू के हैशाए योश-मान क्षित्राहिता।

## प्रदेशमि बाडाब बननद्र **भें। इ अफ (लाटकत्र व्यागनाम**

मार्श्**रे र्हेटळ ध्यकाल (य, ८का**तियात । উপকৃষে প্রবল কটিকাবর্ত্ত মুইলা গিয়াছে। धरे विकादार्व चानाम भाग्य लाद्यत ध्यागनित्याण याँग्रेयाटक। উद्यानिरशत्र गर्या करवक्षंत्र पूरवाशीवात ६ चार्ट्य ।

বেভার-বার্ডার জানা গিয়াছে 'শিপর নামক ইংয়াৰ আহাৰ হইতে কোৱাংসাং নামক ইত্যো-চায়না হাম ক্লাভিগেশন (कालानीत २२४० हेन छाऱवाही बाहाब কুহি শীপের নিকট ডুবিয়া গিয়াছে।

## ব্রন্ধে এখনও আতঙ্ক

পিকেটীংয়ে ৬ জন স্বেচ্ছাদেবক দণ্ডিত

## কেবল মুসলমান সম্বেলন

কাঁথি বিচ্ছেদ বিরোধী কমিটার অধিবেশন

# বিমান আবিষ্কারকের মৃত্যু

রাজ্ঞতিনিধির নিকট গান্ধীজীর তার

# খাদ্যদ্রব্যে ধুতুরা বিষ

জেল বয়ন-প্রশক্ষকের গৃহ তলাস

# প্রবীণ উকীলের মৃত্যু

🛍 হট্টে জাতীয় পতাকা উত্তেলেন

জাহাজ থানিতে পঞাল জন গোক ছিল। পঞ্চাশ জনের মধ্যে মাত্র ভিন ক্ষনের ক্রীবনরক্ষা হইয়াছিল। কিন্তু পরে চাঁনা দশক্ষার হল্ডে পতিত হইয়াছে।

कृही बीरभन्न निक्छ मानन्त्रकाण करमकृष्टि মৃতদেহ ভাসিতে দেখা গিরাছে বোধ হয়, উপকৃষবাহী আর একথানি কুল আহাজও क्रम हीना दिण। উश्वासत गत्मा २०० অন চীনাকে খুজিয়া পাওয়া বাইতেছে

## क्रमण्डा प्राक्तात रेज्यताम

হায়দ্রাবাদে এক বনসভায় সিশ্ব প্রাদেশিক কংগ্রেস কমিটীর সভাপতি ডাক্রার জৈংৱান বর্তমান অবভা সহজে বকুতা কল্পেনা (शांभारहेभिम रेवहेक বৰ্জন সম্বন্ধে কংগ্ৰেস ওয়াকিং ক্ষিটীব জলম্ম হ্ট্যাছে। এই জাহাজে ভিন্নত । অহিংসা ও চুক্তি সর্ভ পালন করিতে, নিয়া হঠাং এনী বাছির হট্যা যায় তিনি সকলকে কংগ্রেসের গঠনমুগক কাল করিয়া যাইতে বংগন।

নিক্ক আদেশিক কংগ্ৰেস কমিটা আগ্ৰামী ৩-শে আগাই সকল কংগ্রেস প্রতিষ্ঠানকে **জাতীয় পতাকাদিব**স পালন করিতে বশিয়াছেন।

## মুত বিপিন গালুলী গ্রেপ্তার

গত ২ংশে আগেই শনিবার সকালে ১৫ নং শাখারী টোলা লেনত বাসভ্যন क्टेटल (क्षोकमात्री म श्रविति काटेराय वश ধারা অন্তসারে ২৪ গ্রগ্ণা কেলা কংগ্রেস কমিটার সভা তি এবং কলিকাতা কংগারেশনের অভ্যতম কাউপিলার 🕮 যুত বিপিনবিহারী পাজুলী মহাশ্য मस्मरकाम ८१४मिन इहेसार्छन। १८व তাঁহাকে ইলিসিয়ান রোডে অব্ভিত ८भारमञ्जा श्रीनरमञ्ज बाड्याय शहेमा या उसा

প্রকাশ, রামক্রণ্ড বিখাসের ফাঁসীর সম্পর্কে গভ সপ্তাহে ওয়েলিংটন ক্ষায়ারের সভার সভাপতিত করার জয়ই 🚉 🤊 চ গান্দ্রী মহাশহকে গ্রেপ্তার করা ধইয়াছে।

## বিমান আনিফারকের মৃত্যু

প্রারিদ এইকে প্রকাশ যে, সন্ধ-প্রথম বিধান আবিধারক এম, মরিদ ক্লেমেণ্ট বেয়াড আক্সিক আঘাতে প্রাণ **इक्षिट्या**एम ।

গুলীর আঘাত নিজের হাতেই সিদ্ধান্ত বাথ্যা করিয়া ভিলি শ্রোচুত্বনকে ২ইয়াছে। একটা দুকুক পরীক্ষা করিছে বলেন। এবং নির্দেশ না পাওয়া পর্যান্ত তবং সেই আঘাতেই বেলার্ডের ত্যাপবায় ৰহিণত হইয়া যায়।

## শ্রীবিশ্ববৈষ্ণবরাজসভার

পরিব্রা	জ ক	<b>ग</b> ःन	I	শান
---------	-----	-------------	---	-----

- 🖫 জ্ঞীন ভক্তিপ্রমীপ ভীর্থ
- ২। গ্রীভজিনিবেক ভারতী
- ৩। 🗐 ভব্তিনিজ্ঞান আশ্রম
- ৪। শ্রীচক্তিপ্রকাশ অরণ্য
- ে। এ ভিজ্ঞানয় বন
- ৬। ঐভজিগ্রবাদ গিরি
- ৭। ঐতিভিবৈতৰ সাগর

## বৰ্তমান টিকানা

কলিকাডা কলিকাত। **बा**यात्रा भेड কলিকাড়া কলি গ্ৰাছা অযুত্তসর

ত্রাক্ষণপাড়া

## পৰিব্ৰাঙ্গকগণের নাম

৮। গ্রিগুরুল পুরী

্রা ইড়িক বন্ধপ পর্বছ

১০। এত किविनाम गर्छा देशी

্১১। শ্রীভবিদরঞ্জন ভব্দিসার

১২। শ্রীভবিদ্যক্ষক শ্রীরর

১৩। अञ्चलक्ष्यान्य (आ) ही

১৪। #ভেব্তি-প্রসুন বোণায়র

## বর্ত্তমান টিকানা

किर्विक यस्त्र ७७

কলিকাভা]

माजा ज

चाका ज **শ্রিমায়াপুর** 

বালেশর

## শুদ্ধভক্তিমঠসমূহ

## শ্রীতের মা

## আকর মইরাজ

**ळाडील मनबील, उप्कार शिकाम मात्राभुत, मनीका** 

এট মঠবালে পাৰ্মাৰ্থিক দৈনিকপ্ৰ, সাবেছ-ম্প্রবাধের অংখকাশিত এ অপ্রাচীন প্রস্তালি প্রচারকলে 'নদীয়া-প্রকাশ' বভাবর আঙ্গিত কর্যাঙেন এখানে প্রাভিবংসর প্রিধাম-পরিক্রমাস্ট্রান ও অগতিত ভক্তপাঞ্জিত ভারিন প্রচারমধ্যে श्रक्षांश्रहार्थानानि क्रमान संकृति कड़वा पाटक। दक्षक--- अक्षाति चैपान संकात्री। সংকারী – ত্রদ্ধতারী পর্তিত শ্রীপার সোহরাস কার গাকরণতীর্ম, জীনয়েখণ, শ্রীপার भी १६७ ची भाग सन्धारात्मान, जी नामग्राप्तिनांथ, जी सप्तान, जी सम्भारतात्मान, जी सुनुनन লাগানিকারী ভক নতেন্দ্র, ছবিপদ, রেব টামোছন প্রাস্থতি।

## ্, ৩) যোগপীঠ আমন্দির

বুক ক—লোক নাথাৰয় গোস্বামী कति। देश के किया राज । 35 51 61 **@**िक्षानम उधनाती. श्रीवाशनित्नाम क कि हरन, द्वीबागमांग तक हाती । द्वीमांवन शांत अभिकाती, उपनमना जीवीमनाव ।

> (৪) খ্রীবংস-অঙ্গন ৰক্ষ--- শ্ৰীপ্ৰভা • কুম্বন প্ৰশ্বতারী F

(१) छाट्रेष्ड-७वन बक्क मानुनारमण्ड छ छ छ। **ब**्ताक्तमाम् नावःसः।

> (७) काळोज ममानित्र हे প্রাচীন মারাপুর, বামনপুরুর (নদীয়া) शक्य -- अक्षादी विविध्यामां नहादी।

## ( 9 ) 막하라 캠막#-주말

**ই**লোড্রাম্ , পরপুর্যন্ত ( নদীরা ) अक्षकाश्चित्री बन, ध्रम, ध्रम ।

## ( Dennie Calela मर्ठ মন্তমন্সিংছ |

বক্ষক—- শীৰ্ষত্বর ভবিদ্যালী এম. এ,

नि . अम. मामी--- ची के दामाम कि भारी, क्षेत्रक्रम समिकारी अक्रिका (৯) औटगोत्र-शकाशत्र-वर्ड টাপাডাটী, সমুদ্রগড়, ( বন্ধমান )

व्यापक--- शिंद्रदेशम अवाहाती, कर बिकोनक्ष्यान काम ।

: > शिक्रभाषीय-मर्द

BOURS STATE OF THE STATE OF THE

कत्याशक, श्राचाश हं है, शि श्रम क- श्रीमार्काश्रम सम्बद्धाती

#### ( ): ) जी:माम उक्त महत्व

माडिलाहि, बाह्यत्रद, नद्यमान। रक्ष- ना कित्र विद्याती अववासी, करू श्रीनवासक ।

#### (১২) ভাগবভ আসম

🕮 শাগবন্ত প্রেম, ক্ষমনগর, নদীয়া। বক্ষক--শ্রীক্রমানন ভ্রমতারী ভব্তিশ্রী

## (১७) जैअकात्रम मर्ठ. . .

Cपारिक्षभूत्र, शामवानी, नवीशा । क्रक--- श्री अञ्चानन अभागती । महकारी শ্রী-ব্রসিংগ বন্ধচারী, শ্রীক্রপ্রাের দাস अधिकादी, छक निश्रमाथ।

## ( ১৪ ) शिभाष्त-द्रभाष्ट्रीय मर्ठ

⇒•নং নৰাবপুর রোড্, ঢাকা। तकक---- चीतायानझ इ उपनागी. **अ**लाम বক্ত-ভতিকুল্লম ডাজার প্রশ্বচারী কুল্ববানল পংবিভাবিলোল বি-এ, **জী**নব-शोबाक उक्तवाबी, जैशक्तिकशायम करू।

#### (५०) औरगाभानकी वर्ड

ক্ষণাপুর, ঢাকা।

दक्क-धिमधानभाग तक गारी

( ১७ ) श्रीनामाचे-दनी पन मर्ठ दशक-शिश्रवंशक उत्तरादी, श्रीमणिशान उम्हा ही

()4: शिकाशनकमामक वर्ष

किक्क निका, काखरमन शत, स्विमिनी शृत । खपारन जैक्क-शाहाक-शाहा<del>र्किण</del>ा-গিবিধারীর নিভাগেনা বর্তমান। রাদদ---अक्रवानी औड भवानमागकी ।

## (३) बादगोडी इ मर्ठ

2% मर कालिआमात ठक्कनकी शिवे. (Mr. नागनावात. कालका छा । .विशिदकान वि. वि. १३. १३.५

महेरक - बात्राशिक श्रीलाम कथांनवादी निश्वाक्ष्यन । प्रवकादी--निश्वाक भौभाव अवस्थापुरत्व भवावष्टास्था वि- ध. भौभाव वामविवादी अक्षादी, सीमाव माभागिकाडी नि- ध. PETERNICH .ams18 ച്ചി അപലക প্রীণ্যারীমোলন এক্ষ্রারী প্রীম্পানন্দ, পঞ্জিক প্রাপাদ নবীনক্ষ্ণ প্রশিক্ষা-शकांत्र कार्किणात्री माल्लामाह्रदेव क्याहाराः, द्वीव्यवद्यक्षानमाधिकारी नि- ६, द्वीक नवस्रतिक्रम मागाविकाती वि-धन, श्रीभक्षणम मग्रकाणिन, श्रीविश्वय्वत अक्षांत्री, श्रीक्षणध्याविका ব্ৰহ্মচারী প্রাকৃতি।

## (১৮) আমলাবোড়া প্রপদ্মশ্রম

ताष्ट्रवेश द्याः वद्याम । बक्क-अक्रवामी खेडविक्त्नात।

## (১৯) শ্রীপুরুবোত্তম মঠ

वर्गकार, भूती, के एका। त्रक्रक-- अवातात्री जीश्वयानम विवाहत्रह. अभागती खेनमीयानक, दीलरहणास्त्रक अक्राही, श्रिमामवानन अक्राही, श्रीनशाह हत्रण व्यक्तिकारी, ब्रोट्यानिय लखा।

#### (२०) खैलक-एगोडी इवर्ठ

ष्याणवत्रमाथ, अष्यांभाव त्याः, श्रुवी । रक्क - अक्षाता के भग्रामधी वामानकी। त्रक्षादी — अक्षादी न्यादिलनिवादी ।

## (३) बैज कि का मन

Biggiaimig, Dos वक्क--- बक्काबी जीनवार्य है, जीवामनव ব্ৰহ্মচাৰী, শ্ৰীপাৰ জয়পোপাল স্থাসাধিকাৰী।

## (३२) खीजनाफन-दशोधी ह मर्ठ अन्तर सर्वासी नम्पूरा, कानी । वक्रक-- तक्षाती जुनानवत्रकी, निटारेगान

अन्नहात्री, जीवकानन अक्यामी । (२७) जैक्सरेहातम मह

श्रीज्ञित्रक्षात कृत्व, श्रीनाम वृत्कावन । দুক্তক--- শ্ৰীলণভিনাৰ ক্ৰম্নচাৰী

## (२८) 🗬 शत्रमदश्य मर्ड

दिवियावनाः मीकान्तव क्षक क--- अव्यक्ताती श्रीज्ञित्रश्यानक क अव्यक्ताती जीननक्रमानः।

(२०) औरेड क कार शोकी स सर्व भूतक्का, हितक्का, यानक्या। वक्तक-श्रीवमानाथ बाब, श्रीवादकीर्व अपयक्तिका ।

(२७) न्यामरशीक्षेत्र मठ क्ष्म 🕶 अव्यक्ति हो 🖺 अपन्य की, जीवनी-्गालान अववागी

(২৭) প্রাঞ্চলগাড়া প্রগরাজ্য-এই ब्राज्यनथाषा. त्याः भाकः कावषा

ज्यपादन यस ज्ञानभृष्टि औरशाहारणस स्मया वर्षभाव । वक्क--- अववात्री भीत्वानक्रक-413. 1576 ##41 ## I

(२৮) विज्ञो दशोफीय वठ-कार्यराजय बन्ध भाषी करन छा कात दशन, निष्के विक्री त्रक -- अफ्राही जिनीवक्क, श्रीकृत्रवास श्रीताधात्रमण्डवणात्रव

## (३) (ग्राहानगाना-सगदासम व्यक्त-अवहाती क्षीताबादमाहरू

(७) बाजाबदभी ही स बढ नर्व (शायान पूर्व, कारवद्धान, याजाब रक्त - विष अथारी जीमहाक्तिमक जीमन महाशाब, महवाही--- जिमिल्यामी विमान ভক্তি প্লন ভক্তিগাব, শ্রীপাদ স্বসদানক वयवात्री, श्रीलाक (परकीनमन वयहारी, শ্ৰীলাৰ সিম্বন্ধনাপ একচাৰী ভক্তিশালী

(७८) काममारगामाम भाष्ट काञ्चलभूति, हास्या, व्यक्तिश क्षण -- अलाही क्रियमगरम्

ও প্রীপান পোর গুণানন্দ রশ্বচারী।



बर्छदर्य

२१ औषत दर्गाताच 88१, ४ हे छाज वलाच ५००४, २० व्यागहे हैं? ५৯०५ महमनात

११४८ अस अध्या।

## - সাময়িক- প্রসঙ্গ

( পুর্মাপ্রকাশিত ১৪৭ সংখ্যার পর )

শ্রীবাদ যত্রবাদার প্রান্থ আর ও বংলান, বিশ্বরা সন্ধান ও কুপালাভ, সৌভাগ্য এবং ক্লক্ষণা সাপেক। এই প্রস্কে মধ্য- প্রেল্ব শিক্ষার প্রকৃত তাৎপর্যা এবং শুদ্ধক্রিব্রুগা কিছু মালোচিত হয়।

শ্রীপাদ যচনর ভক্তিশারী প্রাভূ মনোভিরাম দাসাধিকারী মহোদবকে সঙ্গে লইয়া গত ত-শে প্রানণ পনিবার পাটুলী নামক এক প্রামে তত্রতা মহারাজার নায়েব প্রীযুক্ত লোকনাথ দে মহাপদের বাড়ীতে শ্রীচৈতক্ত ভাগবত হইতে মহাপ্রাভুর সন্ধাস্থারার পূর্বাদিনে সকলের প্রতি ক্লফভজনের উপন্দেশ ও প্রাথনা পাঠ করেন। পাঠকী রনাজে সমনেত সকলকেই মহাপ্রায়াদ বিতরণ করা হয়। নারেব মহাপ্রের ভক্তিমতী গরীর সেনোৎসাহ ও শ্রীগোড়ীয় মঠের প্রতি শ্রদ্ধা বিনেব প্রশংসনীয়।

পর্বনি রবিবার সন্ধার লক্ষণপূর প্রামে শীষ্ক হরেক্সচক্র গুলী সহাপরের বাড়ীতে পাঠকীর্জন হয়। কণিলের ভাবে সহাপ্রভূম জননীর প্রতি জীবতত্ত্ব ও কর্তবা উপদেশ আলোচিত হয়। পাঠাত্তে জানীর জনৈক কবিরাজ নহেগদেনের প্রান্ধাত্তরে প্রায় ১ কটাকাল জীবতত্ত্ব, তাহার মানাবভ্রতা ও উদ্ধানের বিষর আলোচিত হয়। প্রীউদ্ধান বাস প্রমূপ কেই অঞ্চলের গুল চক্রবৃদ্ধ উল্লয় কটক জীসভিদানন্দ মঠে প্রভাই জীগরি-কথা আগাপ ও সন্ধাননিকের পর রাত্রি সাড়েনর ঘটি গা প্রান্ত পাঠ সংকীশুনাদি ইইতেছে, মনেকেই পাঠ কীশুনে যোগদান করিণা গুলাচাগোর অমনোদার দাবি কথা উপলব্ধি করিতেছেন।

গত ১৬ই আগষ্ট রবিবার তারিখে কটকবাদী বহু সছলন ও মতিলাবর্গ প্রবণপিপাস্থ হটথা শ্রীমঠে আগমন করিয়াছিলেন; প্রেয়ঃকার্যা বহু বিদ্ধ উপস্থিত হুটলেও ভুজনোংসাহী জনগণ তাহাতে পশ্চাংশদ হন না। ভুজগণের বিচার এই যে—
"মেঘাজ্য দিন ছুদ্দিন নহে, ক্লাংকগা আলাপ শ্না দিনই ছুদ্দিন।" সেদিন কটকবাদী ভুজগণ ও এই ক্লাদ্দ্র্শ দেখাইয়াছিলেন।

শারী, ভক্তিমুধাকর প্রভু মপরাত্ত্ব এক
ঘটার অধিক কাল গণেষণাপূর্ব বিক্তথা
কীঠন করিনাছিলেন। তাঁহার বক্তবা
বিকরের মর্ম এই যে—পরমহংস বৈক্তবাপ
দৈশ্বপৃষ্ঠক গৃহস্থ বা সর্নাসীর বেবে
অবস্থান করিলেও উহোরা গৃহস্থ বা সন্নাসী
নক্তেন—ভাহারা বর্ণাশ্রমাতীত পুরুষ। আবাব
আমাদের মত অ্যোগ্য ব্যক্তি যোগ্যতা
মর্জনের নিমিত্ত শ্রীগুরুলেণের ইচ্ছাক্রনে
যে কোন আশ্রমে থাকিতে পারি কিয়
তাই বলিনা আনরাও তাঁহাদের মত্ত
আশ্রমাতীত বৈক্তব, এই প্রকার অভিমান
যেন না করি; কারণ, তাহা হইলেই
আমারা উম্বান্য অফুকণণ করিয়া অপরাণ

সঞ্চল করিব। অক্সভদন্তন বৈক্ষরকে দেখা নাল না, তবে আন্ত্রী প্রাণিগতি ও গরিপ্রলোগ সহিত হতই উভ্লেব সেবা করিব, তেতই উল্লেখ্য উপলব্ধি করিতে গারিব।

সন্ধারি বিকর পর পোলকরতাল সংযোগে কিছুক্দণ গোরিবিহিত কীর্ত্তন এবং শ্রীশ্রীটোড়ন্স ভাগাত পাঠ ও নাগা। চইমাছিল। শ্রীশিরিতাানন্দ প্রভুর গুহতাগান লীলাভিনবেন কথা এবং কেন্দ্র নিছপটে চলিত্র-নার কন্দ্র পিত। মাতা ত্যাগ করিলে তাহা নিহরণা, পিতৃমাইলোহিতা বা কোন প্রাক্তর ক্ষাত ক্ষান্ত্রণাহিতা বা কোন

গত ১০ই অগ্রেই শনিবার (১৯০১)
তারিণে শ্রীগোড়ীয় মঠের বাধিক মতোংসব
ও পারমাণিক প্রদেশনী মহান্ধ দৈনিক
লিবাটি প্রিকা যাহা প্রকাশ করিয়াছেন,
তাহা নিমে উঙ্গত ইইল

## GAUDIYA MATH Annual Exhibition

On the occasion of the Annual Celebrations of the Calcutta Gaudiya Math (from the 23rd August to the 26th September, 1931) a unique exhibition is being organised on a very grand scale in the extensive Corporation lawn on Baghbazar Street near the Gaudiya Math Temple. Such an Exhibition was also held last year and it was so successful and

attractive that it drew about a lar of people. To avoid rush and for the facility of the public the Corporation of Calcutta has permitted the authorities of the Gaa diya Math to hold the Exhibition on a bigger scale this year on the piece of Corporation land known as the Baghhazar Metal Depoi. The Exhibition will be opened on the 6th September next and will last till 23rd of September.

Corrugated iron fencing and stalls are being erected and beautiful gates are being constructed for the Exhibition. The Exhibition will be a pictorial demonstration of the abstruse principles and methods of religion and the different stages and conditions of its practice in social and individual life. There will be a very educative arrangement for a comparative study of religion, the stages of development of theism. pitfalls and safeguards of a religious life and satisfactory solution of problems of life and such other encyclopedic informations.

The Exhibition will also contain a Museum of various religious antiquities, articles of interest, collection of rare literature and manuscripts, pictures etc.

The exhibition will remain open to the public daily from 7 30 a.m. to 9 p.m. No entrance fee will be charged.

## धाम-अमङ

বদ্দেশের অনেক স্থানে কুলিলা নামে ত্রক ত্রকটা কুদ্র প্রাথ বছনান আছে। বে কুলিগার বিষয় আমরা আলোচনা করিতেডি মে কলিয়া জগতের মধ্যে একটী অতুল্য ভান বৰেষ। তেকন না, ইভিচাপ মেই কুলিয়াকে বিশেষ সন্মান করিয়া উক্তি করিবাছেন। সেই কুলিয়ার নাম শ্রীপাট দেইখানে কলিপাবনাবভার শ্রীমদগৌরাল প্রভু সাত দিবস অবস্থিতি ক্রিয়া চাণাল গোপাল নামক মহা-মণ-রাধদভিত শীনবন্ধীগুবাসী একজন অব্যা প্রককে অপ্রাধ হইছে মূক্ত করিয়াছিলেন। সেইখানে মতেশ্র বিশারদের জালালনিবাদী (प्रवासन्त-संशक একটা ভাগবভবেত্তা প্রিতির ভক্তাপরাধ মাজ্জন প্রক প্রিত্র ক্রিয়।ভিলেন। সেইখানে রক্নিক নামক ভন্তবিং কোন পড়িত বৈধাবাণবাগে মহা-ব্রোগ্রাক হইয়া জীমনাহাত্রান্তর কুপার ব্রোগ ভ অপরাধ হইতে মুক্ত হইণাছিলেন। এবস্থাত তীর্থাবভংস কুলিলানগর কোণায় হিব কবিতে গেলে শ্রীমরাধারান্ত্র জমসম্ম্যিক গড়িভবলের বির্ভিভ গ্রাছা-লোচনা বাতীত অভা উপায় কি থাকিতে भारत है कुमालक है इंडेएट जिन मार्टन প্রাঠ্য একটা শুদ্র গ্রামে ক্রাক বংগর इंद्रेश कृषिश्राधित (मन) रनिक अविध মেলাস ভাগিত জ্ঞাছে , প্রতি বংসর ০০<sup>১</sup>৭মানে সেই মেল্যে কলিকভি! ইত্যাদি লগ্ড চইতে বহুছন গিড়া পাকেন। এই গতিকে দামাল সামার লোকের নিকটে न शिरात वान एक तिन करिएन के आना क ধুলিমা ব্লিল্ ভাঁহারা বুঝিল আকেন रकुष्टः व्यवसायच्यानतः शाहितः ८ मनाभटकत् পাট বলিয়া যে কুলিয়া উট্টেডকুখালবতে, क्षीरेणक्षा निकास्तर. ≅ेट उक्रमस्टरण, Bither there are areas. জী হৈ ভন্ন -চবিভান্তলবেক'বো এবা ওলমলাস লাস বারাজীরত চল্লেদের ভাষাপ্রবাদে উলিথিত काइ, तम क्षा: श्रीमद्दील सामाजान लितिस्त महारा वाल्या तक्षमाम शाकिरत । ब्रिटिएअ शंगनर्थ **अश**्रिए प्रशेष **य**ार्ग CP (4.19 P) # :--

কুলিশ নগ্র আইবোন স্থাসীমণি !
পেইপাণে স্কলি কে হচতা মহাধ্যনি ॥
সারে গাছা- মানা নদান্য কুলি য়ে ।
শুনিমাত্ত স্কলোকে মহানালে ধার ॥
বাচপাতির প্রামেতে গতেক লোক ছিল।
ভার কোটা কোটা প্রণে দক্ষা বাছিল।

. . . .

44.1

কুলিহার প্রকাশে হতেক পালী ছিল। উত্তম মতাম নীচ সবে পার বৈলা।

## নীলাচলে শ্রীরথাত্রে নৃত্য

( পুর্বাহাকাশিত ১৪৭ সংখ্যার পর )

এই ভোগের সময় লোকের ভিড

অভান্ত বৃদ্ধিত হওয়াতে পরিপ্রান্ত শ্রীমধারা-প্রভু একটা উপথনে প্রবেশ করিয়া পুষ্পাবাটিকার বারান্দার গিলা পড়িকেন। প্ৰন্তেৰ জগংপতির নওন্কীন্তন্দ্ৰিন্ত শ্রম দুর করিবার মান্সে শাভল, *সু*গ্রার मनः वाता गृह गृह वाक्रम को बट्ड व्यक्तित्वम । গৌরভক্তগণও উপবনের রুক্তশ্রেণীর নিষ্কে উপবেশন করিয়। বিশ্রান করিতেছিলেন। লীনমহাপ্রভু প্রেমাবিট ইটনা বহি বছেন क्षमञ्चामारः मानवरकोरमयः कृतारमरम् तास्रः প্রতাপক্ত রাজবেশ উন্মোচন কাব্যা देवसभ्दर्भाष्ट्रं इतम अङ्ग्रिकान जुलाम উপস্থিত কললো। मभुष्य च क तुर्भ त আজ্ঞা গ্রাংগ কবিতা ভাত্তিসহকারে ই প্রত্র প্রস্থায়ণল আছি বৈলুল্পুর इ.प्र महाहन कि हा १००० नावित्वन ५ রাশলীলার তব পাঠ কাল্যা স্থাত न्। भारतम् করি.ভ 불.선기건강해결 র ফলীলার (हाविधित नवान त्राम-বিজ্ঞাল অভ্রে মহভোগাবান প্রতাপ-ক্ষাকে ধ্যোগ্ৰহন প্ৰথনে রাক্তেন্ত কবিলেন। মহাপ্রাঞ্রাঞাকে ব্যিয়েন্ন ভূমি কে আনার প্রম হিভৈষী ৫ ২১৫ অন্নাতক মধ্যাপ্রব্তিনী কৃষ্ণীল্যেত পান করাইলো 📜 রাজ্য বলিলেন 'ভেড়ে, আমি আপনার দাসাঞ্চাস ৷ রপা কারল भाषमात जुडाहाइटा क्यम ,'' खळेलका পূর্ববারী ভগগানও স্থাছাকে কুণ্ডেমক নিক ঐশব্য মাধুলাপূর্য প্রাপ্ত কংশন 布特的 布拉河台 阿尔曼 到有例 布什么

বেনই সময়ে এক আসিও রাজন।

দৃড় কবি ধরিয়েন প্রান্থণ কি কাওন।
কলিচুগে কিমের বৈদ্ধয় কি কাওন।
এই মতে আনেক নিন্দিল্প অন্তর্মণ।

সংসার উদ্ধারে সিংহ টোনার প্রতাপ।
বল নোগ কিকণে মন্ত্রণ মেরে পাপ।
বিপ্রের করিতে প্রন্থ তদ্ধ উৎ দেশ।
কণেকে পান্তত দেবানন্দের প্রবেশ॥
পুরের ইনি মত কিছু ছিল অপ্রান।
মকলে অমিরা প্রান্থ করিয়া প্রসার।
ব্রন্ধিল প্রান্থতে আসে ক্রিক্রেইচতক্ত।
তেন নাহি যারে প্রান্থ না কবিলা দক্ষ।

নিষেধ করিবেন। রাজ্ রভরত্যিকস্থ

ঐ এতে অন্ত কলে নিত্যানন্দ প্রভুর
নবরীলে থাকার ধ্যাব এইরূপ বর্ণন আছে,—
থাকাহড়া বড়গাছি খার দেগোছিল।
গঙ্গাব ওপার প্রভু যায়েন কুলিগা ।

ছইরা প্রমানক্ষচিত্তে শ্রী-ক্ষাহা গ্রন্থ প্রমানক্ষরিত করিয়া যোদ্হত্তে সকল ভক্তবর্গের চন্দ্রকনা পূপক ভক্তব্য সহিত শ্রীনক্ষাহাপ্রভুর মধ্যাহ্যরুত্তার ভক্ত প্রসাদ প্রেরণ বাল্ডার চলিলেন। গরে সাক্ষেত্রীন, বাণানাথ ও রালান্দ্রের দ্বরা বলগতি ভোগের উত্তম উত্তম প্রাথাদ পাঠাইয়া দিবোন।

জ্ঞীননাহাপ্রস্থাবস্থিত অস্থার্ম সেরা

করিয়া, বে প্রধাদী বেশা হইল্ ভাছা সহয়

সংস্থ ছংশী দরিদকে দিখেন। প্রায়াদ মেনন

कार्तः स्वी अभी बाह्यान्य हीत्सीत्रम्यत

'মাজ্ঞায় উচ্চকতে 'হরিবোল হবিবোল' বনিন कानमः क्राधन कविष्ट वाधिकान। उतिहक মাবার মার এক নূচন কালা উপত্তিতঃ नक्राइंड '८८' इ'स्व क्षाक्षां था, सात्रत রণ চালাইতে পালিডেছেন না রাজা পার্মমান্ত্র ভথার উচ্ছত ১৯১৮ মহাবলপ্যনী মন্তব্যক্ষ প্রত্যাক্ষণে নিযুক্ত करिट्यम : किन्छ भिष्मम् इहेम, उश्वास्त মত হওীদি কে রগ টাকৈতে নিযুক্ত करित्यम, किश्व नय अक्षमण नाष्ट्र माः インディアンタ 1 五石 ATCH ইমিন্মহাপ্রভূ নিজাপ স্তিত সুস্থানে ্লেপিবেন নে মারংভিস্কার জানগেত অধ্যোধ আগতেত ট্রান ট্রাকেরে क.नर.१८६३ । वधः विष्ठ १.६ गातः स "胡开"中军"自治"(诗·西)\$1.为[集] 好好的,体\*(内)(西) 一色末旬 () 通(位) (数44)等 () 电阻力(力 समुद्रक स्टाइंग भा भरिताच आराजन करि オツオー かれいる বিলে ত্রিক্র লাক ડવડળ અધિકાર્યક્ષણ ह दिए ग কাভি ধ্যাং রূপ উল্লেখ্য মাড়তে কেবল भार केड लाल कोंडा। कराइन एवं नाक মির্ভাই হ'ড হ'ড । শ্রেম ন্র্রিট হইর্রেড। এই হাঁত লালাদশনে হস্তব্ধ কাদ্ধা কতে 'জন ভগল্লান' ধ্বনি কাল্লাছ লালিলেন। জান্ত নিজে নিজেই নিমেধ कास मध्या क्षति। ताक्षीर के जिल्लीका है চরত্যন। প্রক্ষাতে চক্তপ্রের অনাক্ষা লীল: দশনে প্রয়াশ্চয়াধিত লোক্যকল **६गथु इ कर्ड़ 'क्ष**न महीनन्त्रन कि कर्र 'क्स ক্রম ভগরাণ জীকি জ্বর্য ধর্মিটে <u>জী</u>প্রকারান চলের প্রজারণাসকল বিকল্পিক ও দিও মওল ব্রুত করিয়া তুলিলেন। আনরাও শ্রীশাদ সরূপ রূপান্তগ্রর স্থানটোওয়া-নিজ্ঞন ভাঁ ওকপাদপদের কুপানীয়ে স্থাপ্ত

ে নমো নহাবদাজাৰ ক্লফাগ্ৰেল প্ৰদাংজ্জ ্ৰুক্ষৰত কৃষ্ণটোতজনায়ে গোলাছিল নমঃ ॥

তইয়া স্বিতেতি--

## যৎকিঞ্চিৎ

(বাজিগত)

প্রীযুক্ত মণিনাগ বস্থ নামক শ্রুমৈক चम्लाक कारगाश्रमाक किङ्गतिन करेतक বাস করিতেছেন। তিনি গ্রু ১ট व्यागष्टे टातिर्ग व्याभतोङ्कारण जीम्बिका-নল মঠে আসিল বলিলেন,—''আমি कविकारात्र थाकाकात्म खील्लीकीचम्दर्भ হতিক্রা প্রবণ করিবার ভঙ্গ যাতারতি কবিশাছিলাম এবং কার্যোপককে বধন পুরীতে গিয়াছিলাল, তথন শ্রীপুরবোত্তম-মঠের প্রচারকগণের শ্রীমূপে ভগবংকণা শান্ধ করিবার সৌভাগাও ক্রমাছিল। সম্বত সেই স্তরভিফলেই আগার ইঞা इत (य. १कान अमध्याः श्रीतिवर्गाश्रय कतिम जगादकान अनुष हरे। किय আলাৰ অগজ সে বিষয়ে বিশ্ব কৰিছেছেন ও নানাপ্রকারে ভয় দেখাইত্ত্তেন। তিনি বলিভেডেন, ভেনি আমাৰ ওক্র আশ্র ५ इ.स. काल्डा (द्यानामाने कारकश्च कत्ताः ভিট্ন টেটামাকে রূপা ক্রিবাধ ভক্ত পুনঃ প্রন্য আগ্রহ প্রকাশ কণিছেছেন এবং कुषि देखान हरणभन का करान रिस्त বিশেষ ভাগ্ন আছেল: অভতৰ হান ত্মি উংংশ আশ্যান লইফা একুএ যাও ত্রে উপোর রেগারে, পরিয়া রেগায়ার সক্ষাল হত্য । তথ্য অন্তর প্রথম জিল্লাজ दहै (त.—'श<sup>ा</sup>भ गृष्टि भाष्ट्रात र श्रास्थव **शक्** रतारम उपान्ताचा जासमञ्जल कोत्र करत কি অন্যাণ নিধান্তল ল'ভে চট্ৰেছ আৰোধ २५ ६ च वर्षे (स. भूमि है। इति । अक्षरदान লক্ষ্যাল, কলি, কৰে জীৱাৰ মনে ভাগ प्रमाण कर किरान भक्तन दकारण भड़िता। মামাৰ কৈ কোন কৰি ধৰকৈ গ

শ্রীস্থিত দান কাহর প্রচাবক নিক্তিপানী
প্রিন্থকি শ্রীক্রপ পুর্বী মহারাজ ওয়ুবরে

নারা বিচালেন ভাহার মধ্য এই বে—

এমহনে মানি আপনাকে নিজের বুরি
ছারা বিচারের কথা কিছুই বুলির না এবং

ক্রিপ্রামনাযুদ্ধের ক্রিত কথা কেই যদি
বংশন, ভাহাও আপনাকে বিশ্বাস ক্রিতে

স্থিনা। কালে ই প্রকার কথা এম, প্রমান,
বিপ্রবিশ্যাও ক্রণাপাট্রাদি দেশহন্ত।

শী হলধান্ স্বাং কীবের নিতানস্থলের কথা এজাকে বলিছাছিলেন। সেই নিরস্তাক্তর কথাটা শ্রুছি, স্থাছি, প্রাণাদি শাস্ত্রে সিধিবন্ধ আছে এবং উক্ত বাণী নৌতাভার অনুনিবৃত্তি হুইয়া অবহীর্ণ হুইয়াছেন। প্রাণাদি শুলি উল্লেখ্য ও সেবা এই তিন্টী কৃত্তি লইনা শ্রুছিগুরুপাদপথ্যে শহিষ্যন কবিলে ছাহা প্রবংগর সৌভাগ্য ঘটে। সাধুল শ্রীশ্রীগুরুপাদপথ্য হুইছে শ্রোত্রাণীই কীপ্তন করেন, স্থারাং সাধু, শাস্ত্র হু গুরুবাক্য অভিয়া।

# গ্রন্থ পরিচয়

## শ্রীমন্তাগবতম

শ্রীনঝাং বি ক্লেট্রপায়ন বেদ্ন্যাস প্রণঃ । মূল, ইংমন-भव्याभागा-क्षण कार्यमा-निरम्भीकाः देशमान्यसन्। प्रकारकी शिक्त-क्रच भात्राणमानिते हैं का, तथाधनाम, मृत्यु अध्य प्र खालिकक, एका व विज्ञासिश्व । ज्यां अस्मत व्यक्तिस्ट সেই হলের প্রতিগাস কণাসার, অসাধ্যের প্রথমে ঐ অধ্যায়ের সার্ধত ওবিছয় তাৎপ্র্যাদি বিরুত। স্লোকস্চা বিষয়ক 🗟, অন্যথ্বিধন্ন, পাত্র ও জানকটামূছ উদ্ধ 🎉 গালে উত্তম অকরে মুলিত। প্রথম হইতে ২০ম রক भगाउ हाला • ल्ल्निट्ल (सप इक्क्याटक) क्लिन खाला क्टेंट जम अने अगाप्त २०१७० ; अनम क्का ३०८ ; FR21 80 1

## শ্রী শ্রীটেডপ্রচরিভায়ত

ইঃ ভার্ম ক্রি নাদেশকর রচিত । 'মতু : প্রতি ভাগ্য ও জীবনেয়াও বিদ্যাপ্ত বরপাঠা গোপানী প্রভূপান বিশ্বিত 'অভ্ৰামে কাভ ছালাগি বট শাল্লম্মে স্থালিত ভইয়া लाकार्ति । १४४। ११ मा । स्थारकत माध्यमाया, वक्राञ्चन (में छ ওটে ক প্রাবের প্রায় সংক্ষিত্র অভিনেত্র স্থ্যাভিত। आर्थिक में 3% कार्याच्ये क्यांगांत (करुम) चार्छ । (साक. শাব, শদ, পান, গাড় প্রভূতির কর্ত্ত কটা ও এ৮কাবের বিশ্বত দীৰ্বনী স্মাধিত এইজাও অনুত্ৰপুৰ্ণ সংক্ষ্য উভাপুত্ৰ कुर्राके क्षकार्य । इस महि। फेड्स काल्य प्रतिलाय है ज সাধিত পুল ফুজাল মূলালৈ মুদ্রিত এইবারেড 🔻 প্রায় ३४०० शहाय भन्नात । विशेष वस्त्राहरू कर्मात्म ।

## **डे. रेक्डिओ अश्वित्र**

अञ्चलात्त कीवनी, अधि शांताकामत क्लामान, विश्वत (मोड्राय काम, नककरी, भयातवशी, वित्यकान भारतीत-কটা, জাড়াত বোৰৰ বিষয় নথলিত বিৱাচ নিতায় সংখ্যান इन्त अधिन ७ (लकी भाकात। आधिनीका ६ मणात किर्मान क्षां मान्य मान्यास्थ कर्मात्रक कर्मात्रक कर्मात्रक रहेट्टरा अधिम लिका ६ छाका, आप गीवात 1591 0 1

## **国に5つ切り時間**

এই প্রস্তের একপ আভিন্ধ প্রশার সংকরণ আর পুরাণি टाक्रीला इस नाह। भाषक (साम्पार्क्य अन्नेत्र, व्याष्ट्रवास, स्था, क्यांगात, एवा अस्टिम्ड वर्ष ५८६ अक्षांवर रस्यार्ट्स भून स्थारा अक्षत उन्न काउँन आर्रेलर्डा दृश्काकारत काला इक्ष्मार्छ। भूला २॥० छाका। अमीग्रा প্রকাশ ও গৌদ্ধীয়ের আহকগণের পক্ষে ১॥০ টাকা।

## **এ। মন্ত**গণদুগাতা

- শ্রীগোড়ীয় বেঞ্চলাচায়া অপ্রাকৃত রাসকচ্ডামণি উট্রিবিশ্বনাথ চক্রবিসাকর গোস্বামিরতা সারাধ্ববিশ होकामध्यका ७ डाइसम्डाङ्गावरनाम टाकुब-ध्यांक वर्गक-वक्षम' नामक ভाষাভাষাদাহত। । अधाराहरी, माञ्कालस एकाक-रुठी विश्व-रुठी अक्षकारत कीवनी **७ अव**ध्वापकाणि ভেব্যবিষয়-সহ বঞ্ছ-উৎক্রম্ন বাধাই ডুডীয় সংখ্যব---এই রাজ হচতে পরিজ্ঞাংশ মাত্র গুলীত; ক্রিজীব গোভাষী কি मरक्षत्रावत किका २८ छाका भाष, माधाप्तन मरक्षत्रन---- अ। টাকা মাত্র

## শ্রীল প্রভূপাদের বক্তভাবলী

ও বিষ্ণুপাদ এএীমছকিসিছাওসর্থতী े (भाष्ट्रामा महातादकत (१) क्यांग्या-विश्वर्शनने कीनाश्चयन (लाद्यांवनी क्रमः काम्बाननभाष्ट्रिमी कोवस-गाणिप्र মুক্ত-বিত্তাত --- বেশ্ববহিদ্ধা ও-রাত্রমালার কৌস্তাচম্বতি - সম্প্রদায় ति धर्मानङ्गाना ।। रतद स्माणिक ७ भी--- भक्षतील ६ छ। भन्दछत भगवा ५० - वटा इन दीवन हो । १- निक क -- विविधान विद्याल । মচিদাত-বিচারক- তীখ্যা ওমাধুগারণের মোলিক গ্রে**থণা**র - এখন, গাড়িলের ও প্রয়োজন ভবের দিল্লাভু-সমুদ্র

১। প্রথম খণ্ড—বৈক্ষবদশন, শ্রী ওঞ্চর, কাল-ध्या. क्रीमध्यादिकाव, द्यायाकानवी, शाक्षत्राविकी बीका ও বং বিচরে, ভাষাত্ম ও মনোধ্যা, উট্চতভাদের ও ভাষার শিক্ষা, অপ্রাক্ত সভল্পন্ম ও প্রাকৃত স্কল্পন্ম, গ্রাভৃতি বিংশতি সংগ্রুক রয়ে স্থাপোছেত। ভিক্ষা মাজ · **1** 2

১। দ্বিতীয় খণ্ডে— ভদা ও দিলা ভক্তি, মন্ত্ৰদার ক্রেট্ডা কোথায়, আত্মার নিভাগতি, শ্রীনর স্থামিপার ও भाषानाम, ट्रांट्रांत-बिल्ह्यानमध्यानक, कियुर्वित संख ও क्रमा-कीएन, धीनगणप्रभाष धामधान्यस्य कीवन, धार्मात-ামের মহিমা, মহাপ্রসাদ, জ্রীগোলিক, জ্রীরূপান্তগভ্রন-পুল, উমেতী সুমভান্তনন্দিনী, জীটেচতকোর দ্বান, পৌরকাশ্রা বুকাশিতে মুন্দুত, উৎক্ষ বাবা সোনার ছবো নাম লেখা। ও রুষ্ণস্কীত্রন—১৯ুদ্রশ অপুক্র মধুরিমাপুর্ণ-বঞ্জা বিভূষিত। (em) ३ - ८क हे(क) माज् ।

ত। তৃতীয় **খণ্ড**—লোকপ্রিমতা ও সভাগ্রিমত। ভারলদের প্রাস্ত্র ভারেষাবিভার, বৈক্ষর, প্রীমীভাদেরীর ভাগ্রতের পুন্রার্ডি, খ্রীনামস্ক্রিন ও ইরিসেবার নিত্তে। — এই নাটা জনাশনিক হক্তভাস্থলিত। ভিকাধন মাত্র।

## ই মন্তর্গবদ্রী ভা

(१) होश देवस्वामामारिक (मथत के के समानामार्गन निष्य-कुर्गक्र कामा ९ कीयमां कविष्यान रात्रतत्राक्षण यस-ভাগ বিশ্বভ 'বিশ্বল্লজন' লামক ভাগাড়ত জাগাড়ত তথ্যতে উলিফুলন ইনম্ভাজিনাকান্ত সরস্থী গোস্থানী স্টা, বিধয়ক্টা, ও প্রতি লেত্রের প্রথম ও স্টায় প্রে পূচা, ভাষা বিরব জীবনী জাড়াত স্থালত। উৎরত বার্ডেই, ক্লেড্সংগ্রণ ( সুতীয় সংক্রণ। এতের প্রত্যে ১৮০ টাকা বাত্র। किया २ विकार

### শ্রীনবদ্বী পধা মসাহাদ্য

( क्षाप्राच्या । भाष्ट्रनाम । क्षांच-द्रशामि बारम व्यापन দ্বীপের যে মহিমা কাঁইত আছে, ভাষার মূল সংস্কৃত ও অসুবাদ। ভিক্ষাত আলা।

### দ্রী দ্রীনগরীপভাবতরক

শ্রীসাকর ভব্জিবিনোদ বিথিত। সুল্লিত বীতাকারে। পরি এমার তথ্যাদি-বিধাক। ভিশা। আনা।

## ভজিনতাকর ও নবছীপ পরিক্রমা

শ্রীল মধুহার চক্রবারি-সাকুর-রচিত। ভঞ্জিরত্বাকর প্রকারে এমবদাঁপণানের পরিজমা করিয়াছিলেন, ভাঙাই পুছে বিবৃত। ভিক্ষা 🗸 • আনা



ট্রা ভবিদ্যাল সাকর-প্রাণীত। খ্রীটেডভেটহাতে শিখা-প্রণাধী -- কুষঃ, কুষঃশক্তি এরগ-- বন্ধ ও মৃত্ত জীব--कां ५ हु-त्रुक्ताराध्य । ५ व---माधन-निर्वरी--- खर्गाक्रन-छन्न, क्या काय. जानमामित्र विधात-देवती छक्ति, छात्रछक्ति छ প্রেমভ্জিন্ত নামভ্জন-প্রণালী ও অঠকালীয় লীলা-পরিচয়ানি প্রথম শিলাগীর উপনেটা করিয়া সরল ভাষায় সমূল্য স্তি-প্রান্নত থিপিত আছে ৷ চতুর্থ সংহরণ বাংগা २ , है कि ।, आनामा २५० है कि भाषा

## গোড়ীয়কণ্ডহার

**बिहरते होत्र देवकनगरन्त्र अधूकर कर७ श्रंतगरमाधा** জ্ঞতি তুতি পুরাণ-পঞ্চরাকাদি সাহত-শাসমযুদ্ধে প্রমাণাবলী বিষয়বিভাগাল্যে স্তুম্দ গুল্ফিড। এইরপ শৈক্ষৰ-মিল্লারের সার্যমন্ত্র অন্ত কুলালি প্রকাশিত হয় নাই। इंश्राह अत्राह्य - साधान :- देनभान - द्योत - विस्थानिय-মবৈত--কুষ্ণ- - শক্তি -- ভগৰ ন্য -- জীব - অভিস্থাতেল তেও — অভিনেয়— সংধ্যতিক— বৰ্ণশ্স— আত্ময-গ্ৰ**য**— ভ্ৰম্ভান্ধ - भी भाग- शासाक में ८ अभाग- १ देशी पूर्व वासास्य স্তুর্থ গ্রাকাদি শুচীনত উংক্রই এটিক স্কাগ্রেল প্রোঞ্জ প্ৰায় ৪০০ পূচায় সম্পূৰ্ণ। ভিজা ২ , টাকা মাজ।

## श्रीवरदीशभाग-श्रद्धावली

ভীমদ্ভিজিবিনোদ হাত্রর রচিত 'ধামমাধাল্লা—ধাম-মাধ্যের সাত্রার প্রমণ প্র-- শ্রীল নরহরিচক্রবরী জাবিভাব প্রস্তু, জীমন্তাগ্রতের সভা, শীব্যাসপুজ্যা জীম্দ্ - হারুরের দাম পরিক্মাংশ---শীধ্যম নব্ধীপ পরিক্রমা--ভীগ-गाउ। लक्षां - निमर अर्गामानकं नवदीलन उक्म--শ্রীনছতি নিনোদ সাবুরের শ্রীনবদীপ ভারতরঙ্গ প্রাস্থতি 51% ean (597) he 574) 9141 1

### এছিরিলামায়ত ব্যাকরণ

জীভান গোসামী প্রত্যাদ-বির্ভিত পত্র ও রাষ্ট্র ভূমিকা ও হুটা প্রাকৃতি সহ। মধারাজের বি अञ्चलानिक्काः ४०७। क्रिया २८ हाका, हाजगरन

#### (वमाख अवगात

শ্রীমন্তামান্তকার্যান্তরচিত। বেদাত্তের বিনিট্রবৈত্রবাদ-अक्षातक खेल्या अर्थका बाहामा अन्त एनमा धननेन भारतेन डेलाम्बी कत्नार्थ एक डिश्वम कानगार्कन। देवारक वक्राध्रवाम । कठीलवामि मध्यादिक वजा करेगारक नाम भाउः किया ॥ । भाना ।

#### শ্রীটেডয়াচন্ত্রামূভ ও নবদীপশভক

গোরপায়দ বিন টী শ্রমৎ প্রধোধানক সরস্বতী-প্রাণীত মল, প্রত্পাদ ইম্মদ ভাজিগিছাও গরস্থতী গোস্বামী মহারাজ अक्षातिक अध्याप्ता पाणा ७ वन्नाक्ष्वाम सर्वाति । মধুরীপশভ্রের উভিতিবিলোদ ঠাকুরের পছাত্রবাদ ও ভূষ্যৰ উন্নেখ্যবাপ্তাপুৰ একটা তিবপৰ্যন্তিত অংশকিক চিত্ৰ প্রাদত ভাষাটে। ভূতণ ও কাণ্ড উৎক্র (২ খানা 'একলে। ভিক্ষা ৮০ আনা, মতি শ্বরম্য বাহাই ব্রাক্ষ্ণবর্ণ 🔍 ठाका माञ् ।

2 fo-

व्ययप्रकितिरमान शक्त-अने इ একমার প্রাধ-রত্নের জান লাভ করিলে পরেমার্থিক রাজ্যে কিছুতেই **জ্**ঞান ব। সংশয় পাকি:ব না। প্ৰন্পুদ্ৰভাৰণয়ক এই-ৰূপ দূর্ম ও স্নুষ্ঠানী প্রত্তাপেছে গ্রেছানিট্ডা নাই। निधिवर्यास्याम-भाष-भाषा-भाषा-मध्नकात উথিত চইরাছেন। অংশর পুরিপুত সূরী, ক্পানার हेडानि धाता विस्ता मण्ड कता इहैयाट । विवाह अह. শোনার ছবে নাম লেখা, উংক্ট বাশ্ই - চতুর দাকবর किया २ हेकि। माज।

## প্রেম্বিবর্ত্ত

প্রীমবাহাপ্রান্থর অধুরক প্রির প্রীর জগ্রানক প্রান্ বির্তিভা এই পুক্ষে অভি স্থানোধা ভাষার মহাপ্রের কভিপয় লীলাম্ছ বৈশ্ববাচ'র, একাদশ ও নামভ্যন-প্রাণালী প্রভঙ্গি মনেক दम्बिट्ड शाईदनमाः शामजीकाग्र छक्तरु छात्मतः विश्वार्थ छ গ্রন্থক প্রায় পরিচয়াদি-নম্মিত চতুর্য সংস্করণ ভিক্ষা ৪৮০ দশ কানা সাত্র।

#### 高数あるを物

फ्रमनकारीत निकारका । शक्त छक्तितरमात्नत्र अनुगा काम ; मिथिन भारत्रत भिन्ताम । अष्टभामि मा (सर्भ भगान ८ करू विकास भारति । अन्य मण्यक्षेत्र ( क्रिका ४० ।

#### **ङ**विमामिहितामणि

নামাচার্যা শ্রীৰ জবিকাৰ সাক্ষরের মূপে শ্রীনরাজাপ্রাভু क्षित्राम-भावाच्या, नागाजात, नागालताम आझाँउ तिमध्यत হারতীয় বিচার প্রবাহ করিয়াতিবেন ৷ তেই বিবয় গুলির অভি সুবল পরারে সংক্ষিপ্ত রাশ্রতে পরিগটিভাবে মুদ্রিত। ব্রীল ভঞ্জিবিনেদে সুকুর রতিও। প্রথম সংস্করণ ভিক্ষা ৮০।

#### कन्याभक्षात्र

श्चिगद्दक्षितिसाम केक्सि १ छित्र । आष्ट्राक छशतन-निष्यामी ६ छानभाषात भाषात्कत उकान्न व्यासायनाम উপ্ৰেশ্বিলীপুণ গৈডিয়াছ। সামায় বেখাণড়া জানা লোকে ও এই ভালনায়তোৰ গাডিদমুহের মারা অনুধ্নিবৃত্তি ও ভগ্ৰংয়েৰা লাভ কবিবার স্থানিকা পাইবেন। মঙ সংস্থাত, ভিজা /১০ আলা মারে।

#### শরণাগতি

ত্রীমথ কিবিনোর হাকর-রতিত। ভগবানে আত্মসমর্পণ, বিজ্ঞান্তি, ভালনাৰ্যা, মৃত্যুৰিলা শ্ৰণাণ্ডি ও বিভি-লাল্যা-विनयक वीडिवर्ष, किका /- व्याना माछ।

### बैडावनी

শীঠাকুর ভবিধনাধ-প্রণীত। নিতা ভক্তন, আরানিক 🖷 व्ययान-एरवनानि-वितयक संयुद्ध ग्रीडगभूष ८,कट्ट व्यक्तिङ 🖡 श्विषा /- षाना नाव ।

জীময়াহাণ্ডের শিক্ষাও লীগ্রঘনাথ দাস গোভামীর প্রতি শ্রীরূপ গোস্বার্যার উপদেশবার্ণী, ভর্তিপথের অফুচ্ব ও প্রতিকৃণ বিবয়ে স্থাবিচারিত স্যোদন ভাল, বিস্তৃত বিবতি, চরিতামুতের প্রমান, সাম্বর ব্যাখ্যা ও মহাজন-প্রণাভ ভত্তপযোগা গীওমমুক প্রভাক খোকের সৃতিক স্থিবেশিত ১ইয়াছে। ৩য় সংস্করণ ভিক্ষা 🕪 আনা।

#### স্প্র-কণ

শ্রীবসুনাপ দাস গোস্থামীর মনালিকা, শ্রীল ঠাকুর ভিজিবিনোদ-চরিত প্রাম্বাদ্য্য। ভিজা / • আনা।

## প্রেম ভজিচ জ্রিক।

শ্রীল ঠাকুর নরোভ্রমের জ্ঞানত্ত বেসভক্তিবিদরক গানের প্রক। ভিখা ,'- আনা মাও।

#### নব্দীপশ্ভক

শ্রীল ঠাক্স ভিভিবিন্যেল-এচিড শ্রীল প্রবোধানন ্রিষ্ট্রভাত্তর স্থামাণ্যা 🖟 যুর্ধ তীপ্তেদর সংস্থান । রীপ্রভাকের জ্লাব্রভাপ্তার্থনার 1 किला / • भाना माता

#### অর্থপঞ্চক

ভীলে লোক(১)ব্যার(১৬)। বৈক্ষরতা-জ্ঞানের আকর প্রকা ভিকাস মন্মনে।

### সদাচারশ্বতি

শ্রীল মধ্বচোর্যা-প্রাদীত। বৈক্তবের নিতাকর্মাদি সদাচারা-বলী, বঙ্গালুবাৰ সৃতিত। ভিকা / • আনা মাজ।

#### মণিমঞ্জী

कविक्सरकश्री श्रीमजातावनग्डागा विकास श्रीमनास्ता हारमात मार्किश क्रीकामीमा अ मूल देवकवनयामह। नाम ॥४ ভিকাৰ মানা মান।

### গৌরককে।দয

প্রাচীন কবি ইডোবিন্দ দেব প্রাণীত শ্রীগোরাবাভারের প্রমণেবিগা-সংব'লত সংস্কৃত এছ। ভিকাদ আনা।

## युक्तिमहाक।: भगद्रभोत्रक)

সাফুৰাৰ এই এছের প্রকাশ পারনাথিক সাহিত্য-ছগতে | পরিচয় সহ যাতায়াতের স্থাৰিবা নিজেশ ইত্যাদি বিষয়গুলি এই সকলেপম। শ্রীমলাধ্বচোণ্য ১ইডে গেছেশাগন্তন বিভাগ। সন্মিনেশিত আছে। ভিকা । আনা। মধ্বভাগ্য নামে ঝাড 🕮 থাৰিয়ালভীৰ্থ স্বামী এই গ্ৰন্থে | দাধারণ বৃত্তি ও লোকিক স্তায়ামুদারে কিরুপ স্থ-দন্ধভাবে ভজিবিরোধি-মতবাদ সমুদ খণ্ডন ক্রিয়াছে, ভাতা পাঠ बाबा ठान्द्राक, देशन, दबोध, मामाश्यक 'अ मान्नावाधिमछ-সমূতের ওপর ধঙান বহিয়াছে। ভিক্ষা ২ টাকা মাজ।

## (गाचामी जीन बचनाथ मात्र

চারতান্ত ও শিকা অভীৰ আঞ্জা ও সৰুল ভাষাৰ সন্নিৰিট টাকা মাজ। এবং পার্বপত্তে দাবগোখামী প্রাচুত্ত বিশ্বচিত মঞ্জুটী নামুৰাদ মধুবভ্ৰ অৰ ও মনঃশিক্ষা-সংবিদ্ধ। ভিক্ रीगारे ह- याना, यावागारे लि बाबा गाज ।

## চিত্রে নবদ্বীপ

প্রার্চান নববীপের অবস্থিতি, ভগা, ঐতিহ্য, প্রোত্ত ব ঐতিহাদিক প্রমাণসংগিত নয়টা খীপের দচিত বিবরণ-এছ। রাজ্যি রাওসাহের কুমার জীগৃক্ত শর্দিশ নারায়ণ রার এম, এ, প্রাক্ত (লাছোর), বেদাস্তরণ মচোলয় কর্ত্ত সম্বলিত এবং ৪৭ খানি বিভিন্ন বর্ণের অপুকা চিত্র 😻 নানতিজ-সন্ধিত: প্রাচ্যবিশ্বামতার্থক রার সাতেব এীধৃক নগেন্দ্র নাপ বস্ত বিশ্বকোষসম্পাদক মহাশহের বিস্কৃত ভূমিকা मृछ। উংকার ( ইং ) মরকো বাধার মুল্য ১৯০, ভি: পি: তে ২ টকে মান।

## সাগক-কণ্ঠমালা

· धवःयम्हनः, टेनकव-यमना, देनकवनवन, मानादात शैठ, क्रीमागडपे, क्रियाकात्रान्त कर्न्डवन्य माह माम, क्राहेन्छव नामकीलन, जीनामगकाकन, ८लमकान, वाजेशनकीछ, भवनीय-भविमा, बीमाराधित महिमा, बीमदताकुम-छाएव अहेत अंतिता-त्रस्ताः त्रध्यात्रामात्रेति अहेतः एक्षम न अति स्थितः **डेन्स्स्यानाः, सम्बद्धन-खरालाः, मश्ख+ ५ तात्र तामास**स गरवात. बन्धानका, छिछत्रश्राह. छैछत-नतन्त्रश्रा. মহাপ্রত্ব বল্লা প্রস্তুত সাধক ও সিঙ্গীবনের নিভাপারে বেক্ষরতারে কথালিত ভূবনীমধ্যে ভার অধ্বক্ষর করে পারণবেশ্যে অপুন এছে। ভিক্ষা কি॰, ব্যাই ৮০ মাত্র।

## গোজীয়-গোরৰ

ক্ষিকাভার হুপ্রাসিদ্ধ আলবাট হলে গোডীর-সম্পাহক मिलान स्वन्त्रानन शतिकावित्मान-सामस बक्कात विका शक्षकात्व अकालिए। इंशाट्ड श्रीक्षीत देवकवम्म्यमारसस ইভিগান স্বাকারে প্রপিত হুরাতে। জিকা। 🗸 হাতে।

### গোড়ায় সাহিত্য

কলিকাভার প্রপ্রসিদ্ধ আলবাট তলে গোডীয় সম্পাদক শ্রীপাদ অন্যরানন্দ পরবিষ্ণাবিনোদপ্রামু প্রদেও বভাভার বিষয় এছাকারে প্রকাশিত। ইহাতে সাহিত্য-পদের অথ এবং त्नाङीय-माञ्चित्व नित्य स्थकात वर्गिष्ठ ध्वेत्राट । किना ler শালা নাত্র।

#### **शिरगोडम ७**न भत्रिक्रमा-पर्नन

শ্রীগোড়দেশের যে সকল স্থানে সপরিকর শ্রীনমারাপ্রভ द्वः क्रमञ्जा भवन की सङ्ख्यान्य भीना कविता विद्याहिन. স্মীনধ্বসম্প্রদান্তগত শ্রীমনাধিরা<sup>র</sup> স্বামিক্ষত। বঙ্গাগরে : সেই সব আধুনিক ভৌগোলিক পরিচয় ও দেবাবগ্রহাদির

#### THE HARMONIST

### OR SHREE SAHANATOSHANI

শ্রীন ঠাকুর ভঙ্জিনিনোদ-প্রভিষ্কিত তবং শ্রীন ভঞ্জি-করিতে করিতে আশ্চণ্যাধিত হউতে হয়। ইচাতে যুক্তির সিদ্ধান্তসরম্বতী গোখানী অনুপাদ সম্পাদিত পারমাধিক नामिक शक्त । अकरण बेरबाधी भागाय बहाविस्य वर्ष ভবৰক্ৰাউন ৮ পেছী ৪ ফশ্বা স্বাকারে প্রাণ্ড খারে হরি-नारमञ्ज विभन्न-देवभन्नश्ची बहेगा छेललिक अहेरप्रस्कृत। িও বিফুপার শ্রীণ ভাক্তিবিদ্ধার সময়তী ব্যোগালী কাপজ, মুদ্ধ-পারিপাটা ও চিত্রানি মতার চিত্রাকবিক। প্রভূপাদ-বিভিত্ত ভূমিকা সত্) গৌরপ্রেট স্বরূপ-ক্রপের এই প্রকার উৎক্রট প্রবন্ধ আর ক্ষোন মাসিক প্রাদিতে अन्याख श्रियाच्य जीत नाम (भाषायी । अनुत अनुतः (भिष्ठि भागेत्वन ना । वानिक क्रिका क्राक्याक्षणम् 🔍

#### श्रीक्षान-

**बैदेहकसम्बद्धः त्याः ख्रीमान्नाश्वः नवीन्नाः** 

# শ্রীধাম মায়াপুরে

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনক্টিটিউট্" নামে

## উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

(थाना इरेज्ञारण।

অভিজ্ঞ ও আদর্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছা এদিগকে অভি মড্রের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। বিদেশী ছাত্রগণের জন্য নিনা ব্যান্থে সক্রের বাসহাশের বান্দোবস্ত হঠীকে। স্থান অতীব আত্যকর।

ন সনিস্তার সংখাদের তথ্য নিম্নলিখিড ঠিনানা পত্ত লিখুন।
সংক্রেভারী, ভাকুর ভঙ্জিনিলোদে ইন্টিটিডট্
শীচেত্যমঠ, পোঃ শীমায়াপুর, নদীয়া।

## —৫১ বংশরের প্রতিষ্ঠিত—

শ্বিশালাখো প্রস্তুত অতীকা।
ধান ওফারারনা, সপ্পদোষ, কোটকাঠিল, অজীন, ধ্রজভল প্রভৃতি
ক্ত রোগীর রোগ নিরামর ইইয়াতে ভালা প্রকাশ করিনে নড়বছ প্রক্ত ইইয়া পড়ে।

ইহা

শকণ আছুতে বাবপার চলে ও সমান ফণ জানান করিবা থাকে। প্রাতি কোটার ২২টা বটাকা থাকে।

**दिन्नमा**ज

ক্রতি কৌটাং মূল। ১০ এক টাকা। ইণার নাম 'আগ্রন্ধনিক্রাই বটীকা'।

ষঞ্জ উবদের তালিকায় জন্ত পত্র লিথিলেই পাইবেন আপ্রিয়ান :—আত চ্ছানিপ্রাছ ঔক্ষপ্রাজনিতা ২১৪ নং বছবাছার ট্রিট, কলিকাড়া

## কবিরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের



মদঃস্থানের প্রিণার জন্ত ৬ আঃ শিশিতে ঘনীভূত অবস্থার ভোটবোডলের বুসুমণা উষ্ণ ভাকে পাঠ।ন হয়, উহাতে উষ্ণেচ কোন প্রিক্তন করা হয় নাই। মৃণ্য ঐতি শিশি॥• আনা, পাঁইট ॥৵• আনা, বোতল ১৵• আনা।

অফিল-১১নং উক্টাডাজা রোড, পোঃ শ্বামবাজার, কলিকাতা

## শ্রীভাগবত প্রেস গোয়াড়ী হাই**ট্রা**ট

কুম্বাস্থ

এখানের নিবাবের নিমন্ত্রণ-পত্র, গ্রীক্তি-উপহার, কার্ড, গ্রন্থ এবং অক্তান্ত ফাবতীয় কার্বা ছাপ। হইয়া খাকে। ছাপার দর বাজার দর অপেক। তুলভা। পরীক্ষা প্রার্থনীয়।

## হাইড্রোসিল

হা

## কোষরন্ধি রোগ

ভা: এস্, এন্, খোৰ বিনা অল্কে, বাৰজীবনের গ্যারান্টি দিয়া বৈছাভিত প্রণাণাতে কোববৃদ্ধি রোগ আরোগ। করিয়া থাকেন।

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## ে দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌবধ

প্ৰসাত্ৰ দিলে সম্পূৰ্ণ আল্লোগ্য

রোগী দেখাইতে চইবে। ক্ষান্ত্রিম পাণের গরচ (সাওরা এবং আসারে)
পাঠাইলে গিরা রোগী দেখা হয় অথবা এপানে আসিলে কেন্দ্রি দেখিরা
উষ্ণ দেওরা হয় আহোগ্য না হওয়া প্রান্ত পাতি প্রিক দিতে হইবে না।
গ্রীব রোগীদের খার্ড বছন ক্রিয়া চিকিৎসা করা হয়। শিশুবিত
বিবরণের জন্ম এক আন্যার ডাক টিকেট স্হ নিয় ঠিকানাথ অন্তুসন্ধান
ক্রান।

শ্রীক্ষিতীশচন্দ্র উকীল, মন্ত্রা-চিকিৎসক, গোঃ নৈকার্চী, বরিশায়। অথ্য নিম ঠিকানার সাজাহ করিয়া নিস্তুর্গরত ভালিতে প্রেরন

ইংযুক্ত রামগোপাল দত্ত এম, এ, ক্রক্ষনগর, নদীয়া। ইংগ্রু হারিপ্রে সিংহ, ১৮৭, বেপিরাটেগিলা ষ্টাট্, হাউপ্রেলা, ক্ষাক্রারার

একখানি পত্র। অংমার আঙুপুর গত ছয় মান যাবং বাল নন্দার ভূগিয়। মুভপ্রার হইরাছিল, কণিকাভার বিজ্ঞ চিহিৎসক্ষণ ভাগের জীবনের আশা ভাগে করিয়া শেন মৃথুন্তের জক্ত অপেক্ষা করিছেলন এই সমর শ্রীমৃত কিন্দীশচন্ত্র উকিল মহাশয় মার ১০ দিন চিকিৎসা করিয়া সম্পূর্ণ আবোগ্য করিয়া দিয়াছেন। (সাঃ) শ্রীম্ বীন্দ্র কিশোর বার চৌধুরী (অমিদার গানিয়া) হগ্ ট্রীট, নিউ বিন্দিং। করপোরেশন টেউণ ভিবা উন্দেট, কলিকাগা।

# শ্রীনবদ্বীপ-পঞ্জিকা

भोजाक 880.

माज ४० जाकिटक । भागिक दल रे त्करभाद ? भागिन इस ।

ম্যানেজা- —গ্র হবিভাগ শ্রীটেডেখন, পো: শ্রীমায়াপুর, নদীয়া।

কেন গ্রাহকগণ

# গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংসা করেন

-<del>কার</del>ল-

এখানে বাবতীয় ছাপার কার্যা—

अश्रामित कार्या है नलून,

বিবাছের নিমন্ত্রণ পত্র, কার্ড, বিবাছের পছাই বলুন,

মার ৩ রং ও ৪ রংএর হাফটোন ব্লাই বনুন, সকল কাফ্টি শক্তি সময় ছাপা ১৯, অথচ ছাপাইবার ২৯৮ বাজার অপেক্ষা জুলভ।

আপনার কিছু ছাপার কাষ্ট্র থাকিলে নিম্নঠিকানায় জানাইলেই দক্ষ পাইবেন।

> মানেধান- গোড়ীয় প্রিন্তিং ওয়ার্কন্ ২৮০:২ মং মাণার মানকুলাগ হোড, কলি কাত

#### देशिक स्थीता-क्षकाम

## কিলোরগভে সম্ভরণ প্রতিযোগিতা ভক্লণ ছাত্রদিগের অপূর্ব্য ক্রভিছ

গত ১৯শে আগই অপরায় ৪ ঘটকার সময় কিশোরগঞ্জে, নর্মিন্দু নদীতে একটি সক্তরণ-প্রতিষ্থিত। হইয়া পিয়াছে। এক মাইল প্রতিযোগিতা সকলের প্রক **উन्नक्त हिन। ,हेहाटक २० कन अन्तर्वी**र्ग হইয়াছিলেন, তন্মনো কলিকাভার কেন্দ্রীয় সম্ভৱণ সমিতির সদক্ষ শ্রীয়ত মতিলাল রার প্রথম হন ও কুটগির্দীর শোন সামেদ নামক এক ভরণ যুবক দিভীয় স্থান অধিকার করেন। অন্ধ মাইল সম্ভরণ-প্রতিযোগিতায় মাত্র ছাত্রদিশকে অবতীৰ্ হটতে অসমতি দেওয়া হয়। উटाए ७० सन शक्तिक्तीत मधा छात्र-ভার। মধ্য ইংরাছী বিয়ালয়ের ছাত্র ঞীমান নিখিল মজুমনার ও কিশোরগঞ মধ্য ইংরাজী বিভালরের ছাত্র সেধ বাহিম্দি যথাক্রমে প্রেণ্য ও বিভীয় স্থান ष्यभिकात करत । मर्ननार्थ ष्यानक मारकत দ্মাণ্ম হইয়াছিল।

## ब्रह्मादमत्र श्रद्ध होना।

प्टार्गालक्ष्म ( निष्ठे (बनाइ । ) वहे हि প্রকাশ যে, ছয় কন চীলা একজন ফরাদী প্লাণ্টারকে হত্যা করিবার অপ-রানে করামী মানালতে অভিযুক্ত হইয়া-ছিল। বিচারে উহাদিপকে স্ক্সমঞ্ হাত্যা করিশার হকুম হইরাতে। এই নুশাস আদেশ হেডু ভিতাবদিরের প্রাণাসী ই রাজ বড়ই উল্লাপ্রকাশ করিলাছেন।

চীনা হত্যাপরাধে অভিবৃক্ত হইয়াভিল: ভরাধ্যে চারিজানের যাবজ্ঞীবন এবং क्षतिकत्मत गण्ड ३३८७ राजा वस्त्रव श्याक्ष कांत्रवादशत बारम्भ इत्र । नाकी ছয় জনকে ফরাসী হাস্পাভালের সমুখে একজন ভাপানী ভয়াপ কর্ত্তক কাটিয়া ফেলা ভইষাছে। এই **ঘটনাখলে কতক- | আদালতে ম**ভিৱিক প্রধান প্রে'সডেকা | ওলি স্ত্রীলোক ও কতকভানি বালক উপ্ভিত ছিল। ভালারা একথাকে। ব্যামাতে 'এলপ নেশ্স হত্যাকাও ब्साम्य। कथ्म छ (मृथि नाई।"

ভনা ঘাইতেছে ভক্তা লক্ষায়ী বৃটিশ বেদিছেণ্ট ইটিশ ও ফাদীর ফরেন আফিসে প্রতিবাদ প্রেরণ করিয়াছেন।

## काकन्द्रधेत्र ८० है। य ८ छ। त

भावायशभूरत (म डाक्नुरहेब ८५%) হইয়াছিল তৎস্পাকে ঝালকাঠি গানার অন্তর্গত বারেরকাটি নিবাদী বভীজনাথ দাদকে প্রেপ্তার করিয়া গত ১৯শে আগ্র

ष्पारमण इहेशारक।

## নিছত দারোগার স্ত্রী ও ক্যাকে সাহাযের রবেছা

পাটনা হইতে প্রকাশ যে, বিশার विष्कात्तात्व करन भिष्ट श्रीनास्थतः नारवाचा श्रीपृष्ठ वामनावायग शिर्धन अर्हा মুদ্মত জানকী দেবী ওল্পে দানিলী দেবীকে তাঁহার মৃত্যু বা পুননার বিবাহ পর্যান্ত মাসিক ৪০, টাকা করিয়া সাহাব্য করা হইবে। নিহত দাবেগেরে কলা। সাখান্য করিবার কথাও গ্রুথমন্ট বিভাব করে। कतिदन्स ।

## খাভদ্রব্যে ধুজুলা নিয

রামনক্র তেওগারী লামক টেবক প্ৰিচন দেশীৰ জোক জোভাৰ অন্য কোনও বন্তার কভিগ্য বালেন্দাকে মা স রালা করিয়া পাওয়াছিল তাহার ঝড়িয়া কাহাবীন ও হাহার অংশী রাম-कियन व्यक्तान स्टरा मन्त्रात लाहेरा लुलिम जानिया क्रिका স্রকারী রিপোটে প্রকাশ ১৪ জন ্রাম্কিসণ্তে হারপাভাগে গোলে ধরে उक्ति डाइस्मित अन् **डाहारभन्न ८०१.३**न मा ६१.३७ सूनुत्र মিপ্রিত এটো পিন বিষ্মার্থিক বিত্র বর্তন । त्राध्यमभग (७ ध्रातीरक शर्रक अधिक निक्रदक भागना नात्मत कर्ता व्हेब्राटक ।

> গছ ১৯শে আগেই কোড়াবাগীনে ক্রিমের এছলাবে মাম্লাব ভুনা-बात्रष्ठ इटेग्नाष्ट्रिया । विभावक व्यामा विदक তিন শত টাকার জামানে মুক্তি দিয়া-ভেন। মামলা হণিত হাছে।

## कांथि विष्टम विद्रामी कमिणित काशिदनमञ

शुष्ठ ১৯८म बाश्वेह केश्वि विष्कृत निरत्रामी क्यिकात एक अभिरत्यान जीवाड ভীবনকুষ্ণ মাইতি সভাপতির আসন পরিপ্রত করেন। সম্পাদককে অর্থ সংগ্রহ ও ভারতের রাজপ্রতিনিধি,

বরিশালে আনা চইলাছে এবং ২০শে বালালার লাট ও উভি্ন্যা সীমা-নিছারণ আণাই তাঁগাকে আদালতে হাজির করা কমিটীর সভাপতির নিকট আবেদন শেরওয়ানিও বস্কৃতা করিয়াছিলেন। হইরাছিল। উছিল প্রতি হাছত গোলে প্র প্রেরণ করিবরে ক্ষতা প্রদান করা ននិយាក្រ (

## পিকেটিংয়ে ৬ জন ছেচ্ছামেবক Wf35

কুন্তুৰ হইতে প্ৰকাশ যে, নাভদন ও উদ্বিদ্যা প্রাদেশের গভগমেন্ট ভিন্ন কংগ্রেশক্ষা তাছির দোকানে পিকেনিং করিয়াছেন ২০শে জুন তারিথে বোমা করিতেছিল। তরাবোছয়জনের বিরত্তে महत्र अक्षांन चारिनाकृत्रसत् चाकित्राहा উপস্থিত করা হয়। তালাদের প্রভাককে २ • জরিমানা এবং অমাদায়ে ভারু<sup>ব</sup>দ্বাকে ১৪ मिन विभावम काबाम १ (छात्र कति-वात कारमण (म अम् इहेमारक । ) सन्दर অপ্রাপ্ত-ব্যন্ত বলিয়া স্বিধান করিয়া মাবাদেবীকেও বিবাহ বা বিবাহের পুরের । অব্যাহতি দেওবা হইরাছে । অভিযোগের মুক্তা প্ৰয়ন্ত মান্ত্ৰিক ১০, টাকা সংহাতা বিবরণে প্রকাশ, আসামীলণ একটি করা প্রির হট্নাতে । মান্ত্রদর্গ বিবাহ- / 'ছে।করার' নিকট হট্ছে একটি আরকপুণ যোগ্যা হটলে এক হাদার উক্তি পিয়া বোতল কাড়িয়া লইয়া ভ্রোতক ম্রেমিট

## জেল বয়ন শিক্ষকের গৃহ ভল্লাস

श्रष्टगारकावै (४- ब्रेशिय (कार्यतः तद्यन---শিক্ষ মিঠার আগবলেনের ব টাতে পুলিম धानापक्षात्र केलिया द्वान अवस्थित হস্তাত করে নাহ্বলিয়া স্থাস্পার্য Fe181/6 1

## द्रामध्यितिशित्र निक्र গানীলার ভার

মাৰাদে প্ৰকাশ যে, ১৯শে আগিই षि शहरत शाको की ताम श्राटिनित निक्छे এক ভয়ন্ত্রী ভার প্রেরণ করিলাডেন ভারের মর্ম এবং কি কারণে ডিনি অকলাং গ্রাল্পতিনিলির নিকট ভার প্রেরণ করিখেন যে বিষয় যদ্ভের সভিত লোপন तार्थ प्रशास्त्र । दिलि श्रीष्ठ स्थलका निवर कतिद्व भुनतात यनि निभणा याजा करतन ম্যাজিট্রেট পান বাহাতব এম, এফ. তিহাতে আহ্বা হটবার কিছুই নাই। १ हे सम्बद्ध कातरण ज्यालात मुकाल हहेगारह ।

## এলাহাবাদে জনসভায় অহরলাগজীর বক্তা

ध्यांकातान क्टेएक क्षत्रान (य. ज्ञीपुष টি এ. কে শেরওয়ানির সভাপতিছে অমুদ্রিত এক কন্যভার প্রিত কর্মাণ নেচক বর্ত্তমান রাজনৈত্রিক অবস্থার সম্বন্ধে বক্তভায় তিনি কংগ্রেস দীতির যুক্তিযুক্ততা, বিশেষতঃ যুক্তপ্রাদেশের शतकात कर्कुक निर्मा हुकि भवरहनात वियम ডাক্তার বৈশ্বৰ মামুদ এবং 💐 যুত

## धारात ও ছবিকাঘাডের জের

ব্রিশাল হইতে প্রকাশ যে, ২-শে আগাই আবলাবাব এীমৃত হেমন্তর্ম র আইচকে প্রধার ও ছুরিকাঘাত সম্পর্কে णात्रहीत मध्यविभिन्न **माहे**[सन्न ००१ शात्र मू-যাগী তৈতল-বিভাগ্যের ছাত্র জীয়ত অশীলকুমার সেনগুপু ও বাণীপীঠ বিশ্বা-नरमत और्ड भाषानान छन्डरक , विश्वानरम ष्यभागनकारण (अष्ट्रीत कता स्हेबार्ड ।

## **এইটে কাতীয় পতাকা উত্তোলন**

শ্রীষ্ট্র ফিলা কংগ্রেস কমিটা ১৯শে আগষ্ট সন্ধা সাড়ে ৫ ছটিকাল নিজ কাৰ্যালয়ে নৃতন কাতীয় পতাকা উদ্ৰেদিত করিয়াভেন। ঐ সমধে কার্যালয়ের সভাথে বিরাট জনত। সমনেও হঃরাভিল। <sup>क्री</sup>एक जरक समाताग्रम (ठोषुत्री ८क्छि জন্তব বক্তভায় জাতীয় পতাকার মগ্যানা অপুর রাণার ভত্ত স্কল্কে অফুরেন 4(14)

## প্রবীণ উকীলের মৃত্যু

गत्नाहरतत अवैष क्रिकांस இत् অধিকচিয়ণ বল এত ১৯শে আগ্রে वा विटाउ ४० नवस्त्र नगरम् अंतरभाकः भगम করিছাছেন। তিহার স্থান্থে দ্বিল্নী शारकुर, नाक्ष धनः भिडेनिधिना विदे। यस क्ट्रेंगा शाहा । (फोड्स्माती अवर (त्रक्शानी च माण्डल कार कात मगग्रन करेगा িড়াছিল। উদান স্মিতির এক সভাষ ভাগার মৃত্যুতে শোক প্রকাশ করিয়া श्राय श्रही ४ वहेस १८५ ।

## क्रद्रधन ज्ञात स्क्रेरवान

कानभूत हहेए अकान त्य. विभिनीतात কার্যাকবাপ ও হিংসাম্বক কাথের নিদা ক্রিবার জন্ত কংগ্রেসের উল্লেখ্যে ২ - শে व्यान्ति मुक्काकारण एक जनमञ्चाय वद्धांता वकुणा कतिए डेडिश "विक्" ७ "मि-(मार्था' भन्न के थिए हम । योहाता केक निमाएडक व्यक्षात्मत्र व्यक्तिमा कतिएड উঠেন, ভাहाता वक्रका क्रिक्ट याहेल কংগ্রেদের লোকরাও এরূপ শব্দ করিয়া छाङ्काभिशदक नामा तमन। यत्न. मछात्र धक्रो। अप्रेर्गाम जिमस्टि इर्हेमा खक्रान्त (शानरगार्श পतिगंड स्टेगात्र आमहा घटि । याहा इंडेक, त्यदा व्यत्नक त्राजित्छ অধিক সংখ্যক ভোটে প্রভাবটি গৃহীত

CBFF -

विकाशस्त्रम राष ale sie »



माशास्याद शह আ গ্রাম দেয় नागिक 🌬 माथाशिक् द देशमः[मिक २५० মাসিক ১১ বৰ্তনান श्रदेशी / •

ভারতের সৰ্কতি বছল-প্রচার—=দীয়া ভেলার এক মাত মুখপত

५४ थल

## সম্পাদক—শ্রীঅতীন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বেদান্তবাচম্পতি

[১৪৯ ভম সংখ্যা

শ্রীচৈত্তভাষঠ শ্রীণাম মায়াপুর—৯ই ভাজে বুধবার, ১৩০৮, ২৬শে আগষ্ট ১৯৩১

## সাময়িক-প্রসঙ্গ

গত স্থান আগষ্ট জিদভিস্বামী শ্রীমন্থজি-कुरनर ८ छोडी भगताब जीनांग मामाप्तक "कायन मठनाय औरिष्डक्रमाठे अक्रिमाना চইতে ''রকাণ্ড ভ্রমিতে কোন ভাগানান জীবা গুরুত্বক-প্রসাদে পায় ভক্তিলতা বীজ।"—এই ছই ছত্ত ব্যাপ্য। করেন।

रेका वलन.---मायान्य कीव क्ष-বহিস্থতাবলে অনাদিকাল ধরিয়া জগং ভ্রন্ধান্তে পরিভ্রমণ করিতেছে। রুফের ভোকুত্ব বিচার পরিহার করিয়া স্বরং ভোগবালা পুক্ষক নানা যোনিতে ক্ষম এইণ করাই মাাবত জীবের নিসর্গ।

বন্ধ ভীৰগণ এইক্লণে ৮৪ লখ যোনিতে প্রিভ্রমণ করিতেছে। এইরূপে লগণ করিতে করিতে কোন ভাগাবান্ ভীব গুরুত্বক্ষপ্রসাদে ভাক্তলভাবীল লাভ করেন।

**क्ष्म्य 'रकान छाशायान्'** विषय विहात করা আবস্তক। এরণ ভাগ্যবান্ কে? যিনি ধর্মার্থ-কাম-নোক্ষবাঞ্চা পরিভাগি कतिशास्त्र,---याशतं कन्त्री, कानी, त्यानी অফাহিলানী প্রাকৃতির অসংস্থ তাগে इहेशास्त्र, किनिहे के क्रणानाट मन्थे। अगरमञ् । कतिव, इतिस्थन । कतिव, এ বৃদ্ধি শইয়া গুক্তরণে শরণাগতের অভিনয় क्तिरा अक्रिणकारीय गाउ रव ना। .

গুদর প্রসাদেই ক্ষের প্রসাদ লঙা इत्र। श्वक्रामय यपि काशत । शक्ति क्ष हन, एरव कुकक्षा च्लाक एव ना कायवा

রুক্ত ওঁছারু প্রতি কথনই রূপা করেন না। 🗃 বিগ্রহ ভক্তপ্রদত্ত জ্বাদি কিছুই থান 🌤 হরী রঙে ওকস্থাত। ওবৌ রঙে ন না। কারণ যে গরিমাণ নৈবেভাদি প্রদত্ত কশ্চন।"

হ্রেরাং ভ্রাদেবের প্রয়াদ কিরুপে লভি করা যায়, ভাগে স্বামীলী শাস্ত্রত্তি-মূলে বৰ্ণন করেন। তিনি বংশন ভগবান্ শীক্ষ স্বয় উদ্ধরের নিকট বলিয়াছেন,—

नृत्रध्याताः स्रुवातः स्रुवा वर ध्वर स्कार उक्र कर्नशानम् । ম্যান্তক্লেন ন চন্দ্ৰতেবিতং পুমনে ভবারিং ন তরেং স **আজা**ই।।

এট নবভয়ই ভজনের মৃল। ইহা ভবানি ওরণের স্লপট্ট নৌকা, কিছ ভধু নৌক। হইলেই সমুদ্র পার হওলা ধার না। উপযুক্ত কর্ণধার আবিচাক। 🖺 গুরুদেবই ভাষার কর্ণধার। স্ত্রা, উংখাব নিকট এ দেহকে সমর্পণ করিতে হইবে 🖫 যদি আনবা বলি যে আমাদের এ দেই ভ্রক-দেবকে না দিলা স্থাপুত্রাদির নিকট রাখিব, তবে গুণদেবের নিকট তাহা সম্প্রিভ হইল না। প্রভরাং ভবসমূল পার হওগারও উপায় হটল না।

শুরুদেবের নিকট নিক্পটে শরণাগত **২ইলে ভগ্ৰংক্ৰণা অন্তক্ল বাভাদের স্থা**য় আসিল যায়। যিনি এইরুণে শর্ণাগ্ত না হন, তিনিই আত্মঘাতী।

## শীভগবানের ভক্তনৈবেতা গোলাঞীর সম্পিত ক্ষাক্ট ও জনেক ঘট গ্ৰহণ

প্রভাক্ষদশী নাতিকগণ অর্চানিক্রছে काई अञ्जाति वृषि कतिया वरणन स्य,

হইংছিল ভাহা সমস্তই ত ফেবুং আসিলু ভবে খাইলেন কি ?

যাঁছারা শ্রীবিগ্রহে কার্চপ্রতরাদি বুদ্দি করেন শাল্পে তাঁহাদিগকে নারকী বলে। সেইরূপ অপরাণিগণের আত্মার ি দিবাচক অভজনতিমিরাবরণে আঞ্চাদিত থাকে বলিগ 🕮বিগ্রহের রূপ লীলাদ দর্শনের সৌভাগ্য ঘটে ন:।

ভক্তগণ প্রেমাপ্সনক্ষরিত ভক্তি-বিলোচনে ইটিভগবানের রূপ লীলাদি দুশ্ন करतम धारः चताल ७ निधार काम (छन-वृश्चिक्त्यन् ना।

সেইরাপ প্রেম্ভক্তগণ জ্রীবিতাহকে যে নৈবেছাদি অপণ করেন তাহা সমস্তই শ্রীবিগ্রাস প্রীতিপুশাক ভোজন করেন এবং একণ ভক্তগণও সেই ভোজন দীলা দর্শন করেন।

<u> এীভগবান্ বিগ্রহরণে অবতীর্হইনা</u> ভক্তদত্ত দ্রবাদি সমন্তই গ্রহণ করিলেও তাঁচার হস্তস্পর্শে পুনরাদ পাত্রগুলি ভগ-বদক্ষাহ বামহাপ্রসাদ ছারা পূর্ব চইবা যায়। 'অধাে<del>কজ</del> ভগবানের এই লালাটী ভক্তগণ প্রেমনেতে দর্শন করিবার সৌভাগা লাভ করেন।

জীলীতৈতক্তরিভাষ্ত মধ্য ওর্থ পরি-ক্ষেদে শ্রীমনাধবেরপুরীর উপাথানটী আলোচনা করিলে ভানিতে পারি যে, পুনী স্বাসিত জল শ্রীগোপালনের সমতই ভোজন করিলেন। আধার হী'বল্লাহের হওক্টেন **পাত ।** श्री प्रतिभूतं इर्ष्ण । देश (करन সাধবেল্লপুরীই দর্শন করিলেন।

হেন মতে অশ্বন্ট করিল সাজন। পুরী গোসাঞী গোপালেরে কৈল সমর্পণ।। অনেক ঘট ভরি দিল প্রবাসিত জল। বছদিনের কুণায় গোপাল খাইল সকল। বন্তপি গোপাল সব অন্ন ব্যঞ্জন থাইল। তার হততে পেনঃ তেমনি হইল ॥ हेहा अञ्चय देवन माध्य ल्यामा ही। তার ঠাই গোণালের লুকান কিছু নাই 🧸

## মায়া

मश क'दत यमि, নিয়েছ হে দেব ! শ • नक्तन लिथिन कति।' ভবুকেন হাগ, वाक्त विद्याग,— পুঁজিল। কিরিছে বন্ধ-দভি॥

**ाई ४८**लीज, क्रभ, तम, मी. इ. বারে বারে কভ ভুলালো ক্লেকে 🗉 शांबी न मण, कामि थल शल, আবার ভাকিছে মায়িক গেচে।

মনে মালাগীঞ্জ, বপন কবিছে, মাণার মোহিনী কুহক ব্রল্য। ভ্লা'লৈ ভুগা'লো, প্ৰাণ মেছিল, **यून-त्य**नां ने करित भाना ग्

বিল্ল দিনাশন, ওঠে মহাজন, বজা কৰ আজি মটিকা থোৱে, ত্ৰি বিনে আব । শক্তি আছে ক'াৰ ? বিপাৰে রা'তে রাখিতে সোৰে।

স্থা-প্রায়তে, কঠিন সাঘাতে, ছিম কাচে শতেক মাল। পতিত ভারণ ! . ধক্ত ত্ৰনাম,

मां ५ दर में भा ठतन होता।

## নালাগ ইস্তাহার

(不)如何表所不可谓 ध्येषण ज्याम जाना । ।

ेजारमत । एन ५ हे स्मर्ल्डेखन ५७५५

( )

कर बंद करती कर भारी ५०५/३ । াঁচ্য ঐন্ধিক সাধ সংগ্রেগণাণ সিং क्ति ठाला (ते ६४५ कि. स. मुख्य ক্ষম ব্লী, ১ বি ১ক ; প্ৰত্তজ্ঞান জেলা বন্ধনাম

 $\mathcal{V}^{-1}(A(\Phi^{*}, \varphi)) \geq$ 

अपनः अधिक्षान १६-६५ देकत करित राधिक Beeff to থাকর থাওলাভ মুলা ۶. u.

(2)

२४५ शी. छ। हैं १५ #: ] = 0 , is ाडा बश्याल जामानक नेनी

्र, ध्यानाम ८ १। मार् भाषामण्या েও শ্রীমানপুর

নবৌণ পালাৰ মনীন পাজেলভাঞা खाः म जिल्लीनात दमराजान अन्न मा पाँछ-ানে চালতক ভাষিক ভাষা কেন মুকা

10)

. H, O XT 51 1 D, भारतीय भारत

्काम ८००० कुम्पनश्त

ক্ষান্ধ প্রাব জেবিছে মণ্টাক্সি शारक डिकिमार सरकारित ५०मा परिसर्भ कः ४ अकत हिस्स द्वा अहि ३३८

F( () 37(0) 2 300 ST 51 1 50 'ড়ঃ শূলহ কুমপ্তা নাসী

्रमः क्षुप्तन्तमः इष्टामः मध्योः ति, श्रो, महात्र १०१३ कुन्धन्थत

हामन्त्र 'व पामन्त २२ में मगत्र भिन्ना ৯৪৭ ক্তিয়ামে ডিন্সেরে সোবেডায় ০০০ ভগতে ৬১ শতক জ্যির মূল্য আয়ে ১০১ ( 1 )

, ৬০৪ আৰু জাৰী ১৯ 1 1 1 . hor

फि: शहभां । लाग लिश ्यः उष्पत्रथ (सथ क्यांत्राः साः व्यक्तिसाध भुत १९१३ मानश्रुत

কালীবল্প থানাৰ ধনং নৌলাল প্ৰাণী প্রামে ৩৪৩নং প্রিয়ালন ১০০/১০ টাকা জন্মে ভিক্রিসারের সেরেস্তার ৫-২৭ প্রাক

1 91

क्षम'त भूता घाट ८० ्

१ ५० ५ शां छ। 🚉 ०३ P(4) 225010'0 জিঃ বেল কেচ ক গ্রেমালান্যান टमः अ: कृशं मागी मि: मां ६ दलाः 賽馬,而引力

क्षयम्बात यानात व नः स्मेखात ५ छ-নগৰ কাঠালবোচা থানে ৫০ সংনং ম্ভিননে -৮১ শ্রক ছমির মুখ্য মার ১৯৯১ গরিস্তিত পাকা কোঠাঘৰ ইঞ্যাদি সুলা বিশিষ্ট্রই ২৪১ 🥦 ১--- ২ গতিখনে ১-১০ 413 600

११ का आती १५ 17 2 3. MY 3 फि: भारकाती कारो

एक क्षिणाम आयमधारी कि सीर। अस्मार *८५*% क्राप्त्रमध्य

वक्षमध्य धामान प्रतिम ५० म्ह महान्यः । মৌকার ৪৪৮ ম. ম্ভিন্ত

.२६८७९१ ५-६० महिक किसिन क्या व्याद भूता वहा ३०८

(6)

२२४० शाहारी १४ Vint Ellin 15t - রাজ মালানাক পত্রাহাত্র লেঃ কেন্দ্ৰ লোধ বিং সং, মা ধকাম

くった あわがす

क्रमन्त्रपत्र धानाव छ पति । धान াছদীপুর হেচছেল ১২ ন এডিকে ১০-৮১ একর ছাম্বি হয়। ২৭৮১০ সুকা

२००३ अल्ड्सि १५ M ... 2 44 3 ডিঃ শ্লিখনেকেন চারাপ্রায়া

८सः अध्ययकम् शास्त्रात्तेवात्रः शहर মাটী:(ৱী ও ৫ কাৰী) গ্ল

কালাজ ঘন্দে স্টাল্ডী বস্ত**্** লেড়তি মৌজার ও আন্ধ নাবদন্তার কংলেক্টরীতে এখনায় না ভৌজি খব-গ্রান্ডি আছে। ইহরে রাজহা ২২১১৮১১ हिला । केल १० भएमत महत्र द्याउँ (১৯৯১) আন অংশ, মুসা আন ১৯০১

२७.४ श द्वारी १५ Prof +225 8 िकः स्थाना<del>त्त्वः श्राह्मः ।</del>

८२३ - अस्काल संदर्भ (स. २१) ६ ५( ०) Criti भारत्रकता

मध्दछन। भागम द्रशेटक छ प्रतिक्रा वास्य चिकीशत स्मरतना स्मः २२---५५५ নং ম্থিয়েন্ড চচ জ্লিয় জম্ব ১৮৫৮ -मुणा छ।: २०००

( 22 )

२०१४ गाःकाती ३३ Mist sable : **डि:** तशक्रिश्लागाडीमुरी

(नः सक्षक्षांनाभी विश् मा॰ कांट्रांत-গোডা পো: প্রথম্যর

इक्तान्यत पानार ३२ नः क्रयन्त्रत (स्रोः ८२४ ने, विधियान २-१ अकत अभित खना अप्र भूता आहे २०.

২৩৪২ খাজানী ৫১ मानी : ७।७ ० ডিঃ তাম্বঞ্জন বন্দ্যোপাধ্যায়

দেঃ পদবুনানী সাং বসতপুর পোঃ ফালীগঞ্চ

, কালীগঞ্জ থাত্রায় ৮৭ নং বসভপুৰ किन कामी विचा अधि म १० मुना ७००

२,००% पारकाती ०० मानी ७०।/० विक्र व्यापनिष्ठक तात्र पिर

्टाई पुंड्रेर भग पिर और अं ट्यांड गांभूनभूकृत

न (**बी**ल थानाण कनश्रको का वासनभ्रहत এপানে ৯০৫ মং প্রিন্নে ১৩৬ একণ জনিয়া বার্ষিক জন। ডিন্সালাব্যবহর তথ্যের-উলি টিডেবল মূল্য আরু ২০১

२९२७ भहिलासी २५ Will 220 0

डिंग डिंग डमार मापूरी है। Chi टाला म भाटता भार चातुका ंका-ध्रुद्ध द्वरस्त्

केलन्। । शासान मामित्र ५५म, द्रश्रेकाव সৈহাত বুল পানে ৰঙ ৰং পতিয়াৰে চত্তনী ০০ টাকে, ছাল্য :-.৫ 五學行動[報告報報 电信 5 ]

( : 0 )

Fe - & 4) 2 5 15 1 5 2 4 11 11 1 1 4 4 11 10 5 া হৈছে। আনেওল গ্ৰন্থন দেখুনী

एक टेंक दमाओं के एक कर का कि किसी 公司者的 2016年,原外司公司

क्रमान्यत प्रान्त के उसे क्षमी वृत्र उसी क्षेत्र ভিন্তিদ্বাৰ কোৱেছায় যে তথ্য মত্ পতিবালেৰ টুলি সামেত সলাভান উদ্যান ক্ষিপ্ত কুলা। মাধ্য 11.14

22 3 5 માં સારી) कि लिया, ७ ८०% ट्राइटर और

1004 50

ামে ি রাবার অবিধে ধের ২৮৮ না অমার তমা ১৭০ মুল্র আর ১০০. for the season was another

29 1

२१२म शान्यानी १६ मानी २०,५ माहे फ़ि: वे

CH3 रामकृष्य भाषा, मार 9 (पाः 작의리아

নর্জাপ থানার ১০ ন্ মেন্ডা রাজাপুর গ্রামে ডিঞ্জীরার অর্থানে সেঃ ১০২ ন° মতিবানে বাধ পাওক জমির জনা তাৰ मुना जाः ১००

(:5)

000 (FOR ( 1 1) मानी २४ १। ३० फि: ननीशालान चर्यकात कि: मा: अड्क দেঃ মনোমোহন ভট্টাচাথ্য দিং সাং সভ্ক পোঃ কুক্নগ্র

কুঞ্নগর থানায় সাধনণাড়া মৌজে সভৃক রামে বেণীমাধ্ব মুখোপান্যায়েয় পাকা ন্দত বাড়ীর গাকা প্রাচীরের উত্তর ৩০৬ नः नार्मत डेन्द्रत बर्ग्न बाग किंग्लित বাগান ও ৩৩।—-৩৪০ দালোর বাদী জিফি-দারের।০ আনা অংশে চিহ্নিত নিদিট खिम बारन जे जे मारभ व्यवसिष्ठ मभूमग्र निश्चन জ্রনোক্ত্র জনি ৩১২ দার্গের দক্ষিণ অংশের ॥॰ 'কাঠা আম বাগান গায় আকর আঁও-লাত মুদ্য আঃ ০০<u>ু। জমিব প্রিমাণ</u> হৈ हेकि उद शक्र तिमित्र गांद्रभ अञ्चलान है। निया

**७१७ (म्हारी ७)** मानी १३२ हार्ज ब धिः डेट क्लाल क्षेत्रामा शाः ग्**ड**नशाङ्गा লে: মূলা ট্ৰেছেন বিশাস সাচ্ আধাননাৰ 1 (4) \$ 145.14

 व श्यानी पानण (मीडण नेमल्य) প্রামে মেটে মখাও বিহা ছাম্ব 🔞 আনা

২) ক্লানগর থানার পানীপাল: প্রামে মেটি ৯১)০০ - ব্রহ্মন্তর জমি

(00)

১৫৭০ সে জানী ৩১ FIFT H Solice ডিঃ বুফি হপ্ৰদাদ পাল মাল মালী বৌ দে: ইনারত মঙ্গ সাং, ছাতিয়ান Cott का में!

शास्त्री धानाय छाडियान काटम डिक्को-পার অধীন ১২৬নং প্রিয়ানে ৩-৮০ জ্মীর क्या ३३६० ज्या आहे ३००८

( 25 )

3377 (P N(8) 43 WIET 2721000 ডিঃ দ সাং ঐ दनः पुन्तः दर्भकेशमातः साः छारियान

গানী গান্য ছাতিবান গ্রামে ডিঞিন লালালি হালাল হল লা মেলিলিল লাজালুলি দৰে গোনি ০১৪নৰ প্ৰতিয়ানে চ∹০০ শতক

३११व (म्हाकार्य) ८११८ # it soom + डि: वे

Ca: तार्थां इंगिमानां मार ट्रांगांडांकां পোঃ গানী

গাংনী পানার ভোলাভাপা আমে ডিক্লা-भारत प्रतीन ५५५नः थिकाटन २-३२मः स्रभीतः करा ৮५/० भूमा जाः ३००५

( 22 )

२०४१ (म्बादी ३) भारी ७२२ फि: नृतिर्द्धमान **टमन नार** मानिया ही ेटमः स्थावनात्र स्थाता मिर् मार न उमा मठेमुङ्। ८भाः भारती

গানী পানাৰ মঠমুজা প্রামে ২নং খতি-शास्त्र २०१०। वन्ति ।

## देवनिक महीमा-धकाम

( 28 ) २১२२ (मर्बाजी ७) मावी ১६४०॥/६ ডি: বলোহর লোণ কোম্পানী সাং

দে: ক্ষেত্রভা লাসী সাং ও পোঃ রাণাঘাট রাণাঘাট থানায় রাণাখাট সহরের মধ্যে মিড্ল বোডক্তি রাণাবাট পালটোধুরী वाक्ट्लत अभीन शार्यक छाका कारतमी ক্ষমার প্রায়।৩ কাঠা কমি মায় ভতপরিস্থিত পাকা ইমারত ইত্যাদি মূল্য আ: ১০০০ ্

(34) २२४० (मःस्माती कै मिन्द्र ३८७२/ ডি: মানিরাণী মণ্ডল সাং মানির বীপচক্রপুর

(सः পরিকার বিবি দিং সাং পীভাশরপুর পো: চাপড়া

চাপড়া থানার ০১নং মৌঞা পীতামরপুর আমে জনত্র্যা দাসী দিং অদীন ১৪নং পতি-য়ানে ৪৩-৯২ জমীর স্বায়টি স্থিতিবান জমা ৪ঃ৮/১০, ৯নং পতিয়ানে ২৭-৯৪ একর क्यित क्या ६०५५/১०, ১२नः পভিগনে ७-৫০ জমির জমা ৮৮/০ ও ২৬৯ নং প্তিয়ানে 8->२ এकत समित्र समी >०।०/৫ एममात्र-গণের এক সন্তাংশ মূল্য আঃ ২০০১

২ ୭১০ দেংস্থারী मानी दवाभारेद **डि: का**निमान বন্যোপাধ্যাগ্ন সাং দেবগ্রাম

( 20)

ননীগোপাল চক্ৰবন্তী সাং C4: দেবগ্রাম পো: কালীগ্রাম

কালীপত্ৰ পানায় দেবগ্ৰাম আমে **জিহিরকাঃ সাহার অণীন মোট আ বিখা** क्रमीत भागियाना क्रमा २५० मूना च्याः ००५ ( 29 )

২:28 - দেংজারী ৩১ বাদী ৮৮২০ **डिः क्यात्रथाणी वाहिः कत्रत्याद्वमन** লিমিটেড সাং রক্ষনগর

**८मः क्षत्रनाथ पूर्याणायात्र मार् वाष्ट्रज्ञा** পো: 🔄

- ১। ইাস্থালী থানার বাদকুলা আমে ००१।८०६ छ ४> न्सः अंडिय्राटन ७॥।। विद्या ব্ৰকোত্তর ৰূপ্য ২৫০১
- २। जे बानाव जे आंटम ८८०नः পরিয়ানে ১৷২ বিখা মৌরসী খাস ক্ষমির ক্ষমা रा॰ मृत्रा जाः र॰
- अ थानात्र के आदम >en- वार्ति क কোফ । জমার জমির মূল্য আং ১০০১
- ৪। ঐ থানার ঐ প্রামে ১৮५० জনার ৪১৯নং থতিয়ানে ২৫/ বিখা অন্দির মৃত্যু Al: 2001

( >4 ) २८०७ (मःस्रोती २५ षावी ४३५।/३० ডিঃ খোলবাম বিবি সাং মুড়াগাছা त्नः इविविक्त मञ्जा माः ७ त्नाः **ৰুড়াশাহা** 

চাপড়া খানার মুড়াগাছা প্রামে ১৭৩নং | খভিয়ানে মোট ২/ বিখা **জ**মীর ১৩১৮/• कमा मूला चाः २८

২৪১৪ দেখোরী ৩১ ्र भावी २ ७५५ ডি: নিতাই টাদ গড়াই সাং বাদালবি (मः इडेइर स्थाता मिः गाः कानीनगत्र ८भाः क्रकन्त्रत

ক্ষনগর পানায় সোণাতলা গ্রামে থতিচানে ৫-৪০ <del>খ</del>নীর রায়তি মোক্ররী 🕴 कमा ३१॥० मृता व्याः :००-

२८२६ (मश्याती ७১ मावी २७०১।১० ডিঃ শুন্দীচাদ আসরভয়ালা

(नः कर्गतक मार्श माः स्टाइक्कभूत ণোঃ কুষ্টিগ্ৰা

১। কৃষ্টিয়া থানায় বাহাছরখালী গ্রামে ७+२ नः थित्राटन /।। कमीत नार्विक कमा ৪০ ্ মায় পাকা ইনারত ইত্যাদি মুলা ৫০০ ্

২। কৈ'পুনায় ঐ গ্রামে রাজা প্রমণ-ভূণণ দেব রালবাহাত্র অধীন পতিয়ানে -২১ শতক জমীর জমা ৪৫॥৴০ মান পাকা ইমারত ইতাদি মূল্য আ: ৫০০১

( 3)

२८०৮ (मःकाती ७) भावी ४२०८३ ६ ডিঃ সরোজাকী দেবী সাং ছোট-

(मः स्टब्रक्टनाथ मारः मिः माः तड़-কীদ্যা পোঃ নাকানীপাড়া

- ২৷ নাকাশীপাড়া থানাৰ ১০৭ মৌজা বাটী কাদয়া আমে বিভূতিভূষণ পালের व्यक्ति ३०१ पछिलान ३-०२ समीत समा তাল শ্লা আ: ২৫১
- ২। ঐ থানায় ই গ্রামে ঐ অণীন ৪৯নং ও ১৫০/২৫৪ পতিনানে ২৩/০ ওম্ব - २० मङ्क क्यीत मृना व्याः : •्
- ০। ঐ থানার বিসবস্থ লক্ষীপুর প্রাশ े अपीन शिक्षात २ ०৮ स्भीत त्राप्तरी স্থিতিবান ভনা ১১॥২০ মূল্য আ: ১০১

२८१२ (म्ह्यादी ०५ मारी २१२।४० फि: श्रीह्यामा मानी नाः श्रीमाङी

বেঃ পুতুমণি দাসী সাং গোয়াড়ী পোঃ ক্তকানগৰ

ক্লকনগর পানার গোরাড়ী গোবিন্দসড়ক (मोटक मन्द्रशाननाङ्गेश />।-/॰ क्रमीत क्रमा ২৴০ দে: ৪০ অংশ মার ভদুপরিস্থিত বুক ७ शृहानि मूना माः ১৫०५

(00)

षानी ১৯१०/३ 😮 ৯ गनिकाती ৩১ ডি: ইচ্ছুৱাম পাঞ্চানী সাং কৃষ্ণনগর

त्नः मृक्तिक नामा मार शावाफी त्याः , इक्नगत्र

১। ক্লফনগর পানার গোরাড়ী প্রামে শ্রীতারকগাল বন্যোপাধ্যায় স্বাদীন ৩৪২নং **ব্**তিয়ানে ২•ুশত্ক ক্ষীয় ক্ষা মায় সেস **৭৶৽ মূল্য মার পাকা গৃহাদি আ: ১০০**২

२। ঐ शानात्र के ट्योटक के व्यक्तीरन ७**८२ नः पठित्रांत्न > मः कमित्र क्या**ं ०५० মৃশ্য মায় তত্তপরিস্থিত পাকা দোকান বর क्याः द •

(98) मानी २१८७ ১৪৫৫ মনিজারী ৩১ फि: श्रामानम नत्मग्रानावग्रंग्र मार मागियाती দে: অবিনীকুষার প্রামাণিক সাং নদীপুর পোঃ কালীগঞ্জ

কালীগঞ্ল থানায় বসতপুর মৌকার **अ**तामतक्षन व्यक्ताशामाच पिर अधीन १मर **प**जिशादन २-२৮ सभीत समा 🖎 मूला

( 30 ) **১৮२२ मनिकात्री ७**১ मारी ७८/-फि: शांकुरशाशांन स्मानक नि: ना: रशांबाड़ी (मः ५१), भि, भुडोन । छत्राक ८१म छक्मात মণ্ডল সাং চাদসভক খুষ্টানপাড়া পোঃ

ক্লকনগর থানার চাদসভৃক খুইানপাড়া २२ नः कृष्णनगत (मोकात ১৪२०नः, ७०১२। ১৫, ও ৬০১মা১৬নং পতিয়ানে তাতা/-অমির অমা ৩০্ দে: অংশ মূল্য মায় কোঠা ও বৃক্ষাদি আ: ৬•্

( 99 ) २-६৮ गनिष्ठात्री ०১ मारी १७०५८ व **फिः किट्ला**तीरमास्य विकास शाः २०० मः ছারিদন রোড কলিকাঙা

(मः अ**ब्रह्मन पाम मार नन्धी** । डिनि পাড়া পো: নগ্ৰীপ

 नृत्सील शानाय २०नः सवतील নৌজে মহাবাজ কৌনীলচন্দ্র রায় বাচাত্র অধীন ১২৯৯নং প্রিচানে 🕩 ভুমীর শনা দি তভ্রপ্রিক্তির পাকা ইমারভাদি সহ बुगायाः ১৫•

रू। ঐ থানাঃ ঐ মেট্ছে ৪১৯০ পতিয়ানে ২০ শহক ঋশির মূল্য আ: ৫০১ ( 09 ) ২০৯০ মনিজারী ৩১ मावीं २००१०

ডিঃ ঝিটকীপোতা পশ্চিমপাড়া কো-অপানেটী ভূবাঞ্চ সাং ঝিটকীপোডা লে: মোকার খাঁ দিং সাং ঝিটকীপোতা

পো: রুঞ্চনগর ३ । क्रकनगत्र थानाम त्योदक प्रकित्

ঝিটকীপোতা জামে আৰু ল মমিন ওভাগর निः अधीन ३२नः चित्राप्त २-१ अभीत রারতী মোকররী জমা আ টাকা দেঃ এক-स्टेश्न यूना जाः ১०

२। अथानात्र के ट्यॉट्स ১৮৩ नः পতিয়ানে ৮০ শতক শমির শ্রমা ঐ অধীনে ১৯৬ - দেলারের এক তৃতীয়াংশের মূল্য THE CH

 व थानात्र वे दमोदन २२नः शक्तिगदने ১-৮৭ শতক কমির ক্ষমা ২/৪ পাই দেন-मारतम व्याप / श-मूना व्याः ३००

৪। ঐ থানায় ঐ মৌকে ৩৬৮নং থতিয়ানে ১-৪৩ একর নিমর জনিডে **८मन्भारतत र्**५७≔ व्यश्न मुनाउ व्याः २०्

৫। ঐ থানার মৌলা দোগাছিয়া शास्त्र के व्यमिन अम्बन्द चित्राद्वे 🔩 मंडक क्यीत क्या आ त्वः क्षकाश्य मूला २

🕶৷ ঐ থানার দক্ষিণ ঝিটকীপোঠা প্রামে ১৮২নং খভিয়ানে ১৯৪ শতক व्यमित स्था हाली, दनः व्यस्ता / श- ; মূল্য আঃ ৫১

৭। ঐ থানায় ঐ গ্রামে ১৮০নং **প্**তিয়ানে ঐ **অবীনে ৬**-৮৪ একর জমির समा ४॥० (नमारतत्र ज्यमधीरम, भूगा २०८

৮। ঐ থানায় ঐ গ্রামে ৯১নং গন্ধি-য়ানে ঐ অধনী ১-১৩ একর জনির জনা Suo Gravicaa এकवर्त्ताम्य मूला माः कर्

 । ঐ থানার মৌলে ভালালগালি গ্রামে ৩১৯নং খভিয়ানে ২-১৫ একর জ্ঞান জনা BIL (मन्मादबब अक इंडीबा: मुना ১०-

শ্ব ০০ মনিমারী ৩১ मारी अवार्य र किः हकीनाम सुरुवाधायात्र मार दनवज्ञान দে: গরবিনী বাগদিনী সাং পাবাদ্ছ পোঃ কালীগঞ্জ

কালীগঞ্জানার ৩০নং সাক্ষাপুর নৌজে জীহিরঝার সাজার অধীন ৩৯নং পতিয়ানে ৫৫ শতক জনির জনা॥১৬ মুলা **৫**্

( 55 )

२७२० मनिकाती ७১ लावी ५८% **डि: निवृङ्ग्य मुख्याः त्राः (नवशाम** 

दरः डेका मधन हिं। त्राः हातत्त् द्वाः ह কাগীগঞ্জ

कानीशम शांनाव प्रमार त्योद्य लडाहानपूत आदम सिटनक्रमांग गिर्ध्वात दि अधीन boनः अভिग्राप्त ५ २४ এ४४ जनाव कन् कालमात्र महत्र क्या मुक्ता ६०८

(80)

२३१७ मनिकादि १४ मानी ६४५० फि: गगीजरमाञ्च नारवक गार क्रकनशव ८मः कुमात्र माथ खुक्न मार ९ ८०। 存的中间有

क्रफनगत्र शानात्र २२नः क्रकनगत्र स्मेरंक **ब्रीनिमारेटज स्रो**त्र पि: अपंच २৮०० थ्रिस 🏴 Cनत २-३० करीत कमा ७ मृगा आ: ००

(87) ২৩৮০ সনিস্থারি ১১ मानी ১৮२६ 🗸 ডিঃ নগেরনাণ কলোপাধার সং 李章和

(मः कुमातिनाध्य विशाम मार् निश्लोदन পুর পোঃ কুছিরা

) कृष्ठिना भाग्यतः क्यमाश्रुतः आध्यः বিশ্বঃকাঞ্চ রান্নচৌধুরী

## দৈনিক মদীয়া-প্রকাশ-পারমার্থিক পঞ

থতিয়ানের -৪৬ শতাংশ জমীর রায়তি-স্থিতিবান জনা সাত মূলা আ: ১৫১

- ২। ঐথানার ঐগ্রামে ঐ স্বীন ২৮৯ নং থতিয়ানে ২১ শঃ জমির জমা ১৷০ मुला खाः ५.
- ৩। ঐ থানার এ প্রানে ঐ অধীন ২৯• নং খতিয়ানে ৪-৯২ একর ভাষ্যর ভয়া ১৪১/৪, গুলা আ: ১০০১
- ৪। ঐ পানায় ঐ গ্রামে ঐ অদীন ৩১• নং থতিবাবে ১-৯৪ অমির ভমা ৬৮৮/১•, নার পাক। ইমারভাদি সহ খাং ৪০০
- ए। ज योनांग के आहम के व्यक्तीन ৭৭৪ নং থতিয়ানে -৮৯ জনির জ্ঞা ৫০০, मुका आ: २६,
- ৬। ঐ থানায় ঐ গ্রামে ঐ ঋধীন ৮২২ নং পতিয়ানে ১৯ শতক ভ্যার ক্রমা ) के देविता, शुक्ता का: b
- १। के धानाय के आंट्रम के अभीन ৮২০ নং থতিয়ানে -৩১ শতাংশ জ্ঞাির জনা ত টাকা মলা আ: ১০১
- ৮। ঐ থানায় ঐ গ্রামে ঐ স্করীন bao मर्थिकारम् ०५० ० छमात्र -१७ छमित् ञ्ह्या आः २००
- ন। ঐ থানায় ঐ প্রাচন ৬৫৯ ন থতিয়ানে -৩১ শতাংশ জনির বার্থিক ভনা २ प्रशा काः ३०,
- ২০। ঐ থানার ই গ্রামে ৪৯২ নং পতিয়ানে - ৬০ শঃ জনিব জনা ২৮১১ মূলা प्यः २०
- ১১। ঐ পানাৰ ঐ গ্রামে ৪৯৭ নং হতিগনে -১২ শঃ জনিব জনা ১ ্মুবা ৫
- २२। डे थानाय ने जाटन ६६० मः প্তিপান ৪০ শ্রাশে জমির ভ্যা ২০০০, - T Tit se.
- ১০। ঐ থান,র ঐ গ্রামে ৫৫১নং পতিবাবে -০০ শং জমির জমা ১৪০৯, মুল্যা
- ২৪। ঐ থানার ঐ প্রানে ৫৭৫নং ॰ डिस्सन ७৮ मा इसित तार्षिक समा and o ा क्तः : ३.
- २०। वेशामात्र वे बारम ১১०८ मः অভিয়নে ১৮৯ শংক্ষিণ জ্বমা ৫৮৮০, भूका याः १६८

मानी हरभ५ म्बिकारिय कर ডিঃ অধর চল দান সাং রুঞ্নগ্র 'अ''श्रमशृक्ष**्त्र** 

ानः नाटाधन <u>ठक्क गुरशंशासान</u> मार নেবিংবার পাড়া পেরঃ ক্রমঞ্চনগুর

क्रकनगत शामान स्मित्रात शास माधा ং১০ নং অভিযানে ৩৬ শতক চিরস্তায়ী এমাওর জমি মাণ ভঙ্গিতিত পাকা গুলান্দি 5117 2 a

(85) হনচ২ স্নিঞ্দি ৩১ मार्ने वश्यार्थ কিঃ বোগেল নাথ সরকার সাং গোগাড়ী

দে: পাচুগোপাল দাস নাং গোয়াড়ী (भाः कृष्णभगत

 क्ष्मनगत थानाव २२ नং श्वाताङ्गी स्मेष्ट्रांत्र ताखनिननी (प्रती पिर् क्रिनीन , १६ নং খতিয়ানে -১ শতক জমির জনা .১'৯ মুলা মার ভতুপরিক্ষিত পাক। ইমান্ডাদি সহ আ: ৪০০১

२। ঐ মোজে ঐ অধীনে ১৭৫ নং থতিয়ানে -২ শং জনির জনা ৩/১ পা, মুলা

## ১র মুক্ষেফ আদাজত

(3)

৬৭ • মণিজারী ৩১ मानि ४९ ५% **ि निर्म्हिक भागकोर्**ती गार् हक হাতীশালা

লে: শিবদাস ভট্টালাল সাং বৃহিত্য গাছি পো: নাকাশপাড়া

- নাকাশীপাড়া থানা: দক্ষিণ বহিন পাছি এলেম ২৯৬ না ও ওদনীন পতিয়ানে ২১ ৪৯ নিকর জ্ঞোভর জনীতে দেঃ ১১৭৭ अभ मुशा आह ४००
- २। के शामात्र जे क्षेत्रण १५० मः পতিয়ানে ও ভদধীন পতিয়ানে ১-১৮ মাগ রার জমী ও তছপরিস্থিত বাংগানে দেঃ काश्य नृत्रा काः द
- ৩। ঐ ধানায় ঐ মৌকে ৩২২ ছতি-হাবে -১৬ শতক শ্রমীতে দেঃ 1/৬: - অংশ मुला आः २८
- ৪। ঐ পানায় ঐ গ্রামে ৩১০ খতি য়ানে -২৬ শছক হমী ও ততুপ্রিভিত পাকা বাটিছে দে: 1/১॥= 'আ'শ মুল্য ৫১
- ৫। ঐ মৌজার ৩২৪, ৩২৫ ও ১২৬ পতিযানে -৫৩শং শাগরাজ জন্ম লে: ৴৮৷ = অ:শ মূল্য আ: a.
- ७। औ स्मीट्स ७२७ छ ७२१ शक्ति-য়নে ও ভদ্দীন পতিচানে ৬-৭০ লাখরাজ क्रमीटि (मः ,१,३० क्र(म म्या क्राः ১.
- ৭। ঐ মৌষ্টে ৩০৬ ও ডদগীন পতি-য়ানে ১-৪০ লাখ্যাক জনীতে সেঃ ,১৭৬৭ দস্তি অংশ মুলা আ: ১
- प्रेसिक १०४५ मः ५ उन्होंन १४०।१५० থ**ভি**লানে মোট ২-২৮ লাখবাজ জমীতে দেঃ ১/১৩: – অংশ মূল্য আ: ৫১
- है। बे मोड़ ७१० छ ७१, शहि-য়ানে ৫-৮৯ লাগরাজ ভ্নীতে দে: ১৭৬৭ मित्र कर्म युगा काः दः
- ১০। ঐ মৌজার ৪১৬ ও ডদ্দীন ৪৯০।৭ নং প্রতিানে -২৭ প্রক স্কনীর कमा 1/8 शाहे (सः 1/भा= काम मुना ५ ( ? )

৬৮০ ম্বিজারী ৩১ मारी ७९१/० **डिः** कानारेणांग निःक त्रांत्र पिर नार সোণাতলা

দেং গোপালচর প্রামাণিক সাং গোকুরাপোতা পো: বাজালবি

চাপড়া থানায় গোকুরাপোতা এামে ডিক্রীলারগ্রের খণীন ১৩১ নং পতিয়াত ৫-৭০ জুগার জমা ৮০২ Cr: 1/ খা = আংশ भुगा काः ७०८

৬৯৭ মণিকাণী ৩১ Ata zoenso ডিঃ নরেকুক্যার বিথাস সাংব্রার-গাছি

দে: বোনজান মতল সাং এলাভি পো: নাকানীপাড়া পো: বাজালনি

১। চাপড়া থানায় ৪৮ ন মৌজায় এলাসি গ্রামে হৈমবতী দেবীৰ অনীন ৩৫৭ পতিয়ানে ৩-৫০ জনীৰ ৮/৬ জম: মূল্য ১৫১

२। ঐ থানাব ঐ মেকৈ ঐ মদীনে ৪০২ নং প্রিয়ানে ১-৯৬ জনীর জনা ৫১ পে: no অংশ মূল্য আ: ১০১

৩। ঐ গানায় ঐ গ্রামে ঐ অধীন ৪০১ নং পতিহানে ১-৪১ জনীৰ বিধা প্ৰতি নিবিথে ভ্যা ১৷• মূলা আঃ ৫১

(9) নত্ত মলিজানী ১১ क्षांदी व इंद्रांक व બૂર્િજા

ि भिर् भार ८४: डेर्भक्तमाथ भाकरे িডোমপুগুরিয়া পোঃ বাঙ্গাল্ডি

চাপড়া থানায় ২ংনং গৌহায় ডোম-পুখুরিখা প্রামে রাম্ডেণ্পাল্ল দে দিও অধীন ৪৯৪ খতিহানের অধীন ৪৯৩ খতিশানভূকি o १६ मा स्थिति समा ১৪m/ • मुला ६००० ( C )

১৭৯২ দেকেরী ৩০ HIFT CEND ि नृत्रिं है के भी करा है मूर्ती दिः सा 5কহাতীশাকা

দে: মজিরাণ নিবি দিং সাং বেপুন। करती तथा है

নাক্রিপাড়া থানায় বেগুয়াড্ররী এনে ্ট্রকীলার দিং অধীন ৪২ ও ৪৭ প্তিয়ানে ১৪-২৮ কনীৰ ক্ষম ২০৫০ মূল্য আঃ ১০১

( %) : १२३१ (म:काती **:** २) मादी ध्रम्भरं f5: 3

cr: काली रमश भिर मार **का**णक्क গলায়দভিপাড়া পোঃ বেথুয়াড্হরী

নাকাশীপাড়া থানায় বেথুয়াড়ংরী आदम फिलीनावशरणत अधीन ४४, ६०१ अ ১০৪ পতিয়ানে ৬-৭৮ শঃ জনীর জনা ১৬০/৮ মুল্য আ: ১৫১

मादी १२८॥८० ২০৩৯ দেশুকারী ৩১ फि: नरगस्माथ वरमाभाषास भार

(मः यक् गडण मिः गां तामनगत পো: হাস্থালী

হাসপালী পানার রামনগর গ্রাচ উপেক্সনাণ বন্দোপাধ্যায় क्यमैन ৪০৮: বিখা জনীর জনা ১৯০৭ জেঃ বোল জান ष्यं भेगा षाः २०००

(b)

–দেংজারী ৩১ मानी २०००/०

फि: ८गीतbया मख गाः धणाम्ह

দেঃ প্রকৃত্ব বিবি সাং আদ্মণোত

নাকাশীপানা থানার আদমপোতা গ্রামে ष्टिनाक भूरभाषामधात नि: करीन **७**८ मः প্তিয়ানে ∕০ কাঠা জমীর ভুমা ১৮ ১১ মায় ভদ্পবিভিত্ত কোঠাবাড়ী ইত্যাদি भूगा भाः २४८

(2)

७४२ (वर छाति ७) मानी २०७, व ডিঃ শতীপ চল্ল রার দিং শাং রাম-নগর

দেঃ সরুর মঙল সাং মতেশ নগ্র পোঃ বাঙ্গালঝি

চাপরা থানার মহেশনগর ব্রামে ডিঞি-ডিঃ এর'থিন মলিক সাং ডেমি- দারগণের অধিন ২৬১নং থতিংনের ৩৯-৭১ ক্সীর জনা ৬৮॥১১০ মুল্য আং ১৮০.

( > )

৬৫০ জে: জারি ৩১ मारी ७५:५ ডিঃ বিভৃতি কুষণ দে সাং ধর্মদহ (णः देश्मतःशी तथाका माः श्रमाकत्रप्रतः পো: পাঞ্চাশিপাড়া

২। নাকাশীলাড়া থানার স্থাকরপুর তামে শতর হিসাব অন্তসারে ১০৭/৫ন: **टर्शकरक महान नाजनाष्ट्रिया क्रियंत्र महिया** দরবস্ত জুকুক ৮/১০ আংশ, মূল্য আঃ ৩৫১

२ । के आहम जीय के क्रक्नान बाब मि: অধীন পত্নি অংশ ১২৫ পঞ্চা-মুল্য জা.

৩। ঐ গ্রামে মঙ্গলমন্ত্রী বর্মস্থা দিং অধিন প্রনি অংশ, ৫ মূল্য আঃ ১৫১

( >> )

५८५ (मःभाती ७) भावी ५६५,० लाहे फि: विनाष्टांनि विभाग गाः वाशवित्रियः ८४: मध्यानविधि भिः माः मानुषाति পো: চাপড়া

চাপড়া পানায় রতিকাস্ত খোগ অধীন ৪৯াং বিঘা জমির জমা ৩৬৬০ দেঃ গুইক জীমাংশ

( 53 )

৬৬০ দেংকারী ৩১ मारी ७४०॥०/३ ডিঃ গোপেশ্বরীদেবী সাং ক্রক্তবগর

एकः कुन्नगक्रावी स्वती नांः स्वाष्ट কান্দুলা পোঃ নাকানীপাড়া

>। নাকানীপড়ো **থানায় ছে**টি 🖁 কান্দোয়া ঞানে রখুনাথ **লাহার ভুনি**র

मिक्टि र/ विधा सभी स समा ३५८ भूगा নার তছুপরিন্থিত আনগাছ ঞাড়তি সহ ेषाः २६

২। ঐ গ্রামে ইরিমোছন বন্দ্যো-পাধ্যায়ের বাগানের দক্ষিণে ১॥• বিখা ভূমির অমা ১॥ ওছপরিহিত বুলাদিসহ মূল্য নাক্ষী াড়া

( >>)

**१५५ (म्ह्याती ७)** मारी ३८४/० 🗄 छि: ठक्टरभभत ताम मार माछभूत। দে: কেদারনাথ <u>যু</u>ত্তল সাং করকরিয়।

পা: নাকানীপায়া

নাকাশাপাড়া পানায় স্থধাকরপুর আমে ডিজনিদার দিছু অধীন ৫০ নং থতিয়ানে २. ४६ अभीत समा २५०/६ मूला जाः ७६८

( 38 )

२०५ (मःकाती ७১ मार्वी (२२१/२ ডি: অখিনীকুনার গঞ্চোপাধ্যায় দিং মা: কুড়ালিগাছি

८मः छारमभागि विश्वाम भिर मार ম্ভিষপুর জোচ বাজাগ্রি

১। চাপ্ডাপানায় ৭৯ নং মহিবপুর মেট্ডে অম্লা কুমার প্রেপিধান অধীন ২৬ নং 🗗 ১৭টিন ২৭ চটতে ২৯ নং পতি-য়ংনে ৪∙।×। বিভা জনীর রাম্ভি মকর্মী डा २०१० ३ (११ ८८ काना काल भूगा

२। के सोका के अधीरन २०० नः শ্ভিয়ানে ১২১/১০ টাকা বাংতিস্থিতিবান্ क्रमा रहत विधा कविएक सम्मादित ८'६। क्यर्म मन्त्रा क्या ३०००

(31)

১৯৯৬ বাংছারী ০০ Pfit > 9 he se फि: बैन हम् भागालमुती यह माहेमर দে: পুকারে নিকারী সাং বহিরগাছি পো: নাকানীপাড়া

নাকাশীপাড়া থানাম বাহরগাছি আমে ডিক্রীলারের অধীন ২-৫৪ একর অমির ধাৰ জমা মুলা আ: ৭১

( >0)

৫ থাংকারী ৩১ मार्थी प्रशान ३ किः नृतिः वात तिः ताः काकी । छात्रा ch: विकिक्षित्राहन नकाम निर मार पूरा-পুর পোঃ নাকাণাড়া

নাকানীপাড়া থানার যুগপুর গ্রামে फिक्रीनादात व्यथीन ६४ चित्रास्त २४-८१थः सभीत २/১৭॥• समा भूगा चाः ১०५

( )4 )

मानी ३०२५० ৩২৯ থাংকারী ৩১ ডি: কানাইলাল শিংহ রায় দিং সাং **গোনাডা**ৰ্দা

দে: কুণী মন্তল সাং সালিপ্রাম পো: নাকানাকা

নাকাশীপাড়া থানার কোলাছিয়া গ্রামে

ডিক্রীদারের অধীন ৫৬১ ও ৮৭৭ খডিয়ানে ১०-२२ करीत कमा २०।/ मूना का: ६०, ( 34 )

৩৯৫ গাংজারী ৩১ मानी २७८ ডিঃ শিবেক্সনাপ সিংহ রায় সাং

भुङ्गाक्षरा नरनमाशीधारिया मार বিজ্ঞাপুর পো: নাকানীবেড়া

নাকাশীপড়া থানায় নিক্রমপুর গ্রামে ডিক্রীদাবের জী্ব ৫৮৬ গভিয়ানে -৭৭ क्योत मुना काः दि

৪২১ খোংজারী ১১ मानी ४७८७ বিং নৃসিংহচক্র পালচৌধুরী দিং সাং চকরা শ্রীশ্রালা

দেঃ ভাজুবিবি দিং সাং মালমগাছা োঃ নাকাশীপাড়া

নাকাশীপাড়া গানায় মালমগাছা আমে फिजीमात मिर्**क्रीन २**१ छ **छम्मीन ७**१ হইতে ৪২ নং থভিগনে ২৭-৯১ জমীর রাগতি মোকররী জমা দেনদারের ১০ অংশ मुना जाः २४.

( > 0 )

८० हैं। का होने अप मानी २०५० ० िक्ष देनवदानः नामी भिर भार दानिका দেঃ জুবান দেখ সাং পারকুল। পোঃ े बादान्तः । ।

নকেশেগড়ো পানায় পারকুলা আমে ৮২ मः थिउहादन ১-२२ अभीत्र रार्ट ३० क्यां भूता काः ३०५

( <> )

८०० शास्त्रारी १ मारी 89 িচঃ সংগ্রেকরঞ্জন সিংহ দিং সাং काठीनःभारः।

দে: মরিলাল মঙল সাং শোণ-পুণুরিয়া পোঃ বাজালবি

চাগড়া থানায় শোণপুথুরিয়া আমে फिकीमात पिर वर्गान ३५९ थालिकारन ७२२ कशात भूला काः : ७५

( २३ )

৫०) शास्त्राती १३ मावी ३२०५ डि: वे

নেঃ ছেপতি মঙল সাং শোণ-পুথুরিল গোঃ বাঙ্গালবি

চাপড়া থানার শোণপুক্রিয়া আমে ডিক্রীদার দিং অধীন ৮১ নং থতিগানে a-8२ कभीत भूला चाः २६८

( 2.0 )

४०२ थाःछातो ०> मानी स्वाटंड ডি: ঐ

দে: এডাগার বিখাস সাং সোণ-পুথুরিয়া পোঃ বাঙ্গালঝি

চাপড়া পানায় সোণপুখুরিয়া গামে ডিত্রীদার দিং অধীন ৪০নং খতিনানে ২-৬৫ শতক স্বামী মুল্য আ: ৫১

( 28 )

६३२ अस्कानी ७३ मानी ८०५% ডিঃ রামপদ পাছে সাং মন্তরহাট দেঃ আবহুলমজিদ মওল দিং সাং ममना (भाः है। मनानी

 शामधानी शानास मनना छाप्तमः **फिकी नात निर** भनीम : १১ चिलास -७১ । **न ५० (का**त्रका सभी छग। २॥• ५मा छा: ४. २। এ धानाम के त्मीत्व के स्वीन ২০৫ খতিগানে ৭॥০ টাকা রায়তী স্থিতি- | नान क्यात ३-१० भठक क्रमी मुना ५००

(22)

৫২৫ থাংস্থারী ৩১ ALT PRICA ডি: সীতানাপ চক্রবর্তী সাং গোলাড়ী দেঃ স্থানাপদ মঙল দিং সাং প্রতাপপুর (भी: इयः गञ

কুক্তগল থানায় প্রভাপপুর আমে ডিক্রীদার দিং অধীন ৩৭০। ১৭১ ২তিয়ানে ৬-৫৯ জনীর ও ৬১০া২ থতিয়ানে -৮২ শঃ ও ২ 661২ থতিয়ানে -১৯৯ শতক একুনে ৮-৪০ শতক জমীর জনা ১১১ মুলা ৫০১

( २५)

eee थाः खादी ०> PIST bono ডিঃ কেশবচুল দত্ত দিং সাং মাজদিয়া বেলবান্তার

দে: রদিক মতল দিং সাংপুটীপানী পো: কুদাগঞ্জ

কৃষ্ণগঞ্জ থানায় ৫ ংনা গৌলায় ষণাদি आम डिक्कीमात निर करीन ४१८।১ नर খতিয়ানের অধীন ১৩নং খতিয়ানে ২৪ শং মধীর মোকররী জমা ৯৮০ মুলা আঃ ২০০

( 29 ) E1 5 28 10 2

८४० धाःकादी ८১ ডি.েক্যনাথ গলোপাগায় দিং সাং ঘণী P: শুক্লাল মন্তল দিং সাং ভারপুর পো: হাসথালী

হাঁদখালী পানাঃ জঃপুর গ্রামে ভিক্রী-मात्रगरणत अधीम ১०৯२ शक्तिगरम ७ ०৯ खगीत सभा ১৩।० मूना ष्याः २००

( 24 )

৫৬২ থাংজারী ০১ मानी ১১३५०/५ ডিঃ শিবেজনাগ সিংহ রায় সাং নাকাৰীপাড়া

দেঃ বিভূতিভূষণ রায় দিং সাং মুদ্রাবুল পো: নাকাণাপাড়া

নাকাশীপাড়া থানায় মূলাব্ৰ এতে ্ডিকীদারগণের অধীন ৯৮ হাছি এন ১৪-৫৭ জনীর জমা ১৮৮ ৯ মুল্য আঃ ৪৫ ৄ ( 33 )

৫৬৭ খাংজারী ৩১ माने ७ ८० | भाकात ডি: অনুদ্রগাদাসী দিং সাং গোলাবী **নেঃ** গণণচক্র বিশ্বাস সাং মাধ্যপুর পো: বাশালবি

চাপড়া থানায় কাঠগড়া প্রামে কিনী-मात्र अभीत ১৭৮ थिछिशास g-४8 निकत अभाउत क्योत भूना चाः ১०००

( 50 )

৫৬৮ থাংজারী ৩১ मारी २११८३ ডি: ঐ CF: शशशक्त विश्वाम नाः साधवश्रतः

পোঃ বাঙ্গালঝি চাগড়া থানার কাঠগড়া গ্রামে ডিক্টী-দার অধীন ৫-৮৪ নিম্ব ত্রমান্তর জমীর भूना वाः ३००५

( 05)

৫ १ शांकारी १ मारी ७७० व ডি: ঐ

तः ध

চাপড়া পানায় কাঠগড়া প্রামে ডিক্রী-मात्र ष्यभीन २११ थिन्द्रांत्न ३७-३৯ मः क्रमीत छमा २५५ मुना छा: ८०

( 92 )

माबी ३६।/७ ৫१० शाःश्रादी ६३ দ্রি: ঐ त्यः 🗟

চাপড়া থানায় কঠিগড়া গ্রামে ভিত্রী-দার অধীন ২৭৭ গতিয়ানে ১৬-১৯ শঃ জমীর क्रमा अपन मंद्रा खाः ६०

(00)

৫৭১ থাজারী ৩১ नारी ०३० क দিঃ ঐ CF: 3

চাণ্ডা থানাৰ কাঠগড়া গ্ৰামে ভিকী-শার অধীন ১৭৮ পতিয়ান ৫-৮৪ শঃ নিদ্র ক্মীর মূলা আঃ ১০০১

( 98 )

८१२ चा छात्री १५ भानी २: ५८ ४ fr. a

टमः अ

চাণড়। থানাম কঠেগড়া আমে ডিজী-मात्र अभीन २११, २१४, २४४, २४४, २८७ খঃ ১৮ ১৯ শঃ জ্বনীর জন। ৯৭৬ মূলা ৫০১

( 52 ) ৫৭০ থাংকারী ৩১ मारी उलार ह

ডি: ঐ (मः खारवांशिक नक्षी जिल्ह मार गामव-পুর গোঃ বাঙ্গালঝি

চাপড়া থান্য মাৰ্বপুৰ গ্ৰামে ডিক্ৰী-দার অধীন ১০০ যতিলানে ১০-৭২ শতক बनीत बना २०१० • म्या आ: ३०५

(38)

५०१ शास्त्रीं १३ Pist colo . ভঃ মূল্য পালটোৰূলী সাং আমিন

म्बः युवा नाम दांगायां मार जिनक-পাড়া পোঃ বাঙ্গান্সবি

চাপড়া থানার থানার মহৎপুর গ্রাভ

## देननिक महीशा-क्षकान-शातमार्थिक शक्त [ वर्ष वर्ष ३१५७म मःवता]

ডিক্রীদার অধীন ৩২৪১ ধতিয়ানে ৮॥०॥८ ভ্রমীর জমা ৬/১৫ মূল্য আঃ ১০১

( 29 )

৬১৬ খাংকারী ৩১ দাবী ২৬।৬ জি: ঐ

দে: পাচুদান নওদা সাং তিলকপাড়া পো: বাদালঝি

চাপুরার পানার তিলকপাড়া গ্রামে ডিক্রীলার অধীন ২৬৬৫ খডিয়ানে ৫/১॥০/০ ক্ষমীর জ্বমা ৩॥/৫ মূল্য আঃ ৫১

( ७५ )

৬১৭ খাংছারী ৩১

फिः वे

দেঃ যুগল দাস ভামাঘাটা সাং তিলক পাড়া পোঃ বান্ধানঝি

চাণ্ডা পানায় ভিলকপাড়া গ্রামে ডিক্রিলার জ্বীন ২৭২৫ পতিয়ানে ১০/৪॥/ ক্ষমীর জ্বমা ১০/৫ মূলা আ: ১০১

( 60 )

৬১৮ থাংজারি ৩১ দাবী ৬২৮৮/৯ ডিঃ ঐ

নেঃ পাচুদাস কালাস্ত্রে দিং সাং তিলকপাড়া পোঃ বাছালঝি

চাপড়া থানায় তিলকপাড়। গ্রামে । ডিক্রিদার স্থান ১৬১৭ গতিয়ানে ১০০০৮ । জ্মীব জমা ৮৮৮/৫ মূল্য স্থা: ১০

(8.)

৬০২ খাংছারী ৩১ সাবী ৫৫৸৯ ডি: ঐ

तमः जे लाः जे

চাপড়া থানার পু্যুরিরার বি ব্লক মধ্যে ডিক্রীদার অধীন ১২০৮ থতিয়ানে ৭০০ ক্ষরি ক্ষা ৮,৫ মৃল্য ১০১

(8)

∾ः २ थाःक्वाकी ०३ मनी २১४✓ फिः ঐ

टनः खेलाः खे

চাড়পা থানায় তিলকপাড়া প্রামে ডিফ্রিদার অধীন ২৩৫৬ থডিলানে ২⊮২৵৩ ভূমীর জমা ২৮০/১০ মূলা আঃ ৪১

(82)

৭৭৬ থাংলাতী ২১ দাবী ৫৭//৬ ডিঃ মুবারীমোচন মৌলিক দিং সাং পাটুরা

দেঃ মুরারীমোচন রার সাং ময়ুরহাট পোঃ হাসপালি

ইাস্থালী পানার গাজনা গ্রানে ডিক্রী-দাব অধীন ৮৪২ ও ৮৫১ খডিয়ানে ২৪५০ অধীব জমা ১৩:১ মূল্য আ: ৪১১

(89)

৭৭৭ থাকে রী ৩১ দানী ৭৪৮/৯
ডিঃ রঘুনাপ চক্রবর্ত্তী সাং গোরাজী বেঃ শকানন বিশাস সা প্রভাপপুর পোঃ কৃষ্ণগঞ্জ

ক্ষকগঞ্জ থানার প্রতাপপুর গ্রামে ডিক্রীলার অধীন ৬২০, ২৫৯ ও ১১৬ নং থতিয়ানভুক্ত ৫-৬৪ শঃ ক্রমীর ক্ষমা ১০০ মূল্য আঃ ৩০০

(88)

৭৮১ খাংজারী ৩১ দাবী ৫১॥৮/৯ ডিঃ শ্রীশচক্র পালচৌধুরী সাং নাটুদহ েদঃ এরাজ সেথ সাং হাতীশাল। পোঃ বাজালঝি

চাপড়া থানায় হাতীশালা গ্রামে ডিক্রি-দার অধীন ৯২, ৬৪০, ৬৪০ নং থতিগানে ২০১ উটবন্দী জোত মূল্য আঃ ২০১

(8¢)

৭৮৪ থাংজারী ০১ দাবী ২৮৮৮ জঃ সতীশচক্স পালচৌধুরী সাং নাটুদহ বদ: -জুড়ন সেথ গেয়াতী সাং পোংৱা পোঃ বাজালঝি

চাপড়া থানার গোংরা গ্রামে ডি ক্রিলার অধীন ১২৮ থতিয়ানে ৪-২১ শতক জ্ঞমীর জ্মা ৯৪১৫ মুল্য আঃ ১০১

(85)

৭৮৫ থাংজারী ৩১ দাবী :৪॥৯ ডি: জ্রীশচন্দ্র পালচৌধুরী সাং নাটুদ দে: ভুবাই সেথ সাং হাতীশাল। পো: বালালঝি

চাপড়া থানার হাতীশালা গ্রামে ডিক্রি-দার অধীন ১৯০ ও ৫০০ নং খতিয়ানে -২৭ উটবন্দী জোত জনীর মুলা আঃ ৫১

(89)

৭৯২ খাংজারী ৩১ দারী ১৮৪৮/৯
ডিঃ সভীশচন্দ্র পালচৌধুরী সাং নাটুদহ
দেঃ এরাজ বিখাস দিং সাং শিকরা
পোঃ লাজালঝি
চাপজা থানাম শিকরা প্রামে ডিক্রিনার
অধীন ২২৮ না প্রিয়ানে ২১-৪৫ শঃ
জ্মীর জ্মা ৪৪৮/২ মূলা আঃ ১০০১

(86)

৭৯০ পাংজারী ০১ দাবী ১১১/১৮ ডি: ঐ সাং ঐ দে: জাগনী মালিডা সাং শিক্রা

দে: কাগনা মাণিডা সাং শিক্রা পোংবাসাক্ষি

চাপজ় পানার শিকরা প্রামে ডিক্রিনার | অধীন ১৫% নং প্রিয়ানে ১০০০/ ওটবন্দী জোড মুল্য আঃ ২৫১

(82)

৭১৪ খাংছারী ০১ দাবী ১৫৯৮/৯
ডিঃ ঐ সাং ঐ
দেঃ পিকুমালিতা সাং শিকুরা পোঃ
বাহালিক

চাপড়া থানার শিকড়া প্রামে ডিক্রিনার অবীন ৪১৩ থতিয়ানে -৬৩ শড়ফ উটবন্দী জোড কনভারশুন স্বস্থা ১৪৮/১৫ মূল্য ৫১ (६०) १२०७ शासाती ७३ मारी ३२।५ जि: खे नार खे

দে: আস্তুল গড়ুর বিখাস দিং সাং শিকরা পো: বাজাশঝি

চাপড়া থানার শিবচক্সপুর প্রামে ডিক্রিনার অধীন ৯ ও ১৭ নং লাগে / ২৮/ ওটবন্দী জোত সুল্য আঃ ২

৭৯৭ খাংলায়ী ৩১ / দাবী ১৫০/০ ডিঃ ঐ সাং ঐ

দে: পাচ্দেশ মোলা সাং শিবচক্তপুর পো: বাজালবি

চাপড়া পানার সিকরা গ্রামে: চিঞি-দার অধীন ২৮৫ খতিরানে ৮১৮১ -ওটবন্দী জোত মুল্য আঃ ৫১

(४२) १२৮ थारणाती २५ - भागी ७৮।८/० डि: खे मार खे

দে: রজনী মালো সাং শিবচপ্রপুর পো: বাজাসঝি

চাপড়াপানায় বিকরা এটেন ডিক্রী- বির জনীন ১০২ পতিক ভার জনীন ১০২ পতিয়ানে ১-০২ পতিক ভটবন্দী জোতের কনভার্যন মতে জ্বয়া ২॥০ মুশ্য আঃ ১৫১

(00)

৮০০ থাজারী ৩১ দাবী ৪২৮/৯ ডি: ঐ সাং ঐ দে: হারুমলিক সাং শিক্রা পো: বাজালবি

চাপড়া পানায় নিবচন্দ্রপুর গ্রামে ডিক্রীনার অধীন ৭৫ ও ১০৮ লাগে আও ওটবন্দী জোভ মূল্য আ: ১৫১

( 48 )

চহত থাংজারী ৩১ দাবী ১৫৮/৩ ডি: রায় হরেন্দ্র লাগা বাহাড়র সাং মেচথলিসাদি কাছারী

্নাকালীপড়ো থানার গর্মাক প্রামে ভূমিকার জনীন ৪০০ খুডিয়ানে -১৫ শঃ জ্মির জমা ১০১ মুলা আঃ ১০১ ( ৫৫ )

৮৫• খাংজারী ৩১ দানী ১৯৩৫৬ ডি: উশানচন্দ্র কুণ্নু মোং কাছারি মধুপুর

দেঃ বাহার সেথ দিং সাং মরুপুর পোঃ বাদাগঝি

চাপড়া থানার মধুপুর প্রামে ডিজিলার অধীন ১০৮ খতিবানে ৮-১২ ওটবন্দী
লোডের লমা ৩০॥৶৫ মূল্য আঃ ২৫
(৫৯)

৮৫২ গাংলারী ৩০ দাশী ৮০৮৮ ডিঃ ঐ সাং ঐ দেঃ হলরত মণ্ডগ দিং সাং মধুপুর পোঃ বালাগবি চাপড়া থানার মধুপুর প্রামে ডিক্রি-দার জানীন ৮৬ থতিরাতে ৫-৫১ শতক জমীর রারতী স্থিতিবান্ জমা ১৪৮/১৬৮ মূলা জাঃ ২৫১

(49)

ees খাংসায়ী ০১ সাবি ২৪৫ ১/০ ডি: ঐ সাং ঐ

দেঃ পাঁচুমওল কুছরী দাং মধুপুর পোঃ বাজালঝি

চাপড়া পানার মধুপুর আমে ডিক্রি-দার অণীন ৯২ ধডিরানে ১৭-৩৬ শঃ জমীর করবৃদ্ধিসহ ৬ মা ৪০/৫ মুল্য আঃ ০০১

## শ্রীগোড়ীয় মঠের মহামহোংসব উপ**লক্ষে**

গত ৬ই ভাজ রবিবার (২৩শে আগন্ট) ভপরাত্র ৪ ঘটিকার সময় বাগৰাভার শ্রীগোড়ীয় মঠের

জীমন্দির হইতে একটী বিরাট্ নগর-সংশ্বরিদ শোভাযাত্রা বাহির হইর:

বাগবাজার টট, অপার চিৎপুর রোড, লোভাবাজার ট্রাট, ত্রাও রোড, নিমতলা ট্রাট, লরমানাটা ট্রাট, ক্লাইড ট্রাট, জারিসম্ রোড, অপার চিৎপুর রোড, সুজারাম বাবুর ট্রাট, চিন্তরগুল এতেনিউ, বারাণলা ঘোব ট্রাট, কর্ণওরালিল ট্রাট বাগবাজার ট্রাট হইরা পুনরার লক্ষ্যা ৭টার শ্রীমঠে প্রেড্যা-বর্জন করিরাছেন।

আগামী রবিবার ১০ই ভারে ( ৩০ ।
আগাই) অপরাত্ম ৪টা এবং পুনরার তেংপরবর্তী রবিবার ২০শে ভারে (৬ সেপ্টেম্বর)
অপরাত্ম ২টার সময় শ্রীগৌড়ীয়মঠ চইতে
এইরপ নগর-সম্বীর্তন-শোভাষাতা বাহির
হটবে । তৎসম্বন্ধে বিশেষ বিবরণ সমরান্তরে
প্রকাশিত চইবে ।



টটীন,জানালারগরাদে দালানের ফুলদার রেলিংওথাম রেড়াঙেরা কাটাতার ইত্যাদি স্থলভে বিক্রম করি কাস্তি চন্দ্র স্থাডিভগ্রন্থরন শুরুগলিংটন্ স্থাটি।ফোন্ড৪১

# শ্রীধাম মায়াপরে

1

"ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইনফিটিউট" নামে

# উচ্চ ইংরেজী বিদ্যালয়

## (थाना इरेश्नार्छ।

ভিজ্ঞ ও আদৰ্শচরিত্র শিক্ষকগণ ছা প্রদিগকে তি ৰাছের সহিত শিক্ষা প্রদান করিতেছেন। দেশী ছাত্রগণেৰ জন্য বিনা ব্যয়ে সুন্দর বাসভানের স্পাৰস্থইয়াছে। ছান অতীৰ স্ভাকর।

🌶 সবিস্তার সংবাদের জন্য নিম্নলিখিত ঠিশানা পত্র লিখুন। পেক্রেটারী, ঠাকুর ভক্তিবিনোদ ইন্টিটিডট্ औरहाअध्यमंत्र, तथाः जीमाद्याश्वत, नमीद्या ।

## —৫১ বৎসরের প্রাত্টিত—

উমধালয়ে এন্তত বটীকা

🌉 হাণা ভালতারণা, স্বপ্রদেষে, কোট্টকাউল, অভীন, ধ্বসভন্ন প্রভৃতি ক'ত বেংগার বেশ্য নিরাম্য হই যাতে জাতা প্রকাশ কাংলে বড় বড় পুস্তক

भक्षा अष्ट्राप्त नागभात हाल ५ भ्रथाम मण व्यताम करिया बाटक । व्यक्ति -(काउँ। म करते विकास (क)

(क्ननमाज

প্রতি কৌটার মূল। ১১ এক টাকা। হতার নাম আভঙ্কনিপ্রহ नक्रिका'।

মঞ্চল উননের তালিকার কল গড় লিখিনেই পাইনেন

আগ্রিয়ান:-আতভানিপ্রাই উল্লেখ্য २५४ वर वह नायाब छित्र, क लका छा

কাবরাজ শশিভূষণ কবিকণ্ঠাভরণের

## যক্ষায় হতাশ হইবেন না

## 'দৈবপ্রাপ্ত যক্ষার একমাত্র মহৌষধ

প্ৰবন্ধ দিলে সম্পূৰ্ণ আলোগ্য

भौती अन्यार्ट । कहार । कश्चिम भौतिम २०६ (माउरा कतः सामाति। • পাঠালবো পিথা বোলা সেখা হয় অগবা এপানে আহিনকৈ কোলী দেখি 🗽 हेमन अंदर्भ का बारदाना मा बदल नमान्त्र भारतलाम के किएक कार्य गाउँ धरीत इत्राधीरमंत्र चत्रह तकन कृतिहा डिकिस्था करा वह । निक्कादिक িবরপের জন্ম এক আনার ভাক টিকেট মূর নিম্ন ঠিকানার মঞ্চন্ধার

আজিভীপচন্দ্ৰ উনীল, মলা-চিকিৎসক, গোঃ নৈকাঠী, বহিলাল। অপণা নিয় ঠিকানার নাকাৎ করিয়া বিস্তান্ত্রিত জানিতে পাচনে।

ই.মুড রাম্পোপাল দও এম, ৩০, ক্রন্তম্পর, নদীসা। ইন্তি তাল্লাদ · शि॰१, ३३१, उपनिश्टिलेश क्रिके, श्राप्तिशास, कालेकाच्या

একখানি পত্র! অনার জাড়পুর গত হয় মান নাবং বাল মগার ভূগিয়া মৃতপ্রায় কর্ত্রাভিল, কালকাভার বিজ্ঞা চিকিৎসংগণ ভূচ ব্ ভীবনের আশো ত।গগ করিয়া শেষ মৃত্রুক্তের জঞ্জ ক্তেখল। করিছেলিনলন এই স্নর আহতে কিনীপ্তল উকিল মহাশ্য মালে ১০ দিন ডিকিংলা कोडक शुरुष व्यक्ति कार्यात्र कोडका किलाकिया । (अप) स्वयं केल किल्मान काम प्राप्ति ( क्ष'नमारु थाविन्नः ) का क्षेत्रि, निक्के विक्तिः। करण्यारयम्ब वेंग्रेट जिला है देशकी, क्लिकाला।

# শ্রীনবদ্বীপ-পাঞ্জিকা

(FI) .. 137 882

মাত্র ১/১০ ভাক টিকেট পাঠাই গেট পুকরে গাওঁ পাঠা। ইয়।

লালেকার-গ্রন্থ ভবি ভ গ নিটে হা মত, পোল নিমায় পুর, নদীরা।

المال والع المسي

মফঃশ্বলের প্রাবধার অস্ত ৬ আঃ শিশিতে ঘণীভূত অবভার ভোটগোতলের সম্মণ্ ওম্প ছোকে পাঠান লগু ইচাজে ঔষধেয় কেনি প্রিত্ন করা হয় নাই। মুলা প্রতি लिलि ॥ • बाना, शिक्टे ॥ • बाना, (वाहन ১० • बाना।

অফিস-১১নং উল্টাডাঙ্গা রোড, পোঃ খামবালার,

কলিকাতা

## শ্রীভাগবত প্রেস रभागाकी बार्रे द्वीरे

**কুচ্ছাঙ্লগার** 

ध्येशास्त्र निवाद्यत किम्छन-भात, জীতি-উপহার, কার্ড, গ্রন্থ এনং "মন্ত্ৰান্ত যাৰতীয় কাৰ্যা ছাপ। ইইয়া शास्त्र। जाशीक प्रत नाकांत्र मन অপেক্ষা হুজ্ঞ। পরীক্ষা প্রার্থনীয়।

## হাইডোসিল

## কোষরদ্ধি রোগ

७: ७म्, ७न्, त्याय विना अत्य, খানজ্জীবনের গ্যারাণ্টি দিয়া বৈপ্তাতিক वानामाटक दकावनुष्ट द्वांश व्याद्यांश कतिया शारकत ।

> ঠিকানা---क मर क्षेत्र क्रीहे. वच्याबात, 310年161

# গৌড়ীয় প্রিণ্টিং ওয়ার্কসের

এত প্রশংস। করেন

-<del>क</del>ाराभ-

এখানে যাবভীয় ছাপার কায্য-

এখাদির কাষ্ট্র বলুন,

বিবাচের নিমন্ত্রণ পাত্র, কার্ড, বিবাচের পছাই বলুক,

व्यात ७ तः ७ ८ तः अत्र शक्तिम क्राम्ड नत्नुम, रक्त कार्याह अन्ति সম্বর ছাপা কয়, অথচ ছাপাইবার ধর্চ বাজার সংগ্রহা ফুল্ড !

আপনার কিছু ছাপার কার্যা থাকিলে ি শ্লঠিকানায় জানাইলেই দর পाইদেন।

> মানেখাৰ- গৌড়ীয় প্রিণিউৎ ওয়াক্স २८७:२ सर भाषात्र मात्रकूषात द्वाड, कालकाड

# শ্রীবিশ্ববৈষ্ণবরাজসভার পরিব্রাজকগণ

পরিব্রাজকগরের নাম

- औन छिल्छित्रोत कोर्ब
- ২। এজিজিবিবেক ভারতী
- ৩: শ্ৰীভজিবিজ্ঞান আশ্ৰম
- ন্দীন জীভক্তিপ্রকাশ অরপ্য
- त। औष्ठिकश्चनग्रयम
- ৬। এতজিগর্বাম্ব গিরি
- ৭। এছিকিবৈত্তৰ সাগর।

## वर्षभाग विकास

কলিকাতা কলিকাতা শ্রীমায়াপুর

কলিকাডা কলিকাডা

অযুত্তসর ব্রাহ্মণপাড়া

## **প**ि डा क्यगटनंत्र मात्र

- レー語の個型用が表別
- a। अर्थक प्रमाण निर्मेष
- ১০। डीडिंडिंबिमान गर्डिंडिमि
- **३**১। श्रेकिकासम् संक्रिमात्र
- ्ऽर। शिक्षक्षिक्रक के जी हिं
- ১०। अञ्चलकदम्ब द्वाडी
- **८८। अक्टिक्र अनुब**्दश्यासम्

মাৰ্মান টিকানা

मध्य कथा कशिका ३१

NIW (W

মাড়াত

क्षिमात्राभूतः बाटमार्थतः

# শুদ্ধভক্তিমঠসমূহ

## बोरेन्ड्य पर्व

## আকর মটরাত

श्राहीन नवशीन, आक्षत ख्रीवाम मात्रानुत्र, मंत्रीता

এই মঠরালে পারমার্থিক দৈনিকপঞ্জ, সাছত-গল্পনাথের অপকাশিত ব প্রপ্রাচীন গ্রন্থরাজি প্রচারকলে 'নদীয়া-প্রকাশ' বয়াবর প্রাক্তিক ক্ষরাভেন ধ্বানে প্রতিবংগর শ্রীধাম-পরিজনায়ন্তান ও অগণিক ক্ষপোন্তিনক কাঁজন প্রচারমূপে মহামধ্যেশ্যালি ভঞ্জার অন্তত্তিত কর্যা গাবেন। বক্ষক—একচারী প্রশান নরকরিনী। সহকারী—প্রকারী পশুভ শ্রীপান গোরদাপ কার ব্যাক্ষণতীর্থ, শ্রীপনির্থা, শ্রীবার নীয়চন্ত্র, শ্রীপান নন্দগোপাণ, শ্রীদীনদরান্ত্রনাথ, শ্রীক্ষেবন্যন, শ্রীমধনগোপাণ, শ্রীমুক্তুন্দ লাগাবিকারী ভস্কা নরেন্দ্র, করিপান, রেষ্টামোনন প্রাস্তিহি।

## ू (३) बीटगोड़ी इ मर्ठ

२७ मर कालिकामास ठाउम्मको क्रीहै, त्याहे वामवास्याह, कालिकामा । इतिस्थान वि. वि. क552

प्रदेशक के काहागा जिक दिया क्यांकि विश्व क्यांकि विश्व क्यांकि जिल्ला कि काहा कि काहा

## (৩) যোগণীঠ তীমন্দির

इसक—लाक शबास शायामी क्रोशिश श्रेष श्रीतभागाथ। महकाती श्रीतकांमक अक्ष्यामी, श्रीताधावित्माद क्रिक्ट्यन, श्रीशंभदाक अक्ष्याती। श्रीनायन साम व्यक्तिकारी, (स्थला) श्रीनीममाथ।

- (৪) শ্রীবাস-**অজন** ২৯৬—শ্রীপ্রভারক্রম রক্ষারী।
- (৫) **অট্যন্ত-ছবন** রক্ত*্*--- শ্রীরুন্ধনেচক্র ভট্ট চার্বা, শ্রীরোক্ত্রন্থান বাবামী।
  - ে(৬) কাজীর সর।বিপ ট আচীন মাহাপুর, বামনপুকুর (নদীরা) রক্ষক—এমভায়ী জীবিনোদবিধারী।
- (৭) খানক খ্ৰদ-কুল শ্ৰংগাক্তম, সন্ত্ৰণাল (নদীয়া), বক্ত-ভতিকুক্তম ভাজান একচারী ক্ষাণাত্তিশী বল, এম, এম : ১০
  - (৮ क्रिक्शनद्वाच दनोडीय मर्क प्रथमितरण १
- রক্ষক— প্রীষণ্ডবন্ধ ক্ষাক্ষিশাসী এম, এ, বি, এল, সরকাহী—প্রীটক্ষমাস ক্ষি-শামী, প্রীটুক্তক্সর অবিদানী প্রাকৃতি।
  - (১) জ্রীলোর-গদাণর-মঠ বি টাপাগটি, সমূত্রগড়, (সম্মান) সক্ষম--জ্রীধরেরাম ব্রম্মচারী, ভারা
- द्धिनी नवशन भाग । ( ५० ज्ञिज्ञलदगीफ़ीस-वर्ड बाह्यशक्ष, क्षत्राग केंद्रे, नि

क्ष्म -- श्रेगर्क्य वामम वष्रात्री

( ১১ ) क्रीवांनकमहत्र

মাউগাছি, জারগ্র, বছমান। রক্ষক—-শ্রীবঙ্গারকারী প্রজবাসী, ভক্ত শ্রীবজাধয় 1

(১২) ভাগৰত আগেৰ

ক্রীভাগর্বত তেগে, ক্রক্ষণগর, নদীরা। রক্তু—অক্তিকানন্দ একচানী ভক্তিশায়ী

(14) 國祖本二十 4方

গোৰিক্ষপুৰ, হাদপাৰী, নদীয়া। ধক্ষক—জীমতুগানৰ ব্ৰহ্মচাৰী। সহপাৰী বীনম্বনিংক শ্ৰহ্মচায়ী, জীকপগোৱ দাদ অধিকাৰী, জন্ধ বিশ্বনাথ।

- ( ১৪ ) अभाषा-दगोकोन्न मह
- - ( ১৫ ) खैदभागानकी वर्ड

ক্ষণাপুর, ঢাকা। হক্ষক—শ্রীকগ্রাসহাস গ্রহণানী

- (১৬) क्षित्रवादेन्द्रभी श्रव मठ
- বৰ্ণত শ্ৰীপূৰ্ণ প্ৰক্ৰ ক্ষুত্ৰালী, প্ৰীম ভিগান ক্ষুত্ৰালী
- (54) क्रिकाशयस्यकार्यस्य गर्ठ विकतिका, शस्त्रप्रश्नाः, क्रिकिश्वः क्षणास्य विकन्त्रशिक्षः-शास्त्रिकाः विविधानीय विकारतया वर्षयात् । सम्बद्धन्न अवराजी क्रिकाशास्त्रभागे ।

(১৮) **আমলাব্যেক। অপস্থান্ত্রি** রাজবীন পোঃ ব্যানা। রক্তক-ভালবালী প্রীগতিকিশোর।

(>>) शिशृंक देशास्त्र वर्ड पर्मस्क, श्री, केश्वा। सक्त - कुंस्टासी व्यवस्थानक विद्याद्य, व्यक्ताती व्यवस्थातक, व्यश्वादक क्ष व्यक्ताती, व्यवस्थानक क्ष्मद्वाती, व्यक्तिस्थ क्ष्म

- (২০) শ্রীব্রজ্-রেগাড়ীর মঠ আলবরনাথ, রম্বলিণ্ড লোঃ, পুরী ! বিক্তক-রম্বলিয়া শ্রীপান্যেম্বলী প্রসাদদী : বিক্তকারী—এম্বলিই শ্রীবিশিষ্টিয়ারী :
- (২১) **জীলচিদানত মঠ**উদ্বিধানার, কটক ৷
  বক্ষক—ব্যালারী জীলবাবন, জীবানাক ব্যালাক
- (२२) **शिम्रजास्त्र-, मोश्रीत मर्के** श्रम् स्वत्रक्षीयम्पूर्शः स्वत्रे । स्वत्रक्ष्मः ज्ञानी सून्युरूष्यक्षी, मिशेरेगामः ज्ञानी, जीनस्थासन ज्ञानी ।
  - (২৩) **শ্রিক্তকটেডজ দঠ** শ্রীকৃশিংলাস কলা শ্রীণাণ ক্লীকন। রক্তক**্রী**শনুশবিদাণ রক্ষানী

(२४) केनक्ष्मक्रम वर्ड

देशीयवादनाः शीर्थाण्यः इक्टब-जवकाती विज्ञीनस्यानम् व जवकाती जीनमञ्ज्ञासाः

- (২৫) জীতৈ তম্ম গোড়ীয় মঠ

  কুমুগ্র কা. চিন্নক এ, ুদানকুম :

  বক্ষ ক—শ্রীরধানাব রায়, শ্রীরান নীব
  বৈধবিধা
- (२७) बहामदश्रीकृषि गर्ड प्रमण्डकाश्री क्षेत्रप्रमण्डी, जीननी द्रिशान्त्रप्रवागी
- (२.व) लाखनगरणा आन्ध्रीस्त्रास-मा अविननाषाः (नाट माक् स्मिक्षा अवादम-मक्ष्यभावे ज्ञादशासारमञ्ज्य मक्यानाः क्ष्यक—अक्षामी खीळानकृत्य सामः क्षाक कर्यनाः कर्यन
- (२६०) विश्वी दंगोजीय मह-कायराज्य व बतर दंगोजीव्यम झाकात दंगम, निष्ठे विश्वे जनकक्त्रीव्यक्ति श्रीवक्षक, श्रीकृतरमा स्रोवाधव्यक्तिवर्तम्यक्त
- (२३) दशामाणशाका-जनसाळा प्रकण-अवहासी जीतासम्बद्धाः
- वर्त त्यानीयम्बद्धः सह वर्त त्यानीयम्बद्धः कृत्रत्यक्षामः याज इक्कन-क्षित्रं श्रवानी जीनदक्षित्रक्षमः क्रि भगवानः वक्कावी-विविध्यानी जी क्षित्रक्षमं कृष्णिमानः क्षित्रामं क्षणमान अवस्थानी, जीनाम् त्यानकीमस्वसं क्षणमान

कांशिकतृति, हां नहीं, महीश अस्ति - असहारी विस्तितात्व

. 19 إطعا 1-=1 1 化計 |**व्यक्** |विक्र A .

4.